कड़क फेमली
चाय
प्रिय, दुकानदार बन्धु,
कृपया आप उपरोक्त कूपन को अपने क्षेत्र के वितरक को 15/03/2004 तक देकर रू० 4.50 प्रति कूपन के प्राप्त करें।
होली के शुभअवसर पर उपभोक्ताओं को विशेष
छूट
रू0 4/-
(250 ग्राम पैक पर)
अपने दुकानदार भाई को उपरोक्त कटिंग देकर 250 ग्राम कड़क फेमली चाय की खरीद पर छूट प्राप्त करें।
12/20, Krishna Nagar, Kanpur * Ph.: 0512 - 2402849, 2407437, 2451641
नोट :- वितरक इस कूपन को कम्पनी में 26/03/2004 तक जमा करा दें। (निर्धारित तिथि के बाद मान्य नहीं है)

नियम एवं शर्तों के लिए देखें पृष्ठ नं. 9

BARASIA

पुलिस

होली के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं
दिलबाग
गुटखा

...यी ताज़गी
...नया स्वाद...
...संकित

US FOODS
Tasty Bite. Healthy 'n Life
Krack-n-Bite
Crunchy Munchy
BISCUITS
FOR TRADE ENQUIRE CONTACT :-
MR. S.S. CHAHAR- (CEO)
MOBILE NO.- 9412249118
Khao U.S. B... Health
सुपर स्टाकिस्ट, स... रिटेलर्स व सम्मा...
होल... ...क श...

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.
CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्री पं॰ प्रेमदत्त शास्त्री
तथा
डा॰ कीर्त्तिकान्त शर्मा
जहाँगीराबाद
(बुलन्दशहर)
उ॰ प्र॰

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीवेङ्कटेश्वर शताब्दि-पञ्चाङ्गम्

विक्रम संवत् २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्

सम्पादनकर्ता—

पं० ईश्वरदत्त शर्मा

(नवलगढ निवासी)

श्रीवेङ्कटेश्वर प्रेस बम्बई प्रकाशन

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

मुद्रक प्रकाशक

खेमराज श्रीकृष्णदास

अध्यक्ष :– श्रीवेंकटेश्वर प्रेस

७ वीं खेतवाडी, बम्बई नं० ४.

मूल्य ३०) तीस रुपया

सन् १९६२. प्रथम संस्करण.

सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन है.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

प्राक्कथन

★

परम पिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा से आज "श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि-पञ्चाङ्ग" जनता के समक्ष प्रस्तुत हो सका है। इसके निर्माण एवं मुद्रणादि कार्यों में जो कठिनाइयाँ उपस्थित हुई हैं, उनका वर्णन कर सकना कठिन है। इस कार्य की महत्ता इसीसे परिलक्षित है, कि विश्व-इतिहास में यह प्रथम प्रयास है। आज तक किसी विद्वान् अथवा संस्था ने इस महान् कार्य को सम्पादित नहीं किया। पञ्चाङ्ग रचना कौशल के साथ ही साथ दृढ निश्चय, स्वार्थत्याग, चित्त स्वास्थ्य, शरीर सम्पत्, स्वदेशाभिमान, दीर्घ आयु आदि अनेक सम्भावनाओं के होने पर ही ऐसे कार्यों की पूर्ति सम्भव है। इसमें किये गये गणित सम्बन्धी अंकजाल को देखकर दिग्गज विद्वान् भी विस्मय विमुग्ध हो रहेंगे। एक वर्ष क पंचांग निर्माण में गणित कर्ता को ५०००० पचास हजार कोष्ठकों से साक्षात्कार होता है। यदि साधारण भी भूल हो जाय तो सम्पूर्ण गणित अशुद्ध हो जायगा। इस तरह एक सौ वर्ष का पंचांग बनाने में ५०००००० पचास लाख कोष्ठकों की रचना व गणना करनी होगी। इतना सब करने पर केवल पाँच अङ्ग (तिथि वार, नक्षत्र, योग, करण) और ग्रह स्पष्ट ही तैयार होते हैं। चन्द्रचार, ग्रहों के राशि नक्षत्र चार, व्रतोत्सवादि, विवाह मुहूर्त, दशाधिकारियों का निर्णय और उनका फल, संक्रान्ति फल, कुण्डली लेखन, ग्रहण गणित, पातगणित, गुरु शुक्रादि के उदयास्त गणित आदि कितने ही महत्व के कार्य शेष ही रह जाते हैं।

श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि-पंचांग की गणित श्री सरस्वती पंचांग कार्यालय नवलगढ के तत्वावधान में हुई है। मेरे सम्पादन तथा अनेक विद्वानों के कई दशाब्दियों के परिश्रम का फल ही जनता के समक्ष आज प्रस्तुत है। मुझे हर्ष है, कि इसका मुद्रण प्रकाशन भारत विख्यात श्री वेङ्कटेश्वर प्रेस बम्बई द्वारा हो रहा है। इस पंचांग को मुद्रित एवं प्रकाशित करते रहने का सर्वाधिकार श्री वेङ्कटेश्वर-प्रेस, बम्बई को ही है, अतः कोई भी सज्जन इसको छापने का दुराग्रह नहीं करेंगे।

विदुषांवशंवदः
पं. ईश्वरदत्त शर्मा
नवलगढ, राजस्थान

वसंत पञ्चमी,
सं, २०१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

प्रकाशकीय निवेदन

★

श्री वेङ्कटेश्वर प्रेस की अपनी एक निजी परम्परा रही है। दुर्लभ ग्रन्थों को अपने प्रयासों द्वारा सर्वसाधारण के लिये सुलभ कर देना इस संस्था का सदैव ही लक्ष्य रहा है। इस सदुद्देश्य के लिये ९१ वर्षों से निरन्तर प्रयत्नशील रहते हुये अब तक लगभग तीन सहस्र प्रकाशन सत्साहित्यानुरागी जनों के समक्ष प्रस्तुत किये जा चुके हैं। "शताब्दि पञ्चाङ्ग" का प्रकाशन भी इसी विचारसरणि का अपने ढंग का एक अनोखा प्रयास है। अपने कृपालु ग्राहकों से हम आशा रखते हैं, कि जिस प्रकार अब तक हमारे प्रकाशनों को आदर देते रहे हैं, उसी तरह प्रस्तुत "श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि-पञ्चाङ्ग" को भी आदर प्रदान करते हुये हमें सतत प्रोत्साहित करते रहने की कृपा करेंगे।

सर्वप्रथम भगवान् श्री वेङ्कटेशजी के चरणारविन्दों में हम नतमस्तक हैं, जिनकी असीम अनुकम्पा से यह दुर्लभ कृति प्रकाशित करना सम्भव हो सका है। तदनन्तर नवलगढ निवासी श्रीयुत् पं. ईश्वर दत्तजी शर्मा–जिनके सुयोग्य सम्पादकत्व में इस पञ्चाङ्ग की गणित की गई है– व "श्री सरस्वती पञ्चाङ्ग कार्यालय" नवलगढ के विद्वान् ज्योतिर्विदों–जिन की अथक लगन से शताब्दि पञ्चाङ्ग की गणित का जटिल कार्य सम्पन्न हो सका– को तथा उन सभी को जिनका सहयोग इस कार्य में मिला है, हम हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

"श्री सरस्वती पञ्चाङ्ग कार्यालय" नवलगढ के प्रति हम अपना आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने इस शताब्दि-पञ्चाङ्ग को प्रकाशित व विक्रय करने के सर्वाधिकार सदैव के लिये हमें दे कर इसको प्रकाशित करने का शुभ-अवसर प्रदान किया।

पहले इस पञ्चाङ्ग का नाम "शतवार्षिकं श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम्" रखा गया था, किन्तु ५० वर्षों के पञ्चाङ्ग के पेज छप जाने के बाद "श्री वेङ्कटेश्वर शताब्दि पञ्चाङ्गम्" नाम रखा जाना निश्चित हुआ। अतः इसके प्रारम्भ के ५० वर्षों के पृष्ठों में शीर्षक "शतवार्षिकं श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम्" छपा है। कृपया ग्राहक गणों को किसी प्रकार का भ्रम न हो, एतदर्थ यहाँ उल्लेख किया गया है।

भवदीय

खेमराज श्रीकृष्णदास

अध्यक्ष :– श्री वेङ्कटेश्वर प्रेस

७ वीं खेतवाडी, बम्बई नं ४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

सम्पादक–

धर्मशास्त्र, कर्मकाण्ड एवं ज्योतिषशास्त्र सिद्धान्तज्ञ भारतविख्यात पञ्चाङ्गकर्ता–

पं० श्री हरिरामात्मज ईश्वरदत्त शर्मा नवलगढ (राजस्थान)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

जयपुर ज्योतिष यन्त्रालयमें वेधद्वारा गणित संशोधन करते हुए—

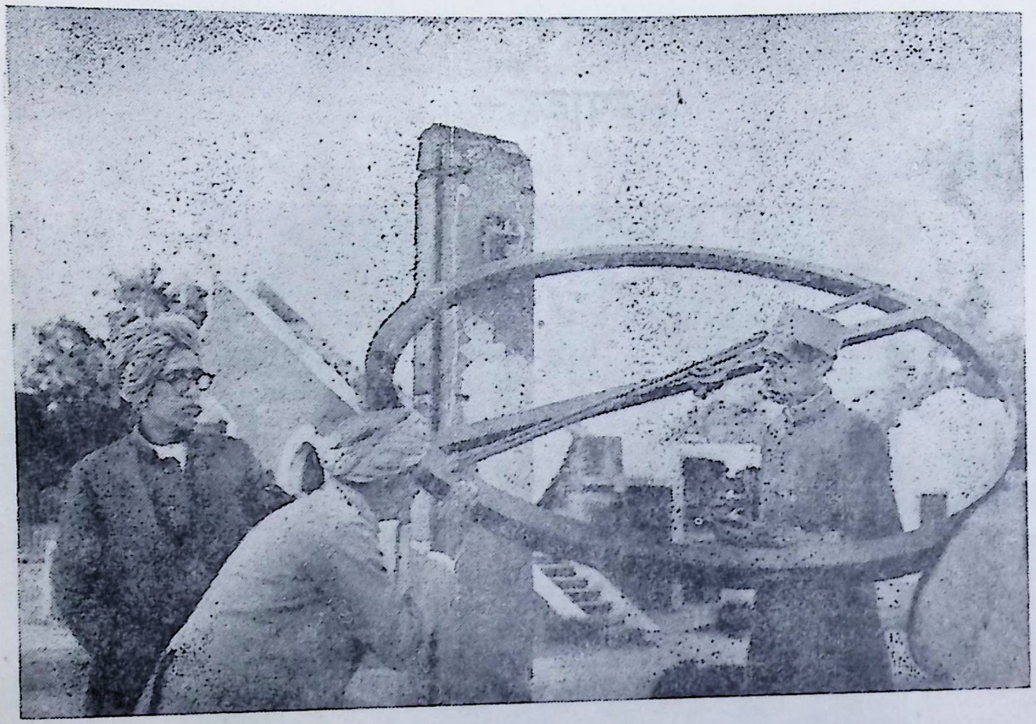

बायेंसे-(१) पं० ईश्वरदत्त शर्मा, (२) इनके प्रधानशिष्य - पं० बंशीधर शर्मा (सिमारला) और तृतीय पुत्र चि. जगदीशप्रसाद शर्मा.

पं. मक्खनलाल शर्मा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

पञ्चाङ्ग संबंधी ज्ञातव्य बातें

विद्वज्जनों को विदित ही है कि सूक्ष्म वेधयंत्रों से प्रत्यक्ष वेघ द्वारा दृग्गणितैक्ययुक्त सिद्धांत बनाने पर भी समय के भेद तथा काल गति से ग्रहों के गणित में थोड़ा २ अन्तर पड़ ही जाता है। जिसको यथा समय ज्यौतिषतत्वज्ञ विद्वान् ठीक दृक्तुल्य करते आये हैं। जिनके नाम गणेश दैवज्ञ लिखते हैं–

ब्रह्माचार्यवसिष्ठकश्यपमुखैर्यत्खेटकर्मोदितं,
तत्तत्कालजमेव तथ्यमथतद्भूरीक्षणेऽभूद्‌लथं ।
प्रापातोऽथमयासुरः कृतयुगान्तेऽर्कात्स्फुटात्तोषितात्,
तच्चास्ति स्म कलौ तु सांतरमथाऽभूच्चात्र पाराशरम् ।। १ ।।
तज्ज्ञात्वार्यभटः खिलं बहुतिथेः कालेऽकरोत्प्रस्फुटम्,
तत्स्रस्तं किल दुर्गसिंहमिहिराद्यैस्तन्निबद्धं स्फुटम् ।
तच्चाभूच्छिथिलंतुजिष्णुतनयेनाकारिवेधात्स्फुटम्
ब्रह्मोक्त्याश्रितमेतदप्यथ बहौकालेऽभवत्सान्तरम् ।। २ ।।
श्रीकेशवः स्फुटतरं कृतवान्हि सौरार्यासन्नमेतदपि षष्टि ६० मिते गतेब्दे ।
दृष्ट्वाश्लथं किमपि तत्तनयोगणेशः स्पष्टं यथाह्यकृत दृग्गणितैक्यमत्र ।। ३ ।।

सबसे पीछे इस गणित के परिशोधनकर्ता ग्रहलाघव ग्रंथकार गणेश दैवज्ञ हुए। उनको भी आज करीब ४५० वर्ष हो गये। अतः गणेश दैवज्ञकृत ग्रहलाघव का गणित भी सांतरित हो गया है। ग्रहण के स्पर्श मोक्षकाल में दो तीन घटी, तथा कई ग्रहों में २४ अंशो का और गुरु शुक्र के उदयास्त में दिनों का एवं तिथियों में १५–१६ घटी तक का अंतर प्रत्यक्ष देखा जाता है इसलिये वेंकटेश बापु शास्त्री केतकर ने वेधद्वारा ग्रहलाघव के गणित को दृक्यप्रत्यय में–अत्यंत शिथिल देखकर दृक्तुल्य ग्रहसाधन के लिये, केतकी, (नूतन ग्रहलाघव) ग्रंथ की रचना की जिसके प्रारम्भ में ही आप लिखते हैं–

श्रीमद्गणेशरचितं ग्रहलाघवाख्यं भूमण्डलेविजयतेकरणं तथापि ।
दृक्प्रत्ययेऽतिशिथिलं समभूदिदानीं सद्वेधसिद्ध गणितं रचयामि तस्मात् ।

वेध यंत्रों द्वारा संशोधन की विधि सभी पूर्वाचार्यों ने अपने २ ग्रंथों में लिखी है किंतु यह कार्य राज्य की सहायता से ही सुकर है। जैसे आचार्य लिखते हैं–

विध्वाग्रहान्संततमत्र धीरास्तत्स्थानपंक्तिच विचार्यतेषाम् ।
पातोच्च केन्द्र च्युति मध्य भोगान्शरांस्तथा मध्यगतीरवापुः ।। १ ।।
वेधाद्यतः सिद्धिरभूत्पुरास्य शास्त्रस्य तत्शुद्धिपरीक्षणं च ।
बेधाद्विनाकर्तुमशक्यमस्माद्वेधक्रिया भूपवरैः सुरक्ष्याः ।। २ ।।
सद्वेधशालां निजराजधान्यां नभश्चराणामवलोकनार्थम् ।
संस्थाप्य तस्मिंश्च नियोजनीया विद्वद्वरा वेधविधिप्रवीणाः ।। ३ ।।
यन्त्रैरमूल्यैर्निशि वा दिवा वा विलोक्य याम्योत्तरलंघनानि ।
नभः सदां दृग्गणितैक्य भेदान्पटे लिखित्वा विदधीत नित्यम् ।। ४ ।।
अग्रे यदा दृग्गणितांतरं स्याच्छनैः शनैश्चोपचितं यदा वै ।
तत्कारणानि क्रमशो विचार्य ग्रंथान्पटिष्ठाः परिशोधयेयुः ।। ५ ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

राज्याश्रय न होते हुए भी हमारे भारत में परमोद्योगी पं० सुधाकरजी द्विवेदी, पं० बापुदेव शास्त्री, पं० केरोपन्त छत्रे, पं० लोकमान्य तिलक, पं० वेंकटेशवापु केतकर पं० श्रीपाद कोल्हटकर, जयपुर रा० ज्यौ. पं० केदारनाथजी प्रभृति विद्वानों ने वेध द्वारा गणित शुद्ध करके कई एक ग्रंथ बना दिये है जोकि ठीक दृक्तुल्य हैं, पंचाङ्गों का गणित दृक्तुल्य होना ही श्रेष्ठ और शास्त्रसम्मत है यथा–

यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम् ।
स्यात्प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या (सि. शि.)

यस्मिन् पक्षे येन काले दृश्यते गणितैक्यकम् । तेन पक्षेण ते कार्या ग्रहास्तत्समयोद्भवाः (ब्र. सि.)

तेभ्यः स्याद्ग्रहणादि दृक्सममिमं प्रोक्ता मया सा तिथिः ।
ग्राह्या मङ्गल-धर्म-निर्णयाविधावेषा यतो दृक्समा (ति. चिं.)

मुनिः प्रणीते मनुजैः क्वचिच्चेददृश्यतेऽन्तरम् । तदा तदेव संसाध्यं न कार्यं सर्वमन्यथा (सि. सु.)
संसोध्यः स्पष्टतरं बीजं नलिकादि यंत्रेभ्यः । तत्संस्कृत ग्रहेभ्यः कर्तव्यौ निर्णयादेशौ (ब्र. सि.)

उपरोक्त वाक्यानुसार सूक्ष्मदृश्य गणित ही शुद्ध प्राचीन गणित है और वही धार्मिक मुहूर्तादि कार्यों में उपयुक्त है ।

भारत सरकार ने भी इसी गणित को मान्यता दे दी है तथा भारत के अन्य भागों में भी ऐसे दृक्तुल्य पंचांग बनने लगे हैं जैसे जन्मभूमि बम्बई, वृहन्ममहाराष्ट्र पंचांग (म. प्र.) बापुदेव शास्त्री काशी, भारत सरकार का राष्ट्रीय पंचांग, संदेश प्रत्यक्ष पंचांग अहमदाबाद, विश्वविजय देहली, चन्द्रिका पंचांग बम्बई बंगला पंजी कलकत्ता आदि ।

कुछ सज्जन तिथिमान को अदृश्य व अप्रत्यक्ष मानकर इस समय भी अप्रत्यक्ष स्थूलगणित को दिव्यदृष्टि का आर्षगणित बतलाकर मकरंद ग्रहलाघव सूर्यसिद्धांत करण कुतूहल जयविनोद ब्रह्मसिद्धांत आदि ग्रंथों से पंचांग बनाते है । यह उनका दुराग्रह मात्र है । क्योंकि आचार्यों ने पहले ही भावी अन्तर को दृक्युल्य बनाने के लिये आदेश और उसकी विधि लिखदी है । अतः उनके आदेशानुसार यंत्रों द्वारा दृक्तुल्य गणित न कर लिया जावे तब तक उसे शुद्ध प्राचीन आर्षगणित कहना ही असंगत है ।

उपरोक्त दिव्यदृष्टि के आर्षसिद्धांतों से बने पंचांगों में परस्पर बहुत अन्तर देखा जाता है । इस प्रकार महर्षियों की दिव्यदृष्टि के गणित में परस्पर ग्रहचारादि में महिनों का अन्तर दिखाना महर्षियों की दिव्यदृष्टि एवं उनके ज्ञान को अपूर्ण सिद्ध करके, उनका उपहास एवं अपमान करना है ।

सूर्य चन्द्रमा के १२ अंशात्मक पूर्वापर सरलान्तर का मान ही तो एक तिथि का मान है, वही वराह पुराण में स्पष्ट कहते हैं यथा –

यदा तौ मिलितौ स्याताममावस्या तदाभवेत् । यदा द्वादशभागानामंतरं स्यात्तयो (चं. सू.) र्द्वयोः ।।
प्रतिपन्नाम सा प्रोक्ता तदंते विधुदर्शनम् । भागद्वादशकेनैव प्रत्यहं हि तिथिर्भवेत् ।।
सृष्टुः पुरा वेद चक्षुर्ज्योतिः शास्त्रं सयादभुतं । ततः सूर्यश्च मुनयः स्वं स्वं सिद्धान्तमूचिरे ।।
यस्मिन्देशे यदा काले यद्यत्सिद्धांतमागतः । उदयास्तो ग्रहाणां च ग्रहणं चन्द्र सूर्ययोः ।
विधोर्विलोकनं वापि भवेत्तत्पक्षमाश्रितः । इष्टकाले स्फुटौ कृत्वा चन्द्र सूर्यौ प्रयत्नतः ।
तिथिमासाद्यकुर्वीत नान्यथा तु कदाचन ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

इत्यादि–उपरोक्त वाक्यों से स्पष्ट है कि सूर्य चन्द्रमा को दृक्तुल्य स्पष्ट करके दृक्तुल्य तिथि द्वारा ही धर्मशास्त्र का निर्णय करना शास्त्र सम्मत है। स्थूलगणित के पंचांगों की तिथियों में १५–१६ घटी तक का अन्तर वेध द्वारा प्रत्यक्ष देखा जाता है। अतः–

किं तेनापि सुवर्णेन कर्णघातं करोति यत्। तथा किं तेन शास्त्रेण यन्न प्रत्यक्षतः फुटम्॥

पुराणमित्येव न साधु सर्वं नचापि सर्वं नवमित्यवद्यम्
सन्तः परीक्ष्यान्यतरद्भजंते मूढः पर प्रत्ययनेयबुद्धि :॥

उपरोक्त आर्ष सूक्तियों के अनुसार जयपुर ज्योतिष यन्त्रालय द्वारा बारम्बार प्रत्यक्षानुभव करके वेधसिद्धसूक्ष्मदृश्य (शुद्ध प्राचीन) गणित से श्री सरस्वती पंचांग को तैयार कर विद्वानों की सेवा में समर्पण किया जाता है।

उत्तर भारत राजस्थान में यही एक ऐसा पंचांग है जो जयपुर ज्यौतिष यन्त्रालय के यन्त्रों द्वारा अपने गणित की सत्यता प्रत्यक्ष दिखाने में समर्थ हैं –

(१) संवत् २००१ से २०१५ तक तिथ्यादि (तिथि नक्षत्र योग एवं चन्द्रमा) गणित ग्रह लाघव से की हुई है। उसके बाद सं० २०१६ से सूक्ष्म गणित (केतकी) से किये गये हैं।

(२) सं. २००१ से २०२० तक पंक्ति का प्रथम सूर्य सौर पक्षी है, और अन्तिम दृक्पक्ष से है। २०२१ से २१०० तक पंक्तिस्थ प्रथम सूर्य दृक्पक्षीय, तथा अन्तिम सौर पक्षीय है।

(३) सं. २००१ से २०५० तक अंग्रेजी तारीखें राष्ट्रीय (हिन्दी) और मुसलमानी तारीखों से पहले दीगई हैं। २०५१ से इनके बाद में (चन्द्रमासे पूर्व) हैं। पाठक ध्यान रखकर पढें।

(४) सं. २०२० में दृश्य गणित से कार्तिक ही क्षय और कार्तिक ही अधिक मास है। स्थूल गणित से आश्विन अधिक और मार्गशीर्ष क्षय आता है।

प्रूफ संशोधन में कुछ भूलें रह गई है। महत्व पूर्ण अशुद्धियों को शुद्धिपत्र में यथा संभव सुधारने का यत्न किया है। फिर भी गलतियां रह ही गई हैं। पाठको से प्रार्थना है कि वे उन्हें सुधार कर पढें।

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति साधवः॥

विदुषांवशंवदः – संपादक

★

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

शुद्धिपत्रम्

सूचना—शुद्धि पत्र में पू. का अर्थ पृष्ठके पूर्वार्द्ध (शुक्ल पक्ष) से तथा उ. का अर्थ उत्तरार्ध (कृष्ण पक्ष) से है।

पृष्ठ	स्थान	अशुद्धम्	शुद्धम्
२५३	पू. राश्यदिचारे	धनुषिरविः	धनुषिशनिः
२६४	उ० शुक्रगतौ	७।१५	७१।१५
२७२	पू.	३७।१४ या. भ. ८।४२	उ. ३७।१४ या.
२७६	उ. नक्षत्रे	३० मं उ	३०मं.रेवती
२७७	पू. शीर्षके	रा. मु. इं,	इं. रा. मु.
२७९	,, चन्द्रे	तु. ४५।०	तु. १३।२३
२८०	उ. ,,	मि. ४१।४	मि. ४०।४०
२८१	,, नक्षत्रे	१४ चं. भ	१४चं. मघा
२८८	द्वितीय कोष्ठके	ग्रस्तास्त चंद्रग्रहणम्	ग्रस्तास्तंखग्रास चन्द्रग्रहणम्
,,	ग्रहण कोष्ठकद्वये	उज्ज. मध्यम	रेल्वेटाइम
,,	,, ,,	रेल्वेटाइम	देशीटाइम
२९१	राष्ट्रीय पू. तारीखे	अशुद्ध २३-२४-२५-२६-२७-२८-२९-३०	शुद्ध २४-२५-२६-२७-२८-२९-३०-३१
२९६	उ. चन्द्रे	सिं. ५७।२७	सिं. ५६।३६
,,	,,	अक्दू.	अक्टूबर
३००	पू. राश्यादिचारे	*२२।५१	रवि.० २२।५१
३०२	उ. चन्द्रे	वृ.५२।५२	वृ.३६।५२
३०५	पू. अ. रा. तारीखे शु.	१३-१४-१५-१६-१७-१८-१९-२०-२१-२२-२३-२४-२५-२६-	१२-१३-१४-१५-१६-१७-१८-१९-२०-२१-२२-२३-२४-२५-
,,	उ. रा. तारीखे	अशुद्ध २७-२८-२९-३०-३१	शुद्ध २६-२७-२८-२९-३०
३१६	उ. राश्यादि-	पू भा.१शनिः	पू.भा.३शनिः
३२१	उ. नक्षत्रे	१२बु अ	१२बु. अश्विनी
३५५	उ.	दृश्योऽनुराधांराधा	दृश्य अनु. रविः
३६५	उ. चन्द्रे	क.४।४२	क.४०।४२
३६८	उ. चन्द्र	क.२।५१	क.३२।५१
४०२	पू. ,,	क.२७।५६	क.२८।२१
४०५	,, नक्षत्रे	श्ले ६	श्ले ६०
४१२	,, ,,	रे४।३२	रे.९।३२
४४२	,, चन्द्रे	ध.२७।२	ध.२७।२९

पृष्ठ	स्थान	अशुद्धम्	शुद्धम्
४४७		खंडग्रासचंद्रग्रह.	खग्रासचं. ग्रहणम्
४५१	पू. नक्षत्रे	पू५५।३७	पू.१५।३७
४७२	,, ,,	रे५१।४०	रे४१।४०
४७५		खंडग्रासचंद्रग्रह.	खग्रास चंद्रग्रहणम्
४७६	मुहूर्तेषु	मार्ग. शु. २ चं. ल.	मा. शु. २चं.ल७
४७९	उ. नक्षत्रे	रे.८०।७	रे.३०।७
४९०		खंडग्रांस चं. ग्र.	खग्रास चंद्र ग्रहणम्
,,		मो.४५।४८	मोक्ष४९।४८
४९१	विवाहमुहूर्ते	ौमेमूलेल. १	१५ मौमेमूलेल.१
,,	अन्तिमपंक्तौ	३गु.रे.ल८	३गुरे.ल६
४९२	उ.		मीन५।२२
५०३	पू. नक्षत्रे	उ.५।१४	उ.भा५०।१४
५१४	उ. चन्द्र	,,	कन्यायां
५२३	,, ,,	मे.५८।७	मे.५९।७
५२४	,, ,,	,,	कर्के
५३३		खंडग्रासचंद्रग्रह.	खग्रासचं.ग्रहणम्
५४०	पू.	,,	कन्यायां
५४७	खंडग्रासचं.ग्र	ग्रस्तोदयं	खग्रास चं. ग्रह.
५६५	पू.	सिं.१८।२२	सिं१४।२२
५७८	पू.	सिं.३६।२१	सिं.३३।२१

पृष्ठ ५८९ उ. तिथि वार नक्षत्र कोष्ठकमेवं पठितव्यम्

४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
र	चं	मं	बु	गु	शु	श	र	चं	मं
स्वा	वि	अ	ज्ये	मू	पू	उ	श्र	ध	श

अत्र चित्राक्षयः, शतमिषावृद्धिः

पृष्ठ	स्थान	अशुद्धम्	शुद्धम्
५९०		खंडग्रासं च. ग्र.	खग्रास चं. ग्र.
६०५		खंडग्रास चं. ग्र.	खग्रास चंद्र ग्रह.
६२०	मुहूर्ते(अवशिष्टं)	माघ शु. ५ श. ल. ऽन्यगो. रे.७	

६३० पू. तिथि ति- ६-७-८-९-१०-११-१२-१३
नक्षत्र कोष्ठक वा- शु श र चं मं बु गु शु.
मेवं पठितव्यम् न- ० पू उ. रे अ भ. कृ रो

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

६३३ अशु. माघ. कृ. ३० चंद्रेखंडग्रास सूर्य ग्रहणम्
शुद्ध–माघ शु. १५ चंद्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

६४०	उ.	तिथौ	१४शु	भा. कृ. १४ श.
,,	,,	,,	३०श	,, ३०रवि
६४३	...	नक्षत्रे	सिं५५।७	सिं५६।७
६४४	,,	,,	चि.५९।४७	चि.५२।४७
६७५	,,	चन्द्रे	घ.५३।४०	घ.५६।४०
६७८	पू.	,,	मि.३८।५०	मि.३७।५१
७१४	पू.	शीर्षके	सं.२०४९ शाके १९१४	सं.२०५० शाके १५१५
७२८	,,	चन्द्रे	घ.४०।२०	घ.४४।२०
७३३	उ.		ध.४६।२५	ध.५६।२५
७४२	,,	नक्षत्रे	पु.	पू.
७५२	,,	,,	ज्ये१४।४७	ज्ये१५।४७
७८८	पू.	चन्द्रे	मे.५६।२६	मे.२६।५६
८९६	,,	चन्द्रे	तृ.५४।४६	वृ.५४।४६
९०४	उ.	,,	मि.४३।४१	सिं.४३।४१
९३६	ग्रहणकोष्ठके		श्रा.१८३१	शाके१९३१
९४६	पू.	चन्द्रे	मी.३५।३४	मी.३५।४६
९७५	,,	तिथौ	१शु	१ श
१०१६			अक्टूबर२१ता.२१	अक्टूबर १० ता.३१
१०२१	पू.	नक्षत्रे	पू.४०।३	पू.४५।३
१०२८	उ.	करणे	कौ५।५२	कौ.१६।५२

१०६७ पूर्वार्द्धे	१	२	३	४	५	६	७	८	९
तिथि कोष्ठक	र	चं	मं	बु	गु	शु	श	र	चं
मेवपठितव्यम	१०	११	१२	१३	१४	१५			
	चं	मं	बु	गु	शु	श			

१०८०	सूर्यग्रहणे	घ प.	घंटा.	मिनट
,,	,,	घं.मि.	घटी	पल
११३९	उ. ग्रहस्पष्टे	२पं.वै.कृ.१	२पं.वै.शु.१	

११६३			राहु.उभा.३केतुः	उभा. १राहुः उफा. ३केतुः
१२०१	पू.		रविलाखर	रविलावल
,,	,,		शुक्रगतौ५६।३८	७४।३८
१२२३	ग्रहण शीर्षके		अर्द्धरात्रि पश्चिम पश्चात् प्रदेशे	अर्द्धरात्रि पश्चात् पश्चिम प्रदेशे
,,	द्वितीय ग्रहण		कोष्ठकेमोक्ष ६।१३	मोक्ष ६।१
१२२५	उ.	बुधगतौ	१९९।२३	९९।२३
१२२६	पू	ग्रहस्पष्टे	रा.८।१५	रा८।१४
१२३१	,,		भ.१६।४९या	भ.२६।४९या
१२९८	उ.	राशिचारे	उभा३बुध	उभा३गुरु
१३००	पू.	चन्द्रे	सिं३३।२५	सिं. ३३।५

१३७३–७४ पृष्ठयो–ग्रहस्पष्टे १८–१९–२० पंक्तिषुभौम कोष्ठके मीन (११) स्थाने बृष(१)राशि पठितव्यम्

पृष्ठ १३९१ ३१ पंक्तौ गोचरग्रहा:

अशुद्ध

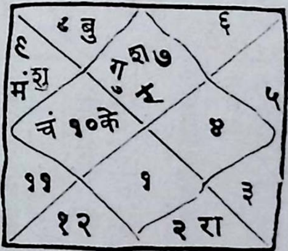

शुद्ध

१३९२	उ.	भ. ३३।६०	भ.४३।३०

सूचना– सं. २०१७ से २०२० तक भारतीय दिनांक मुद्रित नहीं हुये हैं। अत उनकी तालिका अन्तमें दी गई है।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

आवश्यक मुहूर्ताः

मुहूर्तनाम	तिथयः	वाराः	नक्षत्रादिकम्
सरजोदर्शने स्नानम्	सत्	चं. बु. शु. गु.	ऽश्वि. रो. मृ. उ. ३ ह. स्वा. ऽनु. ध. ज्ये. रे. ग्राह्याः । त्याज्याः—कृ. भ. मू. आ. पुन. पु. म. चि. वि. श्र.
गर्भाधानं	सत	,,	उ. ३. मृ ह. रो. स्वा. श्र. ध. श. अनु.
सीमंत	सत्	र.मं.गु.	मृ. पुन. पु. मू. श्र. ह. रे. शुक्ले पक्षे मासेश्वरेसबले
जातकर्म नामकर्म	सत्	चं. बु. बृ. शु.	जन्मसमये वा. ११।१२ दिने ऽश्वि. रो. मृ. पुन २ उत्तरा ३ ह. चि. स्वा. ऽनु. श्र. ध. रे. सद्भानि.
सूतिका स्नानम्	सत्	सू. मं. गु.	ह. मृ. ऽनु. रो. उत्त. ३ ऽश्वि. स्वा. रे. सद्भानि पंचमशुद्ध-लग्ने । त्याज्याः पुनश्चि. वि. भ२. मृ. आ म. थ. (च श बु)
जलपूजा	सत्	बु. गु. चं.	पु. पुष्य. ह मृ मू. ऽनु. श्र सद्भानि । चैत्र पौष मलमास मामान्त गुरु शुक्र का अस्त यह वर्ज्य हैं ।
अन्नप्राशनं	२।३।५ ७।१० १३।१५	बु. गु. चं. शु.	बालानां षष्ठादि सममासेषु कन्यायाः पंचमादि विषम मासेषु ऽश्वि. रो. मृ पुन२उ३.ह३. ऽनु. श्र ३. रे. मेषु । मीन. वृश्चि. मेष लग्नानि । जन्मभंच वर्ज्यम् १० मे शुद्धे ।
कर्णवेधः	४।९।१४ ३० वर्ज्य	बु. गु. शु. च.	जन्मदिनात् १२ वा १६ दिन वा ६।७।८ मासेषु वा विषम-वर्षे ऽश्वि. मृ. पुन २ ह२. ऽनु. ऽभि. श्र. ध. रे. मेषु चन्द्र । ऽर्कबले ८मशुद्धलग्ने । वर्ज्याः चै. पौ. हरिशयनं जन्म मासतारा
चौलकर्म	२।३।५ ७।१० ११।१३	बृ. गु. शु. चं	३।५।७ बर्षे चैत्र हीनोत्तरायणे ऽश्वि. मृ. पुन.पु ह चि.स्वा ज्ये. ऽभि. श्र ध. श रे सद्भानि । प्रथमोत्पन्न बालस्य ज्येष्ठे निषिद्धः गलग्रहे नेष्टः । अष्टमशुद्धलग्ने ।
विद्यारंभः	२.३.५.६ १०.११.१२	सू. गु. शु.	५ वर्षे, अ. मृ. आ. पुन पु पू ३ ह. चि. स्वा. मू. श्र. ध. श. सद्भानि अनध्याय वर्जित दिने (उत्तरायणे)
निष्क्रमणम्	सत्	सत्	४ मासे यात्रोक्त तिथिवार नक्षत्रेषु अथवा जन्म से १२ वें दिन वा. मंगलपूर्वक घर से बाहर निकाले ।
विपणी दुकान	सत्	सू च बृ. बु.शु.श.	अश्वि. ऽनु. रो. मृ. उ ३. पुष्य रेव. ऽभि ह चि. शुभलग्ने और लग्नमें शुक्रचन्द्र होवें व्ययाष्टरहितैःपापैः कुंभलग्नरहितैः
स्त्रीणां चोटी आदि गुथा	सत्	गु.चं र. शु. मं.	ह मू. रो. पु. श्र स्वा उ३. मृ ऽश्वि. चि ऽनु. रे. नक्षत्र । लग्न २।३।४।५।१२
चूड़ा पहरना	सत	र बु.मं गु शु.	ऽश्वि. ह चि स्वा. वि. ऽनु. ध रे. सूर्यभाद्गणना । ने. ८ । श्रे ३ । ने २ । श्रे ७ । ने २ । श्रे ४ ने १ ।
वरवरणं	सत्	शुभाः	पू ३ उ. ३. कृ. रो.
कन्यावरणं विक्रणी की	सत	चं.र बु. गु.श गु.	पू ३ श्र. ऋ. उ ३. स्वा. ध. कृ. रो. रे. मू. मृ. म. ह. पापाः ३।६।११ शुभाः ५।४।७।१०।६।१ श्रे.

मुहूर्तनाम	तिथयः	वाराः	नक्षत्रादिकम्
रोगमुक्त स्नानम्	अशुभ	र.बु.बृ. म. श.	ऽश्वि. ३ मृ. २ पु. पू. ३ ह २. वि ४. श्र ३. ये नक्षत्र और चर लग्न अशुभ चन्द्र में ।
वापीकूप तडागारंभः	सत्	सत्	ऽनु. ह. रे. उ ३ रो. पु. ध. श. मघा. मू पूषा. शुभे मासे स्थिरे लग्ने च बुध गुर्वोरुदये ।
हलवाहनं	सत्	चं. बु. बृ. शु.	ऽश्वि रो. मृ. पुन २ उ. ३ ह ५. ऽनु म. मू. ऽभि. श्र ३ रे. रविभाद्गणना. ३ ने । ८ श्रे. । ६ ने. । ८ श्रे. ।
चुल्ही स्थापनं	सत्	गु. ब. बृ.	पूर्वा ३. रो. पुष्य. उ ३. ऽश्वि. आर्द्रा । रविभाद्गणना ६ श्रे । ४ ने । ८ श्रे । ५ ने । २ श्रे । २ ने । चन्द्रबलेसति ।
द्वारशाखा	५।७ ८।६	बृ बु. शु.	रविभाद्ग. ४ श्रे । ८ ने । ८ श्रे । ३ ने । ४ श्रे । काष्ठशा. ऽश्वि ह. पुष्य रो.२उ ३स्वा श्र.।पाषाणेध्र.श. पूभा३ ७।१० मे शुद्धलग्ने
दत्तकपुत्र ग्रहण	सत्	र. मं. बृ. शु.	ह. ४ ऽनु ऽश्वि ध. पुष्य. सिंह वृष लग्न में वृश्चिक कुम्भलग्नत्याज्य है ।
वधू प्रवेशः	सत्	सत्	विवाह से २।४।५।६।७।८।६।१०।१२।१४।१६ दिनो में इसके पीछे विषममास विषमवर्ष में । ह. ३ रो. २. ऽश्वि. रे. म. पुष्य. ध. श्र उ ३. मू ऽनु और स्थिर लग्न में ।
द्विरागमन मुकलावा	सत्	चं. बु. गु, शु.	में. वृश्चि. कुम्भस्थे रवौ मू. ह ३ रो २. ऽश्वि. पुष्य उ ३. श्र. ध. श. पुन. रे. चि ऽनु. सौम्ययुक्त दृष्टे ।२।३।४।६।७।१२ लग्नेषु रवीज्य शुद्धियोगे सति । सन्मुखदक्षिण विवर्जिते भृगौ सत्
गंधर्व विवाह	सत्	स. मं. श.	ऽश्वि. कृ. आर्द्रा पुन. ऽश्ले. ज्ये. ध. श. एषु भेषु गुरुशुक्रयो-रस्तादि दोषोपि नास्ति ।

अनुष्ठानारम्भ मुहूर्तम्

अश्वि. का. वै. माघ. मार्ग. फा. श्रा. तथा मे. कर्क कं. तु. वृ. म. कुम्भस्थे रवौश्रेष्ठः २।६।७।१० १३।१५ आसुतिथिषु । अथवा या तिथिर्यस्यदेवस्य तस्यांवाशुभदः स्मृतः वाराः—सू. शु. बृ. । सोमो मध्यमः पुन. पु. स्वा. उ ३ श्र. ध. श. र. अश्वि ह. ऽनु रो. मृ. वि. ज्ये स्वस्वामि नक्षत्रेवा । लग्नात् ३।६।११ पापा ।१।४।५।७।९।१० साम्याः । चन्द्र तारानुकूले । गुरुशुक्रयोरुदितयोः शुभे लग्ने १२ शुद्धे सति मृत्यवादि योग रहिते । विष्णुमंत्रे-स्थिरे, शिवस्यचरे । दुर्गाया द्विःस्वेलग्ने । कूर्म-चक्रशुद्धौ प्रारभेत् ।

होमेवह्निवासस्तथा खेटाहुतिफलम्

शुक्लपक्ष की १ से वर्तमान तिथि तक गिन कर एक युक्त करे और वर्तमान वार संख्या जोड़े फिर ४ का भाग देवे शेष ३।० बचे तो पृथ्वी में अग्नि-वास श्रेष्ठ । शेष १ रहे तो आकाश में वास प्राण हरे । शेष २ रहे तो पाताल में वास धन हानि करे । रविनक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिने । ३ ने. । ६ श्रे । ३ ने । ३ श्रे । ३ ने । ३ श्रे । ६ ने ।

सर्व शुभ कार्येषु महापातो वर्ज्यः— यस्मिन्दिने महापातस्तद्दिनं वर्जयेच्छुभे । इतिनारदः । अन्यत्र-आद्यन्तकालयोर्मध्ये कालोज्ञेयोतिदारुणः प्रज्वल ज्वलनाकारः सर्वकर्मसु गर्हितः । इति सूर्यसिद्धान्ते ।

सर्वकार्येषु लग्नशुद्धिः—व्ययाष्टशुद्धोपचये लग्नगे शुभदृग्युते । चन्द्रे त्रिषड्दशायस्थे सर्वारम्भः प्रसिद्ध्यति

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ सन्मुखचन्द्रदिशांप्रति

मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागे वृषे च कन्या मकरे च याम्ये । युग्मे तुला कुंभकु पश्चिमायां कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्यां ॥१॥ फलं—सन्मुखे अर्थ-लाभाय दक्षिणे सुख संपदः । पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चन्द्रे धनक्षयः ॥२॥ अर्थ-मेष सिंह धनु पूर्व,वृ.कं.म.दक्षि. मि.तु.कुं.पश्चि.कर्क वृश्चि.मी. उत्तरे

अथ योगिनी चक्रम्

ईशान ३०।८	पूर्व १।९	आग्नेय ३।११
उत्तर २।१०	योगिनी सुखदा वामे, पृष्ठे वांछितदायिनी ॥ दक्षिणे धन हन्त्री च, सन्मुखेमरणप्रदा ॥१॥	दक्षिण ५।१३
वायव्य ७।१५	पश्चिम ६।१४	नैर्ऋत्य ४।१२

अथ कालराहु चक्रम्

ईशान	पूर्व शनि	आग्नेय शुक्र
उत्तर रवि	अर्कोत्तरेवायुदिशांच सोमे भौमे प्रतिच्यांबुधनैऋतेच यास्येगुरौवह्निदिशांच शुक्रे मंदेचपूर्वे प्रवदन्तिकालम् ॥	दक्षिण गुरु
वायव्य सोम	पश्चिम भौम	नैर्ऋत्य बुध

अथ दिशाशूल चक्रम्

	पूर्व चन्द्र शनि	
उत्तर मंगल बुध	दिशाशूल लेजावो वामे राहु योगिनी पूठ । सम्मुख लेवे चन्द्रमा ल्यावे लक्ष्मी लूट ॥	दक्षिण गुरु
	पश्चिम रवि शुक्र	

एकराशि के चन्द्र का घटी अनुसार वास

ईशान १४	पूर्व १७	अग्नि १५
उत्तर १५	सर्वघटी १३५	दक्षिण २१
वायव्य १६	पश्चिम १८	नैर्ऋत्य १६

अथ गुरुशुक्रयोरस्तेवर्जितकर्म

वापीकूपतडागयज्ञगमनं क्षौरं प्रतिष्ठां ततोविद्या मन्दिर कर्णवेधन महादानं गुरोः सेवनम्। तीर्थस्नान विवाह काम्य हवनं मन्त्रोपदेशं शुभं दूरेणैव जिजी-विषु परिहरेदस्तेगुरौ भार्गवे ॥१॥

घातचन्द्रे ग्राह्यकर्म

तीर्थयात्रा विवाहान्न प्राशनोपनयादिषु ॥ मांगल्य सर्वकार्येषु घातचन्द्रं न चिंतयेत् ॥ वर्ज्याः—
युद्धे चैव विवादे च कुमारी पूजने तथा ॥ राजसेवा वाहनादौ घातचन्द्रं विवर्जयेत् ॥

तृणकाष्ठादि संग्रह

वासंवोत्तरदलादिपञ्चके याम्यदिग्गमनं गेह-गोपनम् प्रेतदाहतृणकाष्ठसंग्रहं शय्यकावितननं च वर्जयेत् ॥१॥ धनिष्ठा का उत्तर दल. शत. पूर्वा भा.उ.भा.रे.इन नक्षत्रों में दक्षिण गमनगृह छावना माचावनानातृणकाष्ठानिसंग्रहनहीं करना

अथ खात चक्रम्

	विवाहे	देवालये	गेहारम्भे	जलाशये	
रविः	२ । ३।४	१२।१।२	५ । ६। ७	१०।११।१२	आग्नेयां खातं
रविः	११।१२।१	९।१०।११	२ । ३। ४	७ । ८। ९	नैऋत्यां खातं
रविः	८।९।१०	६। ७ ८	११।१२। १	४ । ५। ६	वायव्यां खातं
रविः	५।६। ७	३। ४। ५	८ ।९।१०	१ । २। ३	ऐशान्यां खातं

गेहारंभे वृषचक्रम्

रविभाद् गणनम

स्थान	न	फलं
शीर्षे	३	दाहः
अग्रपा	४	शून्य
पृष्ठ पा	४	स्थिरः
पृष्ठे	३	श्रीप्रा.
द.कुक्षौ	४	लाभः
पुच्छे	३	नाशः
वाकुक्षौ	४	नैःस्वं
मुखे	३	पीड़ा

गृहप्रवेशे कुम्भचक्रं

रविभाद् गणना

स्थान	न	फलं
मुखे	१	अग्निदा
पूर्वे	४	उद्वसनं
याम्ये	४	लाभः
पश्चि	४	श्रीप्राप्ति
उत्तरे	४	कलहा-
गर्भे	४	विनाशः
गुदे	३	स्थिरः
कण्ठे	३	स्थिरः

सूर्यसंक्रान्ति से इतना दिन ५।७।९।१५ २१।२४ धरती सूती जानना सूर्यनक्षत्रात् ५।७।९।१२।१९।२६ भूशयनंकेचित् ।

गेहारंभ मुहूर्तम्

शुभमासाः	त्रै.श्रा.मार्ग.पौष.फा.मे.वृष.कर्क.सिंह.तु.वृ.म कुं.एषु भेषु रवौ सति च श्रेष्ठः एतन् संक्रांति-रहिताः चै.ज्ये.आषा.भा.आ.का.पौ.माघ मासास्त्याज्याः सितेज्ययोरुदितयोः श्रेष्ठः ।
भानि	उत्तरा ३ मृ.पुष्य.अनु.ध.श.ह.चि.स्वा.रो रे. विपञ्चके ।
वाराः	चन्द्र बुध गुरु शुक्र शनि एषुवारेषु वत्स चक्र शुद्धौसेन्दुवलेश्रेष्ठः ।
तिथयः	२.३.५.७.१०.११.१२.१३.१५. कृष्णा १ भद्रादिदोषरहिते श्रेष्ठाः जाग्रति भूमौ।
लग्नशुद्धिः	लग्नात् १।४।५।९।१० एषुशुभैः ।३।६।११ एषु पापैः ।१०मेशुद्ध। ८मे क्रूरानेष्टाः।८।१२शुभा नेष्टाः। अर्केन्द्वीज्यशुक्रे विवलेस्तनीचरहिते २।३।५।६ व ९।११।१२ एषु लग्नेषु कार्यम्

गृहप्रवेश मुहूर्तम्

मासाः	वै.ज्ये.माघ.फा.उत्तरायणे रवौ श्रेष्ठा जीर्णे गृहेतुकार्तिक मार्ग श्रावणमासा अपि ग्राह्याः
भानि	उत्तरा ३ अनु. रो. मृ. चि. रे. एषुद्वार-स्थभेषुच कुम्भ चक्रशुद्धौ जीर्णेतु पुष्य. स्वा.. ध. श. अपिग्राह्याः पापरहितेष्वविद्धभेषु ।
वाराः	चं. वृ. शु. शनि तिथयः १।२।३।५।६।७।८। १०।११।१२।१३ ग्राह्याः (शुक्ला १ नेष्टा)
लग्न	२।५।८।११ सत् ३।६।९।१२ मध्या तत्र सेन्दु लग्नम् नेष्टम् ।
लग्नशुद्धिः	लग्नात् ४।८ शुद्धयोः १।२।३।५।७।९। १०।११ एषु शुभैः ३।६।११ एषु पापैः वामार्के सति शुभः दिवा रात्रौ वा सितेज्ययोरुदितयोः ।

यज्ञोपवीत मुहूर्त ज्ञानाय चक्रम्

वाराः	सू.चं.बु.वृ.शु. एषां वारे भद्रारुग्बाणादि दोषरहिते
तिथिः	२।३।५।१०।११।१२ शुक्ले । कृष्णे तु.२।३।५ परन्तु नापराह्णे न प्रदोषे
नक्षत्राणि	अ. ह. पु. उ. ३ रो. ऽश्ले. स्वा. पुन. श्र. ध. मृ. चि. मू. अनु. पू. ३ आ. रे.
लग्नशुद्धिः	३।६।११पापाः।२।७।१०।३ चन्द्रः।१।४।५।७।९।। १० सौम्याः। ११ सर्वेशुभाः । चन्द्रशुक्र गुरु-लग्नेशाः ६ । ८ नेष्टाः। चन्द्रशुक्रौ १२ निचौ। लग्नात्।१।५।८पापानेष्टाः।३।८।१२सौम्यानेष्टाः। पूर्णाचन्द्रोवृषकर्कगतोलग्ने शुभोन्यथान लग्ने-ऽर्कःशुभः।माघादिपञ्चमासाःशुभाः।कवीज्ययो-र्वृद्धत्वाद्स्तशिशुत्वे न श्रेष्ठः। चैत्रे मीनार्केशुभम्

यात्रा मुहूर्तविचारः—ति. ६।१२।८।१५।३०।४।९।१४ सुदी १ त्याज्याः। अश्वि.पु.पु. अनु. मृ. ह. रे. श्र. ध. श्रेष्ठ । त्रिपञ्चसप्त—ताराववर्जितानि । उ.३ शत. मू. ज्ये. पू. ३ रो. मध्यमाः। कृ.स्वा. आर्द्रा. वि. चि. श्ले. म.भ. पूर्वे ज्येष्ठाः। पञ्चकं दक्षिणस्यां । रो पश्चिमे । उत्तरा फा.उत्तरे । नेष्टानि।। दिक्शूल योगिनी कालराहवादिदोष रहिते कुंभ कुंभांश विवर्जिते शुभेलग्ने । रवौकर्कमीनालि वर्जिते सति यात्रा कार्या। अथ यात्रायां लग्नशुद्धिः—केन्द्रे कोणे सौम्यखेटाः शुभास्युर्याने पापास्त्र्यायषट्खेषु चन्द्रः । नेष्टोलग्नान्त्यारि रन्ध्रे शनिः खेऽस्ते शुक्रो लग्नेट् नगान्त्यारिरन्ध्रे ।
अन्यच्च—वक्रीग्रहः केन्द्रगतोऽस्य वर्गो लग्ने दिनं चास्य गमे निषिद्धम् मैत्रार्के पुष्यारिवनिभैर्निरुक्ता यात्रा शुभा सर्वदिशापु तज्ज्ञैः । घातचक्रोक्त तिथिवार नक्षत्र लग्न घातान्यपि वर्ज्याणि ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

नवलगढ़ लग्नसारिणी वर्षादौग्रहलाघवीयायनांशाः २४/०/० वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३/१८/५२ पलभा ६।१९ पलांशाः२७।४५

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा
मेष ०	२ ४६	२ ५३	३ ०	३ ७	३ १४	३ २२	३ २९	३ ३६	३ ४४	३ ५३	४ १	४ ९	४ १७	४ २६	४ ३४	४ ४२	४ ५०	४ ५९	५ ७	५ १५	५ २३	५ ३२	५ ४०	५ ४८	५ ५७	६ ५	६ १३	६ २१	६ ३०	६ ३८	२१६
वृष १	६ ४६	६ ५४	७ ३	७ ११	७ १९	७ २७	७ ३६	७ ४४	७ ५४	८ ४	८ १४	८ २४	८ ३४	८ ४४	८ ५४	९ ४	९ १४	९ २४	९ ३४	९ ४४	९ ५४	१० ४	१० १४	१० २५	१० ३५	१० ४५	१० ५५	११ ५	११ १५	११ २५	२४८
मिथुन २	११ ३५	११ ४५	११ ५५	१२ ५	१२ १५	१२ २५	१२ ३५	१२ ४५	१२ ५६	१३ ८	१३ १९	१३ ३१	१३ ४२	१३ ५४	१४ ५	१४ १६	१४ २८	१४ ३९	१४ ५१	१५ २	१५ १४	१५ २५	१५ ३६	१५ ४८	१५ ५९	१६ ११	१६ २२	१६ ३४	१६ ४५	१६ ५७	३०१
कर्क ३	१७ ८	१७ १९	१७ ३१	१७ ४२	१७ ५४	१८ ५	१८ १७	१८ २८	१८ ४०	१८ ५१	१९ ३	१९ १५	१९ २६	१९ ३८	१९ ५०	२० १	२० १२	२० २४	२० ३५	२० ४७	२० ५९	२१ १०	२१ २२	२१ ३४	२१ ४६	२१ ५७	२२ ८	२२ २०	२२ ३२	२२ ४४	३४२
सिंह ४	२२ ५६	२३ ८	२३ २०	२३ ३१	२३ ४३	२३ ५५	२४ ६	२४ १८	२४ २९	२४ ४१	२४ ५२	२५ ४	२५ १५	२५ २६	२५ ३८	२५ ४९	२६ १	२६ १२	२६ २३	२६ ३५	२६ ४६	२६ ५८	२७ ९	२७ २०	२७ ३२	२७ ४३	२७ ५५	२८ ६	२८ १७	२८ २९	३५०
कन्या ५	२८ ४०	२८ ५२	२९ ३	२९ १४	२९ २६	२९ ३७	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २३	३० ३४	३० ४६	३० ५७	३१ ८	३१ २०	३१ ३१	३१ ४३	३१ ५४	३२ ५	३२ १७	३२ २८	३२ ४०	३२ ५१	३३ २	३३ १४	३३ २५	३३ ३७	३३ ४८	३३ ५९	३४ ११	३४२
तुला ६	३४ २२	३४ ३४	३४ ४५	३४ ५६	३५ ८	३५ १९	३५ ३१	३५ ४२	३५ ५४	३६ ५	३६ १७	३६ २९	३६ ४०	३६ ५२	३७ ४	३७ १५	३७ २७	३७ ३९	३७ ५०	३८ २	३८ १४	३८ २५	३८ ३७	३८ ४९	३९ ०	३९ १२	३९ २४	३९ ३५	३९ ४७	३९ ५९	३४२
वृश्चिक ७	४० १०	४० २२	४० ३४	४० ४५	४० ५७	४१ ९	४१ २०	४१ ३२	४१ ४३	४१ ५५	४२ ६	४२ १८	४२ २९	४२ ४१	४२ ५२	४३ ३	४३ १५	४३ २६	४३ ३८	४३ ४९	४४ १	४४ १२	४४ २३	४४ ३५	४४ ४६	४४ ५८	४५ ९	४५ २१	४५ ३२	४५ ४४	३५०
धनु ८	४५ ५५	४६ ६	४६ १८	४६ २९	४६ ४१	४६ ५२	४७ ४	४७ १५	४७ २५	४७ ३५	४७ ४५	४७ ५५	४८ ५	४८ १५	४८ २५	४८ ३५	४८ ४५	४८ ५५	४९ ५	४९ १५	४९ २५	४९ ३५	४९ ४५	४९ ५६	५० ६	५० १६	५० २६	५० ३६	५० ४६	५० ५६	३४२
मकर ९	५१ ६	५१ १६	५१ २६	५१ ३६	५१ ४६	५१ ५६	५२ ६	५२ १६	५२ २४	५२ ३३	५२ ४१	५२ ४९	५२ ५८	५३ ६	५३ १४	५३ २२	५३ ३०	५३ ३९	५३ ४७	५३ ५५	५४ ३	५४ ११	५४ २०	५४ २८	५४ ३६	५४ ४५	५४ ५३	५५ १	५५ १०	५५ १८	३०१
कुम्भ १०	५५ २६	५५ ३४	५५ ४२	५५ ५१	५५ ५९	५६ ७	५६ १६	५६ २४	५६ ३१	५६ ३८	५६ ४६	५६ ५३	५७ ०	५७ ७	५७ १४	५७ २२	५७ २९	५७ ३६	५७ ४३	५७ ५०	५७ ५७	५८ ५	५८ १२	५८ १९	५८ २६	५८ ३४	५८ ४१	५८ ४८	५८ ५५	५९ २	२४८
मीन ११	५९ १०	५९ १७	५९ २४	५९ ३१	५९ ३८	५९ ४६	५९ ५३	० ०	० ७	० १४	० २२	० २९	० ३६	० ४३	० ५०	० ५८	१ ५	१ १२	१ १९	१ २६	१ ३४	१ ४१	१ ४८	१ ५५	२ २	२ १०	२ १७	२ २४	२ ३१	२ ३८	२१६

द्वादश राशिपरत्वे नवग्रहादिघातचक्रे तिथिवारनक्षत्रलग्नादिस्त्रीणां घातचन्द्रचक्रम्

राशि	मास	तिथि	वार	नक्ष.	योग	कर	प	सू	चं	मं	बु	शु	गु	के	रा	श	स्त्री
मेष	कार्ति	नन्दा	रवि	मघा	विष्कु	बव	१	१	१	५	२	६	७	३	८	४	१
वृष	मार्ग	पूर्णा	शनि	हस्त	शु.	शकु	४	२	५	९	६	१०	१०	७	१२	८	८
मिथुन	आषाढ	भद्रा	चन्द्र	स्वा	परि	चतु	३	४	९	१	१०	२	३	११	४	१२	७
कर्क	पौष	भद्रा	बुध	अनु	व्याघा	नाग	१	७	२	६	३	७	८	४	९	५	९
सिंह	ज्येष्ठ	जया	शनि	मूल	धृति	बव	१	१०	६	१०	७	११	१२	८	१	९	५
कन्या	भाद्र	पूर्णा	शनि	श्रव	शूल	कौल	१	१२	१०	२	११	३	४	१२	५	१	३
तुला	माघ	रिक्ता	गुरु	शत	शूल	तैति	४	६	३	७	४	८	९	५	१०	६	६
वृश्चिक	आश्वि	नंदा	भृगु	रेवती	व्यति	गर	१	८	७	११	८	१२	१	९	२	१०	२
धनु	श्राव	जया	शुक्र	भर	वरी	तैति	१	९	४	८	५	९	१०	६	११	७	१०
मकर	वैशा.	रिक्ता	भौम	रोहि	वैधृति	शकु	४	११	८	१२	९	१	२	१०	३	११	११
कुम्भ	चैत्र	जया	गुरु	आर्द्रा	गण्ड	किंस्तु	३	३	११	३	१२	४	५	१	६	२	५
मीन	फाल्गुन	पूर्णा	शुक्र	आश्ले	ऐन्द्र	चतु	४	५	१२	४	११	५	६	२	७	३	१२

शिरामोच (फस्द खुलान) मुहूर्तम्—अश्वि. रो. मू. पुष्य. ह. चि. स्वा. अनु. ऽभि श्र: एषु रवि भौम गुरु वारेषु। वस्तिविरेचनवेधाः शुभदिनतिथिचन्द्रलग्नेषु। बुध शनि रहित दिने वमनाद्यं कर्म शुभं। ७

शांतिकं धर्मकृत्य (पुराणश्रवण कोटि होमादि कर्म मुहूर्तम्—अश्वि. रो. मृ. पुन. उ. ३ ह. चि. स्वा. ऽनु ऽभि. श्र. ध. श. रेषु रवि चन्द्र. बुध. गुरु. शुक्र वारेषु शुभतिथिषु (गुरुशुक्र लग्न वर्गेषु प्रारम्भस्तदैते सति) ६

शकट (गाड़ा) चलाने का मुहूर्त—आर्द्रि पूर्वा त्रिविधप्रद्युम्नवसंख्यके भृगुज वाक्पति जयातिथौ। शकट नाव सुखासन शिल्पकं प्रमया कार्य रहट्टक सिद्धिम्॥ ऽश्वि.रो.मृ. पुन.पु.उ३ह.चि.ऽनु.तिथि३।५।८।१०।१३।१५ गु.शु.वार की गाडा, नाव, पालकी, चलाना श्रे ८

अथ कस्मिन्वयसि भाग्योदयस्तद्विचारमाह—भाग्याधिपश्चेद्यदि केन्द्र संस्थश्चाद्ये वयस्येव सुखोदयः स्यात्। त्रिकोणगः स्वोच्चगतोऽथवाचेन्मध्येत्रय-स्यास्य फलः प्रदः स्यात्॥ भाग्याधिनाथः स्वगृहेऽथमित्रगृहेऽथ वास्याद्वयसोन्त्य भागे। भाग्योदयं तस्य वदंतितज्ज्ञाः शुभग्रहेन्द्रैश्चयुतेक्षितेवा आथायुपर्यन्त सुखयोगः। नवम भावपतिर्यदिकेन्द्रगो नवमपंचमगश्च यदाभवेत्। प्रसन्नलग्न पतिर्यदि तुङ्गगः सुखसमृद्धियुतोमरणांतकः॥१॥ नवमभावगतः स्वगृहेशनिर्भवति चेत्स महेश्वर यज्ञकृत्। अतिशयं कुरुते जयसंयुतं नृपतिवाहनचिन्हसमन्वितम् क्रूराधमें धर्मंहीनं कर्कशं चपलं तथा। सौम्याः कुर्वंति भाग्याढ्यं दयालुं प्रिय-भाषिणम्। गुरुर्भाग्ये भवेन्मन्त्री महाभाग्योऽखिलेश्वरः अचलेऽपिशुभेखेटे भाग्यस्थेधार्मिकोनरः। पूर्णेन्दुयुक्तौ रविभूमिपुत्रौ भाग्यस्थितौसौम्यसमन्वितौच। वन्शानुमानात् सचिवं नृपं वाकुर्वन्ति सौम्योत्थदशाविशेषात्।

मूलजनने वृक्ष विभाग फलम्

मूल	स्तंभ	त्वचा	शिखा	पत्र	पुष्प	फलम्	शाखा
७	८	१०	११	१२	५	४	३
मूल नाशः	वंश क्षयः	मातृ पीडा	मातुल नाशः	राज्य लाभ	राज मंत्री	राज प्राप्ति	अल्प आयुः

आश्लेषा जनने अङ्ग विभाग फलम्।

फलम्	पुष्प	दल	शिखा	त्वचा	स्कन्द
१०	५	९	७	१३	४
श्रीः	श्रीः	राज भय	हानिः	मातृ नाशः	आत्म नाशः

ज्येष्ठा जनने वृक्ष फलम्

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
मातामहिहा	मातामहहा.	मातुलनाशः	मातृ नाशः	भ्रातृ नाशः	गोत्र नाशः	उभयकुलहा	ज्येष्ठभ्राताहा	स्वकुलनाशः	सर्व नाशः

शिव वास ज्ञान—तिथि को दूनि करके पांच और मिलावे सात का भाग दे। शेष १ बचे तो कैलास श्रेष्ठः। २ में गौरी पार्श्वे, श्रे। ३ में वृषारू श्रे। ४ सभायां सम। ५ ज्ञानवेलायां श्रे। ६ क्रीड़ायां दुःख। ७ स्मशाने मृत्युः।

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

मुम्बई तथा कलकत्ते में लग्न देखना हो तो उसी गांव की लग्नसारिणियों से देखना चाहिये इन्हीं सारणियों से मुम्बई कलकत्ते का दिनमान भी निकलेगा। विधि–जिस दिन दिनमान देखना हो उस दिनके सूर्य का राश्यंश देखकर सारिणी में राशि के अंश सम्पात कोष्ठक के घटीपल लेना फिर सूर्य की राशि से ७वीं राशि के सामने सूर्य के अंशो के नीचे जो अंक हों उनमें से पहिले के लिये हुए अंकों को घटाओ शेष घट्यादि दिनमान होगा उसमें ५ का भाग देने से सूर्यास्त का घंटा मिनिट टाइम होगा वह १२ में से घटाने से सूर्योदय घंटा मिनट होगा।

मुम्बई लग्न सारिणी—अक्षांशाः १८।५७ पलभा ४।८ अयनांशाः २३

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा.
मेष ०	३ ३	३ ११	३ १९	३ २७	३ ३५	३ ४३	३ ५१	३ ५९	४ ८	४ १७	४ २६	४ ३४	४ ४३	४ ५२	५ १	५ १०	५ १९	५ २८	५ ३७	५ ४५	५ ५४	६ ३	६ १२	६ २१	६ ३०	६ ३९	६ ४७	६ ५६	७ ५	७ १४	२३९
वृष १	७ २३	७ ३२	७ ४१	७ ५०	७ ५८	८ ८	८ १६	८ २५	८ ३५	८ ४६	८ ५६	९ ६	९ १६	९ २७	९ ३७	९ ४७	९ ५७	१० ८	१० १८	१० २८	१० ३८	१० ४९	१० ५९	११ ९	११ २०	११ ३०	११ ४०	११ ५०	१२ १	१२ ११	२६६
मि० २	१२ २१	१२ ३१	१२ ४२	१२ ५२	१३ २	१३ १२	१३ २३	१३ ३३	१३ ४४	१३ ५५	१४ ७	१४ १८	१४ २८	१४ ४०	१४ ५१	१५ ३	१५ १४	१५ २५	१५ ३७	१५ ४७	१५ ५९	१६ १०	१६ २१	१६ ३२	१६ ४३	१६ ५५	१७ ६	१७ १७	१७ २८	१७ ३९	३०८
कर्क ३	१७ ५१	१८ २	१८ १३	१८ २४	१८ ३५	१८ ४७	१८ ५८	१९ ९	१९ २०	१९ ३०	१९ ४२	१९ ५३	२० ४	२० १५	२० २६	२० ३८	२० ४९	२१ ०	२१ ११	२१ २२	२१ ३२	२१ ४४	२१ ५५	२२ ६	२२ १७	२२ २८	२२ ३९	२२ ५०	२३ १	२३ १०	३३६
सिंह ४	२३ २४	२३ ३५	२३ ४६	२३ ५६	२४ ८	२४ १९	२५ ३०	२४ ४१	२४ ५२	२५ २	२५ १३	२५ १४	२५ ३४	२५ ४५	२५ ५५	२६ ६	२६ १७	२६ २७	२६ ३८	२६ ४९	२६ ५९	२७ १०	२७ २०	२७ ३१	२७ ४२	२७ ५२	२८ ३	२८ १४	२८ २४	२८ ३५	३३२
कन्या ५	२८ ४६	२८ ५६	२९ ७	२९ १७	२९ २८	२९ ३९	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २२	३० ३३	३० ४३	३० ५३	३१ ४	३१ १४	३१ २५	३१ ३६	३१ ४६	३१ ५७	३२ ८	३२ १८	३२ २९	३२ ३९	३२ ५०	३३ १	३३ ११	२३ २२	३३ ३३	३३ ४३	३३ ५४	३१९
तुला ६	३४ ५	३४ १५	३४ २६	३४ ३६	३४ ४७	३४ ५८	३५ ८	३५ १९	३५ ३०	३५ ४१	३५ ५२	३६ ३	३६ १४	३६ २५	३६ ३६	३६ ४८	३६ ५९	३७ १०	३७ २१	३७ ३२	३७ ४३	३७ ५४	३८ ५	३८ १६	३८ २७	३८ ३८	३८ ४९	३९ ०	३९ ११	३९ २२	३१९
वृश्चिक ७	३९ ३४	३९ ४५	३९ ५६	४० १०	४० १८	४० २९	४० ४०	४० ५१	४१ २	४१ १३	४१ २५	४१ ३६	४१ ४७	४१ ५८	४२ ९	४२ २१	४२ ३३	४२ ४३	४२ ५४	४३ ५	४३ १७	४३ २९	४३ ३९	४३ ५०	४४ १	४४ १३	४४ २५	४४ ३५	४४ ४६	४४ ५७	३३२
धन ८	४५ ९	४५ २०	४५ ३१	४५ ४२	४५ ५३	४६ ५	४६ १६	४६ २७	४६ ३७	४६ ४८	४६ ५८	४७ ८	४७ १८	४७ २९	४७ ३९	४७ ४९	४७ ५९	४८ १०	४८ २०	४८ ३०	४८ ४०	४८ ५१	४९ १	४९ ११	४९ २२	४९ ३२	४९ ४२	४९ ५२	५० ३	५० १३	३३६
मकर ९	५० २३	५० ३३	५० ४४	५० ५४	५१ ४	५१ १४	५१ २५	५१ ३५	५१ ४४	५१ ५२	५२ २	५२ १०	५२ १९	५२ २८	५२ ३७	५२ ४६	५२ ५५	५३ ४	५३ १३	५३ २१	५३ ३१	५३ ३८	५३ ४८	५३ ५७	५४ ६	५४ १५	५४ २३	५४ ३२	५४ ४१	५४ ५०	३०८
कु. १०	५४ ५९	५५ ८	५५ १७	५५ २७	५५ ३४	५५ ४३	५५ ५२	५६ १	५६ ९	५६ १७	५६ २५	५६ ३३	५६ ४१	५६ ४९	५६ ५७	५७ ५	५७ १३	५७ २१	५७ २९	५७ ३७	५७ ४५	५७ ५२	५८ ०	५८ ८	५८ १६	५८ २४	५८ ३२	५८ ४०	५८ ४८	५८ ५६	२६६
मी. ११	५९ ४	५९ १२	५९ २०	५९ २८	५९ ३६	५९ ४४	५९ ५०	० ०	० ८	० १६	० २४	० ३२	० ४०	० ४८	० ५६	१ ४	१ १२	१ २०	१ २८	१ ३२	१ ३६	१ ५२	१ ५६	२ ७	२ १५	२ २३	२ ३१	२ ३९	२ ४०	२ ५५	२३९

कलकत्ता लग्न सारिणी—तक्षांशाः २२।२४ पलभा ४।५९ अयनांशाः २३ यह सारिणी २२।३० साढ़े बाईस अक्षांश (टेलीग्यूड) के समीपस्थ सब स्थानों में काम आवेगी। जैसे द्वारका, बड़ौदा, इन्दौर, उज्जैन, वरद्वान, भोपाल, अहमदाबाद, जबलपुर, मांडवी–हरदा

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा.
मेष ०	२ ५६	३ ३	३ ११	३ १८	३ २६	३ ३४	३ ४१	३ ४९	३ ५८	४ ६	४ १५	४ २४	४ ३२	४ ४१	४ ४९	४ ५८	५ ७	५ १५	५ २४	५ ३३	५ ४१	५ ५०	५ ५८	६ ७	६ १६	६ २४	६ ३२	६ ४२	६ ५०	६ ५९	२२९
वृष १	७ ८	७ १६	७ २५	७ ३३	७ ४२	७ ५१	७ ५९	८ ८	८ १८	८ २८	८ ३८	८ ४९	८ ५९	९ ९	९ १९	९ २९	९ ३९	९ ५०	१० ०	१० १०	१० २०	१० ३०	१० ४०	१० ५१	११ १	११ ११	११ २०	११ ३१	११ ४१	११ ५२	२५९
मि० २	१२ २	१२ १२	१२ २२	१२ ३२	१२ ४२	१२ ५३	१३ ३	१३ १३	१३ २४	१३ ३६	१३ ४७	१३ ५८	१४ ९	१४ २१	१४ ३२	१४ ४३	१४ ५३	१५ ६	१५ १७	१५ २९	१५ ४०	१५ ५१	१६ २	१६ १४	१६ २५	१६ ३६	१६ ४८	१६ ५९	१७ १०	१७ २२	३०५
कर्क ३	१७ ३३	१७ ४४	१७ ५५	१८ ६	१८ १७	१८ २८	१८ ४१	१८ ५२	१९ ३	१९ १५	१९ २६	१९ ३७	१९ ४८	२० ०	२० ११	२० २२	२० ३४	२० ४५	२० ५६	२१ ८	२१ १९	२१ ३०	२१ ४१	२१ ५३	२२ ४	२२ १५	२२ २७	२२ ३८	२२ ४९	२३ १	३३६
सिंह ४	२३ १२	२३ २३	२३ ३४	२३ ४६	२३ ५७	२४ ८	२४ २०	२४ ३१	२४ ४१	२४ ५२	२५ ३	२५ १४	२५ २५	२५ ३६	२५ ४७	२५ ५८	२६ ९	२६ २०	२६ ३१	२६ ४२	२६ ५३	२७ ४	२७ १५	२७ २६	२७ ३७	२७ ४८	२७ ५९	२८ १०	२८ २१	२८ ३२	३३६
कन्या ५	२८ ४३	२८ ५४	२९ ५	२९ १४	२९ २७	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २२	३० ३३	३० ४४	३० ५५	३१ ५	३१ १६	३१ २६	३१ २८	३१ ४९	३२ ०	३२ ११	३२ २२	३२ ३३	३२ ४४	३२ ५५	३३ ६	३३ १७	३३ २८	३३ ३९	३३ ५०	३४ १	३२९
तुला ६	३४ १२	३४ २३	३४ ३४	३४ ४५	३४ ५५	३५ ७	३५ १९	३५ २९	३५ ४०	३५ ५२	३६ ३	३६ १४	३६ २५	३६ ३७	३६ ४८	३६ ५९	३७ ११	३७ २२	३७ ३३	३७ ४५	३७ ५६	३८ ७	३८ १८	३८ ३०	३८ ४१	३८ ५२	३९ ४	३९ १५	३९ २६	३९ ३८	३२९
वृश्चिक ७	३९ ४९	४० ०	४० ११	४० २३	४० ३४	४० ४५	४० ५७	४१ ८	४१ १९	४१ ३१	४१ ४२	४१ ५३	४२ ४	४२ १६	४२ २७	४२ ३८	४२ ५०	४३ १	४३ १२	४३ २४	४३ ३५	४३ ४६	४३ ५७	४४ ९	४४ २०	४४ ३१	४४ ४३	४४ ५४	४५ ५	४५ १७	३३६
धन ८	४५ २८	४५ ३९	४५ ५०	४६ १	४६ १३	४६ २४	४६ ३६	४६ ४७	४६ ५७	४७ ७	४७ १७	४७ २८	४७ ३८	४७ ४८	४७ ५८	४८ ८	४८ १८	४८ २९	४८ ३९	४८ ४९	४८ ५९	४९ ९	४९ १९	४९ ३०	४९ ४०	४९ ५०	५० ०	५० १०	५० २०	५० ३१	३३६
मकर ९	५० ४१	५० ५१	५१ १	५१ ११	५१ २१	५१ ३२	५१ ४२	५१ ५२	५२ ०	५२ ९	५२ १८	५२ २७	५२ ३५	५२ ४४	५२ ५२	५३ १	५३ १०	५३ १८	५३ २७	५३ ३६	५३ ४४	५३ ५३	५४ १	५४ १०	५४ १९	५४ २७	५४ ३६	५४ ४५	५४ ५३	५५ २	३०५
कु. १०	५५ ११	५५ १९	५५ २७	५५ ३६	५५ ४५	५५ ५४	५६ २	५६ ११	५६ १९	५६ २६	५६ ३४	५६ ४२	५६ ४९	५६ ५७	५७ ४	५७ १२	५७ २०	५७ २७	५७ ३५	५७ ४३	५७ ५०	५७ ५७	५८ ५	५८ १३	५८ २१	५८ २८	५८ ३५	५८ ४४	५८ ५१	५८ ५८	२५९
मीन ११	५९ ७	५९ १४	५९ २२	५९ २९	५९ ३७	५९ ४५	५९ ५२	० ०	० ८	० १५	० २३	० ३१	० ३८	० ४६	० ५३	१ १	१ ९	१ १६	१ २४	१ ३२	१ ४०	१ ४७	१ ५४	२ २	२ १०	२ १७	२ २५	२ ३३	२ ४५	२ ५१	२२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

वार तिथि नक्षत्रेषु—कुयोगकुयोगादिज्ञानावचक्रम् ।

योगाः	ति. न.	रविः	चन्द्र	भौमः	बुधः	गुरुः	शुक्रः	शनिः
सिद्धियोगः	तिथिः	+	+	३-८ १३	२-७ १२	५-१० १५	१-६ ११	४-९ १४
क्रकचयोगः	-	१२	११	१०	९	८	७	६
मृत्युयोगः	-	१-६ ११	२-७ १२	१-६ ११	३-८ १३	४-९ १४	२-७ १२	५-१० १५
दग्धा	-	१२	११	५	३	६	८	९
विषाख्या	-	४	६	७	२	८	९	७
हुताशनाः	-	१२	६	७	८	९	१०	११
अमृतसिद्धिः	भानि	हस्त	श्रवण	अश्वि	अनु	पुष्य	रेवती	रोहि.
सिद्धिः	-	मूल	श्रवण	उभा	कृत्ति.	पुन	पूफा	स्वाती
चरयोगः	नक्षत्र	पूभा	आर्द्रा	विशा.	रोहि.	शत	मघा	मूल
उत्पातः	भानि	विशा	पूषा	धनि	रेवती	रोहि.	पुष्य	उफा
मृत्युः	-	अनु	उषा	शतता	अश्वि.	मृग	अश्ले	हस्त
काणः	-	ज्येष्ठा	अभि	पूभा	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा
कालयोगः	-	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	अभि	पूभा
यमघंटः	-	मघा	विशा	आर्द्रा	मूल	कृत्ति.	रोहि.	हस्त
यमदंष्ट्रा	-	मघा धनि	मूल विशा.	कृति. भरणी	पुन. रेवती	उषा अश्वि	रोहि. अनु.	श्रवण शत
दग्धभानि	-	भरणी	चित्रा	उषा	धनिष्ठा	उफा	ज्येष्ठा	रेवती
सर्वार्थसिद्धिः	-	मू. उ३ ह. अश्वि पुष्य	श्र. रो. मृ. पुष्य	उभा अश्वि अश्ले	रो. अनु कृ. मृ.	पुन. पु रे. अनु अश्वि.	अश्वि. रे. अनु पुन. श्र	श्र. रो. स्वाती
वारवेला	याम घटी	४ ३।।।	७ ३।।।	२ ३।।।	५ ३।।।	८ ३।।।	३ ३।।।	६ ३।।।
कुलिकः	मुहूर्त	१४	१२	१०	८	६	४	२
कंटकः	-	६	४	२	१४	१२	१०	८
कालवेला	-	८	६	४	२	१४	१२	१०
अर्धयामः	-	७	९	३	९	१५	५	१
यमघंटः	-	१०	९	६	४	२	१४	१२
हुडक्षणः	-	७-१४	१३ १४	६ ४	८-९ १०	१५ १६	५-४ ६-९	१ २
विषघटी	-	२०	२	१२	१०	७	५	२५

दग्धभानि=मुसल । संवर्तः=ति ५ रवि. ति. १ बुध ।

तिथि चक्रम्—

तिथिः	तिथीशाः	नंदादिसंज्ञा	निंद्ययोगाः	दग्धलग्ना.	प. रंध्र तिथि.	आवश्यके त्याज्य.	दग्धा. सूर्यवशात्	त्याज्ययोगाः
१	अग्नि	नंदा	उषा	तु. म.	-	घटी	-	-
२	ब्रह्मा	भद्रा	अनु	-	-	-	ध. मी.	-
३	गौरी	जया	उ० ३	सिं. म.	-	-	-	-
४	गणेश	रिक्ता	+	-	ति. ४	घ. ८	वृ. कु.	-
५	सर्प	पूर्णा	मघा	मि. कं.	-	-	-	ह. रवि
६	स्कंद	नंदा	रोहि.	-	ति. ६	घ. ९	मे. क.	मृ. चं.
७	रवि	भद्रा	ह. मू.	ध. क.	-	-	-	अश्विभौ
८	शिव	जया	पूभा	-	ति. ८	घ. १४	मि. क.	अनु. बु
९	दुर्गा	रिक्ता	कृ.	क. सिं.	ति. ९	घ. २५	-	पुष्यगु
१०	कालः	पूर्णा	+	-	-	-	सिं. वृ.	रे. शु.
११	विश्वे	नन्दा	रोहि.	घ. मी.	-	-	-	रो. श.
१२	हरिः	भद्रा	अश्ले	-	ति. १२	घ. १०	तु. म.	-
१३	कामः	जया	चित्रा	वृ. मी.	-	-	-	-
१४	शिवः	रिक्ता	०	-	ति. १४	घ. ५	-	-
१५	शशिः	पूर्णा	०	-	-	-	-	-
३०	पितरः	+	०	-	-	-	-	-

मासेषु शून्यतिथ्यादयः

त्याज्य योगाः	मासाः	शून्यतिथयः: पक्ष द्वये	कृष्णे पक्षे	शुक्ले पक्षे	शून्य भानि	शून्य राशिः	मन्वादिः तिथिः	युगादिः तिथि
	चैत्र	८-९	-	-	अश्वि. रो	कुंभ	शु. ३-१५	शु. ३ त्रेता
	वैशा.	१२	-	-	चि. स्वा	मीन	+	-
	ज्येष्ठ	-	१४	१३	उषा. पु.	वृष	शु. १५	-
	आषा.	-	६	७	पूफा. ध	मिथुन	शु १०. १५	-
	श्राव.	२-३	-	-	उषा. श्र	मेष	कृ. ३०-८	-
	भाद्र.	१-२	-	-	श. रे.	कन्या	शु. ६	कृ १३ द्वाप.
	आश्वि	१०-११	-	-	पूभा.	वृश्चिक	शु. ९	-
	कार्ति.	-	५	१४	म. कृ.	तुला	शु १२. १५	शु. ९ कृत
	मार्ग.	७-८	-	-	वि. चि	धन	शु. ७	-
	पौष.	४-५	-	-	आ. अश्वि. ह.	कर्क	शु. ११	-
	माघ.	-	५	६	श्र. मू.	मकर	शु. ७	कृ. ३० कलि
	फाल्गु	-	४	३-	भ. ज्ये.	सिंह	शु. १५	-

कार्यविशेषेवर्ज्याः — गृहप्रवेशेयात्रायां विवाहेच यथाक्रमम् । भौमेशिवनींशनौ त्राह्म गुरौपुष्यं विवर्जयेत् ॥

दिन का चौघड़िया

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	च	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का

रात्रि का चौघड़िया

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
शु	चं	का	उ	अ	रो	अ
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
उ	अ	रो	ला	शु	च	का
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला

भद्राया मुखपुच्छ घटी ज्ञानम्

४	८	११	१५	३	७	१०	४	आसांतिथीनाम
प	आ	उ.	ने	ई	द	वा.	पू.	आसुदिग्विदिक्षु
५	२	७	४	८	३	६	१	एषु यामेष्वादौ
५	५	५	५	५	५	५	५	विष्टेर्मुखघ. ५क्र. शुभं
८	१	६	३	७	२	५	४	एषुयामेष्वन्त्यम
३	३	३	३	३	३	३	३	घटीत्रयंपुच्छंशु. शुभं

अथैतेषांकुयोगानांपरिहारः—कुयोगास्तिथिवारोत्थातिथिभोत्थाभवारजाः ॥ हूणवंगखशेष्वेव वर्ज्यास्त्रितयजास्तथा ॥ पंग्वंधकाणलग्नानिमासशून्याश्च राशयः।गौड़ मालवयोस्त्याज्या अन्यदेशे न गर्हिता ॥२॥ मृत्युक्रकचदग्धादीनिन्दौशस्ते शुभांजगुः । केचिद्यामोत्तरं चान्ये यात्रायामेव निंदितान् ॥ यमघंटे त्यजेदष्टौ मृत्यौ द्वादशनाडिकाः अन्येषांतु कुयोगानां मध्याह्नात्परतः शुभम् ॥ वारर्क्ष तिथि योगेषु यात्रामेव विवर्जयेत् । विवाहादीनि कुर्वीत गर्गादीनामिदंवचः । कुयोगः सिद्धियोगश्च यदिस्यातावुभावपि । सुयोगोहंति दुर्योगंकार्यसिद्धौ शुभावहः।

ध्वांक्षः मुद्गर-वज्र योगों की ५ घटीत्याज्यहैं । काण और मुसल की २ घटी । पद्म.व.लुम्ब.की ४घटी. । धूम्र की १ घटी शूल और गदकी ७घटी । चरयोगमें ३ घटी । परिघ का पूर्वार्ध गंड अतिगंड की आदिकी ६ घटी व्याघातकी ६ घटी और मृत्यु-काल-उत्पात तथा राक्षस यह संपूर्णत्याज्यहैं ॥

विरुद्धयोगास्तिथिवारजाता नक्षत्रवारप्रभवाश्चयेच । हूणेषुवंगेषु खशेषुवर्ज्याः शेषेषु देशेषु न ते निषिद्धाः ॥ वधबंधविषाग्न्यस्त्रच्छेदनोच्चाटनादिकं तुरंगमहिषोष्ट्रादिकर्मविष्ट्यांतु सिद्ध्यति नकुर्यान्मंगलं विष्ट्यां जीवित्तार्थीकदाचन । आवश्यके परिहारः-कुम्भकर्कद्वयेमर्त्ये स्वर्गेऽब्जेऽजात्रयेऽलिगे स्त्रीधनुर्जूके नक्रेऽधो भद्रा तत्रैव तत्फलम् ॥

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४५ भोग्यकलिः ४२६९५५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २००१ शालिवाहनीय शाकः १८६६ अथास्मिन्वर्षे राजा शनिः । मंत्री गुरुः। सस्येशो रविः। धान्येशो भृगुः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चन्द्रः । नीरसेशश्शनिः। फलेशोः भौमः । धनेशश्शनिः । दुर्गेशो बुधः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १० हेमलम्ब नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः १।१७।४३।३६ भोग्यमासादिः १०।१२।१६।२४ पितृ-दैवतंयुगम् । वर्षनाम माघः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकार गृहे (चड़स में) । ।समय विश्वा १० । समय वाहनं महिषः । स्तम्भ १ जलस्य । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी१ । अंगारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानु सप्तमी १ । रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३६०। समय दिनानि ३५५। तिथि क्षयः१२ । तिथि वृद्धिः ७ । उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् ११. तृणम् १३ । शीतम्१३ तेज१३ ।वायुः७। शनि दृष्टिःपूर्वे। वृद्धिः १५ ।क्षयः १५। विग्रह ऐक्यं २१३ । सत्यं ।।.धर्म१।। पाप १८ । ग्रहणे१ सूर्यस्य भारते।।

सं. २००१ श्रावण कृष्णा ३०
यां गुरौ कंकणाकृति
सूर्य ग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
रेल्वे टाइम	घं.	८	१०	११
	मि.	३७	१७	५१
देशी टाइम	घ.	८	९	११
	पल.	४	४३	२४

वर्ष लग्नम् ४।१९

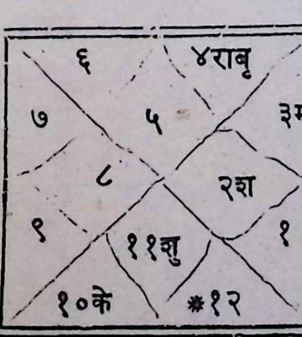

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदम्बे ईश्वरी भैरव पूछे तोय ।
विक्रम सम्वत् एक का हाल सुनादे मोय ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला संवतसर का सार ।
घर घर बजे वधावणा घर घर मंगलाचार ।।

राजा रविनन्दन वर्ष में है यह अपनी चाल चले न्यारी ।
कहिं युद्ध मचे भूकम्प कहीं आपस में क्रोध बढै भारी ।।
सागर में वास रोहिणी का है मालाकार समय वासा ।
वर्षा ऋतु के आरम्भ हुये धरणी पर वर्षा हो खासा ।।
आषाढ मास में वर्षा कर श्रावण में मध्यम वर्षावे ।
भादों में कहीं पर प्रलय रूप कहिं देख देखकर तरसावे ।।
धर्म विरोधी धर्म डुबोवें खोटी चाल चला करके ।
ठग ठग खावें माल जगत में झूठा धर्म बढा करके ।।
इन्द्र पुरोहित मंत्री पद पर जिनकी ईश सहाय करें ।
है आदि सनातन धर्म जिनों का छिन में बेड़ा पार करें ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ०।३

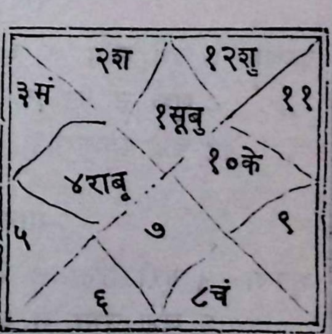

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३।४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षेराजा शनिस्तत्फलम्—शनैश्चरे भूमिपतौ सकज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमंतिलोकाः क्षुधिताश्चदेशान् ।। मंत्री गुरुस्तत्फलम्—विविध धान्ययुता खलुमेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिताभवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननुमंत्रिपदंगते ।। सस्येशो रविस्तत्फलम्—सस्याधिनाथे तरणौहिपूर्वं धान्यंसमर्घं बहवोपिचौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंच सस्यं बहुभूराश्च ।। धान्येशो शुक्रस्तत्फलम्—भृगोपश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरंगवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम्—अमृतरश्मिसुतेयदिवारिपे बहुजलं तुषधान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक मानसाः विविधसौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां बुभुजे युवतीं प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायकाः रसवती धन धान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिस्तत्फलम्—त्रपुपिंडादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तूनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशो भौमस्तत्फलम्—फलपतिर्यदि भूतनयोभवेत् सुबहुपुष्पफलान्वितमेदिनी । गतभया नृपदेशजनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शनिस्तत्फलम्—द्रविणपे रविजे विरलंधनं गदरता धरणीपतयस्तदा । अवनिकावणिजः कृषिजीविनो द्विजवरापरिपीडित मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्—विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशि गतै तु विशेषतः । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुतां न भयं क्वचित् ।। वर्षनाम माघस्तत्फलम्—सुभीक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता ।। हेमलम्ब संवत्सरस्तत्फलम्—आकुला हेमलम्बेषु मध्यसस्यार्घवृष्टिभिः । प्रयातिभूपतिक्षोभंबहुविद्युल्लतादिभिः ।। मेघनाम आवर्तस्तत्फलम्—आवर्ते छिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्—समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो मालाकारगृहे तत्फलम्—मालिनः प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २००१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

शुक्ला ११ गुरौ उफा. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ऽश।।।।।।
,, ११ गुरौ हस्ते ल. १२ चं. पू. सत्. रे.८ऽसू.ऽ।।।।।।
,, १२ शुक्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. रे. ८ ऽसू.ऽ।।।।।।।
,, १२ शनौ स्वात्यां ल. ११ (घ. ५२।३९ उ.) रे. ८ ।।।ऽबु.शु.।.ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला १० बुधे उभा. ल. ११-१ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
,, १० गुरौ रेव. ११-१ रे. ८ ।।।।ऽनु.।ऽ।।

पौष मासः

कृष्णा ७ बुधे मघा. ल. ६ रे. ७ ऽचं ऽ।।।ऽ।।
,, ८ शुक्रे उ. फा. ल. ७ रे. ७ ।।ऽवृ.।।।ऽऽ२२।।
,, ११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ६ रे. ७ ऽरा।।।।ऽ२५।।

माघ मासः

शुक्ला ५ गुरौ उभा. ल. ८ रे. ८ ।।।।ऽबृऽ।।
,, ६ शुक्रे उभा. ल. ऽन्यगो. रे. ८ ।।।वृ।ऽ।।
,, ६ शुक्रे रेव. ल. ८ रे. ७ ।।ऽवृ.।ऽचौ.।ऽ।।
,, ७ शनौ रेव. ल.ऽन्यगो. रे. ७ ।।ऽवृ।ऽचौ।ऽ।।
,, ११ बुधे मृगे ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽ।।ऽऽ

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ बुधे उफा. ल. गो. ८ रे. ८ ।।ऽवृ।।।ऽ।।
,, ७ रवौ स्वा. ल. ऽन्यगो. ८ रे. ६ ऽबुरा।।।ऽ।।
,, ७ रवौ स्वा. ल. ऽन्यगो. ८ रे. ६ ऽबु.रा ।।ऽनृ.ऽऽ।।।
शुक्ला ३ गुरौ उ. भा. ल. ८ रे. ७ ।।।ऽबृऽअग्नि।।।ऽ

प्रथम चैत्र मासः

कृष्णा २ बुधे उफा. ल. गो. रे. ९ ।।ऽवृ।।।।।।
,, २ गुरौ हस्ते ल. गो. रे. ६ ऽश।।।रोऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७७ सन् १९४४
१	श	२१	१३	रे	४७	५९	ब्र	१३	२२	ब	२१	१३	३०/२२	५/५६	६/४	२५	१२	२९	मे.४७।५९	चन्द्रद. संवत्सरारम्भः नवरा. घटस्था.
२	र	१६	२६	अ	४५	३९	ऐं	६	३७	कौ	१६	२६	२६	५५	५	२६	१३	१	मेषे	रविलाखर मु० ४ मत्स्य ज. सिंजारा
३	चं	१२	३८	भ	४३	१७	वै	०/५९	५४/१३	ग	१२	३८	३०	५४	६	२७	१४	२	वृ.५८।१६	भ. ४१।१० उ. पूभायां शुक्रः ४०।५६*
४	मं		९ ४३	कृ	४३	१२	प्री	५०	५०	वि	९	४३	३४	५३	७	२८	१५	३	बृषे	भ. ९।४३या. *आर्द्रायांभौमः३२।२०=
५	बु	७	५४	रो	४३	५५	आ	४७	२१	बा	७	५४	३८	५२	८	२९	१६	४	वृषे	कल्पादिः =गणगौरी मन्वादिः
६	गु	७	१८	मृ	४५	५३	सौ	४४	४७	तै	७	१८	४२	५२	८	३०	१७	५	मि१४।५४	रेवत्यां रविः ३५/५१ मेषेऽश्विन्यां च बुधः ४२/२९×
७	शु	७	५९	आ	४९	३	शो	४३	१८	व	७	५९	४७	५१	९	३१	१८	६	मिथुने	भ. ७/५९ उ. ३९/४या. ×पश्चिमोदयीबुधः ३८/५२
८	श	१०	९	पु	५३	२०	अ	४२	४४	ब	१०	९	५१	५०	१०	१	१९	७	क.३७।१६	अप्रेल मा.४ ता.३० राम९ भवान्युत्पत्तिः
९	र	१३	२९	पु	५८	३२	सु	४२	५९	कौ	१३	२०	५६	४९	११	२	२०	८	कर्के	रामनवमी वै.
१०	चं	१७	४३	श्ले	६०	०	धृ	४३	५१	ग	१७	४३	३१/००	४८	१२	३	२१	९	कर्के	भ. ५०।५ उ.
११	मं	२२	२८	श्ले	४	४१	शू	४५	२८	वि	२२	२८	४	४७	१३	४	२२	१०	सिं४।४१	भ. ३२/२८ या. मीनेशुक्रः४९।९ लक्ष्मीकांत+
१२	बु	२७	३७	म	११	२	गं	४६	२१	बा	२७	३९	८	४६	१४	५	२३	११	सिंहे	हरिदमनोत्सवः +दोलोत्सवः कामदा ११ व्र.
१३	गु	३२	२६	पू	१७	३२	वृ	४७	५२	कौ	०	१	११	४६	१४	६	२४	१२	कं.३४।४	पुष्ये २ राहुः उषायां ४ केतुः ३४।५२
१४	शु	३७	१७	उ	२३	४०	ध्रु	४८	४६	ग	४	५१	१५	४५	१५	७	२५	१३	कन्यायां	भ. ३७/१७ उ.भरण्यांबुधः ३६/१६ उभायांशुक्रः ३१/३२
१५	श	४१	६	ह	२९	५	व्या	४९	१	वि	९	११	१८	४४	१६	८	२६	१४	कन्यायां	भ. ९/११या. हनुमज्जयंती वै.स्ना.प्रा. मन्वा.

५१पं.चै.शु.४ मं.इ.४४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	३	१०	१	३	११
१४	७	२६	२४	२१	२७	१०	१४
५९	२२	४	२२	१८	५८	२८	५८
३५	३४	४८	१	१८	५९	६	५०
५९	३५	[illegible]	३/३८	७३	३	३	५९
१८	२१	४१	व	४८	४१	११	१७

गोचरग्रहाः

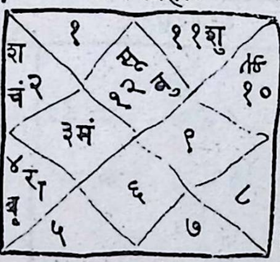

इस मास का फल साधारण है, प्रजा में सुख शांति, रुई अलसी मूंग मोंठ बाजरा गेहूँ विनौला तेज होगा।

गोचरग्रहाः

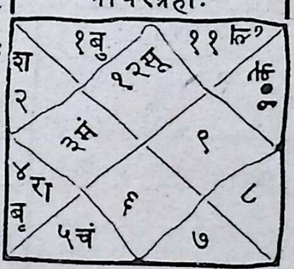

५२पं.चै.शु.११मं.इ.४४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	०	३	१०	१	३	११
२१	१०	८	२४	२९	२८	१०	२१
५४	५४	५३	५	५४	२८	५	४९
९	३६	२४	५६	४७	१६	५०	५
५९	३६	९३	१/४	७३	४	३	५९
४	१३	२४	व	५४	२१	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	४३	४७	चि	३३	२६	ह	४८	२२	बा	१२	२६	३१/२२	५/४४	६/१	९	२७	१५	तु.१।१५	
२	चं	४५	२०	स्वा	३६	३६	व	४६	३८	तै	१४	३३	२५	४३	१७	१०	२८	१६	तुलायां	
३	मं	४५	३३	वि	३८	१३	सि	४४	११	व	१५	२६	२९	४२	१८	११	२९	१७	वृ.२२।४९	भ.१५।२६ उ.४५।३३या. मार्गीगुरुः १६/५
४	बु	४४	३१	अ	३९	१९	व्य	४०	३५	ब	१५	२	३२	४२	१८	१२	३०	१८	वृश्चिके	चतुर्थी व्रतम्
५	गु	४२	९	ज्ये	३८	४७	व	३६	३	कौ	१३	२०	३६	४१	१९	१३	१	१९	ध.३८।४७	मेषेऽर्कः ०।२२
६	शु	३८	४९	मू	३७	११	प	३०	५०	ग	१०	२९	४०	४०	२०	१४	२	२०	धनुषि	भ. ३८।४९ उ.
७	श	३४	३८	पू	३४	५३	शि	२४	२७	वि	६	४३	४४	३९	२१	१५	३	२१	म.४९।५	भ. ६।४३ या.
८	र	२९	३५	उ	३१	४३	सि	१८	१०	बा	२	६	४८	३८	२२	१६	४	२२	मकरे	
९	चं	२३	५९	श्र	२८	३	सा	११	५	ग	२३	५९	५२	३८	२२	१७	५	२३	कुं.५६।४	भ. ५१।१ उ.
१०	मं	१८	४	ध	२४	५	शु	३/३८	५२/३९	वि	१८	४	५६	३७	२३	१८	६	२४	कुंभे	भ. १८।४ या. शुक्लयोगक्षयः ५२।३९+
११	बु	१२	३	श	१९	५९	ब्र	४८	११	बा	१२	३	३२/०	३६	२४	१९	७	२५	कुंभे	वरूथिनी ११ व्रतम्
१२	गु	६	३	पू	१५	५७	ऐं	४०	४३	तै	६	३	४	३५	२५	२०	८	२६	मी१।५७	प्रदोषः
१३	शु	०	२१	उ	१२	९	वै	३५	१५	ब	०	२१	८	३४	२६	२१	९	२७	मीने	भ. ०।२१ उ. ३७/३८ या. पुनर्व. भौमः ५३/५७
१४	शु	५४	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+वक्रीबुधः ५।२२ रेवत्यांशुक्रः २४।४२
३०	श	५०	१२	रे	८	५८	वि	२६	४२	च	२२	३३	११	३४	२६	२२	१०	२८	मे.८।५८	पश्चिमास्तो बुधः ५६।४५

१पं. वै.कृ.५बृ.इ.५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	१	३	०
०	१५	१९	२३	१०	२९	९	०
४	१४	२९	५८	८	३	३९	०
४१	५३	५३	४८	४६	२९	२१	०
५८	३३	३४	२६	७४	४	३	५८
४५	१०	५७	मा	०	५४	११	४४

गोचरग्रहाः

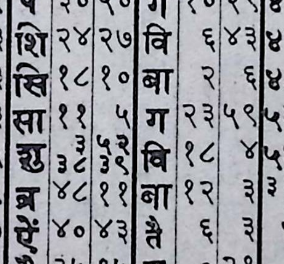

वैशाख कृ. ५ गुरौ मेषेऽर्क. प्र. बा.४ न.४ गताल्कावस्था (ऊभी) मु.१५धान्यभाव तेज शुक्रोदयंपूर्वे वत्सः उत्तरे।

गोचरग्रहाः

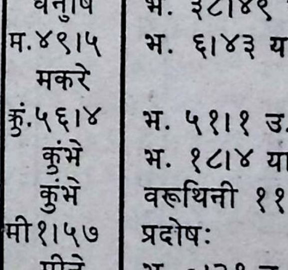

२पं.वै.कृ.१२बृ.इ.५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	१	३	०
६	१८	२३	२४	१८	२९	९	६
५४	५८	२१	३	४४	४२	१७	५०
५९	५२	२५	१८	३५	११	५	३८
५८	३३	१४/१	१	७४	५	३	५८
२९	५०	व	३६	६	२४	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख	शुक्लपक्षः	सं. २००१	शाकः	१८६६								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	र	४६	१८	अ	६	१४	प्री	२१	३	किं	१८	१५	३२/५५	५/३३	६/२७	२३	११	२९	मेषे
२	चं	४३	१९	भ	४	१८	आ	१५	०	बा	१४	४८	१८	३२	२८	२४	१२	३०	वृ.१९।७
३	मं	४१	२३	कृ	३	३६	सौ	१०	३२	तै	१२	४१	२२	३२	२८	२५	१३	१	बृषे
४	बु	४०	४१	रो	३	४९	शो	६	४२	व	११	२	२५	३१	२९	२६	१४	२	मि३४।४२
५	गु	४१	२४	मृ	५	३६	अ	४	१	ब	११	२	२९	३०	३०	२७	१५	३	मिथुने
६	शु	४३	१५	आ	८	६	सु	२	१८	कौ	१२	१९	३२	३०	३०	२८	१६	४	क.५६।१७
७	श	४६	३७	पु	१२	२१	धृ	१	३८	ग	१४	५६	३६	२९	३१	२९	१७	५	कर्के
८	र	५०	४७	पु	१७	२५	शू	१	४३	वि	१८	४२	३९	२८	३२	३०	१८	६	कर्के
९	चं	५५	२९	श्ले	२३	१७	गं	२	४१	बा	२३	८	४३	२७	३३	१	१९	७	सिं२३।१७
१०	मं	६०	०	म	२९	४३	वृ	३	५९	तै	२७	५९	४७	२७	३३	२	२०	८	सिंहे
१०	बु	०	३०	पू	३६	१६	ध्रु	५	२०	ग	०	३०	५०	२६	३४	३	२१	९	कं.५२।५१
११	गु	५	५६	उ	४२	३६	व्या	६	४८	वि	५	५६	५४	२५	३५	४	२२	१०	कन्यायां
१२	शु	९	५६	ह	४७	५९	ह	७	४९	बा	९	५६	५८	२४	३६	५	२३	११	कन्यायां
१३	श	१३	४६	चि	५२	३९	व	८	२४	तै	१३	४६	३३	२४	३६	६	२४	१२	तु.२०।१९
१४	र	१६	२६	स्वा	५६	११	सि	८	३	ब	१६	२६	४	२३	३७	७	२५	१३	तुलायां
१५	चं	१८	१०	वि	५८	२६	व्य	६	४१	व	१८	१०	७	२३	३७	८	२६	१४	बृ.४३।२

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:३३०६सन्१९४४

मिथुने शनि: २३।३३
*३ ज्ञ मं.
चन्द्रदर्शनम्
जमादिलावल मु. ५ कल्पादि: परशुराम=
भ.११।२उ.४०/४१या. भरण्यांरवि:४१।४६×
×अगस्त्यास्त: ४६।५०

भ.४६।३७उ. मेषेऽश्विन्यांच शुक्र:१५।६
भ. १८।४२ या. =जयंती युगादि:
मई मा.५ ता.३१ पातस्प. २४/२ पातमो ४४/२
+हस्ते ल.१२ रे. ८ ऽसूऽ।।।।।।। चं.पू.
भ. ३२/५८ उ. ! रे.७ऽश।।।ऽअग्निऽ।।+
भ.५।२६या.मोहिनी ११व्र.उफाल.ऽन्यगो!
प्रदोष: हस्ते ल.ऽन्यगो. रे.८ऽसूऽ।।।।।।
नृसिंहजयंती स्वात्यां ल.११ घ.५३/३९उ. रे.*
भ. १६/२६ उ. ४७/४८या. *८।।।बु.शु.।।ऽ।।
कूर्मजयंती वै स्ना.पू. जलकुंभदानं अन्नदानं

३पं. वै.शु. बृ.इ.५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	२	३	०
१३	२३	२२	२४	२७	०	८	१३
४३	०	१६	१६	२०	२३	५४	३९
२२	३२	५	४४	१८	४६	५०	४०
५८	३४	३७/१९	३	७४	५	३	५८
१२	२८	व	४	१२	४८	११	२०

गोचरग्रहाः

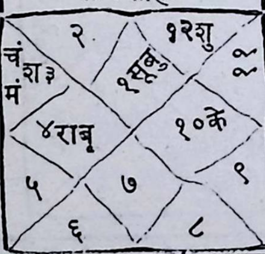

इस मास का फल सामान्य है प्रजा में सुख शान्ति बालकों को पीड़ा पशुओं को कष्ट धान्य रुई गुड़ खांड़ तेज होगा।

गोचरग्रहाः

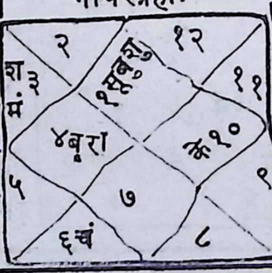

४पं.वै.शु.११ बृ.इ. ६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	५	२	३	०
२०	२६	१८	२४	५	१	८	२०
३०	३९	१४	३९	५५	८	३२	२७
०	१८	२४	४	४८	३२	३५	२२
५७	३४	३५/५८	४	७४	६	३	५८
५७	५४	व	१८	१८	१२	११	६

ति.	ज्येष्ठ	कृष्णपक्षः	सं. २००१	शाकः	१८६६								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	१८	४	अ	५९	२२	व	४	२३	कौ	१८	४	३३/५०	५/२२	६/३८	९	२७	१५	बृश्चिके
२	बु	१६	५५	ज्ये	५९	१९	प	१/१६	५५/४०	ग	१६	५५	१३	२१	३९	१०	२८	१६	व.५९।१९
३	गु	१४	३४	मू	५७	५२	सि	५१	५१	वि	१४	३४	१६	२१	३९	११	२९	१७	धनुषि
४	शु	११	२१	पू	५५	३७	सा	४६	१	बा	११	२१	१९	२०	४०	१२	३०	१८	धनुषि
५	श	६	२०	उ	५२	४१	शु	३९	३८	तै	६	२०	२२	२०	४०	१३	३१	१९	म.९।५३
६	र	१	४३	श्र	४९	६	शु	३२	३४	व	१	४३	२५	१९	४१	१४	१	२०	मकरे
७	र	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	चं	५०	७	ध	४५	१४	ब्र	२५	२७	बा	२३	४	२८	१८	४२	१५	२	२१	कुं.१७।१०
९	मं	४४	३	श	४१	०	ऐं	१७	४१	तै	१७	५	३१	१८	४२	१६	३	२२	कुम्भे
१०	बु	३८	१	पू	३६	५५	वै	१०	४	व	११	२	३४	१७	४३	१७	४	२३	मी२२।५६
११	गु	३१	५६	उ	३३	६	वि	२/४४	५२/४३	ब	४	५९	३६	१७	४३	१८	५	२४	मीने
१२	शु	२६	४३	रे	२९	३९	आ	४८	३७	तै	२६	४३	३९	१६	४४	१९	६	२५	मे.२९।३९
१३	श	२१	५५	अ	२६	३८	सौ	४२	१७	ब	२१	५५	४१	१६	४४	२०	७	२६	मेषे
१४	र	१७	५४	भ	२४	४६	शो	३६	४४	श	१७	५४	४४	१५	४५	२१	८	२७	बृ.३९।४४
३०	चं	१४	४९	कृ	२४	३९	अ	३२	०	ना	१४	४९	४६	१५	४५	२२	९	२८	बृषे

ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्रा:

भ.४४/५५ उ. कृतिकायांरवि: २६/४६ शिवयोग*
भ. १४।३४ या. चतुर्थी व्र.
*क्षय:५५/४० भरण्यांशुक्र: ८/३१ वक्रीभौम: ८/३०
वृषेऽर्क: ५०।२८
भ. १।४३ उ. २८।५३ या.
क्षय:

पुष्ये भौम: ४।५१
भ.११।२ उ.३८।१ या. उभा. ल.११-१+
प्रीतयोगक्षय: ५३/४३ मार्गी बुध: ५४/५६ अपरा×
प्रदोष: +रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
भ. ३१/५५ उ. ४९/५४ या. कृत्तिकायांशुक्र: ५८/५
×११व्र. रेव.ल.११-१ रे.८।।।।।ऽनृ.।ऽ।।
मृगे ४ शनि: ४४/५२ भावुका ३० वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.३बृ.इ.६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	३	०	२	३	०
२७	०	१४	२५	१४	१	८	२७
१५	३४	४३	९	३१	५५	१०	१३
१४	१	३४	३२	३७	४१	१९	३०
५७	३५	३२/१५	५	७४	६	३	५७
४५	२५	व	२१	२४	२४	११	५४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णा ५ शनौ वृषेऽर्कं प्र.वा. ३न.५ प्रगलभाव-स्था (बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

६पं.ज्ये.कृ.११बृ.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	०	२	३	१
३	४	१४	२५	२३	२	७	३
५८	३२	३	४७	७	४५	४८	५८
५१	२४	१८	४६	८	०	४	२६
५७	३५	२१	६	७४	६	३	५७
३४	४४	व	२७	२४	३७	११	४४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	१२	४९	रो	२५	५०	सु	२८	१३	ब	१२	४९	३३/४८	५/१४	६/४६	२३	१०	२९	मि५६।१६
२	बु	१२	१७	मृ	२६	४२	धृ	२५	११	कौ	१२	१७	५०	१४	४६	२४	११	१	मिथुने
३	गु	१२	३८	आ	२८	३४	शू	२३	२२	ग	१२	३८	५२	१४	४६	२५	१२	२	मिथुने
४	शु	१४	२८	पु	३१	१४	गं	२१	३९	वि	१४	२८	५४	१३	४७	२६	१३	३	क.१५।३४
५	श	१७	३२	पु	३६	२०	वृ	२२	३८	बा	१७	३२	५६	१३	४७	२७	१४	४	कर्के
६	र	२१	३७	श्ले	४१	५५	ध्रु	२३	२४	तै	२१	३६	५८	१३	४७	२८	१५	५	सिं४१।५५
७	चं	२६	२१	म	४८	१९	व्या	२४	३८	व	२६	२१	३४/०	१२	४८	२९	१६	६	सिंहे
८	मं	३१	६	पू	५४	४१	ह	२६	१६	व	३१	६	२	१२	४८	३०	१७	७	सिंहे
९	बु	३५	५७	उ	६०	०	व	२७	३७	बा	८	३१	४	११	४९	३१	१८	८	कं ११।१८
१०	गु	४०	२६	उ	१	९	सि	२८	५४	तै	३	१२	६	११	४९	१	१९	९	कन्यायां
११	शु	४४	१२	ह	६	४८	व्य	२९	२७	व	१२	१९	८	१०	५०	२	२०	१०	तु.३९।८
१२	श	४६	५०	चि	११	२८	व	२९	२३	ब	१५	३१	९	१०	५०	३	२१	११	तुलायां
१३	र	४८	१६	स्वा	१५	२१	प	२८	१८	कौ	१७	३३	११	१०	५०	४	२२	१२	तुलायां
१४	चं	४८	२७	वि	१७	५८	शि	२६	१८	ग	१८	२२	१३	९	५१	५	२३	१३	वृ.२।१९
१५	मं	४७	१८	अ	१९	९	सि	२३	१६	वि	१७	५२	१४	९	५१	६	२४	१४	वृश्चिके

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३६ स.१९४४

चन्द्रदर्शनम् वृषेशुक्रः ४३।२०
रोहिण्यांरविः २३।३७ जमादिलाखरमु.६
भ. ४३।३३ उ. पूर्वोदयी बुधः २७।३४
भ. १४।२८ या. पूर्वास्तो भृगुः ५६।२४*
*सार्पे ४ गुरुः ६।५५ पू. अ. शु.

भ. २६।२१ उ. ५८।४३ या.

रोहिण्यां शुक्रः ५१।३२ ×वटसावित्री
जून मा. ६ ता. ३० गंगादशहरा
भ.१२।१९ उ.४४।१२या. निर्जला११व्र.
अस्तं शनिः ३७।४४
वटसावित्री व्रतारम्भः प्रदोषः
भ. ४८।२७ उ. कृत्तिकायां बुधः २८।७
भ.५७/५२या. वृषेबुधः ३६/४मन्वादिः गुर्जराणां×

७पं.ज्ये.शु.३वृ.इ.७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	१	२	३	१
१०	८	१६	२६	१	३	७	१०
४१	३२	४७	३२	४३	३६	२५	४२
२	२०	४६	३१	२६	२२	४८	१८
५७	३६	१९/१९	७	७४	६	३	५७
२३	११	मा	२६	२४	५४	११	३५

गोचरग्रहाः

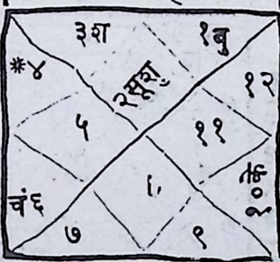

इस मास का फल अशुभ है धूप तेज हैजे का प्रकोप कहीं कुछ वर्षा होगी, रुई सीसा सोना सुपारी सोंठ, राई तेज।

गोचरग्रहाः

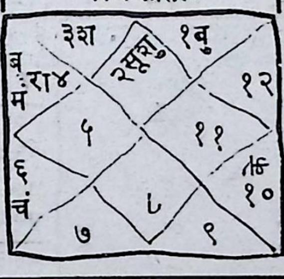

८पं.ज्ये.शु.१०वृ.इ.६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	१	२	३	१
१७	१२	२२	२७	१०	४	७	१७
२२	३४	५०	२४	१८	२८	३	२५
८	५९	५३	३२	४३	५२	३३	५
५७	३६	५२	८	७४	७	३	५७
१३	२९	३४	२९	३०	६	११	२७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	बु	४४	५६	ज्ये	१९	२६	सा	१९	१४	बा	१६	७	३४/१५	५/९	६/५१	७	२५	१५	ध.१९।२६
२	गु	४१	३१	मू	१८	१४	शु	१४	३१	तै	१३	१३	१६	९	५१	८	२६	१६	धनुषि
३	शु	३७	१३	पू	१६	१५	शु	८	३९	व	९	२२	१७	९	५१	९	२७	१७	म.३०।३०
४	श	३२	५	उ	१३	१४	ब्र	२/१०	५३/१८	ब	४	३९	१८	८	५२	१०	२८	१८	मकरे
५	र	२६	२४	श्र	९	५०	वै	४८	१८	तै	२६	२४	१९	८	५२	११	२९	१९	कुं.३७।५९
६	चं	२०	२६	ध	६	८	वि	४०	४४	व	२०	२६	२०	८	५२	१२	३०	२०	कुम्भे
७	मं	१४	२१	श	५६	५६/३३	प्री	३३	३९	ब	१४	२१	२१	८	५२	१३	३१	२१	मी४४।२१
८	बु	८	१३	उ	५४	४	आ	२६	४	कौ	८	१३	२१	८	५२	१४	३२	२२	मीने
९	गु	२	२०	रे	५०	५३	सौ	१८	३३	ग	२	२०	२२	८	५२	१५	१	२३	मे.५०।५३
१०	गु	५४	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	शु	५१	४९	अ	४७	२०	शो	११	२९	ब	२४	१६	२२	८	५२	१६	२	२४	मेषे
१२	श	४७	४३	भ	४५	१९	अ	५/२	५४/२६	कौ	१९	४६	२२	८	५२	१७	३	२५	मेषे
१३	र	४४	३०	कृ	४४	९	धृ	५४	४५	ग	१६	७	२३	७	५३	१८	४	२६	वृ. ०।१
१४	चं	४२	२२	रो	४३	३६	शू	५०	४०	वि	१३	२६	२३	७	५३	१९	५	२७	वृषे
३०	मं	४१	२७	मृ	४४	३०	गं	४७	२५	च	११	५४	२३	७	५३	२०	६	२८	मि१४।३

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मृगे रविः २२।२६
सार्पे भौमः ५।४२ पुष्ये१ राहुः उषायां३+
भ. ९।२२ उ. ३७।१३ या. चतुर्थी व्र.
ऐन्द्रयोग क्षयः ५३।६८ +केतुः ३१।७
मृगे शुक्रः ४४।४१
भ. २०।२६ उ. ४७।२३ या.
पूर्वाभाद्रपदाक्षयः ५६/३३ रोहिण्यांबुधः १५/५८
मिथुनेऽर्कः २३।१४
भ. २९।३२ उ. ५६।४४ या.

योगिनी ११ व्र. ×योगिनी ११ व्र.वै.
सुकर्माक्षयः ५४।२६ मिथुनेशुक्रः ६।५०×
भ.४४/३०उ.मघायां१ सिंहेचगुरुः ५६/३३आर्द्रायां=
भ.१३।२६ या. =१ शनिः १८/५५ प्रदोषः
मृगे बुधः ३८।७ पूर्वास्तो बुधः १५।३१

९पं.आ.कृ.२वृ.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	१	२	३	१
२४	१६	१	२८	१८	५	६	२४
२	४०	४२	२२	५४	२२	४१	७
३	३४	७	२६	४०	१६	१८	८
५७	३६	६७	९	७४	७	३	५७
५	५६	४०	१७	३०	१२	११	२२

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ८ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५न.५ युवावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रास्तः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

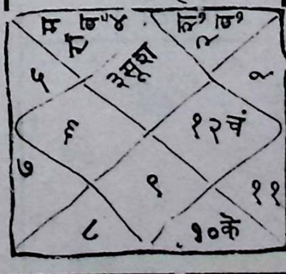

१०पं.आ.कृ.९ वृ.इ.६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	३	१	२	३	२
०	२०	१२	२९	२७	६	६	०
४१	४७	५४	२५	३०	१६	१९	४८
११	३८	३२	४१	४३	४१	२	२५
५६	३७	९४	९	७४	७	३	५७
५७	७	३९	५६	३०	१८	११	१७

*मंबूरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	बु	४१	५७	आ	४६	४९	वृ	४५	३१	किं	११	४२	३४/३४	५/७	५ ६/३	२१	७	२९	मिथुने
२	गु	४३	२६	पु	५०	१९	ध्रु	४४	२५	बा	१२	४२	२४	७	५३	२२	८	३०	क.३४।२७
३	शु	४६	३१	पु	५४	५७	व्या	४४	२२	तै	१४	५८	२४	७	५३	२३	९	१	कर्के
४	श	५०	२७	श्ले	६०	०	ह	४५	५	व	१८	२९	२३	७	५३	२४	१०	२	कर्के
५	र	५५	३	श्ले	०	३४	व	४६	१७	ब	२२	४५	२३	७	५३	२५	११	३	सिं०।३४
६	चं	५९	४७	म	६	४६	सि	४७	५१	कौ	२७	२५	२३	७	५३	२६	१२	४	सिंहे
७	मं	६०	०	पू	१३	४	व्य	४९	२४	ग	३७	१७	२२	७	५३	२७	१३	५	कं.२९।४१
७	बु	४	४७	उ	१९	३२	व	५०	३९	व	४	४७	२२	८	५२	२८	१४	६	कन्यायां
८	गु	९	१६	ह	२५	१३	प	५१	२०	ब	९	१६	२१	८	५२	२९	१५	७	तु.५७।४७
९	शु	१३	३	चि	३०	२१	शि	५१	३५	कौ	१३	३	२०	८	५२	३०	१६	८	तुलायां
१०	श	१५	४६	स्वा	३४	४३	सि	५०	३९	ग	१५	४६	१९	८	५२	१	१७	९	तुलायाँ
११	र	१७	१३	वि	३७	१९	सा	४८	५१	वि	१७	१३	१८	८	५२	२	१८	१०	वृ.२१।४०
१२	चं	१७	३३	अ	३८	५४	शु	४६	४	बा	१७	३३	१७	८	५२	३	१९	११	वृश्चिके
१३	मं	१६	२७	ज्ये	३९	२०	शु	४२	१६	तै	१६	२७	१६	९	५१	४	२०	१२	ध.३९।२०
१४	बु	१४	६	मू	३८	५२	ब्र	३७	३१	व	१४	६	१६	९	५१	५	२१	१३	धनुषि
१५	गु	१०	४४	पू	३७	१७	ऐं	३१	५६	ब	१०	४४	१४	९	५१	६	२२	१४	म.५१।२४

ग्रीष्मर्तूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३६५ स.१९४४

आर्द्रायांरविः २४।४६दक्षिणायनप्रवर्तिः ३२/१२
चन्द्रद. आर्द्रायांशुक्रः ३३।५ रथयात्रा
मिथुने बुधः ५९।५८ रज्जब मु. ७
भ.१८।२९ उ.५०।२७ या. वर्षायोगः
वर्षा
आर्द्रायां बुधः ५८।२५

भ. ४।४७ उ. ३१।१ या.

मघायां सिंहे च भौमः २८।३०
भ.४६/२९उ. जुलाई मा. ७ ता. ३१ मन्वा.
भ.१६/१३या.पुनर्व.बुधः५७/४५ देवशयनी ११व्र.
पुनर्वसु शुक्रः ३५/३८ प्रदोषः हरिवा.नास्ति

भ.१४।६ उ.४२।४५या. पुनर्वसौ रविः ३८/४७
व्यास पूजा वायु परीक्षा

११षं. आ.शु.२बृ.इ.६।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	४	२	२	३	२
७	२४	२६	०	६	७	५	७
१९	५७	१५	३३	७	११	५६	२९
३९	२५	१४	४३	१	२०	४७	१३
५६	३७	[illegible]	१०	७४	७	३	५७
५४	२६	[illegible]	३९	३६	१८	११	१३

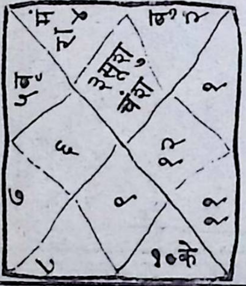

१२पं.आ.कृ.८ बृ.इ.६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	२	२	३	२
१३	२९	११	१	१४	८	५	१४
५७	८	१३	४६	४३	५	३४	९
४२	२०	४१	१६	२६	५६	३२	४३
५६	३७	[illegible]	११	७४	७	३	५७
५०	४८	[illegible]	१४	३६	१८	११	७

१३पं.आ.शु.१५बृ.इ.६।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	२	३	२
२०	३	२६	३	२३	९	५	२०
३५	२२	२४	२	१९	०	१२	५०
३८	८	७	४२	५२	७	१६	७
५६	३८	[illegible]	११	७४	७	३	५७
५०	३०	[illegible]	५१	३६	१२	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	६	२७	उ	३३	४४	वै	२५	४०	कौ	६	२७	३४/१३	५/९	५ ६/१	७	२३	१५	मकरे
२	श	१	११	श्र	३०	३३	वि	१८	५४	ग	१	११	१२	१०	५०	८	२४	१६	कु.५८।३६
३	श	५४	३१	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	र	४९	४८	ध	२६	४०	प्री	११	५५	ब	२२	४५	११	१०	५०	९	२५	१७	कुम्भे
५	चं	४३	३६	श	२२	३६	आ	५/३	५३/२७	कौ	१६	४२	९	१०	५०	१०	२६	१८	कुंभे
६	मं	३७	२७	पू	१८	२९	शो	४९	७	ग	१०	३१	८	१०	५०	११	२७	१९	मी४।३१
७	बु	३१	३१	उ	१४	२०	अ	४१	४२	वि	४	३१	६	११	४९	१२	२८	२०	मीने
८	गु	२५	५१	रे	१०	३९	सु	३४	४३	कौ	२५	५१	४	११	४९	१३	२९	२१	मे.१०।३७
९	शु	२०	५३	अ	७	३७	धृ	२८	१०	ग	२०	५३	२	१२	४८	१४	३०	२२	मेषे
१०	श	१६	४२	भ	५	११	शू	२२	१८	वि	१६	४२	०	१२	४८	१५	३१	२३	वृ.१९।४७
११	र	१३	२४	कृ	३	३४	गं	१७	१६	बा	१३	२४	३३/५८	१२	४८	१६	१	२४	वृषे
१२	चं	११	११	रो	३	१४	वृ	१३	७	तै	११	११	५६	१३	४७	१७	२	२५	मि३३।३५
१३	मं	१०	६	मृ	३	५७	ध्रु	९	५२	ब	१०	६	५४	१३	४७	१८	३	२६	मिथुने
१४	बु	१०	३५	आ	५	४८	व्या	७	३७	श	१०	३५	५२	१४	४६	१९	४	२७	क.५३।९
३०	गु	१२	१७	पु	८	५६	ह	६	२७	ना	१२	१७	५०	१४	४६	२०	५	२८	कर्के

ग्रीष्मर्तूं रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

कर्के बुधः ५३/२४ मघायां २ गुरुः ३३/५९ वर्षा
भ. २८।२६ उ. ५५।४२ या. वर्षा
क्षयः
पुष्ये बुधः ३०।३६ चतुर्थी व्र.
सौभाग्य योगक्षयः ५३/२७ उदयं शनेः १६/१९×
भ. ३७।२७ उ. कर्के शुक्रः ३२।५
भ.४।३१ या. पश्चिमोदयी बुधः५६।३०
×नाग ५ मरुस्थले
भ.४८।२४उ. पुष्येशुक्रः १३।९ आर्द्रायां२=
भ. १६।४२ या. =शनिः १।२
कर्केऽर्कः १।३१ सार्पेबुधः ३७/२ का.११व्र.
प्रदोषः
भ. १०।६ उ. ४०।२० या.
पुष्ये रविः ३२।१२
भारतवर्षे रविग्रहणं हरियाली ३० वर्षा

१४पं.श्रा.कृ.८बृ.इ.६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	४	३	२	३	२
२७	७	१०	४	१	९	४	२७
१३	३७	२२	२२	५६	५३	५०	३०
४४	५	५९	२३	५६	३१	१	२९
५६	३८	[illegible]	१२	७४	७	३	५७
५५	१३	[illegible]	१८	३०	६	११	११

गोचरग्रहाः

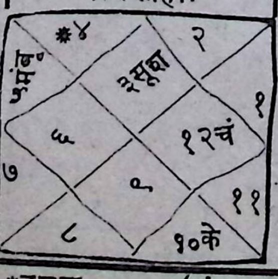

श्रावण कृ. ११
रवौ कर्केऽर्कः प्र.
वा.५न.५कुमारा-
वस्था (बैठी)मु.
३० (धान्या भाव
सम)शुक्रास्तः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

१५प.श्रा.कृ.३०बृ.इ. ६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	४	३	२	३	३
३	११	२३	५	१०	१०	४	४
५२	२३	५	४५	३३	४६	२७	११
११	५३	३१	४	५४	१	४५	१३
५६	३८	९१	१२	७४	६	३	५७
५७	३१	५२	३५	३०	५४	११	१५

*बृशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	१४	५६	पु	१३	२१	व	६	४	ब	१४	५६	३३/४८	५/१४	६/४६	२१	६	२९	कर्के
२	श	१८	४६	श्ले	१८	३४	सि	६	३७	कौ	१८	४६	४५	१५	४५	२२	७	१	सि १८।३४
३	र	२३	१९	म	२४	४५	व्य	७	४५	ग	२३	१९	४२	१६	४४	२३	८	२	सिंहे
४	चं	२८	२४	पू	३१	९	व	९	१४	वि	२८	२४	४०	१६	४४	२४	९	३	कं.४७।४५
५	मं	३३	६	उ	३७	३४	प	१०	५०	ब	०	४५	३७	१७	४३	२५	१०	४	कन्यायां
६	बु	३७	३६	ह	४३	३१	शि	१२	१२	कौ	५	२१	३५	१७	४३	२६	११	५	कन्यायां
७	गु	४१	२५	चि	४८	५४	सि	१३	१	ग	९	३०	३२	१८	४२	२७	१२	६	तु. १६।१२
८	शु	४४	४१	स्वा	५३	१५	सा	१३	१७	वि	१३	३	३०	१८	४२	२८	१३	७	तुलायाँ
९	श	४५	४६	वि	५६	१४	शु	१२	४१	बा	१५	१३	२७	१९	४१	२९	१४	८	वृ.४०।२९
१०	र	४६	११	अ	५८	५	शु	११	४	तै	१५	५८	२४	१९	४१	३०	१५	९	वृश्चि.
११	चं	४५	१०	ज्ये	५८	५१	ब्र	८	३०	व	१५	४१	२१	२०	४०	३१	१६	१०	ध.५८।५१
१२	मं	४३	५५	मू	५८	६	ऐं	४	५६	ब	१४	३२	१८	२०	४०	१	१७	११	धनुषि
१३	बु	४०	३७	पू	५६	२८	वै	१९	५४/३४	कौ	१२	१६	१५	२१	३९	२	१८	१२	धनुषि
१४	गु	३५	२६	उ	५३	५२	प्री	४८	५१	ग	८	१	१२	२२	३८	३	१९	१३	म.१०।४९
१५	शु	३०	२६	श्र	५०	५७	आ	४१	५७	वि	२	५६	९	२२	३८	४	२०	१४	मकरे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३९५ सं. १९४४

चन्द्रदर्शनम् नक्तव्रतारम्भः
पूफायांभौमः२१।१६ सावानमु.८ सिंजारा
भ.५५।३५उ.सिंहेबुधः४९।४२तीज.मधु.३
भ. २८।२४ या. मघायां३ गुरुः ४७।१६
सार्पे शुक्रः ४।३१ नाग ५
×पूफायां बुधः ३४।८ प्रदोषः
भ. ४१।२५ उ.
भ. १३।३ या.
×रविः विष्कुम्भ क्षयः ५४।३४
कल्किजयंती *सब्बरात
भ.१५/४१ उ.४५/१० या. पवित्रा ११व्र. स्मा.वैं.
अगस्त मा. ८ ता. ३१ पवित्रा ११ व्र.निं.
पश्चिमोदयोशुक्रः ४/३ ३/६ आश्लेषायां× प.उ.शु.
भ. ३५।२६ उ. +कर्म. रक्षा*
भ.५ ३/६ या. मघायां सिंहेशुक्रः ५ ३/६ श्रावणी+

१६पं.श्रा.शु.७वृ.इ.५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	३	२	३	३
१०	१६	४	७	१९	११	४	१०
३१	१३	१६	१०	१०	३६	५	५२
३०	५२	३३	१	४८	५४	३०	१६
५७	३८	७८	१२	७४	६	३	५७
५	३८	२७	५९	३०	३६	११	२०

गोचरग्रहाः

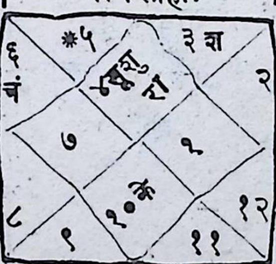

इस मास में प्रजा
में सुख शान्ति वर्षा
सामान्य रुई चांदी
अलसी सरसों घृत
गुड़ खांड तेज होगा
गुरु मंगल का योग है

गोचरग्रहाः

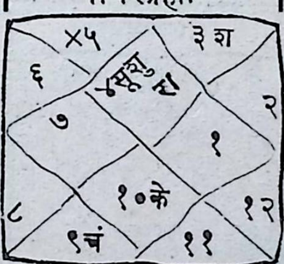

१७पं. श्रा.शु.१४ वृ.इ.५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	३	२	३	३
१७	२०	१३	८	२०	१२	३	१०
११	३४	५४	३७	४८	२६	४३	३३
१८	३७	५०	५	१४	२०	१५	५८
५७	३८	६५	१३	७५	६	३	५७
१२	५५	५६	१८	२४	२४	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	२४	५२	ध	४६	५४	सौ	३४	४१	कौ	२४	५२	३/६	२ ५/३	३ ६/७	५	२१	१५	कुं.१८।५५
२	र	१८	५९	श	४२	५७	शो	२७	८	ग	१८	५९	३	२३	३७	६	२२	१६	कुम्भे
३	चं	१२	५३	पू	३८	४८	अ	१९	२९	वि	१२	५३	०	२४	३६	७	२३	१७	मी२४।५०
४	मं	६	४५	उ	३४	४०	सु	११	२७	बा	६	४५	३ २/५ ७	२५	३५	८	२४	१८	मीने
५	बु	०	३७	रे	३०	१०	धृ	४/१	५२/५१	तै	०	३७	५४	२५	३५	९	२५	१९	मे. ३०।५३
६	बु	५४	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	गु	५०	२	अ	२७	४४	गं	५०	३७	वि	२२	३४	५०	२६	३४	१०	२६	२०	मेषे
८	शु	४५	४६	भ	२५	१	वृ	४४	३४	बा	१७	५४	४७	२७	३३	११	२७	२१	वृ. ३९।३१
९	श	४२	२७	कृ	२३	३	ध्रु	३९	१७	तै	१४	६	४४	२७	३३	१२	२८	२२	वृषे
१०	र	४०	१२	रो	२३	२७	व्या	३४	४९	व	११	१९	४०	२८	३२	१३	२९	२३	मि५२।४१
११	चं	३९	९	मृ	२२	५५	ह	३१	२२	ब	९	४१	३७	२९	३१	१४	३०	२४	मिथुने
१२	मं	३९	३४	आ	२४	३१	व	२८	५३	कौ	९	२१	३३	२९	३१	१५	३१	२५	मिथुने
१३	बु	४१	२	पु	२७	२३	सि	२७	२२	ग	१०	१८	३०	३०	३०	१६	३२	२६	क. ११।४०
१४	गु	४३	४४	पु	३१	३४	व्य	२६	५०	वि	१२	२३	२६	३१	२९	१७	१	२७	कर्के
३०	शु	४७	३४	श्ले	३६	४५	व	२७	१२	च	१५	२९	२२	३२	२८	१८	२	२८	सिं३६।४५

वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वर्षा
भ. ४५।५६ उ. कजली ३ वर्षा
भ. १२।५३ या. चतुर्थी व्र.
*मघायां ४ गुरुः ४०।२८ चन्द्रषष्ठी
भ. ५५।० उ. शूलयोगक्षयः ५२।५१*
क्षयः =ग्रहणी पिठोरी३० सतीपूजनम्
भ.२/३ २/४या.पुन.४राहुः उषायाँ २ केतुः २/१ ३/३
आर्द्रायां३शनि. १/३ ३/८ जन्माष्टमीव्र. मन्वादिः
उफायां भौमः ४३।३९ गोगानवमी
भ. ११।१९ उ. ४०।१२ या.
अजा ११ व्र. ×प्रदोषः
पूफायां शुक्रः ४२।१८ गोवत्स १२ व्र.
भ.४ १/२उ. सिंहेऽर्कः३/२ ९/७ उफायांबुधः८।४१×
भ.१२।२३या. अस्तंगुरोः२५।१२ अ.गु.
कन्यायांभौमः२।२७ लोहार्गलस्ना.कुशा-=

१८पं.भा.कृ.७वृ.इ.५।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	४	२	३	३
२३	२४	२१	१०	६	१३	३	२४
५२	५७	४३	५	२५	१३	२०	१६
२६	१४	२६	३८	४४	१	५९	२५
५७	३९	५२	१३	७४	६	३	५७
२२	२	२५	२४	२४	१०	११	३३

गोचरग्रहाः

भाद्रपद कृ. १३
बुधे सिंहेऽर्कः प्र.
वा.५न.६प्रगल्भा-
वस्था (बैठी) मु.
३०(धान्य भाव
सम)शुक्रो.पश्चिमे

गोचरग्रहाः

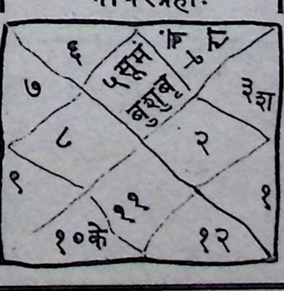

१९पं.भा.कृ.१४वृ.इ.५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	४	२	३	४
०	२९	२७	११	१३	१३	२	०
३४	२२	१२	३५	३	५७	५८	५९
३९	४८	१४	२५	४	५८	४४	४६
५७	३९	३४	१३	७४	५	३	५७
३४	१३	१	३०	१८	४८	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	मु.	हिं.	चन्द्रः
१	श	५२	८	म	४२	४७	प	२८	१३	किं	१९	५१	३२/५८	५/३२	६/२८	१९	२९	३	सिंहे
२	र	५६	५८	पू	४७	२	शि	२९	५	बा	२४	३३	१५	३३	२७	२०	३०	४	सिंहे
३	चं	६०	०	उ	५५	२७	सि	३१	९	तै	२९	२८	११	३४	२६	२१	१	५	कं.५।३८
३	मं	१	५८	ह	६०	०	सा	३२	३८	ग	१	५८	७	३५	२५	२२	२	६	कन्यायां
४	बु	६	३४	ह	१	१९	शु	३३	३६	वि	६	३४	४	३५	२५	२३	३	७	तु.३४।५
५	गु	१०	२४	चि	६	५१	शु	३३	५४	बा	१०	२७	०	३६	२४	२४	४	८	तुलायां
६	शु	१३	२१	स्वा	११	२३	ब्र	३३	२५	तै	१३	२१	३५/५६	३७	२३	२५	५	९	वृ.५९।२
७	श	१५	६	वि	१४	५५	ऐं	३१	५६	व	१५	६	५२	३८	२२	२६	६	१०	वृश्चिके
८	र	१५	३८	अ	१६	५०	वै	२९	३२	ब	१५	३८	४८	३८	२२	२७	७	११	वृश्चिके
९	चं	१४	४५	ज्ये	१७	५१	वि	२६	६	कौ	१४	४५	४४	३९	२१	२८	८	१२	ध.१७।५१
१०	मं	१२	३७	मू	१७	३६	प्री	२१	४६	ग	१२	३७	४०	४०	२०	२९	९	१३	धनुषि
११	बु	९	२५	पू	१६	३	आ	१६	१३	वि	९	२५	३६	४१	१९	३०	१०	१४	म.३०।२७
१२	गु	५	२०	उ	१३	३९	सौ	१०	८	बा	५	२०	३२	४२	१८	३१	११	१५	मकरे
१३	शु	०	२७	श्र	१०	४३	शो	२/५५	५३/२०	तै	०	२७	२८	४२	१८	१	१२	१६	कु.३८।५५
१४	शु	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	श	४९	६	ध	७	७	सु	४८	१४	वि	२२	१	२५	४३	१७	२	१३	१७	कुम्भे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४२४ स.१९४४

चन्द्रदर्शनम्
रमजान ९ रोजा मन्वादिः
भ.३४।१६ उ. गणेश ४ हरितालिका व्र.
भ. ६।३४ या. ऋषि ५
+महालयारम्भः प्रौष्ठपदी १५
वक्रीबुधः १६।१२ पूफायां १ गुरुः ६।१९
भ. १५।६ उ. ४५।२२ या. उफायां=
अगस्त्योदयः २८।५४ =शुक्रः ३०।२७
भ. ४१।१ उ. कन्यायां शुक्रः १३।३९!
!व.मनावतार जलझूलनी ११ व्र.
पश्चिमास्तो बुधः १२।४८ प्रदोषः
भ.५३।५५ उ. सितम्बर मा. ९ ता. ३०×
×अनंत १४ वक्री पूभायां बुधः ६।४४
भ. २२।१ या. हस्ते भौमः ३८।२१+

२०पं.भा.शु.५.बृ.इ.५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	४	२	३	४
७	३	२९	.३	२३	१४	२	७
१८	५०	२५	६	४०	३८	३६	४४
१३	२	३७	११	३४	५६	२९	१७
५७	३९	७	१३	७४	५	३	५७
४५	१९	३	३६	१२	२३	११	४८

गोचरग्रहाः

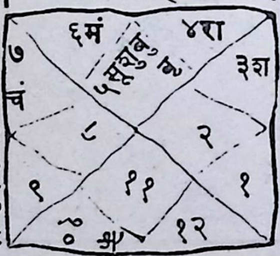

इस मास में पांच शनिबार विषम वर्षा से खेती में नुकसान होगा। धान्य रुई चांदी सोना चंदन चावल जौ गेहूँ तेज

गोचरग्रहाः

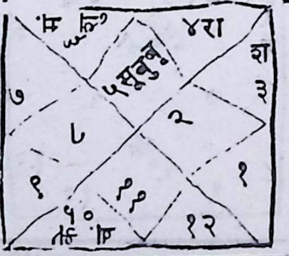

२१पं. भा.शु.१२बृ.इ.५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	५	२	३	४
१४	८	२७	१४	२	१५	२	१४
३	१८	१५	३७	१७	१७	१४	२९
२५	५४	३६	४३	४९	२८	१३	५३
५७	३९	३४/४४	१३	७४	४	३	५८
५७	३७	व	३६	६	५४	११	१

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	मु.	हिं.	चन्द्रः
१	र	४३	२	श	३/५६	५५/५८	धृ	४२	१	बा	१६	४	३५/२१	५/४४	६/१६	३	१४	१८	मी४४।५५
२	चं	३६	५८	उ	५४	४१	शू	३३	२८	तै	१०	०	१८	४४	१६	४	१५	१९	मीने
३	मं	३१	५	रे	५०	५२	गं	२६	१	व	४	१	१४	४५	१५	५	१६	२०	मे.५०।५२
४	बु	२५	२५	अ	४७	१९	वृ	१८	४८	बा	२५	२५	१०	४६	१४	६	१७	२१	मेषे
५	गु	२०	२३	भ	४४	३०	ध्रु	११	५८	तै	२०	२३	६	४७	१३	७	१८	२२	वृ.५९।३
६	शु	१६	६	कृ	४२	४२	व्या	५	३७	व	१६	६	२	४८	१२	८	१९	२३	वृषे
७	श	१२	४८	रो	४१	१७	ह	०/५	५५/१७	ब	१२	४८	३०/५८	४८	१२	९	२०	२४	वृषे
८	र	१०	३४	मृ	४१	१६	सि	५१	३४	कौ	१०	३४	५३	४९	११	१०	२१	२५	मि११।३१
९	चं	९	३२	आ	४३	३	व्य	४८	४६	ग	९	३२	४९	५०	१०	११	२२	२६	मिथुने
१०	मं	९	५९	पु	४५	३९	व	४६	५८	वि	९	५९	४५	५१	९	१२	२३	२७	क.३०।०
११	बु	११	२८	पु	४९	३५	प	४६	११	बा	११	२८	४०	५२	८	१३	२४	२८	कर्के
१२	गु	१४	१२	श्ले	५४	२७	शि	४६	२२	तै	१४	१२	३६	५३	७	१४	२५	२९	सिं५४।२७
१३	शु	१८	३	म	६०	०	सि	४७	११	व	१८	३	३२	५४	६	१५	२६	३०	सिंहे
१४	श	२२	४१	म	०	१४	सा	४८	१९	श	२२	४१	२८	५४	६	१६	२७	३१	सिंहे
३०	र	२७	२७	पू	६	३१	शु	४९	४५	ना	२७	३७	२४	५५	५	१७	२८	१	कं.२३।६

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ४।१ उ. ३१।५ या. च. व्र.
हस्ते शुक्रः २०।१६
भ. १६।६ उ. ४४।२७ या. उ. गु.
पूफायां २ गुरुः २४।४७
भ. ३९।३५ उ. =सर्वपितृ ३०
भ. ९।५९ या. उदयं गुरोः ७।४८
उफायां रविः ७।४७ इंदिरा ११ व्र.
पूर्वोदयी बुधः ५०।७ प्रदोषः
भ. १८।३ उ. ५०।२२ या.
कन्यायामर्कः ३०।८ शस्त्रादिहतानांश्राद्धम्
मार्गीबुधः ४८।३४ चित्रायां शुक्रः ९।३४=

२२पं. आ.कृ.५बृ.इ. ५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	५	२	३	४
२०	१२	२१	१६	१०	१५	१	२१
५०	५०	०	८	५५	५२	५१	१६
५	१३	५-	२०	१६	१२	२८	५९
५८	३९	६५/५९	१३	७४	४	३	५८
१२	४७	व	३६	०	२८	११	१३

गोचरग्रहाः

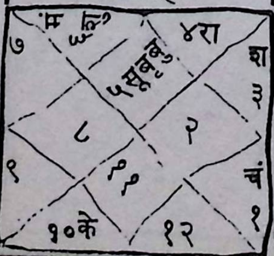

आश्विन कृ.१४ शनौ कन्यायामर्कः प्र.वा.४ न.४ अतिबंध्यावस्था [सूती]मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

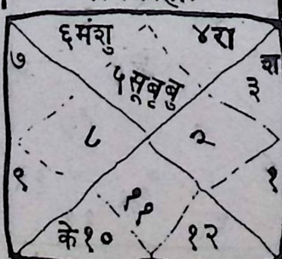

२३पं.आ.कृ.१२बृ.इ.४।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	५	२	३	४
२७	१७	१६	१७	१९	१२	१	२८
३८	२३	१	३९	३२	१६	२९	५
२९	४९	३०	०	३५	४८	४२	२४
५८	४०	५१/५२	१३	७३	३	३	५८
२९	४	व	३०	५४	४९	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४५४ सन्१९४४
१	चं	३२	४१	उ	१२	५१	शु	५१	१८	किं	०	९	३०/२०	५/५६	६/४	१८	२	२९	कन्यायां	आर्द्रायां ४ शनिः ३०।१० नवरात्रारंभः+
२	मं	३७	२२	ह	१९	५	ब्र	५२	४	बा	५	१	१६	५७	३	१९	३	३०	तु.५१।५७	चंद्रदर्शनम् +घटस्था.
३	बु	४९	२१	चि	२४	४९	ऐं	५२	३६	तै	९	२२	१२	५८	२	२०	४	१	तुलायां	सव्वाल मु. १० ईद
४	गु	४४	२०	स्वा	२९	२४	वै	५२	१९	व	१२	५१	८	५८	२	२१	५	२	तुलायां	भ. १२।५१ उ. ४४।२० या.
५	शु	४६	१३	वि	३३	११	वि	५१	२७	ब	१५	१७	४	५९	१	२२	६	३	वृ.१७।१४	तुलायां शुक्रः३४।४० अस्तं भौमः४६।१५
६	श	४६	५१	अ	३५	२४	प्री	४८	४२	कौ	१६	३२	३०/००	६/०	६/००	२३	७	४	बृश्चिके	चित्रायां भौमः ४।४०
७	र	४६	१	ज्ये	३६	३८	आ	४५	२४	ग	१६	२६	५९/५९	६/५	५/५९	२४	८	५	ध.३६।३८	भ. ४६।१ उ. +दुर्गा पू.
८	चं	४३	५७	मू	३६	४५	सौ	४१	४	वि	१४	५९	५१	२	५८	२५	९	६	धनुषि	भ. ५४/५९ या. पूफायां३ गुरुः१६।० सरस्व.+
९	मं	४०	५५	पू	३५	२४	शो	३५	५६	बा	१२	५६	४७	३	५७	२६	१०	७	म.४९।४९	हस्ते रविः ४२।३६ सरस्वती पू.
१०	बु	३६	५८	उ	३३	५	अ	२९	५६	तै	८	२७	४२	४	५६	२७	११	८	मकरे	स्वात्यां शुक्रः ५९।३६ बौद्ध विजया १०
११	गु	३२	११	श्र	२९	५१	सु	२३	१३	व	४	३५	३८	४	५६	२८	१२	९	कु.५८।१७	भ.३/५४ उ.५/३ या.उफायांबुधः५९/५ पा. ११ब्र.
१२	शु	२६	४३	ध	२६	४३	धृ	१६	११	बा	२६	४३	३४	५	५५	२९	१३	१०	कुम्भे	प्रदोषः
१३	श	२१	८	श	२२	५४	शू	८	३८	तै	२१	८	३०	६	५४	३०	१४	११	कुम्भे	कन्यायां बुधः ५९।१९
१४	र	१४	५९	पू	१८	३८	गं	५/३३	५५/३९	व	१४	५९	२६	७	५३	१	१५	१२	मी४।४२	भ. ५४/५९ उ. ५१/५९ अक्टूबर मा.१० ता.३१
१५	चं	८	५९	उ	१४	२८	ध्रु	४५	३३	ब	८	५९	२२	८	५२	२	१६	१३	मीने	कोजागरी ब्र. शरत् १५

२४पं.आ.शु.४बृ.इ.४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	४	५	२	३	५
४	२१	१७	१९	२८	१६	१	४
२८	५९	२०	८	९	४८	७	५५
३७	२४	१७	४६	२५	२५	२७	१६
५८	४०	४५/२८	१३	७३	३	३	५८
४५	२०	मा	२४	४८	१६	११	३८

गोचरग्रहाः

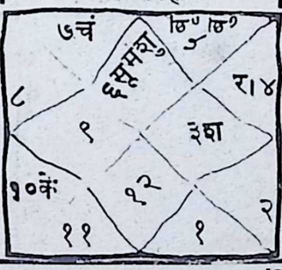

इस मास में प्रजामें ज्वरादि पीड़ा होगी सूर्य से आगे मंगल का रथ चलता है, यह वर्षा रोकेगा । ‘पुरोंगारमनावृष्टि’

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.शु.११बृ.इ.४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	४	६	२	३	५
११	२६	२५	२०	६	१७	०	११
२०	३७	१४	३७	४६	१०	४५	४६
४१	४४	१३	२३	१२	५	१२	५५
५९	४०	९८	१३	७३	३	३	५८
०	२०	१०	१०	४२	४९	११	५३

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	मं	३	८	रे	१०	४०	व्या	३८	१०	कौ	३	८	३९/५८	६/८	५/५२	३	१७	१४	मे.१०।४०	तुलायां भौमः ५०/१४ पूर्वास्तं बुधः १९।२१
२	मं	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	५२	३३	अ	७	७	ह	३१	९	व	२५	३	१४	९	५१	४	१८	१५	मेषे	भ. २५।३ उ. ५२।३३ या.
४	गु	४८	२२	भ	४	४	व	२४	३९	ब	२०	२८	१०	१०	५०	५	१९	१६	वृ.१८।३३	करक ४ ब्र.
५	शु	४५	८	कृ	२	९	सि	१८	५०	कौ	१६	४५	६	११	४९	६	२०	१७	बृषे	हस्ते बुधः ४६।५९
६	श	४२	५९	रो	०	३७	व्य	१३	४८	ग	१४	३	२	१२	४८	७	२१	१८	मि३०।३५	भ. ४२।५९ उ.
७	र	४२	२	मृ	०	३४	व	९	४६	वि	१२	३०	५९/५८	१२	४८	८	२२	१९	मिथुने	भ.१२।३०या. विशाखायां शुक्रः४८।५८
८	चं	४२	३४	आ	१	३२	प	६	३०	बा	१२	१८	५४	१३	४७	९	२३	२०	क.४८।४	होई ८
९	मं	४४	७	पु	३	३४	शि	४	२७	तै	१३	२०	५०	१४	४६	१०	२४	२१	कर्के	चित्रायां रविः १३।१३
१०	बु	४६	५५	पु	७	३०	सि	३	१९	व	१५	३१	४६	१५	४५	११	२५	२२	कर्के	भ.१५/३ उ.४६/५५ या. पूफायां४ गुरुः३१।१८
११	गु	५०	५१	श्ले	१२	६	सा	२	३४	ब	१८	५३	४२	१६	४४	१२	२६	२३	सिं१२।६	मिथुने राहुः धनुषि केतुः ५१/५० रमा११ब्र.
१२	शु	५५	३४	म	१७	३५	शु	३	४०	कौ	२३	१२	३८	१६	४४	१३	२७	२४	सिंहे	स्वात्यां भौमः २।२१ गोवत्स पूजा
१३	श	६०	०	पू	२३	४२	शु	४	४८	ग	२८	५	३५	१७	४३	१४	२८	२५	कं.४०।२०	चित्रायां बुधः २०।२० प्रदोषः धन १३
१३	र	०	३६	उ	३०	१६	ब्र	६	२४	व	०	३६	३०	१८	४२	१५	२९	२६	कन्यायां	भ.०।३५ उ.३३।१०या. रूप१४ नरक१४
१४	चं	५	४५	ह	३६	४०	ऐं	७	२६	श	५	४५	२६	१९	४१	१६	३०	२७	कन्यायां	बृश्चिके शुक्रः ५६।५८ तुलायामर्कः ५५/५७×
३०	मं	१०	३२	चि	४२	२०	वै	८	३३	ना	१०	३२	२२	२०	४०	१७	१	२८	तु.९।३०	गोवर्धन पू. अन्नकूटम् ×महालक्ष्मी पू.

२६पं.का.कृ.४बृ.इ.४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	४	६	२	३	५
१८	१	६	२२	१५	१७	०	१८
१४	१७	४७	७	२२	२६	२२	४०
२९	३४	२८	८	३४	४२	५६	१२
५९	४०	०/१	१२	७३	१	३	५९
१६	४४	०२/४२	५८	२४	५०	११	९

गोचरग्रहाः

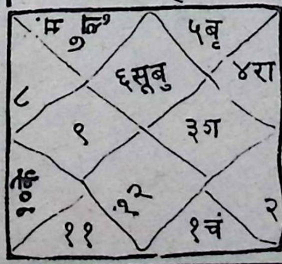

कार्तिक कृ. १४ चंद्रे तुलायामर्कः प्र.वा.३नं.४पुत्रवत्सलावस्था(सूती) मु.३०[धान्यभाव सम]शुक्रोदयःपूर्वे

गोचरग्रहाः

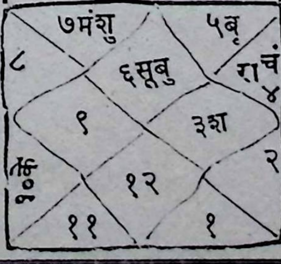

२७पं.का.कृ.११बृ.इ.४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	४	६	२	३	५
२५	६	१९	२३	२३	१७	०	२५
१०	०	९	२८	५८	३८	०	३५
१२	२२	५४	५९	३४	२	४१	१०
५९	४०	०/१	१२	७३	१	३	५९
३१	५८	०/२६	३२	१७	११	११	२१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४८४ स. १९४४
१	बु	१४	३६	स्वा	४७	३१	वि	९	५	ब	१४	३६	२८/५८	६/२०	५/४०	१८	२	२९	तुलायाँ	चंद्रदर्शनम् तुलायां बुधः २१।३४
२	गु	१७	३९	वि	५१	२४	प्री	८	५१	कौ	१७	३९	१४	२१	३९	१९	३	१	बृ.३५।२६	मैत्रेशुक्रः ४१।१२ जिल्काद मु.११ यम२*
३	शु	१९	३८	अ	५४	१२	आ	७	४१	ग	१९	३८	१०	२२	३८	२०	४	२	बृश्चिके	भ. ४९।५९ उ. *कलमदवात पूजा
४	श	२०	२१	ज्ये	५५	७	सौ	५	३८	वि	२०	२१	६	२३	३७	२१	५	३	ध.५५।७	भ. २०।२१ या.
५	र	१९	३६	मू	५५	४५	शो	३/३	५६/५	बा	१९	३६	२	२४	३६	२२	६	४	धनुषि	स्वात्यां बुधः ९।१८
६	चं	१७	३९	पू	५४	४१	सु	५३	२७	तै	१७	३९	२७/५८	२४	३६	२३	७	५	धनुषि	वक्री शनिः ८।८ स्वात्यां रविः ३६।५७
७	मं	१४	३८	उ	५२	४४	धृ	४७	३६	व	१४	३८	५४	२५	३५	२४	८	६	म.९।१५	भ. १४।३८ उ. ४२।४१ या.
८	बु	१०	४४	श्र	४९	५६	शू	४१	३	ब	१०	४४	५०	२६	३४	२५	९	७	मकरे	गोपाष्टमी ×स्मा. तुलसीविवाह पंचभीष्म
९	गु	६	०	ध	४७	२८	गं	३४	२	कौ	६	०	४६	२७	३३	२६	१०	८	कु.१८।४२	कुष्माण्ड ९
१०	शु	०	३९	श	४२	४०	वृ	२६	३२	ग	०	३९	४२	२८	३२	२७	११	९	कुम्भे	भ.२७।४८उ.५४।५६या.प्रबोधिनी ११ब्र.×
११	शु	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	श	४९	१	पू	३८	३४	ध्रु	१८	५०	ब	२१	५९	३८	२८	३२	२८	१२	१०	मी२४।३६	उफायां१ गुरुः ३६।४१ प्रबोधिनी ११ब्र.
१३	र	४३	५	उ	३५	३१	व्या	११	०	कौ	१६	३	३४	२९	३१	२९	१३	११	मीने	प्रदोषः +विशाखायां बुधः ३१।३५
१४	चं	३६	५७	रे	३०	३१	ह	१६/३	५२/३३	ग	१०	१	३१	३०	३०	३०	१४	१२	मे.३०।३१	भ. ३६।५७ उ. ज्येष्ठायां शुक्रः३६।१६+
१५	मं	३१	४८	अ	२६	५०	सि	४८	२५	वि	४	२२	२७	३१	२९	३१	१५	१३	मेषे	भ. ४।२२ या. का.स्नान स. पु. यात्रा स.

२८पं.का.शु.२बृ.इ. ४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	७	२	२	६
२	१०	१	२४	२	१७	२९	२
७	४५	१४	५१	३४	४४	३८	३१
४२	५०	४६	११	५२	२८	२६	३७
५९	४१	६०	१२	७३	०	३	५९
४६	८	९/२३	१२	४	२५	११	३४

गोचरग्रहाः

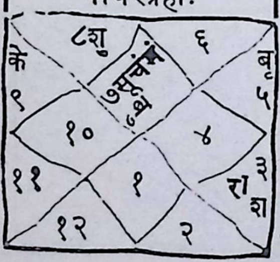

इस मास का फल खराब है राजा प्रजा में विरोध तथा रक्त विकार की बीमारी ताप तेजरा फैलेगा। धान,रुई,अलसी तेज

गोचरग्रहाः

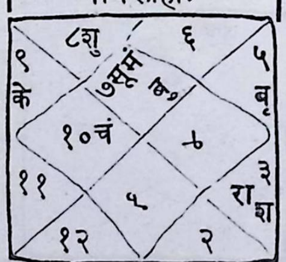

२९पं.का.शु. ९बृ.इ.३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	७	२	२	६
९	१५	१२	२६	११	१७	२९	९
७	३३	५४	१०	८	४४	१६	२९
४	७	५०	८	४९	५६	१०	५६
६०	४१	०/०	११	७२	१८	३	५९
२	१८	५८	४४	४८	व	११	४७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२६	५५	भ	२३	४२	व्य	४१	४३	कौ	२६	५५	२७/२४	६/३१	५/२९	१	१६	१४	बृ.३८।५	नवंबर मा.११ता.३० विशाखायांभौमः३०/४०
२	गु	२२	३९	कृ	२१	१६	व	३५	४०	ग	२२	३९	२०	३२	२८	२	१७	१५	वृषे	भ. ५१।१२ उ.
३	शु	१९	४५	रो	१९	३६	प	३०	२३	वि	१९	४५	१७	३३	२७	३	१८	१६	मि४९।२७	भ. १९।४५ या. चतुर्थी ब्र.
४	श	१७	४३	मृ	१९	१९	शि	२५	५९	बा	१७	४३	१३	३३	२७	४	१९	१७	मिथुने	
५	र	१६	४९	आ	१९	५९	सि	२२	३४	तै	१६	४९	१०	३४	२६	५	२०	१८	मिथुने	विशाखायां रविः ५४/२२ बृश्चिके बुधः ३५/४३
६	चं	१७	२९	पु	२१	४९	सा	२०	५	व	१७	२९	६	३५	२५	६	२१	१९	क.६।२२	भ. १०।२९ उ. ४८।२० या.
७	मं	१९	२१	पु	२५	१५	शु	१८	३९	ब	१९	११	३	३५	२५	७	२२	२०	कर्के	मैत्रे बुधः ५९।४६
८	बु	२२	६	श्ले	२९	४९	शु	१८	३	कौ	२२	६	२६/५९	३६	२४	८	२३	२१	सिं२९।४९	भैरवजयंती
९	गु	२६	९	म	३५	१३	ब्र	१८	२७	ग	२६	९	५६	३७	२३	९	२४	२२	सिंहे	भ. ५८।३३ उ.
१०	शु	३०	५७	पू	४१	१६	ऐं	१९	१५	वि	३०	५७	५२	३८	२२	१०	२५	२३	कं.५७।५२	भ.३/५ ०/७या.धनुषिमूलेशुक्रः३/१ १/७पंश्चिमोदयी=
११	श	३६	७	उ	४७	४१	वै	२०	२९	ब	३	२२	४९	३८	२२	११	२६	२४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ ब्र. =बुधः ५४।१३
१२	र	४१	२३	ह	५४	५	वि	२१	४८	कौ	८	४५	४६	३९	२१	१२	२७	२५	कन्यायां	
१३	चं	४६	११	चि	५९	५७	प्री	२२	४७	ग	१३	४७	४३	३९	२१	१३	२८	२६	तु.२७।१	भ. ४६।११ उ. प्रदोषः
१४	मं	५०	१८	स्वा	६०	०	आ	२३	२३	वि	१८	१४	४०	४०	२०	१४	२९	२७	तुलायां	भ. १८।१४ या.
३०	बु	५३	५४	स्वा	५	१६	सौ	२३	२२	च	२१	५१	३७	४१	१९	१५	३०	२८	बृ.५३।२३	बृश्चिके भौमः ४७।५१ बृश्चिकेऽर्कः ४९/४९

३०पं.मा.कृ.२बृ.इ.३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	७	२	२	६
१६	२०	२४	२७	१९	१७	२८	१६
८	२२	९	२५	४१	३९	५३	२९
८	५२	३२	२३	५३	५८	५५	४२
६०	४१	९८	११	७२	१/४	३	६०
१८	३४	२३	६	३०	व	११	४

गोचरग्रहाः

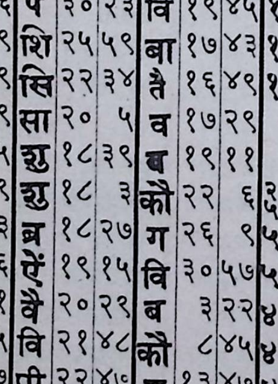

मा. कृ. ३० बुधे बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३पुत्रवत्सलावस्था [सूती]मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रो. पश्चि. वत्सःदक्षिणे

गोचरग्रहाः

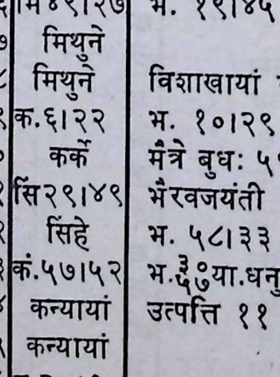

३१पं.मा.कृ.१ ९बृ.इ.३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	७	२	२	६
२३	२५	५	२८	२८	१७	२८	२३
१०	१५	२	३६	१४	२९	३१	३१
४७	४३	४९	२५	३१	४२	३९	५
६०	४१	९६	१०	७२	४८	३	६०
३०	४४	४१	२७	९	व	११	१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५१३स.१९४४
१	गु	५५	२४	वि	९	२५	शो	२२	३६	किं	२४	२४	२६/३४	६/४५	१९	१६	१	२९	वृश्चिके	ज्येष्ठायां बुधः ४३।४५
२	शु	५६	६	अ	१२	२१	अ	२०	४१	बा	२५	४५	३१	४२	१८	१७	२	३०	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् कन्यायां गुरुः ५२।७
३	श	५५	२३	ज्ये	१४	३	सु	१७	५१	तै	२५	४५	२८	४२	१८	१८	३	१	ध.१४।३	जिल्हेज मु. १२
४	र	५३	२६	मू	१४	३८	धृ	१४	१	व	२४	२५	२६	४३	१७	१९	४	२	धनुषि	भ. २४।२५ उ. ५३।२५ या. अनुराधायां*
५	चं	५०	२६	पू	१३	५४	शू	९	११	ब	२१	५६	२६	४३	१७	२०	५	३	म.२८।२५	मैत्रे भौमः २९।२४ *रविः ६।२८
६	मं	४६	३५	उ	१२	०	गं	२३/७	५३/३६	कौ	१८	३१	२६	४४	१६	२१	६	४	मकरे	पूषायां शुक्रः २६।५२ पातस्पर्शः १५।१५×
७	बु	४१	५१	श्र	९	३०	ध्रु	५०	४	ग	१४	१३	२१	४४	१६	२२	७	५	कुं.३७।५७	भ. ४१।५१ उ. ×पातमोक्षः ४३।२५
८	गु	३६	२९	ध	६	२५	व्या	४२	३४	वि	९	१०	१८	४५	१५	२३	८	६	कुम्भे	भ. ९।१० या.
९	शु	३०	५२	श	२३/३	५५/५६	ह	३४	५०	बा	३	४१	१३	४५	१५	२४	९	७	मी४५।०	कल्पादिः
१०	श	२५	११	उ	५४	१७	व	२७	७	ग	२५	११	११	४६	१४	२५	१०	८	मीने	भ.५२।१० उ. धनुषि मूले बुधः ४६।११
११	र	१९	१०	रे	५०	७	सि	१९	१९	वि	१९	१०	८	४६	१४	२६	११	९	मे.५०।७	भ. २९।१० या. हज्ज मोक्षदा ११ व्र.
१२	चं	१३	२७	अ	४६	१५	व्य	११	३८	बा	१३	२७	६	४७	१३	२७	१२	१०	मेषे	बक्री आर्द्रायां ३ शनिः १२।१६ प्रदोषः
१३	मं	८	१०	भ	४३	६	व	१४/४	५३/५३	तै	८	१०	३	४७	१३	२८	१३	११	बृ.५७।२६	पिशाचमोचन श्राद्धं
१४	बु	४	१८	कृ	४०	२८	शि	५०	५१	व	४	१८	२५/१	४८	१२	२९	१४	१२	बृषे	भ.४।१८ उ. ३१।५० या. श्रीदत्तजयंती
१५	बु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३२पं.मा.शु.१बृ.इ.३।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	८	२	२	७
०	०	१५	२९	६	१७	२८	०
१४	१०	३५	४२	४५	१४	९	३३
५१	५२	२८	२५	५०	१०	२४	५०
६०	४२	९५	९	७१	२३/३	३	६०
४०	४	४९	४२	५१	व	११	३०

गोचरग्रहाः

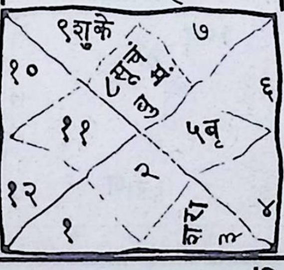

इस मास में कन्या राशि पर गुरु आते हें सो धीरे २ रुई में ४०) ५०) की मन्दी होगी प्रजा में सुख शांति रहेगी।

गोचरग्रहाः

३३पं. मा.शु.८ बृ.इ. ३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	५	८	२	२	७
७	५	२५	०	१५	१६	२७	७
२०	८	४३	४३	१४	५४	४७	३७
२५	१३	५५	८	३८	७	९	४८
६०	४२	९४	८	७१	३/४	३	६०
५३	१४	१४	५३	२७	व	११	४२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५६	२२	रो	३८	४३	सि	४५	१९	बा	२७	५२	२५/५८	६/४८	५/१२	३०	१५	१३	बृषे	
२	शु	५४	२८	मृ	३८	१०	सा	४०	३६	तै	२५	२५	५६	४९	११	१	१६	१४	मि८।२६	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
३	श	५३	४४	आ	३८	२५	शु	३६	४७	व	२४	६	५४	४९	११	२	१७	१५	मिथुने	भ.२४।६ उ.५३।४४ ज्येष्ठायां रविः१३/२७×
४	र	५४	३२	पु	४०	२२	शु	३३	५८	ब	२४	८	५२	५०	१०	३	१८	१६	क.२४।५५	चतुर्थी व्र. ×उषायां शुक्रः ३३।२६
५	चं	५६	२५	पु	४६	१८	ब्र	३३	९	कौ	२५	२९	५०	५०	१०	४	१९	१७	कर्के	
६	मं	५९	३१	श्ले	४७	२९	ऐं	३१	६	ग	२७	५८	४९	५०	१०	५	२०	१८	सिं४७।२९	भ. ५९।३१ उ. मकरे शुक्रः १५।३१
७	बु	६०	०	म	५२	४७	वै	३१	१८	व	३१	३७	४७	५१	९	६	२१	१९	सिंहे	भ. ३१।३७ या.
७	गु	३	४३	पू	५८	५०	वि	३२	१	ब	३	४३	४६	५१	९	७	२२	२०	सिंहे	पूषायां बुधः २८।१८
८	शु	८	३६	उ	६०	०	प्री	३३	९	कौ	८	४६	४४	५१	९	८	२३	२१	कं.१५।२४	उफा. ल. ७ रे. ७ ।।ऽबृ।।।ऽऽ।।
९	श	१३	४७	उ	५	८	आ	३४	२१	ग	१३	४७	४३	५१	९	९	२४	२२	कन्यायां	भ. ४६।२२ उ. ज्येष्ठायां भौमः ९।१
१०	र	१८	५९	ह	११	१७	सौ	३५	२५	वि	१८	५९	४२	५२	८	१०	२५	२३	तु.४४।३२	भ. १८।५९ या.
११	चं	२३	५९	चि	१७	३८	शो	३६	२०	बा	२३	५९	४१	५२	८	११	२६	२४	तुलायां	सफला ११ व्र. स्वात्यां ल. ६ रे. ७*
१२	मं	२८	१	स्वा	२३	७	अ	३६	१८	तै	२८	१	४०	५२	८	१२	२७	२५	तुलायां	प्रदोषः *ऽरा।।।ऽरो।ऽ।।
१३	बु	३१	५	वि	२७	१६	सु	३५	४९	व	३१	५	३९	५२	८	१३	२८	२६	वृ.११।२१	भ. ३१।५ उ. श्रवणे शुक्रः ३९।८
१४	गु	३२	२८	अ	३०	४५	धृ	३४	१०	वि	२	२	३८	५२	८	१४	२९	२७	वृश्चिके	भ. २।२ या. वक्री बुधः ३७/१५ पुन. राहुः=
३०	शु	३३	४२	ज्ये	३२	५४	शू	३१	३८	च	३	२०	३८	५२	८	१५	३०	२८	ध.३२।५४	धनुष्यर्कः १७/१२ =पूषायां ४ केतुः ९/४५

३४पं. पौ.कृ.१बृ.इ.२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	६	८	२	२	७
१४	१०	५	१	२३	१६	२७	१४
२७	८	९	३७	४१	१९	२४	४३
१२	६	११	४८	४९	२०	५३	३
६१	४२	८९	७	७१	३/४५	३	६०
३	२४	४	५९	३	ब	११	५०

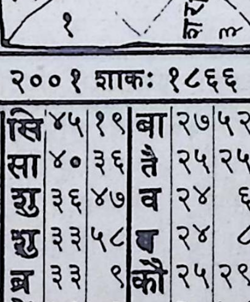

३५पं. पौ.कृ.७ बृ.इ.२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	५	९	२	२	७
२१	१५	१२	२	२	१६	२७	२१
३४	१०	५०	२५	५	५	२	४९
५८	१६	१७	५	५३	१६	३८	२३
६१	४२	६९	६	७०	४/२	३	६०
११	३८	४४	४६	२७	ब	११	५६

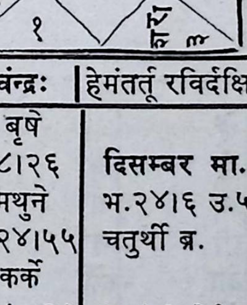

३६पं. पौ.कृ.१४बृ.इ.२।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	५	९	२	२	७
२८	२०	१५	३	१०	१५	२६	२८
४३	१४	५०	६	२७	३०	४०	५६
४३	३८	३१	४	१४	४	२३	१०
६१	४२	८	५	६९	४/१	३	६१
१९	५०	१४	५१	४८	ब	११	१०

×बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	३२	५८	मू	३३	३०	गं	२८	३	किं	३	२०	३५/३७	५६/५३	५/७	१६	१	२९	धनुषि
२	र	३०	५७	पू	३३	६	वृ	२३	२९	बा	१	५८	३७	५३	७	१७	२	३०	म.४७।४२
३	चं	२७	५७	उ	३१	३१	ध्रु	१८	४	ग	२७	५७	३७	५३	७	१८	३	१	मकरे
४	मं	२४	५	श्र	२९	५	व्या	११	५८	वि	२४	५	३६	५३	७	१९	४	२	कु.५७।२७
५	बु	१९	१९	ध	२५	५०	ह	५/३	५२/४७	बा	१९	१९	३६	५३	७	२०	५	३	कुंभे
६	गु	१४	१	श	२२	१८	सि	५०	१४	तै	१४	१	३६	५३	७	२१	६	४	कुम्भे
७	शु	८	२३	पू	१८	१६	व्य	४२	२२	व	८	२३	३६	५३	७	२२	७	५	मी४।१७
८	श	२	३०	उ	१४	११	व	३४	३४	ब	२	३०	३६	५३	७	२३	८	६	मीने
९	श	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	र	५१	५	रे	१०	२	प	२६	५०	तै	२३	५३	३७	५३	७	२४	९	७	मे.१०।२
११	चं	४६	१	अ	६	११	शि	१९	१३	व	१८	३३	३७	५३	७	२५	१०	८	मेषे
१२	मं	४१	९	भ	२/५५	५७/५	सिं	१२	६	ब	१३	३५	३७	५३	७	२६	११	९	वृ.१७।११
१३	बु	३७	२०	रो	५८	११	सा	५/३१	५४/८	कौ	९	१४	३८	५२	८	२७	१२	१०	बृषे
१४	गु	३४	२६	मृ	५७	३१	शु	५४	३७	ग	५	५३	३८	५२	८	२८	१३	११	मि२७।५१
१५	शु	३२	४०	आ	५७	२७	ब्र	५०	३२	वि	३	३३	३९	५२	८	२९	१४	१२	मिथुने

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५४३ स१९४४

उफायां ३ गुरुः २५।२६
चंद्रदर्शनं पश्चिमास्तं बुधः ४६।२१
भ. ५६।१ उ. मोहोरम मु. १
भ. २४।५ या. वक्री मूले बुधः १२।१८
वज्रयोग क्षयः ५२।४७
उत्तरायण प्रवृत्तिः ५३।३०
भ. ८।२३ उ. ३५।२६ या.

धनिष्ठायां शुक्रः ५३/४४ ×ताजिया प्रदोषः
भ. ५/३ ६/३ उ. ४६/१ या. पुत्रदा ११ व्र. स्मा. वै. मन्वादि
कृतिका. क्षयः ५७।५ पुत्रदा ११ व्र. नि.
शुभयोग क्षयः ५४/८ धनुषिमूले च भौमः ५९/५४ ×
भ. ३४।२६ उ. पूषायां रविः १८।४९
भ. ३ ३/३ या. पूर्वोदयीबुधः ५/५ ५/१ माघस्नानारंभः

३७पं.पौ.शु.६ बृ.इ.२।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	५	९	२	२	८
५	२५	१०	३	१८	१४	२६	६
५३	२०	३२	३८	४३	५६	१८	३
८	१०	२०	३५	४८	४९	७	४०
६१	४२	५१/२३	४	६९	४/३७	३	६१
२२	५८	ब	३८	०	ब	११	५

गोचरग्रहाः

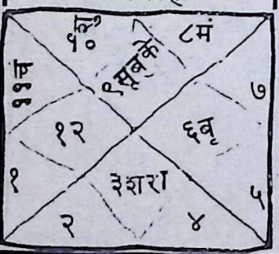

इस मास में प्रजा में सामान्य फल होगा सोना चांदी धातु तेज धान्य घृत रुई अलसी चंदन चावल मंदा

गोचरग्रहाः

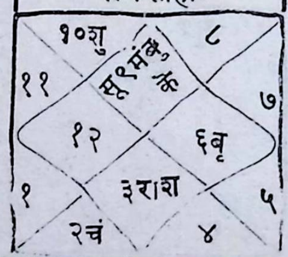

३८पं.पौ.शु.१४बृ.इ.२।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	९	२	२	८
१३	०	२	४	२६	१४	२५	१३
३	३०	०	२	५५	२२	५५	११
१	२९	५०	४६	३०	२९	५२	३८
६१	४३	४३/१२	३	६८	४/४२	३	६१
२६	१३	ब	२५	१४	ब	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	३२	३	पु	५८	५१	ऐं	४७	२२	बा	२	२२	३५/३९	५६/५२	५/८	३०	१५	१३	क.४३।३०
२	र	३२	५६	पु	६०	०	वै	४५	१८	तै	२	३०	४०	५२	८	३१	१६	१४	कर्के
३	चं	३४	४९	पु	१	३०	वि	४३	५३	व	३	५३	४१	५२	८	१	१७	१५	कर्के
४	मं	३८	१५	श्ले	५	३३	प्री	४३	४३	ब	६	३२	४२	५२	८	२	१८	१६	सिं५।३३
५	बु	४२	३१	म	१०	३१	आ	४४	६	कौ	१०	२३	४३	५१	९	३	१९	१७	सिंहे
६	गु	४७	२८	पू	१६	२७	सौ	४५	६	ग	१४	५९	४४	५१	९	४	२०	१८	कं.३३।२
७	शु	५२	४४	उ	२२	४७	शो	४६	२१	वि	२०	६	४५	५१	९	५	२१	१९	कन्यायां
८	श	५७	५८	ह	२९	१०	अ	४७	२५	बा	२५	२१	४७	५१	९	६	२२	२०	कन्यायां
९	र	६०	०	चि	३५	२२	सु	४८	३१	तै	०	२३	४८	५०	१०	७	२३	२१	तु.२।१६
९	चं	२	४९	स्वा	४१	२२	धृ	४८	५०	ग	२	४९	५०	५०	१०	८	२४	२२	तुलायां
१०	मं	६	५५	वि	४५	४२	शू	४८	२	वि	६	५५	५२	५०	१०	९	२५	२३	वृ.२९।३७
११	बु	९	५६	अ	४९	२५	गं	४७	१५	बा	९	५६	५४	४९	११	१०	२६	२४	वृश्चिके
१२	गु	११	४५	ज्ये	५१	६	वृ	४५	३	तै	११	४५	५६	४९	११	११	२७	२५	ध.५११६
१३	शु	१२	२१	मू	५२	३७	ध्रु	४१	५१	व	१२	२१	५८	४८	१२	१२	२८	२६	धनुषि
१४	श	११	३५	पू	५३	३८	व्या	३७	४४	श	११	३५	२६/५९	४८	१२	१३	२९	२७	धनुषि
३०	र	९	२९	उ	५१	२४	ह	३२	३७	ना	९	२९	३	४७	१३	१४	१	२८	म. ८।२

शिशिरर्तूं रविर्दक्षिणे पौष.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वक्री बृश्चिके बुधः ५४/२ कुम्भे शुक्रः ४४/२८
मार्गी बुधः ५४।१२
भ.३।५३ उ.३४।४९ या. जनवरी मा.१*
चतुर्थी व्र *ता.३१ सन् १९४५

भ. ४७।२८ उ. धनुषि बुधः ४२।२९
भ. २०।५ या. शते शुक्रः ३१।५

भ. ३४।५२ उ.
भ. ५६/५ या. वक्री आर्द्रायां २ शनिः ४०/४१
उषायां रविः २०।१७ षट्तिला ११ व्र.
प्रदोषः
भ.१२।२१ उ.४१।५८ या. उदयी भौमः
मकरेऽर्कः ३५।४४ ×युगादिः
पूषायां भौमः२१।१० वक्री गुरुः१९।४६×

३९पं.मा.कृ.६ बृ.इ. २।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	५	१०	२	२	८
२०	५	२९	४	५	१३	२५	२०
१२	४१	३१	१७	०	४७	३३	१९
५९	४९	१	५६	२२	३५	३६	४४
६१	४३	३४/११	१	६७	४/४२	३	६१
२६	३३	मा	५३	१३	ब	११	६

गोचरग्रहाः

माघ कृ.१४ शनौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ अतिबंध्यावस्था(सूती) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदय पश्चि.।

गोचरग्रहाः

४०प.मा.कृ.१२बृ.इ. २।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	१०	२	२	८
२७	१०	३	४	१२	१३	२५	२७
२२	५४	५४	२४	५७	१३	११	२७
४८	५८	३२	७	३६	५९	२१	४७
६१	४३	६८	०	६५	४/२६	३	६१
२४	४३	४	४०	५५	ब	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽह्नर्गणः३५७३ स.१९४५
१	चं	६	२४	श्र	४९	१०	व	२६	३०	ब	६	२४	२६/५	६/४७	५/१३	१५	२	२९	मकरे	चंद्रद. श्रीवल्लभजयन्ती
२	मं	२	२७	ध	४६	६	सि	२०	९	कौ	२	२७	८	४६	१४	१६	३	१	कुं.१७।३८	सफर मु. २ =जया११व्र.मृगेल.गो.रे.७+
३	मं	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×बृ।ऽ।।रेव.ल.८रे.७।।ऽबृ।ऽचो।।गुरोर्वेधः
४	बु	५२	१७	श	४२	३३	व्य	१३	०	व	२४	३५	१०	४६	१४	१७	४	२	कुम्भे	भ.३४/५ उ.५२/१७या. पूभायांशुक्रः ३०/५ तिल४
५	गु	४६	३४	पू	३८	४२	व	५/२९	५२/१४	ब	१९	२५	१२	४६	१४	१८	५	३	मी२४।४०	परिघयोगक्षयः ५२/१६ वसंत५ उभा.ल.८रे.८*
६	शु	४०	४३	उ	३४	३३	शि	४९	५५	कौ	१३	३८	१५	४५	१५	१९	६	४	मीने	पूषायांबुधः ५६/६ उभा.ल.ऽन्यगो. रे.८।।।।ऽ×
७	श	३४	५५	रे	३०	२२	सि	४२	११	ग	७	४९	१७	४५	१५	२०	७	५	मे.३०।२२	भ.३४/५५अभि.प्र.रविः ९/४८मन्वादिः रथ७रेव.–
८	र	२९	२१	अ	२६	३१	सा	३४	२५	वि	२	८	२०	४४	१६	२१	८	६	मेषे	भ.२।८या. भीमाष्टमी *।।।।।ऽबृ।ऽ।।
९	चं	२४	१०	भ	२२	५८	शु	२७	१०	कौ	२४	१०	२२	४४	१६	२२	९	७	वृ.३७।१६	–ल. ऽन्यगो. रे.७ ।।ऽब्र।चो।ऽ।। पादतो-
१०	मं	१९	३३	कृ	२०	१०	शु	२०	२४	ग	१९	३३	२५	४३	१७	२३	१०	८	वृषे	भ. ४७/२ उ. श्रवणेरविः २३/५ पातस्पर्शः ४७/१०
११	बु	१५	५१	रो	१८	११	ब्र	१४	१८	वि	१५	५१	२७	४३	१७	२४	११	९	मि४७।२७	भ.५५/५या.अभि.नि.रविः १५/१७पातमोक्षः ४७/१०=
१२	गु	१३	५	मृ	१६	४३	ऐं	९	२	बा	१३	५	३०	४२	१८	२५	१२	१०	मिथुने	भीष्मद्वादशी प्रदोपः -वेधातऽभावः
१३	शु	११	२३	आ	१६	५०	वै	४	४१	तै	११	२३	३३	४१	१९	२६	१३	११	मिथुने	मीने शुक्रः ३८।३९ कल्पांदिः
१४	श	११	३	पु	१७	५४	वि	१/२५	५७/१६	व	११	३	३६	४१	१९	२७	१४	१२	क.२।३८	भ. ११।२ उ ४१/२८ या. प्रीतियोग क्षयः ५७/१६
१५	र	११	५४	पु	२०	२१	आ	५७	२२	ब	११	५४	३९	४०	२०	२८	१५	१३	कर्के	माघस्नान पूर्तिः +।।।।ऽ।। गणि.

४१पं.मा.शु.५बृ.इ. ३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	५	१०	२	२	९
४	१६	११	४	२०	१२	२४	४
३२	१०	२५	२१	४४	४२	४९	३५
१७	१९	३०	७	३५	१	६	३८
६१	४३	८१	०/४५	६४	४/८	३	६१
१९	४८	२	ब	२८	ब	११	३

गोचरग्रहाः

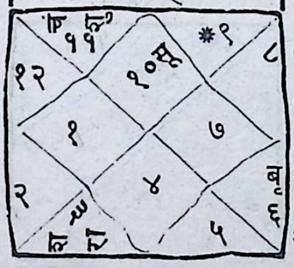

इस मास का फल महा अशुभ है, कहीं पर युद्ध होगा विग्रह फैलेगा कहीं पर भूकंपादि उपद्रव होंगे, खेतियोंमें हानि होगी

गोचरग्रहाः

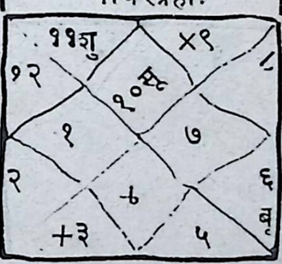

४२पं. मा.श १२बृ.इ. २।८

ग	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	५	१०	२	२	९
११	२१	२०	४	२८	१२	२४	११
४१	२७	२८	८	१९	१२	२६	४२
९	४३	४८	१३	८	५४	५०	५०
६१	४४	८७	२/१६	६२	३/५२	३	६०
१३	३	११	ब	४२	ब	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा.
१	चं	१४	१	श्ले	२४	१०	सौ	५५	३८	कौ	१४	१	२६/४२	६/४०	५/२०	२९	१६	१४	सिं२४।१०	उषायांबुधः ३३।४ उभायांशुक्रः ४२।२८
२	मं	१७	२४	म	२८	४७	शो	५६	५८	ग	१७	२४	४५	३९	२१	३०	१७	१५	सिंहे	भ. ४९।३६
३	बु	२१	४८	पू	३४	३२	अ	५७	४१	वि	२१	४८	४८	३८	२२	३१	१८	१६	कं.५१।७	भ.२१/४८या. मकरेबुधः ४४/४२ उषायांभौमः ५३/५६×
४	गु	२६	४५	उ	४०	५२	सु	५८	५४	बा	२६	४५	५२	३८	२२	१	१९	१७	कन्यायां	**फरवरी मा. २ ता. २८**
५	शु	३२	०	ह	४७	१३	धृ	६०	०	तै	३२	०	५५	३७	२३	२	२०	१८	कन्यायां	×चतुर्थीव्र. उफा.ल.गो.८रे.८।।ऽबृ।।।।ऽ।।
६	श	३७	११	चि	५३	४०	धृ	०	२	ग	४	३५	५९	३६	२४	३	२१	१९	तु.२०।२६	भ. ३७।११ उ.
७	र	४१	५७	स्वा	६०	०	शू	१	१३	वि	९	३४	२७/३	३५	२५	४	२२	२०	तुलायां	भ.९/३४या. स्वा.ल.गो.८रे.६ऽबु.रा.।।।।ऽऽऽ।।
८	चं	४५	५७	स्वा	०	२	गं	१	४९	बा	१३	५७	६	३५	२५	५	२३	२१	बृ.४८।१५	मकरेभौमः १२/२५ धनिष्ठायां रविः ५६/५३ पात–
९	मं	४८	५४	वि	४	१९	वृ	१	४९	तै	१७	२६	१०	३४	२६	६	२४	२२	वृश्चिके	पातमोक्षः १४।२५ –स्पर्शः ५६।७
१०	बु	५०	३५	अ	८	१०	ध्रु	०/५४	५९/५	व	१९	४४	१३	३३	२७	७	२५	२३	बृश्चिके	भ.१९/४४ उ.३५/१० या. श्रवणे बुधः २/१० वक्री+
११	गु	५०	५९	ज्ये	१०	५५	ह	५६	१३	ब	२०	४७	१६	३३	२७	८	२६	२४	ध.१०।५५	विजया ११ व्र. स्मा. वै.
१२	शु	५०	५	मू	११	५१	व	५२	१५	कौ	२०	३२	२०	३२	२८	९	२७	२५	धनुषि	विजया ११व्र. नि. +उफायां२ गुरुः ३१/२८
१३	श	४७	५४	पू	१२	२६	सि	४७	१	ग	१९	०	२३	३१	२९	१०	२८	२६	म.२७।८	भ. ४७।५४ उ. प्रदोषः
१४	र	४४	३३	उ	११	१६	व्य	४२	५	वि	१६	१४	२७	३१	२९	११	२९	२७	मकरे	भ.१६/१४या. पूर्वास्तंबुधः ३४ महाशिवरात्रीव्र.
३०	चं	४०	४०	श्र	९	१०	व	३५	४७	च	१२	३६	३०	३०	३०	१२	१	२८	कु.३७।४७	कुम्भेऽर्कः ४९/२ रेवत्यांशुक्रः २६/७ सोमवती३०

४३पं.फा.कृ.४बृ.इ.२।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	५	११	२	२	९
१८	२६	०	३	५	११	२४	१८
४९	४६	२६	४६	४०	४७	४	४९
९	८	४२	३४	४१	१७	३५	२३
६१	४४	९१	३/२८	६०	३/१६	३	६०
४	१३	१०	ब	२३	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

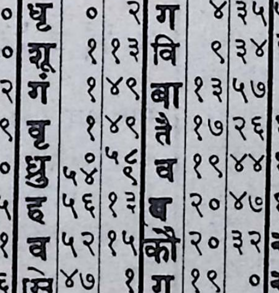

फा. कृ. ३० चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ नं.३अतिवंध्याव-स्था(सूती)मु.३० (धान्याभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

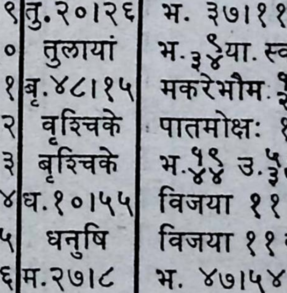

४४पं. फा.कृ.११बृ.इ.२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	११	२	२	९
२५	२	११	३	१२	११	२३	२५
५५	६	७	१६	३०	२५	४२	५५
५७	४०	१६	४४	३२	२६	२०	१३
६०	४४	९५	७/४७	५७	३/२५	३	६०
५५	२९	५२	ब	३२	ब	११	४७

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×केमंब्र +चंशरा

*केमंबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	३५	४२	ध	६	१८	प	२८	४७	किं	८	११	३७/३४	६/२९	५/३१	१३	२	२९	कुम्भे
२	बु	३०	१८	श	३/५६	५५/१९	शि	२१	२४	बा	३	०	३८	२८	३२	१४	३	३०	मी४५।१९
३	गु	२४	३२	उ	५५	९	सि	१३	५५	ग	२४	३२	४२	२८	३२	१५	४	१	मीने
४	शु	१८	४१	रे	५०	५८	सा	६/५२	४२/१४	वि	१८	४१	४६	२७	३३	१६	५	२	मे.५०।५८
५	श	१२	५३	अ	४७	११	शु	५०	४१	बा	१२	५३	५०	२६	३४	१७	६	३	मेषे
६	र	७	१५	भ	४३	३१	ब्र	४३	२४	तै	७	१५	५४	२५	३५	१८	७	४	बृ.५७।४५
७	चं	२	२	कृ	४०	२८	ऐं	३६	१७	व	२	२	५८	२४	३६	१९	८	५	वृषे
८	चं	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	मं	५३	९	रो	३८	१०	वै	३०	३	बा	२५	४०	२९/२	२४	३६	२०	९	६	वृषे
१०	बु	५१	७	मृ	३६	३४	वि	२४	३३	तै	२२	२९	६	२३	३७	२१	१०	७	मि७।१२
११	गु	४९	२८	आ	३६	३०	प्री	१९	५६	व	२०	१७	१०	२२	३८	२२	११	८	मिथुने
१२	शु	४८	५७	पु	३७	१८	आ	१६	११	ब	१९	१३	१४	२१	३९	२३	१२	९	क.२२।६
१३	श	५०	१	पु	३९	३३	सौ	१३	२५	कौ	१९	२९	१८	२०	४०	२४	१३	१०	कर्के
१४	र	५२	१२	श्ले	४२	५४	शो	११	३८	ग	२१	६	२२	२०	४०	२५	१४	११	सिं४२।४५
१५	चं	५५	३८	म	४७	४३	अ	१०	४८	वि	२३	५०	२६	१९	४१	२६	१५	१२	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३६०२ स.१९४५

पूर्वाभाद्रपदाक्षयः ५६।१९ चंद्रदर्शनम्+
भ. ५१।३६ उ. धनिष्ठायां बुधः ३४।१*
भ. १८।४१ या. शुभयोग क्षयः ५२।१४
*पुन.१राहुःपूषायां३ केतुः५५/३ रविलावल०
शते रविः३८।१० श्रवणे भौमः २६।१०
भ.२।२ उ. २९।४६ या. कुम्भे बुधः ३१/३४×
०मु.२ उभा. ल. ८.रे. ७ ।।।।ऽवृ.ऽ।।।ऽ

भ.२०।१७ उ.४९।२८या. आमलकी ११ब्र.
शते बुधः १५।५८ आमलकी ११ ब्र.
प्रदोषः ×होलाष्टक होई ८
भ. ५२।१२ उ. +फुलरिया २
भ. २३।५० या. होलिका दहनम्

४५पं.फा.शु.३बृ.इ.२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	५	११	२	२	१०
३	७	२२	२	१९	११	२३	३
१	२८	२७	३८	१७	८	२०	०
५९	३४	३२	३९	४६	३५	४	९
६०	४४	०/०	६/०	५४	१/५५	३	६०
४२	३९	९/१३	व	२०	व	११	३७

गोचरग्रहाः

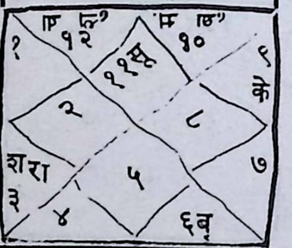

इस मास का फल श्रेष्ठ है सरसों सन कुष्ठा कपड़ा नील दाख सोंठ गुड़ खांड घृत गेहूँ तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

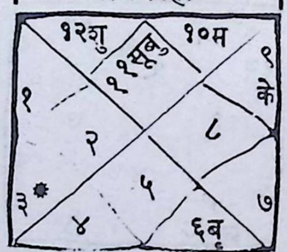

४६पं.फा.शु.११बृ.इ.२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	५	११	२	२	१०
१०	१२	४	१	२२	१०	२२	१०
६	५०	२९	५३	२२	५६	५७	३
३०	५३	४६	५६	२६	४६	४९	३८
६०	४४	६/०	६/४८	४८	१/२०	३	६०
३१	४४	०/५७	व	५६	व	११	२५

ति.	प्र. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००१ शाकः १८६६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	५९	०	पू	५२	५७	सु	१०	५०	बा	२७	४९	३८/३०	६/१८	५/४२	२७	१६	१३	सिंहे
२	बु	६०	०	उ	५९	५	धृ	११	४३	तै	३२	२७	३४	१७	४३	२८	१७	१४	कं.९।२८
२	गु	४	५४	ह	६०	०	शू	१२	४७	ग	४	५४	३८	१६	४४	१	१८	१५	कन्यायां
३	शु	१०	९	ह	५	३३	गं	१४	७	वि	१०	९	४२	१६	४४	२	१९	१६	तु.३८।३२
४	श	१५	१४	चि	११	३२	वृ	१५	११	बा	१५	१४	४६	१५	४५	३	२०	१७	तुलायां
५	र	१९	५४	स्वा	१७	५७	ध्रु	१५	४९	तै	१९	५४	५०	१४	४६	४	२१	१८	तुलायां
६	चं	२३	५१	वि	२३	१५	व्या	१६	३३	व	२३	५१	५४	१३	४७	५	२२	१९	वृ.६।५६
७	मं	२६	३९	अ	२७	१४	ह	१५	५७	ब	२६	३९	५८	१२	४८	६	२३	२०	बृश्चिके
८	बु	२८	१२	ज्ये	३०	८	व	१४	३९	कौ	२८	१२	२९/२	१२	४८	७	२४	२१	ध.३०।८
९	गु	२८	२६	मू	३१	४९	सि	११	५३	ग	२८	२६	६	११	४९	८	२५	२२	धनुषि
१०	शु	२७	२४	पू	३२	२६	व्य	८	२७	वि	२७	३४	१०	१०	५०	९	२६	२३	म.४८।१३
११	श	२५	४	उ	३१	३३	व	३/५४	५६/४५	बा	२५	४	१४	९	५१	१०	२७	२४	मकरे
१२	र	२१	४५	श्र	२९	४४	शि	५२	४१	तै	२१	४५	१८	८	५२	११	२८	२५	कु.५८।२१
१३	चं	१७	३३	ध	२७	०	सि	४७	८	व	१७	३३	२३	७	५३	१२	२९	२६	कुम्भे
१४	मं	१२	३०	श	२३	५२	सा	३८	५८	श	१२	३०	२७	७	५३	१३	३०	२७	कुम्भे
३०	बु	७	०	पू	२०	२	शु	३१	३०	ना	७	०	३१	६	५४	१४	१	२८	मी६।००

वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मेषेऽश्वन्यां च शुक्रः ५९।२९ वसंत
उफा. गो. गो. रे. ९ ।।ऽवृ.।।।।।।
भ. ३७।३१ उ. मार्च मा. ३ ता. ३१
भ. १०/९ या. पूभायां बुधः ३/२६ चतुर्थी ब्र.
पूभायां रविः ५२।५८

भ. २३/१ उ. ५५/१५ या. मार्गी शनिः ४७।२

मीने बुधः४०।१४ धनिष्ठायां भौमः ३/३६/१*
भ. ५७।५५ उ. *शीतला पूजनम्
भ. २७।२४ उभायां बुधः २०।१२ वक्री+
परिघयोगक्षयः ५४/४५ पापमोचनी ११ ब्र.
प्रदोषः +सिंहे गुरुः ३४।२७
भ. १७।३३ उ. ४५।१ या.
मीनेऽर्कः ५३।१६ मन्वादिः
पश्चिमोदयीबुधः४/१८/७अहर्गणः३/३६/५ च.३के.

४७पं.प्र.चै.कृ.२बृ.इ.३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	५	०	२	२	१०
१७	१८	१७	१	०	१०	२२	१७
९	१४	१६	५	४५	५०	३५	५
२०	५३	४१	२४	१४	२८	३३	५२
६०	४४	३०/०	७/३१	४२	०/२७	३	६०
२०	५५	०/५९	व	३०	व	११	१२

गोचरग्रहाः

प्र.चैत्र कृ.१४ भौमे मीनेऽर्कः प्र.वा.२ न. ४ पुत्रवत्सलावस्था (सूती) मुहूर्ता ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचरग्रहाः

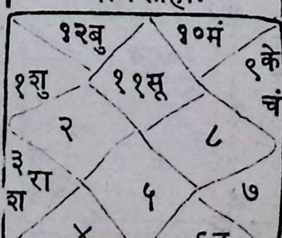

४८पं.प्र.चै.कृ.९बृ.इ.३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	५	०	२	२	१०
२४	२३	०	०	५	१०	२२	१४
१०	४०	४६	१२	१७	४९	१३	६
४१	१६	३७	१४	१०	२६	१८	३४
६०	४५	०/२	७/१४	३४	०/१३	३	५९
५	१	९/१	ब	१६	ब	११	५८

*शराचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४६ भोग्यकलिः ४२६९५४ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २००२ शाकः १८६७ अथास्मिन्वर्षेराजा शुक्रः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चन्द्रः । धान्येश शनिः। मेघेशो गुरुः । रसेशो बुधः। नीरसेशो रविः। फलेशो गुरुः। धनेशो रवि :। दुर्गेशो गुरुः । एतेदशाधिकारिणः। तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १२ विलम्बनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये: गतमासादिः १।२११।५८।४८ भोग्यमासादिः १०।८।१।१२ पित-दैवतं युगम्। वर्षनामः फ़ाल्गुनः। मेघ४नाम संवर्तः । समय निवासो वणिग्गृहे (ताखड़ी में)। रोहिणी निवासः संधौ । समय विश्वा २० । समयवाहनं दर्दु रः । स्तंभ १ । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३०४ । तिथिक्षयः १६ । तिथि वृद्धिः १०। उत्पति विश्वा ९९। खपति विश्वा १२६। वर्षा विश्वा ७। धान्यम् १७, तृणम् १३. शीतम् १३. तेज १३. वायु ७ वृद्धिः १५ । क्षयः १५। विग्रहः ११ । ऐक्यं १११ सत्यम्।। धर्मम् १।।. पाप १८ शनिदृष्टिः पूर्वे। ग्रहणे २ चन्द्रमसः।

सं.२००२ ज्येष्ठ शु. १५ चंद्रे खंड ग्रासं चंद्रग्रहणम् विश्वा १७।२०

		स्प.	म.	मो.	पर्व
रेल्वे	घं.	७	८	१०	३
टाइम	मि.	११	४७	२३	१२
देशी	घं.	६	८	९	३
टाइम	मि.	४०	१६	५२	१२

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ०।२६

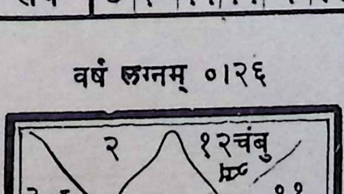

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव भणे माता के दरबार।
शुभ संवत्सर दोय का कहदो भेद विचार ।।

भवानी उत्तर

माता कहती प्रेम से सुनहो भैरव लाल ।
कहीं जमाना किरकिरा कहींक पड़सी काल ।।
समय निवासो वैश्यघर रोहिणी संधि निवास ।
धान्याधिप रवि तनय है करें धान्य का नाश ।।
मंगल सौरिराहु का मिथुन राशि में योग ।
चतुर्मास के मध्य में वर्षा योग कुयोग ।।
आपस में भूपति लड़ें वहे रक्त की धार ।
धरा कंप अरु रोग से घटे मही का भार ।।
पण भैरव भय मत करे भार्गव नृपति प्रधान ।
इंद्र पुरोहित मेघपति आखिर राखे मान ।।
धर्म कर्म करते रहो जपत रहो हरिनाम ।
दुःख मिटे संकट कटे सिद्ध होय सब काम ।।

सं. २००२ मार्ग. शु. १४ भौमे ग्रस्तास्तं चंद्रग्रहणम् विश्वा २७।१

	स्प.	स.	म.	उ.	मो.	पर्व
रेल्वे	६	७	७	८	९	३
टाइम	९	१३	५१	३२	३६	२७
देशी	५	६	७	८	९	३
टाइम	४३	४७	२५	६	१०	२७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ३।८

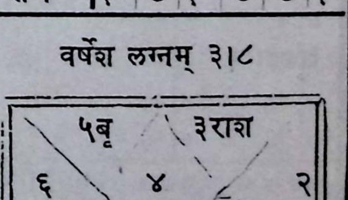

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४।३६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्-शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला स्वतीव्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः । फलन्ति वृक्षाः बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री भृगुस्तत्फलम्-भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभमूषकरासभमाहिषैः । भवति धान्यं समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्-सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयोमुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णाः ।। धान्येशः शनिस्तत्फलम्-दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहम् । सौराष्ट्र देशभंगश्च यत्र धान्याधिपः शनिः ।। मेघेशो गुरुस्तत्फलम्-गुरुरपि प्रियदृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपरानरपालका रससमृद्धियुता-खिलमानवाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्-रसपतौ द्विजराज सुते महीसुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायकपालिता बहुजलाखिल देश सुरक्षिताः ।। नीरसेशो रविस्तत्फलम्-नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपु-चंदनयोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुस्तत्फलम्-सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सवमंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविस्तत्फलम्-द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहुद्रव्य समागमः । गजतुरंगम मेषखरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुस्तत्फलम्-सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिषुवैनगरेषुसमं सुखं सुखमति द्विजशस्त्रवतां विशाम् ।। वर्षनाम फाल्गुनस्तत्फलम्-सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे भवेत् ।। विलंब नाम संवत्सरस्तत्फलम्-विलंबेवत्सरे भूपाः परस्पर विरोधिनः । प्रजापीड़ा महर्घत्वं तथापि सुखिनो जनाः ।। मेघनाम संवर्तस्तत्फलम्-संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम्-खंडवृष्टिश्च संधिषु ।। समय निवासो वणिग्गृहे फलम्-वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २००२ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

द्वितीय चैत्र मासः

शुक्ला १२ भौमे हस्ते ल. ८ रे. ७ ऽशा।।।ऽअग्निऽ।।।
,, १३ बुधे हस्ते ल. अन्यगो. ८ रे. ८ ऽशा।।।।ऽ।।।
,, १५ शुक्रे स्वात्यां ल. ८ रे. ८ ।।।।।ऽनृऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ भौमे मूले ल. गो. ८ रे. ८ ।।।।ऽरोऽ।।
शुक्ला २ रवौ रोहि. ल. ८ (चंद्रोऽत्राऽर्च्यः) रे. ९ ।।।।ऽ अ।।।। मांसांतदोषः अत्यावश्यके

कार्तिक मासः

शुक्ला १२ शुक्रे रेव. ल. गो. ६ रे. ७ ऽसू।।।।ऽऽ।। निरंशक दोषः कन्यालग्ने चंद्रोऽर्च्यः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ भौमे रोहि. ल. ५-६ रे. ७ ।।।ऽसूऽनृऽ।। सिंहे शनिशुक्रौपूज्यो
,, २ बुधे मृगे ल. ५-६ रे. ८ ।।।ऽनुऽ।।। सि.श.शु.पू.
,, ६ रवौ मघा. ल. ७ रे. ८ ऽमं।।।।।ऽ।। घ. ५३-३८ उ. ५५-५० यावत्
कृष्णा ८ भौमे उफा.ल.७(घ.५६-२३उ.) रे.८ऽशु।।।।।ऽ।।
,, १० गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ५-७ रे. ७ ।।।।ऽनृऽऽ।। सिंहे शनि पूज्यः
शुक्ला ३ शुक्रे उषा. ल. ६-७ रे. ८ ।।।ऽशऽनृ।।।। कन्या लग्न २२ अं. यावत् तुलायां रिक्तादोषः
,, ८ बुधे उभा. ल.६ रे.१०।।।।।।।।। सप्तमेचंद्रोच्यः

फाल्गुन मासः

शुक्ला ६ शनौ रोहि. ल. अन्यगो. ११ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। कुम्भलग्न सोग्रांगः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री प्र.चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३६३२स. १९४५
१	गु	१	११	उ	१६	१	शु	२४	२३	ब	१	११	३९/३६	६/५	५/५५	१५	२	२९	मीने	संवत्सरारम्भः चन्द्रदर्शनम्
२	गु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	४९	२२	रे	११	४८	ब्र	१६	५	तै	२२	२४	४०	४	५६	१६	२	१	मे.११।४८	रविलाखर मु. ४ रेवत्यां बुधः २३।३५*
४	श	४३	४७	अ	७	५२	ऐं	८	४४	व	१६	३४	४५	३	५७	१७	४	२	मेषे	भ.१६/३४ उ.४३/४७ या. उत्तराभाद्रे. रविः १३/५४
५	र	३८	३२	भ	४	१५	वै	१/६	५३/२	ब	११	९	४९	२	५८	१८	५	३	वृ.१८।२६	*कुम्भे भौमः १६।२८
६	चं	३३	५७	कृ	१/०	५७/३८	प्री	४७	४३	कौ	६	१४	५३	१	५९	१९	६	४	वृषे	
७	मं	३०	१६	मृ	५६	२०	आ	४२	१	ग	२	७	५७	१	५९	२०	७	५	मि२७।२९	भ. ३०।१६ उ. ५८।५३ या.
८	बु	२७	३०	आ	५६	१५	सौ	३७	१०	ब	२७	३०	३०/१	६/०	६/०	२१	८	६	मिथुने	
९	गु	२५	५१	पु	५६	५९	शो	३३	१५	कौ	२५	५१	६	५५/५९	६/१	२२	९	७	क.४१।४८	
१०	शु	२५	१९	पु	५८	५६	अ	३०	१३	ग	२५	१९	१०	५८	२	२३	१०	८	कर्के	भ. ५५।४९ उ.
११	श	२६	२०	श्ले	६०	०	सु	२८	१२	वि	२६	२०	१४	५७	३	२४	११	९	कर्के	भ.२६।२०या. कमला११ब्र. शतेभौमः५४/४८
१२	र	२८	३१	श्ले	२	७	धृ	२७	१४	बा	२८	३१	१८	५६	४	२५	१२	१०	सिं २।७	मेषेऽश्विन्यां च बुधः२।११ वक्री शुक्रः५२/४२
१३	चं	३१	५५	म	६	२५	शू	२६	५९	कौ	०	१४	२२	५६	४	२६	१३	११	सिंहे	
१४	मं	३६	१५	पू	११	३७	गं	२७	३७	ग	४	५	२६	५५	५	२७	१४	१२	कं.२८।९	भ. ३६।१५ उ.
१५	बु	४१	११	उ	१७	४६	वृ	२८	४१	वि	८	४३	३०	५४	६	२८	१५	१३	कन्यायां	भ. ८।४३ या.

४९पं.प्र.चै.शु.१बृ.इ.३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	४	०	२	२	११
१	२९	२४	२९	८	१०	२१	१
१०	५	२०	१८	३५	५४	५१	५
२३	२०	२४	११	२०	४	३	४६
५९	४५	१०/७	५४/७	२३	१/०	३	५९
४९	११	४९/०	ब	५	मा	११	४१

गोचरग्रहाः

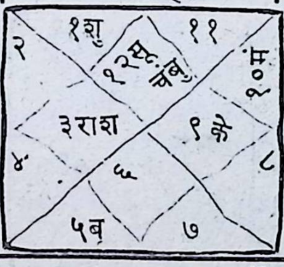

इस मास का फल सामान्य है। प्रजा में सुख-शांति, अन्न एवं रस पदार्थ मंदे हों एवं शुक्लपक्ष में गुड़-शक्कर तेज होंगें

गोचरग्रहाः

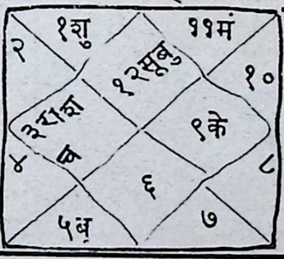

५०पं.प्र.चै.शु.१०बृ.इ.४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	४	०	२	२	११
८	४	२५	२८	१०	११	२१	८
८	३१	५८	२४	२३	३	२८	३
१७	१६	३७	१४	२८	५८	४७	२२
५९	४५	८१	५/७	९	१	३	५९
३५	१७	२३	ब	१	३६	११	२९

ति.	द्वि. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे प्र.चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४६	१८	ह	२४	७	ध्रु	३०	१	बा	१३	४४	३०/३४	५/५३	६/७	२९	१६	१४	तु.५७।२२	
२	शु	५१	२३	चि	३०	३७	व्या	३१	२३	तै	१८	५०	३९	५२	८	३०	१७	१५	तुलायां	रेवत्यां रविः ४१।२२
३	श	५५	५२	स्वा	३६	४५	ह	३२	३७	व	२३	३७	४३	५१	९	३१	१८	१६	तुलायां	भ.२३।३७ उ.५५/५२या. वक्री बुधः४६।३०
४	र	५९	४१	वि	४२	१०	व	३३	६	ब	२७	४७	४७	५१	९	१	१९	१७	वृ.२५।४९	अप्रेल मा. ४ ता. ३० चतुर्थी व्रतम्
५	चं	६०	०	अ	४६	३१	सि	३२	५३	कौ	३०	५९	५२	५०	१०	२	२०	१८	वृश्चिके	
५	मं	२	१७	ज्ये	४९	४०	व्य	३१	३८	तै	२	१७	५६	४९	११	३	२१	१९	ध.४९।४०	
६	बु	३	४३	मू	५१	१६	व	२९	३३	व	३	४३	३१/०	४८	१२	४	२२	२०	धनुषि	भ. ३।४३ उ. ३३।४६ या.
७	गु	३	५०	पू	५२	२२	प	२६	४६	ब	३	५०	४	४७	१३	५	२३	२१	धनुषि	बुधास्तः पश्चिमायां १।५५
८	शु	२	४२	उ	५१	४९	शि	२२	३०	कौ	२	४२	८	४६	१४	६	२४	२२	म.७।१४	वक्री पूर्वा. फाल्गुन्यां ४ गुरुः ३७।३३
९	श	०	२०	श्र	५०	१४	सि	१७	२१	ग	०	२०	१२	४६	१४	७	२५	२३	मकरे	भ. २८।३७ उ. ५६।५४ या.
१०	श	५६	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	५२	३२	ध	४७	५०	सा	११	४१	ब	२४	४२	१६	४५	१५	८	२६	२४	कुं.१९।२	कमला ११ ब्र. स्मा.
१२	चं	४७	२५	श	४४	३४	शु	१५/१७	५२/५४	कौ	१९	५९	२०	४४	१६	९	२७	२५	कुम्भे	कमला ११ ब्र. वै. नि.
१३	मं	४१	४६	पू	४१	१	ब्र	५०	३८	ग	१५	५	२४	४३	१७	१०	२८	२६	मी२६।५४	भ.४१/४६ उ. प्रदोष ब्र. पू.भा.यां. भौमः५९/४९
१४	बु	३५	५४	उ	३६	५७	ऐं	४३	२२	वि	८	५०	२८	४२	१८	११	२९	२७	मीने	भ. ८।५० या.
३०	गु	२९	५५	रे	३३	५	वै	३५	५०	च	२	५५	३२	४२	१८	१२	३०	२८	मे.३३।५	अधिक मास समाप्तिः

५१पं.द्वि.चै.कृ.१बृ.इ.४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	४	०	२	२	११
१५	९	३	२७	१०	११	२१	१४
४	५६	१२	३२	२१	१९	६	५९
१९	५६	३२	२४	३२	३४	३२	१८
५९	४५	२१	१६/७	३५/७	२	३	५९
१८	२२	३४	ब	ब	२०	११	१६

गोचरग्रहाः

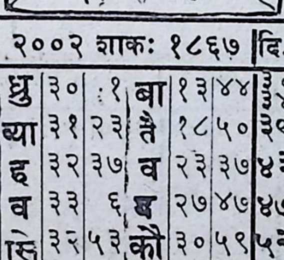

इस मास का फल उत्तम है। प्रजामें अमन चैन रहें। हीरा,मोती,मणि एवं सीपो में तेजी आवे।

गोचरग्रहाः

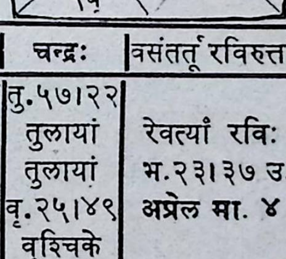

५२पं.द्वि.चै.कृ.७बृ.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	४	०	२	२	११
२१	१५	४	२६	८	११	२०	२१
५८	२१	५३	४९	१९	३९	४४	५३
३१	४७	१३	५६	२३	४०	१७	३१
५९	४५	३८/२२	२६	३३/५३	३	३	५९
४	२९	ब	ब	ब	५	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६१स.१९४५
१	शु	२३	५७	अ	२४	५१	वि	२८	१०	ब	२३	५७	३३/६	४५/१	१९/६	१३	३१	२९	मेषे	नवरात्रा.मेषेऽर्कः १५/२३ पश्चिमास्तंशुक्रः १३/४
२	श	१८	१४	भ	२५	११	प्री	२०	३७	कौ	१८	१४	४०	४०	२०	१४	१	१	वृ.३९।२३	मत्स्य ज. जमादिलावल ५ प.अ.शु.
३	र	१२	५५	कृ	२२	०	आ	१३	४९	ग	१२	५५	४४	३९	२१	१५	२	२	वृषे	भ. ४०।४१ उ. गणगौरी पू.
४	चं	८	२८	रो	१९	१७	सौ	७	५	वि	८	२८	४८	३८	२२	१६	३	३	मि४८।१९	भ.८।२८या. *चंद्रद. वक्रीमीने बुधः ५८/५
५	मं	४	३८	मृ	१७	२१	शो	१/२	५५/६	बा	४	३८	५१	३८	२२	१७	४	४	मिथुने	पूर्वोदयी शुक्रः ५८।४८ पू. उ. शु.
६	बु	१	४६	आ	१६	३५	सु	५२	७	तै	१	४६	५५	३७	२३	१८	५	५	मिथुने	भ. ६०।० उ.
७	बु	५८	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	गु	५९	३६	पु	१६	५३	धृ	४८	५२	वि	२७	५७	५८	३६	२४	१९	६	६	क.१।४९	भ.२६/५७या.दुर्गापू. भवान्युत्पत्तिः वक्री मीने×
९	शु	६०	०	पु	१८	४१	शू	४६	४३	बा	२९	५१	३३/२	३६	२४	२०	७	७	कर्के	रामनवमी
९	श	०	१६	श्ले	२१	९	गं	४५	३२	कौ	०	१६	६	३५	२५	२१	८	८	सिं२१।९	पूर्वोदयी बुधः ४१।३१
१०	र	२	१५	म	२५	२६	वृ	४५	१६	ग	२	१५	१०	३४	२६	२२	९	९	सिंहे	भ. ३३।५८ उ.
११	चं	५	४२	पू	३०	३१	ध्रु	४५	४९	वि	५	४२	१३	३३	२७	२३	१०	१०	कं.४६।५९	भ.५/४२या. कामदा ११व्र. मीने भौमः ५६/४३
१२	मं	९	५५	उ	३६	२२	व्या	४६	५८	बा	९	५५	१७	३३	२७	२४	११	११	कन्यायां	
१३	बु	१४	४०	ह	४२	४९	ह	४८	१९	तै	१४	४०	२१	३२	२८	२५	१२	१२	कन्यायां	×शुक्रः ३४/२६ आर्द्रायां.४राहुः पूषायां२केतुः ९१/१
१४	गु	१९	४१	चि	४९	२२	व	४९	४९	व	१९	४१	२५	३१	२९	२६	१३	१३	तु.१६।५	भ.१९/४१ उ.५२/८या. भरण्यां रविः ५७।१७
१५	शु	२४	३६	स्वा	५५	४२	सि	५१	५	ब	२४	३६	२९	३०	३०	२७	१४	१४	तुलायां	हनुमज्जयंती वै.स्ना.प्रा. अगस्त्यास्तः २/२

१पं.द्वि.चै.शु.१शु.इ.२०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	४	०	२	२	०
०	२१	०	२५	३	१२	२०	०
४	४६	२८	५४	५०	७	१८	०
४१	३७	२६	११	२	१६	२	०
५८	४५	४५/२०	५/१९	३३/१३	३	३	५८
४५	२५	व	व	व	४९	११	४४

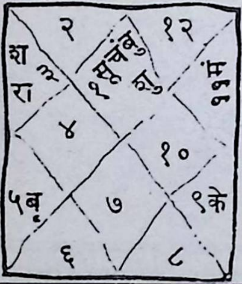

२पं.द्वि.चै.कृ.९शु.इ.२०।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	४	११	२	२	०
६	२७	२५	२५	२९	१२	१९	६
५४	१०	५०	१९	२७	३७	५५	५०
५१	५५	२	१९	५८	२६	४६	३८
५८	४५	३७/३५	४/७	३४/०	४	३	५८
२९	३२	व	व	व	२९	११	३१

३पं.द्वि.चै.शु.१५शु.इ.२१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	४	११	२	२	०
१३	२	२४	२४	२५	१३	१९	१३
४३	३४	२	५४	५९	१२	३३	३९
१४	५९	६	४	२०	१४	३१	४७
५८	४५	५/३६	५/२६	२१/४२	४	३	५८
१२	२८	व	व	व	५६	११	२०

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२९	६	वि	६०	०	व्य	५१	५१	कौ	२९	६	३३/३	२९/५	३१/६	२८	१५	१५	वृ.४४।४४	मार्गीबुधः ३४/४ उभायांभौमः ३१/५७ आर्द्रायां ३=
२	र	३२	५२	द्वि	१	४	व	५१	५५	तै	०	५८	३६	२९	३१	२९	१६	१६	वृश्चिके	
३	चं	३५	२६	अ	५	४४	प	५१	४	व	३	८	४०	२८	३२	३०	१७	१७	वृश्चिके	भ. ४।८ उ. ३५।२६ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	३७	५	ज्ये	९	१६	शि	४९	९	ब	६	१६	४३	२७	३३	१	१८	१८	ध.९।१६	मई मा. ५ ता. ३१ =शनिः ५५।४१
५	बु	३६	५२	मू	११	३०	सि	४६	२७	कौ	६	५९	४७	२७	३३	२	१९	१९	धनुषि	
६	गु	३५	३८	पू	१२	२७	सा	४२	३८	ग	६	१५	५०	२६	३४	३	२०	२०	म.२७।२६	भ. ३५।३८ उ.
७	शु	३३	१२	उ	१२	२३	शु	३७	५३	वि	४	२५	५४	२५	३५	४	२१	२१	मकरे	भ. ४।२५ या.
८	श	२९	५२	श्र	१०	५५	शु	३२	२२	बा	१	३२	५७	२५	३५	५	२२	२२	कु.३९।४७	
९	र	२४	४९	ध	८	४०	ब्र	२७	१२	ग	२४	४९	३३/१	२४	३६	६	२३	२३	कुम्भे	भ. ५१।२८ उ. मार्गी शुक्रः ३५।८
१०	चं	२०	८	श	५	४४	ऐं	१९	२७	वि	२०	८	४	२३	३७	७	२४	२४	मी४८।२	भ. २०।८ या.
११	मं	१४	२७	पू	२/८	५६/८	वै	१२	१३	बा	१४	२७	७	२३	३७	८	२५	२५	मीने	वरूथिनी ११ व्र.
१२	बु	८	३३	रे	५४	२	वि	४५/५	५३/२	तै	८	३३	१०	२२	३८	९	२६	२६	मे.५४।२	प्रदोषः मेषेऽश्विन्यां बुधः ४७।१६
१३	गु	२	३०	अ	४९	५७	आ	४९	३४	ब	२	३०	१३	२१	३९	१०	२७	२७	मेषे	भ.२।३० उ.३९/३१या. कृत्तिकायां रविः ४५/५२
१४	गु	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	शु	५०	२९	भ	४६	८	सौ	४२	७	च	२३	३०	१६	२१	३९	११	२८	२८	मेषे	मार्गी गुरुः ५३।०

४पं.वै.कृ.७शु.इ.२१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	४	११	२	२	०
२०	७	२५	२४	२४	१३	१९	२०
२९	५८	५३	३६	१६	५०	११	२७
५२	३७	५६	३६	३०	२०	१५	२२
५७	४५	१८/४५	३/३	१/१५	५	३	५८
५७	२३	मा	व	व	२३	११	६

गोचरग्रहाः

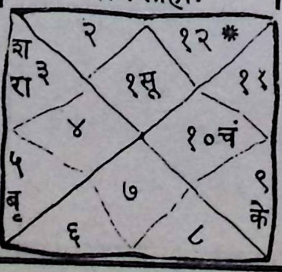

इस मास में ५ शनिवार तथा ५ रविवार अशुभ-फल कारक हैं। प्रजा में रोगादि उपद्रव हैजेका भय

गोचरग्रहाः

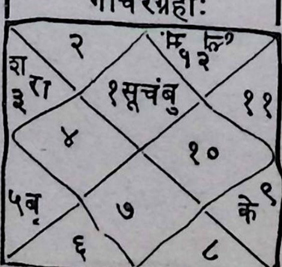

५पं.वै.कृ.३०शु.इ.२१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	४	११	२	२	०
२७	१३	१	२४	२४	१४	१८	२७
१५	१९	२	२७	३१	३१	४९	१३
६	४४	२	५०	२६	२६	०	३०
५७	४५	३९	०/५	१/६	५	३	५७
४५	१७	२६	व	मा	२०	११	५४

*मंबुशु

*मंशुबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३६९० सन्१९४५
१	श	४५	१९	कृ	४२	४१	शो	३५	७	किं	१७	५४	३३/५९	५/२०	६/४०	१२	२९	२९	बृ.०।१६	
२	र	४०	३६	रो	३९	४१	अ	२८	३०	बा	१२	५७	२२	२०	४०	१३	३०	३०	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	चं	३६	४२	मृ	३७	४९	सु	२२	२८	तै	८	३७	२५	१९	४१	१४	३१	१	मि८।४५	वृषेऽर्कः १२।५९ अक्षया ३ परशुराम ज.*
४	मं	३३	४४	आ	३७	४२	धृ	१७	४२	व	५	१३	२८	१८	४२	१५	१	२	मिथुने	भ.१ ५/३ उ. ३ ३/४ या. रेवत्यां भौमः४३।३६
५	बु	३१	५४	पु	३८	५४	शू	१३	६	ब	१	४९	३१	१८	४२	१६	२	३	क.२३।३६	
६	गु	३१	२९	पु	३९	४६	गं	९	४९	कौ	१	४२	३४	१७	४३	१७	३	४	कर्के	
७	शु	३१	५९	श्ले	४१	३९	वृ	७	२५	ग	१	४४	३६	१७	४३	१८	४	५	सिं४१।३९	भ. ३१।५९ उ. *जमादिलाखर मु. ६
८	श	३३	५६	म	४४	१९	ध्रु	६	७	वि	२	५८	३८	१६	४४	१९	५	६	सिंहे	भ. २।५८ या.
९	र	३७	७	पू	४९	२६	व्या	५	४५	बा	५	३१	४१	१६	४४	२०	६	७	सिंहे	
१०	चं	४१	१४	उ	५५	१	ह	६	१०	तै	९	१०	४३	१५	४५	२१	७	८	कं. ५।५८	
११	मं	४६	४	ह	६०	०	व	७	१५	व	१३	३९	४६	१५	४५	२२	८	९	कन्यायां	भ. १३।३९ उ.४६।४ या. मोहिनी ११ व्र.×
१२	बु	५०	५१	ह	१	२५	सि	८	४३	ब	१८	२८	४८	१४	४६	२३	९	१०	तु.३४।४६	×भरण्यां बुधः ५४।३२
१३	गु	५५	४२	चि	७	४७	व्य	१०	१३	कौ	२३	१६	५०	१४	४६	२४	१०	११	तुलायां	प्रदोषः रोहिण्यां रविः ३९।८
१४	शु	६०	०	स्वा	१४	१५	व	११	३५	ग	२७	५६	५२	१४	४६	२५	११	१२	तुलायां	नृसिंहजयंती मेषे शुक्रः ३९।४९
१४	श	०	९	वि	१९	५४	प	१२	२१	व	०	९	५४	१३	४७	२६	१२	१३	बृ. ३।३७	भ. ०।९ उ. ३१।५९ या. कूर्मजयंती
१५	र	३	५०	अ	२४	३३	शि	१२	५०	ब	३	५०	५६	१३	४७	२७	१३	१४	बृश्चिके	जलघटान्नदानं बै. स्ना. समाप्ति

६पं. वै.शु.७ शु.इ.२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	४	११	२	२	०
३	१८	८	२४	२६	१५	१८	३
५८	२९	५३	२८	२९	१६	२६	५८
४३	११	२०	१	२०	१	४५	२६
५७	४५	५८	१/२	२४/५२	६	३	५७
३४	१२	४०	मा	व	११	११	४४

गोचरग्रहाः

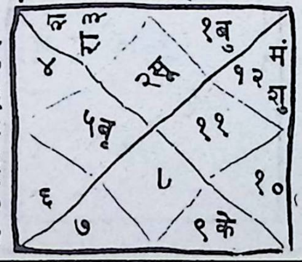

वैशाख शुक्ला ३ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४न ५प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भावसम) शुक्रो. पूर्वे वत्सद.

गोचरग्रहाः

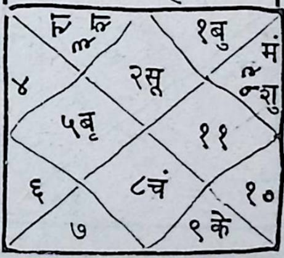

७पं.वै.शु.१४शु.इ.२१।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	४	११	२	२	१
१०	२३	१८	२४	२९	१६	१८	१०
४०	५७	५८	३६	५१	२	४	४२
५४	४७	३४	५४	१४	४९	२९	१८
५७	४४	७९	३	३५	६	३	५७
२३	५४	१	२३	१६	२६	११	३५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	६	२४	ज्ये	२८	२६	सि	१२	१५	कौ	६	२४	३३/५८	५/१२	६/४८	२८	१४	१५	ध.२८।२६	
२	मं	७	४२	मू	३१	२	सा	१०	४३	ग	७	४२	३४/०	१२	४८	२९	१५	१६	धनुषि	भ.३७।४४उ. कृत्तिकायां बुधः ४८।४१
३	बु	७	४७	पू	३२	१३	शु	८	८	वि	७	४७	२	१२	४८	३०	१६	१७	म.४७।१७	भ.४ ७या. चतुर्थीव्र. आर्द्रायां४ शनिः ३ ५/२ ४
४	गु	६	३०	उ	३२	३०	शु	४	४२	बा	६	३०	४	११	४९	३१	१७	१८	मकरे	वृषे बुधः ४६।३५
५	शु	४	३	श्र	३१	१७	ब्र	०/३	५४/४५	तै	४	३	६	११	४९	१	१८	१९	मकरे	जून मा. ६ ता. ३०
६	श	०	३३	ध	२९	१८	वै	४८	२६	व	०	३३	८	१०	५०	२	१९	२०	कुं. ०।१७	भ.०।३३ उ.२ ८/२ २ या. मेषे भौमः २५।१७
७	श	५५	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	र	५०	५७	श	२६	१७	वि	४२	२	बा	२३	३४	९	१०	५०	३	२०	२१	कुम्भे	
९	चं	४५	१८	पू	२२	५२	प्री	३४	५६	तै	१८	७	११	१०	५०	४	२१	२२	मी८।४३	
१०	मं	३९	१८	उ	१९	१०	आ	२७	२६	व	१२	१८	१२	१०	५०	५	२२	२३	मीने	भ.५ २/१ ८उ.३ ९/१ ८या. रोहिण्यांबुधः ५ ८/३ ५ पूर्वास्तं+
११	बु	३३	१२	रे	१४	५९	सौ	१९	५४	ब	६	१५	१४	९	५१	६	२३	२४	मे.१३।५९	अपरा ११ व्र. +बुधः ५६।५०
१२	गु	२७	७	अ	११	३१	शो	१२	४०	कौ	०	१०	१५	९	५१	७	२४	२५	मेषे	मृगे रविः ३७।५७ प्रदोषः
१३	शु	२१	१४	भ	७	६	अ	४/५५	५२/५१	ब	२१	१४	१६	९	५१	८	२५	२६	बृ.२१।१८	भ. २१।१४ उ. ४८।२९ या.
१४	श	१५	४५	कृ	०	५५	धृ	५१	७	श	१५	४५	१७	९	५१	९	२६	२७	बृषे	
३०	र	१०	५५	रो	२३/०	५७/५९	शू	४५	५	ना	१०	५५	१८	८	५२	१०	२७	२८	मि२९।२२	भावुका ३० वटाऽर्चनम्

८पं.ज्ये.कृ.५शु.इ.२१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	४	०	२	२	१
१७	२९	१	२४	४	१६	१७	१७
२२	१२	०	५४	१६	५१	४२	२५
०	४३	४	१४	४४	४७	१४	५
५७	४४	१/०	३	४३	६	३	५७
१३	४९	१/४७	४३	४१	३८	११	२७

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है रुई चांदी अलसी में घटबढ़ धान्य, जौ, गहूं चावल तेज होगा

गोचरग्रहाः

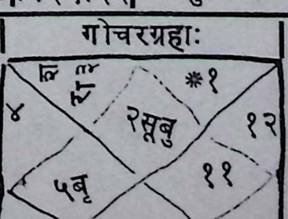

९पं.ज्ये.कृ.१३शु.इ.२२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	४	०	२	२	१
२४	४	१४	२५	९	१७	१७	२४
१	२६	५०	२०	३२	४३	१९	७
५५	३५	४२	३५	४६	१	५९	८
५७	४४	१/२	४	४९	६	३	५७
५	२६	१/३७	३१	४०	५६	११	२२

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) *चंमंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	चं	६	५४	आ	५७	१२	गं	४०	७	ब	६	५४	३४/५९	५/८	६/५२	११	२८	२९	मिथुने
२	मं	३	४९	पु	५६	४०	वृ	३५	२३	कौ	३	४९	२०	८	५२	१२	२९	१	क.४१।४८
३	बु	१	५०	पु	५७	३५	ध्रु	३२	१८	ग	१	५०	२१	८	५२	१३	३०	२	कर्के
४	गु	१	३	श्ले	५९	५४	व्या	२९	२५	वि	१	३	२१	८	५२	१४	३१	३	सिं५९।५४
५	शु	१	४२	म	६०	०	ह	२७	५५	बा	१	४२	२२	८	५२	१५	१	४	सिंहे
६	श	३	२०	म	३	२४	व	२७	१६	तै	३	२०	२२	८	५२	१६	२	५	सिंहे
७	र	६	२९	पू	८	२	सि	२७	३७	व	६	२९	२३	७	५३	१७	३	६	कं.२४।२९
८	चं	१०	२९	उ	१३	४९	व्य	२८	४५	ब	१०	२९	२३	७	५३	१८	४	७	कन्यायां
९	मं	१५	५	ह	१९	२२	व	३०	३	कौ	१५	५	२३	७	५३	१९	५	८	तु.५३।१
१०	बु	१९	४९	चि	२६	१०	प	३१	४८	ग	१९	४९	२४	७	५३	२०	६	९	तुलायां
११	गु	२४	४७	स्वा	३२	३८	शि	३३	३	वि	२४	४७	२४	७	५३	२१	७	१०	तुलायां
१२	शु	२९	१२	वि	३८	१९	सि	३४	२२	बा	२९	१२	२४	७	५३	२२	८	११	वृ.२१।५४
१३	श	३२	५०	अ	४३	२७	सा	३५	४३	कौ	१	१	२४	७	५३	२३	९	१२	वृश्चिके
१४	र	३५	२८	ज्ये	४७	४८	शु	३४	२३	ग	४	९	२४	७	५३	२४	१०	१३	ध.४७।४८
१५	चं	३६	५०	मू	५०	२४	शु	३३	३०	वि	६	९	२३	७	५३	२५	११	१४	धनुषि

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३७२० स. १९४५

चन्द्रदर्शनम्
रज्जब मु. ७ मृगे बुधः १३।३९
भ. ३१।२६ उ. भरण्यां शुक्रः ४।५९
भ. १।३ या. मिथुनेऽर्कः ३८।४५
मिथुने बुधः १९।४८

भ. ६।२९ उ. ३८।२९ या.
आर्द्रायांबुधः २५।५७ अस्तंशनिः५०।४३
×निर्जला ११ व्र. दक्षिणायनप्रवृत्तिः ४६।४
भ. ५२/१८ उ. आर्द्रायां ३ राहुः पूषायां १ केतुः ५६/२९ *
भ. २४।४७ या. आर्द्रायां रविः ४०।१७×
प्रदोषः *भरण्यां भौमः २५।५१
सावित्री व्रतारंभः उफायां १ गुरुः ५।४
भ. ३५।२८ उ. पुनर्वसुषु बुधः ४१।३९
भ. ६।९ या. वटसावित्री १५ चंद्रग्रहणं

१०पं.ज्ये.शु.५शु.इ.२१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	०	२	२	२
०	९	०	२५	१५	१८	१६	०
४१	३६	४	५४	२४	३५	५७	४८
३	३२	४१	१८	१४	३१	४३	२५
५६	४४	[illegible]	५	५४	७	३	५७
५७	१६	[illegible]	५९	२६	८	११	१६

गोचरग्रहाः

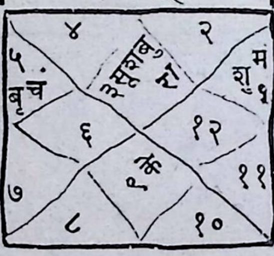

ज्येष्ठ शु. ४ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ कुमारावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

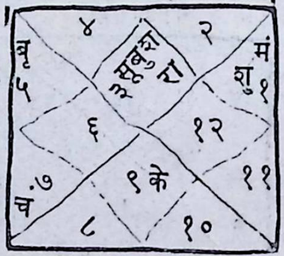

११पं.ज्ये.शु.१२शु.इ.२१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	०	२	२	२
७	१४	१५	२६	२१	१९	१६	७
१९	४५	१७	३५	४५	२८	३५	२९
३१	४	५३	६	३६	३४	२८	१३
५६	४३	[illegible]	६	५८	७	३	५७
५४	५८	[illegible]	४९	१३	१४	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्ष सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	मं	३७	१	पू	५१	५८	ब्र	३१	४४	बा	६	५५	३४/२३	५/७	६/५३	२६	१२	१५	धनुषि
२	बु	३५	४९	उ	५२	२४	ऐं	२७	२४	तै	६	२५	२३	७	५३	२७	१३	१६	म. ७।४
३	गु	३३	२४	श्र	५२	५५	वै	२३	७	व	४	३६	२२	८	५२	२८	१४	१७	मकरे
४	शु	२९	५७	ध	५०	२०	वि	१७	५२	ब	१	४०	२२	८	५२	२९	१५	१८	कु.२१।३७
५	श	२५	३७	श	४६	४३	प्री	११	५५	तै	२५	३६	२१	८	५२	३०	१६	१९	कुम्भे
६	र	२०	२८	पू	४३	३६	आ	५/१९	५३/५	व	२०	२८	२०	८	५२	१	१७	२०	मी२९।२२
७	चं	१४	४८	उ	३९	४२	शो	५०	५३	ब	१४	४८	१९	८	५२	२	१८	२१	मीने
८	मं	८	५३	रे	३५	३०	अ	४३	२०	कौ	५	५३	१८	८	५२	३	१९	२२	मे.३५।३९
९	बु	२	४२	अ	३१	३१	सु	३५	४८	ग	२	४२	१७	९	५१	४	२०	२३	मेषे
१०	बु	५३	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	गु	५०	३९	भ	२७	२१	धृ	२८	१९	ब	२३	३६	१६	९	५१	५	२१	२४	वृ.४१।२५
१२	शु	४५	४	कृ	२३	३९	शू	२१	९	कौ	१७	५१	१४	९	५१	६	२२	२५	वृषे
१३	श	३९	५८	रो	२०	४०	गं	१४	२२	ग	१२	३१	१३	९	५१	७	२३	२६	मि४९।२७
१४	र	३६	१	मृ	१८	१४	वृ	८	१२	वि	८	०	१२	१०	५०	८	२४	२७	मिथुने
३०	चं	३२	५१	आ	१६	३७	ध्रु	२/४४	५५/२४	च	४	२६	१०	१०	५०	९	२५	२८	मिथुने

ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पुन. १ शनिः १४/२२ पश्चिमोदयी बुधः २६/५८
कृत्तिकायां शुक्रः ३४।४६
भ. ४।३६ उ. ३३।२४ या. चतुर्थी व्र.
कर्के बुधः ४८।१६
वृषे शुक्रः ५१।२६
भ.२०।२८ उ.४७।३८ या. जुलाई मा.७*
*ता· ३१ पुष्ये बुधः ४४।१५

भ. २९।३८ उ. ५६।३४ या.

पुनर्वसौ रविः ४४/१८ योगिनी ११ व्र. स्मा.
योगिनी ११ व्र. वै. नि.
भ. ३९।५८ उ. प्रदोषः
भ. ८।० या. कृत्तिकायां भौमः ५०।५१
आश्लेषायां बुधः ५६/२४ सोमवती पुण्यम्

१२पं. आ.कृ.४शु.इ.२१।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	७	०	२	२	२
१३	१९	२९	२७	२८	२०	१६	१४
५७	५०	१४	२२	२८	२२	१३	९
३४	२४	२८	४१	५५	५५	१२	४३
५६	४३	[illegible]	७	६१	७	३	५७
५९	३६	[illegible]	५६	१	२०	११	७

गोचरग्रहाः

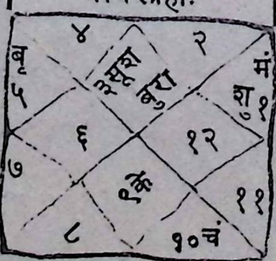

इस मास में व्यापार में विशेष घट बढ़ चलेगी सुदीमें कन्याराशि पर गुरु आये हैं, सो रुई मंदी करेगा।

गोचरग्रहाः

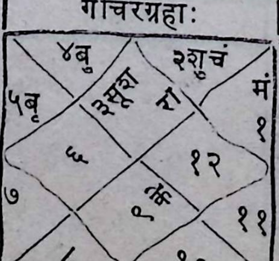

१३पं.आ.कृ.१२शु.इ.२१।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	१	२	२	२
२०	२४	११	२८	५	२१	१५	२०
३५	५२	३३	१६	३०	१७	५०	५०
३०	३८	२५	५२	२५	२८	५७	७
५६	४३	८५	८	६३	७	३	५७
५०	१३	४२	४८	१९	२०	११	७

*केबुमं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३७४९ स.१९४५
१	मं	३०	४४	पु	१६	१७	ह	५४	२८	किं	१	४८	३४ ९	५ १०	६ ५०	१०	२६	२९	क.१।२२	रोहिण्या शुक्रः ४८।३६
२	बु	२९	५०	पु	१७	१	व	५१	४५	बा	०	१७	७	११	४९	११	२७	३०	कर्के	चंद्रदर्शनं रथयात्रा
३	गु	३०	२३	श्ले	१८	५२	सि	४९	३	तै	०	७	६	११	४९	१२	२८	१	सिं१८।५२	सावान मु. ८
४	शु	३२	१२	म	२२	१	व्य	४९	२०	व	१	१७	४	११	४९	१३	२९	२	सिंहे	भ.१।१७ उ.३२।१२ या. वृषे भौमः ३७ ४२
५	श	३४	५७	पू	२६	२६	व	४९	२९	ब	३	३४	२	१२	४८	१४	३०	३	कं.४२।४४	
६	र	३८	५२	उ	३१	४०	प	५०	२१	कौ	६	५४	०	१२	४८	१५	३१	४	कन्यायां	
७	चं	४३	२५	ह	३७	५१	शि	५१	४१	ग	११	८	३३ ५८	१२	४८	१६	३२	५	कन्यायां	भ. ४३।२५ उ. कर्केऽर्कः १७।२
८	मं	४८	३०	चि	४४	१५	सि	५३	१९	वि	१५	५७	५६	१३	४७	१७	१	६	तु.११।३	भ. १५।५७ या.
९	बु	५३	८	स्वा	५०	४०	सा	५४	५२	बा	२०	४९	५४	१३	४७	१८	२	७	तुलायां	भडली९ उफायां२ कन्यायां गुरुः१८।३०
१०	गु	५७	३५	वि	५६	३६	शु	५६	०	तै	२५	२१	५२	१४	४६	१९	३	८	वृ.४०।७	पुष्ये रविः ४७।४२ सिंहे बुधः २१।१८
११	शु	६०	०	अ	६०	०	शु	५६	३६	व	२९	२६	५०	१४	४६	२०	४	९	वृश्चिके	भ. २९।२६ उ. देवशयनी ११ ब्र. स्मा.
११	श	१	१७	अ	२	०	ब्र	५६	२३	वि	१	१७	४८	१४	४६	२१	५	१०	बृश्चिके	भ. १।१७ या. देवशयनी ११ ब्र. वै. नि.
१२	र	४	२७	ज्ये	६	२०	ऐं	५५	१६	बा	४	२७	४५	१५	४५	२२	६	११	ध.६।२०	प्रदोषः पुनर्वसौ २ चर्णे शनिः १५।३६
१३	चं	५	२४	मू	९	१९	वै	५३	९	तै	५	२४	४३	१५	४५	२३	७	१२	धनुषि	मृगे शुक्रः ९।२८
१४	मं	५	४२	पू	११	१०	वि	५०	१	व	५	४२	४०	१६	४४	२४	८	१३	म.२६।२१	भ. ५।४२ उ. ३५।७ या. वायुपरीक्षा
१५	बु	४	३२	उ	११	५५	प्री	४५	५१	ब	४	३२	३७	१७	४३	२५	९	१४	मकरे	व्यास १५ सव्वरात उदयं शनिः ७।३९

१४पं.आ.शु.४शु.इ.२१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	१	२	२	२
२७	२९	२२	२९	१२	२२	१५	२७
१३	४८	१२	१६	४५	११	२८	३०
३६	३२	२५	१९	५०	४१	४२	२९
५६	४२	६९	९	६५	७	३	५७
५५	४९	८	३७	१	२०	११	११

गोचरग्रहाः

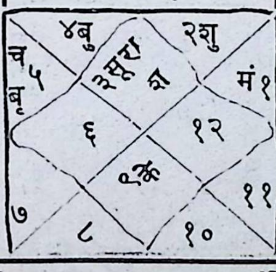

आषाढ़ शुक्ला ७ शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा.५ न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

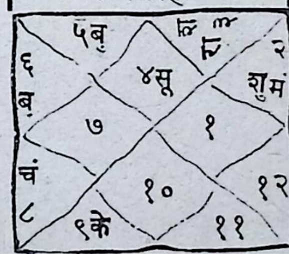

१५पं.आ.शु.११शु.इ.२१।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	१	२	२	३
३	४	०	०	२०	२३	१५	४
५२	४१	५४	२१	१३	६	६	११
४	४९	४	११	४४	१४	२६	१३
५६	४२	५३	१०	६६	७	३	५७
५७	३०	५३	२०	३२	१४	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२	१३	श्र	११	१०	आ	४०	३८	कौ	२	१३	३३ ३५	५ १७	६ ४३	२६	१०	१५	कु.४०।२०	
२	गु	५६	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	शु	५४	३२	ध	९	३१	सौ	३४	५६	ब	२६	३२	३२	१८	४२	२७	११	१६	कुम्भे	भ. २६।४१ उ. ५४।३२ या.
४	श	४९	२८	श	६	५५	शो	२८	२६	ब	२२	२८	३०	१८	४२	२८	१२	१७	मी४९।४४	चतुर्थी ब्र. रोहिण्यां भौमः १।१२
५	र	४३	५१	पू	४ ०	५५ ५६	अ	२१	२५	कौ	१६	५१	२७	१९	४१	२९	१३	१८	मीने	नागपंचमी मरुस्थले मिथुने शुक्रः१४।२०
६	चं	३७	५५	रे	५६	४०	सु	१४	१	ग	१०	५५	२४	१९	४१	३०	१४	१९	मे.५६।४०	भ. ३७।५५ उ.
७	मं	३१	५०	अ	५१	५०	धृ	६ २१	५२ ३८	वि	४	५०	२१	२०	४०	३१	१५	२०	मेषे	भ. ४।५३ या.
८	बु	२५	४०	भ	४७	४२	गं	५१	२७	कौ	२५	४०	१८	२०	४०	१	१६	२१	मेषे	अगस्त मा. ८ ता. ३१
९	गु	१९	३५	कृ	४३	५५	वृ	४४	९	ग	१९	३५	१५	२१	३९	२	१७	२२	बृ.१।४५	भ.४६।५१ उ. आश्लेषायां रविः४८।३१
१०	शु	१४	८	रो	४०	४७	ध्रु	३७	२५	वि	१४	८	१२	२२	३८	३	१८	२३	बृषे	भ. १४।८ या.
११	श	९	९	मृ	३८	१४	व्या	३०	५५	बा	९	९	९	२२	३८	४	१९	२४	मि९।३०	कामिका ११ ब्र. आर्द्रायां शुक्रः १४।१८
१२	र	४	५९	आ	३६	६	ह	२५	११	तै	४	५९	६	२३	३७	५	२०	२५	मिथुने	प्रदोषः
१३	चं	१	४५	पु	३५	३१	व	२०	२२	व	१	४५	३	२३	३७	६	२१	२६	क २०।४०	भ.१।४५ उ.३०।४० या. वक्री बुधः ३३ ४५×
१४	चं	५७	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×उफायां गुरुः २८।२४
३०	मं	५८	४१	पु	३६	०	सि	२६	२१	च	२९	८	३३ ०	२४	३६	७	२२	२७	कर्के	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.२शु.इ.२१।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	१	२	२	३
१०	९	७	१	२७	२३	१४	१०
३१	३२	२८	३०	५२	५९	४४	५२
२२	६	५९	२९	२३	३५	११	१६
५७	४२	३६	१०	६७	७	३	५७
५	०	२२	५७	४६	८	११	२०

गोचरग्रहाः

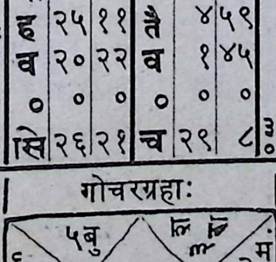

इस मास में प्रजा में कुछ विग्रह होगा धान्य, रुई, अलसी, चांदी,नारियल, गुड़, खांड, गेहूँ, बाजरा, कपड़ा तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

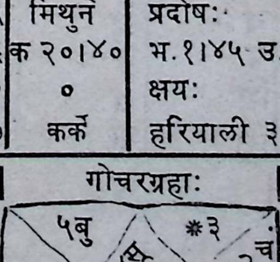

१७पं.श्रा.कृ.१०शु.इ.२१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	२	२	२	३
१७	१४	११	२	५	२४	१४	१७
११	१६	७	४३	३९	५२	२१	३३
१०	१२	१९	५५	७	१२	५६	५८
५७	१४	१३	११	६८	.६	३	५७
२१	३०	५२	३४	४९	५६	११	२४

*राशशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७७८ सन् १९४५
१	बु	५९	१०	श्ले	३७	३६	व्य	१३	२५	किं	२८	५५	३२/५७	५/२५	६/३५	८	२३	२८	सि ३७।३६	नक्तव्रतारंभः
२	गु	६०	०	म	४०	२८	व	११	२८	बा	२९	५७	५४	२५	३५	९	२४	२९	सिंहे	चंद्रदर्शनं
२	शु	०	४५	पू	४४	३९	प	१०	२९	कौ	०	४५	५०	२६	३४	१०	२५	१	सिंहे	रमजान मु. ९ रोजा
३	श	३	३४	उ	४९	५१	शि	१०	२७	ग	३	३४	४७	२७	३३	११	२६	२	कं.०।५७	भ. ३५।२९ उ. मधुश्रवा ३
४	र	७	२५	ह	५५	५३	सि	११	१३	वि	७	२५	४४	२७	३३	१२	२७	३	कंन्यायां	भ. ७।२५ या.
५	चं	१२	१	चि	६०	०	सा	११	५२	बा	१२	१	४०	२८	३२	१३	२८	४	तु.२९।०	नागपंचमी पश्चिमास्तो बुधः ४५।३
६	मं	१६	५३	चि	२	८	शु	१३	५५	तै	१६	५३	३६	२९	३१	१४	२९	५	तुलायाँ	
७	बु	२१	४८	स्वा	८	३३	शु	१५	३६	व	२१	४८	३३	२९	३१	१५	३०	६	वृ.५७।५७	भ. २१।४८ उ. ५४।३ या.
८	गु	२६	१९	वि	१४	२५	ब्र	१६	५०	ब	२६	१९	२९	३०	३०	१६	३१	७	बृश्चिके	सिंहेऽर्कः ४/४८ दुर्वा ८ पुन. शुक्रः ०।३९
९	शु	३०	५	अ	१९	५७	ऐं	१७	२९	कौ	३०	५	२६	३१	२९	१७	१	८	बृश्चिके	मृगे भौमः ७।२३
१०	श	३२	५०	ज्ये	२४	२८	वै	१७	२८	तै	१	२७	२३	३१	२९	१८	२	९	ध.२४।२८	पुनर्वसौ ३ च. शनिः २७।५५
११	र	३४	२९	मू	२८	०	वि	१६	३०	व	३	३९	१९	३२	२८	१९	३	१०	धनुषि	भ.३।३९ उ.३४।२९ या. पवित्रा ११व्र.
१२	चं	३४	५२	पू	३०	५४	प्री	१४	२९	ब	४	४१	१६	३३	२७	२०	४	११	म.४६।९	
१३	मं	३३	४६	उ	३१	५५	आ	११	३६	कौ	४	१९	१२	३४	२६	२१	५	१२	मकरे	प्रदोषः +राहुः मूले ४ केतुः ४९।२०
१४	बु	३१	३३	श्र	३०	३९	सौ	७	४४	ग	२	४०	८	३४	२६	२२	६	१३	कुं.५९।५२	भ. ३१।३३ उ. ५९।५५ या. आर्द्रायां २+
१५	गु	२८	१७	ध	२९	६	शो	५ ५/१	५५/००	व	२८	१७	४	३५	२५	२३	७	१४	कुम्भे	रक्षाबंधनं उपाकर्म उ. ४ गुरुः ५८।५५

१८पं.श्रा.शु.२शु.इ.२१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	५	२	२	२	२
२३	१८	११	४	१३	२५	१३	२४
५२	५६	४	१	३३	४३	५९	१६
१८	१७	२६	८	३२	३४	४०	२५
५७	४०	१६/२३	१२	६९	६	३	५७
२२	३४	व	११	३७	४१	११	३३

गोचरग्रहाः

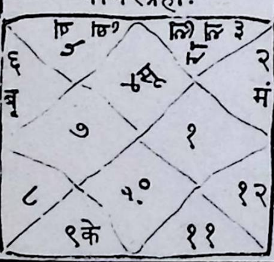

श्रावण शु.८ गुरौ
सिंहेऽर्कः प्र.वा.४
न.५कुमारावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभावसम)
शुक्रो. पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहा :

१९पं.श्रा.शु.९ शु.इ.२०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	५	२	२	२	४
०	२३	६	५	२१	२६	१३	०
३४	२९	५६	२१	३४	३२	३७	५९
३१	२	२०	३२	१२	४९	२५	४६
५७	४०	४८/२	१२	७८	६	३	५७
३४	२	व	२४	२५	२६	११	४०

ति.	प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२४	७	श	२६	४२	सु	५०	२५	कौ	२४	७	३२/००	५/३६	६/२४	२४	८	१५	कुम्भे	कर्के शुक्रः ३३।४६
२	श	१९	८	पू	२३	४६	धृ	४३	२७	ग	१९	८	३५/५६	३७	२३	२५	९	१६	मी९।३०	भ. ४६।१६ उ. वक्री कर्के बुधः २९।१४
३	र	१३	२५	उ	२०	९	शू	३६	५	वि	१३	२५	५२	३८	२२	२६	१०	१७	मीने	भ. १३।२५ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	७	४२	रे	१५	५९	गं	२८	२७	बा	७	४२	४८	३८	२२	२७	११	१८	मे. १५।५९	पुष्येशुक्रः ३/३ ५/७ मिथुनेभौमः ३/३ ७/३ अगस्त्योद. ४/२ ४/६
५	मं	१	३७	अ	११	५७	वृ	२०	५२	तै	१	३७	४४	३९	२१	२८	१२	१९	मेषे	भ. ५५।१२ उ. चन्द्र ६
६	मं	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	४९	३९	भ	७	४३	ध्रु	१३	१७	वि	२२	३५	४०	४०	२०	२९	१३	२०	वृ.२१।४६	भ. २२।३५ पूर्वोदयी बुधः ४०।३
८	गु	४४	१	कृ	३	५४	व्या	५५/१	५३/५	बा	१६	५०	३६	४१	१९	३०	१४	२१	बृषे	पूफायां रविः ३५।४९ श्रीकृष्ण जयन्ती
९	शु	३९	१	रो	२०/१	५७/१२	व	५१	४४	तै	११	३१	३२	४२	१८	३१	१५	२२	मि२८।५७	गोगा ९
१०	श	३५	५१	आ	५५	४५	सि	४६	२४	व	७	२६	२८	४२	१८	१	१६	२३	मिथुने	भ.२/७ ६ उ.३/५ ५/१ या. सितम्बर मा.९ता.३०×
११	र	३१	३७	पु	५४	२१	व्य	४०	४९	ब	३	४५	२४	४३	१७	२	१७	२४	क. ३९।४२	अजा ११ व्र. ×मार्गी बुधः २५।२
१२	चं	२९	३१	पु	५४	५०	व	३७	४	कौ	०	३४	२०	४४	१६	३	१८	२५	कर्के	प्रदोषः वत्स १२
१३	मं	२८	३६	श्ले	५६	७	प	३३	५२	ब	२८	३६	१७	४५	१५	४	१९	२६	सि५६।७	भ.२/३ ८/६ उ.५/५ ८/२ या. मार्गी सिंहे बुधः १३।८
१४	बु	२९	९	म	५८	४४	शि	३१	३९	श	२९	९	१४	४५	१५	५	२०	२७	सिंहे	पिठोरी ३०
३०	गु	३०	४४	पू	६०	०	सि	३०	२६	ना	३०	४४	१०	४६	१४	६	२१	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी लोहागंल यात्रा

२०पं.भा.कृ.१ शु.इ.२०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	५	२	२	२	४
७	२७	१	६	२९	२७	१३	७
१८	५७	९	४४	४१	१९	१५	४४
५	११	३२	५३	२	५५	९	१७
५७	३९	६०/५५	१२	७१	६	३	५७
४५	२७	व	५०	४	१४	११	४८

गोचरग्रहाः

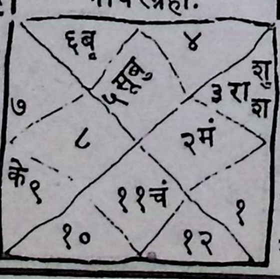

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी वर्षा सर्वत्र श्रेष्ठ होगी। मूंग मोंठ बाजरा ज्वार मक्का मन्दा हीगा।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.९ शु.इ.२०।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	५	३	२	२	४
१४	२	२९	८	७	२८	१२	१४
३	१८	७	१०	५३	४	५२	२९
१७	५०	१२	८	१६	४१	५४	५३
५७	३८	३२/३५	१३	७१	५	३	५८
५७	४३	व	१४	३१	५०	११	१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	शु	३३	३४	पू	२	४०	सा	३०	११	किं	२	९	३६	४७	१६३	७	२२	२९	कं.१८।५३
२	श	३७	२८	उ	७	३३	शु	३०	४३	बा	५	३१	२	४८	१२	८	२३	३०	कन्यायां
३	र	४२	८	ह	१३	२०	शु	३१	४८	तै	९	४८	३०५८	४८	१२	९	२४	१	तु.४६।२८
४	चं	४७	१	चि	१९	३७	ब्र	३३	११	व	१४	३५	५४	४९	११	१०	२५	२	तुलायां
५	मं	५२	३	स्वा	२५	५७	ऐं	३४	४८	ब	१९	३२	५०	५०	१०	११	२६	३	तुलायां
६	बु	५६	३९	वि	३२	११	वै	३५	५७	कौ	२४	२१	४५	५१	९	१२	२७	४	वृ.१५।३८
७	गु	६०	०	अ	३७	४९	वि	३६	४३	ग	२८	३५	४१	५२	८	१३	२८	५	वृश्चिके
७	शु	०	३१	ज्ये	४२	२९	प्री	३६	४६	व	०	३१	३६	५३	७	१४	२९	६	ध.४२।२९
८	श	३	२३	मू	४६	१६	आ	३६	९	ब	३	२३	३२	५४	६	१५	३०	७	धनुषि
९	र	५	७	पू	४८	३०	सौ	३४	७	कौ	५	७	२८	५४	६	१६	३१	८	धनुषि
१०	चं	५	३५	उ	४९	४२	शो	३१	२४	ग	५	३५	२४	५५	५	१७	१	९	म.३।४८
११	मं	४	३७	श्र	४९	४९	अ	२७	२१	वि	४	३७	२०	५६	४	१८	२	१०	मकरे
१२	बु	२	२५	ध	४८	२७	सु	२२	४२	बा	२	२५	१६	५७	३	१९	३	११	कु.१९।८
१३	बु	५६	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	५५	११	श	४६	८	धृ	१७	७	ग	२७	१३	१२	५८	२	२०	४	१२	कुम्भे
१५	शु	५०	१८	पू	४२	५४	शू	१०	४२	वि	२२	४४	८	५८	२	२१	५	१३	मी२८।४१

वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८०८ स.१९४५

सार्पे शुक्रः ४६/१५ आर्द्रायां भौमः ३०।५०
चंद्रदर्शनम्
सव्वाल मु. १० ईद हस्ते १ गुरुः १।२५
भ. १४।३५ उ. ४७।१ या. गणेश ४
ऋषि ५

उफायां रविः २०।२८
भ.०।३१उ.३१/५७या. पूफायां बुधः३०।५०

कन्यायामर्कः४५।३९ पूर्वास्तं बुधः२१।१
भ. ३५।६ उ. अस्तं गुरुः ११।२४ अ.गु.
भ. ३४/७ या. जलझूलनी ११ब्र. वामन ज.*
प्रदोषः *श्र.१२ मघायांसिंहे च शुक्रः५४/५०
क्षयः ×कर्के शनिः २१।२
भ. ५५।११ उ. अनंत १४ ब्र.
भ.३३/४४या. महालयारंभः उफायां बुधः५५/१४×

२२पं.भा.शु. १शु.इ.२०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	३	२	२	४
२०	६	३	९	१६	२८	१२	२१
४९	३३	१९	३७	१०	४६	३०	१६
५७	२९	३७	३४	१६	१२	३९	९
५८	३७	६६/५३	१३	७१	५	३	५८
१२	४४	मा	२०	५८	२६	११	१३

२३पं.श्रा.शु.७शू.इ.२०।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	३	२	२	४
२७	१०	१३	११	२४	२९	१२	२८
३८	३९	१	६	३१	२४	८	५
२१	५८	१९	२५	३४	४०	२३	२४
५८	३६	६०	१३	७२	४	३	५८
२९	५२	३८	३२	२०	५६	११	२६

२४पं.भा.शु.१५शु.इ.२०।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	५	४	२	२	५
४	१४	२५	१२	२	२९	११	४
२८	३७	३२	३६	५६	५९	४६	५५
२३	३४	६	२२	२	५६	८	१६
५८	३५	६०	१३	७२	४	३	५८
४५	३८	८	३२	४१	३४	११	३८

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	४४	४७	उ	३९	४५	गं	५३१	५२३९	बा	१७	३३	३०४०	५६९	६६	२२	६	१४	मीने
२	र	३९	७	रे	३५	५६	ध्रु	४८	५२	तै	११	५७	३००००	००६	००६	२३	७	१५	मे.३५।५६
३	चं	३२	५८	अ	३१	४०	व्या	४१	१०	व	६	३	२९५५	१	५९५	२४	८	१६	मेषे
४	मं	२६	५७	भ	२७	३०	ह	३३	२५	बा	२६	५७	५०	२	५८	२५	९	१७	बृ.४१।३३
५	बु	२१	७	कृ	२३	४२	व	२५	५८	तै	२१	७	४६	३	५७	२६	१०	१८	बृषे
६	गु	१५	३६	रो	२०	९	सि	१८	४६	व	१५	३६	४२	४	५६	२७	११	१९	मि४८।३८
७	शु	१०	४०	मृ	१७	७	व्य	१२	१	ब	१०	४०	३८	४	५६	२८	१२	२०	मिथुने
८	श	६	३५	आ	१५	३	व	६	५४	कौ	६	३५	३४	५	५५	२९	१३	२१	क.५८।४६
९	र	३	२६	पु	१३	४०	प	३००	५६८	ग	३	२६	३०	६	५४	३०	१४	२२	कर्के
१०	चं	१	२३	पु	१३	३८	सि	५२	३०	वि	१	२३	२६	७	५३	१	१५	२३	कर्के
११	मं	०	३३	श्ले	१४	३६	सा	४९	५४	बा	०	३३	२२	८	५२	२	१६	२४	सिं१४।३६
१२	बु	१	१०	म	१६	३८	शु	४८	१८	तै	१	१०	१८	८	५२	३	१७	२५	सिंहे
१३	गु	२	४९	पू	२०	३५	शु	४७	१०	ब	२	४९	१४	९	५१	४	१८	२६	कं.३६।४४
१४	शु	५	४१	उ	२५	११	ब्र	४७	५७	श	५	४१	१०	१०	५०	५	१९	२७	कन्यायां
३०	श	९	४१	ह	३०	५१	ऐं	४८	५७	ना	९	४१	६	११	४९	६	२०	२८	कन्यायां

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

कन्यायां बुधः ३८।३४
भ.६/३उ.३२/५८या. चतुर्थी ब्र. हस्ते२ गुरुः ३३/३६

हस्ते रविः ५८।७
भ. १५।३६ उ. ४३।८ या.

हस्ते बुधः१३।२४ पूफायां शुक्रः ५४।१७
भ. ३२।३४ उ.
भ. १।२३ या. **अक्टूबर मा. १० ता. ३१**×
इन्दिरा ११ ब्र. ×पुनर्वसौ भौमः २०।२
प्रदोषः
भ.२।४९उ.३४।१५या.शस्त्रादिहतानांश्रा॰

सर्व पितृ ३० चित्रायां बुधः ४४।२८

२५पं.आ.कृ.७शु.इ.२०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	४	३	२	५
११	१८	८	१४	११	०	११	११
२०	२४	२०	७	२५	३०	२३	४६
३३	१८	१०	५	१६	२९	५३	५५
५९	३४	६०	१३	७२	३	३	५८
०	१५	१४	३८	५६	५५	११	५३

गोचरग्रहाः

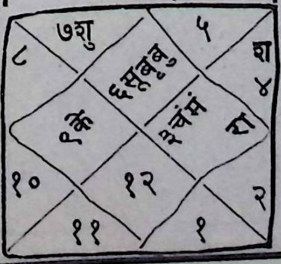

इस मास में ५ शनि तथा ५ रविवार प्रजा में अशुभ फल कारक है। राजाओं में विरोध युद्ध का भय होगा।

गोचरग्रहाः

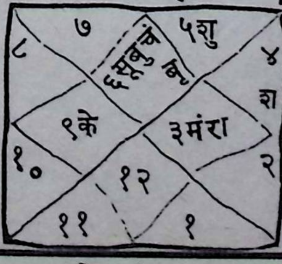

२६पं.आ.कृ.१४शु.इ.१९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	४	३	२	५
१८	२२	२०	१५	१९	०	११	१८
१४	२	५१	३७	५६	५६	१	४०
२१	५३	४	४४	५६	४२	३७	१२
५९	३२	६०	१३	७३	३	३	५९
१६	५८	४१	३८	१४	१४	११	९

 ×शमंरा

*शमंरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८३८ स.१९४५
१	र	१४	२४	चि	३६	४८	वै	५०	४	ब	१४	४२	२९/२	६/१२	५/४८	७	२१	२९	तु.३।३९	चंद्रद. मातामह श्राद्ध
२	चं	१९	२५	स्वा	४३	२२	वि	५१	३२	कौ	१९	२५	२८/५८	१२	४८	८	२२	१	तुलायां	जिल्काद मु. ११
३	मं	२४	३१	वि	४९	४६	प्री	५२	४४	ग	२४	३१	५४	१३	४७	९	२३	२	वृ.३३।१०	भ. ५६।५२ उ.
४	बु	२९	१४	अ	५५	३६	आ	५३	३६	वि	२९	१४	५०	१४	४६	१०	२४	३	वृश्चिके	भ.२९/१४या. चित्रायां रविः३६/४४ तुलायांबुधः*
५	गु	३३	१०	ज्ये	६०	०	सौ	५३	४४	व	१	१२	४६	१५	४५	११	२५	४	वृश्चिके	*४३/३८ उफायां शुक्रः ४६/१६ हस्ते३ गुरुः१२/५८
६	शु	३६	६	ज्ये	०	३६	शो	५३	६	कौ	४	३८	४२	१६	४४	१२	२६	५	ध.०।३६	
७	श	३७	५६	मू	४	२९	अ	५१	३१	ग	७	१	३८	१६	४४	१३	२७	६	धनुषि	भ. ३७/५६ उ. उदयं गुरुः ३८/२४ कन्यायां= उ.गु
८	र	३८	३०	पू	७	१७	सु	४८	५७	वि	८	१३	३४	१७	४३	१४	२८	७	म.२२।३०	भ. ८।१३ या. स्वात्यां बुधः ४३।३८
९	चं	३७	३६	उ	८	११	धृ	४५	३९	बा	८	३	३०	१८	४२	१५	२९	८	मकरे	सरस्वती विसर्जनम् =शुक्रः ३५/४३
१०	मं	३५	३०	श्र	८	४९	शू	४०	४६	तै	६	३३	२६	१९	४१	१६	३०	९	कु.३८।१६	विजया १०
११	बु	३२	२२	ध	७	४४	गं	३५	१९	व	३	५६	२२	२०	४०	१७	३१	१०	कुम्भे	भ.३।५६ उ.३२/२२या. तुलायामर्कः ११।२८÷
१२	गु	२८	२४	श	५	४७	वृ	२९	३	ब	०	२३	१८	२०	४०	१८	१	११	मी४८।४१	प्रदोषः ÷पापांकुशा ११व्र.
१३	शु	२३	३३	पू	२	५९	ध्रु	२२	१६	तै	२३	३३	१४	२१	३९	१९	२	१२	मीने	×पश्चिमोदयी बुधः १३।५८
१४	श	१८	१०	उ	३ २/१	५५/११	व्या	१४	५६	व	१८	१०	१०	२२	३८	२०	३	१३	मे.५५।४२	भ.१८।१० उ.४५।१७या. शरद् पू. स्मा.
१५	र	१२	२५	अ	५१	३७	ह	७/५६	५२/५६	ब	१२	२५	६	२३	३७	२१	४	१४	मेषे	शरद पूर्णिमा वै. हस्ते शुक्रः ३९।२१×

२७पं. आ.शु.६शु.इ.१९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	५	४	३	२	५
२५	२५	२	१७	२८	१	१०	२५
१०	२५	४०	८	३१	१८	३९	३५
४	५	५	३५	५२	३६	२२	१०
५९	३१	०/०	१३	७३	२	३	५९
३१	१९	०/०	३२	२५	३५	११	२१

गोचरग्रहाः

आश्विन शु. ११ बुधे तुलायामर्कः प्र. वा. ४ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदय पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

२८पं.आ.शु.१३शु.इ.१९।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	५	५	३	२	६
२	२८	१३	१८	७	१	१०	२
७	३४	५५	३८	८	३५	१६	३१
३३	१६	४४	३८	१७	२०	६	३७
५९	२९	९६	१३	७३	१	३	५९
४६	३३	५६	३०	४०	५५	११	३४

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणे आविश्नकृष्णेतिमहा.
१	चं	६	२७	भ	४७	३३	सि	५१	५५	कौ	६	२७	२८/२	६/२४	५/३९	२२	५	१५	मेषे	कर्के भौमः १३।३६
२	मं	०	३१	कृ	४३	३३	व्य	४४	६	ग	०	३१	२७/५८	२४	३६	२३	६	१६	वृ.१।३३	भ. ३७/२८ उ. ५४/२५ या. स्वात्यां रविः ५२/२८*
३	मं	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु	४९	१८	रो	३९	५२	व	३६	४२	ब	२१	५२	५४	२५	३५	२४	७	१७	वृषे	करक४ आर्द्रा१ राहुः मूले २ केतुः ४३/१६
५	गु	४४	२८	मृ	३६	४५	प	२९	४५	कौ	१६	५३	५०	२६	३४	२५	८	१८	मि८।१८	हस्ते ४ गुरुः ४६।७
६	शु	४०	१८	आ	३४	१९	शि	२३	२०	ग	१२	२३	४६	२७	३३	२६	९	१९	मिथुने	भ. ४०।१८ उ.
७	श	३७	२७	पु	३२	३९	सि	१७	४१	वि	८	५३	४२	२८	३२	२७	१०	२०	क.१८।४	भ. ८।५७ या.
८	र	३५	३१	पु	३२	२३	सा	१२	५४	बा	६	२९	३८	२८	३२	२८	११	२१	कर्के	होई ८ *विशाखायां बुधः २१।५५
९	चं	३४	४६	श्ले	३३	३	शु	९	२	तै	५	८	३४	२९	३१	२९	१२	२२	सिं३३।३	=बुधः३०/२४चित्रायांशुक्रः२१/१७पुष्येभौमः६/१७
१०	मं	३५	२९	म	३४	५४	शु	६	४	व	५	८	३०	३०	३०	३०	१३	२३	सिंहे	भ.५।८उ.३५।२९या.वृश्चिकेबुधः९।४२
११	बु	३७	४५	पू	३८	२०	ब्र	६	८	ब	६	३९	२७	३०	२९	३१	१४	२४	कं.५४।२८	रमा ११ व्र.
१२	गु	४०	१८	उ	४२	५१	ऐं	४	१०	कौ	९	२	२३	३१	२९	१	१५	२५	कन्यायां	गोवत्स पू. नवम्बर मा.११ ता.३० मैत्रे=
१३	शु	४४	२३	ह	४८	१८	वै	३	९	ग	१२	२०	२०	३२	२८	२	१६	२६	कन्यायां	भ. ४४।२३ उ. धन १३ प्रदोषः
१४	श	४९	१३	चि	५४	२२	वि	३	४७	वि	१६	४८	१७	३३	२७	३	१७	२७	तु.२१।२०	भ. १६।४८ या. रूप १४ नरक १४
३०	र	५४	२३	स्वा	६०	०	प्री	४	५१	च	२१	४८	१३	३३	२७	४	१८	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पू.

२९पं.का.कृ.१३शु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	५	५	३	२	६
९	३	४	२१	२४	१	९	१६
६	५९	४९	३४	३१	५३	३२	५९
५६	२८	५५	५२	१२	१३	३६	४२
६०	२४	९१	१३	७३	०	३	६०
२	१६	४९	८	५०	३०	११	४

गोचरग्रहाः

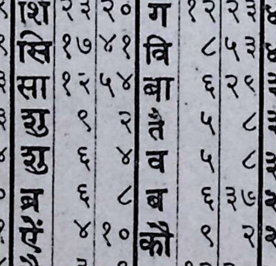

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी जौ गेहूँ चना अलसी सरसों गुड़ खांड पाट कुष्टा लाख चपड़ा मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

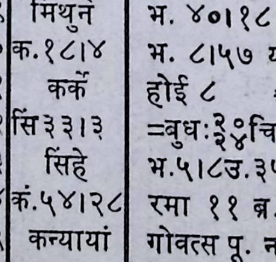

३०पं.का.कृ.१३शु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	५	५	३	२	६
१६	३	४	२१	२९	१	९	१६
८	५९	४९	३४	३१	५३	३२	२९
०	२८	५५	५२	१२	१३	३६	४२
६०	२४	९१	१३	७३	०	३	६०
१८	१६	४९	८	५०	३०	११	४

*चंवृशु (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×चंवृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८६७स.१९४५
१	चं	५९	३३	स्वा	०	४७	आ	६	११	किं	२६	५८	२७/१०	६/३४	५/२६	५	१९	२९	वृ.५०।३५	अन्नकूट व्यापारे संवत् २००२
२	मं	६०	०	वि	७	११	सौ	७	३२	बा	३१	५६	६	३५	२५	६	२०	३०	बृश्चिके	विशाखायां रविः ९।५३ चंद्र द. यम २*
२	बु	४	१९	अ	१३	२	शो	८	२८	कौ	४	१९	३	३५	२५	७	२१	१	बृश्चिके	जिल्हेज मु. १२
३	गु	८	२०	ज्ये	१८	२२	अ	८	४७	ग	८	२०	२६/५९	३६	२४	८	२२	२	ध.१८।२२	भ. ३९।४८ उ.
४	शु	११	१६	मू	२२	३०	सु	८	२२	वि	११	१६	५६	३७	२३	९	२३	३	धनुषि	भ. ११।१६ या.
५	श	१३	८	पू	२५	२६	धृ	७	०	बा	१३	८	५२	३८	२२	१०	२४	४	म.४०।४१	ज्येष्ठायां बुधः४९।३७ चित्रायां१ गुरुः५२/३८
६	र	१३	४१	उ	२६	२८	शू	४	४२	तै	१३	४१	४९	३८	२२	११	२५	५	मकरे	
७	चं	१२	४९	श्र	२७	४२	गं	५/२२	५५/३७	व	१२	४९	४६	३९	२१	१२	२६	६	कु.५७।२०	भ.५२/४९उ.४१।४७या. स्वात्यां शुक्रः५।२९
८	मं	१०	४६	ध	२६	५८	ध्रु	५१	३३	ब	१०	४६	४३	३९	२१	१३	२७	७	कुम्भे	गोपाष्टमी ×तुलसी वि.
९	बु	७	३८	श	२५	३	व्या	४५	२८	कौ	७	३८	४०	४०	२०	१४	२८	८	कुम्भे	युगादिः कुष्मांड ९ अक्षया ९
१०	गु	३	४०	पू	२२	३३	ह	३८	४३	ग	३	४०	३७	४१	१९	१५	२९	९	मी८।११	भ.३१/१५ उ.५८/५१या. प्रबोधिनी ११व्र. स्मा.×
११	गु	५१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *तुलायांशुक्रः४१/१ वक्रीशनिः५३/५२
१२	शु	५३	२८	उ	१९	२८	व	३१	२९	ब	२६	१०	३४	४१	१९	१६	३०	१०	मीने	वृश्चिकेऽर्कः४।११ प्रबोधिनी११व्र.वै.नि.
१३	श	४७	४८	रे	१५	२५	सि	२३	५२	कौ	२०	३८	३१	४२	१८	१७	१	११	मे.१५।२७	प्रदोषः +का.स्ना.पूर्ति पुष्करयात्रा
१४	र	४१	५६	अ	११	२२	व्य	१६	३	ग	१४	५२	२९	४२	१८	१८	२	१२	मेषे	भ. ४१।५६ उ. वैकुण्ठ १४
१५	चं	३६	५	भ	७	२०	व	८	१७	वि	९	१	२७	४३	१७	१९	३	१३	बृ.२१।१७	भ.९।१ या. अनु. रविः २१।५९ पूर्णिमा+

३१पं.का.शु.४शु.इ.१८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	५	६	३	२	६
२३	६	१४	२३	३	१	९	२३
१०	१०	२६	०	१४	५३	१०	३१
३८	१२	४६	४	४२	४९	२०	५
६०	२१	८८	१२	७३	०/१६	३	६०
३०	२९	१०	४६	५८	व	११	१७

गोचरग्रहाः

कार्तिक शु. १२
शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः
प्र.वा.३न.३वाला-
वस्था[बैठी]मु.४५
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

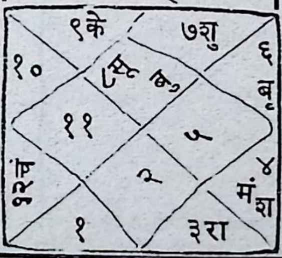

३२पं.का.शु.१२शु.इ.१७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	६	३	२	७
०	७	२२	२४	११	१	८	०
१४	५१	५४	२२	५९	४८	४८	३३
४३	२२	१४	५२	३५	४७	५	५०
६०	१७	७९	१२	७४	३/१	३	६०
४०	४३	३७	२०	५	व	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३०	२४	कृ	३/१०	५६/७	प	०/३२	५३/२३	बा	३	१४	२६/२४	६/४३	५/१७	२०	४	१४	वृषे	
२	बु	२५	१०	मृ	५६	९	सि	४५	४५	ग	२५	१०	२१	४४	१६	२१	५	१५	मि२७।४३	भ. ५२।४६ उ.
३	गु	२०	२२	आ	५३	३१	सा	३९	८	वि	२०	२२	१८	४४	१६	२२	६	१६	मिथुने	भ.२०/२२या. चतुर्थी व्र. विशाखायां शुक्रः४१/२१
४	शु	१६	३१	पु	५१	४६	शु	३३	८	बा	१६	३१	१६	४५	१५	२३	७	१७	क.३७।१२	
५	श	१३	३६	पु	५१	१३	शु	२८	०	तै	१३	३६	१३	४५	१५	२४	८	१८	कर्के	पात स्पर्शः ४५।५९
६	र	११	४८	श्ले	५१	३८	ब्र	२३	४७	व	११	४८	११	४६	१४	२५	९	१९	सिं५१।३८	भ.११/४८ उ.४१।३० या. पातमोक्षः ८।१४
७	चं	११	१२	म	५३	२६	ऐं	२०	२९	ब	११	१२	८	४६	१४	२६	१०	२०	सिंहे	
८	मं	१२	५	पू	५६	२३	वै	१८	११	कौ	१२	५	६	४७	१३	२७	११	२१	सिंहे	
९	बु	१४	३	उ	६०	०	वि	१६	४८	ग	१४	३	३	४७	१३	२८	१२	२२	कं.१२।२६	भ.४५/३९उ.वक्रीबुधः१९/२२ चित्रायां२गुरुः३७/५२
१०	गु	१७	१६	उ	०	३४	प्री	१६	२९	वि	१७	१६	१	४८	१२	२९	१३	२३	कन्यायां	भ. १७।१६ या.
११	शु	२१	३०	ह	५	५३	आ	१६	५४	बा	२१	३०	३५/५८	४८	१२	३०	१४	२४	तु.३८।५४	उत्पत्ति ११ व्र. वृश्चिके शुक्रः ४०।१८
१२	श	२६	२५	चि	११	५६	सौ	१७	५१	तै	२६	२५	५६	४९	११	१	१५	२५	तुलायां	**दिसम्बर मा.१२ता.३१पश्चिमास्तोबुध३८/२९**
१३	र	३१	३५	स्वा	१८	१४	शो	१९	५	व	३१	३५	५४	४९	११	२	१६	२६	तुलायाँ	भ.३१।३५उ. प्रदोषः ज्येष्ठायां रविः२८/५८
१४	चं	३९	४५	वि	२४	३३	अ	२०	२१	वि	४	१०	५२	५०	१०	३	१७	२७	बृ.७।५८	भ. ४।१० या. मैत्रे शुक्रः २१।२६
३०	मं	४१	४२	अ	३०	४४	सु	२१	३२	च	२	१४	५१	५०	१०	४	१८	२८	वृश्चिके	अमावस्या

३३पं.मा.कृ.४शु.इ.१८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	६	३	२	७
७	९	२८	२५	२०	१	८	७
२०	६	५६	४२	४५	३८	२५	३७
१७	३२	२८	३२	५८	३१	५०	४८
६०	१३	५२	११	७४	३/४६	३	६०
५३	९	५९	५७	१३	व	११	४२

गोचरग्रहाः

इस मास में उप-
द्रव अधिक रोग
वृद्धि, व्यापारिक
वस्तुओं में घटा-
बढ़ी अधिक होगी
जौगेहूँ मूँग तेज होगा

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.कृ.११शु.इ.१८।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	६	३	२	७
१४	९	२९	२६	२९	१	८	१४
२७	४७	१५	५८	३२	२२	३	४३
३	३५	०	५५	५६	५९	३४	८
६१	७	२०/५६	११	७४	२/२१	३	६०
३	४७	व	१८	२०	व	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८९७ स. १९४५
१	बु	४५	३७	ज्ये	३६	१२	धृ	२१	४६	किं	१३	३९	२५/४९	६/५०	१/१०	५	१९	२९	ध.३६।१२	
२	गु	४८	३५	मू	४०	२१	शू	२१	४३	बा	१७	६	४७	५१	९	६	२०	३०	धनुषि	चंद्र दर्शनम्
३	शु	५०	२०	पू	४३	५०	गं	२०	३७	तै	१९	२७	४६	५१	९	७	२१	१	म.५९।३२	मोहोरम मु. १ हिजरी सन् १३६५
४	श	५०	५४	उ	४५	५९	वृ	१८	३०	व	२०	३७	४४	५१	९	८	२२	२	मकरे	भ.३०/३७उ.५०/५४या. पातस्पर्शः ३ ९/० पातमोक्षः+
५	र	५०	२	श्र	४६	३४	ध्रु	१५	३०	ब	२०	५४	४३	५१	९	९	२३	३	मकरे	नाग ५ +४५/१५ वक्री भौमः ४४।३
६	चं	४७	५३	ध	४६	९	व्या	११	२२	कौ	१८	५७	४२	५२	८	१०	२४	४	कुं.१६।२१	चंपा ६ वक्री मैत्रे बुधः २८।१९
७	मं	४४	४८	श	४४	३४	ह	६	१९	ग	१६	२१	४१	५२	८	११	२५	५	कुम्भे	भ. ४४।४८ उ.
८	बु	४०	४९	पू	४२	८	व	३०/०	५३/२१	वि	१२	४९	४०	५२	८	१२	२६	६	मी२७।४५	भ. ११।४९ या.
९	गु	३५	५९	उ	३८	५३	व्य	४६	४८	बा	८	२४	३९	५२	८	१३	२७	७	मीने	ज्येष्ठायां शुक्रः ५४/२४ पूर्वोदयी बुधः २२/५२
१०	शु	३०	३९	रे	३५	२०	व	३९	१९	तै	३	१९	३८	५२	८	१४	२८	८	मे.३५।२०	भ. ५७।५० उ.
११	श	२५	१	अ	३१	१९	प	३१	३१	वि	२५	१	३८	५२	८	१५	२९	९	मेषे	भ.२५।१या. धनुष्यर्कः३३/४३ मोक्षदा११व्र.
१२	र	१९	७	भ	२७	१३	शि	२३	४१	बा	१९	७	३७	५३	७	१६	१	१०	वृ.४१।११	प्रदोषः ताजिया मार्गी बुधः १०।११
१३	चं	१३	१८	कृ	२३	४	सि	१५	५४	तै	१३	१८	३७	५३	७	१७	२	११	वृषे	पिशाचमोचन श्राद्ध
१४	मं	७	४१	रो	१९	१३	सा	८	११	व	७	४१	३७	५३	७	१८	३	१२	मि४७।३५	भ. ७।४१ उ. ३५।५ या.
१५	बु	२	३०	मृ	१५	५८	शु	५३/०	५३/५०	ब	२	३०	३६	५३	७	१९	४	१३	मिथुने	चित्रा३ तुलायांगुरुः५/४ ग्रस्तास्तं चंद्रग्रहणं

३५पं.मा.शु.३शु.इ.१८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	७	३	२	७
२१	९	२१	२८	८	१	७	२१
३४	४६	५१	१०	२१	२	४१	४९
४९	२०	१४	५५	४	१३	१९	२३
६१	१	६९/११	१०	७४	३	३	६०
११	२९	व्र	३८	२६	व	११	५६

गोचरग्रहाः

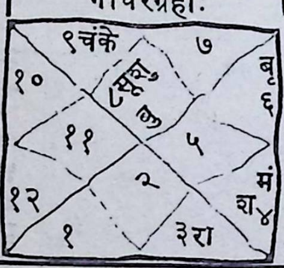

मार्ग.शु.११शनौ
धनुष्यर्कः प्र.वा.२
न.४ बालावस्था
(बैठी) मु. १५
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

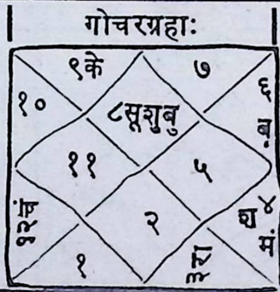

३६पं.मा.शु.१०शु.इ.१७।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	७	३	२	७
२८	९	१४	२९	१७	०	७	२८
४३	७	२७	१८	९	३८	१९	५६
३३	८	२५	१८	११	२	४	१०
६१	५/४६	१९/५०	९	७४	४३	३	६१
१९	व	व	५३	२६	व	११	०

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५५	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५४	९	आ	१३	३	ब्र	४७	४८	तै	२६	१	२५/३६	६/५३	५/७	२०	५	१४	क.५६।४१	
३	शु	५१	२२	पु	११	१४	ऐं	४२	२१	व	२२	४६	३६	५३	७	२१	६	१५	कर्के	भ. २२।४६ उ. ५१।२२ या.
४	श	४९	४२	पु	१०	३५	वै	३७	४८	ब	२०	३२	३६	५३	७	२२	७	१६	कर्के	चतुर्थी व्र. उत्तरायण प्रवृत्तिः ८।४
५	र	४९	१४	श्ले	१०	३१	वि	३४	१४	कौ	१९	२८	३६	५३	७	२३	८	१७	सिं१०।३१	ज्येष्ठायां बुधः१८/४४ बक्री मिथुने शनिः४७/१६
६	चं	५०	१६	म	११	५५	प्री	३१	२९	ग	१९	४५	३७	५३	७	२४	९	१८	सिंहे	भ.५०।१६उ.धनुषि मूले च शुक्रः३२।५२
७	मं	५२	१६	पू	१४	३५	आ	२९	४७	वि	२१	१६	३७	५३	७	२५	१०	१९	कं.३०।३६	भ. २१।१६ या.
८	बु	५५	४७	उ	१८	३८	सौ	२९	७	बा	२४	१	३७	५३	७	२६	११	२०	कन्यायां	मृगे ४ राहुः मूले २ केतुः ३४।५४
९	गु	६०	०	ह	२३	३७	शो	२९	१४	तै	२७	५७	३८	५२	८	२७	१२	२१	तु.५६।३४	
९	शु	०	६	चि	२९	३२	अ	३०	२	ग	०	६	३८	५२	८	२८	१३	२२	तुलायां	भ. ३२।३४ उ. पूषायां रविः ३४।२०
१०	श	५	३	स्वा	३५	५३	सु	३१	१२	वि	५	३	३९	५२	८	२९	१४	२३	तुलायां	भ. ५।३ या.
११	र	१०	२०	वि	४२	१६	धृ	३२	१६	बा	१०	२०	३९	५२	८	३०	१५	२४	वृ.२५।४०	सफला ११ व्र.
१२	चं	१५	३१	अ	४८	२८	शू	३३	३१	तै	१५	३१	४०	५२	८	३१	१६	२५	वृश्चिके	प्रदोषः ×मा.१ ता.३१ सन्१९४६
१३	मं	२०	१८	ज्ये	५४	२७	गं	३४	११	व	२०	१८	४१	५२	८	१	१७	२६	ध.५४।२७	भ. २०।१८ उ. ५२।१६ या. जनवरी×
१४	बु	२४	१६	मू	५८	४७	वृ	३४	२	श	२४	१६	४२	५२	८	२	१८	२७	धनुषि	
३०	गु	२७	५२	पू	६०	०	ध्रु	३३	२७	ना	२७	५२	४३	५२	८	३	१९	२८	धनुषि	

३७पं. पौ.कृ.३शु.इ.१७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	६	७	३	२	८
५	७	१४	०	२५	०	६	६
५२	४८	५०	२०	५७	९	५६	३
५९	४	२४	१०	५८	५८	४८	४०
६१	१३/४४	५४/२२	९	७४	४/०	३	६१
२२	व	मा	७	२६	व	११	५

गोचरग्रहाः

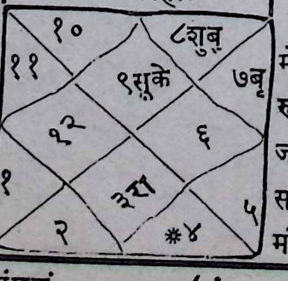

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी रुईसूत,कपास,चांदी जौ,गेहूँ,चना,अलसी सरसों,पाट,गुड़खांड मंदा होगा ।

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१०शु.इ.१७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	६	८	२	२	८
१३	५	२१	१	४	२९	६	१३
२	५३	३	१६	४६	३८	३४	११
५२	३५	७	१	४८	१७	३३	३८
६१	२१/२६	७९	८	७४	१७	३	६१
२६	व	५८	१७	३२	व	११	६

*मंशचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २००२	शाकः	१८६७								दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३९२७ स. १९४६
१	शु	२८	५३	पू	२	३०	व्या	३१	३५	ब	२८	५३	२४/४४	५६/५१	५/९	४	२०	२९	म.१७।५५	धनुषि बुधः ३०।१८ पूषायां शुक्रः ५।६*
२	श	२९	२०	उ	४	१०	ह	२८	५६	कौ	२९	२०	४५	५१	९	५	२१	३०	मकरे	चन्द्रदर्शनम् पू. श्र. भू.
३	र	२८	२४	श्र	५	४२	व	२५	१०	ग	२८	२४	४७	५१	९	६	२२	१	कु.३६।१२	भ. ५७।१९ उ. सफर २
४	चं	२६	१४	ध	६	४२	सि	२०	३६	वि	२६	१४	४८	५०	१०	७	२३	२	कुम्भे	भ. २६/१८ या. *वक्रीपुनर्वसौसुषु भौमः ५१/३०
५	मं	२३	४	श	४	१७	व्य	१४	४७	बा	२३	४	५०	५०	१०	८	२४	३	मी४७।४४	
६	बु	१९	२	पू	१३	५६	व	८	४३	तै	१९	२	५२	५०	१०	९	२५	४	मीने	
७	गु	१४	८	रे	५५	३५	प	५०/१	५३/२८	व	१४	४८	५४	४९	११	१०	२६	५	मे.५५।३५	भ. १४।८ उ. ४१/१७ या. उषायां रविः ३५/४८
८	शु	८	४६	अ	५१	४४	सि	४६	४५	ब	८	४६	५६	४९	११	११	२७	६	मेषे	=पुत्रदा११व्र.स्मा. पूषायां बुधः ५१/२७ वक्री+
९	श	३	५	भ	४७	३६	सा	३८	५५	कौ	३	५	५८	४८	१२	१२	२८	७	मेषे	
१०	श	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	५१	२८	कृ	४३	२४	शु	३१	८	व	२४	२१	२६/००	४८	१२	१३	२९	८	वृ.१।३३	भ.२४।२१ उ.५१।२८या. मकरेऽर्कः ५१/१५=
१२	चं	४५	५३	रो	३९	३३	शु	२३	२२	ब	१८	४०	३	४७	१३	१४	१	९	बृषे	पुत्रदा११व्र. वै.नि. उषायां शुक्रः४३।१२
१३	मं	४०	४८	मृ	३६	०	ब्र	१५	५६	कौ	१३	२०	५	४७	१३	१५	२	१०	मि७।४६	प्रदोषः +मिथुने भौमः २१।५२
१४	बु	३६	१६	आ	३३	१३	ऐं	८	५५	ग	८	३२	८	४६	१४	१६	३	११	मिथुने	भ.३६।१६ उ. ×चित्रायां४ गुरुः ४६।९
१५	गु	३२	४०	पु	३१	१४	वै	२५/२	१८/५४	वि	४	२८	१०	४६	१४	१७	४	१२	क.१४।४४	भ.४।२८या. मा.स्ना.प्रा. मकरे शुक्रः १८/५६×

३९पं.पौ.शु.१ शु.इ.१७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	६	८	२	२	८
२०	३	२९	२	१३	२९	६	२०
१२	३५	४१	५	३५	५	१२	१९
५०	२८	१७	४६	२८	१३	१७	४४
६१	२६	८७	७	७४	४/३५	३	६१
२६	व	५८	४	३५	व	११	६

गोचरग्रहाः

पौष शु. ११ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रास्त पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

४०पं.पौ.शु.८शु.इ.१७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	६	८	२	२	८
२७	१	९	२	२२	२८	५	२७
२२	६	२४	४७	२४	३०	५०	२७
४०	७	१४	५६	२९	४०	२	४७
६१	३१/५४	९१	६	७४	४/४०	३	६१
२	व	५३	८	३२	व	११	६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २००२	शाकः	१८६७								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२९	५८	पु	२९	४६	प्री	५१	५६	बा	१	२९	२६/१२	४६	५/१४	१८	५	१३	कर्के	।
२	श	२८	२५	श्ले	२९	५४	आ	४७	८	ग	२८	२५	१४	४५	१५	१९	६	१४	सिं२९।५४	भ. ५८।१९ उ.
३	र	२८	१३	म	३०	५८	सौ	४५	१	वि	२८	१३	१७	४५	१५	२०	७	१५	सिंहे	भ. ३६/१३ या. अभि. प्र. रविः ३२/३२ चतुर्थी व्र.
४	चं	२९	११	पू	३३	२५	शो	४३	२	बा	२९	११	१९	४४	१६	२१	८	१६	कं.४९।२२	पूर्वास्तो बुधः २३।३३
५	मं	३१	२७	उ	३७	१५	अ	४२	२	कौ	०	१९	२२	४४	१६	२२	९	१७	कन्यायां	उषायां बुधः ५२।२५
६	बु	३४	५५	ह	४१	५२	सु	४१	५२	ग	३	११	२४	४३	१७	२३	१०	१८	कन्यायां	भ. ३४।५५ उ. श्रवणे रविः ३८।३२
७	गु	३९	२२	चि	४७	३८	धृ	४२	२७	वि	७	९	२७	४३	१७	२४	११	१९	तु.१४।४५	भ.९/७या. अभि.नि.रविः ३०/४८ मकरेबुधः ५१/१९
८	शु	४४	२३	स्वा	५३	५८	शू	४३	३१	बा	११	५२	३०	४२	१८	२५	१२	२०	तुलायां	श्रवणे शुक्रः १७।२
९	श	४९	३८	वि	६०	०	गं	४४	४७	तै	१६	३१	३३	४१	१९	२६	१३	२१	बृ.४३।४४	
१०	र	५४	४७	वि	०	१९	वृ	४५	५७	व	२२	१२	३६	४१	१९	२७	१४	२२	वृश्चिके	भ. २२।१२ उ. ५४।४४ या.
११	चं	५९	३४	अ	६	४६	ध्रु	४६	५२	ब	२७	१०	३९	४०	२०	२८	१५	२३	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्र. स्मा.
१२	मं	६०	०	ज्ये	१३	७	व्या	४७	१७	कौ	३१	३०	४२	४०	२०	२९	१६	२४	ध.१३।७	षट्तिला ११ व्र. वै. नि.
१२	बु	३	२७	मू	१७	२५	ह	४५	४०	तै	३	२७	४५	३९	२१	३०	१७	२५	धनुषि	प्रदोषः
१३	गु	६	१५	पू	२१	१५	व	४५	२६	व	६	१५	४८	३८	२२	३१	१८	२६	म.३६।५६	भ.६।१५ उ.३७।२या. श्रवणेबुधः८।१०
१४	शु	७	५०	उ	२४	०	सि	४२	५५	श	७	५०	५२	३८	२२	१	१९	२७	मकरे	फरवरी मा. २ ता. २८
३०	श	८	५	श्र	२४	५४	व्य	३९	२२	ना	८	५	५५	३७	२३	२	२०	२८	कुं.५५।१२	मौनी ३०

४१पं.मा.कृ.१शु.इ.१७।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	८	६	९	२	२	९
४	२८	१९	३	१	२८	५	३
३२	३८	४५	२२	१२	२	२७	३५
८	३१	७	३४	४३	४९	४७	३८
६१	११/१३	९४	४	७४	४/४०	३	६१
१९	व	५६	५५	३२	व	११	३

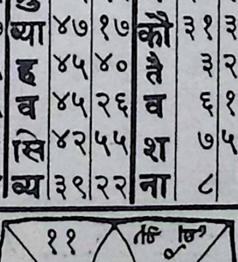

४२पं.मा.कृ.८शु.इ.१७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	६	९	२	२	९
११	२६	०	३	१०	२७	५	११
४१	२४	३६	४८	०	२२	५	४२
०	१४	७	१८	३६	३०	३१	५०
६१	२८/१५	९७	३	७४	२४	३	६०
१३	व	३८	४२	३८	व	११	५९

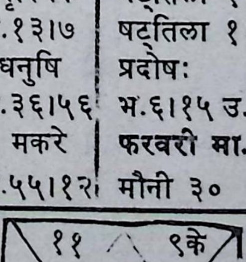

४३पं.मा.कृ.१४शु.इ.१७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	६	९	२	२	९
१८	२४	११	४	१८	२६	४	१८
४९	३१	५७	६	४७	५०	४३	४९
०	५	४०	२९	४९	३१	१६	२३
६१	३२/१७	७/०	२	७४	४/६	३	६०
४	व	३६	१७	३८	व	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	र	७	५	ध	२५	३०	व	३४	२१	ब	७	५	२६/५९	६/३	५/२४	३	२१	२९	कुम्भे
२	चं	४	४९	श	२४	१९	प	२९	५७	कौ	४	४९	२७/२	३६	२४	४	२२	१	कुम्भे
३	मं	१	२२	पू	२२	२०	शि	२३	५६	ग	१	२२	६	३५	२५	५	२३	२	मी७।५०
४	मं	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	बु	५२	२४	उ	१९	२१	सि	१७	१५	ब	२४	५३	९	३४	२६	६	२४	३	मीने
६	गु	४६	५८	रे	१५	५७	सा	१०	३	कौ	१९	४१	१२	३४	२६	७	२५	४	मे. १५।५७
७	शु	४१	१३	अ	१२	१६	शु	३ २/१	५२/१४	ग	१४	६	१६	३३	२७	८	२६	५	मेषे
८	श	३५	२२	भ	८	४२	ब्र	४६	५९	वि	८	१८	१९	३२	२८	९	२७	६	बृ. २२।३१
९	र	२९	३७	कृ	४	०	ऐं	३९	१७	बा	२	३	२३	३१	२९	१०	२८	७	बृषे
१०	चं	२४	३	रो	५/१३	५६/२०	वै	३१	३७	ग	२४	३	२७	३१	२९	११	२९	८	मि२८।३३
११	मं	१८	५४	आ	५३	३१	वि	२४	२६	वि	१८	५४	३१	३०	३०	१२	३०	९	मिथुने
१२	बु	१४	२९	पु	५१	१३	प्री	१७	५८	बा	१४	२९	३४	२९	३१	१३	१	१०	क. ३६।४८
१३	गु	१०	५४	पु	४९	३७	आ	१२	१	तै	१०	५४	३८	२८	३२	१४	२	११	कर्के
१४	शु	८	२४	श्ले	४९	३४	सौ	७	२	व	८	२४	४२	२८	३२	१५	३	१२	सिं४९।३४
१५	श	६	४६	म	५०	२२	शो	२/४४	५६/१६	ब	६	४६	४६	२७	३३	१६	४	१३	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३९५७ सन् १९४६

चन्द्रद. वक्री पुन. २ शनिः ५१।३३
रविलावल ३ धनिष्ठायां शुक्रः ५१।२४
भ. २९।२२ उ. ५६।२२ या. धनिष्ठायां*

वसंत ५ श्रीपंचमी *रविः ४४/२४ तिल ४
धनिष्ठायां बुधः ५९।३०
भ. ४१।१३ उ. मन्वादिः रथ ७
भ. ८।१८ या. भीष्म ८
कुंभे शुक्रः १४।१९
भ. ५१।२८ उ. कुम्भे बुधः ४३।६
भ. ५१/५४ या. कुम्भेऽर्कः १८/२० जया ११ व्र.
भीष्म १२ प्रदोषः वक्री गुरुः २६।३
कल्पादिः
भ. ८।२४ उ. ३७।३५ या. शतेबुधः ३६/४८×
माघस्नान पूर्तिः ×शुक्रश्च ३३।१६

४४पं.मा.शु.७ श.इ.१७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	६	९	२	२	९
२५	२३	२३	४	२७	२६	४	२५
५५	५	५२	१५	३४	२१	२१	५५
४८	२	३७	०	५९	२२	१	२३
६०	३४/३५	७/०	०	४४	४३	३	६०
५५	ब	९/१०	५५	३८	ब	११	४७

गोचरग्रहाः

माघ शु. ११भौमे कुंभेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ वालावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

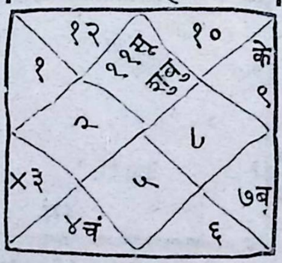

४५पं. मा.शु.१४ श.इ.१८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	६	१०	२	२	१०
३	२२	६	४	६	२५	३	३
१	११	२३	१४	२१	५५	५८	०
५०	२४	२८	२०	४	४१	४१	९
६०	१७	[illegible]	२५	७४	१४	३	६०
४२	ब	१६	ब	३८	ब	११	३७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	र	६	२६	पू	५२	३७	सु	५७	१६	कौ	६	२६	२७/५०	६/२	५/३४	१७	५	१४	सिंहे
२	चं	७	३८	उ	५५	५९	धृ	५६	९	ग	७	३८	५४	२५	३५	१८	६	१५	कं. ८।२७
३	मं	९	५७	ह	६०	०	शू	५५	३८	वि	९	५७	५८	२४	३६	१९	७	१६	कन्यायां
४	बु	१३	२८	ह	०	४८	गं	५६	३	बा	१३	२८	२/६२	२४	३६	२०	८	१७	तु. ३३।२५
५	गु	१७	५६	चि	६	२	वृ	५७	२	तै	१७	५६	६	२३	३७	२१	९	१८	तुलायां
६	शु	२२	५४	स्वा	१२	८	ध्रु	५८	२०	व	२२	५४	१०	२२	३८	२२	१०	१९	तुलायां
७	श	२८	१०	वि	१८	३९	व्या	५९	३३	ब	२८	१०	१४	२१	३९	२३	११	२०	वृ. २।१
८	र	३३	१२	अ	२४	३७	ह	६०	०	बा	०	४१	१८	२०	४०	२४	१२	२१	बृश्चिके
९	चं	३७	५०	ज्ये	३१	२	ह	०	३९	तै	५	३१	२२	२०	४०	२५	१३	२२	ध. ३१।२
१०	मं	४१	४०	मू	३६	२१	व	१	१४	व	९	४५	३०	१९	४१	२६	१४	२३	धनुषि
११	बु	४४	२१	पू	४०	१९	सि	१	५	ब	१३	०	३४	१८	४२	२७	१५	२४	म. ५६।२
१२	गु	४५	४७	उ	४३	१३	व्य	५/१	५७/५६	कौ	१५	५	३६	१७	४३	२८	१६	२५	मकरे
१३	शु	४५	५४	श्र	४४	५३	प	५४	५७	ग	१५	५०	३८	१६	४४	१	१७	२६	मकरे
१४	श	४५	१२	ध	४५	२९	शि	५०	५४	वि	१५	३३	४२	१६	४४	२	१८	२७	कु. १५।११
३०	र	४२	२१	श	४४	३६	सि	४५	५७	च	१३	४७	४६	१५	४५	३	१९	२८	कुंभे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ३८।४७ उ. शते रविः ५३।४१
भ. ९।५७ या. चतुर्थी व्रत

भ. २२।५४ उ. ५५।३२ या. पूभायांबुधः+
+३५/५६ मार्गी भौमः ३०/५८
=पश्चिमोदयीबुधः ४१/२१

भ. ९।४५ उ. ५४/१० या. पूभायां शुक्रः १३/३३=
विजया ११ व्र. मृग ३ राहुः मूले १ केतुः २९/५५
मीनेबुधः ५।२१ *मार्च मा. ३ ता. ३१
भ. ४५।५४ उ. प्रदोषः उभायां बुधः ५६/४५*
भ. १५।३३ या. महाशिवरात्री

४६पं.फा.कृ.६श.इ.१८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	६	१०	२	२	१०
१०	२१	१९	४	१५	२५	३	१०
६	५३	२५	५	६	३४	३६	३
२२	२०	३०	४९	२५	१	३०	३८
६०	१०	७/०	५६	७४	३३	३	६०
३१	ब	२३	ब	३२	ब	११	२५

गोचरग्रहाः

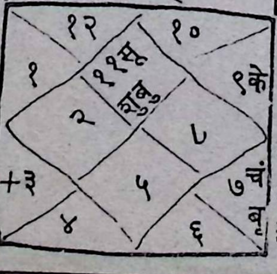

इस मास में शनि राहु भंगल तीनों पापग्रहों का योग हो रहा है। सो प्रजा में अनेक प्रकार के उपद्रव होंगे।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.कृ.१३ श.इ.१८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	६	१०	२	२	१०
१७	२२	२	३	२३	२५	३	१७
९	९	११	४५	५१	१७	१४	५
११	३६	३१	५०	७	६	१४	५२
६०	४०	७/०	२०	७४	५२	३	६०
२०	मा	५४	ब	३२	ब	११	१२

*मशरा +मंशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशरा =मंशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:३९८६ स.१९४६
१	चं	३८	५७	पू	४२	४७	सा	३९	५६	किं	१०	३९	२८/५०	६/१४	५/४६	४	२०	२९	मी२८।१४	पूभायां रवि: ८।२९
२	मं	३४	४२	उ	४०	३	शु	३४	५६	बा	६	४९	५४	१३	४७	५	२१	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	२९	३८	रे	३६	५५	शु	२७	२	तै	२	१०	५८	१२	४८	६	२२	१	मे.३६।५५	भ.५८/२३उ. पातस्पर्श:३९।७ पातमोक्ष:४९/५५*
४	गु	२४	९	अ	३३	४	ब्र	१९	५५	वि	२४	९	२९/२	१२	४८	७	२३	२	मेषे	भ.२४।९या. वक्रीचित्रायां३गुरु:५६।४९
५	शु	१८	२०	भ	२९	३	ऐं	१२	३०	बा	१८	२०	६	११	४९	८	२४	३	वृ.४३।०	उभायां शुक्र: ५५।२७
६	श	१२	३६	कृ	२४	५०	वै	१४/७	५१/१९	तै	१२	३६	१०	१०	५०	९	२५	४	बृषे	
७	र	६	३५	रो	२०	५५	प्री	४९	५	व	६	३५	१४	९	५१	१०	२६	५	मि४९।६	भ. ६।३५ उ. ३३।४९ या. होला ८
८	चं	१	४	मृ	१७	१७	आ	४१	५३	ब	१	४	१८	८	५२	११	२७	६	मिथुने	
९	चं	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षय: *रविलाखर ४ मीने शुक्र: १४/२७
१०	मं	५१	२५	आ	१४	३	सौ	३९	९	तै	२३	३९	२२	८	५२	१२	२८	७	क.५७।१७	रेवत्यां बुध: १०।५२
११	बु	४७	४८	पु	११	४१	शो	२९	१	व	१९	३६	२७	७	५३	१३	२९	८	कर्के	भ.१९/३६ उ.४७/४८या. आमलकी११व्र. स्मा.वै.
१२	गु	४५	१०	पु	९	२३	अ	२३	४६	ब	१६	२९	३१	६	५४	१४	३०	९	कर्के	मीनेऽर्क:८/४७आमलकी११व्रनि.वक्रीबुध:४३/३
१३	शु	४३	३८	श्ले	९	१९	सु	१९	२६	कौ	१४	२४	३६	५	५५	१५	१	१०	सिं९।१९	प्रदोष: ×पश्चिमास्तो बुध: ५६।३१
१४	श	४३	१८	म	१०	२	धृ	१५	५३	ग	१३	५८	४०	४	५६	१६	२	११	सिंहे	भ. ४३।१८ उ.
१५	र	४४	२७	पू	१२	०	शू	१३	३४	वि	१३	५२	४४	३	५७	१७	३	१२	कं.२७।४८	भ: ५३/५२ होलिकादहनं उभायां रवि: ३९/२५×

४८पं.फा.शु.३शु.इ.१८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	६	११	२	२	१०
२४	२२	१२	३	२	२५	२	२४
१०	५८	२१	१८	३४	५	५१	६
३३	४८	१७	२२	३७	१७	५९	३४
६०	११	६६	४/२६	७४	१/१८	३	५९
५	२	५८	व	३२	व	११	५८

गोचरग्रहा:

फाल्गुन शु. १२ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. वा.३न.४बालावस्था(बैठी)मु.१५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहा:

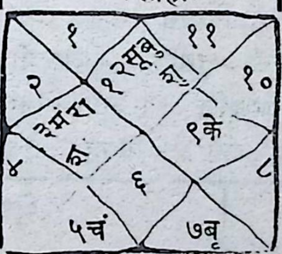

४९पं.फा.शु.१३शु.इ.१९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	६	११	२	२	११
१	२४	१७	२	११	२४	२	१
१०	१३	२	४३	१७	५८	२९	५
१५	१	२०	५	२८	४४	४४	४६
५९	१५	६/१९	५/३८	७४	०/२५	३	५९
४९	३६	व	व	२६	व	११	४१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २००२ शाकः १८६७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४६	४६	उ	१५	११	गं	११	४५	बा	१५	३६	२९/४९	६/२	५/५८	१८	४	१३	कन्यायां	वक्री उभायां बुध: ५१।२३
२	मं	५०	१८	ह	१९	३०	वृ	११	२१	तै	१८	३२	५३	१	५९	१९	५	१४	तु.५२।६	रेवत्यां शुक्र: ३९।३ मार्गी शनि: ४२।६.
३	बु	५४	४४	चि	२४	४३	ध्रु	११	२९	व	२२	३१	५७	१	५९	२०	६	१५	तुलायां	भ. २२।३५ उ. ५४।४४ या.
४	गु	५८	४२	स्वा	३०	५२	व्या	१२	३१	ब	२७	१३	३०/१	६/००	६/००	२१	७	१६	तुलायाँ	चतुर्थी व्र.
५	शु	६०	०	वि	३७	१३	ह	१३	४५	कौ	३२	१५	६	५/५९	१	२२	८	१७	वृ.२०।३८	
५	श	४	४९	अ	४३	४३	व	१५	६	तै	४	४९	१०	५८	२	२३	९	१८	वृश्चिके	
६	र	९	५३	ज्ये	४९	५१	सि	१६	२५	व	९	५३	१४	५७	३	२४	१०	१९	ध.४९।५१	भ. ९।५३ उ. ४२।६ या.
७	चं	१४	१९	मू	५५	१६	व्य	१७	१३	ब	१४	१९	१८	५६	४	२५	११	२०	धनुषि	शीतला ८
८	मं	१८	२	पू	५९	३६	व	१७	२१	कौ	१८	२	२२	५६	४	२६	१२	२१	धनुषि	
९	बु	२०	३२	उ	६०	०	प	१६	३७	ग	२०	३२	२६	५५	५	२७	१३	२२	म.१५।२३	भ. ५१।११
१०	गु	२१	५०	उ	२	४५	शि	१४	४९	वि	२१	५०	३०	५४	६	२८	१४	२३	मकरे	भ. २१।५० या.
११	शु	२१	५२	श्र	४	२०	सि	१२	१५	बा	२१	५२	३४	५३	७	२९	१५	२४	कुं.३४।४३	पापमोचनी ११ व्रतं
१२	श	२०	३८	ध	५	२६	सा	८	३३	तै	२०	३८	३८	५२	८	३०	१६	२५	कुंभे	रेवत्यां रवि: ५६/५३ प्रदोष: मेषेऽश्विन्यां च+
१३	र	१८	८	श	४	५३	शु	५३/७	५४/४०	व	१८	८	४३	५१	९	३१	१७	२६	मी४८।४१	भ. १८।८ उ. ४६।२४ या. वारुणीयोग:
१४	चं	१४	४०	पू	३	१७	ब्र	५२	२६	श	१४	४०	४७	५१	९	१	१८	२७	मीने	अप्रेल मा. ४ ता. ३० +शुक्र:२४।४३
३०	मं	१०	१९	उ	५३/३	५५/४४	ऐं	४५	४७	ना	१०	१९	५२	५०	१०	२	१९	२८	मे.५७।३७	पूर्वोदयीबुध:२४/४५ अहर्गण:४०१५ च.३के.

५०पं. चै.कृ.५शु.इ.१९।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	६	११	२	२	११
८	२५	१५	२	१९	२४	२	८
८	५४	१९	१	५९	५७	७	३
९	३२	१२	३७	१०	४७	२८	२२
५९	१८	६/१३	६/३१	७४	०/१५	३	५९
३५	४४	व	व	२६	मा	११	२९

गोचरग्रहा:

इस मास में अलसी सरस्युं एरंडा घी तेल खांड तेज होगी। रुई कपास सूत में मंदी होगी।

गोचरग्रहा:

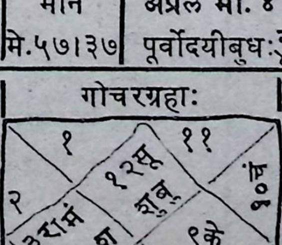

५१पं.चै.कृ.११शु.इ.१९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	६	११	२	२	११
१५	२७	९	१	२८	२५	१	१४
४	५८	३४	१४	३९	२	४५	५९
११	१९	५५	६	४३	१०	१३	१८
५१	२१	४६/२६	७/२०	७४	१	३	५९
१८	४६	व	व	२२	१	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४७ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४७ भौग्यकलिः ४२६९५३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २००३ शाकः १८६८ अथास्मिन्वर्षे राजा बुधः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशो रविः। मेघेशः शुक्रः। रसेशो गुरुः। नीरसेशो भौमः । फलेशः शुक्रः। धनेशो भौमः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १३ विकारीनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः १।२६।१२।० भोग्यमासादिः १०।३।४८।० पितृ-दैवतंयुगम् । वर्षनाम चैत्रः। मेघ४नाम पुष्करः । समयनिवासो माला-कार गृहे (क्यारी में)। रोहिणी निवासः समुद्रे । समय विश्वा ८ । समय वाहनं सिंचाणुः । स्तम्भ २ तृणान्नयोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी ३ । अंगारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानु सप्तमी २ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३९० । समय दिनानि ३५४। तिथि क्षयः१३ । तिथि वृद्धिः ७ । उत्पत्ति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा ७ । धान्य १७. तृण १३ शीत १३ तेज१३ वायुः७ वृद्धिः१५ क्षयः १५ विग्रह११ ऐक्यं ११७ सत्यं ॥.धर्म१॥ पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणे२चन्द्रमसः।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सि	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

सं. २००३ ज्येष्ठ शुक्ला १५
चंद्रे खंडग्रासं चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व
रेल्वे	१०	११	१२	१२	२	३
टाइम	२१	३३	१४	५५	७	४६
देशी	९	११	११	१	१२	३
टाइम	५४	६	४७	४०	२८	४६

वर्ष लग्नम् २।०

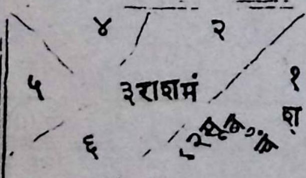

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जयजननी जगदीश्वरी तू जग की प्रतिपाल ।
शुभ संवत्सर तीन का कह दो मुख से हाल ॥

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला संवत्सर का सार ।
अन्न तृण की कमती नही गायां दूध अपार ॥
राजा बुधजी वापड़ा चले न इनका जोर ।
मंत्री रवि सुत जानिये करे और की और ॥
सागर में रोहिणी वसी संवत् मालाकार ।
वर्षा विश्वा विश्व १३ है वर्षे मूसलधार ॥
अन्न तृण के दो स्तंभ हैं संवत विश्वा आठ ।
भृगु सुत फल पति वर्ष में करें अन्न का ठाठ ॥
श्रावण पिछले पाख में गुरु मंगल का योग ।
पवन चक्र जग में चलें वर्षा योग कुयोग ॥
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धर ध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करें भगवान ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

सं. २००३ मार्ग. शुक्ला १५
रवौ खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व
रेल्वे	९	१०	११	११	१२	३
टाइम	४२	५५	१९	४३	५७	१५
देशी	९	१०	११	११	१२	३
टाइम	२३	३६	०	२४	३८	१५

वर्षेश लग्नम् ५।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५।२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्–बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यं विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धनधान्य संकुलम् ।। मंत्री शनिस्तत्फलम्–रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदा । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं धनदं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्–प्रथम धान्यपतौ धरणीसुतौ गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि। प्रभवदो बहुरोगघनो जलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ।। धान्येशो रविस्तत्फलम्–पश्चान्याधिपेसूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि। विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्–भृगुसुते जलदस्यपतिर्यदा जलयुता जलदादिविशोभनाः। धन निधान युताद्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुस्तत्फलम्–यदि गुरौरसपे जनसौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च। जनपदाः द्विजपूजनतत्पराः गजसुवाजिरथोष्ट्र युता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्–नीरसेशो यदा भौमः प्रवालरक्तवाससाम् । रक्तचन्दनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिने दिने ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्–यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमार महीरुहराशयः। बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्–असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि तापकरः तुषधान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्द्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ।। दुर्गेशः शनिस्तत्फलम्–रविसुते गढ़पालिनि विग्रहैः सकलदेशगताश्चलिता जनाः। विविधवैरिविशेषितनागराः कृषिधनं न लभेद्भुविकश्चन ।। वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम्–सस्यानि घृत कार्पास तैलादि रससंचयः । चैत्रवर्षे भवेद्वृद्धिर्नृप सौख्यफलप्रदः ।। विकारीनाम संवत्सरस्तत्फलम्–विकार्यब्देखिला लोकाः सरोगा वृष्टिपीड़िताः । पूर्वसस्यफलंस्वल्पंबहुलं चापरंफलं ।। मेघनाम पुष्करः फलम्–पुष्करे मंदवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम्–मालिनः प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २००३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

शुक्ला ९ गुरौ मघा. ल. गो. रे. ७ ऽमंऽ।।।ऽ।ऽ।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० रवौ उभा. ल. ऽन्यगो.रे.८।।।।ऽअ.।ऽ।।
,, १० रवौ रेव. ल. १ रे. ७ ।।।।ऽअग्निऽऽ।।
,, ११ चन्द्रे रेव. ल. ऽन्यगो.(सोग्रांगः) १रे.८।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ६ बुधे मघा. ल.ऽन्यगो.(सोग्रागः) १ रे.८।।।।।ऽऽ।।
,, ८ शुक्रे उफा. ल. गो.(सोग्रांगः) १ रे. ९।।।।।।।।.

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शनौ उभाः ल. ऽन्यगो. १ रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा.
,, ९ रवौ रेव. ल. ऽन्यगो. १ रे.७।।।।ऽरोऽऽ।। रिक्ता
शुक्ला ९ रवौ स्वा. ल. १ (चं.७ पू.) रे. ८ ऽश।।।।ऽ।।
,, १० चन्द्रे स्वा. ल. गो. रे. ७ ऽश।।।ऽनृऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ५ गुरौ उषा. ल. ६ (अंश ७ या) रे. ६ ऽवृऽ।।।ऽऽ।। आवश्यके
,, ९ भौमे उभा. ल.३ रे.८।।।।ऽरो।।ऽ दग्धा.आवश्यके

पौष मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मघा. ल. ६ रे. ७ ऽचं.ऽ।।।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णा १०गुरौ अनु. ल. ९ रे. ६ ।ऽशु.।ऽअग्निऽऽ।
,, ११ शुक्रे अनु. ल. ९ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ४ रवौ उभा. ल. ९ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
,, ५ चन्द्रे रेव. ल. ९ रे. ९ ।।।।ऽनृप।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ शनौ उफा. ल. ७-९ रे. ७ ऽरा.।।।ऽरो.ऽ।।
,, ४ रवौ हस्ते ल. ७-९ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
कृष्णा १०शनौ मूले ल. ७ (घ.४०।४६उ.) रे.७ ऽबुऽ।।।।ऽ।।
,, ११ रवौ मू. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ऽबु.ऽ।।।।ऽ।।
,, १२ चंद्रे उभा. ल. ७ रे. १० ।।।।।।।।।
शुक्ला २ रवौ उभा. ल. ९ रे. ७ ।ऽ।।ऽअग्निऽ।।
,, १५ शुक्र उफा. ल. ७-९ रे.६ ऽरा.।।ऽराबु.।ऽऽ।। आव.

चैत्र मासः

कृष्णा १ शनौ हस्ते ल. ७-९ रे. ८ ।ऽ।।ऽचो.।।।

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽह्र्गणः ४०१६ सन् १९४६
१	बु	५	८	अ	५४	३	वै	३८	१९	ब	५	८	३०/५६	५/४९	६/५१	३	२०	२९	मेषे	चंद्रदर्शनम् नवरात्र.संवत्सरारंभ:ध्वजारो.
२	बु	५४	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	५३	३८	भ	५०	०	वि	३१	१	तै	२६	२३	३५/००	४८	१२	४	२१	१	मेषे	कर्कभौमः ३०/३० जमादिलावल५ गणगौरी*
४	शु	४७	४०	कृ	४६	४	प्री	२३	४४	व	२०	३९	४	४७	१३	५	२२	२	वृ. ४।१	भ. २०।३९ उ. ४७।४० या.
५	श	४१	४७	रो	४२	५४	आ	१५	५३	ब	१४	४४	८	४६	१४	६	२३	३	बृषे	कल्पादिः *मत्स्यजयंती
६	र	३६	५	मृ	३८	०	सौ	८	७	कौ	८	५६	१२	४६	१४	७	२४	४	मि१०।२७	मार्गी बुधः ३२।८
७	चं	३०	४९	आ	३४	५०	शो	५२	५३	ग	३	२७	१६	४५	१५	८	२५	५	मिथुने	भ.३०/४९ उ.५८/३५या. वक्री कन्यायां गुरुः ५०/३८
८	मं	२६	२१	पु	३१	२९	सु	४७	४०	ब	२६	२१	२०	४४	१६	९	२६	६	क.१७।२०	भवान्युत्पत्तिः ९
९	बु	२२	४२	पु	३०	१४	धृ	४२	२२	कौ	२२	४२	२४	४३	१७	१०	२७	७	कर्के	भरण्यां शुक्रः १३।१९ राम ९ वै.
१०	गु	१९	५९	श्ले	२९	५०	शू	३७	५०	ग	१९	५९	२८	४२	१८	११	२८	८	सिं२९।२५	भ. ४९।१० उ.
११	शु	१८	२२	म	२९	२५	गं	३४	२३	वि	१८	२२	३२	४२	१८	१२	२९	९	सिंहे	भ. १८।२२ या. कामदा ११ व्र.
१२	श	१७	५७	पू	३१	२५	वृ	३१	३०	बा	१७	५७	३६	४१	१९	१३	३०	१०	कं.४७।७	मेषेऽर्कः ३१/२५ पुष्ये भौमः २३/५९ प्रदोषः
१३	र	१९	१	उ	३४	१३	ध्रु	२९	६	तै	१९	१	४०	४०	२०	१४	१	११	कन्यायां	
१४	चं	२१	१६	ह	३८	३१	व्या	२९	१०	व	२१	१६	४४	३९	२१	१५	२	१२	कन्यायां	भ. २१।१६ उ. ५३।१ या.
१५	मं	२४	४७	चि	४३	३६	ह	२९	१७	ब	२४	४७	४८	३८	२२	१६	३	१३	तु.११।३	मन्वादिः हनुमज्जयंती वै. स्ना. प्रा.

५२पं.।चै.शु.४शु.इ.२०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	६	०	२	२	११
२१	०	५	०	७	२५	१	२१
५८	२०	२२	२२	१९	११	२२	५३
२३	३५	१	१९	१२	४९	५८	३१
५९	२४	१४/४१	७/५२	७४	१	३	५९
४	२९	ब	ब	२०	३८	११	४

गोचरग्रहाः

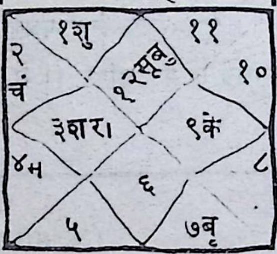

चैत्र शु. १२ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

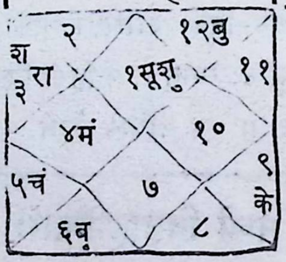

१पं. चै.शु.१२शु.इ.३६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	०	२	२	०
०	३	५	२९	१७	२५	०	०
४	२५	३८	१७	३०	२७	५६	०
३३	२३	६	३८	२९	५४	४२	०
५८	२६	१७/३५	८/५२	७४	२	३	५८
४५	४६	मा	ब	८	२८	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२९	०	स्वा	४९	२७	व	३०	१५	कौ	२९	०	३५/५१	५/३८	६/२२	१७	४	१४	तुलायां	
२	गु	३३	४८	वि	५५	५४	सि	३१	३१	तै	१	२४	५५	३७	२३	१८	५	१५	बृ.३९।१७	
३	शु	३८	५१	अ	६०	०	व्य	३२	५४	ब	६	२०	५८	३६	२४	१९	६	१६	वृश्चिके	भ. ६।२० उ. ३८।५१ या.
४	श	४३	४३	अ	२	२७	व	३४	१७	ब	११	१७	३२	३६	२४	२०	७	१७	बृश्चिके	चतुर्थी व्र. *११व्र.स्मा.वै.अगस्त्यास्तः १७/५३
५	र	४८	१०	ज्ये	८	४७	प	३५	१७	कौ	१५	५७	६	३५	२५	२१	८	१८	ध.८।४७	कृतिकायां शुक्रः ३।९
६	चं	५१	४८	मू	१४	९	शि	३५	४६	ग	१९	५९	१०	३४	२६	२२	९	१९	धनुषि	भ. ५१।४८ उ.
७	मं	५४	१५	पू	१८	४९	सि	३५	२०	वि	१३	२	१४	३३	२७	२३	१०	२०	म.३४।४२	भ. २३।२ या. बृषे शुक्रः ४५।१६
८	बु	५५	४७	उ	२२	२१	सा	३३	५३	बा	२५	१	१७	३३	२७	२४	११	२१	मकरे	
९	गु	५५	२८	श्र	२४	३४	शु	३१	२९	तै	२५	३७	२१	३२	२८	२५	१२	२२	कु.५५।१	
१०	शु	५४	७	ध	२५	२९	शु	२८	१४	ब	२४	४७	२५	३१	२९	२६	१३	२३	कुम्भे	भ. २४।४७ उ. ५४।७ या.
११	श	५१	३७	श	२५	२५	ब्र	२३	५२	ब	२२	५२	२९	३०	३०	२७	१४	२४	कुम्भे	भरण्यांरविः १२/४९ रेवत्यांबुधः ३०/५८ वरूथिनी*
१२	र	४८	१२	पू	२३	५७	ऐं	१८	४३	कौ	१९	५४	३३	२९	३१	२८	१५	२५	मी९।१९	वरूथिनी ११ व्र. निं.
१३	चं	४३	८	उ	२१	४२	वै	२२	४५	ग	१५	४०	३६	२९	३२	२९	१६	२६	मीने	भ. ४३।८ उ. प्रदोषः
१४	मं	३८	२७	रे	१८	४६	वि	२६	५५	वि	१०	४७	४०	२८	३२	३०	१७	२७	मे.१८।४६	भ.१०/४७ या. ×बृषे राहुः बृश्चिके केतुः २७/६
३०	बु	३२	४५	अ	१५	१०	आ	५१	५३	च	५	३६	४३	२७	३३	१	१८	२८	मेषे	मई मा.५ ता.३१ रोहिण्यां शुक्रः ५८।७×

२पं. वै.कृ.४शु.इ.३६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	०	२	२	०
६	६	८	२८	२६	२५	०	६
१४	१८	४२	२४	६	४८	३४	५०
४२	०	२५	४०	५४	३२	२७	३८
५८	२८	३८	७/५२	७४	३	३	५८
२१	२७	१०	ब	२	१३	११	३१

गोचरग्रहाः

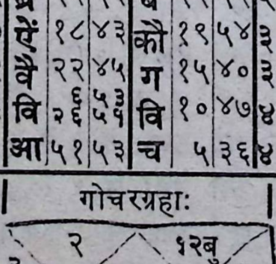

इस मास का फल श्रेष्ठ है रुई चांदी अलसी लोह कपास विनौला सिरस्युं तेज जौ गेहूँ चना मूंग मोंठ मंदा।

गोचरग्रहाः

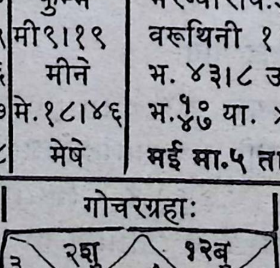

३पं. वै.कृ.११शु.इ.३६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	१	२	२	०
१३	९	१६	२७	४	२६	०	१३
४३	२२	४५	३२	४२	१३	१२	३९
६	४१	५०	५३	०	५२	१२	४०
५८	२९	५५	७/२०	७३	३	३	५८
१२	४९	२३	ब	५६	४६	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४५ स. १९४६
१	गु	२६	५३	भ	११	१७	सौ	४४	१४	ब	२६	५३	३२/४७	५/२७	६/३३	२	१९	२९	वृ.२५।१२	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	२०	५२	कृ	७	२	शो	३६	३३	कौ	२०	५२	५०	२६	३४	३	२०	१	बृषे	पुनर्वसौ३शनिः४५/२४जमादिलाखर५परशुजं.
३	श	१४	५३	रो	२/५६	८/५९	अ	२९	११	ग	१४	५३	५४	२५	३५	४	२१	२	मि३१।३	भ. ४१।५३ उ. अक्षया ३
४	र	८	५४	आ	५५	४३	सु	२१	५१	वि	८	५४	५७	२५	३५	५	२२	३	मिथुने	भ.८।५४या.वक्री चित्रायां१गुरुः२४।३९
५	चं	३	५०	पु	५२	४३	धृ	१५	३	बा	३	५०	३३/५	२४	३६	६	२३	४	क.३८।२८	
६	चं	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	मं	५५	२५	पु	५०	५१	शू	८	४३	ग	२७	१८	४	२३	३७	७	२४	५	कर्के	भ. ५५।२५ उ.
८	बु	५२	३४	श्ले	५०	४५	गं	३/५५	९/२०	वि	२३	५९	७	२३	३७	८	२५	६	सिं५०।४५	भ.२३।५९या.मेषेऽश्विन्यां च बुधः६।१६*
९	गु	५०	५४	म	५१	५७	ध्रु	५४	४४	बा	२१	४४	१०	२२	३८	९	२६	७	सिंहे	पातमोक्षः १२।३ *पातस्पर्शः५६।३९
१०	शु	५०	३५	पू	५२	४९	व्या	५१	५०	तै	२०	४४	१३	२१	३९	१०	२७	८	सिंहे	
११	श	५१	१६	उ	५४	४२	ह	४९	५७	ब	२०	५५	१६	२१	३९	११	२८	९	कं.८।१७	भ. ३०/५५ उ. ५१/५६ या. कृतिकायां रविः ४०/४४×
१२	र	५३	१८	ह	५७	२३	व	४९	१३	ब	२२	१७	१९	२०	४०	१२	२९	१०	कन्यायां	मृगेशुक्रः५२/२९सार्पेभौमः५/३३मोहिनी११ब्र.नि
१३	चं	५६	३५	चि	६०	०	सि	४९	१८	कौ	२४	५७	२२	२०	४०	१३	३०	११	तु.२९।५६	प्रदोषः ×मोहिनी११ब्र. स्मा. वै.
१४	मं	६०	०	चि	२	३०	व्य	४९	५६	ग	२८	४२	२५	१९	४१	१४	३१	१२	तुलायां	बृषेऽर्कः २८।३१ नृसिंहजयंती
१४	बु	०	४९	स्वा	८	६	व	५१	२९	व	०	४९	२८	१८	४२	१५	१	१३	वृ.५७।५४	भ.०।४९ उ.३३/५५ या. भरण्यां बुधः३।३०+
१५	गु	५	४१	त्रि	१४	३०	प	५२	४७	ब	५	४१	३१	१८	४२	१६	२	१४	वृश्चिके	वै. स्ना. पूर्तिः +कूर्मोत्पत्तिः

४पं. वै.शु.३ श.इ.३६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	१	२	१	०
२०	१२	२५	२६	१३	२६	२९	२०
२९	३५	५२	४५	१५	४३	४९	२७
४४	५६	५२	१४	१८	४८	५६	२२
५७	३१	७०	३/६४	७३	४	३	५८
५७	१	४८	ब	५०	२६	११	६

गोचरग्रहाः

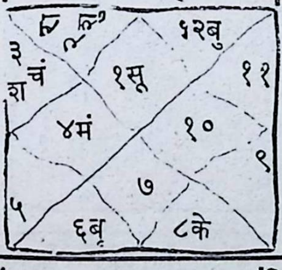

वैशाख शु.१४भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. पश्चि।

गोचरग्रहाः

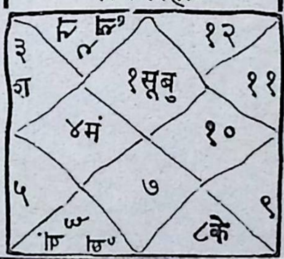

५पं. वै.शु.११ श.इ.३७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	५	१	२	१	०
२७	१५	६	२६	२१	२७	२९	२७
१४	५६	४९	२	४७	१७	२७	१३
५८	४६	५९	४२	१७	५३	४१	३०
५७	३२	८८	५/४४	७३	४	३	५७
४५	१	७	ब	४४	५३	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१०	२९	अ	२०	५२	शि	५४	१७	कौ	१०	२९	३३/३४	५/१७	६/४३	१७	३	१५	वृश्चिके	
२	श	१५	२१	ज्ये	२७	२०	सि	५५	३४	ग	१५	२१	३६	१७	४३	१८	४	१६	ध.२७।२०	भ. ४७।३१ उ. मिथुने शुक्रः २३।१६
३	र	१९	४२	मू	३२	५९	सा	५६	८	वि	१९	४२	३९	१६	४४	१९	५	१७	धनुषि	भ. १९।४२ या. चतुर्थी ब्र.
४	चं	२३	१६	पू	३७	३८	शु	५५	५७	बा	२३	१६	४१	१६	४४	२०	६	१८	म.५३।५१	पूर्वास्तं बुधः ३२।१७
५	मं	२५	४३	उ	४१	३०	शु	५४	४६	तै	२५	४३	४४	१५	४५	२१	७	१९	मकरे	
६	बु	२६	५४	श्र	४४	६	ब्र	५२	४७	व	२६	५४	४६	१५	४५	२२	८	२०	मकरे	भ.२६/५४ उ.५६/५४या. कृतिकायां बुधः११।५
७	गु	२६	५५	ध	४५	१६	ऐं	४९	४१	ब	२६	५५	४८	१४	४६	२३	९	२१	कु.१४।४१	बृषे बुधः:५०।४६ आर्द्रायां शुक्रः:५५।२०
८	शु	२५	३४	श	४५	३३	वै	४५	३४	कौ	२५	३४	५०	१४	४६	२४	१०	२२	कुम्भे	रोहिण्यां रविः ५४।४०
९	श	२३	०	पू	४४	१९	वि	४०	३६	ग	२३	०	५२	१४	४६	२५	११	२३	मी२९।३८	भ. ५१।१३ उ.
१०	र	१९	२७	उ	४२	२०	प्री	३४	५०	वि	१९	२७	५४	१३	४७	२६	१२	२४	मीने	भ. १९।२७ या.
११	चं	१५	२	रे	३९	१९	आ	२८	१९	बा	१५	२	५६	१३	४७	२७	१३	२५	मे.३९।१९	अपरा ११ ब्र.
१२	मं	९	४९	अ	३५	५४	सौ	२१	३२	तै	९	४९	५८	१२	४८	२८	१४	२६	मेषे	रोहिण्यां बुधः ४९।४९ प्रदोषः
१३	बु	४	७	भ	३२	११	शो	१४	२४	ब	४	७	३४/००	१२	४८	२९	१५	२७	वृ.४६।८	भ. ४।७ उ. ३१।८ या.
१४	बु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३०	गु	५२	३	कृ	२८	०	अ	६/४०	५३/४३	च	२५	६	३४/२	१२	४८	३०	१६	२८	वृषे	भावुका ३० वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.२श.इ.३७।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	५	२	२	१	१
३	१९	१९	२५	०	२७	२९	३
५८	२५	२४	२६	१७	५५	५	५८
३५	४८	०	२०	२	२६	२६	२६
५७	३३	०/८	३/४५	७३	५	३	५७
३४	६	६/५	ब	२६	२०	११	४४

गोचरग्रहाः

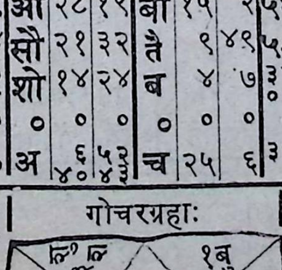

इस मासका फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शांति रहेगी धान्य भाव तेज। रुई अलसी चांदी सोना तेज होगा।

गोचरग्रहाः

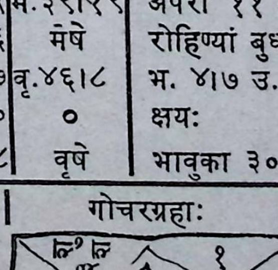

७प. ज्ये.कृ.९ श.इ.३७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	२	२	१	१
१०	२३	३	२४	८	२८	२८	१०
४०	१	३३	५७	४४	३६	४३	४२
४६	५२	४३	३२	३१	०	१०	१८
५७	३३	०/८	३/३	७३	५	३	५७
२३	४९	६/५	ब	१७	४६	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ	शुक्लपक्षः	सं. २००३	शाकः	१८६८								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४५	५८	रो	२४	३२	धृ	५१	५८	किं	१९	१	३४/४	५/११	६/४९	३/२ १	१७	२९	मि५२।४९
२	श	४०	८	मृ	२१	७	शू	४४	२६	बा	१३	३	६	११	४९	१	१८	३०	मिथुने
३	र	३४	४५	आ	१६	५७	गं	३७	२८	तै	७	२६	८	१०	५०	२	१९	१	क.५९।१८
४	चं	२९	५८	पु	१३	२५	वृ	३१	४	व	२	२१	९	१०	५०	३	२०	२	कर्के
५	मं	२६	५	पु	११	२४	ध्रु	२५	२३	बा	२६	५	११	१०	५०	४	२१	३	कर्के
६	बु	२३	५	श्ले	१०	१४	व्या	२०	४८	तै	२३	५	१२	१०	५०	५	२२	४	सिं१०।१४
७	गु	२१	१२	म	९	४३	ह	१६	३५	व	२१	१२	१४	९	५१	६	२३	५	सिंहे
८	शु	२०	३५	पू	१०	३७	व	१३	३६	ब	२०	३५	१५	९	५१	७	२४	६	कं.२६।११
९	श	२१	२०	उ	१२	५७	सि	११	३४	कौ	२१	२०	१६	९	५१	८	२५	७	कन्यायां
१०	र	२३	७	ह	१६	२९	व्य	१०	३३	ग	२३	७	१७	९	५१	९	२६	८	तु.४८।४८
११	चं	२६	२२	चि	२१	७	व	१०	३३	वि	२६	२२	१८	८	५२	१०	२७	९	तुलायां
१२	मं	३०	३७	स्वा	२६	५४	प	११	१८	बा	३०	२७	१९	८	५२	११	२८	१०	तुलायां
१३	बु	३५	६	वि	३२	५७	शि	१२	३५	कौ	२	४६	२०	८	५२	१२	२९	११	वृ.१६।२६
१४	गु	३९	५२	अ	३९	१५	सि	१४	८	ग	७	२९	२१	८	५२	१३	३०	१२	वृश्चिके
१५	शु	४५	४७	ज्ये	४५	४३	सा	१६	०	वि	१२	१९	२१	८	५२	१४	३१	१३	ध.४५।४३

ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४७ सन् १९४६

जून मा. ६ ता. ३० चंद्रद.
रज्जव ७ रंभा ब्रतं
भ.२।२१ उ.२९/५८ या. मृगेबुधः ३५/३७ पुनर्वसौ✱
पातमोक्षः ६।३० ✱शुक्रः ५६/४८ पात.४१/४७

भ.३१/१२ उ.५०/५४ या. मिथुने बुधः ३४।१४
मृगेरविः ५४/४० मघायां सिंहे च भौमः ४४/२२×
×पुनर्वसौ४ कर्के च शनिः ३९।४३
भ.५४।४४उ. आर्द्रायां बुधः ५५/५३ गंगा१०
भ. २६।२२ या. निर्जला ११ ब्रत
पश्चिमोदयी बुधः ३०।६
कर्के शुक्रः २३।३६ मार्गी गुरुः ३८।५२
भ. ३९।५२ उ.
भ.१३/२९ या. मिथुनेऽर्कः ५४/१७ खग्रास चंद्रग्र.

८पं. ज्ये.शु.२ श.इ.३७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	२	२	१	१
१७	२६	१८	२४	१७	२९	२८	१७
२१	४३	४६	३६	१०	२०	२०	२५
२	५५	४१	४०	१९	६	५५	५
५७	३४	८/४	१२	७३	६	३	५७
१३	२४	४१	ब	१	७	११	२७

गोचरग्रहाः

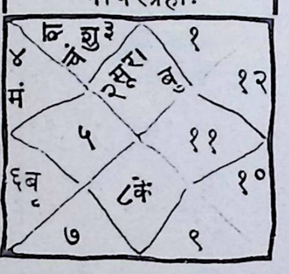

ज्येष्ठ शु.१५ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न.५ कुमारावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

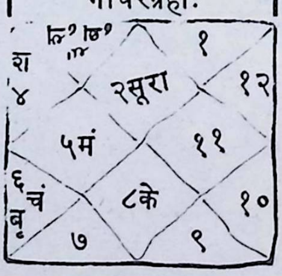

९पं.ज्ये.शु.९ श.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	२	३	१	१
२४	०	४	२४	२१	०	२७	४
१	३१	४	२४	३३	६	५८	७
४७	८	१६	३२	१२	११	३९	८
५७	३५	८	४६	७२	६	३	५७
५	१४	९	ब	४५	२६	११	२२

ति.	आषाढ़	कृष्णपक्षः	सं. २००३	शाकः	१८६८								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	४९	९	मू	५१	२४	शु	१६	५९	बा	१६	५८	३४/२२	५/८	६/५२	१५	१	१४	धनुषि
२	र	५२	४३	पू	५६	३१	शु	१७	४९	तै	२०	५६	२२	८	५२	१६	२	१५	धनुषि
३	चं	५५	११	उ	६०	०	ब्र	१७	४४	व	२३	५७	२२	८	५२	१७	३	१६	म.१२।३६
४	मं	५६	२८	उ	०	५२	ऐं	१६	४६	ब	२५	५०	२३	७	५३	१८	४	१७	मकरे
५	बु	५६	२८	श्र	३	२८	वै	१५	३	कौ	२६	४८	२३	७	५३	१९	५	१८	कु.३४।१४
६	गु	५५	९	ध	५	१	वि	१२	५	ग	२५	४८	२३	७	५३	२०	६	१९	कुम्भे
७	शु	५२	२८	श	५	२७	प्री	७	२३	वि	२३	४९	२४	७	५३	२१	७	२०	मी५०।५
८	श	४९	४	पू	४	५८	आ	३/५४	२३/३	बा	२०	४६	२४	७	५३	२२	८	२१	मीने
९	र	४४	३७	उ	३/५६	२३/२५	शो	५१	३५	तै	१६	५१	२४	७	५३	२३	९	२२	मे.५९।४८
१०	चं	३९	२७	अ	५६	३७	अ	४४	४९	व	१२	२	२४	७	५३	२४	१०	२३	मेषे
११	मं	३३	४७	भ	५२	४३	सु	३७	३९	ब	६	२७	२४	७	५३	२५	११	२४	मेषे
१२	बु	२७	५२	कृ	४८	४०	धृ	३०	१	कौ	०	५०	२३	७	५३	२६	१२	२५	वृ. ६।४२
१३	गु	२१	४२	रो	४४	३२	शू	२२	३१	व	२१	४२	२३	७	५३	२७	१३	२६	बृषे
१४	शु	१५	३६	मृ	४०	२२	गं	१५	५	श	१५	३६	२३	७	५३	२८	१४	२७	मि१२।२७
३०	श	९	४४	आ	३६	४०	वृ	७	३७	ना	९	४४	२२	८	५२	२९	१५	२८	मिथुने

ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पुष्ये शुक्रः ९।२३

भ.२३।५७ उ.५५/११ या. पुनर्वसौ बुधः १।०
चतुर्थी ब्रतम्

भ. ५५।९ उ.
भ. २३।४९ या. आर्द्रायां रविः ५५।४९
कर्के बुधः ५९।४०

भ. १२।२ उ. ३९।३७ या.
पुष्ये बुधः ३६।५ योगिनी ११ ब्रत
सार्पे शुक्रः २८।१५ प्रदोषः
भ. २१।४२ उ. ४८।३९ या.
पितृकार्येऽमा,
देवकार्येऽमा.

१०पं.आ.कृ.१श.इ.३७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	३	१	२
०	४	१७	२४	३	०	२७	०
४३	२१	४३	२१	५३	५४	३६	४८
५५	५८	१	२९	४६	५८	२४	२५
५६	३५	९८	२४	७२	६	३	५७
५७	४५	१७	मा	२३	३८	११	१७

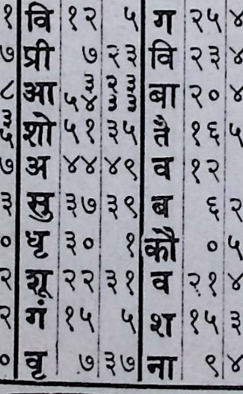

११पं.आ.कृ.८श.इ.३७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	३	१	२
७	८	२९	२४	१२	१	२७	७
१९	१८	३१	२६	११	४५	१४	२९
२३	३६	३६	५६	६	२५	९	१३
५६	३६	७६	१	७२	६	३	५७
५४	१५	४३	४१	१	५६	११	१३

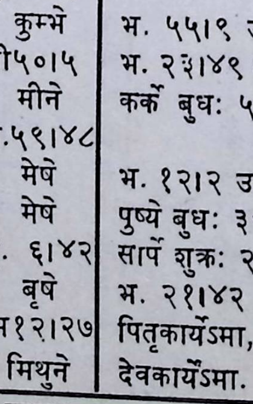

१२पं.आ.कृ.३०श.इ.३७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	३	३	१	२
१३	१२	९	२४	२०	२	२६	१४
५७	१४	२०	४०	२५	३७	५१	९
२६	३२	२८	५५	२६	३७	५३	४३
५६	३६	५७	३	७१	७	३	५७
५०	४०	१७	७	३४	५	११	७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

तिं.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१०४स.१९४६
१	र	४	१५	पु	३३	४१	ध्रु	५३	४५/२९	ब	४	१५	३४/२१	५/८	६/५२	३०	१६	२९	क.१९।२६	चन्द्रदर्शनम्
२	र	५५	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	चं	५५	२२	पु	३१	१६	ह	४८	२२	तै	२७	२३	२०	८	५२	१	१७	१	कर्के	जुलाई मा.७ता.३१पूफायांभौमः२४।२२*
४	मं	५३	२०	श्ले	२९	३९	व	४३	२२	व	२४	२१	१९	८	५२	२	१८	२	सिं२९।३९	भ. २४।२१ उ. ५३।२० या.
५	बु	५१	२०	म	२९	२०	सि	३९	१६	ब	२२	२०	१८	८	५२	३	१९	३	सिंहे	मृगे १ राहुः ज्येष्ठायां ३ केतुः २१।४५
६	गु	४९	३४	पू	३०	४	व्य	३६	६	कौ	२०	२७	१७	९	५१	४	२०	४	कं.४५।३२	अस्तं शनेः ५।२७ *सावान ८
७	शु	५०	१४	उ	३१	५६	व	३३	५५	ग	१९	५४	१६	९	५१	५	२१	५	कन्यायां	भ. ५०।१४ उ. पुनर्वसौ रविः५९।५०
८	श	५२	११	ह	३५	५	प	३२	४८	वि	२१	१२	१४	९	५१	६	२२	६	कन्यायां	भ. २१।१२ या. सार्पे बुधः १७।५०
९	र	५४	५१	चि	३९	३०	शि	३२	३१	बा	२३	३१	१३	९	५१	७	२३	७	तु.७।१७	सिंहे शुक्रः ४७।३५ पुष्ये१ शनिः ७।४२
१०	चं	५८	५८	स्वा	४४	४५	सि	३३	६	तै	२६	५४	११	१०	५०	८	२४	८	तुलायां	मन्वादिः
११	मं	६०	०	वि	५०	५६	सा	३४	१७	व	३१	१६	१०	१०	५०	९	२५	९	वृ.३४।२३	भ. ३१।१६ उ. देवशयनी ११ व्र.
११	बु	३	३५	अ	५७	२०	शु	३५	४६	वि	३	३५	९	१०	५०	१०	२६	१०	वृश्चिके	भ.३।३५या. देवशयनी११व्र.हरिवासरः
१२	गु	८	३८	ज्ये	६०	०	शु	३७	२४	बा	८	३८	७	११	४९	११	२७	११	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	शु	१३	१५	ज्ये	३	४५	ब्र	३८	४६	तै	१३	१५	६	११	४९	१२	२८	१२	ध.३।४५	
१४	श	१७	३६	मू	९	४१	ऐं	३९	३४	व	१७	३६	४	११	४९	१३	२९	१३	धनुषि	भ. १७।३६ उ. ४९।२४ या.
१५	र	२१	१३	पू	१५	५	वै	३९	४८	बा	२१	१३	२	१२	४८	१४	३०	१४	म.३१।१०	व्यास पूजा सब्बरात

१३पं.आ.शु.८श.इ.३७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	३	३	१	२
२०	१६	१६	२५	२८	३	२६	२०
३५	२२	५२	६	३६	३०	२९	५०
२२	३४	१६	३६	३२	४७	३८	७
५६	३७	३८	४	७१	७	३	५१७
५०	११	६	१३	६	१४	११	७

गोचरग्रहाः

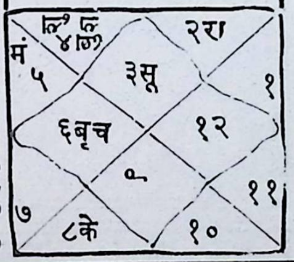

इस मास का फल अशुभहै कहीं वर्षा की अधिकता तथा कहीं वर्षा की कमी होगी प्रजा में क्लेश होगा।

गोचरग्रहाः

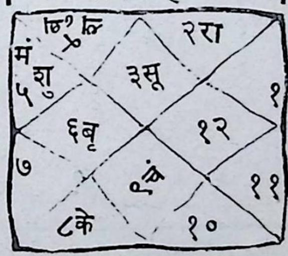

१४पं.आ.शु.१४श.इ.३७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	४	३	१	२
२७	२०	२१	२५	६	४	२६	२७
१३	३०	३६	३४	४३	२४	७	३०
२८	२९	२२	१६	१९	२२	२३	२९
५६	३७	१६	५	७०	७	३	५९
५५	४४	५६	२३	२६	२०	११	११

तिं.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२४	१४	उ	१९	२४	वि	३९	९	कौ	२५	१४	३४/००	५/१२	६/४८	१५	३१	१५	मकरे	
२	मं	२५	६	श्र	२२	२३	प्री	३७	२९	ग	२५	६	३३/५८	१२	४८	१६	३२	१६	कु.५३।१८	भ. ५५।१० उ. कर्केऽर्कः ३२।३४
३	बु	२५	१४	ध	२४	१३	आ	२४	४९	वि	२५	१४	५६	१३	४७	१७	१	१७	कुम्भे	भ. २५।१४ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	२३	५७	श	२४	५८	सौ	३१	१०	बा	२३	५७	५४	१३	४७	१८	२	१८	कुम्भे	वक्री बुधः ३६।८
५	शु	२१	२९	पू	२४	१२	शो	२६	३२	तै	२१	२९	५२	१४	४६	१९	३	१९	मी९।२४	पूफायां शुक्रः २३।४ नागपंचमी
६	श	१८	१	उ	२२	३३	अ	२१	३	व	१८	१	५०	१४	४६	२०	४	२०	मीने	भ. १८।१ उ.४५/४९ या. पुष्ये रविः ३।१५
७	र	१३	३७	रे	१९	५७	सु	१४	५१	ब	१३	३७	४८	१५	४५	२१	५	२१	मे.१९।५७	
८	चं	८	३१	अ	१७	२	धृ	८	२	कौ	८	३१	४५	१५	४५	२२	६	२२	मेषे	
९	मं	२	५१	भ	१२	५७	शू	४९/०	५२/२९	ग	२	५१	४२	१६	४४	२३	७	२३	बृ.२७।८	भ.२९।५३ उ.५६/५६ या. उफायां भौमः४२/०३
१०	मं	५४	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	बु	५०	५०	कृ	९	४१	वृ	४५	३५	ब	२३	५३	४०	१६	४४	२४	८	२४	बृषे	कामिका ११ व्र. स्मा.
१२	गु	४४	४२	रो	४	५१	ध्रु	३८	१४	कौ	१७	४६	३७	१७	४३	२५	९	२५	मि३२।४७	चित्रायां२गुरुः १८।२पश्चिमास्तोबुधः४१/४×
१३	शु	३८	३८	मृ	४३/०	५६/१३	व्या	३०	४९	ग	११	४०	३५	१७	४३	२६	१०	२६	मिथुने	भ. ३८।३८ उ. प्रदोषः
१४	श	३३	१३	पु	५३	४८	ह	२३	४४	वि	५	५५	३२	१८	४२	२७	११	२७	क ३९।३५	भ. ५।५५ या. ×कामिका ११ व्र. वै.
३०	र	२८	१९	पु	५१	६	व	१७	[illegible]	ना	२८	१५	३०	१८	४२	२८	१२	२८	कर्के	हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.६शः इ.३६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	५	४	३	१	३
३	२४	२२	२६	१४	५	२५	४
५१	४३	५८	१२	४५	१८	४५	११
५६	४४	४१	११	४०	५०	७	१३
५६	३८	५ ६/०	६	६९	७	३	५७
५७	१	ब	२८	३८	२०	११	१५

गोचरग्रहाः

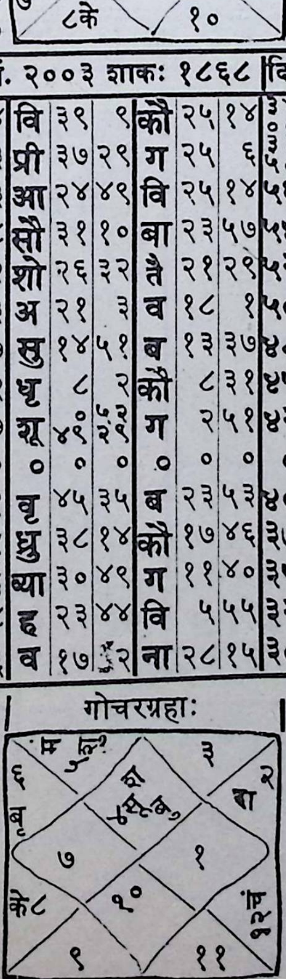

श्रावण कृष्णा २ भौमे कर्केऽर्कः प्र. वा.५न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. पूर्व.।

गोचरग्रहाः

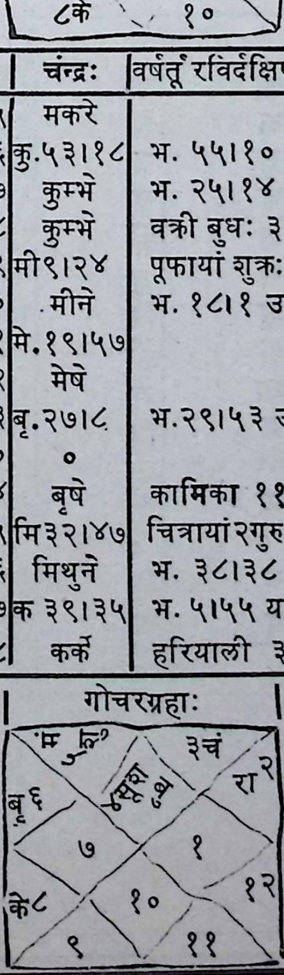

१६पं.श्रा.कृ.१४श.इ.३६।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	५	४	३	१	३
१०	२८	२०	२६	२२	६	२५	१०
३१	५७	३९	५७	४२	१३	२२	५२
१४	११	३६	११	४०	१२	५२	१६
५७	३८	३३/२७	७	६८	७	३	५७
५	२८	ब	२६	५०	२०	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१३३ सन् १९४६
१	चं	२४	१२	श्लो	४९	८	सि	११	३	ब	२४	१२	३३/२७	५/१९	६/४१	२९	१३	२९	सि४९।८	चंद्रद. कन्यायां भौमः १४।४३
२	मं	२१	४	म	४८	३३	व्य	५	५०	कौ	२१	४	२४	१९	४१	३०	१४	१	सिंहे	रमजान ९
३	बु	१९	३	पू	४९	३	व	१/३२	५६/४०	ग	१९	३	२१	२०	४०	३१	१५	२	सिंहे	भ.४८।३९उ. उफायांशुक्रः९।३७ पुष्ये२*
४	गु	१८	१५	उ	५०	३९	शि	५५	४५	वि	१८	१५	१८	२०	४०	१	१६	३	कं.४।२७	भ. १८।१५ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१
५	शु	१८	५०	ह	५३	३२	सि	५४	२२	बा	१८	५०	१५	२१	३९	२	१७	४	कंन्यायां	वक्री पुष्ये बुधः ३३।२९ नाग ५
६	श	२०	३३	चि	५७	४४	सा	५४	५	तै	२०	३३	१२	२२	३८	३	१८	५	तु.२५।३८	आश्लेषायां रविः४।३ कन्यायां शुक्रः ६/३४
७	र	२३	२९	स्वा	६०	०	शु	५४	२२	व	२३	२९	९	२२	३८	४	१९	६	तुलायाँ	भ. २३।२९ उ. ५५।२ या.
८	चं	२७	२५	स्वा	२	५६	शु	५५	२६	ब	२७	२५	६	२३	३७	५	२०	७	वृ.५२।२८	दुर्गा ८ *शनिः१६।० तीज वरद ४
९	मं	३२	२०	वि	८	५८	ब्र	५६	१८	कौ	३२	२	३	२३	३७	६	२१	८	बृश्चिके	
१०	बु	३६	५३	अ	१५	१३	ऐं	५८	२१	तै	४	२७	३२/५९	२४	३६	७	२२	९	बृश्चिके	
११	गु	४१	४५	ज्ये	२१	३८	वै	५९	५१	व	९	१९	५६	२५	३५	८	२३	१०	ध.२१।३८	भ.९।१९ उ.४१।४५ या. पवित्रा ११व्र.
१२	शु	४६	९	मू	२७	३०	वि	६०	०	ब	१३	५७	५३	२५	३५	९	२४	११	धनुषि	उदयं शने ३३।१९ पवित्रार्पण १२
१३	श	४९	५०	पू	३३	२	वि	०	५०	कौ	१७	५९	५०	२६	३४	१०	२५	१२	म.४९।१०	प्रदोषः
१४	र	५२	२८	उ	३७	३२	प्री	१	६	ग	२१	९	४७	२७	३३	११	२६	१३	मकरे	भ. ५२।२८ उ. पूर्वोदयी बुधः १८।७
१५	चं	५३	५७	श्र	४१	४	आ	०/३५	५६/३१	वि	२३	१२	४४	२७	३३	१२	२७	१४	मकरे	भ.२३/५२या. हस्ते शुक्रः८/२ श्रावणीकर्म रक्षा

१७पं.श्रा.शु.६श.इ.३६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	५	३	१	३
१७	३	१५	२७	०	७	२५	१७
११	१५	४६	४८	३३	७	०	३३
२	२५	५	४७	५०	२६	३६	५८
५७	३८	५१/१५	८	६७	७	३	५७
१२	४९	ब	३१	४७	१७	११	३४

गोचरग्रहाः

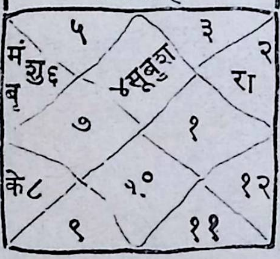

इस मासमें रुई गेहूं पाट कुष्टा अलसी अनाज गल्ला मंदा होकर सुदी में तेज होगा। सुदी में मंदी पीछे तेजी।

गोचरग्रहाः

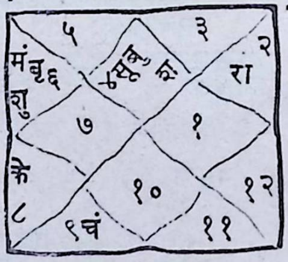

१८पं.श्रा.शु.१३श.इ.३६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	५	३	१	३
२३	७	१२	२८	८	८	२४	२४
५२	३६	०	४६	१८	०	३८	१६
१०	१४	५४	१२	२५	२५	२१	२५
५७	३९	३९/५३	९	६६	७	३	५७
२२	१०	ब	१९	३३	८	११	३३

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५४	११	ध	४२	५८	शो	५६	३९	बा	२४	४	३२/४०	५/२८	६/३२	१३	२८	१५	कुं.१२।११	
२	बु	५३	०	श	४३	५८	अ	५३	८	तै	२३	३५	३६	२९	३१	१४	२९	१६	कुम्भे	हस्ते भौमः ३१।२९
३	गु	५०	३८	पू	४३	४२	सु	४८	४९	व	२१	४९	३३	२९	३१	१५	३०	१७	मी२८।४६	भ.२१/४९ उ.५०/३८या. मार्गीबुधः४०/३५ कजली३
४	शु	४७	१५	उ	४२	८	धृ	४२	३२	ब	१८	५६	२९	३०	३०	१६	३१	१८	मीने	चतुर्थी व्र.
५	श	४२	५९	रे	३९	४४	शू	३७	९	कौ	१५	७	२६	३१	२९	१७	१	१९	मे.३९।४४	सिंहेऽर्कः ०।३० चंद्र ६
६	र	३७	५४	अ	३६	४८	गं	३०	३०	ग	१०	२६	२२	३२	२८	१८	२	२०	मेषे	भ.३७/५४ उ. चित्रायां३ तुलायां च गुरुः४१/२६
७	चं	३२	२०	भ	३३	११	वृ	२३	१७	वि	५	७	१९	३२	२८	१९	३	२१	वृ.४७।८	भ. ५।७ या. जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	मं	२६	२५	कृ	२९	०	ध्रु	१५	४७	कौ	२६	२५	१५	३३	२७	२०	४	२२	बृषे	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	बु	२०	१५	रो	२४	५८	व्या	८	६	ग	२०	१५	११	३४	२६	२१	५	२३	मि५२।५१	भ. ४७।१३ उ. गोगा ९
१०	गु	१४	१२	मृ	२०	४४	ह	०/३४	५३/३१	वि	१४	१२	८	३४	२६	२२	६	२४	मिथुने	भ. १४।१२ या. सार्पे बुधः ५।१३
११	शु	८	२२	आ	१६	५५	सि	४५	५५	बा	८	२२	४	३५	२५	२३	७	२५	क.५९।१६	अजा ११ व्र.
१२	श	२	४६	पु	१३	२३	व्य	३९	८	तै	२	४६	३२/००	३६	२४	२४	८	२६	कर्के	भ.३०/५७उ.चित्रायांशुक्रः३१/५५ वत्स१२ प्रदोषः
१३	श	५५	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१४	र	५३	४५	पु	१०	३४	व	३२	५२	वि	२५	४७	३१/५६	३७	२३	२५	९	२७	कर्के	भ. २५।४७ या.
३०	चं	५०	३६	श्लो	८	४७	प	२७	२४	च	२२	१०	५२	३८	२२	२६	१०	२८	सिं८।४७	पुष्ये ३ शनिः ५९।५४ लोहार्गलस्नान

१९पं.भा.कृ.५ श.इ.३६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	५	५	३	१	४
०	१२	१३	२९	१५	८	१९	०
३४	१	१५	४९	५४	५२	१६	५९
२३	१९	११	१२	३२	५९	६	४६
५७	३९	१५/१०	९	६५	६	३	५७
३४	२३	मा	५७	२	५९	११	४०

गोचरग्रहाः

भाद्र. कृ. ५शनौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.५ गताल्काव-स्था[ऊभी]मु.३० (धान्यभावसम) शुक्रोदय पश्चि.।

गोचरग्रहाः

२०पं.भा.कृ.१२श.इ.३६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	६	५	३	१	४
७	१६	१९	०	२३	९	२३	७
१७	२८	५५	५७	२१	४३	५३	४४
५७	४४	४१	४	०	५२	५०	१७
५७	३०	७१	१०	६३	६	३	५७
४५	५१	४८	४१	२२	४४	११	४८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४१६२ स.१९४६
१	मं	४८	३६	म	७	२३	शि	२२	४७	किं	११	३६	३५/४८	५/३८	६/२२	२७	११	२९	सिहे	अगस्त्योदयः ५९।५७
२	बु	४७	४९	पू	७	५३	सि	१९	६	बा	१८	१३	४४	३९	२१	२८	१२	३०	कं.२३।१२	चन्द्रदर्शनम् *बुधः ३२।२० ऋषि ५
३	गु	४८	२५	उ	९	१०	सा	१६	२२	तै	१८	७	४०	४०	२०	२९	१३	१	कन्यायां	सव्वाल १० ईद हरितालिका ३
४	शु	५०	६	ह	११	४८	शु	१४	४१	व	१९	१५	३६	४१	१९	३०	१४	२	तु.४३।४६	भ.१९/५५उ.५०/६या. पूफायां रविः५१/२१ गणेश४
५	श	५३	१	चि	१५	४४	शु	१४	०	ब	२१	३३	३२	४२	१८	३१	१५	३	तुलायां	सिहेबुधः०।२२ तुलायांशुक्रः२।२पूर्वास्तो*
६	र	५७	०	स्वा	२०	३७	ब्र	१३	४४	कौ	२५	१	२८	४२	१८	१	१६	४	तुलायां	**सितम्बर मा. ९ ता. ३०**
७	चं	६०	०	वि	२६	२५	ऐं	१५	१२	ग	२९	२०	२५	४३	१७	२	१७	५	बृ.९।५८	
७	मं	१	४०	अ	३२	४२	वै	१५	५१	व	१	४०	२१	४४	१६	३	१८	६	वृश्चिके	भ. १।४० उ. ३४।७ या.
८	बु	६	३४	ज्ये	३९	२	वि	१७	५२	ब	६	३४	१८	४४	१६	४	१९	७	ध.३९।२	चित्रायां भौमः१६।३१ रोहिण्यां४ राहुः×
९	गु	११	३२	मू	४५	१६	प्री	१९	३१	कौ	११	३२	१४	४५	१५	५	२०	८	धनुषि	×ज्येष्ठायां २ केतुः १४।४८
१०	शु	१६	३	पू	५०	५४	आ	२०	२२	ग	१६	३	१०	४६	१४	६	२१	९	धनुषि	भ. ४७।५६ उ. स्वात्यां शुक्रः ४०।१९
११	श	१९	४९	उ	५५	३४	सौ	२०	५५	वि	१९	४९	६	४७	१३	७	२२	१०	म. ७।४	भ.१९/४९या. पूफायांबुधः३/४४ चित्रायां४गुरुः=
१२	र	२२	३४	श्र	५९	२०	शो	२०	३५	बा	२२	३४	२	४८	१२	८	२३	११	मकरे	वामनावतारः प्रदोषः
१३	चं	२४	९	ध	६०	०	अ	१९	४५	तै	२४	९	३०/५८	४८	१२	९	२४	१२	कु.३०।२६	=६।५९ जलझूलनी ११ ब्र.
१४	मं	२४	२८	ध	१	३२	सु	१६	५५	व	२४	२८	५४	४९	११	१०	२५	१३	कुम्भे	भ. २४।२८ उ. ५३।५४ या. अनंत १४
१५	बु	२३	२०	श	२	४५	धृ	१३	३६	ब	२३	२०	४९	५०	१०	११	२६	१४	मी४७।५७	प्रौष्ठपदी ३० महालय. कुमारीणां सं.पू.

२१पं.भा.शु.५श.इ.३६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	६	३	१	४
१४	२१	१	२	०	१०	२३	१९
३	०	६	९	३४	३३	३१	२९
९	०	५८	२९	३७	२९	३५	५३
५७	४०	[illegible]	११	६१	६	३	५८
५७	९	[illegible]	१७	८	२९	११	१

गोचरग्रहाः

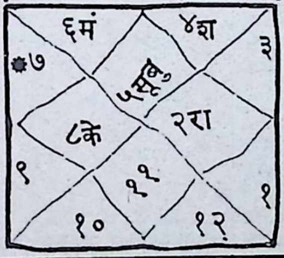

इस मास में पांच मंगल पांच बुध हैं, सो प्रजा में रोगादिक कर, उपद्रव, रुई चांदी सोना मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.शु.११श.इ.३५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	६	३	१	४
२०	२५	१४	३	७	११	२३	२१
४९	३४	२५	२५	३४	२०	९	१६
४९	३०	३७	४४	५	२८	२०	५९
५८	४०	[illegible]	११	५८	६	३	५८
१२	२९	[illegible]	५३	२६	१४	११	१३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२१	२	पू	२	५१	शू	९	५	कौ	२१	२	३०/४५	५/५१	६/९	१२	२७	१५	मीने	
२	शु	१७	४५	उ	२९/१	५७/४०	गं	४/५	५३/५८	तै	१७	४५	४०	५२	८	१३	२८	१६	मे.५९।९	भ. ४५।३९ उ. उफायां रविः ३६।०
३	श	१३	३४	अ	५५	५५	ध्रु	५१	२१	वि	१३	३४	३६	५३	७	१४	२९	१७	मेषे	भ.१३/३४या. उफायां बुधः३०/७ तुलायांभौमः×
४	र	८	३७	भ	५२	४७	व्या	४४	१८	बा	८	३७	३२	५४	६	१५	३०	१८	मेषे	कन्यायां बुधः ४६।२५
५	चं	३	२	कृ	४८	४७	ह	३६	४६	तै	३	२	२८	५४	६	१६	३१	१९	बृ.६।५०	भ. ५७।२० उ. ×१९।९ चतुर्थी ब्र.
६	चं	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	मं	५१	११	रो	४४	४१	व	२९	४	वि	२४	१६	२४	५५	५	१७	३२	२०	बृषे	भ. २४।१६ या. कन्यायामर्कः १।२१
८	बु	४५	८	मृ	४०	३१	सि	२१	२०	बा	१८	१०	२०	५६	४	१८	१	२१	मि१२।३६	
९	गु	३९	१८	आ	३६	४३	व्य	१३	४२	तै	१२	१३	१६	५७	३	१९	२	२२	मिथुने	
१०	शु	३३	४८	पु	३३	११	व	२२/६	५६/३	व	६	३३	१२	५८	२	२०	३	२३	क.१९।४	भ. ६।३३ उ. ३३।४८ या.
११	श	२८	५४	पु	३०	९	शि	५३	५९	ब	१	२१	८	५८	२	२१	४	२४	कर्के	हस्तेबुधः२०।१८ विशाखायांशुक्रः०।४४+
१२	र	२४	५३	श्ले	२८	५	सि	४७	१६	तै	२४	५३	४	५९	१	२२	५	२५	सिं२८।५	प्रदोषः +इंदिरा ११ ब्र.
१३	चं	२१	५०	म	२६	४२	सा	४२	२१	व	२१	५०	०	०/०/६	०/०/६	२३	६	२६	सिंहे	भ. २१।५० उ. ५०।५१ या.
१४	मं	१९	५२	पू	२६	४१	शु	३८	२४	श	१९	५२	२९/५५	१	५९	२४	७	२७	कं.४१।५५	स्वात्यां भौमः१४/४६ स्वात्यां१ गुरुः ४।५४
३०	बु	१९	१०	उ	२७	३९	शु	३५	१४	ना	१९	१०	५१	२	५८	२५	८	२८	कन्यायां	सर्वपितृ ३०

२३पं.आ.कृ.३श.इ.३५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	६	६	३	१	४
२७	०	२७	४	१४	१२	२२	२८
३८	११	४६	४८	१३	५	४७	५
१३	१३	१९	१८	२३	१३	४	२४
५८	४०	[illegible]	१२	५४	५	३	५८
२९	४१	[illegible]	२०	५३	५०	११	२६

गोचरग्रहाः

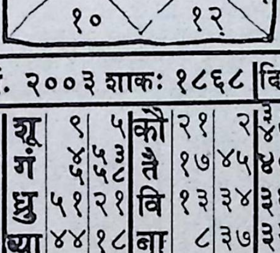

आश्विन कृष्णा ७ भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा.४न.५वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव मंदा) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

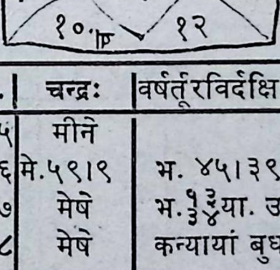

२४पं.आ.कृ.११श.इ.३५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	६	६	३	१	५
४	४	१०	६	२०	१२	२२	४
२८	५१	२६	८	२९	४६	२४	५५
१८	१४	४६	२८	१०	४८	४८	१६
५८	४०	[illegible]	१२	५०	५	३	५८
४५	५९	[illegible]	४०	१७	२६	११	३८

*चंबृशु ×मंबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१९२ स.१९४६
१	गु	१९	५१	ह	२९	४२	ब्र	३३	२०	ब	१९	५१	२९/४६	६/३	५/५७	२६	९	२९	कन्यायां	चंद्रद. सं.मातामहश्रा. नवरात्रा. घटस्था.
२	शु	२१	३८	चि	३३	३९	ऐं	३२	१८	कौ	२१	३८	४२	४	५६	२७	१०	१	तु.१।४०	हस्तेरविः१३/३९ पुष्ये४शनिः३६/१३ जिल्काद ११
३	श	२४	३७	स्वा	३८	१६	वै	३१	३८	ग	२४	३७	३८	४	५६	२८	११	२	तुलायां	भ. ५६।३८ उ.
४	र	२८	४१	वि	४३	५६	वि	३२	४९	वि	२८	४१	३४	५	५५	२९	१२	३	वृ.२७।३१	भ. २८।४१ या. चित्रायां बुधः १०।३५
५	चं	३३	२५	अ	४९	५३	प्री	३४	१	ब	१	५	३०	६	५४	३०	१३	४	बृश्चिके	
६	मं	३८	३५	ज्ये	५६	२७	आ	३५	५९	कौ	५	५५	२६	७	५३	१	१४	५	ध.५६।२७	अक्टूबरमा.१०ता.३१ पश्चिमोदयीबुधः३३/२१
७	बु	४३	२७	मू	६०	०	सौ	३६	३५	ग	१०	५६	२२	८	५२	२	१५	६	धनुषि	भ. ४३।२७ उ. सरस्वत्यावाहनं
८	गु	४८	५	मू	२	५१	शो	३७	५३	वि	१५	४६	१८	८	५२	३	१६	७	धनुषि	भ.१५/४६ या.तुलायांबुधः१९/५ बृश्चिकेशुक्रः३७/३ [
९	शु	५१	५०	पू	८	३१	अ	३८	२७	बा	१९	५९	१४	९	५१	४	१७	८	म.२४।४८	बलिदानं [सरस्वती पू.
१०	श	५४	४१	उ	१३	४१	सु	३८	८	तै	२३	१८	१०	१०	५०	५	१८	९	मकरे	सरस्वती वि. बौद्धज. विजयदशमी
११	र	५६	२३	श्र	१७	३३	धृ	३७	१	व	२५	३२	६	११	४९	६	१९	१०	कु.४८।५७	भ.३५/३२ उ.५६/२२ या. पापांकुशा ११व्र.स्मा.वै.
१२	चं	५६	४७	ध	२०	२१	शू	३४	५६	ब	२६	३५	४	१२	४८	७	२०	११	कुम्भे	स्वात्यां बुधः३२।३० पापांकुशा ११व्र.नि.
१३	मं	५५	४४	श	२१	१४	गं	३१	५०	कौ	२६	१६	२६/५८	१२	४८	८	२१	१२	कुम्भे	मैत्रे शुक्रः १४।६ प्रदोषः
१४	बु	५३	३१	पू	२१	५२	वृ	२७	४४	ग	२४	३८	५४	१३	४७	९	२२	१३	मी६।४१	भ. ५३/३१ उ. *१७/२१ शरद्१५ कोजागरीव्र.
१५	गु	५०	१७	उ	२०	४७	ध्रु	२२	३९	वि	२१	५४	५०	१४	४६	१०	२३	१४	मीने	भ.२१/५४ या.चित्रायांरविः४४/१६ स्वात्यां२गुरुः*

२५पं. आ.शु.३श.इ.३५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	६	६	३	१	५
११	९	२२	७	२६	१३	२२	११
२०	३५	२१	३३	१२	२४	२	४६
२४	६	५४	४७	५४	५४	३३	५५
५९	४१	९९	१३	४४	४	३	५८
०	१९	८	६	५६	५८	११	५३

गोचरग्रहाः

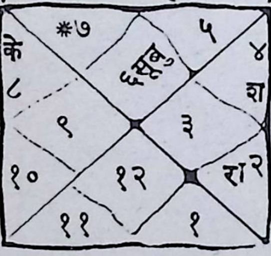

इस मास में प्रजा में सुख शांति रहेगी रुई सूत कपास चांदी गेहूँ जौ चना अलसी सिरस्युँ पाट कुष्टा लाख मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

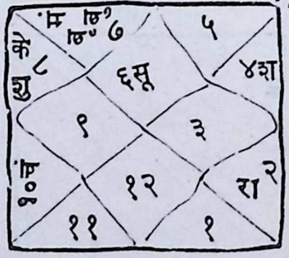

२६पं.आ.शु.१०श.इ.३५।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	६	७	३	१	५
१८	१४	३	९	१	१४	२१	१८
१४	२१	३४	१	१३	०	४०	४०
१३	२९	५५	३४	३७	११	१८	१२
५९	४१	९४	१३	३७	४	३	५९
१६	३६	४३	२०	२२	३६	११	९

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	शु	४६	११	रे	१८	४९	व्या	१६	४७	बा	१८	१४	२६/४६	६/१५	५/४५	११	२४	१५	मे.१८।४९	
२	श	४१	१७	अ	१६	०	ह	१०	१३	तै	१३	१४	४२	१६	४४	१२	२५	१६	मेषे	
३	र	३५	४९	भ	१३	३२	व	३/१२	५३/३१	व	८	३३	३८	१६	४४	१३	२६	१७	बृ.१८।२६	भ.८।३३ उ.३५।४९ या. विशायां भौमः*
४	चं	३०	३	कृ	८	४३	व्य	४८	०	ब	२	५६	३४	१७	४३	१४	२७	१८	बृषे	
५	मं	२४	४	रो	४	३८	व	४०	३१	तै	२४	४	३०	१८	४२	१५	२८	१९	मि२७।२९	
६	बु	१८	६	मृ	३४/०	५६/०	प	३२	३२	व	१८	६	२६	१९	४१	१६	२९	२०	मिथुने	भ.१६/६ उ.४५/८ या. अस्तंगुरुः५०/२४ विशाखायः×
७	गु	१२	१०	पु	५२	५४	शि	२४	५७	ब	१२	१०	२२	२०	४०	१७	३०	२१	क.४१।४८	तुलायामर्कः२७/० होई८ ×बुधः५२।१९अ.गु.
८	शु	६	५७	पु	४९	४७	सि	१७	४६	कौ	६	५७	१८	२०	४०	१८	१	२२	कर्के	
९	श	२	९	श्ले	४७	२१	सा	११	९	ग	२	९	१४	२१	३९	१९	२	२३	सिं४७।२१	भ. ३०।७ उ. ५८।४ या.
१०	श	५५	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *४५/४० करक चतुर्थी व्र.
११	र	५५	१९	म	४५	४१	शु	५/७	५४/४५	ब	२६	४१	१०	२२	३८	२०	३	२४	सिंहे	रमा ११ व्र. स्मा. +महालक्ष्मी पू.
१२	चं	५३	२७	पू	४५	२६	ब्र	५५	३६	कौ	२४	२३	६	२३	३७	२१	४	२५	सिंहे	रमा ११ व्र. वै. गोवत्स पू.
१३	मं	५२	५१	उ	४६	६	ऐं	५२	२२	ग	२३	९	२	२४	३६	२२	५	२६	कं.२८।९	भ.५२/५१ उ. प्रदोषःव्र. धन१३ यमदीपदानं
१४	बु	५३	३९	ह	४७	५८	वै	४९	५०	वि	२३	१५	२७/५८	२४	३६	२३	६	२७	कन्यायां	भ. २३।१५ या. रूप १४ नरक १४
३०	शु	५५	३१	चि	५१	२४	वि	४८	२९	च	२४	३५	५४	२५	३५	२४	७	२८	तु.१९।४१	स्वात्यां रविः८।० बृश्चिके बुधः३६।४९+

२७पं.का.कृ.२श.इ.३५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	६	७	३	१	५
२५	१९	१४	१०	५	१४	२१	२५
९	१०	७	३०	२१	३०	१८	३५
५६	४४	२६	५०	४	५८	३	१०
५९	४१	९०	१३	२७	३	३	५९
३१	५२	४९	२६	५०	५६	११	२१

गोचरग्रहाः

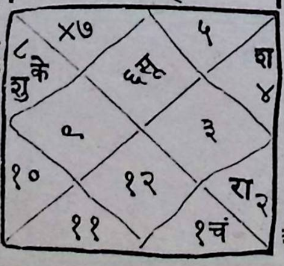

कार्तिक कृष्णा ७ गुरौ तुलायामर्कः प्र. वा.३न.४ कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदय पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

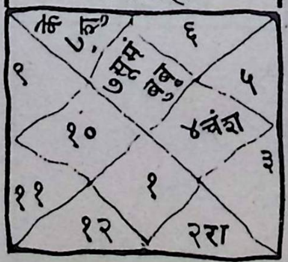

२८पं.का.कृ.९श.इ.३४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	७	३	१	६
२	२४	२३	१२	८	१४	२०	२
७	३	५५	१	१६	५७	५५	३१
२५	२९	३७	२६	३७	१८	४७	३७
५९	४२	८६	१३	१५	३	३	५९
४६	२	५७	३२	४०	२२	११	३४

*मंचंवृशु ×मंबुवृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	शु	५८	३९	स्वा	५५	५५	प्री	४७	५९	बा	२७	५	२७/५०	२६	५/३४	२५	८	२९	तुलायां
२	श	६०	०	वि	६०	०	आ	४८	२८	तै	३०	४४	४६	२७	३३	२६	९	३०	बृ.४५।१
२	र	२	४९	वि	१	२३	सौ	४९	१८	कौ	२	४९	४२	२८	३२	२७	१०	१	बृश्चिके
३	चं	७	३८	अ	७	२७	शो	५०	३५	ग	७	४८	३८	२८	३२	२८	११	२	बृश्चिके
४	मं	१२	४७	ज्ये	१३	५२	अ	५१	५७	वि	१२	४७	३५	२९	३१	२९	१२	३	ध.१३।५२
५	बु	१७	५५	मू	२०	१६	सु	५३	३	बा	१७	५५	३१	३०	३०	३०	१३	४	धनुषि
६	गु	२२	३३	पू	२६	७	धृ	५३	३९	तै	२२	३३	२८	३०	३०	३१	१४	५	म.४२।२७
७	शु	२६	२६	उ	३१	२७	शू	५३	३७	व	२६	२६	२४	३१	२९	१	१५	६	मकरे
८	श	२९	१७	श्र	३५	३५	गं	५२	४९	ब	२९	१७	२०	३२	२८	२	१६	७	मकरे
९	र	३०	५९	ध	३८	३०	वृ	५०	५५	कौ	३०	५९	१७	३३	२७	३	१७	८	कु. ७।२
१०	चं	३१	२३	श	३९	३१	ध्रु	४८	६	तै	१	११	१३	३३	२७	४	१८	९	कुम्भे
११	मं	३०	२४	पू	४०	४५	व्या	४४	१२	व	०	५३	१०	३४	२६	५	१९	१०	मी१७।५४
१२	बु	२७	१०	उ	४०	०	ह	३९	२२	बा	२७	१०	६	३५	२५	६	२०	११	मीने
१३	गु	२४	५९	रे	३८	५	व	३३	३९	तै	२४	५९	३	३५	२५	७	२१	१२	मे.३८।५
१४	शु	२०	५४	अ	३५	३५	सि	२७	१३	व	२०	५४	२६/५९	३६	२४	८	२२	१३	मेषे
१५	श	१५	५९	भ	३२	३०	व्य	२०	१२	ब	१५	५९	५६	३७	२३	९	२३	१४	बृ.४९।२९

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१ स.१९४६

स्वात्यां३ गुरु.२६।४२ व्यापारे सं.२००३
चंद्रदर्शनं वक्री शुक्रः१२।४९ भ्रात२ यम२
मैत्रे बुधः ६।२९ जिल्हेज १२
भ. ४०।१२ उ. बृश्चिके भौमः ८।४९
भ. १२।४७ या.

भ.२६/२६ उ.५७/५१या. **नवंबर मा. ११ ता. ३०**×
गोपाष्टमी +प्रबोधिनी११व्र. तुलसीवि.
अक्षयः९ कुष्माण्ड९ =ज्येष्ठायां१केतुः७/१९

भ.०।५३ उ.३०।२४ या. अस्तं भौमः३७/१५+
विशाखायां २५।२५ रोहिण्यां ३ राहुः=

भ. २०।५४ उ. ४८।२६ या. बैकुण्ठ१४
स्वात्यां४गुरुः४८/१७ पुष्करयात्रा का.स्ना.पू.

२९पं.का.शु. श२.इ.३४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	६	७	३	१	६
९	२८	२	१३	९	१५	२०	९
६	५९	३७	३३	३२	१९	३३	२९
४८	२	१६	११	२८	१	३२	५६
६०	४२	८०	१३	१	२	३	५९
२	२९	४३	३८	३२	३६	११	४७

३०पं.श्रा.शु.८श.इ.३४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	६	७	३	१	६
१६	३	१०	१५	८	१५	२०	१६
७	५७	६	४	५६	३५	११	२९
२१	२२	११	५२	१७	५२	१७	४२
६०	४२	६७	१३	१५/२२	१	३	६०
१८	३९	४	३८	ब	५५	११	४

३१पं.का.शु.१५श.इ.३४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	६	७	३	१	६
२३	८	१४	१६	६	१५	१९	२३
१०	५९	११	३६	२६	४७	४९	३१
३०	१०	५९	५०	२०	२	१	५
६०	४३	३२	१३	२९/१६	१	३	६०
३०	५	२५	३७	ब	१५	११	१७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	र	१०	३४	कृ	२८	२६	व	१२	४४	कौ	१०	३४	२६/५२	६/३८	५/२२	१०	२४	१५	वृषे
२	चं	४	५३	रो	२४	२३	प	५/४	५२/१८	ग	४	५३	४९	३८	२२	११	२५	१६	मि५२।२२
३	चं	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	मं	५३	९	मृ	२०	२१	सि	४९	३५	ब	२६	४	४६	३९	२१	१२	२६	१७	मिथुने
५	बु	४७	२७	आ	१६	२१	सा	४१	४७	कौ	२०	१८	४३	३९	२१	१३	२७	१८	क.५८।१६
६	गु	४२	१५	पु	१२	१८	शु	३४	२६	ग	१४	५१	४०	४०	२०	१४	२८	१९	कर्के
७	शु	३७	३१	पु	९	१०	शु	२७	२१	वि	९	५३	३७	४१	१९	१५	२९	२०	कर्के
८	श	३३	४५	श्ले	६	३३	ब्र	२१	५	बा	५	३८	३४	४१	१९	१६	३०	२१	सिं६।३३
९	र	३०	५६	म	४	४८	ऐं	१५	३९	तै	२	२०	३१	४२	१८	१७	१	२२	सिंहे
१०	चं	२९	१३	पू	४	१६	वै	१०	५७	वि	२९	१३	२९	४२	१८	१८	२	२३	कं.१९।१२
११	मं	२८	४६	उ	४	४२	वि	७	१५	बा	२८	४६	२६	४३	१७	१९	३	२४	कन्यायां
१२	बु	२९	४५	ह	६	३०	प्री	४	२९	तै	२९	४५	२४	४३	१७	२०	४	२५	तु.३७।५८
१३	गु	३१	४९	चि	९	२७	आ	२	४३	ग	०	४७	२१	४४	१६	२१	५	२६	तुलायां
१४	शु	३५	७	स्वा	१३	३९	सौ	१	४५	वि	३	२२	१९	४४	१६	२२	६	२७	तुलायाँ
३०	श	३९	२६	वि	१८	५८	शो	२	३	च	७	१७	१६	४५	१५	२३	७	२८	बृ.२।३८

शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ.३६/५१ उ.५९।०या. उदयंगुरुः५८/४८ उ.गु.
क्षयः ×चतुर्थी व्रतं प.अ.भृ.
पश्चिमास्तो भृगुः ४८।० वक्री बुधः ३४/५६×

भ. ४२।१५ उ. =पश्चिमास्तंबुधः४१/३५
भ. ९।५३ या. वक्री विशाखायां शुक्रः३१/२९=
बृश्चिकेऽर्कः १९।४३

भ. ०।४ उ. २९।१३ या.
अनु. रविः ३७।३१ उत्पत्ति ११ व्र.
वक्री तुलायांशुक्रः३४/३ ज्येष्ठायांभौमः७/११
भ.३१।४९ उ. वक्री शनिः४।३४ प्रदोषः
भ. ३।२९ या.
वक्री विशाखायां बुधः ३१।६

३२पं.मा.कृ.८श.इ.३४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	७	३	१	७
०	१४	११	१८	.२	१५	१९	०
१४	३	४२	८	३१	५३	२६	३३
३४	४०	४७	२४	१६	१३	४६	५०
६०	४३	४२/५८	१३	३६/१६	०	३	६०
४०	२५	ब	३२	ब	२९	११	३०

गोचरग्रहाः

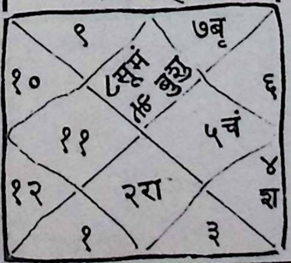

मार्ग. कृ.८ शनौ
बृश्चिकेऽर्कः:प्र.वा.
३न.३ गताल्का-
वस्था[ऊभी] मु.
३०[धान्यभाव सम]
शुक्रास्तः पश्चिमे

गोचरग्रहाः

३३पं.मा.कृ.३०श.इ.३३।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	५	६	६	३	१	७
७	१९	२०	१९	२८	१५	१९	७
२०	१०	५१	३८	२१	४३	४	३७
८	३०	४	२५	४७	४६	३१	४८
६०	४३	११/३८	१२	३२/४६	१६	३	६०
५३	४१	ब	२०	ब	ब	११	४२

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) *मंबुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२५१ स. १९४६
१	र	४४	२२	अ	२५	१	अ	२	४६	किं	११	५४	२६/५३	६/४५	५/१५	२४	८	२९	वृश्चिके	पूर्वोदयं शुक्रः ४२।० पू.उ.शु
२	चं	४९	३१	ज्ये	३१	१९	सु	३	५३	बा	१६	५६	११	४६	१४	२५	९	३०	ध.३१।१९	चंद्रद. वक्रीतुलायांबुधः ४/३ विशाखायां १*
३	मं	५४	३८	मू	३७	३८	धृ	५	९	तै	२२	५	८	४६	१४	२६	१०	१	धनुषि	मोहोरम १ हिजरी सन् १३३६
४	बु	५९	२८	पू	४३	४९	शू	६	१३	व	२७	३	६	४७	१३	२७	११	२	धनुषि	भ.२७।३ उ.५/२८या. पूर्वोदयी बुधः ५।१२
५	गु	६०	०	उ	४९	१७	गं	७	१३	ब	३१	२४	३	४७	१३	२८	१२	३	म.०।११	
५	शु	३	१६	श्र	५३	३५	वृ	७	१०	बा	३	१६	१	४८	१२	२९	१३	४	मकरे	मार्गी बुधः ५/४३ पातस्पर्शः ५/१८ पातमोक्षः ३९/५४
६	श	६	६	ध	५६	५४	ध्रु	६	३९	तै	६	६	२५/५८	४८	१२	३०	१४	५	कुं.२५।१४	चंपा ६ *गुरुः १०।१६
७	र	७	४३	श	५९	२८	व्या	४	५८	व	७	४३	५६	४९	११	१	१५	६	कुम्भे	भ.४/३ उ.३५/५७या. दिसम्बर मा.१२ता.३१
८	चं	८	८	पू	५९	३७	ह	२/२५	५६/२५	ब	८	८	५४	४९	११	२	१६	७	मी४४।३०	ज्येष्ठायां रविः ४४।३०
९	मं	७	८	उ	५९	११	सि	५४	१०	कौ	७	८	५२	५०	१०	३	१७	८	मीने	
१०	बु	४	५३	रे	५७	३६	व्य	४८	४४	ग	४	५३	५०	५०	१०	४	१८	९	मे.५७।३६	भ. ३३।१८ उ.
११	गु	१	४४	अ	५५	१०	व	४२	३७	वि	१	४४	४९	५०	१०	५	१९	१०	मेषे	भ. १।४३ या. मोक्षदा ११ व्र.
१२	गु	५५	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +खग्रास चंद्रग्रहणम्
१३	शु	५२	४५	भ	५१	५४	प	३५	४०	कौ	२५	१२	४७	५१	९	६	२०	११	मेषे	वृश्चिके बुधः ४०।४० प्रदोषः
१४	श	४७	२३	कृ	४८	२१	शि	२८	२४	ग	२०	४	४६	५१	९	७	२१	१२	वृ. ६।१	भ. ४७।२३ उ.
१५	र	४१	४३	रो	४४	२०	सि	२०	५०	वि	१४	३३	४४	५१	९	८	२२	१३	वृषे	भ.१४।३३या. धनुषि मूले भौमः १०।१८+

३४पं.मा.शु.६श.इ.३३।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	६	३	१	७
१४	२४	२७	२१	२५	१५	१८	१४
२६	२०	५९	७	१७	४९	४२	४३
५४	२०	४२	४८	२४	२३	१५	८
६१	४३	२/९१	१३	३०/३७	१/२	३	६०
३	५१	व्र	१४	व	व	११	५०

गोचरग्रहाः

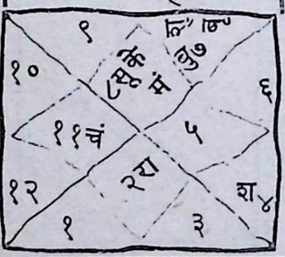

इस मास में गुड़ घृत खांड चावल सूठ मिर्च नारियल तेज होगा जौ गेहूँ अलसी कपास मूँग मन्दा होगा।

गोचरग्रहाः

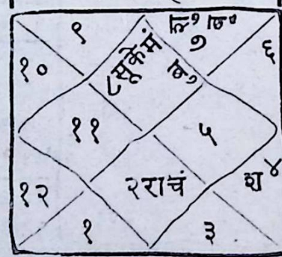

३५पं.मा.शु.१४श.इ.३३।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	६	३	१	७
२१	२९	१	२२	२४	१५	१८	२१
३४	३३	१	३२	१	३८	२०	४९
४१	०	५९	४९	२३	१७	०	२३
६१	४४	७०	१२	४/३२	१/४६	३	६०
११	१	२३	५०	व	व	११	५९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३५	४९	मृ	४०	१४	सा	१२	५७	बा	८	४६	२५/४३	६/५५	१/९	९	२३	१४	मि१२।१७	मैत्रे बुधः ३१।९ मार्गी शुक्रः ३५।२५
२	मं	२९	५८	आ	३६	५	शु	५/१०	५३/१६	तै	२	५३	४२	५२	८	१०	२४	१५	मिथुने	भ. ५७।१० उ.
३	बु	२४	२३	पु	३२	१४	ब्र	४९	४७	वि	२४	२३	४१	५२	८	११	२५	१६	क.१८।१२	भ.३/४या.विशाखायां२गुरुः पातस्पर्शः ५/९*
४	गु	१९	१४	पु	२८	५९	ऐं	४२	४३	बा	१९	१४	४०	५२	८	१२	२६	१७	कर्के	पातमोक्षः १५।३१ *चतुर्थी व्र.
५	शु	१४	४४	श्ले	२६	४	वै	३६	९	तै	१४	४४	३९	५२	८	१३	२७	१८	सिं२४।१६	
६	श	११	३	म	२४	१६	वि	३०	१७	व	११	३	३८	५२	८	१४	२८	१९	सिंहे	भ. ११।३ उ. ३९।४३ या.
७	र	८	२४	पू	२३	३७	प्री	२५	१८	ब	८	२४	३८	५२	८	१५	२९	२०	कं.३८।३६	धनुष्यर्कः ४८।१५
८	चं	६	४९	उ	२३	३४	आ	२१	१७	कौ	६	४९	३७	५३	७	१६	१	२१	कन्यायां	
९	मं	६	३०	ह	२४	५८	सौ	१८	१०	ग	६	३०	३७	५३	७	१७	२	२२	तु.५६।१८	भ. ३७।३ उ.
१०	बु	७	३६	चि	२७	३९	शो	१५	५८	वि	७	३६	३७	५३	७	१८	३	२३	तुलायां	भ. ७।३६ या.
११	गु	९	४३	स्वा	३१	४२	अ	१४	४८	बा	९	४३	३६	५३	७	१९	४	२४	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	शु	१३	१८	वि	३६	४१	सु	१४	४२	तै	१३	१८	३६	५३	७	२०	५	२५	वृ.२०।२१	ज्येष्ठायां बुधः १२।५२ प्रदोषः
१३	श	१७	४२	अ	४२	३७	धृ	१५	७	व	१७	४२	३६	५३	७	२१	६	२६	वृश्चिके	भ. १७।४२ उ. ५०।११
१४	र	२२	४१	ज्ये	४८	५८	शू	१६	७	श	२२	४१	३६	५३	७	२२	७	२७	ध.४८।५८	उत्तरायणा प्रवृत्तिः २२।३८
३०	चं	२७	५७	मू	५५	२१	गं	१७	२४	ना	२७	५७	३६	५३	७	२३	८	२८	धनुषि	सोमवत्यमा.

३६पं. पौ.कृ.६श.इ.३३।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	६	३	१	७
२८	४	.८	२३	२४	१५	१७	२८
४३	४८	४९	५९	४३	२२	५७	५६
२४	४	३४	३१	३०	३७	४४	१०
६१	४४	८८	१२	११/५	२/२२	३	६१
१९	२६	५३	२१	व	व	११	०

गोचरग्रहाः

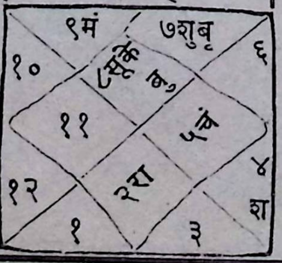

पौष कृ. ७ रवौ धनुष्यर्कः प्र. वा. २न. ३गताल्काव-स्था[बैठी]मु.१५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

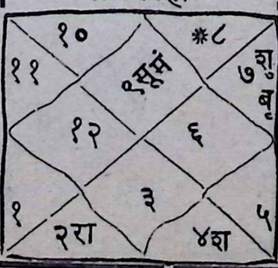

३७पं.पौ.कृ.१३श.इ.३३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	६	६	३	१	८
५	१०	१८	२५	२७	१५	१७	६
५२	५	४५	२१	१२	२	३५	३
५०	२४	१४	१४	१८	३५	२९	४०
६१	४४	६३	१२	२४	३/३	३	६१
२२	४७	३६	५	२६	व	११	५

*चंबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२८१स.१९४६
१	मं	३३	६	पू	६०	०	वृ	१८	२६	किं	०	३१	३५/३६	६/५३	५/७	२४	९	२९	धनुषि	
२	बु	३७	५०	पू	१	३३	ध्रु	१९	३१	बा	५	२८	३७	५३	७	२५	१०	३०	म.१८।३	चंद्रद. पूषायां भौमः ४५।५८
३	गु	४१	४१	उ	७	३२	व्या	१९	४२	तै	९	४५	३७	५३	७	२६	११	१	मकरे	वृश्चिके शुक्रः ४५।१२ सफर २
४	शु	४४	२९	श्र	११	५२	ह	१८	५०	व	१३	५	३७	५३	७	२७	१२	२	कुं.४३।४३	भ. १३।५ उ. ४४।२९ या.
५	श	४६	३	ध	१५	३४	व	१८	१	ब	१५	१६	३८	५२	८	२८	१३	३	कुम्भे	पूषायांरविः ४९/५३ विशाखायां३ गुरुः ३६।४
६	र	४६	२०	श	१७	१४	सि	१५	४७	कौ	१६	११	३८	५२	८	२९	१४	४	कुंभे	धनुषि बुधः २४।३२
७	चं	४५	१८	पू	१८	४४	व्य	१२	३१	ग	१५	४९	३९	५२	८	३०	१५	५	मी३।२२	भ. ४५।१८ उ. पूर्वास्तं बुधः ५७।१
८	मं	४३	०	उ	१९	४५	व	८	२१	वि	१४	९	४०	५२	८	३१	१६	६	मीने	भ. १४।९ या. *शुक्रः २९।२
९	बु	३९	४४	रे	१७	१९	प	३/९	५३/५०	बा	११	२२	४१	५२	८	१	१७	७	मे.१७।१९	**जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९४७ मैत्रे***
१०	गु	३५	३७	अ	१५	१५	सि	५०	३४	तै	७	४१	४२	५२	८	२	१८	८	मेषे	
११	शु	३०	४१	भ	१२	११	सा	४३	२६	व	३	९	४३	५१	९	३	१९	९	वृ.२६।१८	भ. ३।९ उ. ३०।४१ या. पुत्रदा ११ ब्र,
१२	श	२५	१६	कृ	८	३७	शु	३५	५१	बा	२५	१६	४४	५१	९	४	२०	१०	वृषे	प्रदोषः ×केतुः ५९/३७ माघ स्नानं प्रारम्भः
१३	र	१९	३५	रो	४	४५	शु	२८	३	तै	१९	३५	४५	५१	९	५	२१	११	मि३२।४१	
१४	चं	१३	४३	मृ	०/३७	५५/४८	ब्र	२०	१२	व	१३	४३	४७	५१	९	६	२२	१२	मिथुने	भ. १३।४३ उ. ४०।५० या.
१५	मं		७	५७	पु	५२	३४	ऐं	१२	३१	ब	७	५७	४८	५०	१०	७	२३	१३	क.३८।३२	पूषायां बुधः ३/२५ रोहिण्यां २ राहुः मैत्रे४×

३८पं.पौ.शु.५श.इ.३३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	६	७	३	१	८
१३	१५	२८	२६	१	१४	१७	१३
२	२५	३७	३९	२	३७	१३	११
४४	८	४४	२५	४६	३७	१४	३८
६१	४४	९५	११	३४	३/४४	३	६१
२६	५७	४७	२६	५३	व	११	६

गोचरग्रहाः

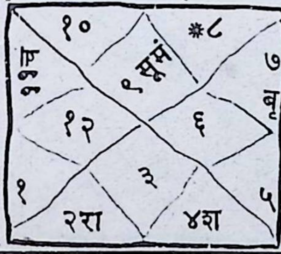

इस मास में प्रजा में सुख शाँति रहेगी वदी में खांड़ गुड़ अलसी सरसों एरंडा बिनौला घृत तेल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

३९पं.पौ.शु.१२श.इ.३२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	७	३	१	८
२०	२०	९	२७	५	१४	१६	२०
१२	४६	१६	५३	५८	९	५०	१९
४२	१६	१९	२	४८	२५	५८	४४
६१	४५	९७	११	४२	४/२	३	६१
२६	७	९	५२	५४	व	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२	२३	पु	४९	२	वै	४/४४	५२/५०	कौ	२	२३	२५/५०	६/५०	५/१०	८	२४	१४	कर्के	विकुम्भयोगक्षयः ५२।५०
२	बु	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×षट्तिला११ब्र. स्मा. वै.
३	गु	५२	५८	श्ले	४६	१५	प्री	५०	४७	व	२५	११	५२	५०	१०	९	२५	१५	सिं४६।१५	भ. २५।११ उ. ५२।५८ या.
४	शु	४९	२७	म	४४	१६	आ	४४	४२	ब	२१	१२	५४	४९	११	१०	२६	१६	सिंहे	उषायां रविः ५१।२० चतुर्थी ब्र.
५	श	४६	५३	पू	४२	४८	सौ	३९	२९	कौ	१८	१०	५६	४९	११	११	२७	१७	कं.५७।५०	
६	र	४५	२८	उ	४२	५६	शो	३५	१०	ग	१६	१०	५८	४८	१२	१२	२८	१८	कन्यायां	भ. ४५।१८ उ. उषायां भौमः १३।३९
७	चं	४४	२४	ह	४४	१	अ	३०	५७	वि	१४	५६	२६/००	४८	१२	१३	२९	१९	कन्यायां	भ. १४।५६ या.
८	मं	४६	२८	चि	४६	२९	सु	२९	१४	बा	१५	२६	३	४७	१३	१४	३०	२०	तु.१५।१५	मकरेऽर्कः ६।४७
९	बु	४८	५२	स्वा	५०	१९	धृ	२७	५०	तै	१७	४०	५	४७	१३	१५	१	२१	तुलायां	उषायां बुधः ४०/५ वक्री पुष्ये३ शनिः १६/५९
१०	गु	५२	२५	वि	५४	५७	शू	२७	१६	व	२०	३८	८	४६	१४	१६	२	२२	वृ.३८।४८	भ. ३०/३८ उ. ५२/२५ या. मकरे भौमः २८।३०
११	शु	५६	५७	अ	६०	०	गं	२७	२३	ब	२४	४१	१०	४६	१४	१७	३	२३	वृश्चिके	मकरेबुधः ३७/४५ ज्येष्ठायां शुक्रः ५/३४ वृश्चिके*
१२	श	६०	०	अ	०	४३	वृ	२८	२०	कौ	२९	३९	१२	४६	१४	१८	४	२४	वृश्चिके	*गुरुः ४४/४३ पातस्पर्शः २६/१५ पातमोक्षः ४६/१५×
१२	र		१	५८	ज्ये	७	३	ध्रु	२९	३२	तै	१	५८	१५	४५	१५	१९	५	२५	ध. ७।३	
१३	चं	७	१४	मू	१३	२४	व्या	३०	५२	व	७	१४	१७	४५	१५	२०	६	२६	धनुषि	भ.७।१४उ.३९।४७या.अभि.प्र.रविः ३८/४
१४	मं	१२	२०	पू	१९	५१	ह	३२	४८	श	१२	२०	२०	४४	१६	२१	७	२७	म.३६।२६	
३०	बु	१७	१	उ	२६	१२	व	३२	२१	ना	१७	१	२२	४४	१६	२२	८	२८	मकरे	मौनी ३० युगादिः

४०पं.मा.कृ.५श.इ.३२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	७	३	१	८
२७	२६	२०	२९	११	१३	१६	२७
२२	९	१४	३	४१	३८	२८	२७
३१	१४	२०	०	५३	१७	४३	४७
६१	४५	९९	१०	४९	४/१	३	६१
२४	१७	२	५	१	व	११	६

गोचरग्रहाः

माघ कृ.८ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.३कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

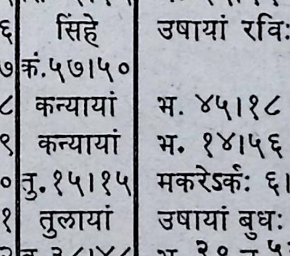

४१पं.मा.कृ.१२श.इ.३२।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	७	७	३	१	९
४	१	१	०	१८	१३	१६	४
३२	३४	३३	७	१	५	६	३५
०	१२	४०	३०	४४	५९	२१	३८
६१	४५	०/०	९	५३	३६/४	३	६१
११	२७	५९/०	२१	४३	व	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	गु	२०	५१	श्र	३०	२९	सि	३२	१६	ब	२०	५१	२६/२५	६/४३	५/१७	२३	९	२९	मकरे
२	शु	२३	३०	ध	३४	१९	व्य	३१	१७	कौ	२३	३०	२७	४३	१७	२४	१०	१	कुं.२।२४
३	श	२४	५८	श	३७	४	व	२९	२२	ग	२४	५८	३०	४२	१८	२५	११	२	कुम्भे
४	र	२५	८	पू	३७	५७	प	२६	२७	वि	२५	८	३३	४१	१९	२६	१२	३	मी२४।४४
५	चं	२४	०	उ	३८	३३	शि	२२	२४	बा	२४	०	३६	४१	१९	२७	१३	४	मीने
६	मं	२१	३९	रे	३७	२१	सि	१७	३	तै	२१	३९	३९	४०	२०	२८	१४	५	मे.३७।२१
७	बु	१८	१०	अ	३५	२२	सा	११	५४	व	१८	१०	४२	४०	२०	२९	१५	६	मेषे
८	गु	१४	४	भ	३२	२३	शु	५/५०	५१/४९	ब	१४	४	४५	३९	२१	३०	१६	७	वृ.४६।३२
९	शु	९	३	कृ	२८	५९	ब्र	५१	२४	कौ	९	३	४८	३८	२२	३१	१७	८	वृषे
१०	श	३	३७	रो	२५	१७	ऐं	४३	३७	ग	३	३७	५२	३८	२२	१	१८	९	मि५३।१५
११	श	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	र	५२	१	मृ	२१	१३	वै	३५	५२	ब	२४	५६	५५	३७	२३	२	१९	१०	मिथुने
१३	चं	४६	१७	आ	१७	१	वि	२७	५३	कौ	१९	९	५९	३६	२४	३	२०	११	क.५९।११
१४	मं	४०	४५	पु	१३	१४	प्री	२०	२४	ग	१३	३१	२७/२	३६	२४	४	२१	१२	कर्के
१५	बु	३५	३९	पु	९	३५	आ	१२	५७	वि	८	१२	५	३५	२५	५	२२	१३	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३११ स.१९४७

श्रवणेरविः ५४/४ चंद्रद.संभवः श्रवणेबुधः ४२/९
अभि. नि. रमिः ४६।२० रविलावल ३
भ. ५५।३ उ. तिल ४
भ. २५।८ या.
वसंत ५ *पातमोक्षः५९।४५ भीष्म८

भ.१८/१० उ.४६/७या. श्रवणे भौमः ५१/५९ रथ७
धनुषि शुक्रः ३६।२४ पातस्पर्शः४५।१३*
धनिष्ठायां बुधः २४।१२
भ.३०/४४ उ.५७/५१या. फरवरी मा.२ ता.२८+
क्षयः +जया ११ व्र. स्मा.
जया ११ व्र. वै. भीष्म १२
कुम्भे बुधः ५९।३९ प्रदोषः
भ. ४०।४५ उ.
भ.१ ६/२या.धनिष्ठायांरविः५६/५६माघस्ना.पूर्ति

४२पं.मा.शु.३ श.इ.३२।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	७	७	३	१	९
११	७	१३	१	२४	१२	१५	११
४०	०	१७	६	४९	३०	४४	४२
५२	४७	१७	७	५	४७	१२	५०
६१	४५	७०/०	८	५७	४/४०	३	६०
१३	४७	५८/१	२९	३२	ब	११	५९

गोचरग्रहाः

सप्तम्यादि त्रये माघ शुक्ल वार्दलयोगतः । धनधान्य समृद्धि स्याद्विवाहाद्युत्सवा जने ॥

गोचरग्रहाः

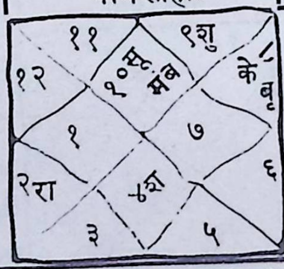

४३पं.मा.शु.१०श.इ.३३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	७	८	३	१	९
१८	१२	२५	१	१	११	१५	१८
४८	२८	२७	५८	५७	५६	२१	४९
५२	५	४७	४१	२५	२०	५७	२३
६१	४५	७०/७०	७	६०	४/४०	३	६०
४	५२	७०/२४	२०	२४	ब	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	गु	३१	२२	श्ले	६	३३	सौ	५/५९	५/४७	बा	३	३१	२७/८	६/३४	५/२६	६	२३	१४	सि६।३३
२	शु	२७	५२	म	४	१५	अ	५४	१७	ग	२७	५२	१२	३४	२६	७	२४	१५	सिंहे
३	श	२५	२३	पू	२	३९	सु	४९	४०	वि	२५	२३	१६	३३	२७	८	२५	१६	कं.४८।२३
४	र	२३	५९	उ	२	३७	धृ	४५	५९	बा	२३	५९	१९	३२	२८	९	२६	१७	कन्यायां
५	चं	२३	४९	ह	३	२५	शू	४३	१५	तै	२३	४९	२३	३१	२९	१०	२७	१८	तु.३४।३३
६	मं	२५	८	चि	५	४१	गं	४१	३३	व	२५	८	२६	३१	२९	११	२८	१९	तुलायां
७	बु	२७	३७	स्वा	९	३	वृ	४०	४३	ब	२७	३७	३०	३०	३०	१२	२९	२०	बृ.५७।४१
८	गु	३१	१५	वि	१३	५३	ध्रु	४०	४४	कौ	३१	१४	३४	२९	३१	१३	१	२१	बृश्चिके
९	शु	३५	४५	अ	१९	७	व्या	४१	३६	तै	३	३०	३८	२८	३२	१४	२	२२	बृश्चिके
१०	श	४०	४६	ज्ये	२५	१३	ह	४२	४५	व	८	१५	४२	२८	३२	१५	३	२३	ध.२५।१३
११	र	४६	३	मू	३१	४४	व	४४	१	ब	१३	२४	४६	२७	३३	१६	४	२४	धनुषि
१२	चं	५१	२	पू	३७	४२	सि	४५	२	कौ	१८	३२	५०	२६	३४	१७	५	२५	म.५४।१८
१३	मं	५५	३८	उ	४४	७	व्य	४५	५७	ग	२३	२०	५४	२५	३५	१८	६	२६	मकरे
१४	बु	५९	२२	श्र	४९	२६	व	४६	२५	वि	२७	३०	५८	२४	३६	१९	७	२७	मकरे
३०	गु	६०	०	ध	५३	२३	प	४५	३५	च	३०	३८	२६/२	२४	३६	२०	८	२८	कु.२१।२४
३०	शु	१	५५	श	५६	१७	शि	४३	५३	ना	१	५५	६	२३	३७	२१	९	२९	कुम्भे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ५६।३७ उ. शते बुधः ५३।१३
भ. २५।२३ या. चतुर्थी व्र.
पश्चिमोदयी बुधः ३८।२६

भ. २५।८ उ. ५६।२२ या.
कुम्भेऽर्कः ३/५ ३/२ पूषायांशुक्रः ३ ७/० पातस्पर्शः ३/४×
सीता ८ ×पातमोक्षः १६।२३

भ.१ ८/५उ.४/४ ०/६या.पूषायांबुधः४/५ ३/०धनिष्ठायां*
विजया११व्र. *भौमः २/३ ४/३मैत्रे १गुरुः ५/४ ४/४

भ. ५५।३८ उ. प्रदोषः
भ.२/३ ७/०या.शतेरविः१ ९/३ महाशिवरात्रीव्रतं

४४पं. फा.कृ. ३श.इ.३३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	७	८	३	१	९
२५	१७	७	२	९	११	१४	२५
५५	५७	५५	४३	२६	२२	५९	५५
३९	३६	४८	४८	१०	५२	४१	२३
६०	४६	७०/०	६	६२	४/२२	३	६०
५५	२	५०/४५	१९	४२	ब	११	४७

गोचरग्रहाः

फा. शु. ७ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं.३कुमारावस्था (त्रैठी) मु. ४५ (धान्याभाव मंदा) शुक्रोदयःपूव ।

गोचरग्रहाः

४५पं.फा.कृ.१०श.इ.३३।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	८	३	१	१०
३	२३	१९	३	१७	१०	१४	३
१	२६	४२	२१	१	५१	३७	०
४२	४९	४७	३६	२३	४	२६	१०
६०	४६	९९	५	६४	४/५	३	६०
४२	२	२२	८	३०	ब	११	३७

*केशुबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३४१ स.१९४७
१	श	३	१६	पू	५७	५७	सि	४१	२०	ब	३	१६	२८/५०	६/२२	५/३८	२२	१०	३०	मी४२।३२	चंद्रदर्शनम्
२	र	३	१८	उ	५८	३३	सा	३७	४८	कौ	३	१८	१४	२१	३९	२३	११	१	मीने	कुम्भेभौमः५४।५२रविलाखर४फुलरिया२
३	चं	२	३	रे	५७	३९	शु	३३	१५	ग	२	३	१८	२०	४०	२४	१२	२	मे.५७।३९	ग.३०।३८उ.५९।३३या. उषायां.१३।३५
४	चं	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
५	मं	५६	५	अ	५५	४९	शु	२७	५१	ब	२७	४९	२२	२०	४०	२५	१३	३	मेषे	पातस्पर्शः २६।५२ पातमोक्षः ३७।४२
६	बु	५१	३५	भ	५३	४	ब्र	२१	४४	कौ	२३	५५	२६	१९	४१	२६	१४	४	मेषे	वक्री बुधः ३०।४
७	गु	४६	३९	कृ	४९	५६	ऐं	१६	७	ग	१९	१२	३०	१८	४२	२७	१५	५	वृ.७।१७	भ. ४६।३९ उ. मकरे शुक्रः ५।१८
८	शु	४१	८	रो	४६	५	वै	७	५५	वि	१३	५३	३४	१७	४३	२८	१६	६	वृषे	भ.५/१ ३/३या. वक्रीपुष्ये२ शनिः५/२ ६/०होई.८हो.
९	श	३५	२०	मृ	४२	४	वि	२५	५२/४७	बा	८	१४	३८	१६	४४	१	१७	७	मि१४।४	मार्च मा.३ता.३१ पश्चिमास्तो बुधः ५/५ १/९
१०	र	२९	३८	आ	३७	५१	आ	४४	५४	तै	२	२९	४२	१६	४४	२	१८	८	मिथुने	भ. ५६।३८ उ.
११	चं	२३	३८	पु	३३	५६	सौ	३७	१८	वि	२३	३८	४६	१५	४५	३	१९	९	क.१९।५५	भ. २३।३८ या. आमलकी ११ ब्र.
१२	मं	१८	१०	पु	३०	१८	शो	२९	३१	बा	१८	१०	५०	१४	४६	४	२०	१०	कर्के	पूभायांरविः२४।१ शतेभौमः२६।६ प्रदोषः
१३	बु	१३	५	श्ले	२७	४	अ	२२	५४	तै	१३	५	५४	१३	४७	५	२१	११	सिं२७।४	
१४	गु	८	४४	म	२४	४३	सु	१६	२७	व	८	४४	५८	१२	४८	६	२२	१२	सिंहे	भ. ८।४४ उ. ३७।० या. होलिका दहनम्
१५	शु	५	१६	पू	२२	२५	धृ	११	१	ब	५	१६	२९/२	१२	४८	७	२३	१३	कं.३७।२४	श्रवणे शुक्रः ५१।३ छांरेड़ी

४६पं.फा.शु.१श.इ.३३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	८	३	१	१०
१०	२८	२८	३	२४	१०	१४	१०
६	५७	२	५१	५०	२१	१५	३
१३	२९	२८	१०	१०	५८	११	३८
६०	४६	४८	३	६५	६/४८	३	६०
३१	१२	३१	५८	५८	व	११	२५

गोचरग्रहाः

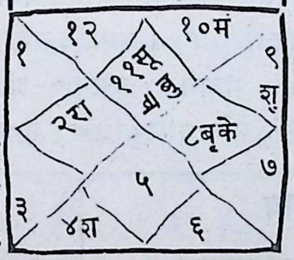

इस मासमें सरसों सन कुष्टा कपड़ा नीलजायफल दाख सोंठ गुड़ खांड घृतादि धान्य रुई चांदी तेज होगी।

गोचरग्रहाः

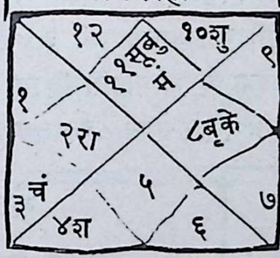

४७पं.फा.शु. ९श.इ.३३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	७	९	३	१	१०
१७	४	२९	४	२	९	१३	१७
९	२७	४४	१२	४६	५६	५२	५
३	४०	१३	२५	४४	२४	५५	५२
६०	४६	३८/४८	२	६७	१३/३	३	६०
२०	८	व	३७	१७	व	११	१२

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००३ शाकः १८६८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृ.तिमहाराष्ट्राः
१	श	२	४४	उ	२२	२१	शू	५	५६	कौ	२	४४	२९/६	६/१	५/४९	८	२४	१४	कन्यायां	बसंत १
२	र	१	२१	ह	२३	६	गं	३/१	५६/५८	ग	१	२१	१०	१०	५०	९	२५	१५	तु.५४।५	भ.३/१ १/५ पातस्पर्शः ३/३ ५/६ पातमोक्षः ४६।३४
३	चं	१	१०	चि	२४	४	ध्रु	५७	५	वि	१	१०	१४	९	५१	१०	२६	१६	तुलायां	भ. १।१० या. चतुर्थी ब्र.
४	मं	२	२६	स्वा	२८	१५	व्या	५६	८	बा	२	२६	१९	८	५२	११	२७	१७	तुलायां	रोहिण्यां१ राहुः अनु.३ केतुः ५५।२१
५	बु	४	५५	वि	३२	३४	ह	५४	५३	तै	४	५५	२३	७	५३	१२	२८	१८	बृ.१६।२९	
६	गु	८	३४	अ	३७	४८	व	५६	३२	व	८	३४	२८	६	५४	१३	२९	१९	वृश्चिके	भ.८।३४ उ.४/४ ०/८ या. वक्री शते बुधः १/१ १/२
७	शु	१३	२	ज्ये	४३	५७	सि	५७	३९	ब	१३	२	३२	६	५४	१४	३०	२०	ध.४३।५७	मीनेऽर्कः २४।१३ सीतलापूजनम्
८	श	१८	४	मू	५०	१८	व्य	५८	५५	कौ	१८	४	३६	५	५५	१५	१	२१	धनुषि	पूर्वोदयी बुधः ५७।४९
९	र	२३	११	पू	५६	४८	ब	६०	०	ग	२३	११	४१	४	५६	१६	२	२२	धनुषि	भ. ५५।४२ उ. वक्री भृगुः ५।३५
१०	चं	२८	१३	उ	६०	०	व	०	९	वि	२८	१३	४५	३	५७	१७	३	२३	म.१३।२०	भ. २८।१३ या. उभायां रविः ४४।५७
११	मं	३२	३८	उ	२	५६	प	१	३५	व	०	२५	४९	२	५८	१८	४	२४	मकरे	पापमोचनी ११ ब्र.
१२	बु	३६	१३	श्र	८	२१	शि	१	४७	कौ	४	२५	५३	१	५९	१९	५	२५	कु.४०।३०	धनिष्ठायां शुक्रः १९।२६
१३	गु	३८	३८	ध	१२	४०	सि	१	२९	ग	८	२५	५७	१	५९	२०	६	२६	कुम्भे	भ. ३८।३८ उ. प्रदोषः
१४	शु	३९	५२	श	१५	४९	सा	०/९	५७/५०	वि	९	१५	३०/१	६/००	६/००	२१	७	२७	कुम्भे	भ.९/१५या.मार्गीबुधः१/१ ५/८ पूभायांभौमः१/२ ९/०×
३०	श	३९	४६	पू	१७	२४	शु	५४	४५	च	९	४९	६	५/५९	१	२२	८	२८	मी २१०	अहर्गणः४३६९ च.३के. ×उदयी भौमः५/२ ६/७

४८पं. चै.कृ.१ श.इ.३४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	७	९	३	१	१०
२४	९	२४	४	१०	९	१३	२४
१०	५७	४९	२४	४९	३४	३०	६
२४	४७	४८	११	१६	५९	४०	३४
६०	४६	६५/१७	१	६८	२३/३	३	५९
५	१८	व	१२	२१	व	११	५८

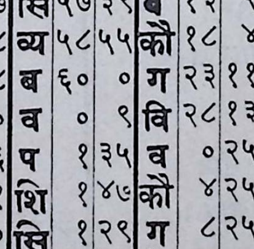

४९पं. चै.कृ.८श.इ.३४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	९	३	१	११
१	१५	१८	४	१८	९	१३	१
१०	२८	४४	२७	५६	१८	८	५
६	३७	६	१४	३८	४	२५	४६
५९	४६	३१/४५	०	६९	५१/२	३	५९
४९	१८	व	७	७	ब	११	४१

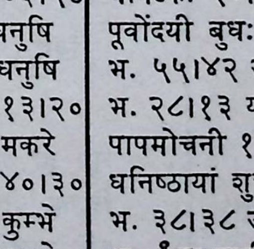

५०पं.चै.कृ.३०श.इ.३४।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	९	३	१	११
८	२०	१६	४	२७	९	१२	१८
८	५८	१७	२१	७	६	४६	३
०	१६	५६	११	५९	१८	९	२२
५९	४६	२६/७	२८/१	६९	१८/१	३	६०
३५	१३	मा	व	५७	व	११	१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४८ भोग्यकलिः ४२६९५२ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २००४ शाकः १८६९ अथास्मिन्वर्षेराजा रविः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशो भौमः। मेघेशः सूर्यः । रसेशो शुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेशः शनिः। धनेशो बुधः । दुर्गेशो रविः। एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १४ शर्वरीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेः गतमासादिः २।०।२५।१२ भोग्यमासादिः ९।२९।३४।४८ पितृ-दैवतं युगम्। वर्षनामः वैश।खः । मेघ४नामद्रोणः । समय निवासः कुम्भकार गृहे(अग्नौ)। रोहिणी निवासः पर्वते । समय विश्वा १२। समयवाहनमश्वः। स्तंभ १तृणस्य । सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी २। अंगारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ८ । उत्पति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् ९, तृणम् ५. शीतम् ५. तेज ५. वायु १३ वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ८३ सत्यम्।।. धर्मम् १।।. पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहणं नास्ति।

भैरव भवानी संवाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ६।२८

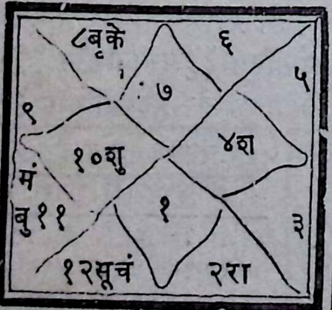

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार।
विक्रम संवत चार का मुख से कहदो सार।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला मैं समझाऊँ तोय।
विक्रम चौथा देख ले मध्यम संवत होय।।
रवि राजा इस वर्ष में आप भये परधान।
अन तृण की कमती रहै वर्षा मध्यम जान।।
भादों आश्विन मास में शनि मंगल का योग।
रुई में तेजी चले जग में बाढ़े रोग।।
रोहिणी पर्वत में बसी समय बसे घटकार।
कहीं क दक्षिण देश में मांचे हाहाकार।।
होनी हो सो होयसी अनहोनी नहिं होय।
ईश भजन बिन जगत में सुख नहिं पाया कोय।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ८।२२

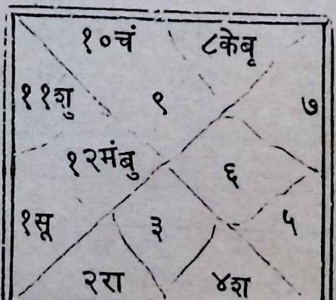

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।६।१६

(सं० २००१समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविस्तत्फलम्-सूर्येनृपे स्वल्पजलाश्च मेघाः स्वल्पंपयो गोषु जनेषु पीड़ा। स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निवाधानिधनं नृपाणां ।। मंत्री रविस्तत्फलम्-नृपभयंगदतोपि हि तस्करात्प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्-जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुतिपाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम्-भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्य-महर्घकम् । शालीक्षुघृत तैलादि महर्घाणि भवन्ति च ।। मेघेशो रविस्तत्फलम्-दिनपते यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनतारसं । यवचणेक्षु निवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभंभुवि वर्तते ।। रसेशो शुक्रस्तत्फलम्-यजन-याजनकोत्सवउत्सुकाः जनपदा जलतोषितमानसा. । सुखसुभिक्षसभोगवतीधरा धरणीपाहत पापगणाः प्रिया ।। नीरसेशो बुधस्तत्फलम्-चित्रवस्त्रादिकं चैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घवृद्धि प्रजायेत नीरसेशो बुधोयदि ।। फलेशः शनिस्तत्फलम्-यदि शनिः फलपः कलहो भवेजनितपुष्पगणास्तरवः सदा हिमभयं नर तस्करजं तदा जनपदा धनराशि समाकुला ।। धनेशो बुधस्तत्फलम्-द्रविणपो हिमरश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तुफलार्थदा । द्विजवरा जप यज्ञ सुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशो रविस्तत्फलम्-नयविशेष करस्तणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषुसंव्रजतां न भयं क्वचित् ।। अधिक श्रावणस्तत्फलं-द्वि. श्रावणेतिदुर्भिक्षं स्वल्पवृष्टिर्महद्भयं । पापबुद्धिरतालोकाः राजानः कूरशासनाः ।। वर्ष नाम वैशाखस्तत्फलम्-अर्घं विविध भावेनजायतेद्रविणःप्रदम् । नीरुजानिर्भयालोका वैशाखे जन पूजिता ।। शर्वरी नाम संवत्सरस्तत्फलम्-शार्वरीवत्सरेपूर्णाधराशस्यार्घवृष्टिभिः । जनाश्च सुखिनः सर्वे राजानः स्युर्विवैरिणः ।। मेघनाम द्रोण फलम्-द्रोणेवर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः पर्वते फलम्-पर्वते विंदुमात्रश्च । समय निवासो कुम्भकारगृहे फलम्-अनावृष्टिःप्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २००४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ९ भौमे मघा. ल. गो. ९ रे.७ ।।।।ऽरो.ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १२ शुक्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. ९ रे. ६ ऽसूऽ।ऽशुऽशु।।।।। पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ गुरौ मूले ल. गो. रे. ८ ।।।।चो.।ऽ।।

,, १२ शनौ रेव.ल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)९रे.८।।।।ऽअग्नि.ऽ।।

शुक्ला २ गुरौ मृगे ल. ९ रे. ९ ।।।।।।ऽ।। (७ मे. चं. पू.)

,, ७ चंद्रे मघा. ल.ऽन्यगो.(सोग्रांगः)९ रे.७ ।।।।अ.।।

, ९ बुधे उफा.ल.ऽन्यगो.(सोग्रांगः)९ रे.८।।।।ऽनृ.ऽ।।

,, १० गुरौ हस्ते ल. गो. (सोग्रांगः)९ रे. ८ ।।।।।।ऽ।।

,, १२ शनौ स्वात्यांल.ऽन्यगो.[सोग्रांगः]रे.९ऽसू.श.।।।।।।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णा २ गुरौ मूले ल. गो. (सोग्रांगः)रे. ८ ।ऽ।।ऽअ.।।।

,, ८ गुरौ उभा.ल.ऽन्यगो.(सोग्रांगः)रे.७ऽशु.ऽ।।ऽऽ।।

शुक्ला ४ रवौ मघा. ल. १ (गु.पू.सत्) रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

,, ५ चंद्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽरो.ऽऽ।।

,, १० शनौ स्वा. ल. गो. रे. ८ ऽश।।।।।ऽ।।

पौषः मासः

शुक्ला ५ शुक्रे उभा. ल. ८-९ रे. ८ ।।।।ऽअग्निऽ।।

,, ६ शनौ उभा. ल. ऽन्यगो.(सोग्रांगः)रे. ९ ।।।।।ऽ।।

,, ६ ,, रेव. ल. ८ (भौ. पू.) रे. ९ ।।।।।ऽ।।

,, ७ रवौ रेव. ल. ऽन्यगो. सोग्रांगः रे. ८ ।।।।ऽनृप.ऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उफा. ल. (सोग्रांगः) ८ (भौ. पू.) ९ रे. ६ ऽम.।।।शु.ऽचो.।ऽ।

,, ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. ८-९ (गो. सोग्रांगः) ।८ भौ.

,, ११ गुरौ मूले ल. ८ रे. ८ ।।।।ऽनृपऽऽ।। आवश्यके

शुक्ला ३ शुक्रे उभा. ल.८ [घ.४८ या.]रे.८ ।।ऽशु।।।।।ऽशुबु

,, ४ शनौ रेव. ल. ९ रे. ६ ।ऽ।।ऽअग्निऽऽ।।

,, ९ गुरौ मगे ल.९ रे.(चं. पू.)रे.८ ।।।।चौऽ।। आव.

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ बुधे उफा. ल. ८ रे. ७ ऽम.।।ऽशु।ऽनृ।।।। पाद-वेधाद्वेधाभावः

,, ८ बुधे मूले ल. ८ रे. ७ ।।ऽवृ।।ऽअग्नि।ऽ।।

,, ९ गुरौ भूले ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।ऽगु।।ऽ।ऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	र	३८	२६	उ	१८	२९	ब्र	५०	३२	किं	९	६	३०५	५५८	६२	२३	९	२९	मीने
२	चं	३५	५२	रे	१८	५५	ऐं	४५	३०	बा	७	९	१४	५७	३	२४	१०	३०	मे.१८।५५
३	मं	३२	१९	अ	१६	१९	वै	३९	४५	तै	४	६	१८	५६	४	२५	११	१	मेषे
४	बु	२७	५३	भ	१३	५५	वि	३३	१५	व	०	१	२२	५६	४	२६	१२	२	वृ.२८।६
५	गु	२२	४२	कृ	१०	३८	प्री	२६	१९	बा	२२	४२	२६	५५	५	२७	१३	३	वृषे
६	शु	१७	०	रो	७	५	आ	१८	३०	तै	१७	०	३०	५४	६	२८	१४	४	मि३५।३
७	श	११	१२	मृ	३१	५६४	सौ	११	११	व	११	१२	३४	५३	७	२९	१५	५	मिथुने
८	र	५	१६	पु	५४	५५	शो	३७	५२८	ब	५	१६	३८	५२	८	३०	१६	६	क.४०।५८
९	र	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५३	४७	पु	५१	१	सु	४८	१८	तै	२६	३५	४३	५१	९	३१	१७	७	कर्के
११	मं	४८	३९	श्ले	४७	५१	धृ	४१	१६	व	२१	१३	४७	५१	९	१	१८	८	सिं४७।५१
१२	बु	४४	१५	म	४४	३१	शू	३४	४७	ब	१६	२७	५१	५०	१०	२	१९	९	सिंहे
१३	गु	४०	४३	पू	४३	१६	गं	२८	५६	कौ	१२	२९	५६	४९	११	३	२०	१०	कं.५८।४
१४	शु	३८	७	उ	४२	२७	वृ	२३	५८	ग	९	२५	३५/००	४८	१२	४	२१	११	कन्यायां
१५	श	३६	४०	ह	४२	५३	ध्रु	२०	१५	वि	७	२४	४	४७	१३	५	२२	१२	कन्यायां

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३७०स.१९४७

नवरात्रारंभः घटस्था.कल्पादिःसंवत्सरः*
चंद्रदर्शनम् *प्र. ध्वजा रो.
कुम्भे शुक्रः ३२ जमादिलावल५ मन्वादिः×
भ. ०।१ उ. २७।५३ या.
कल्पादिः ×गणगौरी पू. मत्स्यजयंती
भ.११।१२ उ.३१/८४या. आर्द्रा.क्षयः५६।४
अतिगंडक्षयः५२/१८ शतेशुक्रः४१/७ रामनवमी+
=पूभायांबुधः९/८ कामदा११व्र. स्मा.वै.ल.
रेवत्यां रविः १२।२५ +भवान्युत्पत्तिः
भ. २१/१३ उ. ४८/३९ या. अप्रेल मा.४ ता.३०=
कामदा ११ व्र. नि. हरिदमनोत्सवः
मीने भौमः ६।१९ मार्गी शनिः १५।४०–
भ. ३८।८ उ. –प्रदोषः अनंग १३
भ.२७/४या.हनुमज्जयंती मन्वादिःवै.स्ना.प्रा.

५१पं.चै.शु.७श.इ.३५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	१०	३	१	११
१५	२६	१८	४	५	८	१२	१४
४	२७	३४	६	२२	५९	२३	५९
२	४	५०	७	३७	४६	५४	१८
५९	४६	३३	५२०	७०	०२९	३	५८
१८	१३	३१	व	३५	व	११	१६

गोचरग्रहाः

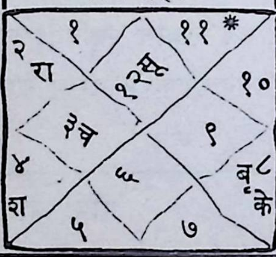

इस मास का फल साधारण है रूई चांदी सोना अलसी सरसों घृत खांड़ तेल एरंडी विनोला तेज।

गोचरग्रहाः

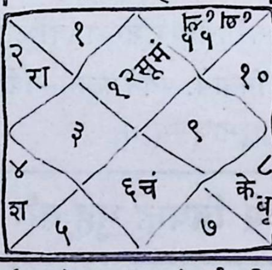

५२पं.चै.शु.१५श.इ.३५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	७	१०	३	१	११
२१	१	२४	३	१३	८	१२	२१
५८	५४	६	४२	३९	५८	१	५३
१५	५०	५४	७	५४	३०	३८	३१
५९	४६	५१	४५	७१	१०२	३	५९
४	८	३६	व	११	मा	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	र	३६	२६	चि	४४	२८	व्या	१७	३	बा	६	३३	३५/८	५/४६	६/१४	६	२३	१३	तु.१३।४०
२	चं	३७	३६	स्वा	४७	१८	ह	१४	३०	तै	७	१	१२	४६	१४	७	२४	१४	तुलायां
३	मं	३९	५८	वि	५१	७	व	१२	४०	व	८	४७	१६	४५	१५	८	२५	१५	वृ.३५।१०
४	बु	४३	३२	अ	५६	२२	सि	१३	१३	ब	११	४५	२०	४४	१६	९	२६	१६	वृश्चिके
५	गु	४७	५५	ज्ये	६०	०	व्य	१३	१६	कौ	१५	४४	२४	४३	१७	१०	२७	१७	बृश्चिके
६	शु	५२	४३	ज्ये	२	२१	व	१४	४४	ग	२०	१९	२८	४२	१८	११	२८	१८	ध.२।२५
७	श	५७	५३	मू	८	५२	प	१६	३	वि	२५	१८	३२	४२	१८	१२	२९	१९	धनुषि
८	र	६०	०	पू	१५	११	शि	१७	३०	बा	३०	१७	३६	४१	१९	१३	३०	२०	म.३१।५१
८	चं	२	४१	उ	२१	३२	सि	१८	४७	कौ	२	४१	४०	४०	२०	१४	१	२१	मकरे
९	मं	७	११	श्र	२६	३३	सा	१९	३९	ग	७	११	४४	३९	२१	१५	२	२२	कु.५८।५२
१०	बु	१०	२४	ध	३१	११	शु	१९	३४	वि	१०	२४	४८	३८	२२	१६	३	२३	कुम्भे
११	गु	१३	६	श	३४	४१	शु	१८	३०	बा	१३	६	५१	३८	२२	१७	४	२४	कुंभे
१२	शु	१४	९	पू	३६	५३	ब्र	१६	४५	तै	१४	९	५५	३७	२३	१८	५	२५	मी२१।२०
१३	श	१४	०	उ	३७	५३	ऐं	१३	५४	व	१४	०	५८	३६	२४	१९	६	२६	मीने
१४	र	१२	३२	रे	३७	३९	वै	१०	६	श	१२	३२	३२/२	३६	२४	२०	७	२७	मे.३७।३९
३०	चं	९	५४	अ	३६	१५	वि	५/१७	५४/२६	ना	९	५४	६	३५	२५	२१	८	२८	मेषे

वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

उभायां भौमः २६।२६
भ. ८।४७ उ. ३९।५८ या.
चतुर्थी व्र. ×विशाखायां४ गुरुः३१।४४
मीनेबुधः३८।१३ पूभायां शुक्रः ५७/७ वक्री×
भ. ५२।४३ या.
भ. २५।१८
मेषेऽर्कः ४६।५६ उभायां बुधः ३६।२
भ. ३८।४७ उ.
भ. १०।२४ या.
वरूथिनी११व्र.पातस्पर्शः३९/५१पातमोक्षः५१/३३
प्रदोषः
भ.१४।० उ.४३।१६या. मीने शुक्रः २०/५६
प्रीतियोग क्षयः ५४।२६ सोमवती ३०

१पं.वै.कृ.८र.इ.५१।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	७	१०	३	१	०
०	८	३	३	२३	९	११	०
४	२०	३७	१	२८	१	३५	०
२४	१७	१९	५५	१९	२६	२३	०
५८	४५	६७	२६५	७१	१	३	५८
४५	५८	२९	व	४१	७	११	४४

गोचरग्रहाः

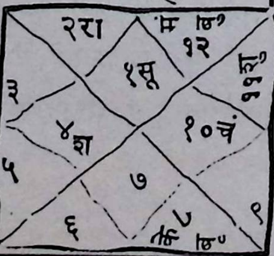

वैशाख कृ.८ रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४गतात्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

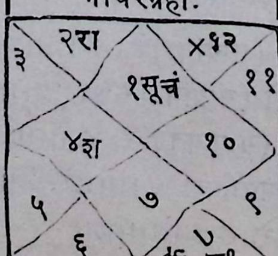

२पं.वै.कृ.१४र.इ.५१।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	७	११	३	१	०
६	१३	१३	.२	१	९	११	६
५४	४५	३५	२१	४९	११	१३	५०
३४	.४	१३	४०	१	४९	८	३८
५८	४५	८०	२३६	७२	१	३	५८
२९	५६	२९	व	२	४६	११	३१

*मंवुश

×मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	मं	६	१३	भ	३४	०	आ	५२	२७	बा	६	१३	३२/५०	५/३४	६/२६	२२	९	२९	बृ.४८।१५
२	बु	१	४४	कृ	३०	५९	सौ	४६	३६	कौ	१	४४	१४	३३	२७	२३	१०	१	वृषे
३	बु	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	गु	५०	४६	रो	२७	२५	शो	३९	२०	व	२३	३७	१८	३२	२८	२४	११	२	मि५५।२८
५	शु	४४	४९	मृ	२३	३१	अ	३१	५७	ब	१७	४८	२१	३२	२८	२५	१२	३	मिथुने
६	श	३८	४७	आ	१९	२६	सु	२४	७	कौ	११	४८	२५	३१	२९	२६	१३	४	मिथुने
७	र	३२	५४	पु	१५	२३	धृ	१६	३३	ग	५	५०	२९	३०	३०	२७	१४	५	क.१।२४
८	चं	२७	१५	पु	११	३१	शू	८	५०	ब	२७	१५	३३	२९	३१	२८	१५	६	कर्के
९	मं	२२	१	श्ले	८	१३	गं	१/५४	५३/२४	कौ	२२	१	३७	२९	३१	२९	१६	७	सिं८।१३
१०	बु	१७	३२	म	५	२२	ध्रु	४९	१३	ग	१७	३२	४०	२८	३२	३०	१७	८	सिंहे
११	गु	१३	५६	पू	३	१७	व्या	४४	१०	वि	१३	५६	४४	२७	३३	१	१८	९	कं.१८।३
१२	शु	११	१४	उ	२	२२	ह	३९	४७	बा	११	१४	४७	२७	३३	२	१९	१०	कन्यायां
१३	श	९	४०	ह	२	२०	व	३६	२४	तै	९	४०	५०	२६	३४	३	२०	११	तु.३३।५
१४	र	९	२०	चि	३	५१	सि	३४	२	व	९	२०	५४	२५	३५	४	२१	१२	तुलायां
१५	चं	१०	२१	स्वा	६	५	व्य	३२	४०	ब	१०	२१	५८	२४	३६	५	२२	१३	वृ.५४।६

वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽह्र्गणः४४०० सन्१९४७

चद्रद. उभायां शुक्रः ७।३१
रेवत्यां बुधः ९।२९ जमादिला.६ अ. ३*
क्षयः *प.ज. कल्पादिः त्रेतायुगादिः
भ. ३३/३७ उ. ५०/४६ या. रेवत्यां भौमः३६।३
भ ३२/५४ उ ५/६ या. भरण्यां रविः २८।२०=
बृद्धियोगक्षयः५३।२४ पातस्पर्शः५४।२१
भ.४५/४४ उ. मेषेऽश्विन्यांचबुधः५७/४२ पा.१६/१८
भ.१३/५६या. **मई मा.५ता.३१**मोहिनी११ब्र.
प्रदोषः =गंगा७ अगस्त्यास्त ३३।२५
रेवत्यां शुक्रः १७।२६ नृसिंहजयंती
भ.९।२० उ.३९।५०या. पूर्वास्तंबुधः१३/२८
जलकुँभदानं अन्नदान कूर्मजयं. वै.स्ना.पू.

३पं. वै.शु.७ र.इ.५२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	७	११	३	१	०
१३	१९	२५	१	१०	९	१०	१३
४२	९	७	३५	११	२७	५०	३९
५८	१८	१	४२	३५	२२	५३	४०
५८	४५	९४	७/१२	७२	२	३	५८
५२	४३	४०	ब	२६	२६	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच रवि तथा पांच सोमवार सामान्य है, मंगलवार को चंद्रदर्शन प्रजा में पीड़ा धान्य रुई तेज

गोचरग्रहाः

४पं.वै.शु.१४ र.इ.५२।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	७	११	३	१	०
२०	२४	८	०	१८	९	१०	२०
२९	३०	६	४५	३४	४७	२८	२७
३६	४७	५०	२२	५५	४२	३८	२२
५७	४५	२/८	७/४९	७२	३	३	५८
५७	४१	८/५३	ब	४५	११	११	६

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	१२	३६	वि	१०	६	व	३२	१९	कौ	१२	३६	३३/१	५/२४	६/३६	६	२३	१४	बृश्चिके
२	बु	१६	१२	अ	१४	५८	प	३२	४२	ग	१६	१२	४	२३	३७	७	२४	१५	बृश्चिके
३	गु	२०	२९	ज्ये	२०	४०	शि	३३	४८	वि	२०	२९	७	२३	३७	८	२५	१६	ध.२०।४०
४	शु	२५	१४	मू	२७	०	सि	३५	१२	बा	२५	१४	१०	२२	३८	९	२६	१७	धनुषि
५	श	३०	१३	पू	३३	३१	सा	३६	४६	तै	३०	१३	१३	२२	३८	१०	२७	१८	म.५०।६
६	र	३५	०	उ	३९	५३	शु	३८	६	ग	२	३७	१६	२१	३९	११	२८	१९	मकरे
७	चं	३९	२२	श्र	४५	२७	शु	३९	१	वि	७	११	१९	२०	४०	१२	२९	२०	मकरे
८	मं	४२	४७	ध	५०	१७	ब्र	३९	२०	बा	११	६	२२	२०	४०	१३	३०	२१	कुं.१७।५२
९	बु	४५	३	श	५४	४	ऐं	३८	४६	तै	१३	५५	२५	१९	४१	१४	३१	२२	कुम्भे
१०	गु	४६	२६	पू	५६	३३	वै	३७	१	व	१५	४५	२८	१८	४२	१५	१	२३	मी४०।५६
११	शु	४५	५४	उ	५७	४८	वि	३४	४४	ब	१६	१०	३१	१८	४२	१६	२	२४	मीने
१२	श	४४	२३	रे	५७	५६	प्री	३१	१	कौ	१५	८	३४	१७	४३	१७	३	२५	मे.५७।५६
१३	र	४१	४७	अ	५६	४७	आ	२६	२८	ग	१३	५	३६	१७	४३	१८	४	२६	मेषे
१४	चं	३८	९	भ	५४	४१	सौ	२१	१०	वि	९	५८	३९	१६	४४	१९	५	२७	मेषे
३०	मं	३२	५९	कृ	५१	५४	शो	१५	८	च	५	३४	४१	१६	४४	२०	६	२८	बृ.८।५९

ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ४८।२० उ. *चतुर्थी ब्र.
भ.३/२९या.भरण्यांबुधः३४/२२पुष्ये३शनिः४४/३*
वक्री विशाखायां३ तुलायां च गुरुः५५।५
भ. ३५।० उ. कृत्तिकायां रविः १६।१५
भ.७।११या.मेषेऽश्विन्यां च भौमः५।५२
कृत्तिकायां बुधः५७।१ कृ.४ राहुः मैत्रे२+
बृषेऽर्कः४४।२ मेषेऽश्विन्यांच शुक्रः२०।२७
भ.१५।४५ उ.४६।२६या. बृषे बुधः१६।४
अपरा ११ ब्र स्मा. वै.
अपरा ११ ब्र. +केतुः५३/२५ पा. १६/२४
भ. ४१।४७ उ. प्रदोषः
भ. ९।५८ या. रोहिण्यां बुधः ५७।३६
वटपूजनं भावुका ३०

५पं. ज्ये.कृ.६र.इ.५२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	११	३	१	०
२७	२९	२२	२९	२६	१०	१०	२७
१४	४९	२१	५२	५९	१२	६	१३
५०	४८	१८	२९	५६	२५	२२	३०
५७	४५	८/२८	७/५२	७२	३	३	५७
४५	२८	८/३४	ब	५९	४४	११	५४

गोचरग्रहाः

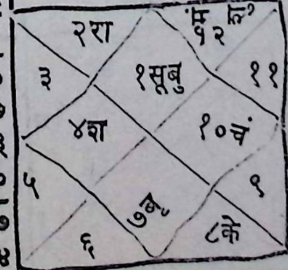

ज्येष्ठ कृ. ९ बुधे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

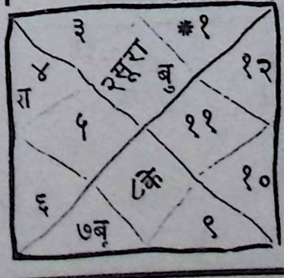

६पं.ज्ये.कृ.१३र.इ.५२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	६	०	३	१	१
३	५	७	२८	५	१०	९	३
५८	७	४१	५९	२४	४१	४४	५८
२७	५	२४	५३	५४	३५	७	२६
५७	४५	७/२८	७/५२	७३	४	३	५७
३४	१८	८/५३	ब	१४	२३	११	४४

*चंमंशु

*मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	.अ	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४४२६ स. १९४७
१	बु	२८	१०	रो	४८	२५	अ	८	३२	किं	०	३४	३३/४४	५/१५	६/४५	२१	७	२९	बृषे	चंद्रद.
२	गु	२२	२०	मृ	४४	३७	सु	२ १/३	५२/३८	कौ	२२	२०	४६	१५	४५	२२	८	१	मि१६।३१	रज्जव ७
३	शु	१६	२५	आ	४०	२७	शू	४६	२३	ग	१६	२५	४८	१४	४६	२३	९	२	मिथुने	भ. ४३।२२ उ.
४	श	१०	२०	पु	३६	२३	गं	३८	५१	वि	१०	२०	५०	१४	४६	२४	१०	३	क.२२।२४	भ. १०।२२ उ.
५	र	४	२०	पु	३२	२९	वृ	३१	२०	बा	४	२०	५२	१४	४६	२५	११	४	कर्के	रोहिण्यांरविः १९/५१ भरण्यांशुक्रः ३६/५१ पात. ४८/५४
६	र	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *बुधः५७।२० पातमोक्षः५।६
७	चं	५३	२१	श्ले	२८	५८	ध्रु	२४	१३	ग	२५	५१	५४	१३	४७	२६	१२	५	सिं२८।५८	भ.५३।२१उ. मृगे बुधः ३४/३९ पश्चिमोदयी*
८	मं	४८	४५	म	२५	५१	व्या	१७	३२	वि	२१	३	५६	१३	४७	२७	१३	६	सिंहे	भ. २१।३ या. ×प्रदोषः
९	बु	४५	०	पू	२३	४६	ह	११	२४	बा	१६	५२	५८	१२	४८	२८	१४	७	कं.३८।४२	
१०	गु	४२	१२	उ	२३	२९	व	६	१३	तै	१३	३६	३४/००	१२	४८	२९	१५	८	कन्यायां	मिथुनेबुधः २ ४/३ भरण्यांभौमः ५२/८ गंगा१०
११	शु	४०	३६	ह	२४	२४	सि	३ १/८	५६/४५	व	११	२४	२	१२	४८	३०	१६	९	तु.५४।४३	भ. ११।२४ उ. ४०/३६ या. निर्जला ११ व्र.
१२	श	४०	१८	चि	२५	२	व	५५	३२	ब	१०	२७	४	११	४९	३१	१७	१०	तुलायां	
१३	र	४१	४	स्वा	२६	३८	प	५४	०	कौ	१०	४१	६	११	४९	१	१८	११	तुलायां	**जून मा. ६ ता. ३०** वटसावित्री व्रतारंभः×
१४	चं	४३	११	वि	२९	४	शि	५३	२५	ग	१२	७	८	१०	५०	२	१९	१२	वृ.१३।२८	भ. ४३।११ उ. आर्द्रायां बुधः २६।७
१५	मं	४६	३०	अ	३३	५५	सि	५३	४७	वि	१४	५१	९	१०	५०	३	२०	१३	वृश्चिके	भ. १४।५१ या. वटसावित्री पूजा

७पं.ज्ये.शु.५र.इ.५२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	६	०	३	१	१
१०	१०	२२	२८	१३	११	९	१०
४०	२२	३७	७	५१	१५	२१	४२
३८	४४	२६	४१	३६	२५	५१	१८
५७	४५	६८/८	७/३८	७३	४	३	५७
२३	३	९	व	२६	५०	११	३५

गोचरग्रहाः

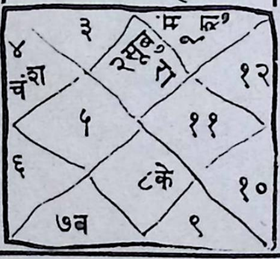

नोत्पातपरित्यक्तो
न चंद्रजोव्रजत्युदयं
जलदहनपवनभयकृ-
द्धान्यार्घक्षय विवृ-
द्ध्यै वा।

गोचरग्रहाः

८पं. ज्ये.शु.१३र.इ.५२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	०	३	१	१
१७	१५	५	२७	२२	११	८	१७
२१	३५	४९	१८	१८	५२	५९	२५
४४	६	१	२२	३६	८	३६	५
५७	४४	९१	५ ६/९	७३	५	३	५७
१३	५२	४२	व	४१	१७	११	२७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्ष सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५०	४७	ज्ये	३९	२१	सा	५४	४४	बा	१८	३८	३४/५५	५/५०	६/५०	४	२१	१४	ध.३९।२१	
२	गु	५५	३५	मू	४५	३६	शु	५६	१०	तै	२३	११	१२	१०	५०	५	२२	१५	धनुषि	कृत्तिकायां शुक्रः ३१।४३
३	शु	६०	०	पू	५१	५८	शु	५७	३९	व	२७	५७	१३	९	५१	६	२३	१६	धनुषि	भ. २७।५७ उ. *चतुर्थी व्र.
३	श	०	२०	उ	५८	२६	ब्र	५९	१०	वि	०	२०	१५	९	५१	७	२४	१७	म.८।३५	भ.०।२०या. वक्री विशाखायां२ गुरुः ४९/३*
४	र	५	८	श्र	६०	०	ऐं	६०	०	बा	५	८	१६	९	५१	८	२५	१८	मकरे	मृगे रविः३९।० वक्री शुक्रः १४/१५ पातस्पर्शः×
५	चं	९	२२	श्र	४	१४	ऐं	०	१४	तै	९	२२	१७	९	५१	९	२६	१९	कु.३६।४०	
६	मं	१२	४५	ध	९	६	वै	०	४२	व	१२	४५	१८	८	५२	१०	२७	२०	कुम्भे	भ. १२।४५ उ. ४३।५३ या.
७	बु	१५	२	श	१३	११	वि	२५/०	५८/३३	ब	१५	२	१९	८	५२	११	२८	२१	कुंभे	पुनर्वसौ बुधः ४६।३३
८	गु	१६	४	पू	१६	३	आ	५६	२६	कौ	१६	४	२०	८	५२	१२	२९	२२	मी०।२०	
९	शु	१५	५३	उ	१७	३१	सौ	५३	२६	ग	१५	५३	२१	८	५२	१३	३०	२३	मीने	भ.४५।८उ. ×९।३१ पातमोक्षः३२।७
१०	श	१४	२३	रे	१८	०	शो	४९	२८	वि	१४	२३	२१	८	५२	१४	३१	२४	मे.१८।०	भ. १४।२३ या.
११	र	११	४२	अ	१७	६	अ	४४	०	बा	११	४२	२२	८	५२	१५	३२	२५	मेषे	मिथुनेऽर्कः ९।४८ योगिनी ११ व्र.
१२	चं	८	१	भ	१५	१५	सु	३७	५९	तै	८	०	२२	८	५२	१६	१	२६	वृ.२९।३३	रोहिण्यां शुक्रः २७/५७ कृत्तिकायां भौमः ५५/३७+
१३	मं	३	२७	कृ	१२	२७	धृ	३१	२८	व	३	२७	२३	७	५३	१७	२	२७	बृषे	भ. ३।२७ उ. ३०।४७ या.
१४	मं	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	बु	५२	२२	रो	९	९	शू	२४	२७	च	२५	१५	२३	७	५३	१८	३	२८	मि३७।३०	अमावस्या +पुष्ये४ शनिः ३४/२७ प्रदोषः

९पं. आ.कृ.४र.इ.५२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	१	३	१	१
२४	२०	१६	२६	०	१२	८	२४
१	४४	५०	३३	४७	३२	३७	७
३९	२४	१७	२५	२४	३१	२०	८
५७	४४	६५	१६/२	७३	५	३	५७
५	२७	३०	व	५०	४३	११	२२

गोचरग्रहाः

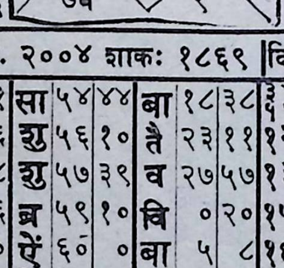

आ. कृ. ११ रवौ
मिथुनेऽर्कः प्र.वा.
५न.५ कुमाराव-
स्था (बैठी) मु.३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

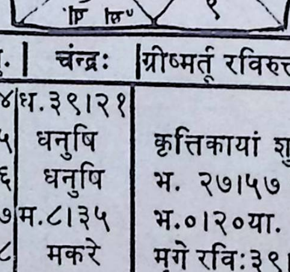

१०पं. आ.कृ.११र.इ.५२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	६	१	३	१	२
०	२५	२५	२५	९	१३	८	०
४०	५३	२६	५४	१६	१५	१५	४८
४७	१०	५३	२९	३४	४७	५	२५
५६	४४	४१	१५/३	७३	६	३	५७
५७	२२	४५	व	५३	४	११	१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४५८ स.१९४७
१	गु	४६	२०	मृ	५	४१	गं	१७	१३	किं	१९	२१	३४/२३	५/७	६३/५३	१९	४	२९	मिथुने	कर्के बुधः ०।२१ *पातमोक्षः ४३।३३
२	शु	४०	१३	आ	५/२२	५६/३४	वृ	९	३३	बा	१३	१६	२३	७	५३	२०	५	३०	क.४३।४८	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	३४	९	पु	५३	२७	ध्रु	२/२८	५२/००	तै	७	११	२४	७	५३	२१	६	१	कर्के	बृषे भौमः ३७/२४ सावान ८ पातस्पर्शः ३१/३०*
४	र	२८	१८	श्ले	५०	१२	ह	४७	२५	व	१	१३	२४	७	५३	२२	७	२	सिं५०।१२	भ.१।१३ उ.३६/२८ या. आर्द्रायां रविः ५१/२०×
५	चं	२२	५६	म	४६	३३	व	४०	३६	बा	२२	५६	२४	७	५३	२३	८	३	सिंहे	
६	मं	१८	१६	पू	४४	२३	सि	३४	२५	तै	१८	१६	२४	७	५३	२४	९	४	कं.५९।३	
७	बु	१४	२५	उ	४३	३	व्य	२९	१७	व	१४	२५	२४	७	५३	२५	१०	५	कन्यायां	भ. १४।२५ उ. ४२।५९ या.
८	गु	११	३४	ह	४२	१२	व	२४	१४	ब	११	३४	२३	७	५३	२६	११	६	कन्यायां	
९	शु	९	४६	चि	४२	५५	प	२०	४३	कौ	९	४६	२३	७	५३	२७	१२	७	तु.१२।३३	मृगे शुक्रः २८।८ भडली ९
१०	श	९	१५	स्वा	४४	५६	शि	१७	५७	ग	९	१५	२२	८	५२	२८	१३	८	तुलायां	भ. ३९।४१ उ. पुष्ये बुधः ४४।२९
११	र	१०	८	वि	४८	१२	सि	१६	१०	वि	१०	८	२२	८	५२	२९	१४	९	वृ.३२।२३	भ.१०/८ या. वक्री बुधः ४६/७ देवशयनी ११ब्र.
१२	चं	१२	१	अ	५२	३५	सा	१५	२८	बा	१२	१	२१	८	५२	३०	१५	१०	वृश्चिके	या. प्रदोषः ×दक्षिणायन प्रवृत्तिः १५/५४
१३	मं	१५	२२	ज्ये	५८	२	शु	१५	३७	तै	१५	२२	२०	८	५२	१	१६	११	ध.५८।२	**जुलाई मा. ७ ता. ३१**
१४	बु	१९	२८	मू	६०	०	शु	१६	३०	व	१९	२८	१९	८	५२	२	१७	१२	धनुषि	भ.१९/२८ उ.५१/४८ या. मिथुने शुक्रः ५१।५३
१५	गु	२४	९	मू	४	३	ब्र	१७	५३	ब	२४	९	१८	८	५२	३	१८	१३	धनुषि	व्यास पूजा

११पं.आ.शु.४सू.इ.५२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	६	१	३	१	२
७	०	१	२५	१७	१४	७	७
१९	५५	१२	२२	४६	१	५२	२९
१५	२३	७	३०	५५	३७	५०	१३
५६	४४	१८	४/५	७४	६	३	५।७
५४	८	३८	ब	२	२५	११	१३

गोचरग्रहाः

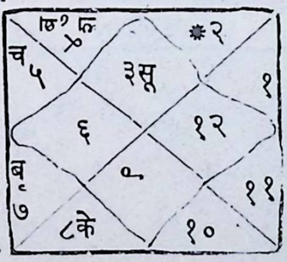

इस मास में वर्षा कम होगी धूप अधिक पड़ेगी वदी पक्ष में समुद्रवर्ती देशों में वर्षा होगी

गोचरग्रहाः

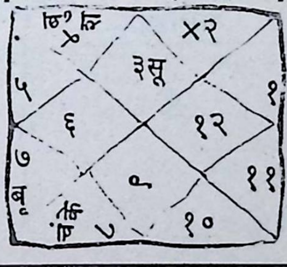

१२पं.आ.शु.११सू.इ.५२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	६	१	३	१	२
१३	५	३	२४	२६	१४	७	१४
५७	१७	३७	५८	१८	४९	३०	९
१८	४	२३	५	३२	४१	३४	४३
५६	४३	३/१७	३/५२	७४	६	३	५७
५०	३४	ब्र	ब	८	३८	११	७

ति.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	२८	५२	पू	१०	२१	ऐं	१९	२८	कौ	२८	५२	३४/१७	५/९	६/५१	४	१९	१४	म.२६।५८	वक्री पुनर्वसौ बुधः ५९।२१ सब्बरात
२	श	२२	४३	उ	१६	४२	वै	२०	१९	तै	१	१७	१६	९	५१	५	२०	१५	मकरे	रोहिण्यां भौमः ३६।५५
३	र	३८	१४	श्र	२२	३९	वि	२२	१४	व	५	५२	१४	९	५१	६	२१	१६	कु.५५।१७	भ.५।५२ उ.३८।१या. पुनर्वसौ रविः १५/२१+
४	चं	४१	२६	ध	२७	५६	प्री	२२	४७	ब	९	४४	१३	९	५१	७	२२	१७	कुम्भे	चतुर्थी ब्र. +पश्चिमास्तो बुधः ६।१४
५	मं	४३	३६	श	३२	३१	आ	२२	४०	कौ	१२	३१	१२	१०	५०	८	२३	१८	कुम्भे	आर्द्रायां शुक्रः २०।५३ नाग ५
६	बु	४४	५६	पू	३५	२२	सौ	२१	२६	ग	१४	१५	११	१०	५०	९	२४	१९	मी१९।३९	भ. ४४।५४ उ.
७	गु	४४	४६	उ	३७	१२	शो	१९	२६	वि	१४	५०	९	१०	५०	१०	२५	२०	मीने	भ. १४।५० या.
८	शु	४३	१८	रे	३७	५०	अ	१६	१४	बा	१४	२	८	१०	५०	११	२६	२१	मे.३७।५०	
९	श	४०	४०	अ	३७	३४	सु	१२	७	तै	११	५९	६	११	४९	१२	२७	२२	मेषे	वक्री मिथुने बुधः ०।४८
१०	र	३७	०	भ	३६	७	धृ	७	६	व	८	५०	४	११	४९	१३	२८	२३	बृ.५०।१९	भ. ८।५० उ. ३७।० या.
११	चं	३२	२८	कृ	३२	५४	शू	१/५७	५३/२८	ब	४	४४	२	१२	४८	१४	२९	२४	बृषे	मार्गी गुरुः २४।१३ कामिका ११ ब्र.
१२	मं	२७	१०	रो	२९	४९	वृ	४७	५३	तै	२७	१३	३४/००	१२	४८	१५	३०	२५	मि५७।५६	सार्पे१शनिः३।२१कृतिकायां३राहुः मैत्रे१×
१३	बु	२१	३३	मृ	२६	३	ध्रु	४०	२८	व	२१	३३	३३/५८	१२	४८	१६	३१	२६	मिथुने	भ. २१।३३ उ. ६३/३३ या. कर्केऽर्कः ४८।५
१४	गु	१५	३३	आ	२१	३२	व्या	३२	५७	श	१५	३३	५६	१३	४७	१७	१	२७	मिथुने	
३०	शु	९	२३	पु	१७	५६	ह	२	२२	ना	९	२३	५४	१३	४७	१८	२	२८	क ३।५०	हरियाली ३० ×केतुः ४६/४५ प्रदोषः

१३पं. प्र.श्रा.कृ.३ सू.इ.५२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	६	२	३	१	२
२०	१०	२	२४	४	५५	७	२०
३५	५४	३३	४२	५०	३९	८	५०
१४	२९	११	१२	४२	३९	१९	७
५६	४३	२४/४९	१/३२	७४	६	३	५७
५०	१४	ब	ब	१४	५३	११	७

गोचरग्रहाः

प्र.श्रावण कृ.१३ बुधे कर्केऽर्कः प्र. वा.४ न.६ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. पूर्व.।

गोचरग्रहाः

१४पं. प्र.श्रा.कृ.१० सू.इ.५२/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	२	३	१	२
२७	१५	२८	२४	१३	१६	६	२७
१३	४९	४६	३५	२४	३१	४६	३०
२०	३०	३४	१७	११	४१	४	२९
५६	४२	३/२९	०/५	४७	७	३	५७
५५	५६	ब	ब	२०	२	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	३	१७	पु	१	४७	व	१७	५१	ब	३	१७	३३/५२	५/१४	६/४६	१९	३	२९	कर्के
२	श	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	र	५१	५८	श्ले	९	५८	सि	१०	३३	तै	२४	४१	५०	१४	४६	२०	४	१	सिं९।५८
४	चं	४७	१४	म	६	५२	व्य	३/४०	५३/३८	व	१९	३६	४८	१४	४६	२१	५	२	सिंहे
५	मं	४३	१८	पू	४	१७	प	५१	३९	ब	१५	१६	४५	१५	४५	२२	६	३	कं.१८।५०
६	बु	४०	२१	उ	२	३०	शि	४१	५४	कौ	११	५०	४३	१५	४५	२३	७	४	कन्यायां
७	गु	३८	३०	ह	१	५३	सि	४३	१	ग	९	२५	४०	१६	४४	२४	८	५	तु.३२।८
८	शु	३७	५६	चि	२	२३	सा	४०	३	वि	८	१३	३८	१६	४४	२५	९	६	तुलायां
९	श	३८	४१	स्वा	२	५८	शु	३८	८	बा	८	१८	३५	१७	४३	२६	१०	७	वृ.५१।९
१०	र	४०	४६	वि	६	५२	शु	३७	१३	तै	९	४३	३२	१८	४२	२७	११	८	वृश्चिके
११	चं	४३	४४	अ	११	२	ब्र	३७	१०	ब	१२	१५	३०	१८	४२	२८	१२	९	वृश्चिके
१२	मं	४७	४६	ज्ये	१६	५	ऐं	३७	५९	ब	१५	४५	२७	१९	४१	२९	१३	१०	ध.१६।५
१३	बु	५२	२३	मू	२२	५	वै	२९	१०	कौ	२०	५	२४	१९	४१	३०	१४	११	धनुषि
१४	गु	५७	२९	पू	२८	२६	वि	४०	५१	ग	२४	५६	२१	२०	४०	३१	१५	१२	म.४५।२
१५	शु	६०	०	उ	३४	५१	प्री	४२	३१	वि	२९	४६	१८	२०	४०	१	१६	१३	मकरे
१५	श	२	४	श्र	४०	५४	आ	४३	४३	ब	२	४	१५	२१	३९	२	१७	१४	मकरे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४८८ स. १९४७

चंद्र. पुनर्वसौ शुक्रः ५६/३९ अस्तंशनि.५।१४

पुष्ये रविः १८।४६ रमजान ९ रोजा
भ. १९।३६ उ. ४७।१४

भ. ३/३०उ. मृगेभौमः ४६/२६ पूर्वोदयी बुधः ५२/३९
भ. ८।१३ या.

कर्के शुक्रः २३।३३
भ. १२/५५ उ. ४३/४४ या. कमला ११ व्र.
मार्गी बुधः २९।१६
पुष्ये शुक्रः ५।४६ प्रदोषः
भ. ५७।२९ उ.
भ.२९।४६या. अगस्त मा. ८ ता. ३१

१५पं. प्र.श्रा.शु.३ सू.इ.५२/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	२	३	१	३
३	२०	२४	२४	२१	१७	६	४
५१	४१	४७	३७	५८	२४	२३	११
४८	२	४६	१६	३७	४	४८	१३
५६	४२	४०/१	३/१	७४	७	३	५७
५७	४०	व	मा	२६	१४	११	१५

गोचरग्रहाः

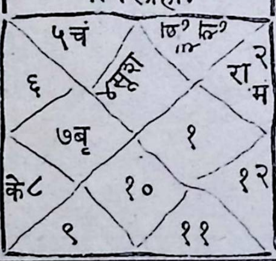

इस मास का फल साधारण है वर्षा अच्छी होगी कहीं २ वर्षा की कमी रहेगी जिससे प्रजा को कष्ट होगा।

गोचरग्रहाः

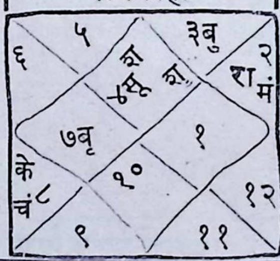

१६पं. प्र.श्रा.शु.१० सू.इ.५२/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	३	३	१	३
१०	२५	२४	२४	०	१८	६	१०
३१	२८	४	४७	३४	१७	१	५२
६	५९	५९	५३	१२	३८	३३	१६
५७	४२	१२/७	२	७४	७	३	५७
५	८	व	२०	२६	२०	११	२०

ति.	द्वि.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	र	६	२३	ध	४६	२५	सौ	४४	२७	कौ	६	२३	३३/१२	५/२२	६/३८	३	१८	१५	कु.१३।३९
२	चं	९	५५	श	५१	५६	शो	४४	३८	ग	९	५५	९	२२	३८	४	१९	१६	कुम्भे
३	मं	१२	४९	पू	५४	१३	अ	४३	३०	वि	१२	४९	६	२३	३७	५	२०	१७	मी३८।३९
४	बु	१३	३४	उ	५६	२०	सु	४१	३३	बा	१३	३४	३	२३	३७	६	२१	१८	मीने
५	गु	१३	३५	रे	५७	१८	धृ	३८	३५	तै	१३	३५	३३/००	२४	३६	७	२२	१९	मे.५७।१८
६	शु	१२	१२	अ	५६	५२	शू	३४	३३	व	१२	१२	३२/५७	२५	३५	८	२३	२०	मेषे
७	श	९	४०	भ	५५	२४	गं	२९	३८	ब	९	४०	५४	२५	३५	९	२४	२१	मेषे
८	र	६	६	कृ	५३	०	वृ	२३	५५	कौ	१	६	५०	२६	३४	१०	२५	२२	वृ.९।४८
९	चं	१	३९	रो	५०	१०	ध्रु	१७	२९	ग	१	३९	४७	२७	३३	११	२६	२३	वृषे
१०	चं	५४	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	मं	५०	४९	मृ	४६	१७	व्या	१०	३२	ब	२३	३९	४३	२७	३३	१२	२७	२४	मि१८।१३
१२	बु	४४	५३	आ	४२	२३	ह	१३/३	५२/२४	कौ	१६	५१	४०	२८	३२	१३	२८	२५	मिथुने
१३	गु	३८	४८	पु	३८	१५	सि	४७	५७	ग	११	५१	३६	२९	३१	१४	२९	२६	क.२९।१७
१४	शु	३२	४१	पु	३४	७	व्य	४०	२५	वि	५	४५	३३	२९	३१	१५	३०	२७	कर्के
३०	श	२६	४२	श्ले	३०	१६	व	३२	५८	ना	२६	४२	३०	३०	३०	१६	३१	२८	सिं३०।१६

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेप्र.श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

आश्लेषायांरविः १९/३४मिथुनेभौमः३३।३१
भ. ४१।२२ उ.
भ. १२।४९ या. चतुर्थी व्र.
कर्के बुधः २३।३१

भ.१२।१२ उ.४०/५६ या. पुष्ये बुधः २३।४
सार्पे शुक्रः ५६।४०
सार्पे २ शनिः ६।४२ पू. अ. शु.
भ.२९।४ उ. ५६/२९ या. पूर्वास्तो भृगुः १३/४८

कमला ११ व्र. स्मा.
आर्द्रायां भौमः २६/२५ कमला ११व्र. वै. नि.
भ. ३८।४८ उ.
भ. ५।४५ या.
सार्पे बुधः २७।८ पूर्वास्तं बुधः १।१०

१७पं. द्वि.श्रा.कृ.१ सू.इ.५५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	६	३	३	१	३
१७	०	२८	२५	१९	१९	५	१७
१०	१३	१८	७	११	११	३९	३३
५४	१	१८	१६	२	७	१७	५८
५७	४१	४०/१६	३	७४	७	३	५७
१२	३६	मा	१०	३१	२०	११	२४

गोचरग्रहाः

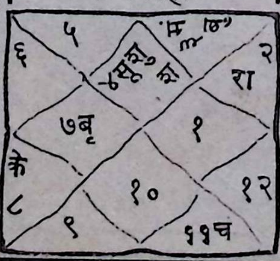

इस मास में धान्य रुई घृत चावल मोंठ बाजरा अफीम अजवान जायफल मंदा होगा वर्षा श्रेष्ठ होगी।

गोचरग्रहाः

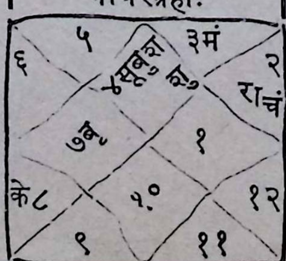

१८पं. द्वि.श्रा.कृ.८ सू.इ.५०/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	६	३	३	१	३
२३	४	७	२५	१७	२०	५	२४
५२	५३	४	३४	४८	५	१७	१६
२	३८	४८	५५	३२	३१	२	२५
५७	४१	९०	४	७४	७	३	५७
२२	१७	४०	४८	३२	२०	११	३३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५१७ सन् १९४७
१	र	२१	२२	म	२७	०	प	२५	५८	ब	२१	२२	३३/२६	३ ५/१	२ ६/९	१७	३१	२९	सिंहे	मघायां सिंहेऽर्कः १६।१ चन्द्रदर्शनम्
२	चं	१६	३३	पू	२४	९	शि	१३	२६	कौ	१६	३३	२२	३२	२८	१८	१	१	कं.३८।३७	सव्वाल १० सिधारा ईद
३	मं	१२	३६	उ	२२	१	सि	१३	३१	ग	१२	३६	१८	३२	२८	१९	२	२	कंन्यायां	भ. ४१।६ उ. तीज मधुश्रवा ३ वरद ४
४	बु	९	३६	ह	२१	१२	सा	८	३२	वि	९	३६	१५	३३	२७	२०	३	३	तु.५१।१९	भ. ९।३६ या. मघायां शुक्रः ४३।१५
५	गु	७	४	चि	२१	२६	शु	४	२२	बा	७	४	११	३४	२६	२१	४	४	तुलायाँ	नागपंचमी
६	शु	७	७	स्वा	२२	४६	शु	५/११	५७/४७	तै	७	७	८	३४	२६	२२	५	५	तुलायाँ	विशाखायां ३ गुरुः १०।४
७	श	७	५१	वि	२५	२३	ऐं	५७	४७	व	७	५१	४	३५	२५	२३	६	६	वृ.९।४४	भ.५ ७/१ उ.३/४ ६ या.मघायांबुधः५ ९/६ तुलसीज.
८	र	९	४२	अ	१९	१८	वै	५७	३३	ब	९	४२	३२/००	३६	२४	२४	७	७	वृश्चिके	उदयं शनिः १९।४६ दुर्गा ८
९	चं	१२	४६	ज्ये	३४	१६	वि	५८	९	कौ	१२	४६	३५/५६	३७	२३	२५	८	८	ध.३४।१६	
१०	मं	१६	५१	मू	४०	७	प्री	५९	४३	ग	१६	५१	५२	३८	२२	२६	९	९	धनुषि	भ. ४९।१९ उ.
११	बु	२१	३०	पू	४६	१९	आ	६०	०	वि	२१	३०	४८	३८	२२	२७	१०	१०	धनुषि	भ. २१।३० या. पवित्रा ११ व्र.
१२	गु	२६	२५	उ	५२	४४	आ	०	४८	बा	२६	२५	४४	३९	२१	२८	११	११	म.२।५५	प्रदोषः पवित्रार्पण १२ अगस्त्योदय ३५/२९
१३	शु	३१	१८	श्र	५८	३९	सौ	२	२६	तै	३१	१८	४०	४०	२०	२९	१२	१२	मकरे	पूफायां बुधः ५१।३० ऋग्वेदीनां श्रावणी
१४	श	३५	४१	ध	६०	०	शो	३	४२	ग	३	४८	३६	४१	१९	३०	१३	१३	कुं.३१।३०	भ. ३५।४१ उ. *शुक्रः २९।३३
१५	र	३९	१७	ध	४	२२	अ	४	३०	वि	७	२९	३२	४२	१८	३१	१४	१४	कुम्भे	भ. ७।२९ या. पूफायां रविः ५ ६/२ पूफायां*

१९पं. द्वि.श्रा.शु.१ सू.इ.५५/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	६	३	३	१	४
०	९	११	२६	२६	२०	४	०
३४	३०	२६	१०	२६	५९	५४	५९
१५	४	५६	२६	५३	१०	४७	४६
५७	४०	०/२	५	७४	७	३	५७
३७	४१	०/२८	५६	३२	१४	११	४०

२०पं. द्वि.श्रा.शु.८ सू.इ.३५/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	४	३	१	४
७	१४	३	२६	५	२१	४	७
१७	२	२४	५४	६	५१	३२	४४
४९	२४	३६	११	११	५४	३१	१७
५७	४०	०/८	६	७४	७	३	५७
४५	१४	०/४९	४७	३८	८	११	४८

२१पं. द्वि.श्रा.शु.१५सू.इ.५१/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	४	३	१	४
१४	१८	१७	२७	१३	२२	.४	१४
३	३०	४	४२	४७	४४	१०	२९
१	२९	३०	४०	१०	१०	१६	५३
५७	३९	०/४	७	७४	७	३	५८
५७	४८	०/५२	५५	३८	२	११	

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	४१	५२	श	९	४	सु	४	३९	बा	१०	३४	३५/२९	५/४२	६/१८	१	१५	१५	मी५६।५३	सितम्बर मा. ९ ता. ३०
२	मं	४३	१८	पू	१२	४९	धृ	३	१८	तै	१२	३७	२५	४३	१७	२	१६	१६	मीने	
३	बु	४३	२४	उ	१५	०	शू	२/१	५६/४७	व	१३	२१	२२	४४	१६	३	१७	१७	मीने	भ.१३/२५उ४३/२४या.पुनर्वसौभौमः२ ६/०कज्जली३
४	गु	४२	११	रे	१६	१७	वृ	५५	३७	ब	१२	४८	१८	४४	१६	४	१८	१८	मे.१६।१७	चतुर्थी व्र. *कन्यायां शुक्रः ५५।१३
५	शु	३९	४४	अ	१६	१५	ध्रु	५०	३७	कौ	१०	५७	१४	४५	१५	५	१९	१९	मेषे	सार्पे ३ शनिः ३६।५ चन्द्र ६
६	श	३६	१८	भ	१४	५८	व्या	४५	४	ग	८	१	१०	४६	१४	६	२०	२०	वृ.२९।२५	भ.३६।१८उ. उफायां बुधः६।५४ हल६
७	र	३२	२	कृ	१२	४५	ह	३८	४४	वि	४	१३	६	४७	१३	७	२१	२१	बृषे	भ. ४।१३ या. श्रीकृष्ण ज. स्मा.
८	चं	२६	५८	रो	९	४६	व	३१	५१	कौ	२६	५८	२	४८	१२	८	२२	२२	मि३८।६	कन्यायां बुधः ४ ४/० कृष्णजन्माष्टमी व्र. वै.
९	मं	२१	२०	मृ	६	२७	सि	२४	३०	ग	२१	२०	३०/५८	४८	१२	९	२३	२३	मिथुने	भ. ४८।२४ उ. गोगा ९
१०	बु	१५	२९	आ	२/२	५५/५८	व्य	१६	५३	वि	१५	२९	५४	४९	११	१०	२४	२४	क.४४।२१	भ. १५।२९ या.
११	गु	९	२४	पु	५४	८	व	९	१३	बा	९	२४	४९	५०	१०	११	२५	२५	कर्के	उफायां शुक्रः १४।० अजा ११ व्र.
१२	शु	३	२२	श्ले	५०	१५	प	३५/५	२५/५२	तै	३	२२	४५	५१	९	१२	२६	२६	सिं५०।१५	भ.३६/७उ.पश्चिमोदयीबुधः१५/०७ वत्स१२प्र.
१३	शु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	श	५२	८	म	४६	३८	सि	४६	५४	वि	२४	५२	४१	५२	८	१३	२७	२७	सिंहे	भ.५/२५या. उफायांरविः५/२१ हस्ते बुधः३/१९*
३०	र	४७	१७	पू	४३	४०	सा	४०	१०	च	१९	४२	३७	५३	७	१४	२८	२८	कं.५८।१०	लोहार्गलस्नानं पिठोरी३०कुशाग्र.सतीपू.

२२पं. भा.कृ.७सू.इ.५१।१४

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	४	३	१	४
२०	२२	२९	२८	२२	२३	३	२१
४९	५४	४३	३९	२७	३५	४८	१६
४१	२९	२३	७	४७	१०	१	५९
५८	३९	०/०	८	७४	६	३	५८
१२	१८	०/५३	४८	३८	४४	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में बुध शुक्र का योग है सोवर्षा श्रेष्ठ होगी रुई सूत कपास धान्य चावल जौ गेहूँ मन्दा होगा।

गोचरग्रहाः

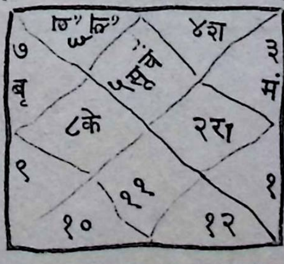

२३पं.भा.३०कृ.सू.इ.५१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	५	३	१	४
२७	२७	११	२९	१	२४	३	२८
३८	१३	५६	४१	९	२४	२५	५
५	१२	३०	१३	२९	११	४५	२४
५८	३८	९७	९	७४	६	३	५८
२९	३८	२८	३८	३८	३१	११	२६

*बुशशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	चं	४३	२२	उ	४१	४१	शु	३४	४	किं	१५	२१	३० ३२	५ ५४	६	१५	२९	२९	कन्यायां
२	मं	४०	२३	ह	४०	५	शु	२८	४६	बा	११	५२	२८	५४	६	१६	३०	३०	कन्यायां
३	बु	३८	३३	चि	४०	१९	ब्र	२४	१७	तै	९	२८	२४	५५	५	१७	३१	१	तु.१०।१२
४	गु	३७	५८	स्वा	४१	२०	ऐं	२०	५०	व	८	१५	२०	५६	४	१८	१	२	तुलायां
५	शु	३८	४४	वि	४३	४२	वै	१८	१४	ब	८	२१	१६	५७	३	१९	२	३	वृ.२८।७
६	श	४०	३६	अ	४७	२१	वि	१६	४४	कौ	९	४०	१२	५८	२	२०	३	४	वृश्चिके
७	र	४३	४०	ज्ये	५२	२	प्री	१६	१४	ग	१२	८	८	५८	२	२१	४	५	ध.५२।२
८	चं	४७	४२	मू	५७	४०	आ	१६	३८	वि	१५	४४	४	५९	१	२२	५	६	धनुषि
९	मं	५२	३३	पू	६०	५	सौ	१७	३७	बा	२०	११	३० ००	६ ००	६ ००	२३	६	७	धनुषि
१०	बु	५७	२९	पू	३	४८	शो	१८	५७	तै	२५	१	२९ ५५	१	५ ५९	२४	७	८	म.२०।२३
११	गु	६०	०	उ	१०	८	अ	२०	३२	व	२९	५९	५१	२	५८	२५	८	९	मकरे
११	शु	२	३०	श्र	१६	२२	सु	२१	४७	वि	२	३०	४६	३	५७	२६	९	१०	कु.४९।१६
१२	श	७	१	ध	२२	१०	धृ	२२	४०	बा	७	१	४२	४	५६	२७	१०	११	कुम्भे
१३	र	१०	४४	श	२७	२	शू	२२	५०	तै	१०	४४	३८	४	५६	२८	११	१२	कुम्भे
१४	चं	१३	२७	पू	३१	११	गं	२२	१६	व	१३	२७	३४	५	५५	२९	१२	१३	मी१५।१
१५	मं	१४	५८	उ	३३	३२	वृ	२०	३५	ब	१४	५८	३०	६	५४	३०	१३	१४	मीने

वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५४६ स.१९४७

वर्षा
चंद्रद.विशाखायां४ वृश्चिकेच गुरु:४८।४
कन्यायामर्कः १६।४२ जिल्काद ११।३
भ. ८।१५ उ. ३७।५८ या. गणेश ४
कर्के भौमः ३४।१३ ऋषि ५
×कृत्तिकायां२ राहुःविशाखायां४केतुः ३९ २८
भ. ४३।४० उ. हस्ते शुक्रः ५७।२६
भ. १५।४४ या. चित्रायां बुधः १।३२

पुष्ये भौमः ४८।५३
भ. २३।५९ उ. जलझूलनी ११ ब्र. स्मा.
भ. ३ २८ या. तुलायां बुधः ३ ३६ जलझूलनी+
हस्ते रविः ३९ ५० पश्चिमोदयीशुक्रः ४२ ० प्रदोषः
शतभे वर्षा +११ वै.नि. वामनजयंती
भ. ५३ २७ उ. ४४ १२ या. अनंत १४ प.उ.शु.
महालयारंभः प्रौष्ठपदी १५

२४पं.भा.शु.७सू.इ.५०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	७	५	३	१	५
४	१	२३	०	९	२५	३	४
२८	२६	३	४८	५१	११	३	५५
१०	५३	५४	४०	५४	१०	३०	१६
५८	३८	९१	१०	७४	६	३	५८
४५	८	२	२२	३२	१६	११	३८

गोचरग्रहाः

भाद्रपद शुक्ला३ बुधे कन्यायामर्कः प्र.वा.४न.५प्रौढा-वस्था(बैठी) मु. ३०(धान्य भाव सम)शुक्रा.पूर्व.।

गोचरग्रहाः

२५पं.भा.शु.१३सू.इ.५०।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	७	५	३	१	५
११	५	३	२	१८	२५	२	११
२०	३४	१९	०	३४	५५	४१	४६
१६	४१	२३	५८	४८	१९	१४	५५
५९	३७	८६	१०	७४	५	३	५८
०	२२	१५	५९	३२	५०	११	५३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	बु	१५	१२	रे	३५	१	ध्रु	१८	३	कौ	१५	१२	३९ २६	६ ७	५ ५३	१	१४	१५	मे.३५।१
२	गु	१४	२	अ	३५	१९	व्या	१४	०	ग	१४	२	२२	८	५२	२	१५	१६	मेषे
३	शु	११	४२	भ	३४	१७	ह	९	४६	वि	११	४२	१८	८	५२	३	१६	१७	वृ.४८।४४
४	श	८	२३	कृ	३२	६	व	४ १८	५३ ४१	बा	८	२३	१४	९	५१	४	१७	१८	बृषे
५	र	४	१०	रो	२९	७	व्य	५१	१०	तै	४	१०	१०	१०	५०	५	८१	१९	मि५७।३४
६	र	५५	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	चं	५३	४०	मृ	२६	२	व	४३	५४	वि	२६	२६	६	११	४९	६	१९	२०	मिथुने
८	मं	४८	०	आ	२२	१७	प	३६	१२	बा	२०	५३	२	१२	४८	७	२०	२१	मिथुने
९	बु	४१	५४	पु	१८	४५	शि	२८	३०	तै	१४	५७	२९ ५८	१२	४८	८	२१	२२	क. ४।८
१०	गु	३५	५६	पु	१३	५६	सि	२०	४५	व	८	५५	५४	१३	४७	९	२२	२३	कर्के
११	शु	३०	१२	श्ले	१०	३	सा	१३	४	ब	३	४	५०	१४	४६	१०	२३	२४	सिं१०।३
१२	श	२४	५०	म	६	२६	शु	५ ४४	३ ५५	तै	२४	५०	४६	१५	४५	११	२४	२५	सिंहे
१३	र	२०	३	पू	३	१७	ब्र	५२	२९	व	२०	३	४२	१६	४४	१२	२५	२६	कं.१७।४४
१४	चं	१६	१३	उ	१ ४	५८ ४५	ऐं	४६	५५	श	१६	१३	३८	१६	४४	१३	२६	२७	कन्यायां
३०	मं	१३	२०	चि	५९	९	वै	४२	८	ना	१३	२०	३४	१७	४३	१४	२७	२८	तु.२९।१९

वर्षर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

अक्टूबर मा.१० ता.३१ स्वात्यां बुधः ५० २१
भ. ४२।५२ उ. चित्रायां शुक्रः ३८।५२
भ. ११।४२ या. चतुर्थी ब्र.

भ. ५९।१३ उ.

भ. ३६ २६ या. मैत्रे१ गुरु: ५ ३१ सार्पे४शनिः ३३ ३५

तुलायांशुक्रः१।५ सौभाग्यवतीनांश्रा.मातृ९
भ. ८।५५ उ. ३५।५६ या.
चित्रायां रविः ५९।४७ इंदिरा ११ ब्र.
प्रदोषः
भ.२०।३ उ.४८।८या. विशाखायांबुधः ५३ ७३
स्वात्यां शुक्रः २१।२६
सर्वपित् ३०

२६पं.आ.कृ.५सू.इ.५०।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	७	५	३	१	५
१८	९	१२	३	२७	२६	२	१८
१४	२६	३७	१७	१८	३७	१८	४०
५	४३	३७	३८	४	१	५९	१२
५९	३६	८०	११	७४	५	३	५९
१६	४२	३४	३७	२९	२६	११	९

गोचरग्रहाः

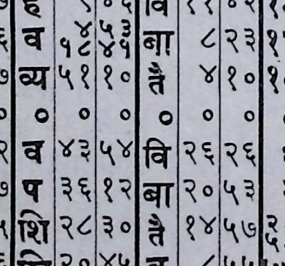

इस मास में पांच बुधवार रसकस की तेजी व्यापार में फेर फार अधिक, शनि मंगल का योग है सो कहीं उपद्रव होगा।

गोचरग्रहाः

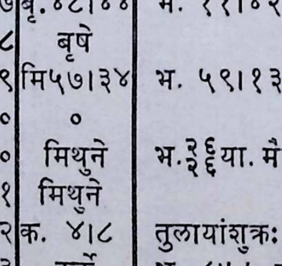

२७पं.आ.कृ.१३सू.इ.५०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	७	६	३	१	५
२५	१३	२०	४	६	२७	१	२५
९	३१	३८	३८	१	१५	५६	३५
४७	३४	४९	६	३४	७	४४	१०
५९	३५	७०	१२	७४	४	३	५९
३१	५४	४८	१४	२६	५८	११	२१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरद्दतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५७६ स.१९४७
१	बु	११	३३	स्वा	५९	५५	वि	३८	४५	ब	११	३३	२८/३०	६/१८	५/४२	१५	२८	२९	तुलायां	नवरात्रारंभः घटस्था.
२	गु	११	४	वि	६०	०	प्री	३५	३४	कौ	११	४	२६	१९	४१	१६	२९	३०	बृ.४६।१३	चन्द्रद.
३	शु	११	५२	वि	१	३९	आ	३३	४४	ग	११	५२	२२	२०	४०	१७	३०	१	बृश्चिके	भ. ४२/२४ उ. तुलायामर्कः ४३/३१ जिल्हेज१२
४	श	१२	५५	अ	५	२०	सौ	३२	५४	वि	१२	५५	१८	२०	४०	१८	१	२	बृश्चिके	भ. १२।५५ या. सार्पे भौमः ४१।५३
५	र	१६	५८	ज्ये	९	४४	शो	३२	५९	बा	१६	५८	१४	२१	३९	१९	२	३	ध.९।४४	
६	चं	२१	१२	मू	१५	११	अ	३३	४४	तै	२१	१२	१०	२२	३८	२०	३	४	धनुषि	सरस्वत्यांवाहनं
७	मं	२६	१	पू	२१	२	सु	३४	५०	व	२६	१	६	२३	३७	२१	४	५	म.३७।४०	भ. २६।१ उ. ५८।३३ या.
८	बु	३१	४	उ	२७	३३	धृ	३६	१९	ब	३१	४	२	२४	३६	२२	५	६	मकरे	मैत्रे २ गुरुः ५३।१९ दुर्गा पू.
९	गु	३६	१०	श्र	३३	५७	शू	३७	४४	बा	३	३७	२७/५८	२४	३६	२३	६	७	मकरे	सरस्वतीविसर्जनं ×बौद्धं ज. विजया१०
१०	शु	४०	४७	ध	३९	४६	गं	३८	३१	तै	८	२९	५४	२५	३५	२४	७	८	कु.६।५१	स्वात्यां रविः २३/३१ विशाखायां शुक्रः १०/२×
११	श	४४	३२	श	४५	७	वृ	३८	४८	व	१२	३९	५०	२६	३४	२५	८	९	कुम्भे	भ. १२/३९ उ. ४४/३२ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	र	४७	१८	पू	४९	१०	ध्रु	३८	२२	ब	१५	५५	४६	२७	३३	२६	९	१०	मी३३।९	
१३	चं	४८	५६	उ	५२	१५	व्या	३६	५६	कौ	१८	७	४२	२८	३२	२७	१०	११	मीने	वक्री बुधः २०।७ प्रदोषः
१४	मं	४९	१६	रे	५३	३०	ह	३४	४५	ग	१९	६	३८	२८	३२	२८	११	१२	मे.५३।३०	भ. ४९।१६ उ. *व्रतं का. स्ना. प्रा.
१५	बु	४८	११	अ	५४	१६	व	३१	८	वि	१८	४४	३५	२९	३१	२९	१२	१३	मेषे	भ. १८।४४ या. शरत् १५ कोजागरी*

२८पं. आ.शु.५सू.इ.५०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	६	३	१	६
२	१७	२६	६	१४	२७	१	२
७	०९	३३	१	४६	४९	३४	२१
१६	५५	११	५२	१९	४८	२८	३७
५९	३५	५२	१२	७४	४	३	५९
४६	१	९	३०	२६	३७	११	३४

गोचरग्रहाः

आश्विन शु. ३शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा. ३न.४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयःपश्चि. ।

गोचरग्रहाः

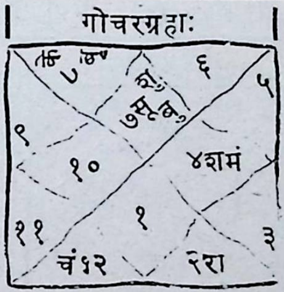

२९पं.आ.शु.१२सू.इ.५०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	६	३	१	६
९	२०	२८	७	२३	२८	१	९
६	५८	२४	२५	३०	२०	१२	२९
३९	१२	१८	२६	२९	१७	१३	५६
६०	३४	५	१२	७४	३	३	५९
२	०	५२	२६	२०	५६	११	४७

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरद्दतूं रविर्दक्षिणे आविश्नकृष्णेतिमहा.
१	गु	४५	५४	भ	५३	३१	सि	२६	४५	बा	१७	३	२७/३५	६/३०	५/३०	३०	१३	१४	मेषे	
२	शु	४२	३७	कृ	५१	४४	व्य	२१	२४	तै	१४	१४	२७	३१	२९	३१	१४	१५	बृ. ८।४	पश्चिमास्तो बुधः २१।३४
३	श	३८	२९	रो	४९	६	व	१५	१७	व	१०	३३	२४	३१	२९	१	१५	१६	बृषे	भ. ५०/३३ उ. ३८/२९ या. नवंबर मा. ११ ता. ३०=
४	र	३३	३७	मृ	४६	४४	प	८	२९	ब	६	३	२०	३२	२८	२	१६	१७	मि१७।५५	
५	चं	२८	१०	आ	४२	३	शि	१/१८	५२/२२	कौ	०	५३	१७	३३	२७	३	१७	१८	मिथुने	मैत्रे शुक्रः ४२/३६ =बृश्चिके शुक्रः १/५ करक४
६	मं	२२	२६	पु	३८	०	सा	४५	५७	व	२२	२६	१३	३३	२७	४	१८	१९	क.२४।१	भ. २२।२६ उ. ४९।२९ या.
७	बु	१६	३२	पु	३३	५३	शु	३८	६	ब	१६	३२	१०	३४	२६	५	१९	२०	कर्के	वक्री स्वात्यां बुधः ३४।३५ होई ८
८	गु	१०	३६	श्ले	२९	५४	शु	३०	२५	कौ	१०	३६	६	३५	२५	६	२०	२१	सिं२९।५४	विशाखायां रविः ४०।५६
९	शु	४	३८	म	२६	९	ब्र	२२	५३	ग	४	३८	३	३५	२५	७	२१	२२	सिंहे	भ. ३२/१० उ. ५९/४३ या. मैत्रे३ गुरुः ४२।५७
१०	शु	५५	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	श	५५	३	पू	२३	५५	ऐं	१५	४८	ब	२७	३३	२६/५९	३६	२४	८	२२	२३	कं.३८।१	रमा ११ व्र. स्मा. वें.
१२	र	५१	०	उ	२०	२०	वै	९	१०	कौ	२३	५	५६	३७	२३	९	२३	२४	कन्यायां	रमा ११ व्र. निम्बा. गोवत्स पू.
१३	चं	४८	३१	ह	१८	३१	वि	३/२०	५४/४९	ग	१९	४९	५२	३८	२२	१०	२४	२५	तु.४८।१४	भ. ४८।३१ उ. धन १३ यमदीपदानं
१४	मं	४६	५०	चि	१७	५८	आ	५४	१५	वि	१७	४०	४९	३८	२२	११	२५	२६	तुलायां	भ. १७।४० या. रूप १४ नरक १४
३०	बु	४६	२७	स्वा	१८	२६	सौ	५१	३	च	१६	३९	४६	३९	२१	१२	२६	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

३०पं.का.कृ.४सू.इ.४९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	७	३	१	६
१६	२४	२३	८	२	२८	०	१६
७	३३	२९	५७	१४	४६	४९	२९
४३	५४	१३	२२	४६	१२	५८	४२
६०	३२	७६/१४	१३	७४	३	३	६०
१८	३०	व	१४	१७	२२	११	४

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच गुरु पांच शुक्र है सो प्रजा में सुख शांति होगी धान्य मंदा घृत तेल गुड़ खांड़ लाख तेज।

गोचरग्रहाः

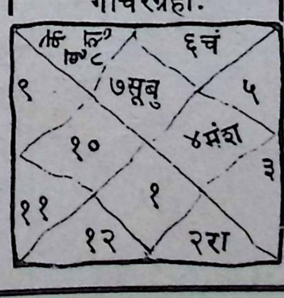

३१पं.का.कृ.१२सू.इ.४९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	७	७	३	१	६
२३	२७	१५	१०	१०	२९	०	२३
१०	४६	६	२८	५८	७	२७	३१
२१	२६	११	२३	४८	५२	४२	५
६०	३१	७०/४०	१३	७४	२	३	६०
३०	८	व	२६	८	३५	११	१७

*बृशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	गु	४७	२३	वि	२०	२	शो	४८	४५	किं	१६	५५	२६/४३	६/३९	५/२१	१३	२७	२८	बृ.४१।३८
२	शु	४९	२९	अ	२३	११	अ	४७	३५	बा	१८	२५	४०	४०	२०	१४	२८	२९	बृश्चिके
३	श	५२	४४	ज्ये	२७	२७	सु	४७	१९	तै	२१	६	३७	४१	१९	१५	२९	१	ध.२७।२७
४	र	५७	३	मू	३२	४१	धृ	४७	५२	व	२४	५३	३४	४२	१८	१६	३०	२	धनुषि
५	चं	६०	०	पू	३८	३६	शू	४८	४६	ब	२९	३०	३१	४२	१८	१७	१	३	म.४५।११
५	मं	१	५७	उ	४४	५८	गं	५०	४	बा	१	५७	२९	४३	१७	१८	२	४	मकरे
६	बु	७	८	श्र	५१	२३	वृ	५१	२६	तै	७	८	२६	४३	१७	१९	३	५	मकरे
७	गु	१२	१९	ध	५७	२०	ध्रु	५२	२७	व	१२	१९	२४	४४	१६	२०	४	६	कु.२४।२१
८	शु	१६	५८	शं	६०	०	व्या	५२	५२	ब	१६	५८	२१	४४	१६	२१	५	७	कुम्भे
९	श	२०	४८	श	२	४७	ह	५२	३९	कौ	२०	४८	१८	४५	१५	२२	६	८	मी५१।४
१०	र	२३	३५	पू	७	९	व	५१	२७	ग	२३	३५	१६	४५	१५	२३	७	९	मीने
११	चं	२५	१२	उ	१०	२१	सि	४९	१७	वि	२५	१२	१३	४६	१४	२४	८	१०	मीने
१२	मं	२५	३१	रे	१२	१८	व्य	४६	६	बा	२५	३१	११	४६	१४	२५	९	११	मे.१२।१८
१३	बु	२४	२७	अ	१३	६	व	४२	०	तै	२४	२७	८	४७	१३	२६	१०	१२	मेषे
१४	गु	२२	११	भ	१२	४०	प	३६	५१	व	२२	११	६	४७	१३	२७	११	१३	बृ.२७।१५
१५	शु	१८	५६	कृ	१०	५९	शि	३०	५५	ब	१८	५६	३	४७	१३	२८	१२	१४	वृषे

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४६०५ स.१९४७

अन्नकूटं व्यापारे सं० २००४
चंद्रद. मार्गी बुधः ३८/४६ ज्येष्ठायां शुक्रः २०/४२*
मघायां सिंहे भौमः ४/३ मोहोर्रम १ स.१३६७
भ.२४/५३ उ.५७।३या. बृश्चिकेऽर्कः ३५।१४
*यम २ भ्रातृ २ कलमद्दवात पू.
अस्तं गुरुः ३४/४८ मेषेराहुः तुलायां केतुः ३२/१३
अनुराधायां रविः ५३।२ अ. गु.
भ. १२।१९ उ. ४४।३८ या· गोपा ८

मैत्रे ४ गुरुः ४५/४६ कुष्मांड ९ अक्षय ९
भ ५४।२३ उ.
भ.३५/१२ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि ×
विशाखायांबुधः १९।५९ धनुषिशुक्रः४।३४
वैकुण्ठ १४ ×पंच भीष्म ५ ताजिया
भ. २२।११ उ. ५०।३३ यां.
पुष्कर यात्रा का. स्ना. पू.

३२पं.का.शु.४सू.इ.४९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	७	३	१	७
०	०	१२	१२	१९	२९	०	०
१४	५२	३३	०	४३	२३	५	३३
२६	१९	१८	५८	३७	५३	२७	५०
६०	२९	३५/३७	१३	७४	१	३	६०
४०	४६	मा	३२	२	५४	११	३०

गोचरग्रहाः

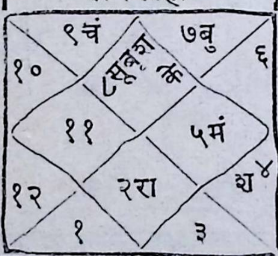

कार्तिक शु.४रवौ
बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.
३न.४वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभावसम)
शुक्रोदय:पश्चिमे

गोचरग्रहाः

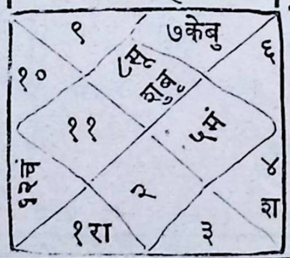

३३पं.का.शु.१०सू.इ.४९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	७	३	०	७
७	३	१७	१३	२८	२९	२९	७
२०	४६	५३	३४	२७	३५	४३	३७
[illegible]०	१२	३५	२६	१४	०१	११	४८
६०	२७	८३	१३	७३	१	३	६०
५३	४४	३८	३८	५६	१३	११	४२

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	१४	४८	रो	८	३८	सि	२४	१८	कौ	१४	४८	२६/००	६/४८	५/१२	२९	१३	१५	मि३७।८
२	र	९	५४	मृ	५	३८	सा	१७	७	ग	९	५४	२५/५८	४८	१२	३०	१४	१६	मिथुने
३	चं	४	३०	आ	४६/५	५५/५९	शु	९	३५	वि	४	३०	५६	४९	११	१	१५	१७	क.४३।४५
४	चं	५४	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	मं	५३	०	पु	५३	४३	शु	१/४०	५२/१४	कौ	२५	५५	५४	४९	११	२	१६	१८	कर्के
६	बु	४७	१०	श्ले	४९	३३	ऐं	४६	५	ग	२०	५	५२	५०	१०	३	१७	१९	सि४९।३३
७	गु	४१	३६	म	४५	३८	वै	३८	२३	वि	१४	२३	५१	५०	१०	४	१८	२०	सिंहे
८	शु	३६	३१	पू	४२	२२	वि	३१	१०	बा	९	३	४९	५०	१०	५	१९	२१	कं.५६।४०
९	श	३१	५५	उ	३९	३६	प्री	२४	२२	तै	४	१३	४८	५०	१०	६	२०	२२	कन्यायां
१०	र	२८	१७	ह	३७	४१	आ	१८	९	व	०	१६	४६	५१	९	७	२१	२३	कन्यायां
११	चं	२५	३६	चि	३६	५२	सौ	१२	५४	बा	२५	३६	४५	५१	९	८	२२	२४	तु.७।१६
१२	मं	२४	३	स्वा	३७	४	शो	८	२६	तै	२४	३	४३	५१	९	९	२३	२५	तुलायाँ
१३	बु	२३	४६	वि	३८	३५	अ	४	५६	व	२३	४६	४२	५२	८	१०	२४	२६	बृ.२३।१२
१४	गु	२४	५४	अ	४१	१७	सु	२	२२	श	२४	५४	४१	५२	८	११	२५	२७	बृश्चिके
३०	शु	२७	६	ज्ये	४५	१३	धृ	०	४५	ना	२७	६	४०	५२	८	१२	२६	२८	ध.४५।१३

शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ३७।१० उ.
भ. ४।३० या. दिसम्बर मा.१२ ता.३१+
क्षयः +चतुर्थी व्र.
बृश्चिके बुधः ३८।५८
भ. ४७।१० उ. ज्येष्ठायां रविः ०।१
भ. १४।२३ या.
मैत्रे बुधः २०/४४ पूषायां शुक्रः ४३/१४ वक्री शनिः ५६/३

भ.०।६उ.३८/६ या. ज्येष्ठायां१ गुरुः ३६।७
उत्पत्ति ११ व्र.
पूर्वास्तो बुधः ४२।१३ प्रदोषः
भ. २३।४६ उ. ५४।२० या.

३४पं. मा.कृ.२सू.इ.४९।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	८	३	०	७
१४	६	२७	१५	.७	२९	२९	१४
२६	२१	३	८	११	४१	२०	४३
४५	५४	५८	४६	१३	१३	५६	८
६१	२५	९६	१३	७३	०	३	६०
३	२७	७	३८	५०	२६	११	५०

गोचरग्रहाः

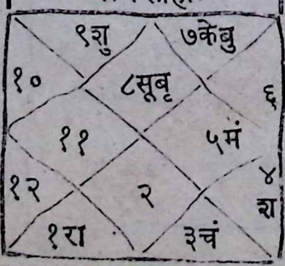

इस मास में ग्रह
मध्यमहै रुई चांदी
खांड गुड़ हरिद्रा
पीत वस्त्र सोना
मंदा होगा प्रजा
में विग्रह हो।

गोचरग्रहाः

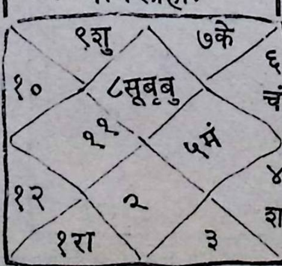

३५पं. मा.कृ.१०सू.इ.४८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	८	३	०	७
२१	८	७	१६	१५	२९	२८	२१
३४	३९	२२	४२	५४	४१	५८	४९
३२	३२	४१	५४	३२	२८	४१	२३
६१	२२	९८	१३	७३	१३/६	३	६०
११	५५	१७	३८	४७	ब	११	५६

 *मंबुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६३५ स. १९४७
१	श	३०	३५	मू	५०	१८	शू	०	११	ब	३०	३५	३५/३९	६/५२	५/८	१३	२७	२९	धनुषि	उदयं गुरोः४८।० ज्येष्ठायां बुधः५२।७
२	र	३४	५९	पू	५६	१०	गं	०	२६	बा	२	४७	३८	५२	८	१४	२८	३०	धनुषि	चंद्रद. उ. गु:
३	चं	३९	५९	उ	६०	०	वृ	१	१७	तै	७	२९	३८	५२	८	१५	२९	१	म.१२।४४	सफर २
४	मं	४५	१०	उ	२	२५	ध्रु	२	२८	व	१२	३४	३७	५३	७	१६	३०	२	मकरे	भ.१२।३४ उ.४५/१० या. धनुष्यर्कः ३।४६*
५	बु	५०	१९	श्र	८	४४	व्या	३	४९	ब	१७	४४	३७	५३	७	१७	१	३	कुं.४१।५१	नाग ५ *उषायां शुक्रः २८।३२
६	गु	५५	७	ध	१४	५८	ह	५	१	कौ	२२	४३	३७	५३	७	१८	२	४	कुम्भे	चंपा ६ स्कंद ६
७	शु	५८	५०	श	२०	३५	व	५	२०	ग	२६	५९	३६	५३	७	१९	३	५	कुम्भे	भ. ५८।५० उ. मकरे शुक्रः ६।४
८	श	६०	०	पू	२५	७	सि	५	२८	वि	३०	१२	३६	५३	७	२०	४	६	मी८।५९	भ. ३०।१२ या.
८	र	१	३४	उ	२८	४०	व्य	४	३७	ब	१	३४	३६	५३	७	२१	५	७	मीने	
९	चं	३	६	रे	३१	६	व	२/४०	५७/५३	कौ	३	६	३६	५३	७	२२	६	८	मे.३१।६	धनुषि बुधः३७/२५ ज्येष्ठायां२ गुरुः ३३।३×
१०	मं	३	२४	अ	३१	५७	शि	५५	५६	ग	३	१४	३६	५३	७	२३	७	९	मेषे	भ. ३२।५१ उ. ×उत्तरायण प्रवृत्तिः३७/१२
११	बु	२	१८	भ	३१	४७	सि	५१	५	वि	२	१८	३७	५३	७	२४	८	१०	बृ.४६।२७	भ. २।१८ या. मोक्षदा ११ ब्र.
१२	बु	५७	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	गु	५६	४८	कृ	३०	२६	सा	४५	२८	कौ	२८	२४	३७	५३	७	२५	९	११	बृषे	प्रदोषः पातस्पर्शः ५०।११
१४	शु	५२	९	रो	२८	११	शु	३८	५६	ग	२४	४३	३७	५३	७	२६	१०	१२	मि५६।३८	भ. ५२।३९ उ. पातमोक्षः ९।५५
१५	श	४७	४३	मृ	२५	६	शु	३१	५८	वि	२०	११	३८	५३	७	२७	११	१३	मिथुने	भ. २०।११ या. श्रवणे शुक्रः १०।३०

३६पं. मा.शु.२सू.इ.४८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	७	८	३	०	७
२८	१०	१८	१८	२४	२९	२८	२८
४३	३४	१२	१६	३७	३६	३६	५६
१६	८	५८	५५	२३	११	२५	१०
६१	१९	९८	१३	७३	१/६	३	६१
१९	३३	३७	३२	४१	ब	११	०

गोचरग्रहाः

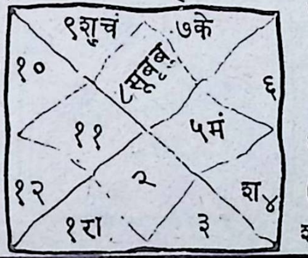

मार्ग. शु.४ भौमे
धनुष्यर्कः प्र. वा.
३न.३ प्रगलभाव-
स्था[बैठी]मु.३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

३७पं.मा.शु.सू ९.इ.४८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	७	९	३	०	८
५	१२	२८	१९	३	२९	२८	६
५२	४	५६	५०	१८	२५	१४	३
४२	१९	१०	२	५०	२६	०	४०
६१	१५	९८	१३	७३	१/४६	३	६१
२२	५६	३०	२६	२६	व्र	११	५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	४२	२१	आ	२१	३९	ब्र	२४	३२	बा	१५	२	२५/३८	६/५२	१/८	२८	१२	१४	मिथुने	
२	चं	३९	४०	पु	१७	४२	ऐं	१६	५१	तै	९	३०	३९	५२	८	२९	१३	१५	क.३।४१	पूषायां रविः ५।२३
३	मं	३०	४८	पु	१३	३८	वै	९	०	व	३	४४	३९	५२	८	३०	१४	१६	कर्के	भ.३।४४ उ.३०/४८ या. पूषायांबुधः४४।३१*
४	बु	२५	१	श्ले	९	२९	वि	१/१०	५२/१५	बा	२५	१	४०	५२	८	३१	१५	१७	सिं९।२९	
५	गु	१९	२८	म	५	३४	आ	४६	३	तै	१९	२८	४१	५२	८	१	१६	१८	सिंहे	**जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९४८**
६	शु	१४	२५	पू	२/११	५६/५९	सौ	३९	३	व	१४	२५	४२	५२	८	२	१७	१९	कं.१६।२६	भ.१४/२५ उ.४२।१३ या. पूषायां भौमः४३/५२
७	श	१०	२	ह	५६	१०	शो	३२	३८	ब	१०	२	४३	५१	९	३	१८	२०	कन्यायां	
८	र	६	२८	चि	५६	१८	अ	२७	१	कौ	६	२८	४४	५१	९	४	१९	२१	तु.२६।४४	
९	चं	३	५७	स्वा	५५	५९	सु	२२	१६	ग	३	५७	४५	५१	९	५	२०	२२	तुलायां	भ. ३३।१३ उ. *चतुर्थी ब्र.
१०	मं	२	२९	वि	५७	९	धृ	१८	३०	वि	२	२९	४७	५१	९	६	२१	२३	वृ.४१।५२	भ.२।२९ या. ज्येष्ठायां ३ गुरुः५८।४०
११	बु	२	१९	अ	५९	३३	शू	१५	३५	बा	२	१९	४८	५०	१०	७	२२	२४	वृश्चिके	धनिष्ठायां शुक्रः ०।२७ सफला ११ ब्र.
१२	गु	३	३४	ज्ये	६०	०	गं	१३	४२	तै	३	३४	५०	५०	१०	८	२३	२५	वृश्चिके	उषायां बुधः२ १/३ पातस्पर्शः३१/४८ पा.मो.५१/१३×
१३	शु	५	४९	ज्ये	३	१९	वृ	१२	५४	व	५	४९	५२	५०	१०	९	२४	२६	ध.३।१९	भ.५।४९ उ.३७/४० या. वक्री भौमः५१।४७
१४	श	९	३२	मू	८	६	ध्रु	१२	५२	श	९	३२	५४	४९	११	१०	२५	२७	धनुषि	मकरे बुधः १५।५६ ×प्रदोषः
३०	र	१४	१	पू	१३	५०	व्या	१३	३१	ना	१४	१	५६	४९	११	११	२६	२८	म.३०।२३	उषायां रविः ६।५१

३८पं. पौ.कृ.१सू.इ.४८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	९	३	०	८
१३	१३	१०	२१	११	२९	२७	१३
२	३	७	२१	५९	९	५१	११
३५	७	३७	५४	३५	४०	५५	३८
६१	१०	९९	२/५०	७३	१३/१४	३	६१
२६	५२	२४	ब	३५	ब	११	६

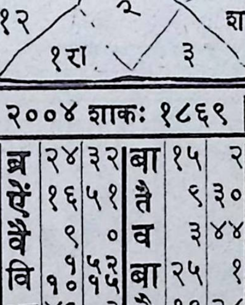

३९पं. पौ.कृ.८सू.इ.४८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	९	३	०	८
२०	१३	२१	२२	२०	२८	२७	२०
१२	२९	१२	५१	३९	४९	२९	१९
३३	४९	११	५४	०	१६	३९	४४
६१	४	९/०	१२	७३	३/९	३	६१
२६	४४	९/५२	५६	६	ब	११	६

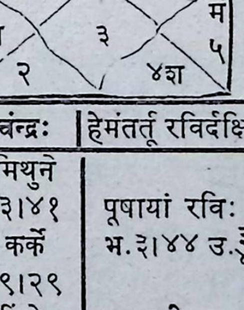

४०पं.पौ.कृ.३०सू.इ.४८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	९	३	०	८
२७	१३	२	२४	२९	२८	२७	२७
२२	२३	४२	१९	१६	२४	७	२७
२३	३१	२२	३७	१९	३६	२४	४७
६१	१/४	५/०	१२	७२	३/४६	३	६१
२४	ब	५/३१	३२	५०	ब	११	६

*शुचंबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६६५सन् १९४८
१	चं	१९	३	उ	२०	४	हृ	१४	४०	ब	१९	३	२५/५८	६/४८	५/१२	१२	२७	२९	मकरे	कुंभे शुक्रः २४।१५
२	मं	२४	२१	श्र	२६	२७	व	१५	४६	कौ	२४	२१	२/६१	४८	१२	१३	२८	३०	कु.५९।३४	चन्द्रद. वक्री मघायां भौमः ४४।२५
३	बु	२९	२७	ध	३२	४२	सि	१७	४	ग	२९	२७	३	४७	१३	१४	२९	१	कुम्भे	मकरेऽर्कः २२।१८ रविलावल ३
४	गु	३४	७	श	३८	५०	व्य	१७	५५	व	१	४७	५	४७	१३	१५	१	२	कुम्भे	भ. १।४७ उ. ३४।७ या.
५	शु	३७	५०	पू	४३	२०	व	१८	६	ब	५	५९	८	४६	१४	१६	२	३	मी२७।१३	श्रवणे बुधः २०।४१
६	श	४०	३२	उ	४७	१३	प	१७	३४	कौ	९	११	१०	४६	१४	१७	३	४	मीने	शते शुक्रः ४८।२२
७	र	४१	५९	रे	४९	१४	शि	१५	५१	ग	११	१६	१२	४६	१४	१८	४	५	मे.४९।१४	भ. ४१।५९ उ.
८	चं	४२	८	अ	५१	२	सि	१३	२९	वि	१२	३	१४	४५	१५	१९	५	६	मेषे	भ. १२।३ या. *विशाखायां२ केतुः २४/५६
९	मं	४०	५८	भ	५२	१४	सा	९	५५	बा	११	३३	१७	४५	१५	२०	६	७	मेषे	अभि. प्र. रविः ५३।३५ भरण्यां ४ राहु *
१०	बु	३८	३६	कृ	५०	८	शु	५	३६	तै	९	४७	१९	४४	१६	२१	७	८	वृ. ६।४२	पातस्पर्शः १४।५१ पातमोक्षः ३०।२७
११	गु	३५	१६	रो	४८	१४	शु	०/४	५३/५०	व	६	५६	२१	४४	१६	२२	८	९	बृषे	भ. ६।५६ उ. ३५।१६ या. पुत्रदा ११ब्र.
१२	शु	३१	४	मृ	४५	१९	ऐं	४७	१०	ब	३	१०	२४	४३	१७	२३	९	१०	मि१६।४६	ज्येष्ठायां४गुरुः ३३/४७ पश्चिमोदयीबुधः ४५/२६
१३	श	२६	२	आ	४१	५२	वै	३९	५६	तै	२६	२	२७	४३	१७	२४	१०	११	मिथुने	श्रवणे रविः ५९ धनिष्ठायांबुधः ११/३० प्रदोषः
१४	र	२०	३५	पु	३८	५	वि	३२	१५	व	२०	३५	३०	४२	१८	२५	११	१२	क.२४।१	भ. ३०/३५ उ. ४७/४४ या. अभि.नि. रविः १।५१
१५	चं	१४	५४	पु	३३	५९	प्री	२४	२७	ब	१४	५४	३३	४१	१९	२६	१२	१३	कर्के	माघस्नानारंभः

४१पं. पौ.शु.७सू.इ.४८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	१०	३	०	९
४	१२	१४	२५	७	२७	२६	४
३१	४७	२८	४४	५२	५६	४५	३५
५१	६	१६	३८	२३	२	८	३८
६१	१०/१	८/०	१२	७२	४/४	३	६१
१९	ब	८/५	१४	३२	ब	११	३

गोचरग्रहाः

पौष शु. ३ बुध
मकरेऽर्कः प्र.वा.२
न. २ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

४२पं.पौ.शु.१४सू.इ.४८।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	१०	३	०	९
११	११	२६	२७	१६	२७	२६	११
४०	२३	१४	६	२१	२५	२२	४२
४३	५६	२०	४	४१	१	५३	५०
६१	१८/२०	४/०	११	७२	४/२२	३	६०
१३	ब	८/४	३८	५१	ब	११	५९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	९	२	श्ले	२९	४९	आ	१६	४०	कौ	९	२	२६/३९	६/४१	५/१९	२७	१३	१४	सिं२९।४९	कुंभे बुधः ५३।३५
२	बु	३	१८	म	२५	५४	सौ	८	५४	ग	३	१८	३९	४०	२०	२८	१४	१५	सिंहे	भ. ३०/३१ उ. ५७/४४ या. पूभायां शुक्रः ४६।२६
३	बु	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *शते बुधः ४२।४४ रथ ७
४	गु	५२	५०	पू	२२	१७	शो	२ १/२	५ ३/२	ब	२५	१७	४२	४०	२०	२९	१५	१६	कं.३६।३३	चतुर्थी ब्र.
५	शु	४८	२७	उ	१९	२३	सु	४६	४२	कौ	२०	३८	४५	३९	२१	३०	१६	१७	कन्यायां	
६	श	४५	३	ह	१७	११	धृ	४१	५७	ग	१६	४५	४८	३८	२२	३१	१७	१८	तु.४६।२२	भ. ४५।३ उ.
७	र	४२	३३	चि	१५	३४	शू	३६	४९	वि	१३	४८	५२	३८	२२	१	१८	१९	तुलायां	भ. १३।४८ या. फरवरी मा. २ ता. २९*
८	चं	४१	१२	स्वा	१५	२४	गं	३१	४७	बा	११	५२	५५	३७	२३	२	१९	२०	तुलायां	पातस्पर्शः २६।५९ पातमोक्षः ४०।२१
९	मं	४१	२७	वि	१६	१७	वृ	२९	२३	तै	११	१४	५९	३६	२४	३	२०	२१	वृ. १।३	
१०	बु	४२	२६	अ	१८	२६	ध्रु	२७	१९	व	११	५१	२७/२	३६	२४	४	२१	२२	वृश्चिके	भ. ११/५१ उ. ४३/२६ या. वक्रीसार्पे३ शनिः२०।९
११	गु	४४	५४	ज्ये	२१	५८	व्या	२६	१३	ब	१३	४०	६	३५	२५	५	२२	२३	ध.२१।५८	मीने शुकः ५७।२८ षट्तिला ११ ब्र.
१२	शु	४८	३५	मू	२६	२५	ह	२५	५६	कौ	१६	४४	९	३४	२६	६	२३	२४	धनुषि	धनिष्ठायां रविः १५।२७
१३	श	५३	९	पू	३१	५८	व	२६	५५	ग	२०	५२	१३	३३	२७	७	२४	२५	म.४८।३१	भ. ५३।९ उ. प्रदोषः
१४	र	५८	१२	उ	३८	९	सि	२७	२५	वि	२५	४१	१६	३३	२७	८	२५	२६	मकरे	भ. २५।४१ या. उभायां शुकः ४५।२३
३०	चं	६०	०	श्र	४४	३०	व्य	२८	४०	च	३०	४९	२०	३२	२८	९	२६	२७	मकरे	मौनी ३०
३०	मं	३	२६	ध	५०	५७	व	२९	५८	ना	३	२६	२३	३१	२९	१०	२७	२८	कुं.१७।४३	वक्री बुधः ३५।२५ धनुषि गुरुः ५४।५३

४३पं.मा.कृ.७सू.इ.४८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	७	१०	३	०	९
१८	९	६	२८	२४	२६	२६	१८
४८	३८	४८	२४	५६	५१	०	४९
४३	४६	२५	३६	३१	४३	३५	२३
६१	३२/४६	८८	१०	७१	४/३८	३	६०
४	ब	४७	५९	५९	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

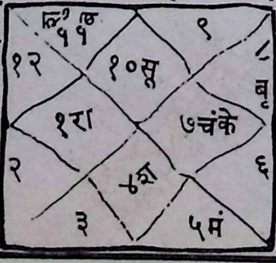

इस मास में वर्षा
होगी शीत अधिक
पड़ेगा रुई चांदी
पाट कुष्टा सूत
कपास अनाज गेहूं
जौ चना तेज ।

गोचरग्रहाः

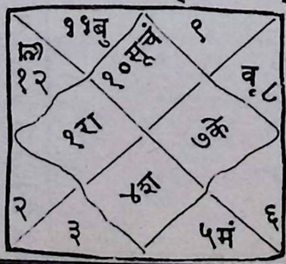

४४पं.मा.कृ.१४सू.इ.४८।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	७	११	३	०	९
२५	७	१२	२९	३	२६	२५	२५
५५	३४	५४	३८	२३	१७	३८	५५
३१	३४	५४	१७	४९	३८	२२	२३
६०	३१/१८	२४	१०	७१	४/४०	३	६०
५५	ब	५५	१९	२८	ब	११	४७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४६९५ सन् १९४८
१	बु	८	२८	श	५७	२५	प	३१	१	ब	८	२८	२७/२७	६/३१	५/२९	११	२८	२९	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
२	गु	१३	२	पू	६०	०	शि	३१	२८	कौ	१३	२	३१	३०	३०	१२	२९	१	मी४५।४६	कुंभेऽर्कः ४९।२३ रविलाखर ४
३	शु	१६	४४	पू	१	५४	सि	३१	१३	ग	१६	४४	३४	२९	३१	१३	१	२	मीने	भ. ४८।० उ. पश्चिमास्तोबुधः ३८।३२*
४	श	१९	१६	उ	५	५८	सा	३०	०	वि	१९	१६	३८	२८	३२	१४	२	३	मीने	भ. १९।१६ या. *तिल ४
५	र	२०	३४	रे	८	५८	शु	२७	५४	बा	२०	३४	४२	२८	३२	१५	३	४	मे.८।५८	वसंत ५ श्री पंचमी
६	चं	२०	३४	अ	१०	१४	शु	२४	४०	तै	२०	३४	४६	२७	३३	१६	४	५	मेषे	पातस्पर्शः ३।१९ पातमोक्षः १४।४९
७	मं	१९	१८	भ	१०	५८	ब्र	१९	५६	व	१९	१८	५०	२६	३४	१७	५	६	बृ.२५।४५	भ. १९।१८ उ. ४८।२ या. भानु ७
८	बु	१६	४७	कृ	१०	६	ऐं	१५	३३	ब	१६	४७	५४	२५	३५	१८	६	७	बृषे	भीष्माष्टमी
९	गु	१३	१२	रो	८	१७	वै	९	४३	कौ	१३	१२	५८	२४	३६	१९	७	८	मि३६।५४	शते रविः २४।४४ रेवत्यां शुक्रः५३।५१
१०	शु	८	५८	मृ	५	२१	वि	२५/३	५२/३८	ग	८	५८	२६/२	२४	३६	२०	८	९	मिथुने	भ.३६।२५उ. वक्री धनिष्ठायां बुधः ३०/१०
११	श	३	५२	आ	२/१४	५६/२३	आ	४८	४०	वि	३	५२	६	२३	३७	२१	९	१०	क.४४।३२	भ. ३।५२ या. जया ११ व्र. भीष्म १२
१२	श	५४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	र	५२	३५	पु	५४	३५	सौ	४०	५६	कौ	२५	२९	१०	२२	३८	२२	१०	११	कर्के	प्रदोषः
१४	चं	४६	४३	श्ले	५०	२६	शो	३३	१२	ग	१९	३९	१४	२१	३९	२३	११	१२	सिं५०।५६	भ. ४६।४३
१५	मं	४१	४	म	४६	३४	अ	२५	२८	वि	१३	५३	१८	२०	४०	२४	१२	१३	सिंहे	भ. १३।५३ या. माघस्नान पूर्ति

४५पं.मा.शु.५ र.इ.४८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	८	११	३	०	१०
३	५	११	०	११	२५	२५	३०
१	२२	२२	४६	४७	४३	१६	०
३३	२७	५९	५२	२०	३७	७	९
६०	३६/४	६६/२९	९	७१	४८/०	३	६०
४२	ब	ब	३४	३	ब	११	३७

गोचरग्रहाः

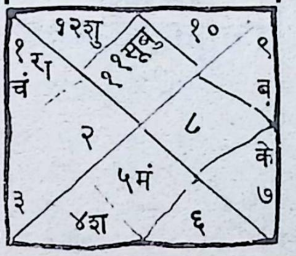

माघ शु. २ गुरौं कुंभेऽर्कः प्र. वा.२ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

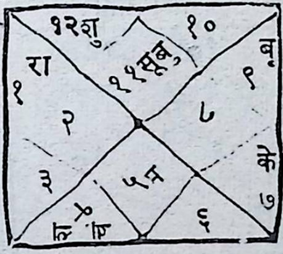

४६पं.मा.शु.१३र.इ.४९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	८	११	३	०	१०
१०	३	४	१	२०	२५	२४	१०
६	५	१५	४९	५	१०	५३	३
५	१३	०	५२	३८	१६	५२	३८
६०	३५/१४	६२/३८	८	७०	४/२२	३	६०
३१	ब	ब	४३	२५	ब	११	२५

ति.	फाल्गुण कृष्णपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३५	२८	पू	४२	५०	सु	१९	४३	बा	८	१६	२८/२२	६/२०	५/४०	२५	१३	१४	कं.५७।३	पूर्वोदयं बुधः २४।४४
२	गु	३०	२३	उ	३९	४१	धृ	१०	२८	तै		५५	२६	१९	४१	२६	१४	१५	कन्यायां	भ. ५८।१५ उ. वक्री मकरेबुधः ५३।२१
३	शु	२६	७	ह	३७	१४	शू	५/५५	५२/५५	वि	२६	७	३०	१८	४२	२७	१५	१६	कन्यायां	भ. २६।७ या. चतुर्थी व्र.
४	श	२२	४१	चि	३५	२९	वृ	५२	३८	बा	२२	४१	३४	१७	४३	२८	१६	१७	तु.६।२१	पातस्पर्शः १२।३१ पातमोक्षः २२।४६
५	र	२०	१५	स्वा	३५	७	ध्रु	४८	१५	तै	२०	१५	३८	१६	४४	२९	१७	१८	तुलायां	
६	चं	१८	५४	वि	३५	४४	व्या	४४	४७	व	१८	५४	४२	१६	४४	१	१८	१९	वृ.२०।३४	भ. १८।५४ उ. ४८।५२ या.
७	मं	१८	५०	अ	३७	४०	ह	४२	२१	ब	१८	५४	४६	१५	४५	२	१९	२०	बृश्चिके	मार्गी बुधः २६।९ मेषे शुक्रः १६।११×
८	बु	२०	१४	ज्ये	४०	४८	व	४०	३६	कौ	२०	५०	५०	१४	४६	३	२०	२१	ध.४०।४८	पूभायां रविः ३९।३२ सीता ८
९	गु	२२	४७	मू	४५	२१	सि	४०	२९	ग	२०	१४	५४	१३	४७	४	२१	२२	धनुषि	भ. ५४।३९ उ.
१०	शु	२६	३१	पू	५०	२५	व्य	४०	४६	वि	२६	४७	५८	१२	४८	५	२२	२३	धनुषि	भ. २६।३१ या. मूले २ गुरुः १४।७
११	श	३१	१	उ	५६	२२	व	४२	१	बा	३१	३१	२९/२	१२	४८	६	२३	२४	म.६।५४	विजया ११ व्र. ×वक्री कर्के भौमः ३६/२१
१२	र	३५	५९	श्र	६०	०	प	४२	५९	कौ	३	३०	६	११	४९	७	२४	२५	मकरे	
१३	चं	४१	१२	श्र	२	५०	शि	४४	२०	ग	८	३५	१०	१०	५०	८	२५	२६	कु.३५।५२	भ. ४१।१२ उ. प्रदोषः
१४	मं	४६	७	ध	८	५५	सि	४५	२९	वि	१३	३९	१४	९	५१	९	२६	२७	कुम्भे	भ. १३।३९ या. कुंभे बुधः १४।५९=
३०	बु	५०	३५	श	१५	२०	सा	४६	१७	च	१८	२१	१९	८	५२	१०	२७	२८	कुम्भे	अमावस्या =महाशिवरात्री व्रतं

४७पं.फा.कृ.५ र.इ ४९।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	९	८	११	३	०	१०
१७	०	२९	२	२८	२४	२४	१७
८	५४	२	४७	१९	३८	३१	५
५४	१४	२४	१३	१२	५६	३६	५२
६०	३०/२४	४८/४४	७	६९	४/४	३	६०
२०	ब	ब	४३	४०	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

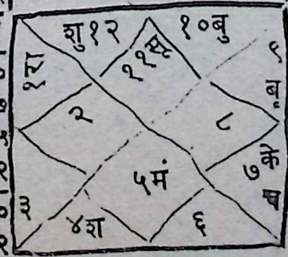

इस मास में प्रजा में सुख शांति रुई सन कुंष्ठा कपड़ा नील जायफल मंदा घृतादि ऐसे पदार्थ तेज।

गोचरग्रहाः

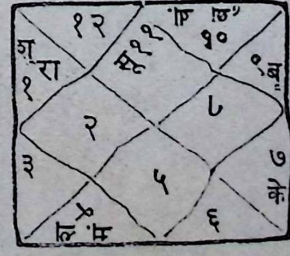

४८पं.फा.कृ.१२र.इ.४९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	८	०	३	०	१०
२४	२८	२९	३	६	२४	२४	२४
१०	५७	१८	३७	२६	१०	९	६
१६	२५	३२	१२	१७	१	२१	३४
६०	२३/२१	२९/३०	६	६८	३/४७	३	५९
५	ब	ब	३८	५२	ब	११	५८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	गु	५४	७	पू	२०	४६	शु	४६	२४	किं	२२	२१	२३	६ ७	५३	११	२८	२९	मी४।२५
२	शु	५६	३३	उ	२५	०	शु	४५	३३	बा	२५	२०	२८	६	५४	१२	२९	३०	मीने
३	श	५७	४०	रे	२८	१०	ब्र	४३	४०	तै	२७	७	३२	६	५४	१३	३०	१	मे.२८।१०
४	र	५७	३२	अ	३०	६	ऐं	४०	५७	व	२७	३६	३६	५	५५	१४	१	२	मेषे
५	चं	५६	५	भ	३०	५४	वै	३७	१४	ब	२६	४८	४०	४	५६	१५	२	३	वृ.४५।४५
६	मं	५३	२७	कृ	३०	२०	वि	३२	२३	कौ	२४	४६	४४	३	५७	१६	३	४	वृषे
७	बु	४९	५१	रो	२८	४३	प्री	२७	५	ग	२१	३९	४९	२	५८	१७	४	५	मि५७।२६
८	गु	४५	२२	मृ	२६	१०	आ	२१	४०	वि	१७	३६	५३	१	५९	१८	५	६	मिथुने
९	शु	४०	११	आ	२३	८	सौ	१३	५६	बा	१२	४७	५७	१	५९	१९	६	७	मिथुने
१०	श	३४	३५	पु	१९	२५	शो	३९	५९	तै	७	२३	३०	६०	६०	२०	७	८	क.५।२०
११	र	२८	४४	पु	१५	२६	सु	५१	२५	व	१	३९	६	५९	६०	२१	८	९	कर्के
१२	चं	२२	५८	श्ले	११	१६	धृ	४३	४६	बा	२२	५८	१०	५८	२	२२	९	१०	सिं११।१६
१३	मं	१६	५७	म	७	८	शू	३६	१०	तै	१६	५७	१४	५७	३	२३	१०	११	सिंहे
१४	बु	११	२९	पू	३	३६	गं	२८	५५	व	११	२९	१८	५६	४	२४	११	१२	कं.१७।४६
१५	शु	६	२४	उ	६०	५७	वृ	२२	४	ब	६	२४	२२	५६	४	२५	१२	१३	कन्यायां

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७२४ स.१९४८

चंद्रद. पातस्पर्श:४०।१५ पातमोक्षः ५३।६
मीनेऽर्कः ३९।५० भरण्यां शुक्रः ५२।१३
भ. २७।३६ उ. ५७।३२ या.

भ. ४९।५१ उ. उभायां रविः ०।२८
भ. १७।३६ या. शते बुधः २१ होलाष्क×
*राहुः विशाखायां केतुः २१।९

भ.१।३९उ.२८।४४या. आमलकी ११व्र.
प्रदोषः ×होई ८
वक्री सार्पे २ शनिः १६।२५ भरण्यां ३*
भ ११।२९ उ.३८।५६ या. होलिकादहनं
कृतिकायां शुक्रः ५२।५१ छांरेंड़ी

४९पं. फा.शु.४र.इ.५०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	८	०	३	०	११
१	२७	३	४	१४	२३	२३	१
९	२२	४१	१८	२५	४४	४७	५
५८	३४	२	१८	२६	४२	५	४६
५९	१५ ११	५०	५	६७	१३ १२	३	५९
४९	ब	५१	३८	५५	व	११	४१

गोचरग्रहाः

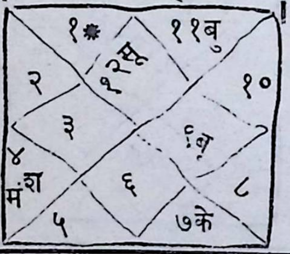

फाल्गुन शु. ३ शनौ मीनेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चि.

गोचरग्रहाः

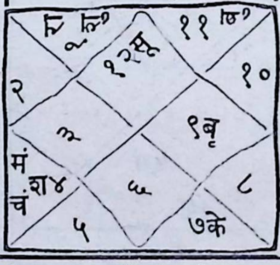

५०पं.फा.शु.११र.इ.५०।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	८	०	३	३	११
८	२६	१०	४	२२	२३	३३	८
७	१८	४२	५५	१५	२३	२४	३
५२	४७	२५	२३	४०	३८	५०	२२
५९	२७ २२	६४	४	६६	०३ ३२	३	५९
३५	ब	३२	२७	४२	व	११	२९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २००४ शाकः १८६९												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	२	२	चि	५५	१६	ध्रु	१५	४८	कौ	२	२	२६	५५	५	२६	१३	१४	तु.२६।३०
२	शु	५६	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	श	५६	७	स्वा	५४	५८	व्या	१०	२२	व	२७	२१	३०	५४	६	२७	१४	१५	तुलायां
४	र	५४	४७	वि	५५	२७	ह	५	५२	ब	२५	२७	३४	५३	७	२८	१५	१६	वृ.४०।१९
५	चं	५४	४०	अ	५७	८	व	६०	५६	कौ	२४	४६	३८	५२	८	२९	१६	१७	वृश्चिके
६	मं	५९	१	ज्ये	६०	०	व्य	५७	५२	ग	२५	२०	४२	५२	८	३०	१७	१८	वृश्चिके
७	बु	५८	३५	ज्ये	५	६	व	५७	१२	वि	२७	१८	४७	५१	९	३१	१८	१९	ध. ०।६
८	गु	६०	०	मू	४	६	प	५७	२१	बा	३०	२५	५१	५०	१०	१	१९	२०	धनुषि
८	शु	२	१६	पू	९	८	शि	५८	८	कौ	२	१६	५६	४९	११	२	२०	२१	म.२५।३७
९	श	६	४३	उ	१५	६	सि	५९	२५	ग	६	४३	३०	४८	१२	३	२१	२२	मकरे
१०	र	११	४२	श्र	२१	२४	सा	६०	०	वि	११	४२	४	४७	१३	४	२२	२३	कुं.५४।३७
११	चं	१६	४४	ध	२७	५२	सा	१	८	बा	१६	४४	८	४६	१४	५	२३	२४	कुंभे
१२	मं	२१	५३	श	३४	५	शु	२	२२	तै	२१	५३	११	४६	१४	६	२४	२५	कुंभे
१३	बु	२५	५७	पू	३९	४१	शु	३	१०	व	२५	५७	१५	४५	१५	७	२५	२६	मी२३।१७
१४	गु	२९	१९	उ	४४	१२	ब्र	३	३३	श	२९	१९	१८	४४	१६	८	२६	२७	मीने
३०	शु	३१	३६	रे	४७	३६	ऐं	३	६	च	०	२८	२२	४४	१७	९	२७	२८	मे.४७।३६

वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वसंत १ कलमदवात पूजा
क्षयः
भ. २७।२२ उ. ५६।७ या.
वृषे शुक्रः ५६।२० चतुर्थी व्र.
पूभायां बुधः ११।२७ मार्गीभौमः १०।५२
भ. ५६।१ उ. रेवत्यां रविः २७।५६
भ. २७।१८ या.
शीतलापूजनं अप्रेल मा. ४ ता. ३०

भ. ३९।१२ उ.
भ. ११।४२ मीने बुधः ५४।३३
पापमोचनी ११ व्र.

भ. २५।५७ उ. ५७।३८ या. उभायां×
×बुधः १५।१२ रोहिण्यां शुक्रः २२।७
अहर्गणः ४७५३ च. ३ के.

५१पं. चै.कृ.४ र.इ.५०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	८	०	३	०	११
१५	२५	१९	५	२९	२३	२३	१४
३	५१	३३	२२	५३	६	२	५९
५४	१८	५८	२६	५३	४७	३५	१८
५९	१० १९	७५	३	६५	५१ ५२	३	५९
१८	व	२२	१७	११	व	११	१६

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में सुखशांति होगी। रुई में पहले मंदी बीच में तेजी होगी। घृत गुड़ खांड अलसी अनाज में घट बढ़ होकर मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

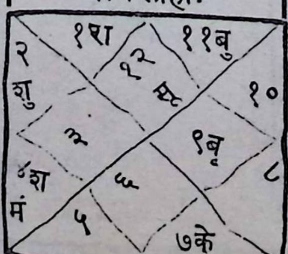

५२पं.चै.कृ.१०र.इ.५१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	८	१	३	०	११
२१	२५	२९	५	७	२२	२२	२१
५८	५८	५५	४०	२०	५५	४०	५३
७	१९	१	२३	१०	१	१९	३१
५९	६ १७	८५	१	६३	१२ १८	३	५९
४	मा	१९	४९	२९	ब	११	४

*चंराशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०४९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०४९ भौग्यकलिः ४२६९५१ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २००५ शाकः १८७० अथास्मिन्वर्षे राजा शनिः । मंत्री भौमः । सस्येशः शुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशः शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशोः रविः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चन्द्रः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १५ प्लव नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः २।४।३८।२४ भोग्यमासादिः ९।२५।२१।३६ पितृ-दैवतंयुगम् । वर्षनाम ज्येष्ठः। मेघनाम आवर्तः। समय निवासो मालाकारगृहे(चड़स में) । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं महिषः । स्तम्भ २ वाय्वन्नयोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी१ । अंगारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानु सप्तमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३९०। समय दिनानि ३५४। तिथि क्षयः१६ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ९३ । वर्षा विश्वा ११ । धान्य ९. तृण ५ । शीत५ तेज५।वायु१३। शनि दृष्टिर्दक्षिणे। वृद्धिः१५ । क्षयः १५। विग्रह११ ऐक्यं ८९ । सत्यं ।।.धर्म१।। पाप १८ । ग्रहणं१ सूर्यस्य भारते ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ५।२७

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके आया सम्बत् पांच ।
कसा सम्बत् नीपजे मुख से कह दो सांच ।।१।।

भवानी उत्तर

सुन ले भैरव ध्यान से सम्बत्सर का हाल ।
धान्य घनेरा नीपजे जग में बढ़े बबाल ।।२।।

शनि राजा इस वर्ष में इनकी खोटी वान ।
मन्त्री मंगल साथ में करें जगत में हानि ।।३।।

चौमासे मघवा चढै मेघ चतुर्दश लार ।
जल वर्षे हर्षे प्रजा नदियां वहें अपार ।।४।।

शरद्ऋतु दक्षिण दिशा कहींक मांचे जंग ।
राजा प्रजा के राग से होय रंग में भंग ।।५।।

धर्म कर्म जप तप करैं काज होय सब सिद्धि ।
जगदीश्वर के भजन से बढै चौगुनी रिद्धि ।।६।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ०।१९

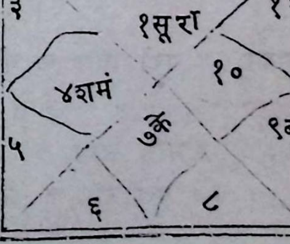

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।७।६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षेराजा शनिस्तत्फलम्–शनैश्चरे भूमिपतौ सक्रज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धं नृपाणां गदतस्करार्द्यैर्भ्रमंतिलोकाः क्षुधिताश्चदेशान् ।। मंत्री भौमस्तत्फलम्–अवनिजे ननु मंत्रि पदं गते भवति दस्युगदादिज वेदनाः । जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोपु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम्–शुक्रोयदा धान्यपतिर्धरायां मेघोजलं वर्षति शोभनंप्रियम् । गोधूम शालेक्षुधन प्रियंगु वृक्षेषुपुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्–बुधे धान्याधिपे मेघाः जलं मुंचन्ति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवेऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम्–शशिनि तोपदपे यदि गो महिष्यजवरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धन धान्यवतीधरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशः शनिस्तत्फलम्–रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्चपयोधराः । अजगवां गज वाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषु नरान्नरसैर्युता ।। नीरसेशो गुरुस्तत्फलम्–हरिद्रापीत-वस्तूनां पीतवस्त्रादिकं च यत् । नीरसेशो यदाजीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशो रविस्तत्फलम्–द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोगविरोधितः । बहु जलं जलदो भुविमुञ्चतिक्वचिदपि प्रमितं फलपोरविः ।। धनेशो गुरुस्तत्फलम्–सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुखभाजनाः । फलित पुष्पितभूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुविमानवाः ।। दुर्गेशचन्द्रस्तत्फ-गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृप सुराज्यविलासित पौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरस भोगिनो नर वरा नर वर्णित विग्रहाः ।। वर्षनाम ज्येष्ठस्तत्फलम्–तस्करैः पापरोगैर्वा पीड्यन्ते पीडयाजनाः । भ्रमंते स्वेच्छयाभूम्यां निर्द्रव्यं ज्येष्ठसंज्ञके ।। प्लव नाम संवत्सर-स्तत्फलम्–प्लवाब्देनिखिला धात्री वृष्टिभिः प्लवसंनिभा । रोगकालेत्वितिर्भीतिः संपूर्णे वत्सरे भवेत् ।। मेघनाम आवर्तस्तत्फ–आवर्ते छिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो मालाकारगृहे तत्फलम्–मालिनः प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २००५ शाके १८७० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ४ भौमे मृगे ल. १२ रे. ८ ।।।।।ऽऽ५विघुत्।।
,, १३ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो. सोग्रांगः १२ (सष्तमेचंद्रः पूज्यः) रे. ८ ।।।।ऽरोऽ।।।

बैसाख मासः

कृष्णा ४ भौमे मूले ल.गो. सोग्रांगः १२ रे.७।।ऽबु।शु।।ऽ।।
शुक्ला १ चंद्रे रोहि. ल.१२ रे.९।।ऽबु।।।।।।।चंद्रवाल्यत्वं
,, २ भौमे मृगे ल. १२ अंश २२ या. रे.९ ।।।।।ऽ।।।
,, १० भौमे उफा. ल. गो. रे. ६ ऽमंऽ।।ऽनृप।ऽ।।
,, ११ बुधे हस्ते ल. गो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।।
,, १३ शुक्रे स्वा. ल. ऽन्यगो. रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उषा. ल. गो. रे.६ ।।।ऽबु।ऽनृ।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याभावः पादतोवेधाऽभावः
,, ९ भौमे उभा. ल. ऽन्यगो. रे. ८ ।।।।ऽरो।ऽ।।
, १० बुधे रेव. ल. ऽन्यगो. रे.७ ऽबु।।।।ऽऽ। स्तंभ-रोपणं प्रातः

आषाढ मासः

शुक्ला ६ चंद्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा २ गुरौ मृगे ल. ४ रे. ९ ।।।।।ऽअग्नि।।।।
शुक्ला ८ गुरौ उभा. ल. ४ रे. ९ ।।।।ऽ।।।।

माघ मासः

शुक्ला ४ बुधे उभा.ल.८।(शु.पू.)९ रे. ७ ।।।।ऽअऽऽ।
,, ५ गुरौ रेव० ल. ८-९ रे. १० ।।।।।।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ भौमे उफा. ल. ८-९ रे. ९ ।।।।।ऽ।।
,, ३ बुधे हस्ते ल. ९ रे. ७ ।।।।ऽनृ।ऽ। दग्धादोषः अत्यावश्यके.
,, ७ शनौ अनु. ल. ९ (व्याघात दो.) रे.७ ऽश।।।।।ऽऽ।
,, ९ चंद्रे मूले ल. ९ अं. ५ पश्चात् रे. ७ ऽशु।।।।ऽऽ।।

अंत्रक्वचित्स्मृतिदृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७५४ स.१९४८
१	श	३२	३७	अ	४९	३३	वै	५/१७	७/५२	किं	२	६	३/२५	५/४३	६/१७	१०	२८	२९	मेषे	नवरा. घटस्था. संवत्सरारंभः ध्वजा.
२	र	३२	२१	भ	५०	४९	प्री	५५	४२	बा	२	३४	२९	४२	१८	११	२९	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	३०	४८	कृ	५०	३३	आ	५१	१८	तै	१	३५	३२	४२	१८	१२	३०	१	वृ.५।३५	भ. ५९।२६ उ. जमादिलाखर ६ मत्स्य*
४	मं	२८	४	रो	४९	१०	सौ	४६	१०	वि	२८	४	३६	४१	१९	१३	३१	२	वृषे	भ. २८।४ या. मेषेऽर्कः २।२८
५	बु	२४	२२	मृ	४७	३	शो	४०	८	बा	२४	२२	४०	४०	२०	१४	१	३	मि१८।६	रेवत्यां बुधः ५२।६ *जयंती गणगौ.
६	गु	१९	४८	आ	४४	१	अ	३३	४२	तै	१९	४८	४३	३९	२१	१५	२	४	मिथुने	वक्री गुरुः १५।१७
७	शु	१४	३२	पु	४०	२७	सु	२६	३७	व	१४	३२	४७	३९	२१	१६	३	५	क.२६।२१	भ. १४।३२ उ.४१।३९ या. मार्गी शनिः×
८	श	८	४७	पु	३६	३३	धृ	१९	१०	व	८	४७	५१	३८	२२	१७	४	६	कर्के	राम ९ ×२६।१९ पूर्वास्तं बुधः५३।४६
९	र	२	५२	श्ले	३२	२८	शू	११	३७	कौ	२	५२	५४	३७	२३	१८	५	७	सिं३२।२८	
१०	र	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः =४९।४१ कामदा ११ब्र. स्मा.
११	चं	५१	०	म	२८	२५	गं	३/४९	५२/२७	व	२३	५५	५८	३६	२४	१९	६	८	सिंहे	भ. २३।५५ उ. ५१।० या. पातस्पर्शः=
१२	मं	४५	२३	पू	२४	३४	ध्रु	४८	४६	ब	१८	१२	३/२	३६	२४	२०	७	९	कं.३८।४४	मृगे शुक्रः ५८।३६ पातस्पर्शः ०।४७+
१३	बु	४०	१२	उ	२१	१५	व्या	४२	६	कौ	१२	४७	६	३५	२५	२१	८	१०	कन्यायां	मेषेऽश्विन्यां बुधः ४७।९ प्रदोषः
१४	गु	३५	४८	ह	१८	२५	ह	३५	४३	ग	८	०	९	३४	२६	२२	९	११	तु.४७।२२	भ.३५।४८ उ. +कामदा ११ब्र. वै. नि.
१५	शु	३२	१८	चि	१६	२०	व	३०	११	वि	४	३	१३	३३	२७	२३	१०	१२	तुलायाँ	भ. ४।३ या. हनुमज्ज. वै. स्ना. प्रा.

१पं. चै.शु.४मं.इ.६।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	८	१	३	०	०
०	२६	१३	५	१५	२२	२२	०
४	४८	४५	४९	४५	४५	१४	०
१६	३६	३२	२९	७	१८	३८	०
५८	१२	९९	०	६०	०/१	३	५८
४५	१३	२५	२६	४४	व	११	४४

गोचरग्रहाः

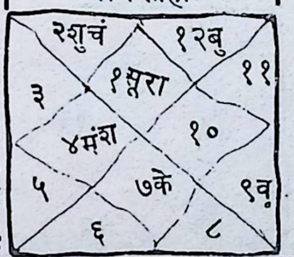

चैत्र शु. ४ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

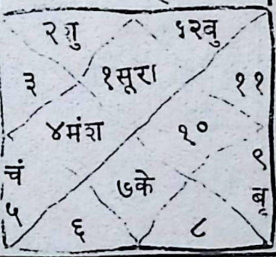

२पं. चै.शु.१२ मं.इ. ७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	८	१	३	०	०
६	२८	२६	५	२२	२२	२१	६
५४	३	५१	४७	३०	४४	५१	५०
२४	३६	०	४६	२२	३८	१३	३८
५८	१६	[illegible]	५९	५७	२१	३	५८
२९	४१	२२	व	४९	मा	११	३१

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२९	४३	स्वा	१५	२०	सि	२५	३५	बा	१	०	३२/१७	५/३३	६/२७	२४	११	१३	तुलायां	*चतुर्थी ब्र. अगस्त्यास्तः ४८।५६
२	र	२८	१६	वि	१५	२४	व्य	२१	३८	ग	२८	१६	२१	३२	२८	२५	१२	१४	वृ.०।२३	भ. ५२।११ उ.
३	चं	२८	७	अ	१६	५५	व	१८	४७	वि	२८	७	२५	३१	२९	२६	१३	१५	वृश्चिके	भ. २८।७ या. भरण्यां रविः ४३।५२*
४	मं	२९	१७	ज्ये	१९	११	प	१६	५६	बा	२९	१७	२९	३०	३०	२७	१४	१६	ध.१९।११	मघायां सिंहे भौमः ५६।२८
५	बु	३१	४४	मू	२३	१२	शि	१५	६	कौ	०	३१	३३	२९	३१	२८	१५	१७	धनुषि	भरण्यां बुधः५।५१ मिथुने शुक्रः२७।१९
६	गु	३५	२७	पू	२८	४	सि	१५	६	ग	३	३६	३६	२९	३१	२९	१६	१८	म.४४।२९	भ. ३५।२७ उ.
७	शु	३९	४९	उ	३३	४६	सा	१६	५४	वि	७	३८	४०	२८	३२	३०	१७	१९	मकरे	भ. ७।३५ या.
८	श	४४	३८	श्र	४०	६	शु	१८	९	बा	१२	१३	४३	२७	३३	१	१८	२०	मकरे	**मई मा. ५ ता. ३१** =ब्र. स्मा. वै.
९	र	४९	३९	ध	४६	३७	शु	१९	३१	तै	१७	८	४७	२७	३३	२	१९	२१	कुं.१३।२१	पातस्पर्शः ४८।१
१०	चं	५४	२४	श	५२	५९	ब्र	२०	५९	व	२२	१	५०	२६	३४	३	२०	२२	कुम्भे	भ.२२।१ उ. ५४।२४ पातमोक्षः १।१२
११	मं	५८	४२	पू	५८	३३	ऐं	२२	६	ब	२६	३३	५४	२५	३५	४	२१	२३	मी४२।१०	कृतिकायां बुधः१५।२३बरूथिनी ११ ब्र.=
१२	बु	६०	०	उ	६०	०	वै	२२	४३	कौ	३०	२२	५८	२४	३६	५	२२	२४	मीने	बृषे बुधः५०।२४ बरूथिनी ११ब्र.निम्वा
१२	गु	२	२	उ	३	२३	वि	२२	३२	तै	२	२	३/१	२४	३६	६	२३	२५	मीने	आर्द्रायां शुक्रः ४१।४३ प्रदोषः
१३	शु	४	१०	रे	७	९	प्री	२१	२१	व	४	१०	४	२३	३७	७	२४	२६	मे. ७।९	भ. ४।१० उ. ३४।४८ या.
१४	श	५	२७	अ	९	३९	आ	१९	९	श	५	२७	७	२३	३७	८	२५	२७	मेषे	
३०	र	४	४९	भ	१०	५२	सौ	१६	१०	ना	४	४९	१०	२२	३८	९	२६	२८	बृ.२५।५४	रवि ग्रहणम्

३पं. वै.कृ.४ मं.इ.७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	८	१	३	०	०
१३	२९	११	५	२८	२२	२१	१३
४२	४३	१७	३७	४८	४९	२८	३९
४९	४१	५६	५	२२	५२	५८	४०
५८	१९	[illegible]	२३	५३	१	३	५८
१२	५७	१३	व	४६	६	११	२०

गोचरग्रहाः

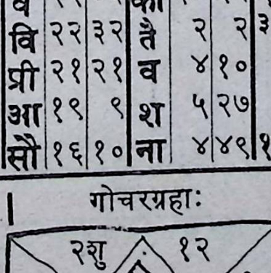

इस मास में पांच शनिवार और सुदी में तेरह दिन का पखवाडा महा अशुभ है।

गोचरग्रहाः

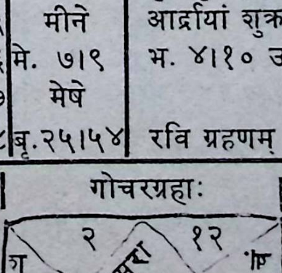

४पं.वै.कृ.११ मं.इ.७।३६

र	मं	बु	ग	शु	श	रा	र
०	४	०	८	२	३	०	०
२०	१	२६	५	४	२२	२१	२०
२९	४४	२३	१७	३४	५९	६	२७
२८	५३	३८	२	४१	५३	४२	२२
५७	२२	[illegible]	३१	४८	१	३	५८
५७	४२	१७	व	४७	४६	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७८४ स.१९४८
१	चं	३	१२	कृ	११	०	शो	१२	३	ब	३	१२	३३/५३	५/२१	६/३९	१०	२७	२९	वृषे	कृत्तिकायां रविः ३१।४७ रोहिण्यां बुधः×
२	मं	०	२८	रो	९	५०	अ	७	३	कौ	०	२८	१६	२१	३९	११	२८	१	मि३८।४७	रज्जव ७ परशुरामजयंती अक्षया ३
३	मं	५६	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×३७।२१पश्चिमोदयीबुधः२०।४२चंद्रद.
४	बु	५१	३२	मृ	७	४४	सु	५/१६	५४/३	व	२४	१०	१९	२०	४०	१२	२९	२	मिथुने	भ. २४।१० उ. ५१।३२ या.
५	गु	४६	४०	आ	४	५७	शू	४८	५	ब	१९	६	२२	२०	४०	१३	३०	३	क.४७।२०	बृषेऽर्कः ५९।३४ सार्पे शनिः १७।१८
६	शु	४०	५०	पु	२७/१	५६/१३	गं	४०	४४	कौ	१३	४५	२५	१९	४१	१४	१	४	कर्के	
७	श	३४	५५	श्ले	५३	२९	वृ	३३	२२	ग	७	५२	२८	१८	४२	१५	२	५	सिं५३।२९	भ.३४।५५उ. गंगोत्पत्तिः पातस्पर्शः ४३/५५*
८	र	२८	५१	म	४९	२७	ध्रु	२५	३४	वि	१	५३	३१	१८	४२	१६	३	६	सिंहे	भ. १।५३ या. *पातमोक्षः ५५।४३
९	चं	२२	५४	पू	४५	३२	व्या	१८	११	कौ	२२	५४	३४	१७	४३	१७	४	७	कं.५९।३९	
१०	मं	१६	५७	उ	४१	५९	ह	१०	५२	ग	१६	५७	३६	१७	४३	१८	५	८	कन्यायां	भ. ४४।२९ उ. मृगे बुधः ३।४४
११	बु	१२	१	ह	३८	५४	व	४/०	५३/३५	वि	१२	१	३९	१६	४४	१९	६	९	कन्यायां	भ. १२।१ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	गु	७	३१	चि	३६	४९	व्य	५१	५२	बा	७	३१	४१	१६	४४	२०	७	१०	तु.७।५१	प्रदोषः
१३	शु	३	५२	स्वा	४६	३२	व	४७	२	तै	३	५२	४४	१५	४५	२१	८	११	तुलायां	नृसिंहजयंती
१४	श	१	१३	वि	३७	२७	प	४३	६	व	१	१३	४६	१५	४५	२२	९	१२	वृ.२२।१४	भ.१।१३ उ.३/० या. मिथुने बुधः ५५।६+
१५	श	५८	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+अन्नदा. वै. स्ना. पू.

५पं. वै.शु. २मं.इ.७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	८	२	३	०	०
२७	४	१०	४	९	२३	२०	२७
१४	१०	५६	४८	३६	१५	४४	१३
४२	२३	३१	५८	११	०	२७	३०
५७	२५	[illegible]	४/४७	४२	२	३	५७
४५	५१	२२	ब	४	१९	११	५४

गोचरग्रहाः

वैशाख शु.५ गुरौ
बृषेऽर्कः प्र. वा.३
न.४गताल्कावस्था
(ऊभी) मु. ४५
(धा.भाव मंदा)
शुक्रोदय पश्चि.।

गोचरग्रहाः

६पं. वै.शु.१०मं.इ.७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	८	२	३	०	१
३	६	२३	४	१३	२३	२०	३
५८	४८	२५	१३	४३	२४	२२	५८
१९	१४	४८	१	२७	५९	११	२६
५७	२७	८२	५/५	३३	३	३	५६
३४	२८	२२	ब	१४	११	११	४४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेवैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५९	३६	अ	३८	७	शि	४०	५	बा	२९	४२	३३/४८	५/१४	६/४६	२३	१०	१३	वृश्चिके	
२	चं	६०	०	ज्ये	३९	४३	सि	३७	५९	तै	३०	५	५०	१४	४६	२४	११	१४	ध.३९।५३	रोहिऽयां रविः २५।४३
२	मं	०	३३	मू	४२	९	सा	३७	३	ग	०	३३	५२	१४	४६	२५	१२	१५	धनुषि	भ. ३१।४१ उ. भरण्यां२ राहुः स्वात्यां४×
३	बु	२	५०	पू	४७	१	शु	३६	५७	वि	२	५०	५४	१३	४७	२६	१३	१६	धनुषि	भ. २।५० या. वक्री मूले१ गुरुः ४२।४४*
४	गु	६	१८	उ	५२	२७	शु	३७	३३	बा	६	१८	५६	१३	४७	२७	१४	१७	म.३।२२	
५	शु	१०	३८	श्र	५८	४२	ब्र	३८	५३	तै	१०	३८	५८	१२	४८	२८	१५	१८	मकरे	पातस्पर्शः ३७।१५ पातमोक्षः ५४।४२
६	श	१५	३०	ध	६०	०	ऐं	४०	१४	व	१५	३०	३४/००	१२	४८	२९	१६	१९	कु.३१।५३	भ.१५।३०उ.४५/७२या. आर्द्रायांबुधः५।२०
७	र	२०	१५	ध	५	४	वै	४१	५३	ब	२०	१५	२	१२	४८	३०	१७	२०	कुंभे	
८	चं	२५	२	श	११	३२	वि	४३	४	कौ	२५	२	४	११	४९	३१	१८	२१	कुम्भे	
९	मं	२९	१२	पू	१७	२०	प्री	४३	४८	ग	२९	१२	६	११	४९	१	१९	२२	मी०।५३	जून मा. ६ ता. ३० *चतुर्थी व्र.
१०	बु	३२	२८	उ	२२	१२	आ	४३	४५	वि	०	५०	८	१०	५०	२	२०	२३	मीने	भ.०।५०उ.३२/२८या. पूफायांभौमः१३।५२
११	गु	३४	३६	रे	२६	१६	सौ	४२	५३	ब	३	३२	९	१०	५०	३	२१	२४	मे.२६।१६	वक्री शुक्रः ५२।३८ अपरा ११ व्र.
१२	शु	३५	३३	अ	२९	८	शो	४१	३	कौ	५	५	११	१०	५०	४	२२	२५	मेषे	
१३	श	३५	१४	भ	३०	३५	अ	३८	९	ग	४	२३	१२	१०	५०	५	२३	२६	वृ.४५।४२	भ, ३५।१४ उ. प्रदोषः ×केतुः ६।४८
१४	र	३३	३५	कृ	३१	३	सु	३४	१३	वि	४	२४	१३	९	५१	६	२४	२७	बृषे	भ. ४।२४ या. +११।३० वटपूजनं
३०	चं	३०	४८	रो	३०	९	धृ	२९	४०	च	२	१२	१५	९	५१	७	२५	२८	मि५९।१३	मृगे रविः२४।३२ वक्री बुधः ३१/३० भावुका+

७पं.ज्ये.कृ.२मं.इ. ८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	८	२	३	०	१
१०	९	३	३	१६	२३	१९	१०
४०	४१	१८	३०	३७	५९	५९	४२
३०	३८	५४	३६	१	२०	५६	१८
५७	२९	५०	६/४३	२१	३	३	५७
२३	५	५१	ब	२६	४३	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास में बुध शुक्र का योग होरहा है सो वर्षा करेगा मास के प्रारंभ में धान्य रुई अलसी गुड़ घृत तेज रहकर मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

८पं. ज्ये.कृ.९ मं.इ.८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	८	२	३	०	१
१७	१२	१०	२	१७	२४	१९	१७
२१	४६	११	४२	५८	२७	३७	२५
३६	२३	३	५०	४४	५८	४१	५
५७	३०	२२	७/२५	६	४	३	५७
१३	४१	१४	ब	४३	२१	११	२७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	२७	३	मृ	२८	१८	शू	२३	५४	ब	२७	३	३४/५६	२/९	५ ६/५	८	२६	२९	मिथुने
२	बु	२२	२५	आ	२५	३०	गं	१७	२७	कौ	२२	२५	१७	९	५१	९	२७	१	मिथुने
३	गु	१७	२	पु	२२	११	वृ	१०	५२	ग	१७	२	१८	९	५१	१०	२८	२	क. ८।१
४	शु	११	१५	पु	१८	३४	ध्रु	४ ३/३	५२/३०	वि	११	१५	१९	८	५२	११	२९	३	कर्के
५	श	५	१४	श्ले	१४	२४	ह	४८	४६	बा	५	१४	२०	८	५२	१२	३०	४	सिं१४।२४
६	श	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	र	५३	६	म	१०	५८	व	४१	५२	ग	२६	८	२१	८	५२	१३	३१	५	सिंहे
८	चं	४७	१७	पू	६	३०	सि	३३	५७	वि	२०	११	२१	८	५२	१४	३२	६	कं.२०।४१
९	मं	४२	२	उ	३/१४	५६/२२	व्य	२६	५८	बा	१४	३९	२२	८	५२	१५	१	७	कन्यायां
१०	बु	३७	२५	चि	५७	२६	व	२०	१९	तै	९	४४	२२	८	५२	१६	२	८	तु.२८।३१
११	गु	३३	४१	स्वा	५६	६	प	१४	३०	व	५	३३	२३	७	५३	१७	३	९	तुलायां
१२	शु	३०	५४	वि	५५	१६	शि	९	५५	ब	२	१८	२३	७	५३	१८	४	१०	वृ.४०।२९
१३	श	२९	१२	अ	५५	४१	सि	५	२३	तै	२९	१२	२३	७	५३	१९	५	११	वृश्चिके
१४	र	२८	५१	ज्ये	५८	१	सा	२ २/२	५७/३६	व	२८	५१	२४	७	५३	२०	६	१२	ध.५८।१
१५	चं	२९	५०	मू	६०	०	शु	५८	५६	ब	२९	५०	२४	७	५३	२१	७	१३	धनुषि

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः:४८१३ स.१९४८
चंद्रदर्शनम्
सावान ८
भ. ४४।८ उ. रंभा व्र.
भ. ११।१५ या. पातस्पर्शः १।३८ पात-×
क्षयः ×मोक्षः २०।४४
भ. ५३।६ उ.
भ. २०।११ या. मिथुनेऽर्कः २५।२०+
+पश्चिमास्तो बुधः ५।१९
गंगादशहरा =रंभः ५७/२४ निर्जला११व्र.
भ. ५।३३ उ. ३३।४१ या. शुक्रबृद्धत्वा=
प्रदोषः दक्षिणायन प्रवृत्तिः ३०।२८
वट सावित्री व्रतारंभः
भ. २८।५१ उ. ५९।२० या.
आर्द्रायां रविः २६।५२ प.अ.शु.

९पं. ज्ये.शु.१मं.इ. ८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	८	२	३	०	१
२४	१६	१३	१	१७	२५	१९	२४
१	४	३३	५१	२८	६	१५	७
३१	८	४७	२९	५५	१६	२५	८
५७	३१	३/२८	५/५२	१०/२६	४	३	५७
५	४५	ब	ब	ब	५०	११	२२

गोचरग्रहाः

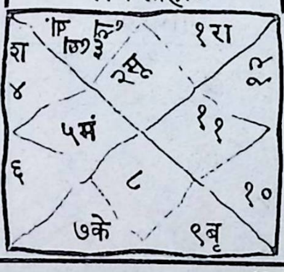

ज्येष्ठ शुक्ला ८ चंद्रे
मिथुनेऽर्कः:प्र.वा.५न.
६बालावस्था(बैठी)
मु. ४५ (धान्य भाव
मंदा) शुक्रोदयः पश्चिमे वत्सउत्तरे राहुः
पश्चिमे मूलंस्वर्गे।

गोचरग्रहाः

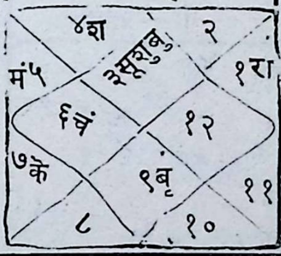

१०पं. ज्ये.शु.९मं.इ. ८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	८	२	३	०	२
०	१९	१२	०	१५	२५	१८	०
४०	३०	१८	५८	६	३७	५३	४८
३९	४	७	१२	७	२६	१०	५०
५६	३३	२२/२४	७/५२	२६/२४	५	३	५७
५७	०	ब	ब	ब	१४	११	१७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	मं	३१	४८	मू	१	४१	ब्र	५८	१७	बा	०	४३	३४/२४	५/७	५ ६/३	२२	८	१४	धनुषि
२	बु	३५	१७	पू	५	१७	ऐं	५९	१६	तै	३	३३	२४	७	५३	२३	९	१५	म.२२।३
३	गु	३९	२९	उ	११	८	वै	६०	०	व	७	२३	२४	७	५३	२४	१०	१६	मकरे
४	शु	४४	१२	श्र	१७	९	वै	०	२७	ब	११	५१	२३	७	५३	२५	११	१७	कुं.५०।१८
५	श	४८	५६	ध	२३	२७	वि	१	५५	कौ	१६	३४	२३	७	५३	२६	१२	१८	कुम्भे
६	र	५३	४७	श	१९	५५	प्री	३	२९	ग	२१	२१	२३	७	५३	२७	१३	१९	कुम्भे
७	चं	५८	२	पू	३५	४५	आ	४	५२	वि	२५	५५	२२	८	५२	२८	१४	२०	मी१९।१८
८	मं	६०	०	उ	४१	२	सौ	५	३६	बा	२९	४२	२२	८	५२	२९	१५	२१	मीने
८	बु	१	२२	रे	४५	३६	शो	५	५७	कौ	१	२२	२१	८	५२	३०	१६	२२	मे.४५।३६
९	गु	३	३५	अ	४८	२७	अ	५	१२	ग	३	३५	२०	८	५२	१	१७	२३	मेषे
१०	शु	४	३६	भ	५०	१६	सु	३	३२	वि	४	३६	१९	८	५२	२	१८	२४	मेषे
११	श	४	२०	कृ	५०	५४	धृ	५४/०	५६/२०	बा	४	२०	१८	८	५२	३	१९	२५	बृ.५।२५
१२	र	२	४५	रो	५०	३८	गं	५४	३८	तै	२	४५	१६	९	५१	४	२०	२६	बृषे
१३	चं	१	०	मृ	४९	१०	वृ	४७	९	व	१	०	१५	९	५१	५	२१	२७	मि१९।५४
१४	चं	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	मं	५१	३६	आ	४५	५७	ध्रु	४०	५९	च	२३	५७	१४	९	५१	६	२२	२८	मिथुने

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
वक्री ज्येष्ठायां ४ बृश्चिके गुरुः ४५।३५
भ. ७।२३ उ. ३९।२९ या.
सार्पे ४ शनिः ४९।७ चतुर्थी व्र.
भ. ५३।४७ उ.
भ. २५।५५ या. उफायां भौमः ५४।१०
वक्री मृगे बुधः ०।१२ पूर्वोदयीशुक्रः ५२/१२*
वक्री मृगे शुक्रः ३०।६ *पू.उ.शु.
भ. ३४।५ उ. **जुलाई मा.७ ता.३१**
भ. ४।३६ या. शुक्रबाल्यत्व समाप्ति ५२/१२
पातस्पर्शः ५१।३० योगिनी ११ व्र.
पूर्वोदयीबुधः५।२२पातमोक्षः९।१६प्रदोषः
भ.१।०उ.२८।३८या. पुन.रविः३०।५३
क्षयः :कन्यायां भौमः ४।५९
अमावस्या

११पं. आ.कृ.१मं.इ. ८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	८	२	३	१	२
७	२३	१०	०	११	२६	१८	७
१९	४	१८	४	१३	१७	३०	२९
७	४४	४	५५	४४	२	५५	१३
५६	३४	३३/२९	५७/५२	३५/४३	५	३	५७
५४	१४	ब	ब	ब	४१	११	१३

१२पं.आ.कृ.८ मं.इ. ८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	७	२	३	०	२
१३	२६	६	२९	६	२७	१८	१४
५७	४८	३५	१३	५२	०	९	९
१०	४	३१	१	३०	०	३९	४३
५६	३४	३४/२५	७/२७	३३/५८	६	३	५७
५८	४८	ब	ब	ब	२	११	७

१३पं.आ.कृ.३०मं.इ.७।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	८	७	२	३	०	२
२०	०	६	२९	७	२७	१८	१४
३५	३७	३५	१३	५२	०	९	९
६	३०	३१	१०	३०	०	३९	४३
५६	३४	३४/२५	७/२७	३३/५८	६	३	५७
५०	५८	ब	ब	ब	२	११	७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४८४२ स.१९४८
१	बु	४६	८	पु	४२	५१	व्या	३४	१६	किं	१८	५३	३४/५२	५/१०	६/५०	७	२३	२९	क.२८।३८	
२	गु	४०	३५	पु	३९	६	ह	२७	१०	बा	१३	२१	११	१०	५०	८	२४	३०	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा.
३	शु	३४	३६	श्ले	३५	४	व	१९	३९	तै	७	३५	१०	१०	५०	९	२५	१	सि३५।४	रमजान ९ रोजा
४	श	२८	२४	म	३०	५८	सि	१२	५	व	१	३०	९	१०	५०	१०	२६	२	सिंहे	भ.१।३० उ.२८।२४ या. मार्गी बुधः ५५/४०
५	र	२२	२०	पू	२६	४८	व्य	४/३५	५२/३४	बा	२२	२०	७	११	४९	११	२७	३	कं.४०।५१	आर्द्रायां बुधः ११।२५
६	चं	१६	१८	उ	२३	०	प	५०	६	तै	१६	२८	६	११	४९	१२	२८	४	कन्यायां	
७	मं	११	६	ह	१९	५४	शि	४३	२९	व	११	६	४	११	४९	१३	२९	५	तु.४८।३७	भ. ११।६ उ. ३८।४५ या.
८	बु	६	२५	चि	१७	२०	सि	३७	३२	ब	६	२५	२	१२	४८	१४	३०	६	तुलायां	
९	गु	२	२६	स्वा	१५	३३	सा	३२	१८	कौ	२	२६	३४/००	१२	४८	१५	३१	७	तुलायाँ	मार्गी शुक्रः २०।२८
१०	गु	५७	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	शु	५८	०	वि	१४	५७	शु	२८	४	व	२८	५२	३३/५८	१२	४८	१६	३२	८	वृ. ०।६	भ.२८।५२ उ.५८।०या. कर्केऽर्कः ३।३७×
१२	श	५७	३१	अ	१५	२७	शु	२४	४१	ब	२७	४५	५६	१३	४७	१७	१	९	वृश्चिके	देवशयनी ११ व्र. वै. निं.
१३	र	५८	२४	ज्ये	१७	२	ब्र	२२	१७	कौ	२७	५७	५४	१३	४७	१८	२	१०	ध.१७।२	प्रदोषः ×देवशयनी ११ व्र. स्मा.
१४	चं	६०	०	मू	१९	५७	ऐं	२०	५६	ग	२९	३०	५२	१४	४६	१९	३	११	धनुषि	पुष्ये रविः ३४।१८
१४	मं	०	३६	पू	२४	७	वै	२०	२९	व	०	३६	५०	१४	४६	२०	४	१२	म.४०।२३	भ. ०।३६ उ. ३२।९ या.
१५	बु	३	४२	उ	२९	१०	वि	२०	५०	ब	३	४२	४७	१५	४५	२१	५	१३	मकरे	

१४पं.आ.शु.७मं.इ.७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	७	२	३	०	२
२७	४	७	२७	१	२८	१७	२७
१३	३३	२८	४१	३२	३२	२४	३०
१२	५०	५२	३८	.२	५३	८	२९
५६	३६	१५/१५	६/०	५/८	६	३	५७
५५	२६	मा	व	ब	३७	११	११

गोचरग्रहाः

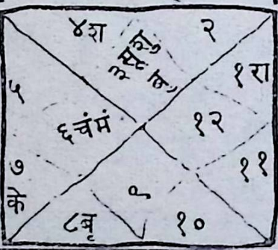

आषाढ़ शु. १० शुक्रे कर्केऽर्कः प्र. वा.५न ४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्या भाव मंदा) शुक्रो.पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.१४मं.इ.७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	श	र
३	५	२	७	२	३	०	३
३	८	१४	२७	१	२९	१७	४
५१	३५	१५	४	३८	२२	१	११
४०	४९	३२	५५	२०	३७	५३	१३
५६	३७	५९	४/५३	११/७	५	३	५७
५७	८	५	व	मा	५०	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	७	४८	श्र	३५	१२	प्री	२१	५५	कौ	७	४८	३३/४५	५/१५	६/४५	२२	६	१४	मकर	हस्ते भौमः २३।४०
२	शु	१२	२८	ध	४१	३२	आ	२३	२१	ग	१२	२८	४२	१६	४४	२३	७	१५	कु.८।२२	भ. ४५।० उ. पुनर्वसौ बुधः ५७।१४
३	श	१७	३३	श	४७	५७	सौ	२४	५९	वि	१७	३३	४०	१६	४४	२४	८	१६	कुंभे	भ· १७।३३ या. चतुर्थी व्र.
४	र	२२	८	पू	५४	०	शो	२६	२२	बा	२२	८	३७	१७	४३	२५	९	१७	मी३७।२९	वक्री ज्येष्ठायां ३ गुरुः ५९।४६ सिंहे=
५	चं	२६	२२	उ	५९	३	अ	२७	१९	तै	२६	२२	३५	१७	४३	२६	१०	१८	मीने	नाग ५ =शनिः १३।५७
६	मं	२९	४७	रे	६०	०	सु	२७	४०	व	२९	४७	३२	१८	४२	२७	११	१९	मीने	भ.२९/४७उ. भरण्यां१राहुःस्वात्यां३केतुः ३५/०
७	बु	३२	३४	रे	४	१	धृ	२७	१२	वि	१	१०	३०	१८	४२	२८	१२	२०	मे. ४।१	भ. १।१० या.
८	गु	३३	९	अ	७	१८	शू	२५	४५	बा	२	५१	२७	१९	४१	२९	१३	२१	मेषे	कर्के बुधः ५७।१०
९	शु	३३	१	भ	९	२४	गं	२३	१५	तै	३	५	२४	१९	४१	३०	१४	२२	वृ.२४।३८	पूर्वास्तं बुधः १६।२५
१०	श	३१	३१	कृ	१०	२२	वृ	१९	५२	व	२	१६	२१	२०	४०	३१	१५	२३	बृषे	भ.२।१६ उ. ३१।३१ या. पुष्येबुधः ५५/१४
११	र	२८	५१	रो	९	५५	ध्रु	१५	२७	ब	०	११	१८	२०	४०	१	१६	२४	मि३९।११	अस्तंशनेः ४७।३६ अगस्त मा.८ ता.३१
१२	चं	२५	१३	मृ	८	२९	व्या	१०	५	तै	२५	१३	१५	२१	३९	२	१७	२५	मिथुने	आश्लेषायांरविः३५।६ आर्द्रायांशुक्रः५५/५४
१३	मं	२०	४१	आ	६	३	ह	४/५	५३/२९	व	२०	४१	१२	२२	३८	३	१८	२६	क.४८।५६	भ. २०।४१ उ. ४८।४ या.
१४	बु	१५	२७	पु	१३/३	५६/७	सि	५०	११	श	१५	२७	९	२२	३८	४	१९	२७	कर्के	
३०	गु	९	४५	श्ले	५५	२५	व्य	४२	४१	ना	९	४५	६	२३	३७	५	२०	२८	सिं५५।२५	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.६मं.इ.७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	७	२	४	०	३
१०	१२	२५	२६	३	०	१६	१०
३०	४४	१७	३५	२९	१२	३९	५२
५८	१०	१०	४६	२४	१९	३८	१४
५७	३७	०/०	३/४५	२४	७	३	५७
५	२३	९/१	व	४७	२	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच गुरुवार उत्तम है प्रजा में सुख शांति धान्य भाव सम वर्षा ठीकर साधारण होगी वायु का जोर रहेगा ।

गोचरग्रहाः

१७प.श्रा.कृ.१३मं.इ.७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	२	४	०	३
१७	१६	७	२६	६	१	१६	१७
१०	५७	५७	१४	४५	५	१८	३३
४६	०	१८	३५	०	३१	२२	५८
५७	३८	[illegible]	३/२	३५	७	३	५७
१२	२५	१३	व	२८	१४	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८७२ सन् १९४८
१	शु	३	४७	म	५१	१७	व	३५	५	ब	३	४७	३/३	८/२३	६/३७	६	२१	२९	सिहे	चंद्रद.
२	शु	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	५१	३३	पू	४७	९	प	२७	२८	तै	२४	३७	०	२४	३६	७	२२	१	सिंहे	सार्पे बुधः १/३ ८/० सव्वाल १० ईद तीजमधुश्रवा ३
४	र	४५	३४	उ	४३	१९	शि	१९	५९	व	१८	३३	३२/५७	२५	३५	८	२३	२	कं.१।११	भ. १८।३३ उ. ४५।३३ या. वरद ४
५	चं	४०	१८	ह	४०	२	सि	१२	४८	ब	१२	५६	५४	२५	३५	९	२४	३	कंन्यायां	नाग पंचमी
६	मं	३५	३४	चि	३७	१२	सा	५/५९	५३/५०	कौ	७	५६	५०	२६	३४	१०	२५	४	तु.८।३७	वर्ण ६
७	बु	३१	३८	स्वा	३५	४	शु	५४	२६	ग	३	३६	४७	२७	३३	११	२६	५	तुलायाँ	भ. ३१।३८ उ. शीतला ७ तुलसी ज.
८	गु	२८	४५	वि	३४	१५	ब्र	४९	५२	वि	०	२१	४४	२७	३३	१२	२७	६	वृ.१९।२७	भ. ०।१२ या. दुर्गा ८
९	शु	२६	५९	अ	३४	३०	ऐं	४६	१४	कौ	२६	५९	४०	२८	३२	१३	२८	७	बृश्चिके	सिंहे बुधः ४/३ २/९ चित्रायां भौमः २०।२५
१०	श	२६	३२	ज्ये	३५	५०	वै	४३	३७	ग	२६	३२	३७	२९	३१	१४	२९	८	ध.३५।५०	भ. ५६।५६ उ. कल्कि जयंती
११	र	२७	२०	मू	३८	२८	वि	४१	५८	वि	२७	२०	३३	२९	३१	१५	३०	९	धनुषि	भ.२।७२०या.मार्गीगुरुः ३/४ ५/६ पवित्रा ११ब्र.
१२	चं	२९	१८	पू	४२	२३	प्री	४१	१८	बा	२९	१०	३०	३०	३०	१६	३१	१०	म.५८।३०	सिंहेऽर्कः ३१।३३ प्रदोषः
१३	मं	३२	२७	उ	४७	२१	आ	४१	३१	कौ	०	५२	२६	३१	२९	१७	१	११	मकरे	
१४	बु	३६	३६	श्र	५३	१४	सौ	४२	२७	ग	४	३१	२२	३२	२८	१८	२	१२	मकरे	भ. ३६।३६ उ. ऋग्वेदीनां श्रावणीकर्म
१५	गु	४१	१७	ध	५९	२५	शो	४३	१४	वि	८	५६	१८	३२	२८	१९	३	१३	कुं.२६।१९	भ. ८।५८ या. श्रावणीकर्म रक्षाबंधन

१८पं. श्रा.शु.६मं.इ.७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	२	४	१	३
२३	२१	२२	२६	११	१	१५	२४
५१	१४	२६	२	७	५८	५५	१६
५४	३५	४२	१७	१२	३७	६	२५
५७	३८	३४	१२	४३	७	३	५७
२२	५७	१८	ब	३९	२०	११	३३

गोचरग्रहाः

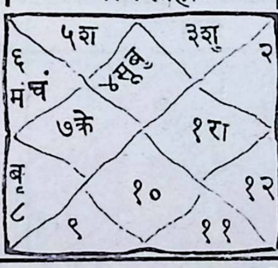

श्रावण शु. १२चंद्रे
सिंहेऽर्कः प्र.वा.४
न.५गतात्कावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१३ मं.इ.७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	२	४	०	४
०	२५	६	२५	१६	२	१५	०
३४	३८	२६	५९	१९	५२	३२	५९
७	२८	१७	१०	३०	५	५२	४६
५७	३९	३४	२०	४९	७	३	५७
३४	२८	२३	मा	४०	२०	११	४०

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४६	७	श	६०	०	अ	४५	२१	बा	१३	४२	३२/५५	५/३३	६/२७	२०	४	१४	कुम्भे	पूफायां बुधः ३/४ ४/५ मघायां २ शनिः ३७।५९
२	श	५१	०	श	५	५०	सु	४६	५०	तै	१८	३३	११	३४	२६	२१	५	१५	मी५५।१६	पुनर्वसौ शुक्रः ४०।५२
३	र	५५	२०	पू	११	४६	धृ	४७	५३	व	२३	१०	७	३५	२५	२२	६	१६	मीने	भ.२३।१० उ.५५।२० या. कज्जली ३
४	चं	५८	४९	उ	१७	२७	शू	४८	१९	ब	२७	४	४	३५	२५	२३	७	१७	मीने	तुलायां भौमः ५७।४६ चतुर्थी ब्र.
५	मं	६०	०	रे	२२	९	गं	४७	५८	कौ	३०	३	०	३६	२४	२४	८	१८	मे.२२।९	
५	बु	१	१६	अ	२५	५४	वृ	४६	३९	तै	१	१६	३५/५६	३७	२३	२५	९	१९	मेषे	पश्चिमोदयी बुधः १७।५३ चंद्र ६
६	गु	२	३३	भ	२८	५	ध्रु	४४	२१	व	२	३३	५२	३८	२२	२६	१०	२०	वृ.४३।२४	भ. २।३३ उ. ३२।३१ या. हल ६
७	शु	२	३०	कृ	२९	२१	व्या	४०	५०	ब	२	३०	४८	३८	२२	२७	११	२१	बृषे	श्रीकृष्णजयंती ब्र. अगस्त्योदयः ३१।०
८	श	१	९	रो	२९	१९	ह	३६	५५	कौ	१	९	४४	३९	२१	२८	१२	२२	मि५८।४०	उफायां बुधः ५/६ ९ ×सितम्बर मा.९ ता.३०
९	श	५७	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	र	५५	१	मृ	२८	१	व	३१	२९	व	२६	४८	४०	४०	२०	२९	१३	२३	मिथुने	भ. २६/४८ उ. ५५।१ या. +अजा ११ ब्र.
११	चं	५०	३८	आ	२५	४८	सि	२५	३०	ब	२२	५०	३६	४१	१९	३०	१४	२४	मिथुने	पूफायां रविः २२।२४ कन्यायां बुधः १४/५४+
१२	मं	४५	२८	पु	२२	५९	व्य	१८	५५	कौ	१८	३	३२	४२	१८	३१	१५	२५	क.८।४१	वामन जयंती वत्स १२
१३	बु	३९	४८	पु	१९	२७	व	११	१२	ग	१२	३८	२८	४२	१८	१	१६	२६	कर्के	भ. ३९।४८ उ. कर्के शुक्रः ३३।१६×
१४	गु	३३	५४	श्ले	१५	२४	प	४/१९	५१/४९	वि	६	५	२४	४३	१७	२	१७	२७	सिं१५।२४	भ. ६।५ या. =कुशाग्रहणी
३०	शु	२७	५०	म	११	२२	सि	४९	२	च	०	५२	२१	४४	१६	३	१८	२८	सिंहे	स्वात्यां भौमः ७।५१ पिठोरी ३० सतीपू=

२०पं. भा.कृ.५मं.इ.६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	७	२	४	८	४
७	०	१९	२६	२२	३	१५	७
१७	६	२४	५	१२	४५	१८	४४
४०	४	५०	२४	२९	३२	३६	१७
५७	३९	३०	१	५४	७	३	५७
४५	५३	११	२८	२६	२०	११	४८

गोचरग्रहाः

इस मास में धान्य
रुई सूत कपड़ा जौ
गेहूँ चावल मूंग
मोंठ बाजरा पाट
कुष्टा में घटाबढ़ी
बहुत होगी।

गोचरग्रहाः

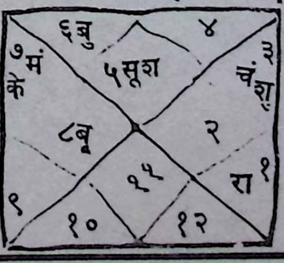

२१पं.भा.कृ.१२मं.इ.६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	२	४	०	४
१४	४	१	२६	२८	४	१४	१४
२	३८	२१	२०	३६	३८	४८	२९
५२	१३	७	१३	४	४६	२१	५३
५७	४०	९३	२	५८	७	३	५८
५७	२१	४९	४४	१३	१४	११	१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	श	२१	४६	पू	७	१०	सा	४१	३०	ब	२१	४६	३१/५७	५/४५	६/१५	४	१९	२९	कं.२१।१२
२	र	१६	२	उ	३/५८	५६/२२	शु	३४	१५	कौ	१६	२	१४	४५	१५	५	२०	३०	कन्यायां
३	चं	१०	३७	चि	५६	४३	शु	२७	२३	ग	१०	३७	१०	४६	१४	६	२१	१	तु.२८।११
४	मं	५	५१	स्वा	५४	४४	ब्र	२०	५९	वि	५	५१	६	४७	१३	७	२२	२	तुलायां
५	बु	१	५८	वि	५३	८	ऐं	१५	१८	बा	१	५८	२	४८	१२	८	२३	३	बृ.३८।३२
६	बु	५७	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	गु	५७	२१	अ	५३	२३	वै	१०	२९	ग	२८	१४	३०/५८	४८	१२	९	२४	४	वृश्चिके
८	शु	५६	५४	ज्ये	५४	२४	वि	६	३३	वि	२७	७	५४	४९	११	१०	२५	५	ध.५४।२४
९	श	५७	४५	मू	५६	४७	प्री	२	५३	बा	२७	१९	४९	५०	१०	११	२६	६	धनुषि
१०	र	५९	४४	पू	६०	०	आ	१	३९	तै	२८	४५	४५	५१	९	१२	२७	७	धनुषि
११	चं	६०	०	पू	०	२६	सौ	०	४३	व	३१	२६	४०	५२	८	१३	२८	८	म.१६।३६
११	मं	२	५३	उ	५	८	शो	०	४६	वि	२	५३	३६	५३	७	१४	२९	९	मकरे
१२	बु	७	५	श्र	१०	४६	अ	१	२९	बा	७	५	३२	५४	६	१५	३०	१०	कु.४३।५०
१३	गु	११	५०	ध	१६	५४	सु	२	३४	तै	११	५०	२८	५४	६	१६	३१	११	कुम्भे
१४	शु	१६	४६	श	२३	१४	धृ	४	१	व	१६	४६	२४	५५	५	१७	१	१२	कुम्भे
१५	श	२१	४३	पू	२९	२८	शू	५	३६	ब	२१	४३	२०	५६	४	१८	२	१३	मी६।१४

वर्षर्तूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९०१ स.१९४८

चंद्रद. हस्ते बुधः३२।३ पुष्ये शुक्रः५।१०
भ.३८/१४उ. ज्येष्ठायां४ गुरुः३/६ उदयंशने ४ ५/२*
भ. ५।५१ या. ऋषि ५

क्षयः *जिलकाद ११ गणेश ४
भ. ५७।२१ उ. महालक्ष्मी ब्र.
भ. २७।७ या.

भ. ३१।२६ उ. उफायां रविः ७।३
भ.५२/३ या. चित्रायां बुधः५७/५६ जलझूलनी×
प्रदोषः श्रवण १२ ×११ ब्र. वै.
कन्यायामर्कः ३२/१४ मघायां३ शनिः ३०।४=
भ.१६।४६ उ.४९।१४या. =अनंत१४
सार्पेशुक्रः७।२९प्रौष्ठपदी १५महालयारम्भ

२२पं.भा.शु.४मं.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	३	४	०	४
२०	९	१२	२६	५	५	१४	२१
४९	१४	१७	४४	२३	३१	२६	४५
३२	३८	१०	१३	२८	२३	५	५९
५८	४०	८७	३	६१	७	३	५८
१२	४१	१	५९	०	८	११	१३

गोचरग्रहाः

भाद्रपद शु. १३ गुरौ कन्यायामर्कः प्र.वा.४न.५प्रौढा-वस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

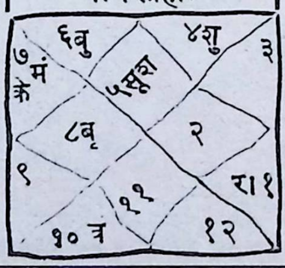

२३पं.भा.शु.११मं.इ.६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	३	४	०	३
२७	१३	२२	२७	१२	६	१४	२८
३७	५४	११	१६	३०	२३	३	५
५७	५८	६	१९	५०	१०	५०	२४
५८	४१	८०	५	६३	७	३	५८
२९	१६	१९	७	१९	२	११	२७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	र	२६	८	उ	३५	१६	गं	६	२७	कौ	१६	८	३०/५६	५/५७	६/३	१९	३	१४	मीने
२	चं	२९	४३	रे	४०	८	वृ	७	२	ग	२९	४३	१२	५८	२	२०	४	१५	मे.४०।८
३	मं	३२	१८	अ	४४	६	ध्रु	६	५०	व	१	०	८	५८	२	२१	५	१६	मेषे
४	बु	२३	५६	भ	४६	३७	व्या	६	४	ब	३	७	४	५९	१	२२	६	१७	मेषे
५	गु	३३	४३	कृ	४८	५	ह	३	३२	कौ	४	२०	०	६/०६	६/००	२३	७	१८	वृ.१।५९
६	शु	३२	२१	रो	४८	२३	व	२६/०	५५/४८	ग	३	२	२९/५६	६/५	५/५९	२४	८	१९	बृषे
७	श	२९	५४	मृ	४७	१९	व्य	५१	१३	वि	१	७	५१	२	५८	२५	९	२०	मि१७।५१
८	र	२६	२६	आ	४५	९	व	४५	२१	कौ	२६	२६	४७	३	५७	२६	१०	२१	मिथुने
९	चं	२२	९	पु	४२	९	प	३८	४४	ग	२२	७	४२	४	५६	२७	११	२२	क.२७।५४
१०	मं	१७	५	पु	३९	४	शि	३१	४५	वि	१७	५	३८	४	५६	२८	१२	२३	कर्के
११	बु	११	२८	श्ले	३५	२०	सि	२४	१७	बा	११	२८	३४	५	५५	२९	१३	२४	सिं३५।२०
१२	गु	५	४६	म	३१	७	सा	१६	३३	तै	५	४६	३०	६	५४	३०	१४	२५	सिंहे
१३	गु	५३	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	शु	५३	३९	पू	२६	५८	शु	९	२८	वि	२६	३९	२६	७	५३	१	१५	२६	कं.४०।०
३०	श	५३	४५	उ	२३	६	शु	१३/३	५३/३३	च	२०	५२	२२	८	५२	२	१६	२७	कन्यायां

शरदृर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

तुलायां बुधः २३।५२
भ. १।० उ. ३२।१८ या. चतुर्थी ब्र.

विशाखायां भौमः २।१४
भ. ३२।२१ उ.
भ. १।७ या.
हस्ते रविः ४४/४२ स्वात्यां बुधः ५७।२०
भ. ४१/३६ उ. अश्विन्यां ४ राहुः स्वात्यां२=
भ. १७।५ या. =केतुः५३।१८
इन्दिरा ११ ब्र.
भ.५९।३९उ. सिंहेशुक्र.२०।३५ युगादिः

भ. २६।३९ या. अक्टूबर मा.१०ता.३१
सर्वपितृ ३०

२४पं.आ.कृ.३मं.इ.६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	३	४	०	५
४	१८	०	२७	१९	७	१३	४
२८	३९	५०	५६	५३	१३	४१	५५
२	१९	३५	२८	४६	१२	३५	१६
५८	४१	७१	६	६५	६	३	५८
४५	४६	३२	१४	१	४४	११	३८

गोचरग्रहाः

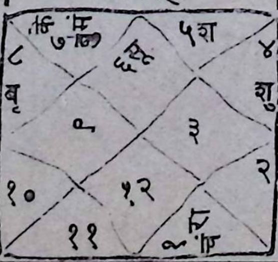

इस मासमें प्रजा में ज्वरादि पीड़ा होगी धान्य अलसी रुई गल्ला मंदा होगा। वर्षा होगी, चांदी चपड़ा में तेजी होगी

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.कृ.१०मं.इ.६।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	३	४	०	५
११	२३	७	२८	२७	८	१३	११
२०	२८	४७	४४	३०	२	१९	४६
८	१६	२४	१०	५८	३१	१९	५५
५९	४२	५८	७	६६	६	३	५८
०	७	४४	१२	३२	३१	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९३० स.१९४८
१	र	४३	४५	ह	१९	२८	ऐं	४६	४१	किं	१५	५५	२९/१८	६/८	५/५२	३	१७	२८	तु.४७।५४	नवरात्रारंभः घटस्था.
२	चं	३८	१	चि	१६	२०	वै	४०	४	बा	१०	५३	१४	९	५१	४	१८	२९	तुलायां	चंद्रद.
३	मं	३४	१४	स्वा	१४	७	वि	३४	११	तै	६	७	१०	१०	५०	५	१९	१	बृ.५७।५६	जिल्हेज १२ =सरस्वती पू.
४	बु	३१	२६	वि	१२	३२	प्री	२९	०	व	२	५०	६	११	४९	६	२०	२	बृश्चिके	भ. २।५० उ. ३१।२६ या.
५	गु	२९	४६	अ	१२	१३	आ	२४	५०	ब	०	३१	२	१२	४८	७	२१	३	बृश्चिके	वृश्चिके भौमः २६।१ धनुषि गुरुः ३६।८
६	शु	२९	२५	ज्ये	१२	५९	सौ	२१	२९	तै	२९	२५	३६/५८	१२	४८	८	२२	४	ध.१२।५९	
७	श	३०	१८	मू	१४	४४	शो	१९	१६	व	३०	१८	५४	१३	४७	९	२३	५	धनुषि	भ.३१/१८उ. वक्री बुधः३१/४१ सरस्वत्यावाहनं
८	र	३२	२३	पू	१८	२५	अ	१७	५८	दि	१	२०	५०	१४	४६	१०	२४	६	म.३४।३१	भ. १।२० या. चित्रायां रविः १५।१९=
९	चं	३५	३६	उ	२२	५०	सु	१७	३७	बा	३	५९	४६	१५	४५	११	२५	७	मकरे	
१०	मं	३९	५३	श्र	२८	१७	धृ	१८	४	तै	७	४४	४२	१६	४४	१२	२६	८	मकरे	पूफायांशुक्रः९।९ मैत्रेभौमः१०।९बौद्धज.×
११	बु	४४	४३	ध	३४	९	शू	१९	३	व	१२	१८	३८	१६	४४	१३	२७	९	कु.१।१३	भ.१२/१८ उ.४४/४३या. पापांकुशा११ब्र. हज्ज
१२	गु	४९	४५	श	४०	३९	गं	२०	२३	ब	१७	१४	३४	१७	४३	१४	२८	१०	कुम्भे	दश्चिमास्तो बुधः २९।५९
१३	शु	५४	४७	पू	४७	३	वृ	२२	५	कौ	२२	१६	३०	१८	४२	१५	२९	११	मी३०।२७	प्रदोषः ×विजय१० सरस्वती विसर्जनं
१४	श	५९	१८	उ	५२	५२	ध्रु	२२	५५	ग	२७	२	२६	१९	४१	१६	३०	१२	मीने	भ.५९/१२.तुलायामर्कः५६/६मघायां४शनिः३६/१३
१५	र	६०	०	रे	५८	१३	व्या	२३	३६	वि	३१	८	२२	२०	४०	१७	१	१३	मे.५८।१३	भ.३१/८या. वक्री चित्रायां बुधः३१/५८ शरत्पू.+
१५	चं		२	५३	अ	६०	०	ह	२३	२६	व	२	५८	१८	२०	४०	१८	२	१४	मेषे	कार्तिक स्नानारंभः +कोजागरी व्रतं

२६पं. आ.शु.३मं.इ. ६।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	४	४	०	५
१८	२८	१२	२९	५	८	१२	१८
१३	२०	१	३९	१९	४९	५७	४०
५६	३८	४४	४	२६	१	४	१२
५९	४२	३३	८	६७	६	३	५९
१६	३५	९	२२	४५	१५	११	९

गोचरग्रहाः

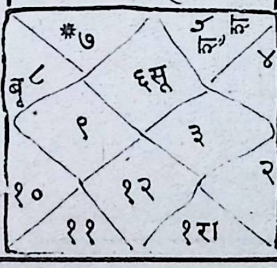

आश्विन शु. १४ शनौ तुलायामर्कः प्र.वा.३न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम)शुक्रोदयःपूर्व.

गोचरग्रहाः

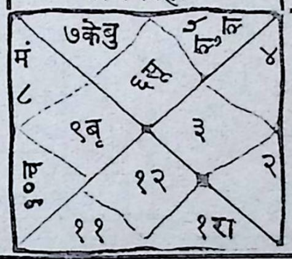

२७पं.आ.शु.१०मं.इ.५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	८	४	४	०	५
२५	३	११	०	१३	९	१२	२५
९	१६	२२	४०	१६	३३	३४	२५
३९	५५	४८	५	१२	०	४९	१०
५९	४२	३१/४६	९	६८	५	३	५९
३१	५२	ब	८	४८	५०	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	मं	५	३४	अ	२	१५	व	२२	२९	कौ	५	३४	२८/१४	६/१	५/३९	१९	३	१५	मेषे	
२	बु	७	४	भ	५	२०	सि	२०	३३	ग	७	४	१०	२२	३८	२०	४	१६	बृ.२०।३८	भ. ३७।२ उ.
३	गु	७	१	कृ	६	३४	व्य	१७	४६	वि	७	१	६	२३	३७	२१	५	१७	बृषे	भ. ७।१ या. करक ४
४	शु	६	०	रो	७	२०	व	१३	४१	बा	६	०	२	२४	३६	२२	६	१८	मि३६।५७	वक्री कन्यायां बुधः ३९।३
५	श	३	३७	मृ	६	३४	प	८	५६	तै	३	३७	२७/५८	२४	३६	२३	७	१९	मिथुने	स्वात्यां रविः ३९।३
६	र	०	१४	आ	४	४७	शि	३/३	५३/३२	व	०	१४	५४	२५	३५	२४	८	२०	क.४७।४९	भ. ०।१४ उ. २८।६ या.
७	र	५५	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	चं	५१	२	पु	२/९	५७/३४	सा	४९	३८	बा	२३	३०	५०	२६	३४	२५	९	२१	कर्के	होई ८
९	मं	४५	३२	श्ले	५५	६	शु	४२	१२	तै	१८	१७	४६	२७	३३	२६	१०	२२	सिं५५।६	कन्यायां शुक्रः २७।२८
१०	बु	३९	४४	म	५१	२	शु	३४	३१	व	१२	३८	४२	२८	३२	२७	११	२३	सिंहे	भ.१२।३८ उ.३९/४४या. पूर्वोदयीबुधः१।१५
११	गु	३३	४९	पू	४७	१	ब्र	२६	४४	ब	६	४६	३८	२८	३२	२८	१२	२४	सिंहे	मूले २ गुरुः ४।१६ रमा ११ ब्र.
१२	शु	२७	५३	उ	४२	५७	ऐं	१९	०	कौ	०	५१	३४	२९	३१	२९	१३	२५	कं. १।०	मार्गीबुधः१।१६ प्रदोषःधन१३ गोवत्सपू.
१३	श	२१	५४	ह	३९	११	वै	११	२०	व	२१	५४	३१	३०	३०	३०	१४	२६	कन्यायां	भ.२१/५४ उ. ४९/२७ या. ज्येष्ठायां भौमः ४०/५८+
१४	र	१७	०	चि	३५	५८	वि	४/३	५३/१२	श	१७	०	२७	३१	२९	३१	१५	२७	तु.७।३४	महालक्ष्मी पू. +रूप १४ नरक १४
३०	चं	५२	२७	स्वा	३३	२२	आ	५१	५	ना	१२	२७	२४	३१	२९		१	१६	२८	तुलायाँ	नवम्बर मा. ११ ता. ३०

२८पं.का.कृ.१मं.इ.५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	८	४	४	०	६
२	८	४	१	२१	१०	१२	२
७	१६	२९	४६	२०	१३	१२	३१
८	१६	५३	५५	६	४८	३३	३७
५९	४३	६८/१८	९	६९	५	३	५९
४६	७	ब	५२	३४	२६	११	३४

गोचरग्रहाः

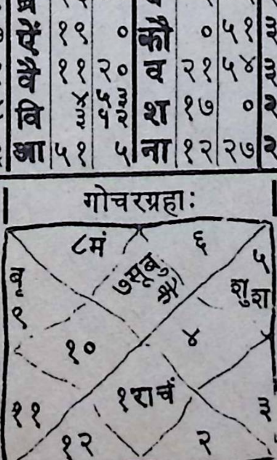

इस मास में प्रजा में कुछ बीमारी होगी खांड गुड़ अलसी सरसों एरंडा घी तेज तिल रुई सूत कपास में घट बढ़।

गोचरग्रहाः

२९पं.का.कृ.९ मं.इ.५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	८	३	४	०	६
९	१३	२४	२	२९	१०	११	९
६	१९	३९	५८	३४	५१	५०	२९
३१	१२	७	५९	२३	२५	१८	५६
६०	४३	४०/४५	१०	७०	४	३	५९
२	३४	ब	३७	२१	५७	११	४७

*चंमंबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४९६० स.१९४८
१	मं	८	३३	वि	३१	३४	सौ	४५	४०	ब	८	३३	२७ २०	३६ ३२	२५ २८	२	१७	२९	बृ.१७।१	कलमदवात पू. भ्रातृ २ यम २
२	बु	६	३	अ	३१	२	शो	४१	११	कौ	६	३	१७	३३	२७	३	१८	३०	बृश्चिके	चंद्रद. हस्ते शुक्रः ५१।५३
३	गु	४	३०	ज्ये	३१	३०	अ	३७	३४	ग	४	३०	१३	३३	२७	४	१९	१	ध.३१।३०	भ. ३४।२१ उ. तुलायां बुधः ११।२८*
४	शु	४	१२	मू	३३	६	सु	३४	५९	वि	४	१२	१०	३४	२६	५	२०	२	धनुषि	भ.४।१२ या. विशाखायां रवि:५६।२८
५	श	५	१५	पू	३६	१६	धृ	३३	२४	बा	५	१५	६	३५	२५	७	२१	३	म.५२।२०	
६	र	७	२७	उ	४०	३२	शू	३२	४१	तै	७	२७	३	३५	२५	६	२२	४	मकरे	
७	चं	१०	४९	श्र	४५	४७	गं	३२	५५	व	१०	४९	२६ ५९	३६	२४	८	२३	५	मकरे	भ.१० ४९ उ.४३ ० या. *मोहर्रम१ सन्१३६८
८	मं	१५	११	ध	५१	४३	वृ	३३	३९	ब	१५	११	५६	३७	२३	९	२४	६	कु.१९।१५	स्वात्यां बुधः ५३।१० गोप ८
९	बु	२०	६	श	५८	४	ध्रु	३४	५०	कौ	२०	६	५२	३८	२२	१०	२५	७	कुम्भे	कुष्मांड ९ अक्षया ९
१०	गु	२५	१६	पू	६०	०	व्या	३६	१२	ग	२५	१६	४९	३८	२२	११	२६	८	मी४७।५२	भ.५७।५० र. +प्रदोषः वैकुंठ१४
११	शु	३०	२५	पू	४	२८	ह	३७	२०	वि	३०	२५	४६	३९	२१	१२	२७	९	मीने	भ. ३० २५ या. प्रबोधिनी ११ब्र. तुलसी वि.×
१२	श	३४	५७	उ	१०	२६	व	३७	५६	ब	२	४१	४३	३९	२१	१३	२८	१०	मीने	ताजिया ×भीष्म ५
१३	र	३८	४०	रे	१५	५२	सि	३८	१	कौ	६	४८	४०	४०	२०	१४	२९	११	मे.१५।५२	चित्रायां शुक्रः ५०।१३ मूले ३ गुरुः ५५ ३५+
१४	चं	४१	१९	अ	२०	१४	व्य	३७	२०	ग	१०	०	३७	४१	१९	१५	३०	१२	मेषे	भ. ४१।१९ उ. बृश्चिकेऽर्कः ५०।४६
१५	मं	४२	४८	भ	२३	२६	व	३५	३८	वि	१२	३	३४	४१	१९	१६	१	१३	बृ.३८।५५	भ. १२।३ या. का. स्ना. पूर्तिः

३०पं.का.शु.१ मं.इ.५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	८	५	४	०	६
१६	१८	२८	४	७	११	११	१६
७	२५	०	१६	५३	२५	२८	२९
३४	५२	४७	१९	४९	३७	२	४२
६०	४४	५६ ३७	११	७१	४	३	६०
१८	०	मा	५५	२	३४	११	४

३१पं.का.शु.८मं इ. ५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	५	४	०	६
२३	२३	५	५	१६	११	११	२३
१०	३५	२४	३७	१७	५५	५	३१
१३	४९	४३	२३	५६	१९	४७	५
६०	४४	९३	११	७१	३	३	६०
३०	१४	५९	५४	४	५४	११	१७

३२पं.का.शु.१५मं.इ.४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	८	२	४	०	७
०	२८	१२	७	२४	१२	१०	०
१४	४८	३९	२	४९	२०	४३	३३
१७	४७	१८	२८	३०	३८	३२	५०
६०	४४	०	१२	७१	३	३	६०
४०	२६	५५	२०	५४	१९	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्रा:
१	बु	४२	५६	कृ	२५	२२	प	३२	५६	बा	१२	५२	२६ ३२	४६ ४२	१५ १८	१७	२	१४	वृषे	धनुषि भौमः ४१।३
२	गु	४१	४४	रो	२६	१०	शि	२९	१४	तै	१२	२०	२९	४२	१८	१८	३	१५	मि५५।५६	विशाखायां बुधः३६।४९ पूर्वास्तंबुधः ३१ १५
३	शु	३९	२२	मृ	२५	४३	सि	२४	३२	व	१०	३३	२६	४३	१७	१९	४	१६	मिथुने	भ.१० ३४ उ.३९ २२ या. अनुराधायां रवि:८।३४
४	श	३६	२	आ	२४	२	सा	१८	५७	ब	७	४२	२३	४३	१७	२०	५	१७	मिथुने	तुलायां शुक्रः २०।१५ चतुर्थी ब्र.
५	र	३१	४७	पु	२१	४१	शु	११	३७	कौ	३	५४	२१	४४	१६	२१	६	१८	क.७।१६	
६	चं	२६	४८	पु	१८	४१	शु	४५ ३३	५२ ३६	व	२६	४८	१८	४४	१६	२२	७	१९	कर्के	भ.२६।४८ उ.५४।५ या. पातस्पर्शः ४५ ५८
७	मं	२१	२२	श्ले	१४	४९	ऐं	५०	३८	ब	२१	२२	१६	४५	१५	२३	८	२०	सिं१४।५९	पातमोक्षः ०।२३
८	बु	१५	४०	म	१०	४७	वै	४२	५०	कौ	१५	४०	१३	४५	१५	२४	९	२१	सिंहे	भैरवजयंती *स्वात्यां १ केतुः ४५।५६
९	गु	९	४९	पू	६	४५	वि	३५	६	ग	९	४९	१०	४६	१४	२५	१०	२२	कं.२०।४२	भ.३६ ५२ उ. बृश्चिकेबुधः ५ २० स्वात्यां शुक्रः ५२ ३१
१०	शु	३	५८	उ	३२ ५	५६	प्री	२७	२१	वि	३	५८	८	४६	१४	२६	११	२३	कन्यायां	भ. ३।५८ या. उत्पत्ति ११ ब्र. स्मा.
११	शु	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	श	५३	२२	चि	५५	२४	आ	१९	५४	कौ	२५	५३	५	४७	१३	२७	१२	२४	तु.२७।२	मैत्रे बुधः २८।४२ उत्पत्ति ११ ब्र. वै.
१३	र	४८	५०	स्वा	५२	३९	सौ	१२	४७	ग	२१	६	३	४७	१३	२८	१३	२५	तुलायाँ	भ. ४८।५० र. प्रदोषः
१४	चं	४५	१६	वि	५०	४४	शो	६	२२	वि	१७	३	२६ ००	४८	१२	२९	१४	२६	बृ.३६।१३	भ.१७ ३ या. मूले४गुरुः५७।३७ अश्विन्यां३*
३०	मं	४२	४१	अ	४९	५६	अ	४२	५५ ०	च	१३	५८	२५ ५८	४८	१२	३०	१५	२७	बृश्चिके	

३३पं. मा.कृ.७मं.इ.४।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	८	६	४	०	७
७	४	२६	८	३	१२	१०	७
१९	३	३६	३०	१७	४१	२१	३७
५१	४३	४	३२	५६	२४	१६	४८
६०	४४	०	१२	७२	२	३	६०
५३	४०	२४	३५	१४	२२	११	९२

गोचरग्रहाः

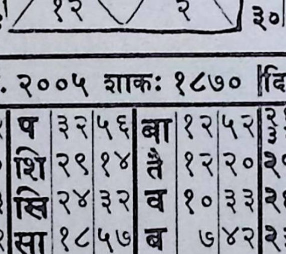

इस मास में घी गुड़ अलसी सरसों मूंगफली गेहूँ अनाज मंदा रुई चांदी अलसीं कुछ तेज।

गोचरग्रहाः

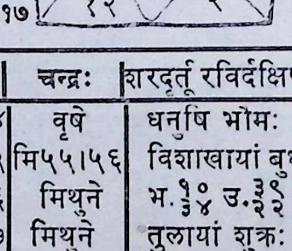

३४पं.मा.कृ.३०मं.इ.४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	८	६	४	०	७
१४	९	७	१०	११	१२	९	१४
२६	२१	३९	१	५३	५७	५९	४३
३७	५८	३२	३०	२०	११	१	१
६१	४४	९९	१३	७२	१	३	६०
३	५२	५८	८	३४	५१	११	५०

*बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः	सं. २००५	शाकः	१८७०								दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	बु	४१	१५	ज्ये	५०	८	धृ	५१	५६	किं	११	५८	२५/५६	६/४९	५/११	१	१६	२८	ध.५०।८
२	गु	४१	७	मू	५१	३९	शू	४८	५७	बा	११	११	५४	४९	११	२	१७	२९	धनुषि
३	शु	४२	२१	पू	५४	२२	गं	४६	५८	तै	११	४४	५२	५०	१०	३	१८	१	धनुषि
४	श	४४	३९	उ	५८	१८	वृ	४५	५०	व	१३	३०	५०	५०	१०	४	१९	२	म.१०।२१
५	र	४८	१७	श्र	६०	०	ध्रु	४५	५३	बा	१६	२८	४९	५०	१०	५	२०	३	मकरे
६	चं	५२	४५	श्र		३	२३	व्या	४६	२७	कौ	२०	३१	४७	५१	९	६	२१	४	कु.३६।२०
७	मं	५७	४५	ध	९	१७	ह	४७	३३	ग	२५	१५	४६	५१	९	७	२२	५	कुम्भे
८	बु	६०	०	श	१५	३१	व	४८	४६	वि	३०	२०	४४	५१	९	८	२३	६	कुम्भे
८	गु	२	५६	पू	२१	५०	सि	४९	५४	ब	२	५६	४३	५१	९	९	२४	७	मी५।१५
९	शु	८	१	उ	२८	५	व्य	५०	५६	कौ	८	१	४२	५२	८	१०	२५	८	मीने
१०	श	१२	४५	रे	३३	४१	व	५०	५४	ग	१२	४५	४१	५२	८	११	२६	९	मे.३३।४१
११	र	१६	२०	अ	३८	१२	प	५०	३४	वि	१६	२०	४०	५२	८	१२	२७	१०	मेषे
१२	चं	१९	५८	भ	४१	४५	शि	४९	५	बा	१९	५८	३९	५२	८	१३	२८	११	वृ.५७।२१
१३	मं	२०	२१	कृ	४४	१०	सि	४६	४१	तै	२०	२१	३८	५२	८	१४	२९	१२	बृषे
१४	बु	२०	३१	रो	४५	१	सा	४३	१५	व	२०	३१	३८	५२	८	१५	३०	१३	वृषे
१५	गु	१९	१६	मृ	४४	५१	शु	३८	४९	ब	१९	१६	३७	५३	७	१६	१	१४	मि१४।५६

हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९८९ स.१९४८

दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
ज्येष्ठायां रविः १५।३३ चंद्रद.
सफर २
भ. १३।३० उ. ४४।३९ या.
ज्येष्ठायां बुधः ५०/२३ पूषायां भौमः १३/५३*
विशाखायाँ शुक्रः ३९।१४ चंपा ६
भ. ५७/४५ उ. *पातस्पर्शः २६/५६ पातमोक्षः ३८/४७
भ. ३०।२० या.

भ. ४४।३२ उ.
भ. १६।२० या. मोक्षदा ११ ब्र.
प्रदोषः +पूषायां १ गुरुः ५०।४५
धनुषि बुधः १३।१ बृश्चिके शुक्रः ४४/२०+
भ. २०/३१ उ ४९/५३ या. धनुष्यर्कः १९/५८ दत्तजयंती

३५पं.मा.शु.७मं.इ.३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	८	६	४	०	७
२१	१४	१८	११	२०	१३	९	२१
३४	४३	४२	३४	३०	७	३६	४९
२४	१९	२२	४८	२५	३४	४६	२३
६१	४५	९९	१३	७२	३	३	६०
११	१७	१३	२०	५३	१०	११	५६

गोचरग्रहाः

मार्ग. शु.१४बुधे
धनुष्यर्कः प्र. वा.
३न.३वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ४५
(धान्यभाव मंदा)
शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु.१३मं.इ. ४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	८	६	४	०	७
२८	२०	२९	१३	२९	१३	९	२८
४३	५	४५	९	१०	१२	१४	५६
७	५३	७	३२	५२	४३	३०	१०
६१	४५	९९	१३	७२	०	३	६१
१९	२८	४७	२७	१२	२३	११	०

ति.	पौष	कृष्णपक्षः	सं. २००५	शाकः	१८७०								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	१६	५१	आ	४३	२९	शु	३३	३३	कौ	१६	५१	३५/३७	५६/५३	५/७	१७	२	१५	मिथुने
२	श	१३	३३	पु	४१	१४	ब्र	२७	३२	ग	१३	३३	३७	५३	७	१८	३	१६	क.२६।४८
३	र	९	१७	पु	३८	८	ऐं	२०	४२	वि	९	१७	३६	५३	७	१९	४	१७	कर्के
४	चं	४	१६	श्ले	३४	४१	वै	१३	३३	बा	४	१६	३६	५३	७	२०	५	१८	सि३४।४१
५	चं	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	मं	५३	११	म	३०	४४	वि	६/०	५२/८	ग	२६	१	३६	५३	७	२१	६	१९	सिंहे
७	बु	४७	१८	पू.	२६	४०	आ	५०	२०	वि	२०	१४	३६	५३	७	२२	७	२०	कं.४०।३८
८	गु	४१	३२	उ	२३	३१	सौ	४२	३६	बा	१४	२५	३६	५३	७	२३	८	२१	कन्यायां
९	शु	३६	२	ह	१८	३७	शो	३४	५८	तै	८	४७	३७	५३	७	२४	९	२२	तु.४६।५५
१०	श	३१	३	चि	१५	१३	अ	२७	४७	व	३	३२	३७	५३	७	२५	१०	२३	तुलायां
११	र	२६	४५	स्वा	१२	१३	सु	२१	६	बा	२६	४५	३८	५२	८	२६	११	२४	बृ.५५।४३
१२	चं	२३	१६	वि	१०	१३	धृ	१५	४	तै	२३	१६	३८	५२	८	२७	१२	२५	वृश्चिके
१३	मं	२०	५०	अ	९	२१	शू	१	५७	व	२०	५०	३८	५२	८	२८	१३	२६	वृश्चिके
१४	बु	१९	२९	ज्ये	९	३	गं	५	४४	श	१९	२९	३९	५२	८	२९	१४	२७	ध. ९।३
३०	शु	१९	२८	मू	१०	१३	वृ	२	२४	ना	१९	२८	३९	५२	८	३०	१५	२८	धनुषि

हिमंततूं रविर्दक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मेषे शुक्रः २८।१६ वक्री शनिः ५३।३६
भ. ४१।२५ उ.
भ. ९/१७ या. चतुर्थीव्र. अस्तंगुरोः १६/४८ अ.गु.

क्षयः +उषायां भौमः ३४।५५
भ. ५३/११ उ. उत्तरायण प्रवृत्तिः ५१।४६
भ. २०।१४ या. पूषायां बुधः ३१।३८+

भ. ३।३२ उ. ३१।३ या.
मकरे भौमः ४८।५२ सफला ११ ब्र.
प्रदोषः ÷ज्येष्ठायां शुक्रः ७/२२
भ. २०/५० उ. ५०।१९ या. उषायां रविः २०/५५÷
पूषायां २ गुरुः १९।४५
उषायां बुधः ४२।५७

३७पं. पौ.कृ.६मं.इ.३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
.८	८	८	८	७	४	०	८
५	२५	१०	१४	७	१३	८	६
५२	३०	५१	४५	५२	१२	५२	३
३३	४०	५८	४०	५२	१८	१४	४०
६१	४५	७/०	१३	७३	१/१०		३	६१
२२	४३	१/१५	३२	२०	व	११	५

गोचरग्रहाः

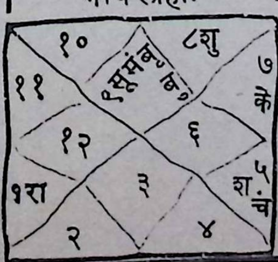

इस मास में धान्य
रुई सूत कपड़ा
अलसी चांदी खांड़
मंदा होगा प्रजा
में सुख शांति
रहेगी।

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१३मं.इ.३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	८	७	४	०	८
१३	०	२२	१६	१६	१३	८	१३
२	५७	४	२२	३५	६	२९	११
२६	१८	४४	४४	३५	३५	५९	३८
६१	४५	७४/०	१३	७३	१/३	३	६१
२६	५३	१/४५	३८	३५	व	११	६

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५०१९सन्१९४८
१	शु	२०	४९	पू	१२	३८	ध्रु	०/२	५८/३८	ब	२०	४९	२५/४०	६/५२	५/८	३१	१६	२९	म.२८।३४	
२	श	२३	११	उ	१६	२४	ह	५८	१९	कौ	२३	११	४१	५२	८	१	१७	३०	मकरे	चंद्रद. अस्तं भौमः ५९/५० जनवरी मा. १*
३	र	२७	१	श्र	२१	१२	व	५८	३७	ग	२७	१	४२	५२	८	२	१८	१	कु.५४।४	भ.५९/१७उ. मकरे बुधः९।१९ रविलावल३
४	चं	३१	३३	ध	२६	५६	सि	५९	३२	वि	३१	३३	४३	५१	९	३	१९	२	कुम्भे	भ.३१।३३ या. पश्चिमोदयी बुधः४८।४
५	मं	३६	३७	श	३३	१०	व्य	६०	०	ब	४	५	४४	५१	९	४	२०	३	कुम्भे	
६	बु	४१	५३	पू	३९	३३	व्य	०	४७	कौ	९	१५	४६	५१	९	५	२१	४	मी२२।५७	
७	गु	४६	५८	उ	४५	४९	व	१	४८	ग	१४	२५	४७	५१	९	६	२२	५	मीने	भ. ४६।५८ उ. *ता.३१ सन् १९४९
८	शु	५१	३५	रे	५१	५६	प	२	५९	वि	१९	१७	४९	५०	१०	७	२३	६	मे.५१।५६	भ. १९।१७ या. धनुषि शुक्रः ४५।१
९	श	५५	११	अ	५६	२६	शि	३	२२	बा	२३	२३	५०	५०	१०	८	२४	७	मेषे	श्रवणे बुधः३०।२५ श्रवणे भौमः ३३।२३
१०	र	५७	४५	भ	६०	०	सि	२	५३	तै	२६	२८	५२	५०	१०	९	२५	८	मेषे	
११	चं	५९	६	भ	०	२०	सा	२	७	व	२८	२५	५४	४९	११	१०	२६	९	वृ.१५।५०	भ.३८/२५ उ.५९/६या. उषायां रविः२३/३ पुत्रदा=
१२	मं	५९	८	कृ	२	१९	शु	०/१	५६/५९	ब	२९	१	५६	४९	११	११	२७	१०	वृषे	पुत्रदा ११ व्र. वै. नि. =११व्र. स्मा.
१३	बु	५७	५२	रो	४	६	ब्र	५३	१	कौ	२८	३०	५८	४८	१२	१२	२८	११	मि३४।४२	पूषायां ३ गुरुः ४४।२६ प्रदोषः
१४	गु	५५	२१	मृ	५	१८	ऐं	४८	२	ग	२६	३७	२६/०	४८	१२	१३	२९	१२	मिथुने	भ. ५५।२१ उ. मकरेऽर्कः ३७।५०
१५	शु	५१	५६	आ	३	११	वै	४२	०	वि	२३	३८	३	४७	१३	१४	१	१३	क.४६।४६	भ. ३३/३८ या. उदयं गुरोः १८।३६ उ.गु.

३९पं.पौ.शु.५मं.इ.३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	३	८	७	४	०	८
२०	६	३	१८	२५	१२	८	२०
१२	२५	२१	०	१९	५५	७	१९
२५	४४	४०	०	४८	५	४४	४४
६१	४५	५/०	१३	७३	१/४७	३	६१
२६	५८	९/४८	३८	४४	व	११	६

गोचरग्रहाः

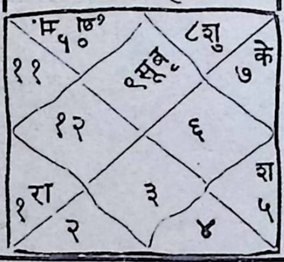

पौष शु. १४ गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ प्रगल्भावस्था(बैठी) मु.१५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

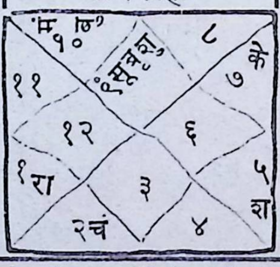

४०पं.पौ.शु.१२मं.इ.३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	८	४	०	८
२७	११	१४	१९	४	१२	७	२७
२२	५५	१८	३७	४	३८	४५	२७
१४	४१	४०	१६	२६	४९	२९	४७
६१	४६	८/०	१३	७३	२/२८	३	६१
२४	८	९/१७	३२	५०	व	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४७	३९	पु	५/१७	५७/५	वि	३५	४५	बा	१९	४८	२६/५	६/४७	५/१३	१५	२	१४	कर्क	
२	र	४२	३४	श्ले	५४	५४	प्री	२८	४४	तै	१५	६	७	४७	१३	१६	३	१५	सिं५४।५४	
३	चं	३७	५	म	५१	८	आ	२१	११	व	९	४९	१०	४६	१४	१७	४	१६	सिंहे	भ.९।४९उ.३७।५या.धनिष्ठायांबुधः५९/१३*
४	मं	३१	२२	पू	४७	१	सौ	१३	२८	ब	४	१३	१२	४६	१४	१८	५	१७	सिंहे	पूषायां शुक्रः २८।२ *चतुर्थी व्र.
५	बु	२५	३१	उ	४२	५१	शो	५/४०	५२/१७	तै	२५	३१	१५	४५	१५	१९	६	१८	कं.०।५८	
६	गु	१९	४८	ह	३८	५७	सु	५०	९	व	२९	४८	१७	४५	१५	२०	७	१९	कन्यायां	भ.१९/४८ उ.४७।१या. अभि. प्र. रविः९।७
७	शु	१४	१४	चि	३५	१९	धृ	४२	५०	ब	१४	१४	२०	४४	१६	२१	८	२०	तु. ७।८	
८	श	९	२८	स्वा	३२	२६	शू	३६	०	कौ	९	२८	२२	४४	१६	२२	९	२१	तुलायां	
९	र	५	९	वि	३०	१४	गं	२९	४७	ग	५	९	२५	४३	१७	२३	१०	२२	वृ.१५।४७	भ. ३३।३० उ. श्रवणे रविः २५।७
१०	चं	१	५१	अ	२८	३७	वृ	२४	२१	वि	१	५१	२७	४३	१७	२४	११	२३	वृश्चिके	भ. १।५१ या. अभि. नि. रविः१७/२३ वक्री×
११	चं	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×बुधः४३/२४ षट्तिला११व्र.स्मा.
१२	मं	५८	१५	ज्ये	२८	२८	ध्रु	१९	५३	कौ	२८	२२	३०	४२	१८	२५	१२	२४	ध.२८।२८	धनिष्ठायां भौमः३२/३०षट्तिला११व्र.वै.नि.
१३	बु	५८	३१	मू	२९	२१	व्या	१५	२९	ग	२८	२३	३३	४१	१८	२६	१३	२५	धनुषि	भ. ५८।३१ उ. प्रदोषः
१४	गु	५९	४९	पू	३१	३०	ह	१३	३६	वि	२९	१०	३६	४१	१९	२७	१४	२६	म.४७।२३	भ.३९/१०या. पूषायां४ गुरुः२१/६ पश्चिमास्तं+
३०	शु	६०	०	उ	३५	३	व	१२	०	श	३१	७	३९	४०	२०	२८	१५	२७	मकरे	
३०	श	२	२६	श्र	३९	३१	सि	११	२४	ना	२	२६	४२	४०	२०	२९	१६	२८	मकरे	उषायां शुक्रः ५।३४ +बुधः १०।३६

४१पं.मा.कृ.४मं.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	८	४	०	९
४	१७	२३	२१	१२	१२	७	४
३१	२६	२५	१३	४९	१८	२३	३५
४३	१३	३०	५१	५५	०	१३	३८
६१	४६	७४	१३	७३	३/१०	३	६१
१९	१८	५६	३२	५६	व	११	३

गोचरग्रहाः

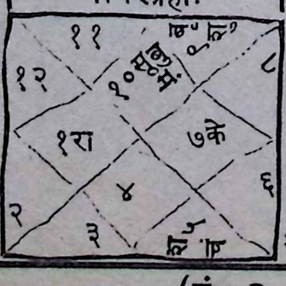

इस मास में पांच शनि तथा पांच रविवार हैं प्रजा में रोग भय भूकंप भय होगा। शांत आंधी से खेतियों में नुकसान।

गोचरग्रहाः

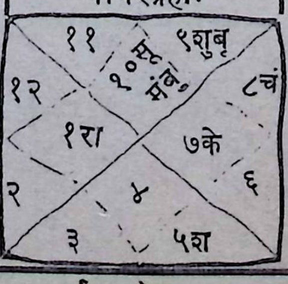

४२पं.मा.कृ.१२मं.इ.३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	८	४	०	९
११	२२	२६	२२	२१	११	७	११
४०	५७	५५	४९	३५	५३	०	४२
३४	४३	१९	२३	१०	१०	५८	५०
६१	४६	६/४८	१३	७४	३/४६	३	६०
१३	२२	व	२०	२	व	११	५९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	र	६	१०	ध	४५	४	व्य	१०	२०	ब	६	१०	२६/४५	६/३९	५/२१	३०	१७	२९	कुं.१२।१७
२	चं	१०	५०	श	५१	१५	व	१२	१८	कौ	१०	५०	४८	३८	२२	३१	१८	१	कुम्भे
३	मं	१५	५४	पू	५७	३६	प	१३	१६	ग	१५	५४	५२	३८	२२	१	१९	२	मी४१।१
४	बु	२१	९	उ	६०	०	शि	१४	३६	वि	२१	९	५५	३७	२३	२	२०	३	मीने
५	गु	२६	१०	उ	४	३	सि	१५	२८	बा	२६	१०	५८	३६	२४	३	२१	४	मीने
६	शु	३०	३८	रे	१०	३१	सा	१६	२२	तै	३०	३८	२७/२	३६	२४	४	२२	५	मे.१०।३१
७	श	३४	१३	अ	१५	०	शु	१६	२६	ग	२	२६	५	३५	२५	५	२३	६	मेषे
८	र	३६	४०	भ	१९	३	शु	१५	४१	वि	५	२७	९	३४	२६	६	२४	७	बृ.३४।४८
९	चं	३७	५१	कृ	२३	३	ब्र	१३	५८	बा	७	१५	१२	३४	२६	७	२५	८	बृषे
१०	मं	३७	४४	रो	२३	१८	ऐं	११	१७	तै	७	४७	१६	३३	२७	८	२६	९	मि५३।४०
११	बु	३६	२०	मृ	२४	२	वै	७	२६	व	७	२	१९	३२	२८	९	२७	१०	मिथुने
१२	गु	३३	४४	आ	२३	९	वि	२/११	५/५२	ब	५	२	२२	३१	२९	१०	२८	११	मिथुने
१३	शु	३०	५	पु	२१	३०	प्री	५१	१९	कौ	१	५४	२७	३१	२९	११	२९	१२	क.६।४७
१४	श	२५	४५	पु	१८	३४	सौ	४४	२५	व	२५	४५	३०	३०	३०	१२	३०	१३	कर्के
१५	र	२०	३९	श्ले	१५	१६	शो	३७	६	ब	२०	३९	३४	२९	३१	१३	१	१४	सिं१५।१६

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५०४९ सन् १९४९

चंद्रद. ✱राहुःचित्रायां४केतुः ४/४५ २/५ रविला.४
वक्रीश्रवणेबुधः ५/३ ९/७ मकरेशुक्रः ४/२ ७/६ अश्वि.२✱
भ. ४८।३१ उ. **फरवरी मा.२ ता. २८**
भ. २१।९ या.
कुंभे भौमः ०।५७ बसंत ५

भ. ३/५ ४/३ उ. धनिष्ठायां रविः ३/८ ०/९ पातस्पर्शः×
भ. ५।२७ या. भीष्म ८

श्रवणे शुक्रः ८।३८ पूर्वोदयी बुधः ५५।४६
भ. ७।२ उ. ३६।२० या. जया ११ व्र.
भीष्म १२ ×३/२ ६/७ पातमोक्षः ३/५ ८/५
शते भौमः २८। ३ उषायां१ गुरुः ३३।४२
भ.२५।४५उ.५३।१२या. कुंभेऽर्कः ४।५५
मार्गी बुधः १४।४५ माघस्नान पूर्ति

४३पं.मा.शु.३ मं.इ.३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	९	४	०	९
१८	२८	२२	२४	०	११	६	१८
४८	२९	१६	२३	२०	२४	३८	४९
३४	२८	४८	२४	१३	४०	४३	२३
६१	४६	८५/५०	१३	७४	४/४	३	६०
४	२२	ब	८	८	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

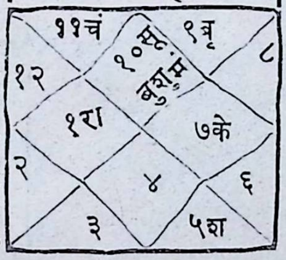

माघ शु.१४शनौ
कुंभेऽर्कः प्र. वा.३
न.३प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

४४पं. मा.शु.१० मं.इ.३।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	८	९	४	०	९
२५	४	१४	२५	९	१०	६	२५
५५	२	२४	५५	४	५३	१६	५५
२२	२	३२	१८	४८	२८	२७	२३
६०	४६	४७/३२	१२	७४	४/२२	३	६०
५५	२२	ब	४७	१४	ब	११	४७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	चं	१५	६	म	१०	४०	अ	२९	३३	बा	१५	६	२७/३८	६/२८	५/३२	१४	२	१५	सिंहे
२	मं	९	२०	पू	७	३७	सु	२१	५४	तै	९	२०	४२	२८	३२	१५	३	१६	कं.२१।३५
३	बु	३	२९	उ	३/२८	५६/९	धृ	१४	१	व	३	२९	४६	२७	३३	१६	४	१७	कन्यायां
४	बु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	गु	५२	२०	चि	५५	५२	शू	६/२१	५२/३०	कौ	२५	७	५०	२६	३४	१७	५	१८	तु.२७।४४
६	शु	४७	२०	स्वा	५२	४४	वृ	५१	५९	ग	१९	५०	५४	२५	३५	१८	६	१९	तुलायां
७	श	४३	९	वि	५०	१७	ध्रु	४५	३३	वि	१५	१४	५८	२४	३६	१९	७	२०	वृ.३५।५४
८	र	४०	५१	अ	४८	३२	व्या	३९	५४	बा	१२	०	२६/२	२४	३६	२०	८	२१	वृश्चिके
९	चं	३७	३३	ज्ये	४८	११	ह	३५	७	तै	९	१२	६	२३	३७	२१	९	२२	ध.४८।११
१०	मं	३६	२०	मू	४८	४८	व	३१	१६	व	६	५७	१०	२२	३८	२२	१०	२३	धनुषि
११	बु	३६	२७	पू	५०	४५	सि	२८	२१	ब	६	२४	१४	२१	३९	२३	११	२४	धनुषि
१२	गु	३७	५९	उ	५३	५३	व्य	२६	२६	कौ	७	१३	१८	२०	४०	२४	१२	२५	म.६।३२
१३	शु	४०	४१	श्र	५८	२७	व	२५	२७	ग	९	२०	२२	२०	४०	२५	१३	२६	मकरे
१४	श	४४	२८	ध	६०	०	प	२५	१९	वि	१२	३५	२६	१९	४१	२६	१४	२७	कु.३०।५९
३०	र	४९	२	ध	३	३१	शि	२६	४	च	१६	४५	३०	१८	४२	२७	१५	२८	कुंभे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ३।२९ उ. ३०।४१ या. चतुर्थी व्र.
क्षयः
पातस्पर्शः ५२।३
भ. ४७/२० उ. शते रविः ४/१ ६/६ पातमोक्षः२।९
भ. १/१ ५/४ या. धनिष्ठायां शुक्रः२७।११ वक्री✱
सीताष्टमी ✱मघायां३ शनिः १७।६

भ. ६।५७ उ. ३६।२० या.
विजया ११ व्र.
कुम्भे शुक्रः ४९।३७
भ.४०।४१उ. प्रदोष.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
भ. १२।३५ या. महाशिवरात्री व्र. वै.
उषायां २ मकरे गुरुः ४७।२४

४५पं. फा.कृ.२ मं.इ.४।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	९	४	०	१०
३	९	११	२७	१७	१०	५	३
१	३४	२५	२४	५०	२०	५४	०
२५	२३	४४	५८	३१	५३	१३	९
६०	४६	१५/४२	१२	७४	४/४०	३	६०
४२	२२	मा	२०	२०	ब	११	३७

गोचरग्रहाः

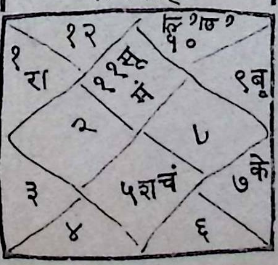

इस मास में सरसों
सण कुष्ठा कपड़ा
नील जायफल सोंठ
गुड़ खांड घृतादि
रस जौ गेहूँ चणा
धान्य तेज।

गोचरग्रहाः

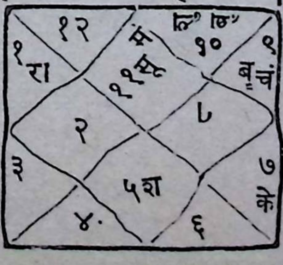

४६पं. फा.कृ.१०मं.इ.४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	९	४	०	१०
१०	१५	१४	२८	२६	९	५	१०
५	४	४	५१	३५	४६	३१	३
५६	५९	१९	२९	६	५९	५६	३८
६०	४६	४७	१२	७४	४/४०	३	६०
३१	२७	४७	२	२६	ब	११	२५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५०७८ स.१९४९
१	चं	५४	३	श	९	२९	सि	२७	९	किं	२१	३२	३८/३४	५६/७	४५/३	२८	१६	२९	मी५९।१९	पूभायां भौमः ५८/१४ शुक्रबृद्धत्वारंभः२४।०
२	मं	५९	१८	पू	१५	५६	सा	२८	३०	बा	२६	४०	३८	१६	४४	१	१७	३०	मीने	चंद्रद. मार्च मा. ३ ता. ३१
३	बु	६०	०	उ	२२	१	शु	२९	३३	तै	३१	४५	४२	१६	४४	२	१८	१	मीने	शते शुक्रः १०।२ जमादिलावल ५
३	गु	४	१२	रे	२८	२६	शु	३०	३४	ग	४	१२	४६	१५	४५	३	१९	२	मे.२८।२६	भ. ३६।२४ उ. पूभायां रविः ५५।४
४	शु	८	३५	अ	३३	५१	ब्र	३०	४१	वि	८	३५	५०	१४	४६	४	२०	३	मेषे	भ.८।३५या. धनिष्ठायांबुधः५।९पूर्वास्तं×
५	श	१२	१	भ	३८	५	ऐं	३०	३७	बा	१२	१	५४	१३	४७	५	२१	४	वृ.५३।५२	
६	र	१४	२३	कृ	४१	१५	वै	२९	११	तै	१४	२३	५८	१२	४८	६	२२	५	वृषे	
७	चं	१५	२५	रो	४३	१०	वि	२७	८	व	१५	२५	२९/२	१२	४८	७	२३	६	वृषे	भ.१५/२५ उ.४५।१७ या. होलाष्टक होई८
८	मं	१५	१०	मृ	४३	५८	प्री	२३	३२	ब	१५	१०	६	११	४९	८	२४	७	मि१३।३४	
९	बु	१३	३६	आ	४३	२३	आ	१९	१३	कौ	१३	३६	१०	१०	५०	९	२५	८	मिथुने	कुंभे बुधः २९।३३ ×शुक्रः २३/४३ पू.अ.शु.
१०	गु	१०	५२	पु	४१	४६	सौ	१४	१	ग	१०	५२	१४	९	५१	१०	२६	९	क.२७।१०	भ. ३९।२ उ.
११	शु	७	१३	पु	३९	१३	शो	८	८	वि	७	१३	१९	८	५२	११	२७	१०	कर्के	भ. ७।१३ या. आमलकी ११ व्र.
१२	श	२	३८	श्ले	३६	१०	अ	३८/२	५५/७	बा	२	३८	२३	७	५३	१२	२८	११	सिं३६।१०	पूभायां शुक्रः५२/२० मीने भौमः५८/२५ प्रदोषः
१३	श	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१४	र	५१	४५	म	३२	२८	धृ	४७	७	ग	२४	३७	२८	६	५४	१३	२९	१२	सिंहे	भ. ५१।४८ उ. मीनेऽर्कः ५५।२२
१५	चं	४५	५९	पू	२८	२८	शू	४०	०	वि	१८	५३	३२	६	५४	१४	१	१३	कं.४२।२५	भ.१८।५३या. होलिका शतेबुधः१५।४५

४७पं. फा.शु.२मं.इ.४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	९	१०	४	०	१०
१७	२०	२०	०	५	९	५	१७
८	३५	७	१४	१९	१३	९	५
४६	५३	४	३८	१	१९	४१	५२
६०	४६	६४	११	७४	४/४०	३	६०
२०	१७	१०	२१	२६	व	११	१२

गोचरग्रहाः

फाल्गुन शु. १४
रवौ मीनेऽर्कः प्र.
वा.३न.३प्रगल्भाव-
स्था(बैठी)मु.३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम

गोचरग्रहाः

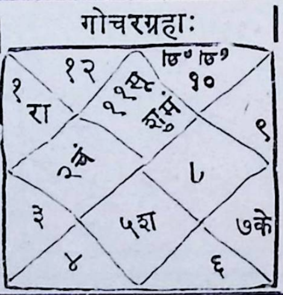

४८पं.फा.शु. ८मं.इ.५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	९	१०	४	०	१०
२४	२६	२८	१	१४	८	४	२४
१०	५	१४	३३	२	४०	४७	६
७	३१	५६	४०	४६	२७	२६	३४
६०	४६	७४	१०	७४	४/२२	३	५९
५	१७	३७	४७	२६	व	११	३८

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २००५ शाकः १८७०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा:
१	मं	४०	१४	उ	२४	१८	गं	३१	५०	बा	१३	६	३९/३६	६/५	५/५५	१५	२	१४	कन्यायां	बसंत १ छांरेंडी
२	बु	३४	१५	ह	२०	२०	वृ	२४	८	तै	७	१४	४०	४	५६	१६	३	१५	तु.४८।२९	कलमदवात पूजा
३	गु	२८	५२	चि	१६	३८	ध्रु	१६	५३	व	१	३३	४४	३	५७	१७	४	१६	तुलायां	भ.१।३३ उ.३६/५२या. उभायां रविः१६।०*
४	शु	२३	५०	स्वा	१३	१८	व्या	९	३९	बा	२३	५०	४८	२	५८	१८	५	१७	वृ.५६।२५	उषायां ३ गुरुः १७।०
५	श	१९	३६	वि	१०	४७	ह	३/८	५४/१०	तै	१९	३६	५२	२	५८	१९	६	१८	वृश्चिके	भ.१६।१६ उ.४४।३६या. मीने शुक्रः५५/५७
६	र	१६	१७	अ	८	१९	सि	५२	२१	व	१६	१७	५७	१	५९	२०	७	१९	वृश्चिके	शीतलापूजनं *भौमश्च३३/५४ चतुर्थी व्र.
७	चं	१२	५६	ज्ये	८	१	व्य	४८	१७	ब	१२	५६	३०/१	६/००	६/००	२१	८	२०	ध. ८।१	
८	मं	१२	४४	मू	८	३१	व	४५	७	कौ	१२	४४	६	५९	६/५	२२	९	२१	धनुषि	
९	बु	१२	५१	पू	१०	१२	प	४२	५७	ग	१२	५१	१०	५८	२	२३	१०	२२	म.२५।५७	भ.४३।३४उ. उभायांबुधः२।१४उभायां+
१०	गु	१४	१७	उ	१३	११	शि	४१	५०	वि	१४	१७	१४	५७	३	२४	११	२३	मकरे	भ. १४।१७ या. +शुक्रः ३६।२०
११	शु	१७	०	श्र	१७	११	सि	४१	२९	बा	१७	०	१८	५६	४	२५	१२	२४	कुं.४९।४२	पापमोचनी ११ व्र.
१२	श	२०	४६	ध	२२	१३	सा	४२	०	तै	२०	४६	२२	५६	४	२६	१३	२५	कुंभे	प्रदोषः
१३	र	२५	१७	श	२८	१३	शु	४३	१	व	२५	१७	२६	५५	५	२७	१४	२६	कुम्भे	भ. २५।१७ उ. ५७।४८ या.
१४	चं	३०	२०	पू	३४	३०	शु	४४	१७	श	३०	२०	३०	५४	६	२८	१५	२७	मी१७।५६	मीने बुधः ५१।९
३०	मं	३५	२३	उ	४०	५८	ब्र	४५	३९	च	२	५२	३४	५३	७	२९	१६	२८	मीने	अहर्गणः५१०७ च. ३ के.

४९पं. चै.कृ.१ मं.इ.५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	९	१०	४	०	११
१	३	७	२	२२	८	४	१
९	३४	४८	४८	४५	९	२५	५
४९	१९	४०	४	१८	४०	१०	४६
५९	४६	८२	१०	७४	४/४	३	५९
५८	७	५९	०	३२	व	११	४१

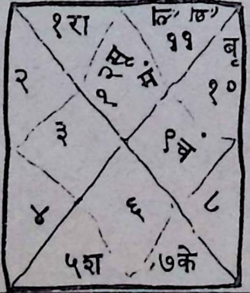

५०पं. चै.कृ.८ मं.इ.५।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	९	११	४	०	११
८	७	१८	३	१	७	४	८
७	१	३४	५७	२७	४१	२	३
४३	४४	८	२९	२९	२४	५५	२२
५९	४५	९१	९	७४	३/४६	३	५९
३५	५७	१४	२०	३२	व	११	२९

५१पं.चै.कृ.३०मं.इ. ६।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	९	११	४	०	११
१५	१२	०	५	१०	७	३	१४
३	२६	२५	१	९	१६	४०	५९
४६	३८	१६	८	१४	३७	४०	१८
५९	४५	९/०	८	७४	१/०	३	५९
१८	४७	२५	३०	३२	व	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५० तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५० भौग्यकलिः ४२६९५० अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २००६ शाकः १८७० अथास्मिन्वर्षे राजा बुधः । मंत्री बुधः । सस्येशः शनिः । धान्येशो गुरुः। मेघेशो भौमः । रसेशश्चंद्रः। नीरसेशो शुक्रः । फलेशः भौमः। धनेशो शुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्चब्दानां मध्ये विष्णुर्विंशतिकायां १६ शुभकृन्नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः २।८।५१।३६ भोग्यमासादिः ९।२१।८।२४ वैश्व-दैवतंयुगम् । वर्षनाम आषाढः। मेघ४नाम संवर्तः। समयनिवासः कुंभ-कार गृहे (जलपात्र में)। रोहिणी निवासः पर्वते । समय विश्वा ५ । समय वाहनं सिंचाणुः। स्तम्भ २ जलतृणयोः। सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमीनास्ति । भानुसप्तमी २। रविदशमी २। समय मुहूर्ताः ३६० । समय दिनानि ३५४। तिथि क्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ८ । उत्पत्ति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा १७ । धान्य ९५. तृण ५. शीत ५. तेज५. वायुः१३. वृद्धिः१५. क्षयः १५. विग्रह११. ऐक्यं ९५. सत्यं ।।.धर्म१।। पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे ।

सं.२००६ आश्विन शुक्ला १५
शुक्रे ग्रस्तास्तं चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व
रेल्वे	१	३	५	७	१०	९
टाइम	७	५५	४८	२५	२९	२२
देशी	६	८	८	९	१०	३
टाइम	५४	१	४०	१९	३२	३८

जहां रेलवे ६ बज कर ५४ मिनट पर चन्द्रास्त होगा, वहां यह ग्रहण स्पर्श मात्र भी नहीं दीखेगा । अतः जहां न दीखे वहां ग्रहण जन्यः स्नान दानादि का कोई फल नहीं, विशेष समय पर लिखेंगे ।
यह ग्रहण नवलगढ़ में नहीं होगा

वर्ष लग्नम् ६।११

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव खड़ा सुनो भवानी मात ।
छै संवत्सर का कहो श्री मुखसे कुशलात ।।

भवानी उत्तर

छठ्ठा मठ्ठा होय सी मध्यम वर्षे तोय ।।
व्यापारां घट बढ़ चले घर घर मंगल होय ।।१।।
वैशाखां तेजी चलैं अलसी रेशम सूत ।।
आपस में जनता लड़े चलैं परस्पर जूत ।।२।।
बुध राजा इस वर्ष में यह सब जग हर्षाय ।।
मंत्री पद को पाय कर करैं न्याय का न्याय ।।३।।
जल तृण के दो स्तम्भ हैं संवत् विश्वा बाण ।।
पकी पकाई साख में होसी खेंचा ताण ।।४।।
धर्म कर्म करते रहो भली करैं करतार ।।
"बनवारी" जगदीश का भजन जगत में सार ।।५।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ३।१९

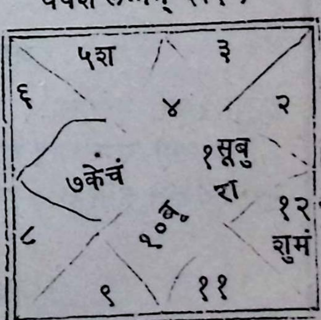

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।७।५६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्–बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यं विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धनधान्य संकुलम् ।। मंत्री बुधस्तत्फलम्–शशिसुते शुभमंत्रि समागते स्वपतिना कुरुते मदन क्रियाम् । बहुधनं बहुवारि समन्वितं यव मसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शनिस्तत्फलम्–रविसुते यदि धान्य-पतौ जनाः नृपतिभिः परिपीड़ितविग्रहः । गद भयं तुष धान्य हरं सदा दुरितवाद-विवाद युतानराः ।। धान्येशो गुरुस्तत्फलम्–गुरौ धान्यपतौ यातें यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम्–अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुतिविचार विहीन धराभवा । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ।। रसेशश्चंद्रस्तत्फलम्–यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम्–कर्पूरागरुगंधानां हेममौक्तिक वाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशोभौमस्त-त्फलम्–फलपतिर्यदि भूतनयोभवेत् सुबहुपुष्प फलान्वित मेदिनी । गतभया नृपदेश जनास्तदा नृपतयो बहुविग्रह कारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्–द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधना सकला भुविमानवाः । समसुखाःक्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जन-पालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम्–अवनिजो गढ़नायकतांगतो विविधदुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। वर्षनाम आषाढस्तत्फलम्–अर्घं महर्घतां याति धनधान्यं समं भवेत् । आषाढ़े स्वल्पवृष्टिश्च तुषधान्य महर्घता ।। शुभकृत् संवत्सरस्तत्फलम्–शुभकृद्वत्सरे पृथ्वी सम्पूर्णा विविधोत्सवैः । असकृत् चौरभयदा राजानः समरोत्सुकाः ।। मेघनाम संवंतस्तत्फलम्–संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्–पर्वते बिंदुमात्रश्च ।। समय निवासः कुंभकारगृहे फलम्–अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २००६ शाके १८७१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ चंद्रे उषा. ल. १२ रे. ६ ।।ऽ।।ऽअऽऽ।।
,, ५ भौमे उषा. ल. गो. रे. ६ ।।ऽ।।ऽऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११ चंद्रे रेवत्यां ल. ऽन्यगो. रे.७ ऽशु.।।।ऽरोग।ऽ।।
शुक्ला ८शनौ उफा. ल. १२ (चं. ७ पू.) रे. ८ ।।।।।अ.ऽ।।
,, ११भौमे स्वा. ल.१ (चंद्रो.७मे.पू.) रे.९।।।।।।ऽ।।आव.

आषाढ मासः

कृष्णा १शनौ मूले ल. १ रे. ७ ।।।।९सू।ऽऽ।।
,, ८ शनौ उभा.ल.१ रे.६ऽवृ.।।।।ऽऽ। दग्धादोष आवश्यके
शुक्ला ८ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो. रे.७ ।।।।।ऽदो.।ऽ।ऽ दग्धा दोष आवश्यके

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला २ भौमे मूले ल. ७ रे. ८ ।।।।।ऽचो.ऽ।।।

पौष मासः

कृष्णा ६ रवौ मघा. ल. ऽन्यगो. रे. ६ ऽचऽ।।ऽशु.।।ऽ।।। पाद तोवेधाऽभावः आवश्यके

माघ मासः

कृष्णा ११शनौ अनु. ल. गो. ७ घ. ४६ या. रे.६ ।ऽ।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा अत्यावश्यके

चैत्र मासः

कृष्णा ६ गुरौ अनु.ल.७-९ (घ.५१।२८या.) रे.८ऽचंऽ।।।।।।।
,, ८शनौ मूले ल.ऽन्यगो. (सोग्रांगः) ७-८ रे.९।।।।।।ऽ।।
,, १० चंद्रे उषा. ल. ७ रे. ७ ।।।ऽअग्नि।ऽ।। बृश्चिक धन लग्ने परिघार्द्धम्

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१०८स.१९४९
१	बु	४०	२१	रे	४७	१२	ऐं	४६	५६	किं	७	५२	३/०/८	५/५२	६/८	३०	१७	२९	मे.४७।१२	रेवत्यांरविः ४/२ ३/८ उभायांबुधः ४/२ १/८ नवरात्रा.×
२	गु	४४	३३	अ	५२	४६	वै	४७	३१	बा	१२	२७	४३	५१	९	३१	१८	३०	मेषे	चन्द्रद. पूर्वास्तो बुधः २५।५१ सिंजारा
३	शु	४७	५१	भ	५७	१७	वि	४७	२५	तै	१६	१२	४७	५१	९	१	१९	१	मेषे	अप्रेल मा.४ ता.३० जमादिलाखर मु.६+
४	श	५०	१	कृ	६०	०	प्री	४६	२१	व	१८	५६	५२	५०	१०	२	२०	२	वृ.१३।८	भ.१/५ ६/६ उ.५/० १/१या. +गणगौरी मत्स्यज.
५	र	५०	५५	कृ	०	४१	आ	४४	२२	ब	२०	२८	५६	४९	११	३	२१	३	वृषे	रेवत्यां शुक्रः२१।५३ रेवत्यां भौमः२३।२८
६	चं	५०	३३	रो	२	३७	सौ	४१	२५	कौ	२०	४३	३१/००/३५	४८	१२	४	२२	४	मि३३।१५	अश्विन्यां १ राहुः चित्रायां ३ केतुः ३/१ ६/७
७	मं	४८	५३	मृ	३	५३	शो	३७	४६	ग	१९	४३	४	४७	१३	५	२३	५	मिथुने	भ. ४८।५३ उ. ×ध्वजारो. घटस्था.
८	बु	४६	६	आ	३	३६	अ	३२	४६	वि	१७	२९	८	४६	१४	६	२४	६	क.४७।३४	भ. १७।२९ या. रेवत्यां बुधः ५१।५८
९	गु	४२	२०	पु	१ ३/३	५७/४६	सु	२७	१	बा	१४	१३	१२	४६	१४	७	२५	७	कर्के	राम ९ =शनिः ५६।१० हरिद.
१०	शु	३७	३७	श्ले	५६	५२	धृ	२०	४२	तै	१०	०	१६	४५	१५	८	२६	८	सिं५६।५२	
११	श	३२	२२	म	५३	१२	शू	१३	५३	व	४	५९	२०	४४	१६	९	२७	९	सिंहे	भ.४।५९ उ.३२।२२ या. कामदा११ब्र.
१२	र	२६	३४	पू	४९	२५	गं	६/४	५३/५२	बा	२६	३४	२४	४३	१७	१०	२८	१०	सिंहे	उषायां ४ गुरुः २८।६ वक्री मघायां २=
१३	चं	२०	४२	उ	४५	३१	ध्रु	५१	२३	तै	२०	४२	२८	४२	१८	११	२९	११	कं.३।२७	
१४	मं	१४	४३	ह	४१	१९	व्या	४३	४३	व	१४	४३	३२	४२	१८	१२	३०	१२	कन्यायां	भ.१४।४३ उ.४१।४६ या. *वै.स्ना.प्रा.
१५	बु	८	५०	चि	३७	२४	ह	३६	९	ब	८	५०	३६	४१	१९	१३	३१	१३	तु.९।२१	मेषेऽर्कः १/५ ७/९ मेषे बुधः २/४ ०/२ हनुमज्जयंती*

५२पं. चै.शु.७ मं.इ.६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	९	११	४	०	११
२१	१७	१३	५	१८	६	३	२१
५७	५०	२१	५८	५०	५५	१८	५३
५८	५६	३६	४४	२	५५	२४	३१
५९	४५	[illegible]	७	७४	२/३०	३	५९
४	४७	[illegible]	२३	३७	ब	११	४

गोचरग्रहाः

वैशाख शु.१५बुधे
मेषेऽर्कः प्र. वा.४
न.४कुमारावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रास्तः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

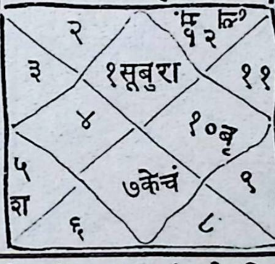

१पं. चै.शु.१५बु.इ.२२।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	९	११	४	०	०
०	२४	०	६	२९	६	२	०
४	१०	३	५८	३	३५	५२	०
७	४८	७	५	५०	४२	५	०
५८	४५	[illegible]	६	७४	४/६	३	५८
४५	३२	[illegible]	१४	३८	ब	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३	१५	स्वा	३४	५	व	२९	४	कौ	३	१५	३५/४०	५/४०	६/२०	१४	१	१४	तुलायां	मेषे शुक्रः ७।२१
२	गु	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	५४	४	वि	३१	२७	सि	२२	२९	व	२६	९	४४	३९	२१	१५	२	१५	बृ.१६।२९	भ. २६।९ उ. ५४।४ या.
४	श	५०	३८	अ	२९	२२	व्य	१६	२६	ब	२२	२१	४७	३९	२१	१६	३	१६	वृश्चिके	चतुर्थी ब्र.
५	र	४८	१०	ज्ये	२८	२२	व	११	२४	कौ	१९	२४	५१	३८	२२	१७	४	१७	ध.२८।२२	
६	चं	४६	५२	मू	२८	२७	प	७	२	ग	१७	३१	५४	३७	२३	१८	५	१८	धनुषि	भ. ४६।५२ उ.
७	मं	४६	५२	पू	२९	५९	शि	३	४४	वि	१६	५२	५८	३६	२४	१९	६	१९	म.४५।३३	भ. १६।५२ या. भरण्यां बुधः ३५।२४
८	बु	४८	७	उ	३२	१४	सि	२ १/५	५७/४२	बा	१७	२९	३२/२	३६	२४	२०	७	२०	मकरे	
९	गु	५०	४४	श्र	३६	१५	शु	५९	४१	तै	१९	२५	६	३५	२५	२१	८	२१	मकरे	मेषे भौमः १।५२
१०	शु	५४	३३	ध	४१	८	शु	६०	०	व	२२	३८	९	३४	२६	२२	९	२२	कु.८।४१	भ. २२।३८ उ. ५४।३३ या.
११	श	५८	५७	श	४६	५१	शु	०	५	ब	२६	४५	१३	३३	२७	२३	१०	२३	कुंभे	वरूथिनी ११ब्र.स्मा. ×कृतिकायां बुधः ५/५ ३/५
१२	र	६०	०	पू	५३	११	ब्र	१	११	कौ	३१	२३	१७	३३	२७	२४	११	२४	मी३६।३६	भरण्यांशुक्रः५.६।७ पश्चिमोदयीबुधः २/५ ९/५ *
१२	चं	३	४९	उ	५९	४२	ऐं	२	३२	तै	३	४९	२१	३२	२८	२५	१२	२५	मीने	प्रदोषः *वरूथिनी ११ ब्र. वै. नि.
१३	मं	८	५०	रे	६०	०	वै	४	३	व	८	५०	२५	३१	२९	२६	१३	२६	मीने	भ. ८।५० उ. ४/१ १/१ या. भरण्यां रविः ५/२ ९/३ ×
१४	बु	१३	३२	रे	६	४	वि	५	२२	श	१३	३२	२९	३०	३०	२७	१४	२७	मे. ६।४	बृष बुधः ५७।३८ अगस्त्यास्तः ४।२८
३०	गु	१७	५०	अ	११	३८	प्री	६	१५	ना	१७	५१	३३	२९	३१	२८	१५	२८	मेषे	

२पं. वै.कृ.८ बु.इ.२२।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	९	०	४	०	०
६	२९	१४	७	७	६	२	६
५४	३०	५७	३९	४३	२४	२९	५०
१७	१४	३६	४७	२३	४७	५०	३८
५८	४५	[illegible]	५	७४	१	३	५८
२९	२२	[illegible]	६	३८	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

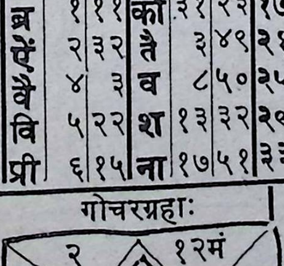

इस मास में छह
ग्रहोंका योग अ-
मावसको बना है
सो राजाओंमें वि-
ग्रह कहीं भूकम्प
से भारी नुकसान

गोचरग्रहाः

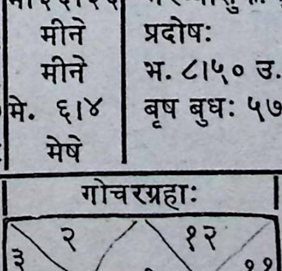

३पं. वै.कृ.१४बु.इ.२२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	९	०	४	०	०
१३	४	२८	८	१६	६	२	१३
४२	४७	५८	१३	२२	१९	७	३९
४१	५३	४१	५२	२६	१	३४	४१
५८	४५	[illegible]	३	७४	१/८	३	५८
१२	१२	[illegible]	५९	३८	ब	११	२०

×सूचंमंबुशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१३८ सन्१९४९
१	शु	२१	७	भ	१६	२७	आ	६	२६	ब	२१	७	३३/६२	२५/९	३६/५	२९	१६	२९	बृ.३२।२३	चंद्रद.
२	श	२३	१०	कृ	२०	१३	सौ	५	४७	कौ	२३	१०	४०	२८	३२	३०	१७	१	वृषे	मार्गी शनिः३१।४६ रज्जव७ परशुरामज.
३	र	२४	२२	रो	२२	४२	शो	३	५८	ग	२४	२२	४३	२७	३३	१	१८	२	मि५३।२१	भ. ५३।५९ उ. मई मा.५ता.३१ अक्षया३
४	चं	२३	३७	मृ	२३	५५	अ	२४/५	५७/५	वि	२३	३७	४७	२७	३३	२	१९	३	मिथुने	भ. २३।३७ या.
५	मं	२१	५५	आ	२४	३	धृ	५३	६	बा	२१	५५	५०	२६	३४	३	२०	४	मिथुने	रोहिण्यां बुधः ५८।५१
६	बु	१९	७	पु	२२	५२	शू	४७	४२	तै	१९	७	५४	२५	३५	४	२१	५	क.८।१०	गंगोत्पत्तिः ×पश्चिमोदयी शुक्रः ३८/२४
७	गु	१५	२०	पु	२०	४६	गं	४१	३४	व	१५	२०	५८	२४	३६	५	२२	६	कर्के	भ.१५/२० उ.४२/४०या. कृत्तिकायां शुक्रः४३।९
८	शु	१०	१	श्ले	१७	५८	वृ	३४	५६	ब	१०	१	३३/५	२४	३६	६	२३	७	सिं१७।५८	
९	श	५	६	म	१४	२९	ध्रु	२७	४५	कौ	५	६	४	२३	३७	७	२४	८	सिंहे	
१०	श	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *भौमः४७/१३ मोहिनी ११व्र. स्मा.
११	र	५३	२२	पू	१०	४१	व्या	२०	१८	व	२६	१९	७	२३	३७	८	२५	९	कं.२४।३८	भ.२६/५९उ.५३।२२या. वृषेशुक्रः२६/५९भरण्यां*
१२	चं	४७	१९	उ	६	३०	ह	१२	४०	ब	२०	२१	१०	२२	३८	९	२६	१०	कन्यायां	मोहिनी ११ व्र. वै. नि. प्रदोषः
१३	मं	४१	२४	ह	२६/३	५६/७	व	५/८	५२/२८	कौ	१४	२१	१३	२१	३९	१०	२७	११	तु.३०।२९	कृत्तिकायां रविः ४७।१८
१४	बु	३५	३१	स्वा	५५	२	व्य	५०	२९	ग	८	२७	१६	२१	३९	११	२८	१२	तुलायां	भ. ३५।३१ उ. नृसिंहजयन्ती प.उ.शु.
१५	गु	३०	३७	वि	५१	५५	व	४३	४९	वि	३	४	१९	२०	४०	१२	२९	१३	बृ.३७।४२	भ.३।४या. कूर्मजयंती अन्नदानं वै.स्ना.पू.×

४पं. वै.शु.६बु.इ.२२।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	९	०	४	०	०
२०	१०	१०	८	२५	६	१	२०
२९	२	२८	३९	०	१८	४५	२७
२०	४६	८	२२	२५	४३	१९	२२
५७	४४	६९	२	७४	२३	३	५८
५७	५२	५८	४१	३२	मा	११	६

गोचरग्रहाः

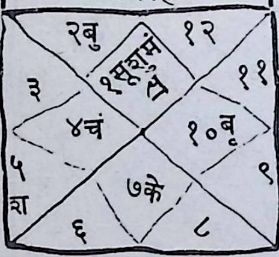

इस मास में मंगल राहु की युति तिथि-क्षय और बुध शुक्रका योग रुई मन्दी और वर्षा कारक है।

गोचरग्रहाः

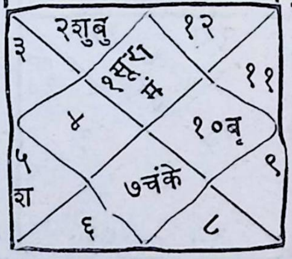

५पं. वै.शु.१४बु.इ.२३।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	९	१	४	०	०
२७	१५	१८	८	३	६	१	२७
१४	१५	५२	५६	३८	२३	२३	१३
३४	४०	१	१०	५३	३८	४	३०
५७	४४	३१	१	७४	१	३	५७
४५	३०	३०	२०	३२	७	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२६	१२	अ	४९	५१	प	३७	४३	कौ	२६	१२	३३/२२	२५/०	४६/०	१३	३०	१४	वृश्चिके	
२	श	२२	४१	ज्ये	४९	३४	शि	३२	२५	ग	२२	४१	२५	१९	४१	१४	३१	१५	ध.४९।३४	भ. ५१।२४ उ. बृषेऽर्कः १५।५
३	र	२०	८	मू	५०	३०	सि	२८	११	वि	२०	८	२८	१८	४२	१५	१	१६	धनुषि	भ. २०।८ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	१८	५२	पू	५१	१०	सा	२४	३५	बा	१८	५२	३१	१८	४२	१६	२	१७	धनुषि	रोहिण्यां शुक्रः ३४।५
५	मं	१८	४७	उ	५२	४७	शु	२२	२	तै	१८	४७	३४	१७	४३	१७	३	१८	म.६।३४	
६	बु	१९	५३	श्र	५५	१३	शु	१९	३४	व	१९	५३	३६	१७	४३	१८	४	१९	मकरे	भ.१९।५३ उ.५५/५या. बक्री बुधः१०।१२*
७	गु	२२	१८	ध	६०	०	ब्र	१९	६	ब	२२	१८	३९	१६	४४	१९	५	२०	कुं.२७।३९	बक्री गुरुः ५०।४ पातमोक्षः ११।३०
८	शु	२५	५२	ध	०	५	ऐं	२०	२६	कौ	२५	५२	४१	१६	४४	२०	६	२१	कुम्भे	
९	श	३०	१६	श	५	३२	वै	२१	२३	ग	३०	१६	४४	१५	४५	२१	७	२२	मी५५।१३	
१०	र	३५	२३	पू	११	४७	वि	२२	५३	व	२	४९	४६	१५	४५	२२	८	२३	मीने	भ.२।४९उ.३५/२३या. मघायां३ शनिः२।५६
११	चं	४०	०	उ	१८	९	प्री	२४	२२	ब	७	४१	४८	१४	४६	२३	९	२४	मीने	अपरा ११ व्र. *पातस्पर्शः ५७।१४
१२	मं	४४	४७	रे	२४	३७	आ	२५	५०	कौ	१२	२३	५०	१४	४६	२४	१०	२५	मे.२४।३७	रोहिण्यां रविः ४१।१४
१३	बु	४८	५४	अ	३०	२५	सौ	२६	५०	ग	१६	५	५२	१४	४६	२५	११	२६	मेषे	भ.४८/५४ उ. पश्चिमास्तो बुधः२४/५९ प्रदोषः
१४	गु	५२	६	भ	३५	१६	शो	२७	१४	वि	२०	३०	५४	१३	४७	२६	१२	२७	बृ.५१।१७	भ.२०।३०या. कृत्तिकायां भौमः५२।५२
३०	शु	५४	१०	कृ	३९	२०	अ	२६	५३	च	२३	८	५६	१३	४७	२७	१३	२८	बृषे	मृगे शुक्रः२२।१४ वटपूजनम् भावुका३०

६पं. ज्ये.कृ.६बु.इ.२३।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	९	१	४	०	१
३	२०	२३	९	१२	६	१	३
५८	२५	१४	३	१५	३३	०	५८
११	३७	५६	४७	४३	३२	४८	२८
५७	४४	३/१	०	७४	१	३	५७
३४	१६	ब	१९	३२	४६	११	४४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ.२ शनौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

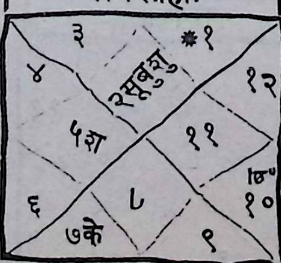

७पं.ज्ये.कृ.१३बु.इ.२३।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	९	१	४	०	१
१०	२५	२३	९	२०	६	०	१०
४०	३४	४२	१	५२	४८	३८	४२
२१	१६	२९	५५	३७	२५	२३	२०
५७	४४	३३/१५	१/३	७४	२	३	५७
२३	६	ब	ब	२६	२५	११	३५

*चंमंरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	.अ	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१६७ स. १९४९
१	श	५४	५९	रो	४२	११	सु	२५	२०	किं	२४	३४	३३/५८	५/१२	६/४८	२८	१४	२९	बृषे	
२	र	५४	३४	मृ	४३	३८	धृ	२३	९	बा	२४	४६	३४/००	१२	४८	२९	१५	३०	मि१२।५४	चंद्रद.
३	चं	५२	४८	आ	४४	६	शू	१९	३५	तै	२३	४१	२	१२	४८	३०	१६	१	मिथुने	सावान ८ रंभा ब्र.
४	मं	४९	५५	पु	४३	११	गं	१५	२०	व	२१	२२	४	११	४९	३१	१७	२	क.२८।२५	भ.२१।२२ उ.४/५ ९/५या. वृषेभौमः ३१।१०
५	बु	४६	५	पु	४१	२०	वृ	१०	०	ब	१८	०	६	११	४९	१	१८	३	कर्के	मिथुनेशुक्रः ४/५ ८/४पातस्पर्शः ३/१ ६/१पातमोक्षः ५ ३/६*
६	गु	४१	२२	श्ले	३८	३१	ध्रु	५/०	५३/३५	कौ	१२	४३	८	१०	५०	२	१९	४	सिं३८।३१	उदयी भौमः ३७।४३
७	शु	३५	५५	म	३५	१३	ह	५०	२५	ग	८	३८	९	१०	५०	३	२०	५	सिंहे	भ. ३५।५५ उ. *जून मा.६ ता.३०
८	श	३०	९	पू	३१	३५	व	४३	१	वि	३	२	११	१०	५०	४	२१	६	कं.४५।३२	भ. ३।२ या. ❋गंगादशहरा
९	र	२४	७	उ	२७	२५	सि	३५	२५	कौ	२४	७	१२	१०	५०	५	२२	७	कन्यायां	
१०	चं	१८	१	ह	२३	५९	व्य	२८	८	ग	१८	१	१४	९	५१	६	२३	८	तु.५१।४५	भ.४५।०उ. मीने राहुः कन्यायां केतुः ३ १/४❋
११	मं	१२	०	चि	१९	३१	व	२०	२३	वि	१२	०	१५	९	५१	७	२४	९	तुलायां	भ. १२।० या. मृगे रविः ४०।३ आर्द्रायां×
१२	बु	६	१२	स्वा	१६	१६	प	१३	९	बा	६	१२	१६	९	५१	८	२५	१०	बृ.५८।३२	प्रदोषः ×शुक्रः १/४ ५/३ निर्जला ११ ब्र.
१३	गु	१	३	वि	१२	३७	शि	६	२३	तै	१	३	१७	८	५२	९	२६	११	बृश्चिके	भ. ५६।३१ उ.
१४	गु	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	शु	५२	५३	अ	१०	२८	सि	१/५८	५४/५४	वि	२४	४२	१८	८	५२	१०	२७	१२	बृश्चिके	भ. २४।४२ या. वटसावित्री पूजनं

८पं.ज्ये.शु.५बु.इ.२३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	९	१	४	०	१
१७	०	२१	८	२९	७	०	१७
२१	३८	२	५०	२८	८	१६	२५
२७	१७	२८	४९	३०	६	१८	७
५७	४३	११/५८	१/३	७४	३	३	५७
१३	५३	व	व	१६	९	११	२७

गोचरग्रहाः

इस मास में राजा
प्रजामें सुख शांति
कहीं२ अग्नि भय
धूप अधिक पड़ेगी
व्यापार में घटबढ़
अन्न का भाव तेज

गोचरग्रहाः

९पं. ज्ये.शु.१२बु.इ.२३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	९	२	४	११	१
२४	५	१७	८	८	७	२९	२४
१	४०	२६	३१	४	३२	५४	.७
२३	४४	४६	१	१	२	२	.८
५७	४३	२९/५०	४/६	७४	३	३	५७
५	२०	व	व	२०	४२	११	२२

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्ष सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५०	१३	ज्ये	९	८	शु	५०	१७	बा	२१	३३	३४/५९	५/८	६/५२	११	२८	१३	ध. ९।८	
२	र	४८	४०	मू	८	१९	शु	४६	४४	तै	१९	२६	२०	८	५२	१२	२९	१४	धनुषि	सब्बरात
३	चं	४८	२७	पू	९	२	ब्र	४४	२२	व	१८	३३	२१	८	५२	१३	३०	१५	म.२४।३२	भ.१/३ ८/३ उ.४८।२७ या. पूर्वोदयी बुधः ३/० ८/०
४	मं	४९	३३	उ	११	४	ऐं	४२	२३	व	१९	०	२१	८	५२	१४	३१	१६	मकरे	मिथुनेऽर्कः ४/५ ०/१रोहिण्यांभौमः ३/१ ७/५चतुर्थीब्र.=
५	बु	५१	४२	श्र	१४	२१	वै	४१	४५	कौ	२०	३७	२२	८	५२	१५	१	१७	कु.४६।३३	
६	गु	५५	१४	ध	१८	४५	वि	४१	५०	ग	२३	२८	२२	८	५२	१६	२	१८	कुम्भे	भ.५/१ ५/४उ. =पातस्पर्शः १/२ ६/० पातमोक्षः ३ ४/७
७	शु	५९	३३	श	२४	१३	प्री	४२	४६	वि	२७	२२	२३	७	५३	१७	३	१९	कुंभे	भ. २७।२२ या.
८	श	६०	०	पू	३०	१४	आ	४४	१८	बा	३१	५२	२३	७	५३	१८	४	२०	मी१३।४४	पुनर्वसौ शुक्रः ६।२८
८	र	४	१४	उ	३६	३२	सौ	४५	४६	कौ	४	१४	२३	७	५३	१९	५	२१	मीने	
९	चं	८	५८	रे	४३	०	शो	४७	२६	ग	८	५८	२४	७	५३	२०	६	२२	मे.४३।०	भ. ४१।२५ उ. मार्गी बुधः ५५।३८
१०	मं	१३	४६	अ	४८	५०	अ	४८	२८	वि	१३	४६	२४	७	५३	२१	७	२३	मेषे	भ. १३।४६ या. आर्द्रायां रविः ४२।३३×
११	बु	१७	४७	भ	५४	६	सु	४९	८	बा	१७	५७	२४	७	५३	२२	८	२४	मेषे	योगिनी ११ ब्र.
१२	गु	२१	९	कृ	५८	४०	धृ	४८	५५	तै	२१	९	२४	७	५३	२३	९	२५	बृ.१०।१४	प्रदोषः ×दक्षिणायन प्रबृत्तिः ५।२
१३	शु	२३	१६	रो	६०	०	शू	४७	३९	व	२३	१६	२४	७	५३	२४	१०	२६	बृषे	भ. २३।१६ उ. ५५।४४ या.
१४	श	२४	१३	रो	१	३१	गं	४५	३७	श	२४	१३	२३	७	५३	२५	११	२७	मि३२।२५	
३०	र	२३	४८	मृ	३	११	वृ	४२	२१	ना	२३	४८	२३	७	५३	२६	१२	२८	मिथुने	कर्के शुक्रः २१।५२

१०पं. आ.कृ.५बु.इ.२३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	९	२	४	११	२
०	१०	१५	८	१६	८	२९	०
४०	४०	२८	२	३८	०	३१	४८
३१	१६	१९	३८	२४	१८	४७	२५
५६	४३	१८/२८	५ ४/३	७४	४	३	५७
५७	४	व	व	१८	२०	११	१७

गोचरग्रहाः

आषाढ़कृ.४भौमे
मिथुनेऽर्कः प्र.वा.
४न.५ कुमाराव-
स्था(बैठी) मु.३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

११पं. आ.कृ.११बु.इ.२३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	९	२	४	११	२
७	१५	१६	७	१५	८	२९	७
१८	३६	५३	२६	११	३२	९	२९
५९	४३	२०	१७	५३	४९	३१	१६
५६	४२	५ ४/३	०/६	७४	४	३	५७
५४	२४	मा	व	८	५०	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५१९७ स. १९४९
१	चं	२२	८	आ	३	५७	ध्रु	३८	१३	ब	२२	८	३४ २३	५ ७	५ ६३	२७	१३	२९	क. ४८।४४	चंद्रद. पातस्पर्शः ३६/२३ पातमोक्षः ५५।३४
२	मं	१९	१९	पु	३	३९	व्या	३३	१०	कौ	१९	१९	२२	८	५२	२८	१४	१	कर्के	रमजान ९ रोजा रथयात्रा
३	बु	१५	२९	पु	१२ २	५६ ४७	ह	२७	१५	ग	१५	२९	२२	८	५२	२९	१५	२	सिं ५८।५९	भ. ४३।९ उ. पुष्ये शुक्रः ३।५८ वक्री उषायां*
४	गु	१०	४९	म	५५	५३	व	२०	४३	वि	१०	४९	२१	८	५२	३०	१६	३	सिंहे	भ. १०।४९ या. *३ गुरुः ५२।३१
५	शु	५	२६	पू	५२	७	सि	१३	४९	बा	५	२६	२०	८	५२	१	१७	४	सिंहे	मृगे बुधः १५।९ जुलाई मा. ७ ता. ३१
६	शु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	श	५३	४२	उ	४७	३५	व्य	२६ ५	५२ २७	ग	२६	४१	१९	८	५२	२	१८	५	कं. ५।५९	भ. ५३।४२ उ.
८	र	४७	३१	ह	४३	५९	प	५१	१७	वि	२०	३७	१८	८	५२	३	१९	६	कन्यायां	भ. २०।३७ या. मृगे भौमः २९।४४
९	चं	४१	२७	चि	३९	५०	शि	४३	४८	बा	१४	२९	१७	९	५१	४	२०	७	तु. ११।५३	
१०	मं	३५	३७	स्वा	३६	२	सि	३६	३२	तै	८	३२	१६	९	५१	५	२१	८	तुलायां	पुनर्वसौ रविः ४६/२४ मिथुने बुधः ४३।५१
११	बु	३०	३९	वि	३२	५६	सा	२९	४१	व	२	५८	१४	९	५१	६	२२	९	वृ. १८।४३	भ. २।२८ उ. ३०।१९ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	गु	२५	३०	अ	३०	२२	शु	२३	२५	बा	२५	३०	१३	९	५१	७	२३	१०	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	शु	२१	५६	ज्ये	२८	३५	शु	१७	४८	तै	२१	५६	११	१०	५०	८	२४	११	ध. २८।३५	मघायां ४ शनिः ३०।११
१४	श	१९	११	मू	२७	५९	ब्र	१३	७	व	१९	११	१०	१०	५०	९	२५	१२	धनुषि	भ. १९।११ उ. ४८।२२ या.
१५	र	१७	३३	पू	२८	३०	ऐं	९	१७	ब	१७	३३	८	१०	५०	१०	२६	१३	म. ४३।५४	आर्द्रायां बुधः ४।४९ सार्पे शुक्रः १।२९

१२ पं. आ. शु. ३ बु. इ. २३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	९	३	४	११	२
१३	२०	१२	६	३	९	२८	१४
५७	३०	१०	४३	४३	८	४७	९
२	३६	५२	१६	५९	५९	१६	४५
५६	४२	३७	६ ४४	७४	५	३	५१७
५०	४१	७	ब	२	१४	११	७

गोचरग्रहाः

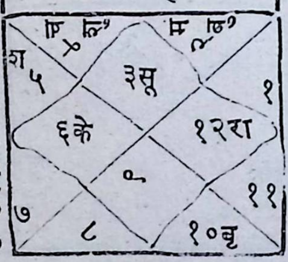

गोचरग्रहाः

१३ पं. आ. शु. ११ बु. इ. २३।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	९	३	४	११	२
२०	२५	०	५	१२	९	२८	२०
३४	२२	४८	५५	१७	४८	२५	५०
५८	१९	२२	५	२	०	१	९
५६	४२	७३	२७ ७	७३	५	३	५७
५०	१७	३४	ब	५६	४०	११	.७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	१७	१३	उ	३०	६	वै	६	२४	कौ	१७	१३	३४ ७	५ ११	६ ४९	११	२७	१४	मकरे	
२	मं	१८	११	श्र	३३	१	वि	४	३४	ग	१८	११	६	११	४९	१२	२८	१५	मकरे	भ. ४९।२१ उ.
३	बु	२०	३१	ध	३७	१२	प्री	३	४३	वि	२०	३१	४	११	४९	१३	२९	१६	कु. ५।६	भ. २०।३१ या. मिथुने भौमः ८।० चतुर्थीव्र.
४	गु	२३	४२	श	४२	१५	आ	३	४५	बा	२३	४२	२	१२	४८	१४	३०	१७	कुम्भे	
५	शु	२७	५४	पू	४८	१७	सौ	४	३५	तै	२७	५४	०	१२	४८	१५	३१	१८	मी ३१।४७	पूर्वास्तं बुधः २०।३२ नाग ५
६	श	३२	३४	उ	५४	३७	शो	५	४७	ग	०	१४	३३ ५८	१२	४८	१६	३२	१९	मीने	भ. ३२।३४ उ. कर्केऽर्कः १९।८
७	र	३७	३९	रे	६०	०	अ	७	२९	वि	५	६	५६	१३	४७	१७	१	२०	मीने	भ. ५।६ या. पुनर्वसौ बुधः १२।२०
८	चं	४२	१०	रे	१	२	सु	८	४	बा	९	५४	५४	१३	४७	१८	२	२१	मे. १।२	
९	मं	४६	२०	अ	७	५	धृ	९	१७	तै	१४	१५	५२	१४	४६	१९	३	२२	मेषे	पुष्ये रविः ४९।४९
१०	बु	४९	३९	भ	१२	३५	शू	१०	५८	व	१७	५९	५०	१४	४६	२०	४	२३	वृ. २८।४३	भ. १७।५९ उ. ४९।३९ या. सिंहे शुक्रः ५७।४
११	गु	५२	१८	कृ	१७	६	गं	१०	५८	ब	२०	५८	४७	१५	४५	२१	५	२४	वृषे	कामिका ११ व्र. स्मा. वै.
१२	शु	५२	४७	रो	२०	२२	वृ	९	५४	कौ	२२	३२	४५	१५	४५	२२	६	२५	मि ५१।२५	कर्के बुधः ०।२२ आर्द्रायां भौमः ५१।५३×
१३	श	५२	३२	मृ	२२	२८	ध्रु	७	५८	ग	२२	३९	४२	१६	४४	२३	७	२६	मिथुने	भ. ५२।३२ उ. पुष्ये बुधः ३६।५ प्रदोषः
१४	र	५०	५४	आ	२३	२५	व्या	४	५९	वि	२१	४३	४०	१६	४४	२४	८	२७	मिथुने	भ. २१।३३ या. ×कामिका ११ व्र.
३०	चं	४८	९	पु	२२	५८	ह	५९	५५ ३	च	१९	३२	३७	१७	४३	२५	९	२८	क ८।५	हरियाली ३०

१४ पं. श्रा. कृ. ३ बु. इ. २३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	९	३	४	५	२
२७	०	१२	५	२०	१०	२८	२७
१३	१०	३	३	४८	३०	२	३०
४	३७	२०	११	११	२५	४५	३२
५६	४२	७ ०	५२ ७	७३	६	३	५७
५५	१	१ २९	ब	५०	२	११	११

गोचरग्रहाः

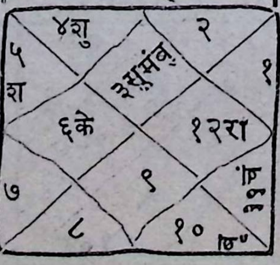

श्रावण कृ. ६ शनौ
कर्केऽर्कः प्र. वा. ५
न. ५ प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. ४५
(धान्यभाव मंदा)
शुक्रोदय पश्चि.।

गोचरग्रहाः

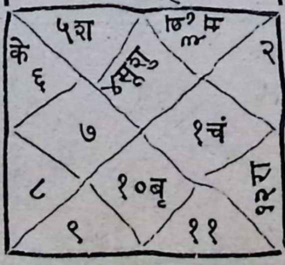

१५ पं. श्रा. कृ. १० बु. इ. २३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	९	३	४	११	३
३	४	२६	४	२३	११	२७	४
५१	५६	३७	९	१८	१५	४०	११
३२	१३	२३	११	१४	७	३०	१३
५६	४१	३८	५२ ७	७३	६	३	५७
५७	५०	१ ५५	ब	३९	२२	११	१५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ५२२६ सन् १९४९
१	मं	४४	२५	पु	२१	२९	सि	५०	१७	किं	१६	१७	३३/५	५/१७	६/४३	२६	१०	२९	कर्के	वक्री उषायां २ गुरुः ४०।५३
२	बु	३९	४७	श्ले	१९	५	व्य	४३	५१	बा	१२	६	३२	१८	४२	२७	११	३०	सि१९।५	चंद्रद.
३	गु	३४	३०	म	१६	१४	व	३४	५४	तै	७	८	३०	१८	४२	२८	१२	१	सिंहे	सव्वाल १० ईद
४	शु	२८	४४	पू	१२	२१	प	२९	३५	व	१	३७	२७	१९	४१	२९	१३	२	कं.२६।२२	भ.१।३७ उ.३/४४या. सार्पेबुधः५/४२ वरद४
५	श	२२	४४	उ	८	२६	शि	२२	०	बा	२२	४४	२४	१९	४१	३०	१४	३	कन्यायां	नाग ५
६	र	१६	३९	ह	४	१८	सि	१४	२७	तै	१६	३९	२१	२०	४०	३१	१५	४	तु.३२।१४	पूफायां शुक्रः ५९।१७ वर्ण ६
७	चं	१०	२९	चि	१०/०	५६/१०	सा	६/५९	५२/३४	व	१०	२९	१८	२०	४०	१	१६	५	तुलायाँ	भ.१/२९ उ.३/३५ या. शीतला ७ तुलसी ज.
८	मं	४	३३	वि	५३	४	शु	५२	३७	ब	४	३३	१५	२१	३९	२	१७	६	वृ.३८।५३	आश्लेषायां रविः ५०।३७ दुर्गा ८
९	मं	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *केतुः ३/२९ श्रावणी कर्म
१०	बु	५४	४१	अ	५०	१४	ब्र	४६	२०	तै	२७	०	१२	२२	३८	३	१८	७	बृश्चिके	कल्किजयंती
११	गु	५४	५१	ज्ये	४८	६	ऐं	४०	२०	व	२२	४६	९	२२	३८	४	१९	८	ध.४८।६	भ. २२।४६ उ. ५/५९ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	शु	४८	४	मू	४७	१७	वै	३५	२५	ब	१९	२८	६	२३	३७	५	२०	९	धनुषि	सिंहे बुधः ४१।४
१३	श	४६	२३	पू	४७	३३	वि	३१	१८	कौ	१७	१३	३	२३	३७	६	२१	१०	धनुषि	प्रदोषः ×बुधः ५३।१४
१४	र	४६	४	उ	४८	५४	प्री	२८	९	ग	१६	१३	०	२४	३६	७	२२	११	म.२।५३	भ.४/४६उ.पूफायां १ शनिः १/१३पश्चिमोदयी×
१५	चं	४६	५६	श्र	५१	३२	आ	२६	२	वि	१६	३०	३२/५७	२५	३५	८	२३	१२	मकरे	भ.१६।३०या. रेवत्यां ३ राहुः चित्रायां १*

१६पं. श्रा.शु.२बु.इ.२२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	९	४	४	११	३
१०	९	११	३	७	१२	२७	१०
३०	३९	२९	१५	४६	२	१८	५२
५०	२८	४	१८	५९	६	१५	१९
५७	४१	३०/४८	७/५२	७३	६	३	५७
५	२३	१/१६	व	२३	३६	११	२०

गोचरग्रहाः

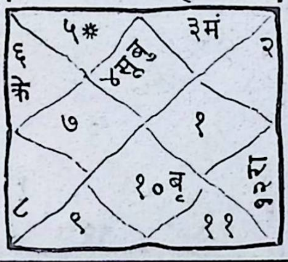

इस मास का फल श्रेष्ठ है। प्रजामें सुख शांति प्रमाणिक वर्षा होवे।

गोचरग्रहाः

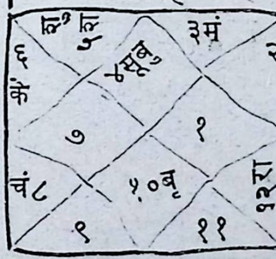

१७पं. श्रा.शु. ९बु.इ.२२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	९	४	४	११	३
१७	१४	२५	२	१६	१२	२६	१७
१०	१९	४०	२३	१५	५०	५५	३३
३८	३७	३०	१७	७	५६	५९	०
५७	४१	३०/४८	७/२६	७३	६	३	५७
१२	१३	३/४	व	१४	५०	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४९	१	ध	५५	२७	सौ	२४	५७	बा	१७	५८	३२/५४	५/२५	६/३५	९	२४	१३	कुं.२३।२९	
२	बु	५२	१७	श	६०	०	शो	२४	४७	तै	२०	३९	५०	२६	३४	१०	२५	१४	कुम्भे	
३	गु	५६	२७	श	०	२६	अ	२५	२६	व	२४	२२	४७	२७	३३	११	२६	१५	मी४९।५१	भ.२३/२४ उ.५६/२७या. पुनर्वसौ भौमः५४।४०
४	शु	६०	०	पू	६	१९	सु	२६	४	ब	२८	४८	४४	२७	३२	१२	२७	१६	मीने	उफायां शुक्रः ०।४८ चतुर्थी व्र.
४	श	१	१०	उ	१२	३०	धृ	२८	१०	बा	१	१०	४१	२८	३१	१३	२८	१७	मीने	पूफायां बुधः ९।२६
५	र	६	२	रे	१८	५५	शू	२९	४७	तै	६	२	३७	२९	३१	१४	२९	१८	मे.१८।५५	कन्यायां शुक्रः ५६।० चंद्र ६
६	चं	१०	५०	अ	२४	५१	गं	३१	६	व	१०	५०	३४	२९	३१	१५	३०	१९	मेषे	भ. १०।५० उ. ४२।५७ यां. हल ६
७	मं	१५	४	भ	३०	३२	वृ	३१	५४	ब	१५	४	३०	३०	३०	१६	३१	२०	वृ.४६।४२	सिंहेऽर्कः ४७।४ जन्माष्टमी व्र. स्मा.+
८	बु	१८	२७	कृ	३५	१४	ध्रु	३२	१	कौ	१८	२७	२६	३१	२९	१७	१	२१	बृषे	जन्माष्टमी व्र. वै. +अस्तं शनेः८।४९
९	गु	२०	४४	रो	३८	५८	व्या	३१	११	ग	२०	४४	२२	३२	२८	१८	२	२२	बृषे	भ. ५१।१९ उ.
१०	शु	२१	५५	मृ	४१	८	ह	२९	१९	वि	२१	५५	१८	३२	२८	१९	३	२३	मि१०।३	भ. २१।५५ या.
११	श	२१	४३	आ	४२	२४	व	२६	३४	बा	२१	४३	१५	३३	२७	२०	४	२४	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	र	२१	१०	पु	४२	२१	सि	२२	५३	तै	२१	१०	११	३४	२६	२१	५	२५	क.२७।२२	उफायां बुधः २।५५ प्रदोषः वत्सः १२
१३	चं	१७	३२	पु	४१	३	व्य	१७	५०	व	१७	३२	८	३४	२६	२२	६	२६	कर्के	भ. १७।३२ उ. ४५।४२ या.
१४	मं	१३	५३	श्ले	३८	५०	व	१२	१२	श	१३	५३	४	३५	२५	२३	७	२७	सि३८।५०	कन्यायांबुधः३/२७ हस्तेशुक्रः७/५ पिठोरी३०
३०	बु	९	२५	म	३६	०	प	५/५२	५३/७	ना	९	४५	०	३६	२४	२४	८	२८	सिंहे	लोहार्गल स्ना. कुशाग्रहणी सती पू.

१८पं. भा.कृ.२बृ.इ.२२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	९	४	४	११	३
२३	१८	८	१	२४	१३	२६	२४
५१	५७	४०	३४	४०	४१	३३	१६
४६	११	१९	४८	३८	३१	४४	२७
५७	४०	०/०	६/४४	७२	७	३	५७
२२	५६	३/४	व	५६	२	११	३३

१९पं. भा.कृ.८बु.इ.२२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	९	५	४	११	४
०	२३	२०	०	३	१४	२६	०
२३	३१	३०	५१	७	३३	११	५९
५९	४१	४३	४७	८	४	२८	४७
५७	४०	८९	४/५८	७२	७	३	५७
३४	४०	५८	व	३४	१४	११	४०

२०पं. भा.कृ.३०बु.इ.२२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	५	४	११	४
७	२८	१	०	११	१५	२५	७
१७	३	१०	१५	३०	२५	४९	४४
३२	२५	५	१४	३६	४१	१३	१७
५७	४०	८१	४/५०	७२	७	३	५७
४५	१७	१७	व	१७	२०	११	४८

*चंशरा ×बुशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२५६ स.१९४९
१	गु	४	१०	पू	३२	३०	सि	५१	३९	ब	४	१०	३/५६	५/३७	६/२३	२५	९	२९	कं.४६।२९	चंद्रदर्शनम्
२	गु	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	शु	५२	३१	उ	२८	२५	सा	४४	३	तै	२५	२४	५२	३८	२२	२६	१०	१	कन्यायां	जिल्काद ११
४	श	४६	२६	ह	२४	२३	शु	३६	२५	व	१९	२९	४८	३८	२२	२७	११	२	तु.५२।१७	भ १९/२९ उ. ४६/२६ या. कर्केभौमः १५/५५ वक्रीउषायां+
५	र	४०	२१	चि	२०	११	शु	२८	५२	ब	१३	२४	४४	३९	२१	२८	१२	३	तुलायां	ऋषि ५
६	चं	३४	३७	स्वा	१६	१९	ब्र	२१	२०	कौ	७	२९	४०	४०	२०	२९	१३	४	वृ.५८।३६	+१धनुषिगुरुः ४५/१७ गणेश४ अगस्त्योदयः ४६/३२
७	मं	२९	१३	वि	१२	४२	ऐं	१४	१७	ग	१	५५	३६	४१	१९	३०	१४	५	वृश्चिके	भ. २९/१३ उ. ५६/५१ या. पूफायां रविः ३७।५५=
८	बु	२४	२९	अ	९	४५	वै	७	३८	ब	२४	२९	३२	४२	१८	३१	१५	६	बृश्चिके	दुर्वा ८ =हस्ते बुधः५५।४ महालक्ष्मीव्र.
९	गु	२०	४३	ज्ये	७	४६	वि	१/४	५५/२३	कौ	२०	४३	२८	४२	१८	१	१६	७	ध.७।४६	पुष्ये भौमः ३४।३० सितम्बर मा.९ता.३१
१०	शु	१७	५७	मू	५	११	आ	५१	३२	ग	१७	५७	२४	४३	१७	२	१७	८	धनुषि	भ. ४७।७ उ.
११	श	१६	१८	पू	६	२६	सौ	४८	४२	वि	१६	१८	२१	४४	१६	३	१८	९	म.२५।५६	भ. १६/५८ या. चित्रायां शुक्रः १५/२५ पूफायां२×
१२	र	१५	५७	उ	७	२७	शो	४६	१६	बा	१५	५७	१७	४५	१५	४	१९	१०	मकरे	प्रदोषः ×शनिः १९ जलझूलनी ११व्र.
१३	चं	१६	५५	श्र	३	५१	अ	४४	५६	तै	१६	५५	१४	४५	१५	५	२०	११	कु.४१।४०	
१४	मं	१९	०	ध	१३	३०	सु	४४	३४	व	१९	०	१०	४६	१४	६	२१	१२	कुम्भे	भ. १९।१० उ. ५०।३७ या. अनंत १४
१५	बु	२२	१५	श	१८	१२	धृ	४५	२	ब	२२	१५	६	४७	१३	७	२२	१३	कुम्भे	महालयारंभः प्रौष्ठपदी १५

२१पं.भा.शु.८बु.इ.२२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	५	४	११	४
१४	२	१०	२९	१९	१६	२५	१४
२	३१	३२	४६	५२	१८	२६	२९
४४	५९	२८	३४	१६	२२	५८	५४
५७	३९	७१	४३	७१	.७	३	५८
५७	४९	५५	व	५६	२०	११	१

गोचरग्रहाः

सोमा शुक्रां सुर
गुरा जे चंदा उगंत।
डंक कहे हे भड्डुली
जलथल एक करंत।
गुरुवार का चंद्रोदय
उत्तम वर्षा करता है

गोचरग्रहाः

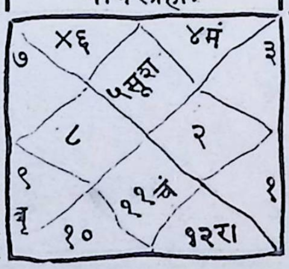

२२पं.भा.शु.१५बु.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	५	४	११	४
२०	६	१८	२९	२८	१७	२५	२१
४९	५८	२०	२६	१२	११	४	१६
२४	१६	४३	४६	४३	२८	४२	५८
५८	३९	६०	२८	७१	७	३	५८
१२	२६	५१	व	३०	३०	११	५३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२६	२०	पू	२३	५१	शू	४६	३	कौ	२६	३०	३/५२	५/४८	६/१२	८	२३	१४	मी७।२६	तुलायां शुक्रः ५२।२
२	शु	३१	१७	उ	२९	५९	गं	४७	२५	ग	३१	१७	३०/५८	४८	१२	९	२४	१५	मीने	
३	श	३६	१०	रे	३६	१९	वृ	४९	३	व	३	४४	५४	४९	११	१०	२५	१६	मे.३६।१९	भ. ३।४४ उ. ३६।१० या.
४	र	४१	५	अ	४२	३३	ध्रु	५०	१८	ब	८	३७	४९	५०	१०	११	२६	१७	मेषे	चतुर्थी व्र. =चित्रायां बुधः २८।५४
५	चं	४५	२४	भ	४८	२१	व्या	५१	१	कौ	१३	१४	४५	५१	९	१२	२७	१८	मेषे	
६	मं	४८	५३	कृ	५३	१३	ह	५१	१९	ग	१७	६	४४	५२	८	१३	२८	१९	वृ.४।३४	भ. ४८।५३ उ. उफायां रविः २२।३४=
७	बु	५१	२१	रो	५७	१०	व	५०	४३	वि	२०	७	३६	५३	७	१४	२९	२०	बृषे	भ. १०।७ या. स्वात्यां शुक्रः २९।४७
८	गु	५२	३३	मृ	५९	४०	सि	४८	५९	बा	२१	५७	३२	५४	६	१५	३०	२१	मि२८।२५	
९	शु	५२	२६	आ	६०	०	व्य	४६	२५	तै	२२	२९	२८	५४	६	१६	३१	२२	मिथुने	कन्यायामर्कः ४७।४५
१०	श	५०	५९	आ	१	८	व	४२	४३	व	२१	४२	२४	५५	५	१७	१	२३	क.४६।२२	भ. २१.४२ उ. ५०।५९ या.
११	र	४८	२५	पु	१	२६	प	३८	३	ब	१९	४२	२०	५६	४	१८	२	२४	कर्के	इंदिरा ११ व्र.
१२	चं	४४	५१	पु	२०/२	५७/४९	शि	३२	३२	कौ	१६	३८	१६	५७	३	१९	३	२५	सिं५८।११	मार्गी गुरुः ३४।२१ प्रदोषः
१३	मं	४०	२६	म	५५	११	सि	२५	१३	ग	१२	३८	१२	५८	२	२०	४	२६	सिंहे	भ. ४०।२६ उ. उदयं शनिः ४५।३४
१४	बु	३५	२	पू	५२	६	सा	१९	२६	वि	७	५३	८	५८	२	२१	५	२७	सिंहे	भ. ७।५३ या. शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
३०	गु	२९	४०	उ	४८	२१	शु	१२	९	च	२	३०	४	५९	१	२२	६	२८	कं.६।१०	वक्री बुधः ३४/२७ सार्वे भौमः ५४/८ सर्वपितृ ३०

२३पं.आ.कृ.७बु.इ.२१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	६	४	११	४
२७	११	२३	२९	६	१८	२४	२८
३७	२०	५८	१५	३०	४	४२	५
४८	५३	१२	२६	३६	३०	२७	२४
५८	३९	४३	१७	७१	७	३	५८
२९	६	१७	व	४	२०	११	३६

गोचरग्रहाः

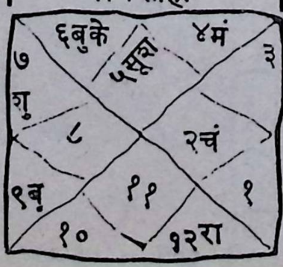

आश्विन कृ. ९
शुक्रे कन्यायामर्कः
प्र.वा.४न.४प्रौढा-
वस्था(बैठी) मु.
१५(धान्य भाव
तेज) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

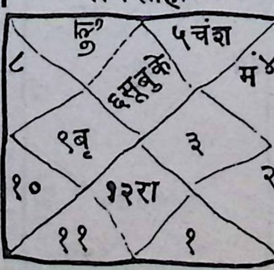

२४पं.आ.कृ.१४बु.इ.२१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	६	४	११	५
४	१५	२५	२९	१४	१८	२४	४
२७	४०	४३	१४	४६	५६	२०	५५
५३	२६	५२	३८	१६	३५	१२	१७
५८	३८	९	२३	७०	७	३	५८
४५	३९	४८	मा	२६	८	११	३८

*केबुशु

×बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८५ स.१९४९
१	शु	२३	५६	ह	४४	८	शु	४/३०	५२/२१	ब	२३	५६	३०/००	६/००	६/००	२३	७	२९	कन्यायां	नवरात्रा. घटस्था.
२	श	१७	४७	चि	२९	५९	ऐं	४९	८	कौ	१७	४७	२९/५५	१	५/५९	२४	८	३०	तु.१२।३	चंद्रदर्शनम्
३	र	११	४६	स्वा	३६	७	वै	४१	३२	ग	११	४६	५१	२	५८	२५	९	१	तुलायां	भ.३८/५५उ.विशाखायांशुक्रः४६ जिल्हेज१२
४	चं	६	५	वि	३२	३०	वि	३४	१८	दि	६	५	४६	३	५७	२६	१०	२	बृ.१८।२४	भ. ६।५ या.
५	मं	०	४८	अ	२९	२१	प्री	२७	२७	बा	०	४८	४२	४	५६	२७	११	३	बृश्चिके	हस्ते रविः०।१२ वक्री हस्ते बुधः५९।५४*
६	मं	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *पश्चिमास्तो बुधः ३८/५५
७	बु	५२	२७	ज्ये	२७	९	आ	२१	१३	ग	२४	१७	३८	४	५६	२८	१२	४	ध.२७।९	भ. ५२।२७ उ. सरस्वत्यावाहनं
८	गु	४९	४५	मू	२५	३४	सौ	१५	४४	वि	२१	६	३४	५	५५	२९	१३	५	धनुषि	भ. २१।६ या. सरस्वती पू.
९	शु	४८	१०	पू	२५	१५	शो	११	३	बा	१८	५८	३०	६	५४	३०	१४	६	म.४०।२७	पूफायां ३ शनिः ७।४५
१०	श	४७	५६	उ	२६	२	अ	८	४	तै	१८	३	२६	७	५३	१	१५	७	मकरे	**अक्टूबर मा.१०ता.३१** विजया१० बौद्धज.
११	र	४८	५४	श्र	२७	४७	सु	४	४३	व	१८	२५	२२	८	५२	२	१६	८	कु.५९।३८	भ.१८/२५ उ.४८/५४या. पापांकुशा११व्र.स्मा.वै.
१२	चं	५१	५	ध	३१	२९	धृ	२	५७	ब	२०	०	१८	८	५२	३	१७	९	कुम्भे	पापांकुशा ११ व्र. नि. हज्ज
१३	मं	५४	२२	श	३५	५४	शू	२	१४	कौ	२२	४४	१४	९	५१	४	१८	१०	कुम्भे	बृश्चिके शुक्रः २२।५७ प्रदोषः
१४	बु	५८	४३	पू	४१	२२	गं	२	२०	ग	२६	३२	१०	१०	५०	५	१९	११	मी२४।३८	भ. ५८।४३ उ.
१५	गु	६०	०	उ	४७	१४	वृ	३	१२	वि	३१	८	६	११	४९	६	२०	१२	मीने	भ. ३१।८ या. शरद १५
१५	शु	३	३३	रे	५३	४४	ध्रु	४	२२	व	३	३३	२	१२	४८	७	२१	१३	मे.५३।४४	मैत्रे शुक्रः १७।५ चंद्रग्रहणम्

२५पं. आ.शु.७बु.इ.२१।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	६	४	११	५
११	१९	२३	२९	२२	१९	२३	११
१९	५६	३	२३	५८	४७	५७	४५
५९	५६	४	१३	१६	३५	५६	५६
५९	३८	४६/४६	१	६९	७	३	५८
०	१७	व	२८	४३	१	११	५३

गोचरग्रहाः

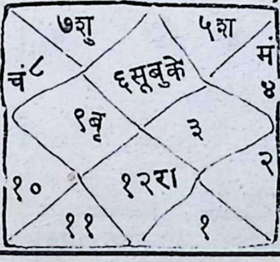

आसो जो के मेह से दोगों बात विनास। बोरड़ियों के बोर नहीं वणियों नहीं कपास ॥

गोचरग्रहाः

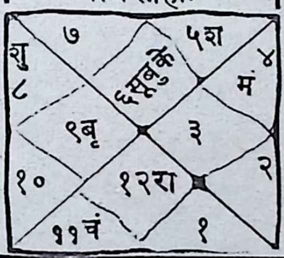

२६पं.आ.शु.१४बु.इ.२१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	७	४	११	५
१८	२४	१५	२९	१	२०	२३	१८
१३	९	३०	४१	७	३७	३५	४०
४८	३२	११	२	६	३४	४१	१२
५९	३७	६४/२२	२	६८	६	३	५९
१६	५३	व	५५	५५	४४	११	९

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	श	८	३४	अ	६०	०	व्या	५	५३	कौ	८	३४	२८/५८	६/१९	५/४८	८	२२	१४	मेषे	
२	र	१३	३३	अ	०	८	ह	७	८	ग	१३	३३	५४	१३	४७	९	२३	१५	मेषे	भ. ४५।४६ उ.
३	चं	१७	५९	भ	५	५७	व	८	५	वि	१७	५९	५०	१४	४६	१०	२४	१६	बृ.२२।१७	भ.१७/५९या.चित्रायांरविः३२/५०उषायां२मकरे*
४	मं	२१	३२	कृ	११	१७	सि	८	२०	बा	२१	३२	४६	१५	४५	११	२५	१७	बृषे	पूर्वोदयी बुधः २३।५९
५	बु	२४	०	रो	१२	१९	व्य	७	५२	तै	२४	०	४२	१६	४४	१२	२६	१८	मि४६।५१	
६	गु	२५	२२	मृ	१८	२४	व	६	२४	व	२५	२२	३८	१६	४४	१३	२७	१९	मिथुने	भ.२५।२२ उ.५५/२३या. मार्गीबुधः१२।१६
७	शु	२५	२४	आ	१३	३७	प	४	१२	ब	२५	२४	३४	१७	४३	१४	२८	२०	मिथुने	होई ८ *गुरुः २५/३८ रेवत्यां२ राहुः हस्ते४×
८	श	२४	०	पु	१५	२३	शि	३१	५५/५४	कौ	२४	०	३०	१८	४२	१५	२९	२१	क.५।१२	सिंहे भौमः ५।४ ×केतुः १७/२७ करक४
९	र	२१	२९	पु	१६	३६	सा	५५	४६	ग	२१	२९	२६	१९	४१	१६	३०	२२	कर्के	भ. ४९।४३ उ.
१०	चं	१७	५८	श्ले	१७	४९	शु	४४	३८	वि	१७	५८	२२	२०	४०	१७	३१	२३	सिं१७।४९	भ. १७।५८ या. तुलायामर्कः १३।३४
११	मं	१३	३९	म	१५	११	शु	३७	५०	बा	१३	३९	१८	२०	४०	१८	१	२४	सिंहे	ज्येष्ठायांशुक्रः५१।९ रमा११व्र.गोवत्सपू.
१२	बु	८	३५	पू	१२	४८	ब्र	३०	४०	तै	८	३५	१४	२१	३९	१९	२	२५	कं.२६।३८	प्रदोषः धन १३
१३	गु	३	३	उ	८	७	ऐं	२३	०	व	३	३	१०	२२	३८	२०	३	२६	कन्यायां	भ.३।३ उ.३०।८ या. रूप१४ नरक१४
१४	गु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३०	शु	५१	१६	ह	४	३	वै	१५	१६	च	२४	१५	६	२३	३७	२१	४	२७	तु.३२।२	महालक्ष्मीपूजनम्

२७पं.का.कृ.५बु.इ.२१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	९	७	४	११	५
२५	२८	११	०	९	२१	२३	२५
९	१८	२	७	१२	२५	१३	३५
३१	२५	३१	५२	२२	३७	२६	७
५९	३७	९/४७	४	६८	६	३	५९
३१	१२	व	५	१२	२२	११	२१

गोचरग्रहाः

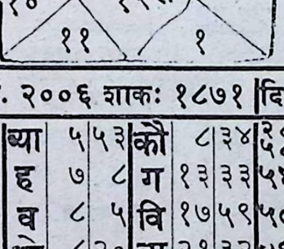

कार्तिक कृ.३ चंद्र तुलायामर्कः प्र.वा. ४न.४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

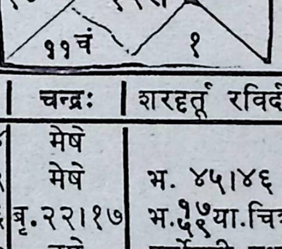

२८पं.का.कृ.१२बृ.इ.२१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	९	७	४	११	६
२	२	१४	०	१७	२२	२२	२
७	२१	१३	४३	१३	११	५१	३१
०	४३	१२	१६	२३	१७	१०	३५
५९	३७	७१/३१	५	६६	६	३	५९
४६	४६	मा	१५	५८	१४	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३१४ स.१९४९
१	श	४५	२०	चि	०/२	५५/५६	वि	७/२९	५२/२८	किं	१८	१८	२८/२	६/२४	५/३६	२२	५	२८	तुलायां	अन्नकूटम् गोवर्द्धन पू.
२	र	३९	२३	वि	५२	१३	आ	५२	१९	बा	१२	२२	२७/५८	२४	३६	२३	६	२९	बृ.३८।१९	स्वात्यां रविः५४/३४ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
३	चं	३४	३०	अ	४८	५९	सौ	४५	१८	तै	६	५६	५४	२५	३५	२४	७	१	बृश्चिके	मोहोरम १ सन् १३६९
४	मं	३०	०	ज्ये	४६	२५	शो	३८	४६	व	२	१५	५०	२६	३४	२५	८	२	ध.४६।२५	भ. २।१५ उ. ३०।० या.
५	बु	२६	१३	मू	४४	३६	अ	३३	०	बा	२६	१३	४६	२७	३३	२६	९	३	धनुषि	चित्रायां बुधः २०।५३
६	गु	२३	४६	पू	४४	४	सु	२८	३	तै	२३	४६	४२	२८	३२	२७	१०	४	म.५९।११	
७	शु	२२	१८	उ	४४	३३	धृ	२४	५	व	२२	१८	३८	२८	३२	२८	११	५	मकरे	भ. २२।१८ उ. ५२।१३ या. कल्पादिः
८	श	२२	९	श्र	४६	११	शू	२०	५९	ब	२२	९	३४	२९	३१	२९	१२	६	मकरे	गोप ८ +शनिः ३६/३१ कुषांड९ अक्षया९
९	र	२३	१५	ध	४९	२०	गं	१८	५३	कौ	२३	१५	३१	३०	३०	३०	१३	७	कु.१७।४५	तुलायां बुधः४८/३२ धनुषिशुक्रः४३/४ पूफायां४+
१०	चं	२६	१	श	५३	३७	वृ	१७	४८	ग	२६	१	२७	३१	२९	३१	१४	८	कुम्भे	भ. ५७।३१ उ. पूर्वास्तो बुधः ३२।४
११	मं	२९	१	पू	५८	५२	ध्रु	१७	३६	वि	२९	१	२४	३१	२९	१	१५	९	मी४२।३३	भ. २९।१ या. नवंबर मा. ११ ता. ३०*
१२	बु	२३	२५	उ	६०	०	व्या	१८	१३	ब	१	१३	२०	३२	२८	२	१६	१०	मीने	ताजिया *प्रबोधिनी११व्र. तुलसीविवाह
१३	गु	३८	२२	उ	४	४८	ह	१९	१२	कौ	५	५३	१७	३३	२७	३	१७	११	मीने	स्वात्यां बुधः ३३।५३ प्रदोषः वैकुंठ१४
१४	शु	४३	३२	रे	११	९	व	२०	३५	ग	१०	५७	१३	३३	२७	४	१८	१२	मे.११।९	भ. ४३।३२ उ.
१५	श	४८	३५	अ	१७	३३	सि	२१	५६	वि	१६	५६	११	३४	२६	५	१९	१३	मेषे	भ.१६।४या. पुष्करयात्रा कार्तिकस्ना.पूर्ति

२९पं.का.शु.५ बु.इ.२०। २

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	९	७	४	११	६
९	६	२३	१	२५	२२	२२	९
६	२२	१९	२७	४	५४	२८	२९
२२	३७	५९	०	३७	३६	५५	५४
६०	३६	७/०	६	६५	५	३	५९
२	१६	७/६	२६	३८	५०	११	५७

गोचरग्रहाः

शुक्रवार का महा
लक्ष्मी पूजन आगे
सुभीक्षकारक है।
सोमशुक्र आवे दी-
वाली। जीवे रंक
मरे भंडशाला ॥

गोचरग्रहाः

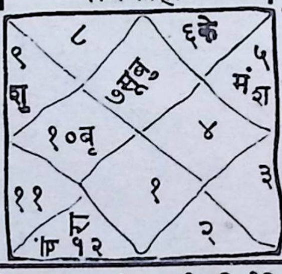

३०पं.का.शु.१२बु.इ.२०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	९	८	४	११	६
१६	१०	४	२	२	२३	२२	१६
७	१८	३०	१८	४८	३४	६	२९
२६	२२	४	२२	२९	५२	२९	४०
६०	३५	७/०	७	६४	५	३	६०
१८	४४	७/३०	२४	८	२६	११	४

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५३	४	भ	२३	३१	व्य	२२	५९	बा	२०	४९	२७/६	६/३५	५/२५	६	२०	१४	बृ.३९।५२	विशाखायां रविः ११।५९
२	चं	५६	४२	कृ	२८	५७	व	२३	२५	तै	२४	५३	३	३५	२५	७	२१	१५	वृषे	पूफ़ायां भौमः ५९।२९
३	मं	५९	१०	रो	३३	१८	प	२३	९	व	२७	५६	२६/५९	३६	२४	८	२२	१६	बृषे	भ.२७/५६ उ.५९।१० या. उषायां३गुरुः ५६/१८
४	बु	६०	०	मृ	३६	३०	शि	२१	५४	ब	२९	५१	५६	३७	२३	९	२३	१७	मि४।५४	चतुर्थी व्र.
४	गु	०	३२	आ	३८	२६	सि	१९	४४	बा	०	३२	५२	३८	२२	१०	२४	१८	मिथुने	
५	शु	०	३१	पु	३९	१३	सा	१६	३४	तै	०	३१	४९	३८	२२	११	२५	१९	क.२०।१६	भ.५९।११ उ. विशाखायां बुधः३९।५४
६	शु	५८	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	श	५६	४२	पु	३८	४६	शु	१२	२२	वि	२६	५६	४६	३९	२१	१२	२६	२०	कर्के	भ. २६।५६ या. पूषायां शुक्रः १०।३०
८	र	५३	१४	श्ले	३७	४	शु	७	१०	बा	२४	५८	४३	३९	२१	१३	२७	२१	सि३७।४	भैरवजयंती
९	चं	४८	५२	म	३४	४३	ब्र	१/४	५३/२०	तै	२०	३	४०	४०	२०	१४	२८	२२	सिंहे	एंद्रयोग क्षयः ५३।२९
१०	मं	४३	४९	पू	३१	४२	वै	४७	१२	व	१६	२०	३७	४१	१९	१५	२९	२३	कं.४५।४४	भ. १६।२० उ. ४३।४९ या.
११	बु	३८	२१	उ	२७	५०	वि	३२	४१	ब	११	५	३४	४१	१९	१६	३०	२४	कन्यायां	बृश्चिकेऽर्कः ६।१७ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	गु	३२	३७	ह	२३	४८	प्री	३१	५१	कौ	५	२९	३१	४२	१८	१७	३१	२५	तु.५१।४७	बृश्चिके बुधः ५५।७
१३	शु	२६	४५	चि	१९	४६	आ	२४	३	व	२४	४५	२९	४२	१८	१८	१	२६	तुलायाँ	भ. २६।४५ उ. ५३।४९ या. प्रदोषः
१४	श	२०	५४	स्वा	१५	३६	सौ	१६	१७	श	२०	५४	२६	४३	१७	१९	२	२७	बृ.५७।४१	अनु. रविः ४।५
३०	र	१५	२२	वि	११	४२	शो	८	३७	ना	१५	२२	२४	४३	१७	२०	३	२८	बृश्चिके	मैत्रे बुधः १३।५

३१पं. मा.कृ.४बु.इ.२०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	९	८	४	११	६
२३	१४	१५	३	१०	२४	२१	२३
१०	८	५९	१६	२३	११	४४	३१
४	४९	६	३४	१७	५३	२४	२
६०	३४	७/०	८	६२	४	३	६०
३०	५२	७/४०	३१	१९	५६	११	१७

गोचरग्रहाः

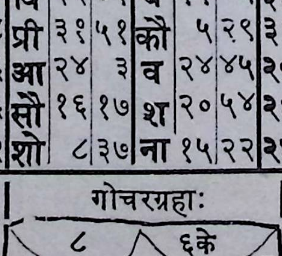

मार्ग.कृ.११ बुधे
बृश्चिकेऽर्कः:प्र.वा.
३न.४बालावस्था
(बैठी) मु. ४५
(धान्यभाव मंदा)
शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

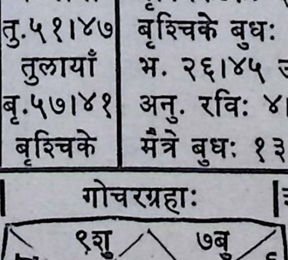

३२पं. मा.कृ.११बु.इ.२०।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	९	८	४	११	७
०	१७	२७	४	१७	२४	२१	०
१४	४९	२०	२१	४५	४४	२२	३३
९	३७	२८	३२	२५	५३	९	४७
६०	३४	०/०	९	६०	४	३	६०
४०	१६	०/५५	२२	४	३०	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३४४ स.१९४९
१	चं	१०	२२	अ	८	२६	अ	२ ४/३	५३/१७	ब	१०	२२	२६/२५	६/४४	५/१६	२१	५	२९	वृश्चिके	
२	मं	५	४४	ज्ये	५	४१	धृ	४८	३३	कौ	५	४४	१८	४४	१६	२२	६	३०	ध.५।४१	चंद्रदर्शनम्
३	बु	२	२६	मू	३	४६	शू	४३	२१	ग	२	२६	१६	४५	१५	२३	७	१	धनुषि	भ. ३१।११ उ. ५९।५६ या. सफर २
४	बु	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
५	गु	५८	३५	पू	२	५७	गं	३८	५३	ब	२९	१६	१३	४५	१५	२४	८	२	म.१८।३	
६	शु	५८	३५	उ	३	११	वृ	३५	३०	कौ	२८	५	१०	४६	१४	२५	९	३	मकरे	उषायां शुक्रः १४/५७ पातस्पर्शः ४३/३० पातमोक्षः⁕
७	श	५९	५३	श्र	४	४४	ध्रु	३३	१	ग	२९	१४	७	४७	१३	२६	१०	४	कुं.३६।५	भ. ५९।५३ उ. ⁕५७।५४ चंपा ६
८	र	६०	०	ध	७	२६	व्या	३१	३३	वि	३१	६	५	४७	१३	२७	११	५	कुम्भे	भ. ३१।६ या.
८	चं	२	१९	श	११	२२	ह	३१	४	ब	२	१९	२	४८	१२	२८	१२	६	कुम्भे	ज्येष्ठायां वुधः ३५।६ मकरेशुक्रः ३१।४७
९	मं	६	१	पू	१६	२८	व	३१	२२	कौ	६	१	०	४८	१२	२९	१३	७	मी०।१२	उषायां ४ गुरुः २७।१९
१०	बु	१०	३२	उ	२२	२३	सि	३२	१६	ग	१०	३२	३५/५८	४८	१२	३०	१४	८	मीने	भ. ४३।३ उ. ×मोक्षदा ११ व्र.
११	गु	१५	३४	रे	२८	३६	व्य	३३	२९	वि	१५	३४	५६	४९	११	१	१५	९	मे.२८।३६	भ. १५/३४ या. दिसम्बर मा. १२ ता. ३१×
१२	शु	२०	४४	अ	३४	५५	व	३४	५१	बा	२०	४४	५४	४९	११	२	१६	१०	मेषे	ज्येष्ठायां रविः ३१।४ प्रदोषः
१३	श	२५	४७	भ	४१	१०	प	३६	२	तै	२५	४७	५२	५०	१०	३	१७	११	बृ.५७।३४	
१४	र	३०	२७	कृ	४६	४७	शि	३६	२३	व	३०	२७	५०	५०	१०	४	१८	१२	बृषे	भ. ३०।२७ उ. उषायां भौमः १२।१६
१५	चं	३३	५६	रो	५१	१७	सि	३६	२९	वि	२	११	४९	५०	१०	५	१९	१३	बृषे	भ. २।११या. श्रीदत्त जयंती

३३पं. मा.शु.३ बु.इ.२०।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	९	८	४	११	७
७	२१	८	५	२४	२५	२०	७
१९	२७	३०	३२	५०	१४	५९	३७
४३	५४	५८	१३	२०	६	५३	४४
६०	३३	९९	१०	५७	३	३	६०
५३	१८	४७	४	७	४९	११	४२

गोचरग्रहाः

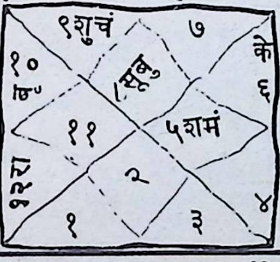

इस मास का फल श्रेष्ठ है रुई मंदी धान्य मंदा प्रजा में सुख शांति ।

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.शु.१०बु.इ.१९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	९	९	४	११	७
१४	२४	१९	६	१	२५	२०	१४
२६	५७	३३	४९	३६	३८	३७	४३
२८	४३	१४	३०	७	४६	३८	४
६१	३२	९९	१०	५३	३	३	६०
३	८	१३	५१	२२	१४	११	५०

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३६	२६	मृ	५४	४९	सा	३५	३३	बा	५	११	२५/४७	६/५१	१/९	६	२०	१४	मि२३।३	
२	बु	३७	४३	आ	५७	१५	शु	३३	३१	तै	७	५	४६	५१	९	७	२१	१५	मिथुने	धनुषि बुधः १।१२
३	गु	३७	४३	पु	५८	४	शु	३०	४३	व	७	४३	४४	५१	९	८	२२	१६	क.४२।५२	भ. ७।४३ उ. ३७।४३ या.
४	शु	३५	२१	पु	५७	५२	ब्र	२६	४४	ब	६	३२	४३	५१	९	९	२३	१७	कर्के	श्रवणे शुक्रः ५५/४२ चतुर्थीव्र. पातस्पर्शः ३४/२७⁕
५	श	३३	४८	श्ले	५६	३१	ऐं	२१	४९	कौ	४	३४	४२	५२	८	१०	२४	१८	सिं५६।३१	
६	र	३०	२४	म	५४	१६	वै	१६	९	ग	२	६	४१	५२	८	११	२५	१९	सिंहे	भ.३०/२४ उ.५८।१२या. कन्यायां भौमः ३३/३९
७	चं	२६	१	पू	५१	१०	वि	९	३२	ब	२६	१	४०	५२	८	१२	२६	२०	सिंहे	रेवत्यां १ राहुः हस्ते ३ केतुः ९।४३
८	मं	२०	५७	उ	४७	४३	प्री	३ २/१	५२/३५	कौ	२०	५७	३९	५२	८	१३	२७	२१	कं.५।१८	
९	बु	१५	३०	ह	४३	४५	सौ	४७	२१	ग	१५	३०	३८	५२	८	१४	२८	२२	कन्यायां	भ.४२।४०उ. पश्चिमोदयी बुधः४६।२५
१०	गु	९	५०	चि	३९	४१	शो	३९	२९	वि	९	५०	३८	५२	८	१५	२९	२३	तु.११।४३	भ.५ ९/० या. धनुष्यर्कः ३४/४९ पूषायां बुधः ३८/४७
११	शु	३	५६	स्वा	३५	३२	अ	३१	४१	बा	३	५६	३७	५३	७	१६	१	२४	तुलायां	श्रवणे १ गुरुः २७।३० सफला ११ व्र.
१२	शु	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ⁕पातमोक्षः ५०।१८
१३	श	५२	३९	वि	३१	३८	सु	२३	५६	ग	२५	२४	३७	५३	७	१७	२	२५	वृ.१७।३७	भ. ५२।३९ उ. प्रदोषः
१४	र	४७	४२	अ	२८	१५	धृ	१६	३४	वि	२०	१०	३६	५३	७	१८	३	२६	वृश्चिके	भ. २०।१० या.
३०	चं	४३	२९	ज्ये	२५	१५	शू	९	३७	च	१५	३६	३६	५३	७	१९	४	२७	ध.२५।१५	

३५पं. पौ.कृ.२बु.इ.१९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	९	९	४	११	७
२१	२८	०	८	७	२५	२०	२१
३४	१६	३०	९	५३	५८	१५	४९
१५	५२	३६	२९	१०	३४	२२	२०
६१	३१	९९	११	४८	२	३	६०
११	१	२८	२४	४६	२७	११	५६

गोचरग्रहाः

पौष कृ.१० गुरौ धनुष्यर्कः प्रवा.२ न.३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

३६पं.पौ.कृ.९बु.इ.१९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	९	९	४	११	७
२८	१	११	९	१३	२६	१९	२८
४२	२७	२३	३४	३५	१३	५३	५६
५९	४	१३	३७	३८	२६	७	५
६१	२९	९/०	१२	४२	१	३	६१
१९	४३	८/४	३	४१	४६	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष			शुक्लपक्षः	सं. २००६		शाकः	१८७१					दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	४०	५	मू	२३	१५	गं	१६/१	५४/२७	किं	११	४७	३५/३६	५६/५३	५/७	२०	५	२८	धनुषि
२	बु	३७	४६	पू	२२	२४	ध्रु	५३	०	बा	८	५५	३६	५३	७	२१	६	२९	म. ३७।१९
३	गु	३६	३१	उ	२२	६	व्या	४९	१७	तै	७	८	३६	५३	७	२२	७	१	मकरे
४	शु	३६	४०	श्र	२३	१६	ह	४६	२६	व	६	३५	३६	५३	७	२३	८	२	कुं. ५४।२९
५	श	३८	७	ध	२५	४२	व	४४	२५	ब	७	२४	३७	५३	७	२४	९	३	कुम्भे
६	र	४०	३८	श	२९	२८	सि	४३	४६	कौ	९	२२	३७	५३	७	२५	१०	४	कुंभे
७	चं	४४	३२	पू	३४	१६	व्य	४३	४७	ग	१२	३५	३७	५३	७	२६	११	५	मी १८।४
८	मं	४९	८	उ	४०	१	व	४४	२७	वि	१६	५०	३८	५२	८	२७	१२	६	मीने
९	बु	५४	१२	रे	४६	१५	प	४५	३८	बा	२१	४०	३८	५२	८	२८	१३	७	मे. ४६।१५
१०	गु	५९	२९	अ	५२	३८	शि	४६	४४	तै	२६	५०	३९	५२	८	२९	१४	८	मेषे
११	शु	६०	०	भ	५८	५४	सि	४८	०	व	३१	५९	३९	५२	८	३०	१५	९	मेषे
११	श	४	३०	कृ	६०	०	सा	४८	४८	वि	४	३०	४०	५२	८	३१	१६	१०	वृ. १५।२६
१२	र	९	३	कृ	५	१	शु	४८	५३	बा	९	३	४१	५२	८	१	१७	११	वृषे
१३	चं	१२	३२	रो	९	३०	शु	४८	२८	तै	१२	३२	४२	५२	८	२	१८	१२	मि ४१।२७
१४	मं	१५	४०	मृ	१३	२४	ब्र	४६	३५	व	१५	४०	४३	५१	९	३	१९	१३	मिथुने
१५	बु	१६	१२	आ	१५	२२	ऐं	४४	६	ब	१६	१२	४४	५१	९	४	२०	१४	मिथुने

हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गण:५३७३स.१९५०

चन्द्रद.
रविलावल ३ उत्तरायण प्रवृत्तिः ६।२०
भ. ६।३५ उ. ३६।४० या.
उषायां बुधः ३।९

भ. ४४।३२ उ. मकरे बुधः ५९।७
भ. १६।५० या.
पूषायां रविः ३६।२६

भ$^{३}_{५}$$^{१}_{९}$उ.धनिष्ठायांशुक्रः$^{४}_{२}$$^{८}_{६}$पुत्रदा११व्रस्मा
भ.४।३०या. श्रवणे२ गुरुः४७।५९ वक्री*
जनवरी मा.१ ता.३१ सन्१९५० प्रदोषः
*शनिः१३।१८ पुत्रदा११व्र. वै.नि.
भ. १५।४० उ. ४५।५६ या.
श्रवणे बुधः ५४।११ माघस्नान प्रारंभः

३७पं. पौ.शु.२बु.इ.१९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	९	४	११	८
५	४	२२	११	१८	२६	१९	६
५२	२७	५	३	२७	२२	३०	३
२४	११	६	२५	५८	५९	५२	३६
६१	२८	०/०	१२	३४	१	३	६१
२२	११	४०	२०	४८	५	११	५

३८पं. पौ.शु.९बु इ.१९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	९	९	४	११	८
१३	७	२	१२	२२	२६	१९	१३
२	१२	३	३५	१८	२७	८	११
१८	२२	५०	२०	५८	१४	३६	३१
६१	२५	९२	१२	२४	०	३	६१
२६	५४	५०	५०	३२	१७	११	६

३९पं. पौ.शु.१५बु.इ.१९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	९	९	४	११	८
२०	९	९	१४	२४	२६	१८	२०
१२	४१	२५	९	४६	२६	४६	१९
१६	३८	५९	५०	४८	२	२१	४०
६१	२३	५८	१३	११	२४	३	६१
२६	४०	७	१३	२५	व	११	६

ति.	माघ			कृष्णपक्षः	सं. २००६		शाकः	१८७१					दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	गु	१६	७	पु	१७	९	वै	४०	२८	कौ	१६	७	२५/४५	६/५१	५/९	५	२१	१५	क. १।४२
२	शु	१४	४१	पु	१८	२१	वि	३६	१	ग	१४	४१	४७	५१	९	६	२२	१६	कर्के
३	श	१२	६	श्ले	१६	१३	प्री	३०	३०	वि	१२	६	४८	५०	१०	७	२३	१७	सिं १६।१३
४	र	८	३६	म	१४	१९	आ	२४	१७	बा	८	३६	५०	५०	१०	८	२४	१८	सिंहे
५	चं	४	१४	पू	११	२३	सौ	१७	३४	तै	४	१४	५२	५०	१०	९	२५	१९	कं. २५।३१
६	चं	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	मं	५३	३५	उ	७	५६	शो	१०	१५	वि	२६	२०	५४	४९	११	१०	२६	२०	कन्यायां
८	बु	४७	५४	ह	४	०	अ	३/२	५२/११	बा	२०	४४	५६	४९	११	११	२७	२१	तु. ३२।५
९	गु	४२	४	चि	०/२	५५/५०	धृ	४६	५५	तै	१४	५९	५८	४८	१२	१२	२८	२२	तुलायां
१०	शु	३६	२१	वि	५१	५८	शू	३९	८	व	९	१२	२६/१	४८	१२	१३	२९	२३	वृ. ३७।५७
११	श	३०	४६	अ	४८	२१	गं	३१	३६	ब	३	३३	३	४७	१३	१४	१	२४	वृश्चिके
१२	र	२६	६	ज्ये	४५	२७	वृ	३४	३२	तै	२६	६	५	४७	१३	१५	२	२५	ध. ४५।२७
१३	चं	२१	५२	मू	४३	१६	ध्रु	१८	०	व	२१	५२	८	४६	१४	१६	३	२६	धनुषि
१४	मं	१८	४०	पू	४१	३९	व्या	१२	२	श	१८	४०	१०	४६	१४	१७	४	२७	म. ५६।३७
३०	बु	१६	२२	उ	४१	३१	ह	७	९	ना	१६	२२	१२	४६	१४	१८	५	२८	मकरे

हेमंततूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

हस्ते भौमः ५।३८
भ. ४३।२३ उ.
भ. १२।६ या. चतुर्थी व्रतम्
वक्री बुधः ४१।२१
भ. ५३।६ उ. वक्री शुक्रः २८।४२
क्षयः
भ. २६।२० या. उषायां रविः ३७।५४
वक्रीउषायांबुधः$^{३}_{१}$$^{०}_{६}$ पश्चिमास्तोबुधः$^{७}_{१}$$^{०}_{०}$

भ.$^{९}_{१}$$^{}_{२}$उ.$^{३}_{२}$$^{६}_{१}$या. मकरेऽर्कः$^{५}_{२}$$^{३}_{१}$ पातस्पर्शः*
षट्तिला ११ व्र. *^{२}$^{७}_{२}$ पातमोक्षः $^{४}_{४}$$^{०}_{०}$
श्रवणे ३ गुरुः १।१६ प्रदोषः
भ. २१।५२ उ. ५०।१६ या.

युगादिः मौनी ३०

४०पं. मा.कृ.८बु.इ.१९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	९	९	४	११	८
२७	११	१०	१५	३५	२६	१८	२७
२२	५२	०	४६	३१	५९	२४	२७
६	५९	४३	२६	२६	२३	६	४४
६१	२०	३४/५६	१३	४/४	१/१७	३	६१
२४	४१	व	२०	व	व	११	६

गोचरग्रहाः

माघ कृ.१० शुक्रे
मकरेऽर्कः प्र.वा.४
न.४कुमारावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयं: पश्चि.।

गोचरग्रहाः

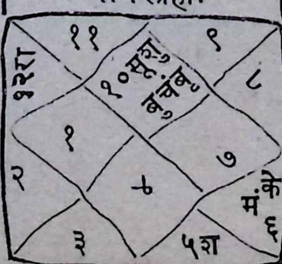

४१पं.मा.कृ.३०बु.इ.१९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	९	९	४	११	९
४	१३	२	१७	२४	२६	१८	४
३१	४६	५९	२४	१२	७	१	३५
३४	१	३०	३६	२९	३४	५०	३४
६१	१७	८९/४४	१३	३०/१२	५/३	३	६१
१९	२५	व	३२	व	व	११	३

*बुबृशु (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) +बुबृशु ×चंबशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	गु	१५	१६	श्र	४२	२४	व	२/१०	५७/५०	ब	१५	१६	२६/२५	६/४५	५/१५	१९	६	२९	मकरे
२	शु	१५	४०	ध	४४	३४	व्य	५७	५०	कौ	१५	४०	१७	४५	१५	२०	७	१	कुं.१३।२९
३	श	१७	५	श	४८	७	व	५६	४२	ग	१७	५	२०	४४	१६	२१	८	२	कुम्भे
४	र	१९	५२	पू	५२	३५	प	५६	२६	वि	१९	५२	२२	४४	१६	२२	९	३	मी३६।२८
५	चं	२३	४०	उ	५८	९	शि	५६	५६	बा	२४	४०	२५	४३	१७	२३	१०	४	मीने
६	मं	२८	२४	रे	६०	०	सि	५७	५६	तै	२८	२४	२७	४३	१७	२४	११	५	मीने
७	बु	३३	३२	रे	४	२०	सा	५९	११	ग	०	५८	३०	४२	१८	२५	१२	६	मे.४।२०
८	गु	३८	४७	अ	१०	४१	शु	६०	०	वि	६	९	३३	४१	१९	२६	१३	७	मेषे
९	शु	४३	४६	भ	१७	८	शु	०	२६	बा	११	१७	३६	४१	१९	२७	१४	८	वृ.३३।४५
१०	श	४८	१५	कृ	२३	३६	शु	१	२४	तै	१६	०	३९	४०	२०	२८	१५	९	वृषे
११	र	५१	४३	रो	२८	४	ब्र	१	४८	व	१९	५९	४२	४०	२०	२९	१६	१०	वृषे
१२	चं	५४	१	मृ	३२	७	ऐं	१	३६	ब	२२	५२	४५	३९	२१	३०	१७	११	मि ०।६
१३	मं	५५	५	आ	३५	७	वै	०/११	५८/००	कौ	२४	३३	४८	३८	२२	३१	१८	१२	मिथुने
१४	बु	५४	५०	पु	३६	२१	प्रीं	५४	३५	ग	२४	५७	५२	३८	२२	१	१९	१३	क.२१।३
१५	शु	५३	२१	पु	३७	५	आ	४९	५४	वि	२४	५	५५	३७	२३	२	२०	१४	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४०३ स.१९५०
चंद्रद. श्रीवल्लभ जयन्ती
अभि.प्र.रविः ३४/३८ वक्रीधनुषिबुधः १६/२१ वक्री×
भ. ४२।२८ उ. तिल ४
भ. ५१/२९ या. अस्तं गुरोः ३६/२४ वक्री पूषायां=
श्रवणेरविः ४०/३८ पूर्वोदयीबुधः १/१३ बसंत अ.गु.
अभि. नि. रविः ३२/५४ =बुधः २८।४९
भ. ३३।३२ उ. रथ ७
भ.६या. भीष्म८ +११ब्र.स्मा.वै. प.अ.शु.
पश्चिमास्तो भृगुः ५९/२४ मार्गी बुधः३२।४१

भ.५१/२९ उ.५/४ १/३ या. श्रवणे४ गुरुः ३ ६/७ जया+
जया ११ ब्र. नि. भीष्म १२
प्रदोषः ×श्रवणे शुकः ५४/५३ रविलाखर४
भ. ५४।५० उ. फरवरी मा. २ ता. २८
भ.२४।५या. पूर्वोदयं भृगोः १०/१२ प.उ.शु.

४२पं.मा.शु.७बु.इ.१९।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	९	४	११	९
११	१५	२५	१९	२१	२५	१७	११
४०	१४	४९	३	२	५०	३९	४२
२६	२४	४४	४७	३१	४६	३५	४६
६१	१३	१७/४३	१३	३२/४०	२/३४	३	६०
१३	१५	व	४०	व	व	११	५९

गोचरग्रहाः

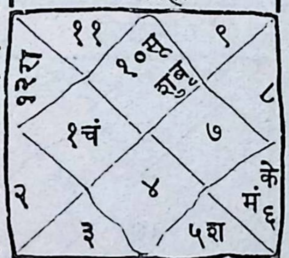

माघ मास की
सातम बीधे सोलह
श्राद्ध बर्षंता दीखे
माघ सुदी ७ को
बादल वर्षा शुभ
है ।

गोचरग्रहाः

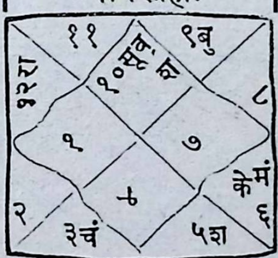

४३पं.मा.शु.१४बु.इ.१९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	९	४	११	९
१८	१६	२५	२०	१६	२५	१७	१८
४८	१२	२८	४३	५०	२९	१७	४९
२६	५४	५२	२६	२८	२०	९	१९
६१	८	३७/५८	१३	३६/१६	३/१६	३	६०
४	५	मा	३८	व	व	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	५०	३९	श्ले	३६	११	सौ	४५	१५	बा	२२	०	२६/५९	६/३६	५/२४	३	२१	१५	सिं३६।११
२	श	४६	५४	म	३४	२२	शो	३९	३०	तै	१८	४६	२७/२	३६	२४	४	२२	१६	सिंहे
३	र	४२	२७	पू	३१	३५	अ	३२	५४	व	१४	४०	६	३५	२५	५	२३	१७	कं.४५।४६
४	चं	३७	२२	उ	२८	१८	सु	२५	४८	ब	९	५४	९	३४	२६	६	२४	१८	कन्यायां
५	मं	३१	४७	ह	२४	४१	धृ	१८	१७	कौ	४	३४	१२	३४	२६	७	२५	१९	तु.५२।३९
६	बु	२६	२	चि	२०	३८	शू	१०	३१	व	२६	२	१६	३३	२७	८	२६	२०	तुलायां
७	गु	२०	११	स्वा	१६	२९	गं	२/४३	५३/१७	ब	२०	११	१९	३२	२८	९	२७	२१	वृ.५८।३५
८	शु	१४	३०	वि	१२	३८	ध्रु	४७	१६	कौ	१४	३०	२३	३१	२९	१०	२८	२२	वृश्चिके
९	श	९	८	अ	८	५४	व्या	४०	०	ग	९	८	२६	३१	२९	११	२९	२३	वृश्चिके
१०	र	४	१२	ज्ये	५	४५	ह	३३	२९	वि	४	१२	३०	३०	३०	१२	३०	२४	ध.५।४५
११	चं	०	९	मू	३	१९	व	२७	२४	बा	०	९	३४	२९	३१	१३	१	२५	धनुषि
१२	चं	५६	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	मं	५४	४४	पू	१	३४	सि	२२	११	ग	२५	४९	३८	२८	३२	१४	२	२६	म.१६।२९
१४	बु	५३	३७	उ	१	१४	व्य	१७	५७	वि	२४	१०	४२	२८	३२	१५	३	२७	मकरे
३०	शु	५३	५६	श्र	१	५१	व	१४	२७	व	२३	१६	४६	२७	३३	१६	४	२८	कु.३२।४९

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
उषायां बुधः ११।३६

भ. १४/४० उ. ४२/२७ या. धनिष्ठायां रविः ४६/३० +
चतुर्थी व्रतम् +मकरे बुधः ९।५६

भ. २६।२ उ. ५३।६ या.

वक्री भौमः ३४।४० ×गुरुः ६।१७
भ. ३६।४० उ.
भ. ४।१२ या. कुंभेऽर्कः ३२/२६ धनिष्ठायां१×
उभायां ४ राहुः हस्ते २ केतुः ४।११*
क्षयः *त्रिजया ११ व्र.
भ. ५४।४४ उ. प्रदोषः
भ. २४।१० या. महाशिवरात्रि व्रतम्
वक्री उषायां शुकः ५३।३९

४४पं. फा.कृ.६बु.इ.१९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	९	९	४	११	९
२५	१६	०	२२	१२	२५	१६	२५
५५	४२	९	२३	५३	४	५५	५५
१३	५०	५०	४२	३५	५	४	२०
६०	२	६२	१३	२९/४	३/५०	३	६०
५५	५	३७	३८	व	व	११	४७

गोचरग्रहाः

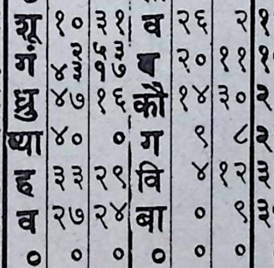

फाल्गुनकृ.१०रवौ
कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३
नं. ३ वालावस्था
(त्रैठी) मु. ३०
(धान्याभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वे. ।

गोचरग्रहाः

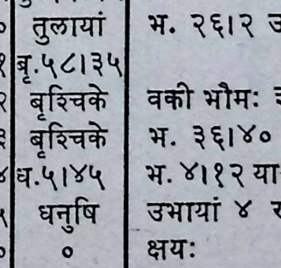

४५पं.फा.कृ.१४बु.इ.१९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	९	४	११	१०
३	१६	७	२४	१०	२४	१६	३
१	४१	३१	३	२४	३५	३२	०
१६	५६	१२	३६	२९	३८	४९	५
६०	४/२३	७४	१३	१५/३७	४/७	३	६०
४२	व	४१	३२	व	व	११	३७

*चंबुबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४३२ स.१९५०
१	शु	५५	३६	ध	३	४८	प	१२	३	किं	२४	४६	२७ ५०	२६	५ ३४	१७	५	२९	कुम्भे	श्रवणे बुधः १९।७
२	श	५८	२६	श	६	५७	शि	१०	३९	बा	२७	१	५४	२५	३५	१८	६	३०	मी५५।२३	शते रविः ५५।४७ चन्द्रद. फुलरिया २
३	र	६०	०	पू	११	३१	सि	१०	३१	तै	३०	२३	५८	२४	३६	१९	७	१	मीने	उदयं गुरोः५०।२४ जमादिलावल५ उ.गु.
३	चं	२	१९	उ	१६	३६	सा	१०	३०	ग	२	१९	२६ २	२४	३६	२०	८	२	मीने	भ. ३४।३८ उ.
४	मं	६	५८	रे	२२	३४	शु	११	२६	वि	६	५८	६	२३	३७	२१	९	३	मे.२२।३४	भ. ६ ५८ या. मार्गी शुकः ३६ १९ पातस्पर्शः ३२ ४८×
५	बु	१२	३	अ	२८	५९	शु	१२	४०	बा	१२	३	११	२२	३८	२२	१०	४	मेषे	
६	गु	१७	१९	भ	३५	६	ब्र	१३	५९	तै	१७	१९	१४	२१	३९	२३	११	५	वृ.५१।४२	
७	शु	२२	८	कृ	४१	३१	ऐं	१५	६	व	२२	८	१८	२०	४०	२४	१२	६	वृषे	भः२२।८ उ.५४।१९ या. होला. होई ८
८	श	२६	३१	रो	४६	५६	वै	१५	४७	ब	२६	३१	२२	२०	४०	२५	१३	७	वृषे	श्रवणे शुकः ४०।५४ ×पातमोक्षः ३३ ५४
९	र	२९	५०	मृ	५१	९	वि	१५	४८	कौ	२९	५०	२६	१९	४१	२६	१४	८	मि१९।२	धनिष्ठायां २ गुरुः १६।१०
१०	चं	३२	५	आ	५४	१९	प्री	१४	५०	तै	०	५७	३०	१८	४२	२७	१५	९	मिथुने	धनिष्ठायां बुधः १०।२३
११	मं	३२	५९	पु	५६	१३	आ	१२	५४	व	२	३२	३४	१७	४३	२८	१६	१०	क.४०।४५	भ.२।३२उ.३२।५९या. आमलकी११व्र.
१२	बु	३२	३८	पु	५७	१	सौ	१०	६	ब	२	४९	३८	१६	४४	१	१७	११	कर्के	मार्च मा. ३ ता. ३१
१३	गु	३१	२५	श्ले	५६	२६	शो	६	१४	कौ	२	२	४२	१६	४४	२	१८	१२	सिं५६।२६	प्रदोषः +वकी पूफायां३ शनिः ५४ १२
१४	शु	२८	९	म	५४	४८	अ	१ २०	५४ २४	व	२८	९	४६	१५	४५	३	१९	१३	सिंहे	भ.२८।९ उ.५६ १७या. कुम्भे बुधः४०।३३+
१५	श	२४	२५	पू	५२	१५	धृ	५०	७	ब	२४	२५	५०	१४	४६	४	२०	१४	सिंहे	पूभायां रविः १०।३५ छारेंडी

४६पं.फा.शु.५बु.इ.१९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	९	४	११	१०
१०	१३	१६	२५	९	२४	१६	१०
५	६	२८	४२	५२	४	१०	३
४८	१८	१६	४७	४१	४१	३३	३५
६०	१२ ९	८२	१३	११ २	२५ ४	३	६०
३१	व	१६	२६	मा	व	११	२५

गोचरग्रहाः

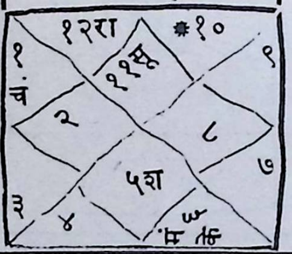

सम्पूर्ण फाल्गुन मासमें बादल बने रहें वर्षा हो नहीं तो वर्षा काल में उत्तम वर्षा हो।

गोचरग्रहाः

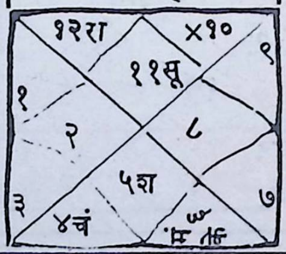

४७पं.फा.शु.१२बृ.इ.२०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	९	४	११	१०
१७	१४	२६	२७	११	२३	१५	१७
८	५९	३२	२०	१६	३१	४८	५
३७	३८	६	५३	५	५९	१८	४८
६०	३० २०	८८	१३	१६	४०	३	६०
२०	व	५०	२०	७	व	११	१२

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००६ शाकः १८७१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृ.तिमहाराष्ट्राः
१	र	१९	४७	उ	४९	१२	शू	४२	४०	कौ	१९	४७	२८ ५४	१ ६ ३	५ ४७	५	२१	१५	कं.४६।२९	
२	चं	१४	३६	ह	४५	२९	गं	३५	१९	ग	१४	३६	५८	१२	४८	६	२२	१६	कन्यायां	भ.४५ ४७उ.पातस्पर्शः२७।१२पानमोक्षः३६ १६
३	मं	८	५८	चि	४१	२९	वृ	२८	३०	वि	८	५८	२९ २	१२	४८	७	२३	१७	तु.१३।२९	भ.८।५८या. शतेबुधः४६।२८ चतुर्थीव्र.
४	बु	३	९	स्वा	३७	१९	ध्रु	१९	५८	बा	३	९	६	११	४९	८	२४	१८	तुलायां	
५	बु	५४	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
६	गु	५१	२८	वि	३३	२१	व्या	१२	१८	ग	२४	२६	१०	१०	५०	९	२५	१९	वृ.१९।२०	भ. ५१।२८ उ.
७	शु	४६	९	अ	२९	४०	ह	४ ३९	५२ ४८	वि	१८	४८	१४	९	५१	१०	२६	२०	वृश्चिके	भ. १८।४८ या. शीतला पू.
८	श	४१	११	ज्ये	२६	२०	सि	५०	३७	बा	१३	४०	१९	८	५२	११	२७	२१	ध.२६।२०	
९	र	३७	५	मू	२३	४९	व्य	४४	२२	तै	९	८	२३	७	५३	१२	२८	२२	धनुषि	धनिष्ठायां ३ कुम्भे गुरुः ५१।३७
१०	चं	३३	५०	पू	२१	२१	व	३८	५८	व	५	२७	२८	६	५४	१३	२९	२३	म.३६।१७	भ.५।२७उ.३३ ५०या. पूर्वास्तोबुधः२८।१६
११	मं	३१	३७	उ	२१	४	प	३४	२८	ब	२	४४	३२	६	५४	१४	३०	२४	मकरे	मीनेऽर्कः १०।५३ पापमोचनी ११ व्र.
१२	बु	३०	३३	श्र	२१	३४	शि	३०	५५	कौ	१	५	३६	५	५५	१५	१	२५	कु.५२।२९	पूभायां बुधः ३७।१३
१३	गु	३०	४९	ध	२३	१६	सि	२८	८	ग	०	४१	४०	४	५६	१६	२	२६	कुम्भे	भ. ३०।४९ उ. प्रदोषः
१४	शु	३२	२५	श	२६	१५	सा	२६	४४	वि	१	३७	४४	३	५७	१७	३	२७	कुम्भे	भ. १।३७ या. उभायां रविः ३१।३१
३०	श	३५	१५	पू	३०	१६	शु	२५	५२	च	३	५०	४८	२	५८	१८	४	२८	मी१४।१६	अहर्गणः ५४६१ च. ३ के.

४८पं. चै.कृ.४ बु.इ.२०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	९	४	११	१०
२४	१३	७	२८	१४	२२	१५	२४
९	२५	३३	५७	१३	५८	२६	६
५५	३७	५४	११	३७	२३	३	३२
६०	२६ ५३	९५	१३	२९	४ ४०	३	५९
५	व	८	८	८	व	११	५८

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. ११ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

४९पं.चै.कृ.१२बु.इ.२०।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	१०	९	४	११	११
१	११	१९	०	१८	२२	१५	१
९	२२	३०	३१	२५	२५	३	५
४१	३०	५८	३७	५	५	४७	४४
५९	३३ २१	३०	१२	३८	३५ ४	३	५९
४९	व	५८	४३	४१	व	११	४१

*बुबृशु

×बुबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५१ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५१ भोग्यकलिः ४२६९४९ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २००७ शाकः १८७२ अथास्मिन्वर्षेराजा रविः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशो भौमः। नीरसेशो रविः। फलेशो बुधः। धनेशो रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुर्विंशतिकायां १७ शोभननाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये: गतमासादिः २।१३।४।४८ भोग्यमासादिः ९।१६।५५।१० वैश्व-दैवतं युगम्। वर्षनाम श्रावणः । मेघ४ नाम पुष्करः । समय निवासः मालाकारगृहे(क्यारी में) । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय विश्वा १० । समयवाहनमश्वः । स्तंभो नास्ति । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी३। अंगारकीचतुर्थी नास्ति। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी ३। रविदशमी ३। समयमुहूर्ताः३३०। समयदिनानि ३८४। तिथिक्षयः १४। तिथि वृद्धिः८। उत्पति विश्वा ९९। खपति विश्वा ९३। वर्षा विश्वा ९। धान्यम् १५, तृणम् ५. शीतम् ५. तेज ५. वायु१३ वृद्धिः १५। क्षयः १५। विग्रहः ११ । ऐक्यं ९३ सत्यम्।।. धर्मम् १।।. पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहणमेकं चन्द्रमसः।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ६।३

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
शुभसंवत्सर सात का सच्चा कह दो हाल ।।

भवानी उत्तर

जग में सुखमय बीतसी विक्रम संवत् सात ।
घर घर मंगल गान हो घर घर में कुशलात ।।
चौमासे मघवा चढ़े जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो मीठे बोलें बैन ।।
वसी रोहिणी सिंधु में संवत् माला कार ।
नदियां बहें उतावली वर्षे मूसल धार ।।
दस विश्वा वत्सर बना वर्षा विश्वा अंक ।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ।।
रवि राजा मंत्री गुरु ये हैं उत्तम योग ।
जग में सुख सम्पति करें जनता भोगे भोग ।।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ६।१०

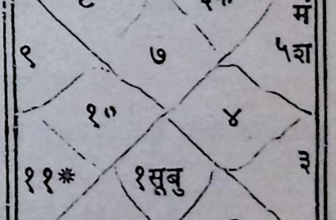

*चंबृशु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।८।४६

(सं० २००१समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविस्तत्फलम्—सूर्येनृपे स्वल्पजलाश्च मेघाः स्वल्पंपयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधानिधनं नृपाणां ।। मंत्री गुरुस्तत्फलम्—विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर-तोयघना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशो सूर्यस्तत्फलम्—सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोऽपिचौराः । युद्धं नृपाणांजलदा जलाढ्याःस्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्याः समंधतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम्—अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरायजनोत्सुकचेतसा विविध सौख्य युता धरणी तदा।। रसेशो भौमस्तत्फलम्—यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरस राशियुता जनता शुभा । नरपति विषमो जनतापदो न जलदो बहुवृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविस्तत्फलम्—नीरसाधिपतौसूर्ये त्रपुचंदनयोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम्—यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विता ।। धनेशो रविस्तत्फ-लम्—द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहुद्रव्यसमागमः । गज तुरंगम मेषखरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुस्तत्फलम्—सुरगुरौ गढपेनयशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतां विशाम् ।। वर्षनाम श्रावणस्तत्फलम्—मनोल्हादं प्रकुर्वन्ति जनाः सौख्यसमायुता । श्रावणे वृष्टिरत्युग्रा गोमहिष्यादिकं सुखम् ।। शोभननाम संवत्सरस्तत्फलम्—शोभकृद्वत्सरे धात्री प्रजानांरोगशोकदा । तथापि सुखिनो लोकाः बहुसस्यार्घवृष्टिभिः ।। मेघ-नाम पुष्करफलम्—पुष्करे मंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्—समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालाकार गृहे फलम्—मालिनः प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २००७ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ३ गुरौ रोहि.ल.८रे.९।।।।ऽच्ची।।।। चं.पूज्य:आवश्यके
„ ९ बुधे मघा. ल.८ (घ.३९।५उ.) ९ रे.७ ।ऽ।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
„ १० गुरौ मघा. ल.गो. रे.७ ।ऽ।।ऽन्नृ।।ऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
„ ६ रवौ उषा. ल. ऽन्यगो. रे.७ ऽचंऽ।।।।।।ऽ दग्धादोषः आवश्यके
शुक्ला १ गुरौ रोहि. ल.ऽन्यगो. रे.१०।।।।।।।।। चं.बाल्यत्वं
„ ७ बुधे मघा. ल. ९ (घ.४०।२१उ.) रे.९ ।।।।।ऽ।।

प्र. आषाढ़ मासः

कृष्णा १ गुरौ मूले ल. गो. रे. ८ ।ऽ।।ऽरो।।।

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ हस्ते ल. ८ (घ.४९।१५उ.) रे.९ ।।।।।ऽऽ।
„ ५ रवौ हस्ते ल. ७ अंश २३ या. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।
„ ९ बुधे अनु. ल. ७-९ रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।

शुक्ला ८ बुधे रोहि. ल. ८ (चन्द्रः ७मे. पू.) रे.५ ।।।।।।ऽ अग्नि।। आवश्यक
„ १० शुक्रे मृगे ल. ७ रे. ७ ।ऽ।।ऽन्नृ।ऽ१०।।
„ १५ बुधे मघा. ल. ८-९ रे. ८ ।।।ऽबु.।।ऽ१४।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

चैत्र शु. १५ यां रवौ खग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा २०१२

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्वं.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	४५	४९	४९	४९	५३	८
	पल.	८	४	१४	२४	२०	१२
रेल्वे टाइम	घं.	१२	२	२	२	३	३
	मि.	३०	५	९	१३	४८	१८
जयपुर देशी टाइम	घ.	११	१	१	१	३	३
	मि.	५९	३४	३८	४२	१७	१८

आषाढ़ोऽधिकमासस्तत्फलम्—तुषधान्यादि वृद्धिः स्यात् पशुरोगोऽतिवृष्टितः । राज्ञांसुखकरा भूमिराषाढद्वितयंयदा ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४६२स.१९५०
१	र	३९	९	उ	३५	१८	शु	२६	२	किं	७	१२	२९ ५२	६ २	५८	१९	५	२९	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रा. घटस्था.
२	चं	४३	४६	रे	४१	१८	ब्र	२६	५०	बा	११	२९	५७	१	५९	२०	६	३०	मे.४१।१८	चंद्रद.मीनेबुधः ५१ ४२ वक्रीउफायांभौमः ५ ३३ सिं
३	मं	४८	५१	अ	४७	३५	ऐं	२८	५	तै	१६	१८	३ ० ५	६ ० ०	६ ० ०	२१	७	१	मेषे	जमादिलाखर ६ गणगौरी मत्स्यजयंती
४	बु	५३	५४	भ	५४	३	वै	२९	२५	व	२१	२२	६	५ ५९	६ ० ५	२२	८	२	मेषे	भ. २१।२२ उ. ५३ ५४ या. उभायां बुधः ३७ ३२×
५	गु	५८	४९	कृ	६०	०	वि	३०	४६	ब	२६	२१	१०	५८	२	२३	९	३	वृ.१०।३६	कल्पादिः ×धनिष्ठायां शुक्रः ५।२९
६	शु	६०	०	कृ	०	१७	प्री	३१	४०	कौ	३०	५१	१४	५७	३	२४	१०	४	वृषे	
६	श	३	०	रो	५	५१	आ	३१	५९	तै	३	०	१८	५६	४	२५	११	५	मि३८।१६	
७	र	६	१२	मृ	१०	२२	सौ	३१	२२	व	६	१२	२२	५६	४	२६	१२	६	मिथुने	भ. ६।१२ उ. ३७।१४ या.
८	चं	८	१६	आ	१३	४५	शो	२९	४०	ब	८	१६	२६	५५	५	२७	१३	७	मिथुने	राम ९ स्मा. भवान्युत्पत्तिः
९	मं	९	२	पु	१५	४०	अ	२७	१६	कौ	९	२	३०	५४	६	२८	१४	८	क.०।११	धनिष्ठायां ४ गुरुः २०।१९ राम ९ वै.
१०	बु	८	३५	पु	१६	५६	सु	२३	४३	ग	८	३५	३४	५३	७	२९	१५	९	कर्के	भ. ३७।४२ उ. रेवत्यां बुधः ३२।५
११	गु	६	४९	श्ले	१६	३९	धृ	१९	१३	वि	६	४९	३८	५२	८	३०	१६	१०	सिं१६।३९	भ.६।४९ या. रेवत्यां रविः ५८।५९ कुंभे+
१२	शु	३	५६	म	१५	१५	शू	१४	१	बा	३	५६	४२	५२	८	३१	१७	११	सिंहे	प्रदोषः +शुक्रः ७।१८ कामदा ११ व्र.
१३	श	०	८	पू	१३	१	गं	७	५३	तै	०	८	४७	५१	९	१	१८	१२	कं.२७।१४	भ. ५५।२४ उ. अप्रेल मा. ४ ता. ३०
१४	श	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *वै. स्ना. प्रा.
१५	र	५०	९	उ	९	५४	वृ	१ १८	५२ ३९	वि	२२	४५	५१	५०	१०	२	१९	१३	कन्यायां	भ. ३२ ४५ या. खग्रासं चन्द्रग्र. हनुमज्जयंती*

५०पं. चै.शु.४बु.इ.२१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	१०	९	४	११	११
८	९	२	२	२३	२१	१४	८
७	९	४९	३	३१	५२	४१	३
३५	१४	१	२२	५९	५२	३२	२०
५९	३४ ५५	[illegible]	१२	४५	१ ४	३	५९
३५	ब	२३	२०	५६	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

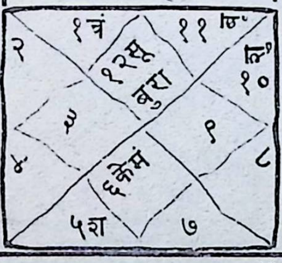

गोचरग्रहाः

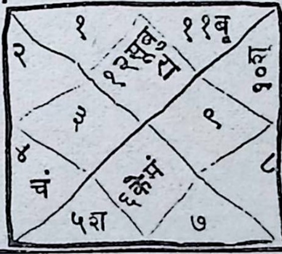

५१पं. चै.शु.१०बु.इ.२१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	१०	९	४	११	११
१५	६	१६	३	२९	२१	१४	१४
३	४२	१८	३२	२०	२२	१९	५९
३७	१८	२२	१०	४९	२६	१६	१५
५९	३३	[illegible]	११	५१	४ २	३	५९
१८	व	२७	५६	१९	ब	११	१६

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४४	१७	ह	६	२४	व्या	४६	३८	ब	१७	११	३० ५६	५ ४९	६ १५	३	२०	१४	तु.३४।२५	
२	मं	३८	२७	चि	२ ३६	५ ६	ह	३९	०	तै	११	२२	३ ० ०	४८	१२	४	२१	१५	तुलायां	आश्विन्यां मेषेच बुधः १८।१६
३	बु	३२	२९	वि	५४	२०	व	३१	३९	व	५	२८	३ १ ४	४७	१३	५	२२	१६	वृ.४०।२३	भ. ५।२८ उ. ३२।२९ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	२६	४०	अ	५८	२५	सि	२३	५४	बा	२६	४०	८	४६	१४	६	२३	१७	वृश्चिके	शते शुक्रः २५।७
५	शु	२१	७	ज्ये	४७	७	व्य	१६	२८	तै	२१	७	१२	४६	१४	७	२४	१८	ध.४७।७	पश्चिमोदयी बुधः ५८।५४
६	श	१६	७	मू	४३	३९	व	९	३१	व	१६	७	१६	४५	१५	८	२५	१९	धनुषि	भ. १६।७ उ. ४४।४ या.
७	र	१२	१	पू	४२	१५	प	१२ ३	५४ ५	ब	१२	१	२०	४४	१६	९	२६	२०	म.५६।५९	
८	चं	८	४५	उ	४१	१३	सि	५२	५२	कौ	८	४५	२४	४३	१७	१०	२७	२१	मकरे	
९	मं	६	२७	श्र	४१	२४	सा	४९	१७	ग	६	२७	२८	४२	१८	११	२८	२२	मकरे	भ. ३५।५२ उ. भरण्यां बुधः ३५।२८
१०	बु	५	१७	ध	४२	४५	शु	४६	१६	वि	५	१७	३२	४२	१८	१२	२९	२३	कु.१२।७	भ. ५।१७ या.
११	गु	५	२८	श	४५	१९	शु	४३	४१	बा	५	२८	३६	४१	१९	१३	३०	२४	कुंभे	मेषेऽर्कः ३३।३१ वरूथिनी ११ व्र.
१२	शु	६	५९	पू	४९	२०	ब्र	४३	४७	तै	६	५९	४०	४०	२०	१४	१	२५	मी३३।२०	शते १ गुरुः ७।२६ प्रदोषः
१३	श	९	४५	उ	५४	१३	ऐं	४३	४२	व	९	४५	४४	३९	२१	१५	२	२६	मीने	भ. ९।४५ उ. ४१।४१ या.
१४	र	१३	३८	रे	५९	५६	वै	४४	४३	श	१३	३८	४७	३९	२१	१६	३	२७	मे.५९।५६	उभायां ३ राहुः हस्ते १ केतुः ५९।१६
३०	चं	१८	३	अ	६०	०	वि	४५	४६	ना	१८	३	५१	३८	२२	१७	४	२८	मेषे	सोमवती ३०

५२पं. वै.कृ.३ बु.इ.२१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	०	१०	१०	४	११	११
२१	४	२	४	५	२०	१३	२१
५७	२२	१०	५७	४१	५४	५७	५३
५०	५५	८	२५	१३	४३	१	३१
५९	२६ ४७	[illegible]	११	५५	४६ ३	३	५९
४	ब	[illegible]	१९	४३	ब	११	४

गोचरग्रहाः

वैशाखकृ.११गुरौ मेषेऽर्कः:प्र.वा.३न. ४ गताल्कावस्था (ऊभी) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पूर्वं ।

गोचरग्रहाः

१पं. वै.कृ.११बृ.इ.३७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	१०	१०	४	११	०
०	१	१६	६	१३	२०	१३	०
३	५७	३८	३४	४६	२४	३०	०
५९	१८	२८	४४	८	५४	४२	०
५८	१९ २९	९७	१०	५९	५२	३	५८
४५	व	३१	३५	३७	व	११	४४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	मं	२२	५८	अ	६	१७	प्री	४७	६	ब	२२	५८	३५/५४	५/३७	२ ६/३	१८	५	२९	मेषे
२	बु	२८	१	भ	१२	४८	आ	४८	३५	कौ	२८	१	५८	३६	२४	१९	६	१	वृ.२९।२३
३	गु	३२	४०	कृ	१९	१०	सौ	४९	३५	तै	०	२०	३२	३६	२४	२०	७	२	वृषे
४	शु	३६	५६	रो	२४	४२	शो	५०	१०	व	४	४८	६	३५	२५	२१	८	३	मि५७।७
५	श	४०	४	मृ	२९	३२	अ	४९	५२	ब	८	३०	१०	३४	२६	२२	९	४	मिथुने
६	र	४१	५९	आ	३३	१७	सु	४८	३४	कौ	११	१	१३	३३	२७	२३	१०	५	मिथुने
७	चं	४३	४	पु	३५	४६	धृ	४६	१८	ग	१२	३१	१७	३३	२७	२४	११	६	क.२०।९
८	मं	४२	१३	पु	३६	५८	शू	४३	१३	वि	१२	३८	२१	३२	२८	२५	१२	७	कर्के
९	बु	४०	२४	श्ले	३७	५	गं	३८	५९	बा	११	१८	२५	३१	२९	२६	१३	८	सि३७।५
१०	गु	३७	३२	म	३५	५५	वृ	३३	५७	तै	८	५८	२९	३०	३०	२७	१४	९	सिंहे
११	शु	३३	४०	पू	३३	४८	ध्रु	२८	७	व	५	३६	३३	२९	३१	२८	१५	१०	कं.४८।६
१२	श	२८	२०	उ	३१	०	व्या	२१	४४	ब	१	०	३६	२९	३१	२९	१६	११	कन्यायां
१३	र	२३	२४	ह	२७	३०	ह	१४	४६	तै	२३	२४	४०	२८	३२	३०	१७	१२	तु.५५।३६
१४	चं	१७	३३	चि	२३	४२	व	७/२५	५३/३३	व	१७	३३	४३	२७	३३	१	१८	१३	तुलायां
१५	मं	११	४१	स्वा	१९	३१	व्य	५२	८	ब	११	४१	४७	२७	३४	२	१९	१४	तुलायां

वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:५४९२ सन् १९५०

चंद्रदर्शनम्
पूभायां शुक्रः ५४।२ रज्जब ७
कृतिकायांबुध: ३/४ ०/२ परशुरामजगंतीअक्षया ३
भ. ४।४८ उ. ३६।५६ या.
वक्रीसिंहेभौम: ४/२ ०/२ वक्रीपूफायां २शनि ५६/४४ *

भ. ४३।२ उ. वृषे बुधः ९।२१
भ. १२।३८ या. *अगस्त्यास्तः १९/५९

भरण्यांरवि १४/५५ पातस्पर्श: ९/१२ पातमोक्ष १८/४८
भ.५।३६ उ.३३।४० या. मोहिनी ११ब्र.
वक्रीबुध:१५।१२ मीनेशुक्र:२५।५२ प्रदोष:
नृसिंहजयंती ×ता. ३१ कूर्मोत्पत्तिः
भ. १७।३३ उ. ४४।३७ या. मई मा. ५×
उभायां शुक्र:३४।१३ मार्गी भौम:२२।५१

२पं. वै.शु. ३बृ.इ.३७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	१०	१०	४	११	०
६	०	२६	७	२०	२०	१३	६
५४	२५	४६	५०	४५	५	८	५०
९	५	३४	२८	२२	२४	२७	३८
५८	११/३२	५७	९	६२	२/२०	३	५८
२९	ब	५३	५२	५	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

आखा तीजां पीठर
वावल आवे मोडी,
जो जलदी दिन
पांच सात तो साख
नीपजे थोड़ी।

गोचरग्रहाः

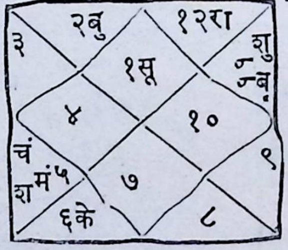

३पं. वै.शु.१०बृ.इ.३८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	१०	१०	४	११	१
१३	२९	२	९	२८	१९	२२	१३
४२	२८	५२	१	५	५०	४६	३९
३३	१२	५९	२६	२	१३	११	४१
५८	४/३५	७	९	६४	१/४६	३	५८
१२	ब	३२	८	२	ब	११	२०

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	बु	५	४०	वि	१५	२७	व	४४	४३	कौ	५	४०	३२/५०	५/२६	६/३४	३	२०	१५	वृ.१।२८
२	बु	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	गु	५३	५६	अ	११	३४	प	३७	२१	व	२६	५१	५४	२५	३५	४	२१	१६	बृश्चिके
४	शु	४८	८	ज्ये	८	३	शि	३०	२७	ब	२१	२	५७	२५	३५	५	२२	१७	ध. ८।३
५	श	४४	४७	मू	४	५७	सि	२४	४	कौ	१६	२७	३३/५	२४	३६	६	२३	१८	धनुषि
६	र	४१	२३	पू	२	५३	सा	१८	३३	ग	१३	५	४	२३	३७	७	२४	१९	म.१७।४९
७	चं	३८	५८	उ	२	३७	शु	१३	३३	वि	१०	१०	७	२३	३७	८	२५	२०	मकरे
८	मं	३७	५२	श्र	३	३३	शु	९	४०	बा	८	२५	१०	२२	३८	९	२६	२१	कुं.३३।५३
९	बु	३७	५३	ध	४	१३	ब्र	६	४८	तै	७	५२	१३	२१	३९	१०	२७	२२	कुम्भे
१०	गु	३९	१०	श	५	५०	ऐं	४	७	व	८	३१	१६	२१	३९	११	२८	२३	मी५२।४०
११	शु	४१	४०	पू	८	१७	वै	३	४३	ब	१०	२५	१९	२०	४०	१२	२९	२४	मीने
१२	श	४५	२१	उ	१३	१०	वि	३	३९	कौ	१३	३०	२२	२०	४०	१३	३०	२५	मीने
१३	र	४९	५१	रे	१८	३७	प्री	४	१६	ग	१७	३६	२५	१९	४१	१४	३१	२६	मे.१८।३७
१४	चं	५४	५०	अ	२४	५३	आ	५	२९	वि	२२	२०	२८	१८	४२	१५	१	२७	मेषे
३०	मं	५९	३८	भ	३१	१५	सौ	७	८	च	२७	१४	३१	१८	४२	१६	२	२८	बृ.४७।५२

ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

शते २ गुरुः ५३।२२
क्षय:
भ. २६।५१ उ. ५३।५६ या.
पश्चिमास्तो बुधः १७।५५ चतुर्थी ब्र.

भ. ४१।२३ उ.
भ. १०।१० या.
पातस्पर्शः २३।२८ पातमोक्षः ३५।३९

भ.८।३१उ. ३/५ ९/० या. कृत्तिकायांरवि:२।५०
अपरा ११ ब्र. *मार्गीशनि: ३/५ ०/३ प्रदोष:

भ.४९।५१ उ. बृषेऽर्क:३०।३६ वक्री मेषे=
भ. २/२ २/० या. =बुध: ५/३ ५/६ रेवत्यां शुक्र: ४/५ १/६ *
वटपूजनम् भावुका ३०

४पं. ज्ये.कृ.३बृ.इ.३८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	१०	११	४	११	०
२८	२९	४	१०	५	१९	१२	२०
२९	९	२३	६	३५	३९	३२	२७
१२	४०	४९	१८	४६	५०	५६	२२
५७	१/११	२५/४	८	६५	१/८	३	५८
५७	मा	ब	२४	३७	ब	११	६

गोचरग्रहाः

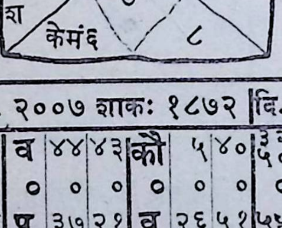

ज्येष्ठकृ.१३ रवौ
वृषेऽर्कः प्र. वा.४
न.५प्रगलभावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वे.।

गोचरग्रहाः

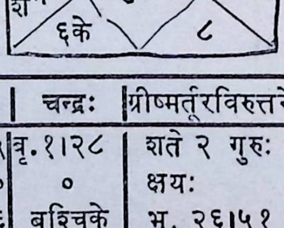

५पं.ज्ये.कृ.१०बृ.इ.३८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	१०	११	४	११	०
२७	२९	१	११	१३	१९	१२	२७
१४	२८	५४	५	१५	३४	१	१३
२५	१२	४७	६	१०	२६	४१	३०
५७	८	३४/५५	७	७७	०/१६	३	५७
४५	२८	ब	१६	१	ब	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ	शुक्लपक्षः	सं. २००७	शाकः	१८७२								दि.	उ.	.अ	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५२१ स. १९५०
१	बु	६०	०	कृ	३७	४३	शो	८	२७	किं	३२	२	३३/४	५/१७	६/४३	१७	३	२९	बृषे	कन्यायां भौमः ६।७
१	गु	४	२६	रो	४३	३०	अ	९	४६	बा	४	२६	२६	१७	४३	१८	४	३०	बृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	८	२८	मृ	४८	२१	सु	१०	२६	कौ	८	२८	३९	१६	४४	१९	५	१	मि१५।५५	सावान ८ रंभा ब्र.
३	श	११	३२	आ	५२	२४	धृ	१०	२४	ग	११	३२	४१	१६	४४	२०	६	२	मिथुने	भ. ४२।३१ उ.
४	र	१३	३०	पु	५५	१५	शू	९	२४	वि	१३	३०	४४	१५	४५	२१	७	३	क.३९।३२	भ.१३।३०या. वक्रीभरण्यां बुधः४३।४७
५	चं	१४	११	पु	५६	४१	गं	७	२९	ब	१४	११	४६	१५	४५	२२	८	४	कर्के	
६	मं	१३	४२	श्ले	५७	९	वृ	४	३५	तै	१३	४२	४८	१४	४६	२३	९	५	सिं५७।९	पूर्वोदयी बुधः५७।५३ पातस्पर्शः ७।४२*
७	बु	११	५१	म	५६	१४	ध्रु	०/३६	५५/१२	व	११	५१	५०	१४	४६	२४	१०	६	सिंहे	भ. ११/५१ उ. ४१/२१ या. रोहिण्यां रविः ५६/४६
८	गु	८	५२	पू	५४	२२	ह	५०	७	ब	८	५२	५२	१४	४६	२५	११	७	सिंहे	
९	शु	५	०	उ	५१	३३	व	४३	३८	कौ	५	०	५४	१३	४७	२६	१२	८	कं.८।४०	मेषे शुक्रः ३५।३०
१०	श	०	१४	ह	५८	१४	सि	३७	०	ग	०	१४	५६	१३	४७	२७	१३	९	कन्यायां	भ.२७।३०उ.५४/३२या. निर्जला११ब्र.स्मा.
११	श	५४	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *पातमोक्षः २१।२२
१२	र	४८	५८	चि	४४	३६	व्य	२९	४८	ब	२१	५२	५८	१२	४८	२८	१४	१०	तु.१६।२५	निर्जला ११ ब्र. वै.
१३	चं	४२	५७	स्वा	४०	२७	व	२२	१९	कौ	१५	५८	३४/०	१२	४८	२९	१५	११	तुलायां	प्रदोषः सावित्री ब्रतारम्भः
१४	मं	४६	५१	वि	३७	०	प	१४	४४	ग	९	५४	२	१२	४८	३०	१६	१२	बृ.२२।५२	भ. ३६।५१ उ.
१५	बु	३०	५२	अ	३३	३२	शि	७/३७	५२/१६	वि	३	५१	४	११	४९	३१	१७	१३	बृश्चिके	भ.३।५१या. मार्गीबुधः१९/५४ वटसावित्रीपू

६पं. ज्ये.शु.१बृ.इ.३८।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	१०	११	४	११	१
३	०	२८	११	२१	१९	११	३
५८	२०	१	५७	१	३४	३९	५८
३	१०	३०	७	३७	८	२५	२८
५७	१३	३०/३७	६	६८	०/२३	३	५७
३४	४	व	२०	७	मा	११	४४

गोचरग्रहाः

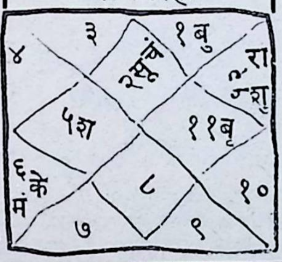

आर्द्रादौ दश
ऋक्षाणि ज्येष्ठे
शुक्ले निरीक्षयेत्।
साभ्रैश्च हन्यते
वृष्टिरिभ्रैर्वृष्टि
रुत्तमा ।।

गोचरग्रहाः

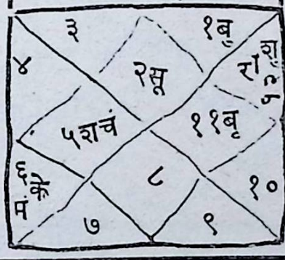

७पं.ज्ये.शु.८बृ.इ.३८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	१०	११	४	११	१
१०	१	२५	१२	२८	१९	११	१०
४०	४२	३४	४१	५४	३९	१७	४२
१३	५८	५५	५६	५०	१४	१०	२०
५७	१७	१७/३	५	६८	१	३	५७
२३	१९	व	१३	५९	८	११	३५

ति.	प्र. आषाढ़	कृष्णपक्ष	सं. २००७	शाकः	१८७२								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२५	५	ज्ये	२९	१७	सा	५२	५४	कौ	२५	५	३४/६	५१	६/४९	१	१८	१४	ध.२९।१७	जून मा.६ ता.३० शते गुरुः५७/४० सब्बरात
२	शु	२०	२	मू	२५	३९	शु	४६	२०	ग	२०	२	८	१०	५०	२	१९	१५	धनुषि	भ. ४७।४७ उ.
३	श	१५	३३	पू	२३	३०	शु	४०	३६	वि	१५	३३	९	१०	५०	३	२०	१६	म.३८।१०	भ. १५।३३ या. चतुर्थी ब्र.
४	र	१२	३	उ	२२	११	ब्र	३५	५६	बा	१२	३	११	९	५०	४	२१	१७	मकरे	पातस्पर्शः ३३।२९ पातमोक्षः ४८।४९
५	चं	९	२९	श्र	२१	२१	ऐं	३१	३१	तै	९	२९	१३	९	५१	५	२२	१८	कुं.५१।४३	
६	मं	८	२	ध	२२	५	वै	२८	२२	व	८	२	१४	९	५१	६	२३	१९	कुम्भे	भ.८।२ उ.३८।०या. पूफायां३ शनिः५९/५३
७	बु	७	५८	श	२४	८	वि	२६	१४	ब	७	५८	१५	९	५१	७	२४	२०	कुम्भे	मृगे रविः ५५/३३ वृषे बुधः ३६।३५ भरण्यां*
८	गु	९	११	पू	२७	२५	प्री	२५	३	कौ	९	११	१६	९	५१	८	२५	२१	मी११।३६	
९	शु	११	२९	उ	३१	५०	आ	२४	५२	ग	११	२९	१७	८	५२	९	२६	२२	मीने	भ. ४३।१८ उ. *शुक्रः १७।५६
१०	श	१५	८	रे	३७	१७	सौ	२५	३१	वि	१५	८	१८	८	५२	१०	२७	२३	मे.३७।१७	भ. १५।८ या.
११	र	१९	२९	अ	४३	२०	शो	२६	४३	बा	१९	२९	१९	८	५२	११	२८	२४	मेषे	योगिनिनी ११ ब्र.
१२	चं	२४	१५	भ	४९	३८	अ	२८	१६	तै	२४	१५	२०	८	५२	१२	२९	२५	मेषे	प्रदोषः
१३	मं	२९	१	कृ	५६	६	सु	२९	४८	व	२९	१	२१	८	५२	१३	३०	२६	बृ.६।१५	भ. २९।१ उ. १।२३ या.
१४	बु	३३	४६	रो	६०	०	धृ	३१	३०	वि	१	२३	२१	८	५२	१४	३१	२७	बृषे	मिथुनेऽर्कः ५६।२३
३०	शु	३७	५५	रो	१	५५	शू	३१	५४	च	५	५०	२२	८	५२	१५	१	२८	मि३४।३३	

८पं.प्र. आ.कृ.१ बृ.इ.३८/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	१०	०	४	११	१
१७	३	२६	१३	६	१९	१०	१७
२१	३२	१५	१८	५३	४९	५४	२५
१९	३१	४७	४३	२	१२	५५	७
५७	२०	३/५७	४	६९	१	३	५७
१३	४७	मा	६	५२	४७	११	२७

९पं. प्र.आ.कृ.८बृ.इ.३८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	१०	०	४	११	१
२४	५	०	१३	१४	२०	१०	२४
१	४५	२८	४७	५५	४	३२	७
१५	२५	३०	१३	१२	१	३९	८
५७	२३	२७	३	७०	२	३	५७
५	५६	२६	०	३२	२६	११	२२

१०पं. प्र.आ.कृ.३०बृ.इ.३८/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	१०	०	४	११	३
०	८	७	१४	२३	२०	१०	०
४०	१९	५७	६	१	२३	१०	४८
१३	१६	३६	५८	५	२८	२४	२५
५६	२६	५५	१	७१	३	३	५७
५७	२७	२२	३७	११	१०	११	१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४१	२	मृ	७	११	गं	३२	१४	किं	९	२८	३४/२२	५/८	६/५२	१६	२	२९	मिथुने
२	श	४३	०	आ	११	४५	वृ	३१	१८	बा	१२	१	२३	७	५३	१७	३	३०	क.५८।५२
३	र	४३	५१	पु	१४	३४	ध्रु	२९	३५	तै	१३	२५	२३	७	५३	१८	४	१	कर्के
४	चं	४३	१५	पु	१६	२३	व्या	२७	३	व	१३	३३	२३	७	५३	१९	५	२	कर्के
५	मं	४१	२८	श्ले	१७	०	ह	२३	१२	ब	१२	२१	२४	७	५३	२०	६	३	सिं१७।०
६	बु	३८	२३	म	१६	४३	व	१८	४२	कौ	९	५५	२४	७	५३	२१	७	४	सिंहे
७	गु	३४	३७	पू	१५	१५	सि	१३	०	ग	६	३०	२४	७	५३	२२	८	५	कं.२९।२६
८	शु	२९	४९	उ	१२	०	व्य	६	४८	वि	२	१३	२४	७	५३	२३	९	६	कन्यायां
९	श	२४	२४	ह	८	५४	व	०/१२	५/५३	कौ	२४	२४	२४	७	५३	२४	१०	७	तु.३७।१
१०	र	१८	४१	चि	५	८	शि	४५	३४	ग	१८	४१	२४	७	५३	२५	११	८	तुलायां
११	चं	१२	३८	स्वा	१/७	५५/५३	सि	३७	५९	वि	१२	३८	२३	७	५३	२६	१२	९	वृ.४३।२
१२	मं	६	३०	अ	५२	५१	सा	३०	३३	बा	६	३०	२३	७	५३	२७	१३	१०	वृश्चिके
१३	बु	०	३०	ज्ये	४९	३	शु	३०	९	तै	०	३०	२२	८	५२	२८	१४	११	ध.४९।३
१४	बु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	गु	४९	३०	मू	४५	५७	शु	१६	५	वि	२२	५	२२	८	५२	२९	१५	१२	धनुषि

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५५५१ स.१९५०

चंद्रद. रोहिण्यां बुधः ५१।३३
कृतिकायां शुक्रः ४३/२५ रमजान९ उभायां२✱
भ. १३।३३ उ. ४३।१५ या.
हस्ते भौमः १३।३६
आर्द्रायां रविः ५७/५५ वृषेशुक्रः ३९/२३ दक्षिणायन=
भ. ३४।३७ उ. =प्रवृत्तिः ५९/३६
भ. २।१३ या.

भ. ४५/३९ उ. मृगे बुधः २९/५५ वक्री गुरुः७।४३
भ. १२।३८ या. कमला ११ व्र.
प्रदोषः ✱राहुःउफायां४केतुः ५४/५५ रोजा
भ. ५४।४१ उ. ×बुधः४९।३७

भ. २२।५ या. मिथुने बुधः ५३/२९ पूर्वास्तो×

११पं. प्र.आ.शु.७ बृ.इ.३८/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	१०	१	४	११	२
७	१४	१६	१४	१	२०	९	७
१८	९	२५	१७	१०	४७	४८	२९
५१	१४	४८	२८	५९	२०	९	१७
५६	२८	८५	०	७१	३	३	५७
५४	३६	३०	२८	३७	४३	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में बुध शुक्र का योग हुआ है सो उत्तम वर्षा-कारक है और कन्या राशि पर केतु मंगल का योग तेजी करेगा

गोचरग्रहाः

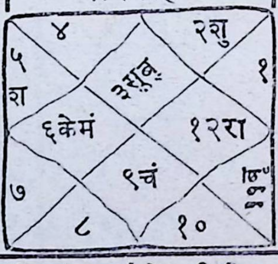

१२पं. प्र.आ.शु.१५बृ.इ.३८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	१०	१	४	११	२
१३	१४	०	१४	९	२१	९	१४
५६	१५	४७	१८	२३	१५	२५	९
५४	२२	५३	४३	३८	२२	५३	४१
५६	३०	[illegible]	५१	७२	४	३	५७
५०	२०	४८	ब	२	२२	११	७

ति.	द्वि.आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	शु	४४	५७	पू	४२	२३	ब्र	९	३०	बा	१७	१४	३४/२१	५/८	६/५२	३०	१६	१३	म.५७।१२
२	श	४१	१७	उ	४१	३८	ऐं	३/६	५४/४१	तै	१३	७	२०	८	५२	१	१७	१४	मकरे
३	र	३९	३९	श्र	४१	२	वि	५४	१४	व	१०	२८	१९	८	५२	२	१८	१५	मकरे
४	चं	३८	९	ध	४१	३३	प्री	५०	५५	व	८	५४	१८	८	५२	३	१९	१६	कु.११।१७
५	मं	३६	५७	श	४३	१०	आ	४८	३५	कौ	७	३३	१७	९	५१	४	२०	१७	कुंभे
६	बु	३८	३	पू	४६	५	सौ	४७	१८	ग	७	३०	१६	९	५१	५	२१	१८	मी३०।२१
७	गु	४०	३०	उ	५०	१६	शो	४६	५४	वि	९	१६	१४	९	५१	६	२२	१९	मीने
८	शु	४३	३६	रे	५५	२०	अ	४७	२१	बा	१२	३	१३	९	५१	७	२३	२०	मे.५५।२०
९	श	४८	०	अ	६०	०	सु	४८	२८	तै	१५	४८	११	१०	५०	८	२४	२१	मेषे
१०	र	५२	४४	अ	१	२२	धृ	४९	५६	व	२०	२२	१०	१०	५०	९	२५	२२	मेषे
११	चं	५७	४७	भ	७	४३	शू	५१	३३	ब	२५	१६	८	१०	५०	१०	२६	२३	बृ.२४।१९
१२	मं	६०	०	कृ	१४	८	गं	५२	५७	कौ	३०	२	७	११	४९	११	२७	२४	बृषे
१२	बु	२	१७	रो	२०	१०	वृ	५३	५१	तै	२	१७	५	११	४९	१२	२८	२५	मि५२।५५
१३	गु	६	२२	मृ	२५	४०	ध्रु	५४	११	व	६	२२	४	११	४९	१३	२९	२६	मिथुने
१४	शु	९	३५	आ	३०	१०	व्या	५३	४०	श	९	३५	२	१२	४८	१४	३०	२७	मिथुने
३०	श	१२	५	पु	३३	२५	ह	५२	११	ना	१२	५	०	१२	४८	१५	३१	२८	क.१७।३६

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.आषा.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा.

रोहिण्यां शुक्रः ९।४
जुलाई मा. ७ ता. ३१
भ. १०।२८ उ. ३९।३९ या. आर्द्रायां✱

भ. ३८।३ उ. ✱बुधः४६।५ चतुर्थी व्र.
भ. ९।१६ या. पुनर्वसौ रविः १।५६

पुनर्वसौ बुधः ५०।२३
भ. २०।२२ उ. ५२।४४ या.
कमला ११ व्र. स्मा.
मृगे शुक्रः २८।१३ कमला ११व्र. वै. नि.
प्रदोषः

भ.६।२२ उ.३७।५८या. कर्के बुधः२३।२४
पुष्ये बुधः ०।१७

१३पं. द्वि.आ.कृ.७ बृ.इ.३८/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	१०	१	७	११	२
२०	१७	१५	१४	१७	२१	९	२०
३४	३६	२२	९	३९	४७	३	५०
५०	५०	८	४	४०	४९	३८	९
५६	३१	[illegible]	१६	७२	४	३	५७
५०	५९	३५	ब	२५	५०	११	७

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

१४पं. द्वि.आ.कृ.१३बृ.इ.३८/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१०	१	४	११	२
२७	२१	०	१३	२५	२२	८	२७
१२	७	३१	५२	५८	२३	४१	३०
५६	५	१६	१९	४	६	२२	३२
५६	३३	[illegible]	३४/३	७२	५	३	५७
५५	१८	५२	ब	४६	१४	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५८१ स.१९५०
१	र	१२	२९	पु	३५	३०	व	४९	३७	ब	१२	२९	३३/५८	५/१२	६/४८	१६	३२	२९	कर्के	कर्केऽर्कः ३४।४० मिथुनेशुक्रः५८।२चंद्रद.
२	चं	१२	३	श्ले	३६	२८	सि	४०	८	कौ	१२	३	५६	१३	४७	१७	१	१	सिं३६।२८	सव्वाल १० ईद रथयात्रा
३	मं	१०	१८	म	३६	०	व्य	४१	३८	ग	१०	१८	५४	१३	४७	१८	२	२	सिंहे	भ. ३८।५२ उ. चित्रायां भौमः ३।५९
४	बु	७	२६	पू	३४	३२	व	३६	१७	वि	७	२६	५२	१४	४६	१९	३	३	कं.४८।५५	भ. ७।२६ या.
५	गु	३	३६	उ	३२	६	प	३०	१०	बा	३	३६	५०	१४	४६	२०	४	४	कन्यायां	पुष्ये रविः ५।२१
६	गु	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	शु	५३	३३	ह	२९	१६	शि	२३	३०	ग	२६	१२	४७	१५	४५	२१	५	५	तु.५६।४९	भ. ५३।३३ उ. सार्पे बुधः ४०।४७
८	श	४७	४५	चि	२४	२२	सि	१६	१६	वि	२०	३९	४५	१५	४५	२२	६	६	तुलायां	भ. २०।३९ या. आर्द्रायां शुक्रः ३३/५४ वक्री*
९	र	४१	४४	स्वा	२१	२८	सा	८	४९	बा	१४	४५	४२	१६	४४	२३	७	७	तुलायां	पूफायां ४ शनिः ५१।१६
१०	चं	३५	३८	वि	१७	१९	शु	१६	५२/३०	तै	८	४१	४०	१६	४४	२४	८	८	वृ.३।२१	*शते२ गुरुः१।२० पश्चिमोदयीबुधः५८/५९
११	मं	२९	३०	अ	१३	११	ब्र	४६	१८	व	२	३४	३७	१७	४३	२५	९	९	वृश्चिके	भ.२।३४ उ.२९।३०या. देवशयनी ११ब्र.
१२	बु	२३	३५	ज्ये	९	२१	ऐं	३९	१०	बा	२३	३५	३५	१७	४३	२६	१०	१०	ध.९।२१	प्रदोषः ×व्यासपूजा
१३	गु	१८	२५	मू	६	५	वै	३२	२४	तै	१८	२५	३२	१८	४२	२७	११	११	धनुषि	
१४	शु	१३	५२	पू	२	१५	वि	२६	१८	व	१३	५२	३०	१८	४२	२८	१२	१२	म.१६।५८	भ. १३।५२ उ. ४१।५८ या.
१५	श	१०	४	उ	१	८	प्री	२०	५९	ब	१०	४	२७	१९	४१	२९	१३	१३	मकरे	मघायां बुधः३।८ तुलायां भौमः४९।३०×

१५पं.द्वि.आ.शु.५बृ.इ.३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१०	२	४	११	३
३	२४	१४	१३	४	२३	८	४
५१	४९	४५	२६	१९	१	१९	११
२४	१९	४०	२०	२६	४४	७	१३
५६	३४	[illegible]	३५/४	७३	५	३	५७
५७	४२	१४	ब	१	४१	११	५५

गोचरग्रहाः

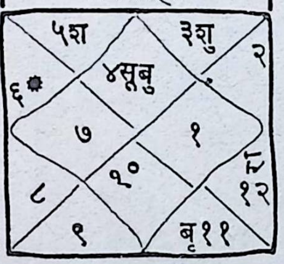

द्वि. आषाढ़ शु. १
रवौ कर्केऽर्कः प्र.वा.
५न.५ कुमाराव-
स्था(बैठी)मु.३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

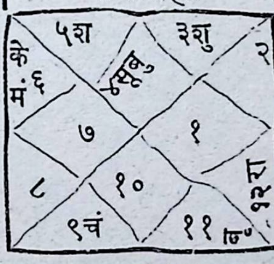

१६पं.द्वि.आ.शु.१२बृ.इ.३/८६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१०	२	४	११	३
१०	२८	२७	१२	१२	२३	७	१०
३०	४१	४३	५१	४३	४३	५६	५२
४१	२०	१९	४३	२६	४१	५२	१९
५७	३५	९६	४१/५	७३	६	३	५७
५	५८	३८	ब	१६	२	११	२०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेद्वि.आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	७	२३	श्र	०	१९	आ	१६	२९	कौ	७	२३	३३/२४	५/१९	६/४१	३०	१४	१४	कु.३०।२७	
२	चं	५	५०	ध	०	३५	सौ	१३	१	ग	५	५०	२१	२०	४०	३१	१५	१५	कुम्भे	भ. ३५।४४ उ.
३	मं	५	३८	श	१	५७	शो	१०	३१	वि	५	३८	१८	२०	४०	१	१६	१६	मी४८।५६	भ. ५।३८ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१*
४	बु	६	३७	पू	४	३५	अ	८	५५	बा	६	३७	१५	२१	३९	२	१७	१७	मीने	पुनर्वसौ शुक्रः ४१।१८ *चतुर्थी ब्र.
५	गु	८	४९	उ	८	३२	सु	८	२१	तै	८	४९	१२	२२	३८	३	१८	१८	मीने	आश्लेषायां रविः ६।९
६	शु	१२	१२	रे	१३	३१	धृ	८	३९	व	१२	१२	९	२२	३८	४	१९	१९	मे.१३।३१	भ. १२।१२ उ. ४४।१९ या.
७	श	१६	२७	अ	१९	२४	शू	९	४१	ब	१६	२७	६	२३	३७	५	२०	२०	मेषे	
८	र	२१	११	भ	२५	३६	गं	११	३०	कौ	२१	११	३	२३	३७	६	२१	२१	बृ.४२।१२	पूफायां बुधः २९।३४
९	चं	२६	२	कृ	३२	१	वृ	१२	३६	ग	२६	२	०	२४	३६	७	२२	२२	बृषे	भ. ५८।२४ उ.
१०	मं	३०	४७	रो	३७	५६	ध्रु	१४	३	वि	३०	४७	३२/५७	२५	३५	८	२३	२३	बृषे	भ. ३०।४७ या.
११	बु	३४	५५	मृ	४३	३७	व्या	१५	६	ब	२	५१	५४	२५	३५	९	२४	२४	मि१०।४६	कामिका ११ ब्र.
१२	गु	३८	१२	आ	४८	१८	ह	१५	३०	कौ	६	३३	५०	२६	३४	१०	२५	२५	मिथुने	कर्के शुक्रः५५।४८ स्वात्यां भौमः२०।४६
१३	शु	४०	२२	पु	५२	२	व	१५	८	ग	९	१७	४७	२७	३३	११	२६	२६	क ३६।६	भ. ४०।२२ उ. प्रदोषः
१४	श	४१	२२	पु	५४	१२	सि	१३	४५	वि	१०	५२	४३	२७	३३	१२	२७	२७	कर्के	भ. १०।५२ या.
३०	र	४१	३	श्ले	५५	२७	व्य	११	२८	बा	११	१२	४०	२८	३२	१३	२८	२८	सि५५।२७	पुष्ये शुक्रः ३८।३३ हरियाली ३०

१७पं.श्रा.कृ.५बृ.इ.३८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	१०	२	४	११	३
१७	२	९	१२	२१	२४	७	१७
१०	४१	१९	१०	९	२७	३४	३४
३०	३८	३४	८	२९	५४	३६	०
५७	३६	८४	३/६०	७३	६	३	५७
१२	५३	८	ब	२६	२३	११	२४

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ.१२बृ.इ.३७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	१०	२	४	११	३
२३	६	१९	११	२२	२५	७	२४
५१	५०	३३	२२	३८	१४	१२	१६
३८	४९	४०	२३	६	२०	२०	२७
५७	३७	७३	१७	७३	६	३	५७
२२	४१	२०	ब	४४	२०	११	३३

*केचंमं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६१० सन् १९५०
१	चं	३९	२४	म	५५	२४	व	८	८	किं	१०	१३	३३/६२	२९/५	३५/६	१४	२९	२९	सिंहे	नक्तव्रतारंभः
२	मं	३६	३६	पू	५४	६	प	५५/३	३५/५४	बा	८	०	३३	२९	३१	१५	३०	३०	सिंहे	चंद्रद.
३	बु	३२	५०	उ	५१	५१	सि	५२	३१	तै	४	४३	२९	३०	३०	१६	३१	१	कं.८।३२	उफायां बुधः ८।२७ जिल्काद११ तीज+
४	गु	२८	१७	ह	४९	२	सा	४५	५६	व	०	३४	२६	३१	२९	१७	३२	२	कंन्यायां	भ.३४/० उ.१६/८या. सिंहेऽर्कः२।३६ वरद४
५	शु	२२	५६	चि	४५	३१	शु	३७	४६	बा	२२	५६	२२	३२	२८	१८	१	३	तु.१७।१६	नाग ५ +मधुश्रवा ३
६	श	१९	१२	स्वा	४१	२७	शु	३१	२१	तै	१७	१२	१८	३२	२८	१९	२	४	तुलायाँ	कन्यायां बुधः २२।३२ वर्ण ६
७	र	११	१३	वि	३७	२५	ब्र	२३	३९	व	११	१३	१४	३३	२७	२०	३	५	वृ.२३।२६	भ.५५/१३उ.३/८या. उभायां १राहुःउफायां३*
८	चं	५	३	अ	३३	१२	ऐं	१६	९	ब	५	३	११	३४	२६	२१	४	६	बृश्चिके	वक्री शते १ गुरुः ३६।३० दुर्गा ८
९	चं	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	मं	५३	१९	ज्ये	२९	२०	वै	८	३८	तै	२६	९	७	३५	२५	२२	५	७	ध.२९।२०	उफायां १ शनिः ४९।३ *केतुः४७/५३
११	बु	४७	५८	मू	२५	४३	वि	२३/५	५०/५३	व	२०	३८	४	३५	२५	२३	६	८	धनुषि	भ.२०।३८ उ.४७।५८ या. पवित्रा ११×
१२	गु	४३	१७	पू	२२	४६	आ	४८	१२	ब	१५	३७	०	३६	२४	२४	७	९	म.३७।१६	सार्पे शुक्रः ३६।३२ पवित्रा ११ ब्र. नि.
१३	शु	३९	११	उ	२०	४८	सौ	४२	३७	कौ	११	१४	३२/५६	३७	२३	२५	८	१०	मकरे	प्रदोषः ×ब्र. स्मा. वै.
१४	श	३६	५५	श्र	१९	१३	शो	३७	५३	ग	७	३	५२	३८	२२	२६	९	११	कुं.४९।२१	भ. ३६।५५ उ. ऋग्वेदीनां श्रा.
१५	र	३५	२३	ध	१९	२९	अ	३४	२	वि	६	९	४८	३८	२२	२७	१०	१२	कुम्भे	भ. ६।९ या. श्रावणीकर्म

१९पं. श्रा.शु.४बृ.इ.३७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	१०	३	४	११	४
०	११	२८	१०	८	२६	६	०
३३	७	१२	३०	८	२	५०	५९
५१	२३	४	४३	४२	५३	.५	४७
५७	३८	६१	४८/७	७३	६	३	५७
३४	२७	४८	व	५०	५२	११	४०

गोचरग्रहाः

श्रावण शु.४ गुरो
सिंहेऽर्कः प्र.वा.५
न. ६ बृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

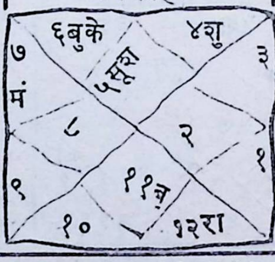

२०पं.श्रा.शु१२बृ.इ.३७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	३	४	११	४
७	१५	४	९	१६	२६	६	७
१७	३०	५२	३६	४१	५२	२७	३४
२४	१८	३०	७	२४	४४	५०	३७
५७	३९	४६	५२/७	७३	७	३	५७
४५	१५	४९	व	५६	२	११	४८

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३५	१०	श	२०	३१	सु	३१	१३	बा	५	१७	३५/४४	३९/५	२५/६	२८	११	१३	कुंभे	अगस्त्योदयः २।३ ×अस्तं शनेः ३।४४
२	मं	३५	१२	पू	२२	५४	धृ	२९	२०	तै	५	११	४०	४०	२०	२९	१२	१४	मी७।१८	
३	बु	३८	२२	उ	२६	३५	शू	२८	३०	व	६	४७	३६	४१	१९	३०	१३	१५	मीने	भ. ६।४७ उ.३२/२६ या. पूफायां रविः ५३/२७×
४	गु	४१	४१	रे	३१	१७	गं	२८	३९	ब	१०	१	३२	४२	१८	३१	१४	१६	मे.३१।१७	विशाखायां भौमः३७।४९ बहुला४चतुर्थी
५	शु	४६	२	अ	३६	५६	वृ	२८	५५	कौ	१३	५१	२८	४२	१८	१	१५	१७	मेषे	सितम्बर मा. ९ ता. ३०
६	श	५०	४९	भ	४३	५	ध्रु	३०	३७	ग	१८	२५	२४	४३	१७	२	१६	१८	वृ.५९।४०	भ. ५०।४९ उ. चन्द्र ६ हल ६
७	र	५५	४३	कृ	४९	२५	व्या	३१	३६	वि	२३	१६	२१	४४	१६	३	१७	१९	बृषे	भ. २३।१६ या.
८	चं	६०	०	रो	५५	३९	ह	३३	४५	बा	२८	८	१७	४५	१५	४	१८	२०	बृषे	मघायां शुक्रः२८।३८ श्रीकृष्णजयंती व्र.
८	मं	०	३४	मृ	६०	०	व	३४	३९	कौ	०	३४	१४	४५	१५	५	१९	२१	मि२८।३२	वक्री बुधः ३।१२
९	बु	४	४९	मृ	१	२६	सि	३५	१८	ग	४	४९	१०	४६	१४	६	२०	२२	मिथुने	भ. ३६।३२ उ.
१०	गु	८	११	आ	६	१७	व्य	३५	७	वि	८	११	६	४७	१३	७	२१	२३	क.५४।१५	भ. ८।११ या.
११	शु	१०	३३	पु	१०	१४	व	३४	२२	बा	१०	३३	२	४८	१२	८	२२	२४	कर्के	अजा ११ व्रतम्
१२	श	११	३५	पु	१२	४४	प	३१	४४	तै	११	३५	३०/५८	४८	१२	९	२३	२५	कर्के	प्रदोषः वत्स १२
१३	र	११	२०	श्ले	१४	११	शि	२८	३७	ब	११	२०	५५	४९	११	१०	२४	२६	सिं१४।११	भ.११।२० उ.४०।३१या. पश्चिमास्तो+
१४	चं	९	४२	म	१४	२८	सि	२४	१५	श	९	४२	५०	५०	१०	११	२५	२७	सिंहे	पिठोरी ३० +बुधः ५१।२५
३०	मं	७	२	पू	१३	२४	सा	१९	२२	ना	७	२	४५	५१	९	१२	२६	२८	कं.२७।५१	लोहार्गल स्नानः कुशाग्रहणी

२१पं. भा.कृ.४बृ.इ.३७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	३	४	११	४
१४	१९	८	८	२५	२७	६	१४
२	५९	४८	४१	१७	४३	५	१९
३६	४२	५८	२	६	५२	३५	५४
५७	३९	२४	५२/७	७४	७	३	५८
५७	४०	८	व	२	१४	११	१

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

२२पं. भा.कृ.१०बृ.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	४	४	११	४
२०	२४	७	७	३	२८	५	२५
४९	३४	४२	४७	५३	३५	४३	१६
१६	१६	५८	३५	१३	४९	१९	५८
५७	४०	१४/०	३५/७	७४	७	३	५८
१२	४०	व	व	८	२०	११	१३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६४० स.१९५०
१	बु	३	२०	उ	११	१३	शु	१३	२८	ब	३	२०	३०/४१	५/५२	६/८	१३	२७	२९	कन्यायां	उफायां रविः ३८।६ चंद्रदर्शनम्
२	बु	५५	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	गु	५३	३९	ह	८	१२	शु	५६/१	५३/५	तै	२६	१४	३६	५३	७	१४	२८	१	तु.३६।३९	जिल्हेज १२
४	शु	४७	५६	चि	५	७	ऐं	५२	२४	व	२०	४७	३२	५४	६	१५	२९	२	तुलायां	भ. ३०/४७ उ. ४७/५६ या. पूफायां शुक्रः १५।७*
५	श	४२	८	स्वा	२ ५/२	५५/४७	वै	४४	४२	ब	१५	२	२८	५४	६	१६	३०	३	बृ.४३।१२	ऋषि ५ *वृश्चिके भौमः ४०/३५ गणेश४
६	र	३५	५९	अ	५३	०	वि	३७	०	कौ	९	४	२४	५५	५	१७	३१	४	वृश्चिके	कन्यायामर्कः १३/७ वक्रीधनिष्ठायां४गुरुः १०/१
७	चं	२९	५६	ज्ये	४९	८	प्री	२९	२३	ग	२	५८	२०	५६	४	१८	१	५	ध.४९।८	भ.२९/५६ उ.५७।५या. वक्री सिंहे बुधः २०/५+
८	मं	२४	१५	मू	४५	३१	आ	२१	५७	ब	२४	१५	१६	५७	३	१९	२	६	धनुषि	
९	बु	१९	०	पू	४२	२३	सौ	१४	५६	कौ	१९	०	१२	५८	२	२०	३	७	म.५६।५०	मैत्रे भौमः ३५।४४
१०	गु	१४	२२	उ	४०	११	शो	८	२५	ग	१४	२२	८	५८	२	२१	४	८	मकरे	भ.४२।३३उ. वक्रीपूफायां बुधः २७।३१
११	शु	१०	४५	श्र	३८	३७	अ	३६/५	५३/५	वि	१०	४५	४	५९	१	२२	५	९	मकरे	भ. १०।४५ या. जलझूलनी११व्र. हज्ज
१२	श	८	९	ध	३७	१८	धृ	५३	२८	बा	८	९	०	६/००	६/००	२३	६	१०	कु.७।५७	प्रदोषः +कन्यायां शनिः ४८।१५
१३	र	६	३९	श	३१	६	शू	५०	११	तै	६	३९	२९/५५	१	५/५९	२४	७	११	कुम्भे	पूर्वोदयी बुधः १०।४१
१४	चं	६	३३	पू	४०	५१	गं	४८	५	व	६	३३	५१	२	५८	२५	८	१२	मी२५।२५	भ.६।३३उ.३७/४या. अनंत१४महालयारंभः
१५	मं	७	३५	उ	४४	३१	वृ	४६	५५	ब	७	३५	४७	३	५७	२६	९	१३	मीने	प्रौष्ठपदी १५

२३पं.भा.शु.३ब.इ.३७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१०	४	४	११	४
२७	२९	३	६	१२	२९	५	२८
३७	१६	३४	५७	३३	२८	२१	५
४०	१६	५५	२९	७	१२	३	४४
५८	४१	६३/२८	६/५२	७४	७	३	५८
२९	२५	ब	ब	१४	२०	११	२६

गोचरग्रहाः

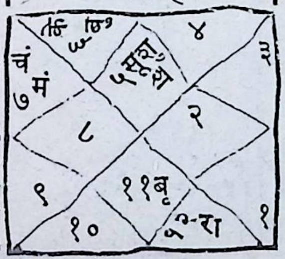

भाद्रपद शु.६रवौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५गताल्कावस्था(बैठी) मु. ३०(धान्य भाव सम) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

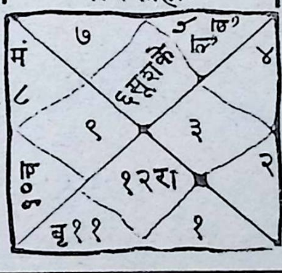

२४पं.भा.शु.१०ब.इ.३७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	१०	४	५	११	५
४	४	२६	६	२१	०	४	४
२७	२	५०	१२	११	२०	५८	५५
४५	४६	४६	५४	१७	३८	४९	१७
५८	४१	६७/३४	६/८	७४	७	३	५८
४५	५०	ब	ब्र	२०	२०	११	३८

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	९	५४	रे	४८	५९	ध्रु	४६	८	कौ	९	५४	२९/४२	६/४	५/५६	२७	१०	१४	मे.४८।५९	हस्ते रविः १५।४५ मार्गी बुधः ६।२६
२	गु	१०	१७	अ	५४	२७	व्या	४७	१२	ग	१३	१७	२८	४	५६	२८	११	१५	मेषे	भ. ४५।३० उ. कन्यायां शुक्रः ४२।३४
३	शु	१७	४३	भ	६०	०	ह	४८	२३	वि	१७	४३	२४	५	५५	२९	१२	१६	मेषे	भ. १७।४३ या. चतुर्थी व्र.
४	श	२२	३४	भ	०	१९	व	४९	३९	बा	२२	३४	३०	६	५४	३०	१३	१७	बृ.१६।५७	
५	र	२७	३४	कृ	६	५०	सि	५१	१	तै	२७	३४	२६	७	५३	१	१४	१८	बृषे	**अक्टूबर मा. १० ता. ३१**
६	चं	३२	२९	रो	१३	१४	व्य	५२	१६	ग	०	२	२२	८	५२	२	१५	१९	मि४६।८	भ. ३२।२९ उ. उफायां बुधः ३४।१२
७	मं	३६	५१	मृ	१९	२	व	५२	५४	वि	४	४०	१८	८	५२	३	१६	२०	मिथुने	भ. ४।४० या.
८	बु	४०	१६	आ	२४	२२	प	५२	४५	बा	०	३३	१४	९	५१	४	१७	२१	मिथुने	कन्यायां बुधः ५३/१६ उदयं शनेः १७।४४
९	गु	४२	३५	पु	२८	२४	शि	५१	४३	तै	११	२५	१०	१०	५०	५	१८	२२	क.१२।२३	
१०	शु	४३	४९	पु	३१	२७	सि	४९	३९	व	१३	१२	६	११	४९	६	१९	२३	कर्के	भ. १३/१२ उ. ४३।४९ या. हस्ते शुक्रः ४४/१५
११	श	४३	४१	श्ले	३२	४१	सा	४६	५१	ब	१३	४५	२	१२	४८	७	२०	२४	सिं३२।४१	इंदिरा ११ व्र.
१२	र	४२	८	म	३३	२६	शु	४१	५५	कौ	१२	५४	२८/५८	१२	४८	८	२१	२५	सिंहे	
१३	चं	३९	३९	पू	३२	२९	शु	३८	०	ग	१०	४८	५४	१३	४७	९	२२	२६	कं.४७।१२	भ.३९/२९उ.ज्येष्ठायांभौमः ३४।५६ प्रदोषः
१४	मं	३५	४२	उ	३०	५१	ब्र	३२	१४	वि	७	४०	५०	१४	४६	१०	२३	२७	कन्यायां	भ. ७।४० या. चित्रायां रविः ४६।२२
३०	बु	३१	२९	ह	२८	१२	ऐं	२५	४५	च	३	३९	४६	१५	४५	११	२४	२८	तु.५७।०	हस्ते बुधः ४३।२१ सर्वपितृ ३०

२५पं.आ.कृ.२बृ.इ.३६।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	१०	४	५	११	५
११	८	२५	५	२९	१	४	११
१९	५४	१७	३४	५३	१२	३६	४६
५१	७	२८	३७	२	५०	२२	५५
५९	४२	३६/७	५/५	७४	७	३	५८
०	१३	मा	ब	२६	१४	११	५३

गोचरग्रहाः

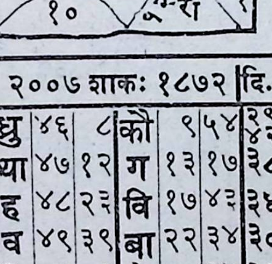

गोचरग्रहाः

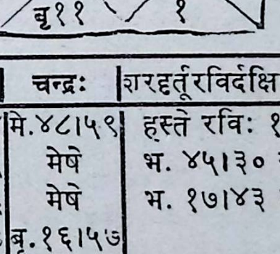

२६पं.आ.कृ.९ब.इ.३६।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	१०	५	५	११	५
१८	१३	१	५	८	२	४	१८
१३	४९	४	४	३६	४	१४	४०
४०	५९	३०	३४	१८	१६	१८	१२
५९	४२	८६	५३/५	७४	७	३	५९
१६	३८	५५	ब	२६	८	११	९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	गु	२६	१९	चि	२५	४९	वै	१८	४३	ब	२६	१९	२८/४२	६/१६	५/४४	१२	२५	२९	तुलायां
२	शु	२०	४३	स्वा	२१	८	वि	११	२२	कौ	२०	४३	३८	१६	४४	१३	२६	३०	तुलायां
३	श	१५	५१	वि	१७	५	प्री	४/३	५२/११	ग	१४	५१	३४	१७	४३	१४	२७	१	वृ. ३।६
४	र	८	५२	अ	१३	३	सौ	४८	३३	वि	८	५२	३०	१८	४२	१५	२८	२	वृश्चिके
५	चं	२	५४	ज्ये	८	५९	शो	४०	३८	बा	२	५४	२६	१९	४१	१६	२९	३	ध.८।५९
६	चं	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	मं	५२	९	मू	५	१४	अ	३३	२५	ग	२४	३८	२२	२०	४०	१७	३०	४	धनुषि
८	बु	४७	४२	पू	५/२	५७/२६	सु	२६	३९	वि	१९	५५	१८	२०	४०	१८	१	५	म.१६।२२
९	गु	४३	५९	श्र	५७	३९	धृ	२०	३५	बा	१५	५०	१४	२१	३९	१९	२	६	मकरे
१०	शु	४१	३८	ध	५७	९	शू	१५	१२	तै	१२	४८	१०	२२	३८	२०	३	७	कु.२७।२३
११	श	४०	१४	श	५७	२६	गं	१०	४५	व	१०	५६	६	२३	३७	२१	४	८	कुम्भे
१२	र	४०	१४	पू	५९	१३	वृ	७	१६	ब	१०	१४	३	२४	३६	२२	५	९	मी४३।४९
१३	चं	४१	२६	उ	६०	०	ध्रु	४	५२	कौ	११	५	२७/५८	२४	३६	२३	६	१०	मीने
१४	मं	४३	४७	उ	२	२४	व्या	३	१३	ग	१२	५१	५४	२५	३५	२४	७	११	मीने
१५	बु	४७	२२	रे	६	४१	ह	२	३५	वि	१५	३४	५०	२६	३४	२५	८	१२	मे.६।४१

शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६९ स.१९५०

मातामह श्राद्ध नवरात्रारंभः घटस्था.
चंद्रद. पूर्वास्तो बुधः १६।३७
भ. ४१।५१ उ. मोहोरम१ सन्१३७०
भ. ८।५२ या. +शुक्रः १८।५३
उफायां ३ शनिः २।१४
क्षयः ×पापांकुशा ११ व्र.
भ.५२।९उ. तुलायामर्कः२९।६ चित्रायां+
भ. १९।५५ या. सरस्वती पू.
चित्रायां बुधः २९।४१ सरस्वती वि.
बौद्धजयन्ती विजया१० =केतुः४०।५०
भ.१/५६ उ.४/१४या. पूर्वास्तो भृगुः४६।१२×
तुलायांशुक्रः४/५ ०/३ पूभायां४ राहुःउफायां२=
तुलायां बुधः २९।२० प्रदोषः ताजिया
भ. ४३।४७ उ. स्वात्यां रविः १०।६
भ.१/३ ५/४ या. मार्गी गुरुः२/४ ४/६ कोजागरी व्र.

२७पं. आ.शु.१बृ.इ.३६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	१०	५	५	११	५
२५	१८	११	४	१७	२	३	२५
९	५०	३६	४३	२०	५४	५२	३५
२२	२४	०	३४	१३	४७	३	७
५९	४३	४/०	२/४०	७४	६	३	५९
३१	४	०/११	व	३२	५६	११	२१

गोचरग्रहाः

आश्विन शु. ७ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा.३न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

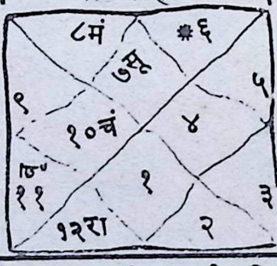

२८पं.आ.शु.९बृ.इ.३६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	१०	५	५	११	६
२	२३	२३	४	२६	३	३	२
६	५५	३२	३१	१०	४३	२९	३१
५१	४१	२०	४८	५२	४८	४७	३५
५९	४३	०/०	१/१८	७४	६	३	५९
४६	३५	३/४	व	३२	४०	११	३४

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	गु	५१	५१	अ	११	५६	व	२	५६	बा	१९	३६	२७/४६	६/२७	५/३३	२६	९	१३	मेषे
२	शु	५६	४७	भ	१७	५३	सि	३	४३	तै	२४	१९	४२	२८	३२	२७	१०	१४	वृ.३४।२८
३	श	६०	०	कृ	२४	१५	व्य	४	५६	व	२९	२१	३८	२८	३२	२८	११	१५	वृषे
३	र	१	५६	रो	३०	३९	व	६	२०	वि	१	५६	३४	२९	३१	२९	१२	१६	वृषे
४	चं	६	५७	मृ	३६	३६	प	७	३०	बा	६	५७	३१	३०	३०	३०	१३	१७	मि३।३७
५	मं	११	१९	आ	४२	२	शि	८	१०	तै	११	१९	२७	३१	२९	३१	१४	१८	मिथुने
६	बु	१४	४६	पु	४६	२३	सि	८	१५	व	१४	४६	२४	३१	२९	१	१५	१९	क.३०।१७
७	गु	१७	११	पु	४९	३३	सा	७	३३	ब	१७	११	२०	३२	२८	२	१६	२०	कर्के
८	शु	१८	२२	श्ले	५१	२९	शु	५	४९	कौ	१८	२२	१७	३३	२७	३	१७	२१	सिं५१।२९
९	श	१८	१३	म	५२	१६	शु	३/७	५६/१९	ग	१८	१३	१३	३३	२७	४	१८	२२	सिंहे
१०	र	१६	४५	पू	५१	४८	ऐं	५४	४०	वि	१६	४५	१०	३४	२६	५	१९	२३	सिंहे
११	चं	१४	७	उ	५०	६	वै	४९	७	बा	१४	७	६	३५	२५	६	२०	२४	कं.६।२२
१२	मं	१०	३४	ह	४७	४४	वि	४२	४८	तै	१०	३४	३	३५	२५	७	२१	२५	कन्यायां
१३	बु	६	६	चि	४४	४४	प्री	३५	५३	व	६	६	२६/५९	३६	२४	८	२२	२६	तु.१६।१४
१४	गु	०	५६	स्वा	४०	५१	आ	२८	२७	श	०	५६	५६	३७	२३	९	२३	२७	तुलायाँ
३०	गु	५४	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.

स्वात्यां बुधः १६।५६ धनुषि भौमः ५/४ ३/७
भ. २९।२१ उ. स्वात्यां शुक्रः ३।४२
भ. १।५६ या. करक४

भ.१/४ ४/८ उ ४/५ ५/९या. नवम्बर मा.११ ता.३०
होई ८

भ.४७।२९उ. विशाखायां बुधः१९।५५
भ. १६।४५ या.
विशाखायांरविः३/३ ७/१रमा११व्र.गोवत्सपू.
विशाखायां शुक्रः३८।१३ प्रदोषःघन१३×
भ.६।६ उ.३३।३१या. नरक१४रूप१४
महालक्ष्मी पूजनम् ×यमदीपदानं
क्षयः

२९पं.का.कृ.१बृ.इ.३६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	१०	६	५	११	६
९	२९	५	४	४	४	३	९
६	३	२८	३०	५१	३१	७	२९
१४	७	४	११	२२	१	३२	५४
६०	४४	०/०	१६	७४	६	३	५९
२	१	२८	व	३२	२६	११	४७

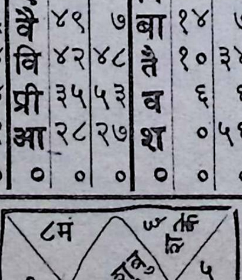

३०पं. का.कृ.७बृ.इ.३६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	१०	६	५	११	६
१६	४	१७	४	१३	५	२	१६
७	१४	४	३८	३८	१६	४५	२९
१७	२८	३४	३५	१०	१	१६	४०
६०	४४	०/०	१	७४	६	३	६०
१८	२०	२१	२०	३८	१३	११	४

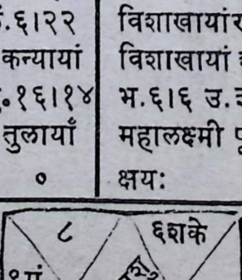

३१पं.का.कृ.१४बृ.इ.३५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	१०	६	५	११	६
२३	९	२८	४	२२	५	२	२३
९	२९	२१	५६	२५	५८	२३	३१
५६	३५	४७	३५	३७	२६	१	२
६०	४४	१९	२	७४	५	३	६०
३०	३९	१४	४५	३८	५०	११	१७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *शुशबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः:५६९८ स. १९५०
१	शु	४९	४१	वि	३६	५०	सौ	२०	४९	किं	२२	३४	२६/५२	६/३८	५/२२	१०	२४	२८	बृ २२।५१	बृश्चिके बुधः अन्नकूटंव्यापारे सं.२००७
२	श	४३	४८	अ	३२	४८	शो	१३	६	बा	१६	४४	४९	३८	२२	११	२५	२९	बृश्चिके	चन्द्र द.
३	र	३७	५७	ज्ये	२८	३८	अ	५/२२	५२/५७	तै	१०	५२	४६	३९	२१	१२	२६	१	ध.२८।३८	सफर २ मैत्रै बुधः ३६।११
४	चं	३२	२४	मू	२४	५३	धृ	५०	७	व	५	१०	४३	३९	२१	१३	२७	२	धनुषि	भ. ५।१० उ. ३२।२४ या.
५	मं	२७	२७	पू	२१	२७	शू	४३	१	बा	२७	२७	४०	४०	२०	१४	२८	३	म.३५।४६	पूषायां भौमः ३७।०
६	बु	२३	४	उ	१८	४२	गं	३६	३९	तै	२३	४	३७	४१	१९	१५	२९	४	मकरे	वृश्चिके शुक्रः ३५।१३
७	गु	१९	४०	श्र	१६	४८	वृ	३१	५	व	१९	४०	३४	४१	१९	१६	३०	५	कु.४६।२४	भ.१९/४०उ.४६/२७या. वृश्चिकेऽर्कः३१/४९ उफायां*
८	शु	१७	१५	ध	१६	१	ध्रु	२६	१६	ब	१७	१५	३१	४२	१८	१७	१	६	कुम्भे	गोपांष्टमी *४शनिः ५९।३०
९	श	१६	०	श	१६	१४	व्या	२२	२२	कौ	१६	०	२८	४२	१८	१८	२	७	कुम्भे	मैत्रे शुक्रः १६।० अक्षय ९ कुष्मांड ९
१०	र	१६	९	पू	१७	१६	ह	१९	२८	ग	१६	९	२६	४३	१७	१९	३	८	मी २।२३	भ.४६।५१ उ.अनुराधायां रविः३९।३७
११	चं	१७	३४	उ	२०	२९	व	१७	३४	वि	१७	३४	२३	४३	१७	२०	४	९	मीने	भ.१७।३४ या. प्रबोधिनी ११ व्र. भीष्मप.
१२	मं	२०	५	रे	२४	२७	सि	१६	२७	बा	२०	५	२१	४४	१६	२१	५	१०	मे.२४।२७	ज्येष्ठायां बुधः २९।२५ प्रदोषः
१३	बु	२३	५४	अ	२९	३३	व्य	१६	३६	तै	२३	५४	१८	४४	१६	२२	६	११	मेषे	वैकुण्ठः १४
१४	गु	२८	२८	भ	३५	२७	व	१७	५६	व	२८	२८	१६	४५	१५	२३	७	१२	बृ. ५२।१	भ. २८।२८उ. पश्चिमोदयी बुधः५७।६
१५	शु	३३	३१	कृ	४१	४२	प	१८	२१	वि	१	०	१३	४५	१५	२४	८	१३	बृषे	भ. १।० या. पुष्कर यात्रा का स्ना. पू.

३२पं.का.शु.७वृ.इ. ३५।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१०	७	५	११	७
०	१४	९	५	१	६	२	०
१४	४८	१९	२४	१५	३७	०	३३
०	२५	१९	११	११	५२	४६	४७
६०	४४	९८	४	७४	५	३	६०
४०	५६	१	१	३८	२२	११	३७

गोचरग्रहाः

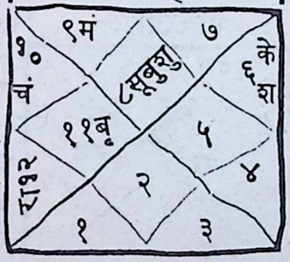

कार्तिकशुक्ला७ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ नं. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

३३पं.का.शु.१४बृ.इ.३५।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१०	७	५	११	७
७	२०	२०	६	१०	७	१	७
१९	७	५	०	१	१३	३८	३७
३४	४८	२	४०	३४	३४	३०	४४
६०	४५	९७	५	७४	४	३	६०
५३	१	३७	११	३८	५३	११	४२

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविदक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्र
१	श	३८	४०	रो	४८	१	शि	१९	३२	बा	६	५	२६/५०	६/४६	५/१४	२५	९	१४	बृषे	
२	र	४३	४०	मृ	५४	१५	सि	२०	४३	तै	११	१०	८	४६	१४	२६	१०	१५	मि २१।८	
३	चं	४८	१४	आ	५९	५०	सा	२१	४४	व	१५	५७	५	४७	१३	२७	११	१६	मिथुने	भ. १५।५७ उ. ४८।१४ या.
४	मं	५१	३५	पु	६०	०	शु	२१	४६	ब	१९	५४	३	४७	१३	२८	१२	१७	क.४८।१४	ज्येष्ठायां शुक्रः ५०।२१ चतुर्थी व्र.
५	बु	५३	५७	पु	४	२१	शु	२१	२४	कौ	२२	४६	०	४८	१२	२९	१३	१८	कर्के	शते १ गुरु : ४२।३६
६	गु	५५	६	पु	७	५३	ब्र	१९	५१	ग	२४	५१	२५/५८	४८	१२	३०	१४	१९	कर्के	भ. ५५।६ उ. धनुषि बुधः १४।४१
७	शु	५४	५७	श्ले	१०	१७	ऐं	१७	२७	वि	२५	२	५६	४९	११	१	१५	२०	सि१०।१७	भ. २५।२ या. दिसम्बर मा.१२ता.३१
८	श	५३	२७	म	११	७	वै	१३	५८	बा	२४	१२	५४	४९	११	२	१६	२१	सिंहे	ज्येष्ठायां रवि. ४६।३६ उषायां (
९	र	५०	४८	पू	१०	५६	वि	९	३१	तै	२२	७	५२	५०	१०	३	१७	२२	कं.२५।३५	(भौमः ६।४७
१०	चं	४७	१९	उ	९	३४	प्री	४/१२	५३/५९	व	१९	३	५०	५०	१०	४	१८	२३	कन्या	भ. १९।३ उ. ४७।१९ या.
११	मं	४२	५०	ह	७	१७	सौ	५१	२१	ब	१५	४	४९	५०	१०	५	१९	२४	तु.३५।४४	उत्पत्ति ११ व्र. स्मा. वै.
१२	बु	३७	४२	चि	४	११	शो	४४	९	कौ	१०	१६	४६	५१	९	६	२०	२५	तुला	मकरे भौम ३१/६३ उत्पत्ति ११, व्र. नि.
१३	गु	३२	४१	स्वा	०/४४	५६/३	अ	३६	३५	ग	४	५८	४६	५१	९	७	२१	२६	बृ.४२।४६	भ. ३२।१४ उ. ५९।२२ या. प्रदोषः
१४	शु	२६	३१	अ	५२	४२	सु	२८	४५	श	२६	३१	४४	५१	९	८	२२	२७	बृश्चिके	
३०	श	२०	३१	ज्ये	४८	३३	धृ	२०	५८	ना	२०	३७	४३	५१	९	९	२३	२८	ध.४८।३३	पूषायां बुधः १९।५३ धनुषि शुक्रः२९।७

३४पं.मा.कृ.६बृ.इ.३५।१४

र	मं	बु	गु	शु	शु	रा	र
७	८	८	१०	७	५	११	७
१४	२५	०	६	१८	७	१	१४
२६	३०	३३	४५	५०	४५	१६	४३
२०	५४	१८	३६	१७	५०	१५	४
६१	४५	९७	६	७४	४	३	६०
३	१७	१४	२३	३२	२३	११	५०

गोचरग्रहाः

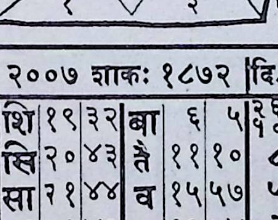

गोचरग्रहाः

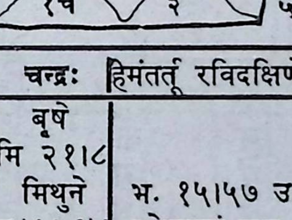

३५पं.मा.कृ.१३बृ.इ. ३५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	१०	७	५	११	७
२१	०	१०	७	२७	८	०	२१
३४	५५	३४	३८	३८	१३	५३	४९
७	३७	१६	२८	१७	५२	५९	२०
६१	४५	९४	७	७४	३	३	६०
११	३७	५०	२२	३२	४३	११	५६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	र	१४	४९	मू	४४	३९	शू	१३	१४	ब	१४	४९	२५/४२	६/५२	५/८	१०	२४	२९	धनुषि
२	चं	९	२०	पू	४१	१६	गं	५/३६	५२/४८	कौ	९	२०	४१	५२	८	११	२५	३०	म.५५।३१
३	मं	४	२६	उ	३८	१६	ध्रु	५१	४६	ग	४	२६	४०	५२	८	१२	२६	१	मकरे
४	बु	०	१९	श्र	३६	१७	व्या	४५	४७	वि	०	१९	३९	५२	८	१३	२७	२	मकरे
५	बु	५६	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	गु	५४	४८	ध	३५	२६	ह	४०	४०	कौ	२५	५४	३८	५२	८	१४	२८	३	कु. ५।५१
७	शु	५३	३९	श	३५	९	व	३६	२९	ग	२४	१३	३८	५२	८	१५	२९	४	कुम्भे
८	श	५३	५५	पू	३६	२०	सि	३३	१४	वि	२३	४७	३७	५३	७	१६	१	५	मी २१।२
९	र	५५	२७	उ	३८	४५	व्य	३०	५४	बा	२४	४१	३७	५३	७	१७	२	६	मीने
१०	चं	५८	५	रे	४२	३३	व	२९	३४	तै	२६	४६	३७	५३	७	१८	३	७	मे.४२।३३
११	मं	६०	०	अ	४७	२१	प	२९	१८	व	३०	५	३६	५३	७	१९	४	८	मेषे
११	बु	२	४	भ	५३	६	शि	२९	३९	वि	२	४	३६	५३	७	२०	५	६	मेषे
१२	गु	६	४४	कृ	५९	२१	सि	३०	३६	बा	६	४४	३६	५३	७	२१	६	१०	बृ. ९।४०
१३	शु	११	५०	रो	६०	०	सा	३१	५१	तै	११	५०	३६	५३	७	२२	७	११	बृषे
१४	श	१७	६	रो	५	४४	शु	३२	५३	व	१७	६	३६	५३	७	२३	८	१२	३८।५१
१५	र	२२	१०	मृ	११	५९	शु	३४	४	ब	२२	१०	३६	५३	७	२४	९	१३	मिथुने

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७२८स.१९५०

पश्चिमोदयम् शुक्रः १९।४८ प.उ.शु.
चंद्रद.
भ. ३२।२२ उ. रविलावल ३
भ. ०।१९ या.
क्षयः
चंपा ६
भ. ५३।३९ उ. धनुष्यर्कः ५०।२१
भ. २३।४७ या.
कल्पादिः (*११ ब्र. स्मा.
(=११ब्र. वै. नि.
भ. ३०।५ उ. श्रवणे भौमः९।१ मोक्षदा*
भ. २।४ या. पूषायांशुक्रः२।१२ मोक्षदा=
प्रदोषः पातस्पर्शः ३३/१५ पातमोक्षः ४०।५२
उत्तरायणप्रवृत्तिः २०।५४
भ. १७।६उ. ४९।३८ या शते २गुरुः९।६
वक्रीबुधः४।३० कुंभेराहुःसिंहेकेतुः३३।२६

३६पं.मा.शु.६बृ.इ.३४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	१०	८	५	११	७
२८	६	१९	८	६	८	०	२८
४२	२२	२३	३८	२६	३७	३१	५६
५०	३७	४९	२८	४२	१६	४४	५
६१	४५	८२	८	७४	३	३	६१
१९	४३	५	३०	३२	६	११	०

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ला ७
शुक्रे धनुष्यर्कः प्र. वा.
२ न. ३ बालावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः ३०
(धान्यभाव समं)
शुक्रोदयं: पश्चिमा.

गोचरग्रहाः

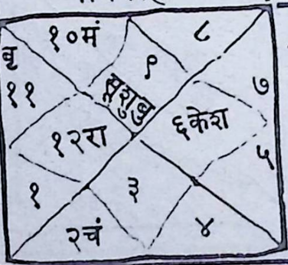

३७पं.मा.शु.१२बृ.इ.३४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	८	५	११	८
५	११	२४	९	१५	८	०	६
५२	५१	४३	४५	१४	५५	९	३
१६	७	२६	११	३१	४९	२९	६
६१	४५	३६	९	७४	२	३	६१
२२	४६	५५	२१	२६	२०	११	६५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	चं	२६	३६	आ	१८	५	ब्र	३४	२०	कौ	२६	३६	२५/३७	६/५३	५/७	२५	१०	१४	मिधुने
२	मं	२९	५७	पु	२२	३५	ऐं	३३	४०	ग	२९	५७	३७	५३	७	२६	११	१५	क. ६।२८
३	बु	३२	१८	पु	२६	२८	वै	३२	५४	व	१	८	३८	५२	७	२७	१२	१६	कर्के
४	गु	३३	२२	श्ले	२८	२६	वि	३०	४४	ब	२	५०	३८	५२	८	२८	१३	१७	सिं२८।२६
५	शु	३३	७	म.	३०	१२	प्री	२७	४१	कौ	३	१४	३९	५२	८	२९	१४	१८	सिंहे
६	श	३१	३५	पू	३१	२३	आ	२३	३९	ग	२	२१	३९	५२	८	३०	१५	१९	क.४५।५१
७	र	२८	५२	उ	२९	१६	सौ	१८	३५	वि	०	४	४०	५२	८	३१	१६	२०	कन्या
८	चं	२५	१७	ह	२७	२१	शो	१२	४१	कौ	२५	१७	४१	५२	८	१	१७	२१	तु ५५।५३
९	मं	२०	४४	चि	२४	२५	अ	६/१३	३/५६	ग	२०	४९	४२	५२	८	२	१८	२२	तुलायां
१०	बु	१५	३८	स्वा	२०	५०	धृ	५१	३७	वि	१५	३८	४३	५१	९	३	१९	२३	तुलायां
११	गु	१०	४	वि	१७	१०	शू	४३	५१	बा	१०	४	४४	५१	९	४	२०	२४	बृ. ३।७
१२	शु	४	२३	अ	१३	४	गं	३६	१	तै	४	२३	४५	५१	९	५	२१	२५	बृश्चिके
१३	शु	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	श	५२	५१	ज्ये	८	५३	बृ	२८	१६	वि	२५	४१	४७	५१	९	६	२२	२६	ध. ८।५३
३०	र	४७	१७	मू	४	५९	ध्रु	२०	३१	च	१९	५४	४८	१०	१०	७	२३	२७	धनुषि

हेमंतर्तू रविरुत्तरे मार्गकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पश्चिमास्तो बुधः ४९।२९
भ. १।८ उ. ३२।१८ या.
पूषायां रविः ५१।५८ चतुर्थी ब्र.
भ. ३१।३५ उ. उषायां शुक्रः ४१।२९
भ. ०।१४ या.
जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९५१
भ. ४८।१३ उ. मकरेशुक्रः १७।२४
भ. १५।३८ या. पातस्पर्शः ५७।४७
वक्री मूले बुधः ५५।५० सफला ११*
भ.५८।३१उ. धनिष्ठायांभौमः १४/३२ प्रदोषः
क्षयः (*ब्र. पातमोक्षः१२।३९
भ. २५।४१ या.
पूर्वोदयी बुधः २५।१४

३८पं.पौ.कृ.४बृ.इ.३४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	८	५	१०	८
१३	१७	२२	१०	२४	९	२९	१३
२	१९	१५	५७	२	१०	४७	११
९	५९	५०	५८	३१	५९	१३	३१
६१	४५	६६/३४	१०	७४	१	३	६१
२६	५०	ब	४	२६	३८	११	६

गोचरग्रहाः

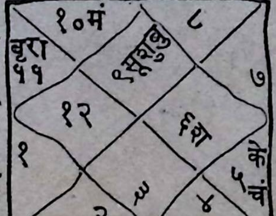

गोचरग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.११बृ.इ.३४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	९	५	१०	८
२०	२२	१३	१२	२	९	२९	२०
१२	४८	४८	१६	५०	१८	२४	१९
७	४७	०	५	२	११	५८	४०
६१	४५	७८/३२	१०	७४	०	३	६१
२६	५५	ब	५१	२६	५७	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौषः शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७५७ स.१९५१
१	चं	४२	४३	पू	२२	५७	व्या	१३	१३	किं	१५	०	२५ ५०	५६ ५०	५ १०	८	२४	२८	म.१५।३९	
२	मं	३८	३३	श्र	५६	१८	ह	७	२७	बा	१०	३८	५२	५०	१०	९	२५	२९	मकरे	चन्द्रदर्शनम् शते ३ गुरुः ५४।२५
३	बु	३५	२७	ध	५४	४२	व	१४	५४	तै	७	०	५४	४९	११	१०	२६	१	कुं.२५।३०	उषायांरविः५३।२६ मार्गीबुधः४७।१९*
४	गु	३१	१७	श	५४	३३	व्य	५०	२४	व	४	२२	५६	४९	११	११	२७	२	कुम्भे	भ. ४।२२ उ. ३३।१७ या.
५	शु	३२	२०	पू	५५	२७	व	४६	१	ब	२	४८	५८	४८	१२	१२	२८	३	मी४०।१६	वक्री शनिः ४०।४४
६	श	३२	५१	उ	५७	३८	प	४४	११	कौ	२	५	२६	४८	१२	१३	२९	४	मीने	कुम्भे भौमः ४५।२६
७	र	३४	२२	रे	६०	०	शि	४२	३७	ग	३	६	३	४७	१३	१४	३०	५	मीने	भ. ३४।२२ उ. मकरेऽर्कः ८।५३
८	चं	३७	१७	रे	१	१२	सि	४१	५६	वि	५	४९	६	४७	१३	१५	१	६	मे. १।१२	भ. ५।४९ या.
९	मं	४१	११	अ	५	४०	सा	४१	१	बा	९	१४	८	४६	१४	१६	२	७	मेषे	पातस्पर्श ५०।४०
१०	बु	४५	५६	भ	११	१४	शु	४२	४७	तै	१३	२५	१०	४६	२४	१७	३	८	वृ २७।४७	पातमोक्षः ५।५२
११	गु	५१	७	कृ	१७	२६	शु	४३	५८	व	१८	३३	१२	४६	१४	१८	४	९	वृषे	भ. १८।३३ उ. ५१।७ या. पुत्रदा ११ब्र.
१२	शु	५६	२३	रो	२३	४७	ब्र	४५	१७	ब	२३	४५	१५	४५	१५	१९	५	१०	मि. ५७।०	(*श्रवणेशुक्रः १९।९ रविलाखर ४
१३	श	६०	०	मृ	३०	१४	ऐं	४६	१९	कौ	२८	५१	१७	४५	१५	२०	६	११	मिथुने	अभि.प्र. रविः ४०।१० धनिष्ठायांशुक्रः=
१३	र	१	१९	आ	३६	४१	वै	४६	५५	तै	१	१९	२०	४४	१६	२१	७	१२	मिथुने	पूषायां बुधः १०।२८ (=५७।५९ प्रदोष
१४	चं	५	४१	पु	४१	९	वि	४६	५६	व	५	४१	२२	४४	१६	२२	८	१३	क. २५।२	भ. ५।४१ उ. ३७।२४ या. शतेभौमः
१५	मं	९	७	पु	४५	१२	प्री	४६	५	ब	९	७	२५	४३	१७	२३	९	१४	कर्के	४।४६ श्रवणे रविः ५६।१०

४०पं. पौ.शु.४बृ.इ.३४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	९	५	१०	८
२७	२८	८	१३	११	९	२९	२७
२१	१९	४१	३९	३६	२१	२	२७
५७	४४	४२	०	५८	११	४३	४४
६१	४५	५५	११	७४	०	३	६१
२४	५५	मा	२४	२०	६	११	६

गोचरग्रहाः

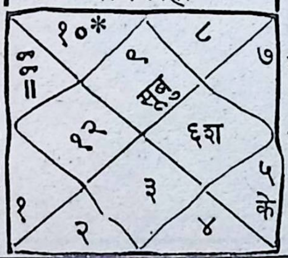

पौष शुक्ला ७ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.३न. ३ प्रगल्भाव. (बैठी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

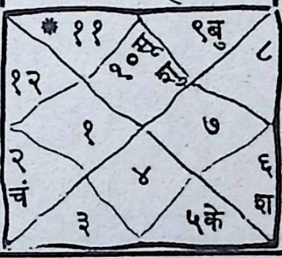

४१पं.पौ.शु.११बृ.इ.३४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	९	५	१०	९
४	३	१०	१५	२०	९	२८	४
३१	५०	५३	६	२२	१८	४०	३५
२६	२	४६	११	५५	५०	२७	३४
६१	४५	५६	१२	७४	३२	३	६१
१९	४९	१३	६	१८	व	११	३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरऋतूरविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	बु	११	१७	श्रे	४८	१०	आ	३३	१९	कौ	११	१७	२६	४३	१७	२४	१०	१५	सिं४८।१०	अभि. नि. रवि : ४८।२६
२	गु	१२	१३	म	४९	२५	सौ	४१	३३	ग	१२	१३	३०	४२	१८	२५	११	१६	सिंहे	भ. ४२।३ उ. शते ४ गुरुः ५०।२
३	शु	११	५३	पू	५०	८	शो	३७	३८	वि	११	५३	३३	४१	१९	२६	१२	१७	सिंहे	भ. ११।५३ या. कुम्भेशुक्रः १६।२६
४	श	१०	१६	उ	४९	१५	अ	३२	२६	बा	१०	१६	३६	४१	१९	२७	१३	१८	कं. ४।५५	
५	र	७	२९	ह	४७	२४	सु	२७	३२	तै	७	२९	३९	४०	२०	२८	१४	१९	कन्या	
६	चं	३	४३	चि	४४	३७	धृ	२१	१७	व	३	४३	४२	४०	२०	२९	१५	२०	तु. १६।०	भ. ३।४३ उ. ३१।२६ या.
७	चं	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	मं	५४	०	स्वा	४१	१९	शू	१४	२८	बा	२६	३५	४५	३९	२१	३०	१६	२१	तुलायां	
९	बु	४८	२५	वि	३७	४२	गं	५८	३६	तै	२१	१२	४८	३८	२२	३१	१७	२२	वृ २३।३७	शते शुक्रः ३५।४०
१०	गु	४२	३९	अ	३३	४०	ध्रु	५१	३७	व	१५	३२	५२	३८	२२	१	१८	२३	वृश्चिके	भ. १५।३२ उ. ४२।३९ या. फरवरी मा.२ ता.२८
११	शु	३६	४९	ज्ये	२९	३०	व्या	४३	५६	ब	९	४४	५५	३७	२३	२	१९	२४	ध.२९।३०	उषायां बुधः १९।११ षट्तिला ११ ब्र.
१२	श	३१	११	मू	२५	३९	ह	३५	५८	कौ	४	०	५९	३६	२४	३	२०	२५	धनुषि	प्रदोषः
१३	र	२५	५१	पू	२१	५५	व	२८	३८	व	२५	५१	२	३६	२४	४	२१	२६	म. ३६।८	भ. २५।५१ उ.५३।२४ या. मकरे बुधः
१४	चं	२०	५७	उ	१८	४७	सि	२१	३५	श	२०	५७	६	३५	२५	५	२२	२७	मकरे	
३०	मं	१७	२	श्र	१६	२१	व्य	१५	१८	ना	१७	२	९	३४	२६	६	२३	२८	कुं.४५।२९	धनिष्ठायां रविः २।२

४२पं. मा.कृ.२बृ.इ.३४।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	९	५	१०	९
११	९	१७	१६	२९	९	२८	११
४०	२०	१५	३६	८	११	१८	४२
१७	६	४	४३	६	१३	११	४६
६१	४५	७३	१२	७४	२१	३	६०
१३	४९	५५	३८	८	व	११	५९

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

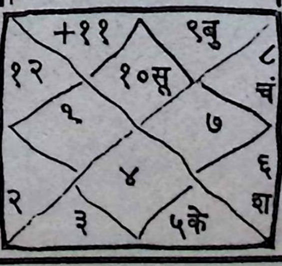

४३पं.मा.कृ.१०बृ.इ.३४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	१०	५	१०	९
१८	१४	२५	१८	७	८	२७	१८
४८	४९	३८	१०	५२	५८	५५	४९
१७	२६	४६	२३	४१	४१	५७	१९
६१	४५	८२	१२	७४	२०	३	६१
४	४३	३९	५०	२	व	११	४

=११बृचंरा *१०मंशु ×११मंबुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *११बृमंरा +११मंबृशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू | रवित्तरेऽहर्गणः५७८७ स. १९५१
१	बु	१३	५२	ध	१४	३७	व	९	४१	ब	१३	५२	२७/१२	६/३४	५/२६	७	२४	२९	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
२	गु	११	५०	श	१४	१६	प	४	५६	कौ	११	५०	१६	३३	२७	८	२५	१	मी५९।४५	जमदिलावल ५ पूभायां भौमः १०।८
३	शु	१०	५०	पू	१४	५४	शि	१/४	५६/८	ग	१०	५०	१९	३२	२८	९	२६	२	मोने	भ.४१।५उ. पूभायां १गुरुः३५।३४ तिल४
४	श	११	२०	उ	१६	५२	सा	५६	२१	वि	११	२०	२३	३१	२९	१०	२७	३	मीने	भ. ११।२० या.
५	र	१३	७	रे	२०	१	शु	५५	२३	बा	१३	७	२६	३१	२९	११	२८	४	मे. २०।१	श्रवणेबुधः३९/५५ पूभायांशुक्रः२०/२६ वसंत ५+
६	चं	१६	५	अ	२४	३६	शु	५५	१८	तै	१६	५	३०	३०	३०	१२	२९	५	मेषे	कुम्भेऽर्कः ३५।५८
७	मं	२०	६	भ	२९	४०	ब्र	५६	३	व	२०	६	३४	२९	३१	१३	१	६	वृ ४६।१०	भ. २०।६ उ. ५२।३१ या. रथ ७
८	बु	२४	४७	कृ	३५	३९	ऐं	५७	४	ब	२४	४७	३८	२८	३२	१४	२	७	वृषे	भीष्माष्टमी
९	गु	२९	५५	रो	४२	५	वै	५८	३१	कौ	२९	५५	४२	२८	३२	१५	३	८	वृषे	(+पातस्पर्शः ४१।७ पातमोक्षः ५२।३७
१०	शु	३५	१२	मृ	४८	११	वि	५९	२८	तै	२	३३	४६	२७	३३	१६	४	९	मि. १५।८	
११	श	३९	५९	आ	५४	३६	प्री	६०	०	व	७	३६	५०	२६	३४	१७	५	१०	मिथुने	भ. ७।३६उ. ३९।५६ या. जया ११ ब्र.
१२	र	४४	१८	पु	६०	०	प्री	०	२५	बा	१२	८	५४	२५	३५	१८	६	११	क.४३।४०	भीष्म १२
१३	चं	४७	३२	पु	०	१	आ	०	४८	कौ	१५	५५	५८	२४	३६	१९	७	१२	कर्के	शतेरविः५१/९मीने शुक्रः२१।४२ प्रदोष
१४	मं	४९	३९	पु	४	१४	सौ	२६°	५८/२०	ग	१८	३६	२६/२	२५	३६	२०	८	१३	कर्के	भ.४९/३उ. धनिष्ठायां बुधः २८।१ मीने*
१५	बु	५०	२९	श्लो	७	२०	अ	५६	१९	वि	१९	५९	६	२३	३७	२१	९	१४	सिं ७।२०	भ. १९।५६ या. (*भौमः ५७।५५

४४पं.मा.शु.२ बृ.इ.३४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१०	१०	५	१०	९
२५	२०	५	१९	१६	८	२७	२५
५५	१८	२९	५६	३५	४१	३३	५५
५	४०	१७	३७	४९	१०	४१	२०
६०	४५	८८	१३	७३	४ ३/१	३	६०
५५	३१	२	१२	५६	ब	११	४७

गोचरग्रहाः

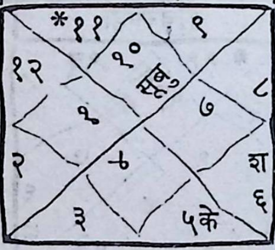

माघ शुक्ला ६ चंद्र कुम्भेऽर्कः प्र. वा. २ नं. ३ प्रोढ़ावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यभावतेज) शुक्रोदय पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

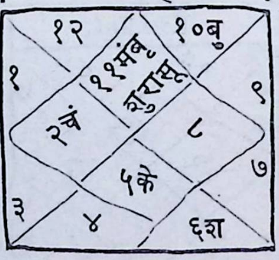

४५पं.मा.शु. ९बृ.इ.३४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	१०	१०	५	१०	१०
३	२५	१५	२१	२५	८	२७	३
१	४७	३७	२४	१७	१९	११	०
८	१०	१९	५४	५३	२६	२६	५
६०	४५	९२	१३	७३	१/३	३	६०
४२	२८	४०	२०	५०	ब	११	३७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रः
१	गु	५०	२	म	९	१७	सु	५२	५५	बा	२०	१६	२८/१०	६/२२	५/३८	२२	१०	१५	सिंहे	उभायांशुक्रः ४।२१ पूर्वास्तोबुधः ५७।४८
२	शु	४८	१६	पू	१०	४	धृ	४८	३२	तै	१९	९	१४	२१	३९	२३	११	१६	कं.२४।५५	पूभायां २ गुरुः ४२।५४
३	श	४५	२०	उ	९	२८	शू	४३	१६	व	१६	४८	१८	२०	४०	२४	१२	१७	कन्या	भ.१६/४८ उ.४५/२० या. कुम्भेबुधः ३१।३०
४	र	४१	३३	ह	७	५०	गं	३७	१५	ब	१३	२६	२२	२०	४०	२५	१३	१८	तु.३६।३३	उभायां भौमः ३५।१ पूभायां २ राहुः*
५	चं	३६	५१	चि	५	१६	वृ	३१	४२	कौ	९	१२	२६	१९	४१	२६	१४	१९	तुलायां	(*पूफायां ४ केतुः २८।१ चतुर्थी ब्र.
६	मं	३१	३६	स्वा	१३/४	५७/५	ध्रु	२३	३३	ग	४	१३	३०	१८	४२	२७	१५	२०	वृ ४४।२६	भ.३१।३६उ.५६/४६या. अस्तं गुरोः ५४।३६
७	बु	२५	५६	अ	५४	३१	व्या	१६	५	ब	२५	५६	३४	१७	४३	२८	१६	२१	बृश्चिके	शते बुधः २०।२४ अ.गु.
८	गु	२०	८	ज्ये	५०	२०	ह	८	५६	कौ	२०	८	३८	१६	४४	१	१७	२२	ध.५०।२०	**मार्च मा. ३ ता. ३१**
९	शु	१४	२६	मू	४६	२३	व	४०°	५२/१९	ग	१४	२६	४२	११	४४	२	१८	२३	धनुषि	भ. ४१।२९ उ.
१०	श	८	३२	पू	४२	४१	व्य	४५	२९	वि	८	३२	४६	१५	४५	३	१९	२४	म.५६।५१	भ. ८।३२ या.
११	र	३	१६	उ	३९	२१	व	३८	७	बा	३	१६	५०	१४	४६	४	२०	२५	मकरे	पूभायांरविः२६।७ रेवत्यांशुक्रः ५३।३७=
१२	र	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (=विजया ११ ब्र.
१३	चं	५४	२४	श्र	३६	५०	प	३१	५७	ग	२६	२३	५४	१३	४७	५	२१	२६	मकरे	भ. ५४।२४ उ. प्रदोषः
१४	मं	५१	१७	ध	३४	२४	शि	२६	७	वि	२२	५०	५८	१२	४८	६	२२	२७	कु. ५।३७	भ. २२।५० या. महाशिवरात्री ब्र.
३०	बु	४९	११	श	३४	६	सि	२१	२८	च	२०	१४	२९/२	१२	४८	७	२३	२८	कुम्भे	पूभायां बुधः ४६।४८

४६पं.फा.कृ.१बृ.इ.३५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	१०	११	५	१०	१०
१०	१	२६	२३	३	७	२६	१०
५	१३	४८	४	५७	५३	४९	३
३९	४४	५८	४४	५८	५६	११	३५
६०	४५	९८	१३	७३	५ ३/१	३	६०
३१	२८	३४	३२	४७	ब	११	२५

गोचरग्रहाः

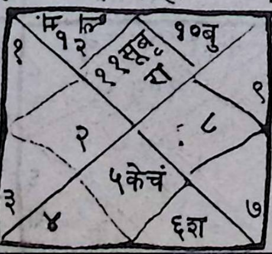

गोचरग्रहाः

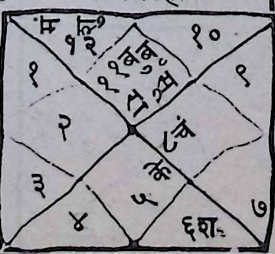

४७पं.फा.कृ. ८बृ.इ.३५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१०	११	५	१०	१०
१७	६	८	२४	१२	७	२६	१७
८	३९	५२	४५	३६	२५	२६	५
२९	७	५	४०	४७	१९	५५	४८
६०	४५	०/०	१३	७३	१ ४/०	३	६०
२०	२२	३/०	३२	४०	ब	११	१२

*११मंबृराशुचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८१६ स.१९५१
१	गु	४८	१५	पू	३४	३७	सा	१७	७	किं	१८	४३	२६	६११	५४९	८	२४	२९	मी १९।३०	
२	शु	४८	४२	उ	३६	१९	शु	१३	५८	बा	१८	२८	१०	१०	५०	९	२५	३०	मीने	चंद्रद. पूभायां ३ गुरुः ३३।२०
३	श	५०	२५	रे	३९	१८	शु	११	४८	तै	१९	३३	१४	९	५१	१०	२६	१	मे. ३९।१८	जमादिलाखर ६
४	र	५३	२३	अ	४३	२०	ब्र	१०	४६	व	२१	५४	१९	८	५२	११	२७	२	मेषे	भ.२१/५४ उ.५३/२१ या. वक्रीउफायां ३ शनिः४८/४९
५	चं	५७	२५	भ	४८	२३	ऐं	१०	२५	ब	२५	२४	२३	७	५३	१२	२८	३	मेषे	अस्तं भौमः ३८।२४
६	मं	६०	०	कृ	५४	२३	वै	१०	५८	कौ	२९	४५	२८	६	५४	१३	२९	४	वृ. ४।५३	मीने बुधः २।५३ (*रेवत्यां भौमः३७।६
६	बु	२	४	रो	६०	०	वि	११	५९	तै	२	४	३२	६	५४	१४	३०	५	वृषे	मीनेऽर्कः २६।२५ उभायां बुधः ४१।५४*
७	गु	७	१३	रो	०	४१	प्री	१३	१३	व	७	१३	३६	५	५५	१५	१	६	मि ३३।५५	भ. ७।१३ उ. ३९।४४ शुक्रः ४५।३६=
८	शु	१२	१६	मृ	७	९	आ	१४	३५	ब	१२	१६	४०	४	५६	१६	२	७	मिथुने	(=होई ८ होलाष्टकं
९	श	१७	१०	आ	१३	२२	सौ	१५	४४	कौ	१७	१०	४४	३	५७	१७	३	८	मिथुने	उभायां रविः ४७।३
१०	र	२१	१८	पु	१८	५६	शो	१६	२७	ग	२१	१८	४९	२	५८	१८	४	९	क. २।३३	भ. ५२।५०. उ.
११	चं	२४	२४	पु	२३	३२	अ	१६	४	वि	२४	२३	५३	१	५९	१९	५	१०	कर्के	भ. २४।२३ या. आमलकी ११ व्र.
१२	मं	२६	२२	श्ले	२६	४९	सु	१४	५४	बा	२६	२२	५७	१	५९	२०	६	११	सिं २६।४९	प्रदोषः
१३	बु	२७	७	म	२८	४४	धृ	१२	५१	तै	२७	४	३०/१	६०	६०	२१	७	१२	सिंहे	रेवत्यां बुधः २१।२२
१४	गु	२६	३०	पू	२९	५९	शू	९	४८	व	२६	३०	६	५९	६०/१	२२	८	१३	कं. ४४।५४	भ. २६।३० उ. ५५।३३ या.
१५	शु	२४	३७	उ	२९	४१	गं	५	४३	ब	२४	३७	१०	५८	२	२३	९	१४	कन्या	पूभायां ४ मीने गुरुः २१।४३

४८पं.फा.शु.१बृ.इ. ३५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१०	११	५	१०	१०
२४	१२	२१	२६	२१	६	२६	२४
९	२	३२	२६	१३	५४	४	६
५०	२०	३८	५६	५५	२२	४०	३२
६०	४५	[illegible]	१३	७३	२८/४	३	५९
५	१२	[illegible]	३८	२६	व	११	५८

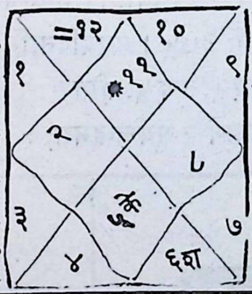

४९पं.फा.शु.७बृ.इ. ३६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	११	५	१०	११
१	१७	५	२८	२९	६	२५	१
९	२४	९	८	४८	२१	४२	५
३२	२५	३६	४२	२९	५८	२४	४४
५९	४५	[illegible]	१३	७३	४०/४	३	५९
४९	७	[illegible]	४८	१४	व	११	४१

पं.५०फा.शु.१४बृ.इ.३६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	०	५	१०	११
८	२२	१९	२९	८	५	२५	८
७	४३	९	४९	२०	४८	२०	३
२६	४१	३६	४८	३५	४३	९	२०
५९	४४	[illegible]	१३	७२	४०/४	३	५९
३५	४७	[illegible]	३२	५९	व	११	२९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००७ शाकः १८७२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श	२१	३९	ह	२८	१८	वृ	४८/०	५४/२१	कौ	२१	३९	३०/५४	५६/५	३/६	२४	१०	१५	तु.५७।१०	पश्चिमोदयी बुधः ३२।५१
२	र	१७	४७	चि	२६	२	व्या	४९	५	ग	१४	४७	१८	५६	४	२५	११	१६	तुलायां	भ. ४५।२३ उ.
३	चं	१२	५९	स्वा	२२	५५	ह	४१	५१	वि	१२	५९	२२	५६	४	२६	१२	१७	तुलायां	भ. १२।५९ या. भरण्यांशुक्रः ४३।४१च.
४	मं	७	३६	वि	१९	२५	व	३४	९	बा	७	३९	२६	५५	५	२७	१३	१८	वृ. ५।१८	
५	बु	१	४८	अ	१५	२८	सि	२६	४९	तै	१	४८	३०	५४	६	२८	१४	१६	वृश्चिके	भ. ५६।० उ. उदयं गुरोः ४०।१२ उ.गु.
६	बु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	गु	५०	४	ज्ये	११	३३	व्य	१९	१४	वि	२३	२	३४	५३	७	२९	१५	२०	ध. ११।३३	भ. २३।२ या. मेषे बुधः २५।१४
८	शु	४४	१७	मू	७	२२	व	११	३२	बा	१७	१०	३८	५२	७	३०	१६	२१	धनुषि	शीतला ८
९	श	३८	४९	पू	३	२६	प	५६/३	५२/५	तै	११	३३	४२	५२	८	३१	१७	२२	म. १७।३६	रेवत्यांरविः १४।३१
१०	र	३३	५७	उ	०/८	५६/३२	सि	५०	१२	व	६	२३	४७	५१	९	१	१८	२३	मकरे	भ.६।२३ उ. ३३।५७ या. **अप्रेल मा. ४***
११	चं	२९	५५	ध	५५	१७	सा	४४	१७	ब	१	५६	५१	५०	१०	२	१९	२४	कुं. २५।५९	पापमोचिनी ११ व्र.
१२	मं	२६	४५	श	५४	१५	शु	२९	१०	तै	२६	४५	५६	४९	११	३	२०	२५	कुम्भे	प्रदोषः (*ता. ३० मेषे भौमः १६।५३
१३	बु	२४	३६	पू	५४	२७	शु	३४	५८	व	२४	३६	३१/०	४८	१२	४	२१	२६	मी ३९।२४	भ. २४।३६ उ. ५४ ५ या.
१४	गु	२३	३४	उ	५५	४८	ब्र	३२	८	श	२३	३४	३१/४	४७	१३	५	२२	२७	मीने	(+२१।४९ अहर्गणः ५८।४५ च.३के.
३०	शु	२३	५८	रे	५८	२३	ऐं	२९	२८	ना	२३	५८	८	४६	१४	६	२३	२८	मे. ५८।२३	कृतिकायांशुक्रः ४६।२३ उभायां १ गुरुः:+

५१पं.चै.कृ.७बृ.इ. ३६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	११	०	५	०	११
१५	२८	१	१	१६	५	२४	१४
३	१	५३	३०	४९	१५	५७	५९
२९	३०	३१	२५	५९	५८	५३	१५
५९	४४	९५	१३	७२	३४	३	५९
१८	२६	५	३१	४५	व	११	१६

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

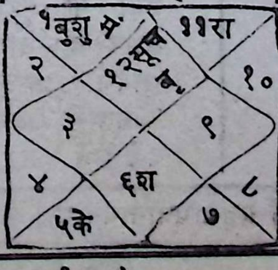

५२पं.चै.कृ.१४बृ.इ.३७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	११	०	५	१०	११
२१	३	११	३	२५	४	२४	२१
५७	१७	१	१०	१६	४४	३५	५३
४२	१७	४१	५	३०	२०	३८	३१
५९	४४	४४	१३	७२	१६/४	३	५९
४	२२	३२	२०	२५	व	११	४

=२१मंचंशु *११सूबुबुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❋ श्रीगणेशायनमः ❋

ऋद्धिः
लाभः

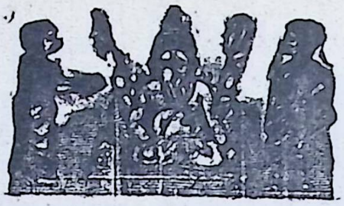

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज-स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् बर्षें सृष्टितो गताऽब्दा १९५५८८५०५२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० तेत्रायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५२ भोग्यकलिः ४२६९४८ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः सम्वत् २००८ शाकः १८७३ अथास्मिन्वर्षेराजा शनिः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चन्द्रः। धान्येशोःरविः । मेघेशोशुक्रः ।रसेशो बुधः । नीरसेशश्चंद्रः । फलेशो गुरुः । धनेशोः चंद्रः दुर्गेशोशुक्रः । ऐतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानांमध्ये विष्णुविंशतिकायां १८ क्रोधीनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्क–समये गतमासादिः २।१७।१८।० भोग्यमासादिः ९।१२।४२।० वैश्व-दैवतंयुगम् । वर्षनामभाद्रपदः । मेघ ४ नामद्रोणः । समय निवासः कुम्भकार गृहे (अग्नौ) रोहिणीनिवासः पर्वते । समय विश्वा २०। समय वाहनंमहिषः । स्तम्भ २ वाय्वन्नयोः । सोमवत्यमा ३ । सोमवतीपंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २। रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पति विश्वा ९३। खपति विश्वा ९३। वर्षा विश्वा १५ धान्य १५, तृण ५. शीत ५. तेज ५. वायु १३ शनि दृष्टि-र्दक्षिणे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं ९९ सत्यं ।। धर्म १।।. पाप १८ ग्रहणे २ सूर्यचन्द्रमसः ।

भैरव भवानी संवाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् २।०

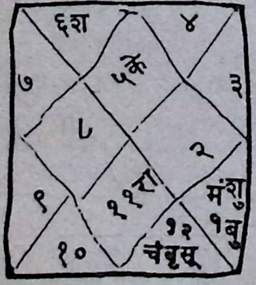

भैरव प्रश्न

श्रीजगदम्बे ईश्वरी भैरव करे पुकार ।
आठ साल अब आइयां जिसका करो विचार ।।

भवानी उत्तर

आठ साल आठों दिशा वर्षें झीना मेह ।
अन धन जन सम्पति बढ़े राज प्रजा में नेह ।।
शनि राजा इस वर्ष में इनकी खोटी रीत ।
पण मंत्री भार्गव भये ना कुछ हो वितरीत ।।
संवत् विश्वा वीस है स्तंभ लगे हैं दोय।
तृण की कुछ कमती रहै अन्न घनेरा होय ।।
आश्विन तेरह दिवस का पक्ष किया करतार।
कहीं क पूरव देश में मांचे हाहाकार ।।
अग्नि चक्र जग में चले ज्येष्ठ मास के माँय ।
श्रावण अरु आषाढ में मघवा करै सहाय ।।
"बनवारी" जगदीश का कर बन्शीधर जाप ।
धर्म कर्म जप तप कियें मिटे सभी संताप ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ५।२९

वर्षादो मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।९।३७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अस्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फ०-शनैश्चरे भूमिपतौ सक्रुज्जलैः प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः। युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधितांश्चदेशान् ।। मंत्री शुक्रस्तत्फ० भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभभूषकरावथ माहिषैः। भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फ० सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयोमुञ्चति गोपगोधुक। देवद्विजाराधन तत्परा नृपा धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णा ।। धान्येशो रविस्तत्फ०- पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि। विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।।मेघेशः शुक्रस्तत्फ० भृगुसुते जलदस्य पतिर्यदा जलयुताजलदा दिवि शोभना ।। धननिधानयुताद्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधस्तत्फ०- रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुता जनाः। प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिलदेश सुरक्षिताः नीरसेशश्चंद्रस्तत्फ०- शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससाम्। अर्घ वृद्धि प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।।फलेशो गुरुस्तत्फ०- सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः यजन याजनकोत्सवमन्दिराः श्रुति विचार परा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फ०- धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात् क्रयविक्रयतो धनम्। वसन शालि युवं धनजं बहु द्रविणं तैल घृतं नृप सौख्यकम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलं नरवरेषु विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करोमतः। विनय वाणिज गेह समः सुखो गत वने निकटेपि च दूरतः ।। वर्षनाम भाद्रपदस्तत्फ०- अर्घ महर्घतां याति धनं धान्यं समं सभेव् ।। मधवावर्षति स्वच्छंसंपदो भाद्र वर्षके ।। क्रोधीनामसंवत्सरस्तत्फ०- क्रोधाब्दे निखिला लोकाः क्रोधलोभ परायणाः ईति दोषेण सततं मध्य सस्यार्घ वृष्टयः।। मेघनाम द्रोणस्तत्फ०-द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्-पर्वते विंदुमात्रश्च समय निवासः कुम्भकार गृहे फलम् अनावृष्टि प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २००८ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १२ गुरो हस्तेल. १० (घ. ४९।२६ उ. रे. ७।।ऽबृऽबृऽ।।
१५ शनै स्वात्यांल. १० रे. ७।।।ऽसू।ऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ बुधे मूलेल. १० रे. ६ऽश।।।ऽअग्नि ऽऽ।।
शुक्ला १३ शनौ स्वा ल. १ (चंद्रोऽत्रपूज्य) रे. ७।ऽ।।ऽनृपऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृ. १ भौमे मूले ल. १ रे ७ऽश।।ऽशु।ऽ।।। पादतोवेधाऽभाव
४गुरौ उषा ल. १ रे ७।।।ऽशु।ऽऽ।।
९भौमे उभा. ल. १ रे ७।।ऽबृ।ऽश।।ऽ।।
शु. ५ रवौ मघाल. १ रे. ९।ऽ।।।।।।।
१३ रवौ अनु. ल. ऽन्यगोरे. रे८।।।।ऽअग्नि. ऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला ३ शनौ मघाल. १. २ रे. ९।।ऽशु।।।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ७ बुधे मघाल. अन्यगो ४ रे ८।।।।ऽनृ।ऽ।।
शु. २ शुक्र मूलेल. ७ रे ८।।ऽबु।।ऽ।।
४ रवौ उषाल. ७ रे. ८ऽ।।।।ऽ।।
शु. १५ गुरौ मृगे ल. ४. ७ रे. ६ऽराऽ।।ऽरा।।ऽ।।आवश्यके

माघ मासः

कृ. ५ गु. उफा. ल. गो. ८. ९ रे९।।।।ऽ।।
१० भौमे अनु ल. ऽन्यगो. ९ रे. ८ऽमं।।।ऽरो।।।
शु. ५ गुरौ रेल. ल. ८.९ रे. ७।।ऽबृ।ऽशऽरो।।।।

फाल्गुन मासः

कृ. ७ सोमे अनु. ल. ९.१० रे ७ऽवुशु।।।ऽचो.।ऽ।।
१० बुधे मूले. ल. १० रे ७।।।।। ऽरोऽऽ।।

माघ शु. १५ रवौ स्वल्पग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा १।४०

		स्प.	म.	मो.	पर्व
रेल्वें टाइम	घं.	४	५	६	२
	मि.	३४	७	४१	७
देशी टाइम	घं.	३	४	६	२
	मि.	५३	२६	०	७

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८४६ सन् १९५०
१	श	२५	३५	अ	६०	०	वै	२७	१६	ब	२५	३५	३५/१२	५/४६	६/१४	७	२४	२९	मेषे	चंद्रद. सम्वत्सरारंभः नवरात्रा.
२	र	२८	२६	अ	१	५८	वि	२७	४०	कौ	२८	२६	१६	४५	१५	८	२५	१	मेषे	भरण्यां बुधः ४३।३३ रज्जव ७
३	चं	३२	३	भ	७	२	प्री	२७	५१	तै	०	१५	२०	४४	१६	९	२६	२	वृ २३।३०	बृषे शुक्रः ३२।५ गणगौरीपू.
४	मं	३६	५७	कृ	१२	५३	आ	२९	१	व	४	३०	२४	४३	१७	१०	२७	३	बृषे	भ. ४।३० उ. ३६।५७ या.
५	बु	४१	४५	रो	१९	१५	सौ	३०	१८	ब	९	२१	२८	४२	१८	११	२८	४	मि५२।२७	वक्री बुधः ४२।५७
६	गु	४७	२	मृ	२५	४०	शो	३१	४५	कौ	१४	२३	३२	४२	१८	१२	२९	५	मिथुने	
७	शु	५१	३८	आ	३१	५८	अ	३२	५९	ग	१९	२०	३६	४१	१९	१३	३०	६	मिथुने	भ. ५१।३८ उ. मेषेऽर्कः : ४९।२
८	श	५५	५१	पु	३७	३३	सु	३३	४७	वि	२३	४४	४०	४०	२०	१४	१	७	क. २१।९	भ.२३।४४या. (*३९।३२पातमोक्षः ४९/५८
९	र	५८	३५	पु	४२	३७	धृ	३३	३६	बा	२७	१३	४४	३९	२१	१५	२	८	कर्के	पश्चिमास्तो बुधः ४६।५ राम ९
१०	चं	६०	०	श्ले	४६	९	शू	३३	१४	तै	२९	४१	४८	३८	२२	१६	३	९	सिं ४६।९	
१०	मं	०	४७	म	४८	१०	गं	३१	२८	ग	०	४७	५२	३८	२२	१७	४	१०	सिंहे	भ.३१।५उ.रोहिण्यांशुक्रः५९।०पातस्पर्शः*
११	बु	१	२४	पू	४९	२४	वृ	२८	४६	वि	१	२४	५५	३७	२३	१८	५	११	सिंहे	भ. १।२४ या. कामदा ११ व्र.
१२	गु	०	४६	उ	४९	२६	ध्रु	२५	३	बा	०	४६	५९	३६	२४	१९	६	१२	कं. ४।२५	भरण्यां भौमः ८।४२ प्रदोषः
१३	गु	५८	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (×हनुमज्जयंती
१४	शु	५५	४४	ह	४८	१४	व्या	२०	३३	ग	२७	१६	३/२	३६	२४	२०	७	१३	कन्या	भ. ५५।४४ उ. उभायां २ गुरुः ३९।१७
१५	श	५१	४१	चि	४६	९	ह	१४	५८	वि	२३	४२	६	३५	२५	२१	८	१४	तु. १७।११	भ.२३।४२या.वक्रीअश्विन्यांबुधः२६।१८×

१पंचै.शु. ७शु.इ.५२।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
०	९	१५	५	५	४	२४	०
३	२६	३१	७	९	७	९	०
५०	२	४४	८	४३	५२	२०	०
५८	४४	११/५८	१३	७१	५६	३	५८
४५	११	ब	८	५९	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

चंत्र शुक्ला ७ शुक्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.न.३ भ. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचरग्रहाः

२पं.चै.शु.१४शु.इ.५३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
६	१४	१३	६	१३	३	२३	६
५४	३६	४३	४२	२७	४१	४७	५०
१	४३	१६	५८	४३	१७	५	३८
५८	४४	४३/१६	१२	७१	३/५	३	५८
२१	१	ब	४४	३१	ब	११	३१

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	बसंततर्तू रविरुत्तरे चंत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्रः
१	र	४६	५६	स्वा	४३	१७	व	८	४७	बा	१९	१८	३/१०	५/१४	६/२	२२	९	१५	तुलायां	
२	चं	४१	२४	वि	३९	५०	सि	२१/७	५२/४८	तै	१४	१०	१४	३३	२७	२३	१०	१६	बृ.२५।४२	
३	मं	३५	३५	अ	३५	५९	व	४७	२६	व	८	२९	१८	३२	२८	२४	११	१७	बृश्चिके	भ. ८।२९ उ. ३५।३५ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२९	३९	ज्ये	३१	५५	प	३९	५८	ब	२	३७	२२	३२	२८	२५	१२	१८	ध.३१।५५	
५	गु	२३	३६	मू	२७	५१	शि	३१	५८	तै	२३	३६	२६	३१	२९	२६	१३	१९	धनुषि	
६	शु	१७	५१	पू	२३	५६	सि	२४	३२	ब	१७	५१	२९	३०	३०	२७	१४	२०	म.३८।५	भ.१७/५१उ.४५/३या. भरण्यां रविः ३/२६ वक्री*
७	श	१२	१६	उ	२०	३१	सा	१७	९	ब	१२	१६	३३	२९	३१	२८	१५	२१	मकरे	(*उफायां २ शनिः ३/२४ अगस्त्यास्तः ३/५
८	र	७	१८	श्र	१७	३२	शु	१०	४२	कौ	७	१८	३६	२९	३१	२९	१६	२२	कु.४६।२५	मृगेशुक्रः १७।११ पूभायां१ राहुः३केतुः×
९	चं	३	८	ध	१५	१६	शु	४/२९	५४/४६	ग	३	८	४०	२८	३२	३०	१७	२३	कुम्भे	भ.३१।३१उ.४९।५५या.पातमोक्षः५।२६
१०	चं	५६	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (×२४।१९ पातस्पर्शः ५४।४७
११	मं	५७	३७	श	१४	१०	ऐं	५४	५७	व	२८	४६	४३	२७	३३	१	१८	२४	मी५९।००	**मई मा. ५ ता. ३१** वरूथिनी११व्र. स्मा.
१२	बु	५६	३२	पू	१३	५६	वै	५१	१७	कौ	२७	४	४७	२७	३३	२	१९	२५	मीने	वरूथिनी ११ व्र. वै. निं.
१३	गु	५६	४७	उ	१५	८	वि	४८	४५	ग	२६	३९	५०	२६	३४	३	२०	२६	मीने	भ. ५६।४७ उ. पूर्वोदयीबुधः ३९।३प्रदोष
१४	शु	५८	१२	रे	१७	११	प्री	४७	१३	वि	२७	२९	५४	२५	३५	४	२१	२७	मे.१७।११	भ. २७।२९ या.
३०	श	६०	०	अ	२०	५७	आ	४६	४३	च	२७	३८	५७	२५	३५	५	२२	२८	मेषे	मिथुने शुक्रः २।३० अमापुण्यम्
३०	र	१	५	भ	२५	३६	सौ	४७	०	ना	१	५	३/३	२४	३६	६	२३	२९	बृ.४१।५९	उभायां ३ गुरुः ३।१४

३पं.वै.कृ. ६शु.इ.५३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
१३	१९	९	८	२१	३	२३	१३
४२	४४	१४	१५	४०	१८	२४	३९
२५	४६	१३	५४	५५	२५	४९	४१
५८	४३	३५/८	१२	७१	५/५५	३	५८
१२	४२	ब	२०	४	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

इस मासका फल सामान्य है कहीं २ कुछ वर्षा होगी धान्य भाव सामान्य रहेगा अलसी मटर सफेद गेहूँ तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

४पं.व.कृ.१४शु.इ.५३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	१	५	१०	०
२०	२४	५	९	२९	२	२३	२०
२९	५०	५३	४६	४९	५९	२	२७
३	१३	४९	.५	४४	२८	३४	२२
५७	४३	१८/२२	१२	७०	१३/६	३	५८
५७	२६	ब	१	२३	ब	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूर् रविरुत्तरेऽहर्गणः:५८७६ स.१९५१
१	चं	५	२	कृ	३१	९	शो	४८	७	ब	५	२	३३ ४	५ २३	६ ३७	७	२४	३०	वृषे	चंद्रद. कृतिकायां भौमः २५।२४
२	मं	९	३१	रो	३७	२४	अ	४९	२८	कौ	९	३१	७	२३	३७	८	२५	१	बृषे	सावान ८
३	बु	१४	२३	मृ	४३	५३	सु	५०	५२	ग	१४	२३	१०	२२	३८	९	२६	२	मि१०।३८	भ. ४६।५२उ. अक्षया ३
४	गु	१९	२२	आ	५०	१७	धृ	५२	२१	वि	१९	२२	१३	२१	३९	१०	२७	३	मिथुने	भ.१/२ या. मार्गीबुधः४/६ आर्द्रायां शुक्रः५/१
५	शु	२३	५६	पु	५६	१	शू	५३	१५	बा	२३	५६	१६	२१	३९	११	२८	४	क.३९।३५	कृत्तिकायां रविः १८।२१
६	श	२८	७	पु	६०	०	गं	५३	४२	तै	२८	७	१९	२०	४०	१२	२९	५	कर्के	वृषे भौमः ३।५०
७	र	३१	४	पु	१	१	वृ	५३	१६	व	३१	४	२२	२०	४०	१३	३०	६	कर्के	भ. ३१।४ उ. पातस्पर्शः५/२६ पातमोक्षः५/४०
८	चं	३२	४७	श्ले	५	१	ध्रु	५१	४४	वि	१	५६	२५	१९	४१	१४	३१	७	सिं५।१	भ. १।५६ या. वृषेऽर्कः ४६।८
९	मं	३३	४३	म	७	४८	व्या	४९	१३	बा	३	१५	२८	१८	४२	१५	१	८	सिंहे	
१०	बु	३२	३९	पू	९	१७	ह	४६	६	तै	३	११	३१	१८	४२	१६	२	९	कं.२४।२२	
११	गु	३०	४०	उ	९	३८	व	४१	३०	व	१	४०	३४	१७	४३	१७	३	१०	कन्या	भ. १।४० उ. ३०।४० या. मोहिनी ११व्र.
१२	शु	२७	४३	ह	८	४६	सि	३६	२०	बा	२७	४३	३६	१७	४३	१८	४	११	तु ३७।४७	प्रदोषः
१३	श	२३	३७	चि	६	४८	व्य	३०	२१	तै	२३	३७	३९	१६	४४	१९	५	१२	तुलायां	नृसिहजयंती
१४	र	१८	११	स्वा	४	१०	व	२३	५६	व	१८	११	४१	१६	४४	२०	६	१३	वृ ४६।३८	भ. १८।११ उ. ४५।३९ या. कूर्मजयन्ती
१५	चं	१३	७	वि	४७	५६ १६	प	१६	५१	ब	१३	७	४४	१५	४५	२१	७	१४	वृश्चिके	अन्नदानं वैशाख स्नान पूर्तिः

५पं.वै.शु.५ शु.इ.५३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	११	२	५	१०	०
२७	२९	६	११	७	२	२२	२७
१४	५२	२१	१२	५१	४४	४०	१३
१७	५२	४३	२५	३६	४९	१९	३०
५७	४३	३ २२	११	६९	४३	३	५७
४५	१७	मा	२४	३४	व	११	५४

गोचरग्रहाः

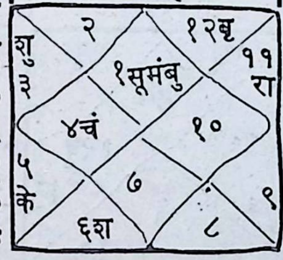

वैशाख शुक्ला ८
चंद्रेवृषेऽर्कः:प्र.वा.४
न.४ कुमारावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः३०
(धान्यभावसम)
शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचरग्रहाः

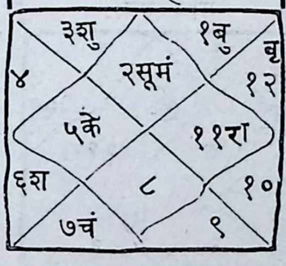

६पं.वै.शु.१२ शु.इ.५४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	११	२	५	१०	१
३	४	९	१२	१५	२	२२	३
५७	५२	६	३५	४७	३५	१८	५८
५४	५५	२९	२४	१७	१०	३	२८
५७	४३	२४	१०	६८	५८	३	५७
३४	७	५५	५३	४५	व	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मऋतू रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः
१	मं	७	९	ज्ये	५२	५६	शि	९	२८	कौ	७	९	३३ ४६	५ १५	६ ४५	२२	८	१५	ध.५२।५६	पुनर्वसौ शुक्रः४/५८ उभायां ४ गुरुः३९।३४
२	बु	१	१४	मू	४८	५३	सि	५२	५२ २२	ग	१	१४	४८	१४	४६	२३	९	१६	धनुषि	भ. २८।१२ उ. ५५।०९ या. भरण्यांबुधः
३	बु	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
४	गु	४९	१३	पू	४४	५५	शु	४६	७	ब	२२	११	५०	१४	४६	२४	१०	१७	म.५९।१	चतुर्थी व्र.
५	शु	४३	२२	उ	४१	२०	शु	३९	३९	कौ	१६	१७	५२	१४	४६	२५	११	१८	मकरे	रोहिण्यांरविः १२।१७ पातस्पर्शः५८।५४
६	श	३८	३८	श्र	३८	७	ब्र	३२	५३	ग	११	०	५४	१३	४७	२६	१२	१९	मकरे	भ. ३८।३८ उ. रोहिण्यां भौमः७।२०*
७	र	३४	२१	ध	३५	५०	ऐं	२६	४३	वि	६	२९	५६	१३	४७	२७	१३	२०	कु.६।५८	भ. ६।२९ या. (*पात मोक्षः १२।१२
८	चं	३०	५८	श	३५	२२	वै	२१	१६	बा	२	३९	५८	१२	४८	२८	१४	२१	कुम्भे	मार्गीशनिः ३४।१२
९	मं	२८	३५	पू	३६	०	वि	१६	४६	ग	२८	३५	३४ ०	१२	४८	२९	१५	२२	मी२०।५१	भ. ५८।५ उ.
१०	बु	२७	३५	उ	३६	२८	प्री	१३	२	वि	२७	३५	२	१२	४८	३०	१६	२३	मीने	भ. २७।३५ या.
११	गु	२७	३६	रे	३७	४७	आ	९	२७	बा	२७	३६	४	११	४९	३१	१७	२४	मे.३७।४७	कर्के शुक्रः ४८।११ अपरा ११ व्र.
१२	शु	२८	५८	अ	३९	५९	सौ	८	३५	तै	२८	५८	६	११	४९	१	१८	२५	मेषे	जून मा. ६ ता. ३० प्रदोषः
१३	श	३१	३३	भ	४४	३५	शो	८	०	ग	०	१५	८	१०	५०	२	१९	२६	मेषे	भ. ३१।३३ उ.
१४	र	३५	१५	कृ	४९	५३	अ	८	६	वि	३	४४	९	१०	५०	३	२०	२७	बृ०।५४	भ.३।२४या. कृतिकायां बुधः ३९।० पुष्ये=
३०	चं	३९	४९	रो	५६	०	सु	९	५६	च	७	३२	११	१०	५०	४	२१	२८	बषे	भावुका ३० वट पूजनं (=शुक्रः ४९।५

७पं.ज्ये.कृ.५शु.इ.५४।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	११	२	५	४	१
१०	९	१५	१३	२३	२	२१	१०
४०	५०	३४	५३	३४	३०	५५	४२
५	३८	१६	५	२६	११	४८	२०
५७	४२	४६	१०	६७	१६	३	५७
२३	४६	४२	११	३८	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास में धूप की अधिकता प्रजा में रोगादि उपद्रव विस्फोटक भय जगत में रक्त विकार की बीमारी अधिक।

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.कृ.१२शु.इ.५४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	११	३	५	१०	१
१७	१४	२४	१५	१	२	२१	१७
२१	४२	३९	७	१३	३०	३३	२५
११	४७	४	२३	५	२२	३२	७
५७	४२	६९	९	६६	२६	३	५७
१३	२६	१८	२८	२०	मा	११	३७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	मं	४४	४४	मृ	६०	०	धृ	१०	२४	किं	१२	१६	३४/१२	५/१०	६/५०	५	२२	२९	मि२९।११
२	बु	४९	२९	मृ	२	२२	शू	११	५०	बा	१७	६	१४	९	५ ११	६	२३	३०	मिथुने
३	गु	५४	१४	आ	८	५०	गं	१३	१९	तै	२१	५१	१५	९	५ ११	७	२४	१	क.५८।१७
४	शु	५८	७	पु	१४	४६	वृ	१४	३५	व	२६	१०	१६	९	५ ११	८	२५	२	कर्के
५	श	६०	०	पु	१९	५०	ध्रु	१५	२	ब	२९	३४	१७	९	५ ११	९	२६	३	कर्के
५	र	१	२	श्ले	२४	६	व्या	१४	४५	बा	१	२	१८	८	५ २	१०	२७	४	सिं२४।६
६	चं	२	४८	म	२७	१३	ह	१३	३१	तै	२	४८	१९	८	५ २	११	२८	५	सिंहे
७	मं	३	२१	पू	२८	५७	व	११	२९	व	३	२१	२०	८	५ २	१२	२९	६	कं.४४।७
८	बु	२	४०	उ	२९	३६	सि	८	१८	ब	२	४०	२१	८	५ २	१३	३०	७	कन्या
९	गु	०	४०	ह	२९	२	व्य	४/८	५५/३३	कौ	०	४०	२१	८	५ २	१४	३१	८	तु.५८।१०
१०	गु	५६	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	शु	५३	३३	चि	२७	१९	प	५३	१८	व	२५	३३	२२	८	५ २	१५	३२	९	तुलायां
१२	श	४८	३९	स्वा	२४	४३	शि	४६	४३	ब	२१	६	२२	८	५ २	१६	१	१०	तुलायां
१३	र	४३	४	वि	२१	३१	सि	३९	४७	कौ	१५	५१	२२	८	५ २	१७	२	११	वृ.७।१९
१४	चं	३७	१२	अ	१७	५७	सा	३२	३३	ग	१०	८	२३	७	५ ३	१८	३	१२	वृश्चिके
१५	मं	३१	९	ज्ये	१३	५०	शु	२५	४	वि	४	११	२३	७	५ ३	१९	४	१३	ध.१३।५०

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५९०५ स.१९५१

बृषे बुधः ७।८
चन्द्रदर्शनम् (×ऽअग्निऽ।।।
रमजान ९ रोजा रम्भा व्र.
भ.२६।१०उ.५८।७या. मृगेरविः ११।६*
(*पातस्पर्शः २२।४३ पातमोक्षः ४०।१२
मघा ल. १ रे ९ ।ऽ।।।।।।।।
रोहिण्यांबुधः २९।५८ रेवत्यां १ गुरुः ३०/२५
भ. ३।२१ उ. ३३।० या.
(! ११।५४ निर्जला ११ व्र. स्मा.
वरीयान क्षयः५५।३३ मृगेभौमः१४।५९=
क्षयः (=पूर्वास्तंबुधः २२/५१ गंगादशहरा
भ. २५।३३ उ. ५३।३३ या. मिथुनेऽर्कः!
सार्पे शुक्रः ३८।१९ निर्जला११व्र.वै.
मृगेबधुः ५९/३६ सावित्री व्रतारम्भः प्रदोषः+
भ. ३७/१२ उ. (+अनु.ल.ऽन्यगो.रे.८।।।।।×
भ. ४।११ या. गुर्जराणांवटपूजनं मन्वादिः

९पं.ज्ये.शु.४शु.इ.५४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	र	रा
१	१	१	११	३	५	१०	१
२४	१९	५	१६	८	२	२१	२४
१	३९	५६	१५	३९	३५	११	७
७	४	२	४७	५४	४६	१७	८
५७	४२	९४	८	६४	१	३	५७
५	१६	२	४०	४४	११	११	२१

गोचरग्रहाः

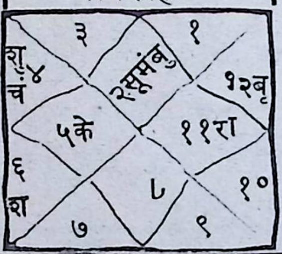

ज्येष्ठ शुक्ला
११शुक्रे मिथुनेऽर्कः
प्र. वा.५न.५प्रग-
ल्भावस्था (बैठी)
मु.३०(धा. भा.
सम) शुक्रोदय
पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

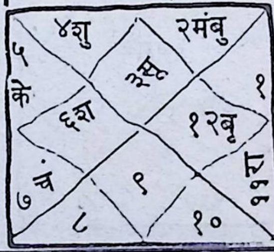

१०पंज्ये.शु.११शु इ.५४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	११	३	५	१०	२
०	२४	१९	१७	१५	२	२०	०
४०	२९	१४	१८	५३	४५	४९	४८
१५	३१	३१	०	५३	४७	२	२५
५६	४२	[illegible]	७	६२	१	३	५७
५७	०	[illegible]	४१	५०	५०	११	१७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः
१	बु	२५	२	मू	१०	२५	शु	१७	३२	कौ	२५	२	३४/२४	५/७	६/५३	२०	५	१४	धनुषि
२	गु	१९	२	पू	५	५३	ब्र	१०	२७	ग	१९	२	२४	७	५ ३	२१	६	१५	म.२०।३
३	शु	१३	१५	उ	२/३४	५६/१५	ऐं	२/४७	५३/१८	वि	१३	१५	२४	७	५ ३	२२	७	१६	मकरे
४	श	८	१३	ध	५६	३०	वि	४९	४०	बा	८	१३	२४	७	५ ३	२३	८	१७	कु.२७।३९
५	र	३	५२	श	५५	१	प्री	४४	६	तै	३	५२	२४	७	५ ३	२४	९	१८	कुम्भे
६	चं	०	२३	पू	५३	५२	आ	३९	४२	व	०	२३	२३	७	५ ३	२५	१०	१९	मी३९।९
७	चं	५७	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	मं	५६	३६	उ	५४	२४	सौ	३५	३४	तै	२७	१७	२३	७	५ ३	२६	११	२०	मीने
९	बु	५६	४०	रे	५६	७	शो	३२	४१	बा	२६	२३	२३	७	५ ३	२७	१२	२१	मे.५६।७
१०	गु	५७	५९	अ	५९	९	अ	३०	५०	व	२७	१९	२२	८	५ २	२८	१३	२२	मेषे
११	शु	६०	०	भ	६०	१०	सु	२९	५३	ब	२९	११	२२	८	५ २	२९	१४	२३	मेषे
११	श	०	२३	भ	३	१९	धृ	२९	५८	तै	०	२३	२१	८	५ २	३०	१५	२४	बृ.१९।३८
१२	र	४	७	कृ	८	३६	शू	३०	४६	बा	४	७	२०	८	५ २	१	१६	२५	बृषे
१३	चं	८	३०	रो	१४	२७	गं	३२	५	व	८	३०	१९	८	५ २	२	१७	२६	मि४७।३६
१४	मं	१३	१८	मृ	२०	४५	वृ	३३	५८	श	१३	१८	१८	८	५ २	३	१८	२७	मिथुने
३०	बु	१८	१	आ	२७	१३	ध्रु	३५	८	ना	१८	०१	१७	९	५ ११	४	१९	२८	मिथुने

ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मिथुन बुधः ५७।५
भ.४६/८उ. पातस्पर्शः ३८/५४ पातमोक्षः५४।२४
भ. १३।१५ या. आर्द्रायांरविः १३।२६ सं.*
मिथुनेभौमः ५४/३४वर्षा (*स्त्री.पु.चं.चं.वा.×
आर्द्रायांबुधः ४।२५ (×खर. वर्षासमा+
भ.२०/३३उ.२९/१०या. (+श्रवणाक्षयः५६।१५?
क्षयः (?५३/१८च.व्र. दक्षिणायन प्रवृत्तिः १४/५०
वर्षा (=११ व्र.वै.नि. पा.३१/५४ पा.३९/२८
वर्षा धूप अधिक
भ. २७।१९ उ. ५७।५९ या.
उ. ३ शनिः४६/५३ यो. ११व्र. स्मा. चातु. व्र.
पु. बुधः२९/६ म.सिं. च शुक्रः ३५/३२ योगिनी=
जलाई मा.७ ता. ३१ शते ४ राहुपूफायां!
भ.८।३०उ.४०/५४या. (! २केतुः१९/१८ प्रदोषः
आर्द्रायां भौमः ४८।० वर्षा रा.
कर्के बुधः ५०।२९ अमावस्या

११पं.आ.कृ.३शु.इ.५४।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	११	३	५	११	२
७	२९	४	१८	२२	३	२०	७
१८	१७	१०	१३	५१	०	२६	२९
४३	५६	८	३७	३६	४७	४६	१७
५६	४१	[illegible]	६	६०	२	३	५७
३४	५०	[illegible]	४०	२२	२९	११	१३

गोचरग्रहाः

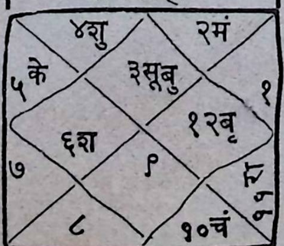

उदये च गुरौ
बृष्टिरस्तेबृष्टि भृगो
सते चलत्यंगारके
बृष्टि स्त्रिधाबृष्टिः
शनैश्चरै। मंगल
का चार वर्षा
करेगा ।

गोचरग्रहाः

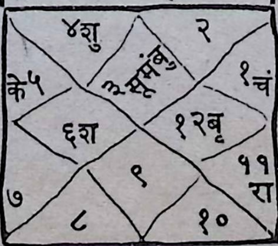

१२पं.आ.कृ.११शु.इ.५४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	११	३	५	१०	२
१३	४	१९	१९	२९	३	२०	१४
५६	४	२८	२	३०	२०	४	९
४६	८	३०	१३	४	१७	३१	४५
५६	४१	[illegible]	५	५७	३	३	५७
५०	४०	[illegible]	४६	१६	१३	११	७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९३५स.१९५१
१	गु	२२	४२	पु	३३	११	व्या	३६	२४	ब	२२	४२	३४/५६	५/९	५६/५१	५	२०	२९	क.१६।४२	चंद्रदर्शनं
२	शु	२६	४६	पु	३८	३६	ह	३६	५८	कौ	२६	४६	१४	९	५१	६	२१	१	कर्के	पुनर्वसौ रविः १७/२७ सं.स्त्री.स्त्री.चं.चं. वा.*
३	श	२९	४५	श्ले	४३	२५	व	३७	७	ग	२९	४५	१३	९	५१	७	२२	२	सिं४३।२५	मघा. ल. १–२ रे. ९ ।।ऽशु।।।।।।।
४	र	३१	२४	म	४६	२९	सि	३५	५९	व	०	३५	१२	१०	५०	८	२३	३	सिंहे	भ. ०।३५ उ. ३१।२४ या. व्र.
५	चं	३२	१६	पू	४८	३४	व्य	३४	४	ब	१	५०	१०	१०	५०	९	२४	४	सिंहे	वर्षायोगाःपूफा.(*जंबूकः वर्षानिष्ठा पुष्ये×
६	मं	३१	३३	उ	४९	२४	व	३०	५६	कौ	१	५४	९	१०	५०	१०	२५	५	कं.३।४६	रेवत्यां२गुरुः३३/५५ (×बुधः४३/१३पश्चिमोदय+
७	बु	२९	३६	ह	४९	२०	प	२७	५	ग	०	३५	७	११	४९	११	२६	६	कन्या	भ. २९।३६ उ. ५८।५ या.
८	गु	२६	३४	चि	४८	०	शि	२२	१२	ब	२६	३४	५	११	४९	१२	२७	७	तु.१८।४०	(+बुधः ४५।२० सव्वाल१०ईद रथयात्रा
९	शु	२२	३३	स्वा	४५	७	सि	१६	२९	कौ	२२	३२	४	११	४९	१३	२८	८	तुलायां	भड़ली ९
१०	श	१७	४०	वि	४२	७	सा	१०	५	ग	१७	४०	२	१२	४८	१४	२९	९	वृ.२७।५२	भ.४४।५५ उ. सार्पे बुधः १।४३ मन्वादिः
११	र	१२	१०	अ	३८	२९	शु	३/१५	५२/४४	वि	१२	१०	३४/००	१२	४८	१५	३०	१०	वृश्चिके	भ. १२।१० या. शुक्लयोगक्षयः ५२।४४!
१२	चं	६	२६	ज्ये	३४	३०	ब्र	४८	१९	बा	६	२६	३३/५८	१२	४८	१६	३१	११	ध.३४।३०	कर्कोऽर्कः५०।११ पूफायांशुक्रः १७/३२ प्रदोषः?
१३	मं	०	२२	मू	३०	२५	ऐं	४०	४८	तै	०	२२	५६	१३	४७	१७	१	१२	धनुषि	भ. ५४।१२ उ. (?हरिवासराऽभावः
१४	मं	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (! देवशयनी ११ व्र.
१५	बु	४८	१०	पू	२६	१६	वै	३३	२१	वि	२१	११	५४	१३	४७	१८	२	१३	म.४०।१८	भ. २१/५१या. व्यासपूजा वायुपरीक्षामन्वादिः

१३पं.आ.शु.७शु.इ.५४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	४	५	१०	२
२०	८	३	१९	५	३	१९	२०
३४	४५	४३	४२	४२	४४	४२	५०
४२	११	१२	५४	५०	६	१६	९
५६	४१	०	४०	५३	३	३	५७
५०	२०	२२	४	१०	४६	११	७

गोचरग्रहाः

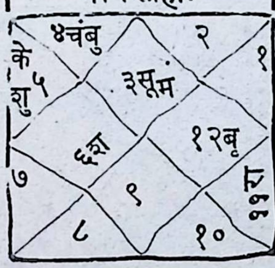

आषाढ शुक्ला १२ चंद्रे कर्कोऽर्कः प्र. वा.४ न.६ युवा वस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

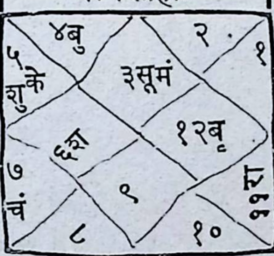

१४पं.आ.शु.९श.इ.५३।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१०	४	५	१०	२
२७	१३	१६	२०	११	४	१९	२७
१२	२९	२८	१५	२५	१२	२०	३०
४८	५६	८	३६	१९	७	०	३२
५६	४१	९१	३	४७	४	३	५७
५५	४	२८	३९	५७	२५	११	१२

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षाऋतू रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४२	२२	उ	२२	२२	वि	२५	५८	बा	१५	१६	३३/५२	५/१४	६/४६	१९	३	१४	मकरे	वर्षा सायं
२	शु	३७	१३	श्र	१९	१०	प्री	१९	३	तै	९	४७	५०	१४	४६	२०	४	१५	कु.४७।४७	पुष्पे रविः २०/५२ सं. स्त्री.पु.चं.चं.वा.महिष!
३	श	३२	४६	ध	१६	२५	आ	१२	३७	व	५	०	४८	१४	४६	२१	५	१६	कुम्भे	भ.५।०उ.३२/४६या. चतुर्थी व्र. (! वर्षाश्रेष्ठा
४	र	२९	१२	श	१४	२९	सौ	६	५१	ब	०	२९	४५	१५	४५	२२	६	१७	मी५८।४९	मघायां सिंहे च बुधः ४२।१४
५	चं	२६	४०	पू	१३	३६	शो	१/५८	५६/००	तै	२६	४०	४३	१५	४५	२३	७	१८	मीने	अतिगंडक्षयः५६/०० पुनर्वसौभौमः३६/३२ ना.५म.
६	मं	२५	१९	उ	१३	५३	सु	५४	५३	व	२५	१९	४०	१६	४४	२४	८	१९	मीने	भ. २५।१९ उ. ५५।१७ या.
७	बु	२५	१६	रे	१५	१२	धृ	५२	४६	ब	२५	१६	३८	१६	४४	२५	९	२०	मे.१५।१२	उदयं भौमः ११।३९ वर्षा योगः
८	गु	२६	२९	अ	१७	५४	शू	५१	४५	कौ	२६	२९	३५	१७	४३	२६	१०	२१	मेषे	
९	शु	२९	५	भ	२१	४८	गं	५१	३३	ग	२९	५	३२	१८	४२	२७	११	२२	वृ.३८।१	
१०	श	३२	२९	कृ	२६	४१	वृ	५२	११	व	०	४७	३०	१८	४२	२८	१२	२३	वृषे	भ. ०।४७ उ. ३२।२९ या.
११	र	३६	४८	रो	३२	३२	ध्रु	५३	२४	ब	४	३८	२७	१९	४१	२९	१३	२४	बृषे	कामिका ११ व्र.
१२	चं	४१	३२	मृ	५८	५०	व्या	५४	५५	कौ	९	१५	२४	१९	४१	३०	१४	२५	मि५।४१	दुर्दिनं (*पूफायां बुधः ५७।९ दुर्दिनं
१३	मं	४६	३८	आ	४५	१५	ह	५६	३६	ग	१४	५	२१	२०	४०	३१	१५	२६	मिथुने	भ. ४६।३८ उ. प्रदोषः
१४	बु	५१	६	पु	५१	२३	व	५७	५६	वि	१८	४२	१८	२०	४०	१	१६	२७	क.३४।५१	भ. १८।४२ या. **अगस्त मा. ८ ता. ३१***
३०	गु	५५	८	पु	५७	१	सि	५८	३७	च	२३	७	१५	२१	३९	२	१७	२८	कर्के	वक्री गुरुः ४४।३४ हरियाली ३० वर्षा

१५पं.श्रा.कृ.२शु.इ.५३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	११	४	५	१०	३
३	१८	२७	२०	१६	४	१८	४
५१	९	४०	३९	२६	४४	५७	११
१६	७	५९	४३	३५	६	४५	१३
५६	४०	७६	२	४१	७	३	५७
५७	५३	५५	१४	८	५१	११	१५

गोचरग्रहाः

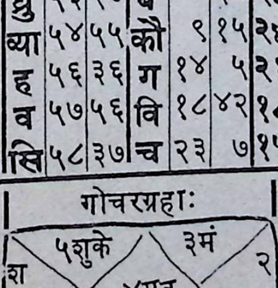

इस मास में वर्षा उत्तम होगी प्रजा में सुख शांति रुई में बुध शुक्र का योग मन्दी किया करता है धान्य भावमंदा रहेगा

गोचरग्रहाः

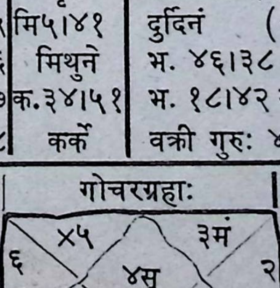

१६प.श्रा.कृ.९शु.इ.५३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	४	५	१०	३
१०	२२	७	२०	२०	५	१८	१०
३०	४६	१५	५४	३४	१९	३५	५२
३३	५९	०	२२	५९	२६	२९	१९
५७	४०	६३	०	३२	५	३	५७
५	३७	१८	५६	८	१८	११	२०

*११चंरा

×५बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९६४सन्१९५१
१	शु	५८	१७	श्ले	६०	०	व्य	५८	४७	किं	२६	४२	३३/१२	२५/७	३६/८	३	१८	२९	कर्के	आश्लेषायां रविः २१।४०
२	श	६०	०	श्ले	१	४२	व	५८	०	बा	२९	२८	९	२२	३८	४	१९	३०	सिं१।४२	चन्द्र द.
२	र	०	४०	म	५	१६	प	५६	१७	कौ	०	४०	६	२३	३७	५	२०	१	सिंहे	जिल्काद ११
३	चं	०	१६	पू	७	३७	शि	५३	२५	ग	०	५६	३	२३	३७	६	२१	२	कं.२२।५५	भ. ३०।४० उ. मधुश्रवा
४	मं	०	२५	उ	८	४९	सि	४९	३७	वि	०	२५	३३/००	२४	३६	७	२२	३	कन्या	भ. ०।२५ या. वरद् ४ नाम ५
५	मं	५८	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	०	०	क्षयः (*पवित्रा ११ ब्र.
६	बु	५६	३६	ह	८	४०	सा	४४	४६	कौ	२७	३४	३३/५७	२५	३५	८	२३	४	तु.३८।१	कर्के भौमः ०।७ वर्ण ६
७	गु	५१	४२	चि	७	४३	शु	३९	११	ग	२४	९	५४	२५	३५	९	२४	५	तुलायां	भ. ५१।४२ उ. शीतला ७ तुलसी ज.
८	शु	४६	५४	स्वा	५	१०	शु	३२	५२	वि	१९	१८	५०	२६	३४	१०	२५	६	वृ.४८।७	भ. १९।१८ या. उफायां ४ शनिः ५८।२७
९	श	४१	३०	वि	२६/३	५६/१७	ब्र	२५	५९	बा	१४	१२	४७	२७	३३	११	२६	७	वृश्चिके	
१०	र	३५	४२	ज्ये	५४	५१	ऐं	१८	३८	तै	८	३६	४३	२७	३३	१२	२७	८	ध.५४।५१	पुष्ये भौमः ५८।५२
११	चं	२९	४२	मू	५०	४४	वै	११	४	व	२	४२	४०	२८	३२	१३	२८	९	धनुषि	भ.२।४२उ.२९।२या. वक्री शुक्रः २।३७*
१२	मं	२३	३७	पू	४६	३६	वि	२८/३	२८/५२	बा	२३	३७	३६	२९	३१	१४	२९	१०	धनुषि	प्रदोषः
१३	बु	१७	३०	उ	४२	४२	आ	४८	३१	तै	१७	३०	३३	२९	३१	१५	३०	११	म.०।४८	
१४	गु	११	३९	श्र	३९	१८	सौ	४१	२८	व	११	३९	२९	३०	३०	१६	३१	१२	मकरे	भ.११।३९ उ. ३९।६ या.
१५	शु	६	३४	ध	३६	१९	शो	३४	४६	ब	६	३४	२६	३१	२९	१७	३२	१३	कुं.७।४८	सिंहेऽर्कः १८।७

१७पं.श्रा.शु.१शु.इ.५४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	४	५	१०	३
१७	२७	१४	२०	२३	५	१८	१७
१०	२२	५४	५९	३३	५७	१६	३४
२२	३०	०	५६	११	४३	२४	०
५७	४०	४८	११	२०	५	३	५७
१२	२६	२८	व	२९	४४	११	२४

१८पं.श्रा.शु.८शु.ई.५३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	११	४	५	१०	३
२३	१	२०	२०	२५	६	१७	२४
५१	५५	५	५५	१	३९	५०	१६
२९	५९	३८	४३	३०	२९	५९	२७
५७	४०	२९	१/३७	५	६	३	५७
२२	१०	१९	व	५८	५	११	३३

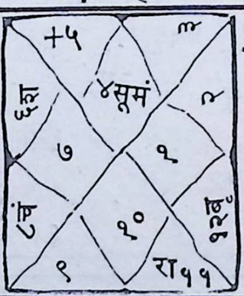

१९पं.श्रा.शु.१५शु.इ.५३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
०	६	२१	२०	२४	७	१७	०
३३	२७	५६	४१	४३	२३	१८	५९
४४	५८	३५	४२	३०	२०	४३	४७
५७	३९	२	३/५६	१०/४६	६	३	५७
३४	५६	२८	व	व	२६	११	४०

त.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२	५	श	३४	१	अ	२८	४९	कौ	२	५	३२/२२	३५/२	२६/८	१८	१	१४	कुम्भे	वक्री बुधः १९।४२
२	श	५६	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	र	५५	५४	पू	३२	५९	सु	२३	४२	व	२७	११	१८	३२	२८	१९	२	१५	मी१८।१५	भ. २७।११ उ. ५५।५४ या. कज्जली ३
४	चं	५४	२७	उ	३३	०	धृ	१९	२२	ब	२५	१०	१५	३३	२७	२०	३	१६	मीने	चतुर्थी ब्र. बहुला ४
५	मं	५४	२९	रे	३४	५	शू	१६	५	कौ	२४	२८	११	३४	२६	२१	४	१७	मे.३४।५	
६	बु	५५	३७	अ	३६	२७	गं	१३	४२	ग	२५	३	८	३४	२६	२२	५	१८	मेषे	भ. ५५।३७ उ. चंद्र ६ हल ६
७	गु	५७	५९	भ	४०	७	वृ	१२	२१	वि	२६	४८	४	३५	२५	२३	६	१९	बृ.५६।१८	भ. २६।४८ या. **पश्चिमास्तोभृगुः४।४८***
८	शु	६०	०	कृ	४४	५२	ध्रु	११	५९	बा	२९	४४	३२/००	३६	२४	२४	७	२०	बृषे	पश्चिमास्तोबुधः २३।२७ श्रीकृष्णजयन्ती
८	श	१	३०	रो	५०	३४	व्या	१२	२७	कौ	१	३०	३१/५६	३७	२३	२५	८	२१	बृषे	*प. अ. शु.
९	र	५	५३	मृ	५६	४३	ह	१३	३४	ग	५	५३	५२	३८	२२	२६	९	२२	मि२३।३८	भ. ३८।१६ उ.
१०	चं	१०	३९	आ	६०	०	व	१५	२८	वि	१०	३९	४८	३८	२२	२७	१०	२३	मिथुने	भ. १०।३९ या.
११	मं	१५	३४	आ	३	८	सि	१६	३३	बा	१५	३४	४४	३९	२१	२८	११	२४	क.५१।७	अजा ११ ब्र. अगस्त्योदयः १७।३५
१२	बु	२०	२०	पु	९	६	व्य	१८	१	तै	२०	२०	४०	४०	२०	२९	१२	२५	कर्के	वक्रीरेवत्यां१गुरुः२९।१८ प्रदोषः वत्स१२
१३	गु	२४	२६	पु	१४	५८	व	१८	५१	व	२४	२६	३६	४१	१९	३०	१३	२६	कर्के	भ. २४।२६ उ. ५६।२ या.
१४	शु	२७	३९	श्ले	१९	५८	प	१९	०	श	२७	३९	३२	४२	१८	३१	१४	२७	सि१९।५०	पूफायांरविः८।५८वक्रीमघायांबुधः ५।२५
३०	श	२९	४६	म	२३	४७	शि	१८	२२	ना	२९	४६	२८	४२	१८	१	१५	२८	सिंहे	**सितम्बर मा. ९ ता. ३०**

२०पं.भा.कृ.८शु..इ५३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
७	१०	१९	२०	२२	८	१७	७
१७	५६	३१	१९	३१	९	६	४४
१६	५३	३७	१	१	३२	२८	१७
५७	३९	३६/३२	४/५	२६/१६	६	३	५७
४५	४२	व	व	व	३८	११	४८

गोचर हाः

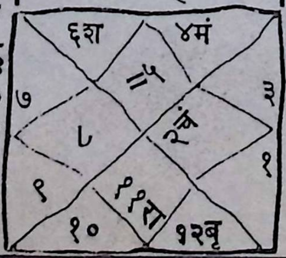

इस मास में यातो वर्षा होगी नहीं यदि होगी तो भयंकर वर्षा होगी जिससे अनेक स्थानों में नदियोंमें बाढ़ से नुकसान।

गोचरग्रहाः

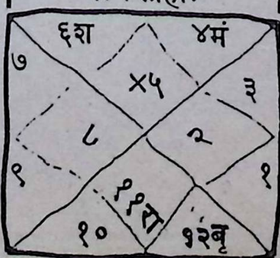

२१पं.भा.कृ.१४शु.इ.५२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
१४	१५	१२	१९	१८	८	१६	१४
२	२५	२८	४७	४२	५७	४४	२९
२८	३७	१९	२६	१८	४०	१३	५४
५७	३९	६५/३७	५/१५	३५/३४	६	३	५८
५७	२५	व	व	व	५६	११	१

* ५ बुशुके =५सूबुशुके (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) +५बुशुके ×५सूचंबुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः
१	र	३०	४२	पू	२६	१५	सि	१६	९	किं	०	१४	३५/२५	५/४३	६/१७	२	१६	२९	कं.४१।३८
२	चं	३०	१५	उ	२७	४६	सा	१४	९	बा	०	२८	२१	४४	१६	३	१७	३०	कन्या
३	मं	२८	३४	ह	२७	५८	शु	९	५९	ग	२८	३४	१८	४४	१६	४	१८	१	तु.५७।२७
४	बु	२५	४२	चि	२६	५७	शु	५	५९	वि	२५	४२	१४	४५	१५	५	१९	२	तुलायां
५	गु	२१	५४	स्वा	२४	५३	ब्र	०/१८	३/५०	बा	२१	५४	१०	४६	१४	६	२०	३	तुलायां
६	शु	१७	१९	वि	२२	१२	वै	३७	२४	तै	१७	१९	६	४७	१३	७	२१	४	बृ.७।५२
७	श	११	५९	अ	१८	४८	वि	४०	३	व	११	५९	२	४८	१२	८	२२	५	बृश्चिके
८	र	६	१३	ज्ये	१४	५०	प्री	३२	२९	ब	६	१३	३०/५८	४८	१२	९	२३	६	घ.१४।५०
९	चं	०	१८	मू	१०	४८	आ	२४	४४	कौ	०	१८	५३	४९	११	१०	२४	७	घनुषि
१०	चं	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	मं	४८	११	पू	६	३७	सौ	१७	१२	व	२१	१२	४९	५०	१०	११	२५	८	म.२०।३८
१२	बु	४२	३३	उ	२/४९	५६/१९	शो	९	४१	ब	१५	२२	४५	५१	९	१२	२६	९	मकरे
१३	गु	३७	२०	ध	५५	५३	अ	२/३०	५३/१२	कौ	९	५६	४०	५२	८	१३	२७	१०	कु.२७।२६
१४	शु	३२	४५	श	५३	४३	धृ	४९	२७	ग	५	२	३६	५३	७	१४	२८	११	कुम्भे
१५	श	२९	१४	पू	५१	५६	शू	४४	१	वि	१	०	३२	५४	[illegible] ६	१५	२९	१२	मी३७।२३

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९९४ स.१९५१

सार्पे भोमः ४६।९ शते ३ राहुः पूफायां*
चंद्रदर्शनाम् (*१ केतुः १२।२४
भ. ५७।८ उ. जिल्हेज १२
भ. २५।४२ या. गणेश ४
ऋषि ५
(×बुधश्च ३२।४६ दुर्वा ८ पू.उ.शु.
भ.५१/९१ उ.३९।६या.**पूर्वोदयीशुक्रः**१४।२४×
वक्रीमघायांशुक्रः ५१।३हस्ते १ शनिः५१/४०
(=१७।२५ जलझूलनी ११ ब्र. स्मा.
क्षयः
भ. २१।१२ उ. ४८।११ या. मार्गीबुधः=
अस्तंशनिः ३२।३० जलझूलनी ११ ब्र. वै.
उफायां रवि. ५३।३७
भ. ३२।४५ उ. अनन्त १४
भ. १।० या. महालयारम्भः प्रौष्ठपदी१५

२२पं.भा.शु.६शु.इ.५२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
२०	१९	८	१९	१४	९	१६	२१
४९	५१	५५	७	२७	४७	२१	१६
८	४०	८	१६	४३	१७	५७	५८
५८	३९	४०/३१	६/१३	३४/२१	७	३	५८
१२	२४	व	व	व	३	११	१३

गोचरग्रहाः

कन्यायां मिथुने मीने बृषे धनुषि वास्थितः। शनिः करोति दुर्भिक्षराज युद्ध परस्परम्।
कन्या. राशिपरशनि धीरे २ रुई में तेजी

गोचरग्रहाः

२३पं.भा.शु.१४शु.इ.५२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	५	१०	४
२७	२४	१०	१८	१०	१०	१५	२८
३७	१५	२८	२०	५५	३७	५९	५
३२	५८	२६	४९	१	५२	४२	२४
५८	३९	४२/३८	७/१	२३/२	७	३	५८
२९	८	मा	व	व	१४	११	२६

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	र	२६	४१	उ	५१	५६	गं	३९	२५	कौ	२६	४१	३०/२८	६/५४	६	१६	३०	१३	मोने
२	चं	२५	२०	रे	५२	४४	बृ	३५	४७	ग	२५	२०	२४	५५	५	१७	३१	१४	मे.५२।४४
३	मं	२५	१९	अ	५४	४९	ध्रु	३३	६	वि	२५	१९	२०	५६	४	१८	१	१५	मेषे
४	बु	२६	३०	भ	५८	१३	व्या	३१	२५	बा	२६	३०	१६	५७	३	१९	२	१६	मेषे
५	गु	२८	५३	कृ	६०	०	ह	३०	४७	तै	२८	५३	१२	५८	२	२०	३	१७	बृ.१४।२०
६	शु	३२	२१	कृ	२	४२	व	३१	८	ग	०	३७	८	५८	२	२१	४	१८	बृषे
७	श	३६	५१	रो	८	१२	सि	३२	३	वि	४	३६	४	५९	१	२२	५	१९	मि४१।४२
८	र	४१	४२	मृ	१४	१२	व्य	३३	१२	बा	९	१६	०	६/००	६/००	२३	६	२०	मिथुने
९	चं	४६	३८	आ	२०	३२	व	३४	४२	तै	१४	१०	२९/५५	१	५९	२४	७	२१	मिथुने
१०	मं	५१	३२	पु	२६	४६	प	३६	१७	व	१९	५	५१	२	५८	२५	८	२२	क.१०।१३
११	बु	५५	४६	पु	३२	४३	शि	३६	५६	ब	२३	३९	४६	३	५७	२६	९	२३	कर्के
१२	गु	५९	६	श्ले	३७	४६	सि	३७	३१	कौ	२७	२६	४२	४	५६	२७	१०	२४	सिं३७।४६
१३	शु	६०	०	म	४१	५६	सा	३६	५३	ग	३०	१५	३८	४	५६	२८	११	२५	सिंहे
१३	श	१	२५	पू	४४	४६	शु	३५	५९	ब	१	२५	३४	५	५५	२९	१२	२६	सिंहे
१४	र	२	२५	उ	४६	२८	शु	३२	५६	श	२	२५	३०	६	५४	३०	१३	२७	कं.०।११
३०	चं	२	३	ह	४६	५७	ब्र	२९	२५	ना	२	३	२६	७	५३	१	१४	२८	कन्या

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्रः

भ. ५५।१९ उ. कन्यायामर्कः १८।४८
भ.२५।१९या. पूफायांबुधः५४।४चतुर्थीब्र.
(*इन्दिरा ११ ब्र. नि.
भ. ३२।२१ उ.
भ. ४।३६ या.
सिंहे भौमः ५६।११
मार्गीशुक्रः ५५।२२ मातृ ९
भ. १९।५ उ. ५१।३२ या.
पूर्वास्तोबुधः ५४।२५ इंदिरा ११ ब्र. स्मा.
हस्तेरविः३१।५५ उफायां बुधः ३।१५*
कन्यायां बुधः ४९।५१ वक्रीउभायां ४×
भ.।१।२५ उ. ३१।४४।या
सर्वपितृ ३० (×गुरुः ११।१६ प्रदोषः
अक्टूबर मा.१० ता.३१ मातामहश्राद्धम्

२४पं.आ.कृ.६शु.इ.५२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	११	४	५	१०	५
४	२८	१८	१७	९	११	१५	४
२७	३९	२३	२९	२	२९	३७	५५
३७	३२	५६	२४	३१	२०	२६	१७
५८	३९	९७	७/४७	७/२	७	३	५८
४५	१	४७	व	व	२०	११	३८

गोचरग्रहाः

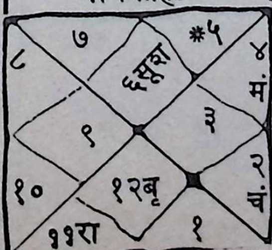

आश्विनकृष्णा२चन्द्रे कन्यायामर्कः प्र.वा.४ न. ५ प्रौढावस्था [बैठी]मु. ३०(धान्य भावसम) शुक्रोदयं पूर्वे वत्सश्च राहु रुत्तरे मूलं स्वर्गे।

गोचरग्रहाः

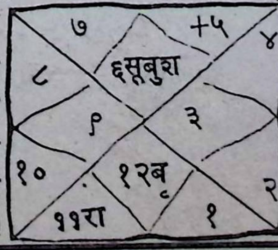

२५पं.आ.कृ.१३शु.इ.५२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	११	.४	५	१	५
११	२	०	१६	९	१२	१५	११
१९	५९	६	३४	९	२१	१५	४६
४३	२४	३६	३७	७	७	११	५५
५९	३८	[illegible]	७/५२	१/७	७	३	५९
०	३६	३८	व	मा	२०	११	५३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

+५चंमंशुके

*५बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०२४ स. १९५१
१	मं	०	२३	चि	४६	१३	ऐं	२४	४३	ब	०	२३	२९/२२	६/८	५/५२	२	१५	२९	तु. १६।१५	चंद्रदर्शनम् नवरात्रा.
२	मं	५७	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	बु	५३	५९	स्वा	४४	११	वै	१९	४०	तै	२५	५०	१८	८	५२	३	१६	१	तुलायां	मोहोरम १ सन् १३७१
४	गु	४९	२५	वि	४१	२५	वि	१३	२९	व	२१	४२	१४	९	५१	४	१७	२	बृ. २७।७	भ. ३१/४२ उ. ४९।२५ या. हस्तेबुधः २४।४६
५	शु	४४	१४	अ	३८	२४	प्री	६/३९	५२/५०	ब	१६	४९	१०	१०	५०	५	१८	३	बृश्चिके	उपांगललिता ब्र.
६	श	३८	३३	ज्ये	३४	४३	सौ	५१	५३	कौ	११	२३	६	११	४९	६	१९	४	ध. ३४।४३	हस्ते २ शनिः ५०।५१
७	र	३२	४९	मू	३०	३४	शो	४४	७	ग	५	४१	२	१२	४८	७	२०	५	धनुषि	भ ३२।३९ उ. ५९।४६ या. सरस्वत्यावाहनं
८	चं	२६	४३	पू	२६	२६	अ	३६	२१	ब	२६	४३	३८/५८	१२	४८	८	२१	६	म. ४०।२७	सरस्वती पूजनं.
९	मं	२०	४५	उ	२२	२९	सु	२८	४४	कौ	२०	४५	५४	१३	४७	९	२२	७	मकरे	बौद्धज. सरस्वती वि. विजया १०
१०	बु	१५	९	श्र	१८	४८	धृ	२१	२३	ग	१५	९	५०	१४	४६	१०	२३	८	कु. ४७।१०	भ. ४२।३५ उ. विजया १०
११	गु	१०	२	ध	१५	३३	शू	१४	२४	वि	१०	२	४६	१५	४५	११	२४	९	कुंभे	भ. १०।२ या. चित्रायां रविः १।५३*
१२	शु	५	३१	श	१३	११	गं	८	०	बा	५	३१	४२	१६	४४	१२	२५	१०	मी ५६।५२	प्रदोषः ताजिया
१३	श	२	५	पू	११	२५	वृ	२/१८	५५/६	तै	२	५	३८	१६	४४	१३	२६	११	मीने	भ. ५९।३८ उ. (×०।५ पापांकुशा ११ ब्र.
१४	श	५७	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (*चित्रायांबुधः ५४/४६ पूफायां शुक्रः×
१५	र	५८	२०	उ	१०	४८	व्या	५३	३०	वि	२८	५९	३४	१७	४३	१४	२७	१२	मीने	भ. २८५९ या. शरत्पूर्णिमा

२६पंआ.शु.५शु.इ.५२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	११	४	५	१०	५
१८	७	१२	१५	११	१३	१४	१८
१३	१७	४२	३८	३	१२	५२	४०
३१	५३	३२	१३	२२	५४	५६	१२
५९	३८	८/०	७	२२	७	३	५९
१६	२०	०/३५	५२	५३	२०	११	९

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में पीड़ा व्यापार में घटबढ़ धान्य भाव सामान्य मूंग मोंठ बाजरा चूंला मंदासोना चांदीतेज

गोचरग्रहाः

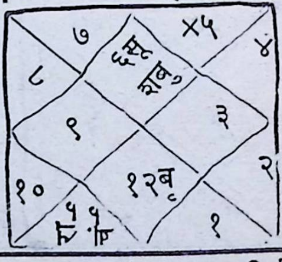

२७पं.आ.शु.१२शु.इ.५१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	११	४	५	१०	५
२५	११	२५	१४	१४	१४	१४	२५
९	३५	१	४२	२३	४	३०	३५
१४	२४	३७	५८	१७	३७	४०	७
५९	३८	७/०	४१/७	३३	७	३	५९
३१	७	०/३३	ब	५५	१४	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	चं	५८	२६	रे	११	२३	ह	५०	४१	बा	२८	२३	३८/३०	६/५८	५/४२	१५	२८	१३	मे. ११।२३	तुलायांबुधः ४०।० पूयाभौमः ३६।३९
२	मं	५९	३६	अ	१२	४९	व	४८	३२	तै	२९	१	२६	१९	४१	१६	२९	१४	मेषे	
३	बु	६०	०	भ	१६	१५	सि	४७	३३	व	३०	२४	२२	२०	४०	१७	३०	१५	बृ. ३२।१८	भ. ३०/२४ उ. तुलायामर्कः ४४/३७ उदयीशनिः २३/७
३	गु	१	१२	कृ	२०	२८	व्य	४६	५४	वि	१	१२	१८	२०	४०	१८	१	१६	बृषे	भ. १।१२ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु	५	३९	रो	२५	४३	व	४८	८	बा	५	३९	१४	२१	३९	१९	२	१७	मि ५८।३६	स्वात्यां बुधः ४६।४६
५	श	१०	१४	मृ	३१	२९	प	४९	१७	तै	१०	१४	१०	२२	३८	२०	३	१८	मिथुने	
६	र	१५	१०	आ	३७	५८	शि	५०	३५	व	१५	१०	६	२३	३७	२१	४	१९	मिथुने	भ. १५।१० उ. ४२।४१ या.
७	चं	२०	१३	पु	४४	२१	सि	५१	५४	ब	२०	१३	२	२४	३६	२२	५	२०	क. २७।४५	होई ८
८	मं	२५	१२	पु	५०	१८	सा	५३	७	कौ	२५	१२	२७/५८	२४	३६	२३	६	२१	कर्के	
९	बु	२९	३२	श्ले	५५	४६	शु	५३	२५	ग	२९	३२	५४	२५	३५	२४	७	२२	सिं ५५।४९	स्वात्यां रविः ३५/३७ वक्री उभायां ३ गुरुः १४/३५
१०	गु	३२	५४	म	६०	०	शु	५३	०	व	१	१३	५०	२६	३४	२५	८	२३	सिंहे	भ. १।१३ उ. ३२।५४ या.
११	शु	३५	१२	म	०	२	ब्र	५१	४१	ब	४	३	४६	२७	३३	२६	९	२४	सिंहे	रमा ११ ब्र.
१२	श	३६	२३	पू	३	२२	ऐं	४९	२९	कौ	५	४७	४२	२८	३२	२७	१०	२५	कं. १८।४६	विशाखायां बुधः ५९।१५ गोवत्स पू.
१३	र	३६	१०	उ	४	५८	वै	४६	१३	ग	६	१७	३८	२८	३२	२८	११	२६	कन्या	भ. ३६/१० उ. प्रदोषः धन १३ यमदीपदानं
१४	चं	३४	३४	ह	५	५१	वि	४२	०	वि	५	२२	३४	२९	३१	२९	१२	२७	तु. ३५।३७	भ. ५।२२ या. उफायां शुक्रः ४९/४२ रूप १४
३०	मं	३१	५२	चि	५	२४	प्री	३६	४७	च	३	१३	३१	३०	३०	३०	१३	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.४शु.इ.५१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	११	४	५	१०	६
२	१५	६	१३	१८	१४	१४	२
६	४९	४८	५०	४३	५५	८	३१
४३	५९	३२	५३	५९	१९	२५	३५
५९	३७	८/०	१०/७	४२	७	३	५९
४६	४-	०/२३	ब	१३	८	११	३४

गोचरग्रहाः

कार्तिक कृष्ण ३ बुधे तुलायामर्कः प्र.वा.३न.४ बृद्धा-वस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव समं) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

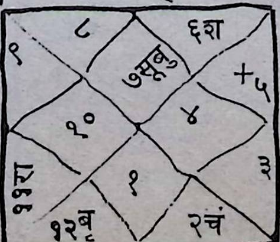

२९पं.का.कृ.११शु.इ.५१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	११	४	५	४	६
९	२०	१८	१३	२४	१५	१३	९
६	२	९	३	१५	४५	४६	२९
५	२०	२९	२५	४३	०	१०	५४
६०	३७	९८	२/६०	४८	६	३	५९
२	३०	३	ब	३७	५६	११	४७

*५केमंन्, ÷५शुकेमं (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×५मंशुके +५मंशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक	शुक्लपक्षः	सं.	२००८	शाकः	१८७३							दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०५३सन्१९५१
१	बु	२८	१३	स्वा	३	४८	आ	३०	४७	किं	००	१३	२७/२६	६/३५	५/२९	३१	१४	२९	बृ.४६।५६	अन्नकूटं
२	गु	२३	४४	वि	५/१९	५७/४३	सौ	२४	५	कौ	२३	४४	२३	३१	२९	१	१५	३०	बृश्चिके	**नवंबर मा. ११ ता. ३०** चंद्र. यम२भ्रातृ२
३	शु	१८	३८	ज्ये	५४	२९	शो	१६	५९	ग	१८	३८	२०	३२	२८	२	१६	१	ध.५४।२९	भ. ४५।५० उ. कन्यायां शुक्रः २७।१६*
४	श	१३	३	मू	५०	२८	अ	९	२४	वि	१३	३	१६	३३	२७	३	१७	२	धनुषि	भ. १३/३या. बृश्चिकेबुधः २७/०हस्ते३शनिः ३२/५
५	र	७	१५	पू	४६	२९	सु	१/३९	५२/९	बा	७	१५	१३	३३	२७	४	१८	३	धनुषि	शते २ राहुः मघायां ४ केतु ४।५७
६	चं	१	२१	उ	४२	२०	शू	४६	५	तै	१	२१	९	३४	२६	५	१९	४	म.०।२७	भ. ५५।२५ उ. मैत्रे बुधः ३१।४१
७	चं	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः (*पश्चिमास्तोबुधः५६।४२ सफर२
८	मं	४९	३५	श्र	३८	३१	गं	३८	३१	वि	२२	३०	६	३५	२५	६	२०	५	मकरे	भ.३२/३या. विशाखायांरविः ४३।२गोपा८
९	बु	४४	५५	ध	३५	११	वृ	३१	२३	बा	१७	१५	३	३५	२५	७	२१	६	कु.६।५१	उफायां भोमः ९।२४ अक्षया ९ कुष्मांड ९
१०	गु	४०	३५	श	३२	२७	ध्रु	२४	४५	तै	१२	४५	२६/५९	३६	२४	८	२२	७	कुम्भे	
११	शु	३७	१	पू	३०	३०	व्या	१८	४७	व	८	४८	५६	३७	२३	९	२३	८	मी१५।५९	भ. ८।४८ उ. ३७।१ या. प्रवोधिनी ११ ब्र.
१२	श	३४	४९	उ	२९	४०	ह	१३	३७	ब	५	५५	५२	३८	२२	१०	२४	९	मीने	मन्वादिः
१३	र	३३	३७	रे	२९	५७	व	९	२५	कौ	४	१३	४९	३८	२२	११	२५	१०	मे.२९।५७	प्रदोषः वैकुंठ १४ (×का.स्ना.पूर्तिः
१४	चं	३३	४९	अ	३१	१९	सि	६	७	ग	३	४३	४६	३९	२१	१२	२६	११	मेषे	भ. ३३।४९ उ. कन्यायां भौमः ३५।२९
१५	मं	३५	९	भ	३४	१३	व्य	३	४६	वि	४	२९	४३	३९	२१	१३	२७	१२	बृ.५०।१३	भ.४।२९या. हस्तेशुक्रः३।४३पुष्करयात्रा×

३०पं.का.शु.३शु.इ.५११२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	११	५	५	१०	६
१६	२४	२९	१२	०	१६	१३	१६
७	११	२	२२	२१	३३	२३	२९
९	३८	५३	३७	३२	१४	५४	७०
६०	३७	९६	५/२३	५३	६	३	६०
१८	११	१७	ब	२६	३८	११	४

गोचरग्रहाः

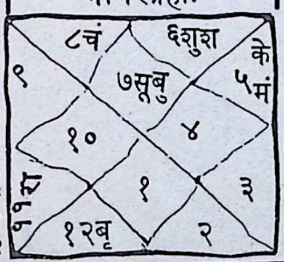

कन्या राशि पर शनि मंगल का योग रुई में १००)१२५)की तेजी का योग है यह योग सं१९८०में हुआ था तब३००)कीतेजी

गोचरग्रहाः

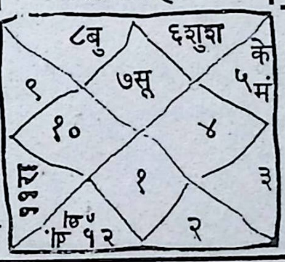

३१पं.का.शु.११शु.इ.५११५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	.४	७	११	५	५	१०	६
२३	२८	९	११	६	१७	१३	२३
९	१९	३१	४९	५६	१९	१	३१
४७	१६	५२	३४	५६	३४	२९	२
६०	३६	९४	४/१	५७	६	३	६०
३०	४८	५०	ब	२२	२६	११	१७

ति.	मार्गशीर्ष	कृष्णपक्षः	सं.२००८	शाकः	१८७३								दि.	अ.	उ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहा.
१	बु	३७	४४	कृ	३८	१३	व	२	२२	बा	६	२६	२६/४०	६/४०	५/२०	१४	२८	१३	बृषे	ज्येष्ठायां बुधः ५९।३७
२	गु	४१	२८	रो	४३	१५	प	१	५५	तै	९	३६	३७	४१	१९	१५	२९	१४	बृषे	
३	शु	४६	५	मृ	४९	३	शि	२	५६	व	१३	४६	३४	४१	१९	१६	३०	१५	मि१६।९	भ. १३।४६ उ. ४६।५ या. बृश्चिकेऽर्कः ३७/०
४	श	५१	६	आ	५५	२२	सि	३	१७	ब	१८	३५	३१	४२	१८	१७	१	१६	मिथुने	चतुर्थी ब्र.
५	र	५६	१७	पु	६०	०	सा	४	३१	कौ	२३	४१	२९	४२	१८	१८	२	१७	क.४५।१०	
६	चं	६०	०	पु	१	४६	शु	५	४९	ग	२८	४९	२६	४३	१७	१९	३	१८	कर्के	अनु. रवि. ५५।८
६	मं	१	२१	पु	७	४९	शु	६	५१	व	१	२१	२४	४३	१७	२०	४	१९	कर्के	भ.१।२१उ.३३।३२या. पातस्पर्शः५।२६*
७	बु	५	४३	श्ले	१३	२३	ब्र	७	१२	ब	५	४३	२१	४४	१६	२१	५	२०	सिं१३।२३	भैरवजयन्ती
८	गु	९	१०	म	१७	५८	ऐं	७	१२	कौ	९	१०	१८	४४	१६	२२	६	२१	सिंहे	(*पातमोक्षः १९।५४
९	शु	११	२९	पू	२१	२५	वै	६	१६	ग	११	२९	१६	४५	१५	२३	७	२२	कं.३६।५८	भ. ४२।३ उ.
१०	श	१२	३७	उ	२३	३७	वि	४	१४	वि	१२	३७	१३	४५	१५	२४	८	२३	कन्या	भ. १२।३७ या. धनुषि बुधः ४३।२४
११	र	१२	२१	ह	२४	३९	प्री	५/१३	५५/५७	बा	१२	२१	११	४६	१४	२५	९	२४	तु.५४।३३	चित्रायांशुक्रः ४८।५० उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	चं	१०	४७	चि	२४	२८	सौ	५२	११	तै	१०	४७	८	४६	१४	२६	१०	२५	तुलायां	प्रदोष
१३	मं	८	७	स्वा	२३	१	शो	४६	२०	व	८	७	६	४७	१३	२७	११	२६	तुलायां	भ. ८।७ उ. ३६।१९ या.
१४	बु	४	३२	वि	२०	४८	अ	३९	४८	श	४	३२	३	४७	१३	२८	१२	२७	बृ.६।२१	
३०	बु	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः

३२पं.मा.कृ.३शु.इ.५११२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	११	५	५	१०	७
०	२	१९	११	१३	१८	१२	०
१३	२२	३१	२५	५६	३	३९	३३
५२	३४	३०	५५	४९	२५	२३	४७
६०	३६	९२	३/१	६०	६	३	६०
४०	१६	१२	ब	१९	११	११	३०

गोचरग्रहाः

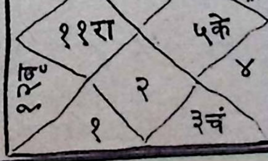

मार्गशीर्ष कृष्ण ३ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी मु. ३० [धान्यभावसम शुक्रोदयं पूर्वे वत्सो दक्षिणे राहुः ।

गोचरग्रहाः

३३पं.मा.कृ.९शु.इ.५०।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	११	५	५	१०	७
७	६	२८	११	२१	१८	१२	७
१९	२४	४३	१०	१६	४५	१७	३७
२६	२२	५२	५५	४४	०	८	४४
६०	३५	८६	३/१/५	६२	५	३	६०
५३	४७	५४	ब	४०	४३	११	४२

*६चंमंशश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः
१	गु	५४	५१	अ	१७	५४	सु	३२	४२	किं	२७	२५	२६/००	६/४८	५/१२	२९	१३	२८	बृश्चके
२	शु	४९	२३	ज्ये	१४	१२	धृ	२५	७	बा	२२	७	२५/५८	४९	११	३०	१४	२९	ध.१४।१२
३	श	४३	३९	मू	१०	१३	शू	१७	२४	तै	१६	३१	५६	४९	११	१	१५	१	धनुषि
४	र	३७	४९	पू	६	११	गं	९	३९	व	१०	४४	५४	५०	१०	२	१६	२	म.२०।८
५	चं	३१	५९	उ	२/१	५६/३	वृ	५३/१	५२/१८	ब	४	५४	५२	५०	१०	३	१७	३	मकरे
६	मं	२६	३३	ध	५४	४०	व्या	४६	५३	तै	२६	३३	५१	५०	१०	४	१८	४	कु.२६।२२
७	बु	२१	४३	श	५१	४६	ह	३९	५०	व	२१	४३	४९	५१	९	५	१९	५	कुम्भे
८	गु	१७	२७	पू	४९	४१	व	३३	३९	ब	१७	२७	४७	५१	९	६	२०	६	मी३५।१२
९	शु	१४	११	उ	४८	३८	सि	३८	१६	कौ	१४	११	४६	५१	९	७	२१	७	मीने
१०	श	११	५५	रे	४८	३७	व्य	२३	४१	ग	११	५५	४४	५१	९	८	२२	८	मे.४८।३७
११	र	१०	५०	अ	४९	४२	व	२०	४	वि	१०	५०	४३	५२	८	९	२३	९	मेषे
१२	चं	११	८	भ	५२	२०	प	१७	२३	बा	११	८	४२	५२	८	१०	२४	१०	मेषे
१३	मं	१२	४२	कृ	५६	२	शि	१५	४१	तै	१२	४२	४१	५२	८	११	२५	११	बृ.८।१५
१४	बु	१५	२३	रो	६०	०	सि	१४	४१	व	१५	२३	४०	५२	८	१२	२६	१२	बृषे
१५	गु	१९	२०	रो	०	५४	सा	१५	५	ब	१९	२०	३९	५२	८	१३	२७	१३	मि३३।४५

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०८२ स.१९५१

चंद्रदर्शनम् हस्ते भौमः १०।५८
तुलायांशुक्रः ५३/३६ मार्गीगुरुः १४/३७ रविलावल*
भ. १०।४४ उ. ३७।४९ या.
ज्येष्ठायां रविः २।७
चंपा ६ (*३ दिसंबर मा. १२ ता. ३१
भ. २१।४३ उ. ४९।३५ या.
(×हस्ते ४ शनिः १९।२२
स्वात्यां शुक्रः ४९।४२
भ. ४१।२२ उ. वक्रीबुधः २४।४८×
भ. १०।५० या. मोक्षदा ११ व्र.
प्रदोषः
पश्चिमास्तो बुधः ४/६ पिशाचमोचन श्रा.
भ. १५।२३ उ. ४७।२१ या. श्रीदत्तजयंती

३४पं.मा.शु.२शु.इ.५०।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१७	५	८	११	५	५	१०	७
२४	१०	६	११	२८	१९	११	१४
१६	२३	११	७	५२	२३	५४	४३
६१	२४	१७	३४	१६	१७	५३	४
६१	३५	६८	०/४	६४	५	३	६०
३	२५	१७	ब	३१	१३	११	५०

गोचरग्रहाः

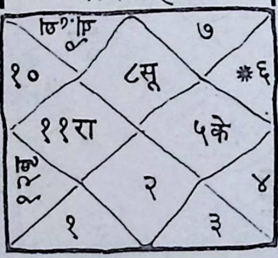

इस मास में प्रजा में सुख शांति रस कस तेज बुधे पंच रस क्षयः मूंग मोंठ बाजरा गेहूं जो चणा मंदा ।

गांचरग्रहाः

३५पं.मा.शु.९ शु.इ.५०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	११	६	५	१०	७
२१	१४	८	११	६	१९	११	२१
३३	१७	५६	१३	४०	५७	३२	४९
५८	४६	४२	४४	४८	४०	३७	२०
६१	३४	७	१/६	६६	४	३	६०
११	४९	५१	मा	०	५०	११	५६

ति.	पौष कृष्णपक्ष सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः
१	शु	२४	१	मृ	६	३७	शु	१५	५१	कौ	२४	१	३५/३८	६/५२	५/८	१४	२८	१४	मिथुने
२	श	२९	८	आ	१२	४९	शु	१७	२	ग	२९	८	३८	५२	८	१५	२९	१५	मिथुने
३	र	३४	१९	पु	१९	८	ब्र	१८	१३	व	१	४३	३७	५३	७	१६	३०	१६	क.२।३३
४	चं	३९	२१	पु	२५	२५	ऐं	१९	१७	ब	६	५०	३७	५३	७	१७	१	१७	कर्के
५	मं	४३	५२	श्ले	३१	९	वै	२०	१०	कौ	११	३६	३७	५३	७	१८	२	१८	सिं३१।९
६	बु	४७	९	म	३५	५३	वि	२०	१	ग	१५	३०	३६	५३	७	१९	३	१९	सिंहे
७	गु	४९	२५	पू	३९	४०	प्री	१९	२४	वि	१८	१७	३६	५३	७	२०	४	२०	कं.५५।२०
८	शु	५०	२८	उ	४२	२२	आ	१७	३५	बा	१९	५६	३६	५३	७	२१	५	२१	कन्या
९	श	५०	१३	ह	४३	२८	सौ	१४	५६	तै	२०	२०	३६	५३	७	२२	६	२२	कन्या
१०	र	४८	३६	चि	४३	३२	शो	११	७	व	१९	२४	३६	५३	७	२३	६	२३	तु.१३।३०
११	चं	४५	५४	स्वा	४२	२५	अ	६	२५	ब	१७	१५	३७	५३	७	२४	८	२४	तुलायां
१२	मं	४२	२४	वि	४०	१९	सु	५४/०	५३/४५	कौ	१४	९	३७	५३	७	२५	९	२५	बृ.२५।५१
१३	बु	३७	५१	अ	३७	२४	शू	४७	३६	ग	१०	०	३७	५३	७	२६	१०	२६	बृश्चिके
१४	गु	३२	४०	ज्ये	३४	३	गं	४०	१७	वि	५	१५	३८	५२	८	२७	११	२७	ध.३४।३
३०	शु	२७	११	मू	३०	१०	वृ	३२	३८	ना	२७	११	३८	५२	८	२८	१२	२८	धनुषि

हेमंतर्तू रविदक्षिणे मार्गकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. १।४३उ. ३४।१९या. धनुष्यर्कः ५।५२
वक्री ज्येष्ठायां वृश्चिके च बुधः २७।२*
*चतुर्थी व्रत
भ. ४७।९उ. विशाखायांशुक्रः २५।६
भ. १८।१७ या.

उत्तरायण प्रवृत्तिः ३५।२८
भ. १९/२४ उ. ४८/३६ या. पूर्वोदयीबुधः ८।१०
चित्रायांभौमः २/३ सफला ११ व्र. स्मा.वै.
सफला ११ व्र. नि.
भ. ३७।५१ उ. मार्गीबुधः ५।११ प्रदोषः
भ. ५।१५ या. बृश्चिके शुक्रः ५८।१७
अमावस्या

३६पं.पौ.कृ.१शु.इ.५०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	११	६	५	४	७
२८	१८	३	११	१४	२०	११	२८
४२	८	५४	२९	३८	२८	१०	५६
४१	१०	२५	४९	१०	३७	२२	५
६१	३४	८९/४१	२	६७	४	३	६१
१९	६	ब	२९	२०	१४	११	०

३७पं.पौ.कृ.८ शु.इ.५०।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	११	६	५	१०	८
५	२१	२५	११	२२	२०	१०	६
५२	५४	२०	५५	४५	५५	४८	३
७	४०	१०	५२	३६	२६	६	३६
६१	३३	५४/८	३	६८	३	३	६१
२२	२६	ब	५३	२५	३४	११	५

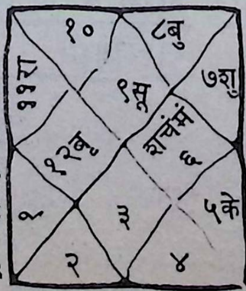

३८पं.पौ.कृ.३०शु.इ.४९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	११	७	५	१०	८
१३	२५	२२	१२	०	२१	१०	१३
२	३५	५२	३१	५९	१६	२५	११
०	३१	५२	५	३१	१२	५१	३१
६१	३२	३४/५६	५	६९	२	३	६१
२६	३५	मा	४	१८	५२	११	६

*६मंशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६११२स.१९५१
१	श	२१	२९	पू	२६	७	ध्रु	२४	४६	ब	२१	२९	३५/३९	५६/५२	५/८	२९	१३	२९	म.४०।५	पूषायां रविः ७।२७
२	र	१५	३७	उ	२१	५८	व्या	१६	५९	कौ	१५	३७	४०	५२	८	३०	१४	३०	मकरे	चंद्रदर्शनम् मैत्रे शुक्रः ५१।४७
३	चं	९	५१	श्र	१८	०	ह	९	१६	ग	९	५१	४०	५२	८	३१	१५	१	कुं.४६।१४	भ. ३७।८ उ. रविलाखर ४
४	मं	४	२५	ध	१४	२९	व	५/४४	५२/५९	वि	४	२५	४१	५२	८	१	१६	२	कुंभे	भ. ४।२५ उ. ५२।५९ **जनवरी मा. १×**
५	मं	५५	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×ता. ३१ सन् १९५२
६	बु	५५	३८	श	११	२३	व्य	४८	१४	कौ	२७	३७	४२	५२	८	२	१७	३	मी५४।४५	
७	गु	५२	२४	पू	९	१२	व	४२	२७	ग	२४	१	४३	५१	९	३	१८	४	मीने	भ. ५२।२४ उ.
८	शु	५०	२०	उ	८	८	प	३७	३४	वि	२१	२२	४४	५१	९	४	१९	५	मीने	भ. २१।२२ या.
९	श	४९	१८	रे	७	३५	शि	३३	४१	बा	१९	४९	४५	५१	९	५	२०	६	मे.७।३५	उभायां४ गुरुः४३/४५ शते१ राहुः मघायां३+
१०	र	४९	४५	अ	८	३१	सि	३०	३८	तै	१९	३१	४७	५१	९	६	२१	७	मेषे	तुलायां भौमः २५।५९
११	चं	५१	२५	भ	१०	४०	सा	२८	३५	व	२०	३५	४८	५०	१०	७	२२	८	वृ.२६।३३	भ.३६/५९ उ.५५/२५ या. धनुषि बुधः ३८/५ पुत्रदा=
१२	मं	५४	११	कृ	१४	११	शु	२७	३१	ब	२२	४८	५०	५०	१०	८	२३	९	वृषे	पुत्रदा ११ ब्र. नि. =११ब्र. स्मा. वै.
१३	बु	५८	१७	रो	१८	४६	शु	२७	३५	कौ	२६	१४	५२	५०	१०	९	२४	१०	मि५१।३२	प्रदोषः +केतुः ५७।४१
१४	गु	६०	०	मृ	२४	१९	ब्र	२८	१	ग	३०	४०	५४	४९	११	१०	२५	११	मिथुने	ज्येष्ठायां शुक्रः ५६।४१
१४	शु	३	३	आ	३०	२८	ऐं	२९	६	व	३	३	५६	४९	११	११	२६	१२	मिथुने	भ.३।३ उ.३५/३७ या. उषायां रविः ८।५७
१५	श	८	१२	पु	३६	५५	वै	३०	१५	ब	८	१२	५८	४८	१२	१२	२७	१३	क.२०।१८	माघस्नानारंभः

३९पं.पौ.शु.८श.इ.४९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	११	७	५	१०	८
२०	२९	२७	१३	९	२१	१०	२०
११	८	२०	१४	१९	३४	३	१९
५८	५६	३१	३१	५	३७	३६	४०
६१	३१	७०	६	७०	२	३	६१
२६	५२	२८	१३	०	१०	११	६

गोचरग्रहाः

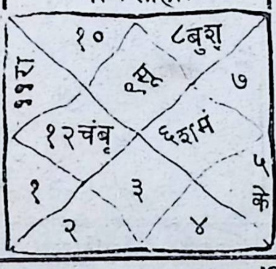

इस मास का फल सामान्य है धान्य भाव मंदा वस्त्र तेज केशर कपूर और सुगंधित वस्तु तेज होंगी।

गोचरग्रहाः

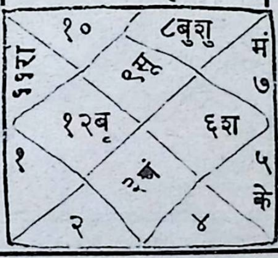

४०पं.पौ.शु.१४शु.इ.४९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	७	५	१०	८
२७	२	५	१४	१७	२१	९	२७
२१	३५	४	६	४२	४६	४१	२७
४९	२४	२३	२२	३२	५२	२०	४३
६१	३०	८३	७	७०	१	३	६१
२४	२४	१६	११	३८	२९	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१३	३०	पु	४३	९	वि	३१	२६	कौ	१३	३०	२६/५	६/४८	५/१२	१३	२८	१४	कर्के	
२	चं	१८	२६	श्ले	४९	२४	प्री	३२	२६	ग	१८	२६	३	४७	१३	१४	२९	१५	सिं४९।२४	भ. ५०।३९ उ. मकरेऽर्कः २४।२४
३	मं	२२	५२	म	५४	४	आ	३२	३६	वि	२२	५२	६	४७	१३	१५	१	१६	सिंहे	भ. २२।५२ या. चतुर्थी ब्र.
४	बु	२६	७	पू	५८	१०	सौ	३२	८	बा	२६	७	८	४६	१४	१६	२	१७	सिंहे	
५	गु	२८	२०	उ	६०	०	शो	३०	४८	तै	२८	२०	१०	४६	१४	१७	३	१८	कं.१३।४४	
६	शु	२९	१९	उ	०	२८	अ	२८	२४	व	२९	१९	१२	४६	१४	१८	४	१९	कन्यायां	भ.२९।१९ उ.५९।७या. पूषायां बुधः १५/३५
७	श	२८	५५	ह	२	३१	सु	२५	३	ब	२८	५५	१४	४५	१५	१९	५	२०	तु.३३।१२	
८	र	२७	१५	चि	३	५४	धृ	२०	५१	कौ	२७	१५	१७	४५	१५	२०	६	२१	तुलायां	अभि. प्र. रविः ५५/४१ स्वात्यां भौमः ३५/३२×
९	चं	२४	२८	स्वा	२	६	शू	१५	३३	ग	२४	२८	१९	४४	१६	२१	७	२२	वृ.४५।४७	भ. ५२।३८ उ. पातमोक्षः ६।१३
१०	मं	२०	४८	वि	०/२१	५७/१४	गं	९	२७	वि	२०	४८	२२	४४	१६	२२	८	२३	वृश्चिके	भ. २०।४८ या. धनुषि शुक्रः ३।४०
११	बु	१६	१६	ज्ये	५४	१४	वृ	२/५१	५२/४९	बा	१६	१६	२४	४३	१७	२३	९	२४	ध.५४।१४	षट्तिल ११ ब्र. ×पातस्पर्शः ५२।३९
१२	गु	१०	५९	मू	५०	३१	व्या	४८	२	तै	१०	५९	२७	४३	१७	२४	१०	२५	धनुषि	श्रवणे रविः ११।४१ प्रदोषः
१३	शु	५	२४	पू	४६	२९	ह	४०	१४	व	५	२४	३०	४२	१८	२५	११	२६	धनुषि	भ.५।२४ उ.३३/३३ अभि. नि. रविः ३।५७=
१४	शु	५४	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः =वक्री शनिः ९।२६
३०	श	५३	५१	उ	४२	१८	व	३२	२६	च	२६	४७	३३	४१	१९	२६	१२	२७	म.०।२५	मौनी ३०

४१पं. मा.कृ.६श.इ.४९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	११	७	५	१०	९
४	५	१४	१५	२६	२१	९	४
३१	५३	१६	५	९	५४	१९	३५
१७	१७	२३	२४	२४	०	५	३४
६१	२९	८८	८	७१	०	३	६१
१८	१६	३७	२३	१२	४७	११	३

गोचरग्रहाः

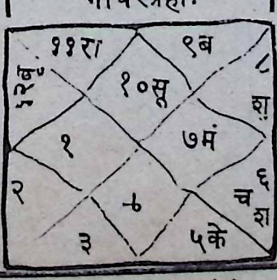

माघ कृ.२ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३कुमारावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

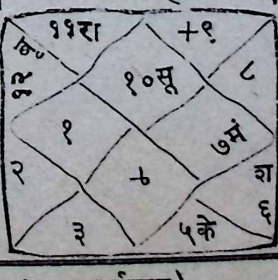

४२पं.मा.कृ.१३शु.इ.४९।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	११	८	५	१०	९
११	९	२४	१६	४	२१	८	११
४०	३	१८	११	३९	५५	५६	४२
८	४७	०	२०	५८	४४	५०	४६
६१	२७	९२	९	७१	५	३	६०
१३	५४	१५	११	३७	ब	११	५९

 +चंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१४१ स.१९५२
१	र	४८	११	श्र	३८	२०	सि	२४	४६	किं	२१	१	२६/३६	४६/५	५/१९	२७	१३	२८	मकरे	उषायां बुधः २२।१०
२	चं	४२	३७	ध	३४	३९	व्य	१७	२४	बा	१५	२४	३९	४०	२०	२८	१४	२९	कुं.६।२९	चंद्रदर्शनम् रेवत्यां १ गुरुः ५७।७
३	मं	३८	७	श	३१	३९	व	९	५२	तै	१०	२२	४२	४०	२०	२९	१५	१	कुम्भे	मकरे बुधः ३६।४७ जमादिलावल ५
४	बु	३४	३	पू	२९	१५	प	२३/५	५३/५४	व	६	५	४५	३९	२१	३०	१६	२	मी१४।५९	भ. ६।५ उ. ३४।३ या. तिल ४
५	गु	३१	२	उ	२७	२९	सि	५२	१९	ब	२	३२	४८	३८	२२	३१	१७	३	मीने	बसंत ५
६	शु	२८	५६	रे	२७	२	सा	४७	५७	तै	२८	५६	५२	३८	२२	१	१८	४	मे.२७।२	फरवरी मा. २ ता. २९ पू.शुक्रः ५६।५२
७	श	२८	३	अ	२७	४४	शु	४३	५५	व	२८	३	५५	३७	२३	२	१९	५	मेषे	भ.२६/३ उ.५८/५४ या.पूर्वास्तोबुधः ५१/९ पाउ.९/१६×
८	र	२८	४५	भ	२९	३५	शु	४२	६	ब	२८	४५	५९	३६	२४	३	२०	६	वृ.४५।२४	भीष्माष्टमी ×पातमोक्षः ३१/२५ रथ
९	चं	३०	२०	कृ	३२	५२	ब्र	४१	०	कौ	३०	२०	२७/२	३६	२४	४	२१	७	वृषे	श्रवणे बुधः ५१।४
१०	मं	३३	१९	रो	३७	९	ऐं	४०	५३	तै	१	४९	३	३५	२५	५	२२	८	बृषे	
११	बु	३७	२०	मृ	४२	३०	वै	४०	५०	व	५	१९	९	३४	२६	६	२३	९	मि९।४९	भ. ५।१९ उ. ३७।२० या. धनिष्ठायां=
१२	गु	४२	११	आ	४८	३३	वि	४१	५०	ब	९	४५	१३	३३	२७	७	२४	१०	मिथुने	भीष्म १२ =रविः १७/३३ जया ११ व्र.
१३	शु	४७	२१	पु	५४	५४	प्री	४३	५	कौ	१४	४६	१६	३३	२९	८	२५	११	क.३८।१९	प्रदोषः
१४	श	५२	३५	पु	६०	०	आ	४४	२५	ग	१३	५८	२०	३२	२८	९	२६	१२	कर्के	भ. ५२।३५ उ.
१५	र	५७	२७	पु	१	२१	सौ	४५	२३	वि	२५	१	२३	३१	२९	१०	२७	१३	कर्के	भ. २५।१ या. चन्द्रग्रहणम

४३पं. मा.शु.६शु.इ.४९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	८	५	१०	९
१८	१२	५	१७	१३	२१	९	१८
४८	१	९	२२	११	५२	३४	४९
८	४४	४०	४१	४२	१२	३४	१९
६०	२५	९६	९	७२	४७	३	६०
४	४९	११	५५	२	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

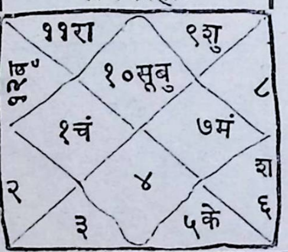

इस मास में बुध शुक्र का योग होगा सो रुई चांदी मंदी करेगा और कहीं२ वर्षा करेगा धान्य भाव मंदीकारक है

गोचरग्रहाः

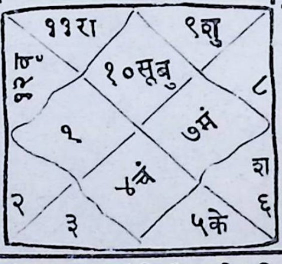

४४पं.मा.शु.१३शु.इ.५०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	८	५	१०	९
२५	१४	१६	१८	२१	२१	८	२५
५४	४७	१४	४१	४५	४३	१२	५५
५६	१३	३१	२	५८	३७	९	२०
६०	२३	०	१०	७२	३/१	३	६०
५५	४८	११	४०	२०	ब	११	४७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	६०	०	श्ले	७	५४	शो	४५	५५	बा	२९	३५	२७/२७	३१/६	२९/५	११	२८	१४	स७।४५	
१	मं	१	४३	म	१२	३४	अ	४५	४८	कौ	१	४३	३०	३०	३०	१२	२९	१५	सिंहे	कुम्भेऽर्कः ५१।२९ उषायां शुक्रः ४७।४४
२	बु	५	१	पू	१६	५२	सु	४४	४५	ग	५	१	३४	२९	३१	१३	१	१६	कं.३२।४०	भ. ३६।१ उ. धनिष्ठायां बुधः ७।३९
३	गु	७	२	उ	२०	५	धृ	४२	४७	वि	७	२	३८	२८	३२	१४	२	१७	कन्यायां	भ. ७।२ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	७	५०	ह	२१	४२	शू	३९	४६	बा	७	५०	४२	२८	३२	१५	३	१८	तु.५२।८	मकरेशुक्रः ३२/५७ रेवत्यां२ गुरुः ३४/४ पा. ४६/३९*
५	श	७	१९	चि	२२	३४	गं	३५	४४	तै	७	१९	४६	२७	३३	१६	४	१९	तुलायां	कुम्भे बुधः ५३।२४
६	र	५	३४	स्वा	२२	२	वृ	३०	१३	व	५	३४	५०	२६	३४	१७	५	२०	तुलायां	भ. ५।३४ उ. ३४।५ या.
७	चं	२	३७	वि	२०	२१	ध्रु	२५	१०	ब	२	३७	५४	२५	३५	१८	६	२१	बृ.५।४६	सीताष्टमी *पातमोक्षः ५७।२८
८	चं	५६	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +महाशिव.व्र.स्मा. प्रदोषः
९	मं	५४	३	अ	१७	४७	व्या	१८	४७	तै	२६	२३	५८	२४	३६	१९	७	२२	बृश्चिके	शते रविः २६।५०
१०	बु	४८	४९	ज्ये	१४	३६	ह	११	५१	व	२१	२६	२६/२	२४	३६	२०	८	२३	ध.१४।३६	भ.२१।२६ उ.४८/४९ या. शते बुधः ४२।१६
११	गु	४३	११	मू	११	३	व	१५/३	५३/२४	ब	१६	०	६	२३	३७	२१	९	२४	धनुषि	विजया ११ व्र. स्मा. वै.
१२	शु	३७	२४	पू	७	३	व्य	४८	५५	कौ	१०	१७	१०	२२	३८	२२	१०	२५	म.२१।१	विजया ११ व्र. नि.
१३	श	३१	३२	उ	५६/३	५६/४	व	४१	११	ग	४	२८	१४	२१	३९	२३	११	२६	मकरे	भ.३३/२१ उ.५८।४८ या. श्रवणे शुक्रः ४३/४५+
१४	र	२६	५	ध	५५	१२	प	३३	३४	श	२६	५	१८	२०	४०	२४	१२	२७	कु.२७।६	विशाखायां भौमः १७/२५ महाशिवरात्री वै.
३०	चं	२०	६३	श	५१	५७	शि	२६	१३	ना	२०	३३	२२	२०	४०	२५	१३	२८	कुम्भे	सूर्यग्रहणम्

४५पं. फा.कृ.४शु.इ.५०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	११	९	५	१०	१०
३	१७	२८	२०	०	२१	७	३
०	१९	८	३	२१	३०	५०	०
५९	३४	१७	४	४	४	४	५
६०	२०	०	११	७२	१/२	३	६०
४२	५७	११	१८	३८	व	११	३७

गोचरग्रहाः

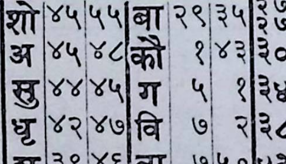

फाल्गुन कृ.२भौमे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्याभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

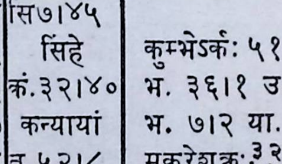

४६पं.फा.कृ.१२शु.इ.४०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	९	५	१०	१०
१०	१९	१०	२१	८	२१	७	१०
५	३३	४२	२९	५६	११	२७	३
३१	४७	२२	३१	५३	४६	४८	३५
६०	१८	०	११	७२	५०/२	३	६०
३१	७	१९	५६	५६	ब	११	२५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६१७१ स.१९५२
१	मं	१५	४०	पू	४९	२१	सि	१९	२०	ब	१५	४०	२६/२६	६/१९	५/४१	२६	१४	२९	मी३५।०	चन्द्रद. *पातस्पर्शः ५६/५२ फुलरिया २
२	बु	११	४७	उ	४७	२८	सा	१३	१२	कौ	११	४७	३०	१८	४२	२७	१५	१	मीने	जमादिलाखर ६ पूभायां बुधः ५१।३४
३	गु	८	४०	रे	४६	४७	शु	७	५५	ग	८	४०	३४	१७	४३	२८	१६	२	मे.४६।४७	भ. ३७।४० उ. पातमोक्षः ६।४२
४	शु	६	४१	अ	४७	१३	शु	३/२८	५५/२५	वि	६	४१	३८	१६	४४	२९	१७	३	मेषे	भ. ६।४१ या.
५	श	५	४५	भ	४८	५२	ऐं	५७	१४	बा	५	४५	४२	१६	४४	१	१८	४	मेषे	**मार्च मा. ३ ता. ३१**
६	र	६	२१	कृ	५१	४६	वै	५५	४०	तै	६	२१	४६	१५	४५	२	१९	५	बृ.४।३५	रेवत्यां ३ गुरुः ३१।७
७	चं	८	१२	रो	५६	५	वि	५४	३९	व	८	१२	५०	१४	४६	३	२०	६	वृषे	भ.८।१२ उ.३९/४४ या. पूभायांरविः ४१/३८ मीने×
८	मं	११	१६	मृ	६०	०	प्री	५५	१०	ब	११	१६	५४	१३	४७	४	२१	७	मि२८।३२	उभायांबुधः ४६/३७ धनिष्ठायां शुक्रः३२।३३
९	बु	१५	२१	मृ	०	५९	आ	५६	११	कौ	१५	२१	५८	१२	४८	५	२२	८	मिथुने	
१०	गु	२०	३	आ	६	४९	सौ	५७	३६	ग	२५	३	२९/२	१२	४८	६	२३	९	क.५६।३८	भ५२।३५ उ. +आमलकी ११ ब्र.
११	शु	२५	८	पु	१३	१४	शो	५८	४४	वि	२०	८	६	११	४९	७	२४	१०	कर्के	भ.२५।८ या. पश्चिमोदयी बुधः४०।४३+
१२	श	३०	२१	पु	१९	२४	अ	५९	४५	बा	३०	२१	१०	१०	५०	८	२५	११	कर्के	धनिष्ठायां४ राहुःयघायां२ केतुः५३।२५
१३	र	३५	३	श्ले	२५	४९	सु	६०	०	कौ	२	४२	१४	९	५१	९	२६	१२	सिं२५।४९	प्रदोषः ×बुधः५०/५२ होई८ होलाष्टकं
१४	चं	३९	१६	म	३१	२२	सु	०	३८	ग	७	९	१९	८	५२	१०	२७	१३	सिंहे	भ. ३९।१६ उ. कुंभे शुक्रः ५९।४९
१५	मं	४२	१८	पू	३५	५२	धृ	०	५८	वि	१०	४७	२३	७	५३	११	२८	१४	कं.५१।४३	भ. १०।४७ या. होलिकादहनम्

४७पं.फा.शु.४शु.इ.५०।५४							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	९	५	१०	१०
१७	२१	२३	२२	१७	२०	७	१७
८	२९	५६	५९	३२	४९	५	५
२०	३८	३८	२४	५६	३४	३३	४८
६०	१४	२०/८	१२	७३	३/३	३	६०
२०	७	८/५९	२०	१४	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास का फल सामान्य है धान्य भाव मंदा प्रजामें सुख शांति राहु रवि का योग रुई मंदी करता है।

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.शु.११शु.इ.५१।१३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	११	९	५	१०	१०
२४	२३	७	२४	२६	२०	६	२४
९	१	१७	३२	९	२३	४३	६
४२	१	३१	२०	२९	३८	१८	३२
६०	९	२०/८	१२	७३	५/३	३	५९
५	४६	८/१२	४३	२०	ब	११	५८

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००८ शाकः १८७३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृ.तिमहाराष्ट्राः
१	बु	४४	१७	उ	३९	१६	शू	०/१३	५६/१५	बा	१३	१७	२९/२८	६/६	५/५४	१२	२९	१५	कन्यायां	छांरेंडी बसंत १
२	गु	४४	५४	ह	४१	२६	वृ	५५	५३	तै	१४	३५	३२	६	५४	१३	३०	१६	कन्यायां	मीनेऽर्कः४१/५२ रेवत्यां बुधः१६/३१ वक्री हस्ते३×
३	शु	४४	१६	चि	४२	२७	ध्रु	५२	१७	व	१४	४०	३६	५	५५	१४	१	१७	तु.११।५६	भ. १४।४० उ. ४४।१६ या.
४	श	४२	१८	स्वा	४२	११	व्या	४७	४३	ब	१३	१९	४०	४	५६	१५	२	१८	तुलायां	चतुर्थी ब्र. ×शनिः ३८।७
५	र	३९	१५	वि	४०	४५	ह	४२	१२	कौ	१०	४६	४४	३	५७	१६	३	१९	बृ.२६।७	शते शुक्रः २४।२१
६	चं	३५	१९	अ	३८	२३	व	३६	१६	ग	७	१७	४८	२	५८	१७	४	२०	वृश्चिके	भ. ३५/१९ उ. उभायां रविः २/३४ रेवत्यां ४+
७	मं	३०	२७	ज्ये	३५	२६	सि	३०	२८	वि	२	५३	५३	१	५९	१८	५	२१	ध.३५।२६	भ. २।५३ या. +गुरुः १७।४९
८	बु	२५	८	मू	३१	५१	व्य	२२	१५	कौ	२५	८	५७	१	५९	१९	६	२२	धनुषि	शीतला पूजनम्
९	गु	१९	२४	पू	२७	५३	व	१४	१५	ग	१९	२४	३०/१	६/००	६/००	२०	७	२३	म.४१।५१	भ. ४६।२८ उ. वक्री भौमः १०।३६
१०	शु	१३	३३	उ	२३	४६	प	७/३६	५९/४८	वि	१३	३३	६	५/५९	६/९	२१	८	२४	मकरे	भ. १३।३३ या.
११	श	७	४७	श्र	१९	४६	सि	५१	५२	बा	७	४७	१०	५८	२	२२	९	२५	कु.४७।५३	पापमोचनी ११ ब्र.
१२	र	१	५०	ध	१६	०	सा	४४	२९	तै	१	५०	१४	५७	३	२३	१०	२६	-कुम्भे	भ. ५३।३४ उ. प्रदोषः
१३	र	५४	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१४	चं	५१	४१	श	१२	३४	शु	३७	३५	वि	२४	७	१८	५६	४	२४	११	२७	मी५५।३३	भ. २४।७ या. वक्री बुधः १८।४६
३०	मं	४७	४२	पू	९	५२	शु	३१	१५	च	१९	४१	२२	५६	४	२५	१२	२८	मीने	अहर्गणः ६१९९ च. ३ के.

४९पं. चै.कृ.३ शु.इ.५१।३३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	१०	५	१०	११
१	२४	१८	२६	४	१९	६	१
९	६	५१	७	४६	५४	२१	५
२४	१८	३६	५९	१६	५४	२	४४
५९	४	८३	१२	७३	४/१०	३	५८
४९	१८	५	८	३२	ब	११	४१

गोचरग्रहाः

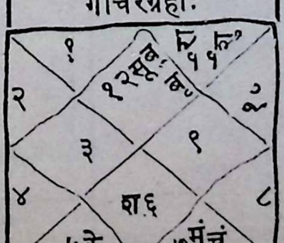

चैत्र कृ. २ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

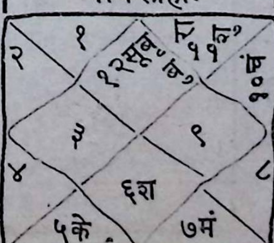

५०पं.चै.कृ.१०शु.इ.५१।५४							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	१०	५	१०	११
८	२४	२५	१७	१३	१९	५	८
७	४४	५४	४५	२२	२४	५८	३
१८	४९	४३	११	४८	४	४७	२०
५९	१/२२	२०	१३	७३	४/३२	३	५९
३५	ब	५५	२०	४४	ब	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❊ श्रीगणेशायनमः ❊

ऋद्धिः लाभः	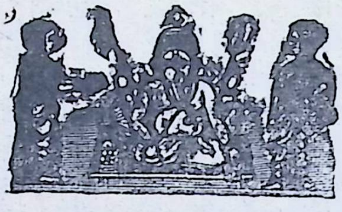	सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

• अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दा: १९५५८८५०५३ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलि: ५०५३ भोग्यकलि: ४२६९४७ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २००९ शाक: १८७४ अथास्मिन्वर्षेराजा बुध: । मंत्री रवि: । सस्येशो बुध: । धान्येशश्चन्द्र: । मेघेश शनि: । रसेश: शुक्र: । नीरसेशो भौम: । फलेश: शुक्र: । धनेशो भौम: । दुर्गेश: शनि: । एते दशाधिकारिण: । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १९विश्वावसुनाम-सम्वत्सर: प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेगतमासादि: २।२१।३१।१२ भोग्यमासादि: ९।८।२८।४८ वैश्व-दैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विन: । मेघ४ नाम आर्वत: । समयनिवासो मालाकारगृहे(चडसा में) । रोहिणी निवास: समुद्रे । समय विश्वा १२ । समयवाहनं सिचाणु: । स्तंभ१तृणस्य । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी१ । अंगारकीचतुर्थी ३ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ता: ३३० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षय: १३ । तिथि वृद्धि: ८ । उत्पति विश्वा १०५ । खपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् ७, तृणम् ११. शीतम् ५. तेज ५. वायु: १३. वृद्धि: १५ । क्षय: १५ । विग्रह: ११ । ऐक्यं ९९ सत्यम् ।।. धर्मम् १।।. पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणो द्वे चन्द्रमस: ।

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न
भैरव पूछे मात से जिमि पूछा हर साल ।
तिमि पूछो इस साल में कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर
नवनिधि हो नव वर्ष में हर्ष मनाओ संत ।
मानसिंह महाराज का वैभव बढ़े अनंत ।।
बुध राजा इस वर्ष में वर्षे अमृत मेह ।
जग में सुख सम्पति बढ़े ना इसमें संदेह ।।
राज नीति में चतुर हैं वासरनाथ प्रधान ।
अपने शासन में कभी ना होने दे हान ।।
रोहिणी बसी समुद्र में सम्वत् विश्वा अर्क ।
जल तृण की कमती नहिं इसमें रहे न फर्क ।।
श्रावण में वर्षा लगे करे धान्य की मोल ।
तापतिजारा नहरुआ घर-घर घाले रोल ।।
ग्रहण चंद्र के दोय है स्तंभ लगा है एक ।
धर्म कर्म करते रहो ईश्वर राखे टेक ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	१४	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ८।१४

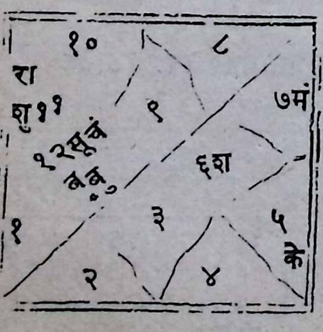

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् १।४

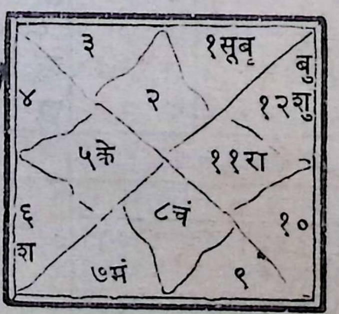

*चंबृशु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशा: २३।५०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशा: २३।१०।२७

(सं० २००१समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्–बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन्दधान्य संकुलम् ।। मंत्री रविस्तत्फलम्–नृपभयंगदतोपि हि तस्करात् प्रचुर धान्य-धनादि महीतले । रसचयं हि समर्घतमं तदारविरमात्य पदं हि समागतः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्–जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुतिपाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम्–चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजा वृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोपु क्षीरं तदा बहु ।। मेघेशः शनिस्तत्फलम्–रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरतबृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग युता जनतापदा ।। रसेशो शुक्रस्तत्फलम्–यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुखसुभिक्षसुमोदवतीधरा धरणिपाहृत पापगणाः प्रियाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्–नीरसेशो यदा भौमः प्रवालरक्तवाससाम् । रक्तचंदन ताम्राणामर्घ बृद्धिर्दिने दिने ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्–यदि फलस्यपतौ भृगुजेधरा मृदुकुमार महीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्–असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुषधान्यहृत् । सहसिमासि भवेद्द्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोकविधायकः ।। दुर्गेश शनिस्तत्फलम्–रविसुते गढ़पालिनिविग्रहे सकलदेशगताश्चलिता जनाः । विविध वैरिविशेषितनागरा कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन ।। वर्षनाम आश्विनरतत्फलम्–दुर्भिक्षं पूर्व सस्यं स्याज्ज्वररोगाकुलं जगत् । आश्विने शोभनावृष्टिर्नृपसौख्यकरो सदा ।। विश्वावसु नाम संवत्सरस्तत्फलम्–अब्दे विश्वावसौ शश्वद्घोररोगधरा नराः । सस्यार्घं वृष्ट्यो मध्या भूपाला नातिभूतयः ।।मेघनाम आवर्तस्तत्फलम्–आवर्ते छिन्नवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालाकार गृहे फलम्–मालिनः प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २००९ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ५ बुधे उषा. ल.९ रे. ७ ।।।।।ऽऽ१९ऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः निरंशकः आवश्यके

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला २ बुधे मूले ल. ५ रे. ८ ।।ऽ।।ऽ।। शुक्रयु.
,, १५ चंद्रे रोहि. ल. ५ रे. ८ ।।।।ऽसू.बु.।ऽ१५।।

पौषः मासः

कृष्णा ९ बुधे उफा. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽचौऽऽ२२।।

माघ मासः

शुक्ला ४ चंद्रे उभा. ल. ८-९ रे. ८ ।।।।ऽचोऽ।। बृश्चिक लग्नं अंश १७ उपरांत
,, ५ भौमे रेव. ल. ८-९ रे. ८ ऽम।।।।ऽ।।
,, १० शनौ रोहि. ल.८(चन्द्रः७ मे.पू.) रे.७ ।।।।ऽअग्नि-।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ चन्द्रे उफा. ल.गो. ८-९ रे.७ ।।।।ऽमंऽअग्नि।ऽ१८।। गो. सोग्रांगः बृश्चि. शनिः पू.
,, ६ गुरौ स्वात्यां ल. ९ रे. ९ ।ऽ।।।।।।
,, ७ शुक्रे स्वात्यां ल.ऽन्यगो. (सोगांगः) रे.८ ।ऽ।।ऽचो।।
,, १० चंद्रे मूले ल. ८ (श. १२ पू.) रे.८ ।ऽ।।।।ऽ२४।।

चैत्र मासः

कृष्णा ४ गुरौ स्वा. ल. ९ रे. ७ ।।।ऽशु।।ऽ। व्याघातदोषः
,, ६ शनौ अनु. ल.९रे.७ ऽचं।ऽऽ।।।।।। पादतोवेधाऽभावः
शुक्ला ४भौमे रेव. ल. ८-९ रे.६ ।ऽऽ।।।ऽऽ।। शुक्रयुति दोषः आवश्यके

श्रावण शु. १५ भौमे खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ११।६

		स्प.	म.	मो.	पर्व.
रेल्वे टाइम	घ.	१२	१	२	२
	मि.	३	१८	३३	३०
देशी टाइम	घं.	११	१२	२	२
	मि.	३१	४४	१	३०

माघ शु. १५ यां गुरौ खग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा २६।९

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व.
रेल्वे टाइम	घं.	३	४	५	६	७	३
	मि.	३१	४२	२४	७	१७	४६
देशी टाइम	घ.	२	४	४	५	६	३
	मि.	५०	१	४३	२६	३६	४६

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः६२०० स.१९५२
१	बु	४४	३५	उ	७	१५	ब्र	२५	४०	किं	१६	८	३०/२६	५५	५/६	२६	१३	२९	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रा. घटस्था.
२	गु	४२	३३	रे	६	४५	ऐं	२१	१	बा	१३	३४	३०	५४	६	२७	१४	३०	मे.६।४५	चन्द्रदर्शनम् पूभायां शुक्रः १४।५९
३	शु	४१	४१	अ	९	०	वै	१७	१६	तै	१२	९	३४	५३	९	२८	१५	१	मेषे	पश्चिमास्तो बुधः १६/४२ रज्जव७ गणगौरी×
४	श	४२	१४	भ	८	२३	वि	१४	२४	व	११	५८	३८	५०	८	२९	१६	२	वृ.२४।५	भ.११/५८ उ.४३/१४या. ×पू. मत्स्यजयंती
५	र	४३	५९	कृ	११	१०	प्री	१२	३५	ब	१३	६	४२	५२	८	३०	१७	३	बृषे	रेवत्यां रविः ३०।२
६	चं	४७	४	रो	१४	५२	आ	११	४८	कौ	१५	३१	४७	५१	९	३१	१८	४	मि४७।१८	मेषे गुरुः ३१।४२
७	मं	५१	६	मृ	१९	४४	सौ	११	४२	ग	१९	५	५१	५०	१०	१	१९	५	मिथुने	भ. ५१।६ उ. अप्रेल मा. ४ ता. ३०
८	बु	५५	४५	आ	२५	३३	शो	१२	३०	वि	२३	२५	५६	४९	११	२	२०	६	मिथुने	भ. २३।२५ या.
९	गु	६०	०	पु	३१	४८	अ	१३	४३	बा	२८	१८	३१/००	४८	१२	३	२१	७	क.१५।१४	राम ९
९	शु	०	५१	पु	३८	१४	सु	१५	०	कौ	०	५१	४	४७	१३	४	२२	८	कर्के	मीने शुक्रः २३।२२
१०	श	५	५०	श्ले	४४	३३	धृ	१६	४३	ग	५	५०	८	४६	१४	५	२३	९	सिं४४।३२	भ.३८।१४ उ. अस्तं गुरुः२१।३६ अ.गु.
११	र	१०	३९	म	५०	१७	शू	१७	३०	वि	१०	३३	११	४६	१४	६	२४	१०	सिंहे	भ. १०।३९ या. कामदा ११ व्र.
१२	चं	१४	३८	पू	५४	५८	गं	१८	५८	बा	१४	३८	१५	४५	१५	७	२५	११	सिंहे	उभायां शुक्रः ५।४१ प्रदोषः
१३	मं	१७	३०	उ	५८	३८	वृ	१७	३६	तै	१७	३०	१८	४४	१६	८	२६	१२	कं.१०।५३	
१४	बु	१९	२०	ह	६०	०	ध्रु	१६	१२	व	१९	२०	२२	४४	१६	९	२७	१३	कन्यायां	भ. १९।२० उ. ४९।४० या.
१५	गु	२०	०	ह		०	५३	व्या	१३	५८	ब	२०	०	२५	४३	१७	१०	२८	१४	तु.३१।३६	हनुमज्जंती वैशाखस्नानारंभः

५१पं. चै.शु.३ शु.इ.५२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	१०	५	१०	११
१५	२४	२७	२९	२१	१८	५	१४
३	४८	४	२४	५९	५१	३६	५९
२१	४	१६	१८	४२	४७	३१	१५
५९	६/५८	३८/५४	१३	७३	४/४०	३	५८
१८	व	व	२६	५०	व	११	१६

गोचरग्रहाः

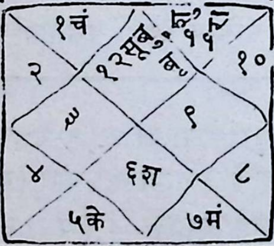

नव दिन कहियें
नवरता शुक्ल चैत्र
के मास, जल बूढ़े
बिजली हुये जानो
गर्भ विनाश । यदि
चैत्र सुदी चारों दिन
वर्षा श्रेष्ठ

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.शु.९ शु.इ.५२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	०	११	५	१०	११
२१	२४	२२	१	०	१८	५	२१
५७	१६	५७	४	३६	१८	१४	५३
३३	४१	१४	१९	०	५४	१६	३१
५९	१३/५९	५०/१	१३	७३	४/४०	३	५८
४	व	व	३२	५६	व	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१९	४	चि	२	२०	ह	१०	३९	कौ	१९	४	३५/२९	५/४२	६/१८	११	२९	१५	तुलायां	
२	श	१७	०	स्वा	२	२०	व	६	२५	ग	१७	०	३२	४२	१८	१२	३०	१६	वृ.४६।२७	भ. ४५।२६ उ.
३	र	१३	५२	वि	१/९	५७/५५	खि	१/२०	५४/१३	वि	१३	५२	३६	४१	१९	१३	३१	१७	बृश्चिके	भ.१२।५२ या. मेषेऽर्कः४।३४ पूर्वोदयी=
४	चं	९	५०	ज्ये	५६	१९	व	४९	५	बा	९	५०	४०	४०	२०	१४	१	१८	ध.५६।१९	वक्रीउभायांबुधः४१/३१ अश्विन्यां२गुरुः१४/३६
५	मं	४	५३	मू	५२	५१	प	४२	९	तै	४	५३	४३	३९	२१	१५	२	१९	धनुषि	भ. ५९।२९ उ.
६	मं	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः =बुधः१९।१६ च. ब्र.
७	बु	५३	३७	पू	४९	०	शि	३४	४५	वि	२६	३४	४७	३९	२१	१६	३	२०	धनुषि	भ. २६।३४ या.
८	गु	४७	४२	उ	४४	५६	सि	२७	२४	बा	२०	३९	५०	३८	२२	१७	४	२१	म.२।५९	रेवत्यां शुक्रः ५८।१५
९	शु	४१	४१	श्र	४०	५२	सा	१९	२३	तै	१४	४२	५४	३७	२३	१८	५	२२	मकरे	
१०	श	३५	५९	ध	३६	५७	शु	११	५४	व	८	५०	५८	३६	२४	१९	६	२३	कुं.८।५४	भ.८।५० उ.३५/५९या. मार्गी बुधः३९।४३
११	र	३०	२५	श	३३	३२	शु	४/१५	५७/१८	ब	३	१२	३/२	३६	२४	२०	७	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	चं	२५	३१	पू	३०	३४	ऐं	५१	४६	तै	२५	३१	५	३५	२५	२१	८	२५	मी१६।१९	प्रदोषः
१३	मं	२१	२५	उ	२८	२१	वै	४५	२४	व	२१	२५	९	३४	२६	२२	९	२६	मीने	भ.३१/२५उ.४९/५१या. वक्री स्वात्यां भौमः३६/५२
१४	बु	१८	१८	रे	२७	१२	वि	४०	४०	श	१८	१८	१३	३३	२७	२३	१०	२७	मे.२७।१२	रेवत्यां बुधः २८।३६
३०	गु	१६	७	अ	२६	५८	प्री	३६	३५	ना	१६	७	१७	३३	२७	२४	११	२८	मेषे	अमावस्या

१पं. वै.कृ.३ सू.इ.८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	११	५	१०	०
०	२२	१७	३	१०	१७	४	०
३	५१	१८	४	४५	२९	४७	०
४२	०	२५	५९	३६	४०	५७	०
५८	२०/४७	२४/२५	१३	७४	४/२८	३	५८
४५	व	व	३८	२	व	११	४४

गोचरग्रहाः

वैशाख कृ.३ रवौ
मेषेऽर्कः प्र. वा.४
न.४ वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

२पं.वै.कृ.११सू.इ.८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	११	५	१०	०
६	२१	१५	४	१९	१७	४	६
५३	२	४१	४५	२१	९	२५	५०
५३	५३	५३	५०	७	०	४२	३८
५८	२७/७	१/५०	१३	७४	४/१०	३	५८
२९	[illegible]	मा	३८	४	व	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	शु	१४	१०	भ	२८	१२	आ	३३	३६	ब	१४	१०	३३/३१	५/३२	६/२८	२५	१२	२९	बृ.४३।४३
२	श	१५	३४	कृ	३०	१५	सौ	३१	३४	कौ	१५	३४	२५	३१	२९	२६	१३	१	बृषे
३	र	१७	८	रो	३४	१	शो	३०	३६	ग	१७	८	२९	३०	३०	२७	१४	२	बृषे
४	चं	२०	१३	मृ	३८	४१	अ	३०	२९	वि	२०	१३	३०	२९	३१	२८	१५	३	मि६।२१
५	मं	२४	१९	आ	४४	१४	सु	३१	११	बा	२४	१९	३६	२९	३१	२९	१६	४	मिथुने
६	बु	२८	५२	पु	५०	२९	धृ	३२	२२	तै	२८	५२	४०	२८	३२	३०	१७	५	क.३३।५५
७	गु	३३	४८	पु	५६	५८	शू	३३	४४	ग	१	२०	४३	२७	३३	१	१८	६	कर्के
८	शु	३८	४९	श्ले	६०	०	गं	३५	१४	वि	६	१८	४७	२७	३३	२	१९	७	कर्के
९	श	४३	१९	श्ले	३	२२	वृ	३६	२३	बा	११	४	५०	२६	३४	३	२०	८	सिं३।२२
१०	र	४७	५८	म	९	६	ध्रु	३७	६	तै	१५	३८	५४	२५	३५	४	२१	९	सिंहे
११	चं	५०	१९	पू	१४	५	व्या	३७	०	व	१३	८	५७	२५	३५	५	२२	१०	कं.२९।५०
१२	मं	५१	५४	उ	१७	५	ह	३६	१	ब	२१	६	३३/१	२४	३६	६	२३	११	कन्यायां
१३	बु	५२	४५	ह	२०	५२	व	३३	५८	कौ	२२	१९	४	२३	३७	७	२४	१२	तु.५१।३६
१४	गु	५१	३५	चि	२२	२०	सि	३१	५	ग	२२	१०	७	२३	३७	८	२५	१३	तुलायां
१५	शु	४९	३४	स्वा	२२	४१	व्य	२७	९	वि	२०	३५	१०	२२	३८	९	२६	१४	तुलायां

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६२३० सन्१९५२

चंद्रदर्शनम्
भरण्यांरविः४५/५८सावान८अगस्त्यास्तः५१/२
भ.४८/४०उ. वक्री हस्ते२ शनिः१५/३८अक्षया३
भ.२/१ ०/३या.मेषेशुक्रः४७/४५आश्विन्यां३गुरुः१८/५

भ. ३३।४८ उ. **मई मा. ५ ता. ३१**
भ. ६।१८ या.
उदयं गुरुः २१।० उ. गु.

भ.१९/८ उ.५/१ ०/९या. मोहिनी११ब्र. स्मा.वै.
गुरोर्बाल्यवसमाप्तिः२१/० मोहिनी११नि.
प्रदोषः ×कूर्म जयंती. वै.स्ना वै.
भ. ५१।३५ उ. नृसिंहजयंती
भ.३/३ ०/५या. मेषेबुधः२/१ १/१ भरण्यां शुक्रः४१/४८×

३पं. वै.शु.३सू.इ.८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	११	५	१०	०
१३	१८	१८	६	२७	१६	४	१३
४२	४८	९	२६	५७	४०	३	३९
१७	११	४३	३५	४०	२६	२६	४१
५८	३६/१८	२४	१३	७४	५ ३/२	३	५८
१२	ब	२६	३४	१६	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

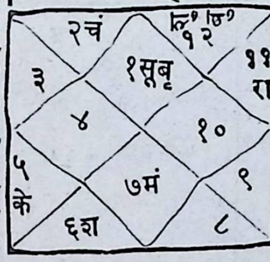

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शांति बुध शुक्र का योग होगा सो वर्षा करेगा और रुई चांदी मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

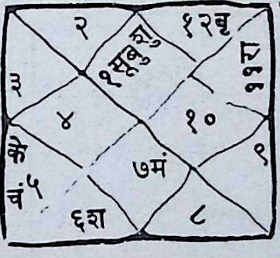

४पं. वै.शु.१०सू.इ. ९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	०	०	५	१०	०
२०	१६	२३	८	६	१६	३	२०
२८	१६	४३	६	३२	१४	४१	२७
५५	५	४८	३६	४९	४९	११	२२
५७	२५/३०	४३	१३	७४	२ ३/१	३	५८
५७	ब	४७	३२	२०	ब	११	६

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	श	४६	२४	वि	२१	४८	व	२२	१८	बा	१७	५९	३३/१३	५/२१	६/३९	१०	२७	१५	बृ. ७।१
२	र	४२	१८	अ	१९	५०	प	१६	३७	तै	१४	२१	१६	२१	३९	११	२८	१६	बृश्चिके
३	चं	३६	४५	ज्ये	१७	११	शि	१०	२०	व	९	३१	१९	२०	४०	१२	२९	१७	ध.१७।११
४	मं	३१	३९	मू	१३	४८	सि	३/३२	५२/५०	ब	४	१२	२२	२०	४०	१३	३०	१८	धनुषि
५	बु	२५	४०	पू	१०	४	शु	४८	४४	तै	२५	४०	२५	१९	४१	१४	३१	१९	म.२४।२
६	गु	१९	४५	उ	५	५७	शु	४१	१७	व	१९	४५	२८	१८	४२	१५	१	२०	मकरे
७	शु	१३	४१	श्र	१/५४	५६/२	ब्र	३३	४०	ब	१३	४१	३१	१८	४२	१६	२	२१	कु.२९।५५
८	श	७	४९	श	५४	२१	ऐं	२६	१८	कौ	७	४९	३४	१७	४३	१७	३	२२	कुंभे
९	र	२	०	पू	५१	८	वै	१९	२२	ग	२	०	३६	१७	४३	१८	४	२३	मी३६।५७
१०	र	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	चं	५३	८	उ	४९	५२	वि	१२	५४	ब	२५	१४	३९	१६	४४	१९	५	२४	मीने
१२	मं	४९	५१	रे	४८	२४	प्री	७	४	कौ	२१	९	४१	१६	४४	२०	६	२५	मे.४८।२४
१३	बु	४७	३७	अ	४९	३	आ	२/५	५५/५६	ग	१८	४४	४४	१५	४५	२१	७	२६	मेषे
१४	गु	४६	३७	भ	४९	३१	शो	५४	५२	वि	१७	१२	४६	१५	४६	२२	८	२७	मेषे
३०	शु	४६	५२	कृ	५०	५१	अ	२२	३९	च	१६	५१	४८	१४	४६	२३	९	२८	वृ.४।५१

वसंतर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

कृतिकायां रविः ३/५ ३/३ धनिष्ठायां३ राहुः×

भ.९/३१ उ.३६/४५ या. अश्विन्यां४ गुरुः१४/८=

बृषेऽर्कः १।४० ×मघायां१ केतुः५८/५५
भ. १९/४५ उ. ४६।४३ या. पातस्पर्शः ३१/४२+

भ. २९/४० उ.५७।२० या. =चतुर्थी ब्र.
क्षयः +पातमोक्षः ४४।१६
भरण्यां बुधः ०।२० अपरा ११ब्र. स्मा.
कृतिकायां शुक्रः३०/५७ अपरा११ब्र. वै.नि.
भ. ४७।३७ उ. प्रदोषः
भ.१७।१२या. *शुक्रः९।० पू.अ.शु.
वृषे शुक्रः१६/२८ वटपू. भावुका३० पूर्वास्तः*

५पं. ज्ये.कृ.२ सू.इ.९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	०	०	५	१०	०
२७	१३	१	९	१५	१५	३	२७
१४	४५	५१	४५	८	५२	१८	१३
९	३२	७	३६	३५	३७	५५	३०
५७	३२/३७	६१	१३	७४	४ २/१	३	५७
४५	ब	३९	२०	२६	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

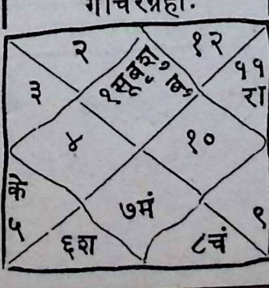

ज्येष्ठ कृ.५ बुधे वृषेऽर्कः प्र.वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

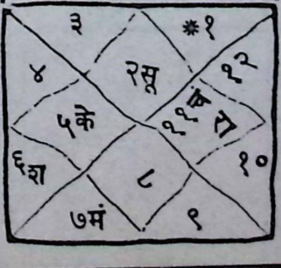

६पं.ज्ये.कृ. ९सू.इ.९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	०	०	५	१०	१
३	११	१२	११	२३	१५	२	३
५७	२८	३	२३	४४	३४	५६	५८
४३	४४	२२	२	३१	२६	४०	२८
२७	१७/३२	९०	१३	७४	१ २/०	३	५७
३४	ब	२५	१४	२६	ब	११	४४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६२५९सन्१९५२
१	श	४८	२८	रो	५३	३	सु	५१	३१	किं	१७	४१	३३/५०	५/१४	६/४६	२४	१०	२९	वृषे	रोहिण्यां रविः २७।४९
२	र	५१	१३	मृ	५७	४०	धृ	५१	१५	बा	१९	५०	५२	१४	४६	२५	११	३०	मि२५।२१	चंद्रदर्शनम् ×रमजान १ रोजा
३	चं	५५	४	आ	६०	०	शू	५१	४८	तै	२३	८	५४	१३	४७	२६	१२	१	मिथुने	कृतिकायां बुधः ४१/३१ भरण्यां१ गुरुः ४६/५९×
४	मं	५९	४१	आ	२	५८	गं	५२	५८	व	२७	२२	५६	१३	४७	२७	१३	२	क.५२।३३	भ. २७।२२ उ. ५९।४१ या.
५	बु	६०	०	पु	९	५	वृ	५४	३२	ब	३२	११	५८	१२	४८	२८	१४	३	कर्के	बृषे बुधः४०।१८ पूर्वास्तो बुधः५१।२०
५	गु	४	४०	पु	१५	२७	ध्रु	५५	५४	बा	४	४०	३४/००	१२	४८	२९	१५	४	कर्के	
६	शु	६	२५	श्ले	२१	५५	व्या	५७	२४	तै	९	२५	२	१२	४८	३०	१६	५	सिं२१।५५	
७	श	१४	९	म	२७	५१	ह	५८	६	व	१४	९	४	११	४९	३१	१७	६	सिंहे	भ. १४/९ उ.४६।३ या. रोहिण्यां शुक्रः २४/२५
८	र	१७	५८	पू	३२	५४	व	५८	१४	ब	१७	५८	६	११	४९	१	१८	७	कं.४८।५८	जून मा. ६ ता. ३०
९	चं	२०	४५	उ	३७	१०	सि	५७	२६	कौ	२०	४५	८	१०	५०	२	१९	८	कन्यायां	रोहिण्यां बुधः १४।२८
१०	मं	२२	२३	ह	४०	१७	व्य	५५	४४	ग	२२	२३	९	१०	५०	३	२०	९	कन्यायां	भ. ५२।३७ उ.
११	बु	२२	५१	चि	४२	०	व	५३	५	वि	२२	५१	११	१०	५०	४	२१	१०	तु.११।८	भ. २३।५१ या. निर्जला ११ व्र.
१२	गु	२२	२	स्वा	४२	३९	प	४९	१६	बा	२२	२	१२	१०	५०	५	२२	११	तुलायां	प्रदोषः =मार्गी भौमः ३।२७
१३	शु	१९	५४	वि	४२	४	शि	४४	३७	तै	१९	५४	१४	९	५१	६	२३	१२	वृ.२७।१३	
१४	श	१६	४२	अ	४०	२१	सि	३९	१२	व	१६	४२	१५	९	५१	७	२४	१३	वृश्चिके	भ. १६/४२ उ. ४४।३९ या. मृगे रविः २६/३८=
१५	र	१२	३६	ज्ये	३७	४४	सा	३२	४९	ब	१२	३६	१६	९	५१	८	२५	१४	ध.३७।४४	मृगे बुधः १८।५० वटपूजनं

७पं.ज्ये.शु.२सू.इ.९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	०	१	५	१०	१
१०	९	२४	१२	२	१५	२	१०
३९	४२	५	५९	२०	२०	३४	४२
५७	३६	१३	२	३१	४९	२५	२०
५७	११/४५	[illegible]	१२	७४	१/३७	३	५७
२३	व	[illegible]	५५	३२	व	११	३५

८पं.ज्ये.श.८सू इ.९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	१	५	१०	१
१७	८	७	१४	१०	१५	२	१७
२१	३२	४९	३२	५६	११	१२	२५
३	४२	५५	१३	१३	४९	९	७
५७	५/३९	०/४९	१२	७४	०/५२	३	५७
१३	व	२८	३१	३२	व	११	२७

९पं.ज्ये.शु.१५सू.इ.९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	१	५	१०	१
२४	८	२३	१६	१९	१५	१	२४
०	२	०	२	३२	७	४९	७
५९	२८	२२	४६	२४	३४	५४	८
५७	१/२	[illegible]	१२	७४	०/१४	३	५७
५	मा	४३	१४	३२	व	११	२२

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	७	३८	मू	३४	३२	शु	२६	१६	कौ	७	३८	३४/५७	५/९	६/५५	९	२६	१५	धनुषि	
२	मं	२	१	पू	३०	५८	शु	१९	१०	ग	२	१	१८	८	५२	१०	२७	१६	म.४४।५६	भ.२९।४उ.५६।७या. मार्गीशनिः७।१७
३	मं	५४	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +भरण्यां२ गुरुः १२/१८ चतुर्थी व्र.
४	बु	५०	४	उ	२६	५१	ब्र	११	४३	ब	२३	६	१९	८	५२	११	२८	१७	मकरे	मिथुने बुधः २५।१७ मृगे शुक्रः १२।५४+
५	गु	४३	५९	श्र	२३	२६	ऐं	१४/५५	५२/४५	कौ	१७	२	२०	८	५२	१२	२९	१८	कु.५१।१०	
६	शु	३७	५१	ध	१८	५५	वि	४९	४२	ग	१०	५५	२१	८	५२	१३	३०	१९	कुम्भे	भ. ३७।५१ उ.
७	श	३२	१६	श	१५	३५	प्री	४२	१९	वि	५	३	२२	८	५२	१४	३१	२०	मी५७।४७	भ.५।३ या. मिथुनेऽर्कः२७।२६ आर्द्रायां=
८	र	२७	२१	पू	११	५०	आ	३५	४५	कौ	२७	२१	२२	८	५२	१५	१	२१	मीने	
९	चं	२३	२	उ	९	३२	सौ	२९	४१	ग	२३	२	२३	७	५३	१६	२	२२	मीने	भ. ५१।२१ उ. मिथुने शुक्रः ३९।२६
१०	मं	१९	४०	रे	८	३	शो	२४	५१	वि	१९	४०	२३	७	५३	१७	३	२३	मे. ८।३	भ. १९।४० या. =बुधः २०।५३
११	बु	१७	१८	अ	६	५५	अ	२०	२५	बा	१७	१८	२३	७	५३	१८	४	२४	मेषे	योगिनी११व्र. दक्षिणायनप्रवृत्तिः२८।४४
१२	गु	१६	४	भ	७	२७	सु	१७	०	तै	१६	४	२४	७	५३	१९	५	२५	वृ.२२।५३	पश्चिमोदयी बुधः २९।१४ प्रदोषः
१३	शु	१६	१६	कृ	९	११	धृ	१४	४७	व	१६	१६	२४	७	५३	२०	६	२६	बृषे	भ.५६/१६ उ.४६/५८ या. पुनर्वसौ बुधः४५।२९
१४	श	१७	४१	रो	११	१३	शू	१९	१५	श	१७	४१	२४	७	५३	२१	७	२७	मि४३।४८	आर्द्रायां रविः २८।५८
३०	र	२०	११	मृ	१६	२३	गं	१३	४	ना	२०	११	२४	७	५३	२२	८	२८	मिथुने	आर्द्रायां शुक्रः ६।२ अमावस्या पुण्यम्

१०पं.आ.कृ.८सू.इ.९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	१	५	१०	२
०	८	८	१५	२८	१५	१	०
४०	१२	१९	३०	८	८	२७	४८
७	०	५२	७	२८	१३	३९	२५
५६	७	[illegible]	११	७४	३६	३	५७
७	०	४९	४२	३८	मा	११	१७

गोचरग्रहाः

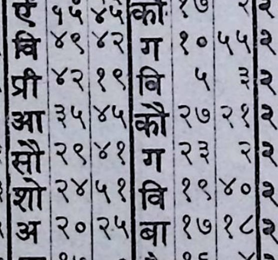

आषाढ़कृ.७शनौ
मिथुनेऽर्कः प्र.वा.
४न.६बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रास्तः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

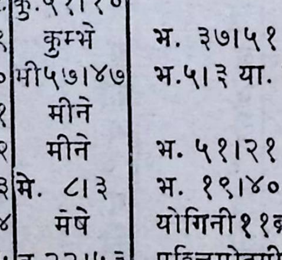

११पं.आ.कृ.३०सू.इ.९।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	२	५	१०	२
७	८	२२	१८	६	१५	१	७
१८	५९	२६	५४	४४	१४	५	२९
२५	४२	२८	०	२८	१०	२३	१७
५६	११	[illegible]	११	७४	१	३	५३
५४	४५	२८	६	३८	१६	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६२८७ स.१९५२
१	चं	२४	३	आ	२१	४१	वृ	१३	२८	ब	२४	३	३४/२४	५/७	६/५३	२३	९	२९	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	२८	३२	पु	२७	३२	ध्रु	१४	३५	कौ	२८	३२	२४	७	५३	२४	१०	१	कं.११।४	सव्वाल १० ईद
३	बु	३३	२२	पु	३३	५०	व्या	१६	५	तै	०	५७	२४	७	५३	२५	११	२	कर्के	कर्के बुधः ४४।२२
४	गु	३८	६	श्ले	४०	१८	ह	१७	३६	व	५	४४	२३	७	५३	२६	१२	३	सिं४०।१८	भ. ५।४४ उ. ३८।६ या.
५	शु	४२	४६	म	४६	१६	व	१९	२	ब	१०	२६	२३	७	५३	२७	१३	४	सिंहे	भरण्यां ३ गुरुः ४८।५९
६	श	४८	४८	पू	५१	४१	सि	१९	५६	कौ	१४	४७	२२	८	५२	२८	१४	५	सिंहे	पुष्ये बुधः ७।१९
७	र	४९	४२	उ	५६	२९	व्य	२०	१९	ग	१८	१५	२२	८	५२	२९	१५	६	कं.७।५३	भ. ४९।४२ उ.
८	चं	५१	२५	ह	५९	३३	व	१९	४६	वि	२०	३३	२१	८	५२	३०	१६	७	कन्यायां	भ. २०।३३ या.
९	मं	५१	५९	चि	६०	०	प	१८	१३	बा	२१	५७	२०	८	५२	१	१७	८	तु.३०।३५	जुलाई **मा. ७ ता. ३१** भडली ९
१०	बु	५१	८	चि	१	३७	शि	१५	४६	तै	२१	३३	१८	८	५२	२	१८	९	तुलायां	पुनर्वसौ शुक्रः ५७।५८
११	गु	४९	५	स्वा	२	२७	सि	१२	१३	व	२०	६	१९	८	५२	३	१९	१०	वृ.४७।२३	भ.२/६ उ.४९/५या. देवशयनी ११व्र.स्मा.वै.
१२	शु	४६	५६	वि	२	२२	सा	७	४५	ब	१८	१	१७	९	५१	४	२०	११	वृश्चिके	देवशयनी ११व्र.निं. हरि.ध २/२उ ३५/५५या.
१३	श	४१	४९	अ	२/२	५७/७	शु	२/२५	५३/५५	कौ	१४	२३	१६	९	५१	५	२१	१२	व्र.५८।९	पुनर्वसौ रविः ३२।५९
१४	र	३६	५२	मू	५५	९	ब्र	४९	४१	ग	९	२०	१४	९	५१	६	२२	१३	धनुषि	भ. ३६।५२ उ.
१५	चं	३१	७	पू	५१	३०	ऐं	४२	३८	वि	४	०	१३	९	५१	७	२३	१४	धनुषि	भ.४।०या. सार्पे बुधः १६।३४ व्यासपूजा

१२पं.आ.शु.७सू.इ.९।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	२	५	१०	२
१३	१०	४	२०	५	१५	०	१४
५६	२१	४८	१४	२१	२४	४३	९
३८	४३	१८	६	७	३६	८	४५
५६	१५	८५	१०	७४	१	३	५७
५०	५६	८	३०	३८	५५	११	७

गोचरग्रहाः

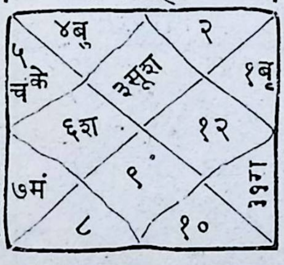

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शांति और बदी पक्ष में वर्षा श्रेष्ठ सुदी में बुध शुक्र के बीच में सूर्य आता है।

गोचरग्रहाः

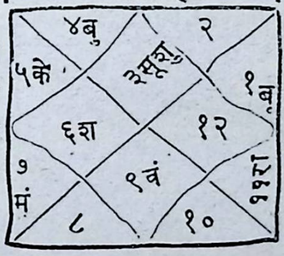

१३पं.आ.शु.१४सू.इ.९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	२	५	१०	२
२०	१२	१५	२१	२३	१५	०	२०
३४	१३	२५	२९	५८	३९	२०	५०
३४	३०	५	२	१	३६	५२	९
५६	१९	६६	९	७४	२	३	५७
५०	३७	५८	४७	३५	३३	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	२५	३०	उ	४७	३१	वै	३५	१०	कौ	२५	३०	३४/११	५/१०	६/५०	८	२४	१५	म.५।३०	
२	बु	१९	२६	श्र	४३	२६	वि	२७	३८	ग	१९	२६	१०	१०	५०	९	२५	१६	मकरे	भ. ४६।२० उ.
३	गु	१३	१४	ध	३९	१७	प्री	२०	५	वि	१३	१४	८	१०	५०	१०	२६	१७	कु.२१।२१	भ. १३।१४ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	७	१५	श	३५	२३	आ	१२	३७	बा	७	१४	७	११	४९	११	२७	१८	कुम्भे	कर्के शुक्रः ४।४२
५	श	१	२७	पू	३२	११	सौ	५/३१	५३/१८	तै	१	२७	५	११	४९	१२	२८	१९	मी१७।५९	भ. ५६/२२ उ. मकरे राहुः कर्के केतुः ४३/५५×
६	श	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः ×नाग ५ मरुस्थले
७	र	५१	५८	उ	२९	२७	अ	५२	४६	वि	२४	१०	४	११	४९	१३	२९	२०	मीने	भ. २४।१० या. पुष्ये शुक्रः ४५।२२
८	चं	४८	२२	रे	२७	३१	सु	४७	२६	बा	२०	१०	२	१२	४८	१४	३०	२१	मे.२७।३१	
९	मं	४६	४	अ	२६	३८	धृ	४२	१९	तै	१७	१३	३४/००	१२	४८	१५	३१	२२	मेषे	
१०	बु	४४	५४	भ	२६	५६	शू	३९	३०	व	१५	२९	३३/५८	१२	४८	१६	३२	२३	वृ.४२।१६	भ.१५।२७उ.४४।५०या. कर्केऽर्कः५।४३
११	गु	४४	५४	कृ	२८	१६	गं	३६	५६	ब	१५	५२	५६	१३	४७	१७	१	२४	वृषे	भरण्यां ४ गुरुः२०।२८ कामिका ११ व्र.
१२	शु	४६	१४	रो	३०	५८	वृ	३५	२६	कौ	१५	३४	५४	१३	४७	१८	२	२५	वृषे	
१३	श	४८	५६	मृ	३४	५३	ध्रु	३४	५१	ग	१७	३५	५२	१४	४६	१९	३	२६	मि२।५५	त.४८।२६उ. पुष्ये रविः ३६/२४ बुधः ३८।८+
१४	र	५२	२८	आ	३९	४६	व्या	३५	९	वि	२०	४२	५०	१४	४६	२०	४	२७	मिथुने	भ. २०।४२ या. +प्रदोषः
३०	चं	५६	५१	पु	४५	३७	ह	३१	५	च	२४	३९	४७	१५	४५	२१	५	२८	क २९।९	हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.७सू.इ.९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	३	५	९	२
२७	१४	२४	२२	२	१५	२९	२७
१२	३१	२	३९	३४	५९	५८	३०
४०	३४	३५	७	४८	३१	३७	३२
५६	२३	५०	९	७४	३	३	५७
५५	८	१४	५	३२	१८	११	११

गोचरग्रहाः

श्रावण कृ.१०बुधे कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यभाव तेज) शुक्रास्तः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.१४सू.इ.९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	०	३	५	९	३
३	१७	०	२३	११	१६	२९	४
५१	१२	१६	४३	११	१३	३६	११
८	४७	१६	२६	३८	२०	२३	१३
५६	२६	३१	८	७४	३	३	५७
५७	११	२६	२०	३२	५०	११	१५

*बुशु के

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	६०	०	पु	५१	५५	व	३७	२९	किं	२९	१४	३३/४५	५/१५	६/४५	२२	६	२९	कर्के
१	बु	१	३८	श्ले	५८	१०	सि	३९	७	ब	१	३८	४२	१६	४४	२३	७	३०	सिं५८।२०
२	गु	६	४३	म	६०	०	व्य	४०	३६	कौ	६	४३	४०	१६	४४	२४	८	१	सिंहे
३	शु	११	११	म	४	२८	व	४१	३६	ग	११	११	३७	१७	४३	२५	९	२	सिंहे
४	श	१५	८	पू	१०	६	प	४२	४	वि	१५	८	३५	१७	४३	२६	१०	३	कं.२६।१६
५	र	१८	१०	उ	१४	४७	शि	४१	४४	बा	१८	१०	३२	१८	४२	२७	११	४	कन्यायां
६	चं	२०	२५	ह	१८	२०	सि	४०	२४	तै	२०	२५	३०	१८	४२	२८	१२	५	तु.४९।३०
७	मं	२०	३२	चि	२०	४१	सा	३८	६	व	२०	३२	२७	१९	४१	२९	१३	६	तुलायाँ
८	बु	१९	५२	स्वा	२१	५२	शु	३४	४६	ब	१९	५२	२४	१९	४१	३०	१४	७	तुलायाँ
९	गु	१७	५२	वि	२१	४२	शु	३०	३२	कौ	१७	५२	२१	२०	४०	३१	१५	८	वृ.६।४५
१०	शु	१४	४८	अ	२०	२५	ब्र	२५	२२	ग	१४	४८	१८	२०	४०	१	१६	९	वृश्चिके
११	श	१०	५०	ज्ये	१८	१२	ऐं	१९	२१	वि	१०	५०	१५	२१	३९	२	१७	१०	ध.१८।१२
१२	र	५	५७	मू	१५	२७	वै	१२	४६	बा	५	५७	१२	२२	३८	३	१८	११	धनुषि
१३	चं	०	३०	पू	११	४४	वि	५/४०	५/३६	तै	०	३०	९	२२	३८	४	१९	१२	म.२६।१
१४	चं	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	मं	४८	३७	उ	८	५२	आ	५०	४०	वि	२१	३९	६	२३	३७	५	२०	१३	मकरे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३१८ सन् १९५२

नक्त ब्रतारंभः
चन्द्रदर्शनम्
जिल्काद ११ सार्पेशुक्रः ३४/४७ हस्ते ३ शनिः ३४/८१
भ. ४३।३ उ. तीज
भ. १८।५ या. विशाखायां भौमः ३९।२
नाग ५

भ. २०/३२ उ. ५०।१२ या. वक्री बुधः २५/५७

पश्चिमोदयी शुक्रः ५५।१२ प.उ.श,
भ. ४२/४९ उ. अगस्त मा. ८ ता. ३१
भ. १०/५० या. आश्लेषायांरविः पवित्रा ११ ब्र.
प्रदोषः
भ. ५४।४० उ. सिंहे शुक्रः २४।४७
क्षयः
भ. २१/३९ या. पश्चिमास्तो बुधः २३/३६ चंद्रग्रह.

१६पं.श्रा.शु.५सू.इ. ९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	०	३	५	९	३
१०	२०	३	२४	१९	१६	२९	१०
३०	१४	३०	४१	५१	५१	१४	५२
२५	१३	१४	४२	२२	३२	७	१९
५७	२८	९	७	७४	४	३	५७
५	२५	८	१३	२६	२९	११	२०

गोचरग्रहाः

उदयास्ते गपेचे-
त्प्याज्जव दृष्टो
यदा ग्रहाः पीदोनं
पूर्णदृष्टयावा तदा
वर्षति नान्यथा।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.शु१२सू.इ.८।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	०	३	५	९	३
१७	२३	३	२५	२८	१७	२८	१७
१०	३३	२	३२	२५	२३	५१	३४
१४	०	३१	४६	५२	२८	५२	०
५७	३०	१६/५३	६	७४	४	३	५७
१२	१५	ब	१९	२६	५६	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	बु	४२	३१	श्र	३/४५	५९/३७	सौ	४३	४	बा	१५	३४	३/३	५/२३	६/३७	६	२१	१४	कुं२१।४१
२	गु	३६	२३	श	५५	४३	शो	३५	३०	तै	९	२७	०	२४	३६	७	२२	१५	कुंभे
३	शु	३०	३३	पू	५२	२०	अ	२८	१४	व	३	२७	३२/५७	२५	३५	८	२३	१६	मी३८।११
४	श	२५	३१	उ	४९	२१	सु	२१	२४	बा	२५	३१	५४	२५	३५	९	२४	१७	मीने
५	र	२१	७	रे	४७	३	धृ	१५	८	तै	२१	७	५०	२६	३४	१०	२५	१८	मे.४७।३
६	चं	१७	३२	अ	४६	१	शू	९	३४	व	१७	३२	४७	२७	३३	११	२६	१९	मेषे
७	मं	१५	५	भ	४६	३	गं	४	५५	ब	१५	५	४३	२७	३३	१२	२७	२०	मेषे
८	बु	१३	४७	कृ	४७	९	वृ	१/८	५७/११	कौ	१३	४७	४०	२८	३२	१३	२८	२१	वृ.१।१९
९	गु	१३	५५	रो	४९	३१	व्या	५६	३३	ग	१३	५५	३६	२९	३१	१४	२९	२२	बृषे
१०	शु	१५	७	मृ	५३	११	ह	५५	४५	वि	१५	७	३३	२९	३१	१५	३०	२३	मि२।२१
११	श	१७	३५	आ	५७	५७	व	५५	५१	बा	१७	३५	२९	३०	३०	१६	३१	२४	मिथुने
१२	र	२१	११	पु	६०	०	सि	५६	४१	तै	२१	११	२६	३१	२९	१७	१	२५	क.४७।१४
१३	चं	२५	३९	पु	३	३९	व्य	५८	२६	व	२५	३९	२२	३२	२८	१८	२	२६	कर्के
१४	मं	३०	२७	पु	९	४८	व	५९	३१	श	३०	२७	१९	३२	२८	१९	३	२७	कर्के
३०	बु	३५	१७	श्ले	१६	१३	प	६०	०	च	२	५२	१५	३३	२७	२०	४	२८	सिं१६।१३

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

धनिष्ठा क्षयः ५९।३७

भ.३।२८ उ. ३३/३३ या. वक्री कर्के बुध ४०/२९×

चन्द्रषष्ठी ×चतुर्थी ब्र.
भ. १७।३२ उ. ४६।१८ या. हल ६
जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
जन्माष्टमी ब्र. वै.
भ.४४।३१ उ. कृत्तिकायां १ गुरुः ६।३८
भ. १५/७ या. पूफायां शुक्रः १५/२१ बृ.भौमः ३/१२
सिंहेऽर्कः ३३।३९ अजा ११ ब्र.
प्रदोष ब्र. वत्स १२
भ. २५।३९ उ. ५८।३ या.

पिठोरी ३० सतीपूजनं लोहार्गलस्नानं

१८पं. भा.कृ.५सू.इ.८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	०	४	५	९	३
२३	२७	२८	२६	७	१७	२८	२४
५१	११	५०	१६	३	५८	२९	१६
२१	४६	१३	३४	७	४८	३६	२७
५७	३२	४७/२६	५	७४	५	३	५७
२२	२७	ब	१२	२६	२३	११	३३

गोचरग्रहाः

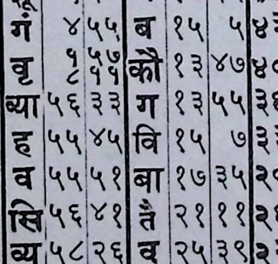

भाद्रपदकृ.११शनौ
सिंहेऽर्कः प्र.वा.४
न. ५ गतालकाव-
स्था(बैठी)मु.१५
(धान्यभाव तेज)
शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

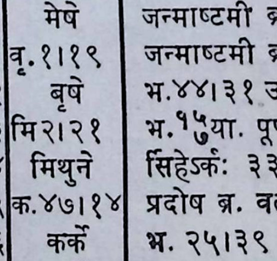

१९पं.भा.कृ.१२सू.इ.८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	०	४	५	९	४
१	०	२३	२६	१५	१८	२८	०
३३	५५	२८	५२	४०	३७	७	५९
३४	४४	२३	२३	१९	८	२०	४७
५७	३३	५५/४७	४	७४	५	३	५७
३४	५९	ब	५	२०	५०	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३४८ स.१९५२
१	गु	४०	३	म	२२	११	प	१	६	के	७	४०	३२/५२	५/३४	६/२६	२१	५	२९	सिंहे	मैत्रे भौमः २४।२१
२	शु	४४	६	पू	२८	३	शि	२	११	बा	१२	५	८	३४	२६	२२	६	३०	कं.४४।१६	चंद्रदर्शनम् पूर्वोदयी बुधः ३।३८
३	श	४७	१२	उ	३२	५५	सि	२	४३	तै	१५	३९	४	३५	२५	२३	७	१	कन्यायां	जिल्हेज १२
४	र	४९	११	ह	३६	५१	सा	२	३२	व	१८	१२	०	३६	२४	२४	८	२	कन्यायां	भ. १८।१२ उ. ४९।११ या. गणेश ४
५	चं	४९	५९	चि	३१	१९	शु	५/२१	५७/५५	ब	१९	३५	३१/६६	३७	२३	२५	९	३	तु. ८।५	मार्गी बुधः ६।२५ ऋषि ५
६	मं	४९	२३	स्वा	४०	४९	ब्र	५६	५	कौ	१९	४१	५२	३८	२२	२६	१०	४	तुलायां	उफायां शुक्रः ३।४१
७	बु	४७	३३	वि	४१	०	ऐं	५२	३	ग	१७	२८	४८	३८	२२	२७	११	५	बृ.२५।५२	भ.४७/३३ उ. महालक्ष्मी ब्र. अगस्तोदयः ३/३६
८	गु	४४	३४	अ	३९	५९	वै	४६	४७	वि	१६	३	५४	३९	२१	२८	१२	६	वृश्चिके	भ. १६।३ या. कन्यायां शुक्रः ४६।५९
९	शु	४०	३८	ज्ये	३७	५५	वि	४०	५४	बा	३२	३६	४०	४०	२०	२९	१३	७	ध.३७।५५	
१०	श	३५	५७	मू	३५	१३	प्री	३४	२२	तै	८	१८	३६	४१	१९	३०	१४	८	धनुषि	पूफायां रविः ३४/३० हस्ते शनिः ४५।५५
११	र	३०	३१	पू	३२	५२	आ	२७	१८	व	३	१४	३२	४२	१८	३१	१५	९	म.४६।३७	भ.३।१४ उ.३०/३१ या. जलझूलनी ११ ब्र.
१२	चं	२४	४३	उ	२७	५१	सौ	१९	२०	बा	२४	४३	२८	४२	१८	१	१६	१०	मकरे	**सितम्बर मा. ९ ता. ३० प्रदोषः**
१३	मं	१८	४४	श्र	२३	४९	शो	१२	१४	तै	१८	४४	२५	४३	१७	२	१७	११	कु.५१।४३	*लयारंभः कुमारीणां संध्यापू. अनंत १४
१४	बु	१२	४०	ध	१९	३८	अ	४/७	५२/५७	व	१२	४०	२१	४४	१६	३	१८	१२	कुम्भे	भ.१२/४० उ. ३९/३८ या. सिंहे बुधः ३६/४२ महा-*
१५	गु	६	३६	श	१५	४२	सु	४९	४२	ब	६	३६	१८	४४	१६	४	१९	१३	मी५७।५७	प्रौष्ठपदी १५

२०पं.भा.शु.४सू.इ.८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	०	४	५	९	४
७	७	२१	२७	२४	१९	२७	७
१७	५६	५७	१९	१७	१८	४५	४४
८	५६	१८	२३	२४	४०	५	१७
५८	३५	९/५३	२	७४	६	३	५७
४५	१७	ब	१८	१४	११	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मास में वर्षा साधारण धान्य तेज मूंग मोंठ बाजरा चना धान्य तेज चांदी सोना लोहा पीतल मंदा

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.शु.११सू.इ.८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	०	५	५	९	४
१४	९	२६	२७	२	२०	२७	१४
२	७	२३	३७	५४	२	२२	२९
५९	१२	३५	४१	३६	२४	४९	५४
५७	३६	६१/४३	१	७५	६	३	५७
५७	४८	ब	३२	८	२६	११	१

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१	१	पू	१२	१	शू	४२	४९	बा	१	१	३१/१४	५/४५	६/१५	५	२०	१४	मीने	हस्ते शुक्रः ५३।४५
२	शु	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	श	५१	२०	उ	८	५५	गं	३६	२१	व	२३	३५	१०	४६	१४	६	२१	१५	मीने	भ. २३।३५ उ. ५१।२० या.
४	र	४७	५२	रे	६	४५	वृ	३०	३४	ब	१९	३६	६	४७	१३	७	२२	१६	ने.६।४५	चतुर्थी ब्र.
५	चं	४५	२६	अ	४	५८	ध्रु	२५	३६	कौ	१६	३९	२	४८	१२	८	२३	१७	मेषे	
६	मं	४४	९	भ	४	५९	व्या	२१	३२	ग	१४	४२	३०/५८	४८	१२	९	२४	१८	बृ.२०।१०	भ.४४/९ उ. वक्री गुरुः ३१/४९ पूर्वास्तो बुधः १४/४८
७	बु	४४	१७	कृ	५	४५	ह	१८	२८	वि	१४	१३	५४	४९	११	१०	२५	१९	बृषे	भ. १४।१३ या.
८	गु	४५	३२	रो	७	५३	व	१६	२१	बा	१४	५४	४९	५०	१०	११	२६	२०	मि३९।३५	पूफायां बुधः १९।५९
९	शु	४८	१	मृ	११	१७	सि	१५	१६	तै	१६	४६	४५	५१	९	१२	२७	२१	मिथुने	ज्येष्ठायां भौमः ९।४५ मातृ ९
१०	श	५१	३४	आ	१५	४७	व्य	१५	१०	व	१९	४७	४०	५२	८	१३	२८	२२	मिथुने	भ.१९/४७ उ.५१/३४ या. उफायांरविः ९/१ धनिष्ठायां*
११	र	५६	८	पु	२१	१७	व	१५	४८	ब	२३	५०	३६	५३	७	१४	२९	२३	क.४।५५	इन्दिरा ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	चं	६०	०	पु	२७	१७	प	१६	५३	कौ	२८	३४	३२	५४	६	१५	३०	२४	कर्के	इन्दिरा ११ ब्र. निं.
१२	मं	१	०	श्ले	३३	२७	शि	१८	१६	तै	१	०	२८	५४	६	१६	३१	२५	सिं३३।३७	कन्यायामर्कः ३४/२० चित्रायांशुक्रः ४३/३१ प्रदोषः
१३	बु	५	५६	म	३९	५१	सि	१९	५३	व	५	५६	२४	५५	५	१७	१	२६	सिंहे	भ. ५।५६ उ. ३८।२१ या.
१४	गु	१०	४६	पू	४५	४८	सा	२०	५२	श	१०	४६	२०	५६	४	१८	२	२७	सिंहे	उफायां बुधः १८।४७ सर्वपितृ ३०
३०	शु	१४	५४	उ	५०	५०	सु	२१	३०	ना	१४	५४	१६	५७	३	१९	३	२८	कं. २।३	देवकार्येऽमा *१ राहुः सार्पे ३ केतुः ३६/५६

२२पं.आ.कृ.४सू.इ. ८।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	५	५	९	४
२०	१३	६	२७	११	२०	२७	२१
४९	२८	८	४६	३१	४८	०	१६
०	१९	२८	१६	४१	३२	३४	५८
५८	.७	६/०	७	७३	६	३	५८
१२	४९	५/५	२५	५६	३८	११	१२

गोचरग्रहाः

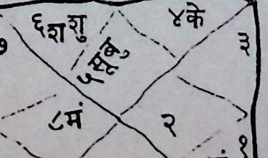

आश्विन कृ. १२ भौमेकन्यायामर्कः प्र.वा.४न.५ प्रगल्भावस्था [बैठी] मु.३०(धान्यभाव सम)शुक्रो.परिच.

गोचरग्रहाः

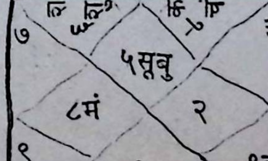

२३पं.आ.कृ.११सू.इ. ८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	५	५	९	४
२७	१७	१८	२७	२०	२१	२६	२८
३७	५६	४९	४५	८	३६	३८	५
२४	२४	८	११	३८	१४	१९	२४
५८	३८	७/०	५/८	७३	६	३	५८
२९	४६	३/०	ब	५०	५६	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन	शुक्लपक्षः	सं. २००९	शाकः	१८७४								दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	१८	६	ह	५५	०	शु	२१	२४	ब	१८	६	३३/५२	५/८	६/२	२०	४	२९	कन्यायां
२	र	२०	१७	चि	५७	५०	ब्र	२०	२३	कौ	२०	१९	८	५९	२	२१	५	३०	तु.२६।२५
३	चं	२१	३८	स्वा	५९	३१	ऐं	१८	२४	ग	२१	३८	४	५८	१	२२	६	१	तुलायां
४	मं	२०	३६	वि	६०	०	वै	१५	२७	वि	२०	३६	०	६/००	६/००	२३	७	२	वृ.४४।५३
५	बु	१८	४३	अ	५९	१५	वि	११	१७	बा	१८	४३	२९/५५	१	५९	२४	८	३	वृश्चिके
६	गु	१५	५४	ज्ये	५७	१३	प्री	६	३२	तै	१५	५४	५१	२	५८	२५	९	४	वृ.५७।१३
७	शु	१२	३	मू	५४	२९	आ	४७/०	५३/२९	व	१२	३	४६	३	५७	२६	१०	५	धनुषि
८	श	७	२३	पू	५१	२५	सौ	४७	२०	ब	७	२३	४२	४	५६	२७	११	६	धनुषि
९	र	२	८	उ	४७	४४	अ	३९	५५	कौ	२	८	३८	४	५६	२८	१२	७	म.५।३०
१०	र	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	चं	५०	३६	श्र	४३	३५	सु	३२	१५	व	२३	२९	३४	५	५५	२९	१३	८	मकरे
१२	मं	४४	२९	ध	३९	२७	धृ	२४	३१	ब	१७	३३	३०	६	५४	३०	१४	९	कु.११।३१
१३	बु	३८	२९	श	३५	२०	शू	१७	२९	कौ	११	३४	२६	७	५३	१	१५	१०	कुम्भे
१४	गु	३३	४	पू	३१	४९	गं	९	२३	ग	५	४६	२२	८	५२	२	१६	११	मी१७।४५
१५	शु	२७	५८	उ	२८	३४	वृ	२/५४	५३/२०	वि	०	३१	१८	८	५२	३	१७	१२	मीने

शरदृतुः रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३७८ स.१९५२

कन्यायां बुधः ५।४१ नवरात्रारंभः
चन्द्रदर्शनम्
भ.५१।७उ. तुलायां शुक्रः४६/२ मोहोरम१×
भ. २०।३६ या. ×सन् १३७२
अस्तं शनिः ३५।१७
हस्ते बुधः ३२।२१
भ.१२।३ उ.३९/४३या. हस्ते रविः४६।४८
स्वात्यां शुक्रः ३३।५८
चित्रायां १ शनिः ४३।४० विजया १०
क्षयः
भ.२३/२९ उ.५०/३६ या. पापांकुशा ११व्र. स्मा.
पापांकुशा ११ व्र. वै. नि.
अक्टूबर मा.१० ता.३१ प्रदोषः ताजिया
भ.३३।४उ. धनुषिभं.मः ५/३० शरद१५व्र.
भ.०।३१या. चित्रायां बुधः ५२/५७ शरद१५

२४पं. आ.शु.२सू.इ.७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	५	५	९	५
४	२२	१	२७	२८	२२	२६	४
२७	३२	३७	३३	४५	२५	१६	५५
२८	४२	५४	५४	११	३०	३	१७
५८	३९	३/००	२/२२	७३	७	३	५८
४५	३६	४९	व	४५	८	११	३८

गोचरग्रहाः

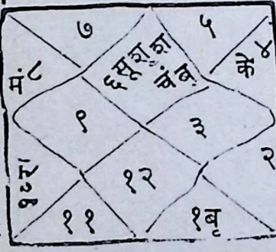

इस मास में राज प्रजा में सुख शांति धान्य जौ गेहूँ चना मूंग मोंठ बाजरा प्रियंगु इनका भाव मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

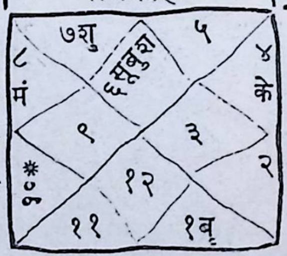

२५पं.आ.शु.९सू.इ. ७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	६	५	९	५
११	२७	१४	२७	७	२३	२५	११
१९	१७	३६	१२	२१	१५	५३	४६
३४	१३	७	३६	२९	४०	४८	५९
५९	४०	६/०	३३	७३	७	३	५८
०	१३	३८	व	३७	१४	११	५३

ति.	कार्तिक	कृष्णपक्षः	सं. २००९	शाकः	१८७४								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	२३	३०	रे	२६	१३	व्या	४९	३१	कौ	२३	३०	२९/१४	६/९	५/५९	४	१८	१३	मे.२६।१३
२	र	२०	८	अ	२४	२९	ह	४४	१६	ग	२०	८	१०	१०	५०	५	१९	१४	मेषे
३	चं	१७	४६	भ	२३	५१	व	३९	५४	वि	१७	४६	६	११	४९	६	२०	१५	वृ.३९।०
४	मं	१६	३४	कृ	२४	२६	सि	३६	२९	बा	१६	३४	२	१२	४८	७	२१	१६	वृषे
५	बु	१६	४८	रो	२५	५३	व्य	३४	५	तै	१६	४८	२८/५८	१२	४८	८	२२	१७	मि५७।३६
६	गु	१८	२	मृ	२९	१९	व	३२	३८	व	१८	२	५४	१३	४७	९	२३	१८	मिथुने
७	शु	२०	४०	आ	३३	३२	प	३१	३९	ब	२०	४०	५०	१४	४६	१०	२४	१९	मिथुने
८	श	२४	१७	पु	३८	४८	शि	३२	३०	कौ	२४	१७	४६	१५	४५	११	२५	२०	क.२२।२९
९	र	२८	५६	पु	४४	३५	सि	३३	३३	ग	२८	५६	४२	१६	४४	१२	२६	२१	कर्के
१०	चं	३३	५३	श्ले	५१	२	सा	३४	४४	व	१	२४	३८	१६	४४	१३	२७	२२	सि५१।२
११	मं	३८	५५	म	५७	२६	शु	३६	८	ब	६	२४	३४	१७	४३	१४	२८	२३	सिंहे
१२	बु	४३	५०	पू	६०	०	शु	३७	३८	कौ	११	२२	३०	१८	४२	१५	२९	२४	सिंहे
१३	गु	४८	४	पू	३	२३	ब्र	३८	५	ग	१५	५७	२६	१९	४१	१६	३०	२५	कं.१९।४६
१४	शु	५१	२१	उ	८	५४	ऐं	३८	४	वि	१९	४३	२२	२०	४०	१७	३१	२६	कन्यायां
३०	श	५३	२९	ह	१३	६	वै	३७	१३	च	२२	२५	१८	२०	४०	१८	१	२७	तु.४४।४६

शरदृतुः रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.

भ.४८/५७उ. वक्री भरण्यां४ गुरुः५०।४६
भ. १७।४६ या. चतुर्थी व्र.
तुलायां बुधः १०।३५
विशाखायां शुक्रः २५।४५
भ. १८।२ उ. ४९।२१ या.
चित्रायां रविः १७।२५ होई ८
स्वात्यां बुधः २१।२५
पश्चिमोदयी बुधः ३०।४३
भ. १।२४ उ. ३३।४३ या.
रमा ११ व्र. ×धन १३ प्रदोषः
गोवत्स पू.
भ. ४८।४ उ. वृश्चिके शुक्रः ३१।५९×
भ.१९।४३या. तुलायामर्कः०।९ रूप१४
महालक्ष्मी पूजनम्

२६पं.का.कृ.२सू.इ.७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	०	६	५	९	६
१८	२	२६	२६	१५	२४	२५	१८
१३	७	३३	४३	५७	६	३१	४०
२३	३०	२९	२९	३२	४३	३३	१२
५९	४१	०/०	४/४६	७३	७	३	५९
१६	७	४३	व	२४	२०	११	९

गोचरग्रहाः

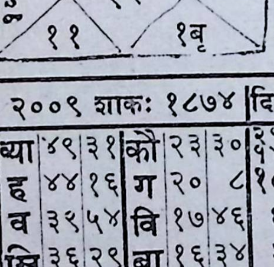

कार्तिक कृ. १४ शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा.३नं.४बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभावमंदा) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

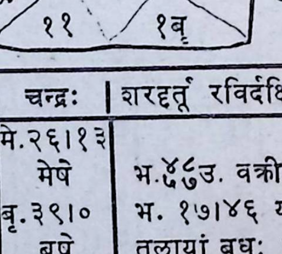

२७पं.का.कृ.९सू.इ. ७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	०	६	५	९	५
२५	७	७	२६	२४	२४	२५	२५
९	३	५३	५	३३	५७	९	३५
५	७	४९	१७	७	५४	१७	७
५९	४१	९६	५/५	७३	७	३	५९
३१	४४	२२	व	१४	२०	११	२१

 *चरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरद्दर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४०७.स.१९५२
१	र	५४	३१	चि	१६	२६	वि	३५	२९	किं	२४	०	२८/१४	६/२५	५/३९	१९	२	२८	तुलायां	विशाखाया बुधः५९।२९ मैत्रे शुक्रः ५६/२६
२	चं	५४	१०	स्वा	१८	१	प्री	३१	४२	बा	२४	२०	१०	२१	३८	२०	३	२९	तुलायां	चंद्रद. पूषायां भौमः ५६/२५ भातृ२ यम २
३	मं	५२	२४	वि	१८	५४	आ	२७	५२	तै	२३	१७	६	२३	३७	२१	४	१	वृ.३।४१	सफर २
४	बु	४९	३६	अ	१८	२६	सौ	२४	९	व	२१	०	२	२४	३६	२२	५	२	वृश्चिके	भ. २१।० उ. ४९।३६ या.
५	गु	४५	५१	ज्ये	१६	५०	शो	१३	४१	ब	१७	४३	२७/५८	२४	३६	२३	६	३	ध.१६।५०	स्वात्यां रविः ४१।९
६	शु	४१	१५	मू	१४	२१	अ	१२	१०	कौ	१३	३३	५४	२५	३५	२४	७	४	धनुषि	
७	श	३६	४	पू	१२	४	सु	५/१६	५२/३८	ग	८	३९	५०	२६	३४	२५	८	५	म.२५।५५	भ.३६/४उ. ✱प्रबोधिनी११व्र.तुलसीवि.
८	र	३०	२७	उ	७	३०	शू	५०	१४	वि	३	१६	४६	२७	३३	२६	९	६	मकरे	भ.१६/३या.वृश्चिकेबुधः५४/३२चित्रायां२शनि✱
९	चं	२४	३४	श्र	३/२९	५६/१	गं	४२	२८	कौ	२४	३४	४२	२८	३२	२७	१०	७	कु.३१।२९	कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	मं	१८	३९	श	५५	३१	वृ	३४	४४	ग	१८	३९	३८	२८	३२	२८	११	८	कुम्भे	भ. ४५।४१
११	बु	१२	४३	पू	५१	३२	ध्रु	२७	४	वि	१२	४३	३५	२९	३१	२९	१२	९	मी३७।३०	भ.१३/४३या. मैत्रे वुध ५६/१ उदयी शनिः २३/३+
१२	गु	६	५३	उ	४८	१२	व्या	१९	४२	बा	६	५३	३१	३०	३०	३०	१३	१०	मीने	ज्येष्ठायां शुक्रः ९।५ प्रदोषः
१३	शु	२	१३	रे	४५	२९	ह	१२	५०	तै	२	१३	२८	३०	३०	३१	१४	११	मे.४५।२९	भ. ५८।० उ. बैकुंठ १४
१४	शु	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +देव ६।५२ गोपाष्टमी
१५	श	५४	२९	अ	४३	३२	व	६	३१	वि	२६	१४	२४	३१	२९	१	१५	१२	मेषे	भ.२६।१४या. **नवंबर मा. ११ ता. ३०**

२८पं.का.शु.१सू.इ.७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	०	७	५	९	६
२	१२	१८	२५	३	२५	२४	२
६	३	३८	१९	८	४९	४७	३१
३४	१८	२४	५५	४६	१२	२	३५
५९	४२	९३	६/३४	७२	७	३	५९
४६	८	३९	ब	५८	२०	११	३४

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच शनिवार महाअशुभ हैं जो अशुभ फल करेंगे "शनेश्चयं चकंदृष्टवा पाताले कंपते फणी।

गोचरग्रहाः

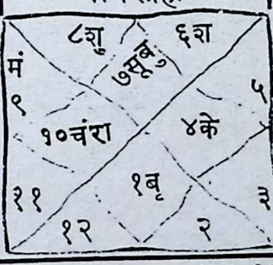

२९पं.का.शु. ८सू.इ. ७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	०	७	५	९	६
९	१७	२८	२४	११	२६	२४	९
५	७	४८	२८	४२	४०	२४	२९
५७	४८	११	५२	४	१	४६	५४
६०	४२	९०	७	७२	७	३	५९
२	४०	४१	२८	४६	१४	११	४७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृर्तू रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५२	२३	भ	४२	४३	सि	१/५	५५/२०	बा	२३	२६	२७/२०	६/३२	५/२८	२	१६	१३	बृ.५७।४७	
२	चं	५१	१८	कृ	४३	०	व	५२	३९	तै	२१	५०	१७	३३	२७	३	१७	१४	वृषे	वक्री भरण्यां ३ गुरुः ५२।२१
३	मं	५१	३५	रो	४४	२२	ध	४९	५०	व	२१	२६	१३	३३	२७	४	१८	१५	वृषे	भ. २१।२६ उ. ५१।३५ या.
४	बु	५३	२	मृ	४७	१७	शि	४८	८	ब	२२	१९	१०	३४	२६	५	१९	१६	मि१५।४९	विशाखायां रविः५८।३४ चतुर्थी व्र.
५	गु	५५	४४	आ	५१	१८	सि	४७	१९	कौ	२४	२३	६	३५	२५	६	२०	१७	मिथुने	
६	शु	५९	३३	पु	५६	२०	सा	४७	२५	ग	२७	२८	३	३५	२५	७	२१	१८	क.४०।५	भ. ५९।३३ उ. उषायां भौमः ५९।२३
७	श	६०	०	पु	६०	०	शु	४८	५	वि	३१	५३	२६/५९	३६	२४	८	२२	१९	कर्के	भ. ३१।५३ या.
७	र	४	१४	पु	८	८	शु	४९	१२	ब	४	१४	५६	३७	२३	९	२३	२०	कर्के	ज्येष्ठायां बुधः १५।५८ पातस्पर्शः १५/५४+
८	चं	९	१६	श्ले	२	२७	ब्र	५०	३४	कौ	९	१६	५२	३८	२२	१०	२४	२१	सिं८।२७	मूले शुक्रः ७।५७ +पातमोक्षः २९/४२
९	मं	१४	२६	म	१४	५१	ऐं	५१	४९	ग	१४	२६	४९	३८	२२	११	२५	२२	सिंहे	भ. ४६।५७ उ.
१०	बु	१९	२८	पू	२०	५४	वै	५२	३६	वि	१९	२८	४६	३९	२१	१२	२६	२३	कं.३७।१७	भ. १९।२८ या. मकरे भौमः ३७।४
११	गु	२३	४३	उ	२६	२८	वि	५२	४०	बा	२३	४३	४३	३९	२१	१३	२७	२४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	शु	२७	३	ह	३१	२	प्री	५२	७	तै	२७	३	४०	४०	२०	१४	२८	२५	कन्यायां	प्रदोषः ×श्रवणे४राहुःसार्पे२केतुः२८।४३
१३	श	२९	१४	चि	३४	२९	आ	५०	३१	व	२९	१४	३७	४१	१९	१५	२९	२६	तु.२।४५	भ.२९/१४ उ.५९/४३ या. वृश्चिकेऽर्कः ५२।५२×
१४	र	३०	३	स्वा	३६	४१	सौ	४८	३	श	३०	१३	३४	४१	१९	१६	१	२७	तुलायाँ	
३०	चं	२९	४८	वि	३७	४२	शो	४४	२९	ना	२९	४८	३१	४२	१८	१७	२	२८	बृ.२२।२७	सोमवत्यमा.पुण्यम्

३०पं.मा.कृ.१सू.इ.६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	७	५	९	६
१६	२२	८	२३	२०	२८	२४	१६
७	१६	१२	३३	१४	३०	२	२९
०	१२	४७	५०	३८	११	३१	४०
६०	४२	८६	७/५२	७२	७	३	६०
१८	५८	१८	ब	२७	३	११	४

३१पं.मा.कृ.७सू.इ.६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	७	५	९	६
२३	२७	१६	२२	२८	२८	२३	२३
९	२८	२८	३६	४६	१८	४०	३१
३९	२६	१	५८	२३	५४	१६	२
६०	४३	७७	७/५२	७२	६	३	६०
३०	१३	१	ब	२	५२	११	१७

३२पं.मा.कृ.१४सू.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	८	५	९	७
०	२	२२	२१	७	२९	२३	०
१३	४३	१६	४०	१६	६	१८	३३
४३	५५	५५	२६	४१	०	०	४७
६०	४३	५१	७/५१	७१	६	३	६०
४०	३२	२०	ब	४४	३५	११	३०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	२८	५	अ	३७	३०	अ	३९	५५	ब	२८	५	२६/२९	६/४२	५/१८	१८	३	२९	वृश्चिके
२	बु	२५	१९	ज्ये	३६	३	सु	३४	२७	कौ	२५	१९	२६	४३	१७	१९	४	३०	ध.३६।३
३	गु	२१	३९	मू	३३	५०	धृ	२८	१५	ग	२१	३९	२४	४३	१७	२०	५	१	धनुषि
४	शु	१७	०	पू	३०	५५	शू	२१	२३	वि	१७	०	२१	४४	१६	२१	६	२	म.४४।५९
५	श	११	४७	उ	२७	१३	गं	१४	४	बा	११	४७	१९	४४	१६	२२	७	३	मकरे
६	र	६	१७	श्र	२३	१४	वृ	६/२८	५२/५१	तै	६	१७	१६	४५	१५	२३	८	४	कु.५१।१३
७	चं	०	३०	ध	१९	१२	व्या	५०	५०	व	०	३०	१४	४५	१५	२४	९	५	कुम्भे
८	चं	५४	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	मं	४८	४८	श	१५	२	ह	४३	८	बा	२१	४३	११	४६	१४	२५	१०	६	मी५७।४
१०	बु	४३	२३	पू	११	५	व	३५	३५	तै	१६	५	९	४६	१४	२६	११	७	मीने
११	गु	३८	३५	उ	८	४२	सि	२८	२७	व	१०	५९	६	४७	१३	२७	१२	८	मीने
१२	शु	३४	२३	रे	४	४५	व्य	२१	५६	ब	६	२९	४	४७	१३	२८	१३	९	मे.४।४५
१३	श	३१	१२	अ	२	४३	व	१६	६	कौ	२	४७	१	४८	१२	२९	१४	१०	मेषे
१४	र	२९	३	भ	१	४०	प	११	९	ग	०	७	२५/५८	४८	१२	३०	१५	११	वृ.१६।४०
१५	चं	२८	३	कृ	१	४०	शि	७	४	ब	२८	३०	५६	४९	११	१	१६	१२	बृषे

हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३७ स.१९५२

अनुराधायां रविः १०।४० चंद्रद.
भ. ४९।१९ उ. रविलावल ३
भ.१७/० या. वक्रीबुधः ३५/४९ पूषायां शुकः ३/४५
पातस्पर्शः २४।११ पातमोक्षः ३८।३
चम्पा ६
भ.३३/० उ.३७/३४ या. चित्रायां३ तुलायांशनि÷
क्षयः ÷३७/३१ पश्चिमास्तो बुधः ४७/५९
श्रवणे भौमः ५१।७

भ.१०।५९ उ.३८।३५या. मोक्षदा ११ब्र.

वक्री मैत्रेबुधः १४/५९ वक्रीभरण्यां२ गुरुः ३९/१५*
भ. २९।२ उ.५८।३२ या. *प्रदोषः
दिसम्बर मा.१२ ता.३१ श्रीदत्त जयंती

३३पं.मा.शु.६सू.इ.६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	०	८	५	९	७
७	७	२२	२०	१५	२९	२२	७
१९	५९	३४	४६	४४	५१	५५	३१
१७	३१	४४	३०	३५	२५	४५	४४
६०	४३	११/५१	७/१८	७१	६	३	६०
५३	५०	ब	ब	२०	२०	११	४२

गोचरग्रहाः

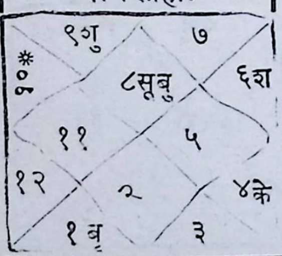

यहाँ शनि गुरु का राशि सप्तम होताहै इसका फल महा-अशुभ है क्रूराणां सह सोम्येश्च यदा-स्मात्सप्त सप्रक्रम्।

गोचरग्रहाः

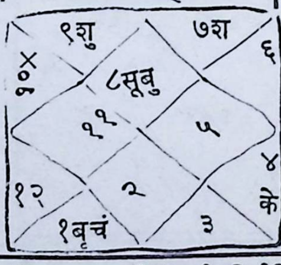

३४पं.मा.शु.१४सू.इ. ६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	८	६	९	७
१४	१३	१५	१९	२४	०	२२	१४
२६	२०	१६	५७	११	३२	३३	४३
३	१७	३०	७	१३	२४	३०	४
६१	४४	१८/११	६/२८	७०	६	३	६०
३	१	ब	ब	५०	१	११	५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	२८	३०	रो	२	५५	सि	३	५९	कौ	२८	३०	२५/५४	६/४९	५/११	२	१७	१३	मि३४।९
२	बु	३०	११	मृ	५	२४	सा	१	४८	ग	३०	११	५३	४९	११	३	१८	१४	मिथुने
३	गु	३२	५८	आ	९	६	शु	०	३३	व	१	३४	५१	५०	१०	४	१९	१५	क.५७।४६
४	शु	३७	३	पु	१३	५९	शु	०	२८	व	५	१	५०	५०	१०	५	२०	१६	कर्के
५	श	४१	४८	पु	१९	४२	ब्र	०	५९	कौ	९	२५	४८	५०	१०	६	२१	१७	कर्के
६	र	४६	५५	श्ले	२५	५४	ऐं	१	५९	ग	१४	२१	४६	५१	९	७	२२	१८	सिं२५।५४
७	चं	५२	६	म	३२	१३	वै	३	११	वि	१९	३०	४५	५१	९	८	२३	१९	सिंहे
८	मं	५७	४	पू	३८	३०	वि	४	२४	बा	२४	३५	४३	५१	९	९	२४	२०	कं.५४।५६
९	बु	६०	०	उ	४४	१४	प्री	५	२९	तै	२९	१८	४२	५२	८	१०	२५	२१	कन्यायां
९	गु	१	३१	ह	४८	५८	आ	५	३६	ग	१	३१	४१	५२	८	११	२६	२२	कन्यायां
१०	शु	४	४३	चि	५२	४४	सौ	५	१९	वि	४	४३	४०	५२	८	१२	२७	२३	तु.२०।५१
११	श	७	४९	स्वा	५५	२६	शो	४	१	बा	७	४९	३९	५२	८	१३	२८	२४	तुलायां
१२	र	७	४४	वि	५६	३१	अ	५/४४	५६/४६	तै	७	४४	३८	५२	८	१४	२९	२५	बृ.४१।१५
१३	चं	७	२१	अ	५६	३५	धृ	५४	१२	व	७	२१	३८	५२	८	१५	३०	२६	बृश्चिके
१४	मं	५	३६	ज्ये	५५	२७	शू	४९	२	श	५	३६	३७	५३	७	१६	१	२७	ध.५५।२७
३०	बु	२	४७	मू	५३	२१	गं	४३	९	ना	२	४७	३७	५३	७	१७	२	२८	धनुषि

हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

ज्येष्ठायां रविः १७/३९ उषायां शुकः१२।२

भ.१।३४ उ.३२/५८ या. मकरे शुकः५४।४६
चतुर्थीव्र. पातस्पर्शः ३/३७ पातमोक्षः २/२८
पूर्वोदयी बुधः ३५।४५
भ. ४६।५५ उ.
भ. १९।३० या.
मार्गी बुधः ८।४६

भ. ३३।७ उ.
भ. ४।४३ या.
श्रवणे शुकः १९/१० धनिष्ठायां भौमः ३/३६*
प्रदोषः *सफला ११ ब्र.
भ.७।२१ उ.३६/२८ या. धनुष्यर्कः२१।२४
पितृकार्येऽमा.
देवकार्येऽमा.

३५पं. पौ.कृ.६सू.इ.५।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	९	६	९	७
२१	१८	७	१९	२	१	२२	२१
३२	३९	५९	१३	३३	१४	११	४९
५०	५८	१०	५२	२५	२०	१४	२०
६१	४३	२२/५८	५/३४	७०	५	३	६०
११	५६	ब	ब	१५	३२	११	५६

गोचरग्रहाः

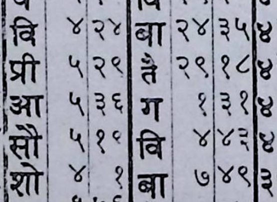

पौष कृ.१३ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र. वा. २न. ३बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

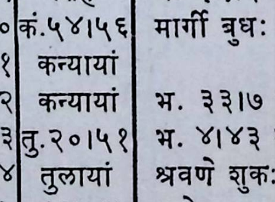

३६पं.पौ.कृ.१२सू.इ.५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	०	९	६	९	७
२८	२४	८	१८	१०	१	२१	२८
४२	२	११	३९	५३	५०	४८	५६
३३	६	१७	७	४९	३५	५९	५
६१	४४	४/२२	६९	५५/२८	५	३	६१
१८	१६	ब	३२	मा	२	११	०

*रामचं +मंशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंरा =रामंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४											दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	हेमन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४६६७ स. १९५२
१	बु	५६	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
२	गु	५४	३०	पू	५०	२६	वृ	३६	२३	बा	२६	५०	२५/३७	५६/५३	५/७	१८	३	२९	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	शु	५९	१५	उ	४७	४	ध्रु	२९	१६	तै	२१	५२	३६	५३	७	१९	४	१	म.४।३५	रविलाखर ४
४	श	४३	४४	श्र	४३	११	व्या	२१	४६	व	१६	१९	३६	५३	७	२०	५	२	मकरे	भ. १६।२९ उ. ४३।४४ या.
५	र	३८	१	ध	३९	८	ह	१३	५९	ब	१०	५२	३६	५३	७	२१	६	३	कुं.११।९	कुंभे भौमः ५५/४ उत्तरायण प्रवृत्तिः ५०।२
६	चं	३२	८	श	३४	५९	व	६/८	५२/१४	कौ	५	४	३६	५३	७	२२	७	४	कुम्भे	ज्येष्ठायां बुधः ३७।३१
७	मं	२६	२४	पू	३१	१	व्य	५०	४३	व	२६	२४	३६	५३	७	२३	८	५	मी१७।१	भ. २६।२४ उ. ५३।४२ या.
८	बु	२१	१	उ	२७	३१	व	४३	२९	ब	२१	१	३७	५३	७	२४	९	६	मीने	धनिष्ठायां शुक्रः ३४।५६
९	गु	१६	१६	रे	२४	२५	प	३६	४३	कौ	१६	१६	३७	५३	७	२५	१०	७	मे.२४।२५	
१०	शु	१२	२२	अ	२२	१४	शि	३०	३४	ग	१२	२२	३७	५३	७	२६	११	८	मेषे	भ. ४०।४७ उ.
११	श	९	१३	भ	२१	२०	सि	२५	१५	वि	९	१३	३८	५२	८	२७	१२	९	वृ.३६।२	भ. ९।१३ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	र	७	१४	कृ	२०	३८	सा	२०	५६	बा	७	१४	३८	५२	८	२८	१३	१०	वृषे	पूषायां रविः २३।१ प्रदोषः
१३	चं	६	२०	रो	२१	३४	शु	१७	३०	तै	६	२०	३९	५२	८	२९	१४	११	मि५२।३९	
१४	मं	६	५४	मृ	२३	४४	शु	१४	५६	व	६	५४	३९	५२	८	३०	१५	१२	मिथुने	भ.६।५४ उ.३७/४७ या. कुंभे शुक्रः २५/५१ शते×
१५	बु	८	४०	आ	२७	१५	ब्र	१३	२५	ब	८	४०	४०	५२	८	३१	१६	१३	मिथुने	माघ स्नान प्रारंभः ×भौमः ३७/३४

३७पं. पौ.शु.५सू.इ.५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	०	९	६	९	८
५	२९	१४	१८	१९	२	२१	६
५१	२३	३३	११	८	२४	२६	३
५८	२८	४७	५६	२८	२९	४४	३६
६१	४४	८२	१ ३/६	६८	४	३	६१
२२	११	१६	ब	५०	३९	११	५

गोचरग्रहाः

शनि महाराज तुला वृश्चिक धन राशि में७।। वर्ष तक भारी उपद्रव करेंगें। तुला वृश्चिक चापस्थोय दायातिशनैश्चर.।

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.शु.१२सू.इ.५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	०	९	६	९	८
१३	४	२३	१७	२७	२	२१	१३
१	४८	२४	५५	१८	५३	४	११
५२	०	४०	८	७	३१	२८	३१
६१	४४	८९	५ १/३	६७	४	३	६१
२६	८	५३	व्र	५५	४	११	६

ति.	माघ	कृष्णपक्ष सं. २००९ शाकः १८७४											दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	हेमंतर्तु रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	११	३४	पु	३१	५१	ऐं	१२	५८	कौ	११	३४	२५/४१	५६/५२	५/८	१	१७	१४	क.१५।४२	जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९५३ मूले*
२	शु	१५	४७	पु	३७	२४	वै	१३	९	ग	१५	४७	४२	५२	८	२	१८	१५	कर्के	भ. ४८।११ उ. *बुधः ५९।३१
३	श	२०	३६	श्ले	४३	३३	वि	१४	०	वि	२०	३६	४३	५१	९	३	१९	१६	सिं१९।५	भ. २०।३६ या. चतुर्थी व्र.
४	र	२५	४७	म	४९	५६	प्री	१५	१३	बा	२५	४७	४४	५१	९	४	२०	१७	सिंहे	चित्रायां ४ शनिः २२।१४
५	चं	३१	३	पू	५६	१४	आ	१६	१७	तै	३१	३	४६	५१	९	५	२१	१८	सिंहे	शते शुक्रः १६।५५ मार्गी गुरुः ३८।३३
६	मं	३५	५७	उ	६०	०	सौ	१७	२७	ग	३	३०	४७	५१	९	६	२२	१९	कं.१२।४८	भ. ३५।५७ उ.
७	बु	४०	२१	उ	२	२९	शो	१७	५७	वि	८	९	४९	५०	१०	७	२३	२०	कन्यायां	
८	गु	४३	२८	ह	७	८	अ	१७	३८	बा	११	५५	५०	५०	१०	८	२४	२१	तु.३९।११	
९	शु	४५	३५	चि	११	१४	सु	१७	२	तै	१४	३१	५२	५०	१०	९	२५	२२	तुलायां	भ. ८।९ या.
१०	श	४६	२६	स्वा	१३	३२	धृ	१५	०	व	१६	१	५४	४९	११	१०	२६	२३	तुलायां	भ. १६।१ उ.३४/२६ या. उषायां रविः ३४/२९+
११	र	४५	५६	वि	१५	३४	शू	१२	९	ब	१६	११	५६	४९	११	११	२७	२४	वृ. ०।१४	षट्तिला ११ व्र. स्मा. वै.
१२	चं	४४	१०	अ	१६	५७	गं	८	१७	कौ	१५	३	५८	४८	१२	१२	२८	२५	वृश्चिके	पूर्वास्तं बुधः१२।४७ षट्तिला११व्र.नि.
१३	मं	४१	१५	ज्ये	१५	८	वृ	३/२९	५३/१४	ग	१२	४२	२६/१	४८	१२	१३	२९	२६	ध.१५।८	भ. ४१/१५ उ. मकरेऽर्कः ३९।५६ प्रदोषः
१४	बु	३७	२९	मू	१३	२३	व्या	५१	२१	वि	९	२०	३	४७	१३	१४	१	२७	धनुषि	भ. ९।२२ या. +उषायां बुधः ५२/१२
३०	गु	३२	५२	पू	१०	३६	ह	४४	२६	च	५	११	५	४७	१३	१५	२	२८	म.२४।४६	मौनी ३०

३९पं. मा.कृ.४सू.इ.५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	१०	६	९	८
२०	१०	३	१७	५	३	२०	२०
११	१०	१५	४७	२०	१९	४२	१९
५०	५४	३६	५३	१०	१	१२	४०
६१	४४	९३	१ ०/४	६६	३	३	६१
२६	१०	२२	व	४८	२८	११	६

गोचरग्रहाः

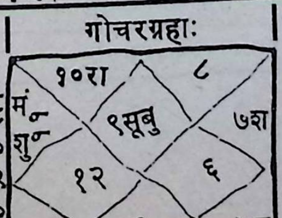

माघ कृ.१३ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

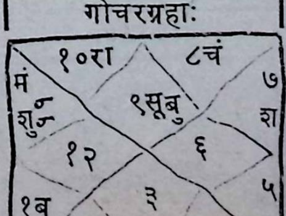

४०पं.मा.कृ.११सू.इ.५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	०	६	९	८
२१	१५	१३	१७	१३	३	२०	२७
२१	३३	४०	५२	१४	४०	१९	२७
४०	५४	४१	४१	१०	३०	५१	२४
६१	४४	९५	५ ०/६	६५	२	३	६१
२४	१९	३५	मा	२७	४१	११	६

*चमंशुरा ×राश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	२७	३३	उ	७	१५	व	३७	१	ब	०	१२	२६ / ८	६ / ४६	५ / १४	१६	३	२९	मकरे
२	श	२१	५५	श्र	३/२	५५/५६	सि	२९	१३	कौ	२१	५५	१०	४६	१४	१७	४	३०	कुं.३१।३०
३	र	१६	१२	श	५५	१९	व्य	२१	२६	ग	१६	१२	१२	४६	१४	१८	५	१	कुम्भे
४	चं	१०	२१	पू	५१	२१	व	१३	४२	वि	१०	२१	१५	४५	१५	१९	६	२	मी३७।२१
५	मं	४	४३	उ	४७	४०	प	५५/५७	५२/३५	बा	४	४३	१७	४५	१५	२०	७	३	मीने
६	मं	५४	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	बु	५४	४७	रे	४४	४०	सि	५१	३७	ग	२६	५८	२०	४४	१६	२१	८	४	मे.४४।४०
८	गु	५०	४६	अ	४२	१९	सा	४५	१८	वि	२२	४७	२२	४४	१६	२२	९	५	मेषे
९	शु	४७	५१	भ	४०	३१	शु	३९	५३	बा	१९	१८	२५	४३	१७	२३	१०	६	बृ.५५।२४
१०	श	४५	५३	कृ	४०	५	शु	३५	६	तै	१६	५२	२७	४३	१७	२४	११	७	बृषे
११	र	४५	८	रो	४०	२७	ब्र	३०	३०	व	१५	३०	३०	४२	१८	२५	१२	८	बृषे
१२	चं	४५	५९	मृ	४२	३९	ऐं	२८	३२	ब	१५	३३	३३	४१	१९	२६	१३	९	मि११।३३
१३	मं	४७	८४	आ	४५	५६	वै	२६	४५	कौ	१६	५१	३६	४१	१९	२७	१४	१०	मिथुने
१४	बु	५०	५२	पु	५०	१३	वि	२५	५५	ग	१९	१८	३९	४०	२०	२८	१५	११	क.३४।९
१५	शु	५४	५६	पु	५५	३५	प्री	२६	१	वि	२२	५४	४२	४०	२०	२९	१६	१२	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६४९६स.१९५३

पूभायां भौमः ५०।३५ श्रीवल्लभ ज.
चन्द्रदर्शनम् पूभायांशुक्रः ५०/५४ श्रवणे३रा.*
भ. ४३।१६ उ. जमादिलावल ५
भ. १०।२१ या. उषायां बुधः २४।११
अभि. प्र. रविः ११।१३ वसंत ५
क्षयः *सार्पे १ के.२१।४८
भ.५४।४७ उ. मकरे बुधः३८।५ रथ७
भ.२२/४७ या. पातस्पर्शः ४८।१४ भीष्म८
श्रवणे रविः २७।१३ पातमोक्षः २।११
अभि. नि. रविः १९।२९
भ.१५/३० उ.४५।८ या. जया११व्र. स्मा.व.
मीने शुक्रः३३/४७ जया११व्र.नि. भीष्म१२
श्रवणे बुधः ३५।६ प्रदोषः
भ. ५०।५२ उ. ×खग्रासं चंद्रग्र.
भ.२३/५४या.उभायांशुक्रः४०/८४ मीनेभौमः५३/१८×

४१पं. मा.शु.३सू.इ. ५।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	०	१०	६	९	९
४	२०	२४	१८	२०	३	१९	४
३१	५७	३१	४	५७	५४	५७	३५
९	१	२३	५९	४७	५४	४२	३४
६१	४४	९७	२	६३	१	३	६१
१९	१६	३८	२०	५४	५९	११	३

गोचरग्रहाः

माघ शुक्ला यदाष्टम्यां कृतिकायदिनो भवेत् फाल्गुने रोलिकापातः श्रावणे वान वर्षणम् ।

गोचरग्रहाः

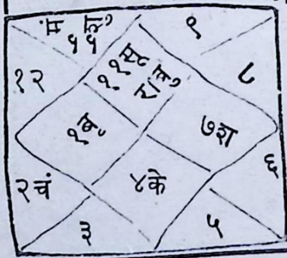

४२पं.मा.शु.११सू.इ.५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	०	१०	६	९	९
११	२६	५	१८	२८	४	१९	११
४०	१६	४८	२८	२८	५	३५	४२
०	१३	४	१६	१९	१३	२७	४६
६१	४४	०	.३	६२	१	३	६०
१३	१३	५०	४७	६	१८	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	शु	५९	५३	श्ले	६०	०	आ	२६	३५	बा	२७	२४	२६ / ४५	६ / ३९	५ / ०.५	३०	१७	१३	कर्क
२	श	६०	०	श्ले	१	३८	सौ	२७	५३	तै	३२	२८	४८	३८	२२	३१	१८	१४	सिं१।३८
२	र	५	४	म	७	५९	शो	२८	५९	ग	५	४	५२	३८	२२	१	१९	१५	सिंहे
३	चं	१०	१९	पू	१४	२६	अ	३०	७	वि	१०	१९	५५	३७	२३	२	२०	१६	कं.३१।४
४	मं	१५	९	उ	२०	५९	सु	३०	४४	बा	१४	९	५९	३६	२४	३	२१	१७	कन्यायां
५	बु	१९	१९	ह	२५	३९	धृ	३१	५	तै	१९	१९	२७/२	३६	२४	४	२२	१८	तु.५७।४७
६	गु	२२	३०	चि	२९	५६	शू	३०	२७	व	२२	३०	६	३५	२५	५	२३	१९	तुलायां
७	शु	२४	२७	स्वा	३३	९	गं	२८	५३	ब	२४	२७	९	३४	२६	६	२४	२०	तुलायां
८	श	२५	७	त्रि	३५	४५	वृ	२६	२२	कौ	२५	७	१३	३३	२७	७	२५	२१	बृ.२०।६
९	र	२४	३०	अ	३५	३७	ध्रु	२२	२९	ग	२४	३०	१६	३३	२७	८	२६	२२	बृश्चिके
१०	चं	२२	३७	ज्ये	३५	४	व्या	१७	४०	वि	२२	३७	२०	३२	२८	९	२७	२३	ध.३५।४
११	मं	१९	३६	मू	३३	२३	ह	१२	५८	वा	१९	३६	२३	३१	२९	१०	२८	२४	धनुषि
१२	बु	१५	३८	पू	३०	४८	व	६	५३	तै	१५	३८	२७	३१	२९	११	२९	२५	म.४५।०
१३	गु	१०	५२	उ	२७	३७	सि	०/४	५/४६	व	१०	५२	३०	३०	३०	१२	३०	२६	मकरे
१४	शु	५	३८	श्र	२४	४	व	४५	१८	श	५	३८	३४	२९	३१	१३	१	२७	कुं.५२।४
३०	शु	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ३७।४१ उ. फरवरी मा. २ ता. २८
भ. १०।१९ या. चतुर्थी व्र.
उभायां भौमः २६।२०
धनिष्ठायां बुधः २१।३०
भ.३२/३०उ.५३/३८या.धनिष्ठायांरविः३३/५वक्री*
*शनिः५३/४४ पातस्मर्शः२०/५६ पातमोक्षः३३/५६
सीताष्टमी
भ. ५३।३३ उ. कुम्भे बुधः ९।५०
भ. २२।३७ या.
विजया ११ व्र.
भरण्यां ३ गुरुः ३।५२ प्रदोषः
भ.१०/५२ उ.३८/५५या. कुम्भेऽर्कः७/९ शते बुधः१/८=
महाशिवरात्री व्र.वै. =रेवत्यां शुक्रः२१/३४+
क्षयः +महाशिवरात्री व्र. स्मा.

४३पं. फा.कृ.२सू.इ.५।२०

र	मं	बु	ग्र	शु	श	रा	र
९	११	९	०	११	६	९	९
१८	३	१७	१९	३	४	१९	१८
४८	३६	३३	०	४३	११	१३	४९
०	४३	४०	४३	१६	६	११	१९
६१	४३	०/०	४	५९	०	३	६०
४	५७	५६	५६	३१	३५	११	५५

गोचरग्रहाः

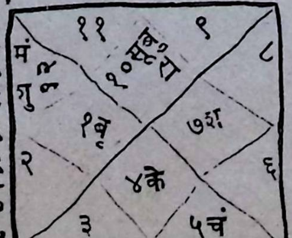

फाल्गुनकृ.१३गुरौ कुंभेऽर्कः प्र. वा.३ न.३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चि. ।

गोचरग्रहाः

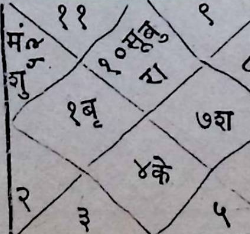

४४पं.फा.कृ.९ सू.इ.५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	८	११	६	३	९
२५	६	२९	१९	१२	४	१८	२५
५४	५५	५१	४१	३६	११	५०	५५
४७	२३	५४	४६	३२	२८	५६	२०
६०	४३	०/०	६	५६	१६	३	६०
५५	५६	८	८	१६	ब	११	४७

*चंमंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरऽहर्गणः ६५२५स१९५
१	श	५४	१०	ध	२०	४	प	३७	३३	किं	२७	३	३८	[illegible]	३२	[illegible]	२	२८	कुंभे	
२	र	४८	१६	श	१५	१७	शि	२६	५२	बा	२१	१४	४२	२८	३२	१५	३	२९	मी५८।०	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	चं	४२	५७	पू	१२	१	सि	२२	४	तै	१५	३८	४६	२७	३३	१६	४	१	मीने	जमादि लाखर ६
४	मं	३७	२७	उ	८	१३	सा	१४	२६	व	१०	१२	५०	२६	३४	१७	५	२	मीने	भ. १०।१२ उ. ३७।२७ या.
५	बु	३२	३६	रे	४	५८	शु	७	२४	ब	५	३	५४	२५	३५	१८	६	३	मे.४।५८	शतेरविः ४२।२२
६	गु	२८	५०	अ	२	२३	शु	१२	५४/५	कौ	०	४४	५८	२४	३६	१९	७	४	मेषे	पूफायांबुधः ५३/१४ पश्चिमोदयी बुधः २४/०८
७	शु	२५	५१	भ	३०/०	५९/२५	ऐं	५०	२१	ब	२५	५१	२/२	२४	३६	२०	८	५	वृ.१५।२०	भ.२५/४१उ.५४/५१या.रेवत्यांभौमः५९/६होईद
८	श	२४	१	रो	६०	०	वै	४६	२०	व	२४	१	६	२३	३७	२१	९	६	वृषे	होलाष्टकं
९	र	२३	१२	रो	०	१६	वि	४३	१७	कौ	२३	१२	१०	२२	३८	२२	१०	७	मि३१।६	
१०	चं	२३	५८	मृ	१	५६	प्री	४१	१३	ग	२३	५८	१४	२१	३९	२३	११	८	मिथुने	भ. ५४।५८ उ.
११	मं	२५	५८	आ	४	५०	आ	४०	६	वि	२५	५८	१८	२०	४०	२४	१२	९	क.५३।५	भ. २५।५८ या. मीनेबुधः ४६।४३+
१२	बु	२९	१०	पु	९	९	सौ	३९	५३	बा	२९	१०	२२	२०	४०	२५	१३	१०	कर्के	+आमलकी ११ व्र.
१३	गु	३३	२०	पु	१४	४	शो	४०	२७	कौ	१	१५	२६	१९	४१	२६	१४	११	कर्के	प्रदोषः
१४	शु	३८	५	श्ले	१९	५४	अ	४१	३१	ग	५	४२	३०	१८	४२	२७	१५	१२	सिं१९।५४	भ. ३८।५उ. उभायां बुधः २५।२
१५	श	४३	१३	म	२६	१९	सु	४२	५२	वि	१०	३९	३४	१७	४३	२८	१६	१३	सिंहे	भ. १०।३९ उ होलिका दहनं

४५पं.फा.शु.२र इ. ५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	११	६	९	१०
३	१२	१२	२०	१९	४	१८	३
०	१२	३७	३१	३	६	२८	०
५०	२२	४१	१	४	४०	४१	५
६०	४३	[illegible]	७	५२	५८/०	३	६०
४२	३९	१५	१	१७	व	११	३७

गोचर ग्रहाः

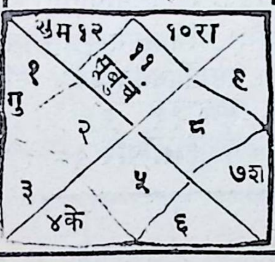

कुम्भ मीन के
अन्तरे अष्टमी
रोहिणी होय
द्विगुणा तिगुना
चौगुणा कणका
कवड़ा ज़ोय ।

गोचर ग्रहाः

४६पं फा.शु.९र.इ.५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	११	६	९	१०
१०	१७	२५	२१	२४	३	१८	१०
५	२८	१०	२७	५४	१६	६	३
२२	३४	४८	३२	२९	४९	२५	३५
६०	४३	०/७	८	४३	४४/१	३	६०
३१	३४	५७	१३	४७	व	११	२५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २००९ शाकः १८७४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा.
१	र	४८	२८	पू	३२	२१	धृ	४४	१	बा	१५	५०	३८	१६	४४	१	१७	१४	क.४९।५	मार्च मा.३ ता.३१ मेषेशुक्रः ३।८छा.
२	चं	५३	७	उ	३८	५४	शू	४५	०	तै	२०	४७	४२	१६	४४	२	१८	१५	कन्यायाँ	पातस्पर्शः ५४।४५
३	मं	५७	१६	ह	४४	२७	गं	४५	३२	व	२५	११	४६	१५	४५	३	१९	१६	कन्यायां	भ.२५/११ उ ५७/१६ या. पूभायां रवि ५७/१०÷
४	बु	६०	०	चि	४८	५६	वृ	४५	५	ब	२८	४४	५०	१४	४६	४	२०	१७	तु.१६।४१	चतुर्थी व्रत ÷पातमोक्षः ५।५३
४	गु	०	१३	स्वा	५२	२०	ध्रु	४४	१	बा	०	१३	५४	१३	४७	५	२१	१८	तुलायां	
५	शु	२	७	वि	५४	२६	व्या	४१	४८	तै	२	७	५८	१२	४८	६	२२	१९	वृ.३८।५७	भरण्यां४ गुरुः ५।१० शीतला पू.
६	श	२	४०	अ	५५	३०	ह	३८	५६	व	२	४०	२	१२	४८	७	२३	२०	वृश्चिके	भ.२।४०उ.३२।१७यावक्रीबुधः२३।०
७	र	१	५४	ज्ये	५४	१३	व	२४	२९	ब	१	५४	६	११	४९	८	२४	२१	ध.५४।१३	
८	र	५७	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
९	चं	५६	४१	मू	५३	४७	सि	२९	२५	तै	२८	१५	१०	१०	५०	९	२५	२२	धनुषि	वक्री चित्रायां ३ शनिः ८।३६
१०	मं	५२	४२	पू	५१	२५	व्य	२३	३४	व	२४	४१	१४	९	५१	१०	२६	२३	धनुषि	भ.२४/४१ उ.५३/४३या. पश्चिमास्तो बुध २४/५६
११	बु	४७	४५	उ	४८	२८	व	१८	११	ब	२०	१४	१९	८	५२	११	२७	२४	म.५।४१	मेषेभौमः२।२२पापमोचनी११ .स्मार्वै
१२	गु	४२	२६	श्र	४४	५२	प	१०	१२	कौ	१५	५	२३	७	५३	१२	२८	२५	मकरे	पापमोचनी ११ व्र. नि.
१३	शु	३६	३८	ध	४०	५५	शि	४७/२	५३/२	ग	९	३२	२८	६	५४	१३	२९	२६	कुं.१२।५४	भ.३६।३८उ.मीनेऽर्कः५७।२८प्रदोषः
१४	श	३०	४९	श	३६	४७	सा	४७	२८	वि	३	४३	३२	६	५४	१४	१	२७	कुम्भे	भ. ३।४३ या.
३०	र	२५	४	पू	३२	४७	शु	३९	५३	ना	२५	४	३६	५	५५	१५	२	२८	मीं१८।४७	अहर्गण ६५।५४ उ. ३ के

४७पं.चै.कृ.१र.इ.६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	०	०	६	९	१०
१७	२२	५	२२	०	३	१७	१७
८	४१	१६	३०	२	४७	४४	५
१०	४२	१२	४७	२	७	१०	४८
६०	४३	६८	९	३९	२/२	३	६०
३०	२९	५६	४	५६	व		

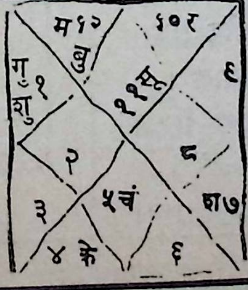

४८पं. चै.कृ ७र इ. ६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	०	०	६	९	१०
२४	२७	९	२३	४	३	१७	२४
९	५३	४४	३९	११	२३	२१	६
३३	२४	५३	५०	५६	६	५४	३२
६०	४३	८	९	३०	३/०	३	५९
५	१३	व	४८	२८	ब	११	५८

४९पं.चै.कृ ३०र.इ.६।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	०	०	६	९	११
१	३	७	२४	०	३	१६	१
९	३	२९	५४	२	०	५९	५
१५	७	६	३६	२८	११	३०	४४
५९	४२	५९/४१	१०	१८	३/४१	३	५९
४९	५८	व	३२	४१	व	११	४१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५०५४, शेषं भोग्यकलिः ४२६९४६ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति—विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०१०, शाकः १८७५, अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः। मंत्री चंद्रः । सस्येशोगुरुः। धान्येशो भौमः । मेघेशोः रविः । रसेशः शनिः । नीरसेशोबुधः । फलेशो रविः । धनेशो बुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां २० पराभवनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः २।२५।४४।२४ भोग्यमासादिः ९।४।१५।३६ । वैश्व—दैवतं युगम् । वर्षनाम कार्तिकः । मेघ ४ नाम संवर्तः । समयनिवासो कुंभकारगृहे (जलपात्रे) । रोहिणीनिवासःपर्वते । समय विश्वा १८ । समयवाहनम् मृग । स्तंभः१वायोः। सोमवत्यमा १ । सोमवतीपंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी १। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी १। रविदशमी १। समय मुहूर्ताः ४०५। समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १४। तिथिबृद्धिः ८।उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपतिविश्वा ८४ । वर्षाविश्वा १३ । धान्य ७, तृण ११, शीत ५, तेज ५, वायुः १३, शनि दृष्टि पश्चिमे, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ९५, सत्यम् ।। धर्म १।।, पापं १८ । ग्रहण २ चंद्रमसः ।

भैरव भवानी सम्वाद

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

भैरव प्रश्न

मात भवानी अंबिके पूछे भैरव लाल ।
संबतसर दश का कहो अपने मुख स हाल ।।१।।

भवानी उत्तर

दशों दिशा दस साल में मंगल गावें नार ।
भेरि नगारा दुंदुभि अरु वाजे सहतार ।।२।।
निशा नाथ राजा हुये लें मंत्री का भार ।
अन धन जन संपति बढ़े सुख पावे संसार ।।३।।
चौमासे चारों दिशा घटा चढ़े घन घोर ।
वर्षा लगे सुहावनी बोलें दादुर मोर ।।४।।
अठ्ठारह विश्वा समय अधिक मास वैशाख ।
फलपति पदपाया रवी घनी नीपजे साख ।।५।।
फल संवत्सर का कहा यूं "बनवारीलाल" ।
भजन करो जगदीश का वें हैं दीनदयाल ।।६।।

लाभखर्च कोष्टक

रा.	तु	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ४।७

वर्षेश लग्नम् ३।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५१।०। केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।११।१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ॥ चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूतवृष्टि प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्रीचंद्रस्तत्फलम्—शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुस्तत्फलम्—सुरगुरुर्यदि सस्यपतिस्तदा सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम्—भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशः सूर्यस्तत्फलम्—जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमतें जनतारसम् । यवचणेक्षु निवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शनिस्तत्फ० रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरान्नरसैर्युताः ।। नीरसेशो बुधस्तत्फलम्—चित्रवस्त्रादिकं चैव शंख चंदन पूंकम् । अर्धवृद्धिः प्रजायते नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविस्तत्फलम्—द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विरोधतः । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधस्तत्फलम्—द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रह वरतुफलातदा । द्विजवरा जप-यज्ञसुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशो रविस्तत्फलम्—नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराज-पुरोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् ।। वैशाखोऽधिकमासतत्फलम्—स्वल्प वृष्टि-र्भवेन्मेघो धनधान्य समाकुलम् घृतं तैल च कार्पासं सुभिक्षं माधवद्वये ।। वर्षनाम कार्तिकस्तत्फलम्—पापबुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यं चैं तस्करैः हृतम् ।। मेघनाम संवर्तस्तत्फलम्—संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणी निवासः पर्वतेफलम्—पर्वते बिंदुमात्रश्च ।। समय निवासः कुंभकार गृहे फलम्—अनावृष्टिः प्रजापतौ । एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०१० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ७ गुरौ उफा ल.१ अंश २२ या. रे.६।।।।।।ऽ।।
,, ९ शनौ हस्ते ल. २ रे. ८।ऽ।।।।ऽ।।।
,, १२ बुधे अनु. ल.२ [सप्तमेचंद्रोऽर्च्यं] रे.७ ऽसूंऽ।ऽ शु।।।।। पादवेधाद्वेधाऽभावः आवश्यके
,, १४ शुक्र मूले ल. १ रे. ७।।।।ऽअग्नि।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा ७ शुक्रे रेव.ल.२रे.७।।।।।ऽऽ।दग्घादोषःआवश्यके
,, ११ भौमे रोहि. ल.१,२ रे.७।ऽऽबृ।।।।ऽ२५।।बृष लग्ने "गोकर्कस्थोविघुस्तनौ".

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ शनौ रोहि. ल.३, ५ रे.८।।।ऽसू।।ऽ१५।।
,, ७ शुक्रे मघाल.ऽन्यगो ३रे.७ऽबुबृ।।।ऽअग्नि।ऽ२१।।
,, ९ रवौ उफां.ल.३अ२०उ.रे.७ऽशु।।।ऽनृ।ऽ२३।।
,, १० चंद्रे उफा.ल.ऽन्यगो.रे.७ऽशु।।।।।ऽ२३।ऽदग्घा दोषः आव.
,, १० भौमे हस्तेल.ऽन्यगो.रे.८।।।।ऽचो.।ऽ।।

फाल्गुन मासः

शुक्ला २ शनौ. रेव. ल. १० रे. ६।।।ऽनु।।।।
,, ६ बुधे रोहि. ल. १० रे. ७।।।।ऽरोऽऽ७।।
अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यंबुधैः

आषाढ़ शु. १५ रवौ खग्रासं चंद्र ग्रहणम् विश्वा ३६।८

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	प.
रेल्वे टाइम	घ.	४	४	५	६	७	३
	मि.	१	५	५९	३९	३६	३५
देशी टाइम	घं.	३	४	५	६	७	३
	प.	२८	२६	१६	६	३	३५

पौष शु. १५ चंद्र सर्वग्रासं चंद्र ग्र. विश्वा २०।०

		स्प.	म.	मो.	पर्व
रेल्वे टाइम	घं.	६	८	९	३
	मि.	२७	५	४४	१७
देशी टाइम	घ.	५	७	९	३
	प.	४९	२७	६	१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु	चन्द्रः
१	चं	१९	१०	उ	२९	१	शु	३२	१६	ब	१९	१०	९/४०	४	५६	१६	३	२९	मीने
२	मं	१३	५९	रे	२५	३६	ब्र	२५	२३	कौ	१३	५९	४४	३	५७	१७	४	१	मे.२५।३६
३	बु	९	६	अ	२२	५४	ऐं	१८	३२	ग	६	६	४९	२	५८	१८	५	२	मेषे
४	गु	५	१७	भ	२०	१७	वै	१२	३७	वि	५	१७	५३	१	५९	१९	६	३	वृ.३५।६
५	शु	२	१६	कृ	१६	४७	वि	७	३२	बा	२	१६	५७	१	५९	१०	७	४	वृषे
६	शु	५७	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
७	श	५९	४०	रो	२०	३	प्री	३	२१	ग	२९	३२	३०/१	६/१	६/०	२१	८	५	मि५०।४५
८	र	६०	०	मृ	२१	२७	आ	३	५७/४०	वि	३०	१	६	५९	६/१	२२	९	६	मिथुने
८	चं	०	२३	आ	२४	१४	शो	१६	२६	ब	०	२३	१०	५८	२	२३	१०	७	मिथुने
९	मं	२	१६	पु	२७	५७	अ	५६	०	कौ	२	१६	१४	५७	३	२४	११	८	क.१२।१
१०	बु	५	२९	पु	३२	४४	सु	५६	२३	ग	५	२९	१८	५६	४	२५	१२	९	कर्के
११	गु	६	३८	श्ले	३८	३८	धृ	५७	२१	वि	६	३८	२२	५६	४	२६	१३	१०	सिं३८।३८
१२	शु	१४	२०	म	४४	५३	शू	५८	३६	बा	१४	२०	२६	५५	५	२७	१४	११	सिंहे
१३	श	१६	३०	पू	५१	१६	गं	५९	५८	तै	१९	३०	३०	५४	६	२८	१५	१२	सिंहे
१४	र	२४	३०	उ	५७	३७	वृ	६०	०	व	२४	३०	३४	५३	७	२९	१६	१३	कं.७।५३
१५	चं	२९	१६	ह	६०	०	वृ	१	१६	ब	२९	१६	३८	५२	८	३०	१७	१४	कन्यायां

वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः६५५५स.१६५३

चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारम्भः नवरात्रा
उभायांरविः १८।६ रज्जव ७
भ. ३७।१३ उ. गणगौरी पू.
भ ५।१७ या. वक्रोपूभायां बुधः ३९/३७

क्षयः
भ. ५९/४० उ.श्रवणे२ राहुःपुष्ये४केतुः १८/१७
भ. ३०।१ या.
वक्रीकुम्भेबुधः ५१/४९ वक्रीशुक्रः २५/१४ रामन९
कृतिकायां १ गुरुः२६।५
भ.२७।३३ उ. पूर्वोदयीबुधः १।४८
भ. ९।३८ या. कामदा ११ व्र.
प्रदोषः

भ. २४/३० उ. ५६/५३ या.भरण्यां भौमः १३/१८
रेवत्यां रविः ४५।३४ हनुमज्जयंती

५०पं.चं.शु.८ सू.इ. ७।१७

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	०	६	९	११
८	८	१	२६	८	२	१६	८
७	१०	१९	१४	१४	१३	३७	३
९	३७	४४	१०	५३	१४	२४	२७
५९	४२	४५/४६	११	३	५/३	३	५९
३५	५३	व	१०	३८	१	११	२९

गोचर ग्रहाः

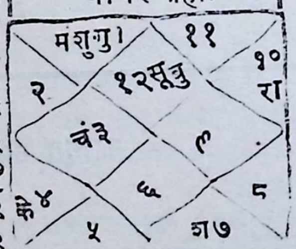

चैत्राय प्रतियन्मेघो गर्जितो वर्षणं तथा श्रावणे भाद्र मासे च तदा वृद्धिर्न जायते चैत्र सुदी १ को वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

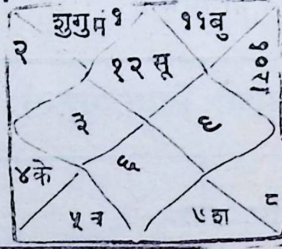

५१पं.चै.शु.१४सू.इ.७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	०	६	९	११
१५	१३	२७	२१	७	२	१६	१४
३	१५	१४	३१	३०	५	१५	५९
१२	२८	२	४१	४७	४२	८	१५
१९	४२	११/२	११	१३/४८	१६/४	३	५९
८	४३	व	४८	व	व	११	१६

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१० शाक १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्र
१	म	३३	१४	ह	३	२२	ध्रु	१	५८	बा	१	१५	[illegible]	५२	८	३	१८	१५	तु.३५।४२
२	बु	३६	३	चि	८	३	व्या	१	५८	ग	४	३८	६७	५१	९	१	१९	१६	तुलायां
३	गु	३७	४५	स्वा	११	४२	ह	५६/०	५६/८	वि	६	५४	५	५०	१०	२	२०	१७	वृ.५८।२३
४	शु	३८	६	वि	१३	५६	सि	५६	२५	बा	७	५७	५	४९	११	३	२१	१८	वृश्चिके
५	श	३७	१९	अ	१५	२३	व्य	५२	३५	कौ	७	४३	३१/०	४८	१२	४	२२	१९	वृश्चिके
६	र	३५	६	ज्ये	१५	२२	व	४८	१२	ग	६	११	४	४७	१३	५	२३	२०	ध.१५।२८
७	चं	३१	५५	मू	१४	११	प	४२	३५	वि	३	३०	८	४६	१४	६	२४	२१	धनुषि
८	मं	२७	४९	पू	१२	६	शि	३६	८	कौ	२७	४९	१२	४६	१४	७	२५	२२	म.२६।२८
९	बु	२२	४४	उ	६	१०	सि	२६	२४	ग	२२	४४	[illegible]	४५	१५	८	२६	२३	मकरे
१०	गु	१७	२१	श्र	५	४३	सा	२१	५३	वि	१७	२१	२०	४४	१६	९	२७	२४	कुं.३३।४७
११	शु	११	२४	ध	५२/१	५३/७	शु	११	३३	बा	११	२४	४	४३	१७	१०	२८	२५	कुंभे
१२	श	५	३२	पू	५३	४६	शु	५६/७	२५/२	तै	५	३२	२८	४२	१८	११	२९	२६	मी३६।४६
१३	श	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	र	५३	४५	उ	४६	४८	ऐं	५४	४४	वि	२६	३६	३२	४२	१८	१२	३०	२७	मीने
३०	चं	४८	१८	रे	४६	२३	वै	४४	३३	च	२१	१	३६	४१	१९	१३	३१	२८	मे.४६।२३

वसन्ततुं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

मार्गी बुधः ८४।२७
अप्रेल मा. ४ ता. ३०
भ. ६।५४ उ. ३७।४५ यां.चतुर्थी व्र.

भ. ३५।६ उ.
भ. ३।३० या.

भ. ५०।१ उ. =वृषे गुरुः १४/११
भ २५/१७ या.मीनेबुधः ४८/० ... वायां =
पश्चिमास्तं शुक्रः ३७/१२ वरुथनी ११ व्र ×
भ. ५९।३३ उ. प्रदोषः ×र.अ.शु.
क्षयः
भ. २६।३९या.
मेषेऽर्कः २०।५ वक्री मीने शुक्रः २१/२१

५२पं. वै.कृ.६सू.इ. ७।५८

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	०	६	९	११
२१	१८	२७	२९	४	१	१५	२१
५७	१८	३७	४	५१	३५	५२	५३
२५	१४	५०	४४	२५	६	७४	३१
५९	४२	१९/२	१२	३६/२	३४/८	३	५९
४	२८	व	१४	व	व	११	४

गोचर ग्रहाः

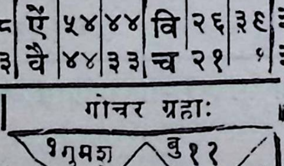

प्र.वैशाख कृष्णा ३० चंद्र मेषेऽर्कः प्र. वा ४ न ४ अनिबं व्यावस्था (मती मू. ३० (धान्यभावमम) गुरुास्त पश्चिमायां

गोचर ग्रहा.

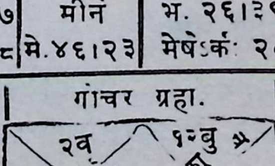

८३पं वै.कृ.३० चं.इ. २३/४४

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	११	११	६	९	०
०	२४	२	०	२९	०	१५	०
३	१३	३४	१२	१८	५५	२६	०
३४	३	८	४१	३४	४१	३५	०
५८	४२	४३	१२	३६	४/०	३	३८
४५	७	२	४०	व	व	११	४४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५										दि.		उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.		चंद्रः	वसंततर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः६५८४स.१९५३
१	मं	४३	३२	अ	४३	३६	वि	३७	५३	किं	१५	५५	४८	४०	२०	१४	१	२९	मेषे	पूर्वोदयाशुक्र. ३६।३६उभाया.वुधः२७/४१
२	बु	३९	४०	भ	४१	२३	प्री	३२	२१	बा	११	३६	४४	३९	२१	१५	२	३०	वृ.५६।६	चन्द्रद. पू.उ.शु.
३	गु	३६	३७	कृ	४०	१५	आ	२६	३०	तै	८	८	४८	३८	२२	१६	३	१	वृषे	कृतिकायां भौमः ५२।३६ सावान ८
४	शु	३४	३३	रो	४०	१	सौ	२२	११	व	५	३५	५१	३८	२२	१७	४	२	वृषे	भ. ५।३५ उ. ३४।३३ या.
५	श	३३	४५	मृ	४१	१५	शो	१८	३३	ब	४	९	५५	३७	२३	१८	५	३	मि१०।३८	
६	र	३४	१९	आ	४२	१९	अ	१६	७	कौ	४	२	५८	३६	२४	१९	६	४	मिथुने	
७	चं	३५	५९	पु	४७	५	सु	१४	३४	ग	५	५९	३२	३६	२४	२०	७	५	क.३१।९	भ. ३५।५९ उ.
८	मं	३९	१२	पु	५१	४६	धृ	१४	८	वि	७	३५	६	३५	२५	२१	८	६	कर्के	भ. ७।३५ या. वृषे भौमः ३३।५३
९	बु	४३	२३	श्ले	५७	१९	शू	१४	२३	बा	११	१७	९	३४	२६	२२	९	७	सिं५७।१९	
१०	गु	४८	१	म	६०	०	गं	१५	३१	तै	१५	४२	१३	३३	२७	२३	१०	८	सिंहे	×गुरुः२२।२६ कमला११ब्र.स्मा.वै.
११	शु	५२	५९	म	३	३४	वृ	१६	५२	व	२१	३०	१७	३३	२७	२४	११	९	सिंहे	भ.२०।३०उ.५२।५९या.कृतिकायां३×
१२	श	५८	०	पू	१०	३	ध्रु	१८	१३	ब	२५	२९	२१	३२	२८	२५	१२	१०	कं.२६।३६	रेवत्यां बुधः२६/१४वक्री चित्रायां२कन्यायां÷
१३	र	६०	०	उ	१६	२७	व्या	१९	३८	कौ	३०	१४	२५	३१	२९	२६	१३	११	कन्यायां	प्रदोषः ÷शनि ३१/४६ कमला११नि.
१३	चं	२	२९	ह	२२	११	ह	२०	३२	तै	२	२९	२९	३०	३०	२७	१४	१२	तु.५४।४०	भरण्यांरविः१।२९ अगस्त्यास्तः६।३४
१४	मं	६	३७	चि	२७	१०	व	२०	५७	व	६	३७	३३	२९	३१	२८	१५	१३	तुलायां	भ. ६।२७ उ. ३८।०
१५	बु	९	२३	स्वा	३१	९	सि	२०	२२	ब	९	२३	३६	२९	३१	३०	१६	१४	तुलायां	सब्बरात

२पं.प्र.वै.शु.७चं.इ.२४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	११	६	९	०
६	२९	९	२	२५	०	१५	६
५३	११	४१	२५	४६	२३	४	५०
४५	४	३८	३७	३७	२०	१९	३८
५८	४२	५८	१२	३०/३२	४/८	३	५८
२९	२	४२	५	व.	व	११	३१

गोचर ग्रहाः

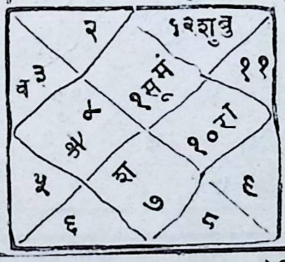

इस मास में पांच मंगलवार प्रजा में रोगादि उपद्रव बुध शुक्र का योग और मंगल गुरुका योग वर्षाकारक है

गोचर ग्रहाः

३पं. प्र.वै.शु.१३ चं.इ.२४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	१	११	५	९	०
१३	४	१९	४	२३	२९	१४	१३
४२	७	३	०	१	५१	४२	३९
९	१२	२५	२५	५	४३	४	४१
५८	४१	७२	१३	१६/२	४/२५	३	५८
१२	५२	५३	२०	व्रे	व	११	२०

ति	द्वि वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५										दि.		उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.		चंद्रः	वसंततूर्रविरुत्तरेप्र वैशाखकृष्णेनिमहा
१	गु	१०	५४	वि	३३	५५	व्य	१८	४५	कौ	१०	५४	४७	२८	३२	०	१७	१५	वृ.१८।१४	
२	शु	११	३८	अ	३५	२३	व	१६	११	ग	११	३८	४३	२७	३३	१	१८	१६	वृश्चिके	भ. ४१।० उ. मई मा. ५ ता. ३१
३	श	१०	२२	ज्ये	३५	४३	ध	१२	४८	वि	१०	२२	४७	२७	३३	२	१९	१७	घ ३५।४३	भ. १०।२१ या. चतुर्थी ब्र.
४	र	८	१३	मू	३४	५०	शि	८	१६	बा	८	१३	५०	२६	३४	३	२०	१८	धनुषि	
५	चं	५	१	पू	३२	५१	सि	५९	५५	तै	५	१	५	२५	३५	४	२१	१९	म.४७।११	मेषे बुधः २३।४५ मार्गी शुक्रः ३।४
६	मं	०	४८	उ	३०	१३	शु	५०	२४	व	०	४८	५७	२५	३५	५	२२	२०	मकरे	भ.४८ उ. २१या. रोहिण्यां भौम.५०/२३
७	मं	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	क्षयः
८	बु	५०	३	श्र	२६	४६	शु	४३	१६	ग	२२	३८	३	२४	३६	६	२३	२१	कुं.५४।५७	
९	गु	४४	४	ध	२३	५	ब्र	३५	५२	तै	१७	३	४	२३	३७	७	२४	२२	कुंभे	
१०	शु	३८	१०	श	१८	५६	ऐं	२८	१०	व	११	३	७	२३	३७	८	२५	२३	कुंभे	भ. ११ उ. ३८या. कृतिकायां४ गुरुः५१
११	श	३२	७	पू	१४	५५	वै	२०	३२	ब	५	९	१०	२२	३८	९	२६	२४	मी०।५६	कमला ११ ब्र. ×५१।४६
१२	र	२६	१	उ	१०	५७	वि	१३	१५	तै	२६	१७	१३	२१	३८	१०	२७	२५	मीने	कृतिकायां रवि ४९/२४ अस्तंभौमः ४/० प्रदोषः
१३	चं	२०	३३	रे	७	२२	प्री	५६	५	व	२०	३३	१६	२१	३९	११	२८	२६	मे.७।२२	भ. २०।३३ उ. ८।१४या. भर. बुधः×
१४	मं	१५	५५	अ	४	१०	सौ	५२	१	श	१५	५५	१९	२०	४०	१२	२९	२७	मेषे	अगत गुरुः ५१।३६ अ. गु.
३०	बु	११	४८	भ	१	५४	शो	४७	३६	ना	११	४८	२२	२०	४०	१३	३०	२८	वृ १६।४७	पूर्व सौ बुधः ३१।१२ अमापुण्यम्

४पं द्वि.वै.कृ.५चं.इ २४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	११	५	९	०
२०	९	०	५	२१	२९	१४	२०
२८	०	१	३१	४८	२१	१९	२७
४७	११	८	५	४	४०	४८	२२
५७	४१	८८	१३	५३/०	१०/४	३	५८
५७	४८	३८	२६	मा।	व	११	६

गोचर ग्रहाः

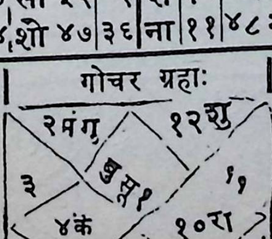

इस मास का फल उत्तम रहेगा । "वैशाख बाम घान्याभां निष्पतिर शुभः क्वचित्'

गोचर ग्रहाः

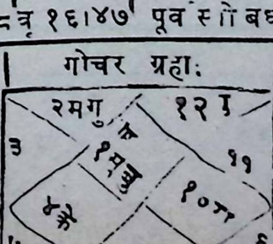

५पं. द्वि वै कृ१३चं इ. २४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	११	५	९	०
२७	१२	१२	७	२२	२८	१३	२७
१४	५२	३२	१४	४१	२५	५१	१३
१	१२	१३	३८	४९	७	३३	३०
५७	४१	५/०	१३	१६	५२/३	३	५९
४५	४४	५९	३२	१२	व	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६६१४स.१९५३
१	गु	८	३९	कृ	१	२६	अ	४२	५९	ब	८	३९	३३/२५	१९/५	४६/१	१४	३१	२९	वृषे	वृषेऽर्कः १७।११ चन्द्र द.
२	शु	६	३१	रो	२	६	सु	३९	३६	कौ	६	३१	२८	१८	४६/२	१५	१	१	मि३२।२०	रमजान ९ रोजा.
३	श	५	५१	मृ	२	३४	धृ	३६	४५	ग	५	५१	३१	१८	४२	१६	२	२	मिथुने	भ. ३५।५८ उ. अक्षया ३
४	र	६	६	आ	३	५५	शू	३५	६	वि	६	६	३४	१७	४३	१७	३	३	क.५०।३५	भ. ६।६ या.
५	चं	७	४८	पु	६	८	गं	३४	३४	बा	७	४८	३६	१७	४३	१८	४	४	कर्के	कृतिकायां बुधः २७।३९
६	मं	१०	४०	पु	१०	४५	वृ	३४	४८	तै	१०	४०	३९	१६	४४	१९	५	५	कर्के	गंगोत्पत्तिः
७	बु	१४	३८	श्ले	१६	३	ध्रु	३५	३६	व	१४	३८	४१	१६	४४	२०	६	६	सिं१६।३	भ.१४।३८उ४६।५५या.वृषेबुधः५।३६
८	गु	१९	१२	म	२२	१०	व्या	३७	२	ब	१९	१२	४४	१५	४५	२१	७	७	सिंहे	[+पुष्ये ३ केतु १३।५८
९	शु	२४	२३	पू	२८	३२	ह	३८	३४	कौ	२४	२३	४६	१५	४५	२२	८	८	क.४५।९	*रोहिण्यांबुधः३४।११मोहिनी११व्र.
१०	श	२९	१०	उ	३५	०	व	४०	१३	ग	२९	१०	४८	१४	४६	२३	९	९	कन्यायां	रोहिण्यां१ गुरुः ७।३९ श्रवणे१ राहुः+
११	र	३३	५५	ह	४०	५६	सि	४१	१६	व	१	३२	५०	१४	४६	२४	१०	१०	कन्यायां	भ.३३उ.५३या.रोहिण्यांरवि:४३।२०*
१२	चं	३७	४०	चि	४५	५९	व्य	४१	३९	ब	५	४७	५२	१४	४६	२५	११	११	तु.१३।२८	मृगे भौमः ११।२७
१३	मं	४०	२२	स्वा	५०	१५	व	४१	१९	कौ	९	१	५४	१३	४७	२६	१२	१२	तुलायां	प्रदोषः
१४	बु	४१	५६	वि	५३	२१	प	४०	०	ग	११	९	५६	१३	४७	२७	१३	१३	वृ.३७।४५	भ.४१।५६उ.मेषेशुक्रः२।५७नृसिंहज.
१५	गु	४२	१५	अ	५५	४	शि	३७	५२	वि	१२	५	५८	१२	४८	२८	१४	१४	वृश्चिके	भ.१२।५ या. कूर्मजयन्ती वै. स्ना. पू.

६पं. द्वि.वै.शु.५ चं.इ. ३४/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	१	११	५	९	१
३	१८	२६	८	२५	२८	१२	३
५७	४१	३४	५२	९	२९	३५	५८
३८	२	१९	३७	५४	२०	१८	२८
५७	४१	[illegible]	१३	२८	२३/२	३	५७
५४	३४	[illegible]	३८	४३	वं	११	५४

गोचर ग्रहाः

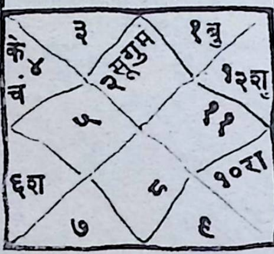

द्वि.वैशाख शुक्ला ११गुरौ वृषेऽर्कःप्र. वा.४न.५ कुमारावस्था(बैठी) मु.४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

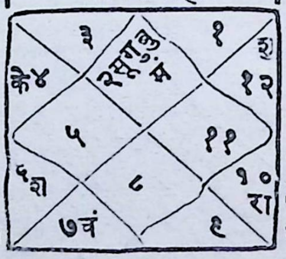

७पं. द्वि.वै.शु.१२ चं.इ.३४/५८

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	१	११	५	९	१
१०	२३	११	१०	२८	२८	१३	१०
३९	२९	४८	३१	५७	८	१३	४२
४९	१७	५८	१२	११	१०	३	२०
५७	४१	[illegible]	१३	२८	४३	३	५७
२३	१४	[illegible]	३८	३८	व	११	३५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा.
१	शु	४१	२१	ज्ये	५५	४२	सि	३४	४०	बा	११	४८	३४/०	१२	४८	२९	१५	१५	ध.५५।४२	
२	श	३९	६	मू	५५	६	सा	३०	१४	तै	१०	१३	२	१२	४८	३०	१६	१६	धनुषि	मृगे बुधः ३४।४
३	र	३५	४७	पू	५३	२३	शु	२५	२१	व	७	२६	४	११	४९	३१	१७	१७	धनुषि	भ. ७।२६ उ.३५।४७ यां. चतुर्थी व्र.
४	चं	३१	३८	उ	५०	४६	शु	१९	१८	ब	३	४२	६	११	४९	१	१८	१८	म.७।४४	जून मा. ६ ता. ३०
५	मं	२६	३४	श्र	४७	३३	ब्र	१२	४०	तै	२६	३४	७	११	४९	२	१९	१९	मकरे	मिथुनेबुधः५२।५८ =भौमः५९।१८
६	बु	२०	५२	ध	४३	५९	ऐं	४५/५	५२/२७	व	२०	५२	९	१०	५०	३	२०	२०	कुं.१५।४६	भ. २०।५२ उ. ४७।५६ या. मिथुने=
७	गु	१५	०	श	३९	५२	वि	५०	५३	ब	१५	०	१०	१०	५०	४	२१	२१	कुम्भे	पश्चिमोदयी बुधः ३२।३३
८	शु	८	५५	पू	३६	२७	प्री	४३	२५	कौ	८	५५	१२	१०	५०	५	२२	२२	मी२२।१९	आर्द्रायां बुधः ५३।४६
९	श	२	४९	उ	३१	५५	आ	३६	८	ग	२	४९	१३	९	५१	६	२३	२३	मीने	भ.२९।५१उ.५६।५३य.उदयंगुरुः४३।३८+उ.गु
१०	श	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	क्षयः +रोहिण्यां२ गुरुः२४।२४
११	र	५१	९	रे	२८	३६	सौ	२८	४३	ब	२४	१	१५	९	५१	७	२४	२४	मे.२८।३६	मृगे रविः ४२।९ अपरा ११ . स्मा.
१२	चं	४६	२१	अ	२४	५२	शो	२१	५०	कौ	१८	४५	१६	९	५१	८	२५	२५	मेषे	अपरा ११ व्र. वै. नि.
१३	मं	४२	७	भ	२२	३१	अ	१५	२९	ग	१४	१४	१७	९	५१	९	२६	२६	वृ.३७।११	भ. ४२।७ उ. ४३।४८ प्रदोषः
१४	बु	३८	५१	कृ	२१	५	सु	९	५७	वि	१०	२९	१	८	५२	१०	२७	२७	वृषे	भ. १०।२९ या.
३०	गु	३६	३६	रो	१९	५८	धृ	५	३५	च	७	४३	१९	८	५२	११	२८	२८	मि५०।१४	भावुका ३० वट पूजनं

८पं.ज्ये.कृ.४चं.इ. २५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	१	०	५	९	१
१७	२८	२७	१२	३	२७	१२	१७
२०	१४	३	९	४१	५०	५०	२५
५५	१०	११	२५	५६	५३	४७	७
५७	४१	[illegible]	१३	४५	१०/२	३	५७
१३	१०	[illegible]	३८	५४	वं.	११	२७

गोचर ग्रहाः

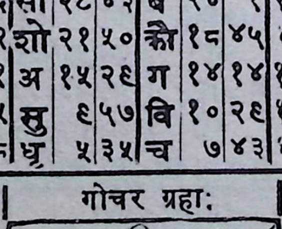

ज्यष्ठ बदी में गाज बीज श्रेष्ठ और सुदी में हो तो वर्षा काल में वर्षा कम होवे ।

गोचर ग्रहाः

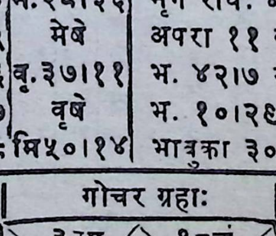

९पं.ज्ये.कृ.१२ चं.इ.२५।४

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१	०	५	९	१
२४	२	१०	१३	९	२७	१२	२४
०	५७	४८	४७	११	३७	२८	७
५१	३६	५८	१३	६	५८	३२	८
५७	४१	९९	१३	५१	३७	३	५७
५	०	२३	३२	२३	वं	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५												दि.	उ	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६६४३स.१९५३
१	शु	३५	३१	मृ	२०	३०	शू	३५	५६/८	किं	६	३	४/२०	५/८	५६/२	१२	२९	२९	मिथुने	
२	श	३५	५२	आ	२२	१४	बृ	५७	१६	बा	५	४१	२१	८	५२	१३	३०	३०	मिथुने	
३	र	३७	२५	पु	२५	१७	ध्रु	५६	७	तै	६	३८	२२	८	५२	१४	३१	१	क.९।३१	चंद्रद.पुनर्वसौबुधः ३/१ ०/४ भरण्यांशुक्रः २६/४५ ÷
४	चं	४०	४	पु	२९	२८	व्या	५६	१६	व	८	४४	२२	८	५२	१५	१	२	कर्के	मिथुनेऽर्कः ४२।५७ सब्बाल १० ईद
५	मं	४४	०	श्ले	३४	४६	ह	५७	०	ब	१२	२	२३	७	५३	१६	२	३	सिं३४।४६	भ. ४८/४ उ. ४०/४ या.
६	बु	४८	३४	म	४०	३७	व	५८	२१	कौ	१६	१७	२३	७	५३	१७	३	४	सिंहे	
७	गु	५३	२४	पू	४६	५५	सि	६०	०	ग	२०	५९	२३	७	५३	१८	४	५	सिंहे	भ.५३।२४उ. ÷आर्द्रायांभौमः५८।५
८	शु	५८	८	उ	५३	२३	सि	०	५	वि	२५	४६	२४	७	५३	१९	५	६	कं.३।३२	भ. २५।४६ या. कर्के बुधः ५१।५
९	श	६०	०	ह	५९	२१	व्य	१	२७	बा	३०	२७	२४	७	५३	२०	६	७	कन्यायां	रोहिण्यां ३ गुरुः ५६।३
९	र	२	४६	चि	६०	०	व	२	५२	कौ	२	४६	२४	७	५३	२१	७	८	तु.३२।३	आर्द्रायांरविः ४/२ ४/९ दक्षिणायनप्रवृत्तिः ४/१ ३/८
१०	चं	६	४३	चि	४	४६	प	३	१३	ग	६	४३	२४	७	५३	२२	८	९	तुलायां	भ. ३८।५ उ. गंगा दशहरा
११	मं	९	२८	स्वा	९	३३	शि	३	२९	वि	९	२८	२४	७	५३	२३	९	१०	वृ.५६।५१	भ.९।२८या. पुष्येबुधः ३१।५६ मार्गी=
१२	बु	११	५	वि	१२	३७	सि	२	१५	बा	११	५	२४	७	५३	२४	१०	११	वृश्चिके	पातस्पर्शः३।५६ पातमोक्षः ३/१ ९/० प्रदोषः
१३	गु	११	३५	अ	१४	४०	सा	१०/८	५०/७	तै	११	३५	२३	७	५३	२५	११	१२	वृश्चिके	=शनिः२२।३९ निर्जला ११व्र.
१४	शु	१०	३५	ज्ये	१५	३०	शु	५३	१३	व	१०	३५	२३	७	५३	२६	१२	१३	ध.१५।३०	भ. १०।३५ उ. ४०।३५ या.
१५	श	८	२६	मू	१५	२५	ब्र	४८	१९	ब	८	२६	२३	७	५३	२७	१३	१४	धनुषि	कृतिकायांशुक्रः ३४/४ गुर्जराणां वटपूजनं

१०पं. ज्ये शु.४ चं.इ. २५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	०	५	९	२
०	७	२२	१५	१५	२७	१२	०
३९	३९	३७	२४	१४	२९	६	४८
३९	११	१२	०	६	४६	१७	२५
५६	४०	७५	१३	५७	४/६०	३	५७
२७	५०	३४	२६	५०	व	११	१७

गोचर ग्रहाः

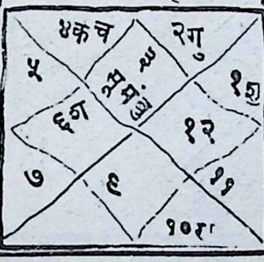

ज्येष्ठ शुक्लें ३ रवौ मिथुनेऽर्कं. प्र. वा. ४ न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.३० [धान्य भाव सम] शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

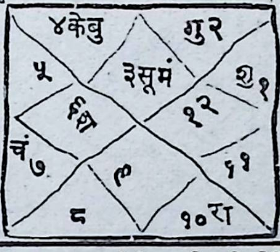

११पं. ज्ये.शु.१० चं.इ. २५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	०	५	९	२
७	१२	२	१६	२१	२७	११	७
१८	१९	१९	५९	४३	२६	४४	२९
२७	२६	२३	४६	४४	३१	१	१७
५६	४०	५४	१३	५९	०/७	३	५/७
५४	४६	२०	२०	१५	व	११	१

ति.	आषढ़ कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणे ये ठकृष्णेति महा.
१	र	५	१३	पू	१४	४	ऐं	४२	२३	कौ	५	१३	४/२२	५/८	५६/२	२८	१४	१५	म.२१।२०	
२	चं	१	२	उ	११	१०	वै	३६	५	ग	१	२	२२	८	५२	२९	१५	१६	मकरे	भ. २८।३१ उ. ५६।० या.
३	चं	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	क्षयः
४	मं	५०	२३	श्र	८	१०	वि	२९	१४	ब	२३	१२	२१	८	५२	३०	१६	१७	कुं.३६।२०	वृषे शुक्रः ४८।२ चतुर्थी व्र.
५	बु	४४	३४	ध	४	३१	प्री	२१	५६	कौ	१७	२८	२०	८	५२	१	१७	१८	कुंभे	जुलाई मा. ७ ता. ३१
६	गु	३८	३०	श	३२/०	५५/५	आ	१४	१७	ग	११	३२	१९	८	५२	२	१८	१९	मी४२।२८	भ. ३८।३० उ.
७	शु	३२	१९	उ	५२	१८	सौ	४४/६	३/५	वि	५	२५	१८	८	५२	३	१९	२०	मीने	भ. ५।२५ या.
८	श	२६	२०	रे	४७	२४	अ	५१	५५	कौ	२६	२०	१७	९	५१	४	२०	२१	मे.४७।२४	पुनर्वसौ भौमः ५।५०
९	र	२०	३४	अ	४५	१३	सु	४५	३	ग	२०	३४	१६	९	५१	५	२१	२२	मेषे	भ. ४८/४ उ.पुनर्वसौ रविः ४८/३० रोहिण्यां÷
१०	चं	१५	३४	भ	४२	२९	धृ	३८	३८	वि	१५	३४	१४	९	५१	६	२२	२३	वृ.५७।०	भ.१५।३४ या. ÷गुरुः ५७।३३
११	मं	११	३	कृ	४०	३५	शू	३२	५८	बा	११	३	१३	९	५१	७	२३	२४	वृषे	योगिनी ११ व्र.
१२	बु	७	५०	रो	३९	४१	गं	२८	८	तै	७	५०	११	१०	५०	८	२४	२५	वृषे	आभ. प्र. राहुः २१।४
१३	गु	५	३१	मृ	३९	५९	वृ	२३	१२	व	५	३१	१०	१०	५०	९	२५	२६	मि९।५०	भ.५।३१ उ ३४/५६ या. वक्रीबुधः५०।९
१४	शु	४	२२	आ	४१	१९	ध्रु	२१	१०	श	४	२२	८	१०	५०	१०	२६	२७	मिथुने	रोहिण्यां शुक्रः ३९।४९
३०	श	४	३५	पु	४४	२	व्या	१९	८	ना	४	३५	७	११	४९	११	२७	२८	क.२८।२१	देवकार्येमा

१२ पं. आ.कृ.२ चं.इ. २४/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	०	५	९	२
१३	१६	९	१८	२८	२७	११	१४
५६	५६	३४	३३	३४	२७	२१	९
३०	५३	१६	५४	१९	५०	४६	४५
५६	४०	३३	१३	६१	४/४०	३	५७
५०	३६	१३	५	५२	मा	११	७

गोचर ग्रहाः

इस मास में सूर्य से आगे मंगल का रथ चलता है सो वर्षा रोकता है और गुरु शुक्र का योग वर्षा करता है

गोचर ग्रहाः

१३पं. आ.कृ १० चं.इ. २४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	१	५	९	२
२०	२१	१३	२०	५	२७	१०	२०
३४	३३	५२	५	४०	३४	५९	५०
२६	४०	१९	४६	४१	१२	३०	९
५६	४०	११	१२	६३	१	३	५७
५०	२६	४३	४१	५५	१६	११	७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०१०शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः
१	र	६	०	पु	४७	५७	ह	१८	१०	ब	६	०	३/६	११/५	४६/९	१२	२८	२९	कर्के
२	चं	८	५०	श्ले	५२	५१	व	१८	४	कौ	८	५०	४	११	४९	१३	२९	१	सिं५२।५१
३	मं	१२	२९	म	५८	४२	सि	१८	४७	ग	१२	२८	२	१२	४८	१४	३०	२	सिंहे
४	बु	१६	५७	पू	६०	०	व्य	२०	१	वि	१६	५७	३४/००	१२	४८	१५	३१	३	सिंहे
५	गु	२१	४४	पू	५	०	व	२१	३४	बा	२१	४४	३३/५८	१२	४८	१६	३२	४	कं.२१।३६
६	शु	२६	४९	उ	११	२५	प	२३	१४	तै	२६	४९	५६	१३	४७	१७	१	५	कन्यायां
७	श	३१	१३	ह	१७	३३	शि	२४	३०	व	३१	१३	५४	१३	४७	१८	२	६	तु.५०।२२
८	र	३५	६	चि	२३	११	सि	२५	१२	वि	३	९	५२	१४	४६	१९	३	७	तुलायां
९	चं	३८	१	स्वा	२७	५१	सा	२५	१९	बा	६	३३	५०	१४	४६	२०	४	८	तुलायां
१०	मं	४०	१०	वि	३१	२४	शु	२४	३१	तै	९	५	४७	१५	४५	२१	५	९	वृ.१५।३१
११	बु	४०	९	अ	३३	४४	शु	२२	४१	व	१०	१०	४५	१५	४५	२२	६	१०	वृश्चिके
१२	गु	३९	२१	ज्ये	३४	५५	ब्र	१९	५१	ब	९	४५	४२	१६	४४	२३	७	११	ध.३४।५५
१३	शु	३७	१४	मू	३४	४५	ऐं	१६	२	कौ	८	१७	४०	१६	४४	२४	८	१२	धनुषि
१४	श	३४	६	पू	३३	५८	वै	११	१४	ग	५	४	३७	१७	४३	२५	९	१३	म.४७।५४
१५	र	३०	१	उ	३१	१४	वि	५/३५	५३/३९	वि	२	३	३५	१७	४३	२६	१०	१४	मकरे

ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६६७३स१९५३

चद्र दर्शनम्
जिल्काद ११ रथयात्रा
भ. ४४।४२ उ.
भ. १६।५७या.
कर्केऽर्कः २१।१४
पश्चिमास्त बुधः १९।२८
भ. ३१।१३ उ.
भ.३।९या.पुष्येरविः ५१/५५ कर्केभौमः ५१/५६

मृग १ गुरुः ५५।४९
भ. १/१० उ. ४/९ या.मृगेशुक्रः ५५/१ देवशयनी×
हरिवासराऽभावः ×११ व्र.
पुष्ये भौमः ३१।५ प्रदोषः
भ. ३४।६उ.उषायां४राहुपुष्ये२केतु२७
भ. २।३ या. खग्रासं चंद्रग्रहणम्

१४पं.आ.शु.२च.इ.२४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	१	१	५	९	२
२७	२६	१४	२१	१३	२७	१०	२७
१२	९	४४	३५	८	४५	३७	३०
३२	७	२८	६	११	२२	१५	३९
५६	४०	१२/१५	१२	५६	२	३	५७
५५	१६	व	२०	३४	१	११	११

गोचर ग्रहाः

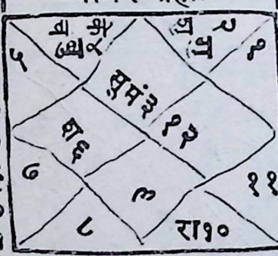

आषाढ शुक्ले ५ गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयं पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

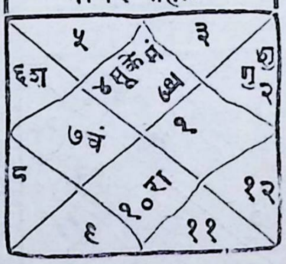

१५पं. आ. शु. ९ चं.इ. २४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	१	५	९	३
३	०	१२	२३	२०	२८	१०	४
५१	४३	१	१	३२	१	१५	११
०	१२	४४	४८	२	५	०	१३
५६	४०	३/५	११	६६	२	३	५७
५७	६	व	५८	५९	४०	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	चं	२५	२	श्र	२८	२९	आ	५२	२२	कौ	२५	२	३३/३२	१८	४३	२७	११	१५	कु.५६।३७
२	मं	१९	३२	ध	२४	४५	सौ	४५	१	ग	१९	३२	३०	१८	४२	२	१२	१६	कुंभे
३	बु	१३	३७	श	२०	५३	शो	३७	२७	वि	१३	३७	२७	१९	४१	२९	१३	१७	कुंभे
४	गु	७	३२	पू	१६	४६	अ	२९	५२	बा	७	३२	२४	१९	४१	३०	१४	१८	मी२।४८
५	शु	१	२७	उ	१२	३८	सु	२२	२७	तै	१	२७	२१	२०	४०	३१	१५	१९	मीने
६	शु	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
७	श	४९	३०	रे	८	४४	धृ	१५	६	वि	२२	२३	१८	२०	४०	१	१६	२०	मे.८।४४
८	र	४४	३२	अ	५	२१	शू	८	४	बा	१७	[illegible]	१५	२१	३९	२	१७	२१	मेषे
९	चं	४०	१४	भ	२	२३	गं	२७	५४	तै	१२	२३	१२	२२	३८	३	१८	२२	वृ.१६।४८
१०	मं	३९	४३	कृ	०/५	५८/५९	धु	५०	३३	व	८	२८	९	२२	३८	४	१९	२३	वृषे
११	बु	३४	२२	मृ	५९	६	व्या	४६	१६	ब	५	३३	६	२३	३७	५	२०	२४	मि२९।५
१२	गु	३३	१०	आ	६०	०	ह	४३	२	का	३	४६	३	२३	३७	६	२१	२५	मिथुने
१३	शु	३३	२६	आ	०	१२	ब	४०	४१	ग	३	१८	३२/००	२४	३६	७	२२	२६	क.४६।५९
१४	श	३४	४२	पु	२	३५	सि	३९	२६	वि	४	२४	३२/५१	२५	३५	८	२३	२७	कर्के
३०	र	३७	१७	पु	६	१६	व्य	३९	९	च	६	०	५४	२५	३५	९	२४	२८	कर्के

वष ऋतूरविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति महा.

भ. ४६।३४ उ. मिथुने शुक्रः५८।१६
भ. १३।३७ या. चतुर्थी व्र.

भ. ५५।१७ उ नाग ५
क्षयः
भ.२२।२३ या. अगस्त मा.८ ता. ३१
आश्लेषायां रविः ५२।४३
आर्द्रायांशुक्रः ५८/३९ पूर्वोदयीबुधः२९।२९
भ. ८।२८ उ. ३६।४३ या.
कामिका ११ व्र.

भ. ३३।२६ उ. प्रदोषः
भ.४।४या मार्गीबुधः ४५/० मृगे२गुरुः ३४/५९
हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.१च.इ.२४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	१	५	९	३
१०	५	७	२४	२८	२८	९	१०
३०	१५	२६	२४	१३	२१	५२	५२
१७	५०	१३	४३	२६	१८	४४	१९
५७	४०	८६/५	११	६८	३	३	५७
५	६	व९	२२	८	२५	११	२०

गोचर ग्रहाः

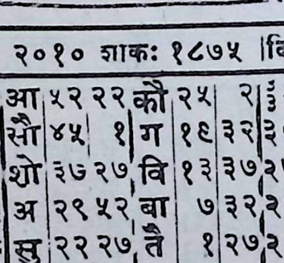

इस मास में प्रजा में सुख शांति राजा प्रजा में सुख धान्य भाव सम रुई अलसी तेज।

गोचर ग्रहाः

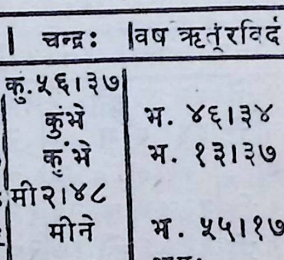

१७पं. श्रा.कृ. ९ चं.इ. २४/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	२	५	९	३
१७	९	४	२५	६	२८	९	१७
१०	४७	१९	४३	२	४५	३०	३४
६	२	१६	४४	४६	४७	२९	०
५७	३९	३३/४०	१०	६९	४	३	५७
१२	४९	व	५१	१	३	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.		श्रावण शुक्लपक्षः सं.२०१० शाकः १८७५											दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वर्षार्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७०२स.१६५३
१	चं	४१	०	श्ले	११	२	व	३६	४२	कि	६	६	३२/५०	५/२६	६/३४	१०	२५	२६	सिं११।२	नक्त व्रतारम्भः
२	मं	४५	३०	म	१६	४४	प	४०	५२	चा	१७	५५	४७	२७	३२	११	२६	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	५०	२०	पू	२२	५३	शि	४२	५१	तै	२२	४६	४३	२७	३३	१२	२७	१	कं ३६।२६	जिल्हेज १२ तीज
४	गु	५५	१२	उ	२६	१८	सि	४३	५७	व	२७	३२	४०	२८	३२	१३	२८	२	कन्या	भ. २७।३२ उ. ५५।१२ या.
५	शु	५६	५३	ह	३५	१६	सा	४५	२२	ब	३१	५१	३६	२९	३१	१४	२९	३	कन्या	सार्पेभौमः १३।१७
६	श	६०	०	चि	४१	८	शु	४६	१६	कौ	३१	२८	३३	२९	३१	१५	३०	४	तु.८।१२	पुनर्वसौशुक्र. ४७।३९
६	र	३	५०	स्वा	४५	५६	शु	४६	२५	तै	३	५०	२६	३०	३०	१६	३१	५	तुलायां	सिंहेऽर्कः४६।१०
७	चं	६	४६	वि	४६	५५	ब्र	४५	४५	व	६	४६	२६	३१	२९	१७	१	६	बृ. ३३।५६	भ.६।४९उ.३७।४४या तुलसीजयती
८	मं	८	३६	अ	५२	२२	ऐं	४४	२	व	८	३६	२२	३२	२८	१८	२	७	वृश्चिके	[*३तुलायां शनिः८।५९ हज्ज
९	बु	९	२०	ज्ये	५३	५२	वै	४१	२६	कौ	९	२०	१९	३२	२८	१९	३	८	ध. ५३।५२	कल्किजयंती
१०	गु	८	३५	मू	५४	३	वि	३७	४६	ग	८	३५	१५	३३	२७	२०	४	९	धनुषि	भ.३७।३४उ.सार्पे बुधः१७/४९चित्रायां*
११	शु	६	३३	पू	५३	१	प्री	३३	१६	वि	६	३३	१२	३४	२६	२१	५	१०	धनुषि	भ. ६।३३या. पवित्रा ११ व्र.
१२	श	३	३०	उ	५०	५७	आ	२७	३२	बा	३	३०	८	३४	२६	२२	६	११	म.७।३०	प्रदोषः
१३	श	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः [+बुधः३०/२९ श्रावणीकर्म
१४	र	५४	४३	श्र	४८	१५	सौ	२१	१८	ग	२७	६	४	३५	२५	२३	७	१२	मकरे	भ.५४।५२उ.ऋग्वेदीनां श्रावणी
१५	चं	४६	१२	ध	४४	५०	शो	१४	३३	वि	२१	५७	३२/००	३६	२४	२४	८	१३	कु.१६।३२	भ.२१/५७ या. कर्केशुक्रः १५/८ पूर्वास्ते+

१८पं.श्रा.शु.१चं.इ २४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	२	५	९	३
२३	१४	६	२६	१३	२९	९	२४
५१	१७	२	५८	५९	१४	८	१६
१३	४९	५६	२६	१०	२०	१४	२७
५७	३९	५७/२७	१०	६९	४	३	५७
२२	४९	मा	८	५५	३७	११	३३

१९पं.श्रा.शु.७चं.इ.२३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	१	२	५	९	४
०	१८	१२	२८	२२	२९	८	०
३३	४६	५८	७	१	४६	४५	५९
२६	१	१६	५९	३७	२६	५८	४७
५७	३९	७६	९	७०	४	३	५७
३४	३९	३२	२६	३७	५६	११	४०

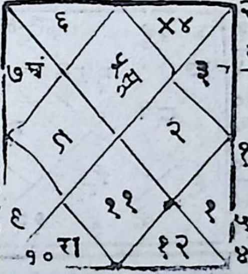

२०पश्रा.शु.१५चं.इ२३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	२	१	२	६	९	४
७	२६	२४	२९	०	०	८	७
१७	१३	११	१२	१०	२१	२३	४४
०	५५	४९	७	१९	५८	४३	१७
५७	३९	[illegible]	८	७१	५	३	५७
४५	२२	२२	३७	१४	२६	११	४८

ति.		भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२०१०शाकः १८७५											दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वर्षार्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृ.महाराष्ट्राः
१	मं	४३	११	श	४०	५२	अ	७/१२	५२/२७	चा	१६	१२	३१/५६	५/३७	६/२३	२५	६	१४	कुम्भे	[*पुण्ये शुक्रः३।३५ चतुर्थी व्र.
२	बु	३७	१६	पू	३६	५०	ध्रु	५१	५५	तै	१०	१५	५२	३८	२२	२६	१०	१५	मी२२।५१	अगस्त्योदयः४८।३८
३	गु	३१	१४	उ	३२	३६	शू	४४	२५	व	४	१७	४८	३८	२२	२७	११	१६	मीने	भ.४।१७उ.३१।१४या.सिंहेबुधः३६/४४*
४	शु	२५	६	रे	२८	४३	गं	३६	५६	बा	२५	६	४४	३६	२१	२८	१२	१७	मि.२८।४३	[+मृगे३मिथुने गुरुः१।४३ हल६
५	श	१९	३४	अ	२५	२	वृ	२९	५१	तै	१९	३४	४०	४०	२०	२९	१३	१८	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	र	१४	२५	भ	२१	५६	ध्रु	२३	७	व	१४	२५	३६	४१	१९	३०	१४	१९	बृ.३६।२४	भ.१४।२५उ.४२।११ पूफायांरविः४०/१+
७	चं	९	५७	कृ	१९	४७	व्या	१६	५६	ब	९	५७	३२	४२	१८	३१	१५	२०	बृषे	श्रीकृष्ण जयंती व्र. दुर्वाद
८	मं	६	३५	रो	१८	१	ह	११	२	कौ	६	३५	२८	४२	१८	१	१६	२१	मि४८।१	सितंबर मा९. ता.३०
९	बु	४	१४	मृ	१८	१	व	७	६	ग	४	१४	२४	४३	१७	२	१७	२२	मिथुने	भ.३३।३९उ. उदयीभौमः२७।५९
१०	गु	३	५	आ	१८	४८	सि	३	३	वि	३	५	२१	४४	१६	३	१८	२३	मिथुने	भ.३।५या.पूफायां बुधः १२।३९
११	शु	३	१९	पु	२०	५७	व्य	०/५६	५८/३०	बा	३	१९	१७	४५	१५	४	१९	२४	क ५।२५	सिंहे भौमः७।२६अजा.११व्र.
१२	श	४	४१	पु	२४	२१	प	५९	१	तै	४	४१	१४	४५	१५	५	२०	२५	कर्के	प्रदोषःवत्सद्वादशी
१३	र	७	१६	श्ले	२८	५२	शि	५९	२९	ब	७	१६	१०	४६	१४	६	२१	२६	सिं२८ ५२	भ.७।१६ उ. ३९।६ या.
१४	चं	१०	५६	म	३४	२२	सिं	६०	०	श	१०	५६	६	४७	१३	७	२२	२७	सिंहे	सार्पे शुक्रः २२।१ पिठोरो ३०
३०	मं	१५	३३	पू	४०	२२	सि	०	२८	ना	१५	३३	२	४८	१२	८	२३	२८	क.५६।५७	लोहार्गलस्नानां कुशाग्रहणी

२१पं.भा.कृ.७चं.इ.२३।४१

गोचरग्रहः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	२	३	६	९	४
१४	२७	७	०	८	१	८	१४
२	४१	४०	१०	२३	०	१	२९
११	१३	१	१३	५३	२५	२७	५४
५७	३९	[illegible]	७	७१	५	३	५८
५७	२२	४९	३६	४१	५०	११	१

गोचरग्रहः

२२पं.भा. कृ.१४चं.इ.२३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	२	२	६	२	४
२०	२	२१	१	१६	१	७	२१
४८	७	१६	१	४१	४२	३९	१६
५२	४४	३४	१२	४९	४	१२	५८
५८	३९	[illegible]	६	७२	६	३	५८
१२	५	५९	३५	२	१४	११	१३

× शुकेमं

*मंसूचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वर्षातू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७३२स.१९५३
१	बु	२०	२७	उ	४६	४२	सा	१	३८	ब	२०	२७	३०/५८	४ ५/८	१ ६/२	६	२४	२६	कन्या	
२	गु	२५	२०	ह	५२	५६	शु	३	१२	कौ	२५	२०	५३	४६	११	१०	२५	३०	कन्या	चंद्रदर्शनम् उफायां बुधः १२।१८
३	शु	३०	८	चि	५८	५३	शु	४	५०	ग	३०	८	४९	५०	१०	११	२६	१	तु. २५।५४	मोहोरम. १ सन् १३७३
४	श	३४	१०	स्वा	६०	०	ब्र	५	२८	व	२	९	४४	५१	९	१२	२७	२	तुलायां	भ.२/९ उ.३४/१० या.कन्यायांबुधः २ २/१ ग. ४
५	र	३७	१५	स्वा	३	४५	ऐं	५	५२	ब	५	४२	४०	५२	८	१३	२८	३	बृ.५२।०	उफायां रविः२४।४० ऋषि पंचमी
६	चं	३९	१९	वि	८	५	वै	५	२४	कौ	८	१७	३६	५३	७	१४	२९	४	बृश्चिके	
७	मं	४०	०	अ	११	५३	वि	३	४६	ग	९	३९	३२	५४	६	१५	३०	५	वृश्चिके	भ.४०।० उ. महालक्ष्मी व्र.
८	बु	३९	१८	ज्ये	१२	३४	प्री	१/२२	५६/२७	वि	९	३९	२८	५४	६	१६	३१	६	ध. १२।३४	भ.९।३९या. कन्यायामर्कः ४९।५०
९	गु	३७	२०	मू	१३	३	सौ	५३	७	बा	८	१९	२४	५५	५	१७	१	७	धनुषि	हस्ते बुधः ४१।३४
१०	शु	३४	२४	पू	१२	१७	शो	४७	५८	तै	५	५२	२०	५६	४	१८	२	८	म. २६।४६	सिंहे शुक्रः ३०।३४
११	श	३०	२७	उ	१०	१५	अ	४१	४४	व	२	२५	१६	५७	३	१९	३	९	मकरे	भ.२ २/५ उ. ३०/२७ या. जलझूलनी ११व्र.
१२	र	२५	४१	श्र	७	२८	सु	३४	५४	ब	२५	४१	१२	५८	२	२०	४	१०	कु. ३५।५७	प्रदोषव्रतं ताजिया
१३	चं	२०	२२	ध	४	२६	धृ	२७	४६	तै	२०	२२	८	५८	२	२१	५	११	कुम्भे	*शनिः३८/४८ अनंत१४ महालयारंभः
१४	मं	१४	३३	श	०/४५	५५/५१	शू	२०	१६	व	१४	३३	४	५९	१	२२	६	१२	मी ४२।३८	भ.१४।२२उ.४१।३८या. चित्रायां४*
१५	बु	८	४४	उ	५२	२८	गं	१२	२६	ब	८	४४	३०/००	६/००	६/००	२३	७	१३	मीने	पश्चिमोदयीबुधः १३/३८ प्रोष्ठपदी १५

२३पं.भा.शु.६चं.इ.२३।२३ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	३	६	९	४
२७	६	४	१	२५	२	७	२८
३७	३३	९	४५	३	२५	१६	५
१५	२९	७	१४	५४	४४	५७	२४
५९	३८	[illegible]	५	७२	६	३	५८
२९	५८	१४	२९	२९	२८	११	२६

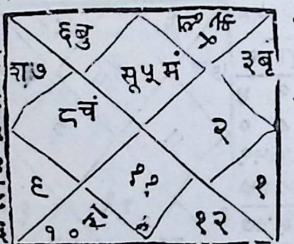

भाद्रपद शुक्ला ८बुधे
कन्यायार्कः प्र.वा.
४नं.४ कुमारावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयं पूर्वस्याम्

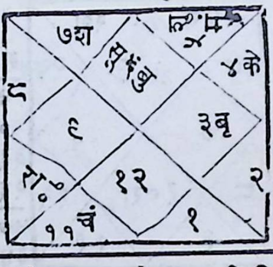

गोचरग्रहाः २४पं.भा.शु१३चं.इ२३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	२	४	६	९	५
४	१०	१६	२	३	३	६	४
२७	५८	१२	२१	२९	११	५४	५५
२०	४१	४०	०	३५	३१	४१	१७
५८	३८	९९	४	७२	४	३	५८
४५	५८	७	२७	५०	४४	११	३८

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्रपदकृ.महाराष्ट्राः
१	गु	२	३५	रे	४८	३१	वृ	४/४३	५२/२५	कौ	२	३५	२६/५५	६/१	५ ५/६	२४	८	१४	मे.४८।३१	
२	गु	५३	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *बुधः ४३/४३ पूफायांभौमः १०/२४
३	शु	५१	२	अ	४४	५०	व्या	४९	५२	ब	२३	४८	५१	२	५८	२५	९	१५	मेषे	भ. २३।४८उ. ५१।२या. चित्रायां*
४	श	४६	०	भ	४१	३६	ह	४२	५९	ब	१८	३१	४६	३	५७	२६	१०	१६	बृ.५६।००	उपायां२राहुःपुष्पे१केतु २ ०/९ चतुर्थीव्र.
५	र	४१	३६	कृ	३९	१४	व्र	३६	३९	कौ	१३	४८	४२	४	५६	२७	११	१७	बृषे	हस्ते रविः २।१९
६	चं	३८	१९	रो	३७	२९	सि	३१	२	ग	९	५७	३८	४	५६	२८	१२	१८	वृषे	भ.३८।१९ उ.
७	मं	३६	३	मृ	३६	५३	व्य	२६	१४	वि	७	११	३४	५	५५	२९	१३	१९	मि ७।११	भ.७।११या. तुलायांबुधः ५८।११+
८	बु	३४	५७	आ	३७	२९	व	२२	२७	बा	५	३०	३०	६	५४	३०	१४	२०	मिथुने	पूफायां शुक्रः २५।१९
९	गु	३५	१८	पु	३८	१७	प	२०	१	तै	५	७	२६	७	५३	१	१५	२१	क. २३।३५	अक्टूबर मा.१० ता.३१ मातृ९
१०	शु	३६	३८	पु	४२	२४	शि	१७	४१	व	५	५८	२२	८	५२	२	१६	२२	कर्के	भ. ५।५८ उ. ३६।३८ या.
११	श	३९	२१	श्ले	४६	३७	सि	१६	४७	ब	८	०	१८	८	५२	३	१७	२३	सिं४६।३७	इन्दिरा ११व्र.
१२	र	४३	३	म	५१	५३	सा	१६	१५	कौ	११	१२	१४	९	५१	४	१८	२४	सिंहे	स्वात्यां बुधः २६।५२
१३	चं	४७	४६	पू	५७	३९	शु	१७	३०	ग	१५	२४	१०	१०	५०	५	१९	२५	सिंहे	भ. ४७।४६ उ. प्रदोषः
१४	मं	५२	४३	उ	६०	०	शु	१८	४६	वि	२०	१४	६	११	४९	६	२०	२६	क १४।१६	भ.२०।१४ या.
३०	बु	५७	४४	उ	४	७	व्र	२०	९	च	२५	१३	२	१२	४८	७	२१	२७	कन्या	अस्तं शनिः१३।११ सर्वपितृ ३०

२५पं.आ.कृ.६ चं.इ.।२३।६ गोचरग्राह

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	२	४	६	९	५
११	१५	२७	२	११	३	६	११
१९	२४	३०	४८	५९	५९	३२	४६
२६	११	३२	७	२०	२०	२६	५५
५९	३८	९४	३	७३	७	३	५८
०	४०	१९	१८	५	०	११	५३

इस मास में रसकस घृत तैल लवण तेज होगा " बुधे पंच रस क्षयः " प्रजा में सुख शांति हो ।

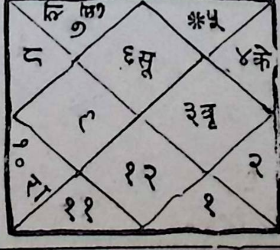

गोचरग्राह २६पं.आ.कृ.१३चंइ२२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	४	६	९	५
१८	१९	८	३	२०	४	६	१८
१३	४८	३	६	३२	४८	१०	४०
१५	५४	५०	४	१३	१४	११	१२
५९	३८	८९	१	७३	७	३	५९
१६	३४	४३	५०	२०	८	११	९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७६१स. १९५३
१	गु	६०	०	ह	१०	३१	ऐं	२१	२८	क्लिं	३०	१०	२८/५८	६/१२	५/४८	८	२२	२८	तु. ४३।२९	नवरात्रा
१	शु	२	३६	चि	१६	२८	वै	२२	३४	ब	२	३६	५४	१३	४७	९	२३	२९	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
२	श	६	४५	स्वा	२१	५९	वि	२३	०	कौ	६	४५	५०	१४	४६	१०	२४	१	तुलायाँ	चित्रायां रविः ३२।५६
३	र	९	५४	वि	२६	१०	प्री	२२	३२	ग	९	५४	४६	१५	४५	११	२५	२	वृ. १०।८	भ. ४०।५४ उ.
४	चं	११	५५	अ	२९	३०	आ	२१	१२	वि	११	५५	४२	१६	४४	१२	२६	३	वृश्चिके	भ. ११।५५ या.
५	मं	१२	४९	ज्ये	३१	४	सौ	१८	५८	बा	१२	४९	३८	१६	४४	१३	२७	४	ध. ३१।४	विशाखयांबुधः ५/६ ९ कन्यायांशुक्रः ५।५६
६	बु	१२	१८	मू	३१	५०	शो	१५	४०	तै	१२	१८	३४	१७	४३	१४	२८	५	धनुषि	
७	गु	१०	२७	पू	३१	२८	अ	११	२३	ब	१०	२३	३०	१८	४२	१५	२९	६	म. ४६।४	भ. १०/२३ उ. ३८/५५ या. वक्री गुरुः ५२।४५
८	शु	७	२७	उ	२९	५२	सु	६	२९	व	७	२७	२६	१९	४१	१६	३०	७	मकरे	उफायां भौमः ३०।२३
९	श	३	३४	श्र	२७	२२	धृ	०/९	५३/१९	कौ	३	३४	२२	२०	४०	१७	३१	८	कु. ५६।१३	तुलायामर्कः १५।४० विजया १०*
१०	र	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *सरस्वती विसर्जन
११	र	५३	३७	ध	२५	५	गं	४६	२१	व	२६	१५	१८	२०	४०	१८	१	९	कुम्भे	भ. २६/१५ उ. ५३/३७ या. पापांकुशा ११ व्र. स्मा.
१२	चं	४७	५६	श	२०	३१	वृ	३८	४७	ब	२०	४६	१४	२१	३९	१९	२	१०	कुम्भे	पापाँकुशा ११ व्र. वै. नि.
१३	मं	४२	२	पू	१६	३०	ध्रु	३१	०	कौ	१४	५९	१०	२२	३८	२०	३	११	मो. २।३०	स्वात्यां १ शनिः ५४।१३ प्रदोषः
१४	बु	३६	४	उ	१२	३१	व्या	२३	८	ग	९	३	६	२३	३७	२१	४	१२	मीने	भ. ३६/४ उ. हस्तेशुक्र; १३/७ कन्यायांभौमः ४२/३७
१५	गु	३०	८	रे	८	३२	ह	१५	२९	वि	३	६	२	२४	३६	२२	५	१३	मे. ८।२२	भ. ३।६या. वृश्चिके बुधः २।२६

२७पं. आ. शु. ४चं. इ. २२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	४	६	९	५
२५	२४	१७	३	२९	५	५	२५
८	८	४७	१४	७	३८	४७	३५
५७	२८	४२	४९	८	२०	५५	७
५९	३८	८४	०	७३	७	३	५९
३१	३४	५९	४१	२८	१४	११	२१

गोचरग्रहाः

आश्विन शु. शनौ तुलायामर्कः प्र. वा ४ न ४युवावस्था (सूती) मु. ३०(धान्यभावसम) शुक्रोदयम् पू.

गोचरग्रहाः

२८पं. आ. शु. १२चं. ई२२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	५	६	९	६
२	२८	२५	३	७	६	५	२
६	३०	३१	१४	४४	२८	२५	३१
२६	१८	५	६	१०	४८	५०	३५
५९	३८	७८	४०/१	७३	७	३	५९
४६	२६	२५	व	४४	२०	११	३४

ति.	कार्त्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेआश्विनक्र. महाराष्ट्राः
१	शु	२४	२०	अ	४	३	व	८	४	बा	२४	२०	२७/५८	६/२४	५/३६	२३	६	१४	मेषे	स्वात्याँरविः ५६।४०
२	श	१९	४२	भ	१/१४	५७/१६	सि	०/५०	५३/२५	ग	१९	४२	५४	२५	३५	२४	७	१५	वृ. १५।३३	भ. ४७।३७ उ.
३	र	१५	३३	रो	५६	३४	व	४८	२४	वि	१५	३३	५०	२६	३४	२५	८	१६	वृषे	भ. १५।३३यां. करक चतुर्थी व्र.
४	चं	१२	७	मृ	५५	४५	प	४३	१८	बा	१२	७	४६	२७	३३	२६	९	१७	मि२६।९	मैत्रे बुधः ६।५१
५	मं	१०	४	आ	५६	३	शि	३९	१०	तै	१०	४	४२	२८	३२	२७	१०	१८	मिथुने	*रूप १४ नरक १४
६	बु	९	५	पु	५७	२६	सि	३५	५८	व	९	५	३८	२८	३२	२८	११	१९	क. ४२।५	भ. ९।५ उ. ३९।१८ या.
७	गु	९	३१	पु	६०	०	सा	३३	४३	ब	९	३१	३५	२९	३१	२९	१२	२०	कर्के	होई ८
८	शु	११	१	पु	०	२१	शु	३२	३२	कौ	११	१	३१	३०	३०	३०	१३	२१	कर्के	+विशाखायां रविः १४/५ महालक्ष्मीपू.
९	श	१४	१७	श्ले	४	२२	शु	३२	९	ग	१४	१७	२८	३०	३०	३१	१४	२२	सिं४।२२	भ. ४६।०उ. चित्रायां शुक्रः ५४।४४
१०	र	१७	४४	म	९	२५	ब्र	३५	४६	वि	१७	४४	२४	३१	२९	१	१५	२३	सिंहे	भ. १७/४४ या. नवंबर मा. ११ ता० ३०
११	चं	२२	२८	पू	१५	१३	ऐं	३३	३९	बा	२२	२८	२०	३२	२८	२	१६	२४	कं. ३१।४१	रमा ११ व्र.
१२	मं	२७	३२	उ	२१	३२	वै	३४	५९	तै	२७	३२	१७	३३	२७	३	१७	२५	कन्या	प्रदोषः व्र. गोवत्स पू.
१३	बु	३२	४२	ह	२७	५६	वि	३६	२२	ग	०	७	१३	३३	२७	४	१८	२६	कन्या	भ. ३२।४२उ. यमदीपदानं धन १३
१४	गु	३७	३८	चि	३३	५९	प्री	३७	२२	वि	५	१०	१०	३४	२६	५	१९	२७	तु, ०।५८	भ. ५।१० या. वक्री बुधः ०।२०*
३०	शु	४१	५०	स्वा	३९	३३	आ	३७	५४	च	९	४४	६	३५	२५	६	२०	२८	तुलायां	तुलायां शुक्रः १४/१६ हस्तेभौमः ५३।९+

२९पं का. कृ. ४चं. इ. २२।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	२	५	६	९	६
९	२	३	३	१६	७	५	९
५	५२	३६	२	२५	१९	३	२९
४९	२३	४३	५३	१२	४१	२४	५४
६०	३८	६४	२/१०	७३	७	३	५९
२	६९	३०	व	५०	२०	११	४७

गोचरग्रहा

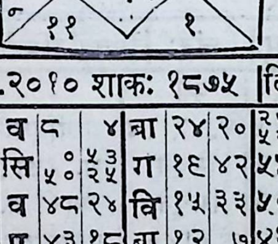

यहां शुक्रवार को महालक्ष्मी पूजन आगे संवत्सर के लिये शुभ है।

गोचरग्रहा

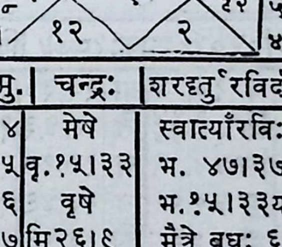

३०पं. का. कृ. ११चं. इ. २२/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	२	५	६	९	६
१६	७	७	२	२५	८	४	१६
६	१३	२९	४२	७	१०	४१	२९
५२	१	३८	३६	४८	२६	९	४०
६०	३८	३०	३/३२	७३	७	३	६०
१८	१०	१	व	५६	१४	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	सु.	चंद्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७६१स१६५३
१	श	४५	४	वि	४४	७	सौ	३७	४६	किं	१३	२७	२७ ३	६ ३५	५ २५	७	२१	२६	वृ. २७।५६	अन्नकूट
२	र	४७	५	अ	४७	३३	शो	३६	४८	बा	१६	४	२ ६ ५ ८	३६	२४	८	२२	३०	वृश्चिके	चंद्रद.पश्चिमास्तोबुधः ४६ २७ भ्रातृ२यम२
३	चं	४७	५७	ज्ये	४६	४४	अ	३४	४१	तै	१७	३१	५६	३७	२३	६	२३	१	ध.४६।४४	रविलावल ३
४	मं	४७	२२	मू	५०	४५	सु	३१	४१	व	१७	३६	५२	३८	२२	१०	२४	२	धनुषि	भ. १७ ३६ उ. ४७ २२ या. उदयंशनिः२०।५०
५	बु	४५	३१	पू	५०	३३	धृ	२७	३६	ब	१६	२६	४६	३८	२२	११	२५	३	धनुषि	वक्रीविशाखायांबुधः २६ २४ स्वात्यांशुक्रः ३८ २६
६	गु	४२	३६	उ	४६	५	शू	२२	३७	कौ	१४	५	४६	३६	२१	१२	२६	४	म. ५।११	
७	शु	३८	५०	श्र	४६	५२	गं	१६	४३	ग	१०	४४	४३	३६	२१	१३	२७	५	मकरे	भ. ३८।५० उ.
८	श	३४	४	ध	४३	५७	वृ	१०	१	वि	६	२७	४०	४०	२०	१४	२८	६	कु. १५।२४	भ. ६।२७या. वक्रीतुलायांबुधः १३।३६
९	र	२८	४६	श	४०	१४	ध्रु	२ ५५	५२ २४	बा	१	२५	३३	४१	१६	१५	२६	७	कुम्भे	कुष्मांड ६ अक्षया ६
१०	चं	२३	१४	पू	३६	१५	ह	४७	३७	ग	२३	१४	३४	४१	१६	१६	३०	८	मी२२।१५	भ.५०।१६ उ. वृश्चिकेऽर्कः ८।२३
११	सं	१७	२५	उ	३१	४६	व	३६	५१	वि	१७	२५	३१	४२	१८	१७	१	९	मीने	भ. १७ २५ या. स्वात्यां२शनिः ४६ २३ प्रबोधिनी *
१२	बु	११	३३	रे	२८	३	सि	३२	३	बा	११	३३	२६	४२	१८	१८	२	१०	मे. २८।३	प्रदोष. [* ११ व्र.
१३	गु	५	४२	अ	२४	६	व्य	२४	२४	तै	५	४२	२६	४३	१७	१६	३	११	मेषे	अनुराधायां रविः २६।११ बैकुंठ १४
१४	शु	०	१६	भ	२०	४३	व	१७	८	व	०	१६	२४	४३	१७	२०	४	१२	वृ. ३५।०	भ. ० १६ उ. २७ ५६ या. पूर्वोदयोबुधः ३।२६
१५	श	५५	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः

३१प.का.कृ.३चं.इ.२२।१ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	२	६	६	९	६
२३	११	५	२	३	९	४	२३
९	३४	३	१२	५१	०	१८	३१
३०	१२	४	३८	४०	३६	५४	२
६०	३७	४९ ४३	४ ३७	७४	७	३	६०
३०	५८	व	व्र	२	८	११	१७

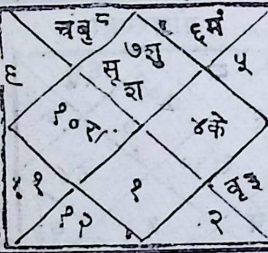

कार्तिक शुक्ल १०
चंद्र वृश्चिकेऽर्कः प्र.
वा. ३ नं. ४
प्रौढावस्था (बैठी)
मु३०(धान्यभावसम)
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

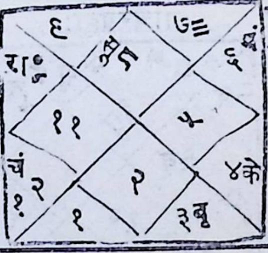

गोचरग्रहाः ३२पं.का.शु.१०चंइ२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	२	६	६	९	७
०	१५	२६	१	१२	९	३	०
१३	५३	४०	३४	३६	४९	५६	३३
३५	२४	५२	२६	५०	४४	३८	४३
६०	३७	१३ १४	४०	७४	३	३	६०
४०	४३	व	व	८	११	११	३०

ति.	मार्गशीर्षकृष्णपक्षः सं०२०१०शाकः१८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	सु.	चंद्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श	५१	२७	कृ	१७	५०	प	१०	४	बा	२३	३०	२६ २१	६ ४४	५ १६	२१	५	१३	वृषे	
२	र	४८	२०	रो	१५	४५	शि	५ ३८	५४ ४३	तै	१६	५३	१६	४४	१६	२२	६	१४	मि.४५।१४	मार्गीबुधः ५४।५ विशाखायां शुक्रः १४ २८
३	चं	४६	१६	मृ	१४	४२	सि	५४	६	व	१७	१८	१६	४५	१५	२३	७	१५	मिथुने	भ. १७।१८ उ. ४६।१६ या.
४	मं	४५	२२	आ	१४	४३	शु	५०	३१	ब	१५	४६	१४	४५	१५	२४	८	१६	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	बु	४५	५७	पु	१५	५६	शु	४७	५८	कौ	१५	३६	११	४६	१४	२५	९	१७	क.०।४०	पातस्पर्शः ६।३३ पातमोक्षः२७।१७
६	गु	४७	४२	पु	१८	२८	ब्र	४६	२१	ग	१६	४६	९	४६	१४	२६	१०	१८	कर्के	भ. ४७।४२ उ.
७	शु	५१	३५	श्ले	२२	११	ऐं	४५	२६	वि	१६	३८	६	४७	१३	२७	११	१६	सिं. २२।१	भ. १ ३ ६ ८ या.उषायां२राहुःपुनर्वसौ४केतुः ६ ७ ३
८	श	५४	४७	म	२७	४	वै	४५	५६	बा	२३	११	४	४७	१३	२८	१२	२०	सिंहे	चित्रायाँ भौमः ३३।२२ भैरवजयंती
९	र	५६	३५	पू	३२	४७	वि	४६	४८	तै	२७	११	१	४८	१२	२६	१३	२१	कं.४६।२०	
१०	चं	६०	०	उ	३८	५६	प्री	४८	३	व	३२	६	२५ ५८	४८	१२	३०	१४	२२	कन्या	भ.३२।६उ.वृश्चिकेशुक्रः१३।०वक्री*
१०	मं	४	४४	ह	४५	१८	आ	४६	१६	वि	४	४४	५६	४६	११	१	१५	२३	कन्या	भ.४।४४या.दिशंबर मा.१२ता० ३१
११	बु	६	५४	चि	५१	३५	सौ	५०	१७	बा	६	५४	५४	४६	११	२	१६	२४	तु. १८।२६	ज्येष्ठायांरविः ३ १ ८ ० मैत्रेशुक्रः ५ २ ४ ६ उत्पत्ति११व्र
१२	गु	१४	५०	स्वा	५७	१६	शो	५१	१२	तै	१४	५०	५२	५०	१०	३	१७	२५	तुलायां	प्रदोषः [*मृ २पादेवृषेचगुरुः०।८
१३	शु	१६	१३	वि	६०	०	अ	५१	४	व	१६	१३	५१	५०	१०	४	१८	२६	वृ. ४५।५२	भ १६।१३ उ. ५०।४४ या.
१४	श	२२	१५	वि	२	२	सु	५०	२५	श	२२	१५	४६	५०	१०	५	१६	२७	वृश्चिके	वृश्चिके बुधः ४६।४६
३०	र	२४	१८	अ	५	४८	धृ	४८	३१	ना	२४	१८	४८	५०	१०	६	२०	२८	वृश्चिके	अमावस्या

३३पं. मा.कृ.३चं.इ.२१।३५ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	२	६	६	९	७
७	२०	२१	०	२१	१०	३	७
१९	१०	१६	४८	२२	३७	३४	३७
९	३४	५९	४७	२	४४	२३	४४
६०	३७	६ ३२	६ ४१	७४	६	३	६०
२३	४०	मा	व	१४	५२	११	४२

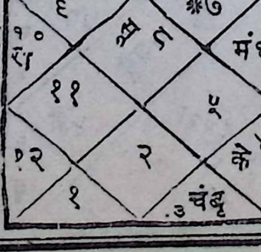

मार्गशीर्षस्याचाष्टाम्यां
दृश्यंते विद्युतोयदा
तदा वृष्टिःश्रावणेच
मासि संजायते
ध्रुवम् ।

गोचरग्रहाः ३४पं.मा.कृ.१०चं.इ.२१।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	१	७	६	९	७
१४	२४	२४	२९	०	११	३	१४
२५	२७	२६	५७	१०	२३	१२	४३
५४	१८	२८	२२	२३	५६	८	४
६१	३७	७१	७ २६	७२	६	३	६०
३	२३	४४	व	२०	३२	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०१०शाकः१८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणोऽहर्गणः६८२१स५३
१	चं	१५	५	ज्ये	८	२९	शु	४५	४९	ब	२५	५	२५/४६	५/५१	५/९	७	२१	२९	ध.८।२९	मैत्रेबुधः ५८।३३
२	मं	२४	३२	मू	९	३४	गं	४१	५८	कौ	२४	३२	४५	५१	९	८	२२	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम् पातस्पर्शः ५२।११
३	बु	२२	३९	पू	९	३७	वृ	३७	१४/३०	ग	२२	३९	४३	५१	९	९	२३	१	म.२४।२०	भ.५/१ १/०उ.तुलायां भौमः३/४ २/८रविलाखर*
४	गु	१९	४२	उ	८	२९	ध्रु	३१	३८	वि	१९	४२	४२	५२	८	१०	२४	२	मकरे	भ.१९।४२या. [*४पातमोक्षः१३।३५
५	शु	१६	०	श्र	६	२३	व्या	२५	२१	बा	१६	०	४१	५२	८	११	२५	३	कु.३४।५५	
६	श	११	१३	ध	३	२७	ह	१८	१३	तै	११	१३	४०	५२	८	१२	२६	४	कुम्भे	चम्पा ६
७	र	५	५४	श	७/५	५६/७	व	१०	५३	व	५	५४	३९	५२	८	१३	२७	५	मी४२।११	भ.५/५ ४उ.३ ३/७या. ज्येष्ठायां शुक्रः२७।३
८	चं	०	२१	उ	५२	९	सि	१३/३	५२/४	ब	०	२१	३८	५२	८	१४	२८	६	मीने	कल्पादिः
९	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +११ब्र.स्मा.वै
१०	मं	४८	४४	रे	४८	०	प	४७	२९	तै	२१	४१	३८	५२	८	१५	२९	७	मे.४८।०	धनुष्यर्कः३६।५५ ≡११ ब्र. नि
११	बु	४३	०	अ	४४	१२	व	३९	४८	व	१५	५२	३७	५३	७	१६	१	८	मेषे	भ. १५।५२उ. ४३।०या मोक्षदा+
१२	गु	३७	३६	भ	४०	३२	शि	३२	१६	ब	१०	५८	३७	५३	७	१७	२	९	वृ.५४।४५	ज्येष्ठायां बुधः ११।१७ मोक्षदा ≡
१३	शु	३२	५४	कृ	३४	२६	सि	२५	१५	कौ	५	१७	३७	५३	७	१८	३	१०	वृषे	प्रदोषः ×शनिः ४९।३३
१४	श	२९	५	रो	३५	१६	सा	१८	४९	ग	१	३०	३६	५३	७	१९	४	११	वृषे	भ.२९।५उ.५७।३४या. स्वात्यां३×
१५	र	२६	२	मृ	३४	१३	शु	१३	५	ब	२६	२	३६	५३	७	२०	५	१२	मि४।४४	स्वात्यां भौमः २५।३६

३५पं.मा.शु.१चं.इ.२१।११

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१	७	६	९	७
२१	२८	२	२९	८	१२	२	२१
३३	४४	२३	२	५८	८	४९	४१
४१	३८	१७	१३	३४	२	५२	२०
६१	३७	९१	७/५२	७४	६	३	६०
११	११	४	व्र	२६	१८	११	५६

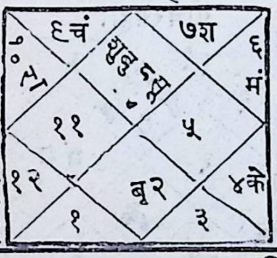

मार्गशीर्ष शुक्ला
१०भौमेधनुष्यर्कः
प्र. वा. २ न. ३
प्रौढ़ावस्था(बैठी)
मु. ३०(धान्य-
भाव सम)

गोचरग्रहा

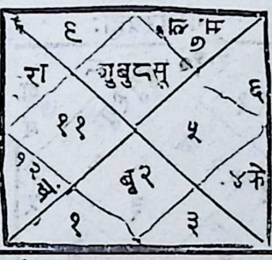

३६पं.मा.शु९च.इ.२०।५९.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१	७	६	९	७
२८	३	१२	२८	१८	१२	२	२८
४२	०	८	४	४६	५०	२७	५६
२४	०	६	३७	५५	१७	३७	५
६१	३६	९३	७/५२	७४	५	२	६१
११	५३	४८	व्र	२६	५०	११	०

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं	मु.	चंद्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणेमा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२४	९	आ	३३	४०	शु	८	१६	कौ	२४	९	२५/३६	६/५३	५/७	२१	६	१३	मिथुने	पूर्वास्तं बुधः ५१।११
२	मं	२३	२०	पु	३४	३७	ब्र	४	२५	ग	२३	२०	३६	५३	७	२२	७	१४	क.१९।२२	भ.५/४ ३/२उ. उत्तरायण प्रवृत्तिः ४।३६
३	बु	२४	५	पु	३६	४८	ऐं	१/२७	५८/००	वि	२४	५	३७	५३	७	२३	८	१५	कर्के	भ.२४।५या. चतुर्थी ब्र.
४	गु	२५	५९	श्ले	४०	१९	वि	५८	२५	बा	२५	५९	३७	५३	७	२४	९	१६	सिं४०।१९	धनुषिशुक्रः२ ५/५वक्रीभूगे १गुरुः५०।२०
५	शु	२९	०	म	४४	५६	प्री	५८	२८	तै	२९	००	३७	५३	७	२५	१०	१७	सिंहे	
६	श	३३	१८	पू	५०	२९	आ	५८	५७	ग	१	९	३८	५२	८	२६	११	१८	सिंहे	भ.३३।१८उ.धनुषिबुधः२१।२०
७	र	३८	११	उ	५६	३८	सौ	६०	०	वि	५	४४	३८	५२	८	२७	१२	१९	क.७।१	भ.५।४४या.
८	चं	४३	२२	ह	६०	०	सौ	०	२	बा	१०	४६	३८	५२	८	२८	१३	२०	कन्या	पूषायां रविः ३८।३२
९	मं	४८	३९	ह	३	१	शो	१	२५	तै	१६	०	३९	५२	८	२९	१४	२१	तु.३६।१०	
१०	बु	५३	३०	चि	९	१९	अ	२	२५	व	२१	४	३९	५२	८	३०	१५	२२	तुलायां	भ.२१।४उ.५३।३०या. *११ब्र.नि.
११	गु	५७	४९	स्वा	१५	३४	सु	३	२६	ब	२५	३९	४०	५२	८	३१	१६	२३	तुलायां	सघला ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	शु	६०	०	वि	२०	१३	धृ	३	३०	कौ	२९	१८	४१	५२	८	१	१७	२४	वृ.४।४	जनवरी मा. १ ता. ३१ सफला*
१२	श	०	४८	अ	२४	१९	शू	२	२६	तै	०	४८	४२	५२	८	२	१८	२५	वृश्चिके	पूर्वास्तोभृगुः५८।४/८प्रदोषः पू.अ.
१३	र	३	२९	ज्ये	२६	३५	ग	१/३३	५७/३६	व	३	२९	४३	५१	९	३	१९	२६	ध.२६।३५	भ.३।२९उ.३२।३०या.पूषायां+ शु
१४	चं	३	३२	मू	२८	३७	ध्रु	५५	४२	श	३	३२	४४	५१	९	४	२०	२७	धनुषि	पितृकार्येमा +बुध४९।१पूषायां≡.
३०	सं	२	५४	पू	३०	०	व्या	५१	२५	ना	२	५४	४५	५१	९	५	२१	२८	म.४४।३२	नेवकार्येमा ≡शुक्रः३७।३८

३७पं.पौ.कृ.१चं.इ.२०।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	१	७	६	९	८
५	७	२२	२७	२६	१३	२	६
५१	१३	३१	८	३५	२८	५	३
५०	३७	४१	५२	४९	१६	२१	३६
६१	३६	९६	७/५०	७४	५	३	६१
२२	३१	५२	व्र	२६	२६	११	५

३८पं.पौ.कृ.८चं.इ२०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	८	६	९	८
१३	११	३	२६	५	१४	१	१३
१	२६	१४	१४	२४	३	४३	११
४३	४२	१३	२८	३२	३६	६	३१
६१	३६	९७	७/१७	७४	४	३	६१
२६	१५	३८	व्र	३२	५६	११	६

३९पं.पौ.कृ१४चं.इ.२०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	८	६	९	८
१०	१५	१४	२१	१४	१४	१	२०
१५	३६	१२	२४	१३	३५	२०	१९
४१	२२	०	४३	२३	२	५१	४०
६१	३५	९८	९/२६	७४	४	३	६१
२६	५५	४६	व्र	३२	३२	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०१० शाकः१८७५												दि	उ.	अ.	इं.	हिं	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६८५१स.१९५४
१	बु	०	५९	उ	२८	१०	ह	४५	५९	ब	०	५९	२५/४७	६/५१	५/९	६	२२	२६	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	५६	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	गु	५४	९	श्र	२७	२४	व	३९	५३	तै	२६	३	४८	५०	१०	७	२३	१	कु.५५।३१	जमादिलावल ५
४	शु	४९	२६	ध	२३	३८	सि	३३	१४	व	२१	४८	५०	५०	१०	८	२४	२	कुम्भे	भ.२१।४८ उ. ४६।२६ या.
५	श	४४	३	श	२०	१६	व्य	२६	५	ब	१६	४४	५२	५०	१०	९	२५	३	कुम्भे	
६	र	३८	२३	पू	१६	३३	व	१८	२२	कौ	११	१३	५४	४९	११	१०	२६	४	मी २।२८	उषायां रविः ४०।०
७	चं	३२	४२	उ	१२	२९	प	१०	३२	ग	५	३२	५६	४९	११	११	२७	५	मीने	भ.३२/४२ उ.५९/४७ या. विशाखायां भौमः ४७/३३
८	मं	२६	५२	रे	८	२३	शि	४ २/३	५२/१९	ब	२६	५२	५८	४८	१२	१२	२८	६	मे.८।२३	उषायां बुधः ३।५५
९	बु	२१	१४	अ	४	२२	सा	४७	१५	कौ	२१	१४	२६/००	४८	१२	१३	२९	७	मेषे	मकरेऽर्कः ५५।३७
१०	गु	१५	३९	भ	४ ०/१	५७/१	शु	४०	७	ग	१५	३९	३	४७	१३	१४	१	८	बृ. १४।५६	भ.४३/३१ उ मकरेबुधः५ १/६ उषायांशुक्रः१५/५०
११	शु	११	२४	रो	५५	१९	शु	३३	२९	वि	११	२४	५	४७	१३	१५	२	९	बृषे	भ. ११।२४ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	श	७	२८	मृ	५३	३३	ब्र	२७	३३	त्रा	७	२८	८	४६	१४	१६	३	१०	मि २४।२६	मकरे शुक्रः ५१।३५ प्रदोषः
१३	र	४	३९	आ	५३	८	ऐं	२२	२५	तै	४	३९	१०	४६	१४	१७	४	११	मिथुने	
१४	चं	२	४५	पु	५३	५०	वै	१८	१८	व	२	४५	१२	४६	१४	१८	५	१२	क.३८।४०	भ. २।४५ उ. ३२।२६ या.
१५	मं	२	८	पु	५५	४३	वि	१४	२०	ब	२	८	१५	४५	१५	१९	६	१३	कर्के	चंद्रग्रहणम्

४०पं.पौ.शु.७च.इ.२०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	८	६	९	८
२७	१९	२५	२४	२३	१५	०	२७
२१	४४	२६	४१	२	२	५८	२७
३२	२	३१	१७	१७	५३	३५	४४
६१	३५	०	५/३१	७४	३	३	६१
२४	३०	०/४१	ब	३२	५१	११	६

गोचरग्रहाः

पौष शुक्ला ७ बुधे मकरेऽर्कः प्र. वा. २ न. ३ प्रौढावस्था(बैठी)मु. १५ (धान्य भावतेज) शुक्रास्तः पूर्वस्याम्.

गोचरग्रहाः

४१पं.पौ.शु.१४चं.इ२०।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	१	९	६	९	९
४	२३	७	२४	१	१५	०	४
३१	५०	१	५	५०	२६	३६	३५
०	३५	१९	३१	३८	२०	२०	३४
६१	३४	५/०	४/१८	७४	३	३	६१
१९	४८	०/३९	ब	३८	१६	११	३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं०२०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरऋतु रविरुत्तरेपौष कृष्णेति महा.
१	बु	३	८	श्ले	५९	०	प्री	१२	४४	कौ	३	८	२६/१७	६/४५	५/१५	२०	७	१४	सिं ५९।०	अभि.प्र.रविः२६।४४ श्रवणे बुधः२।१
२	गु	५	०	म	६०	०	आ	११	२९	ग	५	०	२०	४४	१६	२१	८	१५	सिंहे	भ. ३६।३८ उ.
३	शु	८	१७	म	३	१८	सौ	११	३	वि	८	१७	२२	४४	१६	२२	९	१६	सिंहे	भ. ८।१७या चतुर्थी व्र.
४	श	१२	२६	पू	८	४०	शो	११	२१	बा	१२	२६	२५	४३	१७	२३	१०	१७	कं. २५।११	श्रवणेरविः ४२।४४
५	र	१७	२७	उ	१४	४३	अ	१२	२२	तै	१८	२७	२७	४३	१७	२४	११	१८	कन्या	अभि.नि.रविः३५।०श्रवणेशुक्रः४९।४३
६	चं	२२	४२	ह	२१	४	सु	१३	३७	व	२२	४२	३०	४२	१८	२५	१२	१९	तु.५४।१७	भ. २२।४२ उ. ५५।१९ या.
७	मं	२७	५७	चि	२७	३१	धृ	१४	५८	ब	२७	५७	३३	४१	१९	२६	१३	२०	तुलायां	[÷ पश्चिमोदयीबुधः१४।५६प्रदोषः
८	बु	३२	४६	स्वा	३४	४	शू	१५	५२	बा	०	२२	३६	४१	१९	२७	१४	२१	तुलायां	धनिष्ठायां बुधः ४३।१३
९	गु	३६	५६	वि	३८	४४	गं	१६	१९	तै	४	५१	३९	४०	२०	२८	१५	२२	बृ.२२।३४	वृश्चिके भौमः ५४।३१
१०	शु	३९	५९	अ	४३	०	वृ	१६	९	व	८	२७	४२	४०	२०	२९	१६	२३	बृश्चिके	भ.८/२७उ.३९/५९या.धनुषिराहुःमिथुनेकेतु४६/१०
११	श	४१	४७	ज्ये	४६	१३	ध्रु	१५	९	ब	१०	५३	४५	३९	२१	३०	१७	२४	ध.४६।१३	षट्तिला११व्र.
१२	र	४२	२१	मू	४७	४८	व्या	१२	५८	कौ	१२	४	४८	३८	२२	३१	१८	२५	धनुषि	कुंभेबुधः२१/४५ [* रोहिण्यां४गुरुः४२/२६÷
१३	चं	३१	३५	पू	४८	३९	ह	१०	४	ग	११	५८	५२	३८	२२	१	१९	२६	धनुषि	भ.४१/३५उ.फरवरीमा.२ता०२८ वक्री-*
१४	मं	३६	३६	उ	४८	६	व	५	४०	त्रि	१०	३५	५५	३७	२३	२	२०	२७	म.३।३१	भ. १०।३५ या.
३०	बु	३६	२९	श्र	४६	२५	सि	०/१२	५४/४१	च	८	२	५९	३६	२४	३	२१	२८	मकरे	शतेबुधः ५५।४५ मैत्रेभौमः ४९।२२

४२पं.मा.कृ.६चं.इ.२०।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	१	९	६	९	९
११	२७	१८	२३	१०	१५	०	११
३९	५४	५८	३८	३८	४५	१४	४२
५१	४७	५२	१७	२४	२२	५	४६
६१	३४	०	३/११	७४	२	३	६०
१३	२३	०/३७	ब	३८	२८	११	५९

गोचरग्रहाः

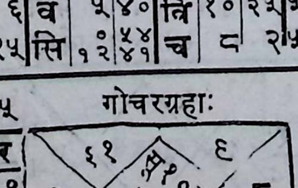

अलि राशि गते राहौ तथा धनुषि संस्थितेईतयो बहुधारोगा जायते। नात्र संशयः

गोचरग्रहाः

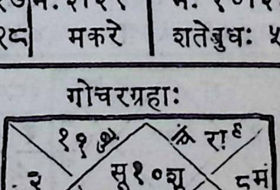

४३पं.माकृ.१३चं.इ२०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१	५	६	८	९
१८	१	१	२३	१९	१५	२९	१८
४७	५६	५०	२०	२५	५९	५१	४९
५१	१३	१३	३८	४८	२०	४८	१९
६१	३३	०	१/४५	७४	१	३	६०
४	४९	०	ब	३८	४१	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१०शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चंद्र	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६८८०सन्१९५४
१	गु	३२	२७	ध	४३	५०	व	४८	३६	किं	४	२८	२७/२	६/३६	५/२४	४	२२	२९	कुं १५।७	धनिष्ठायां शुक्रः २९।०
२	शु	२७	३३	श	४०	३८	प	४१	२५	कौ	२७	३३	६	३५	२५	५	२३	३०	कुम्भे	धनिष्ठायां रविः ४८।३६ चन्द्रदर्शनम्
३	श	२२	१९	पू	३७	५	शि	३३	५५	ग	२२	१९	९	३४	२६	६	२४	१	मी २२।५९	भ.४९।२७उ. जमादिलाखर६तिल४
४	र	१६	३५	उ	३३	५	सि	२६	१७	वि	१६	३५	१३	३३	२७	७	२५	२	मीने	भ.१६।३५ या.
५	चं	१०	५०	रे	२८	५८	सा	१८	३१	बा	१०	५०	१३	३३	२७	८	२६	३	मे.२८।५८	बसन्त ५
६	मं	४	५९	अ	२५	२	शु	१०	४३	तै	४	५९	२०	३२	२८	९	२७	४	मेषे	भ.५६/२३उ.कुंभेशुक्रः४७।५मार्गीगुरुः२५।३
७	मं	५४	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
८	बु	५४	१४	भ	२१	१४	शु	३/७	५२/४०	वि	२६	४८	२३	३१	२९	१०	२८	५	वृ. ३५।२५	भ. २६।४८या.भीष्माष्टमी
९	गु	४९	३०	कृ	१८	०	ऐं	४८	५४	बा	२१	५२	२७	३१	२९	११	२९	६	बृषे	
१०	शु	४४	४८	रो	१५	२४	वै	४२	४७	तै	१७	९	३०	३०	३०	१२	३०	७	मि ४४।२८	कुम्भेऽर्कः२२।३२
११	श	४२	५३	मृ	१३	३२	वि	३७	३०	व	१३	५०	३४	२९	३१	१३	१	८	मिथुने	भ. १३।५० उ.४२।५३या.जया११व्र.
१२	र	४१	११	आ	१२	५३	प्री	३३	२	ब	११	३९	२८	२८	३२	१४	२	९	क. ५८।१२	पृभायां बुधः ९।३३ भीष्म १२
१३	चं	४०	२९	पु	१३	१९	आ	२९	३५	कौ	१०	५०	४२	२८	३२	१५	३	१०	कर्के	शते शुक्रः ६।२ प्रदोष
१४	मं	४१	२६	पु	१४	५९	सौ	२६	५५	ग	१०	५८	४६	२७	३३	१६	४	११	कर्के	भ. ४१।२६ उ.
१५	बु	४३	३४	श्ले	१७	५४	शो	२५	२३	वि	१२	३०	५०	२६	३४	१७	५	१२	सिं. १७।५४	भ. १२।३० या. माघस्नान पूर्तिः

४४पं.मा.शु.५चं.इ. २०।५३ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१	९	६	८	९
२५	५	१२	२३	२८	१६	२९	२५
५४	५२	४४	१२	१२	८	२९	५५
३९	३७	४२	२९	४७	१०	३२	२०
६०	३३	९०	११	७४	१	३	६०
५५	१०	४०	बु	३८	२	११	४७

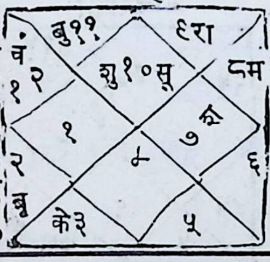

माघ शुक्ला १०
शुक्रे कुंभेऽर्कः प्र.वा.
३न. ४ प्रौढावस्था
(बैठी) मुहूर्ताः ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रास्तः पूर्ववत्सः

गोचरग्रहाः

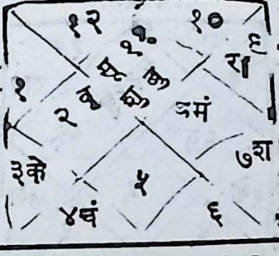

४५ पं.मा.शु.१३चं.इ.२१।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	१०	६	२	१०
३	९	२१	२३	६	१६	२९	३
०	४६	०	१४	५८	१२	७	०
४२	३७	४३	३८	४४	०	१७	५
६०	३२	५०	१/१	७४	०	३	६०
४२	१४	५४	मा	३२	१९	११	३७

ति	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं०२०१०शाकः१८७५												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्र	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	गु	४६	५४	म	२२	१४	अ	२४	४४	बा	१५	१४	२७/५४	६/२५	५/३५	१८	६	१३	सिंहे	शतेरविः५७।५३वक्रीशनिः३१।७
२	शु	५१	१०	म	२७	९	सु	२५	३	तै	१९	२	५८	२४	३६	१९	७	१४	कं.४३।३६	वक्रीबुधः १७।५६मृगे १गुरुः३६।४७
३	श	५६	१	पू	३२	५९	धृ	२५	५६	व	२३	३५	२८/२	२४	३६	२०	८	१५	कन्या	भ. २३।३५ उ. ५६।१ या.
४	र	६०	०	उ	३९	२४	शू	२७	१	ब	२८	३७	६	२३	३७	२१	९	१६	कन्या	पश्चिमोदयी शुक्रः ३५।२४ चतुर्थीव्र.
४	चं	१	१३	ह	४५	३४	गं	२८	२७	बा	१	१३	१०	२२	३८	२२	१०	१७	तु.१२।२९	पश्चिमास्तं बुधः ०।५७ प.उ शु.
५	मं	६	२९	चि	५१	५९	बृ	२९	२५	तै	६	२९	१४	२१	३९	२३	११	१८	तुलायाँ	
६	बु	११	५	स्वा	५७	३०	ध्रु	३०	१६	व	११	५	१८	२०	४०	२४	१२	१९	बृ. ४१।९	भ. ११।५ उ. ४३।८ या
७	गु	१५	१२	वि	६०	०	व्या	३०	२९	ब	१५	१२	२२	२०	४०	२५	१३	२०	बृश्चिके	पूभायां शुक्रः ४७।४
८	शु	१८	१	अ	२	०	ह	२९	३८	कौ	१८	१	२६	१९	४१	२६	१४	२१	बृश्चिके	वक्रीशते बुधः ७।३५ सीताष्टमी
९	श	१९	४९	ज्ये	५	२४	व	२७	४६	ग	१९	४९	३०	१८	४२	२७	१५	२२	ध. ५।२४	भ. ५०।२ उ.
१०	र	२०	१३	मू	७	३३	सि	२५	९	वि	२०	१३	३४	१७	४३	२८	१६	२३	धनुषि	भ. २०।१३ या. ज्येष्ठायांभौमः५।२९
११	चं	१९	२१	पू	८	३३	व्य	२१	२७	बा	१९	२१	३८	१६	४४	१	१७	२४	म. २३।२९	मार्च मा. ३ ता० ३१ विजया११व्र.
१२	मं	१७	३७	उ	८	१६	व	१६	४४	तै	१७	३७	४२	१६	४४	२	१८	२५	मकरे	प्रदोषः [* पितृकार्येऽमा
१३	बु	१३	५७	श्र	६	४९	प	११	९	व	१३	५७	४६	१५	४५	३	१९	२६	कुं.३५।३७	भ.१३/५७उ.४१/५५या.महाशिवरात्रिव्र.स्मा.
१४	गु	९	५३	ध	४	२६	शि	४/५६	५४/१	श	९	५३	५०	१४	४६	४	२०	२७	कुम्भे	पूभायांरविः१२/४१महाशिवरात्री व्र.वै.*
३०	शु	४	५३	श	१/२९	५६/२४	सा	५१	०	ना	४	५३	५५	१३	४७	५	२१	२८	मी.४३।४७	मोनेशुक्रः४६।५८ देवकार्येऽमा

४६पं.फा.कृ.५चं.इ.२१।२२ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	१०	६	८	१०
१०	१३	२२	२३	१५	१६	२८	१०
५	३४	२८	२६	४४	१०	४५	३
१४	१९	४८	३५	२८	५५	२	३५
६०	३१	३९/२८	२	७४	२३	२	६९
४१	७	बु	२४	३२	बु	११	२५

गोचरग्रहाः ४७पं.फा.कृ.११चं.इ.२१।४०

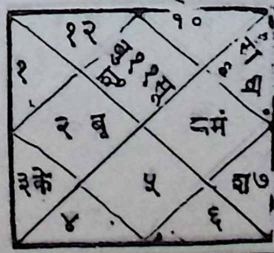

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	१०	६	८	१०
१७	१७	१७	२३	२४	१६	२८	१७
८	१८	९	४७	२८	४	२२	५
३	७	०	५६	४८	४४	४७	४८
६०	३०	६८/५०	३	७४	१/१६	३	६०
२०	१	बु	४७	३२	व	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्ष सं.२०१०शाकः १८७५												दि.	उ.	अ	इं.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशिरतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६९१०स.५४
१	शु	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
२	श	५३	४६	उ	५३	५६	शु	४३	२६	बा	२६	३९	२८/५८	६/१२	५/४८	६	२२	२९	मीने	चन्ददद.फुलरिया२पातस्पर्शः२०।४५*
३	र	४७	५७	रे	४९	४८	शु	३६	३०	तै	२०	५१	२ ६/२	१२	४८	७	२३	१	मे. ४९।४८	रज्जव ७ [*पातमौक्षः३०।४८
४	चं	४२	१३	अ	४५	४८	ब्र	२७	५८	व	१५	५	६	११	४९	८	२४	२	मेषे	भ.१५।५उ.४२।१३या.उभायांशुक्रः×
५	मं	३६	२१	भ	४२	२	ऐं	२०	२५	ब	९	१७	१०	१०	५०	९	२५	३	वृ. ५६।११	[×२८।११पूर्वोदयीबुधः२।३१
६	बु	३१	१५	कृ	३८	३७	वै	१२	५९	कौ	२	४८	१४	९	५१	१०	२६	४	वृषे	
७	गु	२६	२९	रो	३५	५६	वि	६/८	५३/४१	व	२६	२९	१७	८	५२	११	२७	५	वृषे	भ.२६।२९उ.५४।३६या. होई८
८	शु	२२	४४	मृ	३३	२०	आ	५४	१५	ब	२२	४४	२३	७	५३	१२	२८	६	मि.४।३८	होलाष्टकं
९	श	१९	५१	आ	३२	५०	सौ	४९	३७	कौ	१९	५१	२७	७	५३	१३	२९	७	मिथुने	मार्गीबुधः २३।३१
१०	र	१८	४	पु	३३	६	शो	४५	५३	ग	१८	४	३२	६	५४	१४	३०	८	क.१८।२	भ. ४७।४६ उ. मीनेऽर्कः१२।५९
११	चं	१७	२८	पु	३४	३०	अ	४३	५	वि	१७	२८	३६	५	५५	१५	१	९	कर्के	भ. १७।२८ या. आमला ११ व्र.
१२	मं	१८	२१	श्ले	३७	१८	सु	४१	१२	बा	१८	२१	४०	४	५६	१६	२	१०	सिं ३७।१८	प्रदोषः
१३	बु	२०	२३	म	४१	१	धृ	४०	४०	तै	२०	२३	४४	३	५७	१७	३	११	सिंहे	उभायां रविः ३३।३७
१४	गु	२३	४३	पू	४५	५४	शू	४०	२३	व	२३	४३	४९	२	५८	१८	४	१२	सिंहे	भ. २३।४३ उ.५५।५१या.हौलिका द.
१५	शु	२८	०	उ	५१	४३	गं	४१	१२	ब	२८	०	५३	१	५९	१९	५	१३	क. २।२१	रेवत्यां शुक्रः ११।५७ छारेंडी

४८पं.फा.शु.४चं.इ.२१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१	११	६	२	१०
२४	२०	१०	२४	३	१५	२८	२४
९	५५	३८	१८	१२	५३	०	६
२५	३७	१७	११	१८	३१	३१	३१
४०	२८	३०/३८	५	७४	५१/०	३	५९
५	५०	व	५८	२६	व	११	५८

गोचरग्रहाः

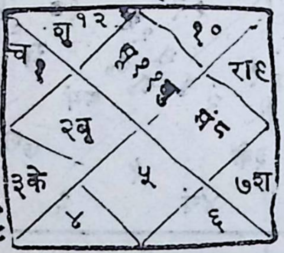

फाल्गुन शुक्ला १०
रवौ:मीनेऽर्कं प्र.वा.
३ नं.३ प्रौढावस्था
(बैठी)मु.४५धान्य
भाव मंदा शुकोदयः
पश्चिमे वत्सश्च राहु-
र्दक्षिणे मूलंभूभौ ।

गोचरग्रहाः

४९पं.फा.शु.११चं.इ२२।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	६	८	११
१	२४	८	२४	११	१५	२७	१
९	२५	४१	५७	५२	१७	१८	५
७	१	४९	१	१	४८	१९	४४
५९	२७	१२/५	१	७४	२/३०	३	५९
४९	१८	मा	८	२६	व	११	४१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं.२०१० शाकः १८७५												दि.	उ.	अ.	इं	हिं	मु.	चंद्रः	बसंततू रविर्दक्षिणे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः
१	श	३२	४९	ह	५७	५८	वृ	४१	२५	बा	०	२४	२६/५७	६/१	५ ५/९	२०	६	१४	कन्या	बसंत १
२	र	३८	१	चि	६०	०	ध्रु	४३	४०	तै	५	२५	३०/१	६/००	६/००	२१	७	१५	तु. ३१।११	कलम दवात पूजा
३	चं	४३	१	चि	४	२४	व्या	४५	०	व	१०	३१	६	५/४	१/४	२२	८	१६	तुलायां	भ. १०।३१ उ. ४३।१ या.
४	मं	४७	४६	स्वा	१०	४२	ह	४५	५४	ब	१५	२३	१०	५८	२	२३	९	१७	तुलायां	चतुर्थी व्रतम्
५	बु	५१	४१	वि	१६	२७	व	४६	२९	कौ	१९	४३	१४	५७	३	२४	१०	१८	वृ. ०।१	
६	गु	५४	२३	अ	२१	७	सि	४६	२	ग	२३	२	१८	५६	४	२५	११	१९	वृश्चिके	भ. ५४।२३ उ.
७	शु	५६	०	ज्ये	२४	४६	व्य	४४	२९	वि	२५	११	२२	५६	४	२६	१२	२०	ध. २४।४६	भ.२५।११या. धनुष भौमः ५६।२७
८	श	५६	१५	मू	२७	०	व	४२	१२	बा	२६	७	२६	५५	५	२७	१३	२१	धनुषि	[×केतुः४२।४३
९	र	५५	१८	पू	२८	२६	प	३८	४७	तै	२५	४६	३०	५४	६	२८	१४	२२	म. ४३।२६	[* ५७।३९ मृगे २गुरुः४२।१२
१०	चं	५३	१	उ	२८	२५	शि	३४	२६	व	२४	९	३४	५३	७	२९	१५	२३	मकरे	भ. २४।९ उ.५३।१ या. मेषे शुक्र*
११	मं	४९	४४	श्र	२७	१४	सि	२९	१७	ब	२१	२२	३८	५२	८	३०	१६	२४	कु.५६।११	पापमोचनी११व्र.स्मा.वै. [+२४/३८प्रदोषः
१२	बु	४५	३६	ध	२५	८	सा	२३	२४	कौ	१७	४०	४३	५१	९	३१	१७	२५	कुम्भे	रेवत्यांरविः१।५पापमोचनी११व्र.नि.
१३	गु	४०	३०	श	२२	११	शु	१६	५०	ग	१३	३	४७	५१	९	१	१८	२६	कुम्भे	भ.४०/३०उ.अप्रेलमा.४ता.३०पूभायांबुधः+
१४	शु	३५	३	पू	१८	४४	शु	९	४९	वि	७	४६	५२	५०	१०	२	१९	२७	मी४।३५	भ.७।४६या.पूषायां४राहुःपुनर्वसौ२×
३०	श	२९	५	उ	१४	५३	ब्र	१/५७	५२/४१	च	२	४	५६	४९	११	३	२०	२८	मीने	अहर्गणः ५९३८ च. ३ के

५०पं.चै.कृ.३चं.इ.२२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	५	८	११
८	२७	११	२५	२०	१५	२७	८
७	४६	२०	४३	३६	१७	१९	३
१	३४	३१	३७	३९	५३	१	२०
५७	२५	५८	७	७४	३/१	३	५९
३५	२६	३१	१	२६	व	११	२९

गोचरग्रहाः

चैत्र वदी में बादल
वर्षा होकर सुदी
में न हो तो श्रेष्ठ
इससे विपरीत
अशुभ फल कारक
है।

गोचरग्रहाः

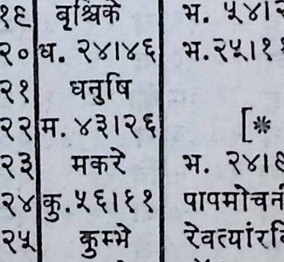

५१पं.चै.कृ.१०चं.इ.२३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१	११	६	८	११
१५	०	१७	२६	२९	१४	२६	१४
३	५७	१२	३७	१७	५३	५३	५९
४	०	७	२३	२	५३	४६	१५
५०	२३	५५	८	७४	४६/३	३	५९
१८	२०	२८	११	२०	व	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः		सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५५ शेषभोग्यकलिः ४२६९४५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २०११ शाकः १८७६ अथास्मिन्वर्षे राजा सूर्यः । मंत्री भौमः । सस्येशश्शुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशचंद्रः । धनेशश्शुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १ प्लवङ्गनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः २।२९।५७।३६ भोग्यमासादिः ९।०।२।२४ सोम-दैवतंयुगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः। मेघ३नाम पुष्करः। रोहिणीनिवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा १८। समय वाहनमश्वः। स्तम्भाश्चत्वारः४ जलतृणवाय्वन्ननां। सोमवत्यमां नास्ति। सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी नास्ति । बुधाष्टमी नास्ति । भानुसप्तमी २। रविदशमी १। समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५५। तिथिक्षयः१४। तिथि वृद्धिः ९। उत्पत्ति विश्वा ९९। खपति विश्वा ९३। वर्षा विश्वा ५। धान्य १३. तृण ११. शीत५. तेज५. वायुः१३. वृद्धिः१५. क्षयः१५. विग्रह७. ऐक्यं८. सत्यं।।. धर्म१।। पाप१८ शनि दृष्टिपश्चिमे ग्रहणे द्वे सूर्याचन्द्रमसोः

सं.२०११ आषाढ़शुक्ला१५यां गुरौ खंडग्रासं ग्रस्तास्तं चंद्र ग्रहणम् विश्वा ८।६

	स्प.	म.	मो.	पर्व
उज्जयिनी	४	५	७	२
मध्यम कालः	३९	५०	१	२२
रेल्वे टाइम	५७	६०	६३	५
मध्यान्हे	१२	१०	७	५५

वर्ष लग्नम् ५।१०

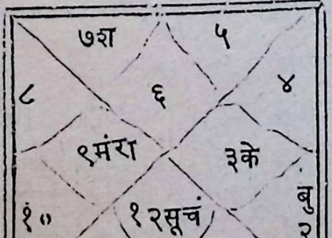

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
संवत् ग्यारह का कहो शुभाशुभ हाल ॥

भवानी उत्तर

माता कहे पुकार के सुन भैरव दे ध्यान ।
धान्य घणेरा नीपजे बढै मान सम्मान ॥
शनिचार गुरुचार अरु नृप मंत्री का योग ।
जनता में पीड़ा बढ़े चौपायों में रोग ॥
श्रावण भादव मास में चढ़े घटा घनघोर ।
सुन्दर देख तलाइयां बोले दादुर मोर ॥
बसी रोहिणी जलधि में स्तंभ लगे हैं चार ।
अन्न जल की कमती नहीं संवत् मालाकार ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ६।२१

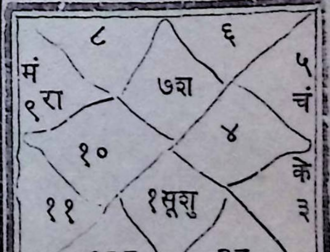

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।४२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३।४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा सूर्यस्तत्फलम्–सूर्येनृपे स्वल्प जलाश्चमेघाः स्वल्पंपयो गोषु जनेषु पीडा । स्वल्पं सुधान्य फलमल्प वृक्षाश्चौराग्निबाधानिधनं नृपाणां ।। मंत्री भौमस्तत्फलम्–अवनिजो ननु मन्त्रीपदङ्गतो भवति दस्यु-गदाविजवेदना जनपदेषु जयंसुखसंचयं न बहुगोषु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशश्शुक्रस्तत्फलम्–शुक्रोयदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूमसालेक्षुधनप्रियंगु वृक्षेषुपुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्–बुधे धान्याधिपे मेघा जलमुंचति वैभृशम् । सन्धवे लाटदेशे च भाधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम्–शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजवरादिषु दुग्धरसस्तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ।। रसेशो रविस्तत्फलम्–रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भोगरताल्पपयोधराः । वसनतैलघृतप्रियमानवाः सुखरसंच भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशश्शुक्रस्तत्फलम्–कर्पूरागरुगंधानां हेममौक्तिक वाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्–यदि विधुः फलपो द्रुमराशयः फलयुता व्रतिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखा वरभोगं समन्विता नृपतयो नयानटन तत्परा ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्–द्रविणपो भृगुजो द्रविणैंयुताः समधना सकला भुविमानवाः । समसुखाः क्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम्–अवनिजो गढ़नायकतांगतो विविधदुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। वर्ष नाम मार्गशीर्षस्तत्फलम्–कार्पासादि महर्घं स्यारद्धोधूमाश्च तिलादिकम् । मेघोवर्षतिदेवोवा मार्गशीर्ष विशेषतः ।। प्लवङ्ग नाम संवत्सरस्तत्फलम्–प्लवं गोब्दे मध्ये बृद्धि रोग चौरा कुला धराः । अन्योन्य समरे भूवाः शत्तुभिर्हतभूभयः ।। मेघनाम पुष्करस्तत्फलम्–पुष्करे मन्दवृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो मालाकारगृहे फलम्–मालिनः प्रचुरवृष्टिः । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०११ शाके १८७६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ३ बुधे अनु. ल. गो. रे. ७ ।ऽशु।।।ऽ।।
,, १२ शुक्रे रेव. ल. १०-११ रे.९ ।।।।ऽ।। कृष्णा नंग चतुर्दिनं
शुक्ला २ भौमे रोहि. ल.१०-११-१२ रे.७।ऽशु।।ऽवहिनऽ।।।
,, ३ बुधे मृगे ल. १०:११-१२ रे. ९ ।।ऽवृ।।।।।
,, ८ चंद्रे मघा. ल. गो. ११ रे.६ ऽवृ।।।ऽरोऽ।ऽ। चं. पू.
,, ११ गुरौ हस्ते ल.१०-१२रे.८।।।ऽ।अग्निऽ।।। मी.चं.पू.
,, १५ चंद्रे अनु. ल. १२ रे. ७ ।।।ऽसू.।ऽऽ१५दंडः।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ भौमे अनु. ल. १०-११ रे. ८ ।।।ऽसू।ऽ१५दंडः।।
,, ११ शुक्रे रेव. ल. ऽन्यगो.११ रे.७ ।।।।ऽनृऽऽ२४कुल.।।
शुक्ला ६ रवौ मघा.ल.११ रे.७ ।।।।ऽनृऽऽ७भूकम्प।। चं.पू.
,, ७ चंद्रे मघा. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।ऽनृऽऽ७भूकंप।।
,, ८ भौमे उफा. ल. ११ रे. ८ ।।।।चौ.।ऽ।। चं. पू.
,, ९ बुधे उफा. ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽचो.।ऽ।
,, ९ गुरौ हस्ते ल. १२ रे. ८ ।।।ऽ।।। चं. पू.

मार्गशीर्ष मासः (गुरोर्वक्रत्वदोषः)

शुक्ला २ शनौ मूले ल. ६-७ रे.८ ।।।ऽअ.ऽ।।। तुलासोग्रांग
,, ९ शनौ ल. गो. ६ रे. ८ ऽमं।।।।।।।ऽ कन्या चन्द्र पू. दग्धादोषः
,, १४ गुरौ रोहि. ल. ६ रे. ७ ।।।ऽबु।ऽऽ१४निर्घात।।

पौष मासः (गुरोर्वक्रत्वदोषः)

शुक्ला १ शुक्रे मृगे ल.गो.६रे.६।ऽ।।सूऽचौऽ१५दंड।।आवश्यके
,, ५ भौमे मघा. ल. ८ रे. ७ ।ऽ।।ऽऽ।। शनिपूज्यः
,, ६ बुधे मघा. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।ऽ।।ऽअग्निऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा ८ रवौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।।।२अऽऽ।।
,, १०भौमे अनु. ल.७ (सोग्रांगः)रे.६ ।ऽ।।ऽनृ.ऽऽ।। आव.

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६९३९स.१९५४
१	र	२३	१५	रे	११	०	वै	४७	७	ब	२३	१५	३ ५/०	५/४८	६/१२	४	२१	२९	मे.११।०	चंद्रद. कल्पादिः नवरात्रा संवत्सरारम्भः
२	चं	१७	१७	अ	६	४७	वि	३९	४६	कौ	१७	१७	३ ५/४	४७	१३	५	२२	१	मेषे	सावान ८ मत्स्य जयन्ती
३	मं	११	३३	भ	२/४९	५६/३५	प्री	३२	१	ग	११	३३	८	४६	१४	६	२३	२	वृ.१६।५८	कृति.५६।३५ भ.३६/५६ उ. गणगौरी पूजा
४	बु	६	९	रो	५५	४८	आ	२४	५३	वि	६	९	१२	४६	१४	७	२४	३	वृषे	भ. ६।९ या.
५	गु	१	२५	मृ	५४	१६	सौ	१८	२८	बा	१	२५	१६	४५	१५	८	२५	४	मि२५।२	कल्पादिः
६	गु	५६	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	५४	४७	आ	५३	०	शो	१२	५०	ग	२६	१४	२०	४४	१६	९	२६	५	मिथुने	भ.५४/४७उ. मीने बुधः ३५/२५ भरण्यां भृगुः ४६/३६
८	श	५२	५५	पु	५२	५८	अ	७	५९	वि	२२	५१	२४	४३	१७	१०	२७	६	क.३८।१९	भ. २३।५१ या.
९	र	५२	१२	पु	५४	४	सु	४	५	बा	२२	३३	२८	४२	१८	११	२८	७	कर्के	उभायां बुधः १६।३१ रामनवमी
१०	चं	५३	०	श्ले	५६	२४	धृ	१/१४	५७/४९	तै	२२	३६	३२	४२	१८	१२	२९	८	सिं५६।२४	शूलयोग क्षयः ५७।४९
११	मं	५४	५७	म	५९	४४	गं	५७	२५	व	२३	५८	३६	४१	१९	१३	३०	९	सिंहे	भ.२३/५८ उ.५४/५७ या. कामदा११व्र. वै.स्मा.=
१२	बु	५८	१३	पू	६०	०	वृ	५८	८	ब	२६	३५	३९	४०	२०	१४	१	१०	सिंहे	कामदा ११ व्र. नि. हरिदमनोत्सवः
१३	गु	६०	०	पू	४	३७	ध्रु	५८	४८	कौ	३०	१८	४२	४०	२०	१५	२	११	कं.२१।३	प्रदोषः =लक्ष्मीकां.
१३	शु	२	२०	उ	१०	२२	व्या	५९	५९	तै	२	२०	४६	३९	२१	१६	३	१२	कन्यायां	
१४	श	७	३	ह	१६	३७	ह	६०	०	व	७	३	५०	३८	२२	१७	४	१३	तु.४३।५२	भ. ७।३ उ. ३९।३५ या.
१५	र	१२	७	चि	२३	७	ह	१	१८	ब	१२	७	५४	३७	२३	१८	५	१४	तुलायां	सव्वरात मन्वादिः हनुमज्जयन्ती

५२पं. चै.शु.४ चं.इ.२३।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१	०	६	८	११
२१	३	२५	२७	७	१४	२६	२१
५७	५१	१३	३८	५७	२७	३१	५३
१७	४०	५५	२८	१४	११	३१	३१
५९	२०	६८	९	७४	४/३	३	५९
४	५५	३	२	१४	ब	११	४

गोचरग्रहाः

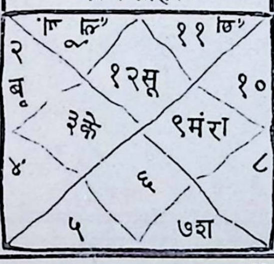

चैत्र शु. ११ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

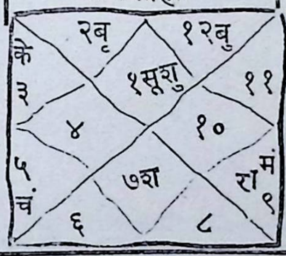

१पं. च.शु.११मं.इ.३९।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१	०	६	८	०
०	७	७	२८	१८	१३	२६	०
३	१०	०	५५	६	५३	५	०
१०	३१	५८	५२	५९	३	२५	०
५८	१७	९३	९	७४	२/४९	३	५८
४५	४३	२	५४	५	ब	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	१७	७	स्वा	२९	२६	व	२	४५	कौ	१७	७	३५/५८	५/३६	६/२४	१९	६	१५	तुलायां	रेव. बुधः४०।१५ मृगे३ मि.गुरुः३९।५९
२	मं	२१	३९	वि	३५	१४	सि	३	५५	ग	२१	३९	३/२२	३६	२४	२०	७	१६	वृ.१८।१७	भ. ५३।३६ उ. कृति. भृगुः ३६।५५
३	बु	२५	३३	अ	४०	१३	व्य	४	३०	वि	२५	३३	५	३५	२५	२१	८	१७	वृश्चिके	भ.२५/५३ या. वक्री स्वा.२चर्णे शनिः५।५९
४	गु	२८	१७	ज्ये	४४	१२	व	४	२३	बा	२८	१७	८	३४	२६	२२	९	१८	ध.४४।१२	
५	शु	३०	३	मू	४६	५६	प	३	१४	तै	३०	३	१३	३३	२७	२३	१०	१९	धनुषि	वृषे भृगुः १९।०
६	श	३०	०	पू	४८	२५	शि	५/५	५७/४	व	३०	०	१७	३३	२७	२४	११	२०	धनुषि	भ. ३०।० उ. ५९।५८ या.
७	र	२८	५६	उ	४८	४५	सा	५४	५	ब	२८	५६	२१	३२	२८	२५	१२	२१	म.३।३०	
८	चं	२६	३७	श्र	४७	५१	शु	४९	९	कौ	२६	३७	२५	३१	२९	२६	१३	२२	मकरे	
९	मं	२३	२६	ध	४३	५२	शु	४३	२६	ग	२३	२६	२९	३०	३०	२७	१४	२३	कु.१५।५२	भ.५९/२८उ. पु.बुधः८।३८ भरण्यां रविः १७/१×
१०	बु	१८	३१	श	४३	१४	ब्र	३७	८	वि	१८	३१	३२	३०	३०	२८	१५	२४	कुंभे	भ. १८।३१ या.
११	गु	१३	५७	पू	३९	५०	ऐं	३०	१४	बा	१३	५७	३५	२९	३१	२९	१६	२५	मी२८।२४	वरूथिनी ११ व्र. सर्वेषाम्
१२	शु	८	२०	उ	३६	६	वै	२२	५७	तै	८	२०	३८	२८	३२	३०	१७	२६	मीने	प्रदोषः ×अश्वि.मेषेबुधः ३३/७ अग. २२/५
१३	श	२	२८	रे	३१	५५	वि	१५	२१	व	२	२८	४२	२८	३२	१	१८	२७	मे.३१।५५	भ.२।२८ उ.३९/२८ या. मई मा. ५ ता.३१+
१४	श	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	५०	२८	अ	२७	५६	प्री	७	४१	च	२३	२८	४६	२७	३३	२	१९	२८	मेषे	अमावस्या +रोहिण्यां भृगुः ३१/५१

२पं. वै.कृ.२ मं.इ.३९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	२	०	६	८	०
६	९	१८	०	२६	१३	२५	०
५३	३५	२४	१०	४२	२२	४३	५०
३०	५	३७	३१	५८	४	१०	३८
५८	१४	७/०	१०	७४	३९/४	३	५८
२९	४५	१६	३८	२	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

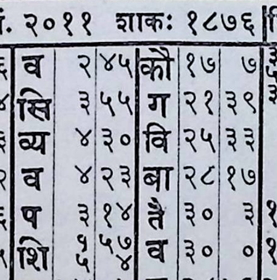

इस मास में ५ सोमवार हैं प्रजा में सुख शांति और प्रसन्नता रहे धान्य कपड़ा पाट कुष्टा में मंदी।

गोचरग्रहाः

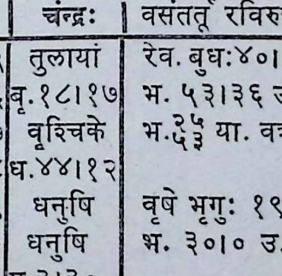

३पं.वै.कृ.९ मं.इ.३९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	२	१	६	८	०
१३	११	१	१	३	१२	२५	१३
४१	३५	१२	२५	५९	५०	२०	३९
५०	५४	५६	५७	७	१६	५४	४१
५८	१०	६/०	११	७३	३९/४	३	५८
१२	५१	२०	१४	५३	ब	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख	शुक्लपक्षः	सं. २०११	शाकः	१८७६								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वसन्तर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः५४९२ सन् १९५०
१	चं	४४	२३	भ	२३	५८	आ	०/१४	५२/३५	किं	१७	२६	३२/५०	५/२६	६/३४	३	२०	२९	वृ.३८।४	भरण्यां बुधः ४१।३७
२	मं	३९	११	कृ	२०	२३	शो	४७	५३	बा	११	४७	५४	२५	३५	४	२१	३०	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	बु	३४	२४	रो	१७	११	अ	३१	१९	तै	६	४८	५७	२५	३५	५	२२	१	मि४६।३	पूषा. भौमः५।३२ रमजान ९रोजा प.ज.*
४	गु	३०	२४	मृ	१४	५५	सु	३३	३४	व	२	२४	३३/००	२४	३६	६	२३	२	मिथुने	भ. २।२४ उ. ३०।२४ या. *अक्षय३
५	शु	२७	२१	आ	१४	२७	धृ	२८	३६	बा	२७	२१	३	२३	३७	७	२४	३	क.५९।१२	मृगे ४ गुरुः ४२।३५
६	श	२५	२२	पु	१४	७	शू	२४	३३	तै	२५	२२	६	२३	३७	८	२५	४	कर्के	पातस्पर्शः ४७।३२
७	र	२४	५२	पु	१५	३७	गं	२१	२६	व	२४	५२	९	२२	३८	९	२६	५	कर्के	भ.२४/५२ उ.५५।३या. कृत्तिकायां बुधः ४९/१२×
८	चं	२५	१४	श्ले	१६	५७	वृ	१९	१६	ब	२५	१४	१२	२२	३८	१०	२७	६	सिं१६।५७	
९	मं	२७	३	म	१९	११	ध्रु	१८	८	कौ	२७	३	१७	२१	३९	११	२८	७	सिंहे	कृति. रविः ४।५६ वृषे बुधः २३।२७
१०	बु	३०	७	पू	२३	४८	व्या	१७	५५	ग	३०	७	१८	२०	४०	१२	२९	८	कं.४०।८	मृगे भृगुः २८।२३ ×पातमोक्षः १।१७
११	गु	३४	१२	उ	२९	६	ह	१८	३०	व	२	१०	२१	२०	४०	१३	३०	९	कन्यायां	भ.२।१० उ.३४।१२ या. मोहिनी ११व्र.
१२	शु	२९	०	ह	३५	१४	व	१९	४१	ब	६	३६	२४	१९	४१	१४	३१	१०	कन्यायां	वृषेऽर्कः ३२।४३
१३	श	४३	४९	चि	४१	३६	सि	२१	५	कौ	११	२५	२७	१९	४१	१५	१	११	तु.८।२५	रोहिण्यां बुधः ५६।२९ प्रदोषः
१४	र	४८	४२	स्वा	४८	४	व्य	२२	४५	ग	१६	१६	३०	१८	४२	१६	२	१२	तुलायां	भ.४८/४२उ. वक्री भौमः५९।४ नृसिंहजयंती
१५	चं	५३	१५	वि	५३	५९	व	२३	५४	वि	२०	५९	३३	१७	४३	१७	३	१३	वृ.३८।२९	भ.२०/५९या.मि.भृगुः ५७/३३ कूर्मज.जलघटीदानं

४पं. वै.शु.२ मं.इ.३९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	२	१	६	८	०
२०	१३	१५	२	१३	५२	२४	२०
२८	१६	२२	४३	५१	१८	५८	२७
३२	४७	१३	५४	१८	३०	३९	२१
५७	७	७८/९४	११	७३	४/३७	३	५८
५७	३०	९/३	५१	५०	ब	११	६

गोचरग्रहाः

वैशाखशु.१२शुक्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

५पं. वै.शु.९ मं.इ.४०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	२	१	६	८	०
२७	१४	०	४	२२	११	२४	२७
१३	२४	३५	१०	२०	४७	३६	१३
४६	१०	८	१२	३७	४९	२४	३२
५७	३/३	७/०	१२	७३	१/४९	३	५७
४५	१६	९/१०	१७	३८	ब	११	५४

ति.	ज्येष्ठ	कृष्णपक्षः	सं. २०११	शाकः	१८७६								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५७	४	अ	५९	२	प	२४	४१	बा	२५	१०	३३/६	५/१७	६/४३	१८	४	१४	वृश्चिके	अनु. ल. ११।१२
२	बु	५९	४८	ज्ये	६०	०	शि	२४	४७	व	२८	२६	३८	१६	४४	१९	५	१५	वृश्चिके	पश्चिमोदयं बुधः ५६।३९
३	गु	६०	०	ज्ये	३	१८	सि	२३	५९	तै	३०	३२	४०	१६	४४	२०	६	१६	ध.३।१८	भ. ३०।३२ उ.
३	शु	१	१५	मू	६	२४	सा	२२	११	वि	१	१५	४२	१६	४४	२१	७	१७	धनुषि	भ. १।१५ या.
४	श	१	३०	पू	८	७	शु	१९	२५	बा	१	३०	४४	१५	४५	२२	८	१८	म.२३।१६	मृगे बुधः ३६।१९
५	र	०	२६	उ	८	४३	शु	१५	३७	तै	०	२६	४६	१५	४५	२३	९	१९	मकरे	भ.५८/६उ.आर्द्रायांभृगुः ३०/३आर्द्रायां१गुरुः ३७/७
६	र	५७	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५४	४३	श्र	८	७	ब्र	१०	५६	वि	२६	२५	४९	१४	४६	२४	१०	२०	कुं.३७।१६	भ.२६।२५ या. रोहिण्यां रविः ५८।५२
८	मं	५०	२८	ध	६	२४	ऐं	२५/३	५३/३७	बा	२२	३६	५२	१४	४६	२५	११	२१	कुम्भे	वैधृतियोग क्षयः ५३।३७
९	बु	४५	२५	श	३	४७	वि	५२	२३	तै	१७	५७	५४	१३	४७	२६	१२	२२	मी४६।०	मिथुने बुधः २०।७
१०	गु	३९	४६	पू	०/४	५७/३९	प्री	४५	१६	व	१२	३६	५६	१३	४७	२७	१३	२३	मीने	भ. १२।३६ उ. ३९।४६ या.
११	शु	३४	५०	रे	५२	५३	आ	३७	४४	ब	७	१८	५८	१२	४८	२८	१४	२४	मे.५२।५३	अपरा ११ व्र.
१२	श	२७	४५	अ	४९	२८	सौ	३०	२०	तै	२७	४५	३४/००	१२	४८	२९	१५	२५	मेषे	प्रदोषः
१३	र	२१	३७	भ	४४	५६	शो	२२	५६	व	२१	३७	२	१२	४८	३०	१६	२६	वृ.५९।६	भ.३१/३७ उ.४८/४१ या. आर्द्रायां बुधः२७।५१
१४	चं	१५	४४	कृ	४१	३७	अ	१५	२७	श	१५	४४	४	११	४९	३१	१७	२७	वृषे	
३०	मं	१०	९	रो	३७	५३	सु	८	१७	ना	१०	९	३४/६	११	४९	१	१८	२८	वृषे	जून मा. ६ ता. ३० वट पूजनम्

६पं. ज्ये.कृ.१मं.इ.४०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	२	२	४	८	१
३	१५	१५	५	०	११	२४	३
५७	३	३४	३७	५२	१८	१४	५८
२३	४६	२७	१	८	३३	१८	२६
५७	१/२	२८/२	१२	७३	४/४	३	५७
४	ब	९८/१५	३९	२४	ब	११	४४

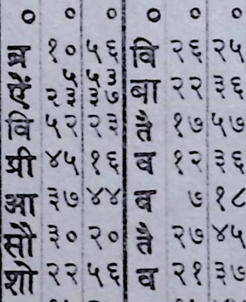

७पं. ज्ये.कृ.८मं.इ.४०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	२	२	६	८	१
१०	१५	२८	७	९	१०	२३	१०
३९	७	४८	६	१८	५२	५१	४२
४०	१४	४४	४७	५५	१५	५३	२०
५७	५/२१	७/०	१३	७३	३/४५	३	५७
२३	ब	९/१४	३	१४	ब	११	३५

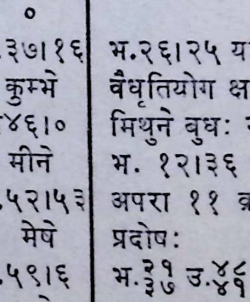

८पं. ज्ये.कृ.३०मं.इ.४०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	२	२	६	८	१
१७	१४	९	८	१७	१०	२३	१७
२०	३६	४६	३८	४३	२८	२९	२५
४०	१	१३	३५	३७	१९	३७	५
५७	६/२४	८४	१३	७२	१/३	३	५७
१३	ब	२०	१८	५६	ब	११	२७

*शुकेंवृ (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८ सन् १९५४
१	बु	५	१५	मृ	३५	३४	धृ	५/३९	५४/४	ब	५	१५	३४/७	५/११	६/४९	२	१९	२९	मि६।४३	शूल योग क्षयः ५४।४ चंद्रदर्शनम्
२	गु	१	७	आ	३४	६	गं	५०	५८	कौ	१	७	८	१०	५०	३	२०	१	मिथुने	पुनर्वसौ भृगुः ३२।११ सव्वाल १० ईद
३	गु	५६	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	शु	५५	४९	पु	३३	०	वृ	४६	२७	व	२६	५४	९	१०	५०	४	२१	२	क.१८।१६	भ.२६/५४ उ.५५/४९ या. पूषा. ३ राहुः पुन. १×
५	श	५४	५२	पु	३३	३१	ध्रु	४३	११	ब	२५	२१	१०	१०	५०	५	२२	३	कर्के	
६	र	५५	२४	श्ले	३५	१९	व्या	४०	४८	कौ	२५	८	१२	१०	५०	६	२३	४	सिं३५।१९	
७	चं	५६	२४	म	३८	२०	ह	३९	३४	ग	२५	५४	१४	९	५१	७	२४	५	सिंहे	भ.५६/२४उ. मृगेरविः५७/४१ आर्द्रायां२गुरुः५१/४७
८	मं	५९	५८	पू	४२	३१	व	३९	११	वि	२८	११	१६	९	५१	८	२५	६	कं.५८।५०	भ. २८।११ या. ×केतुः ४१।३५
९	बु	६०	०	उ	४७	४९	सि	३९	४१	बा	३१	५६	१७	९	५१	९	२६	७	कन्यायां	वक्री मूले भौमः ३४/५१ पुन. बुधः ३९।३३
९	गु	३	५४	ह	५३	४१	व्य	४०	४९	कौ	३	५४	१८	९	५१	१०	२७	८	कन्यायां	गंगा दशहरा
१०	शु	८	२९	चि	५९	५९	व	४२	२०	ग	८	२९	१९	८	५२	११	२८	९	तु.२६।५०	भ.४०/५७ उ. कर्के भृगुः ५३/२६ वक्री स्वात्यां१+
११	श	१३	१४	स्वा	६०	०	प	४३	५४	वि	१३	१४	२०	८	५२	१२	२९	१०	तुलायां	भ. १३।१४ या. निर्जला ११ व्र.
१२	र	१८	१६	स्वा	६	२७	शि	४५	१६	बा	१८	१६	२१	८	५२	१३	३०	११	बृ.५६।५५	प्रदोषः +शनिः ४७।४५
१३	चं	२२	४५	वि	१२	२४	सि	४६	१८	तै	२२	४५	२१	८	५२	१४	३१	१२	बृश्चिके	मिथुनेऽर्कः ५८।२९ पुष्ये भृगुः ४५।५६
१४	मं	२६	३३	अ	१७	४९	सा	४६	३१	व	२६	३३	२२	८	५२	१५	१	१३	बृश्चिके	भ. २६।३३ उ. ५७।५५ या.
१५	बु	२९	१८	ज्ये	२२	२६	शु	४५	५७	ब	२९	१८	२२	८	५२	१६	२	१४	ध.२२।२६	मन्वादिः गुर्जराणां वटसा. व्र.

९पं.ज्ये.शु.८मं.इ.४०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	२	२	६	८	१
२४	१३	१९	१०	२६	१०	२३	२४
०	२९	५	१०	६	८	७	७
३६	११	३५	५१	२२	१	२२	८
५७	१४/१०	५५	१३	७२	२/३४	३	५७
५	ब	९	२४	३६	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

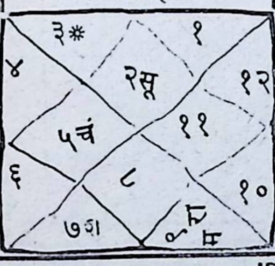

ज्येष्ठ शु.१३ चंद्रे
मिथुनेऽर्कः प्र. वा.
४न.५ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.१४मं.इ.४०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	३	६	८	२
०	११	२३	११	४	९	२२	०
३९	५३	२६	४५	२५	५१	४५	४८
४४	९	२६	१०	३२	४६	७	२५
५६	५५/५१	२७	१३	७२	२/१	३	५७
५७	ब	२८	३२	१४	ब	११	१७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३०	४८	मू	२५	४०	शु	४४	१३	बा	०	३	४३/२२	५/८	५ ६/३	१७	३	१५	धनुषि	
२	शु	३१	८	पू	२७	४२	ब्र	४१	४३	तै	०	५८	२३	७	५३	१८	४	१६	म.४२।५८	अस्तं गुरुः ४।४८ अ. गु.
३	श	३०	४	उ	२८	३२	ऐं	३८	१७	व	०	३६	२३	७	५३	१९	५	१७	मकरे	भ. ०।३६ उ. २०।४ या.
४	र	२७	४५	श्र	२८	२७	वै	३३	३८	बा	२७	४५	२३	७	५३	२०	६	१८	कुं.५७।४६	
५	चं	२४	२४	ध	२७	५	वि	२८	२३	तै	२४	२४	२४	७	५३	२१	७	१९	कुम्भे	वक्री बुधः१६।१७ आर्द्रायां रविः५९।५९
६	मं	२०	९	श	२४	१२	प्री	२२	८	व	२०	९	२४	७	५३	२२	८	२०	कुम्भे	भ.२०।९ उ.४७/३१ या. आर्द्रायां३ गुरुः३७/५२
७	बु	१५	३	पू	२१	११	आ	१५	३७	ब	१५	३	२४	७	५३	२३	९	२१	मी६।५६	
८	गु	९	२८	उ	१७	३२	सौ	८	३०	कौ	९	२८	२३	७	५३	२४	१०	२२	मीने	
९	शु	३	३३	रे	१३	३३	शो	१/१	५२/३०	ग	३	३३	२३	७	५३	२५	११	२३	मे.१३।३३	अति.योग क्षयः ५२/२० भ.३०/२९ उ. ५७/२५ या.+
१०	शु	५३	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	श	५१	१६	अ	९	२८	सु	४५	५८	ब	२४	२१	२३	७	५३	२६	१२	२४	मेषे	योगिनी ११व्र.स्मा. +अश्लेषायांभृगुः ५९/२
१२	र	४५	२१	भ	५	१९	धृ	३८	३४	कौ	१८	१९	२२	८	५२	२७	१३	२५	बृ.१९।२८	पश्चिमास्तं बुधः ३६/३३ योगिनी ११व्र. वै.
१३	चं	३९	४३	कृ	१/५५	५६/१९	शू	३१	३१	ग	१२	३२	२२	८	५२	२८	१४	२६	बृषे	रोहिणी क्षयः ५६/१९ भ. ३९/४३ उ. प्रदोषः
१४	मं	३४	४४	मृ	५५	३०	गं	२४	४७	वि	७	१४	२२	८	५२	२९	१५	२७	मि२६।५४	भ. ७।१४ या.
३०	बु	३०	३२	आ	५३	३५	वृ.	१८	४७	च	२	३८	२१	८	५२	३०	१६	२८	मिथुने	अमावस्या

११पं.आ.कृ.६मं.इ.४०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	३	६	८	२
७	१०	२५	१३	१२	९	२२	७
१८	४	१७	२०	४२	३९	२२	२९
१२	३६	४८	३३	३	४८	५१	१७
५६	११/१३	६/५२	१३	७१	१/२९	३	५७
४४	ब	व	३७	५०	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

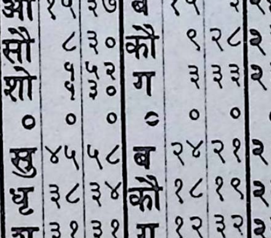

इस मास में वर्षा
उत्तम होगी धान्य
रुई सूत गल्ला
मन्दा होगा सुदी
में रुई तेज हो।

गोचरग्रहाः

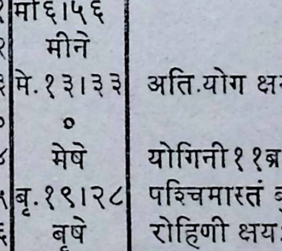

१२पं.आ.कृ.१४मं.इ.४०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	३	६	८	२
१३	८	२३	१४	२०	९	२२	१४
५६	८	४४	५६	५५	३२	०	९
१५	२७	३२	०	९	३८	३६	४६
५६	१०/९	२९/१३	१३	७१	३/८	३	५२
५०	ब	व	३८	२५	ब	११	७

*बुबुकेशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८७ स.१९५४
१	गु	२७	१२	पु	५२	४४	ध्रु	१३	३१	ब	२७	१२	३४/२०	५/८	६/५२	१	१७	२९	क.३७।५७	जुलाई मा. ७ ता. ३१
२	शु	२५	०	पु	५३	०	व्या	९	७	कौ	२५	०	१९	८	५२	२	१८	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	२३	५६	श्ले	५४	२१	ह	५	४४	ग	२३	५६	१८	८	५२	३	१९	१	सिं५४।२१	भ. ५४।८ उ. जिलकाद ११
४	र	२४	२१	म	५७	४	व	३	१२	वि	२४	२१	१७	८	५२	४	२०	२	सिंहे	भ. २४।२१ या.
५	चं	२६	३	पू	६०	०	सि	१	४८	बा	२६	३	१६	९	५१	५	२१	३	सिंहे	
६	मं	२८	३८	पू	१	०	व्य	१	१२	तै	२८	३८	१५	९	५१	६	२२	४	कं.१६।५८	मार्गी शनिः ३९/२५ पुनर्वसौ रविः ४/२ वक्री×
७	बु	३२	२७	उ	४	५४	व	१	२५	ग	०	३३	१३	९	५१	७	२३	५	कन्यायां	भ.३३/२७ उ.२८।९ आर्द्रायां४ गुरुः१९।३०
८	गु	३६	५८	ह	१०	२९	प	२	३५	वि	४	४३	१२	१०	५०	८	२४	६	तु.४४।०	भ. ४।४३ या. ×आर्द्रायां बुधः ३५/१३
९	शु	४२	४	चि	१८	४	शि	४	१	बा	९	३१	११	१०	५०	९	२५	७	तुलायां	भड़ली ९ +देवशयनी ११व्र. स्मा.
१०	श	४६	४३	स्वा	२४	२९	सि	५	४०	तै	१४	२४	९	१०	५०	१०	२६	८	तुलायां	
११	र	५१	१४	वि	३०	३७	सा	६	५	व	१८	५९	७	११	४९	११	२७	९	वृ.१४।५	भ.१८।५९ उ.५९/१४या. उदयं गुरुः३६।३६+
१२	चं	५५	३	अ	३४	१४	शु	८	५	ब	२३	९	५	११	४९	१२	२८	१०	वृश्चिके	देवशयनी ११ व्र. वै.
१३	मं	५८	१८	ज्ये	४०	५४	शु	८	३०	कौ	२६	४१	४	११	४९	१३	२९	११	ध.४०।५४	प्रदोषः ×चन्द्रग्रहणम् मन्वादिः
१४	बु	५९	२६	मू	४४	२७	ब्र	८	११	ग	२८	५२	२	१२	४८	१४	३०	१२	धनुषि	भ. ५९।२६ उ.
१५	गु	५९	५३	पू	४६	४५	ऐं	६	४८	वि	२९	४०	३४/०	१२	४८	१५	३१	१३	धनुषि	भ.२९।४०या.पूर्वोदयंबुधः५८।०ग्रस्तास्तं×

१३पं.आ.शु.६मं.इ.४०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	३	६	८	२
२०	६	१९	१६	२९	९	२१	२०
३४	२४	५७	३१	२	३०	३८	५०
११	१७	२	१	१६	२६	२१	६
५६	७/९	३६/१७	१३	७०	१	३	५७
५०	ब	ब	३८	५१	मा	११	७

गोचरग्रहाः

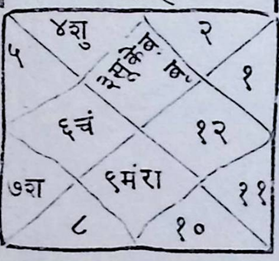

आषाढ सुदी९-१५। योग पूनम नौमी साढ सुदी निर्मल निशा मयंक । दुर्भिक्ष निश्चय जानिये रुले प्रजा अरु रंक ।।

गोचरग्रहाः

१४पं.आ.शु.१३मं.इ.३९।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	२	४	६	८	२
२७	५	१६	१८	७	९	२१	२७
१२	१	२९	६	१०	२३	१६	३०
१७	५९	३२	७	१०	५९	५	३२
५६	४/१	२४/२	१३	७०	०	३	५७
५५	ब	ब	३२	११	५१	११	११

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५८	५१	उ	४७	५७	वै	१४	२८	बा	२९	२२	३३/५८	५/१२	६/४८	१६	३२	१४	म. २।३	कर्केऽर्कः ३६।४६
२	श	५६	३७	श्र	४७	४८	वि	०/१	५५/४३	तै	२७	४४	५६	१३	४७	१७	१	१५	मकरे	प्रीतियोग क्षयः ५५।४३
३	र	५३	१८	ध	४६	२९	आ	५१	२८	व	२४	५८	५४	१३	४७	१८	२	१६	कु.१७।८	भ.३४/५८ उ.५३।१८ या. मार्गी बुध.१०।०
४	चं	४९	४	श	४४	१५	सौ	४५	२८	ब	२१	११	५२	१४	४६	१९	३	१७	कुंभे	पूफायां भृगुः ४।१४ च. व्र.
५	मं	४४	५	पू	४१	३०	शो	३८	५२	कौ	१६	३५	५०	१४	४६	२०	४	१८	मी२७।१०	पुष्ये रविः ७।२७
६	बु	३८	३३	उ	३७	४६	अ	३२	५६	ग	११	१९	४८	१४	४६	२१	५	१९	मीने	भ. ३८।३३ उ. मार्गी भौमः १२।३३
७	गु	३२	३८	रे	३३	५४	सु	२४	१७	वि	५	३६	४६	१५	४५	२२	६	२०	मे.३३।५४	भ. ५।३६ या. पुनर्वसौ १ गरुः ८।१०
८	शु	२६	३३	अ	२९	४७	धृ	१६	४६	कौ	२६	३३	४४	१५	४५	२३	७	२१	मेषे	मन्वादिः
९	श	२०	२४	भ	२५	३९	शू	८	१४	ग	२०	२४	४१	१६	४४	२४	८	२२	वृ.३९।४०	भ. ४७।२० उ.
१०	र	१४	१६	कृ	२१	४५	गं	९/५७	५२/३६	वि	१४	१६	३८	१६	४४	२५	९	२३	वृषे	वृद्धियोग क्षयः५२।३६ भ. १४।१६ या.
११	चं	८	४४	रो	१८	२२	ध्रु	४७	४६	बा	८	४४	३५	१७	४३	२६	१०	२४	मि४६।३८	भ. ३१।८ कामिका ११ व्र.
१२	मं	३	३८	मृ	१५	२४	व्या	४१	३१	तै	३	३८	३२	१८	४२	२७	११	२५	मिथुने	भ. ५९।२२ उ. प्रदोषः
१३	मं	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५५	५९	आ	१३	९	ह	३६	४	वि	२७	४१	३०	१८	४२	२८	१२	२६	क.५७।२१	भ. २७।४१ या.
३०	गु	५३	४२	पु	१२	६	व	३१	३०	च	२४	५१	२७	१८	४२	२९	१३	२७	कर्के	अमावस्या हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.५मं.इ.३९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	२	४	६	८	३
३	४	१७	१९	१५	९	२०	४
५०	३	२५	४०	१०	२८	५३	११
४५	३८	५१	१२	२८	११	५०	१३
५६	०/९	१३/२०	१३	६९	१	३	५७
५७	व	मा	२७	९	३०	११	१५

गोचरग्रहाः

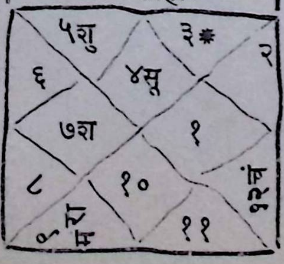

श्रावण कृ.१ गुरुके कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न.५ गतालकाव-स्था(ऊभी)मु.१५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

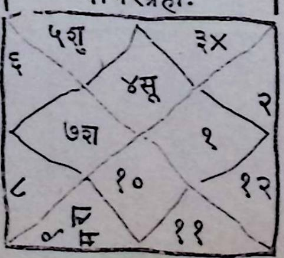

१६पं.श्रा.कृ.१२मं.इ.३९।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	२	४	६	८	३
१०	३	२१	२१	२३	९	२०	१०
३०	१७	९	१२	५	५१	३१	५२
२	५०	४९	५५	६	३४	३४	१५
५७	४/३५	६१	१३	६८	२	३	५७
.५	मा	५	२०	२८	९	११	२०

*बुवृके

७बुवृके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६ सन् १९५४
१	शु	५२	३७	पु	१२	८	सि	२७	४७	किं	२३	१०	३३/२४	५/१९	६/४५	२०	१४	२८	कर्के	भ. ४८।१ नक्त व्रतारम्भः
२	श	५२	५८	श्ले	१३	१३	व्य	२५	९	बा	२२	४८	२१	२०	४०	२१	१५	२९	सिं१३।१३	चन्द्रदर्शनम्
३	र	५४	२५	म	१५	३८	व	२३	२९	तै	२३	४२	१८	२०	४०	१	१६	१	सिंहे	अगस्त मा. ८ ता. ३१ जिल्हेज१२ तीज
४	चं	५७	६	पू	१९	१८	ध	२२	४२	व	२५	४७	१५	२१	३९	२	१७	२	कं.३५।३०	भ. ३५/४७ उ.५७।६ या. कन्याया भृगुः ५१/२५
५	मं	६०	०	उ	२४	५	शि	२२	५५	ब	२८	५९	१२	२२	३८	३	१८	३	कन्यायां	
५	बु	०	५२	ह	२९	४८	सि	२३	४९	बा	०	५२	९	२२	३८	४	१९	४	कन्यायां	
६	गु	५	२५	चि	३५	५७	सा	२४	३९	तै	५	२५	६	२३	३७	५	२०	५	तु.२।५२	पुष्ये बुधः ३८।२
७	शु	१०	१७	स्वा	४२	२२	शु	२६	४५	व	१०	१७	३	२३	३७	६	२१	६	तुलायां	भ.५१/० उ.४३/५या. पुनर्वसौ२ गुरुःपूषायां२*
८	श	१५	१२	वि	४८	२०	शु	२८	१७	ब	१५	१२	०	२४	३६	७	२२	७	वृ.३१।५०	
९	र	१९	४५	अ	५४	११	ब्र	२९	२०	कौ	१९	४५	३२/५७	२४	३६	८	२३	८	वृश्चिके	कल्किजयन्ती *राहुःआर्द्रायां४केतुः३५/१०
१०	चं	२३	३८	ज्ये	५९	२	ऐं	२९	५०	ग	२३	३८	५४	२५	३५	९	२४	९	ध.५९।२	भ. ५५।१० उ. पूर्वास्तं बुधः१।१७ हज्ज
११	मं	२६	१४	मू	६०	०	वै	२९	४०	वि	२६	४१	५०	२६	३४	१०	२५	१०	धनुषि	भ. २६।४१ या. बकरीद पवित्रा ११ व्र.
१२	बु	२८	४१	मू	२	५८	वि	२८	२५	बा	२८	१४	४७	२६	३४	११	२६	११	धनुषि	हस्ते भृगुः ५६।३७ प्रदोषः
१३	गु	२८	४६	पू	५	२४	प्री	२६	१३	तै	२८	४६	४४	२७	३३	१२	२७	१२	म.२०।४६	अश्लेषायां बुधः ४९।४७
१४	शु	२७	५२	उ	६	५४	आ	२३	४	व	२७	५२	४१	२८	३२	१३	२८	१३	मकरे	भ. २७।५२ उ. ५६।४७ या.
१५	श	२५	४२	श्र	७	६	सौ	१९	२	ब	२५	४२	३८	२८	३२	१४	२९	१४	कुं.३६।३४	रक्षाबन्धनम् श्रावणी कर्म

१७पं.श्रा.शु.५मं.इ.३९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	२	५	६	९	३
१७	३	०	२२	०	१०	२०	१७
९	५८	५	४३	५४	८	९	३३
५१	३८	५०	५८	८	९	१९	५७
५७	७	९८	१३	५७	२	३	५७
१२	२०	२०	९	२६	४८	११	२४

गोचरग्रहाः

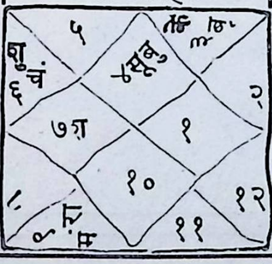

इस मास का फल उत्तम है प्रजामें सुख शांति राजाओं में विरोध हो सुदी में वर्षा सामान्य होगी तैल गुड़ खांड मन्दा

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.शु११मं.इ.३९।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	२	५	६	८	३
२३	४	१२	२४	८	१०	१९	२४
५०	४७	२७	१३	३५	२८	४७	१६
५८	४०	२०	४४	१	४१	४	२६
५७	११	[illegible]	१३	६६	३	३	५७
२२	४७	[illegible]	४६	३	२७	११	३३

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२२	३०	ध	६	२	शो	१५	४१	कौ	२२	३०	३२/३४	५/२९	६/३५	१५	३०	१५	कुंभे	
२	चं	१८	२५	श	३	५८	अ	७	४९	ग	१८	२५	३०	३०	३०	१६	३१	१६	मी४६।५६	भ. ४५।५७ उ.
३	मं	१३	२९	पू	५/१६	५६/३५	सु	५/२२	२५/५४	वि	१३	२९	२६	३१	२९	१७	३२	१७	मीने	भ. १६।२९ उ. ५६।३५ सिंहेऽर्कः ४।४२
४	बु	७	५५	रे	५३	५३	शू	४६	५१	बा	७	५५	२३	३१	२९	१८	१	१८	मे.५३।५३	
५	गु	२	६	अ	४९	५१	गं	३९	१३	तै	२	६	२०	३२	२८	१९	२	१९	मेषे	भ.५५/५९उ. मघायां सिंहे बुधः२०/५५ चन्द्रषष्ठी
६	गु	५३	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	४९	५३	भ	४५	४०	वृ	३१	३९	वि	२२	५६	१६	३३	२७	२०	३	२०	वृ.५९।४१	भ. २२।५६ या.
८	श	४३	५६	कृ	४१	४४	ध्रु	२४	१०	बा	१६	५५	१२	३४	२६	२१	४	२१	बृषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा. वै.
९	र	३९	१५	रो	३८	३	व्या	१६	५०	तै	११	३६	८	३४	२६	२२	५	२२	बृषे	पुनर्वसौ ३ गुरुः ३९।३६
१०	चं	३३	८	मृ	३५	६	ह	१०	४	व	६	१२	४	३५	२५	२३	६	२३	मि६।३४	भ. ६।१२ उ. ३३।८ या.
११	मं	२८	५०	आ	३२	४८	व	३/२९	५४/२०	ब	०	५९	३२/०	३६	२४	२४	७	२४	मिथुने	सिद्धि५४/२० चित्रायांभृगुः३०।१ अजा११व्र.
१२	बु	२५	२९	पु	३१	२२	व्य	५२	५७	तै	२५	२९	३१/५६	३७	२३	२५	८	२५	क.१६।४३	प्रदोषः वत्स द्वादशी
१३	गु	२३	१२	पु	३१	२	व	४८	५७	व	२३	१२	५२	३८	२२	२६	९	२६	कर्के	भ. २३/१२ उ. ५२/४० या. पूफायां बुधः ४।२८
१४	शु	२२	७	श्ले	३१	५०	प	४५	५८	श	२२	७	४८	३८	२२	२७	१०	२७	सिं३१।५०	
३०	श	२२	३१	म	३४	०	शि	४४	०	ना	२२	३१	४४	३९	२१	२८	११	२८	सिंहे	लोहार्गल स्नानम् अगस्तोदयः ४।९

१९पं. भा.कृ.३मं.इ.३९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	२	५	६	८	४
०	६	२६	२५	१६	१०	१९	०
३३	२५	३६	४०	८	५४	२४	५९
११	४६	१५	४	८	३	४८	४५
५७	१६	[illegible]	१२	६४	४	३	५७
३४	३	[illegible]	२१	३८	६	११	४०

गोचरग्रहाः

भाद्रपदकृ.३भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ६ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

२०पं.भा.कृ.११मं.इ.३९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	२	५	६	८	४
७	८	१०	२७	२३	११	१९	७
१६	८	३३	३	२९	२२	२	४४
४५	३०	५४	५८	३०	५५	३३	१५
५७	१८	[illegible]	१२	६२	४	३	५७
४५	५६	[illegible]	२	४४	३९	११	४८

 *चंमंरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६ स.१९५४
१	र	२३	५६	पू	३७	२४	सि	४२	५९	ब	२३	५६	३१/४०	५/४०	६/२०	२९	१२	२९	कं.५३।३२	
२	चं	२६	३६	उ	४१	५५	सा	४२	५८	कौ	२६	३६	३६	४१	१९	३०	१३	३०	कन्यायां	पूफायां रविः५५।३३ चन्द्रद.
३	मं	३०	२४	ह	५०	२५	शु	४३	४१	ग	३०	२४	३२	४२	१८	३१	१४	१	कन्यायां	तुलायां भृगुः०।१५ मोहोरम१सन्१३७४
४	बु	३५	०	चि	५३	२६	शु	४४	५०	व	३	०	२९	४२	१८	१	१५	२	तु.२१।५६	भ.३/०उ.३५/०या.सितम्बरमा.९ता.३०गणेश४
५	गु	३९	५३	स्वा	५३	४६	ब्र	४६	१८	ब	७	५३	२६	४३	१७	२	१६	३	तुलायां	उफायां बुधः १८।३९ ऋषि ५
६	शु	४४	५६	वि	६०	०	ऐं	४७	५६	कौ	१२	२५	२२	४४	१६	३	१७	४	वृ.४३।२६	
७	श	४९	३५	वि	६	०	वै	४८	५६	ग	१७	१६	१८	४४	१६	४	१८	५	वृश्चिके	
८	र	५३	३३	अ	११	५६	वि	४९	३७	वि	२१	३४	१४	४५	१५	५	१९	६	बृश्चिके	भ. ३९/५६ उ. कन्यायां बुधः ६।१५ दूर्वा ८
९	चं	५६	३१	ज्ये	१६	५८	प्री	४९	३५	बा	२५	२	१०	४६	१५	६	२०	७	ध.१६।५८	स्वात्यां भृगुः ४६/२२ *११व्र.वै. वामनज.
१०	मं	५८	२३	मू	२१	८	आ	४८	५७	तै	२७	२७	६	४७	१३	७	२१	८	धनुषि	मार्गी पूषायां भौमः ३९।१
११	बु	५८	५९	पू	२३	५४	सौ	४६	३३	व	२८	४१	२	४८	१२	८	२२	९	म.३९।२०	भ.२८/४५ उ.५८/५९ या. जलझूलनी११व्र. स्मा.
१२	गु	५८	८	उ	२५	३७	शो	४३	३४	ब	२८	३४	३०/५८	४८	१२	९	२३	१०	मकरे	पुनर्वसौ४कर्कंगुरुः २०/१५ ताजिया जलझूलनी*
१३	शु	५६	२	श्र	२६	४	अ	३९	३१	कौ	२७	५	५४	४९	११	१०	२४	११	कु.५५।४२	हस्ते बुधः ८।६ प्रदोषः
१४	श	५२	५७	ध	२५	१९	सु	३४	३७	ग	२४	३०	५०	५०	१०	११	२५	१२	कुम्भे	भ. ५२।५७ उ. अनंत १४ व्रतं
१५	र	४८	५७	श	२३	१६	धृ	२८	४९	वि	२०	५७	४६	५१	९	१२	२६	१३	कुम्भे	भ. २०।५७ या. महालयारम्भः

२१पं.भा.शु.३मं.ड.३८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	२	६	६	८	४
१४	१०	२३	२८	०	११	१८	१४
२	३१	३६	२४	३८	५५	४०	२९
५६	४३	३०	२३	५६	८	१८	५४
५७	२२	०/१	११	६०	५	३	५८
५७	६	५/२७	२५	९	५	११	१

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में पीड़ा होगी। बदी पक्ष में वर्षा साधारण और सुदी में उत्तम होगी।

गोचरग्रहाः

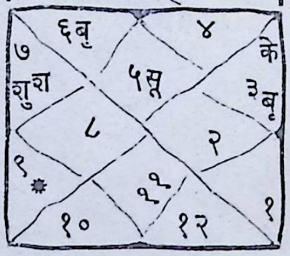

२२पं.भा.शु.१०मं.इ.३८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	६	६	८	४
२०	१३	५	२९	७	१२	१८	२१
४८	१९	४३	४१	३०	३१	१६	१६
३७	५५	८	३६	६	३	२	५९
५८	२४	व०/०	१०	५७	५	३	५८
१२	२९	०/१४	५३	१८	३२	११	१३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूःरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	४४	६	पू	२०	२९	शू	२२	२१	बा	१६	३२	३०/४१	५/५२	६/८	१३	२७	१४	मी६।१ १	उफायां रविः ४०।१२
२	मं	३८	३९	उ	१७	२७	गं	१५	२४	तै	११	२२	३६	५३	७	१४	२८	१५	मीने	
३	बु	३२	१०	रे	१३	४६	वृ	७	५९	ब	५	२४	३२	५४	६	१५	२९	१६	मे.१३।४६	भ. ५।२४ उ. ३२।१० या.
४	गु	२६	४७	अ	९	३३	ध्रु	०/१९	५२/१८	बा	२६	४७	२८	५४	६	१६	३०	१७	मेषे	स्वात्यां ३ शनिः ११।५६
५	शु	२०	४५	भ	५	२९	ह	४५	०	तै	२०	४९	२४	५५	५	१७	३१	१८	वृ.१९।१०	कन्यायामर्कः ५।२३
६	श	१४	४९	कृ	५/३२	५६/५९	व	३७	३३	व	१४	११	२०	५६	४	१८	१	१९	वृषे	भ.१४/४९ उ. ४२।० या. चित्रायां बुधः ५४/४५
७	र	९	११	मृ	५४	३७	सि	३०	२७	ब	९	९	१६	५७	३	१९	२	२०	मि२६।१४	
८	चं	४	९	आ	५२	१५	व्य	२३	४७	कौ	४	४	१२	५८	२	२०	३	२१	मिथुने	मात ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्धं
९	चं	५५	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	मं	५६	३७	पु	५०	३०	व	१७	५२	व	२८	१६	८	५८	२	२१	४	२२	क ३५।५६	भ. २८/५६ उ. ५६/३७ या. विशाखायां भृगुः ३३/०८
११	बु	५४	२५	पु	४९	५५	प	१२	४१	ब	२५	३१	४	५९	१	२२	५	२३	कर्के	इंदिरा ११ व्र. स्मा.
१२	गु	५३	२३	श्ले	५०	३१	शि	८	२७	कौ	२३	५४	०	६/०/०	६/०/०	२३	६	२४	सिं५०।३०	तुलायां बुधः३८।५८ इंदिरा११व्र. वै.नि.
१३	शु	५३	५२	म	५२	०	सि	५	९	ग	२३	३८	२६/५६	६०/१	५६	२४	७	२५	सिंहे	भ. ५३।५२ उ. प्रदोषः
१४	श	५५	२२	पू	५५	२७	सा	२	४९	वि	२४	३७	५२	२	५८	२५	८	२६	सिंहे	भ. २४।३७ या. शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्
३०	र	५८	७	उ	५९	४०	शु	१	३१	च	२६	४५	४८	२	५८	२६	९	२७	कं.११।३०	सर्वपित श्राद्धम्

२३पं.आ.कृ.२मं.इ.३८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	३	६	६	८	४
२७	१६	१६	०	१४	१३	१७	२८
३७	२८	५५	५३	०	१०	५५	५
०	४५	७	१८	२५	४५	४७	२१
५८	२७	९२	१०	५३	५	३	५८
२९	७	३१	१०	३२	५७	११	२६

गोचरग्रहाः

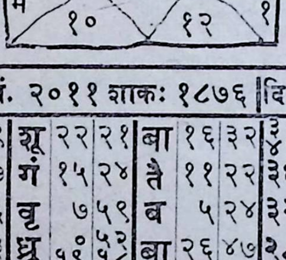

आश्विन कृ. ५ शुक्रे कन्यायामर्कः प्र.वा.४न.४कुमारावस्था (बैठी) मु.१५(धान्यभाव तेज)शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

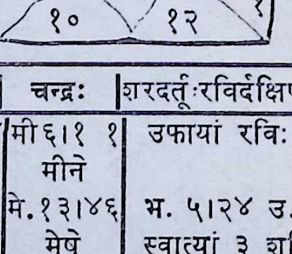

२४पं.आ.कृ.१०मं.इ.३८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	३	६	६	८	५
४	२०	२७	२	२०	१३	१७	४
२७	२	१०	०	६	५२	१२	५५
५	३१	२५	९	२३	१३	१६	१२
५८	२९	८४	९	४८	६	३	५८
४५	३	२६	२६	४०	२०	११	३८

 *चंमंरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१७५ स.१९५४
१	चं	६०	०	ह	६०	०	शु	१	६	कें	३०	४	२९/४३	६/३	५/७	२७	१०	२८	कन्यायां	हस्ते रविः १७।५१ नवरात्रा.
१	मं	२	०	ह	४	५६	ब्र	१	२३	ब	२	०	३८	४	५६	२८	११	२९	तु.३७।५०	चंद्रद. स्वात्यां बुधः ५०।४५
२	बु	६	४०	चि	१०	४३	ऐं	२	३१	कौ	६	४०	३४	४	५६	२९	१२	१	तुलायां	सफर २ *२८।९ पापांकुशा११व्र.
३	गु	११	४०	स्वा	१७	११	वै	३	५५	ग	११	४०	३०	५	५५	३०	१३	२	तुलायां	भ. ४४।१३ उ. पुष्ये १ गुरुः ४८।५०
४	शु	१६	४६	वि	२३	३५	वि	५	२०	वि	१६	४६	२६	६	५४	१	१४	३	बृ.६।५९	भ.१६।४६ या. **अक्टूबर मा.१० ता.३१**
५	श	२१	३२	अ	२९	३१	प्री	७	१०	बा	२१	३२	२२	७	५३	२	१५	४	बृश्चिके	
६	र	२५	३४	ज्ये	३५	१	आ	७	२४	तै	२५	३४	१८	८	५२	३	१६	५	ध.३५।१	
७	चं	२८	३६	मू	३९	१३	सौ	७	१६	व	२८	३६	१४	९	५१	४	१७	६	धनुषि	भ.३/६ उ.५९/३४ या. उषायां भौमः ७।२०×
८	मं	३०	३१	पू	४२	३३	शो	६	२७	ब	३०	३१	१०	१०	५०	५	१८	७	म.५८।३०	बृश्चिके भृगुः ११।५४ सरस्वती पू.
९	बु	३१	१३	उ	४६	२३	अ	१४	३८	बा	०	५२	६	११	४९	६	१९	८	मकरे	सरस्वती बलिदानम् ×सर. वाहनम्
१०	गु	३०	२७	श्र	४४	५८	धृ	५५/२	५९/११	तै	०	५०	२	११	४९	७	२०	९	मकरे	भ.५२/६ उ. बुद्धज. सरस्वती विस. वि.१०
११	शु	२८	२६	ध	४४	२९	शू	५३	१८	वि	२८	२६	२६/५५	१२	४८	८	२१	१०	कु.१४।४४	भ.३२/६ या. पूर्वायां१ राहुःआर्द्रायां३ केतुः*
१२	श	२५	२४	श	४२	५३	गं	४७	३८	बा	२५	२४	५५	१३	४७	९	२२	११	कुम्भे	मकरे भौंमः २५।४ प्रदोषः
१३	र	२१	२९	पू	४०	२४	वृ	४१	१८	तै	२१	२९	५०	१४	४६	१०	२३	१२	मी२६।२	चित्रायां रविः ४८।२८
१४	चं	१६	४२	उ	३८	६	ध्रु	३४	२३	व	१६	४२	४६	१५	४५	११	२४	१३	मीने	भ.१४/६२ उ.४४।१या. अनुराधायां भृगुः४/४०+
१५	मं	११	१९	रे	३३	३२	व्या	२७	१	ब	११	१९	४२	१६	४४	१२	२५	१४	मे.३३।३२	कोजागरीव्र. शरद्पू.वै. +शरद्१५स्मा.

२५पं. आ.शु.१मं.इ.३८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	३	६	६	८	५
११	२३	६	३	२५	१४	१७	११
१९	४५	२५	१	३०	३६	११	४३
११	३९	७	१८	१०	१०	१६	५५
५९	३७	७२	८	४२	६	३	५८
०	४९	७	३६	२२	३२	११	५३

२६पं.आ.शु.८मं इ.३८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	३	७	६	८	५
१८	२७	१४	३	०	१५	१६	१८
१३	२९	१५	५७	१५	२२	४५	४०
०	२६	१३	२३	५	०	१	९
५९	३२	५५	७	३४	६	३	५९
१६	३८	४५	३२	२३	४९	११	९

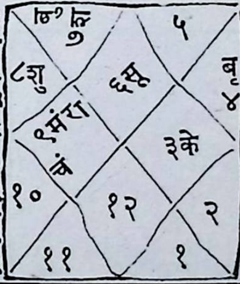

२७पं.आ.शु.१५मं.इ.३८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	३	७	६	८	५
२५	१	१९	४	३	१६	१६	२५
८	४८	२	४४	५७	९	२६	३५
४२	२०	२५	५५	४	२९	४५	६
५९	३३	१२	६	२३	७	३	५८
३१	४१	२७	३६	४९	२	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	बु	५	३४	अ	३९	३१	ह	१९	२१	बा	५	३४	२८/३८	१६	५/४४	१३	२६	१५	मेषे	
२	बु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	५३	३७	भ	२५	३२	व	११	३७	व	२६	३७	३४	१७	४३	१४	२७	१६	बृ.३९।३०	भ. २६।३७ उ. ५३।३७ या.
४	शु	४७	२७	कृ	२१	२३	सि	५३/३	५३/२३	ब	२०	३२	३०	१८	४२	१५	२८	१७	बृषे	वक्री बुधः ३४।३२ च. ब्र.
५	श	४२	१५	रो	१७	३४	व	४९	०	कौ	१४	५१	२६	१९	४१	१६	२९	१८	मि४५।५४	
६	र	३७	१८	मृ	१४	१५	प	४२	११	ग	९	४७	२२	२०	४०	१७	३०	१९	मिथुने	भ.३७/१८ उ.तुलायामर्कः३१/१२ विशा.बुधः१५/३२*
७	चं	३२	५९	आ	११	३१	शि	३५	५६	वि	५	९	१८	२०	४०	१८	१	२०	क.५५।४	भ. ५।९ या. *स्वात्यां४ शनिः५२/३४
८	मं	३०	१	पु	९	३५	सि	३०	३१	बा	१	३०	१४	२१	३९	१९	२	२१	कर्के	अस्तंशनिः३२/२० अभिजित्प्रवृत्तो भौमः५०/३०+
९	बु	२७	४५	पु	८	४७	सा	२६	१०	ग	२७	४५	१०	२२	३८	२०	३	२२	कर्के	भ. ५७।२१ उ. +होई ८
१०	गु	२६	५८	श्ले	९	५	शु	२२	१७	वि	२६	५८	६	२३	३७	२१	४	२३	सिं ९।५	भ. २६।५८ या.
११	शु	२७	३५	म	१०	२७	शु	१९	३४	बा	२७	३५	२	२३	३७	२२	५	२४	सिंहे	रमा ११ व्र. ×प्रदोषः धन १३
१२	श	२९	१२	पू	१३	२३	ब्र	१८	५	तै	२९	१२	२७/५८	२४	३६	२३	६	२५	कं.२९।२४	पश्चिमास्तं बुधः १०।३४
१३	र	३२	३	उ	१७	२५	ऐं	१७	७	व	०	३८	५४	२५	३५	२४	७	२६	कन्यायां	भ.३ ३/२उ. बक्रीभृगुः२८/१८ स्वात्यांरविः१२/१२×
१४	चं	३६	३	ह	२२	२८	वै	१७	२१	वि	४	३	५०	२६	३४	२५	८	२७	तु.५५।२२	भ.४/३या. श्रवणेभौमः३५/३६ रूप१३नरक१४
३०	मं	४०	४९	चि	२८	१७	दि	१८	४	च	८	२६	४६	२७	३३	२६	९	२८	तुलायां	श्रीमहालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.८मं.इ.३७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	३	७	६	८	६
२	६	२१	६	६	१६	१६	२
६	४४	३५	२६	२०	५२	४	३१
११	४	४८	२१	२१	३४	३७	३५
५९	३४	५७	५	१०	७	३	५९
४६	२८	व	३१	३६	१२	११	३४

गोचरग्रहाः

कार्तिक कृ.६रवौ तुलायामर्कः:प्र.वा. ३नं.४ प्रगल्भावस्था(बैठी)मु.१५ (धान्यभाव तेज)

गोचरग्रहाः

२९पं.का.कृ.३०मं.इ.३७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	३	७	६	८	६
९	१०	१६	५	६	१७	१५	९
५	३७	३९	५९	५५	४८	४२	२९
३४	४	४३	२५	४३	२	१५	५२
६०	३५	८७	४	५४/६	७	३	५९
२	४९	व	२३	व	२०	११	४७

२० *बुशुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *चरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०५ स.१९५४
१	बु	४५	५६	स्वा	३४	३६	प्री	१९	१५	किं	१३	२३	२७/४३	६/२७	५/३३	२७	१०	२९	तुलायां	अभिजिन्निवृत्तो भौमः ४।५६ अन्नकूट
२	गु	५१	९	वि	४१	०	आ	२०	३८	बा	१८	३३	४०	२८	३२	२८	११	३०	बृ.२४।२४	चन्द्रदर्शनम् यम २ भ्रातृ २
३	शु	५५	५७	अ	४७	३	सौ	२१	५२	तै	२३	३३	३६	२९	३१	२९	१२	१	बृश्चिके	रविलावल ३
४	श	६०	०	ज्ये	५२	३६	शो	२२	४०	ब	२७	५९	३२	३०	३०	३०	१३	२	ध.५२।३६	भ. २७।५९ उ.
४	र	०	१	मू	५७	९	अ	२२	४८	वि	०	१	२८	३०	३०	३१	१४	३	धनुषि	भ. ०।१ या.
५	चं	३	५	पू	६०	०	सु	२२	१८	बा	३	५	२४	३१	२९	१	१५	४	धनुषि	**नवम्बर मा. ११ ता. ३०**
६	मं	५	४	पू	०	३६	धृ	२०	३९	तै	५	४	२०	३२	२८	२	१६	५	म.१६।८	
७	बु	५	४५	उ	२	४५	शू	१८	१०	व	५	४५	१७	३३	२७	३	१७	६	मकरे	भ. ५।४५ उ. ३४।५४ या. गोपाष्टमी
८	गु	४	२	श्र	३	४७	गं	१४	३२	ब	४	२	१४	३३	२७	४	१८	७	कु.३३।४२	वक्री तुलायां बुधः २९।२६
९	शु	३	३	ध	३	३६	वृ	१०	१	कौ	३	३	११	३४	२६	५	१९	८	कुम्भे	पूर्वोदयं बुधः १९।५७ अक्षय ९
१०	श	२	०	श	२/३	५७/४७	ध्रु	४/३०	५३/५०	ग	२	०	८	३४	२६	६	२०	९	मी४५।२७	भ. २९/४ उ. ५७/८ या. पू.भ.क्ष. ५७/४३ विशाखायां*
११	श	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*रविः ३९/२७ प्रबोधिनी ११ व्र.
१२	र	५१	२३	उ	५६	५८	ह	५१	३१	ब	२३	४६	४	३५	२५	७	२१	१०	मीने	मार्गी बुध ४३/३४ प्रबोधिनी ११व्र. वै. नि.
१३	चं	४५	५९	रे	५३	१५	व	४४	१०	कौ	१८	४१	०	३६	२५	८	२२	११	मे.५३।१५	पश्चिमा.भृ. ४८/५ वक्रीवि.भृगुः १४/५० प्रदोषः=
१४	मं	४०	२०	अ	४९	१६	सि	३६	३२	ग	१३	१०	३९/५९	३७	२३	९	२३	१२	मेषे	भ. ४०।२० उ. वैकुण्ठ १४ =प.अ.भृ.
१५	बु	३४	२७	भ	४५	१४	व्य	२८	४८	वि	७	२४	५३	३७	२३	१०	२४	१३	वृ.५९।१२	भ.७।२४या.पुष्ये २गुरुः ३३।३ का.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.६मं.इ.३७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	३	७	६	८	६
१६	१५	८	६	५	१८	१५	१६
६	२२	३१	२२	४८	३७	१९	२९
३७	३४	२	४१	२०	४१	५९	४०
६०	३४	५९/३१	३	३०/३७	७	३	६०
१८	३३	व	९	व	२०	११	४

गोचरग्रहाः

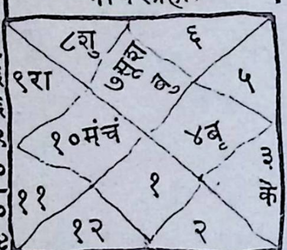

इस मास में पांच बुधवार हैं, रस-कस तेज होगा। धान्य अलसी रुई में मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

३१पं.का.शु.१४मं.इ.३७।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	३	७	६	८	६
२३	१९	५	६	२	१९	१४	२३
९	५१	५४	३८	३४	२९	५७	३१
१५	३	२९	२८	३३	०	४४	१
६०	३७	२२/५४	१	२२/४८	७	३	६०
३०	३०	व	३९	व	२०	११	१७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृर्तू रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२८	३३	कृ	४१	४	व	२१	४	बा	१	३०	२९/५०	६/३८	५/२२	११	२५	१४	वृषे	मार्गी स्वात्या बुधः ३८।३५
२	शु	२२	४८	रो	३७	७	प	१३	२३	ग	२२	४८	४७	३८	२२	१२	२६	१५	वृषे	भ. ५०।८ उ.
३	श	१७	२९	मृ	३३	४४	शि	५/५३	५२/४७	वि	१७	२९	४४	३९	२१	१३	२७	१६	मि५।२६	सिद्ध योग क्षयः ५२/४७ भ. १७/२९ या. च. व्र.
४	र	१२	३४	आ	३०	५१	सा	५१	९	बा	१२	३४	४१	४०	२०	१४	२८	१७	मिथुने	ध.भौमः २७ वक्रीतु.भृगुः २/२० विशाखायां*
५	चं	८	३६	पु	२८	४७	शु	४६	२५	तै	८	३६	३८	४०	२०	१५	२९	१८	क.१४।१८	
६	मं	५	३३	पु	२७	४५	शु	४१	३३	व	५	३३	३४	४१	१९	१६	३०	१९	कर्के	भ. ५।३३ उ. ३४।३५या. वृ. २३।५५
७	बु	३	३६	श्ले	२७	४६	ब्र	३७	३०	ब	३	३६	३२	४२	१८	१७	१	२०	सिं२७।४६	
८	गु	२	४९	म	२९	१	ऐं	३४	२६	कौ	२	४९	३०	४२	१८	१८	२	२१	सिंहे	वक्री गुरुः २७।२० *शनिः ४।३७
९	शु	३	३४	पू	३१	५५	वै	३२	२२	ग	३	३४	२८	४२	१८	१९	३	२२	कं.४७।४४	भ.३४।२९उ. अनुराधायां रविः ४१।४३
१०	श	५	२४	उ	३५	१३	वि	३१	११	वि	५	२४	२५	४३	१७	२०	४	२३	कन्यायां	भ. ५/२४ या. पूर्वोदयं भृगुः १।१२ पू.उ.भृ.
११	र	८	२७	ह	४०	७	प्री	३१	६	बा	८	२७	२२	४४	१६	२१	५	२४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र. सर्वेषाम्
१२	चं	१२	३६	चि	४५	५१	आ	३१	४०	तै	१२	३६	१९	४४	१६	२२	६	२५	तु.१२।५९	उदयंशनिः १७/५० वक्री पुष्ये १ गुरुः ४१।४८
१३	मं	१७	२८	स्वा	५२	३	सौ	३२	४५	व	१७	२८	१६	४५	१५	२३	७	२६	तुलायाँ	भ.१७।२८ उ.५०।२या. वि.बुधः ९।५६
१४	बु	२२	३७	वि	५८	२२	शो	३३	५७	श	२२	३७	१४	४५	१५	२४	८	२७	बृ.४१।४७	कुम्भे भौमः २३।१४
३०	गु	२७	४८	अ	६०	०	अ	३५	५	ना	२७	४८	१२	४६	१४	२५	९	२८	बृश्चिके	अमावस्या

३२पं.मा.कृ.६मं.इ.३७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	३	६	६	८	७
०	२४	११	६	२८	२०	१४	०
१३	४२	२०	४३	२७	१८	३५	३३
२०	३२	१६	२४	३२	२८	२८	४९
६०	३८	६८	०	३५/५१	७	३	६०
४०	८	३४	२१	व	१६	११	३०

गोचरग्रहाः

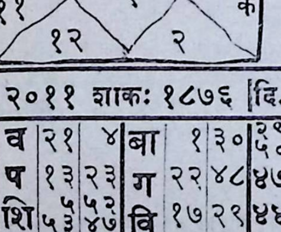

मार्ग. कृ.६ भौमे बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रास्तः पश्चि.

गोचरग्रहाः

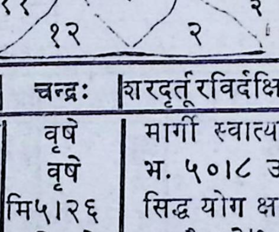

३३पं.मा.कृ.१३मं.इ.३६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	३	६	६	८	७
७	२९	२०	६	२४	२१	१४	७
१८	३०	३८	३९	३६	८	१३	३७
५०	९	३५	६	१८	६	१३	४२
६०	३८	८५	५९/५०	२८/५२	७	३	६०
५३	३७	३९	व	व	८	११	४२

*बुशुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×चंबुशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३५ स.१९५४
१	शु	३२	४७	अ	४	३९	सु	३६	१४	किं	०	१८	२६/१०	६/४६	५/१४	२६	१०	२९	वृश्चिके	
२	श	३६	४८	ज्ये	१०	२२	धृ	३६	१९	बा	४	४८	७	४६	१४	२७	११	३०	ध.१०।२२	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४०	५२	मू	१५	५	शू	३६	७	तै	८	५०	४	४७	१३	२८	१२	१	धनुषि	रविलाखर ४
४	चं	४१	४५	पू	१८	५१	गं	३४	४४	व	११	१९	१	४८	१२	२९	१३	२	म.३४।३१	भ.११/५९ उ.४१।४५या. वृश्चिके बुधः५१/४४
५	मं	४२	२८	उ	२१	३१	वृ	३२	२५	ब	१२	७	२५/५८	४८	१२	३०	१४	३	मकरे	पूर्वास्तो बुधः ७।१५
६	बु	४१	४४	श्र	२२	३६	ध्रु	२९	९	कौ	१२	६	५६	४९	११	१	१५	४	कु.५३।८	**दिसम्बर मा. १२ ता. ३१**
७	गु	३९	४४	ध	२३	४०	व्या	२४	४९	ग	१०	४४	५४	४९	११	२	१६	५	कुम्भे	भ.३९/४४उ. ज्येष्ठायांरविः४९/४२ अनुराधायां*
८	शु	३६	४१	श	२१	३०	ह	१९	३८	वि	८	१३	५२	५०	१०	३	१७	६	कुम्भे	भ. ८।१३ या. *बुधः १३।१५
९	श	३२	४९	पू	१९	२४	व	१२	४१	बा	४	४५	५०	५०	१०	४	१८	७	मी४।५५	शते भौमः ६।३०
१०	र	२८	३	उ	१६	२८	सि	०/५	५३/५२	तै	०	२६	४८	५०	१०	५	१९	८	मीने	भ. ५५।२४ उ.
११	चं	२२	४५	रे	१३	६	व	५२	२०	वि	२२	४५	४७	५१	९	६	२०	९	मे.१३।६	भ.२२।४५ या. मोक्षदा ११ व्र. सर्वेषाम्
१२	मं	१७	७	अ	९	१३	प	४४	३०	बा	१७	७	४६	५१	९	७	२१	१०	मेषे	मार्गी भृगुः ३।२४ प्रदोषः
१३	बु	११	१२	भ	५	९	शि	३६	३३	तै	११	१२	४४	५१	९	८	२२	११	वृ.१९।७	पिशाचमोचन श्राद्धम्
१४	गु	५	२१	कृ	१/१	५६/२	सि	२८	५९	व	५	२१	४३	५१	९	९	२३	१२	वृषे	भ. ५।२१ उ. ३२।३१ या. दत्तजयन्ती
१५	गु	५४	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः

३४पं.मा.शु.५मं.इ.३६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	३	६	६	८	७
१४	४	१	६	२२	२१	१३	१४
२५	२३	९	२४	४	५६	५०	४२
३९	२९	५१	४८	३	४४	५८	५६
६१	३९	९३	२/२९	१५/१	७	३	६०
३	२	१६	ब	ब्र	१	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में धान्य रूई अफीम अलसी चाँदी में मन्दी हो। बदी में बु. शु. का योग वर्षा कारक है।

गोचरग्रहाः

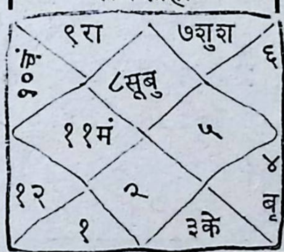

३५पं.मा.शु.१२मं.इ.३६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	३	६	६	८	७
२१	९	१२	६	२१	२२	१३	२१
३३	१९	०	१	३६	४३	२८	४०
२६	४	१	४३	५७	४०	४२	१
६१	३९	९६	३/४९	१/१७	६	३	६०
११	२५	१	ब	ब	४१	११	५६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५४	२५	मृ	५३	३३	सा	२१	२०	बा	२७	३	२५/४२	६/५२	५/८	१०	२४	१३	मि२५।१८	ज्येष्ठायां बुधः३१/२४ मूले४राहुः आर्द्रायां३×
२	श	४९	४१	आ	५०	२८	शु	१	९	तै	२२	३	४१	५२	८	११	२५	१४	मिथुने	
३	र	४५	५०	पु	४८	१७	शु	१७	१८	व	१७	४६	४०	५२	८	१२	२६	१५	क.४३।२२	भ. १७।४६ उ. ५५।५० या.
४	चं	४२	५६	पु	४७	१५	ब्र	१/१४	५४/४४	ब	१४	२३	३९	५२	८	१३	२७	१६	कर्के	विशाखायां २ शनिः ८।३ च. व्र.
५	मं	४०	३८	श्ले	४६	४१	वै	५१	४१	कौ	११	४७	३८	५२	८	१४	२८	१७	सिं४६।४१	
६	बु	४०	२८	म	४७	३९	वि	४८	१६	ग	१०	३३	३८	५२	८	१५	२९	१८	सिंहे	भ. ४०।२८ उ. धनुष्यर्कः ५२।२७
७	गु	३९	२१	पू	४९	५१	प्री	४५	४६	वि	९	५५	३८	५२	८	१६	१	१९	सिंहे	भ. ९।५५ या. ×केतुः २०।२६
८	शु	४३	११	उ	५३	२२	आ	४४	२१	बा	११	१६	३७	५३	७	१७	२	२०	कं.५।४४	
९	श	४६	३५	ह	५७	५९	सौ	४२	५३	तै	१४	५३	३७	५३	७	१८	३	२१	कन्यायां	
१०	र	५०	४९	चि	६०	०	शो	४४	८	ब	१८	४२	३७	५३	७	१९	४	२२	तु.३०।४६	भ.१८।४२ उ. ५९/४९ या. धनुषि बुधः १२/५९
११	चं	५५	४५	चि	३	३३	अ	४५	१	ब	२३	१७	३६	५३	७	२०	५	२३	तुलायां	सफला ११ व्र. स्मा. वै.
१२	मं	६०	०	स्वा	९	४२	सु	४६	१६	कौ	२८	२३	३६	५३	७	२१	६	२४	वृ.५९।३०	सफला ११ व्र. नि.
१२	बु	१	०	वि	१६	५	धृ	४७	१८	तै	१	०	३६	५३	७	२२	७	२५	वृश्चिके	पूभायां भौमः ४१।५७ प्रदोषः
१३	गु	६	१४	अ	२१	५३	शू	४८	२७	व	६	१४	३७	५३	७	२३	८	२६	वृश्चिके	भ. ६।१४ उ. ३८।४० या.
१४	शु	११	५	ज्ये	२८	३७	गं	४८	५६	श	११	५	३७	५३	७	२४	९	२७	ध.२८।३७	
३०	श	१५	१२	मू	३३	१६	वृ	४८	३०	ना	१५	१२	३७	५३	७	२५	१०	२८	धनुषि	अमावस्या

३६पं. पौ.कृ.५मं.इ.३६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	३	६	६	८	७
२८	१४	२२	५	२२	२३	१३	२८
४२	१६	५५	२९	५४	२९	६	५५
९	५१	१४	३४	४४	२९	२७	५८
६१	३१	२८	४/५९	१६	६	३	६१
१९	४९	४	ब	१६	२७	११	१

गोचरग्रहाः

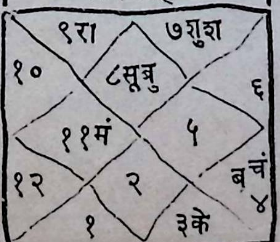

पौष कृ. ६ बुधे धनुष्यर्कः प्र. वा. २न.४बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

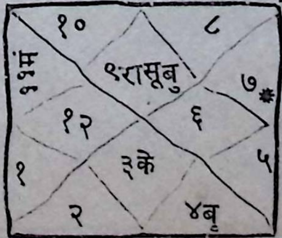

३७पं.पौ.कृ.१२मं.इ.३६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	३	६	६	८	८
५	१९	३	४	२५	२४	१२	६
५१	१६	५८	४९	५५	११	४४	३
३५	४२	१	४१	५५	१८	१२	३३
६१	४०	९९	६/७	२८	६	३	६१
२२	४	४६	ब	२८	११	११	५

*चंशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	.अ	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	हेमन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २६५ स. १९५४
१	र	१८	१४	पू	३७	२२	ध्रु	४७	४७	ब	१८	१४	२५/३८	६/५२	५/८	२६	११	२९	म.५२।५६	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	२०	४	उ	३७	३६	व्या	४५	४३	कौ	२०	४	३८	५२	८	२७	१२	१	मकरे	पूषायां बुधः३२।१८ जमादिलावल ५
३	मं	२०	४०	श्र	४१	३८	ह	४२	४६	ग	२०	४०	३८	५२	८	२८	१३	२	मकरे	भ.५६/१७उ.पूषायां रविः५४ मार्गी वृश्चिके*
४	बु	१९	५३	ध	४३	२	व	३८	५३	वि	१९	५३	३९	५२	८	२९	१४	३	कुं.१२।२४	भ. १९।५३ या. *भृगु:१८।३६
५	गु	१७	४८	श	४१	११	स्ति	३४	२	बा	१७	४८	३९	५२	८	३०	१५	४	कुम्भे	
६	शु	१४	४३	पू	३९	२५	व्य	२८	१०	तै	१४	४३	४०	५२	८	३१	१६	५	मी२४।५२	
७	श	१०	४६	उ	३६	३९	व	२१	४८	व	१०	४६	४१	५२	८	१	१७	६	मीने	भ.४६/१६ उ.५९/३७ या. जनवरी मा.१ ता.३१×
८	र	५	१२	रे	३३	१७	प	१४	५१	बा	५	१२	४२	५२	८	२	१८	७	मे.३३।१७	वक्री पुनर्वसौ ४ गरुः ५।२१
९	चं	०	२८	अ	२९	३४	शि	२६/२	५२/४	कौ	०	२८	४३	५२	८	३	१९	८	मेषे	×सन् १९५५ अनुराधायां भृगु:५१।४७
१०	चं	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	मं	४९	५	भ	२५	३०	सा	५१	४७	व	२२	१	४४	५१	९	४	२०	९	बृ.३९।२५	भ. २३/१ उ. ४९।५ या. उषायां बुधः ५४/३१+
१२	बु	४३	१६	कृ	२१	२१	शु	४४	२	ब	१६	११	४४	५१	९	५	२१	१०	बृषे	मीने भौमः ४०।० पुत्रदा ११ व्र. नि.
१३	गु	३७	४२	रो	१७	२३	शु	३६	२७	कौ	१०	२९	४६	५१	९	६	२२	११	मि४५।३३	मकरे बुधः४१।७ +पुत्रदा ११व्र.स्मा.वै.
१४	शु	३२	३०	मृ	१३	४२	ब्र	२८	५४	ग	५	६	४८	५०	१०	७	२३	१२	मिथुने	भ. ३२।३० उ.
१५	श	२७	५४	आ	१०	४३	ऐं	२१	५९	वि	०	१२	५०	५०	१०	८	२४	१३	क.५३।५६	भ. ०।१२ या. माघ स्नानारम्भः

३८पं. पौ.शु.३मं.इ.३५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	३	७	६	८	८
१३	१४	१५	४	०	२४	१२	१३
१	१७	६	२	१०	५१	२१	११
२८	१३	४९	१६	५९	३७	५६	३२
६१	४०	०/०	५३/९	३७	५	३	६१
२६	२१	१/९	व	५६	४४	११	६

गोचरग्रहाः

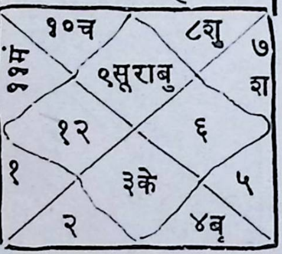

इस मास में साधारण फल होगा रूई सूत जौ गेहूँ चना मंदा हो तेज हो ।

गोचरग्रहाः

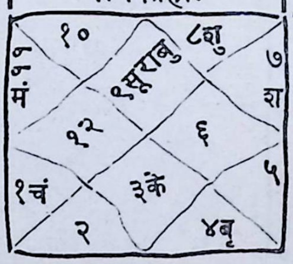

३९पं.पौ.शु.११मं.इ.३५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	३	७	६	८	८
२०	२९	२६	३	५	२५	११	२०
११	१६	२८	१	२४	२८	५९	१९
२६	५१	१२	१	५	४७	४१	३७
६१	४०	०/०	३४/७	४५	५	३	६१
२६	२३	१/२८	व	२२	१६	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्ष सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	हेमंततूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२४	१०	पु	८	२०	वै	१५	४५	कौ	२४	१०	२५/५२	६/५०	५/१०	९	२५	१४	कर्के	*१०।८ अभिजित्प्रवृत्तो बुधः ४७।५०
२	चं	२१	४	पु	६	३४	वि	१०	१२	ग	२१	४	५४	४९	११	१०	२६	१५	कर्के	भ.५०/२३उ. उषायां रविः५५/३२ उभायांभौम:*
३	मं	१९	४२	श्ले	६	९	प्री	५	३४	वि	१९	४२	५६	४९	११	११	२७	१६	सिं ६।९	भ. १९।४२ या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु	१९	२२	म	६	५३	आ	३/३	५७/४	बा	१९	२२	५८	४८	१२	१२	२८	१७	सिंहे	श्रवणे बुधः ४६।१७
५	गु	२०	२१	पू	८	४६	शो	५७	२४	तै	२०	२१	२६/१	४८	१२	१३	२९	१८	कं.२४।३५	अभिजिन्निवृत्तो बुधः १७।५२
६	शु	२२	१७	उ	१२	३	अ	५६	३१	व	२२	१७	२	४८	१२	१४	३०	१९	कन्यायां	भ.२२।१७ उ.५५/३९या. मकरेऽर्कः१०।५३
७	श	२५	४०	ह	१६	२१	सु	५६	३३	ब	२५	४०	४	४७	१३	१५	१	२०	तु.४९।२	पश्चिमोदयी बुधः ८।४७
८	र	३०	१६	चि	२१	४३	धृ	५७	१६	कौ	३०	१६	६	४७	१३	१६	२	२१	तुलायां	=५६/३ विशाखायां ३ शनिः १५।४४
९	चं	३५	२	स्वा	२७	४७	शू	५९	०	तै	२	३९	९	४६	१४	१७	३	२२	तुलायां	ज्येष्ठायां भृगुः १८।५
१०	मं	४०	१७	वि	३४	८	गं	५९	३९	व	७	४०	१२	४६	१४	१८	४	२३	वृ.१७।३२	भ. ७।४० उ. ४०।१७ या.
११	बु	४५	२८	अ	४०	३५	वृ	६०	०	ब	१२	५३	१४	४६	१५	१९	५	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्रतम्
१२	गु	५०	१८	ज्ये	४७	८	वृ	०	४३	कौ	१७	५३	१६	४५	१५	२०	६	२५	ध.४७।८	अभिजित्प्रवृत्तो रविः४६/२७ धनिष्ठायांबुधः=
१३	शु	५४	२२	मू	५१	४७	ध्रु	१	२९	ग	२२	२०	१८	४४	१६	२१	७	२६	धनुषि	भ. ५४।२२ उ. प्रदोषः
१४	श	५७	१९	पू	५६	३	व्या	१	३२	वि	२५	५१	२१	४४	१६	२२	८	२७	धनुषि	भ. २५।५१ या.
३०	र	५९	१	उ	५९	१६	ह	५३/३	५६/२२	च	२८	१०	२४	४३	१७	२३	९	२८	म.११।५१	श्रवणे रविः ५८।१६

४०पं. मा.कृ.३मं.इ.३५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	३	७	६	८	८
२७	४	८	२	११	२६	११	२७
२१	१७	१	१४	२१	२	३७	२७
१७	५३	५	४८	५०	४६	२६	२४
६१	४०	०/०	५५/१	५०	४	३	६१
२४	३१	१/१८	व	५५	४९	११	६

गोचरग्रहाः

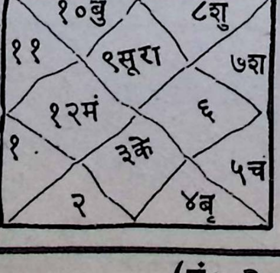

माघ कृ. ६ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.२प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चि. ।

गोचरग्रहाः

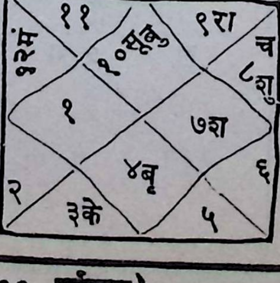

४१पं.मा.कृ.१०मं.इ.३५।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	३	७	६	८	९
४	९	१९	१	१७	२६	११	४
३०	१७	३१	१८	५१	३२	१५	३५
४५	२५	३५	२८	३४	५२	१०	३३
६१	४०	१६	५७/१	५५	४	३	६१
१९	२८	२०	व	१४	१७	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९४ स.१९५५
१	चं	५८	२७	श्र	६०	०	सि	५६	३९	किं	२८	४४	२९/२७	६/४३	५/१७	२४	१०	२९	मकरे	अभिजिन्निवृत्तो रविः ५०।३२
२	मं	५८	३६	श्र	०	५०	व्य	५२	४७	बा	२८	३२	३०	४२	१८	२५	११	३०	कुं.३१।१५	चन्द्रद. कुम्भे बुधः ४०।२२
३	बु	५६	२७	ध	१	४०	व	४७	४६	तै	२७	३२	३३	४१	१९	२६	१२	१	कुम्भे	जमादिलाखर ६
४	गु	५३	८	श	७/१	५६/१९	प	४३	०	व	२४	४८	३६	४१	१९	२७	१३	२	मी४४।५१	भ. २४।४८ उ. ५३।८ या. तिल ४
५	शु	४९	१७	उ	५६	५१	शि	३६	४८	ब	२१	१३	३९	४०	२०	२८	१४	३	मीने	वक्रीपुनर्वसु३ च.मिथुने गुरुः ३/४ वसन्त५
६	श	४४	२०	रे	५३	३९	सि	२९	५९	कौ	१६	४९	४२	४०	२०	२९	१५	४	मे.५३।३९	रेवत्यां भौमः ६।४२
७	र	३८	५८	अ	५०	६	सा	२२	४९	ग	११	३९	४५	३९	२१	३०	१६	५	मेषे	भ.३८।५८ उ. धनुषि भृगुः ३५।५ रथ ७
८	चं	३३	१४	भ	४६	६	शु	१५	१७	वि	६	६	४८	३८	२२	३१	१७	६	मेषे	भ. ६।६ या. भीष्माष्टमी
९	मं	२७	२३	कृ	४२	९	शु	३ ७/२	५२/१	बा	०	१९	५२	३८	२२	१	१८	७	बृ. ०।७	**फरवरी मा. २ ता. २८**
१०	बु	२१	३७	रो	३८	३	ऐं	५१	५२	ग	२१	३७	५५	३७	२३	२	१९	८	बृषे	भ. ४८।४९ उ.
११	गु	१६	०	मृ	३४	१५	वै	४५	१६	वि	१६	०	५८	३६	२४	३	२०	९	मि ६।९	भ. १६।० या. जया ११ व्र. सर्वेषाम्
१२	शु	९	५४	आ	२१	१	वि	३७	११	बा	९	५४	२७/१	३६	२४	४	२१	१०	मिथुने	वक्री बुधः १।० भीष्मद्वादशी
१३	श	६	१५	पु	२८	२५	प्री	३०	४६	तै	६	१५	४	३५	२५	५	२२	११	क.१४।४	
१४	र	२	३७	पु	२६	३३	आ	२५	४	व	२	३७	८	३४	२६	६	२३	१२	कर्के	भ.३ २/७ उ.३ १/५ या. पश्चिमास्तं बुधः४ ६/६*
१५	र	५७	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *धनिष्ठायां रविः ४/८ माघस्नानपूर्ति

४२पं. मा.शु.२मं.इ.३५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	३	७	६	८	९
११	१४	२९	०	२४	२६	१०	११
३९	१७	५४	२२	४८	५८	५२	४२
३	१३	५	४२	४२	५३	५५	४९
६१	४०	७८	७/३८	५८	३	३	६०
१३	३८	४०	व	३९	३७	११	५९

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच रविवार रोग वृद्धि कारक हैं 'पंचाऽर्कः वासरे' रोगाः रुई सूत कपड़ा घृत तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

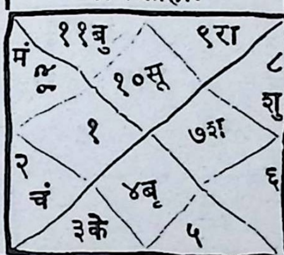

४३पं.मा.शु.९ मं.इ.३६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	२	८	६	८	९
१८	१९	५	२९	२	२७	१०	१८
४७	१७	५७	३०	२	२०	३०	४९
३६	२५	३९	५	३१	४	३९	३२
६१	४०	२७	७/६	६१	२	३	६०
४	३८	२९	व	१८	५५	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५८	१६	श्ले	२५	५५	सौ	२०	११	बा	२९	५	२७/१२	६/३४	५/०६	७	२४	१३	सिं२५।५५	
२	मं	५७	४७	म	२६	२१	शो	१६	१०	तै	२८	२	१६	३३	२७	८	२५	१४	सिंहे	
३	बु	५८	५१	पू	२८	१	अ	१३	८	व	२८	१५	१९	३२	२८	९	२६	१५	कं.४३।५५	भ. २८।१९ उ. ५८।५१ या.
४	गु	६०	०	उ	३०	५७	सु	११	७	ब	२९	५७	२२	३२	२८	१०	२७	१६	कन्यायां	पातस्पर्शः २/४ ३/६ पातमोक्षः ३/५ ५/३ चतुर्थीव्रतम्
४	शु	१	३	ह	३५	३७	धृ	१०	२	बा	१	३	२६	३१	२९	११	२८	१७	कन्यायां	मूले ३ राहुः आर्द्रायां १ केतुः १४।२९
५	श	४	२९	चि	४०	१२	शू	९	४९	तै	४	२९	३०	३०	३०	१२	२९	१८	तु.७।५५	कुम्भेऽर्कः ३८।४ पूषायां भृगुः १०।१७
६	र	८	५३	स्वा	४६	३	गं	१०	२६	व	८	५३	३४	२९	३१	१३	१	१९	तुलायां	भ.५ ६/३ उ.४/५ १/२ या. वक्री मकरे बुधः ३।१२
७	चं	१४	५०	वि	५२	२८	वृ	११	२७	ब	१४	५०	३८	२८	३२	१४	२	२०	बृ.३५।५२	
८	मं	१९	७	अ	५८	३८	ध्रु	१२	४६	कौ	१९	७	४२	२८	३२	१५	३	२१	बृश्चिके	
९	बु	२४	१६	ज्ये	६०	०	व्या	१३	५७	ग	२४	१६	४६	२७	३३	१६	४	२२	वृश्चिके	भ. ५६।३६ उ. मेषे भौमः ४६।५४
१०	गु	२८	५७	ज्ये	५	३	ह	१४	५१	वि	२८	५७	५०	२६	३४	१७	५	२३	ध. ५।३	भ.२८।५७या. वक्री श्रवणे बुधः५२।२७
११	शु	३२	२८	मू	१०	३५	व	१५	१८	व	०	५८	५४	२५	३५	१८	६	२४	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	श	३५	४८	पू	१५	३	सि	१४	५८	कौ	४	२३	५८	२४	३६	१९	७	२५	म.३०।५४	पूर्वोदयी बुधः१७।३८ शते रविः१३।२५
१३	र	३७	२१	उ	१८	२७	व्य	१३	४४	ग	६	३५	२६/२	२४	३६	२०	८	२६	मकरे	भ.३७।२१उ. प्रदोषः शिवरात्री व्र.स्मा.
१४	चं	३७	४१	श्र	२०	३५	व	११	१७	वि	७	३१	६	२३	३७	२१	९	२७	कुं.५१।५	भ. ७।३१ या. महाशिवरात्रि व्र. वै.
३०	मं	३६	४३	ध	२१	३०	प	८	२	च	७	१२	१०	२२	३८	२२	१०	२८	कुम्भे	

४४पं. फा.कृ.२मं.इ.३६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	२	८	६	८	९
२५	२४	४	२८	९	२७	१०	२५
५४	१४	१४	४२	३३	३७	८	५५
२४	५९	७	५०	४१	११	२४	१९
६०	४०	५३/१०	४/१५	६३	२	३	६०
५५	३८	व	व	२५	१४	११	४७

४५पं.फा.कृ.८मं.इ.३६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	२	८	६	८	१०
३	२९	२६	२८	१७	२७	९	३
०	१२	४९	५	१६	४९	४६	०
२७	७	२६	२०	४४	१३	९	६
६०	४०	५४/३८	५/९	६५	१	३	६०
४२	४४	व	व	२	३३	११	३७

४६पं.फा.कृ.३०मं.इ.३६।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	८	६	८	१०
१०	४	२१	२७	२५	२३	९	१०
५	७	१७	४३	८	५६	२३	१३
५९	४८	५२	५	२५	३२	५३	३६
६०	४०	३५/४७	६३/५९	६६	०	३	६०
३१	३३	व	व	२९	५२	११	२५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३२४ स.१९५५
१	बु	३४	२७	श	२१	१७	शि	३/४९	५४/५२	किं	५	३५	२८/१४	६/२१	५/३९	२३	११	२९	कुम्भे	उषायां भृगुः ५९।१८
२	गु	३१	८	पू	१९	५०	सा	५८	४२	बा	२	४९	१८	२०	४०	२४	१२	३०	मी५।२८	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	शु	२७	१	उ	१७	२८	शु	४७	१६	ग	२७	१	२२	२०	४०	२५	१३	१	मीने	भ. ५४।३० उ. रज्जव ७
४	श	२१	५९	रे	१४	३०	शु	३९	१२	वि	२१	५९	२६	१९	४१	२६	१४	२	मे.१४।३०	भ.२/५९ या. मार्गीबुधः ५१/३९ मकरेभृगुः ५१।५
५	र	१६	३३	अ	१०	५४	ब्र	३१	४३	बा	१६	३३	३०	१८	४२	२७	१५	३	मेषे	
६	चं	१०	४६	भ	६	५७	ऐं	२४	३५	तै	१०	४६	३४	१७	४३	२८	१६	४	वृ.२०।५५	
७	मं	५	५	कृ	२/४९	५९/०	वै	१६	२२	व	५	५	३८	१६	४४	१	१७	५	वृषे	भ.५/५ उ.३/३४ या. मार्च मा.३ ता.३१ वक्री*
८	मं	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	बु	५३	२७	मृ	५५	३	वि	८	४२	बा	२६	१५	४२	१६	४४	२	१८	६	मि२६।५६	*शनिः२९।११ होलाष्टकम् होई ८
१०	गु	४८	१५	आ	५१	३८	प्री	५/६	३२/५५	तै	२०	५१	४६	१५	४५	३	१९	७	मिथुने	+प्रवत्तोभृगुः ४५/४० आमलकी ११ब्र. स्मा.वै.
११	शु	४३	४२	पु	४८	५७	सौ	४७	१	व	१५	५९	५०	१४	४६	४	२०	८	क.३४।३७	भ.१५/५९ उ.४३/४२ या.पूभायांरविः ३६/१३ अभिजि-+
१२	श	४०	३	पु	४६	२१	शो	४१	२७	ब	११	५३	५४	१३	४७	५	२१	९	कर्के	मार्गीधनिष्ठायांबुधः ५०/५० आमलकी ११ब्र.नि
१३	र	३७	१९	श्ले	४५	५२	अ	३६	१६	कौ	८	४१	५८	१२	४८	६	२२	१०	सि४५।५२	प्रदोषः =भृगुः-३४।२३
१४	चं	३५	४०	म	४६	८	सु	३२	२९	ग	६	३०	२ १/२	१२	४८	७	२३	११	सिंहे	भ.३५/४० उ. भरण्यां भौमः४५।१४ श्रवणे=
१५	मं	३५	११	पू	४७	३२	धृ	२८	५३	वि	५	२६	६	११	४९	८	२४	१२	सिंहे	भ.५/२६ या. अभिजित्प्रवृत्तोभृगुः ३०/५० होलिका

४७पं.फा.शु.७मं.इ.३६।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	९	६	८	१०
१७	९	२२	२७	३	२७	९	१७
७	३	९	२	७	५८	१	५
४८	३	२०	१४	७	५९	३८	४७
६०	४०	१६/४४	३/४३	६७	०/१	३	६०
२०	३१	मा	व	४१	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

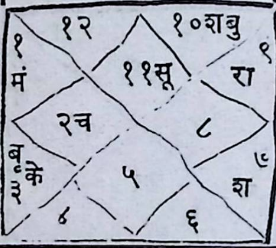

इस मास का फल साधारण है। बदी पक्ष की तिथी वृद्धि और सुदी पक्ष की तिथि क्षय धान्य रुई अफीम गल्लामें तेजी

गोचरग्रहाः

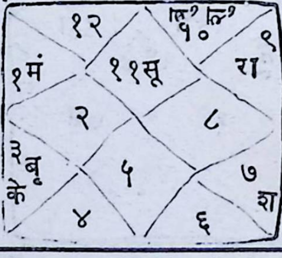

४८पं.फा.शु.१५मं.इ.३७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	९	६	८	१०
२४	१३	२५	२६	११	२७	८	२४
९	५५	४९	३६	११	५६	३९	६
१०	१०	४८	१२	५८	२६	२३	३२
६०	४०	४६	१/१	६८	०/४२	३	५९
५	३३	५	व	३९	व	११	५८

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०११ शाकः १८७६												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३६	१३	उ	५०	२१	शू	२६	३५	बा	५	४२	२९/१०	६/१०	५/५०	९	२५	१३	कं.३।१४	वसन्तोत्सवः छारेंडी
२	गु	३८	२६	ह	५३	४	गं	२५	२०	तै	७	२०	१४	९	५१	१०	२६	१४	कन्यायां	
३	शु	४१	५१	चि	५८	५७	वृ	२४	५५	व	१०	९	१८	८	५२	११	२७	१५	तु.२६।०	भ.१०।९ उ.४१/५१ या. कुम्भे बुधः५५।३९
४	श	४६	१५	स्वा	६०	०	ध्रु	२५	२१	ब	१४	३	२२	८	५२	१२	२८	१६	तुलायां	
५	र	५१	१२	स्वा	४	४७	व्या	२६	१८	कौ	१८	४४	२६	७	५३	१३	२९	१७	वृ.५४।२८	वक्री पुनर्वसौ २ चरणे गुरुः १९।४७
६	चं	५६	२२	वि	११	२	ह	२७	३१	ग	२३	४७	३१	६	५४	१४	३०	१८	वृश्चिके	भ. ५६।२२ उ. मीनेऽर्कः २८।३१
७	मं	६०	०	अ	१७	२९	व	२८	५१	वि	२८	५६	३६	५	५५	१५	१	१९	वृश्चिके	भ. २८।५६ या. मार्गी गुरुः १२।३६
७	बु	१	३०	ज्ये	२३	४६	सि	३०	८	ब	१	३०	४०	४	५६	१६	२	२०	ध.२३।४६	शीतला पूजनं
८	गु	६	१	मू	२९	३०	व्य	३०	३९	कौ	६	१	४४	३	५७	१७	३	२१	धनुषि	उभायां रविः ४९।९ शते बुधः ५८।५९
९	शु	९	५४	पू	३४	१०	व	३०	४९	ग	९	५४	४८	२	५८	१८	४	२२	म.५०।४	भ. ५१।१४ उ.
१०	श	१२	३३	उ	३७	४८	प	२९	३७	वि	१२	३३	५२	२	५८	१९	५	२३	मकरे	भ. १२।३६या. धनिष्ठायां भृगुः ०।१५
११	र	१४	३	श्र	४०	२	शि	२७	४०	बा	१४	३	५८	१	५९	२०	६	२४	मकरे	मार्गी पुनर्वसौ ३ चर्णे गुरुः १३।१२×
१२	चं	१४	१४	ध	४१	२८	सि	२४	४८	तै	१४	१४	३०/१	६/००	६/००	२१	७	२५	कु.१०।४५	प्रदोषः ×पापमोचनी ११ ब्र.
१३	मं	१३	११	श	४१	२७	सा	२०	५३	व	१३	११	६	५/५९	१	२२	८	२६	कुम्भे	भ. १३।११ उ. ४२।० या.
१४	बु	१०	४९	पू	४०	५	शु	१६	४	श	१०	४९	१०	५८	२	२३	९	२७	मी२५।२६	
३०	गु	७	२७	उ	३८	९	शु	१०	३०	ना	७	२७	१४	५७	३	२४	१०	२८	मीने	कुम्भे भगुः ४२/५२ अहगणः ३५३ च.४ के.

४९पं. चै.कृ.७ मं.इ.३७।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	९	६	८	११
१	१८	४	२६	१९	२७	८	१
८	४७	३	४०	२०	४८	१७	५
५२	२२	२९	१७	५०	३७	७	४४
५९	४०	६६	०/५	२५	१/२८	३	५९
४९	३३	२९	मा	५९	ब	११	४१

गोचरग्रहाः

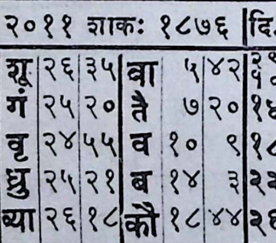

चैत्र कृ. ६ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.४प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

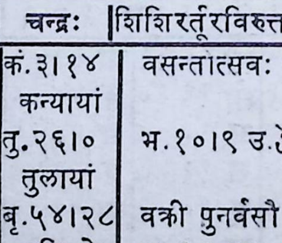

५०पं.चै.कृ.१३मं.इ.३७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	९	६	८	११
८	२३	१३	२६	२७	२७	७	८
६	५६	२	४३	३४	३७	५४	३
४६	५०	३२	१३	३९	१७	५२	१९
५९	४०	८२	१	७०	३/१	३	५९
३५	३५	२०	२०	११	ब	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५६ भोग्यकलिः ४२६९४४ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०१२ शाकः १८७७ अथास्मिन्वर्षेराजा शुक्रः । मंत्री बुधः । सस्येशश्शनिः । धान्येशश्शुक्रः। मेघेशो बुधः। रसेशश्चन्द्रः। नीरसेशः शनिः। फलेशः भौमः। धनेशोशनिः। दुर्गेशो बुधः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये शिवविंशतिकायां २ कीलकनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ३।४।१०।४८ भोग्यमासादिः ८।२५।४९।१२ सोम-दैवतं युगम्। वर्षनाम माघः । मेघ ४नाम द्रोणः । रोहिणी निवासः संधौ। समयनिवासो वणिग्गृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहनं दर्दुरः । स्तंभौ २ जलतृणयोः। सोमवत्यमा ३ । सोमवती पंचमी ३ । अंगारकीचतुर्थी ३ । बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी २। रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः३४५। समयदिनानि ३८४। तिथिक्षयः१४। तिथि वृद्धिः ८। उत्पति विश्वा ८९। खपति विश्वा १२६। वर्षा विश्वा ११। धान्यम् १३, तृणम् ११. शीतम् ५. तेज ५. वायुः १३. वृद्धिः१५। क्षयः १५। विग्रहः ७। ऐक्यं ९५ सत्यम्।।. धर्मम् १।।. पाप१८ शनि दृष्टिपश्चिमे। ग्रहणानि३, सूर्यस्य२ चन्द्रमसः १।

भैरव भवानी संवाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	२	११	४	८	११	१४
खर्च	.८	१४	११	११	५	११

भैरव प्रश्न

जय जगदम्बे ईश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
बारह विक्रम साल का मुख से कह दो हाल ।।

भवानी उत्तर

बारह विग्रह होयसी मध्यम वर्षे तोय ।
व्यापारां घट बढ़ चले रोग-युद्ध बहु होय ।।
श्रावण भादव मास में गुरु-मंगल का योग ।
पवन चक्र जग में चले वर्षा योग कुयोग ।।
आपस में भूपति लड़ें बहै रक्त की धार ।
धरा कंप अरु रोग से घटे मही का भार ।।
पण भृगु राजा वर्ष में यह सब जग हर्षाय ।
मंत्री पद बुध को मिला करे न्याय की न्याय ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग कर्तार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ९।१९

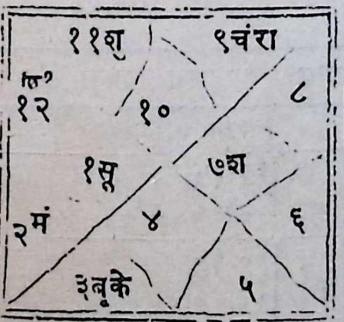

वर्षेश लग्नम् १।६

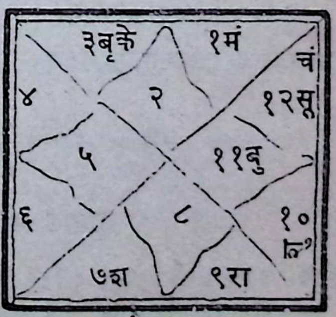

*चंबृशु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१२।५७

(सं० २००१समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्-शुक्रस्य राज्ये बहु सस्यसंकुला स्वतीव्रवेगाः सारितोम्बुराशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुता ।। मंत्री बुधस्तत्फलम्-शशिसुते शुभमन्त्रिसमागते स्वपतिनां कुरुते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारिसमन्वितं यवमसूरिचणान्नमहर्घता ।। सस्येशः शनिस्तत्फलम्-रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयं तुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्-भृगौ पश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशः बुधस्तत्फलम्-अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरायजनोत्सुकचेतसाः विविधसौख्ययुताधरणी तदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां बुभुजे युवतिंप्रियाम् । जलधरा बहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिस्तत्फलम्-त्रपुपिंडादिलोहानां कृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशः भौमस्तत्फलम्-फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत्सुबहुपुण्यफलान्वितमेदिनी । गदभयान्वितदेशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः ।। धनेशः शनिस्तत्फलम्-द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीड़ितमानसाः ।। दुर्गेशः बुधस्तत्फलम्-विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौभवतिराशगते तु विशेषतः । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ।। वर्षनाम माघस्तत्फलम्-सुभिक्षं पूर्वयाम्यांचमध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता ।। कीलकनाम सम्वत्सरत्फलम्-कीलकाब्दे त्वीतिभीतिः प्रजाक्षोभनृपाहवौ । तथापि वर्द्धते लोकः समधान्यार्घवृष्टिभिः ।। मेघनाम द्रोणस्तत्फलम्-द्रोणेवर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम्-खण्डवृष्टिश्चसन्धिषु ।। समयनिवासो वणिग्गृहे फलम्-वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०१२ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

बैसाख मासः

शुक्ला ४ भौमे मृगे ल. गो. रे.८ ।।।।।ऽऽ।। गो. भौमाटष्मे महादोषः

,, ९ शनौ मघा. ल.गो. रे.८।।।।।।ऽऽ। रिक्ताभौमाष्टम महादोषः पात सामीप्यात्त्याज्यमेव.

,, ११ चन्द्रे उफा. ल. १०-१२ रे. ८ ऽबृ।।।।ऽ।। मकरे गुरु-शुक्रौ पूज्यौ मीने चं. पू.

,, १४ गुरौ स्वात्यां ल. १० रे. ९ ।।।।।।ऽ।। गु. पू. सत् घ. ४९।५१ यावत् श्रेष्ठ

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा१०भौमे उभा.ल.ऽन्यगो.११रे.६ऽबु।।।ऽऽऽ।। गो.भौ.ने.

,, ११ बुधे रेव.ल.ऽन्यगो.११ रे.९।।।।।ऽचौऽ।। गो.भौ.ने.

शुक्ला ९ चन्द्रे उफा. ल.गो.१० रे.८ ।।।।ऽचौऽ।। गो.भौ.ने. मकरे गुरुः पूज्यः

,, ९ चन्द्रे हस्ते ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽचौऽ।। चं. पू. सत्

आषाढ मासः

कृष्णा ९ भौमे रेव. ल. ११-२ रे. ७ ऽरा।।।ऽ।ऽ।।

शुक्ला ५ शुक्रे मघा. ल. ११-२ रे. ७ ।।।।ऽऽऽ।। कुम्भे चं.पू.

,, ८ चन्द्रे हस्ते ल.१०रे.६ऽ।।।ऽ।ऽ।ऽ आवश्यकेगुरुःपूज्यः

,, १० बुधे स्वात्यां ल.१०-११रे.८।।।।ऽ।ऽ। मकरेगुरुःपू.

आषाढ़ कृ. ३० चन्द्रे खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा २।०

		स्प.	म.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्मम कालः	घ.	४	५	६	२
	मि.	२०	२९	३८	१८
रेल्वे टाइम	घं.	८	८	८	०
	मि.	१३	४१	८।।	५५

कार्तिक शु. १५ यां भौमेखण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ३।५

		स्प.	म.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घं.	३८	४०	४२	३
	मि.	१७	९	१	४४
रेल्वे टाइम	घ.	९	१०	११	१
	मि.	४६	३१	१५	२९

मागशीर्ष कृ. ३० बुधे खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा ८।५

		स्प.	म.	मो.	पर्व
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	११	१५	२०	८
	पल	७	३६	१	५४
रेल्वे टाइम	घ.	१०	१२	२	३
	मि.	५६	४३	३०	३४

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	३	५२	रे	३५	१२	ब्र	४/१२	५३/१२	ब	३	१२	३०/१८	५/५६	६/४	२५	११	२९	मे. ३५।१२
२	शु	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	श	५२	३१	अ	३१	४५	वै	४९	४६	तै	२५	१९	२२	५६	४	२६	१२	१	मेषे
४	र	४६	४१	भ	२७	५४	वि	४२	२६	व	१९	३६	२६	५५	५	२७	१३	२	वृ. ४१।५६
५	चं	४०	४६	कृ	२४	१	प्री	३४	४९	ब	१२	४४	३०	५४	६	२८	१४	३	वृषे
६	मं	३४	५१	रो	१९	४८	आ	२७	७	कौ	७	४९	३४	५३	७	२९	१५	४	मि ४७।४९
७	बु	२९	१०	मृ	१५	५०	सौ	१९	३१	ग	२	०	३८	५२	८	३०	१६	५	मिथुने
८	गु	२३	५३	आ	१२	२५	शो	१२	२०	ब	२३	५३	४३	५१	९	३१	१७	६	क. ५४।४३
९	शु	१९	१९	पु	८	४९	सु	५/३७	५३/५८	कौ	१९	१९	४७	५१	९	१	१८	७	कर्के
१०	श	१५	३४	पु	७	१७	धृ	५४	२०	ग	१५	३४	५२	५०	१०	२	१९	८	कर्के
११	र	१२	४६	श्ले	६	४	शू	४९	५८	वि	१२	४६	५६	४९	११	३	२०	९	सिं ६।४
१२	चं	११	४	म	५	५९	गं	४६	४४	बा	११	४	३१/००	४८	१२	४	२१	१०	सिंहे
१३	मं	१०	३०	पू	७	६	वृ	४४	२२	तै	१०	३०	४	४७	१३	५	२२	११	कं. २२।४१
१४	बु	११	२५	उ	९	२६	ध्रु	४२	३	व	११	२५	८	४६	१४	६	२३	१२	कन्यायां
१५	गु	१३	३३	ह	१२	४७	व्या	४२	५	ब	१३	३३	१२	४६	१४	७	२४	१३	तु. ४५।१३

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५४ स. १९५५

चंद्रद. नवरा. घटस्था. सम्वत्सरारम्भः
क्षयः *पूभायां बुधः ३०।०
सावान ८ मत्स्य जयंती गणगौरी पू.
भ. ११/३६ उ. ४३/४१ या. कृत्तिकायां भौमः ३।५५*
कल्पादिः +भवान्युत्पत्तिः

भ. २९/१० उ. ५६/३१ या. शते भृगुः २०।४
रेवत्यां रविः १६।३७ वृषे भौमः ५९।२९+
अप्रेल मा. ४ ता. ३० राम ९
भ. ४४।१० उ. मीने बुध. ५२।२२
भ. १२।४६ या. कामदा ११ व्र.
उभायां बुधः ४५।३ प्रदोषः

भ. ११।२५ उ. ४२।२९ या.
हनुमज्जयंती वै. स्ना. प्रा.

५१पं. चै. शु. ६ मं. इ. ३८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	१०	६	८	११
१५	२८	२३	२६	५	२७	७	१४
२	२४	२३	५५	५०	१५	३२	५९
४९	२८	३५	३४	४२	१८	३७	१४
५९	४०	९५	२	७०	३/४७	३	५९
१८	३६	२१	४७	४८	व	११	१६

गोचरग्रहाः

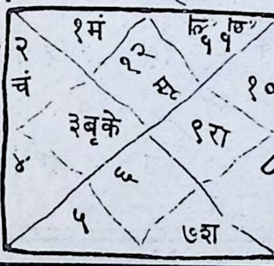

इस मास का फल साधारण है, पशु पीड़ा रसकस तेज होगा । शुक्रवार का चन्द्रदर्शन रूई धान्य तेज ।

गोचरग्रहाः

५२पं. चै. शु. १३ मं. इ. ३८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	१०	६	८	११
२१	३	४	२७	१४	२६	७	२१
५७	११	५५	१६	६	५८	१०	५३
२	३१	३३	४९	३५	२४	२१	२९
५९	४०	०/०	४	७१	२/३	३	५९
४	२४	५८	३	२०	व	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	१७	५५	चि	१७	४०	ह	४२	११	कौ	१७	५५	३५/१६	५/४५	६/१५	८	२५	१४	तुलायां
२	श	२१	१२	स्वा	२३	२१	व	४३	१८	ग	२१	१२	२०	४४	१६	९	२६	१५	तुलायां
३	र	२६	१	वि	२९	३६	सि	४४	३३	वि	२६	१	२४	४३	१७	१०	२७	१६	वृ. १३।२
४	चं	३१	६	अ	३६	१	व्य	४५	५६	बा	३१	६	२८	४२	१८	११	२८	१७	वृश्चिके
५	मं	३६	१३	ज्ये	४२	२२	व	४७	१३	कौ	३	४०	३२	४२	१८	१२	२९	१८	ध. ४२।२२
६	बु	४०	४१	मू	४८	७	प	४८	८	ग	८	२७	३६	४१	१९	१३	३०	१९	धनुषि
७	गु	४४	२९	पू	५३	१९	शि	४८	७	वि	१२	३५	४०	४०	२०	१४	१	२०	धनुषि
८	शु	४७	३	उ	५७	५	सि	४७	४२	बा	१५	४६	४४	३९	२१	१५	२	२१	म. ९।१५
९	श	४८	२५	श्र	५९	२७	सा	४६	१४	तै	१७	४४	४८	३८	२२	१६	३	२२	मकरे
१०	र	४८	३२	ध	६०	०	शु	४३	४३	व	१८	२८	५१	३८	२२	१७	४	२३	कुं. ३०।१०
११	चं	४७	२०	ध	०	५४	शु	४०	३	ब	१७	५६	५५	३७	२३	१८	५	२४	कुम्भे
१२	मं	४४	५६	श	१	११	ब्र	३५	३८	कौ	१६	८	५८	३६	२४	१९	६	२५	मी ४५।३३
१३	बु	४१	२९	पू	१३	५९/४	ऐं	३०	१८	ग	१३	१२	३/२	३६	२४	२०	७	२६	मीने
१४	गु	३७	७	रे	५६	३६	वै	२३	३०	वि	९	१८	६	३५	२५	२१	८	२७	मे. ५६।३६
३०	शु	३१	५९	अ	५२	१५	वि	१७	३३	च	४	३३	९	३४	२६	२२	९	२८	मेषे

वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

सब्बरात
भ. ५३।३६ उ.
भ. २६।१ या. पूर्वास्तं बुधः ४९/१८ पू. भृगुः ३६/५७

रेवत्यां बुधः १०।३३
भ. ४०।४१ उ. मेषेऽर्कः ५१।८
भ. ७।३५ या.
रो. भौमः ४१/१० मूले २ राहुः मृगे ४ केतुः ११।२

भ. १८।२८ उ. ४८।३२ या.
मेषेबुधः ५२/४२ मीनेभृगुः ५/४४ वरूथिनी ११ व्र.
पातस्पर्शः ५२।३ वरूथिनी ११ व्र. नि.
भ. ४१।१९ उ. पातमोक्षः ४।५७ प्रदोषः
भ. ९।१८ या. उभायां भृगुः ४६।५

१पं. वै. कृ. ६ बु. इ. ५४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	२	१०	६	८	०
०	८	२०	२७	२३	२६	६	०
३	४८	५	५१	५६	२८	४४	०
११	३	२७	५७	२४	३३	४	०
५८	४०	७/२	१०/२	७१	५३	३	५८
४५	२६	४२	व	५०	व	११	४४

गोचरग्रहाः

वैशाख कृ. ६ बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभावे सम) शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

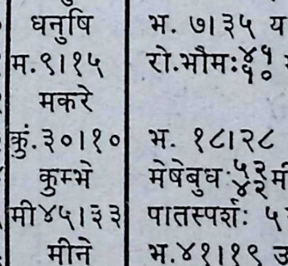

२पं. वै. कृ. १३ बु. इ. ५४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	२	११	६	८	०
६	१३	४	२८	२	२६	६	६
५३	३०	१४	३१	१८	१	२१	५०
५३	१७	१३	५१	१३	१९	४९	३८
५८	४०	[illegible]	६	७२	१/४	३	५८
२९	१९	१	३२	८	व	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख	शुक्लपक्षः सं. २०१२	शाकः १८७७										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३८३ सन् १९५५
१	श	२६	२२	भ	४८	३५	प्री	१०	२६	ब	२६	२२	३३/१३	५/३३	६/२७	२३	१०	२९	मेषे	चन्द्रदर्शनम्
२	र	२०	२५	कृ	४४	२२	आ	२/५८	५२/२५	कौ	२०	२५	१४	३३	२७	२४	११	१	वृ.२।३२	रमजान ९ रोजा परशुराम ज. के.
३	चं	१४	२४	रो	४०	१९	शो	४७	२३	ग	१४	२४	२१	३२	२८	२५	१२	२	वृषे	भ.२१/५५ उ. भरण्यां बुधः ४८/२ परशुराम ज.
४	मं	८	२६	मृ	३६	२१	अ	४४	५	वि	८	२६	२५	३१	२९	२६	१३	३	मि२।३२	भ. ८।२६ या.
५	बु	२	४५	आ	३२	४८	सु	३२	३८	बा	२	४५	२९	३०	३०	२७	१४	४	मिथुने	भरण्यां रविः ३२।२२
६	बु	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु	५२	४३	पु	२९	४१	धृ	२६	७	ग	२५	२	३३	३०	३१	२८	१५	५	क.१५।२८	भ. ५२।४३ उ.
८	शु	४८	५३	पु	२७	२०	शू	१९	४७	वि	२०	४८	३६	२९	३१	२९	१६	६	कर्के	भ. २०।४८ या.
९	श	४५	५९	श्ले	२५	५३	गं	१४	२८	बा	१७	२६	४०	२८	३२	३०	१७	७	सिं२५।५३	कृतिकायां बुधः १५।३७
१०	र	४४	११	म	२५	२८	वृ	१०	०	तै	१५	५	४३	२७	३३	१	१८	८	सिंहे	मई मा. ५ ता. ३१
११	चं	४३	४४	पू	२६	२७	ध्रु	६	१३	व	१३	५७	४७	२७	३३	२	१९	९	कं.४१।५५	भ.१३/५७ उ.४३/४४या. वृषे बुधः५८/१९ मो.११व्र.
१२	मं	४४	२०	उ	२८	१७	व्या	२	३३	ब	१४	२	५०	२६	३४	३	२०	१०	कन्यायां	रेवत्यां भृगुः४४/४५ पुनर्वसौ४ कर्के गुरुः २७/२२
१३	बु	४६	१७	ह	३१	४७	ह	१	५२	कौ	१५	१८	५४	२५	३५	४	२१	११	कन्यायां	पश्चिमोदयी बुधः ३२।३७ प्रदोषः
१४	गु	४९	४१	चि	३६	१२	व	१	१३	ग	१७	५९	५७	२५	३५	५	२२	१२	तु. ४।०	भ. ४९/४१ उ. मृगे भौमः ३६/४४ नृसिंहजयंती
१५	शु	५३	५१	स्वा	४१	३७	सि	१	२१	वि	२१	४६	३३/६	२४	३६	६	२३	१३	तुलायां	भ.२१/४६या. कूर्मजयंती वै. स्ना. पूर्तिः

३पं. वै.शु.५ बु.इ.५४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	३	२	११	६	८	०
१३	१८	१९	२९	१०	२५	५	१३
४१	१६	२२	१८	४२	३१	५९	३९
५८	१९	२८	१९	५	५३	३४	४१
५७	४०	६/३८	७	७२	४/३०	३	५८
१२	२१	९/३५	२७	२८	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

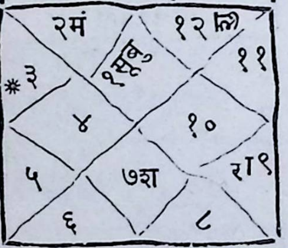

इस मास में ५ शुक्र उत्तम हैं। प्रजामें सुख शांति धान्य अफीम रूई का भाव साधारण

गोचरग्रहाः

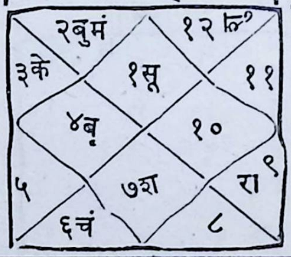

४पं.वै.शु.१३ बु.इ.५५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	११	६	८	०
२०	२२	३	०	१८	२५	५	२०
२८	५२	४९	१२	५	०	३७	२७
२४	११	५४	२५	३१	६	१८	२१
५७	४०	७/०	८	७२	४/४	३	५८
५७	५०	९/१	२९	५०	ब	११	६

ति.	ज्येष्ठ	कृष्णपक्षः सं. २०१२	शाकः १८७७										दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५८	३४	वि	४७	४६	व्य	२	२२	बा	२६	१२	३३/४	५/२३	६/३७	७	२४	१४	वृ.३१।४१	
२	र	६०	०	अ	५४	१३	व	३	४०	तै	३१	४	७	२३	३७	८	२५	१५	वृश्चिके	रोहिण्यां बुधः ३।२०
२	चं	३	३४	ज्ये	६०	०	प	५	२	ग	३	३४	१०	२२	३८	९	२६	१६	वृश्चिके	भ. ३६।० उ.
३	मं	८	२६	ज्ये	०	३६	शि	६	३२	वि	८	२६	१३	२१	३९	१०	२७	१७	ध.०।३६	भ. ८।२६ या.
४	बु	१२	५४	मू	६	३३	सि	७	३५	बा	१३	५४	१५	२१	३९	११	२८	१८	धनुषि	कृत्तिकायां रविः २०।२७
५	गु	१६	३७	पू	११	४२	सा	८	५	तै	१६	३७	१९	२०	४०	१२	२९	१९	म.२७।४६	
६	शु	१९	१०	उ	१५	५७	शु	७	४४	व	१९	१०	२२	२०	४०	१३	३०	२०	मकरे	भ. ५९/१० उ. ४९/५७ या. मेषे भृगुः ५६।०
७	श	२०	४५	श्र	१९	०	शु	६	२४	ब	२०	४५	२५	१९	४१	१४	३१	२१	कुं.४९।५५	वृषेऽर्कः ४८।१४ या.
८	र	२०	३१	ध	२०	४६	ब्र	४	४	कौ	२०	३१	२८	१८	४२	१५	१	२२	कुम्भे	मिथुने भौमः ४२।२०
९	चं	१९	१७	श	२१	१७	ऐं	५०/०	५५/५५	ग	१९	१७	३१	१८	४२	१६	२	२३	कुम्भे	भ. ४८।२ उ. मृगे बुधः ३८।३३
१०	मं	१६	४८	पू	२०	४३	वि	५१	३०	वि	१६	४८	३४	१७	४३	१७	३	२४	मी५।४२	भ. १६।४८ या.
११	बु	१३	२९	उ	१८	५३	प्री	४५	३६	बा	१३	२९	३६	१७	४३	१८	४	२५	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	गु	८	२५	रे	१६	२४	आ	३९	१६	तै	८	२५	३९	१६	४४	१९	५	२६	मे.१६।२४	प्रदोषः
१३	शु	३	४६	अ	१३	८	सौ	३२	१८	व	३	४६	४१	१६	४४	२०	६	२७	मेषे	भ. ३।४६ उ. ३०।५४ या.
१४	शु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	श	५२	४	भ	९	२९	शो	२४	५९	च	२५	३	४४	१५	४५	२१	७	२८	वृ.२३।५७	भावुका वट पूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.४ बु.इ.५५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	११	६	८	०
२७	२७	१६	१	२७	२४	५	२७
१३	३१	२२	१२	३२	२८	१५	१३
३८	०	५	६	५८	३४	३	२२
५७	३९	९९	९	७३	४/४०	३	५७
५५	५६	०	९९	८	व	११	३४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ.७ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं प. ।

गोचरग्रहाः

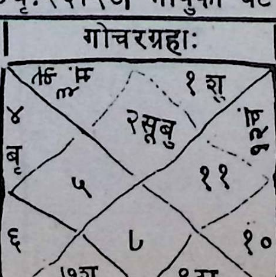

६पं.ज्ये.कृ.११बु.इ.५५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	३	०	६	८	१
३	२	२६	२	५	२३	१४	३
५७	८	०	१६	५९	५७	५२	५८
१५	१३	२६	५५	२०	३२	४७	२६
५७	३९	७०	१०	७३	३४	३	५७
३४	४९	१६	२	२०	ब	११	४४

*चंबृके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २३५ स. १९५५
१	र	४६	१	कृ	५	२१	अ	१७	३२	किं	१९	२	३/४ ३/६	५/१५	६/४५	२२	८	२९	बृषे	मिथुने बुधः २०।५०
२	चं	३१	५९	रो	१/२२	५५/५९	सु	९	४६	बा	१३	०	४८	१४	४६	२३	९	३०	मि२९।२१	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	३३	५५	आ	५३	४१	धृ	३/२५	५२/४३	तै	६	५७	५०	१४	४६	२४	१०	१	मिथुने	सव्वाल १० ईद
४	बु	२८	४४	पु	५०	२१	गं	४८	१५	व	१	१९	५२	१४	४६	२५	११	२	क.३६।११	भ.१/१९ उ.३८/४४ या.रोहिण्यांरविः ३/१४ आर्द्रायां*
५	गु	२४	१	पु	४७	५२	वृ	४१	५६	बा	२४	१	५४	१३	४७	२६	१२	३	कर्के	*भौमः ४९/३४ भरण्यांभृगुः ५३/४ पुष्ये १ गुरुः १८/१७
६	शु	२०	३	श्ले	४७	१४	ध्रु	३६	२७	तै	२०	३	५६	१३	४७	२७	१३	४	सि४७।१४	वक्री विशाखायां १ शनिः ४२।१०
७	श	१७	३	म	४७	३४	व्या	३१	४५	व	१७	३	५८	१२	४८	२८	१४	५	सिंहे	भ. १७।३ उ. ४६।६ या.
८	र	१५	९	पू	४७	५४	ह	२८	३	ब	१५	९	३४/००	१२	४८	२९	१५	६	सिंहे	
९	चं	१४	३१	उ	४८	५५	व	२५	५	कौ	१४	३९	२	१२	४८	३०	१६	७	कं. ३।९	
१०	मं	१५	६	ह	५०	५४	सि	२३	२१	ग	१५	६	४	११	४९	३१	१७	८	कन्यायां	भ. ४६।३ उ. गङ्गादशहरा
११	बु	१७	०	चि	५५	१४	व्य	२२	२५	वि	१७	०	६	११	४९	१	१८	९	तु.२३।४	भ.१७/० या.जून मा.६ता.३० निर्जला ११व्र.
१२	गु	२०	८	स्वा	६०	०	व	२२	२९	बा	२०	८	७	११	४९	२	१९	१०	तुलायां	वक्री बुधः १६।२३ प्रदोषः
१३	शु	२४	१२	स्वा	०	२४	प	२३	८	तै	२४	१२	९	१०	५०	३	२०	११	बृ.४९।५२	वट सावित्री व्रतारम्भः
१४	श	२९	१	वि	६	२२	शि	२४	३३	व	२९	१	१०	१०	५०	४	२१	१२	बृश्चिके	भ. २९।१ उ. *वट सावित्री पूज.
१५	र	३३	४५	अ	१२	४४	सि	२६	२	वि	२	२३	१२	१०	५०	५	२२	१३	वृश्चिके	भ.२ १/३या. कृत्तिकायां भृगुः १/१६ गुर्जराणां*

७पं.ज्ये.शु.४बु.इ.५५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	३	०	६	८	१
१०	६	२	३	१४	२३	४	१०
३९	४४	३१	२६	२३	२७	३०	४२
२६	२	५८	४१	२३	३१	३२	२०
५७	३९	३५	१०	७३	१४/४	३	५७
२३	५३	२८	४४	३०	व	११	३५

गोचरग्रहाः

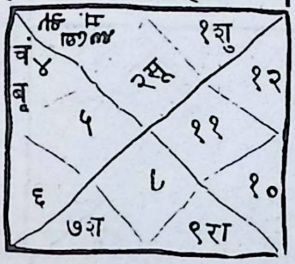

इस मास का फल मध्यम है. प्रजामें पीड़ा रोग अग्नि भय भूकम्प आदि का उपद्रव हो, रुई अन्नाज तेजी-मंदी

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.११बु.इ.५५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	३	०	६	८	१
१७	११	५	४	२२	२२	४	१७
२०	१८	१८	४१	५३	५८	८	२०
३२	१८	४०	१६	२०	३१	१७	४
५७	३९	१	११	७३	५ ३/१	३	५७
१३	४९	१४	१९	४४	व	११	२७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्ष सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३८	३४	ज्ये	१९	१२	सा	२७	२९	बा	६	४	३/४ ४/३	५/९	६/५५	६	२३	१४	ध.१९।१२	पश्चिमास्त बुधः ५५।२६
२	मं	४२	५९	मू	२५	१७	शु	२८	४५	तै	१०	४६	१५	९	५१	७	२४	१५	धनुषि	वृषे भृगुः ४८।३७
३	बु	४६	३७	पू	३०	३१	शु	२९	२३	व	१४	४८	१६	९	५१	८	२५	१६	म.४६।३८	भ.१४।४८ उ.४६।३७ या. मृगे रविः १/१ ३/२
४	गु	४९	११	उ	३५	१	ब्र	२९	१२	ब	१७	५४	१७	९	५१	९	२६	१७	मकरे	
५	शु	५०	२७	श्र	३८	२३	ऐं	२८	५	कौ	१९	४९	१८	८	५२	१०	२७	१८	मकरे	
६	श	५०	३३	ध	४०	२४	वै	२६	९	ग	२०	३०	१९	८	५२	११	२८	१९	कु.२४।९	भ. ५०।३३ उ. *पुनर्वसौ भौमः १८/४७
७	र	४९	१८	श	४१	१०	वि	२३	९	वि	१९	५५	२०	८	५२	१२	२९	२०	कुम्भे	भ. १९।५५या. पुष्ये२ गुरुः ३७।५०
८	चं	४६	५०	पू	४०	५६	प्री	१९	६	बा	१८	४	२१	८	५२	१३	३०	२१	मी२६।०	
९	मं	४३	२१	उ	३९	२१	आ	१४	१४	तै	१५	६	२२	८	५२	१४	३१	२२	मीने	
१०	बु	३८	५७	रे	३६	५७	सौ	८	३१	व	११	९	२२	८	५३	१५	३२	२३	मे.३६।५७	भ.११।९ उ.३८।५७या. मिथुनेऽर्कः ४/०*
११	गु	३३	४७	अ	३३	२२	शो	२/२	५३/१८	ब	६	२२	२३	७	५३	१६	१	२४	मेषे	रोहिण्यां भृगुः २।१७ योगिनी ११ व्र.
१२	शु	२८	३	भ	३१	३	सु	४८	३	कौ	०	५५	२३	७	५३	१७	२	२५	बृ.४४।५२	वक्री वृषे बुधः ५८/५५ मूले १ राहुः मृगे ३=
१३	श	२२	४	कृ	२६	१८	धृ	४०	२६	व	२२	४	२३	७	५३	१८	३	२६	बृषे	भ.२२।४उ.४९।१या. =केतुः ४ ६/२ प्रदोषः
१४	र	१५	५७	रो	२२	५३	शू	३३	८	श	१५	५७	२४	७	५३	१९	४	२७	मि५०।३६	
३०	चं	९	५०	मृ	१८	१९	गं	२५	४५	ना	९	५०	२४	७	५३	२०	५	२८	मिथुने	पातस्पर्शः ८।८ सोमवत्यमा. रविग्रहणम्

९पं. आ.कृ.३बु.इ.५५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	३	१	५	८	१
२४	१५	४	५	१	२२	३	२४
०	५२	२४	५९	२२	३३	४६	७
२८	१	२१	४२	४०	२२	१	८
५७	३९	३३/४६	११	७३	३ ३/१	३	५७
५	३९	व	५५	५३	व	११	२२

गोचरग्रहाः

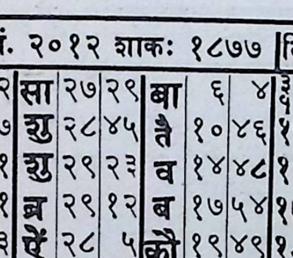

आषाढ कृ.१०बुधे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ५ न.५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

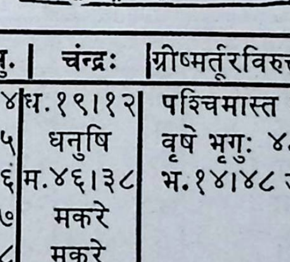

१०पं.आ.कृ.१०बु.इ.५५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	३	१	६	८	२
०	२०	१	७	९	२२	३	०
३९	२४	६	२०	५१	१०	२३	४८
३६	२९	३६	३४	५४	४४	४६	२५
५६	३९	३२/२६	१२	७३	३/४	३	५७
५७	४६	व	१८	५६	व	११	१७

*केबुमं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४४२ स.१९५५
१	मं	३	५६	आ	१४	५५	वृ	१८	२४	ब	३	५८	३४/२४	५/७	६/५३	२१	६	२९	क.५७।१	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	५४	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	५३	३३	पु	११	३	ध्रु	११	१५	तै	२५	५९	२४	७	५३	२२	७	१	कर्के	जिल्काद ११ आर्द्रायां रविः १५।३२
४	गु	४९	३१	पु	८	३०	व्या	४/५९	५४/१७	व	२१	३२	२४	७	५३	२३	८	२	कर्के	भ. २१।३२ उ. ४९।३१ या.
५	शु	४६	२५	श्ले	६	५७	व	५४	४४	ब	१७	५८	२४	७	५३	२४	९	३	सिं६।५७	अस्तं भौमः २८।४१
६	श	४४	२५	म	५	३०	सि	५०	३०	कौ	१५	२५	२३	७	५३	२५	१०	४	सिंहे	पूर्वोदयी बुधः २०।४८
७	र	४३	३६	पू	५	५१	व्य	४७	३३	ग	१४	०	२३	७	५३	२६	११	५	कं.२१।१३	भ. ४३।३६ उ.
८	चं	४४	१३	उ	७	१८	व	४५	२७	वि	१३	५४	२३	७	५२	२७	१२	६	कन्यायां	भ. १३।५४ या. मृगे भृगुः ३।१
९	मं	४५	५१	ह	१०	५	प	४४	२८	बा	१५	२	२२	८	५२	२८	१३	७	तु.४२।३	
१०	बु	४९	०	चि	१४	०	शि	४४	२०	तै	१७	२५	२२	८	५२	२९	१४	८	तुलायां	मार्गी बुधः ३०।१३ पुष्ये ३ गुरुः १।१६
११	गु	५२	५९	स्वा	१९	८	सि	४५	१	व	२०	५९	२१	८	५२	३०	१५	९	तुलायां	भ २०।५५ उ.५२।५९या. कर्के भौमः ४६/४३ *
१२	शु	५७	३३	वि	२४	४९	सा	४६	१५	ब	२५	१६	२०	८	५२	१	१६	१०	वृ.८।२४	जुलाई मा.७ ता.३१ देवशयनी ११ब्र.नि.
१३	श	६०	०	अ	३१	७	शु	४७	४६	कौ	२९	५६	१९	८	५२	२	१७	११	वृश्चिके	मिथुने भृगुः २६।४४ प्रदोषः
१३	र	२	१९	ज्ये	३७	३५	शु	४९	१७	तै	२	१९	१८	८	५२	३	१८	१२	ध.३७।३५	
१४	चं	७	१५	मू	४३	४२	ब्र	५०	३५	व	७	१५	१७	९	५१	४	१९	१३	धनुषि	भ. ७।१५ उ. ३९।२७ या.
१५	मं	११	३९	पू	४९	१५	ऐं	५१	२६	ब	११	३९	१६	९	५१	५	२०	१४	धनुषि	व्यासपूजा *देवशयनी ११ब्र. स्मा.वैं.

११पं.आ.शु.३बु.इ.५५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	१	६	८	२
७	२४	२७	८	१८	२१	३	७
१८	५६	४६	४५	२२	५१	१	२९
४	२५	२८	९	४	२७	३१	१७
५६	३९	३४/१८	१२	७४	२/२५	३	५७
५४	३४	ब	४१	५	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

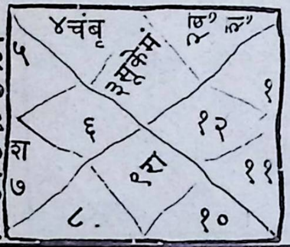

इस मास में जौ गेहूँ बाजरा चावल रूई अफीम मूंग मन्दा होगा सुदी में प्रजा में कोई बीमारी होगी।

गोचरग्रहाः

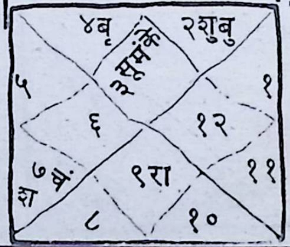

१२पं.आ.शु.१०बु.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	१	६	८	२
१३	२९	२६	१०	२६	२१	२	१४
५६	२६	५४	११	५३	३६	३९	९
७	१९	३५	५१	१५	९	१५	४६
५६	३९	१/३४	१३	७४	१/५२	३	५७
५०	३२	ब	५	८	मा	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१५	१९	उ	५४	८	वै	५१	३१	कौ	१५	१९	३४/५४	५/९	६/५१	६	२१	१५	म.५।२८	पुनर्वसौरविः १९/३३ पुष्येभौमः ०/८ मार्गीबुधः ५४/४०
२	गु	१७	५५	श्र	५७	३५	वि	५०	३३	ग	१७	५५	१३	९	५१	७	२२	१६	मकरे	भ. ४८।३६ उ. आर्द्रायांभृगुः ५४।२२
३	शु	१९	१७	ध	५९	५६	प्री	४८	४३	वि	१९	१७	११	१०	५०	८	२३	१७	कु.२८।४५	भ.१९।१७ या. अस्तं गुरुः५७।३६ अ.गु.
४	श	१९	२६	श	६०	०	आ	४५	५७	बा	१९	२६	१०	१०	५०	९	२४	१८	कुम्भे	
५	र	१८	१६	श	०	५७	सौ	४२	६	तै	१८	१६	८	१०	५०	१०	२५	१९	मी४६।२	नाग ५
६	चं	१५	४८	पू	३	४६/४९	शो	३७	१९	व	१५	४८	७	११	४९	११	२६	२०	मीने	भ. १५।४८ उ. ४४।६ या.
७	मं	१२	२४	रे	५७	१८	अ	३१	४१	ब	१२	२४	६	११	४९	१२	२७	२१	मे.५७।८	मन्वादिः
८	बु	८	०	अ	५४	२६	सु	२५	२६	कौ	८	०	४	११	४९	१३	२८	२२	मेषे	आर्द्रायाँ बुधः ३५।१५
९	गु	२	५२	भ	५०	५५	धृ	१८	३८	ग	२	५२	२	१२	४८	१४	२९	२३	मेषे	भ.३०।३ उ.५७।१४या. पुष्ये४ गुरुः ३५/५५
१०	गु	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	शु	५१	१८	कृ	४६	५८	शू	११	२७	ब	२४	१६	०	१२	४८	१५	३०	२४	वृ.४।५६	कामिका ११ व्र. स्मा.
१२	श	४५	७	रो	४२	५३	गं	५/३	२/२५	कौ	१८	१२	३३/५८	१२	४८	१६	३१	२५	बृषे	.कर्केऽर्कः ५२।१७ कामिका ११ ब्र.
१३	र	३९	०	मृ	३८	४४	ध्रु	४८	५०	ग	१२	३	५६	१३	४७	१७	१	२६	मि१०।४८	भ. ३९।० उ.
१४	चं	३३	५	आ	३४	४६	व्या	४१	२५	वि	६	२	५४	१४	४७	१८	२	२७	मिथुने	भ.६/१या. मार्गीशनिः ४५/२२ पुनर्वसौभृगुः ५०/१
३०	मं	२१	२५	पु	३१	२७	ह	३४	२६	च	०	१५	५२	१४	४६	१९	३	२८	क १७।१७	हरियालीं ३०

१३पं.श्रा.कृ.१बु.इ.५५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	२	६	८	२
२०	३	०	११	५	२१	२	२०
३४	५६	०	४०	२७	२५	१७	५६
३	२९	३२	२७	५	२	०	६
५६	३९	३८	१३	७४	१/१३	३	५६
५०	३३	११	१९	१९	ब	११	७

गोचरग्रहाः

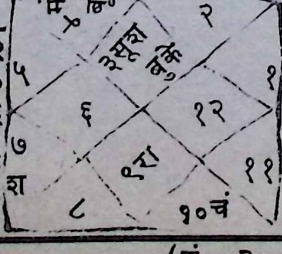

श्रावण कृ. १२ शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा.४ न.६ प्रौढा-वस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

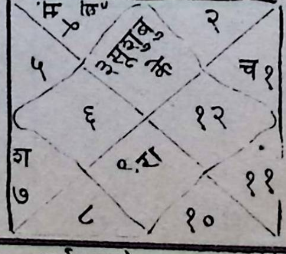

१४पं.श्रा.कृ.८ बु.इ.५५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	२	६	८	२
२७	८	७	१३	१४	२१	१	२७
१२	२५	५	१०	१	१९	५४	३०
९	४	५५	२९	१	२५	४४	३२
५६	३९	७७	१३	७४	२९	३	५७
५५	२९	१८	२५	२०	ब	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६५ सन् १९५५
१	बु	२२	३३	पु	२८	३२	व	२७	५५	ब	२२	३३	३३/३०	५/१४	६/४६	२०	४	२९	कर्के	चन्द्रदर्शनं पुष्येरविः २२।५८ नक्तव्रता.
२	गु	१८	२७	श्ले	२६	२८	सि	२१	६	कौ	१८	२७	४७	१५	४५	२१	५	१	सिं२६।२८	जिल्हेज १२ सिंझारा
३	शु	१५	१५	म	२५	१७	व्य	१७	२	ग	१५	१५	४५	१५	४५	२२	६	२	सिंहे	भ. ४४।१३ उ. पुनर्वसौ बुधः १८।२८
४	श	१३	१०	पू	२५	२२	व	१२	५२	वि	१३	१०	४२	१६	४४	२३	७	३	कं.४०।३८	भ. १३।१० या.
५	र	१२	१५	उ	२६	२५	प	९	४५	बा	१२	१५	४०	१६	४४	२४	८	४	कन्यायां	नाग ५ ÷भौमः ५२।५९ कर्के×
६	चं	१२	४९	ह	२०	५४	शि	७	२७	तै	१२	४९	३७	१६	४३	२५	९	५	कंन्यायां	पूर्वास्तंबुधः २१।१६ वर्ण ६
७	मं	१४	३८	चि	३२	३४	सि	६	१८	व	१४	३८	३५	१७	४३	२६	१०	६	तु.०।४४	भ. १४।३८ उ. ४५।५९ या. आश्लेषायां÷
८	बु	१७	२१	स्वा	३७	१५	सा	५	५९	ब	१७	२१	३२	१८	४२	२७	११	७	तुलायाँ	कर्के बुधः २७।११ दुर्वा ८ ×भृगुः ५९/३०
९	गु	२१	१६	वि	४२	९	शु	६	२९	कौ	२१	१६	३०	१८	४२	२८	१२	८	वृ.२५।५६	कल्किजयन्ती =आश्लेषायां१ गुरुः ४८/३०
१०	शु	२५	५६	अ	४९	१२	शु	७	३६	ग	२५	५६	२७	१९	४१	२९	१३	९	बृश्चिके	भ. ५/२६ उ. हज्ज पुष्ये बुधः ६/७ पुष्ये भृगुः=
११	श	३०	५४	ज्ये	५५	३७	ब्र	९	५	वि	३०	५४	२४	१९	४१	३०	१४	१०	ध.५५।२७	भ. ३०।५४ या. बकरीद पवित्रा ११ व्रः
१२	र	५५	३४	मू	६०	०	ऐं	१०	४१	ब	३	१४	२१	२०	४०	३१	१५	११	धनुषि	पवित्रार्पण *रक्षावन्धनम्
१३	चं	४०	०	मू	१	५१	वै	१२	६	कौ	७	४७	१८	२०	४०	१	१६	१२	धनुषि	उदयंगुरुः ३५/२४ अगस्त मा.८ता.३१ प्रदोषः
१४	मं	४३	४५	पू	७	३५	वि	१२	५८	ग	११	५३	१५	२१	३९	२	१७	१३	म.२३।४८	भ. ४३।४५ उ. उ. गु.
१५	बु	४६	५४	उ	१२	२८	प्री	१३	१२	वि	१५	१९	१२	२२	३८	३	१८	१४	मकरे	भ. १५/१९ या. सार्पे रविः ३३/४६ श्रावणी कर्म*

१५पं.श्रा.शु.१ बु.इ.५५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	३	२	६	८	३
३	१२	१७	१४	२२	२१	१	४
५०	५२	३०	४२	३५	१७	३२	११
३७	५८	५७	१	२०	५३	२९	१३
५६	३९	७/०	१३	७४	१/३	३	५७
५७	२९	९/२६	३२	२६	मा	११	१५

१६पं.श्रा.शु.८बु.इ.५५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	३	६	८	३
१०	१७	०	१६	१	२१	१	१०
२५	२०	५६	१४	९	२१	१०	५२
५४	४९	२४	१४	०	४८	१४	१५
५७	३९	७/८	१३	७४	१	३	५७
५	२६	९/६	३८	२९	१	११	२०

१७प.श्रा.शु.१५बु.इ.५५।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	३	६	८	३
१७	२१	१५	१७	९	२१	०	१७
९	४८	३५	४७	४८	२९	४७	३३
४३	५५	२४	४	३६	५८	५८	५७
५७	२९	३०/८	१३	७४	१	३	५७
१२	२६	९/२२	३८	३२	४०	११	२४

ति.	प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४७	५५	श्र	१६	१९	आ	२२	३४	बा	१७	२४	३३/९	५/२२	६/३८	४	१९	१५	कुं.४७।३८	आश्लेषायां बुधः २६।६
२	शु	४८	१४	ध	२८	५६	सौ	१०	५६	तै	१८	४	६	२३	३७	५	२०	१६	कुम्भे	
३	श	४७	७	श	२०	१९	शो	८	२०	व	१७	४०	३	२३	३७	६	२१	१७	कुम्भे	भ. १७।४० उ. ४७।७ या.
४	र	४४	४६	पू	२०	२८	अ	४/३४	५५/३५	ब	१५	५७	०	२४	३६	७	२२	१८	मी५।२६	चतुर्थी व्रतम् पू. अ. भृ.
५	चं	४१	२४	उ	१९	२२	धृ	५४	२५	कौ	१३	५	३२/५७	२५	३५	८	२३	१९	मीने	पूर्वास्तं भृगुः ४३।४८ चन्द्रषष्ठी
६	मं	३७	८	रे	१७	१९	शू	४८	१२	ग	९	१६	५४	२५	३५	९	२४	२०	मे. १७।१९	भ. ३७।८ उ. अश्लेषायां भृगुः ३०।३६
७	बु	३२	६	अ	१४	४०	गं	४१	२५	वि	०	३७	५०	२६	३४	१०	२५	२१	मेषे	भ.३/४या. सिंहेबुधः२/६ जन्माष्टमी स्मा.
८	गु	२६	३०	भ	११	९	वृ	३४	९	कौ	२६	३०	४७	२७	३३	११	२६	२२	वृ.२५।११	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	शु	१९	३५	कृ	७	१९	ध्रु	२६	३६	ग	१९	३५	४३	२७	३३	१२	२७	२३	बृषे	भ. ४७।३ उ. गोगा ९
१०	श	१४	३१	रो	३/१२	५९/५२	व्या	१९	२	वि	१४	३१	४०	२८	३२	१३	२८	२४	मि३१।८	भ. १४।३१ या. आश्लेषायां२ गुरुः ५१/४३
११	र	८	२३	आ	५५	८	ह	११	२९	बा	८	२३	३६	२९	३१	१४	२९	२५	मिथुने	अजा ११ व्र. वामनावतारः
१२	चं	२	२०	पु	५१	३७	व	४/००	५३/५३	तै	२	२०	३३	२९	३०	१५	३०	२६	क.३७।३०	भ. ५६।५३ उ. प्रदोषः गोवत्स पू.
१३	चं	५४	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *लोहार्गल स्ना. पिठोरी ३०
१४	मं	५१	५३	पु	४८	२८	व्य	५०	१०	वि	२४	२३	२९	३०	३०	१६	३१	२७	कर्के	भ. २४।२३ या. सिंहे भौमः ४६।२७
३०	बु	४७	४१	श्ले	४६	१	व	४४	५	च	१९	४७	२६	३१	२९	१७	३२	२८	सिं४६।१	सिंहेऽर्कः २०।१३ कुशाग्रहणी सती पू.*

१८पं.भा.कृ.७बु.इ.५४।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	३	६	८	३
२३	२६	२९	१९	१८	२१	०	२४
५०	१६	५१	१९	२४	४२	२५	१६
५०	५१	०	४८	३६	३९	४३	२६
५७	३९	७/८	१३	७४	२	३	५७
२२	२६	९/४१	३८	३९	१९	११	३३

गोचरग्रहाः

भाद्र. कृ.३० बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.५ पुत्रवत्सलावस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव तेज) शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

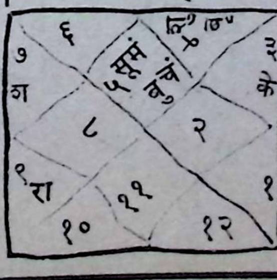

१९पं.भा.कृ.३०बु.इ.५४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	३	३	६	८	४
०	०	१२	२०	२७	२२	०	०
३३	४४	५९	५२	.२	०	३	५९
३	३८	२७	१	५६	४३	२८	४५
५७	३९	७/८	१३	७४	२	३	५७
३७	१६	९/२	३२	३५	५८	११	४०

*शुबुके

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५०० स.१९५५
१	गु	४४	३०	म	४४	४६	प	३८	५१	किं	१६	५	३२/५२	५/३२	६/२८	१८	१	२९	सिंहे	पूफायांबुधः४५ ज्येष्ठायां४ बृश्चिके राहुः*
२	शु	४२	२२	पू	४४	३३	शि	३४	२५	बा	१३	२६	१९	३२	२८	१९	२	३०	कं.५९।४६	चन्द्रदर्शनम् पश्चिमोदयी बुधः २।२६
३	श	४१	२७	उ	४५	२४	सि	३०	५९	तै	११	५४	१५	३३	२७	२०	३	१	कन्यायां	मोहरम७ सन् १३७५ सिंहे भृगुः १७।५
४	र	४१	५७	ह	४७	३१	सा	२८	२९	व	११	४२	१२	३४	२६	२१	४	२	कन्यायां	भ. ११।४२ उ. ४१।५७ या. गणेश ४
५	चं	४३	३४	चि	५०	५६	शु	२६	५९	ब	१२	३५	८	३४	२६	२२	५	३	तु.१९।१३	*मृगे २ वृषे केतुः ५९।५९
६	मं	४६	२३	स्वा	५५	२६	शु	२६	२७	कौ	१४	५८	४	३५	२५	२३	६	४	तुलायां	
७	बु	५०	१६	वि	६०	०	ब्र	२६	४९	ग	१८	१९	०	३६	२४	२४	७	५	वृ.४४।३६	भ. ५०।१६ उ.
८	गु	५४	५४	दि	०	५९	ऐं	२७	५०	वि	२२	३५	३५/६६	३७	२३	२५	८	६	वृश्चिके	भ. २२।३५ या. उफायां बुधः ५४।५८
९	शु	५९	४७	अ	७	५	वै	२८	४०	बा	२७	२०	५२	३८	२२	२६	९	७	वृश्चिके	
१०	श	६०	०	ज्ये	१२	३०	वि	३०	४५	तै	३२	१५	४८	३८	२२	२७	१०	८	ध.१२।३०	कन्यायांबुधः ५३।३७
१०	र	९	४४	मू	१९	३१	प्री	३२	१४	ग	४	४४	४४	३९	२१	२८	११	९	धनुषि	भ. ३७।० उ.
११	चं	४	१६	पू	२५	३२	आ	३३	१२	वि	९	१६	४०	४०	२०	२९	१२	१०	म.४१।४८	भ.५१६या. ताजिया आश्लेषायां३ गुरुः५५६×
१२	मं	१३	४	उ	३०	३६	सौ	३३	२८	बा	१३	४	३६	४१	१९	३०	१३	११	मकरे	प्रदोषः ×कमला ११ व्र. वामन ज.
१३	बु	१५	५२	श्र	३४	४५	शो	३२	५८	तै	१५	५२	३२	४२	१८	३१	१४	१२	मकरे	पूफायां रविः ११।४ पूभायां भृगुः५१।१२
१४	गु	१७	३३	ध	३७	२९	अ	३१	२७	व	१७	३३	२८	४२	१८	१	१५	१३	कु. ६।७	भ.१३/३३ उ.४७/४५या. सितम्बर मा.९ ता.३०
१५	शु	१७	५८	श	३९	१५	सु	२९	१	ब	१७	५८	२४	४३	१७	२	१६	१४	कुम्भे	

२०पं.प्र.भा.शु.७बु.इ.५४।२९ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	३	४	६	७	४
७	५	२४	२२	५	२२	२९	७
१६	१२	५८	२३	४३	२१	४१	४४
३७	१६	३	३७	१३	३४	१२	१५
५७	३९	०	१३	७४	३	३	५७
४५	१६		२६	३८	३७	११	४८

इस मास में बदी पक्ष में गुरु मंगल का योग तथा रवि से आगे मंगल वर्षा का अवरोधक योग है सो वर्षा नहीं होगी।

गोचरग्रहाः २१पं.प्र.भा.शु.१३बु.इ.५४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	४	६	७	४
१४	०	६	२३	१३	२२	२९	१४
१	४०	३	४५	२३	४७	१८	२९
४८	१३	०	४०	५६	२५	५७	५४
५७	३९	९१	१३	७४	४	३	५८
५७	१६	१२	२०	३८	१६	११	१

ति.	द्वि.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणे प्र.भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्रः
१	श	१६	५९	पू	३९	३९	धृ	२५	३०	कौ	१६	५९	३१/२१	५/४४	६/१६	३	१७	१५	मी२४।३३	हस्ते बुधः ३०।१६
२	र	१४	४६	उ	३८	५४	शू	२१	१०	ग	१५	४६	१४	४५	१५	४	१८	१६	मीने	भ. ४३।९ उ.
३	चं	११	३२	रे	३७	०	गं	१५	३५	वि	११	३२	१४	४५	१५	५	१९	१७	मे.३७।०	भ. ११।३२ या.
४	मं	७	२५	अ	३४	२६	वृ	९	२७	बा	७	२५	१०	४६	१४	६	२०	१८	मेषे	पूफायां भौमः ४३।६
५	बु	२	३०	भ	३१	९	ध्रु	२/४९	५२/४७	तै	२	३०	६	४७	१३	७	२१	१९	वृ.४५।११	भ. ५६।५८ उ.
६	बु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	गु	५१	७	कृ	२७	१८	ह	४८	५	वि	२४	२	२	४८	१२	८	२२	२०	वृषे	भ.२४।२या. मार्गीविशाखायां२शनिः३/४ ८
८	शु	४५	३	रो	२३	१६	व	४०	२०	बा	१८	५	३०/५८	४८	१२	९	२३	२१	मि५१।१०	
९	श	३९	०	मृ	१९	५	सि	३२	४७	तै	१२	१	५३	४९	११	१०	२४	२२	मिथुने	उफायां भृगुः ४७।११
१०	र	३३	११	आ	१५	७	व्य	२५	१६	व	६	५	४९	५०	१०	११	२५	२३	क.५७।१८	भ. ६।५ उ. ३३।११ या.
११	चं	२७	३३	पु	११	२१	व	१८	०	ब	०	२२	४४	५१	९	१२	२६	२४	कर्के	कमला ११ व्र.
१२	मं	२२	३४	पु	८	१२	प	११	१०	तै	२२	३४	४०	५२	८	१३	२७	२५	कर्के	उफायांरविः५/४ २/३ चित्रायांबुधः५/१ ९/३कन्यायां*
१३	बु	१८	२५	श्ले	५	४४	शि	४/४७	५४/२९	ब	१८	२५	३६	५३	७	१४	२८	२६	सिं५।४४	भ. १/२ ८/५ उ.४/४ ६/० या. सार्पे ४ गुरुः १३।१८
१४	गु	१५	१३	म	४	६	सा	५४	३५	श	१५	१३	३२	५४	६	१५	२९	२७	सिंहे	
३०	शु	१३	७	पू	३	२९	शु	५०	४७	ना	१३	७	२८	५४	६	१६	३०	२८	कं.१८।३८	अमावस्या *भृगुः २८।१३ प्रदोषः

२२पं.द्वि.भा.कृ.५बु.इ.५४।१२ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	४	६	७	४
२०	१४	१५	२५	२३	२३	२८	२१
४८	६	५४	२२	५	१७	५६	१६
२९	२४	९	३	२४	१५	४१	५९
५८	३९	७८	१३	७४	४	३	५८
१२	९	५०	६	३८	४६	११	१३

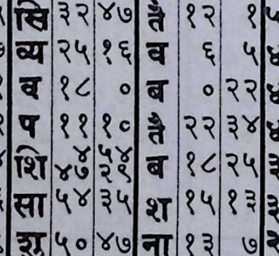

इस मास में पांच शनिदार अशुभ हैं। शनिवारा यदा पंच पाताले कम्पतेफणी। ईशान देशभंगश्च वन्हिदाहो महर्धता।

गोचरग्रहाः २३पं.द्वि.भा.कृ.१३बु.इ.५४।३

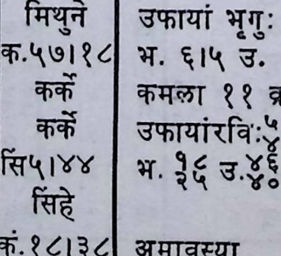

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	५	६	७	४
२७	१८	२४	२६	१	२३	२८	२८
३६	३३	१७	४८	४६	५०	३४	५
५२	३३	३९	२७	४०	३६	२६	२१
५८	३९	६३	१२	७४	५	३	५८
२९	९	४	४१	३२	१२	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३० स.१९५५
१	श	१२	१४	उ	४	३	शु	४८	१	ब	१२	१४	३०/२४	५५	६	१७	३१	२९	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम् कन्यायामर्कः २०।५४
२	र	१२	४७	ह	५	५५	ब्र	४६	१२	कौ	१२	४७	२०	५६	४	१८	१	१	तु.३७।३०	सफर २
३	चं	१४	२३	चि	९	४	ऐं	४५	२२	ग	१४	२३	१६	५७	३	१९	२	२	तुलायां	भ. ४५।४८ उ.
४	मं	१७	१३	स्वा	१३	२१	वै	४५	३४	वि	१७	१३	१२	५८	२	२०	३	३	तुलायां	भ. १७।१३ या. तुलायां बुधः ६।४९
५	बु	२१	१०	वि	१८	४३	वि	४६	२३	बा	२१	१०	८	५८	२	२१	४	४	बृ.२।२३	हस्ते भृगुः ३०।१७ ऋषि ५
६	गु	२५	५१	अ	२४	३४	प्री	४७	३०	तै	२५	५१	४	५९	१	२२	५	५	वृश्चिके	
७	शु	३०	४८	ज्ये	३०	५४	आ	४८	५७	व	३०	४८	३०/००	६/०	६/०	२३	६	६	ध.३०।५४	भ. ३०।४८ उ.
८	श	३५	५१	मू	३७	८	सौ	५०	३४	वि	३	२०	२९/५५	६/१	५/५९	२४	७	७	धनुषि	भ. ३।२० या.
९	र	४०	३०	पू	४३	१५	शो	५१	२०	बा	८	११	५१	२	५८	२५	८	८	म.५९।३३	
१०	चं	४४	२६	उ	४८	२७	अ	५१	४९	तै	१२	२८	४६	३	५७	२६	९	९	मकरे	+उफायां भौमः ३९।२६ जलभू. ११ व्र.
११	मं	४७	२१	श्र	५२	५१	सु	५१	२९	व	१५	५३	४२	४	५६	२७	१०	१०	मकरे	भ.१५।५४ उ.४७।२१या. हस्ते रविः ५३/२२+
१२	बु	४१	९	ध	५५	५८	धृ	५०	४०	ब	१८	१५	३८	४	५६	२८	११	११	कु.२४।२५	*मा.१० ता.३१ महालयारम्भः कुमारी×
१३	गु	४९	४१	श	५७	५५	शू	४७	४८	कौ	१९	२५	३४	५	५५	२९	१२	१२	कुम्भे	प्रदोषः ×पू. प्रौष्ठपदी
१४	शु	४८	४७	पू	५८	३२	गं	४४	२९	ग	१९	१४	३०	६	५४	३०	१३	१३	मी४३।२३	भ.४८।४७उ. वक्री बुधः १३।५१ अनन्त
१५	श	४६	३८	उ	५८	८	वृ	४०	८	वि	१७	४२	२६	७	५३	१	१४	१४	मीने	भ.१७।४२या. सिंहेगुरुः ११।३१ अक्टूबर*

२४पं.द्वि.भा.शु.५बु.इ.५३।५३ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	६	७	५
४	२३	१	२८	१०	२४	२८	४
२६	१	१५	१२	२९	२६	१२	५५
५७	१३	५४	१९	२०	५७	११	१२
५८	३९	४२	१२	७४	.५	३	५८
४५	९	३२	१८	३२	३९	११	३८

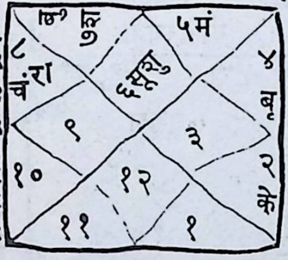

द्वि. भाद्र. शुक्ला १ शनौ कन्यायामर्कःप्र. वा.४ न.५ कुमाराव-स्था[बैठी]मु.३० धा-न्य भाव समशुक्रास्तः पूर्वे, वत्सः पूर्वे, राहुः उत्तरे, मूलं स्वर्गे।

गोचरग्रहाः २५पं.द्वि.भा.शु.१२बु.इ.५३।४६

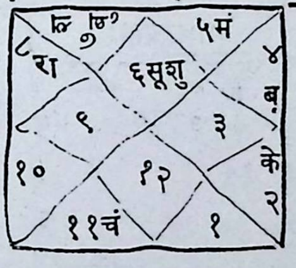

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	६	७	५
११	२७	५	२९	१९	२५	२७	११
१९	२८	२०	३२	१२	६	४९	४३
३	२२	२४	४३	२१	४३	५५	५५
५९	३९	९	११	७४	६	३	५८
०	२	५८	५३	२८	५	११	५३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्द. द्वि. भाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	४३	३२	रे	५६	१५	ध्रु	३४	५६	ना	१५	५	२९/२२	६/८	५/५२	२	१५	१५	मे.५६।१५	कन्यायांभौमः५५।१ चित्रायांभृगुः ११।५१
२	चं	३९	३१	अ	५३	४४	व्या	२८	५५	तै	११	३१	१८	८	५२	३	१६	१६	मेषे	
३	मं	३४	४२	भ	५०	४५	ह	२२	१०	व	७	६	१४	९	५१	४	१७	१७	मेषे	भ. ७।६ उ. ३४।४२ या.
४	बु	२९	१२	कृ	४७	९	व	१५	७	ब	१	५७	१०	१०	५०	५	१८	१८	बृ.४।५१	*३ शनिः०।४ शस्त्रादिहतानाम् श्राद्ध
५	गु	२२	४७	रो	४२	५९	सि	३१	५२	तै	२२	४७	६	११	४९	६	१९	१९	बृषे	उदयी भौमः ४१।२५
६	शु	१७	२८	मृ	३८	५५	व	५२	२	व	१७	२८	२	१२	४८	७	२०	२०	मि१०।५७	भ. १७।२८ उ. ४४।२८ या. पश्चिमास्तं×
७	श	११	२९	आ	३४	५५	प	४४	२४	ब	११	२९	२९/५८	१२	४८	८	२१	२१	मिथुने	×बुधः ३१।११ तुलायांभृगुः ३४।१२
८	र	५	४२	पु	३१	९	शि	३७	१	कौ	५	४२	५४	१३	४७	९	२२	२२	क.१७।६	सौभाग्यवतीनां श्राद्ध
९	चं	०	१०	पु	२७	४७	सि	२९	५७	ग	०	१०	५०	१४	४६	१०	२३	२३	कर्के	भ.२७।४३ उ. ५५।१६ या.
१०	चं	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः =१७।४७ कमला ११ व्र. स्मा.वै.
११	मं	५१	१६	श्ले	२५	१९	सा	२३	२६	व	२३	१४	४६	१५	४५	११	२४	२४	सिं२५।१६	चित्रायां रविः ३।५९ वक्री कन्यायां बुधः=
१२	बु	४८	४	म	२३	१९	शु	१७	४०	कौ	१९	३७	४२	१६	४४	१२	२५	२५	सिंहे	स्वात्यांभृगुः ५३।२७ कमला ११ व्र. नि.
१३	गु	४६	३	पू	२२	२४	शु	१२	३८	ग	१७	३	३८	१६	४४	१३	२६	२६	कं.३७।३०	भ. ४६।३ उ. प्रदोषः
१४	शु	४५	१४	उ	२२	५०	ब्र	८	३७	वि	१५	३८	३४	१७	४३	१४	२७	२७	कन्यायां	भ.३५/१८या.पश्चिमोदयीभृगुः४०/८विशाखायां*
३०	श	४५	५३	ह	२३	५९	ऐं	५	२५	च	१५	३४	३०	१८	४२	१५	२८	२८	तु.५५।३५	सर्वपितृ ३० प. उ. भृ.

२६पं.आ.कृ.४बु.इ.५३।३६ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	४	५	६	७	५
१८	१	४	०	२७	२५	२७	१८
१२	५६	२५	४९	५५	४८	२७	४०
५२	११	९	४९	१२	२३	४०	९
५९	३०	४२/१८	११	७४	६	३	५९
१६	२	ब	१३	२६	२३	११	९

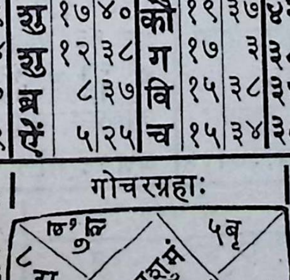

इस मास में कृष्ण-पक्ष की तिथि क्षय हुई है और शुक्ल पक्ष की तिथि बढ़ी है सो हरेक में मंदी का असर होगा।

गोचरग्रहाः २७पं.आ.कृ.१२बु.इ.५३।२

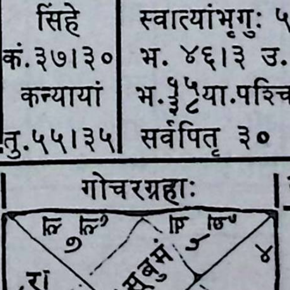

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	४	६	६	७	५
२५	६	२७	२	६	२६	२७	२५
८	२७	३९	२	३९	३२	५	३५
३४	१	५८	४६	५४	३९	२५	६
५९	३९	६७/५१	१०	७४	६	३	५९
३१	५	ब	३९	२६	३७	११	२१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरद्दतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५९ स.१९५५
१	र	४७	३२	चि	२७	१०	व	३	२१	किं	१६	४३	२८/२६	६/१९	५/४१	१६	२९	२९	तुलायां	वक्री हस्ते बुधः १०।२८ नवरात्र
२	चं	५०	२७	स्वा	३१	९	वि	२	१६	बा	१८	५९	२२	२०	४०	१७	३०	३०	तुलायां	चन्द्रद. तुलायामर्कः ४३।४३
३	मं	५४	२८	वि	३६	१६	प्री	२	१	तै	२२	२७	१८	२०	४०	१८	१	१	वृ.१९।५८	रत्रिलावल ३ हस्ते भौमः ३१।४३
४	बु	५९	१४	अ	४१	५४	आ	२	३३	व	२६	५१	१४	२१	३९	१९	२	२	बृश्चिके	भ. २६।५१ उ. ५९।१४ या.
५	गु	६०	०	ज्ये	४८	१९	सौ	३	३६	ब	३१	४६	१०	२२	३८	२०	३	३	ध.४८।१९	पूर्वोदयी बुधः ४६/५ उ. गुरुः ४६ ज्ये.३ राहुः*
५	शु	४	१८	मू	५४	४३	शो	४	५७	बा	४	१८	६	२३	३७	२१	४	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम् *मृगे१ केतुः ५२/३७
६	श	९	१५	पू	६०	०	अ	६	१६	तै	९	२५	२	२४	३६	२२	५	५	धनुषि	सरस्वती पू. =वि. भृगुः ३३।५९
७	र	१४	१२	पू	०	४९	सु	७	२३	व	१४	१२	२७/५८	२४	३६	२३	६	६	म.१७।१३	भ. १४/१२ उ. ४६/५१ या. मार्गी बुधः ०।५७=
८	चं	१८	११	उ	६	२९	धृ	८	५	ब	१८	११	५४	२५	३५	२४	७	७	मकरे	स्वात्यांरविः ३७/४३ सरस्वतीविसर्जनं दुर्गापू.
९	मं	२१	८	श्र	१०	५३	शू	७	३८	कौ	२१	८	५०	२६	३४	२५	८	८	कु.४२।४१	बौद्धजयंती दशहरा
१०	बु	२३	२	ध	१४	२८	गं	६	३८	ग	२३	२	४६	२७	३३	२६	९	९	कुंभे	भ. ५३।२० उ. विजया १०
११	गु	२३	३९	श	१७	४९	वृ	४	२४	वि	२३	३९	४२	२८	३२	२७	१०	१०	कुम्भे	भ. २३।३९ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	शु	२२	४९	पू	१७	२४	ध्रु	१८	५५/५३	बा	२२	४९	३८	२८	३२	२८	११	११	मी२।३०	मार्गी चित्रायां बुधः ४०।३७ प्रदोषः
१३	श	२०	४६	उ	१७	१६	ह	५२	९	तै	२०	४६	३५	२९	३१	२९	१२	१२	मीने	
१४	र	१७	४३	रे	१५	५०	व	४३	१५	व	१७	४३	३१	३०	३०	३०	१३	१३	मे.१५।५०	भ.१७/४३ उ.४५/४४ या. अस्तंशनिः ५७/३५ शरत्१५
१५	चं	१३	४५	अ	१३	३०	सि	३९	४९	ब	१३	४५	२८	३०	३०	३१	१४	१४	मेषे	वृश्चिके भृगुः ३३।५७ शरत् १५ व्र.

२८पं. आ.शु.४बु.इ.५३।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	४	६	६	७	६
२	१०	२०	३	१५	२७	२६	२
६	५३	५८	१०	२४	१८	४३	३१
३	३	१३	५६	१	४८	९	३५
४९	३९	३६/१	९	७४	६	३	५९
४६	२	ब	५५	२२	५६	११	३४

गोचरग्रहाः

आ. शु. २ चन्द्रे तुलायामर्कः प्र.वा. ३न.४ गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य भाव मंदा) शुक्रो. पूर्वं.

गोचरग्रहाः

२९पं.आ.शु.१०बु.इ.५३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	४	६	६	७	६
९	१५	२१	४	२४	२८	२६	९
५	२२	५५	१३	६	६	२०	२९
२६	४३	१८	४३	३९	१०	५४	५१
६०	३९	४७/५५	९	७४	७	३	५५
२	८	व	८	२०	४	११	४७

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरद्दतूं रविर्दक्षिणे आविश्नकृष्णेतिमहा.
१	मं	८	५९	भ	११	२१	व्य	३२	३७	कौ	८	५९	२७/२४	६/३१	५/२९	१	१५	१५	वृ.२५।४१	नवम्बर मा. ११ ता. ३०
२	बु	३	३८	कृ	६	५५	व	२५	२	ग	३	३८	२०	३२	२८	२	१६	१६	बृषे	भ. ३०।४६ उ. ५७।५४ या.
३	बु	५४	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	गु	५२	०	रो	५६/३	५६/२	प	१७	२२	व	२४	५७	१७	३३	२७	३	१७	१७	मि३०।५७	तुलायां बुधः ४६।३१ अनुराधायां भृगुः*
५	शु	४६	६	आ	५४	४६	शि	९	३२	कौ	१९	३	१३	३३	२७	४	१८	१८	मिथुने	
६	श	४०	२	पु	५०	५२	सि	४०/१	५२/३१	ग	१३	४	१०	३४	२६	५	१९	१९	क.३६।५०	भ. ४०।२ उ. *१५।३५ करक ४
७	र	३४	५७	पु	४७	२५	शु	४७	०	वि	७	३०	६	३५	२५	६	२०	२०	कर्के	भ. ७।३० या. विशाखायां रविः ४५।८
८	चं	३०	१०	श्ले	४४	३२	शु	४०	१९	बा	२	३३	३	३५	२५	७	२१	२१	सिं४४।३०	
९	मं	२५	५९	म	४२	२७	ब्र	३४	१५	ग	२५	२९	२६/५९	३६	२४	८	२२	२२	सिंहे	भ. ५४।३५ उ. चित्रायां भौमः ४२।२६=
१०	बु	२३	११	पू	४१	२०	ऐं	२८	५७	वि	२३	११	५६	३७	२३	९	२३	२३	कं.५६।२२	भ.२३।११या. =स्वात्यांबुधः १३।५८
११	गु	२१	१५	उ	४१	२७	वै	२४	२३	बा	२१	१५	५२	३७	२२	१०	२४	२४	कन्यायां	रमा ११ व्र. गोवत्स १२
१२	शु	२०	३०	ह	४२	३६	वि	२१	१२	तै	२०	३०	४९	३८	२२	११	२५	२५	कन्यायां	धन १३ ×वि.४वृश्चिकेशनिः ४७/० रूप१४
१३	श	२१	१६	चि	४५	१३	प्री	१८	४३	व	२१	१६	४६	३९	२१	१२	२६	२६	तु.१३।५४	भ. ३१/१६ उ. ५२/१० या. पूर्वास्तं बुधः ३।४७×
१४	र	२३	४	स्वा	४८	५९	आ	१७	१८	श	२३	४	४३	३९	२१	१३	२७	२७	तुलायां	ज्येष्ठायां भृगुः ५४।१५ महालक्ष्मी पू.
३०	चं	२६	७	वि	५४	४७	सौ	१६	३६	ना	२६	७	४०	४०	२०	१४	२८	२८	वृ.३७।३५	अन्नकूटं बलि पू. गोवर्धन पू.

३०पं.का.कृ.२बु.इ.५२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	४	७	६	७	६
१६	१९	२८	५	२	२८	२५	१६
६	५१	४६	१०	५१	५५	५८	२९
२९	४६	३८	११	५४	१८	३८	४०
६०	३९	८२	८	७४	७	३	६०
१८	१	४	१६	१४	१४	११	४

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच मंगलवार प्रजा में अशुभ फल-कारक हैं। बदी में धान्य जौ गेहूँ रूई मंदा हो।

गोचरग्रहाः

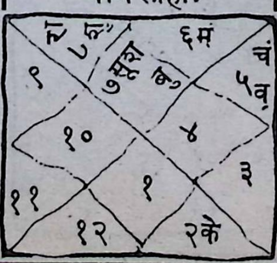

३१पं.का.कृ.१०बु.इ.५२।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	४	७	६	७	६
२३	२४	९	६	११	२९	२५	२३
९	२२	१३	१	३३	४४	३६	३१
७	१३	८	१९	४६	२१	२३	१
६०	३८	९३	७	७४	७	३	६०
३०	५४	२	१०	८	२०	११	१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः५८९ सन्१९५५
१	मं	३०	१५	अ	५९	२८	शो	१६	५८	ब	३०	१५	५९/३७	६/४५	५/१९	१५	२९	२९	वृश्चिके	
२	बु	३५	६	ज्ये	६०	०	अ	१७	४३	बा	२	४०	३४	४१	१९	१६	३०	३०	बृश्चिके	चंद्रद. वृश्चिकेऽर्कः ३९।२६ विशाखायां*
३	गु	४०	१७	ज्ये	५	४४	सु	१८	५७	तै	७	४०	३१	४२	१८	१७	१	१	व्र.५।४४	रविलाखर ४ *बुधः ३१।४१ यम २
४	शु	४५	३०	मू	१२	८	धृ	२०	१५	व	१२	५२	२९	४२	१८	१८	२	२	धनुषि	भ. ५२/५३ उ. ४५/३० या. तुलायांभौमः ३५।१३
५	श	५०	१८	पू	१८	१७	शू	२१	१९	ब	१७	५४	२६	४३	१७	१९	३	३	म.३४।३२	अनुराधायां रविः ५७।१४
६	र	५४	२१	उ	२३	१५	गं	२१	५५	कौ	२२	२०	२४	४३	१७	२०	४	४	मकरे	
७	चं	५७	२१	श्र	२८	४७	वृ	२१	५५	ग	२५	५१	२१	४४	१६	२१	५	५	मकरे	भ. ५७।२२ उ.
८	मं	५९	१६	ध	३२	२९	ध्रु	२१	४	वि	२८	१९	१९	४४	१६	२२	६	६	कु.०।३८	भ. ३६/५८ या. बृश्चिकेबुधः ५४।४६ गोपा.
९	बु	५९	५२	श	३४	५६	व्या	१९	९	बा	२९	३४	१६	४५	१५	२३	७	७	कुम्भे	कुष्माण्ड ९ अक्षय ९
१०	गु	५८	४	पू	३६	१०	ह	१६	२३	तै	२८	५८	१४	४५	१५	२४	८	८	मी२०।५२	अनुराधायांबुधः ५७/५७ धनुषिभृगुः ३८।१६
११	शु	५७	०	उ	३६	१६	व	१२	२३	व	२७	३२	११	४६	१४	२५	९	९	मीने	भ. ३७/३२ उ. ५७/० या. प्रबोधिनी ११व्र. स्मा.
१२	श	५३	५७	रे	३५	२	सि	७	३२	ब	२५	२८	९	४६	१४	२६	१०	१०	मे.३५।२	प्रबोधिनी११व्र.वै.निं. हरिवासरःघ.१५उ.
१३	र	५०	०	अ	३२	५७	व्य	५३	५३/३३	कौ	२१	५९	६	४७	१३	२७	११	११	मेषे	प्रदोषः
१४	चं	४५	१५	भ	३०	८	प	४८	२२	ग	१७	३७	४	४७	१३	२८	१२	१२	बृ.४४।१५	भ. ४५/५५ उ. स्वा. भौमः ५३/३४ वैकुण्ठ १४
१५	मं	३९	५३	कृ	२६	३८	शि	४०	५३	वि	१२	३४	१	४८	१२	२९	१३	१३	बृषे	भ. ५२/३४ या. पूर्णिमा का.स्ना.पूर्ति चं. ग्र.

३२पं.का.शु.२ बु.इ.५२।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	४	७	७	७	७
०	२८	२०	६	२०	०	२५	०
१३	५३	३३	४५	१९	३४	१४	३३
५२	१६	५६	२	५५	४८	८	४९
६०	३८	९७	६	७४	७	३	६०
४०	५८	५६	१०	२	२०	११	३०

गोचरग्रहाः

का. शु. २ बुधे
बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.
३न.३ युवावस्था
(सूती) मु. १५
(धान्य भाव तेज)
शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

३३पं.का.शु.९ बु.इ.५२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	७	७	७	७
७	३	१	७	२९	१	२४	७
१८	२४	३३	२०	३	२५	५१	३७
४६	१२	४८	२९	१८	१३	५२	४२
६०	३८	९७	५	७३	७	३	६०
५३	५८	५४	०	५६	२८	११	४२

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३४	१५	रो	२२	४१	सि	२३	१०	बा	७	४	२५/५८	६/४८	५/१२	३०	१४	१४	मि५०।४०	
२	गु	२८	२५	मृ	१८	३९	सा	२५	२५	तै.	१	२०	५६	४९	११	१	१५	१५	मिथुने	भ. ५५/३० उ. दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
३	शु	२२	३५	आ	१४	२९	शु	१७	३८	वि	२२	३५	५४	४९	११	२	१६	१६	क.५६।३०	भ. २२।३५ या.
४	श	१६	५६	पु	१०	३०	शु	९	५७	बा	१६	५६	५३	५०	१०	३	१७	१७	कर्के	ज्येष्ठायांरविः४।१३ उदयंशनिः४१।२२*
५	र	११	४२	पु	६	५९	ब्र	३२	५५	तै	११	४२	५१	५०	१०	४	१८	१८	कर्के	*ज्येष्ठायां बुधः १५।१५
६	चं	६	५६	श्ले	३	५५	वै	४९	११	व	६	५६	४९	५०	१०	५	१९	१९	सिं ३।५५	भ.६।५६ उ.३५।० या. पूभायांभृगुः १८/४९
७	मं	३	५	म	१	४१	वि	४३	४१	ब	३	५	४८	५०	१०	६	२०	२०	सिंहे	
८	बु	०	१२	पू	०	२१	प्री	३८	५७	कौ	०	१२	४६	५१	९	७	२१	२१	कं.१५।१८	
९	बु	५८	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	गु	५७	४९	उ	०	१०	आ	३५	१३	व	२८	६	४५	५१	९	८	२२	२२	कन्यायां	भ. २८।६ उ. ५७।४९ या.
११	शु	५८	४०	ह	१	१०	सौ	३२	२३	ब	२८	१४	४३	५१	९	९	२३	२३	तु.३२।१९	उत्पत्ति ११ व्र. स्मा.
१२	श	६०	०	चि	३	३८	शो	३०	३४	कौ	२९	४०	४२	५२	८	१०	२४	२४	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र. वै. निं.
१२	र	०	४०	स्वा	६	५१	अ	२९	३२	तै	०	४०	४१	५२	८	११	२५	२५	वृ.५५।१९	धनुषि बुधः ५५।७ प्रदोषः
१३	चं	३	५३	वि	११	२८	सु	२९	४१	ब	३	५३	४०	५२	८	१२	२६	२६	वृश्चिके	भ. ३।५३ उ. ३५।३० या.
१४	मं	७	८	अ	१७	२	धृ	३०	२२	श	७	८	३९	५२	८	१३	२७	२७	बृश्चिके	अनुराधायां १ शनिः १८।२४
३०	बु	१३	४	ज्ये	२३	११	शू	३१	२८	ना	१३	४	३८	५२	८	१४	२८	२८	ध.२३।११	सूर्यग्रहणम्

३४पं.मा.कृ.१ बृ.इ.५२।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	८	७	७	७
१४	७	१२	७	७	२	२४	१४
२५	५७	४२	४७	४६	१४	२९	४२
३१	३	५२	३४	२६	१२	३७	५६
६१	३९	९९	३	७३	७	३	६०
३	१	२१	५०	५६	१४	११	५०

३५पं.मा.कृ.८बु.इ.५१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	८	७	२	७
२१	१२	२३	८	१६	३	२४	२१
२३	२९	४५	६	२८	३	७	४९
१८	३१	१८	३	४	२५	२२	१
६१	३८	०	२	७३	७	३	६०
११	४७	२८	२५	४४	४	११	५६

३६पं.मा.कृ.३०बु.इ.५१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	४	८	७	७	७
२८	१७	४	८	२५	३	२३	२८
४२	२	४८	१४	११	५०	४५	५९
१	५	३५	५६	९	४५	६	५८
६१	३८	९८	१	७३	६	३	६१
१९	५१	५	२	३२	५५	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः	सं. २०१२	शाकः १८७७									दि.	उ.	.अ	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	गु	१८	१६	मू	२९	३०	गं	३२	४०	ब	१८	१६	२५/३८	६/५२	५/८	१५	२९	२९	धनुषि
२	शु	२३	२७	पू	३५	५०	वृ	३३	४४	कौ	२३	२७	३७	५३	७	१६	३०	१	म.५२।१८
३	श	२८	२५	उ	४१	४१	ध्रु	३४	४३	ग	२८	२५	३७	५३	७	१७	१	२	मकरे
४	र	३२	२१	श्र	४६	३९	व्या	३४	४०	व	०	२३	३७	५३	७	१८	२	३	मकरे
५	चं	३६	२०	ध	५०	३९	ह	३४	११	ब	४	२०	३६	५३	७	१९	३	४	कु.१८।३९
६	मं	३७	७	श	५३	३९	व	३२	३०	कौ	६	४४	३६	५३	७	२०	४	५	कुम्भे
७	बु	३७	४४	पू	५४	५८	सि	२९	५९	ग	७	२५	३६	५३	७	२१	५	६	मी३९।३८
८	गु	३६	५३	उ	५५	१५	व्य	२६	२२	वि	७	१८	३६	५३	७	२२	६	७	मीने
९	शु	३४	४६	रे	५४	२२	व	२१	४७	बा	६	४९	३७	५३	७	२३	७	८	मे.५४।२२
१०	श	३१	४५	अ	५२	२६	प	१६	१२	तै	३	१५	३७	५३	७	२४	८	९	मेषे
११	र	२७	४८	भ	४९	४३	शि	१०	१३	वि	२७	४८	३७	५३	७	२५	९	१०	मेषे
१२	चं	२३	१	कृ	४६	२७	सि	३/१६	५९/४६	बा	२३	१	३८	५२	८	२६	१०	११	वृ.३।५४
१३	मं	१७	४२	रो	४२	३८	शु	४८	२५	तै	१७	४२	३८	५२	८	२७	११	१२	बृषे
१४	बु	१२	४	मृ	३८	३४	शु	४०	३१	व	१२	४	३८	५२	८	२८	१२	१३	मि१०।३६
१५	गु	६	११	आ	३४	२६	ब्र	३२	४६	ब	६	११	३९	५२	८	२९	१३	१४	मिथुने

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:६१९ स.१९५५

चन्द्रदर्शनम्
जमादिलावल ५ धनुष्यर्क:७।५८उषायां*
*भृगु: ४।८
भ.०।२३ उ.३२।२१ या. मकरेभृगु: ४/२६
विशाखायां भौम: २२।४५
वक्री गुरु: ३/५६ पूषायांबुध: ५/१६ चम्पा ६
भ. ३७।४४ उ.
भ.७।१८ या. ज्येष्ठायां२ राहु: रोहिण्यां×
×३ केतु: ४५।१३
भ.५९।४७ उ. अभिजित्प्रवृत्तोभृगु: ३/७
भ. २७।४८ या. मोक्षदा ११ व्र.
श्रंवणेभृगु: ४५।३२ प्रदोष: =भृगु: ३/५९
पश्चिमोदयीबुध:३५।५३ अभिजिन्नवृत्तो=
भ.१२।४ उ.३९।७ या. उषायांबुध: ४/४१+
पूषायांरवि: ९।३५ +दत्तजयंती

३७पं.मा.शु.७ बु.इ.५१।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	४	९	७	७	८
५	२१	१६	८	३	४	२३	६
५१	३६	४	१४	५२	३६	२२	३
२७	१२	४५	११	२२	५१	५१	३३
६१	३८	९८	१०/७	७३	६	३	६१
२२	४८	१७	ब	२१	३६	११	५

गोचरग्रहा:

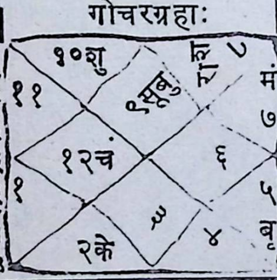

मार्गशीर्ष शु. २
धनुष्यर्क: प्र.वा. ३
न.३गताल्कावस्था
(ऊभी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहा:

३८पं.मा.शु.१४बु.इ.५११।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	४	९	७	७	८
१३	२६	२६	८	१२	५	२३	१३
१	१०	५५	४	३३	२०	०	११
२०	२३	२२	५२	३३	५७	३५	३२
६१	३८	९५	४१/६	७३	६	३	६१
२६	४६	५७	ब	१४	२२	११	६

ति.	पौष	कृष्णपक्ष	सं. २०१२	शाकः १८७७									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	शु	०	२२	पु	३०	२६	ऐं	२५	३	कौ	०	२२	२५/३९	६/५२	५/८	३०	१४	१५	क.१६।२६
२	शु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	श	४९	३४	पु	२६	४८	वै	१७	२७	व	२२	११	४०	५२	८	३१	१५	१६	कर्के
४	र	४४	५९	श्ले	२३	३४	वि	१०	२१	ब	१७	१६	४१	५२	८	१	१६	१७	सिं२३।३४
५	चं	४१	१४	म	२१	१३	प्री	३/४८	५४/६	कौ	१३	२	४२	५२	८	२	१७	१८	सिंहे
६	मं	३८	२८	पू	१९	५७	सौ	५२	५५	ग	९	४६	४३	५१	९	३	१८	१९	कं.३४।४५
७	बु	३६	४८	उ	१९	८	शो	४८	५२	वि	७	३८	४४	५१	९	४	१९	२०	कन्यायां
८	गु	३६	१८	ह	१९	५३	अ	४५	४४	बा	६	३३	४५	५१	९	५	२०	२१	तु.५०।४०
९	शु	३७	१८	चि	२१	४६	सु	४३	२९	तै	६	४८	४७	५१	९	६	२१	२२	तुलायां
१०	श	३९	१८	स्वा	२५	२	धृ	४२	२०	व	८	१८	४८	५०	१०	७	२२	२३	तुलायां
११	र	४२	४९	वि	२९	२५	शू	४२	९	ब	११	३	५०	५०	१०	८	२३	२४	वृ.१३।१९
१२	चं	४७	८	अ	३४	४५	गं	४२	३६	कौ	१४	५८	५२	५०	१०	९	२४	२५	बृश्चिके
१३	मं	५२	७	ज्ये	४०	५०	वृ	४३	३४	ग	१९	३७	५४	४९	११	१०	२५	२६	ध.४०।५०
१४	बु	५७	१४	मू	४७	१३	ध्रु	४४	५०	वि	२४	४१	५६	४९	११	११	२६	२७	धनुषि
३०	गु	६०	०	पू	५३	३	व्या	४५	५३	च	२९	५६	५८	४८	१२	१२	२७	२८	धनुषि
३०	शु	२	३७	उ	५९	५६	ह	४६	५९	ना	२	३७	२६/०	४८	१२	१३	२८	२९	म.९।४६

हेमन्तर्तु रविरत्तरे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा:

मकरे बुध: ४६।४८

भ. २२।११ उ. ४९।३४ या.
जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९५६

भ. ३८।२८ उ. वृश्चिके भौम: ४१।३९
भ.७।३८या.अभिजित्प्रवृत्तोबुध:११।४८

श्रवणेबुध: २७।२४ धनिष्ठायांभृगु: ३५/३५
भ.८।१८ उ.३९/१५या. अभिजिन्निवृत्तो ३/४
अनुराधायां भौम: ४४/१२ सफला ११ व्र.

भ. ५२।७ उ. प्रदोष:
भ.२४।४०या. उफायांरवि:११।३ कुम्भे*
*भृगु:५९।२३ अनुराधायां २ शनि: ३३/३८

३९पं.पौ.कृ.७ बु.इ.५११।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	४	९	७	७	८
२०	६	७	७	२१	६	२२	२०
११	३८	३८	४४	१३	१	३८	१९
१८	१३	१३	३१	८	५९	२०	३७
६१	३८	८८	१३/४	७२	६	३	६१
२६	४०	२९	ब	५८	१	११	.१

गोचरग्रहा:

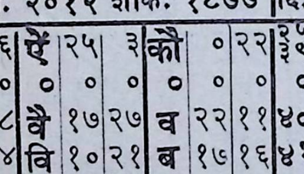

इस मास के लगते
ही रुई अनाज गल्ला
अफीम चांदी में मंदी
होगी, अमावस्या के
आस-पास तेजी होगी

गोचरग्रहा:

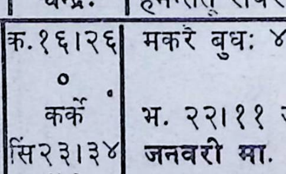

४०पं.पौ.कृ.१४बु.इ.५११।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	४	९	७	७	८
२७	५	१६	७	२९	६	२२	२७
२१	१९	३५	१६	५०	४५	१६	२७
९	५५	३७	४०	६	३८	५	४२
६१	३८	६२	४/२२	७२	५	३	६१
२४	२८	७	ब	४६	३४	११	६

*शमंरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४९ स.१९५६
१	श	७	२४	श्र	६०	०	व	४७	१३	ब	७	२४	२ ६/३	६/४७	५/१३	१४	२९	३०	मकरे	चन्द्रदर्शनम् मकरेऽर्कः २६।३०
२	र	११	२२	श्र	४	४५	सि	४६	२७	कौ	११	२२	५	४७	१३	१५	१	१	कुं.३६।५५	जमादिलाख़र ६
३	चं	१४	१८	ध	९	५	व्य	४५	४१	ग	१४	१८	८	४६	१४	१६	२	२	कुम्भे	भ. ४५।९ उ.
४	मं	१६	०	श	११	४०	व	४३	२७	वि	१६	९	१०	४६	१४	१७	३	३	मी५८।२४	भ. १६।० या. शते भृगुः २४।४४
५	बु	१६	२९	पू	१३	५८	प	४०	११	बा	१६	२९	१२	४६	१४	१८	४	४	मीने	वक्रीबुधः४४।४७ वक्रीमघायां२ गुरुः५६/१२
६	गु	१५	३५	उ	१५	३२	शि	३६	४	तै	१५	३५	१५	४५	१५	१९	५	५	मीने	
७	शु	१३	२३	रे	१४	२	सि	३०	५८	व	१३	२३	१७	४५	१५	२०	६	६	मे.१४।२	भ.१३/२३उ.४१/४९या. अभिजित्प्रवृत्तोरविः५७/४७
८	श	१०	१५	अ	१२	२६	सा	२४	५९	ब	१०	१५	२०	४४	१६	२१	७	७	मेषे	पश्चिमास्तं बुधः १५।२७
९	र	६	१३	भ	९	४९	शु	१८	२७	कौ	६	१३	२२	४४	१६	२२	८	८	वृ.२४।१	
१०	चं	०	३७	कृ	६	३५	शु	११	२०	ग	०	३७	२५	४३	१७	२३	९	९	वृषे	भ.२८।१७उ.५५।५७या. पुत्रदा११व्र.स्मा.
११	चं	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१२	मं	५०	१६	रो	२/५५	५७/५८	ब्र	३/४७	५३/१३	ब	२३	६	२७	४३	१७	२४	१०	१०	मि३०।५६	श्रवणेरविः १३।४७ पुत्रदा ११व्र. वै.नि.
१३	बु	४४	२५	आ	५४	४६	वै	४८	११	कौ	१७	२०	३०	४२	१८	२५	११	११	मिथुने	अभिजिन्निवृत्तो रविः ६।३ प्रदोषः
१४	गु	३८	३८	पु	५०	४६	वि	४०	३०	ग	११	३१	३३	४१	१९	२६	१२	१२	क.३६।४६	भ. ३८।३८ उ.
१५	शु	३३	७	पु	४७	०	प्री	३३	४	वि	५	५२	३६	४१	१९	२७	१३	१३	कर्के	भ. ५।५२ या. माघ स्ना. प्रा.

४१पं.पौ.शु.५ बु.इ.५१।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	४	१०	७	७	९
४	९	२०	६	८	७	२१	४
३०	५६	४	४०	२४	१७	५३	३५
३७	४८	३९	३९	१८	४०	४९	३३
६१	३८	०/५८	५/३४	७२	५	३	६१
१९	२१	व	व	२२	६	११	३

गोचरग्रहाः

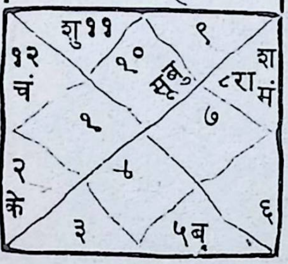

पौष शु. १ शनौ मकरेऽर्कः प्र. वा. २न.३ कुमारावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं प. ।

गोचरग्रहाः

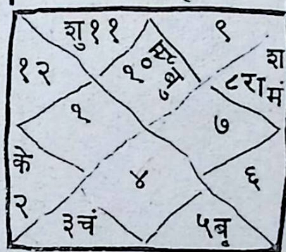

४२पं. पौ.शु.१३बु.इ.५१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	५	४	१०	७	७	९
११	१४	१५	५	१६	७	२१	११
३९	२९	१६	५७	५७	४९	३१	४२
२८	३६	२६	२७	५७	४६	३४	५९
६१	३८	६५/२०	६/३४	७२	४	३	६०
१३	१८	व	व	३	३८	११	५९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२७	५७	श्ले	४३	५३	आ	२५	३०	बा	०	३२	३६/३९	६/४०	५/२०	२८	१४	१४	सिं४३।५३	पूभायां भृगुः २२।५१
२	र	२३	२५	म	४१	१७	सौ	१८	४८	ग	२३	२५	४२	४०	२०	२९	१५	१५	सिंहे	भ. ५१।३५ उ. ज्येष्ठायांभौमः १५।३१*
३	चं	१९	४६	पू	३९	२३	शो	१२	५१	वि	१९	४६	४५	३९	२१	३०	१६	१६	कं.५६।१२	भ. १९।४६ या. वक्रीउषायांबुधः ६।४२
४	मं	१७	६	उ	३८	३७	अ	७	४०	बा	१७	६	४८	३८	२२	३१	१७	१७	कन्यायां	*वक्री अभिजित्प्रवृत्तोबुधः १५।५३
५	बु	१५	२९	ह	३९	११	सु	३/१८	५६/३९	तै	१५	२९	५२	३८	२२	१	१८	१८	कन्यायां	धृतियोगक्षयः ५६/३९ **फरवरी मा.२ ता.२९**
६	गु	१५	१६	चि	४०	४४	शू	५७	१३	व	१५	१६	५५	३७	२३	२	१९	१९	तु.९।५७	भ.१५।१६ उ.४५।४४या. पूर्वोदयीबुधः×
७	शु	१६	११	स्वा	४३	४५	गं	५५	४८	ब	१६	११	५९	३६	२४	३	२०	२०	तुलायां	×२८।५७ वक्रीअभिजिन्निवृत्तोबुधः १७/१२
८	श	१८	२६	वि	४७	५०	वृ	५५	१४	कौ	१८	२६	२७/२	३६	२४	४	२१	२१	वृ.३१।४९	
९	र	२१	५०	अ	५३	१	ध्रु	५५	२३	ग	२१	५०	६	३५	२५	५	२२	२२	वृश्चिके	भ. ५४।४ उ. मीनेभृगुः ३४।३२
१०	चं	२६	१८	ज्ये	५८	५५	व्या	५६	१८	व	२६	१८	९	३४	२६	६	२३	२३	ध.५८।५५	भ.२६।१८या. धनिष्ठायांरविः १९।३९
११	मं	३१	१७	मू	६०	०	ह	५८	१०	बा	३१	१७	१३	३३	२७	७	२४	२४	धनुषि	षट्तिला ११ व्र.
१२	बु	३६	३२	मू	५	१६	व	५८	४९	कौ	३	५४	१६	३३	२७	८	२५	२५	धनुषि	उभायां भृगुः २२।४६
१३	गु	४१	३९	पू	११	४३	सि	५९	४३	ग	९	६	२०	३२	२८	९	२६	२६	म.२८।२३	भ.४१।३९उ. मार्गीबुधः२७।१६ प्रदोषः
१४	शु	४६	२२	उ	१८	२२	व्य	६०	०	वि	१४	०	२३	३१	२९	१०	२७	२७	मकरे	भ. १४।० या.
३०	श	५०	१८	श्र	२३	१३	व्य	०	२७	च	१८	२०	२७	३१	२९	११	२८	२८	कुं.५५।२९	युगादिः

४३पं.मा.कृ.५ बु.इ.५१।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	४	११	७	७	९
१८	१९	७	५	२५	८	२१	१८
४७	७	७	८	२६	१८	९	४९
२८	१८	७	२२	३४	९	१९	३२
६१	३८	६३/५२	७/२०	७१	४	३	६०
५५	८	व	व	४४	३	११	५५

गोचरग्रहाः

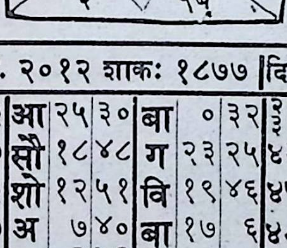

इस मास में शीत अधिक पड़ेगा कहीं२ खेतियों में नुकसान होगा। सुदी में रुई सूत धान्य चांदी में तेजी का असर है।

गोचरग्रहाः

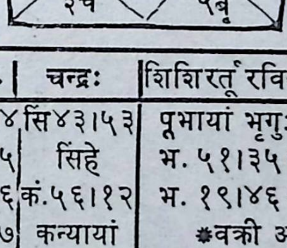

४४पं.मा.कृ.५ बु.इ.५१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	४	११	७	७	९
२५	२३	६	४	३	८	२०	२५
५४	४४	२१	१५	५४	४२	४७	५५
१६	२८	४०	८	१४	३७	३	१९
६०	३८	३/२४	७/४८	७१	३	३	६०
५५	३	व	व	२०	२२	११	४७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १९७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६७८ स.१९५६
१	र	५३	६	ध	२७	४५	व	९/२८	५९/४	किं	२१	४२	२७/३०	६/३०	५/३०	१२	२९	२९	कुम्भे	कुम्भेऽर्कः ५३।३५
२	चं	५४	४०	श	३१	११	शि	५७	४१	बा	२३	५३	३४	२९	३१	१३	१	३०	कुम्भे	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	५४	५६	पू	३३	९	सि	५४	५३	तै	२४	४८	३८	२८	३२	१४	२	१	मी१७।४०	रज्जव ७ मार्गी अभिजित्प्रवृत्तो बुधः ५४/१२
४	बु	५३	५७	उ	३४	७	सा	४९	४७	व	२४	२६	४२	२८	३२	१५	३	२	मीने	भ.२४।२५ उ.५३।५७या. वक्रीमघायां१*
५	गु	५१	३९	रे	३३	५६	शु	४५	४०	ब	२२	४८	४६	२७	३३	१६	४	३	मे.३३।५६	वसंत ५ *गुरुः ५३।१८ तिल ४
६	शु	४८	१३	अ	३२	२३	शु	४०	३६	कौ	१९	५६	५०	२६	३४	१७	५	४	मेषे	×बुधः २/१ रेवत्यांभृगुः ३६।१२ भीष्मा८
७	श	४३	४	भ	३०	१	ब्र	३४	१७	ग	१५	३८	५४	२५	३५	१८	६	५	वृ.४४।१५	भ.४३।४उ. धनुषिभौमः २८।१९ रथ७
८	र	३९	४४	कृ	२६	५७	ऐं	२७	१८	वि	११	९	५८	२४	३६	१९	७	६	वृषे	भ. ११।९ या. ३.तेरविः २८।५६ श्रवणे×
९	चं	३३	४५	रो	२३	२९	वै	२०	६	बा	६	२९	२६/२	२४	३६	२०	८	७	मि५१।३०	अभिजिन्निवृत्तो बुधः १३।१
१०	मं	२८	०	मृ	१९	३१	वि	१२	२३	तै	०	५२	६	२३	३७	२१	९	८	मिथुने	भ. ५५।४ उ.
११	बु	२२	८	आ	१५	२५	प्री	४/३८	५२/१४	वि	१२	८	१०	२२	३८	२२	१०	९	क.५७।२९	भ. २२।८ या. जया ११ व्र.
१२	गु	१६	२५	पु	११	३०	सौ	४९	१६	बा	१६	२५	१४	२१	३९	२३	११	१०	कर्के	ज्येष्ठायां१ राहुःरोहिण्यां३ केतुः३६।४६=
१३	शु	१०	४४	पु	७	३३	शो	४१	४९	तै	१०	४४	१८	२०	४०	२४	१२	११	कर्के	कल्पादिः =प्रदोषः भीष्म १२
१४	श	४	३७	श्ले	४	११	अ	३४	५४	व	४	३७	२२	२०	४०	२५	१३	१२	सिं४।११	भ. ४।३७ उ. ३२।५२ या.
१५	र	१	७	म	५/२६	५७/४९	सु	२८	४०	ब	१	९	२६	१९	४१	२६	१४	१३	सिंहे	माघस्नान पूर्ति.

४५पं.मा.शु.४ बु.इ.५१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	४	११	७	७	१०
३	२८	७	३	१२	९	२०	३
०	१८	१५	२०	१५	२	२४	०
२९	४९	६	१२	१८	५	४८	६
६०	३७	३६/३४	७/५२	७०	२	३	६०
४२	४३	मा	ब	४६	४१	११	३७

गोचरग्रहाः

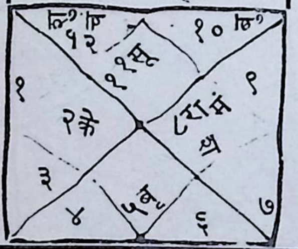

माघ शु. १ रवौ
कुम्भेऽर्कःप्र.वा.२
नं.३ बालावस्था
(बैठी) मु. १५
(धान्य भाव तेज)
शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

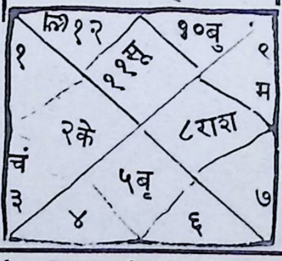

४६पं.मा.शु. ११बु.इ.५२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	३	४	११	७	७	१०
१०	२	१३	२	२०	९	२०	१०
४	५५	३३	२५	३२	१६	२	३
५१	२	३३	१३	४५	५५	३२	३६
६०	३७	६०	७/५१	७०	१	३	६०
३१	२९	२६	ब	११	५९	११	२५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १९७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५६	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५४	४९	उ	५८	२६	धृ	२३	१३	तै	२६	८	३६/५१	६/१८	५/४२	२७	१५	१४	कं.१४।१०	
३	मं	५३	१४	ह	५८	४२	शू	१८	३८	व	२४	१	३४	१७	४३	२८	१६	१५	कन्यायां	भ. २४।२ उ. ५३।१४ या.
४	बु	५२	५३	चि	६०	०	गं	१४	५९	ब	२३	४	३८	१६	४४	२९	१७	१६	तु.२९।२२	
५	गु	५४	०	चि	०	३	वृ	१२	१२	कौ	२३	२७	४२	१६	४४	१	१८	१७	तुलायां	मेषे भृगुः ५६।३२ मार्च मा. ३ ता. ३१
६	शु	५६	१९	स्वा	२	४४	ध्रु	१०	३६	ग	२५	८	४६	१५	४५	२	१९	१८	वृ.५१।१	भ. ५६।१७ उ.
७	श	५९	४७	वि	७	६	व्या	९	३७	वि	२८	२	५०	१४	४६	३	२०	१९	बृश्चिके	भ. २६/२ या. पूभायांरविः ४३/४४ धनिष्ठायां+
८	र	६०	०	अ	११	३१	ह	९	२०	बा	३२	०	५४	१३	४७	४	२१	२०	बृश्चिके	
८	चं	४	१३	ज्ये	१७	१४	व	१०	३५	कौ	४	१३	५८	१२	४८	५	२२	२१	ध.१७।१४	
९	मं	९	९	मू	२३	३६	सि	११	४१	ग	९	९	२९/२	१२	४८	६	२३	२२	धनुषि	भ. ४१।४५ उ. कुम्भे बुधः ५१।२८
१०	बु	१४	२२	पू	२९	५२	व्य	१३	२२	वि	१४	२२	६	११	४९	७	२४	२३	म.४६।२८	भ. १४।२२ या. +बुधः २।२५
११	गु	१९	२३	उ	३६	१७	व	१४	८	बा	१९	२३	१०	१०	५०	८	२५	२४	मकरे	विजया ११ व्र.
१२	शु	२३	५९	श्र	४१	५६	प	१५	६	तै	२३	५९	१४	९	५१	९	२६	२५	मकरे	पूषायां भौमः ५१।३२ प्रदोषः
१३	श	२७	४८	ध	४६	४३	शि	१५	२६	व	२७	४८	१७	८	५२	१०	२७	२६	कु.१४।२०	भ.३७/४८ उ.५९/८या. महाशिवरात्री व्र. स्मा.
१४	र	३०	२८	श	५०	२२	सि	१४	५५	श	३०	१८	२३	७	५३	११	२८	२७	कुम्भे	शतेबुधः ३१।४३ महाशिवरात्री वै.
३०	चं	३१	५२	पू	५२	४७	सा	१३	१८	च	१	१०	२८	७	५३	१२	२९	२८	मी३७।११	वक्री शनिः ४४।४ सोमदती पुण्यम्

४७पं.फा.कृ.४ बु.इ.५२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	४	११	७	७	१०
१७	७	२०	१	२८	९	१९	१७
७	३१	४६	३१	४५	२७	४०	५
४०	५७	२१	५०	४६	३१	१७	४७
६०	३७	७०	७/२२	६९	१	३	६०
२२	२१	५२	ब	२२	१९	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास का फल
सामान्य है, आलू
मजीठ, रुई, सूत,
अनाज गल्ला मंदा
हो, सुदी में गुड़,
खांड,घृत,तेल तेज

गोचरग्रहाः

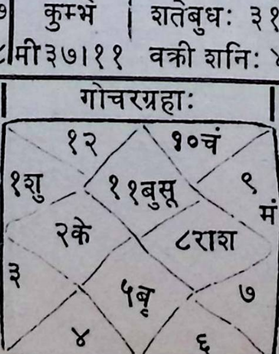

४८पं.फा.कृ.१०बु.इ.५२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	४	८	७	७	१०
२४	१२	१	०	०	९	१९	२४
९	६	२७	४२	४९	३२	१८	६
२	२७	१६	१६	१९	५५	२	३२
६०	३७	८५	६/३८	६८	०	३	५९
५	७	३९	ब	३१	३४	११	५८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	३२	९	उ	५३	५८	शु	१०	५०	किं	२	०	३२	६	५४	१३	३०	२९	मीने
२	बु	३०	५०	रे	५४	०	शु	७	२१	बा	१	२९	३६	५	५५	१४	१	१	मे.५४।०
३	गु	२८	२४	अ	५२	४६	ब्र	५५	४३	ग	२८	२४	४०	४	५६	१५	२	२	मेषे
४	शु	२४	५९	भ	५०	३४	वै	५१	२८	वि	२४	५९	४४	३	५७	१६	३	३	मेषे
५	श	२०	४३	कृ	४७	४५	वि	४६	१०	बा	२०	४३	४९	२	५८	१७	४	४	वृ.४।५२
६	र	१५	३६	रो	४४	१७	प्री	३७	५०	तै	१५	३६	५३	१	५९	१८	५	५	वृषे
७	चं	१०	३	मृ	४०	२२	आ	३०	२२	व	१०	३	५७	१	५९	१९	६	६	मि१२।२०
८	मं	४	१३	आ	३६	१५	सौ	२३	१४	ब	४	१३	३०१	६०	६०	२०	७	७	मिथुने
९	मं	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	बु	५२	२५	पु	३२	१४	शो	१५	३	तै	२५	२६	६	५९	६	२१	८	८	क.१८।१४
११	गु	४६	५०	पु	२८	२४	अ	७	२९	व	१९	३७	१०	५८	२	२२	९	९	कर्के
१२	शु	४१	३७	श्ले	२४	५३	सु	५	५३	ब	१४	१४	१४	५७	३	२३	१०	१०	सिं२४।५३
१३	श	३७	७	म	२१	५९	शू	४६	४०	कौ	९	२२	१८	५६	४	२४	११	११	सिंहे
१४	र	३३	२६	पू	१९	१४	गं	४०	५९	ग	५	१७	२२	५६	४	२५	१२	१२	कं.३४।३
१५	चं	३०	४४	उ	१८	३०	वृ	३६	१२	वि	१	५	२६	५५	५	२६	१३	१३	कन्यायां

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७०८ स.१९५६

चंद्रद.संभवः मीनेऽर्कः ४४/२ भरण्यांभृगुः ३७/१

सावान ८ वक्री श्लेषायां४ कर्के गुरुः ३६/५७ *

भ. ५६।४१ उ. *फुलरिया २

भ. २४।५९ या.

उभायांरविः४।४० पूभायां बुधः५७।५८

भ.१०।३उ.३७।८या. पूर्वास्तंबुधः२५।८

भ.१९/३७उ.४६/५०या. आमलकी११व्र. स्मा.व.

मीनेबुधः ३२/२२ आमलकी ११ व्र. निं.

प्रदोषः

भ.३३।२६ उ. कृतिकायां भृगुः ४०।२९

भ. २।५ या. होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.२बु.इ.५२।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	३	०	७	७	११
१	१६	१२	२९	१४	९	१८	१
८	४१	१६	५८	४५	३३	५५	५
४४	२६	२८	२८	३२	१६	४६	४४
५९	३६	९६	४४	६७	५२	३	५९
४९	३८	४१	ब	३३	ब	११	४१

गोचरग्रहाः

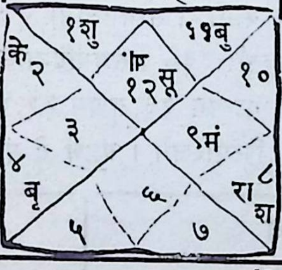

फाल्गुन शु. १ भौमे मीनेऽर्कः प्र. वा.३न.३कुमारावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

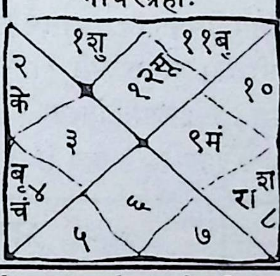

५०पं.फा.शु.१०बु.इ.५३।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	३	०	७	७	११
८	२१	२७	२९	२२	९	१८	८
६	१४	२	२१	३२	२९	३३	३
३८	१४	१८	१२	५२	११	३१	१९
५९	३६	[illegible]	३२	६६	५०	३	५९
३५	२४	[illegible]	ब	१२	ब	११	२९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१२ शाकः १८७७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	२९	१०	ह	१८	३१	ध्रु	३२	१७	कौ	२९	१०	३०	५४	६	२७	१४	१४	तु.४९।५
२	बु	२७	४७	चि	१९	३९	व्या	२९	१९	ग	२८	४७	३४	५३	७	२८	१५	१५	तुलायां
३	गु	२९	५१	स्वा	२२	१४	ह	२७	२०	वि	२९	५१	३८	५२	८	२९	१६	१६	तुलायां
४	शु	३२	९	वि	२५	३८	व	२६	२६	बा	१	०	४३	५१	९	३०	१७	१७	वृ.९।४७
५	श	३५	३८	अ	३०	१८	सि	२६	१२	कौ	३	५४	४७	५१	९	३१	१८	१८	वृश्चिके
६	र	४०	०	ज्ये	३५	५८	व्य	२६	५२	ग	७	४९	५२	५०	१०	१	१९	१९	ध.३५।५८
७	चं	४४	५६	मू	४२	१०	व	२८	१	वि	१२	२८	५६	४९	११	२	२०	२०	धनुषि
८	मं	५०	१	पू	४८	३५	प	२९	१७	बा	१७	२८	३१	४८	१२	३	२१	२१	धनुषि
९	बु	५५	२	उ	५४	५७	शि	३०	३०	तै	२२	३१	४	४७	१३	४	२२	२२	म.५।१०
१०	गु	५९	२३	श्र	६०	०	सि	३२	१६	व	२७	१२	८	४६	१४	५	२३	२३	मकरे
११	शु	६०	०	श्र	०	५२	सा	३२	३५	ब	३१	१३	१२	४६	१४	६	२४	२४	कु.३३।१७
११	श	३	४	ध	५	४४	शु	३२	९	बा	३	४	१६	४५	१५	७	२५	२५	कुम्भे
१२	र	५	३७	श	९	३८	शु	३०	५४	तै	५	३७	२०	४४	१६	८	२६	२६	मी५६।३५
१३	चं	६	५४	पू	१२	१४	ब्र	२८	४९	व	६	५४	२३	४३	१७	९	२७	२७	मीने
१४	मं	६	५४	उ	१३	५०	ऐं	२५	३९	श	६	५४	२६	४२	१८	१०	२८	२८	मीने
३०	बु	५	३८	रे	१४	६	वै	२१	३०	ना	५	३८	३०	४२	१८	११	२९	२९	मे.१४।६

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

सब्त्ररात उभायांबुधः १०।१३ छारेंडी

भ. ५९।१९ उ. वृषे भृगुः ४६।१०

भ. २९।५१ या. कल्पादिः

रेवत्यांरविः३२।८ उषायांभौमः२२।१९

भ. ४०।० उ. **अप्रेल मा. ४ ता. ३०**

भ. १२।२८ या. शीतला पूजनम्

रेवत्यां बुधः ०।१७

मकरे भौमः २५।५०

भ. २७।१२ उ. ५९।२३ या.

पापमोचनी ११ व्र. स्मा.

रोहिण्यांभृगुः१९/४८ पापमोचनी११व्र.वैं.निं.

प्रदोषः

भ.६।५४उ.३६।५४या. मेषेबुधः२१।२५

मन्वादिः

अमा. केतकी. अहर्गणः ७३७ चक्रं४

५१पं.चै.कृ.२ बु.इ.५३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	३	१	७	७	११
१५	२५	६	२८	०	९	१८	१४
२	४७	४०	५१	८	२०	११	५५
४१	१	५३	४१	६	२८	१६	१५
५९	३५	[illegible]	२७	६४	४१	३	५९
१८	५२	[illegible]	ब	३८	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

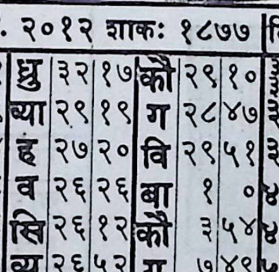

इस मास में प्रजा में रक्तविकारक पीड़ा हो, धान्य गेहूं, चना, तुउर, उड़द तेज होगी।

गोचरग्रहाः

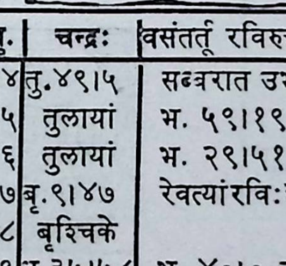

५२पं. चै.कृ.९ बु.इ.५४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	३	१	७	७	११
२१	०	२०	२८	७	९	१७	२१
५६	१६	३१	३०	२८	५	४९	५३
५४	३६	४२	४७	२२	५२	०	२९
५९	३५	[illegible]	३	६२	१८	३	५९
४	२०	[illegible]	ब	५०	ब	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

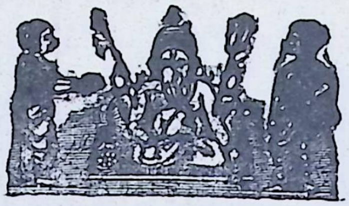

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० तेत्रायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५७ भोग्यकलिः ४२६९४३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०१३ शाकः १८७८ अथास्मिन्वर्षेराजा गुरुः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चन्द्रः । धान्येशश्शनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशो बुधः । नीरसेशो रविः । फलेशो बुधः । धनेशो रविः। दुर्गेशो गुरुः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ३ सौम्यनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ३।८।२४।० भोग्यमासादिः ८।२१।३६।० सौम दैवतं युग्मम् । वर्षनाम फाल्गुनः । मेघ ४ नाम आवर्तः । रोहिणी निवासस्तटेः । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा २० । समय वाहनंचातकः । स्तम्भ १ बायोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी नास्ति। अंगारकी चतुर्थी ३। बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी १। रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १३ । तिथि वृद्धिः ७ । उत्पति विश्वा८७ । खपति विश्वा ११४ । वर्षा विश्वा १७। धान्यम् १३, तृणम् ११. शीतम् ५. तेज ५. वायु १३ वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ७ ऐक्यं १०१ सत्यं ।।. धर्म १।।. पाप १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणे द्वे सूर्यचन्द्रमसः ।

भैरव भवानी संवाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे प्रेम से माता को सिर नाय ।
तेरह संवत् का मुझे हाल कहो समझाय ।।

भवानी उत्तर

माता कहे विचार के सुन हो भैरवलाल ।
तेरह संवत् मांय ने धणां नीपजे माल ।।
राजा गुरु मंत्री भृगु यह है सौम्य सुयोग ।
राज प्रजा आनन्द से भोगे उत्तम भोग ।।
चौमासे मघवा चढ़े जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोलें मीठे बैन ।।
संबत् वासा रजक घर रोहिणी तट निर्धार ।
मेघाधिप के योग से वर्षे मूसल धार ।।
धान्यादि शनि धान्य में करसी गोल मटोल ।
टीडी मूसा कातरा करें जगत में रोल ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
बंशीधर का कथन है आखिर जगदाधार ।।

वर्षेश लग्नम् ११।९

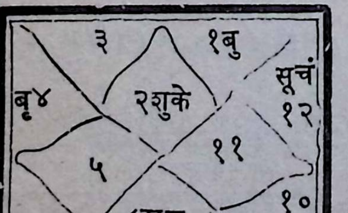

वर्षं लग्नम् १।१७

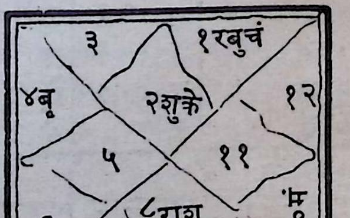

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१३।४८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्—गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुधाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बह्वोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्व जनेषु वर्तते ।। मंत्री शुक्रस्तत्फलम्—भृगुसुते ननु मंत्री पदङ्गते शलभ-मूषकरावथ माहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्—सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयो मुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपाः धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णाः ।। धान्येशः शनिरतत्फलम्—दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देश विग्रहम् । सौराष्ट्र देशनष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनिः ।। मेघेशो गुरुस्तत्फलम्—गुरुरपिप्रियवृष्टि करः सदाऽखिलविलासवती धरणीतदा । श्रुतिविचारपरा नरपालकाः रस समृद्धियुताऽखिलमानवाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्—रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्य घृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशो रवि-स्तत्फलम्—नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपुचन्दनयोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम्—यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधराः जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुमुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विता ।। धनेशो रविस्तत्फलम्—द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहुद्रव्यसमागमाः । गजतुरङ्गम मेष खरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुस्तत्फलम्—सुरगुरौ गढ़पे नयशोभिता नरवरा नरपा करपालिता । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतां बिशाम् ।। वर्षनाम फाल्गुनस्तत्फलम्—सुभिक्षंप्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। सौम्यनाम संवत्सरस्तत्फलम्—सौम्याब्दे निखिला लोका बहुसस्यार्घवृष्टिभिः । विवैरणो धराधीशाः विप्राश्चाध्वर तत्पराः ।। मेघनाम आवर्तस्तत्फलम्—आवर्ते छिन्न वृष्टिश्च ।। रोहिणी निवासस्तटे तत्फलम्—तटे वृष्टिः सुशोभनाः ।। समय निवासो रजकगृहे फलम्—रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०१३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ९ गुरौ मघायां. ल. ११ रे. ६ ।ऽ।।ऽचो.।ऽऽ। गणि-तेनक्रांतिसाम्याऽभावत्वेपिरेखाल्पत्वान्नेष्टम्
,, ११ शनौ उफा. ल. १२ चं. पू. सत् रे.७ ऽसू।।।ऽरो।।ऽ।
,, १२ रवौ उफा. ल. ऽन्यगो. रे. ९ ऽसू.।।।।।।।।
,, १२ रवौ हस्ते ल. १२ चं. पू. सं. रे. ९ ।।।।।ऽ।।
,, १४ भौमे स्वात्यां ल. ११ रे.६ ।।।।ऽसूऽअ.ऽऽ।।आवश्यके

वैशाख मासः

कृष्णा ४ रवौ मूले ल. ११-१२ रे. ८ ।।।।ऽशु।।ऽ।।
,, ६ भौमे उषा. ल. १२ (घ. ५५-२३ उ.) रे. ७ ऽचंऽ।ऽशु ।।।।। पादबेधाद्भृगोर्वेधाऽभावः
,, ११ रवौ उभा. ल. ११ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।
,, १२ चन्द्रे रेव. ल.११ रे.९ ।।।।।ऽ।।कृष्णानंग चतुर्दिनम्

शुक्ला १ शुक्रे रोहि. ल. ११-१२ रे. ९ ।।ऽबु.।ऽश।।।।
,, ८ गुरौ ल. गो. ११ (कु. चं. पू.) रे. ८ ।।।।ऽमं।।ऽ।।
,, १० शनौ उफा. ल.ऽन्यगो.१२ बं.पू.सत् रे.८ ।ऽ।।।।ऽ।।
,, ११ रवौ हस्ते ल. १२ (चं.पू.सत्) रे. ८ ।।।।।ऽचौऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १५ रवौ रोहि. ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽश.रा.ऽअग्निऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ चन्द्रे रोहि. ल. ४ रे. ८ ।।।।।ऽसू.श.रा.ऽ।।
,, २ भौमे मृगे ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽनृ.ऽ।।।
,, ७ शनौ मघा ल.७रे.९ऽसू।।।।।।।।। पात सामिप्यादशुद्धम्
,, १० भौमे हस्ते ल. ऽन्यगो. (सोग्रांग) ४-७ रे.७ ।।।।।ऽ-अग्निऽऽ।।

शुक्ला ३ बुधे उषा. ल. ७ रे. ९ ।।।।।अ.(घ.३६ उ.)।।।।

वैशाख शु. १५ यां गुरौ सर्वग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा १९।९

		स्प.	म.	मो.	पव.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	३१	३६	४०	८
	पल.	५८	१७	३६	३८
रेल्वे टाइम	घं.	७	८	१०	३
	मि.	१४	५८	४१	२७

मार्गशीर्ष कृ. ३० रवौ खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा ५।८

		स्प.	म.	मो.	प.
उज्जयिनी मध्यमकालः	घं.	१५	१९	२२	६
	प.	५२	३	२६	३४
रेल्वे टाइम	घ.	१२	२	२	२
	मि.	४८	९	२५	३८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽर्हगणः ७३८ सन् १९५६
१	गु	३	६	अ	१३	८	वि	१६	३४	ब	३	६	३५/३२	५/४२	६/१८	१२	३०	३०	मेषे	चंद्रद. घटस्था. नवरा. सम्वत्सरा.
२	गु	५६	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	५५	१२	भ	११	११	प्री	१०	५२	तै	२७	२४	३६	४१	१९	१३	३१	१	वृ २५।३८	मेषेऽर्कः ६।४० रमजान९ गणगौरी पू.
४	श	५०	२	कृ	८	५७	आ	४/२९	५३/७	व	२२	३७	४०	४०	२०	१४	१	२	बृषे	भ.३३/७ उ.५/९या. अभिजित्प्रवृत्तीभौ.५८/५९
५	र	४४	२४	रो	५	३	शो	५०	१९	ब	१७	१३	४४	३९	२१	१५	२	३	मि३३।१५	भरण्यां बुधः ५१।४६
६	चं	३८	२८	मृ	१/२९	५६/५७	अ	४२	५०	कौ	११	२६	४८	३८	२२	१६	३	४	मिथुने	मार्गी गुरुः १।३५
७	मं	३२	२८	पु	५३	१९	सु	३४	५८	ग	५	२८	५१	३८	२२	१७	४	५	क.३९।२०	भ. ३२।२८ उ. ५९।३० या.
८	बु	२६	३३	पु	४९	२१	धृ	२७	३५	ब	२६	३३	५४	३७	२३	१८	५	६	कर्के	पश्चिमोदयी बुधः २।३५ भवान्युत्पत्तिः
९	गु	२०	५३	श्ले	४५	५०	शू	१९	४९	कौ	२०	५३	५८	३६	२४	१९	६	७	सिं४५।५०	राम ९
१०	शु	१५	३३	म	४२	४३	गं	१२	५७	ग	१५	३३	३/२	३६	२४	२०	७	८	सिंहे	भ. ४३।१५ उ. श्रवणे भौमः ३।२३
११	श	१०	५८	पू	४०	२१	वृ	६	२७	वि	१०	५८	६	३५	२५	२१	८	९	कं.५५।१	भ.५/८ या. अभिजिन्निवृत्तोभौमः ३६/४५ मृगे*
१२	र	७	१७	उ	३९	१	ध्रु	३६/०	५५/८	बा	७	१७	९	३४	२६	२२	९	१०	कन्यायां	कृत्तिकायां बुधः ४७।२७ प्रदोषः
१३	चं	४	२८	ह	३८	३३	ह	५१	३१	तै	४	२८	१३	३३	२७	२३	१०	११	कन्यायां	*भृगुः १३।८ का. ११ व्र.
१४	मं	२	४८	चि	३९	३९	व	४८	२२	व	२	४८	१७	३३	२७	२४	११	१२	तु. ९।१	भ. २।४८ उ. ३/३ या. वृषे बुधः ५५।८
१५	बु	२	१९	स्वा	४१	२०	सि	४६	१३	ब	२	१९	२१	३२	२८	२५	१२	१३	तुलायां	हनुमज्जयंती वै. स्ना. प्रा.

१पं. चै.शु.३शु.इ.९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	१	७	७	०
०	५	७	२८	१५	८	१७	०
३	३६	४८	१६	४९	४४	२२	०
३	१७	२१	१५	२३	२४	४३	०
५८	३५	३८/३	३५/०	५९	३/३	३	५८
४५	३	५/३	ब	५५	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

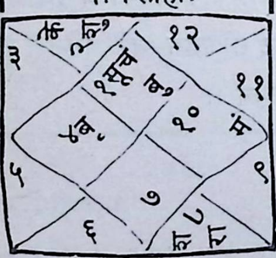

चैत्र शु. ३ शुक्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

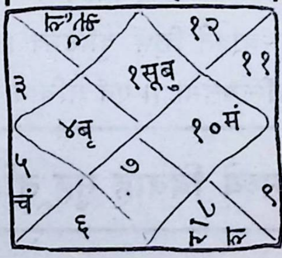

२पं. चै.शु.१० शु.इ.१०।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	१	७	७	०
६	१०	२१	२८	२२	८	१७	६
५३	३	४५	१४	२०	२१	०	५०
१४	५०	११	९	३५	५६	२८	३८
५८	३४	२८	५२	५६	४०	३	५८
२९	१३	२५	मा	३२	ब	११	३१

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३	१५	वि	४४	५१	व्य	४५	४	कौ	३	१५	३२/२५	५/३१	६/२९	२६	१३	१४	बृ.२८।५८	भरण्यां रविः ४८।४ अनुराधायां४ राहुः*
२	शु	५	२३	अ	४९	१८	व	४४	५१	ग	५	२३	२९	३०	३०	२७	१४	१५	बृश्चिके	भ. ३७।८ उ.
३	श	८	५४	ज्ये	५४	४१	प	४५	२४	वि	८	५४	३३	२९	३१	२८	१५	१६	ध.५४।४१	भ. ८।५४ या. मिथुने भृगुः ४८।५०
४	र	१३	१०	मू	६०	०	शि	४६	३४	बा	१३	१०	३६	२९	३१	२९	१६	१७	धनुषि	*रोहिण्यां २ केतुः ३६।४५
५	चं	१७	५६	मू	०	५१	सि	४७	५४	तै	१७	५६	४०	२८	३२	३०	१७	१८	धनुषि	पातस्पर्शः १८।८ पातमोक्षः ३७।९
६	मं	२२	५८	पू	७	१९	सा	४९	२४	व	२२	५८	४३	२७	३३	१	१८	१९	म.२१।२४	भ. ३२/५८ उ. ५५/२३ या. मई मा. ५ ता. ३१
७	बु	२७	४८	उ	१३	४१	शु	५०	५१	ब	२७	४८	४७	२७	३३	२	१९	२०	मकरे	रोहिण्यां बुधः ३६।१६
८	गु	३२	१३	श्र	१९	३९	शु	५१	२७	बा	०	१	५०	२६	३४	३	२०	२१	कु.५२।१२	
९	शु	३५	५१	ध	२४	४६	ब्र	५१	३०	तै	४	२	५४	२५	३५	४	२१	२२	कुम्भे	
१०	श	३८	१६	श	२९	१	ऐं	५०	३९	व	७	३	५७	२५	३५	५	२२	२३	कुम्भे	भ. ७।३ उ. ३८।१६ या.
११	र	३९	४६	पू	३२	३	वै	४८	४५	ब	९	१	३/२	२४	३६	६	२३	२४	मी१६।१७	वरूथिनी ११ व्र.
१२	चं	३९	२६	उ	३३	४८	वि	४६	२	कौ	९	३६	४	२३	३७	७	२४	२५	मीने	आर्द्रायां भृगुः २३।५१
१३	मं	३८	५	रे	३४	२१	प्री	४२	१३	ग	८	४६	७	२३	३७	८	२५	२६	मे.३४।२१	भ. ३८।५ उ. प्रदोषः
१४	बु	३५	३३	अ	३३	४४	आ	३७	२८	वि	६	४९	१०	२२	३८	९	२६	२७	मेषे	भ. ६।४९ या.
३०	गु	३२	७	भ	३१	५५	सौ	३१	५८	च	३	५०	१३	२१	३९	१०	२७	२८	बृ.४६।१८	कृत्तिकायां रविः ३५।५९

३पं. वै.कृ.२शु.इ.१०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	३	१	७	७	०
१३	१४	३	२८	२८	७	१६	१३
४१	२९	१६	२३	३३	५६	३८	३९
३८	२०	२३	७	३९	३२	१३	४१
५८	३३	८७	२	५२	४/०	३	५८
१२	२४	८	११	३६	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

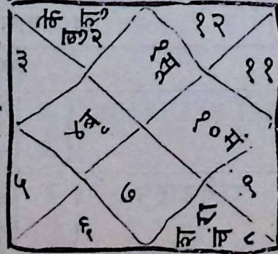

इस मास में ५ गुरुवार शुभ हैं, व्वापारी वस्तुओं में घटा-बढ़ी चना मूंगफली, मटर, लूण तेज हों।

गोचरग्रहाः

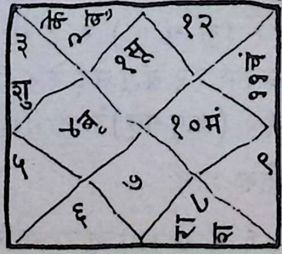

४पं.वै.कृ. ९शु.इ.१०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	३	२	७	७	०
२०	१८	११	२८	४	७	१६	२०
२८	४८	२१	३९	७	२८	१५	२७
१६	५७	३	३०	१५	१	५७	२१
५७	३२	५१	३	४७	१४/१	३	५८
५७	२७	३४	३४	२५	ब	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७६७ सन् १९५६
१	शु	२६	५१	कृ	२९	२६	शो	१५	४४	ब	२६	५१	३३/५६	५/२१	६/३९	११	२८	२९	वृषे	चन्द्रदर्शनम् धनिष्ठायां भौमः ५०।११
२	श	२२	१६	रो	२६	९	अ	१८	५८	कौ	२२	१६	१९	२०	४०	१२	२९	१	मि५४।१९	सव्वाल १० ईद
३	र	१६	३१	मृ	२२	२९	सु	११	४८	ग	१६	३१	२२	२०	४०	१३	३०	२	मिथुने	भ. ४३।३४ उ. वक्री बुधः ३/२ ०/३ अक्षया ३
४	चं	१०	३६	आ	१८	२३	धृ	४/१९	५२/१८	वि	१०	३६	२५	१९	४१	१४	३१	३	मिथुने	भ. १०।३६ या. वृषेऽर्कः ३।४६
५	मं	४	३३	पु	१४	२४	गं	४९	१९	बा	४	३३	२८	१८	४२	१५	१	४	क.०।२४	वक्री अनुराधायां १ शनिः ३१।३०
६	मं	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५२	२२	पु	१०	२१	वृ	४१	४४	ग	२५	२७	३१	१८	४२	१६	२	५	कर्के	भ.५२।२२उ. पश्चिमास्तो बुधः २४।३८
८	गु	४७	२५	श्ले	६	४२	ध्रु	३४	४५	वि	१९	५४	३४	१७	४३	१७	३	६	सिं६।४२	भ. १९।५३ या.
९	शु	४२	४७	म	३	२५	व्या	१८	९	बा	१५	६	३६	१७	४३	१८	४	७	सिंहे	
१०	श	३८	५७	पू	०	५४	ह	२२	१४	तै	१०	५२	३९	१६	४४	१९	५	८	कं.१५।४५	
११	र	३६	२	उ	०	१७	व	१७	९	व	७	३०	४१	१६	४४	२०	६	९	कन्यायां	भ. ७।३० उ. ३६।२ या. मोहिनी ११व्र.
१२	चं	३४	२०	ह	०	३९	सि	१२	५३	ब	५	११	४४	१५	४५	२१	७	१०	तु.३०।४७	*जयंती दानं वै. स्ना. पूर्तिः च. ग्र.
१३	मं	३३	५८	चि	०	५५	व्य	९	३८	कौ	४	९	४६	१५	४५	२२	८	११	तुलायां	कुम्भेभौमः ४/५ ५/६ मार्गीसिंहेगुरुः ३/१ ३/२ प्रदोषः
१४	बु	३४	३४	स्वा	१	५८	व	७	१५	ग	४	१६	४८	१४	४६	२३	९	१२	वृ.४८।२८	भ. ३४।३४ उ. नृसिंहजयन्ती
१५	गु	३६	३६	वि	३	५८	प	५	५७	वि	५	३५	५०	१४	४६	२४	१०	१३	बृश्चिके	भ. ५।३५ या. रोहिण्यां रविः ३/३ ९/५ कूर्म*

५पं. वै.शु.१ शु.इ.१०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	३	२	७	७	०
२७	२२	१५	२९	८	६	१५	२७
१३	५९	४८	४	४९	५८	५३	१३
३०	१२	११	४०	५५	१४	४२	३२
५७	३१	१०	४	३९	४/३४	३	५७
४५	३९	१४	४४	२०	व	११	३४

गोचरग्रहाः

वैशाख शुक्ला ४ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

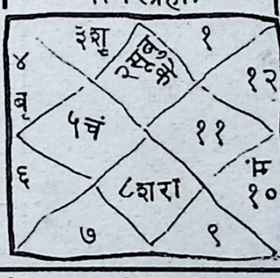

६पं. वै.शु.९ शु.इ. १०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	३	२	७	७	१
३	२७	१४	२९	१२	६	१५	३
५७	८	४२	३९	३१	२७	३१	५८
७	३५	३२	३२	४१	३६	२६	२६
५७	३०	२/३ ०/३	५	२९	४/४०	३	५७
३४	४९	व	४९	३२	व	११	४४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३९	५३	अ	८	१९	शि	५	३४	बा	८	१४	३३/५२	५/१४	६/४६	२५	११	१४	बृश्चिके	
२	श	४४	४	ज्ये	१३	२८	सि	६	०	तै	११	५८	५४	१३	४७	२६	१२	१५	ध.१३।२८	
३	र	४८	५४	मू	१९	२४	सा	७	६	व	१६	२९	५६	१३	४७	२७	१३	१६	धनुषि	भ. १६।२९ उ. ४५।५४ या.
४	चं	५३	४०	पू	२५	४६	शु	८	३४	ब	२१	१७	५८	१२	४८	२८	१४	१७	म.४२।२४	वक्री कृत्तिकायां बुधः २९।२१ चतुर्थी व्र.
५	मं	५८	२८	उ	३२	१९	शु	१०	९	कौ	२६	४	३४/०	१२	४८	२९	१५	१८	मकरे	
६	बु	६०	०	श्र	३८	२१	ब्र	११	२६	ग	३०	३८	२	१२	४८	३०	१६	१९	मकरे	
६	गु	२	४८	ध	४३	३५	ऐं	१२	३२	व	२	४८	४	११	४९	३१	१७	२०	कुं.१०।५८	भ. २।४८ उ. ३४।३४ या.
७	शु	६	२१	श	४८	५	वै	१२	३९	ब	६	२१	६	११	४९	१	१८	२१	कुम्भे	वक्री भृगुः ३५।९ जून मा. ६ ता. ३०
८	श	८	४७	पू	५१	२६	वि	१२	५	कौ	८	४७	७	११	४९	२	१९	२२	मी३५।३६	
९	र	९	५५	उ	५३	२५	प्री	१०	२२	ग	९	५५	९	१०	५०	३	२०	२३	मीने	भ. ३९।५५ उ.
१०	चं	९	५६	रे	५४	१५	आ	७	५७	वि	९	५६	१०	१०	५०	४	२१	२४	मे.५४।१५	भ.५ ९/६ या. पूर्वोदयंबुधः ४ ५/८ शतेभौमः २/१ ७/२
११	मं	८	३२	अ	५३	५८	सौ	३/२०	५६/२६	बा	८	३२	१२	१०	५०	५	२२	२५	मेषे	अपरा ११ व्र.
१२	बु	५	५८	भ	५२	२३	अ	५४	२६	तै	५	५८	१३	९	५१	६	२३	२६	मेषे	मार्गी बुधः ४४।१९ प्रदोषः
१३	गु	२	२४	कृ	४९	५९	सु	४८	१२	व	२	२४	१५	९	५१	७	२४	२७	बृ.६।४७	भ.२।२४ उ. ३/१ ०/० या. मृगे रविः २८।४४
१४	गु	५५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	शु	५२	४२	रो	४६	२३	धृ	४१	४२	च	२५	१९	१६	९	५१	८	२५	२८	वृषे	वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.१शु.इ.११।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	४	२	७	७	१
१०	१	११	०	१४	५	१५	१०
३९	११	४६	१९	५९	२५	९	४२
१८	५२	३०	४	२४	७	११	२०
५७	२९	३/३ ३/३	६	१६	४/४०	३	५७
२३	३५	व	४९	५२	व	११	३५

८पं.ज्ये.कृ.९ शु.इ.११।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	४	२	७	७	१
१७	५	८	१	१६	५	१४	१७
२०	७	२८	५	३५	२४	४६	२५
२४	५३	१	२१	३१	२१	५३	४
५७	२८	२५/५९	७	०/०	४/३०	३	५७
१३	११	व	५०	५९	व	११	२७

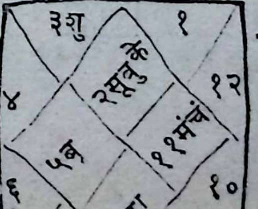

९पं.ज्ये.कृ.३०शु.इ.११।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	४	२	७	७	१
२४	८	७	१	१४	४	१४	२४
०	५५	७	५९	३६	५५	२४	७
२०	५५	१४	५६	४७	३७	४०	८
५७	२७	४/३	८	१/१ १/६	११/४	३	५७
५	१३	मा	४५	व	व	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	४६	५९	मृ	४४	३	शू	३४	३६	किं	१९	५०	३४/१७	५/९	५६/५९	९	२६	२९	मि१५।१३
२	र	४०	५९	आ	३९	१८	गं	२७	११	बा	१३	५९	१८	८	५२	१०	२७	३०	मिथुने
३	चं	३४	५३	पु	३५	५४	वृ	१९	४२	तै	७	५६	१९	८	५२	११	२८	१	क.२१।४५
४	मं	२८	४९	पु	३१	१९	ध्रु	१२	२८	व	१	५१	२०	८	५२	१२	२९	२	कर्के
५	बु	२२	५७	श्ले	२७	५६	व्या	४/६	५२/५५	बा	२२	५७	२१	८	५२	१३	३०	३	सिं२७।५६
६	गु	१७	३०	म	२४	५	व	५१	०	तै	१७	३०	२२	८	५२	१४	३१	४	सिंहे
७	शु	१२	४५	पू	२३	३८	सि	४४	५९	व	१२	४५	२२	८	५२	१५	१	५	कं.३७।४३
८	श	८	४८	उ	१९	५८	व्य	३९	५४	ब	८	४८	२३	७	५३	१६	२	६	कन्यायां
९	र	५	४८	ह	१८	३४	व	३५	१०	कौ	५	४८	२३	७	५३	१७	३	७	तु.४८।४४
१०	चं	३	५२	चि	१८	५४	प	३१	५७	ग	३	५२	२३	७	५३	१८	४	८	तुलायां
११	मं	३	११	स्वा	२०	२१	शि	२९	१३	वि	३	११	२४	७	५३	१९	५	९	तुलायां
१२	बु	३	५६	वि	२३	९	सि	२७	५४	बा	३	५६	२४	७	५३	२०	६	१०	वृ.७।२७
१३	गु	५	४०	अ	२७	४	सा	२७	१२	तै	५	४०	२४	७	५३	२१	७	११	वृश्चिके
१४	शु	८	५३	ज्ये	३२	२४	शु	२७	४४	व	८	५३	२४	७	५३	२२	८	१२	ध.३२।१४
१५	श	१२	५८	मू	३७	५८	शु	२८	४०	ब	१२	५८	२४	७	५३	२३	९	१३	धनुषि

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:७९६ स. १९५६

चन्द्रदर्शनम्
जिल्काद ११
भ. १।५१ उ. २८।४९ या.
*रोहिण्यां२४।१६ मघायां२ गुरु:७।३२
मिथुनेऽर्कः २९।३२
भ. १२।४५ उ. ४०।४७ या.
पश्चिमास्तं भृगुः२२।४८ मार्गी रोहिण्यां*
भ. ३४।५० उ. प. अ. भृ.
भ. ३।११ या. निर्जला ११ व्र.
प्रदोषः
आर्द्रायां रविः ३१।४
भ. ८।५३ उ. ४०।५५ या.
वक्री मृगे भृगुः ३३।५८

१०पं.ज्ये.शु.७शु.इ.११।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	४	२	७	७	२
०	१२	९	३	११	४	१४	०
३९	२२	१	१	३७	२८	२	४८
२८	१२	५१	२६	३३	४१	२५	२५
५६	२५	२६	९	३०/११	५३/३	३	५७
५७	४७	१२	३९	ब	ब	११	१७

गोचरग्रहाः

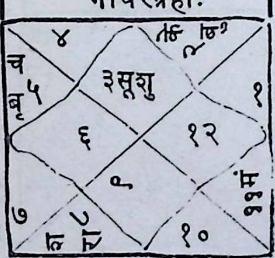

ज्येष्ठ शु. ६ गुरौ
मिथुनेऽर्कः प्र. वा.
५न.६ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयं पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

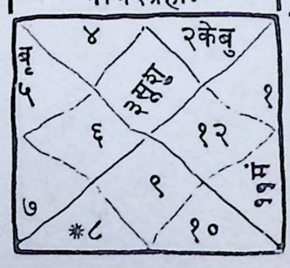

११पं.ज्ये.शु.१४शु.इ.११।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	४	२	७	७	२
७	१५	१४	४	७	४	१३	७
१७	३६	५१	५	३०	३	४०	२९
५६	३४	२१	१५	३१	९	१०	१७
५६	२३	६१	१०	३/३	३/२	३	५७
५४	३१	३१	१५	ब	ब	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्ष सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	र	१७	३६	पू	४४	१२	ब्र	३०	९	कौ	१७	३६	३४/२४	५/७	५६/५३	२४	१०	१४	धनुषि
२	चं	२२	२२	उ	५०	४०	ऐं	३१	४५	ग	२२	२२	२३	७	५३	२५	११	१५	म.०।४९
३	मं	२७	१६	श्र	५७	४६	वै	३३	९	वि	२७	१६	२३	७	५३	२६	१२	१६	मकरे
४	बु	३१	३९	ध	६०	०	वि	३४	२०	बा	३१	३९	२३	७	५३	२७	१३	१७	कु.२९।३३
५	गु	३५	१४	ध	२	२०	प्री	३४	४३	कौ	३	२६	२२	८	५२	२८	१४	१८	कुम्भे
६	शु	३७	५४	श	७	१२	आ	३४	१८	ग	६	३४	२२	८	५२	२९	१५	१९	मी५४।४७
७	श	३९	१	पू	१०	३९	सौ	३२	५२	वि	८	२७	२१	८	५२	३०	१६	२०	मीने
८	र	३९	०	उ	१२	५८	शो	३०	३६	बा	९	०	२०	८	५२	१	१७	२१	मीने
९	चं	३७	४४	रे	१४	०	अ	२७	१२	तै	८	२२	१९	८	५२	२	१८	२२	मे.१३।०
१०	मं	३५	१२	अ	१४	७	सु	२२	५२	व	६	२८	१८	८	५२	३	१९	२३	मेषे
११	बु	३१	४०	भ	१२	५५	धृ	१७	३९	ब	३	२६	१७	९	५१	४	२०	२४	वृ.२७।१६
१२	गु	२७	१३	कृ	१०	२०	गं	११	४१	तै	२७	१३	१६	९	५१	५	२१	२५	वृषे
१३	शु	२२	०	रो	७	२८	वृ	५४/४	५३/१५	ब	२२	०	१४	९	५१	६	२२	२६	मि३५।४२
१४	श	१६	२०	मृ	५३/३	५६/३	ध्रु	५०	३९	श	१६	२०	१३	९	५१	७	२३	२७	मिथुने
३०	र	१०	२२	पु	५५	५४	व्या	४३	७	ना	१०	२१	११	१०	५०	८	२४	२८	क.४१।५५

ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ५४।४९ उ.
भ. २७।१६ या. चतुर्थी व्रतम्
पूर्वोदयं भृगुः १०।१२
मृगे बुधः ५०।४९ अनुराधायां ३ राहुः÷
भ. ३७।५४ उ. ÷रोहिण्यां १ केतुः ३५/२५
भ. ८।२८ या. पू. उ. भृ.
पूभायांभौमः ५१/३१ जुलाई मा. ७ ता. ३१
भ. ६।२८ उ. ३५/१२ या. मिथुने बुधः ११/४४
योगिनी ११ व्र.
पुनर्वसौरविः ३५।५ प्रदोषः
भ. २२/० उ. ४९/१० या. आर्द्रायां गुरुः १०/३२
वक्री वृषे भृगः १४/४३ मघायां ३ बुधः ४०/१६
पूर्वास्तंबुधः३१/४८ वक्रीविशाखायां४शनिः ५/३७

१२पं. आ.कृ.६शु.इ.१०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	४	२	२	७	२
१३	१८	२३	५	३	३	१३	१४
५५	५२	५०	१४	२४	४१	१७	९
५९	५४	२०	२६	१८	५	५४	४६
५६	२१	९०	१२	३०/१५	५३	३	५७
५०	४	११	५८	ब	ब	११	७

गोचरग्रहाः

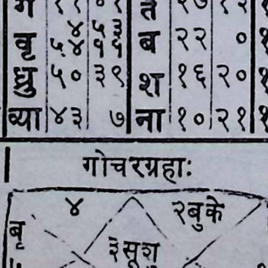

इस मास में पांच
रविवार वृद्धिकारक
"हैपञ्चाऽर्क वासरे
रोगः" बदी में चांदी
चपड़ा लाख अलसी
तेज हो वर्षा उत्तम।

गोचरग्रहाः

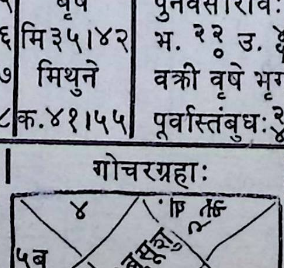

१३पं.आ.कृ.१३शु.इ.१०।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	४	२	७	७	०
२०	२१	५	६	०	३	१२	२०
३३	१९	४३	२८	१७	२४	५५	५०
५५	२४	३८	३४	३८	२२	३९	७
५६	१८	९/५	११	३६/१५	२/१७	३	५७
५०	२२	९/५	३०	ब	ब	११	७

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) *चंराश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८२६ स.१९५६
१	चं	३	१२	पु	५१	४५	ह	३५	३५	ब	३	१२	३४/१०	५/१०	६/५०	९	२५	२९	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
२	चं	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	मं	५२	२०	श्ले	४८	१६	व	२८	५	तै	२५	७	८	१०	५०	१०	२६	१	सिं४८।१६	जिल्हेज १२
४	बु	४६	२८	म	४४	२९	सि	२०	२५	व	१९	१९	७	११	४९	११	२७	२	सिंहे	भ. १९।१९ उ. ४६।२८ या.
५	गु	४१	४६	पू	४१	३४	व्य	१४	८	ब	१४	७	६	११	४९	१२	२८	३	कं.५६।३	
६	शु	३७	४६	उ	३९	२९	व	७	५९	कौ	९	४६	४	११	४९	१३	२९	४	कन्यायां	मार्गीभृगुः ३।२० पुनर्वसौ बुधः २५।३२
७	श	३४	४१	ह	३८	२१	प	२/३१	५६/२६	ग	६	१४	२	१२	४८	१४	३०	५	कन्यायां	भ. ३४।४१ उ.
८	र	३२	४१	चि	३८	२५	सि	५४	१६	वि	३	४१	०	१२	४८	१५	३१	६	तु.८।२३	भ. ३।४१ या.
९	चं	३१	५५	स्वा	३९	२८	सा	५१	३६	बा	२	१८	३३/५९	१२	४८	१६	३२	७	तुलायां	कर्केऽर्कः ७।४९ भडली ९
१०	मं	३२	२३	वि	४१	५९	शु	४९	५५	तै	२	९	५६	१३	४७	१७	१	८	वृ.२६।२१	*बुधः १४।२९ देवशयनी ११ व्र.
११	बु	३४	२६	अ	४५	३८	शु	४९	१२	व	३	२५	५४	१३	४७	१८	२	९	वृश्चिके	भ. ३।२५ उ. ३४।२६ या. हज्ज कर्के*
१२	गु	३७	१८	ज्ये	५०	२१	ब्र	४९	२३	ब	५	५२	५२	१४	४६	१९	३	१०	ध.५०।२१	बकरीद पुष्येरविः ३८।३० पुष्येबुधः ४९/४५
१३	शु	४१	१८	मू	५५	१३	ऐं	५०	१८	कौ	९	१८	५०	१४	४६	२०	४	११	धनुषि	मार्गी मिथुने भृगुः २६।२८ प्रदोषः
१४	श	४५	५३	पू	६०	०	वै	५१	३४	ग	१३	३५	४७	१५	४५	२१	५	१२	धनुषि	भ. ४५।५३ उ.
१५	र	५०	५९	पू	२	१७	वि	५३	१४	वि	१८	२६	४५	१५	४५	२२	६	१३	म.१८।५३	भ. १८।२६ या. मन्वादिः व्यास पूजा

१४पं.आ.शु६.शु.इ.१०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	४	१	७	७	२
२७	२३	१९	७	२९	३	१२	२७
१२	५४	२९	४५	१५	१०	३३	३०
१	३१	२०	३९	७	५४	२३	३२
५६	१६	३०/८	१२	१०/८	४१/२	३	५७
५५	३९	८/२२	६	ब	ब	११	११

गोचरग्रहाः

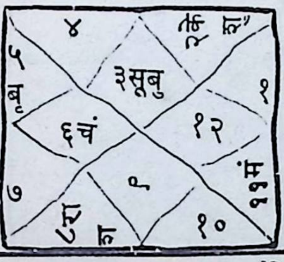

आ. शु. ९ चंद्रे
कर्केऽर्कः प्र.वा.५
न.५गताल्कावस्था
(ऊभी) मु. १५
(धान्य भाव तेज)
शुक्रोदय पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

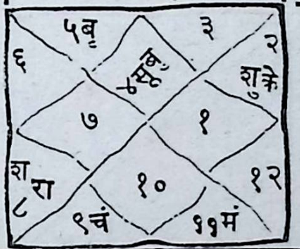

१५पं.आ.शु.१४शु.इ.१०।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	४	१	७	७	३
३	२५	४	९	२९	३	१२	४
५०	४४	४	६	५५	१	११	११
२९	४३	१	४	४४	५	८	१३
५६	१४	३०/८	१२	१६	५/३	३	५७
५७	१९	८/४	२५	९	ब	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५४	३६	उ	८	४२	प्री	५४	४६	बा	२३	१८	३३/४२	५/१६	६/४४	२३	७	१४	मकरे	
२	मं	६०	०	श्र	१४	५५	आ	५५	५४	तै	२७	४८	४०	१६	३४	२४	८	१५	कु.४७।४८	मघायां ४ गुरुः ५३।५१
३	बु	६०	०	ध	२०	४१	सौ	५६	२५	व	३१	४९	३७	१७	४३	२५	९	१६	कुम्भे	भ. ३१।४९ उ.
३	गु	३	३८	श	२५	३२	शो	५६	१५	वि	३	३८	३५	१७	४३	२६	१०	१७	कुम्भे	भ. ३।३८ या. आश्लेषायांबुधः २।३०
४	शु	६	३९	पू	२९	२४	अ	५५	५४	बा	६	३९	३२	१८	४२	२७	११	१८	मी१३।२६	
५	श	७	३३	उ	३१	५८	सु	५२	५४	तै	७	३३	३०	१८	४२	२८	१२	१९	मीने	
६	र	७	४१	रे	३३	२२	धृ	४९	४५	व	७	४१	२७	१९	४१	२९	१३	२०	मे.३३।२२	नाग ५ मरुस्थले
७	चं	६	२६	अ	३३	३१	शू	४५	३४	ब	६	२६	२४	१९	४१	३०	१४	२१	मेषे	भ. ७।४१ उ. ३७।४ या.
८	मं	४	१	भ	३२	२३	गं	४०	३३	कौ	४	१	२१	२०	४०	३१	१५	२२	बृ.४६।५३	मार्गी शनिः ३।५६
९	बु	०	३२	कृ	३०	२१	वृ	३४	४३	ग	०	३२	१८	२०	४०	१	१६	२३	बृषे	भ. ३६/२२ उ. ५६/११ या. पश्चिमोदयीबुधः २१/४०*
१०	बु	५५	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *सिंहेबुधः ५९/३७ अगस्त मा.८ता.३१
११	गु	५१	५	रो	२७	४२	ध्रु	२८	११	ब	२३	३८	१५	२१	३९	२	१७	२४	मि५५।५६	सार्प रविः ३९।१८ कामिका ११ब्र. स्मा.
१२	शु	४५	२८	मृ	२४	९	व्या	२०	९	कौ	१८	१६	१२	२२	३८	३	१८	२५	मिथुने	कामिका ११ ब्र. वै. नि.
१३	श	३९	३२	आ	२०	१९	ह	१३	४६	ग	१२	३०	९	२२	३८	४	१९	२६	मिथुने	भ. ३९/३२ उ. आर्द्रायां भृगुः ६२/५० प्रदोषः
१४	र	३३	२७	पु	१६	१३	व	६/१३	५३/२३	वि	६	३०	६	२३	३७	५	२०	२७	क.२।१५	भ. ६।३० या.
३०	चं	२७	२८	पु	१२	५	ब	५१	४	च	०	२७	३	२३	३७	६	२१	२८	कर्के	हरियाली ३० सोमवती पुण्यम्

१६पं.श्रा.कृ.४शु.इ.१०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	४	२	७	७	३
१०	२७	१८	१०	२	२	११	१०
२९	१०	५५	२९	१६	५६	४८	२
५६	२८	४४	११	३०	२१	५३	२५
५७	११	३०/८	१२	२८	१/१	३	५७
५	२७	९/४८	४९	३४	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

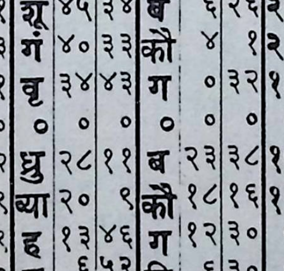

इस मास में ५ चंद्र ५ भौम हैं, सो रसादि पदार्थ मन्दे होकर तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

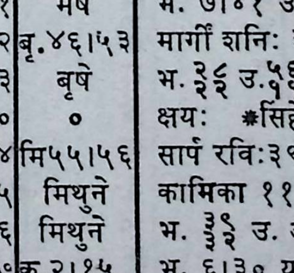

१७पं.श्रा.कृ.१२शु.इ.१०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	२	७	७	३
१७	२८	२	११	५	२	११	१७
९	४	१०	५४	५३	५५	२६	३३
३५	६	२६	५२	३३	२८	३७	५७
५७	८	३०/८	१३	३८	२/७	३	५६
१२	५२	८/४०	११	२६	ब	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	२१	१४	श्ले	८	८	व	४३	४१	ब	२१	१४	३३/०२	५/२४	६/३६	७	२२	२९	सिं ८।८
२	बु	१५	५०	म	४	३९	प	३६	२९	कौ	१५	५०	३२/५७	२५	३५	८	२३	१	सिंहे
३	गु	१०	५५	पू	५/३७	५७/३२	शि	३०	२६	ग	१०	५५	५४	२५	३५	९	२४	२	कं.१५।५३
४	शु	६	४९	ह	५७	४९	सि	२४	४३	वि	६	४९	५०	२६	३४	१०	२५	३	कन्यायां
५	श	३	४१	चि	५७	३६	सा	१९	५६	बा	३	४१	४७	२७	३३	११	२६	४	तु.२७।४२
६	र	१	४०	स्वा	५८	२६	शु	१६	१	तै	१	४०	४३	२७	३३	१२	२७	५	तुलायाँ
७	चं	०	५३	वि	६०	०	शु	१३	४	व	०	५३	४०	२८	३२	१३	२८	६	वृ.४।५४
८	मं	१	२९	वि	०	३६	ब्र	११	६	ब	१	२९	३६	२९	३१	१४	२९	७	बृश्चिके
९	बु	३	१२	अ	४	०	ऐं	१०	१०	कौ	३	१२	३३	२९	३१	१५	३०	८	वृश्चिके
१०	गु	६	५	ज्ये	८	३२	वै	१०	१०	ग	६	५	२९	३०	३०	१६	३१	९	ध.८।३२
११	शु	१०	१	मू	१४	४	वि	१०	५४	वि	१०	१	२६	३१	२९	१७	१	१०	धनुषि
१२	श	१४	४१	पू	२०	७	प्री	११	३५	बा	१४	४१	२२	३२	२८	१८	२	११	म.३६।४४
१३	र	१९	३४	उ	२६	३५	आ	१३	४२	तै	१९	३४	१९	३२	२८	१९	३	१२	मकरे
१४	चं	२४	२६	श्र	३२	३६	सौ	१५	१५	व	२४	२६	१५	३३	२७	२०	४	१३	मकरे
१५	मं	२८	५४	ध	३८	३८	शो	१६	३०	ब	२८	५४	१२	३४	२६	२१	५	१४	कुं.५।३७

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८५५ सं. १९५६

चन्द्रदर्शनम् नक्तव्रतारम्भः
मोहरम १ सन् १३७६ सिधारा
भ.३८।५२ उ. पूफायांबुधः४०।३६ तीज
भ. ६।४९ या. पूफायां १ गुरुः ३।१७
भ. ०।५३ उ. ३१।११ या.
कल्कि जयन्ती
भ. ३/६ उ. सिंहेऽर्कः ३५/४५ उभायां बुधः ५७/३०
भ. १०।१ या. ताजिया पवित्रा ११ व्र.
प्रदोषः *श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्
कन्यायां बुधः ११।४०
भ. २४।२६ उ. ५६।४० या. अ. गु.
अस्तंगुरोः ७।४८ पुनर्वसौ भृगुः ५८।१६*

१८पं.श्रा.शु.४शु.इ.१०।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	२	७	७	३
२३	२८	१४	१३	१०	३	११	२४
५०	२८	८	२१	३५	०	४	१६
४२	३०	५९	३२	३५	१०	२२	२६
५७	५	९८	१३	४५	१	३	५७
२२	५८	२७	२०	५४	११	११	३३

गोचरग्रहाः

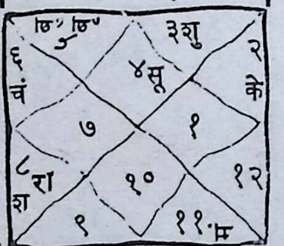

श्रावण शु. १० गुरौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.४न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चिमे

गोचरग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.११शु.इ.११।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	४	४	२	७	७	४
०	२८	२६	१४	१५	३	१०	०
३२	२६	५८	४९	५८	९	४२	५९
५५	३५	४१	४८	५	५५	७	४५
५७	३	८९	१३	६१	१	३	५७
३४	२२	२६	३०	३४	५८	११	४०

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	बु	३२	३८	श	४३	४०	अ	१७	६	बा	०	४६	३२/८	५/३४	६/२६	२२	६	१५	कुम्भे
२	गु	३५	१८	पू	४७	४९	सु	१७	३	तै	३	५८	४	३५	२५	२३	७	१६	मी३१।४०
३	शु	३६	५०	उ	५०	३२	धृ	१६	३	व	६	४	०	३६	२४	२४	८	१७	मीने
४	श	३७	७	रे	५२	१८	शू	१४	१	ब	६	५८	३१/५६	३७	२३	२५	९	१८	मे.५२।३८
५	र	३५	५९	अ	५२	४३	गं	११	५	कौ	६	३३	५२	३८	२२	२६	१०	१९	मेषे
६	चं	३३	४०	भ	५१	५५	वृ	७	१२	ग	४	३७	४८	३८	२२	२७	११	२०	मेषे
७	मं	३०	१८	कृ	५०	२	ध्रु	३/१	५४/१६	वि	१	५०	४४	३९	२१	२८	१२	२१	वृ.६।२७
८	बु	२६	४	रो	४७	२८	ह	४९	५०	कौ	२६	४	४०	४०	२०	२९	१३	२२	बृषे
९	गु	२१	३	मृ	४४	१०	व	४२	४९	ग	२१	३	३६	४१	१९	३०	१४	२३	मि१५।४९
१०	शु	१५	२८	आ	४०	१८	सि	३५	२७	वि	१५	२८	३२	४२	१८	३१	१५	२४	मिथुने
११	श	९	३६	पु	३६	१६	व्य	२७	४९	बा	९	३६	२८	४२	१८	१	१६	२५	क.२२।१६
१२	र	३	३१	पु	३२	६	व	२०	१२	तै	३	३१	२४	४३	१७	२	१७	२६	कर्के
१३	र	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	चं	५१	३८	श्ले	२८	७	प	१२	३९	वि	२४	३३	२१	४४	१६	३	१८	२७	सिं२८।७
३०	मं	४५	५	म	२४	२२	शि	५/१२	५३/०	च	१८	२१	१७	४५	१५	४	१९	२८	सिंहे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मार्गी अनुराधायां १ शनिः ३२।१६
भ. ६।४ उ. ३६।५० या.
पूफायां २ गुरुः ३८।१०
चन्द्रपष्ठी
भ. ३३।४० उ. *जन्माष्टमी व्र. स्मा.
भ.१।५९या. वक्रीभौमः ७।२६ श्रीकृष्ण*
हस्ते बुधः ५४/५१ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी वै.
भ.४८।१५उ. पूफायांरविः२६।३६ अनु.+
भ. १५।२८ या.
कर्के भृगुः ३४/५० सितम्बर मा. ९ ता. ३०×
भ. ५७।२८ उ. प्रदोषः वत्सद्वादशी
क्षयः +२राहुःकृत्तिकायां४केतुः२४।३०
भ. २४।३३ या. ×अजा ११ व्र.
कुशाग्रहणी सती पूजनं

२०पं.भा.कृ.३शु.इ.९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	२	७	७	४
७	२७	३	१६	२२	३	१०	७
१६	५८	५१	२०	२	२१	१९	४४
२९	२८	११	५	३०	३४	५१	१५
५७	०	७०	१३	५५	२	३	५७
४५	५६	३४	३२	५१	३०	११	४८

गोचरग्रहाः

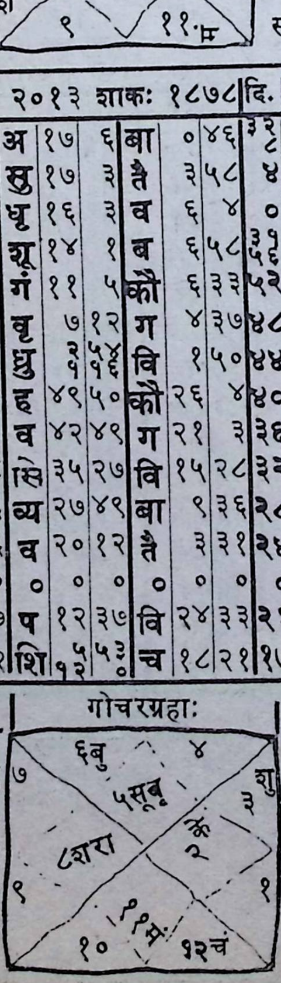

इस मास में प्रजा में सुखशांति और वर्षा होगी। गुरुवार चन्द्रदर्शन रूई चांदीमें घटा बढ़ी अधिक हो।

गोचरग्रहाः

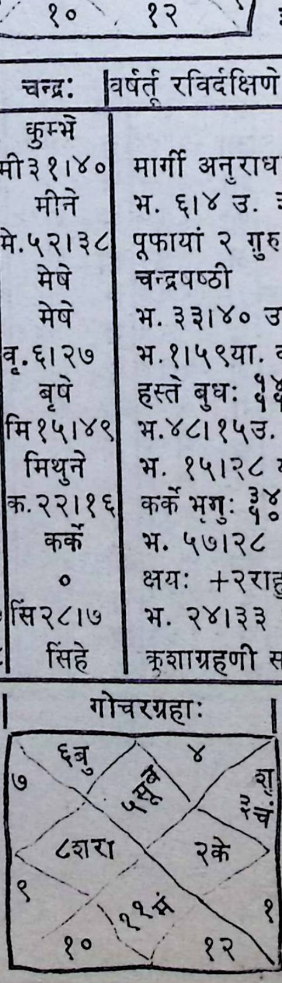

२१पं.भा.कृ.१०शु.इ.९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	२	७	७	४
१४	२६	११	१७	२८	३	९	१४
१	५६	३६	५२	३६	४२	५७	१९
४०	४७	४७	३७	२०	२३	३६	५४
५७	४३/०	५०	१३	५९	३	३	५८
५७	ब	१५	३८	१५	९	११	८

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वर्षार्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८८४ स.१९५६
१	बु	४१	९	पू	२१	१४	सा	५१	४१	किं	१३	७	३१ १४	५ ४५	६ १५	५	२०	२९	कं.३५।३७	पुष्ये भृगुः २।२८
२	गु	३७	६	उ	१८	४५	शु	४५	४८	बा	९	७	१०	४६	१४	६	२१	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	३३	५८	ह	१७	९	शु	४०	४४	तै	५	३२	६	४७	१४	७	२२	१	तु.४६।५२	सफर २ हरितालिका ३
४	श	३१	५८	चि	१६	३४	ब्र	३६	२९	व	२	५८	२	४८	१२	८	२३	२	तुलायां	भ. २।५८ उ. ३१।८ या. गणेश ४
५	र	३१	११	स्वा	१७	५	ऐं	३३	१८	ब	१	३४	३० ५८	४८	१२	९	२४	३	तुलायां	पूफायां ३ गुरुः ५३।३३ ऋषि ५
६	चं	३१	५१	वि	१८	५९	वै	३१	३	कौ	१	३१	५३	४९	११	१०	२५	४	बृ.३।३१	
७	मं	३३	३३	अ	२२	८	वि	२९	४८	ग	२	४२	४९	५०	१०	११	२६	५	वृश्चिके	भ. ३३।३३ उ. वक्री बुधः ५२।४२
८	बु	३६	२६	ज्ये	२६	२६	प्री	२९	३३	वि	४	५९	४४	५१	९	१२	२७	६	ध.२६।२६	भ. ५।० या.
९	गु	४०	२८	मू	३४	४७	आ	३०	५	बा	८	२७	४०	५२	८	१३	२८	७	धनुषि	उफायां रविः ११।१५
१०	शु	४५	१०	पू	३७	३९	सौ	३१	७	तै	१२	४९	३६	५३	७	१४	२९	८	म.५४।१४	*जलझूलनी ११ ब्र. स्मा. वै. उ.गु.
११	श	५०	५	उ	४३	५९	शो	३२	३१	व	१७	३८	३२	५४	६	१५	३०	९	मकरे	भ. ५/३८ उ. ५०।५या. उदयीगुरुः ३०।३६*
१२	र	५५	६	श्र	५०	१३	अ	३४	७	ब	२२	३५	२८	५४	६	१६	३१	१०	मकरे	कन्यायामर्कः ३६/२६ जलझूल. ११ व्र. नि.+
१३	चं	५९	३९	ध	५३	२०	सु	३५	१५	कौ	२७	२२	२४	५५	५	१७	१	११	कु.२३।१७	आश्लेषायां भगुः ५४।१५ प्रदोषः
१४	मं	६०	०	श	६०	०	धृ	३५	५९	ग	३१	३३	२०	५६	४	१८	२	१२	कुम्भे	अनन्त १४ +श्रा. द्वा. वामन ज.
१४	बु	३	२७	श	१	३०	शू	३५	१७	ब	३	२७	१६	५७	३	१९	३	१३	मी४९।४९	भ. ३।२७ उ. ३४।५१ या. महालया.
१५	गु	६	१५	पू	५	५५	गं	३५	१८	वि	६	१५	१२	५८	२	२०	४	१४	मोने	पश्चिमास्तं बुधः ७।२४ प्रौष्ठपदी.

२२पं.भा.शु.३शु.इ.९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
.४	१०	५	४	३	७	७	४
२०	२५	१७	१९	५	४	९	२१
४८	३९	२१	२२	३१	५	३५	१६
२१	३	३२	५८	७	३३	२०	५९
५८	३/१	२५	१३	६१	३	३	५८
१२	व	५०	३८	५३	४९	११	१३

गोचरग्रहाः

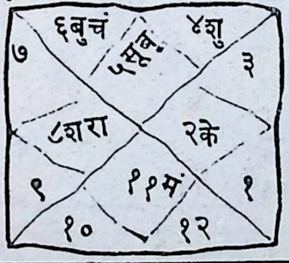

भाद्र.शु. १२रवौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४न.४ कुमाराव-स्था[बैठी]मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

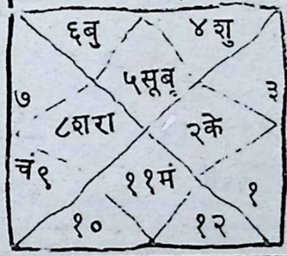

२३पं.भा.शु.१० शु.इ.९।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	३	६	७	४
२७	२४	१९	२०	१२	४	९	२१
३६	१२	५	५५	४०	३३	१३	५
४४	५	५३	२४	३०	३०	५	२१
५८	२/२०	१२/४२	१२	६३	४	३	५८
२९	व	व	३४	५५	२७	११	२६

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृर्तु रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	७	५२	उ	९	१	वृ	३३	१५	कौ	७	५२	३० ८	५ ५८	६ २	२१	५	१५	मीने	
२	श	८	१४	रे	१०	५७	ध्रु	३०	२९	ग	८	१४	४	५९	१	२२	६	१६	मे.१०।५७	भ. ३७।४२ उ.
३	र	७	११	अ	११	३७	व्या	२६	३६	वि	७	११	३० ०	६ ०	६ ०	२३	७	१७	मेषे	भ. ७।१२ या.
४	चं	४	५६	भ	११	१०	ह	२१	४९	बा	४	५६	२९ ५	६ १	५ ५९	२४	८	१८	बृ.२५।४२	
५	मं	१	४२	कृ	९	१७	व	१६	१२	तै	१	४२	५१	२	५८	२५	९	१९	बृषे	भ. ५७।३५ उ. पूफायां ४ गुरुः ३७।१२
६	मं	५५	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
७	बु	५२	४२	रो	६	४६	सि	९	४७	वि	२५	८	४६	३	५७	२६	१०	२०	मि३७।१६	भ. २५।८ या.
८	गु	४५	११	मृ	३	४६	व्य	५५ २	५२ ३८	बा	१८	५६	४२	४	५६	२७	११	२१	मिथुने	हस्तेरविः८।५४ वक्रीउफायांबुधः ४।१२
९	शु	४०	४४	आ	० ९	५५ ५२	प	४७	५२	तै	१२	५७	३८	४	५६	२८	१२	२२	क.४२।१	सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्
१०	श	३५	२४	पु	५१	५७	शि	४०	११	व	८	४	३४	५	५५	२९	१३	२३	कर्के	भ. ८।४ उ. ३५।२४ या.
११	र	२९	२४	श्ले	४७	५५	सि	३२	३९	ब	२	२४	३०	६	५४	३०	१४	२४	सिं४७।५५	मार्गीभौमः५२/५७ सिंहेभृगुः ३६/२ इंदिरा११व्र.
१२	चं	२३	३६	म	४४	१०	सा	२५	३५	तै	२३	३६	२६	७	५३	१	१५	२५	सिंहे	अक्टूबर मा. १० ता. ३१ प्रदोषः
१३	मं	१८	९	पू	४०	४९	शु	१७	४८	व	१८	९	२२	८	५२	२	१६	२६	कं.५५।११	भ. १/९ उ. ४५/४२ या. शस्त्रादिहतानां श्रा.
१४	बु	१३	१६	उ	३८	१८	शु	११	०	श	१३	१६	१८	८	५२	३	१७	२७	कन्यायां	पूर्वोदयीबुधः ३४।४५ पितृकार्येऽमा.
३०	गु	९	१६	ह	३६	२१	ब्र	५२ ४	५४ ३६	ना	९	१६	१४	९	५१	४	१८	२८	कन्यायां	देवकार्येऽमा.

२४पं.आ.कृ.१शु.इ.९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	३	७	७	५
४	२२	१५	२२	२०	५	८	४
२६	५५	५१	२५	१०	२	५०	५५
४९	२८	३९	१३	५	२१	५०	१
५८	३/१	६/१	१३	६५	४	३	५८
४५	ब	ब	३२	३४	५४	११	३८

गोचरग्रहाः

इस मास का फल उत्तम है । कहीं२ बालकों में रोग तथा वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

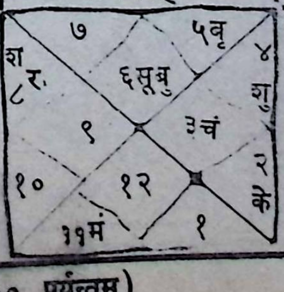

२५पं.आ.कृ. ९श.इ. ९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	२	७	७	५
११	२१	८	२३	२७	५	.८	११
१८	३७	३६	५३	४८	३५	२८	४३
५५	५९	२९	४६	५७	४५	३४	५५
५९	६/३०	७६/९	१३	६६	५	३	५८
०	ब	ब	२०	५९	२०	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ९१४ स.१९५६
१	शु	६	१४	चि	३५	२९	वै	५४	५९	बा	६	१४	२९/१०	६/१०	५/५०	५	१९	२९	तु.५।५५	चंद्रद. मार्गीबुधः३५।४६ नवरा.घटस्था.*
२	श	४	१८	स्वा	३५	५२	वि	५१	२७	कौ	४	१८	६	११	४९	६	२०	१	तुलायां	रविलावल ३ *अभिजिति
३	र	३	३७	वि	३७	२	प्री	४८	५३	ग	३	३७	२	१२	४८	७	२१	२	बृ.२१।४५	भ. २३।५० उ.
४	चं	४	४	अ	४०	१४	आ	४५	१८	वि	४	४	२८/५८	१२	४८	८	२२	३	बृश्चिके	भ. ४।४ या.
५	मं	६	७	ज्ये	४४	१३	सौ	४६	४०	बा	६	७	५४	१३	४७	९	२३	४	ध.४४।१३	अनुराधायां २ शनिः ४६।३१
६	बु	९	५	मू	४९	१८	शो	४६	५५	तै	९	५	५०	१४	४६	१०	२४	५	धनुषि	चित्रायांरविः १९।३१ सरस्वत्यावाहनम्
७	गु	१३	११	पू	५४	५९	अ	४७	४७	व	१३	११	४६	१५	४५	११	२५	६	धनुषि	भ. १३।११ उ.४५।३४ या. पूफायांभृगुः+
८	शु	१७	५७	उ	६०	०	सु	४९	१	ब	१७	५७	४२	१६	४४	१२	२६	७	म.११।३५	सरस्वती वलिदानम्
९	श	२३	०	उ	१	२४	धृ	५०	२८	कौ	२३	०	३८	१६	४४	१३	२७	८	मकरे	सरस्वती विसर्जनम् विजया १०
१०	र	२८	४	श्र	७	४८	शू	५१	४०	ग	२८	४	३४	१७	४३	१४	२८	९	कु.४०।५०	मार्गीहस्तेबुधः१५/४२ विजया१० पट्टाभिषेके
११	चं	३२	४५	ध	१३	५३	गं	५२	३२	व	०	२४	३०	१८	४२	१५	२९	१०	कुंभे	भ. ०/२४ उ. ३२/४५ या. पाषांकुशा ११ ब्र.
१२	मं	३६	३६	श	१९	३४	वृ	५२	३९	ब	४	४०	२६	१९	४१	१६	३०	११	कुम्भे	+५०।१० उफायां १ गुरुः ३२।४३
१३	बु	३९	२८	पू	२३	५७	ध्रु	५२	०	कौ	८	२	२२	२०	४०	१७	३१	१२	मी७।५१	तुलायामर्कः २।१५
१४	गु	४१	११	उ	२७	३२	व्या	५०	२०	ग	१०	१९	१८	२०	४०	१८	१	१३	मीने	भ. ४१।११ उ.
१५	शु	४१	३९	रे	३०	५४	ह	४७	४७	वि	११	२५	१४	२१	३९	१९	२	१४	मे.३०।५४	भ.११।२५ या. शरत्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.

२६पं. आ.शु.१शु.इ.८।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	४	७	७	५
१८	२१	४	२५	५	६	८	१८
१२	३	०	२३	४२	१४	६	४०
४४	५९	५८	३०	७	४३	१९	९
५९	४७/०	२५/४	१३	६८	५	३	५९
१६	मा	ब	१३	७	४७	११	०

२७पं.आ.शु.८शु इ.८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	४	७	७	५
२५	२१	७	२६	१३	६	७	२५
८	४	४२	४७	४१	५४	४४	३५
२६	५	५४	४५	२७	४७	४	६
५९	३	६४/४९	१२	६९	६	३	५९
३१	५३	मा	५३	३	१४	११	२१

२८पं.आ.शु.१५शु.इ.८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	४	४	७	७	६
२	२१	१६	२८	२१	७	७	२
५	२७	३९	११	४६	३७	२१	३१
५५	१२	३९	१७	४१	१७	४८	३५
५९	६	९१	१२	६९	६	३	५९
४६	५६	४२	३१	५३	२८	११	३४

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिसहा.
१	श	४०	४२	अ	३०	२८	व	४४	५	बा	११	११	२८/१०	६/२२	५/३८	२०	३	१५	मेषे	
२	र	३८	३१	भ	३०	१९	सि	३९	२८	तै	९	३६	६	२३	३७	२१	४	१६	वृ.४४।५७	
३	चं	३५	२०	कृ	२८	५२	व्य	३४	०	व	६	५५	२	२४	३६	२२	५	१७	बृषे	भ. ६।५५ उ. ३५।२० या. चतुर्थी ब्र.
४	मं	३१	१८	रो	२६	३२	व	२७	५३	ब	३	१९	२७/५८	२४	३६	२३	६	१८	मि५५।२७	स्वात्यां रविः ४३।१५ पूर्वास्तं बुधः ४९/५४*
५	बु	२६	२६	मृ	२४	२३	प	२०	५४	तै	२६	२६	५४	२५	३५	२४	७	१९	मिथुने	उफायां भृगुः २२।९
६	गु	२१	२	आ	१९	५५	शि	१३	३५	व	२१	२	५०	२६	३४	२५	८	२०	मिथुने	भ. २१।२ उ. ४८।१० या.
७	शु	१५	१७	पु	१५	५६	सि	५/५६	५२/१५	ब	१५	१७	४६	२७	३३	२६	९	२१	क.१।१६	कन्यायांभृगुः ६।३२ *चित्रायां बुधः
८	श	९	२०	पु	१२	०	शु	५०	२५	कौ	९	२०	४२	२८	३२	२७	१०	२२	कर्के	तुलायां बुधः १८।३१
९	र	३	२५	श्ले	७	४६	शु	४२	४६	ग	३	२५	३८	२८	३२	२८	११	२३	सिं७।४६	भ. ३०।२३ उ. ५७।२२ या.
१०	र	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +नवम्बरमा.११ता.३० रूप१४
११	चं	५२	१९	म	३	५३	ब्र	३५	२२	ब	२४	५०	३५	२९	३१	२९	१२	२४	सिंहे	रमा ११ ब्र॰ स्मा.
१२	मं	४७	३३	पू	२०/७	५७/७	ऐं	२८	२३	कौ	१९	४६	३१	३०	३०	३०	१३	२५	कं.१४।४४	रमा ११ ब्र. वै. नि.
१३	बु	४३	३०	ह	५५	२८	वै	२१	५८	ग	१५	३१	२८	३०	३०	३१	१४	२६	कन्यायां	भ.४३/३० उ. स्वा. बुधः ३/६ प्रदोषः धन१३
१४	गु	४०	४५	चि	५४	२४	वि	१६	१८	वि	१२	७	२४	३१	२९	१	१५	२७	तु.२४।५६	भ.१२/८या. अनु.१ राहुः कृत्ति.३ केतुः १७/२३+
३०	शु	३८	५६	स्वा	५४	३०	प्री	११	३१	च	१	५०	२०	३२	२८	२	१६	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पू.

२९पं.का.कृ.७शु.इ.८।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	४	५	७	७	६
९	२२	२८	२९	०	८	६	९
५	२५	३	३२	२	२०	५९	२९
१८	४५	३	३८	१६	१४	३३	५२
६०	१०	०/०	१२	७०	६	३	५९
२	९	९/८	८	३४	४३	११	४७

गोचरग्रहाः

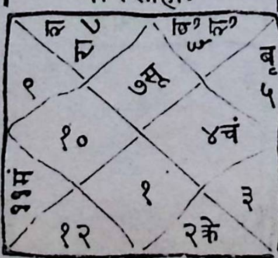

इस मास का फल सामान्य है धान्य रुई गल्ला अफीम गेहूँ, जौ, चावल, मजीठ, मोंठ मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

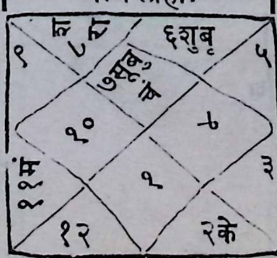

३०पं.का.कृ.३०शु.इ.८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	५	५	७	७	६
१६	२३	९	०	८	९	६	१६
६	५७	४५	४९	२०	७	३७	२९
२१	१७	१८	४३	५९	४७	१८	४०
६०	१३	०/०	११	७१	७	३	६०
१८	२०	३/५	३१	१०	१	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः९४३ स. १९५६
१	श	३८	२१	वि	५५	३८	आ	७	४०	किं	८	३८	२७/५७	६/३३	५/२७	३	१७	२९	बृ.४०।२१	हस्ते भृगुः ३१।४४ अन्नकूटं
२	र	३९	१०	अ	५८	१८	सौ	४	४६	बा	८	४५	१३	३२	२७	४	१८	३०	बृश्चिके	चंद्रदर्शनम् यम २ भ्रातृ २
३	चं	४१	५	ज्ये	६०	०	शो	२	५१	तै	१०	८	१०	३४	२६	५	१९	१	बृश्चिके	रविलाखर ४
४	मं	४४	१७	ज्ये	२	३	अ	१	५४	व	१२	४१	६	३५	२६	६	२०	२	ध. २।३	भ.५३/४१ उ.५४/५७ या. विशाखायां रविः ४०/०
५	बु	४८	२४	मू	६	५३	सु	१	५४	ब	१६	२०	३	३५	२५	७	२१	३	धनुषि	
६	गु	५३	१६	पू	१२	३३	धृ	२	३१	कौ	२०	५०	२६/५९	३६	२४	८	२२	४	म.२९।७	विशाखायां बुधः २२।२७
७	शु	५८	२६	उ	१८	४९	शू	३	३३	ग	२५	५१	५६	३७	२३	९	२३	५	मकरे	भ. ५८।२६ उ. अनु. ३ शनिः ५०।४९
८	श	६०	०	श्र	२५	१३	गं	४	५५	वि	३१	०	५२	३८	२२	१०	२४	६	कु.५८।१७	भ.३१।० या. अस्तंशनिः ४२।४६ गो.८
८	र	३	३५	ध	३१	२१	वृ	५	१३	ब	३	३५	४९	३८	२२	११	२५	७	कुम्भे	
९	चं	८	१८	श	३७	३	ध्रु	७	९	कौ	८	१८	४६	३९	२१	१२	२६	८	कुम्भे	*भृगुः३०।३ प्रबोधिनी११ब्र. तुलसी वि.
१०	मं	१२	१५	पू	४१	५१	व्या	७	४	ग	१२	१५	४३	३९	२१	१३	२७	९	मी२५।३९	भ. ४३।४१ उ.
११	बु	१५	७	उ	४५	३४	ह	६	५२	वि	१५	७	४०	४०	२०	१४	२८	१०	मीने	भ.१५।७ या. वृश्चिकेबुधः ३६/३ चित्रायां*
१२	गु	१६	५२	रे	४७	५८	व	५	२७	बा	१६	५२	३७	४१	१९	१५	२९	११	मे.४७।५८	बृश्चिकेऽर्कः ५५।१ प्रदोषः
१३	शु	१७	१९	अ	४९	१३	सि	३/५	५६/३८	तै	१७	१९	३४	४१	१९	१६	१	१२	मेषे	अनु. बुधः ५६/३२ उफायां ३ गुरुः ५६/२८ वै.१४
१४	श	१५	२३	भ	४९	१९	व	५५	१८	व	१५	२२	३१	४२	१८	१७	२	१३	मेषे	भ. १५।२३ उ. ४४।४८ या.
१५	र	१४	१३	कृ	४८	३	प	४९	५६	ब	१४	१३	२९	४२	१८	१८	३	१४	बृ.४।१५	पुष्कर यात्रा का. स्ना. पू.

३१पं.का.शु.७शु.इ. ८।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	५	५	७	७	६
३	२५	२१	२	१६	९	६	२३
८	४९	१६	३	४८	५४	१५	३१
५९	५	३७	८	३९	५५	२	१
६०	१७	०/०	१०	७१	७	३	६०
३०	२३	५०/०	५८	३७	८	११	१७

गोचरग्रहाः

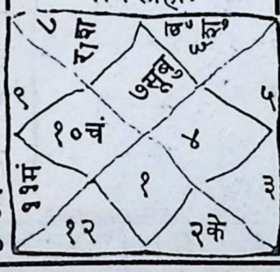

कार्तिक शु. १२ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. २ नं. ४ युवावस्था (सूती) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयंपू.।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.१३शु.इ.७।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	५	५	७	७	७
०	२८	२	३	२५	१०	५	०
१३	२०	३१	११	१७	४४	५२	३३
४	१९	४४	४४	१७	४१	४७	४९
६०	११	३९	१०	७१	७	३	६०
४०	२०	४२	१२	५७	१६	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	११	४	रो	४५	५९	शि	४३	५०	कौ	११	४	२६/२६	४३/४३	५/१७	१९	४	१५	वृषे	अनु. रविः १२।४६ तुलायां भृगुः ५६/३७
२	मं	७	२	मृ	४३	१०	सि	३७	६	ग	७	२	२४	४३	१७	२०	५	१६	मि१४।३४	भ. ३४।३६ उ.
३	बु	२	११	आ	३९	३८	सा	२९	४७	वि	२	११	२१	४४	१६	२१	६	१७	मिथुने	भ. २।११ या. मीने भौमः १२।०
४	बु	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	५१	८	पु	३५	४१	शु	२२	१३	कौ	२३	५८	१९	४४	१६	२२	७	१८	क.२१।४०	
६	शु	४५	१७	पु	३१	३९	शु	१५	२६	ग	१८	१२	१६	४५	१५	२३	८	१९	कर्के	भ. ४५।१७ उ.
७	श	३९	२६	श्ले	२७	२९	ब्र	६/३८	५२/१२	वि	१२	२१	१४	४५	१५	२४	९	२०	सिं२७।२९	भ. १२।२२ या.
८	र	३३	४७	म	२३	३०	वै	५१	१८	बा	६	३६	११	४६	१४	२५	१०	२१	सिंहे	ज्येष्ठायां बुधः १।३७ स्वात्यां भृगुः ३८/२४
९	चं	२८	३६	पू	२०	१	वि	४४	६	तै	१	११	९	४६	१४	२६	११	२२	कं.३४।१५	भ. ५६।१४ उ.
१०	मं	२३	५३	उ	१६	५७	प्री	३७	२९	वि	२३	५३	६	४७	१३	२७	१२	२३	कन्यायां	भ. २३।५३ या.
११	बु	२०	८	ह	१४	४२	आ	३१	३१	बा	२०	८	४	४७	१३	२८	१३	२४	तु.४४।३	उत्पत्ति ११ ब्र.
१२	गु	१७	१९	चि	१३	२५	सौ	२६	२५	तै	१७	१९	१	४८	१२	२९	१४	२५	तुलायां	उभायां भौमः ८।४५ प्रदोषः
१३	शु	१५	३८	स्वा	१३	१३	शो	२२	११	व	१५	३८	२५/५८	४८	१२	३०	१५	२६	बृ.५८।५७	भ. १५।३८ र. ४५।२४ या.
१४	श	१५	११	वि	१४	१२	अ	१८	५५	श	१५	११	५६	४९	११	१	१६	२७	बृश्चिके	**दिसम्बर मा. १२ ता. ३१**
३०	र	१६	५	अ	१६	४२	सु	१६	३९	ना	१६	५	५४	४९	११	२	१७	२८	वृश्चिके	ज्येष्ठायां रविः १९।४५ रविग्रहणम्

३३पं.मा.कृ.६शु.इ.७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	५	६	७	७	७
७	०	१३	४	३	११	५	७
१८	४०	३३	१६	५०	३३	३०	३७
३८	४६	१८	३	१७	४४	३१	४२
६०	२१	९८	९	७२	७	३	६०
५३	९	२५	२७	२०	२०	११	४२

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच सोमवार प्रजा में सुख शांति फल कारक है। रुई अलसी गेहूं चना में घटाबढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.कृ.१३शु.इ.७।२६

र	मं	बु	ग्र	शु	श	रा	र
७	११	७	५	६	७	७	७
१४	३	२५	५	१२	१२	५	१४
२५	४३	४१	१३	२१	२३	८	४२
२३	११	४५	५४	३	५२	१६	५६
६१	२३	९६	८	७२	७	३	६०
३	४२	४३	३४	४३	२०	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ९७३ सन् १९५६
१	चं	१८	१६	ज्ये	१९	५५	धृ	१५	१६	ब	१८	१६	२५/५२	६/५०	५/१०	३	१८	२९	व.१९।५५	चन्द्रद. धनुषि बुधः ५२।२८
२	मं	२१	३५	मू	२४	३४	शू	१५	०	कौ	२१	३५	५१	५०	१०	४	१९	१	धनुषि	जमादिलावल ५
३	बु	२५	५४	पू	३०	७	गं	१५	२५	ग	२५	५४	४९	५०	१०	५	२०	२	म.४६।३९	भ. ५८।२३ उ.
४	गु	३०	५२	उ	३६	१६	वृ	१६	२२	व	३०	५२	४८	५०	१०	६	२१	३	मकरे	भ.३०।५२या. पश्चिमोदयीबुधः३८।१८✻
५	शु	३६	२	श्र	४२	३५	ध्रु	१६	३४	ब	३	२७	४६	५१	९	७	२२	४	मकरे	अनुराधायां ४ शनिः ५७।०
६	श	४१	११	ध	४८	५५	व्या	१८	५१	कौ	८	३६	४५	५१	९	८	२३	५	कु.१५।४५	✻विशाखायां भृगुः १३।४४
७	र	४६	३	श	५४	४७	ह	२०	१	ग	१३	३७	४३	५१	९	९	२४	६	कुम्भे	भ. ४६।३ उ.
८	चं	४९	५३	पू	५९	४३	व	२०	१३	वि	१७	५८	४२	५२	८	१०	२५	७	मी४३।२९	भ. १७।५८ या.
९	मं	५३	४४	उ	६०	०	सि	२०	८	बा	२१	४८	४१	५२	८	११	२६	८	मीने	कल्पादिः
१०	बु	५४	२४	उ	३	४४	व्य	१८	५६	तै	२४	४	४०	५२	८	१२	२७	९	मीने	पूषायांबुधः ३४/३९ उफायां ४ गुरुः १६।२४
११	गु	५४	५१	रे	६	४१	व	१६	४९	व	२४	३७	३९	५२	८	१३	२८	१०	मे.६।४१	भ.२४/३७ उ.५४/५१ या. मोक्षदा ११व्र. स्मा वै.
१२	शु	५३	५४	अ	८	१	प	१३	४३	ब	२४	२२	३८	५२	८	१४	२९	११	मेषे	उदयं शनिः १५।८ वृश्चिके भृगुः १८।५८×
१३	श	५१	४१	भ	८	१९	शि	९	३४	कौ	२२	४८	३८	५२	८	१५	३०	१२	वृ.२३।५	धनुष्यर्कः २३/३० ×मोक्षदा ११व्र. नि.
१४	र	४८	३३	कृ	७	२३	सि	४/२९	५४/१४	ग	२०	७	३७	५३	७	१६	१	१३	वृषे	भ. ४८।३३ उ. पिशाचमोचन श्रा.
१५	चं	४४	३९	रो	५	२८	शु	५२	५	वि	१६	३१	३७	५३	७	१७	२	१४	मि३४।६	भ. १६।३१ या. अनुराधायां भृगुः २।५१

३५पं.मा.शु.५शु.इ.७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
.७	११	८	५	६	७	७	७
२१	७	५	६	२१	१३	४	२१
२३	३	४	६	५	१३	४६	४९
१०	४७	५९	१४	२	५५	१	१
६१	२५	९३	७	७२	७	३	६०
११	५३	५७	३२	५६	२०	११	५६

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्ष शु. १
शनौ धनुष्यर्कःप्र.
वा.३न.३युवाव-
स्था(सूती)मु.३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयं पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु.१२शु.इ. ७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	५	६	७	७	७
२८	१०	१५	६	२९	१४	४	२८
४१	३५	३६	५२	४५	३	२३	५५
५३	१६	३६	१	२५	१४	४५	५०
६१	२८	८८	६	७३	७	३	६१
१९	९	४३	३२	१४	१२	११	०

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३९	३७	मृ	३/४६	५६/४२	शु	४५	०	बा	१२	३	३५/३७	६/५३	५/७	१८	३	१५	मिथुने	आर्द्रा. क्षयः ५६।४२
२	बु	३४	१६	पु	५५	३८	ब्र	३७	४१	तै	६	५०	३६	५३	७	१९	४	१६	क.४१।३५	
३	गु	२८	३७	पु	५१	३५	ऐं	२९	४५	व	१	२६	३६	५३	७	२०	५	१७	कर्के	भ. १।२६ उ. २८।३७ या.
४	शु	२२	४३	श्ले	४७	२७	वै	२१	५६	बा	१२	४३	३६	५३	७	२१	६	१८	सिं४७।४७	
५	श	१६	५५	म	४३	२६	वि	१४	८	तै	१६	५५	३६	५३	७	२२	७	१९	सिंहे	उषायां बुधः
६	र	११	२१	पू	३९	५०	प्री	६/२६	५२/४५	व	११	२१	३७	५३	७	२३	८	२०	कं.५४।२	भ. ११।२१ उ. ३८।१७ या.
७	चं	५	१४	उ	३६	३६	सौ	५२	१८	ब	५	१४	३७	५३	७	२४	९	२१	कन्यायां	मकरे बुधः १२।५८
८	मं	१	४३	ह	३४	१४	शो	४६	२	कौ	१	४३	३७	५३	७	२५	१०	२२	कन्यायां	रेवत्यां भौमः ४।२०
९	मं	५६	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१०	बु	५५	२४	चि	३३	०	अ	४०	३७	व	२६	४४	३८	५२	८	२६	११	२३	तु.३।३७	भ. २६।४४ उ. ५५।२४
११	गु	५६	४९	स्वा	३२	१३	सु	३६	४	ब	२४	३६	३८	५२	८	२७	१२	२४	तुलायां	ज्येष्ठायां भृगुः ३९/३५ सफला११व्र. स्मा.वै.
१२	शु	५३	२८	वि	३२	५५	धृ	३२	३३	कौ	२३	३९	३८	५२	८	२८	१३	२५	वृ.१७।४५	पूषायां रविः २५।७ सफला ११ व्र. नि
१३	श	५४	३४	अ	३४	५०	शू	२९	५१	ग	२४	१	३९	५२	८	२९	१४	२६	बृश्चिके	भ. ५४।३४ उ. प्रदोषः
१४	र	५६	४०	ज्ये	३३	६	गं	२८	१०	वि	२५	३७	३९	५२	८	३०	१५	२७	ध.३८।६	भ. २५।३७ या.
३०	चं	५०	०	मू	४२	३०	वृ	२७	३३	च	२८	२८	४०	५२	८	३१	१६	२८	धनुषि	
३०	मं	०	१७	पू	४७	५१	ध्रु	२७	४२	ना	०	१७	४१	५२	८	१	१७	२९	धनुषि	वक्रीबुधः ७/१८ जनवरी मा.१ता.३१सन्५७

३७पं.पौ.कृ.४शु.इ.६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	.८	५	.७	७	७	८
५	१४	२५	७	८	१४	४	६
५१	१८	२४	२९	२७	५०	१	३
१९	१९	५०	४९	४१	५१	३०	३३
६१	२९	७६	५	७३	७	३	६१
२२	११	२६	२०	२१	२	११	५

गोचरग्रहाः

इस मास में सामान्य फल रहेगा गुड़ खांड शक्कर तिल तेल घृत बिनोला नमक चांदी अलसी तेज होगी ।

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१२शु इ.६।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	५	७	७	.७	८
१३	१८	२	७	१७	१५	३	१३
१	१२	५२	५८	१३	३४	३९	११
१२	१९	४४	४८	१९	१६	१५	३२
६	३०	४४	४	७३	६	३	६१
२६	२२	२०	११	३५	४७	११	६

✻शशुरा

×शराशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०१३					शाकः	१८७८				दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१००३ स.१९५६
१	बु	४	४१	उ	५३	५५	व्या	२८	२५	ब	४	४१	२५/४२	५६/५२	५/८	२	१८	३०	म.४।२२	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	९	४१	श्र	६०	०	द्व	२९	३७	कौ	९	४१	४३	५१	९	३	१९	१	मकरे	जमादिलाखर६ विशाखायां४राहुः कृति->
३	शु	१४	५८	श्र	०	१८	व	३०	४२	ग	१४	५८	४४	५१	९	४	२०	२	कुं.३३।१३	भ.४७।३७ उ. पश्चिमास्तं बुधः१०।५४
४	श	२०	१६	ध	६	९	सि	३१	५६	वि	२०	१६	४५	५१	९	५	२१	३	कुम्भे	भ. २०।१६ या. ×कायां२ केतुः ४ ९/८
५	र	२४	५१	श	१३	२	व्य	३२	३४	बा	२४	५१	४७	५१	९	६	२२	४	कुम्भे	ज्येष्ठायां १ शनिः ४७।१८
६	चं	२८	४४	पू	१७	४९	व	३२	२६	तै	२८	४४	४८	५०	१०	७	२३	५	मी३१।३७	धनुषि भृगुः १८।२४
७	मं	३१	३३	उ	२२	९	प	३१	५१	ग	०	८	५०	५०	१०	८	२४	६	मीने	भ. ३१।३३ उ. वक्री धनुषि बुधः३८।६
८	बु	३३	७	रे	२४	४३	शि	२९	५१	वि	२	२०	५२	५०	१०	९	२५	७	मे.२४।४३	भ. २।२० या.
९	गु	३६	२८	अ	२७	१	सि	२७	१८	बा	३	१७	५४	४९	११	१०	२६	८	मेषे	उषायांरविः२६।३५ वक्रीपूषायांबुधः ४४/१४
१०	शु	३२	२७	भ	२८	३६	सा	२३	३३	तै	२	५७	५६	४९	११	११	२७	९	वृ.४३।१३	
११	श	३०	१२	कृ	२७	३	शु	१८	५५	व	१	१९	५८	४८	१२	१२	२८	१०	वृषे	भ.१।१९उ.३/१ १/२या. पुत्रदा११व्र. मन्वादिः
१२	र	२६	५७	रो	२५	२८	शु	१३	१६	बा	२६	५७	२६/०	४८	१२	१३	२९	११	मि५४।१०	मकरेऽर्कः ४२।२ प्रदोषः
१३	चं	२२	५०	मृ	२२	५१	ब्र	६	५७	तै	२२	५०	३	४७	१३	१४	१	१२	मिथुने	
१४	मं	१७	८	आ	१९	३६	ऐं	७/०	५२/३९	व	१७	८	५	४७	१३	१५	२	१३	मिथुने	भ. १७।८ उ. ४४।४८ या.
१५	बु	१२	२९	पु	१५	५७	वि	४५	२३	ब	१२	९	८	४६	१४	१६	३	१४	क.१।५२	पूर्वोदयं बुधः ३१।३० मा. स्ना. प्रा.

३९पं. पौ.शु.३श्.इ.६।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	५	७	७	७	८
२०	२२	३	८	२५	१६	३	२०
११	२७	२६	१७	५९	२२	१६	१९
७	४२	१७	३१	१७	३३	५९	३७
६१	३१	३२/५१	२	७३	६	३	६१
२६	४१	ब	५१	४८	३१	११	६

गोचरग्रहाः

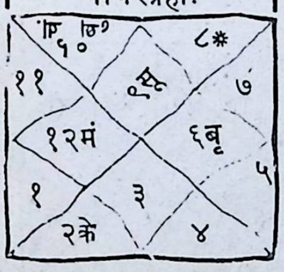

पौष शु.१२ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ गत.लकावस्था (ऊमी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं: पूर्व.।

गोचरग्रहाः

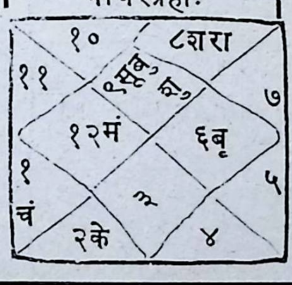

४०पं.पौ.शु.१०शु.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	५	८	७	७	८
२७	२६	२६	८	४	१७	२	२७
२१	२०	४	२८	४१	५	५४	२७
१	९	३०	५०	१३	३१	४४	४२
६१	३१	९५/८	१	७३	६	३	६१
२४	३३	ब	२१	५६	१७	११	६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०१३					शाकः	१८७८				दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	६	४८	पु	११	५५	प्री	३७	२०	कौ	६	४८	२६/१०	६/४६	५/१४	१७	४	१५	कर्के	अश्विन्यां मेषे भौमः १४।१९
२	शु	०	५६	श्ले	७	४७	आ	२९	२६	ग	०	५६	१२	४६	१४	१८	५	१६	सिं७।४७	भ.२८।३ उ.५/१ ५/०या.वक्री गुरुः २/१ ६/९ पूषायां+
३	शु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +भृगुः १।३८
४	श	४८	४०	म	३	४६	सौ	२१	४९	ब	२१	५५	१५	४५	१५	१९	६	१७	सिंहे	चतुर्थी व्रतम्
५	र	४४	३५	पू	०/१	५६/५४	शो	१४	१६	कौ	१६	३८	१७	४५	१५	२०	७	१८	कं.१४।१५	अभिजित्प्रवृत्तो रविः १३।३९
६	चं	४०	९	ह	५४	१९	अ	७	१३	ग	१२	२२	२०	४४	१६	२१	८	१९	कन्यायां	भ. ४०।९
७	मं	३६	३६	चि	५२	२५	सु	०/४	५४/५७	वि	८	२२	२२	४४	१६	२२	९	२०	तु.२३।२२	भ. ८।२२ या. मार्गी बुधः ४९।९
८	बु	३४	१	स्वा	५१	४२	शू	५०	१९	बा	५	१८	२५	४३	१७	२३	१०	२१	तुलायां	श्रवणे रविः २९।१९
९	गु	३२	३३	वि	५२	१३	गं	४६	३१	तै	३	१७	२७	४३	१७	२४	११	२२	वृ.३७।५	पातस्पर्शः २/१ ६/१ अभिजिन्निवृत्तो रविः ३/३ १/४
१०	शु	३२	२८	अ	५३	४७	वृ	४३	२८	व	२	३१	३०	४२	१८	२५	१२	२३	वृश्चिके	भ.२।२१ उ.३/२ २/८ या. पातमोक्षः१०।२३
११	श	३३	३२	ज्ये	५६	४९	ध्रु	४१	३१	ब	३	०	३३	४१	१९	२६	१३	२४	ध.५६।४९	षट्तिला ११ व्र,
१२	र	३५	५४	मू	६०	०	व्या	४०	३१	कौ	४	४३	३६	४१	१९	२७	१४	२५	धनुषि	
१३	चं	३९	२७	मू	०	५४	ह	४०	२५	ग	७	३९	३९	४०	२०	२८	१५	२६	धनुषि	भ.३६।२७ उषायां भृगुः३८।१८ प्रदोषः
१४	मं	४३	५७	पू	६	५	व	४१	९	वि	११	४२	४२	४०	२०	२९	१६	२७	म.२२।३४	भ. १०।४२ या.
३०	बु	४९	०	उ	१२	०	शु	४२	५५	च	१६	२९	४५	३९	२१	३०	१७	२८	मकरे	युगादिः

४१पं. मा.कृ.२श्.इ.६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	५	८	७	७	९
४	०	१८	८	१३	१७	२	४
३०	२९	५५	३१	२६	४५	३२	३५
२९	१	५१	३६	६	३८	२८	३३
६१	३३	३९/४३	४	७३	५	३	६१
१९	३१	ब	०	५६	५०	११	३

गोचरग्रहाः

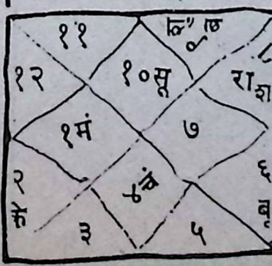

इस मासमें धान्य मन्दा हो। मूंगा रक्तवर्ण की वस्तु गुड़, शक्कर, गेहूँ तेज वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

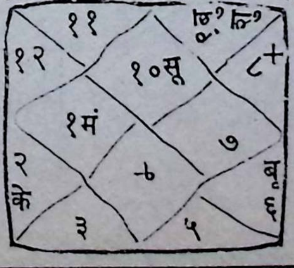

४२पं.मा.कृ.१०शु.इ.६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	५	८	७	७	९
११	४	१८	८	२२	१८	२	११
३३	४५	४१	२४	१२	२३	१०	४२
२०	४९	४९	२	२	२२	१३	५९
६१	३४	१९/१९	२९/१	७४	५	३	६०
१३	१९	मा	ब	२	२३	११	५९

२४ *राशुश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +चंशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१०३२ स.१९५७
१	गु	५४	१४	श्र	१८	२१	व्य	४३	३३	किं	२१	३७	२६/४८	६/३८	५/२२	३१	१८	३०	कुं.५१।३४	
२	शु	५९	१९	ध	२४	४८	व	४४	३२	बा	२६	४६	५२	३८	२२	१	१९	१	कुंभे	चन्द्रदर्शनम् मकरे भृगुः२०।१० फरवरी×
३	श	६०	०	श	३१	२६	प	४५	२७	तै	३१	३९	५५	३७	२३	२	२०	२	कुम्भे	रज्जव ७ ×मा. २ ता. २८
३	र	३	५९	पू	३६	१८	शि	४५	४१	ग	३	५९	५९	३६	२४	३	२१	३	मी२०।५	भ. ३५।५५ उ. तिल ४
४	चं	७	५१	उ	४०	४९	सि	४५	१३	वि	७	५१	२७/२	३६	२४	४	२२	४	मीने	भ.७।५१या. मार्गी उपायां बुधः२३।५८
५	मं	१०	२८	रे	४४	१५	सा	४३	४७	बा	१०	२८	३	३५	२५	५	२३	५	मे.४४।१५	धनिष्ठायां रविः ३/१ ५/१ अभिजित्प्रवृत्तोभृगुः+
६	बु	११	५७	अ	४६	१२	शु	४१	२६	तै	११	५७	९	३४	२६	६	२४	६	मेषे	
७	गु	१२	६	भ	४७	१२	शु	३७	५१	व	१२	६	१३	३३	२७	७	२५	७	मेषे	भ. ३/६ उ. ४/३ १/२ या. मकरे बुधः७।३६ रथ७
८	शु	१२	५९	कृ	४६	५८	ब्र	३३	०	ब	१०	५९	१६	३३	२७	८	२६	८	वृ. २।८	भरण्यांभौमः ३/३ १/८ श्रवणेभृगुः ३/१ १/१ भीष्माष्टमी
९	श	८	३७	रो	४५	२५	ऐं	२८	२४	कौ	८	३७	२०	३२	२८	९	२७	९	वृषे	अभिजिन्निवृत्तो भृगुः ४।१८
१०	र	५	७	मृ	४३	३	वै	२२	२४	ग	५	७	२३	३१	२९	१०	२८	१०	मि१४।१४	भ. ३३।० उ. +३/२ ९/० बसंत ५
११	चं	०	५२	आ	३९	५८	वि	१५	४४	वि	०	५२	२७	३१	२९	११	२९	११	मिथुने	भ. ०।५२ या. जया ११ व्र.
१२	चं	५५	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१३	मं	५०	३२	पु	३६	२९	प्री	८	३२	कौ	२३	१६	३०	३०	३०	१२	३०	१२	क.२२।२१	कुम्भेऽर्कः ९/७ अभिजित्प्रवृत्तोबुधः ३/४ ७/९ प्रदोषः
१४	बु	४३	४६	पु	३२	३१	आ	१/२	५२/१५	ग	१७	३९	३४	२९	३१	१३	१	१३	कर्के	भ. ४४।४६ उ.
१५	शु	३८	५५	श्ले	२८	२७	शो	४५	३०	वि	११	५०	३८	२८	३२	१४	२	१४	सिं२८।२७	भ. ११।५० या. श्रवणे बुधः ५३।२५

४३पं. मा.शु.२शु.इ.६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	५	९	७	७	९
१८	८	२३	८	०	१८	१	१८
४७	५६	५५	६	५७	५७	४७	४९
२०	३०	३०	१७	३५	२४	५८	३२
६१	३५	५०	४ २/८	७४	४	३	६०
४	१	३	ब	८	५६	११	५५

गोचरग्रहाः

माघ शु. १३ भौमे
कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२
नं.३गताल्कावस्था
(ऊभी) मु. ४५
(धान्याभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

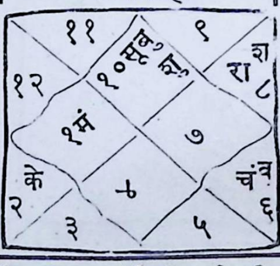

४४पं.मा.शु.८ शु.इ.६।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	५	९	७	७	९
२५	१३	१	७	९	१९	१	२५
५४	११	८	४१	४२	२५	२५	५५
८	१९	२७	५३	२१	२३	४२	१९
६०	३५	६९	३/४	७४	४	३	६०
५५	२६	१३	ब	१४	२७	११	४७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३३	१५	म	२४	२६	अ	३७	३२	बा	६	५	२७/४२	६/२८	५/३२	१५	३	१५	सिंहे	अभिजिन्निवृत्तो बुधः ३२।१४
२	श	२७	३७	पू	२०	३४	सु	३०	८	तै	०	२६	४६	२७	३३	१६	४	१६	कं.३४।४४	भ.५४।३५उ. ज्येष्ठायां२ शनिः४९।११
३	र	२१	३३	उ	१७	१३	धृ	२२	५७	वि	२१	३३	५०	२६	३४	१७	५	१७	कन्यायां	भ. २१।३३ या.
४	चं	१८	१०	ह	१४	२८	शू	१६	३२	बा	१८	१०	५४	२५	३५	१८	६	१८	तु.४३।२७	शते रविः४४।२८ =मार्च मा.३ ता.३१
५	मं	१४	२७	चि	१२	२६	गं	१०	४७	तै	१४	२७	५८	२४	३६	१९	७	१९	तुलायां	धनिष्ठायां भृगुः ०।५४
६	बु	१२	७	स्वा	११	३०	वृ	५	३६	व	१२	७	२/६२	२४	३६	२०	८	२०	वृ.५६।४१	भ.१२।७उ. ४/२ १/३ या. वक्रीउफायां२गुरुः ५/५ ५/६
७	गु	१०	४०	वि	११	४५	ध्रु	५/२४	५६/४७	ब	१०	४०	६	२३	३७	२१	९	२१	वृश्चिके	
८	शु	१०	२९	अ	१३	६	ह	५६	०	कौ	१०	२९	१०	२२	३८	२२	१०	२२	वृश्चिके	
९	श	११	४४	ज्ये	१५	४८	व	५८	४४	ग	११	४४	१४	२१	३९	२३	११	२३	ध.१५।४८	भ. ४२।५७ उ. *भृगुः२३।१९
१०	र	१४	१०	मू	२०	१०	सि	५४	२४	वि	१४	१०	१८	२०	४०	२४	१२	२४	धनुषि	भ. ३/१ ४/० या. धनिष्ठायां बुधः ४।८ कुम्भे*
११	चं	१७	४५	पू	२४	३७	व्य	५४	५१	बा	१७	४५	२२	२०	४०	२५	१३	२५	म.४१।२	विजया ११ व्र. भृगोर्वृद्धत्वारंभः२२।१२
१२	मं	२२	१३	उ	३०	१९	व	५५	४९	तै	२२	१३	२६	१९	४१	२६	१४	२६	मकरे	प्रदोषः ×महाशिवरात्रि व्र. वै.
१३	बु	२७	१२	श्र	३६	४१	प	५७	१०	व	२७	१२	३०	१८	४२	२७	१५	२७	मकरे	भ. २/१ ७/२ उ. ५/४ ९/९ या. महाशिवरात्री व्र.स्मा.
१४	गु	३२	२६	ध	४२	५६	शि	५८	२५	श	३२	२६	३४	१७	४३	२८	१६	२८	कु.९।४८	पूर्वास्तं भृगुः २/१ ३/१ कुम्भे बुधः ५/३ ६/७ × पू.अ.भृ
३०	शु	३७	२५	श	४९	२१	सि	५९	३०	च	४	५५	३८	१६	४४	१	१७	२९	कुम्भे	कृत्तिकायां भौमः ४६।४ शते भृगुः ५/८ ०=

४५पं. फा.कृ.१शु.इ.७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	५	९	७	७	१०
३	१७	१०	७	१८	१९	१	३
०	३५	१८	७	२७	५३	३	०
११	३७	५४	३६	५६	३४	२७	६
६०	३५	८२	१ ५/४	७४	३	३	६०
४२	५६	२५	ब	२०	४७	११	३७

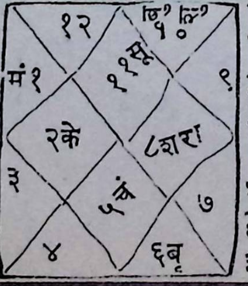

४६पं.फा.कृ.८शु.इ.७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	५	९	७	७	१०
१०	२२	२०	६	२७	२०	०	१०
४	१	१९	२८	११	१६	४१	३
४३	४९	४४	१२	२४	४५	१२	३६
६०	३६	९२	२ ६/१	७४	३	३	६०
३१	१३	४०	ब	२६	६	११	२५

४७पं.फा.कृ.३०शु.इ.७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१८	५	१०	७	७	१०
१७	२६	१	५	५	२०	८	१७
७	१६	९	४२	४७	३५	१८	५
३२	३२	२	४९	२२	१९	५६	४७
६०	३६	०/०	६/७	७४	२	३	६०
२०	४२	८/४५	ब	२६	२५	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१०६२ स.१९५७
१	श	४१	५८	पू	५५	२	सा	६०	०	किं	९	४१	२८/४२	१६	५/४४	२	१८	२९	मी३८।३७	
२	र	४५	४१	उ	५९	४७	सा	०/२	५९/५२	बा	१३	४९	४६	१५	४५	३	१९	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम् पूभायां रविः ५९/१६ फुलरिया२
३	चं	४८	१६	रे	६०	०	शु	५८	२८	तै	१६	५८	५०	१४	४६	४	२०	१	मीने	सात्रान ८ शते बुधः २४।४९
४	मं	४९	३६	रे	३	२६	ब्र	५६	४४	व	१८	५६	५४	१३	४७	५	२१	२	मे.३।२६	भ.५१/६६ उ. ४९।३६ या. पूर्वास्तं बुधः ४४/१६
५	बु	४९	३८	अ	५	४९	ऐं	५३	३८	ब	१९	३७	५८	१२	४८	६	२२	३	मेषे	वृषे भौमः ५५।२८
६	गु	४८	२१	भ	७	२	वै	५०	२	कौ	१८	५९	२९/२	१२	४८	७	२३	४	वृ.२२।२	विशाखायां ३ तुलायां राहुः कृत्तिकायां१✱
७	शु	४५	४९	कृ	७	३	वि	४४	४५	ग	१७	५	६	११	४९	८	२४	५	वृषे	भ. ४५।४९ उ. ✱मेषे केतुः ५।३२
८	श	४२	२१	रो	५	४७	प्री	३९	३	वि	१४	५	१०	१०	५०	९	२५	६	मि३४।४१	भ. १४।५ या. होलाष्टकम्
९	र	३८	०	मृ	३	३६	आ	३३	४०	बा	१०	१०	१४	९	५१	१०	२६	७	मिथुने	
१०	चं	३२	५१	आ	५७/०	५६/३०	सौ	२५	४९	तै	५	२५	१७	८	५२	११	२७	८	क.४२।५८	
११	मं	२७	१९	पु	५३	२२	शो	१८	२६	व	०	५	२३	७	५३	१२	२८	९	कर्के	भ.०।५उ.३७/१९या. पूभायांबुधः ७/१३ पूभायां×
१२	बु	२१	२९	श्ले	४९	१७	अ	११	२०	बा	२१	२९	२७	७	५३	१३	२९	१०	सिं४९।१७	मीनेऽर्कः ५९।३४ प्रदोषः
१३	गु	१५	४५	म	४५	१४	सु	३/७	५२/२२	तै	१५	४५	३२	६	५४	१४	१	११	सिंहे	
१४	शु	९	४४	पू	४१	२४	शू	४७	५८	व	९	४४	३६	५	५५	१५	२	१२	कं.५५।३२	भ. ९।४४ उ. ३६/५८ या. होलिकादहनं
१५	श	४	१३	उ	३७	५५	गं	४०	४३	ब	४	१३	४०	४	५६	१६	३	१३	कन्यायां	छारेंडी ×भृगुः २४/५७ आमलकी ११व्र.

४८पं.फा.शु.७शु.इ. ८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	५	१०	७	६	१०
२४	०	१३	४	१४	२०	२९	२४
८	४४	३	५१	४०	४८	५६	६
५४	४५	३८	२८	४	५३	४१	३२
६०	३६	८/०	४०/७	७४	१	३	५९
५२	२९	५०/८	व	२६	४४	११	५८

गोचरग्रहाः

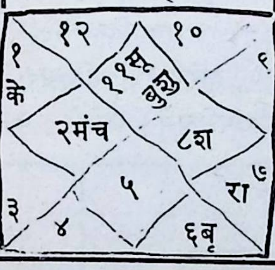

फाल्गुन शु. १२
बुधे मीनेऽर्कः प्र.
त्रा.२न.४ युवाव-
स्था(सूती)मु.३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

४९पं.फा.शु.१४शु.इ.८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	५	१०	७	६	११
.१	५	२५	३	२३	२०	२९	१
८	१	४७	५७	२३	५७	३४	५
३६	५४	५६	३८	१	९	२५	४४
५९	३७	८/०	५२/७	७४	१	३	५९
४९	१८	०/१४	ब	३२	४	११	४१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१३ शाकः १८७८												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
२	र	५४	४०	ह	३५	१	वृ	३४	१२	तै	२६	५३	२९/४४	६/३	५/५७	१७	४	१४	कन्यायां	सव्वरात उभायां रविः ३०/१२ मीने बुधः १९/३६
३	चं	५१	८	चि	३२	१५	ध्रु	१७	५५	व	२२	५४	४९	२	५८	१८	५	१५	तु.३।३८	भ. २२।५४ उ. ५१।८ या.
४	मं	४८	३४	स्वा	३१	३४	व्या	२२	४२	ब	१९	५१	५३	१	५९	१९	६	१६	तुलायां	उभायांबुधः६।१६ वक्रीउफायां२गुरुः ५९/११
५	बु	४७	८	वि	३१	३५	ह	१८	२३	कौ	१७	५१	५७	१	५९	२०	७	१७	बृ.१६।३५	मीने भृगुः २८।३
६	गु	४६	५५	अ	३२	४१	व	१३	५८	ग	१७	१	३०/१	६/०/०	६/०/०	२१	८	१८	वृश्चिके	भ. ४६।५५ उ.
७	शु	४८	७	ज्ये	३५	१९	सि	१२	२८	वि	१७	३१	६	५/५९	६/१	२२	९	१९	ध.३५।१९	भ.१७/३१ या. रोहिण्यां भौमः ५३/१९ शीतलापू.×
८	श	५०	३२	मू	३८	४२	व्य	११	२	ब	१९	२१	१०	५८	२	२३	१०	२०	धनुषि	उभायां भृगुः ९।२
९	र	५४	८	पू	४३	२४	व	१०	२८	तै	२२	२०	१४	५७	३	२४	११	२१	म.५९।४९	वक्री शनिः ३१।५४
१०	चं	५८	३४	उ	४९	२	प	१०	४७	व	२६	२१	१८	५६	४	२५	१२	२२	मकरे	भ. २६/४१ उ.५८।३४ या. रेवत्यां बुधः ४४/१५
११	मं	६०	०	श्र	५५	१५	शि	११	३७	ब	३१	३	२२	५६	४	२६	१३	२३	मकरे	पापमोचनी ११ व्र. स्मा.
११	बु	३	३२	ध	६०	०	स्ते	१२	५२	बा	३	३२	२६	५५	५	२७	१४	२४	कु.२८।२७	पापमोचनी ११ व्र. वै. नि.
१२	गु	८	३८	ध	१	४०	सा	१४	१३	तै	८	३८	३०	५४	६	२८	१५	२५	कुम्भे	प्रदोषः ×रा.चैत्र मा.१दि.३०सं.१८७९
१३	शु	१३	३८	श	८	२	शु	१५	३४	व	१३	३८	३४	५३	७	२९	१६	२६	मी५७।२८	भ. १३।३८ उ. ४५।५९ या.
१४	श	१८	०	पू	१३	५७	शु	१६	२३	श	१८	०	३८	५२	८	३०	१७	२७	मीने	रेवत्यां रविः ४७।४०
३०	र	२१	३५	उ	१८	४८	ब्र	१६	३२	ना	२१	३५	४३	५१	९	३१	१८	२८	मीने	के. अहर्गणः १०९१ च. ४

५०पं. चै.कृ.७ शु.इ.८।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	५	११	७	६	११
८	९	९	३	२	२१	२९	८
६	३२	२६	३	५	०	१२	३
३०	४	४५	१	४	५२	१०	१९
५९	३७	०/८	१२	७४	०	३	५९
३५	३४	३/६	४९	३२	१५	११	१९

गोचरग्रहाः

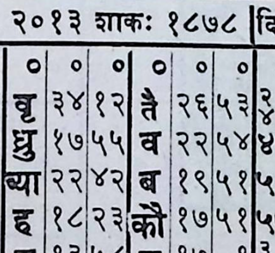

इस मास में पांच
रविवार 'पंचाऽर्क-
वासरे' रोग वृद्धिः
बालकों को पीड़ा
रुई अफीम गल्ला
मंदा।

गोचरग्रहाः

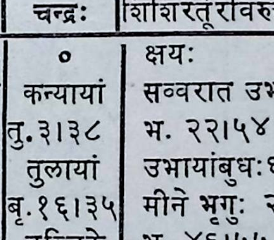

५१पं.चै.कृ.१३शु.इ. ९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	५	११	७	६	११
१५	१३	२३	२	१०	२०	२८	१४
२	५१	४५	९	४६	५८	४९	५९
३३	३४	५०	४५	३२	५७	५५	१९
५९	३७	०/८	३४	७४	२०	३	५९
१८	२८	०/५	ब	३२	ब	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः
लाभः

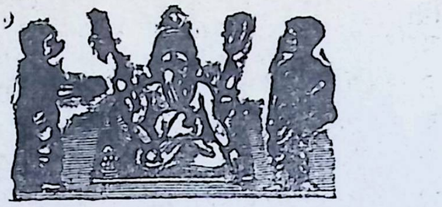

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५८ भोग्यकलिः ४२६९४२ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०१४ शाकः १८७९ अथास्मिन्वर्षेराजा चन्द्रः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशोरविः। मेघेशो शुक्रः। रसेशो गुरुः। नीरसेशश्चन्द्रः। फलेशः शुक्रः। धनेशश्चन्द्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ४ साधारणनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेगतमासादिः ३।१२।३७।१२ भोग्यमासादिः ८।१७।२२।४८ सोम-दैवतं युगम्। वर्षनाम फाल्गुनः । मेघ ४ नाम संवंतः । रोहिणी निवासः संधौ। समयनिवासो वणिग्गृहे । समय विश्वा ८। समयवाहनं मृगः। स्तंभौ द्वौ जलतृणयो । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी१ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी २। भानुसप्तमी १। रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः३६०। समयदिनानि ३५४। तिथिक्षयः१३ । तिथि वृद्धिः ७। उत्पति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४। वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् ५, तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५. वायुः१३. वृद्धिः १५। क्षयः १५। विग्रहः ७। ऐक्यं ९१ सत्यम्।।. धर्मम् १।।. पाप १८ शनि दृष्टिपश्चिमे। ग्रहणो द्वे चन्द्रमसः।

भैरव भवानी संवाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	१४	८	११	·५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्षं लग्नम् ३।२९

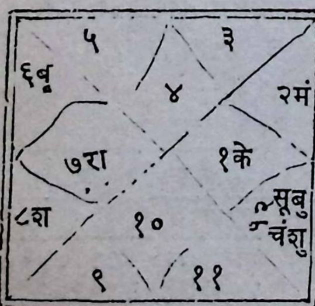

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव खड़ा सुनो भवानी मात ।
चौदह सम्वत् का कहो श्रीमुख से कुशलात ।।

भवानी उत्तर

चौदह सम्वत् चौगुणा वर्षे भीणा मेह ।
अन धन जन सम्पत्ति बढे राज प्रजा में नेह ।।
अधिक लिया इस सालमें सौम्य ग्रहां अधिकार।
राजा गढ पति योग से सुख पावे संसार ।।
सम्वत् विश्वा आठ है वर्षा विश्वा अंक ।
सबही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ।।
श्रावण अरु आषाढ में मेघ चढै घनघोर ।
भाद रवि कुंज योग से जग में मांचे शोर ।।
शनि मन्त्री सस्येश कुज इनकी खोटी बान ।
पकी पकाई साख में करसी कुछेक हान ।।
फल सम्वत्सर का कहा यूं मक्खन लाल ।
भजन करें जगदीश का वे करसी प्रतिपाल ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ४।१०

*चंबृशु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१४।४१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम्-चन्द्र नृपे मङ्गल शोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् सौख्यं जनानामुदयोनृपाणां प्रशाम्यतिव्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री शनिस्तत्फलम्-रविसुते यदि मन्त्रिणि पार्थवा विनय संरहिता बहुदुःखदा । नजलदा जलदा बहुतापदा जनपदेषु सुखन्न फलं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्-प्रथम धान्यपतौ धरणीपतौ गज तुरङ्ग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदा बहुरोग घनौजलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ।। धान्येशो रविस्तत्फलम्-पश्चाद्धान्याधिपेसूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशश्शुक्रस्तत्फलम्-भृगुसुतेजलदस्यपतिर्यदा जलजलयुतो जलदा दिविशोभनाः । धननि धानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुस्तत्फलम्-यदि गुरौ रसपे जन सौख्यदे कमलवन्ति सरांसि तृणानिच । जनपदा द्विजपूजनं तत्परा गज सवाजि रथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससाम् । अर्घ वृद्धि प्रजायेत शशांके नीरशाधिपे ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्-यदि फलस्यपतौ भृगुजेधरा मृदुकुमार महीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम्-धनपति-मृगलांछनको यदा रस चयात् क्रयविक्रयतो धनम् । वसनराशियुगं धनज बहुद्रविण तैल घृतं नृप सौख्यकम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम्-नरवरेषु विशेषपतिर्यदा भृगु सुतो बहु सौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेहसमः सुखो गत बनानि विटपे च दूरतः ।। वर्षनाम फाल्गुनस्तत्फलम्-सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। साधारणनाम सम्वत्सरस्तत्फलम्-साधारणाब्दे वृष्ट्यर्घं भयं साधारणं मतम् । मध्वसम्पद्धराधीशः प्रजासुः स्वस्थ चेतसः ।। मेघनाम सम्वर्तस्तत्फलम्-सम्वर्ते जलपूरिता ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम्-खण्डवृष्टिश्च सन्धिषु ।। समय निवासो वणिग्गृहे फलम्-शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०१३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

आषाढ मासः

कृष्णा ९ शुक्रे रेव. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।ऽबृ।ऽचो।ऽ।। पादवेधाद्वेधाऽभावः

शुक्ला ४ चंद्रे मघा. ल. ऽन्यगो. रे. ७ ऽमं।।।।ऽऽ।। गोधूल्यां भौमष्टमदोषः

,, ७ गुरौ हस्ते ल. १२ (घ.४७।२० या.) गु. पू. स. रे. ८ ।।।।।।ऽ। दग्धादोषः

,, ८ शुक्रे स्वात्यां रे. ८ ।।।।ऽऽ।। लग्नाऽभावः

,, ९शनौ स्वात्यां ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽअ.ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १२चंद्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. रे. ८ ।।।।ऽअ.।ऽ।।

शुक्ला २शनौ मूले ल. ५-६ रे. ८ ऽबृ.।।।।ऽ।।

,, ४ चंद्रे उषा. ल.५ (अंश२२या.) वा.६रे.७।।ऽशु।।ऽऽ।।

,, १४ शुक्रे रोहि.ल.६रे.७।।ऽशु.।।ऽऽ।पादवेधाद्वेधाऽभावः

,, १५शनौ मृगे ल. ६ रे. ८ ।ऽ।।ऽसू.।।ऽ।।

पौषः मासः

कृष्णा ६गुरौ मघायां ल. ६ रे.६ ऽचं।ऽ।ऽशु.।।ऽ।।। पादवेधात-शुक्रवेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३शुक्रे उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।

कृष्णा ५शनौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ८ भौमे अनु. ल.६ रे.७ऽशु।।।ऽअग्निपं.।ऽ।। भौमवासरत्वादत्राग्नि भयम्

शुक्ला २ गुरौ उभा. ल.१० श. पू. स. रे.७ ऽशऽ।।ऽरोग।।।

,, ३ शुक्रे उभा.ल.६ (चं.पू.सत्) वा.ल.८रे.८ऽशऽ।।।।।।

श्रावण शु. १५ भोमे खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा २६।३

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्म कालः	घ.	४९	५२	५४	५५	५८	८
	मि.	३४	२४	०	३६	२६	५२
रेल्वे टाइम	घं.	२	३	४	४	५	३
	मि.	१७	२५	३	४१	४९	३३

माघ शु. १५ यां गुरौ खग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ३०।३४

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घं.	२९	३३	३३	३४	३८	४
	मि.	२६	२४	४३	२	१०	३४
रेल्वे टाइम	घ.	६	७	७	८	९	३
	मि.	१३	४९	६	४	३९	२६

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः१०९२ स.१९५७
१	चं	२४	०	रे	२२	४३	ऐं	१५	४७	ब	२४	०	३०/४६	५/५१	६/९	१	११	२९	मे.२२।४३	चन्द्रद. बुधः ३/३८ अप्रेल मा. ४ ता. ३०*
२	मं	२५	१२	अ	२५	१६	वै	१३	५९	कौ	२५	१२	५२	५०	१०	२	१२	१	मेषे	रमजान ९ रोजा पश्चिमोदयी बुधः ४४/५६
३	बु	२५	५	भ	२६	५३	वि	११	२५	ग	२५	५	५६	४९	११	३	१३	२	वृ.४१।५७	भ.५४/२४ उ. रेवत्यां भृगुः ५७ मत्स्य जयंती
४	गु	२३	४३	कृ	२७	९	प्री	६	४२	वि	२३	४३	३५/००	४८	१२	४	१४	३	वृषे	भ. २३।४३ या.
५	शु	२१	६	रो	२६	९	आ	३/६	५५/१	बा	२१	६	४	४७	१३	५	१५	४	मि५५।११	कल्पादिः *संवत्सरारम्भःनवरा.घटस्था.
६	श	१९	३०	मृ	२४	१३	शो	५१	४५	तै	१९	३०	८	४६	१४	६	१६	५	मिथुने	
७	र	१३	३	आ	२१	२९	अ	४४	५५	व	१३	३	१२	४६	१४	७	१७	६	मिथुने	भ. १२।३ उ. ४०।२७ या.
८	चं	७	५२	पु	१८	४	सु	३७	२८	ब	७	५२	१६	४५	१५	८	१८	७	क.३।५५	भरण्यां बुधः १४।४४ राम ९
९	मं	२	९	पु	१४	१९	धृ	३०	११	कौ	२	९	२०	४४	१६	९	१९	८	कर्के	
१०	मं	५४	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
११	बु	५०	१९	श्ले	१०	२७	शू	२२	३२	व	२३	१८	२४	४३	१७	१०	२०	९	सिं१०।२७	भ. २३/१८ उ. ५९/१९ या. कामदा११व्र. स्मा.
१२	गु	४४	२४	म	६	१३	गं	१४	५१	ब	१७	२२	२८	४२	१८	११	२१	१०	सिंहे	कामदा ११व्र. वै. नि. हरिदमनोत्सवः
१३	शु	३८	४५	पू	१/३	५९/२९	वृ	७	१८	कौ	११	३४	३२	४२	१८	१२	२२	११	कं.१६।२०	प्रदोषः +मेषे भृगुः ४०/१०
१४	श	३२	३१	ह	५४	५५	ध्रु	०/४	५३/१३	ग	६	८	३६	४१	१९	१३	२३	१२	कन्यायां	भ.३३/३१ उ. मेषेऽर्कः २२/५१ मृगे भौमः १२।३+
१५	र	२९	५	चि	५३	१४	ह	४७	७	वि	१	१८	४०	४०	२०	१४	२४	१३	तु.२४।५	भ.१।१८ या. हनुमज्जयंती वै.स्ना.प्रा.

५२पं. चै.शु.५ श.इ.९।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	५	११	७	६	११
२१	१८	९	१	१९	२०	२८	२१
५६	१८	१	२०	२७	५३	२७	५३
४६	२	४८	४३	२४	८	३९	२२
५९	३७	७/७	५६/५	७४	१/५	३	५९
४	४०	६/५४	ब	३८	व	११	४

गोचरग्रहाः

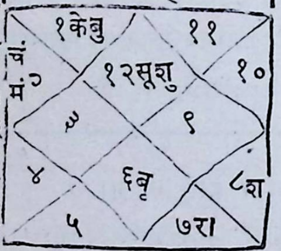

चैत्र शु.१४ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था(बैठी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

१पं. चै.शु.१४श.इ.२५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	७	६	०
०	२३	१९	०	२९	२०	२८	०
२	२८	३७	२५	४१	४०	१	०
५५	१९	२२	८	२०	५९	२२	०
५८	३८	७२	५/९	७४	२/२	३	५८
४५	२	५९	ब	३८	ब	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२५	३५	स्वा	५२	३	व	४१	४३	कौ	२५	३५	३१/४४	५/३९	६/२१	१५	२५	१४	तुलायां	
२	मं	२२	५४	वि	५१	३६	सि	३९	१९	ग	२२	५४	४८	३८	२२	१६	२६	१५	वृ.३६।४३	भ. ५२।७ उ.
३	बु	२१	२१	अ	५२	३३	व्य	३३	३०	वि	२१	२१	५१	३८	२२	१७	२७	१६	वृश्चिके	भ.२३/२१ या. वक्री उफायां१ सिंहे गुरुः ३४/२६
४	गु	२१	४	ज्ये	५४	२३	व	३०	५१	बा	२१	४	५५	३७	२३	१८	२८	१७	ध.५४।२३	
५	शु	२२	५	मू	५७	२५	प	२९	१६	तै	२२	५	५८	३६	२४	१९	२९	१८	धनुषि	
६	श	२४	२३	पू	६०	०	शि	२८	३६	व	२४	२३	३/२/२	३६	२४	२०	३०	१९	धनुषि	भ. २४।२३ उ. ५६।१२ या.
७	र	२८	०	पू	२	२३	सि	२८	४६	ब	२८	०	६	३५	२५	२१	१	२०	म.१८।४४	राष्ट्रीय वैशाख मा. २ दि. ३१
८	चं	३२	१८	उ	७	४६	सा	२९	४७	बा	०	९	९	३४	२६	२२	२	२१	मकरे	
९	मं	३७	६	श्र	१३	१६	शु	३१	४	तै	४	४२	१३	३३	२७	२३	३	२२	कुं.४६।५०	मिथुने भौमः ४७।४ कृतिकायां बुधः १४/०
१०	बु	४२	९	ध	२०	२४	शु	३२	२५	व	९	३८	१७	३३	२७	२४	४	२३	कुम्भे	भ.३९/७ उ.४२/९ या. वक्री बुधः ३६/१५ वक्रीभर.*
११	गु	४६	५६	श	२६	४६	ब्र	३३	५१	ब	१४	३३	२१	३२	२८	२५	५	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११व्र. *बुधः ४०/० भर.भृगुः २८/१७
१२	शु	५१	२१	पू	३२	४४	ऐं	३४	४९	कौ	१९	८	२५	३१	२९	२६	६	२५	मी१६।१४	पश्चिमास्तं बुधः ४७।२७
१३	श	५४	५३	उ	३७	५१	वै	३५	१८	ग	२३	७	२९	३०	३०	२७	७	२६	मीने	भ.५४।५३उ. भरण्यां रविः ३।३५प्रदोषः
१४	र	५७	१२	रे	४२	५	वि	३४	५४	वि	२६	३	३३	२९	३१	२८	८	२७	मे.४२।५	भ. २६।२ या.
३०	चं	५८	३८	अ	४५	७	प्री	३३	२५	च	२८	२५	३६	२९	३१	२९	९	२८	मेषे	वक्री ज्येष्ठायां १ शनिः ६।५७

२पं. वै.कृ.६ श.इ.२५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	४	०	७	६	०
६	२७	२५	२९	८	२०	२७	६
५३	४९	२६	४५	२१	२४	३९	५०
६	५१	२७	२८	१०	४३	७	३८
५८	३८	२६	४१/५	७४	३/६	३	५८
२९	८	३१	ब	३८	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

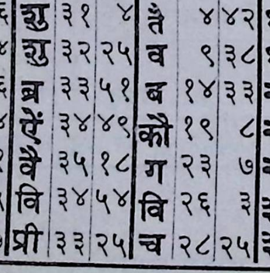

इस मास का फल श्रेष्ठ है, प्रजा में सुख शांति धान्य चांदी मंदी सुदी में गुड़ खांड घृत तेल तेज।

गोचरग्रहाः

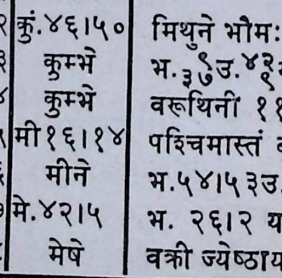

३पं.वै.कृ.१३श.इ.२५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	७	०	७	६	०
१३	२	२५	२९	१७	३०	२७	१३
४१	१९	५१	१६	०	५	१६	३९
३०	६	२१	३८	२७	२९	५२	४५
५८	३८	१६/४०	४२/५	७४	१६/५	३	५८
१२	१०	ब	ब	३२	ब	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	५८	११	भ	४६	५१	आ	३१	१	किं	२८	२४	३२/४०	५/२८	६/३२	३०	१०	२९	मेषे
२	बु	५६	४६	कृ	४७	२३	सौ	२७	४४	बा	२७	२८	४३	२७	३३	१	११	३०	बृ.१।५९
३	गु	५४	१०	रो	४६	४७	शो	२३	२१	तै	२५	२८	४७	२७	३३	२	१२	१	बृषे
४	शु	५०	३६	मृ	४४	५७	अ	१८	१२	व	२२	२३	५०	२६	३४	३	१३	२	मि१५।२२
५	श	४५	२७	आ	४२	३०	सु	१२	१२	ब	१८	१	५४	२५	३५	४	१४	३	मिथुने
६	र	४०	३१	पु	३९	१०	धृ	५/४६	५२/५७	कौ	१२	५९	५७	२५	३५	५	१५	४	क.२५।०
७	चं	३४	५३	पु	३५	३०	गं	५१	२३	ग	७	४२	३/३५	२४	३६	६	१६	५	कर्के
८	मं	२९	०	श्ले	३१	२४	वृ	४३	४४	वि	१	५६	४	२३	३७	७	१७	६	सिं३१।२४
९	बु	२२	५८	म	२७	२५	ध्रु	३६	४	कौ	२२	५८	७	२३	३७	८	१८	७	सिंहे
१०	गु	१७	०	पू	२३	२२	व्या	२८	४४	ग	१७	०	१०	२२	३८	९	१९	८	कं.३७।२९
११	शु	११	४	उ	१९	४३	ह	२१	२७	वि	११	४	१३	२१	३९	१०	२०	९	कन्यायां
१२	श	६	१	ह	१६	२७	व	१४	३४	बा	६	१	१६	२१	३९	११	२१	१०	तु.४५।१२
१३	र	१	२६	चि	१३	५६	सि	८	१५	तै	१	२६	१९	२०	४०	१२	२२	११	तुलायां
१४	र	५६	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	चं	५४	५७	स्वा	१२	१९	व्य	३/४७	५५/१९	वि	२६	२०	२२	२०	४०	१३	२३	१२	बृ.५८।३६

त्रसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ११२१ सन् १९५७

चन्द्रदर्शनम् **मई मा. ५ ता. ३१**
सब्बाल१० ईद परसुराम ज. अक्षया३
भ. २२।२३ उ. ५०।३६ या.
आर्द्रायां भौमः २७।२०
कृत्तिकायां भृगुः १५।१५
भ. ३४।५३ उ.
भ.१।५६ या. बृषे भृगुः ५९।२१
पश्चिमोदयी भृगुः ४५।३६ प.उ.भू.
भ ४/४ उ. विशा.२राहुः भरण्यां४ केतुः ५/१/८
भ.११।४या.कृति.रविः ५/३ १/० मोहिनी११व्र.
प्रदोषः
भ. ५७।४३ उ. नसिंह जयन्ती
क्षयः *जलकुंभदान चन्द्रग्रहणम्
भ.२६।२० या. कूर्मजयंती वै.स्ना.पूर्तिः*

४पं. वै.शु.५श.इ.२५।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	४	०	७	६	०
२०	६	२२	२८	२५	१९	२६	२०
२८	३९	४८	५३	३८	४१	५४	२७
८	७	३२	१६	४१	४५	३६	२१
५७	३८	३५/३७	२/२५	७४	३/४६	३	५८
५७	१५	ब	ब	३२	ब	११	६

गोचरग्रहाः

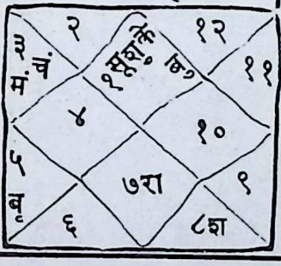

इस मास में सोमवार शुभ है सुदी १५का चन्द्रग्रहण प्रत्येक व्यापारी वस्तुओं में घटा बढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

५पं.वै.शु.१२ श.इ.२६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	४	१	७	६	०
२७	११	१८	२८	४	१९	२६	२७
१३	५	५७	३९	१६	१५	३२	१३
२२	१९	१३	६	५४	३५	३१	३२
५७	३८	३०/३८	१/१	७४	४/५	३	५७
४५	२६	ब	ब	३२	ब	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	मं	५३	२३	वि	१३	४२	प	५४	१९	बा	२४	१०	३३/२५	५/१९	६/४१	१४	२४	१३	बृश्चिके
२	बु	५३	६	अ	१३	५८	शि	५१	४१	तै	२३	१४	२८	१८	४२	१५	२५	१४	बृश्चिके
३	गु	५३	५४	ज्ये	१५	२	सि	४९	४१	व	२३	३०	३१	१८	४२	१६	२६	१५	ध.१५।२
४	शु	५६	३	मू	१७	२	सा	४८	५८	ब	२४	५८	३४	१७	४३	१७	२७	१६	धनुषि
५	श	५९	२६	पू	२१	२४	शु	४९	५	कौ	२७	४४	३६	१७	४३	१८	२८	१७	म.३७।४१
६	र	६०	०	उ	२६	३३	शु	४९	५०	ग	३१	३४	३९	१६	४४	१९	२९	१८	मकरे
६	चं	३	४२	श्र	३२	३२	ब्र	५१	१४	व	३	४२	४१	१६	४४	२०	३०	१९	मकरे
७	मं	८	३४	ध	३८	५४	ऐं	५२	४१	ब	८	३४	४४	१५	४५	२१	३१	२०	कु.५।४३
८	बु	१३	२३	श	४५	२२	वै	५४	१२	कौ	१३	२३	४६	१५	४५	२२	१	२१	कुंभे
९	गु	१८	१२	पू	५१	२६	वि	५५	२७	ग	१८	१२	४८	१४	४६	२३	२	२२	मी३४।३५
१०	शु	२२	२८	उ	५६	४०	प्री	५५	५९	वि	२२	२८	५०	१४	४६	२४	३	२३	मीने
११	श	२५	५५	रे	६०	०	आ	५५	४५	बा	२५	५५	५२	१४	४६	२५	४	२४	मीने
१२	र	२८	१६	रे	१	९	सौ	५४	३३	तै	२८	१६	५४	१३	४७	२६	५	२५	मे. १।९
१३	चं	२९	२०	अ	४	३०	शो	५२	३५	व	२९	२०	५६	१३	४७	२७	६	२६	मेषे
१४	मं	२९	१३	भ	६	२८	अ	४९	२७	श	२९	१३	५८	१२	४८	२८	७	२७	वृ.२१।४०
३०	बु	२७	४४	कृ	७	१८	सु	४५	२४	ना	२७	४४	३४/०	१२	४८	२९	८	२८	बृषे

वसंतर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

बषेऽर्कः १९।१७
पूर्वोदयी बुधः ३।५१
भ. २/३ ३/० उ ५/५ ३/४ या. मार्गी गुरुः ५/५ ९/२ रोहिण्यां*

भ. ३।४२ उ. ३६।८ या. मार्गी बुधः ५/२ १/४

राष्ट्रीय ज्येष्ठ मा. ३ दि. ३१
भ. ५०।२० उ. *भृगुः ६।४१
भ. २२।२८ या. रोहिण्यां रविः ४५।२६
पुनर्वसौ भौमः ३९।११ अपरा ११ व्र.
मघे भृगुः ५४।५२ प्रदोषः
भ. २९।२० उ. ५१।१६ या.

भावुका ३० वट पूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.५श.इ.२६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	१	७	६	१
३	१५	१७	२८	१२	१८	२६	३
५६	३०	९	३३	५३	४६	१०	५८
५९	३७	३२	५७	१३	५५	६	२६
५७	३८	१/६	१/६	७४	४/२२	३	५७
३४	२९	ब	मा	२६	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ.१भौमे वृषेऽर्कः प्र.व्रा.४ न.५कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

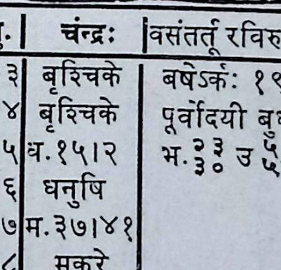

७पं.ज्ये.कृ.११श.इ.२६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	१	७	६	१
१०	१९	१७	२८	२१	१८	२५	१०
३९	५१	५४	४०	३०	१६	४७	४२
१०	४२	१७	४३	१४	११	५०	२०
५७	३८	१/८	१	७४	४/३८	३	५७
२३	३७	ब	३१	२६	ब	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ११५१सन्१९५७
१	गु	२५	४	रो	७	१	धृ	४०	२०	ब	२५	४	३४/२	५/१२	६/४८	३०	९	२९	मि३६।१३	चंद्रदर्शनम्
२	शु	२१	२५	मृ	५	२५	शू	३४	४२	कौ	२१	२५	४	११	४९	३१	१०	१	मिथुने	जिल्काद ११
३	श	१६	५२	आ	३/२	५६/२४	गं	२७	५९	ग	१६	५२	६	११	४९	१	११	२	क.४४।३३	भ.४४/१३उ. मिथुनेभृगुः ३१/२४ जून मा.६ता.३०
४	र	११	३५	पु	५७	४	वृ	२१	१४	वि	११	३५	७	११	४९	२	१२	३	कर्के	भ. ११।३५ या.
५	चं	५	४८	श्ले	५२	१९	ध्रु	१३	५९	बा	५	४८	९	१०	५०	३	१३	४	सिं५२।१९	
६	चं	५४	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	मं	५३	४४	म	४८	५५	व्या	६/२४	५२/३४	ग	२६	४९	१०	१०	५०	४	१४	५	सिंहे	भ. ५३।४४ उ.
८	बु	४७	४०	पू	४४	२०	व	५१	३९	वि	२०	४२	१२	१०	५०	५	१५	६	कं.५८।२९	भ.३०/४२ या. मार्गी कृतिकायां बुधः १४।७
९	गु	४१	५१	उ	४०	५७	सि	४४	७	बा	१४	४५	१३	९	५१	६	१६	७	कन्यायां	आर्द्रायां भृगुः ४९।१४
१०	शु	३६	२९	ह	३७	६	व्य	३७	१३	तै	१०	४०	१५	९	५१	७	१७	८	कन्यायां	मृग रविः ४४/१५ वृषे बुधः ५१/५२ दशहरा
११	श	३१	४९	चि	३४	३९	व	३०	४५	व	५	३९	१६	९	५१	८	१८	९	तु.५।५२	भ. ४।९ उ. ३१/४९ या. निर्जला ११ व्र.
१२	र	२७	५९	स्वा	३२	१	प	२५	७	बा	२७	५९	१७	९	५१	९	१९	१०	तुलायां	प्रदोषः
१३	चं	२४	५६	वि	३१	३७	शि	२०	३७	तै	२४	५६	१८	८	५२	१०	२०	११	वृ.१६।४३	कर्के भौमः ४४/१२ वटसावित्री व्रतारम्भः
१४	मं	२३	१८	अ	३१	५७	सि	१६	२७	व	२३	१८	१९	८	५२	११	२१	१२	वृश्चिके	भ. २३।१८ उ. ५३।२ या.
१५	बु	२२	४७	ज्ये	३३	२५	सा	१३	३३	ब	२२	४७	२०	८	५२	१२	२२	१३	ध.३३।२५	वटसावित्री पूजा

८पं.ज्ये.शु.३श.इ.२६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	२	७	६	१
१७	२४	२३	२८	०	१७	२५	१७
२०	१२	९	४८	६	४१	२५	२५
१६	२९	२२	५८	१९	१२	३५	४
५७	३८	४८	.२	७४	४/३९	३	५७
१३	३७	२८	५६	२६	ब	११	२७

गोचरग्रहाः

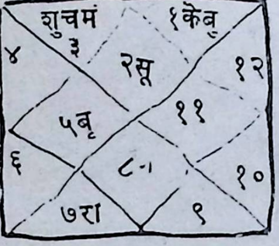

इस मास में प्रजा में उपद्रव धूप अधिक पड़ेगी अग्नि भय होगा वायु विशेष चलेगी।

गोचरग्रहाः

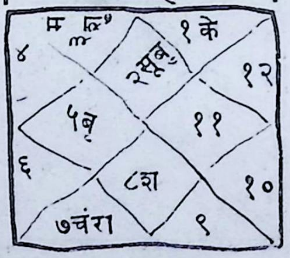

९पं.ज्ये.शु.११श.इ.२६।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	४	२	७	६	१
२४	२८	०	२९	८	१७	२५	२४
०	३४	४३	१०	४०	१	३	७
१२	४४	५५	३४	३१	५५	१९	८
५७	३८	७६	४	७४	४/३९	३	५७
५	४७	४	९	२०	ब	११	२२

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२३	३८	मू	३६	१३	शु	११	३२	कौ	२३	३८	३४/२५	५/९	६/५२	१३	२३	१४	धनुषि	
२	शु	२५	३१	पू	४०	९	शु	१०	३५	ग	२५	३१	२२	८	५२	१४	२४	१५	म.५६।२६	भ. ५७/११ उ. मिथुनेऽर्कः ४५।३ रोहिण्यां*
३	श	२८	५२	उ	४५	१९	ब्र	१०	३४	वि	२८	५२	२२	८	५२	१५	२५	१६	मकरे	भ. २८।५२ या. पुष्ये भौमः ५४।५६
४	र	३२	५९	श्र	५०	५९	ऐं	११	२०	व	१	५	२३	७	५३	१६	२६	१७	मकरे	वक्री अनुराधायां ४ शनिः २९।३९
५	चं	३७	४०	ध	५७	१७	वै	१२	२९	कौ	५	२०	२३	७	५३	१७	२७	१८	कु.२४।८	पुनर्वसौ भृगुः ३९।१० *बुधः ४७/१५
६	मं	४२	२४	श	६०	०	वि	१४	३	ग	१०	२	२३	७	५३	१८	२८	१९	कुम्भे	भ. ४२।२४ उ. ×गुरुः ५५।४९
७	बु	४७	१५	श	३	४५	प्री	१५	४२	वि	१४	४९	२४	७	५३	१९	२९	२०	मी५३।२०	भ.१४।५० या. मार्गी उफायां २ कन्यायां×
८	गु	५१	३५	पू	९	५१	आ	१६	५२	बा	१९	२५	२४	७	५३	२०	३०	२१	मीने	
९	शु	५५	१	उ	१५	२५	सौ	१७	५०	तै	२३	१८	२४	७	५३	२१	३१	२२	मीने	आर्द्रायां रविः ४६।३५ =आ.४दि.३१
१०	श	५७	२२	रे	२०	१६	शो	१७	४१	व	२४	११	२४	७	५३	२२	१	२३	मे.२०।१६	भ.३६/१२ उ.५७/२२ या. मगे बुधः ५०/५६ राष्ट्रीय=
११	र	५८	३५	अ	२३	४२	अ	१६	४९	ब	२७	५८	२४	७	५३	२३	२	२४	मेषे	पूर्वास्तं बुधः ३।२६ योगिनी ११व्र. स्मा.
१२	चं	५८	२७	भ	२६	१	सु	१४	५५	कौ	२८	३१	२४	७	५३	२४	३	२५	वृ.४१।१६	योगिनी ११ व्र. वै. नि.
१३	मं	५७	४	कृ	२७	३	धृ	१२	५	ग	२७	४५	२३	७	५३	२५	४	२६	बृषे	भ. ५७/४ उ. मिथुने बुधः ३८/२७ कर्के भगुः ५४/४४+
१४	बु	५४	२७	रो	२७	१०	शू	८	१४	वि	२५	४६	२३	७	५३	२६	५	२७	मि५६।३४	भ. २५।४५ या. +प्रदोषः
३०	गु	५०	५२	मृ	२५	५७	गं	३/२२	५४/२३	च	२२	३९	२३	७	५३	२७	६	२८	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.३श.इ.२६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	४	२	७	६	२
०	३	११	२९	१७	१६	२४	०
३९	१	६	३९	१५	४४	४१	४८
२०	४१	२५	११	५८	३९	४	२५
५५	३८	०/०	५	७४	४/२५	३	५७
५७	३७	९/३३	१५	१४	ब	११	१७

गोचरग्रहाः

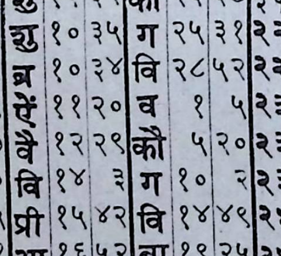

आषाढ़ कृ. २शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ प्रगल्भावस्था [बैठी] मु.४५ (धान्य भाव मंदा)

गोचरग्रहाः

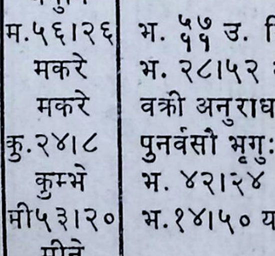

११पं.आ.कृ.१०श.इ.२६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	५	२	७	६	२
७	७	२३	०	२५	१६	२४	७
१७	२३	५०	५५	४८	१६	१८	२९
४८	१५	५८	५९	१९	६	४९	१७
५६	३८	०/०	६	७४	४/७	३	५३
५४	४४	९/२०	२२	२	ब	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः११८०स.१९५७
१	शु	४६	२०	आ	२३	२२	ध्रु	५१	२७	किं	१८	३६	३४/२२	५/८	६/५२	२८	७	२९	मिथुने	आर्द्रायां बुधः३८।० पुष्ये भृगुः ३६।५३
२	श	४१	६	पु	२०	२९	व्या	४४	३७	बा	१३	४३	२२	८	५२	२९	८	३०	क.६।१२	चन्द्रदर्शनम्
३	र	३५	२५	पु	१६	५६	ह	३७	२४	तै	८	१५	२१	८	५२	३०	९	१	कर्के	जिल्हेज १२
४	चं	२९	२४	श्ले	१२	५९	व	२९	४८	व	२	२४	२०	८	५२	१	१०	२	सिं१२।५९	भ.२/४२ उ.३९/२४ या. **जुलाई मा.७ ता.३१**
५	मं	२३	१६	म	८	५५	सि	२२	१५	बा	२३	१६	१९	८	५२	२	११	३	सिंहे	
६	बु	१७	१०	पू	४	४६	व्य	१४	४७	तै	१७	१०	१८	८	५२	३	१२	४	कं.१८।५४	
७	गु	११	१७	उ	५/१९	५६/५१	व्र	७	२[illegible]	व	११	१७	१७	९	५१	४	१३	५	कन्यायां	भ.१५/१७ उ.३८।३६ या. पुनर्वसौ बुधः४४/३४
८	शु	५	५५	चि	५४	३६	प	०/२७	५३/२९	ब	५	५५	१६	९	५१	५	१४	६	तु.२६।३	पुनर्वसौ रविः ५०।३६
९	श	१	३	स्वा	५२	३२	सि	४८	११	कौ	१	३	१४	९	५१	६	१५	७	तुलायां	मन्वादिः *देवशयनी११व्र.
१०	श	५६	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	५४	६	वि	५१	२३	सा	४३	१२	व	२५	३६	१३	९	५१	७	१६	८	वृ.३६।४०	भ.३५/३६ उ.५४/६ या. आश्लेषायां भौमः५५/३१*
१२	चं	५२	१५	अ	५१	२८	शु	३९	९	ब	२३	१०	११	१०	५०	८	१७	९	वृश्चिके	हज्ज देवशयनी११व्र.वै. ÷३९/४१ प्रदोषः
१३	मं	५१	३५	ज्ये	५२	३२	शु	३५	५९	कौ	२१	५५	१०	१०	५०	९	१८	१०	ध.५२।३[illegible]	बकरीद कर्के बुधः२५/४४ आश्लेषायां भृगुः×
१४	बु	५२	२०	मू	५५	२	ब्र	३३	२७	ग	२१	५७	८	१०	५०	१०	१९	११	धनुषि	भ. ५२/२० उ. विशाखायां१ राहुः भरण्यां३+
१५	गु	५४	२३	पू	५८	४३	ऐं	३२	४२	वि	२३	२२	७	११	४९	११	२०	१२	धनुषि	भ.२३/२३या. पुष्ये बुधः५।१३ +केतुः५६/१८

१२पं.आ.२शु.श.इ.२६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	५	३	७	६	२
१३	११	८	०	४	१५	२३	१४
५२	४५	२२	५९	२१	५०	५६	९
५१	४६	४	५८	२	४८	३३	४६
५६	३८	[illegible]	७	७४	३/४८	३	५७
५०	५०	३७	१७	०	ब	११	७

गोचरग्रहाः

इस मास में पाँच गुरुवार श्रेष्ठ हैं। प्रजा में सुखशांति और हवा के साथ वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.शु.९श.इ.२६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	५	३	७	६	२
२०	१६	२३	१	१२	१५	२३	२८
३३	८	३५	५०	५२	२५	३४	५६
४७	११	१०	३	४५	४९	१८	२
५६	३८	[illegible]	८	७३	३/२१	३	५७
५०	४५	५६	१९	५६	ब	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५७	१९	उ	६०	०	वै	३२	२७	बा	२५	५१	३४/६	५/११	६/४९	१२	२१	१३	म.१४।५४	
२	श	६०	०	उ	३	२६	वि	३१	१	तै	२९	२०	४	११	४९	१३	२२	१४	मकरे	
२	र	१	२[illegible]	श्र	८	१७	प्री	३४	१२	ग	१	२२	२	१२	४८	१४	२३	१५	कु.४१।५४	भ. ३३।४१ उ.
३	चं	६	१	ध	१५	२२	आ	३५	४[illegible]	वि	६	१	०	१२	४८	१५	२४	१६	कुम्भे	भ. ६।१ या. पश्चिमोदयी बुधः४६।१२
४	मं	११	५	श	२१	४७	सौ	३७	१९	बा	११	५	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१७	कुम्भे	कर्कोऽर्कः २३।२०
५	बु	१५	४०	पू	२८	०	शो	३८	४१	तै	१५	४०	५६	१३	४७	१७	२६	१८	मी११।२७	आश्लेषायां बुधः५८/२३ उफायां३ गुरुः ३८/३४*
६	गु	१९	५८	उ	३३	४६	अ	३९	२८	व	१९	५८	५४	१३	४७	१८	२७	१९	मीने	भ. १९।५८ उ. ५१।४२ या.
७	शु	२३	२६	रे	३८	३७	सु	३९	४२	ब	२३	२६	५२	१४	४६	१९	२८	२०	मे.३८।३९	पुष्ये रविः ५४।१ *नाग ५
८	श	२६	२२	अ	४२	२७	धृ	३९	१	कौ	२६	२२	५०	१४	४६	२०	२९	२१	मेषे	सिंहे भृगुः ३१।४१
९	र	२७	१०	भ	४५	२	शू	३७	१[illegible]	ग	२७	१०	४७	१५	४५	२१	३०	२२	मेषे	भ. ५७।१० उ.
१०	चं	२७	१८	कृ	४६	२५	गं	३४	३७	वि	२७	१०	४५	१५	४५	२२	३१	२३	वृ.०।२३	भ. २७।१० या.
११	मं	२५	४९	रो	४६	३३	वृ	३०	५८	बा	२५	४९	४२	१६	४४	२३	१	२४	वृषे	कामदा११व्र. राष्ट्रीय श्रावण मा.५दि.३१
१२	बु	२३	१६	मृ	४५	२६	ध्रु	२६	१९	तै	२३	१६	४०	१६	४४	२४	२	२५	मि१५।५५	प्रदोषः व्र.
१३	गु	१९	४४	आ	४३	२३	व्या	२०	५०	व	१९	४४	३७	१७	४३	२५	३	२६	मिथुने	भ.१९।४४ उ.४७/३०या. सिंहे बुधः३२।४२
१४	शु	१५	१७	पु	४०	४३	ह	१४	३[illegible]	श	१५	१७	३५	१७	४३	२६	४	२७	क.२६।१८	
३०	श	१०	८	पु	३७	१०	व	७	४७	ना	१०	८	३२	१८	४२	२७	५	२८	कर्के	

१४पं.श्रा.कृ.२श.इ.२६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	५	३	७	६	२
२७	२०	८	२	२१	१४	२३	२७
११	३३	२	४५	२२	५८	१२	३०
५३	१४	५२	५६	५४	५४	३	३२
५६	३८	[illegible]	९	७३	४३	३	५७
५५	४७	२६	८	४६	ब	११	११

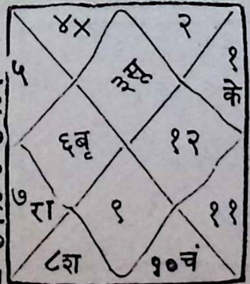

१५पं.श्रा.कृ.८श.इ.२६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	५	३	७	६	३
३	२४	२१	३	२९	१४	२२	४
५०	५८	८	४७	५३	४८	४९	११
५१	१३	७	३२	२	५५	४७	१३
५६	३८	४/०	९	७३	३	३	५७
५७	५५	५८	५२	३२	ब	११	१५

१६पं.श्रा.कृ.३०श.इ.२५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	४	७	६	३
१०	२९	३	४	८	१४	२२	१०
२९	२१	०	५४	२१	३६	२७	५२
३८	२३	५	१९	४५	२७	३२	२५
५७	३८	९५	१०	७३	३१	३	५७
५	५८	२९	३६	२०	ब	११	२०

*चंमंशु ×मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	र	४	२७	श्ले	३३	२०	सि	३०	५२/२८	ब	४	२७	३३/३०	५/१८	६/४२	२८	६	२९	सि ३३।२०
२	र	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	५२	२२	म	२९	१४	व	४५	२५	तै	२५	२५	२७	१९	४१	२९	७	१	सिंहे
४	मं	४६	१४	पू	२५	६	प	३७	२४	व	१९	१८	२४	१९	४१	३०	८	२	कं. ३९।७
५	बु	४०	१२	उ	२१	९	शि	३०	३२	ब	१३	१३	२१	२०	४०	३१	९	३	कन्यायां
६	गु	३४	५१	ह	१७	४०	सि	२३	३१	कौ	७	३२	१८	२०	४०	१	१०	४	तु. ४६।६
७	शु	३०	२	चि	१४	३२	सा	१६	४६	ग	२	२६	१५	२१	३९	२	११	५	तुलायां
८	श	२६	१	स्वा	१२	५	शु	१०	४८	ब	२६	१	१२	२२	३८	३	१२	६	वृ. ५६।१०
९	र	२२	५९	वि	१०	५१	शु	४	३८	कौ	२२	५९	९	२२	३८	४	१३	७	वृश्चिके
१०	चं	२१	४	अ	१०	३९	ब्र	१/१८	५६/२७	ग	२१	४	६	२३	३७	५	१४	८	वृश्चिके
११	मं	२०	२५	ज्ये	११	३०	वै	५५	२९	वि	२०	२५	३	२३	३७	६	१५	९	ध. ११।३०
१२	बु	२०	३४	मू	१३	३९	वि	५४	०	बा	२०	३४	०	२४	३६	७	१६	१०	धनुषि
१३	गु	२२	५४	पू	१७	४	प्री	५३	३५	तै	२२	५४	३२/५७	२५	३५	८	१७	११	म. ३३।१२
१४	शु	२५	५५	उ	२१	३७	आ	५४	१	व	२५	५५	५४	२५	३५	९	१८	१२	मकरे
१५	श	२८	५५	श्र	२७	९	सौ	५५	६	ब	२८	५५	५०	२६	३४	१०	१९	१३	मकरे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२१० स.१९५७

चन्द्रद. सिंहे भौमः ३५/१८ नक्तव्रतारम्भः
क्षयः
मोहोरम१ सन् १३७७ मधुश्रवा३ गुर्जरे
भ. १९।१८ उ. ४६।१४ या. वरद ४
अस्तं भौमः ४२/५९ पूफायां भृगुः ३४/१४ नाग ५
अगस्त मा. ८ ता. ३१ वर्ण ६
भ. ३०/२ उ. ५६/१ या. सार्पेरविः ५४/४९ शीतला७
पूफायां बुधः ४२।१६ दुर्वा ८
भ. ५०।४४ उ. कल्किजयन्ती
भ. ३०/२५ या. उफायां४गुरुः ३२/३० पवित्रा११व्र.
ताजिया प्रदोषः पवित्रार्पण
भ. २५।५५ उ. ५७।२५ या.
रक्षाबन्धनम् श्रावणी कर्म

१७पं.श्रा.शु.८श.इ.२५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	.४	४	५	४	७	६	३
१७	३	१२	६	१६	१४	२२	१७
९	४४	५८	५	४९	२०	५	३३
२७	८	७	११	१०	४९	१६	५७
५७	३९	७९	११	७३	०/४६	३	५७
१२	२	१८	११	११	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

इस मास में वर्षा मध्यम होगी प्रजा में फल साधारण रहेगा। बुध शुक्र का योग धान्य रुई में मन्दी करेगा।

गोचरग्रहाः

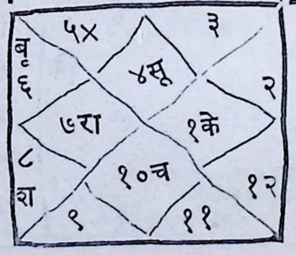

१८पं.श्रा.शु.१५श.इ.२५।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	५	४	७	६	३
२३	८	२१	७	२५	१४	२१	२४
५०	९	२१	२०	१५	२६	४३	१६
३४	२४	७	४५	१४	१३	१	२६
५७	३९	६०	११	७२	०/७	३	५७
२२	२	२८	४९	५७	ब	११	३३

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	र	३३	३४	ध	३३	१५	शो	५५	५९	बा	१	१५	३२/४५	५/२७	६/३३	११	२०	१४	कुं. ०।१२
२	चं	३९	२७	श	३९	४०	अ	५८	७	तै	६	३०	४३	२७	३३	१२	२१	१५	कुम्भे
३	मं	४४	१७	पू	४५	४१	सु	५९	३५	व	११	५२	४०	२८	३२	१३	२२	१६	मी २९।११
४	बु	४८	४०	उ	५१	४३	धृ	६०	०	ब	१६	२९	३६	२९	३१	१४	२३	१७	मीने
५	गु	५२	१६	रे	५०	४५	धृ	०	३०	कौ	२०	२८	३३	२९	३१	१५	२४	१८	मे. ५६।४५
६	शु	५४	४८	अ	६०	०	शू	०	४७	ग	२३	३२	२९	३०	३०	१६	२५	१९	मेषे
७	श	५६	११	अ	०	५३	गं	३०/१७	५८/२७	वि	२५	३०	२६	३१	२९	१७	२६	२०	मेषे
८	र	५६	२०	भ	३	३६	ध्रु	५६	१६	बा	२६	१६	२२	३२	२८	१८	२७	२१	वृ. १९।२
९	चं	५५	५	कृ	५	२१	व्या	५२	४६	तै	२५	४३	१९	३२	२८	१९	२८	२२	वृषे
१०	मं	५२	३७	रो	५	४५	ह	४८	२३	व	२३	५१	१५	३३	२७	२०	२९	२३	मि ३५।२१
११	बु	४९	८	मृ	४	५८	व	४२	४९	ब	२०	५२	१२	३४	२६	२१	३०	२४	मिथुने
१२	गु	४४	५१	आ	३	४	सि	३६	३८	कौ	१६	५९	८	३४	२६	२२	३१	२५	क. ४६।८
१३	शु	३९	४५	पु	२९	५६/४२	व्य	२९	५७	ग	१२	१८	४	३५	२५	२३	१	२६	कर्के
१४	श	३४	६	श्ले	५३	१९	व	२२	४३	वि	६	५५	०	३६	२४	२४	२	२७	सि ५३।१९
३०	र	२८	१३	म	४९	१७	प	१५	१३	च	१	१०	३१/५६	३७	२३	२५	३	२८	सिंहे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णंतिमहाराष्ट्राः

मार्गीशनिः २५।३४ उफायांभृगुः ३५।२३
भ. ११।५२ उ. ४४।१७ या.
कन्यायां भृगुः २३।३२
उफायां बुधः २९।६
भ.५४।४८ उ. सिंहेऽर्कः ५१।१६ चन्द्र६
भ. २५।२९ या.
पूफायां भौमः ३४/१३ जन्माष्टमी स्मा. वै.
गोगानवमी
भ. २३/५१ उ.५२।३७या. कन्यायां बुधः ५५/३७
अजा ११ व्र. स्मा.वै.
हस्ते भृगुः ४२।३४ अजा ११ व्र. नि.
भ. ३९/४५ उ. प्रदोषः राष्ट्रीय भाद्रपद मा.६=
भ. ६।५५ या. हस्ते १ गुरुः =ता.३.१
वक्री बुधः ५६/५२ पिठोरी ३० कुशाग्रहणी

१९पं. भा.कृ.७श.इ.२५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	५	७	६	४
०	१२	२७	८	३	१४	२१	०
३२	३५	५१	३८	३९	२६	२०	५९
४७	६	१५	५३	५८	४९	४६	४५
५७	३९	३६	१२	७२	०/४२	३	५७
३४	९	४५	१६	२८	मा	११	४०

गोचरग्रहाः

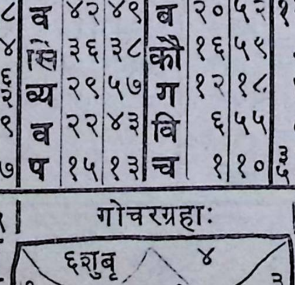

भाद्र. कृ. ६ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ४ प्रगलभाव-स्था(बैठी)मु.३० (धान्यभावसम) शुक्रोदय पश्चिमे।

गोचरग्रहाः

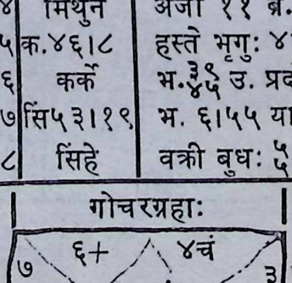

२०पं.भा.कृ.१४श.इ.२५।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	५	५	७	६	४
७	१७	२	१०	१२	१४	२०	७
१६	०	१०	०	३	३३	५८	४४
२१	४५	३९	३८	२७	१६	३०	१५
५७	३९	९	१२	७२	१	३	५७
४५	९	२७	३८	८	२३	११	४८

१८ *मंबुशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुशु +बुबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	चं	२२	६	पू	४५	७	शि	७/३०	५२/२९	ब	२२	६	३५/५२	५/३८	६/२२	२६	४	२९	कं.५९।७
२	मं	१६	२	उ	४१	८	सा	५२	३०	कौ	१६	२	४८	३८	२२	२७	५	१	कन्यायां
३	बु	१०	१४	ह	३७	२३	शु	४५	२१	ग	१०	१४	४४	३९	२१	२८	६	२	कन्यायां
४	गु	४	४२	चि	३४	१६	शु	३८	३१	वि	४	४२	४०	४०	२०	२९	७	३	तु.५।४९
५	शु	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	शु	५५	५०	स्वा	३१	४८	ब्र	३२	१५	कौ	२७	४९	३६	४१	१९	३०	८	४	तुलायां
७	श	५२	४८	वि	३०	११	ऐं	२६	४९	ग	२४	१९	३२	४२	१८	३१	९	५	वृ.३५।११
८	र	५०	५४	अ	२९	३७	वै	२२	१३	वि	२१	५१	२८	४२	१८	१	१०	६	वृश्चिके
९	चं	५०	१६	ज्ये	३०	८	वि	१८	३१	बा	२०	३५	२४	४३	१७	२	११	७	ध.३०।८
१०	मं	५०	५९	मू	३२	२	प्री	१५	४८	तै	२०	३८	२१	४४	१६	३	१२	८	धनुषि
११	बु	५०	४९	पू	३५	१२	आ	१४	८	व	२०	५४	१७	४५	१५	४	१३	९	म.५१।२७
१२	गु	५५	४९	उ	३९	३१	सौ	१३	२८	ब	२३	१९	१४	४५	१५	५	१४	१०	मकरे
१३	शु	५९	५	श्र	४७	५२	शो	१३	४२	कौ	२७	२७	१०	४६	१४	६	१५	११	मकरे
१४	श	६०	०	ध	५०	४४	अ	१४	४५	ग	३१	५१	६	४७	१३	७	१६	१२	कु.१९।१८
१४	र	४	३७	श	५७	४	सु	१५	५४	व	४	३७	२	४८	१२	८	१७	१३	कुम्भे
१५	चं	९	३१	पू	६०	०	धृ	१७	५४	ब	९	३१	३०/५८	४८	१२	९	१८	१४	मी४९।४४

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२३९ स.१९५७

सफर २
भ. ३७।२८ उ. हरितालिका३ गणेश४
भ. ४।४२ या. ऋषि

पूफायां रविः ४।२७
भ. ५२।४८ उ.
भ.२१।५१ या. सितम्बर मा.९ ता.३०
पश्चिमास्तो बुधः ५०/४ वक्री सिंहे बुधः ३२/२९*

भ.६०/५४ उ.५०/४९ या. जलझूलनी ११ब्र.स्मा.वै.
जलझूलनी ११ ब्र. नि. वामनजयन्ती
वक्री पूफायां बुधः ५५।४३ प्रदोषः
अनन्त १४ *चित्रायां भृगुः५२।९
भ.३/४ उ.३७/४ या. उफायांभौमः ३०/८ तुलायां×
हस्ते२गुरुः ३५/४३ प्रौष्ठपदी ×भृगुः २९/४५ महाल.

२१पं.भा.शु.७श.इ.२५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	५	५	७	६	४
१४	२१	१	११	२०	१४	२०	१४
१	२९	११	२४	२४	४३	३६	२९
३२	१५	५४	३१	५	३	१५	५४
५७	३९	३३/५२	१३	७१	२	३	५८
५७	१९	ब	२	४७	३	११	१

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच रविवार तथा सोमवार साधारण हैं, और रवि से आगे मंगल वर्षा का अवरोधक योग है

गोचरग्रहाः

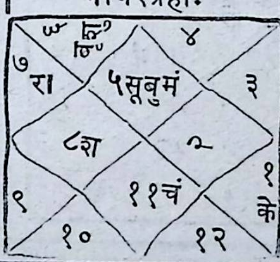

२२पं.भा.शु.१४श.इ.२४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	५	७	६	४
२०	२५	२६	१२	२८	१४	२०	२१
४८	५७	७	५१	४२	१७	१४	१६
१३	१०	२५	१	५६	४६	०	५९
५८	३९	६६/४८	१३	७१	२	३	५८
१२	२६	ब	१८	२२	४२	११	१३

ति.	आश्विन कृष्णपक्ष सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	१३	२८	पू	३	१८	शू	१९	३	कौ	१३	२८	३०/५१	५/४९	६/११	१०	१९	१५	मीने
२	बु	१८	५७	उ	९	२५	गं	१९	४८	ग	१८	५७	४९	५०	१०	११	२०	१६	मीने
३	गु	२२	३७	रे	१४	३६	वृ	२०	१९	वि	२२	३७	४४	५१	९	१२	२१	१७	मे.१४।३६
४	शु	२५	१७	अ	१८	५९	ध्रु	१९	५६	बा	२५	१७	४०	५२	८	१३	२२	१८	मेषे
५	श	२६	४७	भ	२२	५	व्या	१९	६	तै	२६	४७	३६	५३	७	१४	२३	१९	वृ.३७।३४
६	र	२५	५९	कृ	२४	०	ह	१६	११	व	२६	५९	३२	५४	६	१५	२४	२०	बृषे
७	चं	२५	४६	रो	२४	४०	व	१२	५०	ब	२५	४६	२८	५४	६	१६	२५	२१	मि५४।२६
८	मं	२३	२५	मृ	२४	१३	सि	८	२६	कौ	२३	२५	२४	५५	५	१७	२६	२२	मिथुने
९	बु	२०	३	आ	२२	१९	व्य	३/१६	५३/५४	ग	२०	३	२०	५६	४	१८	२७	२३	मिथुने
१०	गु	१५	४९	पु	१९	४७	प	५०	२३	वि	१५	४९	१६	५७	३	१९	२८	२४	क.५।२५
११	शु	१०	५१	पु	१६	४७	शि	४३	२०	बा	१०	५१	१२	५८	२	२०	२९	२५	कर्के
१२	श	५	१५	श्ले	१३	१०	सि	३५	४७	तै	५	१५	८	५८	२	२१	३०	२६	सिं१३।१०
१३	श	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	र	५३	२४	म	९	२	सा	३८	५	वि	२६	५	४	५९	१	२२	३१	२७	सिंहे
३०	चं	४७	२२	पू	४	५८	शु	२०	३१	च	२०	२३	३०/०	६/०	६/०	२३	१	२८	कं.१८।५८

शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ.५०/४७ उ.स्वात्यां४राहुःभरण्यां२केतुः४९/१
भ. २२।३७ या.
उफायां रविः२६/४६ कन्यायां भौमः५१।४८
स्वात्यां भृगुः ९।२
भ. २६।५९ उ. ५५।२३ या.
कन्यायामर्कः ५१/५७ पूर्वोदयी बुधः ५०/४४

भ. ४६।५६ उ.
भ. १५।४९ या. मार्गी बुधः ७।११
अस्तं गुरुः ३६/६ इन्दिरा ११ ब्र. अ.गु.
भ. ५८।४५ उ. प्रदोषः
क्षयः
भ. २६।५ या. +मा.७ दि.३०
सोमवती अमावस्या राष्ट्रीय आश्विन+

२३पं. आ.कृ.५श.इ.२४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	६	७	६	४
२७	०	१९	१४	६	१५	१९	२८
३६	२७	३४	१८	५८	१७	५१	५
३२	३४	४२	३४	३४	१४	४४	२१
५८	३९	१५/१९	१३	७०	३	३	५८
२९	३६	व	२५	४९	२२	११	२६

गोचरग्रहाः

आश्विन कृ.७चंद्रे कन्यायामर्कः:प्र.वा. ४नं.५ कुमाराव-स्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

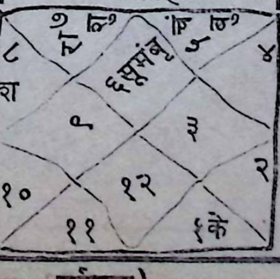

२४पं.आ.कृ.१२श.इ.२४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	५	६	७	६	५
४	४	१८	१५	१५	१५	१९	४
२६	५८	१३	४८	१३	४२	२९	५५
४१	३६	४	३७	५३	२७	२९	१२
५८	३९	३५/३०	१३	७०	४	३	५८
४५	३६	मा	३२	१२	१	११	३८

*बुबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२६८ स.१९५७
१	मं	४१	३६	उ	५६	५६/१५	शु	१२	४७	के.	१[illegible]	२९	२९/५५	६/१	५९	२४	२	२९	कन्यायां	नवरात्रा.
२	बु	३६	११	चि	५३	५०	ब्र	२७	५३/१	बा	८	५३	५१	२	५८	२५	३	३०	तु.२५।३१	चंद्रदर्शनम् विशाखायायां भृगुः ३९/११ हस्ते ३×
३	गु	३१	२२	स्वा	५१	२०	वै	५२	३	तै	३	४६	४६	३	५७	२६	४	१	तुलायां	भ. ५६।२९ उ. रविलावल ३
४	शु	२७	२९	वि	४९	२४	वि	४६	२१	वि	२७	२९	४२	४	५६	२७	५	२	वृ.३४।५३	भ. २७।२९ या. हस्ते रविः २४।२५
५	श	२३	३२	अ	४८	३२	प्री	४१	२४	बा	२३	३२	३८	४	५६	२८	६	३	वृश्चिके	
६	र	२२	४२	ज्ये	४८	५५	आ	३७	३०	तै	२२	४२	३४	५	५५	२९	७	४	ध.४८।५५	हस्ते भौमः २।३६ ×गुरुः ३३।४
७	चं	२२	९	मू	५०	६	सौ	३४	२०	व	२२	९	३०	६	५४	३०	८	५	धनुषि	भ.२२।९उ.५३/३२या. मार्गी उफायां बुधः ५७/६
८	मं	२२	५४	पू	५३	१८	शो	३२	२४	ब	२२	५४	२६	७	५३	१	९	६	धनुषि	**अक्टूबर मा. १० ता. ३१**
९	बु	२४	५०	उ	५७	१३	अ	३१	२७	कौ	२४	५०	२२	८	५२	२	१०	७	म.९।१७	कन्यायां बुधः २२।१७ मन्वादिः बलिदा.
१०	गु	२६	५३	श्र	६०	०	सु	३१	१५	ग	२६	५३	१८	८	५२	३	११	८	मकरे	भ.५९/२७उ.विजया१० बौद्धज.सरस्वतीविस.
११	शु	३२	१२	श्र	२	२३	धृ	३१	५५	वि	३२	२	१४	९	५१	४	१२	९	कुं.३५।१३	भ.३२/३या.वृश्चिकेभृगुः ३५/९ पापांकुशा ११ब्र.
१२	श	३६	४९	ध	८	४	शू	३२	५८	ब	४	२६	१०	१०	५०	५	१३	१०	कुम्भे	मार्गी ज्येष्ठायां १ शनिः १०।१९
१३	र	४१	५०	श	१४	२९	गं	३४	२७	कौ	९	१९	६	११	४९	६	१४	११	कुम्भे	पूर्वास्तं बुधः १८।२४ प्रदोषः
१४	चं	४६	५१	पू	२०	५३	वृ	३५	४७	ग	१४	२०	२	१२	४८	७	१५	१२	मी४।१७	भ.४६।५१ उ. अनुराधायां भृगुः ०।२६
१५	मं	५१	२७	उ	२६	५८	ध्रु	३६	५६	वि	१९	९	२८/५८	१२	४८	८	१६	१३	मीने	भ.१९।१३ या. हस्ते बुधः २२/२३ शरत्पू.१५

२५पं. आ.शु.५श.इ.२४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	५	६	७	६	५
११	९	२४	१७	२३	१६	१९	११
१८	३४	२०	१८	२३	१०	७	४३
४७	५२	३५	५५	५७	.२	१३	५५
५९	३९	८०	१३	६९	४	३	५८
०	३६	५५	३७	२५	३६	११	५३

गोचरग्रहाः

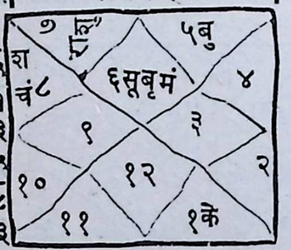

इस मास में प्रजा सुख है। धान्य होगा धान्य रुई में मन्दी। चांदी अलसी में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

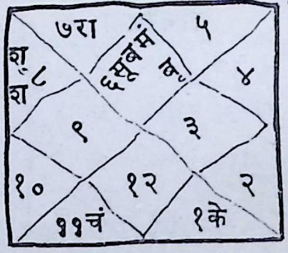

२६पं.आ.शु.१२श.इ.२४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	७	७	६	५
१८	१४	५	१८	१	१६	१८	१८
१२	४	३	४९	३०	४१	४४	४०
२६	१३	२३	४६	५	११	५८	९
५९	३९	९९	१३	६८	५	३	५९
१६	४६	५८	३८	३९	३	११	९

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	बु	५५	११	रे	३२	३९	व्या	३८	२८	बा	२३	१९	२८/५४	१३	४७	९	१७	१४	मे.३२।३९	
२	गु	५७	५४	अ	३७	१	ह	३७	९	तै	२६	३३	५०	१४	४६	१०	१८	१५	मेषे	चित्रायां रविः ३५।२ हस्ते४ गुरुः ५३।१
३	शु	५९	३१	भ	४०	३५	व	३५	५५	व	२८	४३	४६	१५	४५	११	१९	१६	बृ.५६।२६	भ. २८।४३ उ. ५९।३१ या.
४	श	५९	४६	कृ	४३	५९	सि	३३	५१	ब	२९	३९	४२	१६	४४	१२	२०	१७	बृषे	
५	र	५८	४३	रो	४३	३१	व्य	३०	४१	कौ	२९	१४	३८	१६	४४	१३	२३	१८	वृषे	*राष्ट्रीय कार्तिक मा. ८ दि. ३१
६	चं	५६	२४	मृ	४३	२१	व	२६	३५	ग	२८	५	३४	१७	४३	१४	२२	१९	मि१३।२६	भ. ५६।२४ उ.
७	मं	५३	६	आ	४१	५४	प	२१	२८	वि	२४	४५	३०	१८	४२	१५	२३	२०	मिथुने	भ. २४।४५ या.
८	बु	४८	५६	पु	३९	३४	शि	१५	३४	बा	२१	१	२६	१९	४१	१६	२४	२१	क.२५।९	उदयं गुरुः ५९/४८ चित्रायां बुधः ०/९ उ.गु.
९	गु	४४	२	पु	३७	२४	सि	८	५९	तै	१६	२९	२२	२०	४०	१७	२५	२२	कर्के	तुलायामर्कः १७।४६
१०	शु	३८	३२	श्ले	३२	५६	सा	१/५९	५/२६	व	११	१७	१८	२०	४०	१८	२६	२३	सिं३२।५६	भ.११/५७उ.३८।३२या. ज्येष्ठायां भृगुः ३५/३६
११	श	३२	४५	म	२८	५७	शु	४६	४५	ब	५	३८	१४	२१	३९	१९	२७	२४	सिंहे	चित्रायांभौमः ३४/४१ तुलायांबुधः ४९/५३ रमा ११ब्र
१२	र	२६	४८	पू	२५	१	ब्र	३८	५३	तै	२६	४८	१०	२२	३८	२०	२८	२५	कं.३८।५८	प्रदोषः धन १३
१३	चं	२०	५०	उ	२०	४७	ऐं	३१	११	व	२०	५०	६	२३	३७	२१	२९	२६	कन्यायां	भ. २०।५० उ. ४७।५० या. रूप १४
१४	मं	१४	५०	ह	१६	५४	वै	२३	३६	श	१४	५०	२	२४	३६	२२	३०	२७	तु.४५।११	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	बु	९	५०	चि	१३	२८	दि	१६	३६	ना	९	५०	२७/५८	२४	३६	२३	१	२८	तुलायां	स्वात्यां रविः ५६/४६ स्वात्यां बुधः ३८/१८ अन्नकूट*

२७पं.का.कृ.४श.इ.२४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	७	७	८	५
२५	१८	१७	२०	९	१७	१८	२५
८	३७	९	२०	३४	१६	२२	३५
१८	३४	४०	४३	१६	१३	४३	६
५९	३९	६०	१३	६७	५	३	५९
२१	३९	१५	३८	४०	३०	११	१२

गोचरग्रहाः

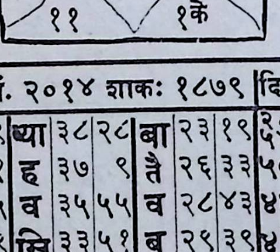

कार्तिक कृ.९गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा. ४न.४प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

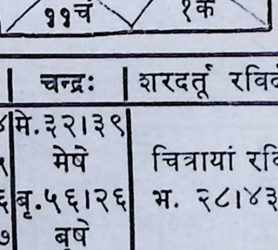

२८पं.का.कृ.११श.इ.२४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	५	७	७	६	६
२	२३	२९	२१	१७	१७	१८	२
६	१२	१५	५०	३३	५३	०	३१
४७	५५	५९	२९	४१	४३	२७	३५
५९	२९	३०	१३	६६	५	३	५९
४६	४९	४६	३२	३१	५६	११	३४

 *मंबृबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२९८ स.१९५७
१	गु	५	८	स्वा	१०	३६	प्री	२	४७	ब	५	८	२७/५४	६/२५	५/३५	२४	२	२९	बृ.५४।२	चंद्रदर्शनम्
२	शु	१	८	वि	८	३१	आ	३/४९	५४/४७	कौ	१	८	५०	२६	३४	२५	३	१	बृश्चिके	रविलाखर ४
३	शु	५७	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
४	श	५६	४४	अ	७	२७	शो	५४	१९	व	२७	३७	४६	२७	३३	२६	४	२	बृश्चिके	भ.२७/३६उ.५६।४४या. चित्रायां१ गुरुः५६/२८
५	र	५६	१७	ज्ये	७	३३	अ	५०	५८	ब	२६	३०	४२	२८	३२	२७	५	३	ध.७।३३	
६	चं	५७	११	मू	८	४०	सु	४८	३६	कौ	२६	४४	३८	२८	३२	२८	६	४	धनुषि	
७	मं	५९	११	पू	११	२१	धृ	४७	१७	ग	२८	११	३५	२९	३१	२९	७	५	म.२७।१८	भ. ५९।११ उ. तुलायां भौमः ३७।१५
८	बु	६०	०	उ	१५	८	शू	४६	४६	वि	३०	४७	३१	३०	३०	३०	८	६	मकरे	भ.३०।४७या.धनुषिभृगुः३३/३४ गोपाष्टमी
८	गु	२	२४	श्र	१०	५८	गं	४७	१४	ब	२	२४	२८	३०	३०	३१	९	७	कु.५२।४८	विशाखायां बुधः ५७।३५
९	शु	६	४०	ध	२५	३८	वृ	४८	३	कौ	६	४०	२४	३१	२९	१	१०	८	कुम्भे	**नवम्बर मा. ११ ता. ३०**
१०	श	११	३१	श	३१	५४	ध्रु	४९	१८	ग	११	३१	२०	३२	२८	२	११	९	कुम्भे	भ. ४४।३२ उ.
११	र	१७	३२	पू	३८	१८	व्या	५०	४२	वि	१७	३२	१७	३३	२७	३	१२	१०	मी२१।४२	भ. १७।३२ या. प्रबोधिनी ११ ब्र.
१२	चं	२१	५०	उ	४४	२६	ह	५१	४९	बा	२१	५०	१३	३३	२७	४	१३	११	मीने	प्रदोषः मन्वादिः
१३	मं	२६	२६	रे	५०	८	व	५२	२२	तै	२६	२६	१०	३४	२६	५	१४	१२	मे.५०।८	
१४	बु	३०	१५	अ	५४	५५	सि	५२	२३	व	३०	१५	६	३५	२५	६	१५	१३	मेषे	भ.३०।१५उ. विशाखायां रविः१६।११
१५	गु	३३	१	भ	५८	३७	व्य	५१	३३	वि	१	३८	३	३५	२५	७	१६	१४	मेषे	भ.१।३८या. बृश्चिकेबुधः३१/२८ चन्द्रग्रहणं

२९पं.का.शु.४श.इ.२३।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	५	७	७	६	६
९	२७	१०	२३	२५	१८	१७	९
५	५१	५९	२१	१९	३७	३८	२९
१०	६	५२	३९	४	४	१२	५२
६०	३९	४/०	१३	६५	६	३	५९
२	५९	९/४५	२५	६	१९	११	४७

गोचरग्रहाः

इस मास में गुड़ खांड घृत चावल सौंठ मिर्च नारियल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

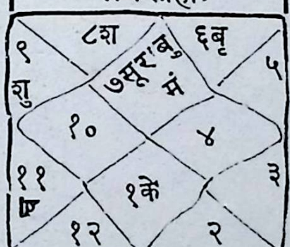

३०पं.का.शु.१०श.इ.२३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	५	८	७	६	६
१६	२	२२	२४	३	१९	१७	१६
६	२८	२३	४९	०	१९	१५	२९
१३	४७	२३	७	६	५८	५७	४०
६०	३९	९९	१३	६३	६	३	६०
१८	५२	५७	१८	३२	३३	११	४

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३४	३७	कृ	६०	०	व	४९	३६	बा	३	४६	२६/५९	६/३६	५/२४	८	१७	१५	बृ.१४।१३	स्वात्यां भौमः४२/४८ ज्येष्ठायां२ शनिः४२/४७
२	श	३४	५५	कृ	१	२	प	४६	४३	तै	४	४६	५६	३७	२३	९	१८	१६	वृषे	अनुराधायां बुधः २४।४७
३	र	३२	५०	रो	२	१६	शि	४२	४९	व	३	५३	५२	३८	२२	१०	१९	१७	मि३२।१८	भ. ३।५३ उ. ३२।५० या.
४	चं	३१	३१	मृ	२	२१	सि	३७	५६	ब	२	१०	४९	३८	२२	११	२०	१८	मिथुने	उदयंभौमः९।५७चित्रायां२गुरुः१२।३२
५	मं	२८	१६	आ	१/६	५७/५५	सा	३२	१३	तै	२८	१६	४६	३९	२१	१२	२१	१९	क.४४।१६	पूषायां भृगुः १०।२२
६	बु	२४	९	पु	५६	११	शु	२५	४३	व	२४	७	४३	३९	२१	१३	२२	२०	कर्के	भ.२४/७उ.५१/४०या. स्वात्यां३ राहुः भरण्यां१×
७	गु	१९	१२	श्ले	५२	३९	शु	१८	३५	ब	१९	१२	४०	४०	२०	१४	२३	२१	सिं५२।३९	
८	शु	१३	४६	म	४८	४२	ब्र	११	४	कौ	१३	४६	३७	४१	१९	१५	२४	२२	सिंहे	पश्चिमोदयी बुधः२३।५२ ×केतुः४१/४७
९	श	८	४	पू	४४	४०	ऐं	३/२२	५२/१७	ग	८	४	३४	४१	१९	१६	२५	२३	कं.५८।३७	भ. ३५।८ उ. वृश्चिकेऽर्कः १०।३२
१०	र	२	१२	उ	४०	३०	वि	४७	५१	वि	२	१२	३१	४२	१८	१७	२६	२४	कन्यायां	भ. २।१२ या. उत्पत्ति ११ ब्र. स्मा.
११	र	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
१२	चं	५०	४४	ह	३६	३१	प्री	४०	८	कौ	२३	३२	२९	४२	१८	१८	२७	२५	कन्यायां	ज्येष्ठायांबुधः१।१६ उत्पत्ति११ब्र.वै.नि.
१३	मं	४५	३६	चि	३३	२	आ	३२	४७	ग	१८	१०	२६	४३	१७	१९	२८	२६	तु.४।४६	भ.४५/३६ उ. अनुराधायां रविः३८/१७ प्रदोषः
१४	बु	४०	५८	स्वा	२९	५९	सौ	२५	४३	वि	१३	१७	२४	४३	१७	२०	२९	२७	तुलायाँ	भ. १३।१७ या.
३०	गु	३७	१९	वि	२७	४५	शो	१९	२८	च	९	७	२१	४४	१६	२१	३०	२८	बृ.१३।१९	

३१पं. मा कृ.२श.इ.२३।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	५	८	७	६	६
२३	७	३	२६	१०	२०	१६	२३
८	६	१७	१६	२८	४	५३	३१
५१	४७	५०	२०	४९	३८	४१	१
६०	४०	९७	१३	६०	६	३	६०
३०	८	१८	१	३२	५०	११	१७

गोचरग्रहाः

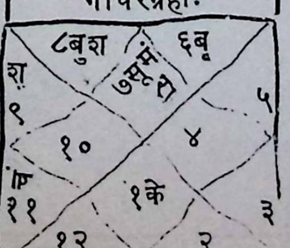

मार्ग. कृ.९ शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४ प्रगल्भावस्था (त्रैठी) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पशि [illegible]

गोचरग्रहाः

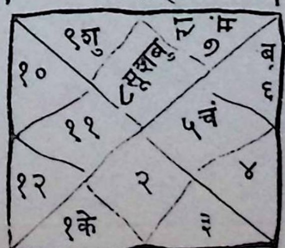

३२पं.मा.कृ.९ श.इ.२३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	८	७	६	७
०	११	१	२७	१७	२०	१६	०
१२	४९	६	४०	४७	५०	३१	३३
५६	४३	४५	१४	१	४४	२६	४९
६०	४०	९३	१२	५९	७	३	६०
४०	६	४७	३६	२	२	११	३०

*चंशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १३२७ स.१९५७
१	शु	३४	३४	अ	२६	२८	अ	१४	३	किं	५	५५	२६/५९	६/४४	५/१६	२२	६	२९	बृश्चिके	अस्तंशनिः ५५/५४ राष्ट्रीय मार्ग.मा.९दि.३०
२	श	३२	५८	ज्ये	२६	१६	सु	९	२४	बा	३	४६	१६	४५	१५	२३	७	३०	ध.२६।१६	चन्द्रदर्शनम्
३	र	३२	३९	मू	२७	१५	धृ	५	४१	तै	२	४८	१४	४५	१५	२४	८	१	धनुषि	जमादिलावल ५
४	चं	३३	३६	पू	२९	४६	शू	२	५४	व	३	७	११	४६	१४	२५	९	२	म.४५।३५	भ.३।७ उ. ३३/२६ या. उषायां भृगुः२६।३
५	मं	३५	५४	उ	३२	५९	गं	१	११	ब	४	४५	९	४६	१४	२६	१०	३	मकरे	
६	बु	३९	२०	श्र	३७	३९	वृ	०	१३	कौ	७	३७	६	४७	१३	२७	११	४	मकरे	धनुषि बुधः २४।५१
७	गु	४३	४२	ध	४३	१२	ध्रु	०	३२	ग	११	३१	४	४७	१३	२८	१२	५	कु.१०।२५	भ.४३/४३ उ.विशाखायांभौमः ३७/३८ मकरेभृगुः×
८	शु	४८	४१	श	४९	२१	व्या	१	१७	वि	१६	११	१	४८	१२	२९	१३	६	कुम्भे	भ.५६/५२ या. ×४८/५८ चित्रायां३तुलायांगुरुः ३५/५५
९	श	५३	५१	पू	५५	४०	ह	२	२६	बा	२१	१६	३५/५८	४८	१२	३०	१४	७	मी३९।१५	कल्पादिः
१०	र	५८	५७	उ	६०	०	व	३	४०	तै	२६	२४	५६	४९	११	१	१५	८	मीने	दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
११	चं	६०	०	उ	२	०	सि	४	४४	व	३१	२१	५४	४९	११	२	१६	९	मीने	भ.३५/३५ उ.ज्ये.रविः ३५/५६ मोक्षदा११ब्र.स्मा.
११	मं	३	४५	रे	७	५२	व्य	५	४३	वि	३	४५	५२	५०	१०	३	१७	१०	मे.७।५२	भ. ३।४५ या. मोक्षदा ११ ब्र.
१२	बु	७	२७	अ	१२	४८	व	५	३८	बा	७	२७	५१	५०	१०	४	१८	११	मेषे	प्रदोषः
१३	गु	११	१२	भ	१६	४७	प	५	९	तै	११	१२	४९	५०	१०	५	१९	१२	वृ.३२।३१	
१४	शु	११	४५	कृ	१९	४४	सि	३	२६	व	११	४५	४८	५०	१०	६	२०	१३	वृषे	भ.५५/४५ उ.४२/५५ या. अभिजित्प्रवृत्तोभृगुः २५/२७
१५	श	१२	४	रो	२१	४	शि	५०/१	५५/५९	ब	१२	४	४६	५१	९	७	२१	१४	मि५१।१३	पूषायां बुधः ४२/५५ ज्येष्ठायां३ शनिः ५५/१२

३३पं.मा.शु.२श.इ.२२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	८	७	६	७
७	१६	२४	२९	२४	२१	१६	७
१८	३०	२९	३	४५	३७	९	३७
३०	३४	७	१६	३०	५३	१०	४२
६०	४०	८५	१२	५५	७	३	६०
५३	१६	२९	१३	५२	१४	११	४२

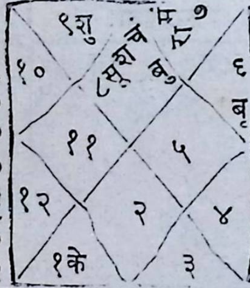

३४पं.मा.शु.९श.इ.२२।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	९	७	६	७
१४	२५	३	०	१	२२	१५	१४
२५	१७	५९	२०	२१	२७	४६	४२
१५	५	२	४८	१३	३१	५५	५६
६१	४०	८०	११	५१	७	३	६०
३	९	२५	४०	५५	२०	११	५०

३५पं.मा.शु.१५श.इ.२२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	९	७	६	७
२१	२६	१२	१	७	२३	१५	२१
२३	०	५८	३४	२३	१६	२४	४९
२	२१	३३	५५	५२	१	४०	१
६१	४०	६३	११	४६	७	३	६०
३१	२३	२१	४	४३	२०	११	५६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१०	५७	मृ	२१	२२	शु	५२	३३	कौ	१०	५७	२५/४५	६/५१	५/९	८	२२	१५	मिथुने	
२	चं	८	३८	आ	२०	२६	शु	४७	६	ग	८	३८	४३	५१	९	९	२३	१६	मिथुने	भ. ३७।० उ.
३	मं	५	२३	पु	१८	३०	ब्र	४०	५५	वि	५	२३	४२	५२	८	१०	२४	१७	कं.३।५९	भ. ५।२३ या. श्रवणे भृगुः ३५।८
४	बु	१	१३	पु	१५	४६	ऐं	३३	५६	बा	१	१३	४१	५२	८	११	२५	१८	कर्के	अभिजिन्नवृत्तो भृगुः ३९।५०
५	बु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	गु	५०	५३	श्ले	१२	२८	वै	२६	३७	ग	२३	३५	४०	५२	८	१२	२६	१९	सिं१२।२८	भ. ५०।५३ उ.
७	शु	४५	१३	म	८	३९	वि	१९	०	वि	१८	३	३९	५२	८	१३	२७	२०	सिंहे	भ. १८।३ या. बृश्चिके भौमः ९।१२
८	श	३९	२०	पू	४	३६	प्री	११	६	बा	१२	१६	३८	५२	८	१४	२८	२१	कं.१८।३४	
९	र	३३	३१	उ	०/२८	५५/५९	आ	३/१८	५२/१६	तै	६	२५	३८	५२	८	१५	२९	२२	कन्यायां	भ. ५२।१६ धनुष्यर्कः ३९।१
१०	चं	२७	५९	चि	५२	५१	शो	४८	०	व	०	४५	३७	५३	७	१६	१	२३	तु.२४।३९	भ.०।४५उ.२७।५९या. वक्रीबुधः८।१९
११	मं	२२	५३	स्वा	४९	३८	अ	४०	५५	बा	२२	५३	३७	५३	७	१७	२	२४	तुलायां	अनुराधायां भौमः५५।५ सफला ११ ब्र.
१२	बु	१८	२८	वि	४७	१७	सु	३४	२२	तै	१८	२८	३७	५३	७	१८	३	२५	वृ.३२।५२	चित्रायां ४ गुरुः १५।५५ प्रदोषः
१३	गु	१४	५२	अ	४६	२	धृ	२८	३२	व	१४	५२	३६	५३	७	१९	४	२६	वृश्चिके	भ.५४/५२ उ.४३/३६ या. पश्चिमास्तो बुधः ४८/२३
१४	शु	१२	२०	ज्ये	४५	१६	शू	२३	३५	श	१२	२०	३६	५३	७	२०	५	२७	ध.४५।१६	
३०	श	१०	५०	मू	४५	५८	गं	१९	३७	ना	१०	५०	३६	५३	७	२१	६	२८	धनुषि	

३६पं. पौ.कृ.८श.इ.२२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	६	९	७	६	७
२८	०	१८	२	१२	२४	१५	२८
४१	४९	४	४५	५०	६	२	५५
४५	२२	१	१०	३१	४३	२४	५८
६१	४०	२२	१०	४०	७	३	६१
१९	२७	२१	२१	१	२०	११	०

गोचरग्रहाः

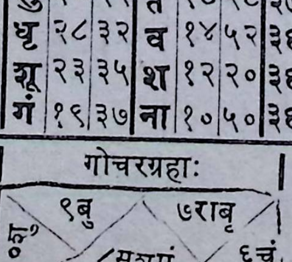

पौष कृ. ६ रवौं
धनुष्यर्कः प्रवा.२
न.३ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

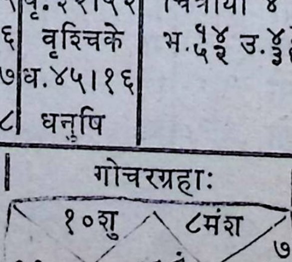

३७पं.पौ.कृ.३०श.इ.२२।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
५	५	१५	३	१८	२४	१४	६
५१	४०	४४	४९	५५	५५	४०	३
११	१९	१४	४९	४९	३	९	३३
६१	४०	६६	९	३१	७	३	६१
२२	३८	ब	३६	२१	१४	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०१४	शाकः	१८७९								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	सु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१३५७ स.१९५७
१	र	१०	३८	पू	४७	५३	वृ	१६	३०	ब	१०	३८	३५/३९	६/५३	५/७	२२	७	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम् राष्ट्रीय पौष मा.१०दि.३०
२	चं	११	५१	उ	५१	१०	ध्रु	१४	२०	कौ	११	५१	३७	५३	७	२३	८	१	म.३।४२	जमादिलाखर६ वक्री मूले बुधः३२।४९
३	मं	१४	६	श्र	५५	३५	व्या	१३	१३	ग	१४	६	३७	५३	७	२४	९	२	मकरे	भ. ४५।५७ उ.
४	बु	१७	४८	ध	६०	०	ह	१३	५	वि	१७	४८	३७	५३	७	२५	१०	३	कुं.२८।१५	भ. १७।४८ या. उदयं शनेः ३९।९
५	गु	२२	१६	ध	०	५६	व	१३	२९	बा	२२	१६	३८	५२	७	२६	११	४	कुम्भे	
६	शु	२७	१८	श	७	०	सि	१४	३०	तै	२७	१८	३८	५२	८	२७	१२	५	मी५६।४७	
७	श	३२	३४	पू	१३	२३	व्य	१५	४७	व	३२	३४	३८	५२	८	२८	१३	६	मीने	भ. ३२।३४ उ. पूषायां रविः ४०।३८
८	र	३७	३९	उ	१९	१४	व	१६	५१	वि	५	६	३९	५२	८	२९	१४	७	मीने	भ. ५।६ या.
९	चं	४२	२०	रे	२६	७	प	१७	५६	बा	१०	०	३९	५२	८	३०	१५	८	मे.२६।७	पूर्वोदयी बुधः ४६।३४
१०	मं	४६	४	अ	३०	५४	शि	१८	५	तै	१४	१२	४०	५२	८	३१	१६	९	मेषे	
११	बु	४८	४६	भ	३५	१३	सि	१७	१४	व	१७	३१	४१	५२	८	१	१७	१०	वृ.५०।५२	भ.१७/२५उ.४/४६या.जनवरी मा.१ता.३१सन्*
१२	गु	५०	१४	कृ	३७	४७	सा	१६	२६	ब	१९	३०	४२	५२	८	२	१८	११	वृषे	पुत्रदा११व्र.नि *१९५८पुत्रदा११व्र.स्मा.वै
१३	शु	५०	२६	रो	४०	४	शु	१४	८	कौ	२०	२०	४३	५१	९	३	१९	१२	बृषे	प्रदोषः
१४	श	४९	१८	मृ	४१	३९	शु	१०	५०	ग	१९	५२	४४	५१	९	४	२०	१३	मि१०।५१	भ. ४९।१८ उ.
१५	र	४६	५५	आ	४०	६	ब्र	६	४१	वि	१८	७	४५	५१	९	५	२१	१४	मिथुने	भ.१८।७ या. ज्येष्ठायां४ शनिः३४।१४

३८पं. पौ.शु.७श.इ.२२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
१३	१०	६	४	२०	२५	१४	१३
१	२९	५७	५०	४४	४४	१७	११
४	२८	५८	२५	२८	५४	५४	३२
६१	४०	६७/५२	.८	२०	७	३	६१
२६	४२	ब	४४	४	७	११	६

गोचरग्रहाः

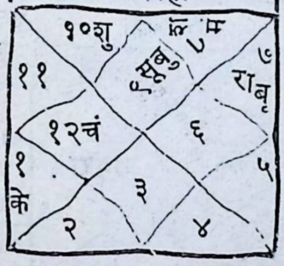

इस मास में ५ रविवार रोग वृद्धि कारक हैं 'पंचाऽर्कः वासरे रोगाः' रुई गल्ला में मंदी होगी ।

गोचरग्रहाः

३९पं.पौ.शु.१४श.इ.२२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	९	७	६	८
२०	१५	१	५	२२	२६	१३	२०
११	२१	४३	४३	३६	३१	५५	१९
२	२९	३७	१४	७	३७	३८	३७
६१	४०	१२/५	७	६	६	३	६१
२६	५६	ब	४५	५	५८	११	६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०१४	शाकः	१८७९								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४३	३६	पु	३८	३०	ऐं	१/२७	५३/५६	बा	१५	१५	२५/४७	६/५१	५/९	६	२२	१५	क.२३।५४	मार्गी बुध.५।६ ज्येष्ठायां भौमः१७।७
२	मं	३९	२४	पु	३५	५२	वि	४८	५१	तै	११	३०	४८	५०	१०	७	२३	१६	कर्के	वक्री भृगुः ०।३४
३	बु	३३	४०	श्ले	३२	२७	प्री	४१	४३	व	६	३२	५०	५०	१०	८	२४	१७	सिं३२।३७	भ. ६।३२ उ. ३३।४० या.
४	गु	२८	५७	म	२८	५८	आ	३४	१०	ब	१	१८	५२	५०	१०	९	२५	१८	सिंहे	
५	शु	२३	१६	पू	२४	५६	सौ	२६	२०	तै	२३	१६	५४	४९	११	१०	२६	१९	कं.३८।५४	उषायां रविः ४२।६
६	श	१७	२५	उ	२०	४८	शो	१८	३०	व	१७	२५	५६	४९	११	११	२७	२०	कन्यायां	भ. १७।२५ उ. ४५।३ या.
७	र	१२	४२	ह	१४	४७	अ	१०	४८	ब	१२	४२	५८	४८	१२	१२	२८	२१	तु.४४।५५	स्वात्यां १ गुरुः
८	चं	६	१४	चि	१३	२	सु	३/३३	५२/२५	कौ	६	१४	२६/०	४८	१२	१३	२९	२२	तुलायां	मकरेऽर्कः ५७।३३
९	मं	१	१२	स्वा	९	५६	शू	४९	४	ग	१	१२	३	४७	१३	१४	१	२३	वृ.५३।०	भ. २९।० उ. ५६।४९
१०	मं	५५	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
११	बु	५३	२४	वि	७	२१	गं	४३	३	ब	२५	६	५	४७	१३	१५	२	२४	बृश्चिके	स्वात्यां२ राहुः अश्विन्यां४ केतुः३/३ ४/२ षट्×
१२	गु	५०	५६	अ	५	२८	वृ	३७	५१	कौ	२२	१०	८	४६	१४	१६	३	२५	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.वै.नि. ×तिला११व्र.स्मा.
१३	शु	४९	३४	ज्ये	४	४५	ध्रु	३३	२९	ग	२०	१५	१०	४६	१४	१७	४	२६	ध.४।४५	भ. ४९।३४ उ. प्रदोषः
१४	श	४९	३८	मू	५	१३	व्या	३०	२१	वि	१९	३६	१२	४६	१४	१८	५	२७	धनुषि	भ. १९।३६ या.
३०	र	५०	४८	पू	६	५१	ह	२७	३४	च	२०	१३	१५	४५	१५	१९	६	२८	म.२२।३६	

४०पं. मा.कृ.६श.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	६	५	७	६	८
२७	२०	४	६	२२	२७	१३	२७
२१	१४	५	३०	३८	१७	३३	२७
५३	२०	१६	५	२३	९	२३	४२
६१	४१	३५/१	६	१०/२	६	३	६१
२४	०	मा	४१	ब	३८	११	६

गोचरग्रहाः

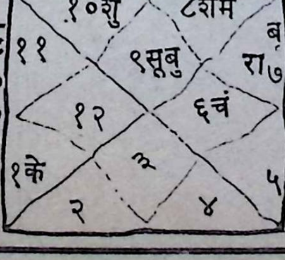

माघ कृ.८ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.१ नं. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयः ।

गोचरग्रहाः

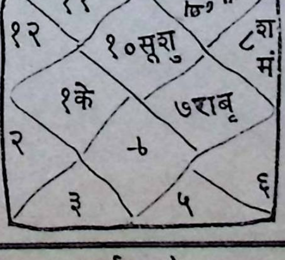

४१पं.मा.कृ.१४श.इ.२१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	६	९	७	६	९
४	२५	११	७	२०	२८	१३	४
३०	९	०	९	४२	१	११	३५
२१	४९	१७	२८	१७	२५	७	३३
६१	४१	६२	५	२५/२०	६	३	६१
१९	५	४६	३४	ब	२५	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	चं	५३	१८	उ	९	५३	ब	२६	१८	किं	२२	३	२६/१७	६/४५	५/१५	२०	३०	२९	मकरे
२	मं	५६	५८	श्र	१३	५९	सि	२५	४३	बा	२५	८	२०	४४	१६	२१	१	३०	कुं.४६।३४
३	बु	६०	०	ध	१९	१०	व्य	२५	५४	तै	२९	१४	२२	४४	१६	२२	२	१	कुंभे
३	गु	१	३१	श	२५	५	व	२६	५०	ग	१	३१	२५	४३	१७	२३	३	२	कुम्भे
४	शु	६	३६	पू	३१	२६	प	२८	४२	वि	६	३६	२७	४३	१७	२४	४	३	मी१४।५१
५	श	११	५२	उ	३७	५३	शि	२९	२१	बा	११	५२	३०	४२	१८	२५	५	४	मीने
६	र	१६	५४	रे	४४	३१	सि	३०	१९	तै	१६	५४	३३	४१	१९	२६	६	५	मे.४४।३१
७	चं	२१	३१	अ	४९	२३	सा	३०	५२	व	२१	३१	३६	४१	१९	२७	७	६	मेषे
८	मं	२५	१६	भ	५३	५३	शु	३०	४७	ब	२५	१६	३९	४०	२०	२८	८	७	मेषे
९	बु	२७	४९	कृ	५७	१८	शु	२९	४८	कौ	२७	४९	४२	४०	२०	२९	९	८	वृ.९।४४
१०	गु	२९	९	रो	५९	१५	ब्र	२८	१	ग	२९	९	४५	३९	२१	३०	१०	९	वृषे
११	शु	२९	१२	मृ	६०	०	ऐं	२५	७	वि	२९	१२	४८	३८	२२	३१	११	१०	मि२९।४५
१२	श	२७	५८	मृ	०	१५	वै	२१	३	बा	२७	५८	५२	३८	२२	१	१२	११	मिथुने
१३	र	२५	३०	आ	०/१	५६/२६	वि	१५	३२	तै	२५	३०	५५	३७	२३	२	१३	१२	क.४३।५०
१४	चं	२१	५७	पु	५६	४	प्री	१०	३२	व	२१	५७	५९	३६	२४	३	१४	१३	कर्के
१५	मं	१७	३५	श्ले	५२	५९	आ	४/७	५२/५८	ब	१७	३५	२७/२	३६	२४	४	१५	१४	सिं५२।५९

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:१३८६ स.१९५८

अभिज.२८।५० मार्गीउषायांबुध:३५।२१
चन्द्रद. राष्ट्रीय माघ मा. ११ दि. ३०
रज्जब ७
भ. ३४।३ उ. श्रवणे रविः ४४।५०
भ.६३।६या. अभिजिन्निवृत्तोरविः३७।५
पश्चि.भृगु:४०/४८ धनुषिभौम:९२/१० प.अ.भृ.

भ. २१।३१ उ. ५३।२३ या.

भ.५९/११उ.पूर्वोदयीभृगु:३७/३६उषायांबुध:४०/१७*
भ.२९।१२ या. जया११व्र. *पू.उ.भृ.
मकरेबुध:५७/४९फरवरीमा.२ता.२८प्रदोषः
कल्पादिः
भ. २१।५७ उ. ४९।४६ या.
वक्री अभिजित्प्रवृत्तो भृगुः २८।४४

४२पं..मा.शु.५श.इ.२२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	६	९	७	६	९
११	०	१९	७	१७	२८	१२	११
३९	६	२२	४०	१	४३	४८	४२
१२	४५	१७	३५	४२	५०	५२	५९
६१	४१	७६	४	३४/४६	६	३	६०
१३	३	५९	२३	ब	७	११	५९

गोचरग्रहाः

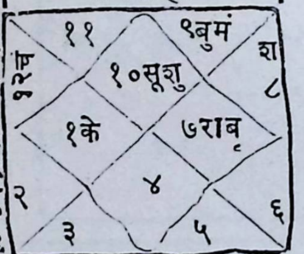

इस मासका फल साधारण है प्रजा में उपद्रव कहीं पर युद्ध की संभावना और शीत अधिक पड़ेगा।

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.शु.१२श.इ.२२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	६	९	७	६	९
१८	५	२९	८	१२	२९	१२	१८
४७	४	८	३	४८	२३	३६	४९
१२	३९	८	५६	४९	८	३७	३२
६१	४१	८७	३	३४/३२	५	३	६०
४	६	१५	९	ब	४०	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	बु	१२	३९	म	४९	३०	शो	४९	३८	कौ	१२	३९	२७/६	६/३५	५/२५	५	१६	१५	सिंहे
२	गु	७	११	पू	४५	३२	अ	४२	३	ग	७	११	९	३४	२६	६	१७	१६	कं.५९।३१
३	शु	१	२५	उ	४१	२८	सु	३४	१७	वि	१	२५	१३	३३	२७	७	१८	१७	कन्यायां
४	शु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	श	४९	५९	ह	३७	२७	धृ	२५	२९	कौ	२२	४८	१६	३३	२९	८	१९	१८	कन्यायां
६	र	४४	२३	चि	३३	३५	शू	१८	४९	ग	१७	११	२०	३२	२८	९	२०	१९	तु.५।३१
७	चं	३८	२३	स्वा	३०	१४	गं	११	२५	वि	११	२३	२३	३१	२९	१०	२१	२०	तुलायां
८	मं	३५	६	वि	२७	३०	वृ	४/२८	५३/४८	बा	६	४५	२७	३१	२९	११	२२	२१	वृ.१३।११
९	बु	३१	४०	अ	२५	२९	व्या	५२	५१	तै	३	२३	३०	३०	३०	१२	२३	२२	वृश्चिके
१०	गु	२९	१६	ज्ये	२४	३३	ह	४८	१६	व	०	२८	३४	२९	३१	१३	२४	२३	ध.२४।३२
११	शु	२७	२७	मू	२४	४८	व	४४	३५	बा	२७	२७	३८	२८	३२	१४	२५	२४	धनुषि
१२	श	२७	५६	पू	२६	१०	सि	४१	५८	तै	२७	५६	४५	२८	३२	१५	२६	२५	म.४२।५०
१३	र	२९	१९	उ	२८	५२	व्य	४०	९	व	२९	१९	४६	२७	३३	१६	२७	२६	मकरे
१४	चं	३१	५४	श्र	३३	१५	व	३९	२२	वि	०	३७	५०	२६	३४	१७	२८	२७	मकरे
३०	मं	३५	३६	ध	३३	४२	प	३९	२५	च	३	४५	५४	२५	३५	१८	२९	२८	कु.५।२८

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

धनिष्ठायां रविः ५०।४२
भ.३४/१८उ. अभिजि.बुध:३३/२८ वक्री उषायां*
भ. १।२५ या. *भगुः ४०।२०

श्रवणे बुधः २९।४३
भ.४४।२३उ. अभिजन्निवृत्तो बुध:१३।२४
भ.११।२३ या. धनुषि१ शनिः १६।४४

कुम्भेऽर्क:२४।३८ पूषायां भौम:४६।४२
भ. ०।२८ उ. २९।१६ या.
पूर्वास्तं बुधः विजया ११ व्र.

भ. २९।१९ उ. प्रदोषः महाशिवरात्री
भ.३३/७या.वक्री गुरु:३३/४धनिष्ठायां बुध:२४/०
शते रविः ५९।५९

४४पं. फा.कृ.५श.इ.२२।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	६	९	७	६	९
२५	१०	९	८	९	२९	१२	२५
५४	५	३२	१७	१८	५०	४	५५
०	५०	२५	१७	४०	५	२१	१९
६०	४१	९५	१	२४/११	५	३	६०
५५	१८	२	३८	ब	१२	११	४७

गोचरग्रहाः

फाल्गुन कृ.९ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ नं. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्याभाव सम)

गोचरग्रहाः

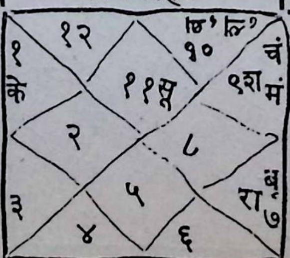

४५पं.फा.कृ.१२श.इ.२२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	६	९	८	६	१०
३	१५	२८	८	७	०	११	३
०	७	३३	२०	३६	३१	४२	०
३	१४	४६	५९	३५	५०	६	६
६०	४१	९०	०	८/४४	४	३	६०
४२	१७	५६	१९	ब	४४	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु	४०	६	श	४३	२४	शि	४०	३०	किं	७	५१	२७ ५८	६ २४	५ ३६	१९	३०	२९	कुम्भे
२	गु	४५	१०	पू	४९	४६	सि	४१	२५	बा	१२	३८	२६२	२४	३६	२०	१	३०	मी३३।११
३	शु	५०	२६	उ	५६	१	सा	४२	४८	तै	१७	४८	६	२३	३७	२१	२	१	मीने
४	श	५५	२३	रे	६०	०	शु	४३	४८	ब	२२	५४	१०	२२	३८	२२	३	२	मीने
५	र	५९	५२	रे	२	२६	शु	४४	४३	ब	२७	४७	१४	२१	३९	२३	४	३	मे.२।२६
६	चं	६०	०	अ	८	७	ब्र	४५	२०	कौ	३१	४१	१८	२०	४०	२४	५	४	मेषे
६	मं	३	३०	भ	१२	५१	ऐं	४४	२०	तै	३	३०	२२	२०	४०	२५	६	५	बृ.२८।४६
७	बु	५	५७	कृ	१६	२९	वै	४२	३८	व	५	५७	२६	१९	४१	२६	७	६	बृषे
८	गु	७	८	रो	१८	५३	वि	४०	४	ब	७	८	३०	१८	४२	२७	८	७	मि४९।२९
९	शु	७	३	मृ	२०	५	प्री	३६	३२	कौ	७	३	३४	१७	४३	२८	९	८	मिथुने
१०	श	५	४०	आ	२०	५	आ	३२	०	ग	५	४०	३८	१६	४४	१	१०	९	मिथुने
११	र	३	५	पु	१८	५०	सौ	२६	३५	वि	३	५	४२	१६	४४	२	११	१०	क. ४।९
१२	र	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	चं	५५	५	पु	१६	३८	शो	२०	४३	कौ	२७	१८	४६	१५	४५	३	१२	११	कर्के
१४	मं	४९	५८	श्ले	१३	४८	अ	१४	४७	ग	२२	३२	५०	१४	४६	४	१३	१२	सिं१३।४८
१५	बु	४४	२५	म	१०	१८	सु	५६	५२	वि	१७	११	५४	१३	४७	५	१४	१३	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१४१ स.१९५८

मार्गी भृगुः ५।५८
चंद्रद. फुल.२ राष्ट्रीय फा.मा.१२दि.३०
सावान८ कुम्भेबुधः १।२७ कल्पादिः
भ. २२।५५ उ. ५५।२३ या.
शतेबुधः ४२।५७
भ. ५।५७ उ. ३६।३२ या.
भ. ३४।२३ उ. **मार्च मा. ३ ता. ३१**
भ.$\frac{३}{५}$या. श्रवणेभृगुः$\frac{७}{२}$ आमलकी ११व्र.
*बुधः२।२४ अभियिन्निवृतो भृगुः $\frac{३५}{२९}$
उषायांभौमः २३।४४ प्रदोषः
भ. ४९।५८ उ. पूभायांरविः $\frac{१४}{४७}$ पूभायां*
भ. १७।१२ या. होलिकाद.

४६पं.फा.शु.४श.इ. २२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	६	९	८	४	१०
१०	२०	२	८	७	१	११	१०
४	९	२६	२४	३६	१	१९	३
३५	४०	५३	८	२९	१६	५१	३६
६०	४१	$\frac{४}{०}$	$\frac{१}{२०}$	$\frac{७}{४१}$	४	३	६०
३१	२७	२१	घ	मा	१२	११	२५

गोचरग्रहाः

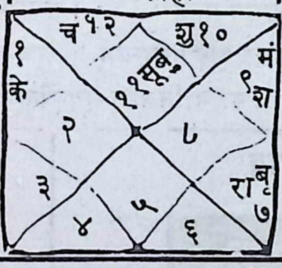

इस मास में पांच बुधवार है रस-कन तेज होगा। रुई, चांदी, अफीम, सूत, सन, कुष्ठा में घटा बढ़ी होगी।

गोचरग्रहाः

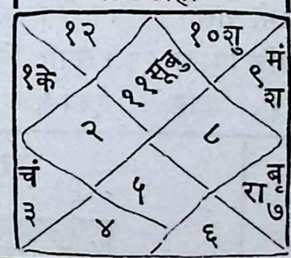

४७पं.फा.शु.१०श.इ. २३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	६	९	८	६	१०
१७	२५	१४	८	९	१	१०	१७
७	१६	५७	४	४४	२४	५७	५
२४	२१	५६	४३	१	४५	३५	४७
६०	४१	[illegible]	$\frac{२}{२१}$	२१	३	३	६०
२०	३६	४५	ब	३७	११	११	१७

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१४ शाकः १८७९												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	गु	३८	३७	पू	६	२३	शू	५१	५५	बा	११	३१	२८ ५८	९ १२	५ ४८	६	१५	१४	कं.२०।५२
२	शु	३२	५३	उ	२ २०	५५ ५५	गं	४३	५८	तै	५	४५	२९ २	१२	४८	७	१६	१५	कन्या
३	श	२६	५४	चि	५४	२५	वृ	३६	४	वि	२६	५४	६	११	४९	८	१७	१६	तु.२६।३०
४	र	२१	२८	स्वा	५०	५६	ध्रु	२८	३८	बा	२१	२८	१०	१०	५०	९	१८	१७	तुलायां
५	चं	१६	२४	वि	४८	३	व्या	२१	३७	तै	१६	२४	१४	९	५१	१०	१९	१८	वृ.३४।१६
६	मं	१२	५	अ	४५	१८	ह	१५	१५	व	१२	५	१७	८	५२	११	२०	१९	वृश्चिके
७	बु	८	४०	ज्ये	४४	३७	व	९	३५	ब	८	४०	२३	७	५३	१२	२१	२०	ध.११।३३
८	गु	६	१३	मू	४४	३८	सि	४	५०	कौ	६	१३	२७	७	५३	१३	२२	२१	धनुषि
९	शु	४	५५	पू	४५	४४	व्य	५६	५७ २	ग	४	५५	३२	६	५४	१४	२३	२२	धनुषि
१०	श	४	५२	उ	४८	२२	प	५६	२	वि	४	५२	३६	५	५५	१५	२४	२३	म. १।२४
११	र	६	१२	श्र	५१	४७	शि	५५	५	बा	६	१२	४०	४	५६	१६	२५	२४	मकरे
१२	चं	८	४८	ध	५६	२९	सि	५५	४	तै	८	४८	४४	३	५७	१७	२६	२५	कुं.२४।८
१३	मं	१२	५९	श	६०	०	सा	५५	३४	व	१२	२९	४९	२	५८	१८	२७	२६	कुंभे
१४	बु	१६	२९	श	२	८	शु	५६	४३	श	१६	५९	५३	१	५९	१९	२८	२७	मी५१।४७
३०	गु	२२	२	पू	८	२०	शु	५७	५८	ना	२२	२	५७	१	५९	२०	२९	२८	मीने

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

सब्बरात बसन्त १
भ. ५९।५४ उ.
भ. २६।५४ या.
मीनेबुधः १३।३९
उभायांबुधः ५६।१९
भ. १२।५ उ. ४०।२३ या.
+भौमः$\frac{१४}{१६}$ रेवत्यांबुधः$\frac{४७}{४९}$ प्रदोषः
शीतला पूजनम्
भ. ३४।५४ उ. मीनेऽर्कः १५।५५
भ. ४।५२ या.
पापमोचनी ११ व्र.
उभायांरविः$\frac{३५}{४३}$ पश्चि.बुधः$\frac{३५}{५८}$अभिजि.+
भ. १२।२९ उ. ४४।४४ या.
स्वात्यां१ राहुः अश्विन्यां ३ केतुः ३०।१
अहर्गणः १४।४५ चक्रं ४ केतकी

४८पं.चै.कृ.३श.इ. २३।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	६	९	८	६	१०
२४	२९	२८	७	१३	१	१०	२४
८	५५	२२	४०	३	४६	३५	६
४६	१४	७	२५	४५	२५	२०	३२
६०	४१	[illegible]	४१	३२	२	३	५९
५	३६	५३	ब	५९	५१	११	५८

गोचरग्रहाः

चैत्र कृष्णा ९ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम)

गोचरग्रहाः

४९पं.चै.कृ.१०श.इ.२३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	६	९	८	६	११
१	५	१२	७	१७	२	१०	१
८	२३	३	११	४०	३	१३	४
२८	३	३८	४४	४३	५६	४	४४
५९	४१	[illegible]	४६	४१	२	३	५९
४९	३०	६	ब	२६	१०	११	४१

*मंशुचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षें सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०५९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०५९ भौग्यकलिः ४२६९५१ अथास्मिन्सम्बत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१५ शालिवाहनीय शाकः १८८० अथास्मिन्वर्षे राजा भृगुः । मंत्री रविः । सस्येशोबुधः। धान्येशोचन्द्रः । मेघेशो रविः। रसेशोशुक्रः । नीरसेशोबुधः। फलेशोः शनिः। धनेशोबुधः। दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः। तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ठचब्दांना मध्ये रुद्रविंशतिकायां ५ विरोधकृतनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ३।१६।५०।२४ भोग्यमासादिः ८।१३।९।३६ सौम-दैवतं युगम् । वर्षनाम चैत्रः। मेघः ३ नाम पुष्करः । रोहिणीनिवासः समुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा१२ । समय वाहनं दुर्दरं :। स्तम्भ एक तृणस्य । सोमवत्यमा१ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी नास्ती । रविवारीसप्तमी ३ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३८५ । तिथिक्षयः १५ । तिथि वृद्धिः ९ । उत्पत्ति विश्वा ८३ । खपति विश्बा १२६ । वर्षा बिश्वा १५ । धान्यम् ५. तृणन् १७ । शीतम् ५ । तेज ५ वायुः १३ वृद्धिः१५ । क्षयः १५। विग्रहः ७ । ऐक्यं ९७ सत्यं ॥धर्म१॥ पाप १८ । ग्रहणानित्राण सूर्यस्यैक द्वेचन्द्रमसः ॥

भैरव भवानी संवाद

लाभ-खर्चं कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सि	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्चं	८	१४	११	११	५	११

वर्षेश लग्नम् २३।४

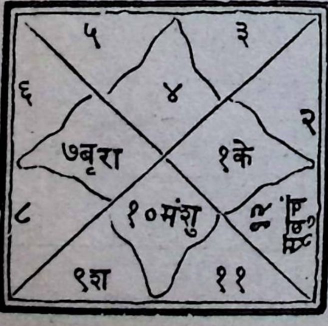

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार ।
पन्द्रह सम्वत् का कहो श्रीमुख से शुभसार ।

भवानी उत्तर

भैरव पन्द्र साल का भेद सुनाऊं तोय ।
नभचर चाल विचार से श्रेष्ठ जमाना होय ॥
अधिकलिया इस साल में सौम्य ग्रहाधिकार ।
घर-घर बजे बधावणां घर-घर मंगलाचार ॥
भृगराजा इस वर्ष में दिन मणि हुये प्रधान ।
फलै फलै वसुन्धरा वर्षे मेघ महान् ॥
रोहिणी बसी समुद्र में संवत् विश्वा अर्क ।
जल तृणकी कमती नहीं इसमें रहे न फर्क ॥
पहिले श्रावण वर्ष कर दुजा करसी तंग ।
बुध भार्गव के योग से भादव वर्षे रंग ॥
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
'बनवारी' जगदीश का भजन जगत् में सार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्चं	१४	८	१४	८	८	१५

वर्ष लग्नम् ७।२

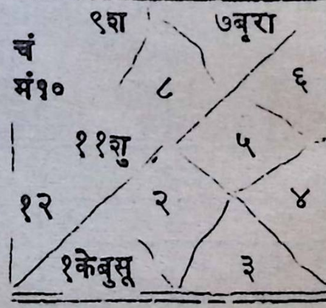

वर्षादी मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१४।४१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्– शुक्रस्यराजे बहु सस्य सकुला स्वतीव्रवेगा सरितोम्बुराशिभिः । फलंति वृक्षा बहुगो प्रसूतिर्वसु धरा पार्थिव सौख्य संयुताः । २। मंत्री रविस्तत्फलम्–नृप भयं गदतोतिहितस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयहि समर्घतमंतदा रविरमात्य पदंहि समागतः । सस्येशोबुधस्तत्फलम्–जल धरा जल राशिमुचो भृशं सुख समृद्धि युतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुति पाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सति बोधने । धान्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्–चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजा-वृद्धि प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरं तथा बहुः ।।५।। मेघेशोरविस्तत्फलम्–जलपदे यदिवासरपे यदासरसि वैरमते जनता रसम् । यवचनेक्षु निवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुविवर्तते । रसेशः शुक्रस्तत्फलम्–यजन याजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः। सुखपुभिक्ष समोदवतीधरा धरणिपाहत पापगणाः प्रियाः। नीरसेशो बुधस्तत्फलम् चित्र वस्त्रादिवस्तूनां शंख चन्दन पूर्वकम् । अर्धवृद्धिः प्रजायते नीरसेशो बुधोयदि । फलेश-शनिस्तत्तफलम्–यदि शनिः फलपः कलहो भवेज्जनित पुष्पगणस्तरवो ध्रुवम् । हिमभयं नरतस्तरजं तदा जनपदा जन राशि समाकुलाः।। धनेशोबुधस्तत् फलम्–द्रविणपोहिम रश्मिसुदोयदा विविध संग्रह वस्तु मूलाददा । द्विजवश जप यज्ञ सुसंयुता कृषि विशेष विशेषित मानसाः । दुर्गेशोरविस्तत्फलम्–नय विशेषकरस्तरणिस्तदागत-भयानरराज पुरोगमा। समधिकेन तदानृपदोन्यतःपथिषु संव्रजतांनभयंक्वचित् । वर्षनाम् चैत्रस्तत्फलम्–सस्यानि धृतकापसि तैला-दिसुखसंचय चैत्रवर्षे भवेद्बृद्धिनृप सौख्यफलप्रदा । विरोधकृतत्संवत्सरस्तत्फलम्–विरोधकृद्वत्सरे तु परस्परविरोधिनः सर्वेजनानृपा श्चैवमध्यसस्यार्धवृष्टयः । मेघनामपुष्कर स्तत्फलम्–पुष्करेमन्दवृष्टिश्च । रोहिणीनिवासः समुद्रेफलम् समुद्रे तुमहावृष्टिः । समय-निवासोमालाकारगृहेफलं–मालनःप्रचुरावृष्टिः । एवसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयशुभाशुभम् ।

संवत् २०१५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

शुक्ला. ३ भौमे रोहि. ल.८ चंपू. सत्रे ९।।।।ऽरो.।।।।
" ४ बुधे. मृगे ल.ऽन्यगो. रे ८।।।।।।ऽऽ।।
" ९ चंद्रे. मघा. ल. गो.८ रे.८।।।।।।ऽ।ऽ।गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः ।
" १२ बुधे उभा. ल.ऽन्यगो८रे ७।।।ऽबुऽशु।ऽ।।।
पादवेधाद्बुधस्यवेधाऽभावः ।
" १२ बुधे हस्ते ल. १० रे ८ऽसू. ऽ।।।।।।।

ज्येष्ठमासः

कृष्णा. १२ गुरौ रेब ल. ऽन्यगो. रे७ऽमां।ऽसु. ।।।।ऽ।।
शुक्ला. २ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो. १० रे ९।।।।।।ऽ।।।
" ९ भौमे. उफा. ल. गो. १०रे ८।।।।म।ऽ।।।
" १० बुधे हस्ते लंगो. १० रे ८।।।।।ऽ।ऽ।।
" १५ रवौ अनु. ले. १० रे ७।।।।ऽबु. ऽरों. ।ऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला. ८ भौमे हस्ते ल. अन्यगो । १० रे८।।।।।।ऽ।ऽ
१० गुरौ ल. १० रे ७।।।।ऽके. ऽअग्नि ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला. ३ शनौ उषा ल. ४ (चंपू) रे.९ऽबृ.।।।।।।।।।।

पौष मासः

शुक्ला. १२ बुधे मृगे ल. गो. रे ७ऽमं।।।।।।।।ऽऽ
क्रांति दग्धा दोषत्वान्नेष्टम्

माघ मासः

शुक्ला. ८ चन्द्रेरोहि. ल. ऽन्यगो. रे. ९।।।।ऽबृ.।।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्ण. ७ लवौ अनु. ऽन्यगो १० (श. पू. सत्)
रे. ७।।।।।ऽरोऽऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

वैशाख कृ. ३० शनी खंडग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा ७।३६

		स्प.	म.	मो.	पव.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	०	३	५	५
	पल.	२८	०	३१	३
रेल्वे टाइम	घं.	६	७	८	२
	मि.	४१	४१	४२	१

बैशाख शु. १५ शनौ ग्रस्टोदयं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ०।३८

		स्प.	म.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	२७	२८	२९	४
	पल.	५	११	०	३८
रेल्वे टाइम	घं.	२२	५	६	०
	मि.	२४	४३	३	३९

फागुन शु. १५ यां भोमे खंडग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा ५।५६

		स्प.	म.	मो.	प.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	४५	४७	५०	४
	पल.	३८	५४	२०	५२
रेल्वे टाइम	घं.	१२	१	२	१
	मि.	३८	३७	३५	७५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १४४६ सन् १९५८
१	शु	२७	८	उ	१४	४५	ब्र	५९	१९	व	२७	८	३०/१	६/००	६/००	२१	३०	२९	मीने	चन्द्रदर्शनम्श्रवणेभौमः ४३/५७ वक्रीचित्रायां+
२	श	३२	९	रे	२१	७	ऐं	६०	०	कौ	३२	९	६	५९	६	२२	१	१	मे.२१।७	रमजान९रोजा अभिजिन्निवृत्तोभौमः ५९/३० *
३	र	३६	३६	अ	२७	२	ऐं	०	३२	तै	४	१७	१०	५८	२	२३	२	२	मेषे	धनिष्ठायांभृगुः ४३/५३ मत्स्यज. गणगौरीपूजा
४	चं	३९	५४	भ	३१	५३	वै	०	५५	व	८	१०	१३	५७	३	२४	३	३	वृ.४७।५१	भ. ८।१० उ. ३९।५४ या.
५	मं	४२	१३	कृ	३५	४६	वि	३६	३८	व	११	३	१८	५६	४	२५	४	४	वृषे	अश्विन्यां मेषे बुधः ४९।८
६	बु	४३	१८	रो	३८	२०	आ	५७	३	कौ	१२	४५	२२	५६	४	२६	५	५	वृषे	*राष्ट्रीय चैत्रारंभः सं. १८८०
७	गु	४३	४	मृ	३९	५६	सौ	५३	४८	ग	१३	११	२६	५५	५	२७	६	६	मि ९।८	भ. ४३।४ उ.
८	शु	४१	३६	आ	४०	११	शो	४९	३४	वि	१२	२०	३०	५४	६	२८	७	७	मिथुने	भ. १२।२० या.
९	श	४८	५६	पु	३९	१२	अ	४४	३०	बा	१०	१६	३४	५३	७	२९	८	८	क.२४।५७	रामनवमी +४ गुरुः ५६/४३ संवत्सरारंभः
१०	र	३५	१८	पु	३७	१५	सु	३८	४६	तै	७	७	३८	५२	८	३०	९	९	कर्के	कुम्भेभृगुः २६।३७
११	चं	३०	४६	श्ले	३४	३०	धृ	३२	१८	व	३	२	४३	५१	९	३१	१०	१०	सिं ३४।३०	भ.३।२उ.३०।४५या.रेवत्यांरविः३।११=
१२	मं	२५	३४	म	३१	५	शू	२५	२०	बा	२५	३४	४७	५१	९	१	११	११	सिंहे	अप्रेल मा. ४ ता. ३०
१३	बु	१९	४९	पू	२७	२०	गं	१७	३४	तै	१९	४९	५२	५०	१०	२	१२	१२	कं.४१।२२	=कामदा ११व्र. लक्ष्मीकांत दोलोत्सव
१४	गु	१३	५९	उ	२३	२८	वृ	१०	१६	व	१३	५९	५६	४९	११	३	१३	१३	कन्यायां	भ. १३।५९ उ. ४१।१ या.
१५	शु	८	२	ह	१०	१४	ध्रु	४३	५६	ब	८	२	३०/१०	४८	१२	४	१४	१४	तु.४७।१४	हनुमज्जयंती वैं. स्ना. प्रा.

५०पं.चै.शु. २ श.इ.२४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	६	९	८	६	११
८	१०	२४	६	२२	२	९	८
६	२८	३९	३३	१६	१३	५०	३
२२	५३	३७	२०	३९	३१	४९	१९
५९	४१	९९	६/७	४८	१	३	५१
३५	२६	२१	ब	३	२९	११	२९

गोचरग्रहाः

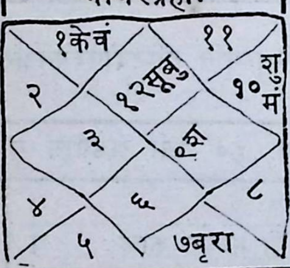

इस मास में फल शुभ होगा। शुक्रवार को चन्द्र दर्शन धान्य, रुई, अफीम में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.शु. ९श.इ. २४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	६	९	८	६	११
१५	१५	३	५	२९	२	९	१४
२	३४	४१	४९	४	१९	२८	५९
२५	४३	५५	२८	५४	४६	३४	१५
५९	४१	६१	५/३	५३	०	३	५९
१८	४०	५२	ब	१०	४९	११	१६

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२	९	चि	१५	१४	ह	४७	४०	कौ	२	९	३५/४	५/४७	६/१३	५	१५	१५	तुलायां	वक्रीशनिः ०।१३
२	श	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ. २३।५८ उ. ५१।२४ या. वक्रीबुधः×
३	र	५१	२४	स्वा	११	४३	व	४०	३५	व	२३	५७	८	४६	१४	६	१६	१६	वृ.५३।५४	×१९।२९ शतेभृगुः ३२।४४
४	चं	४७	४	वि	७	५७	सि	३३	५३	व	१९	१४	१२	४६	१४	७	१७	१७	वृश्चिके	
५	मं	४३	४२	अ	६	१७	व्य	२८	८	कौ	१५	२३	१६	४५	१५	८	१८	१८	वृश्चिके	पश्चिमास्तं बुधः ५८।१०
६	बु	४१	८	ज्ये	४	४९	व	२३	१२	ग	१२	२५	२०	४४	१६	९	१९	१९	ध.४।४९	भ. ४१।८ उ. धनिष्ठायां भौमः ६।४
७	गु	३९	४४	मू	४	३२	प	१९	८	वि	१०	२६	२४	४३	१७	१०	२०	२०	धनुषि	भ. १०।२६ या.
८	शु	३९	३६	पू	५	२३	शि	१६	७	बा	९	४०	२८	४२	१८	११	२१	२१	म.२०।५४	
९	श	४०	५३	उ	७	२८	सि	१३	४८	तै	१०	१४	३२	४२	१८	१२	२२	२२	मकरे	
१०	र	४३	२१	श्र	१०	३५	सा	१२	०	व	१२	७	३६	४१	१९	१३	२३	२३	कुं.४२।५५	भ. ५२/७ उ. ४३/२१ या. अश्विन्यांमेषेऽर्कः ३७/४३
११	चं	४७	५८	ध	१५	१६	शु	१२	३३	व	१५	१५	४०	४०	२०	१४	२४	२४	कुंभे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	मं	५१	२४	श	२०	४४	शु	१२	५१	कौ	१९	१६	४४	३९	२१	१५	२५	२५	कुंभे	
१३	बु	५६	१३	पू	२७	१	ब्र	१४	१५	ग	२३	४८	४८	३८	२२	१६	२६	२६	मी१०।२७	भ. ५६।१३ उ. प्रदोषः
१४	गु	६०	०	उ	३३	२९	ऐं	१५	३४	वि	२८	४५	५१	३८	२२	१७	२७	२७	मीने	भ. २८।४५ या. कुम्भेभौमः ५०।४०
१४	शु	१	१७	रे	२९	५१	वै	१७	१	श	१	१७	५५	३७	२३	१८	२८	२८	मे.३९।५१	वक्रीचित्रायां ३ गुरुः ३१।४
३०	श	६	५	अ	४५	४९	वि	१८	१३	ना	६	५	५८	३६	२४	१९	२९	२९	मेषे	पूषायांभृगुः ४९।१९ सूर्यग्रहणम्

५२पं.वै.कृ.१ श.इ. २४।४७

र	मं	बु	ग्रु	शु	श	रा	र
११	९	०	६	१०	८	६	११
२१	२०	७	५	५	२	९	२१
५६	४६	३९	०	३५	२२	६	५३
३८	५	३६	२२	२८	५८	१८	२९
५९	४१	६	३/७	५६	०/३	३	५९
४	४४	३	ब	५९	ब	११	४

गोचरग्रहाः

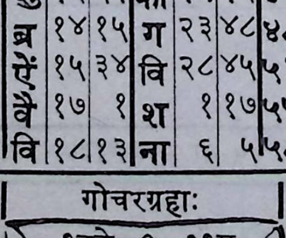

वैशाख कृ. १० रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न.४ वृद्धावस्था (बेठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

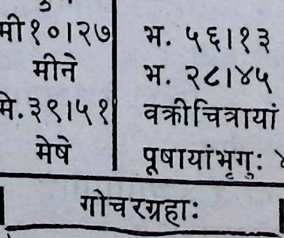

१पंवै.कृ.१० सू.इ.४०।३३

र	मं	बु	ग्रु	शु	श	रा	र
०	९	०	६	१०	८	६	०
०	२६	५	३	१३	२	८	०
२	४९	१३	५६	४२	४४	४०	०
४६	४१	२६	२०	३	४९	१	०
५८	४१	४०/२४	७/५२	६०	२/४७	३	५८
४५	३३	ब	ब	३२	ब	११	४४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १४७६ स.१९५८
१	र	१०	२६	भ	५०	५५	प्री	१८	५९	ब	१०	२६	३/२ २	५/३६	६/२४	२०	३०	३०	मेषे	चंद्रदर्शनम्
२	चं	१३	५०	कृ	५५	९	आ	१८	५३	कौ	१३	५०	६	३५	२५	२१	१	१	वृ. ६।५९	सव्वाल१०ईद वक्रीरेवत्यांबुधः ५५/५२ प.ज.*
३	मं	१६	२	रो	५८	१०	सौ	१७	५९	ग	१६	२	९	३४	२६	२२	२	२	बृषे	भ. ४६।४२ उ. अक्षया ३
४	बु	१७	११	मृ	५९	५४	शो	१५	५७	वि	१७	२१	१३	३३	२७	२३	३	३	मि२९।२	भ. १७।२१ या.
५	गु	१६	४६	आ	६०	०	अ	१३	८	बा	१६	४६	१७	३३	२७	२४	४	४	मिथुने	पातस्पर्शः५९।२५ *रा.वै.मा.२दि.३१
६	शु	१५	१४	आ	०/२६	५९/२३	सु	९	१४	तै	१५	१४	२१	३२	२८	२५	५	५	क.४४।५२	पातमोक्षः १८।४८ पूर्वोदयीबुधः २।२१
७	श	१२	३३	पु	५७	५९	धृ	४/२४	५४/२४	व	१२	३३	२५	३१	२९	२६	६	६	कर्के	भ. १२।३३ उ. ४०।४४ या.
८	र	८	५५	श्ले	५५	२९	गं	५२	३४	ब	८	५५	२९	३०	३०	२७	७	७	सिं५५।२९	भरण्यांरविः १९।७ शतेभौमः ७।११
९	चं	३	५५	म	५२	१२	वृ	४५	४५	कौ	३	५५	३३	२९	३१	२८	८	८	सिंहे	
१०	चं	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
११	मं	५३	९	पू	४८	३१	ध्रु	३८	३०	व	२६	२	३६	२०	३१	२९	९	९	सिंहे	भ.२६/३ उ.५३/९या. मीनेभृगुः ५६/५९ मो.११व्र.
१२	बु	४७	१७	उ	४४	२५	व्या	३०	५८	ब	२०	१३	४०	२८	३२	३०	१०	१०	कं.२।२९	मोहिनी ११ व्र. वै. नि.
१३	गु	४२	०	ह	४०	२६	ह	२३	१६	कौ	१४	३९	४३	२७	३३	१	११	११	कन्या	**मई मा. ५ ता. ३१** प्रदोषः
१४	शु	३५	२३	चि	३६	२३	व	१५	४७	ग	८	४२	४७	२७	३३	२	१२	१२	तु.८।२४	भ.३५/२३ उ. मार्गीबुधः ०/२४ उभायांभृगुः ३३/२५+
१५	श	२९	२६	स्वा	३१	४५	सि	८	२०	वि	२	२५	५०	२६	३४	३	१३	१३	तुलायां	भ. २।२५ या. +नृसिंह जयंती

२पं.वै.शु.१ सू.इ.४०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	६	१०	८	६	०
६	१	०	३	२०	२	८	६
५२	५७	२३	२	५२	३६	१७	५०
५७	३७	२७	५९	५८	४३	४६	३८
५८	४१	४०/११	७/५२	६२	९/३३	३	५८
२९	२८	ब	ब	५०	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

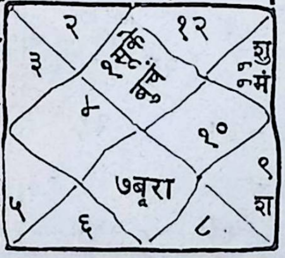

इस मास में ५ शनिवार अशुभ है रुई, चांदी, अनाज गल्ला में घट बढ़ होगी।

गोचरग्रहाः

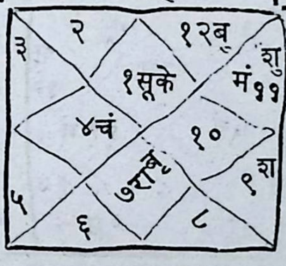

३पं. वै.शु. ८सू.इ.४१।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	६	१०	८	६	०
१३	७	२७	२	२८	२	७	१३
४१	३	१६	१०	१६	२३	५५	३९
२१	२७	४६	३	४६	५८	३१	४१
५८	४१	१८/२२	७/३८	६४	२/१२	३	५८
१२	२७	ब	ब	३६	ब	११	१९

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः
१	र	२४	३०	वि	२९	२६	व्य	५/१८	५३/२४	कौ	२४	३०	३२/५४	५/२५	६/३५	४	१४	१४	वृ.१५।१	
२	चं	२०	१	अ	२६	५८	प	४८	४६	ग	२०	१	५७	२५	३५	५	१५	१५	वृश्चिके	भ. ४८।१३ उ.
३	मं	१६	२४	ज्ये	२६	२१	शि	४३	४४	वि	१६	२४	३ ३/१	२४	३६	६	१६	१६	ध.२६।२१	भ. १६।२४ या.
४	बु	१३	४६	मू	२६	४५	सि	३९	३१	बा	१६	४६	४	२३	३७	७	१७	१७	धनुषि	
५	गु	१२	२२	पू	२७	१	सा	३६	१४	तै	१२	२२	७	२३	३७	८	१८	१८	म.४२।१७	
६	शु	१२	११	उ	२८	६	शु	३३	५६	व	१२	११	१०	२२	३८	९	१९	१९	मकरे	भ.११/११ उ.४२/४० या. मार्गी अ. मेषेबुधः २०/५
७	श	१३	१०	श्र	३०	६	शु	३२	४०	ब	१३	१०	१३	२१	३९	१०	२०	२०	मकरे	
८	र	१५	२५	ध	३४	२८	ब्र	३२	१९	कौ	१५	२५	१६	२१	३९	११	२१	२१	कु.२।१७	कृतिकायां रविः ७।२
९	चं	१८	५४	श	३९	३८	ऐं	३२	४५	ग	१८	५४	१९	२०	४०	१२	२२	२२	कुम्भे	भ. ५१।५ उ.
१०	मं	२३	१६	पू	४५	३७	वै	३३	५३	वि	२३	१६	२२	२०	४०	१३	२३	२३	मी२९।७	भ. २३।१६ या.
११	बु	२८	१०	उ	५१	५९	वि	३५	२०	बा	२८	१०	२५	१९	४१	१४	२४	२४	मीने	वृषेऽर्कः ३४/४९ रेवत्यांभृगुः २६/२७ अपरा ११व्र.
१२	गु	३२	५९	रे	५८	२७	प्री	३६	४५	कौ	०	३५	२८	१८	४२	१५	२५	२५	मे.५८।२७	पूभायां भौमः १६।११
१३	शु	३७	४९	अ	६०	०	आ	३८	१८	ग	५	२४	३१	१८	४२	१६	२६	२६	मेषे	भ. ३७।४९ उ. प्रदोषः
१४	श	४२	२	अ	४	३१	सौ	३९	१	वि	९	५५	३४	१७	४३	१७	२७	२७	मेषे	भ.५९/२ या. वक्रीचित्रायां२ क.गुरुः ३४।६
३०	र	४५	२१	भ	१०	१४	शो	३९	१४	च	१३	४१	३६	१७	४३	१८	२८	२८	बृ.२६।१३	भावुका ३०

४पं.ज्ये.कृ.१सू.इ.४१।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	११	११	८	६	०
२०	१२	२७	१	५	२	७	२०
२७	१०	४०	१९	५२	६	३३	२७
५९	२२	४८	५८	४	५७	१५	२१
५७	४१	३१/२३	७	६६	२/४७	३	५८
५७	१९	मा	४	७	ब	११	६

५पं.फा.शु.८ सू.इ.४१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	६	११	८	६	०
२७	१७	१	०	१३	१	७	२७
१३	१५	३४	३३	३४	४६	११	१३
१३	२८	४	५३	२५	२५	०	३२
५७	४१	३९	९/११	६७	३/२९	३	५७
४५	२१	५४	ब	२७	ब	११	५४

६पं.ज्ये.कृ.३०सू.इ.४१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	५	११	८	६	१
३	२२	८	२९	२१	१	६	३
५६	२१	२२	५४	२३	२१	४८	५८
५०	७	१	४	४२	४७	४५	२६
५७	४१	६६	९/११	६८	३/५०	३	५७
३४	१२	५	ब	२७	ब	११	४४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	चं	४७	३६	कृ	१४	१३	अ	३८	३६	किं	१६	२९	३३/३१	५/१६	६/४४	१९	२९	२९	बृषे
२	मं	४८	३३	रो	१७	३३	सु	३६	५५	बा	१८	४	४१	१६	४४	२०	३०	३०	मि४८।३२
३	बु	४८	१८	मृ	१९	३२	धृ	३४	२१	तै	१८	२६	४४	१५	४५	२१	३१	१	मिथुने
४	गु	४६	४४	आ	२०	२१	शू	३०	३९	व	१७	३१	४६	१५	४५	२२	१	२	मिथुने
५	शु	४४	०	पु	२०	३	गं	२६	५	ब	१५	२२	४८	१४	४६	२३	२	३	क. ५।८
६	श	४०	१६	पु	१८	२७	वृ	२०	४२	कौ	१२	८	५०	१४	४६	२४	३	४	कर्के
७	र	३५	४२	श्ले	१६	२	ध्रु	१४	२५	ग	७	५९	५१	१४	४६	२५	४	५	सिं१६।२
८	चं	३०	२३	म	१२	२६	व्या	७	५१	वि	३	२	५४	१३	४७	२६	५	६	सिंहे
९	मं	२४	३८	पू	१०	५	ह	०/४४	५३/३३	कौ	२४	३८	५६	१३	४७	२७	६	७	कं.२३।५४
१०	बु	१८	३९	उ	५	२०	सि	४५	४७	ग	१८	३९	५८	१२	४८	२८	७	८	कन्यायां
११	गु	१२	३४	ह	५/५५	५५/२६	व्य	३८	३३	बा	१२	३४	३४/०	१२	४८	२९	८	९	तु.२९।३८
१२	शु	६	३२	स्वा	५३	५९	व	३०	४५	वि	६	३२	२	१२	४८	३०	९	१०	तुलायां
१३	श	०	४३	वि	५०	८	प	२३	४८	तै	०	४३	४	११	४९	३१	१०	११	वृ.३६।६
१४	श	५४	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	र	५०	५२	अ	४७	४१	शि	१७	०	वि	२३	१०	६	११	४९	१	११	१२	वृश्चिके

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १५०५ स.१९५८

करिदिनं

चन्द्रदर्शनम्

जिलकाद ११ चित्रायां ४ राहुः अश्विन्यां २*

भ. ३१/५७ उ. ४४/४४ या. भरण्यांबुधः ४६।११+

*केतुः २६।३६ रम्भा व्र.

+राष्ट्रीय ज्येष्ठारंभः ३

भ. ३५।४२ उ. रोहिण्यां रविः ०।५८

भ. ३।३ या. मेषे भृगुः १७।१९

भ. ४५।३७ उ. गंगादशहरा

भ. ५५/३३ या. मीनेभौमः ५३/३४ निर्जला ११ व्र.

प्रदोषः वटसावित्री व्रतारंभः

भ. ५५।२८ उ. कृत्तिकायांबुधः २४।४०

भ. ३३/५० या. जून मा. ६ ता. ३० बटसा.पू.व.

७पं.ज्ये.शु.७शु.इ.४१।४७

र	मं	बु	ग	शु	श	र	रा
१	१०	०	५	११	८	६	१
१०	२७	१७	२९	२९	०	६	१०
३९	२९	३८	२०	१८	५५	२६	४२
१	५	२०	४८	५७	२५	२९	२०
५७	४१	८८	४/८	६९	४/१	३	५७
२३	३	१६	ब	१८	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ. ११ बुधे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न.४ गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शुक्रोदय पू. ।

गोचरग्रहाः

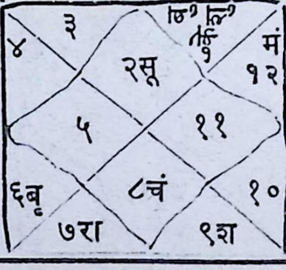

८पंज्ये.शु.१५शु इ.४१।५२

र	मं	बु	ग	शु	श	रा	र
१	११	०	५	०	८	६	१
१७	२	२८	२८	७	०	६	१७
२०	२०	५९	५५	१८	२६	४	२०
७	५७	७	१३	२६	३२	१४	४
५७	४०	०/८	३/१	७०	४/२८	३	५७
१३	३४	७	ब	७	ब	११	२७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	चं	४७	७	ज्ये	४६	३	सि	११	०	बा	१९	०	३४/७	५/११	६/४९	२	१२	१३	ध.४६।२
२	मं	४४	२३	मू	४४	३९	सा	६	१	तै	१५	४५	९	१०	५०	३	१३	१४	धनुषि
३	बु	४२	४१	पू	४५	०	शु	२/३	५६/३८	व	१३	३२	१०	१०	५०	४	१४	१५	धनुषि
४	गु	४२	१८	उ	४६	२८	ब्र	५५	२९	ब	१२	२९	१२	१०	५०	५	१५	१६	म.०।२२
५	शु	४३	१८	श्र	४९	१९	ऐं	५४	१	कौ	१२	४८	१३	९	५१	६	१६	१७	मकरे
६	श	४५	१६	ध	५३	१३	वै	५३	३६	ग	१५	१७	१५	९	५१	७	१७	१८	कु.२१।१६
७	र	४८	४५	श	५८	२४	वि	५३	५७	वि	१७	०	१६	९	५१	८	१८	१९	कुम्भे
८	चं	५२	५८	पू	६०	०	प्री	५४	५८	बा	२०	५१	१७	९	५१	९	१९	२०	मी४७।३९
९	मं	५७	३९	पू	४	४	आ	५६	२७	तै	२५	१८	१८	८	५२	१०	२०	२१	मीने
१०	बु	६०	०	उ	१०	२२	सौ	५८	२	व	३०	२	१९	८	५२	११	२१	२२	मीने
१०	गु	२	२४	रे	१६	५०	शो	५९	२८	वि	२	२४	२०	८	५२	१२	२२	२३	मे.१६।५०
११	शु	७	१७	अ	२२	५६	अ	६०	.०	बा	७	१७	२१	८	५२	१३	२३	२४	मेषे
१२	श	११	३२	भ	२८	२९	अ	०	३४	तै	११	३२	२२	८	५२	१४	२४	२५	बृ.४४।४२
१३	र	१४	५२	कृ	३३	२०	सु	०	५६	ब	१४	५२	२२	८	५२	१५	२५	२६	बृषे
१४	चं	१७	९	रो	३६	४६	धृ	०/२९	५८/३३	श	१७	९	२३	७	५३	१६	२६	२७	बृषे
३०	मं	१८	१२	मृ	३९	५	गं	५६	३५	ना	१८	१२	२३	७	५३	१७	२७	२८	मि७।५५

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वृषे बुधः १५।३९

उभायां भौमः ९।१२

भ. १३।३२ उ. ४२।४१ या.

भरण्यां भृगुः ५७।४९

भ.४५।१६ उ. मृगेरविः ५९।४७ पूर्वास्तं*

भ. १७।१ या. वक्रीज्येष्ठायां ४ बृश्चिके+

*बुधः ४१।६ रोहिण्यांबुधः ३६।४२

+शनिः २।२

भ. ३०।२ उ.

भ. २।२४ या.

मृगे बुधः ५५।४८ योगिनी ११ व्र.

प्रदोषः

भ. ५४/५२ उ. ४६/१ या. मिथुनेऽर्कः ०।३५

मार्गी गुरुः २४।१ मिथुने बुधः ३।२०

९पं.आ.कृ.७शु.इ.४१।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	५	०	७	६	१
२४	७	१२	२८	१५	२९	५	२४
०	२७	१३	३७	२२	५६	४१	७
३	५८	३४	३४	४५	५४	५८	८
५७	४०	१८	१/४०	७०	४/४०	३	५७
५	७	५६	ब	४६	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

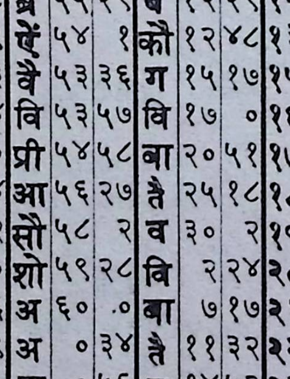

आषाढ कृ. १३ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र. वा.५न.४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शु. पू. ।

गोचरग्रहाः

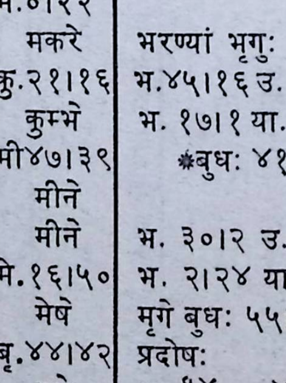

१०पं.आ.कृ.१३शु.इ.४१।५२

र	मं	बु	ग	शु	श	रा	र
२	११	१	५	०	७	६	२
०	१२	२७	२८	२३	२९	५	०
३९	१६	६	२९	२५	२५	१९	४८
११	५९	१५	१०	२	१९	४३	२५
५६	३९	१८	१/१८	७१	४/४०	३	७७
५७	५०	५८	ब	१९	ब	११	१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु	१७	५६	आ	४०	६	वृ	५३	९	ब	१७	५६	३४/३	५/७	५ ६/३	१८	२८	२९	मिथुने
२	गु	१६	२४	पु	४०	१२	ध्रु	४८	५३	कौ	१६	२४	२४	७	५३	१९	२९	१	क.२५।११
३	शु	१३	४१	पु	३८	५९	व्या	४३	३०	ग	१३	४१	२४	७	५३	२०	३०	२	कर्के
४	श	९	५७	श्ले	३६	२४	ह	३७	४१	वि	९	५७	२४	७	५३	२१	३१	३	सि३६।२४
५	र	५	२३	म	३३	३१	व	३०	५१	बा	५	२३	२४	७	५३	२२	१	४	सिंहे
६	चं	०	२	पू	२९	५७	सि	२४	२	तै	०	२	२४	७	५३	२३	२	५	कं.५८।४३
७	चं	५४	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	मं	४८	२२	उ	२६	०	व्य	१६	३१	वि	२१	२२	२४	७	५३	२४	३	६	कन्या
९	बु	४२	१४	ह	२१	५६	व	९	०	बा	१५	१८	२३	७	५३	२५	४	७	तु.४९।५२
१०	गु	३६	११	चि	१७	४९	प	१/३२	५२/२९	तै	९	१२	२३	७	५३	२६	५	८	तुलायां
११	शु	३०	२०	स्वा	१४	१८	सि	४६	५४	व	३	१५	२३	७	५३	२७	६	९	वृ.५६।२८
१२	श	२५	०	वि	१०	३२	सा	४०	११	बा	२५	०	२२	८	५२	२८	७	१०	वृश्चिके
१३	र	२०	१७	अ	७	३८	शु	३४	२	तै	२०	१७	२२	८	५२	२९	८	११	वृश्चिके
१४	चं	१६	२८	ज्ये	५	३४	शु	२८	३७	व	१६	२८	२१	८	५२	३०	९	१२	ध. ५।३४
१५	मं	१३	३३	मू	४	२६	ब्र	२४	८	ब	१३	३३	२०	८	५२	१	१०	१३	धनुषि

ग्रीष्मर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गरण:१५३५स१९५८

चन्द्रद. कृतिकायांभृगुः ३०।९
जिल्हेज १२ आर्द्रायांबुधः ५६।२६
भ. ४१।४९ उ.
भ.५ ६/७ या. रेवत्यांभौमः ५३/२४ वृषेभृगुः १७/२१
आर्द्रायांरविः२।७ **राष्ट्रीयआषाढ़ारंभः४**
भ. ५४।२३ उ.
क्षयः
भ. २१।२३ या.

पुनर्वसौ बुधः १४।८
भ.३।१६ उ.३/२ ०/० या. हज्जदेवशयनी११व्र.
बकरीद प्रदोषः हरिवासरः घ. १/३ ०/२ उ.
पश्चिमोदयी बुधः ५६/४८ रोहिण्यांभृगुः ४६/१४
भ. १६।२८ उ. ४५।१ या.
कर्कबुधः १५/१५ जुलाई मा. ७ ता. ३१

१३पं.आ.शु.७शु.इ.४१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	१	७	६	२
७	१७	१२	२८	१	२८	४	७
१७	११	३०	२९	४१	५४	५७	२९
३९	५६	१८	१३	२	१८	२८	१७
५६	३८	०/८	५६/०	७१	३४/६	३	५७
५४	१६	०/५	मा	४६	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है, घृत, तेल, चांदी, धान्य, रुई, तेज होगा। कहीं कहीं वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

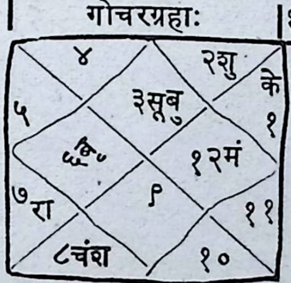

१४पं.आ.शु.९श़ु.इ.४१।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	१	७	६	२
१३	२२	२६	२८	९	२८	४	१४
५५	३	५४	३८	५४	२५	३५	९
४२	३१	१०	५	३७	४	१२	४६
५६	३८	०/८	२	७२	४/१४	३	५७
५०	५७	०/१५	१४	७	ब	११	७

ति.	प्र. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	बु	११	५०	पू	४	३१	ऐं	२०	३२	कौ	११	५०	३४/५९	५/८	५ ६/२	२	११	१४	म.१९।४७
२	गु	११	२०	उ	५	३५	वै	१७	५३	ग	११	२०	१८	८	५२	३	१२	१५	मकरे
३	शु	१२	१२	श्र	८	६	वि	१६	१७	वि	१२	१२	१७	९	५१	४	१३	१६	कु.३९।५६
४	श	१४	२२	ध	११	४७	प्री	१५	३८	बा	१४	२२	१६	९	५१	५	१४	१७	कुम्भे
५	र	१७	२५	श	१६	३१	आ	१५	५०	तै	१७	२५	१४	९	५१	६	१५	१८	कुम्भे
६	चं	२१	३१	पू	२१	२१	सौ	१६	४८	व	२१	३१	१३	९	५१	७	१६	१९	मी ५।९
७	मं	२६	१८	उ	२८	२७	शो	१८	९	ब	२६	१८	११	१०	५०	८	१७	२०	मीने
८	बु	३१	१४	रे	३४	५२	अ	१९	४८	कौ	३१	१४	१०	१०	५०	९	१८	२१	मे.३४।५२
९	गु	३५	४७	अ	४१	५	सु	२१	१९	तै	३	३०	८	१०	५०	१०	१९	२२	मेषे
१०	शु	४०	१	भ	४६	५१	धृ	२२	२३	व	७	५४	७	११	४९	११	२०	२३	मेषे
११	श	४३	२५	कृ	५१	४१	शू	२२	५५	ब	११	४३	६	११	४९	१२	२१	२४	वृ. ३।३
१२	र	४६	१२	रो	५५	३१	गं	२२	४२	कौ	१४	४९	४	११	४९	१३	२२	२५	वृषे
१३	चं	४६	५०	मृ	५८	५	वृ	२१	२९	ग	१६	३१	२	१२	४८	१४	२३	२६	मि२६।४८
१४	मं	४६	४४	आ	५९	२८	ध्रु	१९	१६	वि	१६	४७	०	१२	४८	१५	२४	२७	मिथुने
३०	बु	४५	१३	पु	५९	३६	व्या	१६	३	च	१५	५८	३३/५८	१२	४८	१६	२५	२८	क.४४।३४

वर्षर्तुं रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पुष्ये बुधः ५५।५२
भ. ४१।४६ उ.
भ. १२।१२ या.

भ. २१।३१ उ. ५३।५५ या.

मन्वादिः
आश्लेषायां बुधः ४६।२०
भ.५ ७/४ उ.४ ०/१ या. मेषेभौमः ३३/४९ मृगेभृगुः ४/७
कामिका ११ व्र.

भ. ४६।५० उ. प्रदोषः
भ. १६।४७ या.
कर्केऽर्कः ३८/५२ मिथुनेभृगुः ३३/३८ हरियाली३०

१३पं.प्र.श्रा.कृ५शु.इ.४१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	१	७	६	२
२०	२६	९	२८	१८	२७	४	२०
३३	४३	४५	५६	११	५६	१२	५०
३८	५९	५८	३	५४	२५	५७	७
५६	३८	०/९	३	७२	४/४	३	५७
५०	१६	०/३८	३५	२८	ब	११	७

गोचरग्रहाः

प्रथम श्रावण कृ. ३० बुधे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न.५ पुत्र-वत्सावस्था (सूती) मु.४५(धान्य भाव मन्दा) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

१४प.प्र.श्रा.कृ.१२शु.इ.४१।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	५	१	७	६	२
२७	१	२१	२९	२६	२७	३	२७
११	१९	१	२१	३१	३०	५०	३०
४४	५१	२९	३१	४	५३	४२	३२
५६	३७	८९	४	७२	३/४५	३	५७
५५	३१	३३	४४	५०	ब	११	०/८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
																			कर्के
१	गु	४२	३५	पु	५८	२८	ह	११	४८	किं	१३	५४	३३।९	५।१३	६।४७	१७	२६	२९	सिं५६।२५
२	शु	३८	५५	श्ले	५६	२५	व	६	४४	बा	१०	४५	५४	१३	४७	१८	२७	३०	सिंहे
३	श	३४	२०	म	५३	४५	सि	०/४९	५३/२८	तै	६	३७	५२	१४	४६	१९	२८	१	सिंहे
४	र	२९	८	पू	५०	११	व	४७	१५	ब	१	४४	५०	१४	४६	२०	२९	२	कं.४।१३
५	चं	२३	२८	उ	४६	२१	प	३९	५२	बा	२३	२८	४७	१५	४५	२१	३०	३	कन्या.
६	मं	१७	२७	ह	४२	१५	शि	३२	१६	तै	१७	२७	४५	१५	४५	२२	३१	४	तु.१०।११
७	बु	११	२२	चि	३८	७	सि	२४	४६	व	११	२२	४२	१६	४४	२३	१	५	तुलायाँ
८	गु	५	१३	स्वा	३४	१०	सा	१७	१७	ब	५	१३	४०	१६	४४	२४	२	६	०
९	गु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	वृ.१६।३४
१०	शु	५३	५८	वि	३०	४२	शु	१०	०	तै	२६	३७	३७	१७	४३	२५	३	७	वृश्चि.
११	श	४९	११	अ	२६	३४	शु	३/८	५३/४२	व	२१	३४	३५	१७	४३	२६	४	८	ध.२५।७
१२	र	४५	१६	ज्ये	२५	७	ऐं	५१	१३	ब	१७	१४	३२	१८	४२	२७	५	९	धनुषि
१३	चं	४२	१९	मू	२३	५४	वै	४६	३१	कौ	१३	४८	३०	१८	४२	२८	६	१०	म.३८।५५
१४	मं	४०	३०	पू	२३	४२	वि	४२	४१	ग	११	२४	२७	१९	४१	२९	७	११	मकरे
१५	बु	४०	१	उ	२४	३३	प्री	३९	४९	वि	१०	१६	२४	१९	४१	३०	८	१२	

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५६४ सं. १९५८

चन्द्रदर्शनम्
मोहोरम १ सन् १३७८
भ.४४।५१ उ. २९।८ या. पुष्येरविः ३३।९ सिंहेबुधः ४३।१५
मार्गी चित्रायां ३ तुलायां गुरुः ३३।४९
आर्द्रायां भृगुः ९।२४
भ. २२।११ उ. ५८।३८ या चित्रायां३ राहुःअश्विन्यां*
*१केतुः२०।२० राष्ट्रीय श्रावण मास५
क्षयः
भ. ३५।२१ उ ५१।४९ या. कमला११व्र. स्मा. वै.
कमला ११ व्र. नि.
ताजिया प्रदोषः
भ. ४०।३० उ.
भ ५१।६० या. वक्रीज्येष्ठायां३ शनिः५५।४४

१५पं.प्र.श्रा.शु.४सू.इ.४१।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	५	२	७	६	३
३	५	०	२९	४	२७	३	४
५०	५२	२९	५४	५२	७	२८	११
१२	५६	५७	५५	४१	५९	२६	१३
५६	३६	७०	५०	७३	१ ३/२	३	५८
५७	४०	८	४९	९	ब	११	५१

गोचरग्रहाः

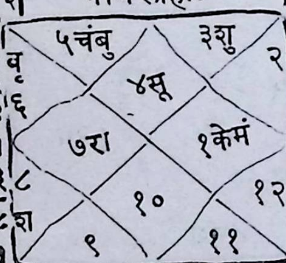

इस मास का फल उत्तम है। वर्षा होगी, अनाज गेहूँ, जौ, मोंठ, चावल मंदा दोकर तेज होगा।

गोचरग्रहाः

१६पं.प्र.श्रा.शु.१२सू.इ.४१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	६	२	७	६	६
१०	९	७	०	१३	२६	३	१०
२९	५६	५६	३५	१७	४८	६	५२
२९	२९	५०	३६	५८	१६	११	३५
५७	३५	४७	६	७३	३ ३/२	३	५७
५	२५	१४	४८	२०	ब	११	२५

त.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	गु	४०	४६	श्र	२६	४३	आ	३८	०	बा	१०	२४	३३।२५	५।२०	६।४०	३१	९	१३	कुं.५८।११
२	शु	४२	३३	ध	२९	३९	सौ	३७	११	तै	१२	१०	१८	२०	४०	१	१०	१४	कुम्भे
३	श	४५	५०	श	३४	४२	शो	३७	१३	व	१४	४२	१५	२१	३९	२	११	१५	कुम्भे
४	र	४९	५६	पू	४०	१४	अ	३८	३	ब	१७	५३	१२	२२	३८	३	१२	१६	मी२३।५१
५	चं	५४	३५	उ	४६	२०	सु	३८	४८	कौ	२२	१६	९	२२	३८	४	१३	१७	मीने
६	मं	५९	२७	रे	५२	४५	धृ	४०	५७	ग	२६	१	६	२३	३७	५	१४	१८	मे.५२।४५
७	बु	६०	०	अ	५८	४६	शू	४२	३१	वि	३१	५२	३	२३	३७	६	१५	१९	मेषे
७	गु	४	१६	भ	६०	०	गं	४३	४२	ब	४	१६	०	२४	३६	७	१६	२०	मेषे
८	शु	८	३२	भ	४	४८	वृ	४४	१५	कौ	८	३२	३२।५७	२५	३५	८	१७	२१	वृ.२१।३
९	श	१२	०	कृ	९	४९	ध्रु	४४	१०	ग	१२	०	५४	२५	३५	९	१८	२२	वृषे
१०	र	१४	३७	रो	१३	५७	व्या	४३	८	वि	१४	३७	५०	२६	३४	१०	१९	२३	मि४५।१८
११	चं	१५	४२	मृ	१६	३९	ह	४१	३	बा	१५	४२	४७	२७	३३	११	२०	२४	मिथुने
१२	मं	१५	३९	आ	१८	२४	व	३८	४	तै	१५	३९	४३	२७	३३	१२	२१	२५	मिथुने
१३	बु	१४	१७	पु	१८	४८	सि	३४	११	व	१४	१७	४०	२८	३२	१३	२२	२६	क. ३।४२
१४	गु	११	४२	पु	१८	०	व्य	३८	५९	श	११	४२	३६	२९	३१	१४	२३	२७	कर्के
३०	शु	८	७	श्ले	१६	६	व	२३	११	ना	८	७	३३	२९	३१	१५	२४	२८	सिं१६।६

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.श्रा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

अगस्त मा. ८ ता. ३१
भ. ४२।१४ उ. ५०।४५ या. भरण्याँभौमः ९।२९*
सार्प रविः १०।२१
*पुनर्वसु भृगुः १५।५४
भ. ५९।२७ उ. पूफायां बुधः २०।५८
भ. ३१।५२ या.
वक्री बुधः ४६।२०
भ. ४३।१९ उ.
भ. १४।३७ या. कर्के भृगुः २९।२९
कमला ११ व्र.
प्रदोषः
भः१४।१७ उ.४३।३या पुष्येभृगुः१२।१३
वक्री मघायां बुधः ३१।४२

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.४सू.इ.४१।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	६	२	७	६	३
१७	१४	१२	१	२१	२६	२	१७
९	१२	४८	२३	४४	३२	४३	३३
१८	२७	९	१५	२६	३३	५५	५७
५७	३४	१९	७	७३	२/०	३	५७
१२	२१	८	४९	३२	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ गुरुवार तथा ५ शुक्रवार श्रेष्ठ हैं, वर्षा साधारण होगी।

गोचरग्रहाः

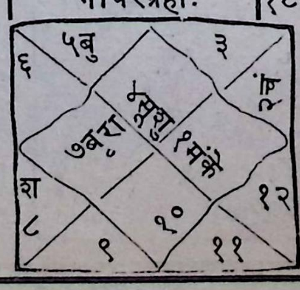

१८पं.द्वि.श्रा.कृ.१०सू.इ.४०।५७

र	मं	बु	ग	शु	श	रा	र
३	०	४	६	३	७	६	३
२३	१८	१४	२	०	२६	२	२४
५०	२२	१७	१७	१४	२०	२१	१६
२५	८	३८	३१	६	१४	४०	२६
५७	३२	३ ३/८	८	७३	२ २/१	३	५७
२२	४९	ब	४५	४४	ब	११	३२

CC0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९४ सं. १९५८
१	श	३	५४	म	१३	३१	प	१६	४६	ब	३	४४	३२/२९	५/३०	६/३०	१६	२५	२९	सिंहे	चंद्रद.पश्चिमास्तंबुधः५९/५० नक्तव्रतारम्भः
२	श	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३	र	५२	५०	पू	१०	१३	शि	९	४७	तै	२५	४१	२६	३१	२९	१७	२६	१	कं.२४।१५	सफर२ मघायां सिंहेऽर्कं :६।४८ वर्षा ने.*
४	चं	४६	५५	उ	६	२०	सि	२/२९	५२/२५	व	१९	५३	२२	३२	२८	१८	२७	२	कन्यायां	भ. १९।५३ उ. ४६।५५ या. वरद ४
५	मं	४०	४८	ह	२/१८	५५/५०	शु	४७	१५	ब	१३	५१	१९	३२	२८	१९	२८	३	तु.३०।१३	चित्रा क्षयः ५५।५०
६	बु	३४	४२	स्वा	५४	९	शु	३९	४२	कौ	७	४५	१५	३३	२७	२०	२९	४	तुलायाँ	*चित्रायां४ गुरुः५६।५२ मघुश्रवा ३
७	गु	२८	५५	वि	५०	२५	ब्र	३२	२०	ग	१	४८	१२	३४	२६	२१	३०	५	वृ.३६।२१	भ. २८।५५ उ. ५६।४२ या.
८	शु	२४	२९	अ	४७	१८	ऐं	२५	३०	ब	२४	२९	८	३४	२६	२२	३१	६	वृश्चि.	
९	श	१८	३७	ज्ये	४४	५०	वै	१८	५१	कौ	१८	३७	४	३५	२५	२३	१	७	व.४४।५०	राष्ट्रीय भाद्रपदारंभः ६ दि. ३१
१०	र	१४	४४	मू	४३	१४	वि	१३	२	ग	१४	४४	०	३६	२४	२४	२	८	धनुषि	भ.४३/५७उ. मार्गीशनिः८।२९ आश्लेभृगुः१/२०
११	चं	११	४९	पू	४२	४०	प्री	८	४	वि	११	४९	३१/५६	३७	२३	२५	३	९	म.५७।४८	भ. ११।४९ या. पवित्रा ११ ब्र.
१२	मं	१०	०	उ	४३	१२	आ	३	५५	बा	१०	०	५२	३८	२२	२६	४	१०	मकरे	प्रदोषः
१३	बु	९	३०	श्र	४५	६	सौ	०/४६	५७/५०	तै	९	३०	४८	३८	२२	२७	५	११	मकरे	कृतिकायां भौमः३/५६ ऋगवेदीना श्रा.कर्म
१४	गु	१०	१९	ध	४८	१६	अ	५७	३२	व	१०	१९	४४	३९	२१	२८	६	१२	कुं.१६।४१	भ. १०।१९ उ. ४१।१६
१५	शु	१२	१३	श	५२	३५	सु	५७	२१	ब	१२	१३	४०	४०	२०	२९	७	१३	कुम्भे	रक्षाबन्धनं श्रावणी कर्म

१९पं. द्वि.श्रा.शु.३ र.इ.४०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	६	३	७	६	४
०	२१	११	३	८	२६	१	०
३२	५८	३७	१७	४४	१४	५९	५९
३८	४५	५२	२८	४२	३९	२५	४५
५७	३१	४६/२८	९	७३	३६/०	३	५७
३४	९	ब	३३	५६	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

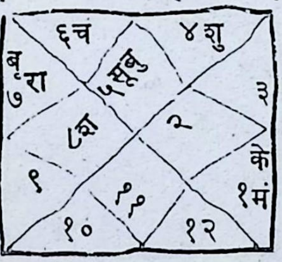

द्वि. श्रा. शु. ३
रवौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.५ न.५ युवा-वस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चिमे

गोचरग्रहाः

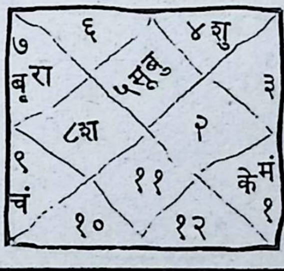

२०पं. द्वि.श्रा.शु.१० र.इ.४९/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	६	३	७	६	४
७	२५	५	४	१७	२६	१	७
१६	३०	४८	२२	१७	१२	३७	४४
१२	५१	१३	३६	४४	४२	९	१५
५७	२९	५९/१	१८	७३	०/३	३	५७
४५	१२	ब	१७	५७	मा	११	४८

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१५	१७	पू	६०	०	धृ	५७	५५	कौ	१५	१७	३५/३६	५/४१	६/१९	३०	८	१४	मी४३।५२	पूफायां रविः ५७।३९
२	र	१९	२८	पू	०	५७	शू	५९	५	ग	१९	२८	३२	४२	१८	३१	९	१५	मीने	भ. ५१।४९ उ. पूर्वोदयी बुधः ४९।५१
३	चं	२४	१०	उ	३	४९	गं	६०	०	वि	२४	१०	२८	४२	१८	१	१०	१६	मीने	भ. ३४/५० या. सितम्बर मा. ९ ता. ३०
४	मं	२९	३	रे	१०	९	गं	०	३२	बा	२९	३	२४	४३	१७	२	११	१७	मे.१०।९	मार्गी बुधः ४०।३१
५	बु	३३	०	अ	१६	२३	वृ	२	११	कौ	१	१	२१	४४	१६	३	१२	१८	मेषे	वृषे भौमः ३९।५२ चन्द्र ६
६	गु	३८	२२	भ	२२	३०	ध्रु	३	१७	ग	५	४१	१७	४५	१५	४	१३	१९	वृ.३८।४७	भ. ३८।२२ उ. सिंहे भृगुः ०।१७
७	शु	४१	५५	कृ	२७	४०	व्या	४	३	वि	१०	८	१४	४५	१५	५	१४	२०	बृषे	भ. १०।९ या. जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
८	श	४४	३०	रो	३२	३	ह	४	४	बा	१३	१२	१०	४६	१४	६	१५	२१	वृषे	जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	र	४५	५१	मृ	३५	८	व	३	३०	तै	१५	१०	६	४७	१३	७	१६	२२	मि३।३५	स्वात्यां १ गुरुः ३।१५ गोगा ९
१०	चं	४५	५२	आ	३७	३	सि	१/२४	५७/१२	व	१५	५२	२	४८	१२	८	१७	२३	मिथुने	भ. १५।५१ उ. ४५।२२ या.
११	मं	४४	३१	पु	३७	४३	व	५४	४१	ब	१५	१२	३०/५८	४८	१२	९	१८	२४	क.२२।३३	अजा ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	बु	४२	३	पु	३७	१५	प	४९	५३	कौ	१३	१७	५३	४९	११	१०	१९	२५	कर्के	अजा ११ ब्र. नि.
१३	गु	३८	३४	श्ले	३५	२१	शि	४४	१६	ग	१०	१८	४९	५०	१०	११	२०	२६	सिं३५।२१	भ. ३८।३४ उ. प्रदोषः
१४	शु	३४	१४	म	३२	४१	सि	३७	५०	वि	६	२४	४४	५१	९	१२	२१	२७	सिंहे	भ. ६।२४ या.
३०	श	२९	९	पू	२९	४९	सा	३०	५८	च	१	४२	४०	५२	८	१३	२२	२८	कं.४३।५४	उफायां रविः ४२।१८ पिठोरी ३०

२१पं.भा.कृ.२ र.इ.४०।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	६	३	७	६	४
१४	२८	१	५	२५	२६	१	१४
१	५२	४१	३२	५३	१४	१४	२९
२३	३२	३६	१९	२९	१	५४	५४
५७	२७	२०/३३	१०	७४	०	३	५८
५७	१९	ब	५९	२	५४	११	१

गोचरग्रहाः

इस मास में धान्य रुई अलसी जौ, गेहूँ, चना मंदा चांदी चंदन चावल पाट कुछ तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

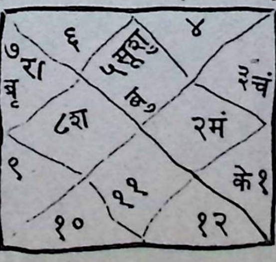

२२पं.भा.कृ. ९ र.इ.४०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	६	४	७	६	४
२०	१	३	६	४	२६	०	२१
४८	३९	३६	४७	५९	२२	५२	१६
४	२०	४३	८	५२	१८	३९	५९
५८	२४	५१/२२	११	७४	१	३	५८
१२	४७	मा	३२	१०	३३	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६२३ स.१९५८
१	र	२३	३२	उ	२६	११	शु	२३	३८	ब	२३	३२	३६	५३	६	१४	२३	२९	कन्यायां	पूफायां भृगुः ४९।१५
२	चं	१६	५९	ह	२२	३	शु	१५	५८	कौ	१६	५९	३२	५४	६	१५	२४	३०	तु.५०।१	चन्द्रद. मार्गीपूफायां बुधः ४९।८
३	मं	११	३६	चि	१७	५९	ब्र	८	१७	ग	११	३६	२८	५४	६	१६	२५	१	तुलायां	भ. ३८।३५ उ. रविलावल ३ गणेश ४
४	बु	५	३४	स्वा	१३	५७	ऐं	३९	५२/३०	वि	५	३४	२४	५५	५	१७	२६	२	बृ.५६।९	भ.५।३४ या. कन्यायामर्कः ७।२९ मार्गी*
५	बु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*ज्ये. ४ शनिः १९।५३ ऋषी ५
६	गु	५४	२६	वि	१०	१३	वि	४६	०	कौ	२७	७	२०	५६	४	१८	२७	३	बृश्चिके	
७	शु	४९	३८	अ	६	५२	प्री	३९	१५	ग	२२	२	१६	५७	३	१९	२८	४	वृश्चिके	भ. ४९।३८ उ. पूर्वास्तं बुधः ५४।५३
८	श	४५	४९	ज्ये	४	२२	आ	३३	२	वि	१७	४४	१२	५८	२	२०	२९	५	ध.४।२२	भ. १७।४४ या.
९	र	४२	५७	मू	२	३६	सौ	२७	५४	बा	१४	२३	८	५८	२	२१	३०	६	धनुषि	+११ ब्र. राष्ट्रीय आश्विन मा.७ दि.३०
१०	चं	४१	१३	पू	१	३४	शो	२३	३०	तै	१२	५	४	५९	१	२२	३१	७	म.१६।४०	रामदेवजी का मेला ×५३/५९ वामनज.
११	मं	४०	४७	उ	१	५८	अ	२०	३	व	११	०	३०/००	६/०	६/०	२३	१	८	मकरे	भ. ११/० उ. ४०/७ या. उफायांबुधः ३९/४५ जलझू.+
१२	बु	४१	३१	श्र	३	९	सु	१७	३८	ब	११	९	२९/५५	६/५	५९	२४	२	९	कु.३४।४५	स्वात्यां २ गुरुः २५।० चित्रायां २ केतुः×
१३	गु	४३	३९	ध	६	२२	धृ	१६	८	कौ	१२	३५	५१	२	५८	२५	३	१०	कुम्भे	कन्यायांबुधः ३०/३८ उफायां भृगुः ३५/५२ प्रदोषः
१४	शु	४६	४८	श	१०	२२	शू	१५	३७	ग	१५	१३	४६	३	५७	२६	४	११	मी४९।१२	भ. ४६।४८ उ. अनन्त १४
१५	श	५१	४	पू	१५	२८	गं	१५	५८	वि	१८	५६	४२	४	५६	२७	५	१२	मोने	भ. ५१/५६ या. हस्तेरविः ३९/५७ महालयारम्भः

२३पं.भा.शु.१ र.इ.४०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
.४	१	४	६	४	७	६	४
२७	४	११	८	१३	२६	०	२८
३६	४	३२	५	८	३४	३०	५
२७	३१	४३	७	४७	६	२३	२१
५८	२१	९३	१२	७४	३	३	५८
२९	४७	२२	८	२०	१३	११	६

गोचरग्रहाः

भा. शु. ४ बुधे कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.४बालाव-स्था[बैठी]मु.१५ (धान्य भाव सम) शुक्रो. पश्चिमे ।

गोचरग्रहाः

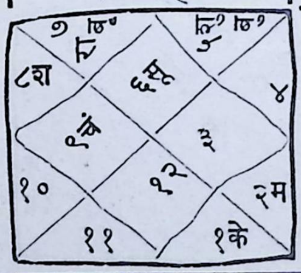

२४पं. भा.शु.९ र.इ.४०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	६	४	७	६	५
४	६	२३	९	२१	२६	०	४
२६	६	२२	२५	४८	५०	८	५५
३२	१२	६	४६	२३	१८	८	१२
५८	१८	४/०	१२	७४	२	३	५८
४५	२९	०/१३	२७	२४	५३	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५५	५०	उ	२१	९	वृ	१६	५३	बा	२३	२७	२९/२८	६/४	५/५६	२८	६	१३	मीने	कन्यायां भृगुः १७।५
२	चं	६०	०	रे	२७	३४	ध्रु	१८	१२	तै	२८	२०	३४	५	५५	२९	७	१४	मे.२७।३४	
२	मं	०	५०	अ	३३	५८	व्या	१९	४१	ग	०	५०	३०	६	५४	३०	८	१५	मेषे	भ. ३३।२० उ. हस्ते बुधः ४४।४२
३	बु	५	५०	भ	४०	३	ह	२०	५४	वि	५	५०	२६	७	५३	१	९	१६	बृ.५६।२८	भ. ५।५० या. अक्टूबर मा. १० ता. ३१
४	गु	१०	१९	कृ	४५	४३	व	२२	२४	बा	१०	१९	२२	८	५२	२	१०	१७	बृषे	
५	शु	१३	५६	रो	५०	५	सि	२१	५३	तै	१३	५६	१८	८	५२	३	११	१८	बृषे	
६	श	१६	३२	मृ	५३	३९	व्य	२१	१९	व	१६	३२	१६	९	५१	४	१२	१९	मि२१।५२	भ. १६।३२ उ. ४७।१६ या.
७	र	१७	५९	आ	५७	३	व	१९	२८	ब	१७	५९	१०	१०	५०	५	१३	२०	मिथुने	
८	चं	१८	६	पु	५६	३४	प	१६	५४	कौ	१८	६	६	११	४९	६	१४	२१	क.४१।४१	हस्ते भृगुः १६।४३
९	मं	१६	५२	पु	५६	२३	शि	१३	१५	ग	१६	५२	२	१२	४८	७	१५	२२	कर्के	भ. ४५।३९ उ.
१०	बु	१४	२६	श्ले	५४	५६	सि	८	३६	वि	१४	२६	२८/५८	१२	४८	८	१६	२३	सिं५४।५६	भ. १४।२६ या. चित्रायां बुधः १२।३१
११	गु	११	१	म	५२	३६	सा	४२/०	५४/१	बा	११	१	५३	१३	४७	९	१७	२४	सिंहे	इन्दिरा ११ ब्र.
१२	शु	६	४६	पू	५०	२६	शु	५०	०	तै	६	४६	५०	१४	४६	१०	१८	२५	सिंहे	चित्रायांरविः ५३/४० स्वात्यां ३ गुरुः ४५/३३ प्रदोषः
१३	श	१	४५	उ	४५	५७	ब्र	४२	४२	व	१	४५	४६	१५	४५	११	१९	२६	कं.४।१९	भ.१।४५उ.२९।०या.शस्त्रादिहतानांश्रा.
१४	श	५४	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
३०	र	५०	२३	ह	४१	५८	ऐं	३५	५	च	२३	१८	४२	१६	४४	१२	२०	२७	कन्यायां	तुलायां बुधः १५।१२

२५पं. आ.कृ.१र.इ.३९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	६	५	७	५	५
११	७	६	१०	०	२७	२९	११
१८	३६	१२	५०	२८	११	४५	४३
१८	१	३०	२१	२०	७	५२	५५
५९	१४	४/०	१२	७४	३	३	५८
०	४२	०/२३	५२	२६	३३	११	५३

२६पं.आ.कृ.७र.इ.३९।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	६	५	७	५	५
१८	८	१२	१२	९	२७	२९	१८
१२	३१	४५	१७	१४	३६	२३	४०
२७	४९	११	१५	७	१२	३७	९
५९	९	७/०	१३	७४	४	३	५९
१६	१८	०/४४	१३	२६	१३	११	९

२७पं.आ.कृ.३०र.इ.३९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	६	६	.५	७	५	५
२५	१८	०	१३	१७	२८	२९	२५
८	४७	४२	४५	५८	५	१	३५
९	१७	१	४७	९	१४	२२	६
५९	४	२०/०	१३	७४	४	३	५९
३१	३२	०/२५	२०	३२	४४	११	२१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१६५२ स.१९५८
१	चं	४४	२५	चि	३८	२	वै	२७	१९	किं	१७	२४	२८/३८	६/१६	५/४४	१३	२१	२८	तु.१०।०	नवरात्रारम्भ. घटस्था. अभिजिति.
२	मं	३८	२६	स्वा	३?	४८	वि	१९	३८	बा	१०	२६	३४	१७	४३	१४	२२	२९	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् *चित्रायांभृगुः ५५।४६
३	बु	३२	२६	वि	२९	५६	प्री	११	५८	तै	५	२६	३०	१८	४२	१५	२३	१	बृ.१५।५४	भ. ५९।५८ उ. रविलाखर ४
४	गु	२७	२७	अ	२६	३०	आ	४/३६	५३/८	वि	२७	२९	२६	१९	४१	१६	२४	२	बृश्चिके	भ. २७।२९ या. स्वात्यां बुधः ७।१५*
५	शु	२२	५१	ज्ये	२३	३८	शो	५१	२५	बा	२२	५१	२२	२०	४०	१७	२५	३	ध.२३।३८	तुलायामर्कः ३३।१८
६	श	१८	५५	मू	२१	२३	अ	४५	३८	तै	१८	५५	१८	२०	४०	१८	२६	४	धनुषि	वक्री भौमः ३८।२३ सरस्वत्यावाहनं
७	र	१६	३१	पू	२०	२९	सु	४१	७	व	१६	२१	१४	२१	३९	१९	२७	५	म.३५।३१	भ. १६/२१ उ. ४५/२७ या. पूर्वास्तोभृगुः ३३।०×
८	चं	१४	३३	उ	२०	२६	धृ	३७	१९	ब	१४	३३	१०	२२	३८	२०	२८	६	मकरे	अस्तं गुरुः ३९।३६ अ. गु.
९	मं	१४	२२	श्र	२१	४५	शू	३४	२७	कौ	१४	२२	६	२३	३७	२१	२९	७	कु.३५।५	मन्वादिः विजयादशमी ×स.पू. पू.अ.भृ.
१०	बु	१५	२३	ध	२४	२५	गं	३२	३९	ग	१५	२३	२	२४	२६	२२	३०	८	कुंभे	भ.४३/२६ उ. तुलायां भृगुः १७/४५ विजया१०
११	गु	१७	२९	श	२८	१२	वृ	३१	५५	वि	१७	२९	२७/५८	२४	३६	२३	१	९	कुम्भे	भ.१७/२९या. पापांकुशा११व्र. रा.कार्तिकार.
१२	शु	२०	४७	पू	३३	३	ध्रु	३१	५०	बा	२०	४७	५४	२५	३५	२४	२	१०	मी१६।५०	स्वात्यांरविः १४/१८ विशा. बुधः४०/५० प्रदोषः
१३	श	२५	७	उ	३८	४३	व्या	३२	२०	तै	२५	७	५०	२६	३४	२५	३	११	मीने	पश्चिमोदयी बुधः
१४	र	२९	५९	रे	४४	५९	ह	३३	३७	व	२९	५९	४६	२७	३३	२६	४	१२	मे.४४।५९	भ.२९/५९उ.स्वत्यां४गुरुः७।२१ शरत्पूर्णिमा
१५	चं	३५	६	अ	५१	२३	व	३५	०	वि	२	३३	४२	२८	३२	२७	५	१३	मेषे	भ.३/३या. स्वा.भृगुः३६/२० शरत्पूर्णिमा वै.

२८पं.आ.शु.७र.इ.३९।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	६	५	७	५	६
२	८	१२	१५	२६	२८	२८	२
५	१८	८	१६	४३	३७	३९	३१
३०	३४	४०	३	१७	४९	६	३५
५९	०/४३	०/०	१३	७४	५	३	५९
४६	ब	०/३	३२	३२	११	११	३४

गोचरग्रहाः

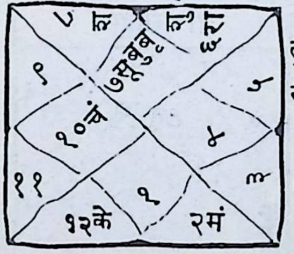

आश्विन शु.५ शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा.३ न.५ गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

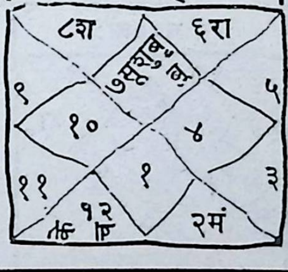

२९पं.आ.शु.१४र.इ.३९।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	६	६	७	५	६
९	७	२३	१६	५	२९	२८	९
४	८	२	४७	२९	१३	१६	२९
५३	५०	५९	१२	२	३३	५१	५२
५९	५/३६	९५	१३	७४	५	३	५९
२	ब	२५	३३	३२	३८	११	४७

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे आविश्नकृष्णेतिमहा.
१	मं	४०	१३	भ	५७	३१	सि	३६	१७	बा	७	३९	२७/३८	६/२८	५/३२	२८	६	१४	मेषे	
२	बु	५३	४४	कृ	६०	०	व्य	३७	१२	तै	१२	२८	३५	२९	३१	२९	७	१५	बृ.१३।५६	
३	गु	४८	२३	कृ	३	१३	व	३७	२९	व	१६	३४	३१	३०	३०	३०	८	१६	बृषे	भ. १६।३४ उ. ४८।२३ या.
४	शु	५१	१	रो	७	५९	प	३७	२	ब	१९	४२	२८	३०	३०	३१	९	१७	मि३९।५०	वृश्चिके बुधः १९।४२
५	श	५२	३०	मृ	११	४१	शि	३५	३५	कौ	२१	५५	२४	३१	२९	१	१०	१८	मिथुने	**नवम्बर मा. ११ ता. ३०**
६	र	५२	३७	आ	१४	५	सि	३३	१०	ग	२२	३४	२०	३२	२८	२	११	१९	मिथुने	भ.५२।३७ उ. अनुराधायांबुधः ३३।५३
७	चं	५०	२४	पु	१५	१९	सा	२९	४७	वि	२१	३१	१७	३३	२७	३	१२	२०	क. ०।१	भ. ३३/२१ या. मूले१ धनुषि शनिः ४७।५४
८	मं	४९	१	पु	१५	२४	शु	२५	२१	बा	१९	४२	१३	३३	२७	४	१३	२१	कर्के	
९	बु	४७	४७	श्ले	१४	८	शु	२०	२	तै	१८	२४	१०	३४	२६	५	१४	२२	सिं१४।८	
१०	गु	४१	२२	म	१२	३	ब्र	१४	४३	व	१४	३५	६	३५	२५	६	१५	२३	सिंहे	भ.१४/३५ उ.४१/२२ या. विशाखायां रविः ३१/४३
११	शु	३६	२२	पू	९	१३	ऐं	७/५०	५२/४५	ब	८	५२	३	३५	२५	७	१६	२४	कं.२३।२०	विशाखायां भृगुः ११।११ रमा ११ व्र.
१२	श	३०	५४	उ	५	४०	वि	५२	२०	कौ	३	३८	२६/५९	३६	२४	८	१७	२५	कन्यायां	धन १३
१३	र	२५	९	ह	५/४३	५५/५८	प्री	४४	३४	ब	२५	९	५६	३७	२३	९	१८	२६	तु॰२९।४२	भ. २५।९ उ. ५२।१३ या. रूप १४
१४	चं	१९	१६	स्वा	५३	३१	आ	३६	५०	श	१९	१६	५२	३८	२२	१०	१९	२७	तुलायां	विशाखायां१ गुरुः १७/५१ महालक्ष्मी पूजनं
३०	मं	१३	२२	वि	४३	३२	सौ	२९	७	ना	१३	२२	४९	३८	२२	११	२०	२८	वृ. ३५।३२	ज्येष्ठायां बुधः ५०।३६ अन्नकूटं

३०पं.का.कृ.६ र.इ.३९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	६	६	७	५	६
१६	५	३	१८	१४	२९	२७	१६
५	१४	२७	१९	१६	५३	५४	२९
५६	३०	४२	३२	०	१	३६	४०
६०	१०/१३	८९	१३	७४	६	३	६०
१८	ब	२६	३८	३८	५	११	४

गोचरग्रहाः

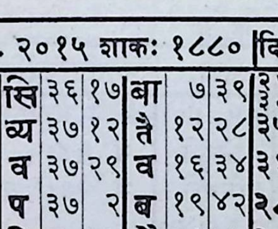

इस मास में प्रजा में पीड़ा होगी। गुड़ खांड घृत तिल तेल तेज होगा। चांदी में मन्दी हो।

गोचरग्रहाः

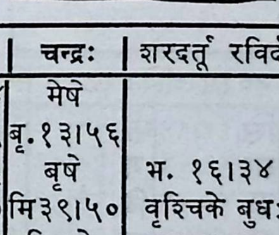

३१पं.का.कृ.१३र.इ.३८।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	६	६	८	५	६
२३	२	१३	१९	२३	०	२७	२३
८	५८	२१	५१	३	३४	३२	३१
३४	२	११	८	४०	२७	३०	१
६०	१४/३०	८१	१३	७४	६	३	६०
३०	ब	५०	३८	३८	२४	११	१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.अ.		इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१६४२ स. १९५८
१	बु	७	४७	अ	४६	४	शो	२१	३५	ब	७	४७	२६/४६	६/३९	५/२१	१२	२१	२९	बृश्चिके	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	२	४३	ज्ये	४३	१	अ	१४	२५	कौ	२	४३	४३	३९	२१	१३	२२	१	ध.४३।१	जमादिलावल ५ भ्रातृ २
३	गु	५५	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
४	शु	५४	३२	मू	४०	४०	सु	७	४४	व	२६	१९	४०	४०	२०	१४	२३	२	धनुषि	भ. २६।२० उ. ५४।३२ या.
५	श	५१	५४	पू	३९	३०	धृ	५१/५०	५४/५८	ब	२३	१३	३७	४१	१९	१५	२४	३	म.५३।५७	उदयंगुरुः ४४/२४ बृश्चिकेभृगुः ८।५९ उ.गु.
६	र	५०	२४	उ	३७	१९	गं	५२	४१	कौ	२१	९	३४	४१	१९	१६	२५	४	मकरे	बृश्चिकेऽर्कः २६।४
७	चं	५०	१३	श्र	४०	१९	वृ	४९	२७	ग	२०	१९	३१	४२	१८	१७	२६	५	मकरे	भ.५०।१३ उ. अनुराधायांभृगः ४९।४५
८	मं	५१	१४	ध	४२	५०	ध्रु	४७	१२	वि	२०	४३	२९	४२	१८	१८	२७	६	कु.११।२४	भ.३०/४४या. वक्रीमेषेभौमः ६।४६ गोपाष्टमी
९	बु	५३	४१	श	४६	३	व्या	४५	५४	बा	२२	२८	२६	४३	१७	१९	२८	७	कुम्भे	अनुराधायां रविः ४३।३९ कुष्माण्ड ९
१०	गु	५७	१४	पू	५०	४४	ह	४४	४२	तै	२५	२७	२४	४३	१७	२०	२९	८	मी३४।३४	*मार्गशीर्ष मासारंभः
११	शु	६०	०	उ	५६	१७	व	४६	८	ब	२९	२७	२१	४४	१६	२१	३०	९	मीने	भ.३९/२७उ. प्रबोधिनी ११व्र.स्मा. तुलसीवि.
११	श	१	४०	रे	६०	०	सि	४७	१०	वि	१	४०	१९	४४	१६	२२	१	१०	मीने	भ. १।४० या. प्रबोधिनी ११व्र. राष्ट्रीय*
१२	र	६	३८	रे	२	२६	व्य	४८	२४	बा	६	३८	१६	४५	१५	२३	२	११	मे.२।२६	हरिवासरः घ. २।२६ या.
१३	चं	११	४७	अ	८	४५	व	४९	३७	तै	११	४७	१५	४५	१५	२४	३	१२	मेषे	धनुषि बुधः १०।५५ बैकुण्ठ १४
१४	मं	१६	५२	भ	१५	५	प	५०	४४	व	१६	५२	११	४६	१४	२५	४	१३	बृ.३१।३३	भ.१६/५२ उ.४९/१३ या. विशाखायां२ गुरुः ३९/३३
१५	बु	२१	३४	कृ	२०	५७	शि	५०	५८	ब	२१	३४	९	४६	१४	२६	५	१४	बृषे	चित्रायां१ राहुःरेवत्यां३केतुः४५/३ का.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.६ र.इ.३८।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	६	७	८	५	७
०	०	२२	२१	१	१	२७	०
१२	२५	३४	२३	५१	१८	१०	३३
३९	२५	३१	४४	३०	२०	५	४९
६०	१७/१८	४७	१३	७४	६	३	६०
४०	ब	१	४२	३८	३७	११	३०

गोचरग्रहाः

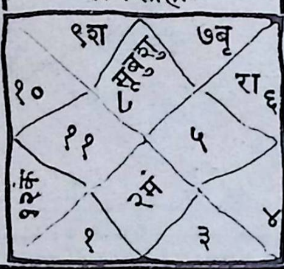

कार्तिक शुक्ला६ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ नं. ३ युवावस्था(सूती) मु. ४५ (धान्य भाव सम)शु.पू.।

गोचरग्रहाः

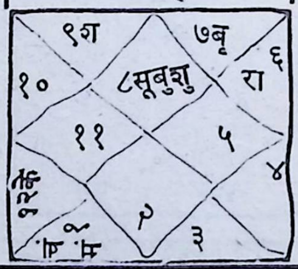

३३पं.का.शु.१२र.इ.३८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	७	८	५	७
७	२८	२९	२२	१०	२	२६	७
१८	२	३४	५५	३९	४	४७	३७
१३	६	३१	३	३४	१०	४९	४२
६०	१६/४६	४७	१३	७४	६	३	६०
५३	ब	१	२८	३२	५७	११	४२

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२५	७	रो	२५	५२	सि	५०	५०	कौ	२५	७	२६/६	६/४७	५/१३	२७	६	१५	मि५७।५१	वक्री भरण्यां भौमः ५१।४७
२	शु	२८	४६	मृ	२९	५१	सा	४९	२६	ग	२८	४६	४	४७	१३	२८	७	१६	मिथुने	भ. ५८।५८ उ. ज्येष्ठायां भृगः २३।०
३	श	२९	९	आ	३२	४८	शु	४७	२९	वि	२९	९	१	४८	१२	२९	८	१७	मिथुने	भ. २९।९ या. वक्री बुधः ५२।५९
४	र	२९	१८	पु	३४	७	शु	४४	२२	बा	२९	१८	३५/५८	४८	१२	३०	९	१८	क.१८।४७	
५	चं	२८	४	पु	३४	३४	ब्र	४०	११	तै	२८	४	५६	४९	११	१	१०	१९	कर्के	**दिसम्बर मा. १२ ता. ३१**
६	मं	२५	३८	श्ले	३३	२८	ऐं	३५	६	व	२५	३८	५४	४९	११	२	११	२०	सिं३३।२८	भ.३५/३८ उ.५३/५८या. ज्येष्ठायांरविः५०।४८
७	बु	२२	१८	म	३१	३२	वै	२९	१९	ब	२२	१८	५२	५०	१०	३	१२	२१	सिंहे	*मूले शनिः ५७।७
८	गु	१८	३	पू	२८	४८	वि	२२	३८	कौ	१८	३	५१	५०	१०	४	१३	२२	कं.४२।५८	अस्तंशनिः ७।५९ पश्चिमास्तं बुधः ५४/४४*
९	शु	१३	२	उ	२५	२९	प्री	१५	३५	ग	१३	२	४९	५०	१०	५	१४	२३	कन्यायां	भ. ४०।२० उ. वक्री ज्येष्ठायां बृश्चिके×
१०	श	७	३७	ह	२१	४०	आ	८	८	वि	७	३७	४८	५०	१०	६	१५	२४	तु.४९।३४	भ. ७।३७ या. ×बुधः ५२।२१
११	र	१	५६	चि	१७	२७	सौ	०/२०	५२/५१	बा	१	५६	४६	५१	९	७	१६	२५	तुलायां	शौभनयोगक्षयः ५२।११ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	र	५४	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः +प्रदोषः प.उ.भृ.
१३	चं	५०	१३	स्वा	१३	२९	अ	४४	४६	ग	२३	७	४५	५१	९	८	१७	२६	बृ.५५।२८	भ. ५०।१३ उ. पश्चिमोदयं भृगुः १५।०+
१४	मं	४४	४०	वि	९	५८	सु	३७	५	वि	१७	२६	४३	५१	९	९	१८	२७	बृश्चिके	भ. १७।२७ या. मूले धनुषि भृगुः १।५८
३०	बु	३९	३९	अ	५	५३	धृ	२९	५०	च	१२	९	४२	५२	८	१०	१९	२८	वृश्चिके	

३४पं.मा.कृ.४ र.इ.३८।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	८	६	७	८	५	७
१४	२५	२	२४	१९	२	२६	१४
२५	५८	२७	२४	२७	५०	२५	४२
६	१८	२४	२४	५७	५२	३४	५६
६१	१५/२	५/४२	१३	७४	७	३	६०
३	ब	ब	२०	३२	५	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में सुख शांति रुई अनाज गेहूँ, जौ, चना, मूंग, मोंठ, बाजरा, चावल मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

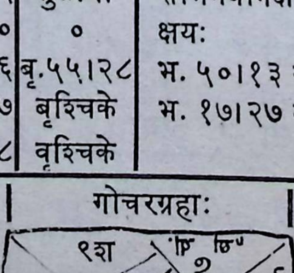

३५पं.मा.कृ.११र.इ.३८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	७	८	५	७
२१	२४	२७	२५	२८	३	२६	२१
३२	२७	२२	५३	१५	३९	३	४९
५३	३२	१	२०	५४	२५	१९	१
६१	१३/३	८९/३४	१३	७४	७	३	६०
११	ब	ब	७	३२	१४	११	५६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः	सं. २०१५	शाकः १८८०									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	३१	१८	ज्ये	२	४०	शू	२३	०	किं	७	२९	३५/४१	६/५२	५/८	११	२०	२९	ध.२।४०
२	शु	३१	४८	मू	१०/५०	५६/४६	गं	१६	४४	बा	३	३३	४०	५२	८	१२	२१	३०	धनुषि
३	श	२९	२१	उ	५८	१८	वृ	११	२२	तै	०	३४	३९	५२	८	१३	२२	१	म.१३।५३
४	र	२७	२९	श्र	५९	२	ध्रु	६	५३	वि	२७	२९	३८	५२	८	१४	२३	२	मकरे
५	चं	२७	५५	ध	६०	०	व्या	३	२२	बा	२७	५५	३८	५२	८	१५	२४	३	कु.३०।०
६	मं	२९	१५	ध	०	५७	ह	०/४४	५८/२३	तै	२९	१५	३७	५३	७	१६	२५	४	कुम्भे
७	बु	३१	३३	श	४	१४	सि	५८	३३	ग	०	२४	३७	५३	७	१७	२६	५	मी५२।३३
८	गु	३५	२२	पू	८	३९	व्य	५८	४२	वि	३	२७	३७	५३	७	१८	२७	६	मीने
९	शु	३९	५३	उ	१४	१	व	५९	२९	बा	७	३७	३६	५३	७	१९	२८	७	मीने
१०	श	४४	५५	रे	२०	५	प	६०	०	तै	१२	२४	३६	५३	७	२०	२९	८	मे.२०।५
११	र	५०	१०	अ	२६	२८	प	०	४२	व	१७	३२	३६	५३	७	२१	३०	९	मेषे
१२	चं	५५	१८	भ	३२	१९	शि	१	४७	ब	२२	४४	३६	५३	७	२२	१	१०	वृ.४९।२
१३	मं	५९	५२	कृ	३९	१२	सि	२	५८	कौ	२७	३५	३७	५३	७	२३	२	११	बृषे
१४	बु	६०	०	रो	४३	५८	सा	३	३४	ग	३१	४०	३७	५३	७	२४	३	१२	बृषे
१४	गु	३	२९	मृ	४८	१७	शु	३	२०	व	३	२९	३७	५३	७	२५	४	१३	मि१६।८
१५	शु	६	५	आ	५०	५०	शु	२	४४	ब	६	५	३८	५२	८	२६	५	१४	मिथुने

हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१८११ स.१९५८

विशाखायां ३ गुरुः २९।३६
चन्द्रदर्शनम्
भ. ५८।२५ उ. जमादिलाखर ६
भ. २७।२९ या.
मूलेधनुष्यर्कः ५४।३३ पूर्वोदयीबुधः ५५/४१
वक्री अनुराधायां बुधः २७।५५ चम्पा ६
भ. ३१।३३ उ.
भ. ३।२८ या.
पूषायां भृगुः ३४।५७ कल्पादिः
मार्गी बुधः २५।१५
भ. १७।३३ उ. ५०/१० या. मोक्षदा ११ व्र.
राष्ट्रीय पौष मासः
मार्गीभौमः ६/५४ मार्गीज्येष्ठायां बुधः ४३/३*
पिशाच मोचन श्राद्धम् *प्रदोषः
भ. ३।२९ उ. ३४।३७

३६पं. मा.शु.४र.इ.३७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	८	५	७
२८	२३	१८	२७	७	४	२५	२८
४१	३७	४२	१९	४	२८	४१	५५
३६	३३	५०	४४	१९	२२	३	५८
६१	९	७/३२	१२	७४	७	३	६१
१९	ब	ब	४०	३१	२०	११	०

गोचरग्रहाः

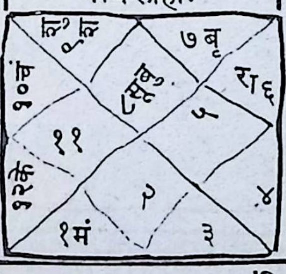

मार्गशीर्ष शु. ५ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र.वा. २न. ३गताल्कावस्था (ऊभी) मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

३७पं.मा.शु.११र.इ.३७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	६	८	८	५	८
५	२३	१६	२८	१५	५	२५	६
५१	२७	११	४३	५२	१८	१८	३
२	२३	७	३५	१३	१४	४८	३३
६१	१/८	१४/६	१२	७४	७	३	६१
२२	ब	मा	१७	२६	२३	११	५

ति.	पौष	कृष्णपक्षः	सं. २०१५	शाकः १८८०									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	७	२५	पु	५३	७	ब्र	०/४५	५७/१३	कौ	७	२५	३५/३८	६/५२	५/८	२७	६	१५	क.३७।३३
२	र	७	२८	पु	५४	४१	वै	५४	९	ग	७	२८	३८	५२	८	२८	७	१६	कर्के
३	चं	६	११	श्ले	५३	८	वि	४९	२९	दि	६	११	३९	५२	८	२९	८	१७	सिं५३।८
४	मं	३	४२	म	५१	३२	प्री	४३	४७	बा	३	४२	३९	५२	८	३०	९	१८	सिंहे
५	बु	०	१६	पू	४८	५४	आ	३७	२६	तै	०	१६	४०	५२	८	३१	१०	१९	सिंहे
६	बु	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	गु	५०	११	उ	४५	३९	सौ	३०	३३	वि	२४	५	४१	५२	८	१	११	२०	कं. ३।५
८	शु	४५	१७	ह	४१	५९	शो	२३	११	बा	१७	४३	४२	५२	८	२	१२	२१	कन्यायां
९	श	३९	४५	चि	३७	५७	अ	१५	२६	तै	१२	३१	४३	५१	९	३	१३	२२	तु.९।५८
१०	र	३३	५४	स्वा	३३	४९	सु	७/३८	५२/१४	व	६	४९	४४	५१	९	४	१४	२३	तुलायां
११	चं	२८	११	वि	२९	४८	शू	४२	११	ब	१	२	४५	५१	९	५	१५	२४	वृ.१५।४८
१२	मं	२२	४५	अ	२६	४	गं	४४	३५	तै	२२	४५	४७	५१	९	६	१६	२५	वृश्चिके
१३	बु	१७	४९	ज्ये	२२	५८	वृ	३७	३८	व	१७	४९	४८	५०	१०	७	१७	२६	ध.२२।५८
१४	गु	१२	३१	मू	२०	२३	ध्रु	३१	१५	श	१२	३१	५०	५०	१०	८	१८	२७	धनुषि
३०	शु	१०	१२	पू	१८	३०	व्या	२५	३८	ना	१०	१२	५२	५०	१०	९	१९	२८	म.३२।५०

हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ३६।५० उ. पूषायां रविः ५६।१०*
भ. ६।११ या.
उषायां भृगुः १२।३०
भ. ५६।० उ.
*विशाखायां४ वृश्चिके गुरुः १८।१३
भ. २४।६ या. मकरे भृगुः ४९।२२×
मूले ३ शनिः २२।५४
×जनवरी मा. १ ता. ३० सन् १९५९
भ. ६।५० उ. ३३।५४ या.
धनुषि बुधः ४०।७ सफला ११ व्र.
उदयं शनेः २५।० प्रदोषः
भ. १७/४९ उ. ४५/४० या. अभिजित्प्रवृतौभृगुः ११/४७
श्रवणे भृगुः ४९।३६

३८पं. पौ.कृ.२२र.इ.३७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	७	८	८	५	८
१३	२३	२०	०	२४	६	२४	१३
०	५५	४७	३	४२	७	५६	११
५५	२	५०	४८	८	३८	३३	३२
६१	४/५२	५२	११	७४	७	३	६१
२६	मा	५६	४९	२६	२०	११	६

गोचरग्रहाः

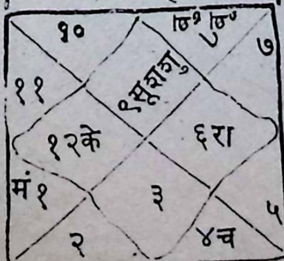

इस मास में पांच शनिवार अशुभ हैं प्रजा में पीड़ा शीत अधिक कहीं कहीं खेतियों में नुकसान होगा।

गोचरग्रहाः

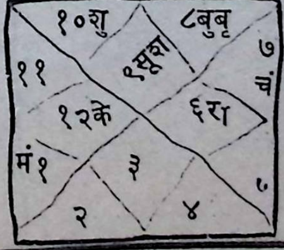

३९पं.पौ.कृ.१०र.इ.३७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	७	९	८	५	८
२०	२४	२८	१	३	६	२४	२०
१०	५७	४३	२०	२८	५६	३४	१९
५३	०	५५	४२	२९	१३	१७	३७
६१	९	७२	११	७४	७	३	६१
२६	७	४८	९	२६	१४	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	श	७	४९	उ	१५	४८	ह	२०	५२	ब	७	४९	२५/५४	६/४९	५/११	१०	२०	२९	मकरे
२	र	६	३५	श्र	१८	१९	व	१७	७	कौ	६	३५	५६	४९	११	११	२१	१	कु.४९।६
३	चं	६	५०	ध	१९	५४	सि	१४	६	ग	६	५०	५८	४८	१२	१२	२२	२	कुंभे
४	मं	८	१७	श	२२	५७	व्य	१२	१२	वि	८	१७	२६/०	४८	१२	१३	२३	३	कुम्भे
५	बु	१०	४३	पू	२७	३	व	११	१४	बा	१०	४३	३	४७	१३	१४	२४	४	मी११।२
६	गु	१४	२७	उ	३२	१५	प	११	७	तै	१४	२७	५	४७	१३	१५	२५	५	मीने
७	शु	१९	२०	रे	३८	१०	शि	११	४६	व	१९	२०	८	४६	१४	१६	२६	६	मे.३८।१०
८	श	२४	१२	अ	४४	३१	सि	१३	३१	ब	२४	१२	१०	४६	१४	१७	२७	७	मेषे
९	र	२९	२७	भ	५०	५८	सा	१४	३	कौ	२९	२७	१२	४६	१५	१८	२८	८	मेषे
१०	चं	३४	२९	कृ	५७	३६	शु	१५	१२	तै	१	५८	१५	४५	१५	१९	२९	९	वृ.७।३८
११	मं	३८	५९	रो	६०	०	शु	१६	३	व	६	४४	१७	४५	१५	२०	३०	१०	वृषे
१२	बु	४२	३९	रो	२	२७	ब्र	१६	१७	ब	१०	४९	२०	४४	१६	२१	१	११	मि३४।४२
१३	गु	४५	७	मृ	६	५७	ऐं	१५	४१	कौ	१३	५३	२२	४४	१६	२२	२	१२	मिथुने
१४	शु	४६	१३	आ	१०	२२	वै	१४	११	ग	१५	४२	२५	४३	१७	२३	३	१३	क.५६।४९
१५	श	४५	१७	पु	१२	१८	वि	११	४४	वि	१५	४५	२७	४३	१७	२४	४	१४	कर्के

हिमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१७४१ स.१९५९

चन्द्रदर्शनं उषायां ५७/३८ अभिजिन्निवृत्तो*
रज्जब ७ *भृगुः ३२।३९
भ. ३७/३४ उ. मार्गी कृत्तिकायां भौमः ५१/१५
भ. ८।१७ या.
मकरेऽर्कः १३।५
पूषायां बुधः २८।१०
भ. १९/२० उ. ५१/४६ या. अनुराधायां१ गुरुः ३५/५७

×धनिष्ठायां भृगुः ३०/२८ पुत्रदा ११ब्र.म.
भ. ६/४४ उ. ३/५९ या. अभिजित्प्रवृत्तोरविः ४४/२२×

प्रदोषः +रविः ५३/३७ उषायांबुधः १७/२२
भ.४६।१७ उ. वृषे भौमः ५६।४२
भ.१५/४५ या. श्रवणरविः ०/२२ अभिजिन्निवृत्तो+

४०पं. पौ.शु.२ र.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	७	९	८	५	८
२७	२६	८	२	१२	७	२४	२७
२०	२३	५	३३	१३	४४	१२	२७
४४	५६	३१	२४	३२	३१	२	४२
६१	१३	८३	१०	७४	७	३	६१
२४	३	३३	२९	२०	२	११	२४

गोचरग्रहाः

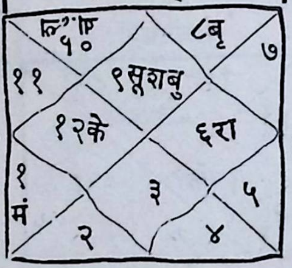

पौष शु. ५ बुधे
मकरेऽर्कः प्र.वा.३
न.३गताल्कावस्था
(ऊभी)मु. ३०(धान्य
भाव सम) शुक्रोदय
पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

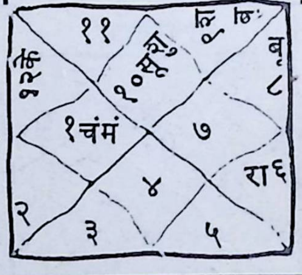

४१पं. पौ.शु.९ र.इ.३७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	७	९	८	८	९
४	२८	१८	३	२१	८	८	४
३०	११	१२	४१	०	३०	४९	३५
१२	५	३	१९	२	५६	४७	३३
६१	१७	९२	९	७४	६	३	६१
१९	१४	३७	४४	१४	५२	११	३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	र	४४	५३	पु	१३	३५	प्री	८	५	बा	१५	३	२६/३०	६/४२	५/१८	२५	५	१५	कर्के
२	चं	४१	१८	श्ले	१३	३	आ	३/९	५५/२२	तै	१३	५	३३	४१	१९	२६	६	१६	सिं१३।३
३	मं	३८	४१	म	११	२९	शो	५२	२६	व	१०	०	३६	४१	१९	२७	७	१७	सिंहे
४	बु	३४	२४	पू	९	६	अ	५४	३९	ब	६	३३	३९	४०	२०	२८	८	१८	कं.२३।२०
५	गु	२९	१९	उ	६	१	सु	३८	२७	कौ	१	५२	४२	४०	२१	२९	९	१९	कन्यायां
६	शु	२३	४७	ह	३ २/१	५६/२	धृ	३१	३	व	२३	४७	४५	३९	२२	३०	१०	२०	तु.३०।३२
७	श	१८	३	स्वा	५४	२९	शू	२३	१९	ब	१८	३	४८	३८	२२	३१	११	२१	तुलायां
८	र	१२	१२	वि	५०	२८	गं	१५	३२	कौ	१२	१२	५२	३८	२३	१	१२	२२	बृ.३६।२८
९	चं	६	४०	अ	४६	३७	वृ	३७	५२/२१	ग	६	४०	५५	३७	२४	२	१३	२३	वृश्चिके
१०	मं	१	७	ज्ये	४३	१६	व्या	५२	४७	वि	१	७	५९	३६	२४	३	१४	२४	ध.४३।१६
११	मं	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	बु	५१	५५	मू	४०	३६	ह	४६	२१	कौ	२३	३३	२७/२	३६	२५	४	१५	२५	धनुषि
१३	गु	४८	३९	पू	३८	३१	व	४०	२७	ग	२०	१७	६	३५	२५	५	१६	२६	म.५३।१७
१४	शु	४६	२२	उ	३७	३५	सि	३५	२८	वि	१७	३१	९	३४	२६	६	१७	२७	मकरे
३०	श	४५	९	श्र	३७	५१	व्य	३६	१९	च	१५	४६	१३	३३	२७	७	१८	२८	मकरे

शिशिरर्तूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पूर्वास्तं बुधः २३।५२ कुम्भे भृगुः ४९/३९
मकरे बुधः १९।८
भ.१०।० उ. ३८।४१ या. हस्ते ४ राहुः*
*रेवत्यां २ केतुः ५९।४

भ.२३/४७ उ.५०/५५ या. अभिजित्प्रवृत्तो बुधः ३६/४२
पातस्पर्शः ५४।१८ शते भृगुः ८।४८
पातमोक्षः २७/५२ श्रवणेबुधः ३४/५१ मूले४ शनिः×
भ. ३३।५४उ. अभिजिन्निवृत्तोबुधः ६।२
भ. १।७ या. षट्तिला ११ ब्र. स्मा.
×४३।२२ फरवरी मा. २ ता. २८
षट्तिला ११ ब्र. वै. नि.
भ. ४८।३९ उ. प्रदोषः
भ. १७।३१ या. धनिष्ठायां रविः ६।१४

४२पं.मा.कृ.१ र.इ.३७।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	७	९	८	५	९
११	०	२८	४	२९	९	२३	११
३९	३४	५१	४३	४४	१६	२७	४२
३	२१	२४	७	५१	२९	३१	३९
६१	२०	९८	८	७४	६	३	६०
३१	२८	३१	५६	८	३३	११	५९

गोचरग्रहाः

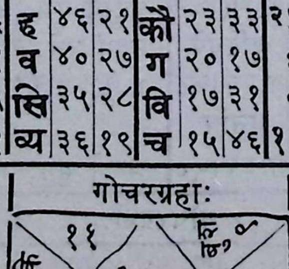

माघ शु. ५ गुरौ
कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२
न.३कुमारावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयो पश्चि.।

गोचरग्रहाः

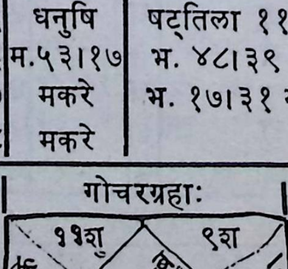

४३पं.मा.कृ.८ र.इ. ३७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	२	७	१०	८	५	९
१८	३	१०	५	८	९	२३	१८
४७	१८	४	४०	२९	५९	५	४९
३	५३	३६	२५	३०	३२	१६	३२
६१	२२	९/०	७	७४	६	३	६०
४	४३	९/३५	५८	२	२०	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १७७० सन् १९५९
१	र	४५	१७	ध	३९	१३	व	२८	७	किं	१५	१३	२७/५८	३ ६/३	२ ५/७	८	१९	२९	कुं.९।३२	
२	चं	४६	५०	श	४१	५६	प	२५	५५	बा	१६	३	२०	३२	२८	९	२०	३०	कुम्भे	चन्द्रदर्शनम् धनिष्ठायां बुधः २८।२०
३	मं	४९	३२	पू	४६	१९	शि	२४	४३	तै	१८	११	२३	३१	२९	१०	२१	१	मी३०।१३	सावान८ पूभायांभृगुः ५३/२० अनुराधायां२×
४	बु	५३	२२	उ	५०	४७	सि	२४	२५	व	२१	२७	२७	३१	२९	११	२२	२	मीने	भ. २१।२७ उ. ५३।१२ या. तिल ४
५	गु	५७	५७	रे	५६	२९	सा	२४	५३	ब	२५	३९	३०	३०	३०	१२	२३	३	मे.५६।२९	कुम्भेऽर्कः ४०।१० वसन्त ५ श्री ५
६	शु	६०	०	अ	६०	०	शु	२५	५३	कौ	३०	२९	३४	२९	३१	१३	२४	४	मेषे	कुम्भे बुधः २३।३७ ×गुरुः ११।३३
६	श	२	०	अ	२	५१	शु	२७	१०	तै	३	०	३८	२८	३२	१४	२५	५	मेषे	पातस्पर्शः २४।११ मोक्षः ४७।१
७	र	८	१७	भ	९	६	ब्र	२८	१९	व	८	१७	४३	२८	३२	१५	२६	६	वृ.२५।४२	भ. ८।१७ उ. ४०।४६ या. रथ ७
८	चं	१३	१४	कृ	१५	३१	ऐं	२९	२८	ब	१३	१४	४६	२७	३३	१६	२७	७	वृषे	शते बुधः ५९।५४ भीष्म ८
९	मं	१७	३८	रो	२१	१२	वै	२९	५३	कौ	१७	३८	५०	२६	३४	१७	२८	८	मि५३।३३	रोहिण्यां भौमः २९।१९
१०	बु	२१	९	मृ	२५	५५	वि	२९	३९	ग	२१	९	५४	२५	३५	१८	२९	९	मिथुने	भ. ५२।२१ उ. भौमे भृगुः ५८।७
११	गु	२३	३२	आ	२९	३३	प्री	२८	२८	वि	२३	३२	५८	२४	३६	१९	३०	१०	मिथुने	भ.३३ या. शतेरविः १५।३१ जया ११व्र.
१२	शु	२४	३५	पु	३१	५६	आ	२६	२७	बा	२४	३५	२६	२४	३६	२०	१	११	क.१६।२६	प्रदोषः भीष्म १२ राष्ट्रीय फाल्गुन मा.=
१३	श	२४	२५	पु	३३	८	सौ	२२	१२	तै	२४	२५	६	२३	३७	२१	२	१२	कर्के	उभायां भृगुः ३८।३८ =१२ दि. ३०
१४	र	२२	५६	श्ले	३३	८	शो	१९	५	व	२२	५६	१०	२२	३८	२२	३	१३	सिं३३।८	भ. २२।५६ उ. ५१।३६ या.
१५	चं	२०	१५	म	३१	५१	अ	१४	२	ब	२०	१५	१४	२१	३९	२३	४	१४	सिंहे	सब्बरात माघस्नान पूर्तिः

४४पं.मा.शु.१ र.इ.३७।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	७	१०	८	५	९
२५	५	२१	६	१७	१०	२२	२५
५३	५५	४९	२९	१२	३९	४३	५५
५१	४५	३४	१४	५१	४७	०	१९
६०	२४	७/०	६	७३	५	३	६०
५५	५९	९/८	५३	५३	५७	११	४७

४५पं.मा.शु.७ र.इ.३७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	७	१०	८	५	१०
२	९	४	७	२५	११	२२	३
५९	१०	८	११	५३	१८	२०	०
५४	०	२५	५९	१९	४९	४५	६
६०	२६	०/८	५	७३	५	३	६०
४२	५६	९/५८	५०	५६	३०	११	३७

४६पं.मा.शु.१४र.इ.३८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	७	११	८	५	१०
१०	१२	१७	७	४	११	२१	१०
४	२३	९	४६	३३	५३	५८	३
२६	५३	५	४९	११	५०	३०	३६
६०	२८	९/८	४	७३	५	३	६०
३१	३३	९/१३	४१	४४	२	११	२५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१६	३७	पू	२९	४०	सु	८	१६	कौ	१६	३७	२८/५८	२ ६/०	४ ५/०	२४	५	१५	कं.४३।५७	पूभायां बुधः ८।४४
२	बु	१२	८	उ	२६	५०	धृ	५२/१	५२/१	ग	१२	८	२२	२०	४०	२५	६	१६	कन्यायां	भ. ३९।३३ उ.
३	गु	६	५८	ह	२३	१९	गं	४७	२७	वि	६	५८	२६	१९	४१	२६	७	१७	तु.५१।२१	भ. ६।५८ या.
४	शु	१	१२	चि	१९	२४	वृ	४०	१८	बा	१	२२	३०	१८	४२	२७	८	१८	तुलायां	
५	शु	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः
६	श	४९	५२	स्वा	१५	१९	ध्रु	३२	५	ग	२२	४३	३४	१७	४३	२८	९	१९	वृ.५७।१७	भ. ४९।५२ उ.
७	र	४३	५७	वि	११	१६	व्या	२४	२६	वि	१६	५५	३८	१६	४४	१	१०	२०	वृश्चिके	भ. ५६/१५ या. पश्चिमोदयी बुधः ५२/३१ मीने×
८	चं	३८	३४	अ	७	२६	ह	१६	४९	बा	११	१५	४२	१६	४४	२	११	२१	बृश्चिके	×बुधः २८।३९ मार्च मा. ३ ता. ३१
९	मं	३३	३४	ज्ये	३	५८	व	९	३५	तै	६	४	४६	१५	४५	३	१२	२२	ध.३।५८	उभायां बुधः १९।५७
१०	बु	२९	२२	मू	१/५	५७/५५	सि	५२/२	५३/३६	ब	१	२८	५०	१४	४६	४	१३	२३	धनुषि	भ.१।२८ उ.२९।२२या. पूभायांरविः ३१/५९=
११	गु	२६	६	उ	५७	३९	व	५१	३८	बा	२६	६	५४	१३	४७	५	१४	२४	म.१३।१०	विजया ११ व्र.
१२	शु	२३	४८	श्र	५७	४१	प	४७	१२	तै	२३	४८	५८	१२	४८	६	१५	२५	मकरे	प्रदोषः =रेवत्यांभृगुः ३२।४७
१३	श	२२	३६	ध	५८	४८	शि	४४	१०	ब	२२	३६	२९	१२	४८	७	१६	२६	कु.२८।१४	भ.३३/२६ उ.५२।४० या. महाशिवरात्री व्र.
१४	र	२२	४३	श	६०	०	सि	४१	२५	श	२२	४३	६	११	४९	८	१७	२७	कुम्भे	
३०	चं	२४	१२	श	१	२६	सा	४०	०	ना	२४	१२	१०	१०	५०	९	१८	२८	मी४९।१०	सोमवती पुण्यं

४७पं.फा.कृ.७ र.इ.३८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	७	११	८	५	१०
१७	१५	०	८	१३	१२	२१	१७
७	४८	१७	१२	६	२५	३६	५
१५	२	२६	५९	२३	१८	१४	४७
६०	३०	७/०	३	७३	४	३	६०
२०	११	५५	२८	३२	३५	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ मंगलवार रक्त विकारक पीड़ा कारक है। भूकंप आदि का भय होगा।

गोचरग्रहाः

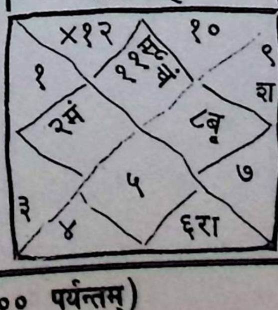

४८पं.फा.कृ.१४र.इ.३८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	७	११	८	५	१०
२४	१९	११	८	२१	१२	२१	२४
८	१३	४५	३१	४८	५२	१३	६
३७	४	३	३६	४९	१८	५९	३२
६०	३१	८६	२	७३	३	३	५९
५	१२	३८	२	२८	५९	११	५८

*बुशुके   ×बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८०० स. १९५९
१	मं	२६	५५	पू	४	५१	शु	३९	२६	ब	२६	५५	२९/१४	६/९	५/५१	१०	१९	२९	मीने	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	३०	४४	उ	९	३४	शु	३९	४८	कौ	३०	४४	१७	८	५२	११	२०	१	मोने	रमजान ९ रोजा फुलरिया २
३	गु	३४	२९	रे	१५	१३	ब्र	४०	४०	तै	२	३६	२३	७	५३	१२	२१	२	मे. १५।१३	पातस्पर्शः १९/३४ मोक्षः ३५/२७ रेवत्यांबुधः ३।४
४	शु	४०	२२	अ	२१	२५	ऐं	४१	५३	व	७	२५	२७	७	५३	१३	२२	३	मेषे	भ. ७।२६ उ. ४०।२२ या.
५	श	४५	२९	भ	२७	५०	वै	४३	१२	ब	१२	५५	३२	६	५४	१४	२३	४	वृ. ४४।२५	मीनेऽर्कः ३०।३७
६	र	५०	२८	कृ	३४	१२	वि	४४	२९	कौ	१७	५८	३६	५	५५	१५	२४	५	बृषे	मेषे भृगुः २०।२०
७	चं	५४	४२	रो	४०	९	प्री	४५	१५	ग	२२	३५	४०	४	५६	१६	२५	६	वृषे	भ. ५४/४२ उ. मृगेभौमः १६/५ पूषायां १ शनिः ४७/३७
८	मं	५८	५	मृ	४४	५७	आ	४५	१३	वि	२६	२३	४४	३	५७	१७	२६	७	मि १२।३२	भ. २६।२४ या. उभायांरविः ५१/५५ होलाष्टक
९	बु	६०	०	आ	४८	५०	सौ	४४	३६	बा	२९	११	४९	२	५८	१८	२७	८	मिथुने	
९	गु	०	१८	पु	५१	२३	शो	४२	३२	कौ	०	१८	५३	१	५९	१९	२८	९	क. ३५।४५	वक्री बुधः ४१।५६ वक्री गुरुः २५।४२
१०	शु	१	१६	पु	५२	५९	अ	३९	५१	ग	१	१६	५७	१	५९	२०	२९	१०	कर्के	भ. ३१।७ उ.
११	श	०	५८	श्ले	५३	१४	सु	३६	३	वि	०	५८	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	११	सिं ५३।१४	भ. ०।५८ या. पश्चिमास्तंबुधः २०।३१*
१२	श	५८	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *आमलकी ११ ब्र.
१३	र	५६	३७	म	५२	१४	धृ	३१	२२	कौ	२८	०	६	५/५९	६/५	२२	१	१२	सिंहे	प्रदोषः राष्ट्रीय चैत्रारंभः मा. १ दिन ३०×
१४	चं	५२	५६	पू	५०	१७	शू	२५	५७	ग	२४	४६	१०	५८	३	२३	२	१३	सिंहे	भ. ५२।५६ उ. ×सन् १८८०
१५	मं	४८	१९	उ	४७	३२	गं	१९	४२	वि	२०	३७	१४	५७	२	२४	३	१४	कं. ४।३६	भ. २०।३८ या. होलिकादहनं चन्द्र ग्र.

४९पं. फा.शु. ६ र.इ. ३९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	७	०	८	५	११
१	२३	१८	८	०	१३	२०	१
८	०	३८	३९	२२	१६	५१	५
१९	१३	४८	५२	५७	१४	४४	४४
५९	३२	३७	०	७३	३	३	५९
४९	७	५६	४१	१४	१८	११	४१

गोचरग्रहाः

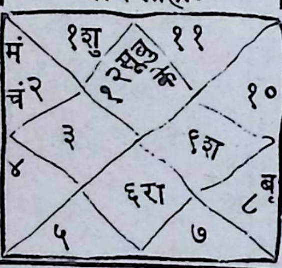

फाल्गुन शु. ५ शनौ मीनेऽर्कःप्र. वा.३ न.४ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

५०पं. फा.शु. १३ र.इ. ३९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	७	०	८	५	११
८	२६	१९	८	८	१३	२०	८
६	३७	२०	४०	५४	३५	२९	३
१३	५०	१९	१०	१६	२२	२८	१९
५९	३२	२७/४२	३०/५	७२	२	३	५९
३५	५१	ब	ब	५६	३८	११	२९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०१५ शाकः १८८०												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४३	६	ह	४४	७	वृ	१२	५८	बा	१५	४३	३०/१८	५/५६	६/४	२५	४	१५	कन्याया	छारेंडी वसन्त १
२	गु	३७	२०	चि	४०	२१	ध्रु	५/२८	५२/३१	तै	१०	१३	२२	५६	४	२६	५	१६	तु. १२।१४	भरण्यां भृगुः १८।५
३	शु	३१	३०	स्वा	३६	२९	ह	५०	१८	व	४	२५	२६	५५	५	२७	६	१७	तुलायां	भ. ४।२५ उ. ३१/३० या. वक्रीउभायांबुधः २०/५०
४	श	२५	३५	वि	३२	१५	व	४२	४५	बा	२५	३५	३०	५४	६	२८	७	१८	वृ. १।१९	
५	र	१९	४६	अ	२८	१५	सि	३५	९	तै	१९	४६	३४	५३	७	२९	८	१९	वृश्चिके	मिथुने भौमः २।५०
६	चं	१४	१३	ज्ये	२४	४५	व्य	२७	५३	व	१४	१३	३८	५२	८	३०	९	२०	ध. २४।४५	भ १४।१३ उ. ४१।४३ या.
७	मं	९	१२	मू	२०	५९	व	२१	७	ब	९	१२	४३	५२	९	३१	१०	२१	धनुषि	रेवत्यां रविः ५६/४३ हस्ते ३ राहुः रेवत्यां १*
८	बु	४	५६	पू	१९	१९	प	१४	५७	कौ	४	५६	४७	५१	९	१	११	२२	म. ३३।५०	अप्रेल मा. ४ ता. ३० शीतला पू.
९	गु	१	४३	उ	१७	५२	शि	९	३३	ग	१	४३	५२	५०	१०	२	१२	२३	मकरे	भ. ३०।३० उ. ५९।१६ या.
१०	गु	५७	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	क्षयः *केतुः ५५।५१
११	शु	५८	०	श्र	१७	३५	सि	५	४	ब	२८	३८	५६	४९	११	३	१३	२४	कुं. ४८।००	पापमोचनी ११ ब्र. स्मा.
१२	श	५८	२	ध	१८	३६	सा	३८/१	५७/१२	कौ	२८	१	३१/००	४८	१२	४	१४	२५	कुंभे	पापमोचनी ११ ब्र. वै. नि.
१३	र	५९	२४	श	२०	३२	शु	५६	४९	ग	२८	४३	४	४७	१३	५	१५	२६	कुंभे	भ. ५९।२४ उ. पूर्वोदयीबुधः ४८।० प्रदोषः
१४	चं	६०	२	पू	२३	३९	ब्र	५६	४६	वि	३०	४३	८	४६	१४	६	१६	२७	मी ७।५२	भ. ३०।४३ या. कृतिकायांभृगुः २२।५५
१४	मं	२	०	उ	२८	२०	ऐं	५६	३३	श	२	२	१२	४६	१४	७	१७	२८	मीने	
३०	बु	६	४८	रे	३३	४९	वै	५७	३५	ना	६	४८	१६	४५	१५	८	१८	२९	मे. ३३।४९	अहर्गणः १८२९ च. ४ केतकी.

५१पं. चै.कृ. ५ र.इ. ३९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	७	०	८	५	११
१५	०	१४	८	१७	१३	२०	१४
२	२०	३७	३०	२३	५०	७	५९
१६	४८	५०	४२	३३	१२	१३	१५
५९	३३	५२/४४	३/४	७२	१	३	५९
१८	४४	ब	ब	३६	५७	११	१६

गोचरग्रहाः

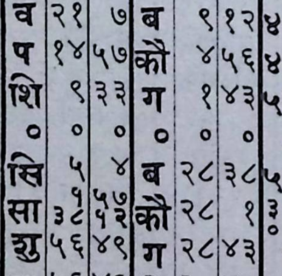

इस मास में फल साधारण रहेगा। गुड खांड घृत तेज हो, अनाज, रुई, गेहूँ चावल मन्दी होके तेज होगी।

गोचरग्रहाः

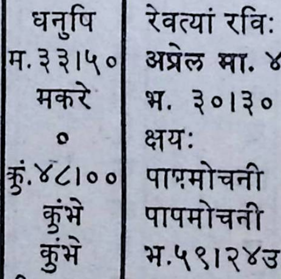

५२पं. चै.कृ. १३ र.इ. ४०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	७	०	८	५	११
२१	४	९	८	२५	१४	१९	२१
५६	१६	२३	११	४८	०	४४	५३
२५	२८	२९	१८	३१	५	५७	२९
५९	३४	३६/३५	२३/९	७२	१	३	५९
४	१४	ब	ब	१५	१७	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayū Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६० तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६० शेषभोग्यकलिः ४२६९४० अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमंन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २०१६ शाकः १८८१ अथास्मिन्वर्षे राजा गुरुः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशो गुरुः । धान्येशो बुधः । मेघेशो चंद्रः । रसेशो शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशो रविः । धनेशो गुरुः। दुर्गेशो चंद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ६ परिधाविनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः ३।२१।३।३६ भोग्यमासादिः ८।८।५६।२४ सोम-दैवतंयुगम् । वर्षनाम वैशाखः । मेघ ४ नाम द्रोणः । समय निवासो रजकगृहे । रोहिणी निवासः.तटे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं चातकः । स्तम्भ ३ वाय्वन्नतृणानां । सोमवत्यमां २ । सोमवती पंचमी ३। अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी २। भानुसप्तमी १। रविदशमी २। समय मुहूर्ताः ३६०। समयदिनानि३५४। तिथि क्षयः १८। तिथि वृद्धिः १२। उत्पत्ति विश्वा ८७। खपति विश्वा ११४। वर्षा विश्वा ७। धान्यम् ११. तृणम् १७. शीतम् ५. तेज५. वायुः१३. वृद्धिः१५. क्षयः१५. विग्रह११. ऐक्यं९९. सत्यं।।. धर्म१।। पाप१८ शनि दृष्टिपश्चिमे, ग्रहणं नवलदुर्गे नास्ति ।

भैरव भवानी संवाद

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछे हर साल ।
तिमि पूछो इस साल में कहो शुभाशुभ हाल ॥

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला सम्वत्सर का सार ।
जल वर्षे हर्षे प्रजा मंगल गावें नार ॥
संवत् सोलह साल में राजा भये गुरुराज ।
निशानाथ मंत्री भये सारे सबके काज ॥
तट में रोहिणी वास है वर्षा विश्वा सात ।
स्तम्भ तीन नव वर्ष में हो सुन्दर जलपात ॥
गुरु राजा मंत्री शशि है यह उत्तम योग ।
जग में सुख संपति बढ़े जनता भोगे भोग ॥
कहींक पश्चिम देश में बढ़े रोग और द्वेष ।
पर चिन्ता करना नहीं ईश्वर राखे टेक ॥
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार ।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्ष लग्नम् १।१३

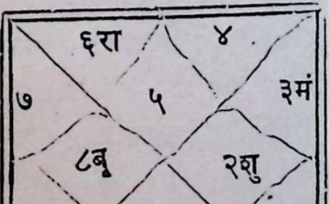

वर्षेश लग्नम् १।२५

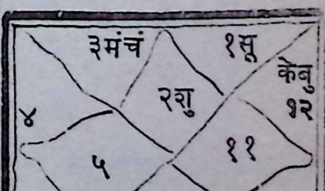

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१८।२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्-गुरौनृपेवर्षतिकामदंजलं महीतलेकामदुघाश्च धेनवः । यजन्ति-विप्राः बहवोऽग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषुवर्तते ।। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्-शशिनिमंत्रिगते बहुसस्यवत्यपिधरा रमतेसुखमंडिता । वियति बारिधराबहु वर्षिणोजनपदाः सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुस्तत्फलम्-सस्यपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्य-करःश्रुतिपूर्वकाः । जलधराजलदाः बहुसस्यदारसपयांसि बहूनिसूनिवै ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्-बुधे धान्याधिपे मेघाः जलंमुंचति वैभृशम् । सैन्धवे लाटदेशे च भाधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम्-शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजवरादिषु दुग्धरस-स्तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ।। रसेशो शनिस्तत्फलम्-रविसुते रसपे रससंक्षयोनजलदा गददाश्चपयोधराः । अजगवां गजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषुनराम्नरसैर्युता ।। नीरसेशो गुरुस्तत्फलम्-हरिद्रापीतवस्तूनां पीतव-स्त्रादिकंचयत् । नीरसेशो यदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ।। फलेशो रविस्तत्फलम्-द्रुमवती फलपुष्पतीधरा प्रमुदिता फल भोग विरोधतः । बहुजलं जलदोभुविमुञ्चति क्वचिदपि प्रमितंफलपोरविः ।। धनेशो गुरुस्तत्फलम्-सुमनसांच गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिपरा सुखभाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः ।। दुर्गेशो चन्द्रस्तत्फलम्-गढ़-पतिर्मृग लांछनकोयदा नृपसुराज्य विलासित पौरजाः। बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णित विग्रहाः ।। वर्षनाम वैशाख-स्तत्फलम्-अर्धं विविध भावेन जायते द्रविण प्रदम् । नीरुजा निर्भया लोका वैशाखे जनपूजिताः ।। परिधावी नाम संवत्सर-स्तत्फलम्-भुपाहवो महारोगो मध्य सस्यार्घ वृष्टयः । दुखिनोजन्तवः सर्ववत्सरेपरिधाविनी ।। मेघनाम द्रोणः फलम्-द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम्-तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकेगृहे फलम्-रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०१६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १५ गुरौ स्वात्यां ल. ११ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ सूर्ये मूले ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
,, ६ भौमे उपायां ल.११ (घ.५२-३ उ.)रे.८ ऽऽ।।।।।।।
शुक्ला २ शनौ रोहिण्यां ल. ११ रे. ८ ।।।ऽगु।ऽ।।
,, ३ सूर्ये मृगे ल. ११ रे. ९ ।।।।ऽरो४१घ.उ.।।।
,, ७ शुक्रे मघायां ल. ११ रे. ९ ।।।।।ऽ।। चन्द्रोपूज्यः
,, १३ बुधे स्वात्यां ल. ११ रे. ८ ।ऽ।।ऽचो.।।।।
,, १५ शुक्रे अनु. यां. ल. ११ रे. ६ ।।ऽऽ।ऽऽ।। आवश्यके पादतो बुधस्य वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ६शुक्रे मघायां ल. ऽन्यगो. रे. ८ ऽऽ।।।।।।। बु. पू.

आषाढ़ मासः

कृष्णा २चन्द्रे उपायां ल. १ रे.८ ऽ।।ऽ।।। गुरुः सप्तमे समः
,, ८सूर्ये रेवत्यां ल. १ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।
शुक्ला५शनौ उफायां.ल.अन्यगो.सोग्रांगः रे.८ऽमं।।।ऽचौ।।।
,, ९भौमे स्वात्यां ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णा २शनौ मघा. ल. गो. रे.९ ।।।।ऽअ।।। क्रां. ल.गो.८
,, ७गुरौ स्वात्यां ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽऽ।
शुक्ला ९शनौ रोहिण्यां रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽक्रां.। ल. गो. ८
गणितेन क्रां. साम्याऽभावः

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

वर्षेऽस्मिन् नवलदुर्गे ग्रहणाऽभावः

आश्विन कृष्णा ३० यां शुक्रे (ता.२-१०-१९५९) पश्चिम भारते क्वचित् ग्रस्तास्तं सूर्यग्रहण संभवः । स्पर्शः रेल्वे ६-३० मोक्षः रेल्वे ७-५१ यह ग्रहण नवलगढ़ जयपुर हरिद्वार मथुरा उदयपुर दिल्ली एवं बंगाल विहार आसाम आदि में नहीं होगा। जहां नहीं दीखे वहां ग्रहण जन्य स्नानादि की आवश्यकता नहीं है ।

पश्चिमी राजस्थान जैसलमेर के आस-पास में एवं द्वारिका, जूनागढ़, पोरबन्दर, राजकोट तथा कच्छ-प्रदेश व पश्चिमी पाकिस्तान में ग्रस्तास्त होगा ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१८३० स.१९५९
१	गु	१०	५२	अ	४२	१७	वै	०	४०	ब	१०	४६	३१/२०	५/४४	१६	९	१९	३०	मेषे	चंद्रद. वृषेशुक्रः १३/२० सं.नवरात्रा.ध्वजारो.
२	शु	१६	५९	भ	४९	५०	वि	२	५८	कौ	१६	५९	२४	४३	१७	१०	२०	१	मेषे	सव्वाल१० आर्द्रा. भौमः६।४९ सिधारा
३	श	२३	२२	कृ	५७	२५	प्री	५	१७	ग	२३	२२	२८	४२	१८	११	२१	२	वृ.६।४४	भ. ५६/२० उ. गणगौरी पू. मत्स्य जयन्ती
४	र	२९	१७	रो	६०	०	आ	७	३२	वि	२९	१७	३२	४२	१८	१२	२२	३	बृषे	भ. २९।१७ या.
५	चं	३५	४७	रो	५	१	सौ	९	४१	ब	२	३०	३६	४१	१९	१३	२३	४	मि३८।२०	अश्वि.मेषेऽर्कः ५३/१६ (इ.५५/५६) मार्गी बुधः ५२/३४*
६	मं	४०	४५	मृ	११	४०	शो	११	४०	कौ	८	१६	४०	४०	२०	१४	२४	५	मिथुने	
७	बु	४४	४६	आ	१७	२३	अ	१२	२०	ग	१२	४५	४३	३९	२१	१५	२५	६	मिथुने	भ. ४४।४६ उ. *कल्पादिः
८	गु	४७	७	पु	२१	४३	सु	११	४७	वि	१५	५६	४७	३९	२१	१६	२६	७	क.५।३८	भ. १५।५६ या. भवान्युत्पत्तिः दुर्गा ८
९	शु	४७	२८	पु	२४	९	धृ	३	५९	बा	१७	१७	५१	३८	२२	१७	२७	८	कर्के	रोहि.शुक्रः ३७/३८ वक्रीशनिः ३५/५६ रामनवमी
१०	श	४५	५३	श्ले	२४	४१	शू	६	३६	तै	१६	४०	५५	३७	२३	१८	२८	९	सि२४।४१	पातस्पर्शः ५।५ पातमोक्षः २२।१४
११	र	४२	१०	म	२३	१०	गं	३१	५३/५५	व	१४	१	५८	३६	२४	१९	२९	१०	सिंहे	भ.१४।१उ.४२/५०या. कामदा११व्र.स्मा.वै.
१२	चं	३६	३३	पू	१३	४१	ध्रु	४६	३२	ब	९	२१	३२	३६	२४	२०	३०	११	कं.१३।२२	कामदा ११ व्र. नि.
१३	मं	२९	१२	उ	१४	२६	व्या	३६	१२	कौ	२	५२	६	३५	२५	२१	१	१२	कन्यायां	राष्ट्रीय वैशाखारम्भः प्रदोषः
१४	बु	२०	३७	ह	७	५०	ह	२६	५४	व	२०	३७	१०	३४	२६	२२	२	१३	तु.३४।१०	भ. २०।३७ उ. ४५।५० या.
१५	गु	११	४	चि	३१०	५२/५७	व	१६	१४	ब	११	४	१४	३३	२७	२३	३	१४	तुलायां	हनूमज्जन्ती वै. स्ना. प्रा. मन्वादिः

१पं. चै.शु.५ चं.इ.५५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	१	८	५	०
०	८	७	७	५	१३	१९	०
२	५३	४७	३९	३९	४४	१८	०
३७	२४	३८	१८	३२	४६	३२	०
५८	३४	१५	४४	७१	०	३	५८
४५	५६	मा	ब	५०	२२	११	४४

गोचरग्रहाः

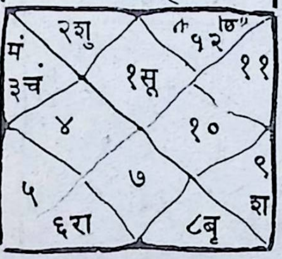

चैत्र शु. ५ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.३ गताल्कावस्था(ऊभी)मु.३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

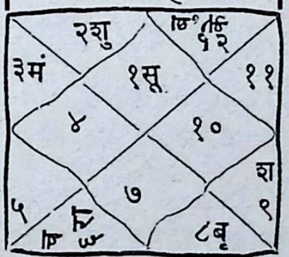

२पं. चै.शु.१२चं.इ.५६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	१	८	५	०
६	१२	१०	७	१३	१३	१८	६
५२	५०	३९	३	५६	४३	५६	५०
४८	५६	४०	५०	६७	४८	१७	४१
५८	३५	३०	५३	७१	२२	३	५८
२९	२१	२२	ब	२३	ब	११	३१

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१	१९	वि	४५	११	खि	२५/३	४५/३२	कौ	१	१९	३२/१७	५/३३	६/२७	२४	४	१५	वृ.३२।७	
२	शु	५०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	४२	३१	अ	३८	२२	व	४४	५६	व	१७	३	२१	३२	२८	२५	५	१६	बृश्चिके	भ.१७।३उ.४३/३१या. वक्रीअनु.१ गुरुः७।२४
४	र	३४	३८	ज्ये	३२	३३	प	३६	१०	ब	८	३५	२५	३१	२९	२६	६	१७	ध.३२।३३	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	२८	११	मू	२८	५	शि	२८	३७	कौ	१	२४	२९	३०	३०	२७	७	१८	धनुषि	भरण्यां रविः ३४।३८
६	मं	२३	२६	पू	२५	३१	सि	२२	१५	व	२३	२६	३२	३०	३०	२८	८	१९	म.४०।१८	भ.३२/२६ उ.५१/५२या. रेवत्यां बुधः३।३८ मृगे*
७	बु	२०	२६	उ	२४	४१	सा	१७	४०	ब	२०	२६	३६	२९	३१	२९	९	२०	मकरे	पातस्पर्शः १९।५८ पातमोक्षः ४२।४६
८	गु	१९	१४	श्र	२५	२९	शु	१४	१२	कौ	१९	१४	४०	२८	३२	३०	१०	२१	कुं.५६।५१	
९	शु	१९	४६	ध	२८	१४	शु	१२	११	ग	१९	४६	४३	२७	३३	१	११	२२	कुम्भे	भ. ५०।४३ उ. **मई मा. ५ ता. ३१**
१०	श	२१	४०	श	३२	५	ब्र	११	२५	वि	२१	४०	४७	२७	३३	२	१२	२३	कुम्भे	भ. २१।४० या. *शुक्रः ५६।२७
११	र	२५	१	पू	३७	२३	ऐं	११	५४	बा	२५	१	५१	२६	३४	३	१३	२४	मी२१।४	पुनर्वसौ भौमः२६।१० वरूथिनी ११ व्र.
१२	चं	२९	३७	उ	४३	२८	वै	१२	४९	तै	२९	३७	५४	२५	३५	४	१४	२५	मीने	मिथुने शुक्रः ४३।१८
१३	मं	३४	५२	रे	५०	३१	वि	१४	२७	ग	७	१५	५७	२५	३५	५	१५	२६	मे.५०।३१	भ. ३४।५२ उ. प्रदोषः
१४	बु	४०	४१	अ	५७	३६	प्री	१६	२८	वि	२	४६	३३/१	२४	३६	६	१६	२७	मेषे	भ. ७।४६ या.
३०	शु	४६	५९	भ	६०	०	आ	१८	४६	च	१३	५०	४	२३	३७	७	१७	२८	मेषे	

३पं. वै.कृ.५ चं.इ.५६।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	१	८	५	०
१३	१६	१६	६	२२	१३	१८	१३
४१	५२	३३	२१	९	३८	३४	३९
१३	१२	१४	७	१४	१०	१	४४
५८	३५	५६	६	७०	१०	३	५८
१२	४०	५३	४२	४९	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

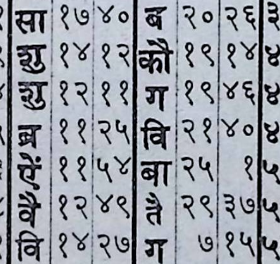

इस मास का फल श्रेष्ठ रहेगा प्रजा में सुख शांति और प्रसन्नता रहे धान्य गेहूँ, जौ, चना में मन्दी।

गोचरग्रहाः

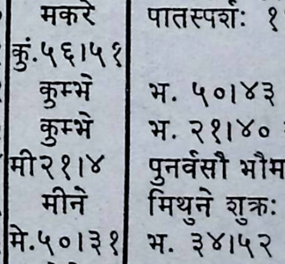

४पं.वै.कृ.१२चं.इ.५६।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	७	२	८	५	०
२०	२०	२४	५	०	१३	१८	२०
२७	५४	५२	३३	१५	२८	११	२७
५३	१८	१९	३६	३२	३०	४६	२२
५७	३५	७७	२६	७०	४६	३	५८
५७	५९	५३	ब	१०	ब	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१८५९ सन्१९५९
१	शु	५३	१	भ	५	१५	सौ	२१	१३	किं	२०	०	३३ ७	५ २३	६ ३७	८	१८	२९	बृ.२२।६	अश्वि. मेषे बुधः ४७।४५
२	श	५९	९	कृ	१२	४०	शो	२३	३५	बा	२६	५	१०	२२	३८	९	१९	३०	बृषे	चन्द्रद. वक्री मूले ४ शनिः २१।२५
३	र	६०	०	रो	२०	८	अ	२५	५३	तै	३१	५९	१३	२१	३९	१०	२०	१	मि५३।३१	जिल्काद ११ आर्द्रायां शुक्रः ३ ४६ परशु.ज.×
३	चं	४	५०	मृ	२६	५४	सु	२७	१८	ग	४	५०	१६	२१	३९	११	२१	२	मिथुने	भ.३७।१८उ. कृतिकायां रविः २२।३३
४	मं	९	४७	आ	३२	५०	धृ	२८	३३	वि	९	४७	१९	२०	४०	१२	२२	३	मिथुने	भ.४ ७या. ×अक्षया३त्रेतायुगादिःकल्पादिः
५	बु	१३	५२	पु	३७	५३	शू	२९	२	बा	१३	५२	२२	२०	४०	१३	२३	४	क.२१।३७	
६	गु	१६	४१	पु	४१	३५	गं	२८	७	तै	१६	४१	२५	१९	४१	१४	२४	५	कर्के	वृषेऽर्कः ५०।२० (दृश्यः ४९।२४)
७	शु	१८	२	श्ले	४३	४५	वृ	२६	१	व	१८	२	२८	१८	४२	१५	२५	६	सि४३।४५	भ. १८।२ उ. ४७।५४ या.
८	श	१७	४६	म	४४	९	ध्रु	२२	४४	ब	१७	४६	३१	१८	४२	१६	२६	७	सिंहे	भरण्यां बुधः ५२।३८
९	र	१५	३२	पू	४२	५०	व्या	१७	४७	कौ	१५	३२	३४	१७	४३	१७	२७	८	कं.५६।५४	
१०	चं	११	३३	उ	३९	२७	ह	११	२५	ग	११	३३	३६	१७	४३	१८	२८	९	कन्यायां	भ. ३८।३८ उ.
११	मं	५	४३	ह	३४	३३	व	३ ४०	५ ५६	वि	५	४३	३९	१६	४४	१९	२९	१०	कन्यायां	म. ५।४३ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	मं	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+शुक्रः२८।१वक्री विशाखा.४गुरुः३८।०
१३	बु	४९	२९	चि	२८	१२	व्य	४४	३५	कौ	२३	५८	४१	१६	४४	२०	३०	११	तु.१।२३	कर्के भौमः २९।१८ प्रदोषः
१४	गु	३९	४७	स्वा	२०	४६	व	३३	५०	ग	१४	३८	४३	१५	४५	२१	३१	१२	बृ.५९।४८	भ. ३९।४७ उ. नृसिंह जयंती
१५	शु	२९	४३	वि	१२	४९	प	२२	५७	वि	४	४५	४६	१५	४५	२२	१	१३	बृश्चिके	भ.४ ५या. राष्ट्रीय ज्येष्ठारम्भः पुनर्वसौ+

५पं. वै.शु.३चं.इ.५६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	७	२	८	५	०
२७	२४	५	४	८	१३	१७	२७
१३	५८	५	४१	१६	१३	४९	१३
७	१	५३	४३	३०	५२	३०	३३
५७	३६	३७	७ ५२	६९	२ २२	३	५७
४५	२५	१	ब	१९	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

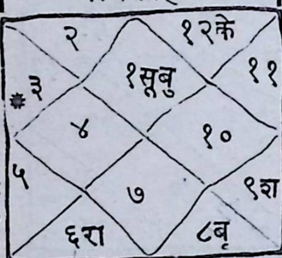

वैशाखशु.६ गुरौ
वृषेऽर्कः प्र.वा.४
न.५प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. १५
(धान्य भाव तेज)
शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

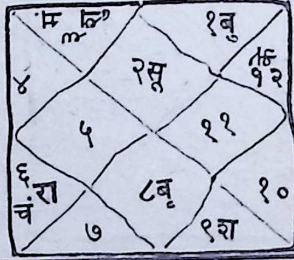

६पं. वै.शु.१०चं.इ.५७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	७	२	८	५	१
३	२९	१७	३	१६	१२	१७	३
५६	३	१३	४८	९	५५	२७	५८
४५	३२	३७	५८	४०	१२	१४	३१
५७	३६	० ९	७ ५२	६८	३ २	३	५७
३४	४४	५ ३७	ब	२६	ब	११	४४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१९	३५	अ	५ ४३	५३ ४१	शि	१२	५	कौ	१९	३५	३३ ४८	५ १४	६ ४६	२३	२	१४	ध.५७।३४	कृति. बुधः ५५।२७ बुधास्तः २।५६
२	र	१०	१५	मू	५१	१०	सि	५ ४६	५० ४५	ग	१०	१५	५०	१४	४६	२४	३	१५	धनुषि	भ. ३६।७ उ.
३	चं	१	५९	पू	४६	३१	शु	४४	३७	वि	१	५९	५२	१४	४६	२५	४	१६	धनुषि	भ.१।५९उ.५६ २९ वृषे बुधः३१।४७ च.व्र.
४	चं	५३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	मं	५०	३४	उ	४३	५०	शु	३७	५९	कौ	२२	५८	५४	१३	४७	२६	५	१७	म.०।५१	पुष्ये भौमः १०।४४
६	बु	४७	५९	श्र	४२	५२	ब्र	३३	६	ग	१९	१६	५६	१३	४७	२७	६	१८	मकरे	भ. ४७।५९ उ.
७	गु	४७	३२	ध	४४	०	ऐं	२९	४९	वि	१७	४५	५८	१२	४८	२८	७	१९	कु.१३।२६	भ. १७।४५ या.
८	शु	४८	५७	श	४६	५९	वै	२८	१३	बा	१८	१५	३४ ०	१२	४८	२९	८	२०	कुंभे	
९	श	५२	०	पू	५१	५८	वि	२८	१४	तै	२०	३८	२	१२	४८	३०	९	२१	मी३५।४४	रोहिण्यां बुधः १३।५६
१०	र	५६	३८	उ	५८	३	प्री	२८	२१	व	२४	१९	४	११	४९	३१	१०	२२	मीने	भ.२४।१९ उ.५६ ३८या. कर्के शुक्रः३५।२३
११	चं	६०	०	रे	६०	०	आ	३०	३८	ब	२९	२३	६	११	४९	१	११	२३	मीने	जून मा. ६ ता. ३० अपरा ११ व्र. स्मा.
११	मं	२	८	रे	५	१०	सौ	३३	१	बा	२	८	७	११	४९	२	१२	२४	मे.५।१०	हस्ते२राहुः उभा.४केतुः५ ०१अपरा११व्र.वै.
१२	बु	८	१५	अ	१२	३६	शो	३५	२९	तै	८	१५	९	१०	५०	३	१३	२५	मेषे	पुष्ये शुक्रः ३८।४८ प्रदोषः
१३	गु	१४	३७	भ	२०	१७	अ	३८	३	व	१४	३७	१०	१०	५०	४	१४	२६	वृ.३७।७	भ. १४।३७ उ. ४६।३६ या.
१४	शु	२०	३४	कृ	२७	३७	सु	४०	२२	श	२०	३४	१२	१०	५०	५	१५	२७	बृषे	मृगे बुधः २५।१६
३०	श	२६	२६	रो	३४	५०	धृ	४२	२३	ना	२६	२६	१३	९	५१	६	१६	२८	बृषे	भावुका ३० वट पूजनम्

७प.ज्ये.कृ. चं.इ.५७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	७	२	८	५	१
१०	३	०	२	२३	१२	१७	१०
३८	११	५२	५६	५४	३३	४	४२
५६	३८	४१	६	२९	७	५९	२२
५७	३६	२० ९	७ ५२	६७	३ ४१	३	५७
२३	५९	३४	ब	१६	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

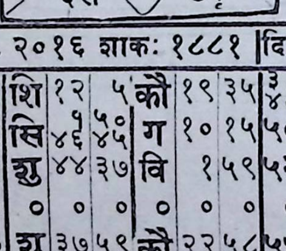

इस मास का फल साधारण रहेगा, घृत गुड़ अनाज आदि में साधारण तेजी गरमी का जोर।

गोचरग्रहाः

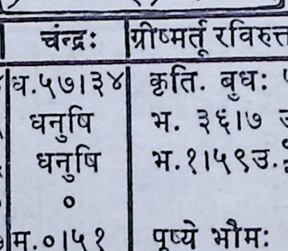

८पं.ज्ये.कृ.११चं.इ.५७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	७	३	८	५	१
१७	७	१५	२	१	१२	१६	१७
२०	२१	५३	४	२९	७	४२	२५
२	४३	२४	८	४६	४१	४३	९
५५	३७	२	७ २५	६५	३ २८	३	५७
१३	१०	४२	ब	४७	ब	११	२७

*चंमंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ. अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१८८९सन्१९५९
१	र	३१	३२	मृ	४१	१८	शू	४३	५३	ब	३१	३२	३४/५४	९ ५६/५	७	१७	२९	मि ८।४	
२	चं	३५	५८	आ	४७	०	गं	४४	४६	बा	३	४५	१६	९५१	८	१८	३०	मिथुने	
३	मं	३९	२६	पु	५१	५०	वृ	४४	५६	तै	७	४२	१७	९५१	९	१९	१	क.३५।३८	चन्द्रद. मृगे रविः १५/१८ मिथुने बुधः ३१/१०
४	बु	४१	५८	पु	५५	४०	ध्रु	४४	५	व	१०	४२	१८	८५२	१०	२०	२	कर्के	जिल्हेज १२
५	गु	४३	१०	श्ले	५८	१९	व्या	४२	४३	ब	१२	३४	१९	८५२	११	२१	३	सिं५८।१९	:भ. १०।४२ उ. ४१।५८
६	शु	४३	१७	म	५९	३७	ह	४०	१३	कौ	१३	१३	२०	८५२	१२	२२	४	सिंहे	आर्द्रायां बुधः २९।५८ या.
७	श	४१	५४	पू	५९	४४	व	३६	४४	ग	१२	३६	२१	८५२	१३	२३	५	सिंहे	
८	र	३९	२२	उ	५८	२०	सि	३१	५६	वि	१०	३८	२१	८५२	१४	२४	६	कं.१४।२३	भ. ४१।५४ उ.
९	चं	३५	५	ह	५५	३५	व्य	२५	५४	बा	७	१४	२२	८५२	१५	२५	७	कन्यायां	भ.१०।३८या. बुधोदयःपश्चिमायाम् ५१/१०
१०	मं	२९	३९	चि	५१	२५	व	१८	५७	तै	२	२२	२२	८५२	१६	२६	८	तु.२३।३०	मिथुनेऽर्कः १६।५ (दृश्यः ६।३०)
११	बु	२२	४१	स्वा	४५	५६	प	१०	४०	वि	२२	४१	२३	७५३	१७	२७	९	तुलायां	भ.५६।१०उ. आश्ले.भौमः३४/३५ गंगा१०
१२	गु	१४	३५	वि	३९	२२	शि	३५/१	८/५०	बा	१४	३५	२३	७५३	१८	२८	१०	वृ.२६।१०	भ.२३/४१या. आश्ले.भौमः३५/२९ निर्जला११व्र.
१३	शु	५	४२	अ	३२	२२	सा	४१	२२	तै	५	४२	२३	७५३	१९	२९	११	वृश्चिके	पुनर्वसौ बुधः १४।५१ प्रदोषः
१४	शु	५०	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	भ. ५६।१६ उ.
१५	श	४६	५८	ज्ये	२५	५	शु	३१	२	वि	२१	३७	२४	७५३	२०	३०	१२	ध.२५।५	भ.२१।३७ या. वटसावित्री पू. गुर्जराणां

९पं.ज्ये.शु.२चं.इ.५७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	७	३	८	५	१
२३	११	१	१	८	११	१६	२४
५९	३३	१६	१६	५१	४०	२०	७
५८	०	२३	१९	५८	१९	२८	१०
५७	३७	७४/८	६/४२	६४	४/१६	३	५७
५	२९	५६/७	ब	७	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

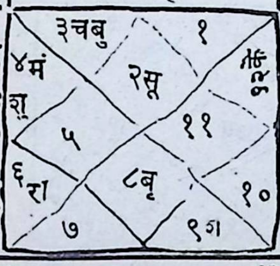

ज्येष्ठ शु.९ चंद्रे
मिथुनेऽर्कः प्र.वा.५
न.५गतालकावस्था
(ऊभी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

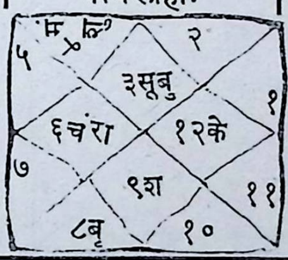

१०पं.ज्ये.शु.९चं.इ.५७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	७	३	८	५	२
०	१५	१५	०	१६	११	१५	०
३९	४४	३२	३३	१	१०	५८	४८
७	३५	३८	२२	२३	५९	१२	२७
५६	३७	७४/८	५/५४	६२	४/३४	३	५७
५७	४१	९/३५	ब	४	ब	११	१७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ. अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३८	११	मू	१८	१६	शु	२१	१५	बा	१२	३५	४३/२४	७ ५६/३	२१	३१	१३	धनुषि	विशा. ३ तुलायां गुरुः १८।४४
२	चं	३०	३१	पू	१२	२०	ब्र	१२	५	तै	४	२१	२४	७५३	२२	१	१४	म.२६।११	भ.५७/२९ उ. राष्ट्रीय आषाढारम्भः आर्द्रायां*
३	मं	२४	२८	उ	७	४६	ऐं	४/१४	५२/३७	वि	२४	२८	२४	७५३	२३	२	१५	मकरे	भ. २४।२८ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२०	१६	श्र	५	२	वि	५२	५९	बा	२०	१६	२४	७५३	२४	३	१६	कुं.३५।४३	कर्के बुधः ८।८ *रविः १७।३८
५	गु	१८	२५	ध	४	२३	प्री	४९	५१	तै	१८	२५	२३	७५३	२५	४	१७	कुम्भे	
६	शु	१८	३०	श	५	५६	आ	४८	२८	व	१८	३०	२३	७५३	२६	५	१८	मी५३।३८	भ.१/३० उ.४९।४० या पुष्ये बुधः७।२३
७	श	२०	५०	पू	९	३२	सौ	४८	३८	ब	२०	५०	२३	७५३	२७	६	१९	मीने	
८	र	२४	४९	उ	१४	५१	शो	४९	३९	कौ	२४	४९	२२	८५२	२८	७	२०	मीने	
९	चं	३०	५	रे	२१	२५	अ	५१	४३	ग	३०	५	२२	८५२	२९	८	२१	मे.२१।१५	
१०	मं	३६	४	अ	२८	४६	सु	५४	५	व	३	४	२१	८५२	३०	९	२२	मेषे	भ.३।४ उ.३६/४ या. मघा. सिंहे शुक्रः३६/५८
११	बु	४२	२९	भ	३६	१७	धृ	५६	४८	ब	९	१६	२०	८५२	१	१०	२३	बृ.५३।११	जुलाई मा.७ता.३१ वक्रीमूले३शनिः५६/४२+
१२	गु	४८	३२	कृ	४३	५१	शू	५६	१५	कौ	१५	३०	१९	८५२	२	११	२४	बृषे	
१३	शु	५४	१३	रो	५०	५९	गं	६०	०	ग	२१	२२	१८	८५२	३	१२	२५	बृषे	भ. ५४/१३ उ. प्रदोषः +योगिनी ११ व्र.
१४	श	५८	५९	मृ	५७	१५	गं	१	१२	वि	२६	३६	१७	९५१	४	१३	२६	मि२४।७	भ. २६।३६ या. ×सोमवती ३०
३०	र	६०	०	आ	६०	०	वृ	२	३३	च	३०	४७	१५	९५१	५	१४	२७	मिथुने	
३०	चं	२	३४	आ	२	२३	ध्रु	२	५६	ना	२	३४	१४	९५१	६	१५	२८	क.५०।४१	पुनर्वसौ रविः३१/३९ आश्लेषा.बुधः३५।३७

११पं.आ.कृ.२चं.इ.५७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	६	३	८	५	२
७	१९	२८	२९	२२	१०	१५	७
१७	५७	१	५६	५२	४०	३५	२९
३४	५०	१	५६	४३	२३	५६	१९
५६	३७	०/०	४/४७	५९	४/४०	३	५७
५४	५२	९/३८	ब	२५	ब	११	१३

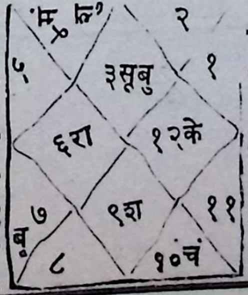

१२पं.आ.कृ.९चं.इ.५७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	३	८	५	२
१३	२४	८	२९	२९	१०	१५	१४
५५	१२	३३	२७	२२	९	१३	९
३९	५०	२९	५८	५२	१८	४१	४७
५६	३८	८१	३/४०	५५	४/४०	३	५७
५०	५	३	ब	५६	ब	११	७

१३पं.आ.कृ.३०चं.इ.५७।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	४	८	५	२
२०	२८	१७	२९	५	९	१४	२०
३३	२८	०	६	२५	३९	५१	५०
३३	५२	२५	४७	४४	१४	२५	१३
५६	३८	५७	२/६	५१	४/३३	३	५७
५०	१२	११	ब	२२	ब	११	७

 *मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१९१९ स.१९५९
१	मं	५	१२	पु	६	४७	व्या	२	३७	ब	५	१२	३४/५३	५/९	६/५५	७	१६	२९	कर्के	दक्षिण भारते चंद्रद. संभवः
२	बु	६	४१	पु	९	४९	ह	२६	५८	कौ	६	४१	११	१०	५०	८	१७	१	कर्के	चन्द्र. मोहरम मा. १ सन् १३७९ हि.×
३	गु	७	२	श्ले	११	४७	सि	५६	३१	ग	७	२	१०	१०	५०	९	१८	२	सिं११।४७	भ.३६।४४उ. ×मघा. सिंहे भौमः२०।११
४	शु	६	२५	म	१२	५५	व्य	५२	५७	वि	६	२५	८	१०	५०	१०	१९	३	सिंहे	भ. ६।२५ या.
५	श	४	४८	पू	१३	१७	व	४८	४१	बा	४	४८	७	११	४९	११	२०	४	कं.२८।४	
६	र	२	११	उ	१२	२४	प	४३	२७	तै	२	११	५	११	४९	१२	२१	५	कन्यायां	भ. ५८।४४ उ.
७	र	५६	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	चं	५४	२८	ह	१०	३४	शि	३७	३५	वि	२६	३६	४	११	४९	१३	२२	६	तु.३९।१३	भ. २६।३६ या.
९	मं	४९	११	चि	७	५२	सि	३०	५६	बा	२१	५०	२	१२	४८	१४	२३	७	तुलायां	
१०	बु	४३	५	स्वा	४	२८	सा	२३	३४	तै	१६	८	०	१२	४८	१५	२४	८	वृ.४६।५९	मन्वादिः *देवशयनी११व्र.चातुर्मा.व्रता.
११	गु	३६	१०	वि	१०	५४	शु	१५	३१	व	९	३७	३३/५८	१२	४८	१६	२५	९	वृश्चिके	भ.३७उ.३६/१०या. कर्केऽर्कः५४/२३(दृश्यः३३/४१)*
१२	शु	२८	३४	ज्ये	४१	२५	शु	७	५५	ब	२	२२	५६	१३	४७	१७	२६	१०	ध.४९।२५	पूफायां शुक्रः १६।२८ प्रदोषः त.जिया
१३	श	२०	४३	मू	४३	४६	ऐं	४९	६	तै	२०	४३	५४	१३	४७	१८	२७	११	धनुषि	
१४	र	१२	२	पू	३८	२५	वै	४०	२३	ब	१२	२	५२	१४	४६	१९	२८	१२	म.५२।१५	भ.१३/२उ.३९/२६या.मार्गीगुरुः५/४४वायुपरिक्षा×
१५	चं	५	५०	उ	३३	४४	वि	३२	२२	व	५	५०	५०	१४	४६	२०	२९	१३	मकरे	भ.२५/४वर्षाश्रेष्ठा ×व्यासपू.गुरु१५मन्वादि

१४पं.आ.शु.८चं.इ.५६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	६	४	८	५	२
२७	२	२२	२८	१०	९	१४	२७
११	४६	५६	५४	५७	१०	२९	३०
४०	४१	३८	०	१४	१	१०	३४
५६	३८	२९	१/४	४५	१ ४/३	३	५७
५९	३१	५९	ब	५७	ब	११	११

गोचरग्रहाः

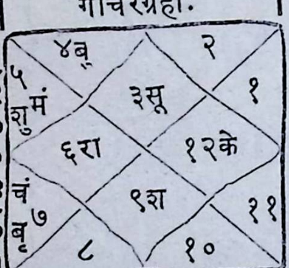

आषाढशु.११गुरौ कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

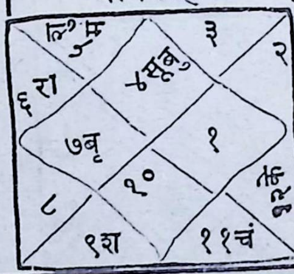

१५पं.आ.शु.१५चं.इ.५६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
३	७	२५	२८	१५	८	१४	४
५०	६	४७	५०	४०	४२	६	११
७	७	१७	५३	५२	३६	५४	१६
५६	३८	०	०/२३	३८	३/५८	३	५७
५७	३७	४२	मा	२२	ब	११	१५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५३	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५५	६	श्र	३०	७	प्री	२५	१९	तै	२७	२५	३३/४७	५/१५	६/४५	२१	३०	१४	कु.५९।१५	वक्री बुधः ६।२३
३	बु	५२	१७	ध	२८	२३	आ	१९	२९	व	२३	४१	४५	१५	४५	२२	३१	१५	कुंभे	भ. २३।४१ उ. ५२।१७ या.
४	गु	५१	२२	श	२८	४०	सौ	१५	८	ब	२१	५०	४२	१६	४४	२३	१	१६	कुम्भे	राष्ट्रीय श्रावणारम्भः चतुर्थी व्र.
५	शु	५२	४१	पू	३०	४५	शो	१२	२९	कौ	२२	२	४०	१६	४४	२४	२	१७	मी१५।१४	नाग ५ मरुस्थले
६	श	५५	५२	उ	३४	४१	अ	११	२७	ग	२४	१६	३७	१७	४३	२५	३	१८	मीने	भ. ५५।५२ उ.
७	र	६०	०	रे	४०	११	सु	११	२८	वि	२८	१५	३५	१७	४३	२६	४	१९	मे.४०।११	भ. २८।१५ या.
७	चं	०	३८	अ	४७	८	धृ	१२	५५	ब	०	३८	३२	१८	४२	२७	५	२०	मेषे	
८	मं	६	१७	भ	५४	२८	शू	१४	५६	कौ	६	१७	२९	१८	४२	२८	६	२१	मेषे	बुधास्तः पश्चिमायाम ४०।५६
९	बु	१२	३३	कृ	६०	०	गं	१७	२६	ग	१२	३३	२६	१९	४१	२९	७	२२	वृ.११।२२	भ. ४५।३४ उ.
१०	गु	१४	३४	कृ	२	४	वृ	१९	५६	वि	१८	३४	२४	१९	४१	३०	८	२३	वृषे	भ. १८।३४ या. पूफायां भौमः ५२।४६
११	शु	२४	१३	रो	९	२१	ध्रु	२२	१२	बा	२४	१३	२१	२०	४०	३१	९	२४	मि४२।३३	कामिका ११ व्र.
१२	श	२८	५९	मृ	१५	४५	व्या	२३	३८	तै	२८	५९	१८	२०	४०	१	१०	२५	मिथुने	अगस्त मा. ८ ता. ३१ प्रदोषः
१३	र	३२	९	आ	२०	५६	ह	२४	३	ग	०	३४	१५	२१	३९	२	११	२६	मिथुने	भ.३/२उ. *स्त्री.चं.चं.वा.गज वर्षासम
१४	चं	३४	१०	पु	२४	५६	व	२३	२४	वि	३	२०	१२	२२	३८	३	१२	२७	क.८।५६	भ.२/०या. आश्लेषायां रविः२५/५२ सं.स्त्री.*
३०	मं	३४	४२	पु	२७	२५	सि	२१	३९	च	४	२१	९	२२	३८	४	१३	२८	कर्के	हस्ते१ राहुः उभा.३ केतुः ४९/२४ हरि.३०

१६पं.श्रा.कृ.७चं.इ.५६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
१०	११	२४	२८	१९	८	१३	१०
२९	२६	५६	५५	२७	१७	४४	५२
२४	१७	४९	४४	१४	५३	३८	२५
५७	३८	२९/५२	१	२८	३/३७	३	५७
५	४४	ब	२७	३८	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

श्रावण मास का फल उत्तम है। वर्षा अच्छी होगी घृत कपास धान्य गुड़ अलसी मंदे होंगे।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१४चं.इ.५६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
१७	१५	२०	२९	२१	७	१३	१७
२	४८	३७	९	५८	५६	२२	३४
१२	२२	५९	५४	२६	१७	२३	२
५७	३८	४९/११	२	१६	२/५८	३	५७
१२	५४	ब	५२	१	ब	११	२८

CC0. In Public Domain Kirtika [illegible] Nalagarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः १९४८ सन् १९५९
१	बु	३३	४६	श्ले	२८	२८	व्य	१८	५०	किं	४	१४	३ ३/६	२ ५/३	३ ६/७	५	१४	२९	सि२८।२८	नक्त व्रतारम्भः
२	गु	३१	४७	म	२८	२६	व	१५	६	बा	२	४६	३	२३	३९	६	१५	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	२८	५०	पू	२७	२२	प	१०	४१	तै	०	१८	०	२४	३६	७	१६	१	कं.४२।९	भ. ५७।४ उ. सफर २
४	श	२५	१७	उ	२५	५९	शि	५/१६	४५/१६	वि	२५	१७	३३/५६	२५	३५	८	१७	२	कन्यायां	भ. २५।१७ या.
५	र	२१	३	ह	२३	३८	सा	५३	३४	बा	२१	३	५३	२५	३५	९	१८	३	तु.५२।२४	वक्री पुष्ये बुधः १६।१२ नाग ५
६	चं	१६	३४	चि	२१	१०	शु	४७	४	तै	१६	३४	५०	२६	३४	१०	१९	४	तुलायाँ	वर्ण षष्ठी
७	मं	११	४५	स्वा	१८	९	शु	४०	२७	व	११	४५	४७	२७	३३	११	२०	५	तुलायां	भ.११।४५ उ.३९/५१ या. वक्री शुक्रः८।४५
८	बु	६	३८	वि	१४	५१	ब्र	३३	२५	ब	६	३८	४३	२७	३३	१२	२१	६	वृ.०।४०	
९	गु	१	४	अ	११	१७	ऐं	२६	१९	कौ	१	४	४०	२८	३२	१३	२२	७	वृश्चिके	कल्कि जयन्ती
१०	गु	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	वक्री गुरुः २२।१ ऋग्वेदीनामुपाकर्म
११	शु	४९	२८	ज्ये	७	४०	वै	१८	४८	व	२२	२२	३६	२९	३१	१४	२३	८	ध.७।४०	भ.३३/२२ उ.४९/२८ या. पवित्रा ११व्र. स्मा.
१२	श	४३	३४	मू	३/४५	५६/१४	वि	११	२४	ब	१६	३१	३३	२९	३१	१५	२४	९	धनुषि	पूर्वोदयी बुधः ७।८ पवित्रा ११ व्र. वै.
१३	र	३८	२	उ	५६	३७	प्री	४/१४	५२/५८	कौ	१०	४८	२९	३०	३०	१६	२५	१०	म.१४।८	भ. ५३।५९ मार्गी बुधः ८।५३ प्रदोषः
१४	चं	३३	६	श्र	५३	५६	सौ	५०	४१	ग	५	३४	२६	३१	२९	१७	२६	११	मकरे	भ. ३३।६ उ. २२।१२
१५	मं	२९	१७	ध	५२	१०	शो	४५	१	वि	१	११	२२	३२	२८	१८	२७	१२	कुं.२३।३	भ. १।११ या. श्रावणीकर्म रक्षाब.

१८पं.श्रा.शु.६चं.इ.५६!२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	४	८	५	३
२३	२०	१५	२९	२२	७	१३	२४
५०	१२	३४	३२	५३	३७	०	१६
१९	७	५५	१३	४२	५५	७	२८
५७	३	३६/०	४	०	२/१९	३	५७
२२	१	व्र	२	३५	ब	११	३२

गोचरग्रहाः

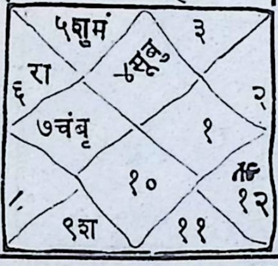

श्रावण शु.१४चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.६प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

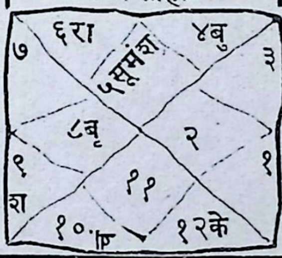

१९पं.श्रा.शु१४चं.इ.५६।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	५	४
०	२४	१४	०	२१	७	१२	०
३२	३७	३९	२	५५	२३	३७	५९
२२	८	३६	५६	८	३५	५२	४७
५७	३९	३०/२३	५	९/२७	१/४६	३	५७
३४	८	मा	९	ब	ब	११	४०

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२६	५०	श	५२	८	अ	४०	३२	कौ	२६	५०	३२/१९	५/३२	६/२८	१९	२८	१३	कुंभे	
२	गु	२५	५६	पू	५३	२८	सु	३७	११	ग	२५	५६	१५	३३	२७	२०	२९	१४	मी३८।८	भ. ५६।२१ उ.
३	शु	२६	४५	उ	५६	३१	धृ	३५	२९	वि	२६	४५	११	३४	२६	२१	३०	१५	मीने	भ.२६/४५या.४/३४या.चतुर्थीव्र.शुक्रास्तःपश्चि.
४	श	२९	२१	रे	६०	०	शू	३४	४१	बा	२९	२१	८	३४	२६	२२	३१	१६	मीने	भ. ३५।१३ शु.अ.प.
५	र	३३	३२	रे	१	६	गं	३५	२२	कौ	१	२६	४	३५	२५	२३	१	१७	मे. १।६	राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः चंद्र षष्ठी
६	चं	३८	४९	अ	७	२८	वृ	३६	५५	ग	६	१०	०	३६	२४	२४	२	१८	मेषे	भ. ३८।४९ उ.
७	मं	४५	१	भ	१४	२०	ध्रु	३९	२	वि	११	५५	३५/५६	३७	२३	२५	३	१९	वृ.३१।१३	भ. ११।५५ या.
८	बु	५१	७	कृ	२१	५१	व्या	४१	२५	बा	१८	४	५२	३८	२२	२६	४	२०	बृषे	कन्या.भौमः२१/४६ श्रीकृष्णज.व्र. मन्वादिः
९	गु	५६	५७	रो	२९	१९	ह	४३	४६	तै	२४	२	४८	३८	२२	२७	५	२१	बृषे	गोगानवमी
१०	शु	६०	०	मृ	३६	१४	व	४५	३८	व	२९	२५	४४	३९	२१	२८	६	२२	मि२।४६	भ. २९।५५ उ.
१०	श	१	५३	आ	४१	५२	सि	४६	२७	वि	१	५३	४०	४०	२०	२९	७	२३	मिथुने	भ. १।५३ या. *मघा.सिंहेबुधः२४।२
११	र	५	२१	पु	४६	६	व्य	४६	७	बा	५	२१	३६	४१	१९	३०	८	२४	क.३०।२	अजा ११ व्र.
१२	चं	७	२४	पु	४८	३८	व	४४	३५	तै	७	२४	३२	४२	१८	३१	९	२५	कर्के	पूफायां. रविः१३।१० प्रदोषः वत्सद्वादशी
१३	मं	७	४०	श्ले	४९	३०	प	४१	४०	व	७	४०	२८	४२	१८	१	१०	२६	सिं४९।३०	भ.७/४० उ.३६/४७या. सितम्बर मा.९ ता.३०*
१४	बु	५	५५	म	४८	५०	शि	३७	१२	श	५	५५	२५	४३	१७	२	११	२७	सिंहे	
३०	गु	२	५६	पू	४६	४८	सिं	३१	४३	ना	२	५६	२१	४४	१६	३	१२	२८	सिंहे	वक्री मघायां शुक्रः ३४/४३ कुशाग्रहणी ३०

२०पं.भा.कृ.६चं.इ.५६।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	५	४
७	२९	१९	०	१९	७	१२	७
१६	३	२६	४१	४	५३	१५	४४
५	५०	४९	२४	४८	५९	३६	१६
५७	३९	७१	६	३९/१८	१/४	३	५७
४५	१८	५	१७	ब	ब	११	४८

गोचरग्रहाः

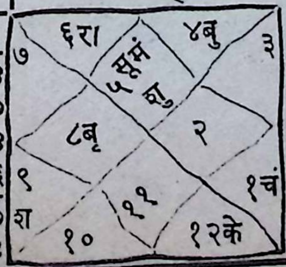

इस मास में वर्षा का योग उत्तम है पांच बुधवार है जो प्रजा में सुख शान्ति के द्योतक है

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.१२चं.इ.५५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	७	४	८	५	४
१४	३	२९	१	१४	७	११	१४
१	३२	११	२७	५६	९	५३	२९
१७	२८	३८	१४	३५	७	२०	५६
५७	२९	३०	७	३६/२९	०/२५	३	५८
२७	३५	४	१४	ब	ब	११	१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	गु	५५	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	शु	५३	१२	उ	४३	५०	सा	२५	२५	बा	२५	४८	३१/५७	५/४५	६/१५	४	१३	२९	कं. १।३
३	श	४७	३१	ह	४०	६	शु	१८	२६	तै	२०	२६	१३	४५	१५	५	१४	१	कन्यायां
४	र	४१	३७	चि	२६	२	शु	१०	५७	व	१४	३४	९	४६	१४	६	१५	२	तु. ८।४
५	चं	३५	३७	स्वा	३२	५	ब्र	३/१७	५२/२८	ब	८	३७	५	४७	१३	७	१६	३	तुलायां
६	मं	२९	५२	वि	२८	१५	वै	४८	३१	कौ	२	४४	१	४८	१२	८	१७	४	बृ.१४।१३
७	बु	२४	२२	अ	२४	३८	वि	४१	१७	व	२४	२२	३०/५७	४९	११	९	१८	५	वृश्चिके
८	गु	१९	१४	ज्ये	२१	१८	प्री	३४	२२	ब	१९	१४	५३	४९	११	१०	१९	६	ध.२१।१८
९	शु	१४	३४	मू	१८	२१	आ	२७	४४	कौ	१४	३४	४८	५०	१०	११	२०	७	धनुषि
१०	श	१०	५	पू	१५	४६	सौ	२१	३१	ग	१०	५	४४	५१	९	१२	२१	८	म.३०।१९
११	र	६	२५	उ	१३	५८	शो	१५	३५	वि	६	२५	४०	५२	८	१३	२२	९	मकरे
१२	चं	३	१०	श्र	१२	४१	अ	१०	२२	बा	३	१०	३६	५३	७	१४	२३	१०	कु.४२।५०
१३	मं	०	५२	ध	१२	८	सु	५	४२	तै	०	५२	३२	५४	६	१५	२४	११	कुम्भे
१४	मं	५८	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	बु	५९	२९	श	१२	३८	धृ	५ १/०	५७/२	वि	२९	३३	२८	५४	६	१६	२५	१२	मी५८।५२

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११.७७ स.१९५९

चन्द्रद. संभवः ५१/५३ पूर्वास्तं बुधः ०।५

भ.१४।३४ उ.४१।३७ या. ग.च. शु.पू.
भौमास्तः ९।२८ ऋषि ५
पूफायां बुधः ३७।१७ शु.उ.पू.
भ. २४।२२ उ. ५१।४८ या.
हस्ते भौमः५२।५६ ×अनंतचतुर्दशीव्र.

भ. ३८।५३ उ. रामदेवजी का मेला
भ.६।२५ या.५७।४९ जलझूलनी ११व्र.
हरिवासराऽभावः प्रदोषः
भ ५९/३७ उ. उफायां बुधः ४३/२१ अनु.१गुरुः २४/१×

भ ३९/३३ या. ५३/१३ महालयाश्राद्धारंभः कु.संध्यापू

२२पं.भा.५शु.चं.इ.५५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	४	८	५	४
२०	८	१२	२	१०	७	११	२१
४७	२	१	२०	४५	८	३१	१६
१७	४२	२३	२	७	३५	५	५८
२८	३९	३/०	८	३१/१३	०/२४	३	५८
१२	४३	५/३३	२३	ब	मा	११	१३

गोचरग्रहाः

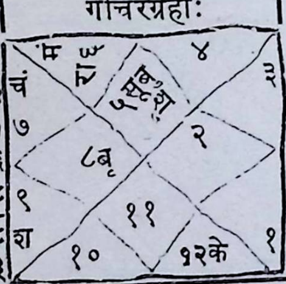

इस मास में २ तिथियों का क्षय हुआ है जिससे १३ दिन का पक्ष आया है। जिसका फल अच्छा नहीं है।

गोचरग्रहाः

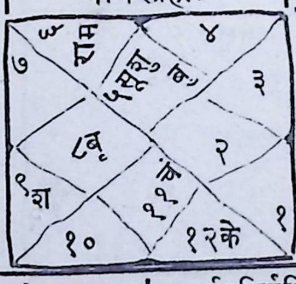

२३पं.भा.शु.१२चं.इ.५५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	४	८	५	४
२७	१२	२५	३	७	७	११	२८
३६	३४	२८	१८	४०	१३	५	५
२०	४८	२६	४०	५९	१९	४९	२२
५८	३९	३/०	९	१७	१	३	५८
२९	५२	०/३४	८	४४	१०	११	२६

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	गु	६०	०	पू	१४	१७	गं	५७	१०	बा	३०	८	३०/२४	५/५५	६/५	१७	२६	१३	मीने
१	शु	०	४८	उ	१७	२७	वृ	५६	१७	कौ	०	४८	२०	५६	४	१८	२७	१४	मीने
२	श	३	४१	रे	२१	५२	ध्रु	५६	१५	ग	३	४१	१६	५७	३	१९	२८	१५	मे.२१।५२
३	र	७	४४	अ	२७	४१	व्या	५७	३५	वि	७	४४	१२	५८	२	२०	२९	१६	मेषे
४	चं	१२	५१	भ	३४	११	ह	५९	१९	बा	१२	५१	८	५८	२	२१	३०	१७	वृ.५१।२
५	मं	१८	५७	कृ	४१	३७	व	६०	०	तै	१८	५७	४	५९	१	२२	३१	१८	वृषे
६	बु	२५	१०	रो	४९	१३	व	१	४२	व	२५	१०	३०/०	६/०	६/०५	२३	१	१९	वृषे
७	गु	३१	२५	मृ	५६	३५	सि	४	५	ब	३१	२५	२९/५५	६/५	५९	२४	२	२०	मि२२।५४
८	शु	३६	५६	आ	६०	०	व्य	६	२०	बा	४	१०	५१	२	५८	२५	३	२१	मिथुने
९	श	४०	५९	आ	३	१०	व	७	४०	तै	८	५७	४७	३	५७	२६	४	२२	क.५२।१
१०	र	४३	४१	पु	८	१६	प	८	१३	व	१२	२०	४३	३	५७	२७	५	२३	कर्के
११	चं	४४	२५	पु	११	४७	शि	७	२८	ब	१४	३	३८	४	५६	२८	६	२४	कर्के
१२	मं	४३	७	श्ले	१३	२४	सि	५	७	कौ	१३	४६	३४	५	५५	२९	७	२५	सिं१३।२४
१३	बु	३९	५८	म	१३	६	सा	५/१२	५४/४०	ग	११	३२	३०	६	५४	३०	८	२६	सिंहे
१४	गु	३४	५५	पू	१०	५६	शु	४९	५	वि	७	२६	२६	७	५३	१	९	२७	कं.२५।३
३०	शु	२८	३६	उ	७	२६	ब्र	४१	१६	च	१	४६	२२	८	५२	२	१०	२८	कन्यायां

शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

कन्यायां बुधः १९।२

भ. ३५।४२ उ. +भौमः १७।२
भ. ७।४४ या. चतुर्थी व्र.

हस्ते बुधः४९।२० मार्गी शुक्रः १९।५१
भ.२०/३५ उ.५१/५८ या. राष्ट्रीय आश्विनारम्भः

मातृ ९ सौभाग्यवतीनाम् श्राद्धम्
भ. १२।२० उ. ४३।४१ या. ३५।२८
इंदिरा ११ व्र. स्मा.

भ. ३९।५८ उ. ३४।५४ प्रदोषः
भ.२६/७ या.अक्टूबरमा.१०ता.३१चित्रायां+
सर्वपितृ श्राद्धम् प.प्र. क्वचित्सूर्यग्रहणम्

२४पं.आ.कृ.४चं.इ.५५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	७	४	८	५	५
४	१७	८	४	६	७	१०	४
२६	८	२१	२२	२७	२२	४६	५५
२७	३८	०	५२	४०	४४	३४	१७
५८	३९	०/०	९	१/५	१	३	५८
४५	५९	०/१०	५२	ड	४३	११	३८

गोचरग्रहाः

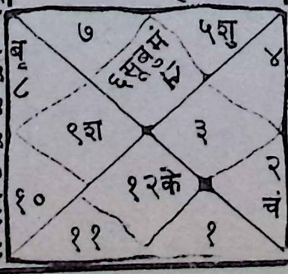

आश्विनकृ.१गुरौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५कुमारावस्था (बैठी)मु. ४५ (धान्य भाव मंदा)शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

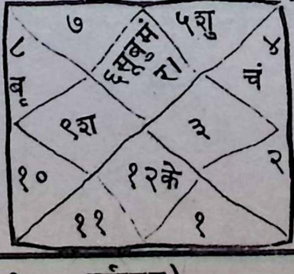

२५पं.आ.कृ.११चं.इ.५५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	७	४	८	५	५
११	२१	२०	५	७	७	१०	११
१८	४५	२६	३२	१२	३६	२४	४६
३१	७	३८	३५	१८	३२	१८	५३
५९	४०	०/०	१०	१४/२२	२	३	५८
०	१०	०/२६	३५	मा	२९	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२००७ स.१९५९
१	श	२१	१८	ह	२७	५४/२८	ऐं	३२	२५	ब	२१	१८	२९/१८	६/८	५/५२	३	११	२९	तु.२९।४१	मातामह श्रा.
२	र	१३	३८	स्वा	५१	८	वै	२३	२९	कौ	१३	३८	१४	९	५१	४	१२	३०	तुलायां	चन्द्रद. तुलायां बुधः ४६।५८
३	चं	५	५३	वि	४५	२८	वि	१४	१९	ग	५	५३	१०	१०	५०	५	१३	१	वृ.३१।५३	भ. ३२/५२ उ. ५८/३० या. १८/२७ बु. प. ३९/५०
४	चं	५२	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	मं	५१	३८	अ	४०	१०	प्री	५/१३	५५/१९	ब	२५	४	६	११	४९	६	१४	२	वृश्चिके	उफा.४राहुःउभा.२केतुः३३।२७ उ.ल.व्र.
६	बु	४५	३३	ज्ये	३५	४४	सौ	४८	३८	कौ	१८	३६	२	१२	४८	७	१५	३	ध.३५।४४	
७	गु	४०	२६	मू	३२	२	शो	४१	१९	ग	१३	०	२८/५८	१२	४८	८	१६	४	धनुषि	भ. ४०।२६ उ. स्वात्यांबुधः ५५।२७
८	शु	२६	२०	पू	२९	२५	अ	३४	५६	वि	८	२३	५४	१३	४७	९	१७	५	म.४४।०	भ. ८।२३ या. सरस्वती पू.
९	श	३३	१७	उ	२७	४५	सु	२९	२२	बा	४	४८	५०	१४	४६	१०	१८	६	मकरे	स. विसर्जनं
१०	र	३१	५	श्र	२७	११	धृ	२४	३४	तै	२	११	४६	१५	४५	११	१९	७	कु.५७।२३	भ.६/५ वर्षाश्रे. तु.भौमः३५/२३ वि.१० बौद्धज.
११	चं	३०	९	ध	२७	३५	शू	२०	३३	व	०	३७	४२	१६	४४	१२	२०	८	कुंभे	भ.३ ०/७ उ.३/९ या. पू. शुक्रः४२/२७ पा.११व्र.
१२	मं	३०	२२	श	२९	२२	गं	१७	२८	ब	०	१६	३८	१६	४४	१३	२१	९	कुंभे	
१३	बु	३१	३१	पू	३१	५०	वृ	१५	२६	कौ	०	५६	३४	१७	४३	१४	२२	१०	मी१६।१३	प्रदोषः
१४	गु	३३	५३	उ	३५	३७	ध्रु	१४	५	ग	२	४२	३०	१८	४२	१५	२३	११	मीने	भ. ३३।५३ उ. कोजागरी व्र.
१५	शु	३७	२०	रे	४०	२३	व्या	१३	३८	वि	५	३६	२६	१९	४१	१६	२४	१२	मे.४०।२३	भ.३ ६/५ या.श.पू.मा. नवा.भक्ष.का.स्ना.प्रा.

२६पं.आ.शु.३चं.इ.५५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	४	८	५	५
१८	२६	१	६	९	७	१०	१८
१२	२२	४१	४६	३९	५४	२	४०
१८	५९	४४	५२	२२	४०	२	११
५२	४०	९६	११	२७	३	३	५९
१६	२९	३५	१४	१४	१६	११	९

गोचरग्रहाः

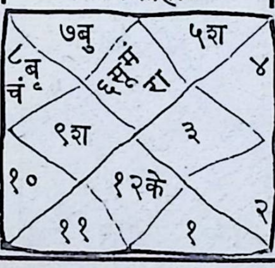

इस मास में जौ गेहूँ,बाजरा,ज्वार मक्का, गुड़,घृत, आदि भोज्य पदार्थ सस्ते होंगे प्रजा में पीड़ा ।

गोचरग्रहाः

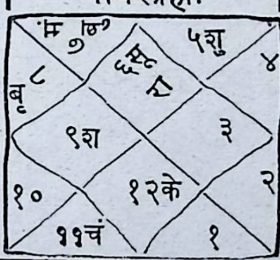

२७पं.आ.शु.११चं.इ.५४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	७	४	८	५	५
२५	१	१२	८	१३	८	९	२५
८	२	३३	५	२७	१७	३९	३५
०	३८	४३	१३	४३	३८	४७	७
५९	४०	९२	११	३७	३	३	५९
३१	३६	४७	५२	२	५०	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूर विर्दक्षिणे आविश्नकृष्णेतिमहा.
१	श	४२	०	अ	४६	१३	ह	१३	५३	बा	९	४०	२८/२२	६/२०	५/४०	१७	२५	१३	मेषे	तुलायांमर्कः ४८।४९ (दृश्यः २२।९)
२	र	४७	२४	भ	५२	३८	व	१५	२	तै	१४	४२	१८	२०	४०	१८	२६	१४	मेषे	वि. बुधः ४।५९
३	चं	५३	२८	कृ	५९	५५	सि	१६	३२	व	२०	२६	१४	२१	३९	१९	२७	१५	वृ. ९।२७	भ. २०।२६ उ. ५३।२८ या.
४	मं	५९	४५	री	६०	०	व्य	१८	४०	ब	२६	३६	१०	२२	३८	२०	२८	१६	वृषे	करक चतुर्थी व्र.
५	बु	६०	०	रो	७	२८	व	२१	१०	कौ	३२	५६	६	२३	३७	२१	२९	१७	मि४१।१८	स्वात्यां भौमः १५।१
५	गु	६	७	मृ	१५	७	प	२३	२९	तै	६	७	२	२४	३६	२२	३०	१८	मिथुने	अनुराधा. ३ गुरुः ३३।४४
६	शु	१२	८	आ	२२	१३	शि	२५	३२	व	१२	८	२७/५८	२४	३६	२३	१	१९	मिथुने	भ.१२।८उ.४४/४०या. राष्ट्रीय कार्तिकारम्भः
७	श	१७	१२	पु	२८	१८	सि	२६	४६	ब	१७	१२	५४	२५	३५	२४	२	२०	क.१३।५४	स्वात्यां रविः २९।५२
८	र	२०	३७	पु	३३	१५	सा	२६	५६	कौ	२०	३७	५०	२६	३४	२५	३	२१	कर्के	वृश्चिके बुधः २०।६
९	चं	२२	३१	श्ले	३६	२२	शु	२५	५५	ग	२२	३१	४६	२७	३३	२६	४	२२	सिं३६।२२	भ. ५२।२१ उ.
१०	मं	२२	१०	म	३७	२९	शु	२३	१६	वि	२२	१०	४२	२८	३२	२७	५	२३	सिंहे	भ. २२।१० या.
११	बु	१९	५३	पू	३६	३५	ब्र	१९	६	बा	१९	५३	३९	२८	३२	२८	६	२४	कं.५०।५३	अनु. बुधः ०।४० रमा ११ व्र.
१२	गु	१५	४४	उ	३३	४९	ऐं	१३	९	तै	१५	४४	३५	२९	३१	२९	७	२५	कन्या	प्रदोषः यमदीपदानं धन १३
१३	शु	९	३६	ह	२९	८	वै	५/४०	५१/१३	व	९	३६	३१	३०	३०	३०	८	२६	तु.५६।८	भ.३ ९/६ उ.३५/४८ या.१ ९/९ रूप१४ नरक१४
१४	श	२	.१	चि	२३	७	प्री	४७	१९	श	२	१	२७	३१	२९	३१	९	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	श	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

२८पं.का.कृ.३चं.इ.५४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	७	४	८	५	६
२	५	२२	९	१८	८	९	२
५	४३	३९	२७	१८	४४	१७	३१
३०	२९	११	२५	०	२४	३१	३२
५९	४०	८४	१२	४४	४	३	५९
४६	४६	४०	१८	५०	३०	११	३४

गोचरग्रहाः

कार्तिक कृष्ण १ शनौतुलायामर्कः प्र.वा.३न.४ युवा-वस्था (सूती) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयं पू. ।

गोचरग्रहाः

२९पं.का.कृ.९ चं.इ.५४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	७	४	८	५	६
९	१०	१	१०	२३	९	८	९
४	३०	५७	५२	५६	१५	५५	२९
५०	०	४३	४१	३५	०	१६	५१
६०	४०	७४	१२	५०	४	३	५९
२	५६	४४	३८	२२	५६	११	४७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक	शुक्लपक्षः	सं. २०१६	शाकः	१८८१								दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः
१	र	४४	१७	स्वा	१६	२६	आ	३७	२	किं	१८	५४	२७/२४	६/३५	५/२९	१	१०	२८	बृ.५५।५५
२	चं	३५	९	वि	९	४	सौ	२६	३०	बा	९	४३	२०	३२	२८	२	११	२९	बृश्चिके
३	मं	२६	३२	अ	१/५९	५३/२७	शो	१६	७	तै	०	५१	१६	३२	२८	३	१२	१	ध.५५।२६
४	बु	१८	४०	मू	४९	४४	अ	६/१३	५०/४३	वि	१८	४०	१३	३३	२७	४	१३	२	धनुषि
५	गु	११	५२	पू	४५	३४	धृ	४९	९	बा	११	५२	९	३४	२६	५	१४	३	म.५९।५१
६	शु	६	३५	उ	४२	४१	शू	४२	१९	तै	६	३५	६	३५	२५	६	१५	४	मकरे
७	श	२	५०	श्र	४१	२०	गं	३६	५२	व	२	५०	२	३६	२४	७	१६	५	मकरे
८	र	०	४८	ध	४१	३३	वृ	३२	२९	ब	०	४८	२६/५९	३६	२४	८	१७	६	कु.११।२६
९	चं	०	२	श	४३	२३	ध्रु	२९	२५	कौ	०	२	५६	३७	२३	९	१८	७	कुम्भे
१०	मं	०	५६	पू	४६	३६	व्या	२७	३३	ग	०	५६	५३	३७	२३	१०	१९	८	मी३०।४८
११	बु	३	१	उ	५०	५०	ह	२६	३२	वि	३	१	४९	३८	२२	११	२०	९	मीने
१२	गु	६	२०	रे	५६	१७	व	२६	५०	बा	६	२०	४६	३९	२१	१२	२१	१०	मे.५६।१७
१३	शु	१०	४४	अ	६०	०	सि	२७	१८	तै	१०	४४	४३	३९	२१	१३	२२	११	मेषे
१४	श	१६	१	अ	२	२७	व्य	२८	४०	व	१६	१	४०	४०	२०	१४	२३	१२	मेषे
१५	र	२१	४६	भ	९	१४	व	३०	२४	ब	२१	४६	३२	४१	१९	१५	२४	१३	बृ.२६।२

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०३६ सन् १९५९

नवंबर मा. ११ ता. ३० अन्नकूट गोवर्धनपूजा
चंद्रद. कन्या.शुक्रः ४१/५० कलमदवा.पू. यम२*
भ. ५२।३६ उ. जमादिलावस ५
भ. १८।४० या. मूल. ४ शनिः ५४।२५

विशाखायां रविः ४७।१४ *भ्रातृ २
भ. २।५० उ. ३१।४९ या. अनु. ४ गुरुः×
×३५।३३ कल्पादिः गोपाष्टमी
विशा.भौमः ४५/५६ अक्षया९ कुष्मांड९ युगा.
भ. ३१।५८ उ.
भ. ३।१ या. प्रबो. ११ब्र. तुलसीविवाह
ज्ये.बुधः ५६ हरिवासराऽभावः प्रदोषः
वक्री बुधः ३९ हस्ते शुक्रः ४/३ वैकुण्ठ १४
भ. ९/५६ उ. ४/५३ या. =बुधः ३१।२३
पुष्कर यात्रा का. स्नान पूर्ति वक्री अनु.=

३०पं.का.शु.२चं.इ.५४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	७	५	८	५	६
१६	१५	१०	१२	०	९	८	१६
५	१६	२	२०	११	४९	३३	२९
५४	५५	३८	५३	३१	८	०	३७
६०	४१	५७	१३	५४	५	३	६०
१८	६	५५	५	५६	२६	११	४

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है प्रजा में कुछ कष्ट शीत की विशेषता तुला राशि का मंगल धान्य मंदा करेगा।

गोचरग्रहाः

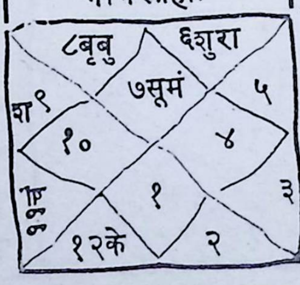

३१पं.का.शु.९ चं.इ.५४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	७	५	८	५	६
२३	२०	१५	१३	६	१०	८	२३
८	५	३८	५०	५४	२६	१०	३१
३२	४२	२०	४९	५८	३८	४४	०
६०	४१	२८	१३	५८	५	३	६०
३०	१६	१	२०	२९	५०	११	१७

ति.	मार्गशीर्ष	कृष्णपक्षः	सं.२०१६	शाकः	१८८१								दि.	अ.	उ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	चं	२८	१	कृ	१६	२५	प	३२	२२	कौ	२८	१	२६/३४	६/४५	५/१९	१६	२५	१४	बृषे
२	मं	३४	२४	रो	२३	५६	शि	३४	३८	तै	१	१३	३१	४२	१८	१७	२६	१५	मि५७।४३
३	बु	४०	४१	मृ	३१	३१	सि	३६	५७	व	७	३२	२९	४२	१८	१८	२७	१६	मिथुने
४	गु	४६	४४	आ	३८	४७	सा	३९	७	ब	१३	४२	२६	४३	१७	१९	२८	१७	मिथुने
५	शु	५१	५२	पु	४५	२५	शु	४०	३१	कौ	१९	१८	२४	४३	१७	२०	२९	१८	क.२८।४९
६	श	५६	५	पु	५१	८	शु	४१	२७	ग	२३	५८	२१	४४	१६	२१	३०	१९	कर्के
७	र	५९	१	श्ले	५५	२६	ब्र	४१	२२	वि	२७	३३	१९	४४	१६	२२	१	२०	सिं५५।२६
८	चं	६०	०	म	५८	१७	ऐं	३९	५६	बा	२९	३०	१६	४५	१५	२३	२	२१	सिंहे
९	मं	५९	२०	पू	५९	१५	वै	३७	१६	तै	२९	४०	१३	४५	१५	२४	३	२२	सिंहे
१०	बु	५६	३१	उ	५८	११	वि	३२	५८	व	२७	५६	११	४६	१४	२५	४	२३	कं.१३।५८
११	गु	५१	५२	ह	५५	१६	प्री	२७	९	ब	२४	१२	८	४६	१४	२६	५	२४	कन्या
१२	शु	४५	२६	चि	५०	३५	आ	१९	३७	कौ	१८	३९	६	४७	१३	२७	६	२५	तु.२२।५५
१३	श	३७	३२	स्वा	४४	२७	सौ	१०	५३	ग	११	२९	३	४७	१३	२८	७	२६	तुलायां
१४	र	२८	२४	वि	३७	१६	शो	१/०	४६/२८	वि	२	५८	१	४८	१२	२९	८	२७	बृ.२४।३
३०	चं	१८	४८	अ	२९	२२	सु	३९	१७	ना	१८	४८	२५/५९	४८	१२	३०	९	२८	बृश्चके

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहा.

बृश्चिकेऽर्कः ४१।३२ (दृश्यः २०।३३)

भ. ७/३२ उ. ४०/४१ या. पश्चिमास्तंबुधः २०।३४
अनु. रविः ५९।२० चतुर्थी ब्र.

भ. ५६।५ उ.
भ. २७।३३ या. राष्ट्रीय मार्गशीर्षारंभः÷
÷ज्येष्ठा१गुरुः ४२।७ गुर्वस्तः २४।० गु.अ.
वृश्चिके भौमः ८।२
भ. २७/५६ उ. ५६/३१ या. चित्रायांशुक्रः ४०।४१
उत्पत्ति ११ ब्र. स्मार्तानाम्
वक्री विशा. बुधः ४०/५९ उत्पत्ति ११ब्र. बै.
भ. ३७/३२ उ. अनु. भौमः ५०।४९ प्रदोषः
भ. २।५८ या.
पूर्वोदयी बुधः ३८।३६ सोमवती ३०

३२पं.मा.कृ.१चं.इ.५४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	७	५	८	५	७
०	२४	१५	१५	१४	११	७	०
१२	५७	५१	२२	१	६	४९	३३
३६	०	४०	४४	२३	३६	२९	४४
६०	४१	३५/६	१३	६१	६	३	६०
४०	३७	व	२६	१०	१४	११	३०

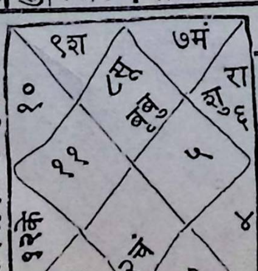

३३पं.मा.कृ.८चं.इ.५३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	६	५	८	५	७
७	२९	८	१६	२१	११	७	७
१८	५०	४४	५६	२७	४९	२६	३७
९	५६	३८	१०	४	१२	१३	४०
६०	४१	१८/४८	१३	६३	६	३	६०
५३	४०	ब	३२	२३	३१	११	४२

३४पं.मा.कृ.३०चं.इ.५३।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	५	८	५	७
१४	४	१	१८	२९	१२	७	१४
२४	४५	१८	३०	६	३३	३	४२
५५	३६	१८	४०	२५	३२	५८	५५
६१	४१	३७/४६	१३	६५	६	३	६०
३	५०	ब	३८	२	४४	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः सं. २०१६	शाकः १८८१										दि.	उ.	अ	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	हेमंततृ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०६६ स.१९५९
१	मं	८	५४	ज्ये	२१	३८	धृ	२८	१६	बा	८	५४	२५/५७	६/४९	५/११	१	१०	२९	ध्र.२१।३८	चंद्रद. **दिसंबर मा. १२ ता. ३१** तुला*
२	मं	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*शुक्रः ४३।१
३	बु	५१	८	मू	१४	८	शू	१०	३१	तै	२५	२०	५५	४९	११	२	११	१	धनुषि	जमादिलाखर ६
४	गु	४४	१	पू	७	४७	गं	७/४२	१०/५९	व	१७	३५	५३	४९	११	३	१२	२	म.२१।३२	भ.१७।३५ उ.४४।१या. ज्ये.रविः६।१९
५	शु	३८	४०	उ	२/४७	५६/५६	ध्रु	५१	३५	ब	११	२१	५१	५०	१०	४	१३	३	मकरे	मार्गी बुधः २६।२६
६	श	३५	६	ध	५८	२४	व्या	४५	४९	कौ	६	५३	४९	५०	१०	५	१४	४	कु.२९।३	चम्पाषष्ठी
७	र	३३	४०	श	५८	५८	ह	४१	३४	ग	४	२३	४८	५०	१०	६	१५	५	कुम्भे	भ. ३३।४० उ.
८	चं	३४	८	पू	६०	०	व	३८	५०	वि	३	५४	४६	५१	९	७	१६	६	मी४५।५८	भ.३/५४ या. स्वा. शुक्रः ३६/४८ ज्ये.२ गुरुः ३१/१४+
९	मं	३६	१९	पू	१	३८	सि	३७	३५	बा	५	१४	४५	५१	९	८	१७	७	मीने	उफा. ३ राहुः उभा. १ केतुः २५।२६.
१०	बु	३९	५५	उ	५	४६	व्य	३७	५०	तै	८	७	४४	५१	९	९	१८	८	मीने	+पूषा. १ शनिः ५६।५
११	गु	४४	५४	रे	११	७	व	३८	२०	व	१२	२५	४२	५२	८	१०	१९	९	मे.११।७	भ. १२।२५ उ. ४४।५४ या. अनु. बुधः=
१२	शु	५०	४१	अ	१७	२३	प	३९	५५	ब	१७	४७	४१	५२	८	११	२०	१०	मेषे	=५०।२८ मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१३	श	५६	५८	भ	२४	४१	शि	४१	५३	कौ	२३	५०	४०	५२	८	१२	२१	११	वृ.४१।३५	शनि प्रदोष व्रतम्
१४	र	६०	०	कृ	३२	१७	सि	४३	५८	ग	३०	११	३९	५२	८	१३	२२	१२	बृषे	पिशाच मौचन श्राद्ध
१४	चं	३	२५	रो	३९	४९	सा	४६	१४	व	३	२५	३८	५२	८	१४	२३	१३	बृषे	भ. ३।२५ उ. ३६।३५ या. दत्त जयंती
१५	मं	९	४४	मृ	४७	६	शु	४८	१७	ब	९	४४	३८	५२	८	१५	२४	१४	मि१३।२७	धनुष्यऽर्कः ५६।१२ अस्तः शनिः ५।४८

३५पं.मा.शु.८चं.इ.५३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	६	८	५	७
२१	९	१	२०	६	१३	६	२१
३२	४३	३१	५	५८	१९	४१	४८
४२	४१	४४	२	२६	४१	४२	५९
६१	४२	३६/४१	१३	६६	७	३	६०
११	०	मा	३८	३१	२	११	५६

गोचरग्रहाः

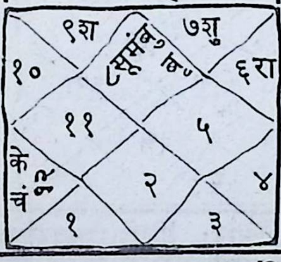

मार्गशीर्ष कृष्णा
१ चन्द्रे बृश्चिके-
ऽर्कःप्र. वा.३न.३
युवावस्था (सूती)
मु.४५[धान्यभाव
मंदा]शुक्रोदयं पू.

गांचरग्रहाः

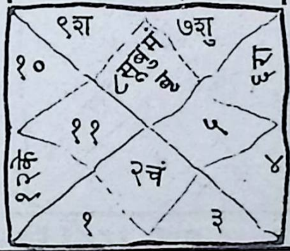

३६पं.मा.शु. ४चं.इ.५३।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	६	८	५	७
२८	१४	८	२१	१४	१४	६	२८
४१	४३	५	४०	५९	७	१९	५५
२५	१६	४९	५	२	१६	२६	५६
६१	४२	६७	१३	६७	७	३	६१
१९	४	५४	३५	४१	८	११	०

ति.	पौष	कृष्णपक्ष सं. २०१६	शाकः १८८१										दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	हेमंततृ रविदक्षिणे मार्गकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१५	५४	आ	५४	१६	शु	५०	१३	कौ	१५	५४	३५/३७	६/५६	५/७	१६	२५	१५	मिथुने	मूले धनुष्यर्कः १९।४
२	गु	२१	३५	पु	६०	०	ब्र	५१	३२	ग	२१	३५	३८	५३	७	१७	२६	१६	क.४४।२	भ.५३/५७ उ. ज्ये.भौमः ३९/४१ गु.५९/२४ **गु. उ.**
३	शु	२६	१९	पु	०	३७	ऐं	५२	१६	वि	२६	१९	३७	५३	७	१८	२७	१७	कर्के	भ. २६।१९ या. चतुर्थी व्र.
४	श	३०	२३	पु	६	११	वै	५२	२०	बा	३०	२३	३६	५३	७	१९	२८	१८	कर्के	विशाखायां शुक्रः ७।२४
५	र	३३	२२	श्ले	१०	५५	वि	५१	३२	कौ	१	५२	३६	५३	७	२०	२९	१९	सिं१०।५५	
६	चं	३५	१	म	१४	३१	प्री	४९	४०	ग	४	११	३६	५३	७	२१	३०	२०	सिंहे	भ. ३५।१ उ. ज्येष्ठायां बुधः ३१।३०
७	मं	३५	१९	पू	१६	४३	आ	४६	३७	वि	५	१०	३६	५३	७	२२	१	२१	कं.३१।५३	भ.५/१० या. राष्ट्रीयपौषारंभः ज्ये.३गुरुः १९/२९
८	बु	३३	५८	उ	१७	२२	सौ	४२	२५	बा	४	३८	३६	५३	७	२३	२	२२	कन्या	
९	गु	३०	५९	ह	१६	२०	शो	३६	५२	तै	२	२८	३७	५३	७	२४	३	२३	तु.४५।०	भ. ५८।३६ उ. भौमोदयः ७।२५
१०	शु	२६	१३	चि	१३	४०	अ	२९	४९	वि	२६	१३	३७	५३	७	२५	४	२४	तुलायां	भ. २६।१३ या.
११	श	२०	९	स्वा	९	३९	सु	२१	३७	बा	२०	९	३७	५३	७	२६	५	२५	बृ.५०।२६	सफला ११ व्र.
१२	र	१२	३३	वि	४/२	५३/२१	धृ	१२	१२	तै	१२	३३	३८	५२	८	२७	६	२६	बृश्चिके	वृश्चिके शुक्रः ३९।२१ प्रदोषः
१३	चं	४	०	ज्ये	५०	२	शू	२/१४	४९/१४	व	४	०	३८	५२	८	२८	७	२७	ध्र.५०।२	भ. ४।० उ. २९।२० या.
१४	चं	५०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	मं	४५	१६	मू	४२	२६	गं	४०	३८	च	१९	५८	३९	५२	८	२९	८	२८	धनुषि	पू. षा. यां. रविः ११।४१

३७पं.पौ.कृ.६ चं.इ.५३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	१	७	६	८	५	८
५	१९	१७	२३	२३	१४	५	६
५०	४५	९	१४	९	५५	४७	३
५०	४३	२५	२	४३	४८	११	३२
६१	४२	८१	१३	६८	७	३	६१
३२	१४	३८	३२	४३	१६	११	४

गोचरग्रहाः

.पौष कृष्णा १
बुधे धनुष्यकः प्र.
वा.३ न.३ गता-
ल्कावस्था ऊभी
मु. १५ धान्य
भाव तेज शु. पू.

गोचरग्रहाः

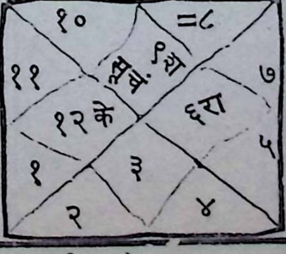

३८पं.पौ.कृ.१३चं.इ.५२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	७	७	८	५	८
१३	२४	२७	२४	१	१५	५	१३
०	४९	८	४७	२५	४५	३४	११
४२	३७	३५	२४	८	०	५५	३०
६१	४२	८९	१३	६९	७	३	६
२६	२९	४३	२०	२८	२७	११	६१

=८मंशुबुबृ

*८मंबृबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौषः	शुक्लपक्षः	सं. २०१६	शाकः १८८१									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२०९५ स.१९६०
१	बु	३६	२	पू	३५	३	ध्रु	२९	५३	किं	१०	३९	२५/४०	६/५२	५/८	३०	९	२९	म.४८।२८	भ. ४७।३१ अनुराधा. शुक्रः ३२।२३
२	गु	२७	४९	उ	२८	४३	व्या	१९	५६	बा	१	४५	४०	५२	८	३१	१०	३०	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	२१	२	श्र	२३	४४	ह	१०	५९	ग	२१	२	४१	५२	८	१	११	१	कुं.५२।८	भ. ४८।३० उ. जनवरी मा. १ ता. ३१*
४	श	१५	५८	ध	२०	३२	व	३/१४	५४/३	वि	१५	५८	४२	५२	८	२	१२	२	कुम्भे	भ. १५।५८ या.
५	र	१२	५६	श	१९	८	व्य	५३	१९	बा	१५	५६	४३	५१	९	३	१३	३	कुम्भे	*सन् १९६०ई. रज्जब ७
६	चं	१२	८	पू	२०	४	व	५०	३७	तै	१२	८	४४	५१	९	४	१४	४	मी४।५०	मूलेधनुषि भौमः५८।३६ पूर्वास्तंबुधः २५/२
७	मं	१३	१८	उ	२२	४९	प	४९	३७	व	१३	१८	४६	५१	९	५	१५	५	मीने	भ.१३।१८उ.४४।५३या.पूषा.२शनिः ३/२ ६/१
८	बु	१६	२८	रे	२७	३९	शि	५०	०	ब	१६	२८	४७	५१	९	६	१६	६	मे.२७।२९	ज्येष्ठा. ४ गुरुः २८।४
९	गु	२१	११	अ	३३	४५	सि	५१	७	कौ	२१	११	४९	५०	१०	७	१७	७	मेषे	
१०	शु	२७	५	भ	४१	२	सा	५३	१७	ग	२७	५	५१	५०	१०	८	१८	८	वृ.५७।५३	पूषायांबुधः ४८।११
११	श	३३	२८	कृ	४८	२५	शु	५५	२५	व	०	१६	५२	५०	१०	९	१९	९	वृषे	भ.०।१६उ.३/२ ३/८या. पुत्रदा११ब्र. मन्वादिः
१२	र	४०	१०	रो	५६	५	शु	५७	४८	ब	६	४९	५४	४९	११	१०	२०	१०	वृषे	ज्येष्ठायां शुक्रः ३४।५१
१३	चं	४६	३५	मृ	६०	०	ब्र	५९	४७	कौ	१३	२२	५६	४९	११	११	२१	११	मि२९।४५	उ.षा.यां.रविः १३।९ प्रदोषः
१४	मं	५२	२७	मृ	३	२४	ऐं	६०	०	ग	१९	३१	५८	४८	१२	१२	२२	१२	मिथुने	भ. ५२।२७ उ.
१५	बु	५७	३९	आ	१०	३०	ऐं	१	२८	वि	२५	३	२६/५	४८	१२	१३	२३	१३	मिथुने	भ. २५।३ या. माघस्नान प्रारम्भः

३९पं.पौ.शु.६ चं.इ.५२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	७	७	८	५	८
२०	२९	७	२६	९	१६	५	२०
१०	५५	३५	१९	४६	३४	१२	१९
३९	५२	१०	१	४४	२६	४०	३५
६१	४२	९४	१३	७०	७	३	६१
२६	४६	४७	१३	१३	२०	११	६

गोचरग्रहाः

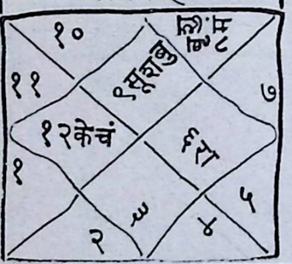

इस मास में शनि रवि का योग प्रजामें कष्ट होगा धान्य भाव सम रूई चांदी में साधारण तेजी आएगी।

गोचरग्रहाः

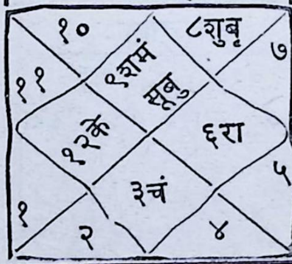

४०पं.पौ.शु.१३ चं.इ.५२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	७	७	८	५	८
२७	५	१८	२७	१८	१७	४	२७
२०	४	२४	४८	१२	२२	५०	२७
३१	३०	७	४०	०	५३	२४	४१
६१	४२	९८	१२	७०	७	३	६१
२४	५४	५१	५०	५१	१४	११	६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०१६	शाकः १८८१									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरऋतूरविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	६०	०	पु	१६	२९	वै	२	३५	ब	२९	४४	२६/३	६/४७	५/१३	१४	२४	१४	क. सूर्योदये	मकरेऽर्कः२८।३६ (दृश्यः २२।२०)
१	शु	१	४९	पु	२१	४३	वि	२	५९	कौ	१	४९	५	४७	१३	१५	२५	१५	कर्के	
२	श	५	१	श्ले	२५	४८	प्री	२	३४	ग	५	१	८	४६	१४	१६	२६	१६	सिं२५।४८	भ. ३६।१० उ.
३	र	७	१८	म	२९	१	आ	५/२५	५७/५८	वि	७	१८	१०	४६	१४	१७	२७	१७	सिंहे	भ. ७।१८ या. उषायां बुधः ९।१ उदयः*
४	चं	८	२१	पू	३१	३	शो	५६	३३	बा	८	२१	१२	४६	१४	१८	२८	१८	कं.४६।२०	*शनिः २६।२८ च. ब्र.
५	मं	८	२३	उ	३२	१०	अ	५२	५२	तै	८	२३	१५	४५	१५	१९	२९	१९	कन्यायां	मकरे बुधः ६।३८
६	बु	७	२२	ह	३२	१५	सु	४८	१४	व	७	२२	१७	४५	१५	२०	३०	२०	कन्यायां	भ.७।२२उ.३६।१८या. अभि.प्र.रविः ५९/५४
७	गु	५	१३	चि	३०	५३	धृ	४२	४०	ब	५	१३	२०	४४	१६	२१	१	२१	तु. १।३४	राष्ट्रीय माघारंभः मूलेधनुषिशुक्रः ३९।५४
८	शु	१	५२	स्वा	२८	३६	शू	३६	५	कौ	१	५२	२२	४४	१६	२२	२	२२	तुलायां	भ. ५६।४२ मूल.१ धनुषि गरुः३२।५५
९	शु	५५	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	श	५१	४५	वि	२५	७	गं	२८	३८	व	२४	३६	२५	४३	१७	२३	३	२३	वृ.१०।५९	भ. २४।३६ उ. ५१।४५ या.
११	र	४५	५	अ	२०	३४	वृ	२०	२५	ब	१८	२५	२७	४३	१७	२४	४	२४	वृश्चिके	भ. १५।५३ षट्तिला ११ब्र. स्मा. वै.
१२	चं	३७	३३	ज्ये	१४	५९	ध्रु	११	१६	कौ	११	१९	३०	४२	१८	२५	५	२५	ध.१४।५९	भ.८।८श्रवणेबुधः९।३९षट्तिला११ब्र.नि.
१३	मं	२९	२२	मू	८	५६	व्या	५/४४	५०/०	ग	३	२७	३३	४१	१९	२६	६	२६	धनुषि	भ. २९।२२ उ. ५५।१५ या. प्रदोषः
१४	बु	२१	८	पू	२/३७	५३/४५	व	४२	५	श	२१	८	३६	४१	१९	२७	७	२७	म.१६।२	
३०	गु	१३	९	श्र	५०	४५	सि	३२	५०	ना	१३	९	३९	४०	२०	२८	८	२८	मकरे	युगादिः

४१पं.मा.कृ.४ चं.इ.५२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	७	७	८	५	९
४	१०	२९	२९	१६	१८	४	४
३०	१४	१६	१६	४१	१२	२८	३५
०	५६	२२	८	१०	४३	८	३१
६१	४३	९०	१२	७१	७	३	६१
१९	८	२	२०	२२	८	११	३

गोचरग्रहाः

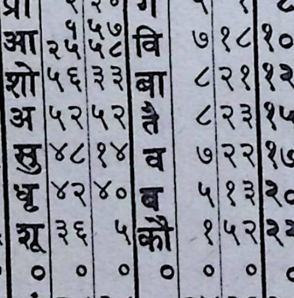

माघ कृ. १ गुरौ. मकरेऽर्कः प्र.वा.१ न.३कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

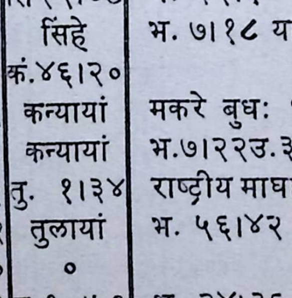

४२पं.मा.कृ.१२चं.इ.५२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	८	८	८	५	९
११	१५	११	०	५	१९	४	११
३८	२७	१६	४०	१२	९	५	४२
५१	७	१	४१	०	२२	५३	५७
६१	४३	९०	१२	७१	६	३	६०
१३	१९	४४	२	४६	५७	११	५९

×९शमंबु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*१शमंबृशुचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २११५ स.१९६०
१	शु	६	५	ध	४६	२८	व्य	२४	३५	ब	६	५	२६/४२	४ ६/०	२ ५/०	२९	९	२९	कुं १८।३७	चंद्रदर्शनम्
२	श	०	१४	श	४३	४४	व	१७	२९	कौ	०	१४	४६	३९	२१	३०	१०	१	कुम्भे	सावान ८
३	श	५५	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र	५४	१५	पू	४२	५३	प	११	३९	व	२५	११	४९	३८	२२	३१	११	२	मी२८।६	म. २५।११ उ. ५४।१५ या.
५	चं	५४	१३	उ	४४	१३	शि	७	४४	ब	२४	१४	५२	३८	२२	१	१२	३	मीने	**फरवरी मा. २ ता. २९** वसंत पंचमी
६	मं	५६	२३	रे	४७	४३	सि	५	३२	कौ	२५	१८	५५	३७	२३	२	१३	४	मे.४७।४३	
७	बु	६०	०	अ	५२	४८	सा	४	५६	ग	२८	२१	५९	३६	२४	३	१४	५	मेषे	पूषा. ३ शनिः ५६।४ मन्वादिः रथ ७
७	गु	०	१८	भ	५९	१९	शु	५	११	वि	०	१८	२७/२	३६	२४	४	१५	६	मेषे	भ. ०।१८ उ. ३३।२ या.
८	शु	५	४६	कृ	६०	०	शु	६	५०	बा	५	४६	६	३५	२५	५	१६	७	वृ १६।५	कुम्भेबुधः ३४।१३ भीष्म ८ पा.४६।२९
९	श	११	५९	कृ	६	२३	ब्र	८	४८	कौ	११	५७	९	३४	२६	६	१७	८	वृषे	भ. २१।४५ पातमोक्षः १९।१६
१०	र	१८	३२	रो	१४	९	ऐं	११	८	ग	१८	३२	१३	३३	२७	७	१८	९	मि४७।५१	भ. ५१।४५ उ.
११	चं	२४	५८	मृ	२१	३४	वै	१३	१९	वि	२४	५८	१६	३३	२७	८	१९	१०	मिथुने	भ. २४।५८ या. जया ११ व्रतम्
१२	मं	३०	४३	आ	२८	३८	वि	१४	५९	बा	३०	४३	२०	३२	२८	९	२०	११	मिथुने	भ. १७/२० उषायां भौमः ५३/२२ भीष्म १२
१३	बु	३५	३९	पु	३४	३७	प्री	१६	८	कौ	३	११	२४	३१	२९	१०	२१	१२	क.१८।८	प्रदोषः
१४	गु	३९	११	पु	३९	१६	आ	१६	१७	ग	७	२५	२७	३१	२९	११	२२	१३	कर्के	भ. ३९।११ उ.
१५	शु	४१	२९	श्ले	४३	४	सौ	१५	२५	वि	१०	२०	३१	३०	३०	१२	२३	१४	सिं४३।४	भ.१०/२० या. कुम्भेऽर्कः ५५/४१ बुधोदयः प.३२/१७

४३पं.मा.शु.५चं.इ.५२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	८	८	८	५	९
१८	२०	२३	२	१३	१९	३	१८
४६	४०	२४	०	४४	४६	४३	४९
५२	४४	४३	५०	१३	१९	३७	३१
६१	४३	४/०	११	७२	६	३	६०
४	२४	९/१५	२३	५	४०	१५	५५

गोचरग्रहाः

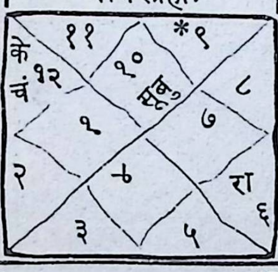

माघ शुक्ला१५ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र. वा. १ नं. २ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

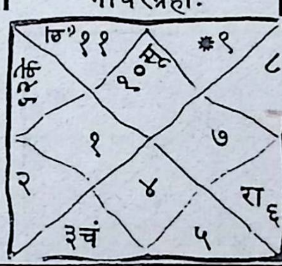

४४पं.मा.शु.११चं.इ.५३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	८	८	८	५	९
२५	२५	५	३	२२	२०	३	२५
५३	५६	५६	१७	१८	३०	२१	५५
३९	३५	३१	३१	५०	२२	२२	१८
६०	४३	७/०	१०	७२	६	३	६०
५५	५५	९/३४	५०	२९	२६	१५	४७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४२	३५	म	४५	२३	शो	१३	४१	बा	१२	२	२७/३५	६/२९	३ ५/१	१३	२४	१५	सिंहे	
२	र	४२	३३	पू	४६	३४	अ	११	३	तै	१२	३४	३८	२८	३२	१४	२५	१६	सिंहे	मकरे भौमः १२।३१
३	चं	४१	२१	उ	४६	५२	सु	७	२३	व	११	५७	४२	२८	३२	१५	२६	१७	कं. १।३८	भ. ५१/५७ उ. ४१/२१ या. मकरे शुक्रः ८।१३
४	मं	३९	१५	ह	४६	१९	धृ	३/११	५५/६	ब	१०	१८	४६	२७	३३	१६	२७	१८	कन्यायां	पूभायां बुधः ५७।२१ चतुर्थी व्रतम्
५	बु	३६	२६	चि	४४	५९	गं	५२	४२	कौ	७	५०	५०	२६	३४	१७	२८	१९	तु.१५।३९	
६	गु	३३	३	स्वा	४३	२	वृ	४६	४०	ग	४	४५	५४	२५	३५	१८	२९	२०	तुलायां	भ. २३/३ उ. पातस्पर्शः २९/५२ पातमोक्षः ४३/३
७	शु	२९	१३	वि	४०	३६	ध्रु	४०	१०	वि	१	८	५८	२४	३६	१९	३०	२१	वृ २६।१३	भ. १।८ या. शते रविः ३१।२
८	श	२४	२६	अ	३७	१९	व्या	३३	१५	कौ	२४	२६	२६/२	२४	३६	२०	१	२२	बृश्चिके	राष्ट्रीय फाल्गुनारम्भः
९	र	१९	२०	ज्ये	३३	३२	ह	२५	३६	ग	१९	२०	६	२३	३७	२१	२	२३	ध.३३।३२	भ. ४६।२६ उ.
१०	चं	१३	३२	मू	२९	२३	व	१७	४७	वि	१३	३२	१०	२२	३८	२२	३	२४	धनुषि	भ. १३।३२ या.
११	मं	७	१७	पू	२४	४६	सि	९	३५	बा	७	१७	१४	२१	३९	२३	४	२५	म.३८।३७	श्रवणे शुक्रः १७।५५ विजया ११ व्रतम्
१२	बु	०	५०	उ	२०	९	व्य	५/२७	५५/४३	तै	०	५०	१८	२०	४०	२४	५	२६	मकरे	भ ५४।२१ उ. मीनेबुधः २३।५१ प्रदोषः
१३	बु	५३	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	४८	२०	श्र	१५	३५	प	४५	२८	वि	२१	२१	२२	२०	४०	२५	६	२७	कु.४३।३७	भ. २१।२१ या. श्रीमहाशिवरात्री व्रतम्
३०	शु	४३	५	ध	११	५०	शि	३८	३२	च	१५	४३	२६	१९	४१	२६	७	२८	कुम्भे	

४५पं.फा.कृ.३चं.इ.५३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	८	९	८	५	१०
२	१	१८	४	०	२१	२	३
५९	१३	१२	२९	५४	१२	५९	०
४२	५५	५८	५६	४३	४०	६	[illegible]
६०	४४	०/०	१०	७२	६	३	६०
४२	०	९/१७	१	४८	११	११	३७

गोचरग्रहाः

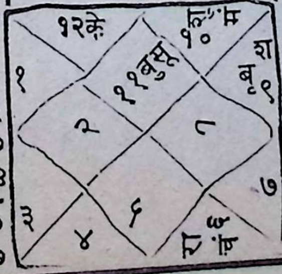

यहां धन राशि में शनि गुरु का योग चल रहा है जो प्रजा के लिए साधारण है । धान्य रुई चना आदि तेज होंगे ।

गोचरग्रहाः

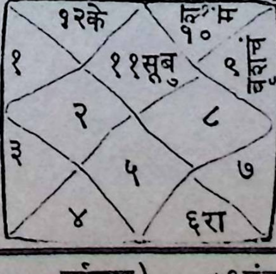

४६पं.फा.कृ.१०चं.इ.५३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	८	९	८	५	१०
१०	६	२८	५	४	२१	२	१०
४	३२	१२	३६	३०	५२	३६	३
१५	१०	२५	१८	२२	१	५०	३५
६०	४४	७१	९	७३	५	३	६०
३१	७	३०	१९	०	४८	११	२५

 *९मंशुशबृ

*९मंबृशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततूर् रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २१५४स.१९६०
१	श	३९	२	श	९	९	खि	३२	३१	किं	११	४	२८।३०	६।१८	५।४२	२७	८	२९	मी५३।९	श्रवणे भौमः २२।१६
२	र	३६	४८	पू	७	४९	सा	२७	५५	बा	७	५५	३४	१७	४३	२८	९	३०	मीने	चंद्रद. फुलरिया २
३	चं	३६	१४	उ	८	१६	शु	२४	३६	तै	६	३१	३८	१६	४४	२९	१०	१	मीने	रमजान ९
४	मं	३७	३२	रे	१०	२०	शु	२२	५७	व	६	५३	४२	१६	४४	१	११	२	मे.१०।२०	भ.७।५३ उ.३७।३२या. **मार्च मा.३ता.३१**
५	बु	४०	४१	अ	१४	२०	ब्र	२२	२९	ब	९	६	४६	१५	४५	२	१२	३	मेषे	पू.भा.यां. रविः ४५।५० प. बुधः २।३५
६	गु	४५	२०	भ	१९	५९	ऐं	२३	२१	कौ	१३	०	५०	१४	४६	३	१३	४	वृ.३६।४०	भ. ५१।७ उ.
७	शु	५१	७	कृ	२६	४०	वै	२४	५९	ग	१८	१४	५४	१३	४७	४	१४	५	वृषे	भ. २४।२० या. ८।१६ हो.
८	श	५७	३२	रो	३४	२	वि	२७	११	वि	२३	२०	५८	१२	४८	५	१५	६	वृषे	
९	र	६०	०	मृ	४१	३२	प्री	२९	२७	बा	३०	४४	२९।२	१२	४८	६	१६	७	मि ७।४७	वक्री कुम्भे बुधः ३७।४५
९	चं		३ ५५	आ	४८	४४	आ	३१	२८	कौ	३	५५	६	११	४९	७	१७	८	मिथने	भ. ४२।१५ उ.
१०	मं		२ ४८	पु	५५	९	सौ	३३	२	ग	९	४८	१०	१०	५०	८	१८	९	क.३८।३३	भ. १४।४२ या. आमलकी ११ व्रतम्
११	बु	१४	४२	पु	६०	०	शो	३३	२२	वि	१४	४२	१४	९	५१	९	१९	१०	कर्के	कुम्भे शुक्रः ३५।१० प्रदोषः
१२	गु	१७	५७	पु	०	२	अ	३२	३९	बा	१७	५७	१९	८	५२	१०	२०	११	कर्के	*भद्रोत्तरे अर्द्धरात्रिपश्चात् होलिकादहनं
१३	शु	१९	५४	श्ले	३	४१	सु	३०	४०	तै	१९	५४	२३	७	५३	११	२१	१२	सिं ३।४१	भ.२।५६ उ.४९।३३ या. पूषा.४ शनिः २।३१*
१४	श	२०	१६	म	५	३६	धृ	२७	२०	व	२०	१६	२७	७	५३	१२	२२	१३	सिंहे	मन्वादिः छारेंड़ी
१५	र	१८	५०	पू	६	१	शू	२३	११	ब	१८	५०	३२	६	५४	१३	२३	१४	कं.२०।५१	

४७पं.फा.शु.३चं.इ.५३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	८	९	८	५	१०
१७	११	२	६	१८	२२	२	१७
७	५१	३२	३७	७	२८	१४	५
४	४३	२८	१६	४१	४४	३५	४६
६०	४४	८	८	७३	५	३	६०
२०	१३	११	२९	१४	२०	११	१२

गोचरग्रहाः

फाल्गुन शुक्ला १५ सूर्य मीनेऽर्कः प्र. वा. २ न.३ कुमारावस्था (बैठी) मुहूर्ताः ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

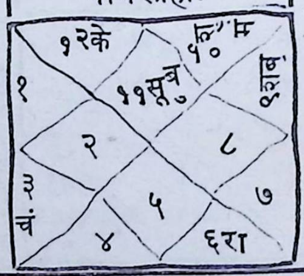

४८पं.फा.शु.९ चं.इ.५४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	८	९	८	५	१०
२४	१७	२९	७	२६	२३	१	२४
८	१२	४४	३२	४३	२	५२	६
२७	१४	३१	१३	१	३५	१९	३०
६०	४४	५६/३१	७	७३	४	३	५९
५	१९	ब	१९	२५	५०	११	५८

ति.	श्री चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१६ शाकः १८८१												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वसंततूर् रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	१६	२२	उ	५	२०	गं	१७	५३	कौ	१६	२२	३२।३६	६।५	५।५५	१४	२४	१५	कन्यायां	वसन्त १
२	मं	१२	३८	ह	३	२८	वृ	११	५०	ग	१२	३८	४०	४	५६	१५	२५	१६	तु.३२।७	भ. ४०।२६ उ. शते शुक्रः ५९।४७
३	बु	८	१४	चि	०/४७	५६/५२	ध्रु	५/२२	५३/८	वि	८	१४	४४	३	५७	१६	२६	१७	तुलायां	भ. ८।१४ या. कल्पादिः च. व्रतम्
४	गु	३	२४	वि	५४	२०	ह	५१	२९	बा	३	२४	४९	२	५८	१७	२७	१८	वृ.४०।१०	उ.भा.यां. रविः ६।४६ पू. बुधः २९।४७
५	गु	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	शु	५३	७	अ	५१	४	व	४४	२२	ग	२५	४५	५३	१	५९	१८	२८	१९	बृश्चिके	भ. ५३।७ उ. शीतला पू.
७	श	४८	५	ज्ये	४७	३७	सि	३७	१२	वि	२०	३६	५७	१	५९	१९	२९	२०	ध.४७।३७	भ.२०।३६ या. वक्री शते बुधः ४०।२३
८	र	४३	१	मू	४४	१६	व्य	३०	६	बा	१५	३३	३३।१	६।०	६।०	२०	३०	२१	धनुषि	
९	चं	३७	५२	पू	४१	२	व	२२	५९	तै	१०	२६	५	५।५९	६।१	२१	३१	२२	म.५५।१४	
१०	मं	३२	५५	उ	३७	५२	प	१६	५	व	५	२३	१०	५८	२	२२	१	२३	मकरे	भ.५।२३उ.३२।५५या. राष्ट्रीयचैत्रारंभः*
११	बु	२८	५	श्र	३४	५९	शि	९	२३	ब	०	३०	१४	५७	३	२३	२	२४	मकरे	पापमोचनी ११ व्र. *शके १८८२
१२	गु	२३	४४	ध	३२	४१	सि	३/६	५४/५	तै	२३	४४	१८	५६	४	२४	३	२५	कु. ३।५०	कुंभे भौमः ४०।२२ प्रदोषः
१३	शु	२०	५	श	३०	५९	शु	५२	२	व	२०	५	२३	५५	५	२५	४	२६	कुम्भे	भ. २०।५ उ. ४८।३४ या.
१४	श	१७	२	पू	३०	१६	शु	४७	४५	श	१७	२	२७	५५	५	२६	५	२७	मी१५।२७	पूभायां शुक्रः ५०।५५ मार्गीबुधः ३।२८
३०	र	१५	३१	उ	३०	५२	ब्र	४४	३८	ना	१५	३१	३१	५४	६	२७	६	२८	मीने	मन्वादिः अहर्गणः२१८३ चक्र ४ केतकी.

४९पं.चै.कृ.१ चं.इ.५४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	८	१०	८	५	११
१	२२	२३	८	५	२३	१	१
८	३३	७	२०	१९	३२	३०	५
९	५४	१२	२	५५	३१	३	४३
५९	४४	५६/४९	६	७३	४	३	५९
४९	२५	ब	२०	३७	२२	११	४१

गोचरग्रहाः

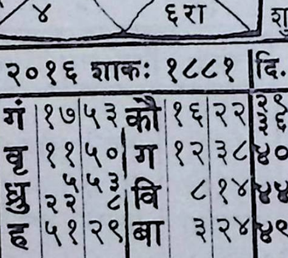

इस मास का फल अच्छा रहेगा, मीन का सूर्य प्रजा में सुख शान्ति का कारक है।

गोचरग्रहाः

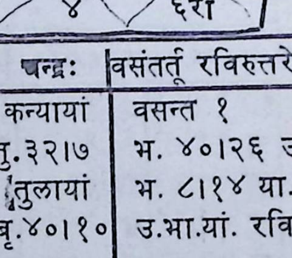

५०पं.चै.कृ.९ चं.इ.५४।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	८	१०	८	५	११
८	२७	१९	९	१३	२३	१	८
६	५६	१२	०	५७	५८	७	३
४	५३	३४	२५	२२	२६	४८	२३
५९	४४	२०/४३	५	७३	३	३	५९
३५	३८	ब	१०	४४	४१	११	२९

*१२केबुचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दा १९५५८८५०६१ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० तेत्रायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६१ भोग्यकलिः ४२६९३९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यत् सम्वत् २०१७ शाकः १८८२ अथास्मिन्वर्षेराजा चन्द्रः । मंत्री बुधः । सस्येशः शनिः । धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः ।रसेशश्चन्द्रः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशो भौमः । धनेशो शुक्रः दुर्गेशो भौमः । ऐतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ७ प्रमादीनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्क–समये गतमासादिः ३।२५।१६।४८ भोग्यमासादिः ८।४।४३।१२ दैवतंयुगम् । वर्षनाम ज्येष्ठः । मेघ १ नाम आवर्तः । समय निवासो वणिक गृहे । रोहिणी निवासः संधौ । समय विश्वा ५ । समय वाहनं मृगः । स्तम्भ २ जल तृणयोः । सोमवत्यमा २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी १। रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १६ । तिथि वृद्धिः ११। उत्पति विश्वा ९३। खपति विश्वा ८४। वर्षा विश्वा १३ धान्यम् ११, तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५. वायु १३ शनि दृष्टिपश्चिमे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं १०५ सत्यं ।।. धर्म १।।. पाप १८ ग्रहणे २ चन्द्रमसः । १ सूर्यस्य ।

भैरव भवानी संवाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्षेश लग्नम् २।२५

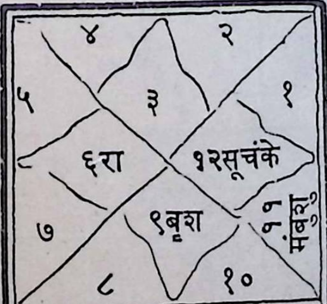

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
संवत् सत्रह आइया कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला मैं समझाऊं तोय ।
चार ग्रहों का देखतां मध्यम सम्वत् होय ।।
शशिराजा इस वर्ष में मंत्री भये युवराज(बुध)।
प्रचुर धान्य और मेघ से सारे जग का काज ।।
मेघाधिप भये भूमिसुत है यह मध्यम योग ।
कहींक वर्षा अधिक हो कहींक व्यापे रोग ।।
वर्षा विश्वा विश्व (१३)है संवत् विश्वाबाण ।
बसी रोहिणी संधी में हो वर्षा की हान(नि) ।।
समयनिवासो वणिक्घर फल इसका शुभनाय ।
देख ग्रहों से फल कहा संवत् सत्रह मांय ।।
दशाधिकारी योग से संवत् अच्छा होय ।
परगुरु शनि के योग से फल नहीं अच्छा होय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् १।२९

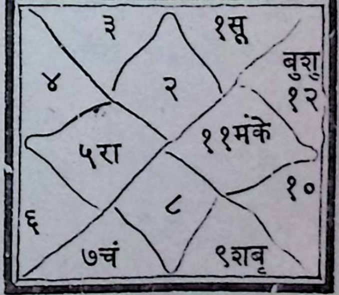

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१७।१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम्—चंद्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् । मंत्री बुधस्तत्फलम्—शशिसुते शुभमंत्रि समागते स्वपतिना कुरुते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारिसमन्वितंयवमसूरिचणान्नमहर्घता ।। सस्येशः शनिस्तत्फलम्—रविसुते यदि सस्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयंतुषधान्यहरं सदा दुरितबादविवादयुता नराः ।। धान्येशो गुरुस्तत्फलम्—गुरौ धान्यपतौ याते यव-गोधूमशालयः पच्यंते सर्वदेवेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम्—अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीन-धराभवाः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतोयदम् ।। रसेशश्चंद्रस्तत्फलम्—यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारिविधायकाः रसवती धन-धान्यवती मही ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम्—कर्पूर राग-रुगंधानां हेममौक्तिकवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमस्तत्फलम्—फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत्सु-बहुपुष्पफलान्वितमेदिनी । गतभयानृत-देशजनास्तदां नृपतयो बहुविग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्—द्रविणपोभृगुजो द्रवि-णैर्युता समाधनाः सकला भुवि मानवाः । समसुखाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम्—अवनिजे गढ़नायकतां गते विविधदुःखवियोगसमन्विताः । जनपदेषु जनाःक्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। वर्ष नाम ज्येष्ठस्तत्फलम्—तस्कररैः पापरोगैर्वा पीड्यते पीडया जनाः । भ्रमंते स्वेच्छया भूम्यांनिर्द्रव्यै ज्येष्ठसंज्ञके ।। प्रमादिनाम संवत्सरस्तत्फलम्—प्रमादिवत्सरे तत्र मध्यसस्यार्ध वृष्टयः । प्रजाः कथंचिज्जीवंति समात्सर्याः क्षितिश्वराः ।। मेघनाम आवर्त-फलम्—आवर्ते छिन्नवृष्टिश्च । रोहिणी निवासः संधौ-फलम्—खंडवृष्टिश्च संधिषु ।समयनिवासो वणिक गृहे-फलम्—वणिक गृहे शुभं नास्ति । एवसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयंशुभाशुभम् ।

संवत् २०१७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

कृष्णा. ५ शनौ मूले ल. गो. ८-१२ रे. ६ ।।ऽ।।।ऽऽ।ऽ

६ सूर्ये उ. षा. यां. ल. १२ रे. ७ ।।।।।ऽनृऽ।।।

७ चन्द्रे उषायां ल. ऽन्यगो. ८ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।।

शुक्ला. ३ गुरौ रोहिण्यां ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽऽ।।

९ गुरौ मघायां ल. गोधू. रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ गणि-तेन क्रां. साम्याभावः

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला. ९ सूर्ये उ.भा.यां. ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽऽऽ।ऽ दग्धा आवश्यके

१४ वुके रोहिण्यां ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽऽ।।

पौष मासः

कृष्णा. ८ सूर्ये उ.फा.यां. ल. ऽन्यगो. ७ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

९ चन्द्रे हस्ते ल. रे. ८।।।।ऽ।ऽकंप।।

माघ मासः

शुक्ला. १० गुरौ रोहण्यां ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽऽ। गणि-तेन क्रां. साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा. ३ शनौ उ.फायां. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽनृ.।ऽ।।

४ सूर्ये हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।ऽऽ।ऽऽ।। शुक्रस्य पादवेधाद्वेधाऽभावः आवश्यके

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

भाद्रपद शु. १५ यां चन्द्रे खंडग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा २९।२

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.	पव.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	२१	२४	२५	२७	३०	८
	पल.	३२	५४	५६	४७	२०	४८
रेल्वे टाइम	घं.	१५	१६	१६	१७	१८	३
	मि.	४	५	४९	३४	३५	११

नोट—यह ग्रहण दिन के ३ बजकर ४ मिनट पर स्पर्श होगा तथा ६-३५ पर शुद्ध होगा। अतः जहां सूर्यास्त रेल्वे ६-३५ से पहले होगा, वहां ही यह ग्रहण ग्रस्तोदय दिखाई देगा, अन्यत्र ग्रहण का अभाव रहेगा।

फालगुन शु. १५ गुरौ ग्रस्तोदयं खंड चन्द्रग्रहणम् विश्वा १५।१

		स्प.	म.	मो.	पर्व.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	२७	३१	३५	८
	पल.	१९	२४	२९	१०
रेल्वे टाइम	घं.	५	७	८	३
	मि.	२३	१	३९	१६

फागुन कृ. ३० यां बुधे खंडग्रासं सूर्यग्रहणम् विश्वा ५।३३

		स्प.	म.	मो.	प.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घ.	१८	२०	२२	४
	पल.	२३	४०	५८	३५
रेल्वे टाइम	घं.	१	२	३	१
	मि.	४८	४३	३८	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र			शुक्लपक्षः	सं. २०१७			शाकः	१८८२				दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २१८४स.१९६०
१	चं	१५	९	रे	३२	५५	ऐं	४२	४७	ब	१५	९	३०	५४	६	२८	१५	२९	मे.३२।५५	पूभायां बुधः ५७/५२ चंद्रद. सवत्सरारम्भः*
२	मं	१६	२३	अ	३६	२३	वै	४१	४३	कौ	१६	२३	३४	५३	७	२९	१६	१	मेषे	सिधारा सव्वाल १० *नवरात्रारंभः
३	बु	१९	२२	भ	४१	१६	वि	४१	४९	ग	१९	२२	३८	५३	७	३०	१७	२	वृ.५७।५०	सत्स्य ज. गण. भ. ५१/३५ उ. रेव. रविः ३४/१४
४	गु	२३	४०	कृ	४७	३४	प्री	४३	१३	वि	२३	४०	४३	५२	८	३१	१८	३	वृषे	भ. २३।४० या.
५	शु	२९	३	रो	५४	३०	आ	४५	१९	बा	२९	३	४८	५१	९	१	१९	४	वृषे	अप्रेल मा. ४ ता. ३०
६	श	३५	१३	मृ	६०	०	सौ	४७	४१	कौ	३	८	५२	५०	१०	२	२०	५	मि२८।१७	शते भौमः ११।४
७	र	४१	३३	मृ	२	३	शो	४९	५६	ग	८	२३	५६	४९	११	३	२१	६	मिथुने	भ ४१।३३ या. मीने शुक्रः ५७।१६
८	चं	४७	४१	आ	९	२९	अ	५१	५८	वि	१४	३७	३५/०	४८	१२	४	२२	७	क.५९।५०	भ. १४।३७ या. उत्पत्तिः
९	मं	५२	५२	पु	१६	३४	सु	५३	६	बा	२०	१६	४	४७	१३	५	२३	८	कर्के	रामनवमी
१०	बु	५६	३४	पु	२२	१४	धृ	५३	९	तै	२५	४३	८	४६	१४	६	२४	९	कर्के	मूले४ गुरुः ०।५९ उभायां शुक्रः ३९।२२
११	गु	५८	४१	श्ले	२६	३१	शू	५१	४८	व	२७	३६	१२	४६	१४	७	२५	१०	सिं२६।३१	भ. ३७/२८ उ. ५६/५१ या. कामदा ११व्र. स्मा.
१२	शु	५८	५८	म	२८	५३	गं	४९	१	ब	२८	४९	१६	४५	१५	८	२६	११	सिंहे	कामदा ११ व्र. नि.
१३	श	५७	१५	पू	२९	३१	वृ	४४	३९	कौ	२८	६	२०	४४	१६	९	२७	१२	कं.४४।१२	प्रदोषः
१४	र	५४	२६	उ	२८	१७	ध्रु	३८	५५	ग	२५	५०	२४	४३	१७	१०	२८	१३	कन्यायां	मीने बुधः ४१।९ भ. ५४।२६ उ.
१५	चं	४८	४९	ह	२५	३३	व्या	३१	१८	वि	२१	३७	२८	४२	१८	११	२९	१४	तु.५३।१६	भ. २१।३७ या. मन्वादिः हनुमज्जयंती

५१पं. चै.शु. १चं.इ.५५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	८	१०	८	५	११
१५	३	१९	३	२२	२४	०	१४
२	१८	५८	३२	३४	२०	४५	५९
९	५०	१३	५४	३५	३५	३२	१५
५९	४४	१४	४	७३	३	३	५९
१८	४४	२०	१	५०	५	११	१६

गोचरग्रहाः

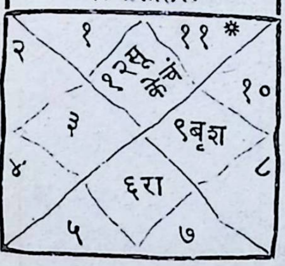

इस मास का फल श्रेष्ठ है धान्य गेहूँ जौ चना मटर अलसी में मंदी रहेगी रस-कस में सामान्य हो।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.शु.८ चं.इ.५५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	८	११	८	५	११
२१	८	२४	९	१	२४	०	२१
५६	४२	२२	५७	११	३७	२३	५३
२०	२४	२३	०	१०	५९	१७	२९
५९	४४	४३	२	७३	२	३	५९
४	४९	१	४५	५६	२०	११	४

ति.	वैशाख			कृष्णपक्षः	सं. २०१७			शाकः	१८८२				दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४२	४६	चि	२१	३६	ह	२३	९	बा	१५	४७	३५/३४	५/४१	६/१९	१२	३०	१५	तुलायां	सिंहे राहुः कुम्भे केतुः ३०।२९
२	बु	३६	४	स्वा	१७	४	व	१५	०	तै	९	२५	३१/४०	४०	२०	१३	३१	१६	वृ.५८।१८	मेषे रविः ८।४६ उभायां बुधः ३३।२३
३	गु	२९	७	वि	१२	३	सि	४७	५१/३७	व	२	३५	४६	३९	२१	१४	१	१७	वृश्चिके	भ. २।३५ उ. २९।७ या. च. व्र.
४	शु	२२	५	अ	७	३	व	५१	१३	बा	२२	५	५१	३८	२२	१५	२	१८	वृश्चिके	
५	श	१५	३१	ज्ये	२३	५०/४४	प	४३	३४	तै	१५	३१	५६	३७	२३	१६	३	१९	ध.२।२३	
६	र	९	३६	पू	५४	२४	शि	३६	०	व	९	३६	३२/०	३६	२४	१७	४	२०	धनुषि	भ.९।३६उ.३६/५१ या. रेवत्यांभृगुः३१।४३
७	चं	४	७	उ	५१	४१	सि	२९	१८	ब	४	७	३३/३	३५	२५	१८	५	२१	म.८।४३	
८	चं	५५	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	मं	५५	२४	श्र	४९	३०	सा	२३	५	तै	२७	२३	७	३५	२५	१९	६	२२	मकरे	पूभायां भौमः४०।५५ वक्री गुरुः३१।२३
१०	बु	५२	८	ध	४८	१३	शु	१७	३४	व	२३	४६	१०	३४	२६	२०	७	२३	कु.१८।५१	भ. २३।४६ उ. ५२।८ या.
११	गु	४९	३९	श	४७	४६	शु	१२	४२	ब	२०	५३	१३	३३	२७	२१	८	२४	कुंभे	वरूथिनी ११ व्र. स्मा. वै.
१२	शु	४८	१३	पू	४७	९	ब्र	८	३७	कौ	१८	५६	१७	३३	२७	२२	९	२५	मी३३।४८	वरूथिनी ११ व्र. नि.
१३	श	४७	५८	उ	४९	३७	ऐं	५	२१	ग	१८	५	२०	३२	२८	२३	१०	२६	मीने	भ.४७।५८उ. रेवत्यां बुधः ११।२ प्रदोषः
१४	र	४८	२५	रे	५२	८	वै	२	४८	वि	१८	११	२३	३१	२९	२४	११	२७	मे.५२।८	भ. १८।११ या.
३०	चं	५०	२६	अ	५५	५१	वि	१	३०	च	१९	२५	२७	३१	२९	२५	१२	२८	मेषे	सोमवती अमावस्या

१पं. वै.कृ.२ बु.इ.११।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	८	११	८	४	०
०	१५	२	१०	११	२४	२९	०
२	३	५४	१४	२१	५३	५७	०
२९	१८	२६	५३	४०	४२	५०	०
५८	४५	६९	१	७४	१	३	५८
४५	३	३१	८	२	३३	११	४४

गोचरग्रहाः

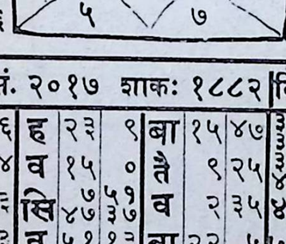

वैशाखकृ. २ बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

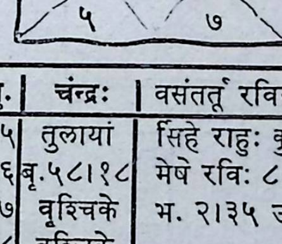

२पं. वै.कृ.१०बु.इ.११।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	८	११	८	४	०
६	२०	१२	१०	१९	२५	२९	६
५२	२३	२०	१९	५७	०	३५	५०
४०	२	१३	४४	३६	५४	३५	३८
५८	४५	८६	०	७४	०	३	५८
२९	२	४९	व	९	५४	११	३१

३० *मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२२१३ सन् १९६०
१	मं	५३	२	भ	६०	०	प्री	०	१५	किं	२१	१३	३२/३१	५/३०	६/३०	२६	१३	२९	मेषे	भरण्यां रविः ५०।१०
२	बु	५७	४९	भ	१	३१	आ	१	४	बा	२५	२५	३४	२९	३१	२७	१४	३०	बृ.१७।५०	वक्री शनिः ३३।२५ चन्द्रद.
३	गु	६०	०	कृ	६	४६	सौ	२	२०	तै	३०	४	३८	२८	३२	२८	१५	१	वृषे	मेषेऽश्विन्यां च शुक्रः ३१/३२ परशुराम ज.×
३	शु	३	९	रो	१३	२४	शो	३	५९	ग	३	१९	४२	२८	३२	२९	१६	२	मि४७।१४	भ. ३६।१४ उ. ×जिलकाद११अक्षया३
४	श	९	१९	मृ	२१	३	अ	६	१२	वि	९	१९	४६	२७	३३	३०	१७	३	मिथुने	भ. ९।१९ या.
५	र	१५	४४	आ	२८	४४	सु	८	४९	बा	१५	४४	५०	२६	३४	१	१८	४	मिथुने	मई मा. ५ ता. ३१ बुधः १३।२५
६	चं	२१	५२	पु	३६	७	धृ	११	१४	तै	२१	५२	५४	२५	३५	२	१९	५	क.१९।१६	पातस्पर्शः ३६।२९ मीने भौमः३९।५०
७	मं	२७	३३	पु	४२	४४	शू	१३	१२	व	२७	३३	५८	२४	३६	३	२०	६	कर्के	भ.२७।३३ उ.५९/४१ या. पातमोक्षः६।१८
८	बु	३१	४९	श्ले	४८	६	गं	१४	१०	ब.	३१	४९	३३/२	२४	३६	४	२१	७	सिं४८।६	वक्री मूले ३ गुरुः ३३।३०
९	गु	३४	४७	म	५१	५३	वृ	१३	५६	बा	३	१८	७	२३	३७	५	२२	८	सिंहे	
१०	शु	३५	४९	पू	५२	४२	ध्रु	१२	२०	तै	५	१८	१२	२२	३८	६	२३	९	सिंहे	पूर्वास्तं बुधः २३।७
११	श	३४	४६	उ	५३	२२	व्या	९	५	व	५	१७	१७	२१	३९	७	२४	१०	कं.७।५२	भ.१७उ.३४/४६या.मोहिनी११व्र.उ.भौ.७/५४
१२	र	३१	३९	ह	५०	५५	ह	४/३	५३/३५	ब	३	१२	२१	२०	४०	८	२५	११	कन्यायां	भरण्यां बुधः १२।३० प्रदोषः
१३	चं	२६	३५	चि	४६	१०	सि	५०	१	तै	२६	३५	२६	१९	४१	९	२६	१२	तु.१८।३३	भरण्यां शुक्रः १४।४८ नृसिंह जयंती
१४	मं	१९	५१	स्वा	४१	४४	व्य	४१	३	व	१९	५१	३१	१८	४२	१०	२७	१३	तुलायां	भ. १९।५१ उ.४५/५६ या. कृ. रविः३८।५
१५	बु	१२	२	वि	३५	२७	व	३१	३५	ब	१२	२	३६	१७	४३	११	२८	१४	बृ.२२।१	अन्नजल कुम्भदानं

३पं. वै.शु.२ बु.इ.११।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	८	११	८	४	०
१३	२१	२३	१०	२८	२५	२९	१३
४१	४८	१६	१५	३३	३	५३	३९
५	७	८	३६	४३	१९	१९	३९
५८	४४	४/०	२/१५	७४	०	३	५८
१२	४९	९/१	ब	२०	२	११	२०

४पं. मा.शु.८बु.इ.१२।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	०	८	४	०
२०	१	५	१०	७	२५	२८	२०
२७	८	४३	१	९	१	५१	२७
५	४९	२३	१	३२	२३	३	२०
५७	४४	५/८	५२/१	७४	३/०	३	५८
५७	४५	९/१८	ब	२०	ब	११	६

५पं. वै.शु.१५बृ इ.१२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	०	८	४	०
२७	६	१९	९	१५	२४	२८	२७
१३	२८	३५	३८	४५	५४	२८	१३
०	३०	५६	३५	४६	४०	४८	३३
५७	४४	५/८	३/१	७४	२/३	३	५७
४५	४१	९/१७	ब	२६	ब	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३	२८	अ	२८	४९	प	२१	४१	कौ	३	२८	३३/३७	५/१७	६/४३	१२	२९	१५	वृश्चिके	
२	शु	५१	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	४६	५	ज्ये	२२	३	शि	११	३६	व	२०	२२	३८	१७	४३	१३	३०	१६	ध.२२।३	भ. २०।३२ उ. ४६।५ या.
४	श	३८	१४	मू	१६	११	सि	३/२५	५१/४	ब	१२	९	३९	१६	४४	१४	३१	१७	धनुषि	वृषेऽर्कः५।५२ चतु.व्र. कृत्तिका.बुधः३५/२४
५	र	३०	५४	पू	१०	४२	शु	४५	१८	कौ	४	२९	४०	१६	४४	१५	१	१८	म.२४।४९	
६	चं	२४	५५	उ	७	११	शु	३८	२०	व	२४	५५	४०	१६	४४	१६	२	१९	मकरे	भ.२४।५५उ.५२।३४या.वृषेबुधः२।२५
७	मं	२०	१३	श्र	३	२६	ब्र	३२	४	ब	२०	१३	४१	१६	४४	१७	३	२०	कुं.३२।३४	
८	बु	१६	५०	ध	१	४३	ऐं	२७	२६	कौ	१६	५०	४२	१६	४४	१८	४	२१	कुम्भे	
९	गु	१४	४५	श	१	२९	वै	२३	३५	ग	१४	४५	४४	१५	४५	१९	५	२२	मी४७।७	भ. ४४।२१ उ.
१०	शु	१३	५८	पू	२	२०	वि	२१	४८	वि	१३	५८	४७	१५	४५	२०	६	२३	मीने	भ.५१/२८या.रोहि.बुधः३९/२०कृति.भृगुः३।४९
११	श	१४	४१	उ	४	२७	प्री	१९	५	बा	१४	४१	४९	१४	४६	२१	७	२४	मीने	अपरा११व्र. पूर्वास्तो भृगुः४९/१२ पू.अ.शु.
१२	र	१६	१९	रे	७	३९	आ	१८	१७	तै	१६	१९	५२	१४	४६	२२	८	२५	मे.७।३९	वृषे शुक्रः ४९।१५ प्रदोषः
१३	चं	१९	१९	अ	१२	९	सौ	१८	३१	व	१८	१९	५५	१३	४७	२३	९	२६	मेषे	भ. १९।१९ उ. ५१।११ या.
१४	मं	२३	४	भ	१७	३२	शो	१९	०	श	२२	४	५७	१३	४७	२४	१०	२७	बृ.३४।५	रोहिण्यां रविः ३२।१ रेवत्यां भौमः ३८/२०
३०	बु	२७	१०	कृ	२३	४५	अ	२०	२६	ना	२७	१०	३४/०	१२	४८	२५	११	२८	बृषे	वट पूजनम्

६पं. ज्ये.कृ.८बु.इ.१२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	८	०	८	४	१
३	११	४	९	२४	२४	२८	३
५६	४७	४४	७	२१	४२	६	५८
३७	२४	४२	२३	५०	५८	३२	२६
५७	४४	६/२	६	७४	३/१	३	५७
३४	३७	९/४८	ब	२६	ब	११	४४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ.४ शनौ
वृषेऽर्कः प्र. वा.४
न.५ बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वे.।

गोचरग्रहाः

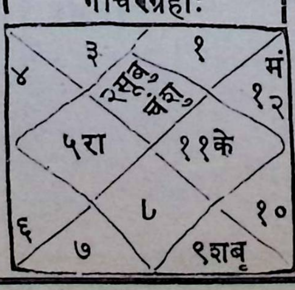

७पं.ज्ये.कृ.३०बृ.इ.१२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	८	१	८	४	१
१०	१७	१९	८	२	२४	२७	१०
३८	५	५९	२९	५८	२६	४४	४२
४८	६	५४	५६	१	५३	१७	२५
५७	४४	५/८	६/१४	७४	२/३५	३	५७
२३	२४	९/१९	ब	३२	ब	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२२४३सन्१९६०
१	गु	३३	१४	रो	३०	४१	सु	२२	१७	ब	०	६	३४/३	५/१९	६/४८	२६	१२	२९	वृषे	मृगे बुधः ४८।२१
२	शु	३९	१३	मृ	३८	६	धृ	२४	३८	बा	६	१९	५	११	४९	२७	१३	३०	मि४।२३	चन्द्रदर्शनम्
३	श	४५	२१	आ	४५	३८	शू	२७	४	तै	१२	२३	६	११	४९	२८	१४	१	मिथुने	जिल्हेज१२ पश्चिमोदयी बुधः २७।४९
४	र	५१	४९	पु	५३	१४	गं	२९	२७	व	१८	५५	७	११	४९	२९	१५	२	क.३६।२०	भ. १८।२१ उ. ५१।४९ या.
५	चं	५७	२९	पु	६०	०	वृ	३१	४६	ब	२४	३९	९	१०	५०	३०	१६	३	कर्के	मिथुने बुधः ९।५ रोहिण्यां भृगुः ५७।३
६	मं	६०	०	पु	०	१९	ध्रु	३३	३८	कौ	२९	५५	११	१०	५०	३१	१७	४	कर्के	
६	बु	२	२१	श्ले	६	३९	व्या	३४	२३	तै	२	२१	१२	१०	५०	१	१८	५	सिं६।३९	**जून मा. ६ ता. ३०**
७	गु	५	५७	म	११	४१	ह	३४	०	व	५	५७	१४	९	५१	२	१९	६	सिंहे	भ.५।५७उ.३७।३या. आर्द्रायांबुधः४२।७
८	शु	८	९	पू	१५	५	व	३२	१७	ब	८	९	१६	९	५१	३	२०	७	कं.३०।३४	
९	श	८	२१	उ	१६	२२	सि	२८	५७	कौ	८	२१	१८	९	५१	४	२१	८	कन्यायां	
१०	र	६	३५	ह	१५	५५	व्य	२४	२	ग	६	३५	२०	८	५२	५	२२	९	तु.४५।९	भ. ३४।३५ उ. गंगा दशहरा
११	चं	२	३४	चि	१४	२२	व	१७	३४	वि	२	३४	२२	८	५२	६	२३	१०	तुलायां	भ. २।३४ या. निर्जला ११ व्र.
१२	चं	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	मं	४९	१०	स्वा	८	५०	प	९	२६	कौ	२२	५६	२४	७	५३	७	२४	११	वृ.४९।५०	मृगे रविः ३०।४९ प्रदोषः
१४	बु	४०	१४	वि	३/३०	५३/२१	शि	१४/०	४९/४५	ग	१४	४५	२५	७	५३	८	२५	१२	वृश्चिके	भ. ४०।१४ उ.
१५	गु	३०	२४	ज्ये	४८	१७	सा	३२	२८	वि	५	१९	२६	७	५३	९	२६	१३	ध.४८।१७	भ. ५।१९ या. गुर्जराणां वट पू.

८पं. ज्ये.शु.६व.इ.१२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	८	१	८	८	१
१७	२२	३	७	११	२४	२७	१७
१९	२०	५१	४५	३३	७	२२	२५
५४	१२	५८	११	५९	१६	१	८
५७	४४	[illegible]	५६/७	७४	३	३	५७
१३	१४	[illegible]	ब	३२	११	११	२७

गोचरग्रहाः

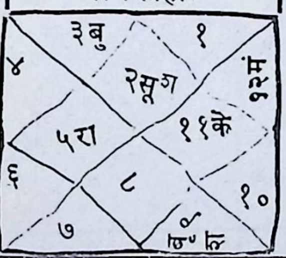

इस मास का फल साधारण है धान्य भाव सम । धूप अधिक रुई चांदी साधारण तेज हो।

गोचरग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.१४बु.इ.१२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	८	१	८	४	१
२३	२७	३५	६	२०	२३	२६	२४
५९	३३	३०	५६	९	४४	५९	७
५०	३३	५४	६	४३	२२	४५	८
५७	४४	९३	३५/७	७४	३	३	५७
५	१	१८	ब	३२	४६	११	९

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२०	३५	मू	४०	२४	शु	२८	३३	कौ	२०	३५	३४/२७	५/७	६/५३	१०	२७	१४	धनुषि	पू.बुध.५/५ ९/५ मृगेभृगुः४/५ ५/० वक्रीमूले२गुरुः२/२ ०/२
२	श	१०	३७	पू	२२	५६	शु	१८	६	ग	१०	५७	२७	७	५३	११	२८	१५	म.४६।२७	भ.३६।२०उ. अश्वि. मेषे भौमः३२।१७
३	र	१	४३	उ	२६	५८	ब्र	७/१०	५/१३	वि	१	४३	२८	६	५४	१२	२९	१६	मकरे	भ. १।४३ या. च. व्र.
४	र	५२	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	४७	१५	श्र	२१	१३	वै	५१	४४	कौ	२०	३४	२९	६	५४	१३	३०	१७	कु.५०।३६	*शनिः४/३ ६/८ पूफा.४राहुः पूभा.२केतुः२/३ ५/१
६	मं	४२	३८	ध	१७	५९	वि	४५	२९	ग	१४	५६	२९	६	५४	१४	३१	१८	कुम्भे	भ.४/३ २/८उ.मिथुनेऽर्कः३१।३६ बक्रीपूषा.३*
७	बु	३९	३२	श	१६	८	प्री	४०	४०	वि	११	५	३०	६	५४	१५	१	१९	कुम्भे	भ. ११।५ या.
८	गु	३८	२८	पू	१६	८	आ	३७	१३	बा	९	०	३०	६	५४	१६	२	२०	मी १।८	मिथुने भृगुः १३।०
९	शु	३९	३	उ	१७	५३	सौ	३५	२३	तै	९	५	३०	६	५४	१७	३	२१	मीने	
१०	श	४१	५	रे	२१	२२	शो	३४	३०	व	१०	३	३१	६	५४	१८	४	२२	मे.२१।२२	भ.१०।४उ.४१।५या. कर्के बुधः४५।११
११	र	४४	३५	अ	२६	४	अ	३५	८	ब	१२	५०	३१	६	५४	१९	५	२३	मेषे	योगिनी ११ व्र.
१२	चं	४८	५८	भ	३१	४९	सु	३६	४	कौ	१६	४६	३१	६	५४	२०	६	२४	वृ.४८।२८	
१३	मं	५४	१९	कृ	३८	२७	धृ	३७	४८	ग	२१	३८	३१	६	५४	२१	७	२५	वृषे	भ.५/१ ४/९उ.आर्द्रायांरविः३/१ ३/०आर्द्रा.शुक्रः३/२ ६/२×
१४	बु	६०	०	रो	४५	५०	शू	३९	५२	वि	२७	१२	३२	६	५४	२२	८	२६	वृषे	भ. २७।१३ या.
१४	गु	०	६	मृ	५३	८	गं	४२	१४	श	०	६	३२	६	५४	२३	९	२७	मि१९।२९	पुष्ये बुधः ४१।७
३०	शु	६	२१	आ	६०	०	वृ	४५	५१	ना	६	२१	३२	६	५४	२४	१०	२८	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.७बु.इ.१२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	८	१	८	४	२
०	२	२५	६	२८	२३	२६	०
३८	४४	२७	३	४५	१८	३७	४८
५९	३८	६	४	५४	१४	३०	५०
५६	४३	६९	५७/१	७४	४/५	३	५७
५७	४७	२५	ब	३८	ब	११	१७

गोचरग्रहाः

आषाढ़कृ.६भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.६ प्रगल्भाव-स्था[बैठी]मु.१५ (धान्यभाव तेज)

गोचरग्रहाः

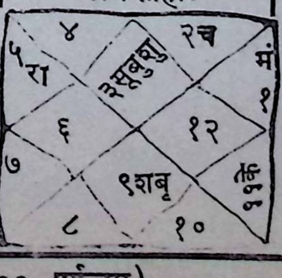

११पं.आ.कृ.१४बु.इ.१२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	२	८	४	२
७	७	२	५	७	२२	२६	७
१७	४९	२०	९	२२	५०	१५	२९
२६	१	१०	५८	३४	२४	१४	२०
५६	४३	४०	५२/७	७४	१९/४	३	५७
५४	३३	३३	ब	३८	ब	११	१३

*मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २२७३ स.१९६०
१	श	१२	२८	आ	०	२९	ध्रु	४७	२९	ब	१२	२८	३४/३२	५/६	६/५४	२५	११	२९	क.५।१।३	
२	र	१८	२५	पु	७	५५	व्या	४९	४०	कौ	१८	२५	३२	६	५४	२६	१२	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथ २
३	चं	२३	५९	पु	१४	५९	ह	५१	०	ग	२३	५९	३२	६	५४	२७	१३	१	कर्के	भ. ५६।२० उ. मोहोरम१ सन् १३८०
४	मं	२८	४१	श्ले	२१	२१	व	५२	१०	वि	२८	४१	३२	६	५४	२८	१४	२	सिं२१।२१	भ. २८।४१ या.
५	बु	३२	३२	म	२६	५३	सि	५२	३८	बा	०	३६	३१	६	५४	२९	१५	३	सिंहे	भरण्यां भौमः ४८।३४
६	गु	३५	१०	पू	३१	१४	व्य	५१	५३	कौ	४	५१	३०	६	५४	३०	१६	४	कं.४६।५५	
७	शु	३६	१६	उ	३३	५९	व	५०	२	ग	५	४३	२७	७	५३	१	१७	५	कन्यायां	भ.३६।१६उ. जुलाई मा.७ता.३१ वक्री*
८	श	३५	४९	ह	३५	१५	प	४६	४२	वि	६	२	२५	७	५३	२	१८	६	कन्यायां	भ. ६।२ या. पुनर्वसौ भृगुः २६।१
९	र	३३	१६	चि	३४	५७	शि	४२	१	बा	४	३२	२२	८	५२	३	१९	७	तु. ५।६	
१०	चं	२९	९	स्वा	३२	२९	सि	३५	३९	तै	३	१२	२०	८	५२	४	२०	८	तुलायां	भ.५६।१० उ. मन्वादिः *बुधः ३५।१३
११	मं	२३	१२	वि	२८	१६	सा	२८	४२	वि	२३	१२	१८	८	५२	५	२१	९	वृ.१४।१९	भ.२/५ ३/२ या.पुनर्वसौरविः ३/५ ७/५ देवशयनी ११व्र.
१२	बु	१५	४६	अ	२२	३३	शु	१९	१२	बा	१५	४६	१६	९	५१	६	२२	१०	वृश्चिके	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	गु	६	४७	ज्ये	१५	३८	शु	९/८	४९/२१	तै	६	४७	१५	९	५१	७	२३	११	ध.१५।३८	भ. ५७।८ उ. वक्री मूले १ गुरुः ०।५८
१४	गु	५०	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१२	०	
१५	शु	४७	१०	मू	७	५७	ऐं	४७	४५	वि	२२	९	१४	९	५१	८	२४	०	धनुषि	भ.२/५ २/९ या. व्यासपू. पश्चिमास्तं बुधः ३।४

१२पं.आ.शु.५बु.इ.१२।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	२	८	४	२
१३	१२	६	४	१५	२२	२५	१४
५५	५४	२	१६	५९	२०	५२	९
३१	२९	३१	४१	१७	५२	५९	४६
५६	४३	१०	७/४३	७४	४/३७	३	५७
५०	१	३२	ब	३८	ब	११	७

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है व्यापारिक घटा-बढ़ी अधिक होगी वर्षा का योग अच्छा है धान्य भाव सम रुई तेज ।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.शु.१२बु.इ.१२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	२	८	४	२
२०	१७	६	३	२४	२१	२५	२०
३३	५५	१९	२५	३६	५०	३०	५४
२५	१३	१६	५२	१४	२	४३	१३
५६	४२	३०/१६	७/१५	७४	४/३१	३	५७
५०	४१	ब	ब	३२	ब	११	७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३७	३६	पू	०/१४	५२/१५	वै	३६	५२	बा	१२	२३	३४/१४	५/९	६/५१	९	२५	१३	म.१३।२०	
२	र	२७	४३	श्र	४५	३०	वि	२६	३२	तै	२	३९	१३	९	५१	१०	२६	१४	मकरे	भ. ५३।३४ उ. कर्के शुक्रः ३७।४४
३	चं	१९	२५	ध	४०	३	प्री	१७	८	वि	१९	२५	१२	१०	५०	११	२७	१५	कु.१२।४६	भ. १९।२५ या. च. व्र.
४	मं	१२	५२	श	३६	३	आ	९	१२	बा	१२	५२	११	१०	५०	१२	२८	१६	कुम्भे	
५	बु	८	११	पू	३४	१७	सौ	३/३	५५/१	तै	८	११	१०	१०	५०	१३	२९	१७	मी१९।४३	वक्रीपुनर्वसौ बुधः १/३ ७/६ पुष्ये भृगुः १/५ ८/६ नाग५
६	गु	५	३८	उ	३४	३१	अ	५४	२१	व	५	३८	८	१०	५०	१४	३०	१८	मीने	भ. ५।३८ उ. ३५।३० या.
७	शु	५	२३	रे	३६	४९	सु	५२	४५	ब	५	२३	६	११	४९	१५	३१	१९	मे.३६।४९	
८	श	६	४९	अ	४०	४८	धृ	५२	३८	कौ	६	४९	४	११	४९	१६	३२	२०	मेषे	कर्केऽर्कः ९।५५
९	र	१०	१४	भ	४६	२१	शू	५३	२२	ग	१०	१४	२	१२	४८	१७	१	२१	मेषे	भ. ४२।३३ उ.
१०	चं	१४	५२	कृ	५३	६	गं	५५	६	वि	१४	५२	०	१२	४८	१८	२	२२	वृ. ३।२	भ.५/५ ४/२ या. कृति. भौमः ४/१ ३/२ वक्री मिथुने×
११	मं	२०	४१	रो	५९	५७	वृ	५७	२७	बा	२०	४१	३३/५८	१३	४७	१९	३	२३	वृषे	पुष्ये रविः ४०।३६ कामिका ११ व्र.
१२	बु	२६	२७	मृ	६०	०	ध्रु	५९	५८	तै	२६	२७	५६	१३	४७	२०	४	२४	मि३३।५२	प्रदोषः
१३	गु	३२	५८	मृ	७	४८	व्या	६०	०	व	३२	५८	५४	१३	४७	२१	५	२५	मिथुने	भ. ३२।५८ उ. ×बुधः ४१।४६
१४	शु	३८	५२	आ	१५	३३	व्या	२	३८	वि	५	५५	५२	१४	४६	२२	६	२६	मिथुने	भ. ५।५५ या.
३०	श	४४	४४	पु	२२	३८	ह	४	५६	च	११	४८	४९	१४	४६	२३	७	२७	क.५।५२	वृषे भौमः २९।६

१४पं.श्रा.कृ.५बु.इ.१२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	८	३	८	४	२
२७	२२	३	२	३	२१	२५	२७
११	५१	२३	३९	१२	१८	८	३०
३२	२८	१७	२२	२६	५०	२७	३२
५६	४२	३७/१२	६/३३	७४	४/४०	३	५७
५५	१३	ब	ब	३२	ब	११	११

गोचरग्रहाः

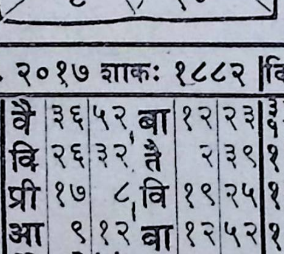

श्रा. कृ. ८ शनौ कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

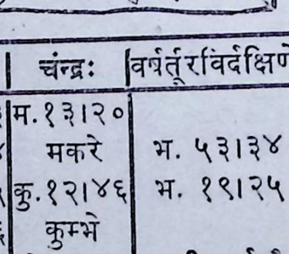

१५पं.श्रा.कृ.१२बु.इ.१२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	८	३	८	४	३
३	२७	२८	१	११	२०	२४	४
५०	४२	४९	५८	४९	४८	४६	१९
०	१८	३४	१	१	४७	१२	१६
५६	४१	३८/२६	५/३६	७४	४/२७	३	५७
५७	५७	ब	ब	३२	ब	११	१५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३०२ सन्१९६०
१	र	४९	३७	पु	२९	३८	व	६	५३	किं	१७	१०	३३/४७	५/१५	६/४५	२४	८	२८	कर्के	आश्लेषाया शुक्रः ६।३३
२	चं	५३	५७	श्ले	३५	३०	सि	८	१८	बा	२१	३७	४५	१५	४५	२५	९	२९	सिं३५।३०	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा पूर्वोदयं बुधः ५५/२३
३	मं	५७	१०	म	४०	४	व्य	९	१२	तै	२५	३३	४२	१६	४४	२६	१०	१	सिंहे	तीज सफर २
४	बु	५९	२९	पू	४४	५५	व	९	२६	व	२८	२०	४०	१६	४४	२७	११	२	सिंहे	भ. २८।२० उ. ५९।२९ या. वरद ४
५	गु	६०	०	उ	४८	१३	प	८	२६	ब	३०	१	३७	१७	४३	२८	१२	३	कं.०।४४	मार्गी बुधः४२/४५ पश्चिमोदयं शुक्रः५६/१२ प.
५	शु	०	३४	ह	५०	५	शि	७	४	बा	०	३०	३४	१७	४३	२९	१३	४	कन्यायां	नागपंचमी उ.शु.
६	श	०	३१	चि	५०	४९	सि	४	४३	तै	०	३१	३१	१८	४२	३०	१४	५	तु.२०।२७	भ. ५९।२ उ.
७	श	५८	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	र	५६	१५	स्वा	५०	१७	सा	१/८	५५/१३	वि	२७	३८	२९	१८	४२	३१	१५	६	तुलायां	भ. २७।३८ या.
९	चं	५१	५८	वि	४८	०	शु	५०	२७	बा	२४	६	२६	१९	४१	१	१६	७	वृ.३३।३४	अगस्त मा.८ता.३१ वक्री.पूषा.२शनिः३९/५७
१०	मं	४६	२७	अ	४४	३५	ब्र	४२	२४	तै	१९	१२	२३	१९	४१	२	१७	८	बृश्चिके	अश्लेषायां रविः ४१।२४
११	बु	३९	३७	ज्ये	३९	४५	ऐं	३५	१८	व	१३	२	२०	२०	४०	३	१८	९	ध.३९।४५	भ.१३।२उ.३३/७या.मघायांसिहेचभृगुः५७/२९×
१२	गु	३१	२२	मू	३३	३९	वै	२६	२०	ब	५	३०	१७	२१	३९	४	१९	१०	धनुषि	कर्कबुधः५३।१९ पुत्रदा११व्र.नि. प्रदोषः
१३	शु	२२	२५	पू	२७	२	वि	१६	२६	तै	२२	२५	१४	२१	३९	५	२०	११	म.४०।११	
१४	श	१३	१०	उ	१९	४५	प्री	६/२१	४९/३९	व	१३	१०	१०	२२	३८	६	२१	१२	मकरे	भ.५१/३०उ.३३/८या. ×पुत्रदा११व्र.स्मा.वै.
१५	र	४	६	श्र	१२	४९	सौ	४६	११	ब	४	६	७	२३	३७	७	२२	१३	कुं.३९।३९	रोहिण्यांभौमः४३/५२श्रावणीकर्म रक्षाबंधन

१६पं.श्रा.शु.४बु.इ.१२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	८	३	८	४	३
१०	२	२६	१	२०	२०	२४	१०
२९	२९	२४	२४	२६	२०	५३	५२
१६	१७	५५	८	३८	२	५६	१९
५७	४१	११/७	४/३३	७४	४/८	३	५७
५	२६	व्र	व्र	२६	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

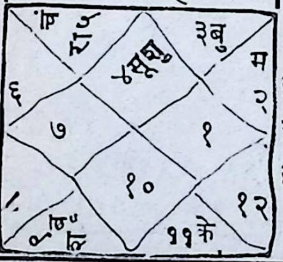

यह मास साधारण है प्रजा में कष्ट हो। व्रर्षा कहीं २ अधिक होने से आर्थिक हानि होने का भय है।

गोचरग्रहाः

१७प.श्रा.शु ११बु.इ.११।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	८	३	८	४	३
-१७	७	२८	०	२९	१९	१४	१७
९	१०	४९	५७	३	५३	१	३४
४	३७	१	४३	२५	३१	४१	१५
५७	४१	४०	३/२६	७४	३/४९	३	५७
१२	१	२०	ब	२६	ब	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५१	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	५४	ध	६	३०	शो	३७	९	तै	२१	३९	३३/४	५/२३	६/३७	८	२३	१४	कुंभे	पुष्ये बुधः २०।३३
३	मं	४०	५	श	१/२०	५७/२४	अ	२८	५९	व	१४	५९	०	२४	३६	९	२४	१५	मी४३।२३	भ. १४।५९ उ. ४२।५ या.
४	बु	३८	६	उ	५५	५६	सु	२२	२७	ब	१०	५	३२/५६	२५	३५	१०	२५	१६	मीने	चतुर्थी व्र.
५	गु	३६	१	रे	५६	३०	धृ	१७	२९	कौ	७	१०	५३	२५	३५	११	२६	१७	मे.५६।३०	चन्द्रषष्ठी
६	शु	३६	४०	अ	५९	११	शू	१४	२२	ग	६	२७	५०	२६	३४	१२	२७	१८	मेषे	भ. ३६।४० उ.
७	श	३९	१३	भ	६०	०	गं	१२	५२	वि	७	५६	४७	२७	३३	१३	२८	१९	मेषे	भ. ७।५६ या. जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	र	४३	२०	भ	३	४०	वृ	१२	२	बा	११	१६	४३	२७	३३	१४	२९	२०	वृ.२०।७	पूफायां शुक्रः ४८।४५ जन्माष्टमी व्र.वैं.
९	चं	४८	४५	कृ	९	२९	ध्रु	१३	५६	तै	१६	२	४०	२८	३२	१५	३०	२१	बृषे	गोगा ९
१०	मं	५४	४५	रो	१६	४२	व्या	१६	३	व	२१	४५	३७	२९	३१	१६	३१	२२	मि५०।२५	भ ३१/४५उ.५४/४५या. सिंहेरविः३७/५१अश्लेषायां✱
११	बु	६०	०	मृ	२४	८	ह	१८	२२	ब	२८	२	३४	२९	३१	१७	१	२३	मिथुने	अजा ११ व्र. स्मा.
११	गु	१	१९	आ	३१	५०	व	२०	५५	बा	१	१९	३०	३०	३०	१८	२	२४	मिथुने	अजा ११ व्र. पूर्वास्तं बुधः ७।२
१२	शु	७	३३	पु	३९	२	सि	२३	२०	तै	७	३३	२६	३१	२९	१९	३	२५	क.२२।१४	✱बुधः५/५ पूफा.३ राहुः पूभा.१ केतुः१७/५१
१३	श	१३	७	पु	४५	५२	व्य	२५	२१	व	१३	७	२२	३२	२८	२०	४	२६	कर्के	भ. १३।७ उ. ४५।२८ या.
१४	र	१७	४९	श्ले	५१	२५	व	२६	४१	श	१७	४९	१९	३२	२८	२१	५	२७	सिं५१।२५	मार्गी गुरुः ११।३०
३०	चं	२१	१९	म	५६	१४	प	२६	५९	ना	२१	१९	१५	३३	२७	२२	६	२८	सिंहे	ग्र. सं. पिठोरी ३० कुशाग्रहणी

१८पं. भा.कृ.४बु इ.११।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	८	४	८	४	३
२३	११	६	०	७	१९	२३	२४
५०	४५	०	३९	४०	२९	३९	१६
११	१४	७	११	४१	२४	२५	२६
५७	३०	८६	३/७	७४	३/२५	३	५७
२२	५७	२५	ब	२०	ब	११	३३

गोचरग्रहाः

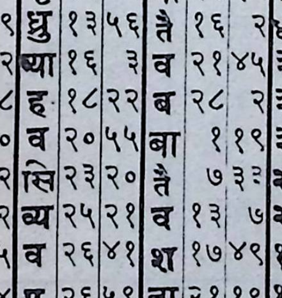

भाद्रपदकृ.१०भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

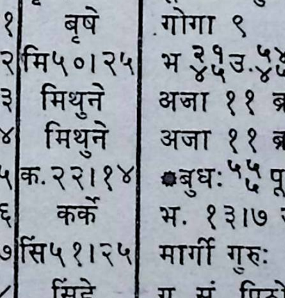

१९पं.भा.कृ.११बु.इ.११।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	८	४	८	४	४
०	१६	१७	०	१६	१९	२३	०
३२	१६	१०	१९	१७	८	१७	५९
२४	१	३०	४६	४६	३८	९	४५
५७	३९	०/०	०/४२	७४	२/४६	३	५७
३४	१८	०/२	ब	२०	ब	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३३२ स.१९६०
१	मं	२३	४२	पू	५९	५०	शि	२६	२९	ब	२३	४२	३२/५२	५/३६	६/२६	२३	७	२९	सिंहे	मघा. सिंहे बुधः ४६।१
२	बु	२५	६	उ	६०	०	सि	२५	२१	कौ	२५	६	८	३४	२६	२४	८	३०	कं.१५।२७	चंद्रदर्शनम्
३	गु	२५	२०	उ	२	२०	सा	२३	१५	ग	२५	२०	४	३५	२५	२५	९	१	कन्यायां	भ.५४/५८ उफायां शुक्रः ३६/५३ हरितालिकाव्रत×
४	शु	२४	३६	ह	३	४८	शु	२०	५	वि	२४	३६	०	३६	२४	२६	१०	२	तु.३४।४	भ. २४।३६ या. गणेश चतुर्थी
५	श	२२	५६	चि	४	२०	शु	१६	०	बा	२२	५६	३१/५६	३७	२३	२७	११	३	तुलायां	ऋषि पंचमी ×रविलावल ३
६	र	२०	१६	स्वा	४	०	ब्र	१२	१९	तै	२०	१६	५२	३८	२२	२८	१२	४	वृ.४८।६	मृगशीर्षे भौमः ४२/३२ कन्यायां शुक्रः २०/१२
७	चं	१६	३६	वि	२	४८	ऐं	६	५३	व	१६	३६	४८	३८	२२	२९	१३	५	वृश्चिके	भ. १६।३६ उ. ४४।२८ या.
८	मं	१२	२१	अ	०/२७	५९/४६	वै	५/०	५३/३४	ब	१२	२१	४४	३९	२१	३०	१४	६	ध.५७।१३	पूफायां रविः ३६/४२ पूफायां बुधः २९।१२
९	बु	७	१०	मू	५३	२३	प्री	४७	६	कौ	७	१०	४०	४०	२०	३१	१५	७	धनुषि	
१०	गु	१	१०	पू	४८	४१	आ	३९	२	ग	१	१०	३६	४१	१९	१	१६	८	धनुषि	भ.२७/४५ उ.५४/२० या. सितम्बर मा.९ ता.३०
११	गु	५३	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	शु	४६	५३	उ	४३	२४	सौ	३०	२९	ब	२०	३६	३२	४२	१८	२	१७	९	म.२।२२	पद्मा ११ व्र. वै. निं. वामनावतार
१३	श	३९	१४	श्र	३७	४४	शो	२१	४१	कौ	१३	३	२९	४२	१८	३	१८	१०	मकरे	हरिवासरः प्रदोषः +पद्मा११व्र. स्मा.
१४	र	३१	४१	ध	३२	१०	अ	१२	४६	ग	१५	२७	२५	४३	१७	४	१९	११	कु.४।५७	भ. ३१।४१ उ. ५८।१७ या. अनन्त१४
१५	चं	२४	५३	श	२७	२२	सु	५ १/०	५७/२	ब	२४	५३	२२	४४	१६	५	२०	१२	कुम्भे	हस्ते शुक्रः २७।३४ महालयारम्भः

२०पं. भा.शु. २बु.इ. ११।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	८	४	८	४	४
७	२०	०	०	२४	१८	२२	७
१५	३९	५०	३०	५४	५१	५४	४४
५७	२२	१३	११	२२	४०	५४	१६
५७	३८	०/७	०/३२	७४	२/११	३	५७
४५	६	५/४०	मा	८	ब	११	४८

गोचरग्रहाः

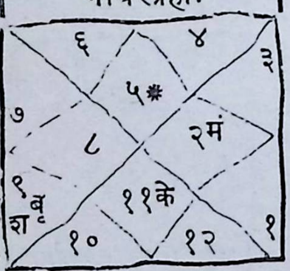

इस मास का फल अच्छा रहेगा सिंह का सूर्य उत्तम-वर्षाकारक है प्रजा में सुख शांति रुई चांदी मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

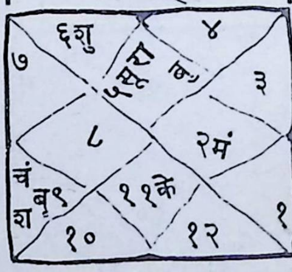

२१पं.भा.शु.९ बु.इ.११।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	८	५	८	४	४
१४	२४	१४	०	३	१८	२२	१४
१	५२	४१	२९	३१	२९	३२	२९
९	३०	४९	२५	१	७	३८	५६
५७	३७	०/८	१	७४	१/३३	३	५८
५७	१९	०/४५	४७	२	ब	११	१

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१८	५७	पू	२३	२२	शू	४८	४८	कौ	१८	५७	३१/५८	५/४५	६/१५	६	२१	१३	मी९।२२	उफायां बुधः ३४।३६ ×३६/३२ चतुर्थीव्र.
२	बु	१४	३५	उ	२०	४०	गं	४३	२	ग	१४	३५	१३	४५	१५	७	२२	१४	मीने	भ. ४३।१७ उ.
३	गु	१२	०	रे	१९	५४	वृ	३८	४२	वि	१२	०	९	४६	१४	८	२३	१५	मे.१९।५४	भ.१२।०या.मिथुनेभौमः ५१/३२ कन्यायांबुधः×
४	शु	११	३८	अ	२१	३	ध्रु	३५	५२	बा	११	३८	४	४७	१३	९	२४	१६	मेषे	
५	श	१२	५६	भ	२४	३९	व्या	३४	४८	तै	१२	५६	०	४८	१२	१०	२५	१७	वृ.४०।४४	
६	र	१६	२३	कृ	२८	५९	ह	३४	४४	व	१६	२३	३०/५५	४९	११	११	२६	१८	वृषे	भ.१६।३२ उ.४८।५० =बुधः ३३।५२
७	चं	२१	१७	रो	३५	३३	व	३५	५६	ब	२१	१७	५१	५०	१०	१२	२७	१९	वृषे	
८	मं	२७	६	मृ	४२	३४	सि	३७	५०	कौ	२७	६	४६	५१	९	१३	२८	२०	मि ९।३	उफायां रविः १३।२१
९	बु	३३	२१	आ	५०	१७	व्य	४०	१५	तै	०	१३	४२	५२	८	१४	२९	२१	मिथुने	हस्ते बुधः १०।१३ मातृ ९
१०	गु	३९	५२	पु	५७	४६	व	४२	५९	व	६	३६	३७	५३	७	१५	३०	२२	क.४२।५४	भ.६/३६ उ.३९/५२ या. मार्गीशनिः २७/२२ पश्चिमो.=
११	शु	४५	१९	पु	६०	०	प	४५	५	ब	१२	३७	३२	५४	६	१६	३१	२३	कर्के	कन्यायामर्कः ३८/३२ चित्रायां शुक्रः १७।२०+
१२	श	५०	८	पु	४	३५	शि	४६	२५	कौ	१७	४३	२८	५४	६	१७	१	२४	कर्के	
१३	र	५३	२०	श्ले	१०	१८	सि	४६	४६	ग	२१	४४	२४	५५	५	१८	२	२५	सिं१०।१८	भ.५३।२०उ. प्रदोषः +इन्दिरा११व्र.
१४	चं	५५	१४	म	१४	५१	सा	४६	३	वि	२४	१७	२०	५६	४	१९	३	२६	सिंहे	भ. २४।१७ या. शस्त्रादिहतानांश्राद्धम्
३०	मं	५५	३५	पू	१७	५५	शु	४४	१४	च	२५	२४	१६	५७	३	२०	४	२७	कं.३३।८	सर्वपितृ ३०

२२पं. आ.कृ.२बु.इ. ११।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	८	५	८	४	४
२०	२८	२७	०	१२	१८	२२	२१
४७	५९	४७	५७	७	३१	१०	१६
४९	१०	३८	५४	४८	१२	२३	५८
५८	३६	०/०	३	७३	०/४७	३	५८
१२	२१	०/५३	१९	५६	३	११	१३

गोचरग्रहाः

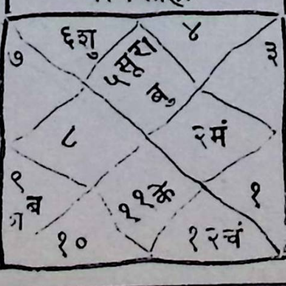

आश्विनकृ.११शुक्रे कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.४कुमारा-वस्था (वैठी)मु. ३० (धान्य भाव सम)शुक्रोदयं पश्चि.

गोचरग्रहाः

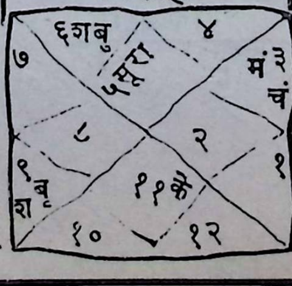

२३पं.आ.कृ.९ बृ.इ.१०।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	८	५	८	४	४
२७	२	१०	१	२०	१८	२१	२८
३६	५३	१	२४	४४	२७	४८	५
१२	३१	१९	३७	३८	५८	७	२२
५८	३५	०/०	४	७३	०/८	३	५८
२९	१३	०/४६	२२	४६	ब	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३६१ स.१९६०
१	बु	५४	३५	उ	१८	४९	शु	४१	२१	किं	२५	५	३०/५२	५८	६/२	२१	५	२८	कन्यायां	आर्द्रायां भौमः ५२/८८ तुलायां भृगुः ५९/२३ माता*
२	गु	५२	३२	ह	१९	१४	ब्र	३७	३३	बा	२३	३३	९	५८	२	२२	६	२९	तु.४९।२८	चित्रायां बुधः २२।४ चन्द्रदर्शनम्
३	शु	४९	२९	चि	१९	३१	ऐं	३२	५२	तै	२१	०	५	५९	१	२३	७	१	तुलायां	रविलाखर ४ *महश्राद्धं नवरात्रारम्भः
४	श	४५	५०	स्वा	२०	२	वै	२७	२३	व	१७	३९	२	६/०	०	२४	८	२	तुलायां	भ. १७।३९ उ. ४५।५० या.
५	र	४१	३९	वि	१८	५४	वि	२१	२३	ब	१३	४४	२९/५९	०	०	२५	९	३	वृ.४१।११	
६	चं	३७	१३	अ	१७	६	प्री	१५	२०	कौ	९	२६	५६	६/१	५/५९	२६	१०	४	वृश्चिके	तुलायां बुधः ५३।४६ हस्ते रविः ५१।०
७	मं	३२	२१	ज्ये	१४	४१	आ	८	५४	ग	४	२७	५३	२	५८	२७	११	५	ध.१४।४१	भ.३२/२१ उ.५९/४६या. स्वात्यांभृगुः ८/० सरस्वत्य=
८	बु	२७	११	मू	११	५७	सौ	२/८	५२/४९	ब	२७	११	५०	२	५८	२८	१२	६	धनुषि	भद्रकाली ज. बलिदानम् =वाहनम्
९	गु	२१	५९	पू	८	४२	अ	४७	४६	कौ	२१	५९	४७	३	५७	२९	१३	७	म.२२।४६	
१०	शु	१६	१९	उ	५	०	सु	४०	१७	ग	१६	१९	४३	३	५७	३०	१४	८	मकरे	भ. ४३।३३ उ. विजया १० पट्टाभिषेके
११	श	१०	४८	श्र	१/०	५५/३८	धृ	३२	५५	वि	१०	४८	४०	४	५६	१	१५	९	कुं.२७।३८	भ.५०/४८या. अक्टूबर मा. १० ता. ३१ स्वात्यां×
१२	र	६	८	श	५२	३०	शू	२५	३७	बा	६	८	३७	५	५५	२	१६	१०	कुम्भे	प्रदोषः ×बुधः २४/४३ पापांकुशा ११व्र.
१३	र	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं	५५	३१	पू	४८	३२	गं	१८	४१	ग	२७	४४	३३	५	५५	३	१७	११	मी३४।३७	भ. ५५।३१ उ. मूले २ गुरुः २२।३७
१५	मं	५१	४९	उ	४५	३५	वृ	१२	१३	वि	२३	४०	३०	६	५४	४	१८	१२	मीने	भ.२३।४०या. कोजागरं व्र. शरदपूर्णिमा

२४पं. आ.शु. १बु.इ.१०।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	८	५	८	४	५
४	६	२१	१	२९	१८	२१	४
२६	३८	२४	५९	०	२९	२५	५५
२०	१३	७	४२	१७	१७	११	१५
५८	३३	९७	५	७३	३६	३	५८
४५	३५	४३	३०	४४	मा	११	३८

गोचरग्रहाः

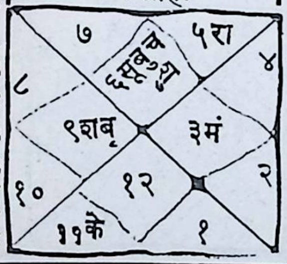

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ हैं प्रजा में पीड़ा धान्य जौ गेहूँ चना मूंग मोंठ आदि सस्ते होंगे।

गोचरग्रहाः

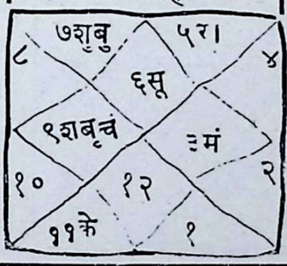

२५पं.आ.शु. ८बृ इ.१०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	८	६	८	४	५
११	१०	१	२	७	१८	२१	११
१८	९	५३	४२	५६	३५	३	४६
२३	४	३५	५८	४९	३५	३६	५७
५९	३१	८८	६	७३	१	३	५८
०	४८	३४	३६	३२	२३	११	५३

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४९	३९	रे	४३	४२	ध्रु	६	३४	बा	२०	४४	२९/२६	६/७	५/५३	५	१९	१३	मे.४३।४२	
२	गु	४८	५७	अ	४३	५	व्या	१/४९	५६/४१	तै	१९	१८	२२	८	५२	६	२०	१४	मेषे	
३	शु	५०	८	भ	४४	२९	व	५६	४८	व	१९	३२	१८	८	५[illegible]	७	२१	१५	मेषे	भ. १९।३२ उ. ५०।८ या.
४	श	५३	०	कृ	४७	४०	सि	५५	५२	ब	२१	३४	१४	९	५१	८	२२	१६	बृ.०।१७	विशाखायां भृगुः ०।३३ कर्क ४ व्र.
५	र	५७	२९	रो	५२	२९	व्य	५६	२३	कौ	२५	१४	१०	१०	५०	९	२३	१७	बृषे	
६	चं	६०	०	मृ	५८	३७	व	५७	५१	ग	३०	८	५	११	४९	१०	२४	१८	मि२५।३२	चित्रायां रविः २१।३७
६	मं	२	४८	आ	६०	०	प	५९	३३	व	२	४८	०	१२	४८	११	२५	१९	मिथुने	भ.२/४८ उ.३६।२या. विशाखायांबुधः ५७/३७
७	बु	९	१६	आ	५	३७	शि	६०	०	ब	९	१६	२८/५६	१३	४७	१२	२६	२०	क.५५।७	
८	गु	१५	३२	पु	१२	५७	शि	१	५३	कौ	१५	३२	५३	१३	४७	१३	२७	२१	कर्के	
९	शु	२१	२६	पु	२०	३५	सि	४	१३	ग	२१	२६	५०	१४	४६	१४	२८	२२	कर्के	भ. ५३/५६ उ. *अनु. शुक्रः ५२/१० रूप१४
१०	श	२६	२६	श्ले	२८	४	सा	५	५७	वि	२६	२६	४७	१५	४५	१५	२९	२३	सिं२८।४	भ. २६।२६ या.
११	र	२९	५५	म	३४	२०	शु	६	४५	बा	२९	५५	४४	१५	४५	१६	३०	२४	सिंहे	वृश्चिके शुक्रः ७।३८ रमा ११ व्र.
१२	चं	३१	५४	पू	३२	१२	शु	६	१७	कौ	०	५४	४१	१६	४४	१७	३१	२५	कं.५४।४६	तुलायामर्कः ४।२१ धन १३
१३	मं	३२	८	उ	४१	२९	ब्र	४	४०	ग	२	१	३८	१६	४४	१८	१	२६	कन्यायां	भ.३२/८ उ. पूफायां२ राहुःशते४ केतुः १०/१०*
१४	बु	३०	२१	ह	४१	२९	ऐं	१/३६	५५/३३	वि	१	१४	३६	१७	४३	१९	२	२७	कन्यायां	भ.१।१४ या. अनुराधायां शुक्रः २६।२१+
३०	गु	२७	१७	चि	५७	५७	वि	५१	३७	ना	२७	१७	३२	१८	४२	२०	३	२८	तु.१०।४३	अन्नकूट गोवर्धन पू. +महालक्ष्मीपूजनम्

२६पं. का.कृ. १बु.इ.१०।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	८	६	८	४	५
१८	१३	११	३	१६	१८	२०	१८
१२	२५	३८	३३	३२	४६	४१	४०
१०	५२	४०	४०	१०	२३	२०	८
५९	२९	८३	७	७३	२	३	५९
१६	५३	१	३६	२०	४	११	९

२७पं.का.कृ.७ बु.इ.१०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	८	६	८	४	५
२५	१६	२०	४	२५	१९	२०	२५
७	२४	१३	३१	७	१	१९	३५
५२	३६	४८	३०	४१	३०	५	५
५९	२७	६५	८	७३	२	३	५९
३१	२६	८	३४	१४	४३	११	२१

२८पं.का.कृ.१४बु.इ.१०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	८	७	८	४	६
२	१९	२७	५	३	१९	१९	२
५	५	५	३४	४१	२१	५६	३१
२२	३५	४९	४१	५३	४०	४२	३०
५९	२४	४४	९	७२	३	३	५९
४६	५७	११	२५	५६	२४	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३९१ सन्१९६०
१	शु	२२	४५	स्वा	३७	३३	प्री	४५	५	ब	२२	४५	५८/२८	६/१८	५/४२	२१	४	२९	तुलायां	पुनर्वसौ भौमः २०।४६
२	श	१७	२९	वि	३३	४४	आ	३७	५१	कौ	१७	२९	२२	२०	४०	२२	५	३०	वृ.१९।४१	यम २ भातृ २ चंद्रदर्शनम्
३	र	११	४०	अ	२९	४४	सौ	३०	१७	ग	११	४०	१६	२१	३९	२३	६	१	बृश्चिके	भ.३/४ ६/२ उ.स्वात्यां रविः ४/२ १/३ बृश्चिके बुधः १/१ २/८*
४	चं	५	४४	ज्ये	२५	४१	शो	२२	२४	वि	५	४४	१०	२२	३८	२४	७	२	ध.२५।४१	भ. ५।४४ या. *जमादिलावल ५
५	चं	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	मं	५४	९	मू	१	३०	अ	१४	४२	कौ	२७	२	४	२३	३७	२५	८	३	धनुषि	मूले ३ गुरुः ५४।५२
७	बु	४८	५९	पू	१७	४८	सु	७/२२	५२/३७	ग	२१	३४	५७/५८	२४	३६	२६	९	४	म.३१।५९	भ.४/५ ८/९ उ. वक्री बुधः ४/१ ७/४ शुक्रोदयः पश्चिमे
८	गु	४३	४७	उ	१४	३१	शू	५२	५०	वि	१६	२३	५५	२५	३५	२७	१०	५	मकरे	भ. १६।२३ या. गोपाष्टमी
९	शु	३९	२०	श्र	११	१०	गं	४६	११	बा	११	३३	५१	२६	३४	२८	११	६	कु.३९।५६	अक्षय ९ +पश्चिमास्तं बुधः ३/१ ५/३
१०	श	३५	९	ध	८	४२	वृ	३९	५३	तै	७	१४	४८	२६	३४	२९	१२	७	कुंभे	ज्येष्ठायां शुक्रः ४/५ ७/९ मार्गीपूषा. ३ शनिः ३/१ ६/१
११	र	३०	४५	श	६	२४	ध्रु	३४	२	व	२	५७	४५	२७	३३	३०	१३	८	मी५०।१७	भ.२ ३/७ उ. ३/४ ०/५ या. प्रबोधिनी ११व्र तुलसीवि
१२	चं	२७	५३	पू	४	५५	व्या	२८	४५	बा	२७	५३	४२	२८	३२	३१	१४	९	मीने	वक्री तुलायां बुधः ३२।३० प्रदोषः
१३	मं	२६	५३	उ	४	३	ह	२४	१	तै	२६	५३	३९	२८	३२	१	१५	१०	मीने	नवंबर मा. ११ ता. ३० वैकुंठ १४+
१४	बु	२६	८	रे	४	८	व	२०	११	व	२६	८	३६	२९	३१	२	१६	११	मे. ४।८	भ. २६।८ उ. ५६।१३ या.
१५	गु	२६	१८	अ	५	४२	सि	१७	८	ब	२६	१८	३३	२९	३१	३	१७	१२	मेषे	मन्वादिः

२९पं.का.शु.७बु.इ.९।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	७	८	७	८	४	६
९	१९	०	६	१२	१९	१९	९
४	२१	४७	४२	१५	४५	३[illegible]	२९
४२	३०	२४	३४	४३	५८	३३	४९
६०	२१	६	१०	७२	४	३	५९
२	५९	२	११	३८	५	११	४७

गोचरग्रहाः

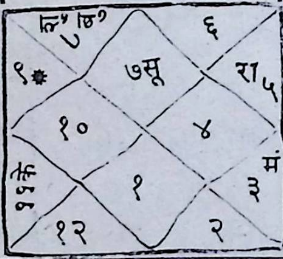

कार्तिक कृ. १२ चंद्रे तुलायामर्कः प्र.वा.४न.४युवा-वस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव सम)।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.शु.१४बु.इ.९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	८	७	८	४	६
१६	२३	२८	७	२०	२०	१९	१६
५	९	१९	५७	४६	१४	१२	२९
४६	५४	३७	५०	४१	१४	१८	३८
६०	१७	६१/५८	१०	७२	४	३	६०
१८	५५	ब	५३	२०	३५	११	४

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२८	०	भ	७	५९	व्य	१५	१८	कौ	२८	०	२७/२९	६/३०	५/३०	४	१८	१३	वृ.२३।५५	
२	श	३०	४५	कृ	११	४४	व	१४	२०	ग	३०	४५	२५	३१	२९	५	१९	१४	बृषे	
३	र	३५	३०	रो	१६	४९	प	१४	२१	व	३	७	२१	३२	२८	६	२०	१५	मि४९।५९	भ.३/७ उ.३/३ ५/० या. विशाखायां रविः२।४६
४	चं	४०	४७	मृ	२३	८	शि	१५	३०	ब	८	८	१७	३३	२७	७	२१	१६	मिथुने	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४६	३३	आ	३०	१४	सि	१७	९	कौ	१३	४०	१३	३३	२६	८	२२	१७	मिथुने	
६	बु	५३	२६	पु	३७	४८	सा	१९	१८	ग	१९	५९	१०	३४	२६	९	२३	१८	क.२०।५५	भ.५/२ ३/३ उ. वक्री स्वात्यां बुधः६।३२ मूले=
७	गु	५९	५५	पु	४५	१८	शु	२१	४६	वि	२६	४१	७	३५	२५	१०	२४	१९	कर्के	भ. २६।४१ या. =धनुषि च भृगुः ४/१ ४/७
८	शु	६०	०	श्ले	५२	२५	शु	२३	५२	बा	३२	४४	४	३५	२५	११	२५	२०	सिं५२।२५	
८	श	५	२८	म	५८	२४	ब्र	२५	१३	कौ	५	२८	०	३६	२४	१२	२६	२१	सिंहे	मूले ४ गुरुः ५२।११
९	र	९	३३	पू	६०	०	ऐं	२५	४०	ग	९	३३	५६/५८	३६	२४	१३	२७	२२	सिंहे	भ. ४०।५१ उ. पूर्वोदयी बुधः ४१।५७
१०	चं	१२	९	पू	२	४८	वै	२४	५२	वि	१२	९	५६	३७	२३	१४	२८	२३	कं.१८।२७	भ. १२।९ या.
११	मं	१२	५४	उ	५	२६	वि	२२	२७	बा	१२	५४	५४	३७	२३	१५	२९	२४	कन्यायां	बृश्चिकेऽर्कः ५७।३ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु	११	३८	ह	६	२	प्री	१८	३१	तै	११	३८	५२	३८	२२	१६	१	२५	तु.३५।२४	प्रदोषः
१३	गु	८	१५	चि	४	४७	आ	१३	२	व	८	११	४९	३८	२२	१७	२	२६	तुलायां	भ.८।१५उ.३५।४३या. मार्गीबुधः१।२४
१४	शु	३	११	स्वा	१/४६	५५/२९	सौ	६/११	५२/८	श	३	११	४६	३९	२१	१८	३	२७	वृ.३४।२३	
३०	शु	५३	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३१पं.मा.कृ.६बु.इ.९।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	८	७	८	४	६
२३	२४	१९	९	२९	२०	१८	२३
८	२७	५८	१७	१८	४६	५०	३०
२४	०	५	२४	२२	२६	२	५४
६०	१३	३१/३१	११	७१	५	३	६०
३०	३०	ब	२९	५६	६	११	१७

गोचरग्रहाः

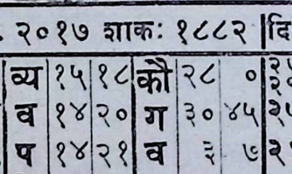

मार्गशीर्ष कृ.११ भौमे बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.२न.३युवा-वस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चि.

गोचरग्रहाः

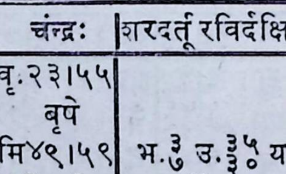

३२पं. मा.कृ.१२बु.इ.९।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	८	८	४	७
०	२५	१४	१०	७	२१	१८	०
१२	७	४५	४०	४७	२१	२७	३३
२८	२३	२३	३४	४३	५८	४७	४३
६०	८	४५	१२	७१	५	३	६०
४०	२०	ब	६	३८	३९	११	३७

*शबृचं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बृशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२													दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	श	४९	३६	अ	५२	५	अ	४९	१०	किं	२३	१६	२६/४२	६/४०	५/२०	१९	४	२८	वृश्चिके
२	र	४१	५९	ज्ये	४६	१२	सु	४०	९	बा	१५	४७	३९	४०	२०	२०	५	२९	ध.४६।१२
३	चं	३४	९	मू	४०	१२	धृ	३०	५०	तै	८	४	३६	४१	१९	२१	६	१	धनुषि
४	मं	२६	३८	पू	३४	४३	शू	२१	२५	व	०	२३	३३	४१	१९	२२	७	२	म.४८।२८
५	बु	२०	१४	उ	२९	४४	गं	१२	४१	बा	२०	१४	२८	४२	१८	२३	८	३	मकरे
६	गु	१४	३	श्र	२५	२६	वृ	४/४९	५२/२८	तै	१४	३	२५	४३	१७	२४	९	४	कु.५३।५४
७	शु	९	६	ध	२२	२२	व्या	५०	३३	व	९	६	२३	४३	१७	२५	१०	५	कुम्भे
८	श	५	१०	श	२०	२०	ह	४४	५८	ब	५	१०	२१	४४	१६	२६	११	६	कुम्भे
९	र	२	२०	पू	१९	२९	व	४०	८	कौ	२	२०	१९	४४	१६	२७	१२	७	मी४।४४
१०	चं	०	४१	उ	१९	२४	सि	३६	६	ग	०	४१	१७	४५	१५	२८	१३	८	मीने
११	चं	५९	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	मं	६०	०	रे	२०	३०	व्य	३२	५४	ब	३०	१४	१४	४५	१५	२९	१४	९	मे.२०।३०
१२	बु	०	३२	अ	२२	५०	व	३०	५६	बा	०	३२	१२	४६	१४	३०	१५	१०	मेषे
१३	गु	२	१	भ	२६	३	प	२९	२४	तै	२	१	१०	४६	१४	१	१६	११	बृ.४२।७
१४	शु	४	३८	कृ	३०	२०	शि	२८	५३	व	४	३८	८	४६	१४	२	१७	१२	बृषे
१५	श	८	२०	रो	३५	३०	सि	२९	९	ब	८	२०	६	४७	१३	३	१८	१३	बृषे

हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२४१० स.१९६०

अनु. यां. रविः १४।५२
पूषायां भृगुः ४२।२६ चंद्रदर्शनम्
जमादिलाखर ६
भ. ०।२३ उ. २६।३८ या.

भ. ९।६ उ. ३७।८ या. विशाखायां*
वक्री भौमः १६।१६
*बुधः ३७।४२
भ. ३०।१८ उ. ५९।५६ या. पूषायां १+
+गुरुः ५२।५८ मोक्षदा ११ ब्र. स्मा.
मोक्षदा ११ ब्र. वै. निं.
प्रदोषः
दिसंबर मा.१२ता.३१ उषायांभृगुः५१।१०
भ.३४।८ उ.३६।२९ या. ज्येष्ठायांरविः२५।५९ दत्तज.
वृश्चिके बुधः १२।६

३३पं.मा.शु.५ बु.इ. ९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	८	८	४	७
७	२५	१७	१२	१६	२२	१८	७
१८	१५	४४	६	१४	०	५	३७
१	३६	४२	३२	४२	०	३१	३६
६०	४	५४	१२	७१	६	३	६०
५३	१	४९	२६	११	१	११	४२

गोचरग्रहाः

इस मास में तुला की संक्रांति मंगल वार कीं धान्यादि समस्त पदार्थो में तेजी कारक है। पशुओं में रोग।

गोचरग्रहाः

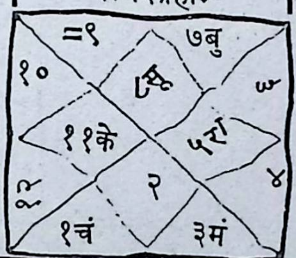

३४पं.मा.शु.१२ बु.इ.८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	८	८	४	७
१४	२४	२५	१३	२४	२२	१७	१४
२४	३४	५५	३६	३९	४१	४३	४२
४७	१६	३०	१८	४१	२२	१५	४८
६१	५/०	७८	१२	७०	६	३	६०
३	ब	४८	५२	३८	२२	११	५०

ति.	पौष कृष्णपक्ष सं. २०१७ शाकः १८८२													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	र	१३	१८	मृ	४१	५५	सा	३०	१७	कौ	१३	१८	२६/४	६/४७	५/१३	४	१९	१४	मि८।४२
२	चं	१८	४८	आ	४८	५०	शु	३१	४१	ग	१८	४८	३	४७	१३	५	२०	१५	मिथुने
३	मं	२५	५	पु	५६	२१	शु	३३	४५	वि	२५	५	१	४८	१२	६	२१	१६	क.३९।२९
४	बु	३०	५७	पु	६०	०	ब्र	३६	६	बा	३०	५७	०	४८	१२	७	२२	१७	कर्के
५	गु	३७	५९	पु	३	५१	ऐं	३८	१५	कौ	४	२८	२५/५९	४८	१२	८	२३	१८	कर्के
६	शु	४३	५८	श्ले	११	२५	वै	४०	२३	ग	१०	५८	५८	४८	१२	९	२४	१९	सिं११।२५
७	श	४९	०	म	१८	३	वि	४१	३२	वि	१६	२९	५७	४९	११	१०	२५	२०	सिंहे
८	र	५२	३६	पू	२३	२९	प्री	४१	४७	बा	२०	४८	५६	४९	११	११	२६	२१	कं.३९।३१
९	चं	५४	२०	उ	२७	३६	आ	४०	३९	तै	२३	५८	५५	४९	११	१२	२७	२२	कन्यायां
१०	मं	५४	६	ह	२९	५७	सौ	३७	५७	व	२४	१३	५४	४९	११	१३	२८	२३	कन्यायां
११	बु	५१	५१	चि	३०	६	शो	३३	४१	ब	२२	५७	५२	५०	१०	१४	२९	२४	तु.०।११
१२	गु	४७	३३	स्वा	२८	१०	अ	२७	४३	कौ	१९	४२	५२	५०	१०	१५	३०	२५	तुलायां
१३	शु	४१	२६	वि	२४	२२	सु	२०	२४	ग	१४	२९	५२	५०	१०	१६	१	२६	बृ.१०।१९
१४	श	३३	४५	अ	१९	०	धृ	११	३५	वि	७	३५	५१	५०	१०	१७	२	२७	बृश्चिके
३०	र	२५	१८	ज्ये	१२	२१	शू	५ १/०	४९	ना	२५	१८	५१	५०	१०	१८	३	२८	ध.१२।२१

हिमंतर्तूरविदक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मकरे भृगुः ३२।४१
भ. ५१।५६ उ. अनु. बुधः २३।५७
भ.२५।४या. पूषायां४शनिः२४।१४च.ब्र.

भ. ४३।५८ उ.
भ. १६।२९ या.
*५५।१९ पूर्वास्तं बुधः १२।५४
श्रवणे भृगुः ५९।२१
भ. २४।१३ उ.५४।६ या. पूषायां२ गुरुः*
ज्ये. बुधः१७।३७ सफला ११ब्र. स्मा. वै.
धनुषिरविः २५।३६ सफला ११ ब्र. निं.
भ. ४१।२५ उ. प्रदोषः
भ. ७।३५ या.
वक्री आर्द्रायां भौमः ९।२

३५पं.पौ.कृ.४ बु.इ.८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	९	८	४	७
२१	२३	५	१५	३	२३	१७	२१
३२	१५	५३	८	९	२४	२१	४८
३४	१४	२	४२	६	५४	०	५४
६१	३२/३०	८७	१३	७०	६	३	६०
११	ब	२८	१३	१	३६	११	५६

गोचरग्रहाः

पौष कृष्णा १२ गुरौ धनुष्यर्कःप्र. वा.३ न.३ युवा-वस्था (सूती) मु. १५ (धान्य भावतेज) शु. पू.

गोचरग्रहाः

३६पं.पौ.कृ.११ बु.इ.८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	९	८	४	७
२८	२१	१६	१६	११	२४	१६	२८
४१	१७	२५	४२	१९	१०	५८	५५
१७	४९	५५	५४	४१	४८	४४	५१
६१	१९/२५	९३	१३	६९	६	३	६१
१९	ब	२४	८	१४	५४	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौषः शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२४५० स.१९६०
१	चं	१६	१०	मू	५/१८	५३/४३	वृ	४०	४९	ब	१६	१०	२५/५१	६/५०	५/१०	१९	४	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	६	५७	उ	५१	३	ध्रु	३०	१८	कौ	६	५७	५१	५०	१०	२०	५	१	म.७।१८	पूफा. १ राहुः शते३ केतुः२।८ रज्जब ७
३	मं	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु	५०	३०	श्र	४४	४८	व्या	२०	१६	व	२४	२५	५०	५०	१०	२१	६	२	मकरे	भ. २४।२५ उ. ५०।३० या.
५	गु	४४	६	ध	३९	५३	ह	१०	५८	ब	१७	१८	५०	५०	१०	२२	७	३	कुं.१२।२१	मूले धनुषि च बुधः ५२।२१
६	शु	३८	५०	श	३६	१९	व	२/५८	५३/७	कौ	११	२८	५०	५०	१०	२३	८	४	कुम्भे	
७	श	३५	११	पू	३४	८	व्य	५०	१८	ग	७	०	५०	५०	१०	२४	९	५	मी१९।४१	भ. ३५/११ उ. धनिष्ठायां भृगुः २७/१५
८	र	३३	८	उ	३३	५६	व	४५	५७	वि	४	९	५०	५०	१०	२५	१०	६	मीने	भ.४।९ या. अस्तंगुरुः ३/६ अस्तंशनिः २६/५
९	चं	३२	४२	रे	३४	४८	प	४२	५३	बा	२	५५	५०	५०	१०	२६	११	७	मे.३४।४८	अ. गु.
१०	मं	३३	५४	अ	३७	१७	शि	४०	५४	तै	३	१८	५०	५०	१०	२७	१२	८	मेषे	
११	बु	३६	२१	भ	४१	४	सि	३९	५५	व	५	७	५०	५०	१०	२८	१३	९	वृ.५७।२०	भ.५/७ उ.३६/२१ या. पूषायां रविः २७/५२ पूषायां*
१२	गु	४०	०	कृ	४६	९	सा	४०	१३	ब	८	६०	५२	५०	१०	२९	१४	१०	वृषे	*गुरुः ३३/२६ पुत्रदा ११ व्र.
१३	शु	४४	३८	रो	५१	५९	शु	४०	४२	कौ	१२	१९	५४	४९	११	३०	१५	११	वृषे	कुंभे शुक्रः १३।४ प्रदोषः
१४	श	५०	१	मृ	५८	३३	शु	४१	५६	ग	१७	१९	५६	४९	११	३१	१६	१२	मि२५।१६	भ. ५०।१ उ. पूषायां बुधः १४।५५
१५	र	५५	४८	आ	६०	०	ब्र	४३	३९	वि	२२	५५	५८	४८	१२	१	१७	१३	मिथुने	भ. २२/५५ जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् ६१

३७पं.पौ.शु.४ बु.इ.८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	७	८	९	८	४	८
५	१८	२७	१८	१९	२४	१६	६
५०	५४	१२	१८	३२	५७	३६	३
४२	५०	१९	१४	६	३६	२९	२८
६१	३४/९५	९६	१३	६८	७	३	६१
२२	ब	४८	३२	३०	३	११	५

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है। कपास, सूत, कपडा, घृत, तेल,तिल, सोना, आदि के भाव में मंदी आयेगी।

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.शु.११ बु.इ.८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	९	८	४	८
१३	१६	८	१९	२७	२५	१६	१३
०	३४	१०	५४	३९	४५	१४	११
३४	३७	४१	१८	३२	५८	१३	२४
६१	२८/४०	९९	१३	६७	७	३	६१
२६	ब	२५	३५	३२	१५	११	६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततु रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	६०	०	आ	५	३३	ऐं	४५	४४	बा	२९	१	२५/५९	६/४७	५/१३	२	१८	१४	क.५६।७	
१	मं	२	१५	पु	१२	५८	वै	४७	५९	कौ	२	१५	२६	४८	१२	३	१९	१५	कर्के	
२	बु	८	४४	पु	२०	२८	वि	५०	९	ग	८	४४	२	४८	१२	४	२०	१६	कर्के	भ. ४५/१ उ. उषायाँ १ शनिः ५६।२८
३	गु	१५	१	श्ले	२७	५१	प्री	५२	१२	वि	१५	१	३	४७	१३	५	२१	१७	सिं२७।५१	भ.१५।१ या. शते शुक्रः२।५६ तिल४ व्र.
४	शु	२०	५९	म	३४	५०	आ	५३	४१	बा	२०	५९	४	४७	१३	६	२२	१८	सिंहे	
५	श	२६	२	पू	४०	५९	सौ	५४	३२	तै	२६	२	६	४७	१३	७	२३	१९	कं.५७।१४	
६	र	३०	१२	उ	४५	५९	शो	५४	२१	व	३०	१२	७	४७	१३	८	२४	२०	कन्यायां	भ. ३०।१२ उ. उषायां बुधः ४४।१
७	चं	३२	५३	ह	४९	३८	अ	५३	२	वि	१	३२	८	४६	१४	९	२५	२१	कन्यायां	भ. १।३२ या.
८	मं	३३	५१	चि	५१	२६	सु	५०	२२	बा	३	२२	९	४६	१४	१०	२६	२२	तु.२०।३२	उषायां रविः २८।४१ मकरे बुधः ४/७
९	बु	३३	३	स्वा	५१	३०	धृ	४५	५९	तै	३	२७	१०	४६	१४	११	२७	२३	तुलायां	पूषा. ४ गुरुः ४६।१७
१०	गु	३०	९	वि	४९	३८	शू	४०	१३	व	१	३६	१२	४६	१४	१२	२८	२४	वृ.३५।६	भ. १।३६ उ. ३०।१९ या.
११	शु	२५	३०	अ	४५	५९	गं	३२	४८	बा	२५	३०	१४	४५	१५	१३	२९	२५	वृश्चिके	मकरेऽर्कः ४४।८ षट्तिला ११ व्र.
१२	श	१९	११	ज्ये	४०	३०	वृ	२४	११	तै	१९	११	१६	४५	१५	१४	१	२६	ध.४०।३०	प्रदोषः
१३	र	११	११	मू	३३	४१	ध्रु	१४	२५	ब	११	११	१८	४४	१६	१५	२	२७	धनुषि	भ. १९।११ उ. ३६।३७ या.
१४	चं	२	३	पू	२६	११	व्या	३/४४	४८/४३	श	२	३	२०	४४	१६	१६	३	२८	म.३९।१२	श्रवणे बुधः ४९।१८ युगादिः
३०	चं	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३९पं.मा.कृ.२ बु.इ.८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	१०	८	४	८
२०	१३	१९	२१	५	२६	१५	२०
१०	४७	२१	३२	३९	३४	५१	१९
४१	३८	४	२२	३२	६	५७	३०
६१	२९/१	९/०	१३	६६	७	३	६१
२६	ब	९/३५	३८	१९	२०	११	६

गोचरग्रहाः

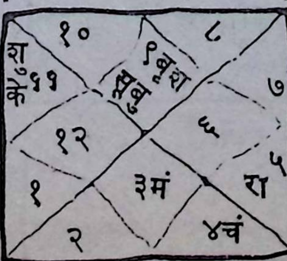

माघ कृ. ११ शुक्रे मकरेऽर्कः:प्र.वा.२ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

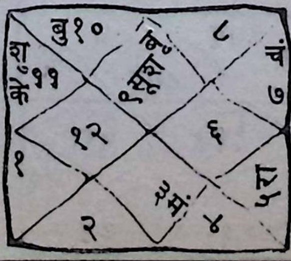

४०पं.मा.कृ. ९ बु.इ.८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	८	१०	८	४	८
२७	११	०	२३	१३	२७	१५	२७
२०	३०	४७	११	३०	२४	१९	२७
२३	२९	३५	२०	०	५०	४२	३६
६१	२४/५५	३७/०	१३	६४	७	३	६१
२४	ब	९/४	३८	५५	२०	११	६

CC0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	मं	४२	३५	उ	१८	१५	व	४१	२६	किं	१७	२८	२६/२२	६/४४	५/१६	१७	४	२९	मकरे
२	बु	३३	९	श्र	१०	३७	सि	३०	४६	बा	७	५२	२४	४३	१७	१८	५	३०	कुं.३७।८
३	गु	२४	५०	ध	३/३८	५४/९	व्य	२०	५३	ग	२४	५०	२६	४३	१७	१९	६	१	कुम्भे
४	शु	१७	४८	पू	५३	४४	व	११	४७	वि	१७	४८	२८	४२	१८	२०	७	२	मी३८।५०
५	श	१२	३७	उ	५१	३०	प	४/२९	५४/१४	बा	१२	३७	३०	४२	१८	२१	८	३	मीने
६	र	९	१४	रे	५१	६	सि	५४	१९	तै	९	१४	३२	४२	१८	२२	९	४	मे.५१।६
७	चं	७	४४	अ	५२	४१	सा	५१	३२	व	७	४४	३४	४१	१९	२३	१०	५	मेषे
८	मं	८	२४	भ	५६	४	शु	५०	५	ब	८	२४	३६	४१	१९	२४	११	६	मेषे
९	बु	१०	४१	कृ	६०	०	शु	५०	२०	कौ	१०	४१	३८	४०	२०	२५	१२	७	वृ १२।१९
१०	गु	१४	३८	कृ	१	४	ब्र	५०	५३	ग	१४	३८	४१	४०	२०	२६	१३	८	वृषे
११	शु	१९	४२	रो	७	९	ऐं	५२	३१	वि	१९	४२	४४	३९	२१	२७	१४	९	मि४०।३८
१२	श	२५	३७	मृ	१४	७	वै	५४	३४	बा	२५	३७	४८	३९	२१	२८	१५	१०	मिथुने
१३	र	३१	५१	आ	२१	१६	वि	५६	४४	तै	३१	५१	५२	३८	२२	२९	१६	११	मिथुने
१४	चं	३८	२८	पु	२९	२०	प्री	५८	५२	ग	५	९	५६	३७	२३	३०	१७	१२	क.१२।१९
१५	मं	४४	३६	पु	३६	५५	आ	६०	०	वि	११	३२	५९	३६	२४	३१	१८	१३	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२४७९ स.१९६१

पूभायां भृगुः २।५२
चन्द्रदर्शनम्
भ. ५११९ उ. सावान ८
भ.१७।४८या. उदयंगुरुः२७।३६* उ.ग.
वसंत ५ *अभि.प्र. रविः१५।२५
×नि.रविः २३।३९
भ.७।४४उ.३८।४या.श्रवणेरविः३१/२४रथ७
धनिष्ठायां बुधः ३४।१० भीष्म ८ अभि.×
पश्चिमोदयी बुधः २९।४४
भ. ४७।१ उ. उषायां १ गुरुः १४।५४+
भ.१९/४२या. जया११व्र. उदयंशनिः४५।५४
कुम्भे बुधः २२।४३
उभायां शुक्रः ४०।४८ प्रदोषः
भ. ३८।२८ उ. +मीने शुक्रः ३२।२७
भः ११।३२ या.

४१पं.मा.शु.२बु.इ. ८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	१०	८	४	९
४	९	१२	२४	२१	२८	१५	४
२९	३६	३२	४८	९	१५	७	३५
५२	१९	१०	५०	२९	०	२६	३७
६१	२०/२५	[illegible]	१३	६३	७	३	६१
१९	व	५७	३२	१८	२०	११	३

गोचरग्रहाः

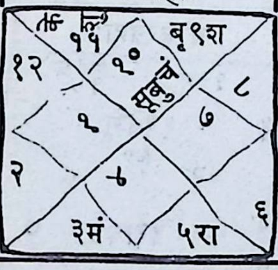

इस मास में प्रजा में पीडा रोग अधिक होंगे शीत अधिक पड़ेगा।

गोचरग्रहाः

४२पं.मा.शु.९बु.इ. ८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	१०	८	४	९
११	८	२४	२६	२८	२९	१४	११
३८	१९	२८	२५	३४	३	४५	४२
४३	५५	१	३	८	५४	११	५४
६१	१३/५७	[illegible]	१३	६१	७	३	६०
१३	व	२३	२५	८	१४	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	बु	५०	४७	श्ले	४३	५०	आ	१	१	बा	१७	४१	२७/४	६/३५	५/२५	१	१९	१४	सिं४३।५०
२	गु	५६	२०	म	५०	१४	सौ	२	५३	तै	२३	३३	७	३५	२५	२	२०	१५	सिंहे
३	शु	६०	०	पू	५६	११	शो	४	१४	व	२८	३८	१०	३४	२६	३	२१	१६	सिंहे
३	श	०	५६	उ	६०	०	अ	४	५६	वि	०	५६	१४	३३	२७	४	२२	१७	कं.१२।३०
४	र	४	५०	उ	१	२६	सु	५	२	बा	४	५०	१७	३३	२७	५	२३	१८	कन्यायां
५	चं	७	३०	ह	५	१४	धृ	४	१५	तै	७	३०	२०	३२	२८	६	२४	१९	तु.३६।४०
६	मं	८	५७	चि	८	११	शू	३/२४	५७/१	व	८	५७	२४	३१	२९	७	२५	२०	तुलायां
७	बु	९	३	स्वा	९	३५	वृ	५५	१४	ब	९	३	२८	३०	३०	८	२६	२१	बृ.५४।३१
८	गु	७	३३	वि	९	३०	ध्रु	४९	४३	कौ	७	३३	३२	३०	३०	९	२७	२२	बृश्चिके
९	शु	४	२९	अ	७	४२	व्या	४२	४६	ग	४	२९	३६	२९	३१	१०	२८	२३	बृश्चिके
१०	शु	५५	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	श	५३	३३	ज्ये	४/२०	५५/२१	ह	३४	४४	ब	२६	३५	३९	२८	३२	११	२९	२४	ध.४।२०
१२	र	४५	४८	पू	५३	३२	व	२५	३६	कौ	१९	४०	४२	२८	३२	१२	३०	२५	धनुषि
१३	चं	३७	१४	उ	४६	२७	सि	१५	४२	ग	११	३१	४६	२७	३३	१३	१	२६	म.६।४६
१४	मं	२७	५९	श्र	३८	५८	व्य	५/१	४९/७	वि	२	३६	५०	२६	३४	१४	२	२७	मकरे
३०	बु	१८	३०	ध	३१	३३	प	४३	२८	ना	१८	३०	५४	२५	३५	१५	३	२८	कु.५।१५

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

फरवरी मा. २ ता. २८ शते बुधः ४२/४८
उषायां २ मकरे च शनिः १४।४१
भ. २८।३८ उ.
भ.०।५६या. मार्गीभौमः २७।५१ च.व्र.
धनिष्ठायां रविः ३७।१७
भ. ८।५७ उ. ३९।० या.
×रेवत्यांभृगुः४२।१२ विजया११व्र.वै.नि.
पातस्पर्शः ४३।२०
भ.३२।३ उ. ५९।३७या. उषा.२ मकरे=
=गुरुः ५।३० पातमोक्षः ४।२९
विजया ११ व्र. स्मा.
कुम्भेऽर्कः ११।१३ वक्री बुधः ४४।०×
भ. ३७।१४ उ. महाशिवरात्रि व्रतम्
भ. २।३६ या. पश्चिमास्तं बुधः ४१।२६
सूर्यग्रहणम्

४३पं. फा.कृ.१बु.इ.८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	८	११	८	४	९
१८	७	५	२८	५	२९	१४	१८
४६	३४	४८	०	४३	५२	२२	४९
४४	३७	१४	४०	३०	१२	५५	२६
६१	४/५६	८९	१३	५८	७	३	६०
४	ब	३७	१९	२८		३ ११	५९

४४पं.फा.शु.७बु.इ. ८।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	८	११	९	४	९
२५	७	१३	२९	१२	०	१४	२५
५३	३२	५६	३४	२२	३८	०	५५
३१	६	१०	३०	५५	४६	२९	१५
६०	५/२७	५२	१३	५४	६	३	६०
५५	मा	२९	४	५५	५४	११	४७

४५पं.फा.कृ.३०चं.इ. ८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	९	११	९	४	१०
२	७	१५	१	१८	४	१३	३
५९	५४	१९	६	४३	२१	३८	०
३४	३२	४४	११	१९	५८	२४	०
६०	६	२७/२२	१२	५०	६	३	६०
४२	३८	ब	३८	३०	३६	११	३७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २५०९ स.१९६१
१	गु	१०	१२	श	२४	२७	शि	३३	२७	व	१०	१२	२७/५८	६/२४	५/३६	१६	४	२९	कुम्भे	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	१	९	पू	१८	४७	सि	२४	३५	कौ	१	९	२६२	२४	३६	१७	५	१	मी५।१२	रमजान ९ फुलरिया २
३	शु	५३	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	श	४९	२४	उ	१४	३९	सा	१६	५२	व	२१	५४	६	२३	३७	१८	६	२	मीने	भ.२१।५४ उ.४९।२४ या. शतेरविः ४६/३४
५	र	४६	२४	रे	१२	१६	शु	१०	५०	व	१७	५४	९	२२	३८	१९	७	३	मे.१२।१६	
६	चं	४५	४५	अ	१२	११	शु	६	४८	कौ	१६	४	१२	२२	३८	२०	८	४	मेषे	मघायां ४ राहुः शते २ केतुः ५६।५
७	मं	४७	०	भ	१३	५६	ब्र	४	१०	ग	१६	२२	१६	२१	३९	२१	९	५	बृ.२९।५७	भ. ४७।० उ.
८	बु	५०	१२	कृ	१८	०	ऐं	३	७	वि	१८	३६	२०	२०	४०	२२	१०	६	वृषे	भ. १८।३६ या. होलाष्टक
९	गु	५५	९	रो	२३	२५	वै	३	२५	बा	२२	४०	२४	१९	४१	२३	११	७	मि५६।५५	
१०	शु	६०	०	मृ	२९	२५	वि	४	३२	तै	२८	३	२८	१८	४२	२४	१२	८	मिथुने	वक्री धनिष्ठायां बुधः ३२।४
१०	श	०	५६	आ	३६	५४	प्री	६	४७	ग	०	५६	३३	१७	४३	२५	१३	९	मिथुने	भ.३४।७ उ. उषायां ३ गुरुः ४०।३९
११	र	७	१८	पु	४४	४५	आ	९	०	वि	७	१८	३८	१६	४४	२६	१४	१०	क.२८।१०	भ. ७।१८ या. आमलकी ११ व्र.
१२	चं	१४	८	पु	५२	१९	सौ	११	२९	बा	१४	८	४२	१६	४४	२७	१५	११	कर्के	प्रदोषः
१३	मं	२०	२४	श्ले	५९	१	शो	१३	३८	तै	२०	२४	४६	१५	४५	२८	१६	१२	सिं५९।१	पूर्वोदयी बुधः३०।१२ *होलिकादहन
१४	बु	२६	८	म	६०	०	अ	१५	१७	व	२६	८	५०	१४	४६	१	१७	१३	सिंहे	भ. २६/८ उ. ५८/३४ या. मार्च मा. ३ ता. ३१*
१५	गु	३१	०	म	५	२०	सु	१६	२५	व	३१	०	५४	१३	४७	२	१८	१४	सिंहे	मेषे शुक्रः १९।५४ ग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणं

४६पं.फा.शु.८बु.इ. ८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	९	११	९	४	१०
१०	८	९	२	२४	२	१३	१०
४	५१	३६	३४	२२	८	१६	३
७	०	४०	४८	२६	३१	३२	३२
६०	११	७४/३	१२	४४	६	३	६०
३१	३३	व	१६	४७	२१	११	२५

गोचरग्रहाः

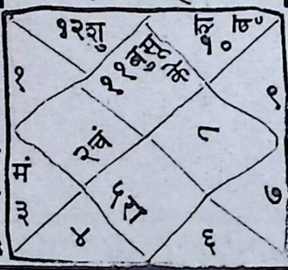

फाल्गुन कृष्णा १२ सूर्य कुम्भेऽर्कः प्र.वा. ३न.४गताल्कावस्था (ऊभी) मुहूर्ताः ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पश्चिमे ।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.शु.१४बु.इ.९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	९	११	९	४	१०
१७	१०	२	४	२९	२	१२	१७
६	१५	५६	०	१५	४९	५३	५
५६	२२	२४	५८	४०	२६	५३	२४
६०	१५	४७/४६	११	३७	६	३	६०
२०	५०	व	४७	३९	१	११	१२

ति.	श्री चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१७ शाकः १८८२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३५	३	पू	११	२३	धृ	१६	४९	बा	३	१	२८/५८	६/१२	५/४८	३	१९	१५	कं.२७।३८	वसन्त १
२	श	३७	५९	उ	१६	२३	शू	१६	२६	तै	६	३१	२५२	१२	४८	४	२०	१६	कन्यायां	पू. भा. यां. रविः १।२२
३	र	३९	४७	ह	२०	२२	गं	१५	१९	व	८	५३	६	११	४९	५	२१	१७	तु.५१।२२	भ.५६/३ उ.३९/४७ या. कल्पादिः पातस्पर्शः ५१/३
४	चं	४०	३३	चि	२२	२३	वृ	१३	२२	ब	१०	१०	१०	१०	५०	६	२२	१८	तुलायां	उषायां३ शनिः४८।५५ पातमोक्षः५।५८
५	मं	४०	१९	स्वा	२३	५८	ध्रु	१०	३२	कौ	१०	२६	१४	९	५१	७	२३	१९	तुलायां	
६	बु	३८	५५	वि	२४	३१	व्या	६	४७	ग	९	३७	१८	८	५२	८	२४	२०	बृ.९।२३	भ. ३८।५५ उ. मार्गीबुधः २०।७
७	गु	३६	३३	अ	२३	४१	ह	२३/२	५४/२३	वि	७	४४	२२	८	५२	९	२५	२१	बृश्चिके	भ. ७।४४ या. शीतलाष्टमी
८	शु	३३	०	ज्ये	२३	५९	सि	५०	१८	बा	४	४६	२७	७	५३	१०	२६	२२	ध.२१।५९	
९	श	२८	२३	मू	१८	५६	व्य	४२	५८	तै	०	४१	३२	६	५४	११	२७	२३	धनुषि	भ. ५५।२६ उ.
१०	र	२२	३०	पू	१५	१३	व	३४	५३	वि	२२	३०	३६	५	५५	१२	२८	२४	म.२८।४५	भ. २२।३० या.
११	चं	१५	५०	उ	१०	२	प	२६	१	बा	१५	५०	४०	४	५६	१३	२९	२५	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	मं	८	२३	श्र	४/२७	५३/३२	शि	१६	३५	तै	८	२३	४४	३	५७	१४	३०	२६	कु.३१।१३	मीनेऽर्कः १।४० प्रदोषः
१३	बु	०	१२	श	५१	५९	सि	६/४४	५०/३२	व	०	१२	४८	२	५८	१५	१	२७	कुम्भे	भ.०।१२उ.२६।९या. उषायां४ गुरुः४।०
१४	बु	५१	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४४	०	पू	४६	२	शु	४८	९	च	१८	६	५२	२	५८	१६	२	२८	मी३२।३१	मन्वादिः

४८पं. चै.कृ.६ बु.इ. ९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१२	२	१०	९	०	९	४	१०
२४	१२	१	५	२	३	१२	२४
८	५	१२	२३	५७	२७	३१	६
१९	३५	५२	६	४७	२९	३७	२८
६०	१९	५९/०	११	२७	५	३	५९
५	११	व	८	५४	३४	११	५८

गोचरग्रहाः

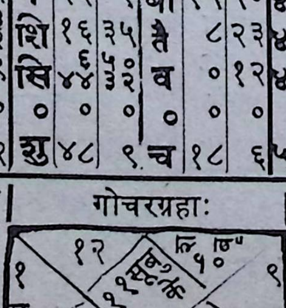

चैत्र कृ. १० भौमे मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु.३० (धान्य भावसम) शुक्रोदयं पश्चिमे ।

गोचरग्रहाः

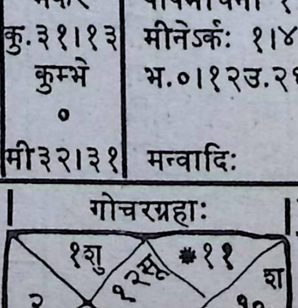

४९पं.चै.कृ.१३ बु.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	९	०	९	४	११
१	१४	४	६	५	४	१२	१
८	१३	१४	४१	११	४	९	५
१	२२	२०	२	५६	१२	२१	४२
५९	२१	३२	१०	१३	५	३	५९
४९	५३	५७	२९	४०	७	११	४१

 *चंबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६२ भोग्यकलिः ४२६९३८ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०१८ शाकः १८८३ अथास्मिन्वर्षेराजा शुक्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशो भौमः । नीरसेशो शनिः । फलेशो बुधः । धनेशो शनिः दुर्गेशो बुधः । ऐतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ८ आनन्दनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्क–समये गतमासादिः ३।२९।३०।० भोग्यमासादिः ८।०।३०।० । वर्षनाम आषाढ़ः । मेघ २ नाम संवर्तः । समय निवासो वणिक् गृहे । रोहिणी निवासः संधौ । समय विश्वा १० । समय वाहनमश्वः । स्तम्भ एक धान्यस्य । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८३ । तिथिक्षयः १८ । तिथि वृद्धिः ११ । उत्पति विश्वा ९९ । खपति विश्वा १२६ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् १७, तृणम् १७. शीतम् ५. तेज ५. वायु १३ शनि दृष्टिरुत्तरे । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं १०३ सत्यं ।।. धर्म १।।. पाप १८। ग्रहणं नास्ति ।

भैरव भवानी संवाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	४१
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्षेश लग्नम् ७।१८

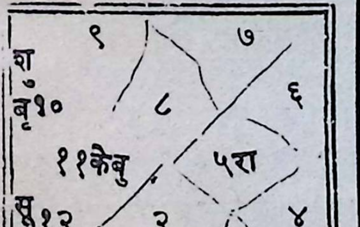

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से हाथ जोड़ सिर नाय ।
नया वर्ष अब आइया कहो हाल समझाय ।।

भवानी उत्तर

सुन भैरव माता कहे संवत् सर का हाल ।
ग्रह योगों से देखतां मध्यम निपजे माल ।।
राजा भृगु मंत्री गुरु है यह सुन्दर योग ।
नरनारी आनन्द से भोगें उत्तम भोग ।।
आगे कुज पीछे रवि श्रावण भादों मास ।
कर वर्षा की खेंच कहीं करे धान्य का नाश ।।
समयनिवासो वणिक्घर रोहिणी संधिवास ।
कमती कर शुभ फलों को करें आश का नाश ।।
नीच राशि के गुरूजी प्रथम दिखायें काल ।
मंत्रीपद के कारणें पीछे करें सुकाल ।।
दश विश्वा संवत् बना वर्षा विश्वा बाण(५)।
धान्यपति भृगुजी भये हो न धान्य की हान ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ४।२१

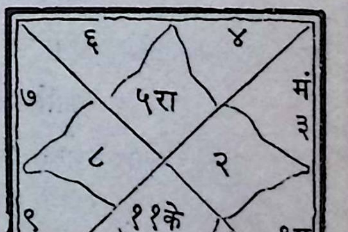

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २३।५९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१८।२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भृगुस्तत्फलम्–शुक्रस्य राज्ये बहु सस्यसंकुला स्वतीव्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः फलंति वृक्षाः बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुता ।। मंत्री गुरुस्तत्फलम्–विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिता भवेत् । नृपतयो जन-पालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्री समागते ।। सस्येशो रविस्तत्फलम्–सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं-धान्यसमर्घं बहवोऽपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंचसस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशो शुक्रस्तत्फलम्–भृगौपश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्याः समर्घतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम्–अमृतरश्मि सुते यदि-वारिपे बहुजलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसा विविध सौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशो भौमस्तत्फलम्–यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरसराशियुता जनताशुभा । नरपतिविषमो जनतापदो न जलदो बहुवृष्टिकरोभुवि ।। नीरसेशो शनिस्तत्फलं–त्रपुपिण्डादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तूनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसायके ।। फलेशो बुधस्तत्फलम्–यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधराः जलराशिमुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्यमुदान्विताः ।। धनेशः शनिस्तत्फलम्–द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरताः धरणीपतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्–विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ।। वर्ष नाम आषाढस्तत्फलम्–अर्घं महर्घतां याति धन धान्यं समंभवेत् । आषाढे स्वल्पवृष्टिश्च तुषधान्य महर्घतां ।। आनन्द नाम संवत्सरस्तत्फलम्–आनन्दाब्देऽखिलालोकाः सर्वदानन्द चेतसः । राजानः सुखिनः सर्वे वत्सरे मेदिनी शिवम् ।। मेघनाम संवर्तस्तत्फलं–संवर्ते जलपूरिता । रोहिणीनिवासः संधौ फलं–खंड वृष्टिश्च संधिषु । समयनिवासो वणिक्गृहे फलम्–वणिक्गृहे शुभं नास्ति । ज्येष्ठो ऽधिकमासस्तत्फलम्–विड्वरं भूमिपाद् भीतिस्तस्करादि भयं भवेत् । घृतं तैलं तथा धान्यं समर्घं स्याद्द्विज्येष्ठके ।। एवसंचित्यदैवज्ञैः कथनीयंशुभाशुभम् ।

संवत् २०१८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

वैं. शुक्ला. १३ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो. ८ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।

ज्येष्ठ मासः

प्र. ज्ये. कृ ४ गुरौ मूले ल. गो. ८ रे.८ ।।।।ऽग्नि.।ऽकेतु।।
द्वि. ज्ये. शु. ७ भौमे उ. फा. यां. ल. अ. रे. ८ ऽ।।।।।ऽशूल।।
,, ,, ८ बुधे हस्ते ल. २ रे.८ ।।।।ऽज्वो.।शूल।।दग्धा. राहु पूज्य
,, ,, ९ गुरौ हस्ते ल. अ. रे. ९।।।।।।ऽशूल।।
,, ,, १३ चंद्रे अनु. यां. ल. अ. रे. ७ ऽऽ।।।ऽग्नि।।।।

आषाढ मासः

आ. कृ. ७ भौमे उ.भा.यां. ल.ऽन्यगो. रे.८ऽ।।।।।।ऽमोह।।

कार्तिक मासः

कार्ति. शु. ११ शनौ रेवत्यां ल. ६ रे. ७ ऽ।।।।ऽग्नि.ऽ।।
,, ,, १२ सू. रेवत्यां ल.३ रे.१० ।।।।।।।।।। गुरुपूज्यः
,, ,, १५ बुधे रो. ल. ५ रे. ६ ।।।ऽऽऽज्वो.।दंड।। गुरोः पादवेधाऽभावः

मार्गशीर्ष मासः

मार्ग. कृ. १ गुरौ रोहिण्यां ल. ३ रे. ८।।।ऽऽ।।दंड।। गुरोः पादवेधाभावः गुरुपूज्यः
मार्ग. कृ. ९ शुक्रे उ.फा.यां. ल. ऽन्यगो. ५ रे. ७ ऽ।।।ऽज्वो. ।ऽकंपा।।
,, ,, ११ चंद्रे स्वात्यां ल. ५ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

फा. कृ. ८ बुधे मूले ल.८ रे.८ ।।।।ऽऽ।।घ.४४।३२उप.
,, ,, ९ गुरौ मूले ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽरो.ऽऽ।
फा. शु. १ बुधे उ. भा. यां. ल. ८-९ रे. १० ।।।।।।।।।
,, ,, २ गुरौ रेवत्यां ल. ८-९ रे. ८ ।।।।।ऽज्वोऽ।।।
,, ,, ६ सूर्ये रोहिण्यां ल. ८ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। घ. ४३।३० उप. चं. ७ पू.

वर्षेऽस्मिन् नवलदुर्गे ग्रहणाऽभावः

सूचना—इस वर्ष भारत में दो अदृश्य ग्रहण होंगे । जो दिखाई न देने से अमान्य हैं । श्रावण शुक्ला १५ पूर्णिमा शनिवार को खंडग्रास चन्द्रग्रहण है जिसका स्पर्श मोक्षादिकाल रेल्वे समय प्रातः यह है, ७।११ स्पर्शकाल ८।४४ मध्यकाल १०।१७ मोक्षकाल है । अतः जहां सूर्योदय रेल्वे ७।११ से बाद होगा, ग्रस्तास्त ग्रहण होगा । अन्यत्र नहीं । इसी तरह माघ कृष्णा १४ सूर्यवार को अदृश्य सूर्यग्रहण होगा जिसका स्पर्शकाल रेल्वे ३।३० बजे रात्रि में होगा और मोक्ष रात्रि में ४।५४ बजे ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २५३८ सन् १९६१
१	शु	३६	५८	उ	४१	४	शु	३९	५३	किं	१०	३०	२९/५४	६/२	५/५८	१७	३	२९	मीने	उभायां रविः ३२/५८ संवत्सराम्भः नवरात्रा
२	श	३१	१६	रे	३७	४०	ब्र	३२	४९	बा	४	७	५६	१	५९	१८	४	३०	मे.३७।४०	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	२७	११	अ	३५	५०	ऐं	२७	१२	ग	२७	११	५८	१	५९	१९	५	१	मेषे	भ. ५६/५१ उ. शते बुधः ३३/५६ गणगौरी पू.*
४	चं	२५	१२	भ	३६	१७	वै	२३	१	वि	२५	१२	३०/०	०	६/०	२०	६	२	वृ ५१।५३	भ. २५।१२ या. वक्री भृगुः ४२।४१
५	मं	२५	१९	कृ	३८	४०	वि	२०	५१	बा	२५	१९	३०/२	०	०	२१	७	३	बृषे	कल्पादिः *सब्वाल १०
६	बु	२७	४२	रो	४२	४४	प्री	२०	१०	तै	२७	४२	६	५/५९	१	२२	८	४	बृषे	
७	गु	३१	३७	मृ	४८	४२	आ	२०	४५	व	३१	३७	११	५८	२	२३	९	५	मि१५।४३	भ. ३१।३७ उ.
८	शु	३७	५	आ	५५	३६	सौ	२२	१६	वि	४	२१	१६	५७	३	२४	१०	६	मिथुने	भ. ४।२१ या.
९	श	४३	१	पु	६०	०	शो	२४	२१	बा	१०	३	२०	५६	४	२५	११	७	क.४५।५४	रामनवमी
१०	र	४९	३५	पु	२	४०	अ	२६	४०	तै	१६	१८	२३	५६	४	२६	१२	८	कर्के	
११	चं	५५	४८	पु	१०	४४	सु	२९	११	व	२२	४१	२८	५५	५	२७	१३	९	कर्के	भ.२२।४१ या.५५।४८उ. कामदा११ब्र.
१२	मं	६०	०	श्ले	१७	४९	धृ	३१	२	ब	२८	३६	३२	५४	६	२८	१४	१०	सिं१७।४९	कामदा ११ ब्र. निं.
१२	बु	१	२४	म	२४	२०	शू	३२	७	बा	१	२४	३४	५३	७	२९	१५	११	सिंहे	प्रदोषः ×२४।११ रेवत्यांरविः४९।४६
१३	गु	६	१	पू	२९	४३	गं	३२	१८	तै	६	१	३८	५३	७	३०	१६	१२	कं.४५।४४	पुनर्वसौ भौमः ३३।५९ पूभायां बुधः×
१४	शु	९	२३	उ	३३	५१	वृ	३१	३१	व	९	२३	४२	५२	८	३१	१७	१३	कन्यायां	भ. ९।२३ या. ४०।२३ उ.
१५	श	११	२४	ह	३६	३८	ध्रु	२९	५२	ब	११	२४	४७	५१	९	१	१८	१४	कन्यायां	**अप्रेल मा. ४ ता. ३०** हनुमज्जयंती

५०पं चै.शु.६ बु.इ.१०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	.२	१०	९	०	९	४	११
८	१६	१०	७	५	४	११	८
५	४०	२२	५४	४७	३६	४७	३
५६	४८	५९	२५	२०	४०	.६	१८
५९	२४	५७	९	३/६	४	३	५९
३५	२७	७	४५	ब	४०	११	२९

गोचरग्रहाः

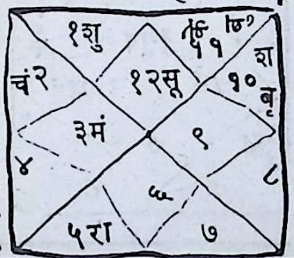

इस मास का फल अच्छा रहेगा प्रजा में सुख, शांति, चांदी, रूई धान्यादि के भावों में मंदी रहेगी।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.शु.१२बु.इ.१०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	९	०	९	४	११
१५	१९	१८	९	४	५	११	१४
२	२३	२७	१	२१	५	२४	५९
१	२	२९	५९	५०	१३	५०	१३
५९	२६	७५	८	२/५९	४	३	५९
१८	३६	२६	५९	ब	७	११	१६

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	बसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्रः
१	र	११	५३	चि	३८	१८	व्या	२७	९	कौ	११	५३	३०/५१	५/५०	६/१०	२	१९	१५	तु.७।२८	
२	चं	११	३१	स्वा	३८	५१	ह	२३	३७	ग	११	३१	५६	४९	११	३	२०	१६	तुलायां	भ. ४०।४३ उ.
३	मं	९	५५	वि	३८	३०	व	१९	२७	वि	९	५५	३१/०	४८	१२	४	२१	१७	बृ.२३।४१	भ.९।५५या. श्रवणे१ गुरुः४४।१३ च.ब्र.
४	बु	७	२५	अ	३७	२७	सि	१४	३०	बा	७	२५	४	४७	१३	५	२२	१८	बृश्चिके	
५	गु	४	१९	ज्ये	३५	४६	व्य	९	०	तै	४	१९	८	४७	१३	६	२३	१९	ध.३५।४६	मीने बुधः १४।२०
६	शु	०	३८	मू	३३	२४	व	१०/३	५३/३६	ग	०	३८	१२	४६	१४	७	२४	२०	धनुषि	भ.३८/० उ.५८/२७ या. वक्रीरेवत्यांमीनेशुक्रः ३५/२२ प. अ. शु.
७	शु	५५	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	श	५१	३३	पू	३०	३३	शि	४९	५१	बा	२३	५६	१६	४५	१५	८	२५	२१	म.४४।४१	पश्चिमास्तोभृगुः३९।३६उभायांबुधः३६/५४
९	र	४६	१२	उ	२७	७	सि	४२	२६	तै	१८	५३	२०	४४	१६	९	२६	२२	मकरे	
१०	चं	४०	२५	श्र	२३	१६	सा	३४	४८	व	१३	१८	२४	४३	१७	१०	२७	२३	कु.५१।४	भ. १३।१८ उ. ४०।२५ या.
११	मं	३४	१४	ध	१८	५३	शु	२६	४१	ब	७	२०	२८	४२	१८	११	२८	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ ब्र.
१२	बु	२७	४३	श	१४	१६	शु	१८	४३	कौ	०	५८	३२	४२	१८	१२	२९	२५	मी५५।५१	प्रदोषः
१३	गु	२१	२५	पू	९	२	ब्र	१०	४४	व	२१	२५	३६	४१	१९	१३	३०	२६	मीने	भ.२१।२५उ.४८।२७या.मेषेऽर्कः२४।१९×
१४	शु	१५	२९	उ	६	१४	ऐं	१६/३	५१/३	श	१५	२९	४०	४०	२०	१४	१	२७	मीने	×शुक्रोदयः पूर्वस्यां पु. उ. शु.
३०	श	१०	१८	रे	३	१	वि	५०	३३	ना	१०	१८	४३	३९	२१	१५	२	२८	मे. ३।१	

५२पं. वै.कृ.४ बु.इ.१०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	९	०	९	४	११
२१	२२	२८	१०	१	५	११	२१
५६	१८	२४	३	११	२९	२	५३
१२	२२	२२	३६	२०	३८	३५	२८
५९	२८	९०	८	३३/३	३	३	५९
४	२४	३१	५	ब	२६	११	४

गोचरग्रहाः

वैशाख कृष्ण १३ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव मंदा) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

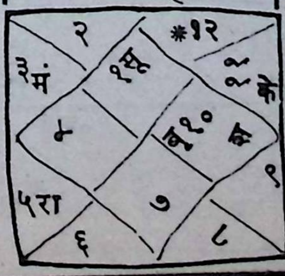

१पं.वै.कृ.१३बृ.इ.२६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	९	११	९	४	०
०	२५	११	११	२६	५	१०	०
२	५८	४७	११	७	५५	३६	०
२१	२६	५६	१०	१०	४१	०	०
५८	३०	७०/०	६	३५/१२	२	३	५८
४५	८	२	५२	ब	३९	११	४४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५६८सन् १९६१
१	र	६	१५	अ	१	४४	प्री	४५	५६	ब	६	१५	३५/४७	५/३९	६/२१	१६	३	२९	मेषे	रेवत्यां बुधः ११।५८ चन्द्रदर्शनम्
२	चं	३	५८	भ	०	३५	आ	४२	४४	कौ	३	५०	५०	३८	२२	१७	४	१	वृ. १५।५५	जिल्काद ११ परशुराम जयंती
३	मं	३	२४	कृ	१	५४	सौ	४१	८	ग	३	२४	५४	३७	२३	१८	५	२	वृषे	भ. ३४।१० उ. अक्षया ३
४	बु	४	५६	रो	५	६	शो	४०	३६	वि	४	५६	५८	३६	२४	१९	६	३	मि ३७।२६	भ. ४।५६ या. पूर्वास्तो बुधः ४९।३१
५	गु	८	५	मृ	९	४७	अ	४१	३४	बा	८	५	३२	३६	२४	२०	७	४	मिथुने	
६	शु	१२	४९	आ	१६	११	सु	४३	९	तै	१२	४९	६	३५	२५	२१	८	५	मिथुने	कर्के भौमः ५५।२
७	श	१८	१९	पु	२३	६	धृ	४५	२९	व	१८	१९	१०	३४	२६	२२	९	६	क. ६।२२	भ. १८।१९ उ. ५१।३१ या.
८	र	२४	४४	पु	३०	५०	शू	४७	५४	ब	२४	४४	१४	३३	२७	२३	१०	७	कर्के	अश्वि. मेषे बुधः १७।३५
९	चं	३०	४९	श्ले	३८	१२	गं	५०	२	कौ	३०	४९	१८	३२	२८	२४	११	८	सिं ३८।१२	मघायां३ राहुः शते१ केतुः ४४।३५ पात-=स्पर्शः २६।५ पातमोक्षः ४६।३१
१०	मं	३५	३१	म	४५	०	वृ	५१	४२	तै	३	१०	२२	३२	२८	२५	१२	९	सिंहे	
११	बु	४१	१३	पू	५०	२८	ध्रु	५२	१५	व	८	२२	२६	३१	२९	२६	१३	१०	सिंहे	भ. ८।२२ उ. ४१।१३ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	गु	४४	१८	उ	५४	४३	व्या	५१	४८	ब	१२	४५	२९	३०	३०	२७	१४	११	कं. ६।३२	भरण्यां रविः ५।४१
१३	शु	४५	५८	ह	५७	१५	ह	४९	५४	कौ	१५	८	३२	३०	३०	२८	१५	१२	कन्यायां	पुष्ये भौमः ४७।१६ प्रदोषः
१४	श	४५	४६	चि	५८	२०	व	४६	४५	ग	१५	५२	३६	२९	३१	२९	१६	१३	तु. २७।४७	भ. ४५।४६ उ. भरण्यां बुधः ४१।५६
१५	र	४४	५	स्वा	५८	५	सि	४२	४०	वि	१४	५६	४०	२८	३२	३०	१७	१४	तुलायां	भ. १४।५६ या. जलकुंभदान-अन्नदान.

२पं.वै.शु. ५बृ.इ.२७।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	९	११	९	४	०
६	२९	२४	११	२२	६	१०	६
५२	१४	२७	८	१४	१०	१३	५०
३१	३१	११	४१	१८	४४	४४	३७
५८	३१	[illegible]	५	[illegible]	२	३	५८
२९	०	[illegible]	५२	व	०	११	३१

गोचरग्रहाः

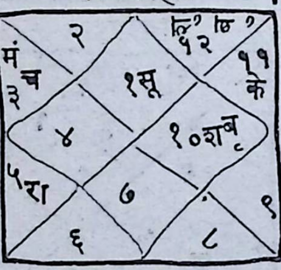

इस मास में पांच रविवार हैं, जो साधारण है। जो धान्यादि के भावों में मंदी का असर करेगी पंजार्कवासरे

गोचरग्रहाः

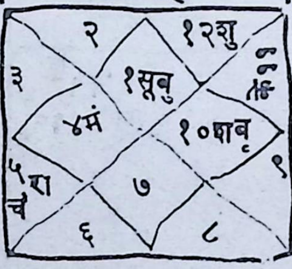

३पं.वै.शु.१२ बृ.इ.२७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	९	११	९	४	०
१३	२	८	१२	२०	६	९	१३
४०	३७	२५	३८	२	२१	५१	३९
५६	२३	३४	२८	६	४	२८	४३
५८	३२	[illegible]	४	[illegible]	१	३	५८
१२	०	५०	४७	व	२०	११	१९

ति.	प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०१८ शाकः १८८३												दि.	अ.	उ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४१	१२	वि	५६	३०	व्य	३७	१८	बा	१२	२४	३२/४३	५/२७	६/३३	१	१८	१५	वृ. ४१।५४	मई मा. ५ ता. ३१ मार्गीशुक्रः ५२।२९
२	मं	३७	१४	अ	५३	४९	ह	३१	१२	तै	९	१३	४७	२७	३३	२	१९	१६	वृश्चिके	
३	बु	३२	२६	ज्ये	५१	४	प	२४	४१	व	४	५०	५०	२६	३४	३	२०	१७	ध. ५।१४	भ. ४।५० उ. ३२।२६ या. चं. व्र.
४	गु	२७	२१	मू	४७	४८	शि	१७	४५	बा	२७	२१	५४	२५	३५	४	२१	१८	धनुषि	
५	शु	२१	५६	पू	४४	२४	सि	१०	३३	तै	२१	५६	५७	२५	३५	५	२२	१९	म. ५८।३२	कृतिकायां बुधः ५७।२३
६	श	१६	४५	उ	४०	५६	सा	३/२९	५२/५५	व	१६	४५	३३/०	२४	३६	६	२३	२०	मकरे	भ. १६।४५ उ. ४४।१ या.
७	र	११	१७	श्र	३७	२९	शु	४९	३०	ब	११	१७	३	२३	३७	७	२४	२१	मकरे	वृषेबुधः ३१।३९ श्रवणे २ गुरुः १४।१६
८	चं	६	१४	ध	३४	१६	ब्र	४२	१३	कौ	६	१४	६	२३	३७	८	२५	२२	कु. ५।५३	
९	मं	०	५७	श	३१	५	ऐं	३५	४७	ग	०	५७	९	२२	३८	९	२६	२३	कुम्भे	भ. २८।२८ उ. ५५।५५ या.
१०	मं	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	बु	५१	११	पू	२८	११	वै	२९	१४	ब	२३	३३	१२	२२	३८	१०	२७	२४	मी १३।५५	वक्रीशनिः ३/५६ कृतिकायां रविः ५३।३६*
१२	गु	४६	५३	उ	२५	३३	वि	२३	१२	कौ	१९	२	१६	२१	३९	११	२८	२५	मीने	अपरा ११ व्र. वै.नि. *अपरा ११ व्र.स्मा.
१३	शु	४३	१५	रे	२३	४०	प्री	१७	११	ग	१५	४	१९	२०	४०	१२	२९	२६	मे. २३।४०	भ. ४/५ ३/५ उ. रोहिण्यां बुधः ११।५८ प्रदोषः
१४	श	४०	१६	अ	२२	३३	आ	१२	२७	वि	११	४५	२२	२०	४०	१३	३०	२७	मेषे	भ. ११।४५ या. पश्चिमोदयंबुधः २।५७
३०	र	३८	४१	भ	२२	२२	सौ	८	२९	च	९	२८	२४	१९	४१	१४	३१	२८	बृ. ३७।३८	बृषेऽर्कः २१।२३ वट पूजनम्

४पं.प्र.ज्ये.कृ.४बृ.इ.२७।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	९	११	९	४	०
२०	६	२३	१३	१९	६	९	२०
२७	७	२९	९	३५	२७	२९	२७
३६	४१	१७	५४	३८	०	१३	२१
५७	३२	[illegible]	३	[illegible]	०	३	५८
५७	५३	[illegible]	३८	मा	३८	११	६

गोचरग्रहाः

प्र.ज्येष्ठ कृ. ३० सूर्यें वृषेऽर्कः प्र. वा.४न.४ पुत्रवत्सलावस्था (सूती) मु.१५[धान्यभाव तेज]शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

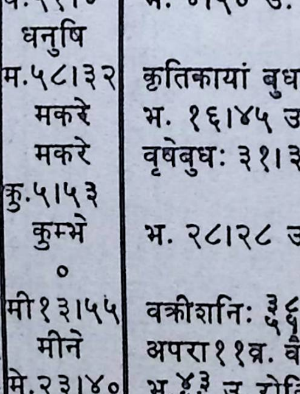

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१२बृ.इ.२७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	९	११	९	४	०
२७	९	८	१३	२१	६	९	२७
१२	४४	२९	३३	६	२७	६	१३
५०	५३	२४	४०	५८	५०	५७	३६
५७	३३	[illegible]	२	२०	[illegible]	३	५७
४५	३८	४८	१७	५०	व	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२५९७ स.१९६१
१	चं	३९	८	कृ	२३	२७	शो	५	२२	किं	८	५४	३३/२७	५/१९	६/४५	१५	१	२९	बृषे	पुरुषात्तम मासारम्भः
२	मं	४०	३१	रो	२९	३	अ	३	३९	बा	९	४९	३०	१८	४२	१६	२	३०	मि५९।७	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	४२	४४	मृ	३१	१०	सु	२	४३	तै	११	३७	३३	१७	४३	१७	३	१	मिथुने	जिल्हेज १२
४	गु	४७	९	आ	३६	२४	धृ	२	५९	व	१४	५६	३६	१७	४३	१८	४	२	मिथुने	भ. १४।५६ उ. ३७।९ या.
५	शु	५२	१८	पु	४२	५२	शू	४	१४	ब	१९	४३	३८	१६	४४	१९	५	३	क.२६।१५	मृगशीर्षे बुधः २०।१८
६	श	५८	२७	पु	५०	२६	गं	६	२४	कौ	२५	२३	४०	१६	४४	२०	६	४	कर्के	
७	र	६०	०	श्ले	५७	५२	वृ	८	४७	ग	३१	३५	४३	१५	४५	२१	७	५	सि५७।५२	
७	चं	४	४३	म	६०	०	ध्रु	११	५६	व	८	४३	४८	१५	४५	२२	८	६	सिंहे	भ. ४।४३ उ. ३७।३७ या.
८	मं	१०	३१	म	५	१२	व्या	१३	१०	ब	१०	३१	४६	१४	४६	२३	९	७	सिंहे	मिथुने बुधः ३३।३४
९	बु	१५	२६	पू	११	३५	ह	१४	३२	कौ	१५	२६	५०	१४	४६	२४	१०	८	कं.२७।४९	वक्री गुरुः १/३८ रोहिण्यां रविः ४७/३२ आश्ले.×
१०	गु	१९	४	उ	१६	३२	व	१४	४०	ग	१९	४	५२	१४	४६	२५	११	९	कन्यायां	भ. ४०।१ उ. ×भौमः ३०।४
११	शु	२०	५८	ह	१९	२३	सि	१३	३२	वि	२०	५८	५४	१३	४७	२६	१२	१०	तु.५०।२१	भ. २०।५८ या. कमला ११ ब्र.
१२	श	२०	४७	चि	२१	१९	व्य	१०	५३	बा	२०	४७	५६	१३	४७	२७	१३	११	तुलायां	प्रदोषः
१३	र	१८	४९	स्वा	२०	५४	व	६	४४	तै	१८	४९	५८	१२	४८	२८	१४	१२	तुलायाँ	मेषेऽश्विन्यां भृगुः ५/५९ आर्द्रायां बुधः ३१/३७
१४	चं	१५	३	वि	१८	४७	प	५/११	५४/१८	व	१५	३	३४/०	१२	४८	२९	१५	१३	वृ.३।४७	भ. १५।३ उ. ४२।२६ या.
१५	मं	९	४९	अ	१५	५९	शि	४६	५१	ब	९	४९	२	१२	४८	३०	१६	१४	बृश्चिके	

६पं. प्र.ज्ये.शु. ४ बृ.इ २७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	९	११	९	४	१
३	१३	२१	१३	२४	६	८	३
५६	२६	४८	४७	३	२४	४४	५८
२८	४२	४	४८	०	१४	१२	२८
५७	२४	५/०	०	३२	५०	३	५७
३४	१२	७	५८	२६	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

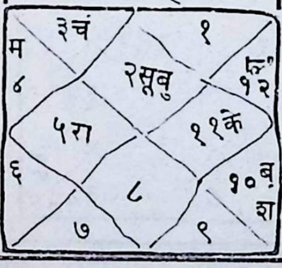

अधिक ज्येष्ठ मास का फल साधारण है धान्यादि पदार्थ तेज एरंडा तेज रुई चांदी सोना में घटा बढ़ी।

गोचरग्रहाः

७पं.प्र.ज्ये.शु.१०बृ.इ २७/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	९	११	९	४	१
१०	१७	२	१३	२८	६	८	१०
३८	१३	३८	५३	१२	१६	२२	४२
३९	३४	४९	६	०	१२	२६	१४
५७	३४	८३	१५/०	४१	३५/१	३	५७
२३	४८	१९	व	१२	व	११	३७

ति.	द्वि. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणे प्र.ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	बु	३	१८	ज्ये	१०	४९	सा	३८	२७	कौ	३	१८	३४/४	५/११	६/४९	३१	१७	१५	वृ.१०।४९	
२	बु	५३	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	४९	१४	मू	५	५०	शु	२९	५९	व	२२	१९	६	११	४१	१	१८	१६	धनुषि	भ.२२।५९ उ.४९/१४ या. जून मा.६ता.३०
४	शु	४२	८	पू	४२	५५/७	शु	२१	३३	ब	१५	४१	७	११	४१	२	१९	१७	म.१६।५८	चतुर्थी ब्र.
५	श	३५	२१	श्र	५१	१०	ब्र	१३	१२	कौ	८	४४	८	११	४९	३	२०	१८	मकरे	
६	र	२८	५४	ध	४७	१२	ऐं	५/२६	५१/४१	ग	२	७	१०	१०	५०	४	२१	१९	कुं.१९।११	भ. २८।५४ उ. ५६।१५ या.
७	चं	२३	३६	श	४३	४९	वि	५१	३०	ब	२३	३६	१२	१०	५०	५	२२	२०	कुम्भे	
८	मं	१८	५९	पू	४१	३४	प्री	४५	१३	कौ	१८	१९	१३	१०	५०	६	२३	२१	मी२७।७	
९	बु	१४	५४	उ	३९	४६	आ	३९	२६	ग	१४	५४	१४	९	५१	७	२४	२२	मीने	भ. ४३।१९ उ. मृगे रविः ४६।२१
१०	गु	११	४४	रे	३७	३१	सौ	३५	२	वि	११	४४	१६	९	५१	८	२५	२३	मे.३७।३१	भ. ११।४४ या.
११	शु	९	२५	अ	३८	५०	शो	३१	६	बा	९	२५	१७	९	५१	९	२६	२४	मेषे	कमला ११ ब्र.
१२	श	७	५०	भ	३९	५४	अ	२८	४	तै	७	५०	१८	८	५२	१०	२७	२५	बृ.५५।१०	प्रदोषः
१३	र	७	४४	कृ	४१	०	सु	२५	४९	व	७	४४	१८	८	५२	११	२८	२६	बृषे	भ. ७।४४ उ. ३८।१
१४	चं	८	१८	रो	४५	८	धृ	२४	२९	श	८	१८	१९	८	५२	१२	२९	२७	बृषे	वक्री बुधः ५६।२५
३०	मं	१०	३५	मृ	४९	४९	शू	२४	३	ना	१०	१५	२०	८	५२	१३	३०	२८	मि१७।२८	भरण्यां शुक्रः ३७/३० वक्री श्रवणे १ गुरुः ४१/५१

८पं.द्वि.ज्ये कृ.३बृ.इ. २८/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	९	०	९	४	१
१७	२१	१०	१३	३	६	८	५७
१९	५	४६	४८	१३	३	०	२५
४५	६	५	११	५५	२२	१०	८
५७	२५	५२	३६/१	४७	१२/२	३	५७
१३	३३	२७	ब	५८	ब	११	३७

गोचरग्रहाः

मास फल साधारण है। कहीं २ साधारण बूंदाबांदी होने की संभावना है। धूप भी अधिक पड़ेगी

गोचरग्रहाः

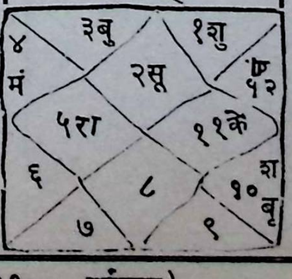

९पं. द्वि ज्ये.कृ.११बृ.इ. २८/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	९	०	९	४	१
२३	२४	१५	१३	८	५	७	२४
५९	५९	३५	३४	४३	४५	३७	७
४१	३८	१३	४४	४८	४०	५५	१०
५७	३५	१९	५५/२	५३	५०/२	३	५७
५	५३	३९	ब	१२	ब	११	२१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२६२७सन्१९६१
१	बु	१३	४४	आ	५५	२३	गं	२४	१५	ब	१३	४४	३४/२१	५/८	६/५२	१४	३१	२९	मिथुने	मिथुनेऽर्कः ४७।९ चंद्रदर्शन संभवः
२	गु	१८	३८	पु	६०	०	वृ	२५	३९	कौ	१८	३८	२२	८	५२	१५	१	१	क.४६।१०	मोहोरम १ सन् १३८१
३	शु	२३	२४	पु	२	५	ध्रु	२७	१८	ग	२३	२४	२२	८	५२	१६	२	२	कर्के	भ. ५६।३२ उ.
४	श	२९	४०	पु	९	२	व्या	२९	२८	वि	२९	४०	२२	८	५२	१७	३	३	कर्के	भ. ३९/४० या. मघायां सिंहे च भौमः ५०/४९
५	र	३५	४९	श्ले	१६	४४	ह	३२	२	ब	२	४४	२२	७	५३	१८	४	४	सिं१६।४४	पश्चिमास्तं बुधः ६।५
६	चं	४१	४९	म	२४	१२	व	३४	४०	कौ	८	४९	२३	७	५३	१९	५	५	सिंहे	
७	मं	४७	१८	पू	३१	१८	सि	३६	३०	ग	१४	२३	२३	७	५३	२०	६	६	कं.४७।४८	भ. ४७।१८
८	बु	५१	३२	उ	३७	१९	व्य	३७	३२	वि	१९	२५	२४	७	५३	२१	७	७	कन्यायां	भ. १९।२५ या. आर्द्रायां रविः४८।४१
९	गु	५४	११	ह	४१	५४	व	३७	२४	बा	२२	५१	२४	७	५३	२२	८	८	कन्यायां	
१०	शु	५४	५९	चि	४४	३८	प	३६	२	तै	२४	३४	२४	७	५३	२३	९	९	तु.१३।१६	गंगा १०
११	श	५३	४१	स्वा	४४	५६	शि	३३	१	व	२४	१९	२४	७	५३	२४	१०	१०	तुलायां	भ.२४/१९ उ.५३/४१या. निर्जला ११ ब्र. स्मा.
१२	र	५१	२०	वि	४४	१	सि	२८	१२	ब	२२	३१	२४	७	५३	२५	११	११	वृ.२९।१५	निर्जला ११ ब्र. वै. नि.
१३	चं	४५	४	अ	४१	३	सा	२१	५८	कौ	१८	१२	२३	७	५३	२६	१२	१२	वृश्चिके	मघा.२ राहुः धनिष्ठा४ केतुः४०/४७ प्रदोषः
१४	मं	३८	४	ज्ये	३६	११	शु	१४	१५	ग	११	३४	२३	७	५३	२७	१३	१३	ध.३६।११	भ. ३८।४ उ. कृतिकायां शुक्रः ३१।४७
१५	बु	३०	१३	मू	३०	८	शु	५/२२	५०/२९	वि	४	८	२३	७	५३	२८	१४	१४	धनुषि	भ. ४।८ या. गुर्जराणां वटसा. ब्र.

१०पं.द्वि.ज्ये.शु.२बृ.इ.२८/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	०	५	४	२
०	२८	१६	१३	१५	५	७	०
३८	५७	४८	१२	५	२५	१५	४८
५०	२८	३६	५०	१३	१९	३९	२७
५६	३६	११/६	४/३	५७	३/३२	३	५७
५७	३०	ब	ब	४	ब	११	१७

गोचरग्रहाः

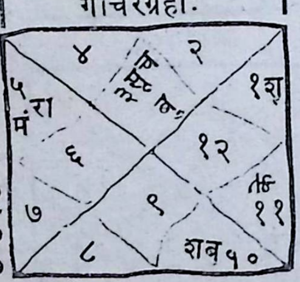

द्वि.ज्येष्ठशु.१बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४ न.५गतालकावस्था (ऊभी) मु. ५१ (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व ।

गोचरग्रहाः

११पं. द्वि.ज्ये.शु.९ बृ.इ.२८/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	०	९	४	२
७	२	१४	१२	२१	५	६	७
१७	५८	४५	४१	४४	१	५३	२९
१०	२६	५७	२८	३४	१	२४	२०
५६	३६	३०/८	५/११	६०	३/५०	३	५७
५४	५६	ब	ब	२७	ब	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे द्वि. ज्येष्ठकृष्णेतिमहा
१	गु	२१	१६	पू	२३	३०	ऐं	४६	५६	कौ	२१	१६	३४/२२	२/८	६/५२	२९	१५	१५	म.३६।४६	
२	शु	१२	१९	उ	१६	३५	वै	३६	२	ग	१२	१९	२१	८	५२	३०	१६	१६	मकरे	भ. ३७।५८ उ. बृषे भृगुः ४३।२८
३	श	३	३९	श्र	१०	३८	वि	२६	२४	वि	३	३९	२०	८	५२	१	१७	१७	कु.३७।५६	भ.३।३९या. जुलाई मा.७ता.३१ च.ब्र.
४	श	५१	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र	४८	२७	ध	५/१५	५४/१७	प्री	१७	२८	कौ	२२	२	१९	८	५२	२	१८	१८	कुम्भे	
६	चं	४२	२१	पू	५५	४१	आ	९	१२	ग	१५	२४	१८	८	५२	३	१९	१९	मी४१।३५	भ. ४२।२१ उ.
७	मं	३६	४१	उ	५३	१५	सौ	२/९	५४/२	वि	९	३१	१७	९	५१	४	२०	२०	मीने	भ. ९।३१ या.
८	बु	३४	२२	रे	५२	२०	अ	५१	१४	बा	५	३१	१६	९	५१	५	२१	२१	मे.५२।२०	पुनर्वसौ रविः ५२।४२
९	गु	३२	२४	अ	५२	२२	सु	४७	२३	तै	३	२१	१३	०	५१	६	२२	२२	मेषे	पूर्वोदयं बुधः ४१।२४
१०	शु	३२	२०	भ	५३	४५	ध्रु	४४	४१	व	२	१९	१२	१०	५०	७	२३	२३	मेषे	भ. २।१९ उ. ३२।२० या.
११	श	३२	२५	कृ	५६	१०	शू	४३	१४	ब	२	२२	१२	१०	५०	८	२४	२४	बृ.९।२१	योगिनी ११ ब्र.
१२	र	३४	१२	रो	६०	०	गं	४२	३२	कौ	३	१३	१०	१०	५०	९	२५	२५	बृषे	मार्गी बुधः ५७।७
१३	चं	३७	२२	रो	०	४९	वृ	४२	५४	ग	५	४७	८	१०	५०	१०	२६	२६	मि३३।१९	भ.३७/२२उ.रोहिण्यांशुक्रः२६/४५प्रदोषःपूफायां*
१४	मं	४१	१५	मृ	५	४९	ध्रु	४३	२९	वि	९	१८	६	११	४९	११	२७	२७	मिथुने	भ. ९।१८ या. *भौमः ११।१४ प्र.
३०	बु	४६	१३	आ	११	४१	व्या	३४	५२	च	१३	४४	५	११	४९	१२	२८	२८	मिथुने	

१२पं.आ.कृ.१बृ.इ.२७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	०	९	४	२
१३	७	१०	१२	२८	४	६	१४
५५	४	५७	३	४१	३४	३१	९
२२	१९	४८	१४	९	२३	८	४८
५६	३७	३६/४५	६/१४	६२	३/६	३	५७
५०	२५	ब	ब	३६	ब	११	७

गोचरग्रहाः

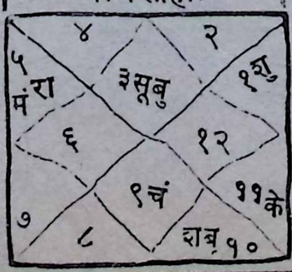

आषाढशु.३ रवौ कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न.५प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व ।

गोचरग्रहाः

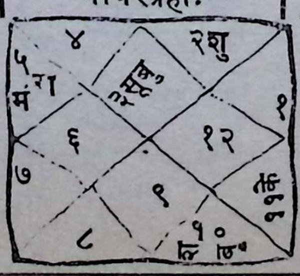

१३पं.आ.कृ.९ बृ.इ.२७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	१	९	४	२
२०	११	८	११	५	४	६	२०
३३	१३	७	१८	५२	६	८	५०
१६	८	२३	४०	४४	३६	५२	९
५६	३७	१७/५८	६/५	६४	४/२७	३	५७
५०	५२	ब	ब	२९	ब	११	७

 *मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६५६ स.१९६१
१	गु	५१	३३	पु	१८	२३	ह	४६	४१	किं	१८	५३	३४/४	५/११	६/४९	१३	२९	२९	क.११४३	
२	शु	५७	४०	पु	२५	३३	व	४८	५७	बा	२४	३६	२	१२	४८	१४	३०	३०	कर्के	
३	श	६०	०	श्ले	३३	९	सि	५१	२४	तै	३०	४६	३४/०	१२	४८	१५	३१	१	सि३३।९	चन्द्रदर्शनम् रथ यात्रा
३	र		३ ५३	म	४०	४७	व्य	५३	५२	ग	३	५३	३३/५८	१२	४८	१६	३२	२	सिंहे	सफर २
४	चं	१०	३	पू	४८	१४	व	५६	६	वि	१०	३	५६	१३	४७	१७	१	३	सिंहे	भ. ३६/५७ उ. वक्री उषायां २ शनिः ५६/२८*
५	मं	१५	४५	उ	५४	५१	प	५७	५९	बा	१५	४५	५४	१३	४७	१८	२	४	कं.४१५३	भ.१०।३या. वक्री उषा.४ गुरुः२५।३०
६	बु	२०	३५	ह	६०	०	शि	५८	४६	तै	२०	३५	५२	१४	४६	१९	३	५	कन्यायां	
७	गु	२४	१	ह	०	३०	सि	५८	२१	व	२४	१	५०	१४	४६	२०	४	६	तु.३२।४१	पुष्ये रविः ५६।७ *कर्केऽर्कः २५।२६
८	शु	२५	५९	चि	४	४३	सा	५६	४४	ब	२५	५९	४८	१४	४६	२१	५	७	तुलायां	भ. २४।१ उ. ५४।५९ या.
९	श	२५	५३	स्वा	६	४६	शु	५३	३२	कौ	२५	५३	४६	१५	४५	२२	६	८	वृ.५२।२०	
१०	र	२३	५७	वि	७	३१	शु	४८	४३	ग	२३	५७	४४	१५	४५	२३	७	९	वृश्चिके	मृगे शुक्रः ४०।३
११	चं	१९	५३	अ	५	५२	ब्र	४२	१४	वि	१९	५३	४१	१६	४४	२४	८	१०	वृश्चिके	भ. ५१।५५ उ.
१२	मं	१३	५०	ज्ये	३/३	५५/५३	ऐं	३४	२२	बा	१३	५०	३८	१६	४४	२५	९	११	ध.२।३३	भ. १९।५३ या. देवशयनी ११ व्र.
१३	बु	६	१४	पू	५०	४४	वै	२५	१८	तै	६	१४	३५	१७	४३	२६	१०	१२	धनुषि	पुनर्वसौबुधः ३१/४५ हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१४	बु	५०	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ. ५७।८ उ.
१५	गु	४७	२५	उ	४३	४	वि	१५	८	वि	२२	१७	३२	१८	४२	२७	११	१३	म.३।४८	भ २३/१७या. मन्वादिः व्यासपू. वायुपरीक्षा

१४पं. आ.शु. १बृ.इ. २७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	९	१	९	४	२
२७	१५	८	१०	१३	३	५	२७
११	२४	५१	२८	१९	३६	४६	३०
२३	२५	०	५९	१	११	३७	३३
५६	३८	१७/५७	७/३४	६६	४/३१	३	५७
५९	६	मा	ब	३	ब	११	३२

१५पं.आ.शु.७बृ.इ.२७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	९	१	९	४	३
३	१९	१३	९	२०	३	५	४
४९	३७	५८	३६	५१	४	२४	११
५०	४४	१	११	४	५	२१	१३
५६	३८	६३	७/५१	६७	४/३१	३	५७
५७	३	३४	ब	२६	ब	११	१५

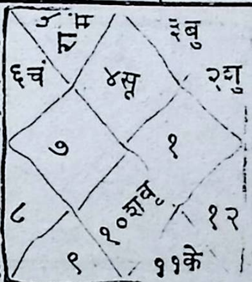

१६पं.आ.शु.१५ब.इ.२७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	९	१	९	४	३
१०	२३	२३	८	२८	२	५	१०
२९	५४	७	४१	३५	३३	२	५२
७	२२	३७	१६	३१	४	६	१९
५७	३८	९९	७/५०	६८	४/३६	३	५७
५	५४	९	ब	२८	ब	११	२०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३७	३०	श्र	३५	३२	प्री	४/३४	४९/७	बा	१२	२७	३३/२६	५/१८	६/४२	२८	१२	१४	मकरे	मिथुने शुक्रः ४१।२५
२	श	२७	४६	ध	२७	४२	सौ	४३	८	तै	२	३८	२६	१९	४१	२९	१३	१५	कु.१।३७	भ. ५३।११ उ.
३	र	१८	३६	श	२०	३८	शो	३२	५७	वि	१८	३६	२३	१९	४१	३०	१४	१६	कुम्भे	भ. १८।३६ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	१०	४५	पू	१४	२०	अ	२४	८	बा	१०	४५	२०	२०	४०	३१	१५	१७	मी०।५०	कर्के बुधः ३८।२३
५	मं	४	१२	उ	९	३५	सु	१६	१३	तै	४	१२	१७	२१	३९	१	१६	१८	मीने	भ.५९/४२उ.अगस्तमा.८ता.३१उफायांभौमः*
६	मं	५६	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५६	५२	रे	७	५१	धृ	९	५०	वि	२६	११	१५	२१	३९	२	१७	१९	मे.७।५१	भ.२६/११ या. पुष्ये बुधः २१/३ सार्पे रविः ५६/५५×
८	गु	५५	४८	अ	७	७	शू	४	४७	बा	२६	२०	१२	२२	३८	३	१८	२०	मेषे	आर्द्रायां शुक्रः ३/३८ *३३/५ नाग५मरुस्थले
९	शु	५६	३३	भ	७	५३	गं	२/२९	४७/५८	तै	२६	१०	९	२२	३८	४	१९	२१	वृ.२३।३३	
१०	श	५८	४३	कृ	१०	३८	ध्रु	५८	४४	व	२७	३८	६	२३	३९	५	२०	२२	वृषे	भ.२७/३८उ.५९/४३या. ×पूर्वास्तंबुधः३२।१५
११	र	६०	०	रो	१४	४७	व्या	५९	१२	ब	३०	३६	३	२३	३७	६	२१	२३	मि४७।२४	कन्यायांभौमः९।४२ कामिका११व्र.स्मा.
११	चं	२	२९	मृ	२०	२	ह	६०	०	बा	२	२९	३३/०	२४	३६	७	२२	२४	मिथुने	कामिका ११ व्र. वै.
१२	मं	७	७	आ	२६	१५	ह	०	१७	तै	७	७	३२/५७	२५	३५	८	२३	२५	मिथुने	अश्लेषायां बुधः ५७।४६ प्रदोषः
१३	बु	१२	५१	पु	३३	२३	व	२	११	व	१२	५१	५३	२५	३५	९	२४	२६	क.१६।३६	भ. १२।५१ उ. ४५।३७ या.
१४	गु	१८	२३	पु	४०	३९	सि	४	१२	श	१८	२३	५०	२६	३४	१०	२५	२७	कर्के	
३०	शु	२४	४६	श्ले	४८	७	व्य	६	३७	ना	२४	४६	४६	२७	३३	११	२६	२८	सिं४८।७	हरियाली ३०

१७पं.श्रा.कृ.८बृ.इ.२७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	९	२	९	४	३
१७	२८	५	७	६	२	४	१७
८	१३	२९	४८	२६	३	३९	३४
५५	५१	२	१८	५२	१८	५०	१
५७	३९	६८/०	७/४४	६९	४/१९	३	५७
१२	१२	५/४	ब	९	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

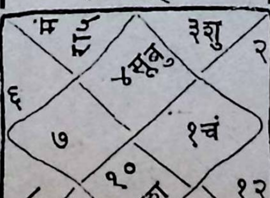

इस मास का फल मध्यम है सूर्य के आगे मंगल है यह वर्षा को रोकता है तेजी का जोर हो।

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ.१४बृ.इ.२७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	९	२	९	४	३
२३	२	१९	६	१४	१	४	२४
५०	३५	४२	५७	२५	३४	१७	१६
२	४२	२५	०	३४	५२	३४	२८
५७	३९	६८/१०	६/१६	७०	४/५	३	५७
१२	३५	५/३१	ब	८	ब	११	३३

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २६८६ सन् १९६१
१	श	३१	०	म	५५	३६	व	९	९	ब	३१	०	३२/४३	५/२७	६/३३	१२	२७	२९	सिंहे	वक्रा उषा. ३ गुरुः ४७।२८
२	र	३६	४[illegible]	पू	६०	०	प	११	२४	बा	३	५१	४०	२८	३२	१३	२८	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	४१	४६	पू	२	५०	शि	१३	३९	तै	९	१४	२६	२९	३१	१४	२९	१	कं.१९।३३	तीज रविलावल ३
४	मं	४७	३	उ	९	४१	सि	५	१९	व	१४	२४	३३	३०	३०	१५	३०	२	कन्यायां	भ.५४/४६ उ.४७/३ या. मघायां सिंहेबुधः २८।७*
५	बु	५०	५०	ह	१५	४५	सा	१६	१७	ब	१८	५७	२९	३०	३०	१६	३१	३	तु.४८।१०	सिंहेऽर्कः ५३/२३ नाग५ *पुनर्वसौशुक्र. ३०/२४
६	गु	५३	१५	चि	२०	३६	शु	१५	३९	कौ	२२	२	२६	३१	२९	१७	१	४	तुलायां	
७	शु	५३	५२	स्वा	२४	१२	शु	१४	५१	ग	२३	३३	२२	३२	२८	१८	२	५	तुलायां	भ. ५३।५२ उ.
८	श	५३	३९	वि	२६	११	ब्र	१२	५६	वि	२३	४६	१९	३२	२८	१९	३	६	वृ.१०।४२	भ ४३/४६ या. ×बुधः ३३/४९ पवित्रा ११ब्र.स्मा.
९	र	५१	१२	अ	२६	२९	ऐं	९	३८	बा	२२	२५	१५	३३	२९	२०	४	७	बृश्चिके	
१०	चं	४६	३५	ज्ये	२५	५	वै	४/५८	५३/४९	तै	१८	५२	१२	३४	२६	२१	५	८	ध.२५।५	
११	मं	४१	१	मू	२१	५२	प्री	५४	१२	व	१३	४८	८	३४	२६	२२	६	९	धनुषि	भ. ५३/४८ उ. ४५/५ या. हस्ते भौमः ३५/५५ पूफायां×
१२	बु	३३	२३	पू	१६	५४	आ	४३	३०	ब	७	१२	४	३५	२५	२३	७	१०	म.३०।३४	कर्के शुक्रः ५३/४३ पवित्रा ११ ब्र. वै.
१३	गु	२४	८	उ	१०	३३	सौ	३२	३९	तै	२४	८	०	३६	२४	२४	८	११	मकरे	प्रदोषः
१४	शु	१४	५४	श्र	३/२१	५२/२५	शो	२२	०	व	१४	५४	३१/५६	३७	२३	२५	९	१२	कुं.२७।५३	भ. १४।५४ उ. ४०।२४ या.
१५	श	५	५३	श	४७	१८	अ	११	१७	ब	५	५३	५२	३८	२२	२६	१०	१३	कुंभे	पुष्ये शुक्रः ४१।३७ रक्षाबंधनं श्राव.कर्म

१९पं.श्रा.शु.६बृ.इ.२६।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	९	२	९	४	४
०	७	३	६	२२	१	३	०
३२	०	५६	९	२८	९	५५	५९
१५	२९	२०	५८	५८	१४	१९	५१
५७	३९	९/८	३/३६	७०	४५/३	३	५७
३४	५३	९/९	व	४९	व	११	४०

गोचरग्रहाः

श्रावण शु.५ बुधे
सिंहेऽर्कः प्र.वा.४
न.५गताल्कावस्था
(ऊमी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व ।

गोचरग्रहाः

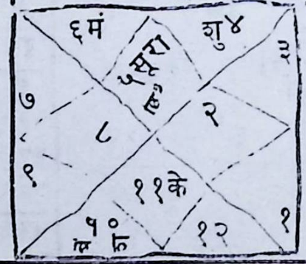

२०पं.श्रा.शु१३बृ.इ.२६।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	९	३	९	४	४
७	११	१७	५	०	०	३	७
१५	२८	१२	२८	३९	४६	३३	४४
४८	५	५७	४१	३२	१	१	१८
५७	४०	९/८	३/५७	७१	३/९	३	५७
४५	१०	५/३७	व	२२	व	११	४८

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४५	४४	पू	४०	८	सु	२०/०	४३/३	तै	२०	१८	३१/४८	५/३८	६/२२	२७	११	१४	मी२६।५६	×केतुः ३३।१५ पश्चिमोदयं बुधः ५३।१६
३	चं	३७	३९	उ	३३	५०	शू	४०	२८	व	११	४२	४४	३९	२१	२८	१२	१५	मीने	भ ५१/४२ उ. ३७/३९ या. मघा. १ राहुः धनि. ३×
४	मं	३१	२०	रे	२९	०	गं	३२	११	ब	४	३०	४०	४०	२०	२९	१३	१६	मे.२९।०	उफायां बुधः ४९।५५ च. ब्र.
५	बु	२६	५७	अ	२६	२३	वृ	२५	२६	तै	२६	५७	३६	४१	१९	३०	१४	१७	मेषे	पूफायां रविः ४४।१३ चंद्र ६
६	गु	२४	३०	भ	२५	२८	ध्रु	२०	१५	व	२४	३०	३२	४२	१८	३१	१५	१८	वृ.४०।४९	भ २४।३०उ ५४/२८या. कन्यायां बुधः ४५।३
७	शु	२४	२५	कृ	२६	५३	व्या	१६	५०	ब	२४	२५	२८	४२	१८	१	१६	१९	बृषे	सितम्बर मा.९ता.३० श्रीकृष्णजयंतीब्र.
८	श	२६	१६	रो	२९	१	ह	१५	१	कौ	२६	१६	२४	४३	१७	२	१७	२०	बृषे	मन्वादिः जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	र	२९	३५	मृ	३४	५८	व	१४	५६	ग	२९	३५	२१	४४	१६	३	१८	२१	मि१।५२	गोगा ९
१०	चं	३४	२९	आ	४१	१२	सि	१५	३४	व	२	२	१८	४४	१६	४	१९	२२	मिथुने	भ. २।२ उ. ३४।२९
११	मं	४०	२२	पु	४८	२९	व्य	१६	१५	ब	७	२५	१४	४५	१५	५	२०	२३	क.३१।४०	अजा ११ ब्र. स्मा.
१२	बु	४६	२९	पु	५५	४६	व	१९	४१	कौ	१३	२५	१०	४६	१४	६	२१	२४	कर्के	हस्ते बुधः ५४/४६ आश्लेषा.शुक्रः ५४/४६ वत्स१२
१३	गु	५२	५७	श्ले	६०	०	प	२२	४३	ग	१९	४३	६	४७	१३	७	२२	२५	कर्के	भ. ५२।५७ उ. प्रदोषः
१४	शु	५९	६	श्ले	३	२४	शि	२४	४८	वि	२६	१	२	४८	१२	८	२३	२६	सिं३।२४	भ. २६।१ या.
३०	श	६०	०	म	११	८	सि	२७	५	च	३१	५७	३०/५७	४९	११	९	२४	२७	सिंहे	कुशाग्रहणम्
३०	र	४	४९	पू	१७	५६	सा	२९	५	ना	४	४९	५२	५०	१०	१०	२५	२८	कं.३४।३०	

२१पं. भा.कृ.६बृ.इ.२६।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	९	३	९	४	४
१४	१५	२९	४	८	०	३	१४
१	५८	२८	५४	५४	२६	१०	२९
०	१२	१	४०	१७	३८	४८	५५
५७	४०	३०/०	४/२९	७१	३/३३	३	५८
५७	२१	९/१३	व	५०	व	११	१

गोचरग्रहाः

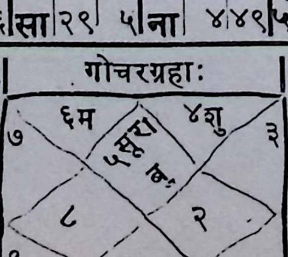

इस मास का फल सामान्य है रूई चांदी चावल आदि मंदे होंगे वर्षा कम और वायु अधिक

गोचरग्रहाः

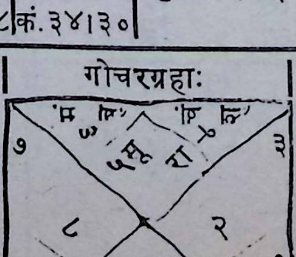

२२पं.भा.कृ.१३बृ.इ.२६।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	९	३	९	४	४
२०	२०	१०	४	१७	०	२	२१
४७	३०	४४	२८	१३	१०	४८	१६
४०	५४	२७	३७	२३	२६	३२	५८
५८	४०	९४	३/२६	७२	१/५७	३	५८
१२	३८	३८	व	११	व	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	चं	१०	४२	उ	२४	१३	शु	३०	१९	ब	१०	४२	३०/४८	५/५०	६/१०	११	२६	२९	कन्यायां
२	मं	१४	२	ह	२९	४५	शु	३२	३९	कौ	१४	२	४४	५१	९	१२	२७	१	कन्यायां
३	बु	१७	२३	चि	३३	३८	ब्र	३२	२	ग	१७	२३	४०	५२	८	१३	२८	२	तु.१।४१
४	गु	१९	२९	स्वा	३७	११	ऐं	३१	६	वि	१९	२९	३६	५३	७	१४	२९	३	तुलायां
५	शु	२०	३७	वि	३९	३६	वै	२९	२३	बा	२०	३७	३०	५४	६	१५	३०	४	बृ.२४।००
६	श	२०	२७	अ	४१	१४	वि	२६	५७	तै	२०	२७	२६	५५	५	१६	३१	५	वृश्चिके
७	र	१९	११	ज्ये	४१	५२	प्री	२३	१८	व	१९	११	२२	५६	४	१७	१	६	व.४१।५२
८	चं	१६	२९	मू	४०	३०	आ	१८	३०	ब	१६	२९	१८	५६	४	१८	२	७	धनुषि
९	मं	११	४९	पू	३७	४०	सौ	१२	३८	कौ	११	४९	१४	५७	३	१९	३	८	म.५१।३९
१०	बु	६	२४	उ	३३	३६	शो	५/३८	५५/५३	ग	६	२४	११	५८	२	२०	४	९	मकरे
११	बु	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	गु	५१	३२	श्र	२८	२३	सु	४८	४२	ब	२५	३१	८	५८	२	२१	५	१०	कु.५५।११
१३	शु	४३	५३	ध	२१	५८	धृ	३२	१	कौ	१७	१२	४	५९	१	२२	६	११	कुम्भे
१४	श	३४	९	श	१५	०	शू	२८	५०	ग	८	३१	०	६/२	०	२३	७	१२	मी५१।३५
१५	र	२४	४५	पू	७	४७	गं	१८	२८	ब	२४	४५	२९/५२	१	५/५९	२४	८	१३	मीने

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण: २७१६ स.१९६१
चित्रायां भौमः ३६।१२ चन्द्रदर्शनम्
रविलाखर ४
भ.४६उ. वक्री उषा.१ उफायां रविः ५२/४८*
भ. १९।२९ या. गणेश चतुर्थी
ऋषि५ *वक्रीउषा.१ धनुषिशनिः ३/३१
चित्रायां बुधः ७।१७ कन्यायामर्क५४।३
भ. १९।११ उ. ४७।५० या.
मघायां सिंहे च शुक्रः ४।२८
भ.५३/६ उ.५९/२ या. जलझूलनी ११ब्र. स्मा.
×नावतार हरिवासर जलझूलनी ११ब्र.वैनि
तुलायां भौमः ४५/७ तुलायां बुधः १९/६ वाम-×
प्रदोषः
भ. ३४।९ उ. ५९।२७ या. अनंत १४
महालयारंभः

२३पं. भा.शु.४व.इ.२६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	९	३	८	४	४
२७	२५	२०	४	२५	२९	२	२७
३६	६	५९	११	३६	५८	२६	५२
३	२	३८	१३	४३	४८	५६	२
५८	४१	८३	३/७	७२	९/२१	३	५८
२९	५	२६	ब	३२	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

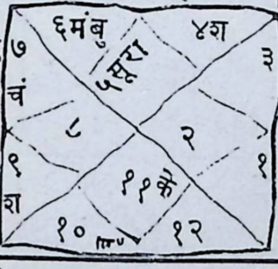

भाद्र. शु.६ शनौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५प्रगलभावस्था (बैठी)मु. १५ (धान्य भाव तेज)शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

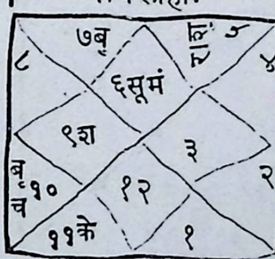

२४पं.भा.शु.१२बृ.इ.२६।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	९	४	८	४	५
४	२९	०	४	४	२९	२	४
२६	४५	९	२	५	५२	४	५४
१०	४०	३६	५३	२	२९	१	२४
५८	४१	७१	४०/०	७२	३३/०	३	५८
४५	२०	५	ब	५३	ब	११	३१

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	चं	१६	१७	उ	९/१२	५४/८	वृ	३/६	५०/५२	कौ	१६	१७	२९/५०	६/२	५/५८	२५	९	१४	मे.५५।२०
२	मं	९	३	अ	५१	०	व्या	५१	२२	ग	९	३	४६	३	५७	२६	१०	१५	मेषे
३	बु	३	३०	भ	४८	१४	ह	४४	३३	वि	३	३०	४२	४	५६	२७	११	१६	मेषे
४	बु	५६	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	गु	५८	२३	कृ	४७	४६	व	३९	२८	कौ	२९	५	३८	५	५५	२८	१२	१७	बृ. ३।७
६	शु	५८	४३	रो	४९	२०	सि	३६	१	ग	२८	३३	३४	५	५५	२९	१३	१८	वृषे
७	श	६०	०	मृ	५२	५७	व्य	३४	२४	वि	३०	१९	३०	६	५४	३०	१४	१९	मि२१।८
७	र	१	५४	आ	५८	१७	व	३४	२८	ब	१	५४	२६	७	५३	१	१५	२०	मिथुने
८	चं	६	९	पु	६०	०	प	३५	१४	कौ	६	९	२१	८	५२	२	१६	२१	क.४८।१९
९	मं	११	५५	पु	४	५९	शि	३७	२६	ग	११	५५	१८	९	५१	३	१७	२२	कर्के
१०	बु	१७	५९	पु	१२	२२	सि	३९	३५	वि	१७	५९	१४	०९	५१	४	१८	२३	कर्के
११	गु	२४	३५	श्ले	२०	६	सा	४२	१२	बा	२४	३५	१०	१०	५०	५	१९	२४	सिं२०।६
१२	शु	३०	५७	म	२७	४२	शु	४४	३१	तै	३०	५७	६	११	४९	६	२०	२५	सिंहे
१३	श	३६	३	पू	३४	४७	शु	४६	४७	ग	३	३०	४	११	४९	७	२१	२६	कं.५१।१८
१४	र	४१	१३	उ	४०	५२	ब्र	४७	४७	वि	८	३७	०	१२	४८	८	२२	२७	कन्यायां
३०	चं	४४	५१	ह	४५	४८	ऐं	४७	५६	च	१३	१	२८/५०	१३	४७	९	२३	२८	कन्यायां

शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
मार्गी गुरुः १०।४
भ. ३६।१७ उ.
भ.३/०या. स्वात्यां बुधः ४४/७ मार्गी शनिः*
भ. ५८।४३ उ. पूफायां शुक्रः ३।४३
भ.३०।१९या. *हस्ते रविः ३/१ च.ब्र.
अक्टूबर मा.१० ता.३१ स्वात्यां भौमः ४१/१४
भ. ४४।५७ उ.
भ. १७।५९ या.
इन्दिरा ११ ब्र.
भ.३६।३उ. युगादि प्रदोषः ×पितृ३०
भ. ८।३७ या. शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
उफायां शुक्रः ५६/२९ वक्री बुधः २९/४३ सर्व×

२५पं. आ.कृ.५बृ.इ.२६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	९	४	८	४	५
११	४	७	४	१२	२९	१	११
१८	२६	५०	४	३३	५०	४१	४६
१४	१२	४२	५२	३९	४९	४५	५५
५९	४१	५४	३५/०	७३	६/०	३	५८
०	३२	९	मा	५१	झ	११	५३

गोचरग्रहाः

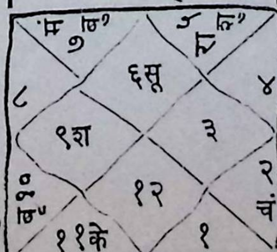

इस मास में पांच सोमवार प्रजा में सुख शांतिकारक है। कृष्ण वस्त्र तथा रसकस आदि तेज होंगे, मंदी होगी

गोचरग्रहाः

२६पं.आ.कृ.११बृ.इ.२५।५४

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	९	४	८	४	५
१८	९	१३	४	२१	२९	१	१८
१२	१०	१६	१५	७	५३	१९	४०
१	३०	१९	१६	२३	५३	३०	९
५९	४१	२६	५०/१	७३	०	३	५९
१६	४८	४४	मा	३३	५६	११	९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७४५ स.१९६१
१	मं	४७	३२	चि	४९	५४	वै	४७	२७	किं	१६	३२	२६/५६	६/१४	५/४६	१०	२४	२९	तु.१७।५५	चित्रायांरविः ३/८ मातामहश्रा.नवरात्रारंभः
२	बु	४८	२३	स्वा	५२	५२	वि	४६	२	बा	१७	२३	४६	१५	४५	११	२५	३०	तुलायां	उषा.२ मकरे शनिः १९/३५ चंद्रदर्शनम्
३	गु	४८	३२	वि	५४	३४	प्री	४३	३८	तै	१८	३[illegible]	४२	१६	४४	१२	२६	१	वृ.३७।२७	कन्यायां शुक्रः ३९।४३ जमादिलावल५
४	शु	४७	४[illegible]	अ	५५	४२	आ	४०	२३	व	१८	४२	३८	१६	४४	१३	२७	२	बृश्चिके	भ. १८।७ उ. ४७।४२ या.
५	श	४६	९	ज्ये	५५	४१	सौ	३६	२८	ब	१६	९	३४	१७	४३	१४	२८	३	ध.५५।४१	
६	र	४३	२१	मू	५४	४०	शो	३२	७	कौ	१४	२१	३०	१८	४२	१५	२९	४	धनुषि	
७	चं	४०	१	पू	५२	५४	अ	२६	३५	ग	११	१	२६	१९	४१	१६	३०	५	धनुषि	भ. ४०।१ उ. अस्तं भौमः ५२।३०
८	मं	३५	४०	उ	५०	१८	सु	२०	३८	वि	७	४०	२२	२०	४०	१७	३१	६	म.७।१५	भ.७।५१ या. तुलायामर्कः ५९/५२ बलिदानं*
९	बु	३०	२९	श्र	४६	५१	धृ	१४	१	बा	३	२९	१८	२०	४०	१८	१	७	मकरे	मन्वादिः दुर्गा९ *पश्चिमास्तंबुधः १।४६
१०	गु	२४	३७	ध	४२	३३	शू	६/४३	५१/५७	ग	२४	३७	१४	२१	३९	१९	२	८	कुं.१४।४०	भ. ५१।२१ उ. विजया १० पट्टाभिषेके
११	शु	१८	४	श	३७	४१	वृ	५०	१७	वि	१८	४	९	२२	३८	२०	३	९	कुम्भे	भ १/८ या. हस्तेशुक्रः ४६/२७ पापांकुशा ११ब्र.
१२	श	१०	४८	पू	३२	१२	ध्रु	४१	२३	बा	१०	४८	४	२३	३७	२१	४	१०	मी१८।३४	विशाखायांभौमः ४/८ प्रदोषःवक्रीचिबुधः ३५/४१
१३	र	३	२९	उ	२६	४८	व्या	३३	१५	तै	३	२९	२७/५९	२४	३६	२२	५	११	मीने	भ. ५६।३ उ.
१४	र	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	चं	४९	४७	रे	२१	३४	ह	२३	४९	वि	२२	५५	५४	२५	३५	२३	६	१२	मे.२१।३४	भ.२२।५५ या. कोजागरीव्रतं शरद्१५

२७रं. आ.शु.३बृ.इ.२५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	९	४	९	४	५
२५	१३	१४	४	२९	०	०	२५
७	५७	३९	३६	४२	१	५७	३५
४३	१८	५०	२९	५४	४८	१४	६
२९	४१	१९/२७	३	७३	३	३	५९
३१	५८	ब	१८	३२	३८	११	२१

गोचरग्रहाः

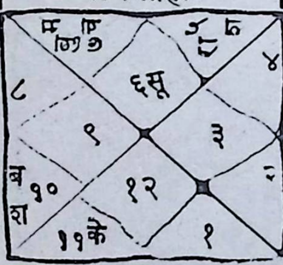

आश्विन शु. ८ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा.४न.४प्रग-ल्भावस्था (बैठी) मु.३०(धान्यभाव सम) शुक्रोदयंपूर्वे

गोचरग्रहाः

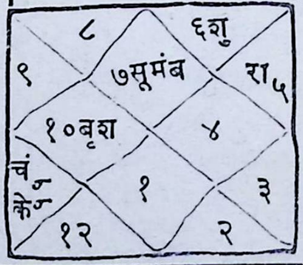

२८पं.आ.शु.१०बृ.इ.२५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	५	९	४	६
२	१८	९	५	८	०	०	२
५	४७	५२	६	२०	१४	३४	३१
१३	२०	१	३६	३४	२०	५८	३३
५९	४२	६६/२२	४	७३	२	३	५९
४६	१४	ब	३०	४५	२०	११	३४

ति	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४४	३	अ	१७	८	व	१५	४४	बा	१६	५५	२७/५०	६/२६	५/३४	२४	७	१३	मेषे	स्वात्यां रविः ०।५५
२	बु	३९	५६	भ	१३	५०	सि	८	२९	तै	११	५९	४६	२७	३३	२५	८	१४	वृ.२८।२६	
३	गु	३७	४५	कृ	१२	१५	व्य	२/३९	५५/२७	व	८	५१	४२	२८	३२	२६	९	१५	बृषे	भ. ८।५१ उ. ३७।४५ या.
४	शु	३७	२४	रो	१२	३९	प	५५	०	ब	७	३४	३८	२८	३[illegible]	२७	१०	१६	मि४३।३९	वक्री कन्यायां बुधः ५९।८ कर्क ४ ब्र.
५	श	३९	१६	मृ	१४	४१	शि	५३	३६	कौ	८	२०	३५	२९	३१	२८	११	१७	मिथुने	पूर्वोदयं बुधः ५३।३
६	र	४३	०	आ	१८	४९	सि	५३	२३	ग	११	८	३२	३०	३०	२९	१२	१८	मिथुने	भ. ४३।० उ.
७	चं	४८	७	पु	२४	३२	सा	५४	३४	वि	१५	३४	२९	३०	३०	३०	१३	१९	क. ८।६	भ. १५/३४ या. कर्के राहुः मकरे केतुः २५।२२
८	मं	५४	५	पु	३१	२४	शु	५६	२२	बा	२१	६	२६	३१	२९	३१	१४	२०	कर्के	**नवंबर मा. ११ ता. ३०**
९	बु	६०	०	श्ले	३९	४५	शु	५८	३७	तै	२७	२२	२३	३१	२९	१	१५	२१	सिं३९।४५	
९	गु	०	४०	म	४६	११	ब्र	६०	०	ग	०	४०	२०	३२	२८	२	१६	२२	सिंहे	भ. ३३।५२ उ.
१०	शु	७	४	पू	५३	४४	ब्र	१	३	वि	७	४	१७	३३	२७	३	१७	२३	सिंहे	भ. ७।४ या. उषायां४ गुरुः ३८।४०
११	श	१२	४५	उ	६०	०	ऐं	३	६	बा	१२	४५	१४	३३	२७	४	१८	२४	कं.१०।१९	बृश्चिकेभौमः ३४/४४ रमा११ब्र. तुला.बुधः ९/२
१२	र	१७	२४	उ	०	३	वै	४	२४	तै	१७	२४	१०	३४	२६	५	१९	२५	कन्यायां	तुलायां भृगुः ५१।४१ प्रदोषः धन१३
१३	चं	२०	४४	ह	५	९	वि	४	४९	व	२०	४४	७	३५	२५	६	२०	२६	तु.३६।५९	भ. २०/४४ उ. ५२/२० या. विशाखायां रविः १८/१७×
१४	मं	२३	५७	चि	८	४८	प्री	४	२	श	२३	५७	४	३५	२५	७	२१	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजा ×रूप १४
३०	बु	२२	५८	स्वा	११	७	आ	२/१३	५६/५२	ना	२२	५८	०	३६	२४	८	२२	२८	बृ.५६।५१	अन्नकूट गोवर्धन पूजा

२९पं. का.कृ.३बृ.इ.२५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	५	९	४	६
९	२३	१	५	१७	०	०	९
४	३९	५०	४४	१	३१	१२	२९
३३	१८	१३	४९	४८	५२	४३	५०
६०	४२	७०/३१	५	७३	२	३	६०
२	३५	ब	३७	५६	५६	११	४७

गोचरग्रहाः

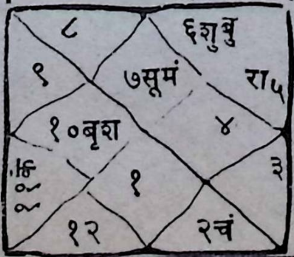

इस मास में पांच मंगलवार प्रजा में पीड़ा कारक है। धान्यादि में मंदी। चांदी सोना पीत-वस्त्र आदि तेज।

गोचरग्रहाः

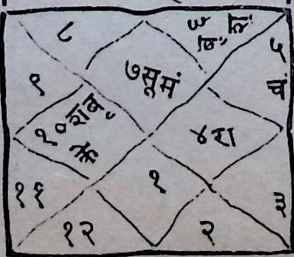

३०पं.का.कृ.९बृ.इ.२५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	९	५	९	३	६
१६	२८	२९	६	२५	०	२९	१६
५	३४	१५	३१	४५	५३	५०	२९
७७	१९	३०	५५	३२	५३	२७	३९
६०	४३	२५/४१	६	७३	३	३	६०
१८	१	मा	३६	५६	३८	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७७५ सन् १९६१
१	गु	२१	४७	वि	१२	५	शो	५५	१	ब	२१	४७	२६/५६	६/३७	५/२३	९	२३	२९	वृश्चिके	अनुराधाया भौमः ७/४१ चन्द्रदर्शन संभवः
२	शु	१९	३९	अ	११	६०	अ	५०	२०	कौ	१९	३९	५३	३७	२३	१०	२४	१	बृश्चिके	यम २ जमादिलाखर ६
३	श	१६	४७	ज्ये	१०	४८	सु	४४	२६	ग	१६	४७	५०	३८	२२	११	२५	२	ध.१०।४८	भ ४४/५० उ. स्वात्यांबुधः ३/२ स्वात्यांशुक्रः ५१/१६
४	र	१२	५३	मू	८	५३	धृ	३९	२	वि	१२	५३	४६	३९	२१	१२	२६	३	धनुषि	भ. १२।५३ या.
५	चं	८	५३	पू	६	४५	शू	३२	४	बा	८	५३	४३	३९	२१	१३	२७	४	म.२१।३	
६	मं	४	४४	उ	३	५६	गं	२५	२४	तै	४	४४	४०	४०	२०	१४	२८	५	मकरे	भ. ५९।३७ उ.
७	मं	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	बु	५४	४९	श्र	५/५	५६/४४	वृ	१८	३०	वि	२७	८	३७	४१	१९	१५	२९	६	कु.२८।५५	भ. २७।८ या. गोपाष्टमी
९	गु	४९	२८	श	५४	११	ध्रु	११	१४	बा	२२	३	३४	४१	१९	१६	३०	७	कुंभे	बृश्चिकेऽर्कः१२।३५ अक्षय ९ *११ब्र.
१०	शु	४४	५	पू	५०	३०	व्या	३/५४	५२/५५	तै	१६	४६	३२	४२	१८	१७	१	८	मी३६।२५	
११	श	३८	४३	उ	४६	४८	व	४९	१७	व	११	२४	२९	४२	१८	१८	२	९	मीने	भ.११/२४ उ.३६/४३ या. तुलसीविवाह प्रबोधिनी*
१२	र	३३	२५	रे	४३	२३	सि	४२	५	ब	६	४	२६	४३	१७	१९	३	१०	मे.४३।२३	अनुराधायां रविः ३०/२३ हरिवासराऽभावः
१३	चं	२८	२३	अ	४०	२०	व्य	३५	२	कौ	०	५४	२४	४३	१७	२०	४	११	मेषे	विशाखायां बुधः २०/७ बैकुंठ १४ प्रदोषः
१४	मं	२४	८	भ	३७	३९	व	२८	३५	व	२४	८	२१	४४	१६	२१	५	१२	वृ.५२।२०	भ.२४/८ उ.५३/३१ या. विशाखायां शुक्रः४८।६
१५	बु	२०	५३	कृ	३६	२३	प	२२	५५	ब	२०	५३	२०	४४	१६	२२	६	१३	बृषे	मन्वादिः

३१पं. का.शु.१बृ.इ.२४।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	९	६	९	३	६
२३	३	४	७	४	१	२९	२३
८	३२	३९	२५	२८	१९	२८	३०
१५	२७	५०	१२	५१	२३	१२	५९
६०	४३	७३	७	७४	४	३	६०
३०	११	३१	४२	२	२०	११	१७

गोचरग्रहाः

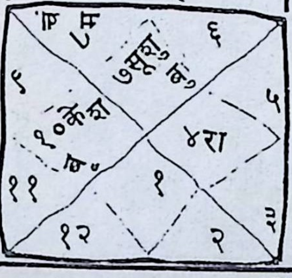

कार्तिक शुक्ला९ गुरौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३न.४कुमारावस्था (सूती) मु. ३० (धान्य भाव तेज)।

गोचरग्रहाः

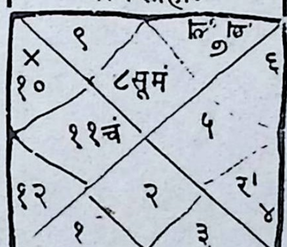

३२पं.का.शु.९ बृ.इ.२४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	९	६	९	३	७
०	८	१४	८	१३	१	२९	०
१२	३३	१७	२५	१३	४९	५	३३
१९	८	४९	५९	३३	२६	५६	४६
६०	४३	८१	८	७४	४	३	६०
४०	३१	५३	४२	०	५०	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	१९	६	रो	३६	२९	शि	१८	७	कौ	१९	६	२६/५६	६/४५	५/१५	२३	७	१४	बृषे	पूर्वास्तं बुधः ४८।१०
२	शु	१८	४४	मृ	३७	५९	सि	१४	५२	ग	१८	४४	१३	४६	१४	२४	८	१५	मि७।१४	भ. ४९।३२ उ.
३	श	२०	२०	आ	४१	८	सा	१२	५६	वि	२०	२०	११	४६	१४	२५	९	१६	मिथुने	भ. २०।२० या. च. ब्र.
४	र	२३	३०	पु	४५	५०	शु	११	४७	बा	२३	३०	८	४७	१३	२६	१०	१७	क.२९।४०	बृश्चिके बुधः ४४/४८ श्रवणे १ गुरुः ९।५९
५	चं	२८	९	पु	५२	२४	शु	१२	१०	तै	२८	९	६	४७	१३	२७	११	१८	कर्के	ज्येष्ठायां भौमः ३६।४९
६	मं	३३	५१	श्ले	५९	२४	ब्र	१३	२९	ग	१	०	४	४७	१३	२८	१२	१९	सिं५९।२४	भ. ३३।५१ उ. अनु. बुधः ४८।४२
७	बु	४०	२१	म	६०	०	ऐं	१५	१८	वि	७	६	१	४८	१२	२९	१३	२०	सिंहे	भ. ७।६ या. बृश्चिके शुक्रः ४५।५८
८	गु	४६	४५	म	६	५६	वै	१७	३३	बा	१३	३३	२५/५८	४८	१२	३०	१४	२१	सिंहे	
९	शु	५२	४५	पू	१४	१७	वि	१९	४२	तै	१९	४५	५६	४९	११	१	१५	२२	कं.३०।३१	दिसम्बर मा.१२ ता.३१ *वि: ३७/२२
१०	श	५७	४२	उ	२१	१५	प्री	२१	१२	व	२५	१३	५५	४९	११	२	१६	२३	कन्यायां	भ.२५/१३ उ.५७/४२ या. अनु.भृगुः ३७/२३ ज्येष्ठायां*
११	र	६०	०	ह	२६	५१	आ	२२	१२	ब	२९	२८	५३	४९	११	३	१७	२४	तु.५८।५४	उषायां३ शनिः ५३/३९ उत्पत्ति११ब्र. स्मा.
११	चं	१	१५	चि	३०	५८	सौ	२१	४८	बा	१	१५	५२	५०	१०	४	१८	२५	तुलायां	उत्पत्ति ११ ब्र. वै.
१२	मं	३	११	स्वा	३६	२८	शो	२०	७	तै	३	११	५०	५०	१०	५	१९	२६	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	३	७	वि	३४	११	अ	१७	१	व	३	७	४८	५०	१०	६	२०	२७	वृ.१९।०	भ. ३।७ उ. ३२।१४ या.
१४	गु	१	२२	अ	३३	२६	सु	१२	३३	श	१	२२	४६	५१	९	७	२१	२८	बृश्चिके	ज्येष्ठायां बुधः १४।४२
३०	गु	५६	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३३पं. मा.कृ.१बृ.इ.२४।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	९	६	९	३	७
७	१३	२४	९	२२	२	२८	७
१७	३६	५१	३३	०	२३	४३	३७
५२	१४	३	४०	७	६	४०	४०
६०	४३	९४	९	७४	५	३	६०
५३	४७	४१	३३	१८	१६	११	४२

३४पं. मा.कृ.८बृ.इ.२४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	९	७	९	३	७
१४	१८	५	१०	०	३	२८	१४
२४	४२	५४	४६	४७	०	२१	४२
३८	४०	२५	४१	३४	०	२५	५४
६१	४३	९६	१०	७४	५	३	६०
३	५६	५१	१८	२०	४४	११	५०

३५पं. मा.कृ.१४बृ.इ.२४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	९	७	९	३	७
२१	२३	१६	१२	९	३	२७	२१
३२	५१	५५	३	३५	४०	५९	४८
२५	२८	३०	४६	३८	१	९	५८
६१	४४	९८	११	७४	६	३	६०
११	६	२०	२	२६	१२	११	५६

 ×बृशके *बृशके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चंद्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २८०४ स.१९६१
१	शु	५३	३६	ज्ये	३१	३	धृ	६	५१	किं	२५	५२	२५/४५	५६/५१	५/९	८	२२	२९	ध.३१।१	
२	श	४८	२१	मू	२७	५५	शू	०/८	५२/३४	बा	२०	५८	४३	५१	९	९	२३	३०	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	र	४२	३६	पू	२४	३	वृ	४५	८	तै	१५	२८	४२	५२	८	१०	२४	१	म.३७।५७	रज्जव ७
४	चं	३६	३९	उ	१९	४१	ध्रु	३७	६	व	९	३७	४१	५२	८	११	२५	२	मकरे	भ. ९।३७ उ. ३६।३९ या.
५	मं	३०	५३	श्र	१५	३५	व्या	२९	६	ब	३	४६	४०	५२	८	१२	२६	३	कु.४३।४३	ज्येष्ठायां शुक्रः ५९।३५
६	बु	२५	१९	ध	११	५१	ह	२१	३३	तै	२५	१९	३९	५२	८	१३	२७	४	कुम्भे	श्रवणे २ गुरुः ४३।३३
७	गु	२०	३	श	८	३	व	१४	२	व	२०	३	३८	५२	८	१४	२८	५	मी५०।४१	भ. २०।३ उ. ४७।३३ या.
८	शु	१५	३	पू	४	५३	सि	६	४८	ब	१५	३	३८	५२	८	१५	२९	६	मीने	मूले धनुषि च भौमः ४१/३१ धनुषि बुधः ३७/५७*
९	श	१०	४८	उ	५१/१	५७/३०	व्य	०/७	५३/३८	कौ	१०	४८	३८	५२	८	१६	१	७	मे.५९।३०	
१०	र	७	४९	अ	५७	४७	प	४७	५९	ग	७	४९	३७	५३	७	१७	२	८	मेषे	भ. ३५।४४ उ. *धनुष्यर्कः ४१।७
११	चं	३	३८	भ	५६	५५	शि	४२	४३	वि	३	३८	३७	५३	७	१८	३	९	मेषे	भ.३।३८ या. मोक्षदा ११व्र. गीताजयंती
१२	मं	१	८	कृ	१६	३०	सि	३८	३	बा	१	८	३७	५३	७	१९	४	१०	वृ.११।४९	प्रदोषः
१३	मं	५८	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५८	४८	रो	५७	१४	सा	३४	१२	ग	२९	५	३७	५३	७	२०	५	११	वृषे	भ. ५८।४८ उ.
१५	गु	५९	१२	मृ	५९	१५	शु	३१	११	वि	२९	०	३६	५३	७	२१	६	१२	मि२८।१४	भ. २९।० या. दत्त जयंती

३६पं.मा.शु.७बृ.इ.२३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	९	७	९	३	७
२८	२९	२७	१३	१८	४	२७	२८
४१	२	५७	२७	२४	२२	५६	५५
८	२०	३६	१४	४०	२४	५३	५५
६१	४४	९९	११	७४	६	३	६१
१९	३६	४९	३६	२६	२७	११	०

गोचरग्रहाः

मार्ग. शु. ८ शुक्रे
धनुष्यर्कः प्र. वा.
२न.३ कुमाराव-
स्था (बैठी) मु.४५
(धान्यभाव मंदा)
शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

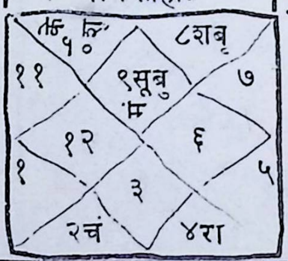

३७पं.मा.शु.१५बृ.इ.२३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	९	७	९	३	८
.५	४	९	१४	२७	५	२७	६
५०	१५	२	५३	१३	६	१४	३
३३	३६	४९	५३	३४	४३	३७	३१
६१	४४	०/०	१२	७४	६	३	६१
२२	३६	९/१५	११	३२	४२	११	५

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	६०	०	आ	६०	०	शु	२९	२७	बा	३०	१५	३५/३६	५६/५३	५/७	२२	७	१३	मिथुने	
१	श	१	१९	आ	२	३९	ब्र	२८	१८	कौ	१	१९	३६	५३	७	२३	८	१४	क.५०।५९	मूले धनुषि च शुक्रः ३७।५७
२	र	४	३२	पु	७	३	ऐं	२८	१५	ग	४	३२	३६	५३	७	२४	९	१५	कर्के	भ. ३६।३७ उ. पूषायां बुधः ५।५७
३	चं	८	४३	पु	१३	६	वै	२९	१६	वि	८	४३	३६	५३	७	२५	१०	१६	कर्के	भ. ८।४३ या. च. व्र.
४	मं	१४	१२	श्ले	१९	४५	वि	३०	५२	बा	१४	१२	३७	५३	७	२६	११	१७	सि१९।४५	
५	बु	२०	२८	म	२७	८	प्री	३२	५१	तै	२०	२८	३७	५३	७	२७	१२	१८	सिंहे	
६	गु	२७	६	पू	३४	४५	आ	३५	१३	व	२७	६	३८	५२	८	२८	१३	१९	कं.५१।३८	भ. २७।६ उ. पूषायां रविः ४२।४३
७	शु	३३	३०	उ	४२	१७	सौ	३७	२०	वि	०	२०	३८	५२	८	२९	१४	२०	कन्यायां	भ. २०/० या. श्रवणे३ गुरुः ४२/४४ पू.अ.शु.
८	श	३९	२	ह	४८	३९	शो	३८	३७	बा	६	१६	३९	५२	८	३०	१५	२१	कन्यायां	×५३/३१ सार्पे३राहुः धनि.१ केतुः १६।४४
९	र	४३	१५	चि	५४	४६	अ	३९	११	तै	११	८	४०	५२	८	३१	१६	२२	तु.२१।४१	*१९६२ पूर्वास्तो भृगुः ३/६ उषायां बुधः×
१०	चं	४५	५५	स्वा	५७	१९	सु	३८	१९	व	१४	३५	४१	५२	८	१	१७	२३	तुलायां	भ. ५४/३५ उ. ४५/५५ या. जनवरी मा. १ता. ३१सन्*
११	मं	४६	४०	वि	५८	५०	धृ	३६	४	ब	१६	१७	४२	५२	८	२	१८	२४	वृ.४३।२७	पूषायां भौमः ३४/२४ सफला ११व्र. स्मा. वै.
१२	बु	४५	१७	अ	५८	२४	शू	३२	९	कौ	१५	५८	४३	५१	९	३	१९	२५	वृश्चिके	मकरे बुधः २४।३ पूषायां शुक्रः १०।४
१३	गु	४१	४६	ज्ये	५६	१६	गं	२६	५०	ग	१३	१	४४	५१	९	४	२०	२६	ध.५६।१६	भ. ४५/४६ उषायां४ शनिः १०।४९ प्रदोषः
१४	शु	३६	४७	मू	५२	१९	वृ	१९	५९	वि	९	१६	४५	५१	९	५	२१	२७	धनुषि	भ. ९।१६ अस्तं शनिः ५४।४१
३०	श	३०	१३	पू	४८	११	ध्रु	११	५४	च	३	३०	४६	५१	९	६	२२	२८	धनुषि	

३८पं. पौ.कृ.६बृ.इ.२३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	९	८	९	३	८
१३	९	२०	१६	६	५	२६	१३
०	३१	१६	२३	२	५३	५२	११
२५	४४	५२	३०	१०	३०	२२	२९
६१	४४	०/०	१२	७४	७	३	६१
२६	५७	९/१	३१	३२	०	११	६

गोचरग्रहाः

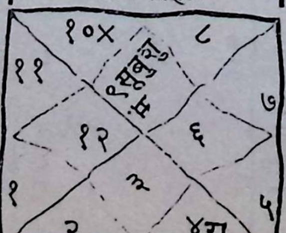

इस मास में पांच
शनिवार महा-
अशुभ हैं। पश्चिमी
देशों का संहार,
अग्नि भय होगा।

गोचरग्रहाः

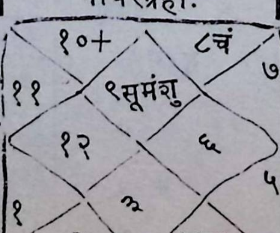

३९पं.पौ.कृ.१३बृ.इ.२३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	८	९	३	८
२०	१४	१	१७	१४	६	२६	२०
१०	४९	३७	५६	५१	४१	३०	१९
२३	२३	३८	५६	१८	३१	६	३४
६१	४४	९८	३१	७४	७	३	६१
२६	५७	३५	०	३२	८	११	६

*बृशके ×केबृश (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) +बुबृशके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०१८	शाकः	१८८३								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२८३४ स.१९६२
१	र	२२	५२	उ	४१	४१	व्या	३ १	५० ४२	ब	२२	५२	२५ ४८	६ ५०	५ १०	७	२३	२९	म.१।३३	चंद्रदर्शनम् पश्चिमोदयं बुधः ६।२०
२	चं	१५	१०	श्र	३५	३९	ह	४४	६	कौ	१५	१०	५०	५०	१०	८	२४	१	मकरे	साबान ८
३	मं	७	२०	ध	२९	४४	सि	३४	४५	ग	७	२०	५२	५०	१०	९	२५	२	कुं.२।४१	भ.३३।३९ उ.५९ ५७ या. श्रवणेबुधः ३०।५९
४	मं	५२	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	५३	२१	श	२४	२३	व्य	२५	४५	व	२६	३९	५४	४९	११	१०	२६	३	कुम्भे	उषायां रविः ४४।१२
६	गु	४७	२८	पू	१९	५१	व	१७	२७	कौ	२०	२४	५६	४९	११	११	२७	४	मी५।५९	
७	शु	४२	३१	उ	१६	१४	प	९	४६	ग	१४	५९	५८	४८	१२	१२	२८	५	मीने	भ. ४२।३१ उ. *३८ २१ मकरेऽर्कः ५९ ३९
८	श	३८	५१	रे	१३	३१	शि	१३ २	५४ ८	वि	१०	४१	२६ ०	४८	१२	१३	२९	६	मे.१३।३१	भ.५० ४१ या. उषायांशुक्रः ४८ ४१ श्रवणे४ गुरुः*
९	र	३६	१	अ	१२	६	सा	५२	३५	ब	७	२६	२	४८	१२	१४	१	७	मेषे	
१०	चं	३४	३३	भ	११	४०	शु	४८	३४	तै	५	१७	४	४७	१३	१५	२	८	वृ.२६।४९	
११	मं	३४	३	कृ	१२	१७	शु	४५	२६	व	४	१८	६	४७	१३	१६	३	९	वृषे	भ.१८ उ.३४ ३ या.मकरेशुक्रः ३३ ३० पुत्रदा ११ ब्र.
१२	बु	३४	५६	रो	१४	६	ब्र	४३	२६	ब	४	२९	९	४६	१४	१७	४	१०	मि४५।२४	
१३	गु	३६	२७	मृ	१६	४२	ऐं	४२	१०	कौ	५	४१	१२	४६	१४	१८	५	११	मिथुने	धनिष्ठायां बुधः ३८।५० प्रदोषः
१४	शु	३९	२१	आ	२०	४८	वै	४१	५३	ग	७	५४	१५	४५	१५	१९	६	१२	मिथुने	भ. ३९।११ उ. उषायां भौमः ५४।३१
१५	श	४३	१४	पु	२५	४३	वि	४२	३	वि	११	१७	१७	४५	१५	२०	७	१३	क.९।२९	भ.११।१७ या. अभि. प्र. रविः ३०।५७

४०पं. पौ.शु.६ बृ.इ.२३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	८	९	३	८
२७	२०	१२	१९	२३	७	२६	२७
२०	९	५२	३२	३९	३०	७	३९
१४	११	२६	२४	३६	४३	५०	४७
६१	४५	९४	१३	७४	७	३	६१
२४	२	२	२१	३२	१७	११	५

गोचरग्रहाः

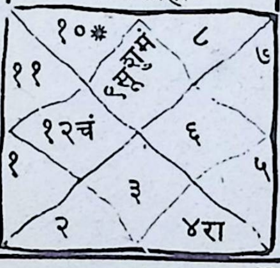

पौष शु. ८ शनौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रास्तः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

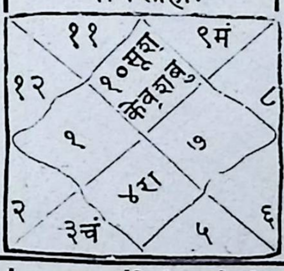

४१पं. पौ.शु.१३ बृ.इ.२३।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	९	९	९	३	९
४	२५	२३	२१	२	८	२५	४
२९	३१	०	९	२८	१९	४५	३५
४३	१२	५०	४०	१२	४०	३५	३०
६१	४५	७६	१३	७४	७	३	६१
१९	२१	५३	२३	३८	२०	११	३

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०१८	शाकः	१८८३								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे. पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	४८	२४	पु	३१	४१	प्री	४३	५	बा	१५	४९	२६ २०	६ ४४	५ १६	२१	८	१४	कर्के	
२	चं	५३	५१	श्ले	३८	२०	आ	४४	३४	तै	२१	७	२३	४३	१७	२२	९	१५	सिं३८।२०	
३	मं	६०	०	म	४५	४२	सौ	४६	३८	व	२७	०	२५	४३	१७	२३	१०	१६	सिंहे	भ. २७।० उ. श्रवणे रविः ४६।५६
३	बु	०	९	पू	५३	१५	शो	४८	४७	वि	०	९	२७	४३	१८	२४	११	१७	सिंहे	भ.०।९ या. मकरे भौमः १०।४० श्रवणे*
४	गु	६	३७	उ	६०	०	अ	५१	२०	बा	६	३७	३०	४२	१८	२५	१२	१८	कं.१०।१०	*शुक्रः २१ ४९ च.ब्र. अभि.नि.रविः ३९।११
५	शु	१३	६	उ	०	५६	सु	५२	५८	तै	१३	६	३३	४१	१९	२६	१३	१९	कन्यायां	
६	श	१८	५३	ह	८	३७	धृ	५४	३	व	१८	५३	३६	४१	१९	२७	१४	२०	तु.४१।२३	भ.५१ ५३ उ.५१ १८ या. वक्रीबुधः ४० ४२ धनिष्ठा.१×
७	र	२३	४४	चि	१४	९	शू	५४	१६	ब	२३	४४	४०	४०	२०	२८	१५	२१	तुलायां	
८	चं	२७	५	स्वा	१९	१	गं	५३	२१	कौ	२७	५	४३	४०	२०	२९	१६	२२	तुलायां	अस्तं गुरुः २५।१ अ.गु.
९	मं	२८	३७	वि	[illegible]	२	वृ	५०	५२	ग	२८	३७	४६	३९	२१	३०	१७	२३	वृ.६।१७	भ.५८।२९ उ. पश्चिमास्तं बुधः ६।२०
१०	बु	२८	२०	अ	२३	५	ध्रु	४६	४४	वि	२८	२०	४९	३८	२२	३१	१८	२४	बृश्चिके	भ. २८।२० या. ×गुरुः ४२।२८
११	गु	२५	५४	ज्ये	२२	१४	व्या	४०	५६	बा	२५	५४	५२	३८	२२	१	१९	२५	ध.२२।१४	फरवरी मा.२ ता.२८ श्रवणे१ शनिः २१ २१+
१२	शु	२१	३३	मू	१९	१८	ह	३३	४३	तै	२१	३३	५५	३७	२३	२	२०	२६	धनुषि	प्रदोषः +षट्तिला ११ ब्र.
१३	श	१५	१५	पू	१४	३९	व	२४	५४	व	१५	१५	५७	३७	२३	३	२१	२७	म.२८।९	भ. १५।१५ उ. ४१।२१ या.
१४	र	७	२८	उ	८	३९	सि	१५	१८	श	७	२८	२७ १	३६	२४	४	२२	२८	मकरे	धनिष्ठायां शुक्रः १।२३
३०	र	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४२पं. मा.कृ.४ बृ.इ.२३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	५	९	३	९
११	०	२९	२२	११	९	२५	११
३८	५५	२	४८	१६	१०	२३	४२
३४	१९	४६	४०	४८	१६	१९	५६
६१	४५	२९	१३	७४	७	३	६०
१३	३२	४०	३२	३८	२०	११	५९

गोचरग्रहाः

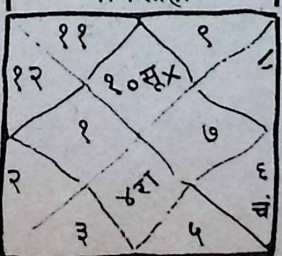

इस मास का फल अच्छा नहीं है, अमावस्या के पास ८ ग्रह एक राशि में हैं जो बहुत अशुभ है।

गोचरग्रहाः

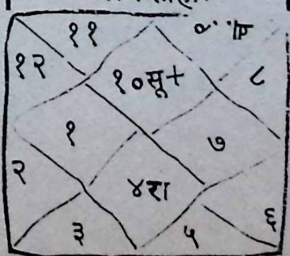

४३पं. मा.कृ.११ बृ.इ.२३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	९	९	३	९
१८	६	२७	२४	२०	१०	२५	१८
४६	१९	९	२८	३	०	१	४९
३५	४४	५८	५२	५०	११	४	२९
६१	४६	६१ ११	१३	७४	७	३	६०
४	७	ब	३७	३६	१९	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२८६३ स.१९६२
१	चं	४९	३५	श्र	५/३५	५२/४६	व्य	४/५६	४९/५८	किं	२४	१४	२७/४	६/३५	५/२५	५	२३	२९	कुं.२७।१०	वक्राश्रवणे बुधः९।१२ धनि.रवि.५२।४८
२	मं	४०	२९	श	४७	३	व	४३	४०	बा	१५	२	८	३४	२६	६	२४	३०	कुम्भे	श्रवणे भौमः ५।५१ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	३१	४६	पू	४०	२१	प	३२	३६	तै	६	७	१२	३४	२६	७	२५	१	मी२७।२	भ. ५७।४० उ. रमजान ९
४	गु	२३	३७	उ	३४	४३	शि	२३	५१	वि	२३	३७	१६	३३	२७	८	२६	२	मीने	भ. २३।३७ या. उदयं शनेः ५३।१४
५	शु	१७	३५	रे	३०	२३	सि	१५	४९	बा	१७	३५	२०	३२	२८	९	२७	३	मे.३०।२३	कुम्भे भृगुः १९।४२ वसंत ५
६	श	१२	१८	अ	२७	२७	सा	८	४८	तै	१२	१८	२३	३१	२९	१०	२८	४	मेषे	धनिष्ठा. २ गुरुः ३७।५६
७	र	८	४	भ	२६	२०	शु	३/५२	५५/४३	व	८	४	२६	३१	२९	११	२९	५	वृ.४१।२४	भ. ८।४ उ. ३७।४० या. रथ ७
८	चं	७	१७	कृ	२६	३५	शु	५५	३३	ब	७	१७	३०	३०	३०	१२	३०	६	वृषे	कुम्भेऽर्कः २/४ ६/३ भीष्माष्मी उर्वोदयंबुधः ३ ७/१
९	मं	६	३५	रो	२८	२४	ऐं	५३	४६	कौ	६	३५	३४	२९	३१	१३	१	७	वृषे	
१०	बु	७	५१	मृ	३१	४७	वै	५२	५१	ग	७	५१	३८	२८	३२	१४	२	८	मि ०।५	भ. ३९।५ शते शुक्रः ३८।१५
११	गु	१०	१८	आ	३६	१६	वि	५३	१२	वि	१०	१८	४२	२८	३२	१५	३	९	मिथुने	भ. १०।१८ या. जया ११ व्र.
१२	शु	१४	५	पु	४१	३९	प्री	५३	४४	बा	१४	५	४६	२७	३३	१६	४	१०	क.२५।१८	प्रदोषः
१३	श	१८	४१	पु	४८	८	आ	५५	६	तै	१८	४१	५०	२६	३४	१७	५	११	कर्के	
१४	र	२४	२३	श्ले	५४	५६	सौ	५६	४९	व	२४	२३	५४	२५	३५	१८	६	१२	सिं५४।५७	भ. २/३ ४/३ उ.५७।१४ या. मार्गी बुधः ५/३ ७/४
१५	चं	३०	५	म	६०	०	अ	५८	५७	ब	३०	५	५६	२५	३५	१९	७	१३	सिंहे	शते रविः २।५

४४पं. मा.शु.४बृ.इ.२३।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	९	९	३	९
२५	११	१९	२६	२८	१०	२४	२५
५३	४५	३०	९	५०	४८	३८	५५
२२	१८	३६	३२	३१	४७	४८	१७
६०	४५	५०/२६	१३	७४	७	३	६०
५५	४७	ब	३८	३६	११	११	४७

गोचरग्रहाः

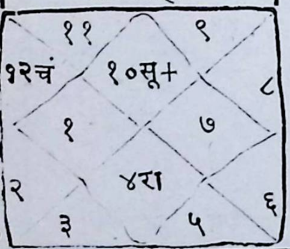

माघ शु. ८ चंद्रे
कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३
नं.४ कुमारावस्था
(बैठी) मु. ४५
(धान्याभाव मंदा)
शुक्रास्तः पूर्वे ।

गोचरग्रहाः

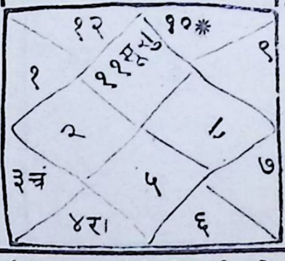

४५पं.मा.शु.११ब.इ.२४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	१०	९	३	१०
२	१७	१५	२७	७	११	२४	३
५९	१२	१७	५०	३६	३७	१६	०
२५	१४	२०	१०	५४	५	३२	४
६०	४५	२०/२२	१३	७४	७	३	६०
४२	५७	ब	३७	३२	२	११	३०

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३६	३०	म	२	१४	सु	६०	०	बा	३	१७	२८/५	६/२४	५/३६	२०	८	१४	सिंहे	पश्चिमोदय शुक्रः २/१ भौमोदयः ४/१ ७/५ प.उ.
२	बु	४२	३७	पू	९	५२	सु	१	९	तै	९	३३	६	२३	३७	२१	९	१५	कं.२६।४६	शु.
३	गु	४९	३	उ	१७	१४	धृ	३	२४	व	१५	५०	१०	२२	३८	२२	१०	१६	कन्यायां	भ. १५।५० उ. ४९।३ या.
४	शु	५४	४८	ह	२४	२७	शू	५	३२	ब	२२	१६	१६	२१	३९	२३	११	१७	तु.५७।३७	धनिष्ठायां भौमः ८।२०
५	श	५९	४४	चि	३०	४८	गं	६	५४	कौ	२७	१६	२०	२०	४०	२४	१२	१८	तुलायां	धनिष्ठा. ३ कुम्भे गुरुः ३६।२१
६	र	६०	०	स्वा	३६	३३	वृ	७	४२	ग	३१	४१	२४	१९	४१	२५	१३	१९	तुलायां	पूभायां शुक्रः ५/२ २/९ उदयं गुरुः ३/२ ८/४ उ.ग.
६	चं	३	३८	वि	४०	४६	ध्रु	७	४५	व	३	३८	२८	१८	४२	२६	१४	२०	वृ.२४।४३	भ. ३।३८ उ. ३४।५५ या.
७	मं	६	१३	अ	४३	३२	व्या	६	२२	ब	६	१३	३१	१८	४२	२७	१५	२१	वृश्चिके	
८	बु	६	५०	ज्ये	४४	३२	ह	३/५१	५५/५२	कौ	६	५०	३४	१७	४३	२८	१६	२२	ध.४४।३२	
९	गु	५	४३	मू	४३	३२	सि	५४	८	ग	५	४३	३८	१६	४४	१	१७	२३	धनुषि	भ. ३४।१३ उ. **मार्च मा. ३ ता. ३१**
१०	शु	२	४४	पू	४०	३३	व्य	४६	५५	वि	२	४४	४२	१६	४४	२	१८	२४	म.५४।२३	भ. २।४४ या. विजया ११ व्र. स्मा.
११	शु	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	श	५१	१३	उ	३५	५८	व	३८	२९	कौ	२४	३२	४६	१५	४५	३	१९	२५	मकरे	कुम्भेभौमः ४/३ ९/३ श्रवणे२ शनिः ७/१५ वि. ११व्र
१३	र	४३	१	श्र	२९	४३	प	२८	४७	ग	१७	७	५०	१४	४६	४	२०	२६	कु.५६।९	भ. ४/१ ३/६ पूभा रविः ५/८ ६/३ प्रदोषःशि.व्र.स्मा.
१४	चं	३३	५२	ध	२२	३५	शि	१८	२२	वि	८	२६	५४	१३	४७	५	२१	२७	कुंभे	भ. २/२ ६/६ धनिष्ठायां बुध ३/५ ४/४ मीने शुक्रः १/४ ९/६*
३०	मं	२४	११	श	१४	३३	सि	७/१२	४९/८	ना	२४	११	५८	१२	४८	६	२२	२८	मो५३।४४	*सार्प२राहुःश्रवणे४केतुः १/६ ५/२ शि.व्र.स्मा.

४६पं. फा.कृ.३बृ.इ.२४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	१०	९	३	१०
१०	२२	१५	२९	१६	१२	२३	१०
२	४०	७	३०	२२	२३	५४	३
५८	१६	१९	११	२६	५३	१७	३४
६०	४६	१९	१३	७४	६	३	६०
३१	१	४५	३२	३२	४६	११	२५

गोचरग्रहाः

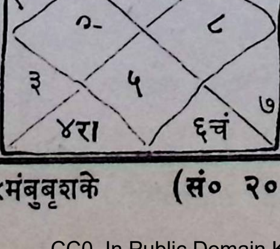

इस मासका फल साधारण है, गुरु शुक्र का उदय व्यापारी वस्तुओं में घटा बढ़ी में मंदा है ।

गोचरग्रहाः

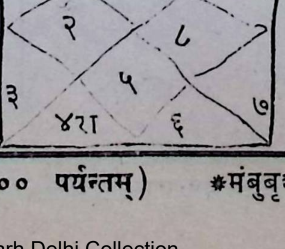

४७पं.फा.कृ.९ ब.इ.२४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	१०	१०	९	३	१०
१७	२८	२०	१	२५	१३	२३	१७
६	८	३	९	६	८	३२	५
४७	४६	४७	२५	१४	५३	१	४८
६०	४६	४९	१३	७४	६	३	६०
२८	३	०	२४	२६	३०	११	१२

+मंबुबृशुशके ×मंबुबृशके **(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)** *मंबुबृशके =मंबुशके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २८९३ स.१९६२
१	बु	१४	९	पू	४८	५३	शु	५५	३२	ब	१४	९	२९/२	१२/६	४८/५	७	२३	२९	मीने	चंद्रदर्शनम्
२	गु	४	४८	रे	५२	५१	शु	३५	३२	कौ	४	४४	६	११	४९	८	२४	१	मे.५२।५१	उभायांशुक्रः५९पातस्पर्शः४६सव्वाल१०*
३	गु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	शु	४९	१२	अ	४७	५६	ब्र	६	२८	व	२३	१	१०	१०	५०	९	२५	२	मेषे	भ. २३।१ उ. ४९/४ या. पातमोक्षः १।८
५	श	४४	५	भ	४४	४२	ऐं	८	४८	ब	१६	९	१५	९	५१	१०	२६	३	बृ.५९।२५	कुम्भे बुधः ३७/५७ धनि.४ गुरुः ५३।१८
६	र	४०	४६	कृ	४३	३०	वै	१३	१	कौ	१२	२५	२०	८	५२	११	२७	४	बृषे	
७	चं	३९	२१	रो	४४	१०	वि	८	४	ग	१०	[illegible]	२४	७	५३	१२	२८	५	बृषे	भ. ३९।२१ उ. शते भौमः २२।४
८	मं	४०	३	मृ	४७	१	प्री	५	५०	वि	९	[illegible]	२८	६	५४	१३	२९	६	मि१५।३५	भ. ९।४२ या. ह.ला.टकः
९	बु	४२	२६	आ	५१	२	आ	१	३७	बा	११	१२	३२	६	५४	१४	३०	७	मिथुने	मीनेऽर्कः १७।११ *फुलरिया २
१०	गु	४६	२६	पु	५६	३८	सौ	४	४७	तै	१४	६	३६	५	५५	१५	१	८	क.४०।१२	शते बुधः २९।४६
११	शु	५१	२७	पु	६०	०	शो	५	३२	व	१८	५६	४०	४	५६	१६	२	९	कर्के	भ.१/५६ उ.५१/२७ या. आमलकी११ब्र.स्मा.वै.
१२	श	५७	३०	पु	३	९	अ	७	१७	ब	२४	२८	४४	३	५७	१७	३	१०	कर्के	उभायां सूर्यः ३७/४९ आमलकी११ब्र निं.
१३	र	६०	०	श्ले	१०	२७	सु	९	२१	कौ	३०	३२	४८	२	५८	१८	४	११	सिं१०।२७	रेवत्यां शुक्रः ४५।३ प्रदोष ब्र.
१३	चं	३	३५	म	१७	५२	धृ	११	३७	तै	३	५	५३	२	५८	१९	५	१२	सिंहे	
१४	मं	१०	४	पू	२५	२०	शू	१३	५७	व	१०	४	५८	१	५९	२०	६	१३	कं.४१।५५	भ.१०/४ उ.४३/७ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरे
१५	बु	१६	१०	उ	३१	४१	गं	१६	२३	ब	१६	१०	३०/२	६/०	६/२	२१	७	१४	कन्यायां	छारेंडी

४८पं. फा.शु.२बृ.इ.२४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	१०	११	९	३	१०
२४	३	२७	२	३	१३	२३	२४
८	३७	२९	४७	४५	५२	९	६
२०	४१	४२	२	४४	३३	४६	४
६०	४६	६७	१३	७४	६	३	५९
५	८	४८	१८	२६	१७	११	५८

गोचरग्रहाः

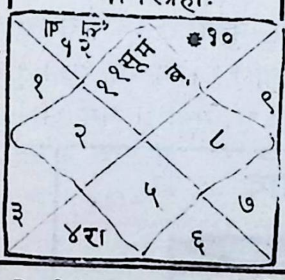

फाल्गुन शु.९ बुधे
मीनेऽर्कः प्र.त्रा.३
न.३गतालकावस्था
(ऊभी) मु. १५
(धान्यभाव तेज)
शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचरग्रहाः

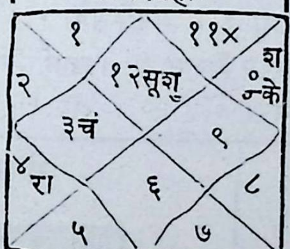

४९पं.फा.शु.१०बृ.इ.२५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	१०	११	९	३	११
१	९	६	४	१२	१४	२२	१
७	६	३३	२३	३२	३२	४७	५
५२	५६	४७	२८	१०	४२	३०	४
५९	४६	८२	१३	७४	५	३	५९
४९	८	५४	२	२६	५३	११	४१

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०१८ शाकः १८८३												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसंततूंरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२२	११	ह	३८	४२	वृ	१८	१	कौ	२२	११	३०/६	५/५९	६/१	२२	८	१५	कन्यायां	वसंत १
२	शु	२७	१८	चि	४५	५०	ध्रु	१३	३२	ग	२७	१८	१०	५८	१	२३	९	१६	तु.१२।४६	भ. ५९।३१ उ.
३	श	३[illegible]	४६	स्वा	५१	२३	व्या	२०	९	वि	३१	४६	१४	५७	३	२४	१०	१७	तुलायां	भ.३१/४६ या. पूभायां बुधः ३६।४० च.ब्र.
४	र	३५	२३	वि	५५	५६	ह	२०	११	ब	३	३४	१८	५६	४	२५	११	१८	बृ.३९।३८	शते १ गुरुः ४९।१७
५	चं	३७	४४	अ	५९	१८	व	१९	३	कौ	६	३३	२२	५६	४	२६	१२	१९	बृश्चिके	
६	मं	३८	५७	ज्ये	६०	०	सि	१७	३८	ग	८	२०	२६	५५	५	२७	१३	२०	वृश्चिके	भ. ३८।५७ उ.
७	बु	३८	३६	ज्ये	१	१९	व्य	१२	४२	वि	८	४६	३०	५४	६	२८	१४	२१	ध.१।१९	भ. ८।४६ या. शीतला पूजनम्
८	गु	३६	५४	मू	१	५४	व	१०	५०	बा	७	४५	३४	५३	७	२९	१५	२२	धनुषि	पूभा. भौमः ३१/३० मेषेऽश्विन्यां च शुक्रः ३१/४
९	शु	३३	३६	पू	०/५७	५७/२५	प	५/२२	५३/२०	तै	५	१५	३८	५२	८	३०	१६	२३	म.१५।४८	मीने बुधः २५।५९
१०	श	२८	३७	श्र	५४	१४	सि	५०	५८	वि	१	७	४२	५२	८	३१	१७	२४	मकरे	भ.१।७ उ.३६/३ या. रेवत्यां रविः५।१७
११	र	२२	१४	ध	४८	३६	सा	४२	३	बा	२२	४	४६	५१	९	१	१८	२५	कु.२१।२५	अप्रेल ४ता.३० उभा.बुधः३१/२९ पा.मो.११ब्र.
१२	चं	१४	२९	श	४८	१२	शु	३२	२१	तै	१४	२९	५०	५०	१०	२	१९	२६	कुम्भे	प्रदोषः पूर्वास्तं बुधः ४३।५०
१३	मं	५	४२	पू	३४	५६	शु	२१	४५	व	५	४२	५५	४९	११	३	२०	२७	मी२१।४५	भ. ५।४२ उ. ३१।१ या.
१४	मं	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	बु	४६	४४	उ	२७	२३	ब्र	११	१०	च	२१	३२	०	४८	१२	४	२१	२८	मीने	मन्वादिः केतकीअहर्गणः२९२१ चक्रः ४

५०पं. चै.कृ.१ बृ.इ.२५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	१०	११	९	३	११
८	१४	१६	५	२१	१५	२२	८
५	३६	५३	५७	१४	१०	२५	३
४७	२९	५६	१४	१३	४८	१४	२०
५९	४६	८५	१२	७४	५	३	५९
३५	८	५	३६	२३	२४	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास का फल अच्छा रहेगा प्रजा में सुख शांति बढ़ेगी धान्यादि में कुछ महर्घता आयेगी।

गोचरग्रहाः

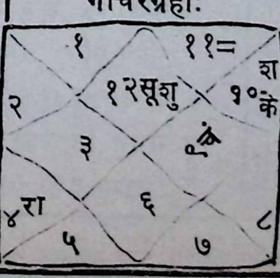

५१पं. चै.कृ.८ बृ.इ.२५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	१०	११	९	३	११
१५	२०	२८	७	२९	१५	२२	१४
१	४	२४	२७	५३	४५	२	५९
५२	५९	२९	५०	४२	२९	५९	१५
५९	४६	९५	१२	७४	४	३	५२
१८	४	३५	१५	२०	५७	११	१६

*बुशके +मंबुबृ (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुबृ =मंबुबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

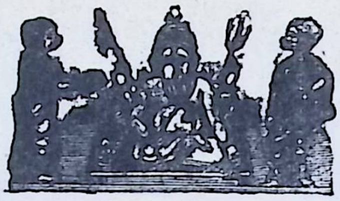

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६३ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६३ भोग्यकलिः ४२६९३७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०१९ शाकः १८८४ अथास्मिन्वर्षे राजा गुरुः। मंत्री शुक्रः। सस्येशश्चन्द्रः। धान्येशो शनिः। मेघेशः शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो गुरुः। धनेशश्चंद्रः। दुर्गेशः शुक्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ९ राक्षसनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः४।३।४३।१२ भोग्यमासादिः ७।२६।१६।४८। वर्षनाम श्रावणः। मेघ ३ पुष्कर। समय निवासो रजकगृहे। रोहिणी निवासस्तटे। समय विश्वा २०। समय वाहनं चातकः। स्तम्भ २ जलवाय्वोः। सोमवत्यमां १। सोमवती पंचमी २। अंगारकी चतुर्थी १। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी १। रविदशमी २। समय मुहूर्ताः ३००। समयदिनानि ३५५। तिथिक्षयः १७। तिथि वृद्धिः १२। उत्पत्ति विश्वा ८७। खपतिविश्वा ११४। वर्षाविश्वा ११। धान्यम् १७। तृणम् १७। शीतम् ५। तेज ५। वायुः१३। शनिदृष्टिरुत्तरे। वृद्धिः१५। क्षयः१५। विग्रह११। ऐक्यं१०९। सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८। ग्रहणं१चंद्रस्य:।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

पौष शु. १५ यांबुधे स्वल्पग्रास
चंद्रग्रहणम् विश्वा ०।३२

		स्प.	म.	मो.
उज्जयिनी मध्यमकालः	घ.	५५	५६	५६
	प.	४५	११	३७
रेल्वे टाइम	घं.	४	४	५
	मि.	४५	५५	६

वर्ष लग्नम् ८।१४

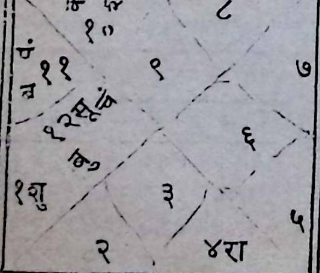

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तू जग सर्जनहार।
नव संवत् फल जानने आया भैरव द्वार ॥

भवानी उत्तर

आ भैरव नव वर्ष फल कहूँ तुझे समझाय।
शुभ फल ज्यादा जानियो संवत् उन्नीस मांय ॥
अधिक लिया इस वर्ष में सौम्य ग्रहां अधिकार।
चहुँ दिशि सुख-संपति बढ़े जग आनन्द अपार ॥
राजा गुरु मंत्री भृगु मेघ पति भये शुक्र।
दोनों के शुभ योग से विनशे जगत् कुचक्र ॥
सस्य पति शशिजी भये संवत् विश्वा बीस।
जल-वायु के स्तम्भ दो वर्षा विश्वा ईश(११)॥
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट निर्धार।
उत्तम वर्षा योग से नदियां बहे अपार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ७।१३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१८।३२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्-गुरौनृपेवर्षतिकामदंजल महीतलेकामदुघाश्च धेनवः । यजन्ति-विप्राः बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषुवर्तते ।। मंत्री शुक्रस्तत्फलम्-भृगुसुते ननु मंत्रि पदंगत शलभ मूषकरावथ माहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषुजलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्-सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाःपयो-मुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधन तत्परानृपा धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिस्तत्फलम्-दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहम् । सौराष्ट्र देश नष्टश्च यत्र धान्याधिपःशनिः ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्-भृगुसुते जलदस्यपतिर्यदा जलयुतो जलदा दिविशोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्-रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादि युताजनाः । प्रमुदितावरनायकपालिता बहुजलाखिलदेशसुरक्षिताः ।। नीरसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्तारजत वाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशो गुरुस्तत्फलम्-सुरगुरुःफल नायकतांगतो गत-भया वनराशि महाद्रुमाः । यजन याजनकोत्सवः मंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-धनपतिर्मृग लांछनकोयदा रसचयात् क्रयविक्रयतोधनम् । वसनशालयुगं धनजंबहु द्रविण तैल घृतं नृपसौख्यकम् ।। दुर्गेशो भृगुस्तत्फलम्-नरवरेषुविशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्य करोमतः । विनयवाणिजगेह समःसुखो गतवनंनिकटेपिच दूरतः ।। वर्षनाम श्रावण-स्तत्फलम्-मनोल्हादं प्रकुर्वन्तिजनाः सौख्यसमायुताः । श्रावणे वृष्टिरत्युग्रा गोमहिष्यादिकं सुखम् ।। राक्षस नाम संवत्सरस्त-त्फलम्-राक्षसाब्देऽखिलालोका राक्षसा इव निष्कृपाः । इन्द्रोपि नजलंदद्यात् सुभिक्षं नैव जायते ।। मेघनाम पुष्करस्तत्फलम्-पुष्करे मन्दवृष्टिश्च ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम्-तटेवृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम्-रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०१९ शाके१८८४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चै. शु. १२ चं. उफायां ल. ९ रे.८ ऽसू।।।।।।।ऽक्रां. गणितेन क्रां. साम्याऽभावः घ.४५।४३ या.

„ १३ मं. उफायां ल. ९ रे. ९ ऽसू।।।।।।।

वै. कृ. ६ गुरौ उषायां ल. ११ रे.८ ।।।।।मोह।। शनि पू.

वै. शु. ३ सूर्ये मृगे ल. ११ रे. ९ ।।।।ऽनृ।।। शनि १२ पू.

„ ११ भौमे हस्ते ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽ।।

ज्ये. कृ. २ चन्द्रे मूले ल. गो. रे. ७ ।।।ऽऽचो‍ऽ।।

„ ४ बुधे उषायां ल.गो.१२ रे.६।।ऽजु।ऽरो.ऽऽउल्का।। (आवश्यके) पादतो वेधाऽभावः

„ १० भौमे रेव. ल. ऽन्यगो. रे.८ ।।।।।ऽऽकुलिश।।

ज्ये. शु. ८ सूर्ये उफायां ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽशूल।।

„ ११ गुरौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।ऽगु।ऽग्नि‌ऽ।।

श्रा. कृ. ७ सूर्ये उभायां ल.ऽन्यगो. २ रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽऽ वृष लग्ने शु. पू.

आ. शु. ५ शनौ उफायां ल. १ रे. १० ।।।।।।।।। रा. पू.

„ ९ बुधे स्वात्यां ल.गो. रे.८।।ऽगु।ऽ।। पादतो.वे.

मा. कृ. १० बुधे उफायां ल. ६ रे. ८ ऽशु.।।।।।ऽ।। मौ. पू.

„ ११ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽचौऽऽ।।

मा. शु. २ बुधे मूले ल. ६ रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

„ २ गुरौ मूले ल.५ रे.८ ।।।।ऽनृऽ।। घ. ४३।११ या. गुरु शुक्रौ मध्यमौ

मा. कृ. ५ चन्द्रे उफायां ल. ८ रे. ९ ।।।।।।ऽउल्का।।

„ ६ बुधे हस्ते ल. ८ रे. ७ ।।।ऽग्निऽ।।

„ १० सूर्ये अनु.यां ल. ६ रे. ६ ।ऽ।।ऽऽऽ।।

„ १२ भौमे मूले रे.७।।ऽचं।ऽरोऽ।। ल.६घ.३७।३८उप.

मा. शु. ४ भौमे उभायां ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽचोऽऽ।।

„ ५ बुधे रेवत्यां ल. ८ रे. १० ।।।।।।।।।

„ १० सूर्ये रोहिण्यां ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽग्नि।ऽऽ।

फा. कृ. ३ चंद्रे उफायां ल. ८ रे. ७ ।।।ऽगुऽऽ।।।

„ ६ गुरौ स्वात्यां ल. ८ रे. ६ ऽऽ।।ऽ।।ऽक्रां। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः आवश्यके

„ ७ शनौ अनु.यां रे.८।।।।ऽनृ।ऽ।। ल.७ शु.मं.पूज्यौ.

„ ८ सूर्ये अनु.यां ल. ऽन्यगो. ६ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

„ १० भौमे मूले ल. ऽन्यगो. ६ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

फा. शु. २ चन्द्रे उभायां ल.६(घ.३५या.)रे.७।ऽ।।ऽनृ।।।चं.पू

„ ३ भौमे रेवत्यां रे.१० ।।।।।।।।। ल.६ चं.पू. लग्न८ तत्र रेखा ९

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Djgitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	शु	३७	३१	रे	२०	८	ऐं	३६/०	५३/०	किं	१२	७	३५/४	०५/४७	६/१३	५	२२	२९	मे.२०।८
२	शु	२९	१८	अ	१३	४१	वि	४१	५७	बा	३	२५	८	४६	१४	६	२३	३०	मेषे
३	श	२२	२९	भ	९	१२	प्री	३४	११	ग	२२	२९	१२	४६	१४	७	२४	१	वृ.२३।१८
४	र	१७	२४	कृ	५	३७	आ	२७	५९	वि	१७	२४	१६	४५	१५	८	२५	२	वृषे
५	चं	१४	३४	रो	४	११	सौ	२३	५२	बा	१४	३४	२०	४४	१६	९	२६	३	मि३४।४४
६	मं	१३	५८	मृ	५	१७	शो	२१	५	तै	१३	५८	२४	४३	१७	१०	२७	४	मिथुने
७	बु	१५	८	आ	८	७	अ	२०	५	व	१५	८	२८	४२	१८	११	२८	५	क.५६।४४
८	गु	१८	३२	पु	१२	५७	सु	२०	३१	ब	१८	३२	३२	४२	१८	१२	२९	६	कर्के
९	शु	२३	१९	पु	१९	१	धृ	२१	४५	कौ	२३	१९	३६	४१	१९	१३	३०	७	कर्के
१०	श	२९	१२	श्ले	२६	२२	शू	२४	९	ग	२९	१२	४०	४०	२०	१४	१	८	सिं२६।२२
११	र	३५	२६	म	३३	४७	गं	२६	२६	व	२	१९	४४	३९	२१	१५	२	९	सिंहे
१२	चं	४१	५४	पू	४१	३३	वृ	२९	३	ब	८	४०	४८	३९	२१	१६	३	१०	कं.५८।२०
१३	मं	४७	५६	उ	४८	४१	ध्रु	३१	१५	कौ	१४	५७	५१	३८	२२	१७	४	११	कन्यायां
१४	बु	५३	३३	ह	५५	३३	व्या	३३	७	ग	२०	२९	५४	३७	२३	१८	५	१२	कन्यायां
१५	गु	५८	६	चि	६०	०	ह	३४	२१	वि	२५	४९	५८	३६	२४	१९	६	१३	तु.२८।३०

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण: २९२२स.१९६२

संवत्सारम्भः नवरात्रारम्भः
चन्द्रदर्शनम् मत्स्य ज. सिंधारा
भ.४९।५६ उ. गौरी ब्र. जिल्काद ११
भ. १७।२४ या. रेवत्यां बुधः २९।५०
भरण्यां शुक्रः १७।५७ कल्पादिः
श्रवणे३ शनिः ५३/४६ शते२ गुरुः २६।४९
भ. १५।८ उ.४६/५० या. मीने भौमः ९।२५

मेषेऽश्विन्यामर्कः ३९।४९ रामनवमी

भ.१९/२ उ.३५/२६ या. उभायां भौमः ३०/२२ मेषे×
×बुधः १३/७ कामदा ११ब्र. पार्श्वस्पर्शः ४२/५७+
प्रदोष ब्र.
भ. ५३।३३ उ. +मोक्षः ५९।१
भ. २५।४९ या. मन्वादिः हनुमज्जयंती

५२पं. चै.शु. १बृ.इ.२६।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१०	०	९	३	११
२१	२५	१०	८	८	१६	२१	२१
५६	३२	५९	५५	३३	१६	४०	५३
३	५३	२७	३७	२५	५१	४३	२९
५९	४५	५/०	११	७४	४	३	५९
४	५९	०/३५	४७	१४	३०	११	४

गोचरग्रहाः

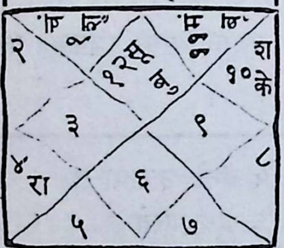

चैत्र शु. ९ शुक्रे
मेंषेऽर्कः प्र. वा.३
न. ४ युवावस्था
(सूती) मु. १५
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

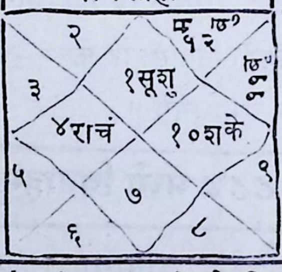

१पं.च.शु.९ शु.इ.४२।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	१०	०	९	३	०
०	१	२७	१०	१८	१६	२१	०
२	५७	१९	३६	३७	५०	१४	०
१२	३	४	१	३४	३४	४१	०
५८	४५	०/३	११	७९	३	३	५८
४५	४९	०/३४	४	२	४६	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	शु	६०	०	चि	१	२७	व	३४	३९	बा	२९	५८	३२/२	५/३६	६/२४	२०	७	१४	तुलायां
१	श	१	५०	स्वा	६	२७	सि	३४	२१	कौ	१	५०	६	३५	२५	२१	८	१५	वृ.५४।२०
२	र	४	३८	वि	१०	१८	व्य	३३	१५	ग	४	३८	१०	३४	२६	२२	९	१६	वृश्चिके
३	चं	६	५	अ	१३	२१	व	३१	२३	वि	६	५	१४	३३	२७	२३	१०	१७	वृश्चिके
४	मं	६	२९	ज्ये	१५	२०	प	२८	३५	बा	६	२९	१८	३२	२८	२४	११	१८	ध.१५।२०
५	बु	६	५	मू	१६	१५	शि	२४	५९	तै	६	५	२२	३२	२८	२५	१२	१९	धनुषि
६	गु	४	२८	पू	१६	३	सि	२०	३९	व	४	२८	२६	३१	२९	२६	१३	२०	म.३०।४२
७	शु	१	५५	उ	१४	३८	सा	१५	१०	ब	१	५५	२९	३०	३०	२७	१४	२१	मकरे
८	शु	५६	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	श	५३	१५	श्र	१२	१८	शु	८	५३	तै	२५	४४	३३	२९	३१	२८	१५	२२	कु.४१।३६
१०	र	४७	१७	ध	१०	५४	शु	४२/१	५१/३३	व	२०	१६	३६	२९	३२	२९	१६	२३	कुंभे
११	चं	४०	४	श	४/९	५२/२	ऐं	४५	११	ब	१३	४०	४०	२८	३२	३०	१७	२४	मी४५।२६
१२	मं	३२	५३	उ	५२	५६	वै	३५	५४	कौ	६	२८	४३	२७	३३	१	१८	२५	मीने
१३	बु	२४	२४	रे	४६	४६	वि	२६	२१	ग	२४	२४	४६	२७	३३	२	१९	२६	मे.४६।४६
१४	गु	१६	१४	अ	४०	३९	प्री	१६	५९	श	१६	१४	५०	२६	३४	३	२०	२७	मेषे
३०	शु	८	९	भ	३५	१८	आ	५८/७	५५/५१	ना	८	९	५४	२५	३५	४	२१	२८	वृ.४३।१६

वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

कृत्तिकायां शुक्रः १०।२८
भरण्यां बुधः १४।५७
भ. ३५।२२ उ. वृषे शुक्रः५२।३७ च.ब्र.
भ. ६।५ या.

भ. ४।२८ उ. ३३।१२ या.
कृतिकायां बुधः ३९/४२ भरण्यां रविः २१/१३+

शते३ गुरुः ४०/५४ +पश्चिमोदयं बुधः ३६/३०
भ.२०।१६ उ.४७/५७या. वृषे बुधः२१।२०
वरूथिनी ११ ब्र. निं.
मई मा.५ ता.३१ रोहिण्यां शुक्रः२।३९
भ.२४/२४ उ.५०।१९ या. रेवत्यां भौमः४२/५२

रोहिण्यां बुधः ५२।२

२पं. वै.कृ.१श.इ.४२।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१०	०	९	३	०
६	७	१२	११	२७	१७	२०	६
५२	२३	११	५५	१९	१३	५२	५०
२८	४५	३४	५८	४८	८	३०	४१
५८	४५	०/५	१०	७३	६	३	५८
२९	५५	०/५	२४	५८	३	११	३१

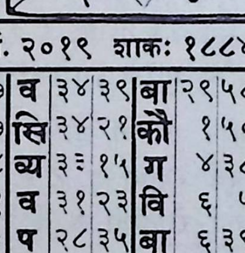

३पं. वै.कृ.७शु.इ.४२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१०	१	९	३	०
१३	१२	२६	१३	५	१७	२०	१३
४०	४८	४५	१०	५४	३१	३०	३९
४८	३६	५०	३०	१८	३३	१४	४२
५८	४५	०/५	९	७३	२	३	५८
१२	५५	०/३	४७	५६	२७	११	१९

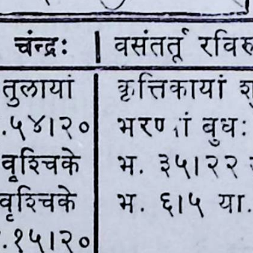

४पं.वै.कृ.३०शु.इ.४२।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	१	९	३	०
२०	१८	९	१४	१४	१७	२०	२०
३७	११	४४	२०	२७	४५	७	२७
२८	२७	४९	१३	७	२१	५८	२०
५७	४५	९९	९	७३	१	३	५८
५७	४४	२२	२	४६	४७	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२९५२ सन्१९६२
१	श	१	४	कृ	३१	९	शो	५२	५६	ब	१	४	३२/५८	५/२४	६/३६	५	२२	२९	वृष	चंद्रदर्शनम्
२	श	५४	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	परशुराम ज. जिल्हेज १२ अक्षया ३
३	र	५१	३२	रो	२८	२८	अ	४७	१४	तै	२३	३१	३/३१	२४	३६	६	२३	१	मि५८।८	भ.३/६०उ.४९।४२या. सार्प१राहुःश्रवणे३×
४	चं	४९	४२	मृ	२७	४८	सु	४३	१२	व	२०	३७	४	२३	३७	७	२४	२	मिथुने	
५	मं	४९	४५	आ	२९	८	धृ	४१	८	ब	१९	४३	७	२३	३७	८	२५	३	मिथुने	
६	बु	५१	५५	पु	३२	३५	शू	४०	४२	कौ	२०	५०	१०	२२	३८	९	२६	४	क.१६।४४	
७	गु	५५	५३	पु	३७	४८	गं	४०	५४	ग	२३	५४	१३	२१	३९	१०	२७	५	कर्क	भ. ५५।५३ उ. ×केतुः १३।१
८	शु	६०	०	श्ले	४४	१७	वृ	४२	३६	वि	२८	३१	१६	२१	३९	११	२८	६	सिं४४।१७	भ. २८।३९ या. कृत्ति. रविः ९।८
८	श	१	२६	म	५१	२५	ध्रु	४४	५१	ब	१	२६	१८	२०	४०	१२	२९	७	सिंहे	मृगे शुक्रः ०।४९
९	र	७	१२	पू	५९	५	व्या	४७	१७	कौ	७	१२	२१	२०	४०	१३	३०	८	सिंहे	
१०	चं	१३	४२	उ	६०	०	ह	४९	४४	ग	१३	४२	२४	१९	४१	१४	३१	९	कं.१५।५८	भ. ४६।४२ उ. वृषेऽर्कः २६।५५
११	मं	१९	४३	उ	६	३६	व	५१	३४	वि	१९	४३	२७	१९	४१	१५	१	१०	कन्यायां	भ. ५९/४३ या. मोहिनी ११व्र. मृगे बुधः ४६/४६
१२	बु	२५	११	ह	१३	३०	सि	५२	५३	बा	२५	११	३०	१८	४२	१६	२	११	तु.४६।२६	
१३	गु	२९	२६	चि	१९	२३	व्य	५३	१३	तै	२९	२६	३३	१७	४३	१७	३	१२	तुलायां	मिथुने शुक्रः २६।५
१४	शु	३२	२७	स्वा	२३	५८	व	५२	३०	ग	१	२६	३६	१७	४३	१८	४	१३	तुलायां	भ. ३२।२७ उ. नरसिंह ज.
१५	श	३४	११	वि	२७	२३	प	५०	४८	वि	३	१९	३८	१६	४४	१९	५	१४	बृ.११।३२	भ. ३।१९ या. अन्नजलकुंभदानं

५पं. वै.शु.८शु इ.४३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	१	९	३	०
२७	२३	१८	१५	२२	१७	१९	२७
१२	३१	४७	२३	५८	५४	४५	१२
४२	५५	३५	५६	१२	३६	४३	३३
५७	४५	६८	८	७३	१	३	५७
४५	४०	२७	२	३२	८	११	५४

गोचरग्रहाः

वैशाखशु.१०चंद्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

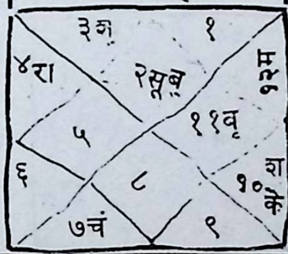

६पं. वै.शु.१४शु इ.४३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	१०	२	९	३	१
३	२८	२४	१६	१	१७	१९	३
५६	५१	४९	२१	२६	५९	२३	५८
२०	७	३३	३	३५	२०	२७	२१
५७	४१	३०	६	७३	०	३	५७
३४	४४	२७	५५	२०	२१	११	५४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३४	३०	अ	३०	६	शि	४८	१२	बा	४	२०	३३/४०	५/१६	६/४४	२०	६	१५	वृश्चिके	मेषे भौमः १४।१५
२	चं	३३	४९	ज्ये	३०	१८	सि	४४	३९	तै	४	९	४३	१५	४५	२१	७	१६	ध.३०।१८	शते ४ गुरुः २७।३०
३	मं	३१	५५	मू	३०	२३	सा	४०	२९	व	२	५२	४६	१५	४५	२२	८	१७	धनुषि	भ.२।५२ उ.३१/५५ या. वक्री शनिः८।२०
४	बु	२९	१६	पू	२९	३४	शु	३५	३५	ब	०	३६	४८	१४	४६	२३	९	१८	म.४४।१०	आर्द्रायां शुक्रः ४।४६
५	गु	२५	५०	उ	२८	४	शु	३०	१०	तै	२५	५०	५०	१४	४६	२४	१०	१९	मकरे	वक्री बुधः ४६।४९
६	शु	२२	२	श्र	२६	३	ब्र	२४	१९	व	२२	२	५२	१४	४६	२५	११	२०	कुं.५४।१०	रोहिण्यांरविः ३।४ भ. २३/२ उ. ४९/४८ या.
७	श	१७	३३	ध	२२	१८	ऐं	१७	५४	ब	१७	३३	५४	१३	४७	२६	१२	२१	कुम्भे	
८	र	१२	३८	श	१९	१२	वै	११	६	कौ	१२	३८	५६	१३	४७	२७	१३	२२	कुम्भे	
९	चं	७	६	पू	१५	१२	वि	४/१	५२/२४	ग	७	६	५८	१२	४८	२८	१४	२३	मी१।१२	भ.३४।१६ उ. पश्चिमास्तं बुधः५१।२१
१०	मं	१	२६	उ	११	२६	आ	४८	२८	वि	१	२६	३४/०	१२	४८	२९	१५	२४	मीने	भ. १।२३ या. अपरा ११ व्र. स्मा.
११	मं	५३	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	बु	४८	२०	रे	६	५६	सौ	४०	३६	कौ	२१	३५	२	१२	४८	३०	१६	२५	मे.६।५६	अपरा ११ व्र. वै.
१३	गु	४१	५९	अ	२६	५५/४८	शो	३२	४७	ग	१५	९	४	११	४९	३१	१७	२६	मेषे	भ. ४१।५९ उ. प्रदोष व्र.
१४	शु	३५	५४	कृ	५४	३८	अ	२५	२६	वि	८	५६	६	११	४९	१	१८	२७	बृ.१२।२०	भ. ८।५६ या. **जून मा. ६ ता. ३०**
३०	श	३०	४९	रो	५२	०	सु	१८	४४	च	३	२१	८	१०	५०	२	१९	२८	बृषे	भावुका ३० वट पूजनम्

७पं. ज्ये.कृ.६शु.इ.४३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	२	९	३	१
१०	४	२६	१७	९	१७	१९	१०
३८	८	५७	११	५३	५८	१	४२
३१	२७	५४	४५	२४	४०	१२	३०
५७	४५	४/४४	६	७२	०/२२	३	५७
२३	९	ब	४	११	ब	११	३७

गोचरग्रहाः

इस मास में रुई चांदी में घटाबढ़ी के साथ तेजी होगी धान्य जौ गेहूँ चना मूंग मोंठ बाजरा रसकस मंदे होंगे।

गोचरग्रहाः

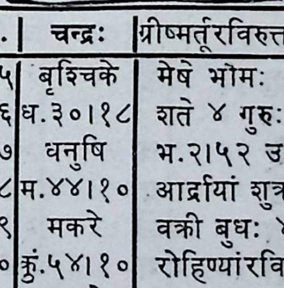

८पं.ज्ये.कृ.१४शु.इ.४३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	२	९	३	१
१७	९	२५	१७	१८	१७	१८	१७
१९	२२	२३	५४	१६	५३	३८	२५
३७	५६	४२	३६	४८	३१	५६	८
५७	४४	३६/३२	४	७२	१/४	३	५७
१३	५७	ब	५९	५०	ब	११	३७

*शकेचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२९८१ स.१९६२
१	र	२६	५५	मृ	५०	५४	धृ	१२	५५	ब	२६	५५	३४/१०	५/१०	६/५०	३	२०	२९	मि२१।२७	पुनर्वसौ शुक्रः ८।२५
२	चं	२४	४५	आ	५१	१८	शू	८	२८	कौ	२४	४५	११	१०	५०	४	२१	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	२४	१७	पु	५३	३६	गं	५	२३	ग	२४	१७	१२	१०	५०	५	२२	१	क.३८।२	भ. ५५।४ उ. मोहरम १ सन् १३८२
४	बु	२५	५१	पु	५७	४६	वृ	४	५०	वि	२५	५१	१३	९	५१	६	२३	२	कर्के	भ. २५/५१ या. वक्री रोहिण्यां बुधः २३।७
५	गु	२९	०	श्ले	६०	०	ध्रु	३	२१	बा	२९	०	१५	९	५१	७	२४	३	कर्के	भरण्यां भौमः ३।०
६	शु	३४	४०	श्ले	२	२६	व्या	४	२५	कौ	१	५०	१६	९	५१	८	२५	४	सिं२।२६	मृगे रविः १।५३
७	श	३९	२०	म	१०	५	ह	६	७	ग	७	०	१६	९	५१	९	२६	५	सिंहे	भ. ३९।२० उ.
८	र	४५	३२	पू	१७	३५	व	८	२९	वि	१२	२६	१७	९	५१	१०	२७	६	कं.३४।२४	भ. १२।२६ या.
९	चं	५१	३५	उ	२५	४	सि	१०	५३	बा	१८	३३	१८	८	५२	११	२८	७	कन्यायां	कर्के शुक्रः २९।३१
१०	मं	५७	८	ह	३३	८	व्य	१३	९	तै	२४	२१	१९	८	५२	१२	२९	८	कन्यायां	गंगादशमी
११	बु	६०	०	चि	३९	२५	व	१४	५३	व	२९	२२	२०	८	५२	१३	३०	९	तु.६।१७	भ. २९।२२ उ. निर्जला ११ व्र. स्मा.
११	गु	१	३७	स्वा	४४	२४	प	१५	२५	वि	१	३७	२१	८	५२	१४	३१	१०	तुलायाँ	भ.१/३७या.पुष्येशुक्रः३/२० निर्जला११व्र.वै.
१२	शु	४	२१	वि	४७	४५	शि	१४	५९	बा	४	२१	२२	८	५२	१५	३२	११	वृ.३१।५५	मिथुनेऽर्कः २।४१ प्रदोषः
१३	श	५	४७	अ	४९	३३	सि	१३	७	तै	५	४७	२२	८	५२	१६	१	१२	वृश्चिके	पूर्वोदयं बुधः ३०।५६
१४	र	५	१८	ज्ये	४९	३८	सा	१०	४	व	५	१८	२२	८	५२	१७	२	१३	ध.४९।३८	भ. ५।१८ उ. ३४।२० या.
१५	चं	३	२१	मू	४८	३२	शु	५	४८	ब	३	२१	२३	८	५३	१८	३	१४	धनुषि	मन्वादिः वटसावित्री व्र. गुर्जराणां

९पं.ज्ये.शु.६शु.इ.४३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	२	९	३	१
२३	१४	२१	१८	२६	१७	१८	२४
५९	३५	५६	२९	३९	४३	१६	१७
३३	२	१३	३८	२५	५१	४०	१२
५७	४४	३२/११	३	७२	१/४६	३	५७
५	५०	व	५३	२७	व	११	२१

गोचरग्रहाः

ज्ये. शु. १२ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५न.५ कुमाराव-स्था [बैठी] मु.४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

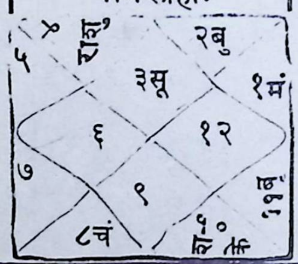

१०पं.ज्ये.शु.१२शु.इ.४३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	३	९	३	२
०	१९	१८	१८	४	१७	१७	०
३८	४३	५०	५६	५७	२९	५४	४८
४२	५१	९	१६	२४	४९	२५	२६
५६	४४	३०/३८	२	७२	२/२०	३	५७
५७	३३	व	३६	५	व	११	१६

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	०	६	पू	४६	३२	शु	३६	५४/०	कौ	०	६	३३/२४	५/७	६/५३	१९	४	१५	धनुषि	
२	मं	५५	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	५०	५८	उ	४३	२४	ऐं	४८	१	व	२३	२७	२३	७	५३	२०	५	१६	म.०।४५	भ. २३/२७ उ.५०/५८ या. मार्गी बुधः ५२।५६
४	गु	४५	३३	श्र	४०	१०	वै	४१	५	ब	१८	१५	२४	७	५३	२१	६	१७	मकरे	चतुर्थी व्रतम्
५	शु	४०	०	ध	३६	४१	वि	३४	७	कौ	१२	४६	२४	७	५३	२२	७	१८	कु.८।२५	आर्द्रायां रविः ४।१३
६	श	३४	३९	श	३३	५	प्री	२७	१०	ग	७	२०	२४	७	५३	२३	८	१९	कुम्भे	भ. ३४।३९ उ.
७	र	२९	९	पू	२९	४४	आ	२०	११	वि	१	५४	२४	७	५३	२४	९	२०	मी१५।३४	भ. १।५४ या.
८	चं	२३	५९	उ	२६	२२	सौ	१३	५	कौ	२३	५९	२३	७	५३	२५	१०	२१	मीने	कृत्तिकायां भौमः ५३/५१ सार्पे शुक्रः ३६/४१
९	मं	१८	३७	रे	२३	२	शो	६/४	५३/२०	ग	१८	८७	२३	७	५३	२६	११	२२	मे.२३।२	भ. ४६।७ उ.
१०	बु	१३	३८	अ	२०	९	सु	५२	५७	वि	१३	३८	२३	७	५३	२७	१२	२३	मेषे	भ. १३।३८ या.
११	गु	८	५२	भ	१७	३१	धृ	४६	५४	बा	८	५२	२३	७	५३	२८	१३	२४	वृ.३१।५८	योगिनी ११ व्र.
१२	शु	४	३६	कृ	१५	२१	शू	४१	२४	तै	४	३६	२२	८	५२	२९	१४	२५	वृषे	वृषे भौमः ५२।१९ प्रदोष व्र.
१३	श	१	७	रो	१३	४९	गं	३६	२५	व	१	७	२१	८	५२	३०	१५	२६	मि४३।४७	भ.१/७उ.३९/२४या. मृगे बुधः५२/५७ वक्री गुरुः४/५
१४	श	५७	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	५६	५९	मृ	१३	४४	वृ	३२	८४	च	२७	४०	२०	८	५२	१	१६	२७	मिथुने	जुलाई मा. ७ ता. ३१

११पं.आ.कृ.५शु.इ.४३।२१

र	मं	वु	ग	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	३	९	३	२
७	२४	१८	१९	१३	१७	१७	७
१७	५०	४७	१३	१२	११	३२	२
११	९	६	४८	४६	३५	५	२२
५६	४४	७/१८	१	७१	२/५६	३	५७
५४	१७	मा	१६	४४	व	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ रहेगा, धान्यादि के भाव मन्दे होंगे ।

गोचरग्रहाः

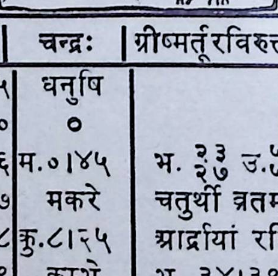

१२पं.आ.कृ.१२शु.इ.४३।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	३	९	३	२
१३	२९	२२	१९	२१	१६	१७	१४
५५	५३	२९	२२	२५	४९	९	९
१३	२४	३८	३७	३०	५५	५४	५१
५६	४३	४३	०/४	७१	३/३५	३	५७
५०	५१	४८	मा	१५	व	११	७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३०१०स.१९६२
१	चं	५६	५२	आ	१४	११	ध्रु	२९	२८	किं	२६	५७	३४/५९	५/८	६/५२	२	१७	२८	मिथुने	वक्री श्रवणे २ शनिः २९।२०
२	मं	५८	२६	पु	१६	२०	व्या	२७	५३	बा	२७	३९	१८	८	५२	३	१८	२९	क.०।४८	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु	६०	०	पु	१९	५४	ह	२६	५७	तै	२९	५३	१७	९	५१	४	१९	१	कर्के	सफ्फर २
३	गु	१	२०	श्ले	२४	५६	व	२७	१६	ग	१	६०	१६	९	५१	५	२०	२	सिं२४।५६	भ. ३३।३८ उ.
४	शु	५	५६	म	३१	२५	सि	२८	३५	वि	५	५६	१४	९	५१	६	२१	३	सिंहे	भ ५६ या. मिथुनेबुधः४१।४३ पुनर्वसौरविः ८।१४
५	श	११	५	पू	३८	१४	व्य	३०	४८	बा	११	५	१२	१०	५०	७	२२	४	कं.५५।१४	मघायां सिंहे च शुक्रः ५।२५
६	र	१७	२२	उ	४५	३५	व	३३	१५	तै	१७	२२	११	१०	५०	८	२३	५	कन्यायां	
७	चं	२३	२९	ह	५३	२३	प	३५	४५	व	२३	२९	१०	१०	५०	९	२४	६	कन्यायां	भ.२३।२९ उ.५६।२२ या. पुष्ये४ राहुः श्रवणे२×
८	मं	२९	१४	चि	६०	०	शि	३७	५५	ब	२९	१४	८	१०	५०	१०	२५	७	तु.२६।४७	
९	बु	३४	६	चि	०	११	सि	३९	१४	बा	१	४०	७	११	४९	११	२६	८	तुलायां	आर्द्रायां बुधः ३०।१८ ×केतुः ७।३
१०	गु	३७	२३	स्वा	५	५५	सा	३९	२०	तै	५	४४	५	११	४९	१२	२७	९	वृ.५४।६	मन्वादिः
११	शु	३९	११	वि	१०	९	शु	३८	१२	व	८	१७	४	११	४९	१३	२८	१०	वृश्चिके	भ. १८।७ उ. ३९।१ या. रोहिण्यां भौमः ५७।१०+
१२	श	३८	५२	अ	१२	१३	शु	३५	३०	ब	९	१	२	१२	४८	१४	२९	११	वृश्चिके	हरिवासराऽभावः +देवशयनी ११व्र.
१३	र	३६	३९	ज्ये	१२	२	ब्र	३१	१९	कौ	७	४६	०	१२	४८	१५	३०	१२	ध.१२।९	प्रदोषः व्र.
१४	चं	३२	३७	मू	११	२९	ऐं	२५	४७	ग	४	३३	३३/५८	१२	४८	१६	३१	१३	धनुषि	भ.३२।३७ उ. भ ५९।५६ या. कर्केऽर्कः ४०।५८=
१५	मं	२७	१४	पू	८	३२	वै	१९	८	वि	२७	१४	५६	१३	४७	१७	१	१४	म.२२।३१	मन्वादिः व्यास पूजा =वायुपरीक्षा

१३पं.आ.शु.४शु.इ.४२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	१०	३	९	३	२
२०	४	२९	१९	२९	१६	१६	२०
३३	५२	५८	२१	३३	२५	४७	५०
८	५८	३७	१४	५०	१	३८	१०
५६	४३	८०	१७	७०	५५	३	५७
५०	४२	११	ब	३६	ब	११	७

गोचरग्रहाः

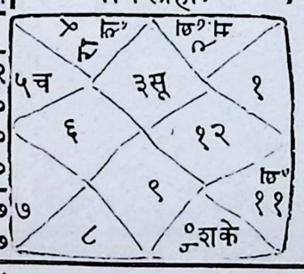

आषाढ़शु.१४चंद्रे
कर्केऽर्कः प्र.वा.४
न.५ वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

१४पं.आ.शु.११शु.इ.४३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	१०	४	९	३	२
२७	९	१०	१९	७	१५	१६	२७
११	४९	३७	९	३७	५७	२५	३०
१५	४८	४८	५०	८	२५	२३	३४
५६	४३	०	३३	६९	४	३	५७
५५	१९	३६	ब	५७	ब	११	१२

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२०	४०	उ	४/२८	५४/५४	वि	११	२८	कौ	२०	४०	३३/५४	५/१३	६/४७	१८	२	१५	मकरे	पुनर्वसौ बुधः ४।७ पूफायां शुक्रः ५।२ पूर्वास्तं*
२	गु	१३	३५	ध	५४	१७	प्री	३/५	५९/३०	ग	१३	३५	५२	१४	४६	१९	३	१६	कु.२६।४९	भ. ३९।५५ उ. *बुधः २०।६
३	शु	६	१५	श	४९	४	सौ	४६	५	वि	६	१५	५०	१४	४६	२०	४	१७	कुम्भे	भ. ६।१५ या. पुष्ये रविः ११।३९
४	शु	५२	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	श	५८	१४	पू	४४	१४	शो	३७	४५	कौ	२५	३९	४७	१५	४५	२१	५	१८	मी३०।२७	नाग ५ मरुस्थले
६	र	४६	५	उ	३९	५३	अ	२९	५०	ग	१९	९	४४	१५	४५	२२	६	१९	मीने	भ. ४६।५ उ.
७	चं	४०	२५	रे	३६	१८	सु	२२	२६	वि	१३	१५	४३	१५	४५	२३	७	२०	मे.३६।१८	भ. १३।१५ या. कर्के बुधः ४२।१४
८	मं	३५	४६	अ	३३	२६	धृ	१५	३७	बा	८	५	४०	१६	४४	२४	८	२१	मेषे	
९	बु	३१	५१	भ	३१	२१	शू	९	३२	तै	३	४८	३७	१७	४३	२५	९	२२	बृ.४६।१	पुष्ये बुधः ८।२
१०	गु	२८	४६	कृ	३०	१३	गं	४/७	५५/२०	व	०	१८	३५	१७	४३	२६	१०	२३	बृषे	भ. ०।१८ उ. २८।४६ या.
११	शु	२६	३५	रो	२९	५६	ध्रु	५५	२९	बा	२६	३५	३२	१८	४२	२७	११	२४	मि५९।५८	कामिका ११ व्र.
१२	श	२५	२२	मृ	३०	१७	व्या	५२	२९	तै	२५	२२	२९	१८	४२	२८	१२	२५	मिथुने	प्रदोष व्र.
१३	र	२५	१८	आ	३२	८	ह	५०	१०	व	२५	१८	२६	१९	४१	२९	१३	२६	मिथुने	भ. २५।१८ उ. ५५।३९ या.
१४	चं	२६	१	पु	३४	५८	व	४८	५४	श	२६	१	२३	१९	४१	३०	१४	२७	क.२९।१६	उफायां शुक्रः ३६।३३
३०	मं	२८	२४	पु	३८	५०	सि	४८	३०	ना	२८	२४	२०	२०	४०	३१	१५	२८	कर्के	सार्पे बुधः २९।६ हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.३शु.इ.४२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	१०	४	९	३	३
३	१४	२३	१८	१५	१५	१६	३
४९	४२	५५	५०	३५	२७	३	११
४३	१०	२२	१६	२	४६	७	१५
५६	४३	३८	४७	६९	३१	३	५७
५७	३९	०	ब	४	ब	११	१५

गोचरग्रहाः

इस मास का फल मध्यम है, कहीं वर्षा अधिक और कहीं कम हो, धान्यादि तेज, शेयर में तेजी।

गोचरग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.११शु.इ.४२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१०	४	९	३	३
१०	१९	८	१८	२३	१४	१५	१०
२९	३०	४१	२१	२६	५७	४०	५२
०	५७	५६	५०	२८	०	५१	९
५७	४२	२९	५३	६८	४०	३	५७
५	८	५२	ब	८	ब	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	बु	३१	४२	श्ले	४३	४९	व्य	४८	४३	किं	०	३	३३/१८	५/२०	६/४०	१	१६	२९	सिं४३।४९
२	गु	३६	३१	म	४९	३५	व	५०	८	बा	४	६	१५	२१	३९	२	१७	३०	सिंहे
३	शु	४१	४८	पू	५६	५२	प	५१	४४	तै	९	९	१२	२२	३८	३	१८	१	सिंहे
४	श	४७	५५	उ	६०	०	शि	५४	३	व	१४	५१	९	२२	३८	४	१९	२	कं.१३।४५
५	र	५४	५	उ	४	२४	सि	५६	४४	ब	२१	०	६	२३	३७	५	२०	३	कन्यायां
६	चं	६०	०	ह	१२	५	सा	५९	१७	कौ	२७	१०	३	२३	३७	६	२१	४	तु.४५।४८
६	मं	०	१६	चि	१९	३१	शु	६०	०	तै	०	१६	०	२४	३६	७	२२	५	तुलायां
७	बु	५	३६	स्वा	२६	३	शु	१	२०	व	५	३६	३२/५७	२५	३५	८	२३	६	तुलायां
८	गु	९	४४	वि	३१	२३	शु	२	१८	ब	९	४४	५४	२५	३५	९	२४	७	वृ.१५।३
९	शु	१२	२४	अ	३५	१	ब्र	२	१३	कौ	१२	२४	५०	२६	३४	१०	२५	८	बृश्चिके
१०	श	१३	१	ज्ये	३६	९	ऐं	०/३८	५७/०	ग	१३	१	४७	२७	३३	११	२६	९	ध.३९।९
११	र	११	४०	मू	३६	१८	वि	५२	५२	वि	११	४०	४३	२७	३३	१२	२७	१०	धनुषि
१२	चं	८	२	पू	३४	२	प्री	४६	३८	बा	८	२	४०	२८	३२	१३	२८	११	म.४८।०
१३	मं	२	४४	उ	२९	५५	आ	३८	५०	तै	२	४४	३६	२९	३१	१४	२९	१२	मकरे
१४	मं	५३	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	बु	४७	२८	श्र	२४	२७	सौ	२३	५६	वि	२१	३६	३२	३०	३०	१५	३०	१३	कुं.५१।१४

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०४० सन् १९६२

अगस्त मा.८ ता.३१ *चन्द्रदर्शनम्
मृगशीर्षे भौमः २१/३६ कन्यायां शुक्रः ३६/२२*
अश्ले. रविः १२।३६ तीज रविलावल ३
भ. १४।५१ उ. ४७।५५ या. वरद ४
नागपंचमी

मघायां सिंहे च बुधः १६।२
भ. ५।३६ उ. ३७।४० या.

भ. ४३/२१ उ. हस्तेशुक्रः ४२/२९ पश्चिमोदयीबुधः २८/५२
भ ११/४० या. मिथुनेभौमः १३/४० पवित्रा ११ व्र.
वक्री शते ३ गुरुः ५३।१ प्रदोष व्र.
भ. ५५।४५ पूफायां बुधः ३२।१३

भ. २१।३६ या. श्रावणीकर्म रक्षाबन्धन

१७पं.श्रा.शु.३शु.इ.४२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१८	५	९	३	३
१७	२४	२३	१७	१	१४	१५	१७
८	१६	९	४४	१४	२५	१८	२४
४७	२२	४८	३१	९	३३	३६	१
५७	४१	०/४	५/१९	६६	४/४०	३	५७
१२	४४	३६	व	५९	व	११	२४

गोचरग्रहाः

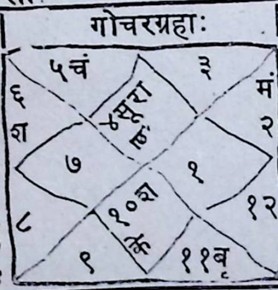

इस पक्ष का फल उत्तम है। वर्षा श्रेष्ठ होगी। रुई चांदी सोना लोहा तांबा में साधारण मंदे होंगे।

गोचरग्रहाः

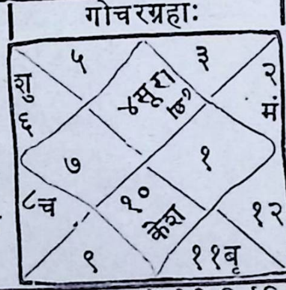

१८पं.श्रा.शु.९ शु.इ.४२।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१०	५	९	३	३
२३	२८	६	१७	८	१३	१४	२४
४९	५७	२१	१	५४	५४	५६	१६
५४	३२	४	३२	३	३६	२०	२६
५७	४१	[illegible]	३/४४	६५	४/३३	३	५७
२२	६	३९	व	३५	व	११	३३

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	गु	३८	३९	ध	१८	१	शो	२०	३१	बा	१३	३	३२/२९	५/३०	६/३०	१६	३१	१४	कुंभे
२	शु	२९	४४	श	११	८	अ	१०	३०	तै	४	१२	२६	३१	२९	१७	३२	१५	मी५०।४५
३	श	२०	५७	पू	५७	५४	सु	२८	२१	वि	२०	५७	२२	३२	२८	१८	१	१६	मीने
४	र	१२	३९	रे	५२	२५	शू	४१	४२	बा	१२	५९	१९	३२	२८	१९	२	१७	मे.५२।२५
५	चं	५	४७	अ	४८	१	गं	३३	२३	तै	५	४७	१५	३३	२७	२०	३	१८	मेषे
६	चं	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	मं	५५	१६	भ	४५	३	वृ	२६	११	वि	२७	३७	१२	३४	२६	२१	४	१९	वृ.५९।३७
८	बु	५२	१५	कृ	४३	२१	ध्रु	२०	८	बा	२३	८	९	३४	२६	२२	५	२०	बृषे
९	गु	५०	२४	रो	४३	११	व्या	१५	९	तै	२१	१९	४	३५	२५	२३	६	२१	बृषे
१०	शु	४९	५८	मृ	४४	१	ह	११	२०	व	२०	११	०	३६	२४	२४	७	२२	मि१३।३६
११	श	५०	५२	आ	४६	२८	व	८	३०	ब	२०	२५	३१/५६	३७	२३	२५	८	२३	मिथुने
१२	र	५२	४७	पु	४९	५०	सि	६	५५	कौ	२१	४९	५२	३८	२२	२६	९	२४	क.३४।०
१३	चं	५६	१०	पु	५४	३२	व्य	६	८	ग	२४	२८	४८	३८	२२	२७	१०	२५	कर्के
१४	मं	६०	०	श्ले	६०	०	व	६	३०	वि	२८	१४	४४	३९	२१	२८	११	२६	कर्के
१४	बु	०	१९	श्ले	०	४	प	६	५७	श	०	१९	४०	४०	२०	२९	१२	२७	सिं ०।१४
३०	गु	५	३३	म	६	२८	शि	८	२६	ना	५	३३	३६	४१	१९	३०	१३	२८	सिंहे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ५५।२० उ. सिंहेऽर्कः ८।५३
भ. २०/५७ या. वक्री श्रव १ शनिः ४३/३५ च.व्र.

भ. ५९।५९ उ. चन्द्रषष्ठी

भ. २७।३७ या.
आर्द्रायां भौमः ३४/१७ उफायां बुधः ३८।५७*
गोगा ९
भ. २०/११ उ. ४९/५८ या. कन्यायांबुधः ५१/२३ चित्रा.×
अजा ११ व्र.
वत्स १२ *मन्वादिः श्रीकृष्ण ज.
भ. ५६।१० उ. प्रदोष व्र. ×शुक्रः २३/३७
भ. २८।१४ या.
पिठोरी ३० कुशाग्रहणी
पूफायां रविः ५९।४५ कुशाग्रहणी ३०

१९पं. भा.कृ.२शु.इ.४२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१०	५	९	३	४
०	३	१८	१६	१६	१३	१४	०
२२	२४	४३	१२	२०	२४	३४	५९
७	१२	५१	२१	२०	१८	४	४८
५७	४०	[illegible]	२६	६३	[illegible]	३	५७
३४	४०	१२	व	५३	व	११	३०

गोचरग्रहाः

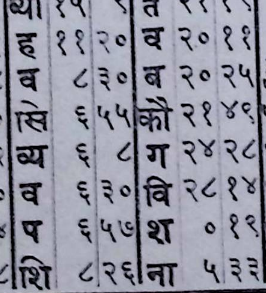

भाद्र. कृ. २ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ प्रौढावस्था (बैगी) मु. १५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

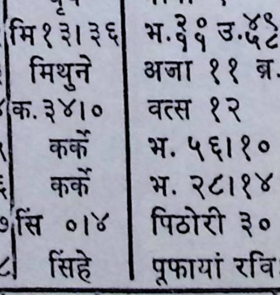

२०पं.भा.कृ.१०शु.इ.४२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१०	५	९	३	४
७	८	२९	१५	२३	१३	१४	७
१५	५	४५	१९	३९	५७	११	४
४३	५६	५०	२२	१८	११	४९	१६
५७	४०	९०	६/५९	६१	३/५६	३	५७
४५	१७	२९	व	५२	व	११	४८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०७० स.१९६२
१	शु	१०	५८	पू	१३	१४	सि	१०	१५	ब	१०	५८	३१/३२	५/४२	६/१८	३१	१४	२९	कं.३०।७	हस्तेबुधः ५/४८ तुलायांशुक्रः २/२९ चन्द्रदर्शनम्
२	श	१७	१४	उ	२०	४७	सा	१२	२९	कौ	१७	१४	२८	४२	१८	१	१५	१	कन्यायां	सितम्बर मा.९ ता.३० रविलाखर ४
३	र	२३	३०	ह	२८	२१	शु	१५	३	ग	२३	३०	२४	४३	१७	२	१६	२	कन्यायां	भ. ५३।४० उ.
४	चं	२९	५१	चि	३६	१	शु	१७	१८	वि	२९	५१	२१	४४	१६	३	१७	३	तु.२।११	भ. २९।५१ या. गणेश चतुर्थी
५	मं	३५	२५	स्वा	४३	२	ब्र	१९	३६	ब	२	३८	१८	४४	१६	४	१८	४	तुलायां	ऋषि ५
६	बु	५०	१४	त्रि	४९	८	ऐं	२१	२९	कौ	७	४९	१४	४५	१५	५	१९	५	बृ.३२।३७	
७	गु	४३	४१	अ	५४	५	वै	२२	१०	ग	११	५७	१०	४६	१४	६	२०	६	बृश्चिके	भ. ४३।४१ उ. स्वात्यां शुक्रः ५०।२७
८	शु	४५	२८	ज्ये	५७	२४	वि	२१	५०	वि	१४	३५	६	४७	१३	७	२१	७	ध.५७।२४	भ. १४।३५ या.
९	श	४५	२५	मू	५८	५४	प्री	२०	१२	बा	१५	२६	२	४७	१३	८	२२	८	धनुषि	वक्री शते २ गुरुः ५१।३५
१०	र	४३	१८	पू	५८	२१	आ	१६	५९	तै	१४	२१	३०/५८	४८	१२	९	२३	९	धनुषि	पुष्ये १ राहुः श्रवणे १ केतुः ५९।२८
११	चं	३०	२०	उ	५५	५५	सौ	११	५	व	११	१९	५४	४९	११	१०	२४	१०	म.१२।४४	भ.११।१९ उ. ३/२० या. जलझूलनी ११व्र.
१२	मं	३३	३५	श्र	५१	१७	शो	५/४०	५३/५५	ब	६	२७	४८	५०	१०	११	२५	११	मकरे	चित्रायां बुधः ४९।३ वामन १२
१३	बु	२५	३३	ध	४५	२०	सु	४८	३८	तै	२५	३३	४४	५१	९	१२	२६	१२	कुं.१८।१८	पुनर्वसौ भौमः ४३।४७
१४	गु	१६	४१	श	३८	१५	धृ	३८	१४	व	१६	४१	४०	५२	८	१३	२७	१३	कुम्भे	भ.१६।४१ उ.४१।४५या. उफायांरविः×
१५	शु	६	५०	पू	३०	३२	शू	२७	३९	ब	६	५०	३६	५३	७	१४	२८	१४	मी१७।२८	×४४।२४ अनन्त१४ महालय श्राद्धा.

२१पं.भा.शु.१शु इ.४२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	१०	६	९	३	४
१४	१२	९	१४	७	१२	१३	१४
०	३३	३८	२४	३९	३१	४९	२५
५२	५०	१३	२१	७	५१	३४	७
५७	३९	७८	७/५१	५९	३/३४	३	५८
५७	३३	१५	ब	२१	ब	११	१

२२पं.भा.शु.८शु इ.४१।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	१०	६	९	३	४
२०	१६	१८	१३	७	१२	१३	२१
४७	५४	३	२९	२७	९	२७	१६
३२	५८	३९	६	५४	४६	१८	५७
५८	३८	७१	७/५०	५६	३/०	३	५८
१२	५४	३१	ब	८	व	११	१३

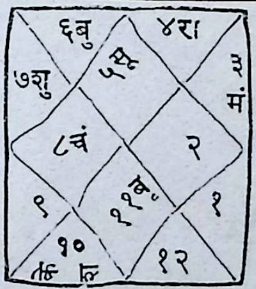

२३पं.भा.शु.१५शु.इ.४१।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	१०	६	९	३	४
२७	२१	२५	१२	१३	११	१३	२८
३५	११	१६	३६	४७	५१	५	५
५५	२४	८	५९	२७	७	२	१३
५८	३८	४०	७/२५	५१	२/२१	३	५८
२९	१६	२१	ब	५६	ब	११	२६

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४६	४२	उ	२२	४५	गं	१६	४५	तै	२१	५३	३०/३२	५/५४	६/६	१५	२९	१५	मीने	
३	र	३८	१७	रे	१४	५३	वृ	६/२	४९/५०	व	१२	३०	२८	५४	६	१६	३०	१६	मे.१४।५३	भ. १२।३० उ. ३८।१७ या.
४	चं	३०	३३	अ	८	४७	व्या	४६	५१	ब	४	२५	२४	५५	५	१७	३१	१७	मेषे	कन्यायामर्कः ९।३५
५	मं	२४	१६	भ	३/५	५६/५४	ह	३८	५१	तै	२४	१६	२०	५६	४	१८	१	१८	वृ.१९।५६	
६	बु	२०	१	रो	५८	२०	व	३२	१८	व	२०	१	१६	५७	३	१९	२	१९	बृषे	भ. २०।१ उ. ४८।४१ या.
७	गु	१७	२०	मृ	५८	१९	सि	२७	२०	ब	१७	२०	१२	५८	२	२०	३	२०	मि२८।२०	
८	शु	१६	३८	आ	६०	०	व्य	२३	४२	कौ	१६	३८	८	५८	२	२१	४	२१	मिथुने	
९	श	१७	३८	आ	०	१८	व	२१	४५	ग	१७	३८	४	५९	१	२२	५	२२	क.४७।५१	भ.४/५८ उ.वक्रीबुधः ३/४० विशाखायांशुक्रः ९/२०
१०	र	२०	२	पु	३	४२	प	२०	४२	वि	२०	२	०	६/०	६/०	२३	६	२३	कर्के	भ. २०।२ या.
११	चं	२३	५७	पु	८	३३	शि	२१	१५	बा	२३	५७	२९/५८	१	५/५९	२४	७	२४	कर्के	इंदिरा ११ व्र.
१२	मं	२८	४६	श्ले	१४	३०	सि	२२	६	तै	२८	४६	५०	२	५८	२५	८	२५	सिं१४।३०	
१३	बु	३४	४२	म	२१	२०	सा	२३	५४	ग	१	४४	४६	३	५७	२६	९	२६	सिंहे	भ. ३४।४२ उ. प्रदोष व्र.
१४	गु	४०	१९	पू	२८	३२	शु	२५	५५	वि	७	३०	४२	४	५६	२७	१०	२७	कं.४५।२२	भ. ७/३० या.हस्तेरविः २/२३ शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	शु	४७	०	उ	३५	५४	शु	२८	१४	च	१३	३९	३८	४	५६	२८	११	२८	कन्यायां	सर्वपितृ ३०

२४पं. आ.कृ.८शु.इ.४१।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१०	६	९	३	५
४	२५	२८	११	१९	११	१२	४
२६	१९	१९	४७	३८	३७	४२	५५
२	१२	५१	१३	१४	१	४७	१९
५८	३७	६	६/४२	४६	१/४७	३	५८
४५	२९	१०	ब	४४	ब	११	३८

गोचरग्रहाः

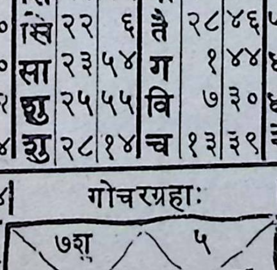

आश्विन कृ.४चंद्रे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.६ कुमाराव-स्था (बैठी) मु.१५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

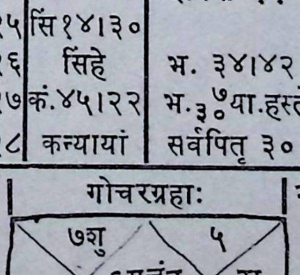

२५पं.आ.कृ.३०शु.इ.४१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१०	६	९	३	५
११	२९	२७	११	२४	११	१२	११
१८	२१	२३	४	५१	२७	२०	४६
६	२५	५२	५५	२८	३	३१	५६
५९	३६	४२/४०	५/१३	३९	०/५	३	५८
०	४२	व	ब	५०	ब	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	५३	८	ह	४३	४०	ब्र	३०	२३	किं	२०	४	२९/३४	६/५	५/५५	२९	१२	२९	कन्यायां
२	र	५९	१५	चि	५०	५८	ऐं	३२	५१	बा	२६	११	३०	६	५४	३०	१३	३०	तु.१७।१९
३	चं	६०	०	स्वा	५७	५१	वै	३५	६	तै	३१	५९	२६	७	५३	१	१४	१	तुलायां
३	मं	४	४३	वि	६०	०	वि	३६	३२	ग	४	४३	२२	८	५२	२	१५	२	वृ.४७।३२
४	बु	९	१८	वि	४	५	प्री	३७	१८	वि	९	१८	१८	८	५२	३	१६	३	वृश्चिके
५	गु	१३	२१	अ	९	३७	आ	३७	४९	बा	१३	२१	१४	९	५१	४	१७	४	वृश्चिके
६	शु	१५	४४	ज्ये	१३	५०	सौ	३६	५९	तै	१५	४४	१०	१०	५०	५	१८	५	ध.१३।५०
७	श	१६	४५	मू	१६	३९	शो	३५	२	व	१६	४५	९	११	४९	६	१९	६	धनुपि
८	र	१६	९	पू	१७	४९	अ	३१	४०	ब	१६	७	६	१२	४८	७	२०	७	म.३२।४१
९	चं	१३	४५	उ	१७	१८	सु	२६	५९	कौ	१३	४५	२८/५८	१२	४८	८	२१	८	मकरे
१०	मं	९	३०	श्र	१४	५६	धृ	२०	४२	ग	९	३०	५४	१३	४७	९	२२	९	कुं.४२।४२
११	बु	३	२८	ध	१०	२५	शू	१३	६	वि	३	२८	५०	१४	४६	१०	२३	१०	कुम्भे
१२	बु	५२	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	गु	४७	१२	श	५/१४	५३/१०	गं	४/२३	५०/२२	कौ	२१	३४	४६	१५	४५	११	२४	११	मी४५।७
१४	शु	३७	३९	उ	५०	४७	ध्रु	४३	५०	ग	१२	२६	४२	१६	४४	१२	२५	१२	मीने
१५	श	२७	४५	रे	३८	१८	व्या	३२	५१	वि	२	३७	३८	१६	४४	१३	२६	१३	मे.४३।१८

शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०९९ स.१९६२

कर्के भौमः ३७/४० मा.श्राद्धं नवरात्रारम्भः
चन्द्रद. पश्चिमास्तं बुधः १४।१०
अक्टूबर मा.१०ता.३१ जमादिलावल५
भ. ३७।० उ.
भ. ९।१८ या. वक्री हस्ते बुधः ४८।४८
पुष्ये भौमः ४७।१५
भ. १६।४६ उ. ४६।२६ या.
वृश्चिके शुक्रः ११।२६ बलिदानं
मार्गी शनिः५७।१७ मन्वादिः विजया१०
भ. ३६।२९ उ. *११ व्र.
भ.३।२८या.चित्रायांरवि ५२/४० पापांकुशा*
भ.३७।२९ उ. वक्री शते१ गुरुः५५।५९
भ. २।३७ या. पूर्वोदयं बुधः ३९।४७

२६पं.आ.शु.६शु.इ.४१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१०	६	९	३	५
१८	३	२०	१०	२९	११	११	१८
११	१६	४३	२९	१३	२२	५८	४०
५३	२६	४४	२	३३	८	१५	८
५९	३५	६३/२१	४/४४	३०	२०/२१	३	५९
१६	४८	ब	ब	५५	ब	११	९

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच शनिवार अशुभ है प्रजामें पीड़ा रोग बढ़े पश्चिम देश में विग्रह हो ।

गोचरग्रहाः

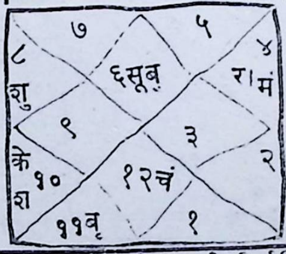

२७पं.आ.शु.१४शु.इ.४१।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१०	७	९	३	५
२५	७	१४	१०	२	११	११	२५
७	३	१२	०	२९	२२	३६	३५
३५	१४	१०	५४	२०	५	०	१
५९	३४	३०/३८	३/३८	१९	२०/२४	३	५९
३१	३९	ब	ब	२८	मा	११	२१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	र	१८	२	अ	३५	४०	ह	२१	५९	कौ	१८	२	२८/३४	६/१७	५/४३	१४	२७	१४	मेषे
२	चं	९	७	भ	२८	४४	व	११	२४	ग	९	७	३०	१८	४२	१५	२८	१५	बृ.४२।२२
३	मं	१	१५	कृ	२३	१५	खि	५/४९	५५/३६	वि	१	१५	२६	१९	४१	१६	२९	१६	बृषे
४	मं	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	बु	५०	५८	रो	९	२७	व	४६	३३	कौ	२३	३४	२२	२०	४०	१७	३०	१७	मि४८।३१
६	गु	४९	१	मृ	१७	३५	प	४१	१६	ग	१९	५९	१८	२०	४०	१८	१	१८	मिथुने
७	शु	४९	११	आ	१७	५२	शि	३७	४१	वि	१९	६	१४	२१	३९	१९	२	१९	मिथुने
८	श	५१	६	पु	२०	११	सि	३५	४५	बा	२०	८	१०	२२	३८	२०	३	२०	क. ४।३६
९	र	५४	५४	पु	२४	२०	सा	३५	२४	तै	२३	०	५	२३	३७	२१	४	२१	कर्के
१०	चं	६०	०	श्ले	३०	१	शु	३५	५६	व	२७	२८	०	२४	३६	२२	५	२२	सिं३०।१
१०	मं	०	२	म	३६	३६	शु	३७	३५	वि	०	२	२७/५५	२५	३५	२३	६	२३	सिंहे
११	बु	६	९	पू	४४	४	ब्र	३९	४२	बा	६	९	५०	२६	३४	२४	७	२४	सिंहे
१२	गु	१२	१८	उ	५१	४०	ऐं	४२	६	तै	१२	१८	४६	२७	३३	२५	८	२५	कं.०।५८
१३	शु	१८	५७	ह	५९	१६	वै	४४	४१	व	१८	५७	४२	२८	३२	२६	९	२६	कन्यायां
१४	श	२५	२	चि	६०	०	वि	४६	४८	श	२५	२	३९	२८	३२	२७	१०	२७	तु.३२।५२
३०	र	३०	५८	चि	६	२८	प्री	४८	३८	ना	३०	५८	३६	२९	३१	२८	११	२८	तुलायां

शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णोतमहाराष्ट्राः

भ.३५/१५उ. मार्गी बुधः ४६/३३ अनुयां.शुक्रः १५/१७
भ. १।२५ या. कर्क ४ व्र.
तुलायामर्कः ३५।२४
भ. ४९।१ उ.
भ. १९।६ या.
वक्री भृगुः ५९।३
भ. २७।२८ उ.
भ. ०।२ या.
स्वात्यां रविः १६।२६ रमा ११ व्र.
प्रदोष व्र.
भ. १८।५७ उ.५१।५९ या. दीपदानं
चित्रायां बुधः ३३।५१ रूप १४
महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं. का.कृ.७शु.इ.४०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	१०	७	९	६	६
२	१०	१४	९	४	११	११	२
५	४०	३३	४२	१८	२६	१३	३१
५	२६	४५	२८	०	३१	४४	३३
५९	३३	४७/२५	३/१९	५	१	३	५९
४६	२९	मा	ब	१७	११	११	३४

गोचरग्रहाः

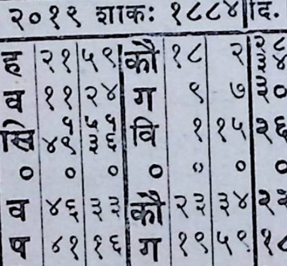

कार्तिक कृ. ५ बुधे तुलायामर्कः प्र. वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूतीं) मु.३०(धान्यभाव सम) शुक्रो.प. ।

गोचरग्रहाः

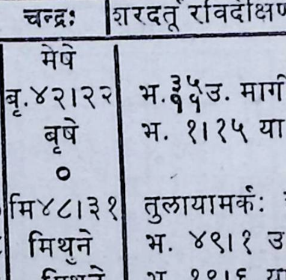

२९पं.का.कृ.१३शु.इ.४०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	१०	७	९	३	६
९	१४	२२	९	४	११	१०	९
४	५	६	३३	१२	३६	५१	३३
२५	५०	७	१८	२८	१८	२९	५७
६०	३२	८३	५०/३	१०/४७	१	३	५९
२	२१	२८	ब	ब	५१	११	४७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	चं	३५	५९	स्वा	१३	१७	आ	४९	५१	किं	३	२८	३७/३२	६/३०	५/३०	२९	१२	२९	तुलायां
२	मं	४०	१२	वि	१९	५	सौ	५०	३४	बा	८	५	२९	३०	३०	३०	१३	३०	वृ.२।३८
३	बु	४३	३२	अ	२४	२०	शो	५०	२८	तै	११	५२	२६	३१	२९	३१	१४	१	वृश्चिके
४	गु	४५	४१	ज्ये	२८	१८	अ	४९	२३	व	१४	३६	२३	३१	२९	१	१५	२	ध.२८।१८
५	शु	४६	४१	मू	३१	२०	सु	४७	३३	ब	१६	११	२०	३२	२८	२	१६	३	धनुषि
६	श	४६	२८	पू	३३	१२	धृ	४५	८	कौ	१६	३५	१७	३३	४७	३	१७	४	म.४८।१९
७	र	४५	६	उ	३३	४१	शू	४१	१४	ग	१५	४७	१६	३३	२७	४	१८	५	मकरे
८	चं	४२	१६	श्र	३२	५५	गं	३६	२९	वि	१३	४१	१२	३४	२६	५	१९	६	मकरे
९	मं	३८	४	ध	३०	५१	वृ	२०	३०	बा	१०	१०	८	३४	२६	६	२०	७	कुं.२।३९
१०	बु	३२	४२	श	२७	२७	ध्रु	२३	३४	तै	५	२३	४	३५	२५	७	२१	८	कुम्भे
११	गु	२५	५८	पू	२२	४२	व्या	१५	३३	वि	२५	५८	०	३६	२४	८	२२	९	मी८।५३
१२	शु	१८	८	उ	१७	१	ह	६/२७	५०/१८	बा	१८	८	२६/५६	३७	२३	९	२३	१०	मीने
१३	श	९	४५	रे	१०	२६	सि	४६	३५	तै	९	४५	५३	३८	२२	१०	२४	११	मे.१०।२६
१४	र	०	४०	अ	१८/३	५३/५२	व्य	३६	१	व	०	४०	५०	३८	२२	११	२५	१२	मेषे
१५	र	५१	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१२९ सन्१९६२

अन्नकूट गोवर्धन पू.
चन्द्रदर्शनम्
तुलायांबुधः५३/२४वक्री विशाखायांशुक्रः१३/७*
भ.१४/३६उ.४५/४१या. नवम्बर मा.११ ता.३०×

पूर्वास्तो बुधः५८/४७ ×श्लेषायां भौमः२२/५१
भ.४५/६उ. *मार्गीगुरुः३५/२७जमादिलाखर६
भ१३/४१या.स्वात्यांबुधः१०/५७पश्चिमा.भृगुः१२/०
विशाखायां रविः ३३।४९ प.अ.शु.
भ. ५९/२० उ. वक्री तुलायां शुक्रः १७।४९
भ ३५/५८या. तुलसीविवाह प्रवोधिनी११व्र.

भ ४०/०उ.३६/१६या. पुष्ये राहुःउषा.४केतुः५१/५२

३०पं. का.शु.५शु.इ.४०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	१०	७	९	३	६
१६	१७	२	९	२	११	१०	१६
५	१९	४६	३४	१२	५०	२९	२९
२९	५१	२६	३४	१४	३४	४३	३६
६०	३०	९३	०/२५	३५/५१	२	३	६०
१८	३४	११	मा	ब	३२	११	४

गोचरग्रहाः

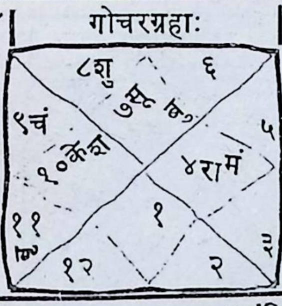

इस मास का फल मध्यम है लोहादि धातु मन्दे शेयर बाजार में मन्दी, अन्नादि में कुछ समर्घता आवेगी

गोचरग्रहाः

३१पं.का.शु.१२गु.इ.४०।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	१०	६	९	३	६
२३	२०	१४	९	२८	१२	१०	२३
८	१९	८	४१	३७	९	६	३०
७	१९	५३	५४	१२	३६	५७	५३
६०	२८	९९	१	३४/४१	३	३	६०
३०	३९	१	३९	ब	१३	११	१७

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	चं	४३	४४	कृ	५०	३०	व	२६	१०	बा	१७	४८	२६/४६	६/३९	५/२१	१२	२६	१३	बृ.१०।३०
२	मं	३६	५६	रो	४५	१८	प	१६	५६	तै	१०	२०	४३	३९	२१	१३	२७	१४	बृषे
३	बु	३१	३६	मृ	४१	४८	शि	८	५०	वि	४	१६	४०	४०	२०	१४	२८	१५	मि१३।३३
४	गु	२८	१२	आ	४०	१४	सि	५/१	५४/५०	बा	२८	१२	३७	४१	१९	१५	२९	१६	मिथुने
५	शु	२७	६	पु	४०	५४	शु	५३	११	तै	२७	६	३४	४१	१९	१६	३०	१७	क.२५।४४
६	श	२७	५८	पु	४३	३१	शु	५१	२५	व	२७	५८	३१	४२	१८	१७	१	१८	कर्के
७	र	३२	५	श्ले	४८	२	ब्र	५१	१८	ब	३१	५	२९	४२	१८	१८	२	१९	सिं४८।२
८	चं	३५	४०	म	५४	४	ऐं	५२	१	बा	३	२२	२६	४३	१७	१९	३	२०	सिंहे
९	मं	४१	४१	पू	६०	०	वै	५३	५२	तै	८	४१	२३	४३	१७	२०	४	२१	सिंहे
१०	बु	४७	४९	पू	१	१५	दि	५५	५७	व	१४	४५	२०	४४	१६	२१	५	२२	कं.१८।६
११	गु	५४	३६	उ	८	४२	प्री	५८	३०	ब	२१	१३	१८	४४	१६	२२	६	२३	कन्यायां
१२	शु	६०	०	ह	१६	२४	आ	६०	०	कौ	२७	४६	१६	४५	१५	२३	७	२४	तु.५०।१४
१२	श	०	५७	चि	२३	४४	आ	२	३५	तै	०	५७	१३	४५	१५	२४	८	२५	तुलायां
१३	र	६	३८	स्वा	३०	३०	सौ	०	३२	व	६	३८	११	४६	१४	२५	९	२६	तुलायां
१४	चं	११	८	वि	३५	५२	शो	३	३६	श	११	८	८	४६	१४	२६	१०	२७	वृ.१९।३२
३०	मं	१४	४६	अ	४०	४२	अ	३	३६	ना	१४	४६	५	४७	१३	२७	११	२८	बृश्चिके

शरदर्तू रविर्दक्षिणोकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

विशाखायां बुधः १९।२९
शते२ गुरुः३७/१ भ.१४/६ उ.३३/३६ या. च.व्र.

वृश्चिकेऽर्कः २८।७ पू.उ.शु.
भ. २७/५८ उ. ५९/३२ या. पूर्वोदयं शुक्रः२७।१

वृश्चिके बुधः ३१/३७ अनु. रविः ४५।५५

भ.१४।४५उ.४७/४९या.अनुयांबुधः३७।४७
उत्पत्ति ११ व्र. स्मा.
उत्पत्ति ११ व्र. नि.
प्रदोष व्र.
भ.३६/८ उ.३९/५३या. वक्री स्वात्यां शुक्रः४६/२६

३२पं. मा.कृ.५शु.इ.४०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	६	१०	६	९	३	७
०	२२	२५	१०	२४	१२	९	०
१२	५९	३१	६	२२	३३	४४	३३
११	२४	४४	३२	३२	२५	४२	४७
६०	२६	९९	३	३४	३	३	६०
४०	२९	४१	११	ब	५४	११	३०

गोचरग्रहाः

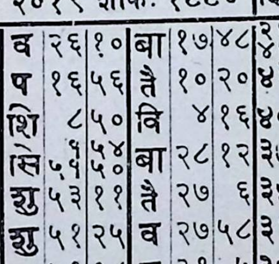

मार्ग. कृ. ५ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.३न.३प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चि.

गोचरग्रहाः

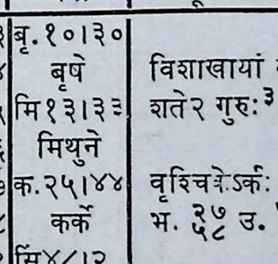

३३पं.मा.कृ.१२शु.इ.३९।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१०	६	९	३	७
७	२५	६	१०	२०	१३	९	७
१७	२६	४२	३६	५२	१	२२	३७
४४	१६	५०	३६	४०	१२	२६	३८
६०	२४	९९	४	३४/२४	४	३	६०
५३	९	३८	९	ब	३२	११	४२

*चंमंरा (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१५९ स.१९६२
१	बु	१७	४	ज्ये	४३	५२	सु	३	४	ब	१७	४	२६/३	४७/६	१३/५	२८	१२	२९	ध.४३।५२	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	१८	३१	मू	४६	११	धृ	३२/१	४०/५७	कौ	१८	३१	०	४८	१२	२९	१३	१	धनुषि	रज्जब ७
३	शु	१८	२८	पू	४७	२०	गं	५५	४४	ग	१८	२८	२५/५८	४८	१२	३०	१४	२	धनुषि	भ.४८उ. ज्ये.बुधः५४ श्रवणे२ शनिः१३/३९
४	श	१७	३३	उ	४७	३९	वृ	५१	४६	वि	१७	३३	५७	४९	११	१	१५	३	म.५।२५	भ.१७।३३ या. दिसम्बर मा.१२ता.३१
५	र	१५	५३	श्र	४७	१२	ध्रु	४७	२२	बा	१५	५३	५६	४९	११	२	१६	४	मकरे	ज्येष्ठायां रविः ५२।५४
६	चं	१३	१२	ध	४५	४६	व्या	४१	५५	तै	१३	१२	५४	४९	११	३	१७	५	कु.१६।२९	
७	मं	९	४४	श	४३	२५	ह	३५	४९	व	९	४४	५२	५०	१०	४	१८	६	कुम्भे	भ. ९/४४ उ. ३७/३८ या. मार्गी भृगुः३५।४३
८	बु	५	३२	पू	४०	२९	व	२९	५	ब	५	३२	५०	५०	१०	५	१९	७	मी२६।१०	
९	गु	०	२६	उ	३६	४४	सि	२१	४२	कौ	०	२६	४८	५०	१०	६	२०	८	मीने	कल्पादिः
१०	गु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	शु	४८	१२	रे	३२	९	व्य	१३	३९	व	२१	२६	४६	५१	९	७	२१	९	मे.३२।९	भ.५/२६उ.४८।१२या. मोक्षदा११व्र.स्मा.
१२	श	४१	८	अ	२७	३	व	५/८	५१/५२	ब	१४	४०	४४	५१	९	८	२२	१०	मेषे	धनुषि बुधः २४।५६ मोक्षदा ११व्र. वै.
१३	र	३४	१	भ	२१	३६	शि	४७	२३	कौ	७	३४	४३	५१	९	९	२३	११	वृ.३५।१६	प्रदोष व्र.
१४	चं	२७	९	कृ	१६	१८	सि	३८	३८	ग	०	३५	४२	५१	८	१०	२४	१२	बृषे	भ. २७।९ उ. ५३।५६ या. दत्त ज.
१५	मं	२०	४४	रो	११	३७	सा	३०	२९	वि	२०	४४	४१	५१	८	११	२५	१३	मि३९।४४	

३४पं.मा.शु.३शु.इ.३९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१०	६	९	३	७
१४	२७	१७	११	१९	१३	९	१४
२४	२६	४४	१५	५	२२	०	४२
३०	५६	१६	४७	६	१०	१०	२२
६१	२०	९९	५	६/९	४	३	६०
३	५३	२१	३२	ब	५९	११	५०

गोचरग्रहाः

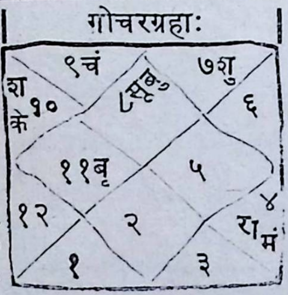

मास फल साधारण है। प्रजा में साधारण कष्ट शीत अधिक। धान्यादि के भाव में कुछ महर्घता।

गोचरग्रहाः

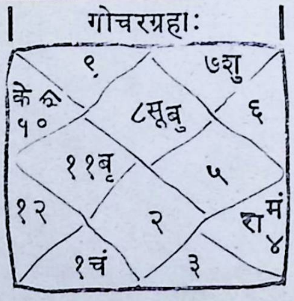

३५पं.मा.शु.११शु.इ.३९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१०	६	९	३	७
२१	२९	२८	१२	१९	१४	८	२१
३२	३	४५	३	१४	७	३७	४८
१०	४३	०	७	२०	४४	५१	५७
६१	७	९७	६	७/५	५	३	६०
११	७	५९	३९	मा	२७	११	५६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१५	२५	मृ	७	५१	शु	२३	९	कौ	१५	२५	२५/४०	६/५२	८	१२	२६	१४	मिथुने	विशाखा. शुक्रः २८।२०
२	गु	११	४६	आ	५	३९	शु	१७	११	ग	११	४६	३९	५२	८	१३	२७	१५	क.५०।११	भ. ४०।५० उ. सिंहे भौमः ४१।१५
३	शु	९	५४	पु	५	२	ब्र	१२	३५	वि	९	५४	३८	५२	८	१४	२८	१६	कर्के	भ. ९।५४ या. च. व्र.
४	श	९	४८	पु	६	१२	ऐं	९	२५	बा	९	४८	३८	५२	८	१५	२९	१७	कर्के	धनुष्यर्कः ५६।३९
५	र	१२	०	श्ले	९	३९	वै	८	२०	तै	१२	०	३८	५२	८	१६	१	१८	सि९।३९	पूषायां बुधः ५८।२०
६	चं	१५	४८	म	१४	३०	वि	८	०	व	१५	४८	३८	५२	८	१७	२	१९	सिंहे	भ.१५/४८ उ.४८।३२ या. शते३ गुरुः३४/३०
७	मं	२१	१६	पू	२०	५९	प्री	९	८	ब	२१	१६	३७	५३	७	१८	३	२०	कं.३७।४७	पश्चिमोदयी बुधः ५३।५
८	बु	२७	२६	उ	२८	१२	आ	१०	५४	कौ	२७	१६	३७	५३	७	१९	४	२१	कन्यायां	
९	गु	३४	२	ह	३५	४८	सौ	१२	५९	तै	०	४४	३७	५३	७	२०	५	२२	कन्यायां	
१०	शु	४०	१७	चि	४३	१२	शो	१५	१५	व	७	९	३६	५३	७	२१	६	२३	तु.९।३०	भ. ७।९ उ. ४०।१७ या.
११	श	४६	६	स्वा	५०	८	अ	१७	१८	ब	१३	११	३६	५३	७	२२	७	२४	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	र	५०	३६	वि	५५	४८	सु	१८	२९	कौ	१८	२१	३६	५३	७	२३	८	२५	वृ.३९।२१	
१३	चं	५३	५३	अ	६०	०	धृ	१८	४४	ग	२२	१४	३६	५३	७	२४	९	२६	बृश्चिके	भ. ५३।५३ उ. प्रदोष व्र.
१४	मं	५५	३१	अ	०	९	शू	१७	५५	वि	२४	४२	३७	५३	७	२५	१०	२७	वृश्चिके	भ. २४।४२ या. उषायां बुधः३६।१३
३०	बु	५५	५०	ज्ये	३	४	गं	१५	५१	च	२५	४०	३७	५३	७	२६	११	२८	ध. ३।४	

३६पं. पौ.कृ.३ शु.इ.३९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	१०	६	९	३	७
२८	०	९	१२	२१	१४	८	२८
४१	११	४०	५७	७	४६	१५	५२
०	३८	४०	५०	३०	१६	१९	१३
६१	३२	९६	७	२१	५	३	६१
१९	१	२५	४०	११	५०	११	०

गोचरग्रहाः

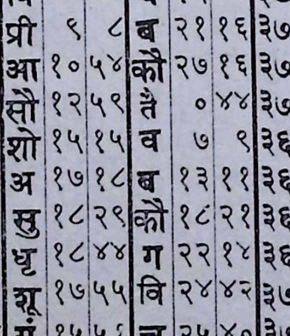

पौष कृ. ४ शनौ धनुष्यर्कः प्र. वा. २न.३ युवावस्था (सूती) मु. १५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

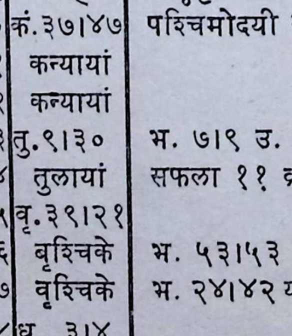

३७पं.पौ.कृ.१०शु.इ.३९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	१०	६	९	३	८
.५	०	२०	१४	२४	१५	७	६
५०	४३	३३	०	४३	२७	५३	३
२५	२६	५४	७	४१	१४	२४	३०
६१	६	९३	८	३२	६	३	६१
२२	३५	४५	४१	१७	१८	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०१९	शाकः १८८४									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१८८ स.१९६२
१	गु	५४	१३	मू	४	३५	वृ	१२	४२	किं	२५	१	३५/३७	६/५३	५/७	२७	१२	२९	धनुषि	मकरे बुधः ५६।२४
२	शु	५२	१९	पू	४	४५	ध्रु	८	२८	बा	२३	६	३८	५२	८	२८	१३	३०	म.१९।३४	वक्री भौमः ३८/४० पूषायां रविः ५६/१४ चन्द्रद.
३	श	४९	२०	उ	४	२	व्या	४३/२	५४/१६	ते	२०	४९	३८	५२	८	२९	१४	१	मकरे	वृश्चिके शुक्रः ३३।११ सावान ८
४	र	४५	२९	श्र	१२/२	५७/४७	व	५१	३२	व	१७	२४	३९	५२	८	३०	१५	२	कुं.३११६	भ. १७।२४ उ. ४५।२९ या.
५	चं	४१	२२	श	५७	२४	सि	४५	११	ब	१३	२५	४०	५२	८	३१	१६	३	कुम्भे	
६	मं	३६	४९	पू	५४	३५	व्य	३८	३५	कौ	९	६	४१	५२	८	१	१७	४	मी४०।१७	**जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९६३**
७	बु	३२	२	उ	५२	२४	व	३१	३८	ग	४	२५	४२	५२	८	२	१८	५	मीने	भ.३/२ उ.५९/३५या. अनु.शुक्रः४२/१४ श्रवणे३*
८	गु	२७	९	रे	४७	५९	प	२४	२४	ब	२७	९	४३	५१	९	३	१९	६	मे.४७।५९	
९	शु	२२	७	अ	४४	३०	शि	१७	१५	कौ	२२	७	४४	५१	९	४	२०	७	मेषे	श्रवणे बुधः ३७।४८ *शनिः ५५/३५
१०	श	१६	४५	भ	४०	४१	सि	९	४१	ग	१६	४५	४५	५१	९	५	२१	८	वृ.५४।४९	भ.४४।९ उ. वक्री कर्के भौमः १६।४४
११	र	११	३३	कृ	३७	१४	सा	१२/२	५५/५२	वि	११	३३	४६	५१	९	६	२२	९	वृषे	भ.११/३३ या. शते४ गुरुः५।७ पुत्रदा११व्र.
१२	चं	६	१	रो	३३	५२	शु	४८	२	बा	६	१	४८	५०	१०	७	२३	१०	वृषे	
१३	मं	१	३९	मृ	३१	१४	ब्र	४१	४१	ते	१	३९	५०	५०	१०	८	२४	११	मि२।३३	भ. ५७।२८ उ.
१४	मं	५५	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	बु	५४	३५	आ	२९	१८	ऐं	३५	५७	वि	२६	२	५२	५०	१०	९	२५	१२	मिथुने	भ. २६।२ या. स्वल्पग्रासं चन्द्रग्रहणम्

३८पं. पौ.शु.२शु.इ.३९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	१०	६	९	३	८
१३	०	१	१५	२९	१६	७	१३
०	४१	०	८	२३	१०	३१	११
१७	६	५०	५६	२	२१	८	२६
६१	१०/०	८५	९	४०	६	३	६१
२६	व्र	३६	३२	५२	३२	११	६

गोचरग्रहाः

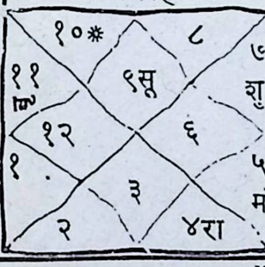

इस मास में पांच बुधवार प्रजा में सुख शान्तिकारक है। धान्यके भाव सम रहेंगे।

गोचरग्रहाः

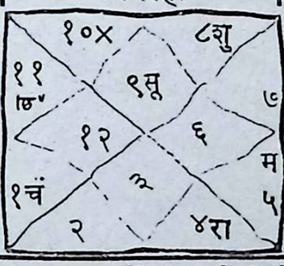

३९पं. पौ.शु.९ शु.इ.३८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	१०	७	९	३	८
२०	०	१०	१६	४	१६	७	२०
१८	४	१	२३	५२	५६	८	१८
१४	३७	१२	३१	३०	२०	५२	१४
६१	२६/७	६२	१०	४७	६	३	६१
२६	ब	२१	१७	३३	५०	११	६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०१९	शाकः १८८४									दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५३	४	पु	२८	४८	वै	३१	२४	बा	२३	४९	२५/५९	६/४९	५/११	१०	२६	१३	क.१३।५६	उषायां रविः ५९।४४
२	शु	५२	५८	पु	२९	४२	वि	२७	५३	ते	२३	१	५६	४९	११	११	२७	१४	कर्के	वक्री बुधः ३७।४८
३	श	५४	४६	श्ले	३२	२८	प्री	२६	३	व	२३	५२	५८	४८	१२	१२	२८	१५	सिं३२।२८	भ. २३।५२ उ. ५४।४६ या.
४	र	५८	१२	म	३६	३६	आ	२४	५६	ब	२६	२९	२६/०	४८	१२	१३	२९	१६	सिंहे	पुष्ये१ राहुः उपायां३ केतुः४३/३७ चं. व्र.
५	चं	६०	०	पू	४२	१७	सौ	२५	१२	कौ	३०	४०	२	४८	१२	१४	३०	१७	कं.५८।५६	मकरेऽर्कः १६/१५ पश्चिमास्तो बुधः ३१/५३
५	मं	३	८	उ	४८	५२	शो	२६	३६	ते	३	८	४	४७	१३	१५	१	१८	कन्यायां	
६	बु	९	९	ह	५६	२२	अ	२८	२६	व	९	९	६	४७	१३	१६	२	१९	कन्यायां	भ.९।९ उ.४२।१४ या. *अस्तंशनिः २६/५३
७	गु	१५	२०	चि	६०	०	सु	३०	१०	ब	१५	२०	९	४६	१४	१७	३	२०	तु.३०।९	वक्रीउषायां बुधः ३३/३ ज्येष्ठायां शुक्रः ३९/३५*
८	शु	२१	४५	चि	३	५७	धृ	३२	४४	कौ	२१	४५	१२	४६	१४	१८	४	२१	तुलायां	
९	श	२७	५०	स्वा	११	११	शू	३४	३१	ग	२७	५०	१५	४५	१५	१९	५	२२	तुलायां	
१०	र	३३	१	वि	१७	२५	गं	३५	१४	व	०	२५	१७	४५	१५	२०	६	२३	वृ.०।५१	भ.२५/० उ.३३।१ या. अभि.प्र. रविः ४६/२९
११	चं	३५	५७	अ	२२	१६	वृ	३४	४७	ब	४	२९	२०	४४	१६	२१	७	२४	बृश्चिके	षट्तिला ११ व्र. पातस्पर्शः ४८।२
१२	मं	३७	३८	ज्ये	२५	३६	ध्रु	३३	९	कौ	६	४७	२२	४४	१६	२२	८	२५	ध.२५।३६	पातमोक्षः ३६/१६ पू. भा. १ गुरुः ४२।३८
१३	बु	३६	३८	मू	२७	२९	व्या	३०	७	ग	७	८	२४	४३	१७	२३	९	२६	धनुषि	भ. ३६।३८ उ. प्रदोष व्र.
१४	गु	३५	३०	पू	२६	५६	ह	२५	२५	वि	६	४	२७	४३	१७	२४	१०	२७	म.४१।२८	भ.६/४या. श्रवणेरविः २३/७ अभि.नि.रविः ५४/३३
३०	शु	३२	९	उ	२५	४	व	१९	४७	च	३	४९	३०	४२	१८	२५	११	२८	मकरे	वक्री धनुषि बुधः ४७।८

४०पं. मा.कृ.२शु.इ.३८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	९	१०	७	९	३	८
२७	२८	१३	१७	११	१७	६	२७
२०	४६	१६	४३	४	४३	४६	२७
६	५८	४	४०	२६	५८	३७	४०
६१	१४/१	१०/०	११	५२	७	३	६१
२४	ब	व्र	०	४३	२	११	५

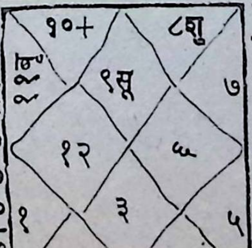

४१पं. मा.कृ.८शु इ.३८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	७	९	३	९
४	२६	८	१९	१७	१८	६	४
२९	५९	२६	७	४५	३२	२४	३५
३५	२०	५२	३७	२१	४२	२१	२९
६१	२३/४२	८६/२९	११	५६	७	३	६१
१९	ब	ब	३८	३५	१४	११	३

४२पं. मा.कृ.३०श.इ.३८।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	७	९	३	९
११	२४	०	२०	२४	१९	६	११
३८	५१	८	३५	४९	२२	२	४२
२६	४३	४५	४८	२६	२६	६	५४
६१	३०/११	६४/२	१२	५९	७	३	६०
१३	ब	ब	११	४३	२०	११	५९

*बुशकेचं +बुशके ÷चंमंरा (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×बुशके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंद्रः
१	श	२७	२६	श्र	२२	१५	सि	१२	५९	ब	२७	२६	२६/३३	६/४१	५/१९	२६	१२	२९	कुं.५०।२३
२	र	२१	५८	ध	१८	३१	व्य	५/३८	५२/५१	कौ	२१	५८	३५	४१	१९	२७	१३	३०	कुम्भे
३	चं	१६	०	श	१४	१७	प	४९	४६	ग	१६	०	३८	४०	२०	२८	१४	१	मी५६।७
४	मं	१०	६	पू	१०	४	शि	४१	५१	वि	१०	६	४१	४०	२०	२९	१५	२	मीने
५	बु	४	७	उ	६	११	सि	३४	१४	बा	४	७	४४	३९	२१	३०	१६	३	मीने
६	बु	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	गु	५३	२२	रे	२/३८	५६/३९	सा	२६	४८	ग	२५	५३	४८	३८	२२	३१	१७	४	मे.२।३८
८	शु	४८	२१	भ	५६	१२	शु	१९	३६	वि	२०	५२	५२	३८	२२	१	१८	५	मेषे
९	श	४४	५	कृ	५३	४४	शु	१२	४२	बा	१५	१३	५५	३७	२३	२	१९	६	वृ.१०।३५
१०	र	४०	१०	रो	५१	३०	ब्र	६	२५	तै	१२	७	५८	३६	२४	३	२०	७	वृषे
११	चं	३७	१४	मृ	५०	१२	ऐं	३७	५४/४४	व	८	४२	२७/२	३६	२४	४	२१	८	मिर२०।५१
१२	मं	३४	३८	आ	४९	२८	वि	५०	५१	ब	५	५६	५	३५	२५	५	२२	९	मिथुने
१३	बु	३३	१	पु	४९	३७	प्री	४६	५९	कौ	३	४९	९	३४	२६	६	२३	१०	क.३४।३५
१४	गु	३२	४१	पु	५१	४	आ	४३	५९	ग	१	५१	१२	३४	२६	७	२४	११	कर्के
१५	शु	३३	१८	श्ले	५२	४१	सौ	४२	१५	वि	२	५९	१६	३३	२७	८	२५	१२	सिं५३।४१

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३२१८ स.१९६=

पूर्वोदयं बुधः २।१३
चंद्रदर्शनम्
भ. ४३।३ उ. रमजान ९
भ. १।०।६ या.
धनुषि शुक्रः ३/१ २/८ श्रवणे४ शनिः ५/३ ५/४ वसंत५

भ. ५३।२२ उ. मन्वादिः रथ ७
भ. २/५ ०/२ या. फरवरी मा. २ता. २८मार्गीबुध.*
पातस्पर्शः ४४।२ *४/३ ९/६ भीष्म८
पातमोक्षः २।४९
भ. ३७।१४ उ. जया ११ व्र.
भ. ८।४२ या. ×प्रदोषः
पूभायां२ गुरुः ५/२ ७/९ धनिष्ठायां रविः २ ८/०×
भ. ३२।४१ उ. मकरे बुधः ४९।५४
भ. २।५९ या.

४३पं. मा.शु.८शु.इ.३९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	८	९	३	९
१८	२२	२७	२२	२	२०	५	१८
४६	३४	२१	७	१०	१२	३९	४९
२७	४	१८	८	५५	३९	५०	२६
६१	३४/५५	५९	१२	६२	७	३	६०
४	ब	ब	३५	७	२०	११	५५

गोचरग्रहाः

माघ कृ. ५ चंद्रे
मकरेऽर्कः प्र.वा.३
न.३गताल्कावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

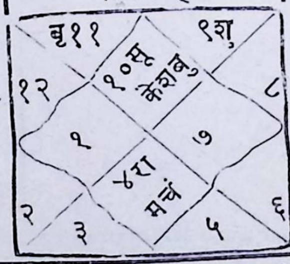

४४पं.मा.शु.१५शु.इ.३९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	८	९	३	९
२५	२०	०	२३	९	२१	५	२५
५३	१४	३१	४१	४६	२	१७	५५
१४	३१	१२	५६	२२	५२	३४	१६
६०	३४/३८	३७	१२	६४	७	३	६०
५५	ब	५७	५६	२	२०	११	४७

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	श	३५	२५	म	५७	३१	शो	४१	३०	बा	४	२१	२७/२०	६/३२	५/२८	९	२६	१३	सिंहे
२	र	३९	१	पू	६०	०	अ	४१	७	तै	७	१३	२३	३१	२९	१०	२७	१४	सिंहे
३	चं	४३	४४	पू	२	३९	सु	४२	१२	व	११	२२	२६	३१	२९	११	२८	१५	कं.१९।२७
४	मं	४९	१८	उ	९	२८	धृ	४३	५७	ब	१६	३१	३०	३०	३०	१२	२९	१६	कन्यायां
५	बु	५५	४२	ह	१६	४१	शू	४६	९	कौ	२२	३०	३४	२९	३१	१३	१	१७	तु.५०।२३
६	गु	६०	०	चि	२४	६	गं	४८	२७	ग	२८	५५	३८	२८	३२	१४	२	१८	तुलायां
६	शु	२	८	स्वा	३१	३८	वृ	५०	३८	व	२	८	४२	२८	३२	१५	३	१९	तुलायां
७	श	८	२४	वि	३८	५५	ध्रु	५२	२	ब	८	२४	४६	२७	३३	१६	४	२०	वृ.२२।६
८	र	१३	३९	अ	४४	३१	व्या	५२	३२	कौ	१३	३९	५०	२६	३४	१७	५	२१	वृश्चिके
९	चं	१७	४२	ज्ये	४८	५२	ह	५१	४४	ग	१७	४२	५४	२५	३५	१८	६	२२	ध.४८।५२
१०	मं	२०	५	मू	५१	२२	व	४९	३५	वि	२०	५	५८	२४	३६	१९	७	२३	धनुषि
११	बु	२८	२६	पू	५१	५०	सि	४५	४३	बा	२०	२६	२/६/२	२४	३६	२०	८	२४	धनुषि
१२	गु	१	४१	उ	५०	२३	व्य	४०	२३	तै	१८	४१	६	२३	३७	२१	९	२५	म.६।२८
१३	शु	१५	५	श्र	४७	२४	व	३३	३२	व	१५	५	१०	२२	३८	२२	१०	२६	मकरे
१४	श	९	४१	ध	४२	४१	प	२५	३५	श	९	४१	१४	२१	३९	२३	११	२७	कु.१५।२
३०	र	२	५९	श	३७	९	शि	१६	४१	ना	२	५९	१८	२०	४०	२४	१२	२८	कुंभे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. १/२ १/२ उ.४३।४४ या. पूषायां शुक्र ५/५ ९/२
कुम्भे रविः ४२।१६ च. व्र.

भ. २।८ या. पातस्पर्शः ४७।३८
पातमोक्षः ४।२६

भ.४८।५३ उ. श्रवणे बुधः ३४।१०
भ. २०।५ या. शते रविः १७।३७
विजया ११ व्र. उदयं शनिः ०।१३
वक्रीपुष्येभौम१ ६ पूभायां३गुरुः ५/१ ४/४ प्रदोषः
भ.१५।५ उ.४२।२३ या. शिवरात्रिव्रतं
उषायां शुक्रः ४५।०

४५पं. फा.कृ.६शु.इ.३९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	८	९	३	१०
२	१८	७	२५	१७	२१	४	३
५९	१	१	१९	३२	५२	५५	०
१७	४८	७	८	४२	३३	१९	२
६०	३०/२६	६१	१३	६५	७	३	६०
४२	ब	१६	१५	३५	१४	११	३७

गोचरग्रहाः

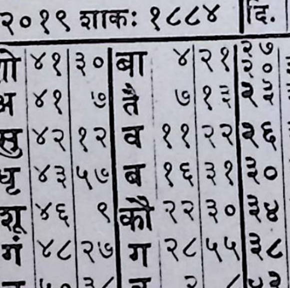

फाल्गुन कृ.४भौमे
कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२
नं.३ कुमारावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्याभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

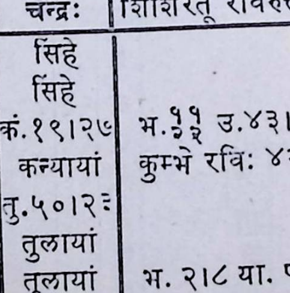

४६पं.फा.कृ.१३शु.इ.३९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	८	९	३	१०
१०	१६	१५	२६	२५	२२	४	१०
३	१	३५	५०	२७	४१	३३	३
५०	१३	३८	८	१०	४५	३	३३
६०	३३/२८	७७	१३	६६	७	३	६०
३१	ब	३०	२२	५६	६	११	२५

×बुशके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) =चंबुशके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३२४८ स.१९६३
१	र	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	२७	पू	३१	६	खि	७/१९	५०/३१	बा	२१	२६	२६/२२	६/२०	६/४०	२५	१३	२९	मी१७।३७	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	मं	३९	२५	उ	२५	५	शु	४८	२५	तै	१३	२६	२६	१९	४१	२६	१४	१	मीने	मकरे शुक्रः ३६।२९ सव्वाल १०
४	बु	३२	६	रे	१९	२२	शु	३९	१८	व	५	४५	३०	१८	४२	२७	१५	२	मे.१९।२२	म. ५/४५ उ. ३/६ या. पातस्पर्श ५८।३३
५	गु	२५	२१	अ	१४	१७	ब्र	३१	१८	बा	२५	२१	३४	१७	४३	२८	१६	३	मेषे	धनिष्ठायां बुधः ३७/४५ धनि. १ शनिः १०/५८*
६	शु	१९	२३	भ	१०	१	ऐं	२३	३२	तै	१९	२३	३८	१६	४४	१	१७	४	बृ.२४।१४	मार्च मा. ३ ता. ३१ *पा. मो. ५०/३५
७	श	१४	३०	कृ	६	५४	वै	१६	५९	व	१४	३०	४२	१६	४४	२	१८	५	बृषे	भ. १४।३० उ. ४२।३५ या.
८	र	१०	४१	रो	४	५१	वि	११	१०	ब	१०	४१	४६	१५	४५	३	१९	६	मि३४।९	होलाष्टक अ. गु.
९	चं	८	६	मृ	३	२७	प्री	६	२१	कौ	८	६	५०	१४	४६	४	२०	७	मिथुने	पूभायां रविः ३२।२५
१०	मं	६	२८	आ	४	०	आ	३२	५६/५३	ग	६	२८	५४	१३	४७	५	२१	८	क.५०।१	भ.४६/१६उ. कुम्भेबुधः२०/० अस्तंगुरोः२७।०
११	बु	६	३	पु	५	१९	शो	५७	२७	वि	६	३	५८	१२	४८	६	२२	९	कर्के	भ. ६।३ या. आमलकी ११ व्र.
१२	गु	६	५३	पु	७	४७	अ	५६	१०	बा	६	५३	२/२	१२	४८	७	२३	१०	कर्के	श्रवणे शुक्रः १५।१७ मीनेगुरुः १६।२६
१३	शु	८	३१	श्ले	११	१२	सु	५५	५४	तै	८	३१	६	११	४९	८	२४	११	सिं११।१२	×होलिकादहनं भद्रोत्तरे
१४	श	११	३८	म	१५	४०	धृ	५६	९	व	११	३८	१०	१०	५०	९	२५	१२	सिंहे	भ. ३१/२८ उ. ४३/३० या. शतेबुधः १२।२२×
१५	र	१५	२३	पू	२१	३	शू	५७	१३	ब	१५	२३	१५	९	५१	१०	२६	१३	कं.३७।४४	मन्वादिः छारेंडी

४७पं.फा.शु.६शु.इ. ४०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	९	९	३	१०
१७	१४	२५	२८	३	२३	४	१७
६	२९	६	३८	२८	३०	१०	५
३९	४२	०	९	२२	२८	४८	४६
६०	३६/१४	८८	१३	६८	६	३	६०
२०	व	२८	३२	०	२९	११	१२

गोचरग्रहाः

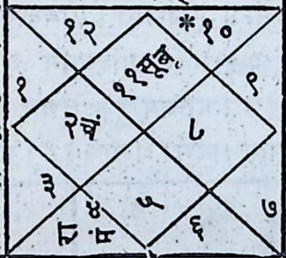

इस मास में पांच रविवार नेष्ट हैं। प्रजा में रोगादि की संभावना है। रुई, शेयर, चांदी मंदे। धान्यादि सस्ते हों।

गोचरग्रहाः

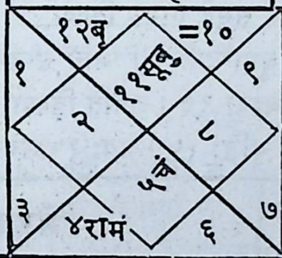

४८पं.फा.शु.१३शु.इ.४०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	११	९	९	३	१०
२४	१३	५	०	११	२४	३	२४
८	२९	४७	१९	३७	१६	४८	६
२	३८	३४	१	४०	३७	३२	३०
६०	८/१४	९८	१३	६८	६	३	५९
५	ब	१३	३८	५४	३९	११	५८

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०१९ शाकः १८८४												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	२०	३९	उ	२७	४७	गं	५८	४२	कौ	२०	३९	३९/२०	६/८	५/५२	११	२७	१४	कन्यायां	वसंत १
२	मं	२६	९	ह	३४	४१	वृ	६०	०	ग	२६	९	२४	७	५३	१२	२८	१५	कन्यायां	भ. ५९।१६ उ.
३	बु	३२	२४	चि	४२	१०	वृ	०	५३	वि	३२	२४	२८	६	५४	१३	२९	१६	तु.८।२५	भ. ३२।२४ या. कल्पादिः
४	गु	३८	४४	स्वा	४९	५७	ध्रु	३	१९	ब	५	३४	३२	६	५४	१४	३०	१७	तुलायां	मीनेऽर्कः ३२।४३ च. व्र.
५	शु	४५	१२	वि	५७	२३	व्या	५	३८	कौ	११	५८	३६	५	५५	१५	१	१८	वृ.४०।३२	*पूर्वास्तंबुधः २८।४३
६	श	५०	५९	अ	६०	०	ह	७	४४	ग	१८	५	४०	४	५६	१६	२	१९	वृश्चिके	भ. ५०।५९ उ. मार्गीभौमः ४५।५३
७	र	५५	३६	अ	३	५९	व	९	५	वि	२३	१७	४४	३	५७	१७	३	२०	वृश्चिके	भ. २३/१७ या. पूभायां बुधः ५५/४ पुन. राहुः+
८	चं	५८	५१	ज्ये	९	३०	सि	९	२०	बा	२७	१३	४८	२	५८	१८	४	२१	ध.९।३०	धनिष्ठायां शुक्रः ४३/२० शीतला ८
९	मं	६०	०	मू	१३	१८	व्य	८	३२	तै	२९	३०	५३	१	५९	१९	५	२२	धनुषि	+उषायां २ केतुः ३३/११ उभायां रविः ५३/२१
९	बु	०	१०	पू	१५	२९	व	६	९	व	०	१०	५८	१	५९	२०	६	२३	म.३०।३१	भ. २९।५० उ. ५९।३० या.
१०	बु	५९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	गु	५६	४१	उ	१५	३९	प	२/१०	५४/१२	ब	२८	५	३/२	६/०	६/०	२१	७	२४	मकरे	उभायां.१ गुरुः १०/४८ पापमोचनी ११व्र.स्मा.
१२	शु	५२	२	श्र	१३	३०	सि	४९	१४	कौ	२४	२१	६	५६/४	१	२२	८	२५	कुं.४१।३५	मीने बुधः ३९/१ पापमोचनी ११ व्र. वै.
१३	श	४५	२६	ध	९	४१	सा	४०	४२	ग	१८	४४	१०	५८	२	२३	९	२६	कुंभे	भ.४५/२६उ. प्रदोषः ×उभा.बुधः २३।१७
१४	र	३७	२३	श	४/४४	५३/४३	शु	३१	५	वि	११	२४	१४	५७	३	२४	१०	२७	मी४४।३१	भ. ११।२५ या. कुम्भे शुक्रः २०।२३×
३०	चं	२८	३०	उ	५०	१२	शु	२०	४२	च	२	५६	१८	५६	४	२५	११	२८	मीने	सोमवती ३० अह. ३२।७६ के. च. ४*

४९पं.चै.कृ.५शु.इ. ४०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	११	९	९	३	११
१	१२	१७	२	१९	२५	३	१
७	५८	२८	०	४७	१	२६	५
४४	४८	४	३६	४५	२२	१७	४२
५९	५१/०	[illegible]	१३	६९	६	३	५९
४९	व	२०/०	३८	४३	२६	११	४१

गोचरग्रहाः

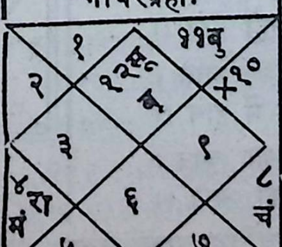

चैत्र कृष्णा ४ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. वा.३ न. ३ कुमारावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यभाव सम) शु.पू.।

गोचरग्रहाः

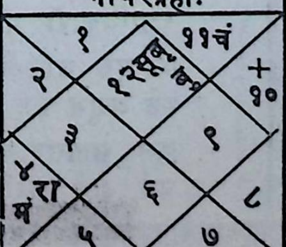

५०पं.चै.कृ.१२शु.इ.४१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	११	९	९	३	११
८	१३	०	३	२८	२५	३	८
५	४	३	४२	१	४३	४	३
३९	४८	५०	३२	५९	५८	१	१९
५९	५/२३	[illegible]	१३	७०	६	३	५९
३५	व	[illegible]	३६	२६	९	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६४ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६४ भौग्यकलिः ४२६९३६ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२० शालिवाहनीय शाकः १८८५ अथास्मिन्वर्षे राजा भौमः। मंत्री शनिः। सस्येशोभौमः। धान्येशश्चन्द्रः । मेघेशः शनिः। रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः। फलेशोः शुक्रः । धनेशो भौमः । दुर्गेशः शनिः । एते दशाधिकारिणः। तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १० नल नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गतमासादिः ४।७।५६।२४ भोग्यमासादिः ७।२२।३।३६ । वर्षनाम भाद्रपद । मेघः ४ नाम द्रोणः । समयनिवासो मालाकारगृहे (क्यारी में) । रोहिणीनिवासः समुद्रे ।समय विश्वा ८ । समय वाहनं वृषभः । स्तम्भ १ जलस्य । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानु सप्तमी १ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १५ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पत्ति विश्वा ९६ । खपति विश्वा १०८ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १७. तृणम् १७ । शीतम् ५ । तेज ५ वायुः १३ । शनि दृष्टिरुत्तरे। वृद्धिः १५ । क्षयः १५। विग्रहः ११ । ऐक्यं ११५ सत्यं ।।धर्म१।। पाप १८ । ग्रहणे २ चन्द्रमसः ।।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके भैरव करे पुकार ।
नया वर्ष अब आइया कहो शुभाशुभ सार ।।

भवानी उत्तर

सुनहो भैरव लाडले संवत् सर का सार ।
जल तृण कुछ कमती रहे साखन होय अपार ।।
राजा कुज मंत्री शनि इनकी खोटी वान ।
आपस में कर द्वेषता करे जगत् में हान ।।
अधिक लिया इस वर्ष में पापग्रहां अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में संवत् मालाकार ।।
स्तम्भ एक जल का हुआ ग्रहण चन्द्र के दोय ।
दशाधिकारी योग से संवत शुभ नहीं होय ।।
पर गुरु शनि के चार से संवत् मध्यम जान ।
घटे अशुभ फल बढ़े शुभ कम हो जग में हान ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत् का सार ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

वर्ष लग्नम् ५।३

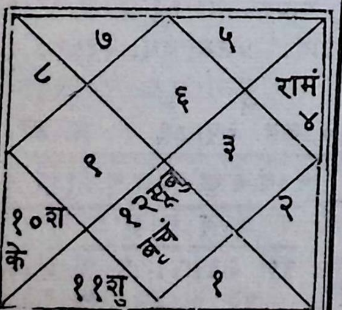

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् १०।२१

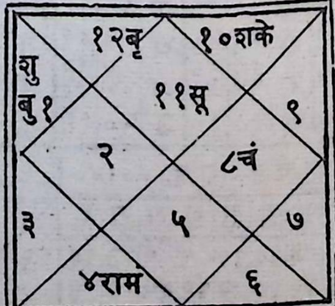

वर्षादी मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।१९।४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम्-भौमेनृपे वन्हिभयं जनक्षय चौराकुलं पार्थिव विग्रह च । दुःख प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पंपयोमुंचति वारिवाहाः ।। मंत्री शनिस्तत्फलम्-रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदा, न जलदाजलदा जनतापदा जनपदेषु सुख धनदं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्-प्रथम धान्य पतौ धरणी पतौ गजतुरंग खरोष्ट्रगवामपि । प्रभवदा बहुरोगधनो जलनं समसौख्यकरं तुषधान्यहृतू ।। धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम्-चन्द्रे धान्याधिपेजाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्वपास्वैव गोषुक्षीरं तथा बहु ।। मेघेशो शनिस्तत्फलम्-रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरतबृष्टिवती वसुदा तदा । मनसिताप करो नृपतिः सदा विविधरोगरता जनता तदा ।। रसेशो गुरुस्तत्फलम्-यदि गुरौ रसये जनसौख्यपदे कमलवन्ति सरांसि तृणानिच । जनपदाद्विज पूजन तत्परा गजसवाजिरथोष्ट्रयुतानृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्-नीरसेशो यदा भौमः प्रवाला रक्त वाससाम । रक्त चन्दन ताम्राणमर्घ वृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशो शुक्रस्तत्फलम्-यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरामृदुकुमार महीरहराशचः । बहुयथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुति पाठ परायणाः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्-असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताम्रकरस्तुषधान्य हृत् । महमिभासिभवे द्विगणं तदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ।। दुर्गेशो शनिस्तत्फलं-रविसुते गढ़पालिनि विग्रहे सकल देश गताश्चलिता जनाः । विविधवैरिविशोषित नागराः कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन ।। वर्षनाम भाद्रपदस्तत्फलम्-अर्घं महर्घतायाति धन धान्यसमं भवेत् । मघवा वर्ष तिस्वच्छं संपदो भाद्र वर्षके । नलनाम संवत्सरस्तत्फलम्-नलाब्दे मध्यसस्यार्ध वृष्टिभिः प्रवरा धरा, नृप संक्षोभसंजाता भूरितस्करभीतयः । मेघनाम द्रोणस्तत्फलम्-द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्-समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकार गृहे फलम्-मालिन प्रचुरा वृष्टिः । आश्विनोऽधिकमासस्तत्फलम्-सस्यं महर्घतां याति स्वल्प वृष्टिर्भगं नृपात् शरदानिचस्वल्पानि गज बाधाश्विन द्वये । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२० शाके १८८५ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला २ गुरौ रोहिण्यां ल. १२ रे. ८ ऽगु।।।ग्नि।।।
९ गुरौ मघायां ल. गो. रे. ७ ।।।ऽश।ऽ।ऽ। गणितेन क्रां. साम्याऽभावः
" ११ शनौ उफायां ल. अन्यगो रे. ७ ।।।ऽगु।ऽग्नि।ऽ।।
पादतोवेधाऽभावः
" १२ सूर्ये हस्ते ल.ऽन्यगो रे.६ ऽऽ।ऽऽ।।।।।(आवश्यके)

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ११ सूर्ये उभायां ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।ऽनृ।।
" ११ सूर्ये रेवत्यां ल. १ रे. ७ ।।ऽगु।।ऽनृ।ऽपरिवेष।।
" १२ चंद्रे रेवत्यां ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।ऽगु।।।ऽ।।
शुक्ला ९ शुक्रे उफायां ल. गो. रे. ७ ऽमं।।ऽगु।।ऽ।।।
" १० शनौ हस्ते ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽग्निअशनि।।
" १२ चंद्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो. रे. ९ ऽसूरा।।।।।।।।
" १३ बुधे अनु. यां. ल. १२ रे. ७ ।।।ऽबु.शु.ऽग्नि।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शनौ उभायां ल. १ रे. ८।।।।।ऽऽनिर्घात।। अन्य गोधूली रेखा ७
शुक्ला ४ भौमे मघायां ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।ऽश।ऽविद्युत।।
" ७ शुक्रे हस्ते ल. २ रे.७ ऽमं।।।।ऽशूल।ऽ(दग्धादोष)
" ९ सूर्ये स्वात्यां ल. १ रे. ८ ऽरा।।।।।ऽअशनि।।
(७मे चंद्रः सामान्यः)

दृश्य गणितादत्र क्षयमासः दोषः

शुक्ल १४ शनौ रोहिण्यां ल.५।६ रे.७।ऽगु।।।ऽसू।।ऽदंड।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ सूर्ये मृगे ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽचोऽ।।गु.७ पूज्य
" ८ सूर्ये उफायः ल. ५ रे. ७ ।।।नृऽऽ।। गुरु८ नेष्ट
" ११ बुधे स्वास्यां ल. ६ रे. ९ ।।।।।।ऽपरिवेश ।। (गुरुर्मध्यमः)

माघ मासः

शुक्ला ५ सूर्ये उभायां ल. ८ रे. ९ ।।।।।ऽ।।
" ६ चंद्रे रेवत्यां ल. ८ रे. ७ ।।ऽगु।।ऽचो।ऽभूकंप।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ४ शनौ उफ़ायां ल. ८ रे. ७ ।।ऽगुऽगु।।ऽकेतु।।
" १० शनौ मूले ल. रे. ८ ऽ।।।।।ऽकुलिस।।

प्र. चैत्र मासः

कृष्णा १ शुक्रे उफायां ल. ८ रे. ९ ।।ऽगु।गु।ऽ।।। पादतोवेधाऽभाव
" ७ गुरौ अनुयां ल. अन्यगो. रे. ८ ऽचंऽ।।।।।।।
" ९ शनौ मूले ल. अन्यगो रे. ९ ।।।।।।निर्घात।।

पौष शु. १५ चन्द्रे खंडग्रासं ग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणम् विश्वा २७।२

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.	प.
उज्जयिनी मध्यमकालः	घं.	२१	२३	२५	२७	२९	८
	प.	११	४९	३१	१३	५१	४०
रेल्वे टाइम	घ.	२	३	४	५	६	३
	मि.	५५	५८	३९	२०	२३	२८
	से.	२४	३६	२४	१२	२४	०

आषाढ़ शु. १५ शनौ खंडग्रासं चन्द्रग्रहणम् विश्वा १५।५

		स्प.	म.	मो.	पर्व	
उज्जयिनी मध्यमकाल	घं.	४९	५२	५६	७	
	मि.	१	४९	३७	३६	
रेल्वे टाइम	घं.	२	३	५	३	
	मि.	३	३४	५	२	
	से.	२४	३६	४८	२४	

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२०									शाकः १८८५			दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः
१	मं	१९	५	रे	४२	५७	ब्र	५०/५१	४९/२५	ब	१९	५	३०/२२	५/५६	६/४	२६	१२	२९	मे.४२।५७
२	बु	९	४६	अ	३५	४९	वै	४९	३४	कौ	९	४६	२६	५५	५	२७	१३	१	मेषे
३	गु	१	४	भ	२९	३०	वि	४०	३	ग	१	४	३०	५४	६	२८	१४	२	वृ.४३।१३
४	गु	५१	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	४६	२२	कृ	२४	२३	प्री	३१	५५	ब	१९	३९	३४	५३	७	२९	१५	३	वृषे
६	श	४१	१२	रो	२०	४०	आ	२४	४४	कौ	१३	५१	३९	५२	८	३०	१६	४	मि४९।४४
७	र	३७	४८	मृ	१८	४७	सौ	१९	१४	ग	९	३०	४३	५१	९	३१	१७	५	मिथुने
८	चं	३५	५०	आ	१८	१७	शो	१४	४६	वि	६	४९	४८	५१	९	१	१८	६	मिथुने
९	मं	३५	३२	पु	१९	३७	अ	११	३९	बा	५	४१	५२	५०	१०	२	१९	७	क.४।१७
१०	बु	३६	४९	पु	२२	५	सु	९	५१	तै	६	१०	५६	४९	११	३	२०	८	कर्के
११	गु	३९	१५	श्ले	२५	५७	धृ	८	५६	व	८	२	३१/००	४८	१२	४	२१	९	सिं२५।५७
१२	शु	४३	१	म	३१	५	शू	९	२६	ब	११	८	४	४७	१३	५	२२	१०	सिंहे
१३	श	४३	३६	पू	३६	५६	गं	१०	१	कौ	१५	१८	८	४६	१४	६	२३	११	कं.५३।४०
१४	र	५३	१३	उ	४३	५१	वृ	११	३८	ग	२०	२४	१२	४६	१४	७	२४	१२	कन्यायां
१५	चं	५८	४३	ह	५०	४७	ध्रु	१३	३३	वि	२५	५८	१६	४५	१५	८	२५	१३	कन्यायां

वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७७ सन् १९६३

चंद्रद. संव. नवरात्रा. घटस्था. कल्पादिः
जिल्काद ११ मत्स्य जयंती सिंधारा
भ. २७।० उ. ५२।५६ या. गणगौरी पू.
*रेवत्यां बुधः १०।७
शते शुक्रः ५९।४०
=धनिष्ठायां २ शनिः २८।४
भ. ३७।४८ उ. रेवत्यां रविः २०।४९*
भ. ६।४९ या. अप्रेल मा. ४ ता. ३०=
श्री रामजयन्ती
उभायां २ गुरुः ५८।२१
भ.६ उ.३९।१५ या. उदयंगुरुः ३५/२८× उ.गु.
×कामदा ११ व्र.
मेषे बुधः ३५।२१ प्रदोष व्र.
भ. ५३।१३ उ.
भ.२५।५८ या. मन्वादिः हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.५ शु.इ.४१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	११	१०	९	३	११
१५	१३	१३	५	६	२६	२	१४
१	४४	४१	२३	१९	२४	४१	५९
५१	१७	१३	३४	५	७	४६	१४
५९	१०	८०	१३	७०	५	३	५९
१८	४४	०९	३२	५८	४३	११	१६

गोचरग्रहाः

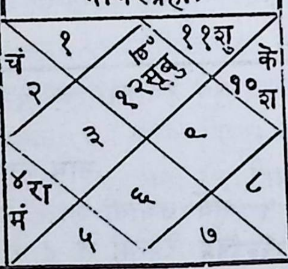

इस मास का फल अच्छा है। गुरु का उदय व्यापारिक वस्तु ओं में मंदी कारक है।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.शु.१२शु.इ. ४१।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	११	१०	९	३	११
२१	१४	२८	७	१४	२७	२	२१
५५	५१	९	३	३८	१	१९	५३
५४	५०	३२	१०	१३	१२	३०	२०
५९	१४	८०	१३	७१	५	३	५९
४	४४	४७	२७	२९	१६	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०२०									शाकः १८८५			दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	६०'	०	चि	५८	१६	व्या	१५	४०	बा	३१	५३	३१/२०	५/४४	६/१६	९	२६	१४	तु.२४।३२
१	बु	५	२	स्वा	६०	०	ह	१८	०	कौ	५	२	२४	४३	१७	१०	२७	१५	तुलायां
२	गु	११	२५	स्वा	५	४७	व	२०	१९	ग	११	२५	२८	४२	१८	११	२८	१६	वृ.५७।२१
३	शु	१७	३२	वि	१३	१२	सि	२२	२५	वि	१७	३२	३२	४२	१८	१२	२९	१७	वृश्चिके
४	श	२२	५४	अ	२०	०	व्य	२४	३	बा	२२	५४	३६	४१	१९	१३	३०	१८	वृश्चिके
५	र	२७	५१	ज्ये	२६	६	व	२६	८	तै	२७	५१	४०	४०	२०	१४	१	१९	ध.२६।६
६	चं	३१	२५	मू	३१	७	प	२५	१२	व	३१	२५	४३	३९	२१	१५	२	२०	धनुषि
७	मं	३३	४३	पू	३४	३५	शि	२४	४	वि	२	३४	४७	३९	२१	१६	३	२१	म.५०।४
८	बु	३३	५९	उ	३५	२९	सि	२१	३४	बा	३	५१	५०	३८	२२	१७	४	२२	मकरे
९	गु	३२	४७	श्र	३६	१८	सा	१७	४१	तै	३	२३	५४	३७	२३	१८	५	२३	मकरे
१०	शु	२९	२७	ध	३४	२४	शु	१२	६	वि	१	७	५८	३६	२४	१९	६	२४	कुं.५।२१
११	श	२४	१५	श	३०	३७	शु	५/७	५२/२०	बा	२४	१५	३/२	३६	२४	२०	७	२५	कुंभे
१२	र	१७	१९	पू	२५	६	ऐं	४७	१६	तै	१७	१९	५	३५	२५	२१	८	२६	मी११।२९
१३	चं	९	८	उ	१८	२९	वै	३६	५३	व	९	८	९	३४	२६	२२	९	२७	मीने
१४	चं	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	मं	४९	८	उ	१०	५१	वि	२५	५३	च	२४	१७	१३	३३	२७	२३	१०	२८	मे.१०।५१

त्रसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पूभायां शुक्रः १०।४९
भ. ४४।२९ उ.
भ.३७/२ या. पश्चिमोदयं बुधः९।३५ च. व्र.
मेषेऽर्कः ५५।२३ भरण्यां बुधः ११।३६
आश्लेषायां भौमः ०।८
भ. ३१।२५ उ.
भ. २।३४ या.
उभायां ३ गुरुः ५७।४०
मीने शुक्रः ३४।४०
भ. १।७ उ. २९।२७ या.
वरूथिनी ११ व्र.
कृति. बुधः १९/५० उभायां शुक्रः ३०/३९ प्रदोषः
भ. ९।८ उ. ३४।१८ या.
वृषे बुधः ३७।४६

१पं.वै.कृ.३ श.इ. ५७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	१०	९	३	०
०	१६	१४	९	२४	२७	१	०
२	३८	४५	६	३१	४२	५३	०
२	५६	०	४४	५	४०	१३	०
५८	१९	८०	१३	७१	४	३	५८
४५	१४	५६	२०	५२	५०	११	४४

गोचरग्रहाः

वैशाख कृ. ४ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३न. ४ गताल्कावस्था (ऊभी) मु. १५ (धान्य भाव तेज) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

२पं.वै.कृ.११श.इ.५७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	११	९	३	०
६	१८	२६	१०	२	२८	१	६
५२	४८	८	३८	५२	१२	३०	५०
२३	०	६	५६	२६	२५	५८	३५
५८	२२	८७	१२	७२	४	३	५८
५९	२६	७	५८	१८	१४	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख	शुक्लपक्षः	सं. २०२०	शाकः १८८५									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३०६ स.१९६३
१	बु	३९	३६	अ	२/२९	५३/१६	प्री	१५	२०	किं	१४	२२	३२/५७	५/३३	६/२७	२४	११	२९	मेषे	
२	गु	३०	७	कृ	४७	५७	आ	४/२०	५०/१०	बा	४	५०	२१	३२	२८	२५	१२	३०	वृ.८।४	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	२१	४४	रो	४२	२	शो	४५	२०	ग	२१	४४	२५	३१	२९	२६	१३	१	वृषे	भ.४९उ.जिल्हेज१२अक्षया३परशुरामज.
४	श	१४	३५	मृ	३७	५१	अ	३७	५५	वि	१४	३५	२९	३०	३०	२७	१४	२	मि९।५७	भ. १४।३५ या. भरण्यां रविः ३६।४४
५	र	९	३३	आ	३५	४९	सु	३२	१६	बा	९	३३	३२	२९	३१	२८	१५	३	मिथुने	
६	चं	६	१	पु	३५	२५	धृ	२७	४८	तै	६	१	३६	२९	३१	२९	१६	४	क.२०।१९	
७	मं	४	३५	पु	३७	१७	शू	२५	९	व	४	३५	४०	२८	३२	३०	१७	५	कर्के	भ. ४।३५ उ. ३५।० या.
८	बु	५	२६	श्ले	४०	४४	गं	२३	५४	ब	५	२६	४३	२७	३३	१	१८	६	सिं४०।४४	**मई मा. ५ ता. ३१** पातस्पर्शः ५२।५
९	गु	७	३८	म	४५	५७	वृ	२४	६	कौ	७	३८	४७	२७	३३	२	१९	७	सिंहे	रेवत्यांभृगुः ३९/२५ पातमोक्षः ४९/६ उभा. ४+
१०	शु	११	३२	पू	५२	१५	ध्रु	२४	३८	ग	११	३२	५०	२६	३४	३	२०	८	सिंहे	भ. ४४।५ उ. +गुरुः ५०।२६
११	श	१६	३८	उ	५९	१८	व्या	२६	३२	वि	१६	३८	५४	२५	३५	४	२१	९	कं.९।१	भ. १६।३८ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	र	२२	२२	ह	६०	०	ह	२८	४६	बा	२२	२२	५७	२५	३५	५	२२	१०	कन्यायां	वक्री बुधः ५३।४० प्रदोषः
१३	चं	२८	२९	ह	६	२	व	३१	१५	तै	२८	२९	३३/१	२४	३६	६	२३	११	तु.४०।६	
१४	मं	३४	४८	चि	१४	११	सि	३३	३०	ग	१	३८	४	२३	३७	७	२४	१२	तुलायां	भ. ३४।४८ उ. नरसिंह जयन्ती
१५	बु	४०	३९	स्वा	२१	२७	व्य	३५	४१	वि	७	४४	७	२३	३७	८	२५	१३	तुलायां	भ. ७।४४ या. जलकुम्भदानं अन्नदानं

३पं.वै.शु.४ श.इ.५८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	११	११	९	३	०
१३	२६	३	१२	११	२८	१	१३
४०	८	५१	१४	१५	३८	८	३९
३८	३५	२९	१०	३२	६	४२	४०
५८	२४	४७	१३	७२	३	३	५८
१२	५२	५६	३५	३७	३४	११	२०

गोचरग्रहाः

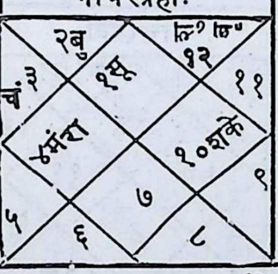

इस मास में सुख शांतीकारक फल है। धान्य, रुई, वस्त्र, अलसी, चांदी मोती सोना अदि सस्ते होंगे।

गोचरग्रहाः

४पं.वै.शु.११ श.इ.५८।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	११	११	९	३	०
२०	२३	७	१३	१९	२८	०	२०
२७	४३	२८	४६	४०	५९	४६	२७
१८	३७	१६	८	५५	२८	२६	२२
५७	२७	५/३	१२	७२	२	३	५८
५७	८	मा	१६	५६	५६	११	६

ति.	ज्येष्ठ	कृष्णपक्षः	सं. २०२०	शाकः १८८५									दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः
१	गु	४६	३०	वि	२८	२४	व	३७	४२	बा	१३	३४	३३/१०	५/२२	६/३८	९	२६	१४	वृ.११।४	पश्चिमास्तं बुधः ४।४८
२	शु	५१	३४	अ	३४	१	प	३९	१६	तै	१९	२	१३	२१	३९	१०	२७	१५	वृश्चिके	
३	श	५५	४२	ज्ये	४०	५०	शि	४०	८	व	२३	३८	१६	२१	३९	११	२८	१६	ध.४०।५०	भ. ३३/३८ उ. ५५/४२ या. कृति. रविः २४।३९
४	र	५९	१	मू	४५	३६	सि	४०	१७	ब	२७	२१	१९	२०	४०	१२	२९	१७	धनुषि	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	६०	०	पू	४९	२१	सा	३९	३८	कौ	३०	८	२२	२०	४०	१३	३०	१८	धनुषि	मेषेऽश्विन्यांशुक्रः ३१।४
५	मं	१	१५	उ	५१	५२	शु	३७	५४	तै	१	१५	२५	१९	४१	१४	३१	१९	म.४।५९	
६	बु	२	७	श्र	५३	१९	शु	३५	१६	व	२	७	२८	१८	४२	१५	१	२०	मकरे	
७	गु	१	४५	ध	५३	८	ब्र	३१	२६	ब	१	४५	३१	१८	४२	१६	२	२१	कु.२३।१४	
८	गु	५८	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	वृषेऽर्कः ५२।२६
९	शु	५६	१२	श	५१	११	ऐं	२६	५	तै	२८	२	३४	१७	४३	१७	३	२२	कुम्भे	भ. २।७ उ. ३१।५६ या.
१०	श	५०	५३	पू	४७	५८	वै	१९	३५	व	२३	३२	३६	१७	४३	१८	४	२३	मी३३।४६	भ.३३/३२ उ.५३/६३ या. रेवत्यां१ गुरुः ५१।२८
११	र	४४	२७	उ	४३	१८	वि	१२	२	ब	१७	३९	३९	१६	४४	१९	५	२४	मीने	मघा. सिंहेचभौमः ४२/४१ पुन.३ मिथुनेराहुः=
१२	चं	३६	१८	रे	३७	७	प्री	३/३	५/२६	कौ	१०	२२	४१	१६	४४	२०	६	२५	मे.३७।७	अपरा ११ व्र. नि.
१३	मं	२६	०	अ	३०	८	सौ	४३	८	बा	१	९	४४	१५	४५	२१	७	२६	मेषे	भ. २६।० उ. ५२।० या.
१४	बु	१७	५९	भ	२२	४१	शो	३२	३१	श	१७	५९	४६	१५	४५	२२	८	२७	वृ.३५।५२	=उषा.१धनुषिकेतुः३४/४४ अपरा११व्र.स्मा.
३०	गु	८	१७	कृ	१५	२४	अ	२२	८	ना	८	१७	४८	१४	४६	२३	९	२८	वृषे	वट पूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.३श.इ.५८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	११	११	९	३	०
२७	२६	६	१५	२८	२९	०	२७
१२	३४	१३	१५	६	१६	२४	१३
३२	५२	५	४०	५७	५५	११	३४
५७	२८	३६/२	११	७३	२	३	५७
४५	४९	व्र	५२	१४	१४	११	५४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ. ५ भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदय पू.।

गोचरग्रहाः

६पं.ज्ये.कृ.१०श.इ.५८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	११	०	९	३	१
३	२९	२	१६	६	२९	०	३
५६	३७	४५	४१	३३	२९	१	५९
१०	५४	३२	९	७	५३	५५	२८
५७	३०	३६/२८	११	७३	१	३	५७
३४	५	ब	१५	२०	३८	११	४४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३६ स.१९६३
१	शु	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	५०	४८	रो	८	४०	सु	१२	१८	बा	२४	५५	३३/५०	५/१४	६/४६	२४	१०	२९	मि३५।४३	चन्द्रदर्शनम् वक्रीमेषेबुधः १/६ भर.शुक्रः ३/६
३	श	४४	१३	मृ	३/४५	५५/५६	धृ	३/३२	५२/३७	तै	१७	३०	५२	१४	४६	२५	११	१	मिथुने	मोहोरम१सन्१३८३ रोहि.रविः१८।३५
४	र	३९	१४	पु	५६	१७	गं	५०	२	व	११	४३	५४	१३	४७	२६	१२	२	क.४१।५२	भ. ११।४३ उ. ३९।१४ या.
५	चं	३६	१८	पु	५६	१८	वृ	४५	५३	ब	७	४६	५६	१३	४७	२७	१३	३	कर्के	पूर्वोदयं बुधः १९।३५
६	मं	३५	४९	श्ले	५८	१५	ध्रु	४३	१२	कौ	५	३३	५८	१२	४८	२८	१४	४	सिं५८।१५	
७	बु	३६	५४	म	६०	०	व्या	४२	१४	ग	६	२१	३४/०	१२	४८	२९	१५	५	सिंहे	भ. ३६।५४ उ.
८	गु	४०	१६	म	२	३	ह	४२	४२	वि	८	३५	२	१२	४८	३०	१६	६	सिंहे	भ. ८।३५ या.
९	शु	४५	८	पू	७	४०	व	४३	५५	बा	१२	४२	४	११	४९	३१	१७	७	कं.२४।१९	
१०	श	५०	४७	उ	१४	१८	सि	४६	१३	तै	१७	५८	६	११	४९	१	१८	८	कन्यायां	जून मा.६ता.३० मार्गीबुधः ३/२ ७/२ गंगादशहरा
११	र	५७	०	ह	२१	५०	व्य	४८	३९	व	२३	५४	८	१०	५०	२	१९	९	तु.५५।३७	भ.२/५ ३/४ उ.५७।०या. निर्जला११व्र.स्मा.वै.
१२	चं	६०	०	चि	२९	२४	व	५१	११	ब	३०	८	९	१०	५०	३	२०	१०	तुलायां	वक्री शनिः ४९।१८ निर्जला ११ व्र. नि.
१२	मं	३	१७	स्वा	३६	१६	प	५३	३५	बा	३	१७	११	१०	५०	४	२१	११	तुलायां	कृतिकायां शुक्रः ३३।१७ प्रदोषः
१३	बु	९	१०	वि	४३	५०	शि	५५	२८	तै	९	१०	१२	१०	५०	५	२२	१२	वृ.२६।५७	रेवत्यां २ गुरुः ५६।५२
१४	गु	१४	३८	अ	५०	५	सि	५६	३७	व	१४	३८	१४	९	५१	६	२३	१३	वृश्चिके	भ.१४।३८ उ.४६।४५या. वृषेबुधः२५।३
१५	शु	१८	५३	ज्ये	५५	२४	सा	५७	१२	ब	१८	५३	१५	९	५१	७	२४	१४	ध.५५।२४	वृषे शुक्रः ३०।४०

७पं.ज्ये.शु.३श.इ.५२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	०	९	२	१
१०	२	२९	१८	१५	२९	२९	१०
३८	४९	१९	३	०	३७	३९	४२
२४	५५	१९	४७	५०	४१	४०	२३
५७	३१	३३/३६	१०	७३	०	३	५७
२३	२९	ब	३८	३३	५६	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है। प्रजा में सुख शांति और उत्साह। धान्यादि पदार्थ मन्दे रहेंगे।

गोचरग्रहाः

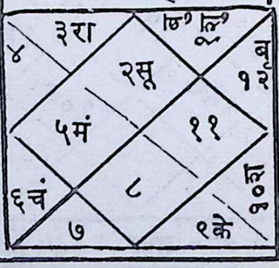

८पंज्ये.शु.१०श इ.५८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	०	९	२	१
१७	६	२८	१९	२३	२९	२९	१७
१९	१२	३३	२०	३०	४१	१७	२५
२७	४	४	३५	०	२०	२४	८
५७	३२	१/८	९	७३	१/०	३	५७
१३	२९	मा	५६	४७	मा	११	२७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२२	३०	मू	५९	५१	शु	५६	५३	कौ	२२	३०	३४/५६	५/९	६/५१	८	२५	१५	धनुषि	मृगे रविः १७।२४
२	र	२४	५६	पू	६०	०	शु	५३	४८	ग	२४	५६	१७	९	५१	९	२६	१६	धनुषि	भ. ५५।३३ उ.
३	चं	२६	१०	पू	३	१३	ब्र	५४	९	वि	२६	१०	१८	८	५२	१०	२७	१७	म.१८।४७	भ. २६।१० या. च. ब्र.
४	मं	२६	२४	उ	५	२९	ऐं	५१	१८	बा	२६	२४	१९	८	५२	११	२८	१८	मकरे	
५	बु	२५	३८	श्र	६	५०	वै	४७	३७	तै	२५	३८	२०	८	५२	१२	२९	१९	कु.३६।५८	
६	गु	२३	५७	ध	७	६	वि	४३	१४	व	२३	५७	२१	८	५२	१३	३०	२०	कुम्भे	भ. २३।५७ उ. ५२।३१ या.
७	शु	२१	६	श	६	१२	प्री	३७	५९	ब	२१	६	२२	८	५२	१४	३१	२१	मी५०।७	
८	श	१७	३	पू	४	४५	आ	३२	२०	कौ	१७	६	२२	८	५२	१५	३२	२२	मीने	मिथुनेऽर्कः१८।१२ पूफायांभौमः५८।४३*
९	र	१२	२१	उ	१/४०	५६/१२	सौ	२५	४९	ग	१२	२१	२३	७	५३	१६	१	२३	मे.५७।५२	भ. ३९।८ उ. *रोहिण्यांशुक्रः४४।११
१०	चं	५	५६	अ	५३	५	शो	१७	५	वि	५	५६	२३	७	५३	१७	२	२४	मेषे	भ. ५।५६ या. योगिनी ११ व्र. स्मा.
११	चं	५२	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	मं	५१	२१	भ	४७	११	अ	२८	५१/२३	कौ	२५	७	२३	७	५३	१८	३	२५	मेषे	रोहण्यांबुधः १५।३९ योगिनी ११व्र. व.
१३	बु	४३	७	कृ	४१	६	सु	४९	५७	ग	१७	१४	२४	७	५३	१९	४	२६	बृ.०।४०	भ. ४३।७ उ. प्रदोषः व्र.
१४	गु	३४	३४	रो	३५	१२	धृ	४०	४३	वि	८	५१	२४	७	५३	२०	५	२७	बृषे	भ. ८।५१ या.
३०	शु	२६	५०	मृ	२९	१६	गं	३१	४२	च	०	३७	२४	७	५३	२१	६	२८	मि२।१४	अमावस्या

९पं.आ.कृ.१श.इ.५८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	११	१	९	२	१
२३	९	१	२०	१	२९	२८	२४
५९	४२	२२	३२	५८	३९	५५	७
२३	२९	८	४२	३४	४०	८	१२
५७	३३	३१	९	७३	२/८	३	५७
५	३२	५४	२०	५६	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

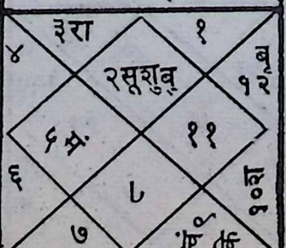

आषाढ कृ. ८ शनौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा.५न.४युवावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव मंदा) शुदक्रोयं पू.

गोचरग्रहाः

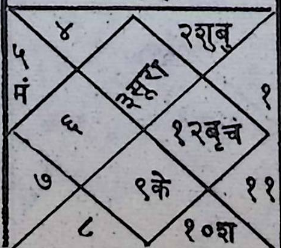

१०पं. आ.कृ.८श.इ.५८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	१	९	२	२
०	१३	७	२१	१०	२९	२८	०
३८	२०	३३	३९	२८	३३	३२	४८
३२	२०	४३	३६	२३	४७	५३	२८
५६	३४	६३	८	७३	१६	३	७७
५७	३२	५९	३१	५९	ब	११	१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़	शुक्लपक्षः	सं. २०२०			शाकः	१८८५						दि.	उ.	अ.	इं.	हि.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३६५स. १९६३
१	श	१९	५६	आ	२४	४१	वृ	२३	३३	ब	१९	५६	३४/२४	५/७	५६/३	२२	७	२९	मिथुने	चन्द्रदर्शनम् आर्द्रायां रविः १९।४४
२	र	१४	९	पु	२१	१४	ध्रु	१६	५२	कौ	१४	९	२४	७	५३	२३	८	१	क.७।६	सफ्फर २ रथयात्रा
३	चं	१०	१८	पु	१९	४१	व्या	११	१८	ग	१०	१८	२४	७	५३	२४	९	२	कर्के	भ. ३९।३० उ.
४	मं	८	४३	श्ले	१९	५९	ह	७	११	वि	८	४३	२३	७	५३	२५	१०	३	सिं १९।५९	भ. ८।४३ या.
५	बु	८	५०	म	२२	२८	व	४	५७	बा	८	५०	२३	७	५३	२६	११	४	सिंहे	मृगेशुक्रः १३।५१
६	गु	११	१७	पू	२६	४७	सि	४	३१	तै	११	१७	२२	७	५३	२७	१२	५	कं.४३।१६	मृगेबुधः १२।४२ रेवत्यां ३गुरुः ४६।३१
७	शु	१५	४	उ	३२	४४	व्य	४	५३	व	१५	४	२२	८	५२	२८	१३	६	कन्यायां	भ. १५।४ उ. ४७।५१ या.
८	श	२०	३९	ह	३९	४५	व	६	२८	ब	२०	३९	२१	८	५२	२९	१४	७	कन्यायां	*पूर्वास्तं बुधः ४०/४५
९	र	२६	३५	चि	४७	१	प	८	४७	कौ	२६	३५	२०	८	५२	३०	१५	८	तु.४५।०	मिथुने बुधः ४७।८
१०	चं	३२	४७	स्वा	५४	५२	शि	११	३८	ग	३२	४७	१९	८	५२	१	१६	९	तुलायां	जुलाई मा.७ ता.३१ मिथुनेशुक्रः ५८।४१*
११	मं	३८	३५	वि	६०	०	सि	१४	१४	व	५	४१	१८	८	५२	२	१७	१०	वृ.४५।०	भ.५।४१ उ.३८।३५या. देवशयनी ११व्र.
१२	बु	४४	६	वि	१	४१	सा	१५	४५	ब	११	२०	१७	८	५२	३	१८	११	वृश्चिके	हरिवासरः घ. १।४१ उप.
१३	गु	४८	१२	अ	८	८	शु	१७	८	कौ	१६	९	१६	९	५१	४	१९	१२	वृश्चिके	आर्द्रायां बुधः९।८ प्रदोषः
१४	शु	५०	५२	ज्ये	१३	१५	शु	१७	२०	ग	१९	३२	१४	९	५१	५	२०	१३	ध.१३।१५	भ.५०।५२ उ. ×वायुपरीक्षा चन्द्रग्रहणम्
१५	श	५२	२४	मू	१७	११	ब्र	१६	३७	वि	२१	३८	१३	९	५१	६	२१	१४	धनुषि	भ. ३१/३८ या.पुनर्वसौ रविः ३३/४५ व्यास पूजा×

११पं.आ.शु.१श.इ.५८।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	१	९	२	२
७	१७	१६	२२	१९	२९	२८	७
१७	५	४७	४०	०	२२	१०	२९
०	३५	४१	४४	११	३७	३७	२१
५६	३५	९२	७	७४	५१/२	३	५७
५४	२	७	३२	२	ब	११	३

१२पं.फा.शु.८श.इ.५८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	१	९	२	२
१३	२०	२८	२३	२७	२९	२७	१४
५५	५६	३५	३४	३१	७	४८	९
४	२०	३८	१९	३०	१६	२२	५१
५६	३५	३०/७	६	७४	२/७	३	५७
५०	४६	७/६	३०	१२	ब	११	७

१३पं.आ.शु.१५श.इ.५८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	२	९	२	२
२०	२४	१२	२४	६	२८	२७	२०
३२	५१	३३	२१	४	४७	२६	५०
५८	५०	०	५४	४८	५३	६	१०
५६	३६	३०/८	५	७४	३/२८	३	५७
५०	२९	७/३२	२९	२२	ब	११	७

ति.	श्रावण	कृष्णपक्षः	सं. २०२०			शाकः	१८८५						दि.	उ.	अ.	इ.	हि.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५२	३३	पू	१९	५२	ऐं	१४	४२	बा	२२	२८	३४/५१	५/९	५६/५१	७	२२	१५	म.३५।१०	आर्द्रायां शुक्रः २६।५८
२	चं	५१	३६	उ	२१	५	वै	१२	२०	तै	२२	४	१०	१०	५०	८	२३	१६	मकरे	
३	मं	४९	३६	श्र	२१	२९	वि	८	४५	व	२०	३६	८	१०	५०	९	२४	१७	कु.५१।११	भ. ३६/२० उ. ४६/३७ या. उफायांभौमः ५६।२७
४	बु	४६	३७	ध	२०	५४	प्री	४/४०	५५/१४	ब	१८	६	७	११	४९	१०	२५	१८	कुम्भे	पुनर्वसौ बुधः ३३।७
५	गु	४३	८	श	१९	४२	सौ	५४	११	कौ	१४	२२	५	११	४९	११	२६	१९	कुम्भे	नाग ५ मरुस्थले
६	शु	३९	१७	पू	१७	४२	शो	४८	१५	ग	११	१२	४	११	४९	१२	२७	२०	मी ३।१२	भ. ३९।१७ उ.
७	श	३४	३६	उ	१५	२१	अ	४२	१०	वि	६	५७	२	१२	४८	१३	२८	२१	मीने	भ. ६।५७ या.
८	र	२९	२०	रे	१२	२०	सु	३५	१४	बा	१	५८	०	१२	४८	१४	२९	२२	मे.१२।२०	
९	चं	२४	४	अ	९	५	धृ	२८	९	ग	२४	४	३३/५८	१२	४८	१५	३०	२३	मेषे	भ. ५१/१० या. कन्यायांभौमः ४५/८ कर्केबुधः ४/३५
१०	मं	१८	१६	भ	५	१५	शू	२०	३९	वि	१८	१६	५६	१३	४७	१६	३१	२४	वृ.१९।१४	भ. १८/१६ यां कर्केऽर्कः ५६/२९ पुष्येबुधः ३९।३४
११	बु	११	५१	कृ	१/९	५५/२२	गं	१२	५०	बा	११	५१	५४	१३	४७	१७	१	२५	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	गु	५	१७	मृ	५२	२९	वृ	५/११	५२/२०	तै	५	१७	५२	१४	४६	१८	२	२६	मि२४।३०	भ.५९।६उ. पुनर्वसौशुक्रः २२।३४ प्रदोषः
१३	गु	५३	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु	५३	२१	आ	४८	३८	व्या	५०	७	वि	२६	१४	५०	१४	४६	१९	३	२७	मिथुने	भ. २६।१४
३०	श	४८	१३	पु	४५	३९	ह	४३	२६	च	२०	४७	४७	१५	४५	२०	४	२८	क.३१।२४	पुष्ये रविः २७।६ हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ७ श.इ.५८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	२	९	२	२
२७	२८	२७	२५	१४	२८	२७	२७
११	५३	४०	०	३७	२५	३	३०
५	५६	८	२५	५९	०	५०	३४
५६	३७	७/२	४	७४	४३/६	३	५७
५५	९	४	२०	२५	ब	११	११

गोचरग्रहाः

श्रावण कृ.१०
भौमे कर्केऽर्कः प्र.
वा.४न.५कुमारा-
वस्था (बैठी) मु.
३० (धान्य भाव
सम) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

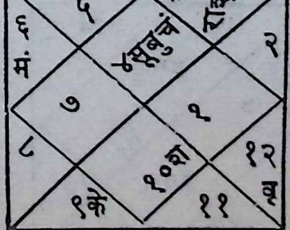

१५प.श्रा.कृ.१२श.इ.५८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	११	२	९	२	३
३	३	१२	२५	२३	२७	२६	४
४९	०	१६	३०	१३	५९	४१	११
३२	४०	४	३९	१९	४६	३५	१५
५६	३७	३०/९	३	७४	४	३	५७
५७	२५	९/२४	१४	२९	ब	११	१५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३९४ सं. १९६३
१	र	४४	३२	पु	४३	४०	व	३७	४३	किं	१६	२३	३३/४५	५/१५	६/४५	२१	५	२९	कर्के	पुनर्वसौ २ राहुः पूषायां ४ केतुः२८।८
२	चं	४२	३८	श्ले	४३	२८	सि	३३	११	बा	१३	३५	४२	१६	४४	२२	६	३०	सिं४३।२८	चन्द्रदर्शनम् सिधारा
३	मं	४२	१८	म	४४	५९	व्य	३०	३	तै	१२	२८	४०	१६	४४	२३	७	१	सिंहे	रविलावल ३ सार्पे बुधः ८।४३ तीज
४	बु	४४	६	पू	४८	२१	व	२८	३१	व	१३	१२	३७	१७	४३	२४	८	२	सिंहे	भ. १३।१२ उ. ४४।६ या. वरद ४
५	गु	४७	२२	उ	५३	०	प	२८	१५	ब	१५	४४	३५	१७	४३	२५	९	३	कं.४।३१	नाग ५
६	शु	५२	२०	ह	५९	३०	शि	२९	११	कौ	१९	५१	३२	१८	४२	२६	१०	४	कन्यायां	कर्कभृगुः२९।५० पश्चिमोदयीबुधः १।११
७	श	५७	४८	चि	६०	०	सि	३१	५२	ग	२५	४	३०	१८	४२	२७	११	५	तु.३३।४	भ. ५७।४८ उ.
८	र	६०	०	चि	६	३७	सा	३३	५४	वि	३०	५५	२७	१९	४१	२८	१२	६	तुलायाँ	भ. ३०।५५ या.
८	चं	४	३	स्वा	१४	५	शु	३६	१२	बा	४	३	२५	१९	४१	२९	१३	७	तुलायां	पुष्ये भृगुः १०।५२
९	मं	९	५६	वि	२१	२३	शु	३७	५५	कौ	९	५६	२१	२०	४०	३०	१४	८	वृ.४।३४	मघायां सिंहेच बुधः ११।१२
१०	बु	१५	३७	अ	२८	२३	ब्र	३९	३३	ग	१५	३७	१८	२०	४०	३१	१५	९	वृश्चि.	भ. ४७।४५ उ.
११	गु	१९	५३	ज्ये	३३	४५	ऐं	४०	९	वि	१९	५३	१५	२१	३९	१	१६	१०	ध.३३।४५	भ. १९।५३ या. अगस्त मा. ८ ता. ३१*
१२	शु	२२	२३	मू	३७	४९	वै	३९	४०	बा	२२	२३	१२	२२	३८	२	१७	११	धनुषि	प्रदोषः *हस्तभौमः४४।१७पवित्रा११व्र.
१३	श	२३	४२	पू	४०	१७	वि	३७	५९	तै	३३	४२	९	२२	३८	३	१८	१२	म.५५।३०	आश्लेषायां रविः २७।५७
१४	र	२३	८	उ	४१	८	प्री	३४	४५	व	२३	८	६	२३	३७	४	१९	१३	मकरे	भ. २३।८ उ. ५१।५९ या.
१५	चं	२०	५०	श्र	४०	२४	आ	३०	३१	ब	२०	५०	३	२३	३७	५	२०	१४	मकरें	रक्षाबंधनं श्रावणीकर्म

१६पं.श्रा.शु.७श.इ.५८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	११	३	९	२	३
१०	७	२५	२५	१	२७	२६	१०
२८	११	३७	५२	४९	३१	१९	५२
५२	६	५९	४४	४१	५	१९	१९
५७	३७	००	१	७४	१६/४	३	५७
५	५९	३२	५०	३१	व	११	२०

गोचरग्रहाः

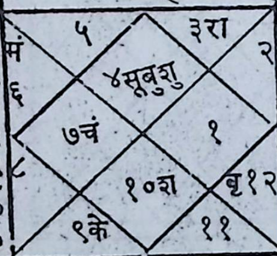

इस मास का फल सामान्य है। प्रजा में रोगादि उपद्रव हो। वर्षा योग है। धान्य तृणादि सस्ते होंगे

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.१३श.इ.५८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	३	९	२	३
१७	११	७	२६	१०	२७	२५	१७
८	२६	४०	५	२६	१	५७	३४
३७	२०	१२	२४	२५	८	४	१
५७	३८	९९	४०/४	७४	३/४	३	५७
१२	४४	३७	मा	३२	ब	११	२४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१७	४१	ध	३८	३९	सौ	२५	१४	कौ	१७	४१	३३/०	५/२४	६/३६	६	२१	१५	कुं.९।३१	
२	बु	१३	१४	श	३५	५५	शो	१९	५२	ग	१३	१४	३२/५७	२५	३५	७	२२	१६	कुम्भे	भ. ४०।४० पूफायांबुधः २६।५ पू.अ.शु.
३	गु	८	६	पू	३२	४७	अ	१२	२९	वि	८	६	५४	२५	३४	८	२३	१७	मी१८।३४	भ.८।६या. वक्रीगुरः१६/४वक्रीधनि.१शनिः×
४	शु	२	४५	उ	२९	१४	सु	५/३३	५२/५०	बा	२	४५	५०	२६	३४	९	२४	१८	मीने	सार्पे शुक्रः १।४१
५	शु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×४४/३ पूर्वास्तोभृगुः ४२।३६ च. व्र.
६	श	५१	३९	रे	२५	३९	शू	५१	९	ग	२४	२५	४७	२७	३३	१०	२५	१९	मे.२५।३९	भ. ५१।३९ उ.
७	र	४६	११	अ	२२	११	गं	४३	५९	वि	१८	५५	४३	२७	३३	११	२६	२०	मेषे	भ. १८।५५ या. जन्माष्टमी स्मा.
८	चं	४१	८	भ	१८	३७	वृ	३७	११	बा	१३	४०	४१	२८	३२	१२	२७	२१	वृ.३२।४९	जन्माष्टमी वै.
९	मं	३५	५३	कृ	१५	२५	ध्रु	३०	११	तै	८	३०	३८	२८	३२	१३	२८	२२	वृषे	गोगा ९
१०	बु	३०	४७	रो	१२	२६	व्या	२३	३०	व	३	२०	३५	२९	३१	१४	२९	२३	मि४१।४	भ. ३।२० उ. ३०।४७ या.
११	गु	२६	२२	मृ	९	२	ह	१७	११	ब	२६	२२	३२	३०	३०	१५	३०	२४	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	शु	२२	२३	आ	७	२१	व	११	९	तै	२२	२३	२९	३०	३०	१६	३१	२५	क.५१।७	प्रदोष वत्स १२
१३	श	१८	५६	पु	५	४२	सि	५	४३	व	१८	५६	२६	३१	२९	१७	३२	२६	कर्के	भ.१८।५६ उ.४७।४० सिंहेऽर्कः २४।२४+
१४	र	१६	२४	पु	४	४६	व्य	४/०३	५६/०	श	१६	२४	२२	३२	२८	१८	१	२७	कर्के	+उफायां बुधः ६।२५
३०	चं	१५	२७	श्ले	५	२	प	५३	४३	ना	१५	२७	१९	३२	२८	१९	२	२८	सिं५।२	मघायांसिंहेच शुक्रः ४८।३१ कुशाग्रहणं

१८पं.भा.कृ.६श.इ.५७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	३	९	२	३
२३	१५	१८	२६	१९	२६	२५	२४
४९	४६	२३	८	४	२९	३४	१६
४४	४४	९	३८	१९	२०	४८	२६
५७	३९	८५	३०/	७४	४०/	३	५७
२२	१०	५३	ब	७२	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

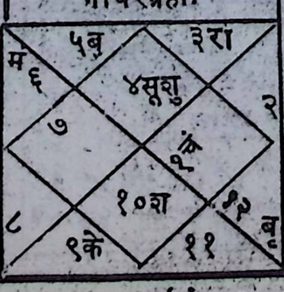

भाद्रपद कृ. १३ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.५ न.६ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

१९पं.भा.कृ.१३श.इ.५७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	३	९	२	४
०	२०	२७	२६	२७	२५	२५	०
३१	१०	३९	१	४२	५८	१२	५९
५७	५९	०	२३	२२	८	३२	४८
५७	३९	६९	३	७४	४०	३	५७
३४	२२	१९	ब	३२	ब	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४२४ स.१९६३
१	मं	१५	४०	म	६	२७	शि	५२	१०	ब	१५	४०	३२/१५	५/३३	६/२७	२०	२९	२९	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् कन्याया बुधः ०।२०
२	बु	१७	१८	पू	९	३०	सि	५१	६	कौ	१७	८	१२	३४	२६	२१	३०	१	कं.२५।३८	रविलाखर ४
३	गु	२०	२१	उ	१४	१	सा	५१	३३	ग	२०	२१	८	३४	२६	२२	३१	२	कन्यायां	भ. ५२।४६ उ. हरितालिका व्र.
४	शु	२५	१२	ह	१९	५०	शु	५२	३८	वि	२५	१२	४	३५	२५	२३	१	३	तु.५३।१२	भ.३५/५२या. चित्रायां भौमः३/७ गणेशचतुर्थी×
५	श	३०	३१	चि	२६	३५	शु	५४	४८	बा	३०	३१	०	३६	२४	२४	२	४	तुलायां	ऋषि ५
६	र	३६	४२	स्वा	३३	५०	ब्र	५७	४२	कौ	३	३६	३५/५६	३७	२३	२५	३	५	तुलायां	
७	चं	४२	४९	वि	४१	२५	ऐं	५९	४४	ग	९	४५	५२	३८	२२	२६	४	६	वृ.२४।३१	भ. ४२/४९ उ. ×रा.भाद्रपद मा.६दि.३१
८	मं	४८	३८	अ	४८	५२	वै	६०	०	वि	१५	४४	४८	३८	२२	२७	५	७	वृश्चिके	भ. १५।४४ या. दूर्वा ८
९	बु	५३	२७	ज्ये	५४	५८	वै	१	४९	बा	२१	२	४४	३९	२१	२८	६	८	ध.५४।५८	
१०	गु	५७	४६	मू	६०	०	वि	३	१४	तै	२५	३७	४०	४०	२०	२९	७	९	धनुषि	
११	शु	५८	१९	मू	०	५	प्री	३	२२	व	२८	२	३६	४१	१९	३०	८	१०	धनुषि	भ.२८।२ उ. ५/१९ या. पूफायां शुक्रः ३४/५५
१२	श	५८	२	पू	३	२	आ	१२	५७/३०	ब	२८	१०	३२	४२	१८	३१	९	११	म.१८।२३	पूफायां रविः १५/१६ हस्तेबुधः १५/४५ वामनावता+
१३	र	५५	४१	उ	४	२४	शो	५५	१८	कौ	२६	५२	२८	४२	१८	१	१०	१२	मकरे	सितम्बर मा.९ता.३० प्रदोषः +नि.वै.
१४	चं	५१	३६	श्र	३	५४	अ	४९	४६	ग	२३	३८	२५	४३	१७	२	११	१३	कुं.३२।४५	भ. ५१/३६ उ. तुलायां भौमः ३१/३२ अनंत१४
१५	मं	४५	५७	ध	१/३६	५६/३०	सु	४२	५४	वि	१८	४५	२१	४४	१६	३	१२	१४	कुम्भे	भ. १८।४५ या. महालयारम्भः

२०पं.भा.शु.५श.इ.५७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	११	४	९	२	४
७	२४	५	२५	६	२५	२४	७
१५	३८	८	४६	२२	२७	५०	४४
३०	४३	२०	४२	१	७	१७	१६
५७	३९	५०	३/१६	७४	४/२८	३	५७
४५	५४	२७	ब	३८	ब	११	३८

गोचरग्रहाः

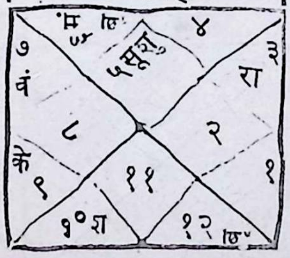

इस मास में पांच मंगलवार अशुभ हैं प्रजा में रोग पीडा चिंता आदि रहेंगे धान्यादि के भाव सामान्य वर्षा मध्यम होगी

गोचरग्रहाः

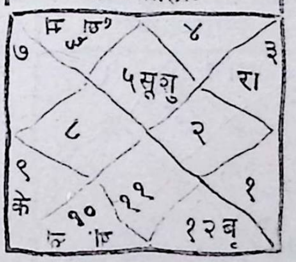

२१पं.भा.शु.१२श.इ.५७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	११	४	९	२	४
१४	२९	१०	२५	१५	२४	२४	१४
०	१२	१५	१९	२	५७	२८	२९
४२	१२	४०	४१	४२	४०	१	५७
५७	४०	२३	४/२०	७४	४/१०	३	५८
५७	१९	६	ब	३८	ब	११	१

ति.	प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	बु	३९	१९	पू	५३	१४	धृ	३४	१२	बा	१३	३८	३१/१८	५/४४	६/१६	४	१३	१५	मी३९।२७	
२	गु	३२	८	उ	४७	५७	शू	२६	४२	तै	५	४३	१४	४५	१५	५	१४	१६	मीने	भ. ५८।२९ उ. वक्री बुधः १०।२८
३	शु	२४	५०	रे	४२	५१	गं	१७	५५	वि	२४	५०	१०	४६	१४	६	१५	१७	मे.४२।५१	भ. २४।५० या. चतुर्थी व्र.
४	श	१७	३४	अ	३७	४०	वृ	९	२६	बा	१७	३४	६	४७	१३	७	१६	१८	मेषे	
५	र	१०	३९	भ	३२	५३	ध्रु	५३	५१/५७	तै	२०	३९	२	४८	१२	८	१७	१९	वृ.४६।५२	+वक्रीउफायांबुधः३९ इंदिरा११व्र.स्मा.
६	चं	४	३७	कृ	२८	४७	ह	४५	२१	व	४	३७	३०/५८	४८	१२	९	१८	२०	वृषे	भ. ४।३७ उ. ३१।५६ या.
७	चं	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५४	३८	रो	२५	४५	व	३८	२७	बा	२६	५६	५४	४९	११	१०	१९	२१	मि५४।२८	उफायां शुक्रः १८।५२
९	बु	५१	०	मृ	२३	१२	सि	३२	१२	तै	२२	४९	४९	५०	१०	११	२०	२२	मिथुने	मातृ ९ सौभाग्यवतीनाम् श्राद्धम्
१०	गु	४८	१०	आ	२१	२८	व्य	२६	५१	व	१९	३५	४५	५१	९	१२	२१	२३	मिथुने	भ.१९/३५उ.४८/१०या. स्वा.भौमः२३/१५क.शुक्रः५९/४५
११	शु	४६	१०	पु	२१	१	व	२२	१०	ब	१७	१०	४०	५२	८	१३	२२	२४	क. ६।८	उफायां रविः ५९/५५ पश्चिमास्तं बुधः ३९/२०+
१२	श	४५	१५	पु	२१	११	प	१८	५	कौ	१५	४३	३६	५३	७	१४	२३	२५	कर्के	इंदिरा ११ व्र. नि.
१३	र	४५	२९	श्ले	२२	२९	शि	१५	३	ग	१५	२२	३२	५४	६	१५	२४	२६	सिं२२।९	भ. ४५।२९ उ. प्रदोषः
१४	चं	४६	३६	म	२४	४५	सि	१२	३९	वि	१६	२	२८	५४	६	१६	२५	२७	सिंहे	भ.१६/२ या. शस्त्रा.श्राद्धं दृश्यः क.५२।८
३०	मं	४९	१२	पू	२८	२२	सा	११	२९	च	१७	५४	२४	५५	५	१७	२६	२८	कं.४४।३०	कन्यायामर्कः २५।६

२२पं.प्र.आ.कृ.५श.इ.५७/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	११	४	९	२	४
२०	३	११	२४	२३	२४	२४	२१
४७	४६	५३	४५	४३	३०	२	१६
२३	३७	६	५४	५२	११	४६	५७
५८	४०	१५/१३	५/२८	७४	३/५२	३	५८
१२	२७	ब	ब	३८	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

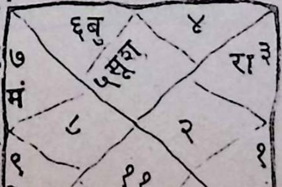

प्र.आ. कृ.३०भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.४पुत्रेवत्सला- वस्था (सुती) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रास्तः पूर्व

गोचरग्रहाः

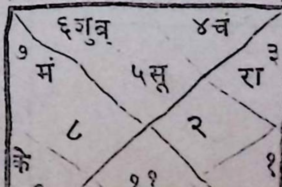

२३पं.प्र.आ.कृ.१२श.इ.५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	११	५	९	२	४
२७	८	८	२४	२	२४	२३	२८
३५	२५	३१	४	२५	५	४३	५
४६	३४	४८	१६	४८	२	३०	१३
५८	४१	५९/४९	६/२२	७४	३/२८	३	५८
२९	१०	ब	ब	३२	ब	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	बु	५२	४९	उ	३२	५२	शु	११	३	किं	२०	५०	३०/२०	५६	६/४	१८	२७	२९	कन्यायां
२	गु	५७	४७	ह	३८	४५	शु	११	१३	बा	२५	१७	१६	५७	३	१९	२८	३०	कन्यायां
३	शु	६०	०	चि	४५	१४	ब्र	१२	३४	तै	३०	३०	१२	५८	२	२०	२९	१	तु.१२।०
३	श	३	१३	स्वा	५२	३३	ऐं	१४	५	ग	३	१३	८	५८	२	२१	३०	२	तुलायां
४	र	९	३३	वि	६०	०	वै	१६	२०	वि	९	३३	४	५९	१	२२	३१	३	बृ.४३।१६
५	चं	१५	४२	वि	०	१०	वि	१८	२२	बा	१५	४२	०	६/०	०	२३	१	४	वृश्चिके
६	मं	२२	७	अ	७	४९	प्री	२१	२६	तै	२२	७	२९/५५	१	५/५९	२४	२	५	वृश्चिके
७	बु	२७	२५	ज्ये	१४	५६	आ	२३	१८	व	२७	२५	५१	२	५८	२५	३	६	ध.१४।५६
८	गु	३१	३८	मू	२०	४४	सौ	२४	१७	ब	३०	३८	४६	३	५७	२६	४	७	धनुषि
९	शु	३४	७	पू	२५	१५	शो	२४	२०	बा	२	५३	४२	४	५६	२७	५	८	म.४०।५५
१०	श	३४	४५	उ	२७	५६	अ	२२	४६	तै	४	२६	३८	४	५६	२८	६	९	मकरे
११	र	३३	१९	श्र	२८	४६	सु	१९	४१	व	४	२	३४	५	५५	२९	७	१०	कु.५८।६
१२	चं	२९	४६	ध	२७	२६	धृ	१४	५८	ब	१	३२	३०	६	५४	३०	८	११	कुम्भे
१३	मं	२४	२०	श	२४	२	शू	८	३३	तै	२४	२०	२६	७	५३	१	९	१२	कुम्भे
१४	बु	१७	१४	पू	१९	१५	गं	४८/०	५९/०	व	१७	१४	२२	८	५२	२	१०	१३	मी५।२७
१५	शु	९	९	उ	१३	१५	ध्रु	४२	१७	ब	९	९	१८	८	५२	३	११	१४	मीने

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४५३स.१९६३

मा.मह श्राद्धं सौरमतनाऽधिकमासारंभः
चन्द्रदर्शनम्
जमादिलावल ५
भ.३६।२३उ.उभा२गुरुः३७/४३ हस्ते भृगु २/२८
भ.३/३या. पुनर्वसौ१ राहुः पू.३ केतुः२०/५१
वक्रीसिंहे बुधः९।१६ =चित्रायां शुक्रः४५/४१
भ. २७।२५ उ. ५९।३१ या.
हस्ते रविः३७।३४ पूर्वोदयं बुधः४२।३३
भ.४/२ उ.३/५१ ३/९या. मार्गीबुधः२३/१७ ११व्र.
प्रदोषः
अक्टूबर मा.१०ता.३१ विशा. भौमः५५/२४=
भ.५७/१४ उ.४३/१२या. वक्री.श्रव.४ शनिः८/५०

२४पं.प्र.आ.शु.३श.इ.५६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	५	९	२	५
४	१२	१	२२	११	२२	२३	४
२५	८	२७	१६	७	४४	२१	५५
५२	३५	४७	३०	४१	१७	१४	१९
५८	४१	७३/१०	७/११	७४	२/५२	३/२	५८
४५	२६	व	व	३२	व	११	३८

गोचरग्रहाः

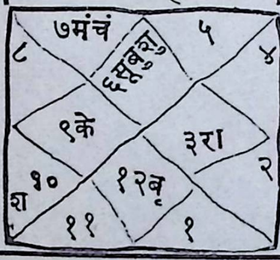

इस मास का फल साधारण है प्रजा में सुख शांति, व्यापार में अधिक घट बढ, शेयर, सोना, चांदी तेज

गोचरग्रहाः

२५पं.प्र.आ.शु.१०श.इ.५६/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	११	५	९	२	५
११	१७	२७	२२	१९	२३	२२	११
१७	५४	२८	२३	५०	२६	५८	४६
५६	५४	३७	५६	१७	५६	५९	५६
५९	४१	४/२२	७/४३	७४	२/१०	३/२	५८
०	५३	व	व	३१	व	११	५३

ति.	द्वि.आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	शु	०	२५	रे	६/२५	५३/५३	व्या	३२	०	कौ	०	२५	२९/१४	६/९	५/५१	४	१२	१५	म.६।२५
२	शु	५१	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	श	४२	३७	भ	५२	५०	ह	२१	५६	व	१७	३	१०	१०	५०	५	१३	१६	मेषे
४	र	३४	५०	कृ	४६	४२	व	११	५४	ब	८	४३	६	११	४९	६	१४	१७	बृ.६।४८
५	चं	२७	४५	रो	४१	३६	सि	२/४९	३/२५	कौ	१	१८	२	१२	४८	७	१५	१८	बृषे
६	मं	२२	७	मृ	३७	५५	व	४७	०	व	२२	७	२८/५८	१२	४८	८	१६	१९	मि९।४६
७	बु	१७	३७	आ	३५	३२	प	४०	४४	ब	१७	३७	५४	१३	४७	९	१७	२०	मिथुने
८	गु	१४	५१	पु	३४	२९	शि	३५	३४	कौ	१४	५१	५०	१४	४६	१०	१८	२१	क.१९।४५
९	शु	१२	२८	पु	३४	५४	सि	३१	४६	ग	१२	२८	४६	१५	४५	११	१९	२२	कर्के
१०	श	१३	१०	श्ले	३६	४२	सा	२८	४८	वि	१३	१०	४२	१६	४४	१२	२०	२३	सिं३६।४२
११	र	१४	१९	म	३९	५४	शु	२७	७	बा	१४	१९	३८	१६	४४	१३	२१	२४	सिंहे
१२	चं	१६	४३	पू	४४	७	शु	२६	८	तै	१६	४२	३४	१७	४३	१४	२२	२५	सिंहे
१३	मं	२०	२५	उ	४९	२०	ब्र	२६	२१	व	२०	२५	३०	१८	४२	१५	२३	२६	कं.०।२५
१४	बु	२४	४१	ह	५५	१४	ऐं	२७	०	श	२४	४१	२६	१९	४१	१६	२४	२७	कन्यायां
३०	शु	३०	११	चि	६०	०	वै	२८	१२	ना	३०	११	२२	२०	४०	१७	२५	२८	तु.२८।३५

शरदृतू रविर्दक्षिणे प्र.आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. १७।३ उ.४/३ २/७ या. कन्यायां बुधः५९/४५
चतुर्थी व्र.
तुलायां शुक्रः ६।५१
भ. २२।७ उ. ४९।५२ या.
भ. ४२।४९ उ. चित्रायां रविः ८।११
भ.५/१ ३/०या. हस्तेबुधः५८/२४ स्वात्यांशुक्रः३६/१७
कमला ११ व्र.
पश्चिमोदयं शुक्रः४२/३६ प्रदोषः प.उ.शु.
भ. २०।२५ उ. ५२।३३
वक्रीरेवत्यां१ गुरुः५६/४५ बृश्चिकेभौमः२३/२३
तुलायामर्कः५०/५५ (२०/२५) पूर्वास्तो बुधः३०/६

२६पं.द्वि.आ.कृ.३श.इ.५६/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	५	९	२	५
१८	२२	०	२१	२८	२३	२२	१८
११	४४	३९	२८	३२	१३	३६	४०
४३	३५	३६	५	५६	१	४३	८
५९	४२	६४/५८	७/५२	७४	१/३४	३/२	५९
१६	११	मा	व	२६	व	११	९

गोचरग्रहाः

द्वि. आ. कृ. ३०
गुरौ तुलायामर्कः
प्र.वा.३न.४सन्या-
सीव्यवस्था (ऊभी)
मु.३० (धान्यभाव
सम) शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

२७पं.द्वि.आ.कृ.१०श.इ.५६/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	६	९	२	५
२५	२७	९	२०	७	२३	२२	२५
७	३७	५७	३१	१७	४	१४	३५
२५	५५	७	३०	२८	४८	२८	५
५९	४२	९३	७/५२	७४	०/५२	३/२	५९
३१	२६	५३	व	२६	व	११	२१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५											दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४८३ स.१९६३
१	शु	३५	५१	चि	१	५७	वि	२९	५९	किं	३	१	२८/५८	६/२०	५/४०	१८	२६	२९	तुलायां	नवरात्रारम्भः घटस्थापनं
२	श	४२	१०	स्वा	९	१८	प्री	३१	५९	बा	९	०	१४	२१	३९	१९	२७	३०	वृ.५९।५९	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४८	४४	वि	१६	५२	आ	३४	३४	तै	१५	२७	१०	२२	३८	२०	२८	१	बृश्चिके	जमा.६ भौमः ५८/५० चित्रायां बुधः ५८।५
४	चं	५४	४९	अ	२४	२९	सौ	३६	५५	व	२१	४७	६	२३	३७	२१	२९	२	वृश्चिके	भ.२१।४७ उ.५४/४९या. मार्गीशनिः १५।४
५	मं	६०	०	ज्ये	३१	५९	शो	३८	५७	ब	२७	४८	२	२४	३६	२२	३०	३	ध.३१।५९	
५	बु	०	४७	मू	३८	२४	अ	४०	४१	बा	०	४७	२७/५८	२४	३६	२३	१	४	धनुषि	विशाखायां शुक्रः ३६/४ रा.कार्तिक मा.८×
६	गु	५	३२	पू	४३	१२	सु	४१	२९	तै	५	३२	५४	२५	३५	२४	२	५	म.५९।५६	स्वात्यां रविः ३१/५८ तुलायां बुधः ४७।३०*
७	शु	८	५३	उ	४८	१०	धृ	४१	७	व	८	५३	५०	२६	३४	२५	३	६	मकरे	भ.८।५३ उ.३९।५२ या. ×दि.३०
८	श	१०	५१	श्र	५०	३८	शू	३९	२४	ब	१०	५१	४६	२७	३३	२६	४	७	मकरे	सरस्वती विसर्जनम् *सरस्वती पूजनम्
९	र	१०	४४	ध	५०	५७	गं	३६	१५	कौ	१०	४४	४२	२८	३२	२७	५	८	कुं.२०।४८	विजया १० दशहरा
१०	चं	८	४१	श	४९	३०	वृ	३१	२२	ग	८	४१	३८	२८	३२	२८	६	९	कुम्भे	भ. ३६।४१ स्वात्यां बुधः ३०।३६
११	मं	४	४०	पू	४६	३	ध्रु	२४	५३	वि	४	४०	३५	२९	३१	२९	७	१०	मी३१।५५	भ. ४।४० या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	मं	५३	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	बु	५१	४	उ	४०	३४	व्या	१६	४९	कौ	२४	४६	३१	३०	३०	३०	८	११	मीने	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१४	गु	४२	१०	रे	३४	९	ह	४७/५	४९/४०	ग	१६	३८	२८	३०	३०	३१	९	१२	मे.३४।९	भ. ४२।१० उ. बृश्चिके शुक्रः ६।२९
१५	शु	३२	२५	अ	२६	५३	सि	४६	४१	वि	७	१७	२४	३१	२९	१	१०	१३	मेषे	भ.७।१७या. **नवंबरमा.११ता.३०शरद्१५**

२८पं.द्वि.आ.शु.२श.इ.५६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	११	६	९	२	६
२	२	२१	१९	१६	२३	२१	२
४	३५	३४	३६	१	१	५२	३१
५१	३४	५२	३६	३०	१६	१२	३३
५९	४२	९/०	३७	७४	१/०	३	५९
४६	४८	९/४०	ब	२६	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है, धान्यादिक का भाव सामान्य, शेयर मार्केट में मंदी, सौर मत से आश्विन अधिक है।

गोचरग्रहाः

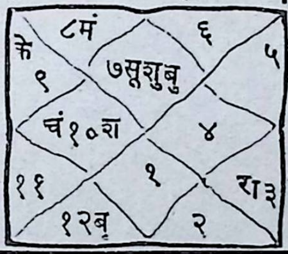

२९पं.द्वि.आ.शु.८ श.इ.५६/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	६	९	२	६
९	७	३	१८	२४	२३	२१	९
४	३५	३०	४५	४४	२	२९	२०
१४	३५	२५	.०	५३	३१	५६	५०
६०	४३	९/०	५/६	७४	४/०	३	५९
२	१३	४४	ब	२०	मा	११	४७

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०२० शाकः १८८५											दि.	उ.	अ.	इं.	हिं.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२२	३९	भ	१८	४८	व्य	३५	३३	कौ	२२	३९	२७/२०	६/३२	५/२८	२	११	१४	वृ.३१।५३	अनुराधायां शुक्रः ४८।३९
२	र	१३	१९	कृ	११	६	व	२४	४५	ग	१३	१७	१७	३३	२७	३	१२	१५	वृषे	भ. ३८।५१ उ. +रूप १४ नरक १४
३	चं	४	२४	रो	४/१	५४/८	प	१४	१६	वि	४	२४	१३	३३	२७	४	१३	१६	मि३३।५	भ. ४।२४ या. करक ४ व्र.
४	चं	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	मं	५०	३५	आ	५३	४४	शि	५/६	५३/५०	कौ	२३	४१	१०	३४	२६	५	१४	१७	मिथुने	विशाखायां बुधः ४५।५७
६	बु	४६	३०	पु	५१	९	सा	५०	१५	ग	१८	३२	६	३५	२५	६	१५	१८	क.३६।४८	भ.४६।३० उ. विशाखायां रविः ४९।२०
७	गु	४४	१०	पु	५०	१५	शु	४५	९	वि	१५	२०	३	३५	२५	७	१६	१९	कर्के	भ. १५।२० या.
८	शु	४३	४१	श्ले	५१	२२	शु	४१	२१	बा	१३	५५	३२/५९	३६	२४	८	१७	२०	सिं५१।२२	ज्येष्ठायां भौमः २६।१३
९	श	४५	११	म	५४	८	ब्र	३९	९	तै	१४	२६	५६	३७	२३	९	१८	२१	सिंहे	धनि. १ शनिः ५८।१२
१०	र	४७	४९	पू	५८	२०	ऐं	३८	७	व	१६	३०	५२	३८	२२	१०	१९	२२	सिंहे	भ. १६।३० उ. ४७।४९ या.
११	चं	५२	६	उ	६०	०	वै	३८	३३	ब	१९	५८	४९	३८	२२	११	२०	२३	कं.१४।४३	रमा ११ व्र. स्मा. वै.
१२	मं	५७	१४	उ	३	५४	वि	३९	२१	कौ	२४	४०	४६	३९	२१	१२	२१	२४	कन्यायां	वृश्चिके बुधः ४।४५ रमा ११ व्र. नि.
१३	बु	६०	०	ह	१०	२१	प्री	४०	५६	ग	३०	१९	४३	३९	२१	१३	२२	२५	तु.४३।५७	ज्येष्ठायां शुक्रः २७।५८ धन १३
१३	गु	३	२५	चि	१७	३४	आ	४२	५२	व	३	२५	४०	४०	२०	१४	२३	२६	तुलायां	भ.३।२५ उ.३६/२० या. अनु. बुधः २०।२२+
१४	शु	९	१६	स्वा	२४	५५	सौ	४५	४	श	९	१६	३७	४१	१९	१५	२४	२७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	श	१५	५२	वि	३२	२३	शो	४७	२२	ना	१५	५२	३४	४१	१९	१६	२५	२८	बृ.१५।३१	वृश्चिकेऽर्कः ४३/४० (२२।२) अ.गोवर्धनपू.

३०पं.का.कृ.१श.इ.५५।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	७	९	२	६
१६	१२	१५	१७	३	२३	२१	१६
५	३९	११	५८	२८	९	७	२९
१९	१८	२४	१२	५९	७	४१	३६
६०	४२	९/०	१०/३	७४	१	३	६०
१८	२९	९/४४	ब	११	३६	११	४

३१पं.का.कृ.९श.इ.५५।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	७	९	२	६
२३	१७	२६	१७	१२	२३	२०	२३
७	४५	२५	२०	१२	१९	४५	३०
५७	१४	१६	४६	२५	५५	२५	५३
६०	४३	०	५/४	७४	२	३	६०
३०	४३	२९	ब	२	२	११	१७

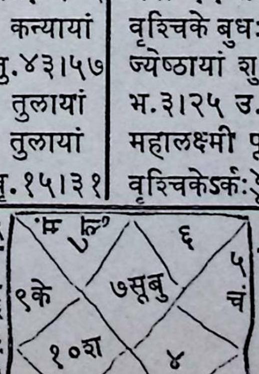

३२पं.का.कृ.३०श.इ.५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	११	७	९	२	७
०	२२	७	१६	२०	२३	२०	०
१२	५६	३५	५०	५६	३५	२३	३३
१	२४	३१	६	२८	५६	१०	४७
६०	४४	९८	५/३	७४	२	३	६०
४०	५	४१	ब	१	४४	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	र	२२	७	अ	३९	५९	अ	४९	२८	ब	२२	७	३६ ५१	४२ ६	१८ ५	१७	२६	२९	वृश्चिके
२	चं	२८	१७	ज्ये	४७	१२	सु	५१	३७	कौ	२८	१७	२९	४२	१८	१८	२७	१	ध.४७।१२
३	मं	३३	५९	मू	५३	४५	धृ	५२	५२	तै	१	८	२६	४३	१७	१९	२८	२	धनुषि
४	बु	३८	४३	पू	५९	४६	शू	५[illegible]	४६	व	६	२१	२५	४३	१७	२०	२९	३	धनुषि
५	गु	४२	२३	उ	६०	०	गं	५४	६	ब	१०	३	२१	४४	१६	२१	३०	४	म.१५।५५
६	शु	४४	५[illegible]	उ	४	२३	वृ	५३	१८	कौ	१३	३२	१९	४४	१६	२२	१	५	मकरे
७	श	४५	४३	श्र	७	५०	ध्रु	५१	११	ग	१५	१८	१६	४५	१५	२३	२	६	कु.३८।५२
८	र	४५	१६	ध	९	५४	व्या	४७	४७	वि	५	९	१४	४५	१५	२४	३	७	कुंभे
९	चं	४२	५८	श	१०	९	ह	४३	१०	बा	१४	७	११	४६	१४	२५	४	८	मी५२।७
१०	मं	३८	३५	पू	८	४६	व	३६	५३	तै	१०	४६	९	४६	४	२६	५	९	मीने
११	बु	३२	५०	उ	५	३८	सि	२२	१८	व	५	४२	६	४७	१३	२७	६	१०	मीने
१२	गु	२५	१५	रे	४१	५३	व्य	२०	५	बा	२५	१५	४	४८	१२	२८	७	११	मे.०।४१
१३	शु	१६	४०	भ	४७	३०	व	३३	४५	तै	१६	४०	१	४८	१२	२९	८	१२	मेषे
१४	श	७	१०	कृ	३९	३७	शि	४९	१	व	७	१०	५८ २५	४८	१२	३०	९	१३	वृ.०।३२
१५	श	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५१३ सन् १९६३

चंद्रदर्शनम् संभवः दक्षिण भारते
रज्जब ७ यम भाऊ २
वक्री उभायां ४ गुरुः ३१।३५
भ.६।२१ उ.३४/६या. अनुयां. रविः १।२६
ज्येष्ठायां बुधः ४९/४ रा.मार्ग. मा.९दि.३०
भ. ४५।४३ उ.
भ.२२/५या. धनुषिशुक्रः २२/८ आर्द्रायां४राहुः*
अक्षया ९
मूले धनुषिच भौमः २६।४४
भ.४२ उ.५० या. तुलसीवि. प्रबो.११ब्र.
पश्चिमोदयं बुधः २३।१५
वैकुण्ठ १४
भ. ७।१० उ. ३२।१६ या. दत्तजयंती
*पूषायां २ केतुः १२।१० गोपाष्टमी

३३प. का.शु.७श.इ.५५।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	११	७	९	२	७
७	२८	१८	१६	२९	२३	२०	७
१७	८	२५	२८	३९	२६	०	३७
३४	१०	४१	४४	३६	३१	५४	३८
६०	४५	९५	३७ २	७३	३	३	६०
५३	१९	५०	ब	५६	३२	११	४२

गोचरग्रहाः

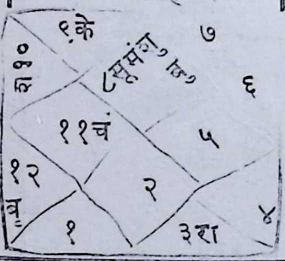

का. कृ.३० शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४सन्यासिनीवस्था (वैठी)मु. ३०(धान्य भाव सम) शुक्रो.पश्चि.

गोचरग्रहाः

३४पं.का.शु.१४श.इ.५५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	११	८	९	२	७
१४	३	२९	१६	८	२४	१९	१४
२४	२३	३	१६	२३	२२	३८	४२
२०	३४	७	३७	१३	२३	३८	२२
६१	४४	९२	१६ १	७३	४	३	६०
.३	३१	३२	ब	५०	८	११	५०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	र	४७	४८	रो	३१	४७	सि	३७	५१	बा	२५	३५	५६ ३५	४९ ६	११ ५	१	१०	१४	मि५८।८
२	चं	३९	०	मृ	२४	२८	सा	२७	१०	तै	१३	२४	५४	४९	११	२	११	१५	मिथुने
३	मं	३१	२८	आ	१८	१२	शु	१७	२१	व	५	१४	५३	४९	११	३	१२	१६	क.५९।३८
४	बु	२५	२६	पु	१३	२७	शु	९	४	बा	२५	२६	५१	५०	१०	४	१३	१७	कर्के
५	गु	२१	४६	पु	१०	३७	ब्र	५५ ५	४१ ५	तै	२१	४६	५०	५०	१०	५	१४	१८	कर्के
६	शु	२०	५६	श्ले	९	५६	वै	५२	४८	व	२०	४६	४८	५०	१०	६	१५	१९	सिं९।५६
७	श	२०	२१	म	११	१७	वि	५०	४७	ब	२०	२१	४६	५१	९	७	१६	२०	सिंहे
८	र	२२	३४	पू	१४	३३	प्री	५०	१९	कौ	२२	३४	४५	५१	९	८	१७	२१	कं.३०।४८
९	चं	२६	४६	उ	१९	३३	आ	५०	४९	ग	२६	४६	४३	५१	९	९	१८	२२	कन्यायां
१०	मं	३१	५२	ह	२५	४७	सौ	५२	१६	वि	३१	५२	४२	५२	८	१०	१९	२३	तु.५९।२२
११	बु	३७	१७	चि	३२	५८	शो	५४	२३	ब	४	३५	४१	५२	८	११	२०	२४	तुलायां
१२	गु	४४	३६	स्वा	४०	३६	अ	५६	३०	कौ	१०	५७	४०	५२	८	१२	२१	२५	तुलायां
१३	शु	५१	२३	वि	४८	३१	सु	५९	१०	ग	१७	५९	३९	५२	८	१३	२२	२६	वृ.३१।३०
१४	श	५७	४०	अ	५५	५१	धृ	६०	०	वि	२४	३१	३८	५२	८	१४	२३	२७	वृश्चिके
३०	र	६०	०	ज्ये	६०	०	धृ	१	७	च	३०	३३	३८	५२	८	१५	२४	२८	वृश्चिके
३०	चं	३	२६	ज्ये	२	५	शू	२	५४	ना	३	२६	३७	५३	७	१६	२५	२९	ध.२।५१

शरदर्तू रविर्दक्षिणोकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

दिसंबर मा.१२ता.३१मूलेधनुषिचबुधः ३५/३३
भ.१४/५ उ.३१/२८ या. ज्येष्ठायांरविः २८/५ च.ब्र.
पूषायां शुक्रः ५१।५
भ.२०।५६उ.३९/३ या. मार्गी गुरुः २९।२२
अस्तं भौमः २५।४०
भ. ५९।१९ उ.
भ. ३१।५२ या. पूषायां बुधः ४२।२२
उत्पत्ति ११ ब्र.
भ.५१/३३ उ. पूषायां भौमः ५६।१४ प्रदोषः
भ. २४।३१ या.
दृश्यो धनुष्यर्कः ५७।४६
धनुष्यर्कः १२/१० (मूले च)उषायां शुक्रः ४१/४०

३५पं. मा.कृ.७श.इ.५४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	८	९	२	७
२१	८	९	१६	१७	२४	१९	२१
२२	४१	२०	१५	५	५१	१६	४८
८	२४	२८	४३	४६	२२	२३	५७
६	४४	८६	२१ ०	७३	४	३	६०
११	५६	२२	मा	४१	४४	११	५६

गोचरग्रहाः

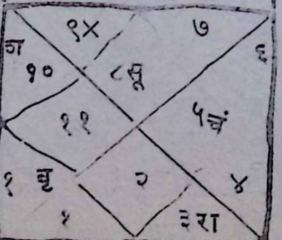

मार्ग. कृ.३०चंद्रे धनुष्यर्कः प्रवा.३ न.३ सन्यासिवस्था (वैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं प. ।

गोचरग्रहाः

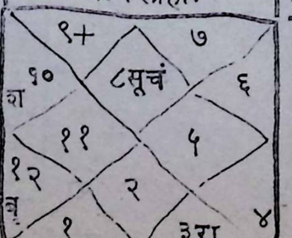

३६पं.मा.कृ.१४श.इ.५४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	८	९	२	७
२८	१४	१८	१६	२५	२५	१८	२८
४०	१	४९	२४	४८	२४	५४	५५
५०	४१	१२	१४	०	४३	७	५४
६१	४५	७४	१	७३	५	३	६१
१९	७	२५	२६	३०	८	११	०

दृश्यः (पौष कृष्णा) ×मंबुशुके (क्षयोऽयम् मासः) सूक्ष्म गणिता मार्ग. कृष्णेति महाराष्ट्राः *मंशुके +मंबुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०२०	शाकः	१८८५								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	८	२५	मू	९	१	गं	३	५७	ब	८	२५	३५/३७	५६/५३	५/७	१७	२६	३०	धनुषि
२	बु	१२	४०	पू	१४	२६	वृ	४	३१	कौ	१२	४०	३७	५३	७	१८	२७	१	म.३०।३१
३	गु	१५	५१	उ	१८	४७	ध्रु	४	२१	ग	१५	५१	३६	५३	७	१९	२८	२	मकरे
४	शु	१८	४	श्र	२२	२४	व्या	३	१६	वि	१८	४	३६	५३	७	२०	२९	३	कु.५३।३४
५	श	१८	५३	ध	२४	४५	ह	२५/२	५७/३०	वा	१८	५३	३६	५३	७	२१	३०	४	कुम्भे
६	र	१८	४५	श	२५	५८	सि	५४	५९	तै	१८	४५	३६	५३	७	२२	१	५	कुम्भे
७	चं	१७	२२	पू	२५	४९	व्य	५०	३३	व	१७	२२	३६	५३	७	२३	२	६	मी१०।५१
८	मं	१४	२०	उ	२४	२३	व	४४	१०	ब	१४	२०	३७	५३	७	२४	३	७	मीने
९	बु	१०	२०	रे	२१	३०	प	३७	१५	कौ	१०	२०	३७	५३	७	२५	४	८	मे.२१।३०
१०	गु	४	५१	अ	१७	३९	शि	२९	४६	ग	४	५१	३७	५३	७	२६	५	९	मेषे
११	गु	५३	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	५०	२५	भ	१२	३१	सि	२०	१७	ब	२४	२१	३८	५२	८	२७	६	१०	वृ.२५।५७
१३	श	४१	५५	कृ	६/१४	५३/२१	सा	१०	३६	कौ	१६	१०	३८	५२	८	२८	७	११	वृषे
१४	र	३३	२०	मृ	५२	३७	शु	२८	४९/३४	ग	७	३८	३९	५२	८	२९	८	१२	मि२६।२६
१५	चं	२४	३७	आ	४५	५७	ब्र	४०	३	ब	२४	३७	३९	५२	८	३०	९	१३	मिथुने

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५४३ स.१९६३

चंद्रदर्शनम्
सावान ८ मकरे भृगुः २३।५४
भ. ४६।५७
भ. १८।४ या. रेवत्यां १ गुरुः ५३।५३
रा. पौष मासः १० दि. ३०
भ. १७।५२ उ. ४५।५१
वक्री बुधः५२।६ ×पश्चिमास्तोबुधः ७/४५
भ. ३१/३५ उ. ५८/२८ या. श्रवणे भृगुः १९/३ पुत्रदा*
पुत्रदा ११व्र. नि.वै. *११व्र. स्मा.
धनि. २ शनिः ३६।२१ प्रदोषः
भ. ३३/२० उ. ५८/५९ या. पूषायां रविः १३/४५×
चन्द्रग्रहणम् दत्त जयन्ती

३७पं. पौ.शु.५श.इ.५४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	११	९	९	२	८
५	१९	२५	१६	४	२६	१८	६
५०	२३	४६	४२	२८	६	३१	३
१५	४२	३७	५८	४८	४४	५२	३०
६१	४५	४२	२	७३	५	३	६१
२२	१७	१७	५६	२०	३८	११	५

गोचरग्रहाः

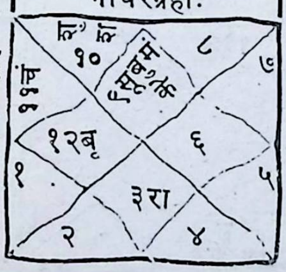

(सौरमत से मार्ग शीर्ष क्षय मास है, दृश्य से द्वि. कार्तिक क्षय है) इस मास में रोग उपद्रव होंगे।

गोचरग्रहाः

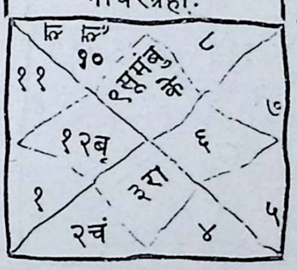

३८पं. पौ.शु.१३श.इ.५४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	११	९	९	२	८
१३	२४	२६	१७	१३	२६	१८	१३
०	४८	३२	११	८	४१	९	११
७	१८	१३	९	४९	४९	३६	२६
६१	४५	३२/२६	४	७३	६	३	६१
२६	३२	ब	८	१२	२	११	६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०२०	शाकः	१८८५								दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	१६	३२	पु	४०	१४	ऐं	३०	५२	कौ	१६	३२	३५/४०	५६/५२	५/८	३१	१०	१४	क.२६।४०
२	बु	१०	७	पु	३६	५	वै	२२	३३	ग	१०	७	४१	५२	८	१	११	१५	कर्के
३	गु	४	५२	श्ले	३३	३५	वि	१५	३४	वि	४	५२	४२	५२	८	२	१२	१६	सिं३३।३५
४	शु	१	४४	म	३३	१२	प्री	१०	१८	बा	१	४४	४३	५१	९	३	१३	१७	सिंहे
५	श	०	४७	पू	३४	४८	आ	६	४१	तै	०	४७	४४	५१	९	४	१४	१८	कं.५०।४७
६	र	१	४६	उ	३८	४३	सौ	४	५२	व	१	४६	४६	५१	९	५	१५	१९	कन्यायां
७	चं	५	८	ह	४४	८	शो	४	२६	ब	५	८	४७	५१	९	६	१६	२०	कन्यायां
८	मं	९	४७	चि	५१	८	अ	५	६	कौ	९	४७	४९	५०	१०	७	१७	२१	तु.१७।१८
९	बु	१६	०	स्वा	५८	१८	सु	६	५१	ग	१६	०	५०	५०	१०	८	१८	२२	तुलायां
१०	गु	२२	३०	वि	६०	०	धृ	८	५८	वि	२२	३२	५२	५०	१०	९	१९	२३	बृ.४९।११
११	शु	२९	९	वि	६	९	शू	११	३३	बा	२९	९	५४	४९	११	१०	२०	२४	वृश्चिके
१२	श	३५	३१	अ	१३	२५	गं	१३	३४	कौ	२	२०	५६	४९	११	११	२१	२५	बृश्चिके
१३	र	४१	१७	ज्ये	२०	२५	वृ	१५	१७	ग	८	२४	५८	४८	१२	१२	२२	२६	ध.२०।२५
१४	चं	४५	३९	मू	२६	२३	ध्रु	१६	२४	वि	१३	२८	२६/५९	४८	१२	१३	२३	२७	धनुषि
३०	मं	४९	१३	पू	३१	१४	व्या	१६	३५	च	१७	२६	३	४७	१३	१४	२४	२८	म.४७।१५

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

उषायां भौमः २१।३६
भ. ३७/३० उ. जनवरी मा.१ता.३१सन्१९६४
भ. ४।५२ या. च. व्र.
मकरे भौमः ३५।२७
भ. १।४६ उ. ३३।२७ या.
धनिष्ठायां शुक्रः १०।४७
भ. ४९।१६
भ. २२।३३ या. वक्री मूले बुधः ४८।०
षट्तिला ११ व्र. पूर्वोदयं बुधः २५।१३
उषायां रविः १५/१५ कुम्भे शुक्रः ३३।५४
भ. ४१।१७ उ.
भ. १३।२८ या.
मकरेऽर्कः ३०।४२ (दृश्यः २३।५३)

३९पं. मा.कृ.५श.इ.५४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	११	९	९	२	८
२०	०	१९	१७	२१	२७	१७	२०
१८	२४	१९	४९	४६	२३	४७	१९
५	२०	५९	२६	५९	५६	२०	३४
६१	४५	१४/२८	५	७२	६	३	६१
२६	४२	व्र	२०	५४	२३	११	६

गोचरग्रहाः

माघ कृ.३० भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३पुत्रवत्सलाव-स्था (सूती)मु.४५ (धान्यभाव मंदा) शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

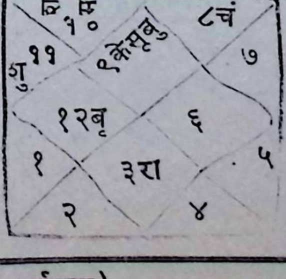

४०पं.मा.कृ.१२श.इ.४५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	११	१०	९	२	८
२७	५	१२	१८	०	२८	१७	२७
१९	४२	०	३५	२३	८	२५	२७
५७	१८	२२	२	२८	४६	५	४०
६१	४५	३७/५७	६	७२	६	३	६१
२४	५२	व	३०	३६	३८	११	६

*मंशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	बु	५१	१३	उ	३५	१८	ह	१५	५३	किं	२०	१३	२६/५	६/४७	५/१३	१५	२५	२९	मकरे
२	गु	५२	२२	श्र	३७	५४	व	१४	२१	बा	२१	४८	८	४६	१४	१६	२६	३०	मकरे
३	शु	५२	११	ध	३९	२८	सि	११	५०	तै	२२	१६	१०	४६	१४	१७	२७	१	कुं.८।४१
४	श	५१	१९	श	४०	८	व्य	८	२७	व	२१	४५	१२	४६	१४	१८	२८	२	कुम्भे
५	र	४९	२५	पू	३९	५९	व	२४/५	५५/३१	ब	२०	२२	१५	४५	१५	१९	२९	३	मी२५।२
६	चं	४६	३७	उ	३८	५१	शि	५४	२४	कौ	१८	१	१७	४५	१५	२०	३०	४	मीने
७	मं	४३	८	रे	३६	५७	सि	४८	१९	ग	१४	५२	२०	४४	१६	२१	१	५	मे.३६।५७
८	बु	३९	३	अ	३४	३१	सा	४१	३६	वि	११	५	२२	४४	१६	२२	२	६	मेषे
९	गु	३३	५५	भ	३०	३०	शु	३४	२५	बा	६	२९	२५	४३	१७	२३	३	७	वृ.४४।२७
१०	शु	२८	६	कृ	२६	२०	शु	२६	२६	तै	१	०	२७	४३	१७	२४	४	८	वृषे
११	श	२१	४०	रो	२१	३९	ब्र	१७	५४	वि	२१	४०	३०	४२	१८	२५	५	९	मि४९।८
१२	र	१४	४९	मृ	१६	३७	ऐं	९	४४	बा	१४	४९	३३	४१	१९	२६	६	१०	मिथुने
१३	चं	७	४१	आ	११	१९	वै	२३/०	५५/३०	तै	७	४१	३६	४१	१९	२७	७	११	क.५२।४२
१४	मं	०	३६	पु	६	२९	प्री	४३	३६	व	०	३६	३९	४०	२०	२८	८	१२	कर्के
१५	मं	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:३५७२ स.१९६४

चन्द्रद. मार्गी बुधः २२।५९
रमजान९ श्रव. भौमः२/३ ०/१ शते भृगुः०।६
भ. २१।४५ उ. ५१।१९ या.
बसन्त ५
*प्र. रविः२।० रा. माघ मा. ११ दि. ३०
भ. ४३।८ उ. मन्वादिः रथ ७ अभि.*
भ. ११।५ या. भीष्माष्टमी
पूषायां बुधः२।५२ रेवत्यां२ गुरुः३।१८
भ. ५४।५४ उ. श्रवणे रविः १७।५८
भ.२/४ १/०या. जया ११व्र. अभि.नि.रविः१/१ ०/४
आर्द्रा.३ राहुः पूषा.१ केतुः५।० प्रदोषः
पूभायां शुक्रः ५९।१९ कल्पादिः
भ.३६/० उ.३३/२७या. धनि.३कुम्भेचशनिः १/७ ३

४१पं. मा.शु.४श.इ.५४।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	१०	९	२	९
४	११	११	१९	८	२८	१७	४
२९	११	५२	२८	५७	५३	२	३५
२६	४६	३७	४४	२२	३७	४९	२९
६१	४६	२१/२२	७	७२	३	३	६१
१९	२	मा	३२	१८	५६	११	३

गोचरग्रहाः

इस मास प्रजा में सुख शांति और उत्साह रहे घृत तेल आदि तेज, धान्यादि में मंदी शीत अधिक।

गोचरग्रहाः

४२पं.मा.शु.११श.इ.५४।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	१०	९	२	९
११	१६	१७	२०	१७	२९	१६	११
३८	४१	१	३०	२९	४३	४०	४२
१६	४२	८	११	५३	३७	३४	५४
६१	४६	५२	८	७१	७	३	६०
१३	१७	४०	३६	५४	८	११	५९

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	बु	४९	२८	पु	२/१७	५६/५७	आ	३६	२२	बा	२२	०	२६/४२	६/४०	५/२०	२९	९	१३	सिं५९।१४
२	गु	४५	५६	म	५७	५४	सौ	३०	२३	तै	१७	४२	४५	३९	२१	३०	१०	१४	सिंहे
३	शु	४४	१३	पू	५८	३१	शो	२५	४६	व	१५	४	४८	३८	२२	३१	११	१५	सिंहे
४	श	४४	१४	उ	६०	०	अ	२२	४१	ब	१४	१३	५२	३८	२२	१	१२	१६	कं.१४।८
५	र	४६	४६	उ	०	५९	सु	२१	२२	कौ	१५	३०	५५	३७	२३	२	१३	१७	कन्यायां
६	चं	५०	४४	ह	५	२०	धृ	२०	५७	ग	१८	४५	५९	३६	२४	३	१४	१८	तु.३८।१४
७	मं	५६	१०	चि	११	९	शू	२१	५७	वि	२३	२७	२७/२	३६	२४	४	१५	१९	तुलायां
८	बु	६०	०	स्वा	१८	३३	गं	२३	४७	बा	२९	१७	६	३५	२५	५	१६	२०	तुलायां
८	गु	२	२५	वि	२५	५८	वृ	२६	२	कौ	२	२५	९	३४	२६	६	१७	२१	वृ. ९।७
९	शु	९	३	अ	३३	२४	ध्रु	२८	१३	ग	९	३	१३	३३	२७	७	१८	२२	वृश्चिके
१०	श	१५	१५	ज्ये	४०	४५	व्या	३०	१६	वि	१५	१५	१६	३३	२७	८	१९	२३	ध.४०।४५
११	र	२०	५५	मू	४६	५४	ह	३१	२८	बा	२०	५५	२०	३२	२८	९	२०	२४	धनुषि
१२	चं	२५	८	पू	५१	३३	व	३१	४३	तै	२५	८	२३	३१	२९	१०	२१	२५	धनुषि
१३	मं	२८	२३	उ	५५	१	सि	३०	५७	व	२८	२३	२७	३१	२९	११	२२	२६	म.७।२५
१४	बु	२९	३६	श्र	५६	५५	व्य	२१	५३	श	२९	३६	३०	३०	३०	१२	२३	२७	मकरे
३०	गु	२९	३९	ध	५७	३५	व	२५	४६	ना	२९	३९	३४	२९	३१	१३	२४	२८	कु.२७।१५

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

अस्तं शनेः १५।४०
भ. १५।४ उ. ४४।१३ या.
फरवरी मा. २ ता. २८ च. व्र.
+रेवत्यां३ गुरुः४/५ ५/९ महाशिवरात्री व्र.
भ.५/४ ०/४ उ. धनिष्ठायां भौमः३/५ १/८ उषायां*
भ. २३।२७ या. *बुधः२८।१५
मीने शुक्रः १६।७
धनिष्ठायां रविः२/५ ३/१ मकरे बुधः ४।०
भ. ४२।९ उ.
भ. १५।१५ या. उभायां शुक्रः १।४
विजया ११ व्र.
प्रदोषः
भ. २/२ ६/३ उ. ५९।० या. कुम्भे भौमः ४/५ ९/४+
कुम्भेऽर्कः ५७।४७ (दृ. ५८।२१)
श्रवणे बुधः १८।५

४३पं. फा.कृ.४श.इ.५४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	१०	१०	२	९
१८	२२	२४	२१	२५	०	२६	१८
४६	१२	४८	३७	५८	३२	१८	४८
१३	२९	४१	४८	१९	४२	१८	५४
६१	४६	७०	९	७१	७	३	६०
४	१७	५२	२६	३५	१४	११	५५

गोचरग्रहाः

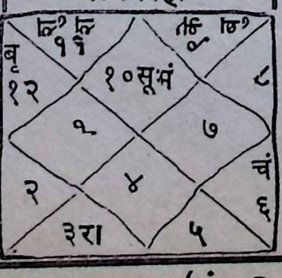

फा. कृ. १४ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं.३पुत्र वत्सलावस्था (बैठी) मु.३० (धान्याभाव सम) शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

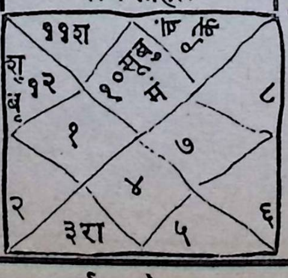

४४पं.फा.कृ.१०श.इ.५४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	११	११	१०	२	९
२५	२७	३	२२	४	१	१५	२५
५३	४४	५५	५०	२३	२३	५६	५५
४	१७	४१	५६	२८	३१	२	१६
६०	४६	८३	१०	७१	७	३	६०
५५	२७	७	११	८	२०	११	४७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६०२ स.१९६४
१	शु	२८	१३	श	५७	११	प	२१	४०	ब	२८	१३	३७/३८	६/२८	५/३२	१४	२५	२९	कुम्भे	
२	श	२५	५५	पू	५५	५३	शि	१६	४४	कौ	२५	५५	४२	२८	३२	१५	२६	३०	मी४१।१३	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	र	२२	३८	उ	५३	३०	सि	१०	५७	ग	२२	३८	४६	२७	३३	१६	२७	१	मीने	भ. ५०।३८ उ. सव्वाल १०
४	चं	१८	३८	रे	५१	१३	सा	३४	५३/८	वि	१८	३८	५०	२६	३४	१७	२८	२	मे.५१।१३	भ. १८।३८ या.
५	मं	१४	१५	अ	४८	१६	शु	५१	३०	बा	१४	१५	५४	२५	३५	१८	२९	३	मेषे	
६	बु	९	४६	भ	४५	८	ब्र	४४	३६	तै	९	४६	५८	२४	३६	१९	३०	४	बृ.५९।१९	शते रविः ३३।८ रेवत्यां शुक्रः १४।१७
७	गु	४	५२	कृ	४१	५१	ऐं	३७	१३	व	४	५२	२/६	२४	३६	२०	१	५	बृषे	भ.५४/२उ.३२/२या. शतेभौमः१२/५१होलाष्टक✱
८	गु	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	शु	५४	४१	रो	३८	२०	वै	३०	२१	बा	२७	१६	६	२३	३७	२१	२	६	बृषे	धनि.यां बुधः ५५/६ ✱रा.फा.मा.१२दि.३०
१०	श	४९	३३	मृ	३४	५२	वि	२२	५४	तै	२२	७	१०	२२	३८	२२	३	७	मि६।३६	
११	र	४४	७	आ	३१	१८	प्री	१५	४४	व	१६	५०	१४	२१	३९	२३	४	८	मिथुने	भ.१६/५०उ.४४/७या. आमलकी११व्र.स्मा.वै.
१२	चं	३८	५२	पु	२७	५९	आ	८	२९	ब	११	३०	१८	२१	३९	२४	५	९	क.१३।४९	धनिष्ठायां४शनिः५७/९०आमलकी११व्र.निं.
१३	मं	३४	२०	पु	२५	९	सौ	२६	५४/२	कौ	६	३६	२२	२०	४०	२५	६	१०	कर्के	कुम्भे बुधः ५५।६ प्रदोषः
१४	बु	३०	४०	श्ले	२२	५६	अ	४९	४७	ग	२	३०	२६	१९	४१	२६	७	११	सिं२२।५६	भ.३०/४०उ.५९/५६या. होलिकादहनं भद्रापुच्छे×
१५	गु	२७	३०	म	२१	४३	सु	४५	१६	ब	२७	३०	३०	१८	४२	२७	८	१२	सिंहे	मन्वादिः छारेंडी ×पूर्वास्तं बुधः ३६/१५

४५पं. फा.शु.२श.इ.५४।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	११	११	१०	२	१०
२	३	१४	२४	१२	२	१५	३
५९	१५	२	९	४४	१४	३३	०
८	१८	३५	१९	१७	४२	४७	३
६०	४६	९२	१०	७०	७	३	६०
४२	२७	४०	५६	३५	२०	११	३७

गोचरग्रहाः

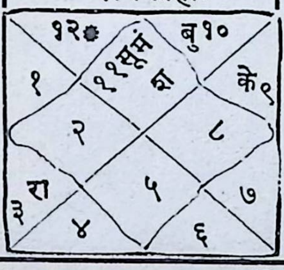

चैत्र कृ. १४ शुक्रे
मीनेऽर्कः प्र.त्रा.३
न.३पुत्रीवत्सलाव-
स्था (सूती) मु.३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचरग्रहाः

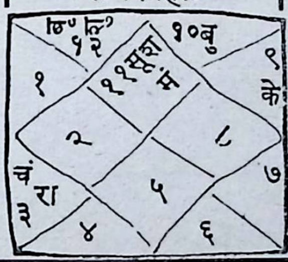

४६पं.फा.शु.१०श.इ.५५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	११	११	१०	२	१०
१०	८	२४	२५	२१	३	१५	१०
३	४६	५९	३३	०	५	११	३
४०	८	४२	१८	४	१८	३१	३२
६०	४६	९/०	११	६९	७	३	६
३१	२७	९/८	२९	५५	२०	११	२

ति.	प्र. चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२० शाकः १८८५												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः ८
१	शु	२६	१०	पू	२२	८	धृ	४१	५०	कौ	२६	१०	३८/३४	६/१७	५/४३	२८	९	१३	कं.३७।३४	रेवत्यां ४ गुरुः १५।२४ वसंत १
२	श	२६	११	उ	२३	५३	शू	४०	८	ग	२६	११	३८	१६	४४	२९	१०	१४	कन्यायां	भ. ५७।८ उ. शते बुधः ५४।१७
३	र	२८	६	ह	२७	२१	गं	३८	५४	वि	२८	६	४२	१६	४४	१	११	१५	तु.५९।४५	भ.२६या. मार्च मा.३ता.३१ मेषेशुक्रः३९/४५×
४	चं	३१	२२	चि	३२	९	वृ	३३	२१	बा	३१	२२	४६	१५	४५	२	१२	१६	तुलायां	उदयं शनेः ५९।२६ ×च. व्र.
५	मं	३६	३३	स्वा	३८	३७	ध्रु	४०	४४	कौ	३	५७	५०	१४	४६	३	१३	१७	तुलायाँ	पूभायां रविः ५७।५६
६	बु	४२	३४	वि	४५	३५	व्या	४२	४९	ग	९	३३	५४	१३	४७	४	१४	१८	वृ.२८।५१	भ. ४२।३४ उ.
७	गु	४८	४०	अ	५३	१७	ह	४४	५५	वि	१५	३७	५८	१२	४८	५	१५	१९	बृश्चिके	भ. १५।३७ +भरण्यां शुक्रः२।१८
८	शु	५५	६	ज्ये	६०	०	व	४७	१६	बा	२१	५३	२/२	१२	४८	६	१६	२०	वृश्चिके	शीतला ८
९	श	६०	०	ज्ये	०	३६	सि	४९	१	तै	२७	५६	६	११	४९	७	१७	२१	ध.०।३६	
९	र	०	४७	मू	७	२२	व्य	४९	५३	ग	०	४७	१०	१०	५०	८	१८	२२	धनुषि	भ. ३३।७ उ. पूभायां भौमः १२।१५×
१०	चं	५	२७	पू	१२	१	व	४९	२८	वि	५	२७	१४	९	५१	९	१९	२३	म.२८।१५	भ.५।२७ या. ×पूभायां बुधः २०/२७
११	मं	८	३७	उ	१६	५६	प	४७	४९	बा	८	३७	१९	८	५२	१०	२०	२४	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	बु	१०	४	श्र	१९	१६	शि	४४	४४	तै	१०	४	२३	७	५३	११	२१	२५	कु.४९।३६	प्रदोषः
१३	गु	९	३४	ध	१९	५५	सि	४०	११	व	९	३४	२८	६	५४	१२	२२	२६	कुम्भे	भ. ९।३४ उ. ३८।२४ या.
१४	शु	७	१४	श	१८	४९	सा	३४	३५	श	७	१४	३२	६	५४	१३	२३	२७	कुम्भे	मीनेऽर्कः४८/१४ दृश्यः ५०।१ मीने बुधः३५/५३+
३०	श	३	३४	पू	१६	३४	शु	२७	५६	ना	३	३०	३६	५	५५	१४	२४	२८	मी २।८	मन्वादिः अश्वि. १ मेषे गुरुः ३०।५०

४७पं. प्र.चै.कृ.२ श.इ.५५/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	११	१०	२	१०
१७	१४	६	२७	२९	३	१४	१७
६	१७	४२	०	९	५५	४९	५
३०	३५	१४	३	२९	१६	१६	४६
६०	४६	७/०	१२	६८	७	३	६०
२०	२७	९/२६	७	५८	१४	११	१२

४८पं.प्र.चै.कृ.९ श.इ.५५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	०	१०	२	१०
२४	१९	१९	२८	७	४	१४	२४
७	४७	१२	३०	११	४४	२७	४
५३	१३	५८	४	१७	३१	०	४१
६०	४६	[illegible]	१२	६८	७	३	५९
६	२७	[illegible]	२०	११	२	११	५८

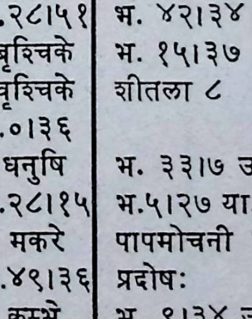

४९पं. प्र.चै.कृ.३०श.इ.५६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	०	०	१०	२	११
१	२५	२	०	१५	५	१४	१
७	१०	३८	४	६	३२	४	५
३५	४९	४६	२६	२२	४६	४४	४२
५९	४६	[illegible]	१२	६७	६	३	५९
४१	१७	[illegible]	३२	६	५०	११	४१

✱चबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः	सिद्धिः
लाभः	शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६५ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६५ भोग्यकलिः ४२६९३५ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२१ शाकः १८८६ वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशः बुधः। धान्येशोभौमः । मेघेशोरविः । रसेशोशुक्रः । नीरसेशोबुधः । फलेशोरविः । धनेशोबुधः । दुर्गेशोरविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ११ पिंगलनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ५।१।०।२९ भोग्यमासादिः ६।२८।५९।३१ । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासो वणिग्गृहे । समय विश्वा १२ । समय वाहनमश्वः । स्तंभ १ अन्नस्य । सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी ३। अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः१८। तिथिवृद्धिः १०। उत्पतिविश्वा ९९। खपतिविश्वा ९३। वर्षा विश्वा ९। धान्यम् ९ । तृणम् ९ । शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९७ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८ । शनिदृष्टिरुत्तरे। ग्रहणम् २ चन्द्रस्य ।

सं. २०२१ ज्येष्ठ शु. १५ बुधे
खंग्रास चंद्रग्रहणम् ग्रस्ताऽस्तः

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४	५	६	७	८
मध्यम.	पल	४१	४८	३८	२७	३४
रेल्वे	घं.	४	५	६	६	८
टाइम	मि.	१०	१७	७	५६	३

यह ग्रहण जहां रेल्वे ४-४१ पहिले चंद्रास्त होगा वहां नहीं होगा ।

वर्ष लग्नम् ११।२९

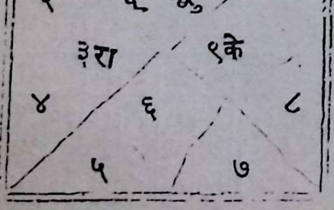

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके पूछे भैरव लाल।
शुभ संवत् ईक्कीस का मुखसे कहदो हाल।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला में समझाऊँ तोय ।
संवत्सर इक्कीस का मध्य जमाना होय ।।
राजा शनि महाराज है इनका क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे बिच २ खेलें दाव ।।
समय निवासो वणिक घर रोहिणी संधिवास ।
मेघपति सूरज भये करें आश का नाश ।।
मंत्री शशि सस्येश बुध यही सहारा जान ।
जग में सुख संपति करें प्रजा राखे मान ।।
स्तम्भ एक अन्न का बना संवत् विश्वा अर्क ।
संवत्सर उत्तम हुये कहीं कहीं रहसी फर्क ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
बंसीधर का कथन है भजन जगत में सार ।।

सं. २०२१ मार्गशीर्ष १४ शुक्रे
ग्रस्तास्तं चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.
उज्य.	घ.	६	७	८	८	९
मध्यम.	पल	२९	३८	८	३९	४७
रेल्वे	घं.	६	७	७	८	९
टाइम	मि.	४	१३	४३	१४	२२

यह ग्रहण जहां रेल्वे ६-२९ पहिले चंद्रास्त होगा वहां नहीं दीखेगा ।

वर्षेश लग्नम् २।२२

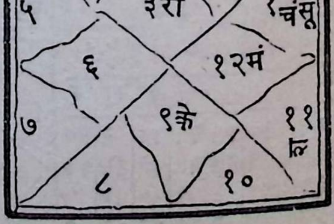

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२०।३३

(सं० २००१समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम्–शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्–शशिनि मन्त्रिगते बहु सस्य वत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारिधरा बहु वर्षिणो जनपदाः सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्–जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः श्रुति पाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम्–भूमिजे ग्रीष्मधान्येशो ग्रीष्मधान्यमहर्धकम् । शालीक्षुघृततैलादि महर्घाणि भवन्ति च ।। मेघेशो रविस्तत्फलम्–जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनतारसम् । यवचणेक्षुनिवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुविवर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम्–यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुख सुभिक्षं सुमोदवतीधरा धरणिपाहत पापगण प्रियाः ।। नीरसेशो बुधस्तत्फलम्–चित्रवस्त्रादिकं चैव शंख चन्दन पूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविस्तत्फलम्–द्रुमवती फल पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधस्तत्फलम्–द्रविणपो हिमरश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा । द्विजवरा जपयज्ञ सुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशो रविस्तत्फलम्–नयविशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमाः । समधिकोन तदा नृपजोऽन्यजः स्वयथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। वर्षनामाश्विनस्तत्फलम्–अब्दे त्वाश्वयुजेत्यर्थं सुखिनः सर्वजंतवः । मध्यमं पूर्वसस्यं स्यात् परिपूर्णा विपच्यते ।। पिंगलनाम सम्वत्सरत्फलम्–पिंगलाऽब्दे त्वीति भीतिर्मध्यसस्यार्घ वृष्टयः । राजानो विक्रमा क्रांता भुंजते शत्रु मेदिनीम् ।। मेघनाम आवर्तस्तत्फलम्–आवर्ते छिन्नवृष्टिश्च ।। रोहिणीनिवासः संधौ फलम्–छिन्नवृष्टिश्चसन्धिषु ।। समय निवासो वणिग्गृहे फलम्–वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। चत्रोधिमासस्तत्फलम्–चैत्रंद्वये शुभं धान्ये वैश्यानामुदयो महान् ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२१ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैसाख मासः

शु. २ बुधे मृगे ल. १० रे. ८ ।।।।ऽअऽ।। शुक्रः ६ दोषः
,, ७ चन्द्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।ऽनृ।ऽ।।
,, १० बुधे उफा. ल. गो. १० रे. ७ ।ऽ।।ऽचौ।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृ. ४ शनौ उषा. ल. १२ रे. ७ ।।।।ऽचो।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः श. १२ पूज्यः
,, ९ गुरौ उभा.ल.अन्यगो.१०रे.८।।।।ऽआ।ऽ।।मकरे शु६दोषः

आषाढ मासः

कृ. ६ बुधे उभा. ल. १ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
,, ७ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. १० रे. ७ ।।।।ऽरो.।ऽ।ऽ
,, ७ गुरौ रेव. ल. १ रे. ६ ।।।।ऽरोऽऽ।ऽ
,, ८ शुक्रे रेव. ल. अन्यगो. १० रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृ. १ शुक्रे रोहि. ल. ४ रे. ७ ।।।ऽऽ।ऽ।।
, ९ शुक्रे उफा.ल.४-७ रे.९।।।।।।ऽ।। तु.गुरुःपूज्यःदग्धादोषः
,, १०शनौ हस्ते ल. ७ रे. ६ ऽ।।।ऽऽऽ।। गुरु पूज्यः
कृ.११रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।
,, १२चन्द्रे स्वा. ल.४ रे.७।।ऽशु।।ऽचौऽ।।। शुक्रयुतिदोषःआव.

माघ मासः

कृ. २ भौमे मघा. ल. गो. रे. १० ।।।।।।।।।
,, ६ शुक्रे हस्ते ल. गो. ७ रे.७ ऽ।।।ऽरो(घ.३१या.)ऽ।। तु. गु. ७ पू.
,, ९ भौमे अनु.ल.अन्यगो. रे.७।।ऽबृ।।ऽऽ।।पादतोवेधाऽभावः
,, ११ गुरौ मूले ल. ७ रे. ६ ।।।ऽ।ऽऽ।ऽ गु. पू. आवश्यके
शु. ४ शुक्रे उभा. ल. ९ रे. ९ ।।।ऽ।।।। घ. ५२-२ उप.
,, १४ चन्द्रे मघा. ल. ९ रे. ६ ।।।ऽशु।ऽऽ।। पादतोवेधाभावः

फाल्गुन मासः

कृ. ३ गुरौ हस्ते ल.७(घ.३८।२६उप.) रे.६ ऽ।।।ऽचो।ऽ।ऽ

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	५	२	२	११	२	५	१४	५	१४	१४	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः३६३२ स.१९६४
१	श	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	५२	५०	उ	१३	७	शु	२०	२९	बा	२५	४३	२९/४०	६/४	५/५६	१५	२५	२९	मीने	चन्द्रद. उभायां बुधः १६।४३
३	चं	६	५१	रे	८	४४	ब्र	१२	२३	तै	१९	५१	४४	३	५७	१६	२६	१	मे.८।४४	जिल्काद ११
४	मं	४०	३५	अ	४	२३	ऐं	३५/४	३६/५	व	१३	४३	४९	२	५८	१७	२७	२	मेषे	भ. ५/४३ उ. ४०/३५ या. उभायां रविः८।५२
५	बु	३४	२९	भ	०/३	५६/२८	वि	४९	२	ब	७	३२	५३	१	५९	१८	२८	३	वृ.१४।७	
६	गु	२८	३३	रो	५२	४	प्री	४१	३१	कौ	१	३१	५८	६/०	६/०	१९	२९	४	वृषे	
७	शु	२३	१०	मृ	४८	५३	आ	३४	२२	व	२३	१०	३०/२	०	०	२०	३०	५	मि२०।२८	भ. २३/१५ उ. ५०/४३ या. मीने भौमः ५५।५
८	श	१८	१७	आ	४५	५७	सौ	२७	५३	ब	१८	१७	६	५/५९	१	२१	१	६	मिथुने	रेवत्यां बुधः ५५।२४ चैत्र मा.१ दि.३१
९	र	१३	५८	पु	४३	५३	शो	२१	३०	कौ	१३	५८	१०	५८	२	२२	२	७	क.२९।४४	
१०	चं	१०	१०	पु	४२	१६	अ	१५	५२	ग	१०	१०	१४	५७	३	२३	३	८	कर्के	भ.३८/२५ उ. *शते१ शनिः४६ प्रदोषः
११	मं	७	०	श्ले	४१	२६	सु	१०	४०	वि	७	०	१८	५६	४	२४	४	९	सिं४१।२६	भ. ७।० या. कमला ११ व्र.
१२	बु	४	२९	म	४१	१७	धृ	६	१२	बा	४	२९	२२	५६	४	२५	५	१०	सिंहे	उभायां भौमः ५५/२८ कृत्तिकायां शुक्रः ३०/३०*
१३	गु	२	५८	पू	४२	२१	शू	३७/२	५७/७	तै	२	५८	२६	५५	५	२६	६	११	कं.५७।५४	पश्चिमोदयं बुधः १०।३०
१४	शु	२	४३	उ	४४	३३	वृ	५८	७	व	२	४३	३०	५४	६	२७	७	१२	कन्यायां	भ. २।४३ उ. ३३।१ या.
१५	श	३	२०	ह	४८	४	ध्रु	५७	११	ब	३	२०	३४	५३	७	२८	८	१३	कन्यायां	मेषेऽश्विन्यांच बुधः५०।१ वृषे शुक्रः३८।०

५०पं. प्र.चै.शु. ८ श.इ. ५६/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	०	०	१०	२	११
८	०	१६	१	२२	६	१३	८
५	४२	४२	४०	४९	१९	४२	३
३०	२	१८	१९	५९	२३	२९	१९
५९	४६	७/०	१३	६५	६	३	५९
३५	१३	९/४५	१३	४२	३४	११	२९

गोचरग्रहाः

सुभिक्षं शुभ वृष्टिश्च धन धान्य समाकुलं घृत तेलं च कार्पासं सुभिक्षं चैत्रकद्वये।

गोचरग्रहाः

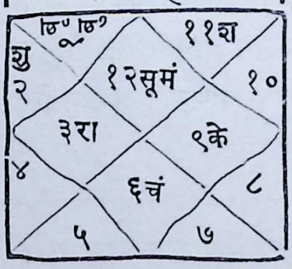

५१पं.प्र.चै.शु.१५ श.इ. ५६/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	०	१	१०	२	११
१५	६	०	३	०	७	१३	१४
१	१५	११	१७	१९	३	२०	५९
३५	३२	५३	४९	५९	५९	१३	१४
५९	४६	७/०	१३	६४	६	३	५९
१८	२	९/५२	२०	५	२०	११	१६

ति.	द्वि. चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे अधिकचैत्रकृष्णेतिमहा.
१	र	५	४३	चि	५२	४३	व्या	५७	३२	कौ	५	४३	३०/३८	५/५२	६/८	२९	९	१४	तु.२९।२४	अश्वि.२गुरुः३६/४ आर्द्रा.२राहुःमू.४के.५०/०
२	चं	९	७	स्वा	५८	४३	ह	५८	२९	ग	९	७	४२	५२	८	३०	१०	१५	तुलायाँ	भ. ५१।३४ उ. रेवत्यां रविः ३६।२०
३	मं	१४	१	वि	६०	०	व	६०	०	वि	१४	१	४७	५१	९	३१	११	१६	वृ.४८।४६	भ. १४।१ या. च. व्र.
४	बु	१९	२९	वि	५	२७	व	०	१९	बा	१९	२९	५१	५०	१०	१	१२	१७	वृश्चिके	**अप्रेल मा. ४ ता. ३०**
५	गु	२५	३५	अ	१३	३	सि	२	२८	तै	२५	३५	५५	४९	११	२	१३	१८	वृश्चिके	
६	शु	३२	४	ज्ये	२०	३१	व्य	४	४८	व	३२	४	५५	४८	१२	३	१४	१९	ध.२०।३१	भ. ३२।४ उ.
७	श	३८	७	मू	२७	५५	व	७	११	वि	५	५	३५/४	४७	१३	४	१५	२०	धनुषि	भ. ५।५ या.
८	र	४३	१३	पू	३४	१२	प	८	४९	बा	१०	४०	८	४६	१४	५	१६	२१	म.५०।२८	
९	चं	४७	२	उ	३९	१८	शि	९	२३	तै	१५	७	११	४६	१४	६	१७	२२	मकरे	भरण्यां बुधः २६।२१
१०	मं	४९	०	श्र	४२	४३	सि	८	५१	व	१८	१	१९	४५	१५	७	१८	२३	मकरे	भ.१६/५ उ.४९।० या. रोहिण्यां शुक्रः१५/२८
११	बु	४८	५७	ध	४४	१०	सा	६	४१	ब	१८	५९	१८	४४	१६	८	१९	२४	कुं.१३।२६	कमला ११व्र. स्मा. वै.
१२	गु	४६	५५	श	४३	४४	शु	५९/२	५५/४५	कौ	१७	५६	२२	४४	१६	९	२०	२५	कुम्भे	कमला ११ व्र. नि.
१३	शु	४३	१०	पू	४१	१७	ब्र	५१	११	ग	१५	३	२५	४३	१७	१०	२१	२६	मी२६।५४	भ. ४३।१० उ. प्रदोषः
१४	श	३७	२६	उ	३७	३३	ऐं	४३	१	वि	१०	१८	२९	४२	१८	११	२२	२७	मीने	भ. १०।१८ या. रेवत्यां भौमः १४।८
३०	र	३०	२३	रे	३२	१२	वै	३४	८	च	३	५४	३२	४२	१८	१२	२३	२८	मे.३२।१२	अश्वि.३ गुरुः१५।५९ अस्तो गुरुः१८।०

५२पं.द्वि.चै कृ.७ श.इ. ५७/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	०	१	१०	२	११
२१	११	११	४	७	७	१२	२१
५५	४१	२२	५७	३६	४५	५७	५३
४६	५३	३४	१४	५०	५७	५८	२९
५९	४५	७६	१३	६२	६	३	५९
४	५२	५६	६२	२	२	११	४

गोचरग्रहाः

मास फल साधारण है पांच रविवार होने से प्रजा में रोग पीडा आदि उपद्रव होंगे।

गोचरग्रहाः

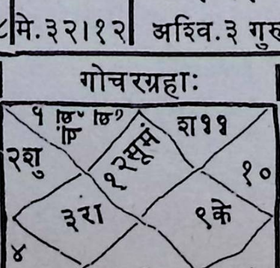

५३पं.द्वि.चै.कृ.३०चं.इ.१२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	०	१	१०	२	११
२९	१७	१७	६	१४	८	१२	२९
४	१४	१७	३९	४८	२८	३४	१
२९	४८	४२	१७	२३	२५	३०	२४
५८	४५	२१	१३	५९	५	३	५८
४५	५७	३९	३८	११	३२	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६१स.१९६४
१	चं	२२	३२	अ	२६	३०	वि	२४	५०	ब	२२	३२	३६/३	४५	१६	१३	२३	२९	मेषे	दृश्यो मेषेऽर्कः ५१/३० (सौरः ५१/४०) चंद्रदर्शनम्*
२	मं	१४	२६	भ	२०	७	प्री	१५	२६	कौ	१४	२६	४०	४०	२०	१४	२४	१	वृ.३३।३५	सिंधारा जिल्हेज१२ *नवरात्रारंभः
३	बु	६	२६	कृ	१४	३	आ	६/५८	५१/४	ग	६	२६	४३	३९	२१	१५	२५	२	वृषे	भ.३३/३२ उ.५३/३८या. गणगौरी मत्स्यजयंती
४	बु	५२	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	५१	४२	रो	८	३६	शो	४८	५२	ब	२५	१०	४७	३९	२१	१६	२६	३	मि३६।१५	वक्री बुधः २२।३३
६	शु	४५	३०	मृ	३	५४	अ	४१	१६	कौ	१८	३६	५१	३८	२२	१७	२७	४	मिथुने	
७	श	४०	३७	आ	०/७	५६/१८	सु	३४	४३	ग	१३	४	५५	३७	२३	१८	२८	५	क.४२।१४	भ.४०।३७उ. पश्चिमास्तो बुधः४५।४४
८	र	३६	४७	पु	५५	५७	धृ	२९	७	वि	९	१२	५८	३६	२४	१९	२९	६	कर्के	भ. ९।१२ या.
९	चं	३४	९	श्ले	५५	४०	शू	२४	२०	बा	५	२८	३३/२	३६	२४	२०	३०	७	सिं५५।४०	रामनवमी
१०	मं	३२	३१	म	५६	२८	गं	२०	२५	तै	३	२०	६	३५	२५	२१	१	८	सिंहे	मृगे शुक्रः२१।४५ राष्ट्रीय वैशाखारम्भः
११	बु	३२	१०	पू	५८	१७	वृ	१७	४१	व	२	२१	१०	३४	२६	२२	२	९	सिंहे	भ.२।२१ उ.३२।१० या. कामदा११व्र.
१२	गु	३३	१	उ	६०	०	ध्रु	१५	३७	ब	२	३५	१४	३३	२७	२३	३	१०	कं.१४।२	
१३	शु	३४	४७	उ	१	१७	व्या	१४	३६	कौ	३	५४	१७	३३	२७	२४	४	११	कन्यायां	प्रदोष व्र.
१४	श	३७	५४	ह	५	३१	ह	१४	२५	ग	६	२१	२१	३२	२८	२५	५	१२	तु.३८।१	भ.३७/५४उ. ×५३/१२)अ.४गुरुः१५४/ हनुमज्जय.
१५	र	४१	४३	चि	१०	३२	व	१४	५०	वि	९	४१	२५	३१	२९	२६	६	१३	तुलायां	भ.४९या. दृश्यो भरण्यां रविः५३/७(सौर×

१पं. द्वि.चै.शु. १चं.इ. ५२/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	०	१	१०	२	०
०	१८	१७	६	१५	८	१२	०
०	८	२९	५२	४७	३३	३१	१
०	५४	२१	५५	३४	५७	५८	५५
५८	४५	२१	१३	५९	५	३	५८
४५	५८	३९	३८	१७	३४	११	४४

गोचरग्रहाः

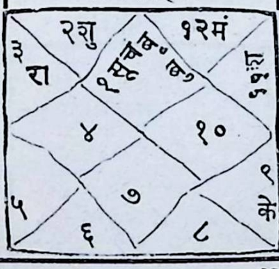

द्वि.चैत्र शु.१चंद्रे
मेषेऽर्कः प्र. वा.४
न.४ बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रास्तः पश्चि.

गोचरग्रहाः

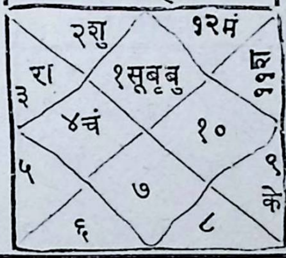

२पं.द्वि.चै.शु.९ चं.इ.१३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	०	१	१०	२	०
६	२३	१७	८	२२	९	१२	६
५०	२६	४७	३४	१६	९	९	५२
४२	४९	९	३३	५१	५४	१२	६
५८	४५	२६/१७	१३	५५	५	३	५८
३१	४७	व	३८	१४	२	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे द्वि.चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४६	५१	स्वा	१६	४०	सि	१६	५	बा	१४	१६	३२/२९	५/३०	६/३०	२७	७	१४	तुलायां	
२	मं	५२	२९	वि	२३	१७	व्य	१७	५०	तै	१९	४०	३२	३०	३०	२८	८	१५	वृ.६।३८	वक्रीअश्विन्यांबुधः१५/२७ अश्वि.मेषेभौमः४९/५
३	बु	५८	३४	अ	२९	४१	व	१९	५९	व	२५	३१	३६	२९	३१	२९	९	१६	वृश्चिके	भ.२५।३१ उ.५९/३४या. मिथुनेशुक्रः १८।३८
४	गु	६०	०	ज्ये	३८	१४	प	२२	३२	ब	३१	४२	४०	२८	३२	३०	१०	१७	ध.३८।१४	चतुर्थी व्रतम्
४	शु	४	५०	मू	४५	४९	शि	२४	५५	बा	४	५०	४३	२७	३३	१	११	१८	धनुषि	शते.२ शनिः२४।३ **मई मा.५ ता.३१**
५	श	११	१	पू	५२	५२	सि	२७	८	तै	११	१	४७	२७	३३	२	१२	१९	धनुषि	
६	र	१६	२४	उ	५९	२	सा	२८	३१	व	१६	२४	५१	२६	३४	३	१३	२०	म.९।२४	भ. १६।२४ उ. ४८।३५ या.
७	चं	२०	४६	श्र	६०	०	शु	२९	२	ब	२०	४६	५४	२५	३५	४	१४	२१	मकरे	
८	मं	२३	३३	श्र	३	४५	शु	२८	१५	कौ	२३	३३	५७	२५	३५	५	१५	२२	कु.३५।१५	पूर्वोदयी बुधः ५४।३१
९	बु	२४	४३	ध	६	४६	ब्र	२५	५९	ग	२४	४३	३३/१	२४	३६	६	१६	२३	कुंभे	भ. ५४।१६ उ.
१०	गु	२३	४९	श	७	५५	ऐं	२२	७	वि	२३	४९	४	२३	३७	७	१७	२४	मी५२।६	भ. २३।४९ या. उदयी भौमः ५।१८
११	शु	२०	५२	पू	६	५०	वै	१६	४०	बा	२०	५२	७	२३	३७	८	१८	२५	मीने	वरूथिनी ११ व्र. निं.
१२	श	१५	४५	उ	३/५६	५५/११	वि	९	३८	तै	१५	४५	१०	२२	३८	९	१९	२६	मे.५५।११	आर्द्रा.शुक्रः५६/२ प्रदोषव्र. उ.गुरो३२/२४ उ.गु.
१३	र	८	५०	अ	५२	५९	प्री	१६/१	५५/११	व	८	५०	१३	२१	३९	१०	२०	२७	मेषे	भ.५८/०उ.३४/३७या.दृश्यःकृत्तिकायांरविः३९/२×
१४	चं	०	३५	भ	४५	५४	सौ	४१	१९	श	०	३५	१६	२१	३९	११	२१	२८	वृ.५९।२	×सौरः४०।९ भरणी१ गुरुः७।५५
३०	चं	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३पं. वै.कृ.१च.इ.१३।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	०	१	१०	२	०
१३	२८	१४	१०	२८	९	११	१३
२९	४७	०	१५	१४	४२	४६	४०
४३	१६	३६	४३	२०	२१	५७	३१
५८	४५	३९/१६	१३	५०	४	३	५८
१७	३७	व	३८	३८	३८	११	१२

४पं. वै.कृ.७चं.इ.१३।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	०	२	१०	२	०
२०	४	९	११	३	१०	११	२०
२७	२५	५५	५५	३३	११	२४	२७
२२	४९	५१	८	२९	२४	४१	१२
५८	४६	३०/१३	१३	४४	४	३	५७
६	२५	व	३२	३२	२	११	५७

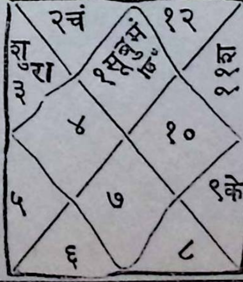

५पं.वै.कृ.१४चं.इ.१३।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	०	२	१०	२	०
२७	९	८	१३	७	१०	११	२७
१३	२१	२१	३४	५९	३६	२	१२
३४	३९	४२	५२	१६	३२	२५	२५
५७	४५	४६/५	१३	३६	३	३	५७
४५	२२	व	३२	२०	२०	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६९० सन् १९६४
१	मं	४१	५६	कृ	३८	२३	शो	३०	४६	किं	१६	४५	३३/५९	५/२०	६/४०	१२	२२	२९	वृषे	मार्गी बुधः ३६।१०
२	बु	३२	२६	रो	३१	१	अ	२०	१४	बा	७	११	२२	२०	४०	१३	२३	३०	मि५७।४२	चंद्रदर्शनम्
३	गु	२३	३०	मृ	२४	२३	सु	१०	१८	ग	२३	३०	२५	१९	४१	१४	२४	१	मिथुने	भ.४९/२७ उ. दृश्यो वृषेऽर्कः ६/१७ सौरः७।५७+
४	शु	१५	२५	आ	१८	३२	धृ	४१	५५/५२	वि	१५	२५	२८	१८	४२	१५	२५	२	मिथुने	भ. १५।२५ या.
५	श	८	४४	पु	१४	४	गं	४५	३९	बा	८	४४	३०	१८	४२	१६	२६	३	क.०।११	भरण्यां भौमः ३५।५
६	र	३	३०	पु	११	१४	वृ	३९	५६	तै	३	३०	३३	१७	४३	१७	२७	४	कर्के	पातस्पर्शः २८।५७ मोक्षः ४६।४०
७	चं	०	४	श्ले	९	५०	ध्रु	३५	३५	व	०	४	३६	१७	४३	१८	२८	५	सिं९।५०	भ. ०।४ उ. २९।३ या.
८	चं	५७	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	मं	५७	४७	म	१०	३	व्या	३२	२७	बा	२७	५४	३९	१६	४४	१९	२९	६	सिंहे	
१०	बु	५९	११	पू	१२	६	ह	३०	४२	तै	२८	२२	४१	१६	४४	२०	३०	७	कं.२७।५७	+अक्षया३ परशु.ज. मो.१सन्१३८४हि.
११	गु	६०	०	उ	१५	३१	व	२९	५८	व	३०	२७	४३	१५	४५	२१	३१	८	कन्यायां	भ· ३०।२७ उ. मोहिनी ११ व्र. स्मा.
११	शु	१	४३	ह	१९	५९	सि	३०	३८	वि	१	४३	४६	१५	४५	२२	१	९	तु.५२।५३	भ.५/४३या. भरण्यांबुधः५४/३०मोहिनी११व्र.*
१२	श	५	२८	चि	२५	४७	व्य	३१	२३	बा	५	२८	४८	१४	४६	२३	२	१०	तुलायां	प्रदोषः *वै. राष्ट्रीय ज्येष्ठारम्भः
१३	र	९	५९	स्वा	३२	१९	व	३२	५५	तै	९	५९	५०	१४	४६	२४	३	११	तुलायां	दृश्योरोहि.रविः३९/५२ (सौरः ३४/६) भरणी२×
१४	चं	१५	३५	वि	३९	१२	प	३४	५४	व	१५	३५	५२	१४	४६	२५	४	१२	वृ.२२।२९	भ.१५/३५ उ.४६/२६ या. ×गुरुः२८/४ नृसिंह१४
१५	मं	२१	१५	अ	४६	३८	शि	३७	१६	ब	२१	१५	५४	१३	४७	२६	५	१३	वृश्चिके	अन्नजल कुम्भदानं

६पं. वै.शु. ७चं.इ.१३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	२	१०	२	१
३	१४	९	१५	११	१०	१०	३
५८	३४	३५	१३	२०	५७	४०	५६
२६	३०	२७	१५	४९	२५	१०	३
५७	४५	३०/९	१३	२५	२	३	५७
४४	१२	मा	२०	३८	४४	११	३४

गोचरग्रहाः

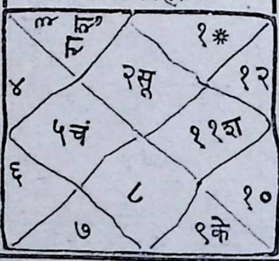

वैशाखशु.३ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

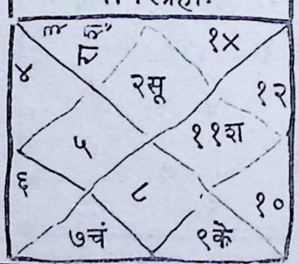

७पं. वै.शु.१४चं इ.१४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	२	१०	२	१
१०	१९	१५	१६	१३	११	१०	१०
४२	४३	३४	५०	१४	१३	१७	३८
२५	४	८	९	४२	३८	५४	१४
५७	४४	५२	१३	११	२	३	५७
३५	३७	४५	१४	५६	२	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२७	१७	ज्ये	५४	१	सि	३९	३८	कौ	२७	१७	३३/५६	५/१३	६/४७	२७	६	१४	ध.५४।१	
२	गु	३३	२९	मू	६०	०	सा	४२	१	तै	०	२४	५८	१२	४८	२८	७	१५	धनुषि	
३	शु	३९	२५	मू	१	१९	शु	४४	७	व	६	२७	३४/०	१२	४८	२९	८	१६	धनुषि	भ. ६।२७ उ. ३९।२५ या.
४	श	४४	४४	पू	८	२६	शु	४५	५४	ब	१२	५	२	१२	४८	३०	९	१७	म.२५।२	वक्री शुक्रः ३१/५४ आर्द्रा.१ राहुःमूल.३ केतुः*
५	र	४९	१४	उ	१४	५०	ब्र	४६	५९	कौ	१६	५९	४	११	४९	३१	१०	१८	मकरे	पातस्पर्शः २।५४ मोक्षः ३६।२२
६	चं	५२	३३	श्र	२०	२६	ऐं	४७	६	ग	२०	५४	६	११	४९	१	११	१९	कुं.५२।३२	भ. ५२।३३ उ. जून मा. ६ ता. ३०
७	मं	५४	३५	ध	२४	३३	वै	४६	१३	वि	२३	३४	७	११	४९	२	१२	२०	कुम्भे	भ. २३।३४ या. *५२/११ च. व्र.
८	बु	५४	५२	श	२७	९	वि	४३	५२	बा	२४	४३	९	१०	५०	३	१३	२१	कुम्भे	कृत्तिका. बुधः ३१/४९ कृत्ति. भौमः ३६।३१
९	गु	५३	१४	पू	२८	२	प्री	३९	५९	तै	२४	३	१०	१०	५०	४	१४	२२	मी१२।४९	
१०	शु	४९	३८	उ	२७	४	आ	३४	३८	व	२१	२६	१२	१०	५०	५	१५	२३	मीने	भ.२१।२६ उ. ४९/३८ या. वृषे बुधः४६।२
११	श	४४	५	रे	२४	६	सौ	२७	४७	ब	१६	५२	१३	९	५१	६	१६	२४	मे.२४।६	अपरा ११ व्र. स्मा. वै.
१२	र	३७	१६	अ	१९	१८	शो	९	३२	कौ	१०	४०	१४	९	५१	७	१७	२५	मेषे	दृश्यो मृगे रविः३४/४८ (सौरः३२/५५) अपरा११×
१३	चं	२८	४७	भ	१२	१२	अ	१०/१७	४९/३८	ग	३	१	१६	९	५१	८	१८	२६	वृ.२५।३८	भ.२८/४७ उ.५३/५६या. वृषे भौमः१४/५० भरणी३+
१४	मं	१९	६	कृ	५/५८	५५/१७	धृ	४८	५९	श	१९	६	१७	९	५२	९	१९	२७	वृषे	×व्र. नि. +गुरुः२६/५८ प्रदोषः
३०	बु	९	६	मृ	५०	१८	शू	३८	९	ना	९	६	१८	८	५२	१०	२०	२८	मि२१।१७	वट पूजनम

८पं. ज्ये.कृ.६चं.इ.१४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	२	१०	२	१
१७	२४	२३	१८	१३	११	९	१७
२५	५३	४०	२५	२२	२५	५५	१९
८	४५	१३	१६	४०	३०	३९	२०
५७	४४	७८	१२	४/५२	१	३	५७
२७	४७	१३	५०	व	२६	११	१३

गोचरग्रहाः

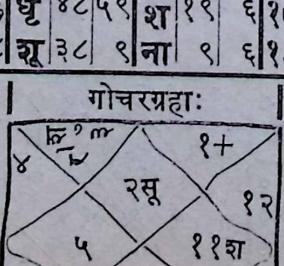

इस मास में रस पदार्थ गुड़ खांड घृत तेलादि तेज होंगे सुदी में रुई चांदीमें घटा बढ़ी अधिक होकर मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

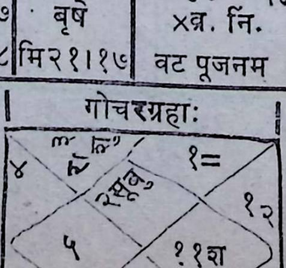

९पं.ज्ये.कृ.१३चं.इ.१४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	०	२	१०	२	१
२४	२१	४	१९	१२	११	९	२३
७	५९	१०	५७	६	३३	३३	५९
१२	३१	३३	२१	३०	१४	२२	१६
५७	४४	०/०	१२	२१/४	०	३	५७
२२	३१	२८	२८	व	४४	११	५

*मंबृबु +मंबुबृ (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंबुबृ =चंमंबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३७२० स.१९६४
१	बु	४९	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	४८	१९	आ	४३	४३	गं	१७	२८	बा	२३	३८	३४/५९	५/८	५ ६/२	११	२१	२९	मिथुने	रोहि. बुधः ४०।४९ चंद्रदर्शनम्
३	शु	४०	५६	पु	३७	१९	वृ	१६	४०	तै	१४	३७	२०	८	५२	१२	२२	१	क.२३।५५	सफर २
४	श	३३	५२	पु	३१	४०	ध्रु	८	३९	व	७	२४	२१	८	५२	१३	२३	२	कर्के	भ. ७।२४ उ. ३३।५२ या.
५	र	२८	४३	श्ले	२८	२४	व्या	१/०	५४/२३	ब	१	१७	२१	८	५२	१४	२४	३	सिं२८।२४	दृश्यो मिथुनेऽर्कः ३३/२६ (सौरः ३३/४२) वक्री*
६	चं	२६	१९	म	२७	१	व	५१	२	तै	२६	१९	२२	८	५२	१५	२५	४	सिंहे	पश्चिमास्तं शुक्रः ४८।० प.अ.शु.
७	मं	२४	५	पू	२८	३२	सि	४८	२०	व	२४	५	२२	८	५२	१६	२६	५	कं.४३।५८	भ.२४।५उ ५४/२६या.पूर्वास्तोबुधः१३।४८
८	बु	२४	४७	उ	३०	१७	व्य	४७	२	ब	२४	४७	२३	७	५३	१७	२७	६	कन्यायां	वक्री मृगे शुक्रः ५०।१ *शनिः ३९/५०
९	गु	२७	२०	ह	३४	३५	व	४७	१४	कौ	२७	२०	२३	७	५३	१८	२८	७	कन्यायां	मृगे बुधः ३२।४४
१०	शु	३१	१८	चि	४०	१३	प	४८	१	ग	२८	४९	२३	७	५३	१९	२९	८	तु.७।२४	गंगादशमी
११	श	३६	१५	स्वा	४६	४९	शि	४९	५२	व	३	४७	२४	७	५३	२०	३०	९	तुलायाँ	भ.३।४७ उ.३६।१५ या. निर्जला ११व्र.
१२	र	४२	६	वि	५४	६	सि	५२	२२	ब	९	१०	२४	७	५३	२१	३१	१०	वृ.३७।१७	दृश्य आर्द्रायांरविः ३२/५८ (सौरः ३५/४५) मिथुने×
१३	चं	४८	६	अ	६०	०	सा	५४	४९	कौ	१५	६	२४	७	५३	२२	१	११	वृश्चिके	रोहि.भौमः ५५/१५ प्रदोपः रा.आपाढ़ारंभः
१४	मं	५४	११	अ	१	३१	शु	५७	५	ग	२१	८	२४	७	५३	२३	२	१२	वृश्चिके	भ. ५४।११ उ. ×बुधः ४२/३८
१५	बु	६०	०	ज्ये	९	१०	शु	५९	२९	वि	२७	११	२४	७	५३	२४	३	१३	ध.९।१०	भ.२७/५५या.आर्द्रा.बुध.५५/४३भरणी४गुरुः ३४/३४=
१५	गु	०	११	मू	१६	९	ब्र	६०	०	ब	०	११	२३	७	५३	२५	४	१४	धनषि	=शुक्रोदयःपू.४९/५२ चंद्रग्रहगम् शु.उ.पू.

१०पं.ज्ये.शु.६चं.इ.१४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	०	२	१०	२	२
०	५	१६	२१	८	११	९	०
४८	२	४७	२६	७	३५	११	३८
२५	३४	२७	५६	५८	१३	७	२५
५७	४४	०/८	१२	३३/५२	०/४	३	५६
१७	११	३७	८	ब	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

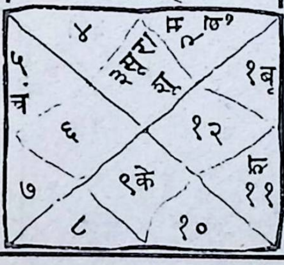

ज्येष्ठ शु.५ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ कुक्षारावस्था [बैठी] मु.१५ धान्यभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

११पं.ज्ये.शु.१०चं.इ.१४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	२	१०	२	२
७	१०	१	२२	३	११	८	७
२९	२	६	५३	४६	३२	४८	१६
२४	६	३६	२	२२	४६	५२	५२
५७	४३	०/८	११	३५/१०	०/४०	३	५६
१३	५५	५६	२२	ब	ब	११	५४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५	४[illegible]	पू	२३	८	ब्र	१	३२	कौ	५	४१	३४/२३	५/७	५ ६/३	२६	५	१५	म.३९।३८	
२	श	१०	४२	उ	२९	९	ऐं	३	२	ग	१०	४२	२३	७	५३	२७	६	१६	मकरे	भ. ४२।४१ उ.
३	र	१४	४०	श्र	३४	३४	वै	३	४३	वि	१४	४०	२२	८	५२	२८	७	१७	मकरे	भ.१४/४० या. वक्री वृषे शुक्रः४७।५६ च.व्र.
४	चं	१७	२५	ध	३८	५०	वि	४	०	बा	१७	२५	२२	८	५२	२९	८	१८	कु.६।४२	
५	मं	१९	३२	श	४२	११	प्री	३	२५	तै	१९	३२	२१	८	५२	३०	९	१९	कुम्भे	पुन. बुधः ४८।४१
६	बु	२०	१८	पू	४४	५	आ	४४ १/	५७/२८	व	२०	१८	२०	८	५२	१	१०	२०	मी२८।६	भ.२०/१८ उ.४९/५५ या. जुलाई मा.७ ता.३१
७	गु	१९	३२	उ	४४	३१	शो	५५	२०	ब	१९	३२	१९	८	५२	२	११	२१	मीने	
८	शु	१७	२५	रे	४३	३४	अ	५०	१३	कौ	१७	२५	१८	८	५२	३	१२	२२	मे.४३।३४	
९	श	१३	४३	अ	४०	५६	सु	४३	४७	ग	१३	४३	१७	९	५१	४	१३	२३	मेषे	भ. ४१।५ उ.
१०	र	८	२६	भ	३५	५९	धृ	३६	१०	वि	८	२६	१५	९	५१	५	१४	२४	वृ.४९।५४	भ.२६/२६या. दृश्यः पुन. रविः ३१/१४ सौरः ३९/५६×
११	चं	१	४३	कृ	३१	३८	शू	२७	२५	बा	१	४३	१४	९	५१	६	१५	२५	वृषे	योगिनी ११ व्र. ×कर्क बुधः ३४/९
१२	चं	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	मं	४४	५१	रो	२५	१	गं	१८	१	ग	१९	१९	१३	९	५१	७	१६	२६	मि५१।२७	भ-४४।५१उ. पुष्ये बुधः१२।५२ प्रदोषः
१४	बु	३५	१३	मृ	१७	५२	वृ	४९/७	४९/३२	वि	१०	२	११	१०	५०	८	१७	२९	मिथुने	भ.१०।२या. पश्चिमोदयी बुध.३३।१०
३०	गु	२५	२९	आ	१०	२२	व्या	४६	५८	च	०	२१	१०	१०	५०	९	१८	२८	क.५०।२१	देवपितृ कार्येऽमा.

१२पं.आ.कृ.४चं.इ.१४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	१	१०	२	२
१४	१४	१६	२४	२९	११	८	१३
९	५८	३७	१६	४८	२५	२६	५४
५०	५१	१	१२	३२	१२	३६	५७
५७	४३	०/८	११	२६/२२	१/२८	३	५६
७	४५	४२	२	ब	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

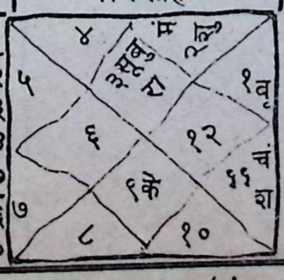

इस मास में पांच शुक्रवार उत्तम है अनाज गेहूँ चना मोठ बाजरा तेज होगा सुदी में वर्षा श्रेष्ठ होगी।

गोचरग्रहाः

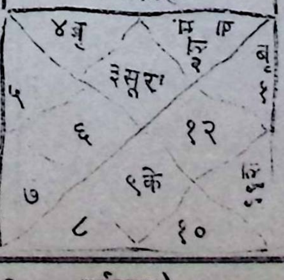

१३पं.आ.कृ.११चं.इ.१३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	१	१०	२	२
२०	११	१	२५	२७	११	८	२०
५०	५१	२०	३५	४३	१२	४	३२
१०	२९	३८	२०	१५	४७	२१	५१
५७	४३	०/८	११	११/२२	२/१०	३	५६
७	२९	३४	२०	ब	ब	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३७४९ स.१९६४
१	शु	१६	२३	पु	३/४०	५३/२२	ह	३७	१२	ब	१६	२३	३४/८	५/१०	६/५०	१०	१९	२९	कर्के	मार्गी शुक्रः ४८।११ चन्द्रदर्शनम्
२	श	८	१६	श्ले	५२	११	व	२८	१९	कौ	८	१६	७	११	४९	११	२०	१	सिं५२।११	मृगे भौमः१७।४४ रथयात्रा रविलावल३
३	र	१	४३	म	४८	४८	सि	२०	४४	ग	१	४३	५	११	४९	१२	२१	२	सिंहे	भ. ३९/१८ उ. ५६/५३ या. कृत्तिका.१ गुरुः ३४/४९
४	र	५५	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	५४	१२	पू	४७	४७	व्य	१४	२३	ब	२५	३२	४	११	४९	१३	२२	३	सिंहे	
६	मं	५३	४४	उ	४८	५०	व	१०	१८	कौ	२३	५८	२	१२	४८	१४	२३	४	कं. ३।३	आश्लेषा. बुधः २४।३१
७	बु	५५	१६	ह	५१	४४	प	७	४०	ग	२४	३०	०	१२	४८	१५	२४	५	कन्यायां	भ. ५५।१६ उ. दृश्यः कर्केऽर्कः ५०।३८
८	गु	५८	४४	चि	५६	३५	शि	६	५०	वि	२७	०	३३/५८	१२	४८	१६	२५	६	तु.२४।९	भ. २७।० या. कर्केऽर्कः (सौरः१२।०)
९	शु	६०	०	स्वा	६०	०	सि	७	१४	बा	३१	५	५६	१३	४७	१७	२६	७	तुलायां	
९	श	३	२६	स्वा	२	४१	सा	८	३०	कौ	३	२६	५४	१३	४७	१८	२७	८	वृ.५३।७	
१०	र	९	२४	वि	९	५५	शु	१०	५२	ग	९	२४	५२	१४	४६	१९	२८	९	वृश्चिके	भ.४३/३० उ. दृश्यः पुष्ये रविः १९/५५ (सौरः ४२/४१)
११	चं	१५	३६	अ	१७	२०	शु	१३	४	वि	१५	३६	५०	१४	४६	२०	२९	१०	वृश्चिके	भ. १५/३६ या. वृषे भौमः ५२/३४ देवशयनी ११व्र.
१२	मं	२१	४१	ज्ये	२४	५९	ब्र	१५	४७	बा	२१	४१	४७	१५	४५	२१	३०	११	ध.२४।५९	प्रदोषः
१३	बु	२७	३५	मू	३२	१३	ऐं	१८	३	तै	२७	३५	४५	१५	४५	२२	३१	१२	धनुषि	मघा. सिंहे बुधः ३५।३०
१४	गु	३१	४३	पू	३८	५१	वै	१९	५४	व	३१	४३	४२	१६	४४	२३	१	१३	म.५५।१६	भ. ३१।४३ उ. राष्ट्रीय श्रावणारम्भः
१५	शु	३६	२६	उ	४४	३२	वि	२१	१०	वि	४	३४	४०	१६	४४	२४	२	१४	मकरे	भ.४।३४ या. व्यास पूजा वायुपरीक्षा

१४पं.आ.शु.५चं.इ.१३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	१	१०	२	२
२७	२४	१४	२६	२६	१०	७	२७
३०	४३	२९	४७	५४	५६	४२	१०
३२	३८	३४	५२	४६	२८	५	५८
५७	४३	०/१	९	६/३	२/४०	३	५६
११	१९	५/४२	३८	मा	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

आषाढशु.७ बुधे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न.५प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.११चं.इ.१३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	०	६	१०	२	३
४	२९	२६	२७	२८	१०	७	३
११	३२	१३	५६	१२	३६	१९	४९
१७	१३	४८	२०	४६	२१	४९	२५
५७	४२	९५	८	२०	३/१६	३	५६
१५	५२	४२	५६	३४	ब	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४०	१९	श्र	४९	२१	प्री	२१	३९	बा	८	२२	३३/३७	५/१७	६/४३	२५	३	१५	मकरे	मिथुने शुक्रः १७।१५
२	र	४२	३७	ध	५३	०	आ	२१	२०	तै	११	२८	३५	१७	४३	२६	४	१६	कु.२१।११	
३	चं	४३	४०	श	५५	४६	सौ	२०	९	व	१३	८	३२	१८	४२	२७	५	१७	कुम्भे	भ. १३।८ उ. ४३।४० या.
४	मं	४३	४७	पू	५७	२६	शो	१८	१४	ब	१३	४४	२९	१८	४२	२८	६	१८	मी४२।१	चतुर्थी व्र.
५	बु	४२	४९	उ	२८	१०	अ	१५	२९	कौ	१३	१८	२६	१९	४१	२९	७	१९	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	गु	४०	५५	रे	५७	५१	सु	१२	१	ग	११	५१	२४	१९	४०	३०	८	२०	मे.५७।५१	भ. ४०/५५ उ. आर्द्रा. भौमः ५५/४३ वक्री शते१×
७	शु	३७	४८	अ	५६	३४	धृ	७	३८	वि	९	२२	२१	२०	४०	३१	९	२१	मेषे	भ.९।२२या. =मृगे.४राहुःमूल.२केतुः ४४/४९
८	श	३३	५३	भ	५४	१४	शू	२/१९	५३/५२	बा	५	५१	१८	२०	३९	१	१०	२२	मेषे	अगस्त मा. ८ ता. ३१ पूफायां बुधः ४५/१९=
९	र	२८	५८	कृ	४९	५८	वृ	४९	१२	तै	१	२५	१५	२१	३८	२	११	२३	वृ.८।१०	भ.५५/५५ उ. दृश्यआश्लेषा.रविः १६/५६ सौरः ४३/३०
१०	चं	२२	५३	रो	४६	२६	ध्रु	४१	३५	वि	२२	५३	१२	२२	३८	३	१२	२४	वृषे	भ.२२/५३ या. कृत्तिका.२ वृषे गुरुः५३।५६
११	मं	१५	४४	मृ	४१	७	व्या	३२	५५	बा	१५	४४	९	२२	३८	४	१३	२५	मि१३।४६	कामिका ११ व्र.
१२	बु	८	१३	आ	३५	१७	ह	२४	२	तै	८	१३	६	२३	३७	५	१४	२६	मिथुने	भ.५९।५५ उ. आर्द्रा. शुक्रः ३९/५४ प्रदोषः
१३	बु	५१	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	५१	४५	पु	२९	९	व	१४	४०	वि	२५	५०	३	२३	३७	६	१५	२७	क.१५।४१	भ. २५।५० या. ×शनिः ४२/४०
३०	शु	४४	३	पु	२३	२८	सि	५/३२	५१/४	च	१७	५४	०	२४	३६	७	१६	२८	कर्के	हरियाली अमावस्या

१६पं.श्रा.कृ.३चं.इ.१३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	२	१०	२	३
१०	४	६	२८	१	१०	६	१०
५२	१७	२५	५३	३	१२	५७	२८
१९	१७	१५	१६	३	२२	३४	४२
५७	४२	७८	८	३२	३/४६	३	५७
२०	३६	२५	२	३२	ब	११	५

गोचरग्रहाः

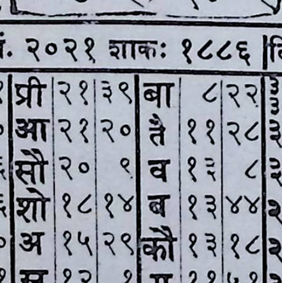

इस मास में ५ शनिवार नेष्ट है वर्षा में कमी अ-नाज गल्ला तेज प्रजामें पीडा होवे

गोचरग्रहाः

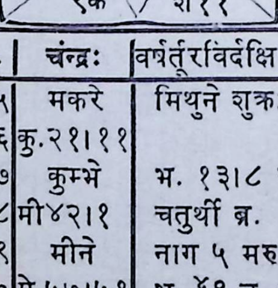

१७पं.श्रा.कृ.१०चं.इ.१३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	२	१०	२	३
१७	८	१४	२९	५	९	६	१७
३४	५८	५०	५५	६	४५	३५	८
१	५२	४२	१९	७	४३	१८	३०
५७	४२	५९	६	४१	४	३	५७
२५	९	६	५६	१६	ब	११	१२

*मंशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	त्रर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३७७८सन्१९६४
१	श	३७	१६	श्ले	१८	८	व	४८	२६	किं	१०	४०	३२/५६	५/२५	६/३५	८	१७	२९	सिं१८।८	
२	र	३१	५३	म	१४	१५	प	४१	३१	बा	४	३४	५३	२५	३५	९	१८	३०	सिंहे	चन्द्रदशनम् सिंधारा
३	चं	२८	१७	पू	११	४८	शि	३५	५५	तै	०	५	५०	२६	३४	१०	१९	१	कं.२६।३८	भ. ५७।३३ उ. तीज रविलाखर ४
४	मं	२६	४९	उ	११	८	सि	३१	५३	वि	२६	४९	४७	२७	३३	११	२०	२	कन्यायां	भ. २६।४९ या. वरद ४
५	बु	२७	१८	ह	१२	३२	सा	२९	३२	बा	२७	१८	४३	२७	३३	१२	२१	३	तु.४४।२६	नागपंचमी
६	गु	२९	४९	चि	१६	१९	शु	२९	३	तै	२९	४९	४०	२८	३२	१३	२२	४	तुलायां	
७	शु	३३	५६	स्वा	२१	२६	शु	२९	२५	ग	१	५३	३६	२९	३१	१४	२३	५	तुलायां	भ. ३३।५६ उ.
८	श	३९	२९	वि	२८	६	ब्र	३१	५	वि	६	४२	३३	२९	३१	१५	२४	६	वृ.११।२६	भ. ६।४२ या.
९	र	४५	२८	अ	३५	९	ऐं	३३	१४	बा	१२	२९	२९	३०	३०	१६	२५	७	वृश्चिके	दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः५०/५१(सौरः३९।५५)
१०	चं	५१	४४	ज्ये	४२	५०	वै	३५	३५	तै	१८	३६	२६	३१	२९	१७	२६	८	ध.४२।५०	वक्री बुधः ५१।४५
११	मं	५७	४४	मू	५०	१२	वि	३७	४६	व	२४	४४	२२	३२	२८	१८	२७	९	धनुषि	भ.२४/४४ उ.५७/४४ या. पवित्रा ११व्र. स्मा.
१२	बु	६०	०	पू	५७	१	प्री	४०	५७	ब	३०	२०	१९	३२	२८	१९	२८	१०	धनुषि	पुन. भौमः ४९।० पवित्रा ११ व्र. निं.
१२	गु	२	५६	उ	६०	०	आ	४१	१९	बा	२	५६	१५	३३	२७	२०	२९	११	म.१३।२४	प्रदोषः
१३	शु	६	५९	उ	२	३३	सौ	४१	३८	तै	६	५९	११	३४	२६	२१	३०	१२	मकरे	
१४	श	९	४३	श्र	७	८	शो	४०	५०	ब	९	४३	८	३४	२६	२२	३१	१३	कु.३८।४०	भ.९।४३ उ.४०/२१ या. पुन. शुक्रः९।३८
१५	र	१०	५८	ध	१०	१३	अ	३९	१०	व	१०	५८	४	३५	२५	२३	१	१४	कुम्भे	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम् रा.भाद्रपदारंभः

१८पं.श्रा.शु.३चं.इ.१३।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	१	२	१०	२	३
२४	१३	२१	०	१०	९	६	२४
१६	३७	७	४४	३	१५	१३	१६
२६	५१	२२	९	०	५७	३	२६
५७	४१	३४	६	४८	४/२	३	५७
३३	४२	२२	२	२	व	११	३३

गोचरग्रहाः

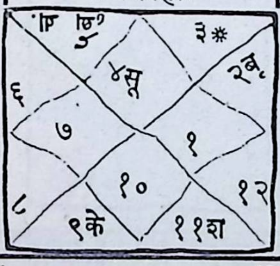

श्रावण शु.९ रवौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.५कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१०चं.इ.१३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	२	१०	२	४
०	१८	२४	१	१५	८	५	०
५९	१३	२१	२५	४२	४१	५०	३१
४९	२६	२५	४४	४६	५४	४७	५०
५७	४१	३	४	५३	४/३४	३	५७
४०	१	३३	५६	१४	व	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	१०	५३	श	१२	४	सु	३६	२४	कौ	१०	५३	३२/००	५/३६	६/२४	२४	२	१५	मी५७।३२	
२	मं	९	४९	पू	१२	४१	धृ	३२	४०	ग	९	४९	३१/५६	३७	२३	२५	३	१६	मीने	भ. ३८।४२ उ.
३	बु	७	३५	उ	१२	३१	शू	२८	१६	वि	७	३५	५२	३८	२२	२६	४	१७	मीने	भ.७।३५या. पश्चिमास्तोबुधः५।९च.व्र.
४	गु	४	४३	रे	११	३२	गं	२२	२२	बा	४	४८	४८	३८	२२	२७	५	१८	मे.११।३२	
५	शु	०	५८	अ	६	३१	वृ	१७	४८	तै	०	५३	४४	३९	२१	२८	६	१९	मेषे	भ. ५७।१ उ. चंद्रषष्ठी
६	शु	५६	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	श	५२	३२	भ	७	२८	ध्रु	११	४०	वि	२४	४६	४०	४०	२०	२९	७	२०	बृ.२१।४८	भ. २४।४६ या. *जन्माष्टमी व्र.
८	र	४७	३६	कृ	४	४८	व्या	५/२९	५३/५	बा	२०	४	३६	४१	१९	३०	८	२१	बृषे	दृश्यः पूफायां रविः ०।२७(सौरः ३०/४७)*
९	चं	४२	४७	रो	१/४२	५६/२५	व	५१	२२	तै	१५	१२	३२	४२	१८	३१	९	२२	मि२९।४४	गोगानवमी
१०	मं	३६	१४	आ	५४	८	सि	४३	५६	व	९	३१	२८	४२	१८	१	१०	२३	मिथुने	भ.९/३१ उ.३६/१४या. सितम्बर मा.९ ता.३०×
११	बु	२९	५९	पु	४९	५०	व्य	३६	११	ब	३	७	२५	४३	१७	२	११	२४	क.३५।५५	अजा ११ व्र.
१२	गु	२३	४४	पु	४५	३६	व	२८	२९	तै	२३	४४	२१	४४	१६	३	१२	२५	कर्के	वत्स द्वादशी प्रदोषः ×कर्के शुक्रः ३६/७
१३	शु	१७	४०	श्ले	४१	३६	प	२०	५०	व	१७	४०	१७	४५	१५	४	१३	२६	सिं४१।३६	भ.१७/४० उ.४४/५५ या. कर्के भौमः ४१।५७
१४	श	१२	९	म	३८	१७	शि	१३	२६	श	१२	९	१३	४५	१५	५	१४	२७	सिंहे	पुष्ये शुक्रः ०।२७
३०	र	७	२७	पू	३५	५८	सि	६	५२	ना	७	२७	९	४६	१४	६	१५	२८	कं.५०।४५	वक्री मघा. बुधः१३।७ कुशाग्रहणी पि.३०

२०पं.भा.कृ.१चं.इ.१२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	२	१०	२	४
७	२२	२३	१	२१	८	५	७
४४	४५	३७	५९	५६	१३	२८	१५
१७	४७	५५	२	२७	५१	३१	२३
५७	४०	३५/२	३	५७	४/४०	३	५७
५८	५६	व	५०	८	व	११	४५

गोचरग्रहाः

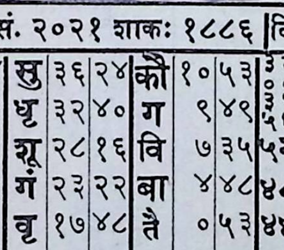

भाद्र. शु.१० बुधे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

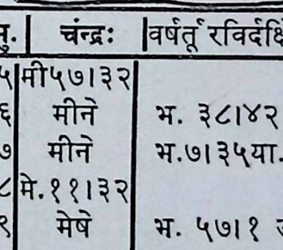

२१पं.भा.कृ.९चं.इ.१२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	२	१०	२	४
१४	२७	१८	२	२८	७	५	१४
२९	१५	३१	२३	३६	४२	६	०
५६	०	३०	३४	२२	२१	१६	३५
५८	४०	६४/२५	-२	६०	४/४०	३	५७
१	३४	व	३२	१४	व	११	५७

*मंशुरा =मंशुरा (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×रामंशु +मंशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	चं	४	२	उ	३५	५	सा	५१/१०	५५/३१	ब	४	२	३१/५	५/४७	६/१३	७	१६	२९	कन्यायां
२	मं	२	२१	ह	३५	४६	शु	५३	२६	कौ	२	२१	१	४८	१२	८	१७	१	कन्यायां
३	बु	२	२९	चि	३८	१५	ब्र	५१	५४	ग	२	२९	३०/५७	४९	११	९	१८	२	तु. ७।१
४	गु	४	३२	स्वा	४२	२६	ऐं	५१	१५	वि	४	३२	५६	४९	११	१०	१९	३	तुलायां
५	शु	८	२	वि	४८	२५	वै	५२	१९	बा	८	२	४८	५०	१०	११	२०	४	वृ. ३१।५५
६	श	१३	७	अ	५४	२	वि	५३	५२	तै	१३	७	४४	५१	९	१२	२१	५	वृश्चिके
७	र	१८	५२	ज्ये	६०	०	प्री	५६	८	व	१८	५२	४०	५२	८	१३	२२	६	वृश्चिके
८	चं	२५	११	ज्ये	२	२१	आ	५८	३४	ब	२५	११	३६	५३	७	१४	२३	७	ध. २।२४
९	मं	३१	१९	मू	९	५७	सौ	६०	०	कौ	३१	१९	३२	५४	६	१५	२४	८	धनुषि
१०	बु	३६	४५	पू	१७	८	सौ	०	४०	तै	४	२	२८	५४	६	१६	२५	९	म. ३३।३९
११	गु	४१	०	उ	२३	१४	शो	२	२०	व	८	५२	२४	५५	५	१७	२६	१०	मकरे
१२	शु	४३	४२	श्र	२७	५६	अ	२	५५	ब	१२	२१	२०	५६	४	१८	२७	११	कु. ५९।३५
१३	श	४४	३९	ध	३१	१४	सु	२	२६	कौ	१४	१०	१६	५७	३	१९	२८	१२	कुम्भे
१४	र	४३	५६	श	३२	४४	धृ	३५/१	५७/४७	ग	१४	१७	१२	५८	२	२०	२९	१३	कुम्भे
१५	चं	४१	४३	पू	३२	४०	गं	५२	५६	वि	१२	४९	८	५८	२	२१	३०	१४	मी १७।४१

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८०८ स. १९६४

चन्द्रदर्शनम्
जमादिलावल ५
भ. ३३/३१ उ·पुष्ये भौमः ४१/३० पुर्वोदयी बुधः ३५/५१*
भ. ४।३२ या. *गणेश ४
मार्गी बुधः ४८।५ ऋषिपंचमी
दृश्यः उफायां रविः ४४।४८
भ. १८/५२ उ. ५३/१ या. उफायां रविः सौरः १५/२५×
वक्री धनिष्ठा. ४ शनिः ५३।१९
×८क्री गुरुः ४९/१० +जलझूलनी ११व्र.
दृश्यः कन्यायामर्कः १०।९ (सौरः ४०/३७)
भ. ५८/२ उ. ४१/० या. अश्लेषा. शुक्रः ४३/५६+
पूफायां बुधः १३।१८ वामनजयन्ती
प्रदोषः
भ. ४३।५६ उ. अनंत १४
भ. १२।४९ या. महालयारंभः कु.सं.पू.

२२पं.भा.शु. १चं.इ. १२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	३	१०	२	४
२१	५	१२	२	५	७	४	२०
१६	४०	३१	३९	३६	११	४४	४७
५५	४०	४८	९	५४	३१	०	१५
५८	४०	४८/३५	१	६२	४/२२	३	५८
१३	५	ब	८	८	ब	११	१२

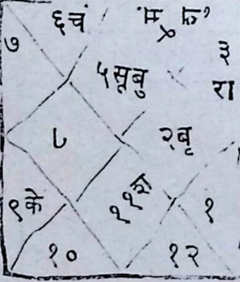

२३पं.भा.शु. ८ चं.इ. १२।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	३	१०	२	४
२७	६	११	२	१२	६	४	२८
५	२	३५	४५	५३	४२	२१	३५
२४	९	४५	३	५३	४६	४५	३८
३८	३९	२५/२८	०/४	६४	४/४	३	५८
२६	४२	मा	ब	१०	ब	११	२९

२४पं.भा.शु. १५चं.इ. १२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	१	३	१०	२	५
४	१०	१७	२	२०	६	३	४
५५	२०	२४	४०	२६	१५	५९	२५
१९	१०	११	४४	२४	३	२३	४५
५८	३९	८१	१/२२	६६	३/४६	३	५८
३८	०	५०	ब	२	ब	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	३८	२	उ	३१	२२	वृ	४७	२१	बा	९	५२	३०/४	५/५०	६/१	२२	३१	१५	मीने
२	बु	३३	४५	रे	२९	१२	ध्रु	४१	१२	तै	५	५३	३०/००	६/०	६/०	२३	१	१६	मे. २९।१२
३	गु	२८	३५	अ	२६	११	व्या	३४	२४	व	१	१०	२९/५५	६/५	५/५९	२४	२	०	मेषे
४	शु	२३	४	भ	२२	१५	ह	२७	२०	बा	२३	४	५१	२	५८	२५	३	१७	वृ. ३६।२२
५	श	१७	३४	कृ	१८	४३	व	२०	०	तै	१७	३४	४७	३	५७	२६	४	१८	वृषे
६	र	१२	१०	रो	१५	५	सि	१२	४६	व	१२	१०	४३	३	५७	२७	५	१९	मि ४३।१७
७	चं	६	४९	मृ	११	२९	व्य	३५/२	५५/५३	ब	६	४७	३८	४	५६	२८	६	२०	मिथुने
८	मं	१	४४	आ	८	११	प	५१	२३	कौ	१	४४	३४	५	५५	२९	७	२१	क. ५०।४६
९	बु	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२२	०
१०	बु	५२	६	पु	४	५९	शि	४४	४०	व	२४	५३	३०	६	५४	३०	८	२३	कर्के
११	गु	४७	५२	पु	२/९	५७/२७	सि	३८	१५	ब	१९	५९	२६	७	५३	१	९	२४	सिं ५७।२७
१२	शु	४३	५८	म	५७	४९	सा	३२	२०	कौ	१५	५६	२२	८	५२	२	१०	२५	सिंहे
१३	श	४०	५५	पू	५६	४	शु	२६	५१	ग	१२	२६	१८	८	५२	३	११	२६	सिंहे
१४	र	३८	४६	उ	५६	२४	शु	२१	५५	वि	९	५०	१४	९	५१	४	१२	२७	कं. ११।९
३०	चं	३८	१	ह	५७	३३	ब्र	१७	५४	च	८	२३	१०	१०	५०	५	१३	२८	कन्यायां

शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

राष्ट्रीय आश्विनारंभः
भ. १।१० उ. २८।३५ या. चतुर्थी व्र.
दृश्यो हस्ते रविः ३३/१५ (सौरः ५३।६)
भ. १२/१० उ. ३९।२८ या. उफायां बुधः १७/५२
पूर्वास्तो बुधः ५७/२० ×५/३ ८इंदिरा ११व्र.
कन्यायां बुधः १४/२५ मघा. सिंहे शुक्रः ५०/१८ मातृ ९
भ. २४/५३ उ. ५२।६ या. =प्रदोषः
अक्टूबर मा. १० ता. ३१ आश्लेषा. भौमः×
भ. ४०/५५ उ. मृग. ३ राहुः मूल. १ केतुः ३७/१५=
भ. ५९/० या. हस्तेबुधः ५३/२३ शस्त्रादिहता. श्रा.
सर्वपितृ ३०

२५पं. आ.कृ. ७चं.इ. १२।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१	३	१०	२	५
११	१४	२८	२	२८	५	३	११
४६	३३	१५	२६	९	५१	३७	१७
५५	२९	४	३४	४६	३	१३	४९
५८	३८	७/०	२/४६	६७	२/१६	३	५९
५३	४१	७/१४	ब	२६	ब	११	०

गोचरग्रहाः

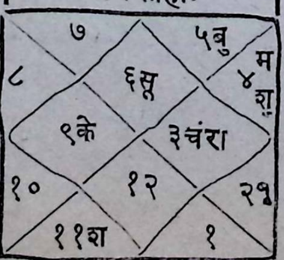

इस मास में गुड़ खांड घृत तेल तिल मूंगफली अलसी तेज, रुई गेहूँ चावल मूंग मोंठ जौ मंदा।

गोचरग्रहाः

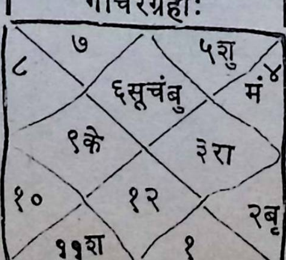

२६पं.आ.कृ. ३०चं.इ. १२।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१	४	१०	२	५
१८	१८	१०	२	६	५	३	१८
४०	४२	३४	३	१३	२९	१४	११
८	४३	४	३२	१८	३४	५८	३६
५९	३८	३/०	५८/३	६८	४२/०	३	५९
९	४	३७/६	ब	३०	ब	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८३७ स.१९६४
१	मं	३८	२५	चि	५९	५०	ऐं	१४	४०	किं	८	१३	२९ ६	६ ११	५ ४९	६	१४	२९	तु.२८।४१	मातामह श्राद्ध नवरात्रारम्भः
२	बु	४०	२८	स्वा	६०	०	वै	१३	७	बा	९	२७	२	१२	४८	७	१५	३०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	४३	५६	स्वा	३	४१	वि	१२	४	तै	१२	१२	२८ ५८	१२	४८	८	१६	१	वृ.५२।३४	जमादिलाखर ६
४	शु	४८	५९	वि	८	५१	प्री	१२	२१	व	१६	२७	५४	१३	४७	९	१७	२	बृश्चिके	भ.५६/२६ उ.४८।५९या. दृश्श्चित्रा. रविः५५/५६
५	श	५४	३४	अ	१५	१५	आ	१३	२७	ब	२१	४६	५०	१४	४६	१०	१८	३	वृश्चिके	सौरश्चित्रा. रविः २३।४२
६	र	६०	०	ज्ये	२२	२७	सौ	१५	२७	कौ	२७	४२	४६	१५	४५	११	१९	४	ध.२२।२७	पूफायां शुक्रः ३२।३४
६	चं	०	५०	मू	३०	०	शो	१७	५७	तै	०	५०	४२	१६	४४	१२	२०	५	धनुषि	चित्रा. बुधः २४।१८ श्रीसरस्वत्यावाहनं
७	मं	७	१६	पू	३७	४२	अ	२०	११	व	७	१६	३८	१६	४४	१३	२१	६	म.५४।२५	भ ७।१६उ.४०।१५या. सर.पू. भद्र.श्रव.
८	बु	१३	१३	उ	४४	३५	सु	२२	१५	ब	१३	१३	३४	१७	४३	१४	२२	७	मकरे	बलिदानम् ✱विजया१० पट्टाभिषेके
९	गु	१८	६	श्र	५०	१४	धृ	२३	३३	कौ	१८	६	३०	१८	४२	१५	२३	८	मकरे	विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
१०	शु	२१	२०	ध	५४	१६	शू	२६	३२	ग	२१	२०	२६	१९	४१	१६	२४	९	कुं.२२।१५	भ.५२/७उ.दृश्यस्तुलाऽर्कः३९/२तुला.बुधः३२/१०✱
११	श	२२	५५	श	५६	२१	गं	२२	२५	वि	२२	१५	२२	२०	४०	१७	२५	१०	कुम्भे	भ २२/५५या.तुला.सौरः६/२५ पापांकुशा ११व्र.
१२	र	२२	२२	पू	५६	४५	वृ	१९	४६	बा	२२	२२	१८	२०	४०	१८	२६	११	मी४१।३९	प्रदोष व्र.
१३	चं	१९	५६	उ	५५	१३	ध्रु	१५	२५	तै	१९	५६	१४	२१	३९	१९	२७	१२	मीने	
१४	मं	१५	४७	रे	५२	७	व्या	९	४२	व	१५	४७	१०	२२	३८	२०	२८	१३	मे.५२।७	भ.१५/४७उ.४३/०या. स्वात्यांबुधः१३/५४शरद्१५×
१५	बु	१०	१३	अ	४७	४७	ह	५५ २	५२ ०	ब	१०	१३	६	२३	३७	२१	२९	१४	मेषे	शरद्१५वै. का.स्ना.प्रा. ×कोजागरी व्र.

२७पं.आ.शु.६चं.इ.११।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१	४	१०	२	५
२५	२२	२२	१	१४	५	२	२५
३५	४७	५७	३१	५	१३	५२	७
६	२७	३६	३३	१३	२३	४२	१८
५९	३७	७८/०	५/४	६९	२/४	३	५९
२१	१६	३८	व	२०	व	११	३१

गोचरग्रहाः

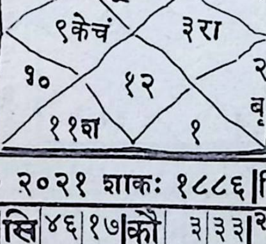

आ. शु. १० शुक्रे तुलायामर्कः प्र. वा.३ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

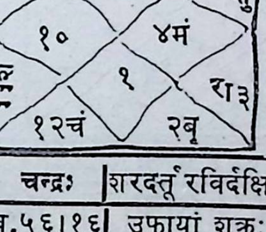

२८पं.आ.शु.१३चं.इ.११।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	१	४	१०	२	६
२	२६	४	०	२२	५	२	२
३१	४६	५२	५०	२५	१	३०	४
३४	१	३८	४६	४८	५५	२७	४८
५९	३६	७७/०	१०/६	७०	१	३	५९
३४	४२	३४	व	२	२२	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३	३३	भ	४२	३८	सि	४६	१७	कौ	३	३३	२८ २	२४ ६	३६ ५	२२	३०	१५	बृ.५६।१६	उफायां शुक्रः ५३।१३
२	गु	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	४९	११	कृ	३७	९	व्य	३७	२५	व	२२	४९	२७ ५८	२४	३६	२३	१	१६	बृषे	भ.२२/४९ उ.४९/११ या. दृश्यः स्वा. रविः२१/४✱
४	श	४१	५६	रो	३१	४९	व	२८	३४	ब	१५	३३	५४	२५	३५	२४	२	१७	मि५९।१६	करक चतुर्थी व्र.
५	र	३५	१८	मृ	२६	४२	प	१९	५८	कौ	८	३७	५०	२६	३४	२५	३	१८	मिथुने	कन्या. शुक्रः४२/५३ मघा. सिंहे भौमः५।४१
६	चं	२९	१६	आ	२२	२३	शि	११	४७	ग	२	१७	४६	२७	३३	२६	४	१९	मिथुने	भ.२९/१६ उ.५६/३८ वक्री कृति.१ मेषे गुरुः४०/५७
७	मं	२४	०	पु	१८	३८	सि	४/२	५२/८	ब	२४	०	४२	२८	३२	२७	५	२०	क.४।३४	
८	बु	१९	४३	पु	१५	४७	शु	५०	३७	कौ	१९	४३	३९	२८	३२	२८	६	२१	कर्के	विशाखा. बुधः १८।२७
९	गु	१६	८	श्ले	१३	४३	शु	४५	११	ग	१६	८	३५	२९	३१	२९	७	२२	सि१३।४३	भ.४४/५२ उ. ✱(सौरः४७/२८)राष्ट्रीयकार्ति.
१०	शु	१३	३६	म	१२	४४	ब्र	४०	१९	वि	१३	३६	३१	३०	३०	३०	८	२३	सिंहे	भ. १३।३६ या. +महालक्ष्मी पूजनम्
११	श	११	५५	पू	१२	४५	ऐं	३६	२१	बा	११	५५	२७	३१	२९	३१	९	२४	कं.२७।५६	मार्गी शनिः ५१।२० रमा ११ व्र.
१२	र	११	१७	उ	१३	२८	वै	३३	९	तै	११	१७	२४	३१	२९	१	१०	२५	कन्यायां	**नवम्बर मा.११ ता.३०** प्रदोषः धन १३
१३	चं	११	५९	ह	१५	४१	वि	३०	५२	व	११	५९	२०	३२	२८	२	११	२६	तु.४७।३२	भ. ११।५९ उ. ४२।४२ या. रूप १४
१४	मं	१३	२५	चि	१९	२४	प्री	२९	३१	श	१३	२५	१६	३३	२७	३	१२	२७	तुलायां	बृश्चिके बुधः ४८।३१ हस्ते शुक्रः७।१५+
३०	बु	१६	२२	स्वा	२५	१३	आ	२८	५७	ना	१६	२२	१३	३३	२७	४	१३	२८	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२९पं.का.कृ.६चं.इ.११।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	१	५	१०	२	६
९	०	२६	०	०	४	२	९
२९	३९	२६	३	३३	५४	८	४
४९	२५	३४	२५	४६	३२	१	८
५९	३५	०/०	६/५८	७०	१०/३४	३	६०
४७	५६	५३	व	४४	व	११	२

गोचरग्रहाः

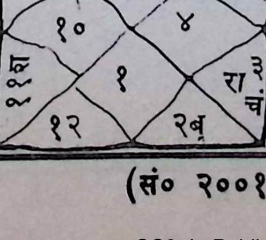

मंगल की लक्ष्मी पूजा उत्तम नहीं है। धान्यादि तेज हो प्रजा में पीड़ा रहे।

गोचरग्रहाः

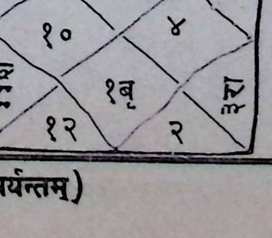

३०पं.का.कृ.१३चं.इ.११।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	०	५	१०	२	६
१६	४	२७	२९	८	४	१	१६
२९	२७	२१	१०	५३	५२	४	५
३८	२१	४३	४	१	४४	५५	१२
६०	३५	९७	७/३४	७१	०/८	३	६०
.४	११	४३	व	२०	मा	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	२०	८	वि	३१	२४	सौ	२९	४	ब	२०	८	२७ ९	६ ३४	५ २६	५	१४	२९	बृ.१४।५०
२	शु	२५	२५	अ	३८	१०	शो	३०	१९	कौ	२५	२५	६	३५	२५	६	१५	३०	वृश्चिके
३	श	३१	११	ज्ये	४४	३६	अ	३१	५८	ग	३१	११	२	३६	२४	७	१६	१	ध.४४।३६
४	र	३७	३५	मू	५१	२	सु	३४	७	व	४	२३	२६ ५९	३६	२४	८	१७	२	धनुषि
५	चं	४४	६	पू	५७	१२	धृ	३६	२७	ब	१०	५०	५६	३७	२३	९	१८	३	धनुषि
६	मं	५०	२२	उ	६०	०	शू	३९	१	कौ	१७	१४	५३	३७	२३	१०	१९	४	म.१३।५३
७	बु	५५	५२	उ	३	५७	गं	४०	४४	ग	२३	७	४९	३८	२२	११	२०	५	मकरे
८	गु	६०	०	श्र	१०	३०	वृ	४१	३६	वि	२७	५८	४६	३९	२१	१२	२१	६	कु.४३।१३
८	शु	०	५	ध	१५	५६	ध्रु	४१	३४	ब	०	५	४४	३९	२१	१३	२२	७	कुम्भे
९	श	२	३७	श	१९	३२	व्या	४०	२	कौ	२	३७	४०	४०	२०	१४	२३	८	कुम्भे
१०	र	३	८	पू	२१	१४	ह	३६	५४	ग	३	८	३७	४१	१९	१५	२४	९	मी५।४९
११	चं	१	४२	उ	२०	५५	व	३२	४	वि	१	४२	३४	४१	१९	१६	२५	१०	मीने
१२	चं	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	मं	५२	३४	रे	१८	२९	सि	२५	४७	कौ	२५	१७	३१	४२	१८	१७	२६	११	मे.१८।२९
१४	बु	४५	२६	अ	१४	२३	व्य	१७	५६	ग	१९	०	२९	४२	१८	१८	२७	१२	मेषे
१५	गु	३७	२५	भ	८	५०	व	५ ६ ३	५ ३ ५	वि	११	२६	२६	४३	१७	१९	२८	१३	बृ.२२।१२

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८६७स.१९६४

दृश्यो विशाखायां रविः ४ ३ १ ७ पश्चिमोदयी*
विशाखा. रविः सौरः ५ ४ २ अनु. बुधः १ ४ ०+
रज्जब ७ +चन्द्रद. भ्रातृ२ यम२
भ.४।२३ उ. ३ ७ ३ ५ या. *बुधः ३ ५ २ १

भ.५५।१२उ. = ५ ९ ९) ज्येष्ठा. बधः १ ६ ६
भ. २७।५८ या. गोपाष्टमी

चित्रा. शुक्रः ६।२९ ×वैकुण्ठ १४
भ. ३ २ २ ५ उ. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः ३ ७ २ ५ (सौरः=
भ. ४ ५ २ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसीविवाहः
? ३ ९ ४ ० पूफायांभौमः १ ४ ३ ७ मन्वादिः का.स्ना.पू.
प्रदोषः
भ. ४ ५ २ ६ उ. दृश्योऽनुराधा. रविः ५५।४९×
भ. १ १ २ ६ या. अनु. रविः सौरः १ ६ ५ ७ तुला. शुक्रः?

३१पं.का.शु.५चं.इ.११।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	०	५	१०	२	६
२३	८	७	२८	१७	४	१	२३
३०	६	५७	१४	१९	५५	२३	७
५८	५०	२८	४५	५१	३६	४०	५०
६०	३४	९३	७	७१	०	३	६०
१७	१०	५९	४०	४४	५६	११	३०

गोचरग्रहाः

कार्तिकशु.१०रवौ
बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.
३न.४ बृद्धावस्था
(बैठी) मु. ४५
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयं पूर्वं ।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.११चं.इ.१०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
.७	४	७	०	५	१०	२	७
०	११	१८	२७	२५	५	१	०
३३	३८	१३	७	४९	३	१	११
४७	५२	३३	३१	२३	३९	३४	५४
६०	३३	८६	५ ७ २	७२	१	३	६०
३०	२	४९	ब	२	४०	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	२८	३६	कृ	१ ३ ७	५ २ ३ ०	शि	४८	४७	बा	४	०	२ ६ २ ४	६ ४ ३	५ १ ७	२०	२९	१४	बृषे
२	श	१९	४९	मृ	४८	१५	सि	३८	३६	ग	१९	४९	२१	४४	१६	२१	३०	१५	मि२०।२२
३	र	११	१४	आ	४१	४६	सा	२८	२७	वि	११	१४	१९	४४	१६	२२	१	१६	मिथुने
४	चं	३	२०	पु	३६	७	शु	१९	६	बा	३	२०	१६	४५	१५	२३	२	१७	क.२२।३२
५	चं	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	मं	५०	५८	पु	३१	४३	शु	१०	२२	ग	२३	४१	१३	४५	१५	२४	३	१८	कर्के
७	बु	४६	५३	श्ले	२८	४०	ब्र	५ २ ८	५ ३ ३ ३	वि	१८	५५	११	४६	१४	२५	४	१९	सिं२८।४०
८	गु	४४	१४	म	२६	५९	वै	५१	११	बा	१३	३३	९	४६	१४	२६	५	२०	सिंहे
९	शु	४२	५४	पू	२६	४९	वि	४७	११	तै	१३	३४	६	४७	१३	२७	६	२१	कं.४२।४
१०	श	४३	४	उ	२७	४९	प्री	४४	१०	व	१२	५९	३	४७	१३	२८	७	२२	कन्यायां
११	र	४४	४१	ह	३०	२२	आ	४२	२७	ब	१३	५२	१	४८	१२	२९	८	२३	कन्यायां
१२	चं	४७	१४	चि	३४	१	सौ	४१	२७	कौ	१५	५८	३ ५ ५ ९	४८	१२	३०	९	२४	तु.२।१२
१३	मं	५१	१३	स्वा	३८	५४	शो	४१	४१	ग	१९	१४	५७	४९	११	१	१०	२५	तुलायां
१४	बु	५५	४१	वि	४४	३९	अ	४२	७	वि	२३	२७	५५	४९	११	२	११	२६	बृ.२८।१२
३०	गु	६०	०	अ	५१	१५	सु	४३	२७	च	२८	३५	५३	४९	११	३	१२	२७	वृश्चिके
३०	शु	१	२९	ज्ये	५८	११	धृ	४५	५	ना	१	२९	५१	५०	१०	४	१३	२८	ध.५८।११

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महाराष्ट्राः

वक्री भरणी ४ गुरुः ४९।३
भ. ४५।३१ उ. =(सौरः २ ३ ५ ७)
भ. १ १ ५ ४ या. च.व्र. राष्ट्रीय मार्गशीर्षारम्भः

भ. ५ ० ५ ८ उ. मूलेधनुषि बुधः ५ ० ४ पातस्पर्शः ४ ६ १ ७
भ. १ ८ ५ ५ या. स्वात्यांशुक्रः ३ ३ ० पातमोक्षः ५।१

भ. १२।५९ उ. ४३।४ या.
उत्पत्ति ११ व्र.

भ. ५ ५ १ ३ उ. दिसम्बर मा. १२ता. ३१ प्रदोषः
भ. २ ३ २ ७ या. दृश्यो ज्येष्ठा. रविः ५।५९=

३३पं.मा.कृ.४चं.इ.१०।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	६	१०	२	७
७	१५	२७	२६	४	५	०	७
३७	२०	५०	२१	२३	१६	३९	१७
३७	५६	४२	५४	४९	३०	१९	२७
६०	३२	७८	४ ७ ०	७२	२	३	६०
४२	१	४	ब	२६	२०	११	५३

गोचरग्रहाः

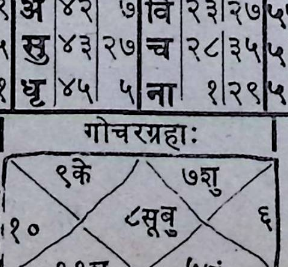

इस मास का
फल साधारण है
अनाज रुई चावल
मूंग सूत कपड़ा
चांदी चपड़ी मंदी
होकर तेज होवे।

गोचरग्रहाः

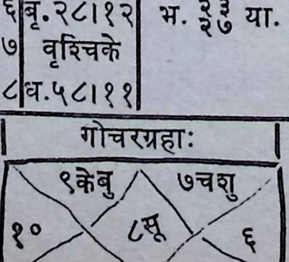

३४पं. मा.कृ.१२चं.इ.१०।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	०	६	१०	२	७
१४	१८	६	२५	१३	५	०	१४
४२	१४	११	२८	०	३४	१६	२४
५४	९	२४	३४	१४	४४	५३	१३
६०	३०	६०	७	७२	३	३	६१
५०	३७	२५	७	५०	२	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८९७ स.१९६४
१	श	७	२२	मू	६०	०	शू	४७	१७	ब	७	२२	३५/४९	६/५०	५/१०	५	१४	२९	धनुषि	विशा.शुक्रः४६/४१मृगे२ वृषे राहुःज्येष्ठा.४वृ.=
२	र	१३	५०	मू	५	४७	गं	४९	२९	कौ	१३	५०	४८	५०	१०	६	१५	१	धनुषि	सावान८ =केतुः२८/५० चंद्रद. संभवः
३	चं	२०	२३	पू	१३	२६	वृ	५१	४९	ग	२०	२३	४६	५१	९	७	१६	२	म.३०।२०	भ. ५३।४७ उ.
४	मं	२६	५४	उ	२१	१	ध्रु	५३	४८	वि	२६	५४	४५	५१	९	८	१७	३	मकरे	भ. २६।५४ या. वक्री बुधः ४६।७
५	बु	३२	३२	श्र	२७	५९	व्या	५५	२८	बा	३२	३२	४४	५१	९	९	१८	४	मकरे	चःपा ६
६	गु	३७	२३	ध	३३	४७	ह	५६	१६	कौ	४	५७	४२	५२	८	१०	१९	५	कु.०।५३	
७	शु	४०	४८	श	३८	५३	व	५५	४८	ग	९	५	४१	५२	८	११	२०	६	कुम्भे	भ. ४०।४८ उ.
८	श	४२	२२	पू	४२	१४	सि	५४	२	वि	११	३५	४०	५२	८	१२	२१	७	मी२६।२४	भ.११।३५ या. पश्चिमास्तो बुधः४५।२७
९	र	४२	३५	उ	४३	५०	व्य	५०	४३	बा	१२	२०	३९	५२	८	१३	२२	८	मीने	वृश्चिके शुक्रः ५३।३५ *ग्रस्तास्तन्च
१०	चं	४०	२६	रे	४३	१६	व	४५	५६	तै	११	३०	३८	५२	८	१४	२३	९	मे.४३।१६	+(सौरः२७/४१)मोक्षदा ११ ब्र. गीता ज.
११	मं	३६	२०	अ	४०	४४	प	३९	२८	व	८	२३	३८	५२	८	१५	२४	१०	मेषे	भ.२६/३ उ.३६/२०या. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः११/३१+
१२	बु	३०	१०	भ	३६	१९	शि	३१	३२	ब	३	१५	३७	५३	७	१६	२५	११	वृ.४९।५०	अनु. शुक्रः ३७।२६ प्रदोषः
१३	गु	२२	३२	कृ	३०	२३	सि	२२	२१	तै	२२	३२	३७	५३	७	१७	२६	१२	बृषे	शतभिषा १ शनिः ५९।१०
१४	शु	१३	४७	रो	२३	१७	सा	१२	५	व	१३	४७	३७	५३	७	१८	२७	१३	मि४९।२५	भ.१३/४७ उ.३९।१ या. खग्रास चंद्रग्रहणम्*
१५	श	४	१६	मृ	१५	३४	शु	२/१६	४८/५०	ब	४	१६	३६	५३	७	१९	२८	१४	मिथुने	दत्त जयंती

३५पं.मा.शु.३चं.इ.१०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	०	६	०	१	७
२१	२१	११	२४	२१	५	२९	२१
४८	१५	१५	४१	३९	५७	५४	३२
५८	५८	५०	२	२९	०	३७	०
६०	२८	१८	१६/१	७३	३	३	६१
५६	५९	५७	ब	८	४४	११	११

गोचरग्रहाः

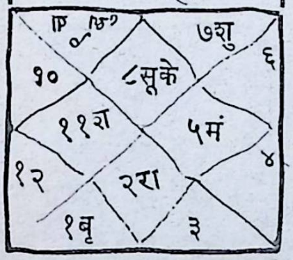

मार्ग.शु.११भौमे धनुष्यर्कः प्र.वा. ३न.३वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

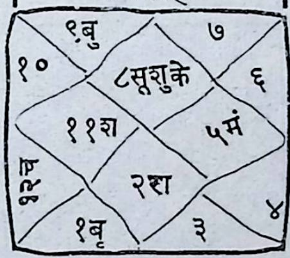

३६पं.मा.शु.१०चं.इ.१०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	०	७	१०	१	७
२८	२४	८	२३	०	६	२९	२८
५५	३	५९	५९	२०	२४	३२	४०
५२	३२	२०	३८	१०	१८	२२	४२
६१	२७	६४/७	५	७३	४	३	६१
०	८	ब	१०	१४	२०	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४५	३	आ	७	४०	ब्र	३९	११	तै	१९	४९	३५/३६	५/३३	५/७	२०	२९	१५	क.४७।३	
३	चं	३६	२०	पु	१०/१	५३/२६	ऐं	२८	३५	व	१०	४१	३६	५३	७	२१	३०	१६	कर्के	भ.१०/४१उ.३६/२०या. वक्री ज्येष्ठा.वृ.बुधः३२/४३+
४	मं	२८	५६	श्ले	४८	१७	वै	१९	२५	ब	२	२	३६	५३	७	२२	१	१७	सिं४८।१७	वक्री भरणी ३ गुरुः ५०।१६
५	बु	२३	२	म	४४	४६	वि	१०	५८	तै	२३	२	३६	५३	७	२३	२	१८	सिंहे	+उफायाँ भौमः २३/४० राष्ट्रीय पौषारम्भः
६	गु	१९	५	पू	४३	८	प्री	६/४	५४/४०	व	१९	५	३७	५३	७	२४	३	१९	कं.५८।१०	भ.१९।५ उ.४६/१या. पूर्वोदयी बुधः६।३७
७	शु	१६	५७	उ	४३	१६	सौ	५४	४५	ब	१६	५७	३७	५३	७	२५	४	२०	कन्यायां	
८	श	१६	४२	ह	४५	१०	शो	५२	३६	कौ	१६	४२	३७	५३	७	२६	५	२१	कन्यायां	
९	र	१८	१७	चि	४८	३८	अ	५१	२८	ग	१८	१७	३८	५२	८	२७	६	२२	तु.१६।५४	भ. ५०।५ उ. ज्येष्ठा. शुक्रः १५।२८
१०	चं	२१	५२	स्वा	५३	४१	सु	५१	५१	वि	२१	५२	३८	५२	८	२८	७	२३	तुलायां	भ.२१/५२या. दृश्यःपूषायांरविः१८/७[सौरः२९/१९]
११	मं	२६	२५	वि	५९	४८	धृ	५२	३५	बा	२६	२५	३९	५२	८	२९	८	२४	वृ.४३।१६	मार्गी बुधः ३८।३८ सफला ११ ब्र.
१२	बु	३१	४६	अ	६०	०	शू	५४	१४	तै	३१	४६	४०	५२	८	३०	९	२५	बृश्चिके	
१३	गु	३८	१२	अ	६	४१	गं	५६	६	ग	४	५९	४०	५२	८	३१	१०	२६	वृश्चिके	भ. ३८।१२ उ. प्रदोषः
१४	शु	४४	२३	ज्ये	१३	५७	वृ	५८	१३	वि	११	१७	४१	५२	८	१	११	२७	ध.१३।५७	भ.१७/११या. जनवरी मा.१ता.३१सन्१९६५
३०	श	५०	५८	मू	२१	३३	ध्रु	६०	०	च	१७	४०	४२	५२	८	२	१२	२८	धनुषि	कन्या. भौमः ७।५

३७पं. पौ.कृ.३ चं.इ.९।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	०	७	१०	१	८
६	२६	०	२३	९	६	२९	५
३	३४	३५	२६	३	५५	१०	५०
२९	१९	२	३८	११	२२	६	८
६१	२४	१२/१७	५८/३	७३	४	३	६१
४	५७	ब	ब	२६	५०	११	२२

गोचरग्रहाः

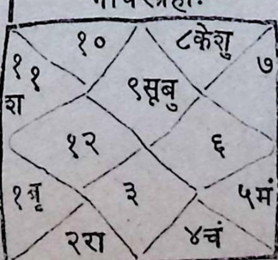

इस मास में ५ रविवार प्रजा में पीड़ा कारक है। धान्यादि वस्तुओं में मंदी होकर तेजी होवे।

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१०चं.इ.९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	०	७	१०	१	८
१३	२८	२१	२३	१७	७	२८	१३
११	४७	७	२०	४६	३०	४७	०
३१	१३	३७	३८	४१	०	५१	०
६१	२१	१०	४३/६	७३	५	३	६१
६	३७	५४	व	३८	२०	११	२६

*बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३९२६स.१९६५
१	र	५७	१३	पू	२९	२	ध्रु	०	२९	किं	२४	५	२५/४३	६/५१	५/९	३	१३	२९	म.४५।५३	
२	चं	६०	०	उ	३६	२५	व्या	२	११	बा	३०	१६	५४	५१	९	४	१४	३०	मकरे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	३	१९	श्र	४३	१८	ह	४	४६	कौ	३	१९	५६	५१	९	५	१५	१	मकरे	रमजान ९ ×[सौरः ३/४६]मार्गी गुरुः ३/२
३	बु	८	४८	ध	४९	२२	व	६	२	ग	९	४८	५७	५१	९	६	१६	२	कुं.१६।२०	भ. ४१।३ उ. मूले धनुषि शुक्रः५८।५८
४	गु	१३	१९	श	५४	४६	सि	६	४६	वि	१३	१९	५९	५०	१०	७	१७	३	कुंभे	भ. १३।१९ या. मूले धनुषि बुधः४४।७
५	शु	१६	४८	पू	५८	५४	व्य	६	५८	बा	१६	४८	५१	५०	१०	८	१८	४	मी४२।५२	
६	श	१९	१	उ	६०	०	व	६	१०	तै	१९	१	५२	५०	१०	९	१९	५	मीने	
७	र	१९	३९	उ	१	३८	प	४	५	व	१९	३९	५४	४९	११	१०	२०	६	मीने	भ. ३/१९ उ ४/५९ या. दृश्यः उषायांरविः ३२/५१×
८	चं	१८	५०	रे	२	५२	शि	४५/०	५५/१८	ब	१८	५०	५६	४९	११	११	२१	७	मे.२।५२	
९	मं	१६	४	अ	२	१४	सा	४९	५५	कौ	१६	४	५८	४८	१२	१२	२२	८	मेषे	
१०	बु	१२	०	भ	३/०	५५/३७	शु	४२	१९	ग	१२	०	२६/१	४८	१२	१३	२३	९	वृ.१४।१७	भ. ३/५९ उ. दृश्यो मकरेऽर्कः ३/५९[सौरः ४/५६]
११	गु	६	१०	रो	५०	४२	शु	३३	४०	वि	६	१०	३	४७	१३	१४	२४	१०	वृषे	भ. ५ ६/० या. पुत्रदा ११ व्र. पातस्पर्शः २२/५०=
१२	गु	५२	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	शु	५०	८	मृ	४३	५८	ब्र	२३	४९	कौ	२४	२७	५	४७	१३	१५	२५	११	मि१७।२०	प्रदोषः
१४	श	४०	४६	आ	३६	२२	ऐं	१३	१३	ग	१५	२५	८	४६	१४	१६	२६	१२	मिथुने	भ. ४०।४६ उ. =पातमोक्षः ४१/५३
१५	र	३०	५५	पु	२८	३३	वै	१ २/०	४६/५५	वि	५	५१	१०	४६	१४	१७	२७	१३	क.१५।३०	भ ५ ५/१ या. पूषायांशुक्रः ३५/० माघ स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.२चं.इ.९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	८	७	१०	१	८
२०	०	२७	२२	२६	८	२८	२०
१९	३	३४	४८	३१	८	२५	९
२६	४२	४८	३६	४४	९	३५	५७
६१	१८	४०/३८	९/२२	७३	५	३	६१
.२	५६	मा	व्र	५०	५०	११	२६

गोचरग्रहाः

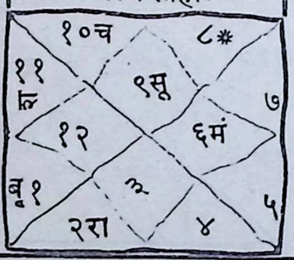

पौष शु. १० बुधे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

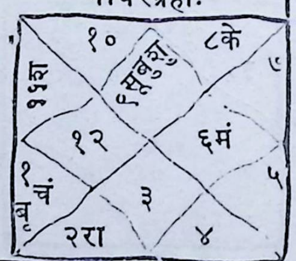

४०प.पौ.शु.८ चं.इ.९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	०	८	१०	१	८
२७	२	४	२२	५	८	२८	२७
२७	५	२२	४४	१७	४९	३	१९
४०	३१	१'	५२	९	४	१९	४९
६१	१४	६४	०/८	७३	६	३	६१
६	२५	४३	मा	५३	१४	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२१	२५	पु	२०	५८	प्री	४०	२७	कौ	२१	२५	२६/१२	४६	५/१४	१८	२८	१४	कर्के	पूषायां बुधः १९।३९
२	मं	१२	४७	श्ले	१४	१२	आ	३०	४४	ग	१२	४७	१५	४५	१५	१९	२९	१५	सिं१४।१२	भ.३९।३ उ. *गुरुः ४/८ षट्तिला ११व्र.
३	बु	५	१९	म	८	४२	सौ	२२	८	वि	५	१९	१७	४५	१५	२०	३०	१६	सिंहे	भ. ५ ५/१९ या. दृश्योऽभि. प्र.रविः १२/०सौ. १७/३३=
४	बु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	५५	५०	पू	३	५५	शो	१५	१	कौ	२७	४२	२०	४४	१६	२१	१	१७	कं.१८।४०	राष्ट्रीय माघारम्भः =च.व्र.
६	शु	५४	१२	उ	२	५६	अ	९	३३	ग	२५	१	२२	४४	१६	२२	२	१८	कन्यायां	भ.५४।१२ उ. शते.२ शनिः २१।१७
७	श	५४	४७	ह	३	१९	सु	५	४६	वि	२४	२९	२५	४३	१७	२३	३	१९	तु.३४।३२	भ.२४/९ या. दृश्यःश्रव. रविः २८/३ सौरः ३३/०
८	र	५७	१८	चि	५	४६	धृ	३	३५	बा	२६	३	२७	४३	१७	२४	४	२०	तुलायां	दृश्योऽभि. नि. रविः २०।५२ सौरः २५/४६
९	चं	६०	०	स्वा	९	५०	शू	२	४	तै	२९	२३	३०	४२	१८	२५	५	२१	वृ.५९।११	
९	मं	१	२८	वि	१५	३८	गं	३	२६	ग	१	२८	३३	४१	१९	२६	६	२२	वृश्चिके	भ.३३।५२ उ. ÷पातमोक्षः ५०/७
१०	बु	६	१६	अ	२२	३१	वृ	४	५४	वि	६	१६	३६	४१	१९	२७	७	२३	वृश्चिके	भ.५ ६/१ या. उषायां बुधः ५४/६ पातस्पर्शः ३२/५÷
११	गु	१३	३३	ज्ये	२९	५४	ध्रु	७	५	बा	१३	३३	३९	४०	२०	२८	८	२४	ध.२९।५४	उषा. शुक्रः १७/३ वक्री भौमः ५६/२ भरणी४*
१२	शु	१९	४०	मू	३७	३१	व्या	९	२५	तै	१९	४०	४२	४०	२०	२९	९	२५	धनुषि	प्रदोष
१३	श	२६	१८	पू	४५	४	ह	११	४७	व	२६	१८	४६	३९	२१	३०	१०	२६	धनुषि	भ.२६/१८उ.५९/२३या.मकरेबुधः ६/४मकरेशुक्र ५३/२१
१४	र	३२	२८	उ	५२	४८	व	१३	५२	श	३२	२८	४९	३८	२२	३१	११	२७	म. २१०	
३०	चं	३८	१५	श्र	५८	५५	सि	१५	४०	च	५	२२	५२	३८	२२	१	१२	२८	मकरे	फरवरी मा. २ ता. २८

४१पं. मा.कृ.१चं.इ.९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	०	८	१०	१	९
४	३	१३	२२	१४	९	२७	४
३५	५	६	५१	२	३२	४१	२९
३१	१६	५४	२१	४५	५२	४	१८
६१	९	७८	१	७४	६	३	६१
३	१७	३९	२०	२	३२	११	१९

४२पं.मा.कृ.९चं इ.२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	०	८	१०	१	९
११	३	२२	२३	२२	१०	२७	११
४२	३३	०	७	४८	१८	१८	३८
५८	०	१३	४८	५०	५४	४८	९
६०	३	८८	३	७४	६	३	६१
५९	६	४८	४	२	४४	११	१३

४३पं.मा.कृ.३०चं.इ.९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	०	९	१०	१	९
१८	३	३	२३	१	११	२६	१८
४९	२७	१८	३३	३४	६	५६	४६
२३	४३	३९	५४	३०	५०	३३	१०
६०	१४/०	९४	४	७४	७	३	६१
५६	ब	४४	८	८	२	११	४

*बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	मं	४३	७	ध	६०	०	व्य	१६	४३	किं	१०	४१	२६/५५	६/३७	५/२३	२	१३	२९	कु.३१।४३
२	बु	४७	३	ध	४	३०	व	१७	२१	बा	१५	५	५९	३६	२४	३	१४	३०	कुंभे
३	गु	५०	८	श	९	२८	प	१७	१०	तै	१८	३५	२७/२	३६	२४	४	१५	१	मी५७।२६
४	शु	५२	२	पू	१३	२५	शि	१५	५९	व	२१	५	६	३५	२५	५	१६	२	मीने
५	श	५२	४७	उ	१६	७	सि	१४	३	ब	२२	२४	९	३४	२६	६	१७	३	मीने
६	र	५२	२२	रे	१७	५४	सा	११	३०	कौ	२२	३४	१३	३३	२७	७	१८	४	मे.१७।५४
७	चं	५०	४०	अ	१८	२९	शु	७	४३	ग	२१	३१	१६	३३	२७	८	१९	५	मेषे
८	मं	४७	५०	भ	१८	३६	शु	५६/३	५४/८	वि	१९	१५	२०	३२	२८	९	२०	६	वृ.२२।५०
९	बु	४३	२९	कृ	१५	३४	ऐं	५०	१३	बा	१५	४०	२४	३१	२९	१०	२१	७	वृषे
१०	गु	३७	५८	रो	१२	११	वै	४२	१३	तै	१०	४४	२७	३१	२९	११	२२	८	मि३९।५७
११	शु	३१	२३	मृ	७	४२	वि	३३	१४	व	४	४०	३१	३०	३०	१२	२३	९	मिथुने
१२	श	२३	३८	आ	२/०	५३/४४	प्री	२२	५४	बा	२३	३८	३५	२९	३१	१३	२४	१०	क.४०।४४
१३	र	१५	१३	पु	४८	४७	आ	१३	५३	तै	१५	१३	३८	२८	३२	१४	२५	११	कर्के
१४	चं	६	१८	श्ले	४२	७	सौ	२८/३	५/०	व	६	१८	४२	२८	३२	१५	२६	१२	सिं४२।७
१५	चं	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३९५६ स.१९६५

चन्द्रदर्शनम्
सव्वाल१० *सौरः ३/२ ६/१ श्रवणे बुधः ३४/६
भ. २१/४ उ. ५३ या. दृश्योर्धनिष्ठा. रविः ३६/४४*
मृग.१ राहुः ज्येष्ठा३ केतुः ३/६ ३/५ पूर्वास्तो+
श्रवणे शुक्रः ५३/६८ +बुधः ०।३९ वसंत५
भ. ५०।४० उ. भानु ७ रथ ७
भ. १९/६५ या. अस्तं शनेः १६/८ भीष्माष्टमी

×(सौरः १३।१८) जया ११ व्र.
भ. ४।४० उ. ३३/२१ या. दृश्यः कुंभेऽर्कः ११/५९×
धनिष्ठा. बुधः ३७।३८ प्रदोषः

भ.६।१८ उ.३२।३ या. माघस्नान पूर्तिः

४४पं. मा.शु.७चं.इ.१०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	०	९	१०	१	९
२५	२	१४	२४	१०	११	२६	२५
५५	५१	२२	९	१९	५६	३४	५२
१६	२५	४१	६	५२	१३	१७	५७
६०	११/२५	७/०	५	७४	७	३	६०
४७	ब	२०	२३	२०	१४	११	५५

गोचरग्रहाः

माघ शु. ११ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ नं. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्याभाव सम) शुक्रोदयं पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

४५पं.मा.शु.१४चं.इ.१०।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	०	९	१०	१	१०
३	१	२६	२४	१९	१२	२६	२
०	३१	५	५२	४	४६	१२	५९
४	१९	२०	८	३०	२२	१	०
६०	२०/७	७/०	६	७४	७	३	६०
३७	ब	८	२६	२०	२०	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	मं	४१	५६	म	३६	८	अ	४४	२२	बा	२३	५६	२७/४६	६/२७	५/३३	१६	२७	१३	सिहे
२	बु	४३	२६	पू	३१	४	सु	३६	७	तै	१६	४१	५०	२६	३४	१७	२८	१४	कं.४५।१३
३	गु	३८	२६	उ	२७	४१	धृ	२९	८	व	१०	५६	५४	२५	३५	१८	२९	१५	कन्यायां
४	शु	३५	२५	ह	२६	१०	शू	२३	५२	ब	६	५६	५८	२४	३६	१९	३०	१६	तु.५६।३४
५	श	३४	३८	चि	२६	५९	गं	२०	११	कौ	५	१	२/६	२४	३६	२०	१	१७	तुलायां
६	र	३५	५४	स्वा	२९	३८	वृ	१८	१७	ग	५	१६	६	२३	३७	२१	२	१८	तुलायां
७	चं	३९	१४	वि	३४	६	ध्रु	१८	१	वि	७	३४	१०	२२	३८	२२	३	१९	वृ.१७।५९
८	मं	४४	१	अ	४०	११	व्या	१९	२	बा	११	३८	१४	२१	३९	२३	४	२०	वृश्चिके
९	बु	५०	१७	ज्ये	४७	२७	ह	२०	२०	तै	१७	९	१८	२०	४०	२४	५	२१	ध.४७।२७
१०	गु	५६	२८	मू	५४	५६	व	२२	३५	व	२३	२२	२२	२०	४०	२५	६	२२	धनुषि
११	शु	६०	०	पू	६०	०	सि	२५	५	ब	२९	४५	२६	१९	४१	२६	७	२३	धनुषि
११	श	३	२	पू	२	३८	व्य	२७	७	बा	३	२	३०	१८	४२	२७	८	२४	म.१९।११
१२	र	९	१०	उ	८	५०	व	२९	१३	तै	९	१०	३४	१७	४३	२८	९	२५	मकरे
१३	चं	१४	४४	श्र	१६	२५	प	३०	११	व	१४	४४	३८	१६	४४	१	१०	२६	कुं.५०।३
१४	मं	१९	६	ध	२३	४२	शि	३०	२२	श	१९	६	४२	१६	४४	२	११	२७	कुंभे
३०	बु	२२	१०	श	२६	८	सि	२९	४९	ना	२२	१०	४६	१५	४५	३	१२	२८	कुंभे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

कुंभे बुधः२१।४० *४८/४० धनिष्ठा शुक्रः ३६/२२
भ.१०/५६ उ.३६/२६ या. दृश्यःशते रविः४८/२० सौरः*
शते ३ शनिः ४८।४८ च. व्र.
राष्ट्रीय फाल्गुनारम्भः
भ. ३५।५४ उ. शते बुधः १२।३४
भ. ७।३४ या. वक्री सिंहे भौमः११।३०
कुंभे शुक्रः ५५।४९
+शते शुक्रः १५/४५ महाशिवरात्री व्र. स्मा.
भ. २३।२२ उ. ५६।२८ या.
विजया ११ व्र. स्मा.
पूर्वास्तंशुक्रः ३३/१२ विजया११व्र.वै. पू.अ.शु.
पू.बुधः २१/३९ कृत्तिका.१ गुरुः ५६/६ प्रदोषः
भ.१४/४४ उ.४६।५५ या. मार्चमा.३ता.३१+
महाशिवरात्री व्र. वै.
वक्री पूफायां भौमः ४२।४१

४६पं. फा.कृ.७चं.इ.१०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	०	९	१०	१	१०
१०	०	८	२५	२७	१३	२५	१०
३	०	२८	४३	४९	३७	४९	३
३२	२८	४	५	१९	१९	४६	३३
६०	३/७	७/०	७	७४	७	३	६०
२५	ब	५८	२६	२६	२०	११	३१

गोचरग्रहाः

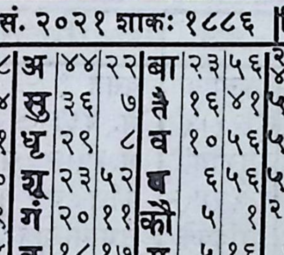

इस मास में प्रजा में रोग भय होवे रस पदार्थ तेज। अनाज गल्ला भी तेज होव ।

गोचरग्रहाः

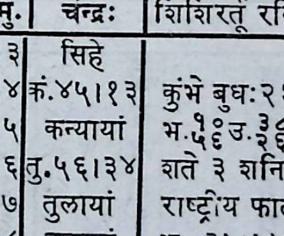

४७पं.फा.कृ.१३चं.इ.१०।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	०	१०	१०	१	१०
१७	२८	२१	२६	६	१४	२५	१७
५	२	३४	४१	३३	२८	२७	६
४६	४२	४	४४	५०	५९	३०	२२
६०	३२/४०	७/०	८	७४	७	३	६०
१२	ब	५३	३२	२६	२०	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंततूंरविरुत्तरेऽहर्गणः ३९८६ स.१९६५
१	गु	२३	५९	पू	२९	९	सा	२८	१३	ब	२३	५९	२८/५०	६/१४	५/४६	४	१३	२९	मी१३।२४	दृश्यःपूभायांरविः २४/५ सौरः ३/२७ चंद्रदर्शनम्
२	शु	२५	७	उ	३१	१४	शु	२५	५०	कौ	२५	७	५४	१३	४७	५	१४	१	मीने	मीने बुधः ३६/५५ फुलरिया२ जिल्काद११
३	श	२४	३२	रे	३२	९	शु	२२	२४	ग	२४	३२	५८	१२	४८	६	१५	२	मे.३२।९	भ. ५३।५७ उ.
४	र	२३	२२	अ	३२	२०	ब्र	१८	१२	वि	२३	२२	२/९	१२	४८	७	१६	३	मेषे	भ. २३।२२ या. उभायां बुधः १३।५६
५	चं	२१	१०	भ	३१	३५	ऐं	१३	४६	बा	२१	१०	६	११	४९	८	१७	४	बृ.४६।११	
६	मं	१८	५	कृ	२९	५९	वै	८	२४	तै	१८	५	१०	१०	५०	९	१८	५	वृषे	
७	बु	१४	२७	रो	२७	४८	वि	२/१६	५३/२७	व	१४	२७	१४	९	५१	१०	१९	६	मि५६।१६	भ.१४/२७ उ.४२/१४ या. पश्चिमोदयी बुधः ३६/४३
८	गु	१०	१	मृ	२४	४४	आ	४८	३४	ब	१०	१	१९	८	५२	११	२०	७	मिथुने	पूभायां शुक्रः ५७।५७ होलाष्टक
९	शु	४	५१	आ	२०	२१	सौ	४०	४१	कौ	४	५१	२३	७	५३	१२	२१	८	मिथुने	
१०	शु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	✱रेवत्यां बुधः ३९/१२ आमलकी ११व्र. वै.
११	श	५२	२९	पु	१६	४०	शो	३२	२९	व	२५	४६	२७	७	५३	१३	२२	९	क.२।३५	भ.२५/४६ उ.५२/२९ या. आमलकी११व्र. स्मा.
१२	र	४५	२३	पु	११	५४	अ	२३	४९	ब	१८	५६	३२	६	५४	१४	२३	१०	कर्के	दृश्यां मीनेऽर्कः ५।२२ (सौरः ३।४७)✱
१३	चं	३८	२९	श्ले	६	४०	सु	१५	१७	कौ	११	५६	३६	५	५५	१५	२४	११	सिं६।४०	उदयं शनेः १६।३० प्रदोषः
१४	मं	३१	३४	म	१/३९	५५/२८	धृ	६/३९	५२/४	ग	४	३१	४०	४	५६	१६	२५	१२	सिंहे	भ.३१/३४ उ.५८/३१ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरं
१५	बु	२५	२९	उ	५३	३८	गं	५१	३६	ब	२५	२९	४४	३	५७	१७	२६	१३	कं.१०।०	दृश्यउभायांरविः ३६/२६ सौरः २४।२३छारेंडी

४८पं. फा.शु.५चं.इ.११।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	०	१०	१०	१	१०
२४	२३	५	२७	१५	१५	२५	२४
६	४७	६	४३	१७	२०	५	७
२९	५३	५०	५	२७	१७	१५	४५
५९	३५/१६	[illegible]	९	७४	७	३	६०
५८	ब	८	२०	२६	२०	११	६

गोचरग्रहाः

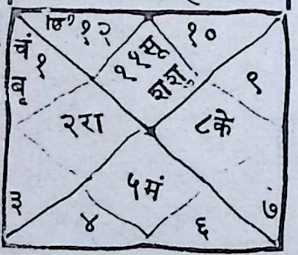

फाल्गुनशु.१२रवौ
मीनेऽर्कः प्र.वा.३
न. २ वालावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व.

गोचरग्रहाः

४९पं.फा.शु.१२चं.इ.११।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	१०	१०	१	११
१	२३	१७	२८	२४	१६	२४	१
५	२८	३३	५६	०	१०	४२	७
४२	५	५७	५२	२१	८	५९	२७
५९	३१/३९	०/०	१०	७४	७	३	५९
४१	व	२४	८	३२	१४	११	४९

ति.	प्र. चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२१ शाकः १८८६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंततूंरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२०	२४	ह	५१	१७	वृ	४५	४१	कौ	२०	२४	२९/४९	६/०	५/५८	१८	२७	१४	कन्यायां	वसंत १
२	शु	१७	२८	चि	५०	५४	ध्रु	४१	५	ग	१७	२८	५३	१	५९	१९	२८	१५	तु.२१।५	भ. ४६।२७ उ. शते. ४ शनिः २२।१८
३	श	१५	२७	स्वा	५२	२०	व्या	३८	६	वि	१५	२७	५७	१	५९	२०	२९	१६	तुलायां	भ.१५।२७ या. मीने शुक्रः०।५१ च.व्र.
४	र	१५	४३	वि	५५	४३	ह	३६	५३	बा	१५	४३	३/९	६/०	६/०	२१	३०	१७	वृ.५२।५२	कृत्ति. वृषे गुरुः ३।१
५	चं	१८	४	अ	६०	०	व	३६	३४	तै	१८	४	६	५/५९	१	२२	१	१८	वृश्चिके	उभायां शुक्रः ४१/५१ राष्ट्रीय चैत्र मास१८८७
६	मं	२२	७	अ	०	३९	सि	३७	३८	व	२२	७	१०	५८	२	२३	२	१९	वृश्चिके	भ. २२।७ उ. ५४।५३ या.
७	बु	२७	३९	ज्ये	७	११	व्य	३९	३४	ब	२७	३९	१४	५७	३	२४	३	२०	ध.७।११	
८	गु	३३	४२	मू	१४	२०	व	४१	४३	बा	०	४०	१८	५६	४	२५	४	२१	धनुषि	अश्वि. मेषे बुधः३४।३० शीतलापूजनम्
९	शु	४०	४	पू	२१	५७	प	४४	४१	तै	६	५३	२३	५५	५	२६	५	२२	म.३८।४८	
१०	श	४६	११	उ	२९	२१	शि	४६	९	व	१३	८	२७	५५	५	२७	६	२३	मकरे	भ. १३।८ उ. ४६।११ या.
११	र	५१	३३	श्र	३६	८	सि	४७	३१	ब	१८	५२	३१	५४	६	२८	७	२४	मकरे	पापमोचनी११व्र. ✱पश्चिमास्तो बुधः १/७
१२	चं	५५	३८	ध	४१	३५	सा	४७	५१	कौ	२३	३५	३५	५३	७	२९	८	२५	कुं.८।५२	वक्री बुधः १४/१८ ×सौरः ५१/५१ प्रदोषः
१३	मं	५८	२३	श	४५	५१	शु	४७	२	ग	२७	१	३९	५२	८	३०	९	२६	कुम्भे	भ.५३/४६उ.दृश्यो रेवत्यां रविः ५४/९ दृष्यः ५४/९×
१४	बु	५९	२९	पू	४८	२५	शु	४५	५	वि	२८	५६	४४	५१	९	३१	१०	२७	मी३२।४७	भ. ५६/६ या. वक्री रेवत्यां मीने बुधः ५८/०✱
३०	गु	५९	८	उ	४९	४१	ब्र	४१	५८	च	२९	१९	४८	५०	१०	१	११	२८	मीने	अप्रेल मा. ४ ता. ३० मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.५ चं.इ.११।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	१	११	१०	१	११
८	२१	२६	०	२	१६	२४	८
३	१०	३५	१२	४२	५९	२०	५
१८	१९	४९	२५	३९	५२	४३	२२
५९	३६/३७	६०	१०	७४	७	३	५९
२९	व	२६	५०	३२	२	११	३५

गोचरग्रहाः

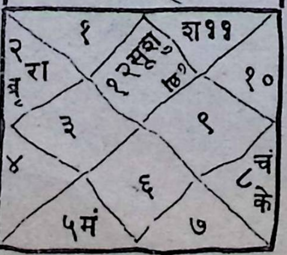

इस मास का फल
श्रेष्ठ है। प्रजामें
सुख शांति रहे।
चैत्र में वर्षा होना
श्रेष्ठ नहीं है।

गोचरग्रहाः

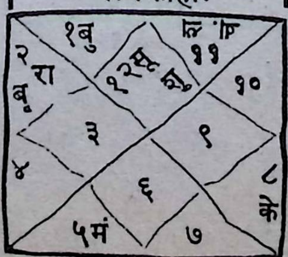

५१पं.चै.कृ.१२ चं.इ.१२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	०	१	११	०	१	११
१४	१९	०	१	११	१७	२३	१५
५९	६	२	३२	२४	४८	५८	१
१३	३२	२०	२७	१८	२१	२८	२७
५९	३१/४१	०	११	७४	६	३	५९
१६	व	१०	२०	३२	५०	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६६ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६६ भोग्यकलिः ४२६९३४ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२२ शाकः १८८७ अथास्मिन्वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री भौमः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चन्द्रः । रसेशो शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चंद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १२ कालनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः ५।५।१३।५५ भोग्यमासादिः ६।२४।४६।५ । नासत्यदैवतंयुगम् । वर्ष नाम कार्तिकः । मेघ नाम २ संवर्तः । रोहिणी निवासतस्टे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं दर्दुरः । स्तम्भ ३ अन्नजल तृणानाम् । सोमवत्यमां सोमवती पंचमी । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी । समय मुहूर्ताः ४२० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः १२ । उत्पत्तिविश्वा ९९ । खपतिविश्वा १२६ । वर्षाविश्वा १५ । धान्यम् ९ । तृणम् ९ । शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०३ । सत्यं ।।, धर्मं १।।, पाप१८ । ग्रहणं १ सूर्यस्य भारते । ज्येष्ठ शुक्ले १५ चन्द्रे सुदूर पश्चिम देशे प्रातः ग्रस्ताऽस्तं चंद्र ग्रहणम् । स्पर्श रे. ६।३१ मोक्षः ८।९ ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

मार्ग. कृ. ३० भौमे ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	१	३	७
	प.	१२	५६	१९
रेल्वे टाइम	घं.	६	८	९
	मि.	५६	१	२३

वर्षं लग्नम् ११।१२

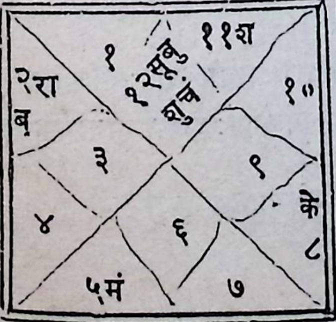

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी तू जग सर्जन हार ।
संवत्सर बाईस का कहो शुभाशुभ सार ॥

भवानी उत्तर

माता बोली प्रेम से सुन भैरव दे ध्यान ।
दशाधिकारी योग से फल उत्तम तूं जान ॥
राजा तो भृगु देव है मंत्री मंगल जानि ।
उत्तम फल होते हुये करें मध्य में हानि ॥
समय निवासो रजक घर रोहिणी तट निर्धार ।
मेघाधिप के योग से वर्षे मूसलधार ॥
वर्षा बिश्वा पंचदश स्तंभ बने हैं तीन ।
संवत् अच्छा होयगा इसमें मेष न मीन ॥
ज्येष्ठ धान्य संग्रह करो लाभ चौगुणा होय ।
रस कस भी तेजी रहे संशय करो न कोय ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जानें वही जो हैं जग करतार ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ५।१२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२१।२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्-शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला स्वतीव्र वेगा सरितोम्बु राशिभिः । फलंति वृक्षाः बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुताः ।। मंत्री भौमस्तत्फलम्-अवनिजो ननु मंत्रि पदं गतो भवति दस्यु गदादिज वेदनाः । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विज कर्म च ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम्-शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां. मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षुधन प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ।। धान्येशः बुधस्तत्फलम्-बुधे धान्याधिपे मेघाः जलं मुंचन्ति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशेच माधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-शशिनि तोयदपे यदि गो महिष्यजवरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशश्शनिस्तत्फलम्-रविसुते रसपे रस संक्षयोनजलदागददाश्च पयोधराः । अज गवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरान्नरसैर्युताः ।। नीरसेशो गुरुस्तत्फलम्-हरिद्रापीतवस्तूनां पीतवस्त्रादिकञ्च यत् । नीरसेशो यदा जीवो सर्वेषां प्रीतिरुत्तमाः ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुता व्रतिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुस्तत्फलम्-सुमनसांचगुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपरा सुखभाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्य युता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-गढ़पतिर्मृगलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवराः नरवर्गित विग्रहाः ।। वर्षनाम कार्तिकस्तत्फलम्-पाप बुद्धिरताः लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यं च तस्करैर्हृतम् ।। संवर्त नाम मेघस्तत्फलम्-संवर्ते जल पूरिताः ।। काला नाम संवत्सरस्तत्फलम्-वत्सरे कालयुक्ताख्ये सुखिनः सर्वजन्तवः । ततोपि संति सस्यानि प्रचुराणि तथा गदाः ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम्-तटे-वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम्-रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०२२ शाके१८८७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शु. १० चंद्रे उफा. ल. १२ रे. ७ ऽ।।।।ऽरोऽ।। शु. श. पूज्यौ
,, ११भौमे हस्ते ल. अन्यगो. १२ रे.८ ऽऽ।।।।।।। मीनेशुक्र शनि पूज्यौ

आषाढ़ मासः

कृ. ८ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽ।ऽ।ऽ दग्धा.
शु. ४ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।।
,, ९ बुधे स्वा. ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽल.ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृ. ८ भौमे मघा. ल. ६ रे. ७ ऽ।।।ऽऽ।। घ. ५२ या.
,, १० गुरौ हस्ते ल. ७ रे. ९ ।।।।।ऽ।। शु. पू.
,, ११ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो. रे.८।।।।।ऽऽ।। शु.भौ.८ दोषः
शु. ९ गुरौ उभायां ल.६ रे. ९ ।।।।ऽरो।।।। चं. ७ पू.
,, १० शुक्रे उभा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽरो।।ऽ भौ.८ दोषः

माघ मासः

कृ. ८ शुक्रे स्वा. ल. ६ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
शु. १० भौमे रोहि. ल. गो. रे.६ ।।ऽशुऽके।ऽऽ। भौ.८ दोषः पादतोवेधा भावः गणितेन क्रां.साम्या भावः आव.

फाल्गुन मासः

कृ. ३ भौमे उफायां ल. गो. रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।। भौम८दोषः
,, १० चंद्रे मूले ल. १० रे. ६ ।ऽ।ऽऽअ.।ऽ।। आवश्यके
, ११ भौमे मूले ल. अन्यगो. रे. ७ ।ऽ।ऽ।ऽ।। भौम७ दोषः
शु. ३ बुधे रेवत्यां ल.१०रे.७मं।।।ऽअ.।।।ऽ दग्धा.आवश्यके

चैत्र मासः

कृ. ४ गुरौ स्वा.ल.गो. रे.६।।।।ऽरो।ऽऽऽभौ.८दोषः गणितेन क्रांति साम्याऽभावः दग्धा. आवश्यके

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	घसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०१५ स.१९६५
१	शु	५७	२२	रे	४९	४६	ऐं	३७	५२	किं	२८	१५	३०/५२	५/५०	६/१०	२	१२	२९	मे.४९।४६	रेव. शुक्रः ३/२७ संवत्सरारम्भः नवरात्रा.
२	श	५४	३७	अ	४७	३६	वै	३३	४	बा	२५	५९	५६	४९	११	३	१३	३०	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	५१	१	भ	४५	४४	वि	२७	२२	तै	२२	४९	३१/००	४८	१२	४	१४	१	मेषे	मत्स्य ज. गणगौरी जिल्हेज १२
४	चं	४६	४३	कृ	४४	८	प्री	२०	५६	व	१८	५१	४	४७	१३	५	१५	२	बृ.०।५०	भ. १८।५१ उ. ४६।४३ या.
५	मं	४२	१०	रो	४१	२५	आ	१४	३५	ब	१४	२७	८	४६	१४	६	१६	३	बृषे	
६	बु	३७	१३	मृ	३८	१४	सौ	८	१०	कौ	९	४१	१२	४६	१४	७	१७	४	मि९।४९	कृतिका. ३ गुरुः ९।५७
७	गु	३२	१५	आ	३५	९	शो	१/५५	५२/५३	ग	४	४४	१६	४५	१५	८	१८	५	मिथुने	भ. ३२।१५ उ. ५९।४४ या.
८	शु	२७	१३	पु	३१	५०	सु	४७	२	ब	२७	१३	२०	४४	१६	९	१९	६	क.१७।४०	
९	श	२१	४८	पु	२८	१८	धृ	३९	४४	कौ	२१	४८	२४	४३	१७	१०	२०	७	कर्के	रोहि.४ राहुः ज्येष्ठा.२केतुः ३६/४० रामनवमी
१०	र	१६	२८	श्ले	२४	४७	शू	२२	३८	ग	१६	२८	२८	४२	१८	११	२१	८	सिं२४।४९	भ. १६।२८ उ. ४३।४९ या.
११	चं	११	१०	म	२१	२२	गं	२५	३९	वि	११	१०	३२	४२	१८	१२	२२	९	सिंहे	कामदा ११ व्रतम्
१२	मं	६	६	पू	१८	३०	वृ	१९	४	बा	६	६	३६	४१	१९	१३	२३	१०	कं.३२।५३	दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः ३८/१४ (सौरः ३६/२५) मेषे×
१३	बु	१	३२	उ	१६	३	ध्रु	१३	५	तै	१	३२	४०	४०	२०	१४	२४	११	कन्यायां	भ.५७।३४ उ. ×शुक्रः ५३/५१ प्रदोषः
१४	बु	५६	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	गु	५४	४६	ह	१४	२३	व्या	७	२०	वि	२६	१०	४३	३९	२१	१५	२५	१२	तु.४४।१५	भ.२६।१०या. हनुमज्जयंती मन्वादिः

५२पं. चै.शु.४चं.इ.१२।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	१	११	१०	१	११
२१	१७	२७	२	२०	१८	२३	२१
५३	३०	४२	५६	५	३५	३६	५५
३१	११	५५	२८	१७	१३	१२	३८
५९	१३/४९	३२/२३	११	७४	६	३	५९
४	ब	ब	५६	३८	३१	११	४

गोचरग्रहाः

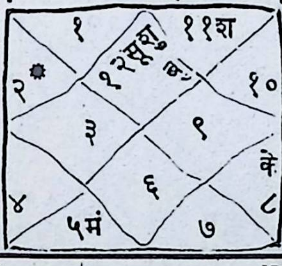

चैत्र शु.१२ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.५गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शुक्रास्तः पूर्व.

गोचरग्रहाः

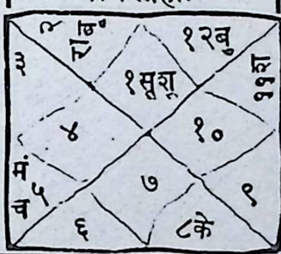

१पं. चै.शु.१२मं.इ.२८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
०	१६	२१	४	०	१९	२३	०
०	१७	३९	३५	१९	२७	१०	१
०	२	५०	१७	८	२२	२२	४७
५८	४/१७	३५/४६	१२	७४	६	३	५८
४४	ब	ब	२५	३८	१६	११	४४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५३	२४	चि	१४	४	ह	३/५८	५६/३८	बा	२४	५	३५/४७	५/३९	६/२१	१६	२६	१३	तुलायां	पूर्वोदयी बुधः २५।५५
२	श	५३	३८	स्वा	१५	२	सि	५८	७	तै	२३	३१	५१	३८	२२	१७	२७	१४	तुलायां	
३	र	५५	३७	वि	१७	५२	व्य	५७	२	व	२४	३८	५५	३७	२३	१८	२८	१५	बृ.२।१०	भ.३४/३८ उ.५५/३७या. मार्गी भौमः ३६/५६ पूभा.१*
४	चं	५९	१	अ	२२	१३	व	५७	३८	ब	२७	१९	५८	३६	२४	१९	२९	१६	बृश्चिके	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	६०	०	ज्ये	२८	१	प	५९	२	कौ	३१	३३	३२/२	३६	२४	२०	३०	१७	ध.२८।१	
५	बु	४	५	मू	३४	३७	शि	६०	०	तै	४	५	६	३५	२५	२१	१	१८	धनुषि	राष्ट्रीय वैशाखारम्भः *शनिः ४८/३५
६	गु	९	१८	पू	४२	५	शि	०	५९	व	९	१८	१०	३४	२६	२२	२	१९	म.५८।५७	भ.९।१८ उ.४२/३८या. कृति.४ गुरुः५८।९
७	शु	१५	५८	उ	४९	३४	सि	३	२५	ब	१५	५८	१४	३३	२७	२३	३	२०	मकरे	भरण्यां शुक्रः ५८।३१
८	श	२२	११	श्र	५६	४४	सा	५	४१	कौ	२२	११	१७	३३	२७	२४	४	२१	मकरे	मार्गी बुधः १६।५५
९	र	२७	४५	ध	६०	०	शु	७	१४	ग	२७	४५	२१	३२	२८	२५	५	२२	कुं.२९।४८	भ. ५९।५६ उ.
१०	चं	३२	७	ध	२	५३	शु	८	३४	वि	३२	७	२५	३१	२९	२६	६	२३	कुम्भे	भ. ३२।७ या. =वरूथिनी ११ व्रतम्
११	मं	३४	५२	श	७	४०	ब्र	८	२९	ब	३	३०	२९	३०	३०	२७	७	२४	मी५४।५४	दृश्योभरण्यां रविः ८।३० (सौरः ७।४३)=
१२	बु	३६	२	पू	१०	३९	ऐं	६	५४	कौ	५	२७	३२	३०	३०	२८	८	२५	मीने	
१३	गु	३५	९	उ	१२	५	वै	४/४	५५/३०	ग	५	३५	३६	२९	३१	२९	९	२६	मीने	भ. ३५।९ उ. प्रदोषः
१४	शु	३२	३२	रे	११	४४	प्री	५३	५७	वि	३	५१	४०	२८	३२	३०	१०	२७	मे.११।४४	भ. ३।५१ या.
३०	श	२८	३५	अ	९	४६	आ	४७	२१	च	०	३३	४३	२७	३३	१	११	२८	मेषे	**मई मा. ५ ता. ३१**

२पं. वै.कृ.५मं.इ.२८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
६	१५	१९	६	८	२०	२२	६
५०	५८	२२	७	५८	९	४८	५१
४२	१८	१	५५	४८	४३	६	५८
५८	१३/३३	१५/२५	१२	७४	५	३	५८
३१	मा	ब	५०	३८	५०	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा में भय हो, धान्य रुई अफीम चांदी सोना गुड़ खांड तेज सुदी में तेल तेज रहे।

गोचरग्रहाः

३पं. वै.कृ.११मं.इ.२८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	१	०
१३	१६	१९	७	१७	२०	२२	१३
३९	११	४३	४२	३८	४८	२५	४०
४३	४६	३७	५०	१७	५८	५१	२३
५८	७	१३/४	१३	७४	५	३	५८
१७	४०	मा	११	३२	२४	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४५ सन् १९६५
१	र	२३	१२	भ	६	४०	सौ	३९	५४	ब	२३	१२	३२ ४७	५ २७	६ ३३	२	१२	२९	वृ.२०।३९	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	१७	४	कृ	२ ३९	५५ ३४	शो	३२	७	कौ	१७	४	५१	२६	३४	३	१३	१	वृषे	परशुराम ज. मोहोरम१ सन्१३८५ हि.
३	मं	१०	४०	मृ	५३	४६	अ	२४	०	ग	१०	४०	५४	२५	३५	४	१४	२	मि२५।५८	भ. ३७ २६ उ. कृत्ति. शुक्रः ४८।२ अक्षया३
४	बु	४	१२	आ	४९	२०	सु	१६	१	वि	४	१२	५७	२५	३५	५	१५	३	मिथुने	भ.१ ४ २ या. ×शुक्रोदयः पश्चिमायां २६ २४
५	बु	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	प.उ.शु.
६	गु	५२	२	पु	४५	१८	धृ	८	३०	कौ	२५	५	३ ३ ५	२४	३६	६	१६	४	क.३१।१७	
७	शु	४६	२३	पु	४१	४७	शू	१ ५	५२ ५१	ग	१९	१३	४	२३	३७	७	१७	५	कर्के	भ.४६ २३ उ. वृषेशुक्रः २९ २ रोहि.१ गुरुः ३९ ४×
८	श	४१	२३	श्ले	३८	४१	वृ	४७	२०	वि	१३	५३	७	२३	३७	८	१८	६	सिं३८।४१	भ. १३।५८ या. पातस्पर्शः ४७।२४
९	र	३७	०	म	३६	११	ध्रु	४१	१३	बा	९	१२	१०	२२	३८	९	१९	७	सिंहे	पातमोक्षः १।२ ●मेषे बुधः ३४ ४५
१०	चं	३३	११	पू	३४	२१	व्या	३५	३८	तै	५	५	१३	२१	३९	१०	२०	८	कं.४९।२	दृश्यः कृत्तिका. रविः ५४ २५ (सौरः ५५ ४०)
११	मं	३०	४	उ	३३	४	ह	३०	४७	व	१	३७	१६	२१	३९	११	२१	९	कन्यायां	भ.१।३७ उ.३०।४ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	बु	२७	३४	ह	३२	३६	व	२६	३१	बा	२७	३४	१९	२०	४०	१२	२२	१०	कन्यायां	प्रदोष व्र.
१३	गु	२६	१६	चि	३३	१८	सि	२२	५९	तै	२६	१६	२२	२०	४०	१३	२३	११	तु.२।५७	नृसिंह जयंती =(सौरः ३३ २८)
१४	शु	२५	५६	स्वा	३५	१३	व्य	२०	१२	व	२५	५६	२५	१९	४१	१४	२४	१२	तुलायां	भ. २५ ५६ उ. ५६ २३ या. दृश्यो वृषेऽर्कः २१ ४०=
१५	श	२६	५०	वि	३८	३	व	१८	४५	ब	२६	५०	२८	१८	४:	१५	२५	१३	वृ.२२।२०	रोहि. शुक्रः ३९।१३ अन्नजल कुंभदानम्

४पं. वै.शु. ३मं.इ.२९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	१	०	१०	५	०
२०	१६	२४	९	२६	२१	२२	२०
२७	५८	२	१७	१६	२४	३	२७
२२	१२	३८	४६	२३	२९	३५	३
५८	१२	४३	१३	७४	४	३	५७
६	५२	५०	२०	३२	५८	११	५७

गोचरग्रहाः

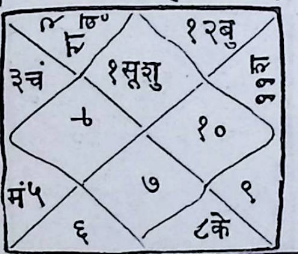

वैशाखशु.१४शुक्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव महर्घता) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

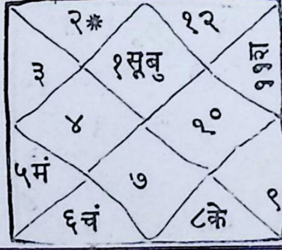

५पं. वै.शु. ११मं.इ.२९।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	१	१	१०	१	०
२७	१८	६	१०	४	२१	२१	२७
१३	१५	१४	५३	५३	५६	४१	१२
३४	५०	२०	४२	४६	५३	२०	१७
५७	१'२	६९	१३	७४	४	३	५७
५४	४०	११	२८	३०	३५	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२९	७	अ	४२	२४	प	१८	०	कौ	२९	७	३ ३०	५ १८	६ ४२	१६	२६	१४	वृश्चिके	
२	चं	३३	३७	ज्ये	४७	४७	शि	१८	८	तै	१	२२	३३	१७	४३	१७	२७	१५	ध.४७।४७	
३	मं	३७	३४	मू	५४	१६	सि	१९	३१	व	५	३५	३६	१७	४३	१८	२८	१६	धनुषि	भ. ५।३५ उ. ३७।३४ या.
४	बु	४२	५४	पू	६०	०	सा	२१	१६	ब	१०	१४	३९	१६	४४	१९	२९	१७	धनुषि	अस्तं गुरोः ३३।० च. व्र. गु. अ.
५	गु	४९	०	पू	१	२०	शु	२३	३७	कौ	१५	५७	४१	१६	४४	२०	३०	१८	म.१८।१५	भरण्यां बुधः ४७।३
६	शु	५५	२०	उ	८	५९	शु	२६	१४	ग	२२	१०	४३	१५	४५	२१	३१	१९	मकरे	भ. ५५।२० उ. +ज्येष्ठारम्भः
७	श	६०	०	श्र	१६	२९	ब्र	२८	२७	वि	२८	१९	४६	१५	४५	२२	१	२०	कुं.४९।५५	भ. ३६ १९ या. रोहि. २ गुरुः ४।८ राष्ट्रीय+
७	र	१	१८	ध	२३	२१	ऐं	३०	१४	ब	१	१८	४८	१४	४६	२३	२	२१	कुम्भे	
८	चं	६	३	श	२३	९	वै	३१	२	कौ	६	३	५०	१४	४६	२४	३	२२	कुम्भे	दृश्यो रोहि. रविः ४५।१५ (सौरः ४९ ३७)
९	मं	९	३१	पू	३३	२६	वि	३०	२७	ग	९	३१	५२	१४	४६	२५	४	२३	मी१७।२२	भ. ४०।२४ उ.
१०	बु	११	१७	उ	३५	५२	प्री	२८	३२	वि	११	१७	५४	१३	४७	२६	५	२४	मीने	भ. ११।१७ या. मृगे शुक्रः २७।४२
११	गु	१०	५७	रे	३६	१२	आ	२४	५३	बा	१०	५७	५६	१३	४७	२७	६	२५	मे.३६।१२	अपरा ११ व्र.
१२	शु	८	३२	अ	३४	३७	सौ	१९	५७	तै	८	३२	५८	१२	४८	२८	७	२६	मेषे	कृत्ति. बुधः १७।५१ प्रदोषः
१३	श	४	२३	भ	३१	२४	शो	१३	११	व	४	२३	३४ ०	१२	४८	२९	८	२७	वृ.४५।१०	भ.४।२३ उ. ३१ २५ या. वृषे बुधः ।१५।१०
१४	श	५४	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	५१	७	कृ	२६	२९	अ	५ २३	५१ ४०	च	२४	४६	२	१२	४८	३०	९	२८	वृषे	वट पूजनम्

६पं. ज्ये.कृ.३मं.इ.२३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	१	१	१०	१	१
३	१९	१०	१२	१३	२२	२१	३
५८	५९	४१	३१	३१	२५	१९	५५
२६	४२	१०	१२	५	१९	४	५५
५७	२०	६९	१३	७४	३	३	५७
४४	१९	१३	३२	२६	५५	११	३४

गोचरग्रहाः

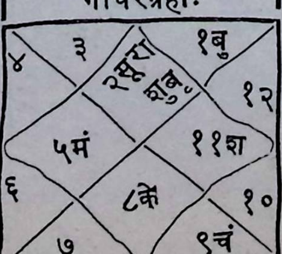

इस मास में रोग पीड़ा धूप अधिक धान्य रूई चांदी सोना सूत गुड़ गेहूँ मंदी होकर तेजी, धान्य संग्रह से अच्छा लाभ हो।

गोचरग्रहाः

७पं.ज्ये.कृ.९मं.इ.२९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	१	१	१०	१	१
१०	२२	२१	१४	२२	२२	२०	१०
४२	७	३८	९	७	४९	५६	३८
२५	१६	२	२९	३७	५९	४८	६
५७	२२	० ०	१३	७४	३	३	५७
३५	१८	२६	३८	२६	१६	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः४०७४ स.१९६५
१	चं	४३	४	रो	२०	४८	धृ	४७	८	किं	१७	६	३४/४	५/११	६/४९	३१	१०	२९	मि४७।४०	मिथुने शुक्रः ३४/३० पूर्वास्तो बुधः४३।५१
२	मं	३४	३६	मृ	१४	३२	शू	३७	३८	बा	८	५०	६	११	४९	१	११	३०	मिथुने	जून मा. ६ ता. ३० चन्द्र द.
३	बु	२६	२७	आ	८	१६	गं	२८	२४	ग	२६	२७	७	११	४९	२	१२	१	क.४८।४६	भ. ५२।३१ उ. सफर २
४	गु	१८	३६	पु	२/१७	५४/५७	वृ	१९	७	वि	१८	३६	९	१०	५०	३	१३	२	कर्के	भ. १८।३६ या. रोहि. बुधः ४६।४२
५	शु	११	२९	श्ले	५२	४७	ध्रु	९	५७	बा	११	२९	१०	१०	५०	४	१४	३	सिं५२।४७	+भौमः ५५/१२ चन्द्रग्र. ×उफायां भौमः ५/९
६	श	५	१६	म	४९	४२	व्या	३/२८	५३/३१	तै	५	१६	१२	१०	५०	५	१५	४	सिंहे	रोहि.३ गुरुः ६।४६ पूभा.२ शनिः १४/१६
७	र	०	१६	पू	४७	४१	व	५१	१५	व	०	१६	१३	९	५१	६	१६	५	सिंहे	भ. ०।१६ उ. ३९/२२ या. आर्द्रा. शुक्रः २१/३८
८	र	५६	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	चं	५३	५२	उ	४६	४८	सि	४६	४१	बा	२५	१०	१४	९	५१	७	१७	६	कं.२।२८	दृश्यो मृगे रविः ४०।११ (सौरः ४६/२६)×
१०	मं	५२	१७	ह	४६	५८	व्य	४२	५८	तै	२३	४	१६	९	५१	८	१८	७	कन्यायां	गंगादशमी
११	बु	५२	२	चि	४८	२७	व	४०	२	व	२२	९	१७	९	५१	९	१९	८	तु.१७।४३	भ.२२।९ उ.५२।२ या. निर्जला ११ व्र.
१२	गु	५२	५५	स्वा	५१	१७	प	३८	१९	ब	२२	२८	१८	८	५२	१०	२०	९	तुलायाँ	मृगे बुधः १।४२ निर्जला ११ व्र. नि.
१३	शु	५४	४८	वि	५४	५७	शि	३७	१८	कौ	२३	५१	१९	८	५२	११	२१	१०	बृ.३९।२	प्रदोषः
१४	श	५७	५८	अ	५९	४०	सि	३७	१७	ग	२६	२३	२०	८	५२	१२	२२	११	वृश्चिके	भ.५७/८ उ.वृषेबुधः५२/४९ रोहि.३राहुःज्येष्ठा*
१५	र	६०	०	ज्ये	६०	०	सा	३७	३८	वि	२९	५८	२१	८	५२	१३	२३	१२	वृश्चिके	भ.२९/५८या. *१केतुः२२/४२गुरुदयः४६/४८ गु.उ.
१५	चं	१	५७	ज्ये	५	८	शु	३९	११	ब	१	५७	२१	८	५२	१४	२४	१३	ध. ५।८	दृश्यो.मिथुनेऽर्कः ३८/४९ (सौरः ४९/१३)कन्या.=

८पं.ज्ये.शु.२मं.इ.२९।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	१	२	१०	१	१
१७	२४	५	१५	०	२३	२०	१७
२५	३४	१४	४७	४३	१०	३४	१९
८	१२	२८	२८	४६	१६	३३	१२
५७	२५	[illegible]	१३	७४	२	३	५७
२७	५४	[illegible]	३८	२०	३७	११	१३

गोचरग्रहाः

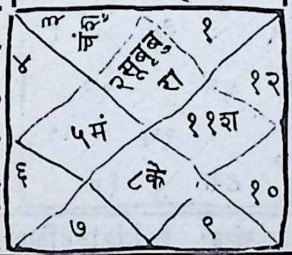

ज्येष्ठ शु.१५ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५गताल्कावस्था[ऊभी]मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.१०मं.इ.२९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	१	२	१०	१	१
२४	२७	२०	१७	९	२३	२०	२३
७	१९	२	२५	१८	२६	१२	५९
१२	.१	१०	४८	१८	२४	१७	८
५७	२७	[illegible]	१३	७४	१	३	५७
२२	४४	[illegible]	३३	२०	५८	११	[illegible]

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	७	८	मू	११	४३	शु	४०	५२	कौ	७	८	३४/२२	५/८	६/५२	१५	२५	१४	धनुषि	
२	बु	१२	४०	पू	१८	३९	ब्र	४३	७	ग	१२	४०	२२	८	५२	१६	२६	१५	म.३५।३४	भ. ४५।४० उ. आर्द्रा. बुधः ०।५७
३	गु	१८	३९	उ	२६	१८	ऐं	४५	४१	वि	१८	३९	२३	७	५३	१७	२७	१६	मकरे	भ.३९/३९ या. पुन. शुक्रः१२।२८ च.व्र.
४	शु	२४	४७	श्र	३३	५२	वै	४८	७	बा	२४	४७	२३	७	५३	१८	२८	१७	मकरे	
५	श	३०	५७	ध	४१	११	वि	५०	२३	तै	३०	५७	२३	७	५३	१९	२९	१८	कु.७।३२	रोहि. ४ गुरुः ३३।५
६	र	३६	८	श	४७	४२	प्री	५१	५९	ग	३	३२	२४	७	५३	२०	३०	१९	कुम्भे	भ. ३६।८ उ.
७	चं	४०	२३	पू	५३	१३	आ	५२	२७	वि	८	१५	२४	७	५३	२१	३१	२०	मी३६।५०	भ.१/५९या.दृश्यःआर्द्रा.रविः३९/४१(सौरः५०/४६)
८	मं	४२	५८	उ	५७	२	सौ	५१	५०	बा	११	४०	२४	७	५३	२२	१	२१	मीने	पुन.बुधः२७/५१पश्चिमोदयीबुधः५४/२२राष्ट्रीय×
९	बु	४३	४७	रे	५९	३	शो	४९	४५	तै	१३	२२	२४	७	५३	२३	२	२२	मे.५९।३	
१०	गु	४२	४०	अ	५९	७	अ	४६	२	व	१३	१३	२४	७	५३	२४	३	२३	मेषे	भ. १३।१३ उ. ४२।४० या.
११	शु	३९	२६	भ	५६	५५	सु	४०	३६	ब	११	३	२३	७	५३	२५	४	२४	मेषे	कर्के शुक्रः २३।३५ योगिनी ११ व्र.
१२	श	३४	११	कृ	५२	५९	धृ	३३	३९	कौ	६	४०	२३	७	५३	२६	५	२५	बृ.१०।५६	प्रदोषः
१३	र	२७	८	रो	४७	२३	शू	२५	१४	व	२७	८	२३	७	५३	२७	६	२६	वृषे	भ. २७।८ उ. ५३/५३ या. कर्के बुधः ४७/४१
१४	चं	१८	३९	मृ	४०	५२	गं	१५	५०	श	१८	३९	२२	८	५२	२८	७	२७	मि१४।८	पुष्ये शुक्रः १०।३० वक्री शनिः ०।४
३०	मं	९	२५	आ	३३	२७	वृ	५/३६	४९/२७	ना	९	२५	२२	८	५२	२९	८	२८	मिथुने	पुष्ये बुधः ४०।१५ ×आषाढारम्भः

१०पं. आ.कृ.१मं.इ.२९।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	१	२	१०	१	२
०	०	५	१९	१७	२३	१९	०
४८	१७	३३	३	५२	३६	५०	३८
२५	६	१४	७	५१	४०	२	१७
५७	२९	[illegible]	१३	७४	१	३	५६
१७	५२	[illegible]	४१	८	२५	११	५७

११पं.आ.कृ.८मं.इ.२९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	१	२	१०	१	२
७	३	२०	२०	२६	२३	१९	७
२९	३०	३	३९	२५	४३	२७	१६
२४	४३	१८	१८	१२	१२	४६	४४
५७	३१	[illegible]	१३	७४	०	३	५६
१३	२६	[illegible]	२२	२	३७	११	५४

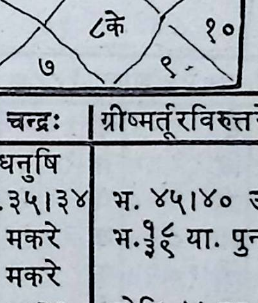

१२पं.आ.कृ.३०मं.इ.२९।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	३	१०	१	२
१४	६	३	२२	४	२३	१९	१३
९	५५	०	१४	५७	४३	५	५४
५०	५९	५०	६	१४	५९	३०	३९
५७	३२	[illegible]	१३	७३	१०	३	५६
७	४४	[illegible]	१६	५६	[illegible]	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१०४ स.१९६५
१	मं	५०	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	५०	११	पु	२५	५८	व्या	४४	२७	बा	२५	११	३४/२१	५/८	६/५२	३०	९	२९	क.१२।५०	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	गु	४१	५	पु	१८	४४	ह	३४	२९	तै	१७	३८	२०	८	५२	१	१०	१	कर्के	जुलाई मा. ७ ता. ३१ रविलावल ३
४	शु	३३	१	श्ले	१२	१४	व	२४	५६	व	७	३	१९	८	५२	२	११	२	सिं१२।१४	भ. ७।३ उ. ३३।१ या.
५	श	२६	२०	म	६	५८	सि	१६	४४	बा	२६	२०	१८	८	५२	३	१२	३	सिंहे	
६	र	२१	३	पू	३	१८	व्य	९	४०	तै	२१	३	१७	९	५१	४	१३	४	कं.१७।४९	मृगे. १ गुरुः २३।४४
७	चं	१७	३८	उ	१	२०	व	४/५	५५/३३	व	१७	३८	१५	९	५१	५	१४	५	कन्यायां	भ. १७/३८ उ. ४६/४४ या. दृश्यः पुन. रविः ३६/३७=
८	मं	१५	५०	ह	०	५६	शि	५६	३४	ब	१५	५०	१४	९	५१	६	१५	६	तु.३१।१४	=सौरः ५४।५७ हस्ते भौमः३७।२५
९	बु	१५	४७	चि	१	३३	सिं	५५	४७	कौ	१५	४७	१३	९	५१	७	१६	७	तुलायां	
१०	गु	१७	६	स्वा	४	५०	सा	५४	०	ग	१७	६	११	१०	५०	८	१७	८	वृ.५२।५५	भ. ४८।२६ उ. अश्लेषा. बुधः ५।३९
११	शु	१९	४७	वि	८	५६	शु	५४	४५	वि	१९	४७	१०	१०	५०	९	१८	९	वृश्चिके	भ.१९/४७या.अश्लेषा.शुक्रः ३४/९देवशयनी ११व्र.
१२	श	२३	४०	अ	१४	१०	शु	५५	४०	बा	२३	४०	८	१०	५०	१०	१९	१०	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	र	२८	१५	ज्ये	२०	९	ब्र	५७	१५	तै	२८	१५	७	११	४९	११	२०	११	ध.२०।९	
१४	चं	३३	५९	मू	२७	४	ऐं	५९	१२	ग	१	७	५	११	४९	१२	२१	१२	धनुषि	भ. ३३।५१ उ.
१५	मं	३९	४२	पू	३४	१०	वै	६०	०	वि	६	५०	४	११	४९	१३	२२	१३	म.५१।४	भ. ६।५० या. व्यास पूजा वायु परीक्षा

१३पं.आ.शु.८मं.इ.२९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	३	१०	१	२
२०	१०	१४	२३	१३	३	१८	२०
५०	२९	१५	४७	२८	४०	४३	३२
१०	२०	४७	१३	५२	४१	१५	४३
५७	३३	८९	१३	७३	४९	३	५६
१०	५४	५०	०	५०	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

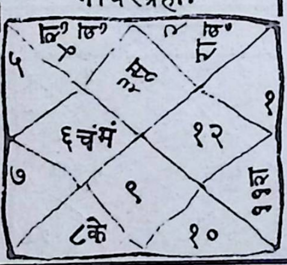

इस मास में पांच भौमवार नेष्ट हैं प्रजामें पीड़ा और वायु के साथ वर्षा होगी। गुड़ खांड घृत तेल तेज हो

गोचरग्रहाः

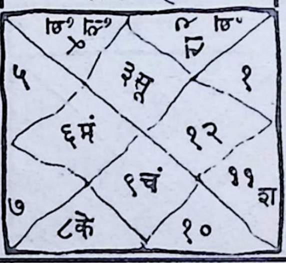

१४पं.आ.शु.१५मं.इ.२९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	३	१०	१	२
२७	१४	२४	२५	२१	२३	१८	२७
३०	१३	२१	१७	५९	३२	२०	१०
३२	३७	५०	५६	२	२८	५९	५०
५७	३४	६८	१२	७३	१/३४	३	५६
११	५८	३७	३५	४३	ब	११	५'

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४५	४६	उ	४१	४६	वै	१	३३	बा	१२	४४	३४/२	५/१२	६/४८	१४	२३	१४	मकरे	
२	गु	५१	५३	श्र	४९	११	वि	३	५०	तै	१८	५०	०	१२	४८	१५	२४	१५	मकरे	
३	शु	५७	४४	ध	५६	३३	प्री	६	२०	व	२३	४८	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१६	कु.२२।५२	भ.२३/४८उ.५७/४४या.दृश्यःकर्केऽर्कः६/१सौरः३७/३१
४	श	६०	०	श	६०	०	आ	८	३०	ब	३०	१९	५६	१३	४७	१७	२६	१७	कुम्भे	चतुर्थी व्रतम्
४	र	२	५४	श	३	१९	सौ	१०	२५	बा	२	५४	५४	१३	४७	१८	२७	१८	मी५२।४४	
५	चं	७	१५	पू	९	१२	शो	११	२६	तै	७	१५	५२	१४	४६	१९	२८	१९	मीने	दृश्यःपुष्येरविः३५/१८ सौरः५६/१२सिंहेबुधः१७/३९×
६	मं	१०	३०	उ	१४	१	अ	११	०	व	१०	३०	५०	१४	४६	२०	२९	२०	मीने	भ.१०/३०उ.४१/२५या.सिंहेशुक्रः५/४९मृगे.२गुरुः२/८*
७	बु	१२	१९	रे	१७	१७	सु	१०	३२	ब	१२	१९	४७	१५	४५	२१	३०	२१	मे.१७।१७	×नाग५मरुस्थले *वक्रीपूभा.१ शनिः५५/२०
८	गु	१२	१९	अ	१९	३	धृ	८	१८	कौ	१२	१९	४५	१५	४५	२२	३१	२२	मेषे	
९	शु	१०	४०	भ	१८	५९	शू	३ ४/६	५४/४०	ग	१०	४०	४२	१६	४४	२३	१	२३	वृ.३३।२८	भ. ३८।५१ उ. राष्ट्रीय श्रावणारम्भः
१०	श	७	२	कृ	१६	५५	वृ	५२	३६	वि	७	२	४०	१६	४४	२४	२	२४	वृषे	भ. ७।२ या.
११	र	१	२४	रो	१३	५	ध्रु	४४	२०	बा	१	२४	३७	१७	४३	२५	३	२५	मि४०।२६	कामिका ११ व्र.
१२	र	५२	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	चं	४५	४२	मृ	७	४७	व्या	३५	५	ग	१९	५९	३५	१७	४३	२६	४	२६	मिथुने	भ. ४५।४२ उ. प्रदोषः
१४	मं	३५	४	आ	१/३ ३	५२/२४	ह	२४	५५	वि	१०	२३	३२	१८	४२	२७	५	२७	क.४०।२१	भ. १०।२३ या.
३०	बु	२५	५८	पु	४५	२९	व	१४	२	ना	२५	५८	२९	१८	४२	२८	६	२८	कर्के	हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.६मं.इ.२२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	१	४	१०	१	३
४	१८	०	२६	०	२३	१७	३
११	५	५४	४५	२८	१९	५८	४९
१७	३५	१४	४७	३०	३०	४४	१७
५७	३६	४५	१२	७३	११/२	३	५६
१५	४	३४	१६	२७	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

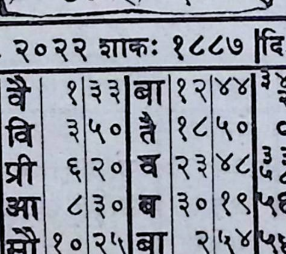

श्रावण कृ.३ शुक्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न.५प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

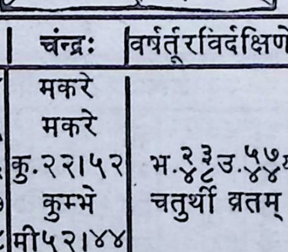

१६पं.श्रा.कृ.१४मं.इ.२८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	१	४	१०	१	३
१०	२२	५	२८	८	२३	१७	१०
५२	५	१९	१०	५६	२	३६	२८
१९	४९	४४	४४	१३	२०	२८	३४
५७	३६	१६	११	७३	२/४५	३	५७
२०	५६	१	४७	१७	ब	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४१३३ सन्१९६५
१	गु	१५	५४	श्ले	२७	३३	सि	३/८	४९/२३	ब	१५	५४	३३/२६	१/१९	६/४१	२९	७	२९	सिं३७।३३	चित्रा. भोमः २९।२६ चन्द्रद. सिधारा
२	शु	६	२४	म	३०	४२	व	४२	४०	कौ	६	२४	२४	१९	४१	३०	८	१	सिंहे	वक्री व्रुधः ५९।२८ तीज रविलाखर ४
३	शु	५१	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	श	५१	९	पू	२४	५३	प	३३	३३	व	२४	३५	२१	२०	४०	३१	९	२	कं.३८।५१	भ.३४/५ उ.५१।९या. पूफायां शुक्रः८।५८
५	र	४५	५९	उ	२०	४५	शि	२५	४६	ब	१८	३४	१८	२०	४०	१	१०	३	कन्यायां	नाग पंचमी अगस्त मा. ८ ता. ३१
६	चं	४२	४८	ह	१८	३५	सि	२०	२	कौ	१४	२४	१५	२१	३९	२	११	४	तु.४८।२३	दृश्यः आश्लेषा. रविः ३२/६९ (सौरः५९।१)
७	मं	४१	४४	चि	१८	११	सा	१५	३२	ग	१२	१६	१२	२२	३८	३	१२	५	तुलायां	भ. ४१।४४ उ.
८	बु	४२	२६	स्वा	१९	४७	शु	१२	४८	वि	१२	१०	९	२२	३८	४	१३	६	तुलायां	भ. १२।१० या.
९	गु	४५	१०	वि	२३	२१	शु	११	२६	बा	१३	५३	६	२३	३७	५	१४	७	वृ.७।२८	मृगे ३ मिथुने गुरुः ५७।५६
१०	शु	४९	२१	अ	२८	२९	ब्र	११	४४	तै	१७	१५	३	२३	३७	६	१५	८	वृश्चिके	
११	श	५४	२५	ज्ये	३४	४७	ऐं	१२	३५	व	२१	५३	०	२४	३६	७	१६	९	ध.३४।४७	भ.२१।५३ उ. ५४/२५ या. पवित्रा११व्र.
१२	र	६०	०	मू	४१	५३	वै	१४	२२	ब	२७	२४	३२/५६	२५	३५	८	१७	१०	धनुषि	पश्चिमास्तो बुधः ३०/१४ पवित्रा ११व्र. नि.
१२	चं	०	२३	पू	४९	९	वि	१६	४४	बा	०	२३	५३	२५	३५	९	१८	११	धनुषि	तुला. भौमः ४७।३९ प्रदोषः
१३	मं	६	३२	उ	५६	४१	प्री	१९	२	तै	६	३२	५०	२६	३४	१०	१९	१२	म. ६।२	
१४	बु	१२	३७	श्र	६०	०	आ	२१	२६	ब	१२	३७	४७	२७	३३	११	२०	१३	मकरे	भ.५२/३७ उ.४५।३५ या. उफायां शुक्रः ५०/८
१५	शु	१८	३२	श्र	३	५७	सौ	२३	४२	व	१८	३२	४३	२७	३३	१२	२१	१४	कु.३७।३२	श्रावणीकर्म रक्षा बन्धनम्

१७पं.श्रा.शु.७मं.इ.२८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	१	४	१०	१	३
१७	२६	६	२९	१७	२२	१७	१७
३४	१३	२८	३२	२३	४०	१४	८
१	८	२३	१३	१३	१९	१२	२२
५७	३७	१५/५६	११	७३	३/२४	३	५७
२५	३६	ब	११	२	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

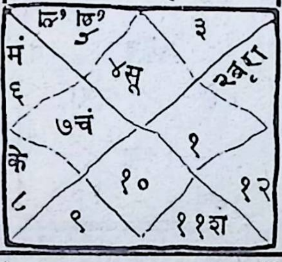

इस मास का फल उत्तम है। वर्षा श्रेष्ठ अनाज जौ गेहूँ बाजरा मोंठ चावल मंदा हो।

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.१३मं.इ.२८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	२	४	१०	१	३
२४	०	३	०	२५	२२	१६	२३
१६	२६	३३	४९	४८	१५	५१	४९
२६	६	३६	४४	४०	५८	५७	२९
५७	३८	४६/३५	१०	७२	३/४१	३	५७
३३	१३	ब	३५	४६	ब	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२४	३	ध	११	७	शो	२५	३६	कौ	२४	३	३२/४०	५/२८	६/३२	१३	२२	१५	कुम्भे	कन्या. शुक्रः ५५।५२
२	श	२८	५६	श	१७	४२	अ	२७	८	ग	२८	५६	३६	२९	३१	१४	२३	१६	कुम्भे	वक्रीअश्ले. कर्कबुधः ५९/४१ रोहि.२राहुःअनु.*
३	र	३२	४८	पू	२३	२२	सु	२८	०	व	०	५२	३३	२९	३१	१५	२४	१७	मी६।५७	भ. ०।५२ उ. ३२।४८ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	३५	३७	उ	२८	५	धृ	२८	८	ब	४	१३	२९	३०	३०	१६	२५	१८	मीने	दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः २६।१४ (सौरः ५५/२६)
५	मं	३७	३०	रे	३१	५१	शू	२७	२८	कौ	६	४९	२६	३१	२९	१७	२६	१९	मे.३१।५१	चन्द्रषष्ठी
६	बु	३८	८	अ	३४	१८	गं	२५	४५	ग	७	४९	२२	३२	२८	१८	२७	२०	मेषे	भ. ३८।८ उ. *४ केतुः १३।५२
७	गु	३७	३०	भ	३५	३५	वृ	२२	५	वि	७	४९	१९	३२	२८	१९	२८	२१	बृ.५०।३०	भ. ७।४९ या. जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	शु	३५	१६	कृ	३५	१७	ध्रु	१९	१६	बा	६	२३	१५	३३	२७	२०	२९	२२	बृषे	स्वात्यां भौमः२६।१७ जन्माष्टमी व्र.वै.
९	श	३१	१८	रो	३३	२७	व्या	१४	११	तै	३	१७	११	३४	२६	२१	३०	२३	बृषे	भ. ५८।४३ उ. गोगा ९
१०	र	२६	९	मृ	३०	७	ह	७	४८	वि	२६	९	८	३४	२६	२२	३१	२४	मि१।३७	भ. २६।९ या. हस्ते शुक्रः १९।५१
११	चं	१९	१७	आ	२५	२७	व	१/०	५१/२८	बा	१९	१७	४	३५	२५	२३	१	२५	मिथुने	अजा ११ व्र. राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः
१२	मं	११	२१	पु	१९	३६	व्य	४२	१५	तै	११	२१	०	३६	२४	२४	२	२६	क. ६।४	पूर्वोदयी बुधः १३/१७ वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	बु	२	३५	पु	१२	४३	व	३२	१३	व	२	३५	३१/५६	३७	२३	२५	३	२७	कर्के	भ.२।३५ उ.२७/५०या. मृग.४ गुरुः३२।३५
१४	बु	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४३	३१	श्ले	६/२७	५२/३५	प	२१	३८	च	१८	१८	५२	३८	२२	२६	४	२८	सिं६।२७	मार्गी बधः १३।५२ कुशाग्रहणी

१९पं.भा.कृ.५मं.इ.२८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	२	५	१०	१	४
०	४	२७	२	४	२१	१६	०
५९	४४	४४	१	१२	४८	२९	३१
४९	३५	४८	३१	७	३२	४१	४२
५७	३८	५४/३४	९	७२	४/८	३	५७
४०	५७	ब	५३	२०	ब	११	३४

गोचरग्रहाः

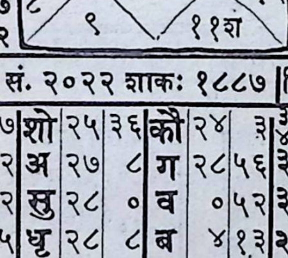

भाद्रपद कृ.४चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न.४कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

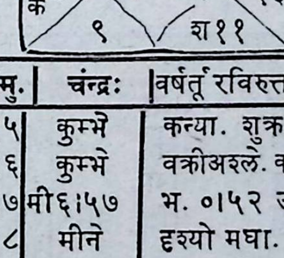

२०पं.भा.कृ.१२मं.इ.२८।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	२	५	१०	१	४
७	९	२४	३	१२	२१	१६	७
४४	१०	२५	१०	३४	१८	७	१५
१७	१	२५	१२	८	४३	२६	१५
५७	३९	१७/२७	९	७१	४/२७	३	५७
४८	३८	ब	९	५९	ब	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	शु	३४	२९	पू	५१	२०	शि	११	१८	किं	९	०	३१/४८	५/३८	६/२२	२७	५	२९	सिंहे
२	श	२६	३५	उ	४५	३०	सि	२०	५६	कौ	२६	३५	४४	३९	२१	२८	६	३०	कं.४।५३
३	र	२०	१३	ह	४१	२९	शु	४४	३८	ग	२०	१३	४०	४०	२०	२९	७	१	कन्यायां
४	चं	१५	३९	चि	३९	१८	शु	३८	२८	वि	१५	३९	३९	४१	१९	३०	८	२	तु.१०।२३
५	मं	१३	१६	स्वा	३९	१६	ब्र	३४	९	बा	१३	१६	३२	४२	१८	३१	९	३	तुलायां
६	बु	१२	५७	वि	४१	१५	ऐं	३१	२७	तै	१२	५७	२८	४२	१८	१	१०	४	बृ.२५।४५
७	गु	१४	३८	अ	४५	२०	वै	३०	१७	व	१४	३८	२५	४३	१७	२	११	५	बृश्चिके
८	शु	१८	१८	ज्ये	५०	५६	वि	३०	४०	ब	१८	१८	२१	४४	१६	३	१२	६	ध.५०।५६
९	श	२३	१३	मू	५७	४७	प्री	३१	५२	कौ	२३	१३	१७	४५	१५	४	१३	७	धनुषि
१०	र	२९	२६	पू	६०	०	आ	३४	८	ग	२९	२६	१३	४५	१५	५	१४	८	धनुषि
११	चं	३५	३५	पू	५	२	सौ	३६	५६	व	२	३०	९	४६	१४	६	१५	९	म.२१।५८
१२	मं	४१	५३	उ	१२	४५	शो	३८	२८	ब	८	४४	५	४७	१३	७	१६	१०	मकरे
१३	बु	४७	४३	श्र	२०	१७	अ	४१	१८	कौ	१४	४८	१	४८	१२	८	१७	११	कु.५३।४७
१४	गु	५२	५९	ध	२७	१८	सु	४३	७	ग	२०	२१	३०/५७	४९	११	९	१८	१२	कुम्भे
१५	शु	५७	१२	श	३३	२५	धृ	४४	१६	वि	२४	५	५३	४९	११	१०	१९	१३	कुम्भे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१६२ स.१९६५

चंद्रदर्शनम्
भ.४७/५६ उ. हरितालिका३ जमादिलावल५
भ.३५/१९यां. दृश्यःपूफायांरविः१५/५१सौरः४६/१८*
ऋषिपंचमी *गणेश ४
सितम्बर मा. ९ ता. ३०
भ.१४।३८उ.४६/२८या. चित्रा.शुक्रः३०।३४
मघा. सिंहे बुधः २९।५
भ.२।३० उ.३५/३५ या. जलझूलनी ११ व्र.
वामनजयंती ×महालयारंभः
तुलायां शुक्रः ८।५५ प्रदोषः
भ.५२/५९ उ. विशाखा. भौमः५४/४७ अनंत१४
भ. २४।५ या. वक्री शते ४ शनिः ४१/४५×

२१पं.भा.शु.५मं.इ.२८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	२	५	१०	१	४
१४	५३	२६	४	२०	२०	१५	१४
२९	४३	३८	१२	५३	४७	४५	०
५६	२६	१७	४	५३	२४	१०	२७
५८	४०	५१	८	७१	४	३	५७
१	२२	५९	२०	३८	४०	११	५७

गोचरग्रहाः

इस मासमें चांदी सोना लोहा रुई रंग तेज हो, बदी में मंदी होगी। खेती की हानि। भाव तेज।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.शु.१२मं.इ.२८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	२	५	१०	१	४
२१	१८	४	५	२९	२०	१५	२०
१६	२०	३९	७	११	१५	२२	४७
५६	५०	२२	५२	२८	४	५४	७
५८	४०	९३	७	७१	४/०	३	५८
१३	४५	४०	१८	१४	व	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	६०	०	पू	३९	२८	शू	४४	३६	बा	२८	४९	३०/४८	५/५०	६/१०	११	२०	१४	मी२२।५७
१	र	०	२६	उ	४२	४२	गं	४४	१३	कौ	०	२६	४४	५१	९	१२	२१	१५	मीने
२	चं	२	३४	रे	४५	५३	वृ	४२	५५	ग	२	३४	४०	५२	८	१३	२२	१६	मे.४५।५३
३	मं	३	३०	अ	४७	५८	ध्रु	४०	५४	वि	३	३०	३६	५३	७	१४	२३	१७	मेषे
४	बु	३	३६	भ	४९	११	व्या	३८	२	बा	३	३६	३२	५४	६	१५	२४	१८	मेषे
५	गु	२	३५	कृ	४९	२१	ह	३४	१६	तै	२	३५	२८	५४	६	१६	२५	१९	बृ.४।१३
६	शु	०	३२	रो	४८	२३	व	२९	५२	व	०	३२	२४	५५	५	१७	२६	२०	वृषे
७	शु	५७	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	श	५३	३८	मृ	४६	३१	सि	२४	३३	बा	२५	३८	२०	५६	४	१८	२७	२१	मि१७।२७
९	र	४८	४६	आ	४३	४२	व्य	१८	२४	तै	२१	१२	१६	५७	३	१९	२८	२२	मिथुने
१०	चं	४२	४२	पु	३९	४४	व	११	३०	व	१५	४४	१२	५८	२	२०	२९	२३	क.२५।४३
११	मं	३५	५६	पु	३५	२	प	४४/३	३६/५५	ब	९	१९	८	५८	२	२१	३०	२४	कर्के
१२	बु	२८	१८	श्ले	२९	२५	सि	४६	२३	तै	२८	१८	४	५९	१	२२	३१	२५	सिं२९।२५
१३	गु	२०	१६	म	२३	३३	सा	३६	५६	व	२०	१६	३०/०	६/०	६/०	२३	१	२६	सिंहे
१४	शु	१२	२२	पू	१८	८	शु	२८	४७	श	१२	२२	२९/५५	१	५/५९	२४	२	२७	कं.३१।३९
३०	श	४	४९	उ	१२	१४	शु	१८	५१	ना	४	४९	५१	२	५८	२५	३	२८	कन्यायां

शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पूफायां बुधः४३।४ पूर्वास्तो बुधः४६।५७
भ.३ ३/२उ. दृश्यःउगायां रविः११/०सौरः३०/५६*
भ.३३/०या. चतुर्थी व्र. *स्वात्यांशुक्रः४७/३३
दृश्यः कन्यायामर्कः ३५/३२(सौरः ५६।८)
भ. ०।३२ उ. २९।५ या.
=नवरात्रा. घटस्था. अभिजिति
उफायां बुधः ५०।२२ मातृ ९
भ. १५।४४ उ. ४२।४२ या.
कन्या.बुधः३७/५६आर्द्रा१गुरुः४५/१८इंदिरा११व्र.
प्रदोषः
भ.२०/१६ उ.४६/१९या. राष्ट्रीय आश्विनारम्भः
बृश्चिके भौमः ४१।३ सर्वपितृ श्राद्धम्
विशाखा. शुक्रः ९।८ मातामह श्राद्धम्=

२३पं.आ.कृ.३मं.इ.२७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	२	६	१०	१	४
२८	२३	१६	५	७	१९	१५	२७
५	१	३१	५६	२७	४३	०	३५
२४	३०	५५	४९	२९	१	३९	३०
५८	४१	९०	६	७०	३४/६	३	५८
२६	२४	५२	२२	३७	व	११	२९

गोचरग्रहाः

आश्विन कृ.५गुरौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.५ प्रौढा-वस्था (बैठी)मु. ३० (धान्य भाव सम)शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

२४पं.आ.कृ.११मं.इ.२७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	२	६	१०	१	[illegible]
४	२७	२९	६	१५	१९	१४	४
५५	४८	४०	३८	३९	११	३८	२५
१९	०	५८	२८	३६	३१	२३	३७
५८	४०	[illegible]	५	६९	१४/१	३	५८
३८	५८	४४	१४	५६	व	११	४५

CC0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	र	४३	१३	ह	७	३८	ब्र	१०	४५	बा	२५	४८	२९/४७	६/३	५/५७	२६	४	२९	तु.३६।२
३	चं	५०	७	चि	४	२५	ऐं	४ ३/२	५४/१७	तै	२१	४०	४३	३	५७	२७	५	१	तुलायाँ
४	मं	४८	५३	स्वा	३	०	वि	५४	४९	व	१९	३०	३८	४	५६	२८	६	२	वृ.४८।३०
५	बु	४९	३६	वि	३	३९	प्री	५१	१४	ब	१९	१४	३४	५	५५	२९	७	३	वृश्चिके
६	गु	५२	२३	अ	६	९	आ	५०	४६	कौ	२१	०	३०	६	५४	३०	८	४	वृश्चिके
७	शु	५६	४७	ज्ये	१०	३१	सौ	५०	५१	ग	२४	३५	२६	७	५३	१	९	५	ध.१०।३१
८	श	६०	०	मू	१६	२७	शो	५२	२३	वि	२९	४२	२२	८	५२	२	१०	६	धनुषि
८	र	२	३८	पू	२३	३५	अ	५४	२६	ब	२	३८	१८	८	५२	३	११	७	म.४०।२६
९	चं	८	४८	उ	३१	२	सु	५६	५४	कौ	८	४८	१४	९	५१	४	१२	८	मकरे
१०	मं	१५	७	श्र	३८	३६	धृ	५८	१८	ग	१५	७	१०	१०	५०	५	१३	९	मकरे
११	बु	२१	८	ध	४५	४७	शू	६०	०	वि	२१	८	६	११	४९	६	१४	१०	कुं.१२।१२
१२	गु	२६	५०	श	५२	३	शू	१	१	बा	२६	२०	२	१२	४८	७	१५	११	कुम्भे
१३	शु	३०	१८	पू	५६	५२	गं	२	२१	तै	३०	१८	२६/५८	१२	४८	८	१६	१२	मी४०।४०
१४	श	३२	५४	उ	६०	०	वृ	२	२३	ग	१	३६	५४	१३	४७	९	१७	१३	मीने
१५	र	३४	११	उ	०	४३	ध्रु	३ १/७	४८/७	वि	३	३२	५०	१४	४६	१०	१८	१४	मीने

शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१९२ स.१९६५

दृश्यो हस्ते रविः ३८।३८ चंद्रदर्शनम्
हस्ते रविः सौरः ८।३७ हस्ते बुधश्च ५६/८*
भ.१/३ ९/० उ.४/५ ६/३ या. *जमादिलाखर६
अनु. भौमः २४।५६

भ. ५६।४७ उ. अक्टूबर मा.१० ता.३१
भ. २९।४२ या. सरस्वत्यावाहनम्
वृश्चिके शुक्रः४/८ सरस्वतीपूजनं बलिदा.
चित्रा. बुधः४३।३४ सरस्वती विसर्जनम्
भ.४८।७ उ. विजयादशमी +११व्र.
भ.२१।८ या. अनु. शुक्रः ४/२ ५/५ पापांकुशा+
प्रदोषः
तुलायां बुधः ३७।३४ ×शरद् पू. वै.
भ. ३२।५४ उ. कोजागरी व्र.
भ.३ ३/२ या. दृश्यश्चित्रा.रविः १/३ ९/९ सौरः ३/१ ९/३×

२५पं.आ.शु.४मं.इ.२७।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	२	६	१०	१	५
११	२	१२	७	२३	१८	१४	११
४६	३९	२७	१०	४८	४२	१६	१७
५५	२६	१४	५२	५०	४७	८	४१
५८	४२	०/०	४	६९	४/४	३	५९
५३	१३	०/३३	८	११	व	११	०

गोचरग्रहाः

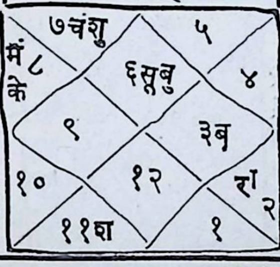

इस मास का फल मध्यम है प्रजा में रोग भय रहे रुई में घटा बढ़ी सोना चांदी तेज अनाज गल्लाके तेज भाव रहें।

गोचरग्रहाः

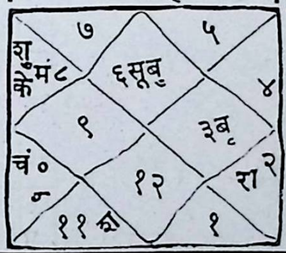

२६पं.आ.शु.१०मं.इ.२७।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	२	७	१०	१	५
१८	७	२४	७	१	१८	१३	१८
४०	३३	३४	३४	५३	१६	५३	११
८	६७	५९	३७	१३	३०	५२	२८
५९	४२	०/०	२	६८	३/४४	३	५९
९	४६	०/३४	५२	१९	ब	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	३४	८	रे	३	२	ह	५६	५०	बा	४	१०	२/४६	६/१५	५/४५	११	१९	१५	मे.३।२
२	मं	३२	५७	अ	४	११	व	५३	४१	तै	३	३२	४२	१६	४४	१२	२०	१६	मेषे
३	बु	३०	४७	भ	४	१३	सि	४८	३५	व	१	५२	३८	१६	४४	१३	२१	१७	वृ.१९।५
४	गु	२७	५३	कृ	३	४२	व्य	४३	३०	बा	२७	५३	३४	१७	४३	१४	२२	१८	वृषे
५	शु	२४	८	रो	२	६	व	३७	३८	तै	२४	८	३०	१८	४२	१५	२३	१९	मि३१।६
६	श	२०	११	मृ	०/७	५७/२८	प	३१	३१	व	२०	११	२६	१९	४१	१६	२४	२०	मिथुने
७	र	१५	४३	पु	५४	३९	शि	२५	५	ब	१५	४३	२२	२०	४०	१७	२५	२१	क.४०।२३
८	चं	१०	५०	पु	५१	१५	सि	१८	२०	कौ	१०	५०	१८	२०	४०	१८	२६	२२	कर्के
९	मं	५	३३	श्ले	४७	२५	सा	१०	५९	ग	५	३३	१४	२१	३९	१९	२७	२३	सिं४७।२५
१०	मं	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	बु	५३	४३	म	४३	२५	शु	३/३५	५२/१५	ब	२६	४७	१०	२२	३८	२०	२८	२४	सिंहे
१२	गु	४७	५३	पू	३९	१२	ब्र	४८	३	कौ	२०	४८	६	२३	३७	२१	२९	२५	कं.५३।१३
१३	शु	४२	२	उ	३५	१५	ऐं	४०	२०	ग	१४	५८	२	२४	३६	२२	३०	२६	कन्यायां
१४	श	३६	४७	ह	३१	१४	वै	३३	३	वि	९	२४	२७/५८	२४	३६	२३	१	२७	कन्यायां
३०	र	३२	२४	चि	२८	५२	वि	२६	१८	च	४	३५	५४	२५	३५	२४	२	२८	तु.०।१६

शरदतूं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.

स्वात्यां बुधः४/३ ७/२ ×राष्ट्रीय कार्तिक प्रा.
भ.१।५२ उ.३/४ ०/७ या. च. व्र. =बुधः१/१ १/१

भ.२/१ ०/१ उ.४/५ ७/७ या. दृश्यस्तुलाऽर्कः५/२ ४/५ रोहि.*
तुलायामर्कः सौरः२१।५६ पश्चिमोदयी=
ज्येष्ठा. शुक्रः२३।६ ज्येष्ठा. भौमश्च१/२ ०/२
भ. ३२।४२ उ. ५९।५१ या.
*१ राहुः अनु. ३ केतुः ५।५३
वक्री गुरुः १९।३५ रमा ११ व्र. स्मा.
विशाखा. बुधः १५।४४ रमा ११ व्र. वै.
भ. ४२।२ उ. प्रदोष व्र. धन १३
भ.९।२४या. दृश्यः स्वा. रविः३/२ ६/७ रूप१४×
स्वात्यांरविःसौरः२।५४ महालक्ष्मीपूजनम

२७पं. का.कृ.२मं.इ.२७।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	२	७	१०	१	५
२५	१२	६	७	९	१७	१३	२५
३५	३३	५	४९	५५	५२	३१	७
६	०	५६	४१	३०	१९	३६	१०
५९	४३	०/०	१	६७	३	३	५९
२१	७	०/४४	२६	१९	व	११	३१

गोचरग्रहाः

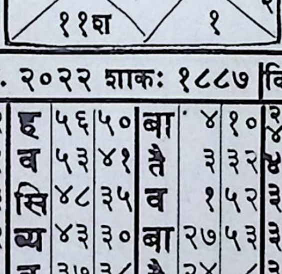

कार्तिक कृ.७रवौ तुलायामर्कः प्र.वा. ४न.५कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयःपश्चि.।

गोचरग्रहाः

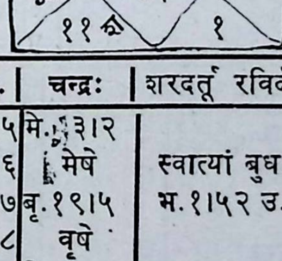

२८पं.का.कृ. ९मं.इ.२७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	२	७	१०	१	६
२	१७	१७	७	१७	१७	१३	२
३१	३५	३	५४	५०	३२	९	४
३४	४९	३६	४०	२४	५३	२२	४०
५९	४३	९७	०	६६	२	३	५९
३४	३९	२५	१०	१	२९	११	४६

*केशुमं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१ सन्१९६५
१	चं	२९	२५	स्वा	२६	१७	प्री	२०	३५	ब	२९	२५	२७/५०	६/२६	५/३४	२५	३	२९	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	मं	२८	२	वि	२७	२३	आ	१६	४	कौ	२८	२	४६	२७	३३	२६	४	१	वृ.१२।५	भातृ २ यम २ रज्जव ७
३	बु	२८	२९	अ	२९	२	सौ	१३	१६	ग	२८	२९	४२	२८	३२	२७	५	२	वृश्चिके	भ. ५९।३८ उ.
४	गु	३०	४८	ज्ये	३२	१६	शो	११	३	वि	३०	४८	३९	२८	३२	२८	६	३	ध.३२।१६	भ. २८।४८ या. वृश्चिके बुधः ८।७
५	शु	३४	३८	मू	३७	१७	अ	९	५८	ब	२	४३	३५	२९	३१	२९	७	४	धनुषि	×धनुषि भौमः५/६ प्रबोधिनी ११व्र. वै.
६	श	३९	५८	पू	४३	५३	सु	११	१३	कौ	७	१८	३१	३०	३०	३०	८	५	धनुषि	अनु.बुधः३६।३ मूलेधनुषि शुक्रः२४।२०
७	र	४५	५६	उ	५०	५८	धृ	१२	४४	ग	१२	४७	२७	३१	२९	३१	९	६	म.०।३९	भ. ४५।५६ उ.
८	चं	५२	२१	श्र	५८	३५	शू	१४	५१	वि	१९	८	२४	३१	२९	१	१०	७	मकरे	भ.१९/८या.गोपाष्टमी नवंबरमा.११ता.३०
९	मं	५८	४०	ध	६०	०	गं	१७	१०	बा	२५	३१	२०	३२	२८	२	११	८	कु.३२।१३	कुष्मांड९ अक्षया ९
१०	बु	६०	०	ध	५	५१	वृ	१९	१४	तै	३१	२५	१६	३३	२७	३	१२	९	कुंभे	
११	गु	४	०	श	१२	३६	ध्रु	२०	४२	ग	४	९	१३	३३	२७	४	१३	१०	कुम्भे	भ.३/६उ. प्रबोधिनी ११व्र.स्मा. तुलसीवि.
११	शु	८	२६	पू	१८	२	व्या	२१	११	वि	८	२६	९	३४	२६	५	१४	११	मी१।४०	भ.८।२६या. दृश्यो विशा. रविः५/६० मूले×
१२	श	१०	५२	उ	२२	३	ह	२०	३५	बा	१०	५२	६	३५	२५	६	१५	१२	मीने	विशाखायां रविः सौरः२/३ प्रदोष व्रतम्
१३	र	११	५१	रे	२४	१७	व	१८	३७	तै	११	५१	२	३६	२४	७	१६	१३	मे.२४।१७	बैकुण्ठ १४
१४	चं	११	५	अ	२४	५३	सि	१५	२३	व	११	५	२६/५९	३६	२४	८	१७	१४	मेषे	भ. ११।५ उ. ३९।५७ या.
१५	मं	८	४९	भ	२४	३	व्य	१०	४१	ब	८	४९	५५	३७	२३	९	१८	१५	वृ.३८।३३	ज्येष्ठा. बुधः ५८।१७ मन्वादिः

२९पं. का.शु.२मं.इ.२६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	२	७	१०	१	६
९	२२	२७	७	२५	१७	१२	९
२९	४२	३०	५०	३९	१७	४४	४
४३	२९	१८	३८	१४	१३	५	०
५९	४२	८८	१/१०	६४	१/५५	३	६०
४७	५६	४४	ब	३४	ब	११	२

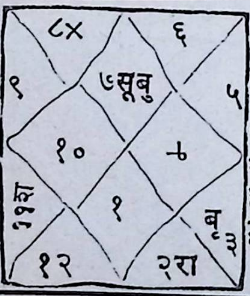

३०पं.का.शु.९मं.इ.२६।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	२	८	१०	१	६
१६	२७	७	७	३	१७	१२	१६
२५	५३	९	३५	११	६	२४	५
३८	६	३६	५३	६	७	५०	४
६०	४४	८०	३/५	६२	३/१	३	६०
४	१३	४३	ब	५२	ब	११	१८

३१पं.का.शु.१५मं.इ.२६।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	२	८	१०	१	६
२३	३	१५	७	१०	१७	१२	२३
३०	५	५९	१२	३६	०	२	७
५८	४९	९	१४	१८	१८	३४	४२
६०	४४	७७	५/३	६०	२/०	३	६०
१७	३२	१३	ब	४१	ब	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणोकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५	२०	कृ	२२	३	व	५/१४	५३/४२	कौ	५	२०	२६/५३	६/३७	५/२३	१०	१९	१६	वृषे	
२	गु	०	५७	रो	१९	१४	शि	५१	५४	ग	०	५७	४९	३८	२२	११	२०	१७	मि४७।३१	भ. २८।१८ उ. ५५।३८ या.
३	गु	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	शु	५०	११	मृ	१५	४८	सि	४४	४०	ब	२२	१४	४६	३९	२१	१२	२१	१८	मिथुने	पूषायां शुक्रः ८।२१ च. व्र.
५	श	४४	४५	आ	१२	११	सा	३७	३	कौ	१७	२८	४३	३९	२१	१३	२२	१९	क.५४।२३	मार्गी शनिः ३८।१८
६	र	३९	२७	पु	८	२८	शु	२८	४१	ग	१२	६	४०	४०	२०	१४	२३	२०	कर्के	भ. ३९।२७ उ.
७	चं	३४	१३	पु	४	५१	शु	२२	१६	वि	६	५०	३७	४१	१९	१५	२४	२१	कर्के	भ.५६/०या.दृश्योवृश्चिकेऽर्कः५२/४८ पातस्प.५५/२०
८	मं	२९	९	श्ले	१/२४	५६/४९	ब्र	१५	७	बा	१	४१	३४	४१	१९	१६	२५	२२	सिं१।२४	वृश्चिकेऽर्कःसौरः१४/४० वक्रीमृगे४ गुरुः२५/६+
९	बु	२४	२१	पू	५५	१८	ऐं	८	३	ग	२४	२१	३१	४२	१८	१७	२६	२३	सिंहे	भ. ५२।७ उ. +पातमोक्षः ९।८
१०	गु	१९	५४	उ	५२	४८	वै	५/११	५३/३१	वि	१९	५४	२९	४२	१८	१८	२७	२४	कं.९।४०	भ. १९।५४ या.
११	शु	१५	५०	ह	५०	४२	प्री	४८	४०	बा	१५	५०	२६	४३	१७	१९	२८	२५	कन्यायां	दृश्योऽनुराधायां रविः ११।१२ सौरः३२/२८×
१२	श	१२	२८	चि	४९	१४	आ	४३	९	तै	१२	२८	२४	४३	१७	२०	२९	२६	तु.१९।५८	प्रदोष व्र.
१३	र	९	४०	स्वा	४८	२७	सौ	३८	११	व	९	४०	२१	४४	१६	२१	३०	२७	तुलायां	भ.९।४० उ.३/४५ या. ×उत्पत्ति ११व्र.
१४	चं	७	५०	वि	४९	३	शो	३४	३	श	७	५०	१६	४४	१६	२२	१	२८	वृ.३३।५८	वक्री बुधः४३/२४ पूषायां भौमः५७/१७ राष्ट्रीय*
३०	मं	७	२४	अ	५०	४७	अ	३१	२	ना	७	२४	१९	४५	१५	२३	२	२९	वृश्चिके	सूर्यग्रहणम् *मार्गशीर्षारम्भः

३२पं. मा.कृ.८मं.इ २६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	८	१०	१	७
०	८	२२	६	१७	१६	११	०
३३	२२	५८	३९	४६	५९	४०	११
४७	५२	४	५४	४४	४२	१८	४६
६०	४४	४४	५/२	५७	१०/८	३	६०
३०	४८	३८	ब	५८	मा	११	४०

गोचरग्रहाः

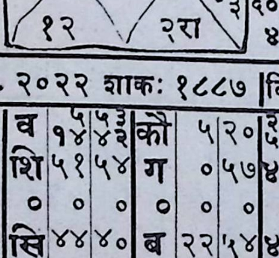

मार्ग. कृ.८ भौमे वृश्चिकेऽर्कःप्रवा.३ न.४ गताल्कावस्था(ऊभी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

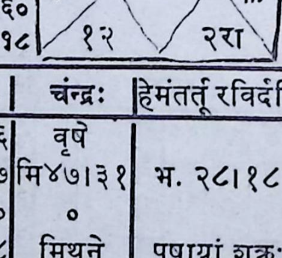

३३पं.मा.कृ.१३मं.इ.२६।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	८	१०	१	७
७	१३	२५	५	२४	१७	११	७
३७	४१	४४	५८	३१	४	१८	१७
३७	३८	३१	१९	५२	३४	३	१९
६०	४५	५/३	६/११	५४	१	३	६०
४२	३	ब	ब	३१	७	११	५३

×चंमंशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२५१ स.१९६५
१	बु	८	८	ज्ये	५४	४८	सु	२९	१९	ब	८	८	२६/१३	६/४५	५/१५	२४	३	३०	ध.५४।८	
२	गु	१०	३८	मू	५८	४०	धृ	२८	१२	कौ	१०	३८	११	४६	१४	२५	४	३१	धनुषि	उषायां शुक्रः ४७।६ चन्द्रदर्शनम्
३	शु	१४	१९	पू	६०	०	शू	२८	३१	ग	१४	१९	८	४६	१४	२६	५	१	धनुषि	भ. ४७।० उ. सावान ८
४	श	१९	४०	पू	४	४१	गं	२९	२८	वि	१९	४०	६	४७	१३	२७	६	२	म.२१।२२	भ.१९।४० या. पश्चिमास्तो बुधः३७।४३
५	र	२५	३३	उ	११	२५	वृ	३१	१८	बा	२५	३३	३	४७	१३	२८	७	३	मकरे	पातस्पर्शः ५५।३
६	चं	३२	१	श्र	१८	५६	ध्रु	३३	४७	तै	३२	१	१	४८	१२	२९	८	४	कुं.५२।४३	मकरे शुक्रः१३/५७ चंपा६ पातमोक्षः१५।३२
७	मं	३८	२५	ध	२६	३०	व्या	३६	५७	ग	५	१३	२५/५९	४८	१२	३०	९	५	कुम्भे	भ. ३८।२५ उ.
८	बु	४४	२३	श	३३	५१	ह	३८	०	वि	११	२४	५७	४९	११	१	१०	६	कुम्भे	भ.११।२४ या. दिसंबर मा.१२ ता.३१
९	गु	४९	११	पू	४०	१	व	३९	३	बा	१६	४७	५५	४९	११	२	११	७	मी२३।२९	दृश्यो ज्येष्ठा. रविः२१।२२ (सौरः ३९/२८)
१०	शु	५२	२४	उ	४४	५३	सि	३९	१०	तै	२०	४७	५३	४९	११	३	१२	८	मीने	वक्री अनु. बुधः १२।२२
११	श	५३	४८	रे	४७	५८	व्य	३८	१	व	२३	६	५१	५०	१०	४	१३	९	मे.४७।५८	भ.२३/६ उ.५३/४८ या. मोक्षदा११व्र. गीताज.
१२	र	५३	१७	अ	४९	१६	व	३५	१२	ब	२३	३३	४९	५०	१०	५	१४	१०	मेषे	मोक्षदा ११ व्र. नि.
१३	चं	५०	५४	भ	४८	३७	प	३०	५१	कौ	२२	५	४८	५०	१०	६	१५	११	मेषे	
१४	मं	४६	३७	कृ	४६	११	शि	२५	७	ग	१८	४५	४६	५१	९	७	१६	१२	वृ. ३।०	भ. ४६।३७ उ.
१५	बु	४१	५	रो	४२	२१	सि	१८	७	वि	१३	५१	४५	५१	९	८	१७	१३	वृषे	भ.१३/५१ या. पूर्वोदयी बुधः५७/४८ दत्त जयंती

३४ पं.मा.शु.७मं.इ.२५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	९	१०	१	७
१४	१९	२०	५	१	१७	१०	१४
३२	३	४५	११	०	१३	५५	२४
५४	४३	०	१०	५४	५६	४७	५
६०	४५	६८/१८	५/५	५०	१	३	६१
५०	१९	व	व	६	४८	११	३

गोचरग्रहाः

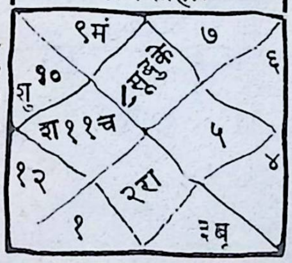

इस मास में ५ बुधवार हैं। रस पदार्थ तेज रहें। धान्यादि वस्तुओं व रुई में मंदी हो चांदी में घटाबढ़ी

गोचरग्रहाः

३५ पं.मा.शु.मं१४.इ.२५।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	९	१०	१	७
२१	२४	१२	४	६	१७	१०	२१
४८	२६	९	१८	५४	२८	३३	३१
५८	४६	४०	२५	७	१६	३२	५२
६०	४५	६९/४८	३७/५	४४	२	३	६१
५६	३४	व	व	३२	२९	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३४	१४	मृ	३७	२५	सा	१०	७	बा	७	४०	२५/४४	६/५१	५/९	९	१८	१४	मि९।५३	
२	शु	२७	१४	आ	३२	३	शु	२३/१	५०/५८	ग	२७	१४	४२	५२	८	१०	१९	१५	मिथुने	भ. ४८।३५ उ. उषायां भौमः २१।७
३	श	१९	५६	पु	२६	३५	ब्र	४३	२४	वि	१९	५६	४१	५२	८	११	२०	१६	क.१२।५८	भ.१९/५६ या. श्र.शु.५९/३ च.व्र. पा.स्प.५७।८
४	र	१२	४८	पु	२१	१३	ऐं	३४	३८	बा	१२	४८	४०	५२	८	१२	२१	१७	कर्के	पातमोक्षः १७।२८
५	चं	६	१२	श्ले	१६	२०	वै	२६	८	तै	६	१२	३९	५२	८	१३	२२	१८	सिं१६।२०	मार्गी बुधः ११।८
६	मं	०	११	म	१२	३३	वि	१८	२४	व	०	११	३८	५२	८	१४	२३	१९	सिंहे	भ.११/० उ.२७/४१ या. मकरे भौमः३५/१४ वक्री*
७	मं	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	बु	५०	५८	पू	९	१२	प्री	११	१८	बा	२३	५	३८	५२	८	१५	२४	२०	कं.२३।३६	दृश्यो मूले धनु.२८।३४ (सौरः४३।१२)
९	गु	४७	३५	उ	६	४८	आ	५४/५१	५४/२२	तै	१९	१६	३७	५३	७	१६	२५	२१	कन्यायां	
१०	शु	४५	१५	ह	५	२०	शो	५४	२२	व	१६	२५	३७	५३	७	१७	२६	२२	तु.३५।८	भ.१६/२५ उ.४५/१५ या. कृत्ति. ४ राहुः अनु.२×
११	श	४३	५६	चि	४	५६	अ	५०	२०	ब	१४	३५	३७	५३	७	१८	२७	२३	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	र	४३	३५	स्वा	५	१७	सु	४७	११	कौ	१३	४६	३६	५३	७	१९	२८	२४	वृ.५१।३७	×केतु:५७।५० *मृगे.३ गुरुः३५/१६
१३	चं	४४	२५	वि	७	३	धृ	४४	४३	ग	१४	०	३६	५३	७	२०	२९	२५	वृश्चिके	भ. ४४।२५ उ. प्रदोषः
१४	मं	४६	१२	अ	९	२०	शू	४३	२०	वि	१५	१८	३६	५३	७	२१	३०	२६	वृश्चिके	भ. १५।१८ या.
३०	बु	४९	२०	ज्ये	१३	१०	गं	४२	४८	च	१७	४६	३६	५३	७	२२	१	२७	ध.१३।१०	ज्येष्ठा. बुधः५८।३ राष्ट्रीय पौषारम्भः

३६पं. पौ.कृ.६मं.इ.२५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	९	१०	१	७
२८	२९	९	३	१२	१७	१०	२८
५५	५२	२९	२१	०	४८	११	४०
५२	३४	१३	१८	४०	४	१६	३५
६१	४५	१५/१	७/५८	३७	३	३	६१
०	४४	मा	व	१	११	११	१९

गोचरग्रहाः

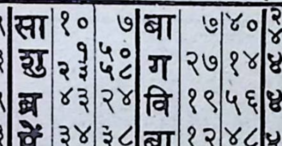

पौष कृ.८ बुधे धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न.३गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

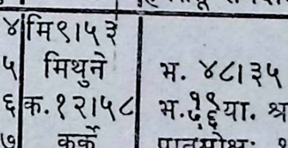

३७पं.पौ.कृ.१४मं.इ.२५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	२	९	१०	१	८
६	५	१५	२	१६	१८	९	५
३	२१	१३	२५	११	१२	४९	५०
२९	४	३४	१	१६	२२	०	०
६१	४५	५५	७/५२	२७	३	३	६१
४	४९	५६	व	३५	५२	११	२२

*चंबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४२८०स.१९६५
१	गु	५३	३०	मू	१७	५९	वृ	४२	५६	किं	२१	२५	३५/३६	५३/६	५/७	२३	२	२८	धनुषि	
२	शु	५८	५०	पू	२३	५३	ध्रु	४४	१२	बा	२६	१०	३७	५३	७	२४	३	२९	म.४०।३२	चंद्रदर्शनम्
३	श	६०	०	उ	३०	२९	व्या	४५	३३	तै	३१	५१	३७	५३	७	२५	४	१	मकरे	रमजान ९
३	र	४	५३	श्र	३७	५८	ह	४७	४०	ग	४	५३	३७	५३	७	२६	५	२	मकरे	भ. ३८।५ उ
४	चं	११	१६	ध	४५	३२	व	४९	३४	वि	११	१६	३८	५२	८	२७	६	३	कुं.११।४४	भ. ११।१६ या. श्रवणे भौमः १९।५८
५	मं	१७	५४	श	५३	१८	सि	५२	३२	बा	१७	५४	३८	५२	८	२८	७	४	कुंभे	दृश्यः पूषायां रविः ३३/३० सौरः४४।५०
६	बु	२४	१४	पू	६०	०	व्य	५४	२३	तै	२४	१४	३९	५२	८	२९	८	५	मी४३।२९	
७	गु	२९	३७	पू	०	१२	व	५५	१०	व	२९	३७	४०	५२	८	३०	९	६	मीने	भ. २९।३७ या.
८	शु	३३	५०	उ	६	२	प	५५	१२	वि	१	४३	४०	५२	८	३१	१०	७	मीने	भ. १।४३ या.
९	श	३६	१४	रे	१०	४२	शि	५३	३३	बा	५	२	४१	५२	८	१	११	८	मे.१०।४२	जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९६६
१०	र	३६	४२	अ	१३	१८	सि	५०	३२	तै	६	२८	४२	५२	८	२	१२	९	मेषे	
११	चं	३५	११	भ	१३	४८	सा	४५	४५	व	५	५७	४३	५१	९	३	१३	१०	वृ.२८।२७	भ. ५/७ उ. ३५/५१ या. मूले धनुषि बुधः ४९/३×
१२	मं	३१	२३	कृ	१२	२५	शु	३३	२२	ब	३	१७	४४	५१	९	४	१४	११	बृषे	वक्री शुक्रः ३३।१६ ×पुत्रदा ११ व्र.
१३	बु	२५	५७	रो	९	१३	शु	३१	३४	तै	२५	५७	४६	५१	९	५	१५	१२	मि३६।३९	प्रदोषः
१४	गु	१८	४३	मृ	४/६	५३/५०	ब्र	२२	२४	व	१८	४३	४७	५१	९	६	१६	१३	मिथुने	भ. १८।४३ उ. ४४।३८ या.
१५	शु	१०	३४	पु	५१	८	ऐं	१२	३८	ब	२०	३४	४९	५०	१०	७	१७	१४	क.३७।५०	माघ स्ना. प्रा.

३८पं.पौ.शु.५मं.इ.२५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	२	९	१०	१	८
१३	१०	२२	१	१९	१८	९	१२
११	४९	२२	२८	३	४१	२६	५९
२१	५९	३७	३४	२५	६	४५	५२
६१	४५	७५	७/३८	१५	४	३	६१
६	५९	५	व	२८	३१	११	२६

गोचरग्रहाः

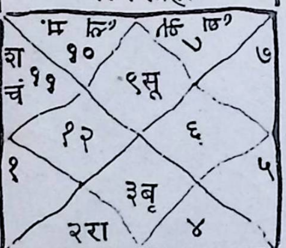

इस मास का फल श्रेष्ठ है। धान्यादि में मंदी सुदी में शुक्र को चंद्रदर्शन से सोना चांदी रुई तेज।

गोचरग्रहाः

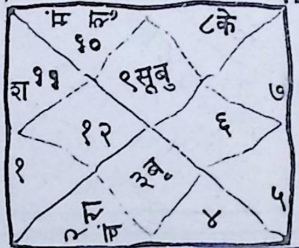

३९पं.पौ.शु.१२मं.इ.२५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	२	९	१०	१	८
२०	१६	१	०	२०	१९	९	२०
१९	१९	४७	३५	२२	१३	४	९
२६	५५	३८	४२	१	५	२९	४९
६१	४६	८५	७/१	०	४	३	६१
६	५	४३	व	१९	५९	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१	४६	पु	४४	७	वै	२/१८	४९/३५	कौ	१	४६	२५/५१	६/५०	५/१०	८	१८	१५	कर्के	
२	श	५१	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	४४	१६	श्ले	३७	११	प्री	४१	४७	व	१८	३७	५२	५०	१०	९	१९	१६	सिं३७।११	भ. ३८/३७ उ. ४४/५६ या. वक्री मृग. २ गुरुः २७/३८
४	चं	३६	२७	म	३१	१	आ	३२	१९	ब	१०	२१	५४	४९	११	१०	२०	१७	सिंहे	दृ.उषा. रविः ३८/१४ सौरः ४६।१७ च.व्र.
५	मं	२९	३६	पू	२५	५८	सौ	२३	२०	तै	२९	३६	५६	४९	११	११	२१	१८	कं.४०।४	
६	बु	२४	१७	उ	२२	२२	शो	१५	४७	व	२४	१७	५८	४८	१२	१२	२२	१९	कन्यायां	भ.२४।१७ उ.५२/१५ या. पूषा. बु.३१।५३
७	गु	२०	१२	ह	१९	५६	अ	९	१९	ब	२०	१२	२६/१	४८	१२	१३	२३	२०	तु.४९।२९	दृश्यःमकरेऽर्कः ५४/३८ धनिष्ठा.भौमः २१/४९ पूभा.=
८	शु	१७	४८	चि	१९	३	सु	३/५८	५५/५६	कौ	१७	४८	३	४७	१३	१४	२४	२१	तुलायां	मकरेऽर्कः सौरः १।४२ =२ शनिः २५/४
९	श	१७	८	स्वा	१९	३४	शू	५६	४९	ग	१७	८	५	४७	१३	१५	२५	२२	तुलायां	भ. ४७।१० उ. +उषायां बुधः ४८/३८
१०	र	१७	११	वि	२१	३१	गं	५४	५९	वि	१७	११	८	४६	१४	१६	२६	२३	वृ. ६।२	भ. १७।११ या. पूर्वास्तो बुधः २६।२३
११	चं	१८	४६	अ	२४	४७	वृ	५४	००	बा	१८	४६	१०	४६	१४	१७	२७	२४	बृश्चिके	षट्तिला ११ व्र.
१२	मं	२१	३२	ज्ये	२९	४	ध्रु	५४	१६	तै	२१	३२	१२	४६	१४	१८	२८	२५	ध.२९।४	प्रदोषः
१३	बु	२५	३९	मू	३४	४०	व्या	५४	४०	व	२५	३९	१५	४५	१५	१९	२९	२६	धनुषि	भ. २५।३९ उ. ५७।५५ या.
१४	गु	३०	१२	पू	४०	५२	ह	५६	४	श	३०	१२	१७	४५	१५	२०	३०	२७	म.५७।३५	दृश्योऽभि. प्र. रविः२७।२३ सौरः३३।४+
३०	शु	३६	३३	उ	४७	४२	व	५८	१५	च	३	२२	२०	४४	१६	२१	१	२८	मकरे	कुम्भे भौमः५०।२५ राष्ट्रीय माघारम्भः

४०पं. मा.कृ.५मं.इ.२५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	९	१०	१	८
२७	२१	११	२९	१९	१९	८	२७
२७	२०	३७	४७	३९	४९	४२	१९
४०	५०	१९	४६	४	८	१४	४१
६१	४६	९२	६/१५	१५/५९	५	३	६१
६	५	१२	व	व	२६	११	२४

गोचरग्रहाः

माघ कृ. ७ गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

४१पं.मा.कृ.१२मं.इ.२५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	१	९	१०	१	९
४	२७	२२	२९	१६	२०	८	४
३५	२२	४७	७	५३	२९	१९	२९
३१	१	१०	५	४६	१३	५८	१०
६१	४६	९७	५/७	२९/३४	५	३	६१
३	९	१७	व	व	५४	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	श	४२	१७	श्र	५४	५७	सि	५९	५६	किं	९	२५	२६/२२	६/४४	५/१६	२२	२	२९	मकरे
२	र	४८	३८	ध	६०	०	व्य	६०	०	बा	१५	२७	२५	४३	१७	२३	३	३०	कु.२८।४५
३	चं	५५	२०	ध	२	३३	व्य	२	१०	तै	२१	५९	२७	४३	१७	२४	४	१	कुंभे
४	मं	६०	०	श	१०	८	व	४	२४	व	२८	३०	३०	४२	१८	२५	५	२	कुम्भे
४	बु	१	४०	पू	१७	३५	प	६	१७	वि	१	४०	३३	४१	१९	२६	६	३	मी०।४३
५	गु	७	१७	उ	२३	५९	शि	७	५७	बा	७	१७	३६	४१	१९	२७	७	४	मीने
६	शु	११	५७	रे	२९	३३	सि	८	५०	तै	११	५७	३९	४०	२०	२८	८	५	मे.२९।३३
७	श	१५	१३	अ	३३	४१	सा	८	२७	व	१५	१३	४२	४०	२०	२९	९	६	मेषे
८	र	१६	५२	भ	३४	५२	शु	६	४९	ब	१६	५२	४६	३९	२१	३०	१०	७	वृ.५०।१४
९	चं	१६	४१	कृ	३६	१९	शु	३/९	५५/२७	कौ	१६	४१	४९	३८	२२	३१	११	८	वृषे
१०	मं	१४	२०	रो	३४	५२	ऐं	५२	३३	ग	१४	२०	५२	३८	२२	१	१२	९	वृषे
११	बु	१०	१८	मृ	३१	२०	वै	४४	४१	वि	१०	१८	५५	३७	२३	२	१३	१०	मि ३।६
१२	गु	३	५८	आ	२६	७	वि	३५	३०	बा	३	५८	५९	३६	२४	३	१४	११	मिथुने
१३	गु	५२	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	शु	४७	२३	पु	१९	२९	प्री	२५	१५	ग	२१	५०	२७/२	३६	२४	४	१५	१२	क. ६।९
१५	श	३७	३८	पु	११	५२	आ	१४	३०	वि	१२	३५	६	३५	२५	५	१६	१३	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३१० स.१९६६

दृश्यः श्रवणे रविः४६।३ (सौरः ४९।१) मकरे✱
अभि.नि. रविः४५।७ (दृश्यः ३६।५) शुक्रास्तः×
भ. ३८।० उ. ×प.२५।१२ सव्वाल१०
भ.४०।१ या. ✱बुधः४८।३ चंद्रद. शु.अ.प.
वसंत ५
+पातमोक्षः५४।८ =पूर्वस्याम्१९।४८ शु.उ.पू.
भ.५५।१३ उ.४६।२या. श्रवणे बुधः१९।३ शुक्रोद.=
शतेभौमः३९।० भीष्माष्टमी पातस्पर्शः३९।०+
वक्री उषायां शुक्रः ३।१३
भ. ४२।१९ उ. **फरवरी मा.२ ता.२८**
भ. १०।१८ या. जया ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ४७।२३ उ. ÷(सौरः ५४।५२)
भ.१२।३५या. दृश्योघनिष्ठा.रविः५२।७÷

४२पं. मा.शु.४मं.इ.२५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	१०	१	९
११	२	३	२८	१३	२१	७	११
४२	५३	५५	३३	१५	११	५७	३८
५८	३८	५९	५४	११	३१	४२	१
६०	४६	०/०	३/५५	३५/५७	६	३	६१
५९	९	९/१३	ब	ब	१८	११	१३

गोचरग्रहाः

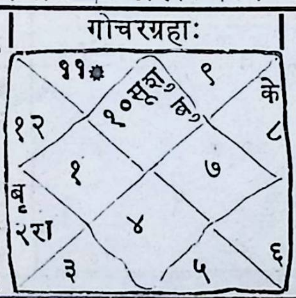

इस मासमें धान्य जौ गेहूँ चावल मूंग बाजरा ज्वार में मंदी होकर सुदीमें तेजी होगी चांदी सोना तेज वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

४३पं. मा.शु.१०मं.इ.२५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	१०	१	९
१८	८	१५	२८	९	२१	७	१८
४९	२४	२९	१०	१६	५७	३५	४६
२६	१०	३१	१६	१	०	२७	२
६०	४६	०/०	२/३८	३२/११	६	३	६१
५५	३	९/१२	ब	ब	३२	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	र	२७	५९	श्ले	५९/३	५२/३९	सौ	३/२१	४९/०	कौ	२७	५९	२७/९	६/३४	५/२६	६	१७	१४	सि३।५९
२	चं	१८	३१	पू	४९	११	अ	४१	४८	ग	१८	३१	१३	३३	२७	७	१८	१५	सिंहे
३	मं	९	४७	उ	४३	१२	सु	३२	२०	वि	९	४७	१६	३३	२७	८	१९	१६	कं.२।४२
४	बु	२	१८	ह	३९	१२	धृ	२४	९	बा	२	१८	२०	३२	२८	९	२०	१७	कन्यायां
५	बु	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	गु	५२	४५	चि	३६	११	शू	१७	६	ग	२४	४०	२४	३१	२९	१०	२१	१८	तु.७।४२
७	शु	५०	३८	स्वा	३५	२०	गं	११	४८	वि	२१	४२	२७	३१	२९	११	२२	१९	तुलायां
८	श	५०	३५	वि	३६	२९	वृ	७	४७	बा	२०	३७	३१	३०	३०	१२	२३	२०	बृ.२१।१२
९	र	५२	१७	अ	३९	२८	ध्रु	५	३५	तै	२१	२६	३५	२९	३१	१३	२४	२१	बृश्चिके
१०	चं	५५	१९	ज्ये	४३	४७	व्या	४	२६	व	२३	४८	३८	२८	३२	१४	२५	२२	ध.४३।४७
११	मं	५९	४७	मू	४९	२७	ह	४	४६	ब	२७	३३	४२	२८	३२	१५	२६	२३	धनुषि
१२	बु	६०	०	पू	५५	५४	व	५	२९	कौ	३२	२६	४६	२७	३३	१६	२७	२४	धनुषि
१२	गु	५	५	उ	६०	०	सि	७	११	तै	५	५	५०	२६	३४	१७	२८	२५	म.१२।४४
१३	शु	११	२३	उ	३	१२	व्य	९	५	व	११	२३	५४	२५	३५	१८	२९	२६	मकरे
१४	श	१७	४०	श्र	१०	३३	व	११	२१	श	१७	४०	५८	२४	३६	१९	३०	२७	कुं.४४।१९
३०	र	२४	३	ध	१८	५	प	१३	४२	ना	२४	३	२६/२	२४	३६	२०	१	२८	कुंभे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

धनिष्ठा.बुधः१।७ ×केतुः५१।४१ महाशिव.व्र.स्मा
भ.४४।९ उ. =महाशिवरात्री व्र. वै.
भ. ३।४७ या. च. व्र.
कुम्भे बुधः४०।१९ +विजया ११व्र.
भ. ५२।४५ उ. *भौमः ४।३१
भ. २१।४१ या.
दृश्यः कुम्भेऽर्कः २७।२२ (सौरः २८।४९)
शते बुधः२३।१४ पूभा.२ शनिः ३५।१ अस्तो*
भ. २३।४८ उ. ५५।१९ या. मार्गी गुरुः २६।१९
विजया ११ व्र. स्मा.
मार्गी शुक्रः ५०।२५ पूभायां भौमः १०।३०+
प्रदोषः
भ.११।२३ उ.४४।३१या. कृत्तिका.३ राहुःअनु.१×
दृश्यः शतें रविः ३।४३ (सौरः ४।११)=
पूभायां बुधः ३२।५१ राष्ट्रीय फाल्गुनारंभः

४४पं. फा.कृ.३मं.इ.२५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	१०	१	९
२५	१३	२७	२७	६	२२	७	२५
५५	५४	४३	५५	९	४३	१३	५२
१६	५४	१६	१९	३६	४१	११	४९
६०	४६	०/०	११	११/४२	६	३	६०
४७	३	२९	ब	ब	४९	११	५५

गोचरग्रहाः

फाल्गुनकृ.८शनौ कुम्भेऽर्कः:प्र.वा.३ न.३गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

४५पं.फा.कृ.११मं.इ.२५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	९	१०	·१	१०
३	१९	१०	२७	४	२३	६	२
०	२५	२६	५१	५७	३२	५०	५८
४	३७	२८	४	७	५८	५६	५२
६०	४५	०/०	१२	३/१०	७	३	६०
३७	५८	२	मा	ब	२	११	४२

*चंमंश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×राचंबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३४०स.१९६६
१	चं	३०	२५	श	२५	३३	शि	१५	४८	ब	३०	२५	२६	२३	३७	२१	२	२९	कुम्भे	अस्तं शनिः ३९।३५
२	मं	३६	२२	पू	३२	४५	सि	१७	४७	बा	३	२३	१०	२२	३८	२२	३	३०	मी १५।५७	पश्चिमोदयी बुधः ५५/३ चंद्रद. फुलरिया२
३	बु	४१	३५	उ	३९	१०	सा	१९	१८	तै	८	५८	१४	२१	३९	२३	४	१	मीने	जिलकाद ११
४	गु	४५	५०	रे	४४	४५	शु	२०	३	व	१३	४२	१८	२०	४०	२४	५	२	मे.४४।४५	भ. १३।४२ उ. ४५।५० या.
५	शु	४९	३३	अ	४९	२६	शु	२०	११	ब	१७	४२	२२	२०	४०	२५	६	३	मेषे	
६	श	५१	४१	भ	५२	५६	ब्र	१९	३६	कौ	२०	३७	२६	१९	४०	२६	७	४	मेषे	मीने बुधः ९।२८
७	र	५२	२४	कृ	५४	४७	ऐं	१७	३५	ग	२२	२	३०	१८	४१	२७	८	५	वृ.८।२४	भ. ५२।२४ उ.
८	चं	५१	२६	रो	५४	११	वै	१४	२१	वि	२१	५५	३४	१७	४३	२८	९	६	वृषे	भ २१/५५ या. उभायांबुधः ४३/३८ मीनेभौमः ५५/२७ *
९	मं	४८	३६	मृ	५३	३८	वि	९	५१	बा	२०	१	३८	१६	४४	१	१०	७	मि२३।५५	मार्च मा. ३ ता. ३१ *होलाष्टकं
१०	बु	४४	१७	आ	५०	२२	प्री	३/३८	५२/४०	तै	१६	२६	४२	१६	४४	२	११	८	मिथुने	
११	गु	३८	२२	पु	४५	३८	सौ	४७	४४	व	११	१९	४६	१५	४५	३	१२	९	क.३१।४९	भ. ११/१९ उ.३८।२२ या. आमलकी ११व्र.
१२	शु	३०	३८	पु	३९	३०	शो	३८	४	ब	४	३०	५०	१४	४६	४	१३	१०	कर्के	दृश्यः पूभायां रविः १९/४८ (सौरः १९/५८)+
१३	श	२२	०	श्ले	३२	२६	अ	२७	३९	तै	२२	०	५४	१३	४७	५	१४	११	सिं३२।२६	श्रवणे शुक्रः ३९/५८ उभायां भौमः ९।७
१४	र	१२	२६	म	२४	४१	सु	१६	४२	व	१२	२६	५८	१२	४८	६	१५	१२	सिंहे	भ. १२/२६ उ. ३७/३४ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरे
१५	चं	२	४२	पू	१६	५७	धृ	५/५०	४९/४१	ब	२	४२	२९/२	१२	४८	७	१६	१३	कं.३०।७	छारंडी +प्रदोषः दृश्यः १९/४८

४६पं.फा.शु.२मं.इ.२५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	९	१०	१	१०
१०	२४	२३	२७	५	२४	६	१०
३	५६	२०	५६	४५	२२	२८	३
३२	२८	२०	२८	११	३०	४०	२५
६०	४५	५४/०	·१	१३/३१	७	३	६०
२५	५८	८/२१	२७	मा	१३	११	३१

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. ८ चंद्रे
मीनेऽर्कः प्र. वा. ३
नं.४गतालकावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्याभाव सम)
शुक्रोदयं पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.शु.९ मं.इ.२६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	१	९	१०	१	१०
१७	०	४	२८	८	२५	६	१७
५	२३	४०	११	१७	१३	६	६
४६	२८	४१	२०	६	३४	२४	१४
६०	४५	८५	२	२५	७	३	६०
१२	४७	३७	५५	४८	२०	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०२२ शाकः १८८७													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तूर्रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४४	२६	उ	९	३५	गं	४५	२५	तै	१८	४५	२९/६	६/११	५/४९	८	१७	१४	कन्यायां	
३	बु	३६	५६	ह	३/२	५५/२५	वृ	३६	४४	व	१०	४१	१०	१०	५०	९	१८	१५	तु.३१।५	भ. १०/४५ उ. ३६/५५ या. पातस्पर्शः १९ पातःमो. १६/५३
४	गु	३१	१७	स्वा	५६	६	ध्रु	२९	३६	ब	४	६	१४	९	५१	१०	१९	१६	तुलायां	चतुर्थी व्र.
५	शु	२७	३३	वि	५५	१४	व्या	२४	८	तै	२७	३३	१९	८	५२	११	२०	१७	वृ.४०।२७	
६	श	२६	११	अ	५६	३९	ह	२०	१४	व	२६	११	२३	७	५३	१२	२१	१८	वृश्चिके	भ. ३६/११ उ. ३६/२७ या. वक्री बुधः ३।२३
७	र	२६	४३	ज्ये	६०	०	व	१८	१५	ब	२६	४३	२७	७	५३	१३	२२	१९	वृश्चिके	पूभा.३ शनिः ४६ पश्चिमास्तो बुधः ५४/१०
८	चं	२९	१२	ज्ये	०	१७	सि	१७	४७	कौ	२९	१२	३२	६	५४	१४	२३	२०	ध.०।१७	दृश्यो मीनेऽर्कः ३०/४५ (सौरः १९/१८)शीतलापू.
९	मं	३३	३०	मू	५	२१	व्य	१८	१२	तै	१	२१	३६	५	५५	१५	२४	२१	धनुषि	
१०	बु	३८	५४	पू	११	३४	व	१९	३४	व	६	१२	४०	४	५६	१६	२५	२२	म.२८।२५	भ. ६।१२ उ. ३८।५४ या.
११	गु	४५	७	उ	१८	५६	प	२१	५३	ब	१२	०	४४	३	५७	१७	२६	२३	मकरे	दृश्य उभायां रविः ४१/४ (सौरः ३९/५४) पाप-×
१२	शु	५१	२६	श्र	२६	२०	शि	२४	१३	कौ	१८	१७	४९	२	५८	१८	२७	२४	मकरे	
१३	श	५७	५९	ध	३४	१	सि	२६	४४	ग	२४	४२	५३	१	५९	१९	२८	२५	कु.०।१०	भ.५७।५९उ. प्रदोषः ×मोचनी११व्र.
१४	र	६०	०	श	४१	२७	सा	२८	५४	वि	३०	५९	५७	१	५९	२०	२९	२६	कुम्भे	भ. ३०।५९ या.
१४	चं	३	५९	पू	४८	२३	शु	३१	४५	श	३	५९	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	२७	मी३१।३९	
३०	मं	९	२९	उ	५४	२२	शु	३०	५६	ना	९	३९	६	५/५९	१	२२	१	२८	मीने	रेवत्यां भौमः२८।४८ राष्ट्रीय चैत्रारंभः

४८पं. चै.कृ.२मं.इ.२६।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	१	९	१०	१	१०
२४	५	१०	२८	१२	२५	५	२४
६	५०	४७	३५	१०	४	४४	७
२९	२०	४९	१७	३७	५५	९	३७
५९	४५	३६	४	३५	७	३	६०
५८	४२	२	११	५५	२०	११	६

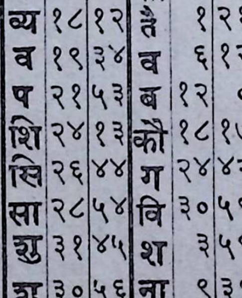

४९पं.चै.कृ.९मं.इ.२६।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१	९	१०	१	११
१	११	११	२९	१७	२६	५	१
५	१५	४१	८	२	५७	२१	७
४२	४०	१७	२०	४९	७	५३	१९
५९	४५	३३/५०	६	४३	७	३	५९
४१	३२	व	५५	५३	२०	११	४९

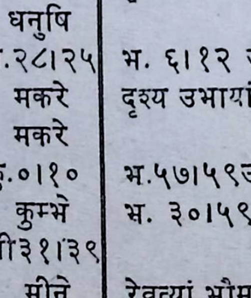

५०पं. चै.कृ.३०मं इ.२७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१	९	१०	१	११
८	१६	७	२९	२९	२७	४	८
३	३८	३	४९	४०	४८	५९	५
१८	४६	११	५२	१५	४३	३८	१४
५९	४५	५९/५६	६	४९	७	३	६१
२९	२२	व	२८	५१	१४	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः
लाभः

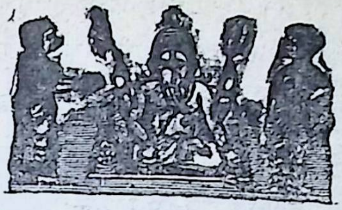

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६७ भोग्यकलिः ४२६९३३ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२३ शाकः १८८८ वर्षेऽस्मिन् राजा बुधः । मंत्री बुधः । सस्येशोशनिः । धान्येशोगुरुः। मेघेशोभौमः । रसेशोचन्द्रः । नीरसेशश्शनिः । फलेशोभौमः । धनेशोशुक्रः । दुर्गेशोभौम. । एतेदशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १३ सिद्धार्थीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ५।९।२७।२२ भोग्यमासादिः६।२०।३२।३८। नासत्यदैवतं युगम्।वर्षनाम मार्गशीर्षः। मेघनामपुष्करः। रोहिणीनिवासस्तटे। समय निवासो रजकगृहे। समय विश्वा ५। समयवाहनं सिंचाणुः। स्तंभ१जलस्य। सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी ३। अंगारकी चतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३८३ । तिथिक्षयः१६। तिथिवृद्धिः ९। उत्पतिविश्वा१०५ । खपतिविश्वा ९६ । वर्षाविश्वा ७ । धान्यम् १५ । तृणम् ९ । शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं १०१ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८ । शनिदृष्टिरुत्तरे। ग्रहणम् १ सूर्यस्य भारते।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् १।१८

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

मात भवानी अम्बिके भैरव तणों सवाल ।
शुभसंवत् तेवीस का कैसा निपजे माल ।।

भवानी उत्तर

तूं भैरव सुण ध्यान दे संवत्सर का हाल ।
राज प्रजा संपत्ति रहे मध्यम नीपजे माल ।।
राजा तो बुधजी भये मंत्री पद को पाय ।
धान्याधिप गुरुदेव है यह जग को हर्षाय ।।
मेघपति अरु फलपति गढपति मंगल जान ।
शुभफल को मध्यम करे मंगल की यह बान ।।
अधिक मास श्रावण बना इसका फल शुभ नांय ।
भाद्रव बुध भृगु योग से फिर जग को हर्षाय ।।
वर्षा विश्वा सात है स्तंभ लगा है एक ।
धर्म कर्म पर डटे रहो ईश्वर राखे टेक ।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरुका धर ध्यान ।
'बंसीधर' भगवान का भजन करे कल्याण ।।

संवत् २०२३ शाके १८८८
ज्येष्ठ कृ. ३० शुक्रे सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.	
उज्य.	घ.	२२	२५	२८	
मध्यम.	पल	५६	५०	२३	
रेल्वे	घं.	३	४	५	
टाइम	मि.	३७	४७	४८	

वर्षेश लग्नम् ८।२

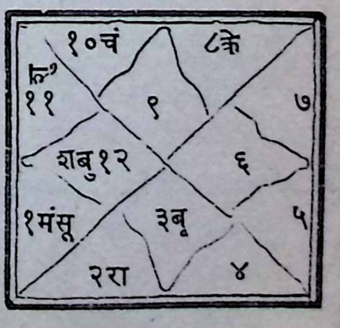

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२२।१३

(सं० २००१समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

*सूचंमंबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्–बुधस्यराज्ये सजलं महीतलं, गृहे गृहे तूर्यं विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री बुधस्तत्फलम्–शशिसुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिना कुरुते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहुवारि समन्वितम् यव मसूरि चणान्न महर्घता ।। सस्येश: शनिस्तत्फलम्–रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभि: परिपीड़ित विग्रह: । गदभयं तुष धान्य हरं सदा दुरितवाद विवाद युता नरा: ।। धान्येशो गुरु: फलम्–गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूमशालय: । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिन: ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम्–अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि, श्रुति विचार विहीन धरा भवा: । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ।। रसेशश्चन्द्र: फलम्–यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धन धान्यवती मही ।। नीरसेश: शनिस्तत्फलम्–त्रपुपिडादिलोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तूनाम् । अर्घ वृद्धि प्रजायेत मंदे नीरसनायके ।। फलेशो भौम: फलम्–फलपतियदि भूतनयो भवेत् सुबहु पुण्य फलान्वित मेदिनी । गत भयानृत देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रह कारका: ।। धनेश: शुक्रस्तत्फलम्–द्रविणपे भृगुजे द्रविणैर्युता: समधना सकला भुवि मानवा: । सम सुखा: क्रय विक्रय जीविनो नृपतयो जनपालनतत्परा: ।। दुर्गेशो भौम: फलम्–अवनिजो गढ़नायकतां गतो विविध दु:ख वियोग समन्वित: । जन पदेषु जना: क्रय विक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। सिद्धार्थीनाम संवत्सर: फलम्–सिद्धार्थी वत्सरे भूपा: शान्तवैरास्तथा प्रजा: । सकला वसुधाभाति बहु सस्यार्घ बृष्टिभि: ।। वर्षनाम मार्गशीर्ष: फलम्–कार्पासादि महर्घं स्यात् गोधूमाषतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवोवा मार्गशीर्षे विशेषत: ।। मेघनाम पुष्कर: फलम्–पुष्करे मंद वृष्टिश्च ।। रोहिणीनिवासस्तटे फलम्–तटे वृष्टि: सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम्–रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञै: कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२३ शाके १८८८ मध्ये विवाहमुहूर्ता:

वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु गोधूल्यां भौम ७ दोष:

वै. शु. ३ शनौ रोहि. ल. १०-११ रे. १० ।।।।।।।।।
,, ९ शुक्रे मघा. ल. ९-११ रे. ६ ।।।चोऽ।ऽ। गणितेन-क्रांति साम्याऽभाव: आवश्यके
,, ११ रवौ उफा. ल. ९-१० रे. ७ ।।।ऽबुऽशुऽरोऽ।।पाद-वेधाब्बुधस्य वेधाऽभाव:
,, १२ चंद्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. ९ रे.६ ऽऽ।ऽशुऽ।।।।। घ.४२ या. पादवेधात् शुक्रस्य वेधाऽभाव:

ज्ये.कृ. ३ शनौ मूले ल. १०:११ रे. ९ ।।।।।ऽ।।
,, ४ रवौ मूले ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽचोऽ।ऽ।।
,, ५ चन्द्रे उषा. ल.११ (घ.५०।७ उ.)रे.८ ।ऽ।।।।।।ऽ
,, ६ भौमे उषा. ल. अन्यगो.९ रे. ७ ।ऽ।।ऽरो।।।ऽ धनु-लग्ने गुरु ७ मध्यम:

ज्ये.शु. १ शनौ रोहि. ल.अन्यगो. सोग्रांग:रे.९ ।।।।।ऽचो।।।
,, १ शनौ मृगे ल. १०-११ रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।
,, ७ गुरौ मघा. ल. ९-११ रे. ७ ।।।।ऽअऽऽ।।
,, ९ शनौ उफा. ल. ९-१० रे. ८ ।।।।।ऽनृऽ।।
,, १२भौमे स्वा. ल. ७ (घ.४१ या.) रे. ८ ऽ।।ऽ।।।।।
,, १४गुरौ अनु. ल.११ (घ.४६।५२उ.) रे.८ ।।।ऽ।ऽ।।

आ. कृ. शनौ मूले ल. १०-११ रे. ८ ।ऽ।।ऽअ.।।।।
पौ.शु.५ चन्द्रे उभा. ल. अन्यगो ८ ।।।।।ऽअ.ऽ।।
,, १२चन्द्रे मृगे ल. अन्यगो. रे.८ ऽ।।।।।।ऽ तिथ्यंत.द.

मा.कृ.१ शुक्रे मघा. ल.८ रे.६ऽ।ऽबुऽऽनृ।।। पादतोवेधाभाव:
,, ४रवौ उफा. ल. गो. ८ रे. ७ ।।।ऽऽचो।ऽ।।
,, ५चन्द्रे हस्ते ल. गो. ८ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।
,, ११रवौ मूले ल. ८ रे. ६ ।।।।ऽनृऽऽ।ऽ दग्धा.

मा.शु.९ रवौ मृगेल.अन्यगो.८-१० रे.८।।।।ऽचोऽ।।।वृश्चिके चं. ७ पू. मकरे गु. ७ पू. रेखा ९
,, १५शुक्रे मघा. ल. ८ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।

फा.कृ.१शनौ उफा. ल. ८-१० रे. ७ ऽ।।ऽऽ।।।
,, २रवौ उफा. ल. गो. रे. ७ ऽ।।ऽऽनृ।।।
,, ९शनौ मूले ल.८ रे.६ऽ।ऽवृऽआ।ऽ।। पादतोवेधाऽभाव:
,, ११चंद्रे उषा. ल. अन्यगो.८ रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।। वृश्चिके नृपपंचक:

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभि: ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३७० स.१९६६
१	बु	१४	१	रे	५९	३७	ब्र	३२	३३	ब	१४	१	३/०	५/५८	६/२	२३	२	२९	मे.५९।३७	धनिष्ठा. शुक्रः ५५/५९ संवत्सरारंभः नवरा-*
२	गु	१७	४४	अ	६०	०	ऐं	३२	२०	कौ	१७	४४	१४	५७	३	२४	३	१	मेषे	मृगे३ मिथुने गुरुः ९/११ सिधारा जिल्हेज१२
३	शु	२०	२९	अ	३	५३	वै	३१	११	ग	२०	२९	१८	५६	४	२५	४	२	मेषे	भ. ५१।१९ उ. मत्स्य जयन्ती गणगौरी
४	श	२२	९	भ	७	८	वि	२९	२६	वि	२२	३	२३	५५	५	२६	५	३	वृ.१९।४२	भ. २२।९ या. *त्रारंभः चंद्रद.
५	र	२२	४२	कृ	९	१७	प्री	२७	१	बा	२२	४२	२७	५५	५	२७	६	४	वृषे	उदयः शनिः ५६।६
६	चं	२१	५५	रो	१०	१७	आ	२३	१७	तै	२१	५५	३१	५४	६	२८	७	५	मि४०।१२	पूर्वोदयी बुधः ५३।४८
७	मं	२०	७	मृ	१०	८	सौ	१८	३९	व	२०	७	३५	५३	७	२९	८	६	मिथुने	भ. २०।७ उ. ४८।३० या.
८	बु	१६	५२	आ	८	३६	शो	१२	४६	ब	१६	५२	३९	५२	८	३०	९	७	क.५१।३७	कुम्भे शुक्रः ४०।८ राम ९ स्मा.
९	गु	१२	३५	पु	५	५८	अ	६/५	५/१३	कौ	१२	३५	४४	५१	९	३१	१०	८	कर्के	दृश्यो रेवत्यां रविः ९/३२ (सौरः ७/२२)वक्री×
१०	शु	६	४८	पु	१/५८	५४/५५	धृ	४९	३८	ग	६	४८	४८	५०	१०	१	११	९	सिं५६।५३	भ. ३/२ ३/६ उ. कामदा११व्र.स्मा. अप्रेल मा.४+
११	श	०	४	म	५०	४४	शू	४०	२२	वि	०	४	५२	५०	१०	२	१२	१०	सिंहे	भ.०।४ या. कामदा११व्र.वै. +ता.३०
१२	श	५२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×कुम्भे बुधः १५।२९ रामनवमी वै.
१३	र	४३	३४	पू	४४	११	गं	३०	२५	कौ	१७	४९	५६	४९	११	३	१३	११	कं.५७।२८	मार्गी बुधः १२।९ प्रदोष व्र.
१४	चं	३४	४१	उ	३७	२१	वृ	२०	११	ग	९	८	३१	४८	१२	४	१४	१२	कन्यायां	भ. ३४।४१ उ.
१५	मं	२६	८	ह	३०	५४	ध्रु	१०	३०	वि	०	२५	४	४७	१३	५	१५	१३	तु.५८।११	भ. ०।२५ या. हनूमज्जयंती

५१पं. चै.शु.७ मं.इ.२७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	२	९	१०	१	११
१४	२२	१	०	२८	२८	४	१५
५९	०	५	३८	५४	३९	३७	१
१३	५४	२८	१७	४	४७	२२	१९
५९	४६	३६/२३	७	५४	७	३	५९
१६	३२	व	२६	२९	८	११	१८

गोचरग्रहाः

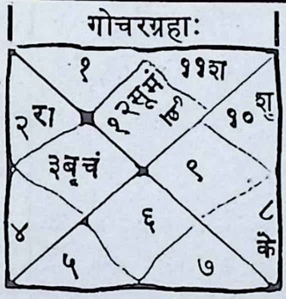

इस मास में गुड़ खांड घृत तेल तेज प्रजा में पीड़ा और अनाज के भाव साधारण चांदी सोना मंदा।

गोचरग्रहाः

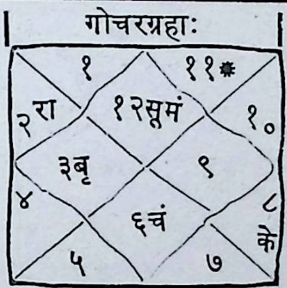

५२पं.चै.शु.१५मं.इ.२७।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	२	१०	१०	१	११
२१	२७	२९	१	५	२९	४	२१
५३	१९	४२	३४	३०	२९	१५	५५
३१	४४	१८	१२	५०	३५	६	३०
५९	४५	३७	८	५८	७	३	५९
४	७	२२	२८	७	१	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१८	१७	चि	२५	२८	व्या	५/२४	५१/५५	कौ	१८	१७	३१/८	५/४६	६/१४	६	१६	१४	तुलायां	मीने बुधः २९।० शते शुक्रः ३९।१५
२	गु	११	४७	स्वा	२१	१२	व	४६	२०	ग	११	४७	१२	४६	१४	७	१७	१५	तुलायां	भ. ३९।१५ उ.
३	शु	६	४४	वि	१८	४५	सि	४१	१०	वि	६	४४	१६	४५	१५	८	१८	१६	वृ.४।२२	भ. ६।४४ या. च. व्र.
४	श	३	४९	अ	१८	२२	व्य	३७	३३	बा	३	४९	२०	४४	१६	९	१९	१७	वृश्चिके	अश्वि.मेषे भौमः ५९ पू.भा.४मीने शनि. ४७/५७
५	र	३	२	ज्ये	२०	८	व	३५	३९	तै	३	२	२४	४३	१७	१०	२०	१८	ध.२०।८	
६	चं	४	२५	मू	२३	५६	प	३५	२६	व	४	२५	२८	४२	१८	११	२१	१९	धनुषि	भ. ४।२५ उ. ३६।५ या.
७	मं	७	४४	पू	२९	१७	शि	३६	८	ब	७	४४	३२	४२	१८	१२	२२	२०	म.४६।३	
८	बु	१२	३०	उ	३६	२१	सि	३८	३	कौ	१२	३०	३६	४१	१९	१३	२३	२१	मकरे	दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः ४३/३७ (सौरः ४१/५७)
९	गु	१८	३२	श्र	४३	३७	सा	४०	८	ग	१८	३२	४०	४०	२०	१४	२४	२२	मकरे	भ. ५१।३३ उ.
१०	शु	२४	३५	ध	५१	२०	शु	४२	४०	वि	२४	३५	४३	३९	२१	१५	२५	२३	कु.१७।२८	भ. २४।३५ या. उभायां बुधः ३१।८
११	श	३०	५४	श	५८	४३	शु	४४	५८	बा	३०	५४	४७	३९	२१	१६	२६	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	र	३६	४१	पू	६०	०	ब्र	४७	२	कौ	३	१८	५१	३८	२२	१७	२७	२५	मी४८।५७	मृग. ४ गुरुः २४।१७
१३	चं	४१	७	पू	५	४२	ऐं	४८	११	ग	८	५४	५५	३७	२३	१८	२८	२६	मीने	भ. ४१।७ उ. प्रदोषः
१४	मं	४६	७	उ	११	३५	वै	४८	२६	वि	१३	३७	५८	३६	२४	१९	२९	२७	मीने	भ. १३।३७ या. पूभायां शुक्रः ४४।३५
३०	बु	४९	१०	रे	१६	२०	वि	४७	५१	च	१७	९	३/२	३६	२४	२०	३०	२८	मे.१६।२०	

१पं. वै.कृ.८ बु.इ.४३।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	२	१०	११	१	०
०	३	२	२	१३	०	३	०
०	३३	१८	४५	४५	२७	४८	१
०	२५	३२	४३	४७	७	५८	३८
५८	४४	३४	९	६१	६	३	५८
४४	४७	१८	२७	२४	४०	११	४५

गोचरग्रहाः

वैशाख कृ. ८ बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

२पं.वै.कृ.३० बु.इ.४३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	२	१०	११	१	०
६	८	९	३	२१	१	३	६
५०	४८	२७	५३	२	१३	२६	५१
४२	४	३६	५३	४९	४३	४३	४९
५८	४४	५९	१०	६३	६	३	५९
३१	२६	२०	११	३१	२२	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:४३९९ स.१९६६
१	गु	५०	४८	अ	१९	५७	प्री	४६	१३	किं	१९	५९	३२/६	३५	२५	२१	१	२९	मेषे	राष्ट्रीय वैशाखारम्भः
२	शु	५१	२०	भ	२२	२३	आ	४३	५०	बा	२१	४	१०	३४	२६	२२	२	३०	वृ.३७।४८	कृत्ति.२ राहुः विशाखा.४ केतुः ५०/३१ चंद्रद.
३	श	५०	५०	कृ	२३	४९	सौ	४०	३४	तै	२१	५	१४	३३	२७	२३	३	१	वृषे	अक्षया ३ परशुराम जयन्ती मोहोरम१+
४	र	४९	८	रो	२४	८	शो	३६	२२	व	१९	५४	१७	३३	२७	२४	४	२	मि५४।१	भ.१९/५४ उ.४९/८ या. +सन् १३८६ हिजरी
५	चं	४६	५०	मृ	२३	५३	अ	३२	०	ब	१७	५९	२१	३२	२८	२५	५	३	मिथुने	
६	मं	४३	२३	आ	२२	३५	सु	२६	४३	कौ	१५	६	२५	३१	२९	२६	६	४	मिथुने	रेवत्यां बुधः ४४।४ भरण्यां भौमः ५०/४८
७	बु	३९	२४	पु	२०	३४	धृ	२०	४८	ग	११	२३	२९	३०	३०	२७	७	५	क. ६।५	भ.३९/२४ उ.दृश्योभरण्यांरविः २३/५३ (सौरः १३/५६)
८	गु	३४	४४	पु	१८	०	शू	१४	१७	वि	७	४	३२	३०	३०	२८	८	६	कर्के	भ. ७।४ या.
९	शु	२९	१५	श्ले	१३	५५	गं	७/२१	५२/३	कौ	२९	१५	३६	२९	३१	२९	९	७	सिं१३।५५	मीने शुक्रः ६।३४ पातस्पर्शः ५६।३१
१०	श	२२	१४	म	१०	२९	ध्रु	५१	३६	ग	२२	१४	४०	२८	३२	३०	१०	८	सिंहे	भ. ४९।१९ उ. पातमोक्षः ७।४३
११	र	१६	२४	पू	५	४९	व्या	४२	६	वि	१६	२४	४३	२७	३३	१	११	९	कं.१९।३४	भ.१६/२४ या. मोहिनी ११ व्र. मई मा.५ता.३१
१२	चं	९	३०	उ	५०/०	५४/५०	ह	३४	३५	बा	९	३०	४७	२७	३३	२	१२	१०	कन्यायां	उभायां शुक्रः १२।२१ प्रदोषः
१३	मं	२	२८	चि	५०	५४	व	२६	१३	तै	२	२८	५१	२६	३४	३	१३	११	तु.२३।१६	भ. ५५।३८ उ. नृसिंह जयन्ती
१४	मं	५३	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	बु	४९	५६	स्वा	४७	७	सि	१८	३२	वि	२२	४७	५४	२५	३५	४	१४	१२	तुलायां	भ. २२।४७ या. अन्नजल कुंभदानम्

३पं. वै.शु.४बु.इ.४४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	२	१०	११	१	०
१३	१३	१७	५	२८	१	३	१३
३९	५९	५९	७	३१	५७	४	४०
४३	२४	२७	८	५	५७	२७	१४
५८	४४	७९	१०	६५	६	३	५८
१७	१७	१८	५५	९	११	११	१२

गोचरग्रहाः

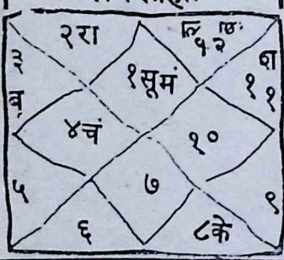

इस मास में पांच बुधवार हैं रस पदार्थ गुड़ खांड़ घृत तिल तेल अलसी तेज हो। धान्य भाव सम।

गोचरग्रहाः

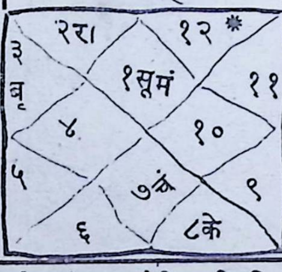

४पं.वै.शु.१५ बृ.इ.४४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	२	११	११	१	०
२०	१९	२८	६	६	२	२	२०
२७	८	२१	२५	८	३९	४२	२६
२२	३८	४३	२३	४९	४३	१२	५४
५८	४४	९६	११	६६	५	३	५७
६	७	३१	२६	३७	४५	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेवैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४३	५४	वि	४३	५७	व्य	११	३४	बा	१६	५५	३२/५७	२५	३६/५	५	१५	१३	वृ.२९।४४	अश्वि. मेषे बुधः ४५।३०
२	शु	४१	३६	अ	४२	४७	व	६	४४	तै	१२	४५	३३/१	२४	३६	६	१६	१४	बृश्चिके	आर्द्रा. १ गुरुः १।६
३	श	४०	८	ज्ये	४३	२०	प	१/१४	५७/२	व	१०	५२	४	२३	३७	७	१७	१५	ध.४३।२०	भ. १०।५२ उ. ४०।८ या.
४	र	४०	४१	मू	४५	४६	सि	५६	५८	ब	१०	२४	७	२३	३७	८	१८	१६	धनुषि	चतुर्थी व्र.
५	चं	४२	५३	पू	५०	७	सा	५६	४६	कौ	११	४७	१०	२२	३८	९	१९	१७	धनुषि	
६	मं	४६	४९	उ	५५	५९	शु	५७	५२	ग	१४	५१	१३	२१	३९	१०	२०	१८	म.६।३५	भ. ४६।४९ उ. *(सौरः ११/१०)
७	बु	५२	८	श्र	६०	०	शु	५९	५१	वि	१९	२९	१६	२१	३९	११	२१	१९	मकरे	भ.१९/२९ या. दृश्यः कृत्तिका. रविः ९।४८*
८	गु	५८	७	श्र	२	४४	ब्र	६०	०	बा	२५	८	१९	२०	४०	१२	२२	२०	कुं.३६।३१	उ.भा.१ शनिः ४९/२ पातस्पर्शः ३८/५ पात×
९	शु	६०	०	ध	१०	१८	ब्र	२	९	तै	३१	८	२२	२०	४०	१३	२३	२१	कुम्भे	भरण्यां बुधः १९।५८ ×मोक्षः ५३/२६
९	श	४	१०	श	१७	४६	ऐं	४	३४	ग	४	१०	२५	१९	४१	१४	२४	२२	कुम्भे	भ.३७/८ या. दृश्यो वृषेऽर्कः ३७/३ (सौरः ३९/०)=
१०	र	१०	६	पू	२४	५९	वै	६	४४	वि	१०	६	२८	१८	४२	१५	२५	२३	मी८।११	भ. १०/६ या. कृत्तिका. भौमः १/३५ पूर्वास्तो+
११	चं	१५	१६	उ	३१	१	वि	८	१४	बा	१५	१६	३०	१८	४२	१६	२६	२४	मीने	अपरा ११ व्र. स्मा. वै.
१२	मं	१९	२	रे	३५	५१	प्री	८	३८	तै	१९	२	३३	१७	४३	१७	२७	२५	मे.३५।५१	प्रदोषः
१३	बु	२१	३३	अ	३९	२०	आ	८	४	व	२१	३३	३६	१७	४३	१८	२८	२६	मेषे	भ.२१।२३ उ.५१।५८या. +बुधः५९।७
१४	गु	२२	२३	भ	४१	१७	सौ	६	११	श	२२	२३	३९	१६	४४	१९	२९	२७	वृ.५६।२१	वृषे भौमः ४०।१३ =रेवत्यां शुक्रः १०/४८
३०	शु	२१	४५	कृ	४१	३४	शो	३/६	५५/४८	ना	२१	४५	४१	१६	४४	२०	३०	२८	बृषे	कृत्तिका. बुधः २।२७ सूर्यग्रहणम्

५पं. ज्ये.कृ.७बु.इ.४४।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	२	११	११	१	०
२७	२४	१०	७	१३	३	२	२७
१३	१५	२१	४६	५४	१८	१९	१२
३४	४७	७	३७	१४	२२	५६	७
५७	४३	[illegible]	११	६८	५	३	५७
५४	५६	[illegible]	५८	२	२३	११	४५

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ.९ शनौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

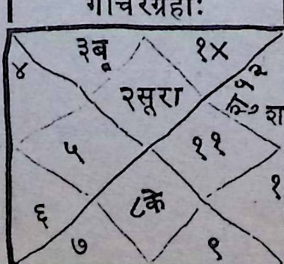

६पं.ज्ये.कृ.१३बु.इ.४४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	२	११	११	१	१
३	२९	२४	९	२१	३	१	३
५८	१९	०	११	४६	५४	५७	५५
२६	४१	२	४२	१९	७	४०	४६
५७	४३	[illegible]	१२	६८	४	३	५७
४४	३७	[illegible]	२२	४५	५३	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४४२९स.१९६६
१	श	१९	४६	रो	४०	५६	सु	५४	४	ब	१९	४६	३३/४५	५/१५	६/४५	२१	३१	२९	वृषे	वृषे बुधः ३९।३७ चन्द्रदर्शनम्
२	र	१६	४४	मृ	३९	२९	धृ	४८	२९	कौ	१६	४४	४६	१५	४५	२२	१	१	मि१०।११	आर्द्रा. २ गुरुः ४५/४७ सफर २ राष्ट्रीय+
३	चं	१२	५५	आ	३६	५९	शू	४२	७	ग	१२	५५	४८	१४	४६	२३	२	२	मिथुने	भ. ४०।३५ उ. +ज्येष्ठारंभः
४	मं	८	१४	पु	३४	८	गं	३५	४६	वि	८	१४	५०	१४	४६	२४	३	३	क.१९।५१	भ.८।२४या. ×अश्वि.मेषेशुक्रः५९।३६
५	बु	३	३८	पु	३१	१०	वृ	२९	१३	बा	३	३८	५२	१४	४६	२५	४	४	कर्के	दृश्यो रोहि.रविः०।३८(सौरः५।९)×
६	बु	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु	५२	५९	श्ले	२७	५५	ध्रु	२२	२४	ग	२५	३६	५४	१३	४७	२६	५	५	सिं२७।५५	भ. ५२।५९ उ. रोहि. बुधः १७।२४
८	शु	४७	४८	म	२४	४१	व्या	१५	२४	वि	२०	२३	५६	१३	४७	२७	६	६	सिंहे	भ. २०।२३ या.
९	श	४२	१५	पू	२१	१५	ह	८	२८	बा	१५	२	५८	१२	४८	२८	७	७	कं.३५।१९	
१०	र	३६	४६	उ	१७	३१	व	१/०	५३/७	तै	९	३०	३४/०	१२	४८	२९	८	८	कन्यायां	गंगादशमी
११	चं	३१	२०	ह	१४	२५	व्य	४७	२२	व	४	३	२	१२	४८	३०	९	९	तु.४२।४९	भ.४।३ उ.३१।२०या. निर्जला११व्र.
१२	मं	२६	१६	चि	११	१३	व	४१	०	बा	२६	१६	४	११	४९	३१	१०	१०	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	२१	५६	स्वा	८	३०	प	३५	२	तै	२१	५६	६	११	४९	१	११	११	वृ.५२।१	मृगे बुधः १८।३१ जून मा.६ ता.३०
१४	गु	१८	२	वि	६	३२	शि	२९	४२	व	१८	२	७	११	४९	२	१२	१२	वृश्चिके	भ.१८।२उ.४६/५२या.रोहि.भौमः३८।४५
१५	शु	१५	४२	अ	५	४१	सि	२५	३२	ब	१५	४२	९	१०	५०	३	१३	१३	वृश्चिके	गुर्जराणां वट सावित्री व्र.

७पं.ज्ये.शु.५त्रु.इ.४४।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	२	११	११	१	१
१०	४	८	१०	२९	४	१	१०
४२	२१	५०	३८	४२	२५	३५	३७
२५	५८	२	९	५४	५५	२५	५७
५७	४३	४८	१२	६९	४	३	५७
३५	२३	५८	४७	३५	२७	११	२३

गोचर ग्रहाः

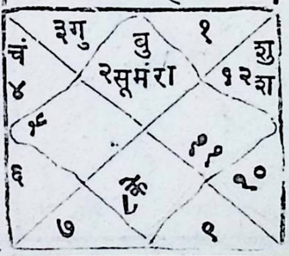

इस मास का फल श्रेष्ठ है धान्य जौ गेहूं चणा चावल रुई अफीम में मंदी होकर तेजी होगी।

गोचर ग्रहाः

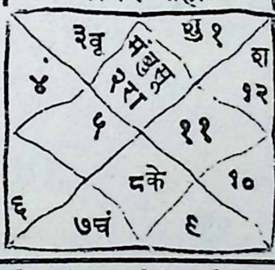

८पं.ज्ये.शु.१३त्रु.इ.४४।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	२	०	११	१	१
१७	९	२४	१२	७	४	१	१७
२५	२१	१६	८	४४	५४	१३	१९
८	१८	८	३१	४९	१८	९	३
५७	४३	७८	१३	७०	३	३	५७
२७	१	३२	१०	२२	४९	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	श	१४	२१	ज्ये	६	९	सा	२२	१३	कौ	१४	२१	३६/१०	५/१०	५/०	४	१४	१४	ध. ६।९	मिथुने बुधः २६।४३
२	र	१४	४४	मू	८	२	शु	२०	४३	ग	१४	४४	१२	१०	५०	५	१५	१५	धनुषि	भ. ४५।४८ उ.
३	चं	१६	५३	पू	११	२४	शु	१९	४३	वि	१६	५३	१३	९	५१	६	१६	१६	म.२७।४३	भ.५१।३६या. भरण्यांशुक्र ३६।४७ च.व्र.
४	मं	२०	२५	उ	१६	४३	ब्र	२०	२१	बा	२०	२५	१४	९	५१	७	१७	१७	मकरे	हृ.मृगेरविः५५/३४आर्द्रा बुधः४४/५८आर्द्रा.३+
५	बु	२५	२३	श्र	२३	२	ऐं	२१	४९	तै	२५	२३	१६	९	५१	८	१८	१८	कुं.५६।३३	मृगे रविः सौरः३।५८ पा.मो.१।२०
६	गु	३०	४६	ध	३०	४	वै	२३	५३	व	३०	४६	१७	९	५१	९	१९	१९	कुंभे	भ. ३०।४६ उ.
७	शु	३६	५३	श	३७	४१	वि	२६	२०	वि	३	५	१८	८	५२	१०	२०	२०	कुम्भे	भ. ३।५० या.
८	श	४३	०	पू	४५	१	प्री	२८	४१	बा	९	५६	१९	८	५२	११	२१	२१	मी२८।११	+गुरुः१५।४२पश्चि.बुधः१४/५०पा.स्प.३९/५२
९	र	४८	१२	उ	५१	५०	आ	३०	४३	तै	१५	६	२०	८	५२	१२	२२	२२	मीने	=५।४ योगिनी ११व्र. नि.
१०	चं	५२	१७	रे	५७	१०	सौ	३१	४६	व	२०	१४	२१	८	५२	१३	२३	२३	मे.५७।१०	भ. २०।१४ उ. ५२।१७ या.
११	मं	५४	५७	अ	६०	०	शो	३१	४२	ब	२३	३७	२१	८	५२	१४	२४	२४	मेषे	हृ.मिथुनेऽर्क ५४/१२योगिनी११व्र.स्मा.वै.
१२	बु	५५	३९	अ	१	२०	अ	३०	१४	कौ	२५	१८	२२	८	५२	१५	२५	२५	मेषे	मिथुनेऽर्कः सौरः ४।४५ पुन. बुधः=
१३	गु	५४	३८	भ	३	२८	सु	२७	२०	ग	२५	९	२२	८	५२	१६	२६	२६	वृ.१८।३५	भ. ५४।३८ उ. प्रदोषः
१४	शु	५१	५९	कृ	३	५४	धृ	२२	५८	वि	२३	१८	२३	७	५३	१७	२७	२७	वृषे	भ.२३।१८या. कृतिका.शुक्रः५४।४३
३०	श	४७	२९	रो	२/३३	५७/१३	शू	१७	३०	च	१९	४४	२३	७	५३	१८	२८	२८	मि३१।१०	

९प.आ.कृ.५त्रु.इ.४४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	२	०	११	१	१
२४	१४	८	१३	१५	५	०	२३
७	१८	२७	३९	५१	१८	५०	५८
१२	०	२३	५०	३६	३९	५४	५९
५७	४२	[illegible]	१३	७०	३	३	५७
२२	४१	[illegible]	२०	५८	१०	११	५

गोचर ग्रहाः

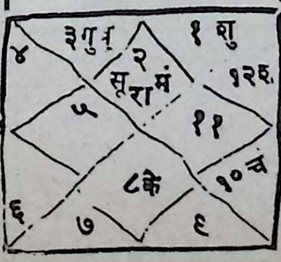

प्राषाढकृष्ण ११भौमे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यादि भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

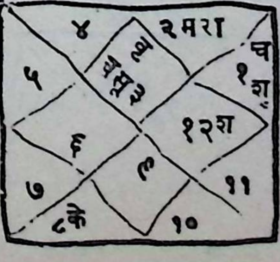

१०पं. आ.कृ.१२ बृ.इ. ४४/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	०	११	१	२
०	१९	२१	१५	२३	५	०	०
४८	२	७	१२	५९	३	२८	३८
२५	२२	८	२२	२७	४६	३८	८
५७	४२	[illegible]	१३	७१	२	३	५६
१७	३१	[illegible]	२८	२८	३१	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	४२	९	आ	५६	२	गं	१०	५३	किं	१४	४९	३४/२३	७	५३	१९	२९	२९	मिथुने
२	चं	३६	३	पु	५१	३६	वृ	३/४	५२/०	बा	९	६	२४	७	५३	२०	३०	३०	क.३७।३
३	मं	२९	१४	पु	४७	४	व्या	४७	३१	तै	२	३८	२४	७	५३	२१	३१	१	कर्के
४	बु	२२	२४	श्ले	४२	२९	ह	३९	२५	वि	२२	२४	२४	७	५३	२२	१	२	सिं४२।२९
५	गु	१६	३	म	३८	११	व	३१	५५	बा	१६	३	२४	७	५३	२३	२	३	सिंहे
६	शु	९	५६	पू	३४	२७	सि	२४	२७	तै	९	५६	२४	७	५३	२४	३	४	कं.४८।३३
७	श	४	२४	उ	३०	५२	व्य	१७	२०	व	४	२३	२३	७	५३	२५	४	५	कन्यायां
८	श	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
९	र	५४	३६	ह	२८	५	व	१०	४८	बा	२६	५६	२३	७	५३	२६	५	६	तु.५७।५
१०	चं	५०	७	चि	२६	६	प	४/४४	५४/३६	तै	२२	३०	२३	७	५३	२७	६	७	तुलायां
११	मं	४८	५	स्वा	२४	५०	सि	५५	२६	व	१९	६	२२	८	५२	२८	७	८	तुलायां
१२	बु	४५	४८	वि	२४	५	सा	५०	१३	ब	१६	५६	२२	८	५२	२९	८	९	वृ.९।१६
१३	गु	४४	२८	अ	२४	१०	शु	४६	५०	कौ	१५	८	२१	८	५२	३०	९	१०	वृश्चिके
१४	शु	४४	२०	ज्ये	२५	२८	शु	४४	१५	ग	१४	२४	२०	८	५२	१	१०	११	व.२५।२८
१५	श	४५	२३	मू	२७	५१	ब्र	४२	४९	वि	१४	५२	१९	८	५२	२	११	१२	धनुषि

ग्रीष्मर्तु रविर्द.ऽहर्गण:४४५८ स.१९६६

×३६/५५ मृगे भौम: ४२/५१ रविलावल ३

वृषे शुक्र: ५५।११ रथयात्रा चन्द्र द.

भ.५५/४९ उ.ह. आर्द्रा.रवि; ५५/४ कर्केबुध:×

भ.२२/२४या.आर्द्रा.रवि सौर: ६/१८आर्द्रा.४*

*गुरु: १५।१५ राष्ट्रीयआषाढारम्भ

पुष्ये बुध:७/४ मेषेराहु: तुला. केतु:४४/५३=

भ.४/२४उ ३१/५०या. =अस्तंगुरो:७/१२ श्र.गु.

+११ व्र. स्मा. वै.

D११ व्र. नि.

–जुलाई मा. ७ ता. ३१

भ.१९।६ उ.४८।५ या. देवशयनी÷

रोहिण्यां शुक्र: २२।४३ देवशयनीD

प्रदोष:

भ.४४।२० उ.मिथुने भौम: १९।४९–

भ. १४/५२ या. व्यास पूजा. वायु परीक्षा

११पं आ.शु ४बु.इ.४४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	२	१	११	१	२
७	२४	१	१६	२	५	०	७
२९	३	३०	४६	११	५४	६	१६
२४	४०	२२	४१	२०	१४	२२	३५
५७	४२	७९	१३	७१	१	३	५६
१३	१४	५५	३२	५०	५२	११	५४

गोचर ग्रहा:

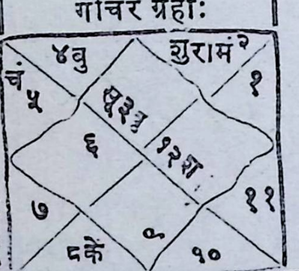

इस मास का फल अशुभ है वर्षा में कमी धान्य तेज सुदी में कहीं २ वर्षा होगी।

गोचर ग्रहा:

१२पं.आ.शु.१२बु.इ. ४४/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	२	१	११	०	२
१४	२८	९	१८	१०	६	२९	१३
९	३३	५१	२१	२६	४	४४	५४
५०	२४	१८	१८	३८	२६	७	४०
१७	४२	५५	१३	७२	१	३	५६
७	४	६	३८	१८	१४	११	५०

ति.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	४७	५२	पू	३१	३२	ऐं	४२	८	बा	१६	३८	६/८	८	५/२	३	१२	१३	म.४७।४४
२	चं	५०	५४	उ	३६	१९	वै	४२	१२	तै	१९	२३	१७	९	५१	४	१३	१४	मकरे
३	मं	५६	२०	श्र	४२	२९	वि	४३	४७	व	२३	३७	१५	९	५१	५	१४	१५	मकरे
४	बु	६०	०	ध	४९	१४	प्री	४५	३६	ब	२९	४	१४	९	५१	६	१५	१६	कुं.१५।५१
६	गु	१	४८	श	५६	४४	आ	४७	५४	बा	१	४८	३	९	५१	७	१६	१७	कुम्भे
५	शु	७	५३	पू	६०	०	सौ	५०	२७	तै	७	५३	११	१०	५०	८	१७	१८	मी४७।२५
६	श	१४	८	पू	४	१९	शो	५२	५४	व	१४	८	१०	१०	५०	९	१८	१९	मीने
७	र	१९	५३	उ	११	४१	अ	५४	३७	ब	१९	५३	८	१०	५०	१०	१९	२०	मीने
८	चं	२४	३५	रे	१८	४	सु	५५	२९	कौ	२४	३५	७	११	४९	११	२०	२१	मे.१८।४
९	मं	२६	५८	अ	२३	०	धृ	५४	५८	ग	२६	५८	५	११	४९	१२	२१	२२	मेषे
१०	बु	२९	२६	भ	२६	२०	शू	५३	७	वि	२९	२९	४	११	४९	१३	२२	२३	वृ.४१।४०
११	गु	२८	५९	कृ	२७	३९	गं	४६	३२	बा	२८	५९	२	१२	४८	१४	२३	२४	वृषे
१२	शु	२६	२३	रो	२७	७	वृ	४४	३१	तै	२६	२३	०	१२	४८	१५	२४	२५	मि५५।५१
१३	श	२२	१	मृ	२४	३५	ध्रु	३७	५९	व	२२	१	३/८	१२	४८	१६	२५	२६	मिथुने
१४	र	१५	५०	आ	२०	३०	व्या	३०	१६	श	१५	५०	५६	१३	४७	१७	२६	२७	मिथुने
३०	चं	८	२२	पु	१५	४	ह	२१	२१	ना	८	२२	५४	१३	४७	१८	२९	२८	क.१।२६

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.

×पुनर्वसौ रवि: १२।०

भ २३।३७ उ. ५६।२० या. दृश्य ×

पुन. रवि:सौर:१०।१९ पुन.१गुरु: ५९/४७=

=उदयो भौम:४।४९ चतुर्थी व्र.

नाग ५ मरुस्थले

भ.१४/८उ,४७/०या. अश्लेषा. बुध:५।५४

मृगे शुक्र: ४०।५

आर्द्रा भौम: १३/२४ वक्री शनि: १८।३०

भ. ५८।१३ उ. वक्री बुध: ४६।३५

भ. २९।२९ या.

कामिका ११ व्र.

प्रदोष: +२१/२४(सौर:४६/३)मिथुनेशुक्र: ९/७

भ. २२/१ उ. ४८/५५ या. दृश्य: कर्केऽर्क:+

उदयं गुरो: ४३।४८ उ.गु.

सोमवती हरियाली ३०

१३पं. प्र.श्रा कृ.४ बु.इ. ४४/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	३	२	१	११	०	२
२०	३	१५	१९	१८	६	२९	२०
५०	४०	३४	५६	४३	१०	२१	३२
१०	९	५५	३५	४८	२३	५९	२४
५७	४१	२७	१३	७२	०	३	५६
७	१२	४०	३८	३७	३०	११	५०

गोचर ग्रहा:

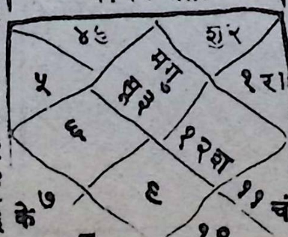

प्र. श्रावण कृ. १३ शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा.५ न.५ प्रगल्भावस्था बैठी)मु३० (धान्य भावसम) शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहा:

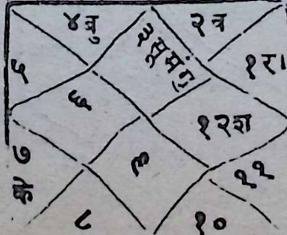

१४पंप्र श्रा.कृ.१० बु.इ. ४४/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	३	२	१	११	०	२
२७	८	१७	२१	२७	६	२८	२७
३०	४	४५	३१	४	१०	५९	१०
३२	२९	२५	३४	१९	२८	३६	४१
५७	४१	२६	१३	७२	१६	३	५६
१९	२८	व	३६	[illegible]	व.	११	[illegible]

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:४४८८स.१९६६
१	मं	०	१३	पु	८	५९	व	१२	३	ब	०	१३	३३/५२	१४	४६	१९	२८	२९	कर्के	दृश्यः पुष्ये रविः५०।४१ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	(१५।१०पश्चि.बुध१२।५५रविलाखर४
३	बु	४३	२४	श्ले	३४/२	५३/४६	सि	२/२६	५०/३५	तै	१७	३२	५०	१४	४६	२०	२९	१	सिं२।३४	पुष्येरविःसौरः१३।४४ वक्रीपुष्येबुधः(
४	गु	३५	२८	पू	५०	४१	व	४३	४४	व	९	२६	४७	१५	४५	२१	३०	२	सिंहे	भ.९।२६उ.३५।२८या.आर्द्रा.शुक्रः×
५	शु	२८	२४	उ	४५	५२	प	३५	३१	ब	१	५६	४५	१५	४५	२२	३१	३	कं.४।२९	×४४।१४ पुन.२ गुरुः ४७।२०
६	श	२२	१३	ह	४२	०	शि	२७	५५	तै	२२	१३	४२	१६	४४	२३	१	४	कन्यायां	राष्ट्रीय श्रावणारम्भः
७	र	१७	१४	चि	३९	२७	सि	२१	१४	व	१७	१४	४०	१६	४४	२४	२	५	तु.८।४३	भ. १७।१४ उ. ४५।१८ या.
८	चं	१३	२३	स्वा	३७	५९	सा	१५	३१	ब	१३	२३	३७	१७	४३	२५	३	६	तुलायां	
९	मं	१०	५८	वि	३७	५२	शु	१०	५२	कौ	१०	५८	३५	१७	४३	२६	४	७	वृ.२२।५४	
१०	बु	९	३८	अ	३८	३८	शु	७	८	ग	९	३८	३२	१८	४२	२७	५	८	वृश्चिके	भ. ३९।३३ उ.
११	गु	९	२९	ज्ये	४०	४६	ब्र	४	२०	वि	९	२९	२९	१८	४२	२८	६	९	ध.४०।४६	भ. ९।२९ या. कमला ११ व्र.
१२	शु	१०	२८	मू	४३	५६	ऐं	२	४३	बा	१०	२८	२६	१९	४१	२९	७	१०	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	१२	३८	पू	४८	२०	वै	१	४७	तै	१२	३८	२४	१९	४१	३०	८	११	धनुषि	पुन. भौमः ५९।५
१४	र	१५	५३	उ	५३	३४	वि	१	४८	व	१५	५३	२१	२०	४०	१	९	१२	म.४।३८	भ. १५।५३ उ. ४७।५७ या.
१५	चं	२०	१	श्र	५९	५३	प्री	२	१४	ब	२०	१	१८	२०	४०	१	१०	१३	मकरे	पुन शुक्रः५०।२४ अगस्तमा.८ता.३१

१५पं.प्र.श्रा.शु.३बु.इ. ४४/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	२	११	०	३
४	१३	१६	२३	५	६	२८	३
११	६	२४	५	२७	६	३७	४९
१७	४०	३२	४९	०	५०	२०	८
५७	४१	३५/४१	१३	७३	५५	३	५६
१५	११	व	३२	१६	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

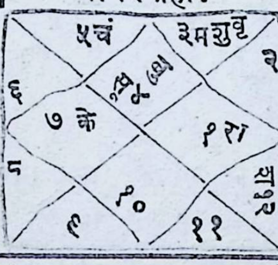

इस मास का फल मध्यम है। गुरुका उदय रुई चांदी सोना सूत गुड़ में तेजी होकर मंदी होवे।

गोचर ग्रहाः

१६पं.प्र.श्रा.शु.१०बु.इ.४४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	२	११	०	३
१०	१७	१२	२४	१३	५	२८	१०
५२	४६	३६	३८	५२	५७	१५	२८
१९	५१	९	३८	१	५४	४	२५
५७	४१	४५/४१	१३	७३	३१	३	५७
२०	१	व	२६	२२	व	११	

ति.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेप्र.श्रावणकृष्णेति महा.
१	मं	२५	१४	ध	६०	०	आ	३	३८	कौ	२५	१४	३२/१५	२१/५	३९/६	२	११	१४	कुं.३३।१६	दृश्योऽश्ले षाया रविः ४७।४२
२	बु	३०	५९	ध	९	३९	सौ	५	२२	ग	३०	५९	१२	२२	३८	३	१२	१५	कुम्भे	अश्लेषा. रविः सौरः १४।३३
३	गु	३७	३	श	१३	५४	शो	७	४०	व	४	१	९	२२	३८	४	१३	१६	कुम्भे	भ. ४।१ उ. ३७।३ या
४	शु	४३	९	पू	२१	२२	अ	१०	८	ब	१०	६	६	२३	३७	५	१४	१७	मी४।३०	पुन. ३ गुरुः५५/५४ पूर्वोदयीबुधः५३/४४ च.व्र.
५	श	४९	७	उ	२९	१	सु	१२	३७	कौ	१६	८	३	२३	३७	६	१५	१८	मीने	
६	र	५४	३१	रे	३६	०	धृ	१४	५८	ग	२१	४९	०	२४	३६	७	१६	१९	मे.३६।०	भ. ५४।३१ उ.
७	चं	५८	३२	अ	४२	२	शू	१६	२४	वि	२६	३१	३२/५६	२५	३५	८	१७	२०	मेषे	भ. २६।१३ या. मार्गीबुधः २७।४५
८	मं	६०	०	भ	४६	४५	गं	१६	५८	बा	२९	४५	५३	२५	३५	९	१८	२१	मेषे	
८	बु	०	५८	कृ	४९	३४	वृ	१६	२२	कौ	०	५८	५०	२६	३४	१०	१९	२२	वृ.२।२७	कर्के शुक्रः ३।४२
९	गु	१	४७	रो	५०	३२	ध्रु	१४	१३	ग	१	४७	४७	२७	३३	११	२०	२३	वृषे	भ. ३१।७ उ.
१०	शु	०	२८	मृ	४९	३५	व्या	१०	३२	वि	०	२८	४३	२७	३३	१२	२१	२४	मि२०।३	भ. ०।२८ या. पुष्ये शुक्रः ४६।१३×
११	शु	५६	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	× कमला११ व्र. स्मा.
१२	श	५१	४०	आ	४६	२७	ह	५/१६	५३/४	कौ	२४	२३	४०	२८	३२	१३	२२	२५	मिथुने	कमला ११ व्र. वै.
१३	र	४४	४१	पु	४१	५३	सि	५०	२	ग	१८	१०	३६	२९	३१	१४	२३	२६	क.२८।२	भ. ४४।४१ उ. प्रदोषः
१४	चं	३६	१४	पु	३५	४१	व्य	४०	३२	वि	१०	२७	३३	२९	३१	१५	२४	२७	कर्के	भ. १०।२७ या. कर्के भौमः २७।३५
३०	मं	२६	५७	श्ले	२८	१०	व	३०	२५	ना	२६	५७	२९	३०	३०	१६	२५	२८	सिं२८।१०	दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः ४१।३७

१७पं द्वि.श्रा.कृ.२बु.इ ४४/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	२	११	०	३
१७	२२	७	२६	२२	५	२७	१७
३४	२३	४८	१०	१९	४३	५२	८
१	२	१८	४८	३७	५२	४९	३
५७	४०	३३	१३	७३	२६	३	५७
२५	४७	व	१८	३८	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

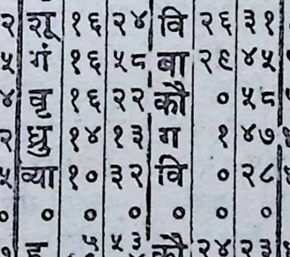

द्वि. श्रावण कृ. ३०भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४न.६प्रव्रा-जिकावस्था (उभी) मु. ३० (धान्य भाव सम) श.पू.

गोचर ग्रहाः

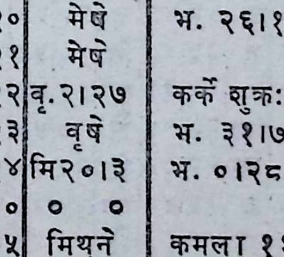

१८पंद्वि.श्रा.कृ.११बु.इ.४४/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	३	११	०	३
२४	२६	७	२७	०	५	२७	२३
१६	५८	२५	५१	४९	२९	३०	४९
२६	५५	४४	१३	३७	४२	३३	२०
५७	४०	३५/३८	१३	७३	५०	३	५७
३३	३१	मा	२	५०	व	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५१७स१९६६
१	बु	१७	५	म	२०	३२	प	१९	४४	ब	१७	५	३२/२६	५/३१	६/२९	१७	२६	२६	सिहे	सिहेऽर्कः सौरः ५८।० सधारा चन्द्रदशनम्
२	गु	७	३४	पू	१३	५०	शि	९/८	४६/५९	कौ	७	३४	२२	३२	२८	१८	२७	१	कं.२६।५६	तीज जमादिलावल ५
३	गु	५०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	×राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः
४	शु	५०	३८	उ	६	१३	सा	४६	१५	व	२४	६	१९	३२	२८	१९	२८	२	कन्यायां	भ.२४।९ उ. ५०।३८ या. वरद ४
५	श	४४	३	ह	१०/१९	५५/२७	शु	४०	५४	ब	१७	२०	१५	३३	२७	२०	२६	३	तु.२८।२	पुष्ये भौमः २५।२८ नागपंचमी
६	र	३८	५५	स्वा	५२	५५	शु	३३	५२	कौ	११	२९	११	३४	२६	२१	३०	४	तुलायां	अश्लें.बुधः ३/४ पुन.४कर्के गुरुः५४।३७
७	चं	३५	४२	वि	५२	११	ब्र	२८	५१	ग	७	१९	८	३४	२६	२२	३१	५	वृ.३७।२२	भ. ३५।४२ उ.
८	मं	३३	५७	अ	५२	१६	ऐं	२३	२५	वि	४	५०	४	३५	२५	२३	१	६	वृश्चिके	भ.४।५० या.अश्लेषा.शुक्रः ४३।२६×
९	बु	३४	८	ज्ये	५४	३४	वै	२०	२५	बा	४	२	०	३६	२४	२४	२	७	ध.५४।३४	=राहुः विशा.२ केतुः३७।२५ पूर्वास्तो–
१०	गु	३५	४२	मू	५८	५	वि	१८	२८	तै	४	५५	३९/५६	३७	२३	२५	३	८	धनुषि	–बुधः ५३।३७ पवित्रा११ व्र
११	शु	३८	३८	पू	६०	०	प्री	१७	४६	व	७	१०	५२	३८	२२	२६	४	९	धनुषि	भ. ७।१० उ. ३८।३८ या. भर. ४=
१२	श	४२	४४	पू	३	६	आ	१८	२५	ब	१०	४१	४८	३८	२२	२७	५	१०	म.१९।३४	*श्रावणी कर्म. रक्षाबंधनं भद्रोत्तरे
१३	र	४७	३७	उ	८	५८	सौ	१९	१८	कौ	१५	१०	४४	३९	२१	२८	६	११	मकरे	प्रदोषः
१४	चं	५३	१७	श्र	१५	३१	शो	२०	३८	ग	२०	२७	४०	४०	२०	२९	७	१२	कुं.४६।१२	भ.५३।१० उ.मघा. सिहे बुधः ०।५१
१५	मं	५९	१७	ध	२२	३८	अ	२२	४०	वि	२६	१७	३६	४१	१९	३०	८	१३	कुम्भे	भ. २/६ या. दृश्य पूषायां रविः३१।१४*

१६पं द्वि.श्रा.शु.१बु.इ.४३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	२	३	११	०	४
०	१	१२	२९	९	५	२७	०
५९	३१	२०	८	२१	४	८	३
५९	३०	५३	२४	११	४८	१८	३३
५७	४०	७१	१२	७३	३/९	३	५७
४०	१७	४१	३८	५६	वं	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में कहीं वर्षा अधिक कहीं कम होगी। अनाज गल्ला रुई सोना मसूर चणा तेज हो।

गोचर ग्रहाः

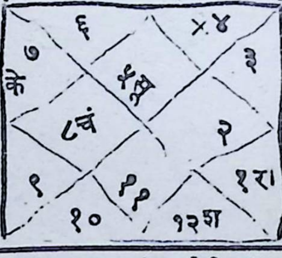

२०पं.द्वि.श्रा.शु.९बु.इ.४३/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	३	३	११	०	४
७	६	२२	०	१७	४	२६	७
४४	२	१७	३४	५४	३८	४६	१५
१७	२०	९	३७	२२	२८	२	६
५१	३९	३०/०	१२	७४	५/१	३	५७
५८	५०	९/०	११	७	वं	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं	रा	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिण श्रावण कृष्णांत महा
१	बु	६०	०	श	२९	५९	सु	२५	५	बा	३२	२२	३२	४२	१८	३१	९	१४	कुम्भ	पूफा.या रविः सौरः १।५०
१	गु	५	२७	पू	३९	२५	धृ	२७	२४	कौ	५	२७	२८	४२	१८	१	१०	१५	मी२०।३४	सितम्बर मा. ९ ता. ३०
२	शु	११	३३	उ	४४	५०	शू	२९	४९	ग	११	३३	२५	४३	१७	२	११	१६	मीने	भ. ४४।२५ उ. चं. व्र.
३	श	१७	१६	रे	५१	४९	गं	३१	५३	वि	१७	१६	२१	४४	१६	३	१२	१७	मे.५१।४९	भ.१७।१६या. मघा.सिहे शुक्रः३४।५
४	र	२२	२८	अ	५९	५९	वृ	३३	३६	बा	२२	२२	१७	४५	१५	४	१३	१८	मेषे	पूफायां बुधः ५०।५५
५	चं	२६	४४	भ	६०	०	ध्रु	३४	३५	तै	२६	४४	१३	४५	१५	५	१४	१९	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	मं	२९	५६	भ	३	१८	व्या	३४	४३	ब	२९	५९	९	४६	१४	६	१५	२०	वृ.१९।२४	भ. २९।५६ उ.
७	बु	३१	४७	कृ	९	४२	ह	३३	४४	वि	०	५३	५	४७	१३	७	१६	२१	वृषे	भ. ०।५३ या. जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	गु	३१	४४	रो	६	४०	व	३१	३१	बा	१	४६	१	४८	१२	८	१७	२२	मि४०।५	पुष्य.१ गुरुः३।२९ जन्माष्टमी वै.
९	शु	३०	१	मृ	१०	२९	सि	२७	४६	तै	०	५३	५/०	४६	११	९	१८	२३	मिथुने	भ. ५८।१० उ. गोगा ९
१०	श	२६	१६	आ	६	१९	व्य	२२	३०	वि	२६	१९	५३	४६	११	१०	१९	२४	क.५२।४	भ.२६।१६या. अश्ले. भौमः १९।५५
११	र	२०	३६	पु	६	१६	व	१५	४८	बा	२०	३६	४८	५०	१०	११	२०	२५	कर्के	उफायां बुधः ५७।८ अजा. ११ व्र.
१२	चं	१३	४८	पु	३/३	५४/५१	प	२०/२८	५०/२६	तै	१३	४२	४४	५१	९	१२	२१	२६	सि५६।२४	वक्रीपू.भा.४शनिः३।२५व.द्वा.प्रदोषः
१३	मं	४	५९	म	४८	५०	सि	४८	१०	व	४	५९	४०	५२	८	१३	२२	२७	सिहे	भ.४।५९उ.३०।१३या. दृ उफा.रविः*
१४	मं	५०	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	*१५।३४(सौरः४६।२८)क यां बुधः ४/३
३०	बु	४५	३७	पू	४१	१०	सा	३७	१७	च	२०	३२	३६	५३	७	१४	२३	२८	कं.५४।१२	पूफायां शुक्रः २२।७ कुशाग्रहणी

२१पं. भा.कृ.१ बु.इ.४३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	३	३	११	०	४
१४	१०	५	१	२६	४	२६	१४
२९	३०	१३	५७	२९	९	२३	०
५६	४०	५	२५	३१	५४	४६	१८
५८	३९	५/९	११	७४	४/०	३	५७
१	३९	२७	५०	४	वं	१६	५७

२२पं. भा.कृ ७ बु.इ ४३/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	३	४	११	०	४
२१	१४	१८	३	५	३	२६	२०
१६	२६	५१	१६	७	३९	१	४६
५५	५३	२२	१५	८	२९	३१	५८
५८	३९	५/८	१	७४	×/३	३	५८
१३	३२	१९	१३	४	वं	११	१२

२३पं भा.कृ.३० बु.इ.४३/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	३	४	११	०	४
२८	३९	१	४	१३	३	२५	२७
५	२०	५६	३०	४६	७	३९	३५
२४	४६	३१	४७	१२	३४	५	२१
५८	३९	३०/०	१०	७४	४/०	३	५८
२६	११	१९	३७	२०	वं	११	२९

×मबुशुगु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	३५	३२	उ	३३	१७	शु	२६	२२	किं	१०	३५	३०/३२	५४	६	१५	२४	२९	कन्यायां
२	शु	२६	१६	ह	२५	४०	शु	१५	३८	बा	१	०	२८	५४	६	१६	२५	३०	तु.५२।३४
३	श	१८	१	चि	१९	२८	ब्र	३५	५९/४९	ग	१८	१	२४	५५	५	१७	२६	१	तुलायां
४	र	११	११	स्वा	१४	१६	वै	४८	३७	वि	११	११	२०	५६	४	१८	२७	२	वृ.५६।५६
५	चं	६	२२	वि	११	१०	वि	४२	३४	बा	६	२२	१६	५७	३	१९	२८	३	वृश्चिके
६	मं	३	२३	अ	९	५०	प्री	३८	२२	तै	३	२३	१२	५८	२	२०	२९	४	वृश्चिके
७	बु	२	३८	ज्ये	१०	३७	आ	३५	२०	व	२	३८	८	५८	२	२१	३०	५	ध.१०।३७
८	गु	३	४१	मू	१३	२८	सौ	३३	४६	ब	३	४१	४	५९	१	२२	३१	६	धनुषि
९	शु	६	३८	पू	१७	४४	शो	३३	४०	कौ	६	३८	३०/०	६/०	६/०	२३	१	७	म.३४।१०
१०	श	११	०	उ	२३	२८	अ	३४	९	ग	११	०	२९/५५	१	५/५९	२४	२	८	मकरे
११	र	१६	१७	श्र	३०	७	सु	३५	४३	वि	१६	१७	५१	२	५८	२५	३	९	मकरे
१२	चं	२२	२४	ध	३७	३५	धृ	३७	५८	बा	२२	२४	४७	३	५७	२६	४	१०	कुं.३।५१
१३	मं	२८	३८	श	४५	७	शू	३९	५६	तै	२८	३८	४३	३	५७	२७	५	११	कुंभे
१४	बु	३४	५५	पू	५२	३३	गं	४२	२३	ग	१	४६	३८	४	५६	२८	६	१२	मी३५।४२
१५	गु	४०	५६	उ	५९	४४	वृ	४४	२९	वि	७	५५	३४	५	५५	२९	७	१३	मीने

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४५४६स.१९६६

दृश्यः कन्याऽर्कः ४०।५५ चंद्रदर्शनम्
भ.४४/३६ उ.कन्यायामर्कः सौरः१/४० हरि=
भ. १/११ या. गणेश ४
हस्तेबुधः १८।५३ ऋषि ५
[=तालिका ३ जमादिलाखर ६
भ. २।३८ उ. ३३।१० या.
[×कन्या.शुक्रः४७/४८ पश्चिमोदयीबुधः१७/५०
रा. अश्विनारंभः
भ.४३।३८ उ.
भ.१/१६ या.उफायांशुक्रः ३८/४ जलझू.११व्र.
दृश्यो हस्तेरविः ५४/१ वामनज. प्रदोषः
हस्ते रविः सौरः २४/१ चित्रा. बुधः १७/२९×
भ.३४/५५ उ. पुष्य२ गुरुः४।४ अनन्त१४
भ. ७।५५ या. महालयश्श्राद्धारंभः

२४पं.भा शु.७गु.इ. ४३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	३	४	११	०	५
४	२३	१४	५	२२	२	२५	४
५५	४२	१३	४०	२५	३४	१७	२५
११	४०	१६	५५	६	४१	०	२८
५८	३८	५/०	९	७४	४/४०	३	५८
३८	५१	२२	५२	२६	व	११	४१

गोचर ग्रहाः

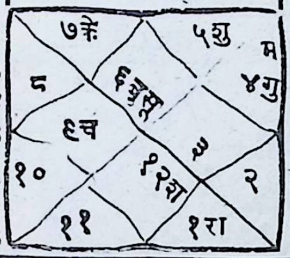

भाद्रपद शुक्लेर शुक्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४. न.५ युवावस्था (सूती)मु.३०धान्यादिभावेसमता शु.पूर्व. खंड वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

२५पं.भा.शु.१४बृ.इ. ५२/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	३	०५	११	०	५
११	२८	२५	६	१	२	२४	११
४६	१	४४	४५	८	२	५४	१७
५५	१९	५६	५०	२८	३५	४४	३२
५८	३८	९९	९	७४	३४/४	३	५९
५३	४३	४६	२	२६	व	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	म.	चन्द्रः
१	शु	४६	२६	रे	६०	३६	ध्रु	४६	२१	बा	१३	४१	३९/३०	६	५४	३०	८	१४	मीने
२	श	५१	१६	रे	६	३५	व्या	४७	३८	तै	१८	५१	२६	७	५३	१	९	१५	मे.६।३५
३	र	५५	१२	अ	१२	२४	ह	४८	१८	व	२३	१४	२२	८	५२	२	१०	१६	मेषे
४	चं	५८	५	भ	१७	४१	व	४८	३०	ब	२६	३८	१८	८	५२	३	११	१७	वृ.३३।३४
५	मं	५९	५०	कृ	२१	५३	सि	४७	३९	कौ	२८	५७	१४	९	५१	४	१२	१८	वृषे
६	बु	६०	०	रो	२४	५५	व्य	४५	५८	ग	३०	९	१०	१०	५०	५	१३	१९	मि५५।५१
६	गु	०	२८	मृ	२६	४७	व	४३	२०	ब	०	२८	६	११	४९	६	१४	२०	मिथुने
७	गु	५८	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	शु	५७	२७	आ	२७	२२	प	३९	३८	बा	२८	८	७	१२	४८	७	१५	२१	मिथुने
९	श	५३	३७	पु	२६	६	शि	३४	४०	तै	२५	३२	५८/२८	१२	४८	८	१६	२२	क.११।२५
१०	र	४८	२९	पु	२४	३७	सि	२८	२०	व	२१	३	५४	१३	४७	९	१७	२३	कर्के
११	चं	४१	४४	श्ले	१९	३६	सा	२१	११	ब	१५	६	५०	१४	४६	१०	१८	२४	सिं१९।३७
१२	मं	३४	०	म	१४	२०	शु	१२	३५	कौ	७	५२	४६	१५	४५	११	१९	२५	सिंहे
१३	बु	२५	१२	पू	७	५८	शु	२३	४९/३९	व	२५	१२	४२	१६	४४	१२	२०	२६	कं.२१।११
१४	गु	१५	५३	उ	५२/०	५२/३४	ऐं	४२	१५	श	१५	५३	३८	१६	४४	१३	२१	२७	कन्यायां
३०	शु	६	४१	चि	४६	२६	वै	३१	४९	ना	६	४१	३४	१७	४३	१४	२२	२८	तु.१९।५६

शरदृत रविर्दक्षिण भाद्र कृष्णान्त महा

तुलायांबुधः १६।२३ मघा.सिंहे भौमः÷
भ. २३।१४ उ. ५५।१२ या.
चतुर्थी व्र.
[÷४६/५६ अक्टूबर मा.१० ता.३१
स्वात्यां बुधः४१/१५ हस्ते शुक्रः ४९।७
भ. ०।२८ उ. २९।२५ या.

मातृ ९
भ. २१।३ उ. ४८।२९ या.
दृश्यश्चित्रायां रविः २६।२ (सौरः+
+५४/४५ इंदिरा ११ व्र.
भ. २५।१२ उ ५०।३२ या. प्रदोषः
शस्त्रादि हतानां श्राद्धं पितृकार्येऽमा.
मातामह श्रा. नवरात्रारंभः

२६पं आ कृ.६बु.इ. ४२/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	११	०	५
१८	२	६	७	९	१	२४	१८
४०	१८	४२	४४	५२	३१	३२	११
८	११	५	३८	१२	२४	२८	१९
५८	३८	९०	८	७४	१४	३	५९
९	१६	७	१६	२६	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

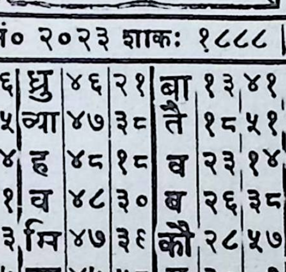

इस मास में धान्य जौ,गेहूं, मूंग मोठ. बाजरा रसपदार्थ चावलमें घटाबढ़ी मंदी होकर तेजी होगी।

गोचर ग्रहाः

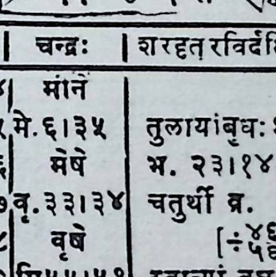

२७पं.आ.कृ १३बृ.इ. ४२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	३	५	११	०	५
२१	६	१६	८	१८	१	२४	२५
३१	३२	३७	३१	३५	२	१०	७
६	२	१९	१२	५६	२८	१२	१
५९	३१	८४	७	७४	५९	३	२९
२१	२३	११	१३	३०	व	१४	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५७६स.१९६६
१	शु	५१	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	५०	११	स्वा	४०	१७	वि	२१	५५	बा	२४	१	३/०	१६/८	४५/२	१५	२३	२९	तुलायां	विशाखा. बुधः ७।६ चंद्रदर्शनम्
३	र	४४	८	वि	३५	२३	प्री	१२	१६	तै	१७	१०	२६	१९	४१	१६	२४	१	वृ.२१।३७	चित्रा शुक्रः २८।७ रज्जब ७
४	चं	३९	४६	अ	३२	१५	आ	१४/०	५३/१	व	११	५७	२२	२०	४०	१७	२५	२	वृश्चिके	भ.५/२ १/७ उ.३/४ ९/६ या.दृश्यस्तुलायामर्कः ४ ९/८=
५	मं	३७	३८	ज्ये	३१	९	शो	५४	१२	व	८	३७	१८	२०	४०	१८	२६	३	ध.३१।९	शुक्रास्तः पू. १/० ८/० (=सौरः ३/२ ७/८) पू.अ.
६	बु	३७	३८	मू	३२	२०	अ	५१	२१	कौ	७	३८	१४	२१	३९	१९	२७	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम् शु.
७	गु	३९	४१	पू	३५	१८	सु	५०	६	ग	८	३९	१०	२२	३८	२०	२८	५	म.५१।३१	भ. ३९।४१ उ. सरस्वती पू.
८	शु	४३	४१	उ	४०	१०	धृ	५०	१२	वि	११	४१	६	२३	३७	२१	२९	६	मकरे	भ.१/४ ९/१ या.तुलाशुक्र ५/२ ९/८ भद्रकाल्यवतार×
९	श	४८	५०	श्र	४६	२०	शू	५१	१६	बा	१६	१६	२	२४	३६	२२	३०	७	मकरे	सरस्वती विसर्जनम् ×बलिदानम्
१०	र	५५	९	ध	५३	३९	गं	५३	३०	तै	२२	०	२७/५८	२४	३६	२३	१	८	कुं.२०।०	दृश्यःस्वा.र.५/५ १/० वृबुधः ५/५ ९/५ विजया१०
११	चं	६०	०	श	६०	०	वृ	५५	३२	व	२८	२०	५४	२५	३५	२४	२	९	कुंभे	भ.२/२ ८/० उ.स्वा.रविः सौरः ७/२ ८/६ पूफा.भौ.+
११	मं	१	३२	श	१	७	ध्रु	५८	७	वि	१	३२	५०	२६	३४	२५	३	१०	मी५१।५८	भ.३ ३/३ या. पापां.११ व्र.वै.
१२	बु	७	५५	पू	८	५५	व्या	६०	०	बा	७	५५	४६	२७	३३	२६	४	११	मीने	अनु.बुधः ५/५ ३/५ पुष्य.३ गुरुः४२।५प्रदोषः
१३	गु	१३	५८	उ	१५	५९	व्या	०	१९	तै	१३	५८	४२	२८	३२	२७	५	१२	मीने	स्वात्यांशुक्रः ८।४४ +५/५ ३/४ पापां:११व्र.
१४	शु	१९	१३	रे	२२	३८	ह	१	५४	व	१९	१३	३९	२८	३२	२८	६	१३	मे.२२।३८	भ.१/१ ९/० उ.५/१ १/६ या.भर३ राहुविशा१केतुः—
१५	श	२३	२०	अ	२८	१५	व	३	१	ब	२३	२०	३५	२९	३१	२९	७	१४	मेषे	शरदपूर्णिमावै. [—३/४ ९/३ शरद१५समा.

२८पं.आ.शु.६बु.इ. ४२/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	३	५	११	०	६
२	१०	२५	९	२७	०	२३	२
३१	४३	४५	२२	२१	३६	४७	४
३४	१२	५८	५२	२५	१४	५७	३१
५९	३७	७३	६	७४	३/८	३	५९
३४	३५	७	१४	३२	व	११	४६

गोचर ग्रहाः

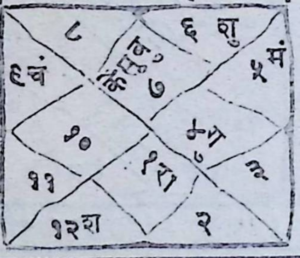

आश्विन शुक्ले ४ चंद्रे तुलायामर्कः प्र. वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैंठी) मु.३० (धान्य भावसम) शु.पू.

गोचर ग्रहाः

२९पं.आ.शु१२बु.इ. ४३/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	३	६	११	०	६
९	१४	३	१०	६	०	२३	९
२९	५२	३७	०	७	१२	२५	३
४९	१२	४	१	९	२२	४२	५१
५९	३७	५५	५	७४	३/१	३	६०
४७	२	४४	५	३२	व	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.
१	र	२६	३६	भ	३२	५२	सि	३	१४	कौ	२६	३६	२७/३१	३६/०	३५/०	३०	८	१५	वृ.४८।४५	
२	चं	२८	५१	कृ	३६	२५	व्य	२	४६	ग	२८	५१	२७	३१	२९	३१	९	१६	वृषे	भ.५/२ ९/३ उ.वक्रीपूभा.३ कुंभेशनिः४।४९
३	मं	२९	३६	रो	३८	५६	व	१/७	५७/४८	वि	२९	३६	२४	३१	२९	१	१०	१७	वृषे	भ.२/३ ९/६ या.च.व्र.नवंबर मा. ११ ता.३०
४	बु	३०	३०	मृ	४०	३१	शि	५६	३	बा	३०	३०	२०	३२	२८	२	११	१८	मि९।४३	
५	गु	२८	३८	आ	४०	५६	सि	५२	२०	तै	२८	३८	१६	३३	२७	३	१२	१९	मिथुने	×सौर ३/५ ५/५ विशाखा शुक्रः४३।३७
६	शु	२६	४०	पु	४०	२९	सा	४७	४२	व	२६	४०	१३	३३	२७	४	१३	२०	क.२५।३६	भ. २६।४० उ. ५५।१० या.
७	श	२३	३८	पु	३९	८	शु	४२	१९	ब	२३	३८	९	३४	२६	५	१४	२१	कर्के	वक्री बुधः ४१।५९
८	र	१९	४६	श्ले	३६	४३	शु	३६	६	कौ	१९	४६	६	३५	२५	६	१५	२२	सि३६।४३	दृश्यो विशाखा. रवि. १२।१३×
९	चं	१४	४९	म	३३	२३	ब्र	२९	४	ग	१४	४९	२	३६	२४	७	१६	२३	सिंहे	भ. ४१।५७ उ.
१०	मं	९	५	पू	२९	९	ऐं	२१	२४	वि	९	५	२६/५९	३६	२४	८	१७	२४	कं.४२।५२	भ. ९।५ या.
११	बु	२	२०	उ	२४	१	वै	१२	५७	बा	२	२०	५६	३७	२३	९	१८	२५	कन्यायां	रमा. ११ व्र.
१२	बु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	.०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	=२४।० रूप १४
१३	गु	४७	१७	ह	१८	२०	वि	४/५	५०/३६	ग	२१	१०	५३	३७	२३	१०	१९	२६	तु ४५।२४	भ. ४७।१७ उ. प्रदोषः धन १३
१४	शु	३९	३२	चि	१२	२८	आ	४५	३०	वि	१३	२४	४९	३८	२२	११	२०	२७	तुलायां	भ. १३।२८ या. पश्चिमास्तो बुधः=
३०	श	३२	२१	स्वा	६	५३	सौ	३६	२९	च	५	५६	४६	३९	२१	१२	२१	२८	वृ.४८।१७	महालक्ष्मी पूजनम्

३०पं.का.कृ.४बु इ. ४२/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	३	६	१०	०	६
१६	१८	८	१०	१४	२९	२३	१६
२९	५७	५९	२९	५४	५३	३	१४
३८	४७	३१	२	७	५३	२६	५५
६०	३६	२५	३	७४	२/०	३	६०
४	३०	४७	५७	३२	वं	११	१८

गोचर ग्रहाः

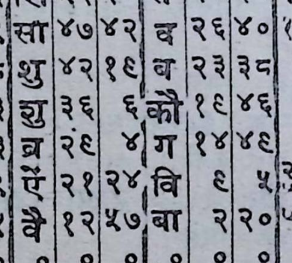

इस मास में अनाज गल्ला चावल मूंग बाजरा जौ गेहूँ में मंदी सोना चांदी सम रोग हो।

गोचर ग्रहाः

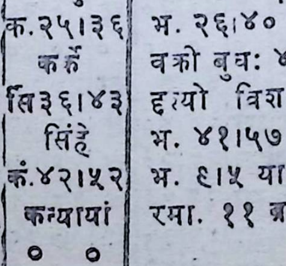

३१पं.का.कृ.११बु.इ. ४१/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	३	६	१०	०	६
२३	२२	९	१०	२३	२९	२२	२३
३०	५७	१३	५०	४१	२९	४१	७
५८	३६	४१	२४	४६	०	१०	३२
६०	३६	३४/२५	२	७४	४५	३	६०
१७	२	व	२९	३८	व	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः४६०५स.१९६६
१	र	२६	१२	वि	२/५	५६/७	शो	२८	२०	ब	२६	१२	२६/४३	६/३९	५/२१	१३	२२	२९	वृश्चिके	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	चं	२१	२२	ज्ये	५५	५०	अ	२१	१६	कौ	२१	२२	४०	४०	२०	१४	२३	३०	ध.५५।५०	वृश्चिकेशुक्रः४१/४० भ्रातृ२यम२ चन्द्रद.
३	मं	१८	३०	मू	५५	३१	सु	१५	२२	ग	१८	३०	३७	४१	१९	१५	२४	१	धनुषि	भ ४७/५८ उ.वक्रीवि. बुधः५६/५१ सावानद
४	बु	१७	२६	पू	५७	२	धृ	११	५	वि	१७	२६	३४	४१	१९	१६	२५	२	धनुषि	भ.१७/२६या.दृग्योवृ.८/११ (सौरः३०/१२)उ.=
५	गु	१८	३७	उ	६०	०	शू	८	२७	बा	१८	३७	३१	४२	१८	१७	२६	३	म.१२।५८	अनु. शुक्रः २२/२७ [=भौमः १६।३७
६	शु	२१	४१	उ	०	४३	गं	७	११	तै	२१	४१	२९	४३	१७	१८	२७	४	मकरे	वक्री तुला. बुधः ०।१४
७	श	२६	२४	श्र	५	५३	वृ	७	४७	व	२६	२४	२६	४३	१७	१९	२८	५	कुं.३९।१७	भ.२६/२४उ.५९/२१ या.दृश्योऽनुराधा. रविः×
८	र	३२	१८	ध	१२	४०	ध्रु	९	१०	ब	३२	१८	२४	४३	१७	२०	२९	६	कुम्भे	गोपाष्टमी [×३६/३५ (सौरः४८।०
९	चं	३८	४०	श	१९	५२	व्या	११	५	बा	५	२९	२१	४४	१६	२१	३०	७	कुम्भे	कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	मं	४५	५	पू	२७	३२	ह	१३	२१	तै	११	५२	१९	४४	१६	२२	१	८	मी१०।३७	कन्यायां भौमः १८/२१ रा. मार्गशीर्षारंभः
११	बु	५१	१५	उ	३४	५५	व	१५	३६	व	१८	१३	१६	४५	१५	२३	२	९	मीने	भ.१८/१०उ.५१/१५या. वक्रीगुरुः४३/६ पू.बुधः+
१२	गु	५६	३६	रे	४१	३७	सि	१७	२३	ब	२३	५५	१३	४५	१५	२४	३	१०	मे.४१।३७	[+५६/५१प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१३	शु	६०	०	अ	४७	७	व्य	१८	३८	कौ	२८	२९	११	४६	१४	२५	४	११	मेषे	प्रदोषः
१३	श	०	२२	भ	५१	२९	व	१८	३७	तै	०	२२	८	४६	१४	२६	५	१२	मेषे	मार्गीशनिः १।२८
१४	र	३	४	कृ	५४	३०	प	१७	३५	व	३	४	६	४७	१३	२७	६	१३	वृ.७।१४	भ.३।४उ.३३/३७या.मार्गीबुधः१६/१५ज्येष्ठा=
१५	चं	४	१०	रो	५६	११	शि	१५	३८	ब	४	१०	३	४७	१३	२८	७	१४	वृषे	मन्वादिः [=शुक्र ५५/५५ वैकुण्ठ १४

३२पं.का.शु.४बु.इ.४१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	३	७	१०	०	७
०	२६	२	११	२	२९	२२	०
३३	५४	८	१	२९	२९	१८	११
४७	१४	१३	१६	१७	१३	५५	३७
६०	३५	१७/५६	१	७४	१/१	३	६०
३०	४०	व	११	३८	व	११	४०

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले ४ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रा. पू.।

गोचर ग्रहाः

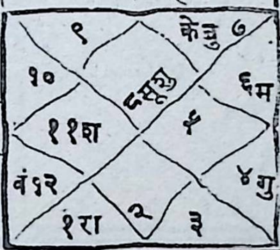

३३पं.का.शु.११बु.इ.४१/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	३	७	१०	०	७
७	०	२५	११	११	२९	२१	७
३७	४८	३	२	१७	२४	५६	१७
३७	४०	२५	३१	४६	५०	३९	१०
६०	३५	३९/५८	७/७	७४	२०/२७	३	६०
४२	८	व	व	३२	व	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	मं	४	६	मृ	५६	५६	सि	१२	३८	कौ	४	६	२६/९	६/४८	५/१२	२९	८	१५	मि२६।३३	
२	बु	२	५४	आ	५६	५३	सा	८	४०	ग	२	५४	२५/५९	४८	१२	३०	९	१६	मिथुने	भ. ३२।१६ उ.
३	गु	१	३८	पु	५४	५२	शु	५५/३	५४/४५	वि	१	३८	५७	४९	११	१	१०	१७	क.४०।१२	भ.१।३८या.चतुर्थीव्र. दि.१२ ता.३१
४	गु	५६	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	शु	५३	५३	पु	५३	४१	ब्र	५०	४३	कौ	२६	१०	५५	४९	११	२	११	१८	कर्के	दृश्यो ज्येष्ठा.रविः३६/४५(सौरः५५।०)
६	श	४९	५७	श्ले	५०	३८	ऐं	४६	३४	ग	२१	५५	५३	४९	११	३	१२	१९	सिं५०।३८	भ. ४९।५७ उ.
७	र	४५	२९	म	४७	५६	वै	४०	२	वि	१७	४३	५१	५०	१०	४	१३	२०	सिंहे	भ. १७।४३ या.
८	चं	४०	३८	पू	४४	४७	वि	३३	८	बा	१३	३	४९	५०	१०	५	१४	२१	कं.५९।४	[=पश्चिमायाम् २५।४८
९	मं	३५	३८	उ	४१	१७	प्री	२५	४९	तै	८	८	४८	५०	१०	६	१५	२२	कन्यायां	वृश्चिके बुधः २०।४४
१०	बु	२९	५९	ह	३७	२१	आ	१८	२०	व	२	४८	४६	५१	९	७	१६	२३	कन्यायां	भ. २।४८ उ. २९।५९ या. शुक्रोदयः=
११	गु	२४	१२	चि	३३	२०	सौ	१०	२६	बा	२४	२२	४५	५१	९	८	१७	२४	तु.५।२१	मूलेधनुषिशुक्रः३४/२२उत्पत्ति११व्र. शु.उ.
१२	शु	१८	२४	स्वा	२९	१६	शो	४१/२	५२/२२	तै	१८	२४	४१	५१	९	९	१८	२५	तुलायां	अनु. बुधः १२।६ प्रदोषः प.
१३	श	१२	५३	वि	२५	२६	सु	४७	४९	व	१२	५३	४२	५२	८	१०	१९	२६	वृ.११।३१	भ. १२।५३ उ. ४०।२६ या. हस्ते÷
१४	र	८	०	अ	२२	३०	धृ	४१	१६	श	८	०	४१	५२	८	११	२०	२७	वृश्चिके	[÷भौमः ३७।१७
३०	चं	३	५१	ज्ये	२०	२०	शू	३४	२३	ना	३	५१	४०	५२	८	१२	२१	२८	ध.२०।२०	

३४पं.मा.कृ.२ब.इ.४१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	३	७	१०	०	७
१४	४	२४	१०	२०	२९	२१	१४
४२	३६	५२	५४	५	२४	३४	२३
५४	३६	२३	२१	२४	४	३४	५६
६०	३४	३८/७	१/२	७४	३०/३४	३	६१
५०	१३	मा	व	३२	मा	११	३

गोचरग्रहाः

इस मास में भी मंदी बाजार में रहे, शुक्रका उदय रुई चाँदी रस धान्य तृणादि में मंदी कारक है। सुदी में कुछ तेजी

गोचरग्रहाः

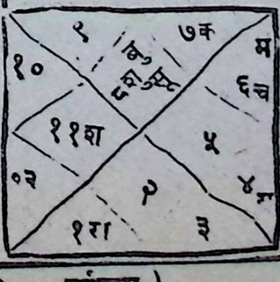

३५पं.मा.कृ.१०बु.इ.४१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	३	७	१०	०	७
२१	८	१	१०	२८	२९	२१	२१
४८	२१	३३	३३	५३	३१	१२	३१
५८	२२	२९	१८	४९	८	८	४३
६०	३३	६९	२/५८	७४	१	३	६१
५०	३५	४९	व	३२	१७	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणं ऽहर्गणः ४६३५स०१९६६
१	मं	१	१६	मू	१९	५५	गं	३०	४३	ब	१	१६	३९(५)	५२(६)	८(५)	१३	२२	२९	धनुषि	
२	बु	०	७	पू	२०	४१	वृ	२७	२३	कौ	०	७	३८	५२	८	१४	२३	३०	म.३६।२१	चन्द्र द.
३	गु	०	५३	उ	२३	२०	ध्रु	२५	४३	ग	०	५३	३८	५२	८	१५	२४	१	मकरे	भ.३/१ २/० उ दृश्योमूले धनुष्यर्कः४३।५७+
४	शु	३	२७	श्र	२७	४८	व्या	२४	५२	वि	३	२७	३७	५३	७	१६	२५	२	मकरे	भ. २७(३) या. वक्री पुष्य. २ गुरुः ५९/६×
५	श	७	३०	ध	३३	३८	ह	२५	३७	बा	७	३०	३७	५३	७	१७	२६	३	कुं.०।४३	[×पातमोक्षः ७।१५
६	र	१३	१	श	४०	२२	व	२७	५	ते	१३	१	३७	५३	७	१८	२७	४	कुंभे	ज्येष्ठायां बुधः ४७।२१ चम्पा ६
७	चं	१९	१७	पू	४८	१	सि	२९	६	व	१९	१७	३६	५३	७	१९	२८	५	मी३१।८	भ.१९।१७उ.५/३ २/० या.पूषायांशुक्रः५१/७
८	मं	२५	४२	उ	५५	२३	व्य	३१	२३	ब	२५	४२	३६	५३	७	२०	२९	६	मीने	[+(सौरः५८/४४)रमजान९ पातस्पर्शः४६/२५
९	बु	३२	५	रे	६०	०	व	३३	२०	कौ	३२	५	३६	५३	७	२१	३०	७	मीने	[-४१।२० दत्तजयन्ती
१०	गु	३७	३४	रे	२	३४	प	३४	५४	ते	४	५०	३६	५३	७	२२	१	८	मे.२।३४	पूभा.४ मीने शनिः२/५ ६/० रा पौषारम्भः
११	शु	४१	३८	अ	८	३५	शि	३५	२१	व	९	३६	३६	५३	७	२३	२	९	मेषे	भ.९।३६ उ.४/३ १/८ या. मोक्षदा ११ व्र.*
१२	श	४४	२३	भ	१३	११	सि	३४	४०	ब	१२	०	३७	५३	७	२४	३	१०	वृ.२८।५८	[*गीताजयंती
१३	र	४५	२	कृ	१६	१९	सा	३२	४४	कौ	१४	४३	३७	५३	७	२५	४	११	वृषे	प्रदोषः व्र.
१४	चं	४४	१३	रो	१७	४८	शु	२९	१०	ग	१४	३७	३७	५३	७	२६	५	१२	मि४७।४०	भ.४४।१३ उ.पूर्वास्तो बुधः१४।४०
१५	मं	४१	४६	मृ	१७	३२	शु	२४	३७	वि	११	५९	३७	५२	८	२७	६	१३	मिथुने	भ. १३।० या. मूले धनुषि बुधः-

३६पं.मा.शु.२ वु.इ.४०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	३	८	१०	०	७
२८	११	१०	१०	७	२९	२०	२८
५५	५९	४८	९	४१	४२	४९	४०
५२	१७	४३	३६	३५	०	५२	२६
६१	३२	८३	४	७४	१	३	६१
०	४७	३६	१०	२६	५८	११	५९

गोचर ग्रहाः

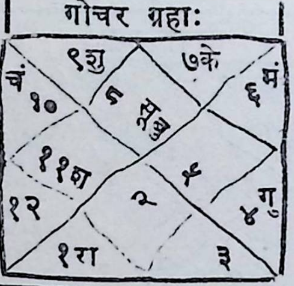

मार्गशीर्ष शुक्ले३ गुरौधनुष्यऽर्कः प्र. वा ३ न.३ वृद्धा-वस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादि भावे समता शु. प.।

गोचर ग्रहाः

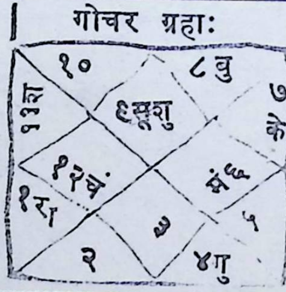

३७पं.मा.शु.९वु.इ.४०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	३	८	१०	०	८
६	१५	२१	९	१६	२९	२०	५
३	२९	१	३४	२९	५७	२७	४९
२९	३८	१२	१९	३८	५७	३७	५१
६१	३१	९०	२२(५)	७४	२	३	६१
४	४८	२४	वं	२६	४०	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	प्र.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग.कृष्णेति मह
१	बु	३८	१०	आ	१६	५	ब्र	१८	५८	बा	९	५८	३८(२५)	५२(६)	८(५)	२८	७	१४	क.५९।५	दृश्य. पूषायां रविः ४८।५३
२	गु	३३	३३	पु	१३	२५	ऐं	१२	२३	ते	५	५२	३९	५२	८	२९	८	१५	कर्के	पूषायांरविःसौर २२(०) उषायांशुक्रः४६/४९
३	शु	२८	१३	पु	९	५०	वै	२१(५)	३२(५)	व	०	५३	४०	५२	८	३०	९	१६	कर्के	भ.०।५३उ.१/१ ८/३या. भर.२राहु स्वाती+
४	श	२२	४६	श्ले	५	५७	प्री	५०	२१	बा	२२	४६	४०	५२	८	३१	१०	१७	सिं५।५७	[+४केतुः २१।२४ चतुर्थी व्र.
५	र	१७	१४	म	३१(२)	१६(५)	आ	४२	३८	ते	१७	१४	४१	५२	८	१	११	१८	सिंहे	मकरेशुक्रः३/३ २/२ जनवरी मा.१ता.३१×
६	चं	११	५४	उ	५५	१४	सौ	३५	१०	व	११	५४	४२	५२	८	२	१२	१९	कं.१२।५४	भ. ११।५४ उ. ३९।२० या.
७	मं	६	४६	ह	५१	४९	शो	२८	२	ब	६	४६	४३	५१	९	३	१३	२०	कन्यायां	[×सन् १९६७ ई०
८	बु	१	४३	चि	४८	५४	अ	२०	५५	कौ	१	४३	४४	५१	९	४	१४	२१	तु.२०।५१	
९	बु	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	गु	५२	५०	स्वा	४६	१०	सु	१४	१०	व	२५	०	४६	५१	९	५	१५	२२	तुलायां	भ.२५।० उ.५/५ २/० या.पूषायां बुधः१/३ २/५
११	शु	४८	५१	वि	४३	५०	धृ	७	३४	ब	२०	५०	४७	५१	९	६	१६	२३	वृ.२९।२५	सफला ११ व्र. स्मा. वै.
१२	श	४५	३९	अ	४२	१३	शू	२९(१)	४०(५४)	कौ	१७	१५	४९	५०	१०	७	१७	२४	वृश्चिके	चित्राभौमः१६।२६ सफला११व्र.नि.
१३	र	४३	१२	ज्ये	४१	१०	वृ	५१	११	ग	१४	२५	५[illegible]	५०	१०	८	१८	२५	ध.४१।१०	भ. ४३।१२ उ. प्रदोष व्र.
१४	चं	४१	३५	मू	४१	१४	ध्रु	४७	१३	वि	१२	२४	५२	५०	१०	९	१९	२६	धनुषि	भ. १२।२४ या.श्रवणे शुक्रः२१।५३
३०	मं	४१	२१	पू	४२	३४	व्या	४४	५	च्च	११	२८	५४	४९	११	१०	२०	२७	म.५८।१३	दृश्य उषायां रविः ५३।३७

३८पं.पौ.कृ.१ वु.इ.४०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	३	८	११	०	८
१३	१८	१	८	२५	०	२०	१२
११	४९	३२	५१	१७	१९	५	५९
३१	४८	४०	२९	४९	५	२१	४३
६१	३०	९४	२८(६)	७४	३	३	६१
६	३५	५३	वं.	२६	२१	११	२६

गोचर ग्रहाः

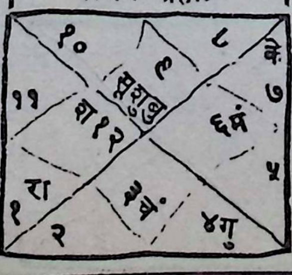

पौष कृष्णे४ शनौ मकरेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ प्रगल्भा-वस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शु. प.।

गोचर ग्रहाः

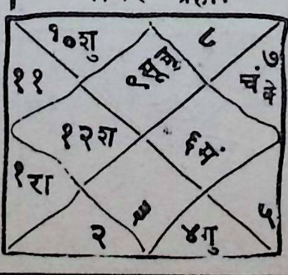

३९पं.पौ.कृ.८बु.इ.४०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	३	९	११	०	८
२०	२२	१२	८	४	०	१९	२०
५९	३	२८	३	५	४४	४३	९
२६	०	१३	११	६	३८	६	४०
६१	२९	९६	२३(७)	७४	४	३	६१
६	३७	४६	वं	२०	२	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लप्रक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	४२	२४	उ	४५	११	ह	४२	५१	किं	११	५२	२५/५६	६/४९	५/१५	११	२१	२८	मकरे
२	गु	४५	८	श्र	४९	१७	व	४१	५२	बा	१३	४६	५८	४८	१२	१२	२२	२९	मकरे
३	शु	४९	१०	ध	५५	४४	सि	४२	१३	तै	१७	९	२६/५	४८	१२	१३	२३	१	कु.२२।३१
४	श	५४	२८	श	६०	०	व्य	४३	१७	व	२१	४९	३	४७	१३	१४	२४	२	कुम्भे
५	र	६०	०	श	१	११	व	४५	८	ब	२७	२८	५	४७	१३	१५	२५	३	मी५।१९
५	चं	०	२८	पू	७	४८	प	४७	३१	बा	०	२८	८	४६	१४	१६	२६	४	मीने
६	मं	६	५७	उ	१५	०	शि	४९	४३	तै	६	५७	१०	४६	१४	१७	२७	५	मीने
७	बु	१३	२६	रे	२३	२६	सि	५१	४३	व	१३	२६	१२	४६	१४	१८	२८	६	मे.२३।२६
८	गु	१९	२३	अ	३०	१५	सा	५२	४८	ब	१९	२३	१५	४५	१५	१९	२९	७	मेषे
९	शु	२४	०	भ	३५	४४	शु	५२	४०	कौ	२४	०	१७	४५	१५	२०	३०	८	बृ.५२।१६
१०	श	२७	१३	कृ	३९	५०	शु	५१	१४	ग	२७	१३	२०	४४	१६	२१	१	९	बृषे
११	र	२८	२४	रो	४१	५९	ब्र	४८	३१	वि	२८	२४	२२	४४	१६	२२	२	१०	बृषे
१२	चं	२७	४२	मृ	४२	९	ऐं	४४	३	बा	२७	४३	२५	४३	१७	२३	३	११	मि१२।४
१३	मं	२५	५	आ	४०	३०	वै	३८	८	तै	२५	५	२७	४३	१७	२४	४	१२	मिथुने
१४	बु	२०	४५	पु	३७	२२	वि	३०	५०	व	२०	४५	३०	४२	१८	२५	५	१३	क.२३।९
१५	शु	१४	५३	पु	३२	४७	प्री	२२	३७	ब	१४	५३	३३	४१	१९	२६	६	१४	कर्के

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६६४स.१९६७

उषायां रविः सौरः १।४९
चन्द्रदर्शनम्
उषायां बुधः ३१।१ सव्वाल १०
भ. २१/४९ उ. ५४/२८ या. दृश्यो मकरेऽर्कः१०।१*
मकरे बुधः ४/१ ५/३ वक्रीपुष्य.१ गुरुः२३।३६

भ. १३।२६ उ. ४६।२५ या.
घनिष्ठा. शुक्रः ४७।१६ (*सौरः १/१ ७/४)
दृश्योऽभि. प्र. रविः४२।४६ (सौरः ४/२ ६/६)
भ. ५७/४८ उ. श्रवणे बुधः ३/१ ०/९ रा.माघारंभः
भ. २८।२४ या. पुत्रदा ११ ब्र.
दृश्यः श्रवणे रविः ५९।९
सौरःश्रवणे रविः ३ ४/३ दृश्योऽभि. नि.रविः×
भ. ३/४ ०/५ उ.४७।४९ या. कुम्भे शुक्रः ३/३ २/८
×५/३ १/८ (सौरः ५/४ ६/९) तुला.भौमः १/३ ०/७ प्रदोषः

४०पं., पौ.शु.१बु.इ.४०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	३	९	११	०	८
२७	२५	२३	७	१२	१	९	२७
२७	६	३२	८	५१	१४	२०	१९
४०	३२	३५	४२	४०	५२	५०	३२
६१	२७	९/०	४३/७	७४	४	३	६१
६	४१	९/४२	ब	२०	३८	११	२४

४१पं. पौ.शु.७बु.इ.४०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	३	९	११	०	९
४	२८	५	६	२१	१	१८	४
३५	०	४	११	३७	४८	५८	१९
३१	४०	३७	४२	१९	३२	३४	१
६१	२५	२०/०	५२/७	७४	५	३	६१
३	३७	१९	ब	१३	५	११	१९

४२पं. पौ.शु.१४बु.इ.४०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	३	१०	११	०	९
११	०	१६	५	०	२	१८	११
४२	३५	५८	१६	२२	२५	३६	३७
५८	१०	२३	५२	१	४४	१९	५२
६०	२३	५/०	५२/७	७४	५	३	६१
५९	२९	३४	ब	२	३८	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	७	५८	श्ले	२७	२८	आ	१३	४५	कौ	७	५८	२६/३६	६/४१	५/१९	२७	७	१५	सिं२७।२८
२	श	०	५२	म	२१	४५	सौ	४/३७	५/३६	ग	०	५२	३९	४०	२०	२८	८	१६	सिंहे
३	श	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	र	४६	९	पू	१६	१७	अ	४६	२७	ब	१९	४३	४२	४०	२०	२९	९	१७	कं.३०।०
५	चं	३९	२२	उ	११	७	सु	३७	५४	कौ	१२	४५	४६	३९	२१	३०	१०	१८	कन्यायां
६	मं	३३	३५	ह	६	३९	धृ	३०	१४	ग	६	२९	४९	३८	२२	३१	११	१९	तु.३४।४३
७	बु	२८	२८	चि	२	४७	शू	२३	०	वि	१	२	५२	३८	२२	१	१२	२०	तुलायां
८	गु	२४	२४	स्वा	६/०	५८/०	गं	१६	३४	कौ	२४	२४	५५	३७	२३	२	१३	२१	वृ.४३।४४
९	शु	२१	९	अ	५७	११	वृ	१०	१३	ग	२१	९	५९	३६	२४	३	१४	२२	वृश्चिके
१०	श	१८	५६	ज्ये	५७	२०	ध्रु	६	३२	वि	१८	५६	२७/२	३६	२४	४	१५	२३	ध.५७।२०
११	र	१७	४४	मू	५८	२१	व्या	४६/२	५७/५	बा	१७	४४	६	३५	२५	५	१६	२४	धनुषि
१२	चं	१७	३२	पू	६०	०	व	५७	४१	तै	१७	३२	९	३४	२६	६	१७	२५	धनुषि
१३	मं	१८	३२	पू	०	३९	सि	५६	३८	व	१८	३२	१३	३३	२७	७	१८	२६	म.१६।२८
१४	बु	२०	१५	उ	३	५५	व्य	५६	११	श	२०	१५	१६	३३	२७	८	१९	२७	मकरे
३०	शु	२३	४८	श्र	८	१९	व	५५	४८	ना	२३	४८	२०	३२	२८	९	२०	२८	कु.४१।१

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. २७।४ उ. ५३।१७ या.

धनिष्ठा. बुधः २०।२१ चतुर्थी ब्र.
शते शुक्रः ४२।४६
भ. ३३।३५ उ.
भ. १।२ या. **फरवरी मा. २ ता. २८**
कुम्भे बुधः ६।२४
भ. ५०।२ उ. उभा. १ शनिः ४४।५
भ.१८।५६ या. *षट्तिला ११ ब्र.
शत बुधः ५/३ १/३ पश्चिमोदयी बुधः ६।१५*
दृश्यो धनिष्ठा.रविः ३ ७/० (सौरः १/२ ०/४) प्रदोषः
भ. १८।३२ उ. ४९।२३ या.

४३पं. मा.कृ.७बु.इ.४०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	३	१०	११	०	९
१८	२	२९	४	९	३	१८	१८
४९	५७	१४	२२	५	७	१४	४५
२६	५८	२०	१६	२४	३७	३	५३
६०	२०	७/०	२८/७	७४	६	३	६१
५५	३७	१०	ब	२	१	११	४

गोचरग्रहाः

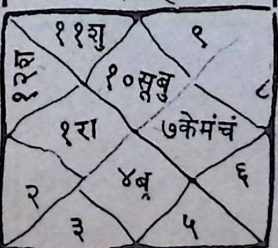

इस मासका फल श्रेष्ठहै धान्य रुई चांदी सोना गुड़ अफीम मूंगफली तिल तेल में घटा बढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

४४पं. मा.कृ.१४बु.इ.४०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	३	१०	११	०	९
२५	४	११	३	१७	३	१७	२५
५५	५९	१६	३१	४८	५१	५१	५२
१६	४६	४१	१	१८	४	१८	४०
६०	१७	९८	६/४	७३	६	३	६०
४७	४३	६	ब	५६	२२	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६९४स.१९६७
१	शु	२८	६	ध	१३	४४	प	५६	५९	ब	२८	६	२७/२४	६/३५	५/२९	१०	२१	२९	कुम्भे	पूभा. शुक्रः २७/३९ वक्री पुन.४ गुरुः१८।५६
२	श	३४	३०	श	२०	५	शि	५८	३४	बा	१	१८	२७	३१	२९	११	२२	३०	कुंभे	चन्द्रदर्शनम्
३	र	३९	२७	पू	२७	१४	सि	६०	०	तै	६	५९	३१	३०	३०	१२	२३	१	मी१०।२७	दृश्यः कुम्भेऽर्कः ४३/४५ (सौरः ४४/३९) जिल्काद ११
४	चं	४५	५७	उ	३४	४९	सि	०	४१	व	१२	४२	३५	२९	३१	१३	२४	२	मीने	भ. १२।४२ उ. ४५।५७ या.
५	मं	५२	३६	रे	४२	२४	सा	३	१	ब	१९	१७	३८	२८	३२	१४	२५	३	मे.४२।२४	पूभायां बुधः ४०।४४ वसंत ५
६	बु	५८	५०	अ	४९	५८	शु	५	३९	कौ	२५	४३	४२	२८	३२	१५	२६	४	मेषे	स्वात्यां भौमः ३१।३७
७	गु	६०	०	भ	५६	२३	शु	७	२९	ग	३१	२०	४६	२७	३३	१६	२७	५	मेषे	भानु ७
७	शु	४	१	कृ	६०	०	ब्र	८	२७	व	४	१	५०	२६	३४	१७	२८	६	बृ.१२।४१	भ. ४।१ उ. ३६।२ या.
८	श	८	३	कृ	१	३७	ऐं	८	२६	ब	८	३	५४	२५	३५	१८	२९	७	बृषे	मीने शुक्रः ३१।४८ भीष्माष्टमी
९	र	१०	१६	रो	५	११	वै	७	१	कौ	१०	१६	५८	२४	३६	१९	३०	८	मि३६।०	दृश्यः शते रविः १९।६ (सौरः १९।४३)
१०	चं	१०	३२	मृ	६	५०	वि	४/५	५५/१८	ग	१०	३२	२६/२	२४	३६	२०	१	९	मिथुने	भ. ३९।३६ उ. राष्ट्रीय फाल्गुनारम्भः
११	मं	८	४०	आ	६	२१	आ	५३	१४	वि	८	४०	६	२३	३७	२१	२	१०	क.४९।३१	भ.४/० या. उभा. शुक्रः १/३५ जया ११ब्र.
१२	बु	४	४९	पु	३/५४	५५/४३	सौ	४५	२६	बा	४	४९	१०	२२	३८	२२	३	११	कर्के	प्रदोषः
१३	बु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	५२	३२	श्ले	५३	५३	शो	३६	२४	ग	२५	४७	१४	२१	३९	२३	४	१२	सिं५३।५३	भ. ५२।३२ उ. वक्री बुधः १८।४७
१५	शु	४३	१७	म	४७	१५	अ	२६	४०	वि	१७	२५	१८	२०	४०	२४	५	१३	सिंहे	भ. १७।२५ या.

४५पं. मा.शु.६बु.इ.४१।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	१०	११	०	१०
३	६	२१	२	२६	४	१७	२
०	४२	१०	४५	२९	३७	२९	५८
४	७	५५	२९	४९	१	३२	४३
६०	१३	७०	५/३	७३	६	३	६०
३७	३२	४०	ब	५०	३५	११	४२

गोचरग्रहाः

माघ शु.१३ रवौ
कुंभेऽर्कः प्र. वा.२
न.३प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. ४५
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

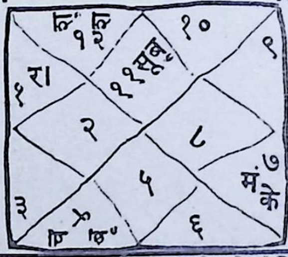

४६पं.मा.शु.१२बृ.इ.४१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	११	११	०	१०
१०	७	२५	२	५	५	१७	१०
३	५७	२०	७	९	२५	७	३
३२	४७	३८	५	३२	८	१६	१६
६०	८	६	४/२	७३	६	३	६०
२५	२४	७	ब	४२	५४	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२३ शाकः १८८८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविर्दक्षिणे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३४	२४	पू	४०	७	सु	१६	१५	बा	८	५१	२८/२२	६/२०	५/४०	२५	६	१४	कं.५३।२२	पश्चिमास्तो बुधः १२।४५
२	र	२५	२४	उ	३३	८	धृ	५/५२	४९/४७	ग	२५	२४	२६	१९	४१	२६	७	१५	कन्यायां	भ. ५१।१ उ.
३	चं	१६	३८	ह	२६	४३	गं	४६	२	वि	१६	३८	३०	१८	४२	२७	८	१६	तु.५३।४५	भ.१६।३८ या. च.व्र. पातस्दर्शः५३।१३
४	मं	८	३९	चि	२०	४७	वृ	३७	४	बा	८	३९	३४	१७	४३	२८	९	१७	तुलायां	पातमोक्षः २।२६
५	बु	१	५५	स्वा	१६	२२	ध्रु	२९	३१	तै	१	५५	३८	१६	४४	१	१०	१८	वृ.५९।२	भ. ५६।३२ उ. मार्च मा. ३ ता. ३१
६	बु	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*शते बुधः ४७।५८ रेवत्यां शुक्रः४।२१
७	गु	५२	२८	वि	१३	१५	व्या	२२	५७	वि	२४	३०	४२	१६	४४	२	११	१९	वृश्चिके	भ. २४।३० या.
८	शु	५०	१	अ	११	३४	ह	१७	५२	बा	२१	१४	४६	१५	४५	३	१२	२०	वृश्चिके	भरणी १ राहुः स्वाती ३ केतुः १६।६
९	श	४८	५३	ज्ये	११	३०	व	१३	३१	तै	१९	२७	५०	१४	४६	४	१३	२१	ध.११।३०	दृश्यः पूभायां रविः ३५/९१ (सौरः ३४/३०) वक्री*
१०	र	४९	२३	मू	१२	३५	सि	१०	३५	व	१९	८	५४	१३	४७	५	१४	२२	धनुषि	भ.१९।८ उ.४९/२३ या. वक्री भौमः ९।५८×
११	चं	५१	५	पू	१५	२८	व्य	८	५८	ब	२०	१४	५८	१२	४८	६	१५	२३	म.३१।२४	विजया ११ब्र. स्मा. वै.
१२	मं	५४	०	उ	१९	१४	व	७	५९	कौ	२२	३२	२९/२	१२	४८	७	१६	२४	मकरे	विजया ११ब्र. नि. ×उभा.२शनिः १६/२३
१३	बु	५८	७	श्र	२४	१८	प	८	२३	ग	२६	३	६	११	४९	८	१७	२५	कुं.५७।९	भ. ५८।७ उ. प्रदोषः
१४	गु	६०	०	ध	३०	०	शि	८	५५	वि	३०	३४	१०	१०	५०	९	१८	२६	कुंभे	भ. ३०।३४ या. महाशिवरात्री व्रतम्
१४	शु	३	१	श	३६	४७	सि	१०	१९	श	३	१	१४	९	५१	१०	१९	२७	कुम्भे	पूर्वोदयी बुधः ४९।३०
३०	श	८	३५	पू	४३	५५	सा	१२	१	ना	८	३५	१९	८	५२	११	२०	२८	मी२७।८	

४७पं. फा.कृ.५बु.इ.४१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	११	११	०	१०
१७	८	२३	१	१३	६	१६	१७
५	४५	१३	३६	४७	१४	४५	६
४६	४३	३७	१८	३१	४९	१	५
६०	३	६३/१९	३/३४	६२	७	३	६०
१२	१७	ब	ब	२८	२	११	२०

गोचरग्रहाः

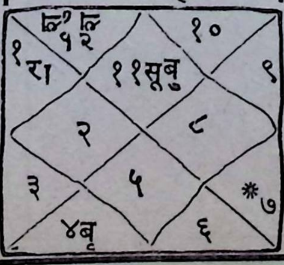

इस मास का फल
नेष्ट है। सुदी में
रुई सोना चांदी
घृत तेल गुड़ तेज
धान्य भाव मंदा
कहीं२ रोग भय।

गोचरग्रहाः

४८पं. फा.कृ.१३बु.इ.४१।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	३	११	११	०	१०
२४	९	१५	१	२२	७	१६	२४
६	५	२०	१४	२३	५	२२	७
२९	२४	१३	४२	२८	४६	४५	२८
५९	३/२०	५९/१९	३/१३	७२	७	३	६०
५८	ब	ब	ब	२०	१४	११	६

*चंमंके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन	शुक्लपक्षः	सं. २०२३	शाकः १८८८									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४७२४ स.१९६७
१	र	१४	४६	उ	५१	२१	शु	१४	५	ब	१४	४६	२३	६/७	५/३	१२	२१	२९	मीने	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	२१	५	रे	५९	२	शु	१६	२७	कौ	२१	५	२७	७	५३	१३	२२	१	मे.५९।२	फुलरिया२ जिल्काद.१२ पातस्पर्शः ५/०२*
३	मं	२७	३५	अ	६०	०	ब्र	१८	५६	ग	२७	३५	३२	६	५४	१४	२३	२	मेषे	मीनेऽर्कः ३/५ ४/० (दृश्यः ३/६) अश्वि.मेषेशुक्रः ५५/५
४	बु	३३	३३	अ	६	३७	ऐं	२०	५४	व	०	३४	३६	५	५५	१५	२४	३	मेषे	भ.०।३४ उ.३३।३३ या. *मोक्षः १/५ ३/२
५	गु	३९	१५	भ	१३	२९	वै	२२	३८	ब	६	२४	४०	४	५६	१६	२५	४	वृ.३०।०	
६	शु	४३	४७	कृ	१९	३४	वि	२३	३९	कौ	११	३१	४४	३	५७	१७	२६	५	वृषे	दृश्यः उभायां रविः५७।१२(सौरः ५५/२६)
७	श	४६	४१	रो	२४	२०	प्री	२३	१७	ग	१५	१४	४९	२	५८	१८	२७	६	मि५५।५७	भ. ४६।४१ उ. ×होलाष्टकं
८	र	४८	८	मृ	२७	३४	आ	२१	५०	वि	१७	२५	५३	१	५९	१९	२८	७	मिथुने	भ.१/२ ७/५ या. मार्गीबुधः १/२ ४/४ मार्गीगुरुश्च १/५ ४/८×
९	चं	४७	४२	आ	२८	५९	सौ	१८	५५	बा	१७	५५	५७	१	५९	२०	२९	८	मिथुने	
१०	मं	४३	१२	पु	२८	१७	शो	१४	१६	तै	१६	२७	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	९	क.१३।२८	
११	बु	४०	३९	पु	२५	४४	अ	८	४	व	१२	५६	६	५९	१	२२	१	१०	कर्के	भ.१/५ २/६ उ.४/३ ०/९ या.आमलकी११ब्र.रा.चैत्रारं.
१२	गु	३४	९	श्ले	२१	१९	सु	२२	५५	ब	७	२४	१०	५८	२	२३	२	११	सिं२१।१९	
१३	शु	२६	२०	म	१५	२१	शू	४१	१०	तै	२६	२०	१४	५७	३	२४	३	१२	सिंहे	प्रदोषः
१४	श	१७	१३	पू	८	१२	गं	३०	३१	व	१७	१३	१८	५६	४	२५	४	१३	कं.१२।१६	भ.१/१ ७/३ उ.४/२ ३/३ या. भरण्यांशुक्रः ५४/६ होलि+
१५	र		७ ३३	उ	३०/०	५२/७	वृ	१९	२८	ब	७	३३	२३	५५	५	२६	५	१४	कन्यायां	छारेंडी +कादहनं भद्रोत्तरे

४९पं. फा.शु.४बृ.इ.४२।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
१	८	११	१	०	७	१६	१
५	५०	३०	२	५७	५७	०	७
४२	१७	३२	३५	२२	२२	३०	१०
५९	१०/२	१८/६	०/४४	७३	७	३	५९
४१	ब	ब	ब	७	२०	११	४९

गोचरग्रहाः

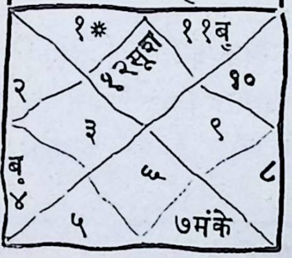

फाल्गुन शु.३भौमे मीनेऽर्कः प्र.त्रा.३ न.३प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

५०पं.फा.शु.११बु.इ.४२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
८	८	१२	०	९	८	१५	८
३	०	३४	५९	२७	४९	३८	५
२८	२२	४४	२४	२९	४१	१४	५
५९	१७/७	१७/४७	०/४३	७२	७	३	५९
२९	ब	मा	मा	५०	२८	११	३५

ति.	चैत्र	कृष्णपक्ष	सं. २०२३	शाकः १८८८									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४६	५८	चि	४४	५३	ध्रु	३३	४९/३०	तै	२२	१७	३०/२७	५५	६/५	२७	६	१५	तु.१८।४१	
३	मं	३९	११	स्वा	३८	१६	ह	४८	३४	व	१३	४	३१	५४	६	२८	७	१६	तुलायां	भ. १३।४ उ. ३९।११ या.
४	बु	३१	३७	वि	३२	५	व	४०	७	बा	३१	३७	३५	५३	७	२९	८	१७	वृ.१९।२३	वक्री चित्रा. भौमः ३४।१९ च. ब्र.
५	गु	२५	३४	अ	२९	३१	सि	३३	११	तै	२५	३४	३९	५२	८	३०	९	१८	वृश्चिके	
६	शु	२१	५४	ज्ये	२७	५०	व्य	२७	४८	व	२१	५४	४४	५१	९	३१	१०	१९	ध.२७।५०	भ.२/५ १/४ उ.५/५ ०/३ या. दृश्यो रेवत्यां रविः २/५ ४/५+
७	श	१९	५२	मू	२७	५१	व	२३	५१	ब	१९	५२	४८	५०	१०	१	११	२०	धनुषि	पूभायां बुधः ५/१ ०/१ उभा.३शनिः १/१ ०/८ अप्रेल*
८	र	१९	५१	पू	२९	५६	प	२१	३५	कौ	१९	५१	५२	५०	१०	२	१२	२१	म.४५।५०	
९	चं	२१	३५	उ	३३	३३	शि	२०	३१	ग	२१	३५	५६	४९	११	३	१३	२२	मकरे	भ.५३।५ उ. +(सौरः २/५ २/०) शीतलापू.
१०	मं	२४	३५	श्र	३८	४४	सि	२१	४	वि	२४	३५	३१/०	४८	१२	४	१४	२३	मकरे	भ. २४।३५ या. *मा.४ ता.३०
११	बु	२९	८	ध	४४	५१	सा	२१	५०	बा	२९	८	५	४७	१३	५	१५	२४	कुं.११।४७	कृत्तिका.शुक्रः५७।१० पापमोचनी११ब्र.
१२	गु	३४	२७	श	५१	५५	शु	२३	३५	कौ	१	४८	७	४७	१३	६	१६	२५	कुम्भे	
१३	शु	४०	३२	पू	५९	५	शु	२५	४७	ग	७	३०	११	४६	१४	७	१७	२६	मी४२।१८	भ. ४०।३२ उ. प्रदोष ब्र.
१४	श	४६	३७	उ	६०	०	ब्र	२८	९	वि	१३	३४	१४	४५	१५	८	१८	२७	मीने	भ. १३।३४ या. वृषे शुक्रः ४३।२९
३०	र	५२	५०	उ	६	४६	ऐं	३०	२७	च	१९	४३	१८	४४	१६	९	१९	२८	मीने	मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.४बु.इ.४२।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
१४	६	१७	१	१७	९	१५	१५
५९	३६	३५	६	५५	४२	१५	१
१३	३६	१३	५०	४१	०	५८	१०
५९	२३/४७	४६	१	७२	२०/७	३	५९
१६	ब	२३	५०	२७	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

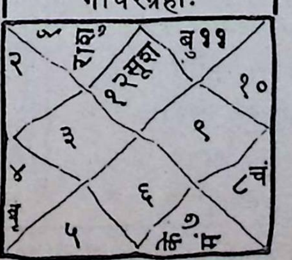

इस मासमें बालकों को पीड़ा हो। रुई चांदी चावल नेमक चपड़ा लाख सब्जी लहसन अनाज तेज हो।

गोचरग्रहाः

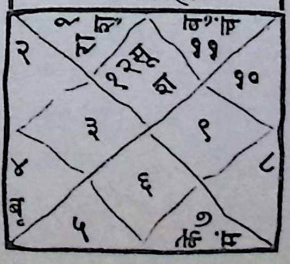

५२पं.चै.कृ.११बु.इ.४३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	३	०	११	०	११
२१	४	२४	१	२६	१०	१४	२१
५३	४३	३४	२३	२३	३३	५३	५५
३१	१९	८	२४	६	४०	४३	२१
५९	२८/४४	६७	३	७२	७	३	५९
४	ब	३१	१७	६	१४	११	४

*चंशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६८ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६८ भोग्यकलिः ४२६९३२ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२४ शाकः १८८९ वर्षेऽस्मिन्राजा चन्द्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशो शनिः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशो गुरुः । रसेशो भौमः । नीरसेशो रविः । फलेशोबुधः । धनेशश्शनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १४ रौद्रनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः ५।१३।४०।४७ भोग्यमासादिः ६।१६।१९।२१ । नासत्यदैवतंयुगम् । वर्ष नाम पीतः । मेघ नाम द्रोणः । रोहिणी निवास समुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समयविश्वा १० । समयवाहनं मृगः । स्तम्भ ३ अन्नजलवायुनाम् । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी २ । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १८ । तिथिवृद्धिः १२ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपतिविश्वा ८४ । वर्षाविश्वा १३ । धान्यम् १५ । तृणम् ९ । शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०७ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । ग्रहणे २ चंद्रमसः । शनिदृष्टिरुत्तरे ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

संवत् २०२४ शाकः १८८९
चैत्र शु. १५ चन्द्रे खग्रासं
ग्रस्तोदितं चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज. मध्यम.	घ.	२३	२६	२७	२९	३२
	पल	४३	२२	५२	३२	११
रेल्वे टाइम	घं.	३	५	५	६	७
	मि.	५	०	३८	१६	१९

वर्ष लग्नम् ९।२४

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग पालनहार ।
संवत्सर चौबीस का कह दो मुख से सार ॥

भवानी उत्तर

चोबीसो चारु दिशा नवो चलायो राह ।
धनवंता धन संपजै कोई न लेवे थाह ॥
शशि राजा मंत्री गुरु सबकी राखे रेख ।
सुख उपजे दुःख पिछड़े इसमें मीन न मेष ॥
रोहिणी बसी समुद्र में संवत् मालाकार ।
वर्षा ऋतु के मध्य में वर्षे मूसलधार ॥
दश विश्वा वत्सर बना स्तंभ लगे है तीन ।
वर्षा विश्वा विश्व१३है जग में हो सुख चैन ॥
साख प्रथम मध्यम रहे दूजी साख अपार ।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ॥

लाभ-खर्च कोष्टक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	८	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ११।२२

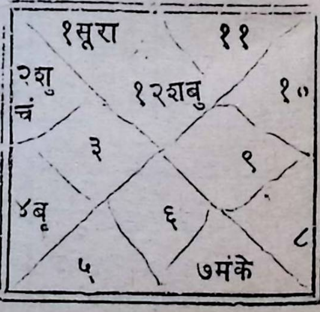

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२३।३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम्–चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयोनृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री गुरुस्तत्फलम्–विविध धान्य युता खलु मेदिनी प्रचुरतोयधना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशो रविस्तत्फलम्–सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहु भूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्–भृगौ पाश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्याः समर्घतां यान्ति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो गुरुः फलम्–गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाखिल विलासवती धरणी तदा । श्रुति विचार परां नरपालकाः रस समृद्धि युता खिल मानवाः । रसेशो भौमस्तत्फलम्–यदि धरा तनयो रसपो भवेत् न रसराशियुता जनताशुभा । नरपतिविर्षभोजन तापदो नजलदो वहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम्–नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चंदनयोरपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धि प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम्–यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विताः ।। धनेशश्शनिस्तत्फलम्–द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरताः धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजः कृषि जीविनो द्विजवराः परिपीडित मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्–विषय साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्र जनेषु विशेषतां । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयं क्वचित् ।। रोद्र नाम संवत्सरस्तत्फलम्–रौद्राब्दे नृप संभूताः संक्षोभ क्लेश भागिनः । सततं त्वखिलाः लोकाः मध्य सस्यार्धवृष्टयः ।। वर्षनाम पौषः फलम्–ज्वर रोग क्षुधार्ताश्च नाना जनपदाः सदा । महर्घं तु त्रयोमासाः पौषे स्वास्थ्यं ततः परम् ।। मेघनाम द्रोणः फलम्–द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम्–मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०२४ शाके १८८९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ४ शुक्रे मृगे ल. ११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ८ ।।।ऽगु।।।ऽ।। पादवेधाद्-गुरोर्वेधाऽभावः

,, ७ रवौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽऽ।ऽशु।।।।।।। पाद-वेधात् शुक्रस्य वेधाऽभावः

शुक्ला ३ शुक्रे मृगे ल. अन्यगो. सौग्रांगः रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

, ८ बुधे मघा. ल.अन्यगो. रे. ७ ।।।।।ऽअ.।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

, १०शुक्रे उफा. ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।ऽनृ।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ शनौ उषा. ल.गो.रे. ६ ।।।ऽबु।ऽ।।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

शुक्ला ५ भौमे मघा. ल. अन्यगो. रे. ९ ।ऽ।।।।।।।

,, १२ चन्द्रे अनु. ल. २ रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।। चं.७ मध्यमः

,, १३ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णा १ शुक्रे उषा. ल. २ रे. ८ ।।।।ऽऽरो।।।।

,, ६ बुधे उभा. ल. २ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

,, ७ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. २ (घ.५५-१५या.) रे. ७ ।।।।ऽनृ।ऽ।ऽ

शुक्ला ३ चंद्रे मघा. ल. अन्यगो. २ रे. ९ ।।।।ऽचो।।।।

,, ६ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. २ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।

मार्गशीर्षादि मासेषु सिंहस्थ गुरु दोषः ।

सं. २०२४ शाके १८८९ आश्विन शु. १५ बुधे खग्रासं पूर्व भारते चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.
उज्जयिनी मध्यम कालः	घं.	१८	२१	२३	२५	२७
	मि.	२५	२१	११	१	५६
रेल्वे टाइम	घ.	१	२	३	४	५
	मि.	४९	५९	४३	२७	३८

नोटः–यह ग्रहण रेल्वे टाइम ५-३८ से पहिले चंद्रोदय होने वाले प्रदेशों में दृष्ट होगा, अन्यत्र नहीं होगा ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७५३ स.१९६७
१	चं	५९	९	रे	१४	१५	वै	३२	३५	किं	२६	०	३५/२१	५/४४	६/१६	१०	२०	२९	मे.१४।१५	मीने बुधः९।१९ संवत्सरारंभः नवरात्रा.
२	मं	६०	०	अ	२१	३९	दि	३४	४१	बा	३२	३	२५	४३	१७	११	२१	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	४	५७	भ	२८	२१	प्री	३६	१३	कौ	४	५७	२८	४२	१८	१२	२२	१	बृ.४४।५१	उभायां बुधः ३६/३५ सिंधारा मोहोरम १*
३	गु	९	५३	कृ	३४	२१	आ	३७	४	ग	९	५३	३२	४२	१८	१३	२३	२	बृषे	भ. ४१/५५ उ. दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः ५९।०×
४	शु	१३	५८	रो	३९	३१	सौ	३७	२६	वि	१३	५८	३६	४१	१९	१४	२४	३	बृषे	भ. १३।५८ या. *सन्१३८७ हि.
५	श	१७	१६	मृ	४३	३३	शो	३६	५१	बा	१७	१६	४०	४०	२०	१५	२५	४	मि११।३२	
६	र	१९	९	आ	४६	११	अ	३४	५३	तै	१९	९	४३	३९	२१	१६	२६	५	मिथुने	
७	चं	१९	२७	पु	४७	१२	सु	३१	५०	व	१९	२७	४७	३९	२१	१७	२७	६	क.३२।५७	भ.१९।२७उ.४८/५४या. रोहि.शुक्रः१०।४६
८	मं	१८	२१	पु	४६	३१	धृ	२६	४६	ब	१८	२१	५१	३८	२२	१८	२८	७	कर्के	
९	बु	१५	२०	श्ले	४४	१७	शू	२१	३५	कौ	१५	२०	५५	३७	२३	१९	२९	८	सिं४४।१७	वक्री कन्या. भौमः ४७।४७ रामनवमी
१०	गु	१०	४२	म	४०	२३	गं	१४	२८	ग	१०	४२	५८	३६	२४	२०	३०	९	सिंहे	भ. ३७।३५ उ. पातस्पर्शः ५१।५७
११	शु	४	२८	पू	३५	२	वृ	६/४	५५/३२	वि	४	२८	३३/२	३६	२४	२१	१	१०	कं.४८।१८	भ.२ ४/८या. रेवत्यां बुधः१ ३/० कामदा११व्र.+
१२	शु	५२	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+रा.वैशाखारम्भः पातमोक्षः १।३७
१३	श	४७	५४	उ	२८	१६	व्या	४६	११	कौ	२२	१६	६	३५	२५	२२	२	११	कन्यायां	प्रदोष
१४	र	३८	१०	ह	२०	५२	ह	३५	३०	ग	१३	२	१०	३४	२६	२३	३	१२	तु.४७।०	भ.३८।१०उ. ×(सौरः ५७/२८) गणगौरी
१५	चं	२८	१५	चि	१३	७	व	२४	३८	वि	३	१२	१४	३३	२७	२४	४	१३	तुलायां	भ. ३।१२ या. चंद्रग्रहणम् हनुमज्जयंती

१पं. चै.शु.३शु.इ.५९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	२	१	११	०	०
०	२	५	१	६	११	१४	०
०	१	३४	५०	१०	४७	२७	१
०	४४	३७	२७	५५	२०	३८	३०
५८	३०/२६	८७	४	७१	७	३	५८
४५	ब	२५	४२	४०	५	११	४५

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. ३ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रास्तः प.

गोचरग्रहाः

२पं. चै.शु.१०शु.इ.५९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	११	३	१	११	०	०
६	२९	१६	२	१४	१२	१४	६
५०	२५	३५	२४	२८	३७	५	५१
४२	३०	६	४०	१	१५	२३	४१
५८	२८/५७	८/०	५	७१	६	३	५८
३१	ब	८/४२	४८	१२	५७	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१८	३६	स्वा	५/२९	५३/३८	स्वि	१४	४	कौ	१८	३६	३२/१७	५/३३	६/२७	२५	५	१४	बृ.४५।४२	
२	बु	९	५६	अ	५२	५०	व्य	४/२२	५१/३३	ग	९	५६	२१	३२	२८	२६	६	१५	बृश्चिके	भ. ३६।७ उ.
३	गु	२	१९	ज्ये	४९	२७	प	४८	४३	वि	२	१९	२५	३१	२९	२७	७	१६	ध.४९।२७	भ.२।१९या. दृश्योभरण्यां रविः३९।१६*
४	गु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२०	०	०	०	*(सौरः ३६/४६)उभा.४शनिः४।५९ च.व्र.
५	शु	५३	०	मू	४७	२६	शि	४३	१४	कौ	२४	५१	२९	३०	३०	२८	८	१७	धनुषि	अश्वि. मेषे बुधः ४९/३७ मृगे शुक्रः३३।४८
६	श	५१	३१	पू	४७	५०	सि	३९	२४	ग	२२	१५	३२	३०	३०	२९	९	१८	धनुषि	भ. ५१।३१ उ. पुष्य.१ गुरुः ४८।३३
७	र	५२	१२	उ	५०	१७	सा	३७	२६	वि	२१	५१	३६	२९	३१	०	१०	१९	म.३।२७	भ. २१।५१ या. पूर्वास्तं बुधः २४।३२
८	चं	५४	३९	श्र	५४	२९	शु	३७	०	बा	२३	२६	४०	२८	३२	१	११	२०	मकरे	मई मा.५ ता.३१ ×१५/४७ वरुथिनी११व्र.
९	मं	५८	५६	ध	६०	०	शु	३७	२९	तै	२६	४७	४३	२७	३३	२	१२	२१	कुं.२७।५६	
१०	बु	६०	०	ध	०	२३	ब्र	३८	५३	व	३१	३१	४७	२७	३३	३	१३	२२	कुम्भे	भ. ३१।३० उ.
१०	गु	४	४	श	७	१२	ऐं	४१	२२	वि	४	४	५१	२६	३४	४	१४	२३	मी५७।४९	भ. ४।४ या. मिथुने शुक्रः २४।१
११	शु	१०	१७	पू	१४	४१	वै	४३	४९	बा	१०	१७	५४	२५	३५	५	१५	२४	मीने	भरण्यांबुधः १९/४ अश्वि.४राहुःस्वा.२केतुः×
१२	श	१६	३७	उ	२२	२७	वि	४६	२२	तै	१६	३७	५७	२५	३५	६	१६	२५	मीने	प्रदोषः
१३	र	२२	५९	रे	२९	५९	प्री	४८	४०	व	२२	५९	३३/१	२४	३६	७	१७	२६	मे.२९।५९	भ. २२।५९ उ. ५५।५० या.
१४	चं	२८	५१	अ	३७	५	आ	५०	३७	श	२८	५१	४	२३	३७	८	१८	२७	मेषे	
३०	मं	३४	८	भ	४३	४०	सौ	५१	५२	च	१	२९	७	२३	३७	९	१९	२८	मेषे	

३पं. वै.कृ.३शु.इ.५९।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	११	३	१	११	०	०
१३	२७	२८	३	२२	१३	१३	१३
३९	७	२४	७	३९	२६	४३	४०
४३	७	४६	२७	४३	२	७	६
५८	३४/३३	३०/८	६	७०	६	३	५८
१७	ब	८	४९	३४	३८	११	१२

गोचरग्रहाः

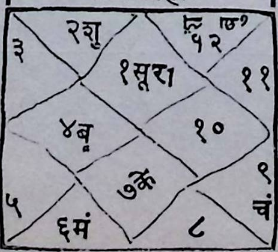

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ हैं प्रजा में पीड़ा अग्नि भय होवे। गुड़ खांड शक्कर सोना मसूर मिर्च तेज।

गोचरग्रहाः

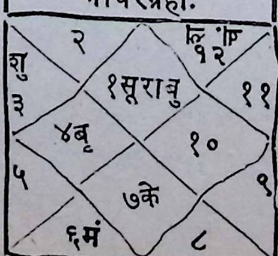

४पं. वै.कृ.१०शु.इ.५९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	३	२	११	०	०
२०	२४	१२	३	०	१४	१३	२०
२७	४५	४०	५५	४१	१२	२०	२६
२२	५४	४	५५	३८	२८	५१	४६
५८	२०/२	३०/८	७	६९	६	३	५७
६	ब	९/१०	५०	५३	२५	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख	शुक्लपक्षः	सं. २०२४	शाकः	१८८९								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७८३ सन् १९६७
१	बु	३८	१९	कृ	४९	३	शो	५२	३३	किं	६	१३	३३/१०	५/२२	६/३८	१०	२०	२९	वृ. ०।१	आर्द्रा.शुक्रः १६/१४ वक्री हस्ते भौमः ३९।४२
२	गु	४१	४८	रो	५३	४८	अ	५२	३८	बा	१०	४	१३	२१	३९	११	२१	३०	वृषे	दृश्यःकृत्तिका.रविः ३५/११ (सौरः २६/४३) कृत्ति.✵
३	शु	४४	१२	मृ	५७	१८	सु	५१	२५	तै	१३	०	१६	२१	३९	१२	२२	१	मि २५।३३	अक्षया ३ परशु.ज. सफर २ ✵ध्रुवः ३२/३० चंद्रद.
४	श	४५	३२	आ	५९	५२	धृ	४९	२८	व	१४	५२	१९	२०	४०	१३	२३	२	मिथुने	भ. १४।५२ उ. ४५।३२ या. वृषे बुधः ६।०
५	र	४५	४५	पु	६०	०	शू	४७	०	ब	१५	३८	२२	२०	४०	१४	२४	३	क. ४६।५	दृ. वषेऽर्कः ५२।२६ (सौरः ५४।३१)
६	चं	४४	४५	पु	१	२९	गं	४३	३०	कौ	१५	१५	२५	१९	४१	१५	२५	४	कर्के	
७	मं	४२	३९	पु	२	५	वृ	३८	५६	ग	१३	४२	२८	१८	४२	१६	२६	५	कर्के	भ. ४२/३९ उ. पातस्पर्शः ४६/३४ पातमोक्षः ५९/४०
८	बु	३९	७	श्ले	१/४	५७/६	ध्रु	३३	१७	वि	१०	५३	३०	१८	४२	१७	२७	६	सि १।४	भ. १०।५३ यां. रोहि. बुधः ३५।४३
९	गु	३५	२२	पू	५५	३६	व्या	२६	४४	बा	७	१४	३३	१७	४३	१८	२८	७	सिंहे	
१०	शु	२८	४५	उ	५१	५	ह	१९	१७	ग	२८	४५	३६	१७	४३	१९	२९	८	कं. ९।२८	भ. ५५।३१ उ.
११	श	२२	१८	ह	४५	२७	व	१०	४७	वि	२२	१८	३९	१६	४४	२०	३०	९	कन्यायां	भ. २२।१८ या. मोहिनी ११ व्रतम्
१२	र	१३	४५	चि	३९	११	सि	१/२६	५०/२३	बा	१३	४५	४१	१६	४४	२१	३१	१०	तु. १२।१३	प्रदोषः
१३	चं	५	१४	स्वा	३२	३९	व	४१	४८	तै	५	१४	४३	१५	४५	२२	१	११	तुलायां	भ. ५६/२० उ.पुन.शुक्रः ४३/३ बुधोदयःपश्चिः ३७/१७×
१४	चं	५१	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×नृसिंहजः रा.ज्येष्ठारम्भः +कुंभदानम्
१५	मं	४७	४२	वि	२५	५२	प	३२	११	वि	२२	१	४६	१५	४५	२३	२	१२	वृ. १२।३४	भ. २२।१ या. मार्गी भौमः ५।३ अन्नजल+

५पं. वै.शु. २शु.इ.५९।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	३	२	११	०	०
२७	२३	२७	४	८	१४	५२	२७
१३	५	३८	५१	३९	४६	५८	१३
३४	१६	४५	३५	१४	४२	३६	०
५७	५९/१	[illegible]	८	६८	६	३	५७
५४	व	[illegible]	४६	५८	९	११	४५

गोचरग्रहाः

वैशाखशु. ५ रवौ वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्य भाव सम-र्घता) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

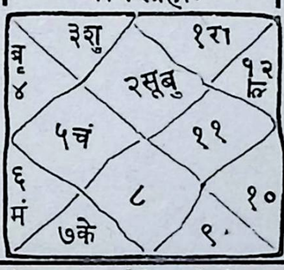

६पं. वै.शु:१०शु इ. ०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	३	२	११	०	१
३	२	१२	५	१६	१५	१२	३
५८	८	५५	५२	३१	३९	३६	५५
२६	४५	१९	४४	५८	७	२०	३८
५७	४/४५	[illegible]	९	६७	७	३	५७
४४	व	[illegible]	३५	५९	४३	११	३४

ति.	ज्येष्ठ	कृष्णपक्षः	सं. २०२४	शाकः	१८८९								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३९	५०	अ	१२	५१	शि	२३	४	बा	१३	४६	३३/४८	५/१४	६/४६	२४	३	१३	वृश्चिके	मृगे बुधः ८।२२ पुष्य. २ गुरुः ८।९
२	गु	३३	२४	ज्ये	१५	३	सि	१५	६	तै	६	३७	५०	१४	४६	२५	४	१४	ध. १५।३	दृश्यो रोहि. रविः १६।१ (सौरः २०।४०)
३	शु	२८	२८	मू	११	३८	सा	८	२०	व	०	५६	५२	१४	४६	२६	५	१५	धनुषि	भ. ०।५६ उ. २८।२८ या. च. व्र.
४	श	२५	३२	पू	१०	२१	शु	३/२	५६/२५	बा	२५	३२	५४	१३	४७	२७	६	१६	म. २५।३४	मिथुने बुधः ३९।४५
५	र	२४	५१	उ	११	११	ब्र	५७	३६	तै	२४	५१	५६	१३	४७	२८	७	१७	मकरे	पातस्पर्शः ५५।२
६	चं	२६	१४	श्र	१३	४८	ऐं	५७	२१	व	२६	१४	५८	१२	४८	२९	८	१८	कुं. ४६।९	भ. २६/१४ उ. ५८।० या. पातमोक्षः १०।५५
७	मं	२९	४५	ध	१८	३१	वै	५८	२	ब	२९	४५	३४/०	१२	४८	३०	९	१९	कुम्भे	रेवती १ शनिः १०।३७
८	बु	३४	२०	श	२४	३३	वि	६०	०	बा	२	२	२	१२	४८	३१	१०	२०	कुम्भे	आर्द्रा. बुधः ३९।७ कर्के शुक्रः २२।५७
९	गु	४०	९	पू	३१	५१	वि	०	४	तै	७	१५	४	११	४९	१	११	२१	मी १५।२	**जून मा. ६ ता. ३०**
१०	शु	४६	२७	उ	३९	१७	प्री	२	२१	व	१३	८	६	११	४९	२	१२	२२	मीने	भ. १३।१८ उ. ४६।२७ या.
११	श	५२	४१	रे	४६	५७	आ	४	५४	ब	१९	३४	७	११	४९	३	१३	२३	मे. ४६।५७	पुष्ये शुक्रः ३६/४८ अपरा ११ व्र. स्मा. वै.
१२	र	५८	३०	अ	५३	५९	सौ	७	२०	कौ	२५	३६	९	१०	५०	४	१४	२४	मेषे	अपरा ११ व्र. नि.
१३	चं	६०	०	भ	६०	०	शो	९	१८	ग	३१	२	१०	१०	५०	५	१५	२५	मेषे	प्रदोषः
१३	मं	३	३४	भ	०	२३	अ	१०	३४	व	३	३४	१२	१०	५०	६	१६	२६	वृ. १६।४८	भ. ३।३४ उ. ३५।२२ या.
१४	बु	७	५१	कृ	५	४३	सु	१०	५३	श	७	११	१३	९	५१	७	१७	२७	वृषे	
३०	गु	९	५०	रो	९	४५	धृ	१०	१८	ना	९	५०	१४	९	५१	८	१८	२८	मि ४१।१३	दृश्यो मृगे रविः ५१/१० (सौरः १९/२९) वटपूजनम्

७पं. ज्ये.कृ. ३शु.इ. ०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	३	२	११	०	१
१०	२१	२६	६	२४	१६	१२	१०
४२	४२	५१	५९	१४	१८	१४	३७
२५	१४	३९	१६	१३	७	५	३९
५७	९/८	[illegible]	१०	४६	५	३	५७
३५	मा	[illegible]	१८	४९	१७	११	२३

गोचरग्रहाः

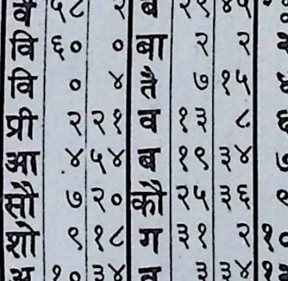

इस मास में धूप अधिक रसपदार्थ गुड़ खांड़ घृत तेल तेज हो। धान्य चावल मूंग मंदा होके तेज।

गोचरग्रहाः

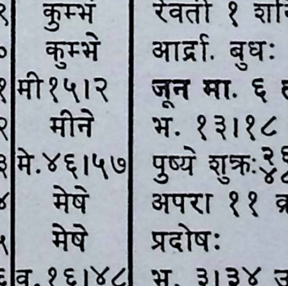

८पं.ज्ये.कृ.१०शु.इ.०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	३	३	११	०	१
१७	२१	८	८	१	१६	११	१७
२५	५५	४४	१०	४५	५३	५१	१८
८	१२	४२	५५	५४	४३	४९	५५
५७	७	९२	१०	६५	४	३	५७
२७	४३	१०	५९	१६	५१	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:४८१३ स.१९६७
१	शु	११	१	मृ	१२	४२	शू	८	५०	ब	११	१	३४/१६	५/९	६/५१	९	१९	२९	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
२	श	११	७	आ	१४	३१	गं	६	२६	कौ	११	७	१७	९	५१	१०	२०	१	मिथुने	पुन. बुधः ४३।५० रविलावल ३
३	र	१०	२२	पु	१५	१९	वृ	३/११	५५/४८	ग	१०	२२	१८	८	५२	११	२१	२	क. ०।७	भ. ३९/५६ उ.चित्रा.भौमः ३१/३९ पुष्यः ३गुरुः ४७/४९
४	चं	८	४०	पु	१५	२	व्या	५४	३२	वि	८	४०	१९	८	५२	१२	२२	३	कर्के	भ. ८।४० या.
५	मं	५	४०	श्ले	१४	१२	ह	४९	२३	बा	५	४०	२०	८	५२	१३	२३	४	सिं १४।१२	
६	बु	२	२०	म	१२	२८	व	४३	३४	तै	२	२०	२१	८	५२	१४	२४	५	सिंहे	भ. ५८।३० उ.
७	बु	५६	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*गुर्जराणां वट सावित्रीपू. रा.आषाढ़ारंभः
८	गु	५३	३४	पू	१०	२०	सि	३७	७	वि	२६	२	२१	८	५२	१५	२५	६	कं.२४।३५	भ. २६/२६ या. दृश्यो मिथुनेऽर्कः ३९/५ सौरः ३६/६
९	शु	४८	११	उ	७	१९	व्य	३०	१२	बा	२०	५२	२२	८	५२	१६	२६	७	कन्यायां	आश्लेषा. शुक्रः ३४।०
१०	श	४२	६	ह	३/३५	५५/४४	व	२२	४१	तै	१५	९	२२	८	५२	१७	२७	८	तु. ३१।२७	गंगादशमी
११	र	३५	२३	स्वा	५४	१९	प	१४	४५	व	८	४४	२३	७	५३	१८	२८	९	तुलायाँ	भ.८।४४ उ.३५।२३ या. निर्जला ११व्र.
१२	चं	२८	२४	वि	४९	२१	शि	६/२७	५१/३७	बा	२८	२४	२३	७	५३	१९	२९	१०	वृ. ३५।२६	प्रदोषः
१३	मं	२१	२१	अ	४४	३५	सा	५०	५६	तै	२१	२१	२३	७	५३	२०	३०	११	वृश्चिके	पातस्पर्शः २०।३९ पातमोक्षः ३७।५८
१४	बु	१४	३०	ज्ये	४०	१९	शु	४२	१२	व	१४	३०	२४	७	५३	२१	३१	१२	ध. ४०।१९	भ. १४।३० उ. ४१।२८ या.
१५	गु	८	२६	मू	३६	५४	शु	३५	१९	ब	८	२६	२४	७	५३	२२	१	१३	धनुषि	दृश्यः आर्द्रायां रविः ९।२७ (सौरः ३१/४९) *

९पं.ज्ये.शु.१शु इ.०।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	३	३	११	०	१
२४	२२	१८	९	९	१७	११	२३
७	५०	३	२६	३	२६	२९	५८
१२	२४	४६	१६	३९	१४	३३	५१
५७	१२	६७	१२	६३	४	३	५७
२२	३४	२२	५	३२	२४	११	५

गोचरग्रहाः

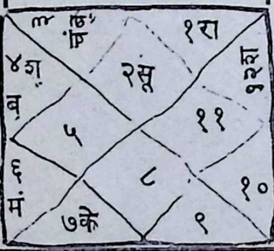

ज्येष्ठशु. ८ गुरौ
मिथुनेऽर्कः प्र.वा.
५न.५ वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदय:पश्चि.।

गोचरग्रहाः

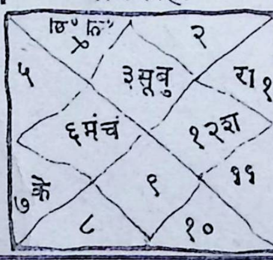

१०पं.ज्ये.शु.९ श.इ.०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	३	११	०	२
०	२४	२४	१०	१६	१७	११	०
४८	११	३९	४५	५	५४	७	३८
२५	२७	५७	२२	२७	१०	१८	[illegible]
५७	१६	३६	१३	६१	३	३	५६
१७	४७	२६	८	३०	४६	११	५७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३	३१	पू	३४	४८	ब्र	२९	३६	कौ	३	३१	३४/२४	५/७	६/५३	२३	२	१४	म. ४९।४५	
२	श	०	२६	उ	३४	३७	ऐं	२५	१२	ग	०	२६	२४	७	५३	२४	३	१५	मकरे	भ. ३९/४४ उ. ५९।३ या. वक्री बुधः ४९।२
३	श	५८	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र	५९	२५	श्र	३६	५	वै	२२	१४	ब	२९	१४	२४	७	५३	२५	४	१६	मकरे	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	६०	०	ध	३९	२९	वि	२१	४	कौ	३०	४३	२३	७	५३	२६	५	१७	कु. ७।४७	
५	मं	२	१	श	४४	२७	प्री	२०	४८	तै	२	१	२३	७	५३	२७	६	१८	कुम्भे	
६	बु	५	५७	पू	५१	३	आ	२१	५९	व	५	५७	२३	७	५३	२८	७	१९	मी ३४।२४	भ. ५।५७ उ. ३८।४१ या.
७	गु	११	२४	उ	५८	१५	सौ	२३	५०	ब	११	२४	२२	८	५२	२९	८	२०	मीने	पुष्य. ४ गुरुः ४।१४
८	शु	१७	२७	रे	६०	०	शो	२६	१७	कौ	१७	२७	२२	८	५२	३०	९	२१	मीने	मघा सिंहे शुक्रः ५६।२१ पश्चि.बुधः २५।९
९	श	२३	३२	रे	५	५९	अ	२८	४१	ग	२३	३२	२१	८	५२	१	१०	२२	मे. ५।५९	भ. ५६।३५ उ. जुलाई मा. ७ ता. ३१
१०	र	२९	३८	अ	१३	११	सु	३१	१	वि	२९	३८	२०	८	५२	२	११	२३	मेषे	भ. २९।३८ या. *(सौरः २५।५०)
११	चं	३४	२	भ	१९	५९	धृ	३२	३०	ब	१	५०	१९	८	५२	३	१२	२४	बृ. ३६।५९	योगिनी ११ व्र.
१२	मं	३८	७	कृ	२५	२०	शू	३३	२	कौ	६	४	१८	८	५२	४	१३	२५	बृषे	तुला. भौमः ३८।५२
१३	बु	४०	१५	रो	२९	२१	गं	३२	२१	ग	९	११	१७	९	५१	५	१४	२६	वृषे	भ. ४०।१५ उ. प्रदोषः
१४	गु	४०	४०	मृ	३१	४८	वृ	३०	२९	वि	१०	२८	१५	९	५१	६	१५	२७	मि ०।३४	भ. ५१/२८ या. दृश्यः पुनर्वसौ रविः ७।२३ *
३०	शु	३९	५०	आ	३२	५६	ध्रु	२७	२४	च	१०	१५	१४	९	५१	७	१६	२८	मिथुने	अश्वि. ३ राहुः स्वा. १ केतुः ९।५१

११पं.आ.कृ.१शु.इ.०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	३	११	०	२
७	२६	२७	१२	२२	१८	१०	७
२९	५	५६	७	५१	१८	१५	१६
२४	१६	५६	४१	३९	३९	२	२७
५७	२०	७	१२	५९	३	३	५६
१३	२३	४०	२६	५२	७	११	५४

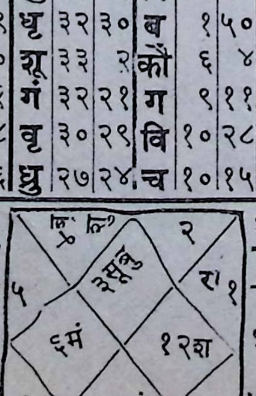

१२पं.आ.कृ.८शु.इ.०।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	३	११	०	२
१४	२८	२७	१३	२९	१८	१०	१३
९	२४	४२	३१	८	३९	२२	५५
५०	३	४३	५८	४९	१४	४७	३२
५७	२३	२१/५६	१२	५४	२	३	५६
७	२५	ब	५०	४१	२८	११	५०

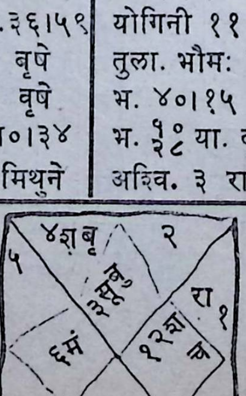

१३पं.आ.कृ.३०शु.इ. ०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	३	४	११	०	२
२०	१	२४	१४	५	१८	१०	२०
५०	२	५१	५९	०	५४	०	३२
१०	३२	३२	२	३६	२८	३१	२६
५७	२६	३३/१६	१३	४९	१	३	५६
७	३४	व	११	४३	५०	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८४२ स.१९६७
१	श	३७	३२	पु	३२	३६	व्या	२३	१४	किं	८	३१	३४/१३	५/९	६/५१	८	१७	२९	क.१७।४१	
२	र	३४	११	पु	३१	१४	ह	१८	२३	बा	५	५२	११	१०	५०	९	१८	३०	कर्के	रथयात्रा चन्द्रदर्शनम्
३	चं	३०	१	श्ले	२९	५	व	१३	४८	तै	२	६	१०	१०	५०	१०	१९	१	सिं२९।५	भ. ५०।३९ उ. रविलाखर ४
४	मं	२५	१७	म	२६	२६	सि	६/१८	५३/२१	वि	२५	१७	८	१०	५०	११	२०	२	सिंहे	भ. २५।१७ या.
५	बु	२०	२०	पू	२३	२३	व	५३	२०	बा	२०	२०	७	११	४९	१२	२१	३	कं.३७।३५	
६	गु	१५	१२	उ	२०	११	प	४६	२५	तै	१५	१२	५	११	४९	१३	२२	४	कन्यायां	वक्री आर्द्रा. बुधः ३९।५३
७	शु	१०	२	ह	१६	४४	शि	३९	२८	व	१०	२	४	११	४९	१४	२३	५	तु.४५।१०	भ.१०।२ उ.३/६या. आश्लेषा.१गुरुः५०।३
८	श	४	१०	चि	१३	३७	सि	३२	३४	ब	४	१०	२	१२	४८	१५	२४	६	तुलायां	
९	श	५५	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	र	५३	५०	स्वा	१०	१५	सा	२५	२४	तै	२६	३५	०	१२	४८	१६	२५	७	वृ.५२।४२	दृश्यः कर्केऽर्कः ३६।४७(सौरः५८।३४)
११	चं	४८	४२	वि	६	५१	शु	१८	४३	व	२१	१६	३३/५८	१२	४८	१७	२६	८	वृश्चिके	भ.२१/१६ उ.४६/४२या. देवशयनी ११व्र.स्मा.वै.
१२	मं	४३	३५	अ	३	४४	शु	११	५१	ब	१६	८	५६	१३	४७	१८	२७	९	वृश्चिके	पूफायां शुक्रः४१/३५ बुधोदयः पू.३३।० देव.*
१३	बु	३९	१८	ज्ये	५०/०	५७/५१	ब्र	३१/५	५४/४	कौ	११	२६	५४	१३	४७	१९	२८	१०	ध.०।५०	स्वात्यां भौमः५६/४१ प्रदोषः *११व्र.नि.
१४	गु	३५	३५	पू	५७	१२	वै	५४	१६	ग	७	२६	५२	१४	४६	२०	२९	११	धनुषि	भ.३५/३५ उ. दृश्यः पुष्ये रविः६/४(सौरः३९/१५)
१५	शु	३३	७	उ	५७	२	वि	५०	३	वि	४	२१	५०	१४	४६	२१	३०	१२	म.१२।९	भ.२४/१या. मार्गीबुधः४१/२९ व्यासपू.वायु.प.

१४पं.आ.शु.६बृ.इ.५९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	३	४	१	०	२
२७	३	१९	१६	१०	१९	९	२७
३०	५९	४९	२८	२५	३	३८	१०
३२	१६	८	५२	८	५०	५	३३
५७	२८	३१/४०	१३	४३	१	३	५६
११	४६	व	२०	२९	११	११	५५

गोचरग्रहाः

आ. शु.१० रवौ कर्केऽर्कः ध्रु.वा.४ न. ६ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

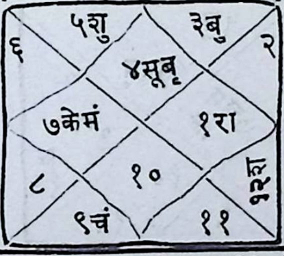

१५पं.आ.शु.१४बृ.इ.५९।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	४	११	०	३
४	७	१८	१७	१४	१९	९	३
११	१२	३९	५९	४१	९	१६	४९
१७	१८	१०	२४	२४	४३	०	०
५७	३०	४/४८	१३	३५	०	३	५६
१५	४३	व	३०	२०	२६	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३२	१२	श्र	५८	२१	प्री	४६	५६	बा	२	४०	३३/४७	५/१५	६/४५	२२	३१	१३	मकरे	
२	र	३२	३३	ध	६०	०	आ	४५	२७	तै	२	२२	४५	१५	४५	२३	१	१४	कु.२९।४९	राष्ट्रीय श्रावणारम्भः
३	चं	३४	४९	ध	१	१७	सौ	४४	२८	व	३	४१	४२	१६	४४	२४	२	१५	कुम्भे	भ. ३।४१ उ. ४४।४९ या. च. व्र.
४	मं	३८	२१	श	५	४२	शो	४५	५	ब	६	३५	४०	१६	४४	२५	३	१६	मी५५।५	वक्री शनिः ७।५१
५	बु	४३	३२	पू	११	३३	अ	४६	२७	कौ	१०	५६	३७	१७	४३	२६	४	१७	मीने	पुन. बुधः १०।१३ नाग ५ मरुस्थले
६	गु	४९	१६	उ	१८	१४	सु	४८	३४	ग	१६	२४	३५	१७	४३	२७	५	१८	मीने	भ. ४६/१६ उ. अस्तं गुरोः ७।४८ **ब.गु.**
७	शु	५५	२६	रे	२५	४३	धृ	५०	५४	वि	२२	२१	३२	१८	४२	२८	६	१९	मे.२५।४४	भ. २२।२ या.
८	श	६०	०	अ	३३	८	शू	५३	२८	बा	२८	२८	२९	१८	४२	२९	७	२०	मेषे	
८	र	१	३०	भ	४०	२५	गं	५५	२७	कौ	१	३०	२६	१९	४१	३०	८	२१	वृ.५६।५९	आश्लेषा. २ गुरुः ८।४१
९	चं	६	४९	कृ	४६	४०	वृ	५६	३१	ग	६	४९	२४	१९	४१	३१	९	२२	वृषे	भ. ३८।४४ उ.
१०	मं	१०	३९	रो	५१	८	ध्रु	५६	२३	वि	१०	३९	२१	२०	४०	१	१०	२३	वृषे	भ. १०।३९ या. **अगस्त मा. ८ ता. ३१**
११	बु	१३	११	मृ	५४	६	व्या	५५	१	बा	१३	११	१८	२०	४०	२	११	२४	मि२२।३७	कामिका ११ व्र.
१२	गु	१३	४५	आ	५५	१९	ह	५२	१२	तै	१३	४५	१५	२१	३९	३	१२	२५	मिथुने	दृश्यःआश्लेषा.रविः३/५(सौरः३०/४)प्रदोषः
१३	शु	१२	३५	पु	५४	४०	व	४७	५१	व	१२	३५	१२	२२	३८	४	१३	२६	क.३९।५०	भ.१२।३५ उ.४०/५९या. कर्के बुधः३८।५४
१४	श	९	२३	पु	५२	३२	सि	४२	२०	श	९	२३	९	२२	३८	५	१४	२७	कर्के	
३०	र	४	५७	श्ले	४९	८	व्य	३५	३९	ना	४	५७	६	२३	३७	६	१५	२८	सिं४९।८	पुष्ये बुधः ५८।४ हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.६बृ.इ.५९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	४	११	०	३
१०	१०	२१	१९	१८	१९	८	१०
५२	४२	१९	३०	१	९	५३	२८
१९	०	३२	५४	४४	३९	४	१७
५७	३२	४३/३५	१३	२४	१०/८	३	५७
२०	३८	मा	३२	३४	व	११	५

गोचरग्रहाः

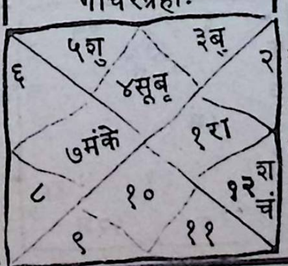

इस मास में वर्षा साधारण हो। अनाज गल्ला अफीम रुई तेज सिंह शुक्र जब होय भवानी। चाले पवन नहीं वर्षे पानी

गोचरग्रहाः

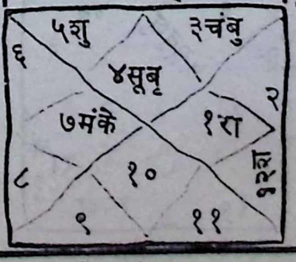

१७पं.श्रा.कृ.१२बृ.इ.५९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	४	११	०	३
१७	१४	२९	२१	२०	१९	८	१७
३४	२४	३	३	५	५	३१	८
१	५७	२५	१८	३१	३१	२९	५
५७	३४	८६	१३	१०	५९	३	५७
२५	२	१४	३८	४९	व	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	५४	१६	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	५२	४४	म	४४	५५	व	२८	७	बा	२५	५८	३३	५/२३	६/३७	७	१६	२९	सिंहे
३	मं	४६	१२	पू	४०	२०	प	२०	१४	तै	१९	२८	०	२४	३६	८	१७	१	कं.५४।९
४	बु	३९	१८	उ	३५	३५	शि	१२	१	ब	१२	४४	३२/५६	२५	३५	९	१८	२	कन्यायां
५	गु	३२	५३	ह	३१	४	सि	३/४५	५२/२२	व	६	५	५३	२५	३५	१०	१९	३	तु.५९।०
६	शु	२६	५९	चि	२६	५७	शु	४८	३८	तै	२६	५९	५०	२६	३४	११	२०	४	तुलायां
७	श	२१	१४	स्वा	२३	१४	शु	४१	२७	व	२१	१४	४७	२७	३३	१२	२१	५	तुलायां
८	र	१६	१५	वि	२०	१३	ब्र	३४	५६	ब	१६	१५	४३	२७	३३	१३	२२	६	वृ.५।५८
९	चं	१२	५	अ	१७	५२	ऐं	२८	४८	कौ	१२	५	४०	२८	३२	१४	२३	७	वृश्चिके
१०	मं	८	२३	ज्ये	१६	११	वै	२३	२०	ग	८	२३	३६	२९	३१	१५	२४	८	ध.१६।११
११	बु	५	३१	मू	१५	१३	वि	१८	३४	वि	५	३१	३३	२९	३१	१६	२५	९	धनुषि
१२	गु	३	२४	पू	१५	६	प्री	१४	२०	बा	३	२४	२९	३०	३०	१७	२६	१०	म.३०।१९
१३	शु	२	२६	उ	१५	५८	आ	१०	५९	तै	२	२६	२६	३१	२९	१८	२७	११	मकरे
१४	श	२	३०	श्र	१७	४८	सौ	८	१९	व	२	३०	२२	३२	२८	१९	२८	१२	कु.४९।२०
१५	र	३	४८	ध	२०	५२	शो	६	५६	ब	३	४८	१९	३२	२८	२०	२९	१३	कुम्भे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४८७२सन्१९६७

सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
वक्री शुक्रः ३८।५७ तीज जमादिलावल५
भ. १२।४४ उ. ३९।१८ या. वरद ४
नागपंचमी

भ.२१।१४उ.४६/४५या. पूर्वास्तोबुध:८।५७
विशाखा. भौमः ५८।२
श्राश्ले. बुध:३७/२६ आश्ले.३ गुरुः १६।५९
भ. ३६।५७ उ. +पवित्रा ११ व्र.
भ.५।३१या. दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः५७।०+
सिंहेऽर्कः सौरः २६।२९ प्रदोषः
*रक्षा बंधन श्रावणीकर्म. उ.गु.
भ.३२/०उ.३३।९या. शु.पश्चि.४०/५२ प.अ.शु.
मघा. सिंहे बुध:४६/४२ उदयं गुरोः३४।१२*

१८पं.श्रा.शु.५बृ.इ.५९।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	३	४	११	०	३
२४	१८	१०	२२	२०	१८	८	२३
६	१४	१४	३५	१६	५५	९	४९
२६	४५	२	६	३३	५८	१३	१२
५७	३५	१०/१०	१३	५/५६	१/४३	३	५७
३३	२१	१०/२२	३८	ब	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

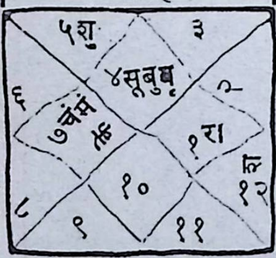

श्रावण शु.११बुधे
सिंहेऽर्कः प्र.वा.४
न.५कुमार्यावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

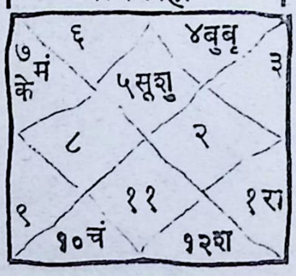

१९पं.श्रा.शु.१२बृ.इ.५९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	३	४	११	०	४
०	२२	२४	२४	१८	१८	७	०
५९	२२	१	७	३८	४१	४६	३१
४९	५२	११	३०	४९	४३	५७	२५
५७	३६	१०/१०	१३	३१/३४	२/२७	३	५७
४०	२२	१०/२	३४	ब	ब	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	चं	६	२५	श	२५	२१	अ	६	८	कौ	६	२५	३२/१५	५/३३	६/२७	२१	३०	१४	कुम्भे
२	मं	१०	२३	पू	३१	०	सु	६	२८	ग	१०	२३	११	३४	२६	२२	३१	१५	मी१४।३५
३	बु	१५	१९	उ	३७	२३	धृ	७	४७	वि	१५	१९	८	३४	२६	२३	१	१६	मीने
४	गु	२०	५१	रे	४४	४२	शू	९	३८	बा	२०	५१	४	३५	२५	२४	२	१७	मे.४४।४२
५	शु	२७	४	अ	५२	३०	गं	१२	०	तै	२७	४	०	३६	२४	२५	३	१८	मेषे
६	श	३३	२५	भ	५९	५४	वृ	१४	२९	ग	०	१४	३१/५६	३७	२३	२६	४	१९	मेषे
७	र	३९	१५	कृ	६०	०	ध्रु	१६	५१	वि	६	२०	५२	३८	२२	२७	५	२०	बृ.१६।३८
८	चं	४३	४७	कृ	६	५१	व्या	१८	३६	बा	११	३१	४८	३८	२२	२८	६	२१	बृषे
९	मं	४७	८	रो	१२	२६	ह	१९	२६	तै	१५	२७	४४	३९	२१	२९	७	२२	मि४४।२८
१०	बु	४८	३२	मृ	१६	३०	व	१८	५६	व	१७	५०	४०	४०	२०	३०	८	२३	मिथुने
११	गु	४८	०	आ	१८	५०	सि	१७	८	ब	१८	१६	३६	४१	१९	३१	९	२४	मिथुने
१२	शु	४५	२०	पु	१९	९	व्य	१३	३१	कौ	१६	४०	३२	४२	१८	१	१०	२५	क.१४।४
१३	श	४०	५१	पु	१७	३६	व	८	३०	ग	१३	५	२८	४२	१८	२	११	२६	कर्के
१४	र	३४	३२	श्ले	१४	९	प	५/५७	५३/३	वि	७	४१	२५	४३	१७	३	१२	२७	सिं१४।९
३०	चं	२७	०	म	९	१५	सि	४५	४	ना	२७	०	२१	४४	१६	४	१३	२८	सिंहे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ४२।५१ उ.
भ.१५।१९ या. च. व्र. रा.भाद्रपदारंभः

चन्द्रषष्ठी
भ. ३३।२५ उ. =वृश्चिके भौमः२९।४
भ.६।२०या. पूफायांबुध:३७/३८ जन्माष्टमी×
जन्माष्टमी व्र. वै. ×व्र. स्मा.
वक्रीमघा.शुक्रः२०/२आश्ले.४गुरुः४६/४०गोगा९
भ.५१/५०उ.४८/३२या. दृश्यः पूफायां रविः४६/३७=
पूफायांरविः सौरः१७/२१ अजा११व्र.स्मा.वै.
अजा११व्र.नि.वत्स१२ सित. भा.९ ता.३०
भ.४०/५१उ. प्रदोषः *कुशाग्रहणी शु.उ.पू.
भ. ७।४१ या. उफायां बुधः ४८।५८
अनु. भौमः ५५/२२ शुक्रोदयः पूर्वस्यां२४।३*

२०पं.भा.कृ.४बृ.इ.५९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	३	४	११	०	४
७	२६	८	२५	१५	१८	७	७
४४	३५	४	३९	३५	२३	२४	१४
१७	५२	४०	३२	१६	३१	४२	५८
५७	३७	१०/१०	१२	३८/३८	२/५४	३	५७
४८	५०	१०/५०	३२	व	व	११	४५

गोचरग्रहाः

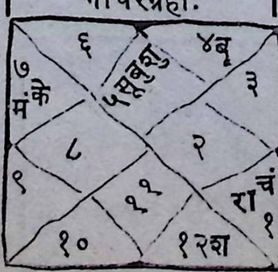

इस मास में वर्षा उत्तम होगी धान्य में मंदी रुई चांदी सोना मजीठ तेज हो। सुपारी का भाव भी तेज रहे

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.११बृ.इ.५८।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	३	४	११	०	४
१४	०	२१	२७	११	१८	७	१४
२९	५७	२३	९	४	०	२	०
५६	५४	४५	२८	५	५४	२६	१०
५८	३८	१०/१०	१२	३४/४३	३/३	३	५७
१	४१	१०/३६	२२	ब	ब	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	१८	४९	पू	३/२०	५३/४५	सा	३५	४१	ब	१८	४९	३५/५७	५/४५	६/१५	५	१४	२९	कं.१६।४६
२	बु	१०	१३	ह	५०	३३	शु	२६	२	कौ	१०	१३	१३	४५	१५	६	१५	३०	कन्यायां
३	गु	२	१	चि	४४	२१	शु	१६	२८	ग	२	१	९	४६	१४	७	१६	१	तु.१७।२७
४	गु	५२	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	४६	५३	स्वा	२९	९	ब्र	७/२	५१/३६	ब	२०	२८	५	४७	१३	८	१७	२	तुलायां
६	श	४१	१	वि	३४	४७	वै	५०	५६	कौ	१३	५७	१	४८	१२	९	१८	३	बृ.२०।५२
७	र	३६	२२	अ	३१	३५	वि	४४	१०	ग	८	४१	३०/५७	४९	११	१०	१९	४	बृश्चिके
८	चं	३२	३८	ज्ये	२९	३०	प्री	३८	२२	वि	४	३०	५३	४९	११	११	२०	५	ध.२९।३०
९	मं	३०	२५	मू	२८	३९	आ	३३	३३	बा	१	३२	४८	५०	१०	१२	२१	६	धनुषि
१०	बु	२९	१६	पू	२९	११	सौ	२९	४४	ग	२९	१६	४४	५१	९	१३	२२	७	म.४४।३६
११	गु	२९	२४	उ	३०	५१	शो	२६	५५	वि	२९	२४	४०	५२	८	१४	२३	८	मकरे
१२	शु	३०	४२	श्र	३३	४७	अ	२५	११	बा	३०	४२	३६	५३	७	१५	२४	९	मकरे
१३	श	३३	८	ध	३७	३९	सु	२४	१७	कौ	१	५५	३२	५४	६	१६	२५	१०	कु.५।४३
१४	र	३६	४४	श	४२	२९	धृ	२४	१५	ग	४	५६	२८	५४	६	१७	२६	११	कुम्भे
१५	चं	४१	७	पू	४८	२२	शू	२४	४६	वि	८	५५	२४	५५	५	१८	२७	१२	मी३१।५४

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४९०१ स.१९६७

कन्या. बुधः ५०।१२ +जमादिलाखर६
चंद्रदर्शनम्
भ. २८।२ उ. ५४।३ या. गणेश चतुर्थी+
अश्वि.२ राहुःचित्रा.४ केतुः१४/३ बुधोदयः●
भ. ३२/६२ उ. ●पश्चिमे३१/६९ ऋषिपंचमी
भ. ४।४० या. हस्ते बुधः ४४।४४
भ.५९।२०उ. दृश्यःउफायांरविः३०।५७
भ.२४/२९या. उफायां रविः५९/१ सिंहे गुरुः३१/१०=
वामन जयंती =जलझूलनी ११ व्र.
दृश्यः कन्यायामर्कः ५६।१८ प्रदोषः
भ.३६/४४उ. कन्यायामर्कःसौरः२१/७१ अनन्त१४
भ. ८।५५ या. महालयारम्भः

२२पं.भा.शु.३बृ.इ.५८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	३	४	११	०	४
२१	५	३	२८	६	१७	६	२०
१६	६	४५	३८	४८	३४	४०	४६
५५	२२	५०	३८	७	४९	११	५०
५८	३९	९/०	१३	२७/५	३/५३	३	५८
१३	३१	९/२३	१५	ब	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

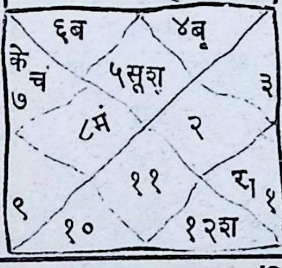

भाद्र.शु.१३ शनौं कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.५ प्रौढा-वस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव मह.) शुक्रोदयःपू.

गोचरग्रहाः

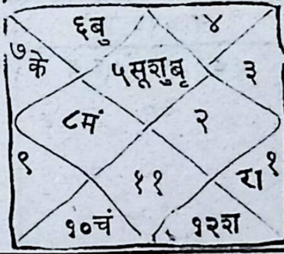

२३पं.भा.शु.११ब.इ.५८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	४	४	११	०	४
२८	१०	५५	०	४	१७	६	२७
५	४	१५	६	५१	५	७	३५
२४	४०	३	३	३	५२	५५	१३
५८	४०	९७	१२	१९/२८	४/११	३	५८
२६	१०	२९	४९	ब	ब	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	४६	२४	उ	५४	५७	गं	२६	४	बा	१३	४५	३०/२०	५/५६	६/४	१९	२८	१३	मीने
२	बु	५२	१८	रे	६०	०	वृ	२७	३९	तै	१९	२१	१६	५७	३	२०	२९	१४	मीने
३	गु	५८	२९	रे	२	५	ध्रु	२९	५१	व	२५	२४	१२	५८	२	२१	३०	१५	मे. २।५
४	शु	६०	०	अ	९	३४	व्या	३३	१८	ब	३१	३९	८	५८	२	२२	३१	१६	मेषे
४	श	४	४८	भ	१७	१४	ह	३५	४२	बा	४	४८	४	५९	१	२३	१	१७	बृ.३४।३
५	र	१०	५१	कृ	२४	३०	व	३७	०	तै	१०	५१	३/०	६/०	६/०	२४	२	१८	वृषे
६	चं	१५	५७	रो	३०	५३	सि	३८	२२	व	१५	५७	२९/५५	१	५/५९	२५	३	१९	बृषे
७	मं	२०	४	मृ	३६	२७	व्य	३८	५३	ब	२०	४	५१	२	५८	२६	४	२०	मि३।४०
८	बु	२२	२६	आ	४०	१०	व	३८	१९	कौ	२२	२६	४७	३	५७	२७	५	२१	मिथुने
९	गु	२३	२०	पु	४२	१०	प	३६	९	ग	२३	२०	४३	३	५७	२८	६	२२	क.२६।४०
१०	शु	२२	३	पु	४२	१४	शि	३२	२४	वि	२२	३	३८	४	५६	२९	७	२३	कर्के
११	श	१८	४४	श्ले	४०	४	सि	२७	१०	बा	१८	४४	३४	५	५५	३०	८	२४	सिं४०।१४
१२	र	१३	१८	म	३६	४	सा	२०	११	तै	१३	१८	३०	६	५४	१	९	२५	सिंहे
१३	चं	६	१६	पू	३०	३९	शु	११	५०	व	६	१६	२६	७	५३	२	१०	२६	कं.४३।५६
१४	चं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	मं	४८	३४	उ	२३	४९	शु	५/२०	४९/१५	च	२३	१२	२२	८	५२	३	११	२७	कन्यायां

शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

चित्रा.बुधः२१/२६ मार्गीशुक्रः४१/३१ वक्रीउभा.४●
भ.२५।२४ उ.५८।२९या. ●शनिः५५/३५
चतुर्थी व्रतम्
वक्री उभा. ४ शनिः रा. आश्विनारंभः
तुलायां बुधः५३/१६ ज्येष्ठा. भौमः४२।५७
भ. १५।५७ उ. ४८।० या.
दृश्यो हस्ते रविः ९।२४ (सौरः ३९/४०)
भ. ५२।४१ उ. मातृ ९ ×ता.३१
भ. २२।३ या. स्वात्यां बुधः ५४।३१
इन्दिरा ११ व्र.
मघा.२गुरुः१०/१७ प्रदोषः अक्टूबर मा.१०×
भ.१६/६ उ.३३/३या. शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्

२४पं. आ.कृ. ३बृ.इ.५८।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	४	४	११	०	५
४	१४	२५	१	४	१६	५	४
५५	४७	४३	३१	१८	३५	५५	२५
१९	२४	१९	३०	३२	१६	३९	२०
५८	४१	८	१२	४/२२	४/३१	३	५८
३८	४	३७	३१	मा	झ	११	४५

गोचरग्रहाः

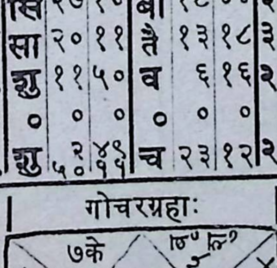

इस मासमें ज्वार बाजरा जौ मोंठ मूंग गेहूँ चावल गुड़ खांड आदि रस पदार्थ तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

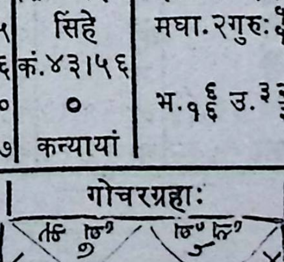

२५पं.आ.कृ.९ बृ.इ.५८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	४	११	०	५
११	१९	५	२	५	१६	५	११
४६	३६	२६	५३	३८	२	३३	१७
५५	५०	५६	१७	३१	३१	२४	२४
५८	४१	७८	२	१९	४/४०	३	५९
५३	४०	४	९	५	ब	११	०

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९३० स.१९६७
१	बु	३८	५८	ह	१६	२९	ऐं	४१	२४	किं	१३	४६	३९/१८	६/८	५/२	४	१२	२८	तु.४२।३५	नवरात्रारंभः मातामह श्राद्धम्
२	गु	२८	५९	चि	८	४१	वै	३०	३२	बा	३	५८	१४	९	५१	५	१३	२९	तुलायाँ	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	२०	५३	स्वा	३१	५३/२७	वि	२०	१६	ग	२०	५३	१०	१०	५०	६	१४	१	बृ.४१।३६	भ. ४६।५० उ. रज्जब ७
४	श	१२	४६	अ	४९	४३	प्री	१०	२४	वि	१२	४७	६	११	४९	७	१५	२	वृश्चिके	भ.५१/४३या. +४१/६ पापांकुशा ११व्र.स्मा.
५	र	६	१०	ज्ये	४६	५	आ	४९	५३/०	बा	६	१०	२	१२	४८	८	१६	३	ध.४६।५	
६	चं	१	२३	मू	४४	०	शो	४८	३४	तै	१	२३	३६/५८	१२	४८	९	१७	४	धनुषि	भ.५८/२८उ. सरस्वत्यावाहनम् =वलिदानश्च
७	चं	५७	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५६	५९	पू	४३	३३	अ	४३	५७	वि	२७	४३	५४	१३	४७	१०	१८	५	म.५८।५४	भ.३७/४३उ.दृश्यश्चित्रा.रविः ४१/२५सरस्वतीपू.=
९	बु	५७	२७	उ	४४	५८	सु	४०	४७	बा	२७	१३	५०	१४	४६	११	१९	६	मकरे	चित्रायां रविः सौरः १०।१६
१०	गु	५९	१२	श्र	४७	५६	धृ	३८	४१	तै	२८	१९	४६	१५	४५	१२	२०	७	मकरे	विशाखा.बुधः ६/२४विजया १०सरस्वतीविस.
११	शु	६०	०	ध	५२	१४	शू	३८	५४	व	३०	४४	४२	१६	४४	१३	२१	८	कुं.२०।५	भ.३०/४४उ.पूफायांशुक्रः ३०/५४ मूलेधनुषिभौमः+
११	श	२	१६	श	५७	३०	गं	३८	२७	वि	२	१६	३८	१६	४४	१४	२२	९	कुम्भे	भ. २।१६ या. पापांकुशा ११ व्र. वै.
१२	र	६	४१	पू	६०	०	वृ	३९	११	बा	६	४१	३४	१७	४३	१५	२३	१०	मी४७।५	प्रदोषः
१३	चं	१५	३	पू	३	३७	ध्रु	४०	४४	तै	१२	३	३०	१८	४२	१६	२४	११	मीने	×(सौरः ५२/५९) शरद पूर्णिमा कोजागरीव्र.
१४	मं	१७	४७	उ	१०	४४	व्या	४२	३६	व	१७	४७	२६	१९	४१	१७	२५	१२	मीने	भ.१७/४७ उ.५०/५० या. दृश्यस्तुलायामर्कः ३५/११×
१५	बु	२३	५३	रे	१७	५३	ह	४४	२६	ब	२३	५३	२२	२०	४०	१८	२६	१३	मे.१७।५३	पूर्व भारते ग्रस्तोदयं चन्द्रग्रहणम्

२६पं.आ.शु.२बृ.इ.५८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	४	१०	०	५
१८	२४	१३	४	८	१५	५	१८
४०	३०	५३	१२	३४	२९	११	११
८	३	४९	३९	२६	२७	८	११
५९	४२	६३	१२	३०	४/०	३	५९
९	०	१२	५	५३	व	११	१६

गोचरग्रहाः

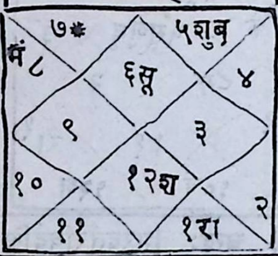

आश्विन शु. १४
भौमे तुलायामर्कः
प्र.वा.४न.४वृद्धा-
वस्था(बैठी)मु.३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

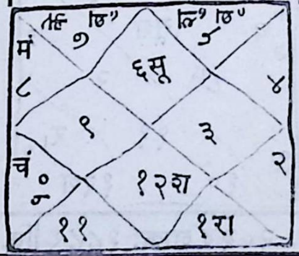

२७पं.आ.शु.१०बृ.इ.५८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	४	११	०	५
२५	२९	२०	५	१०	१४	४	२५
३५	२९	३४	२८	५५	५६	४८	६
६	२०	१	१२	२६	५६	५३	५३
५९	४२	४२	११	३९	३ ४/२	३	५९
२१	४१	०	१	५७	व	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	गु	३०	५	अ	२५	१९	व	४६	४०	कौ	३०	५	२८/१८	६/२०	५/४०	१९	२७	१४	मेषे	
२	शु	३६	२६	भ	३२	५३	सि	४८	५५	तै	३	१५	१४	२१	३९	२०	२८	१५	बृ.४९।४२	वक्री बुधः २२।५२ मघा.३ गुरुः ५।४५
३	श	४२	२०	कृ	४०	९	व्य	५१	३	व	९	२३	१०	२२	३८	२१	२९	१६	बृषे	भ. ९।२३ उ. ४२।२० या. =ता.३०
४	र	४७	२९	रो	४७	८	व	५२	२५	ब	१४	५४	६	२३	३७	२२	३०	१७	वृषे	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	५१	५२	मृ	५२	५८	प	५३	३७	कौ	१९	४०	२	२४	३६	२३	१	१८	मि२०।३	रा. कार्तिकारंभः +प्रदोषः घन १३
६	मं	५५	४	आ	५७	२७	शि	५३	५८	ग	२३	२८	३७/५८	२५	३५	२४	२	१९	मिथुने	भ.५५।४ उ. दृश्यः स्वात्यां रविः१।१३*
७	बु	५६	४७	पु	६०	०	सि	५२	४९	वि	२५	५५	५४	२५	३५	२५	३	२०	क.४४।४५	भ. २५।'१५ या. *(सौरः ३३/५७)
८	गु	५६	५२	पु	०	३१	सा	५०	३९	बा	२६	५०	५०	२६	३४	२६	४	२१	कर्के	पश्चिमास्तं बुधः २३।२
९	शु	५५	२	पु	२	६	शु	४६	५७	तै	२५	५७	४६	२७	३३	२७	५	२२	कर्के	
१०	श	५१	२०	श्ले	४७/१	५७/५०	शु	४१	४३	व	२३	११	४०	२८	३२	२८	६	२३	सिं१।४७	भ.२३/११उ.५१/२०या. वक्रीस्वात्यां बुधः १३।७
११	र	४५	५४	पू	५५	४४	ब्र	३५	४	ब	१८	३७	३९	२९	३२	२९	७	२४	सिंहे	रमा ११ व्र. स्मा. वै.
१२	चं	३८	५५	उ	५०	१३	ऐं	२६	५८	कौ	१२	२४	३५	२९	३१	३०	८	२५	कं.९।२२	उफायां शुक्रः ३१।२६ रमा ११ व्र. नि.
१३	मं	३०	३१	ह	४३	३७	वै	१७	४४	ग	४	४३	३१	३०	३०	३१	९	२६	कन्यायां	भ.३०/३१ उ.५५।४३ या. पूषायां भौमः ५१/३४+
१४	बु	२०	५६	चि	३५	५९	वि	२५/७	४९/१३	श	२०	५६	२७	३१	२९	१	१०	२७	तु.९।४७	रूप१४ महालक्ष्मीपूजनम् नवंबरमा.११=
३०	गु	११	१७	स्वा	२८	३	आ	४५	३२	ना	११	१७	२४	३१	२९	२	११	२८	तुलायाँ	कन्यायां शुक्रः ५४/२३ अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा

२८पं. का.कृ.१बृ.इ.५७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	४	११	०	६
२	४	२४	६	१७	१४	४	२
३१	३३	२	३८	४७	२५	२६	४
३४	१९	१३	३८	२	३७	३७	२३
५९	४३	३	१०	४६	५४/१३	३	५९
३४	७	५९	२२	५६	व	११	४६

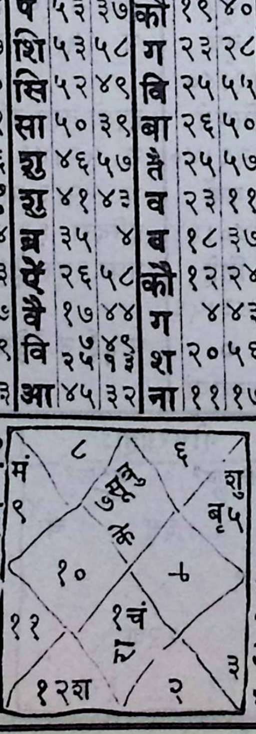

२९पं.का.कृ.८बृ.इ.५७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	४	११	०	६
९	९	२१	७	२३	१३	४	९
२९	४०	१९	४५	३३	५५	४	३
४९	३७	४	७	३९	५८	२१	४३
५९	४३	६२/५२	९	५२	५३/५	३	६०
४७	२५	व	३७	१८	व	११	२

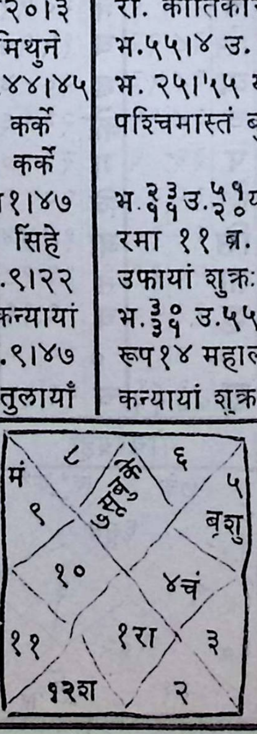

३०पं.का.कृ.३०बृ.इ.५७।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	५	११	०	६
१६	१४	१३	८	०	१३	३	१६
२९	२	२१	४५	२	३०	४२	४
३८	१	५७	०	४९	०	६	३७
६०	४३	९२/६	८	५६	३/३५	३	६०
४	५१	व	४८	२१	व	११	१८

*चंबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९६० सन् १९६७
१	शु	१	२४	वि	२०	२३	सौ	३४	३३	ब	१	२४	२७/२०	६/३२	५/२८	३	१२	२९	वृ.७।१८	भातृ २ यम २ =(सौरः ४५/४३)
२	शु	५०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	४४	१२	अ	१३	२७	शो	२४	१६	तै	१८	१४	१६	३३	२७	४	१३	३०	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम्
४	र	३७	४५	ज्ये	७	४४	अ	१५	०	व	१०	५९	१३	३३	२७	५	१४	१	ध.७।४४	भ.११/० उ.३७/४५या. वक्री उभा.३ शनिः ४४/८५●
५	चं	३३	१९	मू	३	३९	सु	६	५६	ब	५	३२	९	३४	२६	६	१५	२	धनुषि	दृश्यो विशाखा. रविः२७।३६(सौरः ५५/२६)
६	मं	३०	२३	पू	१	४२	धृ	३८	५५/१४	कौ	१	५१	६	३५	२५	७	१६	३	म.१६।३९	बुधोदयः पूर्वस्याम् ३५/५६ ●सावान ८
७	बु	२९	५५	उ	१	२८	गं	५२	४१	ग	०	९	२	३६	२४	८	१७	४	मकरे	भ.२९/५५उ. +चित्रा.३केतुः ५४/८ गोपाष्टमी
८	गु	२१	२२	श्र	३	३०	वृ	५१	२	वि	०	३९	२६/५९	३६	२४	९	१८	५	कु.३५।२३	भ.३०/९या. मार्गी बुधः ५७/७ अश्वि.१ राहुः+
९	शु	३४	२३	ध	७	१६	ध्रु	५०	५६	बा	२	५२	५९	३७	२३	१०	१९	६	कुंभे	कुष्मांड९ अक्षया ९
१०	श	३९	१३	श	१२	४५	व्या	५१	३५	तै	६	१८	५३	३७	२३	११	२०	७	कुम्भे	
११	र	४४	४४	पू	१८	४८	ह	५	१६	व	११	५८	४९	३८	२२	१२	२१	८	मी२।१७	भ.५१/८उ ४४/४४या.मघा.४गुरुः ३४/५८प्रबोधिनी×
१२	चं	५०	५९	उ	२६	५	व	५५	२८	ब	१७	५१	४६	३९	२१	१३	२२	९	मीने	हस्ते शुक्रः१।५८ ×११व्र. तुलसीवि.
१३	मं	५७	२६	रे	३३	२०	सि	५८	६	कौ	२४	१३	४३	३९	२१	१४	२३	१०	मे.३३।२०	प्रदोषः
१४	बु	६०	०	अ	४१	९	व्य	५९	५८	ग	३०	३४	४०	४०	२०	१५	२४	११	मेषे	वैकुण्ठ १४
१४	गु	३	४२	भ	४८	२४	व	६०	०	व	३	४२	३७	४१	१९	१६	२५	१२	मेषे	भ.४३/२ उ.३६/४६या. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः ३३/३४=
१५	शु	९	५१	कृ	५५	२४	व	२	१	ब	९	५१	३४	४१	१९	१७	२६	१३	वृ. ५।९	

३१पं. का.शु.८बृ.इ.५७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	४	५	११	०	६
२३	२०	८	९	६	१३	३	२३
३०	६	९	४०	५६	७	१९	७
५८	२७	३	१२	३८	४	०	२५
६०	४४	०/२	७	५९	५५/२	३	६०
१७	१०	मा	३२	३४	ब	११	३०

गोचरग्रहाः

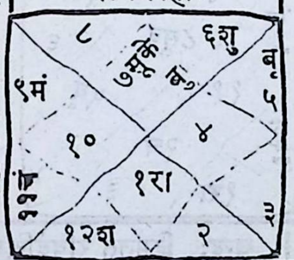

का. शु. १४ गुरौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यभाव तेज) शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.१४बृ.इ.५७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	४	५	११	०	७
०	२५	११	१०	१४	१२	२	०
३३	२५	४	२७	८	४८	५७	११
४७	२६	३३	२९	४५	१०	३५	२९
६०	४४	६	६	६२	१६/३	३	६०
३०	२२	४१	४६	३	ब	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणोकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१५	२४	रो	६०	०	प	३	४७	कौ	१५	२४	३६/३१	६/४२	५/१८	१८	२७	१४	वृषे	उषायां भौमः ३७।५३
२	र	१९	५	रो	१	४२	शि	५	५	ग	१९	५०	२९	४२	१८	१९	२८	१५	मि३४।३२	भ.५२।० उ. दृश्यो ऽनुराधायां रविः ४१/५८
३	चं	२४	११	मृ	७	२१	सि	५	२४	वि	२४	११	२६	४३	१७	२०	२९	१६	मिथुने	भ.२४/११या. अनु. रविः सौरः३।३१ च.व्र.
४	मं	२६	५६	आ	११	५५	सा	५	३६	बा	२६	५६	२४	४३	१७	२१	३०	१७	क.५९।३५	
५	बु	२८	४६	पु	१५	२८	शु	४	४२	तै	२८	४६	२१	४४	१६	२२	१	१८	कर्के	मकरे भौमः५५।४७ रा.मार्गशीर्षारम्भः
६	गु	२९	१४	पु	१७	५१	शु	२	५०	व	२९	१४	१९	४४	१६	२३	२	१९	कर्के	भ. २९।१४ उ. ५८।५३ या.
७	शु	२८	३२	श्ले	१९	१	ब्र	१०/०	५६/१	ब	२८	३२	१६	४५	१५	२४	३	२०	सिं१९।१	विशाखा. बुधः २१।१५
८	श	२६	२१	म	१८	४४	वै	५०	५९	कौ	२६	२१	१३	४५	१५	२५	४	२१	सिंहे	चित्रा. शुक्रः ३०।२९
९	र	२२	३३	पू	१६	४९	वि	४४	३४	ग	२२	३३	११	४६	१४	२६	५	२२	कं.३१।०	भ. ५०।० उ.
१०	चं	१७	२६	उ	१३	३६	प्री	३७	६	वि	१७	२६	८	४६	१४	२७	६	२३	कन्यायां	भ. १७।२६ या.
११	मं	१०	५५	ह	९	८	आ	२८	३१	बा	१०	५५	६	४७	१३	२८	७	२४	तु.३६।१२	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु	३	६	चि	२७/३	२०/५३	सौ	१९	२	तै	३	६	३	४७	१३	२९	८	२५	तुलायां	भ. ५४।४२ उ. प्रदोषः
१३	बु	५१	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	४५	३१	वि	४९	१३	शो	४५/८	३२/४९	वि	२०	६	१	४८	१२	३०	९	२६	वृ.३६।९	भ.२०।६या. ●दिसम्बर मा.१२ ता.३१
३०	शु	३६	२४	अ	४२	११	सु	४७	५१	च	१०	५७	२५/५९	४८	१२	१	१०	२७	वृश्चिके	बृश्चिके बुधः१०।२३ तुला.शुक्रः२९।३७●

३३पं. मा.कृ.६बृ.इ.५६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	४	५	११	०	७
७	०	१९	११	२१	१२	२	७
३७	४५	२७	७	४०	३३	३५	१७
३७	२१	१४	१	५	५७	१९	२
६०	४४	८०	५	६३	३१	३	६०
४२	३४	३२	२२	१	ब	११	५३

गोचरग्रहाः

शनैश्च पंचके दृष्टवा पाताले कंपते फणी। ईशानदेश भंगश्च बन्हिदाहो महर्घता। हरेक वस्तु तेज रहे।

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.कृ.१४बृ.इ.५६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	४	५	११	०	७
१४	६	२९	११	२९	१२	२	१४
४२	७	३९	३९	२३	२५	१३	२३
५४	४४	०	१८	५६	८	३	४
६०	४४	९०	४	६५	५०/२	३	६१
५०	४६	३४	३३	३६	ब	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	२७	५४	ज्ये	३५	२९	धृ	३७	४२	ब	२७	५४	२५/५७	६/४९	५/११	२	११	२९	ध्र.३५।२९
२	र	२०	२३	मू	३०	३	शू	२८	३०	कौ	२०	२३	५५	४९	११	३	१२	३०	धनुषि
३	चं	१४	५०	पू	२६	७	गं	२०	४२	ग	१४	५०	५३	४९	११	४	१३	१	म४.०।४७
४	मं	१०	२९	उ	२४	४८	वृ	१३	०	वि	१०	२९	५१	५०	१०	५	१४	२	मकरे
५	बु	८	३८	श्र	२४	३	ध्रु	९	२१	बा	८	३८	४९	५०	१०	६	१५	३	कु.५५।३
६	गु	८	५०	ध	२६	३	व्या	६	२३	तै	८	५०	४८	५०	१०	७	१६	४	कुम्भे
७	शु	११	२६	श	३०	८	ह	५	५	व	११	२६	४६	५१	९	८	१७	५	कुम्भे
८	श	१५	२७	पू	३५	५२	व	५	५	ब	१५	२७	४५	५१	९	९	१८	६	मी१९।२६
९	र	२०	५२	उ	४२	४१	सि	६	४	कौ	२०	५२	४४	५१	९	१०	१९	७	मीने
१०	चं	२७	१७	रे	५०	३	व्य	८	१४	तै	२७	१७	४२	५२	८	११	२०	८	मे.५०।३
११	मं	३३	४७	अ	५७	५२	व	१०	१०	व	०	३२	४१	५२	८	१२	२१	९	मेषे
१२	बु	४०	१५	भ	६०	०	प	१२	४०	ब	७	१	४०	५२	८	१३	२२	१०	मेषे
१३	गु	४६	१३	भ	५	२५	शि	१४	४५	कौ	१३	१४	३९	५२	८	१४	२३	११	वृ.२२।९
१४	शु	५१	२८	कृ	१२	२१	सि	१६	२९	ग	१८	५०	३८	५२	८	१५	२४	१२	बृषे
१५	श	५५	३९	रो	१८	२४	सा	१७	२३	वि	२३	३३	३८	५२	८	१६	२५	१३	मि५०।५४

हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गण: ४९८९ स.१९६७

दृश्यो ज्येष्ठा. रवि: ५२।८
ज्येष्ठायांरवि:सौर:१/४ ०/१ अनु.बुध: २ ३/३ चंद्रद.
भ.४२।४० उ. रमजान ९
भ.१/२ ०/९ या. श्रवणेभौम: ५/२ ४/० पूर्वास्तंबुध: १/४ ६/९

स्वात्यां शुक्रः २२।२४ चंपा ६
भ. ११।२६ उ. ४३।२६ या.
मार्गी शनि: १७।४ ×११व्र. गीताजयंती

भ.३ ०/२ उ. ३/४ ३/७ या.ज्येष्ठा.बुध: १/४ ०/१ मोक्षदा×

प्रदोष:
भ.५१।२८ उ. दृश्यो धनुष्यर्क:५९।२०
भ.२/३ ३/३ या. धनुष्यऽर्क:सौर:१/१ ४/५ दत्तजयंती

३५ पं.मा.शु.६बृ.इ.५६।२६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	४	६	११	०	७
२१	११	१०	१२	७	१२	१	२१
४८	३१	१९	२	८	२१	५०	३१
५८	१२	१	५३	६	३९	४८	३५
६०	४४	९४	३	६७	०/११	३	६१
५६	४९	७	१८	१०	व	११	११

गोचरग्रहा:

मार्ग.शु.१४ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र. वा. २न.३वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहा:

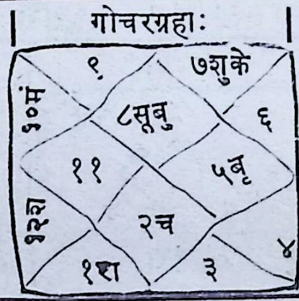

३६ पं.मा.शु.९ बृ.इ.५६।१४							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	४	६	११	०	७
२८	१६	२१	१२	१५	१२	१	२८
५५	५५	९	२७	१८	२२	२८	४०
५२	३२	७	२४	३६	१	३२	१८
६१	४५	७	१	६८	४०/७	३	६१
०	१	३२	४९	४	मा	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	५८	५६	मृ	२३	२३	शु	१७	३६	बा	२७	१७	३५/३७	५६/५३	६/७	१७	२६	१४	मिथुने
२	चं	६०	०	आ	२७	२४	शु	१६	५६	तै	२९	५६	३७	५३	७	१८	२७	१५	मिथने
२	मं	०	५७	पु	३०	१२	ब्र	१५	२६	ग	०	५७	३७	५३	७	१९	२८	१६	क.१४।४५
३	बु	१	४८	पु	३२	२०	ऐं	१३	२	वि	१	४८	३६	५३	७	२०	२९	१७	कर्के
४	गु	१	३८	श्ले	३३	१३	वै	९	५९	बा	१	३८	३६	५३	७	२१	३०	१८	सिं३३।१३
५	शु	०	३३	म	३३	१३	वि	६	३	तै	०	३३	३६	५३	७	२२	१	१९	सिंहे
६	शु	५८	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	श	५५	३८	पू	३२	६	प्री	१/२२	५४/४०	वि	२७	६	३६	५३	७	२३	२	२०	कं.४७।३५
८	र	५१	४२	उ	३०	१२	सौ	४९	३८	बा	२३	४०	३६	५३	७	२४	३	२१	कन्यायां
९	चं	४६	५१	ह	२७	२६	शो	४२	४४	तै	१९	१६	३७	५३	७	२५	४	२२	तु५५.।३३
१०	मं	४१	७	चि	२३	४०	अ	३३	५२	व	१३	५९	३७	५३	७	२६	५	२३	तुलायां
११	बु	३४	३२	स्वा	१९	३	सु	२६	२९	ब	७	५०	३७	५३	७	२७	६	२४	वृ.५९।५९
१२	गु	२७	१८	वि	१३	३८	धृ	१७	३२	कौ	०	५५	३८	५२	८	२८	७	२५	बृश्चिके
१३	शु	१९	४७	अ	८	३	शू	१३	५६	व	१२	४७	३८	५२	८	२९	८	२६	बृश्चिके
१४	श	१२	१४	ज्ये	२/१८	५४/४३	वृ	५०	१२	श	१२	१४	३९	५२	८	३०	९	२७	ध.२।१८
३०	र	५	१०	पू	५२	२९	ध्रु	४२	५	ना	५	१०	४०	५२	८	३१	१०	२८	धनुषि

हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा:

विशाखा. शुक्रः ४९।३९
भ. ३१।२२ उ.
भ.१।४८या. मूलेधनुषिबुध: ३८।० च.व्र.

भ. ५८।३४ उ. रा. पौषारंभ:

भ. २७।६ या. धनिष्ठा. भौम: १३।४२
वक्री गुरुः २३।५

भ. १३।५९ उ. ४१।७ या.
वृश्चिके शुक्रः १३।८ सफला ११ व्र.
पूषायां बुध: ५७।२७ प्रदोष:
भ १/४ ९/७ उ. ४/० ६/० या. दृश्य: पूषायां रवि: ४/१ ६/६ ×
अनु. शुक्रः १०।५४ ×(सौर: १५।५३)

३७पं. पौ.कृ. ४बृ.इ.५६।५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	४	६	११	०	८
६	२२	२	१२	२३	१२	१	५
३	२१	९	२१	३४	३०	६	४९
२९	५०	१०	५०	१२	१४	१७	४३
६१	४४	९९	०	६८	१	३	६१
४	५८	१५	२८	५६	२४	११	२२

गोचरग्रहा:

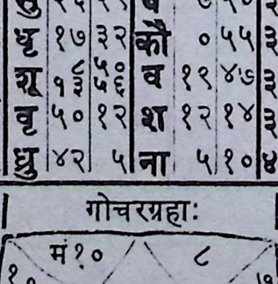

इस मास में रोग पीड़ा और पशुओं को कष्ट हो। साहसी व्यापारी मंदी में माल का संग्रह करें आगे लाभ होगा।

गोचरग्रहा:

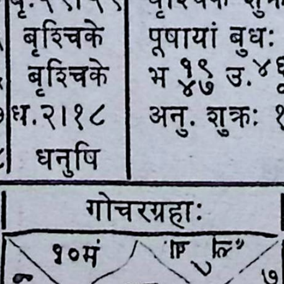

३८पं.पौ.कृ.१२बृ.इ.५५।५६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	४	७	११	०	८
१३	२७	१३	१२	१	१२	०	१२
११	२८	१७	१७	१२	४२	४४	५९
३१	३९	२७	३८	३३	१०	.१	३५
६१	४५	०	५१	६९	२	३	६१
६	६	५३	ब	४६	५	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	५४	४२	उ	४९	२६	व्या	३४	४९	बा	२६	५५	२५/४०	६/५२	५/८	१	११	२९	म.९।४३
३	मं	५२	५	श्र	४८	१६	ह	२९	२	तै	२३	२३	४१	५२	८	२	१२	१	मकरे
४	बु	५१	१७	ध	४९	५४	व	२४	४४	व	२५	४१	४२	५१	८	३	१३	२	कुं.१९।५
५	गु	५२	४१	श	५१	३३	सि	२२	१	ब	२१	५९	४३	५१	९	४	१४	३	कुंभे
६	शु	५६	४	पू	५६	८	व्य	२१	७	कौ	२४	२२	४४	५१	९	५	१५	४	मी४०।०
७	श	६०	०	उ	६०	०	व	२१	११	ग	२८	२९	४६	५१	९	६	१६	५	मीने
७	र	०	५४	उ	२	४	प	२२	३०	व	०	५४	४७	५०	९	७	१७	६	मीने
८	चं	६	४८	रे	९	१५	शि	२४	२१	ब	६	४८	४९	५०	१०	८	१८	७	मे.९।१५
९	मं	१३	१६	अ	१६	४४	सि	२६	४७	कौ	१३	१६	५१	५०	१०	९	१९	८	मेषे
१०	बु	१९	४३	भ	२४	२०	सा	२९	१	ग	१९	४३	५२	४९	१०	१०	२०	९	वृ.४१।५
११	गु	२५	५७	कृ	३१	१९	शु	३०	२६	वि	२५	५६	५४	४९	११	११	२१	१०	बृषे
१२	शु	३१	२	रो	३७	२९	शु	३१	३८	बा	३१	२	५६	४९	११	१२	२२	११	बृषे
१३	श	३४	४८	मृ	४२	२२	ब्र	३१	३७	कौ	२	५५	५८	४८	१२	१३	२३	१२	मि९।५५
१४	र	३७	२३	आ	४६	११	ऐं	३०	४०	ग	६	५	२६/१	४८	१२	१४	२४	१३	मिथुने
१५	चं	३८	२८	पु	४८	२०	वै	२८	३७	वि	७	५५	३	४७	१३	१५	२५	१४	क.३२।४८

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५०१९स.१९६८

कुंभे भौमः ३।५९ जनवरी मा.१ ता.३१*
सव्वाल १० *सन्१९६८ चन्द्रदर्शनं
भ. २१।४१ उ. ५१।१७ या.

उषायां बुधः ९।११
भ. ०।५४ उ. ३३।५१ या.
मकरे बुधः ७।२३
शते भौमः१२।४ ×केतुः४६/२४ पुत्रदा११व्र.
+उभा.४शनिः३१/१९ रेवती४राहुः चित्रा.२×
भ. ५२।५० उ. ज्येष्ठा. शुक्रः १४।१३
भ.२५/५७या.दृश्यउषायांरविः९/०(सौरः१७/२०)+
प्रदोष व्र.
भ.३७/२३उ.दृश्यो मकरेऽर्कः३५/२४(सौरः३२/४५)=
भ. ७।५५ =श्रवणे बुधः १०।२

३९ पं.पौ.शु.५बृ.इ.५५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	४	७	११	०	८
२०	३	२४	१२	१०	१२	०	२०
९	१४	३	३	१३	९	२१	९
२६	३१	५६	५४	१५	३८	४५	३२
६१	४५	९/०	२/२	७०	२	३	६१
६	१	९/३१	व	२९	५७	११	२६

गोचरग्रहाः

पौष शु.१४ रवौ
मकरेऽर्कः प्र.वा.३
न.३प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. १५
(धान्य भाव तेज)
शुक्रोदयः पूर्वे।

गोचरग्रहाः

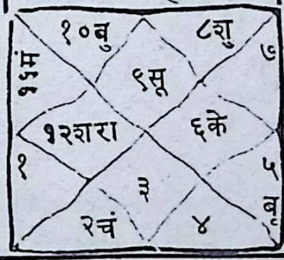

४०पं.पौ.शु.११बृ.इ.५५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	४	७	११	११	८
२७	८	६	११	१८	१३	२९	२७
२७	४३	१०	४०	४०	२१	५९	१९
४०	८	३०	२२	१२	२	३०	२४
६१	४५	८/०	४/३	७०	३	३	६१
६	७	९/१८	व	५२	२८	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	३८	५	पु	४९	१४	वि	२५	३२	बा	८	१७	२६/५	६/४७	५/१३	१६	२६	१५	कर्के
२	बु	३६	४४	श्ले	४९	५	प्री	२१	३०	तै	७	२५	८	४६	१४	१७	२७	१६	सिं४९।५
३	गु	३४	१५	म	४८	७	आ	१६	४१	व	५	२९	१०	४६	१४	१८	२८	१७	सिंहे
४	शु	३१	१०	पू	४६	२३	सौ	१२	५८	ब	३	१२	१२	४६	१४	१९	२९	१८	सिंहे
५	श	२७	२१	उ	४४	१४	शो	५/२४	५३/४०	तै	२७	२१	१५	४५	१५	२०	३०	१९	कं.०।५१
६	र	२३	२१	ह	४१	३८	सु	५२	२९	व	२३	२१	१७	४५	१५	२१	१	२०	कन्यायां
७	चं	१८	४१	चि	३८	३०	धृ	४५	३१	ब	१८	४१	२०	४४	१६	२२	२	२१	तु.१०।४
८	मं	१४	१०	स्वा	३५	१४	शू	३८	१३	कौ	१४	१०	२२	४४	१६	२३	३	२२	तुलायां
९	बु	९	५१	वि	३१	५३	गं	३०	२३	ग	९	५१	२५	४३	१७	२४	४	२३	वृ.१७।४३
१०	गु	३	१८	अ	२७	४३	वृ	२३	२	वि	३	१८	२७	४३	१७	२५	५	२४	बृश्चिके
११	गु	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	५१	५९	ज्ये	२३	४८	ध्रु	१५	२४	कौ	२४	५०	३०	४२	१८	२६	६	२५	ध.२३।४८
१३	श	४६	५०	मू	१९	५७	व्या	७	५२	ग	१९	२४	३३	४१	१९	२७	७	२६	धनुषि
१४	र	४१	४३	पू	१६	३५	ह	३८/०	५३/२९	वि	१४	१६	३६	४१	१९	२८	८	२७	म.३०।५६
३०	चं	३७	५६	उ	१३	५९	सि	४८	२२	च	९	४९	३९	४०	२०	२९	९	२८	मकरे

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ.५/२९उ.३४/१५या.वधोदयःपश्चिमायाम् ३३/७
च. व्र.
दृश्योऽभि. प्र. रविः ५८।९
भ.२३/३१ उ.५१।१या. अभि.प्र.रविःसौरः४/७×
धनिष्ठा. बुधः १५।२८

भ.३६/३५उ. दृश्यः श्रवणेरविः३४/१२ सौरः२०।४
भ.३/१८या. द.अभि.नि. रविः७/१ सौरः१२/२०+

कुंभे बुधः३६/२ पूभायां भौमः२६/१ षट्तिला=
भ. ४६/५० उ. प्रदोषः =११व्र. वै.
भ.१४।१६ या. +षट्तिला११व्र.स्मा.
सोमवत्यमा. ×मूले धनुषि शुक्रः७/४९

४१पं. मा.कृ.३बृ.इ.५५।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	४	७	११	११	९
४	१४	१७	११	२७	१३	२९	४
३५	८	४९	९	१०	४७	३७	२८
३१	४५	५५	५०	४४	४२	१०	५३
६१	४५	९९	५४	७१	४	३	६१
३	४	११	व	३०	१०	११	१९

गोचरग्रहाः

इस मास में घटा-
बढ़ी अधिक, पहिले
मंदी होकर तेजी
होगी, माघ मास जो
पड़े न शीत। तबभी
समय जानियो मीत

गोचरग्रहाः

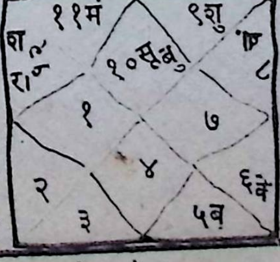

४२पं.मा.कृ.१०बृ.इ.५५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	४	८	११	११	९
११	१९	२८	१०	५	१४	२९	११
४०	३५	५५	३०	४१	१८	१४	३७
५८	५२	५५	२८	२४	४६	५९	४४
६०	४४	७	६/५	७१	४	३	६१
५९	९	५०	व	५०	४२	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	मं	३५	२५	श्र	१२	४६	व्य	४३	४६	किं	६	४१	३६/४२	६/४०	५/२०	३०	१०	२९	कु.४२।५३
२	बु	३४	३६	ध	१३	०	व	४०	२९	बा	५	१	४६	३९	२१	३१	११	३०	कुंभे
३	गु	३५	३१	श	१४	५२	प	३९	१७	तै	५	३	४९	३८	२२	१	१२	१	कुम्भे
४	शु	३८	२	पू	१८	२०	शि	३७	५६	व	६	४६	५२	३८	२२	२	१३	२	मी२।२८
५	श	४२	२०	उ	२३	३४	सि	३८	४०	ब	१०	११	५५	३७	२३	३	१४	३	मीने
६	र	४७	५९	रे	३०	७	सा	४०	१९	कौ	१५	१०	५९	३६	२४	४	१५	४	मे.३०।७
७	चं	५४	२१	अ	३७	१०	शु	४२	२८	ग	२१	१०	२७/२	३६	२४	५	१६	५	मेषे
८	मं	६०	०	भ	४४	५४	शु	४४	३४	वि	२७	३३	६	३५	२५	६	१७	६	मेषे
८	बु	०	४६	कृ	५२	६	ब्र	४६	३९	ब	०	४६	९	३४	२६	७	१८	७	वृ.१।३९
९	गु	७	०	रो	५८	५१	ऐं	४८	७	कौ	७	०	१३	३३	२७	८	१९	८	वृषे
१०	शु	१२	१९	मृ	६०	०	वै	४८	३६	ग	१२	१९	१६	३३	२७	९	२०	९	मि३१।२९
११	श	१६	१२	मृ	४	७	वि	४७	४२	वि	१६	१२	२०	३२	२८	१०	२१	१०	मिथुने
१२	र	१८	३७	आ	८	१	प्री	४५	४५	बा	१८	३७	२४	३१	२९	११	२२	११	क.५४।३६
१३	चं	१९	१९	पु	१०	८	आ	४२	२५	तै	१९	१९	२७	३१	२९	१२	२३	१२	कर्के
१४	मं	१८	९	पु	१०	४५	सौ	३७	५२	व	१८	९	३१	३०	३०	१३	२४	१३	कर्के
१५	बु	१५	३०	श्ले	८	३९	शो	३२	१२	ब	१५	३०	३५	२९	३१	१४	२५	१४	सिं८।३९

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०४८ स.१९६८

वक्री मघा. ३ गुरुः ३५।५२
चंद्रदर्शनम्
शतेबुधः ३०/२४ पूषायांशुक्रः ५१/१९ फरवरी मा. २×
भ. ६/४६ उ.३८।२या. ×ता.२९जिलकाद ११
बसन्त ५ श्री ५
=शुक्रः ४।४९ उभायां भौमः ३९।१३
भ. ५४।२१ उ. भानु ७ रथ ७
भ. ३७/३३या. दृश्यो धनिष्ठा. रविः २२।५३÷
÷(सौरः २५/५५) वक्रीबुधः २८/० भीष्माष्टमी
मीने भौमः २३।५९ पश्चिमास्तं बुधः २४/२३
भ. ४४।१५ उ.
भ. १६।१२ या. जया ११ व्र.
वक्री धनिष्ठा. बुधः ५९।५० प्रदोषः
दृश्यः कुम्भेऽर्कः ५८/८ (सौरः ५९/५३) उषायां=
भ. १८।९ उ. ४६।५० या.
मकरे शुक्रः ४३।५२

४३पं. मा.शु.३बृ.इ.५५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	४	८	११	११	९
१८	२४	७	९	१४	१४	२८	१८
४९	०	२	४३	१६	५४	२	४५
२६	५४	२७	५८	१९	१४	४३	४५
६०	४४	५२	६/५२	२	५/१०	३	६१
५५	५३	४२	व	१४	व	११	४

गोचरग्रहाः

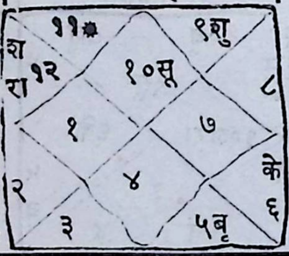

माघ शु. १३ चंद्रे
कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२
नं.३प्रगलभावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्याभाव सम)
शुक्रोदयं पूर्व.।

गोचरग्रहाः

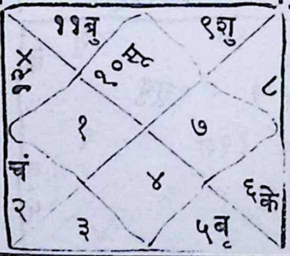

४४पं. मा.शु.९ बृ.इ.५६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	४	८	११	११	९
२५	०	८	८	२२	१४	२८	२५
५५	२४	७	५३	५१	३	३०	५२
१६	०	५५	१३	५४	४९	२७	३२
६०	४४	२९/४३	७/३४	२	१५/३८	३	६०
४७	४७	व	व	३२	व	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	गु	११	५१	म	६	२८	अ	२५	४१	कौ	११	५१	३७/३८	६/२८	५/३२	१५	२६	१५	सिहे
२	शु	६	५६	पू	४	२०	सु	१८	२६	ग	६	५६	४२	२८	३२	१६	२७	१६	कं.१८।२५
३	श	१	१५	उ	३९	५६/१०	धृ	११	२	वि	१	१५	४६	२७	३३	१७	२८	१७	कन्यायां
४	श	५४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	५०	१	चि	५२	५४	शू	३/१८	५२/२२	कौ	२२	५३	५०	२६	३४	१८	२९	१८	तु.२४।५२
६	चं	४४	४०	स्वा	४९	१२	वृ	४८	१२	ग	१७	२१	५४	२५	३५	१९	३०	१९	तुलायां
७	मं	३९	२१	वि	४५	४०	ध्रु	४०	५९	वि	१२	०	५८	२४	३६	२०	१	२०	वृ.३१।३३
८	बु	३४	२०	अ	४२	२६	व्या	३३	५३	बा	६	५१	२६/२	२४	३६	२१	२	२१	वृश्चिके
९	गु	२९	४६	ज्ये	३९	३३	ह	२७	१२	तै	२	३	६	२३	३७	२२	३	२२	ध.३९।३३
१०	शु	२५	१७	मू	३७	१०	व	२०	५२	वि	२५	१७	१०	२२	३८	२३	४	२३	धनुषि
११	श	२१	३६	पू	३५	१८	सि	१४	५६	बा	२१	३६	१४	२१	३९	२४	५	२४	म.४९।५९
१२	र	१८	२	उ	३४	२	व्य	९	३१	तै	१८	२०	१८	२०	४०	२५	६	२५	मकरे
१३	चं	१६	१	श्र	३३	२९	व	४	५०	व	१६	१	२२	२०	४०	२६	७	२६	मकरे
१४	मं	१४	३६	ध	३४	३७	प	५६	५७/१६	श	१४	३६	२६	१९	४१	२७	८	२७	कुं. ४।३
३०	बु	१४	२९	श	३६	३५	सि	५६	१५	ना	१४	२९	३०	१८	४२	२८	९	२८	कुंभे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ.३४।५ उ. *रेवती.१ शनिः ५६/३७
भ.१।१५या. वक्री मकरे बुधः ३७/३० च.व्र.
भ. ४/४० उ. दृश्यःशते रविः ३४/२९ (सौरः ३५/१४)*
भ. १२।० या. रा. फ़ाल्गुनारम्भः
बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।३५
भ. ७।३१ उ. श्रवणे शुक्रः ५३।१६
भ. २५।१७ या. +महाशिवरात्री व्र.
विजया ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ९६/१ उ. ४५/१८या. वक्री मघा.२ गुरुः २।५+

४५पं. फा.कृ.१बृ.इ.५६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	४	९	११	११	१०
३	५	२	७	१	१६	२८	२
०	४५	१३	५९	२८	१४	८	५८
४	४७	२	१३	१	५६	१२	३५
६०	४४	७८/५५	७/५२	७२	६	३	६०
३७	४२	व	व	५०	५	११	४२

गोचरग्रहाः

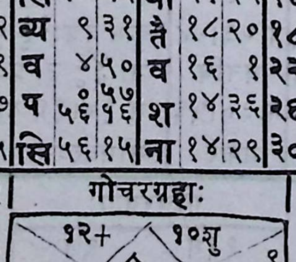

फाल्गुन.शु १४बुधे
मीनेऽर्कः प्र.वा.३
न.४प्रगलभावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पूर्व.।

गोचरग्रहाः

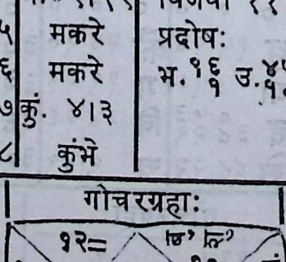

४६पं.फा.कृ.९बृ.इ.५६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	४	९	११	११	१०
१०	११	२५	७	१०	१६	२७	१०
३	५	३६	१९	४	५९	४५	३
३२	५५	५७	१९	५	९	५६	८
६०	४४	४५/२१	७/५२	७३	६	३	६०
२५	३२	व	व	३	२३	११	३१

*चंमंबु +मंशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशरा =मंशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०७८स.१९६८
१	गु	१५	४२	पू	४०	३	सा	५५	१९	ब	१५	४२	३८/३४	६/१७	५/४३	२९	१०	२९	मी२३।११	मार्गी बुधः ३९।३९ चन्द्रदर्शनम्
२	शु	१८	३९	उ	४४	४०	शु	५४	३६	कौ	१८	३९	३८	१६	४४	१	११	१	मीने	रेवत्यां भौमः १६/५६ फुलरिया२ मार्च मा.३
३	श	२२	३४	रे	५०	४४	शु	५५	४२	ग	२२	३४	४२	१६	४४	२	१२	२	मे.५०।४४	भ. ५५/१२ उ. ×ता.३१ जिल्हेज१२
४	र	२७	५०	अ	५७	३६	ब्र	५७	२	वि	२७	५०	४६	१५	४५	३	१३	३	मेषे	भ.२७/५०या. दृश्यःपूभायांरविः५०/३४सौरः५०/५१
५	चं	३३	४५	भ	६०	०	ऐं	५९	४१	ब	०	४७	५०	१४	४६	४	१४	४	मेषे	धनिष्ठा. शुक्रः ४१।५९
६	मं	४०	२१	भ	५	५	वै	६०	०	कौ	७	३	५४	१३	४७	५	१५	५	वृ.२१।५८	
७	बु	४६	२१	कृ	१२	३८	वै	१	५६	ग	१३	२१	५८	१२	४८	६	१६	६	वृषे	भ. ४६।२१ उ.
८	गु	५२	२	रो	१९	२	वि	४	४	वि	१९	२१	२९/२	१२	४८	७	१७	७	मि५२।३०	भ. १९।२१ या. होलाष्टकः
९	शु	५६	४७	मृ	२५	५९	प्री	५	१७	बा	२४	३४	६	११	४९	८	१८	८	मिथुने	
१०	श	५९	४८	आ	३१	१६	आ	५	३३	तै	२८	१७	१०	१०	५०	९	१९	९	मिथुने	
११	र	६०	०	पु	३३	५३	सौ	४	३३	व	३०	१६	१४	९	५१	१०	२०	१०	क.१८।१४	भ.३०/१६उ.कुंभेशुक्रः४८/० आमलकी११व्र.स्मा
११	चं	०	४४	पु	३५	३	शो	३१/५	५६/१६	वि	०	४४	१९	८	५२	११	२१	११	कर्के	भ.४०/४या.कुंभेबुधः१९/२५ आमलकी११व्र.वै.
१२	चं	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	मं	५६	५१	श्ले	३४	१४	सु	५३	४	कौ	२८	१८	२३	७	५३	१२	२२	१२	सिं३४।१४	प्रदोषः *होलिकादहनं गोधूलीसमये
१४	बु	५२	५	म	३१	३८	धृ	४६	९	ग	२४	२८	२७	७	५३	१३	२३	१३	सिंहे	भ.५२/५६उ. दृश्यो मीनेऽर्कः ५१/३१ (सौरः ५०/२१)
१५	शु	४६	७	पू	२७	५०	शू	३८	९	वि	१९	६	३२	६	५४	१४	२४	१४	कं.४१।३४	भ.१९/६या. रेवती३राहुः चित्रा.१केतुः४१/३३*

४७पं.फा.शु.१बृ.इ.५६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	४	९	११	११	१०
१७	१६	२३	६	१८	१७	२७	१७
५	२५	५७	९	४२	४६	२३	५
४६	४४	५७	३९	१४	१	४१	५७
६०	४४	२/१६	७/४९	७३	६	३	६०
१२	१५	मा:	ब	२०	३७	११	२०

४८पं.फा.शु.८बृ.इ.५७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	४	९	११	११	१०
२४	२१	२७	५	२७	१८	२७	२४
६	४२	१६	१७	१९	३५	१	७
२९	२९	५८	९	४	२७	२५	२०
५९	४३	३६	७/६	७३	६	३	६०
५८	५५	१७	ब	२८	२६	११	६

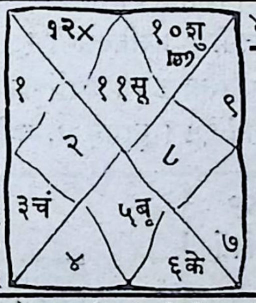

४९पं.फा.शु.१५बृ.इ.५७।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	१०	११	११	११
१	२६	३	४	५	१९	२६	१
५	५७	३६	३०	५६	२५	३९	७
४२	१८	३९	२५	२४	४८	९	२
५९	४३	५९	६/२०	७३	७	३	५९
४१	४४	३८	ब	४०	४	११	४३

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०२४ शाकः १८८९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंततर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	३८	५७	उ	२२	४४	गं	२९	१४	बा	१२	३२	२९/३६	६/५	५/५५	१५	२५	१५	कन्यायां	शते शुक्रः ३३।५ छारेडी वसंत १
२	श	३१	३६	ह	१७	३	वृ	२०	१७	तै	५	१६	४०	४	५६	१६	२६	१६	तु.४४।८	भ.५७।४५ उ. *(सौरः १०/५७) च.ब्र.
३	र	२३	५५	चि	२१	१४	ध्रु	११	५	वि	२३	५५	४४	३	५७	१७	२७	१७	तुलायां	भ. २३/५५ या. दृश्यः उभायां रविः १२।३५*
४	चं	१६	३०	स्वा	५	५७	व्या	२/१५	५१/२८	बा	१६	३०	४९	२	५८	१८	२८	१८	बृ.४७।५६	शते बुधः ३/३ मेषे भौमः ५९/२४ अस्तं शनिः ४७/१५
५	मं	९	४०	वि	१/५६	५४/४४	व	४५	५४	तै	९	४०	५३	१	५९	१९	२९	१९	बृश्चिके	रेवती २ शनिः ३१।५ या.
६	बु	३	३५	ज्ये	५३	२१	सि	३८	५	व	३	३५	५७	१	५९	२०	३०	२०	ध.५३।२१	भ.३।३५ उ.३१।५ या. ×गुरुः ५१/५४
७	बु	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	गु	५४	१६	मू	५०	५४	व्य	३२	१२	बा	२६	२५	३०/१	६/०	६	२१	१	२१	धनुषि	शीतला पूजनम् राष्ट्रीय चैत्रारंभः
९	शु	५१	८	पू	४९	३९	व	२६	४७	तै	२२	४२	६	५९	१	२२	२	२२	धनुषि	
१०	श	४८	५१	उ	४९	१२	प	२१	५९	व	१९	५९	१०	५८	२	२३	३	२३	म.४१।३२	भ. १९।५९ उ. ४८।५१ या.
११	र	४७	४२	श्र	४९	५४	शि	१८	११	ब	१८	१६	१४	५७	३	२४	४	२४	मकरे	पापमोचनी ११ ब्र. स्मा. वै.
१२	चं	४७	३४	ध	५१	३६	सि	१५	१४	कौ	१७	३८	१८	५६	४	२५	५	२५	कु.२०।४५	पाममोचनी ११ ब्र. नि.
१३	मं	४८	२९	श	५४	२१	सा	१३	५	ग	१८	१	२२	५५	५	२६	६	२६	कुम्भे	भ.४८।२९ उ. पूभायां शुक्रः ३४/५१ प्रदोषः
१४	बु	५०	३६	पू	५८	२१	शु	१२	५६	वि	१९	३३	२७	५५	५	२७	७	२७	मी४२।२१	भ.१९/३३ या. पूभायां बुधः ४३/५७ वक्रो मघा.१×
३०	गु	५३	५१	उ	६०	०	शु	११	४५	च	२२	१३	३१	५४	६	२८	८	२८	मीने	मन्वादिः

५०पं. चै.कृ.८बृ.इ.५७।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	४	१०	११	११	११
८	२	१२	३	१४	२०	२६	८
३	१०	२	४९	३४	१७	१६	४
१८	४	६	४४	३०	१६	३४	५७
५९	४३	७६	५/१	७३	७	३	५९
२९	४३	२९	व	५०	१४	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास में मंदी
का जोर रहे चांदी
सोना आदि धातु-
ओं में तेजी होगी
सुदी में गुड़ खांड
घृत तेल नमक तेज

गोचरग्रहाः

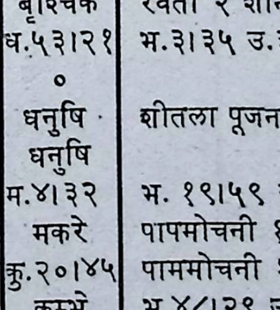

५१पं. चै.कृ.३०बृ.इ.५८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	४	१०	११	११	११
१४	७	२१	३	२३	२१	२५	१५
५९	१९	५२	१५	९	९	५४	१
१३	५८	७	२९	३	३९	३८	२
५९	४३	९०	४/५	७३	७	३	५९
१६	३५	५५	ब	५६	२०	११	८

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशरा

 *चंमंशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः
लाभः

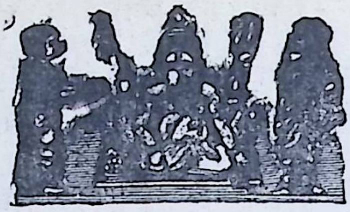

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०६९ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०६९ भोग्यकलिः ४२६९३१ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२५ शाकः १८९० वर्षेऽस्मिन् राजा शुक्रः । मंत्री शनिः । सस्येशश्चन्द्रः । धान्येशो रविः । मेघेशश्शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो शुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशश्शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १५ दुर्मतिनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ५।१७।५४।१४ भोग्यमासादिः६।१२।५।४६ । नासत्यदैवतं युगम्। वर्षनाम माघः। मेघनामआवर्तः । रोहिणीनिवासःपर्वते । समय निवासोकुंभकारगृहे । समयविश्वा २०। समयवाहनंदुर्दुरः। स्तंभ१ तृणस्य। सोमवत्यमा २। सोमवतीपंचमी १। अंगारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः१७। तिथिवृद्धिः १२ । उत्पति विश्वा ९९ । खपतिविश्वा ८४ । वर्षाविश्वा ५ । धान्यम् ७ । तृणम् १५ । शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९७ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८ । शनिदृष्टिरुत्तरे। ग्रहणे २ सूर्यस्य १ चंद्रमसः १ ।

संवत् २०२५ शाके १८९०
आश्विन शु.१५ रवौ ग्रस्तोदितं
खग्रासं चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज. मध्यम	घ.	२२	२५	२६	२८	३१
	पल	२९	४४	५५	६	२१
रेल्वे टाइम	घं.	३	४	५	५	६
	मि.	२७	४५	१३	४१	५९

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ९।२५

✻सूचंशरा

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव कहे माता सुण दे कान ।
साल पच्चीस अब आइया कहदो इसका ज्ञान ।।

भवानी उत्तर

पच्चीसै पवन बाजसी पीछे मेहां मार ।
भाग सुभागी नीपजे ना सारे इक सार ।।
राष्ट्रपति अरु मेघपति फलपति भृगु महाराज ।
जग में सुख संपति करै सबका सारे काज ।।
मंत्री पद शनि को मिला इसका फल शुभ नाय ।
कहीं रोग कहीं युद्ध भय वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
अधिक लिया इस सालमें सौम्य ग्रहां अधिकार ।
सुजनों को सुख होयसी दुष्टां कष्ट अपार ।।
स्तंभ १ तृण का बना संवत् विश्वा बीस ।
संवत् मध्यम होयगा भजन करो जगदीश ।।

संवत् २०२५ शाके १८९०
आश्विन कृष्णा ३० रवौ
ग्रस्तास्तं सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्य. मध्यम.	घ.	२५	२८	३०		
	पल	३४	९	१९		
रेल्वे टाइम	घं.	४	५	६		
	मि.	४०	४३	४२		

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ३।०

×बुशुशरा

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२३।५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणाम् फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्–शुक्रस्य राज्ये बहु सस्य संकुला स्वतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलंति वृक्षा बहु गो प्रसूतिर्वसंधरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री शनिः फलम्–रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवाः विनय संरहिता बहु दुःखदा । न जलदाः जलदा जनतापदा जन पदेषु सुखं धनदं क्वचित् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्–सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघः पयो मुञ्चति गोप गोधुक् । देव द्विजाराधन तत्पराः नृपाः धरा भवेद्धान्य धनौघ पूर्णा ।। धान्येशो रविः फलम्–पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वर पीडनम् ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्–भृगुसुतौ जलदस्यपतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निदान युता द्विज पालकाः नृपतयो जनता सुख दायकाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्–रसपतौ द्विज राज सुते मही सुलभ धान्य घृतादि युताजनाः । प्रमुदितावर नायक पालिता बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम्–शुक्ल वर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससाम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायते शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशश्शुक्रस्तत्फलम्–यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुह राशयः । बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुति पाठ परायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम्–धनपतिर्मृग लाञ्छनको यदा रसं चयात् क्रय विक्रयतो धनम् । वसन शालि सुगंध रसं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशश्शुक्रस्तत्फलम्–नगर देश विशेष पतिर्यदा भृगु सुतो बहु सौख्य करो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखो नग वने निकटेपिच दूरतः ।। दुर्मतिनाम संवत्सरः फलम्–दुर्मत्यब्दे खिला भूपाः लोका दुर्मतयः सदा । तथापि सुखिनः सर्वे संग्रामा संति चेदपि ।। वर्षनाम माघः फलम्–सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्य महर्घता ।। मेघनाम आवर्तः फलम्–आवर्ते छिन्न वृष्टिश्च ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्–रोहिणी नाम नक्षत्रं पर्वतस्थं यदा भवेत् । वृष्टि हानिस्तदा ज्ञेया सर्व सस्य विनाशनम् ।। समय निवासो कुंभकार गृहे फलम्–अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०२५ शाके १८९० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु सिंहस्थ गुरुदोषः

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ३ शुक्रे मूले ल. ५ रे. ८ ।।।।ऽज्योऽ।।।
,, ४ शनौ उषा. ल.५ (घ.४४-१७उप.) रे.६।ऽ।।।रोऽऽ।।
,, ५ रवौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।

पौषः मासः

कृष्णा ६ बुधे मघा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽऽ।।।ऽरोऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा ११ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽऽ।।।।ऽऽ।।
शुक्ला १० चंद्रे रोहि. ल.८ (चं.७पू.) रे.८।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
, १० भौमे रोहि. ल.गो. रे.७।।।।ऽज्यो।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ६ शनौ स्वा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽऽ।।।ऽ।।।।।
,, १० बुधे मूले ल. १० रे. ८ ।ऽ।।।।ऽऽ। शु. ३ पू.

चैत्र मासः

कृष्णा ३ शुक्रे स्वा. ल.९-१० रे.७।।।।।।ऽऽऽ दग्घा. गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ४ शनौ स्वा. ल.गो. रे.६ ।।।।ऽऽज्यो।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ८ भौमे मूले ल. अन्यगो. ८ ऽ।।।।।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	शु	५८	२०	उ	३	२६	ब्र	११	५४	किं	२३	५	३०/५५	५/३	६/७	२९	९	२९	मीने
२	श	६०	०	रे	९	३१	ऐं	१३	१८	बा	३१	२	३९	५२	८	३०	१०	३०	मे.९।३१
२	र	३	४४	अ	१६	६	वै	१४	५१	कौ	३	४४	४४	५१	९	३१	११	१	मेषे
३	चं	९	३७	भ	२३	३५	दि	१७	८	ग	९	३७	४८	५०	१०	१	१२	२	बृ.४०।२९
४	मं	१५	१	कृ	३१	१०	प्री	१९	३०	वि	१६	१	५२	५०	१०	२	१३	३	बृषे
५	बु	२१	२९	रो	३८	५७	आ	२२	४	बा	२२	२९	५६	४९	११	३	१४	४	बृषे
६	गु	२८	३०	मृ	४५	४६	सौ	२४	६	तै	२८	३०	३/१/०	४८	१२	४	१५	५	मि१२।१८
७	शु	३३	२६	आ	५१	३६	शो	२५	६	ग	०	५८	४	४७	१३	५	१६	६	मिथुने
८	श	३७	१२	पु	५५	९	अ	२५	१०	वि	५	१९	८	४६	१४	६	१७	७	क.३९।१६
९	र	३९	१०	पु	५८	४२	सु	२४	६	बा	८	११	१२	४६	१४	७	१८	८	कर्के
१०	चं	३९	७	श्ले	५९	१०	धृ	२१	८	तै	९	८	१६	४५	१५	८	१९	९	सिं५९।१०
११	मं	३७	८	म	५७	३३	शू	१६	३१	व	८	७	२०	४४	१६	९	२०	१०	सिंहे
१२	बु	३२	४८	पू	५४	११	गं	१०	३२	ब	४	५८	२४	४३	१७	१०	२१	११	सिंहे
१३	गु	२६	५३	उ	४९	६	वृ	३/५२	५१/६	तै	२६	५३	२८	४२	१८	११	२२	१२	कं.७।५५
१४	शु	१९	७	ह	४२	४५	ध्या	४४	१२	व	१९	७	३२	४२	१८	१२	२३	१३	कन्यायां
१५	श	१०	३३	चि	३५	५८	ह	३४	०	ब	१०	३३	३६	४१	१९	१३	२४	१४	तु.९।२१

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१०७ स.१९६८

संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
दृश्यो रेबत्यां रविः ४०/१८ (सौरः ३/२६) चंद्रद.
सिंधारा मोहोरम १ सन् १३८८ हि.
भ.४२/४९ उ. गणगौरी अप्रेल मा.४ ता.३०
भ. १६।१ या. =पूर्वास्तो बुधः २७/३७
मीने बुधः १५।५५ मीने शुक्रश्च ३१।२५

भ. ३३।२६ उ. उभायां बुधः ८।२०
भ.५/१९ या उभायांशुक्रः १३/३५ भरण्यांभौमः ३६/५
रामनवमी

भ. ८।७ उ. ३७।८ या. कामदा ११ व्र.

प्रदोषः
भ.१९।७ उ. ४४/५० या. रेवत्यां बुधः ४०/५८=
दृश्योऽश्वि.मेषेऽर्कः १४/२३ (सौरः १३/०) हनुमज्ज

५२पं. चै.शु.६बृ.इ.५८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	४	११	११	११	११
२१	१२	३	२	१	२२	२५	२१
५३	२९	३	४५	४७	१	३२	५५
३१	३४	१८	२९	३४	२	२३	१३
५९	४३	३०/०	२/३८	७४	७	३	५९
४	१७	९/५	ब	२	२६	११	४

गोचरग्रहाः

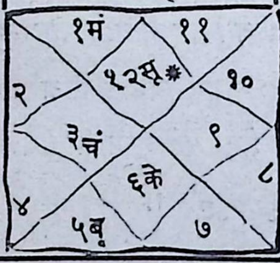

चैत्र शु.१५ शनौ
मेषेऽर्कः प्र. वा.४
न.४कुमार्यावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

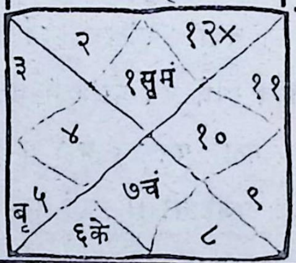

१पं.चै.शु.१५श.इ.१४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	४	११	११	११	१०
०	१८	१७	२	११	२२	२५	०
०	२९	४४	२९	५७	५३	६	१
०	३५	३१	१३	५०	५३	१८	२१
५८	४२	५/८	१/१	७४	७	३	५८
४४	५९	८/४९	ब	७	२०	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	र	१	२७	स्वा	२८	४७	व	२३	४१	कौ	१	२७	३५/४०	५/४८	६/२०	१४	२५	१५	तुलायां
२	र	५०	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	४३	३२	वि	२१	४८	सि	१३	१९	व	१७	५४	४३	३९	२१	१५	२६	१६	बृ.८।३३
४	मं	३५	१२	अ	१५	३२	व्य	३/५२	५१/८	ब	९	२३	४७	३९	२१	१६	२७	१७	बृश्चिके
५	बु	२८	११	ज्ये	१०	१९	प	४७	१५	कौ	१	४२	५१	३८	२२	१७	२८	१८	ध.१०।१९
६	गु	२२	४१	मू	६	२६	शि	४०	४७	व	२२	४१	५५	३७	२३	१८	२९	१९	धनुषि
७	शु	१८	४२	पू	३	४१	सि	३५	१४	ब	१८	४२	५८	३६	२४	१९	३०	२०	म.१८।३५
८	श	१६	१०	उ	३	१७	सा	३१	३४	कौ	१६	१०	३/२	३६	२४	२०	३१	२१	मकरे
९	र	१५	१२	श्र	३	४५	शु	२८	३७	ग	१५	१२	६	३५	२५	२१	१	२२	कुं.३४।३७
१०	चं	१५	३८	ध	५	२९	शु	२७	३	वि	१५	३८	१०	३४	२६	२२	२	२३	कुम्भे
११	मं	१७	२४	श	९	१४	ब्र	२६	१७	बा	१७	२४	१४	३३	२७	२३	३	२४	मी५७।३७
१२	बु	२०	२८	पू	१३	४	ऐं	२६	४२	तै	२०	२८	१७	३३	२७	२४	४	२५	मीने
१३	गु	२४	२२	उ	१९	१६	वै	२७	२०	व	२४	२२	२१	३२	२८	२५	५	२६	मीने
१४	शु	२९	२३	रे	२५	४१	वि	२८	१२	श	२९	२३	२५	३१	२९	२६	६	२७	मे.२५।४१
३०	श	३५	४	अ	३२	२९	प्री	२९	५८	च	२	१३	२९	३०	३०	२७	७	२८	मेषे

ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. १७।५४ उ. ४३।३३ या.
रेवती ३ शनिः ३६।३२ च. व्र.
रेवत्यां शुक्रः ५।२७ *भौमः ८।१२
भ. २२।४१ उ. ५०।४२ या.
मेषे बुधः ४१/४३ मार्गी गुरुः४१।५७ अस्तो*

भ. ४५।२५ उ. रा. वशाखारंभः
भ. १५।३८ या. उदयं शनिः २९।४९
वरूथिनी ११ व्र.
कृत्तिका. भौमः ३३।४३ प्रदोषः
भ. ३४/२ उ. ५६/२ या.. भरण्यां बुधः ३९।१
दृश्यो भरण्यां रविः ५४।३९ (सौरः ५४/१८)
अश्वि. मेषे शुक्रः ५४।५१

२पं. वै.कृ.८श.इ.१४।४१

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	४	११	११	११	०
६	२३	१	२	२०	२३	२४	६
५०	३३	७	२-	३४	४६	४४	५१
४२	२५	५५	४१	८	१२	२	३२
५८	४२	२०/०	०/६	७४	७	३	५८
३१	५५	८/३८	मा	१४	१४	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मासमें प्रजामें रोग बढ़े। धान्य जौ गेहूँ आदि मंदे सोना चांदी शेयर गुड़ खांड घृत तिल तेल तेज होगा।

गोचरग्रहाः

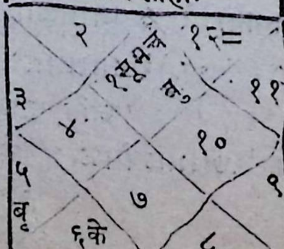

३पं.वै.कृ.३०श.इ.१४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	४	११	११	११	०
१३	२८	१६	२	२९	२४	२४	१२
३९	३४	२५	२५	१०	३७	२१	४०
४३	२६	१९	१९	३४	४८	४७	५७
५८	२	७/८	१	७४	७	३	५८
१७	३५	८/४१	३२	२०	२	११	१२

*बुशुशरा +शुशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशुशरा =बुशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१३७ सन् १९६८
१	र	४०	५७	भ	३९	५३	आ	३२	२४	किं	८	०	३/२	५/३०	६/३०	२८	८	२९	वृ.५६।४६	
२	चं	४७	४	कृ	४७	२४	सौ	३४	५२	बा	१४	०	३६	२९	३१	२९	९	३०	वृषे	वृषे भौमः ३५।३१ चन्द्रदर्शनम्
३	मं	५३	३५	रो	५५	१	शो	३७	२९	तै	२०	१९	४०	२८	३२	३०	१०	१	वृषे	अक्षया ३ परशुराम जयन्ती सफर२
४	बु	५९	३५	मृ	६०	०	अ	३९	४३	व	२६	३०	४३	२७	३३	१	११	२	मि२८।३८	भ.३६/३५ उ.५९/३५ या. कृत्तिबुधः ५७/४२ मई मा.५+
५	गु	६०	०	मृ	२	१५	सु	४१	३२	ब	३२	४	४७	२७	३३	२	१२	३	मिथुने	
५	शु	४	३३	आ	८	४०	धृ	४२	४४	बा	४	३३	५१	२६	३४	३	१३	४	क.५७।४४	वृषे बुधः ३५।३४ +ता.३१
६	श	८	५४	पु	१४	५	शू	४२	४१	तै	८	५४	५४	२५	३५	४	१४	५	कर्के	
७	र	११	८	पु	१८	३	गं	४१	२१	व	११	८	५७	२५	३५	५	१५	६	कर्के	भ. ११।८ उ. ४१।५५ या.
८	चं	१२	४२	श्ले	२०	२३	वृ	३८	३२	ब	१२	४२	३/३१	२४	३६	६	१६	७	सि२०।२३	पश्चिमोदयी बुधः १२।४५
९	मं	१२	२	म	२०	४३	ध्रु	३४	१०	कौ	१२	२	४	२३	३७	७	१७	८	सिंहे	
१०	बु	९	७	पू	१९	१५	व्या	२८	७	ग	९	७	७	२३	३७	८	१८	९	कं.३३।२१	भ.३६/४५ उ. रोहि.बुधः ३६/३६ भरण्यांशुक्रः ४७/४७
११	गु	४	२४	उ	१५	३८	ह	२०	२७	वि	४	२४	१०	२२	३८	९	१९	१०	कन्यायां	भ. ४।२४ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	गु	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	शु	४९	३४	ह	१०	२१	व	११	३८	कौ	२३	३७	१३	२१	३९	१०	२०	११	तु.३७।३	दृश्यःकृत्तिका.रविः ४०/३४ (सौरः ४३/१५) प्रदोषः
१४	श	४०	२७	चि	३/४५	५२/१६	सि	१/४५	४८/३६	ग	१४	५५	१६	२१	३९	११	२१	१२	तुलायां	भ. ४०।१७ उ. नृसिंह जयन्ती
१५	र	३०	२५	वि	४८	१२	व	४०	१२	वि	५	२१	१९	२०	४०	१२	२२	१३	वृ.३५।९	भ. ५।२१ या. अन्नजल कुम्भदानम्

४पं. वै.शु. ६श.इ.१५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	४	०	११	११	०
२०	३	१	२	७	२५	२३	२८
२७	३२	२०	३६	४६	२८	५९	२६
२५	३४	५६	४३	५५	८	३१	३७
५८	४४	८/८	२	७४	६	३	५७
६	२५	०/३	४५	२६	५५	११	५७

गोचरग्रहाः

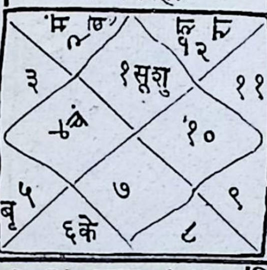

शकुन विचार

शुक्लपक्ष वैशाख की तिथि दशमी दिन देख। बादल हो पावस विसे जल नहीं पड़े विशेष ॥

गोचरग्रहाः

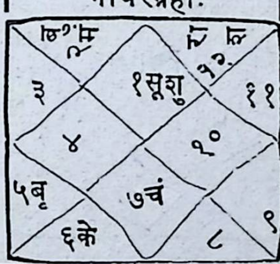

५पं. वै.शु.१४श.इ.१५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	४	०	११	११	०
२७	८	१४	२	१६	१६	२३	२७
१३	२८	४४	५६	२३	१७	३७	११
३४	४४	९	४२	६	२	१६	५१
५७	४२	१/०	४	७४	६	३	५७
५४	२०	२/३	२	२६	३७	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	सु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२०	१९	अ	४०	२४	प	२९	१६	कौ	२०	१९	३३/२२	५/२०	६/४०	१३	२३	१४	बृश्चिके	रोहिण्यां भौमः २४।४३
२	मं	१०	४३	ज्ये	३३	१३	शि	१८	५२	ग	१०	४१	२५	१९	४१	१४	२४	१५	ध.३३।१३	भ.३६/१३ उ.दृश्योवृषेऽर्कः:७।४९(सौरः:१/३)●
३	बु	१	४१	मू	२७	२१	सि	९	२०	वि	१	४३	२८	१८	४२	१५	२५	१६	धनुषि	भ.१।४३या. च.व्र. ●रेवती४ शनिः ४३/३८
४	बु	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	४८	२३	पू	२२	४८	सा	१/२	५/३	कौ	२१	१५	३०	१८	४२	१६	२६	१७	म.३७।८	मृगे बुधः ४०/५८ रे.२ राहुः हस्ते.४ केतुः ४१/१७
६	शु	४४	२८	उ	२०	८	शु	४८	४२	ग	१६	२५	३३	१७	४३	१७	२७	१८	मकरे	भ.४४/२८ उ. मघा.२गुरुः १७/४० शुक्रास्तः पूर्वं. २१/०
७	श	४२	२८	श्र	१९	१५	ब्र	४४	५०	वि	१३	२८	३६	१७	४३	१८	२८	१९	कुं.४९।५१	भ. १३।२८ या. शु.अ.पू.
८	र	४२	२४	ध	२०	२७	ऐं	४२	३३	बा	१२	२६	३९	१६	४४	१९	२९	२०	कुम्भे	कृत्तिका. शुक्रः ४०।५ ×ज्येष्ठारम्भः
९	चं	४३	५९	श	२३	२५	वै	४१	३३	तै	१३	११	४१	१६	४४	२०	३०	२१	कुम्भे	
१०	मं	४७	१४	पू	२७	४८	वि	४२	७	व	१५	३६	४३	१५	४५	२१	३१	२२	मी११।४२	भ.१५।३६ उ.४७/१४या. मिथुने बुधः३१।५३
११	बु	५१	३५	उ	३३	३५	प्री	४३	१	ब	१९	२४	४६	१५	४५	२२	१	२३	मीने	वृषे शुक्रः २०/५० अपरा११व्र. स्मा. वै. रा.×
१२	गु	५६	५६	रे	४०	१३	आ	४४	५६	कौ	२४	१५	४८	१४	४६	२३	२	२४	मे.४०।१३	अपरा ११ व्र. निम्बा.
१३	शु	६०	०	अ	४७	२७	सौ	४७	५	ग	२९	५६	५०	१४	४६	२४	३	२५	मेषे	दृश्योरोहिण्यांरविः ३१/२४ (दृश्यःसौरः ३६/१२)=
१३	श	२	५७	भ	५४	५५	शो	४९	३०	व	२	५७	५२	१४	४६	२५	४	२६	मेषे	भ.२।५७ उ.३६।० या. =प्रदोषः
१४	र	९	१	कृ	६०	०	अ	५२	३	श	९	१	५४	१३	४७	२६	५	२७	वृ.११।५०	
३०	चं	१५	६	कृ	२	३६	सु	५४	५३	ना	१५	६	५६	१३	४७	२७	६	२८	वृषे	वट पूजनम् सोमवती

६पं. ज्ये.कृ.७श.इ.१५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	४	०	११	११	१
३	१३	२५	३	२४	२७	२३	३
५८	२२	३०	२४	५९	३	१५	५५
२६	३०	०	५७	६	५४	०	२९
५७	४२	८२	५	७४	६	३	५७
४४	०	३०	८	२६	२३	११	३४

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ.२ भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ प्रौढ़ावस्था (बठी) मु. १५ (धान्य भाव महँगता) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

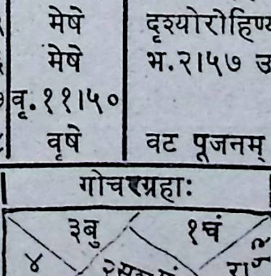

७पं.ज्ये.कृ.१३श.इ.१५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	४	१	११	११	१
१०	८	३	४	३	२७	२२	१०
४२	१३	१८	०	३५	४८	५२	३७
२५	५८	५०	२५	२७	२९	४४	४०
५७	४५	४२	६	७४	६	३	५७
३५	५०	९	१६	३२	६	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१६७ स.१९६८
१	मं	२१	१७	रो	९	५१	धृ	५६	२९	ब	२१	१७	३३/५८	५/१२	६/४८	२८	७	२९	मि४३।२२	आर्द्रा. बुधः २६।३० चन्द्रदर्शनम्
२	बु	२६	४६	मृ	१६	५३	शू	५८	२	कौ	२६	४६	३४/०	१२	४८	२९	८	१	मिथुने	रविलावल ३
३	गु	३१	३२	आ	२३	८	गं	५९	०	ग	३१	३२	२	१२	४८	३०	९	२	मिथुने	रोहि. शुक्रः २९।५३
४	शु	३५	३४	पु	२८	४३	वृ	५९	१२	व	३	३३	४	११	४९	३१	१०	३	क.१२।१९	भ. ३।३३ उ. ३५।३४
५	श	२८	३०	पु	३३	८	ध्रु	५८	४७	व	७	२	६	११	४९	१	११	४	कर्के	मृगे भौमः४१।२० जून मा. ६ ता. ३०
६	र	४०	६	श्ले	३६	२४	व्या	५६	५८	कौ	९	१८	७	११	४९	२	१२	५	सिं३६।२४	
७	चं	४०	१६	म	३८	२७	ह	५४	०	ग	१०	११	९	१०	५०	३	१३	६	सिंहे	भ. ४०।१६ उ. ✻निर्जला ११ व्र.
८	मं	३८	४५	पू	३८	२१	व	४९	४४	वि	९	३१	१०	१०	५०	४	१४	७	कं.५३।१	भ. ९।३१ या. वक्री बुधः ४५।५२
९	बु	३५	४२	उ	३६	५९	सि	४४	३	बा	७	१३	१२	१०	५०	५	१५	८	कन्यायां	
१०	गु	३०	३५	ह	३३	४५	व्य	३७	६	तै	३	८	१३	९	५१	६	१६	९	कन्यायां	भ. ५७।२५ उ. गंगादशमी
११	शु	२४	१४	चि	२९	१२	व	२८	५८	वि	२४	१४	१४	९	५१	७	१७	१०	तु.१।२८	भ.२४/१४या. दृश्यो मृगे रविः३६/२० सौरः३५/० ✻
१२	श	१६	२०	स्वा	२३	४	प	१९	३४	बा	१६	२०	१६	९	५१	८	१८	११	तुलायाँ	प्रदोषः
१३	र	७	११	वि	१५	५२	शि	९/२४	४९/२०	तै	७	११	१७	९	५१	९	१९	१२	बृ.२।४०	भ. ५७।२९ उ. पश्चिमास्तं बुधः८।१३
१४	र	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	चं	४७	२७	अ	८	२७	सा	४७	५८	वि	२२	२९	१८	८	५२	१०	२०	१३	बृश्चिके	भ.३२/२९या. मृगे शुक्रः१८/४३ वटसा.व्र. गुर्जरा.

८पं.ज्ये.शु.५श.इ.१५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	४	१	११	११	१
१७	२३	७	४	१२	२८	२२	१७
२५	२	३६	४४	११	३०	३०	१८
८	१७	३६	१३	२७	३६	२९	४६
५७	४१	१४	८	७४	५	३	५७
२७	४४	४९	१०	३२	४०	११	१३

गोचरग्रहाः

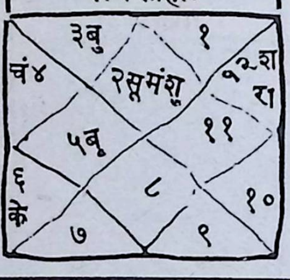

इस मासमें५सोम वार श्रेष्ठ हैं। अनाज गल्ला रुई अफीम रस जौ गेहूँ चावल मूंग में तेजी मंदी हो

गोचरग्रहाः

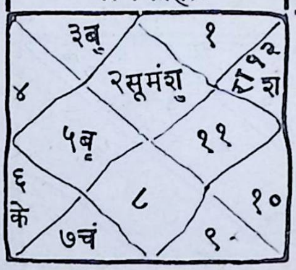

९पं.ज्ये.शु.१२श.इ.१५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	४	१	११	११	१
२४	२७	८	५	२०	२९	२२	२३
७	५०	१०	३४	४७	९	८	५८
१२	४९	२२	८	१३	५४	१३	४२
५७	४१	१४/४९	८	७४	५	३	५७
२२	२६	व	१३	३२	१४	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३७	५६	ज्ये	२ ०/३	५३/५१	शु	३७	२२	बा	१२	४२	३४/५९	५/८	६/५३	११	२१	१४	ध.०।२३	मिथुने भौमः २२।४७
२	बु	२९	१६	पू	४७	३	शु	२७	५०	तै	३	३६	२०	८	५२	१२	२२	१५	धनुषि	भ. ५५।३३ उ.
३	गु	२१	५१	उ	४२	३८	ब्र	१९	१४	वि	२१	५१	२१	८	५२	१३	२३	१६	म.०।५७	भ. २१/५१ या. वक्री मृगे बुधः ३२/३७ च. व्र.
४	शु	१६	५	श्र	३९	५०	ऐं	१२	१२	बा	१६	५	२१	८	५२	१४	२४	१७	मकरे	दृश्यो मिथुनेऽर्कः २४/४७ (सौरः ३५/४७)
५	श	१२	४२	ध	३९	५	वै	६	३४	तै	१२	४२	२२	८	५२	१५	२५	१८	कु.९।२७	मिथुने शुक्रः ४४।४७
६	र	११	८	श	४०	३७	वि	२	४६	व	११	८	२२	८	५२	१६	२६	१९	कुम्भे	भ.११।८ उ.४१/२२ या. मघा.३ गुरुः२०/१३
७	चं	११	४४	पू	४४	३	प्री	०	३५	ब	११	४४	२३	७	५३	१७	२७	२०	मी२८।१२	+शुक्रः१०/५७आर्द्रा.भौमश्च१९/५०योगिनी११व्र
८	मं	१४	२६	उ	४८	५७	आ	०	१७	कौ	१४	२६	२३	७	५३	१८	२८	२१	मीने	अश्वि. १ मेषे शनिः १३।२४
९	बु	१९	३६	रे	५५	८	सौ	०	४७	ग	१९	३६	२३	७	५३	१९	२९	२२	मे.५५।८	भ. ५१।४६ उ.
१०	गु	२३	५७	अ	६०	०	शो	२	१०	वि	२३	५७	२४	७	५३	२०	३०	२३	मेषे	भ. २३।५७ या.
११	शु	३०	७	अ	२	३८	अ	४	४५	बा	३०	७	२४	७	५३	२१	३१	२४	मेषे	दृश्यःआर्द्रायां रविः२४/५० सौरः३७/२१ आर्द्रा.+
१२	श	३६	१८	भ	१०	१५	सु	७	१०	कौ	३	१२	२४	७	५३	२२	१	२५	बृ.२७।१६	रा. आषाढ़ारम्भः
१३	र	४२	२७	कृ	१८	२१	धृ	१०	४	ग	९	२३	२४	७	५३	२३	२	२६	बृषे	भ. ४२।२७ उ. प्रदोषः
१४	चं	४८	१४	रो	२५	९	शू	१२	२०	वि	१५	२०	२४	७	५३	२४	३	२७	मि५८।३३	भ. १५।२० या.
३०	मं	५३	२१	मृ	३१	५७	गं	१४	१४	च	२०	१८	२३	७	५३	२५	४	२८	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.५श.इ.१५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	१	११	११	२
०	२	५	६	२९	२९	२१	०
४८	३६	३९	३०	२३	४५	४५	३७
२५	५४	४३	१४	४९	४७	५८	५१
५७	४१	३१/५१	९	७४	४	३	५६
१७	२६	व	५	३८	४८	११	५७

गोचरग्रहाः

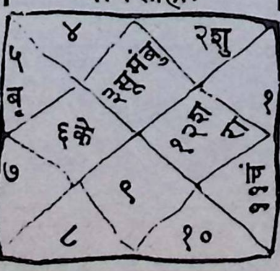

आषाढ़ कृ.४ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५गतालकाव-स्था(ऊभी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

११पं.आ.कृ.१२श.इ.१५।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	२	०	११	२
७	७	१	७	८	१०	२१	७
२९	१८	५७	३१	०	१७	२३	१६
२४	१४	५४	४३	२९	५२	४२	१८
५७	४१	३१/४४	९	७४	४	३	५६
१३	६	व	४८	३८	२०	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५१९६ स.१९६८
१	बु	५७	२६	आ	३७	५१	वृ	१५	२४	किं	२५	२३	३४/२३	५/७	६/५३	२६	५	२९	मिथुने	
२	गु	६०	०	पु	४२	४५	ध्रु	१६	११	बा	२९	२	२३	७	५३	२७	६	३०	क.२६।३२	रथयात्रा चन्द्रदर्शनम्
२	शु	०	३८	पु	४६	५६	व्या	१६	२	कौ	०	३८	२२	८	५२	२८	७	१	कर्के	वक्रीवृषेबुधः ५/४ पूर्वोदयंबुधः ३/१ रविलाखर४
३	श	२	४७	श्ले	४९	५९	ह	१५	०	ग	२	४७	२२	८	५२	२९	८	२	सि४९।५९	भ. ३३।३३ उ.
४	र	४	१	म	५२	३६	व	१३	८	वि	४	१	२१	८	५२	३०	९	३	सिंहे	भ. ४।१ या. *मा.७ ता.३१
५	चं	३	५३	पू	५२	५३	सि	१०	४१	बा	३	५३	२०	८	५२	१	१०	४	सिंहे	मार्गी बुधः ३/३८ पुन. शुक्रः५८।४६ जुलाई*
६	मं	२	४१	उ	५२	३६	व्य	७	१९	तै	२	४१	१९	८	५२	२	११	५	कं.७।४९	
७	बु	०	२७	ह	५१	११	व	४२	५४/४३	व	०	२७	१८	८	५२	३	१२	६	कन्यायां	भ.०।२७ उ.३८/४० या. मिथुने बुधः२२।५७
८	बु	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	गु	५२	७	चि	४८	१७	शि	५०	४५	बा	२४	३०	१७	९	५१	४	१३	७	तु.१९।४४	
१०	शु	४६	७	स्वा	४४	२३	सि	४३	१४	तै	१९	७	१५	९	५१	५	१४	८	तुलायां	दृश्यः पुनर्वसौ रविः२२।४६ (सौरः ४१/२२)
११	श	३९	७	वि	३९	१५	सा	३५	२	व	१२	३७	१४	९	५१	६	१५	९	वृ.२५।३२	भ.३२/७ उ.३९/७ या. देवशयनी ११व्र.स्मा.वै.
१२	र	३१	७	अ	३३	२९	शु	२५	५८	ब	५	७	१३	९	५१	७	१६	१०	वृश्चिके	मघा.४गुरुः १३/२७ देवशयनी ११व्र.नि. प्रदोषः
१३	चं	२२	३०	ज्ये	२६	५९	शु	१६	११	तै	२२	३०	११	१०	५०	८	१७	११	ध.२६।५९	
१४	मं	१३	४४	मू	२०	१३	ब्र	२६	५०/३१	व	१३	४४	१०	१०	५०	९	१८	१२	धनुषि	भ.१३।४४ उ.३९।२४ या. वायुपरीक्षा
१५	बु	५	४	पू	१३	५८	वै	४७	५३	ब	५	४	८	१०	५०	१०	१९	१३	म.२७।३७	कर्के शुक्रः १०।१ व्यास पूजा

१२पं.आ.शु.३श.इ.१५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	४	२	०	११	२
१४	१२	२९	८	१६	०	२१	१३
९	०	४४	३८	३७	४६	१	५४
५०	११	३१	२	१	१२	२६	२३
५७	४०	१२/२८	१०	७४	३	३	५६
७	५६	व	३१	३८	४२	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में वायु का जोर रहे, सुदीमें कहीं २ वर्षा अच्छी होगी घृत गुड़ खांड तेज धान्य का भाव सम रहे।

गोचरग्रहाः

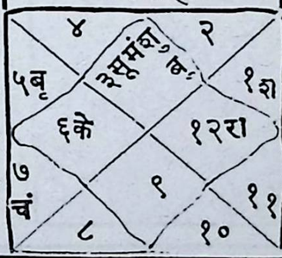

१३पं.आ.शु.११श.इ.१५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	२	०	११	२
२०	१६	१	९	२५	१	२०	२०
५०	३९	७	४९	१३	१०	३९	३२
१०	५०	१५	१५	५५	२२	११	१७
५७	४०	२३/२३	११	७४	३	३	५६
७	४६	मा	८	३२	३	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५१	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५०	७	उ	८	३४	वि	३९	५४	तै	२३	१६	३४/७	११/५	४९/६	११	२०	१४	मकरे	पुनर्वसौ भौमः १९।२५
३	शु	४६	३	श्र	४	३३	प्री	३२	५७	व	१८	५	५	११	४९	१२	२१	१५	कुं.३३।१९	भ.१८।५ उ.४६।३या. पुष्ये शुक्रः५१।२
४	श	४३	३५	ध	२	६	आ	२७	४२	ब	१४	४९	४	११	४९	१३	२२	१६	कुंभे	आर्द्रा. बुधः ११।१ च. व्र.
५	र	४२	५८	श	२	०	सौ	२४	३२	कौ	१३	१६	२	१२	४८	१४	२३	१७	मी४९।०	नाग ५ मरुस्थले
६	चं	४४	३३	पू	४	४०	शो	२२	१६	ग	१३	४५	०	१२	४८	१५	२४	१८	मीने	भ.४४।३३उ. दृश्यः कर्केऽर्कः ५२।१०
७	मं	४८	२	उ	७	३८	अ	२२	५	वि	१७	१८	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१९	मीने	भ. १६।१८ या. कर्केऽर्कः सौरः १४।६
८	बु	५३	०	रे	१३	६	सु	२२	४५	बा	२०	३१	५६	१३	४७	१७	२६	२०	मे.१३।६	
९	गु	५९	०	अ	२०	१	धृ	२४	३५	तै	२६	०	५४	१३	४७	१८	२७	२१	मेषे	रेव. १ राहुः हस्ते ३ केतुः ३४।४२
१०	शु	६०	०	भ	२७	१५	शू	२६	५५	व	३२	१	५२	१४	४६	१९	२८	२२	वृ.४४।८	भ.३२/१ उ. दृश्यः पुष्ये रविः ३१/२७ (सौरः ४४/४७)
१०	श	५	३	कृ	३४	४९	गं	२९	२८	वि	५	३	५०	१४	४६	२०	२९	२३	वृषे	भ. ५।३ या. ×श्रावणारंभः
११	र	११	४४	रो	४२	११	वृ	३१	५५	बा	११	४४	४७	१५	४५	२१	३०	२४	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	चं	१६	५८	मृ	४९	५	ध्रु	३३	४८	तै	१६	५८	४५	१५	४५	२२	३१	२५	मि१५।३८	पुन. बुधः ३८।२० प्रदोषः
१३	मं	२१	४६	आ	५४	४८	व्या	३५	२०	व	२१	४६	४२	१६	४४	२३	१	२६	मिथने	भ.३२/४६ उ.५३/२८ या. आश्लेषा.शुक्रः ३९ रा.×
१४	बु	२५	११	पु	५९	२८	ह	३५	२५	श	२५	११	४०	१६	४४	२४	२	२७	क.४३।१८	
३०	गु	२७	४३	पु	६०	०	व	३४	५३	ना	२७	४३	३७	१७	४३	२५	३	२८	कर्के	पूफा. १ गुरुः १८।५३ हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.४श.इ.१५।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	३	०	११	२
२७	२१	६	११	३	१	२०	२७
३०	१८	४४	४	५०	३०	१६	१०
३२	२५	४२	२६	१३	७	५५	२४
५७	४०	६४	११	७४	२	३	५६
११	३५	५९	४४	३२	२५	११	५५

गोचरग्रहाः

श्रावण कृ.६ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

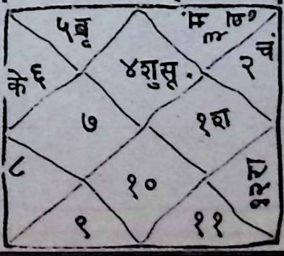

१५पं.श्रा.कृ.१०श.इ.१५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	४	३	००	११	३
४	२५	१६	१२	१२	१	१९	३
११	५३	३	२२	२७	४४	५४	४८
५७	५६	५४	५१	०	५६	४०	५१
५७	४०	९८	१२	७४	१	३	५६
१५	१९	५९	१५	२६	४६	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	२८	४८	पु	२	४९	सि	३३	२०	ब	२८	४८	३३/३५	५/१७	६/४३	२६	४	२९	कर्के
२	श	२८	४१	श्ले	५	१	व्य	३०	५४	कौ	२८	४१	३२	१८	४२	२७	५	१	सिं ५।११
३	र	२७	४३	म	६	१	व	२७	३६	ग	२७	४३	२९	१८	४२	२८	६	२	सिंहे
४	चं	२५	३८	पू	६	१७	प	२३	२६	वि	२५	३८	२६	१९	४१	२९	७	३	कं.२१।८
५	मं	२२	५२	उ	५	४१	शि	१८	५६	बा	२२	५२	२४	१९	४१	३०	८	४	कन्यायां
६	बु	१९	१४	ह	४	१९	सि	१३	४१	तै	१९	१४	२१	२०	४०	३१	९	५	तु.३३।१९
७	गु	१५	२	चि	२/१८	५७/१९	सा	७	४७	ब	१५	२	१८	२०	४०	१	१०	६	तुलायां
८	शु	१०	१४	वि	५६	११	शु	१/२५	५३/१	व	१०	१४	१५	२१	३९	२	११	७	वृ.४२।३
९	श	४	५३	अ	५१	५८	ब्र	४६	५७	कौ	४	५३	१२	२२	३८	३	१२	८	वृश्चिके
१०	श	५३	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	र	५२	१०	ज्ये	४७	४३	ऐं	३९	१२	व	२५	७	९	२२	३८	४	१३	९	ध.४७।४३
१२	चं	४५	११	मू	४२	५५	वै	३०	५४	ब	१८	४१	६	२३	३७	५	१४	१०	धनुषि
१३	मं	३८	१६	पू	३७	५६	वि	२३	४०	कौ	११	४३	३	२३	३७	६	१५	११	म.५१।४८
१४	बु	३१	३०	उ	३३	२३	प्री	१४	३७	ग	४	५३	०	२४	३६	७	१६	१२	मकरे
१५	गु	२५	५२	श्र	२९	४७	आ	६	५१	ब	२५	५२	३२/५६	२५	३५	८	१७	१३	कु.५८।२४

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२२६सन्१९६८

कर्के भौमः ३३/५४ शुक्रोदयः पश्चिमायां ५/२४*
सिंधारा जमादिलावल '१ शु.उ.प.
भ. ५६।४० उ. कर्के बुधः२।४४ तीज
भ.२५।३८या. पुष्ये बुधः४७।३४ वरद४
नागपंचमी
पुष्ये भौमः ४२।५९
भ.१५।२ उ.४२/३८या. अगस्त मा.८ता.३१
दृश्यः आश्लेषा. रविः१८।२८(सौरः४५/३६)
मघा. सिंहे शुक्रः ३०।२८
*पूर्वास्तो बुधः३६/३१ चंद्रद. संभवः
भ.२५।७ उ.५२/१० या. पवित्रा११व्र.स्मा.
आश्लेषा. बुधः६।३३ पवित्रा११व्र.वै.
वक्री शनिः ४४।५६ प्रदोषः
भ. ३१।३० उ. ५८।४१ या.
श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

१६पं.श्रा.शु.२श.इ.१५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	४	३	०	११	३
१०	०	२८	१३	२१	१	१९	१०
५२	२७	२९	४४	३	५५	३२	२८
१९	४०	२	२०	४३	१२	२४	८
५७	४०	३०/८	१२	७४	१	३	५७
२०	१९	८/२१	३४	२६	८	११	५

गोचरग्रहाः

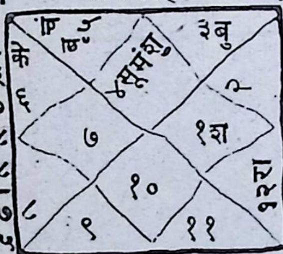

इस मास में ५ गुरुवार शुभ हैं। वर्षा कहीं कम कहीं अधिक हो। गल्ला में मंदी हो

गोचरग्रहाः

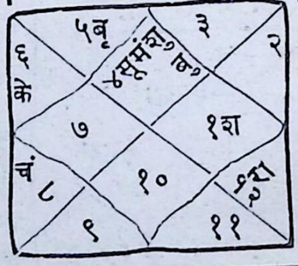

१७पं.श्रा.शु.९ श.इ.१४।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	४	३	०	११	३
१७	५	१२	१५	२९	२	१९	१७
३४	१	५१	८	४०	०	१०	७
१	८	०	२०	४४	५४	८	५६
५७	३९	३६	१२	७४	०	३	५७
२५	५६	६	५९	२६	२	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	२१	२०	ध	२७	१	सौ	१०	५४/८	कौ	२१	२०	३२/५३	१/२५	६/३५	९	१८	१४	कुम्भे
२	श	१८	२३	श	२५	५३	अ	४९	४	ग	१८	२३	५०	२६	३४	१०	१९	१५	कुम्भे
३	र	१६	५२	पू	२६	२४	सु	४६	४८	वि	१६	५२	४७	२७	३३	११	२०	१६	मी११।३६
४	चं	१७	५२	उ	२९	६	धृ	४५	३७	बा	१७	५२	४३	२७	३३	१२	२१	१७	मीने
५	मं	२०	३०	रे	३३	३२	शू	४५	२०	तै	२०	३०	४०	२८	३२	१३	२२	१८	मे.३३।३२
६	बु	२४	५९	अ	३९	३६	गं	४६	२२	व	२४	५९	३६	२९	३१	१४	२३	१९	मेषे
७	गु	३०	२१	भ	४६	२५	वृ	४८	१८	ब	३०	२१	३३	२९	३१	१५	२४	२०	मेषे
८	शु	३६	३६	कृ	५३	५३	ध्रु	५०	४४	बा	३	२८	२९	३०	३०	१६	२५	२१	बृ.३।१७
९	श	४२	३८	रो	६०	०	व्या	५३	४	तै	९	३७	२६	३१	२९	१७	२६	२२	बृषे
१०	र	४८	२७	रो	१	२६	ह	५५	९	व	१५	३३	२२	३२	२८	१८	२७	२३	मि३४।५९
११	चं	५३	२०	मृ	८	३३	व	५६	५१	ब	२०	५३	१९	३२	२८	१९	२८	२४	मिथुने
१२	मं	५६	५२	आ	१४	३३	सि	५७	१६	कौ	२५	६	१५	३३	२७	२०	२९	२५	मिथुने
१३	बु	५९	५	पु	१९	२५	व्य	५७	१६	ग	२७	५८	११	३४	२६	२१	३०	२६	क.३।१२
१४	गु	५९	१९	पु	२२	२९	व	५४	३८	वि	२९	१२	८	३४	२६	२२	३१	२७	कर्के
३०	शु	५८	१३	श्ले	२३	०	प	५१	३०	च	२८	४६	४	३५	२५	२३	१	२८	सिं२३।०

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ.४७।३७ उ. पूफा. २ गुरुः ३६।११
भ.१६/५२ या. मघा. सिंहे बुधः३६।३ च.व्र.
चन्द्रषष्ठी
भ.२४।५९उ.५७/४०या. पूफायांशुक्रः२१।९
जन्माष्टमी व्र. स्मा. *जन्माष्टमी व्र.वै.
दृश्यो मघा.सिंहेऽर्कः१२।२३सौरः४२।१*
गोगा ९ उदयो भौमः २१।१६
भ.१५।३३ उ.४८/२७या. पूफायांबुधः३५।५९
अजा ११ व्र. स्मा.वै.
अजा ११ व्र. निम्बा. वत्सद्वादशी
भ.५९।५उ. आश्लेषा. भौमः२६/२८ प्रदोषः×
भ. २९/१२ या. ×पश्चिमोदयी बुधः ९/२७
कुशाग्रहणी पिठोरी३० रा.भाद्रपदारंभः

१८पं.भा.कृ.२श.इ.१४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	४	४	०	११	३
२४	९	२७	१६	८	२	१८	२३
१६	३२	१७	३५	१७	१	४७	४९
२६	२८	२	१६	४५	५	५३	३
५७	३९	०/३०	१३	७४	१/२	३	५७
३३	५२	१९	१६	२०	व	११	२२

गोचरग्रहाः

भाद्र. कृ. ८ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.५गताल्कावस्था (उभी)"मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

१९पं.भा.कृ.९ श.इ.१४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	४	४	०	११	४
०	१४	१०	१८	१६	१	१८	०
५९	१	४५	३	५४	५६	२५	३१
४९	४८	५४	०	३९	२४	३७	१६
५७	३९	३६	१३	७४	१/४	३	५७
४०	४३	४०	२२	१४	व	११	३४

CC0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणेऽहर्गण:५२५५ स.१९६८
१	श	५५	४४	म	२४	१९	शि	४७	२८	किं	२६	५८	३२/०	५/३६	६/२४	२४	२	२९	सिंहे	
२	र	५३	४३	पू	२३	२६	खि	४२	१४	बा	२४	४४	३१/५६	३७	२३	२५	३	३०	कं.३७।५७	उफायां शुक्रः ९।५० चन्द्रदर्शनं
३	चं	४८	४	उ	२१	३२	सा	३६	३५	तै	२०	५३	५२	३८	२२	२६	४	१	कन्यायां	उफायां बुधः १४/५४ पूफा. ३गुरुःअस्तंगुरोः ४०/१२+
४	मं	४३	१३	ह	१८	५१	शु	२९	५९	व	१५	३८	४८	३८	२२	२७	५	२	तु.४७।२०	भ. १५/३८ उ. ४३/१३ या. कन्या. शुक्रः ५३/३९ ग.च.
५	बु	३८	१७	चि	१५	४९	शु	२३	२६	ब	१०	४५	४४	३९	२१	२८	६	३	तुलायां	कन्या. बुधः २३।३३ ऋषि पंचमी
६	गु	३२	५९	स्वा	१२	४४	ब्र	१६	५०	तै	५	३८	४०	४०	२०	२९	७	४	बृ.५५।१८	●[सौरः ३२/५३] +जमादिलाखर६ अ.गु.
७	शु	२७	५०	वि	९	२९	ऐं	९	५३	व	२७	५०	३६	४१	१९	३०	८	५	बृश्चिके	भ. २७/५० उ. ५५/१५ या. दृश्यःपूफायां रविः २।०●
८	श	२२	४१	अ	५	५७	वै	२/४८	५३/५	ब	२२	४१	३२	४२	१८	३१	९	६	बृश्चिके	
९	र	१७	२५	ज्ये	२/४१	५६/३२	प्री	४८	४६	कौ	१७	२५	२८	४२	१८	१	१०	७	ध.२।४१	**सितम्बर मा. ९ ता. ३०**
१०	चं	११	१८	पू	५६	१२	आ	४१	५१	ग	११	१८	२५	४३	१७	२	११	८	धनुषि	भ. ३९।१० उ. ×११ व्र. वामन ज.
११	मं	७	१	उ	५३	८	सौ	३५	५	वि	७	१	२१	४४	१६	३	१२	९	म.१०।२६	भ. ७।१ या. हस्ते बुधः ४७/५३ जलझूलनी×
१२	बु	२	१२	श्र	५०	४०	शो	२८	५३	बा	२	१२	१७	४५	१५	४	१३	१०	मकरे	प्रदोषः
१३	बु	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	५४	४७	ध	४८	५८	अ	२३	०	ग	२६	२८	१३	४५	१५	५	१४	११	कु.१९।४९	भ.५४।४७ उ. हस्ते शुक्रः १।४ अनंत१४
१५	शु	५२	३५	श	४८	१९	सु	१७	४४	वि	२३	४१	९	४६	१४	६	१५	१२	कुम्भे	भ. २३।४१ या. महालयारंभः

२०पं.भा.शु.१श.इ.१४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	४	४	०	११	४
७	१८	२३	१९	२५	०	१८	७
४४	२०	९	३१	३१	४६	३	१४
१७	५०	२८	५५	१९	८	२२	४९
५७	३९	८/०	१३	७४	१६/४	३	५७
४८	३१	५/३	३२	८	व	११	४५

गोचरग्रहाः

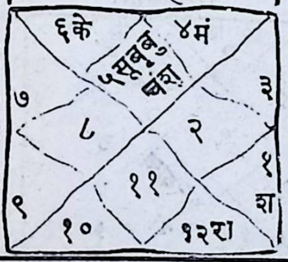

इस मासका फल श्रेष्ठ है। वर्षा उत्तम होगी गुरु का अस्त चांदी सोना रुई सूत में तेजी मंदी।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.शु.८ श.इ.१४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	५	०	११	४
१४	२२	४	२१	४	१	१७	१४
२९	५८	३०	२	७	३०	४१	०
५६	३०	२५	९	३७	५७	६	१
५७	३९	९५	१३	७४	१३	३	५७
१	२२	०	३५	२	व	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५१	४६	पू	४९	६	धृ	१४	३०	बा	२२	१०	३१/५	५/४७	६/१३	७	१६	१३	मी३३।५४	
२	र	५२	४५	उ	५१	२०	शू	१०	२६	तै	२२	१६	१	४८	१२	८	१७	१४	मीने	
३	चं	५५	१०	रे	५५	२	गं	८	४६	व	२३	५८	३०/५७	४९	११	९	१८	१५	मे.५५।२	भ. २३।५८ उ. ५५।१० या.
४	मं	५८	५९	अ	६०	०	वृ	७	४१	ब	२७	४	५३	४९	११	१०	१९	१६	मेषे	चतुर्थी व्रतम्
५	बु	६०	०	अ	०	१०	ध्रु	८	१६	कौ	३१	३७	४८	५०	१०	११	२०	१७	मेषे	सिंहे भौमः २५।३१ पूफा.४ गुरुः १।२१
५	गु	४	१६	भ	६	४	व्या	९	३२	तै	४	१६	४४	५१	९	१२	२१	१८	बृ.२३।१	दृश्यः उफायां रविः ४६।२०
६	शु	१०	१५	कृ	१३	५३	ह	११	३०	व	१०	१५	४०	५२	८	१३	२२	१९	वृषे	भ. १०/१५ उ. ४३/२१ या. उफायां रविः सौरः १७/३१●
७	श	१६	२७	रो	२१	२५	व	१३	५८	ब	१६	२७	३६	५३	७	१४	२३	२०	मि५५।७	
८	र	२२	३६	मृ	२८	५०	सि	१६	१६	कौ	२२	३६	३२	५४	६	१५	२४	२१	मिथुने	चित्रायां शुक्रः ५१/२० ●चित्रा. बुधः ४६/५
९	चं	२८	१	आ	३५	३६	व्य	१८	१२	ग	२८	१	२८	५४	६	१६	२५	२२	मिथुने	भ. ५९/५२ उ. दृश्यः कन्यायामर्कः ११/४१ सौरः=
१०	मं	३१	४३	पु	४०	२१	व	१९	१८	वि	३१	४३	२४	५५	५	१७	२६	२३	क.२४।१०	भ. ३१।४३ या. =४२।४३ मातृ ९
११	बु	३४	१४	पु	४४	४७	प	१९	१३	ब	२	५८	२०	५६	४	१८	२७	२४	कर्के	इन्दिरा ११ व्र.
१२	गु	३४	३९	श्ले	४६	४९	शि	१७	४२	कौ	४	२६	१६	५७	३	१९	२८	२५	सिं४६।४९	तुलायांबुधः ११/५२ उभा.४राहुःहस्ते२केतुः ३६/४५
१३	शु	३३	२२	म	४६	५७	सि	१४	५४	ग	४	०	१२	५८	२	२०	२९	२६	सिंहे	भ. ३३।२२ उ. प्रदोषः
१४	श	३०	१३	पू	४५	३३	सा	१०	२३	वि	१	४७	८	५८	२	२१	३०	२७	कं.५९।५०	भ. १/४७ या.तुलायांशुक्रः १६/५४ उदयंगुरोः १६/३×
३०	र	२५	३२	उ	४२	४०	शु	४/४७	५३/१२	ना	२५	३२	४	५९	१	२२	३१	२८	कन्यायां	सूर्यग्रहणम् ×शस्त्रादिहतानां श्रा. उ.गु.

२२पं.आ.कृ.१श.इ.१४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	५	०	११	४
२१	२७	१४	२२	१२	१	१७	२०
१६	२५	४७	३३	४४	११	१८	४६
५५	१	९	७	२	५६	५०	४१
५८	३९	८३	१३	७२	२/५८	३	५८
१२	१८	३१	३८	५६	व	११	१२

२३पं.आ.कृ.७श.इ.१४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	४	५	०	११	४
२८	१	२३	२४	२१	०	१६	२७
५	४९	५२	३	२०	४८	५६	३५
२४	३०	२६	४७	१६	४७	३५	४
५८	३९	६९	१३	७३	३/३५	३	५८
२६	१	१५	३९	५०	व	११	२८

२४पं.आ.कृ.१४श.इ.१३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	४	५	०	११	५
४	६	१	२५	२९	०	१६	४
५५	१४	२४	३४	५६	२२	३४	२५
१९	३५	३९	४०	१७	१९	१९	११
५८	३८	४१	१३	७२	३/५६	३	५८
३८	४४	३८	३२	४०	व	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	१९	५०	ह	३८	४०	ब्र	५०	२३	ब	१९	५०	३०/००	६/०	६/०	२३	१	२९	कन्यायां
२	मं	१३	२०	चि	३४	९	ऐं	४२	११	कौ	१३	२०	२९/५५	१	५/५९	२४	२	३०	तु.६।२४
३	बु	६	३९	स्वा	२९	१२	वै	३३	५९	ग	६	३९	५१	२	५८	२५	३	१	तुलायां
४	बु	५३	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	गु	५३	२८	वि	२४	२८	वि	२५	३५	व	२६	३८	४७	३	५७	२६	४	२	वृ.१०।३९
६	शु	४७	२९	अ	२०	७	प्री	१७	५०	कौ	२०	२८	४३	३	५७	२७	५	३	वृश्चिके
७	श	४२	७	ज्ये	१६	१०	आ	१०	४	ग	१४	४८	३८	४	५६	२८	६	४	ध.१६।१०
८	र	३७	२४	मू	१२	५०	सौ	२/५४	५३/१५	वि	९	४५	३४	५	५५	२९	७	५	धनुषि
९	चं	३३	१०	पू	९	१६	अ	४९	५९	बा	५	१७	३०	६	५४	३०	८	६	म.२३।५९
१०	मं	२९	५५	उ	८	१०	सु	४४	२९	तै	१	३२	२६	७	५३	१	९	७	मकरे
११	बु	२७	७	श्र	६	५०	धृ	३९	३६	वि	२७	१७	२२	८	५२	२	१०	८	कुं.३६।३५
१२	गु	२५	३४	ध	६	२१	शू	३५	३०	बा	२५	३४	१८	८	५२	३	११	९	कुम्भे
१३	शु	२४	५०	श	६	४९	गं	३२	१	तै	२४	५२	१४	९	५१	४	१२	१०	मी५३।६
१४	श	२५	११	पू	८	३२	वृ	२९	२६	व	२५	११	१०	१०	५०	५	१३	११	मीने
१५	र	२६	४८	उ	११	६	ध्रु	२७	५८	ब	२६	४८	६	११	४९	६	१४	१२	मीने

शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८५ स.१९६८

मातामहश्रा. नवरात्रारं. रा.आश्विनारंभः
चन्द्रदर्शनम्
भ. ३३।१४ उ. ५९।४८ या. रज्जव ७

दृश्यो हस्ते रविः २४/४७ (सौरः ५१/१२) स्वात्यां×
×शुक्रः ४२/१८ उफा.१गुरुः २४/४ वक्रीरे.४मीने=
भ.४२/७ उ.स्वात्यांबुधः ३२/१६ सरस्वत्यावा.मूभे.
भ.९।४५ या. भद्रकाली ज. =शनिः २२/४६
सरस्वतीपू. बलिदानं ✱पापांकुशा ११व्र.
भ.५८/३६ उ. विजया१० सरस्वती विसर्जनं+
भ.२६/१७ या.वक्रीबुधः ०।७ पूफायांभौमः ४५/१९ ✱
प्रदोषः

भ.२५/११ उ.५६।० या. शरदपूर्णिमा स्मा.
खग्रास चन्द्रग्रहणम् +अक्टूबरमा.१०ता३१

२५पं.आ.शु.७श.इ.१३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	४	६	११	११	५
११	१०	६	२७	८	२९	१६	११
४६	३८	३२	४	३१	५२	१२	१७
५५	१७	३८	३७	५५	१२	४	१५
५८	३८	२३	१३	७३	१ ४/३	३	५९
५३	४१	५२	२८	२६	व	११	०

गोचरग्रहाः

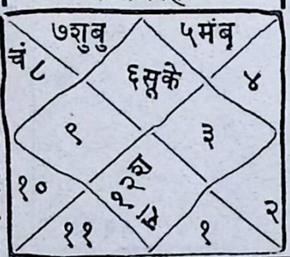

आश्विनकृ.९चंद्रे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्य भाव सम) शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

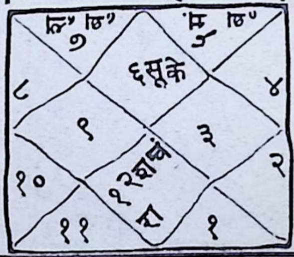

२६पं.आ.शु.१४श.इ.१३।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	४	६	११	११	५
१८	१४	७	२८	१७	२९	१५	१८
४०	५८	५२	३३	६	२०	४९	११
८	५	१९	१०	१८	४६	४	२
५९	३८	२०/२३	१३	७३	३ ४/२	३	५९
९	३७	व	२०	१८	व	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	२९	५०	रे	१४	५९	व्या	२७	४२	कौ	२९	५१	२९/२	६/१२	५/४८	७	१५	१३	मे.१४।५९
२	मं	३३	५३	अ	२०	१	ह	२७	१६	तै	२	२२	२८/५८	१२	४८	८	१६	१४	मेषे
३	बु	३९	१५	भ	२६	२०	व	२८	३५	व	६	३४	५४	१३	४७	९	१७	१५	वृ.४३।२
४	गु	४५	५	कृ	३३	८	सि	३०	१७	ब	१२	१०	५०	१४	४६	१०	१८	१६	बृषे
५	शु	५१	१७	रो	४०	४१	व्य	३२	३३	कौ	१८	११	४६	१५	४५	११	१९	१७	वृषे
६	श	५७	४५	मृ	४८	२३	व	३५	१	ग	२४	३१	४२	१६	४४	१२	२०	१८	मि१४।३२
७	र	६०	०	आ	५५	३८	प	३७	१७	वि	३०	४०	३८	१६	४४	१३	२१	१९	मिथुने
७	चं	३	३६	पु	६०	०	शि	३८	५७	बा	३	३६	३४	१७	४३	१४	२२	२०	क.४५।२३
८	मं	८	१५	पु	१	५८	सि	३९	३९	कौ	८	१५	३०	१८	४२	१५	२३	२१	कर्के
९	बु	११	३७	पु	७	०	सा	३९	८	ग	११	३७	२६	१९	४१	१६	२४	२२	कर्के
१०	गु	१२	५३	श्ले	१०	१६	शु	३७	१७	वि	१२	५३	२२	२०	४०	१७	२५	२३	सिं१०।१६
११	शु	१२	२२	म	११	३४	शु	३३	४४	बा	१२	२२	१४	२०	४०	१८	२६	२४	सिंहे
१२	श	९	४१	पू	१०	४५	ब्र	२८	४०	तै	९	४१	१८	२१	३९	१९	२७	२५	कं.२५।६
१३	र	५	३२	उ	८	११	ऐं	२१	५७	व	५	३२	१०	२२	३८	२०	२८	२६	कन्यायां
१४	र	५३	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	चं	५१	७	ह	५ ३/३	५४/२७	वै	१४	३	च	२४	५१	६	२३	३७	२१	२९	२७	तु.३१।७

शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

विशाखा. शुक्रः ३५।४६

भ.६/३४ उ.३९/१५ या. दृश्यश्चित्रा. रविः ५६/४८×
चित्रायां रविः सौरः २५।४८ च. व्र.
×वक्रीचित्रा.बुधः ३७/३२ पश्चिमास्तोबुधः ४८/३
भ.५७।४५ उ. उफा.२ कन्या.गुरुः १२।२
भ. ३०।४० या.
वक्री कन्या. बुधः ३०।४
वृश्चिके शुक्रः ४५।२५
भ. ४२।१५ उ. दृश्यस्तुलार्कः ४०।३४
भ.१२।५३या. तुलायामर्कः सौरः८।३१
अनुराधा. शुक्रः२७।११ रमा ११ व्रतम्
प्रदोषः धन १३ =रूप १४
भ.५/३२ उ.३२।३ या. वक्री हस्ते बुधः ४७/५=

महालक्ष्मी पूजा पूर्वोदयं बुधः ४९।५९

२७पं.का.कृ.६श.इ.१३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	५	६	११	११	५
२५	१९	३	०	२५	२८	१५	२५
३५	१९	०	०	४१	४७	२७	६
६	५५	३६	१८	४५	३१	३२	४४
५९	३८	७९/१७	१३	७३	४/४०	३	५९
२१	२९	व	८	५	व	११	३१

गोचरग्रहाः

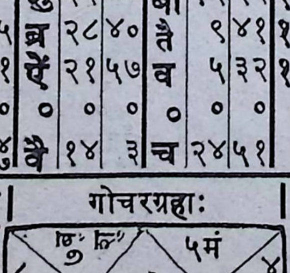

कार्तिक कृ.९ बुधे तुलायामर्कः प्र.वा. ३न.४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यभाव मह.) शुक्रोदयः पश्चि.

गोचरग्रहाः

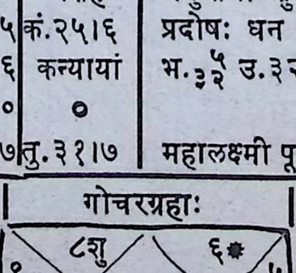

२८पं.का.कृ.१२श.इ.१३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	७	११	११	६
२	२३	२५	१	४	२८	१५	२
३१	३८	८	२५	१५	१३	५	४
३४	४६	३८	२६	५४	४४	१७	१४
५९	३८	६९/२७	१२	७२	४/४४	३	५९
३४	१२	व	४३	५०	व	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	४२	५६	स्वा	५२	७	वि	५/१	५/२०	किं	१७	१	२८/२	६/२४	५/३६	२२	३०	२८	तुलायां
२	बु	३४	२६	वि	४५	३२	आ	४५	३१	बा	८	४१	२७/५८	२४	३६	२३	१	२९	वृ.३२।११
३	गु	२६	२	अ	३९	११	सौ	३५	२८	ग	२६	२	५४	२५	३५	२४	२	१	बृश्चिके
४	शु	१८	३९	ज्ये	३३	१५	शो	२७	१५	वि	१८	३९	५०	२६	३४	२५	३	२	ध.३३।१५
५	श	११	५३	मू	२८	२७	अ	१७	३८	बा	११	५३	४६	२७	३३	२६	४	३	धनुषि
६	र	६	१९	पू	२४	३४	सु	९	४५	तै	६	१९	४२	२८	३२	२७	५	४	म.३८।५४
७	चं	१	३२	उ	२१	५४	धृ	५३/३	५४/०	व	१	३२	३८	२८	३२	२८	६	५	मकरे
८	चं	५६	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	मं	५६	८	श्र	२०	३९	गं	५२	२	बा	२७	१०	३५	२९	३१	२९	७	६	कु.५०।३७
१०	बु	५५	१६	ध	२०	३४	वृ	४८	६	तै	२५	४२	३१	३०	३०	३०	८	७	कुंभे
११	गु	५५	३३	श	२१	३४	ध्रु	४५	१४	व	२५	२५	२७	३१	२९	३१	९	८	कुम्भे
१२	शु	५७	१	पू	२४	४	व्या	४३	२२	ब	२६	१०	२४	३१	२९	१	१०	९	मी८।२६
१३	श	५९	४९	उ	२७	३२	ह	४२	२६	कौ	२८	२५	२०	३२	२८	२	११	१०	मीने
१४	र	६०	०	रे	३२	२	व	४२	२४	तै	३१	३८	१६	३३	२७	३	१२	११	मे.३२।२
१४	चं	३	२८	अ	३७	२३	सि	४२	३८	व	३	२८	१३	३३	२७	४	१३	१२	मेषे
१५	मं	८	४	भ	४३	५०	व्य	४४	२	ब	८	४	९	३४	२६	५	१४	१३	मेषे

शरदतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३१४सन्१९६८

अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
इ.स्वात्यां रविः ३३/३६ (सौरः४२/२९) चन्द्रद.
भ.५२/२० उ.मार्गीबुधः३८/४९ उफायां भौमः१२/०×
भ. १८।३९ या. ×सावान ८

*तुलसीविवाह
भ.३१/३२ उ.२३/५३या. चित्रा.बुधः९/४५ उफा.३=
=गुरुः४८/२२ गोपाष्टमी +अक्षय ९
ज्येष्ठायां शुक्रः२४/५३ कन्या. भौमः२७।५६+

भ.२५/२६ उ.५५/२३या. प्रबोधिनी ११व्र. स्मा.*
प्रबोधिनी ११व्र.नि. **नवम्बर मा.११ता.३०**
प्रदोषः
तुलायां बुधः ४५।१ वकुण्ठ १४
भ. ३।२८ उ. ३५।४६ या.
दृश्यो विशाखा. रविः ४२।५९ मन्वादिः

२९पं. का.शु.५श.इ.१२।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	७	११	११	६
९	२७	२२	२	२	२७	१४	९
२९	५६	३५	४८	४८	४१	४३	३
४९	३८	६	७	१८	१७	१	३४
५९	३७	२३/५	१२	७२	४/३०	३	६०
४७	५९	मा	१९	२८	ब	११	२

गोचरग्रहाः

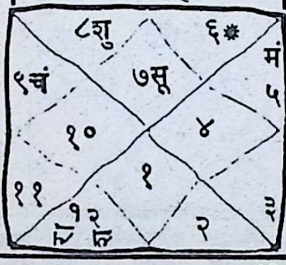

इस मासका फल साधारण है । सुदी में रुई चांदी सोना सूत सण गुड़ खांड गेहूँ तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

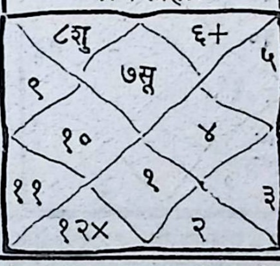

३०पं.का.शु.१३श.इ.१२।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	५	७	११	११	६
१६	२	२७	४	२१	२८	१४	१४
२९	१३	५८	७	२०	९	२०	४
३८	५२	३७	१२	४२	५	४६	३८
६०	२७	७९	११	७२	४/११	३	६०
४	४६	२	५४	९	ब	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	बु	१३	४४	कृ	५०	३३	व	४५	३१	कौ	१३	४४	२७/६	६/३५	५/२५	६	१५	१४	वृ.०।३०
२	गु	२०	१	रो	५७	५९	प	४७	४१	ग	२०	१	२	३६	२४	७	१६	१५	वृषे
३	शु	२६	१९	मृ	६०	०	शि	४९	५७	वि	२६	२०	२६/५९	३६	२४	८	१७	१६	मि३१।४८
४	श	३२	५५	मृ	५	३७	सि	५२	१९	बा	३२	५५	५६	३७	२३	९	१८	१७	मिथुने
५	र	३९	१२	आ	१३	९	सा	५४	२२	कौ	६	३	५३	३७	२३	१०	१९	१८	मिथुने
६	चं	४४	२३	पु	२५	२	शु	५५	४२	ग	१२	४३	४९	३८	२२	११	२०	१९	क.३।१९
७	मं	४८	३०	पु	२६	७	शु	५६	११	वि	१६	२६	४६	३९	२१	१२	२१	२०	कर्के
८	बु	५०	५७	श्ले	२०	५०	ब्र	५५	३१	बा	१९	४३	४३	३९	२१	१३	२२	२१	सिं३०।५०
९	गु	५१	४०	म	३३	४७	ऐं	५३	२६	तै	२१	१८	४०	४०	२०	१४	२३	२२	सिंहे
१०	शु	५०	१६	पू	३४	४१	वै	४९	३५	व	२०	५८	३७	४१	१९	१५	२४	२३	कं.४९।२६
११	श	४६	४६	उ	३३	४२	वि	४४	१८	ब	१८	३१	३४	४१	१९	१६	२५	२४	कन्यायां
१२	र	४१	२९	ह	३०	३६	प्री	३७	२८	कौ	१४	७	३१	४२	१८	१७	२६	२५	तु.५८।८
१३	चं	३४	२४	चि	२५	४१	आ	२८	५६	ग	७	५७	२९	४२	१८	१८	२७	२६	तुलायां
१४	मं	२६	५	स्वा	१९	३८	सौ	१९	२६	वि	०	१५	२६	४३	१७	१९	२८	२७	वृ.५९।२१
३०	बु	१६	५२	वि	१२	३६	शो	३/२	४९/१३	ना	१६	५२	२४	४३	१७	२०	२९	२८	वृश्चिके

हिमंतर्तू रविर्दक्षिणोकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

विशाखा. रविः सौरः ६।५८
भ. ५३।१० उ.
भ.२६।२०या. स्वात्यांबुधः३१।३८च.व्र.
धनुषि शुक्रः२०/५६ वक्री रेव.३ शनिः२५।५

भ.४४।२३ उ. *हस्ते भौमः२।२८
भ.१६।२६या. ×उत्पत्ति११व्र.स्मा.वै.

पूर्वास्तो बुधः २३।२
भ.२०/५८ उ.५०/१६ या. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः३८/५७*
बृश्चिकेऽर्कः सौरः १/१५ उफा.४ गुरुः४२/३५×
विशाखा. बुधः३।२९ उत्पत्ति ११व्र. नि.
भ.३४/३४उ. दृश्योऽनुराधा.रविः५७/२१ प्रदोषः
भ. ०।१५ या. अनु. रविः सौरः १।९
पूफायां शुक्रः १९।३८

३१पं. मा.कृ.४श.इ.१२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	५	७	११	११	६
२३	६	७	५	२९	२६	१३	२३
३०	२९	४१	२२	५०	४०	५८	७
५८	३१	२०	५५	६	४८	३०	१६
६०	३७	८९	१२	७१	५३/२	३	६०
१७	३१	४०	१५	५०	ब	११	३०

गोचरग्रहाः

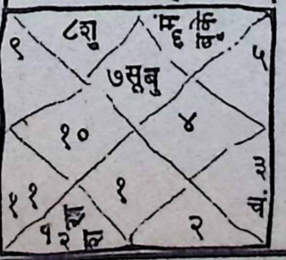

मार्ग.कृ.१० शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः:प्र.वा. ३न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव मह.) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

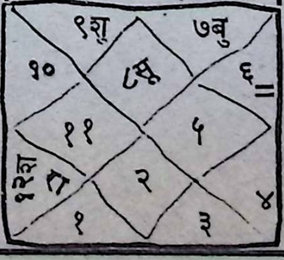

३२पं.मा.कृ.११श.इ.१२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	५	८	११	११	७
०	१०	१८	६	८	२६	१३	०
३३	४३	३८	३४	१८	१४	३६	११
४७	२६	२४	०	२५	३	१०	२९
६०	३७	९५	१०	७१	२८/३	३	६०
३०	१४	५६	३७	२६	ब	११	४०

*बुबृके (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) ×चंशरा +मंबुबृके =चंमंबृके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	७	१८	अ	५ ४/०	५५/११	सु	४७	२३	ब	७	१८	२६/२१	६/४४	५/१६	२१	३०	२९	ध.५७।४१
२	गु	५०	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	शु	४९	१४	मू	५०	१६	धृ	३६	५१	तै	२३	३७	१९	४४	१६	२२	१	३०	धनुषि
४	श	४१	३२	पू	४४	१७	शू	२६	५५	व	१५	२३	१६	४५	१५	२३	२	१	म.५८।९
५	र	३५	१५	उ	३९	४४	गं	१८	७	ब	८	२३	१३	४५	१५	२४	३	२	मकरे
६	चं	३०	३८	श्र	३६	४७	वृ	१०	३७	कौ	२	५६	११	४६	१४	२५	४	३	मकरे
७	मं	२७	५२	ध	३५	४२	ध्रु	२ ४/५	५५/१६	व	२७	५२	८	४६	१४	२६	५	४	कुं.६।१५
८	बु	२६	४५	श	३६	१३	ह	५६	२१	ब	२६	४५	६	४७	१३	२७	६	५	कुम्भे
९	गु	२७	२९	पू	३८	२४	व	५४	१५	कौ	२७	२९	३	४७	१३	२८	७	६	मी२२।५१
१०	शु	२९	३७	उ	४१	५६	सि	५३	२२	ग	२९	३७	१	४८	१२	२९	८	७	मीने
११	श	३३	५	रे	४७	२३	व्य	५३	४६	व	१	२१	२५/५९	४८	१२	३०	९	८	मे.४७।२३
१२	र	३७	३८	अ	५३	०	व	५४	३१	ब	५	२१	५७	४९	११	१	१०	९	मेषे
१३	चं	४३	३	भ	५९	३९	प	५५	४९	कौ	१०	२०	५५	४९	११	२	११	१०	मेषे
१४	मं	४९	५	कृ	६०	०	शि	५७	४०	ग	१६	५	५३	४९	११	३	१२	११	बृ.१६।२५
१५	बु	५५	२६	कृ	६	४२	सि	५९	५२	वि	२२	१४	५१	५०	१०	४	१३	१२	बृषे

हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३४४ स.१९६८

उभा. ३ राहुः हस्ते १ केतुः १८।५०

चंद्रदर्शनम् रा. मार्गशीर्षारंभः
भ.१५/२३उ.४१/३२या.बृश्चिकेबुधः२९ रमजान९

अनु.बुधः१०/४७चंपा६ पातस्प.१६/१४पातमो.२९/२५
भ. २७।५२ उ. ५७।१८ या.

भ.२५/१उ.३३/५या. मोक्षदा ११व्र. गीताजयंती
उषायां शुक्रः३०/१२ दिसम्बर मा.१२ ता.३१
इ.ज्येष्ठा. रविः७।३१(सौरः२६/३)प्रदोषः
भ. ४९।५ उ. +दत्त जयन्ती
भ.३३/१४या. ज्येष्ठा.बुधः२० मकरेशुक्रः१३/३+

३३पं. मा.शु.४श.इ.१२।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	८	११	११	७
७	१४	०	७	१६	२५	१३	७
३७	५४	६	४१	४४	५२	१३	१६
३७	५०	२१	२	९	८	५९	५३
६०	३७	९८	.९	७०	४ २/७	३	६०
४२	१	५	५०	५८	व	११	५३

गोचरग्रहाः

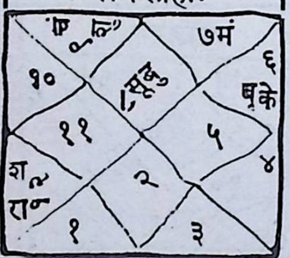

इस मास में ५ बुधवार हैं। रस पदार्थों में तेजी-कारक हैं। 'बुधे पंचरस क्षयः' अनाज में मन्दी होकर तेजी हो।

गोचरग्रहाः

३४पं. मा.शु.११श.इ.१२।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	५	८	११	११	७
१४	१९	१०	८	२५	२५	१२	१४
४२	५	५५	४६	८	३४	५१	२३
५४	८	५	१५	१३	१५	४३	३९
६०	३६	९९	९	७०	१ ३/१	३	६१
५०	३९	२	५	२७	व	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	६०	०	रो	१४	१४	सा	६०	०	बा	२८	३४	२५/४९	६/५०	५/१०	५	१४	१३	मि४७।५८
१	शु	१	४२	मृ	२१	४२	सा	२	१	कौ	१	४२	४८	५०	१०	६	१५	१४	मिथुने
२	श	८	८	आ	२९	८	शु	४	१०	ग	८	८	४६	५१	९	७	१६	१५	मिथुने
३	र	१४	१	पु	३५	५७	शु	६	१६	वि	१४	१	४५	५१	९	८	१७	१६	क.१९।१५
४	चं	१९	५	पु	४२	७	ब्र	७	३५	बा	१९	५	४४	५१	९	९	१८	१७	कर्के
५	मं	२३	३३	श्ले	४७	२९	ऐं	८	२७	तै	२३	३३	४२	५२	८	१०	१९	१८	सिं४७।२९
६	बु	२६	४२	म	५१	२९	वै	८	२९	व	२६	४२	४१	५२	८	११	२०	१९	सिंहे
७	गु	२८	२४	पू	५३	५४	वि	७	२३	ब	२८	२४	४०	५२	८	१२	२१	२०	सिंहे
८	शु	२८	३६	उ	५४	५८	प्री	५	७	कौ	२८	३६	३९	५२	८	१३	२२	२१	कं.९।१०
९	श	२७	३९	ह	५३	५३	आ	१ १/८	५४/४३	ग	२६	३९	३८	५२	८	१४	२३	२२	कन्यायां
१०	र	२३	४३	चि	५०	५९	शो	५०	२३	वि	२३	४३	३८	५२	८	१५	२४	२३	तु.२२।२६
११	चं	१७	२६	स्वा	४६	२५	अ	४१	१४	बा	१७	२६	३७	५३	७	१६	२५	२४	तुलायां
१२	मं	१०	२६	वि	४०	२५	सु	३२	१	तै	१०	२६	३७	५३	७	१७	२६	२५	बृ.२६।५५
१३	बु	२	२	अ	३२	१८	धृ	२१	४७	व	२	२	३७	५३	७	१८	२७	२६	बृश्चिके
१४	बु	५०	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	गु	४३	७	ज्ये	२५	४०	शू	१०/४३	४९/६	च	१७	५४	३६	५३	७	१९	२८	२७	ध.२५।४०

हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ४१।५ उ. चित्रा. भौमः १९।४६
भ. १४।१ या. च. व्र.
हस्ते १ गुरुः ५०।३२

भ. २६।४२ उ. ५८।३३ या.
मूले धनुषि बुधः ३३/५८ श्रवणे शुक्रः ४३/५३

भ. ५५।११ उ. ×)सौरः२९/५७)
भ. ३३/४३ या. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः १४/४३×
सफला ११ व्र.
प्रदोषः
भ.२।२ उ.३७/२२ या. तुला. भौमः४७।५६

३५पं. पौ.कृ.२श.इ.११।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	५	९	११	११	७
२१	२३	२१	५	३	२५	१२	२१
८	१५	५८	३८	२७	२०	२९	३१
५८	११	३७	२४	५०	५६	२८	२६
६०	३६	९९	८	६९	२ १/२	३	६१
५६	२४	५२	१८	४५	व	११	११

गोचरग्रहाः

पौषकृ.१४रवौ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैंठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

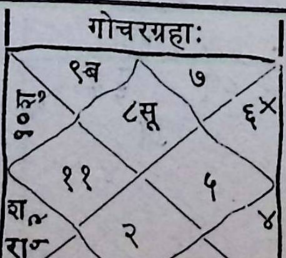

३६पं.पौ.कृ.९ श.इ.११।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	.५	९	११	११	७
२८	२७	२	१०	११	२५	१२	२८
५५	२१	५९	२६	४२	१२	७	४०
५२	४	१३	३९	४	३२	१२	९
६१	३५	९९	७	६९	४ ०/४	३	६१
०	५७	५२	४	०	व	११	१९

 *राचश ×चंमंबृके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	३३	१७	मू	१७	४१	वृ	४८	३९	किं	८	१२	५/३६	६/५३	५/७	२०	२९	२८	धनुषि
२	श	२४	१७	पू	१०	१७	ध्रु	३८	५३	कौ	२४	१७	३६	५३	७	२१	३०	२९	म.२३।४०
३	र	१६	२१	उ	३/४८	५४/४५	व्या	२८	५६	ग	१६	२१	३६	५३	७	२२	१	१	मकरे
४	चं	९	३	ध	५५	३३	ह	१९	४६	वि	९	३	३६	५३	७	२३	२	२	कु.२७।१
५	मं	५	३९	श	५४	१२	व	१४	२५	बा	५	३९	३७	५३	७	२४	३	३	कुम्भे
६	बु	३	१८	पू	५५	१०	सि	९	३१	तै	३	१८	३७	५३	७	२५	४	४	मी३९।५५
७	गु	२	५६	उ	५७	५८	व्य	६	२२	व	२	५६	३७	५३	७	२६	५	५	मीने
८	शु	४	३५	रे	६०	०	व	४	३६	ब	४	३५	३८	५२	८	२७	६	६	मीने
९	श	८	२	रे	२	२८	प	४	३२	कौ	८	२	३८	५२	८	२८	७	७	मे.२।२८
१०	र	१२	५०	अ	८	१६	शि	४	५९	ग	१२	५०	३९	५२	८	२९	८	८	मेषे
११	चं	१८	३३	भ	१५	११	सि	६	४५	वि	१८	३३	४०	५२	८	३०	९	९	बृ.३२।१
१२	मं	२५	१	कृ	२२	३२	सा	८	४८	बा	२५	१	४०	५२	८	३१	१०	१०	बृषे
१३	बु	३१	३५	रो	३०	१०	शु	१०	५९	तै	३१	३५	४१	५२	८	१	११	११	बृषे
१४	गु	३८	१४	मृ	३७	३८	शु	१३	१८	ग	४	५५	४२	५२	८	२	१२	१२	मि३।५४
१५	शु	४४	३४	आ	४४	४७	ब्र	१५	१६	वि	३१	२४	४३	५१	९	३	१३	१३	मिथुने

हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३७३स.१९६८

पूषायां बुधः ४२।२२
मार्गी शनिः २७।२ चंद्रदर्शनम्
भ.४२।४२ उ. रा.पौषारंभः सव्वाल१०
भ. ९।३ या. ●पश्चिमोदयी बुधः ४१/२७
धनिष्ठा. शुक्रः १२।१२

भ. २।५६ उ. ३३।४५ या.

दृश्यः पूषायां रविः१९।३९ (सौरः ३१/२५)
भ.४५/४१ उ. उषायांबुधः ३२/३२ कुम्भे शुक्रः ५/८●
भ.१/३ ८/३ या. स्वात्यां भौमः १५/९ पुत्रदा११व्र.
मकरे बुधः ५।३०
प्रदोषः **जनवरी मा.१ ता.३१ सन्१९६९**
भ. ३८।१४ उ.
भ. ११।२४ या. माघ स्ना. प्रा.

३७पं. पा.शु.२श.इ.११।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	५	९	११	११	८
६	१	१४	११	१९	२५	११	५
३	२५	७	८	५४	१०	४४	४९
२९	१	४८	३१	५०	१२	५६	३४
६१	३५	९८	६	६८	०/२	३	६१
४	३२	३१	१	७	व	११	२२

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है । धातु सोना चांदी लोहा पीतल मंदा होगा सुदी में तेजी होगी ।

गोचरग्रहाः

३८पं. पौ.शु.९ श.इ.११।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	५	९	११	११	८
१२	५	२५	११	२८	२५	११	१३
११	२६	१६	४२	०	१३	२२	५९
३१	३५	४४	१८	३२	१२	४१	२६
६१	३५	९७	४	६७	५०/२	३	६१
६	४	३५	५२	७	मा	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	४९	३४	पु	५१	२५	वै	१६	४८	बा	१७	४	२५/४४	६/५१	५/९	४	१४	१४	क.३४।४५
२	र	५४	११	पु	५७	८	वै	१८	१७	तै	२१	५२	४६	५१	९	५	१५	१५	कर्के
३	चं	५७	५९	श्ले	६०	०	वि	१८	४२	व	२६	५	४७	५१	९	६	१६	१६	कर्के
४	मं	६०	०	श्ले	२	१४	प्री	१८	२९	ब	२९	२२	४९	५०	१०	७	१७	१७	सिं२।१४
४	बु	०	४८	म	६	२३	आ	१७	३२	बा	०	४४	५१	५०	१०	८	१८	१८	सिंहे
५	गु	२	२७	पू	९	१५	सौ	१५	४४	तै	२	२७	५२	५०	१०	९	१९	१९	कं.२४।४१
६	शु	२	५१	उ	१०	५९	शो	१२	५३	व	२	५१	५४	४९	११	१०	२०	२०	कन्यायां
७	श	२	४	ह	११	२९	अ	८	५४	ब	२	४	५६	४९	११	११	२१	२१	तु.४०।५३
८	श	५७	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	र	५६	०	चि	१०	१८	सु	३/४४	५३/४४	तै	२७	५२	५८	४८	१२	१२	२२	२२	तुलायां
१०	चं	५०	५०	स्वा	७	५१	शू	५०	२	व	२३	२५	२६/५	४८	१२	१३	२३	२३	बृ.४९।५५
११	मं	४४	१५	वि	३/५६	५४/५०	गं	४१	२८	ब	१७	३२	३	४७	१३	१४	२४	२४	वृश्चिके
१२	बु	३६	३३	ज्ये	५२	३६	वृ	३२	६	कौ	१०	२४	५	४७	१३	१५	२५	२५	ध.५२।३६
१३	गु	२८	९	मू	४५	४१	ध्रु	२१	२१	ग	२	२१	८	४६	१४	१६	२६	२६	धनुषि
१४	शु	१९	४	पू	३८	३०	व्या	११	२१	श	१९	४	१०	४६	१४	१७	२७	२७	म.५१।४६
३०	श	१०	१०	उ	३१	३५	ह	१/५२	४८/५४	ना	१०	१०	१२	४६	१४	१८	२८	२८	मकरे

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

शते शुक्रः ५०।५३ ●(सौरः ३५/५२)

भ.२६।५ उ.५८।० या. श्रवणे बुधः ३७/३०
चतुर्थी व्रतम्

भ.५ २/१ उ. ३२/२७ या. दृश्यः उषायां रविः ३४/३३●

×सौरः ४८/१७ पातस्पर्शः ३२/५० पातमोक्षः ४६/२०
भ. २३/२५ उ. ५०/५० या. दृश्यो मकरेऽर्कः ४०/४७×
षट्तिला ११ व्र. स्मा. वै.
षट्तिला ११ व्र. नि.
भ. २८/९ उ. ५३/३६ या. पूभायांशुक्रः ५४/३४ प्रदोषः

३९पं.मा.कृ.१श.इ.११।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	५	१०	११	११	८
२०	९	६	१२	५	२५	११	२०
१९	२४	१५	७	५६	२१	०	९
२६	२२	२१	५२	३१	२८	२५	२३
६१	३४	९.२	३	६५	१	३	६१
६.	२९	१०	३८	४९	३२	११	२६

४०पं. मा.कृ.७श.इ.११।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	५	१०	११	११	८
२७	१३	१६	१२	१३	२५	१०	२७
२७	२१	११	२५	४४	३४	३८	१९
४०	४	१३	५	२४	३३	१०	१५
६१	३३	७५	२	६४	२	३	६१
२	५३	७	१०	२०	१३	११	२४

४१पं.मा.कृ.३०श.इ.११।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	१०	११	११	९
४	१७	२२	१२	२१	२५	१०	४
३५	११	११	३२	१९	५३	१५	२८
१३	२०	६	६	५२	४९	५४	४
६१	३३	२८	०	६२	२	३	६१
२	११	२७	४६	३३	५५	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ	शुक्लपक्षः	सं. २०२५	शाकः	१८९०								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	१	३५	श्र	२५	३५	सि	४१	५३	ब	१	३५	२६ १५	४६	५ १४	१९	२९	२९	कु.५३।१५
२	र	५२	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	४८	२६	ध	२०	५६	व्य	३३	५२	तै	२१	२१	१७	४५	१५	२०	३०	१	कुम्भे
४	मं	४४	५२	श	१७	३७	व	२७	१०	व	१६	३९	२०	४४	१६	२१	१	२	कुंभे
५	बु	४३	१२	पू	१६	३९	प	२२	२०	ब	१४	२	२२	४४	१६	२२	२	३	मी १।५४
६	गु	४४	२४	उ	१७	५५	शि	१९	२९	कौ	१३	४८	२५	४३	१७	२३	३	४	मीने
७	शु	४६	१८	रे	२०	५६	सि	१७	५३	ग	१५	२१	२७	४३	१७	२४	४	५	मे.२०।५६
८	श	५०	२४	अ	२५	५५	सा	१७	४५	वि	१८	२१	३०	४२	१८	२५	५	६	मेषे
९	र	५६	२	भ	३२	१४	शु	१८	५१	बा	२३	१३	३३	४१	१९	२६	६	७	बृ.४९।५
१०	चं	६०	०	कृ	३९	३०	शु	२०	५३	तै	२९	१३	३६	४१	१९	२७	७	८	बृषे
१०	मं	२	२३	रो	४७	१	ब्र	२२	५०	ग	२	२३	३९	४०	२०	२८	८	९	बृषे
११	बु	९	३	मृ	५४	४४	ऐं	२५	२२	वि	९	३	४२	४०	२०	२९	९	१०	मि२०।५२
१२	गु	१५	१९	आ	६०	०	वै	२७	३५	बा	१५	१९	४६	३९	२१	३०	१०	११	मिथुने
१३	शु	२१	२०	आ	१	५०	वि	२९	११	तै	२१	२०	४९	३८	२२	३१	११	१२	क.५१।४६
१४	श	२६	३१	पु	८	२४	प्री	३०	१०	व	२६	३१	५२	३८	२२	१	१२	१३	कर्के
१५	र	३०	२२	पु	१३	४८	आ	३०	१९	ब	३०	२२	५५	३७	२३	२	१३	१४	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४०३स.१९६९

चन्द्रदर्शनम्

दृ.अभि.प्र.रविः ३ ३ / २ २ (सौरः ३ ९ / ३ ९) वक्रीबुधः✱
भ.१६।३९ उ.४४।५२या. रा.माघारंभः
वक्रीगुरुः २ ५ / २ ७ वसंत५ पश्चिमास्तंबुधः ५ ९ / ४ ५
दृश्यः श्रवणे रविः २ ९ / ५ ५ (सौरः ३ ५ / ३ ६) वि.×
भ. ४ ६ / ५ ८ उ. दृ.अभि.नि. रविः ३ २ / २ ४ सौरः २ ७ / ५ २ =
भ. १ ८ / २ १ या. भीष्माष्टमी पातस्पर्शः ४९।४३
मीने शुक्रः ३ १ / २ २ पातमोक्षः ३ / ३ ६ =भानु७
×भौमः २ ५ / ३ १ उभा.२राहुः उफा.४केतुः १ १ / १ ४
भ.३५।४३ उ. ✱२४।४ जिल्काद ११
भ. ३ / ३ या. उभायां शुक्रः ४ ३ / १ जया ११ व्र.
प्रदोषः
रेवती ४ शनिः १२।३२
भ. ३ ६ / २ १ उ. ५ ८ / २ ६ या. फरवरी मा.२ ता.२८
वक्री उषायां बुधः ५७।४९

४२पं. मा.शु.८श.इ.११।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	१०	११	११	९
११	२०	२०	१२	२८	२६	९	११
४२	५६	१३	३०	३९	१६	५३	३७
५८	४९	५०	२५	२९	२३	३८	३५
६०	३२	६१ ५०	३०	६०	३	३	६१
५९	१५	ब	ब	१७	२६	११	१३

गोचरग्रहाः

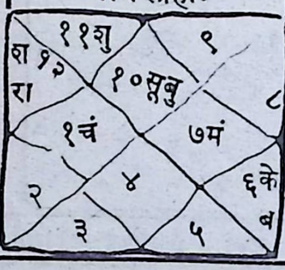

माघ कृ.१० चन्द्रे
मकरेऽर्कः प्र.वा.२
न. ३ वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ४५
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.शु.१४श.इ.११।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	११	११	११	९
१८	२४	१२	१२	५	२६	९	१८
४९	३७	२१	१९	४१	४४	३१	४५
२६	१२	११	५	३८	१२	२३	३६
६०	३१	७१ ३५	१ ४७	५७	४	३	६१
५५	२१	ब	ब	१७	१७	११	४

ति.	फाल्गुन	कृष्णपक्षः	सं. २०२५	शाकः	१८९०								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	३३	२७	श्ले	१८	४४	सौ	२९	३८	बा	१	५५	२६ ५९	३६	५ २४	३	१४	१५	सि १८।४४
२	मं	३५	१५	म	२५	३५	शो	२८	११	तै	४	२१	२७ २	३६	२४	४	१५	१६	सिंहे
३	बु	३५	५३	पू	३	५३	अ	२५	४७	व	५	३४	६	३५	२५	५	१६	१७	कं.३९।१
४	गु	३५	३७	उ	२५	१०	सु	२२	४०	ब	५	४५	९	३४	२६	६	१७	१८	कन्यायां
५	शु	३४	२०	ह	२५	३४	धृ	१८	३५	कौ	४	५८	१३	३३	२७	७	१८	१९	तु.५५।१
६	श	३२	८	चि	२५	२	शू	१४	५	ग	३	१४	१६	३३	२७	८	१९	२०	तुलायां
७	र	२९	२	स्वा	२३	२८	गं	८	३८	वि	०	३५	२०	३२	२८	९	२०	२१	तुलायां
८	चं	२५	८	वि	२१	११	वृ	२ ३ / ७	५२ / ५९	कौ	२५	८	२४	३१	२९	१०	२१	२२	वृ. ६।४
९	मं	२०	२७	अ	१७	५०	व्या	४७	५४	ग	२०	२७	२७	३१	२९	११	२२	२३	बृश्चिके
१०	बु	१४	२०	ज्ये	१३	४७	ह	३९	४१	वि	१४	२०	३१	३०	३०	१२	२३	२४	ध.१३।४
११	गु	७	४४	मू	८	५४	व	३०	५०	बा	७	४४	३५	२९	३१	१३	२४	२५	धनुषि
१२	शु	०	४१	पू	१ ३ / ६	५४ / ५६	सि	२१	३८	तै	०	४१	३८	२८	३२	१४	२५	२६	म.१६।५
१३	शु	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	श	४५	२८	श्र	५२	२०	व्य	१२	३४	वि	१९	१२	४२	२८	३२	१५	२६	२७	मकरे
३०	र	३८	३५	ध	४७	३२	व	४५ ३	५४ / ३३	च	१२	२	४६	२७	३३	१६	२७	२८	कुं.११।५६

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पूर्वोदयी बुधः ०।११ ✱(सौरः ४ १ / २ ६)
भ. ५ / ३४ उ. ३ ५ / ५ ३ या. दृश्यो धनिष्ठा.रविः ३ ८ / १ ६ ✱
च. व्र.

भ. ३ २ / ८ उ. पातस्पर्शः ३ ३ / ४ ४ पातमोक्षः ४ ४ / २ ५
भ. ०।३५ या. ×(सौरः १ ५ / २ ४)

भ ४ ७ / २ ३ उ. मार्गीबुधः ३ ७ / ५ ९ बृश्चिकेभौमः ४ २ / १ ७
भ.१४।२० या. दृश्यः कुम्भेऽर्कः१३।३१×
रेवत्यां शुक्रः ६।५० विजया ११ व्र.
भ. ५२।५६ उ. प्रदोषः

भ. १९।१२ या. महाशिवरात्री व्रतम्

४४पं.फा.कृ.६श.इ.११।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	५	११	११	११	९
२५	२८	७	११	१२	२७	९	२५
५५	१२	५	५८	१७	१६	९	५२
१६	१८	२०	३७	२०	३४	७	२३
६०	३०	२२ ४५	३ २६	५३	४	३	६०
४७	१७	ब	ब	३३	४७	११	५५

गोचरग्रहाः

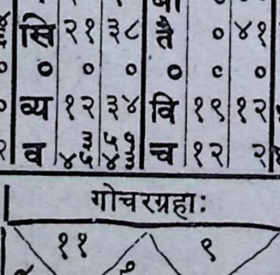

फा. कृ. १० बुधे
कुंभेऽर्कः प्र. वा.३
न. ३ वृद्धावस्था
(बैठी) मु. १५
(धान्यभाव मह.)
शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

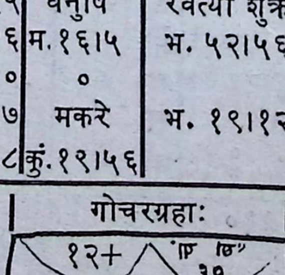

४५पं.फा.कृ.१४श.इ.११।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	५	११	११	११	१०
३	१	८	११	१८	२७	८	२
०	४०	७	३०	२	५२	४६	५८
४	२६	२६	१८	१४	५५	५२	२६
६०	२८	३३ २	४ ३३	४८	७	३	६०
३७	४६	मा	ब	३७	१४	११	४२

×शुशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ✱शुशरा +शुशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	चं	३२	४०	श	४३	५३	शि	४९	२३	किं	५	३८	२७ ५०	२६	५ ३४	१७	२८	२९	कुंभे
२	मं	२८	२५	पू	४१	३७	सि	४४	३४	बा	०	३३	५४	२५	३५	१८	२९	३०	मी२७।११
३	बु	२५	२१	उ	४१	२७	सा	३९	१८	ग	२५	२१	५८	२४	३६	१९	३०	१	मीने
४	गु	२५	१०	रे	४३	११	शु	३५	२७	वि	२५	१०	२ ६ २	२४	३६	२०	१	२	मे.४३।११
५	शु	२६	४५	अ	४६	५२	शु	३४	४२	बा	२६	४५	६	२३	३७	२१	२	३	मेषे
६	श	३०	५	भ	५१	२	ब्र	३४	४४	तै	३०	५	१०	२२	३८	२२	३	४	मेषे
७	र	३४	५६	कृ	५८	४२	ऐं	३६	२	ग	२	३०	१४	२१	३९	२३	४	५	वृ.७।५७
८	चं	४०	५५	रो	६०	०	वै	३७	५२	वि	७	५६	१८	२०	४०	२४	५	६	वृषे
९	मं	४७	३६	रो	५	५६	वि	४०	१८	बा	१४	१५	२२	२०	४०	२५	६	७	मि३९।५१
१०	बु	५३	४६	मृ	१३	४६	प्री	४२	२८	तै	२०	४१	२६	१९	४१	२६	७	८	मिथुने
११	गु	५९	४६	आ	२१	४	आ	४४	१७	व	२६	४६	३०	१८	४२	२७	८	९	मिथुने
१२	शु	६०	०	पु	२७	४५	सौ	४५	२९	ब	३२	१३	३४	१७	४३	२८	९	१०	क.११।५
१२	श	४	४०	पु	३३	४	शो	४५	३२	बा	४	४०	३८	१६	४४	१	१०	११	कर्के
१३	र	८	११	श्ले	३७	१९	अ	४४	४१	तै	८	११	४२	१६	४४	२	११	१२	सिं३७।१९
१४	चं	१०	३१	म	३९	५७	सु	४२	३६	व	१०	३१	४६	१५	४५	३	१२	१३	सिंहे
१५	मं	११	१४	पू	४१	२४	धृ	३९	२९	ब	११	१४	५०	१४	४६	४	१३	१४	कं.५६।२८

वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४३२ स.१९६९

दृश्यः शते रविः ४९ ५२ (सौरः ५० ४६) अनु.*
भ.५५।१५उ. श्रवणे बुधः ५८ ४६ जिल्हे ग१२
भ. २५।१० या. रा. फाल्गुनारंभः

भ.३४।५६ उ. +मेषेशुक्रः २ ४ ३ छारेंडी
भ.७।५६या. होलाष्टकः
*भौमः ३९ २६ फुलरिया २ चंद्रद.

भ.३६ ४६ उ.५९ ४६ या. आमलकी ११व्र. स्मा.वै.
आमलकी ११व्र.निम्बा. =दहनंभद्रोत्तरम्
प्रदोषः **मार्च मा. ३ ता. ३१**
वक्री उफा. ४ गुरुः ४६।२२
भ.१ ३ ० १ उ.४ ५ ० २ या.धनिष्ठा.बुधः १ ३ ३ ० होलिका=
दृश्यःपूभायांरविः ५ ५ ७ (सौरःदृ. ३ ५ ३)अश्वि.+

४६पं. फा.शु.६श.इ.१२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	५	११	११	११	१०
१०	५	१३	१०	२३	२८	८	१०
३	०	२२	५३	४४	३२	२४	२
३२	१८	४४	५६	४६	१३	३६	५९
६०	२७	४३	४ ५ ६	४२	५	३	६०
२५	११	५०	ब	८	४२	११	३१

गोचरग्रहाः

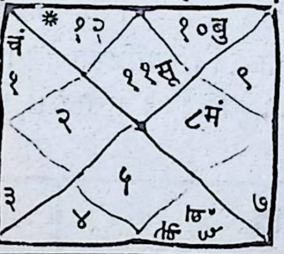

इस मासका फल सामान्य है, सुदी में प्रजा में रक्त विकार पीड़ा रस पदार्थ में तेजी हो

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.शु.१२श.इ.१२।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	५	११	११	११	१०
१७	८	२०	१०	२८	२९	८	१७
५	१०	५९	१२	१४	१५	२	५
४६	५	१३	७	४२	३०	२०	४८
६०	२५	६९	४ ६ ०	३६	६	३	६०
१२	२४	४२	ब	४३	९	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२५ शाकः १८९०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	बु	१०	३४	उ	४१	२२	शू	३५	४१	कौ	१०	३४	२८ ५४	१ ६ ३	५ ४७	५	१४	१५	कन्यायां
२	गु	८	५७	ह	४०	५८	गं	३०	४६	ग	८	५७	५८	१२	४८	६	१५	१६	कन्यायां
३	शु	६	१४	चि	३९	२७	वृ	२५	२३	वि	६	१४	२ ९ २	१२	४८	७	१६	१७	तु.१०।१३
४	श	२	४६	स्वा	३७	२४	ध्रु	१९	२७	बा	२	४६	६	११	४९	८	१७	१८	तुलायां
५	श	५६	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	र	५४	३७	वि	३४	५८	व्या	१३	१४	ग	२६	४५	१०	१०	५०	९	१८	१९	वृ.२०।३५
७	चं	४९	४८	अ	३१	५९	ह	३ ६ ७	५ ३ ८	वि	२२	१२	१४	९	५१	१०	१९	२०	वृश्चिके
८	मं	४५	२	ज्ये	२९	४	सि	५२	३६	बा	१७	५५	१९	८	५२	११	२०	२१	ध.२९।४
९	बु	३९	४८	मू	२५	२४	व्य	४५	१३	तै	१२	२५	२३	७	५३	१२	२१	२२	धनुषि
१०	गु	३४	११	पू	२१	३५	व	३७	३८	व	७	०	२७	७	५३	१३	२२	२३	म.३५।४०
११	शु	२८	३२	उ	१७	५७	प	३०	१०	ब	१	२१	३२	६	५४	१४	२३	२४	मकरे
१२	श	२२	५०	श्र	१४	७	शि	२२	४५	तै	२२	५०	३६	५	५५	१५	२४	२५	कुं.४२।२२
१३	र	१७	३२	ध	१०	३७	सि	१५	४१	व	१७	३२	४०	४	५६	१६	२५	२६	कुम्भे
१४	चं	१२	४१	श	७	५०	सा	९	९	श	१२	४१	४४	३	५७	१७	२६	२७	मी५१।१८
३०	मं	९	२	पू	५	४७	शु	२ ३ ५	५ ५ ४ ९	ना	९	२	४९	२	५८	१८	२७	२८	मीने

वसंततूंरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वसन्त १
भ.३ ७ ३ ६ उ. पातस्पर्शः १ ६ ३ २ पातमोक्षः२६।२
भ. ६।१४ या. च. व्र.
कुम्भे बुधः २ ६ ८ अश्वि.१ मेषे शनिः७।४०

भ. ५४।३७ उ.
भ. २२।१२ या. शीतलापूजनम्

शते बुधः ४७।२ +पापमोचनी११व्र.
भ. ७।० उ. ३४।११ या.
दृश्यो मीनेऽर्कः ६।५४ (सौरः ५।५३)+
प्रदोषः
भ. १७।३२ उ. ४५।६ या.
दृश्यःउभा. रविः२७।५८(सौरः२६।२९)
मन्वादिः

४८पं. चै.कृ.४श.इ.१२।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	५	०	०	११	१०
२४	११	०	९	१	०	७	२४
६	९	८	२२	३३	०	४०	७
२९	२२	३८	२६	२९	३२	५	११
५९	२३	८४	२ ५ ७	२२	६	३	६०
५८	१३	०	ब	३४	२६	११	०

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. ११ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.३कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

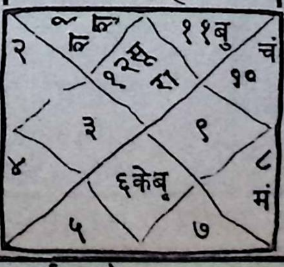

४९पं.चै.कृ.१२श.इ.१२।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	५	०	०	११	११
१	१३	१०	८	३	०	७	१
५	५५	३०	३०	१९	४७	१७	६
४२	३०	४०	१८	१	१२	४९	५३
५९	२०	९४	७	८	६	३	५९
४१	४४	५०	४७	२७	३९	११	४९

*शशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×शुशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७० तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७० भोग्यकलिः ४२६९३० अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२६ शाकः १८९१ वर्षेऽस्मिन् राजा बुधः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशोचन्द्रः । मेघेशः शनिः । रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः । फलेशोशनिः । धनेशोभौमः । दुर्गेशःशनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १६ दुंदुभिनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः ५।२२।७।४० भोग्यमासादिः ६।७।५२।२० । भगदैवतंयुगम् । वर्ष नाम फाल्गुनः । मेघ नाम संवर्तः । रोहिणी निवासः तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा १२ । समय वाहनं सिंचाणुः । स्तम्भ १ अन्नस्य । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी ३ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः ११ । उत्पत्तिविश्वा १०५। खपतिविश्वा ९६। वर्षाविश्वा ११। धान्यम् ७ । तृणम् १५। शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ ।ऐक्यं १०३ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिः पूर्वस्यां । अस्मिन्वर्षे भारते ग्रहणाऽभावः ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् १।१३

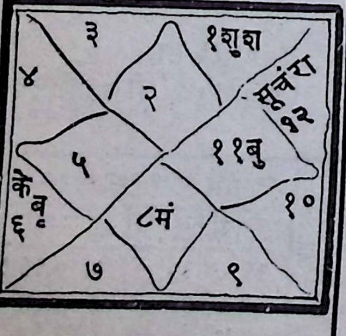

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

माता के दरबार में पूछे भैरव लाल ।
शुभ संवत् छब्बीस का सच्चा कहदो हाल ।।

भवानी उत्तर

छहों दिशा छब्बीस में महंगा घोड़ा बैल ।
रोग उपद्रव युद्ध भय घर २ पड-सी गैल ।।
राजा बुधजी बापड़ा चलै न इनका जोर ।
मंत्री पद रवि को मिला करे औंर की और ।।
मेघपति अरु फलपति गढपति शनि महाराज ।
शुभफल को कमती करे इनका यही है काज ।।
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट निर्धार ।
स्तंभ एक अन्न का बना होवे बेड़ा पार ।।
दुंदुभि संवत्सर हुवा होय आनंद अपार ।
मंदी का भी जोर हो याद करो करतार ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ५।२०

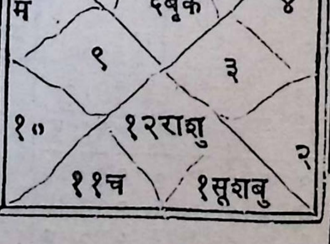

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२४।४३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्–बुधस्यराज्ये सजलं महीतलं, गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वंते दान दयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री रविः फलम्—नृप भयं गदतोपिहितस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रस चयं हि समर्घतमं सदा रवि रमात्य पदं हि समागतः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्–जल धरा जलराशि मुचो भृशं सुख समृद्धि युतं निरुपद्रवम् । द्विज गणाः श्रुति पाठ कराः सदा प्रथमसस्य पतौ सति बोधने ।। धान्येशश्चंद्रः फलम्–चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजा बृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषु क्षीर तदा बहु ।। मेघेशः शनिः फलम्–रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग रताः जनता मता ।। रसेशो गुरुः फलम्–यदि गुरू रसपो जन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदाः द्विज पूजन तत्परा गज सुवाजि रथोष्ट्र युता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्–नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससाम् । रक्त चन्दन तम्राणामर्घ बृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शनिः फलम्—यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिम भयं वर तस्कर जन्तुभीर्जनपदो गद राशि महाकुलाः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्–असम मौल्यकरो धरणी सुतः शरदि तापं करस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोकविधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम्–रविसुते गढ़ पालिनी विग्रहैः सकल देश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। दुंदुभिनाम संवत्सरः फलम्–सर्व सस्ययुता धात्री पालिता धरणी धरैः । पूर्व देशादिनाशः स्यात् तत्र दुंदुभि वत्सरे ।। वर्षनाम फाल्गुनस्ततफलम्–सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरम् फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम्–संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः तटे फलम्—तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम्—रजके वृष्टि रुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०२६ शाके १८९१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ३ शनौ रोहि. ल. १० रे. १० ।।।।।।।।।

,, ५ चंद्रे मृगे ल. ऽन्यगो ९ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।। धनु लग्ने चंद्र ७ मध्यमः

,, ९ शनौ मघा ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १४ गुरौ स्वा. ल. १० रे. ७ ।।।।ऽऽरो।ऽ।। शुक्र३पूज्य

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ चंद्रे मूले ल. गो. १० रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

शुक्ला १ शनौ रोहि. ल. अन्यगो. १ रे. ९ ।।ऽबु।।।।।। अन्यगो. भौ. १ दोषः

,, २ रवौ मृगे ल. अन्यगो. ९ रे. ७ ।।।ऽऽनूऽ।। अन्यगो. भौम १ दोषः

,, ७ शुक्रे मघा. ल.९ (घ.३९।५४उ.) रे.८ ।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ८ शनौ मघा. ल. अन्यगो.९ रे.९ ।।।।।।ऽ।। अन्यगो. भौम १ दोषः

,, १४ शुक्रे अनु.ल.९-१० (घ.७।४४उ.) रे.७ ऽ।।।ऽचो।ऽ।।

प्र. आषाढ़ मासः

कृष्णा १ रवौ मूले ल. गो.१० रे.७ ऽऽ।।ऽरो।।। गोधू. भौम १ दोषः

प्र. आ. कृ. ९ रवौ उभा. ल.९-१० रे. ६ ।।।।ऽऽचोऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १२ गुरौ रेव. ल. गो. ६ रे. ९ ।।।।ऽनु।।।। लग्नेचंद्र ७ मध्यमः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ चंद्रे रोहि. ल. ६ रे. ७ ।।।ऽऽरो।ऽ।।

,, २ भौमे मृगे ल. ६ (घ.४१।२८ या.) रे. ९ ।।।।।ऽ।।

,, ६ रवौ मघा. ल. ६ रे. ७ ।।।ऽऽचो।ऽऽ।। शु. ३ पू.

, १२ शनौ स्वा. ल. ६ रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।ऽ।। शु. ३ पूज्यः कृष्णानंगचतुर्दिनम्

शुक्ला २ गुरौ उषा. ल. ६ रे. ९ ।।।।ऽरो।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शनौ अनु. ल. अन्यगो. ९-१० रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ९ चन्द्रे मूले ल. अन्यगो. १० रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। मकर लग्न घ. ५५।३४ या.

शुक्ला २ चन्द्रे रेव. ल. ९-१० रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

,, ६ शुक्रे रोहि. ल. अन्यगो. ९-१० रे. ७ ।।।।ऽऽऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४६२ स.१९६९
१	बु	६	३५	उ	५	२२	ब्र	५५	४८	ब	६	३५	२/५३	६/१	५/५९	१९	२८	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	गु	५	४४	रे	७	२४	ऐं	५४	१२	कौ	५	४४	५७	१	५९	२०	२९	१	मे.७।२४	सिंधारा मत्स्यज. मोहोरम१स.१३८९हि.
३	शु	६	४८	अ	९	२३	वै	५३	१७	ग	६	४८	३/०१	६/००	६/०	२१	३०	२	मेषे	भ. ३/५६ उ. पूभायां बुधः ७/४९ गणगौरी
४	श	९	४२	भ	१३	४२	वि	५४	७	वि	९	४२	६	५/५९	१	२२	१	३	वृ.३०।१३	भ४२/१या. ज्ये.भौमः५/२०८ राष्ट्रीयचैत्रारंभ
५	र	१३	५३	कृ	१९	४६	प्री	५५	३५	बा	१३	५३	१०	५८	२	२३	२	४	वृषे	+गुरुः ३/४३ कामदा ११ व्रतम्
६	चं	१९	६	रो	२६	२९	आ	५७	३८	तै	१९	६	१४	५७	३	२४	३	५	वृषे	×शनिः६।८ अप्रेल मा. ४ ता. ३०
७	मं	२५	३९	मृ	३४	१	सौ	६०	०	व	२५	३३	१८	५६	४	२५	४	६	मि०।१५	भ. २५।३९ उ. ५८।४४ या.
८	बु	३१	४९	आ	४१	३३	सौ	०	४	ब	३१	४९	२३	५५	५	२६	५	७	मिथुने	मीनेबुधः ५/३५ पूर्वास्तंबुधः ३६।३८
९	गु	३७	५०	पु	४८	३२	शो	२	१०	बा	४	४९	२७	५५	५	२७	६	८	क.३१।४७	उभा.१राहुः उफा.३केतुः२ ७/३ रामनवमी
१०	शु	४२	५४	पु	५४	३७	अ	३	५३	तै	१०	२२	३१	५४	६	२८	७	९	कर्के	उभायां बुधः ४०।४१
११	श	४६	४०	श्ले	५९	१२	सु	४	३२	व	१४	४७	३५	५३	७	२९	८	१०	सि५९।१२	भ.१४।४७उ.४६।४०या. वक्रीउफायां३+
१२	र	४८	४५	म	६०	०	धृ	३	५१	ब	१७	४२	३९	५२	८	३०	९	११	सिंहे	दृश्यो रेवत्यांरविः ५५/४१ (सौरः५।३।५७)
१३	चं	४९	५	म	२	६	शू	२/५	५६/४३	कौ	१८	५५	४४	५१	९	३१	१०	१२	सिंहे	प्रदोषः व्रतम्
१४	मं	४७	३६	पू	३	१६	वृ	५४	१६	ग	१८	२०	४८	५०	१०	१	११	१३	कं.१८।९	भ.४/३ ७/६उ. वक्री रेव. मीने शुक्रः २/२० अस्त×
१५	बु	४४	४४	उ	२	४९	ध्रु	४८	३७	वि	१६	१०	५२	५०	१०	२	१२	१४	कन्यायां	भ.१६।१०या. हनुमज्जयंती

५०पं. चै.शु.४श.इ.१३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	५	०	०	११	११
८	१६	२१	७	३	१	६	८
३	२६	५४	३६	२०	३७	५५	४
१८	३८	४७	४०	३१	३७	३४	४८
५९	१७	२०/०	०७/५२	८/१०	६	३	५९
१९	४९	९	ब	ब	५९	११	३५

गोचरग्रहाः

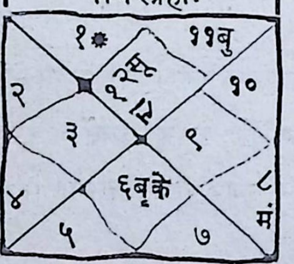

इस मास में रस पदार्थ घृततिलतेल गुड़खांड आदि तेज होंगे । रुई,चांदी सोना, सण, सूत मंदा हो ।

गोचरग्रहाः

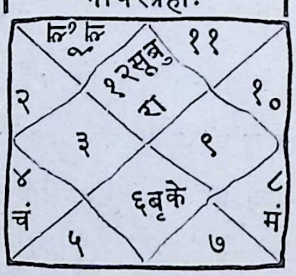

५१पं. चै.शु.११श.इ.१३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	५	८	०	११	११
१४	८	४	६	१	२	६	१५
५९	३९	२२	४२	८	२९	३३	०
१३	४७	४१	३०	१३	१०	१८	५३
५९	१४	२०/०	७/४८	२४/१६	७	३	५९
१६	१७	५	ब	ब	६	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४०	२४	ह	५८/०	५७/१६	व्या	४२	८	बा	१२	३४	३०/५६	५/४९	६/५१	३	१३	१५	तु.२९।७	
२	शु	३५	२३	स्वा	५४	३५	ह	३४	५९	तै	७	५४	३/१०	४८	१२	४	१४	१६	तुलायां	रेवत्यां बुधः ३७।३१
३	श	२९	२९	वि	५०	३४	व	२७	२९	व	२	२६	४	४७	१३	५	१५	१७	वृ.३६।३४	भ.२/२६उ.२/२९या.शुक्रा.पश्चि.३/१७अश्वि.२✱
४	र	२३	४१	अ	४६	३७	सि	१९	५४	बा	२३	४१	८	४६	१४	६	१६	१८	वृश्चिके	✱शनिः ४।१९ चतुर्थी व्र. शु.अ.प.
५	चं	१७	४९	ज्ये	४२	४२	व्य	१२	२४	तै	१७	४९	१२	४६	१४	७	१७	१९	ध.४२।४२	
६	मं	१२	७	मू	३९	६	व	५९/४	५२/४४	व	१२	७	१६	४५	१५	८	१८	२०	धनुषि	भ. १२।७ उ. ३९।२७ या.
७	बु	६	४७	पू	३५	४२	शि	५०	५१	ब	६	४७	२०	४४	१६	९	१९	२१	म.४९।५८	
८	गु	१	३८	उ	३२	४४	सि	४४	४	कौ	१	३८	२४	४३	१७	१०	२०	२२	मकरे	
९	गु	५५	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	शु	५२	३१	श्र	२९	५७	सा	३७	५१	ब	२४	४७	२८	४२	१८	११	२१	२३	कु.५९।१	+शुक्रोदयः पूर्वस्यां ०।२४ शु.उ.पू.
११	श	४८	४३	ध	२८	५	शु	३२	८	ब	२०	३७	३२	४२	१८	१२	२२	२४	कुम्भे	भ. २/४७उ. ५/३२या. अश्वि.मेषेबुधः १।४७+
१२	र	४५	३६	श	२६	३४	शु	२६	५८	कौ	१७	९	३६	४१	१९	१३	२३	२५	कुम्भे	वरूथिनी ११ व्र. स्मा. वै.
१३	चं	४३	१४	पू	२५	४६	ब्र	२१	११	ग	१४	२५	४०	४०	२०	१४	२४	२६	मी१०।५८	दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः २/४६ (सौरः२८।३१)×
१४	मं	४१	५३	उ	२६	८	ऐं	१८	२४	वि	१२	३४	४३	३९	२१	१५	२५	२७	मीने	भ. ४३।१४ उ. प्रदोषः
३०	बु	४१	५३	रे	२७	३९	वै	१५	४१	च	११	५३	४७	३९	२१	१६	२६	२८	मे.२७।३९	भ. १२।३४ या. ×वरूथिनी११ व्र.नि.
																				देवपितृ कार्येऽमा.

५२पं. वै.कृ.३ श.इ.१४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	५	११	०	११	११
२१	२०	१७	५	२७	३	६	२१
५३	३७	५१	५०	२४	२१	११	५५
२१	५५	५३	३०	५८	१०	२०	४
५९	१०	८/२८	७/२०	३४/३७	७	३	५९
४	१३	३२	ब	ब	१४	११	४

गोचरग्रहाः

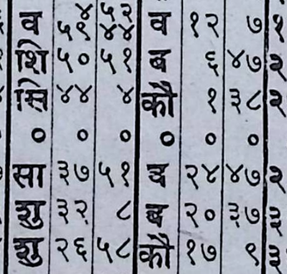

वैशाख कृ.१२ रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पूर्वं. ।

गोचरग्रहाः

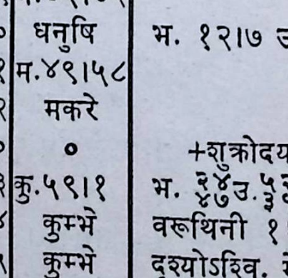

१पं. वै.कृ.१२सू.इ.२९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	५	११	०	११	०
०	२२	५	४	२२	४	५	०
०	८	७	५४	५९	२३	४४	१
०	५६	२६	२	५६	१३	५४	१३
५८	५	२०/८	६/१	३३/४७	७	३	५८
४४	१७	३९	ब्र	ब	२०	११	४५

✱चंशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	
१	गु	४३	५	अ	३०	२२	वि	१४	४	किं	१२	२९	३/५१	५/३८	६/२३	१७	२७	२९	मेषे	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४९१ स.१९६९
२	शु	४५	५८	भ	३४	३६	प्री	१३	४	बा	१४	३१	५५	३७	२३	१८	२८	३०	बृ.५०।५८	भरण्यां बुधः १५।५९
३	श	४९	२	कृ	४०	५	आ	१३	३१	तै	१७	३०	५८	३६	२४	१९	२९	१	वृषे	चंद्रदर्शनम्
४	र	५५	१६	रो	४६	३६	सौ	१४	४१	व	२२	९	३/२	३६	२४	२०	३०	२	वृषे	अक्षया ३ परशुराम ज. सफर २
५	चं	६०	०	मृ	५३	५५	शो	१६	३२	ब	२८	१८	६	३५	२५	२१	१	३	मि२०।१५	भ.२२/९उ. ५५/१६या. बुधोदयः पश्चिमायां ४/०२
५	मं		११९	आ	६०	०	अ	१९	५	बा	१	१९	१०	३४	२६	२२	२	४	मिथुने	वक्री भौमः १।२६ राष्ट्रीय वैशाखारम्भः
६	बु	७	२९	आ	१	२४	सु	२१	३१	तै	७	२९	१४	३३	२७	२३	३	५	क.५२।३	
७	गु	१३	४२	पु	८	५६	धृ	२३	३५	व	१३	४२	१७	३३	२७	२४	४	६	कर्के	×अश्वि.३शनिः१/४८ मई मा. ५ ता. ३१
८	शु	१९	१२	पु	१५	४०	शू	२५	१२	ब	१९	१२	२१	३२	२८	२५	५	७	कर्के	भ.१३।४२उ. ४६।२७या. कृत्ति.बुधः५/३४
९	श	२३	२६	श्ले	२१	९	गं	२५	२६	कौ	२३	२६	२५	३१	२९	२६	६	८	सिं२१।९	*सौरः ९।४९ पातमोक्षः ०।५
१०	र	२६	४	म	२५	२	वृ	२४	३४	ग	२६	४	२९	३०	३०	२७	७	९	सिंहे	वृषे बुधः ९।३६ पातस्पर्शः ४८।३७
११	चं	२६	४८	पू	२७	४	ध्रु	२१	५९	वि	२६	४८	३२	३०	३०	२८	८	१०	कं.४२।२	भ. ५/२६ उ. दृश्यो भरण्यां रविः १०।२*
१२	मं	२५	२४	उ	२७	४	व्या	१८	२	बा	२५	२४	३६	२९	३१	२९	९	११	कन्यायां	भ. २६।४८ या. मोहिनी ११ व्रतम्
१३	बु	२२	१२	ह	२५	२०	ह	१२	३१	तै	२२	१२	४०	२८	३२	३०	१०	१२	तु.५३।३९	मार्गी शुक्रः २६।१० प्रदोषः
१४	गु	१७	११	चि	२१	५८	व	५/३२	५२/४	व	१७	११	४३	२७	३३	१	११	१३	तुलायां	नृसिंह ज.
१५	शु	१०	४४	स्वा	१७	८	व्य	४८	५४	ब	१०	४४	४७	२७	३३	२	१२	१४	बृ.५८।९	भ. १७/११उ. ४/३७या. वक्री उफा.२ गुरुः३/५ ०/२×
																				अन्नजल कुंभदानम्

२पं. वै.शु.४सू.इ.३०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	५	११	०	११	०
६	२३	१९	४	१८	५	५	६
५०	२	३९	१२	५७	१०	२२	५१
४२	१३	३	३२	३२	१७	३९	२४
५८	०	०/०	५/२८	२१/११	७	३	५८
३१	२३	०/१२	व	व	२०	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच गुरुवार ५शुक्रवार शुभ हैं, धान्यादि मंदा हो। सूदी में रुई चांदी सोना में घटावढ़ी।

गोचरग्रहाः

३पं. वै.शु. १०सू.इ.३०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	१	५	११	०	११	०
१३	२३	२	३	१७	६	५	१३
३९	२३	१०	३७	१४	१०	०	३९
४३	२४	४	३७	६	२६	२३	४९
५८	४/४५	९८	४/२२	४/४६	७	३	५८
१७	व	४४	व	व	२०	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेवैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३	१९	वि	११	५०	व	३९	४६	कौ	३	१९	३२/५१	५/२६	६/३४	३	१३	१५	बृश्चिके	रोहि. बुधः १६।२२
२	श	५२	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	४७	३८	अ	५	५६	प	३०	३९	व	२१	३७	५४	२५	३५	४	१४	१६	वृश्चिके	भ. २१।३७ उ. ४७।३८ या.
४	चं	४०	७	ज्ये	०/१२	५४/३९	शि	२१	४९	ब	१३	५३	५७	२५	३६	५	१५	१७	ध.०।१२	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	३३	१४	पू	५०	१९	सि	१३	२०	कौ	६	४१	३/३	२४	३६	६	१६	१८	धनुषि	उदय शनिः २३।३०
६	बु	२७	३	उ	४६	२२	सा	५/२८	५२/५०	बा	०	८	४	२३	३७	७	१७	१९	म.४।२०	भ. २७।३ उ. ५४।२५ या.
७	गु	२१	४७	श्र	४३	३२	शु	५२	०	ब	२१	४७	७	२३	३७	८	१८	२०	मकरे	
८	शु	१७	३१	ध	४१	४१	ब्र	४६	३७	कौ	१७	३१	१०	२२	३८	९	१९	२१	कुं.१२।३७	
९	श	१४	१७	श	४०	४९	ऐं	४१	५४	ग	१४	१७	१३	२१	३९	१०	२०	२२	कुम्भे	भ.४३।६उ. दृश्यकृत्तिका. रविः५५।५७=
१०	र	११	५६	पू	४०	५८	वै	३८	१३	वि	११	५६	१६	२१	३९	११	२१	२३	मी२५।५६	भ. ११।५६ या. =सौरः ५७।४६
११	चं	१०	५२	उ	४२	१६	वि	३५	२०	बा	१०	५२	१९	२०	४०	१२	२२	२४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	मं	१०	५०	रे	४४	४४	प्री	३३	२०	तै	१०	५०	२२	२०	४०	१३	२३	२५	मे.४४।४४	प्रदोषः
१३	बु	११	५३	अ	४८	१३	आ	३२	१३	व	११	५३	२५	१९	४१	१४	२४	२६	मेषे	भ. ५/१३ उ. ४३/० या. दृश्यो वृषेऽर्कः २३/१२+
१४	गु	१४	५	भ	५२	४३	सौ	३२	४	श	१४	५	२८	१८	४२	१५	२५	२७	मेषे	+सौरः २५।३४
३०	शु	१७	३७	कृ	५८	१७	शो	३२	२३	ना	१७	३७	३०	१८	४२	१६	२६	२८	वृ. ३।७	वक्री बुधः ४६।५ वटपूजनम्

४पं. ज्ये.कृ.३सू.इ.३०।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	१	५	११	०	११	०
२०	२३	११	३	१७	७	४	२०
२७	६	२९	१०	३६	३	३८	२६
२२	२१	४९	१९	५४	७	७	२९
५८	९/५९	७२	३/१४	११/२८	७	३	५७
६	व	२९	व	मा	१४	११	५७

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठकृ.१३ बुधे वृषेऽर्कः प्र.वा.४ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वं।

गोचरग्रहाः

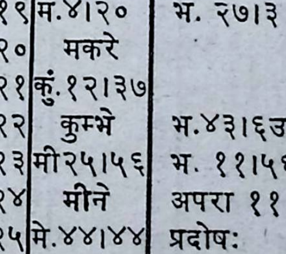

५पं.ज्ये.कृ.१०सू.इ.३०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	१	५	११	०	११	०
२७	२२	१७	२	१९	७	४	२७
१३	८	५	५०	३६	५५	१५	११
३४	३८	४९	६	५४	१९	३२	४१
५७	१०/१४	२५	१/५१	२५	७	३	५७
५४	व	५८	व	९	२	११	४१

 *चंशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:५५२१ स.१९६९
१	श	२१	५०	रो	६०	०	अ	३३	५४	ब	२१	५०	३३	१७	४३	१७	२७	२९	वृषे	चंद्रदर्शनम्
२	र	२७	७	रो	४	४८	सु	३५	२९	कौ	२७	७	३६	१७	४३	१८	२८	१	मि३८।२२	रविलावल ३
३	चं	३३	५	मृ	११	५६	धृ	३७	५२	तै	०	६	३९	१६	४४	१९	२९	२	मिथुने	पश्चिमास्तो बुधः ३३।२८
४	मं	३९	१४	आ	१९	२६	शू	४०	१९	व	६	९	४१	१६	४४	२०	३०	३	मिथुने	भ. ६।९ उ. ३९।१४ या.
५	बु	४५	३२	पु	२७	७	गं	४३	२	ब	१२	२३	४३	१५	४५	२१	३१	४	क.१०।१०	मार्गी गुरुः ९।५९
६	गु	५१	२१	पु	३४	३१	वृ	४५	१०	कौ	१८	२६	४६	१५	४५	२२	१	५	कर्के	पातस्पर्शः४०।४९ पातमोक्षः ५५।३९✽
७	शु	५६	५	श्ले	३९	५४	ध्रु	४६	२१	ग	२३	४३	४८	१४	४६	२३	२	६	सि३९।५४	भ. ५६।५ उ. ✽रा. ज्येष्ठारंभः
८	श	५९	३५	म	४६	१	व्या	४६	४०	वि	२७	५०	५०	१४	४६	२४	३	७	सिंहे	भ ३७/९० या. दृश्योरोहि. रविः ४६/४७ (सौरः ५१/४३)
९	र	६०	०	पू	४९	२६	ह	४५	३१	बा	३०	२९	५२	१४	४६	२५	४	८	सिंहे	
९	चं	१	२३	उ	५१	७	व	४२	५३	कौ	१	२३	५४	१३	४७	२६	५	९	कं.४।५१	गंगादशमी
१०	मं	०	५९	ह	५०	३१	सि	३८	२८	ग	०	५९	५६	१३	४७	२७	६	१०	कन्यायां	भ. ३२/५६ उ. ५३/३२ या. निर्जला ११ व्र. स्मा.
११	मं	५७	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+निर्जला ११ व्र. वै. नि.
१२	बु	५४	३	चि	४८	५	व्य	३२	३५	ब	२६	१७	५८	१२	४८	२८	७	११	तु.१९।१८	अश्वि. मेषे शुक्रः ५५/५५ अश्वि. ४शनिः ५१/४६+
१३	गु	४९	४९	स्वा	४३	४१	व	२५	२	कौ	२०	५६	३४	१२	४८	२९	८	१२	तुलायां	पूभा. ४ राहुः उफा. २केतुः ४।५६ प्रदोषः
१४	शु	३९	५६	वि	३७	४४	प	१८	५२	ग	१३	५२	२	१२	४८	३०	९	१३	बृ.२४।१३	भ. ३९।५६ उ.
१५	श	३१	७	अ	३१	४	शि	३२	४९	वि	५	३१	४	११	४९	३१	१०	१४	बृश्चिके	भ. ५।३१ या. वक्री अनु. भौमः ३६।९

६पं.ज्ये.शु.२सू.इ.३०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	११	०	११	१
३	२०	८	२	२३	८	३	३
५८	४०	३१	३९	१	४६	५३	५१
२६	१	८	५८	३३	३०	३६	२१
५७	१६/३४	९/३८	०/२८	३५	६	३	५७
४४	व	व	व	३८	५३	११	३४

गोचरग्रहाः

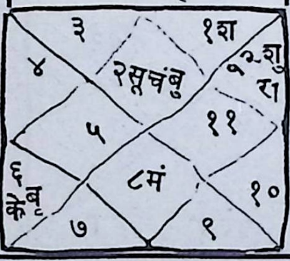

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं। भूकम्प अग्निभय युद्धभय हो। धान्य अनाज गल्ला रुई रेशम सोनाचांदी तेज रहे।

गोचरग्रहाः

७पं.ज्ये.शु.९ सू.इ.३१।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	११	०	११	१
१०	१८	१६	२	२७	९	३	१०
४२	३८	१९	३८	३०	३५	३१	३७
२५	४५	९	३	२८	५२	२१	३२
५७	१७/५४	२९/५०	०/४६	४३	६	३	५७
३५	व	व	मा	४७	३६	११	२३

ति.	प्र. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२१	८	ज्ये	२३	४६	सा	४५	५७	कौ	२१	४८	३४/६	५/११	६/४९	१	११	१५	ध.२३।४६	जून मा. ६ ता. ३०
२	चं	१२	२३	मू	१६	३०	शु	३५	४८	ग	१२	२३	७	११	४९	२	१२	१६	धनुषि	भ. ३७।५२ उ.
३	मं	३	२१	पू	९	४९	शु	२६	१२	वि	३	२१	९	१०	५०	३	१३	१७	म.२३।२०	भ. ३।३१ या. चतुर्थी व्रतम्
४	मं	५१	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	४८	५	उ	५३	५६	ब्र	१७	१९	कौ	२१	३५	१०	१०	५०	४	१४	१८	मकरे	✽उफा. ३ गुरुः २३।३०
६	गु	४२	३०	ध	५६	१०	ऐं	९	३८	ग	१५	१७	१२	१०	५०	५	१५	१९	कु.२८।२	भ. ४२।३० उ.
७	शु	३८	३३	श	५४	३८	वै	११/३	५४/४४	वि	१०	३१	१३	९	५१	६	१६	२०	कुम्भे	भ. १०।३१ या.
८	श	३६	१	पू	५४	२६	प्री	५३	५०	बा	७	१७	१४	९	५१	७	१७	२१	मी३९।२९	दृश्योमृगे रविः४१।४३(सौरः५०।३२)×
९	र	३४	५५	उ	५५	४९	आ	५१	६	तै	५	२८	१६	९	५१	८	१८	२२	मीने	वक्री कृत्ति. बुधः ५८।१७
१०	चं	३५	३५	रे	५८	४३	सौ	४९	३१	व	५	१५	१७	९	५१	९	१९	२३	मे.५८।४३	भ. ५।१५ उ. ३५।३५ या.
११	मं	३७	२१	अ	६०	०	शो	४८	४९	ब	६	२८	१८	८	५२	१०	२०	२४	मेषे	योगिनी ११ व्र. ×बुधोदयः पूर्वस्यां
१२	बु	४०	२७	अ	२	४४	अ	४९	३०	कौ	८	५४	१९	८	५२	११	२१	२५	मेषे	+बुधः ३०।३७ प्रदोषः
१३	गु	४४	३२	भ	७	४३	सु	५०	१०	ग	१२	३०	२०	८	५२	१२	२२	२६	बृ.२४।१२	भ.४४।३२उ. मार्गी बुधः १।१० रोहि.+
१४	शु	४९	३३	कृ	१३	३८	धृ	५१	५३	वि	१७	२	२१	८	५२	१३	२३	२७	बृषे	भ. १७।२ या. भरण्यां शुक्रः ४४।२८
३०	श	५५	१२	रो	२०	४०	शू	५३	४७	च	२२	२३	२१	८	५२	१४	२४	२८	मि५४।१३	दृश्यो मिथुनेऽर्कः ४०।२१ (सौरः ५१/५९)✽

८पं. प्र.आ.कृ.१सू.इ. ३१/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	०	०	११	१
१७	१६	१२	२	२	१०	३	१७
२५	२३	४०	४४	४०	२३	९	१८
८	४५	५६	५६	४१	२०	५	३८
५७	१७/४५	३१/२१	२	४९	६	३	५७
२७	व	व	४	५३	२३	११	१२

गोचरग्रहाः

प्र.आ.कृ.३० शनौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५सुतार्थिन्यवस्था(सूती)मु. १५ धान्यदिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

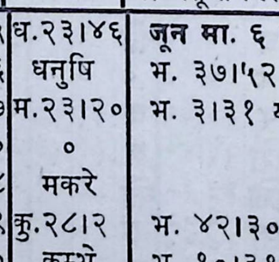

९पं.प्र.आ.कृ.९ सू.इ. ३१/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	५	०	०	११	१
२४	१४	१०	३	८	११	२	२३
७	८	६	१	४२	८	४६	५८
१२	१६	४६	४४	०	२७	४९	३४
५७	२५/५९	१४/५४	३	५४	६	३	५७
२२	व	व	२६	३५	७	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५५० स.१९६९
१	र	६०	०	मृ	२७	४७	गं	५६	४	किं	२८	८	३४/२२	५/८	६/५२	१५	२५	२९	मिथुने	अधिक मास प्रारम्भ
१	चं	१	५	आ	३५	२१	वृ	५८	३८	ब	१	५	२२	८	५२	१६	२६	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	७	१३	पु	४२	५८	ध्रु	६०	०	कौ	७	१३	२३	७	५३	१७	२७	१	क.२६।४	रविलाखर ४
३	बु	१३	२०	पु	५०	२०	ध्रु	१	११	बा	१३	२०	२३	७	५३	१८	२८	२	कर्के	भ. ४६।१९ उ.
४	गु	१९	१८	श्ले	५७	७	व्या	३	१७	वि	१९	१८	२३	७	५३	१९	२९	३	सिं५७।७	भ. १९।१८ या.
५	शु	२४	१५	म	६०	०	ह	५	१	बा	२४	१५	२४	७	५३	२०	३०	४	सिंहे	
६	श	२८	१२	म	२	५९	व	६	१३	तै	२८	१८	२४	७	५३	२१	३१	५	सिंहे	दृश्यः आर्द्रा. रविः ४०।१३ (सौरः ५२/५२)
७	र	३०	५०	पू	७	३९	सि	६	१२	व	३०	५०	२४	७	५३	२२	१	६	कं.२३।२८	भा. ३०।५० उ. रा. आषाढ़ारम्भः
८	चं	३१	३४	उ	१०	५२	व्य	४	५०	वि	१	१२	२४	७	५३	२३	२	७	कन्यायां	भ. १।१२ या.
९	मं	३०	४०	ह	१२	१२	व	२/११	५५/३९	ना	०	७	२४	७	५३	२४	३	८	तु.४१।५३	
१०	बु	२७	४०	चि	११	३४	शि	५१	५३	ग	२७	४०	२३	७	५३	२५	४	९	तुलायां	भ. ५५।१३ उ.
११	गु	२२	४५	स्वा	८	५५	सि	४५	२९	वि	२२	४५	२३	७	५३	२६	५	१०	वृ.५०।३९	भ. २२।४५ या. कमला ११ व्रतम्
१२	शु	१५	५२	वि	४/३४	५४/००	सा	३७	५२	बा	१५	५२	२३	७	५३	२७	६	११	बृश्चिके	कृत्तिका शुक्रः २८।३७ प्रदोषः
१३	श	८	३८	ज्ये	५१	२२	शु	२५	५९	तै	८	३८	२२	८	५२	२८	७	१२	ध.५१।२२	भ. ५८।१० उ.
१४	श	४९	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	र	४८	११	मू	४३	३०	शु	१५	२४	वि	२३	१०	२२	८	५२	२९	८	१३	धनुषि	भ. २३।१० या. मृगे बुधः ५१।२३

१०पं. प्र.आ.शु.१सू.इ.३१/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	५	०	०	१	२
०	१२	१०	३	१५	१	२	०
४८	२	४	२५	३	५१	२४	३७
२५	५२	४९	२	३२	२८	४	४३
५७	११/५५	१४/५४	४	५८	५	३	५६
१७	ब	मा	३७	१६	३८	११	५७

११पं. प्र.आ.शु.७सू.इ.३५/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	५	०	०	११	२
७	१०	१५	३	२१	१२	२	७
२३	२३	२	५७	४७	२०	२	१६
२४	३८	४२	१८	३४	५७	१८	१०
५७	७/३२	४७	५	६१	५	३	५६
१३	ब	५२	४३	५	१४	११	५४

१२पं. प्र.आ.शु.१५सू.इ.३०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	५	०	०	११	२
१४	९	२२	४	२८	१३	१	१३
९	२२	५२	३७	४९	७	४०	५४
५०	१	१५	८	१९	१९	३	१५
५७	२/५५	८१	६	६३	४	३	५६
७	ब	३३	४३	२०	४६	११	५०

ति.	द्वि. आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.आ.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३७	५६	पू	३५	३५	ब्र	४/२६	४/९	बा	१३	४	३४/२१	५/८	६/५२	३०	९	१४	म.४८।४०	वृषे शुक्रः ३७।५६
२	मं	२८	१९	उ	२७	५६	वै	४३	११	तै	३	८	२०	८	५२	१	१०	१५	मकरे	भ. ५३।५१ उ. **जुलाई मा. ७ ता. ३१**
३	बु	१९	२४	श्र	२१	११	वि	३३	३७	वि	१९	२४	१९	८	५२	२	११	१६	कुं.४८।३५	भ. १९।२४ या. भरणी१ शनिः ३/०/७ च.व्र.
४	गु	११	५३	ध	१५	५९	प्री	२५	१८	बा	११	५३	१८	८	५२	३	१२	१७	कुंभे	मार्गी भौमः ११।३७
५	शु	६	२	श	१२	१९	आ	१८	१७	तै	६	२	१७	९	५१	४	१३	१८	मी५६।०	मिथुने बुधः ३०।५१
६	श	२	५	पू	१०	३४	सौ	१२	५०	व	२	५	१५	९	५१	५	१४	१९	मीने	भ. २।५ उ. ३१।११ या. दृश्यः पुनर्वसौ×
७	र	०	१७	उ	१०	४२	शो	८	५८	ब	०	१७	१४	९	५१	६	१५	२०	मीने	×रविः ३८।९ (सौरः ५६।५३)
८	चं	०	१८	रे	१२	४७	अ	६	३५	कौ	०	१८	१३	९	५१	७	१६	२१	मे.१२।४७	
९	मं	२	८	अ	१६	३५	सु	४	४१	ग	२	१८	११	१०	५०	८	१७	२२	मेषे	भ. ३३।४३ उ. आर्द्रायां बुधः १२।१९
१०	बु	५	१८	भ	२१	५२	धृ	६	१८	वि	५	१८	१०	१०	५०	९	१८	२३	वृ.३८।२५	भ. ५।१८ या.
११	गु	९	५६	कृ	२८	४	शू	७	१४	बा	९	५६	८	१०	५०	१०	१९	२४	वृषे	रोहि. शुक्रः १८।२८ कमला ११ व्रतम्
१२	शु	१५	२२	रो	३५	१६	गं	९	११	तै	१५	२२	७	११	४९	११	२०	२५	वृषे	पूर्वास्तो बुधः १८।१४ प्रदोषः
१३	श	२१	२०	मृ	४२	३४	वृ	११	२६	व	२१	२०	५	११	४९	१२	२१	२६	मि८।५५	भ. २१।२० उ. ५४।२५ या.
१४	र	२७	३१	आ	४९	५९	ध्रु	१३	५०	श	२७	३१	४	११	४९	१३	२२	२७	मिथुने	
३०	चं	३३	३५	पु	५७	३६	व्या	१६	११	च	०	३३	२	१२	४८	१४	२३	२८	क.४०।४२	सोमवती ३० पुरुषोत्तम मास समाप्तिः

१३पं. द्वि आ.कृ.७सू.इ.३०/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	५	१	०	११	२
२०	८	३	५	६	१३	१	२०
५०	५९	३६	२२	९	४०	१७	३२
१०	५२	५०	५५	२१	८	४७	९
५७	२/३८	४/०	१	६५	४	३	५६
७	मा	०/२१	४४	२	२६	११	५०

गोचरग्रहाः

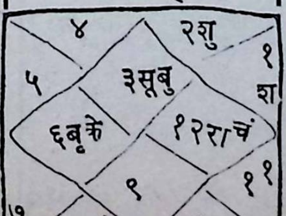

इस मासका फल साधारण है रुई अनाजगल्ला सोना चांदी में तेजी हो कर सुदी में मंदी हो।

गोचरग्रहाः

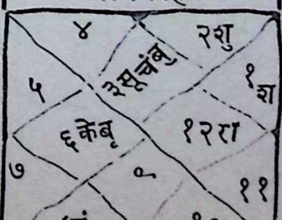

१४पं.द्वि.आ.कृ.११सू.इ.३०/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	५	१	०	११	२
२७	९	१६	६	१३	१४	०	२७
३०	१६	५४	१६	३३	८	५५	१०
३२	२६	७	१	१४	२७	३१	१
५१	७	[illegible]	८	६६	३	३	५६
११	५३	[illegible]	४३	३३	४१	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५८० स.१९६९
१	मं	३९	३२	पु	६०	०	ह	१८	३२	किं	६	३३	३४/०	५/१२	६/४८	१५	२४	२९	कर्के	पुनर्वसौ बुधः २।०
२	बु	४४	५४	पु	४	५६	व	२०	४७	बा	१२	१३	३३/५८	१२	४८	१६	२५	३०	कर्के	दृश्यः कर्केऽर्कः ३/३ ४/३ सौरः ३/३ ९/७ उफा. ४गुरुः*
३	गु	४९	३७	श्ले	११	३६	सि	२२	२७	तै	१७	१५	५६	१३	४७	१७	२६	१	सिं ११।३६	जमादिलावल ५ * ११/१४ चंद्रदर्श. रथयात्रा
४	शु	५४	२६	म	१७	२५	व्य	२२	१५	व	२२	१	५४	१३	४७	१८	२७	२	सिंहे	भ. २२।१ उ. ५४।२६ या.
५	श	५६	८	पू	२२	१९	व	२३	३३	ब	२५	१७	५२	१४	४६	१९	२८	३	कं.३८।१७	दृश्यः पुष्ये रविः ३६।५० कर्के बुधः ४०/१४
६	र	५७	३२	उ	२६	११	प	२२	५९	कौ	२६	५०	५०	१४	४६	२०	२९	४	कन्यायां	पुष्ये रविः सौरः ०।१८
७	चं	५७	३१	ह	२९	३४	शि	२१	१६	ग	२७	३२	४७	१५	४५	२१	३०	५	तु.५९।३३	भ. ५७।३१ उ. पुष्ये बुधः १५।३५
८	मं	५५	५६	चि	२९	३१	सि	१८	२३	वि	२६	४३	४५	१५	४५	२२	३१	६	तुलायां	भ. २६।४३ या. मृगे शुक्रः २३।४२
९	बु	५२	३८	स्वा	२८	५६	सा	१४	९	बा	२४	१७	४२	१६	४४	२३	१	७	तुलायां	रा. श्रावणारंभः
१०	गु	४७	३७	वि	२६	३५	शु	८	२६	तै	२०	८	४०	१६	४४	२४	२	८	वृ.१२।१०	
११	शु	४१	१०	अ	२२	४६	शु	१/३९	५१/४०	व	१४	२४	३७	१७	४३	२५	३	९	वृश्चिके	भ. १४/२४ उ. ४१/१० या. देवशयनी ११ व्र.स्मा.वै.
१२	श	३३	१४	ज्ये	१७	२५	ऐं	४४	१३	ब	१	१२	३५	१७	४३	२६	४	१०	ध.१७।२५	देवशयनी ११ व्र. नि, प्रदोषः
१३	र	२४	१	मू	११	४८	वै	३४	९	तै	२४	१४	३२	१८	४२	२७	५	११	धनुषि	आश्लेषां. बुधः ३७।१९
१४	चं	१४	२९	पू	४/१८	५१/१९	त्रि	२३	३१	व	१४	२३	२९	१८	४२	२८	६	१२	म.१६।३८	भ. १४/२९ उ. ३९/३८ या. मिथुने शुक्रः २३/१५ वा.प.
१५	मं	४	४७	श्र	४८	६	प्री	१२	४७	ब	४	४७	२६	१९	४१	२९	७	१३	मकरे	व्यास पूजा

१५पं.द्वि.आ.शु.६सू.इ.३३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	५	१	०	११	३
४	१०	१	७	२१	१४	०	३
११	९	४५	१४	२	३३	३३	४८
५७	०	३९	२०	१४	१०	१६	४३
५७	१२	[illegible]	९	६७	३	३	५६
१५	८	[illegible]	२९	४७	२	११	५७

गोचरग्रहाः

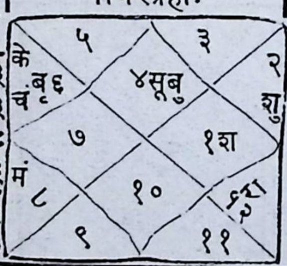

द्वि. आ. शुक्ले २
बुधेकर्केऽर्कः प्र.वा.
५न.५ कुमार्यवस्था
(बैठी) मु. १५
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

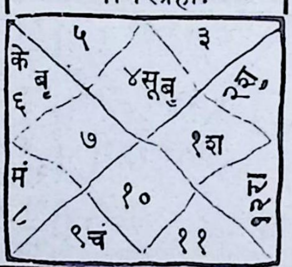

१६पं.द्वि.आ.शु.१३सू.इ.३०/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	५	१	०	११	३
१०	११	१६	८	२८	१४	०	१०
५२	३४	२६	७	५९	५२	११	२८
१९	३३	२	४९	२७	४४	०	१०
५७	१५	[illegible]	०	६८	२	३	५७
२०	५९	[illegible]	११	४९	२९	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.आषा.कृष्णे तिमहाराष्ट्राः
१	मं	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४६	२२	ध	४१	२६	आ	३/२६	५०/१७	तै	२०	४३	३३/२४	५/१९	६/४१	३०	८	१४	कु.१४।४६	पूभा. ३ कुंभे राहुः उफा. १ सिंहे केतुः ५७/४७
३	गु	३९	२	श	३५	५६	शो	४४	७	व	१२	४२	२१	२०	४०	३१	९	१५	कुम्भे	भ. १२।४२ उ. ३९।२ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	३३	२६	पू	२२	२१	अ	३६	५९	ब	६	१४	१८	२०	४०	१	१०	१६	मी१८।१५	**अगस्त मा. ८ ता. ३१**
५	श	३०	५	उ	३०	२५	सु	३१	२२	कौ	१	४६	१५	२१	३९	२	११	१७	मीने	दृश्यः आश्लेषां.रवि ३३/५१ नाग ५ मरुस्थले
६	र	२८	५०	रे	३०	४७	धृ	२७	२९	व	२८	५०	१२	२२	३८	३	१२	१८	मे.३०।४७	भ २८/५० उ.५९/१५ या. आश्ले.रविःसौरः १/५ सिंहे÷
७	चं	२९	४०	अ	३३	८	शू	२५	१७	[illegible]	२९	४०	९	२२	३८	४	१३	१९	मेषे	बुधोदयः पश्चिमायां ७।२९
८	मं	३२	२१	भ	३७	३५	गं	२४	५०	बा	१	०	६	२३	३७	५	१४	२०	वृ.५४।१	÷बुधः ३०।५५ आर्द्रा. शुक्रः १९।५२
९	बु	३६	४७	कृ	४३	१९	वृ	२५	१८	तै	४	३४	३	२३	३७	६	१५	२१	बृषे	हस्ते १ गुरुः ३१।३१
१०	गु	४२	१६	रो	५०	१७	ध्रु	२६	४५	व	९	३२	०	२४	३६	७	१६	२२	वृषे	भ. ९।३२ उ. ४२।१८ या.
११	शु	४८	१८	मृ	५७	४६	व्या	२९	१४	ब	१५	१७	३३/५६	२५	३५	८	१७	२३	मि२४।१	कामिका ११ व्र.
१२	श	५४	५५	आ	६०	०	ह	३१	४०	कौ	२१	३६	५३	२५	३५	९	१८	२४	मिथुने	
१३	र	६०	०	आ	५	३४	व	३४	२०	ग	२७	५५	५०	२६	३४	१०	१९	२५	क.५६।१०	प्रदोषः व्रतम्
१३	चं	०	५६	पु	१३	२	सि	३६	३४	व	०	५६	४७	२७	३३	११	२०	२६	कर्के	भ. ५६ उ. ३३/२८ या. पूफायां बुधः ४।१८
१४	मं	५	५९	पु	२०	१२	व्य	३८	३२	श	५	५९	४३	२७	३३	१२	२१	२७	कर्के	ज्येष्ठायां भौमः १९।४७
३०	बु	११	४६	श्ले	२६	१९	व	३९	४१	ना	११	४६	४०	२८	३२	१३	२२	२८	सिं२६।२९	हरियाली अमावस्या

१७पं.श्रा.कृ.६सू.इ.३०।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	५	२	०	१०	३
१७	१३	२९	९	६	१५	२९	१७
३४	३३	५८	२७	५२	८	४८	७
१	५४	५२	.०	८	१६	४५	४८
५७	१९	[illegible]	१०	६९	१	३	५७
२५	३४	[illegible]	५५	३७	४०	११	१२

गोचरग्रहाः

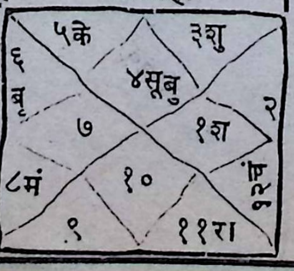

इस मास में ५
बुधवार घृत तैल
गुड़आदिरस तेज
करे । रुई चांदी
सोना सम, सूत
गेहूं मन्दा ।

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ.१३सू.इ.३०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	५	२	०	११	३
२४	१५	१२	१०	१४	१५	२९	२३
१६	५७	१८	३९	५२	१८	२६	४८
२६	४६	५०	१४	१२	२५	२९	५५
५७	२३	[illegible]	११	७०	१	३	५७
३३	२१	[illegible]	२६	२५	८	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६१०सन्१९६९
१	गु	१५	१४	म	३१	४७	प	४०	१५	ब	१५	१४	३३/६	५/२९	६/३१	१४	२३	२९	सिंहे	पुनर्वसौ शुक्रः ५९।१३
२	शु	१८	४०	पू	३६	२२	शि	४०	१३	कौ	१८	४०	३३	२९	३१	१५	२४	३०	कं.५२।१४	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	श	२०	४७	उ	३९	५०	सिं	३९	१२	ग	२०	४७	२९	३०	३०	१६	२५	१	कन्यायां	भ. ५१/३ उ. हस्यो मघा. सिंहेऽर्कः ३७/४६×
४	र	२१	३८	ह	४२	९	सा	३७	१३	वि	२१	३८	२६	३१	२९	१७	२६	२	कन्यायां	भ. २१।३८ या. वरद ४
५	चं	२१	३५	चि	४३	३६	शु	३४	३७	बा	२१	३५	२२	३२	२८	१८	२७	३	तु. १२।५२	नागपंचमी
६	मं	२०	२०	स्वा	४३	५०	शु	३१	९	तै	२०	२०	१९	३२	२८	१९	२८	४	तुलायां	उफायां बुधः ३८।४०
७	बु	१७	५२	वि	४२	४९	ब्र	२६	४१	व	१७	५२	१५	३३	२७	२०	२९	५	वृ. २८।४	भ. ५७/२ उ. ४६/९ या. वक्री शनिः ५५।८
८	गु	१४	२०	अ	४०	३५	ऐं	२१	८	ब	१४	२०	११	३४	२६	२१	३०	६	बृश्चिके	×(सौरः ३१/२) तीज जमादिलाखर ६
९	शु	९	३५	ज्ये	३७	२८	वै	१४	४३	कौ	९	३५	८	३४	२६	२२	३१	७	ध. ३७।२८	कन्या. बुधः ०।१५
१०	श	३	४०	मू	३२	५२	वि	७/२०	५/३९	ग	३	४०	४	३५	२५	२३	१	८	धनुषि	भ. ३९/०उ.५९/४०या. कर्कशुक्रः ३१/० पवित्रा ११*
११	श	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*व्र. स्मा. रा.भाद्रपदारंभः
१२	र	४८	४१	पू	२७	२५	आ	५०	२	ब	२२	४०	०	३६	२४	२४	२	९	म. ४०।५४	हस्ते २ गुरुः ५५/२ पवित्रा ११ व्र. वै.
१३	चं	४०	१४	उ	२१	२१	सौ	४०	२६	कौ	१४	२७	३१/५६	३७	२३	२५	३	१०	मकरे	प्रदोषः
१४	मं	३१	३४	श्र	१४	५३	शो	३०	३४	ग	५	५४	५२	३८	२२	२६	४	११	कु. ४१।३९	भ. ३१/३४ उ. ५७/२२ या. पुष्ये शुक्रः १९।११
१५	बु	२३	१०	ध	८	२५	अ	२१	५	ब	२३	१०	४८	३८	२२	२७	५	१२	कुम्भे	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

१९पं.श्रा.शु.४सू.इ.३०।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	५	२	०	१०	४
०	१८	२३	११	२२	१५	२९	०
५९	४८	२५	५५	५८	२४	४	३१
४९	३९	४	४८	३०	७	१३	८
५७	२५	९०	१२	७१	०	३	५७
४०	४९	५५	२	१	२१	११	३४

गोचरग्रहाः

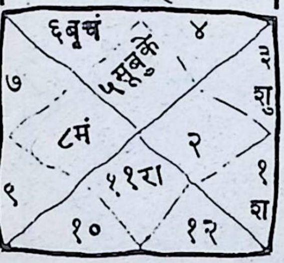

श्रावण शुक्ला ३ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समता शु.पू.

गोचरग्रहाः

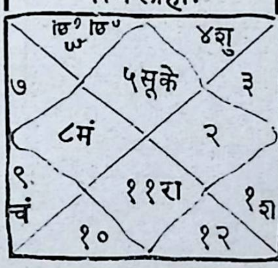

२०पं.श्रा.शु.१२सू.इ.२९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	३	०	१०	४
७	२१	३	१३	१	१५	२८	७
४४	५९	१५	१५	९	२४	४१	१४
१७	४५	५४	३६	३६	३	५८	४१
५७	२८	७८	१२	७१	२/२	३	५७
४८	१४	३४	२२	३४	ब	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	१५	४६	श	२/३४	५५/१६	सु	१२	८	कौ	१५	४६	३५/४४	५/३९	६/२१	२८	६	१३	मी४४।१	
२	शु	९	३३	उ	५४	३५	धृ	३/५९	५३/५	ग	९	३३	४०	४०	२०	२९	७	१४	मीने	भ. ३७।१७ उ. हस्ते बुधः ५२।४४
३	श	५	१	रे	५३	१६	गं	५१	४०	वि	५	१	३६	४१	१९	३०	८	१५	मे. ५३।१६	भ.५।१या. हस्यःपूफायां रविः१७।२३*
४	र	२	४०	अ	५४	१०	वृ	५७	५४	बा	२	४०	३२	४२	१८	३१	९	१६	मेषे	*(सौरः ४८।२४) च. व्र.
५	चं	२	१६	भ	५७	५	ध्रु	४६	१	तै	२	१६	२८	४२	१८	१	१०	१७	मेषे	चन्द्रषष्ठी सितम्बर मा. ९ ता. ३०
६	मं	४	६	कृ	६०	०	व्या	४५	३३	व	४	६	२५	४३	१७	२	११	१८	वृ. १३।१५	भ. ४।६ उ. ३५।५७ या.
७	बु	७	४९	कृ	१	४६	ह	४६	१५	ब	७	४९	२१	४४	१६	३	१२	१९	वृषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा. श्रीकृष्णजयन्ती
८	गु	१२	५३	रो	८	२	व	४८	९	कौ	१२	५३	१७	४५	१५	४	१३	२०	मि४१।३५	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	शु	१८	४८	मृ	१५	८	सि	५०	१६	ग	१८	४८	१३	४५	१५	५	१४	२१	मिथुने	भ. ५२।१ उ. गोगा ९
१०	श	२५	१५	आ	२२	४३	व्य	५२	५२	वि	२५	१५	९	४६	१४	६	१५	२२	मिथुने	भ. २५।१५ या. आश्लेषा. शुक्रः ३४।५१
११	र	३१	१८	पु	३०	१८	व	५५	१४	बा	३१	१८	५	४७	१३	७	१६	२३	क. १३।२४	अजा ११ व्र.
१२	चं	३७	१	पु	३७	१९	प	५७	८	कौ	४	९	१	४८	१२	८	१७	२४	कर्के	मूले धनुषि भौमः ५४।५० वत्सद्वादशी
१३	मं	४१	५४	श्ले	४३	५०	शि	५८	२३	ग	७	५७	३०/५७	४९	११	९	१८	२५	सिं४३।५०	भ. ४१।५४ उ. प्रदोषः
१४	बु	४५	२२	म	४८	४६	सि	५८	३६	वि	१३	३८	५३	४९	११	१०	१९	२६	सिंहे	भ. १३।३८ या. हस्ते ३ गुरुः १६।४
३०	गु	४७	४९	पू	५२	५०	सा	५७	५६	च	१६	३६	४८	५०	१०	११	२०	२७	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी ३०

२१पं.भा.कृ.४सू:इ.२९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	३	०	१०	४
१४	२५	११	१४	९	५	२८	१३
२९	२९	३६	३७	२५	१९	१९	५९
५६	५२	७	५८	३४	१९	४२	५३
५७	३०	५९	१२	७१	३/५	३	५७
१	२२	२८	२२	५३	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

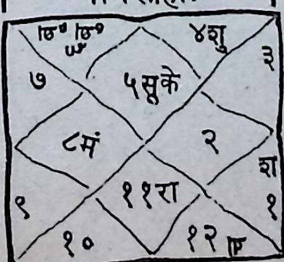

इस मास में ५ गुरुवार शुभ हैं। धान्य जौ गेहूं मूंग मोंठ बाजरा व चावल मंदा हो।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.कृ.११सू.इ.२९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	३	०	१०	४
२१	२९	१७	१६	१७	१५	२७	२०
१६	१४	५७	३	४५	९	५७	४६
५५	१३	४३	२५	५८	१४	२७	३३
५८	३२	३७	१३	७२	४/०	३	५८
१३	१३	२	११	२०	व	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४८	४४	उ	५५	२२	शु	५६	११	किं	१८	१६	३०/४४	५/१	६/९	१२	२१	२८	कं.८।२८
२	श	४८	२७	ह	५७	१	शु	१३	३५	बा	१८	३६	४०	५२	८	१३	२२	२९	कन्यायां
३	र	४७	२३	चि	५७	३८	ब्र	५०	१९	तै	१७	५५	३६	५३	७	१४	२३	१	तु.२७।१९
४	चं	४५	१७	स्वा	५७	२१	ऐं	४५	५७	व	१६	२०	३२	५४	६	१५	२४	२	तुलायां
५	मं	४२	२३	वि	५६	५	वै	४१	१०	ब	१३	४९	२८	५४	६	१६	२५	३	वृ.४१।२४
६	बु	३८	५४	अ	५४	२७	वि	३५	५५	कौ	१०	३८	२४	५५	५	१७	२६	४	वृश्चिके
७	गु	३४	४४	ज्ये	५१	५८	प्री	३०	४	ग	६	४९	२०	५६	४	१८	२७	५	ध.५१।५८
८	शु	२९	५६	मू	४९	२	आ	२३	३३	वि	२	२०	१६	५७	३	१९	२८	६	धनुषि
९	श	२४	३८	पू	४५	१४	सौ	१६	४०	कौ	२४	३८	१२	५८	२	२०	२९	७	म.५९।१२
१०	र	१७	४७	उ	४१	७	शो	९	८	ग	१७	४७	८	५८	२	२१	३०	८	मकरे
११	चं	१२	११	श्र	३६	३१	अ	१/२२	५१/४२	वि	१२	११	४	५९	१	२२	३१	९	मकरे
१२	मं	५	१७	ध	३१	४६	धृ	४४	५४	बा	५	२७	३०/०	६/०	६/०	२३	१	१०	कु. ४।८
१३	मं	५३	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	बु	५२	२९	श	२७	५	शू	३६	४७	ग	२५	३७	२९/५५	१	५/९	२४	२	११	कुम्भे
१५	शु	४६	५२	पू	२२	५७	गं	२९	१	वि	१९	४५	५१	२	५८	२५	३	१२	मी८।५९

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३९ स.१९६९

दृश्यः उफायां रविः १।४३ सौरः३३।२●
हरितालिका ३ रज्जब ७ ●चन्द्रद.
भ. २०/१७ उ. ४५/५७ या. वक्री बुधः ४।३०×
दृश्यःकन्यायामर्कः२७।४ सौरः ५/१९ ऋषि५
मघा. सिंहेशुक्रः ४०।४ ×गणेश चतुर्थी
भ. ३४।४४ उ.
भ. २।२० या.
भ. ४५।० उ.
भ. ११/१२ या. पश्चिमास्तो बुधः ५०।५९+
प्रदोषः रा. आश्विनारंभ.
+जलझूलनी ११ व्र. वामनजयंती
भ. ५२।२९ उ. अनन्त १४
भ. १९।४५ या. महालय श्राद्धारंभः

२३पं.भा.शु.३सू.इ.२९।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	५	३	०	१०	४
२८	३	२१	१७	२६	१४	२७	२७
५	१२	२३	३०	९	५३	३५	३४
३४	४३	१३	३९	३	५२	११	५६
५८	३३	३	१३	७२	२/२२	३	५८
२६	३४	५०	२०	४१	व	११	२९

गोचरग्रहाः

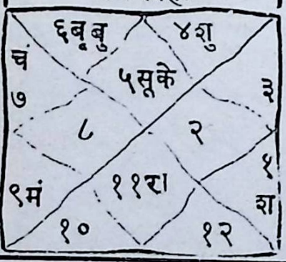

भा. शु. ५ भौमे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.५ कुमार्यवस्था (वैठी) मु. ४५धान्यादिभात्रे समर्घता शुक्रो.पू.

गोचरग्रहाः

२४पं.भा.शु.१०सू.इ.२९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	४	०	१०	५
४	७	२०	१८	४	१४	२७	४
५५	२१	१३	५९	३८	३३	१२	५५
१९	२१	९	९	४९	५	५५	१९
५८	३५	४२/२५	१३	७२	५८/२	३	५८
३८	३	व	२९	५६	व	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४२	४०	उ	१९	५६	वृ	२२	१७	बा	१४	२५	२९/४७	६/३	५/७	२६	४	१३	मीने
२	श	४०	८	रे	१८	१	ध्रु	१६	१९	तै	११	२४	४३	३	५७	२७	५	१४	मे.१८।१
३	र	३९	१२	अ	१७	५४	व्या	११	४६	व	९	४०	३८	४	५६	२८	६	१५	मेषे
४	चं	४०	२०	भ	१९	४४	ह	८	३८	ब	९	४६	३४	५	५५	२९	७	१६	वृ.३५।३६
५	मं	४३	११	कृ	२३	१३	व	७	२२	कौ	११	४५	३०	६	५४	३०	८	१७	वृषे
६	बु	४७	९	रो	२८	२२	सि	६	५५	ग	१५	१०	२६	७	५३	१	९	१८	वृषे
७	गु	५३	२४	मृ	३४	५९	व्य	७	५४	वि	२०	१६	२२	८	५२	२	१०	१९	मि१।४०
८	शु	५९	४६	आ	४२	७	व	९	३७	बा	२६	३५	१८	८	५२	३	११	२०	मिथुने
९	श	६०	०	पु	४९	४६	प	११	५१	तै	३२	५३	१४	९	५१	४	१२	२१	क.३२।५१
९	र	६	१	पु	५७	१	शि	१४	१५	ग	६	१	१०	१०	५०	५	१३	२२	कर्के
१०	चं	११	५३	श्ले	६०	०	सि	१६	१७	वि	११	५२	६	११	४९	६	१४	२३	कर्के
११	मं	१६	४८	श्ले		३ ४२	सा	१७	४४	बा	१६	४८	२	१२	४८	७	१५	२४	सिं३।४२
१२	बु	२०	१२	म	८	५८	शु	१८	८	तै	२०	१२	२८/५८	१२	४८	८	१६	२५	सिंहे
१३	गु	२२	४	पू	१२	५४	शु	१७	२९	व	२२	१४	५४	१३	४७	९	१७	२६	कं.२८।३०
१४	शु	२२	३५	उ	१५	१६	ब्र	१५	२९	श	२२	३५	५०	१४	४६	१०	१८	२७	कन्यायां
३०	श	२१	२३	ह	१६	१२	ऐं	१२	१७	ना	२१	२३	४६	१५	४५	११	१९	२८	तु.४५।५३

शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

दृश्या हस्ते रविः ४/१ हस्ते४गुरुः २/७ अस्तं●
हस्ते रविः सौरः १०।४३ अ.गु.
भ. ४०/९ उ. ३९/१२ या. पूफायां शुक्रः ३८।३७
चतुर्थी व्र. ●गुरौः ३।०
भ. ४७/९ उ.वक्रीउफा.बुधः १४/१९ पूषायांभौमः×
अक्टूबर मा. १० ता.३१
भ. २०।१६ या.
+वक्री आश्वि.४शनिः५४।४
मातृ ९ ×५८/१ पूभा. २राहुः पूफा.४=
भ. ३८।५७ उ. =केतुः ५०/१
भ. ११।५३ या. बुधोदयः पूर्वस्यां ३४।०
इन्दिरा ११ व्र.
मार्गी बुधः ३६।१४ प्रदोषः
भ. २२/१४ उ. ५२/२५ या. उफायां शुक्रः ३०।५२
दृश्यश्चित्रा रविः १२।११ (सौरः ४१/१९)+
चित्रा १ गुरुः ४१।३७ सर्वपितृ ३०

२५पं.आ.कृ.३सू.इ.२९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	४	०	१०	५
११	११	१३	२०	१३	१४	२६	११
४६	४२	४२	२९	८	१०	५०	१७
५५	५४	४६	६	१३	३०	४०	७
५८	३६	८०/५५	१३	३	३/७	३	५९
५३	२७	व	३२	१४	व	११	०

गोचरग्रहाः

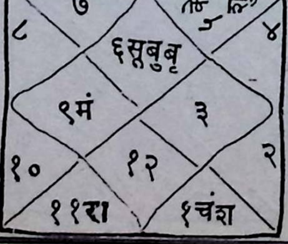

इस मास में गेहूं गुड़ सिरस्युँ मूँग-फली रुई सूत चांदी सोनामें मंदी होकर सुदी में तेज होगा, वर्षा होगी.

गोचरग्रहाः

२६पं.आ.कृ.९ सू.इ.२८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	४	०	१०	५
१८	१६	७	२२	२१	१३	२६	१८
४०	१५	२६	०	४२	४३	२८	१०
८	१८	२	१८	७	४७	२४	५४
५९	३७	४०/१	१३	७२	५८/३	३	५९
९	२४	व	३४	२६	व	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६९ स.१९६९
१	र	१८	५१	चि	१५	३४	वै	८	४	ब	१८	५१	२८/४२	१६	५/४४	१२	२०	२९	तुलायां	कन्या. शुक्रः१३/५० नवरात्रारंभः माता.श्रा.
२	चं	१५	१५	स्वा	१३	२	वि	५ २/२	५४/३	कौ	१५	१५	३८	१६	४४	१३	२१	३०	बृ.५७।८	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	११	२	वि	११	५०	आ	१०	१२	ग	११	२	३४	१७	४३	१४	२२	१	वृश्चिके	भ. ३९।११ उ. सावान ८
४	बु	७	२१	अ	८	५३	सौ	४३	१३	वि	७	२१	३०	१८	४२	१५	२३	२	वृश्चिके	भ. ७।२१ या. हस्ते बुधः १०।५२
५	गु	१	२१	ज्ये	५	३७	शो	३६	३४	बा	१	२१	२६	१९	४१	१६	२४	३	ध.५।३७	दृश्यस्तुलायामर्कः ५५।५७
६	गु	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×गुरोः४६/४८ पापांकुशा ११ब्र. उ.गु.
७	शु	५१	४	मू	२ ३/६	५६/३५	अ	२९	३४	ग	२३	३६	२२	२०	४०	१७	२५	४	धनुषि	भ.५१/४ तुलायामर्कःसौरः ७/४२ स्र.वाह.च
८	श	४५	५८	उ	५५	४४	सु	२२	२६	वि	१८	३१	१८	२०	४०	१८	२६	५	म.१२।५७	भ. १८।३१ या. वलिदानम्
९	र	४०	५२	श्र	५२	२३	धृ	१५	१९	बा	१३	२५	१४	२१	३९	१९	२७	६	मकरे	सरस्वती विसर्जनम्
१०	चं	३५	५२	ध	४९	८	शू	८	१३	तै	८	२२	१०	२२	३८	२०	२८	७	कुं.२०।४५	हस्ते शुक्रः २०।२४ विजया १०
११	मं	३१	५२	श	४६	१०	गं	२ ३	५ ३/२	व	३	५२	६	२३	३७	२१	२९	८	कुम्भे	भ. ५ ३/२ उ.५ ३१/२या. उषायांभौमः २९ उदयं×
१२	बु	२६	३२	पू	४३	३३	ध्रु	४८	८	बा	२६	३२	२	२४	३६	२२	३०	९	मी२९।१२	प्रदोषः +बुधः४०/६ शरद् १५ स्मा.
१३	गु	२२	४२	उ	४१	३६	व्या	४२	१६	तै	२२	४२	२७/५८	२४	३६	२३	१	१०	मीने	दृश्यःस्वात्यांरविः३७।५९रा.कार्तिकारंभः
१४	शु	१९	३९	रे	४०	२२	ह	३६	५९	व	१९	३९	५४	२५	३५	२४	२	११	मे.४०।२२	भ.३१/३९उ.४८/४७या. स्वा.रविःसौरः५/०चित्रा.+
१५	श	१७	५६	अ	४०	४०	व	३२	४१	ब	१७	५६	५०	२६	३४	२५	३	१२	मेषे	मकरे भौमः ५१।११ शरद् १५ वै.

२७पं.आ.शु.१सू.इ.२८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	५	०	१०	५
२५	२०	७	२३	०	१३	२६	२५
३५	५०	५०	३०	१८	१३	६	६
६	३१	३१	४३	२१	१९	९	३६
५९	३८	४७/५५	१५	७३	४/१४	३	५९
२१	१४	मा	३८	३८	व	११	३१

गोचरग्रहाः

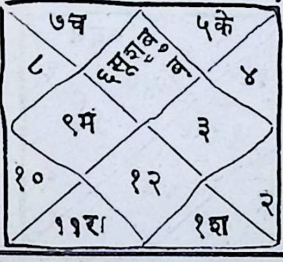

आ. शु. ५ गुरौ तुलायामर्कः प्र. वा.३न.४युव।व- स्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

२८पं.आ.शु.९सू.इ.२८।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	५	५	०	१०	६
२	२५	१५	२५	८	१२	२५	२
३१	३४	२४	१	५६	४०	४३	४
३४	२६	५४	५५	१७	३७	५३	६
५९	३९	८५	१३	७३	४/३४	३	५९
३४	०	२६	३२	५०	व	११	४३

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१७	२७	भ	४२	७	सि	२९	३	कौ	१७	२७	५७/४६	६/२७	५/३३	२६	४	१३	बृ.५७।५४	पूर्वास्तं बुधः ४७।४८ =ता.३०
२	चं	१८	३८	कृ	४५	१६	व्य	२७	४६	ग	१८	३८	४२	२८	३२	२७	५	१४	बृषे	भ. ५०।० उ. चित्रा. २ गुरुः ३।२७
३	मं	२१	२१	रो	४९	४१	व	२६	४४	वि	२१	२१	३९	२८	३२	२८	६	१५	वृषे	भ.२१।२१ या. तुला. बुधः४७।५ च.ब्र.
४	बु	२५	३८	मृ	५५	४४	प	२७	४	बा	२५	३८	३५	२९	३१	२९	७	१६	मि२२।४२	
५	गु	३१	२	आ	६०	०	शि	२८	१९	तै	३१	२	३१	३०	३०	३०	८	१७	मिथुने	
६	शु	३७	१३	आ	२	३४	सि	३०	१७	ग	४	७	२७	३१	२९	३१	९	१८	क.५३।१४	भ. ३७।१२ उ. चित्रा. शुक्र. १।३५
७	श	४३	३३	पु	१०	८	सा	३२	३२	वि	१०	२२	२४	३१	२९	१	१०	१९	कर्के	भ.१/२ ०/२या. स्वा.बुधः४५/४७ नवम्बर मा.११=
८	र	४९	५२	पु	१७	३३	शु	३४	४३	बा	१६	४३	२०	३२	२८	२	११	२०	कर्के	
९	चं	५५	१३	श्ले	२४	४३	शु	३६	४१	तै	२२	३२	१६	३३	२७	३	१२	२१	सिं२४।४३	
१०	मं	५९	५	म	३०	४०	ब्र	३७	३७	व	२७	९	१३	३३	२७	४	१३	२२	सिंहे	भ.२७।९ उ.५९।५या. +महालक्ष्मीपू.
११	बु	६०	०	पू	३५	२५	ऐं	३७	२८	ब	३०	१७	९	३४	२६	५	१४	२३	कं.५१।८	दृश्योः विशाखा.रविः५८/२२ तुला.शुक्रः२५/४४×
११	गु	१	३०	उ	३८	१६	वै	३५	५८	बा	१	३०	६	३५	२५	६	१५	२४	कन्यायां	विशाखा.रविः(सौरः २२/२९) रमा ११ब्र.वै.
१२	शु	१	५८	ह	३९	२३	वि	३३	१	तै	१	५८	२	३६	२४	७	१६	२५	कन्यायां	प्रदोषः घन १३ ×रमा ११ब्र. स्मा.
१३	श	०	३१	चि	३८	३६	प्री	२८	३०	व	०	३१	२६/५९	३६	२४	८	१७	२६	तु.८।५९	भ. ०।३१ उ. २८।५६ या. रूप १४
१४	श	५६	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	५२	४४	स्वा	३५	२८	आ	२२	४६	च	२५	२	५६	३७	२३	९	१८	२७	तुलायां	विशाखा.बुधः४९।१२श्रवणेभौमः१।२६+

२९पं.का.कृ.१सू.इ.२८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	५	५	५	०	१०	६
९	०	२६	२६	१७	१२	२५	९
२९	२४	१४	३२	३९	७	२१	३
४९	३६	५०	६	७	३०	३७	२४
५९	३९	९७	१६	७३	४/४०	३	६०
४७	३७	२६	३२	५४	व	११	२

३०पं.आ.कृ.८सू.इ.२८।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	५	५	०	१०	६
१६	५	७	२८	२६	११	२४	१६
२९	१८	५१	१	२१	३३	५९	४
३८	२८	२९	१९	०	१०	२२	३०
६०	४०	०/०	१३	७४	४/४०	३	६०
४	१६	०/०	२०	२	व	११	१८

३१पं.का.कृ.३०सू.इ.२८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	५	६	०	१०	६
२३	१०	१९	२९	५	११	२४	२३
३०	१८	२४	२९	६	०	३७	७
५८	०	२८	१४	७	०	६	८
६०	४०	०/०	१३	७४	४/२९	३	६०
१७	३५	०/४७	१४	२	व	११	३८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६९८सन्१९६९
१	चं	४६	५४	वि	३२	४०	सौ	१५	५०	किं	१९	४९	२६/५३	३६/७	५/२३	१०	१९	२८	वृ.१८।२२	स्वात्यां शुक्रः४४।८ अन्नकूटगोवर्द्धनपूजा
२	मं	४०	२४	अ	२८	८	शो	८/७	५५/३७	बा	१३	३९	४९	३८	२२	११	२०	२९	बृश्चिके	चि.३ तुला.गुरुः ४७/३३ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ२
३	बु	३३	५१	ज्ये	२३	२८	सु	५१	१७	तै	७	७	४६	३९	२१	१२	२१	१	ध.२३।२८	रमजान ९ *वृश्चि.बुधः२।३७गोपाष्टमी
४	गु	२७	५	मू	१८	३८	धृ	४२	४०	व	०	२८	४३	३९	२१	१३	२२	२	धनुषि	भ. ०।२८ उ. २७।५ या.
५	शु	२०	४७	पू	१४	१	शू	३४	४०	बा	२०	४७	४०	४०	२०	१४	२३	३	म.२७।५७	
६	श	१४	५६	उ	९	४५	गं	२६	५३	तै	१४	५६	३७	४१	१९	१५	२४	४	मकरे	हृश्यो बृश्चिकेऽर्कः ५४।२०
७	र	९	३७	श्र	६	८	वृ	१९	२३	व	९	३७	३४	४१	१९	१६	२५	५	कु.३४।३७	भ.६/३७ उ.३/२० या. बृश्चिकेऽर्कः सौरः१/४६*
८	चं	५	३	ध	३	५	ध्रु	१२	३३	ब	५	३	३१	४२	१८	१७	२६	६	कुम्भे	
९	मं	१	५	श	०/३८	५६/३५	व्या	६	२३	कौ	१	५	२९	४२	१८	१८	२७	७	मी४४।३१	अनु. बुधः १।३१ अक्षया ९
१०	मं	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×सौरः३/३४ प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
११	बु	५५	४२	उ	५८	३५	ह	०/४९	५६/७	व	२६	५३	२६	४३	१७	१९	२८	८	मीने	भ.२६/५३ उ.५५।४२या. हृश्योऽनु.रविः१३/४४×
१२	गु	५४	११	रे	५८	३६	सि	५१	३८	ब	२४	४७	२४	४३	१७	२०	२९	९	मे.५८।३६	प्रबोधिनी ११ व्र. वै.
१३	शु	५३	५३	अ	५९	४२	व्य	४८	१२	कौ	२४	२	२१	४४	१६	२१	३०	१०	मेषे	विशाखा. शुक्रः २०।९ प्रदोषः
१४	श	५४	३०	भ	६०	०	व	४५	३६	ग	२३	११	१९	४४	१६	२२	१	११	मेषे	भ.५४/३० उ. वैकुण्ठ १४ रा.मार्गशीर्षारंभः
१५	र	५६	३२	भ	१	४५	प	४४	७	वि	२५	३१	१६	४५	१५	२३	२	१२	वृ.१७।३९	भ.३५/३१ या. वक्री अश्वि.३ शनिः १५।२१

३२पं. का.शु.७सू.इ.२७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	६	६	०	१०	७
०	१५	०	०	१३	१०	२४	०
३३	२३	४२	५५	५०	२८	१४	११
४७	९	२५	२६	५६	२२	५१	१२
६०	४०	०/०	१२	७४	४/१०	३	६०
३०	५४	५६	४८	१४	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

कार्तिकशु.६शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

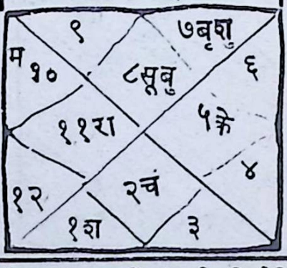

३३पं.का.शु.१५सू.इ.२७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	६	६	०	१०	७
७	२०	११	२	२२	९	२३	७
३७	२८	४७	१८	३७	५९	५२	१६
३७	१५	३८	४३	५९	१३	३५	४५
६०	४१	९९	१२	७४	५/०	३	६०
४२	१९	११	२३	२२	ब	११	५२

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणोकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५९	४४	कृ	५	२१	शि	४३	२०	बा	२८	८	२६/५३	६/४५	५/१५	२४	३	१३	वृषे	
२	मं	६०	०	रो	९	५१	सि	४३	२४	तै	३२	२	११	४६	१४	२५	४	१४	मि४२।४५	
२	बु	४	२०	मृ	१५	४०	सा	४४	३५	ग	४	२०	८	४६	१४	२६	५	१५	मिथुने	भ. ३७।० उ. ज्येष्ठा. बुधः २४।२९
३	गु	९	३९	आ	२२	८	शु	४६	१२	वि	९	३९	६	४७	१३	२७	६	१६	मिथुने	भ.९।३९ या. धनिष्ठा. भौमः१/५ ०/२ च.व्र.
४	शु	१५	४६	पु	२९	३८	शु	४८	१६	बा	१५	४६	३	४७	१३	२८	७	१७	क.१२।४५	चित्रा. ४ गुरुः ५३।३६
५	श	२२	१४	पु	३७	१६	ब्र	५०	४०	तै	२२	१४	१	४८	१२	२९	८	१८	कर्के	वृश्चिकेशुक्रः१/५ ६ पातस्पर्शः १५/७ मोक्षः३/३ १/८
६	र	२८	४२	श्ले	४४	४८	ऐं	५२	५२	व	२८	४२	२५/५९	४८	१२	३०	९	१९	सिं४४।४८	भ. २८।४२ उ. *शुक्रः ०।१६
७	चं	३४	३५	म	५१	३५	वै	५३	२५	वि	१	३८	५७	४९	११	१	१०	२०	सिंहे	भ. १।३८ या. **दिसम्बर मा.१२ ता.३१**
८	मं	३९	२२	पू	५७	१५	वि	५४	१०	बा	६	५९	५५	४९	११	२	११	२१	सिंहे	हृश्यो ज्येष्ठा. रविः३/५ ३/४ (सौरः४/५ १/१)अनु.*
९	बु	४२	३५	उ	६०	०	प्री	५४	४१	तै	१०	५८	५३	४९	११	३	१२	२२	कं.१३।१७	पूभा. १ राहुः पूफा. ३ केतुः ४१।५१
१०	गु	४३	५२	उ	१	२३	आ	५२	४६	व	१३	१३	५१	५०	१०	४	१३	२३	कन्यायां	भ. १३।१३ उ. ४३।५२ या.
११	शु	४३	१२	ह	३	४२	सौ	४९	११	ब	१३	३२	४९	५०	१०	५	१४	२४	तु.३३।४८	मूले धनुषि बुधः ११।५३ उत्पत्ति११व्र.
१२	श	४०	३०	चि	३	५५	शो	४४	१	कौ	११	५१	४८	५०	१०	६	१५	२५	तुलायां	कुम्भे भौम २२।३१
१३	र	३५	५२	स्वा	२/१२	५६/३५	अ	३७	२४	ग	७	४१	४६	५१	९	७	१६	२६	वृ.४४।३५	भ. ३५।५२ उ. प्रदोषः
१४	चं	२९	३२	अ	५३	४१	सु	२९	१९	वि	२	४२	४५	५१	९	८	१७	२७	वृश्चिके	भ. २।४२ या.
३०	मं	२२	१०	ज्ये	४७	४४	धृ	२०	१७	ना	२२	१०	४४	५१	९	९	१८	२८	ध.४७।४४	बुधोदयः पश्चिमायां ३५।९

३४पं. मा.कृ.६सू.इ.२७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	६	७	०	१०	७
१४	२५	२२	३	१	९	२३	१३
४२	३६	४४	३८	२४	३२	३०	२३
५४	०	३	४९	५४	६	१९	३१
६०	४१	९७	१२	७४	३/२४	३	६१
५०	३१	३८	२	२३	ब	११	३

गोचरग्रहाः

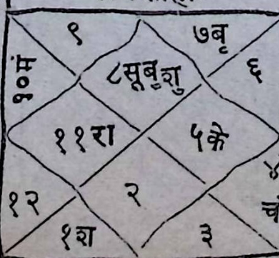

इस मासका फल साधारण है । राजाओंमें विग्रह हो विदेश यात्रा अधिक और अन्नादिक का भाव मन्दा होवे ।

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.कृ.१३सू.इ.२७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	६	७	०	१०	७
२१	०	३	४	१०	९	२३	२१
४८	४५	३५	५५	१३	१०	८	३१
५८	०	२०	५८	३७	१५	४	१८
६०	४१	९५	११	७४	४/३	३	६१
५६	४४	२८	२३	२८	ब	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७२८ स.१९६९
१	बु	१३	५६	मू	४१	११	शू	१०	३१	ब	१३	५६	२५/४२	५ ६/२	५/८	१०	१९	२९	धनुषि	
२	शु	५	२८	पू	३४	३१	गं	३ ०/२	५०/११	कौ	५	२८	४१	५२	८	११	२०	३०	म.४७।५७	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	५१	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	शु	४९	३८	उ	२८	१५	ध्रु	४०	५५	व	२३	२६	४०	५२	८	१२	२१	१	मकरे	भ.२३/२६ उ.४९/३८या. ज्येष्ठा. शुक्रः३४/२० पात*
५	श	४२	४७	श्र	२३	२	व्या	३१	५६	ब	१६	१३	३९	५२	८	१३	२२	२	कुं.५०।५२	पूषायां बुधः ५२।२७
६	र	३७	७	ध	१८	४१	ह	२४	१	कौ	९	५७	३८	५२	८	१४	२३	३	कुम्भे	चम्पा ६
७	चं	३२	३८	श	१५	१८	व	१६	५८	ग	४	५२	३८	५२	८	१५	२४	४	मी५८।५०	भ.३२/३८उ. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः ३ ०/६ (सौरः+
८	मं	२९	३०	पू	१३	२०	सि	१०	५३	वि	१	४	३७	५३	७	१६	२५	५	मीने	भ. १।४ या. +४५/१८)शते भौमः ३१/४८
९	बु	२८	३७	उ	१२	३२	व्य	५	५९	कौ	२८	३७	३७	५३	७	१७	२६	६	मीने	स्वा. १ गुरुः १८।५८
१०	गु	२७	७	रे	१३	७	व	५ १/९	५ ७/३	ग	२७	७	३७	५३	७	१८	२७	७	मे.१३।७	भ. ५७।३२ उ.
११	शु	२७	५७	अ	१५	५	शि	५७	६	वि	२७	५७	३६	५३	७	१९	२८	८	मेषे	भ.२७/५७ या. मोक्षदा ११ व्रतं गीताजयंती
१२	श	२९	४२	भ	१८	१३	सि	५६	७	बा	२९	४२	३६	५३	७	२०	२९	९	वृ.३४।१२	*स्पर्शः ३०/१४ पातमोक्षः ३४/४९ सव्वाल१०
१३	र	३२	५०	कृ	२२	१०	सा	५६	२	कौ	१	१६	३६	५३	७	२१	३०	१०	बृषे	प्रदोषः
१४	चं	३६	४७	रो	२७	२७	शु	५६	२५	ग	४	४९	३६	५३	७	२२	१	११	बृषे	भ. ३६।४७ उ. रा. पौषारंभः
१५	मं	४१	४७	मृ	३३	२१	शु	५७	३५	वि	९	१७	३६	५३	७	२३	२	१२	मि०।२४	भ.९/१७या.उषायांबुधः३/४१मूलेधनु.शुक्रः१०/२०

३६पं. मा.शु.६सू.इ.२७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	६	७	०	१०	७
२८	५	१४	६	१८	८	२२	२८
५५	५४	१२	९	५९	५२	४५	४०
५२	२६	४६	०	४२	४८	४८	१
६१	४२	९१	१०	७४	१ २/०	३	६१
०	३	३५	४९	२६	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

मार्ग. शु.७ चन्द्रे धनुष्यर्कःप्र.वा.३ न.४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयं पू. ।

गोचरग्रहाः

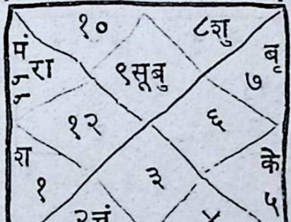

३७पं.मा.शु.१३सू.इ.२६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	६	७	०	१०	८
६	११	२४	७	२७	८	२२	५
३	६	२८	१३	५१	४०	२३	४९
२९	२१	८	१७	२८	४४	३३	२६
६१	४२	८२	१०	७४	१/२८	३	६१
४	२२	३६	२	३२	ब	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविर्दक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४७	२२	आ	३९	५८	ब्र	५९	१३	बा	१४	२४	३५/३७	५ ६/३	५/७	२४	३	१३	मिथुने	
२	गु	५३	४६	पु	४७	२२	ऐं	६०	०	तै	२०	३४	३७	५३	७	२५	४	१४	क.३०।३१	मकरे बुधः २६।४७
२	शु	६०	०	पु	५४	४९	ऐं	१	१४	व	२६	५७	३७	५३	७	२६	५	१५	कर्के	भ. २६।५७ उ.
३	श	०	९	श्ले	६०	०	वै	३	२९	वि	०	९	३८	५२	८	२७	६	१६	कर्के	भ. ०।९ या. च. व्र.
४	र	६	३५	श्ले	२	२६	वि	५	४५	बा	६	३५	३८	५२	८	२८	७	१७	सिं२।२६	दृश्यः पूषायां रविः३५।२ (सौरः ४६/५६)
५	चं	१२	४६	म	९	४१	प्री	७	४६	तै	१२	४६	३९	५२	८	२९	८	१८	सिंहे	
६	मं	१७	५९	पू	१५	५९	आ	९	७	व	१७	५९	४०	५२	८	३०	९	१९	कं.३२।२०	भ.१७/५९ उ.५०/० या. शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ४/१२
७	बु	२२	०	उ	२१	२४	सौ	९	३८	ब	२२	०	४०	५२	८	३१	१०	२०	कन्यायां	शु. अ. पू.
८	गु	२४	३७	ह	२५	११	शो	८	५९	कौ	२४	३७	४१	५२	८	१	११	२१	तु.५६।९	**जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९७०**
९	शु	२४	६	चि	२७	७	अ	६	४६	ग	२४	६	४२	५२	८	२	१२	२२	तुलायाँ	भ.५३/२३ उ. पूषा.शुक्रः४४/१३ पूभा.भौमः१६/२३
१०	श	२२	४१	स्वा	२७	९	सु	३/२	५४/४७	वि	२२	४१	४३	५१	९	३	१३	२३	तुलायां	भ. २२।४१ या.
११	र	१९	१	वि	२५	८	शू	५०	५६	बा	१९	०	४४	५१	९	४	१४	२४	वृ.१०।३८	वक्रीबुधः२५/४९मार्गीशनिः४१/७सफला११व्र.
१२	चं	१४	४०	अ	२०	५९	गं	४२	३७	तै	१४	४०	४६	५१	९	५	१५	२५	बृश्चिके	प्रदोषः
१३	मं	७	४१	ज्ये	१५	२६	वृ	३२	५८	व	७	४१	४७	५१	९	६	१६	२६	ध.१५।२६	भ. ७।४१ उ. ३३।२६ या.
१४	मं	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	बु	५०	२	मू	८	३८	ध्रु	२२	३७	च	२४	३७	४९	५०	१०	७	१७	२७	धनुषि	पश्चिमास्तो बुधः २५।५३

३८पं. पौ.कृ.४सू.इ.२६।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	६	८	०	१०	८
१३	१६	२	८	६	८	२२	१३
११	१८	५८	१९	३९	३३	१	५९
३१	३९	४	५१	५७	२१	१७	१८
६१	४२	५९	९	७४	०/४०	३	६१
६	२८	४०	२०	३२	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

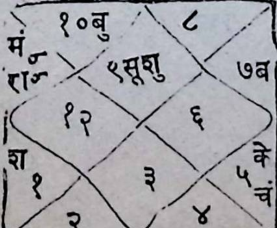

इस मास में घटाबढ़ी अधिक होगी। धान्य रुई चांदी सोना मजीठ गुड़ तेज होगा।

गोचरग्रहाः

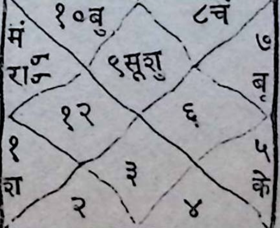

३९पं.पौ.कृ.११सू.इ.२६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	६	८	०	१०	८
२०	२१	६	९	१५	८	२१	२०
१९	३०	२२	१७	२७	३१	३९	९
२६	१०	१९	१०	१४	३३	१	१५
६१	४२	०/७	८	७४	०/२	३	६१
६	११	ब	२०	३२	व	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः सं. २०२६	शाकः १८९१										दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७५७स.१९७०
१	गु	४०	२७	पू	१/३	५२/१८	व्या	११	४४	किं	१५	१५	२५/५१	६/५०	५/१०	८	१८	२८	म.१४।१८	
२	शु	३१	१०	श्र	४६	१२	ह	४०/७	४९/२७	बा	५	४८	५२	५०	१०	९	१९	२९	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
३	श	२१	५६	ध	३९	३२	सि	४०	४	ग	२१	५६	५४	४९	११	१०	२०	१	कु.१२।५२	भ.४८/२७ उ. दृश्यः उषायां रविः ३९/४६ (सौरः*
४	र	१४	५९	श	३४	१७	व्य	३१	११	वि	१४	५९	५६	४९	११	११	२१	२	कुम्भे	भ. १४।५९ या.
५	चं	८	४४	पू	३०	४०	व	२३	३७	बा	८	४४	५८	४८	१२	१२	२२	३	मी१६।३४	वक्री घनु. बुधः ३०।५६
६	मं	४	१९	उ	२८	३३	प	१७	२०	तै	४	१९	२६/५	४८	१२	१३	२३	४	मीने	दृश्यो मकरेऽर्कः ५६/१० उषायां शुक्रः २१।११
७	बु	१	३६	रे	२८	१४	शि	१२	२६	व	१	३६	३	४७	१३	१४	२४	५	मे.२८।१४	भ.३६ उ.३१/७या. मकरेऽर्कः सौरः ३।४८
८	गु	०	३८	अ	२९	४१	सि	९	५	ब	०	३८	५	४७	१३	१५	२५	६	मेषे	वक्री पूषायां बुधः १५/२५ मकरे शुक्रः ५७।०×
९	शु	१	३१	भ	३२	४९	सा	६	५५	कौ	१	३१	८	४६	१४	१६	२६	७	बृ.४८।५४	*(सौरः ४९/३३) स्वाती.२गुरु २६/५६ जिलकाद११
१०	श	३	५०	कृ	३७	८	शु	५	५४	ग	३	५०	१०	४६	१४	१७	२७	८	बृषे	भ. ३५।४१ उ. ×मीने भौमः ४४/३७
११	र	७	३२	रो	४२	१७	शु	६	२२	वि	७	३२	१२	४६	१४	१८	२८	९	बृषे	भ. ७।३२ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	चं	१२	११	मृ	४८	५९	ब्र	७	३	बा	१२	११	१५	४५	१५	१९	२९	१०	मि१५।३८	बुधोदयः पूर्वस्यां १२।५३ प्रदोषः
१३	मं	१७	५०	आ	५६	९	ऐं	८	३१	तै	१७	५०	१७	४५	१५	२०	३०	११	मिथुने	दृ.अभि.प्र. रविः २६/५६ (सौरः ३५/१०) उभायां=
१४	बु	२३	४४	पु	६०	०	वै	११	२७	व	२३	४४	२०	४४	१६	२१	१	१२	क.४६।३१	भ.२३।४४ उ.५७।० या. रा.माघारंभः
१५	गु	३०	१७	पु	२	१९	वि	१२	३४	ब	३०	१७	२२	४४	१६	२२	२	१३	कर्के	माघ स्ना. प्रा. =भौमः २८।४५

४०पं. पौ.शु.४सू.इ.२६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	६	८	०	१०	८
२७	२६	५	१०	२४	८	२१	२७
२७	४२	३३	७	१७	३५	१६	१९
४०	३९	२६	५५	३४	२	४६	७
६१	४२	८७/८	७	७४	५६	३	६१
६	१६	व	१४	३५	मा	११	२४

गोचरग्रहाः

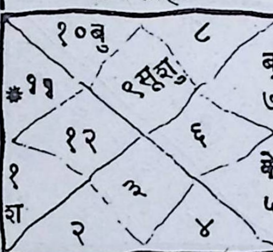

पौष शु.६ भौमे
मकरेऽर्कः प्र.वा.२
न.३प्रगलभावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः पूर्वं.।

गोचरग्रहाः

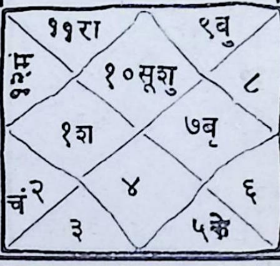

४१पं.पौ.शु.११ सू.इ.२६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	६	९	०	१०	९
४	१	२३	१०	३	८	२०	४
३५	५४	१२	३२	६	४३	५४	२८
३१	०	५०	३७	३	५१	३०	३२
६१	४२	६५/१	६	७४	१	३	६१
३	१४	व	१४	३८	३८	११	१९

ति	माघ	कृष्णपक्षः सं० २०२६	शाकः १८९१										वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२६	३५	पु	१०	५४	प्री	१४	४८	बा	३	२६	२६/२५	४६/३	५/१७	२३	३	१४	कर्के	दृश्यः श्रवणे रविः ४५/१८ (सौरः ५१/७) श्रवणे+
२	श	४२	५७	श्ले	१८	२०	आ	१६	५७	तै	९	४६	२७	४३	१७	२४	४	१५	सिं१८।२०	दृश्योऽभि. नि. रविः ३७/४७ (सौरः ४३।२३)
३	र	४८	४२	म	२५	२८	सौ	१८	४४	व	१५	५०	३०	४२	१८	२५	५	१६	सिंहे	भ.१५।५० उ.४८/४२या. मार्गी बुधः २१।३७
४	चं	५३	४७	पू	३२	१	शो	२०	१४	ब	२१	१५	३३	४१	१९	२६	६	१७	कं.४८।२८	चतुर्थी व्र.
५	मं	५८	२	उ	३४	४५	अ	२१	७	कौ	२५	५४	३६	४१	१९	२७	७	१८	कन्यायां	
६	बु	६०	०	ह	४२	२२	सु	२१	४	ग	२९	३५	३९	४०	२०	२८	८	१९	कन्यायां	
६	गु	१	७	चि	४५	३७	धृ	२०	०	व	१	७	४२	४०	२०	२९	९	२०	तु.१४।०	भ.१।७ उ.३१।५१ या. +शुक्रः ५४/५०
७	शु	२	३४	स्वा	४७	१३	शू	१७	४१	ब	२	३४	४६	३९	२१	३०	१०	२१	तुलायां	
८	श	१	३३	वि	४७	५	गं	१४	४	कौ	१	३३	४९	३८	२२	३१	११	२२	बृ.३२।७	
९	र	०	२२	अ	४५	१२	वृ	८	५०	ग	०	२२	५३	३८	२२	१	१२	२३	वृश्चिके	भ.२८/२१ उ.५६/४३या. फरवरी मा.२ ता.२८
१०	र	५६	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	चं	५१	८	ज्ये	४१	२६	ध्रु	२/१५	५२/२	ब	२३	५५	५५	३७	२३	२	१३	२४	ध.४१।२६	षट्तिला ११ व्र. रमा.
१२	मं	४४	६	मू	३६	७	ह	४५	६	कौ	१७	३७	५९	३६	२४	३	१४	२५	धनुषि	धनि. शुक्रः ३३/५५ षट्तिला ११ व्र. वै.
१३	बु	३५	३६	पू	२९	३६	व	३४	३४	ग	९	५१	२७/२	३६	२४	४	१५	२६	म.४२।४४	भ.३५/२६ उ.शते४राहुः पूफा.२केतुः ३४/५५ प्रदोषः
१४	गु	२६	१४	उ	२२	८	सि	२४	१	वि	०	५५	९	३५	२५	५	१६	२७	मकरे	भ. ०।५५ या. दृश्यो धनिष्ठा. रविः ५३/३९×
३०	शु	१६	३७	श्र	१४	१२	व्य	१२	५३	ना	१६	३७	६	३४	२६	६	१७	२८	कु.४०।१८	×(सौरः ५६/५८) उषायां बुधः ४२।९

४२पं.मा.कृ.३सू.इ.२६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	६	९	०	१०	९
११	७	२०	११	११	८	२०	११
४२	५	२४	२७	५४	५८	३२	३७
५८	१७	४३	२८	१०	१	१५	२८
६०	४२	४७/०	५	७४	२	३	६०
५९	६	मा	४	३८	२०	११	१३

गोचरग्रहाः

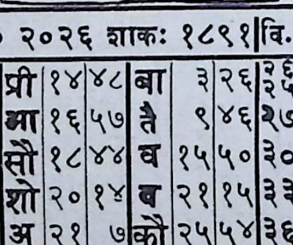

इस मासमें शीत
अधिक कहींकहीं
खेतियों में हानि
हो। खांड़गुड़ घृत
गेहूँ तेल चांदी
सोना तेज।

गोचरग्रहाः

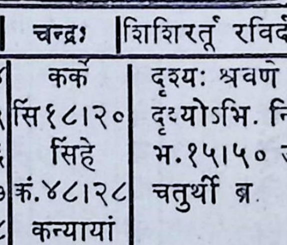

४३पं.मा.कृ.९ सू.इ.२६।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	६	९	०	१०	९
१८	१२	२३	११	२०	९	२०	१८
४९	३४	४८	५५	४१	१६	९	४५
२६	३१	४१	१५	४९	५५	५९	२८
६०	४२	४०	३	७४	२	३	६१
५५	१४	१३	५३	३८	५९	११	४

*चंमंरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ	शुक्लपक्षः	सं.	२०२६	शाकः	१८९१							दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५७८७स.१९७०
१	श	६	४७	ध	६/२४	५/३३	व	१/५२	४९/४८	ब	६	४७	२७/१३	६/३३	५/२७	७	१८	२९	कुंभे	मकरे बुधः ५५/४१ रेवत्यां भौमः ३६/५९ चन्द्र.
२	श	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	४९	५८	पू	५३	४७	शि	४२	१३	तै	२३	५२	१६	३३	२७	८	१९	१	मी४०।१२	कुम्भे शुक्रः ५४।२३ जिल्हेज १२
४	चं	४३	४७	उ	४९	३७	सि	३३	५५	व	१६	५२	२०	३२	२८	९	२०	२	मीने	भ. १६।५२ उ, ४३।४७ या.
५	मं	३९	२४	रे	४७	२३	सा	२७	२९	ब	११	३५	२४	३१	२९	१०	२१	३	मे.४७।२३	वसंत ५
६	बु	३७	३	अ	४७	१८	शु	२२	३५	कौ	८	१३	२७	३१	२९	११	२२	४	मेषे	
७	गु	३६	५७	भ	४९	११	शु	१९	१८	ग	७	०	३१	३०	३०	१२	२३	५	मेषे	भ.३६/५७उ. दृश्यःकुम्भेऽर्कः३८/५४(सौरः३०/५९)=
८	शु	३८	४५	कृ	५२	५४	ब्र	१७	३७	वि	७	५१	३५	२९	३१	१३	२४	६	बृ. ५।७	भ.५७/५१या.अश्वि.४शनिः१५/५५ भीष्माष्टमी
९	श	४२	११	रो	५८	७	ऐं	१७	२९	बा	१०	२८	३८	२८	३२	१४	२५	७	बृषे	शते शुक्रः ११।१४ =भ्रातृ ७
१०	र	४७	४	मृ	६०	०	वै	१८	२	तै	१४	३७	४२	२८	३२	१५	२६	८	मि३१।२१	
११	चं	५२	५८	मृ	४	३४	वि	१९	४१	व	२०	१	४६	२७	३३	१६	२७	९	मिथुने	भ.२०/१उ.५२/५८या.श्रवणेबुधः२०/२जया११ब्र.
१२	मं	५९	१०	आ	११	४८	प्री	२१	४०	ब	२६	४	५०	२६	३४	१७	२८	१०	मिथुने	
१३	बु	६०	०	पु	१९	१९	आ	२४	५	कौ	३२	३०	५४	२५	३५	१८	२९	११	क.२।२६	पश्चिमोदयं शुक्रस्यः१२/१ प्रदोषः प.उ.शु.
१३	गु	५	५०	पु	२६	५१	सौ	२६	२४	तै	५	५०	५८	२४	३६	१९	३०	१२	कर्के	दृश्यः शते रविः ५।१५ (सौरः ६।१७)
१४	शु	१२	१२	श्ले	३३	५०	शो	२८	२२	व	१२	१२	२/६	२४	३६	२०	१	१३	सिं३३।५०	भ.१२।१२ उ.४३/५७ या. रा.फाल्गुनारंभः
१५	श	१७	२	म	४१	४	अ	३०	१०	ब	१७	२	६	२३	३७	२१	२	१४	सिंहे	वक्री गुरुः १२।१

४४पं. मा.शु.३सू.इ.२६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	६	९	०	१०	९
२५	१७	०	१२	२९	९	१९	२५
५५	२२	३२	१८	२८	४१	४७	५२
११	८	३१	१५	४०	२७	४३	१५
६०	४२	६२	२	७४	३	३	६०
४७	११	२८	२८	३२	४१	११	५५

गोचरग्रहाः

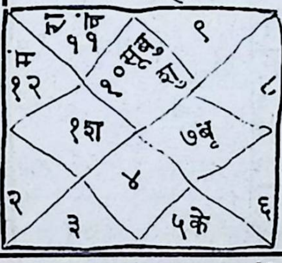

माघ शु. ७ गुरौ
कुंभेऽर्कः प्र. वा. ३
न. ३प्रगल्भावस्था
(बैठी) मु. १५
(धान्यभाव मह.)
शुक्रोदयः पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

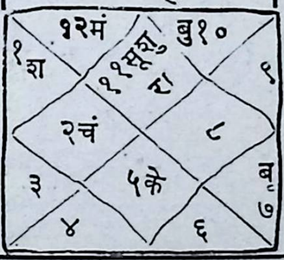

४५पं.मा.शु.१०सू.इ.२७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	६	१०	०	१०	१०
३	२२	९	१२	८	१०	१९	२
०	२९	५	२४	१४	९	२५	५८
४	३१	१३	१८	३१	४६	२८	१८
६०	४२	७७	१	७४	४	३	६०
३७	१३	५६	४	३२	२०	११	४२

ति.	फाल्गुन	कृष्णपक्षः	सं.	२०२६	शाकः	१८९१							दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२३	१८	पू	४७	११	शु	३१	२०	कौ	२३	१८	३८/१०	६/२२	५/३८	२२	३	१५	सिंहे	
२	चं	२७	५६	उ	५२	३२	धृ	३१	५६	ग	२७	५६	१४	२१	३९	२३	४	१६	कं.३।३१	भ..५९।४० उ.
३	मं	३१	२४	ह	५६	५५	शू	३१	४७	वि	३१	२४	१८	२०	४०	२४	५	१७	कन्यायां	भ.३१।२४ या. पूभायां शुक्रः५२/५७ च. ब्र.
४	बु	३३	५९	चि	६०	०	गं	३०	५०	ब	२	४१	२२	२०	४०	२५	६	१८	तु.२८।३९	धनिष्ठा. बुधः३५।३ मेषे भौमः५७।४८
५	गु	३५	२२	चि	०	२२	वृ	२९	४	कौ	४	४०	२६	१९	४१	२६	७	१९	तुलायां	
६	शु	३४	४०	स्वा	२	३७	ध्रु	२६	१३	ग	५	१	३०	१८	४२	२७	८	२०	वृ.४८।५६	भ. ३४।४० उ.
७	श	३४	३६	वि	३	४२	व्या	२२	२५	वि	४	३८	३४	१७	४३	२८	९	२१	वृश्चिके	भ. ४।३८ या.
८	र	३२	७	अ	३	२३	ह	१७	२३	बा	३	२१	३८	१६	४४	१	१०	२२	वृश्चिके	कुंभे बुधः४६।२३ **मार्च मा. ३ ता. ३१**
९	चं	२८	१०	ज्ये	३/५	५/४/६/२	व	११	३	तै	०	८	४२	१६	४४	२	११	२३	ध.१।३५	भ. ५५।३४ उ.
१०	मं	२२	५८	पू	५३	४९	सि	३/५०	५५/३८	वि	२२	५८	४६	१५	४५	३	१२	२४	धनुषि	भ. २३/५८ या. ×शुक्रः५४/१३ विजया११ब्र.
११	बु	१६	८	उ	४८	१३	व	४६	१४	बा	१६	८	५०	१४	४६	४	१३	२५	म.७।२५	दृश्यः पूभायां रविः३१/२० (सौरः२१/४)मीने×
१२	गु	८	२४	श्र	४१	३७	प	३६	१७	तै	८	२४	५४	१३	४७	५	१४	२६	मकरे	भ.५९।५२ उ. शते बुधः५९।२१ प्रदोषः
१३	गु	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु	५०	४६	ध	३४	२७	शि	२५	५१	वि	२५	१९	५८	१२	४८	६	१५	२७	कुं. ८।२	भ. २५।१९ या. महाशिवरात्री ब्र.
३०	श	४१	५४	श	२७	२३	सि	१५	२६	च	१६	२०	२९/२	१२	४८	७	१६	२८	कुम्भे	उभायां शक्रः ३४।६

४६पं.फा.कृ.१सू.इ.२७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	६	१०	०	११	१०
१०	२७	१८	१२	१६	१०	१९	१०
३	३३	४०	२५	५९	४३	३	२
३२	१८	५९	३०	४९	८	१२	५१
६०	४१	६९/१३	०/१४	७४	४	३	६०
२५	५०	ब	ब	३२	५०	११	३१

गोचरग्रहाः

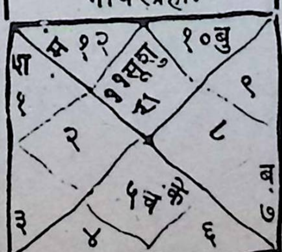

इस मास में प्रजामें रोग पीड़ा हो अनाज गल्ला में तेजी होकर मंदी होगी। सुदी में रुई रंग चांदी सोना तेज हो।

गोचरग्रहाः

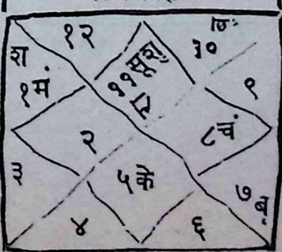

४७पं.फा.कृ.८ सू.इ.२७।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	६	१०	०	१०	१०
१७	२	२९	१२	२५	११	१८	१७
५	३६	२९	१७	४३	२०	४०	५
४६	२५	३१	४२	४८	१०	५७	४०
६०	४१	९७	४१	७४	५	३	६०
१२	५१	५५	ब	२६	१७	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	.अ	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८१६ स.१९७०
१	र	३३	२४	पू	२०	५२	सा	३६/५	५५/५०	किं	७	३९	२६	१५	४९/५	८	१७	२९	मी७।३०	पूर्वास्तं बुधः ३२/१९ पातस्पर्शः ५७।४६
२	चं	२६	६	उ	१५	२४	शु	४८	३०	कौ	२६	६	१०	१०	५०	९	१८	३०	मीने	चन्द्रद. फुलरिया २ पातमोक्षः ६।३०
३	मं	२०	२८	रे	११	३५	ब्र	४१	५१	ग	२०	२८	१४	९	५१	१०	१९	१	मे. ११।३५	भ. ४८/३५ उ. मोहोरम१ सन्१३९० हि.
४	बु	१६	४१	अ	९	३३	ऐं	३७	९	वि	१६	४१	१९	८	५२	११	२०	२	मेषे	भ. १६।४१ या.
५	गु	१५	१४	भ	९	४३	वै	३४	४	बा	१५	१४	२३	७	५३	१२	२१	३	वृ. २५।१४	
६	शु	१५	३५	कृ	११	४६	वि	३२	४१	तै	१५	३५	२७	७	५३	१३	२२	४	वृषे	पूभायां बुधः ३६।४९
७	श	१८	१२	रो	१६	१	प्री	३२	३८	व	१८	१२	३२	६	५४	१४	२३	५	मि४८।५५	भ. १९/१२ उ.५०।२१या. दृश्योमीनेऽर्कः ३२/१७+
८	र	२२	३०	मृ	२१	४९	आ	३३	४०	ब	२२	३०	३६	५	५५	१५	२४	६	मिथुने	होलाष्टकः ×शुक्रः १७/५२ आमलकी ११व्र.
९	चं	२८	८	आ	२८	४७	सौ	३५	४४	कौ	२८	८	४०	४	५६	१६	२५	७	मिथुने	भरण्यां भौमः ३०।२ +(सौरः ३१/२४)
१०	मं	३४	२०	पु	३६	४	शो	३७	४९	तै	१	१४	४४	३	५७	१७	२६	८	क. १९।१५	दृश्यः उभा. रविः ४३।२१ (सौरः ४२।०)
११	बु	४०	५१	पु	४३	४८	अ	४०	२०	व	७	३६	४९	२	५८	१८	२७	९	कर्के	भ. ३७/६ उ. ४०/५१ या. मीने बुधः ५३/५७ रेव.×
१२	गु	४६	४	श्ले	५१	११	सु	४२	२९	ब	१३	२७	५३	१	५९	१९	२८	१०	सिं५१।११	
१३	शु	५२	४९	म	५८	०	धृ	४४	१९	कौ	१९	२७	५७	१	५९	२०	२९	११	सिंहे	उभायांबुधः ४०/५८ भरणी१शनिः ५५/२६ प्रदोषः
१४	श	५७	३७	पू	६०	०	शू	४५	१९	ग	२५	१३	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	१२	सिंहे	भ. ५७।३७ उ.
१५	र	६०	०	पू	३	५४	गं	४५	३२	वि	२९	३०	६	५९/५	१	२२	१	१३	कं. २०।६	भ. ३९/३० या. होलिकादहनं रा.चैत्रारंभः
१५	चं	१	२२	उ	८	४२	वृ	४४	५८	ब	१	२२	१०	५८	२	२३	२	१४	कन्यायां	छारेंडी

४८पं. फा.शु.१सू.इ.२८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	६	११	०	१०	१०
२४	७	११	११	४	१२	१८	२४
६	३७	३	५९	२६	०	१८	७
२९	३०	१०	३४	५३	३	४१	३
५९	४१	६०/०	३/११	७४	५	३	६०
५८	५२	९/१३	ब	२६	४४	११	०

४९पं. फा.कृ.८सू.इ.२८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	६	११	०	१०	११
१	१२	२३	११	१३	१२	१७	१
५	३७	३१	३३	९	४३	५६	६
४२	१४	१	५७	४३	५१	२५	४५
५९	४१	३९/०	४/१५	७४	६	३	५९
४१	३६	९/३१	ब	२६	११	११	४१

५०पं. फा.शु.१५सू.इ.२८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	६	११	०	१०	११
८	१७	६	११	२१	१३	१७	८
३	३४	५४	०	५१	३०	३४	४
१८	२३	३६	३९	२१	०	१०	४०
५९	४१	८/०	५/२५	७४	६	३	५९
२९	३७	९/२८	ब	२०	२६	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२६ शाकः १८९१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	त्रसंततर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३	५९	ह	१२	३०	ध्रु	४३	२५	कौ	३	५९	३०/१४	५/५७	६/३	२४	३	१५	तु. ४३।४८	वसन्त १
२	बु	५	३५	चि	१५	६	व्या	४१	५	ग	५	३५	१८	५६	४	२५	४	१६	तुलायां	भ. ३५।४७ उ.
३	गु	५	५९	स्वा	१६	५०	ह	३८	३	वि	५	५९	२३	५५	५	२६	५	१७	तुलायां	भ. ५।५९ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	४	२०	वि	१७	३२	व	३४	११	बा	४	२०	२७	५५	५	२७	६	१८	वृ. २।२२	रेवत्यां बुधः १६।१९
५	श	२	४४	अ	१७	२७	सि	२९	३४	तै	२	४४	३१	५४	६	२८	७	१९	वृश्चिके	
६	र	१	२२	ज्ये	१६	१३	व्य	२३	४९	व	१	२२	३५	५३	७	२९	८	२०	ध. १६।१३	भ. २१/२ उ. ३९/४० या. अश्वि.मेषे शुक्रः ३।२९
७	र	५६	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	चं	५३	५५	मू	१४	११	व	१८	२	बा	२५	५७	३९	५२	८	३०	९	२१	धनुषि	शीतलापूजनम् ●अप्रेल मा.४ता.३०
९	मं	४८	४२	पू	१०	२६	प	११	२०	तै	२१	१९	४४	५१	९	३१	१०	२२	म. २४।४५	दृश्यो रेवत्यां रविः ११।४ (सौरः ९।२८)
१०	बु	४२	४९	उ	७	४३	शि	५३/२	५१/४९	व	१५	४६	४८	५०	१०	१	११	२३	मकरे	भ. १५/४६ उ. ४२/४९ या. वक्रीस्वा.१ गुरुः ३६।९●
११	गु	३६	६	श्र	११/३	५४/५४	सा	४७	५	ब	९	२७	५२	५०	१०	२	१२	२४	कुं. ३०।३८	अश्वि.मेषेबुधः ५०/४१ पापमोचनी ११व्र.
१२	शु	२८	५०	श	५२	२६	शु	३८	५	कौ	२	२८	५६	४९	११	३	१३	२५	कुम्भे	प्रदोषः
१३	श	२१	१८	पू	४६	५४	शु	२९	५	व	२१	१८	३१/००	४८	१२	४	१४	२६	मी३३।१७	भ. ३१/१८ उ. ४७/३२ या. कृत्तिका.भौमः २६।२७
१४	र	१३	४७	उ	४१	४३	ब्र	२०	३१	श	१३	४७	४	४७	१३	५	१५	२७	मीने	बुधोदयः पश्चिमायां २१।१७
३०	चं	७	६	रे	३७	३७	ऐं	१२	२९	ना	७	६	८	४६	१४	६	१६	२८	मे. ३७।३७	सोमवती३० मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.६सू.इ.२९।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	६	०	०	१०	११
१४	२२	२१	१०	०	१४	१७	१५
५९	३०	८	२०	३१	१८	११	०
१३	०	२९	१३	४०	४	५४	४५
५९	४१	९/०	६/२१	७४	६	३	५९
१६	३२	९/२२	ब	२०	४१	११	१८

गोचरग्रहाः

फा. शु. ७ शनौ
मीनेऽर्कः प्र.त्रा.३
न. ४ वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्यभाव सम)
शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

५२पं. चै.कृ.१४सू.इ.२९।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	६	०	०	१०	११
२१	२७	५	९	९	१५	१६	२१
५३	२३	०	३३	१०	८	४९	५४
३१	३१	५४	५७	३३	३८	३९	५६
५९	४१	३९/०	७/१३	७४	६	३	५९
४	२८	९/४६	ब	८	५९	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७१ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७१ भोग्यकलिः ४२६९२९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२७ शाकः १८९२ वर्षेऽस्मिन् राजा भौमः। मंत्री चन्द्रः। सस्येशोगुरुः। धान्येशो भौमः। मेघेशोरविः। रसेशश्शनिः। नीरसेशो गुरुः। फलेशोरविः। धनेशो बुधः। दुर्गेशोरविः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां रुधिरोद्गारीनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्क्समये गत-मासादिः ५।२६।२१।६ भोग्यमासादिः ६।३।३८।५४। भगदैवतंयुगम्। वर्षं नाम चैत्रः। मेघ नाम पुष्करः। रोहिणी निवासः पर्वते। समयनिवासो कुंभकारगृहे। समय विश्वा १८। समय वाहनं वृषभः। स्तम्भौ२ अन्नवाय्वोः। सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी २। अंगारकी चतुर्थी२। बुधाष्टमी ३। भानुसप्तमी ३। रविदशमी २। समय मुहूर्ताः ३६०। समयदिनानि ३५४। तिथिक्षयः १६। तिथिवृद्धिः १०। उत्पत्तिविश्वा ९६। खपतिविश्वा १०८। वर्षाविश्वा १७। धान्यम् ७। तृणम् १५। शीतम् ११। तेज ५। वायुः १३। वृद्धिः १५। क्षयः १५। विग्रहः ११। ऐक्यं १०९। सत्यं ।।, धर्मं १।।, पाप१८। शनि दृष्टिः पूर्वस्यां। अस्मिन्वर्षे भारते ग्रहणाऽभावः।

भैरव भवानी संवाद

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्चं	१४	८	५	२	१४	५

भैरव प्रश्न

भैरव कहे पुकार के सुन जगदम्बे मात।
साल सताइस आईया सभी कहो कुशलात।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे सुन ले सोच विचार।
संवत् सखरो होयसी घरघर दुःख अपार।।
जन्मे सो जीवें नहीं बालक कष्ट विशेष।
कामनियां दुख पायसी इसमें मीन न मेष।।
राष्ट्रपति भये भूमिसुत इनका क्रूर स्वभाव।
यह सुख से नहीं रहन दे बिच बिच देखे दाव।।
चन्द्रदेव मंत्री भये सस्यपति गुरु जान।
यह शुभ फल दातार है बढै मान सम्मान।।
आषाढां आगे चले रवि रथ से कुजराय।
श्रावण कृष्णा पाखलौ वर्षा स्वल्प दिखाय।।
रुधिरोद्गारी वर्ष है तेजी कारक योग।
ग्रीष्म धान्य संचय करो ईश्वर दें सब भोग।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्चं	८	१४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् १।१५

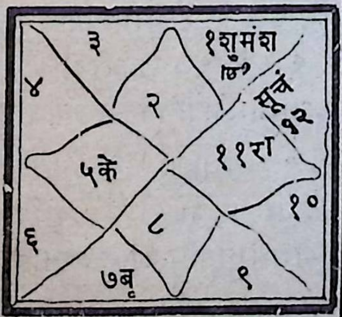

वर्षेश लग्नम् ८।११

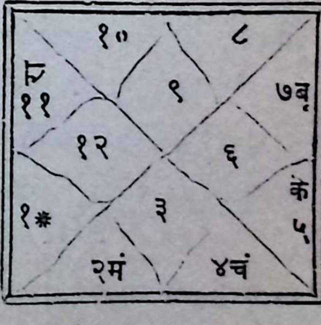

*सूबुशुश

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२५।३३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम्–भौमे नृपे वन्हि भयं जन क्षयं चौरा कुलं पार्थिव विग्रहं च। दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुंचति वारिवाहः ।। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्–शशिनि मन्त्री गते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता। वियति वारिधरा बहुवर्षिणो, जनपदा सुख राशि सुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुस्तत्फलम्–कणपतौ सुर राज पुरोहिते सकल सौख्य करः श्रुति पूर्वकः। जलधरा जलदा बहु सस्यदा रस पयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौमः फलम्–भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम्। शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशो रविः फलम्–जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम्। यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुविवर्तते ।। रसेशश्शनिः फलम्–रवि सुते रस रसपे संक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः। अजगवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषुनरा न रसैर्युताः ।। नीरसेशोगुरुः फलम्–हरिद्रा पीत वस्तूनि पीत वस्त्रादिकं च यत्। नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशो रविः फलम्–द्रुमवती फल पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता। बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधस्तत्फलम्–द्रविणपो हिमरश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा। द्विजवराजय यज्ञ सुसंयुता कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशो रविः फलम्–नय विशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नर राज पुरोगमाः। समधिको नतदा नृपजोऽन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। रुधिरोद्गारी संवत्सरः फलम्–आहवेनिरताः सर्वे भूपारोगैस्तथा जनाः। यथा कथंचिज्जीवंति रुधिरोद्गारिवत्सरे ।। वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम्–सस्यानि घृत कार्पास तैलादि सुख संचयः। चैत्र वर्षे भवेद्वृद्धिः नृप सौख्य फलप्रदा ।। मेघनाम पुष्करः फलम्–पुष्करे मंद बृष्टिश्च ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्–रोहिणी नाम नक्षत्रं पर्वतस्थं यदा भवेत्। वृष्टि हानिस्तदा ज्ञेया सर्व सस्य विनाशनम् ।। समयनिवासो कुंभकार गृहे फलम्–अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२७ शाके १८९२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु गोध्रूल्यां भौम ७।८ दोषः

चै.शु.१०गुरौ मघा. ल.गो. ९ रे.७ ।ऽ।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १२शनौ उफा. ल. ९-१० रे. ९ ऽ।।।।।।।

,, १३ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. ९-१० रे.९ ।।।।।ऽऽ।।।

वै.कृ. ४ शनौ मूले ल. गो. १० रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।।

,, १२शनौ उभा.ल.१० रे.८।ऽ।।।।ऽ।। तिथ्यंतः कृष्णानंग चतुर्दिनन्च

वै. शु. ३ शुक्रे मृगे ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।ऽचो।।।।

,, ११ रवौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽअ.ऽ।।।

ज्ये.कृ.९ शुक्रे उभा. ल.अन्यगो. रे.९।।।।।।।ऽ।। भौ.शु.८ दोषः

,, १०शनौ रेव. ल.अन्यगो. रे.७ ।।।।।ऽऽऽ।। भौ.शु.८ दोषः

ज्ये.शु.८ शुक्रे उफा. ल. गो रे. ९ ।।।।।।।ऽ।। भौ. शु.८ दोषः

आ.कृ. ८शुक्रे रेव. ल. अन्यगो.२ रे.६ ।।।।।ऽअ.ऽऽ।ऽ बृष लग्ने रेखा७ दग्धाऽभावः शु. श. पूज्यौ

आ.शु. ५गुरौ उफा.ल.अन्यगो.२रे.१०।।।।।।।।।।वृषेशनि१२पू.

,, ६शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो.२ रे.८।।।।।।ऽऽ।।वृषेशनि१२पू.

मार्गं.कृ.११भौमे हस्ते ल. अन्यगो. ४ रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।

मार्ग.शु.२चंद्रे मूले ल. ६ रे. ८ ।।ऽबु.।।।ऽ।।।

,, ४बुधे उषा. ल. ४-६ रे. ९ ।।।।।।।।। कर्के चं.७ पूज्यः

,, ८रवौ उभा. ल.अन्यगो.६ रे.९।।।।।।।।।। कन्या.चं.७पू.

,, १०भौमे रेव. ल. गो. ४(घ.३।६या.)रे.६ ।ऽ।।।ऽनृऽऽ।।

,, १४शुक्रे रोहि. ल.४-६ (घ.३३।७उ.) रे.७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

,, १५शनौ मृगे ल. ४-६ रे. ७ ।ऽ।।ऽ।।ऽ।।

पौ.कृ.१ रवौ मृगे ल. गो. रे. ६ ।ऽऽ।ऽ।।ऽ।।

माघकृ.५शनौ उफा. ल. ६-९ रे. ८ ।।।।।ऽअ.।ऽ।।

,, ६ रवौ उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

, ६ रवौ हस्ते ल. ९ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।।

, ७ भौमे स्वा. ल. ९ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

,, ८ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. ६ रे. ७ ।।।।।ऽचोऽऽ।।

माघशु.४शनौ उभा. ल. अन्यगो. ६-९ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

,, ५ रवौ रेव. ल. अन्यगो. ६-९ रे. ९ ।।।।।ऽरो.।।।।

,, ९ गुरौ रोहि.ल.गो.६रे.६ऽ।।।ऽ।।ऽऽ।गणितेनक्रां.सा.अभा.

फा.कृ.३शनौ उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

,, ४ रवौ हस्ते ल. ९ रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।।

,, ६ भौमे स्वा.ल.गो.६रे.७ऽऽ।।।।।।ऽ।गणि.क्रां.सा.अभावः

फा.शु.१शुक्रे उभा. ल. ९ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८४६ स.१९७०
१	मं	१	५	अ	३४	३७	वै	५/३४	५६/१२	ब	१	५	३१/१२	५/४६	६/१४	७	१७	२९	मेषे	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरा. सिंधारा
२	मं	५५	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	५४	१८	भ	३३	३९	प्री	५५	३४	तै	२५	२९	१६	४५	१५	८	१८	१	बृ.४८।४९	भरण्यांशुक्रः ५१/१७ शते३राहुः पूफा.१केतुः+
४	गु	५३	४४	कृ	३४	१७	आ	५२	४०	व	२४	१	२०	४४	१६	९	१९	२	बृषे	भ.२४/१ उ.५३/४४ या. भरण्यां बुधः ५०/५५ वृषे*
५	शु	५५	१९	रो	४७	७	सौ	[illegible]१	५६	ब	२४	३१	२४	४३	१७	१०	२०	३	बृषे	*भौमः १५।४८
६	श	५८	३५	मृ	४१	४०	शो	५१	५६	कौ	२६	५७	२८	४२	१८	११	२१	४	मि९।२३	+३१/१६ गणगौरी सफर २
७	र	६०	०	आ	४७	४९	अ	५३	२५	ग	३१	५	३२	४२	१८	१२	२२	५	मिथुने	
७	चं	३	३४	पु	५५	०	सु	५५	२७	व	३	३४	३६	४१	१९	१३	२३	६	क.३८।१२	भ.३/३४ उ.३६/३० या. दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः ४५/९=
८	मं	९	२५	पु	६०	०	धृ	५७	५०	ब	९	२५	४०	४०	२०	१४	२४	७	कर्के	रामनवमी स्मा. =(सौरः ४४।३)
९	बु	१५	५५	पु	२	३७	शू	६०	०	कौ	१५	५५	४३	३९	२१	१५	२५	८	कर्के	अस्तं शनेः ७।५५ रामनवमी वै.
१०	गु	२१	५८	श्ले	१०	२	शू	०	५	ग	२१	५८	४७	३९	२१	१६	२६	९	सि१०।२	भ. ५४।५२ उ.
११	शु	२७	४७	म	१७	२	गं	२	७	वि	२७	४७	५१	३८	२२	१७	२७	१०	सिंहे	भ.२७/४७ या. भरणी. २ शनिः ३९/४० कामदा×
१२	श	३२	१९	पू	२३	१०	वृ	३	२५	बा	०	३५	५५	३७	२३	१८	२८	११	कं.३९।१९	×११ व्र. पातस्पर्शः २/१८ मोक्षः १३/४२
१३	र	३५	४०	उ	२७	४६	ध्रु	३	३५	कौ	३	५९	५८	३६	२४	१९	२९	१२	कन्यायां	कृत्तिका. शुक्रः ४५।२४ प्रदोषः
१४	चं	३७	३३	ह	३१	११	व्या	२	४२	ग	६	३६	३३/२	३६	२४	२०	३०	१३	कन्यायां	भ. ३७।३३ उ.
१५	मं	३७	५५	चि	३३	१३	ह	०/४५	१७/०	वि	७	४४	६	३५	२५	२१	१	१४	तु.२।१२	भ.७/४४ या. कृत्ति.बुधः ५/९ हनुमज्ज. रा.वैशा.

१पं. चै.शु.७चं.इ.४५।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	०	०	१०	०
०	३	१८	८	१९	१६	१६	०
०	६	५७	३६	२०	११	२३	१
०	३९	५७	५७	२४	९	३१	४
५८	४१	८६	४७	७४	७	३	५८
४४	१३	३४	व	२	९	११	४५

गोचरग्रहाः

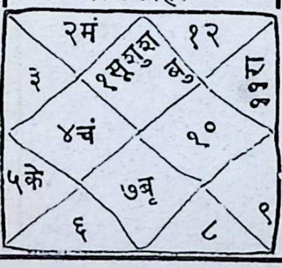

चैत्र शु. ७ चन्द्रे मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

२पं. चै.शु.१४चं.इ.४५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	०	०	१०	०
६	७	२६	७	२७	१७	१६	६
५०	५६	२५	४२	५४	३	१	५१
४२	४९	१२	४३	०	४६	१५	१५
५८	४०	४५	७/५२	७३	७	३	५८
३१	५२	५	व	५६	१७	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३६	५८	स्वा	३३	४१	सि	५३	४३	बा	७	२६	३२/१०	५/३४	६/२६	२२	२	१५	तुलायां	वृषे शुक्रः २७।४२
२	गु	३५	०	वि	३३	२६	व्य	४९	१	तै	५	५९	१४	३३	२७	२३	३	१६	बृ.१८।३२	रोहिण्यां भौमः ४६।१८
३	शु	३१	५३	अ	३२	१६	व	४३	४३	व	३	२६	१७	३३	२७	२४	४	१७	बृश्चिके	भ. ३।२६ उ. ३१।५३ या. च. व्र.
४	श	२८	१२	ज्ये	३०	१७	प	३७	५१	बा	२८	१२	२१	३२	२८	२५	५	१८	ध.३०।१७	
५	र	२३	५८	मू	२७	५१	शि	३१	३४	तै	२३	५८	२५	३१	२९	२६	६	१९	धनुषि	
६	चं	१९	३१	पू	२५	१	सि	२५	५	व	१९	३१	२९	३०	३०	२७	७	२०	म.३९।१८	भ.१९/३१ उ.४०/६ या. दृश्योभरण्यां रविः २५/२५*
७	मं	१४	४२	उ	२२	८	सा	१८	२०	ब	१४	४२	३२	३०	३०	२८	८	२१	मकरे	*सौरः २५/२१ वक्री बुधः २५।११
८	बु	९	३५	श्र	१८	४१	शु	११	१७	कौ	९	३५	३६	२९	३१	२९	९	२२	कुं.४६।५४	वक्री चित्रा ४ गुरुः २।१४
९	गु	३	१४	ध	१५	७	शु	४/४	५२/३४	ग	३	१४	४०	२८	३२	३०	१०	२३	कुम्भे	भ.३०/५३ उ.५८/३१ या. रोहि शुक्रः ३६/३ बुधास्तः×
१०	शु	५५	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×पश्चिमाया २१।४६
११	शु	५२	४७	श	११	११	ऐं	४९	१४	ब	२५	३९	४३	२७	३३	१	११	२४	मी५३।२४	बरूथिनी ११ व्र. स्मा. **मई मा. ५ ता. ३१**
१२	श	४७	१	पू	७	२९	वै	४२	५	कौ	१९	५४	४७	२७	३३	२	१२	२५	मीने	वरूथिनी ११ व्र. वै.
१३	र	४१	३६	उ	३	५३	वि	३५	४	ग	१४	१९	५१	२६	३४	३	१३	२६	मीने	भ. ४१।३६ उ. प्रदोषः
१४	चं	३६	५७	रे	०/४४	५७/४०	प्री	२८	५०	वि	९	१६	५४	२५	३५	४	१४	२७	मे.०।४४	भ. ९।१६ या.
३०	मं	३३	१९	भ	५७	२२	आ	२३	१५	च	५	८	५७	२५	३५	५	१५	२८	मेषे	

३पं. वै.कृ.६चं.इ.४५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	१	०	१०	०
१३	१२	२९	६	६	१७	१५	१३
३९	४४	१७	५०	३०	५७	३९	३९
४३	६	२०	२	७	२१	०	४०
५८	४०	१३	५२	७३	७	३	५८
१७	४८	व	व	५६	२०	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास में मंदी के योग हैं। कृष्ण पक्षकी तिथि घट जाय। एक चीज तो क्या बढ़े सभी चीज बढ़ जाय ।।

गोचरग्रहाः

४पं. वै.कृ.१४चं.इ.४५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	१	०	१०	०
२०	१७	२७	५	१५	१८	१५	२०
२७	३०	३१	५७	२	५२	१६	२६
२५	७	५१	५०	२०	८	४४	२०
५८	४०	३०/२१	७/२८	७३	७	३	५७
६	५५	व	व	४३	२०	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८७५ सन् १९७०
१	बु	३१	६	कृ	५७	५१	सौ	१८	५५	किं	२	१३	३३/१	५/२४	६/३६	६	१६	२९	वृ.१२।२९	वक्रां भरण्यां बुधः २८।२६ चन्द्रदर्शनम्
२	गु	३०	२०	रो	५९	५१	शो	१५	४७	बा	०	४३	४	२३	३७	७	१७	१	वृषे	परशुराम जयन्ती रविलावल ३
३	शु	३१	२५	मृ	६०	०	अ	१४	१०	तै	०	५३	७	२३	३९	८	१८	२	मि ३१।३८	अक्षया ३
४	श	३४	१२	मृ	३	२५	सु	१३	२८	व	२	४८	१०	२२	३८	९	१९	३	मिथुने	भ. २।४८ उ. ३४।१२ या.
५	र	३८	२९	आ	८	३८	धृ	१४	१४	ब	६	२०	१३	२१	३९	१०	२०	४	क.५८।३५	
६	चं	४३	४९	पु	१५	१४	शू	१५	५८	कौ	११	९	१६	२१	३९	११	२१	५	कर्के	दृश्यः कृत्तिका. रविः ५/३ १/८ (सौरः ५/१ ३/८) मृगे+
७	मं	५०	२	पु	२२	१९	गं	१८	८	ग	१६	५५	१९	२०	४०	१२	२२	६	कर्के	भ. ५/० २ उ. पातःपर्शः ४/४ ३/४ मोक्षः ५/४ ६/६
८	बु	५६	१६	श्ले	२९	५४	वृ	२०	३७	वि	२३	९	२२	२०	४०	१३	२३	७	सिं २९।५४	भ. २ ३/९ या. मृगे भौमः २ ४/७ भरणी. ३ शनिः ४/५ ६/७
९	गु	६०	०	म	३७	११	ध्रु	२२	४७	बा	२९	११	२५	१९	४१	१४	२४	८	सिंहे	दृश्यो वृषेऽर्कः ३८।३५ (सौरः ४१।६)
९	शु	२	५	पू	४३	५६	व्या	२१	२९	कौ	२	५	२८	१८	४२	१५	२५	९	कं.५९।५९	
१०	श	६	३१	उ	४८	७	ह	२५	१२	ग	६	३१	३०	१८	४२	१६	२६	१०	कन्यायां	भ. ३८।२५ उ. +शुक्रः ३६।३९
११	र	१०	२०	ह	५२	५६	व	२४	४७	वि	१०	२०	३३	१७	४३	१७	२७	११	कन्यायां	भ. १/२ ०/० या. मिथुने शुक्रः ६/२४ मोहिनी ११ व्र.
१२	चं	१२	१	चि	५४	४६	सि	२३	४	बा	१२	१	३६	१७	४३	१८	२८	१२	तु.२३।५१	पूर्वोदयी बुधः १७।७ प्रदोषः
१३	मं	१२	७	स्वा	५५	१०	व्य	१९	५६	तै	१२	७	३९	१६	४४	१९	२९	१३	तुलायां	नृसिंह जयन्ती १४
१४	बु	१०	१४	वि	५३	४८	व	१५	२२	व	१०	१४	४१	१६	४४	२०	३०	१४	वृ.३९।९	भ. ५/१ ०/४ उ. ३/३ ८/५ या. उदयं शनेः ४५।२०
१५	गु	६	५७	अ	५१	२२	प	९	५१	ब	६	५७	४३	१५	४५	२१	३१	१५	वृश्चिके	यमाय अन्नजल कुम्भदानम्

५पं. वैं.शु. ६चं.इ.४६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	१	०	१०	०
२७	२२	२४	५	२३	१९	१४	२७
१३	१३	२२	९	३१	४५	५४	११
३४	१९	१५	५८	३७	१४	२८	३४
५७	४०	३३/३१	६/४५	७३	७	३	५७
५४	५०	व	व	२७	२०	११	५४

गोचरग्रहाः

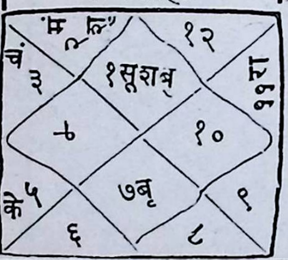

वैशाख शु.९गुरौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ गतालकवस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

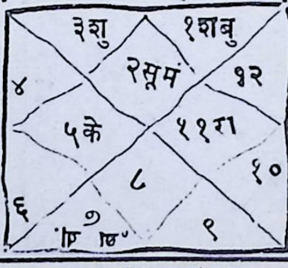

६पं. वै.शु.१४चं इ.४६।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	६	२	०	१०	१
३	२६	२०	४	२	२०	१४	३
५८	५५	२०	२५	१	३८	३२	५५
२६	३६	३१	४८	४	३८	१३	२७
५७	४०	२०/१६	६/०	७३	७	३	५७
४४	५४	व	व	१७	१४	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२	१९	ज्ये	४७	५३	शि	३/२०	५२/५७	कौ	२	१९	३३/४६	५/१५	६/४५	२२	१	१६	ध.४७।५३	आर्द्रा. शुक्रः ३९।२७ रा. ज्येष्ठारम्भः
२	शु	५४	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	५०	५५	मू	४३	५९	सा	४९	४९	व	२३	५८	४८	१४	४६	२३	२	१७	धनुषि	भ. २३।५८ उ. ५/३ ०/५ या. मिथुने भौमः २/१ ३/५
४	र	४४	५०	पू	३९	५३	शु	४१	१५	ब	१७	५३	५०	१४	४६	२४	३	१८	म.५३।५२	मार्गी बुधः ४।५९ चतुर्थी व्र.
५	चं	३८	४१	उ	३५	४७	शु	३३	३४	कौ	११	४५	५२	१४	४६	२५	४	१९	मकरे	दृश्यो रोहिण्यां रविः २।१० (सौरः १५/७)
६	मं	३२	५५	श्र	३१	५७	ब्र	२५	१०	ग	५	५८	५४	१३	४७	२६	५	२०	मकरे	भ. ३२।५५ उ.
७	बु	२७	३१	ध	२८	२८	ऐं	१९	५	वि	०	१३	५६	१३	४७	२७	६	२१	कुं.०।१३	भ. ०।१३ या.
८	गु	२२	११	श	२५	१०	वै	१२	१३	कौ	२२	११	५८	१२	४८	२८	७	२२	कुम्भे	
९	शु	१७	३१	पू	२२	२५	वि	५/३८	५३/५५	ग	१७	३१	३४/००	१२	४८	२९	८	२३	मी ८।६	भ. ४५।१६ उ.
१०	श	१३	२	उ	२०	४	आ	५३	५३	वि	१३	२	२	१२	४८	३०	९	२४	मीने	भ. १३।२ या.
११	र	९	१६	रे	१८	२६	सौ	४८	५६	बा	९	१६	४	११	४९	३१	१०	२५	मे.१८।२६	अपरा ११ व्र.
१२	चं	६	५	अ	१७	२२	शो	४४	१७	तै	६	५	६	११	४९	१	११	२६	मेषे	वक्री चित्रा ३ गुरुः ६।३३ प्रदोषः जून×
१३	मं	३	५२	भ	१७	१६	अ	४०	४३	ब	३	५२	७	११	४९	२	१२	२७	वृ.३२।३२	भ. ३।५२ उ. ३३।१८ या. पुन. शुक्रः ४/४ ३/६ *
१४	बु	२	४४	कृ	१८	१९	सु	३७	५९	श	२	४४	९	१०	५०	३	१३	२८	वृषे	*आर्द्रा. भौमः २३।४६
३०	गु	२	४३	रो	२०	३१	धृ	३६	३१	ना	२	४३	१०	१०	५०	४	१४	२९	मि ५२।१७	वट पूजनम् ×मा. ६ ता. ३०

७पं. ज्ये.कृ.५चं.इ.४६।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	६	२	०	१०	१
१०	१	२०	३	१०	२१	१४	१०
४२	३६	१	४७	२७	३१	९	३२
२५	३२	३३	३८	३२	२२	५७	२३
५७	४०	६/२७	४/४९	७३	७	३	५७
३५	२८	व	व	२	२	११	२३

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शुक्रवार शुभ हैं। धूपअधिक वायुका जोर रहे अनाज जो गेहूँ आदि में मन्दी होकर तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

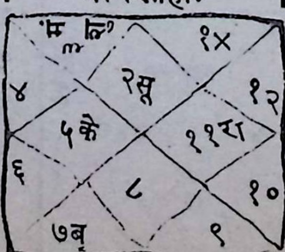

८पं.ज्ये.कृ.१२चं.इ.४६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	६	२	०	१०	१
१७	६	२३	३	१८	२२	१३	१७
२५	१५	३७	१७	५०	२३	४७	१७
८	०	५९	३१	२४	१६	४२	२९
५७	४०	४१	३/४४	७२	६	३	५७
२७	१६	४९	व	४६	५३	११	१३

 ×चंबुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५९०५ स.१९७०
१	शु	४	३	मृ	२४	३	शू	३५	३९	ब	४	३	३४/१२	५/१०	६/५०	५	१५	३०	मिथुने	कृत्तिका. बुधः ३०।२७ चंद्रदर्शनम्
२	श	६	५३	आ	२८	४९	गं	३६	५	कौ	६	५३	१३	९	५१	६	१६	१	मिथुने	रविलाखर ४
३	र	११	६	पु	३४	५९	वृ	३७	२१	ग	११	६	१४	९	५१	७	१७	२	क.१८।२७	भ. ४३/४३ उ. इ. मृगे रविः ५७/६६ भौमास्तः ५५/३२
४	चं	१६	२१	पु	४१	५८	ध्रु	३९	१६	वि	१६	११	१६	९	५१	८	१८	३	कर्के	भ. १६/५५ या. मृगे रविः सौरः ६/४ वृषे बुधः ३०/५७
५	मं	२२	२०	श्ले	४९	३४	व्या	४१	५६	बा	२२	२०	१७	९	५१	९	१९	४	सिं४९।३४	भरणी ४ शनिः ५२।१४
६	बु	२८	३४	म	५७	६	ह	४४	२२	तै	२८	३४	१८	८	५२	१०	२०	५	सिंहे	शते २ राहुः मघा. ४ केतुः २८।५४
७	गु	३४	३५	पू	६०	०	व	४६	४१	ग	१	३४	१९	८	५२	११	२१	६	सिंहे	भ. ३४।३५ उ. कर्के शुक्रः ६।५७
८	शु	३९	५५	पू	४	१७	सि	४८	८	दि	७	१५	२०	८	५२	१२	२२	७	कं.२०।४७	भ. ७।१५ या.
९	श	४३	४३	उ	१०	१९	व्य	४८	३७	बा	११	४९	२१	८	५२	१३	२३	८	कन्यायां	पुष्ये शुक्रः ५९।२
१०	र	४६	१४	ह	१४	५६	व	४७	४९	तै	१४	५८	२२	८	५२	१४	२४	९	तु.४६।३०	दृश्यो मिथूनेऽर्कः ५५।४४ गंगादशमी
११	चं	४६	४३	चि	१८	४	प	४५	२३	व	१६	२८	२२	८	५२	१५	२५	१०	तुलायां	भ. १६/२८ उ. ४६/४३ या. मिथुनेऽर्कः सौरः ६/५० *
१२	मं	४५	२	स्वा	१९	८	शि	४१	२८	ब	१५	५३	२३	७	५३	१६	२६	११	तुलायां	*रोहि. बुधः ५७।३ निर्जला ११ व्र.
१३	बु	४१	३४	वि	१८	१०	सि	३५	५९	कौ	१३	१८	२३	७	५३	१७	२७	१२	बृ.३।२५	प्रदोषः
१४	गु	३५	१०	अ	१५	२३	सा	२९	२	ग	८	२२	२३	७	५३	१८	२८	१३	बृश्चिके	भ. ३५।१० उ.
१५	शु	२९	३७	ज्ये	११	७	शु	२१	१७	वि	२	२४	२४	७	५३	१९	२९	१४	ध.११।७	भ. २।२४ या. वट सावित्री व्र. गुर्ज.

९पं.ज्ये.शु.४चं.इ.४६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	६	२	०	१०	१
२४	१०	०	२	२७	२३	१३	२३
७	५२	१७	५५	१०	१२	२५	१८
१२	४४	१३	१५	४०	४६	२६	२५
५७	४०	६६	२१	७२	६	३	५७
२२	१३	२९	ब	२०	३६	११	५

गोचरग्रहाः

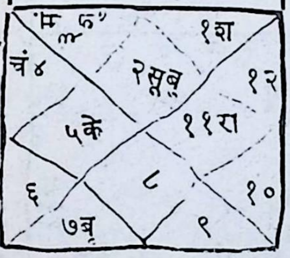

ज्ये. शु.१० रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.४ प्रगल्भावस्था(बैठी) मु.१५ धान्यदिभावेसमता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

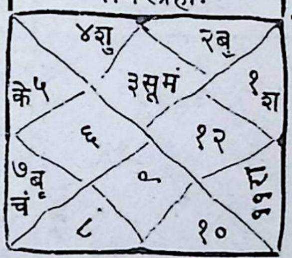

१०पं.ज्ये.शु.११चं.इ.४६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	६	३	०	१०	२
०	१५	९	२	५	२४	१३	०
४८	२८	४३	४०	२८	०	३	३७
२५	४	३७	२०	४८	५८	१०	२४
५७	४०	९२	१/७	७१	६	३	५६
१७	१३	४९	ब	५६	२३	११	५७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२१	५५	मू	५	५५	शु	१२	३०	कौ	२१	५५	३४/२४	५/७	६/५३	२०	२०	१५	धनुषि	*गुरुः ५१/५२ पातस्पर्शः २६/२० मोक्षः ४२।३५
२	र	१४	७	पू	०/२	५४/२	ब्र	३/२५	५०/४४	ग	१४	७	२४	७	५३	२१	३१	१६	म.१३।३२	भ. ४०/० उ. दृश्यः आर्द्रा.रविः ५५/३६ मार्गी*
३	चं	५	५३	श्र	४८	१९	वै	४५	२३	वि	५	५३	२४	७	५३	२२	१	१७	मकरे	भ. ५।५३ या. आर्द्रा.रविः सौरः ८।२४×
४	चं	१२	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×पुन.भौमः ४१/५५ च. व्र. रा.आषाढ़ारम्भः
५	मं	५१	१३	ध	४३	२१	त्रि	२६	५१	कौ	२४	४२	२४	७	५३	२३	२	१८	कु.१५।५०	मृगे बुधः ४४।५६
६	बु	४४	५८	श	३९	८	प्री	२८	५७	ग	१८	५	२४	७	५३	२४	३	१९	कुम्भे	भ. ४४।५८ उ.
७	गु	३९	४४	पू	३५	३४	आ	२१	५१	वि	१२	२१	२३	७	५३	२५	४	२०	मी२१।२८	भ. १२।२१ या. आश्ले. शुक्रः १२।३१
८	शु	३५	२६	उ	३३	२०	सौ	१५	३२	बा	७	३५	२३	७	५३	२६	५	२१	मीने	पूर्वास्तं बुधः ८।१०
९	श	३२	१६	रे	३१	५९	शो	१०	८	तै	३	५१	२३	७	५३	२७	६	२२	मे.३१।५९	मिथुने बुधः १९।५८
१०	र	३०	४	अ	३१	४८	अ	५	३४	व	१	१०	२२	८	५२	२८	७	२३	मेषे	भ. १।१० उ. ३०।४ या.
११	चं	२९	४	भ	३२	३५	सु	१/५०	५७/१९	बा	२९	४	२२	८	५२	२९	८	२४	बृ.४८।५	योगिनी ११ व्र.
१२	मं	२९	१०	कृ	३४	३५	शू	५७	११	तै	२९	१०	२१	८	५२	३०	९	२५	वृषे	आर्द्रा. बुधः ३१।४४ प्रदोषः
१३	बु	३०	२३	रो	३७	२८	गं	५६	१५	व	३०	२३	२०	८	५२	१	१०	२६	बृषे	भ. ३०।२३ उ. **जौलाई मा. ७ ता. ३१**
१४	गु	३२	३८	मृ	४१	४४	वृ	५६	११	वि	१	३०	१९	८	५२	२	११	२७	मि९।३६	भ. १।३० या.
३०	शु	३६	६	आ	४६	४७	ध्रु	५६	३५	च	४	२२	१८	८	५२	३	१२	२८	मिथुने	

११पं.आ कृ.३चं इ.४६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	६	३	०	१०	२
७	२०	२१	२	१३	२४	१२	७
२९	३	३३	३५	४२	४६	४०	१६
२४	०	२	४५	५७	२२	५५	१
५७	३९	०/९	१/०	७१	६	३	५६
३१	५९	९/४०	ब	३४	७	११	५४

गोचरग्रहाः

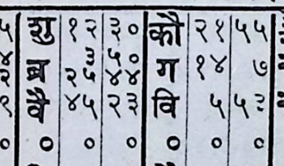

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं। प्रजा में पीड़ा अग्निभय वर्षाकम और हरेक वस्तु तेज हो।

गोचरग्रहाः

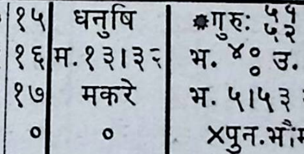

१२पं.आ.कृ.११चं.इ.४६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	६	३	०	१०	२
१४	२४	५	२	२१	२५	१२	१३
९	३६	५	३८	५२	२९	१८	५४
५०	४३	२०	५२	५८	२४	४०	६
५७	२९	[illegible]	१	७१	५	३	५६
७	५९	[illegible]	२४	०	४१	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९३४ स.१९७०
१	श	४०	२९	पु	५३	२	व्या	५८	२	किं	८	१३	३४/५७	५/९	६/५५	४	१३	२९	क.३६।२८	
२	र	४५	४६	पु	५९	४३	ह	५९	४९	बा	१३	७	१५	९	५१	५	१४	३०	कर्के	दृश्य:पुनर्वसौ रविः ५३/३२ चंद्रदर्श. रथयात्रा
३	चं	५१	५०	श्ले	६०	०	व	६०	०	तै	१८	४८	१४	९	५१	६	१५	१	कर्के	पुन. रविः सौरः १२/२५ पुनर्व. बुधश्च २६/५६=
४	मं	५८	८	श्ले	७	७	व	२	११	व	२४	५९	१३	९	५१	७	१६	२	सिं ७।७	भ. २४।५९ उ. ५८।८ या.
५	बु	६०	०	म	१४	४०	सि	४	३२	ब	३१	१२	११	१०	५०	८	१७	३	सिंहे	कर्के भौमः २।२८
५	गु	४	१६	पू	२२	२१	व्य	७	१६	बा	४	१६	१०	१०	५०	९	१८	४	कं.३९।६	
६	शु	९	५६	उ	२९	२३	व	९	३५	तै	९	५६	८	१०	५०	१०	१९	५	कन्यायां	=मघा. सिंहे शुक्रः ४६/१७ जमादिलावल ५
७	श	१४	३५	ह	३५	६	प	१०	४७	व	१४	३५	७	११	४९	११	२०	६	कन्यायां	भ. ३४/३५ उ. ४६।१२ या. कर्के बुधः ९/१४
८	र	१७	४९	चि	३९	२९	शि	११	३	ब	१७	४९	५	११	४९	१२	२१	७	तु.७।१७	पुष्ये बुधः४७।७ कृत्तिका.१शनिः २४।१९
९	चं	१९	२५	स्वा	४१	५८	सि	१०	२	कौ	१९	२५	४	११	४९	१३	२२	८	तुलायां	पुष्ये भौमः १५।१९
१०	मं	१८	५१	वि	४२	१८	सा	७	२१	ग	१८	५१	२	१२	४८	१४	२३	९	वृ.२७।१३	भ. ४७।३५ उ.
११	बु	१६	१८	अ	४०	५६	शु	३/५	५४/१०	वि	१६	१८	०	१२	४८	१५	२४	१०	वृश्चिके	भ. १६।१८ या. चित्रा.४ गुरुः ३८।११*
१२	गु	११	३८	ज्ये	३७	२७	ब्र	४९	४७	बा	११	३८	३३/५८	१२	४८	१६	२५	११	ध.३७।२७	दृश्यः कर्केऽर्कः २३/५६ (सौरः ४५/९) प्रदोषः
१३	शु	५	८	मू	३२	१६	ऐं	४१	२	तै	५	८	५६	१३	४७	१७	२६	१२	धनुषि	भ. ५७।१२ उ. *देवशयनी ११ व्र
१४	शु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+बुधोदयः पश्चिमायां २७/२२ व्यास १५
१५	श	४८	१७	पू	२५	५३	वै	३१	३०	वि	२२	४५	५४	१३	४७	१८	२७	१३	म.३८।३६	भ.२३/४५या. आश्ले.बुधः२०/४९ पूफा.शुक्रः२७/५६+

१३पं.आ.शु.३चं.इ.४६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	६	४	०	१०	२
२०	२९	२०	२	०	२६	११	२०
५०	९	४१	५१	०	९	५६	३२
१०	१४	१६	२८	०	४६	२४	०
५७	३९	९२	२	७०	५	३	५७
७	५९	५९	४७	२७	१४	११	५०

गोचरग्रहाः

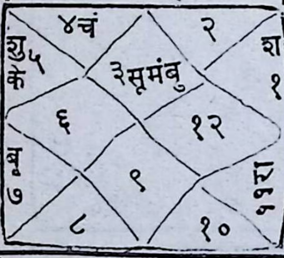

आ. शु. १२ गुरौ कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न.५गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

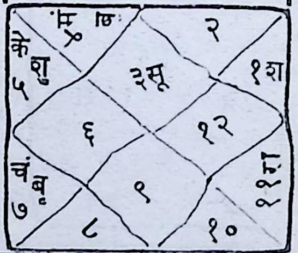

१४पं.आ.शु.९ चं.इ.४६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	४	०	१०	२
२७	३	५	३	८	२६	११	२७
३०	४०	२०	१२	१	४६	३४	१०
३२	३०	३४	२८	४८	३४	८	७
५७	३९	९२	४	६९	४	३	५६
११	५६	३६	२	३८	४९	११	५५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३८	५०	उ	१८	४६	वि	२१	१३	बा	१३	३४	३३/५२	५/१४	६/४६	१९	२८	१४	मकर	दृश्यः पुष्ये रविः ५२।१३
२	चं	२९	१९	श्र	११	२६	प्री	१०	४९	तै	३	५	५०	१४	४६	२०	२९	१५	कु.३७।५०	भ. ५४।५० उ. पुष्ये रविः सौरः १५।५
३	मं	२०	२०	ध	४/१४	५३/३	आ	०/३२	५०/२१	वि	२०	२०	४७	१५	४५	२१	३०	१६	कुम्भे	भ. २०।२० या. चतुर्थी व्र.
४	बु	१२	५	पू	५२	२८	शो	४१	४७	बा	१२	५	४५	१५	४५	२२	३१	१७	मी३८।४८	
५	गु	५	५	उ	४८	३६	अ	३४	८	तै	५	५	४२	१६	४४	२३	१	१८	मीने	भ. ५१/३६ उ. नाग५मरुस्थले रा. श्रावणारंभः
६	गु	५४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	५५	३५	रे	४६	२७	सु	२७	३१	वि	२७	३५	४०	१६	४४	२४	२	१९	मे.४६।७	भ. २७।३५ या.
८	श	५३	१९	अ	४५	२५	धृ	२२	१४	बा	२४	२७	३७	१७	४३	२५	३	२०	मेषे	
९	र	५२	१८	भ	४६	१	शू	१८	१३	तै	२२	४९	३५	१७	४३	२६	४	२१	मेषे	
१०	चं	५३	११	कृ	४८	८	गं	१५	२६	व	२२	४४	३२	१८	४२	२७	५	२२	वृ.१।३३	भ. २२।४४ उ. ५३।११ या. मघा.सिंहे÷
११	मं	५५	९	रो	५१	३८	वृ	१३	४९	ब	२४	१०	२९	१८	४२	२८	६	२३	वृषे	कामिका ११ व्र. स्मा. वै.
१२	बु	५८	१९	मृ	५६	२२	ध्रु	१३	१४	कौ	२६	४४	२६	१९	४१	२९	७	२४	मि२४।०	कामिका ११ व्र. नि. ÷बुधः ४।१४
१३	गु	६०	०	आ	६०	०	व्या	१३	५२	ग	३०	२७	२४	१९	४१	३०	८	२५	मिथुने	उफायां शुक्रः १७।५३ प्रदोषः व्रतम्
१३	शु	२	३५	आ	२	११	ह	१४	४३	व	०	३५	२१	२०	४०	३१	९	२६	क.५२।१	भ. २।३५ उ. ३५।५ या.
१४	श	७	३५	पु	८	३८	व	१६	२४	श	५	३५	१८	२०	४०	१	१०	२७	कर्के	अगस्त मा. ८ ता. ३१ ×२२।३९
३०	र	१३	१३	पु	१५	३२	सि	१८	२४	ना	१३	१३	१५	२१	३९	२	११	२८	कर्के	दृश्यः आश्ले. रविः ४९।१४ कन्या.शुक्र.×

१५पं.श्रा.कृ.२चं.इ.४५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	६	४	०	१०	३
४	८	१९	३	१५	२७	११	३
११	१०	२०	४१	५८	२०	११	४८
१७	४८	५६	५८	२२	६	५२	३४
५७	३९	९२	५	६८	४	३	५६
१५	४६	२२	८	५०	२२	११	५७

गोचरग्रहाः

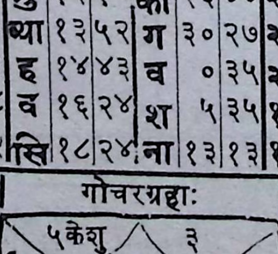

इस मास में ५ रवि ५ सोमवार साधारण हैं प्रजामें रोग,वर्षाकम गुड़ खांड़, घृत धान्य तेज हो। सुदी में वर्षा श्रेष्ठ हो ।

गोचरग्रहाः

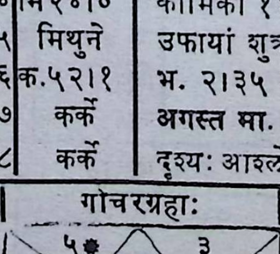

१६पं.श्रा.कृ.१०चं.इ.४५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	६	४	०	१०	३
१०	१२	१	४	२३	२७	१०	१०
५२	३८	९	१८	४८	४८	४९	७
१९	२८	१८	४३	१४	२१	३७	५१
५७	३९	९९	६	६७	३	३	५७
२०	४६	५७	१४	४६	४४	११	५

 *बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९६४सन्१९७०
१	चं	१९	२४	श्ले	२२	५९	व्य	२०	३१	ब	१९	२४	३२/१२	५/२२	६/३८	३	१२	२९	सि२२।५९	आश्ले. रविः सौरः ४६/९ आश्ले. भौमः ०/१८
२	मं	२५	३०	म	३०	३४	व	२३	९	कौ	२५	३०	९	२२	३८	४	१३	३०	सिंहे	पूफायां बुधः ४६/९ चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु	३१	४०	पू	३८	१२	ष	२५	४१	ग	३१	४०	६	२३	३७	५	१४	१	कं.५४।५६	तीज जमादिलाखर ६
४	गु	३७	२२	उ	४५	९	शि	२७	४६	व	४	३१	३	२३	३७	६	१५	२	कन्यायां	भ. ४।११ उ. ३७।२२ या.
५	शु	४२	१८	ह	५१	२७	सि	२९	३०	ब	९	५०	०	२४	३६	७	१६	३	कन्यायां	नागपंचमी
६	श	४६	१५	चि	५६	५३	सा	३०	३६	कौ	१४	१६	३२/५६	२५	३५	८	१७	४	तु.२४।१०	*४३।९ स्वाती. १ गुरुः ४४।३१
७	र	४८	३९	स्वा	६०	०	शु	३०	३७	ग	१७	२६	५३	२५	३५	९	१८	५	तुलायां	भ. ४८।३७ उ.
८	चं	४९	२३	स्वा	०	४७	शु	२९	१९	वि	१९	०	५०	२६	३४	१०	१९	६	वृ.४७।४०	भ. १९।० या.
९	मं	४८	२३	वि	२	५७	ब्र	२६	३२	बा	१८	५३	४७	२७	३३	११	२०	७	वृश्चिके	हस्ते शुक्रः ३५।२७
१०	बु	४५	११	अ	३	२०	ऐं	२२	२२	तै	१६	४७	४३	२७	३३	१२	२१	८	वृश्चिके	शते १ राहुः मघा. ३ केतुः २१।५०
११	गु	४०	१०	ज्ये	४१/५	५६/२६	वै	१७	३२	व	१२	४१	४०	२८	३२	१३	२२	९	ध.१।४१	भ.१२/४१ उ.४०/१० या. पवित्रा ११ व्र. स्मा. वै.
१२	शु	३३	१७	पू	५३	९	वि	९	२	ब	६	४४	३६	२९	३१	१४	२३	१०	धनुषि	पवित्रा ११ व्र. नि. प्रदोषः
१३	श	२५	५	उ	४६	२९	प्री	३७/१	५०/६	तै	२५	५	३३	२९	३१	१५	२४	११	म.६।२९	उफायां बुधः ३०/३७ +कर्म रक्षाबन्धनम्
१४	र	१५	३४	श्र	३८	४७	सौ	४०	८	व	१५	३४	२९	३०	३०	१६	२५	१२	मकरे	भ.१५/३४ उ.४१/२ या. दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः*
१५	चं	६	३१	ध	३०	५८	शो	२९	१२	ब	६	३१	२६	३१	२९	१७	२६	१३	कु.४।५३	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः १३।३ श्रावणी+

१७पं.श्रा.शु.१चं.इ.४५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	६	५	०	१०	३
१७	१७	११	५	१	२८	१०	१७
३४	९	५४	२	३२	१३	२७	७
१	५८	१०	९	६	४४	२१	३९
५७	३९	८५	७	६६	३	३	५७
२५	३६	११	११	३२	५	११	१२

१८पं.श्रा.शु.८चं.इ.४५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	६	५	०	१०	३
२४	२१	२१	५	९	२८	१०	२३
१६	३९	५	५३	५	३३	५	४८
२६	३२	४५	९	५३	४३	६	४६
५७	३९	६८	८	६५	२	३	५७
३३	३६	१	११	१	२६	११	२२

१९पं.श्रा.शु.१५चं.इ.४५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	५	०	१०	४
०	२६	२८	६	१६	२८	९	०
५९	६	२४	४९	३१	५०	४२	३०
४९	५४	४३	१२	३०	२	५०	५९
५७	३९	४६	९	६३	१	३	५७
४०	२६	३७	४	१९	४७	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४८	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४५	४६	श	२३	३	अ	१८	१०	तै	२०	३८	३२/२२	५/३२	६/२८	१८	२७	१४	कुम्भे	
३	बु	३७	०	पू	१५	३६	सु	३७/५	५०/२६	व	११	२३	१९	३२	२८	१९	२८	१५	मी२।२८	भ. ११/२३ उ. ३७/० या. कन्या. बुधः ४८/४ च. व्र.
४	गु	२९	३५	उ	९	४७	शू	४९	३४	ब	३	१८	१५	३३	२७	२०	२९	१६	मीने	×स्मा. रा. भाद्रपदारंभः
५	शु	२३	५९	रे	५	११	गं	४२	२७	तै	२३	५९	११	३४	२६	२१	३०	१७	मे.५।११	चन्द्रषष्ठी
६	श	२०	१६	अ	२	३२	वृ	३६	५३	व	२०	१६	८	३४	२६	२२	३१	१८	मेषे	भ. २०।१६ उ. ४९।२३ या.
७	र	१८	३१	भ	१	४०	ध्रु	३२	५३	ब	१८	३१	४	३५	२५	२३	१	१९	वृ.१६।५७	मघा. सिंहे भौमः ५४।८ जन्माष्टमी व्र.×
८	चं	१८	४८	कृ	२	४९	व्या	३०	३१	कौ	१८	४८	०	३६	२४	२४	२	२०	वृषे	चित्रा. शुक्रः २२।९ जन्माष्टमी व्र. वै.
९	मं	२०	४५	रो	५	५८	ह	२९	२९	ग	२०	४५	३१/५६	३७	२३	२५	३	२१	मि३८।१६	भ. ५२।३० उ. गोगा ९
१०	बु	२४	१४	मृ	१०	३४	व	३०	२	वि	२४	१४	५२	३८	२२	२६	४	२२	मिथुने	भ. २४।१४ या.
११	गु	२८	५८	आ	१६	१९	सि	३०	५८	बा	२८	५८	४८	३८	२२	२७	५	२३	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	शु	३४	३१	पु	२३	९	व्य	३२	५३	कौ	१	४५	४४	३९	२१	२८	६	२४	क.६।२७	वक्री बुधः २८।४९ वत्सद्वादशी
१३	श	४०	३५	पु	३०	२१	व	३५	०	ग	७	३३	४०	४०	२०	२९	७	२५	कर्के	भ. ४०।३५ उ. प्रदोषः
१४	र	४६	५८	श्ले	३८	२९	प	३७	२५	वि	१३	४६	३६	४१	१९	३०	८	२६	सि३८।२९	भ. १३/४६ या. दृश्यः पूफायां रविः ३२।४६
३०	चं	५३	८	म	४५	२४	शि	३९	५७	च	२०	३	३२	४२	१८	३१	९	२७	सिंहे	पूफा.रविःसौरः ५६/३ तुला.शुक्रः ३९/४ कुशाग्र.

२०पं. भा.कृ.८चं.इ.४५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	६	५	०	१०	४
७	०	३	७	२३	२९	९	७
४४	३३	३२	५१	४३	०	२६	१४
१७	२९	२	२८	३०	१४	३४	३२
५७	३९	१९	९	६१	१	३	५७
४८	१३	२६	४८	५	८	११	४५

गोचरग्रहाः

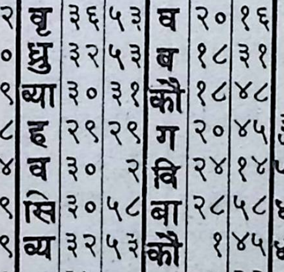

श्रावण शुक्ला १४
रवौ सिंहेऽर्कः प्र.
वा. ४ न. ६ बा-
लावस्था (बैठी)
मु. ३० धान्यादि
भावे समता शु.प.

गोचरग्रहाः

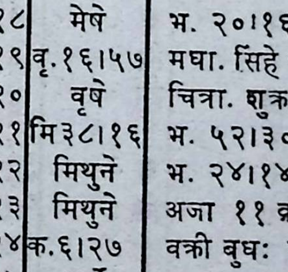

२१पं.भा.कृ.३०चं.इ.४५।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	६	६	०	१०	४
१४	५	४	८	०	२९	८	१३
२९	१	२९	५८	३९	६	५८	५९
५६	५	३१	५८	१८	५४	१९	४४
५८	३९	१७/३	१०	५८	०	३	५७
१	१९	ब	३१	१७	२१	११	५७

*चंबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९९३ स.१९७०
१	मं	५९	२	पू	५२	५५	सि	४२	८	किं	१६	५	३५/२८	५/४२	६/१८	१	१०	२८	सिंहे	सितम्बर मा. ९ ता. ३०
२	बु	६०	०	उ	५९	४६	सा	४४	२२	बा	३१	४३	२५	४३	१७	२	११	२९	कं.९।३८	चन्द्रदर्शन संभवः
२	गु	४	२९	ह	६०	०	शु	४५	४३	कौ	४	२३	२१	४४	१६	३	१२	१	कन्यायां	रज्जब ७
३	शु	९	३	ह	५	५३	शु	४६	३६	ग	९	३	१७	४५	१५	४	१३	२	तु.३८।३६	भ.४०/५३ उ. वक्री शनिः १०/५३ हरितालिका ३
४	श	१२	४४	चि	११	१९	ब्र	४६	४७	वि	१२	४४	१३	४५	१५	५	१४	३	तुलायां	भ. १२।४४ या. गणेश चतुर्थी
५	र	१५	२९	स्वा	१५	३७	ऐं	४६	१०	बा	१५	२९	९	४६	१४	६	१५	४	तुलायां	स्वाती.२गुरुः ४६ पश्चिमास्तो बुधः ६/४७×
६	चं	१६	४४	वि	१८	४४	वै	४४	२५	तै	१६	४४	५	४७	१३	७	१६	५	वृ.२।५७	स्वात्यां शुक्रः ६।३६ ×ऋषि ५
७	मं	१६	४१	अ	२०	५३	वि	४१	२५	व	१६	४१	१	४८	१२	८	१७	६	वृश्चिके	भ. १६/४१ उ. ४५/४८ या. वक्री सिंहे बुधः ४९/३७
८	बु	१४	५५	ज्ये	२०	४३	प्री	३७	१४	ब	१४	५५	३०/५७	४९	११	९	१८	७	ध.२०।४३	=पूफा. भौमः ५१।९ प्रदोषः
९	गु	११	४३	मू	१९	५	आ	३१	३७	कौ	११	४३	५३	४९	११	१०	१९	८	धनुषि	
१०	शु	६	३९	पू	१६	४	सौ	२४	४७	ग	६	३९	४८	५०	१०	११	२०	९	म.२९।५४	भ. ३३।२९ उ.
११	श	०	१९	उ	११	२५	शो	१६	३५	वि	०	१९	४४	५१	९	१२	२१	१०	मकरे	भ ०।१९ या. वक्री पूफायां बुधः ३८/२४+
१२	श	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+जलझूलनी ११ व्र. वामनजयंतो
१३	र	४३	३१	श्र	५/२६	५३/४	अ	७/१९	५०/०	कौ	१७	५७	४०	५२	८	१३	२२	११	कु.३१।५८	दृश्यः उफायां रविः १७।६ (सौरः ४८/३४)=
१४	चं	३४	१	श	५०	५८	धृ	४६	४०	ग	८	४६	३६	५३	७	१४	२३	१२	कुम्भे	भ. ३४।१ उ. ५९।५ या. अनन्त १४
१५	मं	२४	९	पू	४३	२०	शू	३५	५६	ब	२४	९	३२	५४	६	१५	२४	१३	मी३०।१५	महालय श्राद्धारंभः

२२प.भा.शु.६च.इ.४४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	६	६	०	१०	४
२१	९	१	१०	७	२९	८	२०
१६	२६	४	१०	१५	७	३६	४६
५५	२०	१२	३३	०	८	३	२४
५८	३९	५८/३४	११	५४	०/२२	३	५८
१३	९	ब	८	४५	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

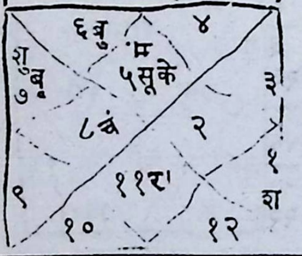

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ हैं वर्षा कहीं कम कहीं अधिक होगी रुई चांदी सोना सण तिल मंदा घी तेज वर्षा हो।

गोचरग्रहाः

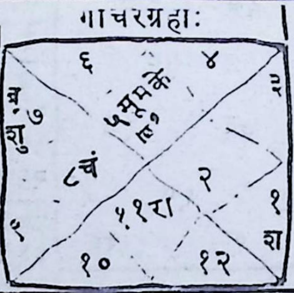

२३प.भा.शु.१४चं.इ.४४।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	६	६	०	१०	४
२८	१३	२४	११	१३	२९	८	२७
५	५४	१५	२७	३९	२	१३	३४
३४	५४	२५	७	५०	२७	४८	४१
५८	३९	६/३८	११	५१	१/४	३	५८
२६	२	ब	४६	२६	ब	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१४	४७	उ	३६	१०	गं	२५	२५	कौ	१४	४७	३०/२८	५/५४	६	१६	२५	१४	मीने	दृश्यः कन्यायामर्कः ४२।२७
२	गु	६	१९	रे	३०	५	वृ	१५	३५	ग	६	१९	२४	५५	५	१७	२६	१५	मे.३०।५	भ.३२।४७उ. ५९।१५या. कन्यायामर्कः+
३	गु	५२	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	शु	५३	५६	अ	२५	२८	ध्रु	७/१४	५२/२४	ब	२६	३५	२०	५६	४	१८	२७	१६	मेषे	चतुर्थी व्र. +सौरः १३।४६
५	श	४९	४५	भ	२२	४६	ह	५३	५०	कौ	२१	५१	१६	५७	३	१९	२८	१७	वृ.३७।३४	●नातृ ९ रा. आश्विनारंभ.
६	र	४९	५२	कृ	२२	५	व	४९	५०	ग	१९	४८	१२	५८	२	२०	२९	१८	वृषे	भ. ४९।५२ उ. बुधोदयः पूर्वस्यां २७।२४
७	चं	५०	५३	रो	२३	३८	सि	४७	३३	वि	२०	२२	८	५८	२	२१	३०	१९	मि५५।२०	भ. २०।२२ या.
८	मं	५३	५३	मृ	२७	३	व्य	४६	५६	बा	२२	२२	४	५९	१	२२	३१	२०	मिथुने	म.र्गी बुधः ५।४५
९	बु	५८	२८	आ	३२	११	व	४७	२३	तै	२६	१०	३०/००	६/०	६/०	२३	१	२१	मिथुने	विशाखा. शुक्रः ३।७ भौमोदयः १।१३●
१०	गु	६०	०	पु	३८	३१	प	४८	४६	व	३१	१०	२९/५६	१	५/५९	२४	२	२२	क २१।५६	भ. ३१।१७ उ. स्वाती ३ गुरुः ३२।९
१०	शु	४	६	पु	४६	५	शि	५१	१	वि	४	६	५१	२	५८	२५	३	२३	कर्के	भ. ४।६ या.
११	श	१०	१९	श्ले	५३	३५	सि	५३	२८	बा	१०	१९	४७	३	५७	२६	४	२४	सिं५३।४५	दृश्यो हस्ते रविः ५५।३३ इन्दिरा ११ व्र.
१२	र	१६	५३	म	६०	०	सा	५६	४	तै	१६	५३	४३	३	५७	२७	५	२५	सिंहे	हस्ते रविः सौरः २६।१५ प्रदोषः
१३	चं	२३	१६	म	१	२४	शु	५८	१३	व	२३	१६	३८	४	५६	२८	६	२६	सिंहे	भ. २३।१६ उ. ५६।५ या.
१४	मं	२८	५३	पू	८	२९	शु	६०	०	श	२८	५३	३४	५	५५	२९	७	२७	कं.२५।१०	शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्
३०	बु	३३	५७	उ	१५	११	शु	०	१०	च	१	२५	३०	६	५४	३०	८	२८	कन्यायां	सर्वपितृ ३०

२४पं.आ.कृ.७चं.इ.४४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	६	६	०	१०	५
४	१८	२०	१२	१९	२८	७	४
५५	२०	३५	४१	७	५१	५१	२४
१९	२०	१६	४६	४०	१८	३२	५४
५८	३९	३/३३	१२	४४	१/४७	३	५८
३८	२	ब	१६	४३	ब	११	५२

गोचरग्रहाः

आ. कृ. १ बुधे कन्यायामर्कः प्र. वा.४ न.५ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

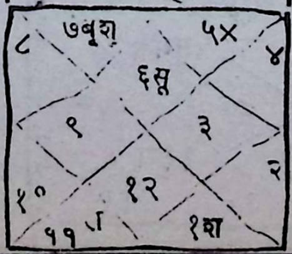

२५पं.आ.कृ.१३चं.इ.४४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	६	६	०	१०	५
११	२२	२३	१४	२४	२८	७	११
४६	४७	५९	८	०	३६	२९	१६
५५	१२	७	३८	१४	५०	१६	५८
५८	३८	६७/५	१२	३९	३/१८	३	५९
५३	५५	मा	४१	३९	ब्र	११	०

*मंबुके (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×चंमंबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	३६	५८	ह	२०	५६	ब्र	१	१३	किं	५	२७	२९/२६	६/७	५/५३	१	९	२९	तु.५३।२२
२	शु	४०	५३	चि	२५	४९	ऐं	१	४४	बा	८	५५	२२	८	५२	२	१०	३०	तुलायां
३	श	४३	०	स्वा	२९	४६	वै	१	२३	तै	११	५७	१८	८	५२	३	११	१	तुलायां
४	र	४३	५५	वि	३२	२९	वि	१३/५	५७/५५	व	१३	२८	१४	९	५१	४	१२	२	वृ.१६।४८
५	चं	४३	४४	अ	३४	२०	आ	५५	३१	ब	१३	५०	१०	१०	५०	५	१३	३	वृश्चिके
६	मं	४२	२६	ज्ये	३५	५	सौ	११	५७	कौ	१३	५	६	११	४९	६	१४	४	ध.३५।५
७	बु	४०	१	मू	३४	४४	शो	४७	१६	ग	११	१३	२	१२	४८	७	१५	५	धनुषि
८	गु	३६	२८	पू	३३	१०	अ	४१	४०	वि	८	१५	२६/५८	१२	४८	८	१६	६	म.४७।२९
९	शु	३१	५२	उ	३०	२५	सु	३५	१७	बा	४	१०	५४	१३	४७	९	१७	७	मकरे
१०	श	२५	५७	श्र	२६	३८	धृ	२७	५५	ग	२५	५७	५०	१४	४६	१०	१८	८	कुं.५४।११
११	र	१९	६	ध	२१	४४	शू	१९	३७	वि	१९	६	४६	१५	४५	११	१९	९	कुम्भे
१२	चं	११	१९	श	१५	५९	गं	१०	३४	बा	११	१९	४२	१६	४४	१२	२०	१०	मी५६।१९
१३	मं	३	३	पू	९	४५	वृ	१/४	५०/७	तै	३	३	३८	१६	४४	१३	२१	११	मीने
१४	मं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	बु	४६	३४	उ	२७/३	५३/४९	व्या	४१	३७	वि	२०	३६	३४	१७	४३	१४	२२	१२	मे.५७।१६

शरदृतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०२३ स.१९७०

उफा.बुध.१/३ २/३ मातामह.श्रा. नवरात्रारंभः=
चन्द्रदर्शनम् =अक्टूबर मा. १० ता ३१
कन्यायां बुधः ४३।५७ सावान ८
भ. १३/२८ उ. ४३/५ या. उफ यांभौमः ५४।११

+(सौरः ५६/५१) कन्या.भौमः १०/४० विजया१०
भ. ४०।१ उ. सरस्वत्यावाहनम्
भ. ८।१५ या. सरस्वती पू. बलिदानञ्च
हस्ते बुधः ४९/३१ वृश्चिके शुक्रः ४१।३८×
भ. ५२/३१ उ. दृश्यश्चित्रायां रविः २७।३४+
भ. १९/६ या. स्वाती.४गुरु ५५/५७ पा.कु. ११व्र
प्रदोषः
भ. ५४।३७ उ. ×पूर्वान्तं बुधः ४७।७
*केतु. १३।४२ शरद् पूर्णि मा
भ.२०।३६या. घनिष्ठा.४राहुः मघा. २*

२६पं.आ.शु.५चं.इ.४४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	६	०	१०	५
१८	२७	३	१५	२८	२८	७	१८
४०	१२	१२	३४	१	१६	७	१०
८	३२	७	१५	१५	४८	१	४५
५९	३८	९५	१३	२६	३/०	३	५९
९	५५	४४	२	५६	ब	११	१६

गोचरग्रहाः

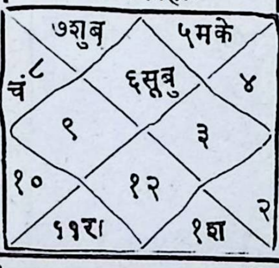

इस मासमें तिल तैल अलसी सिरस्यूं मूंगफली घृत गुड़ खांड तेज सुदीमें सोना चांदी तेज हो।

गोचरग्रहाः

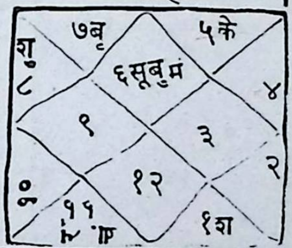

२७पं.आ.शु.१२चं.इ.४४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	६	७	०	१०	५
२५	१	१५	१७	०	२७	६	२५
३५	३८	३	१	४४	५३	६४	६
६	५९	०	४८	३४	६	४५	२७
५९	३८	३०/०	१३	१४	३/१	३	५९
२१	४७	६	१९	३९	ब	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	३९	१९	अ	५२	३	ह	३२	३१	बा	१२	५७	२८/३०	६/१८	५/४२	१५	२३	१३	मेषे
२	शु	३३	२५	भ	४८	११	व	२४	१९	तै	६	२२	२६	१९	४१	१६	२४	१४	मेषे
३	श	२९	१४	कृ	४५	४१	सि	१७	२२	व	१	२०	२२	२०	४०	१७	२५	१५	वृ.२।३६
४	र	२७	१०	रो	४५	५२	व्य	११	४९	बा	२७	१०	१८	२०	४०	१८	२६	१६	वृषे
५	चं	२७	६	मृ	४७	३९	व	६	५७	तै	२७	६	१४	२१	३९	१९	२७	१७	मि१६।४६
६	मं	२९	१६	आ	५१	३५	प	५	५५	व	२९	१६	१०	२२	३८	२०	२८	१८	मिथुने
७	बु	३३	१२	पु	५६	५९	शि	५	२५	वि	१	१४	६	२३	३७	२१	२९	१९	क.४०।३८
८	गु	३८	३६	पु	६०	०	सि	५	५१	बा	५	५४	२	२४	३६	२२	३०	२०	कर्के
९	शु	४४	३३	पु	३	५२	सा	७	३८	तै	११	३४	२७/५८	२४	३६	२३	१	२१	कर्के
१०	श	५१	१०	श्ले	११	१२	शु	९	४३	व	१७	५१	५४	२५	३५	२४	२	२२	सिं११।१२
११	र	५७	३३	म	१८	५६	शु	१२	९	ब	२४	२१	५०	२६	३४	२५	३	२३	सिंहे
१२	चं	६०	०	पू	२६	१४	ब्र	१४	२४	कौ	३०	२०	४६	२७	३३	२६	४	२४	कं.४२।५५
१२	मं	३	७	उ	३२	५८	ऐं	१६	१९	तै	३	७	४२	२८	३२	२७	५	२५	कन्यायां
१३	बु	८	५	ह	३८	३९	वै	१७	२५	व	८	५	३९	२८	३२	२८	६	२६	कन्यायां
१४	गु	११	३०	चि	४३	७	वि	१७	३२	श	११	३०	३५	२९	३१	२९	७	२७	तु.१०।५३
३०	शु	१३	४५	स्वा	४६	२०	प्री	१६	४७	ना	१३	४५	३१	३०	३०	३०	८	२८	तुलायां

शरदृतुं रविर्दक्षिणे आश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ.२०/१ उ. २९/१४ या. दृश्यस्तुलायामर्कः ११/२०*
*सौरः ३९/३४ चित्रा. बुधः ३०/३० करक ४ व्र.
वक्री शुक्रः ३२।१५
भ. २९।१५ उ.
भ. १।१४ या. तुलायां बुधः १९।३३

दृश्यः स्वात्यां रविः ५३/२२ रा. कार्तिकारंभः
भ. १७/५१ उ. ५१/१० या. स्वा. रविः सौरः ३०/३०
स्वा. बुधः २०/२२ हस्ते भौमः ५५/६ रमा ११ व्र.
विशा. १ गुरुः ३५/३७ अस्तं गुरोः २२/१२ अ.गु.
प्रदोषः घन १३
भ. ८।५ उ. ३९।४८ या. रूप १४
महालक्ष्मीपूजनम् ×अन्नकूट गोवर्द्धन पू
वक्री तुला.शुक्रः ४०/५३ वक्री भरणी४श.५ ६/१×

२८पं.का.कृ.५चं.इ.४४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	६	७	०	१०	६
२	६	२७	१८	१	२७	६	२
३१	४	१३	३०	५४	२५	२२	३
३४	४०	८	२८	५०	३३	३०	५७
५९	३८	३०/०	१३	२/०	५/१	३	५९
३४	४०	४७	२५	ब	ब	११	४६

गोचरग्रहाः

कार्त्ति.कृ.३ शनौ तुलायामर्कः प्र. वा.४न.४बृद्धावस्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

२९पं.का.कृ.१२चं.इ.४३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	७	०	१०	६
९	१०	९	२०	१	२६	६	९
२९	३१	३	१	१०	५४	०	३
४९	१८	४०	५१	५१	२८	१४	१७
५९	३८	३०/०	१३	१६/३४	१४	३	६०
४७	३३	१८	३२	व	ब	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०५३सन्१९७०
१	श	१४	४४	वि	४८	१८	आ	१४	५६	ब	१४	४४	२७	३६/१	२९/५	३१	९	२९	वृ.३२।४८	
२	र	१४	२७	अ	४९	१७	सौ	१२	१३	कौ	१४	२७	२४	३१	२९	१	१०	३०	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम२ न. ११ ता. ३०
३	चं	१३	१८	ज्ये	४९	१४	शो	८	४१	ग	१३	१८	२०	३२	२८	२	११	१	ध.४९।१४	भ.४२/१४ उ. विशाखा. बुधः ३५/३३ रमजान ९
४	मं	११	१०	मू	४८	२३	अ	४/८	५५/५२	वि	११	१०	१६	३३	२७	३	१२	२	धनुषि	भ. ५१/१० या. पश्चिमास्तं शुक्रः ४३/५२ शु.अ.प.
५	बु	८	२०	पू	४६	५६	धृ	५३	५४	बा	८	२०	१३	३३	२७	४	१३	३	धनुषि	
६	गु	४	४८	उ	४४	४१	शू	४७	४९	तै	४	४८	९	३४	२६	५	१४	४	म.१।२२	
७	शु	०	४३	श्र	४२	०	गं	४१	१५	व	०	४३	६	३५	२५	६	१५	५	मकरे	भ.४०/३ उ.२७/५१ या. दृश्योविशाखा.रविः१३/४५×
८	शु	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×सौरः ३८।१ गोपाष्टमी
९	श	५०	४७	ध	३८	४३	वृ	३४	१९	बा	२२	२४	२	३६	२४	७	१६	६	कु.१०।२१	कूष्मांड ९ अक्षया ९
१०	र	४५	२	श	३४	५१	ध्रु	२६	४६	तै	१७	५४	२६/५९	३६	२४	८	१७	७	कुम्भे	वृश्चिके बुधः ४४।३१
११	चं	३८	४८	पू	३०	२९	व्या	१८	५८	व	११	५५	५६	३७	२३	९	१८	८	मी१६।३४	भ.११/५५ उ. ३८/४८ या. प्रबो. ११व्र. तुलसी वि.
१२	मं	३२	१६	उ	२५	४८	ह	१०	३७	ब	५	३२	५३	३८	२२	१०	१९	९	मीने	अनु. बुधः ४६।२६ विशा. २ गुरुः४२।२४
१३	बु	२५	४९	रे	२०	४६	व	२/२९	५५/४२	तै	२५	४९	४९	३९	२१	११	२०	१०	मे.२०।४६	प्रदोषः वैकुण्ठ १४
१४	गु	१९	५८	अ	१६	५९	व्य	४६	२६	व	१९	५८	४६	३९	२१	१२	२१	११	मेषे	भ. १९।५८ उ. ४७।२० या.
१५	शु	१४	४१	भ	१३	३५	व	३९	३६	ब	१४	४१	४२	४०	२०	१३	२२	१२	वृ.२७।५७	पुष्कर स्नानं मन्वादिः

३०पं. का.शु.३चं.इ.४३।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	६	०	१०	६
१६	१४	२०	२१	२८	२६	५	१६
२९	५८	३०	३४	२९	२२	३७	४
३८	१२	२८	१९	२०	३३	५८	२१
६०	३८	९/०	१३	२९/४६	४/३४	३	६०
४	३७	४	३८	व	व	११	१८

गोचरग्रहाः

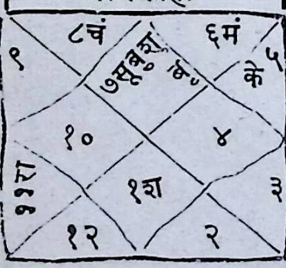

इस मासका फल श्रेष्ठ है वर्षा होगी मंदी का यांसे जोर होगा धान्य गेहूं चावल मूंग मोठ बाजरा मन्दा हो।

गोचरग्रहाः

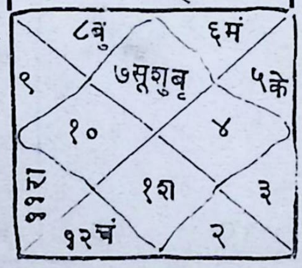

३१पं.का.शु.११चं.इ.४३।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	६	६	०	१०	६
२३	१९	१	२३	२४	२५	५	२३
३०	२४	३६	६	३३	४८	१५	६०
५८	१४	३९	३६	१०	५१	४३	५९
६०	३८	९८	१:	३६/१३	४/०	३	६०
१७	३७	२६	३८	व	व	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणोकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१०	४३	कृ	११	५	प	३३	४४	कौ	१०	४३	२६/४०	६/४०	५/२०	१४	२३	१३	वृषे	+शुक्रोदयः पूर्व. २११० च. व्र. शु.उ.पू.
२	र	८	४२	रो	१०	१४	शि	२९	३	ग	८	४२	३७	४१	१९	१५	२४	१४	मि४०।३५	भ. ३८।१६ उ. चित्रा. भौमः ५७।४९
३	चं	७	५१	मृ	१०	५६	सि	२५	४७	वि	७	५१	३४	४१	१९	१६	२५	१५	मिथुने	भ.५७/१ या. दृश्योवृश्चिकेऽर्कः४९/३ सौरः३२/१८+
४	मं	९	१४	आ	१३	४८	सा	२४	२५	बा	९	१४	३१	४२	१८	१७	२६	१६	मिथुने	दर्शा स्वात्यां शुक्रः ४६।५४
५	बु	१२	२९	पु	१८	२०	शु	२३	५०	तै	१२	२९	२९	४२	१८	१८	२७	१७	क.२।१२	बुधोदयः पश्चिमायां ४१।४
६	गु	१७	२२	पु	२४	२१	शु	२४	३८	व	१७	२२	२६	४३	१७	१९	२८	१८	कर्के	भ. १७/२२ उ. ५०/१५ या. दृश्योऽनु. रविः २८/७÷
७	शु	२३	७	श्ले	३१	१०	ब्र	२६	१५	ब	२३	७	२४	४४	१६	२०	२९	१९	सि३१।१०	÷सौरः ५०/६ ज्येष्ठा. बुधः २३।२६
८	श	२९	३६	म	३८	४४	ऐं	२८	३१	कौ	२९	३६	२१	४४	१६	२१	३०	२०	सिंहे	उदयं गुरोः १९।१२ उ.गु.
९	र	३६	०	पू	४६	१३	वै	२०	४३	तै	२	४८	१९	४४	१६	२२	१	२१	सिंहे	रा. मार्गशीर्षारंभः
१०	चं	४१	५१	उ	५३	१४	वि	३२	४१	व	८	५५	१६	४५	१५	२३	२	२२	कं.२।५८	भ. ८।५५ उ. ४१।५१ या.
११	मं	४६	५२	ह	५९	१६	प्री	३३	१०	ब	१४	२१	१३	४५	१५	२४	३	२३	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु	५०	१८	चि	६०	०	आ	३४	२९	कौ	१८	३५	११	४६	१४	२५	४	२४	तु.३१।३०	विशाखा. ३ गुरुः ५१।३९
१३	गु	५२	१५	चि	३	४५	सौ	३३	४५	ग	२१	१६	८	४६	१४	२६	५	२५	तुलायां	भ. ५२।१५ उ. तुला. भौमः ३२/२० प्रदोषः
१४	शु	५२	३८	स्वा	६	५४	शो	३१	४०	वि	२२	२६	६	४७	१३	२७	६	२६	वृ.५३।७	भ. २२।२६ या.
३०	श	५१	११	वि	८	२१	अ	२८	१६	ब	२१	५४	३	४७	१३	२८	७	२७	वृश्चिके	मूले धनुषि बुधः ३३।५९

३२पं. मा.कृ.३चं.इ ४३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	०	१०	७
०	२३	१२	२४	२०	२५	४	०
३३	४९	२५	३९	३३	१४	५३	११
४७	२२	८	३६	४३	३१	२७	३
६०	३८	९५	१३	३१/४६	४/०	३	६०
३०	४०	२७	३७	व	व	११	४०

गोचरग्रहाः

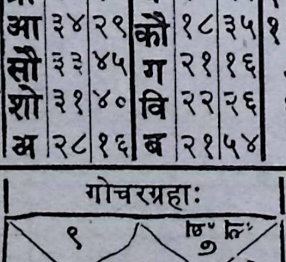

मार्ग. कृ. ३ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

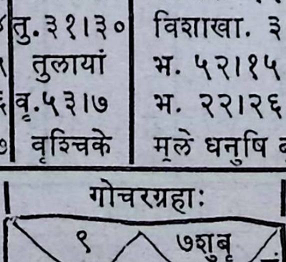

३३पं.मा.कृ.१०चं.इ.४३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	०	१०	७
७	२८	२३	२६	१७	२४	४	७
३७	१७	२१	१०	४२	४०	३१	१६
३७	५६	५०	५९	४३	५९	१२	३६
६०	३८	९१	१३	१९/२४	४/२८	३	६०
४२	२६	५	३२	व	व	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	४८	४४	अ	८	३४	सु	२३	५३	किं	१९	५८	२६ १	६ ४८	५ १२	२९	८	२९	वृश्चिके
२	चं	४५	१	ज्ये	७	२३	धृ	१८	३२	बा	१६	५२	२५ ५९	४८	१२	३०	९	३०	ध.७।२३
३	मं	४०	४२	मू	५	१६	शू	१२	२६	तै	१२	५१	५७	४९	११	१	१०	१	धनुषि
४	बु	३५	५९	पू	२ २०	५६ ५५	गं	५ ४०	५२ ५२	व	८	२०	५५	४९	११	२	११	२	म.१६।३४
५	गु	३१	४	श्र	५६	०	ध्रु	५१	४७	ब	३	३२	५३	४९	११	३	१२	३	मकरे
६	शु	२५	५३	ध	५२	३१	व्या	४४	३८	तै	२५	५३	५१	५०	१०	४	१३	४	कुं.२४।१५
७	श	२०	५१	श	४९	५	ह	३७	१३	व	२०	५१	४९	५०	१०	५	१४	५	कुम्भे
८	र	१५	५५	पू	४५	५३	व	३०	११	ब	१५	५५	४८	५०	१०	६	१५	६	मी३१।४१
९	चं	१०	५६	उ	४२	४०	सि	२३	१	कौ	१०	५६	४६	५१	९	७	१६	७	मीने
१०	मं	६	११	रे	३९	३९	व्य	१६	१	ग	६	११	४५	५१	९	८	१७	८	मे.३९।३९
११	बु	१	३२	अ	३६	५२	व	९	१२	वि	१	३२	४४	५१	९	९	१८	९	मेषे
१२	बु	५५	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	गु	५३	५२	भ	३४	३८	प	२ ५२	५४ ५	कौ	२५	३७	४२	५२	८	१०	१९	१०	बृ.४९।१५
१४	शु	५१	२	कृ	३३	७	सि	५१	४४	ग	२२	२७	४१	५२	८	११	२०	११	बृषे
१५	श	४९	४१	रो	३२	४४	सा	४७	१८	वि	२०	२२	४०	५२	८	१२	२१	१२	बृषे

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०८ २स.१९७०

चन्द्रदर्शनम्
दिसम्बर मा. १२ ता. ३१ सव्वाल १०
भ.२८/० उ.३६/० या. दृश्यो.ज्येष्ठा. रविः३८/५७*
*सौरः५७/६ मार्गी शुक्रः३६/१ पा.४२/४८ मो.५८/०
चंपा ६
भ. २०।५१ २. ४८।२३ या.
स्वात्यां भौमः ५४।२५

भ. ३३।५१ उ. पूषायां बुधः ३७।४४
भ. १।३२ या. मोक्षदा ११ ब्र. गीता ज.

प्रदोषः
भ.५१।२उ. विशाखा.४ बृश्चिके गुरुः४०/५
भ.२०।२२ या. वक्री भरणी.३ शनिः४०/१९

३४पं.मा.शु.२चं.इ.४२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	६	०	१०	७
१४	२	३	२७	१६	२४	४	१४
४२	४४	१	४२	२४	८	८	२३
५४	२०	४०	५०	३	२०	५६	२२
६०	३८	८४	१३	३ १२	४ ८	३	६१
५०	२६	३७	२२	व	व	११	३

गोचरग्रहाः

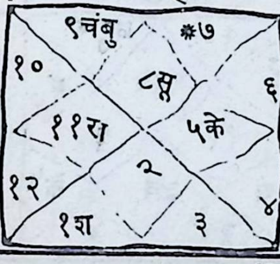

पौष कृ. ३ भौमे
धनुष्यर्कः प्र.वा.
२न.४वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भाव सम)
शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.शु.९ चं.इ.४२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	६	०	१०	७
२१	७	१२	२९	१७	२३	३	२१
४८	१०	१६	१२	१८	३९	४६	३१
५८	४४	१	१४	२८	४६	४०	९
६०	३८	६९	१३	१२ १७	३ ४९	३	६१
५६	१६	३८	१५	मा	व	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	र	४९	२८	मृ	३३	५९	शु	४४	८	बा	१९	३५	२५ ३९	६ ५२	५ ८	१३	२२	१३	मि३।२१
२	चं	५०	५९	आ	३६	२२	शु	४२	२४	तै	२०	१३	३८	५२	८	१४	२३	१४	मिथुने
३	मं	५४	०	पु	४०	१७	ब्र	४१	११	व	२-	२९	३८	५२	८	१५	२४	१५	क.२४।१८
४	बु	५८	२४	पु	४५	३८	ऐं	४२	३१	ब	२६	१२	३७	५३	७	१६	२५	१६	कर्के
५	गु	६०	०	श्ले	५२	६	वै	४२	४२	कौ	३१	९	३७	५३	७	१७	२६	१७	सिं५२।६
५	शु	३	५३	म	५९	१९	वि	४४	३५	तै	५	५३	३७	५३	७	१८	२७	१८	सिंहे
६	श	१०	२५	पू	६०	०	प्री	४६	४०	व	१०	२५	३६	५३	७	१९	२८	१९	सिंहे
७	र	१६	५८	पू	७	३	आ	४८	५५	ब	१६	५८	३६	५३	७	२०	२९	२०	कं.२३।५३
८	चं	२३	७	उ	१४	२४	सौ	५०	४७	कौ	२३	७	३६	५३	७	२१	३०	२१	कन्यायां
९	मं	२८	३३	ह	२१	१	शो	५१	४२	ग	२८	३३	३६	५३	७	२२	१	२२	तु.५३।३९
१०	बु	३२	२६	चि	२६	१७	अ	५१	२९	व	०	२९	३६	५३	७	२३	२	२३	तुलायां
११	गु	३४	४२	स्वा	३०	४	सु	४९	५८	ब	३	३४	३७	५३	७	२४	३	२४	तुलायां
१२	शु	३५	२	वि	३१	५९	धृ	४७	४	कौ	४	५२	३७	५३	७	२५	४	२५	वृ.१६।३०
१३	श	३३	३३	अ	३२	४	शू	४२	२०	ग	४	१७	३७	५३	७	२६	५	२६	वृश्चिके
१४	र	३०	१९	ज्ये	३०	३४	गं	३६	३१	वि	१	५६	३८	५२	८	२७	६	२७	ध.३०।३४
३०	चं	२५	२४	मू	२७	३२	वृ	२९	३७	ना	२५	२४	३८	५२	८	२८	७	२८	धनुषि

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ.२२/२९ उ.५४/० या. दृश्योमूले धनुष्यर्कः४५/२९*
धनुष्यर्कःसौरः५८/० धनिष्ठा३राहुःमघा.१=
=केतुः ५।३९ चतुर्थी ब्र.
वक्री बुधः ४०।४२ *विशा. शुक्रः १५/३७
भ. १०।२५ उ. ४३।४१ या.

पश्चिमास्तं बुधः १४।१५ रा. पौषारंभः
भ. ०।२९ उ. ३२।२६ या.
सफला ११ ब्र. +अनु.१गुरुः३२/१सोमवती

भ. ३३।३३ उ. प्रदोषः
भ. १।५६ या. विशाखा. भौमः ५२।३०
दृश्यः पूषायां रवि.५९/२५ वक्री मूले बुधः१०/५७+

३६पं.पौ.कृ.२चं.इ.४२।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	७	६	०	१०	७
२८	११	१९	०	१९	२३	३	२८
५५	३७	४	३९	४५	१३	२४	३९
५२	२६	४०	१८	५०	९	२५	५२
६१	३८	४०	१२	२५	३ २२	३	६१
०	१३	३९	५६	३५	व	११	१९

३७पं.पौ.कृ.८ चं.इ.४२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	६	०	१०	८
६	१६	१९	२	२३	२२	३	५
३	४	५२	५	४१	५१	२	४९
२९	५८	३३	५६	३८	४३	९	१७
६१	३७	१० ५७	१२	३५	२ ४०	३	६१
४	५७	व	२९	५३	व	११	२२

३८पं.पौ.कृ.३०चं.इ.४२।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	६	०	१०	८
१३	२०	१२	३	२८	२२	२	१२
११	३१	२९	२८	४१	३४	३९	५९
३१	१९	३४	१	२८	३०	५४	९
६१	३७	९७ १०	१२	४१	२ ४	३	६१
६	५३	व	९	४४	व	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हेमन्ततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गण:६११२ स१९७०
१	मं	१९	३१	पू	२३	१३	ध्रु	२१	४२	ब	१९	३१	३५/३९	६/५२	५/८	२९	८	२९	म.३७।१	पूषायां रविः सौरः २।२८
२	बु	१२	५८	उ	१८	२३	व्या	१३	२५	कौ	१२	५८	४०	५२	८	३०	९	३०	मकरे	वृश्चिके शुक्रः ३५।० चन्द्रदर्शनम्
३	गु	६	२०	श्र	१३	२४	ह	५४/२	५१/१०	ग	६	२०	४०	५२	८	३१	१०	१	कु.४०।५५	भ. ३३।० उ. ५९।३९ या. जिल्काद ११
४	गु	५३	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	शु	५३	१६	ध	८	२६	सि	४७	५५	ब	२५	५७	४१	५२	८	१	११	२	कुंभे	जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९७१
६	श	४७	३०	श	३	५८	व्य	४०	६	कौ	२०	२३	४२	५२	८	२	१२	३	मी४६।३	
७	र	४२	८	पू	०/५	५६/२७	व	३२	२९	ग	१४	४९	४३	५१	९	३	१३	४	मीने	भ.४२।८ उ. अनु.शुक्रः१९।३० बुधोदयः*
८	चं	३७	४४	रे	५३	५७	प	२५	४१	वि	९	५६	४४	५१	९	४	१४	५	मे.५३।५७	भ. ९।५६ या. *पूर्वस्यां २५।४९
९	मं	३४	१	अ	५२	१	शि	१९	१७	बा	५	५३	४६	५१	९	५	१५	६	मेषे	
१०	बु	३१	६	भ	५०	५९	सि	१३	४२	तै	२	३३	४७	५१	९	६	१६	७	मेषे	
११	गु	२९	१	कृ	५०	४०	सा	८	५२	व	०	३	४९	५०	१०	७	१७	८	वृ.५।५४	भ. ०।३ उ. २९।१ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	शु	२७	४१	रो	५१	२६	शु	४	३९	बा	२७	४१	५१	५०	१०	८	१८	९	बृषे	मार्गी बुधः ५७।५६
१३	श	२७	४०	मृ	५३	१७	शु	२५	५८/१२	तै	२७	४४	५२	५०	१०	९	१९	१०	मि२२।२१	प्रदोषः ×उषायां रविः ५५।९
१४	र	२८	३३	आ	५६	११	ऐं	५६	५९	व	२८	३३	५४	४९	११	१०	२०	११	मिथुने	भ.३६/३३ उ.५९/११या. दृश्यः उषायां रविः५५/९
१५	चं	३०	४९	पु	६०	०	वै	५६	१७	ब	३०	४९	५६	४९	११	११	२१	१२	क.४४।१३	उषायां रविः सौरः ३।५५

३९पं.पौ.८शु.चं.इ.४२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	७	०	१०	८
२०	२४	५	४	४	२२	२	२०
१९	५७	१४	४७	२७	२१	१७	९
२६	२५	२	३५	१८	४७	३८	६
६१	३७	३५/३९	११	४८	१/१७	३	६१
६	३३	ब	३२	५६	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मासका फल साधारण है सोम वती अमावस्या हरेक वस्तु में मंदीकारक है कहीं २ वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

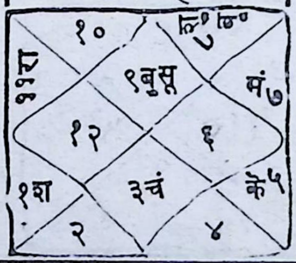

४०पं.पौ.शु.१५चं.इ.४१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	७	०	१०	८
२७	२९	५	६	१०	२२	१	२७
२७	२२	८	३	५१	१४	५५	१८
४०	४८	२	४३	०	२७	२२	५८
६१	३७	२४/८	१०	५४	३६	३	६१
६	१९	मा	५८	४२	व	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविर्दक्षिणे पौष.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	३४	१६	पु	०	१४	वि	५८	२३	बा	२	३३	२५/५८	६/४८	५/११	१२	२२	१३	कर्के	बृश्चिके भौमः ४१।४८
२	बु	३८	५७	पु	५	३३	प्री	५७	२८	तै	६	३६	२६/५	४८	१२	१३	२३	१४	कर्के	
३	गु	४४	१७	श्ले	१२	२	आ	५९	९	व	११	३७	३	४७	१३	१४	२४	१५	सिं१२।२	भ.११।३७ उ.४४/१७या. दृश्योमकरेऽर्कः १/३ १/३*
४	शु	५०	३७	म	१८	५२	सौ	६०	०	ब	१७	२७	५	४७	१३	१५	२५	१६	सिंहे	अनु. २ गुरुः ०।२९ च. व्र.
५	श	५७	१३	पू	२६	३०	सौ	१	१६	कौ	२३	५५	८	४६	१४	१६	२६	१७	कं.४३।२४	
६	र	६०	०	उ	३४	७	शो	३	३५	ग	३०	२७	१०	४६	१४	१७	२७	१८	कन्यायां	ज्येष्ठा.शुक्रः३९।१० अनु.भौमः५५/३९ मार्गी=
६	चं	३	४०	ह	४१	२५	अ	५	४३	व	३	४०	१२	४६	१४	१८	२८	१९	कन्यायां	भ. ३।४० उ. ३६।३६ या.
७	मं	९	३२	चि	४७	३६	सु	७	२२	ब	९	३२	१५	४५	१५	१९	२९	२०	तु.१४।३०	
८	बु	१४	१२	स्वा	५२	४४	धृ	८	८	कौ	१४	१२	१७	४५	१५	२०	३०	२१	तुलायां	दृश्योऽभि. प्र. रविः४४/१८ (सौरः५०।४२)
९	गु	१७	१४	वि	५५	४९	शू	७	३६	ग	१७	१४	२०	४४	१६	२१	१	२२	बृ.४०।३	भ.४७/४७ उ. पूषायां बुधः ४६/२ रा.माघारंभः
१०	शु	१८	२०	अ	५७	८	गं	५	४०	वि	१८	२०	२२	४४	१६	२२	२	२३	वृश्चिके	भ. १८।२० या. *(सौरः१९/२९)
११	श	१७	३५	ज्ये	५६	१६	वृ	१२/१	५५/१	बा	१७	३५	२५	४३	१७	२३	३	२४	ध.५६।१६	षट्तिला ११ व्र. =शनिः ३३।३५
१२	र	१४	४४	मू	५३	३४	व्या	५०	३२	तै	१४	४४	२७	४३	१७	२४	४	२५	धनुषि	दृश्यः श्रवणे रविः ०।४१ (सौरः ६/३६)+
१३	चं	९	५७	पू	४९	१३	ह	४२	२६	व	९	५७	३०	४२	१८	२५	५	२६	धनुषि	भ. ९।५७ उ. ३६।३५ या. ×प्रदोषः
१४	मं	३	३२	उ	४३	३७	व	३४	१४	श	३	३२	३३	४१	१९	२६	६	२७	म.२।४९	+दृश्योऽभि.नि. रविः५३।१० (सौरः५८/५५)×
३०	मं	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४१पं.मा.कृ.६चं.इ.४१।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	७	७	०	१०	९
४	३	१०	७	१७	२२	१	४
३५	४८	३०	१४	४०	१२	३३	२७
३१	३७	१८	२५	३०	४७	७	२८
६१	३७	५४	१०	५७	०/७	३	६१
३	५	४३	५	४९	मा	११	१९

गोचरग्रहाः

माघ कृ. ३ गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.२प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शु.पू.।

गोचरग्रहाः

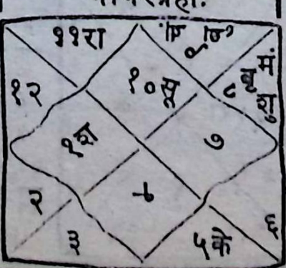

४२प.मा.कृ.१३चं.इ.४२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	७	७	०	१०	९
११	८	१८	८	२४	२२	१	११
४२	१२	२६	२०	५१	१७	१०	३७
५८	२५	१०	४६	३	१२	५१	१८
६०	३६	७२	९	६०	०	३	६१
५९	५६	४६	३२	३८	५८	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	बु	४७	३४	श्र	३७	१०	सि	२३	३२	किं	२१	४५	३६	४१	१९	२७	७	२८	मकरे
२	गु	३८	५९	ध	३०	३१	व्य	१३	३०	बा	१२	१९	३९	४०	२०	२८	८	२९	कुं.३।५०
३	शु	३०	४१	श	२३	५५	व	३३	५०/१४	तै	४	५०	४२	४०	२०	२९	९	१	कुम्भे
४	श	२३	३	पू	१७	५९	शि	४४	४९	वि	२३	३	४६	३९	२१	३०	१०	२	मी४।२८
५	र	१६	११	उ	१३	५३	सि	३६	४९	बा	१६	११	४९	३८	२२	३१	११	३	मीने
६	चं	१०	३७	रे	८	५७	सा	२९	४२	तै	१०	३७	५२	३८	२२	१	१२	४	मे.८।५७
७	मं	६	५	अ	६	२८	शु	२४	२९	व	६	५	५५	३७	२३	२	१३	५	मेषे
८	बु	३	१०	भ	५	११	शु	१९	३६	ब	३	१०	५९	३६	२४	३	१४	६	वृ. १९।५७
९	गु	१	२८	कृ	४	१४	ब्र	१४	३१	कौ	१	२८	२७/२	३६	२४	४	१५	७	वृषे
१०	शु	०	५९	रो	६	२६	ऐं	११	३८	ग	०	५९	६	३५	२५	५	१६	८	मि३७।४६
११	श	१	५६	मृ	९	७	वै	९	५०	वि	१	५६	९	३४	२६	६	१७	९	मिथुने
१२	र	३	५०	आ	१२	३८	वि	८	५५	बा	३	५०	१३	३३	२७	७	१८	१०	मिथुने
१३	चं	७	८	पु	१७	२६	प्री	८	५८	तै	७	८	१६	३३	२७	८	१९	११	क.१।१४
१४	मं	११	१३	पु	२३	०	आ	९	१५	व	११	१३	२०	३२	२८	९	२०	१२	कर्के
१५	बु	१६	१६	श्ले	२९	३७	सौ	१०	२८	ब	१६	१६	२४	३१	२९	१०	२१	१३	सिं२९।३७

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:६१४१ स.१९७१

चन्द्रदर्शनम्
भ. ५६।५२ उ. जिल्हेज १२
भ. २३।३ या. सूले धनु. शुक्रः ३१।१९
उषायां बुधः ५७।३१ वसन्त ५
फरवरी मा.२ता.२८ पा.स्प.४५/२ मोक्षः५६/४०
भ. ६।५ उ. ३४।३७ या. भानु ७
मकरे बुधः २०।२९ भीष्म ८

भ. ३१।२७ उ.
भ. ५/६ या. दृश्यो धनिष्ठा.रविः३/२ (सौरः*
प्रदोषः *१/३ २/०)अनु.३गुरुः४/२ ०/७जया ११व्र.
ज्येष्ठा. भौमः ८।४८
भ. ११।१३ उ. ४३।४५ या.
श्रवणे बुधः १७।२७

४३पं.मा.शु.६चं.इ.४२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	७	८	८	१०	०
१८	१२	२७	९	२	२२	०	१८
४९	३६	४२	३०	१७	२६	४८	४५
२४	२२	२५	६	६	३६	३६	१९
६०	३६	८३	८	६२	१	३	६१
५५	३४	५६	३३	५३	४०	११	४

गोचरग्रहाः

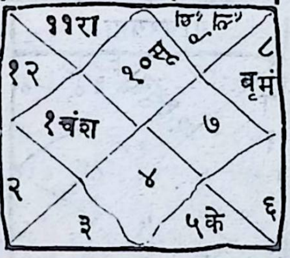

इस मास में अलसी सिरस्युं तिल मूंगफली घृत गुड़ खांड़ तेज हो। चांदी सोना में घटाबढ़ी

गोचरग्रहाः

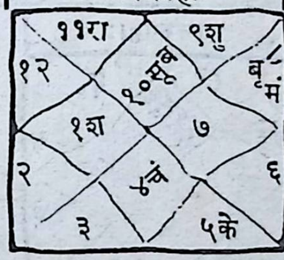

४४पं.मा.शु.१३ चं.इ.४२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	७	८	०	१०	९
२५	१७	७	१०	९	२२	०	२५
५५	०	३२	१५	५८	४१	२६	५२
१६	१४	४५	१८	३३	२०	२०	६
६०	३६	९२	७	६४	२	३	६०
४७	१४	५१	३२	३७	२०	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	गु	२१	५२	म	३६	२७	शो	१२	१०	कौ	२१	५२	२७/२७	३५	२९	११	२२	१४	सिंहे
२	शु	२८	१९	पू	४४	०	अ	१४	१३	ग	२८	१९	३१	३०	३०	१२	२३	१५	सिंहे
३	श	३४	४४	उ	५१	१७	सु	१६	३२	व	१	३२	३५	२९	३१	१३	२४	१६	कं.०।४९
४	र	४१	७	ह	५९	७	धृ	१८	५१	ब	७	५५	३८	२८	३२	१४	२५	१७	कन्यायां
५	चं	४७	६	चि	६०	०	शू	२०	५४	कौ	१४	७	४२	२८	३२	१५	२६	१८	तु. ३२।३०
६	मं	५२	१९	चि	५	५३	गं	२२	१७	ग	१९	४२	४६	२७	३३	१६	२७	१९	तुलायां
७	बु	५६	५	स्वा	११	५५	वृ	२२	५१	वि	२४	१२	५०	२६	३४	१७	२८	२०	तुलायां
८	गु	५८	२१	वि	१६	२४	ध्रु	२२	१०	बा	२७	१३	५४	२५	३५	१८	२९	२१	बृ.०।१७
९	शु	५८	४७	अ	१९	१६	व्या	२०	२	तै	२८	३४	५८	२४	३६	१९	३०	२२	बृश्चिके
१०	श	५६	१३	ज्ये	२०	७	ह	१६	२८	व	२७	३०	२६/२	२४	३६	२०	१	२३	ध.२०।७
११	र	५३	२३	मू	१९	९	व	११	१९	ब	२४	४८	६	२३	३७	२१	२	२४	धनुषि
१२	चं	४७	४४	पू	१६	४	सि	३२/४	४२/५१	कौ	२०	३३	१०	२२	३८	२२	३	२५	म.३०।६०
१३	मं	४०	२९	उ	१२	१३	व	४६	५०	ग	१४	७	१४	२१	३९	२३	४	२६	मकरे
१४	बु	३२	१	श्र	५६/४	४२/५२	प	३६	२४	वि	६	१६	१८	२०	४०	२४	५	२७	कु.३१।१७
३०	गु	२२	३१	श	५०	७	शि	२५	२६	ना	२२	३१	२२	२०	४०	२५	६	२८	कुम्भे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पूषायां शुक्रः ४९।२१
दृश्यः कुंभेऽर्कः ४४।१७(सौरः४६।२७)
भ. १।३२ उ. ३४।४४ या.
चतुर्थी व्र. *कर्के केतुः ५९।११
पातस्पर्शः २२।२६ मोक्षः ३४।२८
भ. ५२/१९ उ. धनि. २ मकरे राहुः आश्ले ४*
भ. २४।१२ या. पूर्वास्तो बुधः ३०।४४
धनिष्ठा. बुधः २५।६
दृश्यः शते रविः२०।३८(सौरः२१।४९)
भ. २७/३० उ. ५६/१३ या. रा. फ़ाल्गुनारंभः
भरणी.४ शनिः ११/४२ विजया ११व्र.स्मा.
कुंभे बुधः ३०।१२ विजया ११ व्र. वै.
भ. ४०।२९ उ. उषायां शुक्रः ३०।७×
भ. ६।१६ या. महाशिवरात्री व्र. वै.
×प्रदोषः महाशिवरात्री व्र. स्मा.

४५पं.फा.कृ.५चं.इ.४२।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	७	८	०	१०	१०
३	२१	१८	११	१७	२३	०	३
०	२२	४८	२	४९	१	४	५८
४	४४	२९	१०	२६	१	४	९
६०	३५	०/०	६	६६	३	३	६०
३७	५५	१६	२८	५	१	११	४२

गोचरग्रहाः

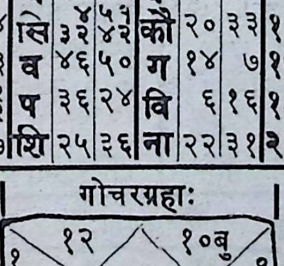

फा. कृ. २ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.४ नं.४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५ (धान्यादि भावे समर्घता) शुक्रोदयं पू.।

गोचरग्रहाः

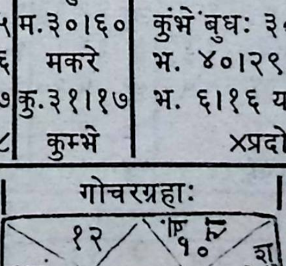

४६पं.फा.कृ.१२चं.इ.४२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	७	८	०	९	१०
१०	२५	१०	११	२५	२३	२९	१०
३	४४	२२	४२	४६	२५	४१	२
३२	२	२२	४	१५	३७	४९	४२
६०	३५	७/०	५	६७	३	३	६०
२५	२८	४१	२२	२३	४२	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१७१ स.१९७१
१	शु	१२	५०	पू	४२	२०	सि	१४	४०	बा	१२	५०	२६/२६	६/१९	५/४१	२६	७	२९	मी२९।१७	शते बुधः ५१।५ मकरे शुक्रः ३६/१२ चंद्रद.
२	श	३	३०	उ	३५	२३	सा	४/७	४९/५८	कौ	३	३०	३०	१८	४२	२७	८	१	मीने	फुलरिया२ पातस्पर्शः ३८/५९ मोक्षः ४८।६+
३	श	५०	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+मोहोरम १ सन् १३९१ हि.
४	र	४७	८	रे	२९	१३	शु	४५	०	व	२०	४५	३४	१७	४३	२८	९	२	मे.२९।१३	भ. २०।४५ उ. ४७।८ या.
५	चं	४०	५६	अ	२४	४३	ब्र	३७	२१	ब	१४	२	३८	१६	४४	१	१०	३	मेषे	मूले धनुषि भौमः ३६/२१ मार्च मा.३ता.२१
६	मं	३६	३७	भ	२१	४४	ऐं	३१	१०	कौ	९	१६	४२	१६	४४	२	११	४	वृ.३६।२८	
७	बु	३३	५०	कृ	२०	३९	वै	२६	१५	ग	५	१३	४६	१५	४५	३	१२	५	वृषे	भ. ३३।५० उ. *(सौरः ३६/३६) होलाष्टक
८	गु	३३	२	रो	२१	५	वि	२२	५१	वि	३	२६	५०	१४	४६	४	१३	६	मि५१।१५	भ.३।२६या. दृश्यः पूभायां रविः३६।४३*
९	शु	३३	५६	मृ	२३	२६	प्री	२०	५२	बा	३	२९	५४	१३	४७	५	१४	७	मिथुने	पूभायां बुधः ४२।४७
१०	श	३६	१८	आ	२७	८	आ	१९	५८	तै	५	७	५८	१२	४८	६	१५	८	मिथुने	श्रवणे शुक्रः ५७।४९
११	र	४०	४	पु	३२	१६	सौ	२०	२९	व	८	११	२९/२	१२	४८	७	१६	९	क.१५।५९	भ.८।११ उ.४०।४ या. आमलकी ११व्र.
१२	चं	४४	४९	पु	३७	५५	शो	२१	१९	ब	१२	२६	६	११	४९	८	१७	१०	कर्के	
१३	मं	५०	२६	श्ले	४५	१८	अ	२२	५०	कौ	१७	३६	१०	१०	५०	९	१८	११	सिं४५।१८	प्रदोषः
१४	बु	५६	१०	म	५२	१४	सु	२४	३४	ग	२३	१३	१४	९	५१	१०	१९	१२	सिंहे	भ. ५६।१० उ. मीने बुधः ५०।१३
१५	गु	६०	०	पू	५९	५३	धृ	२६	५४	वि	२९	२४	१९	८	५२	११	२०	१३	सिंहे	भ. २९।२० या. होलिकादहनम्
१५	शु	२	३८	उ	६०	०	शू	२९	१०	ब	२	३८	२३	७	५३	१२	२१	१४	कं.१६।४३	उभायां बुधः ३९/५५ छारेंडी पातस्पर्शः ५०/५५

४७पं.फा.शु.५चं.इ.४३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	७	९	०	९	१०
१७	०	१२	१२	४	२३	२९	१७
५	२	१	१४	५१	५४	१९	५
४६	४५	५८	३७	३२	४३	३३	३०
६०	३४	[illegible]	४	६८	४	३	६०
१२	५५	[illegible]	९	३५	२३	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मास का फल उत्तम है। धान्य रुई चावल जौ गेहूँ बाजरा मोंठ मूँग मंदा होगा। सुदी में तेजी होकर मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

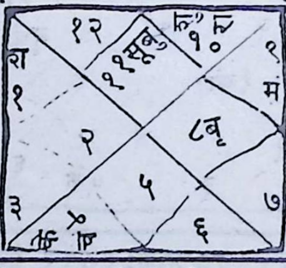

४८पं.फा.शु.१२चं.इ.४३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	७	९	०	९	१०
२४	४	२५	१२	१२	२४	२८	२४
६	२०	५२	३७	१	२९	५७	६
२९	३४	३०	१६	४८	१०	१८	५४
५९	३४	[illegible]	२	६९	४	३	६०
५८	३४	[illegible]	५६	१३	५२	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०२७ शाकः १८९२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	९	१	उ	७	१५	गं	३१	२२	कौ	९	१	२९/२७	६/७	५/५३	१३	२२	१५	कन्यायां	वसन्त १ पातमोक्षः १।५४
२	र	१५	२८	ह	१४	३७	वृ	३३	१७	ग	१५	२८	३२	६	५४	१४	२३	१६	तु.४८।५	भ. ४८।० उ. दृश्यो मीनेऽर्कः ३७।४०+
३	चं	२०	५०	चि	२१	३४	ध्रु	३४	५०	वि	२०	५०	३६	५	५५	१५	२४	१७	तुलायां	भ. २०।५० या. चतुर्थी व्र.
४	मं	२५	४१	स्वा	२७	३८	व्या	३५	४६	बा	२५	४१	४०	४	५६	१६	२५	१८	तुलायां	
५	बु	२९	४६	वि	३२	४१	ह	३५	४७	तै	२९	४६	४४	४	५७	१७	२६	१९	वृ.१६।१५	दृश्यः उभायां रविः ५८/४४ (सौरः५७।३२)
६	गु	३२	२६	अ	३६	३७	व	३४	४७	ग	१	६	४९	२	५८	१८	२७	२०	वृश्चिके	भ. ३२।२६ उ. धनिष्ठा. शुक्रः २३।३६
७	शु	३३	४३	ज्ये	३९	७	सि	३२	३७	वि	३	४	५३	१	५९	१९	२८	२१	ध.३९।७	भ. ३।४या. रेवत्यां बुधः ५/४४ शीतला पू.
८	श	३३	२४	मू	३९	४७	व्य	२९	२	बा	३	३३	५७	१	५९	२०	२९	२२	धनुषि	बुधोदयः पश्चिमायां ६।०
९	र	३१	४	पू	३८	४७	व	२४	२	तै	२	१४	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	२३	म.५३।३	भ. ५९।३ उ. ×पापमोचनी ११ व्र.
१०	चं	२७	१	उ	३५	५१	प	१७	३४	वि	२७	१	६	५/५९	१	२२	१	२४	मकरे	भ. २७।१ या. रा. चैत्रारम्भः
११	मं	२१	१३	श्र	३१	१९	शि	९	४४	बा	२१	१३	१०	५८	२	२३	२	२५	कु.५८।२१	पूषायां भौमः ३९।५५ वक्री गुरुः४०।२५×
१२	बु	१३	५८	ध	२५	२४	सि	३/३३	४९/२८	तै	१३	५८	१४	५७	३	२४	३	२६	कुम्भे	कुंभे शुक्रः ०।२० प्रदोषः
१३	गु	५	२०	श	१८	१९	शु	३९	५२	व	५	२०	१८	५६	४	२५	४	२७	मी५७।३३	भ. ५।२० उ. ३०।४० या.
१४	गु	५०	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	शु	४६	७	पू	१०	३७	शु	२८	५६	च	२१	३	२३	५५	५	२६	५	२८	मीने	अश्वि. मेषे बुधः ५६।४ मन्वादिः

४९पं. चै.कृ.३ चं.इ.४३।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	७	९	०	९	११
१	८	९	१२	२०	२५	२८	१
५	३५	१९	५१	१३	६	३५	६
४२	५६	५५	४३	२९	१८	२	३६
५९	३३	[illegible]	१	७०	५	३	५९
४१	५०	[illegible]	२८	०	१८	११	४९

गोचरग्रहाः

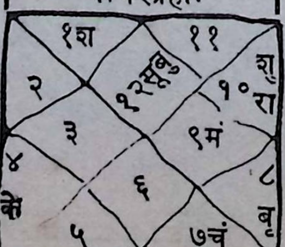

चैत्र कृ. २ रवौ मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.३प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यादि भावे समता) शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

५०पं. चै.कृ.१०चं.इ.४४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	७	९	०	९	११
८	१२	२३	१२	२८	२५	२८	८
३	४९	६	५६	३०	४६	१२	४
१८	१४	७	२४	१४	४१	४६	३१
५९	३३	[illegible]	०	७०	५	३	५९
२९	४	[illegible]	११	३८	४६	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७२ भोग्यकलिः ४२६९२८ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०२८ शाकः १८९३ अथास्मिन्वर्षेराजा शनिः । मंत्री बुधः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो गुरुः। मेघेशोभौमः। रसेशोरविः। नीरसेशो शुक्रः। फलेशश्चन्द्रः। धनेशो गुरुः। दुर्गेशश्चन्द्रः। एतेदशाधिकारिणः। तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां१८ रक्ताक्षीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमयेः गतमासादिः ६।०।३४।३३ भोग्यमासादिः ५।२९।२५।२७ भगदैवतं युगम्। वर्षनामः वैशाखः। मेघ नाम द्रोणः। रोहिणी निवासः समुद्रें। समय निवासो मालाकारगृहे। समय विश्वा १८। समयवाहनं महिषः। स्तंभाः १तृणस्य। सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी ०। अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी ०। रविदशमी ०। समयमुहूर्ताः ३००। समयदिनानि ३५५। तिथिक्षयः १६। तिथि वृद्धिः ११। उत्पति विश्वा ९३। खपति विश्वा ९३। वर्षा विश्वा ९। धान्यम् १३, तृणम् १५. शीतम् ११. तेज ५. वायु १३ वृद्धिः १५। क्षयः १५। विग्रहः ११। ऐक्यं १०७ सत्यम्।।. धर्मम् १।।. पाप १८ शनिदृष्टिः पूर्वस्यां। ग्रहण २ चन्द्रमसः।

सं. २०२८ श्रावण शु. १५ शुक्रे
खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	स.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घं.	४२	४४	४६	४८	५१
मध्यम	पल.	२७	४७	५.०	५३	१३
रेल्वे	घं.	११	१२	१	२	२
टाइम	मि.	२६	२२	११	०	५६

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ८।४

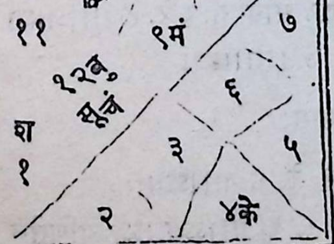

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी भैरव आया द्वार।
अष्टाविंशति साल का कह दो फल विस्तार।।

भवानी उत्तर

भैरव सुन तूं ध्यान से कहती फल समझाय।
घर घर खेलै बालका दूजै धोली गाय।।
रोहिणी सिंध में वसी संबत् मालाकार।
अष्टादश विश्वा समय होवे जय जयकार।।
मंत्री बुधजी बापड़ा चले न इनका जोर।
राजा तो रवि तनय है करैं और की और।।
वर्षा तो विश्वा बनी भौम भये मेघेश।
रस कस कमती जानलो रसपति भये दिनेश।।
शुभलक्षण शुभचार से कहा वर्ष निर्धार।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार।।

सं. २०२८ माघ शु. १५ रवौ
ग्रस्तोदयं खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	स.	म.	उ.	मो
उज्ज.	घ.	२०	२४	२४	२५	२९
मध्यम	पल.	३९	५	५६	४७	१३
रेल्वे	घं.	२	४	४	४	६
टाइम	मि.	४३	५	२५	४६	८

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ०।४

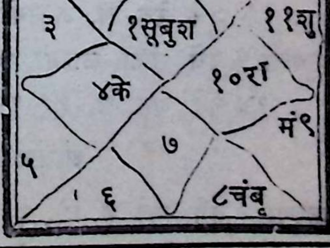

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२६।२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम्-शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूत रोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धंनृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री बुधस्ततफलम्-शशिसुते शुभ मंत्रि समागते, स्वपतिना रमते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहु वारि समन्वितं यवमसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रस्ततफलम्-शुक्रोयदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालीक्षुधनं प्रियंगु, बृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ।। धान्येशो गुरुः फलम्-गुरौ धान्य पतौयाते यव गोधूम शालयः । पच्यन्ते सर्व देशेषु यज्वानो बाह्यणादयः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम्-अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुति विचार विहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम् ।। रसेशो रविः फलम्-रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भाग रताल्प पयोधराः । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुखरसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम्-कर्पूरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्घ बृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-यदि विधु-फलपो-द्रुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विज मुखावरभोगसमन्विता नृपतयो नय नाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलम्-सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिपराः सुख भाजनाः । फलित् पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः ।। दुर्गेशश्चन्द्रः तफलम्-गढ़पति शश लान्छनको यदा नृपसुताज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुजगोरस भोगिनो, नरवरावर वर्णित विग्रहाः ।। रक्ताक्षी नाम संवत्सरः फलम्-रक्ताक्षीवत्सरे सस्य बृद्धिर्बृष्टिरनुत्तमा । प्रेक्षते सर्वदाऽन्योन्यं राजानो रक्त लोचनाः ।। वर्षनाम वैशाखः फलम्-अर्घं विविध भावेन जायते द्रविणप्रदम् । नीरुजा निर्भया लोकाः वैशाखे जन पूजिताः ।। मेघनाम द्रोणस्तत्फलम्-द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्-समुद्रे तु महा बृष्टिः ।। समय निवासो मालाकार गृहे फलम्-मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२८ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. गो. ८ रे. ६ ।।।।ऽअऽऽ।ऽ दग्धादोषः
शुक्ला ३ भौमे रोहि. ल. ११-१२ रे. ६ ऽ।।ऽऽनृऽ।।
„ ११ गुरौ उफा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।ऽशु.।ऽनृऽ।। पाद वेधात्शुक्रस्य वेधाऽभावः
„ ११ गुरौ हस्ते ल. ९-१२ रे.६ ऽऽ।।ऽनृ।।।मीने चं.७ पू.
„ १२ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो. ९ रे. ८ ऽऽ।।।।।।। धनु लग्नघटी ४३।५० यावत्

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ भौमे अनु. ल. ११-१२ रे. ६ ।।ऽगु.।ऽ।ऽऽ।।
„ ३ गुरौ मूले ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽअऽ।।
„ ५ शनौ उषा. ल. गो. ९-१२ रे. ५ ।।।।।ऽऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः
„ १० गुरौ उभा. ल. अन्यगो. ९ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
„ १२ शुक्रे रेव. ल. अन्यगो. ९ रे. ८ ।।।।।चौ।ऽ।।
शुक्ला ९ बुधे उफा. ल. गो. ९ रे. ८ ।।।।ऽरो।ऽ।।
„ १४ चंद्रे अनु. ल. ११-१२ रे. ६ ।।ऽगु।ऽऽनृ।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा १ बुधे मूले ल. गो. ११-१२ रे. ६ ।।।चौऽऽ।।
„ ९ गुरौ रेव. ल. अन्यगो. ११ रे. ७ ऽ।।।ऽअ.।ऽ।।

शुक्ला ६ भौमे उफा. ल. १२ रे. ६ ।ऽ।।ऽनृऽऽ।।
„ ९ शुक्रे स्वा. ल. गो. ११ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
„ १० शनौ स्वा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽरो।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला २ शनौ मूले ल. ६-७ रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।
„ ४ चंद्रे उषा. ल. ६-७ रे. ६ ।ऽ।।ऽचौऽऽ।

माघ मासः

शुक्ला ४ गुरौ उभा. ल. ९ रे. ८ ।।।।ऽचौऽ।।
„ ५ शुक्रे उभा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ९ ।।।।।ऽ।।
„ १० भौमे रोहि. ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽअ.।ऽऽ। गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ४ गुरौ उफा. ल. गो. सोग्रांगः रे. ९ ।।।ऽऽअ।ऽ।।
„ ४ गुरौ हस्ते ल. ९ रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।।
„ ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
„ ७ रवौ स्वा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः ९ रे.८ ।ऽ।।ऽ।।।।
„ ९ भौमे अनु. ल. अन्यगो. सोग्रांगः ९ रे.८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
शुक्ला ४ शुक्रे रेव. ल. ९ रे. ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ बुधे उफा. ल. गो. ९ रे. ८ ।।।ऽऽ।।।
„ ४ शनौ स्वा. ल. गो. ९ रे. ६ ।।।ऽऽअ.।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६२०० स.१९७१
१	श	३७	१३	उ	४२/१	५२/४४	ब्र	१७	५८	किं	१२	४०	३०/२७	५/५५	६/५	२७	६	२९	मे.५५।२५	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	र	२७	८	अ	४८	५२	ऐं	७/४६	५०/२९	कौ	२७	८	३१	५४	६	२८	७	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	१९	१८	भ	४३	४८	वि	५०	५	ग	१९	१८	३५	५३	७	२९	८	१	वृ.५८।०	भ.४६/५५उ. शतेशुक्रः३६/२० मत्स्यज. गणगोरी*
४	मं	१३	११	कृ	४०	३७	प्री	४३	३८	वि	१३	११	३९	५२	८	३०	९	२	वृषे	भ. १३।११ या. *सफर २
५	बु	८	५०	रो	३९	१९	आ	३८	४६	बा	८	५०	४४	५१	९	३१	१०	३	बृषे	दृश्यो रेवत्यां नविः २६/२७ (सौरः २५।०)×
६	गु	६	२७	मृ	४०	१३	सौ	३५	३७	तै	६	२७	४८	५०	१०	१	११	४	मि९।४६	अप्रेल मा.४ता.३० ×कृत्ति.१शनिः१०/५३
७	शु	६	२०	आ	४२	५९	शो	३३	५४	व	६	२०	५२	५०	१०	२	१२	५	मिथुने	भ. ६।२० उ. ३७।१३ या.
८	श	८	५	पु	४७	२७	अ	३३	४९	ब	८	५	५६	४९	११	३	१३	६	क.३१।२०	रामनवमी स्मा.
९	र	११	३८	पु	५३	२८	सु	३४	२६	कौ	११	३८	३५/००	४८	१२	४	१४	७	कर्के	राम ९ वै.
१०	चं	१६	२९	श्ले	६०	०	धृ	३६	११	ग	१६	२९	४	४७	१३	५	१५	८	कर्के	भ. ४९।२५ उ.
११	मं	२२	२१	श्ले	०	३३	शू	३८	२७	वि	२२	२१	७	४७	१३	६	१६	९	सिं०।३३	भ. २२।२१ या. कामदा ११ व्र.
१२	बु	२८	१८	म	७	५६	गं	४०	५५	बा	२८	१८	११	४६	१४	७	१७	१०	सिंहे	
१३	गु	३४	५०	पू	१५	३१	वृ	४३	२०	कौ	१	१४	१४	४५	१५	८	१८	११	कं.३०।५३	प्रदोषः
१४	शु	४१	२	उ	२३	१	ध्रु	४५	२२	ग	७	५६	१८	४४	१६	९	१९	१२	कन्यायां	भ.४१/२ उ. वक्री बुधः ४९/३ पूभा. शुक्रः५०/१७
१५	श	४६	४४	ह	३०	१०	व्या	४७	१५	वि	१३	५३	२१	४४	१६	१०	२०	१३	कन्यायां	भ. १३।५३ या. हनुमज्जयन्ती

५१पं. चै.शु.३ चं.इ.४४।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	०	७	१०	०	९	११
१४	१६	३	१२	६	२६	२७	१५
५९	५८	४०	५३	४९	३१	५०	०
१३	२२	३७	४९	३७	४	३१	३६
५९	३२	७८	१३/१	७१	६	३	५९
१६	८	३७	व	१०	१२	११	१८

गोचरग्रहाः

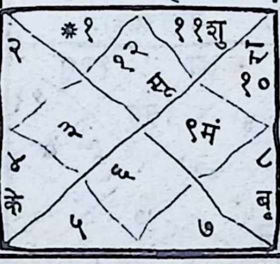

इस मासका फल मध्यम है प्रजा में रोग भय हो। धान्य गेहूँ चावल जौ तिल सोना चांदी तेज हों।

गोचरग्रहाः

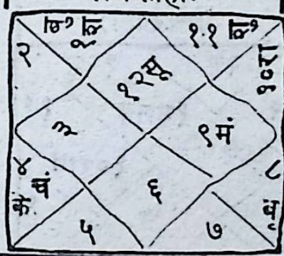

५२पं.चै.शु.१०चं.इ.४४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	०	७	१०	०	९	११
२१	२०	९	१२	१५	२७	२०	२१
५३	५९	३६	४०	८	१७	२८	५४
३१	४२	१४	४०	४६	४९	१५	४७
५९	३०	२६	३४/२	७१	६	३	५९
४	५९	४९	व	३८	२६	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५१	४९	चि	३६	३४	ह	४८	३२	बा	२०	१६	३५/२५	५/४३	६/१७	११	२१	१४	तु.३।२२	पश्चिमास्तं बुधः ३९।५
२	चं	५६	८	स्वा	४२	५	व	४९	३	तै	२३	५९	२८	४२	१८	१२	२२	१५	तुलायां	
३	मं	५९	२२	वि	४७	५३	सि	४८	५९	व	२७	४५	३२	४२	१८	१३	२३	१६	वृ.३१।२७	भ.२७/४५उ.५९/२२या. अश्वि.मेषेऽर्कः सौरः५९/३४
४	बु	६०	०	अ	५१	२	व्य	४८	११	ब	२९	४१	३६	४१	१९	१४	२४	१७	वृश्चिके	दृश्नोऽश्वि. मेषेऽर्कः ०।३१ चतुर्थी व्र.
४	गु	१	३६	ज्ये	५३	४२	व	४६	१९	बा	१	३६	४०	४०	२०	१५	२५	१८	ध.५३।४२	
५	शु	२	४७	मू	५५	१८	प	४३	३२	तै	२	४७	४३	३९	२१	१६	२६	१९	धनुषि	उषायां भौमः १।१३
६	श	२	४३	पू	५५	४१	शि	३९	५६	व	२	४३	४७	३९	२१	१७	२७	२०	धनुषि	भ. २।४३ उ. ३२।२ या.
७	र	१	२०	उ	५४	२९	सि	३४	५७	ब	१	२०	५१	३८	२२	१८	२८	२१	म.१०।२३	मीने शुक्रः ११।५२ ×रा. वैशाखारंभः
८	र	५७	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	चं	५३	२६	श्र	५२	२	सा	२८	५५	तै	२५	५८	५५	३७	२३	१९	२९	२२	मकरे	
१०	मं	४८	५८	ध	४८	७	शु	२१	५०	व	२०	१२	५८	३६	२४	२०	३०	२३	कुं.२०।४	भ. २०/१२ उ. ४८/५८ या. उभा. शुक्रः ५७/३०*
११	बु	४२	०	श	४२	५९	शु	१३	३७	ब	१५	२९	३२/२	३६	२४	२१	१	२४	कुम्भे	मकरे भौमः ४१।१० वरूथिनी ११ व्र.×
१२	गु	३४	५	पू	३७	०	ब्र	४/३४	५०/१०	कौ	८	२	६	३५	२५	२२	२	२५	मी२३।३०	*धनिष्ठा.१ राहुः आश्ले.३ केतुः५७/५९
१३	शु	२५	३३	उ	३०	१२	वै	४४	३५	ग	२५	३३	१०	३४	२६	२३	३	२६	मीने	भ. २५।३३ उ. ५०।५८ या. प्रदोषः
१४	श	१६	२३	रे	२३	४	वि	३४	१६	श	१६	२३	१४	३३	२७	२४	४	२७	मे.२३।४	
३०	र	७	२६	अ	१६	२१	प्री	२४	३४	ना	७	२६	१७	३३	२७	२५	५	२८	मेषे	

१पं. वै.कृ.४ बु.इ.०।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	७	१०	०	९	०
०	२५	९	१२	२५	२८	२७	०
०	३०	३१	१६	०	११	२	०
०	४३	२३	२३	२५	१७	७	५६
५८	२९	३९/४६	४/३	७२	६	३	५८
४४	५८	व	व	२	४४	११	४५

गोचरग्रहाः

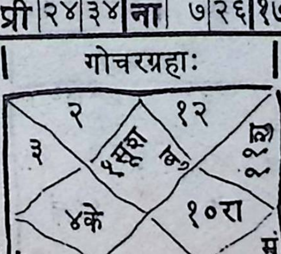

वैशाख कृ.४ बुधे मेषेऽर्कः प्र.वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (बान्यभाव मंदा) शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

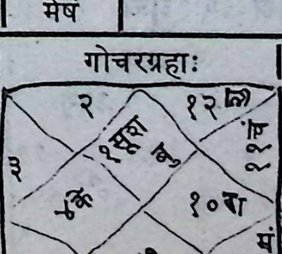

२पं.वै.कृ.११ बु.इ.०।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	७	११	०	९	०
६	२९	५	११	३	२९	२६	६
५०	४०	१०	४४	२४	२	३९	५१
४२	३४	३७	४२	०	२०	५१	७
५८	२८	३२/१	१५/३	७२	६	३	५८
३१	३९	व	व	२७	५९	११	२९

* चंबुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६२३० स.१९७१
१	र	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५१	४१	भ	१०	१३	आ	१५	३४	बा	२५	१९	३२/२१	५/३२	६/२८	२६	६	२९	वृ.२४।२	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	४६	८	कृ	५	३१	सौ	७/३९	५०/२०	तै	१८	५४	२५	३१	३९	२७	७	१	वृषे	दृश्यो भरण्यां रविः ४/८ सौरः ५/२ अक्षया ३×
४	बु	४३	१९	रो	२	२६	अ	५६	१९	व	१४	४३	२९	३०	३०	२८	८	२	मि३१।५८	भ.१४/४३ उ.४३/५९ या. कृत्ति.२ वृषे शनिः ४५/३१+
५	गु	४०	५१	मृ	१	३१	सु	५३	१८	ब	१२	५	३२	३०	३०	२९	९	३	मिथुने	अस्तं शनिः २९।४ ×रविलावल ३
६	शु	४१	१९	आ	२	४९	धृ	५१	५९	कौ	११	५	३६	२९	३१	३०	१०	४	क.५०।१२	
७	श	४४	५	पु	५	५९	शू	५२	७	ग	१२	४२	४०	२८	३२	१	११	५	कर्के	भ. ४४।५ उ. मई मा. ५ ता. ३१
८	र	४८	१३	पु	१०	५२	गं	५३	३	वि	१६	९	४३	२७	३३	२	१२	६	कर्के	भ. १६।९ या. रेवत्यां शुक्रः ३।३२
९	चं	५३	४२	श्ले	१७	१५	वृ	५५	१४	बा	२०	५८	४७	२७	३३	३	१३	७	सिं१७।१५	
१०	मं	५९	४१	म	२४	३२	ध्रु	५७	२०	तै	२६	४१	५१	२६	३४	४	१४	८	सिंहे	
११	बु	६०	०	पू	३२	८	व्या	५९	५८	व	३२	५७	५४	२५	३५	५	१५	९	कं.४९।२	भ.३३/५७ मार्गीबुधः ३३/४५ मोहिनी ११व्र. स्मा.
११	गु	६	१४	उ	३९	४३	ह	६०	०	वि	६	१४	५७	२५	३५	६	१६	१०	कन्यायां	भ. ६।१४ या. मोहिनी ११ व्र. वै.
१२	शु	१२	१३	ह	४६	५०	ह	२	२३	बा	१२	२३	३३/१	२४	३६	७	१७	११	कन्यायां	प्रदोषः +बुधोदयः पूर्वस्यां २।८
१३	श	१७	५३	चि	५३	१२	व	४	८	तै	१७	५३	४	२३	३७	८	१८	१२	तु.२०।१	वक्री अनु. २ गुरुः ११।८ नृसिंह जयन्ती
१४	र	२२	२५	स्वा	५८	२४	सि	५	८	व	२२	२५	७	२३	३७	९	१९	१३	तुलायां	भ. २२।२५ उ. ५४।६ या.
१५	चं	२५	४८	वि	६०	०	व्य	५	३४	ब	२५	४८	१०	२२	३८	१०	२०	१४	वृ.४४।३६	श्रवणेभौमः ४/३ यमाय जलान्न कुंभदानं

३पं. वै.शु.४ बु.इ.१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	७	११	०	९	०
१३	३	०	११	११	२९	२६	१३
३९	२७	४१	६	४८	५४	१७	३९
४३	११	१३	३६	५८	४३	३६	३२
५७	२७	२७/५६	[illegible]	७२	७	३	५७
१७	५	व	व	४६	८	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है रुई अलसी सरसों पाट कुष्टा सण सूत वारदाना फल फूल तेज हो।

गोचरग्रहाः

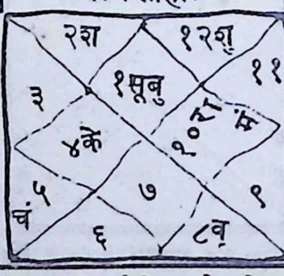

४पं. वै.शु.११बु.इ.१।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	७	११	१	९	०
२०	७	०	१०	२०	०	२५	२०
२७	५४	०	२२	१६	४८	५५	२६
२२	५२	२५	१२	५	७	२०	१२
५८	२५	१/३४	७/१	७३	७	३	५७
६	२१	व	व	०	१४	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे वैशाखकृष्णे तिमहाराष्ट्राः
१	मं	२८	१०	द्वि	२	३७	व	४	५७	कौ	२८	१०	३/१३	५/२१	६/३९	११	२१	१५	वृश्चिके	दृश्यःकृत्तिका. रविः२६।४३ (सौरः ३८/४९)
२	बु	२९	२०	अ	५	४६	प	३	३१	ग	२९	२०	१६	२१	३९	१२	२२	१६	वृश्चिके	भ. ५९।२१ उ.
३	गु	२९	२२	ज्ये	७	४६	शि	[illegible]	[illegible]	वि	२९	२२	१९	२०	४०	१३	२३	१७	ध.७।४६	भ. ३९/२३ या. अश्वि. मेषे शुक्रः ५९/५ च. व्र.
४	शु	२८	२२	मू	८	५१	सा	५४	१५	बा	२८	२२	२२	२०	४०	१४	२४	१८	धनुषि	दृश्यो बृषेऽर्कः ५३।५८ (सौरः ५३।३७)
५	श	२६	३२	पू	८	५७	शु	४९	४७	तै	२६	३२	२५	१९	४१	१५	२५	१९	म.२३।४७	
६	र	२३	५	उ	८	१९	शु	४४	२६	व	२३	५	२८	१८	४२	१६	२६	२०	मकरे	भ.२२।५ उ.५१।४या. पातस्पर्शः २३।७*
७	चं	२०	१६	श्र	६	५०	ब्र	३८	३१	ब	२०	१६	३०	१८	४२	१७	२७	२१	कु.३५।३७	
८	मं	१५	५७	ध	४	२५	ऐं	३१	५२	कौ	१५	५७	३३	१७	४३	१८	२८	२२	कुम्भे	
९	बु	१०	३८	श	१/७	५५/५१	वै	२४	३४	ग	१०	३८	३६	१७	४३	१९	२९	२३	मी४३।०	भ. ३७।३३ उ. *मोक्षः ३६।२१
१०	गु	४	२७	उ	५२	११	वि	१६	३६	वि	४	२७	३९	१६	४४	२०	३०	२४	मीने	भ. ४।२७ या. अपरा ११ व्र.
११	गु	५३	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	शु	५०	१६	रे	४६	४४	प्री	८	५/१३	कौ	२३	५९	४१	१६	४४	२१	३१	२५	मे.४६।४४	
१३	श	४२	५३	अ	४१	१५	सौ	५०	३८	ग	१६	३५	४३	१५	४५	२२	१	२६	मेषे	भ.४२।५३ उ. प्रदोषः रा. ज्येष्ठारम्भः
१४	र	३५	१२	भ	३६	३	शो	४२	७	वि	९	३	४६	१५	४५	२३	२	२७	वृ.४९।५५	भ.९।३या. भरण्यांबुधः ३७/५० ×वटपूजनं
३०	चं	२८	३०	कृ	३१	३०	अ	३५	१३	च	१	५१	४८	१४	४६	२४	३	२८	वृषे	भरण्यां शुक्रः ११/५ कृत्तिका. ३ शनिः ३३/१×

५पं.ज्ये.कृ.२बु.इ.१।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	७	७	११	१	९	०
२७	१०	२	९	२८	१	२५	२७
१३	३२	२१	३३	४१	४२	३३	११
३४	६	०	२२	१८	४३	५	२६
५७	२४	३९/७	४७/०	७३	७	३	५७
५४	३३	व	व	१४	२०	११	४५

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ. ४ शुक्रे बृषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्यादि भावे समता) शु.पूर्वं।

गोचरग्रहाः

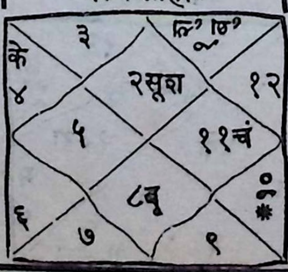

६पं. ज्ये.कृ.९बु.इ.१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	७	०	१	९	१
३	१३	८	८	७	२	२५	३
५८	४८	१३	४०	७	३६	१०	५५
२६	१८	८	५२	५२	४७	४९	४
५७	२१	५६	५७/५२	७३	७	३	५७
४४	५८	२६	व	२६	२०	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ	शुक्लपक्षः	सं. २०२८	शाकः	१८९३								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६२५९ स.१९७१
१	मं	२२	४६	रो	२७	५३	सु	२७	१६	ब	२२	४६	३३/५०	५/१४	६/४६	२५	४	२९	मि५६।५२	दृश्यो रोहि. रविः ५७/३३ (सौरः २२।४६)*
२	बु	१८	२८	मृ	२५	५२	धृ	२१	४०	कौ	१८	२८	५२	१४	४६	२६	५	१	मिथुने	रविलाखर ४ *चंद्रदर्शनम्
३	गु	१६	४	आ	२५	५३	शू	१७	३१	ग	१९	४	५४	१३	४७	२७	६	२	मिथुने	भ. ४५।४९ उ.
४	शु	१५	३४	पु	२७	३०	गं	१४	४३	वि	१५	३४	५६	१३	४७	२८	७	३	क.१२।११	भ. १५।३४ या.
५	श	१७	१९	पु	३१	१९	वृ	१३	५८	बा	१७	१९	५८	१२	४८	२९	८	४	कर्के	
६	र	२०	३९	श्ले	३६	३४	ध्रु	१४	५	तै	२०	३९	३४/००	१२	४८	३०	९	५	सिं३६।३४	
७	चं	२५	२८	म	४३	१६	व्या	१५	३४	व	२५	२८	२	१२	४८	३१	१०	६	सिंहे	भ. २५।२८ उ. ५८।१९ या.
८	मं	३१	११	पू	५०	३६	ह	१७	३५	ब	३१	११	४	११	४९	१	११	७	सिंहे	कृत्तिका. बुधः ४१।४३ जून मा.६ता.३०
९	बु	३७	३५	उ	५८	१५	व	२०	५	बा	४	२३	६	११	४९	२	१२	८	कं.७।३१	(+सौरः २१।३५)
१०	गु	४३	४२	ह	६०	०	सि	२२	२५	तै	१०	३८	७	११	४९	३	१३	९	कन्यायां	वृषे बुधः ३९।१५ गंगादशमी
११	शु	४९	७	ह	५	३१	व्य	२४	२८	व	१६	२४	९	१०	५०	४	१४	१०	तु.३८।४६	भ. १६/२४ उ. ४९।८ या. कृत्ति. शुक्रः ८।६×
१२	श	५३	३१	चि	१२	२	व	२५	५३	ब	२१	१९	१०	१०	५०	५	१५	११	तुलायां	×वक्री अनु. १गुरुः ०।१ उदयं शनेः ३४/२१=
१३	र	५६	३५	स्वा	१७	२१	प	२६	८	कौ	२४	५८	१२	१०	५०	६	१६	१२	तुलायां	वृषे शुक्रः ५६।१७ प्रदोषः
१४	चं	५८	८	वि	२१	१७	शि	२५	१९	ग	२७	२१	१३	९	५१	७	१७	१३	वृ.५।१८	भ. ५८।८ उ. =निर्जला ११ व्र.
१५	मं	५८	१२	अ	२३	४८	सि	२३	२१	वि	२८	१०	१४	९	५१	८	१८	१४	वृश्चिके	भ. २८।१० या. दृश्यो मृगे रविः १२/२९+

७पं. ज्ये.शु.२बु.इ.१।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	७	०	१	९	१
१०	१६	१६	७	१५	३	२४	१०
४२	५०	२६	४७	३५	३०	४८	३७
२५	२४	२	३५	४९	५८	३३	१५
५७	२०	७७	५६	७३	७	३	५७
३५	१	१२	व	३८	२०	११	२३

गोचरग्रहाः

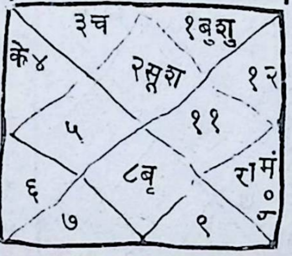

इस मासमें ५ मंगलवार अशुभ हैं पीड़ा अग्नि भय हो गुड़ खांड़ घृत रस तेज धान्य जौ चावल गेहूं चना मंदा होवे ।

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.९ बु.इ.१।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	७	०	१	९	१
१७	१९	२७	६	२४	४	२४	१७
२५	३४	१४	५५	४	२४	२६	१८
८	३०	४२	१२	३७	२५	१८	२१
५७	१७	९/०	४७	७३	७	३	५७
२७	२६	९/४६	व	५०	१४	११	१३

ति.	आषाढ़	कृष्णपक्षः	सं. २०२८	शाकः	१८९३								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५६	५८	ज्ये	२५	७	सा	२०	२५	बा	२६	५०	३४/१६	५/९	५६/१	९	१९	१५	ध.२५।७	रोहि. बुधः ७।५०
२	गु	५४	१३	मू	२५	८	शु	१६	३३	तै	२३	३६	१७	९	५१	१०	२०	१६	धनुषि	पूर्वास्तो बुधः १९।३३
३	शु	५१	२३	पू	२४	४	शु	११	४०	व	२२	१८	१८	८	५२	११	२१	१७	म.३८।३७	भ. २२।१८ उ. ५१।२३ या.
४	श	४७	२४	उ	२२	१८	ब्र	६	१९	ब	१९	२३	१९	८	५२	१२	२२	१८	मकरे	धनिष्ठा. भौमः ५८।२१ चतुर्थी व्र.
५	र	४२	५५	श्र	१९	५६	ऐं	२५/०	५५/३३	कौ	१५	९	२०	८	५२	१३	२३	१९	कु.४८।३४	
६	चं	३८	२२	ध	१७	१८	वि	४७	४५	ग	१०	३८	२१	८	५२	१४	२४	२०	कुम्भे	भ. ३८।२२ उ.
७	मं	३३	१४	श	१४	३०	प्री	४१	५	वि	५	५३	२१	८	५२	१५	२५	२१	मी५७।६	भ. २५/३ या. दृश्यो मिथुनेऽर्कः ११।७*
८	बु	२८	६	पू	११	१८	आ	३४	३	बा	०	४५	२२	८	५२	१६	२६	२२	मीने	*सौरः २२/२२ मृगे बुधः ३६/३७ रोहिं. शुक्रः ६
९	गु	२२	४८	उ	७	५४	सौ	२७	०	ग	२२	४८	२२	८	५२	१७	२७	२३	मीने	भ. ४९।२३ उ.
१०	शु	१५	५८	रे	४	१२	शो	१९	३६	वि	१५	५८	२३	७	५३	१८	२८	२४	मे.४।१२	भ. १५।५८ या. मिथुने बुधः ४५।६
११	श	११	१४	अ	२४/०	५६/१८	अ	१२	२६	बा	११	१४	२३	७	५३	१९	२९	२५	मेषे	योगिनी ११ व्र.
१२	र	५	३४	कृ	५३	३४	सु	१५/१८	५३/१७	तै	५	३४	२३	७	५३	२०	३०	२६	वृ.१०।५५	कृत्तिका. ४ शनिः ०।५३ प्रदोषः
१३	चं	०	२२	रो	५०	५४	शू	५२	२३	व	०	२२	२४	७	५३	२१	३१	२७	वृषे	भ. ०।२२ उ. २८।१ या. आर्द्रा. बुधः ४९/२८
१४	चं	५५	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७	०	०	०	०	०	×राहुःआश्ले.२केतुः ५२/४० रा.आषाढ़ारम्भः
३०	मं	५२	७	मृ	४९	१२	गं	४७	०	ब	२३	५४	२४	७	५३	२२	१	२८	मि२०।३	दृश्यः आर्द्रा. रविः ५१०/५९ सौरः २३/५५ श्रवणे×

९पं. आ.कृ.१बु.इ.१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	७	१	१	९	१
२४	२१	९	६	२	५	२४	२३
७	५७	४८	४	३४	१७	४	५८
१२	२२	११	२६	३७	३५	२	१७
५७	१४	७/०	५	७३	७	३	५७
२२	४२	२३	व	५३	३	११	५

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ७ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५ न. ५ बालावस्था(बैठी) मु.१५ धान्यदिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपू. ।

गोचरग्रहाः

१०पं.आ.कृ.८ बु.इ.१।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	१	७	१	१	९	२
०	२३	२४	५	११	६	२३	०
४८	५५	१३	१८	६	९	४१	३७
२५	५९	३०	२२	१८	३२	४७	२६
५७	११	७/०	६/२	७४	६	३	५६
१७	४२	२०	व	२	५४	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६२८८ स.१९७१
१	बु	४९	५७	आ	४८	५४	वृ	४२	३८	किं	२१	२	३४/२४	५/७	६/५३	२३	२	२९	मिथुने	
२	गु	४९	१८	पु	५०	१२	ध्रु	३९	४०	बा	१९	३७	२४	७	५३	२४	३	३०	क.३४।५३	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	शु	५०	३८	पु	५३	९	व्या	३८	१४	तै	१९	५८	२४	७	५३	२५	४	१	कर्के	जमादिलावल ५
४	श	५३	३४	श्ले	५७	३४	ह	३७	२५	व	२२	६	२३	७	५३	२६	५	२	सिं५७।३४	भ. २२।६ उ. ५३।३४ या. मृगे शुक्रः २/४७
५	र	५७	५५	म	६०	०	व	३८	१९	ब	२५	४४	२३	७	५३	२७	६	३	सिंहे	
६	चं	६०	०	म	३	४४	सि	३९	५९	कौ	२८	५७	२३	७	५३	२८	७	४	सिंहे	पुनर्वसौ बुधः २।४६
६	मं	३	१०	पू	१०	३०	व्य	४२	८	तै	३	१०	२२	८	५२	२९	८	५	कं.२७।२३	
७	बु	९	२६	उ	१८	१	व	४४	४०	व	९	२६	२२	८	५२	३०	९	६	कन्यायां	भ. ९।२६ उ. ४२।२९ या.
८	गु	१५	३२	ह	२५	३०	प	४६	५३	ब	१५	३२	२१	८	५२	१	१०	७	तु.५९।०	मिथुने शुक्रः ३१/५८ जुलाई मा. ७ ता. ३१
९	शु	२१	१२	चि	३२	३१	शि	४८	५१	कौ	२१	१२	२०	८	५२	२	११	८	तुलायां	कर्के बुधः ४५/४१ बुधोदयः पश्चिमायां ३२/४८
१०	श	२५	५५	स्वा	३८	२५	सि	४९	३९	ग	२५	५५	१९	८	५२	३	१२	९	तुलायां	भ. ५८।२४ उ.
११	र	२९	५३	वि	४२	५३	सा	४९	१०	वि	२९	५३	१८	८	५२	४	१३	१०	वृ.२६।४६	भ.२९/५३या. पुष्येबुधः ३६/३७ देवशयनी ११व्र.
१२	चं	३०	३९	अ	४५	३४	शु	४७	३३	व	०	४६	१७	९	५१	५	१४	११	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	मं	३०	२२	ज्ये	४६	४०	शु	४१	२१	कौ	०	३०	१५	९	५१	६	१५	१२	ध.४६।४०	दृश्यः पुन. रविः ८।५५ (सौरः २७/५६)
१४	बु	२८	१४	मू	४५	५८	ब्र	३९	५४	व	२८	१४	१४	९	५१	७	१६	१३	धनुषि	भ.२८/१४उ.५६/२९या. आर्द्रा.शुक्रः२५/० वायु प.
१५	गु	२४	४४	पू	४३	५७	ऐं	३४	२२	ब	२४	४४	१३	९	५१	८	१७	१४	म.५८।१०	व्यास पूजा गुरु १५

११पं.आ.शु.१बु.इ.१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	२	७	१	१	९	२
७	२५	९	४	१९	७	२३	७
२९	३२	३६	३७	३६	०	१९	१७
२४	१३	११	१२	२२	०	३१	५३
५७	९	७/५८	५/२८	७४	६	३	५६
१३	२८	९०/२५	ब	८	३८	११	५४

१२पं.श्रा.शु.७बृ.इ.१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	२	७	१	१	९	२
१४	२६	२४	४	२८	७	२२	१३
९	३३	२४	३	८	४८	५७	५३
५०	४७	४०	११	२०	१४	१५	५८
५७	६	७/५८	४/२०	७४	६	३	५६
७	३१	९०/४०	ब	१४	२६	११	५०

१३पं.आ.शु.१४बु.इ.१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	७	२	१	९	२
२०	२७	७	३	६	८	२२	२०
५०	९	४७	३६	४१	३३	३५	३१
१०	४०	३१	४७	३८	५८	०	५२
५७	२	०/९०	३/१९	७४	.६	३	५६
७	२३	९०/४०	ब	२०	५	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२०	२	उ	४०	४८	वै	२८	४३	कौ	२०	२	३४/११	५/१०	६/५०	९	१८	१५	मकरे	
२	श	१४	२४	श्र	३६	४३	वि	२०	४१	ग	१४	२४	१०	१०	५०	१०	१९	१६	मकरे	भ. ४१।१८ उ.
३	र	८	१२	ध	३२	४९	प्री	१३	२	वि	८	१२	८	१०	५०	११	२०	१७	कु.४।४६	भ. ८।१२ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	१	५४	श	२८	४३	आ	५/२४	५२/२०	बा	१	५४	७	११	४९	१२	२१	१८	कुम्भे	आश्ले. बुधः १७।२ नाग ५ मरुस्थले
५	चं	५३	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	मं	४९	५०	पू	२४	२८	शो	४९	१३	ग	२२	४६	५	११	४९	१३	२२	१९	मी१०।३२	भ. ४९।५० उ. वक्री विशा. ४ गुरुः १४/४५
७	बु	४४	१९	उ	२०	४६	अ	४३	५	वि	१७	५	४	११	४९	१४	२३	२०	मीने	भ. १७।५ या.
८	गु	३८	२	रे	१७	२७	सु	३६	४	बा	११	१०	२	१२	४८	१५	२४	२१	मे.१७।२७	+रविः ७।३६ (सौरः ३१।२१)
९	शु	३४	२२	अ	१४	३४	धृ	२९	४४	तै	६	१२	०	१२	४८	१६	२५	२२	मेषे	दृश्यः कर्केऽर्कः ३८।१९
१०	श	३०	२	भ	११	५६	शू	२३	४०	व	२	२२	३३/५८	१२	४८	१७	२६	२३	वृ.२६।२५	भ.१२/३२उ.३/२०या. कर्केऽर्कः सौरः ४०/० पुन.*
११	र	२६	२१	कृ	९	५४	गं	१८	११	बा	२६	२१	५६	१३	४७	१८	२७	२४	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	चं	२३	२४	रो	८	४६	वृ	१३	४	तै	२३	२४	५४	१३	४७	१९	२८	२५	मि३८।३०	वक्री भौमः ६।२९ प्रदोषः व्रतम्
१३	मं	२१	१८	मृ	८	१३	ध्रु	८	४०	व	२१	१८	५२	१४	४६	२०	२९	२६	मिथुने	भ. २१।१८ उ. ५०।४८ या. दृश्यःपुष्ये+
१४	बु	२०	१८	आ	९	२६	व्या	५	८	श	२०	१८	५०	१४	४६	२१	३०	२७	क.५५।१५	म. सिंहे बुधः १४/० रोहि. १ शनिः २०।५८
३०	गु	२०	२७	पु	१०	३१	ह	२	३५	ना	२०	२७	४७	१५	४५	२२	३१	२८	कर्के	हरियाली ३० *शुक्रः ५५।३

१४पं.श्रा.कृ.७बु.इ.१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	७	२	१	९	२
२७	२७	१९	३	१५	९	२२	२७
३०	१२	२७	१८	१६	१७	१२	९
३२	१८	०	३२	४१	३१	४४	५९
५७	१	९५	३/५	७४	५	३	५६
११	२५	५६	ब	२६	४४	११	५५

गोचरग्रहाः

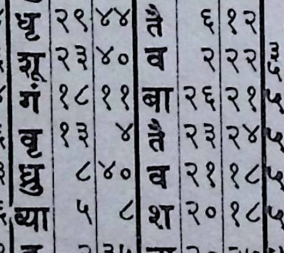

श्रावण कृ.९ शुक्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न.६प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

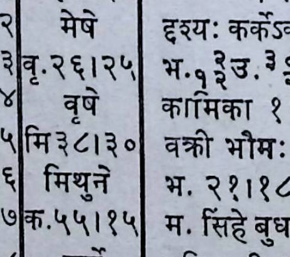

१५पं.श्रा.कृ.१४बु.इ.१।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	७	२	१	९	३
४	२६	२९	३	२३	९	२१	३
११	४६	४३	९	५१	५८	५०	४८
१७	३३	४१	२५	७	१६	३९	१७
५७	०/३२	७७	३१/१	७४	५	३	५६
१५	ब	२४	ब	२६	१८	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	२२	५	पु	१३	३१	व	१	१२	ब	२२	५	३३/४५	५/१५	६/४५	२३	१	२९	कर्के
२	श	२५	८	श्ले	१७	५४	सि	०	२०	कौ	२५	८	४२	१६	४४	२४	२	३०	सि१७।५४
३	र	२९	२६	म	२३	३६	व्य	०	४४	ग	२९	२६	४०	१६	४४	२५	३	१	सिंहे
४	चं	३४	३८	पू	३०	२	व	२	०	व	२	२	३७	१७	४३	२६	४	२	कं.४६।५३
५	मं	४०	४२	उ	३७	२७	प	३	५४	ब	७	४०	३५	१७	४३	२७	५	३	कन्यायां
६	बु	४७	१६	ह	४४	५६	शि	६	३१	कौ	१३	५९	३२	१८	४२	२८	६	४	कन्यायां
७	गु	५२	५८	चि	५२	३४	सि	८	५९	ग	२०	७	२९	१८	४२	२९	७	५	तु.१३।४५
८	शु	५८	७	स्वा	५९	११	सा	११	१८	वि	२५	३२	२६	१९	४१	३०	८	६	तुलायां
९	श	६०	०	वि	६०	०	शु	१२	५७	बा	२९	३	२४	१९	४१	३१	९	७	वृ.४४।४८
९	र	१	५९	वि	४	२६	शु	१३	२४	कौ	१	५९	२१	२०	४०	१	१०	८	वृश्चिके
१०	चं	४	१८	अ	८	२६	ब्र	१२	४६	ग	४	१८	१८	२०	४०	२	११	९	बृश्चिके
११	मं	४	३२	ज्ये	१०	२१	ऐं	१०	१४	वि	४	३२	१५	२१	३९	३	१२	१०	ध.१०।२१
१२	बु	२	४६	मू	१०	२२	वै	६	२२	बा	२	४६	१२	२२	३८	४	१३	११	धनुषि
१३	बु	५६	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	५३	३९	पू	८	१७	वि	५६/०	५३/८	ग	२६	२०	९	२२	३८	५	१४	१२	म.२३।२३
१५	शु	४६	४४	उ	३९/४	५५/९	आ	४६	८	वि	२०	११	६	२३	३७	६	१५	१३	मकरे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३१८सन्१९७१

मार्गी गुरुः ५०।२६ रा. श्रावणारंभः
चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
तीज जमादिलाखर ६
भ. २।२ उ. ३४।३८ या. कर्के शुक्रः ४१/२
नागपंचमी उपाकर्मः
पुष्ये शुक्रः ४३।४४
भ. ५२।५८ उ.
भ. २५।३२ या.

अगस्त मा. ८ ता. ३१
भ. ३४।२५ उ. पूफायां बुधः ४५।२५
भ. ३२/४ या. दृश्यः आश्लेषा. रविः ३७/४*
प्रदोषः *(सौरः ३१/२०)पवित्रा ११ व्र.
×पूर्वास्याम् २४।३६ शु.अ.पू.
भ. ५३/३९ उ. अनु. १ गुरुः १४/२० शुक्रास्तः×
भ. २१/११ या. खग्रास चंद्रग्रहणम् रक्षाबंधनम

१६पं.श्रा.शु.६बु.इ.१।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	४	७	३	१	९	३
१०	२५	८	३	२	१०	२१	१०
५२	५३	१	९	२७	३५	२८	२७
१९	२४	८	०	११	३८	१३	४३
५७	५ ३/१	५६	४६/०	७४	४	३	५७
२०	व	१९	मा	३१	५२	११	५

गोचरग्रहाः

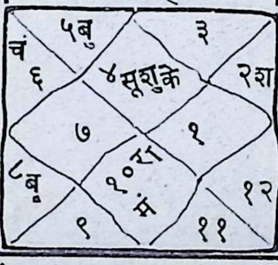

इस मासका फल श्रेष्ठ है। खंड वर्षा हो। सुदी १५ के आस पास वर्षा श्रेष्ठ होगी। हरेक वस्तु में तेजी।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.१२बु.इ. १।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	४	७	३	१	९	३
१७	२४	१३	३	११	११	२१	१७
३४	४५	५८	१७	४	९	५	७
१	४३	४१	४२	१	४३	५७	३१
५७	१३/३	३०	१	७४	४	३	५७
२५	व	४१	५३	३२	१९	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	३९	७	ध	५४	५	सौ	३७	१७	बा	१२	५६	३/३	५/२३	६/३७	७	१६	१४	कुं.२४।३७
२	र	३१	७	श	४८	६	शो	२८	७	तै	५	७	०	२४	३६	८	१७	१५	कुम्भे
३	चं	२२	५०	पू	४२	१	अ	१८	५६	वि	२२	५०	३२/५६	२५	३५	९	१८	१६	मी२८।३२
४	मं	१५	९	उ	३६	३८	सु	९	४९	बा	१५	९	५३	२५	३५	१०	१९	१७	मीने
५	बु	८	१४	रे	३१	५३	धृ	१/५	५२/८	तै	८	१४	५०	२६	३४	११	२०	१८	मे.३१।५३
६	गु	२	०	अ	२७	५४	गं	४५	५६	व	२	०	४७	२७	३३	१२	२१	१९	मेषे
७	गु	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	शु	५२	४०	भ	२५	६	वृ	३९	३१	बा	२४	४४	४३	२७	३३	१३	२२	२०	बृ.३९।४०
९	श	४९	४२	कृ	२३	२१	ध्रु	३४	१०	तै	२१	११	४०	२८	३२	१४	२३	२१	बृषे
१०	र	४७	३९	रो	२२	४०	व्या	२९	३७	व	१८	४०	३६	२९	३१	१५	२४	२२	मि५२।५०
११	चं	४६	४४	मृ	२३	१	ह	२५	५७	ब	१७	११	३३	२९	३१	१६	२५	२३	मिथुने
१२	मं	४७	११	आ	२४	३६	व	२३	७	कौ	१६	५७	२९	३०	३०	१७	२६	२४	मिथुने
१३	बु	४८	३३	पु	२७	१५	सि	२१	१०	ग	१७	५२	२६	३१	२९	१८	२७	२५	क.११।३५
१४	गु	५१	४	पु	३०	५१	व्य	२०	१४	वि	१९	४८	२२	३२	२८	१९	२८	२६	कर्के
३०	शु	५४	४४	श्ले	३५	२८	व	२०	९	च	२२	५४	१९	३२	२८	२०	२९	२७	सिं३५।२८

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ५६।२८ उ, आश्ले. शुक्रः ३४।४
भ. २२।५० या. चतुर्थी व्र.

चन्द्रषष्ठी
भ. २।० उ. २९।२४ या. वक्री बुधः ३८/२०

जन्माष्टी व्रतम्
वक्री श्रवणे भौमः २५।२७ गोगा ९
भ. १८।४० उ. ४७।३९ या.
दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः ५६/३२ अजा ११ व्र.
मघा.सिंहेऽर्कः (सौरः २८।३५) वत्स१२
भ. ४८।३३ उ. प्रदोषः
भ. १९।४८ या. मघा. सिंहे शुक्रः ३०/४५*
कुशाग्रहणी *पश्चिमास्तं बुधः १९/५६

१८पं. भा.कृ.५बु.इ.०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	४	७	३	५	९	३
२४	२३	१७	३	१९	११	२०	२३
१६	२७	१४	३५	४२	३८	४३	४८
२६	४७	२	२	२५	५३	४२	३५
५७	१७/२	९	३	७४	३	३	५७
३३	व	२८	१९	३२	४६	११	२२

गोचरग्रहाः

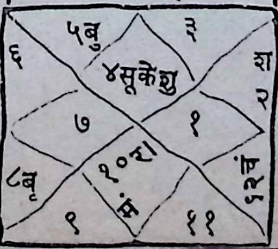

भाद्रपद कृ. १ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा.४न.५ गताल-कावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे समता शु.पू.

गोचरग्रहाः

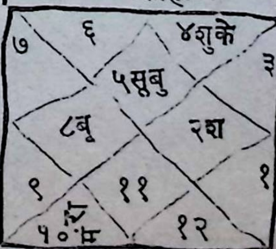

१९पं.भा.कृ.१३बु.इ.०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	३	१	९	४
०	२२	१५	४	२८	१२	२०	०
५९	१२	५०	०	२०	४	२१	३०
४९	२९	५६	१८	३१	१९	२६	५१
५७	१६/६	३६	४	७४	३	३	५७
४०	व	१	२७	३८	९	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शूक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३४७ स.१९७१
१	श	५९	३०	म	४१	१६	प	२१	३९	किं	२७	७	३२/१५	५/३३	६/२७	२१	३०	२८	सिंहे	
२	र	६०	०	पू	४७	५२	शि	२२	७	बा	२९	४५	११	३४	२६	२२	३१	२९	सिंहे	वक्री मघा. बुधः ४१।३ चन्द्रदर्शनम्
२	चं	४	४५	उ	५५	२	स्ति	२३	४३	कौ	४	४५	८	३४	२६	२३	१	१	कं.४।३९	रा. भाद्रपदारम्भः रज्जव ७
३	मं	१०	५४	ह	६०	०	सा	२६	९	ग	१०	५४	४	३५	२५	२४	२	२	कन्यायां	भ.४/४उ. श्रव. ३ राहुः आश्ले.१केतुः ४५/१२
४	बु	१७	१३	ह	२	३८	शु	२९	३२	वि	१७	१३	०	३६	२४	२५	३	३	तु.३६।२७	भ. १७।१२ या. गणेश ४
५	गु	२३	३०	चि	१०	१६	शु	३१	५	बा	२३	३०	३१/५६	३७	२३	२६	४	४	तुलायां	मार्गी भौमः ७।१९ ऋषि ५
६	शु	२९	४	स्वा	१७	४०	ब्र	३३	२६	तै	२९	४	५२	३८	२२	२७	५	५	तुलायां	
७	श	३३	४४	वि	२३	५४	ऐं	३४	३९	ग	१	२४	४८	३८	२२	२८	६	६	बृ.७।१८	भ. ३३।४४ उ. *सितम्बर मा.९ता.३०
८	र	३६	५९	अ	२९	८	वै	३४	५५	वि	५	२१	४४	३९	२१	२९	७	७	बृश्चिके	भ. ४।२१ या. ×शुक्रश्च ७।१६
९	चं	३७	२४	ज्ये	३२	२५	वि	३३	५१	बा	७	१२	४०	४०	२०	३०	८	८	ध.३२।२५	दृश्यः पूफायां रविः ४८।९ पूफायां×
१०	मं	३७	४८	मू	३३	५८	प्री	३१	२१	तै	७	३६	३६	४१	१९	३१	९	९	धनुषि	पूफायां रविः (सौरः १९।२७)
११	बु	३५	६	पू	३३	२५	आ	२७	७	व	६	५७	३२	४२	१८	१	१०	१०	म.४७।४७	भ.६।५७उ.३५।६या. जलभूलनी ११व्र.*
१२	गु	३०	२३	उ	३०	५३	सौ	२१	१२	ब	२	४५	२८	४२	१८	२	११	११	मकरे	वामन १२ प्रदोषः
१३	शु	२३	५०	श्र	२६	२४	शो	१३	४६	तै	२३	५०	२५	४३	१७	३	१२	१२	कुं.५४।०	पूर्वोदयी बुधः ०।१९
१४	श	१५	४५	ध	२१	३६	अ	५/३	५०/१७	व	१५	४५	२१	४४	१६	४	१३	१३	कुम्भे	भ.-१५।४५ उ. ४१।१७ या. अनंत १४+
१५	र	६	५०	श	१३	४४	धृ	४५	१	ब	६	५०	१७	४५	१५	५	१४	१४	मी५३।१४	मार्गी बुधः २०।४१ +महालयारंभ

२०पं. भा.शु.४बु.इ.०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	४	१	९	४
७	२१	११	४	७	१२	१९	७
४४	६	६	३४	०	२५	५९	१४
१७	५०	४०	४८	११	१२	११	२४
५७	०/२५	५७/२०	५	७४	२	३	५७
४८	घ	ब	३५	३८	२८	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मासमें प्रजा में रोग पीड़ा अन्नादि का भाव तेज हो। सुदी में सरसों मूंगफली बिनोला मंदा चांदी सोना तेज।

गोचरग्रहाः

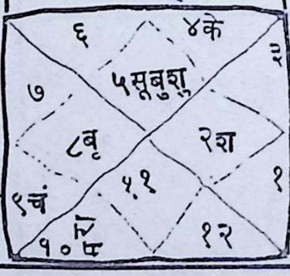

२१पं. भा.शु.११बृ.इ.०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	४	१	९	४
१४	२०	५	५	५५	१२	१९	१३
२९	२३	११	१६	४०	४१	३६	५२
५६	२०	५३	५९	४८	२०	५५	३६
५८	२/३१	४२/४४	६	७४	१	३	५७
१	मा	ब	३५	३८	४३	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५०	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४८	०	पू	६/२४	५२/५६	शू	३४	३०	तै	२२	४२	३१/१३	५/४५	६/१५	६	१५	१५	मीने	
३	मं	३९	१	रे	५२	८	गं	२४	८	व	१३	३०	९	४६	१४	७	१६	१६	मे.५२।८	भ. १३।३० उ. ३९।१ या.
४	बु	३०	४८	अ	४६	१२	वृ	१४	१९	ब	४	५	५	४७	१३	८	१७	१७	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	गु	२४	४	भ	४१	२३	ध्रु	५/८	५२/४	तै	२४	४	१	४८	१२	९	१८	१८	बृ.५५।४०	उफायां शुक्रः ५१।२०
६	शु	१८	४२	कृ	३८	३०	ह	५०	३७	व	१८	४२	३०/५७	४९	११	१०	१९	१९	बृषे	भ. १८।४२ उ. ४६।५० या.
७	श	१४	५८	रो	३६	४९	व	४४	६	ब	१४	५८	५३	४९	११	११	२०	२०	बृषे	
८	र	१२	४८	मृ	३६	४३	सि	४०	५९	कौ	१२	४८	४८	५०	१०	१२	२१	२१	मि६।४६	कन्या. शुक्रः ३२।३७ अनु. २ गुरुः ४४।४
९	चं	१२	१२	आ	३८	१६	व्य	३८	४	ग	१२	१२	४४	५१	९	१३	२२	२२	मिथुने	भ.४/४ ३/३उ. दृश्यः उफायां रविः ३२/२९ मातृ ९
१०	मं	१३	१४	पु	४१	२०	व	३६	२९	वि	१३	१४	४०	५२	८	१४	२३	२३	क.३०।४४	भ. १३।१४ या. उफायां रविः सौरः ४।५
११	बु	१५	२२	पु	४५	२७	प	३५	४७	बा	१५	२२	३६	५३	७	१५	२४	२४	कर्के	इन्दिरा ११ व्र.
१२	गु	१८	५४	श्ले	५०	४०	शि	३६	१९	तै	१८	५४	३२	५४	६	१६	२५	२५	सिं५०।४०	दृश्यः कन्यायामर्कः ५७।५० प्रदोषः
१३	शु	२३	२१	म	५६	४२	सि	३७	५	व	२३	२१	२८	५४	६	१७	२६	२६	सिंहे	भ.२३।११उ.५६।२या. कन्याऽर्कः सौरः*
१४	श	२८	४३	पू	६०	०	सा	३८	४४	श	२८	४३	२४	५५	५	१८	२७	२७	सिंहे	वक्री शनिः ५३।२०
३०	र	३४	२७	पू	३	५०	शु	४०	४४	च	१	३५	२०	५६	४	१९	२८	२८	क.२०।३८	सर्वपितृ ३० *२९/१७ पूफायां बुधः ५६/२

२२पं. आ.कृ.४बु.इ.०।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	४	१	९	४
२१	२०	४	६	२४	१२	१९	२०
१६	५	४४	४	२१	५२	१४	४६
५७	१०	३५	४१	५८	५	३९	१६
५८	४	२६/१२	७	७४	१	३	५८
१३	४७	मा	३७	३६	१०	११	१२

गोचरग्रहाः

आ. कृ.१२ गुरौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

२३पं.आ.कृ.११बु.इ.०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	७	५	१	९	४
२८	२०	१०	६	३	१२	१८	२७
५	२७	३२	५९	३	५८	५२	३४
२४	२५	३८	३५	१८	२३	२४	३९
५८	७	८१	८	७४	०	३	५८
२६	३६	४८	३८	२२	२५	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३७७ स.१९७१
१	चं	४०	४०	उ	११	३	शु	४२	५०	किं	७	३३	३०/५६	५/५७	६/३	२०	२९	२९	कन्यायां	हस्ते शुक्रः ३४/५६ मातमह श्रा. नवरात्रारंभः
२	मं	४६	५५	ह	१८	३१	ब्र	४५	१७	बा	१३	४८	१२	५८	२	२१	३०	३०	तु.५२।१६	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	५३	१२	चि	२६	०	ऐं	४७	४९	तै	२०	४	८	५८	२	२२	३१	१	तुलायां	पूर्वास्तं बुधः ४४।३१ सावान ८
४	गु	५८	५४	स्वा	३३	२८	वै	४९	५०	व	२६	३	४	५९	१	२३	१	२	तुलायाँ	भ. २६/३ उ. ५८/४ या. रा. आश्विनारंभः
५	शु	६०	०	वि	४०	१०	वि	५१	५४	ब	२८	५७	३०/०	६/०	६/०	२४	२	३	बृ.२३।२०	
५	श	३	५३	अ	४६	७	प्री	५३	२८	बा	३	५३	२९/५५	१	५/५९	२५	३	४	वृश्चिके	उफायां बुधः ३।३३
६	र	७	४३	ज्ये	५०	३६	आ	५२	१४	तै	७	४३	५१	२	५८	२६	४	५	ध.५०।३६	कन्यायां बुधः ४७।२५
७	चं	१०	६	मू	५३	४४	सौ	५१	६	व	१०	६	४७	३	५७	२७	५	६	धनुषि	भ. १/६ उ. ४०/२७ या. हश्योहस्ते रविः १६/५६*
८	मं	१०	४८	पू	५४	५९	शो	४८	२५	ब	१०	४८	४३	३	५७	२८	६	७	धनुषि	सरस्वती पूजनं बलिदानञ्च
९	बु	८	४०	उ	५४	२५	अ	४४	९	कौ	८	४०	३८	४	५६	२९	७	८	म.९।५०	*सौरः ४१/४६ सरस्वत्यावाहनम्
१०	गु	६	३६	श्र	५१	४७	सु	३८	२५	ग	६	३६	३४	५	५५	३०	८	९	मकरे	भ. ३४/७ उ. विजया १० सरस्वतीविसर्जनम्
११	शु	१	३९	ध	४७	२३	धृ	३०	५०	वि	१	३९	३०	६	५४	१	९	१०	कुं.१९।३५	भ. ३९/१ या. चित्रा. शुक्रः १८/४४ पा.कु. ११व्र.×
१२	शु	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×अक्टूबर मा. १० ता. ३१
१३	श	४६	३४	श	४१	२६	शू	२२	१४	कौ	२०	३७	२६	७	५३	२	१०	११	कुम्भे	हस्ते बुधः १७।५१ प्रदोषः
१४	र	३७	११	पू	३५	२६	गं	१२	२५	ग	११	५३	२२	८	५२	३	११	१२	मी२१।५६	भ. ३७।११ उ. धनिष्ठा. भौमः ५।४८
१५	चं	२७	१७	उ	२६	३४	वृ	९/४२	४६/५५	वि	२	१८	१८	८	५२	४	१२	१३	मीने	भ. २।१२ या. अनु. ३ गुरुः १२।४२

२४पं.आ.शु.३बु.इ. ०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	४	७	५	१	९	५
४	२१	२१	८	११	१२	१८	४
५५	३	२१	१	४५	५८	३०	२४
१९	५८	३६	८	४०	१९	८	४६
५८	१०	३०/०	९	७४	२०/०	३	५८
३८	५४	९/५	३१	३२	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मासका फल साधारण है सुदी में अनाज गुड़खांड घृत अलसी चांदी सोना तेज होकर मन्दा हो।

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.शु.८ मं.इ.५९।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	७	५	१	९	५
११	२२	४	९	२०	१२	१८	११
४६	१९	०	७	२७	५३	७	१६
५५	५५	३२	५२	४०	३८	५३	५०
५८	१३	४/०	१०	७४	१/३	३	५९
५३	३१	९/५७	११	२८	ब	११	०

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणे आश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१७	१७	रे	१८	३१	व्या	३९	४२	कौ	१७	५७	२९/१४	६/९	५/५	५	१३	१४	मे.१८।३१	
२	बु	७	४६	अ	१०	५५	ह	२८	५८	ग	७	४६	१०	१०	५०	६	१४	१५	मेषे	भ. ३३/२८ उ. ५९/१० या. तुला. शुक्रः ३९।८
३	बु	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	गु	५१	५७	भ	४/१२	५४/४१	व	१९	१३	ब	२५	३४	६	११	४९	७	१५	१६	बृ.१७।५२	करक चतुर्थी व्र.
५	शु	४६	३२	रो	५५	१५	सि	१०	४०	कौ	१९	१५	२	१२	४८	८	१६	१७	वृषे	
६	श	४३	२	मृ	५३	३१	व्य	३/१६	५४/१७	ग	१४	४७	२८/५८	१२	४८	९	१७	१८	मि२४।२३	भ. ४७।२ उ. चित्रा. बुधः ५१।५१
७	र	४१	३६	आ	५३	३५	प	५३	२२	वि	१२	१९	५४	१३	४९	१०	१८	१९	मिथुने	भ. १२।१९ या. दृश्यश्चित्रायां रविः ४२/५७
८	चं	४२	१०	पु	५५	५६	शि	५१	१	बा	११	५३	५०	१४	४६	११	१९	२०	क.४०।२२	चित्रा. रविः सौरः १२/२२ स्वात्यां शुक्रः ५९/१८*
९	मं	४४	२५	पु	५९	४६	सि	४९	४८	तै	१२	४८	४६	१५	४५	१२	२०	२१	कर्के	*शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ५०/२४ शु.उ.प.
१०	बु	४८	१३	श्ले	६०	०	सा	५०	१०	व	१६	१९	४२	१६	४५	१३	२१	२२	कर्के	भ. १६/१९ उ. ४६/१३ या. तुलायां बुधः ४०/३६
११	गु	५३	१३	श्ले	५	१८	शु	५१	३	ब	२०	४३	३८	१६	४४	१४	२२	२३	सि५।१८	रमा ११ व्र.
१२	शु	५९	७	म	११	३०	शु	५२	५१	कौ	२६	१०	३४	१७	४३	१५	२३	२४	सिंहे	×सौरः ५५/७ स्वा. बुधः ५०/१३ रूप १४
१३	श	६०	०	पू	१८	४६	ब्र	५४	५९	ग	२९	३३	३०	१८	४२	१६	२४	२५	कं.३५।३६	प्रदोषः घन १३
१३	र	५	१४	उ	२६	८	ऐं	५७	१३	व	५	१४	२६	१९	४१	१७	२५	२६	कन्यायां	भ. ५/१४ उ. ३८/३० या. दृश्यस्तुलायामर्कः ७६/४३×
१४	चं	११	४६	ह	३३	५०	वै	५९	३६	श	११	४६	२२	२०	४०	१८	२६	२७	कन्यायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	मं	१७	५७	चि	४१	१४	वि	६०	०	ना	१७	५७	१८	२०	४०	१९	२७	२८	तु.७।३२	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

२६पं.का.कृ.१मं.इ.५९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	७	५	१	९	५
१८	२४	१६	१०	२९	१२	१७	१८
४०	६	३६	१९	११	४३	४५	१०
८	४२	४०	३०	६	८	३७	३७
५९	१६	७/०	१०	७४	१/४६	३	५९
९	६	९/५९	५६	२६	ब	११	१६

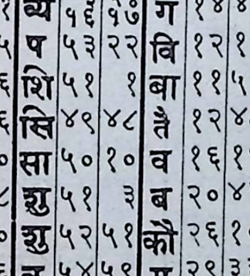

२७पं. मा.कृ.९मं.इ.५९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	७	६	१	९	५
२५	२६	२८	११	७	१२	१७	२५
३५	२२	४८	३६	५४	२८	२३	६
६	८	११	४	४३	५	२१	१९
५९	१९	३०/०	११	७४	२/०	३	५९
२१	७	९/५५	२८	२६	ब	११	३१

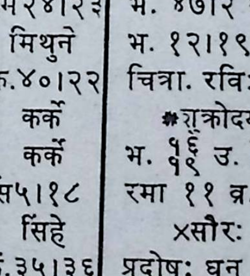

२८पं.का.कृ.३०मं.इ.५९।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	७	६	१	९	६
२	२९	१०	१२	१६	१२	१७	२
३१	१	१७	५६	३८	७	१	३
३४	१	४६	१७	४९	५९	६	४९
५९	२१	७/०	१२	७४	३/०	३	५९
३४	३०	९/१०	६	२०	ब	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक	शुक्लपक्षः	सं. २०२८	शाकः १८९३									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४०७सन्१९७१
१	बु	२४	३	स्वा	४८	३०	वि	१	४०	व	२४	३	२८/१४	६/२१	५/३९	२०	२८	२९	तुलायां	
२	गु	२९	२२	वि	५४	५२	प्री	३	४८	कौ	२९	२२	१०	२२	३८	२१	२९	३०	वृ.३८।१७	अनु. ४ गुरुः ५६/५८ चन्द्रदर्शनम् यम २
३	शु	३४	४	अ	६०	०	आ	५	१२	तै	१	४३	६	२३	३७	२२	३०	१	बृश्चिके	विशा.शुक्रः ४५/२९ कुम्भेभौमः ४३/५८ रमजान ९
४	श	३८	४४	अ	०	३७	सौ	५	४९	व	६	२४	२	२४	३६	२३	१	२	वृश्चिके	भ. ६।२४उ.३८।४४या. रा. कार्तिकारंभः
५	र	४०	२४	ज्ये	५	२८	शो	५	५६	ब	९	३४	३७/५८	२४	३६	२४	२	३	ध.५।२८	दृश्यः स्वात्यां रविः ८।४५ (सौरः ३६/३)
६	चं	४१	४३	मू	९	१३	अ	५	१९	कौ	११	४	५४	२५	३५	२५	३	४	धनुषि	×२ राहुः पुष्ये. ४ केतुः ३७।१२
७	मं	४१	३६	पू	११	४६	सु	३	२२	ग	११	३९	५०	२६	३४	२६	४	५	म.२६।५७	भ. ४१।३६ उ. विशा.बुधः ८।६ श्रवणे×
८	बु	३९	५८	उ	१२	३१	धृ	२०	५५/४३	वि	१०	४७	४६	२७	३३	२७	५	६	मकरे	भ. १०।४७ या. गोपाष्टमी
९	गु	३६	४७	श्र	११	५१	गं	५०	३४	बा	८	२३	४२	२८	३२	२८	६	७	कु.४०।४१	बुधोदयः पश्चिमायां ४७।५ अक्षया ९
१०	शु	३१	५१	ध	९	३०	वृ	४३	४०	तै	३	४९	३९	२८	३२	२९	७	८	कुम्भे	भ. ५८।४० उ.
११	श	२५	२९	श	५	३९	ध्रु	३५	२८	वि	२५	२९	३५	२९	३१	३०	८	९	मी४६।४६	भ. ३५/१९ या. वृश्चिके शुक्रः ४०/१८ प्रबोधिनी*
१२	र	१७	३८	पू	२८	५३/३५	व्या	२६	१३	बा	१७	३८	३१	३०	३०	३१	९	१०	मीने	प्रदोषः *११ व्र. तुलसी विवाह
१३	चं	८	५४	रे	४६	५१	ह	१६	८	तै	८	५४	२७	३०	२९	१	१०	११	मे.४६।५१	भ. ५९/३२ उ. वृश्चिकेबुधः ४१/३५ वकुण्ठ १४+
१४	चं	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+नवम्बर मा. ११ ता. ३०
१५	मं	४९	५७	अ	३९	८	व	५/३३	४९/५५	वि	२४	४४	२४	३१	२६	२	११	१२	मेषे	भ. २४/४४ या. अनु. शुक्रः ३२/१० मन्वादिः

२९पं. का.शु.७ मं.इ.५९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	७	६	१	९	६
९	२	२१	१४	२५	११	१६	९
२९	०	२२	१९	२२	४४	३८	३
४९	५४	४१	४४	३६	१७	५०	९
५९	२३	९७	१२	७४	३/४०	३	६०
४७	२२	७	२०	१५	ब	११	२

गोचरग्रहाः

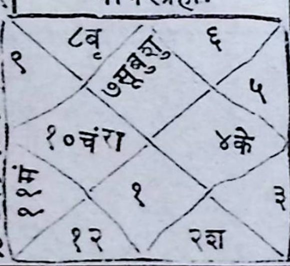

कार्त्ति.कृ.१३ रवौ तुलायामर्कः प्र. वा.४न.४वृद्धाव-स्था(बैठी)मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.शु.१५मं.इ.५९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	७	७	१	९	६
१६	५	१	१५	४	११	१६	१६
२९	२२	५८	४६	५	१६	१६	४
३८	१	५९	४१	३१	३४	३५	५३
६०	२६	९२	१२	७४	३/५८	३	६०
४	३७	१३	५०	८	ब	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष	कृष्णपक्षः	सं. २०२८	शाकः १८९३									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणोकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४०	४५	भ	३१	४२	व्य	४४	८	बा	१५	२१	२७/२०	६/३२	५/२८	३	१२	१३	वृ.४५।१	अनु. बुधः ५१।४३
२	गु	३२	४०	कृ	२४	५८	व	३४	१२	तै	६	४२	१६	३३	२७	४	१३	१४	वृषे	भ. ५९।१२ उ.
३	शु	२५	४४	रो	१९	३५	प	२५	१९	वि	२५	४४	१३	३३	२७	५	१४	१५	मि४७।१७	भ. २५/४४ या. शते भौमः ५७।३५ च. व्र.
४	श	२०	४२	मृ	१५	०	शि	१७	५८	बा	२०	४२	९	३४	२६	६	१५	१६	मिथुने	दृश्यो विशाखा. रविः २९।८(सौरः ५३/३२)
५	र	१७	४६	आ	१४	१४	सि	१२	०	तै	१७	४६	६	३५	२५	७	१६	१७	क.५९।३२	ज्येष्ठा. १ गुरुः १३।३७
६	चं	१७	१३	पु	१४	३९	सा	७	४८	व	१७	१३	२	३६	२४	८	१७	१८	कर्के	भ. १७।१३ उ. ४७।५४ या.
७	मं	१८	३५	पु	१७	७	शु	५	१९	ब	१८	३५	३६/५९	३६	२४	९	१८	१९	कर्के	
८	बु	२१	५८	श्ले	२१	४०	शु	४	३८	कौ	२१	५८	५६	३७	२३	१०	१९	२०	सिं२१।४०	
९	गु	२६	४५	म	२७	२७	ब्र	४	५४	ग	२६	४५	५३	३७	२३	११	२०	२१	सिंहे	
१०	शु	३२	३४	पू	३४	३७	ऐं	६	६	वि	०	१५	४९	३८	२२	१२	२१	२२	कं.५१।३१	भ. ०।१५ उ. ३२।४४ या.
११	श	३९	२	उ	४२	१३	वै	८	१४	ब	५	५३	४६	३९	२१	१३	२२	२३	कन्यायां	ज्येष्ठा. बुधः १०।१३ ज्येष्ठा. शुक्रश्च×
१२	र	४५	४५	ह	४९	५८	वि	१०	३४	कौ	१२	२३	४३	३९	२१	१४	२३	२४	कन्यायां	×५।४५ उत्पत्ति ११ व्र.
१३	चं	५२	८	चि	५७	२५	प्री	१३	८	ग	१८	५६	४०	४०	२०	१५	२४	२५	तु.२३।४२	भ. ५२।८ उ. प्रदोषः
१४	मं	५७	५४	स्वा	६०	०	आ	१५	१२	वि	२५	१	३७	४१	१९	१६	२५	२६	तुलायां	भ. २५।१ या. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः २५/६+
३०	बु	६०	०	स्वा	४	२४	सौ	१६	५६	च	२८	५७	३४	४१	१९	१७	२६	२७	वृ.५४।३	+(सौरः ४७।४९)
३०	गु	२	४९	वि	१०	३६	शो	१७	५३	ना	२	४९	३१	४२	१८	१८	२७	२८	वृश्चिके	

३१पं. मा.कृ.७मं.इ.५८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	७	७	१	९	६
२३	८	१२	१७	१२	१०	१५	२३
३०	५२	६	१६	४९	४५	५४	६
५८	१६	११	२६	१९	४३	१९	५१
६०	२८	८५	१३	७४	४/१६	३	६०
१७	२	५०	१४	२	ब	११	३०

गोचरग्रहाः

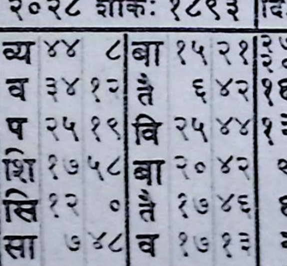

मार्ग.कृ.१४ भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ३ वन्ध्याव-स्था (ऊभी) मु.१५ धान्यभाव महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

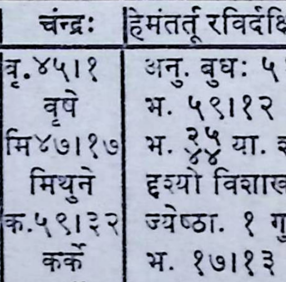

३२पं.मा.कृ.१४मं.इ.५८।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	७	१	९	७
०	१२	२१	१८	२१	१०	१५	०
३३	४०	३१	४७	३३	१२	३२	१०
४७	५२	३७	४६	७	४०	३	५५
६०	२९	७५	१३	७३	४/३	३	६०
३०	१९	१३	२०	५६	ब	११	४०

×बुबृशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *बुबशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	६	४८	अ	१५	५०	अ	१८	१६	ब	६	४८	२६/२९	६/४२	५/१८	१९	२८	२९	वृश्चिके
२	श	९	५५	ज्ये	२०	१३	सु	१७	५५	कौ	९	५५	२६	४३	१७	२०	२९	३०	ध.२०।१३
३	र	११	३१	मू	२३	३३	धृ	१६	४०	ग	११	३१	२४	४३	१७	२१	३०	१	धनुषि
४	चं	१२	४१	पू	२५	४४	शू	१४	२४	वि	१२	४१	२१	४४	१६	२२	१	२	म.४१।२
५	मं	१२	२६	उ	२६	५७	गं	११	३६	बा	१२	२६	१९	४४	१६	२३	२	३	मकरे
६	बु	११	८	श्र	२७	१०	वृ	७	५७	तै	११	८	१६	४५	१५	२४	३	४	कुं.५६।३५
७	गु	८	४४	ध	२६	०	ध्रु	३/११	५४/५९	व	८	४४	१३	४५	१५	२५	४	५	कुम्भे
८	शु	५	१५	श	२३	५५	ह	५१	९	ब	५	१५	११	४६	१४	२६	५	६	कुम्भे
९	श	०	४३	पू	२०	४१	व	४३	२८	कौ	०	४३	८	४६	१४	२७	६	७	मी६।२७
१०	श	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	र	४८	१३	उ	१६	२२	सि	३५	२४	व	२१	३९	६	४७	१३	२८	७	८	मीने
१२	चं	४०	४३	रे	११	१	व्य	२६	२७	ब	१४	२८	३	४७	१३	२९	८	९	मे.११।१
१३	मं	३२	३९	अ	५/४	५३/४७	व	१६	५२	कौ	६	४६	१	४८	१२	३०	९	१०	मेषे
१४	बु	२४	२२	कृ	५२	३१	प	६/५७	५०/२८	व	२४	२२	२५/५९	४८	१२	१	१०	११	बृ.१२।१६
१५	गु	१६	३२	रो	४६	५४	सि	४८	२१	ब	१६	३२	५७	४९	११	२	११	१२	बृषे

हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३७ स.१९७१
दृश्योःऽनुराधा. रविः ४३/३० वक्री कृत्ति.४+
अनु. रविः सौरः ५।३७ चन्द्रदर्शनम्
भ. ४२।६ उ. सव्वाल १०
भ. १२/४१ या. ज्येष्ठा. २ गुरुः ३५/३४ रा.*
मूले धनुषि शुक्रः ४५/२३ *मार्गशीर्षारंभः
मूले धनुषि बुधः १५।४४ चम्पा ६
भ. ८।४४उ. ३६।५९या. +शनिः ४५/०
अस्तं गुरौः ३६।३६ अ.गु.
×३३।५३
भ.२१।३९उ.४८।१३या. मोक्षदा११व्र.=
पूषायां भौमः ४३/१६ मोक्षदा ११ व्र. वै.
प्रदोषः =मा. गीताजयंती
भ.३४/२२उ.५०/२७या. दिसम्बर मा.१२ ता.३१
दृश्यो ज्येष्ठा.रविः ५४।४० वक्री बुधः×

३३पं. मा.शु.५मं.इ.५८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	८	१	९	७
७	१६	२९	२०	०	९	१५	७
३७	३५	४३	२०	१५	३९	९	१६
३७	४१	८	५६	५८	४	४८	२८
६०	३०	५७	१३	७३	४/०	३	६०
४२	४०	४३	३२	५०	व	११	५३

गोचरग्रहाः

कृष्ण पक्ष की तिथि बढ़े शुक्ल-पक्ष घट जाय। एकचीज तो क्या घटे सभी चीज घट जाय।

गोचरग्रहाः

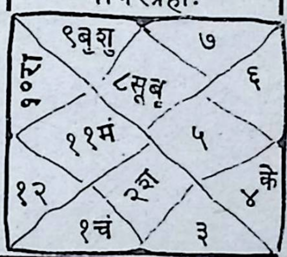

३४पं.मा.शु.१३मं.इ.५८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	७	८	१	९	७
१४	२०	४	२१	८	९	१४	१४
४२	३९	३३	५४	५८	३	४७	२३
५४	५८	३६	२५	५२	५८	३२	१४
६०	३२	१८	१३	७३	४	३	६१
५०	१	५२	३५	४४	४०	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	९	३२	मृ	४२	१३	सा	४०	४	कौ	९	३२	२५/५५	६/४९	५/११	३	१२	१३	मि१४।३४
२	श	३	५८	आ	३९	६	शु	२२	५३	ग	३	५८	५३	४९	११	४	१३	१४	मिथुने
३	र	०	१	पु	३८	७	शु	२७	१८	वि	०	१	५१	५०	१०	५	१४	१५	क.२३।२२
४	र	५८	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	चं	५८	२७	पु	३९	८	ब्र	२३	२२	कौ	२८	२१	४९	५०	१०	६	१५	१६	कर्के
६	मं	६०	०	श्ले	४१	०	ऐं	२१	१२	ग	२८	४३	४८	५०	१०	७	१६	१७	सिं४१।०
६	बु	०	५६	म	४५	५१	वै	२०	३२	व	०	५६	४६	५१	९	८	१७	१८	सिंहे
७	गु	५	३	पू	५३	४	वि	२०	५४	ब	५	३	४५	५१	९	९	१८	१९	सिंहे
८	शु	१०	४५	उ	६०	०	प्री	२२	३४	कौ	१०	४५	४४	५१	९	१०	१९	२०	कं.९।४८
९	श	१६	५५	उ	०	१९	आ	२४	२८	ग	१६	५५	४२	५२	८	११	२०	२१	कन्यायां
१०	र	२३	३५	ह	७	५१	सौ	२६	५४	वि	२३	३५	४१	५२	८	१२	२१	२२	तु.४१।४१
११	चं	३०	२	चि	१५	३०	शो	२९	२	बा	३०	२	४०	५२	८	१३	२२	२३	तुलायाँ
१२	मं	३५	५०	स्वा	२२	४४	अ	३०	४८	कौ	२	५६	३९	५२	८	१४	२३	२४	तुलायां
१३	बु	४०	३६	वि	२८	५५	सु	३१	२४	ग	८	१३	३८	५२	८	१५	२४	२५	बृ.१२।२२
१४	गु	४३	५४	अ	३३	४८	धृ	३१	५२	वि	१२	१५	३८	५२	८	१६	२५	२६	बृश्चिके
३०	शु	४६	५	ज्ये	३७	३८	शू	३०	५९	च	१४	५९	३७	५३	७	१७	२६	२७	ध.३७।३८

शिशिरतूं रविर्दक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
ज्येष्ठा. रविः सौरः १२।३७
भ. ३१।५९ उ. पूषायां शुक्रः ३०।३४
भ. ०।१ या. चतुर्थी व्र.
पश्चिमास्तो बुधः ४७।३७
ज्येष्ठा. ३ गुरुः १३।४०
भ. ०।५६ उ. ३३।० या.
वक्री ज्येष्ठा. बृश्चिके बुधः ११।४५
भ. ५०।१५ उ.
भ. २३।३५ या.
सफला ११ व्र.
+(सौरः १६/२१) मीने भौमः २५।३९
भ.४०/३६उ. उषायां शुक्रः ११।३७ प्रदोषः
भ. १२/१५ या. दृश्यां मूले धनुष्यर्कः ०।५२+
मकरे शुक्रः ५५।३

३५पं. पौ.कृ.६मं.इ.५७।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	७	८	१	९	७
२१	२४	२	२३	१७	८	१४	२१
४८	५२	२२	३०	४१	३०	२५	३१
५८	५९	३४	४	२४	४३	१७	१
६०	३२	६३/५५	१३	७३	४/२८	३	६१
५६	५२	व	३८	४४	व	११	११

गोचरग्रहाः

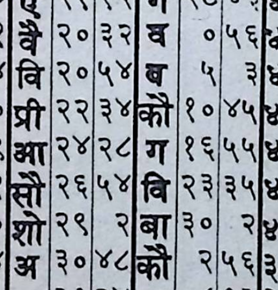

पौष कृ.१४ गुरौ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे स-मता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

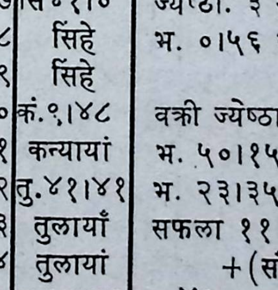

३६पं.पौ.कृ.१२मं.इ.५७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	८	१	९	७
२८	२९	२३	२५	२६	७	१४	२८
५५	१०	५	४	२३	५८	३	३९
५२	१९	५२	५९	२	४१	१	४४
६१	३३	६२/३५	१३	७३	४/१०	३	६१
०	५५	व	३८	२६	व	११	१९

×चंरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	४६	५६	मू	४०	७	गं	२९	५	किं	१६	३०	३५/३७	५६/५३	५/७	१८	२७	२८	धनुषि
२	र	४६	३७	पू	४१	२२	वृ	२६	१३	बा	१६	४६	३७	५३	७	१९	२८	२९	म.५६।२९
३	चं	४५	१८	उ	४१	५०	ध्रु	२२	२९	तै	१५	५७	३६	५३	७	२०	२९	१	मकरे
४	मं	४३	९	श्र	४१	२६	व्या	१७	५४	व	१४	१३	३६	५३	७	२१	३०	२	मकरे
५	बु	४०	१३	ध	३९	५९	ह	१२	५७	ब	११	४१	३६	५३	७	२२	१	३	कु.१०।४२
६	गु	३७	३७	श	३८	२	व	७	२७	कौ	८	५५	३६	५३	७	२३	२	४	कुम्भे
७	शु	३२	३५	पू	३५	३१	सि	६०/२१	५३/४४	ग	५	६	३६	५३	७	२४	३	५	मी२१।९
८	श	२७	५७	उ	३२	३०	व	४७	४६	वि	०	१६	३७	५३	७	२५	४	६	मीने
९	र	२२	४६	रे	२९	२	प	४०	३	कौ	२२	४६	३७	५३	७	२६	५	७	मे.२९।२
१०	चं	१७	११	अ	२५	२	शि	३२	१३	ग	१७	११	३७	५३	७	२७	६	८	मेषे
११	मं	११	३	भ	२०	३२	सि	२४	२	वि	११	३	३८	५२	८	२८	७	९	वृ.३४।८
१२	बु	४	४३	कृ	१४	५६	सा	१६	२	बा	४	४३	३८	५२	८	२९	८	१०	बृषे
१३	बु	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	५२	४६	रो	११	२६	शु	७	५४	ग	२५	३४	३९	५२	८	३०	९	११	मि३९।३४
१५	शु	४७	४३	मृ	७	४१	शु	०	५३	वि	२०	१४	४०	५२	८	३१	१०	१२	मिथुने

हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४६६स.१९७१

बुधोदयः पूर्वस्यां ४।९
चन्द्रदर्शनम्
जिल्काद ११ *ज्येष्ठा. ४ गुरुः ५७/३३
भ. १४/३३ उ. ४३/९ या. उभायां. भौमः २८/११*
रा. पाषारंभः उदयं गुरौः ५८।१२ उ.गु.
मार्गी बुधः १९।५५
भ. ३२।३५ उ.
भ. ०।१६ या. श्रवणे शुक्रः ५४।२३

भ. ४४।७ उ.
भ. ११।३ या. श्रवणे १ राहुः पुष्ये ३×
दृश्यः पूषायां रविः ५।४८ (सौरः १७/५९)+
×केतुः २९।१२ पुत्रदा ११ व्र.
भ. ५२।४६ उ. +प्रदोषः
भ. २०।१४ या.

३७पं. पौ.शु.४मं.इ.५७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	९	१	९	८
६	३	२४	२६	५	७	१३	५
३	३७	२८	४०	३	२९	४०	४९
२९	१२	८	१	१८	२८	४५	९
६१	३४	१०/२८	१३	७३	५३	३	६१
४	५३	व	३२	१४	व	११	२२

गोचरग्रहाः

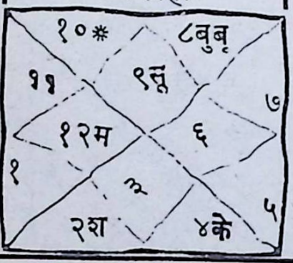

इस मासका फल उत्तम है सुदी में धान्य रुई चांदी सोना सरसों मूँग फली विनौला गुड़ खांड़ मंदा हो ।

गोचरग्रहाः

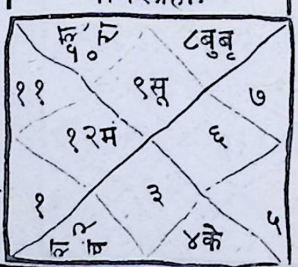

३८पं.पौ.शु.११मं.इ.५७।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	९	१	९	८
१३	८	२०	२८	१३	७	१३	१२
११	३	५७	१४	४२	३	१८	५९
३१	४७	३२	१७	५४	२२	३०	१
६१	३५	४२/५७	१३	७३	२०	३	६१
६	२४	मा	२६	३	व	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०२८ शाकः १८९३													दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	४४	३	आ	४	३६	ऐं	४७	२६	बा	१५	५३	२५/४०	६/५२	५/८	१	११	१३	क.४८।३६
२	र	४२	९	पु	३	१६	वै	४२	४४	तै	१३	६	४१	५२	८	२	१२	१४	कर्के
३	चं	४१	३९	पु	३	२१	वि	३९	२०	व	११	५४	४२	५२	८	३	१३	१५	कर्के
४	मं	४३	२६	श्ले	५	१२	प्री	३८	२	ब	१२	६	४३	५१	९	४	१४	१६	सिं५।१२
५	बु	४६	४९	म	८	५४	आ	३७	२०	कौ	१५	८	४४	५१	९	५	१५	१७	सिंहे
६	गु	५२	५५	पू	१४	५	सौ	३८	६	ग	१९	५२	४६	५१	९	६	१६	१८	कं.३०।४४
७	शु	५७	४८	उ	२०	४२	शो	३९	५०	वि	२५	२१	४७	५१	९	७	१७	१९	कन्यायां
८	श	६०	०	ह	२७	५५	अ	४१	५५	बा	२८	५४	४९	५०	१०	८	१८	२०	कन्यायां
८	र	४	१९	चि	३५	३५	सु	४४	७	कौ	४	१९	५१	५०	१०	९	१९	२१	तु.२।१५
९	चं	१०	४३	स्वा	४२	५२	धृ	४६	५	ग	१०	४३	५२	५०	१०	१०	२०	२२	तुलायां
१०	मं	१६	४२	वि	४९	३२	शू	४७	१८	वि	१६	४२	५४	४९	११	११	२१	२३	वृ.३२।५२
११	बु	२१	२६	अ	५४	३८	गं	४७	३५	बा	२१	२६	५६	४९	११	१२	२२	२४	वृश्चिके
१२	गु	२४	४४	ज्ये	५८	३५	वृ	४६	५५	तै	२४	४४	५८	४८	१२	१३	२३	२५	ध.५८।३५
१३	शु	२६	४०	मू	६०	०	ध्रु	४४	४३	व	२६	४०	२६/५९	४८	१२	१४	२४	२६	धनुषि
१४	श	२६	४०	मू	०	४८	व्या	४१	२२	श	२६	४०	३	४७	१३	१५	२५	२७	धनुषि
३०	र	२५	१५	पू	१	२५	ह	३६	५२	ना	२५	१५	५	४७	१३	१६	२६	२८	म.१६।१५

शिशिरतूं रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९७२

भ. ११।५४ उ. ४१।३९ या.
तिल चतुर्थी व्र.
धनिष्ठा. शुक्रः ४६/३२ मूले धनुषि गुरुः ५५/४४*
भ. ५२।५५ उ. मूले धनु. बुधः ४६।२७
भ. २५।२१ या.
*वक्री कृत्ति. ३ शनिः २६।२६

भ. ४३।४२ उ.
भ.१६।४२ या. दृश्यः उषायां रविः ३०/३२=
षट्तिला ११ व्र.
=(सौरः १९/२६)कुंभे शुक्रः ३०/३८ रे.भौमः १२/५५
भ. २६/४० उ. ५६/४०या. दृश्यो मकरेऽर्कः २५/५६+
+(सौरः ३४।५१) प्रदोषः
पूफायां बुधः ४१/३६ शते शुक्रः ३७।५१

३९पं.मा.कृ.४मं.इ.५७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	९	१	९	८
२०	१२	२७	२९	२२	६	१२	२०
१९	३३	५१	४७	२०	४१	५६	८
२६	२९	४३	२	२०	१७	१४	५८
६१	३५	६७	१३	७२	३१	३	६१
६	५२	१६	२०	५०	व	११	२६

गोचरग्रहाः

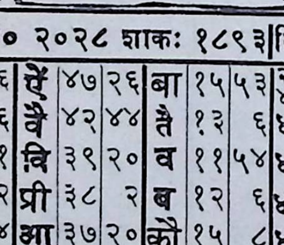

मार्ग.कृ.१३ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे स-मता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

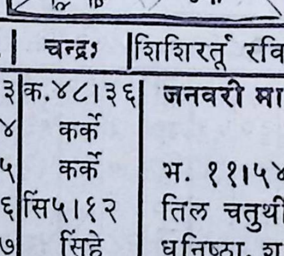

४०पं.मा.कृ.१०मं.इ.५७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	८	१०	१	९	८
२७	१७	७	१	०	६	१२	२७
२७	६	९	१८	५६	२३	३३	१८
४०	५८	३६	१८	२८	५६	५९	५०
६१	३६	८०	१३	७२	३	३	६१
६	२५	३७	३	३२	ब	११	२४

*चंशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६४९६स.१९७२
१	चं	२२	२९	उ	४६	५८/११	व	३१	२४	ब	२२	२९	२६/८	४६	१४	१७	२७	२९	मकरे	चन्द्रदर्शनम् सम्भवः
२	मं	१८	४७	ध	५६	१९	सि	२५	१३	कौ	१८	४७	१०	४६	१४	१८	२८	१	कुं.२७।३८	जिल्हेज १२
३	बु	१४	१९	श	५३	५	व्य	१८	३०	ग	१४	१९	१२	४६	१४	१९	२९	२	कुंभे	भ. ४१।४६ उ.
४	गु	९	२३	पू	४९	५९	व	११	१२	वि	९	२३	१५	४५	१५	२०	३०	३	मी३५।४६	भ. ९।२३ या. दृश्योऽभि.प्र.रविः५९।४१
५	शु	४	२०	उ	४६	३२	प	४/१२	५२/४८	बा	४	२०	१७	४५	१५	२१	१	४	मीने	अभि.प्र.रविः सौरः ६।१३ मूले. २ गुरुः*
६	शु	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*३३।२७ वसन्त ५ रा.माघारंभः
७	श	५४	११	रे	४३	४	सि	४९	३३	ग	२६	४३	२०	४४	१६	२२	२	५	मे.४३।४	भ. ५४।११ उ. भानु ७
८	र	४९	१७	अ	३९	४२	सा	४२	४२	वि	२१	४४	२२	४४	१६	२३	३	६	मेषे	भ.२१/४४या. भीष्म ८ पा.स्प.४३/१३ मोक्षः५६/५९
९	चं	४४	१७	भ	३६	२९	शु	३५	३४	बा	१६	४६	२५	४३	१७	२४	४	७	वृ.५०।४१	दृश्यः श्रवणे रविः १६/४ (सौरः २२।१०)
१०	मं	३९	३६	कृ	३३	१८	शु	२८	१९	तै	११	५७	२७	४३	१७	२५	५	८	वृषे	दृश्योऽभि.नि.रविः ६/३३ (सौरः ४/२६) उषा.=
११	बु	३५	१०	रो	३०	३६	ब्र	२१	४५	व	७	२३	३०	४२	१८	२६	६	९	मि५९।२७	भ.२३/७ उ.३५/१०या. जया ११ व्र. =बुधः ३७/९
१२	गु	३०	५१	मृ	२८	१९	ऐं	१५	३२	ब	३	०	३३	४१	१९	२७	७	१०	मिथुने	मकरे बुधः ४२/१९ पूभायां शुक्रः ३६।४५
१३	शु	२७	३८	आ	२६	३७	वै	९	४१	तै	२७	३८	३६	४१	१९	२८	८	११	मिथुने	प्रदोषः पूर्वास्तो बुधः ३३।६
१४	श	२५	५	पु	२५	४०	वि	४	२५	व	२५	५	३९	४०	२०	२९	९	१२	क.१०।५४	भ. २५।५ उ. ५४।२९ या.
१५	र	२३	५२	पु	२६	७	प्री	०/१३	५६/४९	ब	२३	५२	४२	४०	२०	३०	१०	१३	कर्के	मार्गी शनिः ५१।३० ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहणं

४१पं. मा.सु.२मं.इ.५७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	८	१०	१	९	९
४	२१	१६	२	९	६	१२	४
३५	४१	४३	४७	३०	१२	११	२८
३१	१७	३४	३८	७	०	४३	१९
६१	३१	८८	१०	७२	२२/१	३	६१
३	५९	३५	३६	९	व	११	१९

गोचरग्रहाः

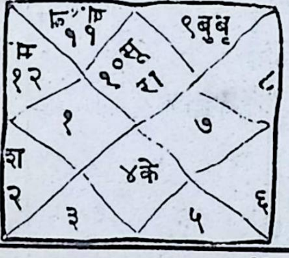

इस मास में ५ शनि ५ रवि हैं प्रजामें पीड़ा भय कारक हैं। अनाज रुई चांदी गुड़ खांड़ तेज हो।

गोचरग्रहाः

४२पं.मा.शु.१०मं.इ.५७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	८	१०	१	९	९
११	२६	२७	४	१८	६	११	११
४२	१७	१२	१९	१	५	४९	३७
५८	२४	१८	५५	१	१३	२७	१०
६०	३७	९५	१२	७१	०/२८	३	६१
५९	२६	५२	१४	५०	व	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२३	५३	श्ले	२७	४८	सौ	५५	१८	कौ	२३	५३	२६/४६	६/३९	५/२१	३१	११	१४	सि२७।४८	अश्वि. मेषे भौमः ३०।४३
२	मं	२५	४३	म	३१	१	शो	५४	१२	ग	२५	४३	४९	३८	२२	१	१२	१५	सिंहे	भ. ५७।१४ उ. फरवरी मा. २ ता. २९
३	बु	२८	४६	पू	३५	४४	अ	५४	३०	वि	२८	४६	५२	३८	२२	२	१३	१६	कं.५२।१६	भ.२८।४६या. श्रवणे बुधः ५९।४१ च.व्र.
४	गु	३३	२५	उ	४१	५४	सु	५५	४३	ब	१	६	५५	३७	२३	३	१४	१७	कन्यायां	
५	शु	३८	५९	ह	४८	३८	धृ	५७	३३	कौ	६	१२	५९	३६	२४	४	१५	१८	कन्यायां	मीने शुक्रः ५४।३३
६	श	४५	२८	चि	५६	५६	शू	५९	४९	ग	१२	१४	२७/२	३६	२४	५	१६	१९	तु.२२।२७	भ. ४५/२८ उ. पा. स्प. ४४/४८ मोक्षः ५८।५४
७	र	५१	५५	स्वा	६०	०	गं	६०	०	वि	१८	४२	६	३५	२५	६	१७	२०	तुलायाँ	भ.१८/४२या. दृश्योधनिष्ठा.रविः३४/२५ सौ.२८/१
८	चं	५८	४	स्वा	३	२२	गं	१	५६	बा	२४	५९	९	३४	२६	७	१८	२१	बृ.५४।१	उभा. शुक्रः ३८।५० मूले ३ गुरुः २७।२
९	मं	६०	०	वि	१०	५४	वृ	३	४८	तै	२९	२	१३	३३	२७	८	१९	२२	बृश्चिके	
९	बु	३	१९	अ	१६	४६	ध्रु	४	४९	ग	३	१९	१६	३३	२७	९	२०	२३	बृश्चिके	भ. ३५।९ उ.
१०	गु	६	५८	ज्ये	२१	२६	व्या	४	४२	वि	६	५८	२०	३२	२८	१०	२१	२४	ध.२१।२६	भ. ६।५८ या. धनिष्ठा. बुधः ५७।३३
११	शु	९	२	मू	२४	१३	ह	३	७	बा	९	२	२४	३१	२९	११	२२	२५	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	श	९	११	पू	२५	९	व	०/१४	५५/२८	तै	९	११	२७	३१	२९	१२	२३	२६	म.३९।५७	दृश्यः कुंभेऽर्कः ५९।४० प्रदोषः
१३	र	७	२९	उ	२४	२०	व्य	४९	५९	व	७	२९	३१	३०	३०	१३	२४	२७	मकरे	भ. २९/७ उ. ३५/४१या. कुंभेऽर्कः सौरः १।५८*
१४	चं	३	५२	श्र	२१	५५	व	४३	१	श	३	५२	३५	२९	३१	१४	२५	२८	कु.५०।३	कुंभे बुधः ५२।२९
३०	चं	५५	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*महाशिवरात्री व्र.

४३पं.फा.कृ.२मं.इ.५७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	८	१०	१	९	९
१८	०	८	५	२६	६	११	१८
४९	५४	१२	३७	२९	३	२७	४५
२६	२९	४७	१६	१३	३२	१२	११
१०	३७	९/०	११	७१	०/१२	३	६१
५५	३९	२८	३७	२६	मा	११	४

गोचरग्रहाः

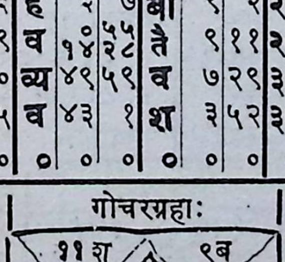

फा. कृ. १२ शनौ कुंभेऽर्कः प्र. वा.२ न.३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

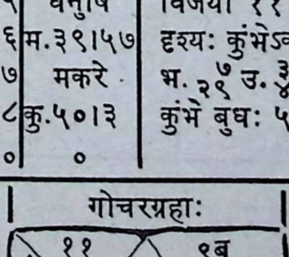

४४पं.फा.कृ.९ मं.इ.५७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	८	११	१	९	९
२५	५	१९	६	४	६	११	२५
५५	३१	४८	५६	५३	८	४	५३
१६	१९	३६	४९	१७	१०	५६	५८
६०	३७	५/०	११	७१	१	३	६०
३७	४३	४८	८	०	०	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	.अ	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	मं	५२	५४	ध	१८	१०	प	३५	५	किं	२५	१७	२७/३८	६/२८	५/३२	१५	२६	२९	कुंभे
२	बु	४६	७	श	१३	३१	शि	२६	३५	बा	२०	०	४२	२८	३२	१६	२७	३०	मी५४।४८
३	गु	३९	१४	पू	८	३४	सि	१८	२	तै	१२	४०	४६	२७	३३	१७	२८	१	मीने
४	शु	३२	२५	उ	३/२४	५५/१०	सा	९	११	व	५	४९	५०	२६	३४	१८	२९	२	मे.५८।३४
५	श	२६	४	अ	५४	१३	शु	५३	५२/१३	बा	२६	४	५४	२५	३५	१९	३०	३	मेषे
६	र	२०	१०	भ	५०	२२	ब्र	४५	३८	तै	२०	१०	५८	२४	३६	२०	१	४	मेषे
७	चं	१४	५०	कृ	४७	२२	ऐं	३८	४२	व	१४	५०	२/२	२४	३६	२१	२	५	वृ.४।३७
८	मं	१०	२५	रो	४५	२	वै	३२	३४	ब	१०	२५	६	२३	३७	२२	३	६	वृषे
९	बु	६	४६	मृ	४३	४२	वि	२६	५०	कौ	६	४६	१०	२२	३८	२३	४	७	मि१४।२२
१०	गु	३	४९	आ	४३	८	प्री	२२	४	ग	३	४९	१४	२१	३९	२४	५	८	मिथुने
११	शु	१	४३	पु	४३	२५	आ	१७	५२	वि	१	४३	१८	२०	४०	२५	६	९	क.२८।२१
१२	श	०	३८	पु	४४	४४	सौ	१४	४५	बा	०	३८	२२	२०	४०	२६	७	१०	कर्के
१३	र	०	४१	श्ले	४७	१५	शो	१२	१२	तै	०	४१	२६	१९	४१	२७	८	११	सिं४७।१५
१४	चं	१	३५	म	५०	५६	अ	११	३९	व	१	३५	३०	१८	४२	२८	९	१२	सिंहे
१५	मं	३	५९	पू	५५	४३	सु	१०	२	ब	३	५९	३४	१७	४३	२९	१०	१३	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६५२५स.१९७२

*५४/४१ पातस्पर्शः ३/६ मोक्षः ४२/१८
चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
मोहोरम १ सन् १३९२ हि.
भ.४९ उ.३२/२५ या. शते बुधः ३१/२१ रेव. शुक्रः●
दृश्य. शने रविः ३६।१ (सौरः३७।२०)
भरण्यां भौमः ४२।४६ रा. फाल्गुनारंभः
भ. १४।५० उ. ४७।३८ या.
होलाष्टकः

भ. ३२।४६ उ.
भ. ४१/३ या. पूभायां बुधः ४१/१८ कृत्ति. ४×
मूले ४ गुरुः ३८।११ प्रदोषः
×शनिः ५७/१८ आमलकी ११ व्र.
भ.३१/५ उ.३२/४७ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरम्
उभा. ४ राहुः पुष्ये २ केतुः ३३/३६ छारेंडी

४५पं. फा.शु.१मं.इ.५७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	८	११	१	९	१०
३	१०	२	८	१३	६	१०	२
०	८	०	१२	१२	१७	४२	५८
४	३८	४०	११	४०	४६	४१	१
६०	३८	०/०	१०	७०	१	३	६०
३७	३	९/४०	२९	२२	३५	११	४२

४६पं.फा.शु.८मं.इ.५८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	८	११	१	९	१०
१०	१४	१४	९	२१	६	१०	१०
३	४६	५२	२३	२५	३२	२०	२
३२	२३	३४	६	५२	५६	२५	३४
६०	३८	[illegible]	९	६९	२	३	६०
५२	१७	[illegible]	४४	३७	२२	११	३१

४७पं.फा.शु.१५मं.इ.५८।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	८	११	१	९	१०
१७	१९	२८	१०	२९	६	९	१७
५	२३	९	२९	३४	५३	५८	५
४६	१०	३६	४९	५	६	९	२३
६०	३८	[illegible]	८	६८	३	३	६०
१२	३२	२२	५६	५१	८	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२८ शाकः १८९३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	बु	७	२९	उ	६०	०	धृ	१०	२१	कौ	७	२९	३८/३८	६/१६	५/४४	१	११	१४	कं.१२।११
२	गु	१२	२०	उ	१	३७	शू	११	२५	ग	१२	२०	४३	१६	४४	२	१२	१५	कन्यायां
३	शु	१७	४६	ह	८	८	गं	१२	५९	वि	१७	४६	४६	१५	४५	३	१३	१६	तु.४१।५२
४	श	२३	५४	चि	१५	३६	वृ	१५	२६	बा	२३	५४	५०	१४	४६	४	१४	१७	तुलायां
५	र	३०	२५	स्वा	२३	८	ध्रु	१७	४०	तै	३०	२५	५४	१३	४७	५	१५	१८	तुलायां
६	चं	३६	५५	वि	३०	४८	व्या	१९	५८	ग	३	४०	५८	१२	४८	६	१६	१९	वृ.१३।५३
७	मं	४२	२२	अ	३७	२६	ह	२१	३८	वि	९	३९	२/२	१२	४८	७	१७	२०	वृश्चिके
८	बु	४६	५२	ज्ये	४३	६	व	२२	२६	बा	१४	३७	६	११	४९	८	१८	२१	ध.४३।६
९	गु	४९	४६	मू	४७	१७	सि	२२	८	तै	१८	१९	१०	१०	५०	९	१९	२२	धनुषि
१०	शु	५०	३६	पू	४९	२१	व्य	२०	१७	व	२०	११	१४	९	५१	१०	२०	२३	धनुषि
११	श	४९	३३	उ	४९	४०	व	१६	५८	ब	२०	४	१९	८	५२	११	२१	२४	म.४।२६
१२	र	४६	२१	श्र	४७	४६	प	११	५२	कौ	१७	५७	२३	७	५३	१२	२२	२५	मकरे
१३	चं	४१	२३	ध	४४	७	शि	५/१६	५२/३२	ग	१३	४७	२७	७	५३	१३	२३	२६	कुं.१५।५६
१४	मं	३४	४०	श	३९	१४	सा	४८	२८	वि	८	२	३२	६	५४	१४	२४	२७	कुम्भे
३०	बु	२६	५४	पू	३२	५८	शु	३९	३३	च	०	४७	३६	५	५५	१५	२५	२८	मी१९।३५

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मार्च मा.३ता.३१ मीने बुधः ५७/२४ अश्वि.×
भ. ४५।३ उ. पातस्पर्शः १६/४५ मोक्षः २८/१५
भ.१७/४६ या. दृश्यःपूभायांरविः ५२/६ सौरः ५२/७=
=उभा.बुधः ४४/१२ बुधोदयःपश्चि. १३/४ च.व्र.

भ. ३६।५५ उ. ×मेषे शुक्रः २१/२
भ. ९।३९ या.
शीतलापूजनम्

भ. २०।११ उ. ५०।३६ या.
कृत्ति. भौमः ५७।४८ पापमोचनी ११ व्र
रेवत्यां बुधः १२।३२
भ. ४१/२३ उ. दृश्योमीनेऽर्कः ५३/३ सौरः ५२/२७+
भ. ८।२ या. +भरण्यां शुक्रः६।४ प्रदोषः
मन्वादिः

४८पं. चै.कृ.७मं.इ.५८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	८	०	१	९	१०
२४	२४	११	११	७	७	९	२४
६	०	१०	२८	३३	१८	३५	६
२९	२५	१९	१२	३२	१८	५४	४६
५९	३८	९६	८	६७	३	३	६०
५८	३५	५८	२	५३	४३	११	०

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. १३ चन्द्रे मीनेऽर्कः प्र.त्रा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभाव महर्घता शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

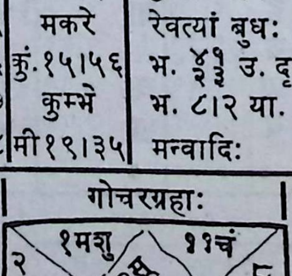

४९पं.चै.कृ.१४मं.इ.५९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	८	०	१	९	११
१	२८	१९	१२	१५	७	९	१
५	३६	२५	२०	२५	४७	१३	६
४२	३२	३०	३८	२४	२४	३८	२८
५९	३८	५९	६	६६	४	३	५९
४१	३४	३७	५२	३९	२३	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७३ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७३ भोग्यकलिः ४२६९२७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०२९ शाकः १८९४ वर्षेऽस्मिन् राजा गुरुः । मंत्री गुरुः । सस्येशोशनिः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशश्चन्द्रः । नीरसेशः शनिः । फलेशो बुधः । धनेशश्शनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १९ क्रोधन नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः ६।४।४७।५९ भोग्यमासादिः ५।२५।१२।१ । भगदैवतंयुगम् । वर्ष नाम ज्येष्ठः । मेघ नाम आवर्तः । रोहिणी निवासः पर्वते । समयनिवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा ५ । समयवाहनं चातकः । स्तम्भौ२ अन्नवाय्वोः । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी१ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ४०५ । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः ११ । उत्पत्तिविश्वा ८७। खपतिविश्वा ११४। वर्षाविश्वा १५ । धान्यम् १५। तृणम् १५। शीतम् ११ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ११३ । सत्यं ॥, धर्म १॥, पाप१८ । शनि दृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणस्याऽभावोऽस्मिन्वर्षे ।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सि	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खच	५	१४	११	११	५	११

वर्षं लग्नम् ४।१८

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव बोला प्रेम से सुन मात चितलाय ।
गुनतीसा अब आईया हाल कहो समझाय॥

भवानी उत्तर

गुनतीसो गुण आगलो झीना वर्षे मेह ।
जग में सुख संपति बढ़े राज प्रजा में नेह ॥
गुरु राजा इस वर्ष में आप भये परधान ।
तृण की कुछ कमती रहे वर्षा मध्यम जान ॥
जौ गेहूँ संचय करो श्रावण दुगुणा दाम ।
भादव वर्षा वर्ष सी तेजी की हो थाम ॥
रोहिणी पर्वत में बसी समय बसे घटकार ।
कहीं क पूर्व देश में मांचे हाहाकार ॥
अनहोनी होवे नहीं होणी होय सो होय ।
परमेश्वरके भजन बिन सुख नहीं पाया कोय ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ३।८

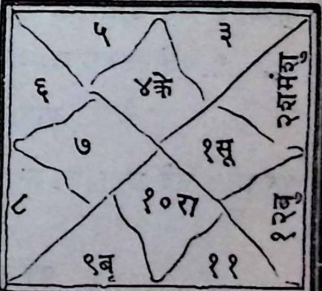

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२७।१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम्—गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुग्धाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः वहवोऽग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्व जनेषु वर्तते ।। मंत्री गुरुः फलम्—विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जन पालन तत्पराः, सुर गुरौ ननु मन्त्रि समागते ।। सस्येशः शनिः फलम्—रवि सुते यदि धान्यपतौ जनाः नृपतिभिः परि पीड़ित विग्रहाः । गद भयं तुष धान्यहरं सदा दुरितवाद विवाद युताः नराः ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशोबुधस्तत्फलम्—अमृत रश्मि सुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्—यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायकाः रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शनि फलम्—त्रपु पिंडादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरस नायके ।। फलेशोबुधस्तत्फलम्—यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमैः क्रमलेर्युतं जनपदा-जन सौख्य मुदान्वितः ।। धनेशः शनिः फलम्—द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजो कृषि-जीविनः द्विजवराः पर पीडन मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्—विषम साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्र जनेषु विशेषतां । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयं क्वचित् ।। क्रोधन नाम संवत्सरः फलम्—क्रोधनाब्दे मध्य वृष्टिः पूर्व देशे विशेषतः । संग्राम निरता सर्वे भूपाः क्रोधः परायणाः ।। वर्षनाम ज्येष्ठस्तत्फलम्—तस्करैः पाप रोगैर्वा पीडयन्ते पीडया जनाः । भ्रमन्ते स्वच्छया भूम्यां निर्द्रव्यैः ज्येष्ठ संज्ञके ।। मेघनाम आवर्तः फलम्—आवर्ते छिन्नवृष्टिस्यात् ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्—रोहिणी नाम नक्षत्रं पर्वतस्थं यदा भवेत् । वृष्टि हानिस्तदा ज्ञेया सर्व सस्य विनाशनम् ।। समयनिवासो कुंभकार गृहे फलम्—अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०२९ शाके १८९४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. वैशाख ज्येष्ठाषाढ़ मासेषु गोधूल्यां भौमः ७।८ दोषः

द्वि. बैसाख मासः

शु. ९ रवौ उफा. ल. ११।१ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।। कुंभे चं.७ पूज्यः
,, १० चंद्रे उफा. ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।ऽरो.।ऽ।।
,, १० चंद्रे हस्ते ल. १२-१ रे.८ ।।।।ऽरो.ऽ।। मीनेचं.७पू.
,, ११ भौमेहस्तेल.१२(घ.५४।१३या.)रे.९।।।।।ऽ।। चं.७पू.
,, १३ गुरौ स्वा. ल.११-१रे.८ ऽ।।।ऽअ.।।। मेषे चं.७मध्य.

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ८ चंद्रे उभा. ल. ११-१ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
,, ९ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽबु.।।।ऽनृ ।ऽ।।

आषाढ़ मासः

कृष्णा ७ चंद्रे उभा. ल. अन्यगो. ११-१ रे. ९ ।।।।।।ऽ।। कुंभे मेषे दग्धार्तिथिदोषः रे. ८

कार्तिक मासः

शुक्ले ११ शुक्रे रेवत्यां ल.६रे.७ ऽ।।।ऽअ.ऽ।।। चं. ७ मध्यमः
,, १२ शनौ रेव. ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽअ.।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ भौमे रोहि. ल. ४-६ रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।। कन्यालग्ने रेखा ७ चौरपंचकः
,, ६ रवौ मघा. ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽअ.ऽ।ऽ।।
,, ८ भौमे उफा. ल. ६(घ.५०।५उ.)रे.७ ऽ।।।ऽनृ.।ऽ।।
,, ९ बुधे उफा. ल. अन्यगो. ४ रे. ६ ऽ।।।ऽनृ.ऽ।ऽ कर्के लग्ने रेखा ७ नृपपंचकाऽभावः
,, १० गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ४ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। कर्के लग्ने रेखा ७ चौरपंचकः

माघ मासः

शुक्ले ४ बुधे उभा. ल.अन्यगो. रे. १० ।।।।।।।।।
,, ५ गुरौ रेव. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।।ऽरोऽऽ।।
,, १५ शनौ मघा. ल. ७ रे. ६ ।।ऽशु.ऽ।ऽऽ।। पादवेधात् शुक्रस्य वधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ चंद्रे उफा. ल. गो. ७ रे. ९ ।।।ऽ।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६५५५ स.१९७२
१	गु	१८	२०	उ	२६	२१	शु	२८	४६	ब	१८	२०	२९/४०	६/४	५/५६	१६	२६	२९	मीने	चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	शु	९	३६	रे	१९	३४	ब्र	१८	४६	कौ	९	३६	४४	३	५७	१७	२७	१	मे.१९।३४	दृश्यः उभायां रविः १४/७ (सौरः १३/३) वृषे×
३	श	१	११	अ	१३	१३	ऐं	५८	५०/५४	ग	१	११	४९	२	५८	१८	२८	२	मेषे	भ. २७।५२ उ. ५४।३४ या. गणगौरी
४	श	५३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×भौमः ८।५७ सिंधारा सफर २
५	र	४६	२५	भ	७	३२	वि	५२	३८	ब	२०	१३	५३	१	५९	१९	२९	३	वृ.२१।२७	
६	चं	४०	२६	कृ	१/३३	५६/३०	प्री	४४	४३	कौ	१३	२५	५७	१	५९	२०	३०	४	वृषे	वक्री बुधः २।२२
७	मं	३६	१६	मृ	५७	३६	आ	३८	३५	ग	८	२१	३/१	६/००	६/०	२१	१	५	मि२८।३९	भ. ३६।१६ उ. राष्ट्रीय चैत्रारंभः
८	बु	३३	११	आ	५७	८	सौ	३३	४२	वि	४	४४	६	५/५९	१	२२	२	६	मिथुने	भ. ४।४४ या. पश्चिमास्तं बुधः५९।५
९	गु	३१	२२	पु	५७	४३	शो	२९	४२	बा	०	२७	१०	५८	२	२३	३	७	क.४१।३४	रामनवमी
१०	शु	३१	८	पु	५३	५०	अ	२६	५७	तै	१	१	१४	५७	३	२४	४	८	कर्के	पूषायां १ गुरुः १६।३
११	श	३२	५	श्ले	६०	०	सु	२५	१२	व	२	३४	१८	५६	४	२५	५	९	कर्के	भ. १।३७ उ. ३२।५ या. कृत्तिका.शुक्रः+
१२	र	३३	५७	श्ले	२	५६	धृ	२४	२४	ब	४	५३	२३	५५	५	२६	६	१०	सिं२।५६	+१६।४५ कामदा ११ व्रतम्
१३	चं	३७	१९	म	७	१६	शू	२४	३२	कौ	९	०	२७	५५	५	२७	७	११	सिंहे	प्रदोषः व्रतम्
१४	मं	४१	२०	पू	१२	३०	गं	२५	४	ग	१३	२०	३१	५४	६	२८	८	१२	कं.२९।२	भ. ४१।२० उ. वृषे शुक्रः २९।२०
१५	बु	४६	३६	उ	१८	३८	वृ	२६	२३	वि	१९	१४	३५	५३	७	२९	९	१३	कन्यायां	भ.१६।१४ या. हनुमज्जयंती

५०पं. चै.शु.७मं.इ.५९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	८	०	१	९	११
८	३	२२	१३	२३	८	८	८
३	१३	२५	६	५	२१	५१	४
१८	५९	२९	२५	५३	२५	२३	२३
५९	३८	२३	५	६५	४	३	५९
२९	४२	व	५८	७	५०	११	३५

गोचरग्रहाः

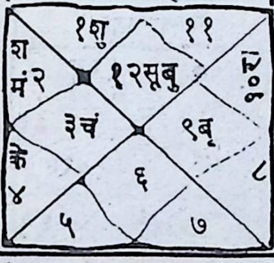

इस मास में ५ बुधवार हैं रसकस गुड़ घृत खांड तेल तिल अलसी मूंग-फली नमक तेज करे।

गोचरग्रहाः

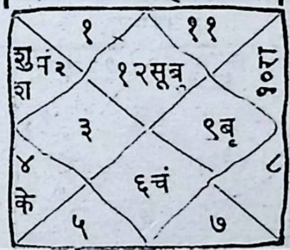

५१पं. चै.शु.१४मं.इ.५९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	८	१	१	९	११
१४	७	१९	१३	०	८	८	१५
५९	४६	२९	४४	३२	५७	२९	०
१३	२४	१०	२०	१३	१३	७	२८
५९	३८	४७/५	४	६३	५	३	५९
१६	५०	व	५२	२७	१८	११	१८

ति.	प्र. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५१	५९	ह	२५	२०	ध्रु	२७	५१	बा	१९	१८	३०/३९	५/५२	६/८	३०	१०	१४	तु.५९।१४	दृश्यो रेवत्यां रविः ४५/५० (सौरः४०।३१)
२	शु	५८	२५	चि	३२	४५	व्या	३०	१०	तै	२५	१२	४४	५१	९	३१	११	१५	तुलायां	
३	श	६०	०	स्वा	४०	१६	ह	३२	३७	व	२९	१०	४८	५०	१०	१	१२	१६	तुलायां	भ. ३१/३३ उ. वक्री उभा. बुधः ३५/२३ रोहि.✱
३	र	४	४०	वि	४७	४९	व	३४	५५	वि	४	४०	५२	५०	१०	२	१३	१७	वृ.३०।५६	भ. ४।४० या. चतुर्थी व्र.
४	चं	१०	५९	अ	५५	१	स्थि	३७	३	बा	१०	५९	५६	४९	११	३	१४	१८	वृश्चिके	✱भौमः ३५/५८ अप्रेल मा. ४ ता. ३०
५	मं	१६	४२	ज्ये	६०	०	व्य	३८	४०	तै	१६	४२	३१/०	४८	१२	४	१५	१९	बृश्चिके	
६	बु	२१	३६	ज्ये	१	१२	व	३९	१५	व	२१	३६	४	४७	१३	५	१६	२०	ध.१।१२	भ. २१।३६ उ. ५३।२५ या.
७	गु	२५	१४	मू	६	४०	प	३८	४७	ब	२५	१४	८	४६	१४	६	१७	२१	धनुषि	
८	शु	२७	८	पू	१०	२२	शि	३३	५९	कौ	२७	८	१२	४६	१४	७	१८	२२	म.२५।४९	रोहिण्यां शुक्रः १४।४६
९	श	२७	१४	उ	१२	९	सि	३३	३२	ग	२७	१४	१६	४५	१५	८	१९	२३	मकरे	भ. ५६।१४ उ. रोहिणी १ शनिः २६/५० ×
१०	र	२५	१४	श्र	१२	५	सा	२८	३५	वि	२५	१४	२०	४४	१६	९	२०	२४	कु.४१।४	भ. २५।१४ या.
११	चं	२१	२१	ध	१०	३	शु	२१	५४	बा	२१	२१	२४	४३	१७	१०	२१	२५	कुम्भे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	मं	१५	२७	श	६	१	शु	१३	४४	तै	१५	२७	२८	४२	१८	११	२२	२६	मी४७।४८	प्रदोषः
१३	बु	७	५८	पू	२०/३	५३/११	ब्र	४/२९	४९/५३	व	७	५८	३२	४२	१८	१२	२३	२७	मीने	भ. ७।५८ उ. ३३।३४ या.
१४	बु	५१	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×बुधोदयः पूर्वस्याम् २३।४७
३०	गु	४९	३८	रे	४६	०	वै	४३	४०	च	२४	२४	३६	४१	१९	१३	२४	२८	मे.४६।१०	दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः १५/५४ (सौरः१५।६)

५२पं. प्र.वै.कृ.६ बु.इ.०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	८	१	१	९	११
२१	१२	१३	१४	७	९	८	२१
५३	२१	५६	१४	४२	४०	४	५४
३१	७	२४	६	४३	८	५१	३९
५९	३८	३०/१०	३	६१	५	३	५९
४	५५	व	३८	१५	४६	११	४

गोचरग्रहाः

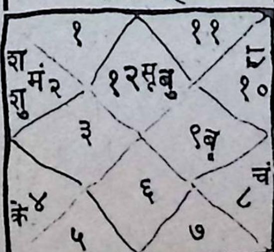

प्र.वै.कृ. ३० गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ अतिवृष्ट्याव-स्था (सूती) मु.३० (धान्यभाव सम) शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

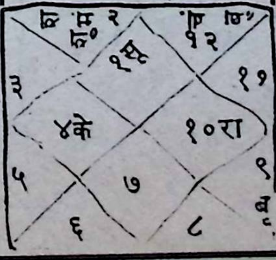

१पं. प्र.वै.कृ.३० बृ.इ.१५/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१	१	९	०
०	१७	१०	१४	१५	१०	७	०
०	४३	३१	४०	४४	३२	४०	०
०	२३	१६	४४	२६	१०	४३	४७
५८	३८	१५	२	५७	६	३	५८
४४	५८	व	०	४४	१५	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५८४स.१९७२
१	शु	३९	४४	अ	३८	२२	वि	३२	३५	किं	१४	४१	३५/४०	५/४०	६/२०	१४	२५	२९	मेषे	मार्गी बुधः ४५।६ अधिक मासारम्भः
२	श	३०	५	भ	३०	५०	प्री	२२	७	बा	४	५४	४३	३९	२१	१५	२६	३०	वृ.४४।११	चन्द्रदर्शनम्
३	र	२१	१३	कृ	२४	१२	आ	१२	४	ग	२१	१३	४७	३९	२१	१६	२७	१	वृषे	भ. ४७।२२ उ. रविलावल ३
४	चं	१३	३१	रो	१८	२८	सौ	३/२	५३/१७	वि	१३	३१	५१	३८	२२	१७	२८	२	मि४६।१३	भ. १३।३१ या.
५	मं	७	२२	मृ	१४	५९	अ	४९	११	बा	७	२२	५५	३७	२३	१८	२९	३	मिथुने	×भौमश्च ५५।२०
६	बु	२	५५	आ	१२	५६	सु	४४	१४	तै	२	५५	५८	३६	२४	१९	३०	४	क.५७।३९	●कमला ११ व्रतम्
७	गु	०	१०	पु	१२	३३	धृ	४०	५१	व	०	१०	३२/०	३६	२४	२०	३१	५	कर्के	भ. ०।१० उ. २९।३७ या.
८	गु	५९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	शु	६०	०	पु	१४	८	शू	३८	४३	ना	२९	४२	६	३५	२५	२१	१	६	कर्के	रा. वैशाखारंभः मृगे शुक्रः ४१।४ मृगे×
९	श	०	२३	श्ले	१७	२३	गं	३८	२	कौ	०	२३	१०	३४	२६	२२	२	७	सि१७।२३	
१०	र	२	४२	म	२१	४९	वृ	३८	३८	ग	२	४२	१४	३३	२७	२३	३	८	सिंहे	भ. ३४।३४ उ.
११	चं	६	२६	पू	२६	२६	ध्रु	३९	३५	वि	६	४६	१७	३३	२७	२४	४	९	कं.४३।१९	भ. ६।२६ या. वक्री गुरुः २३।१३●
१२	मं	११	५	उ	३३	५९	व्या	४१	११	बा	११	५	२१	३२	२८	२५	५	१०	कन्यायां	प्रदोषः
१३	बु	१७	७	ह	४१	४	ह	४३	२२	तै	१७	७	२५	३१	२९	२६	६	११	कन्यायां	दृश्यो भरण्यां रविः ५६/१६ (सौरः५६।२४)
१४	गु	२२	३४	चि	४८	२०	व	४५	३९	व	२२	३४	२९	३०	३०	२७	७	१२	तु.१४।३२	भ.३३/३४ उ.५५।४३या. रेवत्यांबुधः १२।३
१५	शु	२८	५२	स्वा	५५	३४	सि	४७	५९	ब	२८	५२	३२	३०	३०	२८	८	१३	तुलायां	

२पं. प्र.वै.शु.७ बृ.इ ९६/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१	१	९	०
६	२२	११	१४	२२	११	७	६
५०	१५	६	५१	४	१९	१८	५०
४२	३२	५०	२२	२३	२३	२८	५८
५८	३९	१९/४३	०	५३	६	३	५८
३१	१	मा	४७	२८	२८	११	२३

गोचरग्रहाः

इस मास का फल श्रेष्ठ है प्रजा में सुख शांति रहे। धान्य रुई, चांदी सोना, अफीम में घटाबढ़ी हो सुदी तेजी हो।

गोचरग्रहाः

३पं. प्र.वै.शु.१४ बृ.इ.१६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१	१	९	०
१३	२६	१६	१४	२७	१२	६	१३
३९	४६	४२	५२	५०	८	५६	३९
४३	५३	४३	४४	२४	२८	१२	२३
५८	३९	४७	३/३	४८	६	३	५८
१७	३	११	ब	४३	४३	११	१२

ति.	द्वि. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेप्र.वैशा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३४	५३	वि	६०	०	व्य	५०	१३	बा	१	५२	३३/३६	५/२९	६/३१	२९	९	१४	वृ.४६।२४	मिथुने शुक्रः ५४।२
२	र	४१	४	वि	३	२०	व	५२	१४	तै	७	५८	४०	२८	३२	३०	१०	१५	वृश्चिके	+१ केतुः २२।३९ चतुर्थी व्र.
३	चं	४६	२२	अ	१०	२९	प	५३	५१	व	१३	४३	४३	२७	३३	१	११	१६	वृश्चिके	भ. १३/४३ उ. ४६/२२ या. मई मा. ५ ता. ३१
४	मं	५०	५७	ज्ये	१६	३६	शि	५४	४९	ब	१८	४०	४७	२७	३३	२	१२	१७	ध.१६।३६	मिथुने भौमः १७।५३ उषा.३ राहुः पुष्यः+
५	बु	५४	३८	मू	२२	२०	सि	५५	१	कौ	२२	४७	५१	२६	३४	३	१३	१८	धनुषि	
६	गु	५७	६	पू	२६	४९	सा	५४	७	ग	२५	५२	५४	२५	३५	४	१४	१९	म.४२।३५	भ. ५७।६ उ. ●मेषे बुधः ५७।८
७	शु	५८	३	उ	२९	५३	शु	५२	५	वि	२७	३५	५७	२५	३५	५	१५	२०	मकरे	भ. २७।४५ या.
८	श	५७	२६	श्र	३१	२९	शु	४८	४३	ब्रा	२७	४५	३३/५	२४	३६	६	१६	२१	मकरे	
९	र	५४	५७	ध	३१	१९	ब्र	४३	५३	तै	२६	११	४	२३	३७	७	१७	२२	कुं.१।२४	रोहिणी. २ शनिः ५।८
१०	चं	५०	३७	श	२९	५५	ऐं	३७	३४	व	२२	१७	७	२३	३७	८	१८	२३	कुंभे	भ. २२।१७ उ. ५०।३७ या. अश्वि.●
११	मं	४४	२६	पू	२५	३८	वै	२९	५६	ब	१७	३२	१०	२२	३८	९	१९	२४	मी११।४२	कमला ११ व्र ×आर्द्रा. शुक्रः ५२।७
१२	बु	३७	६	उ	२०	२०	वि	२१	६	कौ	१०	४६	१३	२१	३९	१०	२०	२५	मीने	दृश्यः कृत्तिका. रविः ४२।६ सौरः ४४/२१
१३	गु	२८	२४	रे	१३	५१	प्री	११	१७	ग	२	४५	१६	२१	३९	११	२१	२६	मे.१३।५१	भ. २८।२४ उ. ५३।३४ या.
१४	शु	१८	५	अ	६/१९	५२/११	आ	०/४१	४९/४२	श	१८	४५	१९	२०	४०	१२	२२	२७	मेषे	आर्द्रा. भौमः ३८।१८
३०	श	९	४७	कृ	५०	४०	शो	३८	५०	ना	९	४७	२२	२०	४०	१३	२३	२८	बृ.११।३२	अस्तं शनेः १३।४४

४पं. द्वि.वै.कृ.६ बृ.इ.१६/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	८	२	१	९	०
२०	१	२४	१४	२	१३	६	२०
२७	१७	२२	४५	५१	०	३३	२६
२२	१७	१२	२५	४१	१८	५७	३
५८	३९	७०	५१/३	४१	७	३	५७
६	२	२	ब	५६	१	११	५७

गोचरग्रहाः

इस मासमें साधारण फल होंगे अनाजगल्ला बिनौला जीरा धनिया कालीमिर्च तेज सुदी बाजार में सब मंदा हो।

गोचरग्रहाः

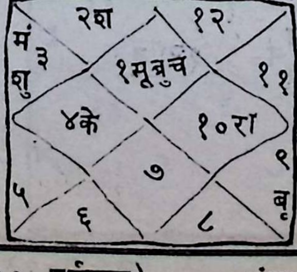

५पं. द्वि.वै.कृ.१३ बृ.इ.५६/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	८	२	१	९	०
२७	५	३	१४	६	१३	६	२७
१३	४७	४६	२८	५९	५२	११	११
३४	२	१	३०	२०	३०	४१	१७
५७	३९	९७	३/२०	३३	७	३	५७
५४	५	२	ब	२२	६	११	४५

 *मंशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६६१४ स.१९७२
१	श	४९	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४९	४९	रो	४२	४६	अ	२८	४३	बा	२४	२१	३३ २५	५ १९	६ ४५	१४	२४	२९	वृषे	दृश्यो वृषेऽर्कः २९ (सौरः १३) चन्द्रदर्श.
३	चं	४१	५७	मृ	३८	१	सु	१९	२१	तै	१५	५३	२८	१८	४२	१५	२५	१	मि१०।५३	अक्षया३ परशुराम जयंती रविलाखर४
४	मं	३५	४२	आ	३३	५५	धृ	११	८	व	८	४९	३०	१८	४२	१६	२६	२	मिथुने	भ. ८।४९ उ. ३५।४२ या.
५	बु	३१	२४	पु	३१	३६	शू	४ ३७	५५ १३	ब	३	३३	३३	१७	४३	१७	२७	३	क.१७।११	भरण्यां बुधः १४।१३
६	गु	२९	७	पु	३१	२७	वृ	५६	३४	कौ	०	१५	३६	१७	४३	१८	२८	४	कर्के	
७	शु	२८	५८	श्ले	३३	२२	ध्रु	५४	५४	ग	२८	५८	३९	१६	४४	१९	२९	५	सिं३३।२२	भ.२८।५८ उ. +मूल.४ गुरुः८।४६
८	श	३०	४३	म	३६	५१	व्या	५४	५५	वि	०	२०	४१	१६	४४	२०	३०	६	सिंहे	भ. ०।२० या.
९	र	३४	२०	पू	४२	१७	ह	५५	२९	बा	२	३१	४३	१५	४५	२१	३१	७	कं.५८।५५	
१०	चं	३९	१	उ	४८	४७	व	५७	२४	तै	६	४०	४६	१५	४५	२२	१	८	कन्यायां	रा. ज्येष्ठारंभः
११	मं	४४	५७	ह	५६	१३	सि	५९	४०	व	११	५९	४८	१४	४६	२३	२	९	कन्यायां	भ.११।५९उ.४४।५७या. मोहिनी११व्र.
१२	बु	५०	५७	चि	६०	०	व्य	६०	०	ब	१७	५७	५०	१४	४६	२४	३	१०	तु.२९।५३	दृश्यो रोहि. रविः३२।५६ (सौरः ३८)*
१३	गु	५७	२०	चि	३	३२	व्य	२	११	कौ	२४	९	५२	१४	४६	२५	४	११	तुलायां	वृषे बुधः ५५।१० प्र. व्र.
१४	शु	६०	०	स्वा	११	१८	व	४	४०	ग	२८	४०	५४	१३	४७	२६	५	१२	तुलायां	नृसिंह१४ *कृत्ति.बुधः १४ पूर्वा.बुधः १६
१४	श	३	११	वि	१८	३०	प	६	५३	व	३	११	५६	१३	४७	२७	६	१३	वृ.१।४२	भ.३।११ उ.३६या. वक्री शुक्रः ५८ वक्री+
१५	र	९	५३	अ	२५	१८	शि	८	५०	ब	९	५३	५८	१२	४८	२८	७	१४	वृश्चिके	

६पं. द्वि.वै.शु.६ बृ.इ.१७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	८	२	१	९	१
३	१०	१५	१४	९	१४	५	३
५८	१४	११	३	४८	४६	४९	५४
२६	४९	१३	१४	४७	१२	२५	५५
५७	३९	०	४ २७	२१	७	३	५७
४४	११	१३	व	१९	१४	११	३४

गोचरग्रहाः

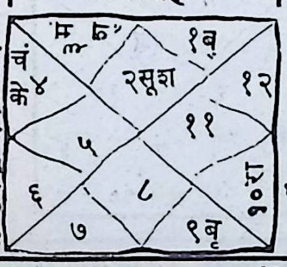

द्वि. वै. शु.२ रवौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समघंता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

७पं. द्वि.वै.शु.१३ बृ.इ.१७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	८	२	१	९	१
१०	१४	२८	१३	११	१५	५	१०
४२	४४	४१	३०	३१	४०	२७	३७
२५	२०	२	१४	२६	१२	१०	६
५७	३९	[illegible]	५ ३०	६	७	३	५७
३५	८	२०	व	३५	२०	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेद्वि.वैशा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	१३	४१	ज्ये	३१	११	सि	१०	४	कौ	१३	४१	३४ ०	५ १२	६ ४८	२९	८	१५	ध.३१।११	
२	मं	१७	४१	मू	३६	११	सा	१०	४५	ग	१७	४१	२	१२	४८	३०	९	१६	धनुषि	भ. ४९।११ उ. रोहिण्यां बुधः ५३।५२
३	बु	२०	४०	पू	४०	३५	शु	१०	४२	वि	२०	४०	४	११	४९	३१	१०	१७	म.५६।२४	भ. २०।४० या. चतुर्थी व्र.
४	गु	२२	३२	उ	४३	५२	शु	९	५७	बा	२२	३२	६	११	४९	१	११	१८	मकरे	रोहिणी.३ शनिः५३।५४ जूनमा.६ता.३०
५	शु	२३	२६	श्र	४५	५७	ब्र	८	७	तै	२३	२६	७	११	४९	२	१२	१९	मकरे	पुनर्वसु. भौमः ३०।५१
६	श	२३	६	ध	४६	५१	ऐं	५	३१	व	२३	६	९	१०	५०	३	१३	२०	कुं.१६।२४	भ. २३।६ उ. ५२।१८ या.
७	र	२१	३१	श	४६	१६	वै	५२ १	५५ १५	ब	२१	३१	१०	१०	५०	४	१४	२१	कुम्भे	
८	चं	१८	३२	पू	४४	२८	प्री	५१	७	कौ	१८	३२	१२	१०	५०	५	१५	२२	मी२९।५५	मृगे बुधः ५५।१०
९	मं	१४	८	उ	४१	१५	आ	४४	१३	ग	१४	८	१३	९	५१	६	१६	२३	मीने	भ. ४१।२० उ.
१०	बु	८	३२	रे	३६	४४	सौ	३६	१४	तै	८	३२	१४	९	५१	७	१७	२४	मे.३६।४४	भ.३६या. दृश्यो मृगे रविः ५२ (सौरः ३७)
११	गु	१	३३	अ	३१	१६	शो	२७	१८	बा	१	३३	१६	९	५१	८	१८	२५	मेषे	अपरा ११ व्र.
१२	गु	५२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	शु	४४	५४	भ	२४	४७	अ	१७	४७	ग	१९	१४	१७	९	५१	९	१९	२६	वृ.३८।५	भ.४४।५४उ. मिथुनेबुधः०।३१ प्रदोषः
१४	श	३५	३२	कृ	१७	५९	सु	७ ३४	४९ ५५	वि	१०	१३	१८	८	५२	१०	२०	२७	वृषे	भ. १०।१३ या.
३०	र	२६	३५	रो	१०	५४	धृ	४७	५०	च	१	३	१९	८	५२	११	२१	२८	मि३७।४१	वक्री मृगे शुक्रः ५४।३८ वटपूजनम्

८पं. ज्ये.कृ.४बृ.इ.१७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	८	२	१	९	१
१७	१९	१२	१२	१०	१६	५	१७
२५	१२	५७	४९	४५	३५	४	१८
८	११	५०	५२	३६	३१	५४	१२
५७	३८	[illegible]	६ ३०	३० ४	७	३	५७
२७	५८	४	व	व	२०	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में पांच सोमवार उत्तम हैं गेहूं जौ,चना रुई, ऐरंडा सींगदाना सोना चांदी तेल तिल मंदा सुदीमें कुछ तेजी हो।

गोचरग्रहाः

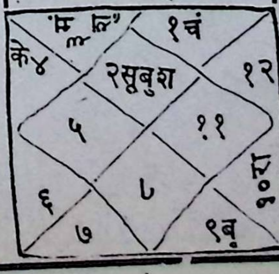

९पं.ज्ये.कृ.११ब.इ.१७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	८	२	१	९	१
२४	२३	२८	१२	८	१७	४	२३
७	३९	२६	४	१५	२९	४२	५८
१२	३९	३५	२६	४५	५६	३९	८
५७	३९	[illegible]	७ १३	२६ १८	७	३	५७
२२	४	१९	व	व	२०	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ६६४३स.१९७२
१	चं	१८	२	मृ	२९/४	४१/५४	गं	३८	५८	ब	१८	२	३४/२०	५/८	५ ६/३	१२	२२	२९	मिथुने	आर्द्रा. बुधः २३।२५ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१०	५९	पु	५५	२९	वृ	३१	१	कौ	१०	५९	२१	८	५२	१३	२३	१	क.४१।२४	जमादिलावल५ *शुक्रा.पश्चि. १५/३६ शु.अ.प.
३	बु	५	३०	पु	५३	२३	ध्रु	२४	३२	ग	५	३०	२१	८	५२	१४	२४	२	कर्के	भ.३३/४० उ. दृश्यो मिथुनेऽर्कः ३६/३० सौरः ३७/५३*
४	गु	१	५०	श्ले	५३	३८	व्या	१९	४९	वि	१	५०	२२	८	५२	१५	२५	३	सिं५३।३८	भ.१।५० या. ×शुक्रः ३६/३० निर्जला ११व्र.
५	शु	०	३१	म	५५	५१	ह	१६	४६	बा	०	३१	२२	८	५२	१६	२६	४	सिंहे	बुधोदयः पश्चिमायाम् ७/२९ +गंगादशमी
६	श	०	५८	पू	६०	०	व	१५	२८	तै	०	५८	२३	७	५३	१७	२७	५	सिंहे	
७	र	३	४९	पू	०	३	सि	१५	२८	ब	३	४९	२३	७	५३	१८	२८	६	कं.१६।२३	भ.४९/३ उ.३५/५० या. कर्कभौमः १०/५८ उदयंशनेः ३३/२६
८	चं	७	५२	उ	५	२५	व्य	१६	२९	व	७	५२	२३	७	५३	१९	२९	७	कन्यायां	पुन. बुधः २।४७ =मोक्षः ३१/५८ शु.उ.पू.
९	मं	१३	३७	ह	१२	४३	व	१८	४०	कौ	१३	३७	२४	७	५३	२०	३०	८	तु.४६।२२	
१०	बु	१९	३०	चि	२०	१	प	२०	५२	ग	१९	३०	२४	७	५३	२१	३१	९	तुलायां	भ ५२/४० उ. दृश्य आर्द्रा. रविः ३६/२२ सौरः ३९/२७+
११	गु	२५	५०	स्वा	२७	४२	शि	२३	३	वि	२५	५०	२४	७	५३	२२	१	१०	तुलायां	रा. आषाढारंभः भ. २५/५० या. वक्री वृ.×
१२	शु	३१	४७	वि	३५	८	सि	२६	२	बा	३१	४७	२४	७	५३	२३	२	११	वृ.१८।१६	पुष्येभौमः ३०/५ शुक्रो.पू. ४२/३६ पातस्पर्शः ३/२९=
१३	श	३७	७	अ	४१	५६	सा	२७	५५	कौ	४	२७	२४	७	५३	२४	३	१२	वृश्चिके	कर्कबुधः ३३/२३ वक्रीमूल.३गुरुः ५३/२६ प्रदोषः
१४	र	४१	३१	ज्ये	४७	११	शु	२९	६	ग	९	१९	२३	७	५३	२५	४	१३	ध.४७।११	भ. ४१।३१ उ.
१५	चं	४४	४५	मू	५२	११	शु	२९	१६	वि	१३	८	२३	७	५३	२६	५	१४	धनुषि	भ. १३।८ या. पुष्ये बुधः २९।१२

१०पं.ज्ये.शु.४बृ.इ.१७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	८	२	१	९	२
०	२८	१२	११	४	१८	४	०
४८	७	५४	१३	३२	२३	२०	३७
२५	१	४३	१९	३५	५५	२३	१७
५७	३९	[illegible]	७/४२	१५/३३	७	३	५६
१७	१	२२	व	व	१४	११	५७

गोचरग्रहाः

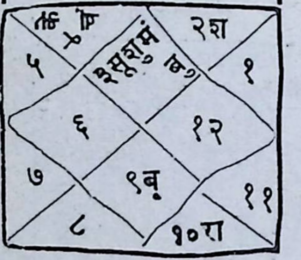

ज्येष्ठ शु. ३ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

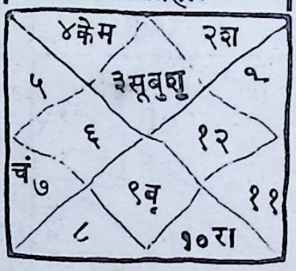

११पं.ज्ये.शु.११बृ.इ.१७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	८	२	१	९	२
७	२	२५	१०	०	१९	३	७
२९	३२	३६	२०	५	१६	५८	१५
२४	२८	३०	३१	१७	५५	७	४४
५७	३९	[illegible]	७/५२	३३/५३	७	३	५६
१३	७	[illegible]	व	व	४	११	५४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४६	४९	पू	५५	४१	ब्र	२८	४०	बा	१५	४७	३४/२३	५/७	५ ६/३	२७	६	१५	धनुषि	रोहिणी. ४ शनिः ५८।२४
२	बु	४७	४६	उ	५८	१७	ऐं	२७	१५	तै	१७	१८	२२	८	५२	२८	७	१६	म.११।२०	
३	गु	४७	३४	श्र	५९	३७	वै	२४	५५	व	१७	४०	२२	८	५२	२९	८	१७	मकरे	
४	शु	४६	१६	ध	५९	४३	वि	२१	५३	ब	१७	०	२१	८	५२	३०	९	१८	कु.२९।४०	भ. १७।४० उ. ४७।३४ या.
५	श	४४	२२	श	५९	४३	प्री	१८	१	कौ	१५	१९	२०	८	५२	१	१०	१९	कुम्भे	चतुर्थी व्रतम्
६	र	४१	२६	पू	५८	२३	आ	१३	३६	ग	१२	५४	१९	८	५२	२	११	२०	मी४३।४३	जुलाई मा. ७ ता. ३१
७	चं	३७	५४	उ	५६	२६	सौ	८	१३	वि	९	४०	१८	८	५२	३	१२	२१	मीने	भ. ४१।२६ उ.
८	मं	३३	१४	रे	५३	३२	शो	२/१७	५२/३२	बा	५	३४	१७	९	५१	४	१३	२२	मे.५३।३२	भ. ९।४० या.
९	बु	२७	५०	अ	५०	२१	सु	४८	३५	तै	०	३२	१५	९	५१	५	१४	२३	मेषे	उषा. २ राहुः पुन. ४ केतुः १६।२४
१०	गु	२१	४४	भ	४५	२५	धृ	४०	४१	वि	२१	४४	१४	९	५१	६	१५	२४	बृ.५९।१०	भ.५४।७उ.दृश्यपुन.रविः ३४/१८ (सौरः ४३/२८)
११	शु	१४	५८	कृ	४०	२३	शू	३२	१६	बा	१४	५८	१३	९	५१	७	१६	२५	वृषे	भ.२१।४४या. आश्लेषा. बुधः १२।४३
१२	श	७	३५	रो	३४	५८	गं	२३	३८	तै	७	३५	११	१०	५०	८	१७	२६	बृषे	योगिनी ११ व्र.
१३	र	०	७	मृ	३०	३०	वृ	१५	५	व	०	७	१०	१०	५०	९	१८	२७	मि२।४४	मार्गी शुक्रः २४।७ प्रदोषः
१४	र	५२	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ. ०।७ उ. २६।२४ या.
३०	चं	४६	२	आ	२४	४४	ध्रु	६/४१	५२/९	च	१९	२१	८	१०	५०	१०	१९	२८	मिथने	सोमवती ३०

१२पं.आ.कृ.३बृ.इ.१७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	८	१	१	९	२
१४	६	७	९	२६	२०	३	१३
९	५८	२७	२६	४१	९	३५	५३
५०	४४	३२	४२	३८	७	५२	५०
५७	३९	८८	७/५२	२१/२२	६	३	५६
७	५	२७	व	व	५७	११	५०

गोचरग्रहाः

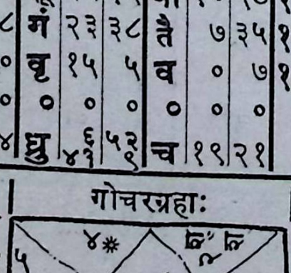

इस मासमें सोमवती अमावस्या हरेक वस्तुमें मंदी कारक है अनाज रुई, लोहा, चांदी सोना मंदा।

गोचरग्रहाः

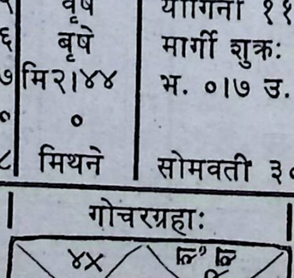

१३पं.आ.कृ.१०बृ इ.१७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	८	१	१	९	२
२०	११	१६	८	२४	२१	३	२०
५०	२४	४४	३४	४८	०	१३	३१
१०	२९	४९	१	७	११	३६	४३
५७	३९	६६	७/१	४/५५	६	३	५६
७	५	५३	व	व	३८	११	५०

*मंबुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

त.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६६७२स.१९७२
१	मं	४०	२५	पु	२०	४३	ह	५१	४८	किं	१३	१३	३४/७	५/१५	६/४९	११	२०	२९	क.६।४३	
२	बु	३६	१९	पु	१७	५६	व	४६	१९	ना	८	२२	५	११	४९	१२	२१	३०	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	गु	३४	१०	श्ले	१६	४	सि	४२	१३	तै	५	१४	४	११	४९	१३	२२	१	सिं१६।४	जमादिलाखर ६
४	शु	३३	४८	म	१७	५१	व्य	३९	१९	व	३	५९	२	१२	४८	१४	२३	२	सिंहे	भ. ५ ३/९ उ. ३३/४८ या. आश्ले. भौमः ३४/५
५	श	३५	३६	पू	२०	५३	व	३८	३७	ब	४	४२	०	१२	४८	१५	२४	३	कं.३७।५	दृश्यः कर्केऽर्कः ५३।४२
६	र	३९	१	उ	२५	४३	प	३८	४६	कौ	७	१८	३३/५८	१२	४८	१६	२५	४	कन्यायां	कर्केऽर्कः सौरः १६।१२
७	चं	४४	८	ह	३१	४१	शि	४०	११	ग	११	३४	५६	१३	४७	१७	२६	५	कन्यायां	भ. ४४।८ भौमाऽस्तः १०।५८
८	मं	४९	४६	चि	३८	४१	सि	४२	९	वि	१६	५७	५४	१३	४७	१८	२७	६	तु.४।११	भ. १६।५७ या.
९	बु	५५	७	स्वा	४६	१६	सा	४४	४२	बा	२१	२६	५२	१४	४६	१९	२८	७	तुलायां	दृश्यः पुष्ये रविः २२।५९ (सौरः ४६/५३)
१०	गु	६०	०	वि	५३	३८	शु	४७	८	तै	२६	३३	५०	१४	४६	२०	२९	८	वृ.३६।४८	
१०	शु	२	९	अ	६०	०	शु	४०	१४	ग	२	७	४७	१५	४५	२१	३०	९	वृश्चिके	भ. ३४।५३ उ. देवशयनी ११ व्र. स्मा.
११	श	७	३७	अ	०	३७	ब्र	५०	३३	वि	७	३४	४५	१५	४५	२२	३१	१०	वृश्चिके	भ. ७।३७ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	र	११	४३	ज्ये	६	२९	ऐं	५०	५१	बा	११	४३	४२	१६	४४	२३	१	११	ध.६।२९	रा.श्रावणारंभः वक्री बुधः २९।४९ वक्री*
१३	चं	१४	४२	मू	११	४	वै	४९	५९	तै	१४	४२	४०	१६	४४	२४	२	१२	धनुषि	*मूले. २ गुरुः १९।५४ प्रदोषः
१४	मं	१६	१९	पू	१४	२४	वि	४८	१	व	१६	१७	३७	१७	४३	२५	३	१३	म.२९।४९	भ. १६।१७ उ. ४६।६ या. वायु परीक्षा
१५	बु	१५	५६	उ	१६	४	प्री	४५	०	ज्ञ	१५	५६	३५	१७	४३	२६	४	१४	मकरे	व्यास पूजा गुरु १५

१४पं.आ.शु.३तृ.इ.१६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	८	१	१	९	२
२७	१५	२३	७	२४	२१	२	२७
३०	४९	४०	४४	५६	४८	५१	९
३२	३७	५२	३१	२०	५६	२१	५०
५७	३९	४१	७/१	११/२०	६	३	५६
११	९	२९	ब	मा	२६	११	५५

गोचरग्रहाः

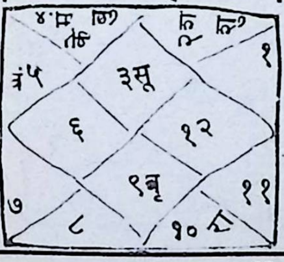

आ. शु. ५ शनी कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ प्रगलभा-वस्था (ऊभी) मु. ४५धान्यादिभावे समर्घता शु. पू.।

गोचरग्रहाः

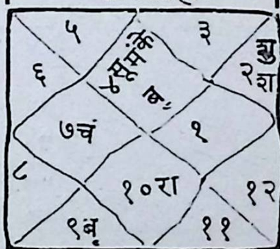

१५पं.आ.शु.१०बृ.इ.१६।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	८	१	१	९	३
४	२०	२७	६	६	२२	२	३
११	१४	४८	५९	४८	३५	२९	४८
१७	५३	२९	१७	११	६	५	१७
५७	३९	११	६/१९	२५	६	३	५६
१५	२	५३	ब	१०	११	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१४	२६	श्र	१६	३१	आ	४०	५८	कौ	१४	२६	३३/३२	५/१८	६/४२	२७	५	१५	कु.४६।११	मिथुने शुक्रः ७।५९ मृग १ शनिः१९।५३
२	शु	११	५५	ध	१५	५०	सौ	३६	१०	ग	११	५५	२९	१८	४२	२८	६	१६	कुम्भे	भ. ४०।१२ उ.
३	श	८	२८	श	१४	२१	शो	३०	४३	वि	८	२८	२६	१९	४१	२९	७	१७	मी५७।४१	भ. ८।२८ या. च. व्र.
४	र	४	१८	पू	१२	७	अ	२४	५०	बा	४	१८	२४	१९	४१	३०	८	१८	मीने	नाग ५ मरुस्थले
५	र	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	चं	५४	५९	उ	९	२९	सु	१८	३४	ग	२७	२२	२१	२०	४०	३१	९	१९	मीने	भ. ५४।५९ उ. बुधास्तः पश्चिमायां १ ६/३
७	मं	५०	९	रे	६	५१	धृ	११	५९	वि	२२	३४	१८	२०	४०	१	१०	२०	मे.६।५१	भ. २२।३४ या. **अगस्त मा. ८ ता. ३१**
८	बु	४४	५०	अ	३	४०	शू	५/१७	५३/०	बा	१७	२९	१५	२१	३९	२	११	२१	मेषे	दृश्यः आश्लेषा. रविः२०।० (सौरः ४७/४२)
९	गु	३९	२५	भ	०/१२	५६/२६	वृ	५१	११	तै	१२	८	१२	२२	३८	३	१२	२२	वृ.१४।१९	
१०	शु	३३	४०	रो	५३	५	ध्रु	४३	५५	व	६	३३	९	२२	३८	४	१३	२३	वृषे	भ. ३ ६/३ उ. ३३/४० या. मघा. सिंहे भौमः ३८/३९
११	श	२८	३	मृ	४९	२२	व्या	३६	४९	बा	२८	३	६	२३	३७	५	१४	२४	मि२१।१३	कामिका ११ व्र.
१२	र	२२	३१	आ	४६	२	ह	२९	५२	तै	२२	३१	३	२३	३७	६	१५	२५	मिथुने	आर्द्रा. शुक्रः १०।५१ प्रदोषः व्रतम्
१३	चं	१७	३५	पु	४३	१३	व	२३	८	व	१७	३५	०	२४	३६	७	१६	२६	क.२८।५५	भ. १७।३५ उ. ४५।१७ या.
१४	मं	१२	५९	पु	४१	८	सि	१७	१	श	१२	५९	३३/५६	२५	३५	८	१७	२७	कर्के	
३०	बु	९	४८	श्ले	४०	२२	व्य	११	३७	ना	९	४८	५२	२६	३४	९	१८	२८	सिं४०।२२	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.१बृ.इ.१६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	८	२	१	९	३
१०	२४	२८	६	०	२३	२	१०
५२	४०	२६	२०	५	१९	६	२७
१९	४४	१७	२०	४२	४१	४९	३४
५७	३९	१३/३८	५/१६	३५	५	३	५७
२०	२	घ	ब	३८	४५	११	५

गोचरग्रहाः

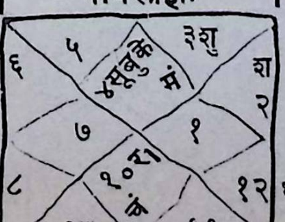

श्राव. कृ. ७ बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.५प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घ-ता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

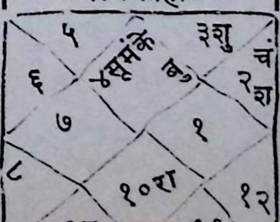

१७पं.श्रा.कृ. ९बृ.इ.१६।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	८	२	१	९	३
१७	२९	२५	५	४	२३	१	१७
३४	६	१७	४८	२९	५९	४४	७
१	२२	२४	३६	२४	३५	३४	२२
५७	३९	४४/५६	४/८	४३	५	३	५७
२५	९	ब	ब	४६	१९	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७०२ सन् १९७२
१	शु	७	५१	म	४०	५५	व	७	१७	ब	७	५१	३२/५०	५/२६	६/३४	१०	१९	२९	सिंहे	
२	शु	७	२६	पू	४३	०	प	४	४७	कौ	७	२६	४७	२७	३३	११	२०	३०	कं.५८।५७	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	श	८	५९	उ	४३	४९	शि	२	४७	ग	८	५९	४३	२७	३३	१२	२१	१	कन्यायां	भ. ४०।३० उ. तीज रज्जब ७
४	र	१२	२	ह	५२	१८	सि	१	५९	वि	१२	२	४०	२८	३२	१३	२२	२	कन्यायां	भ. १२।२ या. वरद चतुर्थी व्र.
५	चं	१६	४७	चि	५८	५२	सा	२	४७	बा	१६	४७	३६	२९	३१	१४	२३	३	तु०२५।३५	नागपंचमी
६	मं	२२	५	स्वा	६०	०	शु	४	२८	तै	२२	५	३३	२९	३१	१५	२४	४	तुलायां	*४४।७ बुधोदयः पूर्वस्यां ८।३२
७	बु	२८	१४	स्वा	६	४	शु	६	४२	व	२८	१४	२९	३०	३०	१६	२५	५	वृ.५६।२०	भ. २/१ ८/४ उ. दृश्योमघा. सिंहेऽर्कः ५/५ ३/५ सौरः*
८	गु	३४	२६	वि	१३	५	ब्र	९	१०	वि	१	२०	२६	३१	२९	१७	२६	६	वृश्चिके	भ. १।२० या. वक्री पुष्ये बुधः २०।३६
९	शु	४०	१३	अ	२०	५६	ऐं	११	१०	बा	७	२०	२२	३२	२८	१८	२७	७	वृश्चिके	मार्गी बुधः ३५।५५
१०	श	४४	४७	ज्ये	२७	३०	वै	१३	४	तै	१२	३०	१९	३२	२८	१९	२८	८	ध.२७।३०	
११	र	४७	५६	मू	३२	२७	वि	१३	५९	व	१६	२२	१५	३३	२७	२०	२९	९	धनुषि	भ. १/३ ६/२ उ. ४/५ ७/६ या. आश्लेषा. बुधः ५३/४×
१२	चं	४९	४१	पू	३६	८	प्री	१३	३२	ब	१८	४८	११	३४	२६	२१	३०	१०	म.५१।५०	×पवित्रा ११ व्र.
१३	मं	४८	५५	उ	३८	५७	आ	११	४५	कौ	१९	१८	८	३४	२६	२२	३१	११	मकरे	पुनर्वसौ शुक्रः २१।४४ प्रदोषः
१४	बु	४६	५६	श्र	३८	१	सौ	८	३९	ग	१७	५५	४	३५	२५	२३	१	१२	मकरे	भ. ४६।५६ उ. रा. भाद्रपदारम्भः
१५	गु	४२	५१	ध	३६	३०	शो	४/७	५४/२२	वि	१४	५३	०	३६	२४	२४	२	१३	कुं.७।१६	भ. ५/५ ४/३ या. श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो

१८पं.श्रा.शु.१बृ.इ.१६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	८	२	१	९	३
२४	३	२०	५	९	२६	१	२३
१६	३१	१	२४	३९	३८	२२	४८
२६	५५	३०	२२	५४	१३	१८	२९
५७	३९	४९/२७	३/१	४९	४	३	५७
३३	३	व	ब	५४	५४	११	२२

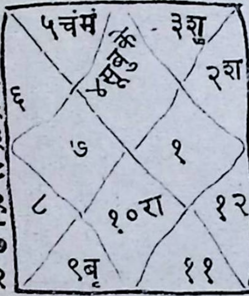

१९पं.श्रा.शु.८बृ.इ.१६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	८	२	१	९	४
०	७	१६	५	१५	२५	१	०
५९	५७	४०	९	३२	१२	०	३०
४९	४७	५५	४०	२४	४८	३	४२
५७	३९	१२/२१	४१	५४	४	३	५७
४०	९	ब	ब	३५	२८	११	३४

२०पं.श्रा.शु.१५बृ.इ.१५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	८	२	१	९	४
७	१२	१९	५	२१	२५	०	७
४४	२४	३८	४	५३	४२	३७	१४
१७	५४	१०	१	४६	५०	४७	१५
५७	३९	५२/४१	१९	५८	३	३	५७
४८	१६	मा	ब	१७	५०	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३९	१	श	३३	५०	सु	५१	५०	बा	१०	५६	३१/५६	६/३७	५/२३	२५	३	१४	कुम्भे	पूफायां भौमः ४०।११
२	श	३२	१७	पू	३०	९	धृ	४४	३१	तै	५	३९	५२	३८	२२	२६	४	१५	मी१६।४	भ. ५९।९ उ. मार्गी गुरुः २।२३
३	र	२६	०	उ	२६	४	शू	३६	५५	वि	२६	०	४८	३८	२२	२७	५	१६	मीने	भ. २६।० या. चतुर्थी व्र.
४	चं	१९	४४	रे	२१	४४	गं	२९	८	बा	१९	४४	४४	३९	२१	२८	६	१७	मे.२१।४४	*मिथुने केतुः ८।४७ प्रदोषः
५	मं	१३	२९	अ	१७	२६	वृ	२१	१४	तै	१३	२९	४०	४०	२०	२९	७	१८	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	बु	७	४९	भ	१२	२२	ध्रु	१३	४४	व	७	४७	३६	४१	१९	३०	८	१९	बृ.२७।२८	भ. ४७ उ. ३५/७ या. दृश्यःपूधायांरविः ३ ३/२×
७	गु	२	२७	कृ	९	४६	व्या	६/३२	५२/५८	ब	२	२७	३२	४२	१८	३१	९	२०	वृषे	जन्माष्टी व्रतम् ×(सौरः ३४।५९)
८	गु	५४	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+गोगा ९ सितम्बर मा. ९ ता. ३०
९	शु	५२	३३	रो	६	२७	व	५२	५८	तै	२४	४७	२८	४२	१८	१	१०	२१	मि३५।११	मघा. सिंहे बुधः ४२।८ कर्के शुक्रः ३/१ ४/३+
१०	श	४८	२७	मृ	३	५५	सि	४६	४९	व	२०	३०	२५	४३	१७	२	११	२२	मिथुने	भ. २०।३० उ. ४८।२७ या.
११	र	४४	५५	आ	१	४८	व्य	४१	२२	ब	१६	४१	२१	४४	१६	३	१२	२३	क.४५।४१	अजा ११ व्र.
१२	चं	४२	१७	पु	१९	५९/१७	व	३६	१७	कौ	१३	३६	१७	४५	१५	४	१३	२४	कर्के	पुष्ये शुक्रः ५७।४४ वत्स १२
१३	मं	४०	२९	श्ले	५९	४०	प	३१	५६	ग	११	२३	१३	४५	१५	५	१४	२५	सिं५९।४०	भ. ४/२ ०/९ उ. उषा. १ धनुषि राहुः पुन. ३*
१४	बु	३९	४४	म	६०	०	शि	२८	१९	वि	१०	६	९	४६	१४	६	१५	२६	सिंहे	भ. १०।१६ या. पूर्वास्तो बुधः ८।५३
३०	गु	४०	९	म	१	४	सि	२५	४४	च	९	५६	५	४७	१३	७	१६	२७	सिंहे	कुशाग्रहणी मन्वादिः

२१पं. भा.कृ.७बृ.इ.१५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	८	२	१	९	४
१४	१६	२७	५	२८	२६	०	१३
२९	५२	४३	६	४०	९	१५	५९
५६	३०	५९	४३	१२	०	३१	२७
५८	३९	९४	५६	६१	३	३	५७
१	१०	३५	मा	६	११	११	५७

गोचरग्रहाः

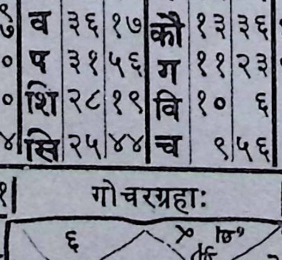

इस मास में रवि से आगे मंगल वर्षा कम करे। आगे मंगल पीछे भान। वर्षा होवे ओस समान।

गोचरग्रहाः

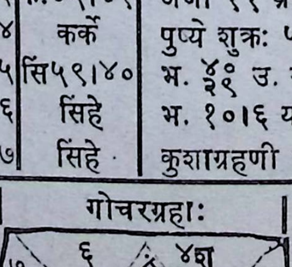

२२पं.भा.कृ.३०बृ.इ.१५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	८	३	१	८	४
२१	२१	९	५	५	२६	२९	२०
१६	१९	१६	१८	४६	३०	५३	४६
५५	४८	१	४३	४४	४०	१६	७
५८	३९	[illegible]	२	६३	२	३	५८
१३	१६	१७	१५	२१	३२	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४२	४	पू	३	३१	सा	२४	२१	किं	११	६	३१	४८	१६	८	१७	२८	क्रं.१९।२७
२	श	४५	१६	उ	७	१५	शु	२३	३१	बा	१३	४०	३०/५७	४९	११	९	१८	२९	कन्यायां
३	र	४९	५८	ह	१२	१४	शु	२३	५८	तै	१७	३७	५३	४९	११	१०	१९	१	तु.४५।२०
४	चं	५५	२१	चि	१८	२६	ब्र	२५	१४	व	२२	३९	४८	५०	१०	११	२०	२	तुलायां
५	मं	६०	०	स्वा	२५	२८	ऐं	२६	५५	ब	२७	४१	४४	५१	९	१२	२१	३	तुलायां
५	बु	१	३४	वि	३३	९	वै	२९	२७	बा	१	३४	४०	५२	८	१३	२२	४	बृ.१६।१४
६	गु	७	५२	अ	४०	४०	वि	३१	५६	तै	७	५२	३६	५३	७	१४	२३	५	बृश्चिके
७	शु	१३	५८	ज्ये	४७	५९	प्री	३३	३४	व	१३	५८	३२	५४	६	१५	२४	६	ध.४७।५३
८	श	१९	८	मू	५३	५२	आ	३५	४६	ब	१९	८	२८	५४	६	१६	२५	७	धनुषि
९	र	२२	५८	पू	५८	३७	सौ	३६	९	कौ	२२	५८	२४	५५	५	१७	२६	८	धनुषि
१०	चं	२५	१४	उ	६०	०	शो	३५	२६	ग	२५	१४	२०	५६	४	१८	२७	९	म.१४।२०
११	मं	२५	२३	उ	१	२७	अ	३३	१	वि	२५	२३	१६	५७	३	१९	२८	१०	मकरे
१२	बु	२३	३३	श्र	२	२२	सु	२९	३	बा	२३	३३	१२	५८	२	२०	२९	११	कुं.३१।४८
१३	गु	१९	४३	ध	१/१५	५७/१२	धृ	२३	३३	तै	१९	४३	८	५८	२	२१	३०	१२	कुम्भे
१४	शु	१४	३९	पू	५४	९	शू	१६	४०	व	१४	३९	४	५९	१	२२	३१	१३	मी४०।१६
१५	श	७	१८	उ	४८	३९	गं	८/३२	५१/११	ब	७	१८	३/०	६/००	६/०	२३	१	१४	मीने

वर्षर्तूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७३१ स.१९७२
पूफायां बुधः २७।१५ चन्द्रदर्शनम् संभवः
मृगे २ शनिः ५६/४५ हरितालिका ३ सावान८
भ. २२।३९ उ. ५५।२१ या. गणेश ४
दृश्यः उफायां रविः ४७।५२ ऋषि ५
उफायां रविः सौरः १९।३७
*४४।४९ उफा. बुधः ९।१
भ. १३/५८ उ. ४६/३३ या. उफायां भौमः ३४।१३
दृश्यः कन्यायामर्कः १३।१३ सौरः*
कन्या. बुधः ५७/२९ आश्ले. शुक्रः २९।४०
भ. ५५।१८ उ.
भ. २५।२३ या. जलझूलनी ११ व्र.
कन्या.भौमः ४६/३८ वामनजयन्ती प्रदोषः
+महालय श्राद्धारंभः
भ. १४।३९ उ. ४०।५८ या. अनंत १४+
हस्ते बुधः २२।२७ रा. आश्विनारंभः

२३पं. भा.शु.६बृ.इ.१५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	८	३	१	८	४
२८	२५	२३	५	१३	२६	२९	२७
५	४८	५	४०	९	४७	३१	३४
२४	१८	१३	२३	२९	४६	०	३०
५८	३९	०	३	६५	१	३	५८
२६	२६	०/१४	३७	४	५३	११	२९

गोचरग्रहाः

भा. शु. ८ शनौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न.४ बाला-वस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.पू. ।

गोचरग्रहाः

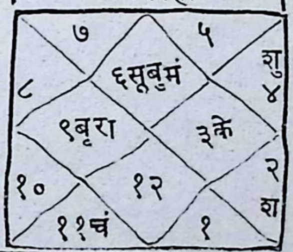

२४पं.भा.शु.१३बृ.इ.१५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	८	३	१	८	५
४	०	६	६	२०	२६	२९	४
५५	१८	५	१०	४४	५८	८	२४
१९	५४	२४	१९	२०	५	४५	३०
५८	३९	०	४	६६	१	३	५८
३८	२६	४७	४६	३४	१३	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	र	५१	४०	रे	४२	३८	ध्रु	५०	१५	तै	२४	४०	२९/५६	६/१	५/५९	२४	२	१५	मे.४२।३८
३	चं	४३	२३	अ	३६	२७	व्या	४०	४३	व	१७	३१	५१	२	५८	२५	३	१६	मेषे
४	मं	३५	५	भ	३०	४१	ह	३१	४३	ब	९	३८	४७	३	५७	२६	४	१७	बृ.४४।२२
५	बु	२८	५७	कृ	२५	२७	व	२२	५६	कौ	२	२४	४३	३	५७	२७	५	१८	बृषे
६	गु	२२	४७	रो	२१	१	सि	१४	४६	व	२२	४७	३८	४	५६	२८	६	१९	मि४९।१९
७	शु	१७	५९	मृ	१७	३८	व्य	७	१६	ब	१७	५९	३४	५	५५	२९	७	२०	मिथुने
८	श	१३	५६	आ	१५	१८	व	४९	५४/१७	कौ	१३	५६	३०	६	५४	३०	८	२१	क.५९।२७
९	र	११	१०	पु	१४	१०	शि	५०	३५	ग	११	१०	२६	७	५३	१	९	२२	कर्के
१०	चं	९	२८	पु	१४	८	सि	४६	५१	वि	९	२८	२२	८	५२	२	१०	२३	कर्के
११	मं	८	५४	श्ले	१५	४	सा	४३	५८	बा	८	५४	१८	८	५२	३	११	२४	सि१५।१४
१२	बु	९	३५	म	१७	१६	शु	४२	६	तै	९	३५	१४	९	५१	४	१२	२५	सिंहे
१३	गु	११	१४	पू	२०	३७	शु	४१	५	व	११	१४	१०	१०	५०	५	१३	२६	क.३६।४२
१४	शु	१४	२	उ	२४	५७	ब्र	४०	५८	श	१४	२	६	११	४९	६	१४	२७	कन्यायां
३०	श	१७	५७	ह	३०	५	ऐं	४१	२६	ना	१७	५७	२	१२	४८	७	१५	२८	कन्यायां

शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
+मूल.३गुरुः ४६।७ चतुर्थी व्र.
भ. १७।३१ उ. ४३।२३ या.
दृश्यो हस्ते रविः २६।१९ (सौरः ५७/१८)+
भ. २२।४७ उ. ५०।२३ या.
मघा सिंहे शुक्रः ३३।५६
*अक्टूबर मा. १० ता. ३१
भ. ४०।४९ उ. चित्रा. बुधः ४।५२*
भ. ९।२८ या. वक्री शनिः २५।१९
इन्दिरा ११ व्र.
प्रदोषः
भ.११।४२उ.४२।३८या. तुला. बुधः ५५/१९
हस्ते भौमः १५।३९
बुधोदयः पश्चिमायां ४०।० सर्वपितृ ३०

२५पं. आ.कृ.६बृ.इ.१५।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	८	३	१	८	५
११	४	१८	६	२८	२७	२८	११
४६	४९	२१	४८	३१	४	४६	१६
५५	१	१८	४३	८	३७	२९	४१
५८	३९	०	५	६७	०	३	५९
५३	१९	४०	५२	४७	२८	११	०

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार प्रजा में रोगपीड़ा कारक हैं। अनाज रुई किराना चांदी में घटाबढ़ी खांड़गुड़ सोना तेज हो।

गोचरग्रहाः

२६पं.आ.कृ.१३बृ.इ.१५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	८	४	१	८	५
१८	९	२९	७	६	२७	२८	१८
४०	२०	५९	३५	२७	४	२४	१०
८	९	३८	३८	४७	२	१३	२८
५९	३२	०	६	६८	१९	३	५९
९	२९	४६	५३	४९	ब	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७६१ स.१९७२
१	र	२२	५९	चि	३७	३५	वै	४२	४७	ब	२२	५९	२८/५८	६/१२	५/४८	८	१६	२९	तु.३।५०	नवरात्रारंभः मातमह श्रा.
२	चं	२८	२८	स्वा	४३	२१	वि	४४	१७	कौ	२८	२८	५४	१३	४७	९	१७	३०	तुलायाँ	दृश्यश्चित्रा. रविः ५९/२८ स्वात्यां बुधः ३०/४७*
३	मं	३४	४६	वि	५०	५८	प्री	४६	४७	तै	१	३७	५०	१४	४६	१०	१८	१	बृ.३४।४	चित्रा. रविः सौरः २७।५४ रमजान ९
४	बु	४१	१०	अ	५८	२६	आ	४९	४	व	७	५८	४६	१५	४५	११	१९	२	वृश्चिके	भ. ५७/८ उ. ४१/० या. पूफायां शुक्रः १३।४२
५	गु	४७	३९	ज्ये	६०	०	सौ	५१	३८	ब	१४	२५	४२	१६	४४	१२	२०	३	बृश्चिके	*चन्द्रदर्शनम्
६	शु	५३	१४	ज्ये	६	७	शो	५३	४६	कौ	२०	२७	३८	१६	४४	१३	२१	४	ध. ६।७	
७	श	५७	५८	मू	१३	५	अ	५४	५६	ग	२५	३६	३४	१७	४३	१४	२२	५	धनुषि	भ. ५७।५८ उ. सरस्वत्यावाहनम्
८	र	६०	०	पू	१९	८	सु	५५	६	वि	२८	५९	३०	१८	४२	१५	२३	६	म.३५।१२	भ. २८।५९ या. सरस्वती पूजनं बलिदा.
८	चं	१	१२	उ	२३	२३	धृ	५३	५६	ब	१	१२	२६	१९	४१	१६	२४	७	मकरे	दृश्यस्तुलायामर्कः ४२।६
९	मं	२	४१	श्र	२५	५०	शू	५०	२१	कौ	२	४१	२२	२०	४०	१७	२५	८	कुं.५६।५	तुलाऽर्कः सौरः १०।३७ विजया १०
१०	बु	२	२	ध	२६	१९	गं	४७	१३	ग	२	२	१८	२०	४०	१८	२६	९	कुम्भे	भ. ३९/० उ. ५९/२ या. विशांखा. बुधः ५९/४२×
११	बु	५७	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×पापांकुशा ११ व्र. स्मा.
१२	शु	५४	३५	श	२४	३७	वृ	४१	१७	ब	२६	५५	१४	२१	३९	१९	२७	१०	कुम्भे	पापांकुशा ११ व्र. वैं.
१३	शु	४७	५९	पू	२१	१३	ध्रु	३३	५०	कौ	२१	१७	१०	२२	३८	२०	२८	११	मी ७।४	प्रदोषः
१४	श	४०	५	उ	१५	५६	व्या	२५	४	ग	१४	२	६	२३	३७	२१	२९	१२	मीने	भ. ४०।५ उ. कोजागरी व्र.
१५	र	३१	४	रे	९	३२	ह	१५	८	वि	५	३५	२	२४	३६	२२	३०	१३	मे.९।३२	भ. ३/५ या. उफायांशुक्रः ३/८ मूल.४ गुरुः ४९/२८

२७पं.आ.शु.५बृ.इ.१४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	८	४	१	८	५
२५	१३	११	८	१४	२७	२८	२५
३५	५१	०	२७	३०	०	१	६
६	२२	२९	४०	५४	२५	५८	१०
५९	३९	९५	७	६९	३/१	३	५९
२१	२९	१३	५६	३७	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

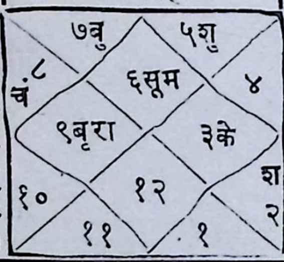

आ. शु. ८ चन्द्रे तुलायामर्कः प्र.वा. ३न.४गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

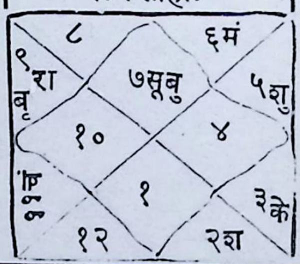

२८पं.आ.शु.१०बृ.इ.१४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	८	४	१	८	६
२	१८	२१	९	२२	२६	२७	२
३१	३	२२	२७	४१	५०	३९	३
३४	४२	१२	५८	२०	२०	४२	४०
५९	३९	८७	८	७०	३/४४	३	५९
३४	३०	५९	५२	२४	ब	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणे आश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२१	४०	अ	२/१३	५२/२४	व	४/२७	४९/२७	कौ	२१	४०	२७/५८	६/२४	५/३६	२३	१	१४	मेषे	दृश्यः स्वा.रविः २४/८ सौरः ५१/३५ रा. कार्ति
२	मं	१२	२३	कृ	४७	३२	व्य	४३	३६	ग	१२	२३	५४	२५	३५	२४	२	१५	बृ.७।५८	भ. ३७/५८ उ. वक्री मृगे. १ शनिः ६।२१
३	बु	३	३३	रो	४१	५	व	३३	३४	वि	३	३३	५०	२६	३४	२५	३	१६	वृषे	भ. ३/३ या. बृश्चिकेबुधः २८/५८ कन्या. शुक्रः*
४	बु	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*२३।२७ करक चतुर्थी व्र.
५	गु	४८	४९	मृ	३५	३८	प	२४	१७	कौ	२१	५६	४६	२७	३३	२६	४	१७	मि८।२१	चित्रायां भौमः ३८।४४
६	शु	४३	४१	आ	३१	३४	शि	१६	१२	ग	१६	१५	४२	२८	३२	२७	५	१८	मिथुने	भ. ४३।४१ उ. भौमोदयः ३६।३३
७	श	४०	२४	पु	२९	१३	सि	९	१३	वि	१२	२	३९	२८	३२	२८	६	१९	क.१४।४८	भ. १२।२ या. अनु. बुधः ०।३६
८	र	३८	२२	पु	२८	३१	सा	३/४०	५५/४६	बा	९	२३	३५	२९	३१	२९	७	२०	कर्के	
९	चं	३७	४	श्ले	२९	२३	शु	५६	२४	तै	७	४३	३१	३०	३०	३०	८	२१	सिं२९।२३	
१०	मं	३९	२०	म	३१	१७	ब्र	५४	३७	व	८	१२	२७	३१	२९	३१	९	२२	सिंहे	भ. ८।१२ उ. ३९।२० या.
११	बु	४१	४९	पू	३५	१७	ऐं	५४	०	ब	१०	३५	२४	३१	२९	१	१०	२३	कं.५१।३२	रमा ११ व्र. **नवम्बर मा. ११ ता. ३०**
१२	गु	४५	३९	उ	४०	१६	वै	५४	२९	कौ	१३	४४	२०	३२	२८	२	११	२४	कन्यायां	हस्ते शुक्रः ४४।३३ ×महालक्ष्मी पू
१३	शु	५०	२५	ह	४६	२	वि	५५	५	ग	१८	२	१६	३३	२७	३	१२	२५	कन्यायां	भ. ५०।२५ उ. प्रदोषः धन १३
१४	श	५६	२	चि	५२	५०	प्री	५६	४०	वि	२३	१४	१३	३३	२७	४	१३	२६	तु.१९।२६	भ. २३।१४ या. रूप १४
३०	र	६०	०	स्वा	५९	४३	आ	५८	२९	च	२८	१	९	३४	२६	५	१४	२७	तुलायां	दृश्योविशाखा.रविः ४४/३१ तुलायांभौमः ५९/०×
३०	चं	१	५१	वि	६०	०	सौ	६०	०	ना	१	५१	६	३५	२५	६	१५	२८	वृ.५०।२८	विशाखा.रविः सौरः ९/४ अन्नकूटगोवर्द्धन पू

२९पं.का.कृ.५ब.इ.१४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	८	५	१	८	६
९	२२	१	१०	१	२६	२७	९
२९	५७	०	३३	०	३४	१७	३
४९	२९	९	११	४०	४८	२७	०
५९	३९	७९	९	७०	२/२६	३	६०
४७	३२	८	४०	५९	ब	११	२

गोचरग्रहाः

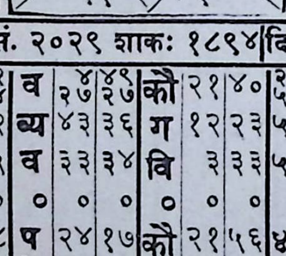

इस मास में पांच सोमवार उत्तम हैं व्यापारी वस्तुओं में घटाबढ़ी अधिक होगी। सोना चांदी तेज।

गोचरग्रहाः

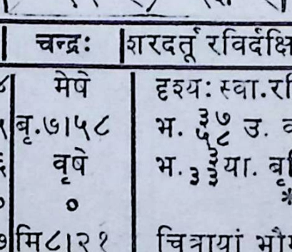

३०पं.का.कृ.१२बृ.इ.१४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	८	५	१	८	६
१६	२७	९	११	९	२६	२६	१६
२९	३२	३७	४४	२४	१४	५५	४
३८	१०	५५	४९	०	५३	११	४
६०	३९	६५	१०	७१	५/२	३	६०
४	३५	५५	२५	२९	ब	११	१८

 *चंमंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक	शुक्लपक्षः	सं. २०२९	शाकः १८९४									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७९१सन्१९७२
१	मं	८	१८	वि	७	२३	सौ	०	४७	व	८	१८	२७/२	६/३६	५/२४	७	१६	२९	वृश्चिके	पूषा ४ राहुः पुन. २ केतुः ०।४१
२	बु	१४	४२	अ	१४	४९	शो	२	५८	कौ	१४	४२	२६/५९	३६	२४	८	१७	३०	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
३	गु	२१	६	ज्ये	२२	२०	अ	५	२३	ग	२१	६	५६	३७	२३	९	१८	१	ध.२२।२०	भ.५३/३३ उ. ज्येष्ठा.बुधः३७।२० सव्वाल१०
४	शु	२६	०	मू	२९	२२	सु	७	१६	वि	२६	०	५३	३७	२३	१०	१९	२	धनुषि	भ. २६।० या. पूषा. १ गुरुः ५७।३५
५	श	३१	५१	पू	३५	४३	धृ	८	४०	बा	३१	५१	४९	३८	२२	११	२०	३	म.५२।१	+४।१० अक्षया ९
६	र	३५	४६	उ	४०	५५	शू	९	४६	कौ	३	४९	४६	३९	२१	१२	२१	४	. मकरे	×१४।३३ वैकुण्ठ १४
७	चं	३८	१३	श्र	४४	३५	गं	९	३७	ग	७	०	४३	३९	२१	१३	२२	५	मकरे	भ. ३८।१३ उ. चित्रायां शुक्रः ४२।२७
८	मं	४८	५१	ध	४६	४६	वृ	७	७	वि	८	३२	४०	४०	२०	१४	२३	६	कु.१५।४०	भ. ८।३२ या. गोपाष्टमी
९	बु	३७	४४	श	४७	९	ध्रु	५	३१	बा	८	१७	३७	४१	१९	१५	२४	७	कुम्भे	दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः ४०।२९ वक्री बुधः+
१०	गु	३४	३७	पू	४५	३७	व्या	१/२	५४/८	तै	६	१०	३५	४१	१९	१६	२५	८	मी३१।०	वृश्चिकेऽर्कःसौरः २३/१ स्वात्यां भौमः ४५/०
११	शु	२९	३६	उ	४१	५९	व	४७	५२	ब	२	७	३१	४२	१८	१७	२६	९	मीने	भ.२।७उ.३/६या. प्रबोधिनी ११ व्र. तु.वि.
१२	श	२२	४६	रे	३६	४९	सि	३९	२०	बा	२२	४६	२९	४२	१८	१८	२७	१०	मे.३६।४९	दृश्योऽनुराधा. रविः ५८।५३ प्रदोषः
१३	र	१४	४५	अ	३०	२१	व्य	२९	२७	तै	१४	४५	२६	४३	१७	१९	२८	११	मेषे	अनु. रविः सौरः २१।९ तुलायां शुक्रः×
१४	चं	५	४३	भ	२२	५४	व	१८	४७	व	५	४३	२४	४३	१७	२०	२९	१२	वृ.३५।५३	भ. ५।४३ उ. ३०।४० या. पश्चिमास्तो*
१५	चं	५९	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*बुधः ३६।५०

३१पं. का.शु. ३बृ.इ.१४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	८	५	१	८	६
२३	२	१६	१३	१७	२५	२६	२३
३०	८	२३	०	५१	५०	३२	६
५८	४६	३८	५४	२५	५६	५५	४२
६०	३९	४२	११	७१	३/३४	३	६०
१७	३५	२५	५	५०	व	११	३०

गोचरग्रहाः

कार्तिक शु.९बुधे बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.१०बृ.इ.१३।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	५	१	८	७
०	६	१९	१४	२६	२५	२६	०
३३	४५	५	२२	२२	२३	१०	१०
४७	२९	५६	१६	३०	२८	४०	४६
६०	३९	७/३	११	७२	३/५८	३	६०
३०	३९	व	४२	१६	व	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष	कृष्णपक्षः	सं. २०२९	शाकः १८९४									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽकार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	४५	४५	कृ	१४	४९	ध	७/३८	४६/५६	बा	२१	४१	२६/२१	६/४४	५/१६	२१	३०	१३	वृषे	वक्री अनु. बुधः ३०।२७
२	बु	३६	२१	रो	७/५	५२/३९	सि	४५	३७	तै	११	३	१९	४४	१६	२२	१	१४	मि३३।२०	रा. मार्गशीर्षारंभः
३	गु	२८	२	आ	५३	३६	सा	३५	४७	व	२	११	१६	४५	१५	२३	२	१५	मिथुने	भ. २।११ उ. २८।२ या. च. व्र.
४	शु	२१	०	पु	४८	५९	शु	२७	४	बा	२१	०	१३	४५	१५	२४	३	१६	क.३५।८	स्वात्यां शुक्रः ३९।३ पातस्पर्शः ३१।४२*
५	श	१५	४५	पु	४६	२६	शु	१९	३२	तै	१५	४५	११	४६	१४	२५	४	१७	कर्के	*मोक्षः ४८।४०
६	र	१३	४१	श्ले	४५	४०	ब्र	१३	४२	व	१३	४१	८	४६	१४	२६	५	१८	सिं४५।४०	भ. १३।४१ उ. ४३।७ या.
७	चं	१२	३४	म	४६	५६	ऐं	९	१७	ब	१२	३४	६	४७	१३	२७	६	१९	सिंहे	पूषा. २ गुरुः ३०।४
८	मं	१२	२२	पू	५०	५	वै	६	३७	कौ	१२	२२	३	४७	१३	२८	७	२०	सिंहे	×विशाखा.बुधः २/६ बुधोदयः पूर्वस्यां ६।८
९	बु	१४	४६	उ	५४	४६	वि	५	२२	ग	१४	४६	१	४८	१२	२९	८	२१	कं.६।१५	भ. ४६।४९ उ.
१०	गु	१८	५२	ह	६०	०	प्री	५	४१	वि	१८	५२	२५/५९	४८	१२	३०	९	२२	कन्यायां	भ. १८।५२ या.
११	शु	२४	५	ह	१	४३	आ	६	२७	बा	२४	५	५७	४९	११	१	१०	२३	तु.३४।४४	उत्पत्ति ११ व्र. **दिसम्बर मा.१२ ता.३१**
१२	श	३०	१४	चि	७	४२	सौ	८	७	तै	३०	१४	५५	४९	११	२	११	२४	तुलायाँ	दृश्यो ज्येष्ठा.रविः९।३ सौरः२८।९वक्री×
१३	र	३६	३१	स्वा	१४	५८	शो	१०	१६	ग	३	२३	५३	४९	११	३	१२	२५	तुलायां	भ. ३६।३१ उ. प्रदोषः
१४	चं	४३	५	वि	२२	३५	अ	१२	२६	वि	९	४८	५१	५०	१०	४	१३	२६	वृ.५।४१	भ. ९।४८ या.
३०	मं	४९	२०	अ	३०	१०	सु	१४	४३	च	१६	१३	४९	५०	१०	५	१४	२७	बृश्चिके	मार्गी बध २४।२९ विशाखा. शुक्रः २३/२९

३३पं. मा.कृ.३बृ.इ १३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	६	१	८	७
७	११	१४	१५	४	२४	२५	७
३७	२४	८	४७	५६	५१	४८	१६
३७	३२	२	१०	४९	५८	२४	१९
६०	३९	८८/१६	१२	७२	४/१३	३	६०
४२	४२	व	१४	३५	व	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मास में गुड़ गेहूं रुई चांदी सोना अफीम सण सूत तेज हो सुदी में हरेक वस्तु में मन्दी होगी।

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.कृ.३०बृ.इ.१३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	६	१	८	७
१८	१६	५	१७	१३	२४	२५	१४
४२	३	६	१४	३४	१९	२६	२३
५४	५५	४३	१३	२३	८	८	५
६०	३९	४७/३८	१२	७२	४/३४	३	६१
५०	४६	व	३५	५५	व	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६८२०स.१९७२
१	बु	५५	२९	ज्ये	३७	३२	धृ	१६	५०	किं	२२	२४	२५ ४८	६ ५०	५ १०	६	१५	२८	ध.३७।३२	विशाखा. भौमः ७।११
२	गु	६०	०	मू	४४	१२	शू	१८	४१	बा	२७	४४	४६	५१	९	७	१६	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	०	५०	पू	५०	१२	गं	२०	२	कौ	०	५०	४५	५१	९	८	१७	१	धनुषि	जिलकाद ११
३	श	५	३०	उ	५५	२९	वृ	२०	४१	ग	५	३०	४४	५१	९	९	१८	२	म.६।३१	भ. ३७।२५ उ. अनु. बुधः ३।३४
४	र	९	२१	श्र	५९	४९	ध्रु	२०	२९	वि	९	२१	४२	५२	८	१०	१९	३	मकरे	भ. ९।२१ या.
५	चं	११	५७	ध	६०	०	व्या	१९	४४	बा	११	५७	४१	५२	८	११	२०	४	कुं.३१।१६	वक्री रोहिणी ४ शनिः ५७।५
६	मं	१३	११	ध	२	४४	ह	१७	५३	तै	१३	११	४०	५२	८	१२	२१	५	कुम्भे	पूषा. ३ गुरुः ४९।३३ चम्पा ६
७	बु	१३	५	श	४	२५	व	१४	४४	व	१३	५	३९	५२	८	१३	२२	६	मी४९।४७	भ.१३।५उ.४२।१४या. बृश्चिके शुक्रः ३७ ४६
८	गु	११	२३	पू	४	५४	सि	१०	२८	ब	११	२३	३८	५२	८	१४	२३	७	मीने	
९	शु	८	९	उ	३	१९	व्य	४ ४७	५३ ११	कौ	८	९	३८	५२	८	१५	२४	८	मीने	दृश्यां मूले धनुष्यर्कः १६।१५(सौरः ३१ ५३)
१०	श	३	८	रे	० ७	५५ २८	प	४९	१७	ग	३	८	३७	५३	७	१६	२५	९	मे. ०।७	भ. ३० २ उ. ५६ ५५ या. अनु. शुक्रः १५ २ मोक्षदा×
११	श	५३	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×११ व्र. स्मा. गीताजयंती
१२	र	४९	१३	भ	४९	४६	शि	४०	४३	ब	२३	२४	३७	५३	७	१७	२६	१०	मेषे	मोक्षदा ११ व्र. वै.
१३	चं	४०	३६	कृ	४२	५३	सि	३०	४०	कौ	१४	५४	३७	५३	७	१८	२७	११	वृ. ३।३	प्रदोषः
१४	मं	३१	३९	रो	३५	३६	सा	१९	५९	ग	६	७	३६	५३	७	१९	२८	१२	वृषे	भ. ३१।३९ उ. ५६।४२ या.
१५	बु	२१	४४	मृ	२७	५८	शु	९ ८	४९ २६	ब	२१	४४	३६	५३	७	२०	२९	१३	मि१।४७	वृश्चिके भौमः ५७।२९ दत्त जयन्ती

३५पं. मा.शु.२बृ.इ.१३।२१							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	६	१	८	७
२१	२०	२	१८	२२	२३	२५	२१
४८	४३	४९	४५	१४	४५	३	३०
५८	५९	२३	३६	६	२५	५३	५२
६०	३९	१६ ४०	१३	७३	४ ४०	३	६१
५६	५३	ना	२	१४	ब	११	११

गोचरग्रहाः

माघ शु. ९ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ४ युवावस्था (सूतो) मु. ३० धान्यादिभावे स- मता शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु. ८बृ.इ.१३।९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	७	१	८	७
२८	२५	७	२०	०	२३	२४	२८
५५	२६	३५	१८	५३	९	४१	३९
५२	४२	५३	३२	२	२५	३७	३५
६१	३९	५७	१३	७३	४ ४०	३	६१
०	५०	२७	१८	२०	ब	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविर्दक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	१२	४८	आ	२०	५१	ब्र	४८	२८	कौ	१२	४८	२५ ३६	६ ५३	५ ७	२१	३०	१४	मिथुने	ज्येष्ठा. बुधः ४३।३२
२	शु	४	५१	पु	१४	५०	ऐं	३९	३२	ग	४	५१	३६	५३	७	२२	१	१५	क.१।२०	भ.३१।२१उ.५७।५२या. रा. पौषारंभः
३	शु	५३	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	श	५३	२८	पु	१०	१७	वै	३२	१	ब	२५	४०	३६	५३	७	२३	२	१६	कर्के	चतुर्थी व्र.
५	र	५०	४२	श्ले	८	३७	वि	२५	५६	कौ	२२	५	३७	५३	७	२४	३	१७	सि८।३७	
६	चं	५०	३७	म	७	७	प्री	२१	३३	ग	२०	३९	३७	५३	७	२५	४	१८	सिंहे	भ. ५०।३७ उ. अनु. भौमः ५०।४८
७	मं	५२	७	पू	८	४३	आ	१९	१	वि	२१	२२	३७	५३	७	२६	५	१९	कं.२४।३६	भ. २१।२२ या. ज्येष्ठा. शुक्रः ४८।५७
८	बु	५५	३४	उ	१२	१६	सौ	१८	११	बा	२३	५१	३८	५२	८	२७	६	२०	कन्यायां	पूषायां ४ गुरुः २४।३१
९	गु	६०	०	ह	१७	२५	शो	१८	२२	तै	२७	४७	३८	५२	८	२८	७	२१	तु.५०।३९	दृश्यः पूषायां रविः २१।११(सौरः ३३ ३१)
९	शु	०	२५	चि	२३	४९	अ	१९	३८	ग	०	२५	३९	५२	८	२९	८	२२	तुलायां	भ. ३३।३४ उ. अस्तं गुरौः ५७ ३६ अ.गु.
१०	श	३	४४	स्वा	३१	१३	सु	२१	४७	वि	६	४४	४०	५२	८	३०	९	२३	तुलायां	भ. ६।४४ या.
११	र	१३	८	वि	३८	५६	धृ	२४	२	बा	१३	८	४०	५२	८	३१	१०	२४	वृ.२२।०	मूले धनुषि बुधः ११।३१ सफला ११ व्र.
१२	चं	१९	५३	अ	४६	३७	शू	२६	२५	तै	१९	५३	४१	५२	८	१	११	२५	वृश्चिके	प्रदोषः **जनवरी मा.१ ता.३१ सन् १९७३**
१३	मं	२६	१४	ज्ये	५३	४८	गं	२८	३४	व	२६	१४	४२	५२	८	२	१२	२६	ध.५३।४८	भ. २६।१४ उ. ५९।२ या.
१४	बु	३१	५०	मू	६०	०	वृ	३०	१९	श	३१	५०	४३	५१	९	३	१३	२७	धनुषि	
३०	गु	३६	४८	मू	०	३२	ध्रु	३१	१३	च	४	१९	४४	५१	९	४	१४	२८	धनुषि	

३७पं. पौ.कृ.१बृ.इ.१३।०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	८	७	१	८	८
६	०	१६	२१	९	२२	२४	५
३	१०	०	५३	३८	३६	१९	४९
२९	१९	४७	५३	४२	७	२२	०
६१	३९	७७	१३	७३	४ २८	३	६१
४	५३	४	२५	३२	ब	११	२२

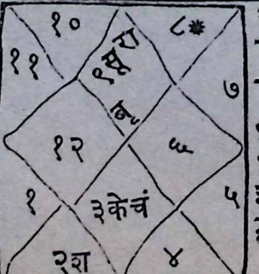

३८पं. मा.कृ.९बृ.इ.१२।५१							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	८	७	१	८	८
१३	४	२५	२३	१८	२२	२३	१२
११	५५	४२	३०	२३	३	५७	५८
३१	१	२९	५४	६	५०	६	५२
६१	४०	८६	१३	७३	४	३	६१
६	८	२९	३२	४४	७	११	२६

३९पं.पौ.कृ.१५बृ.इ.१२।४६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	७	१	८	८
२०	९	६	२५	२७	२१	२३	२०
१९	४०	०	८	७	३४	३४	८
२६	२६	२५	२४	१६	४१	५१	४९
६१	४०	९३	१३	७३	३ ४८	३	६१
६	८	८	३८	५३	ब	११	२६

*बुमंशु (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४०	४२	पू	६	१	व्या	३१	२४	किं	८	४५	२५/४६	६/५१	५/९	५	१५	२९	म.२२।१२
२	श	४३	३७	उ	१०	४५	ह	३०	५५	बा	१२	९	४७	५१	९	६	१६	३०	मकरे
३	र	४५	३४	श्र	१४	२२	व	२९	३४	तै	१६	३६	४९	५०	१०	७	१७	१	कु.४५।४७
४	चं	४६	१८	ध	१७	१२	सि	२७	१४	व	१५	५६	५१	५०	१०	८	१८	२	कुम्भे
५	मं	४५	५२	श	१८	४४	व्य	२४	२५	ब	१६	५	५२	५०	१०	९	१९	३	कुम्भे
६	बु	४४	२८	पू	१९	१८	व	२०	४४	कौ	१४	५५	५४	४९	११	१०	२०	४	मी४।१०
७	गु	४२	२	उ	१९	०	प	१५	५४	ग	१३	१५	५६	४९	११	११	२१	५	मीने
८	शु	३८	२५	रे	१७	८	शि	१०	१४	वि	१०	१३	५८	४८	१२	१२	२२	६	मे.१७।८
९	श	३३	५५	अ	१४	३५	सि	३/४९	५२/३८	बा	६	१०	२६/१	४८	१२	१३	२३	७	मेषे
१०	र	२८	८	भ	१०	५३	शु	४८	१६	तै	१	३१	३	४७	१३	१४	२४	८	बृ.२४।४४
११	चं	२१	२९	कृ	६	१६	शु	३९	२४	ग	२१	२९	५	४७	१३	१५	२५	९	बृषे
१२	मं	१४	३	रो	४०/०	५३/४५	ब्र	२९	५५	बा	१४	३	८	४६	१४	१६	२६	१०	मि२१।३२
१३	बु	५	५५	आ	४८	८	ऐं	२०	७	तै	५	५५	१०	४६	१४	१७	२७	११	मिथुने
१४	बु	५२	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	गु	५०	१०	पु	४२	१९	वै	११	२९	वि	२४	९	१२	४५	१४	१८	२८	१२	क.२८।४६

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६८५०स.१९७३

×४०।४६ चन्द्रदर्शनम्
मूले धनुषि शुक्रः ३३।१ पूर्वास्तं बुधः×
जिल्हेज १२
भ.१५/५६ उ.४६/९८ या.पूषा.३ राहुःपुन.१ केतुः५२/५७
पूषायां बुधः ७।३२
दृश्यः उषा.रविः३५/५५ (सौरः३४/५८)उषा. १+
भ. ४२।२ उ. +गुरुः ४२/०
भ. १०।१३ या.
दृश्यः मकरेऽर्कः ४२।१९(सौरः ५०/२३)
भ. ५४।४८ उ. ज्येष्ठा. भौमः २९।५८
भ. २१।२९ या. पुत्रदा ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ५८।९ उ. उषायां बुधः ३५।३७*
*पूषायां शुक्रः ८।१७
भ. २४।९ या. माघ स्नान प्रारम्भः

४०पं. पौ.शु.७बृ.इ.१२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	८	१	८	८
२७	१४	१६	२६	५	२१	२३	२७
२७	२७	४३	४६	५३	८	१२	१८
४०	५८	४८	५१	४६	६	३५	४१
६१	४०	९७	१३	७३	६/१८	३	६१
६	१०	४०	३८	५६	व	११	२४

गोचरग्रहाः

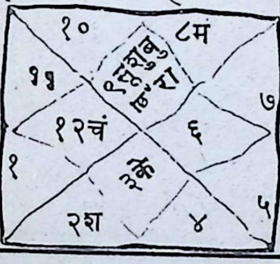

पौष शु. ९ शनौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.पू. ।

गोचरग्रहाः

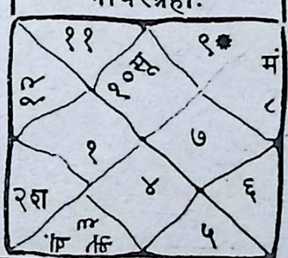

४१पं.पौ.शु.१५वृ.इ.१२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	८	८	१	८	९
४	१९	२७	२८	१४	२०	२२	४
३५	१६	४२	३५	३९	४५	५०	२८
३१	३४	५०	२३	२९	५०	१९	१०
६१	४०	९/०	१३	७४	३/३७	३	६१
३	८	४१	३६	२	व	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४३	३१	पु	३७	२५	वि	१/२९	५१/४४	बा	१६	५०	२६/१५	६/४५	५/१५	१९	२९	१३	कर्के
२	श	३८	२	श्ले	३३	३८	आ	४६	७	तै	१०	४६	१७	४५	१५	२०	३०	१४	सिं३३।३८
३	र	३४	१९	म	३२	४६	सौ	४०	२७	व	६	११	२०	४४	१६	२१	१	१५	सिंहे
४	चं	३२	४८	पू	३१	३२	शो	३६	३२	ब	२	३३	२२	४४	१६	२२	२	१६	कं.४७।१
५	मं	३३	२	उ	३३	२८	अ	३४	१६	कौ	२	५५	२५	४३	१७	२३	३	१७	कन्यायां
६	बु	३५	४३	ह	३७	२२	सु	३३	२९	ग	४	२२	२७	४३	१७	२४	४	१८	कन्यायां
७	गु	४०	५	चि	४२	५९	धृ	३३	४८	वि	७	५४	३०	४२	१८	२५	५	१९	तु.१०।१०
८	शु	४५	४९	स्वा	४९	४७	शू	३५	२१	बा	१२	५७	३३	४१	१९	२६	६	२०	तुलायां
९	श	५१	५५	वि	५७	२१	गं	३७	१९	तै	१८	५२	३६	४१	१९	२७	७	२१	वृ.४०।२७
१०	र	५७	३५	अ	६०	०	वृ	३९	४०	व	२४	४५	३९	४०	२०	२८	८	२२	वृश्चिके
११	चं	६०	०	अ	४	५७	ध्रु	४२	०	ब	२८	४७	४२	४०	२०	२९	९	२३	बृश्चिके
११	मं	४	५३	ज्ये	१२	१६	व्या	४३	४१	बा	४	५३	४६	३९	२१	३०	१०	२४	ध.१२।१६
१२	बु	१०	३७	मू	१८	२६	ह	४४	४१	तै	१०	३७	४९	३८	२२	३१	११	२५	धनुषि
१३	गु	१५	११	पू	२४	२६	व	४४	४३	व	१५	११	५२	३८	२२	१	१२	२६	म.४०।३३
१४	शु	१८	२९	उ	२८	५५	सि	४३	५०	श	१८	२९	५५	३७	२३	२	१३	२७	मकरे
३०	श	२०	२९	श्र	३१	४८	व्य	४२	१	ना	२०	२९	५९	३६	२४	३	१४	२८	मकरे

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेपौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मकरे बुधः ३३।३८
दृश्यः अभि. प्र. रविः १५।४(सौरः २१/४५)
भ.६।११उ. ३४।१९ या. रा. माघारम्भः
तिल चतुर्थी व्र.
दृश्यः श्रवणे रविः ३१।२७(सौरः ३७/४२)
भ.३५/४२ उ. दृ. अभि.नि.रविः२३/५६ सौरः२९/५८*
भ.५४/७ या.श्रवणेबुधः२६/१६ उदयंगुरौ३३/३६ उ.गु.
*उषा. २ मकरे गुरुः ५७।५८
उषायां शुक्रः ५०।२०
भ. २४।४५ उ. ५८।३५ या.
षट्तिला ११ व्र. स्मा.
मकरे शुक्रः २६।४४ षट्तिला ११ व्र. वै.
प्रदोषः
फरवरी मा. २ ता. २८
भ.१९/२९ उ.४९/२९ या. धनिष्ठा. बुधः २०।१३+
=धनुषि भौमः ४६।३४

४२पं.मा.कृ.७ बृ.इ.१२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	९	८	१	८	९
११	२४	९	०	२३	२०	२२	११
४२	६	३३	३	२५	२८	२८	३७
५८	७	७	१८	२६	३७	४	१
६०	४०	[illegible]	१३	७४	३	३	६१
५९	५	[illegible]	३२	५	व	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में घृत तिल तेल रुईपाट वारदाना सोना चांदी धान्य अलसी सरसों तेज सर्दी का प्रकोप हो ।

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.कृ.१३ब.इ.१२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	९	९	१	८	९
१८	२८	२१	१	२	२०	२२	१८
४९	५७	१८	३९	११	१६	५	४५
२६	२५	४७	३६	२०	१९	४८	२
६०	४०	[illegible]	१३	७४	२२	३	६१
५६	५	[illegible]	२२	१४	व	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	२१	७	ध	३३	३३	व	३९	९	ब	२१	७	२७/२	६/३६	५/२४	४	१५	२९	कुं.२।४०
२	चं	२०	३६	श	३४	१३	प	३५	२०	कौ	२०	३६	६	३५	२५	५	१६	१	कुंभे
३	मं	१९	२	पू	३३	५५	शि	३०	४०	ग	१९	२	९	३४	२६	६	१७	२	मी१९।०
४	बु	१६	४०	उ	३२	५४	सि	२५	३५	वि	१६	४०	१३	३३	२७	७	१८	३	मीने
५	गु	१३	३४	रे	३१	१७	सा	२०	३	बा	१३	३४	१६	३३	२७	८	१९	४	मे.३१।१७
६	शु	९	५१	अ	२९	४	शु	१३	५३	तै	९	५१	२०	३२	२८	९	२०	५	मेषे
७	श	५	४४	भ	२६	९	शु	७	२१	व	५	४४	२४	३१	२९	१०	२१	६	वृ.४०।३७
८	र	१	१	कृ	२३	०	ब्र	०/२२	५२/१७	ब	१	१	२७	३१	२९	११	२२	७	वृषे
९	र	५४	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	चं	५०	४	रो	१९	१६	वै	४५	१६	तै	२२	५७	३१	३०	३०	१२	२३	८	मि४७।११
११	मं	४४	५	मृ	१५	५	वि	३६	५९	व	१७	४	३५	२९	३१	१३	२४	९	मिथुने
१२	बु	३८	२८	आ	१०	५९	प्री	२९	५	ब	११	१६	३८	२८	३२	१४	२५	१०	क.५२।२२
१३	गु	३१	४१	पु	६	९	आ	२१	१	कौ	५	४	४२	२८	३२	१५	२६	११	कर्के
१४	शु	२६	१९	पु	२/१०	५६/४५	सौ	१३	३२	व	२६	१९	४६	२७	३३	१६	२७	१२	सिं५८।५५
१५	श	२१	६	म	५६	३५	शो	६	३६	ब	२१	६	५०	२६	३४	१७	२८	१३	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८८०स.१९७३

चन्द्रदर्शनम्
दृश्योधनिष्ठा.रविः३९।४८(सौरः ४/३ ३/३)*
भ. ५२।५१ उ. कुंभे बुधः १९।४०
भ. १६।४० या. श्रवणे शुक्रः २७।६
उषा. ३ गुरुः ३५/४६ पा.स्प. ३७/० मोक्षः ४९/२४×
शते बुधः ५८।३० ×वसन्त ५
भ. ५।४४ उ. ३३।३७ या. भानु ७
भीष्म ८ *मोहोरम १ स. १३६९ हि

दृश्यः कुंभेऽर्कः १५।३ (सौरः १७।३०)
भ. १७।४ उ. ४४।५ या. मार्गीशनिः ३५/३०+
बुधोदयः पश्चिमायां ४०।५९
प्रदोषः +जया ११ व्र.
भ. २६।१९ उ. ५३।४२ या.
पूभायां बुधः १७।२७ मा. स्ना. पूर्तिः

४४पं. मा.शु.५बृ.इ.१३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	९	९	१	८	९
२५	३	३	३	१०	२०	२१	२५
५५	४९	२७	१५	५६	९	४३	५१
१६	.५	१३	०	५६	४७	३३	२९
६०	४०	४/०	१३	७४	०/३३	३	६०
४७	११	०/४१	१४	२०	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

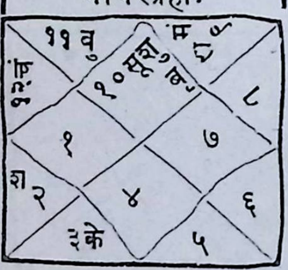

मा. शु. १० चंद्रे कुंभेऽर्कः प्र. वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे सम- र्घता शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

४५पं.मा.शु.१३बृ.इ १३।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	९	९	१	८	१०
३	८	१६	४	१९	२०	२१	२
०	४१	२३	४८	४१	८	२१	५७
४	२८	४२	४०	१३	६	१७	५२
६०	४०	२७/०	१२	७४	१०	३	६०
३७	८	३१	५५	२३	मा	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	१७	३९	पू	५६	०	अ	०/४७	५५/२६	कौ	१७	३९	२७/५४	६/२५	५/३५	१८	२९	१४	सिंहे
२	चं	१५	५२	उ	५६	५६	धृ	५२	५९	ग	१५	५२	५८	२४	३६	१९	३०	१५	कं.११।१४
३	मं	१५	३४	ह	५९	५२	शू	५१	३७	वि	१५	३४	२/६	२४	३६	२०	१	१६	कन्यायां
४	बु	१७	२०	चि	६०	०	गं	५०	५८	बा	१७	२०	७	२३	३७	२१	२	१७	तु.३२।२०
५	गु	२०	४६	चि	४	४७	वृ	५१	४६	तै	२०	४६	१०	२२	३८	२२	३	१८	तुलायां
६	शु	२६	७	स्वा	१०	३१	ध्रु	५३	१८	व	२६	७	१४	२१	३९	२३	४	१९	तुलायां
७	श	३१	५६	वि	१७	२९	व्या	५५	२९	ब	३१	५६	१८	२०	४०	२४	५	२०	वृ.०।४५
८	र	३८	२०	अ	२४	५६	ह	५७	५३	बा	५	८	२२	२०	४०	२५	६	२१	वृश्चिके
९	चं	४४	३९	ज्ये	३३	१९	व	५९	५६	तै	११	२९	२६	१९	४१	२६	७	२२	ध.३३।१९
१०	मं	५०	२५	मू	३९	२७	सि	६०	०	व	१६	३२	३०	१८	४२	२७	८	२३	धनुषि
११	बु	५५	३४	पू	४५	१७	सि	१	१७	ब	२२	५७	३४	१७	४३	२८	९	२४	धनुषि
१२	गु	५८	७	उ	४९	४१	व्य	१	३९	कौ	२६	५१	३८	१६	४४	१	१०	२५	म.१।२३
१३	शु	५९	४२	श्र	५२	३५	व	०/५६	५७/५३	ग	२८	५४	४२	१६	४४	२	११	२६	मकरे
१४	श	५९	२९	ध	५३	५१	शि	५५	३४	वि	२९	३५	४६	१५	४५	३	१२	२७	कुं.२३।१३
३०	र	५७	४२	श	५३	४३	सि	५१	२	च	२८	३५	५०	१४	४६	४	१३	२८	कुम्भे

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

दृश्यःशते रविः ५१/२४(सौरः५३/५२)धनिष्ठा.*
भ. ४५।४३ उ. *शुक्रः ९।४६
भ. ५५/३४ या. च. व्र. रा. फाल्गुनारंभः पा.×
पूभायां भौमः ५१।५
×स्पर्शः ४७।४७ मोक्षः ५९।५०
भ. २६/७ उ. ५९/१ या. मीने बुधः ५४/१८ कुंभेशुक्रः+
+२८।४१ उपा. ४ गुरुः ४९।३६
शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ८।२४ शु.अ.पू.

भ. ५६/३२ उ. ५८/२५ या. उभायां बुधः ३।३२
शते शुक्रः ४८।३५ विजया ११ व्र.
मार्च मा.३ ता. ३१ =वक्रीबुधः ७।५४
भ. ५९।४२ उ. प्रदोषः
भ. २९।३५ या. महाशिवरात्री व्र.
दृश्यःपूभायां रविः ७।२९ (सौरः ७/३९)=

४६पं. फा.कृ.५बृ.इ.१३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	९	९	१	८	१०
१०	१३	२७	६	२८	२०	२०	१०
३	३५	३७	१९	२६	१२	५९	२
३२	२	३०	५९	४६	५८	१	२५
६०	४०	८४	१०	७४	१	३	६०
२५	११	५३	२९	२६	१	११	३१

गोचरग्रहाः

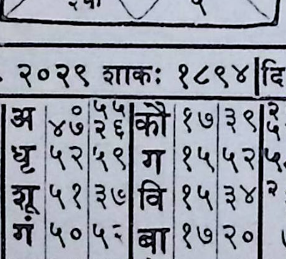

कुंभे राशौ स्थिते शुक्रे सुभिक्षंप्रचुरं जलम् । भवत्यत्र न सन्देहो लोकाः सर्वे निरामयाः ॥

गोचरग्रहाः

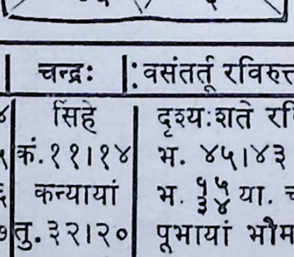

४७पं.फा.कृ.१२बृ.इ.१३।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	९	१०	१	८	१०
१७	१८	४	७	७	२०	२०	१७
५	२९	१९	४८	११	२२	३६	५
४६	४६	२६	४	२०	३७	४६	१४
६०	४०	२७	१२	७४	१	३	६०
१२	३	२२	११	२६	४७	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	.अ	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	चं	५४	३७	पू	५८	१६	सा	४५	४१	किं	२६	९	२८ ५४	१ ६३	५ ४७	५	१४	२९	मी ३७।३८
२	मं	५०	४१	उ	४९	५६	शु	३९	२५	बा	२२	३९	५८	१२	४८	६	१५	३०	मीने
३	बु	४५	५६	रे	४६	४५	शु	३२	३८	तै	१७	४८	२९ २	१२	४८	७	१६	१	मे.४६।४५
४	गु	४०	४९	अ	४३	२८	ब्र	२५	१९	व	१३	२२	६	११	४९	८	१७	२	मेषे
५	शु	३५	४२	भ	३९	५९	ऐं	१८	१६	ब	८	१५	१०	१०	५०	९	१८	३	वृ.५४।६
६	श	३०	१८	कृ	३६	२८	वै	११	१	कौ	३	०	१४	९	५१	१०	१९	४	वृषे
७	र	२५	५	रो	३३	६	वि	३ ३५	५३ १०	व	२५	५	१९	८	५२	११	२०	५	वृषे
८	चं	२०	९	मृ	२९	५३	आ	४९	३८	ब	२०	९	२३	७	५३	१२	२१	६	मि १।३०
९	मं	१५	४	आ	२७	६	सौ	४२	४३	कौ	१५	४	२७	७	५३	१३	२२	७	मिथुने
१०	बु	१०	२०	पु	२४	४	शो	३६	१७	ग	१०	२०	३२	६	५४	१४	२३	८	क.९।५०
११	गु	५	१०	पु	२१	२६	अ	३०	९	वि	५	१०	३६	५	५५	१५	२४	९	कर्के
१२	शु	२	०	श्ले	१९	३५	सु	२८	३१	बा	२	०	४०	४	५६	१६	२५	१०	सिं १९।३५
१३	शु	५६	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	श	५६	२७	म	१८	२३	धृ	१९	३१	ग	२७	३४	४४	३	५७	१७	२६	११	सिंहे
१५	र	५५	१	पू	१८	१६	शू	१५	२३	वि	२५	४४	४९	२	५८	१८	२७	१२	कं.३३।३३

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६९०९स.१९७३

बुधास्तःपश्चिमायां ३३ ६१ चन्द्रद.फुलरिया २
सफर २
भ. १३।२२ उ. ४०।४९ या.
वक्री पूभायां बुधः १९।१
*पूषा.२राहुःआर्द्रा.४केतुः ४२ ६५ होलाष्टकः
भ.२५।५उ.५२।३७या. पूभायां शुक्रः ३९ ४
उषायां भौमः ४१ ५४ श्रवणे १ गुरुः ६।१८*
वक्री कुम्भे बुधः ३९।२३
भ.३७।४५उ. दृश्योमीनेऽर्कः २६ सौरः २९ ७
भ. ५।१० आमलकी ११ व्र.
प्रदोषः
×सौरः २८।३५ मकरे भौमः ४४।२४
भ. ५७।२७ उ. दृश्यः उभायां रविः ३२ ३९ ×
भ. २५।४४ या. होलिकादहनं

४८पं. फा.शु.४बृ.इ.१४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	९	१०	१	८	१०
२४	२३	४	९	१५	२०	२०	२४
६	२४	१	१३	५५	३७	१४	६
२९	११	४८	८	३०	४१	३०	३७
५९	४०	१८ ४०	११	७४	२	३	६०
५८	२	व	३४	३०	२२	११	६

गोचरग्रहाः

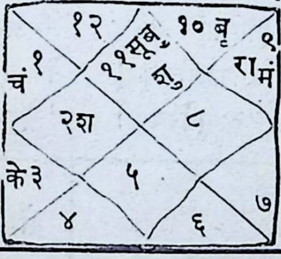

फा. शु. १० बुधे मीनेऽर्कः प्र.त्रा.३ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रास्तः पू.।

गोचरग्रहाः

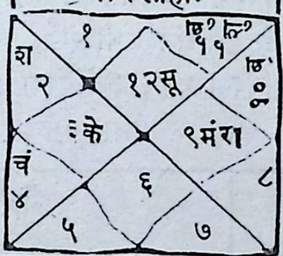

४९पं.फा.शु.११बृ.इ.१४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	९	१०	१	८	११
१	२८	२८	१०	२४	२०	१९	१
५	२१	२२	३४	३८	५७	५२	६
४२	१८	१२	३८	१३	४३	१५	१९
५९	३९	६१ ४२	११	७४	३	३	५९
४१	५०	व	०	३२	२	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०२९ शाकः १८९४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	चं	५५	७	उ	१९	२५	गं	१२	१४	बा	२४	३४	२५ ९३	६ १	५ ५९	१९	२८	१३	कन्यायां
२	मं	५६	५५	ह	२२	३	वृ	९	४१	तै	२६	१	५७	१	५९	२०	२९	१४	तु.५३।५९
३	बु	६०	०	चि	२५	५६	ध्रु	९	३१	व	२८	२८	३० १	६ ०	६ ०	२१	३०	१५	तुलायां
३	गु	०	३	स्वा	३१	३६	व्या	९	५८	वि	०	३	६	५ ५९	१	२२	१	१६	तुलायां
४	शु	४	५१	वि	३८	०	ह	११	१४	ला	४	५१	१०	५८	२	२३	२	१७	वृ.२१।२४
५	श	१०	७	अ	४५	२६	व	१३	४	तै	१०	७	१४	५७	३	२४	३	१८	वृश्चिके
६	र	१६	४२	ज्ये	५२	५९	सि	१५	२६	व	१६	४२	१८	५६	४	२५	४	१९	ध.५२।५९
७	चं	२३	७	मू	६०	०	व्य	१७	४६	ब	२३	७	२३	५५	५	२६	५	२०	धनुषि
८	मं	२८	५५	मू	०	२३	व	१९	४३	कौ	२८	५५	२७	५५	५	२७	६	२१	धनुषि
९	बु	३४	२७	पू	६	५५	प	२०	५६	तै	१	४०	३१	५४	६	२८	७	२२	म.२३।११
१०	गु	३७	२२	उ	११	५९	शि	२०	४६	व	५	५५	३५	५३	७	२९	८	२३	मकरे
११	शु	३९	११	श्र	१५	५२	सि	१९	२४	ब	८	१७	३९	५२	८	३०	९	२४	कु.४६।४२
१२	श	३८	५९	ध	१७	३३	सा	१६	३४	कौ	९	५	४४	५१	९	३१	१०	२५	कुंभे
१३	र	३६	५०	श	१६	२९	शु	१२	१४	ग	७	५५	४८	५०	१०	१	११	२६	कुम्भे
१४	चं	३३	४	पू	१५	४१	शु	२९ ६	५३ ८	वि	४	५७	५२	५०	१०	२	१२	२७	मी १।८
३०	मं	२७	४९	उ	१२	२८	ऐं	५१	३७	च	०	२६	५६	४९	११	३	१३	२८	मीने

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मीने शुक्रः ३३।४२ वसंत छारेंडी
बुधोदयः पूर्वस्यां ५६।५
भ. २८।२८ उ.
भ. ०।३ या. उभायांशुक्रः १४।४२ च.व्र.+
भ. १६।४२ उ. ४९।५५ या.
शीतलापूजनम् +रा. चैत्रारम्भः
×श्रवणे २गुरुः५८।२ पापमोचनी ११ व्र
भ. ५।५५ उ. ३२ ७२ या. मार्गी बुधः२३।२९
दृश्यो रेवत्यां रविः ५७।१३(सौरः ५६ ३)×
श्रवणे भौमः ५३।१४
भ. ३६।५० उ. प्रदोषः अप्रेल ४ ता. ३०
भ. ४।५७ या. रेवत्यां शुक्रः १।४२
मन्वादिः

५०पं. चै.कृ.३बृ.इ.१४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	११	१	८	११
८	३	२२	११	३	२१	१९	८
३	१८	५८	५१	२०	२३	२९	४
१८	१४	१९	२५	१०	१३	५९	१४
५९	३९	३४ ४४	१०	७४	३	३	५९
२९	५०	व	१७	३२	४२	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मासका फल साधारण है। बालकों में चेचक रोग फैले अनाज गल्ला रुई, पाट, घृत तेल गुड़ में मंदी होकर तेजी हो।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.कृ.१०बृ.इ.१५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	११	१	८	११
१४	८	२१	१३	१२	२१	१९	१५
५९	१४	५७	३	१	५३	७	०
१३	५६	२२	३६	५५	३८	४३	१९
५९	३९	० ४०	९	७४	४ २२	३	५९
१६	५३	व	३४	३२	व	११	१८

*त्रंमंबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❋ श्रीगणेशायनमः ❋

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७४ भोग्यकलिः ४२६९२६ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति-वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३० शाकः १८९५ वर्षेऽस्मिन् राजा बुधः । मंत्री शुक्रः । सस्येशश्चन्द्रः । धान्येशःशनिः । मेघेशोगुरुः । रसेशोभौमः । नीरसेशोरविः । फलेशोगुरुः । धनेशोरविः । दुर्गेशोगुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां २० क्षय नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेः गतमासादिः ६।९।१।२६ भोग्यमासादिः ५।२०।५८।३४। भगदैवतं युगम्। वर्षनाम श्रावणः। मेघनामसंवर्तः । रोहिणीनिवासःसमुद्रे। समय निवासोमालाकारगृहे । समयविश्वा २० । स्तंभाः४अन्नजलतृणवायूनाम् । सोमवत्यमा. १ । सोमवतीपंचमी ३। अंगारकीचतुर्थी ३ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः१७। तिथिवृद्धिः ११। उत्पत्ति विश्वा १०५। खपतिविश्वा ९६ । वर्षाविश्वा ७ । धान्यम् ५ । तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेज ५ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९५ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८ । शनिदृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणं १ चंद्रमसः १ ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ५।४

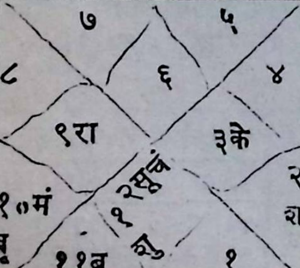

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

श्री अम्बे मातेश्वरी, भैरव पूछे तोय ।
विक्रम संवत् तीस का हाल सुना दो मोय ।।

भवानी उत्तर

चंद्र तनय राजा हुये, मन्त्री भृगु महाराज ।
कलानाथ सस्येश हैं, सारें जग का काज ।।
रोहिणी बसी समुद्र में, संवत् मालाकार ।
मेघपति गुरुदेव हैं, वर्षे उत्तम धार ।।
आषाढां हल जोत हो जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोलें मीठे बैन ।।
कठिन मास कार्तिक हुवा जन हानि का योग ।
चीन आदि कुरु देश में युद्ध रोग दुःख भोग ।।
अन्न तृण की कमती नहीं, संवत् सातों तूर ।
रस में होवे गड़बड़ी, रस का मालिक क्रूर ।।
संवत् विश्वा बीस है, स्तंभ लगे हैं चार ।
धर्म कर्म पर डट रहो, भली करे करतार ।।

संवत् २०३० शाके १८९५
मार्गशीर्ष शुक्ला १५ चंद्रे
खंडग्रासं ग्रस्तास्तं चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.	
उज्य.	घ.	०	१	३	
मध्यम.	पल	१४	५८	४२	
रेल्वे	घं.	६	७	७	
टाइम	मि.	३३	१४	५६	

वर्षेश लग्नम् ५।२८

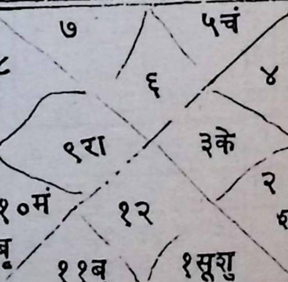

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।११।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२८।३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्–बुधस्यराज्ये सजलं महीतलं, गृहे गृहे तूर्यं विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं घन धान्य संकुलम् ।। मंत्री शुक्रस्तत्फलम्––भृगु सुते ननु मन्त्रि पदं गते शलभ मूषकरावथ माहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रः फलम्––सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयो मुँचति गोप गोधुक् । देवं द्विजाराधन तत्परा नृपाः धरा भवेत् धान्य धनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम्–निर्धनाः क्षिति भुजो रणादराः सस्य मल्प मति रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदा कणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशो गुरुः फलम्–गुरुरपि प्रिय वृष्टि करः सदा खिलविलासवतीं धरणी तदा । श्रुति विचार परा नर पालका रस समृद्धि युता खिल मानवाः ।। रसेशो भौमस्तत्फलम्–यदि धरातनयो रसपो भवेत् न रस राशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विप भोजनतापदोः नजलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम्–नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चन्दनयो रपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशः गुरुः फलम्––सुरगुरुः फल नायकतां गतो गत भया वन राशि महाद्रुमाः । यजनया जनकोत्सवमन्दिराः श्रुति विचार पराद्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम्–द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम्–सुरगुरौ गढपे नय शोभिता । नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिषुवैनगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवेत।ऽनिशम् ।। क्षयनाम संवत्सरस्तत्फलम्–कार्पास गन्ध तैलेक्षु मधुसस्य विनाशनम् । क्षीय माणाश्चापिनरा जीवन्ति क्षयवत्सरे ।। वर्षनाम श्रावणस्तत्फलम्–श्रावणाब्दे धरा भाति त्रिदशस्पर्द्धि मानवैः । धरा पुण्य फलैर्युत्ता परिपूर्णा ध्वरादिभिः ।। मेघनाम संवर्तः फलम्–संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्––समुद्रे तु महा वृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम्––मालिनः प्रचुरा वृष्टि ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०३० शाके १८९५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ९ गुरौ मघा ल. गो. रे. ६ ।।।ऽबृ।ऽरो।ऽ।। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः पादतोवेधाऽभावः आवश्यके

„ १२ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. १० रे. ८ ।।।।ऽअ.ऽ।।।

„ १५ गुरौ अनु. ल. १०-१२ रे. ६ ।।।ऽऽअ.ऽऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा २ शनौ मूले ल.गो.१०-१२ रे.७ ।।।ऽऽनृ(घ.३६या.)ऽ।।

„ १० रवौ उभा. ल. १ रे. ७ ऽ।।।ऽनृ.ऽ।।

„ ११ चंद्रे रेव. ल. अन्यगो.१०-१ रे.६ ऽ।।।ऽ।।।ऽनृ.ऽऽ।।

शुक्ला ६ बुधे मघा. ल. १ रे. ६ ।।ऽगु।ऽनृ.ऽऽ।। पादवेधात् गुरोर्वेधाऽभावः

„ ८ शुक्रे उफा. ल. गो. १२ रे.६ ऽ।।ऽऽचौ।ऽ।। चंद्र७पू.

„ ११ चंद्रे स्वा. ल. अन्यगो. १ रे.९ ।।।।।ऽ।।मेषे चंद्र७पू.

„ १३ बुधे अनु. ल. ११ रे. ८ ।।।।ऽअ.ऽ।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णा ८ रवौ रेव. ल. अन्यगो.सोग्रांगः रे.७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ४ भौमे मघा. ल. २(घ.५४उ.)रे.७ ।।ऽगु।।ऽऽ।।घटी ५५।२१ या. पादवेधः

आ.शु. ६ गुरौ उफा. ल. २ रे. ८ ऽश।।।ऽअ.।।।

„ ९ रवौ स्वा. ल.गो. सोग्रांगः १ रे. ८ ।।।।ऽनृ.ऽ।।

मेषे-नृप पंचकाऽभावः रेखा ९ चं मध्यमः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ११ भौमे हस्ते ल. अन्यगो. ५ रे. ७ ऽ।।।ऽनृ.ऽ।।

शुक्ला ९ भौमे उभा. ल. गो.रे. १० ।।।।।।।।।

माघ मासः

कृष्णा ९ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ शनौ हस्ते ल. गो. रे. ३ ।ऽ।।।।।।

„ ३ चंद्रे स्वा. ल. गो. रे. ६ ।।ऽगु।।ऽऽऽ गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः पादवेधागुदुरोर्वेधाऽभावः

„ ५ बुधे अनु. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽऽ।।ऽअ.।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६९२९ स.१९७३
१	बु	२१	२३	रे	७	५२	वै	४३	२०	ब	२१	२३	३१ ०	५ ४८	६ १२	४	१४	२९	मे.७।५२	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	गु	१४	२०	अ	२ ४९	५५ २१	वि	३४	३९	कौ	१४	२०	४	४७	१३	५	१५	१	मेषे	सिंधारा मत्स्य जयंती रविलावल ३
३	शु	७	२२	कृ	५२	५६	प्री	२५	५०	ग	७	२२	८	४६	१४	६	१६	२	वृ.११।४४	भ. ३३।४८ उ. गणगौरी
४	श	०	१४	रो	४७	५३	आ	१७	३७	वि	०	१४	१२	४६	१४	७	१७	३	वृषे	भ. ०।१४ या.
५	श	५३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	र	४७	३२	मृ	४३	४३	सौ	९	४७	कौ	२०	३५	१६	४५	१५	८	१८	४	मि१५।४८	×३१।१७ सौरः३०।३७ कामदा११ व्र.
७	चं	४२	१०	आ	४०	१७	शो	२ १९	५३ ८	ग	१४	५१	२०	४४	१६	९	१९	५	मिथुने	भ. ४२।१० उ.
८	मं	३७	३८	पु	३७	४३	सु	४९	१६	वि	९	५४	२४	४३	१७	१०	२०	६	क.२३।२४	भ. ९।५४ या.
९	बु	३३	५२	पु	३५	५२	धृ	४३	४७	बा	५	४५	२८	४२	१८	११	२१	७	कर्के	मीने बुधः ७।१ रामनवमी
१०	गु	३१	१२	श्ले	३४	५८	शू	३९	१२	तै	२	३२	३२	४२	१८	१२	२२	८	सिं३४।५८	अश्वि. मेषे शुक्रः ४५।२६
११	शु	२९	६	म	३५	७	गं	३५	९	व	०	९	३६	४१	१९	१३	२३	९	सिंहे	भ.०।९उ.२९।६या. दृश्योऽश्वि. मेषेऽर्कः×
१२	श	२७	५७	पू	३६	८	वृ	३२	७	बा	२७	५७	४०	४०	२०	१४	२४	१०	कं.५१।४०	उभायां बुधः २०।५६ प्रदोषः
१३	र	२७	५८	उ	३८	१६	ध्रु	२९	३३	तै	२७	५८	४३	३९	२१	१५	२५	११	कन्यायां	मृगे. १ शनिः २९।४७
१४	चं	२९	१	ह	४१	२०	व्या	२८	२३	व	२९	१	४७	३९	२१	१६	२६	१२	कन्यायां	भ. २९।१ उ. ०।१२ या.
१५	मं	३१	२४	चि	४५	३४	ह	२७	५३	वि	०	१२	५१	३८	२२	१७	२७	१३	तु.१३।२७	हनुमज्जयन्ती

५२पं. चै.शु.२बृ.इ.५१।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	११	१	८	११
२१	१३	२५	१४	२०	२२	१८	२१
५३	११	०	९	४२	२६	४५	५४
३१	२	५०	२८	५८	३८	२८	३०
५९	३९	३३ ४	८	७४	४	३	५९
४	४६	मा	५२	३८	५०	११	४

गोचरग्रहाः

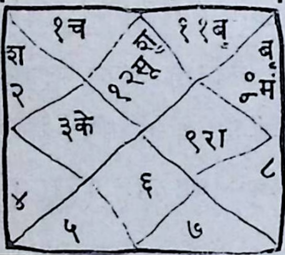

चैत्र शु.११ शुक्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. २० धान्यादिभावे समता शुक्रा. पू. ।

गोचरग्रहाः

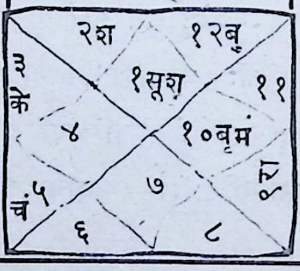

१पं. चै.शु.११शु.इ.३१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	०	१	८	०
०	१९	२	१५	०	२३	१८	०
०	१	२८	२२	५७	९	१९	०
०	१६	४८	१६	४	२६	४१	३९
५८	३९	६१	७	७४	५	३	५८
४४	४०	५३	३५	४०	२१	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३४	५६	स्वा	५०	५३	व	२८	४	बा	३	१०	३५ ५५	५ ३७	६ २३	१८	२८	१४	तुलायां	
२	गु	३९	५०	वि	५७	६	सि	२९	२८	तै	७	२३	५८	३६	२४	१९	२९	१५	बृ.४०।३३	धनिष्ठा. भौमः ३४।७
३	शु	४५	३	अ	६०	०	व्य	३१	९	व	१२	२७	३ ३ २	३६	२४	२०	३०	१६	बृश्चिके	भ. १२।२७ उ. ४५।३ या.
४	श	५१	२०	अ	४	१९	व	३३	२५	ब	१८	११	६	३५	२५	२१	१	१७	वृश्चिके	चतुर्थी व्र. रा वैशाखारंभः
५	र	५७	३०	ज्ये	११	५२	प	३५	५१	कौ	२४	२५	१०	३४	२६	२२	२	१८	ध.११।५२	
६	चं	६०	०	मू	१९	३३	शि	३८	२३	ग	३०	४०	१४	३३	२७	२३	३	१९	धनुषि	भरण्यां शुक्रः ३१।५
६	मं	३	४९	पू	२६	५०	सि	४०	५	व	३	४९	१७	३३	२७	२४	४	२०	म.४३।२१	भ. ३।४९ उ. ३६।३० या. रेवत्यां बुधः*
७	बु	९	११	उ	३२	५५	सा	४१	७	ब	९	११	२१	३२	२८	२५	५	२१	मकरे	*२८।२८ श्रवणे ३ गुरुः २३।४३
८	गु	१३	२८	श्र	३७	५४	शु	४०	५१	कौ	१३	२८	२५	३१	२९	२६	६	२२	मकरे	
९	शु	१६	१	ध	४०	५३	शु	३९	१६	ग	१६	१	२९	३०	३०	२७	७	२३	कुं.९।२४	भ. ४६।२० उ. दृश्यो भरण्यां रविः १५ ३४×
१०	श	१६	३९	श	४२	७	ब्र	३६	१	वि	१६	३९	३२	३०	३०	२८	८	२४	कुम्भे	भ. १६।३९ या.
११	र	१५	१०	पू	४१	१६	ऐं	३१	१६	बा	१५	१०	३६	२९	३१	२९	९	२५	मी२६।२९	कुंभे भौमः १३।९ वरूथिनी ११ व्र.
१२	चं	११	३८	उ	३८	२५	वै	२४	५१	तै	११	३८	४०	२८	३२	३०	१०	२६	मीने	प्रदोषः ×(सौरः ११।१५)
१३	मं	६	२५	रे	३४	२०	वि	१७	२	व	६	२५	४३	२७	३३	१	११	२७	मे.३४।२०	भ.६।२५उ.३२।५४या. **मई मा.५ ता.३१**
१४	मं	५२	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	बु	५१	१५	अ	२८	१०	प्री	६	५२ २	च	२५	१९	४७	२७	३३	२	१२	२८	मेषे	अश्वि. मेषे बुधः ३७।१९

२पं. वै.कृ.३गु.इ.३१।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	०	१	८	०
६	२३	११	१६	९	२३	१७	६
५०	५७	१०	१४	३५	५१	५७	५०
४२	४३	५	२	४३	४७	२६	५०
५८	३९	७९	६	७४	५	३	५८
३१	२३	५९	३७	३८	४५	११	२९

गोचरग्रहाः

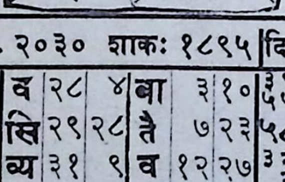

यदा मेष स्थिति भानुः फलं तूल तिलादिकम् । ईक्ष्वादि तिल तैलादे स्तदा चैव महर्घता ।।

गोचरग्रहाः

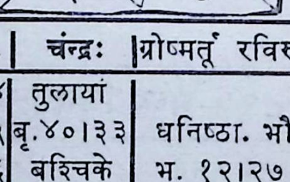

३पं.वै.कृ.९ शु.इ.३१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	०	१	८	०
१३	२८	२१	१७	१८	२४	१७	१२
३९	५३	३६	०	१६	३६	३५	३९
४३	५६	५८	२५	८	३२	१०	१५
५८	३९	९७	५	७४	६	३	५८
१७	८	१०	३६	३२	१४	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	गु	४२	५१	भ	२१	३०	सौ	४८	२४	किं	१७	३	३३/५१	५/२६	६/३४	३	१३	२९	वृ.३४।४७
२	शु	३३	२७	कृ	१४	३९	शो	३८	३१	बा	८	९	५४	२५	३५	४	१४	३०	वृषे
३	श	२४	४९	रो	७	५९	अ	२८	४३	ग	२४	४९	५७	२५	३५	५	१५	१	मि३४।५३
४	र	१६	५९	मृ	१/४६	५४/५२	सु	१९	३७	वि	१६	५९	३३/१	२४	३६	६	१६	२	मिथुने
५	चं	९	४९	पु	५२	४१	धृ	११	३७	बा	९	४९	४	२३	३७	७	१७	३	क.३८।४०
६	मं	४	१	पु	४९	५३	शू	३४/१	५३/५२	तै	४	१	७	२३	३७	८	१८	४	कर्क
७	मं	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	बु	५६	३१	श्ले	४८	५१	वृ	५३	३१	वि	२८	०	१०	२२	३८	९	१९	५	सिं४८।५१
९	गु	५४	४८	म	४८	४६	ध्रु	४९	४६	बा	२५	४०	१३	२१	३९	१०	२०	६	सिंहे
१०	शु	५४	२४	पू	४९	१०	व्या	४७	१	तै	२४	३६	१६	२१	३९	११	२१	७	सिंहे
११	श	५५	२९	उ	५२	५९	ह	४५	२३	व	२४	५७	१९	२०	४०	१२	२२	८	कं. ५।७
१२	र	५७	२५	ह	५६	४०	व	४४	४०	ब	२६	२७	२२	२०	४०	१३	२३	९	कन्यायां
१३	चं	६०	०	चि	६०	०	सि	४४	५७	कौ	२९	७	२५	१९	४१	१४	२४	१०	तु.२९।१४
१३	मं	०	४९	चि	१	४७	व्य	४५	२१	तै	०	४९	२८	१८	४२	१५	२५	११	तुलायां
१४	बु	४	५४	स्वा	७	२६	व	४६	४९	व	४	५४	३०	१८	४२	१६	२६	१२	वृ.५७।२९
१५	गु	१०	११	वि	१४	१०	प	४८	४५	ब	१०	११	३३	१७	४३	१७	२७	१३	वृश्चिके

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८ सन् १९७३
*शुक्रोदयः पश्चिमायां ५२/१२ शु.उ.प.
कृत्तिका. शुक्रः २०।३० चन्द्रदर्शनम्*
भ. ५०/५४ उ. अक्षया ३ रविलाखर ४
भ. १६।५९ या.
वृषे शुक्रः १।३०
भ. ५९/२९ उ. शते भौमः ३१/३७ पूर्वास्तं बुधः ४९/४९×
×पातस्पर्शः ५७/५१ मोक्षः ३१/१६
भ. २८।० या. भरण्यां बुधः ४०।५
दृश्यः कृत्तिका. रविः ५७/२९ (सौरः ५९।५२)
+७।३६ नृसिंह जयन्ती १४
भ. २४/५७ उ. ५५/२९ या. मोहिनी ११ व्र.
=पूषा. १ राहुः आर्द्रा. ३केतुः ५३/० प्रदोषः
दृश्यो वृषेऽर्कः २४।४४ (सौरः २७।४०) =
रोहिण्यां शुक्रः १२।१४ मृगे २ शनिः+
भ. ५४ उ. ३७/३२ या. कृत्तिका. बुधः ७।२७
वृषे बुधः ४२।१५

४पं. वै.शु. २शु.इ.३२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	९	०	१	८	०
२०	३	३	१७	२६	२५	१७	२०
२७	४८	३२	३८	५४	२३	१२	२५
२२	५८	१०	१०	२२	४२	५४	५५
५८	३९	[illegible]	४	७४	६	३	५७
६	१	५६	२६	३२	२८	११	५७

गोचरग्रहाः

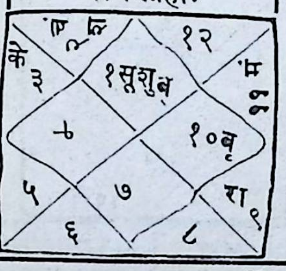

वैशाख शु.१३ चंद्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ गतालकवस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे सम_ ता) शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

५पं. वै.शु.१०शु इ.३२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	९	१	१	८	०
२७	८	१७	१८	५	२६	१६	२७
१३	४२	१०	७	३१	१२	५०	११
३४	५५	१९	३७	३२	२५	३९	९
५७	३८	[illegible]	३	७४	६	३	५७
५४	४१	११	९	३२	४१	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	१५	३८	अ	२१	३	शि	५१	७	कौ	१५	३३	३३/३६	५/१७	६/४३	१८	२८	१४	वृश्चिके
२	श	२१	४२	ज्ये	२८	३३	सि	५३	३०	ग	२१	४२	३९	१६	४४	१९	२९	१५	ध.२८।३३
३	र	२७	४७	मू	३६	३	सा	५५	५६	वि	२७	४७	४१	१६	४४	२०	३०	१६	धनुषि
४	चं	३८	५४	पू	४३	३२	शु	५८	१२	ब	०	५०	४३	१५	४५	२१	३१	१७	धनुषि
५	मं	३९	२९	उ	५०	१८	शु	५९	४३	कौ	६	१२	४४	१५	४५	२२	१	१८	म.०।१३
६	बु	४४	७	श्र	५६	३	ब्र	६०	०	ग	११	४८	४८	१४	४६	२३	२	१९	मकरे
७	गु	४७	२८	ध	६०	०	ब्र	०	२९	वि	१५	४७	५०	१४	४६	२४	३	२०	कुं.२८।१८
८	शु	४९	१०	ध	०	३२	ऐं	१३	५८/१७	बा	१८	१९	५२	१४	४६	२५	४	२१	कुम्भे
९	श	४९	१	श	३	१९	वि	५५	१५	तै	१९	५	५४	१३	४७	२६	५	२२	मी४८।१८
१०	र	४६	४७	पू	३	५७	प्री	५०	२३	व	१७	५४	५६	१३	४७	२७	६	२३	मीने
११	चं	४२	३४	उ	३	३	आ	४३	५७	ब	१४	४०	५८	१२	४८	२८	७	२४	मीने
१२	मं	३६	२७	रे	०/८	५४/५४	सौ	३५	५९	कौ	९	३१	३४/०	१२	४८	२९	८	२५	मे. ०।८
१३	बु	२८	४७	भ	४८	४०	शो	२६	४७	ग	२	३७	२	१२	४८	३०	९	२६	मेषे
१४	गु	२०	८	कृ	४१	२८	अ	१६	२१	श	२०	८	४	११	४९	३१	१०	२७	वृ.१।५२
३०	शु	९	५५	रो	३३	४१	सु	५/५८	४९/१२	ना	९	५५	६	११	४९	१	११	२८	मि५९।५६

ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
भ. ५४।४५ उ.
भ. २७।४७ या. चतुर्थी व्र.
रोहिण्यां बुधः ५।४ रा. ज्येष्ठारम्भः
भ. ४४।७ उ.
भ. १५।४७या. दृश्यो रोहिण्यांरविः ४८/५९*
+शनेः ११।५७ अपरा ११ व्र.
मृगे शुक्रः १।५६ *(सौरः ५३/४९)
भ. १७।५४ उ. ४६।४७ या.
मृगे बुधः ३२/२९ पूभायांभौमः ७।१६ अस्तं+
वक्री गुरुः २।३१ =पश्चिमायां १९/४२
भ. २८।४७ उ. ५४।२७ या. प्रदोषः
मिथुनेबुधः ४३/२७ मिथुनेशुक्रश्च ३३/३३ बुधोदयः=
वट पूजनम् जून मा. ६ ता. ३०

६पं. ज्ये.कृ.१शु.इ.३२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	९	१	१	८	१
३	१३	१	१८	१४	२७	१६	३
५८	३४	४५	२८	८	३	२८	५४
२६	३७	५०	५२	२०	५०	२३	४७
५७	३८	[illegible]	१	७४	६	३	५७
४४	१९	[illegible]	५२	२६	५९	११	३४

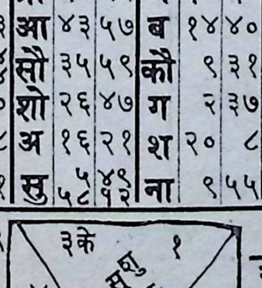

७पं.ज्ये.कृ.८शु.इ.३२।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	९	१	१	८	१
१०	१८	१७	१८	२२	२७	१६	१०
४२	२२	१९	४०	४३	५६	६	३६
२५	१९	५५	३४	३०	३१	८	५८
५७	३७	[illegible]	०	७४	७	३	५७
३५	५३	[illegible]	३७	२६	७	११	२३

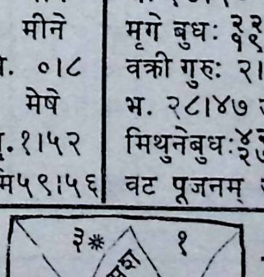

८पं.ज्ये.कृ.३०शु.इ.३२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	२	१	८	१
१७	२३	१	१८	१	२८	१५	१७
२५	७	३८	४२	२०	४९	४३	१८
८	३७	३१	४०	३५	५२	५२	४
५७	३७	[illegible]	३०	७४	७	३	५७
२७	२५	[illegible]	ब	२०	१४	११	१३

*बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	५०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	श	५०	२०	मृ	२६	१०	शू	४४	४१	बा	२५	८	३४ ७	५ ११	६ ४९	२	१२	२९	मिथुने
३	र	४१	१७	आ	१९	०	गं	३४	४०	तै	१५	४९	९	१०	५०	३	१३	१	क.५९।१३
४	चं	३३	३७	पु	१२	३७	वृ	२५	३०	व	७	२७	१०	१०	५०	४	१४	२	कर्के
५	मं	२७	१४	पु	८	१	ध्रु	१७	४९	बा	२७	१४	१२	१०	५०	५	१५	३	कर्के
६	बु	२२	५४	श्ले	५	१	व्या	११	३०	तै	२२	५४	१३	९	५१	६	१६	४	सिं ५।१
७	गु	२०	१४	म	३	४७	ह	६	४०	ब	२०	१४	१४	९	५१	७	१७	५	सिंहे
८	शु	१९	२३	पू	४	२३	व	३	२१	व	१९	२३	१६	९	५१	८	१८	६	कं.२०।०
९	श	२०	३०	उ	६	५०	सि	१	२१	कौ	२०	३०	१७	९	५१	९	१९	७	कन्यायां
१०	र	२२	४९	ह	१०	४०	व्य	०	३८	ग	२२	४९	१८	८	५२	१०	२०	८	तु.४३।१५
११	चं	२६	४४	चि	१५	५०	व	१	२४	वि	२६	४४	१९	८	५२	११	२१	९	तुलायां
१२	मं	३२	३१	स्वा	२१	५८	प	२	२०	बा	३२	३१	२०	८	५२	१२	२२	१०	तुलायां
१३	बु	३७	१४	वि	२९	३	शि	४	८	कौ	४	५२	२१	८	५२	१३	२३	११	वृ.१२।१७
१४	गु	४२	४६	अ	३६	१२	सि	६	१३	ग	१०	०	२१	८	५२	१४	२४	१२	वृश्चिके
१५	शु	४८	५८	ज्ये	४३	४७	सा	८	३३	वि	१५	५२	२२	८	५२	१५	२५	१३	ध.४३।४७

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८ स.१९७३

चन्द्रदर्शनम्
जमादिलावल ५
भ. ७।२७ उ. ३३।३७ या. आर्द्रा. बुधः
आर्द्रायां शुक्रः ५४।३६

भ.२०।१४उ.४९।४८या. दृश्योमृगेरविः*
*४३।१५ (सौरः ५२।३८)

भ.५४/४६ उ. मृगे ३ मिथुनेशनिः ४१/४५ गंगादशमी
भ. २६।४४ या. निर्जला ११ व्र.
पुन. बुधः २।५ मीने भौमः ५।०
प्रदोषः ×(सौरः ५३।२५)
भ. ४२।४६ उ. दृश्यो मिथुनेऽर्कः ४१/५३×
भ. १५।५२ या. गुर्जराणां वट सा. पू.

९पं.ज्ये.शु.८शु इ.३२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	२	१	८	१
२४	२७	१४	१८	९	२९	१५	२३
७	४९	१६	३५	५५	४४	२१	५८
१२	३७	८	३५	३०	१३	३६	०
५७	३६	९ ०	३ १	७४	७	३	५७
२२	५०	९ १३	व	१४	२०	११	५

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ शु. १४ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४ न.५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.१५शु.इ.३२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	९	२	२	८	२
०	२	२७	१८	१८	०	१४	०
४८	२७	३६	१९	२८	३८	५९	३७
२५	५८	४७	२६	५९	२८	२१	९
५७	३६	७८	२० ३	७४	७	३	५६
१७	१७	५३	[illegible]	८	२०	११	५७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	५४	५८	मू	५१	१७	शु	१०	५८	बा	२२	५८	३४ २२	५ ८	६ ५२	१६	२६	१४	धनुषि
२	र	६०	०	पू	५८	३५	शु	१३	१९	तै	२७	५४	२३	७	५३	१७	२७	१५	धनुषि
२	चं	०	५०	उ	६०	०	ब्र	१५	२२	ग	०	५०	२३	७	५३	१८	२८	१६	म.१५।७
३	मं	६	४	उ	४	४४	ऐं	१६	५५	वि	६	४	२३	७	५३	१९	२९	१७	मकरे
४	बु	१०	२७	श्र	११	५	वै	१८	१	बा	१०	२७	२४	७	५३	२०	३०	१८	कु.४३।३१
५	गु	१४	१	ध	१५	५८	वि	१८	१६	तै	१४	१	२४	७	५३	२१	३१	१९	कुम्भे
६	शु	१६	११	श	१९	५८	प्री	१७	२६	व	१६	११	२४	७	५३	२२	१	२०	कुम्भे
७	श	१६	५२	पू	२२	८	आ	१५	३१	ब	१६	५२	२४	७	५३	२३	२	२१	मी६।३६
८	र	१६	५	उ	२२	४७	सौ	१२	२०	कौ	१६	५	२४	७	५३	२४	३	२२	मीने
९	चं	१३	२६	रे	२१	४६	शो	७	३२	ग	१३	२६	२३	७	५३	२५	४	२३	मे.२१।४६
१०	मं	८	५५	अ	१८	४९	अ	५ २२	५२ ३०	वि	८	५५	२३	७	५३	२६	५	२४	मेषे
११	बु	२	४७	भ	१४	१५	धृ	४५	११	बा	२	४७	२३	७	५३	२७	६	२५	वृ.२८।१
१२	बु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	गु	४६	१८	कृ	९	२४	शू	३५	२६	ग	२०	५४	२२	८	५२	२८	७	२६	वृषे
१४	शु	३६	३५	रो	५२	४१	गं	२४	५६	वि	११	२७	२२	८	५२	२९	८	२७	मि२७।४५
३०	श	२६	३०	आ	४६	३	वृ	१४	४	च	१	३२	२१	८	५२	३०	९	२८	मिथुने

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पुन शुक्रः ४६/१६ उभायांभौमः ५८/४१ पातस्पर्शः*
पातमोक्षः २४।५७ *४०।५१
भ. ३३।२७ उ.
भ.६।४या. कर्के बुधः ३२।२१ चतुर्थी व्र.

दृश्य आर्द्रायां रविः ४१/४५ (सौरः ५४/५८)
भ. १६/५१ उ. ४६/३१ या. रा. आषाढारंभः
पुष्ये बुधः २१।५३
कर्के शुक्रः ५७।१८
भ. ४१।११ उ.
भ. ८।५५ या. योगिनी ११ व्र. स्मा.
पुष्ये शुक्रः ४४।७ योगिनी ११ व्र. वै.

भ. ४६।१८ उ. प्रदोषः
भ. ११।२७ या.

११पं.आ.कृ.६शु.इ.३२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	२	२	८	२
७	६	२	१७	२७	१	१४	७
२९	५९	३७	५४	१	३३	३७	१५
२४	५६	१	४०	३४	५०	५	३६
५७	३५	५२	२२ ४	७४	७	३	५६
१३	३७	२७	व	२	२०	११	५४

गोचरग्रहाः

शनैश्च पंचके दृष्ट्वा पाताले कंपते फणी । ईशानदेश भंगश्च बन्हिदाहो महर्घता । हरेक वस्तु तेज रहे ।

गोचरग्रहाः

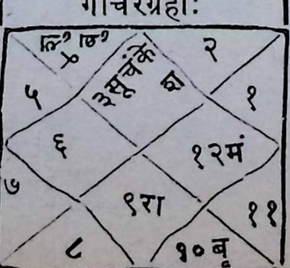

१२पं.आ.कृ.१४शु इ.३२।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	३	२	८	२
१४	११	७	१७	५	२	१४	१३
९	२५	४५	२२	३३	२८	१४	५३
५०	३४	३९	१	३२	२२	५०	४१
५७	३४	२२	२८ ५	७३	७	३	५६
७	३४	५३	व	५६	१४	११	५०

*बुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	र	१६	४२	पु	३८	२३	ध्रु	३/१५	४९/५८	ब	१६	४२	३४/२०	५/८	६/५२	१	१०	२९	क.२५।१८
२	चं	७	३२	पु	३१	५०	ह	४३	५०	कौ	७	३२	१९	८	५२	२	११	१	कर्के
३	चं	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	मं	५३	३८	श्ले	२६	५६	व	३५	३२	व	२६	४३	१८	८	५२	३	१२	२	सिं२६।५६
५	बु	४९	२१	म	२३	४७	सि	२८	५९	ब	२१	२९	१७	९	५१	४	१३	३	सिंहे
६	गु	४७	७	पू	२२	३२	व्य	२४	८	कौ	१८	१४	१५	९	५१	५	१४	४	कं.३७।४८
७	शु	४७	१४	उ	२३	३८	व	२०	५३	ग	१७	१०	१४	९	५१	६	१५	५	कन्यायां
८	श	४९	७	ह	२६	१०	प	१९	७	वि	१८	१०	१३	९	५१	७	१६	६	तु.५८।३०
९	र	५२	४०	चि	३०	५१	शि	१९	१२	बा	२०	५३	११	१०	५०	८	१७	७	तुलायां
१०	चं	५७	३३	स्वा	३७	५	सि	२०	५०	तै	२५	६	१०	१०	५०	९	१८	८	तुलायां
११	मं	६०	०	वि	४३	५५	सा	२१	३७	व	३०	३३	८	१०	५०	१०	१९	९	वृ.२७।१२
११	बु	३	३२	अ	५१	१४	शु	२३	५६	वि	३	३२	७	११	४९	११	२०	१०	वृश्चिके
१२	गु	९	२८	ज्ये	५८	५६	शु	२६	३१	बा	९	२८	५	११	४९	१२	२१	११	ध.५८।५६
१३	शु	१५	४७	मू	६०	०	ब्र	२९	२	तै	१५	४७	४	११	४९	१३	२२	१२	धनुषि
१४	श	२१	३२	मू	६	११	ऐं	३१	८	व	२१	३२	२	१२	४८	१४	२३	१३	धनुषि
१५	र	२७	७	पू	१३	२३	वै	३३	५	ब	२७	७	०	१२	४८	१५	२४	१४	म.२९।५७

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८७ स.१९७३

चन्द्रदर्शन संभवः **जुलाई मा. ७ ता. ३१**

रथयात्रा जमादिलाखर ६

भ. २६/४३ उ. ५३/३८ या. उदयं शनेः ३३।५८

वक्री बुधः ३८।५९

दृश्यः पुन. रविः ३९।४१ (सौरः ५८/५९)

भ ४७/१४ उ. वक्री श्रवणे २ गुरुः ४८/२४ मृगे ४*

भ. १८।१० या. *शनिः २०।२७

अ.श्ले. शुक्रः ३७/५८ रेवत्यां भौमः १६/१७

भ. ३९।३३ उ. देवशयनी ११ व्र. स्मा.

भ. ३ ३/२ या. पश्चि.बुधः १८/२४ देवश. ११व्र. वै.

प्रदोषः

भ. २१।३२ उ. ५४।२०या. वायु परीक्षा

व्यास पूजा गुरुः १५

१३पं.आ.शु.७शु.इ.३२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	३	२	८	२
२०	१५	९	१६	१४	३	१३	२०
५०	४१	३१	४१	५	२१	५२	३१
१०	३१	३७	४२	३१	२५	३४	३५
५७	३३	६/२८	६/२३	७३	७	३	५६
७	४६	ब	ब	५०	६	११	५०

गोचरग्रहाः

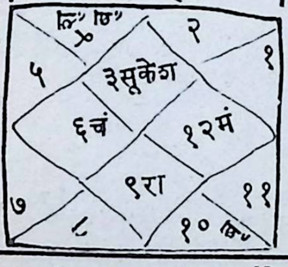

इस मास में बुध शुक्र का योग उत्तम वर्षा कारक है । धान्य में तेजी होकर मन्दी होगी ।

गोचरग्रहाः

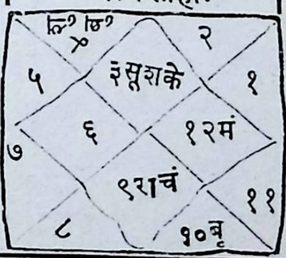

१४पं.आ.शु.१३शु.इ.३२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	९	३	२	८	२
२७	१९	७	१५	२२	४	१३	२७
३०	५०	४	५५	३४	१४	२०	९
३२	३१	४	४८	३२	१३	१८	४२
५७	३२	३५/२२	७/१९	७३	६	३	५६
११	३४	ब	ब	३८	५९	११	५५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	चं	३१	४६	उ	१९	३९	वि	३४	३२	कौ	३१	४६	३३/५८	५/१२	६/४८	१६	२५	१५	मकरे
२	मं	३५	४०	श्र	२५	१५	प्री	३५	१०	तै	३	४३	५६	१३	४७	१७	२६	१६	कु.५७।३६
३	बु	३८	३२	ध	२९	५८	आ	३५	५	व	७	६	५४	१३	४७	१८	२७	१७	कुम्भे
४	गु	४०	१९	श	३३	३९	सौ	३४	१४	ब	९	२६	५२	१४	४६	१९	२८	१८	कुम्भे
५	शु	४०	५१	पू	३६	११	शो	३२	२५	कौ	१०	३५	५०	१४	४६	२०	२९	१९	मी२०।३३
६	श	४०	२२	उ	३७	३३	अ	२९	४७	ग	१०	३६	४७	१५	४५	२१	३०	२०	मीने
७	र	३८	४६	रे	३७	३९	सु	२६	२१	वि	९	३४	४५	१५	४५	२२	३१	२१	मे.३७।३९
८	चं	३५	३४	अ	३६	२९	धृ	२१	२९	बा	७	१०	४२	१६	४४	२३	१	२२	मेषे
९	मं	३१	११	भ	३४	२	शू	१५	३३	तै	३	२२	४०	१६	४४	२४	२	२३	वृ.४८।५
१०	बु	२५	४७	कृ	३०	१५	गं	८	३९	वि	२५	४७	३७	१७	४३	२५	३	२४	वृषे
११	गु	१८	३०	रो	२५	१५	वृ	४६	५१/७	बा	१८	३०	३५	१७	४३	२६	४	२५	मि५२।१३
१२	शु	११	२०	मृ	१९	११	व्या	४२	२८	तै	११	२०	३२	१८	४२	२७	५	२६	मिथुने
१३	श	१	४७	आ	१२	३५	ह	३२	५३	व	१	४७	२९	१८	४२	२८	६	२७	क.५२।१९
१४	श	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	र	४३	३९	पु	५/३४	५३/२५	व	२३	८	च	१८	६	२६	१९	४१	२९	७	२८	कर्के

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

दृश्यः कर्केऽर्कः ५/६ (सौरः ३/४ १/३) मूले.४ राहुः×

×आर्द्रा. २ केतुः ४६।२३

भ. ७।६ उ. ३८।३२ या.

दृश्यः पुष्ये रविः ३८/२२ सिंहे शुक्रः ४०/१९ च. व्र.

पुष्ये रविः सौरः २/२४ वक्री पुन. बुधः ५५/३३+

भ. ४०।२२ उ +नाग ५ मरुस्थले

भ. ९।३४ या.

राष्ट्रीय श्रावणारंभः

भ. ५८।२९ उ.

भ. २५।४७ या.

कामिका ११ व्र.

प्रदोषः

भ. १।४७ उ. २७।१० या.

बुधोदयः पूर्वस्यां ४२।१७ हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.५शु.इ.३२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	९	४	२	८	३
४	२३	३	१५	१	५	१३	३
११	४९	३६	५	३	५	८	४८
१७	२३	३९	६	२१	६	३	९
५७	३१	४२/३७	७/४१	७३	६	३	५६
१५	१४	ब	ब	२३	४१	११	५७

गोचरग्रहाः

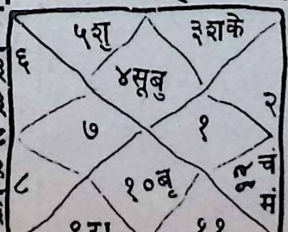

श्रावण कृ.१ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र.वा.५ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ (धान्य भाव सम) शु. प.

गोचरग्रहाः

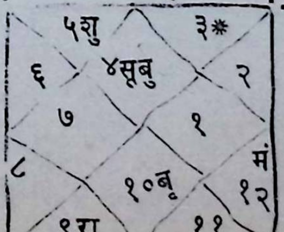

१६पं.श्रा.कृ.१२शु.इ.३१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	९	४	२	८	३
१०	२७	०	१४	९	५	१२	१०
५२	३५	५४	११	३०	५२	४५	२७
१९	४६	३९	२०	४३	२२	४७	२६
५७	२९	३६/३७	७/५२	७३	६	३	५७
२०	३७	ब	ब	१४	२७	११	५

*चंशके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	ड.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६ सन् १९७३
१	चं	३५	१९	श्ले	१३	४	सि	१२	४६	किं	९	२९	३३ २४	५ १९	६ ४१	३०	८	२९	सि५३।४	पूफायांशुक्रः ३९।३९ ×ता. ३१ रज्जब७
२	मं	२८	१९	म	४८	२८	व्य	५३ २	५२ ७	कौ	२८	१९	२१	२०	४०	३१	९	३०	सिंहे	मार्गी बुधः ६।३० चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु	२२	५७	पू	४५	३२	प	४९	२६	ग	२२	५७	१८	२०	४०	१	१०	१	सिंहे	भ. ५५ ३ उ मेषेभौमः ३९ तीज अगस्तमा. ८×
४	गु	१९	२९	उ	४४	४५	शि	४४	३५	वि	१९	२९	१५	२१	३९	२	११	२	कं.०।२१	भ. ५९ २९ या. दृश्यः आश्ले. रविः ३५।२३
५	शु	१८	१४	ह	४६	१	सि	४१	२६	बा	१८	१४	१२	२२	३८	३	१२	३	कन्यायां	आश्ले.रविः सौरः १३ वक्री श्रवणे १गुरुः+
६	श	१९	१	चि	४९	१०	सा	४०	८	तै	१९	१	९	२२	३८	४	१३	४	तु.१७।३६	+८।१९ आर्द्रा. १ शनिः ३२।४९ ना.ग५
७	र	२१	४८	स्वा	५४	५४	शु	४०	०	व	२१	४८	६	२३	३७	५	१४	५	तुलायां	भ. २१।४८ उ. ५४।१ या.
८	चं	२६	१४	वि	६०	०	शु	४१	७	ब	२६	१४	३	२३	३७	६	१५	६	वृ.४४।१३	
९	मं	३२	४	वि	०	३९	ब्र	४३	१९	कौ	३२	४	०	२४	३६	७	१६	७	वृश्चिके	
१०	बु	३७	५५	अ	७	५१	ऐं	४५	३४	तै	५	५९	३२ ५६	२५	३५	८	१७	८	वृश्चिके	पुष्ये बुधः ४७।१४
११	गु	४४	२४	ज्ये	१५	२९	वै	४८	१०	व	११	१०	५३	२५	३५	९	१८	९	व.१५।२९	भ. ५१ १० उ. ४४ २४ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	शु	५०	१६	मू	२३	१६	वि	५०	२६	ब	१७	२०	५०	२६	३४	१०	१९	१०	धनुषि	उफायां शुक्रः ४७।७
१३	श	५५	३७	पू	३०	७	प्री	५२	२०	कौ	२२	५६	४७	२७	३३	११	२०	११	म.४३।३४	प्रदोषः
१४	र	५९	४७	उ	३६	१६	आ	५३	२३	ग	२७	४२	४३	२७	३३	१२	२१	१२	मकरे	भ. ५९।४७ उ.
१५	चं	६०	०	श्र	४१	१३	सौ	५३	३६	वि	३१	२३	४०	२८	३२	१३	२२	१३	मकरे	भ. ३३ ३३ या. कन्यायां शुक्रः ३८ श्रावणीकर्म*
१५	मं	२	५९	ध	४५	३४	शो	५३	२	ब	२	५९	३६	२९	३१	१४	२३	१४	कु.१३।२३	*रक्षाबन्धन भद्रोत्तरम्

१७पं.श्रा.शु.५शु.इ.३१।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	९	४	२	८	३
१७	१	०	१२	१७	६	१२	१७
३४	६	२२	१६	५६	३९	२३	७
१	४	४५	५५	२	५४	३२	१४
५७	२७	१४ ५	७ ५२	७२	६	३	५७
२५	५२	मा	व	५६	८	११	१२

गोचरग्रहाः

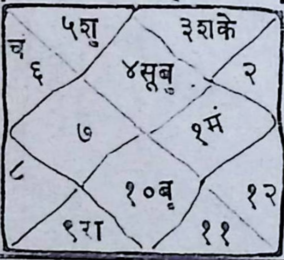

इस मास में गेहूँ चना जौ मटर अरहर मूंग उड़द बाजरा मंदा हो। घृत, गुड़ तैलादि रस तेज रहे।

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.१२शु.इ.३१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	९	४	२	८	३
२४	४	५	१२	२६	७	१२	२३
१६	२०	२६	२२	२१	३६	१	४८
२६	१७	२	३७	१८	१३	१६	११
५७	२५	७२	६ ४	७२	५	३	५७
३३	५३	२९	व	४३	४८	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	ड.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४	५६	श	४८	२५	अ	५१	३०	कौ	४	५६	३२ ३३	५ २९	६ ३१	१५	२४	१५	कुम्भे	
२	गु	५	४५	पू	५०	८	सु	४९	८	ग	५	४५	२९	३०	३०	१६	२५	१६	मी३४।४२	भ. ३५।३० उ. दृश्यो मघा. सिंहेऽर्कः २९ १८×
३	शु	५	१४	उ	५१	१	धृ	४५	५८	वि	५	१४	२६	३१	२९	१७	२६	१७	मीने	भ. ५।१४ या. च. व्र. ×(सौरः ५९ ३८)
४	श	३	५०	रे	५१	९	शू	४२	०	बा	३	५९	२२	३२	२८	१८	२७	१८	मे.५१।९	आश्लेषायां बुधः १७।५७
५	र	१	५६	अ	५०	७	गं	३७	२५	तै	१	५६	१९	३२	२८	१९	२८	१९	मेषे	भ. ५८।५६ उ. चन्द्रषष्ठी
६	र	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५५	१४	भ	४८	२५	वृ	३२	८	वि	२७	५	१५	३३	२७	२०	२९	२०	मेषे	भ. २७।५ या. बुधास्तः पूर्वस्यां ५७।५०
८	मं	५१	४	कृ	४५	५५	ध्रु	२६	१३	बा	२३	९	११	३४	२६	२१	३०	२१	वृ.२।४८	हस्ते शुक्रः ५६।२५ जन्माष्टमी व्र.
९	बु	४५	२२	रो	४२	४०	व्या	१९	३२	तै	१८	१३	८	३४	२६	२२	३१	२२	वृषे	गोगा ९
१०	गु	३९	९	मृ	३८	३९	ह	१२	४३	व	१२	१६	४	३५	२५	२३	१	२३	मि१०।४०	भ.१२।१६उ.३९।९या. रा. भाद्रपदारंभः
११	शु	३४	३०	आ	३३	५९	व	३४ ९	५१ २०	ब	५	४९	०	३६	२४	२४	२	२४	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	श	२५	१५	पु	२८	४२	व्य	४७	२७	तै	२५	१५	३५ ५६	३७	२३	२५	३	२५	क.१५।१	मघा. सिंहे बुधः २२।१७ वत्स द्वादशी+
१३	र	१७	५८	पु	२३	२९	व	३९	२	व	१७	५८	५२	३८	२२	२६	४	२६	कर्के	भ. १७।५८ उ. ४४।२० या.
१४	चं	१०	४१	श्ले	१८	२८	प	३०	४३	श	१०	४१	४८	३८	२२	२७	५	२७	सि१८।२८	+प्रदोषः
३०	मं	४	१९	म	१४	५	शि	२२	५६	ना	४	१९	४४	३९	२१	२८	६	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.३शु.इ.३१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	९	५	२	८	४
०	७	१५	११	४	८	११	०
५९	१३	१९	३२	४३	८	३९	३०
४९	३०	१५	४९	५५	२४	०	३४
५७	२३	३० ०	६ ५८	७२	५	३	५७
४०	२९	६२ २२	व	१४	२२	११	३१

गोचरग्रहाः

भाद्र. कृ. २ गुरौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न.५प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

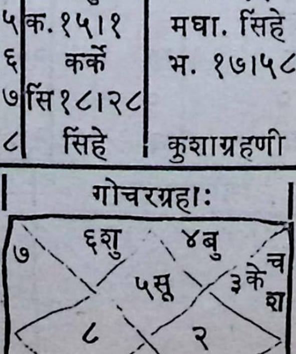

२०पं.भा.कृ.११शु.इ.३१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	९	५	२	८	४
७	९	२८	१०	१३	८	११	७
४४	४३	२०	४७	५	४६	१६	१४
१७	१६	५२	१६	३१	१५	४५	७
५७	२०	[illegible]	६ २९	७१	४	३	५७
४८	१५	[illegible]	व	५०	५७	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद	शुक्लपक्षः	सं. २०३०	शाकः	१८९५								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	मं	५४	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बु	५५	९	पू	१०	५०	सि	१५	५४	बा	२७	१	३१/४०	५/४०	६/२०	२९	७	२९	कं.२५।२१
३	गु	५३	२०	उ	८	५४	सा	१०	१७	तै	२४	१४	३६	४१	१९	३०	८	१	कन्यायां
४	शु	५३	११	ह	९	५	शु	६	१२	व	२३	१५	३२	४२	१८	३१	९	२	तु.४०।१
५	श	५५	१५	चि	१०	५८	शु	३	१८	ब	२४	१३	२८	४२	१८	१	१०	३	तुलायां
६	र	५८	५२	स्वा	१४	४५	ब्र	२	२३	कौ	२७	३	२५	४३	१७	२	११	४	तुलायां
७	चं	६०	०	वि	२०	१०	ऐं	२	२७	ग	३१	३०	२१	४४	१६	३	१२	५	बृ.३।४२
७	मं	४	८	अ	२६	५५	वै	३	५३	व	४	८	१७	४५	१५	४	१३	६	बृश्चिके
८	बु	९	५८	ज्ये	३४	१३	वि	५	४९	ब	९	५८	१३	४५	१५	५	१४	७	ध.३४।१३
९	गु	१६	२१	मू	४१	४७	प्री	८	१६	कौ	१६	२१	९	४६	१४	६	१५	८	धनुषि
१०	शु	२२	१९	पू	४९	१	आ	१०	३२	ग	२२	१९	५	४७	१३	७	१६	९	धनुषि
११	श	२७	४६	उ	५५	३३	सौ	१[illegible]	३२	वि	२७	४६	१	४८	१२	८	१७	१०	म.५।३९
१२	र	३१	५२	श्र	६०	०	शो	१३	५३	बा	३१	५२	३०/५७	४९	११	९	१८	११	मकरे
१३	चं	३४	४८	श्र	०	४०	अ	१४	७	कौ	३	२०	५३	४९	११	१०	१९	१२	कुं.३२।३७
१४	मं	३६	१	ध	४	३५	सु	१३	१३	ग	५	२४	४८	५०	१०	११	२०	१३	कुम्भे
१५	बु	३५	५८	श	६	५०	धृ	११	१२	वि	६	०	४४	५१	९	१२	२१	१४	मी५२।३५

शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गण:१४६ स.१९७३

चन्द्रदर्शनम् सम्भव:
दृश्य:पूफायांरवि:१८/५५ सौर:५०/३० सावान ८
भ. २३।१५ उ. ५३।११या. गणेश चतुर्थी
पूफायांबुध:५/८ ऋषि५ सितम्बर ९ ता. ३०
चित्रायां शुक्र: १६/१३ वक्री उषा. ४ गुरु:२३/२

भ. ४।८ उ. ३७।३ या.

*भौम: ३६/७ रामदेवजीका मेला
भ. ५५/२ उ. तुलायांशुक्र:४७।३४ भरण्यां*
भ.२७/४६ या. उफा. बुध: ३६/१ जलझू.११ व्र.
कन्यायांबुध:५३/३६ आर्द्रा.२शनि:३९/४ वा.१२
प्रदोष:
भ. ३६।१ उ. अनंत १४
भ. ६।० या. महालय श्राद्धारंभ:

२१पं.भा.शु.४शु.इ.३१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	९	५	२	८	४
१४	११	१२	१०	२१	९	१०	१३
२९	४६	१३	८	२४	२१	५४	५९
५६	५९	२६	१६	२८	२१	२९	१९
५८	१७	[illegible]	५/२३	७।	४	३	५७
१	३१	[illegible]	ब	२	३१	११	५७

गोचरग्रहा:

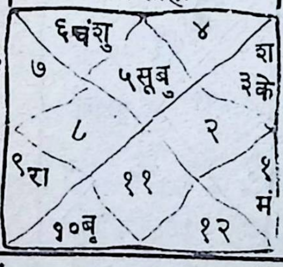

भूमिपुत्रो यदा मेषे सुभिक्षं सर्व-धान्यकम् । रसादीनि महर्घाणि क्रोधवास्तु भवेन्नृप: ।।

गोचरग्रहा:

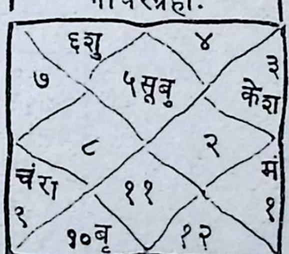

२२पं.भा.शु.१०शु.इ.३१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	९	५	२	८	४
२१	१३	२५	९	२९	९	१०	२०
१६	१८	३३	३६	४०	५१	३२	४५
५५	५०	१०	३९	३०	४३	१४	५९
५८	१३	[illegible]	४/९	७०	३	३	५८
१३	५५	[illegible]	ब	५९	५३	११	१२

ति.	आश्विन	कृष्णपक्षः	सं. २०३०	शाकः	१८९५								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	३४	१५	पू	७	५२	शू	८	५	बा	५	६	३०/४०	५/५	६/८	१३	२२	१५	मीने
२	शु	३१	४४	उ	७	३७	गं	५३/५६	५५/५६	तै	३	०	३६	५३	७	१४	२३	१६	मीने
३	श	२८	१२	रे	६	२५	ध्रु	५३	१९	वि	२८	१२	३२	५४	६	१५	२४	१७	मे.६।२५
४	र	२४	०	अ	४	३०	व्या	४७	१६	बा	२४	०	२८	५४	६	१६	२५	१८	मेषे
५	चं	१९	२९	भ	२/१	५७/१०	ह	४०	५०	तै	१९	२९	२४	५५	५	१७	२६	१९	बृ.१६।१८
६	मं	१५	५	रो	५६	५	व	३४	१३	व	१५	५	२०	५६	४	१८	२७	२०	बृषे
७	बु	९	४४	मृ	५२	५८	सि	२७	२६	ब	९	४४	१६	५७	३	१९	२८	२१	मि२४।३१
८	गु	४	३१	आ	४९	३१	व्य	२०	१९	कौ	४	३१	१२	५८	२	२०	२९	२२	मिथुने
९	गु	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२३	०
१०	शु	५३	४३	पु	४५	२७	व	१३	११	व	२६	२८	८	५८	२	२१	३०	२४	क.३१।२८
११	श	४८	१४	पु	४२	२५	प	५/५५	५२/५६	ब	२०	४७	४	५९	१	२२	३१	०	कर्के
१२	र	४३	१	श्ले	३९	०	सि	५१	५०	कौ	१५	३८	३०/००	६/००	६/००	२३	१	२५	सिं३९।०
१३	चं	३८	१६	म	३५	५७	सा	४५	४	ग	१०	३८	२९/५५	१	५/५९	२४	२	२६	सिंहे
१४	मं	३४	२	पू	३३	३६	शु	३८	५७	वि	६	९	५१	२	५८	२५	३	२७	क.४८।१४
३०	बु	३१	७	उ	३२	८	शु	३३	३५	च	२	३४	४७	३	५७	२६	४	२८	कन्यायां

शरदतूरविर्दक्षिणे भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा:

दृश्य: उफायां रवि:१५/३ (सौर:३५/४)स्वा.×
भ. ५९।५८ उ. ×त्यां शुक्र: २६/११
भ. २८/१२ या. हस्ते बुध: ३७।६ चतुर्थी व्र.
दृश्य: कन्यायामर्क: २८।३६
कन्याऽर्क: सौर:२९/० मूल.३राहु: आर्द्रा.१*
भ. १५/५ उ. ४२/२५ या. *केतु:३८।२८
बुधोदय: पश्चिमायाम् २।१७
मातृ ९

भ. २६।२८ उ. ५३।४३ या.
इन्दिरा ११ व्र.
चित्रायां बुध: ४३।४८ रा. आश्विनारंभ:
भ. ३८/१६ उ. विशाखा. शुक्र: ५२/१८ प्रदोष:
भ. ६।९ या. शस्त्रादि हतानां श्रा.
दृश्यो हस्ते रवि: ४१।४२ सर्वपितृ ३०

२३पं.आ.कृ.२शु.इ.३०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	५	९	६	२	८	४
२८	१४	८	९	७	१०	१०	२७
५	१५	०	१२	५५	१८	९	३४
२४	२९	१४	४६	८	११	५७	२२
५८	१०	[illegible]	३	७०	३	३	५८
२६	०	[illegible]	ब	२५	१४	११	२९

गोचरग्रहा:

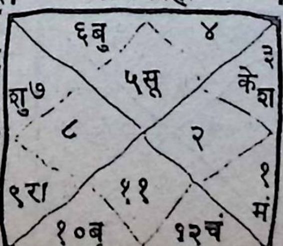

आ. कृ. ४ रवौ कन्यायामर्क: प्र. वा.४न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.प. ।

गोचरग्रहा:

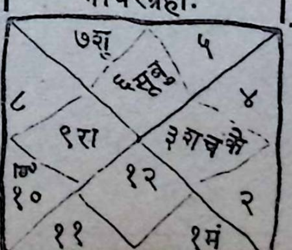

२४पं.आ.कृ.१०शु.इ.३०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	९	६	२	८	५
४	१४	१९	८	१६	१०	९	४
५५	३१	३७	५८	६	४०	४७	२४
१९	४१	५१	१२	०	१९	४२	२९
५८	५	[illegible]	४१/१	६९	२	३	५८
३८	४६	[illegible]	ब	४०	३५	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७५ स.१९७३
१	शु	२९	३७	ह	३२	१३	ब्र	२९	१८	ब	२९	३७	२९/४३	६/३	५/५७	२७	५	२९	कन्यायां	हस्ते रविः सौरः १२/४९ नवरा.मातामह श्रा.
२	शु	२९	३२	चि	३३	३९	ऐं	२६	१३	कौ	२८	४९	३८	४	५६	२८	६	३०	तु.२।५६	तुलायां बुधः ११।४४ चन्द्रदर्शनम्
३	श	३१	१८	स्वा	३६	४७	वै	२४	४०	तै	०	२५	३४	५	५५	२९	७	१	तुलायाँ	रमजान ९
४	र	३४	४१	वि	४१	२२	वि	२३	४४	व	२	५९	३०	६	५४	३०	८	२	वृ.२५।१३	भ. ३/० उ. ३४/४१ या. मार्गी गुरुः ११।२७
५	चं	३९	४१	अ	४७	३१	प्री	२४	२३	ब	७	११	२६	७	५३	१	९	३	वृश्चिके	वक्री भौमः १/३९ अक्टूबर मा. १० ता.३१
६	मं	४५	१३	ज्ये	५४	२३	आ	२६	१	कौ	१२	२७	२२	८	५२	२	१०	४	ध.५४।२३	स्वात्यां बुधः ४२।५३
७	बु	५१	३०	मू	६०	०	सौ	२७	५७	ग	१८	२१	१८	८	५२	३	११	५	धनुषि	भ.५१/३० उ. वृश्चिके शुक्रः ३०/३९ वक्री अश्वि.*
८	गु	५७	४७	मू	१	५६	शो	३०	३०	वि	२४	३९	१४	९	५१	४	१२	६	धनुषि	भ. २४/३९ या. सरस्वती पूजनं बलिदा.
९	शु	६०	०	पू	९	२२	अ	३२	३४	बा	३०	४१	१०	१०	५०	५	१३	७	म.२६।८	*भौमः ४५।५ सरस्वत्यावाहनम्
९	श	३	३५	उ	१६	२७	सु	३४	२०	कौ	१	३५	६	११	४९	६	१४	८	मकरे	अनु. शुक्रः ३७/१५ विजया १० सरस्वती विस.
१०	र	८	१०	श्र	२२	१२	धृ	३५	४	ग	२	१०	२	१२	४८	७	१५	९	कुं.५४।१९	भ. ३९।४३ उ.
११	चं	११	१७	ध	२६	२६	शू	३४	३४	वि	११	१७	२८/५८	१२	४८	८	१६	१०	कुम्भे	भ. ११।३७ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	मं	१२	३४	श	२९	७	गं	३२	५१	बा	१२	३४	५४	१३	४७	९	१७	११	कुम्भे	प्रदोषः
१३	बु	१२	११	पू	३०	२	वृ	२९	३७	तै	१२	११	५०	१४	४६	१०	१८	१२	मी१४।४८	दृश्यश्चित्रा. रविः १३।४३ (सौरः ४३/२५)
१४	गु	९	४७	उ	२९	१९	ध्रु	२४	५३	व	९	४७	४६	१५	४५	११	१९	१३	मीने	भ.९/४७ उ. ३७/५५ या. शरद १५ कोजागरी व्र.
१५	शु	६	४	रे	२६	५७	व्या	१९	१६	ब	६	४	४२	१६	४४	१२	२०	१४	मे.२६।५७	विशांखा. बुधः ५३।२

२५पं.आ.शु.२शु.इ.३०।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	९	६	२	८	५
११	१४	०	८	२४	१०	९	११
४६	१३	२९	५३	१३	५७	२५	१६
५५	२१	२	५२	१९	७	२७	३३
५८	१	९२	१०/८	६८	१	३	५९
५३	२२	७	व	५३	५५	११	०

२६पं.आ.शु.९शु.इ.३०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	९	७	२	८	५
१८	१३	१०	८	२	११	९	१८
४०	१५	३०	५८	१५	८	३	१०
८	४०	१०	२२	४१	४२	११	२०
५९	२/२८	८२	५०/७	६७	१	३	५९
९	व	२४	मा	५७	१६	११	१६

२७पं.आ.शु.१५शु.इ.३०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	९	७	२	८	५
२५	११	१९	९	१०	११	८	२५
३५	४२	३३	११	१४	१६	४०	६
६	३२	४	१२	३१	१२	५६	२
५९	६/६	७१	२	६६	०	३	५९
२१	प	५	१७	५२	३१	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१	८	अ	२३	४५	ह	१२	२६	कौ	१	८	२८/३८	६/१६	५/४४	१३	२१	१५	मेषे	
२	श	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×सौरः २६।८ वक्री शनिः १।२३
३	र	४९	११	भ	१९	४२	व	४/५९	५२/८	व	२२	१७	३४	१७	४३	१४	२२	१६	वृ.३३।३९	भ. २२।१७ उ. ४९।११ या.
४	चं	४३	२०	कृ	१५	२९	व्य	४९	७	ब	१६	१६	३०	१८	४२	१५	२३	१७	वृषे	करक चतुर्थी व्र.
५	मं	३६	४७	रो	१०	५८	व	४१	८	कौ	१०	४	२६	१९	४१	१६	२४	१८	मि३८।५८	दृश्यस्तुलायामर्कः ५७।२९
६	बु	३०	५३	मृ	६	५९	ष	३३	५६	ग	३	५०	२२	२०	४०	१७	२५	१९	मिथुने	भ. ३०।५३ उ. ५८।१३ या. तुलाऽर्कः×
७	गु	२५	३४	आ	३/४	५६/२७	शि	२६	१६	ब	२५	५४	१८	२०	४०	१८	२६	२०	क.४५।२४	ज्येष्ठायां भौमः १०।४२
८	शु	१९	४१	पु	५६	३५	सि	१८	५८	कौ	१९	४१	१४	२१	३९	१९	२७	२१	कर्के	●सौरः७।६ श्रवणे १ गुरुः ४६/५१ रूप १४
९	श	१६	१४	श्ले	५४	१९	सा	१२	१६	ग	१६	१४	१०	२२	३८	२०	२८	२२	सिं५४।१९	भ. ४४।४४ उ.
१०	र	१३	१४	म	५२	३५	शु	६	९	वि	१३	१४	६	२३	३७	२१	२९	२३	सिंहे	भ. १३।१४ या. +कार्तिकारंभः
११	चं	९	१६	पू	५१	३१	शु	३०/५	५४/५४	बा	९	१६	२	२४	३६	२२	३०	२४	सिंहे	वृश्चिके बुधः ३८।५९ रमा ११ व्र.
१२	मं	६	४६	उ	५१	१२	ऐं	५१	७	तै	६	४६	२७/५८	२४	३६	२३	१	२५	कं.६।२६	दृश्यःस्वात्यांरविः ३३/३१ प्रदोषः घन१३रा.+
१३	बु	५	१४	ह	५२	१	वै	४७	३१	व	५	१४	५४	२५	३५	२४	२	२६	कन्यायां	भ. ५।१४ उ. ३५।७ या. स्वात्यां रविः●
१४	गु	४	५९	चि	५३	५३	वि	४४	५८	च	४	५९	५०	२६	३४	२५	३	२७	तु.२२।५७	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	शु	५	४४	स्वा	५७	२१	प्री	४३	३३	ना	५	४४	४६	२७	३३	२६	४	२८	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजनम्

२८पं.का.कृ.८शु.इ.३०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	६	९	७	२	८	६
२	९	२७	९	१८	११	८	२
३१	४४	११	३५	७	१६	१८	३
३४	४२	४९	५३	८	८	४०	३२
५९	८/३१	५३	३	६५	१०/७	३	५९
३४	व	२६	४१	४९	ब	११	४६

गोचरग्रहाः

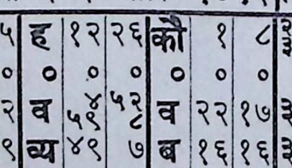

का. कृ. ५ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा. ३न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे स-मता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

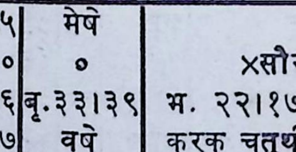

२९पं.का.कृ.३०शु.इ.२९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	९	७	२	८	६
९	७	२	१०	२५	११	७	९
२९	३४	२१	८	४९	११	५६	२
४९	५	११	२०	१	४६	२४	५२
५९	१०/३२	२३	४	६३	५९/०	३	६०
४७	प	२४	५१	५८	ब	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	७	५८	वि	६०	०	आ	४२	३१	ब	७	५८	२७/४२	६/२८	५/३२	२७	५	२९	वृ.४५।४०
२	र	११	३२	वि	१	४६	सौ	४२	५२	कौ	११	३२	३९	२८	३२	२८	६	३०	वृश्चिके
३	चं	१६	२१	अ	७	३७	शो	४४	४	ग	१६	३१	३५	२९	३१	२९	७	१	वृश्चिके
४	मं	२२	१	ज्ये	१४	६	अ	४५	४१	वि	२२	१	३१	३०	३०	३०	८	२	ध.१४।६
५	बु	२८	२७	मू	२१	५१	सु	४८	१०	बा	२८	२७	२७	३१	२९	३१	९	३	धनुषि
६	गु	३४	४७	पू	२९	२४	धृ	५०	३२	कौ	१	३७	२४	३१	२३	१	१०	४	म.४६।१५
७	शु	४१	५	उ	३६	४९	शू	५२	४१	ग	७	५६	२०	३२	२८	२	११	५	मकरे
८	श	४६	१७	श्र	४३	३२	गं	५४	९	वि	१३	४१	१६	३३	२७	३	१२	६	मकरे
९	र	५०	१४	ध	४८	५३	वृ	५४	३३	बा	१८	१५	१३	३३	२७	४	१३	७	कु.१६।१२
१०	चं	५२	१९	श	५२	३२	ध्रु	५३	४१	तै	२१	१६	९	३४	२६	५	१४	८	कुम्भे
११	मं	५२	३५	पू	५४	२५	व्या	५१	११	व	२२	२७	६	३५	२५	६	१५	९	मी ३८।५७
१२	बु	५०	३४	उ	५४	१६	ह	४७	२१	ब	२१	३५	२	३६	२४	७	१६	१०	मीने
१३	गु	४६	५२	रे	५२	३४	व	४१	४४	कौ	१८	४३	२६/५९	३६	२४	८	१७	११	मे.५२।३४
१४	शु	४१	२२	अ	४८	२३	सि	३४	४१	ग	१४	७	५६	३७	२३	९	१८	१२	मेषे
१५	श	३४	२६	भ	४३	३१	व्य	२६	३१	वि	७	५४	५३	३७	२३	१०	१९	१३	वृ.५७।१

शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०५सन् १९७३

चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
भ. ४९/१६ उ. वक्री बुधः ६।२ सव्वाल १०
भ. २२।१ या. मूले धनुषि शुक्रः १७।५५

नवम्बर मा. ११ ता. ३०
भ. ४१।५ उ.
भ. १३/४१ या. पश्चिमास्तोबुधः ५५/५२ गोपाष्टमी
अक्षया ९ कुष्माण्ड ९
दृश्यो विशाखा. रविः ५९।५४ वक्री*
भ. ३३/२७ उ. ५२/३५ या. विशाखा.रविःसौरः×
×३४/३५ प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
प्रदोषः *तुलायां बुधः २०।३२
भ. ४१।२२ उ. वैकुण्ठ १४
भ. ७।५४ या. पुष्कर यात्रा

३०पं.का.शु.७शु.इ.२९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	९	८	२	८	६
१६	५	१	१०	३	११	७	१६
२९	३१	५२	४९	१८	१	३४	३
३८	१	३७	५५	४७	५९	९	५६
६०	१०/२०	३९/३४	५	६२	१/४३	३	६०
४	व	व	५८	१०	व	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मासमें पांच शनिवार अशुभ हैं। प्रजामें पीड़ा एवं अग्नि युद्ध भय हो। रसपदार्थ तेच धान्य भाव साधारण रहे

गोचरग्रहाः

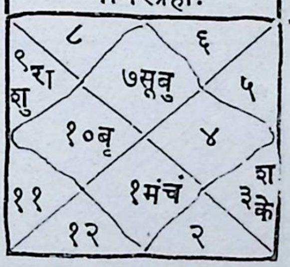

३१पं.का.शु.१४शु.इ.२९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	६	९	८	२	८	६
२३	३	२५	११	१०	१०	७	२३
३०	४४	३	३७	३८	४६	१२	६
५८	४२	२६	४१	५३	४	५३	३४
६०	९/८	१७/११	६	५९	२/१९	३	६०
१७	व	व	४९	४२	व	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	र	२६	४७	कृ	३७	३१	व	१७	३१	बा	०	३६	२६/४९	६/३८	५/२२	११	२०	१४	वृषे
२	चं	१९	१५	रो	३७	२८	ध	७/५६	५०/१७	ग	१९	१५	४६	३९	२१	१२	२१	१५	मि५८।२८
३	मं	१०	४९	मृ	२५	२८	सि	४८	५६	वि	१०	४९	४३	३९	२१	१३	२२	१६	मिथुने
४	बु	३	८	आ	१९	५३	सा	३९	५०	बा	३	८	४०	४०	२०	१४	२३	१७	मिथुने
५	बु	५३	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	गु	५०	२२	पु	१५	१	शु	३१	३६	ग	२३	२०	३७	४१	१९	१५	२४	१८	क.१।१४
७	शु	४५	३२	पु	११	९	शु	२३	५७	वि	१७	५७	३४	४१	१९	१६	२५	१९	कर्के
८	श	४१	४६	श्ले	८	९	ब्र	१७	१७	बा	१३	३९	३१	४२	१८	१७	२६	२०	सिं ८।९
९	र	३९	२३	म	६	२५	ऐं	११	४०	तै	१०	३४	२९	४२	१८	१८	२७	२१	सिंहे
१०	चं	३७	५७	पू	५	५४	वै	७	०	व	८	४०	२६	४३	१७	१९	२८	२२	कं.२१।१
११	मं	३७	३४	उ	६	२३	वि	३	८	ब	७	४५	२४	४३	१७	२०	२९	२३	कन्यायां
१२	बु	३८	३७	ह	८	७	प्री	०/१६	५/३	कौ	८	५	२१	४४	१६	२१	३०	२४	तु.३९।३३
१३	गु	४०	३३	चि	१०	५९	सौ	५७	२०	ग	९	३५	१९	४४	१६	२२	१	२५	तुलायाँ
१४	शु	४३	४६	स्वा	१४	५०	शो	५७	१६	वि	१२	९	१६	४५	१५	२३	२	२६	तुलायां
३०	श	४७	५३	वि	१९	५८	अ	५७	३५	च	१५	५०	१३	४५	१५	२४	३	२७	बृ.३।४१

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणो कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

×पूषायां शुक्रः ११।३०
भ. ४५।२ उ. वक्रीस्वात्यांबुधः ३६।५४×
भ. १०।४९ या.
=पातस्पर्शः ६।४१ मोक्षः २३।१५
*बुधोदयः पूर्वस्यां ४९।२४
भ. ५०।२२ उ. दृश्यो वृश्चिकेऽर्कः ५५/५२=
भ. १७।५७ या. वृश्चिकेऽर्कः सौरः १८/५२*
+राहुः मृगे. ४ केतुः ३०।५५
÷रविः १४।१६ (सौरः ३६/४०) मूले. २+
भ. ८।४०उ. ३७।५७या. दृश्योऽनुराधा.÷
मार्गी बुधः २।५२ उत्पत्ति ११ व्र.
श्रवणे २ गुरुः २७।२८
भ.४०।३३उ. प्रदोषः रा. मार्गशीर्षारंभः
भ. १२।९ या. मार्गी भौमः १।३०
वक्री आर्द्रा. १ शनिः ७।१

३२पं. मा.कृ.७शु.इ २९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	६	९	८	२	८	७
०	२	१८	१२	१७	१०	६	०
३३	३२	७	३४	४२	२६	४९	१०
४७	२४	३७	३७	०	४९	३८	३८
६०	५/५५	४०/४७	८	५६	५/३	३	६०
३०	व	व	३	४६	व	११	४०

गोचरग्रहाः

मार्गं. कृ. ६ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

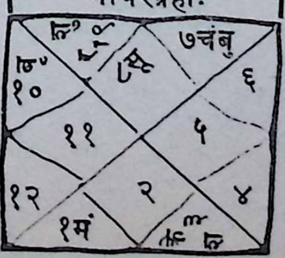

३३पं.मा.कृ.१४शु.इ.२९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	६	९	८	२	८	७
७	१	१८	१३	२४	१०	६	७
३७	५४	१२	३८	२४	२	२७	१६
३७	१७	१८	१३	५८	१७	२२	११
६०	०/२५	३९/४४	८	५३	३/३७	३	६०
४२	मा	मा	५९	५	व	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	५३	१७	अ	२५	५३	सु	५८	४३	किं	२०	३५	२६/११	६/४६	५/१४	२५	४	२८	बृश्चिके
२	चं	५८	५६	ज्ये	३२	३५	धृ	६०	०	बा	२६	७	८	४६	१४	२६	५	२९	ध.३२।३५
३	मं	६०	०	मू	३९	५७	धृ	०	२२	तै	३२	१०	६	४७	१३	२७	६	१	धनुषि
३	बु	५	२५	पू	४७	३४	शू	२	३९	ग	५	२५	३	४७	१३	२८	७	२	धनुषि
४	गु	१२	०	उ	५५	५	गं	४	४४	वि	१२	०	१	४८	१२	२९	८	३	म.४।२७
५	शु	१८	३०	श्र	६०	०	वृ	७	१८	बा	१८	३०	२५/५९	४८	१२	३०	९	४	मकरे
६	श	२४	७	श्र	२	२२	ध्रु	९	२०	तै	२४	७	५७	४९	११	१	१०	५	कुं.३५।३१
७	र	२८	५३	ध	८	४०	व्या	१०	२३	व	२८	५३	५५	४९	११	२	११	६	कुम्भे
८	चं	३२	१	श	१३	४७	ह	१०	३५	वि	०	२७	५३	४९	११	३	१२	७	कुंभे
९	मं	३३	२७	पू	१७	२	व	९	३०	बा	२	४४	५१	५०	१०	४	१३	८	मी१।१३
१०	बु	३२	४७	उ	१८	३२	सि	६	४९	तै	३	७	४९	५०	१०	५	१४	९	मीने
११	गु	३०	४	रे	१८	७	व्य	३२/५	५४/२	व	१	२५	४८	५०	१०	६	१५	१०	मे.१८।७
१२	शु	२५	२०	अ	१५	४२	व	४९	१६	बा	२५	२०	४६	५१	९	७	१६	११	मेषे
१३	श	१८	४४	भ	११	२	शि	४०	२६	तै	१८	४४	४५	५१	९	८	१७	१२	वृ.२४।३२
१४	र	१०	४१	कृ	५/४	५३/५	सि	३०	३२	व	१०	४१	४४	५१	९	९	१८	१३	वृषे
१५	चं	२	१७	मृ	५०	३९	सा	२०	०	ब	२	१७	४२	५२	८	१०	१९	१४	मि२४।२४

हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३४स.१९७३

विशाखा. बुधः ११।४६ उषायां शुक्रः=
जिल्काद ११
भ. ३८।४३ उ. =१।४६ चन्द्रदर्शनम्
भ. १२।० या. मकरे शुक्रः ४१।२३

चम्पा ६ **दिसम्बर मा. १२ ता. ३१**
भ. २८।५३ उ. दृश्यो ज्येष्ठा. रविः*
भ. ०।२७ या.
बृश्चिके बुधः १७।४२
*२४।२६ (सौरः ४३।४०)
भ. १।२५ उ. ३०।४ या. अनु. बुधः ३८/५५×
प्रदोषः
×मोक्षदा ११ व्र. गीता जयंती
भ. १०।४१ उ. ३६।२९ या. ग्रस्तास्त+
पात स्पर्शः ४१।१८ +चन्द्रग्रहणम्

३४पं.मा.शु.५शु.इ.२८।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	६	९	९	२	८	७
१४	१	२५	१४	०	९	६	१४
४२	५८	२	४७	३८	३५	५	२२
५४	४१	६	२०	१३	२	६	५७
६०	२	७१	९	४८	५ ३/९	३	६१
५०	२	५०	४६	१३	ब	११	३

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ रवि ५सोम सामान्य है सोमवारा यदा पंचश्चांदमासे भवन्ति हि। धनं धान्यं समृद्धिः स्यात्सुखं सर्वत्र सुन्दरं ॥

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.शु.१२शु.इ.२८।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	९	९	२	८	७
२१	२	४	१६	६	९	५	२१
४८	३८	३०	२	१४	४	४२	३०
५८	५३	३२	३१	६	१	५१	४४
६०	६	८४	१०	४१	१ ४/५	३	६१
५६	३५	५८	३१	५६	ब	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	मं	४३	११	आ	४३	७	शु	९/१४	४९/१६	तै	१७	५३	२५/४१	६/५२	५/८	११	२०	१५	मिथुने
३	बु	३४	३२	पु	३६	१५	ब्र	४८	२०	व	८	५१	४०	५२	८	१२	२१	१६	क.२२।५८
४	गु	२६	३९	पु	३०	१९	ऐं	३८	४६	ब	०	३६	३९	५२	८	१३	२२	१७	कर्के
५	शु	२०	९	श्ले	२५	३५	वै	३०	३६	तै	२०	९	३८	५२	८	१४	२३	१८	सिं२५।३५
६	श	१५	७	म	२२	२३	वि	२३	३१	व	१५	७	३८	५२	८	१५	२४	१९	सिंहे
७	र	११	५५	पू	२०	४१	प्री	१७	५०	ब	११	५५	३७	५३	७	१६	२५	२०	कं.३५।४०
८	चं	१०	१४	उ	२०	३५	आ	१३	२७	कौ	१०	१४	३७	५३	७	१७	२६	२१	कन्यायां
९	मं	१०	१२	ह	२२	२७	सौ	१०	२२	ग	१०	१२	३७	५३	७	१८	२७	२२	तु.५४।५
१०	बु	११	४४	चि	२५	४३	शो	८	२८	वि	११	४४	३६	५३	७	१९	२८	२३	तुलायां
११	गु	१४	२४	स्वा	३०	१	अ	७	४७	बा	१४	२४	३६	५३	७	२०	२९	२४	तुलायां
१२	शु	१८	३५	वि	३५	२८	सु	८	८	तै	१८	३५	३६	५३	७	२१	३०	२५	वृ.१९।६
१३	श	२३	२९	अ	४१	४६	धृ	८	५०	व	२३	२९	३६	५३	७	२२	१	२६	वृश्चिके
१४	र	२९	२३	ज्ये	४८	५३	शू	९	२०	श	२९	२३	३६	५३	७	२३	२	२७	ध.४८।५३
३०	चं	३५	१६	मू	५५	५९	गं	१२	१८	च	२	२०	३७	५३	७	२४	३	२८	धनुषि

हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

श्रवणे ३ गुरुः २।३५ पातमोक्षः २४।२२
भ. ८।५१उ. ३४।३२ या. श्रवणे शुक्रः ४१/१३
चतुर्थी व्र.

भ. १५।७उ. ४३/३१ या. दृश्यो मूले धनुष्यर्कः×
पूर्वास्तं बुधः ४०।३२
×३१/३८ सौरः ४७/२४ ज्येष्ठा. बुधः ४१।४७
भ. ४०।५८ उ.
भ. ११।४४ या.
सफला ११ व्र.
प्रदोषः
भ. २३।२९ उ. ५६।२६ या. रा. पौषारंभः

मूले धनुषि बुधः १६।३२ सोमवती ३०

३६पं. पौ.कृ.५शु.इ.२८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	९	९	२	८	७
२८	३	१४	१७	११	८	५	२८
५५	५५	४७	२२	०	३०	२०	३९
५२	५५	४२	१६	३६	५०	३५	२७
६१	१०	९१	११	३३	३ ४/४	३	६१
०	५२	५९	९	५३	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

पौष कृ. ६ शनौ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

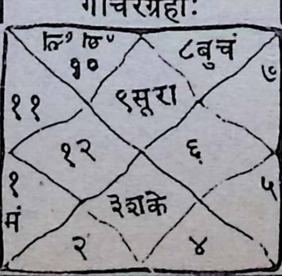

३७पं.पौ.कृ.१२शु.इ.२८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	९	९	२	८	८
६	५	२५	१८	१४	७	४	५
३	४०	३१	४६	४७	५६	५८	४८
२९	४१	२६	५२	१२	१०	२०	५२
६१	१३	९५	११	२३	४/०	३	६१
४	५४	५०	४९	२२	ब	११	२२

*बृशुचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०३०	शाकः	१८९५								दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	४१	४९	पू	६०	०	वृ	१३	२१	किं	८	३२	३५/३७	५६/५३	५/७	२५	४	२९	धनुषि
२	बु	४८	१७	पू	३	४९	ध्रु	१६	२९	बा	१५	३	३७	५२	७	२६	५	३०	म.२०।४०
३	गु	५४	४३	उ	११	१५	व्या	१८	५०	तै	२१	३०	३८	५२	८	२७	६	१	मकरे
४	शु	६०	०	श्र	१८	३२	ह	२०	४५	व	२७	३७	३८	५२	८	२८	७	२	कु.५१।४८
५	श	०	३०	ध	२५	५	व	२२	८	वि	०	३०	३९	५२	८	२९	८	३	कुम्भे
५	र	५	२६	श	३०	५५	सि	२३	४	बा	५	२६	४०	५२	८	३०	९	४	कुम्भे
६	चं	९	९	पू	३५	२७	व्य	२२	५८	तै	९	९	४०	५२	८	३१	१०	५	मी१९।१९
७	मं	११	४०	उ	३८	२७	व	२१	३७	व	११	४०	४१	५२	८	१	११	६	मीने
८	बु	१२	१२	रे	३९	४७	प	१८	४३	ब	१२	१२	४२	५२	८	२	१२	७	मे.३९।४७
९	गु	११	६	अ	३९	९	शि	१४	३३	कौ	११	६	४३	५१	९	३	१३	८	मेषे
१०	शु	७	४९	भ	३६	५२	सि	८	४९	ग	७	४९	४४	५१	९	४	१४	९	वृ.५०।४१
११	श	२	४८	कृ	३२	९	सा	२ ३१	५२ ३१	त्रि	२	४८	४६	५१	९	५	१५	१०	वृषे
१२	श	५३	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	र	४८	१४	रो	२६	१४	शु	४२	५७	कौ	२२	७	४७	५१	९	६	१६	११	मि५२।४७
१४	चं	३८	३६	मृ	१९	५	ब्र	३२	२२	ग	१३	२५	४९	५०	१०	७	१७	१२	मिथुने
१५	मं	२८	४३	आ	११	२१	ऐं	२१	६	वि	३	५१	५१	५०	१०	८	१८	१३	क.५०।२३

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२६४स.१९७४

चन्द्रदर्शनम्
श्रवणे ४ गुरुः १४।२४ जिल्हेज १२
भ. २७।३७ उ. दृश्यः पूषायां रविः ३६/३४ *
भ. ०।३० या. *(सौरः ४९/२)

भ. ११/४० उ. ४१/५६ या. वक्री शुक्रः ५८/७ ×
पूषायां बुधः ०।४
×जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९७४
भ. ३५।१८ उ. पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
भ. २।४८ या. पुत्रदा ११ व्र. वै.

वक्री मृगे. ४ शनिः ११।५८ प्रदोषः
भ. ३८।३६ उ.
भ. ३।४० या. माघ स्नान प्रारम्भः

३८पं.पौ.शु.४शु.इ.२८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	९	२	८	८
१३	७	६	२०	१७	७	४	१२
११	५१	२४	१५	८	२१	३६	५८
३१	०	३६	७	२	०	४	४४
६१	१७	९२	१२	१०	४/०	३	६१
६	३३	२८	१७	८	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

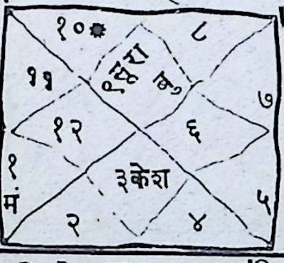

इस मास में घृत गुड़ तिल तेल नमक बिनौला चांदी अलसी एरण्डा शेयर्स में तेजी हो।

गोचरग्रहाः

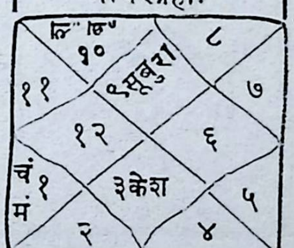

३९पं.पौ.शु.१०शु.इ.२८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	९	२	८	८
२०	१०	१७	२१	१७	६	४	२०
१९	२१	३०	४६	३९	४७	१३	८
२६	५०	१४	८	५०	४२	४८	४१
६१	२०	९०	१२	५/३५	४/२७	३	६१
६	११	२३	४०	ब	ब	११	२६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं० २०३०	शाकः	१८९५								दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	१८	३४	पु	२३/३	५२/२०	वै	९/५९	४९/५	कौ	१८	३४	२६/५२	६/५०	५/१०	९	१९	१४	कर्के
२	गु	९	४२	श्ले	४९	१	प्री	४९	१	ग	९	४२	५४	४९	११	१०	२०	१५	सिं४९।१
३	शु	१	३०	म	४३	४०	आ	४२	९	वि	१	३०	५६	४९	११	११	२१	१६	सिंहे
४	शु	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	श	४९	३३	पू	४०	१६	सौ	३२	३१	कौ	२२	५	५८	४८	१२	१२	२२	१७	कं.५४।५०
६	र	४६	२८	उ	३८	३४	शो	२६	४२	ग	१८	१	२६/१	४८	१२	१३	२३	१८	कन्यायां
७	चं	४५	३४	ह	३८	५२	अ	२२	१३	वि	१६	१	३	४७	१३	१४	२४	१९	कन्यायां
८	मं	४६	३५	चि	४१	१०	सु	१९	३०	बा	१६	४	५	४७	१३	१५	२५	२०	तु.१०।१
९	बु	४९	११	स्वा	४५	७	धृ	१८	३	तै	१८	५३	८	४६	१४	१६	२६	२१	तुलायां
१०	गु	५३	२५	वि	५०	२८	शू	१८	२२	व	२१	१८	१०	४६	१४	१७	२७	२२	वृ.३४।८
११	शु	५८	४४	अ	५६	५२	गं	१९	७	ब	२६	४	१२	४६	१४	१८	२८	२३	वृश्चिके
१२	श	६०	०	ज्ये	६०	०	वृ	२०	४६	कौ	३१	५३	१५	४५	१५	१९	२९	२४	बृश्चिके
१२	र	५	१	ज्ये	४	१९	ध्रु	२२	५६	तै	५	१	१७	४५	१५	२०	३०	२५	ध.४।१९
१३	चं	११	३५	मू	१२	४८	व्या	२५	१०	व	११	३५	२०	४४	१६	२१	१	२६	धनुषि
१४	मं	१७	५४	पू	१९	२४	ह	२७	३०	श	१७	५४	२२	४४	१६	२२	२	२७	म.३६।१३
३०	बु	२४	१९	उ	२६	४०	व	२९	३१	ना	२४	१९	२५	४३	१७	२३	३	२८	मकरे

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेपौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

*(सौरः ५०।२९) उषायां बुधः १०/२५
भ. २५/३६ उ. दृश्यः उषायां रविः ४१।१८*
भ. ३१/० या. भरण्यां भौमः ५९/४९ धनिष्ठा.१×
×गुरुः २५।४० चतुर्थी व्र.
मकरे बुधः ७।१०
भ. ४६/२८ उ. दृश्यो मकरेऽर्कः ५७।४२
भ. १६।१ या. मकरेऽर्कः सौरः ५।५४

भ. २१/१८ उ. ५३/३५ या. पा. स्प. ३/१ मोक्षः ३८/४०
श्रवणे बुधः ७।३८ षट्तिला ११ व्र.

दृश्योऽभि.प्र. रविः ३०/२७ (सौरः ३७/१६) प्रदोषः
भ. ११/३५ उ ४४/४४ या. मूले १ राहुः मृगे.३केतुः+
+२३/३ शुक्रास्तः पश्चि. ५९/२४ रा. माघा.
दृश्यः श्रवणे रविः ४६/५० (सौरः ५३/१३)

४०पं.मा.कृ.३शु.इ.२८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	९	२	८	८
२७	१३	२८	२३	१६	६	३	२७
२७	११	५३	२०	११	१५	५१	१८
४०	१०	६	३२	२८	११	३३	३३
६१	२३	९०	१३	२०/५०	४/७	३	६१
६	२१	४७	५	ब	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

माघ कृ. ६ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

४१पं.मा.कृ.११शु.इ.२८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	१	२	८	९
४	१६	१०	२४	१३	५	३	४
३५	१४	३५	५८	७	४५	२९	२८
३१	२	३८	१६	८	४७	१७	२
६१	२५	२०	१२	३३/२४	३/४७	३	६१
३	२९	३४	२०	ब	ब	११	१९

*चंबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	३०	१५	श्र	३३	२६	सि	३१	२६	ब	३०	१५	२६/२७	४६/३	१५/७	२४	४	२९	मकरे
२	शु	३५	३१	ध	४०	१२	व्य	३२	३२	बा	२	५३	३०	४२	१८	२५	५	३०	कुं.६।४९
३	श	४०	७	श	४५	५३	व	३३	८	तै	७	४९	३३	४१	१९	२६	६	१	कुंभे
४	र	४३	३७	पू	५०	३०	प	३३	४	व	११	५२	३६	४१	१९	२७	७	२	मी३४।२१
५	चं	४६	४	उ	५४	४	शि	३२	१३	ब	१४	५०	३९	४०	२०	२८	८	३	मीने
६	मं	४७	७	रे	५६	२४	सि	३०	२२	कौ	१६	३५	४२	४०	२०	२९	९	४	मे.५६।३४
७	बु	४६	५८	अ	५७	११	सा	२९	२०	ग	१७	२	४६	३९	२१	३०	१०	५	मेषे
८	गु	४५	९	भ	५६	३५	शु	२३	५	वि	१६	३	४९	३८	२२	३१	११	६	मेषे
९	शु	४१	५०	कृ	५४	१७	शु	१७	३०	बा	१३	२९	५२	३८	२२	१	१२	७	वृ.११।०
१०	श	३६	४४	रो	५०	३४	ब्र	१०	४७	तै	९	१७	५५	३७	२३	२	१३	८	वृषे
११	र	३०	५४	मृ	४५	२३	ऐं	५०/२	५०/५	व	३	४९	५९	३६	२४	३	१४	९	मि१७।५८
१२	चं	२२	४५	आ	३९	३	वि	४३	४३	बा	२२	४५	२७/२	३६	२४	४	१५	१०	मिथुने
१३	मं	१३	५८	पु	३१	५२	प्री	३३	१६	तै	१३	५८	६	३५	२५	५	१६	११	क.१८।४०
१४	बु	४	४१	पु	२४	२१	आ	२२	२६	ब	४	४१	९	३४	२६	६	१७	१२	कर्के
१५	बु	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९४ स.१९७४

इ.ऽभि.नि.रविः ३९/३ सौरः ४५/२९ वक्री उषा.*
धनि. बुधः ५३/३५ धनि. गुरुः ४६/४८ चन्द्रदर्शनम्
शुक्रोदयः पूर्व. ४३/१२ मोहोरम १ स. १३९४
भ. ११/५२ उ. ४३/३७ या. *शुक्रः ४६/३ शु.उ.पू.
बुधोदयः पश्चिमायां २५।३ वसन्त ५
कुंभे बुधः ४४।१
भ. ४६।५८ उ. भानु ७ रथ ७
भ. १६।३ या. भीष्माष्टमी
फरवरी मा. २ ता. २८
शते बुधः ५२।५६
भ. ३।४९ उ. ३०।५४ या. अस्तं गुरोः×
प्रदोषः ×१८।० जया ११ व्र. अ.गु.
दृश्यो धनिष्ठा. रविः ५'१।११ (सौरः ५९/४)
भ. ४।४१ उ. ५६/९७ या. माघ स्ना. पूर्तिः

४२पं.मा.शु. २श.इ.२८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	९	२	८	९
११	१९	२२	२६	९	५	३	११
४२	३०	३५	३५	१२	१९	७	३६
५८	०	५३	४९	५०	१३	२	५३
६०	२७	३०/०	१३	३५/४१	३/१७	३	६१
५९	२८	५	२७	व	व	११	१३

गोचरग्रहाः

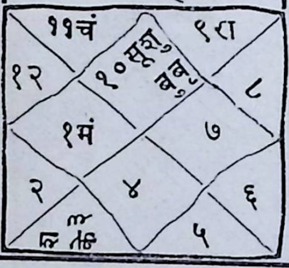

माघमें तेजी जानिये
फालगुन मंदी चाल ।
रसकस बेचो माघ में
अन्न खरीदो साध ।
सरसों अण्डी तेल
में मन्दी के ग्रह
चाल ॥

गोचरग्रहाः

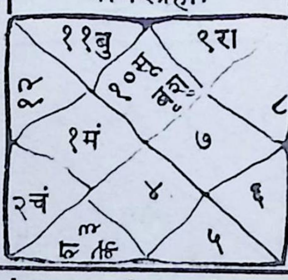

४३पं.मा.शु. ९शु.इ.२८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	९	२	८	९
१८	२२	४	२८	५	४	२	१८
४९	५७	२३	१४	१२	५७	४४	५४
२३	३४	५६	५६	५४	२५	४६	२
६०	२८	९६	१३	२७/५५	२/३७	३	६१
५५	४३	२५	३२	व	व	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	४५	१९	श्ले	१७	१९	सौ	११	४८	बा	२०	१६	२७/१३	६/३३	५/२७	७	१८	१३	सिं१७।१९
२	शु	३८	२५	म	१०	२६	शो	१/४९	१/५६	तै	११	५१	१६	३३	२७	८	१९	१४	सिंहे
३	श	३१	५६	पू	५	१०	सु	४५	१७	व	५	१०	२०	३२	२८	९	२०	१५	कं.१९।१६
४	र	२७	१८	उ	१	३३	धृ	३९	१०	बा	२७	१८	२४	३१	२९	१०	२१	१६	कन्यायां
५	चं	२४	४६	ह	०	३	शू	३४	५०	तै	२४	४६	२७	३१	२९	११	२२	१७	तु.३०।१९
६	मं	२४	३५	चि	०	३५	गं	३२	४२	व	२४	३५	३१	३०	३०	१२	२३	१८	तुलायां
७	बु	२६	१४	स्वा	३	४	वृ	३१	२२	ब	२६	१४	३५	२९	३१	१३	२४	१९	वृ.५१।१०
८	गु	२९	५४	वि	७	३९	ध्रु	३१	३४	कौ	२९	५४	३८	२८	३२	१४	२५	२०	वृश्चिके
९	शु	३४	५७	अ	१३	५५	व्या	३२	४५	तै	२	२५	४२	२८	३२	१५	२६	२१	वृश्चिके
१०	श	४१	६	ज्ये	२०	४३	ह	३४	५२	व	८	२	४६	२७	३३	१६	२७	२२	ध.२०।४३
११	र	४७	२७	मू	२८	१५	व	३७	१२	ब	१४	१६	५०	२६	३४	१७	२८	२३	धनुषि
१२	चं	५४	१०	पू	३५	५३	सि	३९	४२	कौ	२०	४८	५४	२५	३५	१८	२९	२४	म.५२।४५
१३	मं	६०	०	उ	४२	२१	व्य	४१	५५	ग	२७	१८	५८	२४	३६	१९	३०	२५	मकरे
१३	बु	०	२६	श्र	५०	१७	व	४३	३५	व	०	२६	२/६	२४	३६	२०	१	२६	मकरे
१४	गु	६	१	ध	५६	१३	प	४४	३०	श	६	१	६	२२	३७	२१	२	२७	कुं.२३।१५
३०	शु	१०	४३	श	६०	०	शि	४४	४२	ना	१०	४३	१०	२२	३८	२२	३	२८	कुम्भे

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

कृत्ति.भौमः ५०/४६ धनिष्ठा. कुंभे ३ गुरुः ५४/८
भ. ५।१० उ. ३१।५६ या. च. व्र.

भ. २४।३५ उ. ५५।२५ या. दृश्यः*
*कुंभेऽर्कः ३०।२६ (सौरः ३३।१)
मार्गी शुक्रः १२।२३
वक्री बुधः ५५।२० वृषे भौमः ९।४६
भ. ८।२ उ. ४१।६ या.
बुधास्तः पश्चिमायां ५३/२० विजया ११ व्र.

दृश्यः शते रविः ४६/७ (सौरः २६/३) प्रदोषः
भ. ०।२६उ.३३।१३या. महाशिवरात्री×
×व्र. रा. फाल्गुनारंभः
धनिष्ठा. ४ गुरुः ४४।६

४४पं.फा.कृ. २शु.इ.२८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	९	२	८	९
२५	२६	१४	२२	२	४	२	२५
५५	२८	११	५४	४४	४०	२२	५१
१६	४४	६	५०	२८	१९	३०	९१
६०	३०	६९	१३	३३/३१	०/१	३	६०
४७	१६	३७	३७	व	व	११	५५

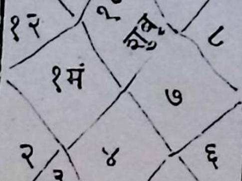

४५पं.मा.कृ. ९शु.इ.२८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१०	९	२	८	१०
३	०	१८	१	२	४	२	२
०	९	१५	३५	२४	२७	०	५७
४	५४	२५	३८	५०	४७	१५	४४
६०	३१	४	१३	३/०	१/२०	३	६०
२७	२६	२९	३८	मा	व	११	४२

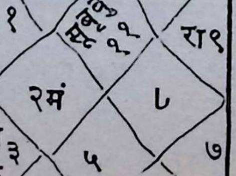

४६पं.फा.कृ. ३०शु.इ.२८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१०	९	२	८	१०
१०	३	१४	३	३	४	१	१०
३	५६	४६	१६	४९	२१	३७	२
३२	३५	१९	३४	२३	११	५९	१७
६०	३२	६६	१३	१४	३४/०	३	६०
२५	२३	व	३४	३८	व	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	.अ	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३२४ स.१९७४
१	श	१४	२७	श	१	१६	शि	४४	२०	ब	१४	२७	२८/१४	६/२१	५/३९	२३	४	२९	मी४९।२०	चन्द्रदर्शनम्
२	र	१६	५८	पू	५	२१	सा	४२	५९	कौ	१६	५८	१८	२०	४०	२४	५	१	मीने	फुलरिया २ सफर २
३	चं	१८	३६	उ	८	२३	शु	४०	३८	ग	१८	३६	२२	२०	४०	२५	६	२	मीने	भ. ४८।५१ उ.
४	मं	१९	७	रे	१०	२५	शु	३७	४६	वि	१९	७	२६	१९	४१	२६	७	३	मे.१०।२५	भ. १९।७ या.
५	बु	१८	३७	अ	११	३७	ब्र	३४	२	बा	१८	३७	३०	१८	४२	२७	८	४	मेषे	*आमलकी ११ व्र. स्मा.
६	गु	१७	४	भ	११	३५	ऐं	२९	२०	तै	१७	४	३४	१७	४३	२८	९	५	बृ.२६।१७	मार्गी शनिः १।१९
७	शु	१४	१६	कृ	१०	२५	वै	२३	४६	व	१४	१६	३८	१६	४४	१	१०	६	बृषे	भ.१४।१६उ.४२।२५या. **मार्च ३ ता. ३१**
८	श	१०	३५	रो	८	२१	वि	१७	२८	ब	१०	३५	४२	१६	४४	२	११	७	मि३६।४६	वक्री धनिष्ठा. बुधः ३४/४९ होलाष्टकः
९	र	६	१८	मृ	५	१०	प्री	१०	९	कौ	६	१८	४६	१५	४५	३	१२	८	मिथुने	बुधोदयः पूर्वस्यां १४।२३
१०	चं	०	४	आ	५८	५४/४९	आ	२/११	५१/८	ग	०	४	५०	१४	४६	४	१३	९	क.४२।५	भ.३६/३उ.५३/९या. दृश्यः पूभायां रविः २३/५२+
११	चं	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+सौरः २३/१० उदयं गुरोः ३६/३* उ.गु.
१२	मं	४५	४०	पु	४९	५७	शो	४४	४	ब	१९	२४	५४	१३	४७	५	१४	१०	कर्के	रोहि. भौमः २७/२० आमलकी ११ व्र. वै.
१३	बु	३७	४३	श्ले	४४	११	अ	३४	२८	कौ	११	४१	५८	१२	४८	६	१५	११	सिं४४।११	श्रवणे शुक्रः ३८।२२ प्रदोषः
१४	गु	२९	३१	म	३७	४४	सु	२५	१	ग	३	३७	२९/२	१२	४८	७	१६	१२	सिंहे	भ.३९/३१उ.५५/४२या. होलिकादहनं भद्रोतरं
१५	शु	२१	५३	पू	३२	६	धृ	१६	१	ब	२१	५३	६	११	४९	८	१७	१३	कं.४६।११	शते १ गुरुः ५०।१४ छारेंडी

४७पं.फा.शु.७शु.इ.२९।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१०	९	२	८	१०
१७	७	७	४	६	४	१	१७
५	४७	३४	५६	५५	१९	१५	५
४६	४२	५९	४९	१९	३७	४३	६
६०	३३	५९/१०	१३	२९	०/१	३	६०
१२	११	व	३१	५३	व	११	२०

गोचरग्रहाः

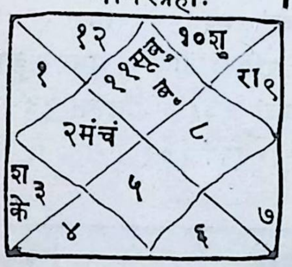

फाल्गुनकृ.६भौमे कुम्भेऽर्कःप्र.वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वं.

गोचरग्रहाः

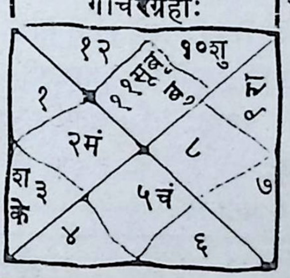

४८पं.फा.शु.१५शु.इ.२९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१०	९	२	८	१०
२४	११	३	६	११	४	०	२४
६	४२	५३	३५	१२	२४	५३	६
२९	१४	३१	२४	३६	११	२८	२९
५९	३३	१६/२९	१३	३९	०	३	६०
५८	४०	व	२०	११	५९	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०३० शाकः १८९५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१५	१२	उ	२७	४६	शू	७	५३	कौ	१५	१२	२९/१०	६/१०	५/५०	९	१८	१४	कन्यायां	पातस्पर्शः ७।३२ पातमोक्षः ९/१० वसंत १
२	र	९	५३	ह	२४	३९	गं	४८	५४/२३	ग	९	५३	१४	९	५१	१०	१९	१५	तु.५४।१८	भ. ३८।० उ.
३	चं	६	८	चि	२३	५७	धु	५१	१०	वि	६	८	१९	८	५२	११	२०	१६	तुलायां	भ. ४।५३ या. मार्गी बुधः ३१।२४ च.व्र.
४	मं	४	५३	स्वा	२५	०	व्या	४८	५२	ना	४	५३	२३	७	५३	१२	२१	१७	तुलायां	
५	बु	५	१४	वि	२८	३	ह	४८	२५	तै	५	१४	२७	७	५३	१३	२२	१८	बृ.१२।१७	
६	गु	७	५३	अ	३२	५७	व	४८	३४	व	७	५३	३२	६	५३	१४	२३	१९	बृश्चिके	भ. ७।५३ उ. ४०।२ या. दृश्यो मीनेऽर्कः×
७	शु	१२	१२	ज्ये	३९	२१	सि	५०	१०	ब	१२	१२	३६	५	५४	१५	२४	२०	ध.३९।२१	शीतलापूज.म्
८	श	१७	५९	मू	४६	२५	व्य	५२	१९	कौ	१७	५९	४०	४	५५	१६	२५	२१	धनुषि	×२३।४९ (सौरः २३।३०)
९	र	२४	५	मू	५४	३	व	५४	४३	ग	२४	५	४४	३	५७	१७	२६	२२	धनुषि	भ. ५७।२५ उ. दृश्यः उभायां रविः ४४/५३*
१०	चं	३०	४४	पू	६०	०	प	५७	२	वि	३०	४४	४९	२	५८	१८	२७	२३	म.१०।५७	भ. ३०।४४ या. *(सौरः४४।६)
११	मं	३६	४५	उ	१	३८	शि	५८	५५	ब	३	४४	५३	१	५९	१९	२८	२४	मकरे	शते बुधः १६।४८ पापमोचनी ११ व्र.
१२	बु	४२	१७	श्र	८	४०	सि	५९	५६	कौ	९	३१	५७	१	५९	२०	२९	२५	कु.४१।४०	+मन्वादिः
१३	गु	४६	३५	ध	१४	४१	सा	६०	०	ग	१४	२६	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	२६	कुंभे	भ. ४६।३५ उ. प्रदोषः
१४	शु	४९	३५	श	२०	१	शु	०/३	५९/७	वि	१८	५	६	५/५९	१	२२	१	२७	कुम्भे	भ. १८।५ या. रा. चैत्रारम्भः
३०	श	५१	१०	पू	२३	८	शु	५७	२०	च	२०	२२	१०	५८	२	२३	२	२८	मी७।२१	धनिष्ठा.शुक्रः४२।३ शते.२गुरुः२१।१४+

४९पं. चै.कृ.७शु.इ.२९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१०	९	२	८	११
१	१५	५	८	१६	४	०	१
५	४१	१८	१३	२६	३३	३१	६
४२	१३	२२	५	१०	३६	१२	११
५९	३४	३२/३५	१३	४६	१	३	५९
४२	२९	व	१४	१८	४०	११	४९

गोचरग्रहाः

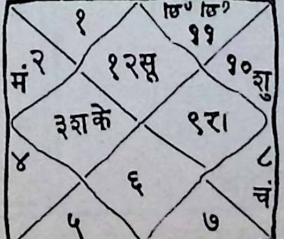

चैत्र कृ. ६ गुरौ मीनेऽर्कः प्र.त्रा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पू.।

गोचरग्रहाः

५०पं.चै.कृ.१४शु.इ.३०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१०	९	२	८	११
८	१९	१०	९	२२	४	०	८
३	४२	२१	४९	१८	४७	८	४
१८	५४	२२	१	०	५६	५७	६
५९	३४	४८	१२	५१	२	३	५९
२९	५३	४१	५५	४७	२०	११	३५

 *चंबुबू

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७५ भोग्यकलिः ४२६९२५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३१ शाकः १८९६ वर्षेऽस्मिन् राजा रविः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशो रविः । मेघेशोशुक्रः । रसेशोगुरुः । नीरसेशो भौमः । फलेशो शुक्रः । धनेशश्चन्द्रः । दुर्गेशो शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १ प्रभव नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः ६।१३।१४।५२ भोग्यमासादिः ५।१६।४५।८ । विष्णुदैवतंयुगम् । वर्षनाम भाद्रपदः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासः संधौ । समय निवासो वणिक्गृहे । समय विश्वा ८ । समय वाहनमश्वः । स्तम्भः १ तृणस्य । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी१ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३।७५ । समयदिनानि ३८५ । तिथिक्षयः १९ । तिथिवृद्धिः १३ । उत्पत्तिविश्वा ९९ । खपतिविश्वा ९३। वर्षाविश्वा १३ । धान्यम् ५। तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०१ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणम् २ चन्द्रमसः ।

सं. २०३१ शाके १८९६ ज्येष्ठ शु. १५ भौमे खंडग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	४९	५३	५७
	प.	२	६	९
रेल्वे टाइम	घं.	२	३	५
	मि.	३	४१	१९

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ४।१८

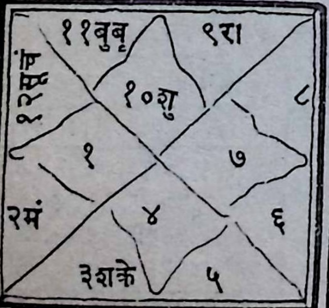

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

नतमस्तक भैरव खड़ा माता के दरबार ।
शुभ संवत् इकतीस का कह दो हाल विचार ।।

भवानी उत्तर

एकतीसो सबरो समय सुन ले ध्यान लगाय ।
वर्षा मध्यम वर्षसी मंद मंद बाजे वाय ।।
राजा रवि मन्त्री शनि यह है योग कुयोग ।
आपस में हो शत्रुता, बढ़े द्वेष अरु रोग ।।
सस्यपति मंगल हुवा धान्याधिप रवि जान ।
मझ खेती के मायने होसी खैंचा तान ।।
टीडी मूसा कातरा करैं धान्य का नाश ।
फलपति भृगु महाराज हैं पूर्ण करसी आश ।।
फल संवतसर का कहा निज गुरु का धर ध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करैं भगवान ।।

संवत् २०३१ शाके १८९६ शुक्ले १५ शुक्रे खग्रासं चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज. मध्य.	घ.	३१	३३	३५	३७	४०
	पल	१६	५९	३९	१९	२
रेल्वे टाइम	घं.	६	८	८	९	१०
	मि.	५७	३	४३	२३	२८

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ३।८

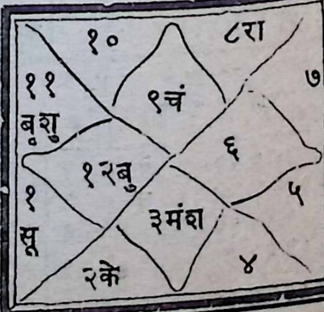

वर्षादी मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२८।५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा रविः फलम्-सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्प वृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ।। मन्त्रि शनिः फलम्--रविसुते यदि मंत्रिणी पार्थिवाः विनय संरहिता बहुदुःखदाः । नजलदा जलदा जनता पदा जन पदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्-प्रथम धान्यपतौ धरणी सुते गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनो जलं न सम सौख्य करं तुष धान्य हृत् ।। धान्येशो रविः फलम्-पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्य तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वर पीडनम् ।। मेघेशःशुक्रस्तत्फलम्-भृगुः सुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचा जलदा दिविशोभनाः । धन निधान युता द्विज पालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुः फलम्-यदि गुरू रसपो जन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजन तत्परा गज सुवाजि रथोष्ट्र युता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्-नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससाम् । रक्त चन्दन ताम्राणामर्घ वृद्धि दिनेदिने ।। फलेशःशुक्रस्तत्फलम्-यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुह राशयः । बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठ परायणाः ।। धनेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-धनपतिर्मृगलाञ्छनको यदा रस चयात्क्रय विक्रयतो धनम् । वसन शालि सुगन्ध रसं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम्-नगर देश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखो नग वने निकटेपिच दूरतः ।। प्रभव नाम संवत्सरः फलम्-ईतयश्चाग्निकोपश्च व्याधयः प्रचुरा भुवि । प्रभवाब्दे मंद वृष्टिः तथापि सुखिनो जनाः ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम्-अर्घं महर्घतां याति धन धान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं संपदो भाद्र वर्षके ।। मेघनाम पुष्करः फलम्-पुष्करे मंद वृष्टिच ।। रोहिणीनिवासः संधौफलम्-खण्डवृष्टिश्च संधिषु ।। समय निवासो वणिग्गृहे फलम्- वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०३१ शाके १८९६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

शु. ९ भौमे मघा. ल. गो. ११ रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः कुंभे चं.७ पूज्यः

,, ११ गुरौ उफा.ल. अन्यगो.१२ रे. ९।।।।।ऽ।।। मीनेचं.७पू.

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ गुरौ ल. गो. ११-१२ रे. ८ ।।।ऽ।।ऽ।।

,, १० शुक्रे उभा.ल. ११-१ रे. ६ ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।। मेषेऽग्नि-पंचकाऽभावः रेखा ७

शु. ६ चंद्रे मघा. ल.११-१ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। कुंभे चं. ७पू.

,, ९ बुधे उफा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १२ रे.८ ।।।ऽ।ऽ।।। मीने चं. ७ पूज्यः

,, १० गुरौ हस्ते ल. सोग्रांगः १२ रे. ८ ।।।।ऽचो.।ऽ।।

, १२ शनौ स्वा.ल.अन्यगो.सोग्रांगः११ रे.७ऽ।।।ऽशु.ऽरो.।।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णा ९ रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।ऽअ.।ऽ।। मासांतः

शुक्ले ४ रवौ मघा. ल.१ रे. ६ ऽ।।।ऽरो.ऽऽ।।

,, ५ चंद्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।। भौम८दोषः

, ७ बुधे हस्ते ल.१२ (चं.७पू.) रे.६ ऽ।।।ऽअ.।ऽ।ऽदग्धा. आवश्यके

, ९ शुक्रे स्वा. ल.११-१रे. ८ ।।।।ऽनृ।ऽ।। मेषे चं.७पू.

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १२ भौमे स्वा. ल.५ (घ.४०।२२या.) रे.६ ऽ।।ऽगु।ऽचौ।ऽ। पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः गु. ७ पू.

पौषः मासः

शु. ६ शनौ उभा. ल.अन्यगो.६ रे. ८ ।।।।ऽ।।। कन्यायांचं.७पू.

, ७ रवौ रेव. ल.अन्यगो.६ रे.९ ।।।।।ऽनृऽ।।।कंन्यायांचं७पू.

माघ मासः

कृष्णा ३ गुरौ उफा. ल. गो. ७ रे. ८ ।।।ऽ।।ऽ।।

,, ४ शुक्रे हस्ते ल. गो. रे. ६ ऽ।।।ऽरोऽऽ।।

,, ११ गुरौ मूले ल. ७ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।

शु. ३ शुक्रे उभा. ल. १० रे. ८ ।।।।ऽअ.।।।ऽदग्धः

,, ४ शनौ रेव. ल. १० रे. ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृ. २ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।ऽ।।।।।

,, ९ गुरौ मूले ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५३ स.१९७४
१	र	५२	३१	उ	२५	१९	ब्र	५४	२८	किं	२१	५०	३०/१४	५/५७	६/३	२४	३	२९	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	चं	५०	३८	रे	२६	१७	ऐं	५०	४६	बा	२१	३४	१८	५६	४	२५	४	३०	मे.२६।१७	ज्ये. ४ वृश्चिके राहुः मृगे २ वृषे केतुः १८/५४*
३	मं	४८	५५	अ	२६	२५	वै	४६	१४	तै	१९	४६	२३	५५	५	२६	५	१	मेषे	मत्स्य जयंती गणगौरी रविलावल ३
४	बु	४६	१९	भ	२५	३३	वि	४१	९	व	१७	३७	२७	५५	५	२७	६	२	वृ.४०।११	भ. १७।३४ उ. ४६।१९ या.
५	गु	४२	४९	कृ	२४	५	प्री	३५	३५	ब	१४	३४	३१	५४	६	२८	७	३	वृषे	मृगे भौमः ४३।५७
६	शु	३८	५५	रो	२२	७	आ	२९	२९	कौ	१०	५२	३५	५३	७	२९	८	४	मि५०।५२	*चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
७	श	३४	५७	मृ	१९	३७	सौ	२२	५३	ग	६	५६	३९	५२	८	३०	९	५	मिथुने	भ. ३४।५७ उ. कुंभे शुक्रः ५३।३५
८	र	२९	४२	आ	१६	३४	शो	१६	७	वि	२	१३	४४	५१	९	३१	१०	६	क.५८।४७	भ.२/१९ या.इ. रेवत्यांरविः ५२/३६ (सौरः ५१/३४)×
९	चं	२४	१९	पु	१२	५२	अ	८	४९	कौ	२४	१९	४८	५०	१०	१	११	७	कर्के	रामनवमी अप्रेल मा. ४ ता. ३०
१०	मं	१८	३४	पु	८	५८	सु	१/२	५३/२	ग	१८	३४	५२	५०	१०	२	१२	८	कर्के	भ. ४५।३१ उ. ×पूभायां बुधः २२।२३
११	बु	१२	२८	श्ले	४	३४	शू	४५	२३	वि	१२	२८	५६	४९	११	३	१३	९	सिं४।३४	भ. १२।२८ या. कामदा ११ व्रतम्
१२	गु	६	६	म	२३	५५/४	गं	३७	३३	बा	६	६	३१/०	४८	१२	४	१४	१०	सिंहे	प्रदोषः व्रतम्
१३	गु	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु	५४	२१	उ	५२	२५	वृ	३०	१५	ग	२७	८	४	४७	१३	५	१५	११	कं.९।४१	भ. ५४।२१ उ. +हनुमज्जयंती
१५	श	४९	२९	ह	४९	४१	ध्रु	२३	३१	वि	२१	५५	८	४६	१४	६	१६	१२	कन्यायां	भ. २१।५५ या. शते शुक्रः ४७।११+

५१पं. चै.शु.६शु.इ.३०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१०	९	२	७	११
१४	२३	१७	११	२८	.५	२९	१५
५९	४७	५१	२२	४२	८	४६	०
१३	२४	४	२३	४०	३१	४१	११
५९	३५	६९	१२	५५	२	३	५९
१६	१६	११	२९	५५	५९	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मास में वृष का मंगल संपूर्ण धान्य रुई वस्त्र चंदन केसर तेज कारक है। प्रजा में पीड़ा हो।

गोचरग्रहाः

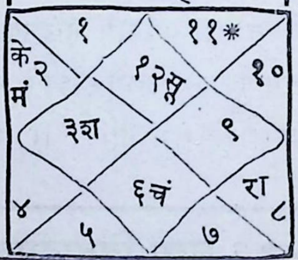

५२पं.चै.शु.१४शु.इ.३०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१०	१०	२	७	११
२१	२७	२७	१२	५	५	२९	२१
५३	३५	६	५२	२५	३३	२४	५४
३१	३४	२५	५	८	५०	२५	२२
५९	३५	८५	१२	५८	३	३	५९
४	५१	११	१०	५३	४०	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	४६	१	चि	४८	२२	व्या	१७	५८	बा	१७	४५	३१/१२	५/४६	६/१४	७	१७	१३	तु.१९।१	मीने बुधः ३३।१० शते २ गुरुः
२	चं	४४	२३	स्वा	४८	४१	ह	१४	२६	तै	१५	१२	१६	४५	१५	८	१८	१४	तुलायां	मिथुने भौमः ५९।१०
३	मं	४४	१०	वि	५०	३७	व	१०	११	व	१४	१६	२०	४४	१६	९	१९	१५	बृ.३५।८	भ. ५१/१६ उ. ४४/१० या. उभायां बुधः ५३।४
४	बु	४६	२	अ	५४	३०	सि	८	५५	ब	१५	६	२४	४३	१७	१०	२०	१६	बृश्चिके	चतुर्थी व्र.
५	गु	४९	२९	ज्ये	५९	५१	व्य	८	१६	कौ	१७	४५	२८	४२	१८	११	२१	१७	ध.५९।४१	
६	शु	५४	३८	मू	६०	०	व	९	१०	ग	२२	३	३२	४२	१८	१२	२२	१८	धनुषि	भ. ५४।३४ उ.
७	श	६०	०	मू	६	२५	प	१०	५४	वि	२७	३४	३६	४१	१९	१३	२३	१९	धनुषि	भ.३२/३४ या. अश्वि. मेषेऽर्कः ४४/४० (सौरः ४६/९)
७	र	०	३०	पू	१३	५५	शि	१३	५	ब	०	३०	४०	४०	२०	१४	२४	२०	म.३०।४८	
८	चं	६	५०	उ	२१	२६	सि	१५	२७	कौ	६	५०	४३	३९	२१	१५	२५	२१	मकरे	*२२।२ आर्द्रा. १ शनिः ४३।५
९	मं	१२	५९	श्र	२८	४४	सा	१७	३१	ग	१२	५९	४७	३९	२१	१६	२६	२२	मकरे	भ. ४५।४३ उ.
१०	बु	१८	२८	ध	३५	१६	शु	१९	४	वि	१८	२८	५१	३८	२२	१७	२७	२३	कु. २।०	भ. १८।२८ या. रेवत्यां बुधः ५०।३६
११	गु	२२	४७	श	४०	१५	शु	१९	३४	बा	२२	४७	५५	३७	२३	१८	२८	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	शु	२५	३७	पू	४४	४	ब्र	१७	८	तै	२५	३७	५८	३६	२४	१९	२९	२५	मी२८।७	पूभायां शुक्रः ३८।१५ प्रदोषः
१३	श	२६	४७	उ	४५	५५	ऐं	१३	४६	व	२६	४७	३२/२	३६	२४	२०	३०	२६	मीने	भ. २६।४७ उ. ५९।२९या. आर्द्रा.भौमः*
१४	र	२६	११	रे	४६	२६	वै	९	२०	श	२६	११	६	३५	२५	२१	१	२७	मे.४६।२६	राष्ट्रीय वैशाखारंभः
३०	चं	२४	१०	अ	४५	२८	वि	५३/५	५४/८	ना	२४	१०	१०	३४	२६	२२	२	२८	मेषे	पूर्वास्तो बुधः ३८।१८ सोमवती ३० वै.

१पं. वै.क्रृ.७श.इ. ४६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	१०	१०	२	७	०
०	२	.९	१४	१३	६	२८	०
०	४४	५५	३६	५१	६	५८	०
०	१०	१५	४३	३६	५४	१७	३२
५८	३६	९०	११	६२	४	३	५८
४४	१६	३१	२९	११	२७	११	४५

गोचरग्रहाः

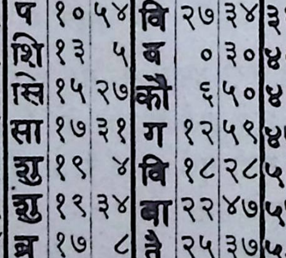

वैशा.कृ. ७ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

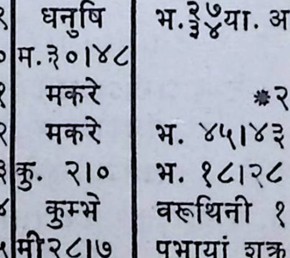

२पं. वै.कृ.३०श.इ.४६।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	१०	१०	२	७	०
६	६	२२	१५	२१	६	२८	६
५०	५४	१०	५८	१३	४०	३६	५०
४२	५४	३६	२६	२६	१९	२	४३
५८	३६	९०	१०	६४	४	३	५८
३१	२४	२८	५७	७	५३	११	२९

 *बुबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३८३ स.१९७४
१	मं	२०	४७	भ	४३	२६	आ	५८	३	ब	२०	४७	३२ १४	५ ३३	६ २७	२३	३	२९	वृ.५७।४३	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	१६	२८	कृ	४०	३४	सौ	५१	१७	कौ	१६	२८	१७	३३	२७	२४	४	१	वृषे	अश्वि. मेषे बुधः ५६ २२ शतभिषा४ गुरुः ९ १९*
३	शु	११	२५	रो	३७	१०	शो	४३	४९	ग	११	२५	२१	३२	२८	२५	५	२	वृषे	भ. ३८।४५ उ. अक्षया ३
४	शु	६	४	मृ	३३	३४	अ	३६	४४	वि	६	४	२५	३१	२९	२६	६	३	मि५।२२	भ. ६।४ या.
५	श	०	४०	आ	२९	४	सु	२९	४९	बा	०	४०	२९	३०	३०	२७	७	४	मिथुने	भरण्यां रविः २६।५७ (सौरः २७।२७)
६	श	५४	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*रविलाखर ४
७	र	४९	४७	पु	२६	२६	धृ	२२	२८	ग	२२	२९	३२	३०	३०	२८	८	५	क.१२।५	भ. ४९।४७ उ. मीने शुक्रः ५५।१२
८	चं	४४	३५	पु	२३	८	शू	१५	३२	वि	१७	४१	३६	२९	३१	२९	९	६	कर्के	भ. १७।४१ या.
९	मं	३९	३२	श्ले	१९	४७	गं	८	३४	बा	१२	४	४०	२८	३२	३०	१०	७	सिं१९।४७	पातस्पर्शः ८।५९ पात मोक्षः २२।२९
१०	बु	३४	४१	म	१६	५२	वृ	५६ १	५४ ५	तै	७	७	४३	२७	३३	१	११	८	सिंहे	भरण्यां बुधः २३ ४२ उभायां शुक्रः ५९।४७×
११	गु	३०	१५	पू	१४	१६	ध्या	४९	२५	व	२	२८	४७	२७	३३	२	१२	९	कं.२८।४५	भ. २।२८ उ. ३०।१५ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	शु	२६	१२	उ	१२	३१	ह	४३	५५	बा	२६	१२	५१	२६	३४	३	१३	१०	कन्यायां	प्रदोषः नृसिंह जयंती
१३	श	२२	५३	ह	१०	४०	व	३८	५९	तै	२२	५३	५४	२५	३५	४	१४	११	तु.४०।२२	×मई मा. ५ ता. ३१
१४	र	२०	२९	चि	१०	५	सि	३५	२	व	२०	२९	५७	२५	३५	५	१५	१२	तुलायां	भ.२०।२९ उ. ५०।१ या.
१५	चं	१९	३३	स्वा	१०	४६	व्य	३२	५	ब	१९	३३	३३ १	२४	३६	६	१६	१३	वृ.५७।१४	यमाय जलान्नकुंभदानम्

३पं. वै.शु.५ श.इ.४७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	१०	२	७	०
१३	११	५	१७	२८	७	२८	१३
३९	५	४६	१७	४५	१८	१३	३९
४३	२२	३०	१०	३६	४६	४६	८
५८	३६	[illegible]	१०	६५	५	३	५८
१९	४९	७	१४	४५	१९	११	१२

गोचरग्रहाः

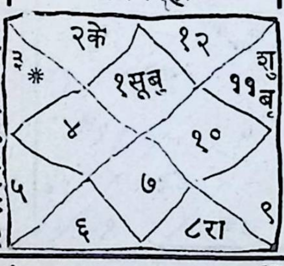

इस मासमें धान्य भाव साधारण रहे सोना चांदी शेयर पाट वार-दाना घृत तैल चौ-पाया पशु तेज हो ।

गोचरग्रहाः

४पं. वैं.शु.१३ श.इ.४७।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	११	२	७	०
२०	१५	२०	१८	६	८	२७	२०
२७	१५	३४	३०	२७	०	५१	२५
२२	५४	४४	५०	२५	०	३१	४९
५८	३६	[illegible]	९	६७	५	३	५७
६	५७	१	२७	४	५३	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखाकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१९	४४	वि	१२	४३	व	३३	४०	कौ	१९	४४	३३ ४	२ ५ ३	३ ६ ७	७	१७	१४	वृश्चिके	कृत्तिका. बुधः ३८।३९
२	बु	२१	३५	अ	१६	५	प	२९	३७	ग	२१	३५	७	२३	३७	८	१८	१५	वृश्चिके	भ. ५३।१० उ. वृषे बुधः ५९।३९
३	गु	२४	४५	ज्ये	२०	५२	शि	३०	७	वि	२४	४५	१०	२२	३८	९	१९	१६	ध.२०।५२	भ. २४।४५ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	२९	२७	मू	२७	७	सि	३१	२५	बा	२९	२७	१३	२१	३९	१०	२०	१७	धनुषि	
५	श	३४	५२	पू	३३	४७	सा	३३	२७	कौ	२	१०	१६	२१	३९	११	२१	१८	म.५०।४१	कृत्तिका. रविः १२।५२ (सौरः१५।२४)
६	र	४१	२	उ	४१	२३	शु	३५	५३	ग	७	५७	१९	२०	४०	१२	२२	१९	मकरे	भ. ४१।२ उ. पुनर्वसौ भौमः ३७।२३
७	चं	४७	१९	श्र	४९	५४	शु	३७	४७	वि	१४	५७	२२	२०	४०	१३	२३	२०	मकरे	भ. १४ ५७ या. रोहि. बुधः ४७ ५३ रेवत्यां शुक्रः ५४ ४१
८	मं	५३	९	ध	५५	५६	ब्र	४०	१९	बा	२०	१४	२५	१९	४१	१४	२४	२१	कुं.२२।२५	वृषेऽर्कः ४० ७ (सौरः ४३ १२) पूभा. १ गुरुः १० २४
९	बु	५७	५५	श	६०	०	ऐं	४१	३१	तै	२५	३२	२८	१८	४२	१५	२५	२२	कुम्भे	पश्चिमोदयो बुधः ४६।२७
१०	गु	६०	०	श	२	२	वै	४१	३४	व	२९	३१	३०	१८	४२	१६	२६	२३	मी५०।११	भ. २९।३१ उ.
१०	शु	१	७	पू	६	१३	वि	४०	२४	वि	१	७	३३	१७	४३	१७	२७	२४	मीने	भ. १।७ या. अपरा ११ व्र. स्मा.
११	श	२	३५	उ	९	३	प्री	३७	४८	बा	२	३५	३६	१७	४३	१८	२८	२५	मीने	अपरा ११ व्र. वै.
१२	र	२	५	रे	९	५६	आ	३३	२६	तै	२	५	३९	१६	४४	१९	२९	२६	मे.९।५६	भ. ५९।४३ उ. प्रदोषः
१३	र	५७	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं	५५	२३	अ	८	४९	सौ	२७	५०	वि	२७	३३	४१	१६	४४	२०	३०	२७	मेषे	भ. २७।३३ या. मृगे बुधः ३७।७
३०	मं	४९	५३	भ	६	५	शो	२१	१	च	२२	३८	४३	१५	४५	२१	३१	२८	वृ.२०।१६	वटपूजनम्

५पं. ज्ये.कृ.१श.इ.४७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१०	११	२	७	०
२७	१९	५	१९	१४	८	२७	२७
१३	२५	४९	३९	१५	४४	२९	११
३४	२	१५	१८	४३	३४	१५	३
५७	३७	[illegible]	८	६८	६	३	५७
५४	२२	८	४२	९	११	११	४५

गोचरग्रहाः

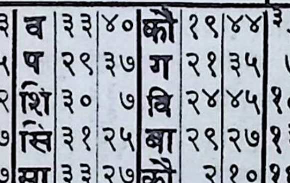

ज्ये. कृ. ८ भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैंठी) मु. ३० धान्यादिभावे सम-ता शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

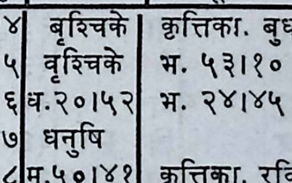

६पं.ज्ये.कृ.११श.इ.४७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१०	११	२	७	१
३	२३	१९	२०	२२	९	२७	३
५८	४२	५०	४०	९	३१	६	५४
२६	५०	५२	४०	२५	१	५९	४२
५७	३७	[illegible]	७	६९	६	३	५७
४४	२३	४७	४६	९	२६	११	३४

*चंमंश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः.४१२ स.१९७४
१	बु	४३	८	कृ	२/९	५५/८	अ	१३	१०	किं	१६	३१	३३/४६	५/१५	६/४५	२२	१	२९	वृषे	आर्द्रा. २ शनिः ४५।५७ रा. ज्येष्ठारंभः
२	गु	३५	५२	मृ	५०	५३	सु	४/६	५/३	बा	९	३०	४८	१४	४६	२३	२	३०	मि२४।५	चंद्रदर्शनम्
३	शु	२८	३७	आ	४६	४०	शू	४७	१९	तै	२	१४	५०	१४	४६	२४	३	१	मिथुने	भ.५४/५९उ. मिथुने बुधः४२/७ जमादिलावल५
४	श	२१	२२	पु	४१	३५	गं	३९	२	वि	२१	२२	५२	१४	४६	२५	४	२	क.२७।५२	भ. २५/२२ या. रोहि. रविः४३/२ (सौरः९/२१)*
५	र	१४	३५	पु	३७	८	वृ	३१	१३	बा	१४	३५	५४	१३	४७	२६	५	३	कर्के	*अश्वि. मेषे शुक्रः ४०।४
६	चं	८	१८	श्ले	३३	२३	ध्रु	२३	४४	तै	८	१८	५६	१३	४७	२७	६	४	सिं३३।२३	ज्येष्ठा. ३ राहुः मृगे १ केतुः १७।६
७	मं	२	४९	म	३०	१३	व्या	१६	५२	व	२	४९	५८	१२	४८	२८	७	५	सिंहे	भ.४२/९उ. ३०/३२या. आर्द्रा. बुधः ५९।५४
८	मं	५५	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	बु	५४	३२	पू	२८	१	ह	१०	४४	बा	२६	२३	३४/००	१२	४८	२९	८	६	कं.४२।४१	कर्के भौमः ३।३२
१०	गु	५१	३६	उ	२६	४०	व	५	२४	तै	२३	४	२	१२	४८	३०	९	७	कन्यायां	गंगादशमी
११	शु	४९	४१	ह	२६	२३	सि	५०/०	५६/१२	व	२०	३८	४	११	४९	३१	१०	८	तु.५६।३५	भ. ३०/३८ उ. ४९/४१ या. निर्जला ११ व्र.
१२	श	४८	३५	चि	२६	४७	व	५४	४	ब	१९	११	६	११	४९	१	११	९	तुलायां	जून मा. ६ ता. ३०
१३	र	४८	५२	स्वा	२८	२३	प	५१	४९	कौ	१८	४४	७	११	४९	२	१२	१०	तुलायां	प्रदोषः
१४	चं	४९	५८	वि	३०	५९	शि	५०	३७	ग	१९	२५	९	१०	५०	३	१३	११	बृ.१५।२०	भ. ४९।५८ उ. पुष्ये भौमः ३६।३
१५	मं	५२	२८	अ	३४	४७	सि	५०	१३	वि	२१	१३	१०	१०	५०	४	१४	१२	बृश्चिके	भ. ३१/१३ या. चन्द्रग्रहणं पातस्पर्शः ४०/११

७पं.ज्ये.शु.४श.इ.४७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१०	०	२	७	१
१०	२७	१	२१	०	१०	२६	१०
४२	५७	४१	३६	९	२०	४४	३६
२५	११	५२	५८	७	१०	४४	५३
५७	३७	९३	६	६९	६	३	५७
३५	४०	१०	४६	५३	३९	११	२३

गोचरग्रहाः

बुधो मिथुन राशिस्थो महर्घं च चतुष्पदाम्। तदा वायु विजानीयान्मेघच प्रचुरो भवेत्।। वायु का जोर,कहीं२ वर्षा।

गोचरग्रहाः

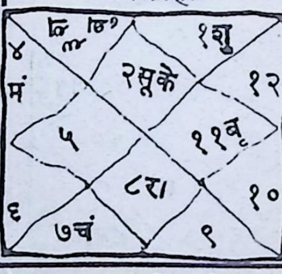

८पं.ज्ये.शु.१२श.इ.४७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	१०	०	२	७	१
१७	२	१०	२२	८	११	२६	१७
२५	११	४८	२५	११	१०	२२	१७
८	४६	५७	३४	४१	३०	२८	५९
५७	३७	६४	५	७०	६	३	५७
२७	५३	५८	३५	३५	५८	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५५	५९	ज्ये	३९	३८	सा	५०	३७	बा	२४	१३	३४/१२	५/१०	६/५०	५	१५	१३	ध.३९।३८	
२	गु	६०	०	मू	४५	४९	शु	५१	०	तै	२८	२५	१३	९	५१	६	१६	१४	धनुषि	भरण्यां शुक्रः १६।४७
२	शु	०	५०	पू	५२	२५	शु	५३	४४	ग	०	५०	१४	९	५१	७	१७	१५	धनुषि	भ. ३३/३१ उ. मृगे रविः ५/३८ पातमोक्षः १/२६
३	श	६	१३	उ	५९	५०	ब्र	५६	१३	वि	६	१३	१६	९	५१	८	१८	१६	म.१०।१	भ.१६/३या. मृगे रविःसौरः८।१० चतुर्थी व्र.
४	र	१२	१५	श्र	६०	०	ऐं	५८	४०	बा	१२	१५	१७	९	५१	९	१९	१७	मकरे	
५	चं	१८	३३	श्र	७	३८	वै	६०	०	तै	१८	३३	१८	८	५२	१०	२०	१८	कु.४१।१८	
६	मं	२४	३२	ध	१५	४	वै	१	८	व	२४	३२	१९	८	५२	११	२१	१९	कुम्भे	भ. ३३/४२ उ. ५६/४० या. पूभा. २ गुरुः ३७।४९
७	बु	२८	५९	श	२१	३६	वि	३	२	ब	२८	५९	२०	८	५२	१२	२२	२०	कुम्भे	अस्तं शनिः १८।४२
८	गु	३३	४६	पू	२७	१३	प्री	४	९	बा	१	२२	२१	८	५२	१३	२३	२१	मी१०।४९	
९	शु	३६	७	उ	३१	१४	आ	४	१	तै	४	५६	२१	८	५२	१४	२४	२२	मीने	मिथुनेऽर्कः ५७।१६
१०	श	३६	२७	रे	३३	२७	सौ	३७/०	५६/५२	व	६	१६	२२	८	५२	१५	२५	२३	मे.३३।२७	भ.१६/६उ. ३६/२२ या. मिथुनेऽर्कः सौरः ८।५७
११	र	३४	५२	अ	३३	३२	अ	५४	४६	ब	५	४७	२२	८	५२	१६	२६	२४	मेषे	वक्री बुधः ८।११ योगिनी ११ व्र.
१२	चं	३१	५	भ	३१	३८	सु	४८	२५	कौ	२	५८	२३	७	५३	१७	२७	२५	बृ.४५।४२	कृत्तिका. शुक्रः ३७।२७ प्रदोषः
१३	मं	२५	२९	कृ	२७	५२	धृ	४०	४०	व	२५	२९	२३	७	५३	१८	२८	२६	वृषे	भ. २५/२९ उ. ५१/४८ या. आर्द्रा. ३ शनिः ५९/१९
१४	बु	१८	७	रो	२२	३५	शू	३१	४९	श	१८	७	२३	७	५३	१९	२९	२७	मि४९।२६	
३०	गु	९	५०	मृ	१६	१७	गं	२२	१५	ना	९	५०	२४	७	५३	२०	३०	२८	मिथुने	वृषे शुक्रः ३२।२२

९पं.आ.कृ.३श.इ.४८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	१०	०	२	७	१
२४	६	१७	२३	१६	१२	२६	२३
७	२७	८	६	१९	३	०	५७
१२	४३	४२	३९	२२	४७	१३	५५
५७	३७	३२	४	७१	७	३	५७
२२	५४	४५	४३	१९	५	११	५

गोचरग्रहाः

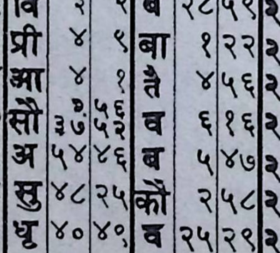

आ. कृ. ९ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ प्रगलभावस्था(बैठी) मु.३० धान्यदिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

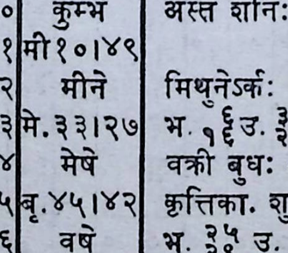

१०पं.आ.कृ.१०श.इ.४७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	०	२	७	२
०	१०	१९	२३	२४	१२	२५	०
४८	४४	४३	३९	२९	५६	३७	३७
२५	२४	१२	४०	२०	५६	५७	४
५७	३८	१	३	७१	७	३	५६
१७	५	१५	३५	३७	१४	११	५७

*मंबुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	१	५	आ	९	२८	वृ	१२	१३	ब	१	५	३४/२४	५/७	६/३	२१	३१	२९	क.४९।१७
२	शु	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	श	४३	६	पु	३/३	५३/२६	ध्रु	२/५	५०/७	तै	१७	१	२४	७	५३	२२	१	१	कर्के
४	र	३५	५	श्ले	५०	१	ह	४३	२३	व	९	५	२४	७	५३	२३	२	२	सिं५०।१
५	चं	२७	५०	म	४५	३७	व	३५	७	ब	१	२८	२४	७	५३	२४	३	३	सिंहे
६	मं	२२	३	पू	४२	१०	सि	२८	१	तै	२२	३	२३	७	५३	२५	४	४	कं.५६।४१
७	बु	१७	३४	उ	४०	२५	व्य	२२	३	व	१७	३४	२३	७	५३	२६	५	५	कन्यायां
८	गु	१४	३५	ह	३९	४२	व	१७	३	ब	१४	३५	२३	७	५३	२७	६	६	कन्यायां
९	शु	११	५५	चि	४०	२८	प	१३	२४	कौ	११	५५	२२	८	५२	२८	७	७	तु.१०।३
१०	श	१२	३८	स्वा	४१	४१	शि	१३	४३	ग	१२	३८	२२	८	५२	२९	८	८	तुलायां
११	र	१३	५०	वि	४५	५६	सि	९	१०	वि	१३	५०	२१	८	५२	३०	९	९	वृ.२९।५२
१२	चं	१५	५८	अ	५०	२०	सा	९	२९	बा	१५	५८	२०	८	५२	१	१०	१०	बृश्चिके
१३	मं	१९	२८	ज्ये	५५	५७	शु	८	५२	तै	१९	२८	१९	८	५२	२	११	११	ध.५५।५७
१४	बु	२३	३६	मू	६०	०	शु	९	३१	व	२३	३६	१८	८	५२	३	१२	१२	धनुषि
१५	गु	२८	५४	मू	३	८	ब्र	११	५	ब	२८	५४	१७	९	५१	४	१३	१३	धनुषि

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४२ स.१९७४

आर्द्रा. रविः ५६।८ पश्चिमास्तो बुधः*
*४२।२१ चन्द्रदर्शन रथयात्रा
आर्द्रा.रविः सौरः ३/१० रा. आषाढ़ारम्भः×
भ. ९।५ उ. ३५।५ या.
×जमादिलाखर ६
आश्ले. भौमः २२।५४
भ. १७।३४ उ. ४६।४ या.
रोहि. शुक्रः ५९।२४
भ. ४३।१४ उ.
भ. १३।५० या. देवशयनी ११ व्र.
प्रदोषः जुलाई मा. ७ ता. ३१
भ. २३।३६ उ. ५६।१५या. वायु परीक्षा
व्यास पूजा गुरुः १५

११पं.आ.शु.३श.इ.४७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	१	२	७	२
७	१५	१८	२४	२	१३	२५	७
२९	१	५९	४	४२	५१	१५	१५
२४	३७	९	१	३६	३६	४१	३१
५७	३८	२४/४५	२	७१	७	३	५६
१३	१२	ब	१४	५८	२०	११	५४

गोचरग्रहाः

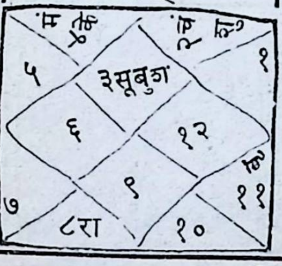

इस मास में वृष राशि का शुक्र सुभिक्षकारक है सुदी में वर्षा होगी। रुई धान्य तिल अलसी तेज हो।

गोचरग्रहाः

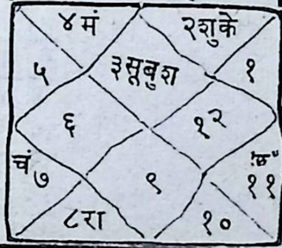

१२पं.आ.शु.१०श.इ.४७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	१	२	७	२
१४	१९	१५	२४	१०	१४	२४	१३
९	१९	३१	१९	५८	४५	५३	५३
५०	५२	३०	३७	२६	५०	२६	३६
५७	३८	३५/२१	०	७२	७	३	५६
७	१५	ब	५८	२०	२०	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	शु	३४	२०	पू	८	५८	ऐं	१२	५४	बा	१	३७	३४/५५	५/९	६/५१	५	१४	१४	म.२५।४८
२	श	४०	२९	उ	१६	१९	वै	१५	१३	तै	७	२५	१४	९	५१	६	१५	१५	मकरे
३	र	४६	३२	श्र	२३	४४	वि	१७	४१	व	१३	३१	१३	९	५१	७	१६	१६	कु.५७।३
४	चं	५२	२०	ध	३१	१९	प्री	२०	४	ब	१९	२६	११	१०	५०	८	१७	१७	कुम्भे
५	मं	५७	५६	श	३८	२२	आ	२२	२७	कौ	२५	८	१०	१०	५०	९	१८	१८	कुम्भे
६	बु	६०	०	पू	४४	३७	सौ	२४	४	ग	३०	१३	८	१०	५०	१०	१९	१९	मी२८।४
६	गु	२	२९	उ	४९	५६	शो	२४	५०	व	२	२९	७	११	४९	११	२०	२०	मीने
७	शु	५	३४	रे	५३	३२	अ	२४	४०	ब	५	३४	५	११	४९	१२	२१	२१	मे.५३।३२
८	श	७	८	अ	५५	१५	सु	२२	५३	कौ	७	८	४	११	४९	१३	२२	२२	मेषे
९	र	६	५१	भ	५५	६	धृ	१९	४२	ग	६	५१	२	१२	४८	१४	२३	२३	मेषे
१०	चं	४	२६	कृ	५३	७	शू	१४	५९	वि	४	२६	०	१२	४८	१५	२४	२४	वृ.९।३६
११	मं	०	४	रो	४९	१	गं	८	३५	बा	०	४	५३/३८	१२	४८	१६	२५	२५	वृषे
१२	मं	५३	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	बु	४५	५९	मृ	४३	२४	वृ	१/३	५३/५	ग	१९	५१	५६	१३	४७	१७	२६	२६	मि१६।१६
१४	गु	३६	५६	आ	३६	३५	व्या	४२	२	वि	११	२७	५४	१३	४७	१८	२७	२७	मिथुने
३०	शु	२७	११	पु	२९	१	ह	३१	२९	च	२	३	५२	१४	४६	१९	२८	२८	क.१५।५५

वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पुनर्वसौ रविः ५५।४ वक्री गुरुः २६।६
पुन. रविः (सौरः १४।३१
भ. १३।३१ उ. ४६।३२ या.
च. व्र.
पूर्वोदयी बुधः ३/५० नाग ५ मरुस्थले
मृगे शुक्रः ८।१७
भ. २।२९ उ ३४।१ या.
×कामिका ११ व्र. स्मा.
मार्गी बुधः २६।३८
भ. ३५।३९ उ. आर्द्रा ४ शनिः २८।१७
भ. ४।२६ या. मिथुने शुक्रः ४४।३×
कर्केऽर्कः २४।२८ (सौरः ४७।१५) सिंहे*
*भौमः ५६।४४ कामिका ११ व्र. वै.
भ. ४५।५९ उ. प्रदोषः
भ. ११।२७ या. उदयं शनिः ४४।५३
पुष्ये रविः ५३।४५ हरियाली ३०

१३पं.श्रा.कृ.२श.इ.४७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	१	२	७	२
२०	२३	११	२४	१९	१५	२४	२०
५०	३९	५२	२५	१६	४०	३१	३१
१०	१	२६	८	४८	५	१०	३०
५७	३८	२८/२९	१०/१४	७२	७	३	५६
७	४३	ब	ब	४६	२०	११	५०

गोचरग्रहाः

श्रा. कृ.११ भौमे कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ गताल्का-वस्था (ऊभी) मु. ४५धान्यादिभावे समता शु. पू.।

गोचरग्रहाः

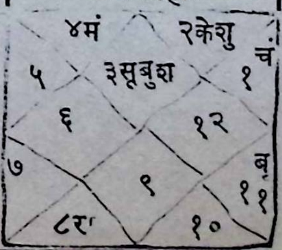

१४पं.श्रा.कृ. ८श.इ.४७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	१	२	७	२
२७	२७	१०	२४	२७	१६	२४	२७
३०	५८	१४	२१	३८	३५	८	९
३२	३०	४५	११	२०	६	५५	३७
५७	३८	२/३०	१/३४	७३	७	३	५६
११	३३	मा:	ब	०	१४	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः:४७१ सन्१९७४
१	श	१७	४	पु	२१	८	व	२०	३१	ब	१७	४	३३/५०	५/१४	६/४६	२०	२९	२९	कर्के	पुष्ये रविः सौरः १७।५६ सिंधारा
२	र	७	२२	श्ले	१३	३८	स्वि	५८	४९/५९	कौ	७	२२	४७	१५	४५	२१	३०	३०	सिं१३।३८	आर्द्रा. शुक्रः १९।११ चन्द्रदर्शनम् तीज
३	र	५१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+१८।४५ श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम्
४	चं	५०	३४	म	६	५५	व	५०	३७	व	२४	२८	४५	१५	४५	२२	३१	१	सिंहे	भ. २४।२८ उ. ५०।३४ या. रज्जब ७
५	मं	४४	३०	पू	२१	५६/७	प	४२	४९	ब	१७	३२	४२	१६	४४	२३	१	२	कं.१५।२३	नाग पंचमी राष्ट्रीय श्रावणारंभः
६	बु	४०	५	ह	५५	२२	शि	३६	२३	कौ	१२	१७	४०	१६	४४	२४	२	३	कन्यायां	×कर्के बुधः १।४८ वक्री पूभा. १ गुरुः ५५/४४
७	गु	३७	३४	चि	५५	५	स्वि	३१	२५	ग	८	५०	३७	१७	४३	२५	३	४	तु.२५।१३	भ. ३७।३४ उ.
८	शु	३६	५३	स्वा	५६	४०	सा	२७	५७	वि	७	१४	३५	१७	४३	२६	४	५	तुलायां	भ. ७।१४ या. पुनर्वसौ बुधः २६।१३
९	श	३८	९	वि	५९	५२	शु	२५	५०	बा	७	३१	३२	१८	४२	२७	५	६	वृ.४४।४	
१०	र	४०	४१	अ	६०	०	शु	२४	४९	तै	९	२५	२९	१८	४२	२८	६	७	वृश्चिके	
११	चं	४४	४४	अ	४	२५	ब्र	२५	३२	व	१२	४३	२६	१९	४१	२९	७	८	वृश्चिके	भ. १३/४३ उ. ४४/४४ या. ज्येष्ठा. २ राहुः=
१२	मं	४९	२९	ज्ये	१०	४६	ऐं	२६	२८	ब	१७	४	२४	१९	४१	३०	८	९	ध.१०।४६	=रोहि.४केतुः ९।५८ पवित्रा ११ व्र.
१३	बु	५५	२०	मू	१६	५९	वै	२८	१४	कौ	२२	२५	२१	२०	४०	३१	९	१०	धनुषि	प्रदोषः
१४	गु	६०	०	पू	२४	८	वि	३०	१९	ग	२८	११	१८	२०	४०	१	१०	११	म.४०।५८	पुन. शुक्रः २५।१२ अगस्त मा.८ ता. ३१
१४	शु	१	१	उ	३१	२९	प्री	३२	३५	व	१	१	१५	२१	३९	२	११	१२	मकरे	भ.१।१उ.३४।७या. आश्लेषा. रविः५९/४६×
१५	श	७	१४	श्र	३९	२	आ	३५	७	ब	७	१४	१२	२२	३८	३	१२	१३	मकरे	पुष्ये बुधः ४९।३६ आश्ले. रविः सौरः+

१५पं.श्रा.शु.१श.इ.४७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	१०	२	२	७	३
४	२	१४	२४	६	१७	२३	३
११	१९	१४	८	१	२८	४६	४८
१७	४८	२४	१७	१९	५२	३९	४
५७	३८	४६	५३	७२	७	३	५६
१५	३४	२४	व	१६	८	११	५७

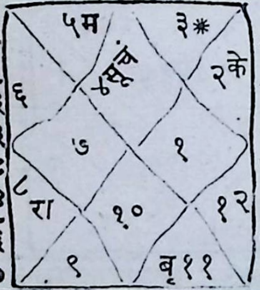

१६पं.श्रा.शु.९श.इ.७४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	१०	२	२	७	३
१०	६	२१	२३	१४	१८	२३	१०
५२	४२	५६	४६	२७	२१	२४	२७
१९	०	२	२३	०	१८	२३	२१
५७	३८	८५	४/३	७३	७	३	५७
२०	३८	४९	व	२६	१	११	५

१७पं.श्रा.शु.१५श.इ.४७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	२	२	७	३
१७	११	३	२३	२२	१९	२३	१७
३४	४	१५	१५	५४	१२	२	७
१	३४	३६	४०	४४	२९	८	९
५७	३८	०/१	५/९	७३	६	३	५७
२५	५८	०/८	व	४१	४०	११	१२

ति.	प्र. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१३	१६	ध	४६	१३	सौ	३७	२८	कौ	१३	१६	३३/९	५/२२	६/३८	४	१३	१४	कु.१२।३८	*१शनिः २७।३५ जन्माष्टमी व्र. स्मा.
२	चं	१८	५९	श	५३	३१	शो	२९	३७	ग	१८	५९	६	२३	३७	५	१४	१५	कुम्भे	भ. ५१।३४ उ. पूर्वास्तो बुधः १४।४८
३	मं	२४	९	पू	५९	२४	अ	४१	७	वि	२४	९	३	२३	३७	६	१५	१६	मी४२।५०	भ. २४।९ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२८	२८	उ	६०	०	सु	४२	१४	बा	२८	२८	०	२४	३६	७	१६	१७	मीने	पूफायां. भौमः २८।३४
५	गु	३१	४९	उ	४	५५	धृ	४२	३३	कौ	०	८	३३/५६	२५	३५	८	१७	१८	मीने	चन्द्रषष्ठी
६	शु	३३	५३	रे	९	१७	शू	४१	४८	ग	२	५१	५३	२५	३५	९	१८	१९	मे.९।१७	भ. ३३।५३ उ. कर्के शुक्रः ३७।५६
७	श	३४	३३	अ	१२	५५	गं	२९	५५	वि	४	१३	५०	२६	३४	१०	१९	२०	मेषे	भ. ४।१३ या. आश्ले. बुधः ३४/३८ पुन.*
८	र	३३	३८	भ	१३	४७	वृ	३६	३८	बा	४	५	४७	२७	३३	११	२०	२१	वृ.२८।४४	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	चं	३०	५३	कृ	१३	३८	ध्रु	३२	१०	तै	२	१६	४३	२७	३३	१२	२१	२२	वृषे	भ. ५८।३३ उ. पुष्ये शुक्रः ३९/२८ गोगा ९
१०	मं	२६	१३	रो	११	२७	व्या	२६	५	वि	२६	१३	४०	२८	३२	१३	२२	२३	मि३९।३	भ. २६।१३ या.
११	बु	२०	१०	मृ	६	३९	ह	१८	२९	बा	२०	१०	३६	२९	३१	१४	२३	२४	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	गु	१२	३५	आ	२/४०	५३/३६	व	९	५२	तै	१२	३५	३३	२९	३१	१५	२४	२५	क.४२।५२	वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	शु	३	४७	पु	४८	५५	स्वि	०/२	४९/४०	व	३	४७	२९	३०	३०	१६	२५	२६	कर्के	भ. ३/४७ उ. २८/५२ या. मघा. सिंहेऽर्कः ४४/४१
१४	शु	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×सौरः १५।१० कुशाग्रहणी
३०	श	४३	५९	श्ले	४१	१२	व	३९	२	च	१८	५८	२६	३१	२९	१७	२६	२७	सिं४१।१२	मघा. सिंहे बुधः ५।३८ मघा. सिंहेऽर्कः×

१८पं. प्र.भा.कृ.७श.इ.४७/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	३	२	७	३
२४	१५	१७	२२	१	२०	२२	२३
१६	२८	५	३७	२५	२	३९	४८
२६	५५	६	५	४	६	५२	१६
५७	३८	०/२	१/६	७३	६	३	५७
३३	५८	०/७	व	५०	२८	११	२२

गोचरग्रहाः

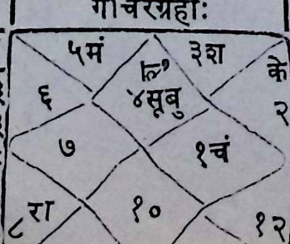

प्र.भाद्र.कृ.१३ शुक्रे
सिंहेऽर्कः प्र.वा.५
न.५ वन्ध्यावस्था
(ऊभी) मु. ३०
धान्यादिभावे समता।
शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

१९पं. प्र.भा.कृ.३०श.इ.४६/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१०	३	२	७	४
०	१९	१	२१	९	२०	२२	०
५९	५३	२२	५१	५६	४९	१७	३०
४१	५३	५८	५७	४९	.०	३७	२५
५७	३९	०/१	५/६	७३	६	३	५७
४०	५	०/३४	व	५६	१६	११	३४

*बुशुश (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	३४	११	म	३३	२४	प	२८	१	किं	९	५	३२/२२	५/३२	६/२८	१८	२७	२८	सिहे
२	चं	२५	१५	पू	२६	२४	शि	१७	४६	कौ	२५	१५	१९	३२	२८	१९	२८	२९	कं.३९।५८
३	मं	१७	३८	उ	२०	४१	सि	८	२२	ग	१७	३८	१५	३३	२७	२०	२९	१	कन्यायां
४	बु	११	३८	ह	१६	३३	सा	०/४	५३/१०	वि	११	३८	११	३४	२६	२१	३०	२	तु.४५।२४
५	गु	७	३९	चि	१४	१५	शु	४८	२०	बा	७	३९	८	३४	२६	२२	३१	३	तुलायां
६	शु	५	२५	स्वा	१४	११	ब्र	४४	५६	तै	५	२५	४	३५	२५	२३	१	४	तुलायां
७	श	५	५१	वि	१६	१४	ऐं	४३	५	व	५	५१	०	३६	२४	२४	२	५	वृ.०।४३
८	र	७	५६	अ	१९	५६	वै	४३	८	ब	७	५६	३१/५६	३७	२३	२५	३	६	बृश्चिके
९	चं	११	४४	ज्ये	२५	१७	वि	४३	३२	कौ	११	४४	५२	३८	२२	२६	४	७	ध.२५।१७
१०	मं	१६	४५	मू	३१	५२	प्री	४५	२४	ग	११	४५	४८	३८	२२	२७	५	८	धनुषि
११	बु	२२	५०	पू	३९	१७	आ	४७	४१	वि	२२	५०	४४	३९	२१	२८	६	९	म.५६।८
१२	गु	२८	५४	उ	४६	४०	सौ	५०	१२	ना	२८	५४	४०	४०	२०	२९	७	१०	मकरे
१३	शु	३५	१४	श्र	५३	११	शो	५२	४७	कौ	२	४	३६	४१	१९	३०	८	११	मकरे
१४	श	४१	१०	ध	६०	०	अ	५४	५७	ग	८	१२	३२	४२	१८	३१	९	१२	कुं.२७।१९
१५	र	४६	३६	ध	१	२६	सु	५६	४५	वि	१२	५३	२८	४२	१८	१	१०	१३	कुंभे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५०० स.१९७४

चन्द्रदर्शनम्
भ. ४४।३८ उ. सावान ८
भ. ११।३८ या.

पूफा. बुधः ५६।० आश्ले. शुक्रः ५६/५६ *
भ. ५।५१ उ. ३६।२४ या.
●अस्ती भौमः २८।३९ रा.भाद्रपदारंभः
+४७।५९ **सितम्बर मा. ९ ता. ३०**
भ. ४९।४७ उ.
भ. २२।५० या. उफा. भौमः ३०।१६×
=बुधः ४७/३१ पूफायां रविः सौरः ६।२
पूफा. रविः ३४।१८ ×कमला ११ व्र.
भ.४१/१०उ. उफायां बुधः १६/४६ पश्चिमोदयो=
भ. १२।५३ या. वक्री शतभिषा. ४ गुरुः+

२० पं. प्र.भा.शु.७श.इ.४६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१०	३	२	७	४
७	२४	१४	२१	१८	२१	२१	७
४४	२०	५६	१	३०	३४	५५	१४
१७	२८	४९	२२	५०	१८	२१	१
५७	३९	[illegible]	७/३४	७४	५	३	५७
४८	२२	२८	व	२	५१	११	४५

गोचरग्रहाः

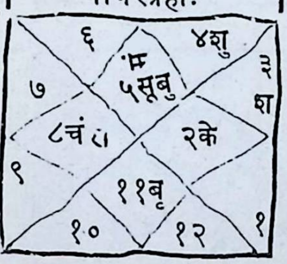

अधिक मास फल
द्वि.भाद्रे क्षेममारोग्यं सस्यनिष्पत्तिरुत्तमा । बहु क्षीर घृताः गावो वृष्टि तत्र च शोभनाः ।

गोचरग्रहाः

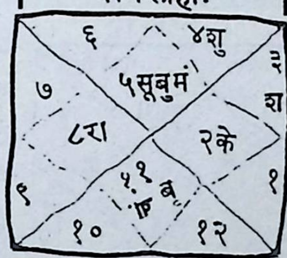

२१पं.प्र.भा.शु.१४श.इ.४६/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१०	३	२	७	४
१४	२८	२७	२०	२७	२२	२१	१३
२९	४८	२९	७	६	१६	३३	५९
५६	५०	१३	५५	४७	८	५	१३
५८	३९	[illegible]	७/५२	७४	५	३	५७
१	२२		व	८	२५	११	५७

ति.	द्वि.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	५१	१६	श	८	११	धृ	५८	२	बा	१८	५६	३५/२५	५/४३	६/१७	२	११	१४	मी५७।३४
२	मं	५४	१	पू	१४	१	शू	५८	२५	तै	२२	३८	२१	४४	१६	३	१२	१५	मीने
३	बु	५७	४२	उ	१९	१	गं	५८	१९	व	२५	५२	१७	४५	१५	४	१३	१६	मीने
४	गु	५९	२५	रे	२३	९	वृ	५७	२२	ब	२८	३४	१३	४५	१५	५	१४	१७	मे.२३।९
५	शु	५९	५८	अ	२६	११	ध्रु	५५	२९	कौ	२९	४२	९	४६	१४	६	१५	१८	मेषे
६	श	५९	२६	भ	२८	८	व्या	५२	५२	ग	२९	४३	५	४७	१३	७	१६	१९	वृ.४३।१९
७	र	५७	३६	कृ	२८	५३	ह	४९	१४	वि	२८	३१	१	४८	१२	८	१७	२०	वृषे
८	चं	५५	२७	रो	२८	१९	व	४४	१९	बा	२६	३४	३०/५७	४९	११	९	१८	२१	मि५७।२२
९	मं	५०	६	मृ	२६	२५	सि	३८	३३	तै	२२	४६	५३	४९	११	१०	१९	२२	मिथुने
१०	बु	४४	२६	आ	२३	२२	व्य	३१	४०	व	१७	१६	४८	५०	१०	११	२०	२३	मिथुने
११	गु	३७	४१	पु	१८	५५	व	२३	५६	ब	११	४	४४	५१	९	१२	२१	२४	क. ५।२
१२	शु	२९	४१	पु	१३	२६	प	१५	७	कौ	३	४१	४०	५२	८	१३	२२	२५	कर्के
१३	श	२१	५	श्ले	७	२२	शि	५/३०	५९/२४	ग	२१	५	३६	५३	७	१४	२३	२६	सिं७।२२
१४	र	१२	३	म	०/३०	५३/११	सा	४५	३१	श	१२	३	३२	५४	६	१५	२४	२७	सिंहे
३०	चं	३	२६	उ	४८	४४	शु	३५	५२	ना	३	२६	२८	५४	६	१६	२५	२८	कं.७।२६

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेप्र.भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

कन्यायांभौमः३५।५ कन्या.बुधश्च ११।५३
मघा. सिंहे शुक्रः ६।४९
भ. २५।५२ उ. ५७।४२ या.
चतुर्थी व्र.

भ. ५९।२३ उ.
भ. २८।३१ या. हस्ते बुधः २०।५१

भ. १७।१६ उ. ४४।२६ या.
पुन. २ शनिः ३६।२० कमला ११ व्र
उ. फा. रविः १८।३८ सौरः ५०।४०*
भा. २१।५ उ. ४६।३४ या.
*पूफायां शुक्रः ५५।९
कन्यायामर्कः ४३।५९ सोमवती ३०

२२पं. द्वि.भा.कृ.६श.इ.४६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१०	४	२	७	४
२१	३	९	१९	५	२२	२१	२०
१६	१८	३	१२	४४	५४	१०	४५
५५	०	५७	२८	३८	३६	५०	५३
५८	३९	९७	७/५२	७४	५	३	५८
१२	३९	४९	व	१७	१	११	१२

गोचरग्रहाः

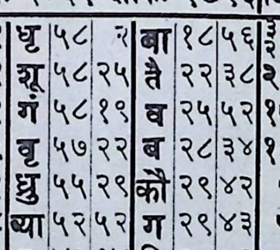

द्वि.भा.कृ.३०चंद्रे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.५ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

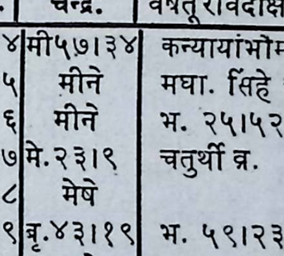

२३पं.द्वि.भा.कृ.१३श.इ.४६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१०	४	२	७	४
२८	७	१९	१८	१४	२३	२०	२७
५	४८	४१	१७	२३	२९	४८	३४
२४	५८	६	५६	२४	५६	३४	१५
५८	३९	८७	७/४४	७४	४	३	५८
२६	३९	५८	व	२०	३३	११	२९

 *मंशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३० स.१९७४
१	चं	५१	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*सौरः १५।५२ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	४८	३५	ह	४२	१५	शु	२६	५२	बा	२१	२८	३० २४	५५	६ ५	१७	२६	३०	कन्यायां	चित्रायां बुधः १७।१ कन्यायामर्कः*
३	बु	४३	२८	चि	३८	३५	ब्र	१८	५९	तै	१६	१	२०	५६	४	१८	२७	१	तु.१०।२५	हस्ते भौमः ४।३६ रमजान १
४	गु	४१	१७	स्वा	३६	३२	ऐं	१३	१६	व	१२	४२	१६	५७	३	१९	२८	२	तुलायां	भ. १२।२२उ. ४१।१७ या. गणेश चतुर्थी
५	शु	३९	१७	वि	३६	५८	वै	७	९	ब	१०	१७	१२	५८	२	२०	२९	३	बृ.२१।२५	ऋषि पंचमी
६	श	४०	२०	अ	३९	१६	वि	३	५६	कौ	९	४९	८	५८	२	२१	३०	४	बृश्चिके	×हस्ते रविः सौरः ३।६ जलझूलनी ११ व्र.वै.
७	र	४३	२६	ज्ये	४३	२९	प्री	२	३१	ग	११	५३	४	५९	१	२२	३१	५	ध.४३।२३	भ. ४३।२६ उ. तुलायां बुधः २०।२०
८	चं	४८	१	मू	४९	१७	आ	२	२०	वि	१५	४३	३० ००	० ६०	६ ०	२३	१	६	धनुषि	भ. १५।४४ या. रा. आश्विनारंभः
९	मं	५३	५६	पू	५६	१६	सौ	४	९	बा	२०	५९	२९ ५५	६ ५	५९	२४	२	७	धनुषि	उफा. शुक्रः ४०।१५
१०	बु	६०	०	उ	६०	०	शो	५	१३	तै	२७	१	५१	२	५८	२५	३	८	म.१३।७	+रोहि. ३ केतुः २।२२ अनंत १४
१०	गु	०	५	उ	३	३७	अ	७	२२	ग	०	५	४७	३	५७	२६	४	९	मकरे	भ. ३३।२० उ. हस्ते रविः ५७।५ जल-=
११	शु	६	३६	श्र	११	१९	सु	१०	१	वि	६	३६	४३	३	५६	२७	५	१०	कुं.४४।५८	भ. ४।६ या. स्वा.बुधः ३।६ कन्या. शुक्रः ३।६×
१२	श	१२	३१	ध	१८	३७	धृ	११	५३	बा	१२	३१	३८	४	५६	२८	६	११	कुम्भे	प्रदोषः =झूलनी ११ व्र. स्मा.
१३	र	१७	५८	श	२५	१९	शू	१४	१	तै	१७	५८	३४	५	५५	२९	७	१२	कुंभे	वक्री शत. ३ गुरुः ०।१६
१४	चं	२२	७	पू	३०	४९	गं	१५	२	व	२२	७	३०	६	५४	३०	८	१३	मी१४।२७	भ.२२।७उ.५३।४०या. ज्येष्ठा.१ राहुः+
१५	मं	२५	१३	उ	३५	२६	वृ	१५	१०	ब	२५	१३	२६	७	५३	१	९	१४	मीने	महालय श्राद्धारंभः अक्टूबर १० ता. ३१

२४पं. द्वि.भा.शु.६श.इ. ४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	१०	४	२	७	५
४	१२	२९	१७	२३	२४	२०	४
५५	२१	१६	२५	४	०	२६	२४
१९	११	३३	५५	१	५८	१९	२२
५८	३९	७६	१५७	७४	३	३	५८
३८	४९	१६	ब	२६	५७	११	४५

गोचरग्रहाः

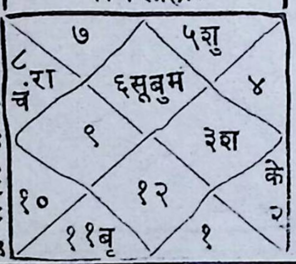

इस मासमें धान्य घृत गुड़ खांड़ तिल तैल अलसी धातु मूँगफली में मंदी होकर तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

२५पं.द्वि.भा.शु.१२श.इ. ४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	१०	५	२	७	५
११	१६	७	१६	१	२४	२०	११
४६	५५	३५	३८	४६	२७	४	१६
५५	२३	१३	२८	१२	३२	३	२५
५८	४०	६०	२८६	७४	३	३	५९
५३	६	५२	ब	२६	१७	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणेद्वि.भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२७	४	रे	३८	४३	ध्रु	१४	२६	कौ	२७	४	२९ २२	६ ८	५ ९	२	१०	१५	मे.३८।४३	
२	गु	२७	४९	अ	४०	५८	व्या	१२	४९	ग	२७	४९	१८	८	५२	३	११	१६	मेषे	भ. ५७।३६ उ.
३	शु	२७	२३	भ	४२	१६	ह	१०	१७	वि	२७	२३	१४	९	५१	४	१२	१७	बृ.५७।१९	भ. २७।२३ या. चतुर्थी व्र.
४	श	२६	०	कृ	४२	३१	व	७	२	बा	२६	०	१०	१०	५०	५	१३	१८	बृषे	हस्ते शुक्रः २२।०
५	र	२३	५५	रो	४२	२	सि	३	५५ ५७	तै	२३	५५	६	११	४९	६	१४	१९	बृषे	
६	चं	२०	५०	मृ	४०	३९	व	५२	४६	व	२०	५०	२	१२	४८	७	१५	२०	मि११।२०	भ. २०।५० उ. ४९।२ या.
७	मं	१७	१३	आ	३८	३५	प	४६	४७	ब	१७	१३	२६ ५८	१२	४८	८	१६	२१	मिथुने	चित्रा. भौमः २८।७
८	बु	१२	४९	पु	३५	३७	शि	४०	५	कौ	१२	४९	५४	१३	४७	९	१७	२२	क.२१।२२	मातृ ९
९	गु	७	३२	पु	३२	२	सि	३३	२	ग	७	३२	५०	१४	४६	१०	१८	२३	कर्के	भ. ३४।३३ उ. चित्रा. रविः २९।६*
१०	शु	१	३७	श्ले	२७	४४	सा	२५	८	वि	१	३७	४६	१५	४५	११	१९	२४	सिं२७।४४	भ. १।३७ या. इन्दिरा ११ व्र. स्मा.
११	शु	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*(सौरः ५८।५७)
१२	श	४७	५६	म	२२	५१	शु	१६	५३	कौ	२१	२७	४२	१६	४४	१२	२०	२५	सिंहे	वक्री बुधः ५६।३६ इन्दिरा ११ व्र. व.
१३	र	४०	५५	पू	१७	३७	शु	१८ १०	५१ ३१	ग	१४	२५	३८	१६	४४	१३	२१	२६	क.३१।५२	भ. ४०।५५ उ. प्रदोषः
१४	चं	३४	२०	उ	१२	३८	ऐं	५१	१८	वि	७	७	३४	१७	४३	१४	२२	२७	कन्यायां	भ. ७।७ शस्त्रादि हतानां श्रा.
३०	मं	२७	५३	ह	८	४	वै	४३	२३	च	१	७	३०	१८	४२	१५	२३	२८	तु.३९।९	सर्वपितृ ३०

२६पं.आ.कृ.४श.इ.४५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	१०	५	२	७	५
१८	२१	१४	१५	१०	२४	१९	१८
४०	३१	२	५६	२९	४९	४१	१०
८	३४	२०	५३	३८	४४	४७	१२
५९	४०	३८	३२५	७४	२	३	५९
९	६	५१	ब	२९	३७	११	१६

गोचरग्रहाः

इस मासमें हरेक वस्तु मंदी होगी कृष्णपक्षकी तिथि घटे शुक्लपक्ष बढ़ जाय। एक चीज तो क्या बढ़े सभी चीज बढ़ जाय॥

गोचरग्रहाः

२७पं.आ.कृ.१२श.इ.४५।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	१०	५	२	७	५
२५	२६	१७	१५	१९	२५	१९	२५
३५	९	१६	२२	१४	७	१९	५
६	११	२२	२६	१३	८	३२	५४
५९	४०	१	२४४	७४	१	३	५९
२१	१६	३७	ब	३२	५८	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	२२	४४	चि	४	१५	वि	३६	१९	ब	२२	४४	२६/२६	६/५९	५/४५	१६	२४	२९	तुलायां
२	गु	१९	१७	स्वा	१	४५	प्री	३०	३४	कौ	१९	१७	२२	२०	४०	१७	२५	३०	वृ.४६।४
३	शु	१७	४६	वि	०	५०	आ	२६	२६	ग	१७	४६	१६	२०	४०	१८	२६	१	वृश्चिके
४	श	१८	४	अ	१	४९	सौ	२३	१५	वि	१८	४	१४	२१	३९	१९	२७	२	वृश्चिके
५	र	२०	२७	ज्ये	४	५०	शो	२२	१४	बा	२०	२७	१०	२२	३८	२०	२८	३	ध.४।५०
६	चं	२४	१३	मू	९	३१	अ	२२	१३	तै	२४	१९	६	२३	३७	२१	२९	४	धनुषि
७	मं	२९	५०	पू	१५	५५	सु	२३	२२	व	२९	५०	२	२४	३६	२२	३०	५	म.३२।३९
८	बु	३५	५४	उ	२९	५०	धृ	२५	१३	वि	२	५२	२७/५८	२४	३६	२३	१	६	मकरे
९	गु	४२	२०	श्र	३०	५८	शू	२७	३३	बा	९	७	५४	२५	३५	२४	२	७	मकरे
१०	शु	४८	३५	ध	३७	५६	गं	२९	१३	तै	१५	२४	५०	२६	३४	२५	३	८	कु.४।२७
११	श	५३	५३	श	४४	३८	वृ	३१	५०	व	२१	११	४६	२७	३३	२६	४	९	कुम्भे
१२	र	५८	५	पू	५०	४२	ध्रु	३३	२	ब	२५	५९	४२	२८	३२	२७	५	१०	मी३४।११
१३	चं	६०	०	उ	५५	२	व्या	३३	१४	कौ	२९	३१	३९	२८	३२	२८	६	११	मीने
१३	मं	०	५६	रे	५८	४	ह	३२	१६	तै	०	५६	३५	२९	३१	२९	७	१२	मे.५८।४
१४	बु	२	१	अ	५९	३८	व	३०	८	व	२	१	३१	३०	३०	३०	८	१३	मेषे
१५	गु	१	४६	भ	६०	०	सि	२६	५२	ब	१	४६	२७	३१	२९	३१	९	१४	मेषे

शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५९ स.१९७४

चित्रा. शुक्रः ३/३ नवरा. मातामह श्रा.
तुलायामर्कः १२/५२ (सौरः ४०/४१) चन्द्रदर्शनम्
भ. ४७/५५ उ. तुला. भौमः ३१/५३ शुक्रास्तः+
भ. १८/४ या. पश्चिमास्तो बुधः २३।३३
+पू. २७।० सब्बाल १०
तुलायां शुक्रः २२/४८ सरस्वत्यावाहनम्
भ. २९।५० उ. सरस्वती पूजनं
भ. ५२/२ या. स्वात्यां रविः ५४/५४ बलिदानं×
स्वात्यां रविः सौरः ३२/२८ सरस्वती विस.
विजया दशमी ×रा. कार्तिकारंभः
भ. २१/११ उ. ५३/५३ या. वक्री चित्रा. बुधः ५१/२२ *
*स्वात्यां शुक्रः ४१/४ पापांकुशा ११ व्र.
स्वात्यां भौमः २७।४३ प्रदोषः

भ. २/१ उ. ५१/५३ या. शरद् पू. कोजागरी व्र.
वर्क्र शनिः १९/२८ पूर्वोदयी बुधः ५६।३३

२८पं.आ.शु.४श.इ.४५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	४	२	७	६
२	०	१४	१४	२७	२५	१८	२
३१	४९	४७	५७	५९	१८	५७	३
३४	३७	३८	३४	९	५०	१६	२३
५९	४०	६०/२४	३/२०	७४	१	३	५९
३४	२६	ब	ब	३२	१७	११	४६

गोचरग्रहाः

आ. शु. २ गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

२९पं.आ.शु.११श.इ.४५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	६	२	७	६
९	५	३	१४	६	२५	१८	९
२९	३०	४९	४१	४५	२५	३५	२
४९	४३	४	२८	१८	५९	१	४३
५९	०	१०/९	७/५७	७४	०	३	६०
४७	३६	ब	ब	२६	२८	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	०	२६	भ	३०	५८/२९	व्य	२२	३४	कौ	०	१४	२७/२४	६/३१	५/२९	१	१०	१५	वृ.१५।२२
२	शु	५७	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	श	५३	२८	रो	५८	१८	व	१७	२९	व	२५	४४	२०	३२	२८	२	११	१६	वृषे
४	र	४९	१८	मृ	५४	५७	प	११	४३	ब	२१	५१	१६	३३	२७	३	१२	१७	मि२६।३७
५	चं	४५	२८	आ	५२	११	शि	५/२३	५३/२५	कौ	१७	३३	१३	३३	२७	४	१३	१८	मिथुने
६	मं	४०	५९	पु	४९	१०	सा	५१	५९	ग	१२	५८	९	३४	२६	५	१४	१९	क.३४।५५
७	बु	३५	९	पु	४६	२	शु	४५	२	वि	८	११	६	३५	२५	६	१५	२०	कर्के
८	गु	३०	५०	श्ले	४२	४१	शु	३७	५६	बा	२	१६	२	३६	२४	७	१६	२१	सिं४२।४१
९	शु	२५	२५	म	३९	१७	ब्र	३०	४४	ग	२५	३९	२६/५९	३६	२४	८	१७	२२	सिंहे
१०	श	२०	४०	पू	३५	४४	ऐं	२५	२३	वि	२०	१४	५६	३७	२३	९	१८	२३	कं.४९।५२
११	र	१५	३	उ	३२	१५	वै	१७	२३	बा	१५	५	५३	३७	२३	१०	१९	२४	कन्यायां
१२	चं	१०	३१	ह	२९	७	वि	९	१८	तै	१०	५	४९	३८	२२	११	२०	२५	तु.५७।५२
१३	मं	५	३५	चि	२६	३९	प्री	२/२३	५३/५०	व	५	४३	४६	३९	२१	१२	२१	२६	तुलायां
१४	बु	३	५९	स्वा	२४	५१	सौ	५०	५८	श	१	४९	४३	३९	२१	१३	२२	२७	तुलायां
३०	बु	५७	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

नवम्बर मा. ११ ता. ३०

भ. २५।४४ उ. ५३।५८ या.
मार्गी बुधः २२।५५ करक चतुर्थी व्र.

भ. ४०।३६ उ. मार्गी गुरुः २८।४७
भ. ८।११ या. विशाखा. रविः १५।१७×
×(सौरः ४०/७) विशाखा. शुक्रः १६।१४
भ. ५२।५६ उ.
भ. २०।१४ या.
रमा ११ व्र.
प्रदोषः घन १३
भ ५१/४१ उ. ३३/४५ या. स्वात्यांबुधः ४/४८ रूप १४
महालक्ष्मी पूजनम्

३०पं.का.कृ.३श.इ.४५।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	६	२	७	६
१६	१०	१	१४	१५	२५	१८	१६
२९	१४	३०	३५	३२	२६	१२	३
३८	१७	२८	३१	२०	३८	४५	४७
६०	४०	५/४६	०/३०	५७	०/५	३	६०
४	२९	ब	ब	२६	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

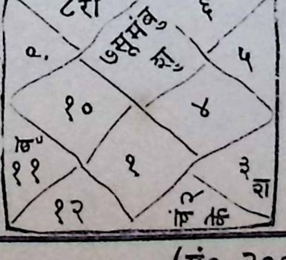

इस मास में तेरह दिन का पक्ष अशुभ है धान्य रुई चौ. पशुओं का नाश हो। रस धातु सोना चादी तेज हो।

गोचरग्रहाः

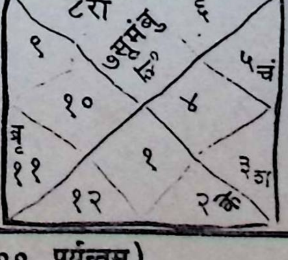

३१पं.का.कृ.१०श.इ.४४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१०	६	२	७	६
२३	१४	४	१४	२४	२५	१७	२३
३०	५९	२४	३९	१९	२२	५०	६
५८	२०	०	०	३७	४१	३८	२४
६०	४०	५८/२१	०/४७	१४	७/५७	३	६०
१७	५०	मा	मा	३८	ब	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५८८सन्१९७४
१	गु	५७	५५	वि	२४	२१	शो	४६	४१	किं	२८	३३	२६/४०	६/४०	५/२०	१४	२३	२८	वृ.९।२८	वृश्चिके शुक्रः १३/५४ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	शु	५८	१३	अ	२५	९	अ	४३	२०	बा	२८	४	३७	४१	१९	१५	२४	२९	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	श	६०	०	ज्ये	२७	२९	सु	४१	३९	तै	२९	१९	३४	४१	१९	१६	२५	१	ध.२७।२९	वृश्चिकेऽर्कः ११/१४(सौरः ३४/२४)अनु. शुक्रः×
३	र	०	२५	मू	३१	३१	धृ	३९	४१	ग	०	२५	३१	४२	१८	१७	२६	२	धनुषि	भ. ३२।१० उ. विशाखा. भौमः
४	चं	३	५५	पू	३७	१	शू	४१	९	वि	३	५५	२९	४२	१८	१८	२७	३	म.५३।४१	भ. ३।५५ या. ×५४।४१ जिल्काद ११
५	मं	९	५	उ	४३	४३	गं	४२	४३	बा	९	५	२६	४३	१७	१९	२८	४	मकरे	अनु. रविः २९।३९ (सौरः २५।१२)
६	बु	१५	१	श्र	५१	१	वृ	४४	४३	तै	१५	१	२४	४३	१७	२०	२९	५	मकरे	
७	गु	२१	२२	ध	५८	३३	ध्रु	४६	५८	व	२१	२२	२१	४४	१६	२१	३०	६	कुं.२४।४७	भ.२१/२२उ.५४/३४या. विशाखा. बुधः ३७।५०
८	शु	२७	४६	श	६०	०	व्या	४९	३	[illegible]	२७	४६	१९	४४	१६	२२	१	७	कुम्भे	गोपाष्टमी रा. मार्गशीर्षारम्भः
९	श	३३	३५	श	५	४९	ह	५०	४४	बा	०	४१	१६	४५	१५	२३	२	८	मी५५।४०	अक्षय ९ कूष्माण्ड ९
१०	र	३८	१८	पू	१२	१७	व	५१	३२	तै	५	५६	१३	४५	१५	२४	३	९	मीने	
११	चं	४१	२२	उ	१७	३०	सि	५०	५८	व	९	१०	११	४६	१४	२५	४	१०	मीने	भ. ५९/० उ. ४१/२२ या. प्रबोधिनी ११ व्र.*
१२	मं	४२	४०	रे	२०	५१	व्य	४९	११	ब	१२	१	८	४६	१४	२६	५	११	मे.२०।५१	पूर्वास्तो बुधः २६/३६ *तुलसी विवाहः
१३	बु	४२	५	अ	२२	३१	व	४५	५२	कौ	१२	२३	६	४७	१३	२७	६	१२	मेषे	ज्येष्ठायां शुक्रः २८।७ प्रदोषः
१४	गु	३९	४३	भ	२२	२९	प	४१	१०	ग	१०	५४	३	४७	१३	२८	७	१३	वृ.३७।४	भ. ३९/४३ उ. वृश्चिके बुधः ५३/४३ वैकुंठ १४
१५	शु	३५	५२	कृ	२०	४९	शि	३५	११	वि	७	४७	१	४८	१२	२९	८	१४	वृषे	भ. ४७।७ या. चन्द्रग्रहणं

३२पं.का.शु.३श.इ.४४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	१०	७	२	७	७
०	१९	१२	१४	३	२५	१७	०
३३	४६	५४	५२	७	१२	२८	१०
४७	३४	.७	४८	३७	११	१४	२८
६०	४१	८२	२	७४	४/३	३	६०
३०	०	३८	७	३८	ब	११	४०

गोचरग्रहाः

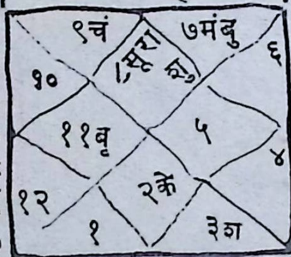

का. शु. ३ शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महघंता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३३पं.का.शु. ९श.इ.४४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	१०	७	२	७	७
७	२४	२३	१५	११	२४	१७	७
३७	३५	१८	१६	५५	५७	५	१६
३७	४९	२८	४४	४१	४७	१८	१
६०	४१	९४	३	७४	१/२	३	६०
४२	४	०	३३	३२	ब	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३०	५२	रो	१८	३	सि	२८	२५	बा	३	२२	२५/५९	६/४८	५/१२	३०	९	१५	मि४६।७	अनु. बुधः १९।९
२	र	२५	२	मृ	१४	११	सा	२०	४२	ग	२५	२	५७	४९	११	१	१०	१६	मिथुने	भ.५५/५८उ. वृश्चिके भौमः३१/२० अनु.४राहुः*
३	चं	१८	५४	आ	९	४१	शु	१२	४१	वि	१८	५४	५५	४९	११	२	११	१७	क.५१।१४	भ. १८।५४ या. ज्येष्ठायां रविः३९।४९+
४	मं	१२	३५	पु	५	५	शु	४/४	५५/२३	बा	१२	३५	५३	४९	११	३	१२	१८	कर्के	*रोहि. २ केतुः ५४/२२ दिसम्बर१२ ता. ३१
५	बु	६	२०	पु	४०/४४	५५/५३	ऐं	४८	३५	तै	६	२०	५१	५०	१०	४	१३	१९	सिं५६।३७	+(सौरः ५९।१२)
६	गु	०	५२	म	५३	११	वै	४१	५	व	०	५२	४९	५०	१०	५	१४	२०	सिंहे	भ. ०।५२ उ. २८।१२ या.
७	गु	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	शु	५०	४५	पू	४९	५३	वि	३३	४७	बा	२३	५	४८	५०	१०	६	१५	२१	सिंहे	अनुराधा. भौमः १७।७ उदयी भौमः १५/३८
९	श	४६	३३	उ	४७	२६	प्री	२७	१२	तै	१८	३९	४६	५१	९	७	१६	२२	कं.४।१६	शुक्रोदयः पश्चिमायां ३१।२२ शु.उ.प.
१०	र	४२	५९	ह	४५	१८	आ	२०	५५	व	१४	४६	४५	५१	९	८	१७	२३	कन्यायां	भ.१४।४६उ.४२।५९ या. ज्येष्ठा. बुधः×
११	चं	४०	२	चि	४४	०	सौ	१५	१९	ब	११	३१	४४	५१	९	९	१८	२४	तु.१४।३९	शतभिषा.४गुरुः १७।५२ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	मं	३७	५१	स्वा	४३	२२	शो	१०	१३	कौ	८	५६	४२	५२	८	१०	१९	२५	तुलायां	
१३	बु	३६	४४	वि	४३	५६	अ	५	४५	ग	७	१७	४१	५२	८	११	२०	२६	वृ.२८।४७	भ. ३६।४४ उ. प्रदोषः
१४	गु	३६	४२	अ	४५	३२	सु	१२/२	५७/१३	वि	६	४३	४०	५२	८	१२	२१	२७	वृश्चिके	भ. ६।४३ या.
३०	शु	३७	५०	ज्ये	४८	२२	शू	५७	५२	च	७	१६	३९	५२	८	१३	२२	२८	ध.४८।२२	

३४पं. मा.कृ.१श.इ.४४।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१०	७	२	७	७
१४	२९	४	१५	२०	२४	१६	१४
४२	२७	०	४९	४३	३७	४३	२२
५४	०	७	३३	४४	५१	४३	४७
६०	४१	९५	४	७४	५८/१	३	६१
५०	१४	४०	४५	३२	ब	११	३

गोचरग्रहाः

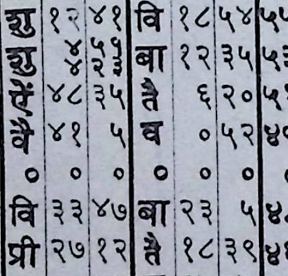

मार्ग. शु. २ रवौ धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

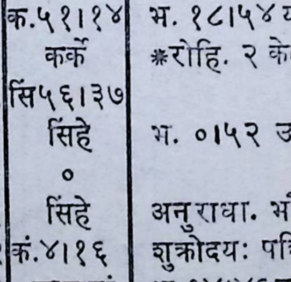

३५पं.मा.कृ. ९श.इ.४४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	७	२	७	७
२१	४	१५	१६	२२	२४	१६	२१
४८	२०	९	३०	३१	१३	२१	३०
५८	६	५०	५०	४८	४८	२७	५३
६०	४१	९९	५	७४	३/७	३	१३
५६	२१	७	५२	३२	ब	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	४०	२४	मू	५२	१९	गं	५६	५७	किं	९	७	३५/३८	६/५२	५/८	१४	२३	२९	धनुषि
२	र	४४	२	पू	५७	२७	वृ	५७	१०	बा	१२	१३	३८	५२	८	१५	२४	३०	धनुषि
३	चं	४९	२३	उ	६०	०	ध्रु	५८	१८	तै	१६	४३	३७	५३	७	१६	२५	१	म. १४।३
४	मं	५५	०	उ	३	५२	व्या	५९	५५	व	२२	११	३७	५३	७	१७	२६	२	मकरे
५	बु	६०	०	श्र	१०	५०	ह	६०	०	ब	२८	२२	३७	५३	७	१८	२७	३	कुं. ४४।४२
५	गु	१	३२	ध	१८	३०	ह	२	१५	बा	१	३२	३६	५३	७	१९	२८	४	कुम्भे
६	शु	८	८	श	२६	९	व	४	३७	तै	८	८	३६	५३	७	२०	२९	५	कुंभे
७	श	१४	२३	पू	३३	२१	सि	६	४०	व	१४	२३	३६	५३	७	२१	३०	६	मी १६।३३
८	र	१९	३७	उ	३९	२२	व्य	८	२	ब	१९	३७	३६	५३	७	२२	१	७	मीने
९	चं	२३	२८	रे	४३	५३	व	८	३०	कौ	२३	२८	३६	५३	७	२३	२	८	मे. ४३।५३
१०	मं	२५	३१	अ	४६	३९	प	७	४२	ग	२५	३१	३७	५३	७	२४	३	९	मेषे
११	बु	२५	३५	भ	४७	३२	शि	५	२२	वि	२५	३५	३७	५३	७	२५	४	१०	मेषे
१२	गु	२३	३२	कृ	४६	२२	सि	५/१९	५४/२३	बा	२३	३२	३७	५३	७	२६	५	११	बृ. २।१४
१३	शु	१९	४१	रो	४३	२८	शु	४८	४४	तै	१९	४१	३८	५२	८	२७	६	१२	बृषे
१४	श	१४	३	मृ	३८	५१	शु	४०	२९	व	१४	३	३८	५२	८	२८	७	१३	मि ११।१०
१५	र	७	२	आ	३३	२०	ब्र	३१	२२	ब	७	२	३९	५२	८	२९	८	१४	मिथुने

हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१८स.१९७४

मूले धनुष्यर्कः ४७।१ चन्द्रदर्शनम्
मू. धनुष्यर्कः सौरः २।५६ जिल्हेज १२
भ. २२/११ उ. ५५/० या. मूले धनुषि बुधः ३/३५
पूषायां शुक्रः ४०।२३

वक्री पुन. १ शनिः ३४।५० चम्पा ६
भ. १४।२३ उ. ४७।० या.
रा. पौषारंभः
×३९।३८ मोक्षदा ११ व्र. गीता जयंती
भ. ५५।३३ उ.
भ. ३/३५ या. ज्येष्ठा. भौमः १५/४ पू.षा. बुधः×
प्रदोषः

भ. १४/३ उ. ४०/३२ या. पू.षा. रविः ५१।५७
उषायां शुक्रः १९/५४ पूषायां रविः सौरः ४/३४

३६पं.मा.शु.१श.इ.४३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	८	२	७	७
२८	९	२६	१७	८	२३	१५	२८
५५	५५	८	२०	१९	४६	५९	३९
५२	५५	२७	५३	३४	८	११	१६
६१	४१	९९	६	७४	३/५९	३	६१
०	२८	२८	५२	२६	ब	११	१९

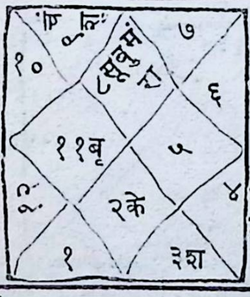

३७पं.मा.शु.७श.इ.४३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	८	२	७	८
६	१४	७	१८	१७	२३	१५	५
३	१३	१५	१७	७	१५	३६	४८
२९	८	१४	४९	३०	७	५६	४१
६१	४१	००	७	७४	४/१५	३	६१
४	४२	५९	५९	२६	ब	११	२२

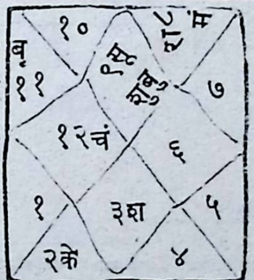

३८पं.मा.शु.१४श.इ.४३।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	८	२	७	८
१३	१९	१८	१९	२५	२२	१५	१२
११	१२	२८	२२	५५	४२	१४	५८
३१	११	५	२६	१२	७	४०	३३
६१	४१	००	८	७४	४/३५	३	६१
६	५२	२३	५६	२६	ब	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	५२	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	५१	२०	पु	२७	८	ऐं	२१	५२	तै	२५	२६	२५/४०	६/५२	५/८	३०	९	१५	क. १३।४१
३	मं	४३	२३	पु	२०	५२	वै	१२	१०	व	१७	२२	४०	५२	८	३१	१०	१६	कर्के
४	बु	३५	४६	श्ले	१४	४३	वि	२/३३	५२/५२	ब	९	३४	४१	५२	८	१	११	१७	सिं १४।४३
५	गु	२९	०	म	९	३७	आ	४४	५६	कौ	२	२३	४२	५२	८	२	१२	१८	सिंहे
६	शु	२३	१	पू	५	१	सौ	३७	१७	व	२३	१	४३	५१	९	३	१३	१९	कं. १९।८
७	श	१८	२८	उ	५/३२	५७/५५	शो	२८	३५	ब	१८	२२	४४	५१	९	४	१४	२०	कन्यायां
८	र	१४	५१	चि	५७	१८	अ	२४	४७	कौ	१४	५१	४६	५१	९	५	१५	२१	तु. २८।२२
९	चं	१२	२८	स्वा	५७	१६	सु	१९	५९	ग	१२	२८	४७	५१	९	६	१६	२२	तुलायां
१०	मं	११	९	वि	५९	३२	धृ	१६	७	वि	११	९	४९	५०	१०	७	१७	२३	वृ. ४३।५८
११	बु	११	८	अ	६०	०	शू	१३	१३	बा	११	८	५१	५०	१०	८	१८	२४	बृश्चिके
१२	गु	१२	२३	अ	२	१	गं	११	२०	तै	१२	२३	५२	५०	१०	९	१९	२५	वृश्चिके
१३	शु	१४	२९	ज्ये	५	२०	वृ	१०	१९	व	१४	३९	५४	४९	११	१०	२०	२६	ध. ५।३०
१४	श	१८	१	मू	९	५७	ध्रु	१०	४	श	१८	१	५६	४९	११	११	२१	२७	धनुषि
३०	र	२२	२१	पू	१५	२४	व्या	१३	२२	ना	२२	२१	५८	४८	१२	१२	२२	२८	म. ३२।४

शिशिरतूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

•बुधः ५६/२९ पश्चिमोदयी बुधः २१।३०
भ. १७।२२ उ. ४३।२३ या.
पूभा. १ गुरुः ३/१० मकरे शुक्रः १।६ च.व्र.+
उषायां बुधः ५०।३२
भ. २३।१ उ. ५०।४१ या.
मकरे बुधः ४९।४४
+जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९७५
भ. ४१।४७ उ.
भ. ११।९ या.
श्रवणे शुक्रः ५५।१ सफला ११ व्र.
प्रदोषः
भ. १४/३९ उ. ४६/२० या. उ.षा. रविः ५६/४१ श्रवणे•
उषायां रविः सौरः ६।१
मूले धनुषि भौमः ४४।५४

३९पं. पौ.कृ.७श.इ.४३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	९	२	७	८
२०	२४	२९	२०	४	२२	१४	२०
१९	१३	४९	३२	४१	८	५२	८
२६	२६	३६	५६	२७	२	२५	३०
६१	४१	००	९	७४	४/०	३	६१
६	५६	४०	४३	२०	ब	११	२६

गोचरग्रहाः

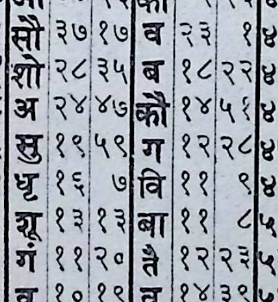

धनु राशि का मंगल सोना चांदी शेयर्स घृत तिल तैल रुई पाट बारदाना सिरस्युँ अलसी तेज करेगा।

गोचरग्रहाः

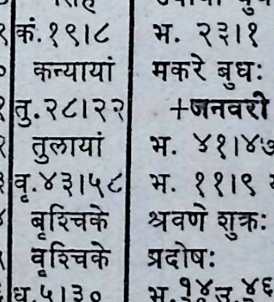

४०पं.पौ.कृ.१४श.इ.४३।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	१०	९	२	७	८
२७	२९	११	२१	१३	२१	१४	२७
२७	१६	१५	४९	२८	३२	३०	१८
४०	२८	७	८	३०	२४	९	२२
६१	४२	९५	१०	७४	४/०	३	६१
६	११	४९	२९	१५	ब	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	२७	४९	उ	२२	२	ह	११	९	ब	२७	४९	२६/५	६/४८	५/१२	१३	२३	२९	मकर
२	मं	३३	४४	श्र	२९	८	व	१३	१४	बा	०	४६	३	४७	१३	१४	२४	३०	मकरे
३	बु	४०	८	ध	३६	३६	सि	१५	२६	तै	६	५६	५	४७	१३	१५	२५	१	कु.२।५२
४	गु	४६	५१	श	४४	१३	व्य	१७	३३	व	१३	२९	८	४६	१४	१६	२६	२	कुम्भे
५	शु	५३	२०	पू	५१	२४	व	१९	४२	ब	२०	५	१०	४६	१४	१७	२७	३	मी ३४।३७
६	श	५८	५५	उ	५८	३५	प	२१	४७	कौ	२६	७	१२	४६	१४	१८	२८	४	मीने
७	र	६०	०	रे	६०	०	शि	२३	५	ग	३१	१२	१५	४५	१५	१९	२९	५	मीने
७	चं	३	३०	रे	४	२०	सि	२३	२२	व	३	३०	१७	४५	१५	२०	३०	६	मे.४।२०
८	मं	५	३७	अ	८	३६	सा	२२	२८	ब	५	३७	२०	४४	१६	२१	१	७	मेषे
९	बु	७	४२	भ	११	४	शु	१९	४८	कौ	७	४२	२२	४४	१६	२२	२	८	वृ.२६।५९
१०	गु	७	२	कृ	११	३०	शु	१५	४२	ग	७	२	२५	४३	१७	२३	३	९	वृषे
११	शु	४	१४	रो	९	५५	ब्र	९	५२	वि	४	१४	२७	४३	१७	२४	४	१०	मि ३८।४
१२	शु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	श	५२	३४	मृ	६	१३	ऐं	२/२९	५९/०४	कौ	२५	५६	३०	४२	१८	२५	५	११	मिथुने
१४	र	४४	२७	आ	१/५९	५२/२८	वि	४३	३६	ग	१८	३१	३३	४१	१९	२६	६	१२	क.४१।२०
१५	चं	३५	३५	पु	४६	५०	प्री	३३	१७	वि	१०	१	३६	४१	१९	२७	७	१३	कर्के

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७४१स.१९७५

मकरेऽर्कः१३।५(सौरः ३१/२६) चन्द्रदर्शनम्
मोहोरम १ सन् १३९५ हि.
भ. १३।२९ उ. ४६।५१ या.
÷३२।२५ धनि. शुक्रः ३६।४३
×रविः ३५।५० (सौरः ५२।४८)
धनिष्ठा. बुधः ३४।५८ पूभा. २ गुरुः÷
भ. ३।३० उ. ३४।३३ या. अभि. प्र.×
रा. माघारम्भः
पात स्पर्शः ७।३९ पात मोक्षः ३६।५
भ. ३५।३८ उ. पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
भ. ४/१४ या. श्रवणेरविः ३/१३ सौरः ४८ कुंभे*
*शुक्रः ५५/४९ अभि.नि.रविः ५४/४२ पु.११व्र. वै
कुंभे बुधः ३४।३५ अभि.नि. रविःसौरः+
भ. ४४।२७ उ. +१।१ प्रदोषः
भ. १०।१ या. माघ स्नान प्रारम्भः

४१पं. पा.शु.६श.इ.४३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	३	२	७	९
४	४	२२	२३	२२	२०	१४	४
३५	२१	५	१०	१४	५९	७	२७
३१	२५	४२	५५	१३	२	५३	५१
६१	४२	८६	११	७४	४/२६	३	६१
३	२२	३४	८	८	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

पौष शु. २ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

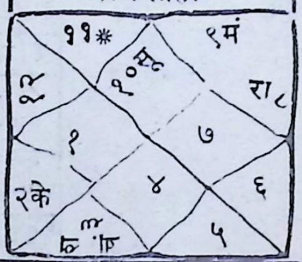

४२पं.पो.शु.१३श.इ.४३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	१०	१०	२	७	९
११	९	०	२४	०	२०	१३	११
४२	२७	७	३५	५८	२६	४५	३६
५८	२८	४४	४९	५१	५३	३८	४३
६०	४२	५१	११	७४	४/७	३	६१
५९	२६	४९	४७	२	ब	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	२६	१०	श्ले	३९	३६	आ	२२	३२	कौ	२६	१०	३६/३९	६/४०	५/२०	२८	८	१४	सि ३९।३६
२	बु	१६	५६	म	३२	१६	सौ	११	४३	ग	१६	५६	४२	४०	२०	२९	९	१५	सिंहे
३	गु	८	३	पू	२५	४१	शो	१/३०	५/२५	वि	८	३	४६	३९	२१	३०	१०	१६	कं.३९।१७
४	शु	०	५	उ	२०	४	सु	४३	३२	बा	०	५	४९	३८	२२	३१	११	१७	कन्यायां
५	शु	५३	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	श	४८	४७	ह	१६	१०	धृ	३६	१९	ग	२१	१६	५२	३८	२२	१	१२	१८	तु.४४।५९
७	र	४५	३३	चि	१३	४९	शू	३३	३८	वि	१७	१३	५५	३७	२३	२	१३	१९	तुलायां
८	चं	४४	१५	स्वा	१३	५	गं	२६	१४	बा	१४	५२	५९	३६	२४	३	१४	२०	वृ.५८।४३
९	मं	४४	४	वि	१३	५५	वृ	२३	७	तै	१४	९	२७/२	३६	२४	४	१५	२१	वृश्चिके
१०	बु	४५	५३	अ	१६	२०	ध्रु	२१	१७	व	१५	४	६	३५	२५	५	१६	२२	वृश्चिके
११	गु	४८	४८	ज्ये	२०	१२	व्या	२०	२९	ब	१७	२०	९	३४	२६	६	१७	२३	ध.२०।१३
१२	शु	५३	३	मू	२५	२१	ह	२०	५१	कौ	२०	५५	१३	३३	२७	७	१८	२४	धनुषि
१३	श	५७	५५	पू	३१	२२	व	२१	३२	ग	२५	२९	१६	३३	२७	८	१९	२५	म.४८।४
१४	र	६०	०	उ	३५	११	सि	२३	४	वि	३०	५५	२०	३२	२८	९	२०	२६	मकरे
१४	चं	३	५४	श्र	४५	११	व्य	२४	५०	श	३	५४	२४	३१	२९	१०	२१	२७	मकरे
३०	मं	९	५८	ध	५२	४४	व	२७	०	ना	९	५८	२७	३१	२९	११	२२	२८	कु.१८।५७

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेपौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ४२।२९ उ.
भ.८।३या. पूषायां भौमः १६।५५ वक्री*
*बुधः ११।४ शते शुक्रः १५।२६ च.व्र.
×पश्चिमास्तो बुधः ३०/२५ फरवरी२ ता.२८
भ. ४८/४७ उ. वक्री आर्द्रा. ४ शनिः ६।१३×
भ. १/१ ७/३ या. अनु. ३ राहुः रोहि. १केतुः४७।६
वक्री मकरे बुधः २१/५७ पूभा.३गुरुः ३३।४७
भ. १५।४ उ. ४५।५३ या.
धनिष्ठा.रविः १०।३४(सौरः१४।३६)+
+षट्तिला ११ व्र.
भ. ५७।५५ उ. प्रदोषः
भ. ३०।५५ या. वक्री श्रवणे बुधः ५२/५०
पूभायां शुक्रः १।११

४३पं. मा.कृ.६श.इ.४३।२९

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	१०	१०	२	७	९
१८	१४	१	२६	९	१९	१३	१८
४९	३६	१४	५	४२	५७	२३	४४
२६	१८	२४	१३	४३	३९	२३	४४
६०	४२	३९/३४	१२	७३	३/४७	३	६१
५५	५२	ब	१६	५८	ब	११	४

गोचरग्रहाः

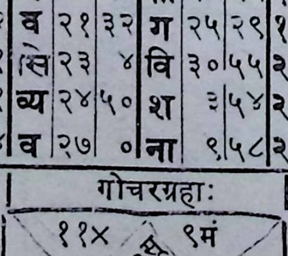

कुंभ राशौ स्थिते शुक्रे सुभिक्षंप्रचुरं जलम् । भवत्यत्र न सन्देहो लोकाः सर्वे निरामयाः ॥ सुभिक्ष व मंदी होवे ।

गोचरग्रहाः

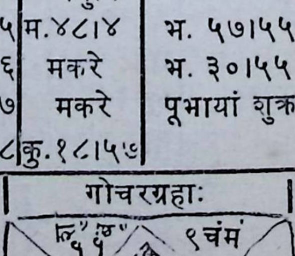

४४पं.मा.कृ.१३श.इ.४३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	२	१०	१०	२	७	९
२५	१९	२४	२७	१८	१९	१३	२५
५५	४६	५१	३७	२४	३१	१	५१
१६	४१	१८	५१	४०	८	७	३१
६०	४२	७९/५१	१२	७३	३/१७	३	६०
४७	५७	ब	३८	५६	ब	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	१६	२२	श	६०	०	प	२९	१६	ब	१६	२२	२७/३५	६/३०	५/३०	१२	२३	२९	कुभे
२	शु	२२	५०	श	०	२३	शि	३१	४३	कौ	२२	५०	३५	२९	३१	१३	२४	१	मी५१।२
३	शु	२९	११	पू	७	५६	सि	३३	३६	ग	२९	११	३८	२८	३२	१४	२५	२	मीने
४	श	३४	५१	उ	१४	४५	सा	३५	२	व	२	१	४२	२८	३२	१५	२६	३	मीने
५	र	३९	३५	रे	२१	५	शु	३६	१	ब	७	१३	४६	२७	३३	१६	२७	४	मे.२१।५
६	चं	४३	७	अ	२६	११	शु	३५	५६	कौ	११	२१	५०	२६	३४	१७	२८	५	मेषे
७	मं	४५	१७	भ	२९	५७	ब्र	३४	३९	ग	१४	९	५४	२५	३५	१८	२९	६	वृ.४५।२९
८	बु	४५	४७	कृ	३२	५	ऐं	३२	४	वि	१५	३२	५८	२४	३६	१९	३०	७	वृषे
९	गु	४४	२२	रो	३२	२०	वै	२८	२	बा	१५	४	२६/२	२४	३६	२०	१	८	वृषे
१०	शु	४१	३	मृ	३०	४९	वि	२२	२१	तै	१२	४२	६	२३	३७	२१	२	९	मि१।३३
११	श	३५	४२	आ	२७	१३	प्री	१५	५	व	८	२२	१०	२२	३८	२२	३	१०	मिथुने
१२	र	२८	५०	पु	२२	८	आ	६/३४	५०/२८	ब	२	१६	१४	२१	३९	२३	४	११	क.८।२५
१३	चं	२०	३५	पु	३५	४०	शो	४६	२५	तै	२०	३५	१८	२०	४०	२४	५	१२	कर्के
१४	मं	११	७	श्ले	८	५	अ	२५	१६	ब	११	७	२२	२०	४०	२५	६	१३	सिं ८।५
१५	बु	१	२२	म	०/९	५२/१०	सु	२३	१९	ब	१	२२	२६	१९	४१	२६	७	१४	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६७८स.१९७५

कुंभेऽर्कः ४५।४९ (सौरः४८।३३) चन्द्र द.
सफर २
पूर्वोदयी बुधः ३५।५०
भ. २११ उ. ३४।५१ या.
वसन्त ५ श्री ५
=मीने शुक्रः ५।५८ भानु ७
भ. ४५।१७ उ. उषायां भौमः ५।५४=
भ. १५।३२ या. शतं रविः ३३/९० (सौरः×
उभायां शुक्रः ४६।८ रा. फाल्गुनारंभः
×२३/५५ पूभा. ४ गुरुः १४/३३ भीष्माष्टमी
भ.८।२२उ.३५।४२या. मकरे भौमः २७/५५*
*मार्गी बुधः २।१९ जया ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ११।७ उ. ३६।१५ या.
माघ स्नान पूर्तिः

४५पं.मा.शु.४श.इ.४४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१०	१०	२	७	१०
३	२४	१७	२९	२७	१९	१२	२
०	५८	५९	१३	५	८	३८	५७
४	१६	३८	१९	३४	४१	५१	३४
६०	४३	४५/१९	१३	७३	२/३७	३	६०
३७	२	ब	४	५०	ब	११	४२

गोचरग्रहाः

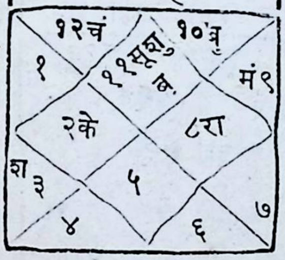

माघ शु. १ बुधे
कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२
न.३ कुमार्यवस्था
(बैठी) मु. १५
धान्यादिभावे मह-
र्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

४६पं.मा.शु.११श.इ ४४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	११	११	२	७	१०
१०	०	१७	०	५	१८	१२	५०
३	११	४५	५१	४५	५१	१६	२
३२	२६	१८	०	०	०	३५	७
६०	४३	५/२	१३	७३	२/२	३	६०
२५	७	मा	१९	३८	ब	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	५०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	४२	१	उ	४४	५८	धृ	१३	१९	तै	१६	४६	२८/३०	६/१८	५/४२	२७	८	१५	कं.५।२८
३	शु	३७	४९	ह	३९	१५	शू	३/१५	५/९	व	७	५८	३४	१७	४३	२८	९	१६	कन्यायां
४	श	२७	२	चि	३४	१०	वृ	४६	४०	ब	०	२५	३८	१६	४४	१	१०	१७	तु.७।१६
५	र	२२	२	स्वा	३१	४०	ध्रु	४०	४०	तै	२२	२	४२	१६	४४	२	११	१८	तुलायां
६	चं	१९	१	वि	३०	९	व्या	३६	१०	व	१९	१	४६	१५	४५	३	१२	१९	वृ.१६।७
७	मं	१८	२	अ	३२	१३	ह	३३	२७	ब	१८	२	५०	१४	४६	४	१३	२०	वृश्चिके
८	बु	१९	११	ज्ये	३५	१९	व	३२	२	कौ	१९	११	५४	१३	४७	५	१४	२१	ध.३५।१९
९	गु	२१	५०	मू	४०	१३	सि	३२	२३	ग	२१	५०	५८	१२	४८	६	१५	२२	धनुषि
१०	शु	२६	१६	पू	४६	१३	व्य	३३	५	वि	२६	१६	२/२	१२	४८	७	१६	२३	धनुषि
११	श	३१	३०	उ	५३	३४	व	३४	५७	बा	३१	३०	६	११	४९	८	१७	२४	म.२।४०
१२	र	३७	४७	श्र	६०	०	प	३७	४	कौ	४	२८	१०	१०	५०	९	१८	२५	मकरे
१३	चं	४४	४	श्र	०	३७	शि	३९	१८	ग	१०	५५	१४	९	५१	१०	१९	२६	कु.३४।२२
१४	मं	५०	२६	ध	८	७	सि	४१	३८	वि	१७	१४	१९	८	५२	११	२०	२७	कुंभे
३०	बु	५६	४४	श	१५	५०	सा	४३	४३	च	२३	३५	२२	७	५३	१२	२१	२८	कुम्भे

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

+११।२९ पात मोक्षः १९।५६
भ. ७।५८ उ.३३/४९ या. च. व्र. पातस्पर्शः+
मार्च मा. ३ ता. ३१

भ.१९।१उ.४८।३२या. रेवत्यां शुक्रः ३६/४८
पू. भा. रविः ३८।१५(सौरः ३८।४२)
धनिष्ठा. बुधः १०/४९ उभा. १ गुरुः २७।५९
भ. ५४।३ उ.
भ. २६।१६ या. श्रवणे भौमः ४६।१५
विजया ११ व्र.

भ. ४४।४ उ. प्रदोषः
भ.१७/१४या. कुंभे बुधः ४२/१ महाशिवरात्री व्र.
अस्तं गुरोः १।१२ अ. गु.

४७पं.फा.कृ.४श.इ.४४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	११	११	२	७	१०
१७	५	२०	२	१४	१८	११	१७
५	२६	२३	३०	२२	३८	५४	४
४६	२	१६	१४	४४	५३	२०	५७
६०	४३	३९	१३	७३	१/२२	३	६०
१२	२०	१	२२	२५	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

मकरे च स्थिते
भौमे घृत तेल मह-
र्घता । सुभिक्षं
सर्व धन्यानां लो-
कानां दुःख पी-
डनम् ॥

गोचरग्रहाः

४८पं.फा.कृ.११श.इ.४४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	११	११	२	७	१०
२४	१०	२६	४	२२	१८	११	२४
६	४१	५८	१०	५८	३२	३२	६
२९	४२	५५	४४	८	२०	४	२०
५९	४३	६१	१३	७३	०/३४	३	६०
५८	२३	२१	३२	१४	ब	११	६

 *चंमंबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७०७ स.१९७५
१	गु	६०	०	पू	२३	४	शु	४५	४२	किं	२९	३७	२९/२७	६/७	५/५३	१३	२२	२९	मी६।१६	✱मानेऽर्कः ३९/१२ (सौरः ३९/२) चन्द्रदर्शनम्
१	शु	२	३०	उ	२९	५०	शु	४७	५	ब	२	३०	३२	६	५४	१४	२३	३०	मीने	अश्वि. मेषे शुक्रः ३३/२१ मार्गी शनिः ५१/२४✱
२	श	७	४३	रे	३५	४७	ब्र	४७	४१	कौ	७	४३	३६	५	५५	१५	२४	१	मे.४५।४७	फुलरिया २ रविलावल ३
३	र	११	५४	अ	४०	५३	ऐं	४७	३२	ग	११	५४	४०	४	५६	१६	२५	२	मेषे	भ. ४३।३२ उ. शते बुधः ३९।४२
४	चं	१५	१०	भ	४४	५६	वै	४६	५६	वि	१५	१०	४४	३	५७	१७	२६	३	मेषे	भ. १५।१० या. उभायां रविः सौरः ५९/३८
५	मं	१७	२३	कृ	४७	४८	वि	४५	११	बा	१७	२३	४९	२	५८	१८	२७	४	वृ.०।३९	उभायां रविः ०।१६
६	बु	१८	७	रो	४९	१८	प्री	४४	१६	तै	१८	७	५३	१	५९	१९	२८	५	वृषे	उभायां २ गुरुः १७।१८
७	गु	१७	३८	मृ	४९	२६	आ	३८	१४	व	१७	३८	५७	१	५९	२०	२९	६	मि१९।२२	भ. १७।३८ उ. ४६।४० या.
८	शु	१५	४१	आ	४७	५३	सौ	३२	४०	ब	१५	४१	३/०/१	६/०/५	६/०	२१	३०	७	मिथुने	होलाष्टकः
९	श	११	५५	पु	४४	४८	शो	२६	१३	कौ	११	५५	६	५९/५	१	२२	१	८	क.३०।३४	रा. चैत्रारम्भः
१०	र	६	५५	पु	४०	२५	अ	१८	२२	ग	६	५५	१०	५८	२	२३	२	९	कर्के	भ. ३३।३७ उ. आमलकी ११ व्र. स्मा.
११	चं	०	२०	श्ले	३४	४१	सु	२८/२७	५/९	वि	०	२०	१४	५७	३	२४	३	१०	सिं३४।४१	भ. ०।२० या. ग्रामलकी ११ व्र. वै.
१२	चं	५२	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×भरण्यां शुक्रः २९।३६ प्रदोषः
१३	मं	४४	१९	म	२६	५२	शू	४९	१३	कौ	१९	२३	१८	५६	४	२५	४	११	सिंहे	धनिष्ठा. भौमः ३५।४८ पूभायां बुधः ४७/२०×
१४	बु	३४	२१	पू	२०	३१	गं	३८	२८	ग	९	२०	२३	५५	५	२६	५	१२	कं.३३।४०	भ.३४/२१उ. ५९/३३या. होलिकादहनं भद्रा पुच्छे
१५	गु	२४	४६	उ	१३	२	वृ	२८	१	ब	२४	४३	२७	५५	६	२७	६	१३	कन्यायां	छारेंडी

४९पं.फा.शु.२श.इ.४५।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	११	०	२	७	११
१	१५	५	५	१	१८	११	१
५	५८	२८	५१	२९	३०	९	६
४२	१९	४४	४९	५२	४७	४९	२
५९	४३	७८	१३	७२	०/५	३	५९
४२	२७	३२	३८	५८	मा	११	४९

गोचरग्रहाः

फा.शु. १ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र.त्रा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊर्भी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

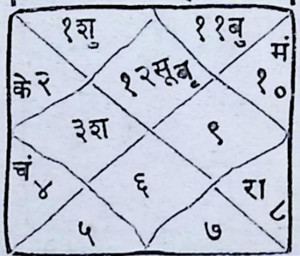

५०पं.फा.शु. ९श.इ.४५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	११	०	२	७	११
८	२१	१५	७	१०	१८	१०	८
३	१६	२४	३३	१	३४	४७	३
१८	८	१४	४०	१५	४८	३३	५७
५९	४३	९१	१३	७२	०	३	५९
२९	४०	३	३८	४४	५८	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०३१ शाकः १८९६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१५	५१	ह	६	८	ध्रु	१८	८	कौ	१५	५०	३०/३१	५४	६/७	२८	७	१४	तु.३३।५	वसंत १
२	श	७	५५	चि	०/२	५५/३२	व्या	९	१०	ग	७	५५	३५	५३	७	२९	८	१५	तुलायां	भ. ३४।३६ उ.
३	र	१	१८	वि	५२	५७	ह	५/३४	५३/५७	वि	१	१८	३९	५२	८	३०	९	१६	वृ.३८।३७	भ. १।१८ या. चतुर्थी व्र.
४	र	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	५४	२२	अ	५२	२२	सि	५१	१४	कौ	२५	३४	४४	५१	९	३१	१०	१७	बृश्चिके	रेवत्यां रविः ३७/५९ (सौरः २७/६)मीने बुधः ४८/२७
६	मं	५४	१०	ज्ये	५४	४	व्य	४८	३२	ग	२४	१६	४८	५०	१०	१	११	१८	ध.५४।४	भ.५४/१०उ. उभा.३गुरुः ५०/१ अप्रेल४ ता.३०
७	बु	५५	५५	मू	५७	३४	व	४७	४३	वि	२५	२	५२	५०	१०	२	१२	१९	धनुषि	भ. २५।२ या. उभायां बुधः ५२।३९
८	गु	५९	३५	पू	६०	०	प	४१	५	बा	२७	४५	५६	४९	११	३	१३	२०	धनुषि	कुम्भे भौमः १२।४३ शीतलापूजनम्
९	शु	६०	०	पू	२	५०	शि	४२	९	तै	३२	३	३/१/०	४८	१२	४	१४	२१	म.१९।२८	÷पूर्वास्तो बुधः ५३।४१
९	श	४	३१	उ	९	२३	सि	५४	२५	ग	४	३१	४	४७	१३	५	१५	२२	मकरे	भ.३७।३८उ. कृत्तिकायां शुक्रः ३५।४६÷
१०	र	१०	४५	श्र	१६	४४	सा	५७	४६	वि	१०	४५	८	४६	१४	६	१६	२३	कुं.५०।३४	भ. १०/४५ या. अनु. २राहुः कृत्ति.४ केतुः ४३/२८
११	चं	१६	५९	ध	२४	२५	शु	५९	२३	बा	१६	५९	११	४६	१४	७	१७	२४	कुम्भे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	मं	२३	२२	श	३२	४	शु	५१	३४	तै	२३	२२	१५	४५	१५	८	१८	२५	कुंभे	बृषे शुक्रः २२।३५ प्रदोषः
१३	बु	२९	२६	पू	३९	१५	ब्र	६०	०	व	२९	२६	१९	४४	१६	९	१९	२६	मी२२।२८	भ. २९।२६ उ. रेवत्यां बुधः ५७।३७
१४	गु	३४	५२	उ	४५	४३	ब्र	०	२०	वि	२	१५	२२	४४	१६	१०	२०	२७	मीने	भ. २।१५ या. उदयं गुरोः ३१।१२ गु
३०	शु	३९	२०	रे	५१	५	ऐं	१	२१	च	७	५	२६	४३	१७	११	२१	२८	मे.५१।५	मन्वादिः उ

५१पं. चै.कृ.२श.इ.४५।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	११	०	२	७	११
१४	२६	२६	९	१८	१८	१०	१५
५९	३३	३०	१५	२८	४४	२५	०
१३	४७	४०	४	३३	१०	१७	३
५९	४३	[illegible]	१४	७२	१	३	५९
१६	४२	२४	३८	२०	३४	११	१८

गोचरग्रहाः

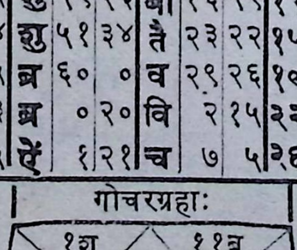

इस मास में गुरु का उदय वर्षा कारक है। धान्य रुई चांदी आदि धातु मंदा हो।

गोचरग्रहाः

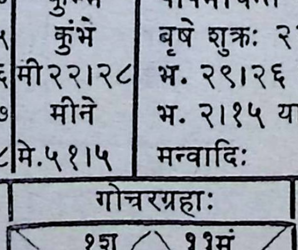

५२पं.चै.कृ. ९श.इ.४५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	११	०	२	७	११
२१	१	८	१०	२६	१८	१०	२१
५३	५२	४६	५६	५२	५८	३	५४
३१	१	५२	२	३७	५५	२	१४
५९	४३	[illegible]	१३	७१	२	३	५९
४	४६	५७	३२	५७	१८	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❋ श्रीगणेशायनमः ❋

ऋद्धिः
लाभः

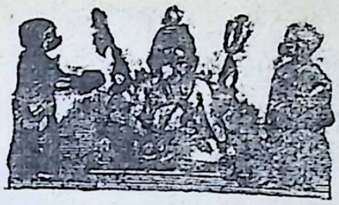

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७६ भोग्यकलिः ४२६९२४ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३२ शाकः १८९७ वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशो बुधः । धान्येशोभौमः । मेघेशोरविः । रसेशोशुक्रः । नीरसेशोबुधः । फलेशोशनिः । धनेशोभौमः । दुर्गेशोरविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां २ विभव नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ६।१७।२८।१८भोग्यमासादिः५।१२।३१।४२ । विष्णुदैवतंयुगम्। वर्षनामभाद्रपदः। मेघनामद्रोणः । रोहिणीनिवासःसमुद्रे । समय निवासोमालाकारगृहे। समयविश्वा १२। समयवाहनंमहिषः। स्तंभाः२वाय्वन्नयोः। सोमवत्यमा.२। सोमवतीपंचमी १। अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी + । रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः१४। तिथिवृद्धिः ७ । उत्पत्ति बिश्वा ९३। खपतिविश्वा ९३ । वर्षाविश्वा ५ । धान्यम् ११ । तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेज ५ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९९ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८ । शनिदृष्टिः पूर्वस्यां । ग्रहणं १ चंद्रमसः ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्ष लग्नम् ७।८

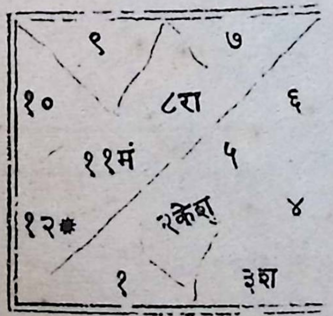

*सूचंबुबृ

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

नमो नमो जगजननी सों करि हूं बारंबार ।
सुष्ठु साल बत्तीस का मोसूं कहिये सार ।।

भवानी उत्तर

बत्तीसो आछो समय प्रजा दुःख न पाय ।
अन्नको भाव सुहावणु कहां आव कहां जाय ।।
विभव नाम वत्सर बना मन्त्री भये द्विजराज ।
सस्याधिप बुध होण से सारें जग का काज ।।
सागर में रोहिणी बसी संवत् विश्वा अर्क ।
संवत् अच्छा होयगा कहीं कहीं रहसी फर्क ।।
रविसुत तो राजा भये ले फलपति अधिकार ।
युद्ध रोग फैले घणा प्रजा होय बेकार ।।
पण भैरव भय मत करे रक्षक है करतार ।
ईश्वरदत्त गुरु ज्ञान से बंशीधर कहा सार ।।

संवत् २०३२ शाके १८९७
कार्तिक शुक्ला १५ भौमे
खग्रासं चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्य.	घ.	४९	५३	५३	५४	५८
मध्यम.	पल	३४	३	५५	४७	१६
रेल्वे	घं.	२	३	४	४	५
टाइम	मि.	१७	४०	१	१२	४५

वर्षेश लग्नम् ०।१६

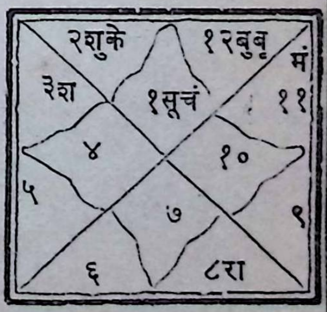

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।२९।४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम्–शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूत रोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री चंद्रस्तत्फलम्–शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्––जलधरा जलराशिमुचोभृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणः स्तुतिपाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सतिबोधने ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम्–भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालिक्षुघृततैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशो रविः फलम्–जलदपे यदिवासरपे तदा सरसिवै रमतें जनता रसम् । यवचनेक्षुनिवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम्–यजन याजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुखसुभिक्ष सुमोदवतीधरा धरणीपाहत पापगणाप्रिया ।। नीरसेशो बुधः फलम्–चित्रवस्त्रादिकं चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो शनिः फलम्–यदि शनिः फलपः कलहो भवेज्जनित पुष्पगणास्तरवः सदा । हिमभयं नरतस्करजं सदा जनपदा जनराशिसमाकुलाः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्–असितमौल्यकरो धरणीसुतः शरदि वाऽभ्रकरस्तुषधान्यहृत् । सहसिमासि भवेद्द्विगुणंतदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ।। दुर्गेशः रविः फलम्–नयविशेषकरस्तरणिस्तदागतभया नरराजपुरोगमा । समधिकेन तदानृपतोऽन्यनः पथिषु संव्रजतां न भयंक्वचित् ।। विभव नाम संवत्सरस्तत्फलम्–दण्डनीतिपराभूपाः बहुसस्यार्घवृष्टयः । विभवाब्देऽखिलालोकाः सुखिनः स्युर्विवैरिणः ।। वर्ष नाम भाद्रपदः फलम्–अर्घमहर्घतां याति धनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं सम्पदो भाद्रवर्षके ।। मेघनाम द्रोणफलम्–द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्––समुद्रे तु महा वृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम्––मालिनः प्रचुराः वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०३२ शाके १८९७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शु. ५ बुधे मृगे ल. १२ रे. ६ ।।।।।ऽअ.ऽऽ।ऽ आवश्यके
" १० चंद्रे मघा. ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।।।ऽऽ। गणितेनक्रांति-साम्याऽभावः
, १२ बुधे उफा. ल. अन्यगो. रे. ९ ऽ।।।।।।।।
" १२ बुधे हस्ते ल. १२ रे.७ ।।।ऽगुऽ।ऽ।।। पादतोवेधाऽभावः चंद्र ७ पूज्यः

वैशाख मासः

शु. ८ रवौ मघा ल. अन्यगो. १ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
" १३ शुक्रे स्वा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।ऽ।।।ऽरोऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उषा. ल. गो. सोग्रांगः रे. ६ ।।।ऽबृऽ।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः पादतो वेधाऽभावः
शु. ५ शनौ मघा. ल.अन्यगो. सोग्रांगः १ रे.८ ।ऽ।।।ऽअ.।।।।
" ८ भौमे हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ ।ऽअ.ऽ।।।।।।
" ११ गुरौ स्वत्यां ल. १ रे. ८ ।।।।।ऽनृ.ऽ।।। चंद्र ७ पूज्यः

आषाढ़ मासः

कृ. २ बुधे उषा. ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।
" ६ चंद्रे उभा. ल. ११ रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।
" ७ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।।ऽचौ।ऽ।ऽ दग्धा.
" ८ बुधे रेव. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।ऽवृ।।।ऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृ. ७ भौमे मघा. ल. ६ रे. ९ ऽ।।।।।।ऽ।। गुरु भौमौ पूज्यौ
" ९ गुरौ उफा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽवृ।ऽअ.।ऽ।। पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः
शु. ८ गुरौ उभा. ल. गो. रे. ९ ऽमं।।।।।।।।।
" १० शनौ रेव. ल. गो. रे. ६ ।ऽऽवृ।।।ऽ।।

माघ मासः

कृ. ३ चंद्रे मघा. ल. ९ रे.९ ।।।ऽबु।।।।।। पादतो वेधाभावः
" ४ भौमे उफा. ल. ३(घ.५५।२२उ.)रे ७ ।।।ऽवृ।ऽचो।ऽ।।
" ५ बुधे उफा. ल. गो. रे. ८ ।।।ऽवृ।।।ऽ।। पादतोवेधाभावः
" ६ गुरौ हस्ते ल. गो. रे. ७ ऽ।।।।ऽरोऽ।।।
" ७ शुक्रे स्वा. ल. ९ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
शु. ४ बुधे उभा. ल. ९ रे ८ ।।।।।।ऽऽ।।
" ५ गुरौ रेव. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।ऽबृ।।ऽनृ.।।।।
" ९ चन्द्रे रोहि. ल. ६ (घ.३४।५०उ.) रे.७ ऽ।।।।।ऽ।ऽ। गु. ७ पूज्यः गणितेन क्रां-तिसाम्याऽभावः
" १५ रवौ मघा. ल. ९ रे. ६ ।।।।ऽऽ।।ऽऽ आवश्यके

फाल्गुन मासः

कृ. ३ बुधे हस्ते ल. गो. ९ रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा.
शु. ७ चन्द्रे रोहि. ल. अन्यगो. रे ७ ।।।।।ऽवोऽऽ।। दग्धा.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७३७ स.१९७५
१	श	४२	३९	अ	५५	४३	वै	१	४१	किं	१०	५९	३५/२९	५/४२	६/१८	१२	२२	२९	मेषे	शते भौमः ४६/२ संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	र	४४	५०	भ	५९	१०	वि	२०	५७/४६	बा	१३	४६	३३	४१	१९	१३	२३	३०	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिधारा
३	चं	४६	१०	कृ	६०	०	आ	५७	५२	तै	१५	२५	३६	४१	१९	१४	२४	१	वृ. १४।४७	अश्वि.मेषेऽर्कः:२।३सौरः१।४० गणगौरी*
४	मं	४६	२६	कृ	१	४०	सौ	५५	२	व	१६	१७	४०	४०	२०	१५	२५	२	वृषे	भ. १६।१७ उ. ४६।२६ या.
५	बु	४५	३४	रो	३	१२	शो	५१	३०	ब	१५	५९	४३	३९	२१	१६	२६	३	मि ३२।२५	अश्वि. मेषे बुधः३८।३१ रोहिण्यां शुक्रः×
६	गु	४३	४०	मृ	३	३८	अ	४७	१	कौ	१४	३७	४७	२९	२१	१७	२७	४	मिथुने	×४८।१० उभा. ४ गुरुः ३।५५
७	शु	४०	३७	आ	२	५५	सु	४१	२७	ग	१२	८	५१	३८	२२	१८	२८	५	क. ४६।४१	भ. ४०।३७ उ. *रविलाखर ४
८	श	३६	४३	पु	१७	५७/२०	धृ	३५	८	वि	८	४०	५५	३७	२३	१९	२९	६	कर्के	भ. ८।४० या.
९	र	३१	५१	श्ले	५४	५६	शू	२८	१३	बा	४	१७	५८	३६	२४	२०	३०	७	सिं ५४।५६	रामनवमी पातस्पर्शः १४/४७ पातमोक्षः २/२३
१०	चं	२४	५२	म	५०	२०	गं	१९	२०	ग	२४	५२	३३/२	३६	२४	२१	१	८	सिंहे	भ. ५२।१ उ. रा. वैशाखारंभः
११	मं	१९	१०	पू	४४	४७	वृ	११	४०	वि	१९	१०	६	३५	२५	२२	२	९	कं. ५८।१६	भ. १९।१० या. भरण्यां बुधः ५२।३९+
१२	बु	११	१६	उ	३८	४४	ध्रु	४०	५३	बा	११	१६	१०	३४	२६	२३	३	१०	कन्यायां	प्रदोषः +कामदा ११ व्र.
१३	शु	३	११	ह	३२	४५	ह	४३	५३	कौ	३	११	१४	३३	२७	२४	४	११	तु. ५९।५२	भ. ५४।२२ उ. पुनर्व. १ शनिः ३१।२९
१४	शु	५१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	शु	४७	२३	चि	२६	५९	व	३५	२	वि	२०	५२	१७	३३	२७	२५	५	१२	तुलायां	भ. २०।५२ या. हनुमज्जयन्ती

१पं.चै.शु.३चं.इ. २।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	११	१	२	७	०
०	८	२४	१२	६	१९	९	०
०	६	४१	५२	४२	२०	३६	०
०	५४	९	५१	०	५३	५७	२४
५८	४३	०/४	१३	७१	३	३	५८
४४	४१	१६	२२	३१	.५	११	४५

गोचरग्रहाः

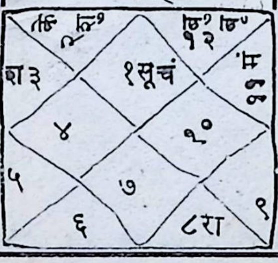

चैत्र शु. ३ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

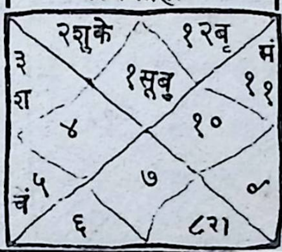

२पं. चै.शु.१०चं.इ.२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१	२	७	०
६	१३	९	१४	१४	१९	९	६
५०	२०	२२	३१	५५	४६	१४	५०
४२	१७	१६	१	३३	२६	४२	३५
५८	४३	०/४	१३	७१	३	३	५८
३१	५६	१९	१५	४	४४	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू २विरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४०	५५	स्वा	२२	३	सि	२७	१	बा	१४	९	३२/२१	५/३२	६/२८	२६	६	१३	तुलायां	
२	र	३५	३०	वि	१८	२७	व्य	२०	२	तै	८	१३	२५	३१	२९	२७	७	१४	वृ. ४।२१	भरण्यां रविः ४२।२०(सौरः ४२।५८)
३	चं	३२	०	अ	१६	४५	व	१४	२४	व	३	१२	२९	३०	३०	२८	८	१५	वृश्चिके	भ.३।१२उ.३२।०या. मृगे.शुक्रः १५/६ च.व्र
४	मं	३०	३३	ज्ये	१६	३५	प	१०	३४	ब	१	१६	३२	३०	३०	२९	९	१६	ध. १६।३५	पूभायां भौमः ४४/५५ कृत्तिका. बुधः१२।४९
५	बु	३१	७	मू	१८	४०	शि	८	१०	कौ	०	५०	३६	२९	३१	३०	१०	१७	धनुषि	वृषे बुधः ५१।२९ रेवती.१ गुरुः ३१।२×
६	गु	३३	५८	पू	२२	३७	सि	७	३८	ग	२	३२	४०	२८	३२	१	११	१८	म. ३९।०	भ. ३३।५८ उ. **मई मा. ५ ता. ३१**
७	शु	३७	५९	उ	२८	१०	सा	७	५९	वि	५	५८	४३	२७	३३	२	१२	१९	मकरे	भ. ५।५८ या.
८	श	४३	४३	श्र	३५	७	शु	९	४२	बा	१०	५१	४७	२७	३३	३	१३	२०	मकरे	×बुधोदयः पश्चिमायां १७।१
९	र	४९	४३	ध	४२	२५	शु	११	२५	तै	१६	४३	५१	२६	३४	४	१४	२१	कुं. ८।४६	मिथुने शुक्रः ३।४८
१०	चं	५५	५९	श	५०	२	ब्र	१४	१६	व	२२	५०	५४	२५	३५	५	१५	२२	कुम्भे	भ. २२।५० उ. ५५।५९ या.
११	मं	६०	०	पू	५७	२४	ऐं	१६	४१	ब	२८	५९	५७	२५	३५	६	१६	२३	मी ४०।३४	रोहिण्यां बुधः ३०/२९ वरूथिनी ११ व्र. स्मा.
११	बु	२	०	उ	६०	०	वै	१८	४०	बा	२	०	३३/१	२४	३६	७	१७	२४	मीने	वरूथिनी ११ व्र. वै.
१२	गु	७	१९	उ	४	०	वि	१९	५५	तै	७	१९	४	२३	३७	८	१८	२५	मीने	प्रदोषः
१३	शु	११	१९	रे	९	२५	प्री	२०	५	व	११	१९	७	२३	३७	९	१९	२६	मे. ९।२५	भ. ११।१९उ. ४२।३८या. आर्द्रा. शुक्रः*
१४	श	१३	५६	अ	१३	२८	आ	१९	१७	श	१३	५६	१०	२२	३८	१०	२०	२७	मेषे	*५७।१९
३०	र	१५	१६	भ	१६	१३	सौ	१७	३१	ना	१५	१६	१३	२१	३९	११	२१	२८	वृ. ३०।३९	कृत्तिका. रविः २८।१५(सौरः ३०।५५)

३पं. वै.कृ.३चं.इ.२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१	२	७	०
१३	१८	२४	१६	२३	२०	८	१३
३९	४५	१७	७	५	१५	५२	३९
४३	४	३८	५८	२१	३२	२६	१०
५८	४३	०/९	१२	७०	४	३	५८
१९	५७	४०	५७	२५	२३	११	१२

गोचरग्रहाः

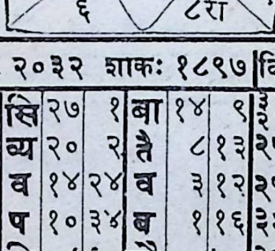

इस मास में ५ शनि५रवि मध्यम हैं रुई पाट वारदाना सोना चांदी गुड़ खांड़ अनाज चावल सिरस्यं अलसी तेज हो ।

गोचरग्रहाः

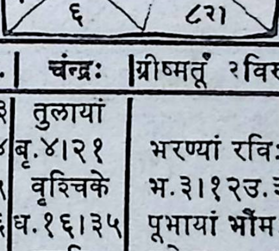

४पं.वै.कृ.१०चं.इ.२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	२	२	७	०
२०	२४	७	१७	१	२०	८	२०
२७	३	४१	४१	८	४९	३०	२५
२२	२५	२०	४९	२७	३७	१०	००
५८	४३	०	१२	६९	४	३	५७
६	४५	९	३२	३४	५१	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः७६७ सन्१९७५
१	चं	१५	१२	कृ	१७	४०	शो	१४	४४	ब	१५	१२	३/१ ३/६	५/२१	६/३९	१२	२२	२९	वृषे	मीने भौमः ५८।४५ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१३	५६	रो	१८	९	अ	११	२	कौ	१३	५६	१९	२०	४०	१३	२३	१	मि४७।५१	परशुराम जयंती जमादिलावल ५
३	बु	११	५९	मृ	१७	३४	सु	६	३१	ग	११	५९	२२	२०	४०	१४	२४	२	मिथुने	भ. ४०।३० उ. वृषेऽर्कः ५५।३० (सौरः=
४	गु	९	२	आ	१६	२२	धृ	१/२०	५४/३१	वि	९	२	२५	१९	४१	१५	२५	३	मिथुने	भ. ९।२ या. मृगे बुधः ४६।३७ रेवती.×
५	शु	५	१५	पु	१४	४०	गं	४९	५२	बा	५	१५	२८	१८	४२	१६	२६	४	क. ०।५	=५८।४३ अक्षया ३
६	श	१	१३	पु	१२	१५	वृ	४३	३८	तै	१	१३	३०	१८	४२	१७	२७	५	कर्के	भ. ५६।३८ उ. उभायां भौमः १९।१०
७	श	५५	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×२ गुरुः ३६।५५
८	र	५१	३७	श्ले	९	२६	ध्रु	३६	३८	वि	२४	१३	३३	१७	४३	१८	२८	६	सिं९।२६	भ. २४।१३ या.
९	चं	४६	१४	म	६	१	व्या	२९	३५	बा	१८	५६	३६	१७	४३	१९	२९	७	सिंहे	+मोहिनी ११ व्र.
१०	मं	४०	९	पू	१/५२	५५/५६	ह	२२	२	तै	१३	११	३९	१६	४४	२०	३०	८	कं.१५।५१	
११	बु	३४	०	ह	५३	३२	व	१४	२२	व	७	४	४१	१६	४४	२१	३१	९	कन्यायां	भ. ७।४ उ. ३४।० या. पुनर्व. शुक्रः ४६/२२+
१२	गु	२७	४२	चि	४९	२६	सि	६/४२	५२/१६	ब	०	५१	४३	१५	४५	२२	१	१०	तु.२१।२९	प्रदोषः रा. ज्येष्ठारम्भः
१३	शु	२१	३२	स्वा	४५	४८	व	५१	४४	तै	२१	३२	४६	१५	४५	२३	२	११	तुलायां	नृसिंह जयन्ती
१४	श	१५	५९	वि	४२	४२	प	४५	१२	व	१५	५९	४८	१४	४६	२४	३	१२	वृ.२८।२९	भ. १५।५९ उ. ४३।३७ या.
१५	र	११	१५	अ	४०	४४	शि	३८	४६	ब	११	१५	५०	१४	४६	२५	४	१३	वृश्चिके	रोहिण्यां रविः १९।५ (सौरः २४।५२)

५पं. वै.शु. १चं.इ. ३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	२	२	७	०
२७	२९	१८	१९	९	२१	८	२७
१३	१९	१९	१४	४	२६	७	१०
३४	१९	३७	३४	४	५२	५५	५५
५७	४३	८१	१२	६८	५	३	५७
५४	४९	५४	१४	४३	१६	११	४५

गोचरग्रहाः

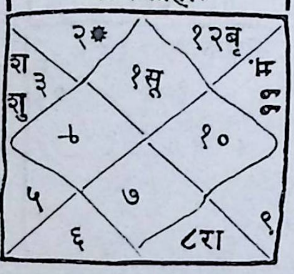

वैशाख शु.३ बुधे वृषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे मह घंता शुक्रा.पू.।

गोचरग्रहाः

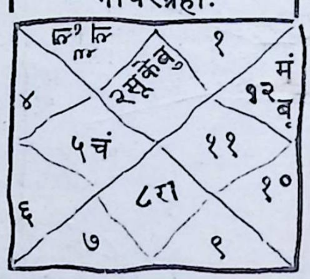

६पं. वै.शु.९ चं.इ.३।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	२	२	७	१
३	४	२५	२०	१६	२२	७	३
५८	३५	४७	४०	५३	८	४५	५४
२६	४२	५२	४	४९	३१	३९	३४
५७	४३	४५	११	६७	२	३	५७
४४	४०	८	४९	३८	४३	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	७	५७	ज्ये	४०	३२	सि	३५	१७	कौ	७	५७	३/५ ३/२	५/१४	६/४६	२६	५	१४	ध.४०।३२	
२	मं	६	१४	मू	४१	५०	सा	३२	१२	ग	६	१४	५४	१३	४७	२७	६	१५	धनुषि	भ. ३६।१७ उ.
३	बु	६	२०	पू	४४	४९	शु	३०	५५	वि	६	२०	५६	१३	४७	२८	७	१६	धनुषि	भ. ६।२० या. वक्री बुधः २०।२३ च.व्र.
४	गु	८	९	उ	४९	१	शु	३०	१९	बा	८	९	५८	१२	४८	२९	८	१७	म.०।५२	
५	शु	११	४१	श्र	५५	१७	ब्र	३१	१०	तै	११	४१	३४/००	१२	४८	३०	९	१८	मकरे	पुन. २ शनिः २६।३६
६	श	१६	४४	ध	६०	०	ऐं	३२	५५	व	१६	४४	२	१२	४८	३१	१०	१९	कुं.२८।४२	भ. १६/४४ उ. ४९/३८ या. कर्के शुक्रः १३।१९
७	र	२२	३१	ध	२	७	वै	३५	१६	ब	२२	३१	४	११	४९	१	११	२०	कुम्भे	रेवती ३ गुरुः २५/२४ पश्चिमास्तं बुधः १७/२६*
८	चं	२८	३७	श	९	४५	वि	३७	४४	कौ	२८	३७	६	११	४९	२	१२	२१	कुम्भे	*जून मा. ६ ता. ३०
९	मं	३४	३१	पू	१७	११	प्री	३९	५९	तै	१	३४	७	११	४९	३	१३	२२	मी०।१९	पुष्ये शुक्रः २०।९
१०	बु	३९	३	उ	२४	८	आ	४१	३८	व	६	४७	९	१०	५०	४	१४	२३	मीने	भ. ६/४७ उ. ३९/३ या. रेवत्यां भौमः १८/२२
११	गु	४४	३	रे	२९	४९	सौ	४२	३	ब	१२	३	१०	१०	५०	५	१५	२४	मे.२९।४९	अपरा ११ व्र.
१२	शु	४६	३८	अ	३४	६	शो	४१	४२	कौ	१५	२१	१२	१०	५०	६	१६	२५	मेषे	+अनु. १ राहुः कृत्तिका. ३केतुः ४२।५
१३	श	४७	३२	भ	३६	५६	अ	३९	४९	ग	१७	५	१३	९	५१	७	१७	२६	वृ.५२।११	भ. ४७।३२ उ. प्रदोषः
१४	र	४६	३८	कृ	३७	५६	सु	३६	३७	वि	१७	५	१४	९	५१	८	१८	२७	वृषे	भ. १७/५ या. मृगे रविः १४/१ (सौरः २३/४१)+
३०	चं	४४	१४	रो	३७	२९	धृ	३२	१२	च	१५	२६	१६	९	५१	९	१९	२८	वृषे	वट पूजनम् सोमवती ३०

७पं. ज्ये.कृ. १चं.इ. ३।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	२	२	७	१
१०	९	२९	२२	२४	२२	७	१०
४२	४९	३२	५	३२	५१	२३	३६
२५	५९	४५	२८	८	३९	२४	४५
५७	४३	९	१०	६६	६	३	५७
३५	३७	१४	५५	१६	८	११	२३

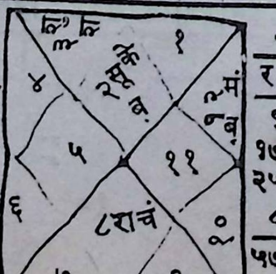

८पं. ज्ये.कृ. ८चं.इ. ३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	३	२	७	१
१७	१५	२९	२३	१	२३	१७	१७
२५	२	२४	२६	५८	३७	१	१७
८	२८	०	३८	१५	३३	८	५१
५७	४३	१९/४	१०	६४	६	३	५७
२७	२१	व	२९	४०	४३	११	१३

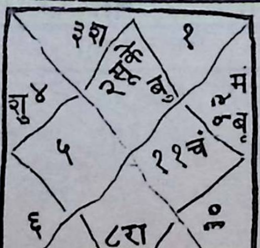

९पं. ज्ये.कृ. ३०चं.इ. ३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	३	२	७	१
२४	२०	२६	२४	९	२४	६	२३
७	१२	२७	४४	१२	२६	३८	५७
१२	३२	५४	१३	३२	९	५२	४७
५७	४३	३२/२२	९	६२	६	३	५७
२२	७	व	४७	५१	३७	११	५

*चंवृके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	४०	३८	मृ	३५	४८	शू	२६	४८	किं	१२	२६	३४/१७	५/९	५ ६/१	१०	२०	२९	मि६।४३
२	बु	३५	५९	आ	३३	१४	गं	२०	३३	बा	८	१९	१८	८	५२	११	२१	३०	मिथुने
३	गु	३०	४१	पु	२९	५२	वृ	१३	४७	तै	३०	२१	१९	८	५२	१२	२२	१	क.१५।४३
४	शु	२५	७	पु	२६	१६	ध्रु	६/३९	५२/५६	वि	२५	७	२०	८	५२	१३	२३	२	कर्के
५	श	१९	२९	श्ले	२२	४३	ह	५२	३५	बा	१९	२९	२१	८	५२	१४	२४	३	सिं२२।४३
६	र	१३	५०	म	१९	१५	व	४५	२२	तै	१३	५०	२१	८	५२	१५	२५	४	सिंहे
७	चं	८	२९	पू	१५	३७	सि	३८	२२	व	८	२९	२२	८	५२	१६	२६	५	कं.२९।४९
८	मं	३	५	उ	१२	२५	व्य	३१	२८	ब	३	५	२२	८	५२	१७	२७	६	कन्यायां
९	मं	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	बु	५३	१०	ह	९	१७	व	२४	५६	तै	२५	३६	२३	७	५३	१८	२८	७	तु.३७।५३
११	गु	४८	४५	चि	६	२३	प	१८	३१	ब	२०	५७	२३	७	५३	१९	२९	८	तुलायां
१२	शु	४४	४९	स्वा	४	११	शि	१२	३८	व	१६	४७	२३	७	५३	२०	३०	९	वृ.४७।५७
१३	श	४१	४०	वि	२	३२	सि	६	१६	कौ	१३	१४	२४	७	५३	२१	३१	१०	वृश्चिके
१४	र	३९	२५	अ	१	३२	सा	२/३४	५६/८	ग	१०	३२	२४	७	५३	२२	१	११	वृश्चिके
१५	चं	३८	२८	ज्ये	१	४३	शु	५५	५५	वि	८	५६	२४	७	५३	२३	२	१२	ध.१।४३

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७९६ स.१९७५

चन्द्रदर्शनम्
भ. ५७।५४ उ. जमादिलाखर ६
भ. २५।७ या.
=रोहि. बुधः १२।१५
मिथुनेऽर्कः१२।३९ (सौरः२४।२८) वक्री=
भ.८।२९उ. ३५।४७या. आश्ले. शुक्रः ३/२ ३/२
×(सौरः २६।१) अश्वि. मेषे भौमः ३/२ १/२
गंगादशमी
भ. २०।५७ उ. ४८/४५ या. निर्जला ११ व्र.
रेवती४गुरुः ३/३ ७/४ बुधोदयः पूर्वस्याम् ८।४६
प्रदोषः
भ. ३९।२५ उ. आर्द्रा. रविः ११।३१×
भ. ८।५६ या. गुर्जराणां वट सा. पू.

१०पं.ज्ये.शु.७चं.इ.३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	११	३	२	७	२
०	२५	२२	२५	१६	२५	६	०
४८	१८	५७	५५	९	१६	१६	३६
२५	२५	१४	२३	३९	५१	३६	५६
५७	४२	२७/५४	९	६०	६	३	५६
१७	५१	व	४	२३	५६	११	५७

गोचरग्रहाः

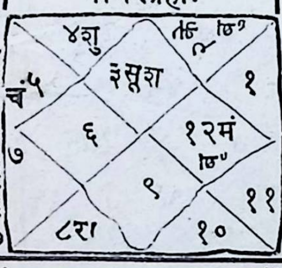

ज्येष्ठ शु. ६ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा.५ न.५ युवाावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

११पं.ज्ये.शु.१५चं.इ.३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	३	२	७	२
७	०	२१	२७	२२	२६	.५	७
२९	२२	२४	०	४६	९	५४	१५
२४	४१	२८	०	४०	१८	२१	२४
५७	४२	२ ६/२	८	५७	७	३	५६
१३	३६	व	१४	१	३	११	२४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	मं	३८	४७	मू	२	५९	ब्र	५४	२४	बा	८	३८	३४/२४	५/७	५ ६/३	२४	३	१३	धनुषि
२	बु	४०	५५	पू	५	४४	ऐं	५३	२७	तै	९	५१	२४	७	५३	२५	४	१४	म.२१।४७
३	गु	४४	३	उ	९	५५	वै	५३	५६	व	१२	२९	२२	७	५३	२६	५	१५	मकरे
४	शु	४८	५९	श्र	१५	३५	वि	५५	२५	ब	१६	३१	२३	७	५३	२७	६	१६	कु.४८।५२
५	श	५४	२०	ध	२२	८	प्री	५७	२३	कौ	२१	४०	२३	७	५३	२८	७	१७	कुम्भे
६	र	६०	०	श	२९	३१	आ	५९	५०	ग	२७	२४	२२	८	५२	२९	८	१८	कुम्भे
६	चं	०	२८	पू	३७	१	सौ	६०	०	व	०	२८	२२	८	५२	३०	९	१९	मी२०।१९
७	मं	६	३७	उ	४४	२२	सौ	२	१४	ब	६	३७	२१	८	५२	१	१०	२०	मीने
८	बु	१२	१४	रे	५०	५२	शो	४	२३	कौ	११	१४	२०	८	५२	२	११	२१	मे.५०।५२
९	गु	१६	५३	अ	५५	५७	अ	५	५०	ग	१६	५०	१९	८	५२	३	१२	२२	मेषे
१०	शु	१९	५२	भ	५९	३६	सु	४	५२	वि	१९	५२	१८	८	५२	४	१३	२३	मेषे
११	श	२१	५	कृ	६०	०	धृ	४	४६	बा	२१	५	१७	९	५१	५	१४	२४	बृ.१४।५९
१२	र	२०	२२	कृ	१	११	शू	१३	५३/४३	तै	२०	२२	१५	९	५१	६	१५	२५	बृषे
१३	चं	१७	४६	रो	५९	५६/३	वृ	५२	१९	व	१७	४६	१४	९	५१	७	१६	२६	मि३०।१
१४	मं	१४	१९	आ	५५	३५	ध्रु	४५	९	श	१४	१९	१३	९	५१	८	१७	२७	मिथुने
३०	बु	७	३७	पु	५०	५३	व्या	३७	४१	ना	७	३७	११	१०	५०	९	१८	२८	क.३७।४

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मार्गी बुधः १७।१२
भ. १२।२९ उ.४४।३या. पुन.३ शनिः ५७/२
अस्तं शनेः २९।५८ चतुर्थी व्र.
मृगे बुधः ४८।४०
भ. ०।२८ उ. ३३।३३ या.
मघा. सिंहे शुक्रः ११।४७ जुलाई मा.७*
भ. ४८।२२ उ. *ता. ३१
भ. १९।५२ या.
योगिनी ११ व्र.
पुन. रविः १०।२७ सौरः ३०।२ प्रदोषः
भ. १७।४६ उ. ४६।२ या. मिथुनेबुधः २७/४२

१२पं.आ.कृ.६चं.इ.३।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	३	२	७	२
१४	५	२३	२७	२८	२७	५	१३
९	२३	२७	५९	५९	२	३२	५३
५०	२	१४	६	९	२७	६	२८
५७	४२	२९/४५	७	५३	७	३	५६
७	७	मा	१७	१६	१४	११	५०

गोचरग्रहाः

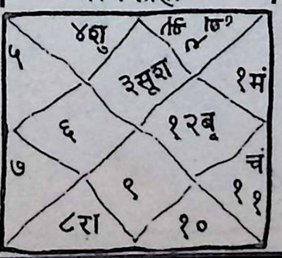

इस मास में जो गेहूं चना मटर मूंग बाजरा मंदा हो। घृत तैल गुड़ खांड़ तेज भाव रहें।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.कृ.१३चं इ. ३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	४	२	७	२
२०	१०	२९	२८	४	२७	५	२०
५०	१९	३१	५०	३८	५६	९	३१
१०	३७	२६	५६	३४	१३	५०	२२
५७	४१	६७	६	४७	७	३	५६
७	४६	२८	१८	५३	२०	११	५०

*चंबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८२६ स.१९७५
१	गु	०	२६	पु	४५	३७	ह	२९	१२	ब	०	२६	३४/५०	५/१०	६/५०	१०	१९	२९	कर्के	चन्द्रदर्शन संभवः रथयात्रा
२	गु	५२	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	४५	४३	श्ले	४०	१९	व	२०	३८	तै	१९	२६	८	१०	५०	११	२०	१	सिं४०।१९	भरण्यां भौमः १९।१८ रज्जब ७
४	श	३८	२५	म	३४	५९	सि	११	४६	व	१२	४	७	११	४९	१२	२१	२	सिंहे	भ. १२।१४ उ. ३८।२५ या. आर्द्रा.बुधः ३६/२४
५	र	३१	३५	पू	२९	५८	व्य	३/१७	५२/५	ब	४	५९	५	११	४९	१३	२२	३	कं.४३।५५	
६	चं	२५	१७	उ	२५	४६	प	४७	५३	तै	२५	१७	४	११	४९	१४	२३	४	कन्यायां	*१५ राष्ट्रीय श्रावणारंभः
७	मं	१९	४८	ह	२२	२३	शि	४१	१	व	१९	४८	२	१२	४८	१५	२४	५	तु.५१।७	भ. १९।४८ उ. ४७।२ या.
८	बु	१४	१६	चि	१९	५२	सि	३५	२	ब	१४	१६	०	१२	४८	१६	२५	६	तुलायां	कर्केऽर्कः ३९।५१
९	गु	११	३२	स्वा	१८	५	सा	२९	४२	कौ	११	३२	३३/५८	१२	४८	१७	२६	७	तुलायां	कर्केऽर्कः सौरः २।४६ अश्वि. मेषे गुरुः ४७/४६
१०	शु	८	४४	वि	१७	२२	शु	२५	११	ग	८	४४	५६	१३	४७	१८	२७	८	वृ.२।३३	भ. ३७।५४ उ.
११	श	७	३	अ	१७	२३	शु	२१	१७	वि	७	३	५४	१३	४७	१९	२८	९	वृश्चिके	भ. ७।३ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	र	६	८	ज्ये	१८	३४	ब्र	१८	२८	बा	६	८	५२	१४	४६	२०	२९	१०	ध.१८।३४	पुष्ये रविः ९।८(सौरः ३३/२७)पुन. बुधः २१/१६×
१३	चं	६	३२	मू	२०	५१	ऐं	१६	१३	तै	६	३२	५०	१४	४६	२१	३०	११	धनुषि	×पूफा. शुक्रः १७/४ पूर्वास्तं बुधः ५३/३६ प्रदोषः
१४	मं	७	४४	पू	२४	७	वै	१५	५	व	७	४४	४७	१५	४५	२२	३१	१२	म.४०।११	भ. ७।४४ उ. ३९।६ या. वायु परीक्षा
१५	बु	१०	२८	उ	२८	२३	वि	१४	४४	ब	१०	२८	४५	१५	४५	२३	१	१३	मकरे	पुन. ४ कर्के शनिः २।१२ व्यास पूजा*

१४पं.आ.शु.६चं.इ. ३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	११	४	२	७	२
२७	१५	९	२९	९	२८	४	२७
३०	१२	१	३५	३८	५०	४७	९
३२	२२	४	४९	२४	२०	३४	२९
५७	४१	९८	५	४०	७	३	५६
११	११	६	१३	५८	२०	११	५५

गोचरग्रहाः

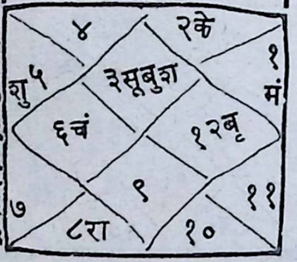

आ. शु. ८ बुधे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ कुमार्यवस्था (बैंठी) मु. १५धान्यादिभावे महर्घता शु. प.।

गोचरग्रहाः

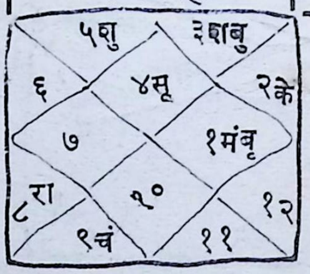

१५पं.आ.शु.१३चं.इ.२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	०	४	२	७	३
४	२०	२१	०	१३	२९	४	३
११	१	२१	१३	४४	४५	२५	४७
१७	१९	२९	३३	२७	२५	१९	५६
५७	४०	[illegible]	४	३२	७	३	५६
१५	४५	[illegible]	१०	१	२०	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	१४	८	श्र	३४	१६	प्री	१५	३	कौ	१४	८	३३/४२	५/१६	६/४४	२४	२	१४	मकरे	कर्क बुधः ५३।४९
२	शु	१९	१३	ध	४०	४३	आ	१६	३०	ग	१९	१३	४०	१६	४४	२५	३	१५	कु.७।२९	भ. ५१।५३ उ.
३	श	२४	३४	श	४७	४८	सौ	१८	१३	वि	२४	३४	३७	१७	४३	२६	४	१६	कुम्भे	भ. २४।३४ या. पुष्ये बुधः ३१/१७ च. व्र.
४	र	३०	३६	पू	५५	२२	शो	२०	४४	बा	३०	३६	३५	१७	४३	२७	५	१७	मी३८।२८	*७।४६ उदयं शनेः ५०।११
५	चं	३६	४९	उ	६०	०	अ	२२	१३	कौ	३	४३	३२	१८	४२	२८	६	१८	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	मं	४२	५१	उ	२	५७	सु	२५	४२	ग	९	५०	२९	१८	४२	२९	७	१९	मीने	भ. ४२।५१ उ.
७	बु	४७	५८	रे	१०	७	धृ	२७	४०	वि	१५	२४	२६	१९	४१	३०	८	२०	मे.१०।७	भ. १५।२४ या. कृत्तिका. भौमः ५९।६
८	गु	५१	४८	अ	१६	७	शू	२८	४६	बा	१९	५३	२४	१९	४१	३१	९	२१	मेषे	
९	शु	५४	४	भ	२०	५९	गं	२८	४६	तै	२२	५६	२१	२०	४०	१	१०	२२	वृ.३६।४६	अगस्त मा. ८ ता. ३१
१०	श	५४	११	कृ	२४	१	वृ	२७	१८	व	२४	७	१८	२०	४०	२	११	२३	वृषे	भ.२४।७उ. ५४।११या. आश्लेषा. बुधः*
११	र	५२	२५	रो	२५	१०	ध्रु	२४	१७	ब	२३	१८	१५	२१	३९	३	१२	२४	मि५४।४३	आश्लेषा. रविः ६।९ (सौरः ३४।१६)×
१२	चं	४८	३६	मृ	२४	१६	व्या	१९	३५	कौ	२०	३१	१२	२२	३८	४	१३	२५	मिथुने	×कामिका ११ व्र.
१३	मं	४२	५०	आ	२१	२५	ह	१३	२२	ग	१५	४३	९	२२	३८	५	१४	२६	मिथुने	भ. ४२।५० उ. वृषे भौमः ४।४६ प्रदोषः
१४	बु	३५	२२	पु	१६	३८	व	५/४२	५१/०	वि	९	१	६	२३	३७	६	१५	२७	क.२।५०	भ. ९।११ या. वक्री शुक्रः २१।४६
३०	गु	२७	१	पु	१०	४२	व्य	४७	१९	च	१	११	३	२३	३७	७	१६	२८	कर्के	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.५चं.इ.२।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	०	४	३	७	३
१०	२४	६	०	१६	०	४	१०
५२	४२	२७	४१	३५	३९	३	५२
१९	२२	३९	४९	९	२८	३	१९
५७	४०	[illegible]	२	२०	७	३	५७
२०	१	[illegible]	५८	१३	१६	११	२०

गोचरग्रहाः

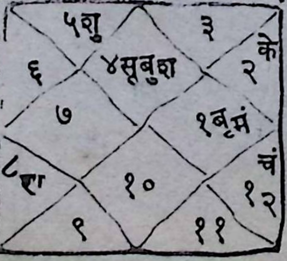

वृष राशौ यदा भौमः सर्वं धान्य महर्घता। चंदनं कुंकुम वस्त्रं कार्पासादि महर्घता।। सुदी में वर्षा श्रेष्ठ हो।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१२चं.इ.२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	०	४	३	७	३
१७	२९	२०	१	१८	१	३	१७
३४	१९	३३	१	२	३३	४०	७
१	३६	३	२६	९	२१	४८	१
५७	३९	[illegible]	१	५	७	३	५७
२५	१७	[illegible]	३७	३३	९	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८५५ सन्१९७५
१	शु	१७	५९	श्ले	३/२	५३/४९	व	३७	२	ब	१७	५९	३३/०	५/२४	६/३६	८	१७	२९	सि ३।२	मघा. सिंहे बुधः ५४।१६
२	श	८	५२	पू	५०	१०	प	२७	८	कौ	८	५२	३३/५६	२५	३५	९	१८	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	०	७	उ	४३	५५	शि	१७	५	ग	०	७	५३	२५	३५	१०	१९	१	कं.३।३६	भ.२६।४उ.५२।२या. विशाखा. ४ राहुः*
४	र	५१	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*कृत्ति. २ केतुः ३४।४८ तीज सावान ८
५	चं	४४	५९	ह	३८	३३	सि	४७	५९/४०	ब	१८	३०	५०	२६	३४	११	२०	२	कन्यायां	नाग पंचमी
६	मं	३९	१७	चि	३४	२९	शु	५२	२१	कौ	१२	८	४७	२७	३३	१२	२१	३	तु.६।३१	+शुक्रास्त पश्चिमायाम् ३३/६ पवित्रा ११ व्र.
७	बु	३४	५४	स्वा	३१	५५	शु	४६	११	ग	७	५	४३	२७	३३	१३	२२	४	तुलायां	भ. ३४।५४ उ. वक्री गुरुः ५।३९
८	गु	३२	३	वि	३०	४९	ब्र	४१	१३	वि	३	२८	४०	२८	३२	१४	२३	५	बृ.१६।१६	भ. २८/३ या. बुधोदयः पश्चिमायां ३५।१०
९	शु	३०	३७	अ	३०	५६	ऐं	३७	२८	बा	१	२०	३६	२९	३१	१५	२४	६	वृश्चिके	×श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं भद्रोत्तरम्
१०	श	३०	३४	ज्ये	३२	३१	वै	३४	४४	तै	०	३४	३३	२९	३१	१६	२५	७	व.३२।३१	पूफायां बुधः ५।४०
११	र	३१	५५	मू	३५	२९	वि	३३	१३	व	१	१४	२९	३०	३०	१७	२६	८	धनुषि	भ.१४/१उ.५५/३१या.मघा.सिंहेऽर्कः४/०सौरः४१/३०+
१२	चं	३४	११	पू	३९	३१	प्री	३२	२९	ब	३	२	२६	३१	२९	१८	२७	९	म.५५।४६	पुष्ये १ शनिः ३७।४४ शु.अ.प.
१३	मं	३७	५९	उ	४४	३१	आ	३२	५५	कौ	६	२	२२	३२	२८	१९	२८	१०	मकरे	प्रदोषः
१४	बु	४२	१२	श्र	५०	२०	सौ	३३	२४	ग	१०	५	१९	३२	२८	२०	२९	११	मकरे	भ. ४२।१२ उ.
१५	गु	४६	४०	ध	५७	९	शो	३५	२	वि	१४	४४	१५	३३	२७	२१	३०	१२	कु.२३।४५	भ. १४।४४ या. रोहिण्यां भौमः २१/३×

१८पं.श्रा.शु.५चं.इ.२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	०	४	३	७	३
२४	३	४	१	१७	२	३	२३
१६	४८	५	११	३५	२५	१८	४८
२६	२२	४२	५३	३१	२३	३२	८
५७	३८	५/८	०	११/२	७	३	५७
३३	२७	९/०	२२	ब	२	११	२२

गोचरग्रहाः

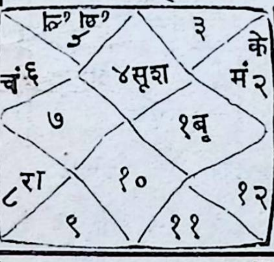

श्रा. शु. ११ रवौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

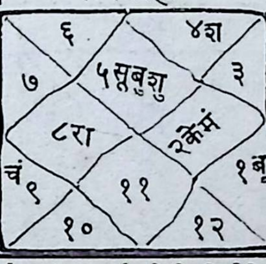

१९पं.श्रा.शु.१२चं.इ.२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	०	४	३	७	४
०	८	१६	१	१५	३	२	०
५९	७	४५	११	२२	१६	५६	३०
४९	१६	१४	४२	५२	१	१६	२१
५७	३७	५/०	०/५३	२४/३७	६	३	५७
४०	३४	९/३५	ब	ब	४५	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५३	२९	श	६०	०	अ	३६	४४	बा	२०	२८	३२/५१	५/३४	६/२६	२२	३१	१३	कुम्भे	वक्री मघा. शुक्रः २।१०
२	श	५९	२३	श	४	९	सु	३९	११	तै	२६	२०	८	३४	२६	२३	१	१४	मी५४।४७	राष्ट्रीय भाद्रपदारम्भः
३	र	६०	०	पू	११	३९	धृ	४१	३४	व	३२	२९	४	३५	२५	२४	२	१५	मीने	भ. ३२।२९ उ. उफायां बुधः ३।७
३	चं	५	३६	उ	१९	८	शू	४३	५८	वि	५	३६	०	३६	२४	२५	३	१६	मीने	भ. ५।३६ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	११	३५	रे	२६	३८	गं	४६	८	बा	११	३५	३१/५६	३७	२३	२६	४	१७	मे.२६।३८	कन्या. बुधः ९।३१
५	बु	१६	५५	अ	३२	१३	वृ	४७	५२	तै	१६	५५	५३	३८	२२	२७	५	१८	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	गु	२१	२३	भ	३९	१	ध्रु	४८	५२	व	२१	२३	४८	३८	२२	२८	६	१९	वृ.५५।१६	भ. २१।२३ उ. ५२।५७ या.
७	शु	२४	३१	कृ	४३	२१	व्या	४८	१८	ब	२४	३१	४४	३९	२१	२९	७	२०	बृषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	श	२५	५८	रो	४६	७	ह	४६	३६	कौ	२५	५८	४०	४०	२०	३०	८	२१	वृषे	पूफायां. रविः ४१/४९ जन्माष्टमी व्र. वै.
९	र	२५	२९	मृ	४६	४९	व	४३	३२	ग	२५	२९	३६	४१	१९	३१	९	२२	मि१६।५८	भ.५४/२०उ. पूफा. रविः सौरः ३१/३३ गोगा ९
१०	चं	२३	११	आ	४५	४२	सि	३८	५३	वि	२३	११	३२	४२	१८	१	१०	२३	मिथुने	भ. २३/११ या. सितम्बर मा. ९ ता. ३०
११	मं	१८	४७	पु	४२	३४	व्य	३२	२९	बा	१८	४७	२८	४२	१७	२	११	२४	क.२८।२१	हस्ते बुधः २३।२० शुक्रोदयः पूर्वस्यां*
१२	बु	१२	१८	पु	३७	४०	व	२४	४०	तै	१२	१८	२५	४३	१७	३	१२	२५	कर्के	वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	गु	४	२८	श्ले	३१	२७	प	१५	४०	व	४	२८	२१	४४	१६	४	१३	२६	सि३१।२७	भ. ४।२८ उ. २९।५७ या.
१४	गु	१०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*१४।२४ अजा ११ व्र.
३०	शु	४५	४९	म	२४	४७	शि	३५/३	४९/२०	च	२०	३७	१७	४५	१५	५	१४	२७	सिंहे	कुशाग्रहणी मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.३चं.इ. २।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	०	४	३	७	४
७	१२	२८	१	११	४	२	७
४४	१८	१३	१	३४	५	३४	१३
१७	३२	२३	५६	२२	५३	१	५३
५७	३६	९४	२/१७	३५/१३	६	३	५७
४८	२३	५७	ब	ब	३०	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मास में रुई सोनाचांदी शेयर के भावों में घटा बढ़ी रुख तेज रहे तिलतेल गुड़खांड़ तेज होवे ।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.१०चं.इ. २।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	०	४	३	७	४
१४	१६	८	०	७	४	२	१३
२९	२०	७	४२	१८	५३	११	५९
५६	६	१२	५०	२२	३५	४५	५
५८	३५	८३	३/३४	३४/२	६	३	५७
१	७	१३	ब	ब	१७	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८८४ स.१९७५
१	श	३५	४७	पू	१६	२२	सा	४३	४७	किं	१०	४८	३५/१३	५/४५	६/१५	६	१५	२८	कं.२९।२५	
२	र	२६	३	उ	८	३७	शु	३२	१२	बा	०	५५	९	४६	१४	७	१६	२९	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	१७	१२	ह	२ १/३	५३/४८	शु	२३	३	ग	१७	१२	५	४७	१३	८	१७	१	तु.२८।१५	भ. ४३।२७ उ. गणेश ४ रमजान ९
४	मं	९	४३	स्वा	५०	२८	ब्र	१३	४१	वि	९	४३	१	४८	१२	९	१८	२	तुलायां	भ. ९।४३ या. ऋषि पंचमी
५	बु	३	४२	वि	४७	३१	ऐं	५/४४	५३/३७	बा	३	४२	३०/५७	४९	११	१०	१९	३	वृ.३३।१६	
६	बु	५५	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु	५७	१५	अ	४६	१५	वि	५४	१०	ग	२८	२४	५३	४९	११	११	२०	४	वृश्चिके	भ. ५७/१५ उ. वक्री रेवती ४ मीने गुरुः ४०/१२
८	शु	५६	५३	ज्ये	४६	५०	प्री	५०	३५	वि	२६	४	४८	५०	१०	१२	२१	५	ध.४६।५०	भ. २६।४ या.
९	श	५८	१५	मू	४९	३३	आ	४८	२८	बा	२७	३४	४४	५१	९	१३	२२	६	धनुषि	उफायां रविः ३४/५ चित्रा बुधः ७।२४
१०	र	६०	०	पू	५३	३७	सौ	४७	३७	तै	२९	३७	४०	५२	८	१४	२३	७	धनुषि	उफायां रविः सौरः ६/११ मृगे भौमः १२/४०
१०	चं	१	०	उ	५८	५९	शो	४८	१४	ग	१	०	३६	५३	७	१५	२४	८	म.९।५७	भ. ३३।१० उ. ×रामदेवजी का मेला
११	मं	५	२०	श्र	६०	०	अ	४९	११	वि	५	२०	३२	५४	६	१६	२५	९	मकरे	भ. ५/२० या. कन्यायामर्कः ५९/२२ जलझू. ११ व्र.
१२	बु	१०	१६	श्र	५	९	सु	५०	५८	बा	१०	१६	२८	५४	६	१७	२६	१०	कुं.३८।४३	कन्यार्कः सौरः ३१।२३ प्रदोषः
१३	गु	१६	१४	ध	१२	१६	धृ	५३	५	तै	१६	१४	२४	५५	५	१८	२७	११	कुम्भे	मार्गी शुक्रः २६।२ पुष्ये २ शनिः ३०/१४
१४	शु	२२	१७	श	१९	२७	शू	५५	१९	व	३२	१०	२०	५६	४	१९	२८	१२	कुंभे	भ. २२।१७ उ. ५५।२२ या. अनन्त १४
१५	श	२८	२८	पू	२७	२	गं	५७	४०	ज	२८	२८	१६	५७	३	२०	२९	१३	मी१०।८	महालय श्राद्धारंभः

२२पं.भा.शु.३चं.इ.१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	०	४	३	७	४
२१	२०	१७	०	३	५	१	२०
१६	९	२२	१६	५४	३८	४१	४५
५५	४३	४१	८	२५	६	३०	४५
५८	३३	६८	४/२६	२२/१९	५	३	५८
१३	४६	२१	व	व	५३	११	१२

गोचरग्रहाः

भा.कृ. ११ भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा. ३नं. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यभाव सम) शुक्रो. पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

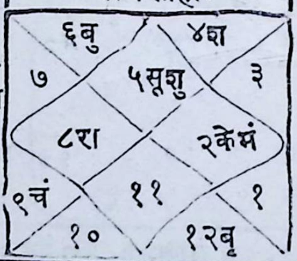

२३पं.भा.शु.१०चं.इ.१।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	३	७	४
२८	२३	२४	२९	२	६	१	२८
५	४६	५३	४०	४	२१	२७	३४
२४	१	५३	८	२३	०	१४	७
५८	३३	४९	५/५८	६/१९	५	३	५८
२६	५०	१७	व	व	२८	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३४	३२	उ	३४	१९	वृ	५९	४९	बा	१	२९	३०/१२	५/५८	६/२	२१	३०	१४	मीने	
२	चं	४०	२९	रे	४१	३१	ध्रु	६०	०	तै	७	३१	८	५८	२	२२	३१	१५	मे.४१।३१	तुलायां बुधः २५।४२
३	मं	४५	२६	अ	४८	२	ध्रु	१	५७	व	१७	५८	४	५९	१	२३	१	१६	मेषे	भा. १२।५८ उ. ४५/२६ रा. आश्विनारंभः
४	बु	४२	४३	भ	५३	५९	व्या	३	२६	ब	१२	३४	३०/०	६/०	६/०	२४	२	१७	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	गु	५३	४	कृ	५८	४७	ह	४	१८	कौ	२१	२३	२९/५५	६/१	५/५९	२५	३	१८	वृ.१०।११	वक्री बुधः १४।७
६	शु	५५	८	रो	६०	०	व	४	१९	ग	२४	१	५१	२	५८	२६	४	१९	वृषे	भ. ५५।८ उ.
७	श	५५	४४	रो	२	२६	सि	३	२९	वि	२५	२६	४७	३	५७	२७	५	२०	मि३३।३२	भ. २५/२६ या. हस्ते रविः १२।२८ (सौरः ४३/५२)
८	र	५४	५३	मृ	४	३९	व्य	१/३४	५६/४३	बा	२५	१९	४३	३	५७	२८	६	२१	मिथुने	मिथुने भौमः ३७।३८
९	चं	५२	२०	आ	५	१६	प	५२	३४	तै	२३	३१	३८	४	५६	२९	७	२२	क.४९।३२	मातृ ९
१०	मं	४७	३२	पु	४	१७	शि	४७	३३	व	१९	५१	३४	५	५५	३०	८	२३	कर्के	भ. २९।५१ उ. ४७।३२ या.
११	बु	४१	२९	पु	१/२७	५५/३७	सि	४०	९	ब	१४	३१	३०	६	५४	१	९	२४	सिं५७।४	वक्री कन्या. बुधः २०।५ इन्दिरा ११ व्र*
१२	गु	३३	५६	म	५१	२३	सा	३१	२५	कौ	७	४३	२६	७	५३	२	१०	२५	सिंहे	*अक्टूबर मा. १० ता. ३१
१३	शु	२५	१६	पू	४४	२८	शु	२१	४५	व	२५	१६	२२	८	५२	३	११	२६	कं.५७।२२	भ. २५/१६ उ. ५०/२७ या. पश्चिमास्तो बुधः ३०/२५ प्रदोषः
१४	श	१५	३८	उ	२६	३९	शु	११	२०	श	१५	३८	१८	८	५२	४	१२	२७	कन्यायां	शस्त्रादि हतानां श्राद्धम् सर्व पितृ ३०
३०	र	५	४९	ह	२८	५१	ब्र	३०/७	४९/२	ना	४९	१४	१४	९	५१	५	१३	२८	तु.५५।११	मातामहश्राद्धम्

२४पं.आ.कृ.२च.इ.१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	४	३	७	५
४	२७	२३	२८	२	६	१	४
५५	७	५२	५६	४	५९	४	२४
१९	१६	१९	३५	२३	२०	५८	१४
५८	२९	१९	६/४०	९/४७	५	३	५८
३८	३९	५	व	मा	०	११	४५

गोचरग्रहाः

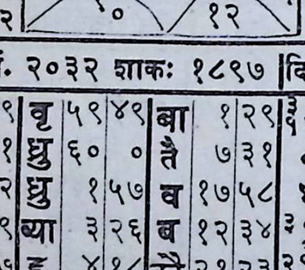

आ. शु. १३ शुक्रे तुलायामर्कः प्र. वा.४न.४ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

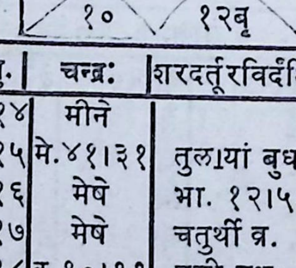

२५पं.आ.कृ. ९चं.इ.१।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	११	४	३	७	५
११	०	०	२८	४	७	०	११
४६	१०	५२	६	१०	३५	४२	१६
५५	५५	५	५८	४१	१०	४३	१७
५८	२७	२२/३२	७/२९	२३	४	३	५९
५३	३२	व	ब	२६	३४	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ९१४ स. १९७५
१	र	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	नवरात्रा
२	चं	४७	२७	चि	२१	३२	वै	३९	१५	बा	२१	४९	२९/१०	६/१०	५/५०	६	१४	२९	तुलायाँ	वक्री हस्ते बुधः ३८।५६ चंद्रदर्शनम्
३	मं	४०	१	स्वा	१५	३	वि	२९	३७	तै	१३	४४	६	११	४९	७	१५	१	बृ.५६।२०	सव्वाल १० ×सरस्वती पू.
४	बु	३४	३१	वि	१०	५	प्री	२१	१३	व	७	१०	२	१२	४८	८	१६	२	वृश्चिके	भ. ७।१० उ. ३४।३१ या.
५	गु	३०	२८	अ	७	१	आ	१४	१९	ब	२	२३	२९/५८	१२	४८	९	१७	३	वृश्चिके	*सरस्वत्यावाहनम्
६	शु	२८	५१	ज्ये	५	४६	सौ	९	११	तै	२८	५१	५४	१३	४७	१०	१८	४	ध.५।४६	चित्रा रविः ४४/२९ वक्री रेवती ३गुरुः५।०*
७	श	२९	२०	मू	६	४५	शो	५	४१	व	२९	२०	५०	१४	४६	११	१९	५	धनुषि	भ. २९।२० उ. चित्रा रविः सौरः १४/२८×
८	र	३१	४१	पू	९	३३	अ	३	४३	वि	०	३१	४६	१५	४५	१२	२०	६	म.२५।४४	भ. ३ ९/१ या. विशा. ३ तुला. राहुः क्र. १+
९	चं	३५	४९	उ	१४	१९	सु	३	२६	बा	३	४५	४२	१६	४४	१३	२१	७	मकरे	+मेषे केतुः २७।२८ वलिदानम्
१०	मं	४१	६	श्र	२०	३१	धृ	३	५३	तै	८	२८	३८	१६	४४	१४	२२	८	कुं.५४।८	पूफायां शुक्रः ५६।१५ विजया दशमी
११	बु	४७	२२	ध	२७	४६	शू	५	३५	व	१४	१४	३४	१७	४३	१५	२३	९	कुम्भे	भ. १४।१४ उ. ४७।२२ या. बुधोदयः÷
१२	गु	५३	३२	श	३५	०	गं	७	४५	ब	२०	२७	३०	१८	४२	१६	२४	१०	कुम्भे	÷पूर्वस्यां ४४।३६ पापांकुशा ११ व्र
१३	शु	६०	०	पू	४२	४४	वृ	१०	२	कौ	२६	४७	२६	१९	४१	१७	२५	११	मी२५।४९	तुलायामर्कः २८।१५ (सौरः ५७/११) प्रदोषः
१३	श	०	४	उ	५०	८	ध्रु	१२	३४	तै	०	१	२२	२०	४०	१८	२६	१२	मीने	आर्द्रा. भौमः ४६।४१ मार्गी बुधः २९।३७
१४	र	५	५८	रे	५७	१	व्या	१४	४०	व	५	५८	१८	२०	४०	१९	२७	१३	मे.५७।१	भ. ५।५८ उ. ३८/४५ या. शरद पूर्णिमा=
१५	चं	११	३२	अ	६०	०	ह	१६	१३	ब	११	३२	१४	२१	३९	२०	२८	१४	मेषे	=कोजागरी व्र.

२६पं.आ.शु.२चं.इ.१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	११	४	३	७	५
१८	२	२४	२७	७	८	०	१८
४०	५३	२	१३	२८	६	२०	१०
८	४६	८	८	१२	०	२७	४
५९	२५	६७/५	७/५१	३४	३	३	५९
९	१६	व	व	२३	५९	११	१६

२७पं.आ.शु.९चं.इ. १।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	११	४	३	६	५
२५	५	१८	२६	११	८	२९	२५
३५	१४	२२	१६	५८	३३	५८	१५
६	२	५३	५५	१९	४३	१२	४६
५९	२१	६८/१५	७/५२	४२	३	३	५९
२१	३१	व	व	३३	२०	११	३१

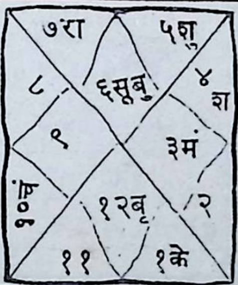

२८पं.आ.शु.१५चं.इ.०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	११	४	३	६	६
२	७	१५	२५	१७	८	२९	२
३१	२	५२	२०	७	५५	३५	३
३४	६	१६	४६	८	२३	५६	१५
५९	१७	२३/१	७/५२	४१	२	३	५९
३४	५२	मा	व	४६	३९	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१६	६	अ	३	१६	व	१७	२९	कौ	१६	६	२८/१०	६/२२	५/३८	२१	२९	१५	मेषे	
२	बु	१९	५२	भ	८	३५	सि	१७	५९	ग	१९	५२	६	२३	३७	२२	३०	१६	बृ.२४।४३	भ. ५१।१५ उ.
३	गु	२२	३९	कृ	१३	७	व्य	१७	३८	वि	२२	३७	२	२४	३६	२३	१	१७	वृषे	भ.२२/३७या. रा. कार्तिकारंभः करक च. व्र.
४	शु	२४	१३	रो	१६	३१	व	१६	४०	बा	२४	१०	२७/५८	२४	३६	२४	२	१८	मि४७।४४	स्वात्यां रविः १०।१७ (सौरः ३८।९)
५	श	२४	५२	मृ	१८	५८	प	१४	३१	तै	२४	५२	५४	२५	३५	२५	३	१९	मिथुने	
६	र	२४	८	आ	२०	९	शि	११	४८	व	२४	८	५०	२६	३४	२६	४	२०	मिथुने	भ. २४।८ उ. ५३।२० या.
७	चं	२२	३३	पु	२०	२३	सि	८	३	ब	२२	३३	४६	२७	३३	२७	५	२१	क.५।२०	
८	मं	१९	२३	पु	१९	१	सा	१३/७	५४/६	कौ	१९	२३	४२	२८	३२	२८	६	२२	कर्के	चित्रायां बुधः ४२।२६
९	बु	१५	५	श्ले	१५	३८	शु	५०	२८	ग	१५	५	३९	२८	३२	२९	७	२३	सिं१५।३८	भ. ४२।१५ उ.
१०	गु	९	२५	म	१२	५६	ब्र	४२	३२	वि	९	२५	३५	२९	३१	३०	८	२४	सिंहे	भ.९/२६या. उफायांशुक्रः ३५/४८ रमा ११व्र.स्मा.
११	शु	२	४७	पू	८	५	ऐं	३३	४९	बा	२	४७	३१	३०	३०	३१	९	२५	कं.२१।३८	रमा ११ व्र. वै.
१२	शु	५२	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	श	४६	३४	उ	२/१९	५३/२८	वै	२४	२४	ग	२०	४७	२७	३१	२९	१	१०	२६	कन्यायां	भ. ४६/३४उ. प्रदोषः धन१३ नव.११ ता.३०
१४	र	३७	४७	चि	४९	३	वि	१४	२५	वि	१२	१४	२४	३१	२९	२	११	२७	तु.२२।२५	भ. १२/१४ या. तुला. बुधः १५।१५ रूप १४
३०	चं	२९	२४	स्वा	४२	२६	प्री	४/१५	५४/१३	च	३	३५	२०	३२	२८	३	१२	२८	तुलायां	कन्या शुक्रः १/२४ सोमवती महालक्ष्मी पूजा

२९पं.का.कृ.७चं.इ.०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	११	४	३	६	६
९	८	२१	२४	२३	९	२९	९
२९	२१	१६	२६	२४	१२	१३	२
४९	७	२१	१७	११	५८	४०	३५
५९	१३	७०	७/२२	५३	१	३	६०
४७	८	२३	व	४७	५९	११	२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ मंगलवार तेजी कारक हैं। सोमवती अमावस्या होने से बीच में मंदी भी होगी। प्रजामें पीड़ा रस तेज

गोचरग्रहाः

३०पं.का.कृ.३०चं.इ.०।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	४	३	६	६
१६	९	१	२३	२९	९	२८	१६
२९	२	९	३६	५९	२४	५१	३
३८	३८	१४	११	१०	७	२५	३९
६०	७	९१	६/४०	५७	१	३	६०
४	४०	४४	व	२६	१९	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	२१	३८	वि	३६	४८	सौ	४५	२५	ब	२१	३८	२७/१६	६/३३	५/२७	४	१३	२९	वृ.२३।१३
२	बु	१५	७	अ	३२	२०	शो	३७	२०	कौ	१५	७	१३	३३	२७	५	१४	३०	वृश्चिके
३	गु	१०	१७	ज्ये	२९	३२	अ	३०	२९	ग	१०	१७	९	३४	२६	६	१५	१	ध.२९।३२
४	शु	७	२४	मू	२८	४१	सु	२५	१९	वि	७	२४	६	३५	२५	७	१६	२	धनुषि
५	श	६	४६	पू	३०	२	धृ	२१	५५	बा	६	४६	२	३६	२४	८	१७	३	म.४५।५३
६	र	८	६	उ	३३	२६	शू	२०	१८	तै	८	६	२६/५९	३६	२४	९	१८	४	मकरे
७	चं	११	३१	श्र	३८	३४	गं	२०	१	व	११	३१	५६	३७	२३	१०	१९	५	मकरे
८	मं	१६	२५	ध	४५	५	वृ	२०	४५	ब	१६	२५	५३	३७	२३	११	२०	६	कु.११।४९
९	बु	२२	३२	श	५२	२२	ध्रु	२२	३८	कौ	२२	३२	४९	३८	२२	१२	२१	७	कुम्भे
१०	गु	२८	५५	पू	६०	०	व्या	२४	४१	ग	२८	५५	४६	३९	२१	१३	२२	८	मी४३।१९
११	शु	३५	२६	पू	०	१७	ह	२७	१७	व	२	१०	४३	३९	२१	१४	२३	९	मीने
१२	श	४१	२६	उ	७	३३	व	२९	१५	ब	८	४४	४०	४०	२०	१५	२४	१०	मीने
१३	र	४६	५३	रे	१४	३९	सि	३१	२	कौ	१४	१०	३७	४१	१९	१६	२५	११	मे.१४।३९
१४	चं	५१	०	अ	२०	४८	व्य	३१	५५	ग	१८	५६	३४	४१	१९	१७	२६	१२	मेषे
१५	मं	५३	४९	भ	२५	३८	व	३१	४९	वि	७	२९	३१	४२	१८	१८	२७	१३	वृ.४१।३७

शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः९४३सन्१९७५

अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
वक्री रेवती२गुरुः ३६/५१ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ२
भ.३८/५१उ. विशाखा.रविः३०/४० (सौरः ५८/३८)*
भ. ७।३४ या.
*स्वात्यां बुधः ३६/५३ बुधास्तः पूर्वे ५४/४८×
×जिल्हेज ११
भ. ११।३१ उ. ४३।५८ या.
गोपाष्टमी
वक्री भौमः ३।१४ अक्षया ९
हस्ते शुक्रः ३।२
भ.२०/१ उ.३७/२६ या. विशाखा.बुधः४६/१ वक्री+
+शनिः ५१/३३ प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
वृश्चिकेऽर्कः २६/२४ (सौरः ४९/५५) प्रदोषः
भ. ५१।० उ. वैकुण्ठ १४
भ. २२।२९ या. खग्रास चंद्रग्रहणम्

३१पं.का.शु.७चं.इ.०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	५	३	६	६
२३	९	१२	२२	६	९	२८	२३
३०	३	२१	५१	५५	३०	२९	६
५८	४	३१	५५	४४	३६	९	१६
६०	१	९६	५/५४	६०	०	३	६०
१७	५५	२	व	३१	३४	११	३०

गोचरग्रहाः

का. शु. १३ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३न.४युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.१४चं.इ. ०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	११	५	३	६	७
०	८	२३	२२	१४	९	२८	०
३३	१८	४१	१४	१८	३१	६	१०
४७	४०	२५	४६	२२	४८	५४	२०
६०	४/३८	९९	४/४३	६२	०/१५	३	६०
३०	व	४	व	४९	व	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	५५	४८	कृ	२९	३७	प	३१	१०	बा	२४	५३	२६/२९	६/४२	५/१८	१९	२८	१४	वृषे
२	गु	५६	३१	रो	३२	२०	शि	२९	२१	तै	२६	९	२६	४३	१७	२०	२९	१५	वृषे
३	शु	५६	७	मृ	३३	५२	सि	२६	४०	व	२६	१९	२४	४३	१७	२१	३०	१६	मि ३।६
४	श	५४	३७	आ	३४	३५	सा	२३	१५	ब	२५	२२	२१	४४	१६	२२	१	१७	मिथुने
५	र	५२	३१	पु	३४	२२	शु	१९	१	कौ	२३	३५	१९	४४	१६	२३	२	१८	क.१९।२६
६	चं	४९	३१	पु	३२	५८	शु	१४	१०	ग	२१	१	१६	४५	१५	२४	३	१९	कर्के
७	मं	४५	५२	श्ले	३१	२४	ब्र	८	४५	वि	१७	५३	१३	४५	१५	२५	४	२०	सिं३१।२४
८	बु	४१	२९	म	२८	५८	ऐं	२/३८	५३/१८	बा	१३	४०	११	४६	१४	२६	५	२१	सिंहे
९	गु	३६	२९	पू	२५	४१	वि	४८	४३	तै	८	५९	८	४६	१४	२७	६	२२	कं.३९।४३
१०	शु	३०	३७	उ	२१	४७	प्री	४०	५०	व	३	३२	६	४७	१३	२८	७	२३	कन्यायां
११	श	२४	१३	ह	१७	२८	आ	३२	३७	बा	२४	१३	३	४७	१३	२९	८	२४	तु.४४।५३
१२	र	१७	२१	चि	१२	१८	सौ	२३	५६	तै	१७	२१	१	४८	१२	३०	९	२५	तुलायां
१३	चं	१०	३४	स्वा	७	२०	शो	१५	२५	व	१०	३४	२५/५९	४८	१२	१	१०	२६	बृ.४८।४०
१४	मं	३	५३	वि	२/२७	५५/५१	अ	६/५६	५२/५	श	३	५३	५७	४९	११	२	११	२७	बृश्चिके
३०	मं	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

अनु. रविः ४५।२
अनु. रविः सौरः ७/४३ पातस्पर्शः४७।४६
भ. २६/१९ उ. ५६/७ या. वृश्चिके बुधः ३।१३
रा. मार्गशीर्षारंभः च. व्र. पातमोक्षः २४/५५
अनु. बुधः ३।१९
भ. ४९।३१ उ.
भ.१७/५३या. वक्रीमृगेभौमः१५/४७ चित्रा.शु.२०/२३
भ. ३।३२ उ. ३०।३७ या.
उत्पत्ति ११ व्र.
प्रदोषः
भ. १०/३४ उ. ३७/१३ या. ज्येष्ठायां बुधः २४/१४*
ज्येष्ठायां रविः ५५।१२
*तुलायां शुक्रः १६/३१ दिसम्बर१२ता.३१

३३पं. मा.कृ.५सू.इ.५९।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	११	५	३	६	७
७	६	४	२१	२१	९	२७	७
३७	५३	५४	४६	५३	२७	४४	१५
३७	५६	१४	५२	१७	४३	३८	५३
६०	१३/१	९९	३/४४	६४	०/५५	३	६०
४२	व	५५	व	३६	व	११	५३

गोचरग्रहाः

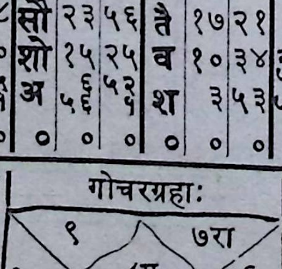

इस मासमें अनाज रुई बिनौला खांड़ गुड़ तिल तैल घृत नमक चांदीअलसी में मंदी होकर तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

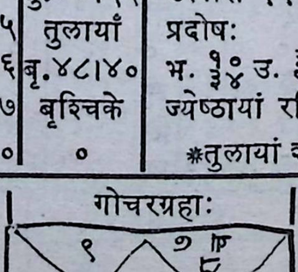

३४पं.मा.कृ.१२सू.इ.५९।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	११	५	३	६	७
१४	४	१५	२१	२९	९	२७	१४
४२	५१	५९	२८	४१	१८	२२	२२
५४	०	१३	४८	२८	११	२२	३४
६०	१७/२	९९	२/१४	६६	३/४१	३	६१
५०	व	४९	व	२	व	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः	सं. २०३२	शाकः १८९७									दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः
१	बु	५३	१४	ज्ये	५५	५	धृ	५२	०	किं	२५	३९	२५/५५	६/४९	५/११	३	१२	२८	ध.५५।५
२	गु	५०	१३	मू	५३	४०	शू	४६	८	बा	२१	४३	५३	४९	११	४	१३	२९	धनुषि
३	शु	४८	५२	पू	५४	४	गं	४१	४९	तै	१९	३२	५१	५०	१०	५	१४	१	धनुषि
४	श	४९	२९	उ	५५	५९	वृ	३८	३८	व	१९	१०	४९	५०	१०	६	१५	२	म.९।३२
५	र	५२	१	श्र	५९	५५	ध्रु	३७	३३	ब	२०	४५	४८	५०	१०	७	१६	३	मकरे
६	चं	५६	२७	ध	६०	०	व्या	३७	२२	कौ	२४	९	४६	५१	९	८	१७	४	कुं.३२।४८
७	मं	६०	०	ध	५	४१	ह	३८	२९	ग	२९	७	४५	५१	९	९	१८	५	कुम्भे
७	बु	१	५८	श	१२	८	व	४०	१०	व	१	५८	४४	५१	९	१०	१९	६	कुंभे
८	गु	८	१४	पू	१९	३२	सि	४२	३२	ब	८	१३	४२	५२	८	११	२०	७	मी२।४१
९	शु	१४	४३	उ	२७	१२	व्य	४४	३५	कौ	१४	४३	४१	५२	८	१२	२१	८	मीने
१०	श	२०	५९	रे	३४	३०	व	४६	२५	ग	२०	५९	४०	५२	८	१३	२२	९	मे.३४।३०
११	र	२६	३१	अ	४०	५९	प	४७	३२	वि	२६	३१	३९	५२	८	१४	२३	१०	मेषे
१२	चं	३०	३१	भ	४५	५८	शि	४७	४३	बा	३०	३१	३८	५२	८	१५	२४	११	मषे
१३	मं	३३	१६	कृ	४९	३८	सि	४६	४३	कौ	१	५३	३८	५२	८	१६	२५	१२	बृ.१।५३
१४	बु	३४	२०	रो	५१	५२	सा	४४	२४	ग	३	४८	३७	५३	७	१७	२६	१३	बृषे
१५	गु	३३	५४	मृ	५२	३३	शु	४१	८	वि	४	७	३७	५३	७	१८	२७	१४	मि२२।१३

हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ९७२स.१९७५

ज्येष्ठा. रविः सौरः १४।४३
चन्द्रदर्शनम्
जिल्हेज १२
भ. १९।१० उ. ४९।२९ या.

स्वात्यां शुक्रः ५१।४० चम्पा ६
मूले धनुषि बुधः ४८।१०
भ. १।५८ उ. ३५।६ या.
+मोक्षदा ११ व्र. गीता जयंती
मार्गी गुरुः ९।२६ *शुक्रः ३०।१४
भ. ५३।४२ उ.
भ. ३६/३१ या. वक्री वृषे भौमः ४।२०×
×विशाखा.२राहुः भरणी ४ केतुः १८/४७+
मूले धनुष्यर्कः २।२४(सौरः १८।२७)=
भ. ३४।२० उ. =प्रदोषः
भ.४।७या. पूषायां बुधः९।१३ विशाखा.*

३५पं. मा.शु.५सू.इ.५९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	११	६	३	६	७
२१	२	२७	२१	७	९	२७	२१
४८	२०	०	१९	३८	२	००	३०
५८	५३	४७	८	३८	५३	७	२५
६०	३३/३१	९८	४५/०	६७	१२/११	३	६१
५६	ब	५०	ब	२६	ब	११	११

गोचरग्रहाः

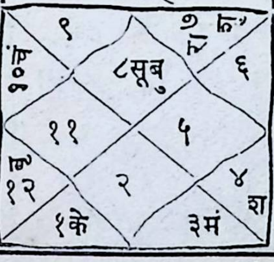

मार्ग. शु. १३ भौमे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु.११सू.इ.५९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	११	६	३	६	७
२८	२९	८	२१	१५	८	२६	२८
५५	३७	११	२०	४२	४२	३७	३९
५२	५	४२	१३	४३	५४	५१	८
६१	२५/१	९७	३२/०	३८	५९/२	३	६१
०	ब	२४	मा	२६	ब	११	१९

ति.	पौष	कृष्णपक्षः	सं. २०३२	शाकः १८९७									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	३२	१४	आ	५२	१२	शु	३७	२	बा	३	४	३५/३७	६/५३	५/७	१९	२८	१५	मिथुने
२	श	२९	३६	पु	५०	३८	ब्र	३१	२९	तै	०	५५	३६	५३	७	२०	२९	१६	क.३६।२
३	र	२५	५८	पु	४८	३२	ऐं	२५	२७	वि	२५	५८	३६	५३	७	२१	३०	१७	कर्के
४	चं	२१	३७	श्ले	४५	४५	वै	१९	९	बा	२१	३७	३६	५३	७	२२	१	१८	सिं४५।४५
५	मं	१७	१०	म	४२	५२	वि	२	३१	तै	१७	१०	३६	५३	७	२३	२	१९	सिंहे
६	बु	१२	२७	पू	३९	४४	प्री	३५/५	५३/२	व	१२	२७	३६	५३	७	२४	३	२०	कं.५३।५४
७	गु	७	४०	उ	३६	२५	सौ	५०	२७	ब	७	४०	३७	५३	७	२५	४	२१	कन्यायां
८	शु	२	३७	ह	३३	१२	शो	४४	१५	कौ	२	३७	३७	५३	७	२६	५	२२	कन्यायां
९	शु	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	श	५२	२५	चि	२९	३७	अ	३६	४४	व	२५	१	३७	५३	७	२७	६	२३	तु.१।२५
११	र	४७	२२	स्वा	२६	१५	सु	२९	४१	ब	१९	५३	३८	५२	८	२८	७	२४	तुलायां
१२	चं	४२	३८	वि	२३	४	धृ	२२	४१	कौ	१५	०	३८	५२	८	२९	८	२५	वृ.८।५२
१३	मं	३८	२६	अ	२०	२०	शू	१५	५८	ग	१०	३१	३९	५२	८	३०	९	२६	बृश्चिके
१४	बु	३४	४९	ज्ये	१८	१३	गं	९	५४	वि	६	३४	४०	५२	८	३१	१०	२७	ध.१८।१३
३०	गु	३२	३८	मू	१७	४	वृ	४	१८	च	३	४३	४०	५२	८	१	११	२८	धनुषि

शिशिरतूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ५७।४७ उ.
भ. ३५/५८ या. बुधोदयः पश्चिमायां ४१/८ च.व्र.
रा. पौषारंभः

भ. १२।२७ उ. ४०।३ या.

उषायां बुधः ५५।१९
×बुधः १०।१५ अनु. शुक्रः ५१।४१
भ.२५।१उ.५२।२५या. बृश्चिके शुक्रः २०/३
सफला ११ व्र.
पूषायांरविः ७।२० (सौरः २०।५) मकरे×
भ. ३८।२६ उ. प्रदोषः
भ. ६।३४ या.
जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९७६

३७पं. पौ.कृ.३सू.इ.५९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	६	३	६	८
६	२७	१९	२१	२३	१८	२६	५
३	५	१३	३२	५९	१८	१५	४८
२९	६	५५	१०	२८	१८	३६	३३
६१	३४/३१	९५	१	६९	२०/३	३	६१
४	ब	४९	५२	१५	ब	११	२२

गोचरग्रहाः

इस मासमें हरेक वस्तु सम भाव रहे। सुदीमें अनाज गल्ला रुई बिनोला अलसी मूंगफली चांदी सोना तेज होगा।

गोचरग्रहाः

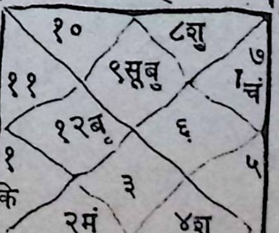

३८पं.पौ.कृ.११सू.इ.५९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	७	३	६	८
१३	२४	२९	२१	३	७	२५	१२
११	५२	४३	५४	१८	५१	५३	५८
३१	१६	१९	४	२९	३२	२०	२५
६१	२१	८८	३	७०	५९/३	३	६१
६	१६	५६	२०	३	ब	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०३२	शाकः	१८९७								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १००२स.१९७६
१	शु	३१	२९	पू	१७	२४	ध्रु	१३	५७/४६	किं	२	३	२५/४१	६/५२	५/८	२	१२	२९	म.३२।४८	
२	श	३२	५	उ	१९	०	ह	५५	१४	बा	१	४७	४२	५२	८	३	१३	३०	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
३	र	३४	२९	श्र	२२	२२	व	५४	१३	तै	३	१७	४३	५१	९	४	१४	१	कु.५४।३८	वक्री रोहिण्यां भौमः ३३/४५ मोहोरम १×
४	चं	३८	१७	ध	२६	५४	सि	५५	३१	व	६	२३	४४	५१	९	५	१५	२	कुम्भे	भ. २३ उ. ३६/१७ या. श्रवणे बुधः २९।३०
५	मं	४३	३७	श	३३	१८	व्य	५५	५८	ब	१०	५७	४६	५१	९	६	१६	३	कुम्भे	×सन् १३९६ हि.
६	बु	४९	३२	पू	४०	१८	व	५७	५९	कौ	१६	३५	४७	५१	९	७	१७	४	मी२३।३३	
७	गु	५६	४	उ	४७	५५	प	६०	०	ग	२२	४९	४९	५०	१०	८	१८	५	मीने	भ. ५६।४ उ.
८	शु	६०	०	रे	५५	१९	प	०	१४	वि	२९	१६	५१	५०	१०	९	१९	६	मे.५५।१९	भ. २९।१६ या. ज्येष्ठा. शुक्रः ५१।१४
८	श	२	२९	अ	६०	०	शि	२	२२	ब	२	२९	५२	५०	१०	१०	२०	७	मेषे	
९	र	८	२	अ	२	१५	सि	४	५	कौ	८	२	५४	४९	११	११	२१	८	मेषे	उषायां रविः १२।४ (सौरः २१।३२)
१०	चं	१२	४४	भ	८	४	सा	४	३९	ग	१२	४४	५६	४९	११	१२	२२	९	वृ.२४।७	भ. ४४।१५ उ.
११	मं	१५	४७	कृ	१२	१६	शु	४	१०	वि	१५	४७	५८	४८	१२	१३	२३	१०	वृषे	भ.१५/४७या. वक्रीपुष्ये शनिः ३३/५८ पुत्रदा ११व्र.
१२	बु	१६	५२	रो	१४	५६	शु	२३	५६/४०	बा	१६	५२	२६/१	४८	१२	१४	२४	११	मि४५।२२	मकरेऽर्कः ३८(सौरः ३६/५७)वक्री बुधः ९*
१३	गु	१६	१२	मृ	१५	४९	ऐं	५४	२०	तै	१६	१२	३	४७	१३	१५	२५	१२	मिथुने	*रेवती ३ गुरुः ४३।२९ प्रदोषः
१४	शु	१३	४१	आ	१४	४७	वै	४८	२२	व	१३	४१	५	४७	१३	१६	२६	१३	क.५७।५३	भ. १३।४१ उ. ४१।४४ या.
१५	श	९	४७	पु	१२	१४	वि	४१	२६	ब	९	४७	८	४६	१४	१७	२७	१४	कर्के	पश्चिमास्तो बुधः ९।० माघस्नान प्रारम्भः

३९पं. पौ.शु.३सू.इ.५८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	९	११	७	३	६	८
२०	२३	९	२२	१०	७	२५	२०
१९	१०	२२	२४	४०	१९	३१	१८
२६	२३	३४	३६	१६	३४	४	२२
६१	१६/२	७३	४	७०	१५/४	३	६१
६	व	२६	२४	४३	व	११	२६

गोचरग्रहाः

पौष शु. १२ बुधे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

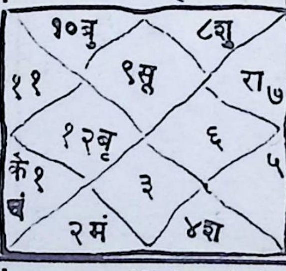

४०पं.पौ.शु. ९सू.इ.५८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	९	११	७	३	६	८
२७	२२	१५	२३	१९	६	२५	२७
२७	६	२०	४	१०	४६	८	१८
४०	२९	३८	१६	३६	३०	४९	१४
६१	३९	२८	५	७१	३५	३	६१
६	व	१०	४३	१६	व	११	२४

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं० २०३२	शाकः	१८९७								दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	४	४०	पु	८	३८	प्री	३३	३८	कौ	४	४०	३६/१०	४६	१४/५	१८	२८	१५	कर्के	
२	र	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	चं	५२	१९	श्ले	२४/२	५५/३२	आ	२५	३५	व	२५	३०	१२	४६	१४	१९	२९	१६	सिं४।२२	भ. २५।३० उ. ५२।१८ या.
४	मं	४५	१०	पू	५५	२२	सौ	१७	२३	ब	१८	४४	१५	४५	१५	२०	३०	१७	सिंहे	मूले धनुषि शुक्रः ५२।२ च. व्र.
५	बु	३९	५१	उ	५०	५८	शो	९	१०	कौ	१२	३०	१७	४५	१५	२१	१	१८	कं.९।१६	अभि.प्र. रविः १३ (सौरः १९) रा. माघारं.
६	गु	३४	७	ह	४७	५	अ	५३/१	५३/२५	ग	६	५९	२०	४४	१६	२२	२	१९	कन्यायां	भ. ३४।७ उ. वक्री उषायां बुधः ३५।४६
७	शु	२८	५९	चि	४३	४६	धृ	४६	२४	वि	१	३२	२२	४४	१६	२३	३	२०	तु.१५।२६	भ. १।३२ या. मार्गी भौमः ८।१६
८	श	२४	७	स्वा	४०	४२	शू	३९	३७	कौ	२४	७	२५	४३	१७	२४	४	२१	तुलायां	श्रवणे रविः १७।३६ (सौरः २४।१६)
९	र	२०	२	वि	३८	३८	गं	३३	२३	ग	२०	२	२७	४३	१७	२५	५	२२	वृ.२४।९	भ.४६/१६उ. अभि.नि.रविः १९/५ (सौरः ३६/३२)*
१०	चं	१६	३१	अ	३७	१	वृ	२७	४८	वि	१६	३१	३०	४२	१८	२६	६	२३	वृश्चिके	भ. १६।३१ या. पातमोक्षः ९।५३
११	मं	१३	४९	ज्ये	३६	१४	ध्रु	२२	४१	बा	१३	४९	३३	४१	१९	२७	७	२४	ध.३६।१४	षट्तिला ११ व्र.
१२	बु	११	४८	मू	३६	१२	व्या	१८	२३	तै	११	४८	३६	४१	१९	२८	८	२५	धनुषि	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४५।३४ प्रदोषः
१३	गु	१०	५२	पू	३७	१४	ह	१४	५०	व	१०	५२	३९	४०	२०	२९	९	२६	म.५२।४७	भ. १०।५२ उ. ४०।५३ या.
१४	शु	१०	५३	उ	३९	२८	व	१२	१४	श	१०	५३	४२	४०	२०	३०	१०	२७	मकरे	*पात स्पर्शः २७।२२
३०	श	१२	१३	श्र	४२	५६	सि	१०	४६	ना	१२	१३	४६	३९	२१	३१	११	२८	मकरे	पूभायां शुक्रः ४५।२०

४१पं. मा.कृ.१सू.इ.५८।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	११	७	३	६	९
४	२१	१२	२३	२७	६	२४	४
३५	४१	४८	५३	४१	१२	४६	२७
३१	२	११	३१	१२	११	३२	४३
६१	१३/०	६३/७	६	७१	४/०	३	६१
३	व	व	४६	४०	व	११	१९

गोचरग्रहाः

मा. शु. १३ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्र. वा.३ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

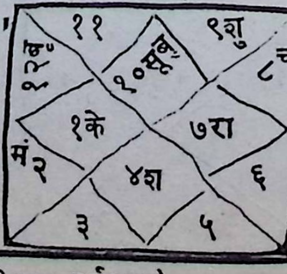

४२पं.मा.कृ. ९सू.इ.५८।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	११	८	३	६	९
११	२१	५	२४	६	५	२४	११
४२	४३	१९	५४	१४	३७	२४	३६
५८	१६	९	४७	२	२३	१८	३४
६०	१२/०	८३/०	७	७१	४/०	३	५७
५९	मा	व	४९	५८	व	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ	शुक्लपक्षः	सं. २०३२	शाकः	१८९७								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १०३२स.१९७६
१	र	१४	५६	ध	४७	४१	व्य	३	४९	ब	१४	५६	२६/४९	६/३८	५/२२	१	१२	२९	कुं.१४।१९	वक्रो धनुषि बुधः ५८।० चंद्रदर्शनम्*
२	चं	१८	५२	श	५२	४२	व	१०	३	कौ	१८	५२	५२	३८	२२	२	१३	१	कुम्भे	सफर २ *फर्वरी मा. २ ता. २९
३	मं	२४	१३	पू	६०	०	प	११	१९	ग	२४	१३	५५	३७	२३	३	१४	२	मी४३।३६	भ. ५७।८ उ.
४	बु	३०	२	पू	०	१०	शि	१२	४६	वि	३०	२	५९	३६	२४	४	१५	३	मीने	भ. ३०।२ या.
५	गु	३६	२८	उ	७	४९	सि	१५	१०	व	३	१६	२/७	३६	२४	५	१६	४	मीने	मार्गी बुधः ६।५८ वसंत ५
६	शु	४३	२	रे	१५	२१	सा	१७	३५	कौ	९	४६	६	३५	२५	६	१७	५	मे.१५।२१	धनिष्ठा. रविः ३५/५७ (सौरः ३०/७) मृगेभौमः+
७	श	४९	९	अ	२२	५३	शु	१९	४४	ग	१६	१	९	३४	२६	७	१८	६	मेषे	भ. ४९/९ उ. भानु७ पातस्पर्शः २९/४४ मोक्षः ५१/२९
८	र	५४	१८	भ	२९	२९	शु	२१	८	वि	२१	४३	१३	३३	२७	८	१९	७	वृ.४५।५०	भ. २१।४३ या. भीष्माष्टमी
९	चं	५७	५६	कृ	३४	५०	ब्र	२१	४०	बा	२६	१७	१६	३३	२७	९	२०	८	वृषे	+५०/४ मकरे बुधः ४३/३ रेवती ४ गुरुः ११/२२
१०	मं	५९	४९	रो	३८	३४	ऐं	२०	५०	तै	२८	५३	२०	३२	२८	१०	२१	९	वृषे	
११	बु	५९	४५	मृ	४०	१९	वै	१८	२८	व	२९	४७	२४	३१	२९	११	२२	१०	मि९।२६	भ. ३९/४७ उ. ५९/४५ या. उषायां शुक्रः ४०/५७ जया×
१२	गु	५७	३१	आ	४०	५	वि	१५	२९	ब	२८	३८	२७	३१	२९	१२	२३	११	मिथुने	जया ११ व्र. वै. ×११ व्र. स्मा.
१३	शु	५३	२३	पु	३८	४	प्री	९	१	कौ	२५	२७	३१	३०	३०	१३	२४	१२	क.२३।३४	कुंभेऽर्कः १।१२ (सौरः ४।४) प्रदोषः
१४	श	४७	३९	पु	३५	१०	आ	३/९	५१/५०	ग	२०	३१	३५	२९	३१	१४	२५	१३	कर्के	भ. ४७।३९ उ. मकरे शुक्रः १९।१७
१५	र	४०	२७	श्ले	२८	५९	शो	४५	५४	वि	१४	३	३८	२८	३२	१५	२६	१४	सिं२८।५९	भ. १४/३ या. विशा. १ राहुः भरणी ३ केतुः ३२/३८

४३पं. मा.शु.१सू.इ.५९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	८	३	६	९
१८	२२	२९	२५	१४	५	२४	१८
४९	३४	५९	५७	४८	३	२	४४
२६	८	३८	३२	४३	५८	२	३६
६०	८	२१/७	८	७२	२६/४	३	६१
५५	८	व	४७	२०	व	११	४

४४पं.मा.शु.८सू.इ.५९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	२	११	८	३	६	९
२५	२३	१	२७	२३	४	२३	२५
५५	४७	१८	६	२४	३१	३९	५१
१६	३५	११	५४	४	१९	४६	२३
६०	१२	३६/१७	९	७२	४/७	३	६०
४७	४९	मा	३७	४१	व	११	५५

४५पं.मा.शु.१५सू.इ.५९।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	११	९	३	६	१०
३	२५	६	२८	२	४	२३	२
०	२६	४६	२२	१	२	१७	५७
४	५६	१६	१	४४	४२	३१	२६
६०	१६	५३	१०	७२	४/७	३	६०
३७	४१	१७	२२	५६	व	११	४२

ति.	फाल्गुन	कृष्णपक्षः	सं. २०३२	शाकः	१८९७								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३२	३६	म	२३	४	अ	३५	१९	बा	६	२२	२७/४२	६/२८	५/३२	१६	२७	१५	सिंहे	
२	मं	२४	२३	पू	२६	४३	सु	२५	२९	ग	२४	२२	४६	२७	३३	१७	२८	१६	कं.३०।८	भ. ५०।२२ उ.
३	बु	१६	२२	उ	१०	२५	धृ	१५	५३	वि	१६	२२	५०	२६	३४	१८	२९	१७	कन्यायां	भ. १६।२२ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	८	३४	ह	४/४१	५४/५६	शू	६/२२	५१/४८	बा	८	३४	५४	२५	३५	१९	३०	१८	तु.३२।७	शते रविः ३३/३७ (सौरः ३९/२६) श्रवणे बुधः ३७/२५
५	शु	१	४४	स्वा	५५	२९	गृ	५०	२५	तै	१	४४	५८	२४	३६	२०	१	१९	तुलायां	भ. ५५।४९ उ. रा. फाल्गुनारंभः
६	शु	५४	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	श	५१	९	वि	५२	४०	ध्रु	४३	४०	वि	२३	२८	२६/२	२४	३६	२१	२	२०	वृ.३८।२२	भ. २३।२८ या.
८	र	४७	३१	अ	५०	५३	व्या	३७	५५	बा	१९	१९	६	२३	३७	२२	३	२१	वृश्चिके	श्रवणे शुक्रः २८।९
९	चं	४५	१५	ज्ये	५०	३२	ह	३३	१४	तै	१६	२३	१०	२२	३८	२३	४	२२	ध.५०।३२	
१०	मं	४४	९	मू	५१	११	व	२९	२३	व	१४	४१	१४	२१	३९	२४	५	२३	धनुषि	भ. १४/४१ उ. ४४/७ या. अश्वि. १ मेषे गुरुः ४३/३
११	बु	४४	३४	पू	५३	५	सि	२६	३०	ब	१४	८	१८	२०	४०	२५	६	२४	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	गु	४५	२८	उ	५६	११	व्य	२४	४१	कौ	१४	४९	२२	२०	४०	२६	७	२५	म.८।५१	
१३	शु	४७	४८	श्र	६०	०	व	२३	४५	ग	१६	३८	२६	१९	४१	२७	८	२६	मकरे	भ. ४७/४८ उ. वक्री पुन. ४ शनिः ५१/५७ प्रदोषः
१४	श	५१	१७	श्र	०	२३	प	२३	४४	वि	१९	३२	३०	१८	४२	२८	९	२७	कु.३२।५५	भ. १९।३२ या. महाशिवरात्रि व्र.
३०	र	५५	४६	ध	५	२७	शि	२४	२	च	२३	३१	३४	१७	४३	२९	१०	२८	कुम्भे	धनिष्ठा. बुधः ३०।४

४६पं.फा.कृ.८सू.इ.५९।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	११	९	३	६	१०
१०	२७	१४	२९	१०	३	२२	१०
३	२९	३२	४१	३८	३६	५५	६
३२	४९	४२	३१	३१	४७	१५	५९
६०	२०	७०	१०	७३	३/७	३	६०
२५	८	१२	५०	१६	व	११	३१

गोचरग्रहाः

इस मास में बुध शुक्र का योग वर्षा तथा धान्यादि में मंदी कारक है। गुड़ खांड़ तांबा सोना तेज होगा।

गोचरग्रहाः

४७पं.फा.कृ.३०सू.इ.५९।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	०	९	३	६	१०
१७	२९	२३	१	१९	३	२२	१७
५	५०	४७	६	१६	१४	३३	१
४६	४९	५३	०	१	३५	०	४९
६०	२२	८४	१२	७३	३/७	३	६०
१२	४८	४१	३८	२०	व	११	२०

*चंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसन्ततूंरविरुत्तरेऽहर्गणः१०६१स.१९७६
१	चं	६०	०	श	११	३५	खि	२५	२५	किं	२८	२८	३८	१६	४४	१	११	२९	कुम्भे	मिथुने भौमः २४।९ मार्च मा. ३ ता. ३१
१	मं		१११	पू	१८	१३	सा	२७	३	ब	१	२१	४२	१६	४४	२	१२	३०	मी१।३४	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	७	५	उ	२५	३८	शु	२९	१७	कौ	७	५	४६	१५	४५	३	१३	१	मीने	पूभायां रविः ५३/३८ (सौरः ५४/१३) फुलरिया२*
३	गु	१३	३४	रे	३३	१६	शु	३१	२८	ग	१३	२४	५०	१४	४६	४	१४	२	मे.३३।१६	भ. ४६।४९ उ. धनिष्ठा. शुक्रः १९।३६
४	शु	२०	४	अ	४०	५६	ब्र	३३	५६	वि	२०	४	५४	१३	४७	५	१५	३	मेषे	भ. २०१४ या. कुंभे बुधः २७।३०
५	श	२६	२२	भ	४८	१	ऐं	३६	८	बा	२६	२२	५८	१२	४८	६	१६	४	मेषे	*पातस्पर्शः १९/७ मोक्षः ३४/२८ रविलावल ३
६	र	३१	४४	कृ	५४	१७	वै	३७	२३	तै	३१	४४	२९/२	१२	४८	७	१७	५	वृ.४।३८	
७	चं	३६	७	रो	५९	१८	वि	३७	४४	ग	३	५५	६	११	४९	८	१८	६	वृषे	भ. ३६।७ उ.
८	मं	३८	५७	मृ	६०	०	प्री	३६	४९	वि	७	३२	१०	१०	५०	९	१९	७	मि३०।५९	भ. ७।३२ या. शते बुधः ३३।१३ कुंभे×
९	बु	४०	०	मृ	२	४१	आ	३२	१७	बा	९	२८	१४	९	५१	१०	२०	८	मिथुने	×शुक्रः ४३।३ होलाष्टकः
१०	गु	३८	५७	आ	३	५८	सौ	३०	१६	तै	९	२८	१९	८	५२	११	२१	९	क.४८।३८	अश्वि. २ गुरुः २८।३
११	शु	३५	४९	पु	३	३२	शो	२४	७	व	७	२३	२३	७	५३	१२	२२	१०	कर्के	भ.७।२३उ.३५।४९या. आमलकी ११व्र.
१२	श	३०	४१	पु	५०/१	५५/२५	अ	१७	२५	ब	३	१५	२७	७	५३	१३	२३	११	सिं५६।१६	मीनेऽर्कः ५४।३५ (सौरः ५४/३३) प्रदोषः
१३	र	२३	५१	म	५०	२८	सु	८/४४	५०/११	तै	२३	५१	३२	६	५४	१४	२४	१२	सिंहे	+६।५२ होलिकादहनं भद्रोत्तरं
१४	चं	१५	३१	पू	४३	२८	शू	४८	३२	व	१५	३१	३६	५	५५	१५	२५	१३	कं.५६।३४	भ. १५।३१ उ. ४०।४८ या. शते शुक्रः+
१५	मं	६	२६	उ	३५	५१	गं	३७	५२	ब	३	२६	४०	४	५६	१६	२६	१४	कन्यायां	छारेंडी

४८पं.फा.शु.७चं.इ.०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	०	९	३	६	१०
२४	२	४	२	२७	२	२२	२४
६	२८	८	३३	५४	५७	१०	६
२९	२३	३८	२२	४	४०	४४	१२
५९	२४	९७	१२	७३	३/२	३	६०
५८	५९	३८	१६	३२	ब	११	६

गोचरग्रहाः

फा.शु. १२ शनौ मीनेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

४९पं.फा.शु.१४चं.इ.०।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	०	१०	३	६	११
१	५	१५	४	६	२	२१	१
५	१८	२९	४	३२	४५	४८	५
४२	५४	४९	२६	२०	०	२८	५४
५९	२६	२०/०	५२	७३	१/२२	३	५९
४१	५८	७/२२	३२	४४	ब	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०३२ शाकः १८९७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूंरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४७	२७	ह	२८	२२	वृ	२७	१	तै	२२	४१	२९/४४	६	५७	१७	२७	१५	तु.५४।५०	उभायां रविः ३१/३९ (सौरः १५/९) पूभायां*
३	गु	३८	२८	चि	२१	१७	ध्रु	१६	४५	व	१२	५८	४९	२	५८	१८	२८	१६	तुलायां	भ. ५२/१८ उ. ३८/२८ या. आर्द्रायां भौमः १।५
४	शु	३०	३१	स्वा	१५	२	व्या	६/१७	५२/२९	ब	४	२९	५३	१	५९	१९	२९	१७	बृ.५६।२८	*बुधः ५३/५८ पूर्वास्तं बुधः ५३।५५
५	श	२३	५५	वि	१०	१६	व	५१	३०	तै	२३	५५	५७	१	५९	२०	३०	१८	बृश्चिके	
६	र	१८	५९	अ	६	५५	सि	४५	५३	व	१८	५९	३१	६/०	६/०	२१	१	१९	बृश्चिके	भ. १८।५९ उ. ४७।२५ या. रा. चैत्रारंभः
७	चं	१५	५२	ज्ये	५	२५	व्य	४१	५५	ब	१५	५२	६	५९	१	२२	२	२०	ध.५।२५	शीतलापूजनम्
८	मं	१४	१४	मू	५	२८	व	३८	२०	कौ	१४	१४	१०	५८	२	२३	३	२१	धनुषि	मीने बुधः ११।९
९	बु	१४	३२	पू	७	९	प	३५	३१	ग	१४	३२	१४	५७	३	२४	४	२२	म.२२।५९	भ. ४५।२० उ. उभायां बुधः ५७।५१
१०	गु	१६	७	उ	१०	२८	शि	३५	५२	वि	१६	७	१८	५६	४	२५	५	२३	मकरे	भ. १६।७ या. पूभायां शुक्रः ५६।५१
११	शु	१९	२	श्र	१५	३	सि	३६	२३	बा	१९	२	२३	५५	५	२६	६	२४	कु.४७।५०	अश्वि. ३ गुरुः २३।२४ पापमोचनी११व्र.
१२	श	२३	१८	ध	२०	३८	सा	३७	१४	तै	२३	१८	२७	५५	५	२७	७	२५	कुम्भे	मार्गी शनिः २९।० प्रदोषः
१३	र	२८	१७	श	२७	३	शु	३८	२३	व	२८	१७	३१	५४	६	२८	८	२६	कुंभे	भ. २८।१७ उ.
१४	चं	३४	५	पू	३४	७	शु	४०	४७	वि	१	११	३५	५३	७	२९	९	२७	मी१७।२१	भ. १।११ या.
३०	मं	४०	१४	उ	४१	३२	ब्र	४३	४	च	७	९	३९	५२	८	३०	१०	२८	मीने	रेवत्यां रविः४३।४२(सौरः४३/३७)मन्वादिः

५०पं. चै.कृ.७चं.इ.०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	०	१०	३	६	११
८	८	२७	५	१५	२	२१	८
३	१९	४८	३८	९	३७	२६	३
१८	५५	२९	३१	४३	५९	१३	४९
५९	२८	७/१	१२	७३	३५/०	३	५९
२९	३१	२८	५७	५६	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास में रस पदार्थ तेज धान्य मन्दा हो और कहीं २ वर्षा होगी रक्त विकार पीड़ा हो ।

गोचरग्रहाः

५१पं.चै.कृ.१०चं.इ.१।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	०	१०	३	६	११
१४	११	११	७	२३	२	२१	१४
५९	३५	८	१४	४७	३६	३	५९
१३	१३	४९	५३	२०	२३	५७	५७
५९	२९	०/८	१३	७३	१०/०	३	५९
१६	५८	७	१३	५६	मा	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७७ भोग्यकलिः ४२६९२३ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३३ शाकः १८९८ वर्षेऽस्मिन् राजा बुधः । मंत्री भौमः । सस्येशो गुरुः । धान्येशोबुधः । मेघेशश्चन्द्रः । रसेशः शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशश्चन्द्रः । धनेशोगुरुः । दुर्गेशश्चंद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां३ शुक्ल नाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ६।२१।४१।४५भोग्यमासादिः५।८।१८।१५ । विष्णुदैवतंयुगम्। वर्षनामआश्विनः। मेघनामआवर्तः । रोहिणीनिवासःसंधौ । समय निवासोवणिक्गृहे।समयविश्वा १८।समयवाहनंसिचाणुः। स्तंभाः३जलतृणवायुनां।सोमवत्यमा.×। सोमवतीपंचमी२। अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३५२ । तिथिक्षयः१८। तिथिवृद्धिः१०। उत्पत्तिविश्वा१०५। खपतिविश्वा ९६ । वर्षाविश्वा११। धान्यम् ११ । तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेज ५ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं १०५ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८ । शनिदृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणं २ चंद्र सूर्ययोः ।

संवत् २०३३ शाके १८९८
वैशाख शुक्ल १५ गुरौ
खंडग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	४५	४७	४९
	प.	५४	३९	२४
रेल्वे टाइम	घं.	१२	१	२
	मि.	४९	३१	१३

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ७।६

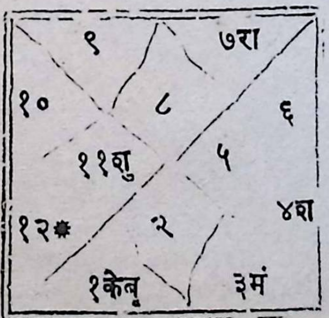

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़यां भैरव कहे माता थारे द्वार ।
संवत्सर तैंतीस का मुख से कह दो सार ।।

भवानी उत्तर

राजा बुधजी बापड़ा चलै न इनका जोर ।
मन्त्री पद कुज पायकर करें और की और ।।

मेघपति अरु गढ़पति फलपति है द्विजराज ।
सस्याधिप गुरुदेव हैं सारें जग का काज ।।

अष्टादश विश्वा समय वर्षा विश्वा रुद्र ।
द्विजजाति दुःख पायसी सुख पायेंगे शूद्र ।।

संवत्सर तेतीस में तृण का होय दुःकाल ।
अनधन सुख संपत्ति बढ़े ईश्वर करें निहाल ।।

संवत् २०३३ शाके १८९८
वैशाख कृष्णे ३० गुरौ
सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्य. मध्यम.	घ.	२५	२८	३१
	पल	७	१०	६
रेल्वे टाइम	घं.	४	५	६
	मि.	३०	४३	५३

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ३।१०

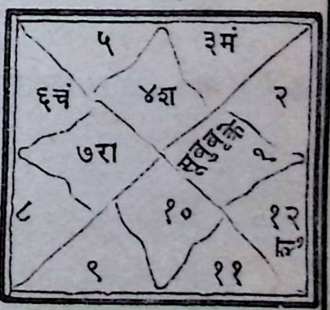

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३०।३५

✻सूचंबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्–बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दानदया जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धनधान्य संकुलम् ।। मंत्री भौमस्तत्फलम्––अवनिजोननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना । जन पदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषुपयो द्विज कर्म च ।। सस्येशो गुरुः फलम्––कणपतो सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहु सस्यदा रस पयांसि बहुनि वसूनि च ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्–बुधे धान्याधिपे मेघाःजलं मुँचन्ति वै भृशम् । सैंधवे लाट देशे च माधवोऽल्पञ्च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रः फलम्––शशिनितोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्ध रसंतदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशः शनिः फलम्–रविसुतें रसपे रस संक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ।। नीरसेशो गुरुः फलम्–हरिद्रा पीतवस्तूनि पीतवस्त्रादिकं च यत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्––यदि विधुः फलपोद्रुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विजसुखा वरभोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलम्–सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिः पराः सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रः फलम्–गढ़पति शशलाञ्छनकोयदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा वरवर्णित विग्रहाः ।। शुक्ल नाम संवत्सरस्तत्फलम्–शुक्लाब्दे निखिलालोकाः सुखिन सुजनैः सह । राजानो युद्ध निरताः परस्पर जयैषिणः ।। वर्षनाम आश्विनः फलम्––सुभिक्षं पूर्व सस्यं स्याज्ज्वर रोगा कुलं जगत् । आश्विने शोभना बृष्टिः नृप सौख्यकरी सदा ।। मेघनाम आवर्तः फलम्–आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम्–खण्ड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिग्गृहे फलम्––वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०३३ शाके १८९८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे १० बुधे उफा. ल. ५ रे. ६ ।ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।। शनि १२ पूज्यः
,, ११ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ५ रे. ८ ।।।।।ऽअ.।ऽ।। अन्य गोधूल्यां भौम७दोषः सिंहे रेखा९अग्निपंचकाऽभावःघ.४४या
शुक्ले २ भौमे मूले ल. ५।६ रे. ७ ठ।।।रौऽ।।
,, ९ भौमे उभा. ल. गो. ६ रे. ७ ।।।।।ऽऽ।ऽ गोधूल्यां भौम७दोषः कन्यालग्ने रोगपंचकः रेखा६ चं.७पू. आवश्यके
,, १५ चंद्रे रोहि.ल.५।६रे.८ ।।।।।ऽऽ।।कन्याघ.४९।३७या.

पौषः मासः

कृष्णे ८ भौमे उफा. ल. अन्यगो. (भौ.७दोषः) रे.७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।।

माघ मासः

शुक्ले ५ चंद्रे उभा. ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।।
,, ६ भौमे रेव.ल.अन्यगो.८ रे. ९।।।।ऽअ. (३१।३१या.)।।।
,, ११ रवौ रोहि. ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽरो.।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे ४ चंद्रे उफा.ल.गो.सोग्रांगः रे.९ ।।।।।ऽ।। भौ.७दोषः
,, ४ चन्द्रे हस्ते ल. ८ रे.७ ।।ऽशुऽ।ऽ।। पादवेधात्शुक्रस्य वेधाऽभावः
,, ५ भौमे हस्ते ल.गो.सोग्रांगः रे. ६ ।।ऽशुऽऽरो।ऽ। भौम ७ दोषः पादवेधाद्वेधाऽभावः आवश्यके
,, ८ शुक्रे अनु. ल. ९ रे. ७ ।।।ऽऽअ.।ऽ।।
शुक्ले २ रवौ उभा. ल. ८।९ रे. ७ ।ऽ।।ऽरोऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णे २ चन्द्रे हस्ते ल. ८ (गुरु ७ पूज्यः) रे ९ ।ऽ।।।।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १०९१स.१९७६
१	बु	४६	२५	रे	४९	२	ऐं	४५	१९	किं	१३	२०	३०/४४	५/५१	६/९	३१	११	२९	मे.४९।२	रेवत्यांबुधः४६/५० संवत्सरारंभःनवरात्रारंभः
२	शु	५२	४७	अ	५६	३४	वै	४७	४७	बा	१९	३६	४८	५०	१०	१	१२	३०	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिधारा अप्रैल मा. ४ ता. ३०
३	शु	५८	५३	भ	६०	०	वि	४९	५३	तै	२५	५०	५२	५०	१०	२	१३	१	मेषे	मत्स्य ज. गणगौरी रविलाखर ४
४	श	६०	०	भ	३	४८	प्री	५१	१७	व	३१	३३	५६	४९	११	३	१४	२	वृ.२०।२३	भ. ३३।३३ उ. मीने शुक्रः ४।८
४	र	४	१४	कृ	१०	१०	आ	५२	२०	वि	४	१४	३१/००	४८	१२	४	१५	३	वृषे	भ. ४।१४ या.
५	चं	८	५०	रो	१६	४	सौ	५२	२५	बा	८	५०	४	४७	१३	५	१६	४	मि४८।१४	उभायां शुक्रः ४६।१४
६	मं	१२	५	मृ	२०	२४	शो	५१	१६	तै	१२	५	८	४६	१४	६	१७	५	मिथुने	
७	बु	१४	१	आ	२३	१७	अ	४८	४९	व	१४	१	१२	४६	१४	७	१८	६	मिथुने	भ.१४।१उ.४४।३या. अश्वि. मेषे बुधः१४/२१
८	गु	१४	५	पु	२४	२६	सु	४५	१	ब	१४	५	१६	४५	१५	८	१९	७	क. ९।९	रामनवमी स्मार्ता.
९	शु	११	२८	पु	२३	५३	धृ	३९	२९	कौ	११	२८	२०	४४	१६	९	२०	८	कर्के	रामनवमी वैष्णवानाम्
१०	श	८	५७	श्ले	२१	१३	शू	३२	२४	ग	८	५७	२४	४३	१७	१०	२१	९	सिं२१।१३	भ. ३६।११ उ. अश्वि. ४ गुरुः ९।१५*
११	र	३	२५	म	१६	५१	गं	२४	१	वि	३	२५	२८	४२	१८	११	२२	१०	सिंहे	भ. ३।२५ या. कामदा ११ व्र. वै.
१२	र	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×भरण्यांबुधः४२/३३ बुधोदयः पश्चिमायां४७/०
१३	चं	४७	४३	पू	१०	५९	वृ	१३	३५	कौ	२१	५७	३२	४२	१८	१२	२३	११	कं.२४।१४	प्रदोषः *कामदा ११ व्र. स्मा.
१४	मं	३८	११	उ	३/५९	५२/२०	ध्रु	४/१९	४८/५२	ग	१२	५५	३६	४१	१९	१३	२४	१२	कन्यायां	भ.३९/११उ. अश्वि. मेषेऽर्कः१७/२६ (सौरः१७/१२)×
१५	बु	२८	१४	चि	४८	२६	ह	४२	१२	वि	३	१२	४०	४०	२०	१४	२५	१३	तु.२२।२२	भ. ३।१२ या. हनुमज्जयन्ती

५२पं.चै.शु.५चं.इ.१।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	०	११	३	६	११
२१	१५	२५	८	२	२	२०	२१
५३	०	२७	५२	२५	४०	४१	५४
३१	१४	.४	४९	१	१	४२	६
५९	३०	९८	१३	७४	०	३	५९
४	५६	९६	२३	२	२६	११	४

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. १४भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

१पं. चै.शु.१४मं.इ.१७।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	०	११	३	६	०
०	१८	१२	१०	१२	२	२०	०
०	५९	३१	४२	३४	४९	१५	०
०	३१	१९	०	३०	५५	३७	१५
५८	३२	९८	१३	७४	१	३	५८
४४	१२	९७	३२	२८	३८	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	१८	१५	स्वा	४०	४९	व	३१	१९	कौ	१८	१६	३५/४३	५/३९	६/२१	१५	२६	१४	तुलायां	पुनर्वसु भौमः १०।८
२	शु	८	४९	वि	३३	५९	सि	२१	२४	ग	८	४९	४७	३९	२१	१६	२७	१५	वृ.२०।४२	भ. ३४।३५ उ. रेवत्यां शुक्रः ३६।८
३	श	०	२२	अ	२८	३४	व्य	१२	२३	वि	०	२२	५१	३८	२२	१७	२८	१६	वृश्चिके	भ. ०।२२ या. अस्तं गुरोः ४१/२४ च. व्र.
४	श	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	अ. गु.
५	र	४८	३३	ज्ये	२४	५४	व	४/४४	५४/२	कौ	२१	१	५५	३७	२३	१८	२९	१७	ध.२४।५४	स्वाती. ४ राहुः भरणी. २ केतुः १२।४२
६	चं	४५	३४	मू	२३	१४	शि	५४	१६	ग	१७	४	५८	३६	२४	१९	३०	१८	धनुषि	भ. ४५।३४ उ.
७	मं	४४	४५	पू	२३	३१	सि	५१	३१	वि	१५	१०	३२	३६	२४	२०	३१	१९	म.३९।७	भ. १५।१० या.
८	बु	४५	४०	उ	२५	५७	सा	५०	७	बा	१५	१२	६	३५	२५	२१	१	२०	मकरे	कृत्तिका. बुधः १८।३३ रा. वैशाखारंभः
९	गु	४८	३४	श्र	२९	५८	शु	५०	३६	तै	१७	४	१०	३४	२६	२२	२	२१	मकरे	
१०	शु	५२	४५	ध	३५	२४	शु	५१	२३	व	२०	३९	१४	३३	२७	२३	३	२२	कुं.२।४१	भ.२०।३९उ.५८/४५या. वृपे बुधः २०।४५
११	श	५८	२	श	४१	५५	ब्र	५३	१८	ब	२५	२३	१७	३३	२७	२४	४	२३	कुम्भे	भरणी. १ गुरुः ११।१४ बरूथिनी ११ व्र.
१२	र	६०	०	पू	४८	१०	ऐं	५५	३६	कौ	३१	७	२१	३२	२८	२५	५	२४	मी३१।३७	पुष्ये १ शनिः ४।१०
१२	चं	४	१३	उ	५६	४४	वै	५८	२	तै	४	१३	२५	३१	२९	२६	६	२५	मीने	भरण्यां रविः ५७/४३ (सौरः५८।३०) प्रदोषः
१३	मं	१०	५६	रे	६०	०	वि	६०	०	व	१०	५६	२९	३०	३०	२७	७	२६	मीने	भ. १।५६ उ. ४३।४७ या. अश्वि. मेषे*
१४	बु	१६	३९	रे	४	१७	वि	०	२६	श	१६	३९	३२	३०	३०	२८	८	२७	मे.४।१७	
३०	गु	२२	४७	अ	११	३८	प्री	२	२४	ना	२२	४७	३६	२९	३१	२९	९	२८	मेषे	सूर्यग्रहणम् *शुक्रः २८।२९

२पं. वै.कृ.७मं.इ.१७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	०	११	३	६	०
६	२२	२५	१२	२१	३	१९	६
५०	३४	०	२२	१०	४	५३	५०
४२	४१	२८	८	३०	४९	२२	२६
५८	३३	९८	१३	७४	२	३	५८
३१	५	१२	३८	१७	२३	११	२९

गोचरग्रहाः

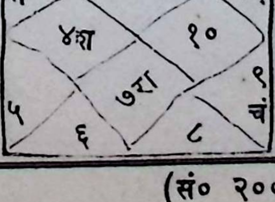

इस मासमें ५ गुरुवार शुभफलकारक हैं अनाज गल्ला रुई पाट सणसूत अफीम मंदा हो तिल तेल गुड़ खांड़ तेज हो।

गोचरग्रहाः

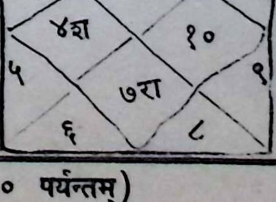

३पं.वै.कृ.१३मं.इ.१८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	०	११	३	६	०
१३	२६	४	१४	२९	३	१९	१३
३९	१५	११	२	४६	२४	३१	३८
४३	४०	९	२४	४८	५४	१६	५२
५८	३३	६४	१३	७४	३	३	५८
१९	३६	२१	३८	२०	८	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख	शुक्लपक्षः	सं. २०३३	शाकः	१८९८								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ११२१ सन् १९७६
१	शु	२८	१५	भ	१८	४०	आ	४	३४	ब	२८	१५	३२/४०	५/२८	६/३२	३०	१०	२९	वृ.३५।१३	चन्द्रदर्शन संभवः
२	श	३३	५	कृ	२४	५०	सौ	६	०	बा	०	४०	४३	२७	३३	१	११	१	वृषे	मई मा. ५ ता. ३१ जमादिलावल ५
३	र	३७	७	रो	३०	२१	शो	६	५०	तै	५	१	४७	२७	३३	२	१२	२	वृषे	अक्षया ३ परशुराम जयंती
४	चं	४०	१	मृ	३४	४६	अ	६	४३	व	८	३४	५१	२६	३४	३	१३	३	मि ३।३	भ. ८।३४ उ. ४०।१ या.
५	मं	४१	५१	आ	३८	४	सु	६	५	ब	१०	५६	५४	२५	३५	४	१४	४	मिथुने	कर्के भौमः १५।४७
६	बु	४२	२३	पु	४०	१९	धृ	४	२३	कौ	१२	७	५७	२५	३५	५	१५	५	क.२४।४६	
७	गु	४१	४१	पु	४१	५	शू	१/३५	५६/५	ग	१२	२	३३/१	२४	३६	६	१६	६	कर्के	भ. ४१।४१ उ.
८	शु	३९	२४	श्ले	४०	२५	वृ	५२	२५	वि	१०	३२	४	२३	३७	७	१७	७	सिं४०।२५	भ. १०।३२ या. रोहिण्यां बुधः ५८।१
९	श	३५	२९	म	३८	५	ध्रु	४६	२	बा	७	२६	७	२३	३७	८	१८	८	सिंहे	वक्रीबुधः ३३/३४ भरण्यां शुक्रः २०/४६ भरणी.२*
१०	र	३०	१७	पू	३४	२०	व्या	३८	२६	तै	२	५३	१०	२२	३८	९	१९	९	कं.४८।५	भ. ५६।५२ उ. *गुरुः ८।९
११	चं	२३	२८	उ	२९	२०	ह	२९	३८	वि	२३	२८	१३	२१	३९	१०	२०	१०	कन्यायां	भ. २३/२८ या. कृत्तिका. रविः ४३/३८ (सौरः ४६/२७)×
१२	मं	१५	२७	ह	२३	७	व	२१	११	बा	१५	२७	१६	२१	३९	११	२१	११	तु.४९।२९	वक्री कृत्तिका. बुधः ३०/१२ बुधास्तः पश्चि.+
१३	बु	६	३०	चि	१५	५२	सि	९/५५	४३/२३	तै	६	३०	१९	२०	४०	१२	२२	१२	तुलायां	भ.५७।७उ. नृसिंह१४ +५।५९ प्रदोषः
१४	बु	५०	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×पुष्ये भौमः ३६/२७ मोहिनी ११ व्र.
१५	गु	४७	३५	स्वा	८	३२	व	४९	२	वि	२२	२३	२२	२०	४०	१३	२३	१३	वृ.४८।९	भ. २२।२३ या. चन्द्रग्रहणम्

४पं. वै.शु. ५मं.इ. १८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	०	०	३	६	०
२०	०	८	१५	८	३	१९	२०
२७	१	४३	४२	२३	५०	८	२५
२२	२३	४८	४७	३५	९	५१	३२
५८	३४	२०	१३	७४	३	३	५७
६	१०	४८	३८	२६	४१	११	५७

गोचरग्रहाः

इस मास में सूर्य चन्द्र के दोनों ग्रहण महाअशुभ हैं प्रजा में पीड़ा राजाओं में विरोध एवं हरेक वस्तु तेज हो।

गोचरग्रहाः

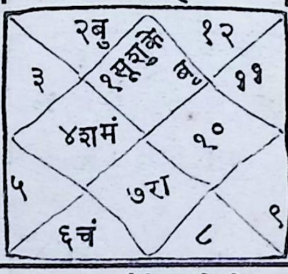

५पं. वै.शु. १२मं.इ. १८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	०	०	३	६	०
२७	३	१०	१७	१७	४	१८	२७
१३	५०	०	२२	०	१९	४६	१०
३४	१०	२९	५५	३६	५१	३५	४६
५७	३४	१४/५६	१३	७४	४	३	५७
५४	५०	व	३२	२६	२०	११	४५

ति.	ज्येष्ठ	कृष्णपक्षः	सं. २०३३	शाकः	१८९८								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३८	३३	वि	५/२२	५३/३७	प	३९	२०	बा	१३	४	३३/२५	५/१९	६/४१	१४	२४	१४	बृश्चिके	वृषेऽर्कः ५०/५३ (सौरः १४/१५) उदयं गुरोः ३६/२४
२	श	३०	४०	ज्ये	४९	४१	शि	३०	१२	तै	४	३७	२८	१८	४२	१५	२५	१५	ध.४९।४१	भ. ५७।२७ उ. उ. गु.
३	र	२४	१४	मू	४६	८	सि	२२	४१	वि	२४	१४	३०	१८	४२	१६	२६	१६	धनुषि	भ. २४/१४ या. शुक्रास्त पूर्वस्यां ३९/२४ चतुर्थी व्र.
४	चं	१९	२६	पू	४४	२३	सा	१६	४९	बा	१९	२६	३३	१७	४३	१७	२७	१७	म.५९।३२	शु.अ.पू.
५	मं	१७	११	उ	४५	१	शु	११	१९	तै	१७	११	३६	१७	४३	१८	२८	१८	मकरे	
६	बु	१६	५१	श्र	४७	३१	शु	९	३४	व	१६	५१	३९	१६	४४	१९	२९	१९	मकरे	भ. १६/५१ उ. ४०/४७ या. कृत्तिका. शुक्रः ९।५४
७	गु	१८	४३	ध	५२	७	ब्र	८	४३	ब	१८	४३	४१	१६	४४	२०	३०	२०	कुं.१९।४९	
८	शु	२२	२५	श	५७	५९	ऐं	९	२	कौ	२२	२५	४३	१५	४५	२१	३१	२१	कुम्भे	वृषे शुक्रः ५५।८
९	श	२७	२२	पू	६०	०	वै	१०	२१	ग	२७	२२	४६	१५	४५	२२	१	२२	मी४८।२५	भरणी. ३ गुरुः १९।३८ रा. ज्येष्ठारम्भः
१०	र	३३	२४	पू	५	१३	वि	१२	३७	व	०	२३	४८	१४	४६	२३	२	२३	मीने	भ. ०।२३ उ. ३३।२४ या.
११	चं	३९	३५	उ	१२	२७	प्री	१५	१०	ब	६	२९	५०	१४	४६	२४	३	२४	मीने	रोहिण्यांरविः ३४/२८ (सौरः ४०/२४) अपरा११व्र.
१२	मं	४५	५५	रे	२०	२६	आ	१६	४६	कौ	१२	४५	५२	१४	४६	२५	४	२५	मे.२०।२६	
१३	बु	५१	४७	अ	२०	४७	सौ	२०	७	ग	१८	५१	५४	१३	४७	२६	५	२६	मेषे	भ. ५१।४७ उ. प्रदोषः
१४	गु	५६	५३	भ	३४	४१	शो	२२	१	वि	२४	५०	५६	१३	४७	२७	६	२७	वृ.५१।८	भ. २४।५० या.
३०	शु	६०	०	कृ	४०	३०	अ	२३	१०	च	२८	५८	५८	१२	४८	२८	७	२८	वृषे	वट पूजनम्
३०	श	१	४	रो	४५	२२	सु	२३	२३	ना	१	४	३४/००	१२	४८	२९	८	२९	वृषे	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४४।४७

६पं. ज्ये.कृ. ५मं.इ. १८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	०	३	६	१
३	७	७	१९	२५	४	१८	३
५८	४२	१२	१	३६	५२	२४	५४
२६	५०	२८	५२	२५	३७	१९	२६
५७	३५	३/२	१३	७४	४	३	५७
४४	२४	व	२६	३२	५०	११	३४

गोचरग्रहाः

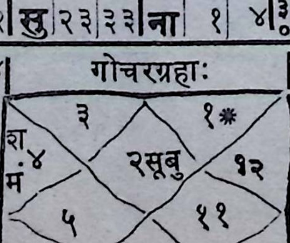

ज्येष्ठ कृ. १ शुक्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रा. पू.।

गोचरग्रहाः

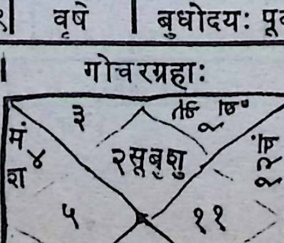

७पं. ज्ये.कृ. १२मं.इ. १८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	१	३	६	१
१०	११	३	२०	४	५	१८	१०
४२	३७	२९	३९	१२	२९	२	३६
२५	४१	३८	४७	५०	२८	४	३६
५७	३५	२९/५७	१३	७४	५	३	५७
३५	४४	व	२०	३२	१४	११	२३

*वृशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	४	१४	मृ	४९	१२	धृ	२३	११	ब	४	१४	३ ४/२	१ ५/२	४ ६/८	३०	९	३०	मि१७।१७
२	चं	६	७	आ	५२	५	शू	२१	५५	कौ	६	७	४	११	४९	३१	१०	१	मिथुने
३	मं	७	१०	पु	५३	५३	गं	१९	४७	ग	७	१०	६	११	४९	१	११	२	क.३८।२६
४	बु	७	५	पु	५५	३८	वृ	१६	५५	वि	७	५	७	११	४९	२	१२	३	कर्के
५	गु	५	५७	श्ले	५४	२५	ध्रु	१३	२३	बा	५	५७	९	१०	५०	३	१३	४	सिं५४।२५
६	शु	३	४५	म	५३	८	व्या	८	५५	तै	३	४५	१०	१०	५०	४	१४	५	सिंहे
७	श	०	३७	पू	५१	२	ह	३ ३/७	५/४ ०/६	व	०	३७	१२	१०	५०	५	१५	६	सिंहे
८	श	५५	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	र	५०	२५	उ	४७	५३	सि	५०	२	बा	२३	२५	१३	९	५१	६	१६	७	कं.५।१४
१०	चं	४४	२२	ह	४३	४१	व्य	४२	४७	तै	१७	२४	१४	९	५१	७	१७	८	कन्यायां
११	मं	३८	२१	चि	३९	३७	व	३४	२२	व	११	२२	१६	९	५१	८	१८	९	तु.११।३८
१२	बु	३०	४१	स्वा	३२	५९	प	२५	३१	ब	४	३१	१७	९	५१	९	१९	१०	तुलायां
१३	गु	२२	२८	वि	२७	३	शि	१६	८	तै	२२	२८	१८	८	५२	१०	२०	११	वृ.१३।३२
१४	शु	१४	२५	अ	२१	०	सि	७/५	५५/१७	व	१४	२५	१९	८	५२	११	२१	१२	वृश्चिके
१५	श	६	४७	ज्ये	१५	४६	शु	५०	२२	ब	६	४७	२०	८	५२	१२	२२	१३	ध.१५।४६

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ११५१ स.१९७६

रोहिण्या शुक्रः २।४४ चन्द्रदर्शनम्
जमादिलाखर ६
भ. ३७।७ उ. जून मा. ६ ता. ३०
भ. ७।५ या.
आश्लेषा. भौमः३।५२ मार्गीबुधः५१।२०
भ. ३ ०/७ उ. ३/३ ८/६ या. भरणी. ४ गुरुः ५/४ ४/५
पुष्य. २ शनिः ७।५०
मृगेरविः २९।२४ (सौरः ३/५ ९/३) गंगादशमी
भ.११।२२ उ.३८।२१या. निर्जला ११ व्र.
मृगे शुक्रः ५०।५८ प्रदोषः
भ. १४।२५ उ. ४०।३६ या.
गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

८पं.ज्ये.शु.३मं.इ.१८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	१	३	६	१
१७	१५	१	२२	१२	६	१७	१७
२५	३६	२९	१५	४८	९	३९	१७
८	४०	३१	२२	५८	३२	४८	४२
५७	३६	२०/५९	१३	७४	५	३	५७
२७	९	व	८	३२	४१	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में सोना चांदी रस पदार्थ एवं धान्यादि में तेजी होगी। प्रजा में रोगों का भय और उपद्रव हो।

गोचरग्रहाः

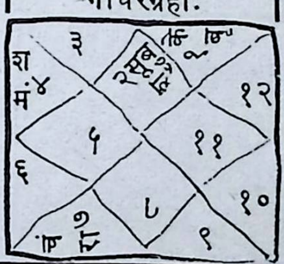

९पं.ज्ये.शु.११मं.इ.१८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	१	३	६	१
२४	१९	२	२३	२१	६	१७	२३
७	३७	५०	४९	२५	५३	१७	५७
१२	८	३८	४८	१९	१०	३३	३८
५७	३६	१०/१५	१२	७४	६	३	५७
२२	२८	मा	४३	३८	२	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	र	०	१३	मू	११	४	शु	४३	२५	कौ	०	१३	३४/२५	५/८	५ ६/२	१३	२३	१४	धनुषि
२	र	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	५१	४५	पू	८	५५	ब्र	३७	५१	व	२३	२५	२१	८	५२	१४	२४	१५	म.२३।४३
४	मं	५०	१५	उ	८	४	ऐं	३६	५९	ब	२१	०	२२	८	५२	१५	२५	१६	मकरे
५	बु	५०	५९	श्र	८	५९	वै	३१	३७	कौ	२०	३७	२२	८	५२	१६	२६	१७	कुं.४०।३३
६	गु	५३	४६	ध	१२	९	वि	३१	३	ग	२२	२२	२३	७	५३	१७	२७	१८	कुंभे
७	शु	५८	४	श	१७	१	प्री	३१	२८	वि	२५	५५	२३	७	५३	१८	२८	१९	कुम्भे
८	श	६०	०	पू	२३	२३	आ	३३	११	बा	३०	५३	२३	७	५३	१९	२९	२०	मी६।४८
८	र	३	४३	उ	३०	२७	सौ	३५	१६	कौ	३	४३	२४	७	५३	२०	३०	२१	मीने
९	चं	९	४५	रे	३८	११	शो	३७	४९	ग	९	४५	२४	७	५३	२१	३१	२२	मे.३८।११
१०	मं	१५	४८	अ	४५	३९	अ	४०	२४	वि	१५	४८	२४	७	५३	२२	१	२३	मेषे
११	बु	२१	२६	भ	५२	३७	सु	४२	१७	बा	२१	२६	२४	७	५३	२३	२	२४	मेषे
१२	गु	२६	४२	कृ	५८	३४	धृ	४३	३९	तै	२६	४२	२४	७	५३	२४	३	२५	वृ. ९।७
१३	शु	३०	३२	रो	६०	०	शू	४३	५२	व	३०	३२	२३	७	५३	२५	४	२६	वृषे
१४	श	३२	५६	रो	३	७	गं	४३	८	वि	१	४४	२३	७	५३	२६	५	२७	मि३४।५०
३०	र	३४	२	मृ	६	३५	वृ	४२	२१	च	३	२९	२३	७	५३	२७	६	२८	मिथुने

ग्रोष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ३/२ ३/५ उ. ५/४ ५/५ या. मिथुनेऽर्कः २ ८/२ सौरः ४ ०/०
मिथुने शुक्रः १७।४४ च. व्र.
भ. ५३।४६ उ.
भ. २५।५५ या. रोहिण्यां बुधः ८।२६
आर्द्रा. शुक्रः ४/३ ३/४ स्वाती. ३ राहुः भ. १ के. ७।५
भ. ४/४ २/६ उ. आर्द्रायां रविः २६।५४ (सौरः *
भ. १५।४८ या. रा. आपाढ़ारंभः
योगिनी ११ व्र.
प्रदोषः *४१।३३) कृत्तिका. १ गुरुः ३ ३/७
भ. ३०।३२ उ.
भं. १।४४ या. मघा. सिंहे भौमः ८।१
मृगे बुधः २९।१३

१०पं.आ.कृ.४मं.इ.१८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	२	३	६	२
०	२३	७	२५	०	७	१६	०
४८	४२	२९	२१	१	३८	५५	३६
२५	४	२	३६	१६	४६	१७	४७
५७	३६	५३	१२	७४	६	३	५६
१७	५५	२३	२०	३८	२२	११	५७

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ३ चन्द्रे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न.५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु. पू.।

गोचरग्रहाः

११पं.आ.कृ.१०मं.इ.१८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	२	३	६	२
७	२७	१५	२६	८	८	१६	७
२९	४९	४६	४८	३८	२६	३३	१५
२४	४१	८	५४	२०	५३	१	१४
५७	३६	८४	१२	७४	६	३	५६
१३	१९	२८	१	३८	३७	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	३३	४२	आ	८	३७	ध्रु	३८	२९	किं	३	५२	३४/२२	५/८	६/५२	२८	७	२९	क.५३।३५
२	मं	३२	१६	पु	९	३४	व्या	३४	४७	बा	२	५९	२२	८	५२	२९	८	३०	कर्के
३	बु	२९	५७	पु	९	१८	ह	३०	१३	तै	१	७	२१	८	५२	३०	९	१	कर्के
४	गु	२६	४९	श्ले	८	११	व	२५	५	वि	२६	४९	२०	८	५२	१	१०	२	सिं८।११
५	शु	२२	५२	म	६	२२	सि	१९	३६	बा	२२	५२	१९	८	५२	२	११	३	सिंहे
६	श	१८	४३	पू	४	१०	व्य	१३	४२	तै	१८	४३	१८	८	५२	३	१२	४	कं.१८।३२
७	र	१३	५८	उ	५/३७	५०/५६	व	७	१७	व	१३	५८	१७	९	५१	४	१३	५	कन्यायां
८	चं	८	४६	चि	५४	५८	प	०/३५	५२/५२	बा	८	४६	१५	९	५१	५	१४	६	तु.२६।४४
९	मं	३	१३	स्वा	५१	२	सि	४६	९	कौ	३	१३	१४	९	५१	६	१५	७	तुलायां
१०	मं	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	बु	५१	१६	वि	४६	५८	सा	३८	२६	व	२४	१९	१३	९	५१	७	१६	८	बृ.३२।५९
१२	गु	४४	५६	अ	४२	४७	शु	३०	५३	ब	१८	१	११	१०	५०	८	१७	९	वृश्चिके
१३	शु	३९	४८	ज्ये	३८	४७	शु	२३	२४	कौ	१२	२२	१०	१०	५०	९	१८	१०	ध.३८।४७
१४	श	३३	३१	मू	३५	२३	ब्र	१६	१६	ग	६	४०	८	१०	५०	१०	१९	११	धनुषि
१५	र	२८	५४	पू	३२	४९	ऐं	९	४७	वि	१	१३	७	११	४९	११	२०	१२	म.४७।३२

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गरण:११८०स.१९७६

चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
भ. ५८।२३ उ. रज्जव ७
भ. २६।४९ या. मिथुने बुधः १२।० पुन.*
*शुक्रः ३१।८ **जुलाई मा. ७ ता. ३१**
=बुधः ४४।२४ पूर्वास्तं बुधः २६।३५
भ. १३।५८ उ. ४१।२२ या. आर्द्रायां=
पुन. रविः२५।५०(सौरः ४५।३४)पुष्य.×
×३ शनिः ३।२९
+३०।४९ व्यासपूजा
भ.३४/५९ उ.५६/५६ या. देवशयनी ११ व्र.स्मा.
कृत्ति.२वृषेगुरुः२८।२१ देवशयनी११व्र.वै.
कर्के शुक्रः ३८।४१ प्रदोषः
भ. ३३।३१ उ. वायुपरीक्षा
भ. १।१३ या. पुन. बुधः २।५६ शन्यस्तः+

१२पं.आ.शु.२मं.इ.१८।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	०	२	३	६	२
१४	१	२६	२८	१७	९	१६	१३
९	५९	३६	१३	१५	१६	१०	५३
५०	२४	२२	५९	१८	५५	४६	१९
५७	३७	७/०	११	७४	६	३	५६
७	३५	९/४२	२५	३५	५२	११	५०

गोचरग्रहाः

मिथुने कर्कटे संस्थो । यस्मिन्काले भृगोः सुतः । वातो वाति तदा नित्यं जल वृष्टिश्च जायते ।। कहीं २ वर्षा हो, धान्य तेज ।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.शु.९मं.इ.१८।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	०	२	३	६	२
२०	६	९	२९	२५	१०	१५	२०
५०	१०	५२	३६	५१	८	४८	३१
१०	३७	२६	२५	२२	४९	३०	१३
५७	३७	[illegible]	१०	७४	७	३	५६
७	५८	३९	५४	३२	२	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	२५	२३	उ	३१	४१	वै	४/११	५१/४०	कौ	२५	२३	३४/५	५/११	६/४९	१२	२१	१३	मकरे
२	मं	२४	१९	श्र	३२	८	प्री	५६	४२	ग	२४	१९	४	११	४९	१३	२२	१४	मकरे
३	बु	२४	२७	ध	३४	५६	आ	५६	२२	वि	२४	२७	२	१२	४८	१४	२३	१५	कु.३।१७
४	गु	२६	३४	श	३८	२२	सौ	५५	१	बा	२६	३४	०	१२	४८	१५	२४	१६	कुम्भे
५	शु	३०	८	पू	४३	५०	शो	५५	५५	तै	३०	८	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१७	मी२७।२८
६	श	३५	१७	उ	५०	३०	अ	५७	४१	ग	२	४३	५६	१३	४७	१७	२६	१८	मीने
७	र	४१	९	रे	५७	४७	सु	५९	५३	वि	८	१३	५४	१३	४७	१८	२७	१९	मे.५७।४७
८	चं	४७	१४	अ	६०	०	धृ	६०	०	बा	१४	११	५२	१४	४६	१९	२८	२०	मेषे
९	मं	५३	२०	अ	४	५६	धृ	२	२५	तै	२०	१७	५०	१४	४६	२०	२९	२१	मेषे
१०	बु	५८	३१	भ	१२	२६	शू	४	४३	व	२५	५५	४७	१५	४५	२१	३०	२२	वृ.२९।३
११	गु	६०	०	कृ	१८	५२	गं	६	१६	ब	३०	३३	४५	१५	४५	२२	३१	२३	बृषे
११	शु	२	३५	रो	२३	४४	वृ	६	५१	बा	२	३५	४२	१६	४४	२३	१	२४	मि५५।३२
१२	श	४	४४	मृ	२७	२२	ध्रु	६	३१	तै	४	४४	४०	१६	४४	२४	२	२५	मिथुने
१३	र	५	२६	आ	२९	१४	व्या	७	३२	व	५	२६	३७	१७	४३	२५	३	२६	मिथुने
१४	चं	४	२०	पु	२९	२२	ह	१/१६	५२/४२	ब	४	२०	३५	१७	४३	२६	४	२७	क.१४।२०
३०	मं	१	४५	पु	२८	११	सि	५१	२३	ना	१	४५	३२	१८	४२	२७	५	२८	कर्के

वर्षर्तूं रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पुष्ये शुक्रः २३।१०
भ. ५४।२३ उ.
भ. २४।२७ या. चतुर्थी व्र.
कर्केऽर्कः ५५।१४ कर्के बुधश्च ४७।२४
कर्केऽर्कः सौरः १८।१८ नाग ५ मरुस्थले
भ. ३५।१७ उ. पुष्ये बुधः १३।०
भ. ८।१३ या. पूफायां भौमः १२।५३
पुष्ये रविः २४।३१ (सौरः ४८।५९)
भ. २५।५५ उ. ५८।३१ या.
कामिका ११ व्र. स्मा.
आश्ले बुधः४/५ ३/६ आश्ले.शुक्रः ५/५ ५/० शुक्रोदयः*
प्रदोषः *पश्चिमायां ३/५ ४/२ रा.श्रावणारंभः+
भ. ५।२६ उ. ३४।५३ या.
+कामिका ११ व्र. वै. (शु.उ.प.)
बुधोदयः पश्चिमायां ४७।१२

१४पं.श्रा.कृ.२मं.इ.१८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	१	३	३	६	२
२७	१०	२४	१	४	११	१५	२७
३०	२३	४६	५३	२८	१	२६	९
३२	४२	४१	६	३७	४८	१५	२०
५७	३८	[illegible]	१०	७४	७	३	५६
११	१२	५८	१२	३२	१४	११	५५

गोचरग्रहाः

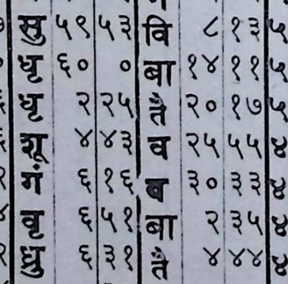

श्रावण कृ. ४ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. वा.४न.५गतात्का-वस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

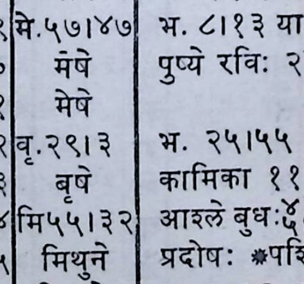

१५प.श्रा.कृ.९ मं.इ.१८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१	३	३	६	३
४	१४	९	२	१३	११	१५	३
११	३०	२९	४	४	५५	३	४७
१७	१९	१४	५५	२३	१	५९	४७
५७	३८	[illegible]	९	७४	७	३	५६
१५	२६	४९	२९	२६	२०	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२१०सन्१९७६
१	मं	५६	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	५२	५८	श्ले	२६	५८	व्य	४५	११	बा	२५	२७	३३/२९	५/१८	६/४२	२८	६	२९	सिं२६।५८	कृत्तिकाः ३ गुरुः चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	४७	३९	म	२३	४३	व	३७	५९	तै	२०	१९	२६	१९	४१	२९	७	१	सिंहे	तीज ३ सावान ८
४	शु	४२	२	पू	१८	३१	प	३१	७	व	१४	५०	२४	१९	४१	३०	८	२	कं.३२।४४	भ. १४/५० उ. ४३/२ या. मघा. सिंहे बुधः ५५/३५
५	श	३६	१४	उ	१५	२१	शि	२४	११	ब	९	८	२१	२०	४०	३१	९	३	कन्यायां	नागपंचमी
६	र	३०	२९	ह	११	४१	सि	१६	५२	कौ	३	२२	१८	२०	४०	१	१०	४	तु.३९।५०	**अगस्त मा. ८ ता. ३१**
७	चं	२५	४	चि	७	५९	सा	९	३६	व	२५	४	१५	२१	३९	२	११	५	तुलायां	भ. २५।४ उ. ५२।२७ या. आश्लेषा.×
८	मं	१९	४९	स्वा	४	३८	शु	३२/३	५३/७	ब	१९	४९	१२	२२	३८	३	१२	६	वृ.४७।१३	मघा. सिंहे शुक्रः २।४२
९	बु	१४	४७	वि	१/२५	५७/८	ब्र	४८	४४	कौ	१४	४७	९	२२	३८	४	१३	७	वृश्चिके	पुष्य. ४ शनिः ८।४५
१०	गु	१०	३	ज्ये	५६	८	ऐं	४२	५५	ग	१०	३	६	२३	३७	५	१४	८	ध.५६।८	भ. ३७।४८ उ.
११	शु	५	३४	मू	५४	१३	वै	३६	५५	वि	५	३४	३	२३	३७	६	१५	९	धनुषि	भ. ५।३४ या. पवित्रा ११ ब्र.
१२	श	१	४७	पू	५२	५६	वि	३१	४१	बा	१	५७	०	२४	३६	७	१६	१०	धनुषि	प्रदोषः +भद्रोत्तरम्
१३	श	५७	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×रविः २१।३२ (सौरः ४९।४८)
१४	र	५७	४	उ	५३	४२	प्री	२७	४७	ग	२८	२	३३/५६	२४	३६	८	१७	११	म. ८।७	भ. ५७/४ उ. उफायांभौमः ४२/५७ पूफायांबुधः ३३/२४
१५	चं	५६	३५	श्र	५३	३८	आ	२३	१०	वि	२६	३७	५३	२५	३५	९	१८	१२	मकरे	भ. २६।३७ या. श्रावणीकर्म रक्षाबंधनं+

१६पं.श्रा.शु.१मं.इ.१८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१	३	३	६	३
१०	१८	२३	३	२१	१२	१४	१०
५२	५७	२४	११	४१	४८	२१	२७
१९	५४	१४	५३	३१	२२	४३	४
५७	३८	[illegible]	८	७४	७	३	५७
२०	४३	[illegible]	४१	२६	२८	११	५

गोचरग्रहाः

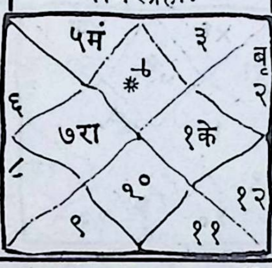

इस मास में पांच सोमवार उत्तम हैं वर्षा श्रेष्ठ होगी धान्य रुई अफीम धातु मंदा रहेगा।

गोचरग्रहाः

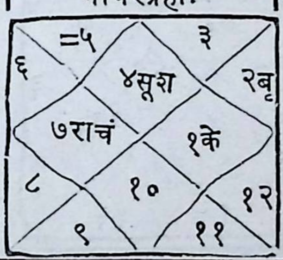

१७नं.श्रा.शु. ८नं.इ.१७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	४	३	६	३
१७	२३	५	४	०	१३	१४	१७
३४	१८	५२	१२	१८	१३	१९	६
१	५८	१	३६	५८	४८	२८	५२
५७	३८	[illegible]	७	७४	७	३	५७
२५	५०	[illegible]	४४	२६	२०	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५७	२	ध	५५	४३	सौ	२०	१३	बा	२६	३७	३२/५०	५/२६	६/३४	१०	१९	१३	कुं.२४।४०	
२	बु	५९	१६	श	५९	१०	शो	१८	५०	तै	२८	९	४७	२७	३३	११	२०	१४	कुम्भे	
३	गु	६०	०	पू	६०	०	अ	१७	५५	व	३०	५५	४३	२७	३३	१२	२१	१५	मी४७।५२	भ. ३०।५५ उ.
३	शु	२	३४	पू	४	५	सु	१८	२९	वि	२	३४	४०	२८	३२	१३	२२	१६	मीने	भ. २।३४ या. पूफायांशुक्रः ५४।७ च.ब्र.
४	श	७	५२	उ	१०	३४	धृ	१९	५३	बा	७	५२	३६	२९	३१	१४	२३	१७	मीने	कन्यायां भौमः २।२०
५	र	१३	११	रे	१७	३१	शू	२१	४७	तै	१३	११	३३	२९	३१	१५	२४	१८	मे. १७।३१	चन्द्रषष्ठी *सौरः ४६/१३ उदयंशनेः४१।८
६	चं	१९	२३	अ	२५	१	गं	२४	१३	व	१९	२३	२९	३०	३०	१६	२५	१९	मेषे	भ.१९।२३ उ.५२/२८या. मघा. सिंहेऽर्कः १५/२७*
७	मं	२५	३४	भ	३२	३०	वृ	२६	३८	ब	२५	३४	२६	३१	२९	१७	२६	२०	बृ.४९।१६	उफायां बुधः ९।२६ जन्माष्टमी ब्र. स्मा.
८	बु	३१	१०	कृ	३९	३५	ध्रु	२८	४७	कौ	३१	१०	२२	३२	२८	१८	२७	२१	बृषे	जन्माष्टमी ब्र. वै.
९	गु	३५	३९	रो	४५	१७	व्या	३०	२	तै	३	२५	१९	३२	२८	१९	२८	२२	बृषे	कन्यायां बुधः ४८।३ गोगा ९
१०	शु	३८	३८	मृ	४९	३९	ह	३०	१	व	७	८	१५	३३	२७	२०	२९	२३	मि१७।२८	भ. ७।८ उ. ३८।३८ या.
११	श	३९	४०	आ	५२	१८	व	२९	१०	ब	९	८	११	३४	२६	२१	३०	२४	मिथुने	स्वाती. २ राहुः अश्वि. ४ केतुः ५९।३७×
१२	र	३८	५२	पु	५२	५९	सि	२६	२८	कौ	९	१६	८	३४	२६	२२	३१	२५	क.३७।४९	वत्स द्वादशी. ×अजा ११ ब्र.
१३	चं	३६	५	पु	५१	४५	व्य	२२	१८	ग	७	२८	४	३५	२५	२३	१	२६	कर्के	भ. ३६।५ उ. रा. भाद्रपदारम्भः प्रदोषः
१४	मं	३१	२८	श्ले	४८	५५	व	१६	४०	वि	३	४७	०	३६	२४	२४	२	२७	सि४८।५५	भ. ३।४७ या. उफायां शुक्रः ४३।३०
३०	बु	२५	३४	म	४४	५०	प	९	५०	ना	२५	३४	३१/५६	३७	२३	२५	३	२८	सिंहे	कृत्तिका. ४ गुरुः ४१।१३ कुशाग्रहणी.

१८पं.भा.कृ.१मं.इ.१७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	४	३	६	३
२४	२७	१७	५	८	१४	१३	२३
१६	४१	४३	६	५४	३६	५७	४७
२६	५३	४४	२२	४०	३६	१२	५९
५७	३९	९०	६	७४	७	३	५७
३३	८	४३	४०	२०	१४	११	२२

१९पं.भा.कृ.७ मं.इ.१७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	१	४	३	६	४
०	२	२६	५	१७	१५	१३	०
५९	६	५०	५३	३१	२९	३४	३०
४९	४०	२४	५३	५२	२	५७	१२
५७	३९	७५	५	७४	७	३	५७
४०	२५	३९	४७	१४	८	११	३४

२०पं.भा.कृ.१४मं.इ.१७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१	४	३	६	४
७	६	४	६	२६	१६	१३	७
४४	३३	३	३३	७	२२	१२	१३
१७	११	७	२९	५५	५२	४१	४४
५७	३९	५७	४	७४	७	३	५७
४८	२५	२२	४०	५	२	११	४५

*सूचंबुशुश ×मंबुशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) [=मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद	शुक्लपक्षः	सं. २०३३	शाकः	१८९८								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	१८	३२	पू	३९	३०	शि	१/५०	५३/३२	ब	१८	३२	३१/५२	५/३८	६/२२	२६	४	२९	कं.५३।१४
२	शु	११	११	उ	३४	८	सा	४६	३३	कौ	११	११	४८	३८	२२	२७	५	३०	कन्यायां
३	श	३	२५	ह	२८	३७	शु	३५	३८	ग	३	२५	४४	३९	२१	२८	६	१	तु.५६।२
४	र	५२	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	४९	१७	चि	३३	२८	शु	२४	५८	ब	२२	४७	४०	४०	२०	२९	७	२	तुलायाँ
६	चं	४३	१७	स्वा	१८	५२	ब्र	१९	२	कौ	१६	१७	३६	४१	१९	३०	८	३	तुलायां
७	मं	३७	५६	वि	१४	५०	ऐं	११	२९	ग	१०	३६	३२	४२	१८	३१	९	४	बृ. ०।५१
८	बु	३३	२८	अ	११	४८	वै	४/२५	५३/१०	वि	५	४१	२८	४२	१८	१	१०	५	बृश्चिके
९	गु	२९	५९	ज्ये	९	४१	प्री	५२	५६	बा	१	४३	२५	४३	१७	२	११	६	ध. ९।४१
१०	शु	२७	२३	मू	८	३६	आ	४८	१९	ग	२७	२३	२१	४४	१६	३	१२	७	धनुषि
११	श	२५	५३	पू	८	२०	सौ	४४	३०	वि	२५	५३	१७	४५	१५	४	१३	८	म.२३।२५
१२	र	२५	१९	उ	९	२	शो	४१	३७	बा	२५	१९	१३	४५	१५	५	१४	९	मकरे
१३	चं	२५	५१	श्र	१०	५९	अ	३९	२३	तै	२५	५१	९	४६	१४	६	१५	१०	कु.४२।२७
१४	मं	२७	२९	ध	१३	५६	सु	३८	१६	व	२७	२९	५	४७	१३	७	१६	११	कुम्भे
१५	बु	३०	२०	श	१७	५३	धृ	३७	५३	ब	३०	२०	१	४८	१२	८	१७	१२	कुम्भे

शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२३९ स.१९७६

आश्लेषा. १ शनिः ४३।४१
कन्यायां शुक्रः २५।२९ चन्द्रदर्शनम्
भ. २९।५१ उ. ५६।१८ या. गणेश ४*
*रमजान ९
हस्ते भौम ४५/४२ हस्ते बुधश्च ८।५ ऋषि५
पूफायां रविः ५।४ (सौरः ३७।५)
भ. ३७।५६ उ.
भ. ५।४१ या. **सितम्बर मा. ९ ता. ३०**
भ. ५६/३८ उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गा
भ. २५।५३ या. हस्ते शुक्रः ३४।३२=
वामनजयंती प्रदोषः =जलझूलनी ११व्र.
वक्री बुधः ४४।२२
भ. २७।२९ उ. ५८।५५ या. अनन्त १४
महालय श्राद्धारम्भः

२१पं.भा.शु.७मं.इ.१७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१	५	३	६	४
१४	११	११	७	४	१७	१२	१३
२९	३	१५	३	४४	१४	५०	५८
५६	१८	४३	४०	३१	२८	२६	५६
५८	३९	३५	३	७३	६	३	५७
१	४२	८	३१	५६	४४	११	५७

गोचरग्रहाः

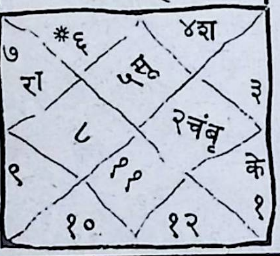

भाद्र. कृ. ६ चंद्रे
सिंहेऽर्कः प्र. वा.
५ न. ४ प्रगल्भा
वस्था (बैठी) मु.
३० घान्यादिभावे
समता शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

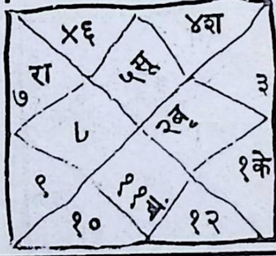

२२पं.भा.शु.१४मं.इ.१७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१	५	३	६	४
२१	१५	१४	७	१३	१८	१२	२०
१६	३५	३	२५	२०	३	१८	४५
५५	६	२५	४१	१३	७	१०	३६
५८	३९	५/३	२	७३	६	३	५८
१३	५८	ब	१२	५०	३२	११	१२

ति.	आश्विन	कृष्णपक्षः	सं. २०३३	शाकः	१८९८								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	३४	२५	पू	२२	५३	शू	३८	१६	बा	२	२२	३०/५७	५/४९	६/११	९	१८	१३	मी६।२९
२	शु	३९	२५	उ	२९	१	गं	३९	४४	तै	६	५७	५३	४९	११	१०	१९	१४	मोने
३	श	४५	११	रे	३५	४६	वृ	४१	१७	व	१२	२०	४७	५०	१०	११	२०	१५	मे.३५।४६
४	र	५१	१८	अ	४३	७	ध्रु	४३	३४	ब	१८	१४	४४	५१	९	१२	२१	१६	मेषे
५	चं	५७	३५	भ	५०	५०	व्या	४६	१	कौ	२४	२६	४०	५२	८	१३	२२	१७	मेषे
६	मं	६०	०	कृ	५८	२७	ह	४१	३१	ग	३०	३८	३६	५३	७	१४	२३	१८	बृ. ७।४४
६	बु	३	४२	रो	६०	०	व	५०	१८	व	३	४२	३२	५४	६	१५	२४	१९	बृषे
७	गु	८	४०	रो	५	५	सि	५१	३०	ब	८	४०	२८	५४	६	१६	२५	२०	मि३७।५१
८	शु	१२	४०	मृ	१०	३७	व्य	५१	२२	कौ	१२	४०	२४	५५	५	१७	२६	२१	मिथुने
९	श	१४	४८	आ	१४	३४	व	४९	५८	ग	१४	४८	२०	५६	४	१८	२७	२२	मिथुने
१०	र	१४	५९	पु	१६	३८	प	४६	५६	वि	१४	५९	१६	५७	३	१९	२८	२३	क. १।७
११	चं	१३	१०	पु	१६	४३	शि	४२	१३	बा	१३	१०	१२	५८	२	२०	२९	२४	कर्के
१२	मं	९	१०	श्ले	१४	४१	सि	३५	५४	तै	९	१०	८	५८	२	२१	३०	२५	सिं१४।४१
१३	बु	३	२६	म	११	५५	सा	२८	१६	व	३	२६	४	५९	१	२२	३१	२६	सिंहे
१४	बु	५२	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	गु	४७	३५	पू	५/३४	५३/४	शु	१९	१७	च	२१	४५	३०/०	६/०	६/०	२३	१	२७	कं.१८।५८

शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

भ. १२।२० उ. ४५।११ या.
उफायां रविः ४९।२४ चतुर्थी व्र.
उफा. रविः सौरः २१।४३
*पश्चियास्तं बुधः १९ ३३
भ.३।४२ उ.३६।११या. चित्रा. शुक्रः २५/२७*
कन्यायामर्कः १४।४५ (सौरः ४६।५३)
भ. ४४/५४ उ. वक्री उफायां बुधः ४२।४८
भ. १४।५९ या. चित्रायांभौमः १०।१०×
तुलायां शुक्रः ५१।३९ इंदिरा ११ व्र.
प्रदोषः ×वक्रीगुरुः ४२।१६
भ. ३/२६ उ. २९/४१ या. शस्त्रादिहतानां श्रा.
रा. आश्विनारंभः सर्वा.तृ ३०

२३पं.आ.कृ.६मं.इ.१७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१	५	३	६	४
२८	२०	१२	७	२१	१८	१२	२७
५	९	५२	३७	५५	५०	५	३३
२४	२२	८	५५	५९	४२	५४	५८
५८	४०	४४/५	०	७३	६	३	५८
२६	१०	ब	५५	४४	१९	११	२९

गोचरग्रहाः

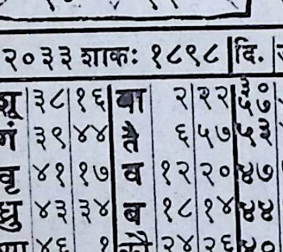

आश्विन कृ.७ गुरौ
कन्यायामर्कः प्र.वा.४
न. ५ कुमार्यावस्था
[बैठी] मु.३० (धान्या
दिभावे समता) शुक्रो
प.।

गोचरग्रहाः

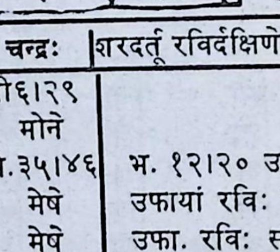

२४पं.आ.कृ.१२मं.इ.१६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	१	६	३	६	५
४	२४	६	७	०	१९	११	४
५५	४५	३८	४०	३१	३५	४३	२४
१९	२५	३९	२२	४४	१७	३९	५
५८	४०	७६/२६	१६	७३	५	३	५८
३८	२६	ब	ब	३६	५२	११	४५

*बुशुमं ×मंबुशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२६८ स. १९७६
१	शु	३८	३५	ह	५२	५	शु	३९/५	४८/४७	किं	१३	६	२९/५५	६/१	५/५९	२४	२	२८	कन्यायां	मातामह श्रा. नवरात्रारंभः =५९।४१
२	श	२९	२७	चि	४५	११	ऐं	४९	१४	बा	४	१	५१	२	५८	२५	३	२९	तु.१८।३८	आश्लेषा. २ शनिः २।५९ चंद्रदर्शनम्
३	र	२०	४८	स्वा	३८	२९	वै	३९	१२	ग	२०	४८	४७	३	५७	२६	४	१	तुलायां	भ.४६/४९ उ.हस्तेरविः ३७/५१ (सौरः ५९/२४) स्वात्यां*
४	चं	१२	५०	वि	३२	३१	वि	२९	४०	वि	१२	५०	४३	३	५७	२७	५	२	बृ.१९।१०	भ. १२।५० या. *शुक्रः ५६/१५ स.१०
५	मं	९	५७	अ	२७	५७	प्री	२१	७	बा	९	५७	३८	४	५६	२८	६	३	बृश्चिके	+बुधः ५३/२१ बुधोदयः पूर्वस्याम् २६ भौमास्तः=
६	शु	०	१९	ज्ये	२४	२६	आ	१३	५५	तै	०	१९	३४	५	५५	२९	७	४	ध.२४।२६	भ.५६/१२ उ. तुलायांभौमः ८।३६ वक्रीसिंहे+
७	बु	५५	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	गु	५३	३९	मू	२२	३०	सौ	७	२९	वि	२४	५५	३०	६	५४	३०	८	५	धनुषि	भ. २४।५५ या. सरस्वत्या वाहनम्
९	शु	५२	२६	पू	२१	५८	शो	२३/६	५६/२	बा	२३	२	२६	७	५३	१	९	६	म.३७।१३	मार्गीबुधः १९।५५ **अक्टूबरमा. १०ता. ३१**×
१०	श	५२	४६	उ	२२	५८	सु	५५	४४	तै	२२	३६	२२	८	५२	२	१०	७	मकरे	विजयादशमी सरस्वती विसर्जनम्
११	र	५४	२०	श्र	२५	१७	धृ	५४	१२	व	२३	३८	१८	८	५२	३	११	८	कु.५७।१	भ.२३।३१ उ. ५४।२० या. कन्या. बुधः*
१२	चं	५६	५७	ध	२८	४६	शू	५२	२५	ब	२५	३८	१४	९	५१	४	१२	९	कुंभे	×सरस्वती पू. बलिदानं च
१३	मं	६०	०	श	३३	३२	गं	५२	४३	कौ	२८	५६	१०	१०	५०	५	१३	१०	कुम्भे	प्रदोषः *४४।२६ पापांकुशा ११ व्र.
१३	बु	०	५५	पू	३९	२१	वृ	५४	१४	तै	०	५५	६	११	४९	६	१४	११	मी२२।५४	
१४	गु	५	३२	उ	४५	३९	ध्रु	५५	४१	व	५	३८	२	१२	४८	७	१५	१२	मीने	भ.५।३२ उ.३८।१८ या. विशाखाशुक्रः%
१५	शु	११	४	रे	५२	२८	व्या	५७	२९	ब	११	५	२९/५८	१२	४८	८	१६	१३	मे.५२।२८	%१०/४ शरद्पूर्णिमा कोजागरी व्रतं

२५पं.आ.शु.५मं.इ.१६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	१	६	३	६	५
११	२९	०	७	९	२०	११	११
४६	२४	३४	३३	७	१७	२१	१६
५५	५४	१	५४	८	४६	२३	८
५८	४०	३६/४४	१/४७	७३	५	३	५९
५३	३९	ब	ब	२३	३०	११	०

गोचरग्रहाः

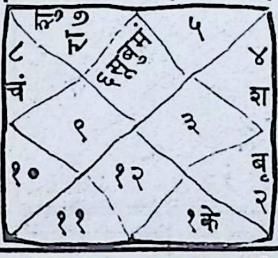

इस मास के आ. बुध शुक्र का योग उत्तम वर्षाकारक है। अनाज गल्ला मन्दा, गुड़ खांड किराना तेज हो।

गोचरग्रहाः

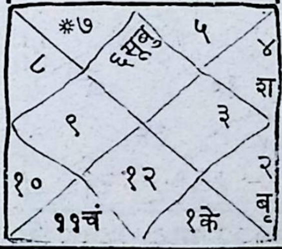

२६पं.आ.शु.१३मं.इ.१६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१	६	३	६	५
१८	४	१	७	१७	२०	१०	१८
४०	६	५	१६	४१	५६	५९	९
८	२९	६	४८	३१	१३	७	५५
५९	४०	४७/३१	३२/५२	७३	५	३	५९
९	५३	मा	ब	१४	२	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	श	१६	५८	अ	५९	५०	ह	५९	४३	कौ	१६	५८	२८/५४	६/१३	५/४७	९	१७	१४	मेषे	चित्रायां रविः ५९/५३ स्वात्यां भौमः ४/५७
२	र	२३	१५	भ	६०	१०	व	६०	०	ग	२३	१५	५०	१४	४६	१०	१८	१५	मेषे	भ.५६।२५उ. चित्रा. रविः सौरः३०।०
३	चं	२९	३४	भ	७	१८	व	२	१	वि	२९	३४	४६	१५	४५	११	१९	१६	बृ.२४।११	भ. २९।३४ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	३५	३७	कृ	१४	४९	सि	४	२७	ब	२	३५	४२	१६	४४	१२	२०	१७	बृषे	×अश्वि. ३ केतुः ५५/५५ रा. कार्तिकारंभः*
५	बु	४०	५७	रो	२१	५३	व्य	६	२९	कौ	८	१७	३८	१६	४४	१३	२१	१८	मि५५।४	हस्ते बुधः १८।८ *अन्नकूट गोवर्द्धनम्
६	गु	४५	३५	मृ	२८	१४	व	७	५८	ग	१३	१६	३४	१७	४३	१४	२२	१९	मिथुने	भ.४३/३५ उ. वक्री कृत्तिका.३ गुरुः ४२।४६
७	शु	४८	३५	आ	३३	१४	प	८	४९	वि	१७	५	३०	१८	४२	१५	२३	२०	मिथुने	भ. १७।५ या वृश्चिके शुक्रः २१।१५
८	श	५०	१	पु	३६	४९	शि	१८	२५	बा	१९	१८	२६	१९	४१	१६	२४	२१	क.२०।५५	तुलायामर्कः ४३।३८
९	र	४९	४३	पु	३८	४१	सि	६	४२	तै	१९	५२	२२	२०	४०	१७	२५	२२	कर्के	तुलार्क शौरः १२।४३
१०	चं	४७	१३	श्ले	३८	२५	सा	३/२	५५/२०	व	१८	२८	१८	२०	४०	१८	२६	२३	सिं३८।२६	भ.१८।२८उ.४७।१३या. अनु.शुक्रः२।२
११	मं	४२	४९	म	३६	२८	शु	५२	२६	ब	१४	१	१४	२१	३९	१९	२७	२४	सिंहे	बुधास्तः पूर्वस्यां ०।४७ रमा ११ व्र.
१२	बु	३६	२८	पू	३२	१४	ब्र	४४	४५	कौ	९	३८	१०	२२	३८	२०	२८	२५	कं.४५।५१	+२६।४६ प्रदोष व्र. धन १३
१३	गु	२८	४३	उ	२६	४०	ऐं	३५	३५	ग	२	३५	६	२३	३७	२१	२९	२६	कन्यायां	भ.२८।४३ उ. ५४।२१ या. चित्रा. बुधः+
१४	शु	१९	४०	ह	१९	५४	वै	२५	२४	श	१९	४०	२	२४	३६	२२	३०	२७	तु.४६।७	रूप १४ प्रभातस्नानं महालक्ष्मीपूजनम्
३०	श	१०	४	चि	१२	१९	वि	१४	१४	ना	१०	४	५७/२८	२४	३६	२३	१	२८	तुलायां	स्वात्यांरविः ३५/४० (सौरः ५३/४१) स्वा.१ राहुः×

२७पं.का.कृ.४मं.इ.१६।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१	६	३	६	५
२५	८	८	६	२६	२१	१०	२५
३५	५१	३०	५०	१५	३१	३६	५
६	४	४७	१७	२२	१६	५२	३७
५९	४१	८६	१३/४	७२	४	३	५९
२१	४	४७	ब	५६	३८	११	३१

गोचरग्रहाः

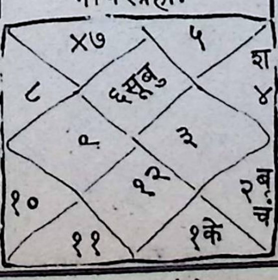

का. कृ. ८ शनौ तुलायामर्कः प्र.वा.३ न. ४ गतात्कावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प. ।

गोचरग्रहाः

२८पं.का.कृ.११मं.इ.१६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	१	७	३	६	६
२	१३	१९	६	४	२२	१०	२
३१	३७	४२	१५	४९	२	१४	३
३४	८	४	२५	५९	२८	३६	६
५९	४१	०/०	२/५	७२	४	३	५९
३४	२०	९/१३	ब	४३	०	११	४६

×मंशुरा **(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)** *मंशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	र	०	१३	स्वा	२४/३	५३/२६	प्री	३३/७	४९/५	ब	०	१३	२७/५४	६/२५	५/३५	२४	२	२९	बृ ४३।४३
२	र	५०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	चं	४२	८	अ	५०	१	सौ	४२	२६	तै	१६	२३	५०	२६	३४	२५	३	१	बृश्चिके
४	मं	३४	३५	ज्ये	४४	२८	शो	३२	८	व	८	२२	४६	२७	३३	२६	४	२	ध.४४।२८
५	बु	२८	५४	मू	४०	३४	अ	२४	४८	ब	१	४४	४२	२८	३२	२७	५	३	धनुषि
६	गु	२४	५६	पू	३८	२६	सु	१८	७	तै	२४	५६	३९	२८	३२	२८	६	४	म.५३।२०
७	शु	२२	५५	उ	३८	४	धृ	१२	५७	व	२२	५९	३५	२९	३१	२९	७	५	मकरे
८	श	२२	५५	श्र	३९	५६	शू	९	१	ब	२२	५५	३१	३०	३०	३०	८	६	मकरे
९	र	२४	३१	ध	४३	१७	गं	६	५८	कौ	२४	३१	२७	३१	२९	३१	९	७	कु.११।३६
१०	चं	२७	४१	श	४८	४	वृ	५	५४	ग	२७	४१	२४	३१	२९	१	१०	८	कुम्भे
११	मं	३२	११	पू	५४	५	ध्रु	६	३२	वि	३२	११	२०	३२	२८	२	११	९	मी३७।३५
१२	बु	३७	३१	उ	५९	५२	व्या	७	१५	ब	४	५१	१६	३३	२७	३	१२	१०	मीने
१३	गु	४३	३०	रे	६०	०	ह	८	५७	कौ	१०	३१	१३	३३	२७	४	१३	११	मीने
१४	शु	४९	४४	रे	८	१	व	१०	५८	ग	१६	३७	९	३४	२६	५	१४	१२	मे. ८।१
१५	श	५६	४	अ	१५	२८	सि	१३	१०	वि	२२	५३	६	३५	२५	६	१५	१३	मेषे

हेमंततृ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२९८ स. १९७६

चन्द्रदर्शनम् भातृ २ यम २

तुलायां बुधः २१।२४ जिल्काद ११

भ. ८।२२ उ. ३४।३५ या.

विशाखा भौमः ३१/४१ स्वात्यां बुधः ५६।६

भ.२२।५९उ.५३/५७या. ज्येष्ठायांशुक्रः१।४३

गोपाष्टमी *तुलसी विवाह

अक्षय ९ कुष्मांड ९

भ. ५९।५६ उ. **नवंबर मा. ११ ता. ३०**

भ. ३२।११ या. प्रबोधिनी ११ व्र. *

+विशाखा. बुधः २९।५

×वैकुण्ठ १४

प्रदोषः

भ. ४९।४४ उ. विशाखा. रविः ४६।३×

भ.२२।५३या. विशाखा. रविः सौरः ११/१०+

२९पं.का.शु.४मं.इ.१६।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१	७	३	६	६
९	१८	१	५	१३	२२	९	९
२९	२६	३३	३२	२०	२८	५२	२
४९	५३	२५	४६	६	१६	२१	२६
५९	४१	७/०	६/२०	७२	३	३	६०
४७	३०	९/३८	व	२५	२६	११	२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ है अग्निभय और धान्य जौ, गेहूँ, आदि तेज रहे। रोग पीड़ा हो।

गोचरग्रहाः

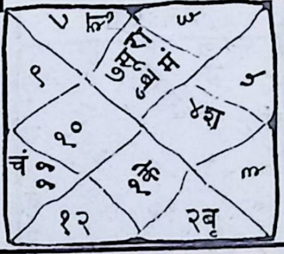

३०पं.का.शु.११मं.इ.१५।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१	७	३	६	६
१६	२३	१३	४	२१	२२	९	१६
२९	१८	१६	४३	५१	४९	३०	३
३८	२५	४८	३७	१८	५९	५	३०
६०	४१	७/०	७/०	७२	२	३	६०
४	५०	९/३७	व	२	३९	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	६०	०	भ	२२	५१	व्य	१५	२९	बा	२९	१३	२७/२	६/३६	५/२४	७	१६	१४	बृ.३९।४३
१	चं	२	२३	कृ	३०	१७	व	१७	३६	कौ	२	२३	२६/५९	३६	२४	८	१७	१५	बृषे
२	मं	८	१६	रो	३७	३	प	१८	२०	ग	८	१६	५६	३७	२३	९	१८	१६	बृषे
३	बु	१३	१६	मृ	४३	८	शि	२०	४६	वि	१३	१६	५३	३७	२३	१०	१९	१७	मि १०।५
४	गु	१७	४३	आ	४८	५	सि	२१	३६	बा	१७	४३	४९	३८	२२	११	२०	१८	मिथुने
५	शु	२०	५५	पु	५२	५४	सा	२१	३१	तै	२०	५५	४६	३९	२१	१२	२१	१९	क.३६।४९
६	श	२३	५	पु	५५	३३	शु	२०	३३	व	२३	५	४३	३९	२१	१३	२२	२०	कर्के
७	र	२३	४४	श्ले	५७	१४	शु	१८	३५	ब	२३	४४	४०	४०	२०	१४	२३	२१	सि५७।१४
८	चं	२२	४२	म	५७	१	ब्र	१५	१७	कौ	२२	४२	३७	४१	१९	१५	२४	२२	सिंहे
९	मं	२०	३	पू	५५	४	ऐं	१०	३७	ग	२०	३	३४	४१	१९	१६	२५	२३	सिंहे
१०	बु	१५	२३	उ	५१	३२	वै	२४/५	५२/५३	वि	१५	२३	३१	४२	१८	१७	२६	२४	कं. ९।११
११	गु	९	२६	ह	४६	५९	प्री	४८	१८	बा	९	२६	२९	४२	१८	१८	२७	२५	कन्यायां
१२	शु	१	५८	चि	४०	२	आ	३९	४३	तै	१	५८	२६	४३	१७	१९	२८	२६	तु.१३।२६
१३	शु	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	श	४३	५८	स्वा	३२	४७	सौ	२८	७	वि	१८	४४	२४	४३	१७	२०	२९	२७	तुलायां
३०	र	३४	१६	वि	२५	२	शो	१७	२३	च	९	७	२१	४४	१६	२१	३०	२८	बृ.११।५८

हेमंततृ रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मूले धनुषि शुक्रः ५८।३३

भ. ४।४६ उ.

भ. १३।१६ या. चतुर्थी व्र.

बृश्चिके भौमः ४८।११

वृश्चिके बुधः ३५/१८ वक्रीकृत्तिका.२ गुरुः ५५/४४

भ. २३।५ उ. ५३।२५ या.

अनु. बुधः ५६।२६

बृश्चिकेऽर्कः ४२।५

भ.४७/४३ उ. बृश्चिकेऽर्कः सौरः ५।२७ अनु.*

भ. १५।२३ या.

उत्पत्ति ११ व्र.

भ. ५३।२९ उ. अनु. रविः ०।२५ (सौरः× ×२३।१५) पूषायांशुक्रः ५८।४ प्रदोषः

भ. १८।४४ या.

*भौमः२९।३० आश्लेषा.३ शनिः२१।३९

३१पं.मा.कृ.२मं.इ.१५।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	१	८	३	६	६
२३	२८	२४	३	०	२३	९	२३
३०	१२	४०	४९	२०	८	७	६
५८	५८	४५	५५	३१	२०	४९	७
६०	४२	७/०	६७/४४	७१	१	३	६०
१७	१७	९/२	व	४२	५९	११	३०

गोचरग्रहाः

मार्ग. कृ. ८ चन्द्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३नं.३ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

३२पं.मा.कृ.९मं.इ.१५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१	८	३	६	७
०	३	५	२	८	२३	८	०
३३	१०	३१	५३	४८	१९	४५	१०
४७	८	१	१७	११	५२	३४	११
६०	४२	९९	५७/२	७१	१	३	६०
३०	१६	२६	व	१८	१८	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १३२७स.१९७६
१	चं	२४	५१	अ	१७	२७	अ	६/१६	४९/३४	ब	२४	५१	२६/१९	६/४४	५/१६	२२	१	२९	वृश्चिके	रा. मार्गशीर्षारंभः
२	मं	१६	२१	ज्ये	१०	३२	धृ	४६	१३	कौ	१६	२१	१६	४५	१५	२३	२	३०	ध.१०।३२	ज्येष्ठायां बुधः १२।११ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	९	४	मू	४	४६	शू	३७	४२	ग	९	४	१३	४५	१५	२४	३	१	धनुषि	भ. ३६।२२ उ. जिल्हेज १२
४	गु	३	४०	पू	३७	५७/५३	गं	३०	३०	वि	३	४०	११	४६	१४	२५	४	२	म.१५।४	भ. ३।४० या.
५	शु	०	१२	श्र	५८	३०	वृ	२५	८	बा	०	१२	८	४६	१४	२६	५	३	मकरे	चम्पा ६
६	शु	५८	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	श	५९	३७	ध	६०	०	ध्रु	२१	१७	ग	२९	१३	६	४७	१३	२७	६	४	कु.२९।३४	भ ५९।३७ उ.
८	र	६०	०	ध	०	३८	व्या	१९	२९	वि	३१	२६	३	४७	१३	२८	७	५	कुम्भे	भ. ३१।२६ या. वक्री शनिः ५।५१
८	चं	२	१४	श	४	२९	ह	१९	५	ब	२	१४	१	४७	१३	२९	८	६	मी५३।३२	+शुक्रः १०।३ **दिसम्बर मा.१२ ता.३१**
९	मं	६	३८	पू	९	५२	व	१९	१४	कौ	६	३८	२५/५९	४८	१२	३०	९	७	मीने	बुधोदयः पश्चिमायां ४०।२०
१०	बु	१२	३	उ	१६	२९	सि	२०	५६	ग	१२	३	५७	४९	११	१	१०	८	मीने	भ. ४५/१८ उ. मूले धनुषि बुधः ५१/२ उषायां+
११	गु	१८	२४	रे	२३	५५	व्य	२३	७	वि	१८	३४	५२	४९	११	२	११	९	मे.२३।५५	भ. ३/४६ या. ज्येष्ठा.रविः ३/१९ (सौरः ३/१९)×
१२	शु	२४	१६	अ	३१	२६	व	२५	२२	बा	२४	१६	५३	४९	११	३	१२	१०	मेषे	मकरे शुक्रः ५२।३७
१३	श	३१	२३	भ	३९	५	प	२७	४३	तै	३१	२३	५१	५०	१०	४	१३	११	बृ.५५।५२	प्रदोषः ×मोक्षदा ११ व्र. गीताजयंती
१४	र	३७	२९	कृ	४६	१३	शि	२९	४०	ग	४	२६	४९	५०	१०	५	१४	१२	बृषे	भ. ३७।२९ उ. ज्येष्ठायां भौमः ०।५०
१५	चं	४३	०	रो	५२	३७	सि	३७	१९	वि	१०	१४	४८	५०	१०	६	१५	१३	बृषे	भ. १०।१४ या. दत्तजयंती

३३पं. मा.शु.२मं.इ.१५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१	८	३	६	७
७	८	१६	१	१७	२३	८	७
३७	९	४५	५७	१२	२६	२३	१५
३७	२२	०	०	४०	१७	१८	२४
६०	४२	९६	७/५२	७०	०	३	६०
४२	२६	५९	व	४७	३६	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है, अनाज मंदा होगा। सुदी में मंगलबार को चंद्रदर्शन होगा। यह तेजीकारक है

गोचरग्रहाः

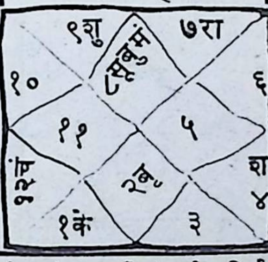

३४पं.मा.शु. ९मं.इ.१५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१	८	३	६	७
१४	१३	२७	१	२५	२३	८	१४
४२	११	२८	१	३५	२७	१	२२
५४	३१	४१	१	४२	०	३	३०
६०	४२	९४	७/३४	७०	१६	३	६१
५०	४६	३७	व	११	व	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४७	२९	मृ	५८	२९	सा	३२	२८	बा	१५	१४	२५/४६	६/५१	५/९	७	१६	१४	मि२५।४२	
२	बु	५१	२३	आ	६०	०	शु	३२	४२	तै	१९	२६	४५	५१	९	८	१७	१५	मिथुने	वक्री कृ. मेषे गुरुः ३८।४८
३	गु	५३	५७	आ	३	२३	शु	३२	१८	व	२२	४०	४४	५१	९	९	१८	१६	क.५१।१६	भ.३२/४० उ.५३/५७ या. वक्रीआश्ले.२ शनिः ५७/६
४	शु	५५	३३	पु	७	१०	ब्र	३१	१३	ब	२४	४५	४२	५२	८	१०	१९	१७	कर्के	पूषायां बुधः ५०।११ चतुर्थी व्र.
५	श	५६	१	पु	१०	२८	ऐं	२९	९	कौ	२५	५०	४१	५२	८	११	२०	१८	कर्के	
६	र	५५	३७	श्ले	११	५३	वै	२६	१६	ग	२५	५२	४०	५२	८	१२	२१	१९	सि११।५३	भ. ५५।३७ श्रवणे शुक्रः २५।५९
७	चं	५३	३२	म	१२	३२	वि	२२	२०	दि	२४	३४	३९	५२	८	१३	२२	२०	सिंहे	भ. २४।२४ या.
८	मं	५०	३७	पू	१२	१२	प्री	१७	२८	बा	२२	४	३८	५२	८	१४	२३	२१	कं.२६।४३	
९	बु	४६	२३	उ	१०	१६	आ	११	३३	तै	१८	२९	३८	५२	८	१५	२४	२२	कन्यायां	मूले धनुष्यर्कः १७।४७ (सौर.३३।५९)
१०	गु	४०	४६	ह	७	१६	सौ	४/५५	५२/८	व	१३	३४	३७	५३	७	१६	२५	२३	तु.३५।५	भ. १३।३४ उ. ४०।४६ या.
११	शु	३४	८	चि	०/५६	५३/३८	अ	४८	९	ब	७	२७	३७	५३	७	१७	२६	२४	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	श	२६	३०	वि	५१	३२	सु	३८	३९	कौ	०	१९	३७	५३	७	१८	२७	२५	वृ.३८।३	प्रदोषः
१३	र	१८	१७	अ	४४	५३	धृ	२८	३४	व	१८	१७	३६	५३	७	१९	२८	२६	वृश्चिके	भ. १८।१७ उ. ४३।५८ या.
१४	चं	९	३९	ज्ये	३८	१७	शू	१८	२९	श	९	३९	३६	५३	७	२०	२९	२७	ध.३८।१७	
३०	मं	१	२४	मू	३२	८	गं	७/४०	५२/७	ना	१	२४	३६	५३	७	२१	३०	२८	धनुषि	उषायां बुधः ४१।६

३५पं. पौ.कृ.१मं.इ.१४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	१	९	३	६	७
२१	१८	८	०	३	२३	७	२१
४८	१५	१७	९	५४	२२	३८	३०
५८	५८	६	३२	७	३४	४७	१६
६०	४२	८९	६/४१	६९	०/५७	३	६१
५६	५४	३९	व	२७	व	११	११

३६पं. पौ.कृ.८मं.इ.१४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	९	३	६	७
२८	२३	१७	२९	१२	२३	७	२८
५५	२२	५२	२५	६	१२	१६	३८
५२	५५	२३	५	११	५	३१	५९
६१	४३	७९	६/४	६८	१/४४	३	६१
०	१३	५५	व	४४	व	११	१९

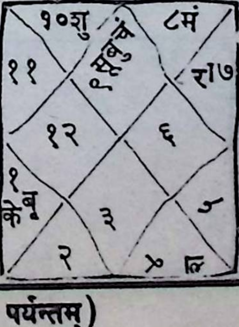

३७पं.पौ.कृ.३०मं इ.१४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	०	९	३	६	८
६	२८	२६	२८	२०	२२	६	५
३	३२	१४	४४	१७	५७	५४	४८
२९	६	१७	४२	२८	११	१६	२४
६१	४३	५७	४/५२	६७	२/१३	३	६१
.४	३१	३२	व	४७	व	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०३३	शाकः	१८९८								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	मं	५२	२२	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बु	४७	३८	पू	२६	५८	ध्रु	५१	३२	बा	२०	१३	३५/३६	५६/५३	६/७	२२	१	२९	म.४१।६
३	गु	४३	४	उ	२३	३२	व्या	४४	४१	तै	१५	२१	३६	५३	७	२३	२	१	मकरे
४	शु	४०	३०	श्र	२१	४६	ह	३९	२१	व	११	४७	३७	५३	७	२४	३	२	कु.५२।१
५	श	४०	२	ध	२२	१६	व	३५	४३	ब	१०	१६	३७	५३	७	२५	४	३	कुंभे
६	र	४१	४०	श	२४	३५	सि	३४	५	कौ	१०	५१	३७	५२	८	२६	५	४	कुम्भे
७	चं	४५	२४	पू	२८	४७	व्य	३३	४५	ग	१३	३२	३८	५२	८	२७	६	५	मी१२।४४
८	मं	५०	२२	उ	३४	३५	व	३४	२२	वि	१७	५३	३८	५२	८	२८	७	६	मीने
९	बु	५६	३२	रे	४१	४०	प	३६	१३	बा	२३	२९	३९	५२	८	२९	८	७	मे.४१।४०
१०	गु	६०	०	अ	४९	८	शि	३८	१३	तै	२९	४५	४०	५२	८	३०	९	८	मेषे
१०	शु	२	५८	भ	५७	२०	सि	४०	३७	ग	२	५८	४१	५२	८	३१	१०	९	मेषे
११	श	९	३५	कृ	६०	०	सा	४२	३७	वि	९	३५	४२	५२	८	१	११	१०	वृ.१४।१
१२	र	१५	३६	कृ	४	८	शु	४४	२५	बा	१५	३६	४३	५१	९	२	१२	११	वृषे
१३	चं	२०	५७	रो	१०	४६	शु	४५	२६	तै	२०	५७	४४	५१	९	३	१३	१२	मि४३।३१
१४	मं	२४	५३	मृ	१६	१७	ब्र	४६	१३	व	२४	५३	४६	५१	९	४	१४	१३	मिथुने
१५	बु	२८	०	आ	२०	३२	ऐं	४४	२३	ब	२८	०	४७	५१	९	५	१५	१४	मिथुने

हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१३५७ स.१९७६

चन्द्रदर्शनम् रा. पौषारंभः
मूले धनुषि भौमः ३३/२० धनिष्ठा. शुक्रः ५६/५३+
भ. ११।४७ उ. ४०।३० या.
चित्रा. ४ राहुः अश्वि. २ केतुः ४३।३६
+मोहोरम १ सन् १३।९७ हि.
भ. ४५।२४ उ.
भ. १७।५३ या. पूषायां रविः २२।४३÷
कुंभे शुक्रः ४९।२३
÷(सौरः ३५।३७) वक्री बुधः १२।२१
भ.३६।१६ उ. पश्चिमास्तो बुधः ४१।४
भ.३५/९या. जनवरी मा. १ता. ३०सन् १९७७*
वक्रीपूषायां बुधः ५७।२४ प्रदोषः
*पुत्रदा ११ व्र.
भ. ५३/२४ उ. २६/५६ या. शते शुक्रः ३९।३३
माघ स्ना. प्रा.

३८पं. पौ.शु.८मं.इ.१४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	०	९	३	६	८
१३	३	२९	२८	२८	२२	६	१२
११	४३	४३	१४	१९	३६	३२	५८
३१	३४	३४	२८	४४	५८	०	१६
६१	४३	१४/०	४/३०	६६	३/१	३	६१
६	३५	व	व	४०	व	११	२६

गोचरग्रहाः

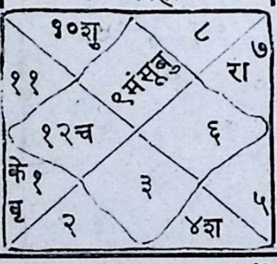

पौष कृ. ९ बुधे धनुष्यर्कः प्र. वा. ३न.४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

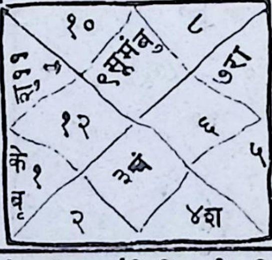

३९पं.पौ.शु.१४मं.इ.१४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	०	१०	३	६	८
२०	८	२४	२७	६	२२	६	२०
१९	५७	४५	५३	१२	१३	९	८
२६	४	४०	३५	३२	८	४५	१३
६१	४३	८९/७	२/२०	६५	३	३	६१
६	५१	व	व	१६	४२	११	२६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०३३	शाकः	१८९८								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	गु	२९	३६	पु	२३	३१	वै	४२	२७	कौ	२९	३६	२५/४७	५६/५१	५/९	६	१६	१५	क.७।५२
२	शु	३०	१०	पु	२४	५३	वि	३९	४३	ग	३०	१०	४९	५०	१०	७	१७	१६	कर्के
३	श	२९	४३	श्ले	२६	४३	प्री	३६	९	वि	२९	४३	५१	५०	१०	८	१८	१७	सिं२६।४३
४	र	२८	१	म	२६	४८	आ	३१	५८	बा	२८	१	५२	५०	१०	९	१९	१८	सिंहे
५	चं	२५	४६	पू	२६	२	सौ	२७	१	तै	२५	४६	५४	४९	११	१०	२०	१९	कं.४०।४०
६	मं	२२	४०	उ	२४	३४	शो	२१	१७	व	२२	४०	५६	४९	११	११	२१	२०	कन्यायां
७	बु	१९	२	ह	२४	१९	अ	१५	१६	ब	१९	२	५८	४८	१२	१२	२२	२१	तु.५०।५८
८	गु	१४	३८	चि	२२	३७	सु	८	३२	कौ	१४	३८	२६/१	४८	१२	१३	२३	२२	तुलायां
९	शु	९	३८	स्वा	१६	११	धृ	२७/५	५३/१	ग	५	३८	३	४७	१३	१४	२४	२३	वृ.५८।०
१०	श	३	४९	वि	११	५६	गं	४५	२६	वि	३	४९	५	४७	१३	१५	२५	२४	वृश्चिके
११	श	५४	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	र	५०	४९	अ	७	१७	वृ	३६	४६	कौ	२४	३८	८	४६	१४	१६	२६	२५	वृश्चिके
१३	चं	४४	७	ज्ये	१४/२	१३/५५	ध्रु	२८	१५	ग	१७	२८	१०	४६	१४	१७	२७	२६	ध.२।१४
१४	मं	३७	३८	पू	५३	०	व्या	१९	५७	वि	१०	५२	१२	४६	१४	१८	२८	२७	धनुषि
३०	बु	३१	५३	उ	४९	३८	ह	१२	७	च	४	४४	१५	४५	१५	१९	२९	२८	म.७।१०

शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

भ. ५९।५५ उ.
भ. २९।४३ या. चतुर्थी व्र.

उषायां रविः २७।२७ (सौरः ३७।४)=
भ. २२।४० उ. ५०।५१ या.
बुधोदयः पूर्वस्याम् ८।३३
मकरेऽर्कः ४३।५१ (सौरः ५२।२३)
भ. ३६।४३ उ.
भ.३।४९या. मार्गीगुरुः२९।१४ षट्तिला+
+११ व्र. स्मा. =पूषायां भौमः २।१
पूभायांशुक्रः ४९।२३ षट्तिला११व्र. वै.
भ.४४।७उ. मार्गीबुधः ५२।१३ प्रदोषः
भ. १०।५२ या.

४०पं.मा.कृ.६मं.इ.१४।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	०	१०	३	६	८
२७	१४	१६	२७	१३	२१	५	२७
२७	१२	२०	४१	५६	२४	४७	१८
४०	५४	२०	५६	१७	३८	२९	५
६१	४३	६४/११	५९	६३	५३	३	६१
६	५६	व	व	६४	व	११	२४

गोचरग्रहाः

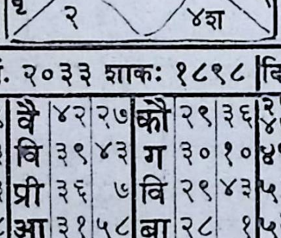

माघ कृ. ८ गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे समर्घता शु. प.।

गोचरग्रहाः

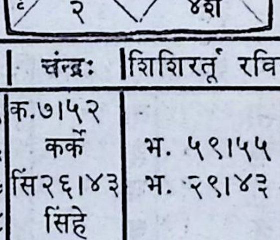

४१पं.मा.कृ.१४मं.इ.१४।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	१०	३	६	९
४	१९	१३	२७	२१	२१	५	४
३५	३१	३२	४१	२७	१४	२५	२७
३१	५	२	१७	५५	१०	१३	३४
६१	४४	३३	३३	६१	१४/६	३	६१
३	१५	मा	मा	४९	ब	११	१९

*चंमं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१३८६स.१९७७
१	गु	२७	२१	श्र	४७	११	व	५/८	५४/४८	ब	२७	२१	२६/१७	६/४५	५/१५	२०	३०	२९	मकरे	अभि. प्र. रविः ५६/३६ (सौरः २३।५१)
२	शु	२४	२२	ध	४६	२३	व्य	५४	५६	कौ	२४	२२	२०	४४	१६	२१	१	३०	कुं.१६।४७	चन्द्रदर्शनम् रा. माघारम्भः
३	श	२३	२७	श	४७	३८	व	५१	४५	ग	२३	२७	२२	४४	१६	२२	२	१	कुंभे	भ.५३।५०उ. सफर २ ●(सौरः ३९/४८)
४	र	२४	१४	पू	५०	५३	ध	५०	३१	वि	२४	१४	२५	४३	१७	२३	३	२	मी३५।४	भ. २४।१४ या. श्रवणे रविः ३२।५९●
५	चं	२७	१	उ	५५	४१	शि	५०	११	बा	२७	४	२७	४३	१७	२४	४	३	मीने	अभि. नि. रविः ३५/२८ (सौरः ३३/४) वसन्त ५
६	मं	३१	२०	रे	६०	०	सि	५१	१७	तै	३१	२०	३०	४२	१८	२५	५	४	मीने	भौमोदयः ४०।४९
७	बु	३७	१	रे	२	५	सा	५२	२	ग	४	१३	३३	४१	१९	२६	६	५	मे. २।५	भ. ३७।१ उ. मीने शुक्रः ३५।१४ भानु ७
८	गु	४३	२०	अ	८	२८	शु	५५	१७	वि	१०	१३	३८	४१	१९	२७	७	६	मेषे	भ.१/३या. उषायां भौमः ४२/२ भीष्माष्टमी
९	शु	४९	५१	भ	१५	३७	शु	५७	२५	बा	१६	३५	३९	४०	२०	२८	८	७	वृ.३२।४२	पातस्पर्शः ५४।२४
१०	श	५५	७	कृ	२०	५९	ब्र	५९	२४	तै	२२	२९	४२	४०	२०	२९	९	८	वृषे	उभायां शुक्रः ४९।२१ पातमोक्षः ४४।४२
११	र	६०	०	रो	३०	५९	ऐं	६०	०	व	२८	१६	४६	३९	२१	३०	१०	९	वृषे	भ. २८।१६ उ. जया ११ व्र. स्मा.
११	चं	१	२५	मृ	३६	४०	ऐं	०	३४	वि	१	२५	४९	३८	२२	३१	११	१०	मि३।५०	भ.१/२५या. मकरे भौमः ५९/३६ जया११ व्र. वै.
१२	मं	५	१८	आ	४०	५८	वै	०/४७	५६/५४	बा	५	१८	५२	३८	२२	१	१२	११	मिथुने	फरवरी मां. २ ता. २८ प्रदोषः
१३	बु	७	५६	पु	४३	५२	प्री	५७	२५	तै	७	५६	५५	३७	२३	२	१३	१२	क.२८।८	वक्री आश्लेषा. १ शनिः ४०।५३
१४	गु	८	४३	पु	४५	११	आ	५४	८	व	८	४३	५९	३६	२४	३	१४	१३	कर्के	भ. ८।४३ उ. ३८।२६ या.
१५	शु	८	१०	श्ले	४५	८	सौ	४९	४३	व	८	१०	२७/२	३६	२४	४	१५	१४	सि४५।८	उषायां बुधः ३२/३९ माघ स्नान समाप्तिः

४२पं. मा.शु.६मं.इ.१४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	१०	३	१	९
११	२४	१७	२७	२८	२०	५	११
४२	५०	९	५०	४०	४०	२	३६
५८	२३	४७	२०	१	५५	५८	२५
६०	४४	४३	१	५९	१/४	३	६१
५९	३५	१०	४६	१७	व	११	१३

गोचरग्रहाः

मकरे च स्थिते भौमे घृत तेल महघंता । सुभिक्षं सर्व धान्यानां लोकानां दुःख पीडनम् ।।

गोचरग्रहाः

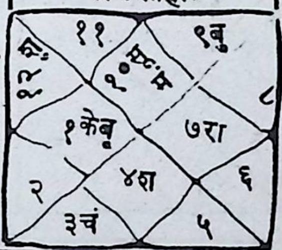

४३पं.मा.शु.१२मं.इ.१४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	०	११	३	६	९
१८	०	२३	२८	५	२०	३	१८
४९	११	५	९	३५	६	४०	[illegible]
२६	२	४९	३७	२४	५८	३२	२७
६०	४४	६४	३	५६	४/०	३	६१
५५	४१	५१	१५	०	व	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	६	१७	म	४४	४	शो	४४	२०	कौ	६	१७	२७/६	६/३५	५/२५	५	१६	१५	सिंहे	धनिष्ठा. रविः ४१।२० (सौरः४५।३९)
२	र	३	३४	पू	४२	१	अ	३८	२५	ग	३	३४	९	३४	२६	६	१७	१६	कं.५६।२३	भ.३१।३८उ.५९।४२या. मकरे बुधः ७/३५
३	र	५६	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	चं	५४	५५	उ	३९	१७	सु	३१	५७	ब	२७	१३	१३	३३	२७	७	१८	१७	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	मं	५०	२३	ह	३६	३८	धृ	२५	१४	कौ	२२	३९	१६	३३	२७	८	१९	१८	कन्यायां	
६	बु	४५	३२	चि	३३	२९	शू	१८	१४	ग	१७	५७	२०	३२	२८	९	२०	१९	तु. ५।४	भ. ४५।३२ उ.
७	गु	४०	३९	स्वा	३०	१२	गं	११	१३	वि	१३	५	२४	३१	२९	१०	२१	२०	तुलायां	भ. १३।५ या. पात स्पर्शः १७/५२ मोक्षः ३७/१७
८	शु	३५	४७	वि	२६	५५	वृ	४/१	५२/५४	बा	८	१३	२७	३१	२९	११	२२	२१	वृ.१२।४४	
९	श	३०	३७	अ	२३	३७	व्या	४९	३४	तै	२	१२	३१	३०	३०	१२	२३	२२	वृश्चिके	भ. ५८।२ उ. कुंभेऽर्कः १६।३५ सौरः १९/३६
१०	र	२५	२७	ज्ये	२०	१३	ह	४२	३५	वि	२५	२७	३५	२९	३१	१३	२४	२३	ध.२०।१३	भ. २५/२७ या. श्रवणे भौमः ५८/२५ श्रवणे●
११	चं	२०	३१	मू	१७	१	व	३५	३९	बा	२०	३१	३८	२८	३२	१४	२५	२४	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	मं	१५	४८	पू	१४	१	सि	३०	८	तै	१५	४८	४२	२८	३२	१५	२६	२५	म.२८।३२	प्रदोषः
१३	बु	११	४३	उ	११	५०	व्य	२३	१	व	११	४३	४६	२७	३३	१६	२७	२६	मकरे	भ. ११/४३ उ. ३९।५८ या. महाशिवरात्री व्र.
१४	गु	८	१४	श्र	१०	१४	व	१७	४३	श	८	१४	५०	२६	३४	१७	२८	२७	कु.४०।२	●बुधश्च ३१/३५ रेवत्यां शुक्रः ४१।३५
३०	शु	६	७	ध	९	५०	प	१२	२६	ना	६	७	५४	२५	३५	१८	२९	२८	कुम्भे	शते रविः ५२।५६ सौरः ५४।५८

४४पं.फा.कृ.५मं.इ.१४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	०	११	३	६	९
२५	५	२	२८	१२	१९	४	२५
५५	३३	४७	३७	१	३२	१८	५१
१६	५०	५६	४४	१२	१७	२७	४१
६०	४४	७८	४	५१	४	३	६०
४७	४७	३७	२६	४४	४०	११	५५

गोचरग्रहाः

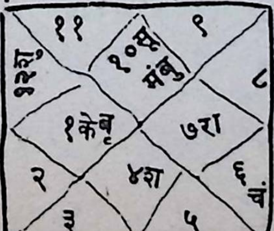

फा. कृ. ९ शनौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

४५पं.फा.कृ.१२मं.इ.१४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	०	११	३	६	१०
३	१०	१२	२९	१७	१८	३	२
०	५७	३४	१४	५२	५८	५६	५७
४	१४	१२	४६	१२	५५	११	१७
६०	४४	८९	५	४६	२/५	३	६०
३७	५७	३७	३८	२८	व	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	श	५	१९	श	१०	५०	शि	१०	१६	ब	५	१९	२७/५८	६/२४	५/३६	१९	३०	२९	मी५७।५
२	र	६	१	पू	१३	२९	श्वि	८	४१	कौ	६	१	२६/२	२४	३६	२०	१	१	मीने
३	चं	८	३३	उ	१७	३७	सा	७	४५	ग	१८	३३	६	२२	३७	२१	२	२	मीने
४	मं	१२	२८	रे	२३	११	शु	८	२	वि	१२	२८	१०	२२	३८	२२	३	३	मे.२३।११
५	बु	१७	५०	अ	२९	४६	शु	९	३३	बा	१७	५०	१४	२१	३९	२३	४	४	मेषे
६	गु	२३	४३	भ	३७	१०	ब्र	११	३२	तै	२३	४३	१८	२०	४०	२४	५	५	बृ.५४।४
७	शु	३०	७	कृ	४४	४३	ऐं	१३	५६	व	३०	७	२२	२०	४०	२५	६	६	बृषे
८	श	३६	३१	रो	५२	९	वै	१५	५९	वि	३	१९	२६	१९	४१	२६	७	७	बृषे
९	र	४२	२	मृ	५८	३३	वि	१६	४६	श्रा	९	१६	३०	१८	४२	२७	८	८	मि२५।२१
१०	चं	४६	२०	श्रा	६०	०	प्री	१८	२९	तै	१९	१६	३४	१७	४३	२८	९	९	मिथुने
११	मं	४९	२२	श्रा	३	२४	श्रा	१८	९	व	१७	४८	३८	१६	४४	१	१०	१०	क.५१।०
१२	बु	५०	१	पु	६	५२	सौ	१६	२८	वि	१९	३८	४२	१६	४४	२	११	११	कर्के
१३	गु	४९	६	पु	८	२३	शो	१३	१०	कौ	१९	३४	४६	१५	४५	३	१२	१२	कर्के
१४	शु	४६	१३	श्ले	८	१२	अ	८	३२	ग	१७	४०	५०	१४	४६	४	१३	१३	सिं८।१३
१५	श	४१	५६	म	७	१८	शु	२/३	५३/५	वि	१४	४	५४	१३	४७	५	१४	१४	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽह्र्गणः १४१६स.१९७७

चन्द्रदर्शनम्
रा.फाल्गुनारंभः फुलरिया २ रविलावल ३
भ. ४०।३० उ.
भ. १२/२८ या. धनिष्ठा. बुधः १९/२४ कृत्ति. २*
*वृषे गुरुः ९।१ पातस्पर्शः २९/० मोक्षः ४६/४४

भ. ३०।७ उ.
भ. ३/१९ या. कुंभे बुधः ३५/२१ चित्रायां ३×
×राहुः अश्वि. १ केतुः ३/१८ होलाष्टकः
पूर्वास्तं बुधः २७।३१
भ. १७/४८ उ. ४९/२२ या. मार्च मा. ३ ता. ३१+
शते बुधः २२।१४ +आमलकी ११ व्र.
धनिष्ठा. भौमः १६।३४ प्रदोषः
भ. ४६/१३ उ. पूभायां रविः ९/१ (सौरः ४५/१)
भ. १४।४ या. होलिकादहनं सायंकाले

४६पं.फा.शु.४मं.इ.१५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	१	११	३	६	१०
१०	१६	२३	०	२२	१८	३	१०
३	२२	१२	०	५९	२७	३३	२
३२	२६	५४	४०	२४	५८	५५	५४
६०	४५	९८	६	३९	४/८	३	६०
२५	२	१७	३८	२६	व	११	३१

गोचरग्रहाः

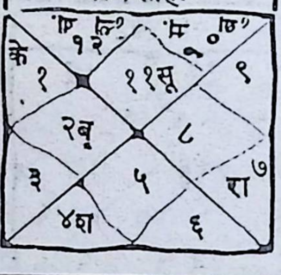

इस मासमें ५ शनि एवं शनिवारी होली श्रेष्ठ नहीं है धान्य जो गेहूं चावल मूंग मोठ बाजरा तिल तैल घृत तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

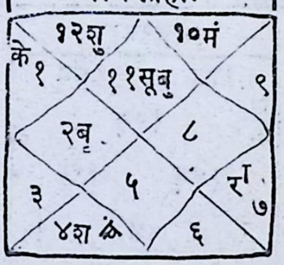

४७पं.फा.शु.११मं.इ.१५।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१	११	३	६	१०
१७	२१	४	७	२७	१७	३	१७
५	४८	४२	५२	३	५८	११	४
४६	४०	७	५२	५८	१९	४०	३०
६०	४५	५/०	७	३०	५/३	३	६०
१२	१३	४/८	४३	४	व	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०३३ शाकः १८९८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	र	३६	३८	पू	३/२८	५५/३८	शू	४८	०	बा	९	१६	२८/५८	६/१२	५/४८	६	१५	१५	कं.१७।२०
२	चं	३०	२३	ह	५४	२७	गं	३९	४९	तै	३	३०	२/९	१२	४८	७	१६	१६	कन्यायां
३	मं	२३	५५	चि	४९	४	वृ	३१	३८	वि	२३	५५	६	११	४९	८	१७	१७	तु.२२।४
४	बु	१७	१६	स्वा	४५	३	ध्रु	२३	१७	बा	१७	१६	१०	१०	५०	९	१८	१८	तुलायां
५	गु	११	५	वि	४०	५३	व्या	१५	१८	तै	११	५	१४	९	५१	१०	१९	१९	वृ.२६।५४
६	शु	५	१६	अ	३७	१५	ह	७	४३	व	५	१६	१९	८	५२	११	२०	२०	बृश्चिके
७	शु	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	श	५५	०	ज्ये	३४	३	व	३४/०	५३/१६	बा	२७	२६	२३	७	५३	१२	२१	२१	ध.३४।३
९	र	५०	५६	मू	३१	३०	व्य	४७	४९	तै	२२	५८	२७	७	५३	१३	२२	२२	धनुषि
१०	चं	४७	२२	पू	२९	४७	व	४२	१७	व	१९	९	३२	६	५४	१४	२३	२३	म.४४।३१
११	मं	४४	४३	उ	२८	४३	प	३७	२२	ब	१६	२	३६	५	५५	१५	२४	२४	मकरे
१२	बु	४२	५१	श्र	२८	२८	शि	३३	०	कौ	१३	४७	४०	४	५६	१६	२५	२५	कुं.५८।४०
१३	गु	४१	५५	ध	२९	३	सि	२९	४६	ग	१२	२३	४४	३	५७	१७	२६	२६	कुम्भे
१४	शु	४१	५६	श	३०	४९	सा	२७	१५	वि	११	५५	४९	२	५८	१८	२७	२७	कुंभे
३०	श	४३	३२	पू	३३	४५	शु	२५	५४	च	१२	१३	५३	१	५९	१९	२८	२८	मी१८।०

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

छारेंडी वसंत १
भ. ५७/९ उ. पात स्पर्शः १९/४९ पातमोक्षः ३२/४९
भ. २३/५५ या. अश्वि. मेषे शुक्रः २४/५२ च. व्र.
पूभायां बुधः ५१।४३

भ. ५/१६ उ. ३२/३४ या. कुम्भे भौमः ४३/३२ शीतला८

*कृत्तिका. ३ गुरुः २२।२४ प्रदोषः

भ. १९/९ उ. ४७/२२ या. मीनेऽर्कः ५९/८ (सौरः १०/५)
मीने बुधः १०।४० पापमोचनी ११ व्र.
उभायां बुधः ५१।५३ वक्री शुक्रः ३।३३
भ. ४१/५५ उ. उभायां रविः ३१/२ (सौरः ३०/४१)*
भ. ११।५५ या.
मन्वादिः

४८पं. चै.कृ.३मं.इ.१५।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१	११	३	६	१०
२४	२७	१७	१	२९	१७	२	२४
६	१४	०	५३	५७	३१	४९	६
२९	५३	७	१७	१४	३७	२४	३०
५९	३५	१/८	८	१८	१/३	३	६०
५८	२८	३/३	४३	४	व	११	६

गोचरग्रहाः

चैत्र.कृ. १० चंद्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न.४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

४९पं.चै.कृ.११मं.इ.१६।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१	०	३	६	११
१	२	०	२	१	१७	२	१
५	४१	१०	५९	७	१०	२७	६
४२	४०	३४	५३	५२	२६	९	२
५९	४५	७/१	९	२	३/३	३	५९
४२	३९	६/२	३३	५०	व	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्री गणेशायनमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७८ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७८ भोग्यकलिः ४२६९२२ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३४ शाकः १८९९ वर्षेऽस्मिन् राजा रविः । मंत्री बुधः । सस्येशो शनिः । धान्येशो गुरुः । मेघेशोभौमः । रसेशो रविः । नीरसेशश्शुक्रः । फलेशोभौमः । धनेशोशुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ४ प्रमोद नाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत–मासादिः ६।२५।५५।११ भोग्यमासादिः ५।४।४।४९ । विष्णुदैवतंयुगम् । वर्षनाम कार्तिकः । मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहनमश्वः । स्तम्भाऽभावः । सोमवत्यमा. २ सोमवती पंचमी ३ । अंगारकी चतुर्थी२ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३८४ । तिथिक्षयः १९ । तिथिवृद्धिः १३ । उत्पत्तिविश्वा ९९ । खपतिविश्वा ९३। वर्षाविश्वा १७ । धान्यम्११। तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेज ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ११ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणम् १ चन्द्रमसः ।

सं. २०३४ शाके १८९९ फाल्गुन शु. १५ शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	३३	३६	३८	४०	४२
मध्य.	पल	५५	३६	२७	१८	५९
रेल्वे	घं.	८	९	९	१०	११
टाइम	मि.	१	५	५०	३४	३९

वर्ष लग्नम् ७।१७

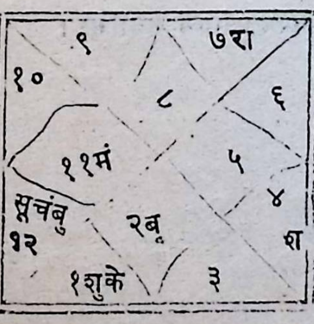

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जय माता अम्बिका बंदो बारम्बार ।
हाथ जोड़ पूछूँ तुझे चौंतीसा का सार ।।

भवानी उत्तर

चौंतीसा चारूं दिशा संचय करो सब कोय ।
फलपति मंगल होण से लाभ सवाया होय ।।
रोहिणी वासो सिंधु में संवत् मालाकार ।
धान्यपति गुरुदेव हैं होवे जय जयकार ।।
राजा रवि मेघेश कुज, पापी क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे, बिच २ खेले दाव ।।
श्रावण अरु आषाढ़ में वर्षा होय समान ।
भाद्रव कुज गुरु योग से होसी खेंचा तान ।।
पण भैरव भय मत करे रक्षक जगदाधार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत का सार ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	२
खर्च	१४	५	२	२	११	१४

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ६।७

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३१।२५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा रविः फलम्–सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गोषु जनषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्प वृक्षाश्चौराग्निवाधा निधनं नृपाणाम् ।। मन्त्री बुधस्तत्फलम्–शशिसुते शुभमंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारिसमन्वितं यवमसूरचणान्न महर्घता ।। सस्येशश्शनिः फलम्–रविसुते यदि धान्यपतौ जना नृपतिभिः परिपीड़ितविग्रहाः । गदभयं तुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः ।। धान्येशो गुरुः फलम्–गुरौ धान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वं देशेषु यज्वानो ब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम्–अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीनधरानराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहु तोयदम् ।। रसेशो रविः फलम्–रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरसभागरताल्पपयोधरा । वसनतैलघृतप्रिय मानवाः सुखरसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम्–कर्पूरागरुगन्धानां हेममौक्तिकवाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरशेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमस्तत्फलम्–फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहुपुष्पफलान्वितपादपाः । गदभयान्वित देशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्–द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधना सकल ननु मानवाः । समसुखाः क्रयविक्रयजीविनोनृपतयो जनपालनतत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम्–अवनिजो गढ़नायकतां गतो विविधदुःखवियोगसमन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। प्रमोद नाम संवत्सरः फलम्–प्रमोदाब्दे प्रमोदन्ते राजानो निखिला जनाः । वीतरोगा वीतभया ईतिवैरिविवर्जिताः ।। वर्षनामकार्तिकः फलम्––पापबुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यञ्च तस्करैर्हृतम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम्–संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम्––समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकारगृहे फलम्––मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०३४ शाके १८९९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

शुक्ले ३ गुरौ रोहि. ल. ८ रे. ९ ।।ऽगु।।।।।। चं. गु. ७ पू.
„ ५ शनौ मृगे ल. अन्यगो.सोग्रांगः रे.८ ।।।।।ऽऽ।।
„ ९ गुरौ मघा. ल. गो. ८ रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः वृश्चिके गु. ७ पूज्यः
„ ११ शनौ उफा.ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ९ ।।।।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ३ शुक्रे मूले ल. गो. ८ रे. ८ ।।।।नृऽ।ऽ।। वृश्चिके गुरु ७ पूज्यः
„ ६ रवौ उषा.ल. अन्यगो. ७ रे.६ ऽऽ।।चौ.।।।ऽऽ दग्धा-दोषः आवश्यके
„ ११ शुक्रे उभा. ल. ८ रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।। गु. ७ पूज्यः
शुक्ले १ गुरौ रोहि. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।ऽवृ।।ऽनृ।।।
„ १ गुरौ मृगे ल. १ रे. ९ ।।।।।ऽ।।

आषाढ़ मासः

शुक्ले ५ भौमे मघा. ल. अन्यगो २ रे. ६ ऽऽ।।चौ।ऽ।। वृषे-पाताऽभावः रेखा ७
„ ७ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो २ रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा.
„ १० रवौ स्वा. ल. गो. २ रे. ८ ।।।।ऽअ.।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ले २ चंद्रे उषा. ल. ७ रे. ८ ।।।।ऽअ.।।।। भौ. १० पूज्यः
„ ३ भौमे उषा. ल. अन्यगो. रे. ९ ऽ।।।।।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णे १ शुक्रे उफा. ल. ७ रे. ८ ।।।।ऽऽअ.।।।।
„ ७ बुधे अनु. ल. अन्यगो. ७ रे. ६ ऽ।।।।ऽरो.ऽऽ।।
„ ११ रवौ उषा. ल. ७ रे. ६ ऽ।।ऽबृऽ।।ऽ।। पादवेधात्-गुरोर्वेधाऽभावः आवश्यके

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	४६	१६	उ	३७	५०	शु	२४	१८	किं	१४	४९	२९/५७	६/६	५/५९	२०	२९	२९	मीने
२	चं	५०	१४	रे	४३	१५	ब्र	२५	१३	बा	१८	१५	३/१	० ०	६ ० ०	२१	३०	३०	मे.४३।१५
३	मं	५५	३२	अ	४९	३८	ऐं	२६	४३	तै	२२	५३	६	५९	१	२२	१	१	मेषे
४	बु	६०	०	भ	५६	४८	वै	२८	१८	व	२८	१४	१०	५८	२	२३	२	२	मेषे
४	गु	०	५६	कृ	६०	०	वि	३०	३८	वि	०	५६	१४	५७	३	२४	३	३	वृ.१३।५१
५	शु	७	३९	कृ	४	२३	प्री	३३	९	बा	७	३९	१८	५६	४	२५	४	४	वृषे
६	श	१४	८	रो	११	५६	आ	३५	२६	तै	१४	८	२३	५५	५	२६	५	५	मि४४।३१
७	र	२०	७	मृ	१८	१	सौ	३६	५६	व	२०	७	२७	५५	५	२७	६	६	मिथुने
८	चं	२४	५२	आ	२५	४	शो	३७	३७	ब	२४	५२	३१	५४	६	२८	७	७	मिथुने
९	मं	२८	१९	पु	३०	८	अ	३६	५५	कौ	२८	१३	३५	५३	७	२९	८	८	क.१३।५२
१०	बु	२९	५५	पु	३२	२०	सु	३४	४२	ग	२९	५५	३९	५२	८	३०	९	९	कर्के
११	गु	२९	३५	श्ले	३३	४	धृ	३०	५५	वि	२९	३५	४४	५१	९	३१	१०	१०	सिं३३।४
१२	शु	२७	०	म	३१	४९	शू	२५	४०	बा	२७	०	४८	५०	१०	१	११	११	सिंहे
१३	श	२२	३९	पू	२८	३५	गं	१७	४५	तै	२२	३९	५२	५०	१०	२	१२	१२	कं.४३।१४
१४	र	१६	२९	उ	२४	११	वृ	१०	४०	व	१६	२९	५६	४९	११	३	१३	१३	कन्यायां
१५	चं	८	५९	ह	१८	१८	ध्रु	३/७	५९/२१	ब	८	५९	३१/०	४८	१२	४	१४	१४	तु.४५।५

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १४४५स.१९७७

शते भौमः १९/८ संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
चन्द्रदर्शनम् सिधारा
रा. चैत्रारंभः मत्स्य जयंती गणगौरी*
भ. ३८/१४ उ. रेवत्यां बुधः ३४/११ वक्री रेवत्यां×
भ. ०।५६ या. ×मीने शुक्रः ५४।२३
*रविलाखर ४
=९।० हनुमज्जयंती
भ. २०।७ उ. ५२।३० या.
१/२ (सौरः ५९/६) अश्वि. मेषे बुधः १५।२+
बुधोदयः पश्चिमायां ६।३९ रामनवमी
भ. ५९।४५ उ. रेवत्यां रविः ५८।४५ १/२
भ. २९।३५ या. कामदा ११ व्रतम्
अप्रेल मा. ४ ता. ३० प्रदोषः व्रतम्
+वक्री पुष्ये ४ शनिः ५।१
भ. १६।२९ उ. ४२।४४ या.
कृत्ति. ४ गुरुः ३७/३८ शक्रास्तः पश्चिमायां=

५०पं. चै.शु.३मं.इ.१६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१	०	३	६	११
८	८	१४	४	०	१६	२	८
३	८	३	११	१९	५३	४	३
१८	५६	५०	३१	१६	३८	५३	४०
५९	४५	०/४	१०	१३/८	२/०	३	५९
२९	३५	२५	१७	ब	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

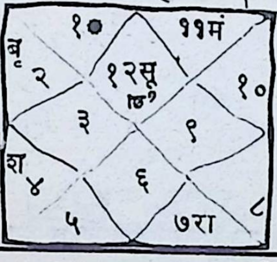

चैत पाछले पाख
नौ दिन बीज
लखोई राख ।
आढे नवमी निरत
कर जोय, जहां
चमके तहां दुर्भिक्ष
होय ।।

गोचरग्रहाः

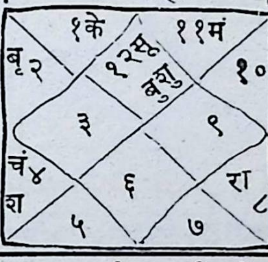

५१पं.चै.शु. ९मं.इ.१६।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	१	११	३	६	११
१४	१३	२८	५	२७	१६	१	१४
५९	३६	८	२७	३७	४१	४२	५९
१३	१८	३१	५०	१२	६	३७	४६
५९	४५	३०/८	१०	२८/५९	१/२२	३	५९
१६	४४	३४	५६	ब	ब	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	०	५८	चि	११	५२	ह	४२	१७	कौ	०	५८	३१/४	५/४७	१ ६/३	५	१५	१५	तुलायां
२	मं	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	बु	४४	२०	स्वा	२७	५/४४	व	३२	४६	व	१८	२४	८	४७	१३	६	१६	१६	वृ.४५।०
४	गु	३६	१७	अ	५३	४३	सि	२३	३४	ब	१०	१८	१२	४६	१४	७	१७	१७	वृश्चिके
५	शु	२९	१६	ज्ये	४९	७	व्य	१५	५	कौ	२	४६	१६	४५	१५	८	१८	१८	ध.४९।७
६	श	२३	१७	मू	४५	३५	व	१	१९	व	२३	१७	२०	४४	१६	९	१९	१९	धनुषि
७	र	१७	३२	पू	४३	२०	प	२९/०	५४/२०	ब	१७	३२	२४	४३	१७	१०	२०	२०	म.५८।६
८	चं	१४	५६	उ	४२	२६	सि	३०	८	कौ	१४	५६	२८	४२	१८	११	२१	२१	मकरे
९	मं	१२	३६	श्र	४२	२६	सा	२६	३७	ग	१२	३६	३२	४२	१८	१२	२२	२२	मकरे
१०	बु	११	२८	ध	४४	१	शु	२३	७	वि	११	२८	३६	४१	१९	१३	२३	२३	कु.१३।१३
११	गु	११	३५	श	४६	४०	शु	१९	३६	बा	११	३५	४०	४०	२०	१४	२४	२४	कुम्भे
१२	शु	१२	५४	पू	५०	३६	ब्र	४१	९	तै	१२	५४	४३	३९	२१	१५	२५	२५	मी३४।२९
१३	श	१५	१५	उ	५४	५	ऐं	४१	१६	व	१५	१५	४७	३९	२१	१६	२६	२६	मीने
१४	र	१८	४५	रे	६०	०	वै	४१	४७	श	१८	४५	५१	३८	२२	१७	२७	२७	मीने
३०	चं	२३	१२	रे	०	४३	वि	४३	१६	ना	२३	१२	५५	३७	२३	१८	२८	२८	मे.०।४३

वसन्तर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. १८।२४ उ. ४४/२० या. पूभायां भौमः ३२/१४
भरण्यां बुधः २६।१० चतुर्थी व्र.
शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २७।०
भ. २३।१७ उ. ५०।२५ या.
मार्गी शनिः १२।४९
भ. ४२।२ उ.
भ. ११।२८ या. अश्वि. मेषेऽर्कः ३२।४९*
वरूथिनी ११ व्र.
प्रदोषः *(सौरः ३२।४३)
भ. १५।१५ उ. ४७।०या. वक्री उभायां×
सोमवती ३० ×शुक्रः ५९।८

५२पं. वै.कृ.१मं.इ. १७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	१	११	३	६	११
२१	१९	१०	६	२३	१६	१	२१
५३	२	३	४९	३१	३३	२०	५३
३१	५३	४७	३०	४८	५०	२२	५७
५९	४५	९१	११	३६/१८	३०	३	५९
४४	१	१८	३२	ब	ब	११	४

गोचरग्रहाः

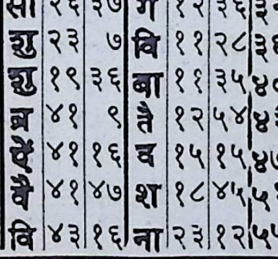

वैशा.कृ. १० बुधे
मेषेऽर्कः प्र. वा.३
न.४ बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्यादिभावे स-
मता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

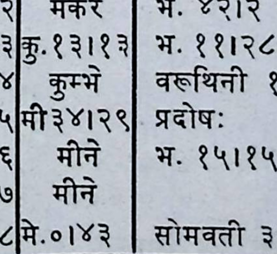

१पं. वै.कृ.१०बु.इ.३२।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	१	११	३	६	०
०	२५	१८	८	१८	१६	०	०
०	२७	५७	२९	३९	३०	५४	०
०	७	२५	४९	४०	५०	१४	७
५८	४५	३४	१२	२९/५५	१५	३	५८
४४	१	२५	१३	ब	मा	११	४५

*चंशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः १४७५स.१९७७
१	मं	२८	३५	अ	७	१०	प्री	४५	५६	ब	२८	३५	३१/५८	५/३६	६/२४	१९	२९	२९	मेषे	मांने भौमः ३६/२ वक्रीबुधः ११/४६ चन्द्र द. संभ.
२	बु	३४	२९	भ	१४	१४	आ	४७	२०	बा	१	३१	३/२	३६	२४	२०	३०	१	बृ.३१।११	रोहिणी. १ गुरुः ४१/४५ जमादिलावल ५
३	गु	४०	४५	कृ	२२	०	सौ	४९	४०	तै	७	३६	६	३५	२५	२१	१	२	बृषे	बुधास्तः पश्चिमायां ४४/३२ रा.वैशाखारंभः*
४	शु	४७	१०	रो	२९	३१	शो	५२	७	व	१३	५८	१०	३४	२६	२२	२	३	बृषे	भ. १३/५८ उ. ४७/१० या. *अक्षया ३ परशु.जय.
५	श	५३	२२	मृ	३६	५८	अ	५४	२७	ब	२०	१६	१४	३३	२७	२३	३	४	मि३।१४	उभायां भौमः ४८।३७
६	र	५८	२१	आ	४३	४४	सु	५५	४४	कौ	२५	५१	१७	३३	२७	२४	४	५	मिथुने	आश्लेषा. १ शनिः ७।५७
७	चं	६०	०	पु	४९	२१	धृ	५६	१४	ग	३०	२८	२१	३२	२८	२५	५	६	क.३२।५६	
७	मं	२	३६	पु	५३	३०	शू	५५	२६	व	२	५६	२५	३१	२९	२६	६	७	कर्के	भ.५२/६ उ.३३/४९ या. पात स्पर्शः २६/२३ मोक्षः ४७/३२
८	बु	५	१	श्ले	५५	४४	गं	५३	१४	ब	५	१	२९	३०	३०	२७	७	८	सिं५५।४४	भरण्यां रविः १३/६ (सौरः १४/१ मार्गी शुक्रः ९/१
९	गु	५	४९	म	५६	७	वृ	५९	२२	कौ	५	४९	३२	३०	३०	२८	८	९	सिंहे	
१०	शु	४	३४	पू	५५	३५	ध्रु	४३	५१	ग	४	३४	३६	२९	३१	२९	९	१०	सिंहे	भ. ३२।५३ उ. मोहिनी ११ व्र. स्मा.
११	श	१	१२	उ	५०	५६	व्या	३६	५०	वि	१	१२	४०	२८	३२	३०	१०	११	कं.९।१२	भ.११/२ या. चि.२ कन्या. राहुः रे. ४ मीने+
१२	श	५४	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+केतुः ३६/१२ मोहिनी ११ व्र. वै.
१३	र	४८	३०	ह	४५	३५	ह	२८	१३	कौ	२२	७	४३	२७	३३	१	११	१२	कन्यायां	मई मा. ५ ता. ३१ प्रदोषः
१४	चं	४०	१	चि	३८	५३	व	१८	१४	ग	१४	१६	४७	२७	३३	२	१२	१३	तु.१२।१४	भ. ४०।१ उ. नृसिंह जयंती
१५	मं	३०	२५	स्वा	३०	४४	सि	८/१६	४६/२८	वि	५	१८	५१	२६	३४	३	१३	१४	तुलायां	भ. ५।१८ या. यमाय जलान्नकुंभदानम्

२पं. वै.शु.२ बृ.इ.३३।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	६	०
६	०	२१	९	१५	१६	०	६
५०	५१	१०	५८	४२	३६	३१	५०
४२	७	१२	१२	५८	१८	५८	१८
५८	४५	८/१६	१२	१५/५८	१	३	५८
३१	४६	ब	३१	ब	२	११	२९

गोचरग्रहाः

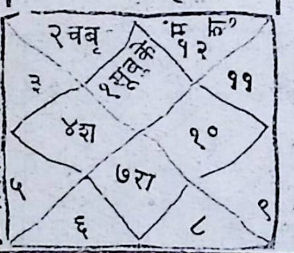

इस मासमें सोमवती अमा. धान्य में मंदीकारक है सोना चांदी गुड़ अलसी सरसोंतिल तैल सुदी में तेज हो ।

गोचरग्रहाः

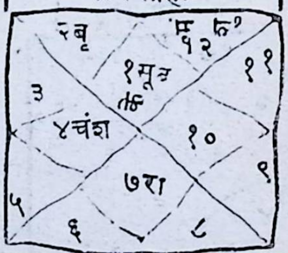

३पं. वै.शु. ८ बृ.इ.३३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	६	०
१३	६	१८	११	१४	१६	०	१३
३९	१७	३९	२९	५१	४५	९	३८
४३	१०	२५	२८	३२	२९	४२	४३
५८	४५	३५/२८	१२	०/५९	१	३	५८
१९	४१	ब	५५	मा	४२	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे वैशखाकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२०	५०	वि	२३	५४	व	४६	५१	कौ	२०	५०	३२/५४	५/२५	६/३५	४	१४	१५	बृ.१०।३७	
२	गु	११	१६	अ	१६	२७	प	३६	३७	ग	११	१६	५७	२५	३५	५	१५	१६	वृश्चिके	भ. ३६/४५ उ. रोहिणी. २ गुरुः ५०।११
३	शु	२	१४	ज्ये	९	४३	शि	२७	७	वि	२	१४	३३/१	२४	३६	६	१६	१७	ध.९।४३	भ. २।१४ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	५१	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	श	४७	३५	मू	४	११	सि	१८	४०	कौ	२०	५३	४	२३	३७	७	१७	१८	धनुषि	वक्री अश्वि. बुधः १९/५७ पात स्पर्शः ३७/५३
६	र	४२	२९	पू	०/२२	५७/३१	सा	११	३१	ग	१५	२	७	२३	३७	८	१८	१९	म.१४।४५	भ.४२/२९ उ. रेवत्यां शुक्रः ३४/४ पातमोक्षः १०/१७
७	चं	३९	२३	श्र	५७	८	शु	५	३३	वि	१०	५५	१०	२२	३८	९	१९	२०	मकरे	भ. १०/५५ या. बुधोदयः पूर्वस्यां २७।१४
८	मं	३७	४७	ध	५७	४७	शु	१/१६	५७/७	बा	८	३४	१३	२१	३९	१०	२०	२१	कुं.२७।२८	कृत्तिका. रविः ५९।१
९	बु	३७	५८	श	६०	०	ऐं	५६	३८	तै	७	५३	१६	२१	३३	११	२१	२२	कुम्भे	कृत्तिका.रविः सौरः ५१/८ रेवत्यां भौमः १४/७
१०	गु	३९	४१	श	१	१०	वै	५६	२	व	८	४९	१९	२०	४०	१२	२२	२३	मी४८।३५	भ. ८।४९ उ. ३९।४१ या.
११	शु	४२	३८	पू	४	२३	वि	५६	४१	ब	११	१०	२२	२०	४०	१३	२३	२४	मीने	अपरा ११ व्र. वै.
१२	श	४६	५५	उ	९	१६	प्री	५७	३८	कौ	१४	४६	२५	१९	४१	१४	२४	२५	मीने	वृषेऽर्कः २६।१६ (सौरः २९।४६)
१३	र	५१	५८	रे	१५	४६	आ	५८	५२	ग	१९	२६	२८	१८	४२	१५	२५	२६	मे.१५।४६	भ. ५१/५८ उ. मार्गी बुधः ४१।२३ प्रदोषः
१४	चं	५७	२९	अ	२२	४१	सौ	६०	०	वि	२४	४९	३०	१८	४२	१६	२६	२७	मेषे	भ. २४।४९ या.
३०	मं	६०	०	भ	२९	४८	सौ	१	२५	च	३०	४१	३३	१७	४३	१७	२७	२८	वृ.४६।४१	वटपूजनम्
३०	बु	३	४३	कृ	३७	२३	शो	३	४४	ना	३	४३	३६	१७	४३	१८	२८	२९	बृषे	

४पं. ज्ये.कृ.१बु.इ.३३।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	५	०
२०	११	१४	१३	१५	१७	२९	२०
२७	४१	३८	३	४१	०	४७	२५
२२	१३	२८	४	४९	५८	२७	२४
५८	४५	३५/३१	१३	१६	२	३	५७
६	३७	ब	१६	३३	२५	११	५७

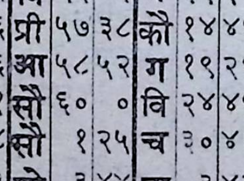

५पं.ज्ये.कृ.९बु.इ.३३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	११	३	५	०
२७	१७	११	१४	१८	१७	२९	२७
१३	२	३५	३७	२९	१९	२५	१०
३४	२४	११	५९	३७	५९	११	३८
५७	४५	१७/१९	१३	२९	३	३	५७
५४	३२	ब	२१	१	१	११	४५

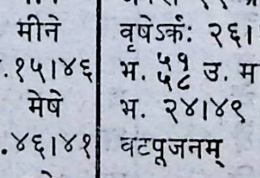

६पं.ज्ये.कृ.३०बु.इ.३३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	११	३	५	१
३	२२	११	१६	२२	१७	२९	३
५८	२२	४८	१४	७	४४	२	५४
२६	२३	२९	१०	२३	२४	५६	१७
५७	४५	११/५६	१३	३८	३	३	५७
४४	१६	मा	३२	४०	४०	११	३४

*मंबुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	नु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरऽहर्गणः. १५०५स.१९७७
१	गु	९	५२	रो	४५	२४	अ	५	१६	ब	९	५२	३३२	१६	४६	१९	२९	३०	वृषे	चंद्रदर्शनम्
२	शु	१५	५६	मृ	५२	१६	सु	८	३९	कौ	१५	५६	४१	१६	४४	२०	३०	१	मि१८।३५	रोहिणी.३ गुरुः २९।४३ जमादिलाखर ६
३	श	२१	५०	आ	५८	३१	धृ	१०	४६	ग	२१	४०	४३	१५	४५	२१	३१	२	मिथुने	भ. ५४।२४ उ. भरण्यां बुधः ३४।५०
४	र	२६	५९	पु	६०	०	शू	१२	१७	वि	२६	२९	४६	१५	४५	२२	१	३	क.४८।३३	भ. २६।५९ या. रा. ज्येष्ठारंभः
५	चं	३१	२०	पु	५	५	गं	१३	२५	बा	३१	२०	४८	१४	४६	२३	२	४	कर्के	
६	मं	३४	१३	पु	१०	७	वृ	१३	३७	कौ	२	४६	५०	१४	४६	२४	३	५	कर्के	रोहिण्यां रविः ४९।५१ (सौरः ५५।५५)×
७	बु	३५	५३	श्ले	१३	५०	ध्रु	१२	३४	ग	५	३	५२	१४	४६	२५	४	६	सिं१३।५०	भ. ३५।५३ उ. अ. गु.
८	गु	३५	५३	म	१५	५०	व्या	१०	११	वि	५	५३	५४	१३	४७	२६	५	७	सिंहे	भ. ५।५३ या. ×अस्तं गुरौः ४१।२४
९	शु	३३	५५	पू	१६	४	ह	६	३४	बा	४	५४	५६	१३	४७	२७	६	८	कं.३०।४१	
१०	श	३०	४	उ	१४	३३	व	५/७	५३/१३	तै	१	५९	५८	१२	४८	२८	७	९	कन्यायां	भ. ५७।११ उ. अश्वि. मेषे भौमः ३५/५५*
११	र	२४	१९	ह	१०	५३	व्य	४६	२	वि	२४	१९	३४/०	१२	४८	२९	८	१०	तु.३८।२१	भ. २४।१९ या. अश्वि. मेषे शुक्रः ४३/५१+
१२	चं	१७	१	चि	५/४९	५३/३१	व	३६	४६	बा	१७	१	२	१२	४८	३०	९	११	तुलायां	प्रदोषः +निर्जला ११ व्र.
१३	मं	८	१३	वि	५१	२०	प	२६	३०	तै	८	१३	४	११	४९	३१	१०	१२	बृ.३८।४२	भ. ५८।४४ उ. *गंगादशमी
१४	मं	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+गुर्जराणां वट सावित्री व्र.
१५	बु	४८	३३	अ	४३	४९	शि	१५	३८	वि	२३	३८	६	११	४९	१	११	१३	बृश्चिके	भ. २३।३८ या. जून मा. ६ ता. ३०=

७पं. ज्ये.शु.७बु.इ.३४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	११	३	५	१
१०	२७	१६	१७	२६	१८	२८	१०
४२	४०	३	५०	५५	१२	४०	३६
२५	१९	३५	५६	५	४३	४०	२८
५७	४५	४०	१२	४६	४	३	५७
३५	८	५१	३४	४	१८	११	२३

गोचरग्रहाः

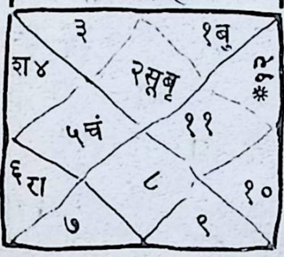

ज्ये. कृ. १२ शनौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

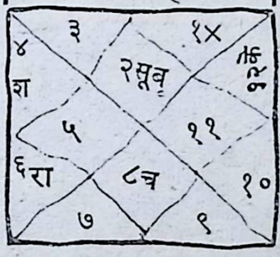

८पं.ज्ये.शु.१५बु.इ.३४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	१	०	३	५	१
१७	२	२३	१९	२	१८	२८	१७
२५	५६	४	२८	२६	८५	१८	१७
८	२८	३०	४१	३८	२२	२९	३४
५७	४४	६९	१२	५१	४	३	५७
२७	५२	४	३८	२८	४६	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३८	२७	ज्ये	३५	५५	सि	४/४६	४९/११	बा	१३	३०	३४/७	५/११	६/४९	२	१२	१४	ध्र.३५।५५	
२	शु	२९	१	मू	२८	४०	शु	४३	५५	तै	६	४४	९	१०	५०	३	१३	१५	धनुषि	भ. ५४।४८ उ. रोहिणी. ४ गुरुः ५१।५७
३	श	२०	३५	पू	२२	२७	शु	३५	०	वि	२०	३५	१०	१०	५०	४	१४	१६	म.३६।१९	भ. २०।३५ या. कृत्तिका. बुधः ३९।५२*
४	र	१३	३५	उ	१७	५६	ब्र	२७	२३	बा	१३	२५	१२	१०	५०	५	१५	१७	मकरे	
५	चं	६	४३	श्र	१५	१८	ऐं	२१	२६	तै	६	४३	१३	९	५१	६	१६	१८	कु.४४।५६	वृषे बुधः ४०।४० *चतुर्थी व्र.
६	मं	५	४९	ध	१४	३५	वै	१६	५८	व	५	४९	१४	९	५१	७	१७	१९	कुम्भे	भ. ५।४९ उ. २५।२३ या. मृगे रविः×
७	बु	४	५७	श	१५	५२	वि	१४	८	ब	४	५७	१६	९	५१	८	१८	२०	कुम्भे	×४४।४७ (सौरः ५४।४४)
८	गु	६	७	पू	१८	५६	प्री	१२	४९	कौ	६	७	१७	९	५१	९	१९	२१	मी३।१०	=(सौरः ५५।३१)
९	शु	८	४६	उ	२३	५९	आ	१३	२२	ग	८	४६	१८	८	५२	१०	२०	२२	मीने	भ. ४०।५९ उ.
१०	श	१३	१३	रे	३०	७	सौ	१४	११	वि	१३	१३	१९	८	५२	११	२१	२३	मे.३०।७	भ. १३।३३ या.
११	र	१८	२६	अ	३७	८	शो	१४	१५	बा	१८	२६	२०	८	५२	१२	२२	२४	मेषे	योगिनी ११ व्र. +५१।१ प्रदोषः
१२	चं	२४	३६	भ	४४	२८	अ	१८	३५	तै	२४	३६	२१	८	५२	१३	२३	२५	मेषे	रोहिण्यां बुधः १४।४० भरण्यां शुक्रः+
१३	मं	३०	४४	कृ	५२	२०	सु	२१	०	व	३०	४४	२१	८	५२	१४	२४	२६	वृ.१।२६	भ. ३०।४४ उ. मिथुनेऽर्कः ४३।२५=
१४	बु	३६	४७	रो	५९	४७	धृ	२३	२६	वि	३	४६	२२	८	५२	१५	२५	२७	वृषे	भ. ३।४६ या. भरण्यां भौमः ३४।९@
३०	गु	४२	४८	मृ	६०	०	शू	२५	४७	च	९	४७	२२	८	५२	१६	२६	२८	मि३३।२०	@आश्लेषा. २ शनिः १४।५८

९पं. आ.कृ.७बु.इ.३४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	०	३	५	१
२४	८	२	२१	८	१९	२७	२३
७	१०	४२	५	३४	२२	५६	५७
१२	८	७	५३	१	१२	९	३०
५७	४४	९०	१३	५५	५	३	५७
२२	४६	३०	३८	५८	१३	११	५

गोचरग्रहाः

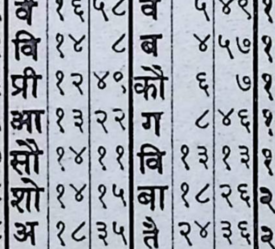

आ. कृ. १३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४ न. ४ वृद्धावस्था(बैठी) मु.३० धान्यदिभावे समता शुक्रोदयःपू.।

गोचरग्रहाः

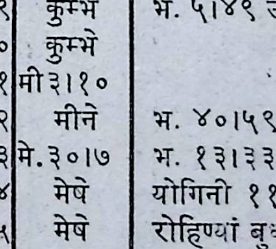

१०पं.आ.कृ.१०बु.इ.३४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१	०	३	५	२
०	१३	१४	२२	१५	२०	२७	०
४८	१९	२३	४३	२	१	३३	३६
२५	५९	४०	२३	२	४८	५३	३९
५७	४४	[illegible]	१३	५९	५	३	५७
१७	१६	[illegible]	३२	२२	३८	१९	५६

*मंशुके (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×मंबुशु +चंबुबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	शु	४८	७	मृ	६	५५	गं	२७	४६	किं	१५	२७	३४/२३	५/७	६/५३	१७	२७	२९	मिथुने
२	श	५२	४६	आ	१३	२५	वृ	२९	१४	बा	२०	२८	२३	७	५३	१८	२८	३०	मिथुने
३	र	५६	३५	पु	१९	८	ध्रु	३०	४	तै	२४	४०	२३	७	५३	१९	२९	१	क.२।४३
४	चं	५९	१८	पु	२४	९	व्या	२९	५६	व	२७	५६	२४	७	५३	२०	३०	२	कर्के
५	मं	६०	०	श्ले	२७	५८	ह	२९	१६	ब	३०	१४	२४	७	५३	२१	३१	३	सिं२७।५८
५	बु	०	५२	म	३०	४४	व	२७	४१	बा	०	५२	२४	७	५३	२२	१	४	सिंहे
६	गु	१	११	पू	३२	८	सि	२४	५६	तै	१	११	२४	७	५३	२३	२	५	कं.४७।७
७	शु	०	१७	उ	३२	४	व्य	२१	१	व	०	१७	२४	७	५३	२४	३	६	कन्यायां
८	शु	५७	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	श	५३	४३	ह	३०	२९	व	१६	२	बा	२५	४३	२३	७	५३	२५	४	७	तु.५८।५८
१०	र	४८	१९	चि	२७	२६	प	९	३७	तै	२१	१	२३	७	५३	२६	५	८	तुलायां
११	चं	४१	२६	स्वा	२३	५	शि	२/१३	५५/२१	व	१४	५२	२३	७	५३	२७	६	९	तुलायां
१२	मं	३३	२२	वि	१७	३१	सा	४४	१४	ब	७	२४	२२	८	५२	२८	७	१०	वृ.३।५४
१३	बु	२४	२३	अ	१०	४३	शु	३४	३९	तै	२४	२३	२२	८	५२	२९	८	११	बृश्चिके
१४	गु	१४	५५	ज्ये	३/३५	५२/३८	शु	२३	५१	व	१४	५५	२१	८	५२	३०	९	१२	ध.३।३५
१५	शु	५	२३	पू	४९	१३	ब्र	१३	२१	ब	५	२३	२०	८	५२	१	१०	१३	धनुषि

ग्रीष्मर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१५३४स.१९७७

उदयं गुरोः ५०।२४ उ.गु.
मृगे. १ गुरुः १६/२८ चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
पूर्वास्तं बुधः १२।२४ रज्जव ७
भ. २७/५६ उ. ५९/१८ या. मृगे बुधः ८।१४
आर्द्रायां रविः ४२।१७(सौरः ५७।४)
राष्ट्रीय आषाढ़ारंभः
मिथुने बुधः ४।१७
भ. ०।१७ उ. २९।१ या.

आर्द्रायां बुधः १८।२३
भ. १४/५२ उ ४१/२६ या. त्तिका. शुक्रः ३२/३४*
प्रदोषः *देवशयनो ११ व्र.

भ.१४/५५उ.४९/९या. वृषेशुक्रः ३६/१६ वायु परीक्षा
जुलाई मा. ७ ता. ३१ व्यासपूजा गुरु १५

११पं. आ.शु.५बु.इ.३४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१	०	३	५	२
७	१८	२९	२४	२१	२०	२७	७
२९	२७	२६	१९	५२	४४	११	१५
२४	४०	५३	३७	५	५३	३८	६
५७	४४	[illegible]	१३	६१	६	३	५६
१३	१०	[illegible]	३१	५५	४	११	५४

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है सुदी में वर्षा होगी। धान्य रुई सोनाचांदी गुड़ मूंगफली सिरस्युं घटाबढ़ी रुख तेज।

गोचरग्रहाः

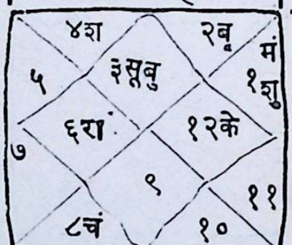

१२पं.आ.शु.१३बु.इ.३४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	०	३	५	२
१४	२२	१३	२५	२९	२१	२६	१३
९	५१	३०	५५	०	३०	४९	५३
५०	३०	८	२६	४	४	२२	११
५७	४६	[illegible]	१३	६३	६	३	५६
७	४८	[illegible]	२०	५६	२२	११	५०

ति.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	शु	५१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	श	४९	३२	उ	४३	२२	ऐं	३/४	५१/४	तै	२२	२५	३४/१९	५/८	६/५२	२	११	१४	म.२।४५
३	र	४२	१३	श्र	३८	५३	वि	४७	९	व	१५	२२	१८	८	५२	३	१२	१५	मकरे
४	चं	३७	३५	ध	३६	१३	प्री	४१	१२	ब	९	५३	१७	९	५१	४	१३	१६	कु.७।३३
५	मं	३५	२०	श	३५	५१	आ	३६	३७	कौ	६	२८	१५	९	५१	५	१४	१७	कुम्भे
६	बु	३५	१५	पू	३७	२२	सौ	३३	५४	ग	५	१७	१४	९	५१	६	१५	१८	मी२१।५९
७	गु	३७	१०	उ	४१	१	शो	३३	४	वि	६	१२	१३	९	५१	७	१६	१९	मीने
८	शु	४०	५५	रे	४६	२६	अ	३३	३१	बा	९	२	११	१०	५०	८	१७	२०	मे.४६।२६
९	श	४५	५६	अ	५३	१	सु	३४	४६	तै	१३	२६	१०	१०	५०	९	१८	२१	मेषे
१०	र	५१	५९	भ	६०	०	धृ	३७	४६	व	१८	५८	८	१०	५०	१०	१९	२२	मेषे
११	चं	५८	११	भ	०	२८	शू	३९	३१	ब	२५	५	७	११	४९	११	२०	२३	वृ.१७।२३
१२	मं	६०	०	कृ	८	११	गं	४०	१२	कौ	३१	२०	५	११	४९	१२	२१	२४	वृषे
१२	बु	४	३०	रो	१५	३६	वृ	४४	३०	तै	४	३०	४	११	४९	१३	२२	२५	मि४९।८
१३	गु	१०	२०	मृ	२२	४०	ध्रु	४६	२२	व	१०	२०	२	१२	४८	१४	२३	२६	मिथुने
१४	शु	१५	१६	आ	२९	४	व्या	४७	३१	श	१५	१६	०	१२	४८	१५	२४	२७	मिथुने
३०	श	१९	११	पु	३४	२६	ह	४८	०	ना	१९	११	३३/५८	१२	४८	१६	२५	२८	क.१८।५

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

×रेवत्यां ३ कतुः ३०।३४
पुन.बुधः ३०/५४ मृग.२गुरुः ५०/५९ चित्रा.१राहुः×
भ. १५/२२ उ. ४३/१३ या. कृत्तिका.भौमः ५०/१४
चतुर्थी व्र.
पुनर्वसु रविः ४१।१३ नाग ५ मरुस्थले
भ. ३५।१५ उ. पुन. रविः सौरः १।५
भ. ६।१२ या. कर्के बुधः ९।५
वृषे भौमः २६।११ पुष्ये बुधः ४५।५६
रोहिण्यां शुक्रः ५४।३३
भ. १८।५८ उ. ५१।५९ या.
बुधोदयः पश्चिमे ३५/५० कामिका ११ व्र.

प्रदोषः
भ. १०।२० उ. ४२।४८ या.
आश्लेषा. बुधः ४९/४९ आश्लेषा. ३ शनिः २६/१३
कर्केऽर्कः १०।३७ (सौरः ३३।४९)

१३पं. प्र.श्रा.कृ.६बु.इ.३३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	१	३	५	२
२०	२८	२८	२७	६	२२	२६	२०
५०	३८	४४	२९	२०	१७	२७	३१
१०	३८	५६	३०	१३	१९	६	५
५७	४३	[illegible]	१३	६५	६	३	५६
७	२९	[illegible]	१३	३५	३५	११	५०

गोचरग्रहाः

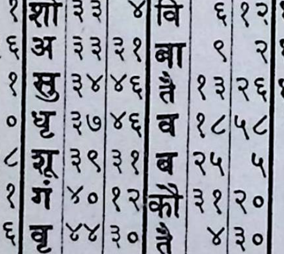

प्र.श्रा.कृ.३० शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न. ६ सुप्तावस्था (सूती) मु. ४५धान्यादिभावे समता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

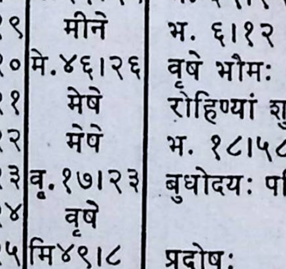

१४पं. प्र.श्रा.कृ.१२बु.इ.३३/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	१	१	३	५	२
२७	३	१२	२९	१३	२३	२६	२७
३०	३७	२१	१	५१	७	४	९
३२	१	५४	३७	५३	८	५१	१२
५७	४२	[illegible]	१२	६७	६	३	५६
११	५४	[illegible]	५३	०	५२	११	५५

*चंमंबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५६४ स.१९७७
१	र	२२	७	पु	३८	५०	व	४७	३८	ब	२२	७	३३/५६	५/१३	६/४७	१७	२६	२९	कर्के	
२	चं	२३	५६	श्ले	४२	५	सि	४६	२२	कौ	२३	५६	५४	१२	४७	१८	२७	३०	सिं४२।५	मृगे. ३ मिथुने गुरुः १।१४ चन्द्रदर्शनम्
३	मं	२४	४१	म	४४	१३	व्य	४४	३	ग	२४	४१	५२	१४	४६	१९	२८	१	सिंहे	भ.५४।३३उ.पुष्येरविः३९।५४ सावान८
४	बु	२४	२५	पू	४५	२८	व	४१	१०	वि	२४	२५	५०	१४	४६	२०	२९	२	सिंहे	भ. २४।२५ या. पुष्ये रविः सौरः ४।३०
५	गु	२३	११	उ	४५	५४	प	३७	३८	बा	२३	११	४७	१५	४५	२१	३०	३	कं.०।२३	
६	शु	२०	४९	ह	४४	५५	शि	३३	९	तै	२०	४९	४५	१५	४५	२२	३१	४	कन्यायां	रोहिण्यां भौमः ४७।२० मृगे. शुक्रः८।५८
७	श	१७	३२	चि	४३	२	सि	२७	४४	व	१७	३२	४२	१६	४४	२३	१	५	तु. ३१।५८	भ. १७।३२ उ. ४५।५८ या. मघा. सिंहे*
८	र	१४	२४	स्वा	४०	२३	सा	२१	४६	ब	१४	२४	४०	१६	४४	२४	२	६	तुलायां	*बुधः ४०।८ रा. श्रावणारंभः
९	चं	८	१७	वि	३६	४६	शु	१४	५१	कौ	८	१७	३७	१७	४३	२५	३	७	वृ. २४।५१	
१०	मं	२	११	अ	३२	१४	शु	७/१२	५०/४१	ग	२	११	३५	१७	४३	२६	४	८	वृश्चिके	भ. ३६/४१ उ. ५५/१२ या. अस्तं शनैः १९।१६×
११	मं	५३	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×कमला ११ व्र. स्मा.
१२	बु	४७	३१	ज्ये	२६	५८	ऐं	४९	५	ब	२१	२१	३२	१८	४२	२७	५	९	ध. २६।५८	कमला ११ व्र. वै.
१३	गु	३९	२९	मू	२१	१	वै	३९	५१	कौ	१३	३०	२९	१८	४२	२८	६	१०	धनुषि	मिथुने शुक्रः ५।५९ प्रदोषः
१४	शु	३१	३१	पू	१५	२३	वि	३२	२	ग	५	३०	२६	१९	४१	२९	७	११	म. २८।५५	भ. ३१।३१ उ. ५७।४३ या.
१५	श	२३	५५	उ	९	३७	प्री	२३	८	व	२३	५५	२४	१९	४१	३०	८	१२	मकरे	

१५पं. प्र.श्रा.शु.४वृ.इ.३३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	२	१	३	५	३
४	८	२४	०	२१	२३	२५	३
११	२४	३५	३१	३२	५८	४२	४७
१७	५४	२	३०	४६	१	३५	३९
५७	४२	००	१२	६८	७	३	५६
१५	४१	३६	२४	८	२	११	५७

गोचरग्रहाः

वृष राशी यदा भौमः सर्व धान्य महर्घता । चंदनं कुंकुम वस्त्रं कार्पासादि महर्घता ।। वर्षा होगी ।

गोचरग्रहाः

१६पं.प्र.श्रा.शु.१२बु.इ.३३/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	२	१	३	५	३
१०	१३	५	१	२९	२४	२५	१०
५२	१४	२८	५७	२२	५०	२०	२६
१९	५६	५	५८	३८	२०	२०	५६
५७	४१	८४	१२	६९	७	३	५७
२०	५३	२१	१०	२	१४	११	५

ति.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे प्र.श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१७	३८	श्र	४०	५३	आ	१५	१४	कौ	१७	३८	३३/२१	५/२०	६/४०	३१	९	१३	कुं. ३३।८	
२	चं	१२	२९	ध	१/२२	५६/१४	सौ	८	२०	ग	१२	२९	१८	२०	४०	१	१०	१४	कुम्भे	भ. ४०।५७ उ. अगस्त मा. ८ ता. ३१
३	मं	९	२६	पू	५९	४६	शो	२/४१	५५/५१	वि	९	२६	१५	२१	३९	२	११	१५	मी४४।४३	भ. ९।२३ या. आश्लेषा. रविः ३६।५५*
४	बु	८	५	उ	६०	०	सु	५५	२६	बा	८	५	१२	२२	३८	३	१२	१६	मीने	आ.ले. रविः सौरः ५।१९ मृगे. ४ गुरुः×
५	गु	९	५	उ	१	५६	धृ	५५	५०	तै	९	५	९	२२	३८	४	१३	१७	मीने	×२४।३० आर्द्रा. शुक्रः २।३१
६	शु	१२	२	रे	६	१	शू	५६	१४	व	१२	२	६	२३	३७	५	१४	१८	मे. ६।१	भ. १२।२ उ. ४४।१३ या.
७	श	१६	२५	अ	११	४०	गं	५७	५६	ब	१६	२५	३	२३	३७	६	१५	१९	मेषे	*पूफायां बुधः ३२।५० चतुर्थी व्र.
८	र	२२	५	भ	१८	४१	वृ	५९	५८	कौ	२२	५	०	२४	३६	७	१६	२०	वृ. ३५।२२	
९	चं	२८	१४	कृ	२६	२	ध्रु	६०	०	ग	१८	१४	३३/५६	२५	३५	८	१७	२१	वृषे	
१०	मं	३४	२६	रो	३३	४३	ध्रु	२	२८	व	१	२०	५३	२५	३५	९	१८	२२	वृषे	भ. १।२० उ. ३४।२६ या.
११	बु	४०	१३	मृ	४०	५५	व्या	४	५२	ब	७	१९	५०	२६	३४	१०	१९	२३	मि७।१९	आश्लेषा. ४ शनिः ५५/१० कमला ११ व्र.
१२	गु	४५	१९	आ	४७	१९	ह	६	५३	कौ	१२	४६	४७	२७	३३	११	२०	२४	मिथुने	मृगे भौमः २९।२७
१३	शु	४८	५२	पु	५२	२४	व	८	११	ग	१७	५	४३	२७	३३	१२	२१	२५	क. ३६।८	भ. ४८।५२ उ. प्रदोषः
१४	श	५१	१०	पु	५६	२६	सि	८	२२	वि	२०	१	४०	२८	३२	१३	२२	२६	कर्के	भ. २०।११ या.
३०	र	५२	८	श्ले	५९	७	व्य	७	३१	च	२१	२९	३६	२९	३१	१४	२३	२७	सिं५९।७	पुन. शुक्रः ३८।२३

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.४बु.इ.३३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	२	२	३	५	३
१७	१७	१४	३	७	२५	२४	१७
३४	५९	२७	२१	१७	४३	५८	६
१	२८	०	४३	३८	४१	४	४४
५७	४१	६६	११	६९	७	३	५७
२५	३३	२५	३७	५५	२०	११	१२

गोचरग्रहाः

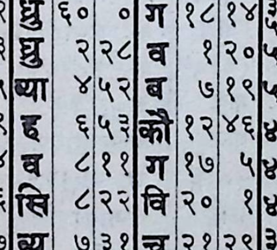

श्रावण अधिकमास होना दुर्भिक्ष एवं तेजी कारक है रुई अलसीसिरसों पाट कुष्टा सूत बारदाना तेज होगा ।

गोचरग्रहाः

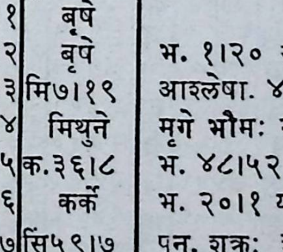

१८पं.द्वि.श्रा.कृ.११बु.इ.३३/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	२	२	३	५	३
२४	२२	२१	४	१५	२६	२४	२३
१६	४१	३४	४२	१९	३७	३५	४७
२६	१०	५५	५०	५९	१९	४८	५१
५७	४१	४४	११	७०	७	३	५७
३३	८	८	४	४१	२०	११	२२

 *चंबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९											दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	५१	३९	म	६०	०	व	५	४२	किं	२१	५३	३/३	२९/५	३६/१	१५	२४	२८	सिंहे
२	मं	५०	०	म	०	२६	ष	५२/३	५६/७	बा	२०	४९	२९	३०	३०	१६	२५	२९	सिंहे
३	बु	४७	३२	पू	३/३	५९/२१	खि	५४	३१	तै	१८	४६	२६	३१	२९	१७	२६	१	कं.१५।२३
४	गु	४४	१५	ह	५८	११	सा	४९	१०	व	१५	५३	२२	३२	२८	१८	२७	२	कन्यायां
५	शु	४०	२०	चि	५६	११	शु	४३	३०	ब	१२	१७	१९	३२	२८	१९	२८	३	तु.२७।११
६	श	३६	४	स्वा	५३	४८	शु	३७	३५	कौ	८	११	१५	३३	२७	२०	२९	४	तुलायां
७	र	३१	१९	वि	५०	५३	ब्र	३१	८	ग	३	४१	११	३४	२६	२१	३०	५	बृ.३६।३७
८	चं	२६	२२	अ	४७	३८	ऐं	२४	२०	ब	२६	२२	८	३४	२६	२२	३१	६	वृश्चिके
९	मं	२०	४५	ज्ये	४३	५४	वै	१७	८	कौ	२०	४५	४	३५	२५	२३	१	७	घ.४३।५४
१०	बु	१४	४७	मू	३९	५७	वि	९	५५	ग	१४	४७	०	३६	२४	२४	२	८	धनुषि
११	गु	८	४९	पू	३५	४९	प्री	१२/७	५३/२३	वि	८	४९	३१/५६	३७	२३	२५	३	९	म.४९।५०
१२	शु	२	४६	उ	३१	५७	सौ	४७	१९	बा	२	४६	५२	३८	२२	२६	४	१०	मकरे
१३	शु	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	श	५१	४७	श्र	२८	२०	शो	४०	८	ग	२४	१९	४८	३८	२२	२७	५	११	कु.५६।५३
१५	र	४७	२५	ध	२५	२६	अ	३३	४३	वि	१९	३६	४४	३९	२१	२८	६	१२	कुम्भे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९३ सन् १९७७

मघा. सिंहेऽर्कः ३०/५० चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
मघा.सिंहेऽर्कः सौरः १।४४ तीज रमजान९
भ. १५।५३ उ. ४४। १५ या. वरद ४
उफायां बुधः २३।५० नाग पंचमी
वक्री बुधः ४०।२६
भ.३१।१९ उ.५६/५१ या. मिथुने भौमः ५३/४७*
*आर्द्रा. १ गुरुः ३४।४०
कर्के शुक्रः १०।५३ रा. भाद्रपदारम्भः
भ. ४१।४८ उ.
भ. ८।४९ या. वक्री पूफायां बुधः ४७/१४ पुष्ये×
प्रदोषः
×शुक्रः ५८।३६ पवित्रा ११ व्र.
भ. ५१।४७ उ. +भद्रोत्तरं
भ. १९।३६ या. श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं+

१९पं.द्वि.श्रा.शु.३बु.इ.३३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	२	२	३	५	४
०	२७	२६	५	२३	२७	२४	०
५९	१६	८	५७	२७	३१	१३	३०
४९	१२	२०	११	२५	३७	३३	४
५७	४०	१५	१०	७१	७	३	५७
४०	२९	४४	२४	१३	२०	११	३४

गोचरग्रहाः

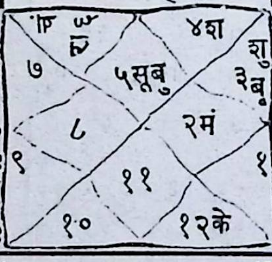

द्वि.श्रा. शु. २ भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

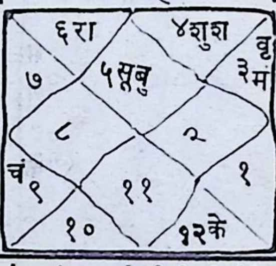

२०पं.द्वि.श्रा.शु.१०बु.इ.३२/६४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	३	५	४
७	१	२७	७	१	२८	२३	७
४४	४५	४	८	३७	२४	५१	१३
१७	५४	१२	४६	५९	४३	१७	३७
५७	३९	९/३२	९	७१	७	३	५७
४८	५६	व	४१	४१	१८	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९											दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	४४	३५	श	२३	२९	सु	२८	११	बा	१५	५८	३१/४०	५/४०	६/२०	२९	७	१३	कुम्भे
२	मं	४३	२९	पू	२३	२२	धृ	२३	५१	तै	१४	१	३६	४१	१९	३०	८	१४	मी८।२४
३	बु	४३	४७	उ	२४	४४	शू	२०	३८	व	१३	३९	३२	४२	१८	३१	९	१५	मीने
४	गु	४६	८	रे	२७	५२	गं	१९	१८	ब	१४	५८	२८	४२	१८	१	१०	१६	मे.२७।५२
५	शु	४९	५६	अ	३२	३४	वृ	१८	४५	कौ	१८	८	२५	४३	१७	२	११	१७	मेषे
६	श	५५	१३	भ	३८	५०	ध्रु	१९	३६	ग	२२	३४	२१	४४	१६	३	१२	१८	वृ.५५।१९
७	र	६०	०	कृ	४४	४६	व्या	२१	१६	वि	२८	१४	१७	४५	१५	४	१३	१९	बृषे
७	चं	१	१६	रो	५२	१६	ह	२३	३१	ब	१	१६	१३	४५	१५	५	१४	२०	वृषे
८	मं	७	३०	मृ	६०	०	व	२५	५७	कौ	७	३०	९	४६	१४	६	१५	२१	मि२६।३१
९	बु	१३	३५	मृ	०	४६	सि	२८	८	ग	१३	३५	५	४७	१३	७	१६	२२	मिथुने
१०	गु	१८	४३	आ	७	३७	व्य	२९	४७	वि	१८	४३	१	४८	१२	८	१७	२३	क.५६।५५
११	शु	२२	२५	पु	१३	२०	व	३०	१९	बा	२२	२५	३०/५७	४९	११	९	१८	२४	कर्के
१२	श	२४	५०	पु	१७	२९	प	२९	५०	तै	२४	५०	५३	४९	११	१०	१९	२५	कर्के
१३	र	२५	२३	श्ले	२०	६	शि	२७	५६	व	२५	२३	४८	५०	१०	११	२०	२६	सि२०।६
१४	चं	२४	१६	म	२०	५५	सि	२४	३५	श	२४	६	४४	५१	९	१२	२१	२७	सिंहे
३०	मं	२१	३४	पू	२०	२०	सा	२०	४	ना	२१	३४	४०	५२	८	१३	२२	२८	क.३४।५३

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

बुधास्त पश्चिमायाम् २७।३५
पूफायां रविः २०।२७ (सौरः ५२।३६)
भ. १३/३९ उ. ४३/४७ या. उदयं शनेः १८।६
आर्द्रा.भौमः २०/१० सितम्बर९ ता. ३० च. व्र.
भ. ५५/१३ उ. हस्ते४राहुः रेवती. २केतुः २ ३/२*
भ. २८।१४ या. *चन्द्रषष्ठी
जन्माष्टमी व्र.
आश्लेषा. शुक्रः ११।१८ मघा. १ सिंहे×
भ. ४६।९ उ. गोगा ९
भ. १८।४३ या. ×शनिः ११।४३
अजा ११ व्र.
वत्स द्वादशी प्रदोषः
भ. २५।२३ उ. ५४।४९ या.
उफायांरविः ४/४७ (सौरः ३७/१४)आर्द्रा.२ गुरुः+
+३०/११ बुधोदयः पूर्वस्यां ६०/३ कुशाग्रहणी

२१पं.भा.कृ.३बु.इ.३२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	३	५	४
१४	६	२३	८	९	२९	२३	१३
२९	९	२९	१३	५६	१७	२९	५८
५६	४	३५	५२	३८	३८	२	४८
५८	३९	५७/१३	८	७२	७	३	५७
१	१०	व	५५	२	११	११	५७

गोचरग्रहाः

इस मास में पूर्व में बुध का उदय और गुरुवार को चंद्रदर्शन वर्षाश्रेष्ठ करेगा, रुई, चांदी, अनाज, गल्ला मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.कृ. ९बु.इ.३२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	४	५	४
२१	१०	१६	९	१८	०	२३	२०
१६	२६	५३	१३	१८	९	१०	४५
५६	४९	२४	५५	६	२९	४६	२८
५८	३८	६४/२०	८	७२	७	३	५८
१३	१७	व	१	२३	२	११	१२

*चंमंबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६२३स.१९७७
१	बु	१७	४०	उ	१८	३२	शु	१४	२५	ब	१७	४०	३६	५३	६७	१४	२३	२९	कन्यायां	मार्गी बुधः ४६।१६
२	गु	१२	४४	ह	१५	४५	शु	८	७	कौ	१२	४४	३२	५४	६	१५	२४	३०	तु.४३।५७	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	७	१३	चि	१२	९	ब्र	५५	५२/५०	ग	७	१३	२८	५४	६	१६	२५	१	तुलायां	भा.३४/२०उ.कन्यायामर्कः ३/८ गणेश४ सव्वाल
४	श	१	३६	स्वा	८	२०	वै	४६	३४	वि	१	३६	२४	५५	५	१७	२६	२	बृ.५०।२५	भ.३६या. कन्याऽर्कः सौरः २३/२४ मघा.सिंहे*
५	श	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*शुक्रः १४।४५ ऋषि पंचमी
६	र	५०	१२	वि	४	२७	वि	३९	७	कौ	२३	२	२०	५६	४	१८	२७	३	बृश्चिके	
७	चं	४४	५०	अ	४७	५६/२७	प्री	३२	७	ग	१७	३४	१६	५७	३	१९	२८	४	ध.५७।१४	भ. ४४।५० उ.
८	मं	३९	३८	मू	५४	३	आ	२४	३२	वि	१२	१४	१२	५८	२	२०	२९	५	धनुषि	भ. १२।१४ या.
९	बु	३४	५०	पू	५१	१	सौ	१७	३८	बा	७	१४	८	५८	२	२१	३०	६	धनुषि	
१०	गु	३०	१३	उ	४८	२६	शो	११	५	तै	२	३१	४	५९	१	२२	३१	७	म.५।२२	भ. ५६/१२ उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गो
११	शु	२६	११	श्र	४६	२५	अ	४५/१	५४/१	वि	२६	११	३०/००	६/०	६/०	२३	१	८	मकरे	भ. २६।११ या. पुन. भौमः ४३/२९ रा.×
१२	श	२२	४३	ध	४४	५४	धृ	५३	३६	बा	२२	४३	५५/५५	६/१	५९	२४	२	९	कुं.१५।३९	×आश्विनारंभः जलझूलनी ११ व्र.
१३	र	२०	०	श	४४	८	शू	४८	३७	तै	२०	०	५१	२	५८	२५	३	१०	कुम्भे	वामन.१२ प्रदोषः
१४	चं	१८	२१	पू	४४	३६	गं	४५	५	व	१८	२१	४७	३	५७	२६	४	११	मी२९।२९	भ.२६/१६उ.४८/१०या.हस्तेरविःसौरः४३/४४अनंत१४
१५	मं	१७	५९	उ	४६	४	वृ	४२	१०	ब	१७	५९	४३	३	५७	२७	५	१२	मीने	हस्ते रविः सौरः ५४/५४ महालय श्राद्धारंभ

२३पं.भा.शु.१बु.इ.३२।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	२	३	४	५	४
२८	१४	१३	१०	२६	०	२२	२७
५	३७	३८	७	४२	५९	४४	३३
२४	३०	२४	१६	५०	४२	३०	५०
५८	३७	१३/७	७	७२	६	३	५८
२६	३४	ब	०	५०	४१	११	२९

गोचरग्रहाः

भाद्र. शु. ३ शुक्रे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभा वेसमता शुक्रो. पूर्व. ।

गोचरग्रहाः

२४पं. भा.शु.बु ९.इ.३२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	२	४	४	५	४
४	१८	१७	१०	५	१	२२	४
५५	४०	२	५२	११	४९	२२	२३
१९	५५	४९	३८	१०	५	१५	५७
५८	३१	६७/१२	६	७३	६	३	५८
३८	२७	मा	३	५	२९	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१८	५५	रे	४९	१५	ध्रु	४०	४२	कौ	१८	५५	३९/३८	६४	५६	२८	६	१३	मे.४९।१५	उफायांबुधः२०।३३ पूफायां शुक्रः१४।३१
२	गु	२१	३३	अ	५३	३२	व्या	३९	४५	ग	२१	३३	३४	५	५५	२९	७	१४	मेषे	भ. ५३।२३ उ.
३	शु	२५	१४	भ	५९	२५	ह	४०	१	वि	२५	१४	३०	६	५४	३०	८	१५	मेषे	भ.२५।१४या. कन्या. बुधः२३।३३ च. व्र.
४	श	३०	२०	कृ	६०	०	व	४१	२३	बा	३०	२०	२६	७	५३	१	९	१६	बृ.१६।२	बुधास्तः पूर्वस्यां ५६/५१ अक्टूबर १० ता. ३१
५	र	३६	११	कृ	५	५३	सि	४३	१६	कौ	३	१६	२२	८	५२	२	१०	१७	वृषे	
६	चं	४२	३१	रो	१३	१८	व्य	४५	३८	ग	९	२१	१८	८	५२	३	११	१८	मि४७।५	भ. ४२।३१ उ.
७	मं	४८	५५	मृ	२०	५३	व	४८	३	वि	१५	४४	१४	९	५१	४	१२	१९	मिथुने	भ. १५।४४ या.
८	बु	५४	३४	आ	२८	१	प	५०	१०	बा	२१	५०	१०	१०	५०	५	१३	२०	मिथुने	मघा. २ शनिः २०।४२
९	गु	५८	५८	पु	३४	३८	शि	५१	२२	तै	२६	४६	६	११	४९	६	१४	२१	क.१७।५९	हस्ते बुधः २६।१ मातृ ९
१०	शु	६०	०	पु	३९	५०	सि	५१	२५	व	३०	२६	२	१२	४८	७	१५	२२	कर्के	भ. ३०।२६ उ.
१०	श	१	५४	श्ले	४३	१६	सा	५०	१०	वि	१	५४	५८/५८	१२	४८	८	१६	२३	सिं४३।१६	भ. १।५४ या.
११	र	२	५२	म	४४	५५	शु	४७	३४	बा	२	५२	५३	१३	४७	९	१७	२४	सिंहे	उफायां शुक्रः ४।५७ इन्दिरा ११ व्र.
१२	चं	२	९	पू	४४	३०	शु	४३	१७	तै	२	०	५०	१४	४६	१०	१८	२५	कं.५८।५५	भ.५९/२उ. चित्रा.रविः१५/५ सौरः४५/३१ प्रदोषः
१३	चं	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	मं	५४	३१	उ	४२	११	ब्र	३७	३५	वि	२६	५०	४६	१५	४५	११	१९	२६	कन्यायां	भ. २६।५० या. कन्यायां शुक्रः ४७।४२
३०	बु	४८	३८	ह	३८	३३	ऐं	३०	३८	च	२१	३४	४२	१६	४४	१२	२०	२७	कन्यायां	कर्के भौमः ४८।३० सर्व पितृ ३०

२५पं.आ.कृ.१बु.इ.३२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	२	४	४	५	५
११	२२	२६	११	१३	२	२१	११
४६	३४	५८	३१	४१	३६	५९	१६
५५	४४	५५	३८	३५	१४	५९	०
५८	३५	९७	४	७३	६	३	५९
५३	३५	३४	५५	२०	१९	११	०

२६पं.आ.कृ.८बु.इ.३२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	२	४	४	५	५
१८	२६	८	१२	२२	३	२१	१८
४०	१९	२४	१	१७	२१	३७	९
८	२६	३६	५५	४२	७	४४	४७
५९	३४	६/०	३	७३	५	३	५९
९	१९	५/८	४६	२९	५५	११	१६

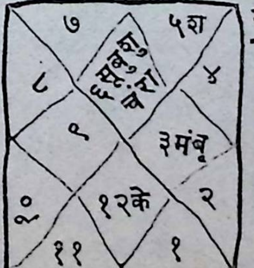

२७पं.आ.कृ.३०बु.इ.३११।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	२	५	४	५	५
२५	२९	२०	१२	०	४	२१	२५
३५	५३	५२	२३	५४	३	१५	५
६	५९	५२	१७	१४	७	१८	२९
५९	३३	६/०	२	७३	५	३	५८
२१	३	९/१३	२४	४४	२९	११	१२

×बुशुश (सं० २००१ समारस्य २१०० पर्यन्तम्) *बुशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	४१	३४	चि	३३	५३	वै	२२	३८	किं	१५	१	२/३८	६/१६	५/४४	१३	२१	२८	तु.६।१८
२	शु	३४	१४	स्वा	२८	३८	वि	१३	५२	बा	७	५४	३४	१७	४३	१४	२२	२९	तुलायां
३	श	२६	४१	वि	२३	४	प्री	५/१	५०/४३	तै	०	२८	३०	१८	४२	१५	२३	१	वृ.९।२८
४	र	१९	२८	अ	१७	२८	सौ	४६	५३	वि	१९	२८	२६	१९	४१	१६	२४	२	वृश्चिके
५	चं	१२	४७	ज्ये	१२	३८	शो	३८	४५	बा	१२	४७	२२	२०	४०	१७	२५	३	ध.१२।३८
६	मं	६	४१	मू	८	१६	अ	३१	१	तै	६	४१	१८	२०	४०	१८	२६	४	धनुषि
७	बु	१	२५	पू	४	४९	सु	२३	५६	व	१	२५	१४	२१	३९	१९	२७	५	म.१९।१०
८	बु	५६	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	गु	५३	५९	उ	२	१३	धृ	१७	४१	ना	२५	४५	१०	२२	३८	२०	२८	६	मकरे
१०	शु	५१	४१	श्र	०/३४	५९/२२	शू	१२	१६	तै	२२	५०	६	२३	३७	२१	२९	७	कु.३०।१५
११	श	५०	२५	श	६०	०	गं	७	३१	व	२१	३	२	२४	३६	२२	३०	८	कुम्भे
१२	र	५०	८	श	०	१३	वृ	३	३७	ब	२०	१७	२७/५८	२४	३६	२३	१	९	मी४६।१९
१३	चं	५१	७	पू	१	४१	ध्रु	०/४६	५७/४४	कौ	२०	३८	५४	२५	३५	२४	२	१०	मीने
१४	मं	५२	१	उ	४	१०	ह	५७	१४	ग	२१	३४	५०	२६	३४	२५	३	११	मीने
१५	बु	५६	१८	रे	७	४०	व	५६	५७	वि	२४	१०	४७	२७	३३	२६	४	१२	मे.७।४०

शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६५२ स.१९७७

चित्रा. बुधः ५३।५७ नवरा. मातामह श्रा.
चन्द्रदर्शनम्
भ. ५३।४ उ. जिल्काद ११
भ. १९।२८ या. तुलायामर्कः ५९।१
तुलाऽर्कः सौरः २८।१४ तुला. बुधः ५१।३
सरस्वत्यावाहनम्
भ. १।२५ उ. ३/२९ या. पुष्ये भौमः ४/५ ३/१ हस्ते×
×शुक्रः ५/४ ३/२ सरस्वतीपूजनं बलिदानं
स्वात्यां बुधः ४१।२५ विजया दशमी
भ. २१।३ उ. ५/२ ०/५ या. पापांकुशा ११ व्र.
स्वात्यां रविः ४१।३ रा. कार्तिकारंभः
स्वात्यां रविः सौरः ९।१२ प्रदोषः
भ. ५२।१ उ. वक्री गुरुः १४।७
भ. २४।१० या. शरद्पूर्णिमा कोजागरी व्र.

२८पं.आ.शु.७बृ.इ.३१।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	२	५	४	५	६
२	३	२	१२	९	४	२०	२
३१	१४	५४	३४	३२	४०	५३	३
३४	३१	४३	२३	५३	४४	१२	५८
५९	३१	३०/१	१	७४	५	३	५९
३४	१६	~	२	५२	२	११	४६

गोचरग्रहाः

प्रा. शु. ४ रवौ
तुलायामर्कः प्र.वा.३
न.४ कुमार्यवस्था
(बैठी) मु. ४५
धान्यादिभावे म-
हर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

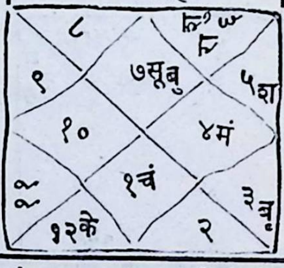

२९पं.आ.शु.१५बु.इ.३१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	२	५	४	५	६
९	६	१४	१२	१८	५	२०	९
२९	२१	१०	३६	१४	१५	३०	२
४९	४७	१६	४४	४९	४७	५७	१८
५९	२९	९/०	१४	७३	४	३	६०
४७	२३	~	व	५६	३५	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	६०	०	अ	१२	२५	सि	५७	१२	बा	२८	२५	२७/४२	६/२८	५/३२	२७	५	१३	मेषे
१	शु	०	३२	भ	१८	८	व्य	५८	२८	कौ	०	३२	३९	२८	३२	२८	६	१४	वृ.३४।४४
२	श	५	५४	कृ	२४	३३	व	०	१	ग	५	५४	३५	२९	३१	२९	७	१५	वृषे
३	र	११	४२	रो	३१	४९	प	०	०	वि	११	४२	३१	३०	३०	३०	८	१६	बृषे
४	चं	१८	७	मृ	३९	२९	प	२	१७	बा	१८	७	२७	३१	२९	३१	९	१७	मि५।३९
५	मं	२४	३५	आ	४७	८	शि	४	४१	तै	२४	३५	२४	३१	२९	१	१०	१८	मिथुने
६	बु	३०	४४	पु	५४	१८	सि	७	२	व	३०	४४	२०	३२	२८	२	११	१९	क.३७।३१
७	गु	३५	३८	पु	६०	०	सा	८	४८	वि	३	११	१६	३३	२७	३	१२	२०	कर्के
८	शु	३९	४७	पु	०	२१	शु	९	४९	बा	७	४२	१३	३३	२७	४	१३	२१	कर्के
९	श	४१	५०	श्ले	५	१२	शु	९	३६	तै	१०	४९	९	३४	२६	५	१४	२२	सिं५।१२
१०	र	४२	२	म	८	१२	ब्र	८	९	व	११	५६	६	३५	२५	६	१५	२३	सिंहे
११	चं	४०	०	पू	९	१०	ऐं	५	७	ब	११	१	२	३६	२४	७	१६	२४	कं.२४।५
१२	मं	३५	२८	उ	८	५०	वै	०/२३	५३/३७	कौ	७	४४	२६/५९	३६	२४	८	१७	२५	कन्यायां
१३	बु	३०	२१	ह	५	१३	प्री	४६	१६	ग	२	५५	५६	३७	२३	९	१८	२६	तु.३२।४९
१४	गु	२२	५८	चि	०/२५	५४/६	आ	३७	१६	श	२२	५८	५३	३७	२३	१०	१९	२७	तुलायां
३०	शु	१४	४१	वि	४७	४२	सौ	२७	२६	ना	१४	४१	४९	३८	२२	११	२०	२८	वृ.३४।२४

शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

×१ केतुः १४।५८
●१।२६ (सौरः २६।४१)
भ. ३८।४८ उ. विशाखा. बुधः ५८।३६
भ. ११।४२ या. चित्रा. शुक्रः ३/५ ४/९ च. व्र

नवम्बर मा. ११ ता. ३०
भ. ३०।४४ उ.
भ. ३।११ या.
तुलायां शुक्रः ५८।५०
वृश्चिके बुधः १/४ ०/१ हस्ते ३ राहुः रेवती×
भ. ११।५६ उ. ४२।२ या. विशाखा. रविः●
अनु. बुधः ३४।४ रमा ११ व्र.
+पश्चिमायां४१।४७ प्रदोषः धन १३
भ. ३०।२१ उ. ५६।४० या. बुधोदयः+
स्वात्यां शुक्रः १७।१६ महालक्ष्मी पूजनम्
अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

३०पं.का.कृ.६बु.इ.३१।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	२	५	४	५	६
१६	९	२५	१२	२६	५	२०	१६
२९	१२	३८	२७	५७	४५	८	३
३८	०	१०	२७	५८	४७	४१	२२
६०	२७	९८	३/१	७४	३	३	६०
४	१६	२८	व	२	५९	११	१८

गोचरग्रहाः

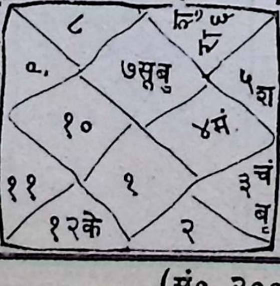

इस मास में ५ गुरु ५ शुक्रवार श्रेष्ठ हैं सुभिक्ष हो धान्य रुई गेहूं मूंग मोठ बाजरा चावल मंदा होगा ।

गोचरग्रहाः

३१पं.का.कृ.१३बु.इ.३१।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	२	६	४	५	६
२३	११	६	१२	५	६	१९	२३
३०	४४	२४	१०	४२	१२	४६	५
५८	३८	५०	३७	५८	३२	२६	५९
६०	२४	९४	३/३	७४	३	३	६०
१७	१६	४५	व	८	१८	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६८२सन् १९७७
१	श	५	४६	अ	४०	४०	शो	१७	९	ब	५	४६	२६/४६	६/३९	५/२१	१२	२१	२९	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
२	श	५१	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	४८	१०	ज्ये	३३	४६	अ	६/४०	४९/५५	तै	२२	२५	४३	३९	२१	१३	२२	१	ध. ३३।४६	जिल्हेज १२
४	चं	४०	२३	मू	२७	२५	धृ	४६	५३	व	१४	१५	४०	४०	२०	१४	२३	२	धनुषि	भ. १४।१५ उ. ४०।२३ या.
५	मं	३३	३४	पू	२१	५८	शू	३९	३	ब	६	५७	३७	४१	१९	१५	२४	३	म. ३५।५८	वृश्चिकेऽर्कः ५७।२८
६	बु	२८	७	उ	१७	५८	गं	३०	४०	कौ	०	५०	३४	४१	१९	१६	२५	४	मकरे	बृश्चिकेऽर्कः सौरः ३०/५८ ज्येष्ठायां बुधः ३४/२८
७	गु	२४	८	श्र	१५	११	वृ	२४	१०	व	२४	८	३१	४२	१८	१७	२६	५	कुं. ४४।३७	भ. २४।८ उ. ५३।२ या.
८	शु	२१	५५	ध	१५	४	ध्रु	१९	२	ब	२१	५५	२९	४२	१८	१८	२७	६	कुंभे	मघा. ३ शनिः ४६।३३ गोपाष्टमी
९	श	२०	५९	श	१४	१६	व्या	१४	५८	कौ	२०	५९	२६	४३	१७	१९	२८	७	कुम्भे	अनु. रविः १५/४८ (सौरः ३/४६) अक्षय ९
१०	र	२१	२९	पू	१६	७	ह	११	५९	ग	२१	२९	२४	४३	१७	२०	२९	८	मी०।४०	भ. ५२/२७ उ. विशाखा. शुक्रः ५२।५८
११	चं	२३	२५	उ	१९	१६	व	१०	२०	वि	२३	२५	२१	४४	१६	२१	३०	९	मीने	भ ३३/२५ या. प्रबोधिनी ११व्र. तुलसीविवाहः
१२	मं	२६	२०	रे	२३	२८	सि	९	३०	बा	२६	२०	१९	४४	१६	२२	१	१०	मे. २३।२८	रा. मार्गशीर्षारम्भः
१३	बु	३०	३८	अ	२८	३५	व्य	९	५१	तै	३०	३८	१६	४५	१५	२३	२	११	मेषे	प्रदोषः
१४	गु	२५	२६	भ	३४	४२	व	१०	२७	ग	३	२	१३	४५	१५	२४	३	१२	वृ. ५१।२२	भ. ३५।२६ उ. वैकुंठ १४
१५	शु	४१	११	कृ	४१	२२	प	११	५०	वि	८	१९	११	४६	१४	२५	४	१३	वृषे	भ. १९ या. मूले धनुषि बुधः ५३/३३ मन्वादि

३२पं.का.शु.६बु.इ.३०।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	.२	६	४	५	७
०	१३	१६	११	१४	६	१९	०
३३	४८	४९	४३	२८	३४	२४	१०
४७	५०	३७	८	१९	५	१०	३
६०	२१	८९	४/१३	७४	२	३	६०
३०	४४	५२	ब	१४	३७	११	४०

गोचरग्रहाः

का. शु. ५ भौमे बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावेस मघंता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३३पं.का.शु.१३बु.इ.३०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	२	६	४	५	७
७	१५	२६	११	२३	६	१९	७
३७	३६	४५	८	१५	५०	१	१५
३७	४३	२५	२४	२५	३५	१४	३६
६०	१७	८२	५/२४	७४	१	३	६०
४२	४३	१७	ब	२०	५६	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४७	२३	रो	४८	३९	शि	१३	३१	बा	१४	१६	२६/८	६/४६	५/१४	२६	५	१४	वृषे	
२	र	५३	४४	मृ	५६	१२	सि	१५	३८	तै	२०	३२	६	४७	१३	२७	६	१५	मि २२।२५	
३	चं	६०	०	आ	६०	०	सा	१७	५३	व	३०	०	३	४७	१३	२८	७	१६	मिथुने	भ. ३०।० उ. वृश्चिके शुक्रः ५१।१६
३	मं	०	१४	आ	३	४७	शु	२०	८	वि	०	१४	१	४८	१२	२९	८	१७	क. ५४।२०	भ. ०।१४ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	६	२३	पु	११	११	शु	२२	८	बा	६	२३	२५/५९	४८	१२	३०	९	१८	कर्के	आश्लेषा. भौमः ८।२९
५	गु	११	५३	पु	१७	४२	ब्र	२३	३१	तै	११	५३	५७	४९	११	१	१०	१९	कर्के	अनु. शुक्रः ३२।२९ **दिसम्बर १२ ता. ३१**
६	शु	१६	१६	श्ले	२३	१४	ऐं	२४	७	व	१६	१६	५५	४९	११	२	११	२०	सिं २३।१४	भ. ५१/१६ उ. ४७/४६ या. ज्येष्ठायां रविः ३५/५८*
७	श	१९	१६	म	२७	३७	वै	२३	४६	ब	१९	१६	५३	४९	११	३	१२	२१	सिंहे	*सौरः ४५।४६
८	र	२०	४४	पू	३०	१८	वि	२२	१	कौ	२०	४४	५१	५०	१०	४	१३	२२	कं. ४५।३१	वक्री आर्द्रा. १ गुरुः ५।४५
९	चं	१९	१४	उ	२१	१०	प्री	१८	५२	ग	१९	१४	४९	५०	१०	५	१४	२३	कन्यायां	भ. ४८।३० उ.
१०	मं	१७	४६	ह	३०	१	आ	१४	९	वि	१७	४६	४८	५०	१०	६	१५	२४	तु. ५८।२९	भ. १७।४६ या.
११	बु	१३	२३	चि	२६	५६	सौ	७/४९	५५/१०	बा	१३	२३	४६	५१	९	७	१६	२५	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	गु	६	५८	स्वा	२२	४	अ	५०	४७	तै	६	५८	४५	५१	९	८	१७	२६	तुलायां	भ. ५९।२२ उ. पूषायां बुधः ५०/५६ प्रदोषः
१३	गु	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु	५०	२५	वि	१५	५०	सु	४०	४१	वि	२४	५३	४४	५१	९	९	१८	२७	वृ. २।२४	भ. २४।५३ या.
३०	श	४०	५३	अ	८	२६	धृ	२९	५२	च	१५	३९	४२	५२	८	१०	१९	२८	वृश्चिके	

३४पं. मा.कृ.४बु.इ ३०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	२	७	४	५	७
१४	१६	५	१०	२	७	१८	१४
४२	४४	४५	२५	३	१	३९	२२
५४	४९	३६	३२	.४	४८	३९	२२
६०	१३	६९	६/२८	७४	१	३	६१
५०	९	१७	ब	२६	१६	११	३

गोचरग्रहाः

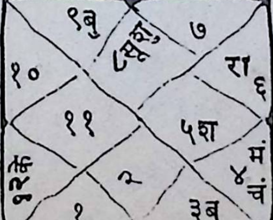

इस मास सुदी में ४ग्रह वक्रीहोरहे हैं यह अशुभ है। प्रजामें पीड़ा, भय हो सोना चांदी सूत अनाज तिलहन तेज रहे।

गोचरग्रहाः

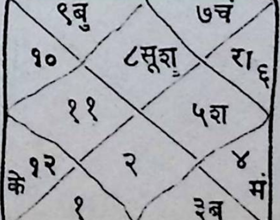

३५पं.मा.कृ.११बु.इ.३०।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	२	७	४	५	७
२१	१७	१२	९	१०	७	१८	२१
४८	३८	२५	३५	५२	७	१७	३०
५८	५०	३६	२४	३४	५२	२३	८
६०	७	३९	७/१३	७४	०	३	६१
५६	३९	१६	ब	२६	२९	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	३१	८	ज्ये	०/३६	५२/१४	शू	१८	४३	किं	६	१	२५/४१	६/५२	५/८	११	२०	२९	ध.०।३६
२	चं	२२	४६	पू	४५	३७	गं	७/५०	४९/२६	कौ	२१	४६	४०	५२	८	१२	२१	३०	म.५९।५
३	मं	१३	१४	उ	३९	३२	ध्रु	४७	४१	ग	१३	१४	३९	५२	८	१३	२२	१	मकरे
४	बु	६	०	श्र	३४	५०	व्या	३९	१८	वि	६	०	३८	५२	८	१४	२३	२	मकरे
५	गु	०	२५	ध	३१	५६	ह	३२	३१	बा	०	२५	३८	५२	८	१५	२४	३	कु.३।२३
६	शु	५६	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	शु	५४	५१	श	३०	४०	व	२७	९	ग	२४	५१	३७	५३	७	१६	२५	४	कुम्भे
८	श	५५	१४	पू	३१	१७	सि	२३	१८	वि	२५	१४	३७	५३	७	१७	२६	५	मी१६।८
९	र	५७	४	उ	३४	३	व्य	२०	५७	बा	२६	८	३६	५३	७	१८	२७	६	मीने
१०	चं	६०	०	रे	३८	१६	व	१९	४९	तै	२८	४४	३६	५३	७	१९	२८	७	मे.३८।१६
१०	मं	०	२४	अ	४३	४०	प	२०	२४	ग	०	२४	३६	५३	७	२०	२९	८	मेषे
११	बु	५	१२	भ	५०	०	शि	२१	१०	वि	५	१२	३६	५३	७	२१	३०	९	मेषे
१२	गु	१०	३७	कृ	५७	११	सि	२२	४६	बा	१०	३७	३६	५३	७	२२	१	१०	वृ. ७।२
१३	शु	१६	५३	रो	६०	०	सा	२४	४३	तै	१६	५३	३६	५३	७	२३	२	११	वृषे
१४	श	२३	१०	रो	४	२८	शु	२६	५५	व	२३	१०	३७	५३	७	२४	३	१२	मि३८।१३
१५	र	२९	३२	मृ	११	५९	शु	२९	१३	ब	२९	३२	३७	५३	७	२५	४	१३	मिथुने

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण: १७११स.१९७७

वक्री बुधः ३/२७ वक्री शनिश्च ४३।४९
ज्येष्टा. शुक्रः ४।४३ चन्द्रदर्शनम्
भ. ३९।३७ उ. मोहोरम १ सन् १३९८हि
भ. ६।० या. वक्री मूले बुधः १४।४८
मूले धनुष्यर्कः ३३/१० (सौरः ४९/३०) वक्री✱
✱भौमः ३९/३० पश्चिमास्तं बुधः १९/१८ चम्पा६
भ. ५४।५१ उ.
भ. २५।२ या.
भ. ३२।४८ उ.
भ. ५/१२ या. मोक्षदा ११ व्र. गीताजयंती
मूले धनुषि शुक्रः ४३/० रा.पौषारंभः प्रदोषः
भ. ३३/१० उ. ५६/२१ या. वक्री पुष्ये भौमः ४०/२९
श्रीदत्त जयन्ती

३६पं. मा.शु.४बु.इ.३०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	२	७	४	५	७
२८	१७	१३	८	१९	७	१७	२८
१५	३३	११	४१	४०	९	५५	३८
५२	३२	५६	२८	१९	३८	७	५१
६१	१	३१/४२	७/४३	७४	१०/१९	३	६१
४	१५	व	व	२६	व	११	१९

गोचरग्रहाः

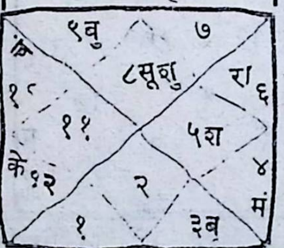

मार्ग. शु. ५ गुरौ धनुष्यर्कः प्र.वा ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो पू.. ।

गोचरग्रहाः

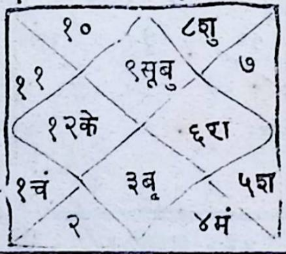

३७पं.मा.शु.११बु.इ.२९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	२	७	४	५	८
६	१६	५	७	२८	७	१७	५
३	५७	५९	४४	२९	३	३२	४८
२९	५४	६	३१	१३	१४	५२	१६
६१	५/३५	३८/६	७/५२	७४	३/२	३	६१
४	व	व	व	३२	व	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	३५	५६	आ	१९	२६	ब्र	३१	१	बा	२	४४	३५/३७	६/५३	५/७	२६	५	१४	मिथुने
२	मं	४१	४९	पु	२६	४४	ऐं	३२	५०	तै	८	५२	३८	५२	८	२७	६	१५	क.९।५५
३	बु	४६	४९	पु	३३	२	वै	३४	९	व	१४	१९	३८	५२	८	२८	७	१६	कर्के
४	गु	५१	१	श्ले	३८	३८	वि	३४	५८	ब	१८	५७	३९	५२	८	२९	८	१७	सिं३८।३८
५	शु	५४	१४	म	४३	२५	प्री	३४	४८	कौ	२२	४०	४०	५२	८	३०	९	१८	सिंहे
६	श	५६	१९	पू	४६	५९	आ	३३	५३	ग	२५	१७	४१	५२	८	३१	१०	१९	सिंहे
७	र	५६	५०	उ	४९	१६	सौ	३१	४७	वि	२६	३५	४२	५२	८	१	११	२०	कं.२।३३
८	चं	५५	४६	ह	४९	५१	शो	२८	२४	बा	२६	१८	४३	५१	९	२	१२	२१	कन्यायां
९	मं	५३	४	चि	४८	३८	अ	२३	४९	तै	२४	२५	४३	५१	९	३	१३	२२	तु.१९।१४
१०	बु	४७	४४	स्वा	४५	५२	सु	१७	४४	व	२०	२४	४४	५१	९	४	१४	२३	तुलायां
११	गु	४२	२९	वि	४१	३२	धृ	१०	२८	ब	१५	७	४६	५१	९	५	१५	२४	वृ.२३।३७
१२	शु	३४	५८	अ	३५	४६	शू	४ १/३	५० १/२	कौ	८	४४	४७	५१	९	६	१६	२५	वृश्चिके
१३	श	२६	२५	ज्ये	२८	५८	वृ	४१	४०	ग	०	४१	४९	५०	१०	७	१७	२६	ध.२८।५८
१४	र	१७	४	मू	२१	२८	ध्रु	३०	५५	श	१७	४	५१	५०	१०	८	१८	२७	धनुषि
३०	चं	७	२८	पू	१३	४२	व्या	१९	५३	ना	७	२८	५२	५०	१०	९	१९	२८	म.२६।५२

शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वक्री ज्येष्ठा. वृश्चिके बुधः ८।१५
बुधोदयः पूर्वस्यां ३६/२९ शुक्रास्तःपूर्वस्यां ४९/१२✱
भ. १४।१९उ. ४६।४९या. पूषायां रविः×
वक्री मृगे ४ गुरुः २४।४९ चतुर्थी व्र.
×३८।६(सौरः ५१।८) ✱शु.अ.पू.
भ. ५६।१९ उ.
भ. ३६/५ या. मार्गीबुधः ४३/२४ जनवरी मा. १+
पूषायां शुक्रः १५।५७
वक्री मघा. २ शनिः ७।१
भ. २०।२४ उ. ४७।४४ या.
सफला ११ व्र. +ता. ३१ सन् १९७८ई.
=उभा. ४ केतुः ५।११ प्रदोषः
भ. २६।२५उ. ५१।४५या. हस्ते२ राहुः=
मूले धनुषि बुधः १६।४५
सोमवती ३०

३८पं. पौ.कृ.३बु.इ.२९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	.२	८	४	५	८
१३	१५	२८	६	७	६	१७	१२
११	४३	२७	४७	१८	५२	१७	५८
३१	२६	४७	१३	१४	२३	३६	८
६१	१४/२२	३८/४९	७/५२	७४	१/४७	३	६१
६	व	व	व	३२	व	११	२६

गोचरग्रहाः

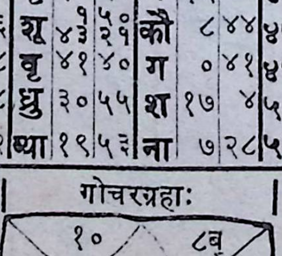

इस मासमें हरेक वस्तु में घटाबढ़ी होगी । मंदी हो वह वस्तु खरीदे तेज हो वह बेचे लाभ होगा ।

गोचरग्रहाः

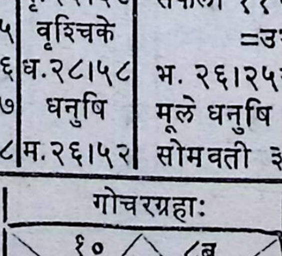

३९पं.पौ.कृ.१०बु.इ.२३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	२	८	४	५	८
२०	१३	२८	५	१६	६	१६	२०
१९	५५	२२	५२	६	३६	४८	८
२६	३०	५२	३७	७	४३	२१	५
६१	२१/५३	२५/४०	७/२९	७४	३/२३	३	६१
४	व	मा	व	३२	व	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७४१स.१९७८
१	चं	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४९	४६	उ	६	२३	हृ	२ ९/२	५०/१३	बा	२३	५९	२५/५४	४ ६/९	१ ५/१	१०	२०	२९	मकरे	उषायां रविः ४२/५० (सौरः ५२/३५) चन्द्रदर्शनम्
३	बु	४२	४०	श्र	०/५	५५/५	सि	५१	१७	तै	१६	१३	५६	४९	११	११	२१	१	कृ.२७।३७	सफर २
४	गु	३७	२६	श	५२	१३	व्य	४३	४१	व	१०	४	५८	४८	१२	१२	२२	२	कुम्भे	भ. १०/४ उ. ३७/२६ या. उषायां शुक्रः ४९/२३
५	शु	३४	१	पू	५१	६	व	३८	१३	ब	५	४६	२६/१	४८	१२	१३	२३	३	मी३६।२३	मकरेऽर्कः ५९।१४
६	श	३२	५५	उ	५२	४	प	३४	३५	कौ	३	३१	३	४७	१३	१४	२४	४	मीने	मकरेऽर्कः सौरः ८।०
७	र	३३	५७	रे	५५	७	शि	३२	२५	ग	३	२६	५	४७	१३	१५	२५	५	मे.५५।७	भ. ३३।५७ उ. मकरे शुक्रः २९।२४
८	चं	३६	४७	अ	५९	५३	सि	३१	५१	वि	५	२२	८	४६	१४	१६	२६	६	मेषे	भ. ५।२२ या.
९	मं	४१	१५	भ	६०	०	सा	३२	१३	बा	९	१	१०	४६	१४	१७	२७	७	मेषे	
१०	बु	४७	५०	भ	५	५९	शु	३३	४२	तै	१४	३२	१२	४६	१४	१८	२८	८	बृ.२२।४९	•पुत्रदा ११ व्र.
११	गु	५३	१८	कृ	१३	२०	शु	३५	५०	व	२०	३४	१५	४६	१४	१९	२९	९	बृषे	भ. २०/३४ उ. ५३/३८ या. पूषायां बुधः २८।१९•
१२	शु	५९	४६	रो	२०	४४	ब्र	३८	७	ब	२६	३२	१७	४५	१५	२०	३०	१०	मि५४।३२	अभि. प्र. रविः ३१।५९ (सौरः ३९/२२)
१३	श	६०	०	मृ	२८	२२	ऐं	४०	३२	कौ	३३	०	२०	४४	१६	२१	१	११	मिथुने	रा. माघारंभः प्रदोषः
१३	र	६	१४	आ	३५	४५	वै	४३	३२	तै	६	१४	२२	४४	१६	२२	२	१२	मिथुने	+(सौरः ५५/१९) श्रवणे शुक्रः २७।२३
१४	चं	१२	२३	पु	४१	३८	वि	४४	७	व	१२	२३	२५	४३	१७	२३	३	१३	क.२५।१०	भ. १२/२३ उ. ४५/४१ या. श्रवणे रविः ४८।२२+
१५	मं	१७	४५	पु	४७	४४	प्री	४५	१०	ब	१७	४५	२७	४३	१७	२४	४	१४	कर्के	अभि. नि. रविः ४०।५१ (सौरः ४७/३५)

४०पं. पौ.शु.३बु.इ.२९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	२	८	४	५	८
२७	११	३	५	२४	६	१६	२७
२७	४१	५९	०	५५	१६	२६	१७
४०	६	६	४३	३७	५	५	५७
६१	२८/५९	५६	६/४४	७४	३/४	३	६१
६	ब	८	ब	३८	ब	११	२४

गोचरग्रहाः

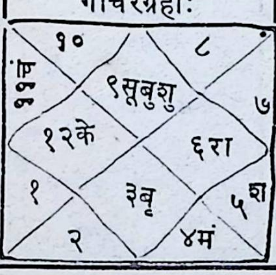

पौष शु. ५ शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समता शुक्रास्तःपू.।

गोचरग्रहाः

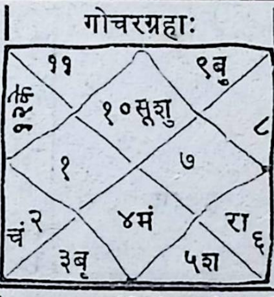

४१पं.पौ.शु.१०बु.इ.२९।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	२	९	४	५	९
४	९	१२	४	३	५	१६	४
३५	१८	७	१५	४१	५१	३	२७
३१	०	२३	७	१०	३६	४०	२६
६१	३२/३२	७४	५/५४	७४	३/४१	३	६१
३	ब	११	ब	३८	ब	११	२

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२२	१०	श्ले	५२	५६	आ	४५	२४	कौ	२२	१०	३६/३०	४ ६/२	१ ५/८	२५	५	१५	सि५२।५६	
२	गु	२५	४५	म	५८	१५	सौ	४४	५४	ग	२५	४५	३३	४१	१९	२६	६	१६	सिंहे	भ. ५७।० उ.
३	शु	२८	१६	पू	६०	०	शो	४३	४४	वि	२८	१६	३६	४१	१९	२७	७	१७	सिंहे	भ. २८।१६ या. चतुर्थी व्र.
४	श	२९	४०	पू	१	२९	अ	४१	३४	बा	२९	४०	३९	४०	२०	२८	८	१८	कं.१७।२	
५	र	३०	१	उ	३	४१	सु	३८	४४	तै	३०	१	४२	४०	२०	२९	९	१९	कन्यायां	उषायां बुधः ५५/९ वक्री मृगे ३ गुरुः ३/११
६	चं	२९	१६	ह	४	५६	धृ	३४	५२	व	२९	१६	४६	३९	२१	३०	१०	२०	तु.३४।५४	भ. २९।१६ उ. ५८।२० या.
७	मं	२७	२५	चि	४	५२	शू	३०	४	ब	२७	२५	४९	३८	२२	३१	११	२१	तुलायां	मकरे बुधः २३।४२
८	बु	२४	८	स्वा	३	३४	गं	२४	८	कौ	२४	८	५२	३८	२२	१	१२	२२	बृ.४६।१५	फरवरी मा. २ ता. २८
९	गु	१९	५३	वि	१/८	५६/२९	वृ	१७	२४	ग	१९	५३	५५	३७	२३	२	१३	२३	बृश्चिके	भ. ४७।३ उ.
१०	शु	१४	१४	ज्ये	५२	४८	ध्रु	९	३४	वि	१४	१४	५९	३६	२४	३	१४	२४	ध.५२।४८	भ. १४।१४ या. धनिष्ठा. शुक्रः ६।३५
११	श	७	३४	मू	४६	५९	व्या	१/१	५१/३२	बा	७	३४	२ ७/२	३६	२४	४	१५	२५	धनुषि	वक्री पुन. भौमः १३/४ पट्तिला ११ व्र.
१२	श	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	र	५१	४१	पू	४०	५०	व	४१	५१	ग	२५	४७	६	३५	२५	५	१६	२६	म.५४।७	भ. ५१/४१ उ. धनिष्ठा. रविः ५६/४३ प्रदोषः
१४	चं	४३	७	उ	३३	५९	सि	३१	४७	वि	१७	२३	९	३४	२६	६	१७	२७	मकरे	भ. १७/२३ या. धनिष्ठा. रविः सौरः १/१०*
३०	मं	३४	५९	श्र	२७	४०	व्य	२२	४	च	९	२	१३	३३	२७	७	१८	२८	कुं.५४।५५	*श्रवणे बुधः ५७।४३

४२पं. मा.कृ.१बृ.इ.२९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	२	९	४	५	९
११	६	२१	३	१२	५	१५	११
४२	५१	३०	३६	३२	२४	४१	३६
५८	५०	३२	४०	६	४	३४	१७
६०	३३/१८	८६	४	७४	४/३	३	६१
५९	ब	३	४१	३८	ब	११	१३

गोचरग्रहाः

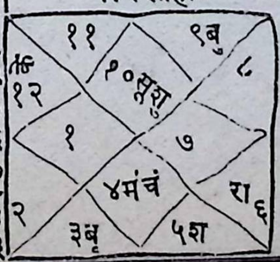

मा. शु. ५ रवौ कुंभेऽर्कः प्र. वा.३ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पू.।

गोचरग्रहाः

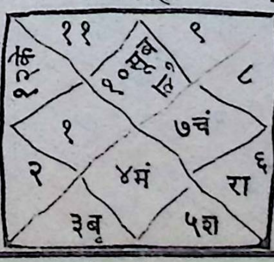

४३पं.मा.कृ. ८बु.इ.२९।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	२	९	४	५	९
१८	४	१	३	२१	४	१५	१८
४९	४०	४२	६	१९	५२	१९	४४
२६	४१	४०	४०	३७	४८	१८	१९
६०	२९/३०	९२	३/२३	७४	४/१८	३	६१
५५	ब	११	ब	३८	ब	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १७७०स.१९७८
१	बु	२७	१६	ध	२२	१०	व	१२	५२	किं	१	७	२७/१६	६/३३	५/२७	८	१९	२९	कुम्भे	कुम्भे शुक्रः २४।१
२	गु	२१	२४	श	१७	५८	प	४/५२	५३/४	कौ	२१	२४	२०	३२	२८	९	२०	३०	कुंभे	पूर्वास्तो बुधः १।३४ चन्द्रदर्शनम्
३	शु	१७	२	पू	१५	१५	सि	५२	३१	ग	१७	२	२४	३१	२९	१०	२१	१	मी०।५६	भ. ४५।४० उ. रविलावल ३
४	श	१४	३८	उ	१३	४०	सा	४८	५६	वि	१४	३८	२७	३१	२९	११	२२	२	मीने	भ. १४।३८ या.
५	र	१५	१७	रे	१५	५९	शु	४७	२१	बा	१४	१७	३१	३०	३०	१२	२३	३	मे.१५।५९	कुंभेऽर्कः ३१।५८ (सौरः ३५/७) वसन्त ५
६	चं	१७	४	अ	१९	३१	शु	४६	५९	तै	१७	४	३५	२९	३१	१३	२४	४	मेषे	शते शुक्रः ४३।४३
७	मं	१९	४९	भ	२४	३७	ब्र	४७	३२	व	१९	४९	३८	२८	३२	१४	२५	५	वृ.४१।१७	भ. १९।४९ उ. ५२/५२ भानु ७ रथ ७
८	बु	२५	५४	कृ	३१	१७	ऐं	४९	२६	ब	२५	५४	४२	२८	३२	१५	२६	६	वृषे	धनिष्ठा.बुधः४।४२ शुक्रोदयःपश्चिमायां*
९	गु	३१	१	रो	३८	२९	वै	५१	२३	कौ	३१	१	४६	२७	३३	१६	२७	७	वृषे	*२९।२४ भीष्माष्टमी शु.उ.प.
१०	शु	३७	२८	मृ	४६	१२	वि	५३	५३	तै	४	१४	५०	२६	३४	१७	२८	८	मि१२।२०	×५२/१९ मार्गी गुरुः ४८।६ जया ११ व्र.
११	श	४३	५७	आ	५३	४६	प्री	५५	५८	व	१०	४२	५४	२५	३५	१८	२९	९	मिथुने	भ. १०।४२ उ. ४३।५७ या. कुंभे बुधः×
१२	र	४९	५९	पु	६०	०	आ	५७	४९	ब	१६	५८	५८	२५	३६	१९	३०	१०	क.४४।०	शते रविः ८।१९ (सौरः १०।२९)
१३	चं	५५	७	पु	०	४४	सौ	५७	४३	कौ	२२	३२	२/६	२४	३६	२०	१	११	कर्के	वक्री मघा.१ शनिः ४६/५४ रा.फाल्गुनारंभः+
१४	मं	५८	४९	पु	६	३८	शो	५८	३६	ग	२६	५८	६	२२	३७	२१	२	१२	कर्के	भ. ५८।४९ उ. +प्रदोषः
१५	बु	६०	०	श्ले	११	११	अ	५७	४६	वि	३०	१३	१०	२२	३८	२२	३	१३	सिं११।११	भ. ३०।१३ या. शते बुधः ४२।५२
१५	गु	१	३७	म	१५	८	सु	५५	५६	ब	१	३७	१४	२१	३९	२३	४	१४	सिंहे	वक्री मिथुने भौमः २७।६

४४पं. मा.शु.२बु.इ.२९।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	२	१०	४	५	९
२५	२	१२	२	०	४	१४	२५
५५	३८	३४	४५	७	१९	५७	५१
१६	३१	२३	४०	१	५९	.३	६
६०	१६/४७	०/०	१/३	७४	४/३७	३	६०
४७	व	२६	व	३२	व	११	५५

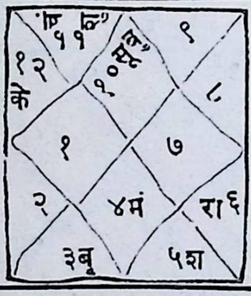

४५पं. मा.शु.८बु.इ.३०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	२	१०	४	५	१०
३	१	२४	२	८	३	१४	२
०	७	४	३४	५२	४५	३४	५७
४	१२	४८	१९	१६	५८	४७	९
६०	३५/५६	६/०	४२	७४	४	३	६०
३७	व	२५	व	३२	४०	११	४२

४६पं.मा.शु.१५बु.इ.३०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	२	१०	४	५	१०
१०	०	६	२	१७	३	१४	१०
३	८	१७	३३	३७	१२	१२	१
३२	१०	२	७	१२	०	३२	४२
६०	३८/०	०/०	३६	७४	३९	३	६०
२५	व	८/७	मा	३२	व	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२	५८	पू	१७	३३	धृ	५२	७	कौ	२	५८	२८/१८	६/२०	५/४०	२४	५	१५	कं.३२।५२	पूभायां शुक्रः २५।२४
२	श	३	२०	उ	१८	४८	शू	४९	३४	ग	३	२०	२२	२०	४०	२५	६	१६	कन्यायां	भ. ३२।५३ उ.
३	र	२	२७	ह	१९	२०	गं	४५	१९	वि	२	२७	२६	१९	४१	२६	७	१७	तु.४९।९	भ. २।२७ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	०	३७	चि	१८	५८	वृ	४०	१९	बा	०	३७	३०	१८	४२	२७	८	१८	तुलायां	*मार्च मा. ३ ता. ३१
५	चं	५७	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	मं	५४	५८	स्वा	१७	४६	ध्रु	३३	४७	ग	२६	३५	३४	१७	४३	२८	९	१९	तुलायाँ	भ. ५४।५८ उ.
७	बु	५१	१	वि	१५	४७	व्या	२८	४५	वि	२३	२	३८	१६	४४	१	१०	२०	वृ.१।१७	भ. २३।२ या. पूभायां बुधः ५४।३८*
८	गु	४६	३७	अ	१३	१७	ह	२२	४	बा	१८	५२	४२	१६	४४	२	११	२१	बृश्चिके	मार्गी भौमः ५०।३६
९	शु	४१	२६	ज्ये	१०	०	व	१५	१	तै	१४	१	४६	१५	४५	३	१२	२२	ध.१०।०	×(सौरः २५।१६) मीने शुक्रः २६।१४
१०	श	३५	३१	मू	६	२	सि	७/१८	५२/७	व	८	२८	५०	१४	४६	४	१३	२३	धनुषि	भ. ८।२८ उ. ३५/३१ या. पूभायां रविः २४/२४×
११	र	२९	१०	पू	४ ३/१	५५/११	व	५०	५२	ब	२	२०	५४	१३	४७	५	१४	२४	म.१५।३१	विजया ११ व्र.
१२	चं	२२	३१	श्र	५२	८	प	४२	३१	तै	२२	३१	५८	१२	४८	६	१५	२५	मकरे	प्रदोषः
१३	मं	१५	४९	ध	४७	२८	शि	३४	२१	व	१५	४९	२/२	१२	४८	७	१६	२६	कु.१९।४७	भ.१५।४९उ.४२।३२या. मीने बुधः ५/१०+
१४	बु	९	१४	श	४३	३२	सि	२५	३७	श	९	१४	६	११	४९	८	१७	२७	कुम्भे	उभायां बुधः ४८।४८
३०	गु	०	१३	पू	४०	३५	सा	१९	४५	ना	०	१३	१०	१०	५०	९	१८	२८	मी२६।१९	+उभायां शुक्रः ६/५३ महाशिवरात्री व्र.

४७पं.फा.कृ.७बु.इ.३०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	२	१०	४	५	१०
१७	२९	१९	२	२६	२	१३	१७
५	४२	१३	४१	२१	३८	५०	४
४६	११	५२	२	२४	३८	१६	३२
६०	१/३	५/७	१	७४	४	३	६०
१२	व	५०	५५	२६	२४	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मासके आरंभ से पूर्व ही मंदी चालू होगी । धान्य गेहूं चावल रुई सोना चांदी में मन्दी और वर्षा हो ।

गोचरग्रहाः

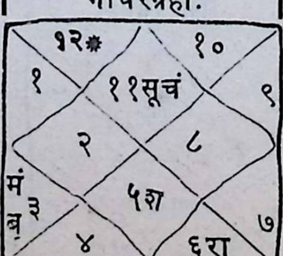

४८पं.फा.कृ.१४बु.इ.३१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	२	११	४	५	१०
२४	२९	२	२	५	२	१३	२४
६	५१	४५	५९	४	७	२८	५
२९	४०	५०	१७	२६	२६	०	५५
५९	११/५	६/०	३	७४	४/६	३	६०
५८	मा	३/७	२२	२६	व	११	६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *बृशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	शु	५९	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	शु	५६	३१	उ	३९	२०	शु	१३	५०	बा	२७	५६	२९/१४	६/९	५९	१०	१९	२९	मीने
३	श	५५	३५	रे	३९	४७	शु	९	३१	तै	२६	३	१९	८	५२	११	२०	१	मे.३९।४७
४	र	५६	२६	अ	४१	५३	ब्र	६	२९	व	२६	१	२३	७	५३	१२	२१	२	मेषे
५	चं	५९	२२	भ	४५	५३	ऐं	५	१९	ब	२७	५४	२७	७	५३	१३	२२	३	मेषे
६	मं	६०	०	कृ	५१	४०	वै	५	८	कौ	३१	३२	३२	६	५४	१४	२३	४	बृ.२।१९
६	बु	३	४२	रो	५८	२२	वि	६	१६	तै	३	४२	३६	५	५५	१५	२४	५	बृषे
७	गु	९	२३	मृ	६०	०	प्री	७	५९	व	९	२३	४०	४	५६	१६	२५	६	मि३२।६
८	शु	१५	४३	मृ	५	५०	आ	१०	२३	ब	१५	४३	४६	३	५७	१७	२६	७	मिथुने
९	श	२२	१	आ	१३	२०	सौ	१२	३३	कौ	२२	१	४९	२	५८	१८	२७	८	मिथुने
१०	र	२८	४	पु	२०	३२	शो	१४	३५	ग	२८	४	५३	१	५९	१९	२८	९	क.३।४४
११	चं	३३	१०	पु	२६	५३	अ	१५	५२	व	०	३७	५८	१	५९	२०	२९	१०	कर्के
१२	मं	३६	४३	श्ले	३१	५३	सु	१६	४	ब	४	५६	३०/१	०/६	०/६	२१	३०	११	सिं३१।५३
१३	बु	३९	५	म	३५	२२	धृ	१५	७	कौ	७	५४	६	५९	१	२२	१	१२	सिंहे
१४	गु	३९	३४	पू	३७	१४	शू	१४	१	ग	९	२०	१०	५८	२	२३	२	१३	कं.५२।२२
१५	शु	३८	४३	उ	३७	४६	गं	९	३५	वि	९	८	१४	५७	३	२४	३	१४	कन्यायां

वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽह्र्गणः १८००स.१९७८

*पातस्पर्शः ३७।५६ मोक्षः ५२।२६
कर्कभौमः ७।३२ चन्द्रदर्शनम् फुलरिया२*
हस्त.१राहुःउभा.३केतुः ५१ रविलाखर४
भ. २६।१ उ. ५६।२६ या.
बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।३३
मीनेऽर्कः २१/३५ (सौरः ३६/३५) मृगे.४ गुरुः ६।५
रेवत्यां बुधः ५४।५३
भ. ९।२३ उ. ४२।३३ या.
उभायां रविः ४६/२५ (सौरः ४६/१२) रेवत्यां शुक्रः×
×५०।३२ होलाष्टकः
भ. ०।३७उ.३३।१०या. आमलकी११ व्र.
रा. चैत्रारम्भः प्रदोषः
भ. ३९।३४ उ.
भ.९।८या. चंद्रग्रहणम् होलिकादहनं सायं

४९पं.फा.शु.६बृ.इ.३१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	२	११	४	५	११
१	०	१५	३	१३	१	१३	१
५	३१	५८	२६	४०	३९	५	५
४२	४१	१६	३१	२४	१४	४५	३७
५९	१०	६/०	४	७४	३/४५	३	५९
४१	१६	३८	३५	२६	व	११	४९

गोचरग्रहाः

फा.शु. ६ भौमे
मीनेऽर्कः प्र.वा.३
न.३ गतालकावस्था
(ऊभी) मु. ३०
धान्यादिभावे स-
मता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

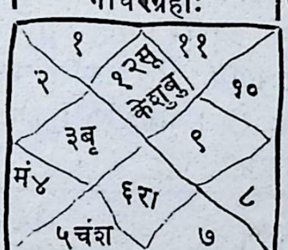

५०पं.फा.शु.१३बु.इ.३१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	२	११	४	५	११
८	१	२६	४	२२	१	१२	८
३	४१	३०	१	२८	१३	४३	३
१८	१३	१४	३०	८	५५	२९	३२
५९	१४	७७	५	७४	१६/३	३	५९
२९	४९	१३	४२	२०	व	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०३४ शाकः १८९९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	श	३६	२५	ह	३७	४	वृ	११/५	४६/५४	बा	७	३४	३०/१८	५/५६	६/४	२५	४	१५	कन्यायां
२	र	३३	११	चि	३५	२५	व्या	५४	२	तै	४	४७	२३	५५	५	२६	५	१६	तु.६।१४
३	चं	२९	४	स्वा	३२	५३	ह	४७	३२	व	१	८	२७	५५	५	२७	६	१७	तुलायां
४	मं	२४	१७	वि	३०	४	व	४०	६०	बा	२४	१७	३१	५४	६	२८	७	१८	वृ.१५।४६
५	बु	१९	२६	अ	२६	५५	सि	३३	५६	तै	१९	२६	३५	५३	७	२९	८	१९	बृश्चिके
६	गु	१४	२५	ज्ये	२३	३७	व्य	२६	४९	व	१४	२५	३९	५२	८	३०	९	२०	ध.२३।३६
७	शु	९	२६	मू	२०	१६	व	१९	४४	ब	९	२६	४४	५१	९	३१	१०	२१	धनुषि
८	श	४	१७	पू	१६	५६	प	१२	४७	कौ	४	१७	४८	५०	१०	१	११	२२	म.३१।५
९	श	५५	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	र	५३	५३	उ	१३	३२	शि	३२/५	५७/३	व	२६	३८	५२	५०	१०	२	१२	२३	मकरे
११	चं	४८	३२	श्र	१०	१८	सा	५१	५७	ब	२१	२२	५६	४९	११	३	१३	२४	कुं.३८।४८
१२	मं	४४	८	ध	७	१८	शु	४५	३३	कौ	१६	२९	३१/००	४८	१२	४	१४	२५	कुम्भे
१३	बु	४०	९	श	४	५०	शु	३९	४१	ग	१२	८	४	४७	१३	५	१५	२६	मी४८।२३
१४	गु	३६	५९	पू	२	५३	ब्र	३४	३१	वि	८	३४	८	४६	१४	६	१६	२७	मीने
३०	शु	३४	३५	उ	२	१	ऐं	३०	२६	च	५	४७	१२	४६	१४	७	१७	२८	मीने

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

अश्वि. मेषे बुधः ५१/६३ वसंत १ छारेंडी
भ. १।८ उ. २९।४ या. चतुर्थी व्र.
अश्वि. मेषे शुक्रः ३७।३१
पुष्ये भौमः ३९।३५
भ. १४।२५ उ. २१।५६ या.
रेवत्यांरविः १४/८ (सौरः १३/४०) शीतलापूजनम्
वक्री बुधः ५१/५३ अप्रेल मा. ४ ता. ३०
भ. २६।३८ उ. ५३।५३ या.
बुधास्तःपश्चिमायां ३/२ ६ पापमोचनी ११ व्र.
भ. ४०।९ उ. प्रदोषः
भ. ८।३४ या.
मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.५बु.इ.३२।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	०	२	०	४	५	११
१४	३	२	४	१	०	१२	१४
५९	१७	६	४५	८	५२	२१	५९
१३	४२	३६	२५	४६	२३	१४	३८
५९	१८	२३	६	७४	३/२५	३	५९
१६	२७	२०	४५	१४	व	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मास में प्रजा
में रोग पीड़ा और
मंदी का जोर रहे
वर्षा का योग है ।
सुदी में तेजी
होगी ।

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१३बु.इ.३२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	.०	२	०	४	५	११
२१	५	१	५	९	०	११	२१
५३	१२	५५	३५	४६	३५	५८	५३
३१	२२	१६	३८	५५	२८	५८	४९
५९	२१	३४/४२	७	७४	२/१	३	५९
४	३२	व	४७	८	व	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०७९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०७९ भोग्यकलिः ४२६९२१ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्याद्सम्वत् २०३५ शाकः १९०० वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशो भौमः । नीरसेशोरविः । फलेशो बुधः । धनेशश्शनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ५ प्रजापतिनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः ७।०।८।३८ भोग्यमासादिः ४।२९।५१।२२ । विष्णुदैवतंयुगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासो वणिग्गृहे । समयविश्वा १० । समयवाहनम् महिषः । स्तम्भाः ३ अन्नजलवायूनां। सोमवत्यमा. ३ सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी२ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १५ । तिथिवृद्धिः ८ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपतिविश्वा ९३। वर्षाविश्वा ९ । धान्यम्१७। तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेजः ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०९ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणम् २ चन्द्रमसः ।

सं. २०३५ शाके १९०० भाद्रपद शु. १५ शनौ खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४१	४३	४५	४७	४९
मध्य.	पल	६	४७	२७	७	४८
रेल्वे	घं.	१०	११	१२	१	२
टाइम	मि.	५३	५८	३८	१८	२२

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ६।१२

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय अम्बे जगदीश्वरी तू है रक्षक माय ।
शुभ संवत् पैंतीस का सांचा भेद बताय ।।

भवानी उत्तर

सुणजे भैरव चेतकर मैं समझावूं तोय ।
राजा मन्त्री देखतां मध्य जमानूं होय ।।
पण धान्याधिप शुक्र है करैं धान्य की सार ।
स्तंभ तीन मेघेश बुध करसी बेड़ा पार ।।
संवत् वासो वैश्य घर तेजी का यह योग ।
सभी धान्य संचय करो उसमें मिलसी भोग ।।
दशाधिकारी योग में शुभ पद पाये पांच ।
सम संवत्सर होयसी यह तुम जानो सांच ।।

सं. २०३५ शाके १९०० फाल्गुन शु. १५ भौमे खंडग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज.	घ.	४६	५०	५४		
मध्य.	पल	१६	२८	४२		
रेल्वे	घं.	१२	२	४		
टाइम	मि.	५७	३८	१९		

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ८।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३२।१५

*सूचंके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा शनिस्तत्फलम्—शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनाः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मन्त्री गुरुस्तत्फलम्—विविध धान्ययुता खलुमेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रिसमागते ।। सस्येशो रविः फलम्–सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समघं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्–भृगौ पश्चिम धान्येशो पश्चाद्धान्यन्न पच्यते । सस्यं समर्घता याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम्–अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसो विविधसौख्युता धरणी तदा ।। रसेशो भौमस्तत्फलम्–यदि धरातनयो रसपो भवेत् न रसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनतापदो न जलदो बहुवृष्टिकरो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम्–नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्रचंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम्–यदि बुधे फलपे फलमुत्तमम् जलधरा जलराशिमुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमैः कमलैर्युतं जनपदो जनसौख्य मुदान्वितः ।। धनेशः शनिः फलम्–द्रविणपेरविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजो कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्—विषयसाम्यसुखं शशिजेप्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषता । शशिसुते यदिकोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां नभयंक्वचित् ।। प्रजापति नाम संवत्सरः फलम्–न चलत्यखिला लोकाः स्वस्वमार्गात् कथंचन । अब्दे प्रजापतौ नूनं बहुसस्यार्घं वृष्टयः ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम्—कार्पासादि महर्घं स्यात् गोधूमाषतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। मेघनाम पुष्करः फलम्—पुष्करे मंदवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणीनिवासः संधौ फलम्—खंड बृष्टिश्चः संधिषु ।। समयनिवासो वणिग्गृहे फलम्—वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०३५ शाके १९०० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

शुक्ले ३ बुधे मृगे ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।ऽरो.।।।।
,, १३ शनौ स्वा. ल. १ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।। चं. ७ पू.

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे २ बुधे मूले ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।
,, ५ शुक्रे उषा. ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽअ.।ऽऽ। गणितेनक्रांति-साम्याऽभावः
शुक्ले ११ शनौ स्वा. ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽअ.ऽ।।।
,, १२ रवौ अनु. ल. २ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।। चं. ७ पूज्यः
,, १५ भौमे मूले ल. १ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽऽ। गणितेन क्रांति-साम्याऽभावः आवश्यके

आषाढ़ मासः

कृष्णे २ गुरौ उषा. ल. गो. १ रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे ७ बुधे मघा. ल. ४-७ रे. ८. ।।।।।ऽचौ.।ऽ।।
,, १० शनौ हस्ते ल. ४-७ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले १ शुक्रे मूले ल. ६-७ रे. ८ ।।।।।ऽचौ.ऽ।।।
,, ४ रवौ उषा. ल. ७ रे. ९ ।।।।।ऽरो.।।।।
,, ९ शुक्रे उभा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽऽनृ.।।।। भौ. ८ दोषः
,, १५ गुरौ मृगे ल. ७ घ.४९।५१ उप. रे. ६ ।ऽ।।ऽऽअ.।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णे ३ भौमे मघा. ल. ७-८ रे. ९ ।।।।।ऽअ.।।।।
,, ६ शुक्रे हस्ते ल. ७-८ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।। वृश्चिके लग्न घ. ५०।४८ या.
,, ८ रवौ स्वात्यां ल. ८ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले ४ बुधे उभा. ल. ८ रे. ७ ।।।।।ऽरो.ऽऽ।।
,, ५ गुरौ रेवत्यां ल. ८ रे. १० ।।।।।।।।।।
,, १० भौमे रोहि. ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याभावः भौम ७ दोषः
, १५ चंद्रे मघा.ल.गो.रे. ६ ।।।।ऽऽऽऽ।। भौ.७दोषः मासांतः

फाल्गुन मासः

कृष्णे २ बुधे उफा.ल.८रे ७ ।।।।ऽऽअ.ऽ।।। घ.४५उ. ४८।३४या.
,, ३ गुरौ हस्ते ल. ७-८ रे. ७ ।।।।।ऽअ.।ऽ।ऽ
,, ४ शुक्रे हस्ते ल. गो. रे ९ ।।।।।।।ऽ।।
,, ८ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। भौम७ दोषः
,, १० गुरौ मूले ल. अन्यगो. रे ७ ऽ।।।।।ऽऽ।। भो. ७ दोषः
शुक्ले २ बुधे उभा. ल. ८ रे. ७ ऽऽ।।।।ऽ।।।
,, ३ गुरौ रेव. ल. ६ रे. ९ ।।।।।।।।।ऽ चं. ७ पूज्यः दग्धा.

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८२९स.१९७८
१	श	३३	५१	रे	२	२९	वै	२७	१७	किं	४	१३	३५/१६	५/४५	६/१५	८	१८	२९	मे.२।२९	वक्री रेव. मीने बुधः ५१/२७ भरण्यां शुक्रः×
२	र	३४	४१	अ	४	२३	वि	२५	५५	बा	४	१३	२०	४४	१६	९	१९	३०	मेषे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	३७	१४	भ	७	५३	प्री	२५	५	तै	५	५८	२४	४३	१७	१०	२०	१	वृ.२४।४	मत्स्यजयंती गणगौरी जमादिलावल ५
४	मं	४१	११	कृ	१२	३६	आ	२५	२८	व	९	१३	२८	४२	१८	११	२१	२	वृषे	भ. ९।१३ उ. ४१।११ या.
५	बु	४६	२३	रो	१९	१	सौ	२६	५५	ब	१३	४७	३२	४२	१८	१२	२२	३	मि५२।३०	×२४/५४ नवरात्रारंभः संवत्सरारंभः
६	गु	५२	२२	मृ	२५	५९	शो	२९	८	कौ	१९	५३	३६	४१	१९	१३	२३	४	मिथुने	अश्वि. मेषेऽर्कः ४६/१२ (सौरः ४८/१५) आर्द्रा.*
७	शु	५८	३८	आ	३३	३७	अ	३१	२६	ग	२५	३०	४०	४०	२०	१४	२४	५	मिथुने	भ. ५८।३८ उ. *१गुरुः १८।२९
८	श	६०	०	पु	४१	१०	सु	३३	३८	वि	३१	४४	४३	३९	२१	१५	२५	६	क.२४।१७	भ. ३१।४४ या.
८	र	४	५०	पु	४७	१६	धृ	३५	३४	ब	४	५०	४७	३९	२१	१६	२६	७	कर्के	रामनवमी स्मा.
९	चं	१०	१४	श्ले	५३	४१	शू	३६	३३	कौ	१०	४	५१	३८	२२	१७	२७	८	सिं५३।४१	रामनवमी वै.
१०	मं	१४	४	म	५७	५६	गं	३६	१६	ग	१४	४	५५	३७	२३	१८	२८	९	सिंहे	भ. ४५।२० उ.
११	बु	१६	३७	पू	६०	०	वृ	३४	३७	वि	१६	३७	५८	३६	२४	१९	२९	१०	सिंहे	भ. ३६/१७ या. कृत्ति. शुक्रः १७/१४ बुधोदयः ४७/८+
१२	गु	१७	३१	पू	०	१९	ध्रु	३१	३१	ब	१७	३१	३२/२	३६	२४	२०	३०	११	कं.१५।२८	प्रदोषः व्रतम् +कामदा ११ व्रतम्
१३	शु	१५	५३	उ	५५	५८	व्या	२६	५७	तै	१५	५३	६	३५	२५	२१	१	१२	कन्यायां	वृषे शुक्रः ५९।३५ रा. वैशाखारंभः
१४	श	१२	४५	चि	५७	७	ह	२१	२	व	१२	४५	१०	३४	२६	२२	२	१३	तु.२८।२५	भ. १२।४५ उ. ४०।३० या.
१५	र	८	१४	स्वा	५३	१७	व	१४	१३	ब	८	१४	१४	३३	२७	२३	३	१४	तुलायां	हनुमज्जयंती

१पं. चै.शु.६ बृ.इ.४८।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	२	०	४	५	११
०	७	२६	६	१९	०	११	२९
०	५९	२६	४४	५७	२०	३२	५९
०	६	३८	२४	०	३५	५०	५८
५८	२४	४४/३४	८	७४	१/३	३	५८
४४	३१	व	५३	२	व	११	४५

गोचरग्रहाः

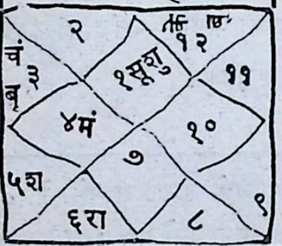

चैत्र शु. ६ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महमता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

२पं.चै.शु.१२बृ.इ.४८।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	२	०	४	५	०
६	१०	२२	७	२८	०	११	६
५०	३५	२३	४९	३२	१४	१०	५०
४२	२४	३५	२६	२०	१०	३४	९
५८	२६	२६/४१	९	७३	०/२८	३	५८
३१	३१	व	४०	५६	व	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२	२८	वि	४८	४८	खि	६/२८	५१/५९	कौ	२	२८	३२/१८	५/३३	६/२७	२४	४	१५	बृ.३४।५५	
२	चं	५३	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	मं	४९	५	अ	४४	२४	व	५०	१०	व	२२	२९	२१	३२	२८	२५	५	१६	बृश्चिके	भ. २२/२९ उ. ४९।५या. मार्गी शनिः ३५/३२
४	बु	४२	१७	ज्ये	३९	२९	प	४१	५५	ब	१५	४१	२५	३१	२९	२६	६	१७	ध.३९।२९	चतुर्थी व्र.
५	गु	३५	४९	मू	३५	१	शि	३३	५९	कौ	९	२	२९	३०	३०	२७	७	१८	धनुषि	भरण्यां रविः ३९/२६ (सौरः ३५/३३) मार्गीबुधः ११/१६
६	शु	२९	५२	पू	३०	३२	सि	२६	३२	ग	२	५०	३२	३०	३०	२८	८	१९	म.४४।२६	भ. २९।५२ उ. ५७।६ या.
७	श	२४	२०	उ	२६	७	सा	१९	१९	ब	२४	२०	३६	२९	३१	२९	९	२०	मकरे	
८	र	१३	२८	श्र	२४	१३	शु	१२	४०	कौ	१९	२८	४०	२८	३२	३०	१०	२१	कु.५३।१९	रोहि. शुक्रः १०।१०
९	चं	१५	१३	ध	२२	२५	शु	६	३८	ग	१५	१३	४३	२७	३३	१	११	२२	कुंभे	भ. ४३।३० उ. मई मा. ५ ता. ३१
१०	मं	११	४६	श	२०	५१	ब्र	१/१७	५५/१४	वि	११	४६	४७	२७	३३	२	१२	२३	कुम्भे	भ. ११।४६ या.
११	बु	९	०	पू	२०	१३	वै	५२	२९	बा	९	०	५१	२६	३४	३	१३	२४	मी५।२२	आर्द्रा. २ गुरुः ३६/४७ वरूथिनी ११ व्र.
१२	गु	७	१३	उ	२०	१६	वि	४९	११	तै	७	१३	५४	२५	३५	४	१४	२५	मीने	प्रदोषः
१३	शु	६	२०	रे	२१	३१	प्री	४६	४७	व	६	२०	५७	२५	३५	५	१५	२६	मे.२१।३१	भ. ६।२० उ. ३६।१२ या. आश्ले.भौमः×
१४	श	६	५	अ	२३	४९	आ	४५	४०	श	६	५	३३/१	२४	३६	६	१६	२७	मेषे	×१२।५
३०	र	८	८	भ	२७	५५	सौ	४४	५५	ना	८	८	४	२३	३७	७	१७	२८	वृ.४३।५९	

३पं. वै.कृ.५ बृ.इ.४८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	२	१	४	५	०
१३	१३	२१	९	७	०	१०	१३
३९	२५	२१	३	६	१३	४८	३८
४३	४८	२५	५८	०	१	१९	३४
५८	२८	२/३७	१०	७३	१/३	३	५८
१९	१५	मा	२३	५०	मा	११	१२

गोचरग्रहाः

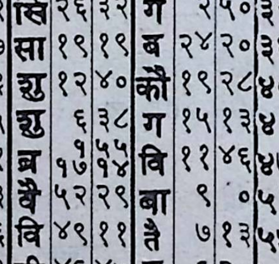

इस मासका फल श्रेष्ठ है धान्य जौ गेहूं चणा चावल सिरस्युँ सण मंदा हो। मंदी में खरीदना अनाज में लाभ होगा।

गोचरग्रहाः

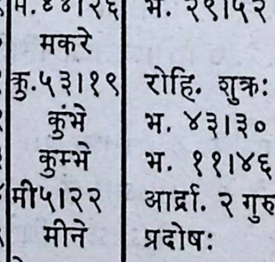

४पं. वै.कृ.१२बृ.इ.४८।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	२	१	४	५	०
२०	१६	२४	१०	१५	०	१०	२०
२७	२८	५०	१३	३८	१७	२६	२५
२२	२६	४२	१९	२०	५३	३	१५
५८	२९	३२	११	७३	१	३	५७
६	५४	२२	४	३८	२	११	५७

*चंबुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८५९स.१९७८
१	चं	१०	५५	कृ	३२	११	शो	४५	२०	ब	१०	५५	३३ ७	५ २३	६ ३७	८	१८	२९	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१४	५४	रो	३८	५८	अ	४६	४३	कौ	१४	५४	१०	२२	३८	९	१९	१	वृषे	परशुराम जयन्ती जमादिलाखर ६
३	बु	२०	१	मृ	४४	५७	सु	४८	२२	ग	२०	१	१३	२१	३९	१०	२०	२	मि ११।५७	भ. ५३/३ उ. अश्वि. मेषे बुधः ५३/१३ अक्षया ३
४	गु	२५	४६	आ	५२	१५	धृ	५०	५५	वि	२५	४६	१६	२१	३३	११	२१	३	मिथुने	भ. २५।४६ या. कृत्तिका. रविः १४।२४✱
५	शु	३२	७	पु	५९	५९	शू	५३	३५	बा	३२	७	१९	२०	४०	१२	२२	४	क. ४३।४	✱(सौरः १७।३०)मृगे शुक्रः १०।१
६	श	३८	३१	पु	६०	०	गं	५५	५३	कौ	५	१९	२२	२०	४०	१३	२३	५	कर्के	उफा. ४ राहुः उभा. २ केतुः ०।४८
७	र	४४	१३	पु	७	२५	वृ	५७	२५	ग	११	१९	२५	१९	४१	१४	२४	६	कर्के	भ. ४४/१३ उ. वृषेऽर्कः ४१/३९ (सौरः ४५।१८)
८	चं	४८	४३	श्ले	१४	२२	ध्रु	५८	१७	वि	१६	२८	२८	१८	४२	१५	२५	७	सिं १४।२२	भ. १६।२८ या.
९	मं	५२	३	म	१९	२३	व्या	५७	४४	बा	२०	२३	३०	१८	४२	१६	२६	८	सिंहे	मिथुने शुक्रः ४२।१
१०	बु	५३	२०	पू	२३	२१	ह	५५	४४	तै	२२	४१	३३	१७	४३	१७	२७	९	कं. ३८।४८	×ज्येष्ठारंभः
११	गु	५२	३८	उ	२१	१०	व	५२	०	व	२२	५९	३६	१७	४३	१८	२८	१०	कन्यायां	भ. २२।५९ उ. ५२।३८ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	शु	४९	८	ह	२४	४९	सि	४६	५२	ब	२१	११	३९	१६	४४	१९	२९	११	तु. ५३।३६	
१३	श	४४	५८	चि	२२	२४	व्य	४०	६	कौ	१७	२१	४१	१६	४४	२०	३०	१२	तुलायां	आर्द्रा. ३ गुरुः ५३।५१ प्रदोषः
१४	र	३८	३८	स्वा	१८	२३	व	३२	४	ग	११	४७	४३	१५	४५	२१	३१	१३	बृ. ५९।२०	भ. ३८।३८ उ. भरण्यां बुधः ३५/४२ नृसिंह १४
१५	चं	३०	४९	वि	१२	५९	प	२३	५	वि	४	४३	४६	१५	४५	२२	१	१४	बृश्चिके	भ. ४।४३ या. आर्द्रा. शुक्रः ९।४४ रा.×

५पं. वै.शु.४ बृ.इ.४९।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	२	१	४	५	०
२७	१९	०	११	२४	०	१०	२७
१३	३९	५७	३२	७	२७	३	१०
३४	४३	३६	१७	५५	४	४८	२९
५७	३१	५८	११	७३	१	३	५७
५४	५	३८	३८	२४	४१	११	४५

गोचरग्रहाः

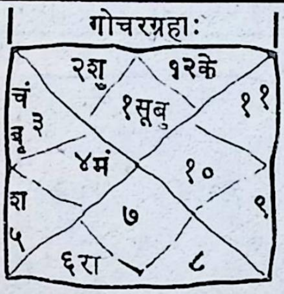

वैशा. शु. ७ रवौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

६पं. वैं.शु.११ बृ.इ.४९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	२	२	४	५	१
३	२२	९	१२	२	०	९	३
५८	५८	३३	५४	३५	४१	४१	५४
२६	१९	४७	४३	२४	२४	३२	८
५७	३२	८१	१२	७३	२	३	५७
४४	७	३५	११	१४	२०	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशखाकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	२२	३०	अ	६	५५	शि	१३	४१	कौ	२२	३०	३३ ४८	५ १४	६ ४६	२३	२	१५	वृश्चिके	
२	बु	१३	४९	ज्ये	२२	५६	सि	५२	२५	ग	१३	४९	५०	१४	४६	२४	३	१६	ध. ०।२२	भ. ३९।३३ उ.
३	गु	५	१७	पू	४७	४७	शु	४५	५	वि	५	१७	५२	१४	४६	२५	४	१७	धनुषि	भ. ५।१७ या. रोहि. रविः ५।१४ (सौरः✱
४	गु	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	✱११।२७) चतुर्थी व्र.
५	शु	४९	४२	उ	४२	४४	शु	३६	३१	कौ	२३	२९	५५	१३	४७	२६	५	१८	म. १।३१	
६	श	४४	५	श्र	३८	३७	ब्र	२९	२९	ग	१६	५३	५६	१३	४७	२७	६	१९	मकरे	भ. ४४।५ उ.
७	र	३९	११	ध	३५	३५	ऐं	२२	२	वि	११	३८	५८	१२	४८	२८	७	२०	कु. ७।६	भ. ११।३८ या.
८	चं	३५	४१	श	३३	२५	वै	१६	२५	बा	७	२६	३४ ०	१२	४८	२९	८	२१	कुम्भे	कृत्तिका. बुधः ३०।२२
९	मं	३३	२०	पू	३३	३८	वि	११	४८	तै	४	३१	२	१२	४८	३०	९	२२	मी १८।३५	
१०	बु	३२	१६	उ	३४	२३	प्री	८	५	व	२	४८	४	११	४९	३१	१०	२३	मीने	भ. २।४८ उ. ३३/१६ या. वृषे बुधः २२।२३
११	गु	३२	४०	रे	३६	३१	आ	५	२७	ब	२	२८	६	११	४९	१	११	२४	मे. ३६।३१	मघा सिंहे भौमः ४५/१६ जून मा. ६ ता. ३०×
१२	शु	३४	५	अ	३९	३५	सौ	३	५२	कौ	३	२२	७	११	४९	२	१२	२५	मेषे	पुन. शुक्रः २०।१ ×अपरा ११ व्र.
१३	श	३६	४०	भ	४४	०	शो	३	१३	ग	५	२३	९	१०	५०	३	१३	२६	मेषे	भ. ३६/४० उ. बुधास्तः पूर्वस्यां ३३/४२ प्रदोषः
१४	र	३९	५१	कृ	४९	२१	अ	३	२४	वि	८	१६	१०	१०	५०	४	१४	२७	बृ. ०।२०	भ. ८।१६ या.
३०	चं	४३	२१	रो	५५	३५	सु	४	१	च	१९	३७	१२	१०	५०	५	१५	२८	वृषे	रोहि. बुधः २८।४९ वटपू. सोमवती ३०

७पं.ज्ये.कृ.३बृ.इ.४९।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	२	२	४	५	१
१०	२६	२०	१४	१०	.१	९	१०
४२	२७	२६	१९	५९	०	१९	३६
५२	४	५२	२	५६	३६	१६	१९
५७	३३	८०	१२	७२	२	३	५७
३५	११	८०	२९	५६	५८	११	२३

गोचरग्रहाः

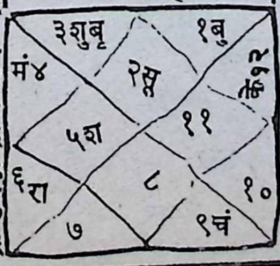

इस मासमें सोमवती अमावस्या मंदी कारक है। सुदी में गुड़ खांड़ तिलहन तेज होगा।

गोचरग्रहाः

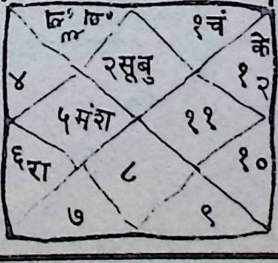

८पं.ज्ये.कृ.११बृ.इ.४९।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	२	२	४	५	१
१७	०	२	१५	१९	१	८	१७
२५	२	५०	४६	२३	२४	५७	१७
८	२४	४६	५२	६	३६	१	२५
५७	३३	८१	१२	७२	३	३	५७
२७	५५	३४	५४	३७	३८	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:.१८८८स.१९७८
१	मं	४९	१	मृ	६०	०	धृ	५	३५	किं	१६	११	३४/१३	५/९	६/५१	६	१६	२९	मि२८।५८	आर्द्रा. ४ गुरुः ५१।३४
२	बु	५५	२२	मृ	२	२०	शू	७	२२	बा	२२	११	१४	९	५१	७	१७	३०	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	गु	६०	०	आ	९	४३	गं	९	५३	तै	२८	३४	१६	९	५१	८	१८	१	मिथुने	मृगे रविः ०।१० (सौरः१०।१६) रज्जब७
३	शु	१	४६	पु	१७	१६	वृ	१२	१३	ग	१	४६	१७	९	५१	९	१९	२	क.०।२२	भ. ३५।७ उ.
४	श	८	२८	पु	२४	४६	ध्रु	१४	४३	वि	८	२८	१८	८	५२	१०	२०	३	कर्के	भ. ८।२८ या. कर्के शुक्रः ४२।३७
५	र	१३	५८	श्ले	३२	७	व्या	१७	१०	बा	१३	५८	१९	८	५२	११	२१	४	सिं३२।७	मृगे बुधः ४५।२०
६	चं	१८	५०	म	३८	९	ह	१८	३५	तै	१८	५०	२०	८	५२	१२	२२	५	सिंहे	
७	मं	२२	५०	पू	४३	१३	व	१९	११	व	२२	५०	२१	८	५२	१३	२३	६	कं.५९।२	भ.२२।५०उ.५४।३या. पुष्येशुक्रः३६।४१
८	बु	२५	१५	उ	४६	३१	सि	१८	३८	ब	२५	१५	२१	८	५२	१४	२४	७	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः ५८।४८ मिथुने बुधः ३८।३४
९	गु	२५	४१	ह	४७	५०	व्य	१६	२८	कौ	२५	४१	२२	८	५२	१५	२५	८	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः सौरः ११।३
१०	शु	२४	१०	चि	४७	१३	व	१४	४२	ग	२४	१०	२२	८	५२	१६	२६	९	तु.१७।३१	भ. ५२।१२ उ. गंगादशमी
११	श	२०	१४	स्वा	४४	३५	प	७	२०	वि	२०	१४	२३	७	५३	१७	२७	१०	तुलायां	भ. २०।१४ या. आर्द्रायां बुधः ४४।४७+
१२	र	१४	४७	वि	३९	५३	शिं	०/२४	५९/३४	बा	१४	४७	२३	७	५३	१८	२८	११	वृ.२६।४	प्रदोषः
१३	चं	७	२५	अ	३३	१८	सा	४२	२४	तै	७	२५	२३	७	५३	१९	२९	१२	वृश्चिके	भ. ५८।४५ उ. +निर्जला ११ व्र.
१४	चं	५१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	मं	४९	१३	ज्ये	२६	५५	शु	३२	६	वि	२३	५९	२४	७	५३	२०	३०	१३	ध.२६।५५	भ. २३।५९ या. गुर्जराणां वटसावित्री व्र

९पं.ज्ये.शु.३बृ.इ.४९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	२	२	४	५	१
२४	३	१७	१७	२७	१	८	२३
७	४५	६	१७	४३	५२	३४	५७
१२	४७	२९	२	१	१६	४५	२१
५७	३४	[illegible]	१३	७२	४	३	५७
२२	२८	[illegible]	१३	१४	१७	११	५

गोचरग्रहाः

ज्ये.शु. ८ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यदिभावे समता शुक्रोदयःप.।

गोचरग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु. ९बृ.इ.४९।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	२	३	४	५	२
०	७	२	१८	५	२	८	०
४८	३२	३२	४८	५९	२४	१२	३६
२५	४२	२४	३२	२	४७	३०	३०
५७	३५	[illegible]	१३	७१	४	३	५७
१७	२०	[illegible]	२०	५०	४६	११	५६

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३९	२०	मू	१९	८	शु	२१	२८	बा	१४	१२	३४/२४	५/७	६/५३	२१	३१	१४	धनुषि	आर्द्रा. रविः ५७।४० पुन. १ गुरुः १३।११
२	गु	२९	४१	पू	११	१७	ब्र	१०	४५	तै	४	३१	२४	७	५३	२२	१	१५	म.२४।३१	भ.५४।५१उ. आर्द्रा.रविः सौरः १२।३६*
३	शु	२०	२	उ	४/१६	५३/५०	ऐं	०/२८	५०/३१	वि	२०	२	२४	७	५३	२३	२	१६	मकरे	भ. २०।२ या. चतुर्थी व्र.
४	श	१२	२३	ध	५३	६	वि	४२	२८	बा	१२	२३	२४	७	५३	२४	३	१७	कुं.२५।३५	पुन. बुधः १।४३
५	र	५	४९	श	४९	४४	प्री	३५	१४	तै	५	४९	२३	७	५३	२५	४	१८	कुम्भे	आश्ले. शुक्रः ३/२४ बुधोदयः पश्चिमायां ३/३
६	चं	०	५६	पू	४८	११	आ	२९	२४	व	०	५६	२३	७	५३	२६	५	१९	मी३३।३५	भ. ०।५६ उ. २९।१८ या. पूफायां भौमः×
७	चं	५६	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×१।२७ मघा. २ शनिः ११।१६
८	मं	५६	११	उ	४८	१५	सौ	२५	३	बा	२६	५५	२३	७	५३	२७	६	२०	मीने	+१६।८ अस्तं गुरोः ९।० अ. गु
९	बु	५६	२४	रे	५०	७	शो	२२	२	तै	२६	१९	२२	८	५२	२८	७	२१	मे.५०।७	*राष्ट्रीय आषाढ़ारंभः
१०	गु	५८	१६	अ	५३	३७	अ	२०	१७	व	२७	२०	२२	८	५२	२९	८	२२	मेषे	भ. २७।२० उ. ५८।१६ या. कर्के बुधः+
११	शु	६०	०	भ	५८	१	सु	१९	४२	ब	२९	४७	२१	८	५२	३०	९	२३	मेषे	योगिनी ११ व्र. स्मा.
११	श	१	१९	कृ	६०	०	धृ	२०	२७	बा	१	१९	२०	८	५२	१	१०	२४	वृ.१४।२९	पुष्ये बुधः ३।५१ जुलाई मा. ७ ता. ३१=
१२	र	४	४०	कृ	३	५६	शू	२१	३१	तै	४	४०	१९	८	५२	२	११	२५	वृषे	प्रदोषः =योगिनी ११ व्र. वै.
१३	चं	१०	९	रो	१०	२९	गं	२३	११	व	१०	९	१८	८	५२	३	१२	२६	मि४४।४	भ. १०।९ उ. ४३।१७ या.
१४	मं	१६	२५	मृ	१७	३९	वृ	२५	२५	श	१६	२५	१७	९	५१	४	१३	२७	मिथुने	
३०	बु	२२	२८	आ	२४	५८	ध्रु	२७	४७	ना	२२	२८	१५	९	५१	५	१४	२८	मिथुने	पुन. रविः ५६।३६

११पं. आ.कृ.२बृ.इ.४९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	२	३	४	५	२
७	११	१७	२०	१४	३	७	७
२९	२५	३१	२१	१२	०	५८	१४
२४	१२	३७	४३	२९	५४	१४	५७
५७	३६	[illegible]	१३	७१	५	३	५६
१३	४	[illegible]	३२	२५	११	११	१४

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है वर्षा उत्तम होगी रस पदार्थ तेज रहे धान्यादि में मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

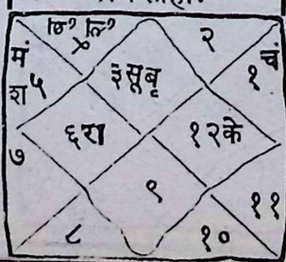

१२पं.आ.कृ.१०बृ.इ.४९।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	३	४	५	२
१४	१५	१	२१	२२	३	७	१३
९	२१	१	५५	२२	३९	२७	५३
५०	५४	४८	१६	१	५८	५८	२
५७	३६	[illegible]	१३	७०	५	३	५६
७	२२	[illegible]	३२	५१	३७	११	५०

*चंबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़	शुक्लपक्षः	सं. २०३५	शाकः	१९००								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९१८स.१९७८
१	गु	२८	३०	पु	३२	३२	व्या	३०	११	ब	२८	३०	३४/१४	५/९	६/५१	६	१५	२९	क.१५।३९	पुन. रविः १६/३७ पुन. २ गुरुः ५।० मघा.*
२	शु	३५	८	पु	३९	५७	ह	३२	४०	बा	१	४९	१३	९	५१	७	१६	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा *सिंहे शुक्रः २६/४७
३	श	४०	२६	श्ले	४७	६	व	३४	५५	तै	७	४७	११	१०	५०	८	१७	१	सिं४७।६	सावान ८
४	र	४५	१९	म	५३	२०	सि	३६	२७	व	१२	५२	१०	१०	५०	९	१८	२	सिंहे	भ. १२/५२ उ. ४५/१९ या. आश्ले. बुधः ११/४२
५	चं	४९	२९	पू	५९	३	व्य	३७	२६	ब	१७	२४	८	१०	५०	१०	१९	३	सिंहे	+मघा. सिंहे बुधः ३४/२ वायु परीक्षा
६	मं	५२	१९	उ	६०	०	व	३७	५०	कौ	२०	५४	७	११	४९	११	२०	४	कं.१५।८	×पुन. ३ गुरुः ५४।१७ गुरु १५
७	बु	५३	४३	उ	३	२२	प	३६	५२	ग	२३	१	५	११	४९	१२	२१	५	कन्यायां	भ. ५३।४३ उ.
८	गु	५३	३६	ह	५	३७	शि	३४	३७	वि	२३	३९	४	११	४९	१३	२२	६	तु.३६।२७	भ. २३।३९ या.
९	शु	५१	२२	चि	७	१५	सि	३०	५०	बा	२२	२९	२	१२	४८	१४	२३	७	तुलायां	उफा. ३ राहुः उभा. १ केतुः ५४।१२
१०	श	४७	५६	स्वा	६	४९	सा	२५	३७	तै	१९	३८	०	१२	४८	१५	२४	८	वृ.४९।५१	=४९/२१) देवशयनी ११ व्र.
११	र	४१	९	वि	१४/११	५५/३५	शु	१८	५१	व	१४	३२	३३/५८	१२	४८	१६	२५	९	बृश्चिके	भ. १४/३२ उ ४१/९ या. कर्केऽर्कः २६।० (सौरः=
१२	चं	३४	१५	ज्ये	५३	५७	शु	१०	५६	ब	७	४२	५६	१३	४७	१७	२६	१०	ध.५३।५७	प्रदोषः
१३	मं	२५	२९	मू	४६	५०	ब्र	१/४४	४९/४७	तै	२५	२९	५४	१३	४७	१८	२७	११	धनुषि	पूफा. शुक्रः १६।३१
१४	बु	१५	४६	पू	३९	३६	वै	४०	३९	व	१५	४६	५२	१४	४६	१९	२८	१२	म.५२।२८	भ. १५।४६ उ. ४०/४३ या. पुष्ये रविः ५५/१७+
१५	गु	५	४१	उ	३१	१२	वि	२९	४६	ब	५	४१	५०	१४	४६	२०	२९	१३	मकरे	पुष्ये रविः सौरः २०।२ उफा. भौमः १४/३७×

१३पं. आ.शु.१बृ.इ.४९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	४	४	५	२
२०	१९	१२	२४	०	४	७	२०
५०	२०	५३	३०	२६	२२	५	३०
१०	५६	१३	४	४२	१९	४३	५६
५७	३६	९५	१३	७१	६	३	५६
७	५६	३३	३८	९	.३	११	५०

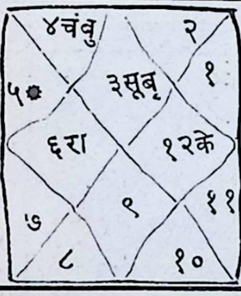

१४पं. आ.कृ.८बृ.इ.४९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	४	४	५	२
२७	२३	२२	२५	८	५	६	२७
३०	२८	५८	४	२६	७	४३	९
३२	५५	४४	१६	४६	५	२७	३
५७	३७	७६	१३	६९	६	३	५६
११	२०	२०	३८	२०	२२	११	५५

१५पं.आ.शु.१५बृ.इ.४९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	२	४	४	५	३
४	२७	१	२६	१६	५	६	३
११	३९	५	३८	२१	५४	२१	४७
१७	३२	३५	४९	११	११	१२	३०
५७	३७	५२	१३	६८	६	३	५६
१५	५०	२७	३२	२६	३४	११	५७

ति.	श्रावण	कृष्णपक्षः	सं. २०३५	शाकः	१९००								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४९	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४६	४	श्र	२३	२४	प्री	१८	५५	तै	२०	३५	३३/४७	५/१५	६/४५	२१	३०	१४	कु.५०।२	
३	श	३७	४६	ध	१६	४०	आ	८/५२	०/५९	व	११	५५	४५	१५	४५	२२	३१	१५	कुम्भे	भ. ११/५५ उ. ३७/४६ या. उ.गुरौः ३७/१२ च. व्र. उ.गु.
४	र	३०	५५	श	११	२२	शो	५२	७	ब	४	२०	४२	१६	४४	२३	१	१६	मी५३।४३	रा. श्रावणारम्भः
५	चं	२६	४	पू	७	५०	अ	४६	१	तै	२६	४	४०	१६	४४	२४	२	१७	मीने	कन्यायां भौमः ५२।५० नाग ५ मरुस्थले
६	मं	२३	१५	उ	५	५६	सु	४१	३१	व	२३	१५	३७	१७	४३	२५	३	१८	मीने	भ. २३।१५ उ. ५३।१७ या.
७	बु	२३	१८	रे	६	१७	धृ	३८	४३	ब	२३	१८	३५	१७	४३	२६	४	१९	मे.६।१७	
८	गु	२३	५७	अ	८	४४	शू	३७	२२	कौ	२३	५७	३२	१८	४२	२७	५	२०	मेषे	मघा. ३ शनिः २५।३५
९	शु	२६	४८	भ	१२	४५	गं	३७	४२	ग	२६	४८	२९	१८	४२	२८	६	२१	वृ.२९।८	भ. ५९।२ उ.
१०	श	३१	१७	कृ	१८	१९	वृ	३८	३५	वि	३१	१७	२६	१९	४१	२९	७	२२	वृषे	भ. ३१।१७ या.
११	र	३६	३७	रो	२४	५७	ध्रु	४०	३३	ब	३	५६	२४	१९	४१	३०	८	२३	मि५८।३६	उफा. शुक्रः ३।१६ कामिका ११ व्र.
१२	चं	४२	५०	मृ	३२	१६	व्या	४२	५५	कौ	९	४३	२१	२०	४०	३१	९	२४	मिथुने	*वक्री बुधः ५३।१२ कन्या शुक्रः ९।४
१३	मं	४९	१	आ	३९	४९	ह	४५	२५	ग	१५	५६	१८	२०	४०	१	१०	२५	मिथुने	भ. ४९।१ उ. अगस्त मा. ८ता. ३१ प्रदोषः
१४	बु	५५	३	पु	४७	५५	व	४७	५६	वि	२२	२	१५	२१	३९	२	११	२६	क.३०।५४	भ. २२।२ या. आश्लेषा. रविः ५२।१८*
३०	गु	६०	०	पु	५४	४५	सि	५०	१३	च	२७	३८	१२	२२	३८	३	१२	२७	कर्के	आश्लेषा. रविः सौरः ३९/५१ हरियाली ३०
३०	शु	०	१३	श्ले	६०	०	व्य	५२	११	ना	०	१३	९	२२	३८	४	१३	२८	कर्के	पुन. कर्के गुरुः ५७।१८

१६पं.श्रा.कृ.८बृ.इ.४८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	२	४	४	५	३
१०	१	६	२८	२४	६	५	१०
५२	५२	४४	१२	९	४२	५८	२६
१९	५५	४९	०	०	४०	५६	४७
५७	३८	२७	१३	६७	६	३	५७
२०	२८	२०	३२	२५	५२	११	५

गोचरग्रहाः

आ. शु. ११ रवौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ वृद्धा-वस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

१७पं. श्रा.कृ.३०बृ.इ.४८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	२	५	४	५	३
१७	६	९	२९	१	७	५	१७
३४	९	५	४४	४९	३३	३६	६
१	५८	५८	४६	३७	४०	४०	३५
५७	३८	१४/०	१३	६५	७	३	५७
२५	५०	[illegible]	२०	५९	२	११	१२

*मंशुश +बुशुश (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९४८सन् १९७८
१	श	६	४	श्ले	१	४९	व	५३	३४	ब	६	४	३३/६	२५/३	३६/७	५	१४	२९	सि१।४९	
२	र	१०	३४	म	७	३७	प	५४	२२	कौ	१०	३४	३	२३	३७	६	१५	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिधारा
३	चं	१४	२५	पू	१२	५६	शि	५४	१८	ग	१४	२५	०	२४	३६	७	१६	१	कं.२९।०	भ. ४५।१२ उ. तीज रमजान ९
४	मं	१६	०	उ	१७	१३	सि	५३	३८	वि	१६	०	३२/५६	२५	३५	८	१७	२	कन्यायां	भ. १६।० या. वरद ४
५	बु	१८	३०	ह	२०	२८	सा	५२	०	बा	१८	३०	५३	२५	३५	९	१८	३	तु.५१।२६	अस्तं शनेः ४७।१५ नाग पंचमी
६	गु	१८	३८	चि	२२	२५	शु	४९	१०	तै	१८	३८	५०	२६	३४	१०	१९	४	तुलायां	हस्ते भौमः १।३४
७	शु	१७	३४	स्वा	२३	७	शु	४५	२०	व	१७	३४	४७	२७	३३	११	२०	५	तुलायां	भ. १७/३४ उ. ४६/१८ या. हस्ते शुक्रः २६।७*
८	श	१५	२	वि	२२	१७	ब्र	४०	१६	ब	१५	२	४३	२७	३३	१२	२१	६	वृ.७।२९	*बुधास्त पश्चिमायाम् १३।१७
९	र	१०	५१	अ	१९	५३	ऐं	३३	५७	कौ	१०	५१	४०	२८	३२	१३	२२	७	वृश्चिके	
१०	चं	५	३१	ज्ये	१६	३४	वै	२६	३७	ग	५	३१	३३	२९	३१	१४	२३	८	ध.१६।३४	भ. ३३/३ उ. ५८/३६ या. पवित्रा ११ व्र. स्मा.
११	चं	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	मं	५०	३७	मू	११	३४	वि	१८	७	ब	२४	३६	३३	२९	३१	१५	२४	९	धनुषि	पवित्रा ११ व्र. वै.
१३	बु	४१	३९	पू	५५/३	५३/४	प्री	५८/४	४९/५१	कौ	१६	८	२९	३०	३०	१६	२५	१०	म.१८।२५	मघा. सिंहेऽर्कः ४६।१३ प्रदोषः
१४	गु	३२	५९	श्र	५१	७	सौ	४८	२०	ग	७	१९	२६	३१	२९	१७	२६	११	मकरे	भ. ३२/५९ उ. ५८/२६ या. मघा.सिंहेऽर्कः सौरः १७/१६
१५	शु	२३	५२	ध	४४	०	शो	३८	१	ब	२३	५२	२२	३२	२८	१८	२७	१२	कु.१७।३४	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं

१८पं. श्रा.शु.६वृ.इ.४८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	३	५	४	५	३
२४	१०	७	१	९	८	५	२३
१६	३०	५२	१६	१९	२४	१४	४७
२६	४०	२५	१	४१	५८	२५	४२
५७	३९	३८/४२	१३	६४	७	३	५७
३३	७	ब	१४	२८	१३	११	२२

गोचरग्रहाः

श्रा. शु. १३ बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे सम-र्घता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

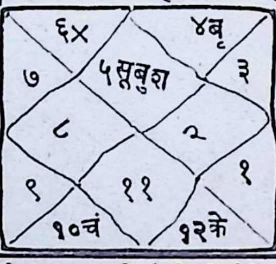

१९पं.श्रा.शु.१४बृ.इ.४८।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	५	४	५	४
०	१४	२	२	१६	९	४	०
५९	५५	५१	४५	४०	१८	५२	२९
४२	१२	७	४०	४४	०	९	५५
५७	३९	५७/१	१२	६२	७	३	५७
४०	३०	व	५५	३५	२०	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१४	०	श	३७	४१	अ	२८	१४	कौ	१४	०	३२/१९	३५/२	२६/८	१९	२८	१३	कुम्भे	पुष्य १ गुरुः २७।४६
२	र	६	२७	पू	२२	२२	सु	१९	१७	ग	६	२७	१५	३३	२७	२०	२९	१४	मी१८।४२	भ. ३३।२० उ. वक्री श्राश्ले. कर्के बुधः ४३/४७
३	चं	०	१४	उ	२८	५५	धृ	११	३९	वि	०	१४	११	३४	२६	२१	३०	१५	मीने	भ. ०।१४ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	मं	५३	५३	रे	२७	१६	शू	५	२९	कौ	२४	५५	८	३४	२६	२२	३१	१६	मे.२७।१६	*५६।५६ वत्स द्वादशी प्रदोषः
६	बु	५३	५६	अ	२८	८	गं	५९	५७/१०	ग	२३	५५	४	३५	२५	२३	१	१७	मेषे	भ. ५३/५६ उ. मघा. ४ शनिः २१।५० रा.×
७	गु	५६	९	भ	३०	४७	ध्रु	५७	१२	वि	२५	२	०	३६	२४	२४	२	१८	वृ.४६।५३	भ. २५।२ या. चित्रायां शुक्रः २१।२१
८	शु	६०	०	कृ	३५	१४	व्या	५७	२२	बा	२८	५	३१/५६	३७	२३	२५	३	१९	बृषे	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्र. +शुक्रः १३।९
८	श	०	२	रो	४१	१४	ह	५८	३४	कौ	०	२	५२	३८	२२	२६	४	२०	वृषे	बुधोदयः पूर्वस्यां २९।१९ गोगा ९
९	र	५	१५	मृ	४८	२९	व	६०	०	ग	५	१५	४८	३८	२२	२७	५	२१	मि१४।५१	भ. ३८।१५ उ.
१०	चं	११	१६	आ	५५	५३	व	०	५०	वि	११	१६	४४	३९	२१	२८	६	२२	मिथुने	भ. ११।१६ या. मार्गी बुधः ३०।५२
११	मं	१७	५२	पु	६०	०	सि	३	१६	बा	१७	५२	४०	४०	२०	२९	७	२३	क.४९।४९	अजा ११ व्र. ×भाद्रपदारंभः चन्द्रषष्ठी
१२	बु	२३	५९	पु	३	४७	व्य	५	५२	तै	२३	५९	३६	४१	१९	३०	८	२४	कर्के	पूफायां रविः ३५।५० चित्रायां भौमः*
१३	गु	२९	५०	पु	१०	५३	व	८	१५	व	२९	५०	३२	४२	१८	३१	९	२५	कर्के	भ. २९/५० उ. पूफा. रविः सौरः८।८ तुलायां+
१४	शु	३४	५२	श्ले	१७	३८	प	१०	५	वि	२	२१	२८	४२	१८	१	१०	२६	सिं१७।३८	भ. २।२१ या. सितम्बर मा. ९ ता. ३०
३०	श	३८	३१	म	२३	१९	शि	११	११	च	६	४२	२५	४३	१७	२	११	२७	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.७बृ.इ.४८।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	३	५	४	५	४
७	१९	२७	४	२३	१०	४	७
४४	२२	१६	११	४७	१०	२९	१३
१७	५९	१२	४६	२	३४	५४	२७
५७	३९	३३/३३	१२	६०	७	३	५७
४८	४९	व	३०	१३	२०	११	४५

गोचरग्रहाः

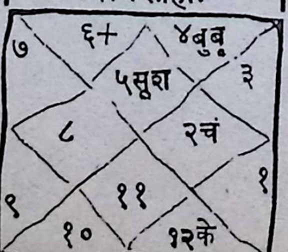

भाद्रमासमें उदय बुध भाव सुलभ बहु होय। बुध ऊगे आसोज में कमल कांकरा होय ॥ भादवा में बुधका उदय श्रेष्ठ है।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.कृ.१३बृ.इ.४८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	३	६	४	५	४
१४	२३	२७	५	०	११	४	१३
२९	५४	३७	३६	३२	५	७	५८
५६	२९	४४	७	५३	४१	३८	३९
५८	४०	२८/५०	१२	५६	७	३	५७
१	१२	मा	११	२३	२०	११	५७

+मंशुरा (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुरा *चंबुबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	४१	३०	पू	२७	५३	सि	११	२६	किं	१०	१	३५/२१	४४/५	५६/६	३	१२	२८	क.४३।५०
२	चं	४३	७	उ	३१	४२	सा	१०	५३	बा	१२	१८	१७	४५	१५	४	१३	२९	कन्यायां
३	मं	४३	४६	ह	३४	२४	शु	९	४१	तै	१३	२६	१३	४५	१५	५	१४	१	कन्यायां
४	बु	४३	२९	चि	३५	५२	शु	७	२२	व	१३	३७	९	४६	१४	६	१५	२	तु. ५।८
५	गु	४१	५९	स्वा	३६	४१	ब्र	४	१७	ब	१२	४४	५	४७	१३	७	१६	३	तुलायां
६	शु	३९	३८	वि	३६	१९	ऐं	३०/७	५५/३१	कौ	१०	४९	१	४८	१२	८	१७	४	वृ.२१।२४
७	श	३६	२७	अ	३५	५	वि	५०	४३	ग	८	२	३०/५७	४९	११	९	१८	५	वृश्चिके
८	र	३२	१५	ज्ये	३२	५२	प्री	४४	३९	वि	४	२१	५३	४९	११	१०	१९	६	ध.३२।५२
९	चं	२७	३	मू	३०	३८	आ	३७	४९	कौ	२७	३	४८	५०	१०	११	२०	७	धनुषि
१०	मं	२१	३	पू	२५	३७	सौ	३०	१७	ग	२१	३	४४	५१	९	१२	२१	८	म.३९।२०
११	बु	१४	१९	उ	२०	३०	शो	२१	५०	वि	१४	१९	४०	५२	८	१३	२२	९	मकरे
१२	गु	६	४६	श्र	१५	१६	अ	१३	१	बा	६	४६	३६	५३	७	१४	२३	१०	कुं.४२।२२
१३	गु	५१	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	शु	५१	३	ध	९	२८	सु	५०/३	५१/४	ग	२४	५०	३२	५४	६	१५	२४	११	कुम्भे
१५	श	४३	५८	श	४६/३	५५/२	शू	४६	१०	वि	१७	२९	२८	५४	६	१६	२५	१२	मी४५।१

शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९७७स.१९७८

=चन्द्रग्रहणम् महालयारम्भः
चन्द्रदर्शनम् +१२ प्रदोषः
मघा. सिंहे बुधः ३२/७ हरिता.३ सव्वाल १०
भ. ३३/७ उ. ४३।२९ या. पुष्ये २ गुरुः १९/४७*
स्वात्यां शुक्रः २५।३५ ऋषिपंचमी

भ. ३६।२७ उ. *गणेश ४
भ. ४।२१ या. तुलायां भौमः ६।०
×(सौरः५२।४६) जलझूलनी ११ व्र.
भ. ४७/४१ उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
भ. १४।१९ या. उफायां रविः २०।१०×
पूफा बुधः ५८/६ उदयंशनेः३०।२२ वामन+
÷बुधास्तः पूर्वे ३०।३० अनंत १४
भ. ५१/२ उ. उफा.२ राहुः पूभा.४ केतुः ४६/३६÷
भ. १७/२९ या. कन्यायामकः ४५/३१ खग्रासः=

२२पं.भा.शु.५बृ.इ.४८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	६	४	५	४
२१	२८	३	६	७	११	३	२०
१६	२८	३९	५७	४	५७	४५	४५
५६	४४	५०	७	१९	४७	२२	१९
५८	३९	८२	१.१	५३	७	३	५८
१३	४०	१२	३८	२४	१८	११	१२

गोचरग्रहाः

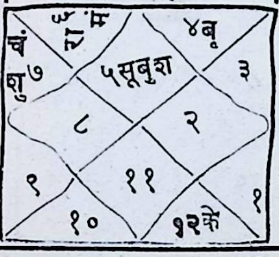

भाद्र. शु. १५ शनौ
कन्यायामर्कः प्र.वा.
४नं.५ कुमार्यवस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्यादिभावे समता
शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

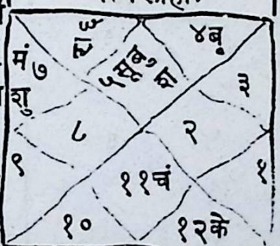

२३पं. भा.शु.१२बृ.इ.४७।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	३	६	४	५	४
२८	३	१४	८	१३	१२	३	२७
५	६	३१	१५	४	५०	२३	३३
२४	५०	५२	३६	४१	२	७	४१
५८	४०	६/०	११	४८	७	३	५८
२६	५६	०/२७	३	२३	११	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	३७	४७	उ	५४	३८	गं	३८	१२	बा	१०	५२	३०/२४	५५/५	६/५	१७	२६	१३	मीने
२	चं	३३	२५	रे	५१	५६	वृ	३१	१२	तै	५	३६	२०	५६	४	१८	२७	१४	मे.५१।५६
३	मं	३०	१७	अ	५१	१७	ध्रु	२५	३१	व	१	५१	१६	५७	३	१९	२८	१५	मेषे
४	बु	२९	११	भ	५२	२९	व्या	२१	२६	श्रा	२९	११	१२	५८	२	२०	२९	१६	मेषे
५	गु	३०	३४	कृ	५५	४५	ह	१८	५३	तै	३०	३४	८	५८	२	२१	३०	१७	वृ.८।१८
६	शु	३३	३७	रो	६०	०	व	१८	१२	ग	२	५	४	५९	१	२२	३१	१८	वृषे
७	श	३८	३२	रो	०	४६	सि	१८	२८	वि	६	४	३०/०	६/०	६/०	२३	१	१९	मि३४।०
८	र	४४	१०	मृ	७	१४	व्य	१९	५८	बा	११	१९	२९/५५	६/१	५९	२४	२	२०	मिथुने
९	चं	५०	३९	आ	१४	१६	व	२१	५३	तै	१७	२३	५१	२	५८	२५	३	२१	मिथुने
१०	मं	५६	४२	पु	२१	५२	प	२४	२२	व	२३	४०	४७	३	५७	२६	४	२२	क.४।५८
११	बु	६०	०	पु	२९	२०	शि	२६	५३	ब	२९	३८	४३	३	५७	२७	५	२३	कर्के
११	गु	२	३५	श्ले	३६	१३	सि	२८	४४	बा	२	३५	३८	४	५६	२८	६	२४	सिं३६।१३
१२	शु	७	२	म	४१	५९	सा	२९	५८	तै	७	२	३४	५	५५	२९	७	२५	सिंहे
१३	श	११	५	पू	४६	३४	शु	३०	२	व	११	५	३०	६	५४	३०	८	२६	सिंहे
१४	र	१३	२८	उ	४९	४३	शु	२९	१०	श	१३	२८	२६	७	५३	१	९	२७	कं.२।२१
३०	चं	१४	१६	ह	५१	३२	ब्र	२७	११	ना	१४	१६	२२	८	५२	२	१०	२८	कन्यायां

शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

कन्यायामर्कः सौरः १७।५६
पूफायां १ शनिः ४०।०
भ. १।५१ उ. ३०।१७ या. चतुर्थी व्र.
स्वात्यां भौमः ११।२
उफायां बुधः २३।५६
भ. ३३।३७ उ.
भ. ६।४ या. कन्यायां बुधः ११।३५ वि.*
पुष्ये ३ गुरुः ४२।४९
मातृ ९ *शुक्रः ३५/५५ रा. आश्विनारंभः
भ. २३/४० उ. ५६/४२ या. हस्ते रविः ५८।३७
हस्ते रविः सौरः ३०/२७ इन्दिरा ११ व्र.स्मा.
हस्ते बुधः ३८।५५ इन्दिरा ११ व्र. वैं.
प्रदोषः
भ. ११।५ उ. ४२।१७ या.
अक्टूबर मा. १० ता. ३१
सर्वपितृ ३० सोमवती

२४पं. आ.कृ.५ब.इ.४७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	३	६	४	५	५
४	७	२७	९	१८	१३	३	४
५५	४८	२४	२९	३०	४२	०	२३
१९	०	७	२४	१४	०	५१	४८
५८	४२	०/२	१०	४२	७	३	५८
३८	१३	२९	२३	०	२	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मासका फल
मध्यम है प्रजामें
रोग पीड़ होगी
अनाज गल्ला के
भाव समान रहेंगे

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.कृ.११बृ.इ.४७।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	३	६	४	५	५
११	१२	१०	१०	२३	१४	२	११
४६	३२	१६	३६	१८	३२	३८	१६
५५	३८	८	७	४	१०	३६	५१
५८	४१	०/२	९	३४	६	३	५९
५३	३४	५६	४०	४२	४६	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२००७ स.१९७८
१	मं	१३	४४	चि	५२	८	ऐं	२४	६	ब	१३	४४	२९/१८	६/८	५/५२	३	११	२९	तु.२१।५०	नवरात्रारम्भः मातामह श्रा.
२	बु	१२	९	स्वा	५१	४२	वै	२०	१५	कौ	१२	९	१४	९	५१	४	१२	३०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	९	२८	वि	५०	३३	वि	१५	३७	ग	९	२८	१०	१०	५०	५	१३	१	वृ.३५।५०	भ. ३७।४९ उ. जिल्काद ११
४	शु	६	१०	अ	४८	३३	प्री	१०	१२	वि	६	१०	६	११	४९	६	१४	२	बृश्चिके	भ. ६।१० या. चित्रा. बुधः १३।३३
५	श	२	१७	ज्ये	४६	११	आ	१४/७	५३/५०	बा	२	१७	२	१२	४८	७	१५	३	ध.४६।११	
६	श	५५	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●सरस्वती पूजनम्
७	र	५३	१८	मू	४३	२८	शो	५१	३५	ग	२५	३८	२९/५८	१२	४८	८	१६	४	धनुषि	भ. ५३।१८ उ. सरस्वत्यावाहनम्
८	चं	४८	१७	पू	४०	२७	अ	४४	४७	वि	२०	४७	५४	१३	४७	९	१७	५	म.५४।३४	भ. २०/४७ या. विशाखायां भौमः३९।२८●
९	मं	४२	५२	उ	३६	५५	सु	३७	३६	बा	१५	३४	५०	१४	४६	१०	१८	६	मकरे	चित्रा. रविः ३/३८ तुला. बुधः १७/५ बलिदानं
१०	बु	३६	३१	श्र	३३	११	धृ	३०	१६	तै	९	४१	४६	१५	४५	११	१९	७	मकरे	चित्रा.रविःसौरः १/३ विजया१० सरस्वती×
११	गु	३१	५२	ध	२९	१३	शू	२२	३८	व	४	१४	४२	१६	४४	१२	२०	८	कु.१।१२	भ. ४/१४ उ. ३१/५२ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	शु	२५	३२	श	२५	२६	गं	१५	७	बा	२५	३२	३८	१६	४४	१३	२१	९	कुम्भे	प्रदोषः ×विसर्जनम्
१३	श	२०	१०	पू	२१	३८	वृ	७	४३	तै	२०	१०	३४	१७	४३	१४	२२	१०	मी७।३५	स्वात्यां बुधः १२।४२
१४	र	१५	१३	उ	१८	३७	ध्रु	३०/५	५३/३	व	१५	१३	३०	१८	४२	१५	२३	११	मीने	भ. १५/१३ उ. ४३/५७ या. शरद्पूर्णिमा।कोजागरी व्र
१५	चं	११	२०	रे	१६	१६	व्या	४८	२७	ब	११	२०	२६	१९	४१	१६	२४	१२	मे.१६।१६	

२६पं. आ.शु.३बृ.इ.४७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	३	६	४	५	५
१८	१७	२२	११	२६	१५	२	१८
४०	२०	३३	३७	४०	२०	१६	९
८	२८	५८	४४	३७	४२	२०	३८
५९	४१	६/०	८	२२	६	३	५९
९	४०	०/३७	५२	५९	३१	११	१६

गोचरग्रहाः

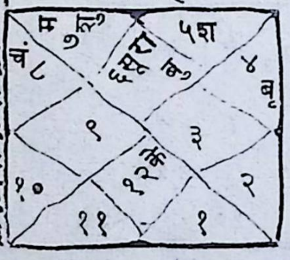

कृष्ण पक्ष की तिथि बढ़े शुक्ल-पक्ष घट जाय। एकचीज तो क्या घटे सभी चीज घट जाय। कुछ तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

२७पं.आ.शु.११बृ.इ.४७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	३	६	४	५	५
२५	२२	४	१२	२८	१६	१	२५
३५	११	१४	३४	४७	७	५४	५
६	१३	४३	५२	२४	४८	४	२०
५९	४१	०/०	७	९	६	३	५९
२१	५६	५६	५५	३५	१८	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतुं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	८	४६	अ	१५	२२	व	४३	५९	कौ	८	४६	२२/२२	६/२०	५/४०	१७	२५	१३	मेषे	तुलायामर्कः ५४/२४[सौरः ४३/४६]वक्री शुक्रः ३/८+
२	बु	७	५९	भ	१५	५९	सि	४०	४६	ग	७	५९	१८	२०	४०	१८	२६	१४	वृ.३१।३३	भ. ३८।२५ उ. +पूफा.२शनिः५५।११
३	गु	८	५२	कृ	१८	१७	व्य	३९	१३	वि	८	५२	१४	२१	३९	१९	२७	१५	वृषे	भ. ८।५२ या. पुष्ये ४ गुरुः ५।४५ च. व्र.
४	शु	१२	२६	रो	२२	२६	व	३८	३६	बा	१२	२६	१०	२२	३८	२०	२८	१६	मि५५।११	बुधोदयः पश्चिमायां २।४८
५	श	१५	५०	मृ	३७	५८	प	३९	१५	तै	१५	५०	६	२३	३७	२१	२९	१७	मिथुने	
६	र	२१	२०	आ	३४	३४	शि	४०	५२	व	२१	२०	२	२४	३६	२२	३०	१८	मिथुने	भ. २१/२० उ. ५४/३२ या. विशाखा. बुधः ३८/५९
७	चं	२७	४३	पु	४१	५८	सि	४३	०	व	७	४३	२७/५८	२४	३६	२३	१	१९	क.२५।७	स्वात्यां रविः ५६/२६ बृश्चिके भौमः ५५/१२ रा.●
८	मं	३३	५६	पु	४९	२६	सा	४५	१६	बा	०	४९	५४	२५	३५	२४	२	२०	कर्के	स्वात्यांरविः(सौरः २४/४४) ●कार्तिकारंभः
९	बु	४०	११	श्ले	५६	४८	शु	४७	२६	तै	७	३	५०	२६	३४	२५	३	२१	सिं५६।४८	
१०	गु	४५	१२	म	६०	०	शु	४८	५७	व	१२	४१	४६	२७	३३	२६	४	२२	सिंहे	भ. १२।४१ उ. ४५।१२ या.
११	शु	४८	५५	म	३	४	ब्र	४९	३२	ब	१७	३	४२	२८	३२	२७	५	२३	सिंहे	रमा ११ व्र.
१२	श	५१	१६	पू	७	५०	ऐं	४८	५२	कौ	२०	५	३९	२८	३२	२८	६	२४	कं.२३।४३	अनु. भौमः ३६।७
१३	र	५१	३२	उ	११	१९	वै	४६	५५	ग	२१	२३	३५	२९	३१	२९	७	२५	कन्यायां	भ. ५१/३२ उ. वृश्चिके बुधः ३६/४५ प्रदोषः धन १३
१४	चं	५०	७	ह	१३	३	वि	४३	२९	वि	२०	४९	३१	३०	३०	३०	८	२६	तु.४२।५८	भ. २०।४९ या. रूप १४
३०	मं	४७	२५	चि	१२	५३	प्री	३८	५८	च	१८	४६	२७	३१	२९	३१	९	२७	तुलायां	अनु. बुधः ५३।२८ महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.३बृ.इ.४७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	३	६	४	५	६
२	२७	१५	१३	२९	१६	१	२
३१	५	२१	२४	२६	५१	३१	३
३४	१३	३६	३६	३८	०	४९	४९
५९	४२	९७	६	०/८	५	३	५९
३४	१७	९	३१	घ	५४	११	४६

गोचरग्रहाः

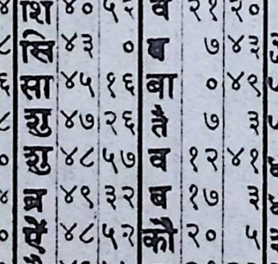

का. कृ. १ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

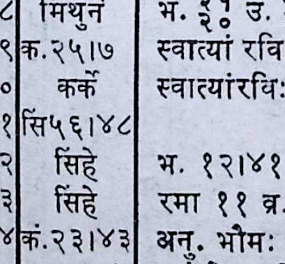

२९पं.का.कृ.१०बृ.इ.४६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	३	६	४	५	६
९	२	२५	१४	२७	१७	१	९
२९	२	५७	७	५६	३२	८	२
४९	१३	२५	१९	४९	३१	३३	९
५०	४२	९१	५	३१/४३	५	३	६०
४७	४२	२	५२	घ	२६	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०३६सन्१९७८
१	बु	४३	६	स्वा	११	३८	आ	३३	१३	किं	१५	१६	२७/२४	६/३१	५/२९	१	१०	२८	वृ.५४।४९	शुक्रास्तः पश्चिमायां ५/२४* (शु.अ.प.)
२	गु	३८	१५	वि	९	१२	सौ	२६	४०	बा	१०	४०	२०	३२	२८	२	११	२९	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
३	शु	३२	४०	अ	५	४७	शो	१९	२५	तै	५	२७	१६	३३	२७	३	१२	१	वृश्चिके	भ. ५९।५१ उ. जिल्हेज १२
४	श	२७	२	ज्ये	१/५९	५६/२७	अ	११	५४	वि	२७	२	१३	३३	२७	४	१३	२	ध.१।५९	भ. २७।२ या.
५	र	२१	१६	पू	५४	१०	सु	४/१४	५२/३७	बा	२१	१६	९	३४	२६	५	१४	३	धनुषि	*नवम्बर११ता.३० अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
६	चं	१५	४२	उ	५०	५७	शू	४९	२१	तै	१५	४२	६	३५	२५	६	१५	४	म. ८।२२	विशाखा. रविः १६।४९ (सौरः४२।१३)
७	मं	१०	२३	श्र	४६	५५	गं	४२	११	व	१०	२३	२	३६	२४	७	१६	५	मकरे	भ. १०।२३ उ. ३७।५७ या. गोपाष्टमी
८	बु	५	३१	ध	४३	३०	वृ	३५	७	ब	५	३१	२६/५९	३६	२४	८	१७	६	कुं.५३।१३	
९	गु	०	५५	श	४१	१९	ध्रु	२८	२६	कौ	०	५५	५६	३७	२३	९	१८	७	कुम्भे	अक्षय ९
१०	गु	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×शुक्रः ३७/३१ प्रबो. ११व्र.स्मा. तुलसीविवाहः
११	शु	५२	४६	पू	३८	५९	व्या	२२	९	व	२४	२०	५३	३७	२३	१०	१९	८	मी२४।३४	भ. ३४/२०उ.५३/४६या. ज्ये.बुधः ५/६ वक्री स्वा.×
१२	श	४९	५०	उ	३७	१९	ह	१६	१०	ब	२१	१७	४९	३८	२२	११	२०	९	मीने	प्रबोधिनी ११ व्र. वै.
१३	र	४७	४२	रे	३६	२५	व	१०	१३	कौ	१८	४६	४६	३९	२१	१२	२१	१०	मे.३६।२५	प्रदोषः
१४	चं	४६	२२	अ	३६	२७	सि	६	२	ग	१७	२	४३	३९	२१	१३	२२	११	मेषे	भ. ४६।२२ उ. वैकुंठ १४
१५	मं	४६	५	भ	३७	३४	व्य	३/१६	५७/२	वि	१६	१३	४०	४०	२०	१४	२३	१२	वृ.५३।१०	भ. ९/१३ या. शु.उ.पू. ९/० मन्वादिः शु.उ.पू.

३०पं.का.शु.२वृ.इ.४६।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	३	६	४	५	६
१६	७	५	१४	२४	१८	०	१६
२९	२	५८	४१	४४	१०	४७	३
३८	३५	४४	२०	१७	१	१८	१३
६०	४२	८४	४	३३/३७	५	३	६०
४	५३	७	४३	व	०	११	१८

गोचरग्रहाः

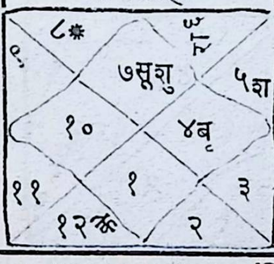

मार्ग. कृ. २ गुरौ
वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३
न. ४ युवावस्था
(सूती) मु. ४५
धान्यादिभावे सम-
र्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३१पं.का.शु. ९बृ.इ.४६।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	३	६	४	५	६
२३	१२	१५	१५	२०	१८	०	२३
३०	५	१४	७	३०	४४	२५	५
५८	४९	१०	५२	१४	२८	२	५०
६०	४३	७२	३	३५/३३	४	३	६०
१७	२०	५९	३१	व	३१	११	२०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूर्रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४७	३६	कृ	२९	५८	ध	५७	३७	बा	१६	२१	३६/३७	६/४१	५/१९	१५	२४	१३	वृषे	अस्तं भौमः २१।५१
२	गु	५०	२५	रो	४३	४०	शि	५६	४०	तै	१९	०	३४	४१	१९	१६	२५	१४	वृषे	वृश्चिकेऽर्कः १२/५१ (सौरः ३६/३०) ज्ये.भौमः ३/१७
३	शु	५४	४२	मृ	४८	४४	सि	५६	५५	व	२२	३३	३१	४२	१८	१७	२६	१५	मि१६।१२	भ. २२।३३उ.५४।४२या. उफा. १ सिंहे*
४	श	५८	४४	आ	५५	६	सा	५८	१३	ब	२६	४३	२९	४२	१८	१८	२७	१६	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	र	६०	०	पु	६०	०	शु	५९	५४	कौ	३२	१९	२६	४३	१७	१९	२८	१७	क.४५।३१	अनु. रविः ३१।११ (सौरः ५४।१८)
५	चं	५	५५	पु	२	१९	शु	६०	०	तै	५	५५	२४	४३	१७	२०	२९	१८	कर्के	*राहुः पूभायां ३ कुंभे केतुः ३६।५१
६	मं	१२	१७	पु	९	५०	शु	२	९	व	१२	१७	२१	४४	१६	२१	३०	१९	कर्के	भ. १२।१७ उ. ४५।२९ या.
७	बु	१८	४१	श्ले	१७	२६	ब्र	४	२५	ब	१८	४१	१९	४४	१६	२२	१	२०	सिं१७।२६	रा. मार्गशीर्षारम्भः
८	गु	२४	४८	म	२४	२५	ऐं	६	२५	कौ	२४	४८	१६	४५	१५	२३	२	२१	सिंहे	
९	शु	२८	४६	पू	३०	६	वै	७	३९	ग	२८	५६	१३	४५	१५	२४	३	२२	कं.४६।११	
१०	श	३१	४५	उ	३४	२७	वि	७	४६	व	०	२३	११	४६	१४	२५	४	२३	कन्यायां	भ. ०।२३ उ. ३१।४५ या. वक्री बुधः १६/७
११	र	३३	४७	ह	३६	५२	प्री	६	३६	ब	२	१९	८	४६	१४	२६	५	२४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	चं	३२	२	चि	३७	३१	आ	३/५२	५५/४०	कौ	२	२५	६	४७	१३	२७	६	२५	तु.७।११	वक्री गुरुः ३७।२३
१३	मं	२९	११	स्वा	३६	११	शो	५३	४७	ग	०	३७	३	४७	१३	२८	७	२६	तुलायां	भ. २९।११ उ. ५६।४५ या. प्रदोषः
१४	बु	२४	१९	वि	३३	१४	अ	४६	४२	श	२४	१९	१	४८	१२	२९	८	२७	वृ.१८।५९	मार्गी शुक्रः ५६/१४ बुधास्तः पश्चिमायाम् ४९/८
३०	गु	१८	४३	अ	२८	४६	सु	३८	४०	ना	१८	४३	३५/५९	४८	१२	३०	९	२८	वृश्चिके	पूफायां ३ शनिः ३७।४३

३२पं. मा.कृ.२बृ.इ ४६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	३	६	४	५	७
०	१७	२३	१५	१६	१९	०	०
३३	११	६	२४	४२	१४	२	९
४७	५६	५४	५४	५८	२	४१	५४
६०	४३	५५	२	२१/५९	३	३	६०
३०	३४	२७	४	व	५६	११	४०

३३पं. मा.कृ.८बृ.इ.४६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	३	६	४	४	७
७	२२	२७	१५	१४	१९	२९	७
३७	२०	५	३	१८	३९	४०	१७
३७	४९	४७	१७	३६	४०	३१	२७
६०	४३	१७	०	१३/४१	३	३	६०
४२	५२	३५	४३	व	१५	११	५३

३४पं.मा.कृ.३०बृ.इ.४५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	३	६	४	४	७
१४	२७	२५	१५	१४	२०	२९	१४
४२	३३	४६	३०	१०	०	१८	२२
५४	४	१२	०	१	२९	१५	१३
६०	४४	६/१२	३५	५/०	३	३	३१
५०	१६	व	व	मा	३४	११	३

*चंमंबु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः	सं. २०३५	शाकः	१९००								दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०६६स.१९७८
१	शु	११	२५	ज्ये	२३	३५	धृ	२९	४०	ब	११	२५	५५ ५७	६ ४९	५ ११	१	१०	२९	ध.२३।३५	चन्द्रदर्शनम् दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
२	श	३	५४	मू	१७	४९	शू	२०	३७	कौ	३	५४	५५	४९	११	२	११	१	धनुषि	ज्येष्ठा. रविः ४१।२१ मोहोरम १ सन्*
३	श	५२	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र	४९	१०	पू	१२	१५	गं	११	१५	व	२२	४६	५३	४९	११	३	१२	२	म.२५।५९	भ. २२।४६ उ. ४९।१० या. ज्येष्ठा.×
५	चं	४२	३२	उ	७	१२	वृ	२८	५१ ३५	ब	१५	५०	५१	५०	१०	४	१३	३	मकरे	मूले धनुषि भौमः २।५
६	मं	३६	३८	श्र	२ ५	५६ ९	व्या	४५	५८	कौ	९	३५	४९	५०	१०	५	१४	४	कुं.३०।९	चम्पा ६ *१३९९ हि.
७	बु	३१	४०	श	५५	१३	ह	३८	४७	ग	४	९	४८	५०	१०	६	१५	५	कुम्भे	भ. ३१।४० उ. ५९।३६ या.
८	गु	२७	३२	पू	५३	१०	व	३२	२२	व	२७	३२	४६	५१	९	७	१६	६	मी ३८।४१	×रविः सौरः १।१८
९	शु	२४	३५	उ	५२	१४	सि	२६	५२	कौ	२४	३५	४५	५१	९	८	१७	७	मीने	वक्री अनु. बुधः १०।३१
१०	श	२२	२५	रे	५२	११	व्य	२२	१५	ग	२२	२५	४४	५१	९	९	१८	८	मे.५२।११	भ. ५२।० उ.
११	र	२१	३५	अ	५२	५८	व	१८	१६	वि	२१	३५	४२	५२	८	१०	१९	९	मेषे	भ. २१।३५ या. बुधोदयः पूर्वस्याम् ५३ ३५+
१२	चं	२१	३५	भ	५५	१०	प	१५	१८	बा	२१	३५	४१	५२	८	११	२०	१०	मषे	प्रदोषः
१३	मं	२२	४३	कृ	५८	२९	शि	१२	५९	तै	२२	४३	४०	५२	८	१२	२१	११	वृ.११।०	+मोक्षदा ११ व्र. गीता जयंती
१४	बु	२५	८	रो	६०	०	सि	११	३७	व	२५	८	३९	५२	८	१३	२२	१२	बृषे	भ. २५।८ उ. ५६।५० या.
१५	गु	२८	३२	रो	२	३८	सा	११	२२	ब	२८	३२	३८	५२	८	१४	२३	१३	मि ३५।१३	दत्तजयन्ती

३५पं. मा.शु.८बृ.इ.४१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	३	६	४	४	७
२१	२	१७	१५	१५	२०	२८	२१
४८	४७	८	१८	२४	१९	५६	२९
५८	३८	२५	४३	२५	१	०	५९
६०	४४	९३ ४३	.२ ५	१७	.१	३	६१
५६	३१	ब	ब	२६	५३	११	११

गोचरग्रहाः

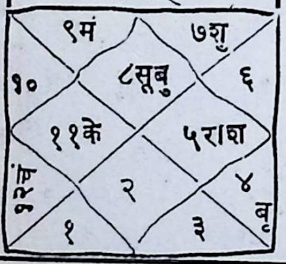

इस मासका फल श्रेष्ठ है आरम्भ में धान्य चावल मूंग मोंठ बाजरा मंदा होकर तेज होगा मंदीमें खरीदना श्रेष्ठ है।

गोचरग्रहाः

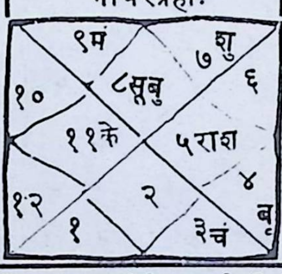

३६पं.मा.शु.१५बृ.इ.४५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	३	६	४	४	७
२८	८	११	१४	१८	२०	२८	२८
५५	४	३९	५७	२२	२६	३३	३८
५२	३०	५८	२९	५२	४६	३४	४२
६१	४४	९ ३२	३ २८	२९	१	३	६१
०	४१	व	व	३१	१२	११	१९

ति.	पौष	कृष्णपक्षः	सं. २०३५	शाकः	१९००								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्ततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३२	२	मृ	७	४८	शु	११	२५	बा	०	४७	३५ ३८	५ ६ ३	५ ८	१५	२४	१४	मिथुने	मूले धनुष्यर्कः ४८।३३ मार्गी बुधः ५९ ३५
२	श	३८	३७	आ	१४	११	शु	१२	४४	तै	५	५०	३७	५३	७	१६	२५	१५	मिथुने	मूले धनुष्यर्कः सौरः ५।२
३	र	४४	४०	पु	२१	२	ब्र	१४	१०	व	११	३८	३७	५३	७	१७	२६	१६	क.४।२०	भ. ११।३८ उ. ४४।४० या.
४	चं	५१	४	पु	२८	२८	ऐं	१६	२६	ब	१७	१२	३७	५३	७	१८	२७	१७	कर्के	विशाखायां शुक्रः २।५४ चतुर्थी व्र.
५	मं	५७	४१	श्ले	३६	६	वै	१८	४८	कौ	२४	२२	३६	५३	७	१९	२८	१८	सि ३६।६	
६	बु	६०	०	म	४३	४३	वि	२०	५६	ग	३०	४४	३६	५३	७	२०	२९	१९	सिंहे	
६	गु	३	४९	पू	५०	२१	प्री	२२	४३	व	३	४९	३६	५३	७	२१	३०	२०	सिंहे	भ.३।४९उ.३६।२२या. पूषा.भौम:४०।६
७	शु	८	५५	उ	५५	४९	आ	२३	३३	ब	८	५५	३६	५३	७	२२	१	२१	कं.६।४३	रा. पौषारंभः
८	श	१२	५६	ह	५९	३५	सौ	२३	३९	कौ	१२	५६	३६	५३	७	२३	२	२२	कन्यायां	
९	र	१४	५३	चि	६०	०	शो	२२	१०	ग	१४	५३	३६	५२	७	२४	३	२३	तु.३०।३६	भ. ४४।५७ उ. ज्येष्ठा. बुधः ४७।३२
१०	चं	१५	१	चि	१	३७	अ	१९	८	वि	१५	१	३७	५३	७	२५	४	२४	तुलायां	भ. १५।१ या. वक्री शनिः १५।१८
११	मं	१२	५५	स्वा	४ १ ३	५७ ५५	सु	१४	२६	बा	१२	५५	३७	५३	७	२६	५	२५	वृ.४५।८	सफला ११ व्र.
१२	बु	९	२	अ	५५	५३	धृ	७	५९	तै	९	२	३८	५२	८	२७	६	२६	बृश्चिके	प्रदोषः
१३	गु	३	८	ज्ये	५०	२०	शू	० ७	५१ ७	व	३	८	३८	५२	८	२८	७	२७	ध.५०।२०	भ.३।८उ.२९।२५या. पूषा.रविः ५३।२९
१४	गु	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	शु	४७	२२	मू	४३	४९	वृ	४१	२३	च	२१	४२	३९	५२	८	२९	८	२८	धनुषि	पूषायां रविः सौरः ६।४०

३७पं. पौ.कृ.६बृ.इ.४५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	३	६	४	४	८
६	१३	१४	१४	२२	२०	२८	५
३	२३	२५	२६	४७	३१	११	४८
२९	५३	१	३१	२४	१९	२८	७
६१	४४	४४ २१	४ ३७	३८	०	३	६१
४	५२	मा	व	३८	२३	११	२२

गोचरग्रहाः

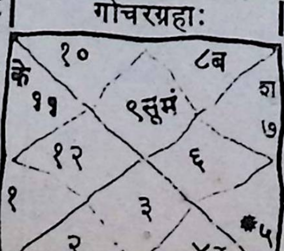

पौष कृ. १ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१३बृ.इ.४५।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	३	६	४	४	८
१३	१८	२१	१३	२८	२०	२७	१२
११	४५	३२	४८	७	३१	४९	५७
३१	१४	४६	७	५९	१	१३	५९
६१	४५	४९	५ ०	४५	२ ०	३	६१
६	५	२७	व	५३	व	११	२६

*चंशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०३५	शाकः	१९००								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	३८	१९	पू	३६	४२	धु	३०	५५	किं	१२	५०	२५/४०	६/५२	५/८	३०	९	२९	म.४९।५५
२	र	२९	२०	उ	२९	३४	व्या	२०	३३	बा	३	४९	४०	५२	८	३१	१०	३०	मकरे
३	चं	२०	४६	श्र	२२	५२	ह	१०	१७	ग	२०	४६	४१	५२	८	१	११	१	कु.४९।५२
४	मं	१३	२	ध	१६	५२	व	२२	५१/६	वि	१२	२	४२	५२	८	२	१२	२	कुम्भे
५	बु	६	२३	श	११	५७	व्य	४३	५७	बा	६	२३	४३	५१	९	३	१३	३	मी५४।२७
६	गु	०	५९	पू	८	३७	व	३७	१८	तै	०	५९	४४	५१	९	४	१४	४	मीने
७	शु	५६	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	शु	५५	६	उ	६	४२	प	३३	५६	वि	२६	१५	४६	५१	९	५	१५	५	मीने
९	श	५४	२३	रे	६	१९	शि	२७	४७	बा	२४	४४	४७	५१	९	६	१६	६	मे.६।१९
१०	र	५५	८	अ	७	२०	सि	२४	५२	तै	२४	४५	४९	५०	१०	७	१७	७	मेषे
११	चं	५७	२२	भ	९	५८	सा	२३	१७	व	२६	१५	५१	५०	१०	८	१८	८	बृ.२५।५३
१२	मं	६०	०	कृ	१३	४१	शु	२२	२९	ब	२८	५६	५२	५०	१०	९	१९	९	बृषे
१२	बु	०	३०	रो	१८	३२	शु	२२	४१	बा	०	३०	५४	४९	११	१०	२०	१०	मि५१।२८
१३	गु	४	५२	मृ	२४	२३	ब्र	२२	५५	तै	४	५२	५६	४९	११	११	२१	११	मिथुने
१४	शु	९	५५	आ	३१	८	ऐं	२४	३२	व	९	५५	५८	४८	१२	१२	२२	१२	मिथुने
१५	श	१५	४९	पु	३७	५८	वै	२६	१७	ब	१५	४९	२६/१	४८	१२	१३	२३	१३	क.२१।१५

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०९५स.१९७८

बृश्चिके शुक्रः ११।३८ चन्द्रदर्शनम्
भ. ४६।५४ उ. **जनवरी मा. १ ता. ३१**×
भ. १३।२ या. वक्री पुष्ये ३ गुरुः १३।१२
अनु. शुक्रः ५०।५३
भ. ५७।५४ उ. मूले धनुषि बुधः १२।१६

भ. २६।१५ या.
×सन् १९७९ ई. सफर २
●भौमः ५।४९ पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
भ. २६।१५ उ. ५७।२२ या. उषायां●
पुत्रदा ११ व्र. वै.
उषायां रविः ५८।१३ प्रदोषः
उषायां रविः सौरः ८।७
भ.९।५५उ.४२।५२या. मकरे भौमः १९/५
पूषायां बुधः ३४।४३

३९पं. पौ.शु.६बृ.इ.४५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	३	७	४	४	८
२०	२४	०	१३	४	२०	२७	२०
१९	८	३७	३	६	२५	२६	७
२६	२८	५	७	२२	३४	५७	५६
६१	४५	८१	६/४१	५१	१	३	६१
६	१७	४८	व	२१	८	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मास में घृत गुड़ खांड़ तिल तैल तेज होगा। अनाज में तेजी होकर मंदी होगी चांदी सोना तेज।

गोचरग्रहाः

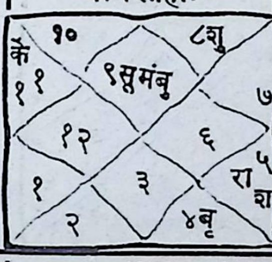

४०पं.पौ.शु.१३बृ.इ.४५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	३	७	४	४	८
२७	२९	१०	१२	१०	२०	२७	२७
२७	३४	३६	११	४०	१४	७	१७
४०	८	०	४६	४४	२	४२	४८
६१	४५	८९	७/२८	५५	१/५२	३	६१
६	३७	४२	व	३४	व	११	२४

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं० २०३५	शाकः	१९००								दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	२२	३	पु	४५	२७	वि	२८	२१	कौ	२२	३	२६/३	६/४७	५/१३	१४	२४	१४	कर्के
२	चं	२८	२३	श्ले	५१	५४	प्री	३०	३८	ग	२८	२३	५	४७	१३	१५	२५	१५	सिं५१।५४
३	मं	३४	५५	म	५९	२९	आ	३२	५३	व	१	३८	८	४६	१४	१६	२६	१६	सिंहे
४	बु	४१	२	पू	६०	०	सौ	३४	४४	ब	८	५८	१०	४६	१४	१७	२७	१७	सिंहे
५	गु	४६	१६	पू	७	२	शो	३६	८	कौ	१३	३९	१२	४६	१४	१८	२८	१८	कं.२३।४०
६	शु	५०	४८	उ	१३	३२	अ	३६	४९	ग	१८	३२	१५	४५	१५	१९	२९	१९	कन्यायां
७	श	५३	४१	ह	१८	३५	सु	३६	२४	वि	२२	१४	१७	४५	१५	२०	३०	२०	तु.५०।१८
८	र	५४	५७	चि	२२	१	धृ	३४	५०	बा	२४	२०	२०	४४	१६	२१	१	२१	तुलायां
९	चं	५४	२६	स्वा	२३	४८	शू	३१	४१	तै	२४	४१	२२	४४	१६	२२	२	२२	तुलायां
१०	मं	५१	५०	वि	२३	३४	गं	२६	३	व	२३	८	२५	४३	१७	२३	३	२३	बृ.८।३१
११	बु	४७	१४	अ	२१	२७	वृ	२०	५४	ब	१९	३२	२७	४३	१७	२४	४	२४	बृश्चिके
१२	गु	४०	५४	ज्ये	१७	२५	धु	१३	४	कौ	१४	४	३०	४२	१८	२५	५	२५	ध.१७।२५
१३	शु	३३	५	मू	११	५२	व्या	३/५८	४९/४५	ग	६	५९	३३	४१	१९	२६	६	२६	धनुषि
१४	श	२४	४	पू	५/६	५२/३२	व	४३	८	श	२४	४	३६	४१	१९	२७	७	२७	म.१८।११
३०	र	१४	२८	श्र	४९	३२	सि	३२	५७	ना	१४	२८	३९	४०	२०	२८	८	२८	मकरे

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मकरेऽर्कः १४।३७ (सौरः २३।३२)
●बुधास्तः पूर्वस्याम् ३४।१८
भ. १।३८ उ. ३४।५५ या.
ज्येष्ठायां शुक्रः ४४।३० वक्री पूफायां×
×२ शनिः ३५।३७ चतुर्थी व्र.
भ. ५/४ ०/८ उ. पूफा.४ राहुः पूभा. २ केतुः ३/५ ०/२●
भ. २२।१४या. अभि. प्र. रविः४७।२२+
रा. माघारंभः +(सौरः ५४।५४)
उषायां बुधः १४।३५
भ. २२।८ उ. ५१।५०
श्रवणे रविः ४३/५ सौरः ५१/१ अभि.नि.रविः=
अभि नि. रविः सौरः ३।७ श्रवण भौमः ४६
भ. ३३।५ उ. ५८।३५ या. प्रदोषः
=५६/१४ मकरे बुधः २९/५ षट्तिला ११ व्र.
वक्री पुष्ये २ गुरुः २४।३४

४१पं. मा.कृ.५बृ.इ.४५।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	३	७	४	४	९
४	५	२१	११	१७	१९	२६	४
३५	०	६	१७	३९	५७	४२	२७
३१	४	५४	५६	१४	५०	२६	१७
६१	४५	९५	७/५६	५८	५/२७	३	६१
३	४७	५६	व	४५	व	११	१९

गोचरग्रहाः

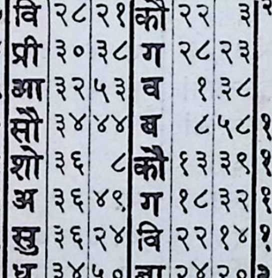

माघ कृ. १रवौ मकरेऽर्कःप्र.वा.३ न.२ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे म-हर्घता शु.उ.पू.।

गोचरग्रहाः

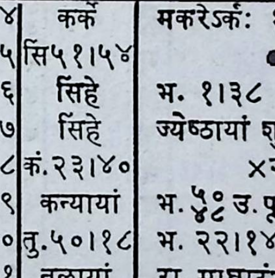

४२पं.मा.कृ.१२बृ.इ.४५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	३	७	४	४	९
११	१०	२	१०	२४	१९	२६	११
४२	२७	५	२०	५७	३६	२०	३६
५८	४७	२०	५३	२१	१	१०	८
६०	४५	९७	७/५२	६१	३/८	३	६१
५९	५७	५५	व	३७	व	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	४	४१	ध	४१	५७	व्य	२१	१	ब	४	४१	२६/४२	६/४०	५/२०	२९	९	२९	कुं.१५।४४
२	चं	५०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	मं	४६	५५	श	३५	८	व	१०	२५	तै	२१	८	४६	३९	२१	३०	१०	१	कुम्भे
४	बु	३९	४३	पू	२९	२६	प	४९	२९	व	१३	१९	४९	३८	२२	३१	११	२	मी१५।५२
५	गु	३४	१६	उ	२५	२८	सि	४५	३०	ब	६	५९	५२	३८	२२	१	१२	३	मीने
६	शु	३०	३६	रे	२३	२५	सा	४०	३	कौ	२	२६	५५	३७	२३	२	१३	४	मे.२३।२५
७	श	२९	२	अ	२३	२०	शु	३६	१	व	२९	२	५९	३६	२४	३	१४	५	मेषे
८	र	२९	१८	भ	२५	८	शु	३३	४३	ब	२९	१८	२७/२	३६	२४	४	१५	६	वृ.४०।५७
९	चं	३१	१६	कृ	२८	२५	ब्र	३२	४०	बा	०	१७	६	३५	२५	५	१६	७	वृषे
१०	मं	३४	६	रो	३३	३८	ऐं	३३	३	तै	२	४१	९	३४	२६	६	१७	८	वृषे
११	बु	३९	४३	मृ	३९	२५	वै	३३	४९	व	६	५५	१३	३३	२७	७	१८	९	मि६।३१
१२	गु	४४	१८	आ	४६	२९	वि	३५	३	ब	१२	१	१६	३३	२७	८	१९	१०	मिथुने
१३	शु	५१	२६	पु	५४	५	प्री	३७	२६	कौ	१७	५२	२०	३२	२८	९	२०	११	क.३७।११
१४	श	५७	५०	पु	६०	०	आ	३९	३९	ग	२४	३८	२४	३१	२९	१०	२१	१२	कर्के
१५	र	६०	०	पु	२	६	सौ	४१	४८	वि	३०	५७	२७	३१	२९	११	२२	१३	कर्के
१५	चं	४	४	श्ले	९	४	शो	४३	५३	ब	४	४	३१	३०	३०	१२	२३	१४	सिं ९।४

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:२१२५स.१९७९

चंद्रदर्शनम्

श्रवणे बुधः ४७।२६ मूले धनुषि शुक्रः×
भ. १३।१९ उ. ३९।४३ या.
फर्वरी मा. २ ता. २८ वसंत पंचमी
×२४।३७ रविलावल ३
भ. २९।२ उ. ५९।१० या. भानु ७
भीष्माष्टमी
पातस्पर्शः १६।१६ पातमोक्षः ४७।५३
धनिष्ठा. रविः १२।६ (सौरः१६।४२)
भ. ६।५५ उ. ३९।४३ या. धनि. बुधः*
+बुधः १०।९ पूषा. शुक्रः ३८।१७
प्रदोषः *३/५८ जया ११ व्र.
भ. ५७।५० उ.
भ. ३०।५७ या. धनि. भौमः१३।० कुंभे+
कुंभेऽर्कः ४७।२१ (सौरः ५०।३९)

४३पं. मा.शु.५बृ.इ.४५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	३	८	४	४	९
१८	१५	१३	९	२	१९	२५	१८
४९	५६	३४	२५	२८	१२	५७	४४
२६	४२	५९	५२	५१	१४	५५	१०
६०	४६	३०/०	७/४४	६२	३/४४	३	६१
५५	७	५/२९	व	३४	व	११	४

गोचरग्रहाः

मा. शु. १५ चंद्रे
कुंभेऽर्कः प्र. वा.२
न.४ गतालकावस्था
(ऊभी) मु. ३०
धान्यादिभावे सम-
ता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

४४पं.मा.शु.१२बृ.इ.४५।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	२	३	८	४	४	९
२५	२१	२५	८	१०	१८	२५	२५
५५	२६	३५	३२	१३	४४	३५	५०
१६	३१	५६	२८	२३	५२	३९	५७
६०	४६	०/०	७	६५	४/५	३	६०
४७	७	२५	१४	८	व	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३५ शाकः १९००												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	१०	१९	म	१५	५७	अ	४५	५२	कौ	१०	१९	३७/५	६/२९	५/३१	१३	२४	१५	सिंहे
२	बु	१६	७	पू	२२	२९	सु	४७	४	ग	१६	७	३८	२८	३२	१४	२५	१६	कं.३९।१
३	गु	२१	२	उ	२८	३८	धृ	४७	५१	वि	२१	२	४२	२८	३२	१५	२६	१७	कन्यायां
४	शु	२५	४	ह	३३	५५	शू	४७	४६	बा	२५	४	४६	२७	३३	१६	२७	१८	कन्यायां
५	श	२८	३	चि	३८	६	गं	४६	४८	तै	२८	३	५०	२६	३४	१७	२८	१९	तु.६।३१
६	र	२९	५२	स्वा	४०	५३	वृ	४४	४४	व	२९	५२	५४	२५	३५	१८	२९	२०	तुलायां
७	चं	३०	१९	वि	४२	१९	ध्रु	४१	३२	वि	०	१९	५८	२४	३६	१९	३०	२१	वृ.२६।५६
८	मं	२९	१	अ	४१	५७	व्या	३७	३	कौ	२९	१	२६/२	२४	३६	२०	१	२२	वृश्चिके
९	बु	२६	८	ज्ये	३९	५९	ह	३१	५	ग	२६	८	६	२३	३७	२१	२	२३	ध.३९।५९
१०	गु	२१	२२	मू	३६	२६	व	२३	५३	वि	२१	२२	१०	२२	३८	२२	३	२४	धनुषि
११	शु	१३	३१	पू	३१	३४	सि	१५	२४	बा	१३	३१	१४	२१	३९	२३	४	२५	म.४४।५५
१२	श	७	४४	उ	२५	५	व्य	५/६	४९/१३	तै	७	४४	१८	२०	४०	२४	५	२६	मकरे
१३	श	५१	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	र	४९	३५	श्र	१७	५५	प	४४	५२	वि	२४	१९	२२	२०	४०	२५	६	२७	कु.४४।५
३०	चं	४०	२	ध	१०	१६	शि	३२	५६	च	१४	४९	२६	१९	४१	२६	७	२८	कुम्भे

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ४८।३४ उ. शते बुधः ५५।४
भ. २१।२ या. चतुर्थी व्र.
+कुंभे भौमः ३३।३९
भ. २९।५२ उ. पातस्पर्शः ३१/१४ मोक्षः ५०/११
भ. ०।९ या. शते रविः ३३/४२ (सौरः २६/१)+
रा. फाल्गुनारंभः =१।५४ सोमवती
भ. ५३।४५ उ. ×४४।१० प्रदोषः
भ. २१।२२ या. पूभायां बुधः ६।४७
उपायां शुक्रः १४।३१ विजया ११ व्र.
भ. ५९।३ उ. बुधोदयः पश्चिमायाम्×
भ. २४।१९ या. महाशिवरात्रि व्र.
वक्री पुष्ये १ गुरुः २७।१९ मकरे शुक्रः=

४५पं.फा.कृ.३बृ.इ.४५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	३	८	४	४	१०
३	२६	८	७	१८	१८	२५	२
०	५७	१२	४३	७	१३	१३	५७
४	४	५२	५२	८	४८	२४	०
६०	४७	०/०	२६/४	६३	२१/४	३	६०
३७	१८	३८	व	३५	व	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मास में ५
मंगलवार अशुभ
हैं धान्य जौ गेहूं
चावल मंदा होगा
गुड़ खांड़ शक्कर
तांबा सोना तेज
हो।

गोचरग्रहाः

४६पं.फा.कृ.१०बृ.इ.४५।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	३	८	४	४	१०
१०	२	२१	७	२६	१७	२४	१०
३	२८	१४	१	७	४१	५१	१
३२	४१	५६	५	३७	२	८	३३
६०	४६	०/०	२६/५	६७	३७/४	३	६०
२५	२२	८	व	४३	व	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन	शुक्लपक्षः	सं. २०३५					शाकः	१९००				दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २१५४स.१९७९
१	मं	३०	४५	श	३/४२	५३/१६	स्ति	२३	२३	किं	५	२४	२८/३०	६/१८	५/४२	२७	८	२९	मी४२।५४	मीने बुधः ४०।३
२	बु	२२	१६	उ	५०	१४	सा	१३	४१	कौ	२२	१६	३४	१७	४३	२८	९	३०	मीने	शते भौमः ३।५६ चन्द्रदर्शनम् फुलरिया२
३	गु	१५	१६	रे	४६	३	शु	५/१०	५२/३५	ग	१५	१६	३८	१६	४४	१	१०	१	मे.४६।२	भ. ४२/३९ उ. उभायां बुधः ४२/४८ मार्च मा. ३*
४	शु	१०	२	अ	४४	४	ब्र	५२	१५	वि	१०	२	४२	१६	४४	२	११	२	मेषे	भ. १०।२ या. पातमोक्षः १२।२२
५	श	६	५१	भ	४३	५६	ऐं	४८	३८	बा	६	५१	४६	१५	४५	३	१२	३	बृ.५९।२९	*ता. ३१ पातस्पर्शः ५७/३१ रविलाखर४
६	र	५	३८	कृ	४६	५	वै	४६	२४	तै	५	३८	५०	१४	४६	४	१३	४	वृषे	पूभायां रविः २९।४७ (सौरः ४०।४८)
७	चं	६	४०	रो	४९	४	वि	४५	५७	व	६	४	५४	१३	४७	५	१४	५	बृषे	भ. ६।४० उ. ३८।९ या. होलाष्टकः
८	मं	९	३८	मृ	५५	३०	प्री	४६	२१	व	९	३८	५८	१२	४८	६	१५	६	मि२२।१७	श्रवणे शुक्रः ३२।४
९	बु	१४	१३	आ	६०	०	आ	४७	५२	कौ	१४	१३	२९/२	१२	४८	७	१६	७	मिथुने	वक्री पूफायां १ शनिः २६।३६
१०	गु	१९	४१	आ	२	१२	सौ	५०	८	ग	१९	४१	६	११	४९	८	१७	८	क.५२।४८	भ. ५२।५२ उ.
११	शु	२६	४	पु	९	४०	शो	५२	२०	वि	२६	४	१०	१०	५०	९	१८	९	कर्के	भ. २६।४ या. आमलकी ११ व्र.
१२	श	३२	३७	पु	१७	२३	अ	५४	४७	बा	३२	३७	१४	९	५१	१०	१९	१०	कर्के	
१३	र	३८	४९	श्ले	२४	४६	सु	५६	४७	कौ	५	४३	१९	८	५२	११	२०	११	सिं२४।४६	प्रदोषः ×गोधूल्यां
१४	चं	४४	४७	म	३२	४	धृ	५८	२०	ग	११	४५	२३	७	५३	१२	२१	१२	सिंहे	भ. ४४।४७ उ.
१५	मं	४९	५८	पू	३८	३०	शू	५९	३५	वि	१७	२२	२७	७	५३	१३	२२	१३	कं.५४।५३	भ. १७/२२ या. चन्द्रग्रहणम् होलिकादहनं×

४७पं. फा.शु.३बृ.इ.४६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	११	३	९	४	४	१०
१७	७	३	६	४	१७	२४	१७
५	५९	२१	२५	१४	७	२८	४
४६	२८	४६	५७	३५	१९	५१	२३
६०	४६	९६	४/१५	६८	४/४०	३	६०
१२	३७	५८	व	४०	व	११	२०

गोचरग्रहाः

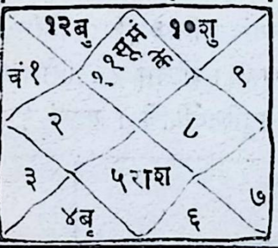

रवि मंगल शनि होली आवे। डंक कहे मोय फागुन भावे।। उल्कापात करे भुवि सारि। घर २ बार रोय नरनरि।।

गोचरग्रहाः

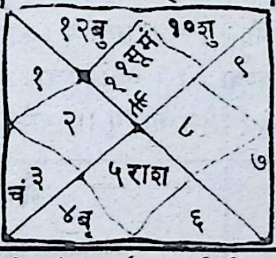

४८पं.फा.शु.१०बृ.इ.४६।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	११	३	९	४	४	१०
२४	१३	१२	५	१२	१६	२४	२४
६	३०	१७	५८	३५	३३	६	५
२९	१४	३८	२६	३७	५०	३७	४६
५९	४६	५८	३/७	६९	४/३८	३	६०
५८	२२	४१	व	२९	व	११	४

ति.	चैत्र	कृष्णपक्षः	सं. २०३५					शाकः	१९००				दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गु. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५४	१०	उ	४४	३	गं	५९	५५	बा	२२	२	३९/३२	६	५/५४	१४	२३	१४	कन्यायां	मीनेऽर्कः ४०/४४ (सौरः ४१/८) वंसत १ छारेंडी
२	गु	५७	२९	ह	४८	४९	वृ	५९	२५	तै	२५	४९	३६	५	५५	१५	२४	१५	कन्यायां	
३	शु	५९	४२	चि	५२	३२	ध्रु	५८	१६	व	२८	३५	४०	४	५६	१६	२५	१६	तु.२०।४०	भ. २८।३५ उ. ५९।४२ या.
४	श	६०	०	स्वा	५५	६	व्या	५६	१६	व	३०	१७	४४	३	५७	१७	२६	१७	तुलायां	पूभायांभौमः ३/३४ वक्री बुधः ४१/११ बुधास्तः*
४	र	०	५२	वि	५६	४०	ह	५३	२०	बा	०	५२	४९	२	५८	१८	२७	१८	वृ.४१।१६	उभा. रविः ४१/८ (सौरः ४१/४४) धनि. शुक्रः ३/२३
५	चं	१	५८	अ	५७	१६	व	४९	४१	तै	१	५८	५३	१	५९	१९	२८	१९	वृश्चिके	भ. ५९।५३ उ.
६	चं	५७	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*पश्चिमायाम् ८।१४ च. व्र.
७	मं	५७	४८	ज्ये	५६	२९	सि	४४	५८	वि	२८	५०	५७	१	५९	२०	२९	२०	ध.५६।२९	भ. २८।५० या.
८	बु	५४	२२	मू	५४	३९	व्य	३९	९	बा	२६	५	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	२१	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	गु	४९	४७	पू	५१	३४	व	३२	३१	तै	२२	४	६	५/५९	१	२२	१	२२	धनुषि	रा. चैत्रारंभः
१०	शु	४४	१	उ	४७	२	प	२४	५५	व	१६	५४	१०	५८	२	२३	२	२३	म.५।२६	भ. १६/५४ उ. ४४/१ या. कुंभे शुक्रः ३१।५०+
११	श	३७	१६	श्र	४२	६	शि	१६	३३	व	१०	३८	१४	५७	३	२४	३	२४	मकरे	मार्गी गुरुः १७।५६ पापमोचनी ११ व्र.
१२	र	२९	३९	ध	३६	३०	सि	७/१९	५०/२०	कौ	३	२७	१८	५६	४	२५	४	२५	कु.९।१८	प्रदोषः
१३	चं	२१	२०	श	२९	४१	शु	४७	४३	व	२१	२०	२३	५५	५	२६	५	२६	कुम्भे	भ. २१।२० उ. ४७।२ या.
१४	मं	१२	४४	पू	२३	१३	शु	३८	६	श	१२	४४	२७	५५	५	२७	६	२७	मी९।५०	+पूफायां ३ राहुः पूभायां १ केतुः २६/४३
३०	बु	४	२६	उ	१७	१७	ब्र	२९	९	ना	४	२६	३१	५४	६	२८	७	२८	मीने	मन्वादिः

४९पं. चै.कृ.२वृ.इ.४६।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	३	९	४	४	११
१	१९	१४	५	२०	१६	२३	१
५	०	५८	३९	४०	०	४४	५
४२	४०	५९	२	८	५८	२१	२८
५९	४६	२०	३/४१	७०	४/२२	३	५९
४१	२२	२६	व	१३	व	११	४९

गोचरग्रहाः

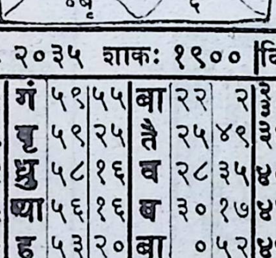

चैत्र कृ. १ बुधे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ नं.३गताल्कावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयं पूर्व.।

गोचरग्रहाः

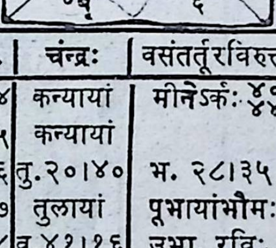

५०पं.चै.कृ. ९ वृ.इ.४७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	३	८	४	४	११
८	२४	११	५	२८	५	२३	८
३	३०	५६	३१	५	२९	२२	३
८	०	२६	४१	४७	४६	६	२३
५९	४६	५४/३५	६/१६	७०	४/५	३	५९
२९	१८	व	व	५०	व	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः
लाभः

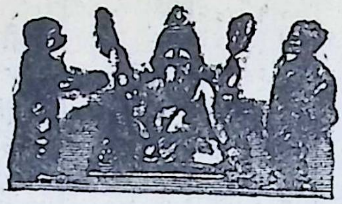

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८० तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८० भोग्यकलिः ४२६९२० अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३६ शाकः १९०१ वर्षेऽस्मिन् राजा बुधः । मंत्री शनिः । सस्येशोचन्द्रः । धान्येशोरविः । मेघेशोशुक्रः । रसेशोः बुधः । नीरसेशश्चन्द्रः । फलेशोगुरुः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशो शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां६ अंगिरानाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ७।४।२२।४ भोग्यमासादिः४।२५।३७।५६ । बार्हस्पत्यदैवतंयुगम् । वर्षनामपौषः । मेघनामद्रौणः । रोहिणीनिवासःसंधौ । समय निवासोवणिक्गृहे । समयविश्वा२० ।समयवाहनंसिचाणुः । स्तंभाः२जलतृणयोः ।सोमवत्यमा.२ । सोमवतीपंचमी×। अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३६० । समयदिनानि ३५१ । तिथिक्षयः१९ । तिथिवृद्धिः१० । उत्पत्तिविश्वा८७ । खपतिविश्वा ११ । वर्षाविश्वा१५ । धान्यम् १७ । तृणम् ७ । शीतम् १७ । तेजः५ । वायुः१३ । वृद्धिः१५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ११५ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८ । शनिदृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणं १ सूर्यस्यः ।

संवत् २०३६ शाके १९०१
फाल्गुन कृष्णे ३० शनौ
सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.	
उज्य. मध्यम.	घ.	२०	२३	२५	
	पल	८	४	४९	
रेल्वे टाइम	घं.	२	३	४	
	मि.	३०	४१	४७	

वर्षं लग्नम् ०।१८

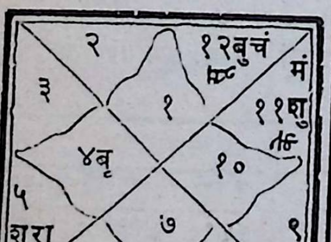

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

सुन माता छत्तीस का कह दो सार विचार ।
झूठ मती ना भाषजे दुःख पाये संसार ।।

भवानी उत्तर

सुन भैरव छत्तीस म राजा भये युवराज (बुध) ।
जग में सुख संपति बढ़े सिद्ध होय सब काज ।।
मन्त्रीपद शनि को मिला यह है योग कुयोग ।
मंदी में तेजी करे राज प्रजा में रोग ।।
आषाढ़ां वर्षा लगे श्रावण शुक्ल पहान ।
भाद्रव षड् ग्रहयोग से जग में होसी हान ।।
सौम्यग्रहों के कबज में मिले सात अधिकार ।
शर्मा कहे पुकार के ईश भजन है सार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ०।२७

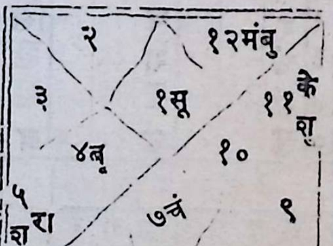

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३३।०

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा बुधः फलम्–बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यविवाहमंगलम्। प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धनधान्यसंकुलम् ।। मंत्री शनिः फलम्–रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनयसंरहिता बहुदुःखदाः । न जलदा जलदाः जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशः चंद्रस्तत्फलम्–सस्याधिपे शीतकरे प्रजा-सुखं मेघाः पयो मुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपाः धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ।। धान्येशो रविः फलम्–पश्चा-द्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा न हि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं जनपीडनम् ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्–भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचा जलदा दिवि शोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनतासुखदायकाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्–रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायकपालिता बहुजलाखिलदेशसुरक्षिता ।। नीरसेश-श्चंद्रस्तत्फलम्–शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजतवाससां । रत्न माणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुस्तत्फलम्–सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशिमहाद्रुमाः । यजन याजनकोत्सवमंदिराः श्रुतिविचार पराद्विजपूर्वकाः ।। धनेशश्चन्द्रः फलम्–धन पतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात्क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगंधरसं बहु द्रविणतैलघृतं नृपसौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम्–नगरदेशविशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनयवाणिज गेहसमः सुखो नगबने निकटेपि च दूरतः ।। अंगिरा-नाम संवत्सरः फलम्–अन्नाद्यं भुंजते शश्वज्जनैरतिथिभिः सह । अंगिराब्देऽखिला लोकाः भूपाश्च कलहोत्सुकाः ।। वर्षनाम पौषः फलम्–ज्वररोग क्षुधार्ताश्चिनानाजनपदाः सदा । महर्घं तु त्रयो मासाः पौषे स्वास्थ्यं ततः परम् ।। मेघनाम द्रोणस्तत्फलम्–द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः संधौ फलम्–खंडवृष्टिश्च संधिषु । समय निवासो वणिग्गृहे फलम्–वणिग्गृहे शुभंनास्ति । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०३६ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ५ भौमे मूले ल. गो. ८ रे. ६ ऽ।।।।ऽऽ।ऽ

" ७ गुरौ उषा. ल. अन्यगो. ८ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला २ शनौ रोहि. ल. ८ रे. ९ ।।।।।ऽ।।। चं. ७ पूज्यः

" ३ रवौ मगे ल. ८ रे. ९ ।।।।।ऽचो.।।।। चं. ७ पू.

" ४ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो. रे. १० ।।।।।।।।।।

" ९ शनौ मघा. ल. गो. ८ रे. ७ ।।।।।ऽअ.ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

" १२ भौमे हस्ते ल. अन्यगो. १२ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।। मीने चं. ७ पू. रेखा ७ चौरपंचकः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० चंद्रे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।।ऽचौऽऽ।।

" ११ भौमे रेव. ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला २ रवौ मृगे ल. १२ रे. १० ।।।।।।।।।

" ६ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

" ९ चंद्रे हस्ते ल. १२ रे. ७ ऽ।।।ऽ।ऽ। चं. ७ पू.

आषाढ मासः

कृष्णा ८ रवौ उभा. ल. अन्यगो. २ रे. ६ ।।।।ऽअ.ऽऽ।ऽ वृषे दग्धाऽभावः रेखा ७

" ९ चंद्रे रेव. ल. अन्यगो. २ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।

शुक्ला ४ गुरौ मघा. ल. १ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

" ५ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽऽऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	५०	५६	रे	१२	२२	ऐं	२९	८	बा	२३	५३	३०/५	५/३	६/७	२९	८	२९	मे. १२।२२
३	शु	४६	३६	अ	८	५३	वै	२१	७	तै	१८	४६	३९	५२	८	३०	९	१	मेषे
४	श	४४	१९	भ	७	१२	वि	१४	१७	व	१५	२७	४४	५१	९	३१	१०	२	वृ. २२।१९
५	र	४३	५३	कृ	७	४०	प्री	८	५५	ब	१४	६	४८	५०	१०	१	११	३	वृषे
६	चं	४५	५१	रो	१०	२	आ	५	२३	कौ	१४	५२	५२	५०	१०	२	१२	४	मि४२।४४
७	मं	४९	३१	मृ	१५	२६	सौ	३	४४	ग	१७	४१	५६	४९	११	३	१३	५	मिथुने
८	बु	५५	१	आ	२१	२६	शो	३	५७	वि	२२	१६	३१/००	४८	१२	४	१४	६	मिथुने
९	गु	६०	०	पु	२७	२८	अ	५	५८	बा	२७	५१	४	४७	१३	५	१५	७	क. ११।४
९	शु	०	४२	पु	३४	५१	सु	७	५९	कौ	०	४२	८	४६	१४	६	१६	८	कर्के
१०	श	७	२	श्ले	४२	२९	धृ	१०	४२	ग	७	२	११	४६	१४	७	१७	९	सि४२।२९
११	र	१३	१८	म	४९	४४	शू	१२	५१	वि	१३	१८	१५	४५	१५	८	१८	१०	सिंहे
१२	चं	१८	५८	पू	५६	५६	गं	१४	४१	बा	१८	५८	१८	४४	१६	९	१९	११	सिंहे
१३	मं	२३	५५	उ	६०	०	वृ	१५	४६	तै	२३	५५	२२	४४	१६	१०	२०	१२	कं. १३।४
१४	बु	२७	२६	उ	१	३१	ध्रु	१५	३७	व	२७	२६	२६	४३	१७	११	२१	१३	कन्यायां
१५	गु	३०	३५	ह	५	४०	व्या	१४	५४	ब	३०	३५	२९	४२	१८	१२	२२	१४	तु. ३७।५

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २१८३ सन् १९७९

सवत्सरारभः
शते शुक्रः १५।५१ मीने भौमः ४८।३४*
मत्स्यजयंती गणगौरी जमादिलावल ५
रेवत्यां रविः ३३/५१ (सौरः ३९/१२) बुधो. पू. ४९/३५
अप्रेल मा. ४ ता. ३०
*चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
उभा. भौमः २।२९

वक्री पूभा. बुधः ३१।२३ रामनवमी.

मार्गीबुधः ३३/२३ उदयोभौमः ३३/४? कामदा ११व्र.
पूभा. शुक्रः २६।५ प्रदोषः

उभा. बुधः २९।४१
हनुमज्जयंती

५१पं. चै.शु.२ बृ.इ.४७।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	३	१०	४	४	११
१४	२९	५	५	७	१५	२२	१४
५९	५९	३४	३०	१७	२	५९	५९
१३	१०	२३	४३	३८	३१	५०	२९
५९	४६	४६/५६	५८/०	७१	४६/३	३	५५
१६	१८	ब	मा	३२	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

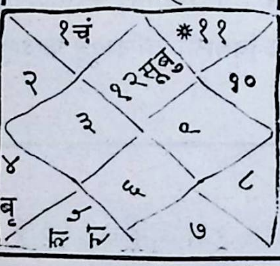

—*—

गोचरग्रहाः

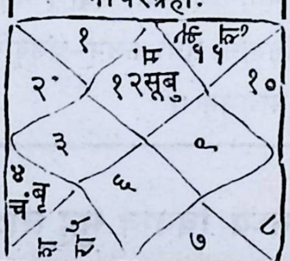

५२पं.चै.शु.९ बृ.इ. ४७।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	३	१०	४	४	११
२१	५	३	५	१५	१४	२२	२१
५३	२७	१५	३९	३८	३७	३७	५३
३१	७	५८	५०	५६	३०	३४	४०
५९	४६	१४/४४	२	७१	१३/३	३	५९
४	८	ब	२२	४७	ब	११	६

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	३०	५३	चि	८	३०	ह	१३	७	बा	०	४४	३५/३२	५/४२	६/१८	१३	२३	१५	तुलायां
२	श	३०	४९	स्वा	१०	३७	व	१०	२३	तै	०	५१	३६	४१	१९	१४	२४	१६	वृ. ५५।३५
३	र	२९	४३	वि	११	१८	सि	६	५३	व	०	१७	४०	४०	२०	१५	२५	१७	वृश्चिके
४	चं	२७	४०	अ	११	३	व्य	४०/२	५५/५	बा	२७	४०	४३	३९	२१	१६	२६	१८	वृश्चिके
५	मं	२४	५१	ज्ये	१०	१०	प	५२	८	तै	२४	५१	४७	३९	२१	१७	२७	१९	ध्र. १०।१०
६	बु	२१	१९	मू	८	३१	शि	४६	२३	व	३१	१९	५१	३८	२२	१८	२८	२०	धनुषि
७	गु	१७	१६	पू	६	८	सि	३९	४५	ब	१७	१६	५५	३७	२३	१९	२९	२१	म. २०।११
८	शु	१२	३१	उ	२०/२	५६/३१	सा	३२	५५	कौ	१२	३१	५८	३६	२४	२०	३०	२२	मकरे
९	श	७	१३	ध	५५	३८	शु	२५	१७	ग	७	१३	३२/२	३६	२४	२१	१	२३	कुं. २७।१८
१०	र	१	१४	श	५१	१६	शु	१७	४४	वि	१	१४	६	३५	२५	२२	२	२४	कुंभे
११	र	५३	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	चं	४८	३	पू	४६	२५	ब्र	९	७	कौ	२१	२५	१०	३४	२६	२३	३	२५	मी३२।३८
१३	मं	४१	२६	उ	४१	४७	ऐं	५५/०	५२/१	ग	१४	४७	१४	३३	२७	२४	४	२६	मीने
१४	बु	३४	५२	रे	३७	३५	वि	४५	२१	वि	८	८	१७	३३	२७	२५	५	२७	मे. ३७।३५
३०	गु	२९	२८	अ	३५	१	प्री	३८	३७	च	२	१०	२१	३२	२८	२६	६	२८	मेषे

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

अश्वि. मेषेऽर्कः ३।३५ (सौरः ३।४६)
भ. ०।१७ उ. २९।४३ या. चतुर्थी व्र.

मीने शुक्रः ४७।५४
भ. २१।१९ उ. ४९।१७ या.

उभा. शुक्रः ३३/२७ रेवत्यां भौमः १७।२०
भ. ३४/१३ उ. पातस्पर्शः ५८/२३ पातमोक्षः ३५/२०*
भ. ५/१४ या. पुण्यरगुरुः ४१/८ वरू. ११व्र.स्मा.
*रा. वैशाखारम्भः
वरूथिनी ११ व्र. वै.
भ. ४१।२६ उ. प्रदोषः
भ. ८।८ या.

१पं.वै.कृ.२ श.इ. ३।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	३	१०	४	४	११
०	११	४	६	२५	१४	२२	२९
०	५१	१८	२	३१	१३	११	५९
०	३६	४९	५२	५८	८	२६	५०
५८	४६	२३/५२	३	७२	२/२८	३	५८
४४	३	मा	५७	९	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

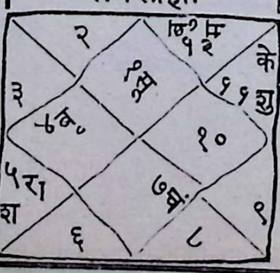

वैशाख कृ. २
शनौ मेषेऽर्कः प्र.
वा.४न.४ प्रौढा-
वस्था (बैठी) मु.
१५ (धान्य भावे
महर्घता) शु. उ.
पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

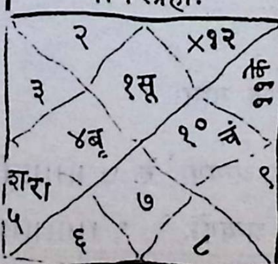

२पं.वै.कृ.९ श.इ. ३।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	३	११	४	४	०
६	१७	९	६	३	१३	२१	६
५०	१६	२९	३१	५६	५७	४९	५०
४२	५	४५	४४	४५	२९	११	१
५८	४५	४९	५	७२	१/५४	३	५८
३१	४८	४९	६	२९	ब	११	२९

*केमंशु

×बुमंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	शु	२५	१	भ	३२	३८	आ	३२	५५	ब	२५	१	३२/२५	३५/१	२६/९	२७	७	२९	वृ.४७।३१
२	श	२२	१९	कृ	३२	११	सौ	२८	४४	कौ	२२	१९	२९	३०	३०	२८	८	१	वृषे
३	र	२१	१७	रो	३३	८	शो	२५	४९	ग	२१	१७	३२	३०	३०	२९	९	२	वृषे
४	चं	२२	१८	मृ	३६	४	अ	२४	३४	वि	२२	१८	३६	२९	३१	३०	१०	३	मि४।३६
५	मं	२५	१३	आ	४०	२६	सु	२४	२१	ग	२५	१३	४०	२८	३२	१	११	४	मिथुने
६	बु	२९	३४	पु	४६	३८	धृ	२५	४०	तै	२९	३४	४३	२७	३३	२	१२	५	क.३०।५
७	गु	३५	५	पु	५३	२८	शू	२७	३०	ग	२	१९	४७	२७	३३	३	१३	६	कर्के
८	शु	४१	१९	श्ले	६०	०	गं	२९	५३	वि	८	१३	५१	२६	३४	४	१४	७	कर्के
९	श	४७	२५	श्ले	१	५५	वृ	३२	१४	बा	१४	२१	५४	२५	३५	५	१५	८	सिं१।५५
१०	र	५३	१८	म	९	१८	ध्रु	३४	२४	तै	२०	२१	५७	२५	३५	६	१६	९	सिंहे
११	चं	५८	१३	पू	१६	८	व्या	३५	४९	व	२५	४६	३३/१	२४	३६	७	१७	१०	कं.३२।३१
१२	मं	६०	०	उ	२५	४३	ह	३६	८	ब	२९	५३	४	२३	३७	८	१८	११	कन्यायां
१२	बु	१	३२	ह	२५	५७	व	३५	१७	बा	१	३२	७	२३	३७	९	१९	१२	तु.५७।१४
१३	गु	३	२८	चि	२८	३२	सि	३३	१०	तै	३	२८	१०	२२	३८	१०	२०	१३	तुलायां
१४	शु	३	४४	स्वा	२९	३९	व्य	२९	५१	व	३	४४	१३	२१	३९	११	२१	१४	तुलायां
१५	श	२	२७	वि	२९	२३	व	२५	३९	ब	२	२७	१६	२१	३९	१२	२२	१५	वृ.१४।२७

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२२१३ स.१९७९

भरण्यांरविः ४३/५२ (सौरः ४५/४) रेव.बुधः ३६/३६ *
परशुराम ज. जमादिलाखर ६
भ. ५१।४७ उ. अक्षया ३
भ. २२।१८ या. *चन्द्रदर्शनम्
रेवत्यां शुक्रः ४१।१५ **मई मा.५ ता.३१**

भ. ३५।५ उ. पातस्पर्शः १८।१९ पात-×
भ. ८।१३ या. ×मोक्षः ४७।२५
+अश्वि. मेषेभौमः ४४/२६ मोहिनी ११ व्र.
÷२९।४७ (सौरः ३३।१)
भ.२५।४६उ.५६/१३या. अश्वि.मेषे बुधः १५/५+

मार्गी शनिः ५४।३४ प्रदोषः
नृसिंह १४
भ. ३।४४ उ. ३३।५ या. कृति. रवि.÷
अश्वि.मेषेशुक्रः ४०/४०य मायजलान्नकुंभदा.

३पं.वै.शु. २श.इ. ४।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	३	११	४	४	०
१३	२२	१७	७	१२	१३	२१	१३
३९	३८	१३	८	२१	४६	२६	३८
४३	२०	१	२४	५०	१६	५२	२६
५८	४५	७१	५६	७२	१ १/४	३	५८
१९	३८	५५	१९	५०	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

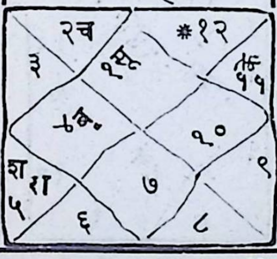

मुहुरत पंद्रह की लगी मेष राशि संक्रांति। सरसों गल्ला तेल तिल तेजी में दिन राति।। तेजी का नफा जल्दी ले लें

गोचरग्रहाः

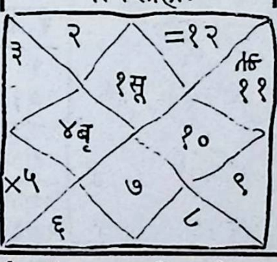

४पं.वै.शु. ९श.इ. ४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	३	११	४	४	०
२०	२७	२६	७	२०	१३	२१	२०
२७	५८	५५	५२	४७	४१	४	५०
२२	४४	१९	५५	३५	३८	३९	७
५८	४५	९१	७	७३	२९/०	३	५७
६	२८	४०	१०	८	ब	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	श	५७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	र	५६	८	अ	२७	५८	प	२०	२१	तै	२८	०	३३/१९	२५/०	४६/०	१३	२३	१६	वृश्चिके
३	चं	५१	५१	ज्ये	२५	४७	शि	१५	१७	व	२३	५९	२२	२०	४०	१४	२४	१७	ध.२५।४७
४	मं	४६	४६	मू	२२	५५	सि	७	५४	ब	१९	१८	२५	१९	४१	१५	२५	१८	धनुषि
५	बु	४१	४८	पू	१९	५१	सा	५१/२	५३/५	कौ	१४	१७	२८	१८	४२	१६	२६	१९	म.३४।६
६	गु	३६	३२	उ	१६	३७	शु	४७	२१	ग	९	१०	३०	१८	४२	१७	२७	२०	मकरे
७	शु	३१	१८	श्र	१३	१९	ब्र	४०	२२	वि	३	५५	३३	१७	४३	१८	२८	२१	कु.४१।४०
८	श	२४	३१	ध	१०	२	ऐं	३३	२७	कौ	२४	३१	३६	१७	४३	१९	२९	२२	कुम्भे
९	र	२०	४३	श	६	३२	वै	२०	१७	ग	२०	४३	३९	१६	४४	२०	३०	२३	मी४९।६
१०	चं	१५	३०	पू	३	१७	वि	१९	३४	वि	१५	३०	४१	१६	४४	२१	३१	२४	मीने
११	मं	१०	२०	उ	१/१०	५६/१९	प्री	१३	१	बा	१०	२०	४३	१५	४५	२२	१	२५	मे.५७।२९
१२	बु	५	४६	अ	५५	२६	आ	६	४८	तै	५	४६	४६	१५	४५	२३	२	२६	मेषे
१३	गु	१	३९	भ	५४	५	सौ	६/६	५४/५६	व	१	३९	४८	१४	४६	२४	३	२७	मेषे
१४	गु	५८	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	शु	५६	२५	कृ	५३	५८	अ	५२	३	च	२७	३१	५०	१४	४६	२५	४	२८	वृ. ९।४

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृ.महाराष्ट्राः

×भरण्यां बधः ५।३।२
भ.२३।५९ उ.५१।५१ या. वृषेऽर्कः७।२×
वृषेऽर्कः सौरः ०।४९ चतुर्थी व्र.
=३ गुरुः ९।३५
भ. ३६।२३ उ.
भ.३।५५ या. बुधास्तः पूर्वस्याम् ४२।३५

भ. ४८।६ उ.
भः१५।३० या. कृति. बुधः४३।२९ पुष्य=
रा. ज्येष्ठारम्भः अपरा ११ व्र.
भरण्यां शुक्रः ४५।२६ वृषे बुधः १८।३६+
भ. १।३९ उ. ३०।५७ या. +प्रदोषः
*२७/४१पूफा.२राहुःशते.४ केतुः२४/५५ वटपूजा
रोहि.रविः ३०/३७ (सौरः२६/५८)भरण्यां भौमः*

५पं.ज्ये.कृ.१श.इ.४।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	३	११	४	४	०
२७	३	८	८	२९	१३	२०	२७
१३	१७	२०	४४	१५	३९	३२	३०
३४	२६	३८	२०	३	२५	२४	२१
५७	४५	७०/०	८	७३	१३/०	३	५७
५४	२३	३७	१०	२०	मा	११	४५

गोचरग्रहाः

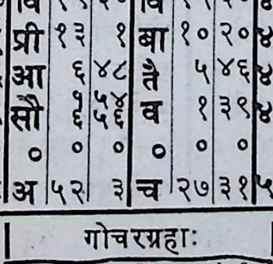

ज्येष्ठ कृ. ४ भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धा.भावे समर्घता) शु.उ. पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

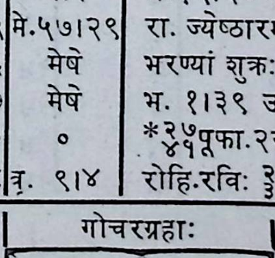

६पं.ज्ये.कृ. ८श.इ.४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	३	०	४	४	१
३	८	२१	९	७	१३	२०	३
५८	३४	२१	४१	४२	४४	३०	५४
२६	१९	३२	१०	३२	६	५	०
५७	४५	७०/०	९	७३	१	३	५७
४४	१३	२१	३	२६	१	११	३४

*बुशुमं (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×राशचं =शुबुमं +मंशुबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २२४२ स.१९७९
१	श	५५	४५	रो	५६	३	सु	४९	८	किं	२६	५	३३/५२	१४/५	४६/६	२६	५	२९	बृषे	
२	र	५६	४१	मृ	५७	५६	धृ	४७	४१	बा	२६	१३	५४	१३	४७	२७	६	३०	मि२६।५९	रोहि. बुधः ५९।५८ चन्द्रदर्शनम्
३	चं	५९	१६	आ	६०	०	शू	४७	०	तै	२७	५८	५६	१३	४७	२८	७	१	मिथुने	रज्जव ७
४	मं	६०	०	आ	२	१३	गं	४७	२२	व	३१	१६	५८	१२	४८	२९	८	२	क.५१।२६	भ. ३१।१६ उ.
४	बु	३	१६	पु	७	५०	वृ	४८	५८	वि	३	१६	३४/०	१२	४८	३०	९	३	कर्के	भ. ३।१६ या.
५	गु	८	३१	पु	१४	२९	ध्रु	५१	११	बा	८	३१	२	१२	४८	३१	१०	४	कर्के	
६	शु	१४	२८	श्ले	२१	५९	व्या	५३	४६	तै	१४	२८	४	११	४९	१	११	५	सिं२१।५९	**जून मा. ६ ता. ३०**
७	श	२०	२८	म	२९	२६	ह	५६	१	व	२०	२८	६	११	४९	२	१२	६	सिंहे	भ. २०।२८ उ. ५३।३० या.
८	र	२६	३२	पू	३६	४२	व	५६	२	ब	२६	३२	७	११	४९	३	१३	७	कं.५३।१६	कृति. शुक्रः ४१।३६ मृगे बुधः १५।५
९	चं	३१	४६	उ	४२	५६	सि	५८	५३	कौ	३१	४६	९	१०	५०	४	१४	८	कन्यायां	*बुधः ०।५९ निर्जला ११ ब्र.
१०	मं	३५	२२	ह	४७	५०	व्य	५८	४९	तै	३	३४	१०	१०	५०	५	१५	९	कन्यायां	गङ्गादशमी
११	बु	३७	३७	चि	५१	७	व	५७	१७	व	१	२९	१२	१०	५०	६	१६	१०	तु.१९।२८	भ. २९/६ उ. ३७/७ या. वृषेशुक्रः ३२/०२ मिथुने*
१२	गु	३७	४९	स्वा	५२	३४	प	५४	१९	ब	७	४३	१३	९	५१	७	१७	११	तुलायां	+पश्चिमायाम् ५५।२४
१३	शु	३६	१२	वि	५२	४	शि	४९	५०	कौ	७	०	१४	९	५१	८	१८	१२	वृ.३७।११	मृगेरविः१५।३३(सौरः२५।४७)प्रदोषः
१४	श	३२	४९	अ	५०	५	सि	४३	५७	ग	४	३०	१६	९	५१	९	१९	१३	वृश्चिके	भ.३२।४९ उ. आर्द्रा. बुधः ५१/७२ बुधोदयं+
१५	र	२७	५४	ज्ये	४६	४२	सा	३७	१०	वि	०	२१	१७	९	५१	१०	२०	१४	ध.४६।४२	भ.२१/० या. पुष्य४ गुरु २५/६० गुर्जरा वटसा.

७पं.ज्ये.शु.१श.इ.४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	३	०	४	४	१
१०	१३	५	१०	१६	१३	१९	१०
४२	४७	५४	४३	११	५३	५७	३६
२५	४९	४६	५५	१७	१३	५३	११
५७	४४	२८	९	७३	१	३	५७
३५	५७	५२	४६	४४	३४	११	२३

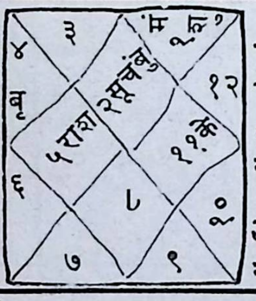

८पं.ज्ये.शु.७श.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	३	०	४	४	१
१७	१८	२०	११	२४	१४	१९	१७
२५	५८	५०	५२	४०	७	३५	१७
८	१६	९	१९	५५	३४	३७	१७
५७	४४	२८	१८	७२	२	३	५७
२७	३७	८७	३०	५३	१९	११	१३

९पंज्ये.शु.१४श.इ.४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	३	१	४	४	१
२४	२४	६	१३	३	१४	१९	२३
७	६	१३	४	१०	२६	१३	२७
१२	५८	४	४८	२६	३८	२१	१३
५७	४४	२८	११	७३	२	३	५७
२२	२१	४२	८	५६	५८	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२१	५६	मू	४२	१४	शु	२९	२०	कौ	२१	५६	३४/५८	५/८	६/५२	११	२१	१५	धनुषि	
२	मं	१५	११	पू	३७	२३	शु	२१	२१	ग	१५	११	१९	८	५२	१२	२२	१६	म.५१।११	भ. ४१।४१ उ. कृत्ति. भौमः ३८।३२
३	बु	८	१२	उ	३२	३७	ब्र	१३	४	वि	८	१२	२०	८	५२	१३	२३	१७	मकरे	भ. ८।१२ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु	१	२०	श्र	२७	५९	ऐं	५५४	५५१	बा	१	२०	२१	८	५२	१४	२४	१८	कु.५५।४५	रोहि. शुक्रः ४३।२०
५	गु	५३	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	शु	४८	३५	ध	२३	३१	वि	४९	२४	ग	२१	३१	२१	८	५२	१५	२५	१९	कुम्भे	भ.४८।३५उ. मिथुनेऽर्कः ५१/१४(सौरः ३३/६४)
७	श	४३	२	श	१९	४१	प्री	४२	१६	वि	१५	४८	२२	८	५२	१६	२६	२०	कुंभे	भ. १५।४८ या. पुन. बुधः २६।४१
८	र	३८	११	पू	१६	३७	आ	३५	३८	बा	१०	३६	२२	८	५२	१७	२७	२१	मी२।२३	वृषे भौमः ११।६
९	चं	३४	८	उ	१४	६	सौ	२९	३९	तै	६	९	२३	७	५३	१८	२८	२२	मीने	
१०	मं	३०	१३	रे	१२	१४	शो	२४	२०	व	२	१०	२३	७	५३	१९	२९	२३	मे.१२।१४	भ. २।१० उ. ३०।१३ या.
११	बु	२७	२८	अ	११	२२	अ	१९	४१	बा	२७	२८	२३	७	५३	२०	३०	२४	मेषे	योगिनी ११ ब्र.
१२	गु	२५	५०	भ	११	७	सु	१५	४६	तै	२५	५०	२४	७	५३	२१	३१	२५	बृ.२६।२२	प्रदोषः
१३	शु	२५	३२	कृ	१२	५	धृ	१२	३२	व	२५	३२	२४	७	५३	२२	१	२६	बृषे	भ.३३/२५उ.२९/५५या. आर्द्रा.रविः१३।३(सौरः+
१४	श	२५	२६	रो	१४	७	शू	१०	२३	श	२५	२६	२४	७	५३	२३	२	२७	मि४५।४१	+२८/७)कर्के बुधः ४४/०४ रा आषाढ़ारम्भः
३०	र	२७	९	मृ	१७	१६	गं	९	१५	ना	२७	९	२४	७	५३	२४	३	२८	मिथुने	पुष्ये बुधः ५७।१५

१०पं.आ.कृ.७श.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	३	१	४	४	२
०	२९	१९	१४	११	१४	१८	०
४८	११	२१	२१	४०	५०	५१	३६
२५	२०	०	७	५५	२	६	२२
५७	४४	२०	११	७४	३	३	५६
१७	०	५	४४	२	३६	११	५७

गोचरग्रहाः

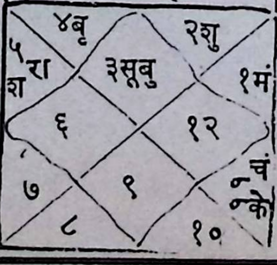

आषाढ कृ. ६
शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा.४न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्य भावे समता) शुदक्रोयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

११पं.आ.कृ.१४श.इ.४।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	३	१	४	४	२
७	४	०	१५	२०	१५	१८	७
२९	१५	३५	४१	१३	१८	२८	१४
२४	४	२०	२	१	२२	५०	४९
५७	४३	८७	१२	७४	४	३	५६
१३	४४	५४	१४	८	१४	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गरण:२२७२स.१९७९
१	चं	३०	६	आ	२१	३५	वृ	८	३७	ब	३०	६	३४/२४	५/७	६/५३	२५	४	२९	मिथुने	मृगे शुक्रः ३६।११
२	मं	३४	६	पु	२७	७	ध्रु	९	१	बा	२	६	२३	७	५३	२६	५	३०	क.१०।४४	रथयात्रा चंद्रदर्शनम्
३	बु	३९	२२	पु	३३	२८	व्या	१०	३१	तै	६	४४	२३	७	५३	२७	६	१	कर्के	सावान ८
४	गु	४५	१६	श्ले	४०	४१	ह	१२	१०	व	१२	१९	२३	७	५३	२८	७	२	सिं४०।४१	भ.१२/१९उ.४५/५६या. आश्लेषा१गुरुः१२।३१
५	शु	५१	२२	म	४८	२२	व	१४	४९	ब	१८	१९	२२	८	५२	२९	८	३	सिंहे	
६	श	५७	३२	पू	५७	५४	सि	१७	३१	कौ	२४	२७	२२	८	५२	३०	९	४	सिंहे	
७	र	६०	०	उ	६०	०	व्य	१९	५३	ग	३०	२२	२१	८	५२	१	१०	५	कं.१२।४४	मिथुने शुक्रः५।१४ रोहि. भौमः ७।२०×
७	चं	३	१२	उ	३	१६	व	२१	३६	व	३	१२	२०	८	५२	२	११	६	कन्यायां	भ. ३।१२ उ. ३५।२४ या.
८	मं	७	३७	ह	८	४६	प	२२	२७	ब	७	३७	१९	८	५२	३	१२	७	तु.४१।२	×जुलाई मा. ७ ता. ३१
९	बु	१२	३३	चि	१३	२०	शि	२:	१	कौ	१२	३३	१८	८	५२	४	१३	८	तुलायां	*आर्द्रा.शुक्रः ४१।४६ देवशयनी ११ ब्र.
१०	गु	१२	२९	स्वा	१६	२	सि	२१	४	ग	१२	२९	१७	९	५१	५	१४	९	तुलायां	भ. ४१।३० उ.
११	शु	१०	३२	वि	१६	४२	सा	१६	२९	वि	१०	३२	१५	९	५१	६	१५	१०	वृ. १।३२	भ ३/१२या. पुन.रविः१२।५९(सौरः ३/२८)*
१२	श	५	२०	अ	१५	१२	शु	११	२८	बा	५	२०	१४	९	५१	७	१६	११	वृश्चिके	आश्ले. बुधः २८।२१ प्रदोषः
१३	र	०	३४	ज्ये	१२	८	शु	४/३	५२/१	तै	०	३४	१३	९	५१	८	१७	१२	ध.१२।८	भ. ५३।० उ. =वायु परीक्षा
१४	र	५२	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	चं	४४	३५	मू	७	८	ऐं	४८	१३	वि	१८	४७	११	१०	५०	९	१८	१३	धनुषि	भ. १८/४७या. पूफा. २ शनिः ५८/४५ व्यास१५=

१२पं.आ.शु.६श.इ. ४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	३	१	४	४	२
१४	९	९	१७	२८	१५	१८	१३
९	१४	१९	३	४५	४९	६	५२
५०	३८	८	२९	७	३४	३५	५४
५७	४३	६४	१२	७४	४	३	५६
७	३१	५३	३३	१८	४४	११	५०

गोचरग्रहाः

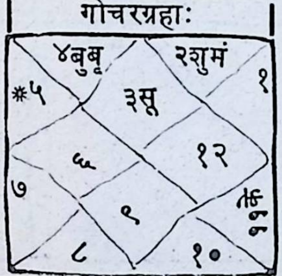

मिथुने कर्कटे संस्थो यस्मिन्काले भृगोः सुतः। वातो वाति तदा नित्यं जल वृष्टिश्ज जायते ॥ कहीं २ वर्षा का योग है।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.शु.१२श.इ.४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	३	२	४	४	२
२०	१४	१६	१८	७	१६	१७	२०
५०	११	२४	२८	१८	२५	४४	३०
१०	३५	१०	५९	४०	१	१९	४८
५७	४३	४०	१२	७४	५	३	५६
७	१७	८	५८	२०	१०	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३५	२	पू	१/७	५३/३३	वै	३८	२२	बा	९	४८	३४/१०	५/१०	६/५०	१०	१९	१४	म.१४।३७	
२	बु	२६	३०	श्र	४७	५६	वि	२८	३०	तै	०	४६	८	१०	५०	११	२०	१५	मकरे	भ. ५२।५ उ.
३	गु	१७	४१	ध	४१	३९	प्री	१८	४६	वि	१७	४१	७	११	४९	१२	२१	१६	कु.१४।४१	भ. १७।४१ या. चतुर्थी ब्र.
४	शु	११	३७	श	३६	१	आ	९	२९	बा	११	३७	५	११	४९	१३	२२	१७	कुम्भे	
५	श	७	५	पू	३१	२०	सौ	५६/०	५२/७	तै	७	५	४	११	४९	१४	२३	१८	मी१७।३१	आश्लेषा. २ गुरुः २०।१ नाग५ मरुस्थले
६	र	१	९	उ	२७	५०	अ	४६	१९	व	१	९	२	१२	४८	१५	२४	१९	मीने	भ.१।९ उ.२८।४३या. वक्रीबुधः५६।१९
७	र	५५	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	चं	५२	५०	रे	२४	३२	सु	४०	४४	बा	२४	३८	३४/०	१२	४८	१६	२५	२०	मे.२४।३२	कर्केऽर्कः ४१।२३
९	मं	५०	३३	अ	२४	३७	धृ	३६	३७	तै	२१	४१	३३/५८	१२	४८	१७	२६	२१	मेषे	कर्केऽर्कःसौरः ४।५२ पुन. शुक्रः २३।४६
१०	बु	४९	४०	भ	१४	५६	शू	३२	२५	व	२०	६	५६	१३	४७	१८	२७	२२	वृ.४०।२०	भ. २०।६ उ. ४९।४० या.
११	गु	५०	१	कृ	२६	३२	गं	२९	५०	ब	१९	५६	५४	१३	४७	१९	२८	२३	वृषे	कामिका ११ ब्र.
१२	शु	५१	१७	रो	२९	२०	वृ	२८	१३	कौ	२०	३९	५२	१४	४६	२०	२९	२४	वृषे	पुष्येरविः १०/४०(सौरः ३५/३२)मृगे भौमः १३/३५
१३	श	५४	७	मृ	३३	८	ध्रु	२७	४०	ग	२१	४२	५०	१४	४६	२१	३०	२५	मि १।१४	भ. ५४।७ उ. प्रदोषः
१४	र	५७	४७	आ	३६	५८	व्या	२७	५३	वि	२५	५६	४७	१५	४५	२२	३१	२६	मिथुने	भ. २५।५६ या.
३०	चं	६०	०	पु	४३	४४	ह	२८	२६	च	३०	१०	४५	१५	४५	२३	१	२७	क.२७।३	बुधास्तः पश्चिमायां ३६/५१ रा.श्रावणारंभः=
३०	मं	२	३४	पु	५०	३२	ब	३०	४	ना	२	३४	४२	१६	४४	२४	२	२८	कर्के	=सोमवती हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.५श.इ. ४।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	३	२	४	४	२
२७	१९	२०	१९	१५	१७	१७	२७
३०	४	१६	५६	५२	३	२२	८
४२	५९	८	३५	५५	४७	३	५५
५७	४३	८	१३	७४	५	३	५६
११	२	८	१६	२६	३४	११	५५

गोचरग्रहाः

श्रावण कृ. ८ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र. वा.४न ६गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० (धान्य भाव सम) शुक्रोदयं पूर्वे

गोचरग्रहाः

१५प.श्रा.कृ.१३श.इ. ४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	३	२	४	४	३
४	२३	२०	२१	२४	१७	१६	३
११	५५	१३	२५	२८	४५	५९	४७
१७	५२	४८	४८	४१	३६	४८	२२
५७	४२	३३/३४	१३	७४	६	३	५६
१५	२०	ब	२२	३६	१	११	५७

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*चंशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३०२ सं. १९७९
१	बु	७	४९	श्ले	५७	२५	सि	३१	५०	ब	७	४९	३३ ४०	५ १६	६ ४४	२५	३	२९	सिं५७।२५	कर्के शुक्रः ३५।४८
२	गु	१३	४४	म	६०	०	व्य	३४	२३	कौ	१३	४४	३७	१७	४३	२६	४	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा *तीज रमजान९
३	शु	१९	५९	म	५	४	व	३६	४८	ग	१९	५९	३५	१७	४३	२७	५	१	सिंहे	भ.५३।६उफा.१ राहुःशते.३ केतुः८।२१*
४	श	२६	१३	पू	१२	३५	प	३९	११	वि	२६	१३	३२	१८	४२	२८	६	२	कं.२९।२९	भ.३१ ६३या. पुष्येशुक्रः५१ ६६ वक्रीपु. बुधः३२ ०३
५	र	३२	११	उ	२०	१०	शि	४१	३१	बा	३२	११	२९	१८	४२	२९	७	३	कन्यायां	मिथुनेभौमः ५५।० आश्लेषा.३ गुरुः४५ ६६×
६	चं	३७	१६	ह	२६	४०	सि	४३	७	कौ	४	४३	२६	१९	४१	३०	८	४	तु.५९।५९	×नाग पंचमी
७	मं	४०	४७	चि	३२	१९	सा	४३	४७	ग	८	२	२४	१९	४१	३१	९	५	तुलायाँ	भ. ४०।४७ उ. अ. गु.
८	बु	४१	४	स्वा	३६	२८	शु	४३	१०	वि	१०	५५	२१	२०	४०	१	१०	६	तुलायां	भ.५५ ०५या.अस्तंगुरुः ३ ६३ अगस्तमा.८ता.३१
९	गु	४२	१६	वि	३८	४९	शु	४१	१२	बा	११	४०	१८	२०	४०	२	११	७	वृ.२३।१४	शु. अ. पू.
१०	शु	४१	३७	अ	४०	४	ब्र	३७	२६	तै	११	५६	१५	२१	३९	३	१२	८	वृश्चि.	आश्ले. रविः ४ ७१(सौरः ३२ ६२)शु.पू. ५१ ०२
११	श	३६	५०	ज्ये	३७	२१	ऐं	३२	७	व	९	१३	१२	२२	३८	४	१३	९	ध.३७।२१	भ.९।१३ उ.३६।५०या. पवित्रा ११ व्र.
१२	र	३१	५९	मू	३३	३९	वै	२५	२२	ब	४	२४	९	२२	३८	५	१४	१०	धनुषि	प्रदोषः +श्राव.कर्म रक्षाबंधनम्
१३	चं	२४	३७	पू	२५	१४	वि	१६	४९	तै	२४	३७	६	२३	३७	६	१५	११	म.४१।३५	
१४	मं	१५	५१	उ	२१	३८	प्री	२७ २२	४९ ४८	व	१५	५१	३	२३	३७	७	१६	१२	मकरे	भ. १५।५१ उ. ४१।४ या.
१५	बु	६	१७	श्र	१४	१२	सौ	४७	०	ब	६	१७	३२ ०	२४	३६	८	१७	१३	कुं.४१।२	आश्ले. शुक्रः ७।३ आर्द्रा. भौमः ५६।३९+

१६पं.श्रा.शु.४श.इ. ४।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	३	३	४	४	३
१०	२८	१६	२२	३	१८	१६	१०
५२	४२	५२	५६	४	२९	३७	२६
१९	२५	८	१०	२६	४९	३२	३९
५७	४२	४३ ५१	१३	७४	६	३	५७
२०	२	ब	३२	२२	२१	११	५

गोचरग्रहाः

सोमां शुक्रां सुर
गुरां जो चन्दा
ऊगंत । डक कहे
सुन भड्डुली जल
थल एक करत ॥
सुदी में वर्षा होगी

गोचरग्रहाः

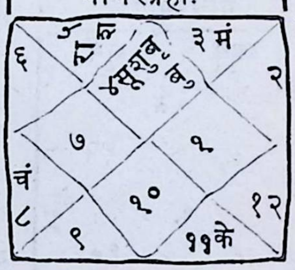

१७पं.श्रा.शु.११श.इ. ४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	३	३	४	४	३
१७	३	१२	२४	११	१९	१६	१७
३४	२६	४२	२७	३१	१६	१५	६
१	२८	०	४३	५६	२६	१७	२७
५७	४१	४३ ४९	१३	७४	६	३	५७
२५	४४	ब	३४	३२	३४	११	१

२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५१	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	४६	४०	ध	२८ ६	५२ ५७	शो	३५	५४	तै	२१	३२	३२ ५६	२५ ५	३५ ६	९	१८	१४	कुम्भे	+बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।४८ चतुर्थी व्र.
३	शु	३७	३१	पू	५१	५९	अ	२५	१४	व	१२	५	५३	२५	३५	१०	१९	१५	मी३८।२१	भ.५२ ५ उ.३७ ३१ या. पूफा.३ शनिः२२।५८+
४	श	२९	२९	उ	४६	२२	सु	१५	३१	ब	३	२९	५०	२६	३४	११	२०	१६	मीने	मार्गी बुधः ५३।५८
५	र	२३	१	रे	४२	४६	धृ	५७ ६	५३ ३७	तै	२३	१	४७	२७	३३	१२	२१	१७	मे.४२।४६	चंद्रषष्ठी =गुरुः ५७।५
६	चं	१८	१४	अ	३९	५५	गं	५३	३९	व	१८	१४	४३	२७	३३	१३	२२	१८	मेषे	भ. १८।१४ उ. ४६।४२ या. आश्लेषा.४=
७	मं	१५	११	भ	३९	१४	वृ	४९	१३	ब	१५	११	४०	२८	३२	१४	२३	१९	वृ.५४।२९	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	बु	१३	४४	कृ	४०	११	ध्रु	४६	९	कौ	१३	४४	३९	२९	३१	१५	२४	२०	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	गु	१४	२२	रो	४२	५८	व्या	४४	२७	ग	१४	२२	३३	२९	३१	१६	२५	२१	वृषे	भ. ४५।१८ उ. गोगा ९
१०	शु	१६	१५	मृ	४७	५	ह	४३	३	वि	१६	१५	२९	३०	३०	१७	२६	२२	मि१५।२	भ. १६।१५ या. मघा. सिंहेऽर्कः १।३६*
११	श	१९	३५	आ	५२	२६	व	४४	२१	बा	१९	३५	२६	३१	२९	१८	२७	२३	मिथुने	मघा. सिंहे शुक्रः ५३।२० अजा ११ व्र.
१२	र	२३	५९	पु	५८	२८	सि	४५	२७	तै	२३	५९	२२	३२	२८	१९	२८	२४	क.४१।५७	वत्स द्वादशी प्रदोषः *सौरः३२।३७
१३	चं	२९	२५	पु	६०	०	व्य	४७	१७	व	२९	२५	१९	३२	२८	२०	२९	२५	कर्के	भ. २९।२५ उ.
१४	मं	३५	८	पु	५	२५	व	४९	२३	वि	२	१६	१५	३३	२७	२१	३०	२६	कर्के	भ. २।१६ या.
३०	बु	४१	२९	श्ले	१२	४६	प	५१	४१	च	८	१९	११	३४	२६	२२	३१	२७	सिं१२।४६	आश्लेषा. बुधः २७।२२ कुशाग्रहणी

१८पं.भा.कृ.४श.इ. ३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	३	३	४	४	३
२४	८	९	२६	२०	२०	१५	२३
१६	६	३५	०	५९	४	५३	४७
२६	४७	९	०	४८	४१	१	३४
५७	४१	क ५२	१३	७४	६	३	५७
३३	१३	ब	३८	३२	५१	११	२२

गोचरग्रहाः

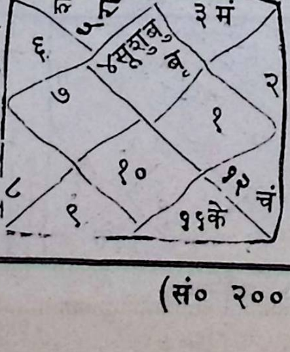

भाद्रपद कृ. १०
शुक्रे सिंहेऽर्कः प्र.
वा.५ न.५ वृद्धा-
वस्था (बैठी) मु.
३० (धान्य भावे
समता) शु.उ.पू. ।

गोचरग्रहाः

१९पं.भा.कृ.११श.इ. ३।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	३	३	४	४	४
०	१२	१२	२७	२८	२०	१५	०
५९	४२	३५	३१	५८	५५	३०	२९
४९	३६	२३	२३	२६	५	४५	२७
५७	४०	५१ ४९	१३	७४	७	३	५७
४०	५०	मा	३८	३८	२	११	३४

*नुशबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३३१ स.१९७९
१	गु	४७	२५	म	२०	२०	शि	५४	४	किं	१४	२७	३२/८	६/३४	६/२६	२३	१	२८	सिंहे	अस्तं शनिः ५४।४४ रा. भाद्रपदारंभः
२	शु	५३	३३	पू	२६	५८	सि	५६	२९	बा	२०	२९	४	३५	२५	२४	२	२९	कं.४३।४२	चंद्रदर्शनम्
३	श	५९	१४	उ	३४	८	सा	५८	४६	तै	२६	२३	०	३६	२४	२५	३	१	कन्यायां	सव्वाल१० उदयंगुरोः ३४/१२ हरितालिका३
४	र	६०	०	ह	४०	४९	शु	६०	०	व	३१	४७	३१/५६	३७	२३	२६	४	२	कन्यायां	भ. ३१।४७ उ. गणेशचतुर्थी उ. गु.
४	चं	४	१०	चि	४६	५१	शु	०	१२	वि	४	१०	५२	३८	२२	२७	५	३	तु.१३।५०	भ. ४।१० या. ऋषि पंचमी
५	मं	८	३२	स्वा	५१	४३	शु	१	१४	बा	८	३२	४८	३८	२२	२८	६	४	तुलायां	*मघा. १ सिंहे गुरुः २९।४३
६	बु	११	२	वि	५५	१३	ब्र	१/२८	५८/१०	तै	११	२	४४	३९	२१	२९	७	५	वृ.४०।५	पूफा. शुक्रः ३९।४५ पुनः भौमः २६।४०*
७	गु	१२	२१	अ	५७	७	वै	५६	१४	व	१२	२१	४०	४०	२०	३०	८	६	वृश्चिके	भ.५/२ २/२ उ.४/५ ३/१ या. पूफा.रविः ५/१ ३/१ मघा.सिंहे×
८	शु	१२	५	ज्ये	५७	२०	वि	५४	३८	ब	१२	५	३६	४१	१९	३१	९	७	ध.५७।२०	पूफा. रविः सौरः ३४/३६ +पूर्वस्याम् ३१/५९
९	श	९	५६	मू	५५	५१	प्री	४९	२३	कौ	९	५६	३२	४२	१८	१	१०	८	धनुषि	**सितम्बर मा. ९ ता. ३०**
१०	र	५	५७	पू	५२	२२	आ	४२	४०	ग	५	५७	२८	४२	१८	२	११	९	धनुषि	भ.३२/५८ उ.५९/५९ या. जलझूलनी ११व्र. स्मा.
११	र	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×बुधः३१।१४ बुधास्तः पूर्वस्याम्५१।५९
१२	चं	५२	३७	उ	४६	१९	सौ	३४	४०	ब	२६	१७	२५	४३	१७	३	१२	१०	म.५।५१	जलझूलनी ११ व्र. वै. वामन १२
१३	मं	४३	५६	श्र	४०	४९	शो	२५	३२	कौ	१८	१६	२१	४४	१६	४	१३	११	मकरे	प्रदोषः
१४	बु	३४	१३	ध	३३	३०	अ	१५	२७	ग	९	४	१७	४५	१५	५	१४	१२	कु.७।१०	भ. ३४।१३ उ. ५९।५६ या. अनन्त १४
१५	गु	२४	१८	श	२७	३५	सु	४/२९	४९/८	ब	२४	१८	१३	४५	१५	६	१५	१३	कुम्भे	पूफा.बुधः ३६/३७ पूफा.४शनिः ३/३७ महालयारंभः

२०पं.भा.शु. ३श.इ.३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	३	४	४	४	४
७	१७	२०	२९	७	२१	१५	७
४४	१५	४७	३	३८	४६	८	१३
१७	३२	४५	४०	१०	१९	३०	१९
५७	४०	९५	१३	७४	७	३	५७
४८	१९	६	३२	३८	१३	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मास में छः ग्रहों का योग सिंह राशि में हुआ है। इसका फल नेष्ट है वर्षा कहीं कम कहीं अधिक होगी

गोचरग्रहाः

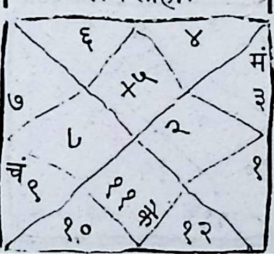

२१प.भा.शु. ९श.इ.३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	४	४	४	४	४
१४	२१	२	०	१६	२२	१४	१३
२९	४	५३	३४	८	३८	४६	५८
५६	६	२४	३४	५८	१७	१४	३१
५८	३९	[illegible]	१३	७४	७	३	५७
१	४४	४३	२९	३८	२०	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णंतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१४	१४	पू	१७	४०	शू	४२	३८	कौ	१४	१४	३५/९	५/४६	६/१४	७	१६	१४	मां४।३९	
२	श	४	५८	उ	१०	१६	गं	३२	३५	ग	४	५८	५	४७	१३	८	१७	१५	मीने	भ. ३०।४९ उ. ५६।४० या.
३	श	५१	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र	५०	१०	रे	४/५२	५५/३०	वृ	२३	१७	ब	२१	२५	१	४८	१२	९	१८	१६	मे.४।१२	उफा. शुक्रः २३।५३ चतुर्थी व्र.
५	चं	४५	२६	भ	५७	१	ध्रु	१५	३१	कौ	१७	५४	३०/५७	४९	११	१०	१९	१७	मेषे	
६	मं	४२	५९	कृ	५७	९	व्या	९	१४	ग	१४	१३	५३	४९	११	११	२०	१८	वृ.१२।२०	भ. ४२।५९ उ.
७	बु	४२	४५	रो	५८	४४	ह	५	४०	वि	१२	५०	४८	५०	१०	१२	२१	१९	वृषे	भ. १२।५२ या. कन्यायां शुक्रः ७।२६
८	गु	४४	३	मृ	६०	०	व	१	३५	बा	१३	२४	४४	५१	९	१३	२२	२०	मि३०।२०	उफा. रविः ३५।३३ उफा.बुधः २६।४१
९	शु	४७	१८	मृ	१	५५	सि	०	४	तै	१५	४०	४०	५२	८	१४	२३	२१	मिथुने	उफा. रविः सौरः १६/७ कर्केभौमः ५/१२ मघा.*
१०	श	५२	१०	आ	७	२	व्य	०	२६	व	१९	४४	३६	५३	७	१५	२४	२२	क.५६।१७	भ. १९/४४ उ. ५२/१० या. कन्यायां बुधः १३/३६
११	र	५७	३७	पु	१२	४२	व	१	१	ब	२४	५३	३२	५४	६	१६	२५	२३	कर्के	इंदिरा ११ व्र. *२ गुरुः ४।४
१२	चं	६०	०	पु	२०	७	प	३	४	कौ	३०	४१	२८	५४	६	१७	२६	२४	कर्के	कन्यायामर्कः ०।५४ (सौरः ३३।२७)
१२	मं	३	४६	श्ले	२७	३८	शि	४	२१	तै	३	४६	२४	५५	५	१८	२७	२५	सिं२७।३८	प्रदोषः
१३	बु	१०	१३	म	३५	२८	सि	७	४०	व	१०	१३	२०	५६	४	१९	२८	२६	सिंहे	भ.१०।१३ उ.४३।१५या. पुष्येभौमः ५/१८
१४	गु	१६	१७	पू	४२	५३	सा	१०	११	श	१६	१७	१६	५७	३	२०	२९	२७	कं.५९।१०	हस्तेशुक्रः ५/३८ हस्तेबुधः ४९/५४ सर्वपितृ श्रा.
३०	शु	२२	१९	उ	५०	२	शु	१२	३०	ना	२२	१९	१२	५८	२	२१	३०	२८	कन्यायां	

२२पं.आ.कृ.२श.इ.३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	४	४	४	४	४
२१	२६	१६	२	२५	२३	१४	२०
१६	८	२६	४	०	२९	२३	४५
५५	२८	१३	३०	०	३०	५९	११
५८	३३	[illegible]	१३	७४	७	३	५८
१३	२५	२८	२०	३२	२०	११	२

गोचरग्रहाः

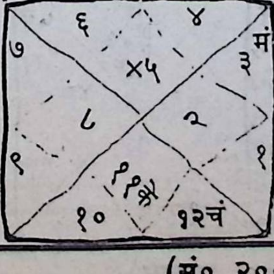

आश्विन कृ.१२ चन्द्रे कन्यायामर्कः प्र.वा.४ न.४ गतालकावस्था [ऊभी]मु.३० (धान्य भावसम) शुक्र उदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

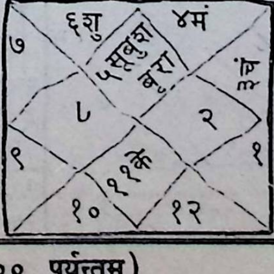

२३पं.आ.कृ.१०श.इ.३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	४	५	४	४	४
२८	०	२९	३	३	२४	१४	२७
५	२९	४१	३३	४१	२३	१	३३
४	१०	१०	०	१०	२८	४३	३३
५८	३८	[illegible]	१३	७४	७	३	५८
२६	५२	३४	११	३२	२०	११	२९

×सूबुबृशुराश (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +५सूबुबृशुशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३६१ स.१९७९
१	श	२७	३१	ह	५६	२९	शु	१४	२०	ब	२७	३१	३० ४	५ ८	६ २	२२	३१	२९	कन्याया	मातामह श्राद्धम् नवरात्रारम्भः
२	र	३२	४	चि	६०	०	ब्र	१५	४३	कौ	३२	४	४	५९	१	२३	१	३०	तु.२९।१५	चन्द्रदर्शनम् रा. आश्विनारम्भः
३	चं	३५	१७	चि	२	१	ऐं	१६	२०	तै	३	४०	३० ००	०६ ०	०६ ०	२४	२	१	तुलायां	जिल्काद ११
४	मं	३८	१४	स्वा	६	४१	वै	१६	९	व	६	४६	२९ ५५	६ ५	५ ५९	२५	३	२	वृ.५४।५१	भ. ६।४६ उ. ३८।१४ या.
५	बु	३९	३७	वि	१०	२८	वि	१५	१२	ब	८	५६	५१	२	५८	२६	४	३	बृश्चिके	×केतुः ११ ०० उदयंशनेः ५४ ७१ सरस्वत्यावाहनं
६	गु	३९	४७	अ	१३	४	प्री	१३	३१	कौ	९	४२	४७	३	५७	२७	५	४	बृश्चिके	हस्ते रविः १४।० (सौरः ४५।५८)
७	शु	३८	३९	ज्ये	१४	२३	आ	१०	४९	ग	९	११	४३	३	५७	२८	६	५	ध.१४।२३	भ.३३ ८७उ.चित्राबुधः४१ ५९ मघा.४राहुःशते२×
८	श	३६	९	मू	१४	१८	सौ	६	५८	वि	७	२२	३८	४	५६	२९	७	६	धनुषि	भ. ७।२२ या. सरस्वती पूजा
९	र	३२	२	पू	१२	४६	शो	४६ १	५३ ३७	बा	४	४	३४	५	५५	३०	८	९	म.२७।०	चित्राशुक्रः ५१ ७ मघा.३ गुरुः ३२ ४४ बुधोदयः*
१०	चं	२६	४६	उ	९	४८	सु	४८	१४	ग	२६	४६	३०	६	५४	१	९	८	मकरे	भ.५३।२२ उ. अक्टूबर मा. १० ता. ३१+
११	मं	१९	५८	श्र	५	३५	धृ	३९	३३	वि	१९	५८	२६	७	५३	२	१०	९	कु.३२।४८	भ. १९।५८ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	बु	१२	२	ध	० १	५३ ३१	शू	३०	२०	बा	१२	२	२२	८	५२	३	११	१०	कुंभे	तुलायांबुधः ४४ ५ उफा.१ शनिः ५२ ३४ प्रदोषः
१३	गु	३	१९	पू	४६	२९	गं	२०	१९	तै	३	१९	१८	८	५२	४	१२	११	मी३३।१६	भ. ५४।८ उ. *पश्चिमायां १४।४
१४	गु	५०	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+विजयादशमी सरस्वती-विसर्जनम्
१५	शु	४४	५३	उ	३९	५	वृ	५५ ९	४९ ३९	वि	१९	३१	१४	९	५१	५	१३	१२	मीने	भ. ५३ ९१ या. शरद्पूर्णिमा कोजागरी व्र.

२४पं.आ.शु.१ श.इ.३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	४	५	४	४	५
४	४	१२	४	१२	२५	१३	४
५५	४४	११	५९	२३	१५	३९	२३
१९	५६	१०	४९	१७	५८	२७	४०
५८	३८	०	१२	७४	७	३	५८
३८	२०	३४	४८	३२	१८	११	४५

गोचरग्रहाः

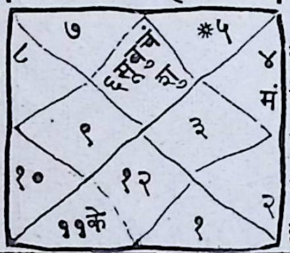

बृहस्पति यदा सिंहे सुभिक्षं तत्र जायते मेघाश्च प्रबलास्तत्र बहुसस्याच मेदिनी सुभिक्ष कारक योग है।

गोचरग्रहाः

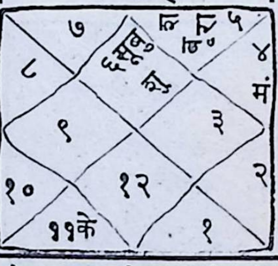

२५पं.आ.शु. ८श.इ.२।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	४	५	४	४	५
११	८	२३	६	२१	२६	१३	११
४६	५४	५६	२३	५	७	१७	१५
५५	३६	३४	१०	४९	५५	१२	४३
५८	३७	०	१२	७४	७	३	५९
५३	४१	२२	२२	२६	११	११	०

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	नु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणे आविश्नकृष्णेतिमहा.
१	श	३६	१९	रे	३२	२२	व्या	४९	३२	बा	१०	३६	२९ १०	६ १०	५ ५०	६	१४	१३	म.३२।२२	तुलाया शुक्रः ११।४७
२	र	२८	५१	अ	२६	३०	ह	४०	३२	तै	२	३४	६	११	४९	७	१५	१४	मेषे	भ. ५५।५३ उ. स्वात्याम् बुधः १८।१६
३	चं	२२	५६	भ	२२	१९	ब	३२	४७	वि	२२	५६	२	१२	४८	८	१६	१५	वृ.३८।४३	भ. २२।५६ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	१८	५५	कृ	१९	३८	सि	२६	३५	बा	१८	५५	२६ ५८	१२	४८	९	१७	१६	बृषे	शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ४९।४८
५	बु	१७	१२	रो	१९	१९	व्य	२०	४७	तै	१७	१२	५४	१३	४७	१०	१८	१७	मि५०।७	चित्रा. रविः ४६।१
६	गु	१६	२९	मृ	२०	५७	व	१८	५४	व	१६	२९	५०	१४	४६	११	१९	१८	मिथुने	भ.१६।२९ उ. ४८।१६ या. चित्रा. रविः×
७	शु	२०	३	आ	२४	४५	प	१७	४१	ब	२०	३	४६	१५	४५	१२	२०	१९	मिथुने	आश्ले. भौमः ३१।४
८	श	२४	१२	पु	३०	१६	शि	१७	५०	कौ	२४	१२	४२	१६	४४	१३	२१	२०	क.१४।२५	×सौरः १६।३४ स्वात्यांशुक्रः १५।३२
९	र	२९	४१	पु	३६	५८	सि	१८	५३	ग	२९	४१	३८	१६	४४	१४	२२	२१	कर्के	
१०	चं	३५	५३	श्ले	४४	१९	सा	२१	५	व	२	४९	३४	१७	४३	१५	२३	२२	सिं४४।१९	भ. २।४७ उ. ३५।५३ या.
११	मं	४२	२६	म	५१	५९	शु	२३	३१	ब	९	१०	३०	१८	४२	१६	२४	२३	सिंहे	विशा. बुधः १६।५७ रमा ११ व्र.
१२	बु	४८	४४	पू	५९	३२	शु	२५	४५	कौ	१५	३५	२६	१९	४१	१७	२५	२४	सिंहे	तुलार्कः २९।४७ (सौरः ५९।१७)
१३	गु	५३	५०	उ	६०	०	ब्र	२८	७	ग	२१	१७	२२	२०	४०	१८	२६	२५	कं.१६।१७	भ. ५३।५० उ. मघा. ४ गुरु २६।३२*
१४	शु	५९	२८	उ	६	३२	ऐं	२९	५२	वि	२६	४१	१८	२०	४०	१९	२७	२६	कन्यायां	भ. २६।४१ या. रूप १४
३०	श	६०	०	ह	१२	५२	वै	३०	४५	च	३१	४४	१४	२१	३९	२०	२८	२७	तु.४५।२१	महालक्ष्मी पूजनम् *प्रदोषः धन १३
३०	र	३	३१	चि	१७	५०	वि	३१	२	ना	३	३१	१०	२२	३८	२१	२९	२८	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धनम्

२६पं.का.कृ.१श.इ.२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	४	५	४	४	५
१८	१२	४	७	२९	२६	१२	१८
४०	५९	४०	४३	४८	५८	५४	९
८	३५	२६	४४	५०	३७	५६	३०
५९	३७	९५	१२	७४	७	३	५९
९	०	२	२	२६	२	११	१६

२७पं.का.कृ.८श.इ.२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	४	६	४	४	५
२५	१६	१५	९	८	२७	१२	२५
३५	५९	१८	२	३२	४८	३२	५
६	२	१८	३८	४९	११	४१	१२
५९	३६	८६	११	७४	६	३	५९
२१	१२	५८	२५	२६	४७	११	३१

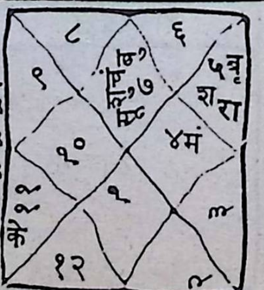

२८पं.का.कृ.३०श.इ.२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	४	६	४	४	६
२	२०	२४	१०	१७	२८	१२	२
३१	३२	४३	१५	१५	३५	१०	२
३४	१	४४	३२	४७	४२	२५	१४
५९	३५	७७	१०	७४	६	३	५९
३४	२८	३७	५५	२०	३१	११	४६

*शरावृ ×राशावृ

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शरदृर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३९१ स. १९७९
१	चं	६	७	स्वा	२२	५	प्री	३०	२४	ब	६	७	२ ८/६	२ ६/३	३ ५/७	२२	३०	२९	तुलायाँ	विशा. शुक्रः १४।५९ चंद्रदर्शनम्
२	मं	७	४५	वि	२५	४	आ	२९	०	कौ	७	४५	२	२४	३६	२३	१	१	वृ.९।१९	वृश्चि.बुधः ४३/३१ रा.कार्तिकारं. जिल्हेज १२
३	बु	८	२९	अ	२७	१	सौ	२६	२९	ग	८	२९	२७/५८	२४	३६	२४	२	२	वृश्चिके	भ. ३८/१९ उ. स्वात्यांरविः ५५/४९ (सौरः ४०/१५)
४	गु	८	९	ज्ये	२८	४	शो	२३	१७	वि	८	९	५४	२५	३५	२५	३	३	ध.२८।४	भ. ८।९ या.
५	शु	६	४१	मू	२८	१४	अ	१९	२९	बा	६	४१	५०	२६	३४	२६	४	४	धनुषि	अनु. बुधः ५७।५४
६	श	४	२१	पू	२७	२०	सु	१४	५९	तै	४	२१	४६	२७	३३	२७	५	५	म.४१।५३	
७	र	१	१०	उ	२५	३४	धृ	९	२६	व	१	१०	४२	२८	३२	२८	६	६	मकरे	भ. १।१० उ. ३०।५ या. गोपाष्टमी
८	र	५७	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	चं	५२	०	श्र	२२	५३	शू	१५/३	५५/३	बा	२४	३०	३९	२८	३२	२९	७	७	कु.५१।२	अक्षय ९ कुष्मांड ९
१०	मं	४६	२	ध	१९	१२	वृ	४८	२६	तै	१९	१	३५	२९	३१	३०	८	८	कुम्भे	वृश्चिके शुक्रः १६।२७
११	बु	३९	३९	श	१४	४९	ध्रु	३९	२९	व	१२	५०	३१	३०	३०	३१	९	९	मी५५।५८	भ.१२।५० उ.३९/३९ या. प्रबोधिनी ११ व्र.
१२	गु	३२	६	पू	९	४०	व्या	३०	३९	ब	५	५२	२७	३१	२९	१	१०	१०	मीने	अनु.शुक्रः५४।५४ **नवंबर मा.११ता.३०**
१३	शु	२४	५७	उ	४/७	५४/२६	ह	२२	३२	तै	२४	५७	२४	३१	२९	२	११	११	मे.५८।३३	उफा.२कन्यायांशनिः ५६/८१ प्रदोषःवैकुंठ१४
१४	श	१७	६	अ	५३	७	व	१३	२९	व	१७	६	२०	३२	२८	३	१२	१२	मेषे	भ. १७।६ उ. ४३।४० या.
१५	र	१०	१४	भ	४८	३६	सि	४४/१	५५/२	ब	१०	१४	१६	३३	२७	४	१३	१३	मेषे	मन्वादिः का. स्ना समाप्तिः

२९पं.का.शु.६श.इ.२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	४	६	४	४	६
९	२४	३	११	२५	२९	११	९
२९	३७	२६	२४	५९	२१	४८	२
४९	५	३१	१४	३८	१४	९	१
५९	३४	६२	१०	७४	६	३	६०
४७	३४	२१	५	१६	१७	११	२

गोचरग्रहाः

कार्तिक कृ. १२
बुधे तुलायामर्कः
प्र.वा.३नं.४युवा-
वस्था (सूती) मु.
३०धान्यादिभावे
समता शुक्रो.पश्चि.

गोचरग्रहाः

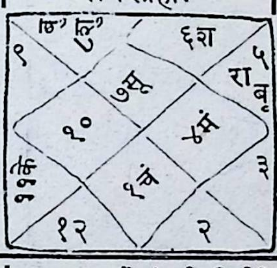

३०पं.का.शु.१४श.इ. २।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	४	७	५	४	६
१६	२८	९	१२	४	०	११	१६
९	१४	४६	२७	४२	४	२५	३
८	१३	५६	७	३६	२६	५४	५
६०	३३	४१	९	७३	५	३	६०
४	३१	२८	२०	४७	५३	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४	१८	कृ	४५	१२	व	४९	२९	कौ	४	१८	२७/१३	३ ६/३	२ ५/७	५	१४	१४	बृ.२।४५	
२	चं	५५	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	मं	५७	२८	रो	४३	३८	प	४३	३०	व	२८	३८	९	३४	२६	६	१५	१५	वृषे	भ.३८/२८ उ.५७/२२ या. विशा. रविः ३२/१२ (सौरः×
४	बु	५६	४३	मृ	४४	०	शि	३९	४०	ब	२७	२	६	३५	२५	७	१६	१६	मि१३।४९	चतुर्थी व्र.
५	गु	५८	१९	आ	४६	१६	सि	३६	५९	कौ	२७	३१	२	३६	२४	८	१७	१७	मिथुने	वक्री बुधः ५३।५७
६	शु	६०	०	पु	५०	२५	सा	३६	५	ग	२९	५९	२६/५९	३६	२४	९	१८	१८	क.३४।४७	पूफा १ गुरुः २०।४६
६	श	१	३९	पु	५६	६	शु	३६	१५	व	१	३९	५६	३७	२३	१०	१९	१९	कर्के	भ. १।३९ उ. ३४।१६ या.
७	र	६	५३	श्ले	६०	०	शु	३७	२८	ब	६	५३	५३	३७	२३	११	२०	२०	कर्के	×५७।४४) मघा. सिंहे भौमः ५६।४४
८	चं	१२	४३	श्ले	३	७	ब्र	३९	२०	कौ	१२	४३	४९	३८	२२	१२	२१	२१	सिं ३।७	ज्येष्ठायां शुक्रः ३८।५५
९	मं	१९	२२	म	१०	४१	ऐं	४१	४६	ग	१९	२२	४६	३९	२१	१३	२२	२२	सिंहे	भ. ५२।२७ उ.
१०	बु	२५	३२	पू	१८	१६	वै	४४	९	वि	२५	३२	४३	३९	२१	१४	२३	२३	कं.३५।६	भ. २५/३२ या. बुधास्तः पश्चिमायाम् ५५/४२
११	गु	३१	३४	उ	२५	३७	वि	४६	२१	बा	३१	३४	४०	४०	२०	१५	२४	२४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	शु	३६	३१	ह	३१	५५	प्री	४६	५६	कौ	४	१४	३७	४१	१९	१६	२५	२५	कन्यायां	वृश्चिकेऽर्कः २८।१४ (सौरः ५२।१)
१३	श	४०	०	चि	३७	१	आ	४७	४	ग	८	१६	३४	४१	१९	१७	२६	२६	तु.४।२८	भ. ४०।० उ. प्रदोषः
१४	र	४२	१३	स्वा	४४	४८	सौ	४६	२०	वि	११	६	३१	४२	१८	१८	२७	२७	तुलायां	भ. ११।६ या.
३०	चं	४३	१	वि	४३	१०	शो	४६	१	च	१२	३७	२९	४२	१८	१९	२८	२८	वृ.२६।४३	अनु.रविः ४६/३४ वक्रीविशा.बुधः ७४/४ सोमवती

३१पं.मा.कृ.६ श.इ.१।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	४	७	५	४	६
२३	१	१२	१३	१३	०	११	२३
३०	४०	२०	२५	२६	४५	३	५
५८	२३	४२	४८	१३	०	३८	४२
६०	३२	८/०	८	७४	५	३	६०
१७	३२	ब	२८	२	२५	११	३०

गोचरग्रहाः

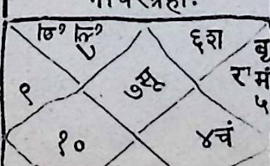

मा. कृ. १२ शुक्रे
वृश्चिकेऽर्कः:प्र.वा.
३न.३ युवावस्था
(सूती)मु. ३० धा-
न्यादिभावे समता
शुक्रोदयं पश्चि.।

गोचरग्रहाः

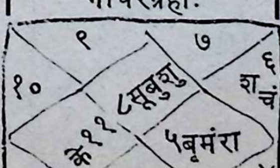

३२पं.मा.कृ.१३श.इ.१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	७	५	४	७
०	४	७	१४	२२	१	१०	०
३३	५७	३४	१७	९	२१	४१	९
४७	३२	२६	३८	१८	२३	२३	४६
६०	३०	८७/५	७	७३	४	३	६०
३०	५३	ब	२५	५६	५८	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ते.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	मं	४२	२७	अ	४४	१९	अ	४०	४८	किं	१२	४३	२६/२६	६/४३	५/१७	२०	२९	२९	बृश्चिके
२	बु	४०	३७	ज्ये	४४	२०	सु	३६	४६	बा	११	३१	२४	४३	१७	२१	३०	३०	ध.४४।२०
३	गु	३८	२	मू	४३	१७	धृ	३२	५४	तै	९	१९	२१	४४	१६	२२	१	१	धनुषि
४	शु	३४	४३	पू	४१	३७	शू	२६	१५	व	६	२२	१९	४४	१६	२३	२	२	म.५६।२
५	श	३०	५०	उ	३९	१७	गं	२०	२८	ब	२	४६	१६	४५	१५	२४	३	३	मकरे
६	र	२६	३४	श्र	३६	३९	वृ	१५	११	तै	२६	३४	१३	४५	१५	२५	४	४	मकरे
७	चं	२१	५९	ध	३३	३८	ध्रु	८	८	व	२१	५९	११	४६	१४	२६	५	५	कु. ५।८
८	मं	१७	१०	श	३०	१९	व्या	२३/१	५५/५१	ब	१७	१०	८	४६	१४	२७	६	६	कुम्भे
९	बु	११	५६	पू	२६	५६	व	४५	४९	कौ	११	५६	६	४७	१३	२८	७	७	मी१२।४७
१०	गु	६	२२	उ	२३	८	सि	३८	१७	ग	६	२२	३	४७	१३	२९	८	८	मीने
११	शु	०	५१	रे	१९	१९	व्य	३०	४४	वि	०	५१	१	४८	१२	३०	९	९	मे.१९।१९
१२	शु	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	श	४९	५९	अ	१५	३५	व	२३	८	कौ	२२	३५	२५/२९	४८	१२	१	१०	१०	मेषे
१४	र	४५	१९	भ	१२	१७	प	१६	५	ग	१७	३९	५७	४९	११	२	११	११	वृ.२६।४०
१५	चं	४१	३८	कृ	९	४६	शि	९	२८	वि	१३	२८	५५	४९	११	३	१२	१२	बृषे

हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४२० सन् १९७९

अनु. रविः सौरः ९।४९
चन्द्रदर्शनम्
वक्री तुलायां बुधः १८/७ रा.मार्गशीर्षारंभः×
भ.२६/२ उ.४३/४ या. मूले धनुषि शुक्रः १९/८
×मोहोरम सन् १४०० हि.
बुधोदयः पूर्वस्याम् २१।५१ चंपा ६
भ. २१।५९ उ. ४९।३४ या.

भ. ३३।३६ उ.
भ.५९/१ या. मार्गी बुधः ६४/१८ मघा.३ राहुः✵
✵शते.१केतुः५२/१ मोक्षदा ११व्र. गीताजय.
दिसम्बर मा. १२ ता. ३१ प्रदोषः
भ. ४५।१९ उ. ज्येष्ठायां रविः ५६।४४
भ.१३/२८ या. ज्ये.रविः सौरः १६/४९ दत्तजयंती

३३पं.मा.शु.५श.इ.१।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
.७	४	६	४	८	५	४	७
७	८	२७	१५	०	१	१०	७
३७	३	३९	५	५२	५४	१९	१५
३७	१४	७	२	५	४३	७	१९
६०	२९	७४/४	६	७३	४	३	६०
४२	२९	व	२५	५३	३१	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ सोमवार उत्तम है धान्य गेहूँ जौ चना मूंग मोंठ बाजरा में घटा बढ़ी होगी

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.शु.१३श.इ.१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	८	५	४	७
१४	१०	२६	१५	९	२	९	१४
४२	५५	१०	३९	३४	२३	५६	२२
५४	२८	१५	०	३७	१०	५१	५
६०	२७	१७/३४	५	७३	३	३	६१
५०	२८	मा	१४	४४	५२	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	मं	३९	३५	रो	८	५	सि	५३/३	५४/३५	बा	१०	३७	२५/५३	६/४९	५/११	४	१३	१३	मि३८।८
२	बु	३८	५७	मृ	८	१३	शु	५६	९	तै	९	१६	५१	५०	१०	५	१४	१४	मिथुने
३	गु	४०	२	आ	९	४४	शु	५४	३९	व	९	२९	४९	५०	१०	६	१५	१५	क.५८।९
४	शु	४२	४७	पु	१२	५७	ब्र	५३	५१	ब	११	२४	४८	५०	१०	७	१६	१६	कर्के
५	श	४७	२७	पु	१७	४०	ऐं	५४	२३	कौ	१५	७	४६	५१	९	८	१७	१७	कर्के
६	र	५२	५८	श्ले	२४	५	वै	५५	५०	ग	२०	१२	४५	५१	९	९	१८	१८	सिं२४।५
७	चं	५९	३५	म	३०	५९	वि	५७	५३	वि	२६	१६	४४	५१	९	१०	१९	१९	सिंहे
८	मं	६०	०	पू	३८	३०	प्री	६०	०	बा	३२	४४	४२	५२	८	११	२०	२०	कं.५५।२३
८	बु	५	५३	उ	४५	५५	प्री	०	११	कौ	५	५३	४१	५२	८	१२	२१	२१	कन्यायां
९	गु	१२	२	ह	५३	१	आ	२	१६	ग	१२	२	४०	५२	८	१३	२२	२२	कन्यायां
१०	शु	१७	२२	चि	५८	४३	सौ	३	३९	वि	१७	२२	३९	५२	८	१४	२३	२३	तु.२५।५२
११	श	२०	५८	स्वा	६०	०	शो	४	६	बा	२०	५८	३८	५२	८	१५	२४	२४	तुलायां
१२	र	२३	१४	स्वा	२	४४	अ	५	२८	तै	२३	१४	३८	५२	८	१६	२५	२५	बृ.४६।३८
१३	चं	२३	४४	वि	५	२०	सु	२५/९	५६/३४	व	२३	४४	३७	५३	७	१७	२६	२६	बृश्चिके
१४	मं	२२	१८	अ	६	१	शू	५३	२३	श	२२	१८	३७	५३	७	१८	२७	२७	बृश्चिके
३०	बु	१९	३१	ज्ये	५	८	गं	४७	२९	ना	१९	३१	३७	५३	७	१९	२८	२८	ध. ५।८

हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पूषा. शुक्रः ४।३८

भ.९।२९ उ.४३/० या. वृश्चिचे बुधः ५६।३
पूफा. भौमः ३६।२८ चतुर्थी व्र.

भ. ५२।५८ उ.
भ. २६।१६ या. अनु. बुधः १५।५३

भ. ४४।४२ उ.
भ. १७।२२ या. उषा. शुक्रः ४५।५३
सफला ११ व्र.
मूले धनुष्यर्कः (सौरः ३०/३०) प्रदोषः
भ. २३/४४ उ. ५३/३१ या. मकरे शुक्रः ३८/९१

३५पं.पौ.कृ.५श.इ. १।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	८	५	४	७
२१	१३	१	१६	१८	२	९	२१
४८	३०	५	७	१६	४८	३४	२९
५८	२५	२	३४	५९	०	३६	५१
६०	२५	६०	४	७३	३	३	६१
५६	२७	३	५	३२	११	११	११

गोचरग्रहाः

पौष कृ.१२ रवौ धनुष्यर्कः प्रवा.३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शु.उ.पू.।

गोचरग्रहाः

३६पं.पौ.कृ.११श.इ.०।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	.८	५	४	७
२८	१०	९	१६	२६	३	९	२८
५५	४७	३५	२७	५८	७	१२	३८
५२	०	६	३६	१९	३४	२०	३४
६१	२२	७९	२	७३	२	३	६१
०	३५	०	४५	२०	३०	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०३६	शाकः १९०१									दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	हिमन्तर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हर्गणः२४५० स१९७९
१	गु	१५	२०	मू	२	५९	वृ	४०	२९	ब	१५	२०	३५/३६	५६/५३	५/७	२०	२९	२९	धनुषि	ज्येष्ठायां बुधः३।२१ उफा.३ शनिः ४१/२८*
२	शु	१०	२२	पू	०/२	५६/१५	ध्रु	३३	२८	कौ	१०	२२	३६	५३	७	२१	३०	१	म.१४।६	सफर २ *चंद्रदर्शनम्
३	श		४	५५	श्र	५२	११	व्या	२५	४४	ग	४	५५	३६	५३	७	२२	१	२	मकरे	भ.३२१० उ. ५९१६ या. रा.पौषारंभः
४	श	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र	५३	२१	ध	४८	१६	ह	१८	५	ब	२६	१३	३६	५३	७	२३	२	३	कु.२७।१३	
६	चं	४७	५४	श	४४	२६	व	१०	३६	कौ	२०	३७	३६	५३	७	२४	३	४	कुंभे	
७	मं	४२	४१	पू	४०	४७	सि	५९/२	५२/३९	ग	१५	१७	३७	५३	७	२५	४	५	मी२६।११	भ. ४२।४१ उ. श्रवणे शुक्रः २९।१०
८	बु	३७	४७	उ	३७	४०	व	८	२८	वि	१०	१४	३७	५३	७	२६	५	६	मीने	भ. १०।१४ या.
९	गु	३३	२२	रे	३४	४३	प	४१	५३	बा	५	३५	३७	५३	७	२७	६	७	मे.३४।४३	
१०	शु	२९	१३	अ	३२	१७	शि	३५	२४	तै	१	१७	३८	५२	८	२८	७	८	मेषे	भ. ५७।२९ उ. वक्री गुरुः ४४।३५
११	श	२५	४६	भ	३०	२०	सि	२९	३१	वि	२५	४६	३८	५२	८	२९	८	९	वृ.४५।३	भ. ३५/४६ या. पूषा. रविः ५६/१९ (सौरः ३३/५९)×
१२	र	२२	४६	कृ	२९	१२	सा	२४	१६	बा	२२	४६	३९	५२	८	३०	९	१०	बृषे	प्रदोषः ×मूलेधनुषि बुधः ६।३१+
१३	चं	२०	४३	रो	२८	३९	शु	१९	२९	तै	२०	४३	४०	५२	८	३१	१०	११	मि५८।५९	+बुधास्तः पूर्वस्याम् ३६/४२ पुत्रदा ११ व्र.
१४	मं	१९	५३	मृ	२९	१९	शु	१५	४३	व	९	५३	४०	५२	८	१	११	१२	मिथुने	भ.१९/५३ उ.५९/५४ या. जनवरी मा.१ ता.३१=
१५	बु	१९	५५	आ	३१	१३	ब्र	१२	४१	ब	१९	५५	४१	५२	८	२	१२	१३	मिथुने	माघ स्ना. प्रा. =सन्१९८०

३७पं.पौ.शु.३श.इ.०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	४	९	५	४	८
६	१७	१९	१६	५	३	८	५
३	४२	३१	३८	३८	२२	५०	४७
२९	४	८	२	१३	२३	५	५९
६१	१९	८७	१	७३	९	३	६१
४	३०	३१	१६	१४	४९	११	२२

गोचरग्रहाः

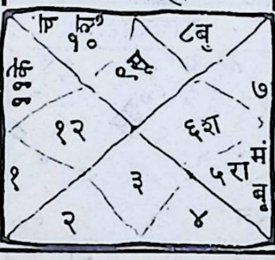

इस मास में सोना चांदी अनाज रुई गल्ला किराना घृत गुड़ तिल तैल अलसी में मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

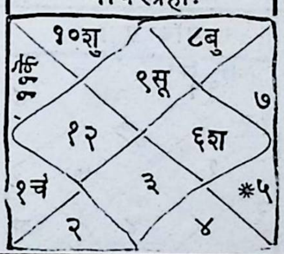

३८पं.पौ.शु.११श.इ.०।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	४	९	५	४	८
१३	१९	२९	१६	१४	३	८	१२
११	११	५०	३९	१७	३१	२७	५७
३१	२४	३०	२२	१३	३०	४९	५१
६१	१५	९३	३/०	७२	१	३	६१
६	२८	५६	ब	५६	७	११	२६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०३६	शाकः १९०१									दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौष.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२१	२८	पु	३४	२९	ऐं	११	९	कौ	२१	२८	२५/४२	५६/५२	५/८	३	१३	१४	क.१८।४०	
२	शु	२४	३५	पु	३८	५८	वै	१०	३	ग	२४	३५	४३	५१	९	४	१४	१५	कर्के	भ. ५६।४४ उ.
३	श	२८	५३	श्ले	४४	५६	वि	१०	१९	वि	२८	५२	४४	५१	९	५	१५	१६	सिं४४।५६	भ.५६/२६या. धनिष्ठायां. शुक्रः २२/० चतुर्थीव्र.
४	र	३४	१८	म	५१	३२	प्री	११	३०	ब	१	३५	४६	५१	९	६	१६	१७	सिंहे	पूषा. बुधः ३८।२
५	चं	४०	३४	पू	५९	३	आ	१३	१४	कौ	७	२६	४७	५१	९	७	१७	१८	सिंहे	वक्री शनिः ३९।७
६	मं	४७	४४	उ	६०	०	सौ	१५	२५	ग	१४	८	४९	५०	१०	८	१८	१९	कं.१६।५६	भ. ४७।४४ उ.
७	बु	५३	३७	उ	६	३८	शो	१७	२६	वि	२०	४०	५१	५०	१०	९	१९	२०	कन्यायां	भ. २०।४० या.
८	गु	५९	१३	ह	१४	६	अ	१९	४१	बा	२६	२५	५२	५०	१०	१०	२०	२१	तु.४७।१७	कुंभे शुक्रः ४७।४
९	शु	६०	०	चि	२०	२५	सु	२०	५७	तै	३१	२१	५४	४९	११	११	२१	२२	तुलायाँ	उषा. रविः १३।३६ (सौरः २३।३८)
९	श	३	३०	स्वा	२५	२८	धृ	२०	५३	ग	३	३०	५६	४९	११	१२	२२	२३	तुलायां	भ. ३४।५३ उ.
१०	र	६	१७	वि	२८	५५	शू	१८	३८	वि	६	१७	५८	४८	१२	१३	२३	२४	बृ.१३।५	भ. ६।१७ या.
११	चं	६	११	अ	३०	२७	गं	१७	०	बा	६	११	२६/५	४८	१२	१४	२४	२५	वृश्चिके	मकरेऽर्कः ३/० (सौरः ३/३) उषा. बुधः ५/५६*
१२	मं	६	४	ज्ये	३०	६	वृ	१२	४२	तै	६	४	३	४७	१३	१५	२५	२६	ध.३०।६	प्रदोषः *षट्तिला ११ व्र.
१३	बु	३	२	मू	२७	४७	ध्रु	७/२	५२/५३	व	३	२	५	४७	१३	१६	२६	२७	धनुषि	भ.३/२ उ.३/३० या. शतेशुक्रः १/४ १/३ वक्रीभौमः ५/५७
१४	बु	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	५२	५	पू	२३	५६	ह	५१	२५	च	२५	९	८	४६	१४	१७	२७	२८	म.३७।४१	मकरे बुधः ११।४४

३९पं.मा.कृ.३ श.इ.०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	९	५	४	८
२०	२०	१०	१६	२२	३	८	२०
१९	१४	४१	३२	५३	३६	५	७
२६	२	२०	४६	५३	४	३३	४८
६१	१०	९७	२/१	७२	०	३	६१
६	२३	४३	ब	४३	१७	११	२६

गोचरग्रहाः

माघ कृ. ११ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.२गताल्कावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय पश्चि.।

गोचरग्रहाः

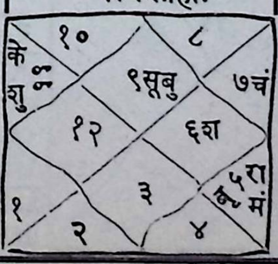

४०प.मा.कृ.९ श.इ.०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	१०	५	४	८
२७	२०	२१	१६	१	३	७	२७
२७	४३	४४	१३	२८	३४	४३	१७
४०	१	२०	१२	२६	३०	१८	४०
६१	४	०	५३	७२	२८	३	६१
६	४०	५६	ब	२०	ब	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	शु	४४	५७	उ	१८	५५	व	४२	४३	किं	१८	३१	३६/१०	४६	५/१४	१८	२८	२९	मकरे
२	श	३७	२५	श्र	१३	२५	सि	३३	३५	बा	११	१०	१२	४६	१४	१९	२९	३०	कुं ४०।३३
३	र	२९	४७	ध	७	४१	व्य	२४	१७	तै	३	३६	१५	४५	१५	२०	३०	१	कुम्भे
४	चं	२२	३१	श	१/५८	५४/५६	व	१५	५	वि	२२	३१	१७	४५	१५	२१	१	२	मी४३।१०
५	मं	१६	२४	उ	५२	२८	प	६/५९	५१/४३	बा	१६	२४	२०	४४	१६	२२	२	३	मीने
६	बु	१०	४	रे	४८	५३	सि	५१	२१	तै	१०	४	२२	४४	१६	२३	३	४	मे.४८।५३
७	गु	५	४	अ	४६	१९	सा	४४	५३	व	५	४	२५	४३	१७	२४	४	५	मेषे
८	शु	१	१०	भ	४४	४६	शु	३९	१६	ब	१	१०	२७	४३	१७	२५	५	६	वृ.५९।४१
९	शु	५७	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	श	५६	१६	कृ	४४	२५	शु	३४	३२	तै	२७	१७	३०	४२	१८	२६	६	७	वृषे
११	र	५५	२७	रो	४४	५०	ब्र	२०	४३	व	२५	५२	३३	४१	१९	२७	७	८	वृषे
१२	चं	५५	४९	मृ	४६	३६	ऐं	२७	४६	ब	२५	३८	३६	४१	१९	२८	८	९	मि१५।४३
१३	मं	५७	२	आ	४९	१२	वै	२५	३७	कौ	२६	२६	३९	४०	२०	२९	९	१०	मिथुने
१४	बु	५९	२०	पु	५३	३	वि	२४	२१	ग	२८	११	४२	४०	२०	३०	१०	११	क.३७।५
१५	गु	६०	०	पु	५७	५३	प्री	२४	२	वि	३१	१५	४६	३९	२१	३१	११	१२	कर्के
१५	शु	३	१०	श्ले	६०	०	आ	२४	१४	ब	३	१०	४९	३८	२२	१	१२	१३	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २४७९ सन् १९८०

चन्द्रदर्शनम्
भ. ५६।९ उ. रविलावल ३
भ. ३३/३१या. अभि.प्र. रविः ४५/२६ (सौरः ३२/१५) =
वसंतपंचमी श्री ५ =रा. माघारंभः
श्रवणे बुधः १२।९३
भ. ५/४ उ. ३३/७या. श्रवणे रविः १९/८ सौरः ३६/२२ *
अभि. नि. रविः ११।३७ (सौरः ३९/३८)
*वक्रीउफा.२शनिः ४४/३भानु७भीष्माष्टमी
भ. २५/५२ उ. ५५/२७ या. पूभा. शुक्रः १४/२५ जया×
जया ११ व्र. वै. ×११ व्र. स्मा.
प्रदोषः +फरवरी मा.२ता.२९
भ. ५९।२० उ. धनि. बुधः २१।३३
भ. ३१।१५ या. माघस्नान पूर्तिः
मघा. २ राहुः धनिष्ठा ४ केतुः १३।४६+

४१पं.मा.शु.२ श.इ.०।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	४	१०	५	४	९
४	२०	३	१५	१०	३	७	४
३५	३८	९	४६	२	२८	२१	२७
३१	४२	२८	४४	२४	१६	२	९
६१	१/५९	३०/०	४/८	७२	१/१५	३	६१
३	ब	३८	ब	०	ब	११	१९

गोचरग्रहाः

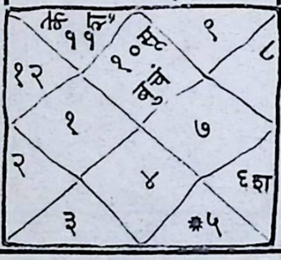

कुंभराशौ स्थिते शुक्रे सुभिक्षं प्रचुरं जलम्। भवत्यत्र न संदेहो लोकाः सर्वे निरामयाः फल उत्तम है। मंदी हो।

गोचरग्रहाः

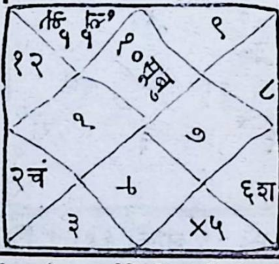

४२पं. मा.शु.१० श.इ.०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	४	१०	५	४	९
११	१९	१४	१५	१८	३	६	११
४२	५९	५७	१२	३१	१६	५९	३६
५८	२८	४	३२	४०	१६	४७	०
६०	९/३७	७/०	५/२०	७१	१/५६	३	६१
५९	ब	२३	ब	४२	ब	११	१३

ति.	फाल्गुण कृष्णपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	श	८	५५	श्ले	३	४९	सौ	२५	३४	कौ	८	५५	२६/५२	६/३८	५/२२	२	१३	१४	सिं३।४९
२	र	१३	२९	म	१०	२९	शो	२६	०	ग	१३	२९	५५	३७	२३	३	१४	१५	सिंहे
३	चं	१९	४०	पू	१७	४८	अ	२९	१४	वि	१९	४०	५९	३६	२४	४	१५	१६	कं.३४।४१
४	मं	२६	४	उ	२५	२२	सु	३१	३८	बा	२६	४	२७/२	३६	२४	५	१६	१७	कन्यायां
५	बु	३२	३४	ह	३३	२३	धृ	३३	५५	तै	३२	३४	६	३५	२५	६	१७	१८	कन्यायां
६	गु	३८	३७	चि	४०	४	शू	३५	२२	ग	५	३५	९	३४	२६	७	१८	१९	तु.६।४३
७	शु	४३	४४	स्वा	४६	१	गं	३६	४३	वि	११	५	१३	३३	२७	८	१९	२०	तुलायां
८	श	४७	१९	वि	५०	४७	वृ	३६	४०	बा	१५	३२	१६	३३	२७	९	२०	२१	वृ.३४।३६
९	र	४९	१३	अ	५३	५२	ध्रु	३६	१०	तै	१८	१६	२०	३२	२८	१०	२१	२२	वृश्चिके
१०	चं	४८	३	ज्ये	५४	५८	व्या	३२	१२	व	१८	३८	२४	३१	२९	११	२२	२३	ध.५४।४८
११	मं	४६	५३	मू	५३	५३	ह	२७	३७	ब	१७	२८	२७	३१	२९	१२	२३	२४	धनुषि
१२	बु	४२	३९	पू	५१	३०	व	२१	२५	कौ	१४	४६	३१	३०	३०	१३	२४	२५	धनुषि
१३	गु	३६	३९	उ	४६	३	सि	१३	५१	ग	९	३९	३५	२९	३१	१४	२५	२६	म. ५।८
१४	शु	२९	७	श्र	३९	५५	व्य	४/४९	५०/२	वि	२	५३	३८	२८	३२	१५	२६	२७	मकरे
३०	श	२०	४२	ध	३३	१०	प	४४	३३	ना	२०	४२	४२	२८	३२	१६	२७	२८	कु.६।३२

शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ४६।३४ उ. कुंभे बुधः ३५।२३
भ.१९।४०या. मीने शुक्रः ३३/२ चतुर्थी व्र.
धनिष्ठा. रविः २७।२९ (सौरः ३३/१)
भ. ३८/७ उ. उभायां शु. १७/२ शते बुधः ३९/६
भ.११।५या. बुधोदयःपश्चिमायाम्६।३५
भ. १८।३८ उ. ४८।३ या.
वक्री मघा.४ गुरुः १७।५७ किजया११व्र.
कुंभेऽर्कः २।४४ (सौरः ६।१०)
भ.३६/९उ. पूभा बुधः ४४/७ प्रदोषः महाशिव*
भ. २।५३ या. महाशिवरात्रि व्र. वै.
सूर्य ग्रहणम् *रात्री व्र. स्मार्ता.

४३पं.फा.कृ.१ श.इ.०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	४	१०	५	४	९
१८	१८	२७	४	२६	२	६	१८
४९	४४	१०	३१	५९	५९	३७	४४
२६	२४	३३	१२	२७	३८	३१	२
६०	३९/५	७/०	६/२६	७१	२/३२	३	६१
५५	ब	१३	ब	१७	ब	११	४

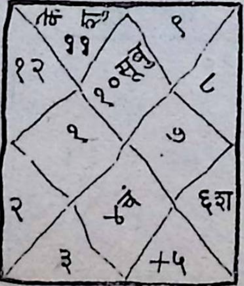

४४पं.फा.कृ.८श.इ.०।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	४	११	५	४	९
२५	१७	९	१३	५	२	६	२५
५५	६	३३	४३	२२	३८	१५	५०
१६	५०	६	४०	१	३१	१५	४९
६०	२६/२८	८/०	७/१२	७०	३/१३	३	६०
४७	ब	४२	ब	४३	ब	११	५५

४५पं. फा.कृ.३० श.इ.०।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	४	११	५	४	१०
३	१५	२१	१२	१३	२	०	२
०	६	२२	५१	४०	१३	५३	५६
४	५४	३०	४७	१२	३४	०	५२
६०	३३/०	६४	७/४३	७०	३/४६	३	६०
३७	ब	५०	ब	६	ब	११	४२

*मंबूरा +मंराबू (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंराबू =मंबूरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५०९ स.१९८०
१	र	११	३१	श	२५	५४	शि	३३	५८	ब	११	३१	२७/४६	६/२७	५/३३	१७	२८	२९	कुंभे	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	२	२४	पू	१९	५	सि	२३	४०	कौ	२	२४	५०	२६	३४	१८	२९	१	मी६।४७	रेवत्यांशुक्रः ३३/३१ फुलरिया२ रविलाखर४
३	चं	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं	४५	५४	उ	१२	१८	सा	१३	४२	व	१९	५३	५४	२५	३५	१९	३०	२	मीने	भ.१९/५३ उ.४५/५८ या. शतेरविः ३९/५ (सौरः ४१/३२)
५	बु	३८	१४	रे	६	४५	शु	४/५०	५२/२४	ब	१२	६	५८	२४	३६	२०	१	३	मे.६।४५	रा. फाल्गुनारंभः
६	गु	३३	५९	अ	४३	५७/८	ब्र	५०	४१	कौ	६	७	२६/२	२४	३६	२१	२	४	मेषे	
७	शु	३०	१४	कृ	५८	४४	ऐं	४५	९	ग	२	७	६	२३	३७	२२	३	५	वृ.१३।४८	भ. ३०।१३ उ. ५०।७ या.
८	श	२८	१	रो	५९	२	वै	४१	१०	ब	२८	१	१०	२२	३८	२३	४	६	बृषे	वक्री मघायां भौमः ३८।८ होलाष्टक
९	र	२७	२४	मृ	६०	०	वि	३८	८	कौ	२७	२४	१४	२१	३९	२४	५	७	मि२८।५९	
१०	चं	२८	२०	मृ	०	५६	प्री	३६	३४	ग	२८	२०	१८	२०	४०	२५	६	८	मिथुने	भ. ५९।२३ उ.
११	मं	३०	२६	आ	४	१६	आ	३५	५३	वि	३०	२६	२२	२०	४०	२६	७	९	क.५२।३६	भ.३६/२० या. वक्री बुधः ३६/५१ आमलकी११व्र.
१२	बु	३३	४४	पु	८	४३	सौ	३६	११	ब	२	५	२६	१९	४१	२७	८	१०	कर्के	
१३	गु	३८	८	पु	१४	२	शो	३६	५२	कौ	५	५६	३०	१८	४२	२८	९	११	कर्के	बुधास्तः पश्चिमायाम् २।३४ प्रदोषः
१४	शु	४३	२३	श्ले	२०	२४	अ	३८	११	ग	१०	४६	३४	१७	४३	२९	१०	१२	सिं२०।२४	भ. ४३।२३ उ. +मा.३ ता.३१
१५	श	४८	४१	म	२७	८	सु	३९	५५	वि	१६	२	३८	१६	४४	१	११	१३	सिंहे	भ. १६।२ या. अश्वि मेषे शुक्रः मार्च+

४६पं. फा.शु.८श.इ.१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	४	११	५	४	१०
३	१२	२७	११	२१	१	५	१०
३	५७	१२	५७	५१	४५	५०	१
३२	५०	३९	४	४६	२९	४५	२५
६०	३६/५	३४	७/५२	६९	४/६	३	६०
२५	व	१९	व	२०	व	११	३१

गोचरग्रहाः

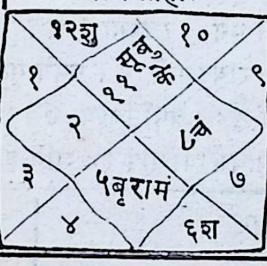

फा. कृ. १२ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न.४गताल्कावस्था (ऊभी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चि.।

गोचरग्रहाः

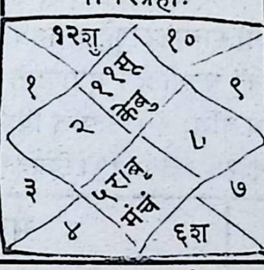

४७पं.फा.शु.१५श.इ.१।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	१०	४	११	५	४	१०
१७	१०	२६	११	२९	१	५	१७
५	३६	४१	०	५७	१४	८	४
४६	५०	९	५४	२५	४६	२९	१५
६०	३५/२०	४३/१	७/५२	६८	४/२३	३	६०
१२	व	व	व	२८	व	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०३६ शाकः १९०१												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५५	२४	पू	३४	२३	धृ	४२	९	बा	२२	२	२८/४२	१६	५/४४	२	१२	१४	कं.५१।१६	छारेंडी वसंत १
२	चं	६०	०	उ	४१	५६	शू	४४	४०	तै	२८	३२	४६	१५	४५	३	१३	१५	कन्यायां	पूभा. रविः ५५।१० (सौरः ५६।१९)
२	मं	१	४१	ह	४९	२६	गं	४६	३८	ग	१	४१	५०	१४	४६	४	१४	१६	कन्यायां	भ. ३४।५१ उ.
३	बु	८	१	चि	५६	४०	वृ	४८	४९	वि	८	१	५४	१३	४७	५	१५	१७	तु.२३।३	भ. ८।१ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	१३	५९	स्वा	६०	०	ध्रु	५०	१४	बा	१३	५९	५८	१२	४८	६	१६	१८	तुलायां	
५	शु	१९	२	स्वा	३	९	व्या	५१	०	तै	१९	२	२९/२	१२	४८	७	१७	१९	वृ.५१।४०	
६	श	२३	२८	वि	७	५०	ह	५०	४९	व	२३	२८	६	११	४९	८	१८	२०	वृश्चिके	भ. २३/२८ उ. ४५/४९ या. वक्री शते बुधः २७/५९
७	र	२६	१०	अ	१२	५६	व	४९	६	ब	२६	१०	१०	१०	५०	९	१९	२१	वृश्चिके	वक्री मघा. ३ गुरुः ११।३
८	चं	२७	३	ज्ये	१५	३१	सि	४६	७	कौ	२७	३	१४	९	५१	१०	२०	२२	ध.१५।३१	शीतलापूजनम्
९	मं	२३	१३	मू	१६	२६	व्य	४१	३३	ग	२६	१३	१९	८	५२	११	२१	२३	धनुषि	भ. ५४।४७ उ.
१०	बु	२३	२२	पू	१५	२०	व	३५	३०	वि	२३	२२	२३	७	५३	१२	२२	२४	म.२८।३३	भ. २३।२२ या. भरण्यां शुक्रः ५२।३०
११	गु	१८	४६	उ	१२	११	प	२७	५१	बा	१८	४६	२७	७	५३	१३	२३	२५	मकरे	मीनेऽर्कः ५६/७ (सौरः ५६/३९) बुधोदयः पूर्वं.६/६*
१२	शु	१२	७	श्र	७	२८	शि	१८	५८	तै	१२	७	३२	६	५४	१४	२४	२६	कुं.३४।१९	प्रदोषः *पापमोचनी ११ व्र.
१३	श	४	९	ध	११/१	५२/४०	सि	९/३	४९/१५	व	४	९	३६	५	५५	१५	२५	२७	कुंभे	भ. ४।९ उ. २२।३२ या.
१४	श	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	४५	१६	पू	४५	५६	शु	४७	२७	च	२०	५	४०	४	५६	१६	२६	२८	मी३२।५५	वक्री उफा. १ शनिः ५१।४० मन्वादिः

४८पं. चै.कृ.६श.इ.१।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	४	०	५	४	१०
२४	८	२०	१०	७	०	४	२४
६	२३	२८	८	५५	४१	४५	५
२९	२८	४८	३८	३०	५६	१३	३८
५९	३०/४७	६/६	७/२९	६७	४/५१	३	६०
५८	व	व	व	२६	व	११	६

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. १ गुरौ मीनेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु.उ.प.।

गोचरग्रहाः

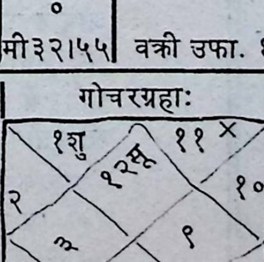

४९पं.चै.कृ.१३श.इ.२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	१०	४	०	५	४	११
१	६	१५	९	१५	०	४	१
५	२१	२	१८	४३	८	२२	५
४२	२५	३४	२८	४	३१	५७	२०
५९	२३/५२	३४/३५	६/४७	६६	४/४०	३	५९
४१	व	व	व	१२	व	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशाय नमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८१ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८१ भोग्यकलिः ४२६९१९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–विक्रमादित्य राज्यतोगताब्दा सम्वत् २०३७ शाकः १९०२ अथास्मिन्वर्षे राजा चन्द्रः । मंत्री रविः । सस्येशो भौमः । धान्येशो चन्द्रः। मेघेशोशनिः। रसेशोः गुरुः। नीरसेशो भौमः । फलेशः शनिः। धनेशःचन्द्रः । दुर्गेशश्शनिः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ७ श्रीमुखनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः ७।८।३५।३० भोग्यमासादिः ४।२१।२४।३० वार्हस्पत्य-दैवतंयुगम् । वर्षनाम माघः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ८ । समय वाहनं मृगः । स्तम्भा ३ अन्नतृणवायूनां । सोमवत्यमा ×। सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ×। बुधाष्टमी ×। भानु सप्तमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्ताः ३७५ । समय दिनानि ३८२। तिथि क्षयः१७ । तिथि वृद्धिः ९ । उत्पत्ति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा ७ । धान्य ९. तृणम् १३ । शीतम् १७। तेजः५। वायुः१३। वृद्धिः१५ । क्षयः १५। विग्रह११ ऐक्यं १०५ । सत्यं ।।.धर्म१।। पाप १८ शनि दृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी संवाद

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् ७।२४

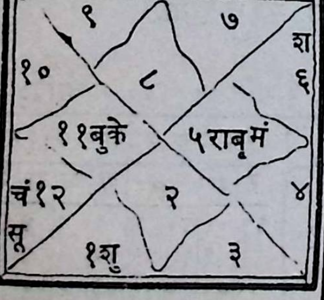

भैरव प्रश्न

जय जय माता अम्बिका बंदौं बारम्बार ।
संवत्सर सैंतीस का कह दो मुख से सार ।।

भवानी उत्तर

श्रीमुख संवत्सर बना निपजे नीक सुधान ।
वेद बखाने विप्रजन यज्ञ करें यजमान ।।
क्षय रोगी राजा शशि रविः मंत्री बलवान ।
राजा रहसी हीनबल सचिव तथा धनवान ।।
आषाढ मास वर्षा हुवे श्रावण करसी तंग ।
मझ खेती के मायने कहींक होसी भंग ।।
सागर में रोहिणी बसी संवत विश्वा आठ ।
स्तंभ तीन इस वर्ष में अन्न तृण का हो ठाठ ।।
दशाधिकारी योग में पापग्रहों का जोर ।
रोग युद्ध भय फैलसी जग में मांचे शोर ।।
पण भैरव भय मत करे रक्षक है जगदीश ।
धर्म कर्म करते हुये उन्हें नवावो शीश ।।

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ३।२४

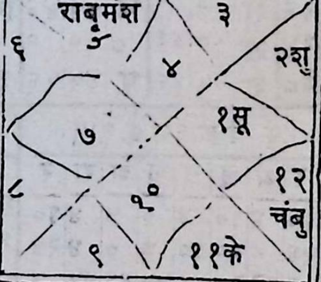

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३३।५६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम्–चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतिवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री रविः फलम्–नृप भयं गदतोपि हि तस्करात् प्रचुरधान्य-धनादि महीतले । रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्यपदं हि समागताः ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्–प्रथमधान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि । प्रभवदो बहुरोगघनो जलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ।। धान्येशश्चन्द्रः फलम्–चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजा वृद्धिः प्रजायते । गोधूमा सर्षपाश्चैव गोषु क्षीरंतदा बहु ।। मेघेशः शनिः फलम्–रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरलवृष्टिरतीव वसुन्धरा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविधरोगरता जनता मता ।। रसेशः गुरुः फलम्–यदि गुरु रसपो जनसौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदाः द्विजपूजनतत्पराः गजसुवाजिरथोष्ट्र युता नृपाः ।। नीरसेशो भौमः फलम्–नीरसेशो यदा भौमः प्रवालरक्तवाससाम् । रक्तचन्दनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिने दिने ।। फलेशः शनिः फलम्–यदि शनिः फलप फलहा भवेज्ज-नित पुष्पगणश्च द्रुमः सदा । हिमभयं वरतस्करजन्तुभिर्जजनपदो गदराशिमहाकुलः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्–असममौल्यकरो धरणीसुतः शरदि तापकरः तुषधान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम्–रविसुते गढ़पालिनि विग्रहैः सकलदेशगताश्चलिता जनाः । विविधवैरिविशोषितनागराः कृषिधनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। श्री-मुख नाम संवत्सरः फलम्–श्रीमुखाब्देऽखिला धात्री बहुसस्यार्घसंयुता । अध्वरे निरताः विप्राः वीतरोगा विवैरिणः ।। वर्षनाम माघः फलम्–सुभिक्षंपूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता ।। मेघनाम आवर्तफलम्–आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् । रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रे तु महावृष्टिः । समयनिवासो मालाकारगृहे तत्फलम्–मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०३६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

कार्तिक मासः

शु. १२ बुधे रेव. ल. गो. रे. ९ ।।।ऽ।।।। भौ. ८ दोषः

,, १५ शनौ रोहि. ल. ५ रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृ. १ रवौ मृगे ल. ५-७ रे. ८ ।।।।ऽरो.ऽ।।। तुलायां शनिः १२ पूज्यः

, ९ रवौ उफा. ल. ५-७ रे. ८ ।।।।।ऽनृ.ऽ।। सिंह लग्न-घटी ४२-५५ उप.

,, ९ चंद्रे उफा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ भौ. ८ दोषः दग्धादोषश्चावश्यके

शु. ३ बुधे उषा. ल. ७ रे. १० ।।।।।।।।।

पौष मासः

शु. ११ शुक्रे रोहि. ल. ८ (चं. ७ पूज्यः) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः दग्धा. आवश्यके

माघ मासः

कृ. ४ शनौ उफा. ल. ८-९ रे. ८ ।।।।ऽम्र.।ऽ।।

,, ९ गुरौ अनु. ल. ९ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शु. ५ चन्द्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।ऽ।ऽऽ।। भौमः ८ दोषः आवश्यके

,, ८ गुरौ रोहि. ल. ८ (चं. ७ पूज्यः) रे. ९ ।।।।।ऽ।। संक्रांति दिनम्

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५३८ स.१९८०
१	चं	३५	१८	उ	३८	१३	शु	३६	२०	किं	१०	१७	२९/४४	६/३	५/५७	१७	२७	२९	मीने	उषा. रविः ५/५ ७/५ (सौरः ५/५ ७/५) नवरात्रारभः×
२	मं	२५	४६	रे	३०	५२	ब्र	२५	४९	कौ	२५	४६	४९	२	५८	१८	२८	३०	मे.३०।५२	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा ×संवत्सरारम्भः
३	बु	१७	२०	अ	२४	३२	ऐं	१६	११	ग	१७	२०	५३	१	५९	१९	२९	१	मेषे	भ. ४/४ ३/४ उ. मत्स्य ज. गणगौरी जमादि.५
४	गु	१०	८	भ	१९	४८	वै	७	३२	वि	१०	८	५७	१	५९	२०	३०	२	वृ.३४।३	भ. १०।८ या.
५	शु	४	३५	कृ	१६	५०	वि	३९	५४/४४	बा	४	३५	३/०१	६/००	६/००	२१	१	३	वृषे	मार्गी बुधः ६।२७ रा. चैत्रारम्भः
६	श	१	६	रो	१५	३४	आ	५१	२९	तै	१	६	६	५/५९	१	२२	२	४	मि४५।५८	भ. ५९।२० उ.
७	श	५८	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	र	५९	४१	मृ	१६	२१	सौ	४८	०	वि	२८	३१	१०	५८	२	२३	३	५	मिथुने	भ. २९।३१ या.
९	चं	६०	०	आ	१९	४	शो	४७	२	बा	३०	४४	१४	५७	३	२४	४	६	मिथुने	रामनवमी
९	मं	१	४७	पु	२३	२०	अ	४८	३१	कौ	१	४७	१८	५६	४	२५	५	७	क.७।१६	कृत्तिकायां शुक्रः ८।४६
१०	बु	५	१४	पु	२९	१६	सु	४९	२३	ग	५	१४	२३	५५	५	२६	६	८	कर्के	भ. ३७।३८ उ.
११	गु	१०	२	श्ले	३५	१३	धृ	५१	१५	वि	१०	२	२७	५५	५	२७	७	९	सिं३५।१३	भ. १०।२ या. कामदा ११ व्र.
१२	शु	१५	३७	म	४२	३५	शू	५३	१८	बा	१५	३७	३१	५४	६	२८	८	१०	सिंहे	बृषे शुक्रः २३।४७ प्रदोषः
१३	श	२१	४२	पू	४९	५६	गं	५६	३१	तै	२१	४२	३५	५३	७	२९	९	११	सिंहे	
१४	र	२८	५	उ	५७	२१	वृ	५७	४६	व	२८	५	३९	५२	८	३०	१०	१२	कं.६।४७	भ.२८।५ उ. रेव. रविः ५/५ ४/४ (सौरः ४/४ ४/३)
१५	चं	३४	१४	ह	६०	०	ध्रु	५९	५९	वि	१	१०	४४	५१	९	३१	११	१३	कन्यायां	भ. १।१० या. हनुमज्जयन्ती

५०पं. चं.शु.६ श.इ.२।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	१०	४	०	४	४	११
८	४	१४	८	२३	२९	४	८
३	४५	२०	३३	१९	३५	०	३
१८	०	४२	२८	१२	३१	४२	१५
५९	१५/१३	५	६/१	६४	४/३७	३	५९
२९	व	२०	व	३८	व	११	३५

गोचरग्रहाः

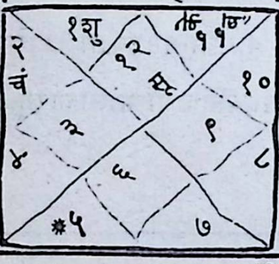

बृहस्पतिर्यदा सिंहे सुभिक्षं तत्र जायते।
मेघाश्च प्रबलास्तत्र वहुसस्याच मेदिनी॥
भौमबार का चंद्र-दर्शन सब वस्तु तेज करेगा।

गोचरग्रहाः

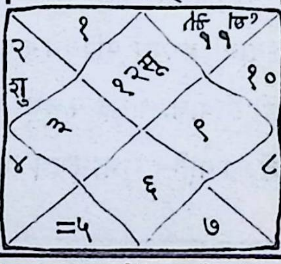

५१पं.चै.शु.१३श.इ.२।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	१०	४	१	४	४	११
१४	३	१७	७	०	२९	३	१४
५९	३७	४८	५४	४०	३	३८	५९
१३	३७	१८	४३	५२	१४	२६	२१
५९	२८/७	३६	५०/४	६२	१९/४	३	५९
१६	व	३१	व	४४	व	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४०	१९	ह	४	३६	व्या	६०	०	बा	७	१९	३०/४८	५/५०	६/१०	१	१२	१४	तु.३८।१४	पूभा. बुधः ३/२ ०/३ अप्रेल मा. ४ ता. ३०
२	बु	४५	४८	चि	११	५०	व्या	१	५२	तै	१३	४	५२	५०	१०	२	१३	१५	तुलायां	
३	गु	५०	२३	स्वा	१८	४	ह	३	१५	ब	१८	५	५६	४९	११	३	१४	१६	तुलायां	भ. १८।५ उ. ५०।२३ या.
४	शु	५४	१४	वि	२३	४४	व	४	१६	ब	२२	५०	३/० ५/०	४८	१२	४	१५	१७	वृ.७।१६	चतुर्थी व्र.
५	श	५७	२	अ	२८	१३	सि	४	६	कौ	२५	३८	४	४७	१३	५	१६	१८	वृश्चिके	मार्गी भौमः ३१।३९
६	र	५८	३२	ज्ये	३१	४१	व्य	३	१३	ग	२७	४७	८	४६	१४	६	१७	१९	ध.३१।४१	भ. ५/३ ६/२ उ. मघा.१ राहुः धनि.३ केतुः ५/१ ८/७
७	चं	५८	३९	मू	३३	४०	व	२ ५/३	५६/५५	वि	२७	३५	१२	४६	१४	७	१८	२०	धनुषि	भ. ३८।३५ या. रोहि. शुक्रः १६।२
८	मं	५६	५८	पू	३४	१७	शि	५३	५२	बा	२७	४९	१६	४५	१५	८	१९	२१	म.४८।५८	
९	बु	५३	५२	उ	३३	२	सि	४८	२९	तै	२५	४२	२०	४४	१६	९	२०	२२	मकरे	
१०	गु	४८	५४	श्र	३०	१६	सा	४०	३	ब	२१	३८	२४	४३	१७	१०	२१	२३	कुं.५८।९	भ. २/३ १/८ उ. ४/५ ८/४ या. मीने बुधः २।५०
११	शु	४२	३८	ध	२६	२	शु	३२	४३	ब	१५	४६	२८	४२	१८	११	२२	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	श	३४	४१	श	१९	१६	शु	२२	२०	कौ	८	४०	३२	४२	१८	१२	२३	२५	कुम्भे	उभा. बुधः ३०।१२
१३	चं	२६	१	पू	१३	४६	ब्र	१२	१७	ब	०	३८	३६	४१	१९	१३	२४	२६	मी ०।८	भ.२६।१ उ.५१।१५ या. अश्वि. मेषेऽर्कः*
१४	चं	१६	२९	उ	२ ६/२	५२/२२	ऐं	१/४४	५०/२३	श	१६	२९	४०	४०	२०	१४	२५	२७	मे.५८।४४	*१८।५७ (सौरः १९।१८) प्रदोषः
३०	मं	६	५२	अ	५१	३०	वि	४१	२६	ना	६	५२	४३	३९	२१	१५	२६	२८	मेषे	

५२पं. वै.कृ.५.श.इ.३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	१०	४	१	४	४	११
२१	३	२३	७	७	२८	३	२१
५३	६	५७	२३	४६	३२	१६	५३
३१	२२	१०	३१	१२	४६	११	३२
५९	३१/०	६०	४३/२	६०	४/४	३	५९
४	व	२९	व	२६	व	११	४

गोचरग्रहाः

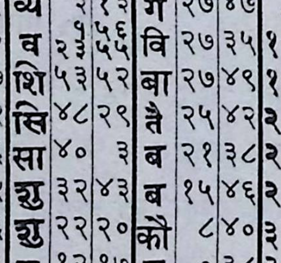

वै. कृ. १३ रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु.४५धा. भावे महर्घता शु. उ.पश्चिमायाम्।

गोचरग्रहाः

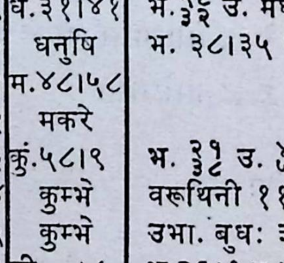

५३पं.वै.कृ.१३ र.इ.१८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	४	१	४	४	११
०	३	४	६	१५	२८	२	२९
०	१५	२६	५६	३८	२	५०	५९
०	३६	१०	१०	४५	४२	२	४१
५८	७/४	८१	२/९	५६	३/३८	३	५८
४४	मा	२६	व	२९	व	११	४५

*मंबृशरा ×मंबृशरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) =चंमंबृशरा +मंबृराश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५६८स.१९८०
१	मं	५०	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४९	२०	भ	४५	११	प्री	३१	५२	बा	२३	२६	३१/४७	५/३९	६/२१	१६	२७	२९	वृ.५८।४४	चंद्रदर्शनम्
३	गु	४२	१५	कृ	४०	१८	आ	२३	२२	तै	१५	४७	५१	३८	२२	१७	२८	१	वृषे	अक्षया३ परशुरामजयन्ती जमादिलाखर६
४	शु	३६	५२	रो	३७	१०	सौ	१६	२	व	९	३३	५५	३७	२३	१८	२९	२	वृषे	भ. ९।३३ उ. ३६।५२ या.
५	श	३३	३१	मृ	३५	५६	शो	१०	३३	ब	५	११	५८	३६	२४	१९	३०	३	मि६।३२	
६	र	३२	३१	आ	३७	१३	अ	६	५०	कौ	३	१	३/३	३६	२४	२०	३१	४	मिथुने	*रा. वैशाखारम्भः
७	चं	३४	२५	पु	४०	१२	सु	४	४२	ग	३	२८	६	३५	२५	२१	१	५	क.२४।२७	भ. ३४।२५ उ. रेवत्यां बुधः २५।८*
८	मं	३६	२३	पु	४४	५९	धृ	४	१७	वि	५	२४	१०	३४	२६	२२	२	६	कर्के	भ. ५।२४ या. मृगे शुक्रः ३।२९
९	बु	४०	५१	श्ले	५१	९	शू	४	४०	बा	८	३७	१४	३३	२७	२३	३	७	सिं५।१९	मार्गी गुरुः ४४।१५
१०	गु	४६	२५	म	५८	३१	गं	६	११	तै	१३	३८	१७	३३	२७	२४	४	८	सिंहे	
११	शु	५२	४४	पू	६०	०	वृ	८	३४	व	१९	३४	२१	३२	२८	२५	५	९	सिंहे	भ. १९।३४ उ. ५२।४४ या. मोहिनी ११व्र.
१२	श	५९	७	पू	५	५०	ध्रु	१०	५९	ब	२५	५५	२५	३१	२९	२६	६	१०	कं.२२।४६	भरण्यां रविः ५९।१५ मघा. ३ गुरुः ५२/४६
१३	र	६०	०	उ	१३	३१	व्या	१३	३५	कौ	३२	१२	२९	३०	३०	२७	७	११	कन्यायां	भरण्यां रविः सौरः ०।३६ प्रदोषः
१३	चं	५	१७	ह	२०	०	ह	१५	४३	तै	५	१७	३२	३०	३०	२८	८	१२	तु.५३।४३	नृसिंह जयन्ती
१४	मं	१०	५०	चि	२७	२७	व	१७	२३	व	१०	५०	३६	२९	३१	२९	९	१३	तुलायां	भ. १०/५० उ. ४६/४ या. अश्वि. मेषे बुधः ५।२८
१५	बु	१५	१९	स्वा	३३	३४	सि	१८	३८	ब	१५	१९	४०	२८	३२	३०	१०	१४	तुलायां	यमायसान्नजल कुंभदानम्

२पं. वै.शु.६ सू.इ.१९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	४	१	४	४	०
६	३	१४	६	२१	२७	२	६
५०	५९	५३	४३	४९	३७	२७	४९
४२	६	२४	३७	५	५	४६	५२
५८	१२	९७	०/४१	५२	३/१	३	५८
३१	१	९	व	२०	व	११	२९

गोचरग्रहाः

एक राशी यदा
यांति चत्वारः
पंच खेचराः ।
प्लावयंति महीं
सर्वां रुधिरेण
जलेन वा ॥

गोचरग्रहाः

३पं. वै.शु.१३सू.इ.१९।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	४	१	४	४	०
१३	६	२६	६	२७	२७	२	१३
३९	२८	४५	४०	२०	१७	५	३८
४३	५२	२२	१९	३१	३५	३१	१७
५८	१५	०/०	०/४३	४६	२/२२	३	५८
१९	४५	०/१३	मा	३९	व	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशखाकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१९	४३	वि	२७	३५	व्य	१९	१५	कौ	१९	४३	३२/४३	५/२७	६/३३	१	११	१५	बृ.२१।३५	मिथुने शुक्रः ७।५ बुधास्तः पूर्वस्यां ५१/३५*
२	शु	२२	४०	अ	४२	३७	व	१८	४३	ग	२२	४०	४७	२७	३३	२	१२	१६	वृश्चिके	भ. ५३।३८ उ. *मई मा. ५ ता. ३१
३	श	२४	३६	ज्ये	४५	४१	प	१७	२९	वि	२४	३६	५१	२६	३४	३	१३	१७	ध.४५।४१	भ. २४।३६ या. चतुर्थी व्र.
४	र	२५	२१	मू	४७	४३	शि	१५	३१	बा	२५	२१	५४	२५	३५	४	१४	१८	धनुषि	
५	चं	२५	५	पू	४४	४०	सि	१३	४०	तै	२५	५	५७	२५	३५	५	१५	१९	धनुषि	भरण्यां बुधः ५६।०
६	मं	२३	५२	उ	४८	२८	सा	९	२	व	२३	५२	३३/१	२४	३६	६	१६	२०	म.३।३७	भ. २३।५२ उ. ५२।३९ या.
७	बु	२१	२७	श्र	४७	८	शु	४/२७	५४/२०	ब	२१	२७	४	२३	३७	७	१७	२१	मकरे	
८	गु	१७	४९	ध	४४	४७	ब्र	५२	१६	कौ	१७	४९	७	२३	३७	८	१८	२२	कु.१५।५८	
९	शु	१३	०	श	४१	७	ऐं	४४	५४	ग	१३	०	१०	२२	३८	९	१९	२३	कुम्भे	भ. ४०।२ उ. ×बुधः ४७।३२
१०	श	७	३	पू	३६	३३	वै	३६	३६	वि	७	३	१३	२१	३९	१०	२०	२४	मी२२।४१	भ. ७।३या. कृत्ति. रविः ४५/१० (सौरः ४६/३३)+
११	र	०	१६	उ	३०	४३	वि	२७	३८	बा	०	१६	१६	२१	३९	११	२१	२५	मीने	अपरा ११ व्र. वै. =सावित्री ३०
१२	र	५१	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+पूफा. भौमः ५/५ अपरा ११ व्र. स्मा
१३	चं	४३	२५	रे	२४	२९	प्री	१८	१५	ग	१७	५०	१९	२०	४०	१२	२२	२६	मे.२४।२९	भ. ४३/२५ उ. कृत्तिका. बुधः १५/५ प्रदोषः
१४	मं	३५	२९	अ	१८	८	आ	८/१०	५१/०	वि	९	२७	२२	२०	४०	१३	२३	२७	मेषे	भ. ९।२७ या. आर्द्रा. शुक्रः १।४ वृषे×
३०	बु	२७	१५	भ	१२	६	शो	५०	७	च	१	२२	२५	१९	४१	१४	२४	२८	बृ.२६।८	वृषेऽर्कः १२।२५ (सौरः १६।२१) वट=

४पं. प्र.ज्ये.कृ.४सू.इ.१९/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	४	२	४	४	०
२०	६	१०	६	२	२७	१	२०
२७	५१	४	४५	९	२	४३	२४
२२	१८	३७	५०	१४	१०	१५	५८
५८	१९	०/०	१	४०	४१	३	५७
६	४४	०/४७	५०	१५	व	११	५७

गोचरग्रहाः

प्र.ज्ये.कृ. ३० बुधे
वृषेऽर्कः प्र. वा.४
न.४ सुतार्थिन्यवस्था
(सूती) मु. १५
धान्यादिभावे मह-
घंता शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ.११सू.इ.१९/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	४	२	४	४	०
२७	८	२४	७	५	२६	१	२७
१३	५४	४०	०	४८	५१	२१	१०
३४	०	४४	४७	४०	११	०	१२
५७	२२	०/०	३	२९	१/७	३	५७
५४	५१	०/४६	१६	२८	व	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २५९७स.१९८०
१	शु	१९	५५	कृ	८	१४	अ	४२	७	ब	१९	५५	३३/२८	५/१८	६/४२	१५	२५	२९	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	१३	४८	रो	२७	५७/२३	सु	३५	२५	कौ	१३	४८	३०	१८	४२	१६	२६	१	मि३१।८	रज्जब ७
३	श	९	२७	आ	५९	१७	धृ	३०	३	ग	९	२७	३३	१७	४३	१७	२७	२	मिथुने	भ. ३८।२३ उ. चतुर्थी व्र.
४	र	७	१९	पु	६०	०	शू	२६	३१	वि	७	१९	३६	१७	४३	१८	२८	३	क.४५।१०	भ. ७।१९ या. रोहिण्यां बुधः १७।११
५	चं	४	५८	पु	०	३५	गं	२४	५३	बा	४	५८	३९	१६	४४	१९	२९	४	कर्के	
६	मं	८	५६	पु	४	८	वृ	२४	३५	तै	८	५६	४१	१६	४४	२०	३०	५	कर्के	
७	बु	१२	३५	श्ले	९	२०	ध्रु	२५	७	व	१२	३५	४३	१५	४५	२१	३१	६	सि९।२०	भ. १२।३५ उ. ४५।१२ या.
८	गु	१७	५०	म	१६	२	व्या	२७	१८	ब	१७	५०	४६	१५	४५	२२	१	७	सिंहे	मार्गी शनिः २२।५१ रा. ज्येठारंभः
९	शु	२३	३८	पू	२३	१४	ह	२९	१८	कौ	२३	३८	४८	१४	४६	२३	२	८	कं.४०।१०	×बुधोदयः पश्चिमायाम् २३।३७
१०	श	३०	२	उ	३०	५८	व	३१	३८	ग	३०	२	५०	१४	४६	२४	३	९	कन्यायां	रोहि.रविः३६।१०(सौरः४२/३९)मृगेबुधः३९/५६×
११	र	३६	६	ह	३८	१५	सि	३४	२६	व	३	४	५२	१४	४६	२५	४	१०	कन्यायां	भ. ३।४ उ. ३६।६ या. वक्री शुक्रः २८/१०+
१२	चं	४१	३६	चि	४५	६	व्य	३६	२५	ब	८	५१	५४	१३	४७	२६	५	११	तु.११।४०	+कमला ११ व्र.
१३	मं	४६	१२	स्वा	५१	०	व	३७	३२	कौ	१३	५४	५६	१३	४७	२७	६	१२	तुलायां	
१४	बु	४९	२९	वि	५६	३६	प	३७	३३	ग	१७	५०	५८	१२	४८	२८	७	१३	वृ.४०।१२	भ. ४९।२९ उ. मिथुने बुधः ५।७
१५	शु	५१	३२	अ	५९	०	शि	३६	४९	वि	२०	३०	३४/००	१२	४८	२९	८	१४	वृश्चिके	भ. २०।३० यां.

६पं. प्र.ज्ये.शु.४सू.इ.२०/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	४	२	४	४	१
३	११	१०	७	८	२६	०	३
५८	१५	६	२३	१५	४६	५८	५३
२६	५४	११	३५	२९	५	४४	५१
५७	२५	[illegible]	४	१६	०/२४	३	५७
४४	१२	[illegible]	२९	४४	व	११	३४

गोचरग्रहाः

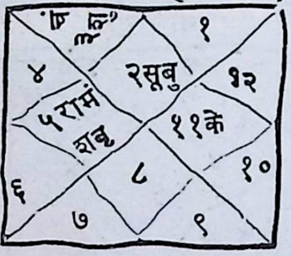

मुहरत पंद्रह की लगी वृष राशि संक्रांत। अलसी गल्ला तेल गुड़ तेजीमें दिनरात॥ चार ग्रहोंका योग शुभ नहीं है।

गोचरग्रहाः

७पं.प्र.ज्ये.शु.११सू.इ.३०/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	४	२	४	४	१
१०	१३	२४	७	९	२६	०	१०
४२	५	३८	५४	३	३५	३६	३६
२५	१४	३८	५२	२५	१८	२८	२
५७	२७	[illegible]	५	०	३१/०	३	५७
३५	२१	[illegible]	३२	५१	मा	११	२३

ति.	द्वि. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५२	१०	ज्ये	६०	०	सि	३५	०	बा	२१	५१	३४/२	५/१२	६/४८	३०	९	१५	वृश्चिके	
२	श	५१	१६	ज्ये	१	१७	सा	३२	१७	तै	२१	२	४	११	४९	३१	१०	१६	ध.१।१७	
३	र	५०	१७	मू	२	२५	शु	२८	४७	व	२१	२	६	११	४९	१	११	१७	धनुषि	भ.२१।२उ.५/१७या. आर्द्रा. बुधः ५१/० जून*
४	चं	४८	२	पू	२	३४	शु	२४	५४	ब	१९	१०	७	११	४९	२	१२	१८	म.१७।२३	*मा. ६ ता. ३०
५	मं	४५	७	उ	१	५०	ब्र	१९	४१	कौ	१६	३४	९	१०	५०	३	१३	१९	मकरे	
६	बु	४१	२२	श्र	२९	५७/५७	ऐं	१४	१४	ग	१३	१६	१०	१०	५०	४	१४	२०	कुं.२९।२७	भ. ४१।२२ उ.
७	गु	३७	११	श	५५	४९	वै	८	२२	वि	९	१६	१२	१०	५०	५	१५	२१	कुम्भे	भ. १२/६ या. वक्री मृगे शुक्रः ४४/७ आश्ले.४×
८	शु	३२	१०	पू	५२	३५	वि	५३/१	५५/१३	बा	४	४१	१३	९	५१	६	१६	२२	मी३८।२४	*राहुः कर्के च.धनिष्ठा.२मकरे केतुः ४८/३२
९	श	२६	४७	उ	४८	४६	आ	४७	३२	ग	२६	४७	१४	९	५१	७	१७	२३	मीने	भ. ५३।४७ उ. मृगे रविः ३०/५६(सौरः४१/१९)
१०	र	२०	४७	रे	४४	३५	सौ	३९	५	वि	२०	४७	१६	९	५१	८	१८	२४	मे.४४।३५	भ. २०।४७ या.
११	चं	१४	१३	अ	३९	५९	शो	३१	४९	बा	१४	१३	१७	९	५१	९	१९	२५	मेषे	कमला ११ व्र.
१२	मं	७	३७	भ	३५	७	अ	२३	५०	तै	७	३७	१८	८	५२	१०	२०	२६	वृ.४९।११	पुन. बुधः १५।१२
१३	बु	०	४३	कृ	३०	४३	सु	१५	५५	व	०	४३	१९	८	५२	११	२१	२७	वृषे	भ. ०।४३ उ. २७।३४ या. प्रदोषः
१४	बु	५३	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	शु	४८	५३	रो	२६	५७	धृ	८	४८	च	२१	३८	२०	८	५२	१२	२२	२८	मि५७।११	शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ९।३६ शु.अ.प

८पं.द्वि.ज्ये.कृ.३सू.इ.२०/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	४	२	४	४	१
१७	१३	७	८	७	२६	०	१७
२५	२८	१२	३३	५१	५०	१४	१७
८	३२	५४	३६	५४	२४	१३	८
५७	२९	[illegible]	६	[illegible]	१	३	५७
२७	१९	[illegible]	३७	व	५	११	१३

गोचरग्रहाः

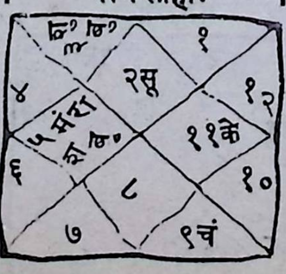

इस मास में शनि मंगल का योग अशुभ है प्रजा में पीड़ा उपद्रव एवं हरेक वस्तु तेज होगी कहीं कहीं वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.११सू.इ.२०/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	४	२	४	३	१
२४	१९	१७	९	४	२६	२९	२३
७	५५	३२	१८	४८	५९	५१	५७
१२	४८	२०	११	२९	३८	५७	४
५७	३०	७७	७	३०/८	१	३	५७
२२	५१	६	३४	व	४४	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २६२६स.१९८०
१	शु	४४	३४	मृ	२७	२६	शू	५९	५४/१९	किं	१६	४३	३४/२१	५/८	६/५२	१३	२३	२९	मिथुने	
२	श	४२	४	आ	२३	१०	वृ	५२	९	बा	१३	१९	२१	८	५२	१४	२४	३०	मिथुने	
३	र	४१	५५	पु	२३	४४	ध्रु	४९	२८	तै	११	५९	२२	८	५२	१५	२५	१	क.८।३५	मिथुनेऽर्कः ३९/३४ (सौरः ४३/६) मघा ४ गुरुः*
४	चं	४२	१८	पु	२६	०	व्या	४७	५८	व	१२	६	२२	८	५२	१६	२६	२	कर्के	सावान ८ *१।५४ चन्द्रदर्शनम्
५	मं	४५	८	श्ले	३०	१७	ह	४७	५३	ब	१३	४३	२२	७	५३	१७	२७	३	सिं३०।१७	भ. १२/६ उ. ४२/१८ या. वक्री वृषे शुक्रः २६/२१
६	बु	४९	३९	म	३४	५४	व	४९	१३	कौ	१७	२३	२३	७	५३	१८	२८	४	सिंहे	
७	गु	५५	८	पू	४२	४७	सि	५१	८	ग	२१	२३	२३	७	५३	१९	२९	५	कं.५९।१२	भ. ५५।८ उ.
८	शु	६०	०	उ	५०	५	व्य	५३	२९	वि	२८	१२	२४	७	५३	२०	३०	६	कन्यायां	भ. २८।१२ या.
८	श	१	१७	ह	५७	३७	व	५५	४२	ब	१	१७	२४	७	५३	२१	३१	७	कन्यायां	आर्द्रा. रविः २६/६ (सौरः ४३/३९) शुक्रोदयः पू.×
९	र	७	२६	चि	६०	०	प	५८	४	कौ	७	२६	२४	७	५३	२२	१	८	तु.३१।१०	उफा. भौमः १८/५९ कर्के बुधः २६/४६ रा. आषाढ़ा.
१०	चं	१३	४	चि	४	४३	शि	५९	३५	ग	१३	४	२४	७	५३	२३	२	९	तुलायां	भ. ४५।२२ उ. गंगादशमी
११	मं	१७	४०	स्वा	१०	५५	सि	५९	५८	वि	१७	४०	२४	७	५३	२४	३	१०	वृ.५९।२९	भ. १७।४० या. निर्जला ११ व्र.
१२	बु	२०	५३	वि	१५	४०	सा	५९	२३	बा	२०	५३	२३	७	५३	२५	४	११	वृश्चिके	प्रदोषः ×२७।३६ शु.उ.पू.
१३	गु	२२	२७	अ	१९	३५	शु	५६	५९	तै	२२	२७	२३	७	५३	२६	५	१२	वृश्चिके	वक्री बुधः ३४।२५
१४	शु	२२	३५	ज्ये	२१	४०	शु	५३	५२	व	२२	३५	२३	७	५३	२७	६	१३	ध.२१।४०	भ. २२।३५ उ. ५१।४४ या.
१५	श	२०	५४	मू	२२	२	ब्र	४९	३३	ब	२०	५४	२२	८	५२	२८	७	१४	धनुषि	कन्यायां भौमः ४१/३ वटसावित्री व्र. गुर्जं.

१०पं.द्वि.ज्ये.शु.३सू.इ.२०१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	४	३	२
०	२३	२५	१०	०	२७	२९	०
४८	१२	१६	११	४१	१३	२९	३६
२५	५०	२६	१०	४६	५५	४२	१३
५७	३२	४९	८	३६/५	३	३	५७
१७	८	३०	३३	व	२६	११	५६

गोचरग्रहाः

द्वि.ज्ये. कृ. ४ शनौ
मिथुनेऽर्कः प्र.वा.
४न.६ गतालकाव-
स्था(ऊभी)मु.४५
धान्यदिभावे सम-
ता शुक्रोदयःपू.।

गोचरग्रहाः

११पं.द्वि.ज्ये.शु. ९सू.इ.२०१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	१	४	३	२
७	२६	२९	११	२६	२७	२९	७
२९	४०	५७	९	३४	३३	७	१४
२४	४१	५८	७	१९	४	२६	४०
५७	३३	१८	९	३/६	३	३	५६
१३	८	३७	२२	व	२	११	५४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१८	५	पू	२१	३	ऐं	४४	१८	कौ	१८	५	३४/२१	५/८	६/५२	२९	८	१५	म.३५।३२	
२	चं	१४	१४	उ	१९	०	वै	३८	१६	ग	१४	१४	२१	८	५२	३०	९	१६	मकरे	भ. ४१।५७ उ. वक्री रोहि. शुक्रः १६
३	मं	९	४०	श्र	१५	५५	वि	३१	४३	वि	९	४०	२०	८	५२	१	१०	१७	कुं.४४।५	भ. ४०/९ या. जुलाई मा. ७ ता. ३१ च. व्र.
४	बु	४	२१	ध	१२	१६	प्री	२५	०	बा	४	२१	१९	८	५२	२	११	१८	कुम्भे	बुधास्तः पश्चिमायाम् ४८।२८
५	बु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	गु	५३	५१	श	९	२	आ	१८	१०	ग	२६	३२	१८	८	५२	३	१२	१९	मी५०।५७	भ. ५३।५१ उ.
७	शु	४८	२८	पू	४	५५	सौ	११	१२	वि	२१	१०	१७	९	५१	४	१३	२०	मीने	भ. २१/१० या. वक्री मिथुने बुधः ४२।१८
८	श	४३	१६	उ	३ १/३	५७/३४	शो	४/११	५३/५	बा	१५	५२	१५	९	५१	५	१४	२१	मे.५८।७	पुन. रविः २८।२२ (सौरः ४७।१०)
९	र	३७	२९	अ	५४	४८	सु	४९	४१	तै	१०	२३	१४	९	५१	६	१५	२२	मेषे	मार्गी शुक्रः ५४/१ पूफा. १ गुरुः १८।२८
१०	चं	३२	४६	भ	५१	५८	धृ	४३	३५	व	५	८	१३	९	५१	७	१६	२३	मेषे	भ. ५।८ उ. ३२।४६ या.
११	मं	२७	५१	कृ	४९	३२	शू	३६	१३	ब	०	३१	११	१०	५०	८	१७	२४	वृ.६।२१	योगिनी ११ व्र.
१२	बु	२३	६	रो	४७	३२	गं	३१	१	तै	२३	६	१०	१०	५०	९	१८	२५	बृषे	प्रदोषः
१३	गु	१९	१८	मृ	४६	१३	वृ	२५	२८	व	१९	८	८	१०	५०	१०	१९	२६	मि१६।५२	भ. १९।१८ उ. ४४।४० या.
१४	शु	१६	१	आ	४५	५२	ध्रु	२०	२९	श	१६	१	७	११	४९	११	२०	२७	मिथुने	
३०	श	१४	२	पु	४६	३३	व्या	१६	३२	ना	१४	२	५	११	४९	१२	२१	२८	क.३१।४१	

१२पं. आ.कृ.१सू.इ.२०१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	४	१	४	३	२
१४	०	१	१२	२३	२७	२८	१३
९	१८	१०	१२	३२	५६	४५	५२
५०	३८	१६	०	२८	५२	१०	४५
५७	३४	१२/८	१०	१६/१२	३	३	५६
७	१२	व	५	व	४०	११	५०

गोचरग्रहाः

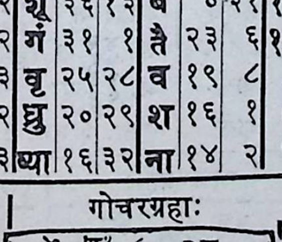

आ. शु. ३ भौमे
कर्केऽर्कः प्र. वा.
४ न. ५ वृद्धा-
वस्था (बैठी) मु.
३०धान्यादिभावे
समता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

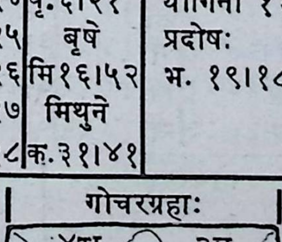

१३पं.आ.कृ. ९सू.इ.२०१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	४	१	४	३	२
२०	४	२९	१३	२२	२८	२८	२०
५०	३	४	२०	२३	२४	२२	३०
१०	२९	४७	७	३१	७	५५	३९
५७	३५	३३/५३	१०	४०/४	४	३	५६
७	९	व	४७	मा	१९	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंबृश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२											दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	१३	४९	पु	४७	५८	ह	१३	३२	ब	१३	४९	३४/४	५/११	६/४९	१३	२२	२९	कर्के
२	चं	१४	४९	श्ले	५१	०	व	१२	१०	कौ	१४	४९	२	१२	४८	१४	२३	३०	सि५१।०
३	मं	१७	३७	म	५६	३३	सि	११	३०	ग	१७	३७	०	१२	४८	१५	२४	१	सिंहे
४	बु	२१	४९	पू	६०	०	व्य	१२	१	वि	२१	४९	३३/५८	१२	४८	१६	२५	२	सिंहे
५	गु	२६	५८	पू	२	४८	व	१३	३४	बा	२६	५८	५६	१३	४७	१७	२६	३	कं.१९।३४
६	शु	३२	५९	उ	९	५२	प	१५	४६	तै	३२	५९	५४	१३	४७	१८	२७	४	कन्यायां
७	श	३९	११	ह	१७	२२	शि	१८	११	ग	६	५	५२	१४	४६	१९	२८	५	तु.५१।११
८	र	४५	१४	चि	२४	५१	सि	२१	३४	वि	१२	१३	५०	१४	४६	२०	२९	६	तुलायां
९	चं	५०	१०	स्वा	३१	४३	सा	२२	५८	बा	१७	४१	४७	१५	४५	२१	३०	७	तुलायां
१०	मं	५३	४२	वि	३७	१६	शु	२३	४०	तै	२१	५६	४५	१५	४५	२२	३१	८	वृ.२०।४७
११	बु	५५	४१	अ	४१	३३	शु	२२	४३	व	२४	४१	४२	१६	४४	२३	१	९	बृश्चिके
१२	गु	५५	५१	ज्ये	४३	५०	ब्र	२२	५	ब	२५	४६	४०	१६	४४	२४	२	१०	ध.४३।५०
१३	शु	५३	५६	मू	४४	५	ऐं	१९	१२	कौ	२४	५३	३७	१७	४३	२५	३	११	धनुषि
१४	श	५०	२०	पू	४२	४७	वै	१४	३८	ग	२२	८	३५	१७	४३	२६	४	१२	म.५७।१६
१५	र	४५	९	उ	३९	५२	वि	८	५५	वि	१७	४४	३२	१८	४२	२७	५	१३	मकरे

वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२६५६स.१९८०

मृगे शुक्रः ०।५२ चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
भ. ४९/४३ उ. कर्केऽर्कः ५६/४६ रमजान ९
भ. २१/४९ या. कर्केऽर्कः सौरः २०।२४
हस्ते भौमः १३।०

भ. ३९/१९ उ पुष्ये रविः २६/३ (सौरः ५१/५)
भ. ११/१३ या. बुधोदयः पूर्वस्यां ४५।४७

भ. ३४/४१ उ. ५५/४१ या. मार्गी बुधः ३३/४७ रा.✱
✱श्रावणारम्भः देवशयनी ११ व्र.
उफा. कन्यायां शनिः ४१।४९ प्रदोषः
भ. ५०।२० उ. पूफा. २ गुरुः १।१७
भ. १७।४४ या. गुरु १५ वायु परीक्षा

१४पं.आ.शु.१सू.इ.१९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	४	१	४	३	२
२७	७	२४	१४	२३	२८	२८	२७
३०	५५	५३	३२	८	५५	०	८
३२	३४	४२	१३	४९	५२	३९	४
५७	३६	३८/२	११	१६	४	३	५६
११	१०	व	२१	२३	४७	११	५५

१५पं.आ.कृ.८सू.इ.१९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	१	४	३	३
४	११	२१	१५	२५	२९	२७	३
११	५४	४५	४९	१४	३०	३८	४७
१७	४०	०	८	४२	५८	२४	१३
५७	३६	३२/२	११	२८	५	३	५६
१५	५०	व	५८	५६	१३	११	५७

१६पं.आ.शु.१५सू.इ.१९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	१	५	३	३
१०	१६	२२	१७	२९	०	२७	१०
५२	०	३८	८	११	९	१६	२६
१९	११	२४	२४	४६	११	८	३०
५७	३७	२४/१	१२	३८	५	३	५७
२०	३३	मा	१९	३६	३८	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२											दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	३८	५५	श्र	३५	५३	प्री	२/२	५२/१०	बा	१२	२	३३/२९	५/१८	६/४१	२८	६	१४	मकरे
२	मं	३२	८	ध	३०	५२	सौ	४६	८	तै	५	३१	२६	१९	४१	२९	७	१५	कु.३।२३
३	बु	२५	४	श	२६	५	शो	३७	४८	वि	२५	४	२४	१९	४१	३०	८	१६	कुम्भे
४	गु	१७	५६	पू	२०	५	अ	२९	२७	बा	१७	५६	२१	२०	४०	३१	९	१७	मी६।३५
५	शु	११	१६	उ	१६	२३	सु	२१	१४	तै	११	१६	१८	२०	४०	१	१०	१८	मीने
६	श	५	१६	रे	१२	१७	धृ	१३	४६	व	५	१६	१५	२१	३९	२	११	१९	मे.१२।१७
७	श	५४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	र	५४	४८	अ	८	३९	शू	५/८	५४/१५	बा	२७	१७	१२	२२	३८	३	१२	२०	मेषे
९	चं	५०	४१	भ	५	४३	वृ	५३	५६	तै	२२	४४	९	२२	३८	४	१३	२१	वृ.२०।१४
१०	मं	४७	२२	कृ	३	४४	ध्रु	४८	३८	व	१९	१	६	२३	३७	५	१४	२२	वृषे
११	बु	४४	५३	रो	२	३५	व्या	४४	५	ब	१६	७	३	२३	३७	६	१५	२३	मि३२।१९
१२	गु	४३	१९	मृ	२	५	ह	४०	६	कौ	१४	५	०	२४	३६	७	१६	२४	मिथुने
१३	शु	४२	५९	आ	२	२८	व	३७	१	ग	१३	९	३३/५६	२५	३५	८	१७	२५	क.४८।४६
१४	श	४३	२६	पु	४	१२	सि	३४	४१	वि	१३	१३	५३	२५	३५	९	१८	२६	कर्के
३०	र	४५	२३	पु	६	५०	व्य	३३	३३	च	१४	२५	५०	२६	३४	१०	१९	२७	कर्के

वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मिथुने शुक्रः ३४।३३
भ. ५८।३६ उ.
भ. २५।४ या. चतुर्थी व्र.

अगस्त मा. ८ता. ३१ नाग ५ मरुस्थले
भ. १६/५ उ. ३३/२१ या. आश्ले. रविः (सौरः ५९/५४)

कर्के बुधः ४०।४
भ. १९।१ उ. ४७।२२ या.
कामिका ११ व्र
आर्द्रा. शुक्रः ११/४५ पुष्ये बुधः ३३/५ आश्ले. ३✱
भ. ४२/५९ उ. हित्रायां भौमः ३३/२० प्रदोषः
भ. ११/१३ या. ✱राहुः धनि. १ केतुः ४१/२०
पूफा. ३ गुरुः ३५।३५ हरियाली ३०

१७पं.श्रा.कृ.८सू.इ.१९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	२	५	३	३
१७	२०	२८	१८	३	०	२६	१७
३४	११	२२	३०	५५	५०	५३	६
१	४६	३४	५०	४४	४९	५२	१८
५७	३८	७२	१२	४६	६	३	५७
२५	१४	३४	४३	३	५	११	१२

गोचरग्रहाः

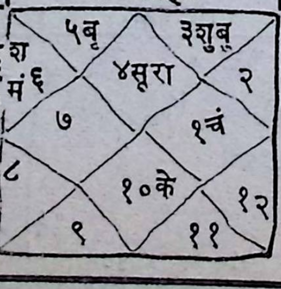

इस मासके आरंभ में बुध शुक्र का योग श्रेष्ठ वर्षाकारक है। धान्य गल्ला रस पदार्थ मंदा होकर तेज होगा।

गोचरग्रहाः

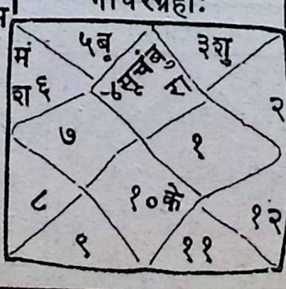

१८पं.श्रा.कृ.३०सू.इ.१९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	४	२	५	३	३
२४	२४	८	१९	९	१	२६	२३
१६	२८	२१	५५	१९	३४	३१	४७
२६	१६	२२	५२	५२	४१	३७	२५
५७	३८	९२	१३	५१	६	३	५७
३३	३८	१६	७	४१	२३	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	४८	२५	श्ले	१०	४२	व	३२	५८	किं	१६	४२	३२/४७	५/२७	६/३३	११	२०	२८	सि१०।४२
२	मं	५२	४४	म	१५	३१	ध	३३	२५	बा	२०	३४	४३	२७	३३	१२	२१	२९	सिंहे
३	बु	५८	४	पू	२१	४९	शि	३४	४८	तै	२५	२३	४०	२८	३२	१३	२२	१	कं.३८।३२
४	गु	६०	०	उ	२८	४०	सि	३६	३८	व	३१	४	३६	२९	३१	१४	२३	२	कन्यायां
४	शु	४	५	ह	३६	१४	सा	३८	५८	वि	४	५	३३	२९	३१	१५	२४	३	कन्यायां
५	श	१०	१९	चि	४३	५५	शु	४१	४१	बा	१०	१९	२९	३०	३०	१६	२५	४	तु.१०।४
६	र	१६	३१	स्वा	५१	२०	शु	४४	५	तै	१६	३१	२६	३१	२९	१७	२६	५	तुलायां
७	चं	२२	४	वि	५७	४४	ब्र	४६	५२	व	२२	४	२२	३२	२८	१८	२७	६	वृ.४१।८
८	मं	२६	२६	अ	६०	०	ऐं	४६	३७	ब	२६	२६	१९	३२	२८	१९	२८	७	वृश्चिके
९	बु	२९	३४	अ	३	१	वै	४६	२०	कौ	२९	३४	१५	३३	२७	२०	२९	८	वृश्चिके
१०	गु	३०	१८	ज्ये	६	३१	वि	४४	३१	ग	३०	१८	११	३४	२६	२१	३०	९	ध.६।३१
११	शु	२९	१८	मू	८	२०	प्री	४०	४९	वि	२९	१८	८	३४	२६	२२	३१	१०	धनुषि
१२	श	२४	५	पू	८	४५	आ	३६	५३	बा	२४	५	४	३५	२५	२३	१	११	म.२२।५५
१३	र	२०	५८	उ	५	२३	सौ	२९	१६	तै	२०	५८	०	३६	२४	२४	२	१२	मकरे
१४	चं	१४	८	श्र	१६	५४/२८	शो	२१	१७	व	१४	८	३१/५६	३७	२३	२५	३	१३	कु.२८।३०
१५	मं	६	२५	श	४९	३२	अ	१२	११	ब	६	२५	५२	३८	२२	२६	४	१४	कुम्भे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७१५सन्१९८०

चन्द्रदर्शनम् सिधारा
बुधास्तः पूर्वस्यां तीज सव्वाल १०
भ. ३१।४ उ. आश्ले. बुधः ५४।२
भ. ४।५ या.
मघा. सिंहेऽर्कः १६/५९ (सौरः ४८।१९)*
*नाग पंचमी
भ. २२।४ उ. ५४।१५ या.
तुलायां भौमः ३।५
×श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं
भ. ५९।४८ उ. मघा. सिंहे बुधः ३२।०
भ. २९।१८ या. पुन. शुक्रः २४।४८+
रा. भाद्रपदारंभः प्रदोषः
+पवित्रा ११ व्र.
भ. १४।८ उ. ४०।१६ या.
पूफायां ४ गुरुः २८।२४ उफा. शनिः ६/७×

१९पं.श्रा.शु.६सू.इ.१९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	४	२	५	३	४
०	२८	२१	२१	१५	२	२६	०
५९	५०	२६	२२	२१	२१	९	२९
४९	४२	३५	३४	२१	४	२१	३८
५७	३९	४/०	१३	५५	६	३	५७
४०	१०	५/२७	२०	५६	३५	११	३४

गोचरग्रहाः

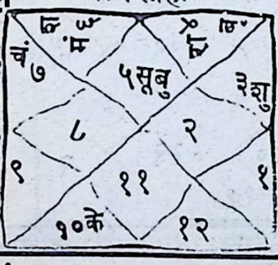

श्रा. शु. ५ शनौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१३सू.इ.१९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	४	२	५	३	४
७	३	५	२२	२१	३	२५	७
४४	१८	३१	५१	५२	८	४७	१३
१७	२९	१६	०	५१	३८	६	१०
५७	३९	८/०	१३	५८	६	३	५७
४८	५२	०/०	२७	५६	५३	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	मं	५१	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बु	४८	५५	पू	४२	४७	सु	२/४३	४९/५४	तै	२३	२३	३१/४८	५/३८	६/२२	२७	५	१५	मी२९।२८
३	गु	३९	३४	उ	३६	४	शू	४२	५९	व	१४	१४	४४	३९	२१	२८	६	१६	मीने
४	शु	३२	१६	रे	२९	३४	गं	३२	३६	ब	५	५५	४०	४०	२०	२९	७	१७	मे.२९।३४
५	श	२५	१८	अ	२४	३१	वृ	२४	४३	तै	२५	१८	३६	४१	१९	३०	८	१८	मेषे
६	र	१९	२४	भ	२०	१४	ध्रु	१६	४४	व	१९	२४	३२	४२	१८	३१	९	१९	वृ.३४।१८
७	चं	१४	४६	कृ	१६	३२	व्या	९	५५	ब	१४	४६	२८	४२	१८	१	१०	२०	वृषे
८	मं	११	२३	रो	१४	५३	ह	४/४	५५/२२	कौ	११	२३	२५	४३	१७	२	११	२१	मि४५।१८
९	बु	९	३०	मृ	१५	४३	सि	५५	४१	ग	९	३०	२१	४४	१६	३	१२	२२	मिथुने
१०	गु	८	३२	आ	१५	५५	व्य	५३	७	वि	८	३२	१७	४५	१५	४	१३	२३	मिथुने
११	शु	९	१७	पु	१८	२८	व	५१	२२	बा	९	१७	१३	४५	१५	५	१४	२४	क.२।५०
१२	श	१०	५५	पु	२२	८	प	५०	४४	तै	१०	५५	९	४६	१४	६	१५	२५	कर्के
१३	र	१३	५८	श्ले	२७	१२	शि	४९	५८	व	१३	५८	५	४७	१३	७	१६	२६	सि२७।१२
१४	चं	१७	४३	म	३२	१४	सि	५१	३८	श	१७	४३	१	४८	१२	८	१७	२७	सिंहे
३०	मं	२२	३५	पू	३८	३९	सा	५३	९	ना	२२	३५	३०/५७	४९	११	९	१८	२८	क.५५।१९

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. १४।१४उ. ३९।३४या. पूफा. बुधः १९/१८
स्वात्यां भौमः ४८।४० चतुर्थी व्र.
पूफा. रविः ६।३६ (सौरः३९।११) अस्तं*
भ. १९।२४ उ. ४७।५ या.
कर्के शुक्रः ३८।५७ सितम्बर मा. ९ ता.×
जन्माष्टमी व्र. वै.
भ. ३९।१ उ. गोगा ९
भ.८।३२या. पुष्ये शुक्रः ४३/३८ उफा. बुधः ३२/९१
अजा ११ व्र. *गुरौ: ५४।० चन्द्रषष्ठी
कन्यायां बुधः ३४/०४ वत्स द्वादशी प्रदोषः
भ. १३।५८ उ. ४५।५० या.
×३० जन्माष्टमी व्र. स्मा.
अस्तं शनेः २।७ कुशाग्रहणी मन्वादिः

२१पं.भा.कृ.६सू.इ.१८।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	४	२	५	३	४
१४	७	१९	२४	२८	३	२५	१३
२९	५०	५	२०	४४	५८	२४	५८
५६	१७	४६	५६	४९	५	५०	२२
५८	४०	३०/०	१३	१६	७	३	५७
१	५	०/१९	३२	२१	२	११	५७

गोचरग्रहाः

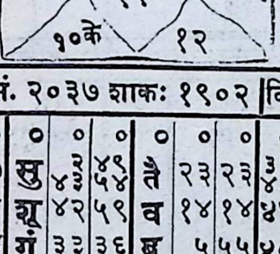

इस मास में रुई सूत चांदी सोना गुड़ गेहूं तिलहन मंदा होकर तेज होगा। वर्षा कहीं ज्यादा कहीं कम होगी।

गोचरग्रहाः

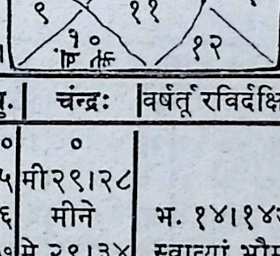

२२पं.भा.कृ.१३सू.इ.१८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	३	५	३	४
२१	१२	१	२५	५	४	२५	२०
१६	२५	४४	५१	५८	४९	२	४५
५५	५९	१०	४०	५६	५	३४	२
५८	४०	९/०	१३	६३	७	३	५८
१३	५७	०/४४	३८	५७	१४	११	१२

*चंशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २७१५स.१९८०
१	बु	२८	४	उ	४५	१९	शु	५४	५०	ब	२८	४	३०/५३	५/४९	६/११	१०	१९	२९	कन्यायां	उफा. १गुरुः ५१/२८ बुधोदयः पश्चिमायाम् ५२/५
२	गु	३४	१९	ह	५२	४९	शु	५६	११	बा	११	११	४८	५०	१०	११	२०	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम् +३ जिल्काद ११
३	शु	४०	३९	चि	६०	०	ब्र	५९	३४	तै	७	२९	४४	५१	९	१२	२१	१	तु.२६।४३	उफा. रविः ५/६ हस्तेबुधः १३/२१ हरितालिका+
४	श	४६	५६	चि	०	३८	ऐं	६०	०	व	१३	४७	४०	५२	८	१३	२२	२	तुलायां	भ. १३/४७ उ. ४६/५६ या. उफा. रविः सौरः ३३/४९ ✱
५	र	५२	४७	स्वा	८	९	ऐं	१	५६	ब	१९	५२	३६	५३	७	१४	२३	३	बृ.५८।२७	ऋषि पंचमी ✱गणेश चतुर्थी
६	चं	५७	४८	वि	१५	१३	वै	४	१९	कौ	२५	१७	३२	५४	६	१५	२४	४	वृश्चिके	
७	मं	६०	०	अ	२१	२६	वि	५	४५	ग	२९	३	२८	५४	६	१६	२५	५	बृश्चिके	कन्यायामर्कः १६।१७ (सौरः ४९।०)
७	बु	१	१	ज्ये	२६	२०	प्री	६	२२	व	१	१	२४	५५	५	१७	२६	६	ध.२६।२०	भ. १।१ उ. ३२/२० या. आश्ले. शुक्रः १४/१३
८	गु	३	३९	मू	२९	३४	आ	४	४६	ब	३	३९	२०	५६	४	१८	२७	७	धनुषि	विशाखा. भौमः ३६।४८
९	शु	३	७	पू	३०	५२	सौ	३	४४	कौ	३	७	१६	५७	३	१९	२८	८	म.४५।४१	
१०	श	२	१२	उ	३०	१२	शो	०/७	५४/४०	ग	२	१२	१२	५८	२	२०	२९	९	मकरे	भ. ३०/१४ उ. ५६/१६ या. चित्रायां बुधः ३७/४४×
११	श	५६	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×जलझूलनी ११ व्र. स्मा.
१२	र	५२	२८	श्र	२७	३३	सु	४७	५९	ब	२५	२२	८	५८	२	२१	३०	१०	कु.५५।१३	जलझूलनी ११ व्र. वै. वामन जयन्ती
१३	चं	४५	२	ध	२२	५३	धृ	३९	३४	कौ	१८	४५	४	५९	१	२२	३१	११	कुम्भे	उफायां ४ शनिः २०।४ प्रदोषः
१४	मं	३६	२१	श	१६	५४	शू	२९	५२	ग	१०	४२	३०/००	६/००	६/००	२३	१	१२	मी'५६।३४	भ. ३६/२१ उ. रा. आश्विनारंभः अनंत १४
१५	बु	२६	४३	पू	९	४८	गं	१९	३२	वि	१	३२	३९/५५	६/१	५/५९	२४	२	१३	मीने	भ. ३२/१ या. तुलायां बुधः ४१/३९ महालयारंभः

२३पं.भा.शु.५सू.इ.१८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	३	५	३	४
२८	१७	१३	२६	१३	५	२४	२७
५	७	२९	२२	२७	४०	४०	३३
२४	१८	१३	१९	४७	२६	१९	२४
५८	४१	०/०	१३	६५	७	३	५८
२६	२०	१३	३८	३७	२०	११	२९

गोचरग्रहाः

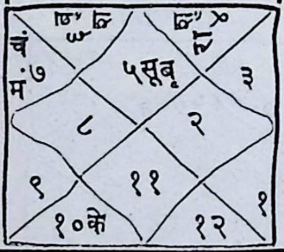

भाद्र. शु. ७ भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

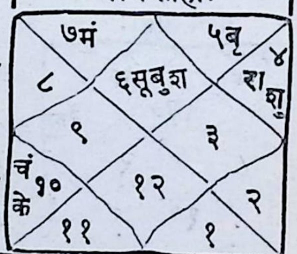

२४पं.भा.शु.१२सू.इ.१८।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	४	६	५	३	५
४	२१	२४	२८	२१	६	२४	४
५५	५२	२२	५३	३	३२	१८	२३
१९	२३	२३	३८	०	२७	३	३१
५८	४१	९१	१३	६७	७	३	५८
३८	४३	५९	३४	२	२०	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	१६	५२	उ	२/७	५२/१०	वृ	५६/३	४९/५	कौ	१६	५२	३९/५१	६/२	५/५८	२५	३	१४	मे.५४।१७	उदयं गुरोः ४५।३६
२	शु	७	२८	अ	४६	५२	व्या	४७	३१	ग	७	२८	४७	३	५७	२६	४	१५	मेषे	भ. ३२/४२ उ. ५७/५७ या. हस्ते रविः २९/२३ उफा.×
३	शु	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×२ कन्यायां गुरुः ३३।१९
४	श	५०	२८	भ	४०	४३	ह	३७	३४	ब	२४	१३	४३	३	५७	२७	५	१६	बृ.५४।२७	हस्ते रविः सौरः १।३० चतुर्थी व्र.
५	र	४४	११	कृ	३५	३९	व	२८	४८	कौ	१४	१९	३८	४	५६	२८	६	१७	बृषे	
६	चं	३९	४१	रो	३२	१२	सि	२१	१३	ग	११	५५	३४	५	५५	२९	७	१८	बृषे	भ. ३६/४१ उ. मघायां सिंहे शुक्रः १७।१+
७	मं	३६	५०	मृ	३०	३४	व्य	१४	८	वि	८	१६	३०	६	५४	३०	८	१९	मि१।२३	भ. ८।१६ या. +स्वत्यां बुधः ५९।५८
८	बु	३५	५५	आ	३०	४७	व	१०	२९	बा	६	२२	२६	७	५३	१	९	२०	मिथुने	अक्टूबर मा. १० ता. ३१
९	गु	३६	४३	पु	३१	४६	प	७	१६	तै	६	१९	२२	८	५२	२	१०	२१	क.१६।३१	मातृ ९
१०	शु	३८	५१	पु	३६	१०	शि	५	३०	व	७	४७	१८	८	५२	३	११	२२	कर्के	भ. ४७ उ. ३६/५१ या. वृश्चिके भौमः २६/४
११	श	४२	३१	श्ले	४१	१२	सि	४	५०	ब	१०	३१	१४	९	५१	४	१२	२३	सिं४१।१२	इन्दिरा ११ व्र.
१२	र	४७	१२	म	४६	५८	सा	५	२२	कौ	१४	५१	१०	१०	५०	५	१३	२४	सिंहे	
१३	चं	५२	४१	पू	५३	४४	शु	६	१४	ग	१९	५६	६	११	४९	६	१४	२५	सिंहे	भ. ५२।४१ उ. प्रदोषः
१४	मं	५८	५६	उ	६०	०	शु	८	५७	वि	२५	४९	२	१२	४८	७	१५	२६	कं.१०।३२	भ. २५।४९ या. अनु. भौमः ४५।२४
३०	बु	६०	०	उ	०	५८	ब्र	९	५८	च	३१	५८	२८/५८	१२	४८	८	१६	२७	कन्यायां	सर्वपितृ श्राद्ध.
३०	गु	५	१	ह	८	३०	ऐं	१२	१९	ना	५	१	५४	१३	४७	९	१७	२८	तु.४२।१३	आश्लेषा. २ राहुः श्रवणे ४ केतुः ३३।२२

२५पं. आ.कृ.५सू.इ.१८।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	३	५	३	५
११	२६	४	०	२८	७	२३	११
४६	४२	२१	२३	५८	२४	५५	१६
५५	४	३२	४२	२०	३२	४८	३४
५८	४२	८१	१३	६८	७	३	५९
५२	१३	४४	३२	९	२०	११	०

गोचरग्रहाः

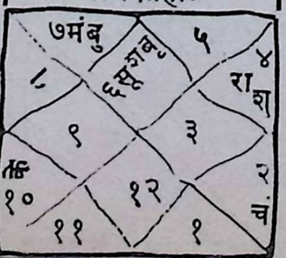

इस मास में गुरु का उदय चांदीमें मंदी होकर तेजी होगी सुदी में धान्य रुई चांदी चावल साजी लहसन लोह तैल तेज ।

गोचरग्रहाः

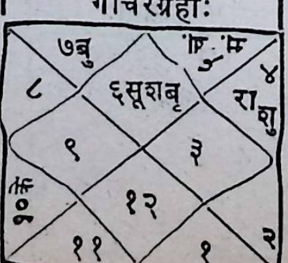

२६पं.आ.कृ.१२सू.इ.१८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	५	४	५	३	५
१८	१	१३	१	६	८	२३	१८
४०	३५	२१	५२	५२	१६	३३	९
८	१०	२३	५२	२६	३७	३२	२१
५९	४२	६९	१३	६९	७	३	५९
९	४३	५	२६	५	१४	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७४५ स.१९८०
१	शु	१०	४२	चि	१५	५६	वै	१४	३५	ब	१०	४२	२८/५०	६/१४	५/४६	१०	१८	२९	तुलायां	चि.रविः १/२४(सौरः ३२/६) पूफा. शुक्रः ५३/४२*
२	श	१७	२३	स्वा	२३	२३	वि	१७	३४	कौ	१७	२३	४६	१५	४५	११	१९	१	तुलायां	विशाखायां बुधः २३।३७ जिल्हेज १२
३	र	२३	८	वि	३०	१७	प्री	१९	५	ग	२३	८	४२	१६	४४	१२	२०	२	वृ.१३।३४	भ. ५५।३४ उ. उफा. ३ गुरुः १२।५
४	चं	२८	१	अ	३६	५०	आ	२०	२४	वि	२८	१	३८	१६	४४	१३	२१	३	बृश्चिके	भ. २८।१ या. ×कोजागरी व्र.
५	मं	३१	७	ज्ये	४२	१९	सौ	२१	२३	बा	३१	७	३४	१७	४३	१४	२२	४	ध.४२।१९	*उदयंशनेः ३७/५२ मातामह श्रा. नवरात्रा.+
६	बु	३४	५२	मू	४६	३२	शो	२१	३२	कौ	२	५९	३०	१८	४२	१५	२३	५	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम् +चन्द्रदर्शनम्
७	गु	३६	१६	पू	४९	१५	अ	२०	२२	ग	५	३४	२६	१९	४१	१६	२४	६	धनुषि	भ. ३६/१ उ. तुलायामर्कः ४५/० सरस्वती पूज.
८	शु	३६	१	उ	५१	५६	सु	१७	५८	वि	६	८	२२	२०	४०	१७	२५	७	म.४।४०	भ. ६/८ या. तुलायामर्कः सौरः १४/४९ बलिदानं
९	श	३३	४६	श्र	४९	४५	धृ	१४	२७	बा	४	५३	१८	२०	४०	१८	२६	८	मकरे	सरस्वती विसर्जनम्
१०	र	२९	४३	ध	४९	११	शू	९	१५	तै	१	४४	१४	२१	३९	१९	२७	९	कु.१९।२८	भ. ५७/५० उ. हस्ते १ शनिः ३३/४६ विजया १०
११	चं	२५	५८	श	४३	१	गं	२/३१	५/३	वि	२५	५८	१०	२२	३८	२०	२८	१०	कुम्भे	भ. २५।५८ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	मं	२०	३९	पू	३७	१३	ध्रु	४५	१९	बा	२०	३९	६	२३	३७	२१	२९	११	मी२३।४०	वक्री बुधः १८।४९ प्रदोषः
१३	बु	१२	२९	उ	३०	१३	व्या	३४	१२	तै	१२	२९	२	२४	३६	२२	३०	१२	मीने	उफा. शुक्रः १५।२८
१४	गु	३	८	रे	२२	३३	ह	२४	२१	व	३	८	२७/५८	२४	३६	२३	१	१३	मे.२२।३०	भ. ३/८ उ. २८/१४ या. स्वात्यां रविः ३७/१२ (सौरः=
१५	गु	५०	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	=५५/४७) रा. कार्तिकारंभः शरद् पूर्णिमा×

२७पं.आ.शु.३सू.इ.१७।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	५	४	५	३	५
२५	६	२०	३	१४	९	२३	२५
३५	३२	४६	२१	५८	७	११	५
६	२	८	१८	५	५९	१६	३
५९	४३	५०	१३	६९	७	३	५९
२१	२	५६	१६	५०	८	११	३१

गोचरग्रहाः

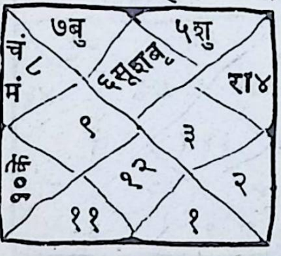

आ. शु. ७ गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैंठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

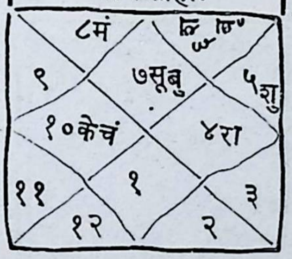

२८पं.आ.शु.१०सू.इ.१७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	४	५	३	६
२	११	२५	४	२३	९	२२	२
३१	३३	४०	४७	९	५८	४९	२
३४	३६	५२	१७	४३	८	.१	३२
५९	४३	१३	१२	७०	७	३	५९
३४	३१	४९	५८	३७	१	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४३	२४	अ	१४	३४	व	१३	१७	बा	१८	२२	२७/५४	६/२५	५/३५	२४	२	१४	मेषे	कन्यायां शुक्रः ३१।५१
२	श	३३	५६	भ	६	५३	स्वि	२/१८	४९/४५	तै	८	४१	५०	२६	३४	२५	३	१५	वृ.२०।१३	भ. ५९।३९ उ.
३	र	२५	२३	कृ	५०/३	५५/११	व	४२	१५	वि	२५	२३	४६	२७	३३	२६	४	१६	वृषे	भ. २५।२३ या. ज्ये. भौमः २०/१३ च. व्र.
४	चं	१८	१७	मृ	५२	१	प	३४	३९	बा	१८	१७	४२	२८	३२	२७	५	१७	मि२४।२	
५	मं	१३	२	आ	४८	५३	शि	२८	१९	तै	१३	२	३९	२८	३२	२८	६	१८	मिथुने	उफा.४ गुरुः ३१/३९ बुधास्तः पश्चिमायाम् ३०/४४
६	बु	९	४०	पु	४९	७	सि	२३	२२	व	९	४०	३५	२९	३१	२९	७	१९	क.३४।४	भ. ९।४० उ. ३८।५७ या.
७	गु	८	१४	पु	५१	२९	सा	२०	११	ब	८	१४	३१	३०	३०	३०	८	२०	कर्के	
८	शु	९	५	श्ले	५५	४३	शु	१८	३८	कौ	९	५	२७	३१	२९	३१	९	२१	सिं५५।४३	
९	श	११	२२	म	६०	०	शु	१८	४३	ग	११	२२	२४	३१	२९	१	१०	२२	सिंहे	भ. ४३/२० उ. वक्रीस्वात्यांबुधः ३४/५० नवम्बर*
१०	र	१५	१९	म	१	३१	ब्र	१९	२०	वि	१५	१९	२०	३२	२८	२	११	२३	सिंहे	भ. १५।१९ या. हस्ते शुक्रः २१।३९
११	चं	२०	२२	पू	८	३५	ऐं	२१	८	बा	२०	२२	१६	३३	२७	३	१२	२४	कं.२५।३२	रमा ११ व्र.
१२	मं	२६	२६	उ	१६	२४	वै	२३	१९	तै	२६	२६	१३	३३	२७	४	१३	२५	कन्यायां	प्रदोषः *मा. ११ ता. ३०
१३	बु	३२	२९	ह	२४	१०	वि	२५	४७	व	२२	२९	९	३४	२६	५	१४	२६	तु.५८।७	भ. ३२/२९ उ. विशाखा. रविः ४७/३५ घन १३
१४	गु	३९	५३	चि	३२	४	प्री	२८	७	वि	६	११	६	३५	२५	६	१५	२७	तुलायां	भ. ६/११ या. विशा. रविः सौरः १३/१६ रूप १४
३०	शु	४५	८	स्वा	३९	३१	आ	३०	१९	च	१२	३०	२	३६	२४	७	१६	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.३सू.इ.१७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	५	५	३	६
९	१६	२५	६	१	१०	२२	९
२९	३८	४२	११	२९	४७	२६	१
४९	६	३२	१०	५३	२	४५	५२
५९	४३	३४/१८	१२	७१	६	३	६०
४७	४७	व	३	११	४१	११	२

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ शुक्र ५ शनिवार मध्यम हैं। शुक्रवार की दीपावली धान्या. मंदी कारक एवं शुभ है। सुदी में कुछ तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.कृ.१०सू.इ.१७।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	५	५	३	६
१६	२१	१८	७	९	११	२२	१६
२९	४६	५२	३२	५४	३३	४	२
३८	८	२३	६	५८	२५	३०	५६
६०	४४	९५/१३	१५	७१	६	३	६०
४	२	व	१३	३८	२८	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूर् रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७७४सन्१९८०
१	श	५०	५९	वि	४६	२२	सौ	३१	०	किं	१८	३	२६/५९	३/६	५/२४	८	१७	२९	बृ.२९।३८	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	र	५५	१६	अ	५२	४	शो	३३	११	बा	२३	७	५६	३७	२३	९	१८	३०	वृश्चिके	बुधोदयः पूर्वस्यां ५/२ ४/४ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	चं	६०	०	ज्ये	५७	५	अ	३३	५४	तै	२८	२	५३	३७	२३	१०	१९	१	ध.५७।५	मोहोरम १ सन् १४०१ हि.
३	मं	०	५०	मू	६०	०	सु	३३	२३	ग	०	५०	४९	३८	२२	११	२०	२	धनुषि	भ. ३२।३६ उ.
४	बु	४	२३	मू	०	४४	धृ	३२	१४	वि	४	२३	४६	३९	२१	१२	२१	३	धनुषि	भ. ४।२३ या. मार्गी बुधः ३३।१३
५	गु	७	१९	पू	४	३	शू	३०	२२	बा	७	१९	४३	३९	२१	१३	२२	४	म.१९।३१	मूले धनुषि भौमः ३/४ ०/४ चित्रा. शुक्रः १८।३०
६	शु	८	१७	उ	५	५५	गं	२७	३९	तै	८	१७	४०	४०	२०	१४	२३	५	मकरे	×४३।३७ हस्ते १ गुरुः ५/१ १/७ गोपाष्टमी
७	श	६	७	श्र	७	२८	वृ	२३	३८	व	६	७	३७	४१	१९	१५	२४	६	कुं.३६।४४	भ. ६।७ उ. ३४।५७ या. वृश्चिकेऽर्कः×
८	र	३	४७	ध	६	१	ध्रु	१८	२६	ब	३	४७	३४	४१	१९	१६	२५	७	कुम्भे	वृश्चिकेऽर्कः सौरः ७।३३ अक्षय ९
९	र	५६	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+५०।१८ प्रबोधिनी ११व्र. तुलसीविवाहः
१०	चं	५४	३२	श	२६/३	५६/२०	व्या	१२	११	तै	२७	१४	३१	४२	१८	१७	२६	८	मी४५।४१	
११	मं	४८	४९	उ	५४	५०	ह	५६/४	५३/१२	व	२१	४०	२९	४२	१८	१८	२७	९	मीने	भ.२१।४० उ. ४८।४९ या. तुला. शुक्रः+
१२	बु	४०	२	रे	४९	४	सि	४७	१६	ब	१४	२५	२६	४३	१७	१९	२८	१०	मे.४९।४	अनु. रविः १।५७(सौरः २५।२१)हस्ते●
१३	गु	३१	३६	अ	४२	१६	व्य	३७	८	कौ	५	४९	२४	४३	१७	२०	२९	११	मेषे	प्रदोषः वैकुंठ १४ *शनिः ४१।१७
१४	शु	२२	२६	भ	३४	५६	व	२७	४३	व	२२	२६	२१	४४	१६	२१	३०	१२	बृ.४८।५	भ. २२।२६ उ. ४८।० या.
१५	श	१३	३४	कृ	२७	३५	प	१६	२६	ब	१३	३४	१९	४४	१६	२२	१	१३	वृषे	मन्वादिः रा. मार्गशीर्षारम्भः

३१पं.का.शु.२सू.इ.१७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	५	५	३	६
२३	२६	११	८	१८	१२	२१	२३
३०	५७	३२	५०	२३	१८	४२	५
५८	११	४२	१०	२	१४	१४	३३
६०	४४	३९/२३	११	७१	६	३	६०
१७	१७	ब	३८	२९	१४	११	३०

गोचरग्रहाः

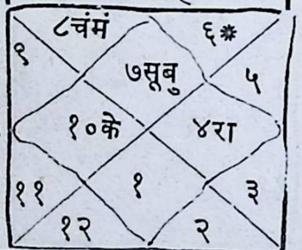

का. शु. ७ शनी
बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३
न.४ बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्यादिभावे सम-
ता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु. ८सू.इ.१७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	५	५	५	३	७
०	२	११	१०	२६	१३	२१	०
३३	१०	३२	४	५५	०	१९	९
४७	५५	२८	४४	१२	२२	५८	३७
६०	४४	४०/५५	११	७२	५	३	६०
३०	३१	मा	२	२०	४६	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५	१३	रो	२१	३७	शि	२८/६	५२/४९	कौ	५	१३	२६/१६	४५/६	१५/५	२३	२	१४	मि४९।७	विशाखायां बुधः ४१।६
२	र	५२	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	चं	५२	२६	मृ	१६	३८	सा	४९	२६	व	२५	१४	१३	४५	१५	२४	३	१५	मिथुने	भ.२५।१४उ.५२।२६या. स्वात्यांशुक्रः १/३ २/६
४	मं	४८	४२	आ	१२	८	शु	४२	५१	ब	२०	३४	११	४६	१४	२५	४	१६	क.५७।२	चतुर्थी व्र. +दिसम्बर मा.१२ता.३
५	बु	४७	२२	पु	११	४०	शु	३७	५६	कौ	१८	२	८	४६	१४	२६	५	१७	कर्के	
६	गु	४७	१८	पु	१२	३३	ब्र	३३	५५	ग	१७	२०	६	४७	१३	२७	६	१८	कर्के	भ. ४७।१८ उ.
७	शु	५०	४७	श्ले	१५	१४	ऐं	३३	२३	वि	१९	२	३	४७	१३	२८	७	१९	सिं१५।१४	भ. १९।२ या.
८	श	५५	२	म	१९	५५	वै	३३	४०	बा	२२	५५	१	४८	१२	२९	८	२०	सिंहे	
९	र	६०	०	पू	२६	८	वि	३४	१६	तै	२७	५२	२५/५९	४८	१२	३०	९	२१	कं.४२।५५	पूषायां भौमः ५८।१९
९	चं	०	४१	उ	३३	१०	प्री	३८	२०	ग	०	४१	५७	४९	११	१	१०	२२	कन्यायां	भ. ३३।४८ उ. बृश्चिके बुधः २२।२८+
१०	मं	६	५७	ह	४०	३७	आ	३८	४३	वि	६	५७	५५	४९	११	२	११	२३	कन्यायां	भ. ६।५७ या. ज्येष्ठायां रविः १२।७×
११	बु	१२	४०	चि	४८	२६	सौ	४०	५०	बा	१३	४०	५३	४९	११	३	१२	२४	तु.१४।३४	अनु. बुधः ३९।२१ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	गु	२०	२	स्वा	५६	३९	शो	४३	२२	तै	२०	८	५१	५०	१०	४	१३	२५	तुलायां	विशाखायां शुक्रः ५८।२ प्रदोषः
१३	शु	२६	१	वि	६०	०	अ	४५	८	व	२६	१	४५	५०	१०	५	१४	२६	वृ.४६।४३	भ. २६।१ उ. ५८।२८ या.
१४	श	३०	५६	वि	३	२५	सु	४६	२१	श	३०	५६	४८	५०	१०	६	१५	२७	वृश्चिके	×(सौरः ३२।२१)
३०	र	३४	५२	अ	८	९	धृ	४२	१५	च	२	५४	४६	५१	९	७	१६	२८	वृश्चिके	हस्ते २ गुरुः ३/३ ५/३ बुधास्तः पूर्वस्यां २।२

३३पं. मा.कृ.१सू.इ.१६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	५	६	५	३	७
७	७	१९	११	५	१३	२०	७
३७	२८	३०	१३	३२	३९	५७	१५
३७	३७	०	५५	१७	४३	४३	१०
६०	४४	७४	१०	७२	५	३	६०
४२	५७	४	२०	४५	१९	११	५३

३४पं. मा.कृ.९सू.इ.१६।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	५	६	५	३	७
१४	१२	२८	१२	१४	१४	२०	१४
४२	४८	२३	१८	८	१५	३५	२१
५४	१८	४६	४०	६	१४	२७	५६
६०	४५	८७	९	७२	४	३	६१
५०	८	४०	३५	५८	५२	११	३

३५पं.मा.कृ.३०सू.इ.१६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	५	६	५	३	७
२१	१८	८	१३	२२	१४	२०	२१
४८	९	४१	१७	४८	४७	१३	२९
५८	२२	२०	१३	५३	१३	१२	४२
६०	४५	९२	८	७३	४	३	६१
५६	२१	४९	४३	१४	२३	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः	सं. २०३७	शाकः	१९०२								दि.	उ.	.अ	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽह्र्गणः२८०४ स.१९८०
१	चं	३७	३४	ज्ये	१२	३४	शू	४५	१३	किं	६	१३	२५/४५	६/५५	५/९	८	१७	२९	वृ.१२।३४	
२	मं	३९	११	मू	१५	७	गं	४३	४६	बा	८	२३	४४	५१	९	९	१८	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	३९	४७	पू	१७	४७	वृ	४१	१६	तै	९	२९	४२	५२	८	१०	१९	१	म.३३।५	सफर २
४	गु	३९	२५	उ	१९	०	ध्रु	३७	५०	व	९	३६	४१	५२	८	११	२०	२	मकरे	भ.९।३६ उ.३९।२५या. आश्ले.१ राहुः*
५	शु	३७	५८	श्र	२०	२८	व्या	३३	५६	ब	८	४१	४०	५२	८	१२	२१	३	कु.५०।१७	ज्येष्ठायां बुधः ३३।३५
६	श	३५	२८	ध	२०	७	ह	२९	१६	कौ	६	४३	३९	५२	८	१३	२२	४	कुम्भे	वृश्चिके शुक्रः २१९ चंपा ६
७	र	३१	८	श	१८	४१	व	२३	३७	ग	३	१८	३८	५२	८	१४	२३	५	कुम्भे	भ. ३१।८ उ. ५९।४० या.
८	चं	२८	१०	पू	१६	२८	से	१६	२४	ब	२८	१०	३८	५२	८	१५	२४	६	मी २।२	मूले धनुष्यर्कः १९।१९ (सौरः ३६।५)=
९	मं	२३	७	उ	१३	११	व्य	१०	३४	कौ	२३	७	३७	५३	७	१६	२५	७	मीने	=अनु. शुक्रः ४५।३८
१०	बु	१७	२१	रे	९	२०	व	२/५०	५९/४८	ग	१७	२१	३७	५३	७	१७	२६	८	मे.९।२०	भ. ४४।१८ उ.
११	गु	११	१६	अ	४	३४	शि	४५	४७	वि	११	१६	३७	५३	७	१८	२७	९	मेपे	भ. ११।१६ या. उषा. भौमः १२।३९×
१२	शु	३	३९	भ	०/१४	५३/२८	सि	३६	४३	बा	३	३९	३६	५३	७	१९	२८	१०	बृ.१३।३६	प्रदोषः ×मोक्षदा ११ ब्र. गीताजयंती
१३	शु	५२	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*श्रवण ३ केतुः २५।१९
१४	श	४८	५९	रो	४८	१६	सा	२७	३३	ग	२१	४४	३६	५३	७	२०	२९	११	वृषे	भ. ४८।५९ उ.
१५	र	४२	२९	मृ	४३	२४	शु	१८	४४	वि	१५	४४	३६	५३	७	२१	३०	१२	मि१६।५०	भ. ५५/४४ या. मूलेधनुषि बुध ३/० दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.७ र.इ.१६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	५	७	५	३	७
२८	२३	१९	१४	१	१५	१९	२८
५५	३३	२५	१०	३०	१४	५०	३८
५२	३२	१६	४१	३६	४६	५६	२५
६१	४५	९६	७	७३	३	३	६१
०	३३	३८	४३	२५	४०	११	१९

गोचरग्रहाः

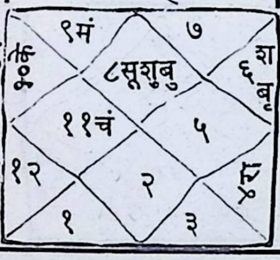

मार्गशीर्ष शु. ८ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु.४५ घा. भावे समर्घता शु. उ. पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

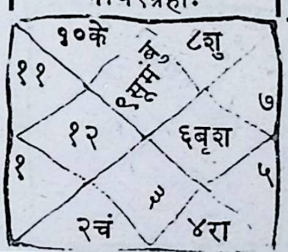

३७पं.मा.शु.१५ र.इ.१६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	७	५	३	८
६	२९	०	१४	१०	१५	१९	५
३	०	२३	५६	१४	३८	२८	४७
२९	०	५६	१७	२०	२	४०	५०
६१	४२	९८	६	७३	३	३	६१
४	४८	४३	४०	४३	१	१	२२

ति.	पौष	कृष्णपक्ष	सं. २०३७	शाकः	१९०२								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविदक्षिणे मार्ग. कृष्णेतिपहाराष्ट्रा
१	चं	३६	५०	आ	४०	३०	शु	१०	४७	बा	९	४०	२५/३६	६/५३	५/७	२२	१	१३	मिथुने	मकरे भौमः ३४।३९ रा. पौषारंभः
२	मं	३२	५१	पु	३७	४७	ब्र	३/३९	५४/५२	तै	१	१०	३६	५३	७	२३	२	१४	क.२३।२८	
३	बु	३०	३२	पु	३६	२८	वै	५३	३८	व	१	४१	३७	५३	७	२४	३	१५	कर्के	भ. १।४१ उ. ३०।३२ या. चतुर्थी ब्र.
४	गु	३०	२	श्ले	३७	५४	वि	४९	५३	ब	०	१७	३७	५३	७	२५	४	१६	सिं३७।५४	
५	शु	३२	१	म	४०	५४	प्री	४८	५१	कौ	१	२	३७	५३	७	२६	५	१७	सिंहे	ज्येष्ठायां शुक्रः २१।४३
६	श	३५	३८	पू	४६	१४	आ	४९	५४	ग	३	४९	३८	५२	८	२७	६	१८	सिंहे	भ. ३५।३८ उ.
७	र	४०	४७	उ	५२	४९	सौ	५१	९	वि	८	११	३८	५२	८	२८	७	१९	कं.२।५३	भ.१६/४या. पूषा.रविः २४।१५ (सौरः ३७/४३)
८	चं	४६	४९	ह	५९	५४	शो	५२	७	बा	१३	४७	३९	५२	८	२९	८	२०	कन्यायां	पूफा. बुधः २२।५४
९	मं	५२	५०	चि	६०	०	अ	५५	२५	तै	१९	५०	४०	५२	८	३०	९	२१	तु.३३।४४	
१०	बु	५९	५७	चि	७	३५	सु	५७	४१	व	२६	२३	४०	५२	८	३१	१०	२२	तुलायां	भ. २६।२३ उ. ५९।५७ या.
११	गु	६०	०	स्वा	१५	४	धृ	५९	२३	ब	३२	५०	४१	५२	८	१	११	२३	तुलायां	जनवरी मा.१ ता.३१ सन्१९८१ सफला*
११	शु	५	४३	वि	२१	५७	शू	६०	०	बा	५	४३	४२	५२	८	२	१२	२४	बृ.५।१४	सफला ११ ब्र. वै. *११ ब्र. स्मा.
१२	श	१०	३७	अ	२७	३५	शू	०	३०	तै	१०	३७	४३	५१	९	३	१३	२५	बृश्चिके	प्रदोषः
१३	र	१४	४	ज्ये	३१	५७	गं	०/३३	५८/५३	व	१४	४	४४	५१	९	४	१४	२६	ग्र.३१।५७	भ.१४/४ उ.४५।४या. श्रवणेभौमः १९।३८
१४	चं	१६	५	मू	३४	३८	ध्रु	५७	२०	श	१६	५	४६	५१	९	५	१५	२७	धनुषि	=बुधोदयः पश्चिमायाम् ३४।१
३०	मं	१६	४९	पू	३७	२९	व्या	५४	२	ना	१६	४९	४७	५१	९	६	१६	२८	म.५१।४९	मूले धनुषि शुक्रः ६।२४ उषा. बुधः ३५/५३=

३८पं.पौ.कृ.७ र.इ.१५।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	५	७	५	३	८
१३	४	११	१५	१८	१५	१९	१२
११	२७	२८	३५	५९	५६	६	५७
३१	४७	३०	२०	१७	२४	२५	४२
६१	४५	९९	५	७३	२	३	६१
६	४८	५१	३२	५०	१९	११	२६

गोचरग्रहाः

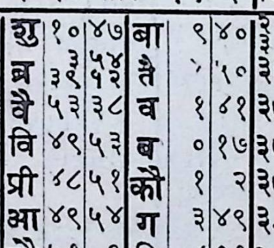

इस मास में मकर का मंगल घृत तेल तिल अन्डी गुड़ खां-ड शक्कर अनाज गल्लामें मंदी कर के तेजी करेगा।

गोचरग्रहाः

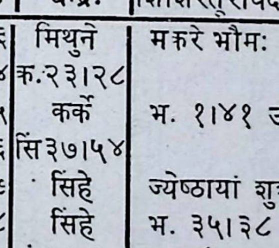

३९पं.पौ.कृ.१३ र.इ.१५।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	५	७	५	३	८
२०	९	२२	१६	२७	१६	१८	२०
१९	५७	४३	५	४३	९	४४	७
२६	४	२६	५३	४४	३६	९	३९
६१	४६	०	४	७३	१	३	६१
६	२	४९	१९	५६	३८	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०३७	शाकः १९०२									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२८३४ स.१९८१
१	बु	१५	५५	उ	३७	५१	ह	४९	४९	ब	१५	५५	२५/४९	६/५०	५/१०	७	१७	२९	मकरे	चंद्रदर्शनम्
२	गु	१४	८	श्र	३६	२२	व	४४	५९	कौ	१४	८	५१	५०	१०	८	१८	१	मकरे	मकरे बुधः ४७।४१ रविलावल ३
३	शु	११	२२	ध	३५	५	सि	३९	१०	ग	११	२२	५२	५०	१०	९	१९	२	कुं.५।४३	भ. ३९।३६ उ.
४	श	७	५०	श	३३	५७	व्य	३३	१५	वि	७	५०	५४	४९	११	१०	२०	३	कुम्भे	भ. ७।५० या. उषा. रविः ५६/४९ सौरः ३९/१०
५	र	३	५१	पू	३०	२८	व	२७	१	बा	३	५१	५६	४९	११	११	२१	४	मी१६।२०	
६	र	५५	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५४	५९	उ	२७	३२	प	२०	५	ग	२७	१७	५८	४८	१२	१२	२२	५	मीने	भ. ५४।५९ उ.
८	मं	५०	७	रे	२४	२२	शि	१३	१०	वि	२२	३२	२६/५	४८	१२	१३	२३	६	मे.२४।२२	भ. ३३/२ या. मकरेऽर्कः ४५/२३ (सौरः ५४/३५)
९	बु	४५	२२	अ	२१	२	सि	६/१	५२/३५	बा	१७	४४	३	४७	१३	१४	२४	७	मेषे	श्रवणे बुधः ४२।२२
१०	गु	३९	३३	भ	१७	१६	शु	५०	५८	तै	१२	२८	५	४७	१३	१५	२५	८	वृ.३१।१०	अस्तो भौमः १४।३०
११	शु	३४	१०	कृ	१२	५२	शु	४२	४५	व	६	५१	८	४६	१४	१६	२६	९	वृषे	भ ५६/१ उ. ३४/६० या. पूषाशुक्रः ४१/४ पुत्रदा ११ब्र.
१२	श	२८	२८	रो	९	१७	ब्र	३५	५४	ब	१	२६	१०	४६	१४	१७	२७	१०	मि३७।२७	हस्ते ३ गुरुः ५४।१६
१३	र	२३	४०	मृ	५	३७	ऐं	२८	४९	तै	२३	४०	१२	४६	१४	१८	२८	११	मिथुने	वक्री शनिः ५५।४५ प्रदोषः
१४	चं	१९	११	आ	३	१३	वै	२२	२०	व	१९	११	१५	४५	१५	१९	२९	१२	क.४७।२	भ. १९।११ उ. ४७।३१ या.
१५	मं	१५	५१	पु	१	३९	वि	१६	५२	ब	१५	५१	१७	४५	१५	२०	३०	१३	कर्के	अभि.प्र.रविः १/६ (सौरः ३५/५७) माघस्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.५ र.इ.१५।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	५	८	५	३	८
२७	१५	४	१६	६	१६	१८	२७
२७	२६	१६	२७	३०	२७	२१	१७
४०	५३	४८	३२	०	१०	५४	३१
६१	४६	७/०	३	७२	०	३	६१
६	१३	९/२	६	५६	५६	११	२४

गोचरग्रहाः

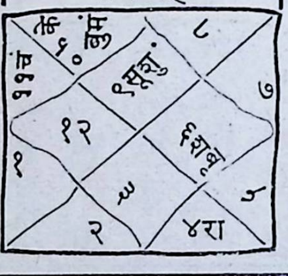

पौष शु. ८ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा. २न.३बालावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यादि भावे समता) शु. पू. ।

गोचरग्रहाः

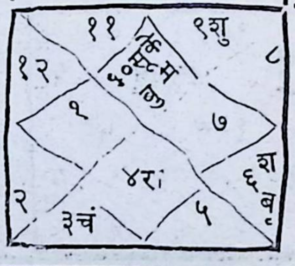

४१पं.पौ.शु.१३ र.इ.१५।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	८	५	३	९
४	२०	१६	१६	१५	१६	१७	४
३५	५८	१	४०	१६	२०	५९	२७
३१	५	४४	३४	५०	४९	३८	०
६१	४६	७/०	१	७४	०	३	६१
३	१८	४/३	३५	२	४	११	१९

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०३७	शाकः १९०२									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	बु	१३	५१	पु	०	५१	प्री	१२	२६	कौ	१३	५१	२६/२०	६/४४	५/१६	२१	१	१४	कर्के	धनिष्ठा. भौमः १९।४० रा. माघारंभः
२	गु	१४	५	श्ले	१	५१	आ	९	४	ग	१४	५	२२	४४	१६	२२	२	१५	सिं१।५१	भ. ४४।२७ उ. धनिष्ठायां बुधः३३।२०
३	शु	१४	५०	म	४	३३	सौ	७	३४	वि	१४	५०	२५	४३	१७	२३	३	१६	सिंहे	भ.१४।५०या.श्रवणेरविः ३४।३१ (सौरः*
४	श	१७	५७	पू	८	५१	शो	६	४९	बा	१७	५७	२७	४३	१९	२४	४	१७	कं.२५।३५	अभि. नि. रविः २७।० (सौरः ३४।१०)
५	र	२२	२८	उ	१४	४६	अ	७	१९	तै	२२	२८	३०	४२	१८	२५	५	१८	कन्यायां	*४१।५४ चतुर्थी ब्र.
६	चं	२८	८	ह	२१	३५	सु	८	४८	व	२८	८	३३	४१	१९	२६	६	१९	तु.५५।२०	भ. २८ उ. कुंभे बुधः ४६/५१ वक्री गुरुः ३६/४६
७	मं	३४	५१	चि	२९	४	धृ	१०	५३	वि	१	२५	३६	४१	१९	२७	७	२०	तुलायां	भ. १।२५ या. उषा. शुक्रः २३।१२
८	बु	४१	७	स्वा	३६	४०	शू	१३	१३	बा	७	५३	३९	४०	२०	२८	८	२१	तुलायां	
९	गु	४७	८	वि	४३	४५	गं	१५	१७	तै	१४	७	४२	४०	२०	२९	९	२२	वृ.२६।५८	कुंभे भौमः ३३।१४
१०	शु	५२	१०	अ	५०	५९	वृ	१६	४०	व	१९	३८	४६	३९	२१	३०	१०	२३	वृश्चिके	भ.१९।३८ उ.५२।१०या. मकरेशुक्रः १२/१०+
११	श	५५	५२	ज्ये	५४	४२	ध्रु	१७	८	ब	२३	१	४९	३८	२२	३१	११	२४	ध.५४।४२	ज्ञातेबुधः४७।११ वक्रीहस्ते२ गुरुः३८।१९=
१२	र	५७	५६	मू	५७	३२	व्या	१६	३२	कौ	२६	५३	५२	३८	२२	१	१२	२५	धनुषि	**फरवरी मा. २ ता. २८**
१३	चं	५८	१०	पू	५९	२०	ह	१४	३२	ग	२८	३	५५	३७	२३	२	१३	२६	धनुषि	भ. ५८।१० उ. प्रदोषः
१४	मं	५६	२८	उ	५८	५४	व	११	४	वि	२७	१९	५९	३६	२४	३	१४	२७	म.१४।१४	भ. २७।१९ या. +पातस्पर्शः ३८।२३
३०	बु	५३	३०	श्र	५८	१	सि	६	२३	च	२५	४१	२७/२	३६	२४	४	१५	२८	मकरे	=पातमोक्षः५।३४ षट्तिला ११ ब्र.

४२पं.मा.कृ.५ र.इ.१५।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	८	५	३	९
११	२६	२७	१६	२४	१६	१७	११
४२	२९	३४	४३	२	१८	३७	३५
५८	५३	५२	४८	३५	४०	२२	५१
६०	४६	९४	०	७४	३/८	३	६१
५९	१८	१३	१६	८	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

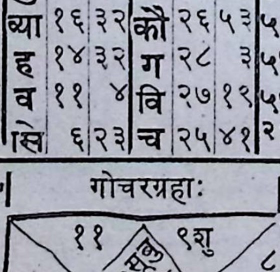

इस मास में ५ बुधवार है, रस पदार्थ तेज होगा सुदी में अनाज रुई सोना चांदी तेज हो ।

गोचरग्रहाः

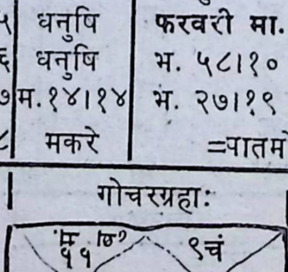

४३पं.मा.कृ.१२ र.इ.१५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	५	९	५	३	९
१८	२	७	१६	२	१६	१७	१८
४९	२	१२	३९	४७	११	१५	१३
२६	२८	५७	१८	५६	६	७	५३
६०	४६	६८	१/७	७४	२६/१	३	६१
५५	१८	४६	ब	१४	ब	११	४

*चंशवृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:२८६३ स.१९८१
१	गु	४९	१०	ध	५४	१३	व्य	३१	५३/२७	किं	२१	२०	२७/६	३५/६	२५/५	५	१६	२९	कुं.२६।७	धलिष्ठा. रविः ४२।५२ (सौरः ४७।४५)
२	शु	४३	५५	श	५०	२६	प	४६	४३	बा	१६	३२	९	३४	२६	६	१७	३०	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
३	श	३८	१६	पू	४६	३१	शि	३९	१०	तै	११	५	१३	३३	२७	७	१८	१	मी३२।२९	शतेभौमः २६ श्रवणेशुक्रः १५ रविलाखर४
४	र	३२	२९	उ	४२	३८	सि	३०	५२	व	५	२२	१६	३३	२७	८	१९	२	मीने	भ.५।२२ उ.३२।२९या. वक्रीबुध:४२।१
५	चं	२६	३१	रे	३८	३०	सा	२३	१३	बा	२६	३१	२०	३२	२८	९	२०	३	मे.३८।३०	वसंत ५ श्री ५
६	मं	२१	३	अ	३४	४६	शु	१५	०	तै	२१	३	२४	३१	२९	१०	२१	४	मेषे	बुधास्तः पश्चिमायाम्
७	बु	१६	२६	भ	३१	२६	शु	८	२५	व	१६	२६	२७	३१	२९	११	२२	५	वृ.४५।४०	भ.१६/२६ उ.४३/३७या. पातस्पर्शः ४०/१ मोक्षः ५६/३०
८	गु	१०	४९	कृ	२८	२२	ब्र	११	५२/२८	ब	१०	४९	३१	३०	३०	१२	२३	६	वृषे	कुंभेऽर्कः १८ (सौरः ३१/४२) पुष्य ४ राहुः×
९	शु	६	२३	रो	२५	४३	वै	४८	२०	कौ	६	२३	३५	२९	३१	१३	२४	७	मि५४।४०	×श्रवण २ केतुः १८।१८ भीष्माष्टमी
१०	श	२	१४	मृ	२३	३७	वि	४२	२९	ग	२	१४	३८	२८	३२	१४	२५	८	मिथुने	भ.३०।३८ उ.५९।२या. जया ११ व्र.वै.
११	श	५६	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	र	५६	२	आ	२२	१०	प्री	३९	१४	ब	२७	३२	४२	२८	३२	१५	२६	९	मिथुने	वक्री धनिष्ठायां बुधः ५७/२४ जया११व्र. स्मा.
१३	चं	५४	४	पु	२१	२०	आ	३२	३९	कौ	२५	३	४६	२७	३३	१६	२७	१०	क.६।३९	प्रदोषः
१४	मं	५३	१६	पु	२१	४१	सौ	२८	५१	ग	२३	४०	५०	२६	३४	१७	२८	११	कर्के	भ. ५३।१६ उ. धनि. शुक्रः ४०।२३
१५	बु	५३	२६	श्ले	२३	७	शो	२५	५६	वि	२३	२१	५४	२५	३५	१८	२९	१२	सिं२३।७	भ २३।२१या. शते रविः ५४/२८ [सौरः ५७/४]

४४पं.मा.शु.४ र.इ.१६।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	५	९	५	३	९
२५	७	११	१६	११	१५	१६	२५
२५	३३	१३	२३	३४	५८	५२	५०
१६	५०	४१	४६	१	२६	५१	४०
६०	४६	४	३४/२	७४	३/७	३	६०
४७	२२	३८	व्र	२२	ब	११	५५

गोचरग्रहाः

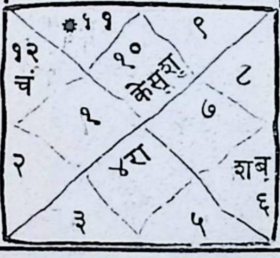

माघ शु. ८ गुरौ
कुम्भेऽर्कःप्र.वा.३
नं.३ बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
(धान्य भावे समता)
शुक्र पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

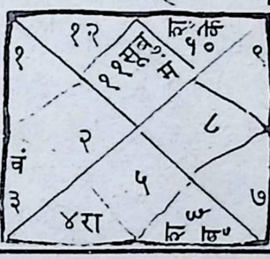

४५पं.मा.शु.१२र.इ.१६।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	५	९	५	३	१०
३	१३	७	१५	२०	१५	१६	२
०	६	२८	५९	२१	४१	३०	५६
४	४	१२	५६	१८	६	३६	४३
६०	४६	७०/२६	३/५२	७४	३/४२	३	६०
३७	२२	ब	ब	२६	ब	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५५	१९	म	२५	३९	अ	२४	३१	बा	२४	२५	२७/५८	६/२४	५/३६	१९	३०	१३	सिंहे	
२	शु	५८	३२	पू	२९	३७	सु	२४	५५	तै	२६	५५	२/२	२४	३६	२०	१	१४	कं.४६।२	रा. फाल्गुनारम्भः
३	श	६०	०	उ	३४	५४	धृ	२३	४७	व	३०	४२	६	२३	३८	२१	२	१५	कन्यायां	भ. ३०।४२ उ.
३	र	२	५२	ह	४१	१३	शू	२५	२	वि	२	५२	१०	२२	३८	२२	३	१६	कन्यायां	भ.२।५२या. वक्रीमकरे बुधः२।५१ च.व्र.
४	चं	८	१३	चि	४८	२३	गं	२६	४६	बा	८	१३	१४	२१	३९	२३	४	१७	तु.१४।४७	कुम्भेशुक्रः ३७/१ बुधोदयःपूर्वस्याम् ३०।१८×
५	मं	१४	३३	स्वा	५५	५५	वृ	२८	१	तै	१४	३३	१८	२०	४०	२४	५	१८	तुलायां	पूभा. भौमः ४।५४
६	बु	२१	७	वि	६०	०	ध्रु	३१	१९	व	२१	७	२२	२०	४०	२५	६	१९	वृ.४६।५८	भ. २१।७ उ. ५३।४१ या.
७	गु	२६	१५	वि	३	२६	व्या	३३	२५	ब	२६	१५	२६	१९	४१	२६	७	२०	वृश्चिके	
८	शु	३२	५५	अ	१०	३४	ह	३४	३८	कौ	३२	५५	३०	१८	४२	२७	८	२१	वृश्चिके	×शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १०।४८ शु.अ.पू.
९	श	३७	२	ज्ये	१६	७	व	३४	५२	तै	४	५८	३४	१७	४३	२८	९	२२	ध.१६।७	शते शुक्रः २१।३२
१०	र	३९	४४	मू	२०	३५	सि	३२	४८	व	८	२३	३८	१६	४४	१	१०	२३	धनुषि	भ. २३/२ उ. ३९/४४ या. **मार्च मा.३ ता. ३१**
११	चं	४०	१६	पू	२२	५७	व्य	३१	१०	ब	९	५९	४२	१६	४४	२	११	२४	म.३७।७	विजया ११ व्र.
१२	मं	३८	५९	उ	२३	४०	व	२६	५८	कौ	९	३७	४६	१५	४५	३	१२	२५	मकरे	
१३	बु	३५	४४	श्र	२२	१६	प	२१	१६	ग	७	२२	५०	१४	४६	४	१३	२६	कु.५०।३१	भ.३५/४४उ. पूभा.रविः १३/३ (सौरः ५१/५१ मार्गी*
१४	गु	३०	३१	ध	१८	४६	शि	१४	२१	वि	३	७	५४	१३	४७	५	१४	२७	कुम्भे	भ. ३।७ या. महाशिवरात्री वैष्णवानाम्
३०	शु	२४	८	श	१४	७	सि	६/८	५१/४	ना	२४	८	५८	१२	४८	६	१५	२८	मी५५।४	*बुधः ३५ प्रदोषः महाशिवरात्री व्र.वै.

४६पं.फा.कृ.३ र.इ.१६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	५	९	५	३	१०
१०	१८	२९	१५	२९	१५	१६	१०
३	३६	४३	२८	४	१९	८	१
३२	३६	५४	१	८	२३	२०	१६
६०	४६	७०/२०	५/४	७४	२३	३	६०
२५	१२	ब	ब	२६	ब	११	३१

गोचरग्रहाः

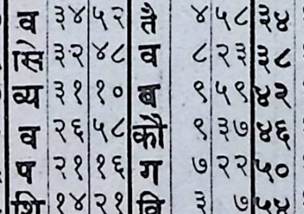

इस मास में शुक्र का अस्त है। यह वर्षाकारक है हर प्रकार की वस्तु तेज होगी। सोना चांदी तेज।

गोचरग्रहाः

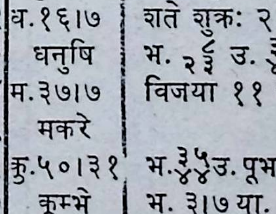

४७पं.फा.कृ.१०र.इ.१६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	५	१०	५	३	१०
१७	२४	२६	१४	७	१४	१५	१७
५	६	२५	४९	४८	५३	४६	४
४६	४७	२६	५	५७	४६	४	६
६०	४६	१३/५०	६/१२	७४	३/४२	३	६०
१२	१२	ब	ब	२६	ब	११	२०

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

*बुमं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८९३ स.१९८१
१	श	१६	४६	पू	८	४३	शु	४८	०	ब	१६	४६	२९/२	१६/२	४८/५	७	१६	२९	मीने	चंद्रदर्शनम्
२	र	९	२	उ	४८/२	५४/६	शु	३८	३८	कौ	९	२	६	११	४९	८	१७	१	मे.५६।५४	मीनेभौमः ४५/७ फुलरिया२ जमादिलावल५
३	चं	१	१६	अ	५१	१९	ब्र	२९	२४	ग	१	१६	१०	१०	५०	९	१८	२	मेषे	भ. २७।३२ उ. ५३।४९ या.
४	चं	५२	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	मं	४७	४	भ	४६	३५	ऐं	२०	४६	ब	२०	२६	१४	९	५१	१०	१९	३	मेषे	
६	बु	४०	५८	कृ	४२	३३	वै	१२	५९	कौ	१४	१	१९	८	५२	११	२०	४	वृ.०।३४	पूभा. शुक्रः ४।१० कुंभे बुधः १०।३
७	गु	३६	०	रो	३९	२८	वि	३०/४	४३/५४	ग	८	२९	२३	७	५३	१२	२१	५	वृषे	भ. ३६।० उ.
८	शु	३१	५४	मृ	३७	३२	आ	५३	४५	वि	३	५७	२७	७	५३	१३	२२	६	मि८।३०	भ.३१।५७या. उभा.भौमः ४/३ होलाष्टकः
९	श	२९	८	आ	३६	३०	सौ	४८	५२	बा	०	३१	३२	६	५४	१४	२३	७	मिथुने	मीनेऽर्कः ११।३० (सौरः १२।११) वक्री+
१०	र	२७	१५	पु	३६	४४	शो	४५	२१	ग	२७	१५	३६	५	५५	१५	२४	८	क.२१।४३	भ. ५६।५३ उ. +हस्ते १ गुरुः ३२।५
११	चं	२६	३२	पु	३७	५८	अ	४२	२८	वि	२६	३२	४०	४	५६	१६	२५	९	कर्के	भ. २६।३२ या. आमलकी ११ व्र.
१२	मं	२६	५४	श्ले	४०	२३	सु	४०	२२	बा	२६	५४	४४	३	५७	१७	२६	१०	सिं४०।२३	उभा. रविः ३२।३४ (सौरः ३३/४७) प्रदोषः
१३	बु	२८	११	म	४३	४३	धृ	३९	१८	तै	२८	११	४९	२	५८	१८	२७	११	सिंहे	शते बुधः ५७।३२
१४	गु	३०	२४	पू	४७	५८	शू	३९	१०	व	३०	२४	५३	१	५९	१९	२८	१२	सिंहे	भ. ३०।२४ उ. मीने शुक्रः ६।३७
१५	शु	३४	२५	उ	५३	२०	गं	३८	१७	वि	२	३६	५७	१	५९	२०	२९	१३	कं.४।१८	भ. २।३६ या. होलिकादहनम् गोधूल्यां

४८पं.फा.शु.२ र.इ.१७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	५	१०	५	३	१०
२४	२९	२८	१४	१६	१४	१५	२४
६	३६	१५	३	३२	२५	२३	५
२९	४	४०	५४	३५	२६	४९	२९
५९	४६	३०/७	५८/६	७४	१०/४	३	६०
५८	५	मा	ब	३२	ब	११	६

गोचरग्रहाः

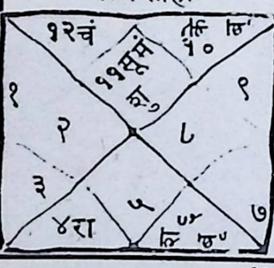

फाल्गुन शु. ९
शनौ मीनेऽर्कः प्र.
वा.३न.४गताल्का
वस्था (ऊभी) मु.
१५ (धान्यादि भावे
महर्वता) शु. पू.।

गोचरग्रहाः

४९पं.फा.शु.१०र.इ.१७।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	५	१०	५	३	११
१	५	३	१३	२५	१३	१५	१
५	४	३१	१४	१५	५४	१	५
४२	१	१६	१०	४३	५०	३३	११
५९	४५	५६	४२/७	७४	२९/४	३	५९
४६	५७	२३	ब	३२	ब	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०३७ शाकः १९०२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श	३९	१३	ह	५९	५१	वृ	३९	४३	बा	६	४९	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	१४	कन्यायां	उभा. शुक्रः ४७।३७ वसन्त १ छारेंडी
२	र	४४	३९	चि	६०	०	ध्रु	४२	२३	तै	११	५६	६	५९/५	१	२२	१	१५	तु.३३।१७	वक्री हस्ते१ शनिः५२।५४ रा.चैत्रारम्भः
३	चं	५०	४७	चि	६	४४	व्या	४४	२०	व	१७	४३	१०	५८	२	२३	२	१६	तुलायां	भ. १७।४३ उ. ५०।४७ या.
४	मं	५६	८	स्वा	१३	३४	ह	४६	५८	ब	२३	२८	१४	५७	३	२४	३	१७	तुलायां	चतुर्थी व्र.
५	बु	६०	०	वि	२१	४९	व	४९	२२	कौ	२९	५२	१८	५६	४	२५	४	१८	वृ.४।४५	
५	गु	३	३४	अ	२९	२३	सि	५१	२१	तै	३	३४	२३	५५	५	२६	५	१९	वृश्चिके	
६	शु	९	२३	ज्ये	३५	५३	व्य	५२	२८	व	९	२३	२७	५५	६	२७	६	२०	ध.३५।५३	भ.९।२३ उ.४१।४७ या. शीतलापूजनम्
७	श	१४	११	मू	४१	२९	व	५१	४१	ब	१४	११	३१	५४	७	२८	७	२१	धनुषि	
८	र	१७	३८	पू	४५	१०	प	५१	१२	कौ	१७	३८	३५	५३	८	२९	८	२२	धनुषि	पूभा. बुधः २।३३
९	चं	१९	२	उ	४७	५	शि	४८	२६	ग	१९	२०	३९	५२	८	३०	९	२३	म.०।३८	भ. ४९।२ उ. रेवत्यां भौमः १८।९
१०	मं	१८	४५	श्र	४६	५९	सि	४४	५	वि	१८	४५	४४	५१	९	३१	१०	२४	मकरे	भ. १८।४५ या. रेवत्यां रविः ०।१७=
११	बु	१६	२४	ध	४४	४८	सा	३८	५३	बा	१६	२४	४८	५०	१०	१	११	२५	कु.१५।५३	रेवत्यां शुक्रः ३१।२१ अप्रेल मा.४ता.३०*
१२	गु	११	५४	श	४०	३३	शु	३०	२१	तै	११	५४	५२	५०	१०	२	१२	२६	कुम्भे	प्रदोषः *पापमोचनी ११ व्र.
१३	शु	५	३६	पू	३५	१०	शु	२१	३१	व	५	३६	५६	४९	११	३	१३	२७	मी२१।३१	भ. ५।३६ उ. ३१।४० या.
१४	शु	५२	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	=(सौरः ०।१५)
३०	श	४९	७	उ	२८	३८	ब्र	११	३९	च	२३	२५	३१/०	४८	१२	४	१४	२८	मीने	मीने बुधः ३२।४५ मन्वादिः

५०पं. चै.कृ. २ र.इ.१७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	५	११	५	३	११
८	१०	११	१२	३	१३	१४	८
३	३०	११	२२	५७	२२	३९	३
१८	१८	२४	८	३६	४४	१८	१८
५९	४५	७०	५२/७	७४	४०/४	३	५९
२९	४७	५१	ब	३२	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

इस मास में धान्य
रुई चावल गेहूँ
गुड खांड तिल
मूंगफली तेल घृत
उड़द मूंग तेज
होगा।

गोचरग्रहाः

५१पं. चै.कृ. ८र.इ.१८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	५	११	५	३	११
१४	१५	२०	११	१२	१२	१४	१४
५९	५४	२२	२७	३९	४९	१७	५९
१३	२५	३५	१४	४७	२३	२	१२
५९	४५	८६	५२/७	७४	४०/४	३	५९
१६	४७	२३	ब	३८	ब	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः लाभः		सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० तेत्रायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८२ भोग्यकलिः ४२६९१८ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०३८ शाकः १९०३ अथास्मिन्वर्षेराजा रविः। मंत्री चन्द्रः। सस्येशो गुरुः। धान्येशो भौमः। मेघेशो रविः। रसेशश्शनिः। नीरसेशो गुरुः। फलेशो रविः। धनेशो बुधः दुर्गेशो रविः। एतेदशाधिकारिणः। तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ८ भावनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेः गतमासादिः ७।१२।४८।५७ भोग्यमासादिः ४।१७।११।३। बार्हस्पत्य दैवतं युगम्। वर्षना मफाल्गुनः। मेघ नाम संवर्तः। रोहिणी निवःसस्तटे। समय निवासो रजक गृहे। समय विश्वा १८। समय वाहनमश्वः। स्तम्भौ २ जलतृणयोः। सोमवत्यमा ३। सोमवती पंचमी २। अंगारकी चतुर्थी १। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी २। रविदशमी ०। समय मुहूर्ताः ३७५। समयदिनानि ३५४। तिथिक्षयः १६। तिथि वृद्धिः १०। उत्पति विश्वा ९९। खपति विश्वा ९३। वर्षा विश्वा १३। धान्यम् ९, तृणम् १३. शीतम् १७. तेज ५. वायु १३ वृद्धिः १५। क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यं १११ सत्यं ।।. धर्म १।।. पाप १८ शनिदृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहणं२चन्द्र व सूर्ययोः।

सं. २०३८ श्रावण कृ. ३०
शुक्रे सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.	
उज्ज.	घ.	०	३	४	
मध्यम	पल.	५९	१९	५८	
रेल्वे	घं.	६	७	८	
टाइम	मि.	५१	४७	२६	

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ८।२८

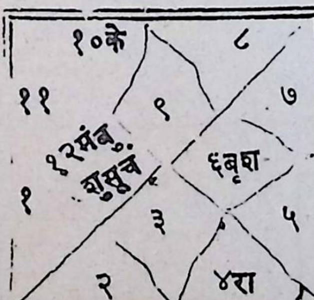

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

माता से कर जोड़ के पूछे भैरव लाल ।
शुभ संवत् अडतीस का शीघ्र कहो सब हाल ।।

भवानी उत्तर

सुणजे भैरव चेत कर में समझाऊं तोय ।
राजा मंत्री देखतां मध्य जमानूं होय ।।
आषाढ़ां हल जोत हो श्रावण मध्यम जान ।
भाद्रव भृगु गुरु योग से जग में हो कल्याण ।।
अठारह विश्वा समय धान्यं विश्वा अंक ।
सबही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ।।
जल तृण के दो स्तंभ है संवत् वाहन अश्व ।
ग्रीष्म धान्य तेजी रहे वर्षा विश्वा विश्व ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ।।

सं. २०३८ पौष शु. १५
शनौ खग्रासं चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घं.	४३	४५	४७	४९	५१
मध्यम	पल	१८	५८	३६	१४	५४
रेल्वे	घं.	११	१२	१	२	३
टाइम	मि.	४६	५०	२९	९	१३

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ६।१४

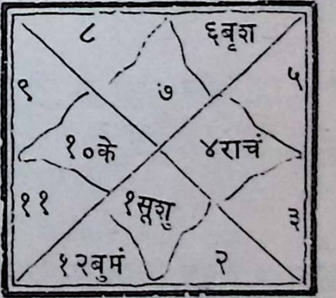

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३४।४६

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ वर्ष फलम् । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविः फलम्-सूर्य नृपे स्वल्प फलाश्च मेघाः स्वल्पंपयो गोपुजनेषुपीड़ा। स्वल्पं-सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्नि बाधा निधनं नृपाणाम् ।। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्-शशिनि मंत्रीगते बहुसस्यवत्यपिधरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुर्वाषिणो जनपदा सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुः फलम्-कणपतौ सुर राजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रस पयांसि वहूनिवसूनि वै ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम्-भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृततैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशो रविः फलम्-जलदपे यदि वासरपेतदा सरसिवरमतेजनता रसम् । यवचणेक्षुनीवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शनिः फलम्-रविसुते रसपेरस-संक्षयोनजलदागददाश्चपयोधराः । अजगवांगजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषुनरा न रसैर्युताः ।। नीरसेशो गुरुः फलम्-हरिद्रापीत वस्तूनि पीतवस्त्रादिकंचयत् । नीरसेशो यदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ।। फलेशो रविः फलम्-द्रुमवती फलपुष्पवतीधरा प्रमुदिता फलभोग विशेषता । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपोरविः ।। धनेशो बुधस्तत्फलम्-द्रविणपोहिमरश्मि-सुतोयदा विविधसंग्रह वस्तुफलार्थदा । द्विजवराजपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेषविशेषितमानसाः ।। दुर्गेशो रवि. फलम्-नयविशेष करस्तरणिस्तदा गतभयानरराज पुरोगमाः । समधिकोन तदा नृपजोन्यजः स्वपथिषु व्रजतां न भयं क्वचित् ।। भावनाम संवत्सरः फलम्-भावाब्दे प्रचुरा रोगाः मध्यसस्यार्घवृष्टयः । राजानो युद्ध निरतास्तथापि सुखिनोजनाः ।। वर्षनाम फाल्गुनः फलम्-सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरेयाम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुनेवत्सरे शुभम् ।। मेघनाम संवर्त फलम्-संवर्ते जल पूरिता । रोहिणी निवासस्तटे फलम्-तटे वृष्टिः सुशोभनाः । समयनिवासो रजकगृहे फलम्-रजके वृष्टिरुत्तमाः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०३८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

बैसाख मासः

शुक्ले १४ रवौ स्वा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।ऽ।।अ.ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे २ गुरौ मूले ल. गो. रे. ६ ऽ।।चौऽ।।

,, ९ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. रे.६ ऽ।।ऽनृ.।ऽ।। भौ. ७ दोषः आवश्यके

शुक्ले ९ गुरौ हस्ते ल. गो. (भौ.७दोषः) रे.७।ऽ।।ऽरो.ऽ।।

,, ११ शनौ स्वा. ल. १ रे. ८ ।।।।ऽ।। चं. ७ पूज्यः

,, १३ चंद्रे अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ऽ।।।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णे ७ बुधे उभा. ल. १ रे. ६ ऽ।।ऽ।ऽ।ऽ दग्धा दोषः आवश्यके

शुक्ले ४ रवौ मघा. ल. १ रे. ९ ।।।।ऽअ.।।। मेषेलग्नांश ७यावत् पश्चात्नक्षत्रांत दोषः

,, ६ भौमे उफा. ल. अन्यगो. रे. ९।ऽवृ.।।।।।।

,, ९ शुक्रे स्वा. ल. गो. १ रे. ८ ।।।।। ऽचौ. ऽ।। गो. धूल्यां भौ. ७ दोषः मेषे चं. ७ पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे ७ बुधे मघा. ल. अन्यगो. ७ रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।।

,, १० शनौ उफा. ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।

,, १० शनौ हस्ते ल. ७ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।। शनि १२ पू.

,, ११ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।।चौऽऽ।।

माघ मासः

कृष्णे ५ गुरौ उफा. ल. ७-८ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

शुक्ले ५ शनौ रेव. ल. अन्यगो. ८ रे.९।।।ऽ।।।।। वृश्चिक-लग्ने रोग पंचकः रेखा ८

,, १० बुधे रोहि. ल. गो. ८ रे. ७।।।।ऽअ.।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः वृश्चिके चं. ७ पूज्यः रेखा ८ अग्नि पंचकाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे ३ गुरौ हस्ते ल. ७-८ रे. ८ ।।।।ऽअ।ऽ।।

,, ७ चंद्रे अनु. ल. १० रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।

,, ८ भौमे अनु. ल. अन्यगो. ७ रे.८ऽ।।।।।ऽ।। तुला लग्ने नृपपंचकः रेखा ७

शुक्ले २ गुरौ उभा. ल. ८-१० रे. ७ ।ऽ।।ऽनृ.ऽ।।

,, ३ शुक्रे रेव. ल. ८-१० रे. ९ ।।।।।।।ऽ दग्धा.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र	शुक्लपक्षः	सं. २०३८	शाकः	१९०३								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २९२२ सन् १९८१
१	र	३९	४३	रे	२१	२३	ऐं	२ ५/१	४९/४०	किं	१४	२५	३ ५/४	५/४७	६/१३	५	१५	२९	मे.२१।२३	संवत्सरारम्भः नवरात्रारम्भः
२	चं	३०	२५	अ	१४	१४	वि	४०	४२	बा	५	४	८	४६	१४	६	१६	३०	मेषे	उभा. बुधः ३४।१० चंद्र द. सिधारा
३	मं	२२	२८	भ	७	१२	प्री	३०	४९	ग	२२	२८	१२	४६	१४	७	१७	१	वृ २०।४३	भ. ४६/१ उ. मत्स्यज. गणगौरी जमादिलाखर६
४	बु	१३	३३	कृ	५/१७	५५/७	आ	२१	४५	वि	१३	३३	१६	४५	१५	८	१८	२	बृषे	भ. १३।३३ या.
५	गु	५	५३	मृ	५२	५८	सौ	१४	१०	बा	५	५३	२०	४४	१६	९	१९	३	मि२४।४१	वक्री उफा. ४ गुरुः ५४।२३
६	शु	१	४	आ	५१	८	शो	७	३३	तै	१	४	२४	४३	१७	१०	२०	४	मिथुने	भ. ५७।४५ उ.
७	शु	५६	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*कामदा ११ ब्र. स्मा.
८	श	५५	२५	पु	५०	४७	अ	१ २/१	५५/५७	वि	२६	३५	२८	४२	१८	११	२१	५	क. ३५।५२	भ. २६।३५ या. बुधास्तः पूर्वस्याम् ५४।३६
९	र	५४	५४	पु	५१	४२	धृ	५५	२४	बा	२५	७	३२	४२	१८	१२	२२	६	कर्के	अश्वि. मेषे शुक्रः १८।७ रामनवमी
१०	चं	५५	४९	श्ले	५४	४२	शू	५४	१	तै	२५	२१	३६	४१	१९	१३	२३	७	सिं५४।४२	अश्वि. मेषेऽर्कः ३४।२० (सौरः ३४।४९)
११	मं	५८	१	म	५८	३४	गं	५३	५	व	२६	५५	४०	४०	२०	१४	२४	८	सिंहे	भ. २६।५५ उ. ५८।१ या. रेवत्यां बुधः ५/१ १/८*
१२	बु	६०	०	पू	६०	०	वृ	५३	३७	ब	२९	४२	४३	३९	२१	१५	२५	९	सिंहे	कामदा ११ ब्र. वै.
१२	गु	१	२५	पू	३	३४	ध्रु	५४	२०	बा	१	२५	४७	३९	२१	१६	२६	१०	कं. १९।५९	अश्वि. मेषे भौमः ४८।४ पुष्यः ३ राहुः=
१३	शु	५	४५	उ	९	१७	व्या	५५	५६	तै	५	४५	५१	३८	२२	१७	२७	११	कन्यायां	=श्रवण १ केतुः १८।१९ प्रदोषः
१४	श	१०	५६	ह	१६	५	ह	५७	४७	व	१०	५६	५५	३७	२३	१८	२८	१२	तु. ४९।३२	भ. १०।५६ उ. ४३।४३ या.
१५	र	१६	३१	चि	२२	५९	व	६०	०	ब	१६	३१	५८	३६	२४	१९	२९	१३	तुलायां	हनुमज्जन्ती

५२पं चै.शु.१ र.इ.१८।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	५	११	५	३	११
२१	२१	१	१०	२१	१२	१३	२१
५३	१६	१५	३३	२०	१६	५४	५३
३१	४९	२९	५८	४९	५५	४६	२३
५९	४५	९८	६/३८	७४	४/३४	३	५९
४	३७	५०	ब	३८	ब	११	४

गोचरग्रहाः

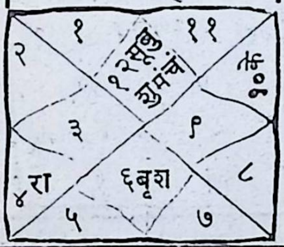

चै. शु. १० चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. बा.३ न.४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावेमहर्घता शु.उ.पू. ।

गोचरग्रहाः

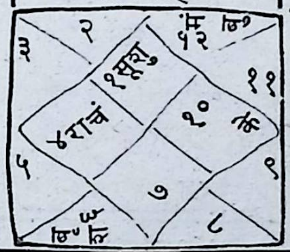

१पं. चै.शु.१० च.इ.३४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	५	०	५	३	११
०	२७	१५	९	१	११	१३	२९
०	३३	३०	३३	३४	३०	२८	५९
०	४७	४७	२९	४८	२६	४२	३२
५८	४१	९९	७/१४	७४	४/१३	३	५८
४४	१७	२७	ब	३८	ब	११	४५

ति.	वैशाख	कृष्णपक्षः	सं. २०३८	शाकः	१९०३								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	बसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्रः
१	चं	२३	४६	स्वा	३०	३७	व	०	३	कौ	२३	४६	३ ३/२	५/३६	६/२४	२०	३०	१४	तुलायाँ	
२	मं	२८	५९	वि	३८	२५	सि	२	२५	ग	२८	५९	६	३५	२५	२१	१	१५	बृ. २१।२८	अश्वि. मेषे बुधः ७।३५ रा. वैशाखारंभः
३	बु	३५	४	अ	४५	३२	व्य	४	४०	व	२	१	१०	३४	२६	२२	२	१६	बृश्चिके	भ. २।१ उ. ३५।४ या.
४	गु	४०	४९	ज्ये	५२	१९	व	६	५५	ब	७	५६	१४	३३	२७	२३	३	१७	ध. ५२।१९	भरण्यां शुक्रः ३।३४ चतुर्थी ब्र.
५	शु	४५	४१	मू	५८	१९	प	८	२४	कौ	१३	१४	१७	३३	२७	२४	४	१८	धनुषि	
६	श	४९	३५	पू	६०	०	शि	९	१९	ग	१७	३८	२१	३२	२८	२५	५	१९	धनुषि	भ. ४९।३५ उ.
७	र	५२	५	पू	५	३५	सि	९	११	वि	२०	५०	२५	३१	२९	२६	६	२०	म. १८।३५	भ. २०।५० या.
८	चं	५२	४५	उ	६	३८	सा	७	४५	बा	२२	२५	२९	३०	३०	२७	७	२१	मकरे	भरण्यां रविः ४/३८ (सौरः १६/७) भरण्यां*
९	मं	५०	५०	श्र	८	२६	शु	४	५६	तै	२१	४७	३२	३०	३०	२८	८	२२	कुः ३८।१७	×पश्चिमायाम् ३८।२४ प्रदोषः [श.उ.प.]
१०	बु	४७	३४	ध	८	१६	शु	३४ ०/४	५४/४	व	१९	१२	३६	२९	३१	२९	९	२३	कुम्भे	भ. १९।१२ उ. ४७।३४ या.
११	गु	४३	३४	श	६	१	ऐं	४८	१३	ब	१५	३४	४०	२८	३२	३०	१०	२४	मी४७।५६	बरूथिनी ११ ब्र. *बुधः २३।२
१२	शु	३६	५२	पू	५५ ५/१	५४/२८	वै	३८	२९	कौ	१०	१३	४३	२७	३३	१	११	२५	मीने	मई मा. ५ ता. ३१
१३	श	२८	३९	रे	४९	२७	वि	२८	४६	ग	२	४६	४७	२७	३३	२	१२	२६	मे. ४९।२७	भ. २८।३९ उ. ५३।५४ या. शुक्रोदयः×
१४	र	१९	९	अ	४१	५३	प्री	१८	४	श	१९	९	५१	२६	३४	३	१३	२७	मेषे	कृत्ति. शुक्रः ५३।५३ कृत्ति. बुधः ३५।५६
३०	चं	९	१४	भ	३४	२५	आ	१ ७/५	४९/८	ना	९	१४	५४	२५	३५	४	१४	२८	बृ. ४७।२१	भरण्यां भौमः ३४।२०

२पं. वै.कृ.१चं.इ.३४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	५	०	५	३	०
६	२	२८	८	१०	११	१३	६
५०	५१	५५	४८	१५	११	६	४९
४२	३६	५९	२२	.०	६	२७	४३
५८	४५	०/१८	६/११	७४	३/५५	३	५८
३१	७	३९	ब	३२	ब	११	२९

३पं. वै.कृ.८ चं.इ.३४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	५	०	५	३	०
१३	८	१३	८	१८	१०	१२	१३
३९	७	४५	९	५३	४५	४४	३८
४३	३७	१४	४	२०	४	११	८
५८	४४	९/१८	५/१	७४	३/४३	३	५८
११	५५	३४	ब	३२	ब	११	१२

४पं.वै.कृ.३० चं.इ.३५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	५	०	५	३	०
२०	१३	२८	७	२७	१०	१२	२०
२७	२०	४२	३६	३१	२२	२१	२४
२२	३५	४०	५४	५५	१६	५५	४९
५८	४४	०/१८	३/५५	७४	२/५६	३	५७
६	३१	२२	ब	३२	ब	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९५२ सन् १९८१
१	चं	४९	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४९	३४	कृ	२६	१०	शो	४५	४८	बा	२४	२२	३२/५७	५/२५	६/३५	५	१५	२९	वृषे	वृषे बुधः १२।२६ चंद्रदर्शनम्
३	बु	४१	३	रो	१९	२२	अ	३६	१९	तै	१५	१९	३३/५	२४	३६	६	१६	१	मि ४६।२	वृषेशुक्रः ३२/४५ अक्षया ३ परशुरामज. रज्जव ९
४	गु	३३	४४	मृ	१३	३७	सु	२७	३८	व	७	२३	४	२३	३७	७	१७	२	मिथुने	भ. ७।२३ उ. ३३।४४ या.
५	शु	२८	१७	आ	९	१८	धृ	२०	४७	ब	१	१	७	२३	३७	८	१८	३	क.५३।९	बुधोदयः पश्चिमायाम् ५०।२
६	श	२४	३८	पु	७	४६	शू	१५	२६	तै	२४	३८	१०	२२	३८	९	१९	४	कर्के	
७	र	२२	५८	पु	७	३२	गं	११	२२	व	२२	५८	१३	२१	३९	१०	२०	५	कर्के	भ.२२।५८ उ.५३।९या. रोहि. बुधः ७।०
८	चं	२३	२०	श्ले	९	११	वृ	९	८	ब	२३	२०	१६	२१	३९	११	२१	६	सिं ९।११	कृत्तिकायां रविः ०।३४ (सौरः ४।४)
९	मं	२५	२२	म	१३	३८	ध्रु	८	१६	कौ	२५	२२	१९	२०	४०	१२	२२	७	सिंहे	वक्री उफा. ४ शनिः ५६।२
१०	बु	२९	४	पू	१७	४०	व्या	८	४३	ग	२९	४	२२	२०	४०	१३	२३	८	कं.३४।१९	
११	गु	३३	५१	उ	२३	५३	ह	९	४४	व	१	२७	२५	१९	४१	१४	२४	९	कन्यायां	भ.१।२७ उ.३३।५१या. वृषेऽर्कः २७।४८×
१२	शु	३९	२३	ह	३१	५	व	११	३८	ब	६	३९	२८	१८	४२	१५	२५	१०	कन्यायां	×(सौर ३५/५२) रोहि.शुक्रः ४१/४३ मोहिनी ११ ब्र.
१३	श	४५	१७	चि	३८	१७	सि	१३	४६	कौ	१२	२०	३०	१८	४२	१६	२६	११	तु. ४।४१	प्रदोषः
१४	र	५१	३८	स्वा	४५	४८	व्य	१६	११	ग	१८	२८	३३	१७	४३	१७	२७	१२	तुलायां	भ.५१।३८उ. मृगे बुधः ४९।० नृसिंह १४
१५	चं	५७	३८	वि	५३	४	व	१८	३६	वि	२४	३८	३६	१७	४३	१८	२८	१३	बृ.२६।१५	भ. २४।३८ या. यमायसान्नजलकुंभदानं

५पं.वै.शु. ८चं इ ३५।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	५	१	५	३	०
२७	१८	१२	७	६	१०	११	२७
१३	३१	४७	१२	८	४	५९	१०
३४	४४	२८	२५	४६	७	४०	३
५७	४४	[illegible]	३२/१	७४	१२/१	३	५७
५४	२२	[illegible]	ब	२६	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

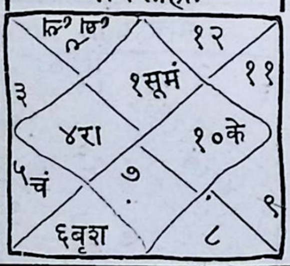

वै. शु. ११ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३०धा. भावे समता शु. पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

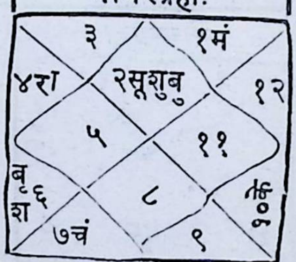

६पं. वै.शु.१५चं.इ.३५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	५	१	५	३	१
३	२३	२४	६	१४	९	११	३
५८	३९	३१	५५	४६	४८	३७	५३
२६	३६	१९	३४	२३	२२	२४	४२
५७	४४	९२	१/८	७४	१/४४	३	५७
४४	१	५	ब	२६	ब	११	३४

ति.	प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०३८ शाकः १९०३												दि.	अ.	उ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	६०	०	अ	६०	०	प	२०	४८	बा	३०	३१	३३/३९	५/१६	६/४४	१९	२९	१४	वृश्चिके	
१	बु	३	२३	अ	१	२०	शि	२२	४२	कौ	३	२३	४१	१६	४४	२०	३०	१५	वृश्चिके	
२	गु	८	४०	ज्ये	९	५४	सि	२४	५	ग	८	४०	४३	१५	४५	२१	३१	१६	ध. ७।५४	भ. ४०।५२ उ. शनिः १४।३४
३	शु	११	५	मू	१२	३१	सा	२५	१	वि	१३	५	४६	१५	४५	२२	१	१७	धनुषि	भ.१३।५या. कृत्ति.भौमः ४३/४ मिथुने बुधः *
४	श	१६	४०	पू	१७	५०	शु	२५	७	बा	१६	४०	४८	१४	४६	२३	२	१८	म.३३।४५	* ५२/१२ पातस्पर्शः ४।२५ रा.ज्येष्ठारंभः च.ब्र.
५	र	१९	२	उ	२२	११	शु	२४	२६	तै	१९	२	५०	१४	४६	२४	३	१९	मकरे	रोहि. रविः ५१।२३ (सौरः ५६/१) मार्गी
६	चं	२०	१८	श्र	२४	२८	ब्र	२२	३५	व	२०	१८	५२	१४	४६	२५	४	२०	कु.५४।३५	भ.२०।१८ उ.५०।१३ या. मृगे शुक्रः ३३/२६
७	मं	२०	९	ध	२५	४३	ऐं	१९	३५	ब	२०	९	५४	१३	४७	२६	५	२१	कुम्भे	+गुरुः ५६।० पातमोक्षः २३।४६
८	बु	१८	१६	श	२५	२६	वै	१५	१९	कौ	१८	१६	५६	१३	४७	२७	६	२२	कुम्भे	वृषे भौमः १६।२०
९	गु	१४	५९	पू	२३	२४	वि	९	५२	ग	१४	५९	५८	१२	४८	२८	७	२३	मी ०।५५	भ. ४२।२५ उ. आर्द्रा. बुधः ३७।५९
१०	शु	९	५२	उ	१९	५३	प्री	२/४७	५५/५५	वि	९	५२	३४/००	१२	४८	२९	८	२४	मीने	भ. ९।५२ या.
११	श	३	२३	रे	१४	५३	सौ	४५	३२	बा	३	२३	२/०	१२/०	४८/०	३०	९	२५	मे.१४।५३	अपरा ११ ब्रतम्
१२	श	५१	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	र	४६	२९	अ	८	३७	शो	३५	३८	ग	२०	५५	४	११	४९	३१	१०	२६	मेषे	भ.४६।२९उ. मिथुने शुक्रः ०।५८ प्रदोषः
१४	चं	३६	५०	भ	५/२९	५३/३५	अ	२५	११	वि	११	३९	६	११	४९	१	११	२७	वृ.१४।३४	भ. ११।३९ या. जून मा. ६ ता. ३०
३०	मं	२७	४	रो	४६	३४	सु	१४	२९	च	१	५६	७	११	४९	२	१२	२८	बृषे	वटसावित्री ब्र.

७पं.ज्ये.कृ.६ चं.इ.३५।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	५	१	५	३	१
१०	२८	३	६	२३	०	११	१०
४२	४६	३०	४९	२२	३८	१५	३५
२५	१	३६	३०	४१	१७	९	५३
५७	४३	६२	८	७४	१/१	३	५७
३५	५०	८	मा	२६	ब	११	३५

गोचरग्रहाः

इस मास में व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी अधिक होगी। जो वस्तु मंदी हो उसको खरीदें तेज हो उसको बेचें।

गोचरग्रहाः

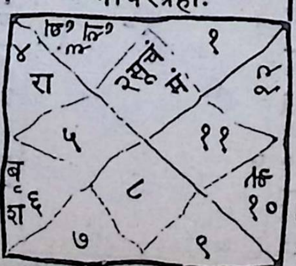

८पं.ज्ये.कृ.१४चं.इ.३५।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	५	२	५	३	१
१७	३	९	६	१	९	१०	१७
२५	४८	१६	५१	५७	३३	५२	१७
८	२९	३७	२५	१८	३२	५३	०
५७	४३	२८	१	७४	२०	३	५७
२७	२५	१६	१४	२०	ब	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९८१स.१९८१
१	बु	१७	४०	मृ	३९	४१	धृ	४/३	५०/२३	ब	१७	४०	४/९	५/१०	६/५०	३	१३	२९	मि१२।३७	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	९	११	आ	३३	४९	गं	४६	४	कौ	९	११	१०	१०	५०	४	१४	१	मिथुने	सावान ८
३	शु	२	१६	पु	२९	५४	वृ	३८	४३	ग	२	१६	१२	१०	५०	५	१५	२	क.१५।५३	भ. २९/३८ उ. ५७/० या. आर्द्रा. शुक्रः ४३।४९
४	शु	५४	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	श	५३	४७	पु	२८	८	ध्रु	३२	१३	ब	२५	२३	१३	९	५१	६	१६	३	कर्के	
६	र	५२	५१	श्ले	२७	५१	व्या	२९	३१	कौ	२३	१९	१४	९	५१	७	१७	४	सिं२७।५१	मृगे रविः ४६/१९ (सौरः ५६/५०) वक्री बुधः ४६/४०
७	चं	५३	५२	म	३०	५५	ह	२६	२३	ग	२३	२२	१६	९	५१	८	१८	५	सिंहे	भ. ५३।५२ उ.
८	मं	५६	५३	पू	३३	५४	व	२७	१	वि	२५	२३	१८	८	५२	९	१९	६	कं.५०।१९	भ. २५।२३ या.
९	बु	६०	०	उ	३३	३२	सि	२७	२६	ना	२९	११	१९	८	५२	१०	२०	७	कन्यायां	रोहिण्यां भौमः १३।५९
९	गु	१	२८	ह	४६	१२	व्य	२९	३	कौ	१	२८	२०	८	५२	११	२१	८	कन्यायां	
१०	शु	७	२	चि	५३	४१	व	३१	३०	ग	७	२	२१	८	५२	१२	२२	९	तु.१९।५७	भ. ४०।५ उ. गंगादशमी
११	श	१३	७	स्वा	६०	०	प	३३	५५	वि	१३	७	२१	८	५२	१३	२३	१०	तुलायां	भ. १३/७ या. बुधास्तः पश्चिमायां १६/५ •
१२	र	१९	२४	स्वा	१	३४	शि	३६	३५	बा	१९	२४	२१	८	५२	१४	२४	११	वृ.५१।५५	मिथनेऽर्कः ४४।५७ (सौरः ५७/३७) प्रदोषः
१३	चं	२५	३३	वि	८	५८	सि	३८	४३	तै	२५	३३	२२	८	५२	१५	२५	१२	वृश्चिके	उदयो भौमः २८।४ •निर्जला ११ व्र
१४	मं	३१	२	अ	१६	१	सा	४१	३१	व	३१	२	२२	८	५२	१६	२६	१३	वृश्चिके	भ. ३१।२ उ. पुन. शुक्रः १९।४५
१५	बु	३५	४०	ज्ये	२२	२०	शु	४१	४६	वि	३	२१	२२	७	५३	१७	२७	१४	व.२२।२०	भ.३।२१या. गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

९पं.ज्ये.शु.७चं.इ.३५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	५	२	५	३	१
२४	८	११	७	१०	९	१०	२३
७	४९	२२	१	३२	३३	३०	५६
१२	८	८	३४	३८	१	३७	५५
५७	४३	३/४४	२	७४	०/२४	३	५७
२२	१५	व	३६	१४	मा	११	५

गोचरग्रहाः

ज्ये. शु. १२ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यदिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

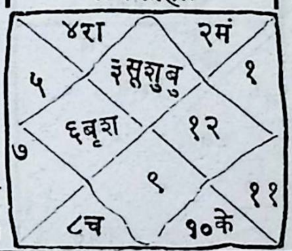

१०पं.ज्ये.शु.१३चं.इ.३५।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	२	५	३	२
०	१३	९	७	१९	९	१०	०
४८	४६	५८	२०	५	३८	८	३६
२५	३७	१६	४२	३५	१३	२२	४
५७	४३	२७/७	३	७४	१	३	५७
१७	२	व	४६	२	१०	११	५६

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३९	२०	मू	२७	५५	शु	४२	५	बा	७	३०	३४/२३	५/७	६/५३	१८	२८	१५	धनुषि	पुष्ये २ राहुः उषा. ४ केतुः १३।२१
२	शु	४२	१३	पू	३१	६	ब्र	४१	४९	तै	१०	४६	२३	७	५३	१९	२९	१६	म.४७।१२	
३	श	४३	४५	उ	३५	३१	ऐं	४०	४१	व	१२	५९	२४	७	५३	२०	३०	१७	मकरे	भ. १२।५९ उ. ४३।४५ या.
४	र	४४	१६	श्र	३७	५५	वै	३७	४२	ब	१४	१	२४	७	५३	२१	३१	१८	मकरे	आर्द्रा. रविः ४३/४९ (सौरः ५९/१०) चतुर्थी व्र.
५	चं	४३	५१	ध	३९	२५	वि	३५	३२	कौ	१४	४	२४	७	५३	२२	१	१९	कुं.८।४०	वक्री मृगे. बुधः १९।८ रा. आषाढ़ारम्भः
६	मं	४२	१७	श	३९	४१	प्री	३२	२१	ग	१३	४	२४	७	५३	२३	२	२०	कुम्भे	भ. ४२।१७ उ.
७	बु	३९	३८	पू	३८	४०	आ	२७	४६	वि	१०	५८	२४	७	५३	२४	३	२१	मी२३।५५	भ. १०।५८ या.
८	गु	३५	५६	उ	३६	५६	सौ	२२	१४	बा	७	४७	२३	७	५३	२५	४	२२	मीने	कर्के शुक्रः ३०।१४
९	शु	३१	५	रे	३४	०	शो	१५	४९	तै	३	३१	२३	७	५३	२६	५	२३	मे.३४।०	भ. ५८।२ उ.
१०	श	२४	५९	अ	२९	५२	अ	८	३४	वि	२४	५९	२३	७	५३	२७	६	२४	मेषे	भ.२४/५९या. पुष्ये शुक्रः १७/५९ हस्ते१ शनिः १ १/०
११	र	१७	५८	भ	२४	४३	सु	३१	५१/३०	बा	१७	५८	२२	८	५२	२८	७	२५	बृ.३८।४६	योगिनी ११ व्र.
१२	चं	१०	५	कृ	१८	५६	शू	४२	१२	तै	१०	५	२२	८	५२	२९	८	२६	बृषे	मृगे भौमः १४।२४ प्रदोषः
१३	मं	१	४७	रो	१२	३५	गं	३२	३७	व	१	४७	२१	८	५२	३०	९	२७	मि३९।२६	भ. १।४७ उ. २७।३० या.
१४	मं	५१	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	बु	४५	४	मृ	६	१७	वृ	२३	१७	च	१९	८	२०	८	५२	१	१०	२८	मिथुने	बुधोदयः पूर्वस्याम् ३९/१ जुलाई मा.७ ता.३१

११पं.आ.कृ.५चं.इ.३५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	२	५	३	२
७	१८	६	७	२७	९	९	७
२९	४२	३०	४८	३८	४७	४६	१४
२४	११	२२	७	३५	४६	६	३१
५७	४२	३५/५	४	७४	१	३	५६
१३	४९	व	५९	१	४८	११	५४

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है अनाज गल्ला रुई सोना चांदी चावल गेहूं मंदा सुदीमेंसोना चांदी तेज वर्षा होगी ।

गोचरग्रहाः

१२पं.आ.कृ.चं१२.इ.३५।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	३	५	३	२
१४	२३	३	८	६	१०	९	१३
९	३४	१४	२२	९	१	२३	५२
५०	१६	४२	५२	२९	२६	५१	३६
५७	४२	३३/६६	६	७३	२	३	५६
७	२३	व	६	५६	२६	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०१०स.१९८१
१	गु	३७	४८	आ	२६	५५/१३	ध्रु	१४	३०	किं	११	२६	३४/१९	५/९	६/५१	२	११	२९	क.४१।५१	
२	शु	३१	५२	पु	५२	१३	व्या	६/३७	५३/१६	बा	४	५२	१८	८	५२	३	१२	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	२७	४१	श्ले	५१	११	व	५४	३६	ग	२७	४१	१७	९	५१	४	१३	१	सि५१।११	भ. ५६।३९ उ. रमजान ९
४	र	२५	३८	म	५१	२३	खि	५०	५९	वि	२५	३८	१५	९	५१	५	१४	२	सिंहे	भ. २५।३८या. पुन. रविः ४३।४५
५	चं	२५	१९	पू	५३	४३	व्य	४९	१७	बा	२५	१९	१४	९	५१	६	१५	३	सिंहे	पुन. रविः सौरः ३।११
६	मं	२७	३५	उ	५८	१०	व	४९	४	तै	२७	३५	१३	९	५१	७	१६	४	कं.९।५४	मार्गी बुधः ३०।३६
७	बु	३१	१८	ह	६०	०	प	४९	४६	व	३१	१८	११	१०	५०	८	१७	५	कन्यायां	भ.३१/१८उ मिथुने भौमः५२/५४ आश्ले.शुक्रः१३/१४
८	गु	३६	२५	ह	४	१	शि	५१	४४	वि	३	५१	१०	१०	५०	९	१८	६	तु.३७।३५	भ. ३।५१ या.
९	शु	४२	१७	चि	११	१०	सि	५३	५३	बा	९	२०	८	१०	५०	१०	१९	७	तुलायां	
१०	श	४८	३८	स्वा	१८	३४	सा	५६	३५	तै	१५	२८	७	११	४९	११	२०	८	तुलायां	
११	र	५४	४२	वि	२६	८	शु	५८	४९	व	२१	४०	५	११	४९	१२	२१	९	वृ. ९।८	भ. २१।४० उ. ५४/४२ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	चं	५९	५९	अ	३३	१७	शु	६०	०	ब	२७	२०	४	११	४९	१३	२२	१०	बृश्चिके	आर्द्रा. बुधः २४।१
१३	मं	६०	०	ज्ये	३९	५६	शु	०	४५	कौ	३२	१३	२	१२	४८	१४	२३	११	ध.३९।५६	हस्ते १ गुरुः १३।५७ प्रदोषः
१३	बु	४	२८	मू	४४	५७	ब्र	१	५४	तै	४	२८	०	१२	४८	१५	२४	१२	धनुषि	*(सौरः ३५/५५) वायुपरीक्षा
१४	गु	७	३४	पू	४८	५६	ऐं	१	५७	व	७	३४	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१३	धनुषि	भ. ७।३४ उ. ३८/३० या. कर्कोऽर्कः १२।९*
१५	शु	९	२६	उ	५१	३४	वै	१/२३	५८/३०	ब	९	२६	५६	१३	४७	१७	२६	१४	म.४।३५	व्यास पूजा गुरु १५

१३पं.आ.शु.५चं.इ.३५।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	३	५	३	२
२०	२८	२	९	१४	१०	९	२०
५०	२३	५७	५	३९	२१	१	३०
१०	४२	२९	१०	५८	२२	३५	३०
५७	४२	३३	७	७३	३	३	५६
७	२	ब	१	४६	५	११	५०

गोचरग्रहाः

आ. शु. १४ गुरौ कर्कोऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ बृद्धावस्था (बेंठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

१४पं.आ.शु.१२चं.इ.३५।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	५	३	५	३	२
२७	३	६	९	२३	१०	८	२७
३०	१०	४९	५४	९	४५	३९	८
३२	३४	२३	२५	११	१८	१९	३७
५७	४१	४९/५६	८	७३	३	३	५६
११	४६	मा	४०	३२	४४	११	५५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	९	५९	श्र	५३	१२	प्री	५६	५२	कौ	९	५९	३३/५४	५/१४	६/४६	१८	२७	१५	मकरे	
२	र	९	२०	ध	५४	७	आ	५३	१२	ग	९	२०	५२	१४	४६	१९	२८	१६	कुं.२३।३९	भ. ३२/३८ उ. पुष्ये रविः ४२/१६ आर्द्रा. भौमः×
३	चं	७	४४	श	५३	१६	सौ	४९	२	वि	७	४४	५०	१४	४६	२०	२९	१७	कुम्भे	भ ४४/७या. पुष्ये रविः सौ रः ३६ चतुर्थी व्र
४	मं	५	८	पू	५२	८	शो	४४	२	बा	५	८	४७	१५	४५	२१	३०	१८	मी३७।२५	×४६।२२ मघा /सिहे शुक्रः १५।३
५	बु	१	५४	उ	५०	१०	अ	३८	३४	तै	१	५४	४५	१५	४५	२२	३१	१९	मीने	भ. ५८।३१ उ. नाग ५ म ..स्थले
६	बु	५६	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु	५३	४७	रे	४७	५४	सु	३२	३८	वि	२६	८	४२	१६	४४	२३	१	२०	मे.४७।५४	भ. २६।८ या. रा. श्रावणारम्भः
८	शु	४८	५०	अ	४४	१०	धृ	२६	८	बा	२१	१९	४०	१६	४४	२४	२	२१	मेषे	पुन. बुधः २३।३९
९	श	४३	१३	भ	४१	३७	शू	१९	२२	तै	१६	१	३७	१७	४३	२५	३	२२	वृ.५५।३७	बुधास्तः पूर्वस्याम् ४०।२६
१०	र	३७	१९	कृ	३७	३७	गं	१२	१	व	१०	१६	३५	१७	४३	२६	४	२३	वृषे	भ. १०।१६ उ. ३७।१९ या.
११	चं	३०	४६	रो	३३	८	वृ	४/३१	५१/४८	ब	४	२	३२	१८	४२	२७	५	२४	बृषे	कामिका ११ व्र.
१२	मं	२४	११	मृ	२८	२९	व्या	४८	२५	तै	२४	११	२९	१८	४२	२८	६	२५	मि०।४८	प्रदोषः
१३	बु	१७	३७	आ	२४	२९	ह	४०	३९	व	१७	३७	२६	१९	४१	२९	७	२६	मिथुने	भ. १७।३७ उ. ४४/३४ या. कर्के बुधः ३४/५४
१४	गु	११	३१	पु	२०	३८	व	३३	१६	श	११	३१	२४	१९	४१	३०	८	२७	क.६।३५	पूफा. शुक्रः १५।३
३०	शु	६	१४	पु	१७	५५	सि	२६	४४	ना	६	१४	२१	२०	४०	३१	९	२८	कर्के	पुष्ये बुधः ४५/५३ हरियाली ३० सूर्यग्रहणम्

१५पं.श्रा.कृ.६चं.इ.३५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	५	४	५	३	३
४	७	१४	१०	१	११	८	३
११	५५	४७	४९	३७	१२	१७	४७
१७	२६	२०	८	५५	३६	४	४
५७	४१	८२	८	७३	४	३	५६
१५	३६	१	५७	२०	२३	११	५७

गोचरग्रहाः

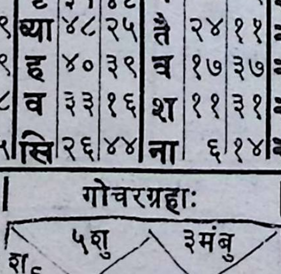

शकुन विचार

श्रावण पहली पंचमी वर्षे करे निहाल। पवन चले तो अति बुरी पड़े हलाहल काऽ ॥

गोचरग्रहाः

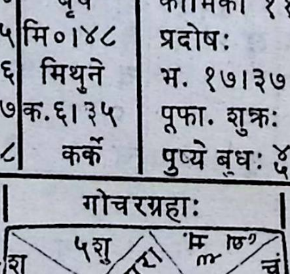

१६पं.श्रा.कृ.११चं.इ.३५।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	५	४	५	३	३
१०	१२	२६	११	१०	११	७	१०
५२	३७	१५	४९	४	४४	५४	२६
१९	५	१८	५	४८	१०	४८	२१
५७	४१	[illegible]	९	७३	४	३	५७
२०	१९	२८	४३	११	५०	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०४०सन् १९८१
१	श	२	५	श्ले	१५	३	व्य	२१	१०	ब	२	५	३३/१८	५/२०	६/४०	१	१०	२९	सि१५।३	चन्द्रदर्शनम् अगस्त मा.८ ता.३१ सिधारा
२	श	५७	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	५९	५	म	१४	४७	व	१६	५९	तै	२३	२४	१५	२१	३९	२	११	१	सिंहे	आश्ले. रविः ३८।२७ तीज सव्वाल १०
४	चं	६०	०	पू	१६	२३	प	१४	६	व	२९	४६	१२	२२	३८	३	१२	२	कं.३२।९	भ. ३९/४६ उ. आश्ले. रविः सौरः २७/३ वरद ४
४	मं	०	२७	उ	१९	२८	शि	१२	५२	वि	०	२७	९	२२	३८	४	१३	३	कन्यायां	भ. ०।३७ या.
५	बु	३	३२	ह	२३	२३	सि	१२	३४	बा	३	३२	६	२३	३७	५	१४	४	तु.५६।२६	हस्ते २ गुरुः ५८।१० नाग पंचमी
६	गु	८	७	चि	२९	२९	सा	१२	५३	तै	८	७	३	२३	३७	६	१५	५	तुलायां	आश्लेषा. बुधः ४२।५३
७	शु	१३	३६	स्वा	३७	५६	शु	१३	४४	व	१३	३६	०	२४	३६	७	१६	६	तुलायां	भ. ३३/३६ उ. ४६/४५ या. पुन. भौमः ४७।४४
८	श	१९	५४	वि	४५	३५	शु	१८	०	ब	१९	५४	३३/५६	२५	३५	८	१७	७	वृ.२८।४१	
९	र	२५	५९	अ	५३	५६	ब्र	२०	३१	कौ	२५	५९	५३	२५	३५	९	१८	८	बृश्चिके	
१०	चं	३१	३२	ज्ये	५९	४२	ऐं	२२	४१	ग	३१	३२	५०	२६	३४	१०	१९	९	ध.५९।४२	उफा. शुक्रः २३।३३
११	मं	३६	१०	मू	६०	०	वै	२४	१३	व	३	५१	४७	२७	३३	११	२०	१०	धनुषि	भ. ५३/१ उ. ३६/१० या. पवित्रा ११ व्र.
१२	बु	३९	११	मू	५	२	वि	२४	२९	ब	७	४१	४३	२७	३३	१२	२१	११	धनुषि	
१३	गु	४०	४६	पू	९	११	प्री	२३	५५	कौ	९	५८	४०	२८	३२	१३	२२	१२	म.२४।४९	कन्यायांशुक्रः ९/८ मघा. सिंहे बुधः १३/१ प्रदोष
१४	शु	४०	३४	उ	११	४०	आ	२१	४०	ग	१०	४०	३६	२९	३१	१४	२३	१३	मकरे	भ. ४०।३४ उ. ×कर्म रक्षाबन्धन
१५	श	३८	४८	श्र	१२	३४	सौ	१८	१९	वि	९	४१	३३	२९	३१	१५	२४	१४	कु.४२।२१	भ. ४९/१ या. हस्ते २ शनिः ३१/० श्रावणी×

१७पं.श्रा.शु.४चं.इ.३४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	५	४	५	३	३
१७	१७	१०	१२	१८	१२	७	१७
३४	१६	१०	५५	२७	१९	३२	६
१	३४	१९	५	२९	१६	३३	९
५७	४१	३०/८	१०	७२	५	३	५७
२५	९	६/२२	२६	३०	१६	११	१२

गोचरग्रहाः

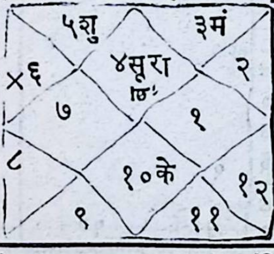

इस मासमें ५ शनिवार और शनिवार को चन्द्रदर्शन अशुभ है। धान्य धातु तिलहन तेज होगा।

गोचरग्रहाः

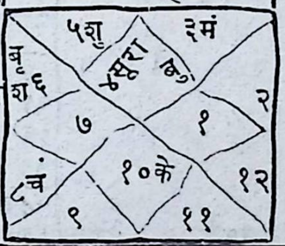

१८पं.श्रा.शु.१०चं.इ.३४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	५	४	५	३	३
२४	२१	२४	१४	२६	१२	७	२३
१६	५३	३९	४	५३	५७	१०	४७
२६	१७	४०	३४	३१	११	१७	१६
५७	४०	९/८	११	७२	५	३	५७
३३	४२	०/२६	५	२८	४१	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३५	४७	ध	१२	९	शो	१४	११	बा	७	१७	३२/२९	५/३०	६/३०	१६	२५	१५	कुम्भे	मघायां सिंहेऽर्कः ३२।२२
२	चं	३१	४८	श	१०	३२	अ	८	३८	तै	३	४७	२६	३१	२९	१७	२६	१६	मी५४।२६	भ.५९।२४उ. मघा. सिंहेऽर्कः सौरः३।५०
३	मं	२७	१	पू	९	४	सु	२/४१	५३/१२	वि	२७	१	२२	३२	२८	१८	२७	१७	मीने	भ. २७।१ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२१	४९	उ	४	५५	शू	४९	४	बा	२१	४९	१९	३२	२८	१९	२८	१८	मीने	पूफायां बुधः ५८।४५
५	गु	१६	२९	रे	१/३७	५६/२९	गं	४१	३	तै	१६	२९	१५	३३	२७	२०	२९	१९	मे.१।३७	पुष्ये १ राहुः उषा. ३ केतुः ५/४१ चन्द्रषष्ठी
६	शु	११	९	भ	५४	४१	वृ	३५	१७	व	११	९	११	३४	२६	२१	३०	२०	मेषे	भ.:११।९ उ. ३८/२७ या. हस्ते शुक्रः ३३।३५
७	श	५	४६	कृ	५१	२०	ध्रु	२७	५७	ब	५	४६	८	३४	२६	२२	३१	२१	वृ.८।५०	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	र	०	३६	रो	४८	७	व्या	२१	१	कौ	०	३६	४	३५	२५	२३	१	२२	वृषे	कर्के भौमः ६।५१ रा. भाद्रपदारंभः×
९	र	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×जन्माष्टमी व्र. व. गोगा ९
१०	चं	५०	१२	मृ	४४	५०	ह	१४	२८	व	२२	४४	०	३६	२४	२४	२	२३	मि१६।२८	भ.२३/४४उ.५०/१२या. हस्ते३गुरुः५०/४७ बुधोदयः*
११	मं	४५	२५	आ	४२	५	व	७	२२	ब	१७	४८	३१/६	३७	२३	२५	३	२४	मिथुने	अजा ११ व्र. *पश्चिमायाम् ४।५९
१२	बु	४१	९	पु	३९	३२	सि	०/५५	५३/५१	कौ	१३	१७	५२	३८	२२	२६	४	२५	क.२५।१०	वत्स द्वादशी +मन्वादिः
१३	गु	३७	२९	पु	३७	४७	व	४९	१७	ग	९	१९	४८	३८	२२	२७	५	२६	कर्के	भ. ३७।२९ उ. उफा.बुधः ३७।३५ प्रदोष.
१४	शु	३४	३४	श्ले	३६	२९	प	४४	१७	वि	६	१	४४	३९	२१	२८	६	२७	सि३६।२९	भ. ६।१ या. पुष्ये भौमः २२।२६
३०	श	३२	५६	म	३६	४१	शि	४०	२३	च	३	४५	४०	४०	२०	२९	७	२८	सिंहे	कन्यायां बुधः ५०।३२ कुशाग्रहणी+

१९पं.भा.कृ.२चं.इ.३४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	५	५	३	४
०	२६	८	१५	५	१३	६	०
५९	२७	४२	१९	१६	३८	४८	२९
४९	११	२	१९	२३	४६	२१	२९
५७	४०	७/५	११	७२	६	३	५७
४०	२५	५/४१	४०	४	८	११	३४

गोचरग्रहाः

भा. कृ. १ रवौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

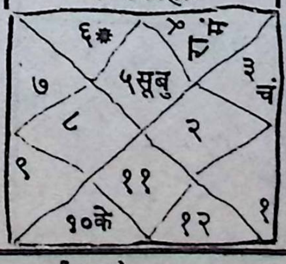

२०पं.भा.कृ.१०चं.इ.३४।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	५	५	५	३	[illegible]
७	०	२१	१६	१३	१४	६	७
४४	५८	९	३६	३६	२२	२५	[illegible]
१७	४१	११	४०	१८	१९	४६	९
५७	४०	०/०	१२	७१	६	३	५७
४८	८	६/२२	१३	४६	२४	११	४५

×चंबुश +बुशुश (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) *बुशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३०६९स.१९८१
१	र	३२	४६	पू	३७	५७	स्वि	३७	२२	किं	२	५०	३६	५/४१	६/१९	३०	८	२९	कं.५३।४३	पूफा. रविः २१।५९ (सौरः ५४।४२)
२	चं	३४	२४	उ	४१	४	सा	३६	३	बा	३	३४	३२	४२	१८	३१	९	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	३७	३०	ह	४५	३५	शु	३४	१९	तै	५	५७	२८	४२	१८	१	१०	१	कन्यायां	चित्रायां शुक्रः ४६।२५ सितम्बर मा. ९×
४	बु	४१	२	चि	५१	२०	शु	३४	४०	व	९	१६	२५	४३	१७	२	११	२	तु.१८।२८	भ. ९।१६ उ. ४१।२ या. गणेश चतुर्थी
५	गु	४७	२९	स्वा	५७	५८	ब्र	३६	१०	ब	१४	१५	२१	४४	१६	३	१२	३	तुलायां	ऋषि पंचमी
६	शु	५३	५३	वि	६०	०	ऐं	३८	२३	कौ	२६	४१	१७	४५	१५	४	१३	४	वृ.४८।३५	×ता. ३० हरितालिका ३ जिलकाद ११
७	श	६०	०	वि	५	२७	वै	४२	४५	ग	२७	४	१३	४५	१५	५	१४	५	वृश्चिके	हस्ते बुधः ११।४०
७	र	०	१५	अ	१२	५०	वि	४४	८	व	०	१५	९	४६	१४	६	१५	६	वृश्चिके	भ. ०।१५ उ. ३३।१३ या.
८	चं	६	११	ज्ये	२०	१६	प्री	४६	११	ब	६	११	५	४७	१३	७	१६	७	ध.२०।१६	तुलायां शुक्रः २६।१८
९	मं	११	१७	मू	२६	३१	आ	४७	७	कौ	११	१७	१	४८	१२	८	१७	८	धनुषि	●४९।५८ अनंत १४ महालयारंभः
१०	बु	१४	४७	पू	३१	२१	सौ	४६	५९	ग	१४	४७	३०/५७	४९	११	९	१८	९	म.४७।९	भ. ४५/४५ उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गा
११	गु	१६	४४	उ	३४	३३	शो	४५	३२	वि	१६	४४	५३	४९	११	१०	१९	१०	मकरे	भ. १६/४४ या. हस्ते४गुरुः ३९/३० जलझूलनी ११व्र.
१२	शु	१६	३५	श्र	३५	४२	अ	४२	२९	बा	१६	३५	४८	५०	१०	११	२०	११	मकरे	प्रदोषः वामन जयन्ती
१३	श	१४	३५	ध	३५	६	सु	३७	५८	तै	१४	३५	४४	५१	९	१२	२१	१२	कु.५।२४	+३९/२०) स्वात्यां शुक्रः २७/२४ हस्ते ३ शनिः●
१४	र	१०	८	श	३२	२	धृ	३२	२	व	१०	८	४०	५२	८	१३	२२	१३	कुम्भे	भ. १०/८ उ. ३७/३० या. उफा. रविः ६/१९ (सौरः+
१५	चं	४	५३	पू	२९	२९	शू	२४	३	ब	४	५३	३६	५३	७	१४	२३	१४	मी१५।२३	चित्रायां बुधः ४६।२५

२१पं.भा.शु.२चं.इ.३४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	५	५	३	४
१४	५	२	१७	२१	१५	६	१३
२९	२७	४९	५८	५४	८	३	५८
५६	२५	५	१६	१४	६	३०	१३
५८	३९	९७	१२	७१	६	३	५७
१	५१	४७	३१	२०	३७	११	५७

२२पं.भा.शु.८चं.इ.३४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	६	५	३	४
२१	९	१३	१९	०	१५	५	२०
१६	५४	२८	२२	९	५५	४१	४४
५५	०	३४	१२	१४	३७	१५	५३
५८	३९	८७	१२	७०	६	३	५८
१३	३३	५०	५६	४७	५४	११	१२

२३पं.भा.शु.१५चं.इ.३३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	६	५	३	४
२८	१४	२३	२०	८	१६	५	२७
५	१६	३	४८	२१	४५	१८	३३
२४	४१	३५	४	१२	११	५९	१५
५८	३९	९७	१३	७०	७	३	५८
२६	१०	११	१५	८	४	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५३	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५१	५०	उ	२४	५४	गं	१७	१३	तै	२५	१९	३०/२	५/५४	६/६	१५	२४	१५	मीने	
३	बु	४४	४३	रे	१९	५४	वृ	८	५२	व	१८	२०	२८	५४	६	१६	२५	१६	मे.१९।५४	भ. १८/२० उ. ४४/४३ या. कन्यायामर्कः ३१/४०
४	गु	३७	३३	अ	१४	३६	ध्रु	२३/३	५१/३२	ब	११	२०	२४	५५	५	१७	२६	१७	मेषे	कन्यायामर्कः सौरः ४।३१ चतुर्थी व्र.
५	शु	३०	५९	भ	९	४९	ह	४३	४३	कौ	४	१६	२०	५६	४	१८	२७	१८	वृ.२३।२८	आश्लेषा. भौमः ४२/३७ अस्तं शनेः ४७।२०
६	श	२४	५८	कृ	४	२६	व	३५	५२	व	२४	५८	१६	५७	३	१९	२८	१९	वृषे	भ. २४।५८ उ. ५२।१४ या.
७	र	१९	३१	रो	१/८	५/५६	सि	२८	२८	ब	१९	३१	१२	५८	२	२०	२९	२०	मि२९।४६	तुलायां बुधः ८।१९
८	चं	१४	५३	आ	५५	५५	व्य	२१	५२	कौ	१४	५३	८	५८	२	२१	३०	२१	मिथुने	
९	मं	१०	५३	पु	५४	११	व	१५	४७	ग	१०	५३	४	५९	१	२२	३१	२२	क.३९।३७	भ. ३९।२२ उ. ●१ गुरुः ४१।१४
१०	बु	७	५२	पु	५३	३२	प	१०	२३	वि	७	५२	३०/०/०	६/०/०	६/०/०	२३	१	२३	कर्के	भ. ७।५२ या. रा. आश्विनारंभः
११	गु	५	३८	श्ले	५३	३४	शि	५	४२	बा	५	३८	२९/५५	६/१	५/५९	२४	२	२४	सिं५३।३४	विशाखा. शुक्रः ३४।६ इन्दिरा ११ व्र.
१२	शु	४	१३	म	५४	४६	सि	४८	५७/४	तै	४	१३	५१	२	५८	२५	३	२५	सिंहे	प्रदोषः +१५।५० सर्वपितृ श्राद्ध
१३	श	४	१३	पू	५६	५४	शु	५६	२५	व	४	१३	४७	३	५७	२६	४	२६	सिंहे	भ. १४/३ उ. ३६/३ या. हस्ते रविः ४६/४ चित्रा.●
१४	र	४	५९	उ	६०	०	शु	५५	१२	श	४	५९	४३	३	५७	२७	५	२७	कं.१२।४५	हस्ते रविः सौरः १७।१ स्वात्यां बुधः+
३०	चं	७	१९	उ	०	१७	ब्र	५४	२८	ना	७	१९	३८	४	५६	२८	६	२८	कन्यायां	सोमवती ३० मातामह श्रा.

२४पं.आ.कृ.८चं.इ.३३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	५	६	५	३	५
४	१८	१	२२	१६	१७	४	४
५५	३७	२३	१६	३१	३५	५६	२३
१९	३०	२३	१	३४	२८	४३	२२
५८	३८	५८	१३	६९	८	३	५८
३८	४६	३१	२१	२२	१४	११	४५

गोचरग्रहाः

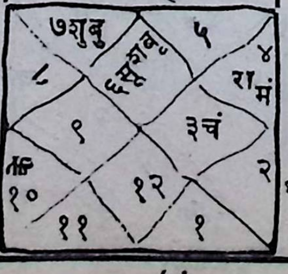

आश्वि. कृ. ३ बुधे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.कृ.३०चं.इ.३३।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	५	६	५	३	५
११	२२	७	२३	२४	१८	४	११
४६	५४	२७	४५	३६	२६	३४	१६
५५	४	४	२२	५४	२८	२८	२५
५८	३८	३६	१३	६८	७	३	५९
५३	३४	१६	३२	३४	२०	११	०

*चंबुबृशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३०९९ स.१९८१
१	मं	१०	४२	ह	४	५३	ऐं	५५	०	ब	१०	४२	३९/३४	६	५/५६	२९	७	२९	तु.३७।४१	चन्द्रदर्शनम् अस्तंगुरोः ५८/१२ नवरात्रा. अ.गु.
२	बु	१५	२१	चि	१०	३०	वै	५६	२०	कौ	१५	२१	३०	६	५४	३०	८	१	तुलायां	जिल्हेज १२
३	गु	२०	४४	स्वा	१७	७	वि	५८	११	ग	२०	४४	२६	७	५३	१	९	२	तुलायां	भ. ५३।५० उ. अक्टूबर मा. १० ता. ३१
४	शु	२६	५७	वि	२४	१६	प्री	६०	०	वि	२६	५७	२२	८	५२	२	१०	३	वृ.७।२९	भ. २६।५७ या.
५	श	३३	२७	अ	३१	५९	प्री	०	२६	ब	०	१२	१८	८	५२	३	११	४	बृश्चिके	वृश्चिके शुक्रः १३।५३
६	र	३९	३७	ज्ये	३९	४४	आ	३	३	कौ	६	३२	१४	९	५१	४	१२	५	ध.३९।४४	
७	चं	४५	१५	मू	४६	४३	सौ	४	२०	ग	१२	२६	१०	१०	५०	५	१३	६	धनुषि	भ.४५/१५ उ. वक्री बुधः २०/४८ सरस्वत्यावाहनम्
८	मं	४९	३८	पू	५२	२८	शो	७	५	वि	१७	२६	६	११	४९	६	१४	७	धनुषि	भ. १७/२६ या. अनु. शुक्रः ३१/२१ सरस्वती पूज.
९	बु	५२	३१	उ	५६	५६	अ	७	५०	बा	२१	५	२	१२	४८	७	१५	८	म.८।३५	बलिदानं *भौमः २४।५०
१०	गु	५३	२५	श्र	५९	३१	सु	७	२३	तै	२२	५८	३६/५८	१२	४८	८	१६	९	मकरे	विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
११	शु	५२	२१	ध	५९	४०	धृ	५	२६	व	२२	५२	५४	१३	४७	९	१७	१०	कु.२९।४६	भ.२२।५२ उ. ५३/२१ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	श	४९	५	श	५८	४१	शू	५१	५४/५७	ब	२१	४३	५०	१४	४६	१०	१८	११	कुम्भे	चित्रा. रविः १६/४७ (सौरः ४०/३०) मघायां सिंहे*
१३	र	४४	२	पू	५६	५६	वृ	४९	५९	कौ	१६	३४	४६	१५	४५	११	१९	१२	मी४२।२३	हस्ते ४ शनिः १५।२१ प्रदोषः
१४	चं	३७	१३	उ	५०	२०	ध्रु	४१	५६	ग	१०	३८	४२	१६	४४	१२	२०	१३	मीने	भ. ३७/१३ उ. चित्रा. २गुरु ५२/५५ बुधास्तः प. १२/४९
१५	मं	२९	३२	रे	४४	३१	व्या	३२	४९	वि	३	२३	३८	१६	४४	१३	२१	१४	मे.४४।३१	भ. २ ३/३ या. वक्रीचित्रायांबुधः ४९/९ शरद् १५

२६पं.आ.शु.७चं.इ.३३।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	५	७	५	३	५
१८	२७	१०	२५	२	१९	४	१८
४०	८	२६	१४	३७	१८	१२	९
८	४२	६	५६	२३	४	१२	१२
५९	३७	१/८	१३	६७	७	३	५९
९	५६	व	३४	३७	२०	११	१६

गोचरग्रहाः

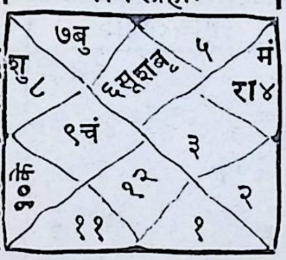

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ हैं प्रजा में पीड़ा हो धान्य जौ गेहूं चणा चावल मूंग गुड़ खांड़ मंदा सुदी में तेज हो।

गोचरग्रहाः

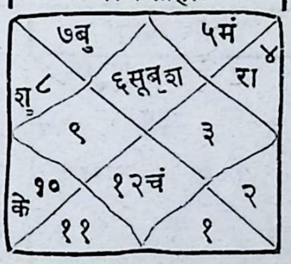

२७पं.आ.शु.१४चं.इ.३३।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	५	७	५	३	५
२५	१	७	२६	१०	२०	३	२५
३५	२०	५३	४६	३३	९	४९	४
६	२८	५६	५५	२२	३२	५७	५४
५९	३७	६०/५६	१३	६६	७	३	५९
२१	३४	व	३८	२४	२०	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतु रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२०	४९	अ	३७	५३	ह	२३	११	कौ	२०	४९	२८/३४	१६/७	५/४३	१४	२२	१५	मेषे	
२	गु	१२	७	भ	३०	५८	व	१३	१०	ग	१२	७	३०	१८	४२	१५	२३	१६	वृ.४४।२०	भ. ३७।५० उ. ×महालक्ष्मी पूजनं
३	शु	३	३३	कृ	२४	२८	सि	५२/८	५३/३	वि	३	३३	२६	१९	४१	१६	२४	१७	वृषे	भ. ३।३३ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	श	४८	४१	रो	१८	३७	व	४४	३२	कौ	२२	९	२२	२०	४०	१७	२५	१८	मि४६।१२	तुलायामर्कः ३ ३/० (सौरः ३०/२०) ज्ये. शुक्रः ५८/५६
६	र	४२	५२	मृ	१३	४७	प	३६	२४	ग	१५	४७	१८	२०	४०	१८	२६	१९	मिथुने	भ. ४२।५२ उ.
७	चं	३८	२८	आ	११	२०	शि	२९	१९	वि	१०	४०	१४	२१	३९	१९	२७	२०	क.५३।४८	भ. १०/४० या. वक्री कन्यायां बुधः ३६।५८
८	मं	३५	२१	पु	७	५८	सि	२३	२६	बा	६	५५	१०	२२	३८	२०	२८	२१	कर्के	*कार्तिकारंभः रमा ११ व्र.
९	बु	३३	४१	पु	७	७	सा	१८	३१	तै	४	३१	६	२३	३७	२१	२९	२२	कर्के	पुन. ४ राहुः उषा. २ केतुः ५८।०
१०	गु	३३	११	श्ले	७	३२	शु	१४	४६	व	३	२६	२	२४	३६	२२	३०	२३	सिं७।३२	भ. ३।२६ उ. ३३।११ या.
११	शु	३४	८	म	९	१३	शु	१२	२	ब	३	४०	२७/५८	२४	३६	२३	१	२४	सिंहे	स्वात्यां रविः ४२/३५ उदयं शनेः ३२/५१ रा.*
१२	श	३६	५	पू	१२	१७	ब्र	१०	०	कौ	५	७	५४	२५	३५	२४	२	२५	कं.२८।१९	स्वात्यां रविः सौरः ११।१८
१३	र	३९	२९	उ	१६	२३	ऐं	९	४४	ग	७	४७	५०	२६	३४	२५	३	२६	कन्यायां	भ. ३९/२९ उ. बुधोद. पूर्वस्यां ३ ७/५ प्रदोषः धन १३
१४	चं	४३	३८	ह	२१	२३	वै	९	५२	वि	११	३४	४६	२७	३३	२६	४	२७	तु.५४।२५	भ. ११/३४ या. उदयं गुरोः ८।२४ रूप १४
३०	मं	४८	५५	चि	२७	२६	वि	१०	२३	च	१६	१७	४२	२८	३२	२७	५	२८	तुलायां	मार्गी बुधः २९/५९ चित्रा. ३ तुलायां गुरुः ३२/३० ×

२८पं.का.कृ.७चं.इ.३३।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	५	७	५	३	६
२	५	०	२८	१८	२१	३	२
३१	२७	५	१७	२२	१	२७	२
३४	२२	३१	३१	२३	१	४१	२३
५९	३७	८९/१	१३	६४	७	३	५९
३४	५	व	३८	५८	१४	११	४६

गोचरग्रहाः

का. कृ. ५ शनौ तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

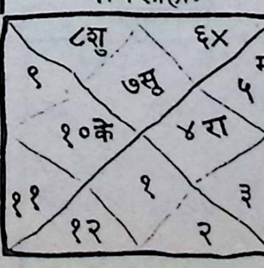

२९पं.का.कृ.१४चं.इ.३३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	७	५	३	६
९	९	२४	२९	२६	२१	३	९
२९	३०	५३	४८	०	५१	५	१
४९	७	४९	५०	२९	३२	२५	४३
५९	३६	७/४०	१३	६३	७	३	६०
४७	३९	व	३२	२३	६	११	२

 ×चंबुबृश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१२८सन्१९८१
१	बु	५४	२३	स्वा	३४	८	प्री	११	५०	किं	२१	३३	२७/३९	६/२८	५/३२	२८	६	२९	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	गु	६०	०	वि	४१	१५	आ	१२	३२	बा	२७	३५	३५	२९	३१	२९	७	३०	वृ.२४।२८	मूले धनुषि शुक्रः ५९/२ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
२	शु	०	४७	अ	४८	४५	सौ	१४	४९	कौ	०	४७	३१	३०	३०	३०	८	१	वृश्चिके	मोहोरम १ सन् १४०२ हि.
३	श	७	१९	ज्ये	५५	३९	शो	१७	१३	ग	७	१९	२७	३१	२९	३१	९	२	ध.५५।३९	भ. ४०।२५ उ.
४	र	१३	३१	मू	६०	०	अ	१८	२६	वि	१३	३१	२४	३१	२९	१	१०	३	धनुषि	भ. १३।३१ या. **नवम्बर मा. ११ ता. ३०**
५	चं	१९	३५	मू	४	५	सु	२१	२८	बा	१९	३५	२०	३२	२८	२	११	४	धनुपि	पूफायां भौमः १८।१४
६	मं	२४	३८	पू	११	१५	धृ	२४	०	तै	२४	३८	१६	३३	२७	३	१२	५	म.२७।२९	*शुक्रः ४८।४१ कुष्मांड ९ अक्षय ९
७	बु	२८	६६	उ	१६	१०	शू	२४	३२	व	२८	२६	१३	३३	२७	४	१३	६	मकरे	भ. २८।२६ उ. ५९।३० या. तुलायां+
८	गु	३०	३४	श्र	२०	१३	गं	२३	५०	ब	३०	३४	९	३४	२६	५	१४	७	कुं.५१।१९	गोपाष्टमी +बुधः ४१।४८
९	शु	३०	४४	ध	२२	२६	वृ	२१	४३	बा	०	९	६	३५	२५	६	१५	८	कुम्भे	विशा.रविः२।५८(सौरः२८।४७)पूषा.*
१०	श	२९	८	श	२३	१०	ध्रु	१८	१	ग	२९	८	२	३६	२४	७	१६	९	कुम्भे	भ. ५७।१० उ.
११	र	२५	१३	पू	२१	४	व्या	१२	४४	वि	२५	१३	२६/५९	३६	२४	८	१७	१०	मी६।३५	भ.३/१ ३/३या. चित्रा.१ शनिः ११/४८ प्रबोधिनी×
१२	चं	१९	२३	उ	१७	२२	ह	५५/५	३५/५९	बा	१९	२३	५६	३७	२३	९	१८	११	मीने	स्वात्यां बुधः ४२।१९ प्रदोषः
१३	मं	१२	५	रे	११	१	स्ति	४७	५०	तै	१२	५	५३	३७	२३	१०	१९	१२	मे.११।१	वैकुंठ १४ ×११ व्र. तुलसी विवाहः
१४	बु	३	२४	अ	२५/५	३०/५३	व्य	३७	२७	व	३	२४	४९	३८	२२	११	२०	१३	मेषे	भ.३।२४उ.२८।३७या. चित्रा. ४ गुरुः५७
१५	बु	५०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३०पं.का.शु.५चं.इ.२२।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	६	८	५	३	६
१६	१३	२७	१	३	२२	२	१६
२९	२८	४२	१९	२७	४०	४३	२
३८	४४	१४	३७	१४	५९	१०	४७
६०	३६	५९/२६	१३	६१	६	३	६०
४	४	मा	२६	१९	५८	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मासमें मंगल वारी दिवाली धान्य संग्रह करने वालों को लाभ दायक है।

गोचरग्रहाः

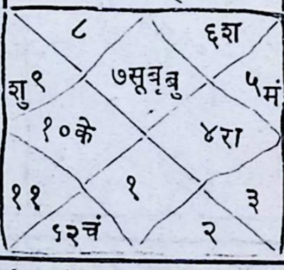

३१पं.का.शु.१२चं.इ.३२।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	६	८	५	३	६
२३	१७	६	२	१०	२३	२	२३
३०	२३	२६	४७	३९	२८	२०	५
५८	३५	१३	५३	४०	५५	५४	२४
६०	३५	८५	१३	५८	६	३	६०
१७	२६	१३	२०	४१	३८	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४४	९	कृ	५०	१७	व	२६	३४	बा	१८	५९	२६/४६	६/३९	५/२१	१२	२१	१४	बृ.११।४६	
२	शु	३४	४४	रो	४३	११	ध	१५	३२	तै	९	२६	४३	३९	२१	१३	२२	१५	वृषे	
३	श	२५	४७	मृ	३५	४१	शि	५४/५	४९/५३	व	०	१५	४०	४०	२०	१४	२३	१६	मि९।२६	भ. ०।१५ उ. २५।४७ या. चतुर्थी व्र.
४	र	१८	१३	आ	३०	२	सा	४५	५५	बा	१८	१३	३७	४१	१९	१५	२४	१७	मिथुने	वृश्चिकेऽर्कः ५९।०
५	चं	१२	२	पु	२५	४	शु	३८	१०	तै	१२	२	३४	४१	१९	१६	२५	१८	क.११।२१	वृश्चिकेऽर्कः सौरः २३।४
६	मं	७	४४	पु	२३	२१	शु	३२	१९	व	७	४४	३१	४२	१८	१७	२६	१९	कर्के	भ. ७/४४ उ. ३६/२८ या. बुधास्तः पूर्वस्यां ३४/३×
७	बु	५	१२	श्ले	२२	४४	ब्र	२७	८	ब	५	१२	२९	४२	१८	१८	२७	२०	सि२२।४४	विशाखा. बुधः २७।५०
८	गु	४	२८	म	२४	५३	ऐं	२३	४७	कौ	४	२८	२६	४३	१७	१९	२८	२१	सिंहे	अनु. रविः १७।२० (सौरः ४०।५२)
९	शु	५	३१	पू	२७	७	वै	२१	४४	ग	५	३१	२४	४३	१७	२०	२९	२२	कं.४३।४	भ. ३६।४३ उ.
१०	श	७	५५	उ	३०	५४	वि	२०	५३	वि	७	५५	२१	४४	१६	२१	३०	२३	कन्यायां	भ. ७।५५ या.
११	र	११	५३	ह	३५	५३	प्री	२१	२९	बा	११	५३	१९	४४	१६	२२	१	२४	कन्यायां	रा. मार्गशीर्षारम्भः उत्पत्ति ११ व्र.
१२	चं	१६	५१	चि	४३	४३	आ	२२	२४	तै	१६	५१	१६	४६	१५	२३	२	२५	तु.९।४८	प्रदोषः *अनु. बुधः ३६।४६
१३	मं	२२	४३	स्वा	४९	५२	सौ	२४	७	व	२२	४३	१३	४५	१५	२४	३	२६	तुलायां	भ. २४/४३ उ. ४०/५० या. बृश्चिके बुधः ४४।५९
१४	बु	२८	३७	वि	५७	८	शो	२६	१	श	२८	३७	११	४६	१४	२५	४	२७	वृ.४०।१९	×पातस्पर्शः १७।२५ पातमोक्षः ४२।३४
३०	गु	३५	२०	अ	६०	०	अ	२८	११	च	१	५९	८	४६	१४	२६	५	२८	वृश्चिके	उफा भौमः ३५।४४ उषा.शुक्रः ३२।१८*

३२पं. मा.कृ.५चं.इ.३२।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	६	८	५	३	७
०	२१	१६	४	१७	२४	१	०
३३	१२	५९	१४	३६	१४	५८	९
४७	१८	६	५३	२२	२४	२९	२८
६०	३४	९४	१३	५५	६	३	६०
३०	४६	२	५	२८	२५	११	४०

गोचरग्रहाः

मार्ग. कृ. ४ रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. २ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

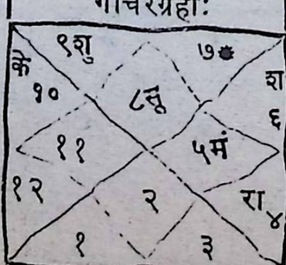

३३पं.मा.कृ.चं१२.इ.३२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	६	८	५	३	७
७	२४	२८	५	२४	२४	१	७
३७	५६	२	३९	७	५७	३६	१५
३७	२४	४६	४०	१६	५४	२३	१
६०	३३	९६	१२	५१	६	३	६०
४२	५२	३७	३९	९	८	११	५३

*चंबुबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४१	४१	अ	५	८	सु	३०	२६	किं	८	३१	२६	४७	१३	२७	६	२९	वृश्चिके
२	श	४७	४५	ज्ये	१२	१६	धृ	३२	४२	बा	१४	४३	३	४७	१३	२८	७	३०	ध्र.१२।१६
३	र	५३	३३	मू	१९	३५	शू	३४	४१	तै	२०	३९	१	४८	१२	२९	८	१	धनुषि
४	चं	५८	४२	पू	२६	११	गं	३५	५०	व	२६	७	२५ ५९	४८	१२	३०	९	२	म.४२।३८
५	मं	६०	०	उ	३१	५९	वृ	३६	४४	ब	३०	४३	५७	४९	११	१	१०	३	मकरे
५	बु	२	४५	श्र	३६	५०	ध्रु	३६	५१	बा	२	४५	५५	४९	११	२	११	४	मकरे
६	गु	५	३०	ध	४०	१९	व्या	३५	४१	तै	५	३०	५३	४९	११	३	१२	५	कु.८।३४
७	शु	६	४१	श	४२	१०	ह	३२	१९	व	६	४१	५१	५०	१०	४	१३	६	कुम्भे
८	श	६	२३	पू	४२	२३	व	२९	४६	ब	६	२३	४९	५०	१०	५	१४	७	मी२७।२९
९	र	४	१२	उ	४०	५५	सि	२४	२६	कौ	४	१२	४८	५०	१०	६	१५	८	मीने
१०	चं	०	१४	रे	३७	३५	व्य	१७	४७	ग	०	१४	४६	५१	९	७	१६	९	मे.३७।३५
११	चं	५४	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	मं	४७	१७	अ	३१	२४	व	९	४१	ब	२०	५५	४५	५१	९	८	१७	१०	मेषे
१३	बु	३९	१०	भ	२६	१	प	३८	५३	कौ	१३	१४	४४	५१	९	९	१८	११	वृ.३९।१२
१४	गु	२९	२१	कृ	१८	४६	सि	३९	२८	ग	४	१६	४२	५२	८	१०	१९	१२	वृषे
१५	शु	१९	२८	रो	१०	४४	सा	२८	२६	ब	१९	२८	४१	५२	८	११	२०	१३	मि३६।५२

हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१५८स.१९८१

स्वाती १ गुरुः ४३।२८ चन्द्रदर्शनम्
सफर २
भ. २६।७ उ. ५६/४२ या. मकरे शुक्रः १८।३८
दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
ज्येष्ठा. रविः २७।३० (सौरः४७।५२)
कन्यायां भौमः ७।५२ चम्पा ६
भ. ६।४१ उ. ३६।३२ या.
ज्येष्ठा. बुधः २४।३५
भ. २७।२३ उ. ५४।३३ या. मोक्षदा*
*११ व्र. स्मा. गीता जयंती
मोक्षदा ११ व्र. वै.
प्रदोषः
भ. २९।२१ उ. ५४।२४ या.
दत्तजयन्ती

३४पं.मा.शु.४चं.इ.३१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	६	९	५	३	७
१४	२८	९	७	०	२५	१	१४
४२	३४	७	२	१०	३९	१४	२१
५४	८	५५	१३	१६	१८	७	४७
६०	३३	९८	१२	४६	५	३	६०
५०	८	३५	१७	९	४०	११	३

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ गुरु ५ शुक्रवार श्रेष्ठ हैं अनाज गल्ला किराणा सोनाचांदी तिल तैल मूंगफली में मंदी होगी सुदी में तेज ।

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.शु.१०च.इ.३१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	९	५	३	७
२१	२	२०	८	५	२६	०	२१
४८	४	११	२१	३२	१६	५१	२९
५८	८	२	४०	२०	५५	५२	३३
६०	३२	९९	११	३९	५	३	६०
५६	११	३३	४७	१५	१३	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	९	५५	मृ	३ ५	५२ ५९	शु	१७	२२	कौ	९	५५	२५ ४०	६ ५२	५ ८	१२	२१	१४	मिथुने
२	र	१	३	पु	४८	५०	शु	६ ५९	५० २५	ग	१	३	३९	५२	८	१३	२२	१५	क.३५।३८
३	र	५२	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	चं	४७	९	पु	४५	१६	ऐं	४९	१८	ब	२०	१२	३८	५२	८	१४	२३	१६	कर्के
५	मं	४३	२	श्ले	४२	३६	वै	४२	४५	कौ	१५	५	३७	५३	७	१५	२४	१७	सिं४२।३६
६	बु	४०	५०	म	४१	५८	वि	३७	४७	ग	११	५६	३७	५३	७	१६	२५	१८	सिंहे
७	गु	४१	४	पू	४३	२०	प्री	३४	३२	वि	१०	५७	३७	५३	७	१७	२६	१९	कं.५९।१२
८	शु	४३	१	उ	४६	४९	आ	३२	४३	बा	१२	२	३६	५३	७	१८	२७	२०	कन्यायां
९	श	४६	५०	ह	५१	३७	सौ	३२	४१	तै	१४	५५	३६	५३	७	१९	२८	२१	कन्यायां
१०	र	५१	५२	चि	५८	१०	शो	३२	१७	व	१९	२१	३६	५३	७	२०	२९	२२	तु.२४।५३
११	चं	५८	४	स्वा	६०	०	अ	३५	०	ब	२४	५८	३६	५३	७	२१	३०	२३	तुलायां
१२	मं	६०	०	स्वा	५	२०	सु	३७	७	कौ	३२	१३	३६	५३	७	२२	१	२४	वृ.५५।५८
१२	बु	४	२२	वि	१२	५०	धृ	३९	३१	तै	४	२२	३६	५३	७	२३	२	२५	बृश्चिके
१३	गु	११	८	अ	२०	३८	शू	४१	४४	व	११	८	३७	५३	७	२४	३	२६	बृश्चिके
१४	शु	१७	२८	ज्ये	२८	२	गं	४३	४३	श	१७	२८	३७	५३	७	२५	४	२७	ध.२८।२
३०	श	२३	२९	मू	३५	८	वृ	४५	२६	ना	२३	२९	३७	५३	७	२६	५	२८	धनुषि

हेमन्ततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

चित्रायां २ शनिः ७।२२
भ. २७।९ उ. ५३।१५ या. मूले धनुषि×
×बुधः ४६।४५
श्रवणे शुक्रः ३७।१५ चतुर्थी व्र.
मूले धनुष्यर्कः ३४।४२ (सौरः५१।३६)
भ. ४०।५० उ. स्वाती २ गुरुः ३९।५१
भ. १०।५७ या.
भ. १९।२१ उ. ५१।५२ या.
सफला ११ व्र.
पूत्रायां बुधः ५।५५ रा. पौषारंभः
पुन. ३ मिथुने राहुः उपा. १ धनुषि केतुः*
भ. ११।८ उ.४४।१८ या. हस्ते भौमः ३५/२८
*४९।४८ प्रदोषः

३६पं. पौ.कृ.४चं.इ.३१।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	६	९	५	३	७
२८	५	१	९	९	२६	०	२८
५५	२३	१४	३६	५८	५१	२९	३८
५२	२०	३१	५८	८	२५	३६	१६
६१	३०	९९	११	३०	४	३	६१
०	५१	४३	८	२०	४१	११	१९

गोचरग्रहाः

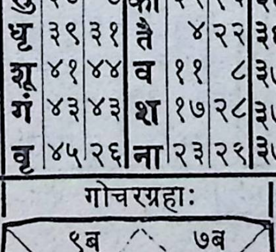

पौष कृ. ५भौमे धनुष्यर्कः प्र.वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

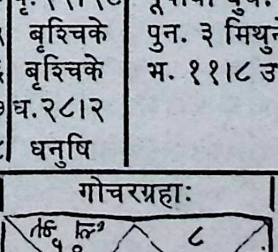

३७पं.पौ.कृ.११चं.इ.३१।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	६	९	५	३	८
६	८	१२	१०	१३	२७	०	५
३	३४	२१	४८	१५	२१	७	४७
२९	२३	११	०	११	५८	२१	४१
६१	२९	९०	१०	१८	३	३	६१
४	३१	२३	२८	५६	१३	११	२२

*चंशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१८८स.१९८२
१	र	२८	४०	पू	४०	२२	ध्रु	४६	२९	ब	२८	४०	३५/३८	६/५२	५/८	२७	६	२९	म.५६।५१	
२	चं	३३	७	उ	४५	५७	व्या	४७	४	बा	०	५३	३८	५२	८	२८	७	३०	मकरे	पूषा. रविः ३९/३८ (सौरः ५३/१४) चन्द्रदर्शनम्
३	मं	३६	४७	श्र	५१	२२	ह	४६	५०	तै	४	५७	३९	५२	८	२९	८	१	मकरे	रविलावल ३
४	बु	३९	५	ध	५४	५७	व	४५	३६	व	७	५६	४०	५२	८	३०	९	२	कुं २३।९	भ. ५६/६ उ. ३९/५ या. उषायां बुधः २५।३६
५	गु	४०	१४	श	५७	२०	सि	४३	४३	ब	९	४६	४०	५२	८	३१	१०	३	कुम्भे	वक्री शुक्रः २।१५
६	शु	४०	२१	पू	५८	३८	व्य	४०	५०	कौ	१०	२८	४१	५२	८	१	११	४	मी४३।१९	मकरे बुधः ३२/८ जनवरी मा. १ ता. ३१*
७	श	३९	१३	उ	५८	३१	व	३६	५६	ग	९	५३	४२	५२	८	२	१२	५	मीने	भ. ३९/१३ उ. बुधोदयः पश्चिमायाम् २।१७
८	र	३६	४३	रे	५६	५०	ष	३१	४४	वि	८	०	४३	५१	९	३	१३	६	मे.५६।५०	भ. ८।० या.
९	चं	३२	४२	अ	५४	५८	शि	२५	३४	बा	४	४३	४४	५१	९	४	१४	७	मेषे	
१०	मं	२७	२३	भ	४९	४७	सि	१८	१३	तै	०	२	४६	५१	९	५	१५	८	मषे	भ. ५४।३ उ. *सन् १९८२ ई.
११	बु	२०	४३	कृ	४४	१९	सा	८	४०	वि	२०	४३	४७	५१	९	६	१६	९	वृ.३।२५	भ.२/४ ०/३ या. स्वाती ३गुरुः ३/३ ६/१ पुत्रदा ११ व्र.
१२	गु	१२	५७	रो	३७	५९	शु	३२	४९/५७	बा	१२	५७	४९	५०	१०	७	१७	१०	वृषे	प्रदोषः
१३	शु	४	३४	मृ	३१	१०	ब्र	४०	२	तै	४	३४	५१	५०	१०	८	१८	११	मि४।३४	भ. ५५।३५ उ. श्रवणे बुधः ९।४४
१४	शु	५१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श	४६	४६	आ	२४	१	ऐं	२९	४०	वि	२१	११	५२	५०	१०	९	१९	१२	मिथुने	भ. २१।११ या. खग्रास चंद्रग्रहणम्

३८पं. पौ.शु.२चं.इ.३११।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	६	९	५	२	८
१३	११	२३	११	१५	२७	२९	१२
११	३६	३२	५४	२	४८	४५	५७
३१	४	५५	३२	३५	१४	५	३३
६१	२७	९९	९	४	३	३	६१
६	५७	३	४२	४०	३२	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं। शनिवाराः यदा पंच पाताले कंपते फणी। ईशानदेश भंगश्च वन्हिदाहो महर्घता।

गोचरग्रहाः

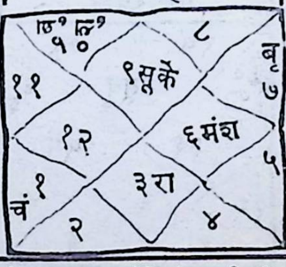

३९पं.पौ.शु. ९चं.इ.३११।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	९	५	२	८
२०	१४	४	१२	१४	२८	२९	२०
१९	२४	४३	५४	४९	९	२२	७
२६	१४	४४	४७	३०	५०	४९	३०
६१	२५	९५	८	१/६	२	३	६१
६	५८	४	५३	व	५०	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३८	३४	पु	१७	२३	वै	१९	४९	बा	१२	४०	२५/५२	६/५०	५/१०	१०	२०	१३	क. ४।२	उषायां रविः ४४।२२ (सौरः ५४।४१)
२	चं	३१	३४	पु	११	४३	वि	१०	२९	तै	५	१६	५५	४९	११	११	२१	१४	कर्के	भ. ५८।५५ उ.
३	मं	२६	१६	श्ले	७	३७	प्री	३८/२	५३/२२	वि	२६	१६	५८	४८	१२	१२	२२	१५	सिं७।३७	भ. २६।१६ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२२	४४	म	४	२	सौ	५१	१०	बा	२२	४४	२६/१	४८	१२	१३	२३	१६	सिंहे	
५	गु	२१	३३	पू	४	४९	शो	४७	५४	तै	२१	३	३	४७	१३	१४	२४	१७	कं.२०।१५	मकरेऽर्कः ०।४६ (सौरः १०।६)
६	शु	२२	२०	उ	६	३४	अ	४६	३४	व	२२	२०	५	४७	१३	१५	२५	१८	कन्यायां	भ. २२।२० उ. ५३।५५ या.
७	श	२५	३०	ह	१०	२३	सु	४६	२७	ब	२५	३०	८	४६	१४	१६	२६	१९	तु.४३।१२	वक्री उभायां बुधः ५०।३८
८	र	२९	४९	चि	१६	१	धृ	४७	१८	कौ	२९	४९	१०	४६	१४	१७	२७	२०	तुलायां	÷धनुषि शुक्रः १३/५ शु. उ पूर्व. ५२/४८
९	चं	३५	४९	स्वा	२२	३७	शू	४९	३०	तै	२	४९	१२	४६	१४	१८	२८	२१	तुलायां	धनि. बुधः३९।१७ ×३७।४८ शु.अ.प
१०	मं	४२	२	वि	३०	३	गं	५१	४१	व	८	२३	१५	४५	१५	१९	२९	२२	वृ.१३।११	भ. ५८/५ उ. ४३/२ या. शुक्रास्तः पश्चिमायां×
११	बु	४८	४६	अ	३७	५२	वृ	५३	५५	ब	१५	५८	१७	४५	१५	२०	३०	२३	वृश्चिके	अभि. प्र. रविः ३३/३१ (सौरः ४१/२८) षट्तिला●
१२	गु	५५	११	ज्ये	४५	१७	ध्रु	५६	१०	कौ	२१	२३	२०	४४	१६	२१	१	२४	ध.४५।१७	रा. माघारंभः ●११ व्र.
१३	शु	६०	०	मू	५१	५९	व्या	५७	४९	ग	२८	५	२२	४४	१६	२२	२	२५	धनुषि	वक्री बुधः ५३।० प्रदोषः
१३	श	१	०	पू	५७	४	ह	५८	४२	व	१	०	२५	४३	१७	२३	३	२६	धनुषि	भ. १/० उ ३३/२३ या. श्रवणेरविः ४९/५४ (सौरः ५७/२५)
१४	र	५	४६	उ	६०	०	व	५८	४६	श	५	४६	२७	४३	१७	२४	४	२७	म.१३।३३	अभि. नि. रविः ४३/२३. (सौरः ४९/११) वक्री÷
३०	चं	९	२४	उ	३	१	सि	५७	४०	ना	९	२४	३०	४२	१८	२५	५	२८	मकरे	बुधास्तः पश्चिमायां १४।१२ शु.उ.पू.

४०पं.मा.कृ.२चं.इ.३११।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	९	५	२	८
२७	१६	१५	१३	१२	२८	२९	२७
२७	५६	१८	५०	४६	२६	०	१७
४०	१७	२९	१०	१२	५६	३४	२२
६१	२३	९४	७	२६/३८	२	३	६१
६	४०	५२	५५	व	९	११	२४

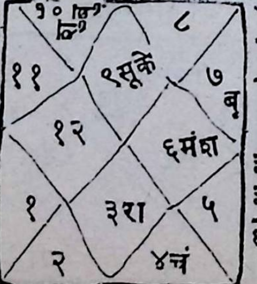

४१पं.मा.कृ.९चं.इ.३११।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	९	५	२	९
४	१९	२३	१४	९	२८	२८	४
३५	१२	१३	३७	१	३८	३८	२६
३१	३२	५९	३७	१६	३१	१८	५१
६१	२०	४४	६	३५/४	१	३	६१
३	४१	२०	५०	व	२८	११	१९

४२पं.मा.कृ.३०चं.इ.३११।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	९	५	२	९
११	२१	२४	१५	४	२८	२८	११
४२	८	१८	१८	४८	४५	१६	३५
५८	२८	७	४३	५४	३६	३	४२
६०	१७	२६/४७	५	३४/१४	०	३	६१
५९	३२	व	४५	व	४५	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ	शुक्लपक्षः	सं. २०३८	शाकः	१९०३								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२१८स. १९८२
१	मं	१२	४	श्र	७	१३	व्य	५६	१०	ब	१२	४	३६/३३	४१/६	१९/५	२६	६	२९	कुं.३८।४१	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	१३	२४	ध	१०	८	व	५३	४४	कौ	१३	२४	३६	४१	१९	२७	७	१	कुम्भे	वक्री श्रवणे बुधः ४१।२३ रविलाखर ४
३	गु	१३	४६	श	११	५८	प	५०	१७	ग	१३	४६	३९	४०	२०	२८	८	२	मी५७।३९	भ. ४३।२५ उ.
४	शु	१३	५	पू	१२	५०	शि	४६	१९	वि	१३	५	४२	४०	२०	२९	९	३	मीने	भ. १३।५ या.
५	श	११	३१	उ	१२	५२	सि	४१	५३	बा	११	३१	४६	३९	२१	३०	१०	४	मीने	वसन्त ५ श्री ५
६	र	९	२	रे	१२	५५	सा	३६	५	तै	९	२	४९	३८	२२	३१	११	५	मे.१२।५५	वक्री शनिः ३४।४७
७	चं	५	३८	अ	१०	७	शु	२९	५६	व	५	३८	५२	३८	२२	१	१२	६	मेषे	भ. ३८/५ उ. ३३/६ या. भानु ७ फरवरी●
८	मं	१	३४	भ	७	३३	शु	२३	४	ब	१	३४	५५	३७	२३	२	१३	७	वृ.२१।४१	भीष्माष्टमी पातस्पर्शः ४९।३६
९	मं	५४	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	बु	५०	४६	कृ	४/१	५५/४०	ब्र	१५	४४	तै	२३	३८	५९	३६	२४	३	१४	८	वृषे	पातमोक्षः ७।४ ●मा. २ ता. २८
११	गु	४४	१३	मृ	५४	४१	ऐं	७/४४	५०/५७	व	१७	२९	२७/२	३६	२४	४	१५	९	मि२७।११	भ. १७/२९ उ. ४४/१३ या. जया ११ व्र.
१२	शु	३७	३	आ	४९	१४	वि	४९	४३	ब	१०	३८	६	३५	२५	५	१६	१०	मिथुने	धनिष्ठा. रविः ९८/१५ चित्रायां भौमः ३३/३६
१३	श	२९	४९	पु	४४	१४	प्री	४०	४६	कौ	३	२६	९	३४	२६	६	१७	११	क.३०।२९	धनिष्ठा. रविः सौरः ३।१६ प्रदोषः
१४	र	२२	३६	पु	३८	३१	आ	३२	२	व	२२	३६	१३	३३	२७	७	१८	१२	कर्के	भ. ३३/३६ उ. ४९/१९ या. बुधोदयः पूर्वस्याम् १६
१५	चं	१६	३	श्ले	३४	१६	सौ	२४	५	ब	१६	३	१६	३३	२७	८	१९	१३	सिं३४।१६	

४३पं.मा.शु.७चं.इ.३१।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	९	५	२	९
१८	२२	१७	१५	१	२८	२७	१८
४९	४०	४८	५१	५०	४७	५१	४३
२६	४४	२१	२५	३४	१३	४७	४४
६०	१३	८४/२२	४	३४/१४	६०/७	३	६१
५५	२६	व	३५	व	व	११	४

गोचरग्रहाः

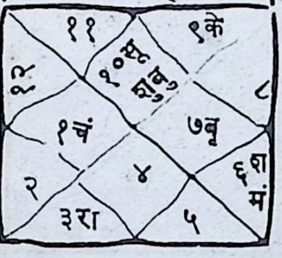

माघ कृ. ५गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु.उ.प.।

गोचरग्रहाः

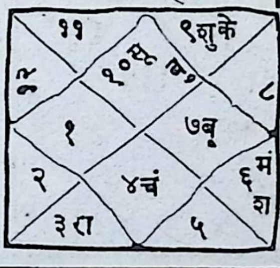

४४पं.मा.शु.१५चं.इ.३१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	८	५	२	९
२५	२३	१०	१६	२९	२८	२७	२५
५५	४८	४३	१५	४९	४३	३१	५०
१६	५८	४०	३६	५४	३३	३१	३१
६०	८	४३/५८	३	३७/३३	४०/८	३	६०
४७	४७	व	२१	व	व	११	५५

ति.	फाल्गुन	कृष्णपक्षः	सं. २०३८	शाकः	१९०३								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१०	३७	म	३१	५७	शो	१६	४७	कौ	१०	३७	२७/२०	६/३२	५/२८	९	२०	१४	सिंहे	वक्री उषायां बुधः ३१।४
२	बु	६	४६	पू	२९	२३	अ	११	५	ग	६	४६	२४	३१	२९	१०	२१	१५	कं.४४।३४	भ. ३५।४२ उ.
३	गु	४	३८	उ	३०	८	सु	६	४६	वि	४	३८	२७	३१	२९	११	२२	१६	कन्यायां	भ. ३८/४ या. मार्गी शुक्रः ४६/४९ चतुर्थी व्र.
४	शु	४	२१	ह	३२	२९	धृ	४	९	बा	४	२१	३१	३०	३०	१२	२३	१७	कन्यायां	कुंभेऽर्कः ३३।३० (सौरः ३७।१३)
५	श	६	३१	चि	३६	४०	शू	३	११	तै	६	३१	३५	२९	३१	१३	२४	१८	तु.४।३४	मार्गी बुधः २२।१३
६	र	१०	७	स्वा	४२	३५	गं	३	९	व	१०	७	३८	२८	३२	१४	२५	१९	तुलायां	भ. १०/७ उ. ४२/४५ या. मकरे शुक्रः ४१/५८ पात●
७	चं	१५	२३	वि	४९	२३	वृ	४	२६	ब	१५	२३	४२	२८	३२	१५	२६	२०	वृ.३२।४१	पातमोक्षः १५/२० ●स्पर्शः ५९।५
८	मं	२१	२०	अ	५७	२६	ध्रु	६	१६	कौ	२१	२०	४६	२७	३३	१६	२७	२१	वृश्चिके	
९	बु	२७	५६	ज्ये	६०	०	व्या	८	३८	ग	२७	५६	५०	२६	३४	१७	२८	२२	वृश्चिके	श्रवणे बुधः २२।५९
१०	गु	३४	२०	ज्ये	४	३२	ह	१०	४४	व	१	८	५४	२५	३५	१८	२९	२३	ध.४।३२	भ. १/८ उ. ३४/२० या. वक्री भौमः २९।५८
११	शु	३९	३२	मू	११	४५	व	१२	४१	ब	६	५६	५८	२४	३६	१९	३०	२४	धनुषि	शते रविः ५१/०१ (सौरः ३३/२५) विजया ११ व्र.
१२	श	४४	१९	पू	१७	५९	सि	१३	५५	कौ	११	५५	२६/२	२४	३६	२०	१	२५	म.३४।११	रा. फाल्गुनारंभः
१३	र	४७	४६	उ	२२	४८	व्य	१३	५२	ग	१६	२	६	२३	३७	२१	२	२६	मकरे	भ. ४७।४६ उ. प्रदोषः
१४	चं	५०	१७	श्र	२६	३५	व	१२	४९	वि	१९	१	१०	२२	३८	२२	३	२७	कु.५७।११	भ. १९।१ या. महाशिवरात्री व्र.
३०	मं	५०	६	ध	२७	४७	प	१०	४२	च	२०	४१	१४	२१	३९	२३	४	२८	कुम्भे	

४५पं.फा.कृ.७चं.इ.३१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	५	२	१०
३	२४	१०	१६	०	२८	२७	२
०	२५	४५	३२	७	३४	९	५६
४	५९	१४	१०	१२	४४	१६	३४
६०	२	१९/१४	१	४६/४१	३५/३५	३	६०
३७	५४	मा	५२	मा	व	११	४५

गोचरग्रहाः

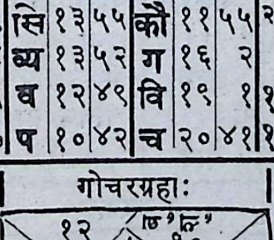

फा. कृ. ४ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्र. वा.२ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

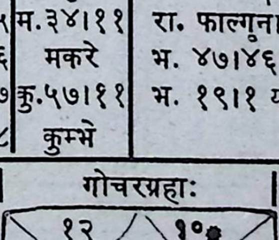

४६पं.फा.कृ.१४चं.इ.३१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	५	२	१०
१०	२४	१३	१६	२	२८	२६	१०
३	३३	३५	३८	१७	२१	४७	१
३२	४	३१	३५	५३	१८	०	७
६०	५३/६	४१	०	२२	१२/४	३	६०
२५	व	५१	३२	२७	व	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२४७स. १९८२
१	बु	४९	४	श	२९	२०	शि	७	३५	किं	१९	३५	२८/१८	६/२०	५/४०	२४	५	२९	कुंभे	पुन. २ राहुः पूषा. ४ केतुः ४३।५४
२	गु	४७	७	पू	२९	११	सि	२३	५४/५९	बा	१८	५	२२	२०	४०	२५	६	३०	मी १४।१४	वक्री गुरुः २४।१६ चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	शु	४४	१३	उ	२७	१०	शु	५२	४६	तै	१५	४०	२६	१९	४१	२६	७	१	मीने	जमादिलावल ५
४	श	४०	३२	रे	२६	१३	शु	४६	३१	व	१२	२२	३०	१८	४२	२७	८	२	मे. २६।१३	भ. १२।२२ उ. ४०।३२ या.
५	र	३६	३१	अ	२३	४६	ब्र	४०	१६	ब	८	४३	३४	१७	४३	२८	९	३	मेषे	पातस्पर्शः ४।२६ मोक्षः १६।३८
६	चं	३२	३३	भ	२०	५८	ऐं	३३	३४	कौ	४	३२	३८	१६	४४	१	१०	४	वृ. ३५।१३	मार्च मास ३ ता. ३१
७	मं	२७	५२	कृ	१७	५७	वै	२६	४०	ग	०	१२	४२	१६	४४	२	११	५	वृषे	भ. २७।५२ उ. ५५।२३ या.
८	बु	२२	५५	रो	१४	८	वि	१९	३१	ब	२२	५५	४६	१५	४५	३	१२	६	मि ४२।३८	होलाष्टकः ×होलिकादहनं गोधूल्यां
९	गु	१७	४४	मृ	११	८	प्री	१२	१३	कौ	१७	४४	५०	१४	४६	४	१३	७	मिथुने	पूभा. रविः ३६/५ (सौरः ३७/२२) धनि. बुधः ५९/५७
१०	शु	१२	१०	आ	७	२५	आ	५४/२	५३/३२	ग	१२	१०	५४	१३	४७	५	१४	८	क. ४९।३८	भ. ३८।५९ उ.
११	श	५	४९	पु	३	४२	शो	५०	९	वि	५	४९	५८	१२	४८	६	१५	९	कर्के	भ. ५।४९ या. आमलकी ११ व्र.
१२	र	०	२९	पु	१०/१०	५६/५७	अ	४३	१४	बा	०	२९	२९/२	१२	४८	७	१६	१०	सिं ५७।७	वक्री हस्ते भौमः ५२।२८ श्रवणे शुक्रः✻
१३	र	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं	५१	७	म	४५	४५	सु	३६	५०	ग	२३	१४	६	११	४९	८	१७	११	सिंहे	भ. ५१।७ उ. ✻५४।३० प्रदोषः
१५	मं	४७	५०	पू	५३	२४	धृ	३१	३०	वि	२७	२८	१०	१०	५०	९	१८	१२	सिंहे	भ. १७।२८ या. कुम्भे बुधः १६।५६×

४७पं. फा. शु. ६ चं. इ. ३२।१६।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	५	२	१०
१७	२४	२०	१६	५	२८	२६	१७
५	१	२४	३६	४७	२	२४	३
४६	५४	७	७	४९	४२	४५	५७
६०	१०/५८	६२	०/४६	३३	२/५१	३	६०
१२	व	५६	व	३८	व	११	२०

गोचरग्रहाः

रवि मंगल शनि होली आवे । डंक कहे मोय फागुन भावे ।। उल्कापात करे भुवि सारि । घर २ बार रोय नरनरि ।।

गोचरग्रहाः

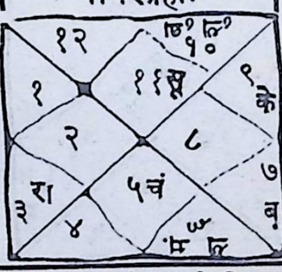

४८पं. फा. शु. १४ चं. इ. ३२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	५	२	१०
२४	२१	२९	१६	१०	२७	२६	२४
६	७	१	२४	२६	४०	२	५
२९	१९	२६	२२	३५	३०	२९	२०
५९	१८/५८	७९	१/१३	४१	३/३	३	६०
५८	व	१३	व	५३	व	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०३८ शाकः १९०३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४५	४७	उ	५३	४६	शू	२६	५७	बा	१६	४९	२९/१४	६/९	५/५१	१०	१९	१३	कं. ८।२९	छारेंडी वसंतोत्सव
२	गु	४५	३७	ह	५५	३२	गं	२३	३७	तै	१५	४२	१९	८	५२	११	२०	१४	कन्यायां	
३	शु	४७	२६	चि	५८	२०	वृ	२२	९	व	१६	३१	२३	७	५३	१२	२१	१५	तु. २६।५६	भ. १६।३१ उ. ४७।२६ या. पातस्पर्शः✻
४	श	५०	५	स्वा	६०	०	ध्रु	२१	३१	ब	१८	४५	२७	७	५३	१३	२२	१६	तुलायां	चतुर्थी व्र. ✻८।४१ मोक्षः २१।१३
५	र	५४	५४	स्वा	३	४६	व्या	२२	१	कौ	२२	२९	३२	६	५४	१४	२३	१७	वृ. ५३।४६	मीनेऽर्कः ३६/१३ (सौरः ३७/४२) शते बुधः २।२
६	चं	६०	०	वि	१०	२६	ह	२३	३५	ग	२७	४१	३६	५	५५	१५	२४	१८	वृश्चिके	
६	मं	०	२३	अ	१७	२६	व	२५	४३	व	०	२९	४०	४	५६	१६	२५	१९	वृश्चिके	भ. ०।२९ उ. ३३।४३ या.
७	बु	६	५८	ज्ये	२४	५२	सि	२७	३३	ब	६	५८	४४	३	५७	१७	२६	२०	ध. २४।५२	उभायां रविः ४७।५७ (सौरः ४८।१८)
८	गु	१३	१९	मू	३२	१७	व्य	३०	२	कौ	१३	१९	४९	२	५८	१८	२७	२१	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	शु	१९	४	पू	३९	१०	व	३१	४८	ग	१९	४	५३	१	५९	१९	२८	२२	म. ५५।३२	भ. ५१।३१ उ.
१०	श	२३	५९	उ	४४	४०	प	३२	२९	वि	२३	५९	५७	१	५९	२०	२९	२३	मकरे	भ. २३।५३ या.
११	र	२७	२१	श्र	४८	४०	शि	३१	५३	बा	२७	२१	३/०/१	६/०/०	६/०/०	२१	३०	२४	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	चं	२९	३	ध	५०	५६	सि	३०	५६	तै	२९	३	६	५/५९	१	२२	१	२५	कुं. १९।४८	पूभा. बुधः ३१/४७ रा. चैत्रारम्भः प्रदोषः
१३	मं	२८	५७	श	५१	३३	सा	२६	४३	व	२८	५७	१०	५८	२	२३	२	२६	कुम्भे	भ. २८।५७ उ. ५७।५९ या.
१४	बु	२७	२	पू	५०	२०	शु	२२	२	श	२७	२	१४	५७	३	२४	३	२७	मी ३५।३९	घनिष्ठायां शुक्रः ०।१० वक्री चित्रायां+
३०	गु	२३	३५	उ	४८	२	शु	१६	९	ना	२३	३५	१८	५६	४	२५	४	२८	मीने	मन्वादिः +१ शनिः ०।१०

४९पं. चै. कृ. ६ चं. इ. ३२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	६	९	५	२	११
१	२१	८	१६	१६	२७	२५	१
५	३६	५९	३	२	१४	४०	५
४२	५०	२४	१४	४६	५३	१३	२
५९	३५/१२	९२	७/६	४८	५/३	३	५९
४१	व	२	व	२३	व	११	४९

गोचरग्रहाः

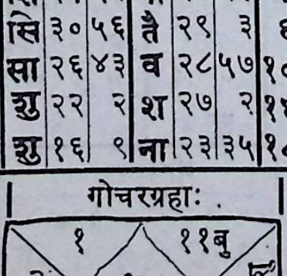

चैत्र कृ. ५ रवौ मीनेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

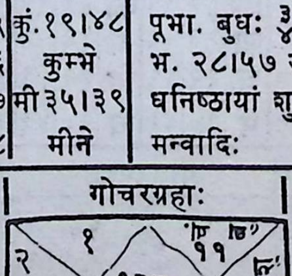

५०पं. चै. कृ. १२ चं. इ. ३३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	६	९	५	२	११
८	१९	२०	१५	२२	२६	२५	८
३	४०	२	३४	२	४६	१७	२
१८	३३	३१	४४	३१	५	५८	५८
५९	३१/१६	७०/२	४४	५३	१४/१२	३	५९
२९	व	२	व	२३	व	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८३ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८३ भोग्यकलिः ४२६९१७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०३९ शाकः १९०४ वर्षेऽस्मिन् राजा शुक्रः । मंत्री भौमः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशो चन्द्रः । रसेशो रविः । नीरसेशो शुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चन्द्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ९ युवानाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः ७।१७।२।२३ भोग्यमासादिः ४।१२।५७।३७ । बार्हस्पत्यदैवतंयुगम् । वर्षनाम चैत्रः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासस्तटे । समयनिवासो रजकगृहे । समयविश्वा १८ । समयवाहनम् दुर्दुरः । स्तम्भाः २ जलतृणयोः । सोमवत्यमा. ३ सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः २० । तिथिवृद्धिः १२ । उत्पत्तिविश्वा ९९। खपतिविश्वा १२६। वर्षाविश्वा ५ । धान्यम् १५। तृणम् १३। शीतम् १७ । तेजः ५ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०९ । सत्यं ॥, धर्मं १॥, पाप१८ । शनि दृष्टिर्दक्षिणे । ग्रहणम् २ चन्द्र सूर्ययो ।

सं. २०३९ शाके १९०४ मार्गशीर्ष कृ. ३० बुधे सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज. मध्य.	घ.	२१	२४	२६		
	पल	२४	२५	४७		
रेल्वे टाइम	घं.	३	४	५		
	मि.	१	१३	१०		

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ६।१२

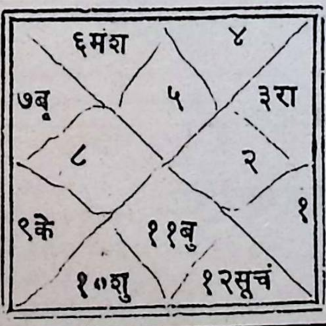

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी तूं जग सर्जनहार ।
उनचालीसा आईया कह दो फल विस्तार ॥

भवानी उत्तर

माता कहे पुकार के संवत्सर का सार ।
अन्न तृण की कमती नहीं गायां दूध अपार ॥
पण मन्त्री मंगल हुवा पापी क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे खेले अपना दाव ॥
श्रावण में वर्षा हुवे भाद्रव करसी तंग ।
गुरु मंगल के योग से होसी रंग में भंग ॥
मार्ग. मास में ग्रहण हैं सूर्य चन्द्र के दोय ।
पौष मास क्षय हो रहा अधिक उपद्रव होय ॥
अनहोनी होवे नहीं होणी होय सो होय ।
ईश भजन बिन जगत में सुख नहीं पाया कोय ॥

सं. २०३९ शाके १९०४ मार्ग. शु. १५ गुरौ खंडग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो
उज्ज. मध्य.	घ.	२२	२५	२६	२९	३०
	पल	१४	६	२१	३६	२८
रेल्वे टाइम	घं.	३	४	४	५	६
	मि.	२१	२९	५९	२९	३८

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ८।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३५।३६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम्---शुक्रस्यराज्ये बहु सस्य संकुलासुतीव्रवेगाः सरितोम्बु-राशिभिः । फलंतिवृक्षाः बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुताः ।। मंत्री भौमस्तत्फलम्--अवनिजोननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना । जन पदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषुपयो द्विज कर्म च ।। सस्येशो शुक्रस्तत्फलम्---शुक्रोयदा धान्य-पतिर्धरायां मेघोजलं वर्षति शोभनंप्रियम् । गोधूमशालीक्षु धनं प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्-बुधे धान्याधिपे मेघाःजलं मुंचन्ति वै भृशम् । सैंधवे लाट देशे च माधवोऽल्पञ्च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रः फलम्---शशिनितोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्ध रसंतदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशः रविः फलम्-रसपतौतरणौ धरणी तदा विरसभागरतात्पपयोधराः । वसनतैल घृतप्रियमानवाः सुखरसंनभुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशो शुक्रस्तत्फलम्-कर्पूरागरुगन्धानां हेम मौक्तिकवाससां । अर्घबृद्धि प्रजायेत नीरसेशोभृगुर्यदिः ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्--यदि विधुः फलपोद्रुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विजमुखा वरभोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलम्-सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिः पराः सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रः फलम्-गढ़पतिः शशलाञ्छनकोयदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा वरर्वाणत विग्रहाः ।। युवा नाम संवत्सरस्तत्फलम्-प्रभूतपयसोगाव सुखिनः सर्वजन्तवः । सर्वकाम क्रियासवतो युवाब्दे युवतीजनः ।। वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम्---सस्यानि घृत कार्पास तैलादि सुख संचयः । चैत्रवर्षे भवेद् बृद्धिर्नृप सौख्यफलप्रदा ।। मेघनाम पुष्करस्तत्फलम्--पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम्--तटे वृष्टिः सुशोभनाः ।। समय निवासो रजकगृहे फलम्--रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०३९ शाके १९०४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णे ८ शुक्रे उषा. ल. अन्यगो. ८ रे. ६ ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

शुक्ले ३ चंद्रे रोहि. ल. ८ (चं.७पू.) रे. १० ।।।।।।।।।

„ ३ चन्द्रे मृगे ल. १० रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

„ ४ भौमे मृगे ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।ऽनृ.।।।।

„ ९ शनौ मघा ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

„ १४ गुरौ स्वा. ल. १० रे. ६ ऽ।ऽवृ।।ऽनृ।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

शुक्ले १ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।

आषाढ़ मासः

शुक्ले ७ रवौ उफा. ल. १० रे. ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।

„ १० बुधे स्वा. ल. गो. सोग्रांगः १० रे. ६ ऽ।ऽवृ।।ऽचौ.।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे ६ चन्द्रे मघा. ल. रे. ६ ऽऽ।।ऽअ.ऽ।।।

„ ८ बुधे उफा. ल. अन्यगो. ५ रे. ७ ।।।।।ऽनृऽ।।

„ ९ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।।।।ऽ।ऽ

माघ मासः

माघ शुक्ले प्र. फाल्गुन कृष्णे क्षयमास दोषः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७७स.१९८२
१	शु	१९	२	रे	४४	४१	ब्र	९	२८	ब	१९	२	३०/२३	५/५५	६/५	२६	५	२९	मे.४४।४१	चंद्रदर्शनम् नवरात्रारंभः संवत्सरारंभः
२	श	१३	३१	अ	४०	४६	ऐं	२/१३	५२/१०	कौ	१३	३१	२७	५५	५	२७	६	१	मेषे	सिंधारा जमादिलाखर ६
३	र	७	३८	भ	३६	३१	वि	४६	३०	ग	७	३८	३१	५४	६	२८	७	२	वृ.५०।३१	भ. ३४।५ उ. मीने बुधः२४।० मत्स्य ज.✱
४	चं	०	३२	कृ	३२	२२	प्री	३८	५५	वि	०	३३	३५	५३	७	२९	८	३	बृषे	भ. ०।३३ या. बुधास्तः पूर्वस्याम् ३/७
५	चं	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	✱गणगौरी ×(सौरः१५।४६)
६	मं	४९	५२	रो	२८	२४	आ	३१	१९	कौ	२२	४२	३९	५२	८	३०	९	४	मि५६।३५	उभायां बुधः ११।८
७	बु	४४	३०	मृ	२४	४६	सौ	२४	४	ग	१७	११	४४	५१	९	३१	१०	५	मिथुने	भ. ४४।३० उ. रेवत्यां रविः १५।४०×
८	गु	३९	२३	आ	२१	२६	शो	१६	५९	वि	१२	५६	४८	५०	१०	१	११	६	मिथुने	भ. १२।५६ या. कुंभे शुक्रः २।७ अप्रैल+
९	शु	३५	५६	पु	१८	३६	अ	१०	३२	बा	७	४०	५२	५०	१०	२	१२	७	क.३।४९	रामनवमी +मा. ४ ता. ३०
१०	श	३०	५१	पु	१६	२१	सु	२४/१	५४/१७	तै	३	२३	५६	४९	११	३	१३	८	कर्के	भ. ५९।६ उ.
११	र	२७	२१	श्ले	१४	२	शू	५३	३४	वि	२७	२१	३१/००	४८	१२	४	१४	९	सि१४।२	भ. २७।२१ या. कामदा ११ व्र.
१२	चं	२४	३६	म	१३	४०	गं	४९	९	बा	२४	३६	४	४७	१३	५	१५	१०	सिंहे	प्रदोषः
१३	मं	२२	४३	पू	१३	२०	वृ	४५	३८	तै	२२	४३	८	४६	१४	६	१६	११	कं.२९।२०	रेवत्यां बुधः ११।५३
१४	बु	२१	५५	उ	१४	२२	ध्रु	४२	५५	व	२१	५५	१२	४६	१४	७	१७	१२	कन्यायां	भ. ३६/५ उ. ५२।१ या. शते शुक्रः ४६।३६
१५	गु	२२	८	ह	१६	२७	व्या	४१	२६	ब	२२	८	१६	४५	१५	८	१८	१३	तु.४८।७	हनुमज्जयन्ती

५१ पं.चै.शु.४चं.इ.३३।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	६	९	५	२	११
१४	१७	२	१४	२८	२६	२४	१४
५९	२३	९	५८	३५	१५	५५	५९
१३	१७	५८	४४	४२	५८	४२	३
५९	३३/५२	०/४	५/५५	५७	४/३१	३	५९
१६	व	०	व	१०	व	११	१८

गोचरग्रहाः

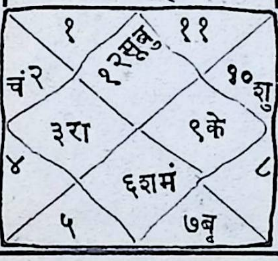

इस मास में शनि मंगल का योग चालू है यह योग ४ मास तक है सो प्रजा में भय उपद्रव और तेजी कारक रहेगा।

गोचरग्रहाः

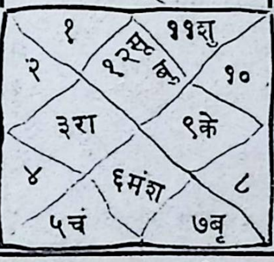

५२पं. चै.शु.१२चं.इ.३३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	६	१०	५	२	११
२१	१४	१५	१४	५	२५	२४	२१
५३	५५	२४	१५	२९	४३	३३	५३
३१	४८	५	४३	४३	३०	२७	१४
५९	६/४४	०/९	६/४४	५८	४	३	५९
४	व	४	व	.३	४०	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२३	०	वि	१९	४८	ह	४०	३७	कौ	२३	०	३१/२०	५/४४	६/१	९	१९	१४	तुलायां	
२	श	२७	१०	स्वा	२४	२३	व	४०	५५	ग	२७	१०	२४	४३	१७	१०	२०	१५	तुलायां	भ. ५९।२५ उ.
३	र	३१	४१	वि	३०	२५	सि	४२	११	वि	३१	४१	२८	४२	१८	११	२१	१६	वृ.१३।५४	भ. ३१।४१ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	३६	४९	अ	३७	१३	व्य	४४	२	ब	४	१४	३२	४२	१८	१२	२२	१७	वृश्चिके	अश्वि. मेषे बुधः ४२।५५
५	मं	४३	९	ज्ये	४४	५०	व	४६	२८	कौ	९	५९	३६	४१	१९	१३	२३	१८	ध.४४।५०	अश्वि. मेषेऽर्कः४९।४३(सौरः५०।२१)✱
६	बु	४९	३२	मू	५२	२०	प	४८	५०	ग	१६	२०	४०	४०	२०	१४	२४	१९	धनुषि	भ. ४९।३२ उ.
७	गु	५५	४६	पू	५९	४८	शि	५०	५६	वि	२२	३८	४३	३९	२१	१५	२५	२०	धनुषि	भ. २२।३८ या.
८	शु	६०	०	उ	६०	०	सि	५२	२७	बा	२८	२१	४७	३९	२१	१६	२६	२१	म.१६।१५	✱वक्री स्वाती. २ गुरुः ४६।१६
८	श	०	५६	उ	६	२५	सा	५३	३	कौ	०	५६	५१	३८	२२	१७	२७	२२	मकरे	
९	र	५	४	श्र	११	२२	शु	५१	५०	ग	५	४	५५	३७	२३	१८	२८	२३	कुं.४२।५५	भ. ३६।८ उ. भरण्यां बुधः ५५।२५
१०	चं	७	१३	ध	१४	२८	शु	४९	२२	वि	७	१३	५८	३६	२४	१९	२९	२४	कुम्भे	भ. ७।१३ या. पूभा. शुक्रः २९।४७
११	मं	७	२३	श	१५	४५	ब्र	४५	१९	बा	७	२४	३२/२	३६	२४	२०	३०	२५	कुंभे	वक्री उफा. भौमः ४७/३ बरूथिनी ११ व्र.
१२	बु	६	४५	पू	१५	११	ऐं	३९	४९	तै	६	४५	६	३५	२५	२१	१	२६	मी०।१९	रा. वैशाखारंभः प्रदोषः
१३	गु	२	३	उ	१२	३५	वै	३२	५४	व	२	३	१०	३४	२६	२२	२	२७	मीने	भ. २।३ उ. २९।२६ या.
१४	गु	५४	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	शु	४९	०	रे	९	५०	वि	२४	४९	च	२२	५४	१४	३३	२७	२३	३	२८	मे.८।९०	बुधोदयः पश्चिमायाम् २५।०

१पं. वै.कृ.५ मं.इ.४९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	६	१०	५	२	११
०	१२	२	१३	१४	२५	२४	२९
०	५	२३	१९	०	५	७	५९
०	२८	२४	३४	७	२०	१८	२४
५८	३६/२४	७/४	७/३२	६२	४/४०	३	५८
४४	व	४८	व	५६	व	११	४५

गोचरग्रहाः

वै. कृ.५ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे स-मता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

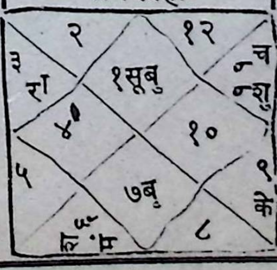

२पं.वै.कृ.११मं.इ.५०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	६	१०	५	२	०
६	९	१७	१२	२१	२४	२३	६
५०	५९	१०	२७	२५	३१	४५	४९
४२	२	१९	२४	५५	५	३	३५
५८	९/३३	०/४	७/५२	६४	४/२९	३	५८
३१	व	३५	व	१५	व	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण: ३३०६सन् १९८२
१	श	४२	२२	अ	३/८	५४/१७	प्री	१५	५०	किं	१५	४१	३३/१७	५/३३	६/२७	२४	४	२९	मेषे	
२	र	३४	१३	कृ	५१	४७	आ	६/३७	५६/४६	बा	८	१७	२१	३२	२८	२५	५	३०	वृ.११।२३	कृत्तिका. बुधः ४२।२२ चन्द्रदर्शन
३	चं	२६	५५	रो	४६	२	शो	४८	८	तै	०	३४	२५	३१	२९	२६	६	१	वृषे	भ. ५३/५ उ. अक्षया ३ परशुरामजयंती रज्जब ७
४	मं	१९	१५	मृ	४०	३१	अ	३९	३१	वि	१९	१५	२९	३०	३०	२७	७	२	मि१३।१६	भ. १९/१५ या. भरण्यां रविः ३०/१ (सौरः ३१/३९) ⊛
५	बु	११	५६	आ	३७	२	सु	३१	४९	बा	११	५६	३२	३०	३०	२८	८	३	मिथुने	मीने शुक्रः ४२/१४ पुन. १ राहुः पूषा. ३ केतुः ४३/४५
६	गु	५	४०	पु	३२	२४	धृ	२४	२४	तै	५	४०	३६	२९	३१	२९	९	४	क.१८।३४	
७	शु	०	९	पु	२९	४९	शू	१८	६	व	०	९	४०	२८	३२	३०	१०	५	कर्के	भ. ०।९ उ. २८।२४ या.
८	शु	५६	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श	५३	३८	श्ले	२८	२६	गं	१२	४१	बा	२५	.८	४३	२७	३३	१	११	६	सिं२८।२६	उभायां शुक्रः ४६/४८ मई मा. ५ ता. ३१×
१०	र	५१	५०	म	२८	१२	वृ	८	६	तै	२२	४४	४७	२७	३३	२	१२	७	सिंहे	×पातस्पर्शः ४३।५२ मोक्षः ५९।३२
११	चं	५१	१	पू	२८	५१	ध्रु	४	२५	व	२१	२६	५१	२६	३४	३	१३	८	कं.४४।१९	भ. २१।२६ उ. ५१।१ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	मं	५१	३७	उ	३०	४४	व्या	१/४४	५६/५	ब	२१	१९	५४	२५	३५	४	१४	९	कन्यायां	रे.हिण्यां बुधः ०।५३
१३	बु	५२	५२	ह	३३	२८	व	५८	४९	कौ	२२	१४	५७	२५	३५	५	१५	१०	कन्यायां	प्रदोषः ⊛वृषे बुधः ३४।४३
१४	गु	५५	२९	चि	३७	३८	सि	५८	४९	ग	२४	११	३३/१	२४	३६	६	१६	११	तु.५।३३	भ. ५५।२९ उ. नृसिंह १४
१५	शु	५९	१०	स्वा	४२	४०	व्य	५९	१३	वि	२७	१९	४	२३	३७	७	१७	१२	तुलायां	भ. ३७/२९ या. यमायसान्नजलकुंभ दानम्

३पं. वैं.शु. ४मं.इ.५०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	६	१०	५	२	०
१३	८	०	११	२९	२४	२३	१२
३९	२२	२७	३३	२	३	२२	३८
४३	१३	४३	२५	४२	७	४७	०
५८	११/५७	७/०	७/५२	६६	४/११	३	५८
१९	व	४९	व	११	व	११	१२

गोचरग्रहाः

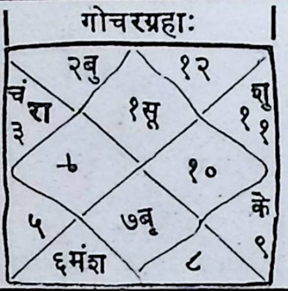

इस मासमें शनि मंगल गुरु वक्री हैं यह सोना चांदी सण सूत रुई बिनोला मूंगफली एरंड में तेजी करेंगे अनाज में घटाबढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

४पं. वै.शु. १२मं.इ.५०।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	६	११	५	२	०
२०	७	११	१०	६	२३	२३	२०
२७	२१	५	४०	३६	३४	०	२४
२२	२५	३६	१६	३७	४८	३२	४१
५८	४/४	७९	७/४३	६७	३/५१	३	५७
६	व	३२	व	२९	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	६०	०	वि	४८	४०	व	६०	०	बा	३१	३५	३३/७	५/२३	६/३७	८	१८	१३	वृ.३२।१०	वक्री हस्ते ४ शनिः ४५।५४
१	र	४	०	अ	५५	१५	व	०	४४	कौ	४	०	१०	२२	३८	९	१९	१४	बृश्चिके	
२	चं	९	१४	ज्ये	६०	०	प	२	२८	ग	९	१४	१३	२१	३९	१०	२०	१५	वृश्चिके	भ. ४२/२३ उ. मार्गी भौमः ५/१२ वक्री स्वाती⊛
३	मं	१५	३२	ज्ये	२	३८	शि	४	४६	वि	१५	३२	१६	२१	३९	११	२१	१६	ध.२।३८	भ. १५/३२ या. कृत्तिका. रविः १५/५६ (सौरः १९/३६)×
४	बु	२१	३१	मू	१०	११	सि	७	१७	बा	२१	३१	१९	२०	४०	१२	२२	१७	धनुषि	⊛१ गुरुः २७।४ ×चतुर्थी व्र.
५	गु	२७	४८	पू	१७	४१	सा	९	४३	तै	२७	४८	२२	२०	४०	१३	२३	१८	म.३४।३२	रेवात्यां शुक्रः ३७।२६
६	शु	३२	२५	उ	२४	४१	शु	११	४५	ग	०	६	२५	१९	४१	१४	२४	१९	मकरे	भ. ३२/२५ उ. वृषेऽर्कः ४३/११ (सौरः ४७/२४)
७	श	३८	५	श्र	३०	४९	शु	१२	५३	वि	५	१५	२८	१८	४२	१५	२५	२०	मकरे	भ. ५/१५ या. पातस्पर्शः १०/२१ मोक्षः ३३/४४
८	र	४१	१४	ध	३५	२९	ब्र	१३	१०	बा	९	१०	३०	१८	४२	१६	२६	२१	कुं. ३।९	
९	चं	४२	२८	श	३८	२५	ऐं	११	५९	तै	११	४८	३३	१७	४३	१७	२७	२२	कुम्भे	
१०	मं	४१	४८	पू	३९	२०	वै	९	२२	व	१२	८	३६	१७	४३	१८	२८	२३	मी२४।७	भ. १२।८ उ. ४१।४८ या.
११	बु	३८	५९	उ	३८	७	वि	५/१०	५४/१	ब	१०	२०	३९	१६	४४	१९	२९	२४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	गु	३४	७	रे	३५	०	आ	५१	४६	कौ	६	३२	४१	१६	४४	२०	३०	२५	मे.३५।०	वक्री बुधः ४०।१८
१३	शु	२७	३३	अ	३०	७	सौ	४३	३	ग	०	५०	४३	१५	४५	२१	१	२६	मेषे	भ. २७।३३ उ. ५६।२ या. प्रदोषः
१४	श	१८	३१	भ	२३	१	शो	३३	२२	श	१८	३१	४६	१५	४५	२२	२	२७	वृ.३६।३२	रा. ज्येष्ठारम्भः
३०	र	१०	३१	कृ	१७	६	अ	२३	९	ना	१०	३१	४८	१४	४६	२३	३	२८	वृषे	बुधास्तः पश्चिमायाम् ४/१५ वट सावित्री व्र.

५पं.ज्ये.कृ.३मं.इ.५०।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	६	११	५	२	०
२७	६	१८	८	१४	२३	२२	२७
१४	५९	१३	४९	३७	९	३८	९
३४	३१	३४	५५	५९	०	१६	५५
५७	३२	३१	७/१४	६८	३/३२	३	५७
५४	मा	७	व	२९	व	११	४५

गोचरग्रहाः

ज्येष्ठ कृ. ६ शुक्रे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रो पू.।

गोचरग्रहाः

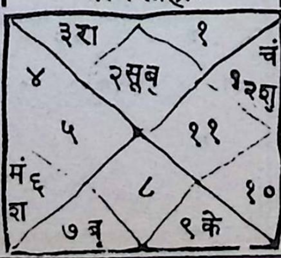

६पं.ज्ये.कृ.१०मं.इ.५०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	६	११	५	२	१
३	७	२१	.९	२२	२२	२२	३
५८	१३	२३	२	३३	४५	१६	५३
२६	५५	२८	४२	५८	५४	०	३४
५७	७	४	६/३१	६९	२/५०	३	५७
४४	२१	१७	व	१९	व	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरऽहर्गणः ३३३६स.१९८२
१	चं	१	३	रो	९	४४	सु	१३	९	ब	१	३	३३/५०	५/१४	६/४६	२४	३	२९	मि३६।४	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*अश्वि. मेषे शुक्रः २१।४७ सावान ८
३	मं	४२	४१	मृ	२३	५३/२७	धृ	२३	५०/१४	तै	१७	१०	५२	१४	४६	२५	४	१	मिथुने	रोहिण्यां रविः ६।४६(सौरः १३।३३)*
४	बु	३४	३१	पु	५०	१४	गं	४३	३०	व	८	४१	५४	१३	४७	२६	५	२	क.३६।३८	भ. ८।४१ उ. ३४/३१ या. पातस्पर्शः ५०।४६
५	गु	२७	४४	पु	४५	५८	वृ	३५	५३	ब	१	७	५६	१३	४७	२७	६	३	कर्के	पातमोक्षः २९।८
६	शु	२२	१९	श्ले	४३	८	ध्रु	२८	१९	तै	२२	१९	५८	१२	४८	२८	७	४	सिं४३।८	
७	श	१८	४१	म	४१	५८	व्या	२३	५४	व	१८	४१	३४/००	१२	४८	२९	८	५	सिंहे	भ. १८।४१ उ. ४७।३३ या.
८	र	१६	२५	पू	४२	१९	ह	१९	५६	ब	१६	२५	२	१२	४८	३०	९	६	कं.५७।५१	
९	चं	१५	५२	उ	४४	२७	व	१७	९	कौ	१५	५२	४	११	४९	३१	१०	७	कन्यायां	
१०	मं	१६	५०	ह	४७	५२	सि	१५	३९	ग	१६	५०	६	११	४९	१	११	८	कन्यायां	भ. ४/२५ उ. जून मा. ६ ता. ३० गंगादशमी
११	बु	१८	०	चि	५२	२०	व्य	१५	५	वि	१८	०	७	११	४९	२	१२	९	तु.२०।५	भ. १८।० या. निर्जला ११ व्र.
१२	गु	२२	४३	स्वा	५७	५१	व	१५	४२	बा	२२	४३	९	१०	५०	३	१३	१०	तुलायां	हस्ते भौमः ५१।१६ प्रदोषः
१३	शु	२६	४९	वि	६०	०	प	१६	३४	तै	२६	४९	१०	१०	५०	४	१४	११	बृ.४७।३९	
१४	श	३२	१३	वि	४	१४	शि	१८	१७	व	३२	१३	१२	१०	५०	५	१५	१२	वृश्चिके	भ. ३२।१३ उ. भरण्यां शुक्रः ५७।१७
१५	र	३७	३५	अ	११	८	सि	२०	१०	वि	४	५४	१३	९	५१	६	१६	१३	वृश्चिके	भ. ४।५४ या. गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

७पं.ज्ये.शु.३मं.इ.५०।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	६	०	५	२	१
१०	८	२०	८	०	२२	२१	१०
४२	३	३२	२१	३४	२९	५३	३५
२५	३६	२०	१८	८	११	४५	४५
५७	१२	११/५०	५/३७	७०	२/१४	३	५७
३५	४७	व	व	८	व	११	२३

गोचरग्रहाः

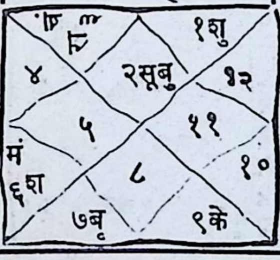

इस मास में ५ शनिवार तेजी कारक हैं। तेजी का नफा शीघ्र लेलेना आगे मंदी होने वाली है।

गोचरग्रहाः

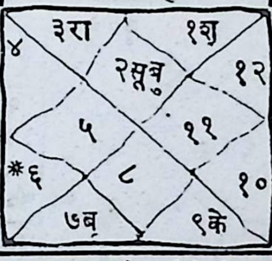

८पं.ज्ये.शु.१०मं.इ.५१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	६	०	५	२	१
१७	९	१७	७	८	२२	२१	१७
२५	२५	१४	४७	३९	१५	३१	१६
८	४८	१६	३१	५४	०	२९	५१
५७	१७	३२/२६	४/२४	७०	१/३८	३	५७
२७	४	व	व	४६	व	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४३	४७	ज्ये	१८	२९	सा	२२	३४	बा	१०	४१	१४/१४	५/९	६/५१	७	१७	१४	ध.१८।२९	
२	मं	४९	५८	मू	२६	९	शु	२४	५९	तै	१६	५३	१६	९	५१	८	१८	१५	धनुषि	मृगे. रविः १।४३ (सौरः १२।२२)
३	बु	५५	५३	पू	३३	२२	शु	२७	१९	व	२२	५६	१७	९	५१	९	१९	१६	म.५०।१०	भ. २२।५६ उ. ५५।५३ या. बुधोदयः*
४	गु	६०	०	उ	४०	३१	ब्र	२९	३८	व	२८	३८	१८	८	५२	१०	२०	१७	मकरे	चतुर्थी व्र. *पूर्वस्याम् ५९।४०
४	शु	१	२४	श्र	४७	१	ऐं	३१	११	बा	१	२४	१९	८	५२	११	२१	१८	मकरे	
५	श	५	५६	ध	५२	२२	वै	३२	५	तै	५	५६	२०	८	५२	१२	२२	१९	कुं.१९।४१	
६	र	९	५२	श	५६	३१	वि	३१	५९	व	९	५२	२१	८	५२	१३	२३	२०	कुम्भे	भ. ९।५२ उ. ४०।५७ या.
७	चं	१२	२	पू	५९	१०	प्री	३०	४३	ब	१२	२	२१	८	५२	१४	२४	२१	मी४३।३०	
८	मं	१२	३०	उ	५९	५०	आ	२८	१	कौ	१२	३०	२२	८	५२	१५	२५	२२	मीने	मिथुनेऽर्कः ०।२०(सौरः १३।९) मार्गी×
९	बु	११	७	रे	५८	५५	सौ	२३	५२	ग	११	७	२२	८	५२	१६	२६	२३	मे.५८।५५	भ. ३९।२३ उ. ×बुधः ४२।४६
१०	गु	७	३९	अ	५५	४०	शो	१८	७	वि	७	३९	२३	७	५३	१७	२७	२४	मेषे	भ. ७।३९ या. कृत्ति. शुक्रः १।५२
११	शु	२	३७	भ	५०	४१	अ	१०	४४	बा	२	३७	२३	७	५३	१८	२८	२५	मेषे	मार्गी शनिः २४।३१ योगिनी ११ व्र.
१२	शु	५२	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	श	४७	२०	कृ	४४	२२	सु	२/१५	५०/१९	ग	२१	२५	२३	७	५३	१९	२९	२६	बृ. ४।७	भ. ४७।२० उ. प्रदोषः
१४	र	३७	५१	रो	३७	१२	शू	४१	५६	वि	१२	३५	२४	७	५३	२०	३०	२७	बृषे	भ. १२।३५ या. बृषे शुक्रः ९।५७
३०	चं	२७	५६	मृ	२९	१७	गं	३१	८	च	२	५३	२४	७	५३	२१	३१	२८	मि३।१४	आर्द्रा. रविः ५९।१२ सीमवती ३०

९पं.आ.कृ.२मं.इ.५१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	६	०	५	२	१
२४	११	१४	७	१६	२२	२१	२३
७	१४	१	२०	४६	६	९	५६
१२	३८	४८	६	३४	५०	१४	४७
५७	२०	२४/५	३/२२	७१	०/५४	३	५७
२२	३८	व	व	१९	व	११	५

गोचरग्रहाः

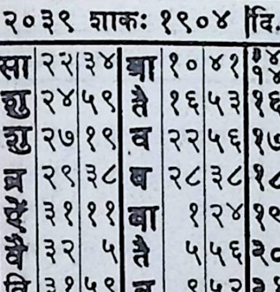

आ. कृ. ८ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५न.५ गतालकावस्था(ऊभी)मु.४५ धान्यदिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

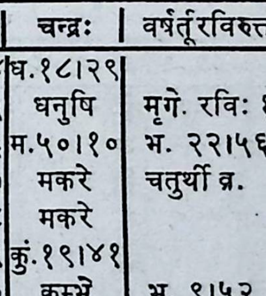

१०पं.आ.कृ. ८मं.इ.५१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	६	०	५	२	२
०	१३	१३	७	२४	२२	२०	०
४८	२७	३	०	५९	१	४६	३५
२५	२९	३८	४३	३१	४४	५८	५६
५७	२३	२/१	३/१	७१	०/२०	३	५७
१७	३२	मा	व	४६	व	११	५६

 *चंमंश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़	शुक्लपक्षः	सं. २०३९					शाकः	१९०४				दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३६६५स.१९८२
१	मं	१७	३८	आ	२१	२८	वृ	२०	१५	बा	१७	३८	३४/२४	५/७	५ ६/३	२२	१	२९	मिथुने	आर्द्रा. रविः सौरः १४।४२ चन्द्रदर्शनम्●
२	बु	८	१	पु	१४	४	ध्रु	९	४६	कौ	८	१	२४	७	५३	२३	२	१	क.०।५०	रथयात्रा रमजान ९ ●रा. आषाढ़ारम्भः
३	बु	५१	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	गु	५२	७	पु	७	५२	व्या	०/१६	५९/२४	व	२५	४९	२४	७	५३	२४	३	२	कर्के	भ. २५।४९ उ. ५२।७ या.
५	शु	४६	४३	श्ले	२/५१	५६/५८	व	४४	४३	ब	१९	२५	२३	७	५३	२५	४	३	सिं२।५१	
६	श	४३	४	पू	५८	३३	सि	२९	१९	कौ	१४	५३	२३	७	५३	२६	५	४	सिंहे	मार्गी गुरुः २०।५९
७	र	४१	३२	उ	५९	३०	व्य	३५	१६	ग	१२	१७	२३	७	५३	२७	६	५	कं.१३।५२	भ. ४१।३२ उ.
८	चं	४०	५८	ह	६०	०	व	३२	५४	वि	११	१५	२२	८	५२	२८	७	६	कन्यायां	भ. ११।१५ या. रोहि शुक्रः ३४।३३
९	मं	४२	४	ह	२	२२	प	३१	५९	बा	११	३१	२२	८	५२	२९	८	७	तु.३४।३०	
१०	बु	४७	४९	चि	६	३८	शि	३२	३१	तै	१४	५६	२१	८	५२	३०	९	८	तुलायां	मृगे बुधः ५१/४६ आर्द्रा.४राहुः पूफा.२ केतुः ३७/६
११	गु	५२	४१	स्वा	१३	१३	सि	३३	३७	व	२०	१५	२०	८	५२	१	१०	९	तुलायां	भ. २०/१५ उ. ५२/४१ या. जुलाई मा. ७ ता. ३१×
१२	शु	५८	२४	वि	१८	४१	सा	३५	३८	ब	२५	३२	१९	८	५२	२	११	१०	वृ. २।४	×देवशयनी ११ व्र.
१३	श	६०	०	अ	२६	११	शु	३७	४९	कौ	३१	२०	१८	८	५२	३	१२	११	वृश्चिके	प्रदोषः +बुधः ३३/३९ वायु परीक्षा
१३	र	४	१७	ज्ये	३३	२२	शु	४०	१६	तै	४	१७	१७	९	५१	४	१३	१२	ध.३३।२२	
१४	चं	१०	२८	मू	४०	५६	ब्र	४२	४०	व	१०	२८	१५	९	५१	५	१४	१३	धनुषि	भ. १०/२८ उ. ४३/२३ या. पुन.रविः ५९/८ मिथुने+
१५	मं	१६	१९	पू	४८	१६	ऐं	४४	५१	ब	१६	१९	१४	९	५१	६	१५	१४	धनुषि	पुन. रविः सौरः १८/४२ व्यास पूजा गुरु १५

११पं.आ.शु.१मं.इ.५०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	६	१	५	२	२
७	१६	१५	६	३	२२	२०	७
२९	१	७	५०	१३	२	२४	१४
२४	८	३४	२४	३३	२	४२	२३
५७	२६	२३	३०/६	७२	३०/१	३	५६
१३	५	३४	व	७	मा	११	५४

१२पं.आ.शु.९मं.इ.५०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	६	१	५	२	२
१४	१८	२२	६	११	२२	२०	१३
९	५४	८	४८	३०	७	२	५२
५०	२२	३५	३६	५८	४१	२७	२८
५७	२८	७०	३०/६	७१	१	३	५६
७	१४	२५	मा	२४	१६	११	५०

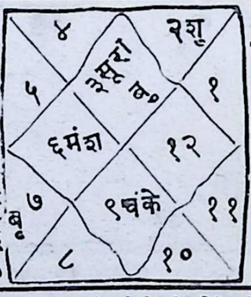

१३पं.आ.शु.१५मं.इ.५०।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	६	१	५	२	२
२०	२२	१	६	१९	२२	१९	२०
५०	१	५९	५५	४९	१७	४०	३०
१०	५२	३८	३७	५२	५३	११	२२
५७	३०	९९	१	७२	१	३	५६
७	२२	१९	५२	५०	५३	११	५०

ति.	श्रावण	कृष्णपक्षः	सं. २०३९					शाकः	१९०४				दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२२	८	उ	५५	७	वै	४६	५१	कौ	२२	८	३४/१३	५/९	६/५१	७	१६	१५	म.४।५९	
२	गु	२७	१२	श्र	६०	०	वि	४८	२१	ग	२७	१२	११	१०	५०	८	१७	१६	मकरे	भ. ५९।१८ उ.
३	शु	३१	२४	श्र	१	११	प्री	४९	१०	वि	३१	२४	१०	१०	५०	९	१८	१७	कुं.३३।५२	भ. ३१/२४ या. आर्द्रा. बुधः ४०/१० मृगे शुक्रः ५३/५५●
४	श	३४	४९	ध	६	३३	आ	४९	१९	ब	३	६	८	१०	५०	१०	१९	१८	कुम्भे	●चित्रा. भौमः २५।१२ चतुर्थी व्र.
५	र	३७	२	श	१०	५९	सौ	४८	३२	कौ	५	५५	७	११	४९	११	२०	१९	मी५८।७	नाग ५ मरुस्थले
६	चं	३८	१	पू	१४	२१	शो	४६	४५	ग	७	३२	५	११	४९	१२	२१	२०	मीने	भ. ३८।१ उ. बुधास्तः पूर्वस्याम् ५०/४३
७	मं	३७	३७	उ	१६	१४	अ	४३	५६	वि	७	४९	४	११	४९	१३	२२	२१	मीने	भ. ७।४९ या.
८	बु	३५	५४	रे	१६	४०	सु	३९	३८	बा	६	४२	२	१२	४८	१४	२३	२२	मे.१६।४०	
९	गु	३२	११	अ	१५	४०	धृ	३४	९	तै	३	५९	०	१२	४८	१५	२४	२३	मेषे	भ. ५९।३८ उ. मिथुने शुक्रः १९।४१
१०	शु	२७	५	भ	१२	४६	शू	२७	२०	वि	२७	५	३३/५८	१२	४८	१६	२५	२४	वृ.२६।४५	भ. २७/५ या. कर्केऽर्कः ३७/३२ (सौरः ५९/२७) पुन.×
११	श	२०	२०	कृ	८	४३	गं	१९	२८	बा	२०	२०	५६	१३	४७	१७	२६	२५	वृषे	कामिका ११ व्र. ×बुधः १५।२६
१२	र	१२	२७	रो	३/५	५३/१७	वृ	१०	२३	तै	१२	२७	५४	१३	४७	१८	२७	२६	मि२९।४४	प्रदोषः
१३	चं	३	३१	आ	४९	५	ध्रु	०/२६	४९/५१	व	३	३१	५२	१४	४६	१९	२८	२७	मिथुने	भ. ३३/३१ उ. ३८/४४ या. पुष्ये रविः ५६।४९
१४	चं	५०	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	मं	४४	१०	पु	४१	२९	ह	३९	२८	च	१९	५	५०	१४	४६	२०	२९	२८	क.२८।२३	पुष्येरविः २२/८ आर्द्रा.शुक्रः ५३/५५ हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.७मं.इ.५०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	६	१	५	३	२
२७	२५	१५	७	२८	२२	१९	२७
३०	२४	२६	११	११	३२	१७	८
३२	१८	३८	४६	२४	४६	५६	२९
५७	३२	[illegible]	३	७३	२	३	५६
११	३	[illegible]	१७	१३	३२	११	५५

गोचरग्रहाः

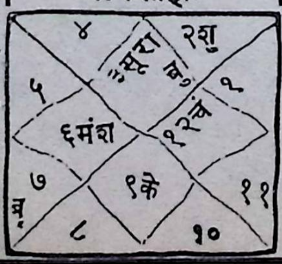

श्रा. कृ. १० शुक्रे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ बाला- वस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

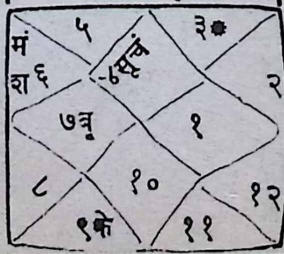

१५पं.श्रा.कृ.३०मं.इ.५०।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	६	२	५	३	३
·४	२८	२८	७	६	२२	१८	३
११	५८	५५	३५	३५	५२	५५	४६
१७	४१	१६	३५	५३	३४	४०	५६
५७	३३	[illegible]	४	७३	३	३	५६
१५	४०	[illegible]	२४	२०	१०	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३९४सन्१९८२
१	बु	३४	४७	पु	३४	९	व	२९	५	किं	१	२८	३३/४७	५/१५	६/४५	२१	३०	२९	कर्के	कर्कं बुधः २१।८ *चन्द्रद. सिधारा
२	गु	२६	३२	श्ले	२८	५	सि	१९	२९	बा	०	३९	४५	१५	४५	२२	३१	३०	सिं२८।५	पुष्ये बुधः ५६/५४ तुलायां भौमः ३९।५०*
३	शु	१९	३८	म	२४	१५	व्य	११/११	४३/३७	ग	१९	३८	४२	१६	४४	२३	१	१	सिंहे	भ. ४७/५४ उ. रा. श्रावणारंभः तीज सव्वाल १०
४	श	१४	३५	पू	२०	९	प	५७	५९	वि	१४	३५	४०	१६	४४	२४	२	२	कं.३४।५२	भ. १४।३५ या. वरद ४
५	र	११	२९	उ	१९	१	शि	१४	१३	बा	११	२९	३७	१७	४३	२५	३	३	कन्यायां	नाग पंचमी ×स्वात्यां भौमः ५५/१५
६	चं	१०	४५	ह	२०	१४	सि	५२	२	तै	१०	४५	३५	१७	४३	२६	४	४	तु.५१।४६	
७	मं	११	५०	चि	२३	१९	सा	५१	३३	व	११	५०	३२	१८	४२	२७	५	५	तुलायां	भ. ११।५० उ. ४३।२६ या.
८	बु	१५	३	स्वा	२८	५	शु	१२	५	ब	१५	३	२९	१८	४२	२८	६	६	तुलायां	चित्रायां १ शनिः ४२।२०
९	गु	१९	३५	वि	३४	१६	शु	५३	४०	कौ	१९	३५	२६	१९	४१	२९	७	७	बृ.१७।४३	आश्लेषा. बुधः १५।१
१०	शु	२५	२५	अ	४१	२५	ब्र	५६	१	ग	२५	२५	२४	१९	४१	३०	८	८	बृश्चिके	भ. ५८।२४ उ.
११	श	३१	२४	ज्ये	४९	८	ऐं	५८	२६	वि	३१	२४	२१	२०	४०	३१	९	९	ध.४९।८	भ. ३१/२४ या. पुन. शुक्रः ५६/३३ पवित्रा ११ व्र.
१२	र	३७	४९	मू	५६	४४	वै	६०	०	ब	४	३७	१८	२०	४०	१	१०	१०	धनुषि	अगस्त मा. ८ ता. ३१ +भद्रोत्तरं
१३	चं	४३	४५	पू	६०	०	वै	१	४	कौ	१०	४७	१५	२१	३९	२	११	११	धनुषि	आश्ले. रविः ५३।५० प्रदोषः
१४	मं	४९	५	पू	३	५८	वि	३	२६	ग	१६	२५	१२	२२	३८	३	१२	१२	म.२०।३९	भ. ४९।५ उ. आश्ले. रविः सौरः ३३/५५×
१५	बु	५३	४२	उ	१०	४१	प्री	५	४	वि	२०	५३	९	२२	३८	४	१३	१३	मकरे	भ. २०।५३ या. श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं+

१६पं.श्रा.शु.७मं.इ.५०।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	.६	२	५	२	३
१०	२	१३	८	१५	२३	१८	१०
५२	४३	४६	७	२	१६	३३	२६
१९	३०	१९	२६	१०	४१	२४	१३
५७	३४	[illegible]	५	७३	३	३	५७
२०	५२	[illegible]	३२	३२	५०	११	५

गोचरग्रहाः

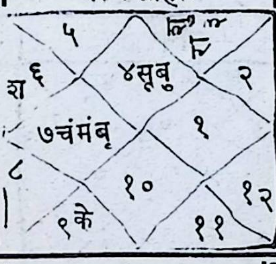

इस मासमें ५ बुध वार रस पदार्थ तेज करें ' बुधे पंच रस क्षय ।" अनाज गल्ला किराना सोना चांदी में मंदी होगी ।

गोचरग्रहाः

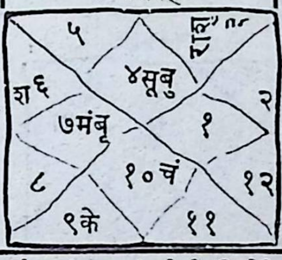

१७पं.श्रा.शु.१४मं.इ.५०।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	६	२	५	२	३
१७	६	२७	८	२३	२३	१८	१७
३४	३९	४१	४७	३१	४४	११	६
१	२५	६	३१	१	६	९	१
५७	३५	[illegible]	६	७३	४	३	५७
२५	५२	[illegible]	३५	४४	२८	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५७	१८	श्र	१६	१८	आ	६	८	बा	२५	३०	३/६	५/२३	६/३७	५	१४	१४	कु.४८।४६	मघायां सिंहे बुधः १।३५
२	शु	५९	५६	ध	२१	१३	सौ	६	४१	तै	२८	३७	३	२३	३७	६	१५	१५	कुम्भे	बुधोदयः पश्चिमायाम् ४४।५०
३	श	६०	०	श	२५	१	शो	६	१७	व	३०	४८	०	२४	३६	७	१६	१६	कुम्भे	भ. ३०।४८ उ.
३	र	१	४१	पू	२७	५८	अ	५	७	वि	१	४१	३३/५६	२५	३५	८	१७	१७	मी१२।१४	भ. १।४१ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	१	५०	उ	२९	४५	सु	३	७	बा	१	५०	५३	२५	३५	९	१८	१८	मीने	कर्के शुक्रः ११।५२
५	मं	१	८	रे	३०	४०	धृ	१०/६	५६/१४	तै	१	८	५०	२६	३४	१०	१९	१९	मे.३०।४०	भ. ५९।३२ उ. चन्द्रषष्ठी
६	मं	५८	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५६	५०	अ	३०	२३	गं	५१	५४	वि	२८	११	४७	२७	३३	११	२०	२०	मेषे	भ. २८।११ या. पुष्ये शुक्रः ५४।१७
८	गु	५३	२	भ	२८	४९	वृ	४६	२६	बा	२४	५६	४३	२७	३३	१२	२१	२१	वृ.४३।१८	पूफायां बुधः ३०।१४ जन्माष्टमी व्र.
९	शु	५०	२	कृ	२६	२१	ध्रु	४०	८	तै	२१	३५	४०	२८	३२	१३	२२	२२	वृषे	गोगा ९ *सौरः १९।२२
१०	श	४२	८	रो	२२	५५	व्या	३२	५०	व	१६	७	३६	२९	३१	१४	२३	२३	मि५०।४०	भ. १६।७ उ. ४२।८या. स्वाती १ गुरुः ४४/४९
११	र	३४	८	मृ	१८	२४	ह	२४	४७	ब	८	८	३३	२९	३१	१५	२४	२४	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	चं	२७	२६	आ	१२	५८	व	१६	४	कौ	०	४७	२९	३०	३०	१६	२५	२५	क.५३।२५	मघायां सिंहेऽर्कः ४७/४५ वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	मं	१९	०	पु	६	५५	सि	४१/६	३१/०	व	१९	०	२६	३०	३०	१७	२६	२६	कर्के	भ. १९।०उ.४४।५१या. मघा. सिंहेऽर्कः*
१४	बु	१०	४३	पु	४१/०	५३/५९	व	४७	४३	श	१०	४३	२२	३१	२९	१८	२७	२७	सिं५४।३८	
३०	गु	२	४८	म	४९	१७	प	३८	५५	ना	२	४८	१९	३२	२८	१९	२८	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

१८पं.भा.कृ.५मं.इ.५०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	६	३	५	२	३
२४	१०	१०	९	२	२४	१७	२३
१६	४२	२१	३६	.१	१५	४८	४७
२६	४८	३५	४	-४	४७	५३	८
५७	३७	[illegible]	७	७३	४	३	५७
३३	४	[illegible]	४४	५६	५३	११	२२

गोचरग्रहाः

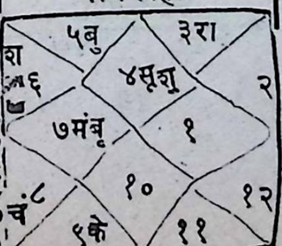

भा. कृ. १३ भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ६ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

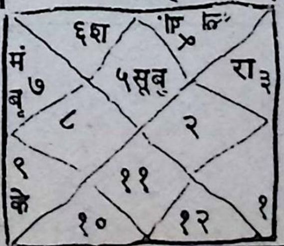

१९पं.भा.कृ.१३मं.इ.४९।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	६	३	५	२	४
०	१४	२१	१०	१०	२४	१७	०
५९	५७	५३	२६	३३	५०	२६	२९
४९	२५	४६	२०	१४	३१	३८	२१
५७	३७	९५	८	७४	५	३	५७
४०	५५	१०	३२	१	५९	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४२४स.१९८२
१	गु	५२	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४९	५७	पू	४५	१५	शि	३१	१०	बा	२२	५१	३२/५५	३ ५/३	२ ६/७	२०	२९	२९	कं.५९।३८	उफा. बुधः ५०।२६ चन्द्रदर्शनम्
३	श	४६	२	उ	४२	४९	सि	२४	१७	तै	१७	५९	११	३४	२६	२१	३०	१	कन्यायां	हरितालिका ३ जिल्काद ११
४	र	४४	१३	ह	४२	१७	सा	१९	५	व	१५	७	८	३४	२६	२२	३१	२	कन्यायां	भ. १५/७ उ. ४४/१३ या. आश्ले. शुक्रः ४९/४६ गणेश४
५	चं	४४	२२	चि	४३	३४	शु	१५	१०	ब	१४	१७	४	३५	२५	२३	१	३	तु.१२।५५	कन्यायांबुधः ३६/१६ रा.भाद्रपदारंभः ऋषि५
६	मं	४६	२२	स्वा	४७	२९	शु	१३	३८	कौ	१५	२२	०	३६	२४	२४	२	४	तुलायाँ	
७	बु	५०	२२	वि	५२	४९	ब्र	१३	९	ग	१८	२२	३१/५६	३७	२३	२५	३	५	वृ.३६।२९	भ. ५०।२२ उ. विशाखा. भौमः ५४।२५
८	गु	५५	४९	अ	५९	३१	ऐं	१३	४८	वि	२३	५	५२	३८	२२	२६	४	६	वृश्चिके	भ. २३।५ या. *जलझूलनी ११ व्र.
९	शु	६०	०	ज्ये	६०	०	वै	१५	४१	बा	२८	४६	४८	३८	२२	२७	५	७	बृश्चिके	×सितम्बर मा. ९ ता. ३०
९	श	१	४२	ज्ये	६	३५	वि	१७	५१	कौ	१	४२	४४	३९	२१	२८	६	८	ध.६।३५	
१०	र	८	४	मू	१४	१६	प्री	२०	२८	ग	८	४	४०	४०	२०	२९	७	९	धनुषि	भ. ४१/४ उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गा
११	चं	१४	५	पू	२१	३१	आ	२२	३८	वि	१४	५	३६	४१	१९	३०	८	१०	म.३८।१५	भ. १४/५ या. पूफा. रविः ३७/२२ हस्ते बुधः ५१/५८*
१२	मं	१९	४०	उ	२८	२८	सौ	२४	४१	बा	१९	४०	३२	४२	१८	३१	९	११	मकरे	पूभा. रविः सौरः १०/१४ वामन १२ प्रदोषः
१३	बु	२३	५४	श्र	३४	११	शो	२५	४३	तै	२३	५४	२८	४२	१८	१	१०	१२	मकरे	आर्द्रा. ३ राहुः पूषा. १ केतुः २९।१५×
१४	गु	२७	१०	ध	३८	४३	अ	२५	४१	व	२७	१०	२५	४३	१७	२	११	१३	कु.६।२६	भ. ३७/१० उ. ५७/५६ या. म. सिंहे शुक्रः ४३/३३ अ. १४
१५	शु	२८	४३	श	४१	५०	सु	२४	४८	ब	२८	४३	२१	४४	१६	३	१२	१४	कुम्भे	महालय श्राद्धारंभः

२०पं.भा.शु.६मं.इ.४९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	३	५	२	४
७	१९	२	११	१९	२५	१७	७
४४	१८	१२	२५	८	२८	४	१३
१७	७	१४	३४	६	५२	२२	५३
५७	३८	८४	९	७४	५	३	५७
४८	५३	५०	२२	२	४६	११	४५

गोचरग्रहाः

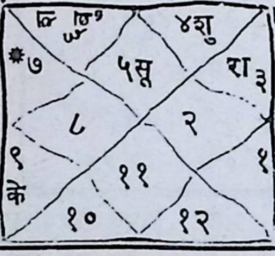

इस मासमें शुक्रवार को चंद्रदर्शन श्रेष्ठ वर्षा कारक है और तुला राशि में गुरु मंगल का योग हो रहा है।

गोचरग्रहाः

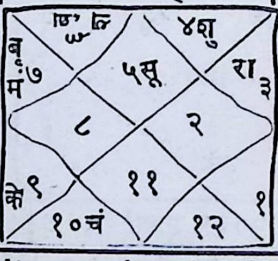

२१पं.भा.शु.१२मं.इ.४९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	३	५	२	४
१४	२३	११	१२	२७	२६	१६	१३
२९	४५	४	२९	४३	१०	४२	५८
५६	२५	१	१३	४१	१	६	५
५८	३९	६६	१०	७४	६	३	५७
१	३४	३४	६	१०	१२	११	५७

ति.	प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२९	७	पू	४३	५०	धृ	२३	३१	कौ	२९	७	३१/१७	४ ५/५	१ ६/५	४	१३	१५	मी२८।२६	
२	र	२८	२६	उ	४४	३९	शू	२०	१०	ग	२८	२६	१३	४५	१५	५	१४	१६	मीने	भ. ५७।३१ उ. चित्रा. २ शनिः ४२।२२
३	चं	२६	३७	रे	४४	४०	गं	१५	५९	वि	२६	३७	९	४६	१४	६	१५	१७	मे.४४।४०	भ. ३६/३७ या. स्वाती. ३ गुरुः १८/५ चतुर्थी व्र.
४	मं	२४	४०	अ	४३	४९	वृ	१२	११	बा	२४	४०	५	४७	१३	७	१६	१८	मेषे	
५	बु	२०	३९	भ	४२	१३	ध्रु	८	९	तै	२०	३९	१	४८	१२	८	१७	१९	बृ.५६।४०	
६	गु	१६	४९	कृ	४०	१	व्या	३ १/२	५३/५८	व	१६	४९	३०/५७	४९	११	९	१८	२०	बृषे	भ. १६।४९ उ. ४४।३९ या.
७	शु	१२	२९	रो	३७	१६	व	४९	४	ब	१२	२९	५३	४९	११	१०	१९	२१	बृषे	वृश्चिके भौमः १८।५४ *प्रदोषः
८	श	७	३७	मृ	३४	१७	वि	४२	१७	कौ	७	३७	४८	५०	१०	११	२०	२२	मि५।४६	मातृ ९ ×इन्दिरा ११ व्र. स्मा.
९	र	२	१३	आ	३०	३०	व्य	३४	५६	ग	२	१३	४४	५१	९	१२	२१	२३	मिथुने	भ. २१/१६ उ. ५६/२० या. बुधास्तः पश्चिमायाम् ३५/२६
१०	र	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+सर्वपितृ श्राद्ध.
११	चं	४९	५५	पु	२६	२८	व	२७	१४	ब	२३	८	४०	५२	८	१३	२२	२४	क.१२।२८	उफा. रविः ३१/४२ (सौरः ५४/५२) पूफा. शुक्रः २८×
१२	मं	४३	३५	पु	२२	१	प	१९	९	कौ	१६	१५	३६	५३	७	१४	२३	२५	कर्के	इन्दिरा ११ व्र. वै.
१३	बु	३७	१७	श्ले	१७	३६	शि	११	१४	ग	१०	२६	३२	५४	६	१५	२४	२६	सिं१७।३६	भ. ३७/१७ उ. चित्रा. बुधः ५०/० अनु. भौमः ३०/५०*
१४	गु	३१	२७	म	१३	१७	सि	२ ३/५	५२/४०	वि	४	२०	२८	५४	६	१६	२५	२७	सिंहे	भ. २ ४/० या. कन्यायामर्कः ४७।३
३०	शु	२६	२१	पू	९	५६	शु	४९	२९	ना	२६	२१	२४	५५	५	१७	२६	२८	कं.२४।९	कन्यायामर्कः सौरः २०/३ वक्री बुधः ४६/२८+

२२पं.प्र.आ.कृ.४ मं.इ.४९/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	४	५	२	४
२१	२८	१८	१३	६	२६	१६	२०
१६	१९	१९	३८	२२	५३	१९	४४
५५	३०	५५	१७	३४	३८	५१	४५
५८	४०	४६	१०	७४	६	३	५८
१३	२२	२३	५०	२०	२६	११	१२

गोचरग्रहाः

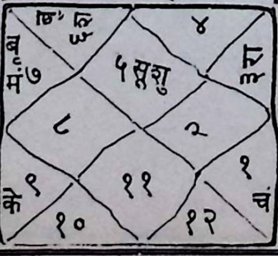

प्र.आ.कृ. १४गुरौ कन्यायामर्कःप्र.वा. ३ नं.४अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

२३पं.प्र.आ.कृ.१२मं.इ.४९/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	६	४	५	२	४
२८	२	२३	१४	१५	२७	१५	२७
५	५८	०	५२	०	३९	५७	३३
२४	३४	२२	३०	४३	४	३५	७
५८	४०	१७	११	७४	६	३	५८
२८	५३	५७	२३	२३	४०	११	२९

*चंमंबृ

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	२२	३६	उ	७	२२	शु	४४	८	व	२२	३६	३०/२०	५६	६/४	१८	२७	२९	कन्यायां
२	र	२०	३४	ह	६	२६	ब्र	४०	३९	कौ	२०	३४	१६	५७	३	१९	२८	१	तु.३६।४५
३	चं	२०	१३	चि	७	५	ऐं	३८	५४	ग	२०	१३	१२	५८	२	२०	२९	२	तुलायां
४	मं	२२	८	स्वा	९	३५	वै	३७	५२	वि	२२	८	८	५८	२	२१	३०	३	वृ.५७।४७
५	बु	२५	३१	वि	१३	५२	वि	३८	३४	बा	२५	३१	४	५९	१	२२	३१	४	वृश्चिके
६	गु	३०	३८	अ	१९	३७	प्री	४०	८	तै	३०	३८	३०/००	६/०	६/०	२३	१	५	वृश्चिके
७	शु	३५	४४	ज्ये	२६	२४	आ	४२	९	ग	३	११	२९/५५	६/१	५९	२४	२	६	ध.२६।२४
८	श	४२	२९	मू	३३	५२	सौ	४४	२६	वि	९	७	५१	२	५८	२५	३	७	धनुषि
९	र	४८	४७	पू	४१	१७	शो	४७	११	बा	१५	३८	४७	३	५७	२६	४	८	म.५८।६
१०	चं	५४	२२	उ	४८	३२	अ	४८	३६	तै	२१	३४	४३	३	५७	२७	५	९	मकरे
११	मं	५८	४८	श्र	५४	३५	सु	४९	२०	व	२६	३५	३८	४	५६	२८	६	१०	मकरे
१२	बु	६०	०	ध	५९	२२	धृ	४९	३	ब	३०	१७	३४	५	५५	२९	७	११	कु.२६।५८
१२	गु	१	४७	श	६०	०	शू	४८	२६	बा	१	४७	३०	६	५४	३०	८	१२	कुम्भे
१३	शु	२	५७	श	२	४१	गं	४५	२२	तै	२	५७	२६	७	५३	१	९	१३	मी४८।४४
१४	श	२	४१	पू	४	७	वृ	४०	५	व	२	४१	२२	८	५२	२	१०	१४	मीने
१५	र	०	५३	उ	४	१०	ध्रु	३५	३७	ब	०	५३	१८	८	५२	३	११	१५	मीने

शरद्र्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३४५३स.१९८२

चंद्रदर्शनम् अधिकमास आरम्भः
जिल्हेज १२
भ. ५१।१० उ.
भ. २२।८ या.
वक्री हस्ते बुधः ५८।४१
रा. आश्विनारंभः
भ.३५/४४उ. उफा. शुक्रः१३/४७ स्वाती ४गुरुः१५/५
भ. ९।७ या.
कन्यायां शुक्रः ५२।४०
हस्ते रविः ०।९ (सौरः ३२।३३)
भ. २६।३५ उ. ५६/४८ या. कमला ११ व्र.

प्रदोषः
अस्तं शनेः ४२/४५ अक्टूबर मा. १० ता. ३१
भ. २।४१ उ. ३१।४७ या.

२४पं. प्र.आ.शु.४मं.इ.४९/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	४	५	२	५
४	७	२३	१६	२३	२८	१५	४
५५	४४	४७	१०	४१	२५	३५	२३
१९	२०	३६	४७	५३	५२	२०	१४
५८	४१	२३/५०	१२	७४	६	३	५८
३८	२९	व	१	२६	५९	११	४५

गोचरग्रहाः

यदा वृश्चिक राशिस्थो जायते च महीसुतः। महर्घं सर्वद्रव्याणां नृपाणां क्रोधमादिशेत्॥ धान्य धातु तिलहन में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

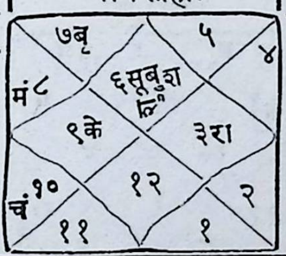

२५पं.प्र.आ.शु.११मं.इ.४९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	५	५	२	५
११	१२	१८	१७	२	२९	१५	११
४६	३५	५७	३१	२४	१५	१३	१५
५५	४२	४३	३४	२५	२२	४	१७
५८	४२	७४/५६	१२	७४	७	३	५९
५३	१३	व	२१	२६	६	११	०

ति.	द्वि.आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	५६	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	५३	४६	रे	३	४	व्या	२९	२६	तै	२५	५०	२९/१४	६/९	५/५१	४	१२	१६	मे. ३।४
३	मं	४८	५६	अ	४७	५७	ह	२२	२५	व	२०	५१	१०	१०	५०	५	१३	१७	मेषे
४	बु	४३	४३	कृ	५४	३७	व	१४	५९	ब	१५	५१	६	११	४९	६	१४	१८	वृ.१२।२
५	गु	३८	२६	रो	५१	७	स्थि	३१	२६	कौ	११	४	२	१२	४८	७	१५	१९	वृषे
६	शु	३३	८	मृ	४७	३४	व	५१	३४	ग	५	४७	२८/५८	१२	४८	८	१६	२०	मि१९।२०
७	श	२७	५०	आ	४४	६	प	४४	२३	वि	०	२९	५४	१३	४७	९	१७	२१	मिथुने
८	र	२२	६	पु	४०	४९	शि	३७	२४	कौ	२२	६	५०	१४	४६	१०	१८	२२	क.२६।३८
९	चं	१७	३७	पु	२७	३५	सि	३०	४४	ग	१७	३७	४६	१५	४५	११	१९	२३	कर्के
१०	मं	१२	४७	श्ले	३४	३९	सा	२७	४१	वि	१२	४७	४२	१६	४४	१२	२०	२४	सिं३४।३९
११	बु	८	१७	म	३२	७	शु	२१	९	बा	८	१७	३८	१६	४४	१३	२१	२५	सिंहे
१२	गु	४	१७	पू	३०	४	शु	१५	५	तै	४	१७	३४	१७	४३	१४	२२	२६	कं.४४।४३
१३	शु	०	५८	उ	२८	४०	ब्र	९	३२	व	०	५८	३०	१८	४२	१५	२३	२७	कन्यायां
१४	शु	५७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	श	५७	१६	ह	२८	१९	ऐं	४	२६	च	२७	४९	२६	१९	४१	१६	२४	२८	तु.५८।४९

शरद्र्तू रविर्दक्षिणेप्र.आश्वि.कृष्णेतिमहारा.

हस्ते शुक्रः ५४/२५ ज्येष्ठायां भौमः ३६।३९
भ. २०/५१ उ. ४८/५६ या. चित्रा. २ तुला. शनिः४/७
चतुर्थी व्र. *४/४८ विशा. १ गुरुः ८/२४
वक्री उफायां बुधः ९।२३
भ. ३३।८ उ. बुधोदयः पूर्वस्याम् ३५।४२
भ. ०।२९ या.
चित्रायां रविः ३२।१०
भ.४५/१२उ. चित्रा. रविः सौरः३/९ मार्गीबुधः*
भ. १२।४७ या.
शुक्रास्तः पूर्वं. ३५/२४ कमला ११ व्र. शु.अ.पू.

भ. ०।५८ उ. २९/४० या. हस्ते बुधः ४।१४×
×चित्रा. शुक्रः ३६।१
अधिकमास समाप्तिः

२६पं.द्वि.आ.कृ.३मं.इ.४८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	५	६	२	५
१८	१७	११	१८	११	०	१४	१८
४०	३१	२८	५५	७	५	५०	९
८	३०	५९	६	५९	२४	४८	४
५९	४२	६६/२१	१२	७४	७	३	५९
९	३७	व	४६	३२	१४	११	१६

गोचरग्रहाः

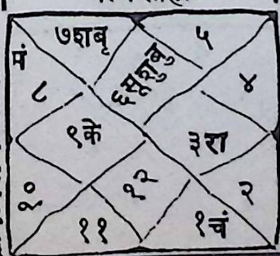

इस मास में व्यापारिक वस्तुओं में घटाबढ़ी होकर तेजी होगी। तेजी में हरचढ़े भाव पिछला स्टाक खतम करना चाहिने।

गोचरग्रहाः

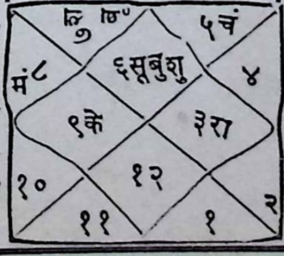

२७पं.द्वि.आ.कृ.१०मं.इ.४८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	५	६	२	५
२५	२२	९	२०	१९	०	१४	२५
३५	३१	१०	२२	५२	५६	२८	४
६	१२	४९	१	१२	५२	३३	४६
५९	४२	२१/४९	१३	७४	७	३	५९
२१	५९	मा	१०	३२	२०	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४८२ स.१९८२
१	र	५७	१९	चि	२९	१९	वै	०/२७	५७/२	किं	२७	१७	२८/२२	६/२०	५/४०	१७	२५	२९	तुलायां	तुलायामर्क १५/५६ (सौरः ४५/५२) नवरात्रारंभः
२	चं	५९	०	स्वा	३१	३३	प्री	५५	५९	बा	२८	९	१८	२०	४०	१८	२६	३०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् *रा.कार्तिकारंभ:सरस्वतीपू.
३	मं	६०	०	वि	३५	२२	आ	५५	११	तै	३०	९	१४	२१	३९	१९	२७	१	वृ.१९।२५	मोहोरम १ सन् १४०३ हि.
३	बु	१	१९	अ	४०	२९	सौ	५५	२८	ग	१	१९	१०	२२	३८	२०	२८	२	वृश्चिके	भ. ३३।४० उ. तुलायां शुक्रः ५४।५३
४	गु	६	२	ज्ये	४६	५३	शो	५६	५२	वि	६	२	६	२३	३७	२१	२९	३	ध.४६।५३	भ. ६।२ या.
५	शु	११	२५	मू	५४	२	अ	५८	५५	बा	११	२५	२	२४	३६	२२	३०	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम्
६	श	१७	४४	पू	६०	०	सु	६०	०	तै	१७	४४	२७/५८	२४	३६	२३	१	५	धनुषि	स्वात्यां रविः ५७/५८ मूले धनुषि भौमः ७/२४*
७	र	२४	३	पू	१	४१	सु	१	१७	व	२४	३	५४	२५	३५	२४	२	६	म.१७।२	भ. २४/३ उ. ५६/५९ या. स्वा. रवि:सौरः ३६/५० बलि.
८	चं	२९	५५	उ	९	४	धृ	३	३२	ब	२९	५५	५०	२६	३४	२५	३	७	मकरे	×२ गुरुः ४३।२५ सरस्वती विसर्जनम्
९	मं	३५	२	श्र	१५	५५	शू	५	२९	बा	२	२७	४६	२७	३३	२६	४	८	कु.४८।३६	चित्रा. बुधः ४/२९ स्वात्यां शुक्रः १३/२० विशा ×
१०	बु	३८	३४	ध	२१	१८	गं	६	२४	तै	६	४८	४२	२८	३२	२७	५	९	कुम्भे	विजयादशमी
११	गु	४०	२८	श	२५	३०	वृ	६	१६	व	९	३१	३९	२८	३२	२८	६	१०	कुम्भे	भ.९।३१उ. ४०/२८ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	शु	४१	४३	पू	२७	३८	ध्रु	४	४०	ब	११	८	३५	२९	३१	२९	७	११	मी१२।६	बुधास्तः पूर्वस्याम् ४७।५९
१३	श	३९	४५	उ	२७	५३	ध्या	१/४४	५५/२५	कौ	१०	४४	३१	३०	३०	३०	८	१२	मीने	तुलायां बुधः ६।५६ प्रदोषः
१४	र	३५	५८	रे	२६	२३	व	५०	५९	ग	७	५१	२७	३१	२३	३१	९	१३	मे.२६।२३	भ. ३५।५८ उ. कोजागरी व्र.
१५	चं	३०	४६	अ	२३	२३	सि	४३	५९	वि	३	२२	२४	३१	२९	१	१०	१४	मेषे	भ. ३/२३ या.चित्रा.४शनिः ३६/४४ नव.११ता.३०

२८पं.द्वि.आ.शु.३मं.इ.४८/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	६	५	६	२	६
२	२७	१४	२१	२८	१	१४	२
३१	३६	३१	५०	३७	४७	६	२
३४	१४	३७	४२	३७	२०	१७	१५
५९	४३	७५	१३	७४	७	३	५९
३४	२३	३९	२०	३२	२०	११	४६

गोचरग्रहाः

द्वि.आ.शु. १ रवौ तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.४प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समर्घता शुक्रा. पू. ।

गोचरग्रहाः

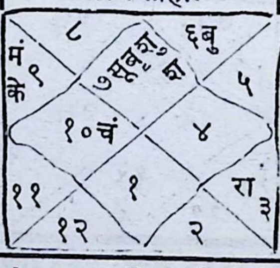

२९पं.द्वि.आ.शु. ९मं.इ.४८/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	६	६	६	२	६
९	२	२४	२३	७	२	१३	९
२९	४५	२९	२१	२४	३८	४४	१
४९	११	२	७	११	२०	२	३५
५९	४३	९४	१३	७४	७	३	६०
४७	४८	२०	३०	३८	२०	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे द्वि.आश्वि.कृष्णेतिमहारा.
१	मं	२४	२९	भ	१९	११	व्य	३५	५७	कौ	२४	२९	२७/२०	६/३२	५/२८	२	११	१५	वृ.३२।५६	*आर्द्रा. २ राहुः मूले ४ केतुः २१।३०
२	बु	१७	३७	कृ	१४	१४	व	२७	२४	ग	१७	३७	१६	३३	२७	३	१२	१६	वृषे	भ. ४४।५ उ. स्वात्यां बुधः १२।३८●
३	गु	१०	३३	रो	९	४	प	१८	४१	वि	१०	३३	१३	३३	२७	४	१३	१७	मि३६।२९	भ. १०/३३ या. अस्तं गुरोः ४५/३६ चतुर्थी व्र.
४	शु	३	२३	मृ	३/५६	५५/९	शि	१०	१	ना	३	३३	९	३४	२६	५	१४	१८	मिथुने	विशाखायां शुक्रः ५२/३७ उदयं शनेः ३३।२१
५	शु	५३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	श	५१	५	पु	५४	५३	सि	१/२४	५२/३	ग	२४	१	६	३५	२५	६	१५	१९	क.४०।५६	भ. ५१/५ उ. विशा. रविः ३६/२१ (सौरः ४४/१९)
७	र	४५	४३	पु	५१	१४	शु	४६	१५	वि	१८	२३	२	३६	२४	७	१६	२०	कर्के	भ. १८।२३ या.
८	चं	४१	२०	श्ले	४८	२९	शु	३७	३१	बा	१३	३१	२६/५९	३६	२४	८	१७	२१	सिं४८।२९	
९	मं	३७	३९	म	४६	२८	ब्र	३३	१४	तै	८	५९	५६	३७	२३	९	१८	२२	सिंहे	पूषायां भौमः ५८।१७
१०	बु	३४	५२	पू	४५	२०	ऐं	२७	४७	व	६	१६	५३	३७	२३	१०	१९	२३	सिंहे	भ. ६।१६ उ. ३४/५२ या. विशा. ३ गुरुः ५७/५२
११	गु	३२	५९	उ	४५	८	वै	२३	१	ब	३	५६	४९	३८	२२	११	२०	२४	कं.०।१७	विशाखा. बुधः १६।३५ रमा ११ व्र.
१२	शु	३२	७	ह	४६	३	वि	१९	२	कौ	२	३३	४६	३९	२१	१२	२१	२५	कन्यायां	
१३	श	३२	१४	चि	४८	१	प्री	१५	५१	ग	२	१०	४३	३९	२१	१३	२२	२६	तु.१७।२	भ.३२।१४उ. वृश्चिके शुक्रः ४६/२३ प्रदोषः×
१४	र	३३	१७	स्वा	५०	५०	आ	१३	४०	वि	२	४६	४०	४०	२०	१४	२३	२७	तुलायां	भ. २।४६ या. रूप १४ ×धन १३
३०	चं	३५	५६	वि	५४	४७	सौ	१२	१८	च	४	४२	३७	४१	१९	१५	२४	२८	वृ.३८।४८	सोयवती ३० महालक्ष्मी पूजनं

३०पं.का.कृ.१मं.इ.४८।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	६	६	२	६
१६	७	६	२४	१६	३	१३	१६
२९	५८	०	५२	१०	२८	२१	२
३८	१६	१४	४६	३७	३७	४६	३९
६०	४४	९४	१३	७४	७	३	६०
४	८	४१	३२	३८	१४	११	१८

गोचरग्रहाः

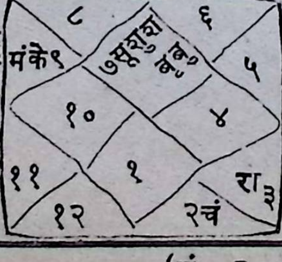

का. शु. १ भौमे वृश्चिकेऽर्कः:प्र.वा.२ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पू. ।

गोचरग्रहाः

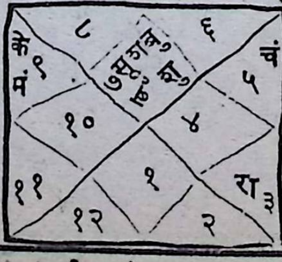

३१पं.का.कृ. ९मं.इ.४८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	६	६	२	६
२३	१३	१७	२६	२४	४	१२	२३
३०	१२	३२	२४	४८	१८	५९	५
५८	२२	२८	७	१६	२९	३०	१६
६०	४४	९९	१३	७४	७	३	६०
१७	२२	५६	३८	३८	२	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५१२सन्१९८२
१	मं	३९	३२	अ	५९	५७	शो	११	४३	किं	७	४४	२६/३४	६/४१	५/१९	१६	२५	२९	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कः १४/२३ (सौरः ३६/३६) अनु.शुक्रः २७/१०*
२	बु	४४	३१	ज्ये	६०	०	अ	११	५२	बा	१२	२	३१	४२	१८	१७	२६	३०	वृश्चिके	वृश्चिके बुधः २६/२३ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	गु	५०	०	ज्ये	६	२१	सु	१३	११	तै	१७	१६	२९	४२	१८	१८	२७	१	ध.६।२०	सफर २ *अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
४	शु	५६	३४	मू	१३	१०	धृ	१५	१७	व	२३	१७	२६	४३	१७	१९	२८	२	धनुषि	भ. २३/१७ उ. ५६/३४ या. अनु. रविः ३२/४३ (सौरः×
५	श	६०	०	पू	२०	४९	शू	१७	२८	ब	२९	४६	२४	४३	१७	२०	२९	३	म.३७।४४	+भौमः ३२/३२ प्रबं धिनी ११ व्र. तुलसी वि.
५	र		२	५९	उ	२८	३१	गं	१९	२९	बा	२	५९	२१	४४	१६	२१	३०	४	मकरे	
६	चं	९	२५	श्र	३५	५६	वृ	२१	५१	तै	९	२५	१९	४४	१६	२२	१	५	मकरे	रा. मार्गशीर्षारम्भः
७	मं	१३	१	ध	४२	२२	ध्रु	२३	२८	व	१५	१	१६	४६	१५	२३	२	६	कुं. ९।९	भ. १५।१ उ. ४७।१२ या.
८	बु	१९	२३	श	४७	२९	व्या	२४	१३	ब	१९	२३	१३	४५	१५	२४	३	७	कुम्भे	गोपाष्टमी ×५६/२४ अनु. बुधः २५।३१
९	गु	२२	१९	पू	५०	५५	ह	२३	४९	कौ	२२	१९	११	४५	१४	२५	४	८	मी३५।१०	विशाखा. ४ गुरुः ५६।५८ अक्षय ९
१०	शु	२३	२१	उ	५२	३८	व	२१	५३	ग	२३	२१	८	४६	१४	२६	५	९	मीने	भ. ५२।४७ उ.
११	श	२२	१३	रे	५२	०	सि	१८	११	वि	२२	१३	६	४७	१३	२७	६	१०	मे.५२।९	भ. २२/१३ या. ज्येष्ठा. शुक्रः ६।१ उषा.+
१२	र	१८	५२	अ	४९	४३	व्य	१३	२	बा	१८	५२	३	४७	१३	२८	७	११	मेषे	ज्येष्ठा. बुधः ८।२१ प्रदोषः
१३	चं	१३	४५	भ	४५	३६	व	६/१४	५१/१६	तै	१३	४५	१	४८	१२	२९	८	१२	वृ.५९।१०	वैकुंठ १४
१४	मं	७	५	कृ	३९	५४	शि	४८	५४	व	७	५	२५/५९	४८	१२	३०	९	१३	वृषे	भ. ७।५ उ. ३३।६ या. उदयं गुरोः १५।०
१५	मं	५२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	गु. उ.

३२पं.का.शु.१मं.इ.४७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	७	६	२	७
०	१८	२८	२७	३	५	१२	०
३३	३०	५५	५७	४५	६	३७	९
४७	२९	१२	४०	३९	४३	१५	२०
६०	४४	०/०	१३	७४	६	३	६०
३०	५०	९/४४	३८	३८	५३	११	४०

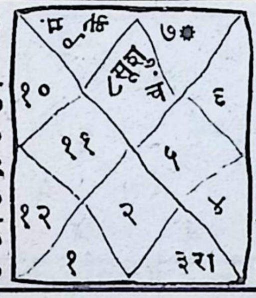

३३पं.का.शु.७मं.इ.४७।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	७	६	२	७
७	२३	१०	२९	१२	५	१२	७
३७	५१	१९	३०	३३	५३	१४	१४
३७	११	२६	४३	२९	६	५९	५३
६०	४४	९९	१३	७४	६	३	६०
४२	५८	४१	२२	३२	३५	११	५३

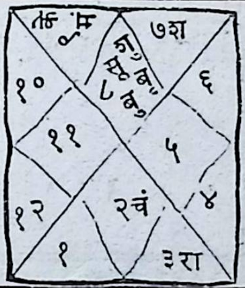

३४पं.का.शु.१४मं.इ.४७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	७	७	६	२	७
१४	२९	२१	१	२१	.६	११	१४
४२	१४	०	२	२०	३८	५२	२१
५४	३५	५८	४६	५३	.६	४४	३९
६०	४५	९८	१३	७४	६	३	६१
५०	१७	२५	३०	३२	२१	११	३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५०	४९	रो	३३	१९	स्वि	३९	८	बा	२४	५७	२५/५७	६/४९	५/११	१	१०	१४	मि५९।५५	मकरे भौमः ४७/३४ स्वाती १ शनिः ५।१९*
२	गु	४१	५७	मृ	२६	३१	सा	२८	५३	तै	१६	२३	५५	४९	११	२	११	१५	मिथुने	ज्येष्ठायां रविः ४२।५३
३	शु	३३	२२	आ	१९	४८	शु	१८	४१	व	७	४०	५३	४९	११	३	१२	१६	मिथुने	भ. ७/२० उ. ३३/२२ या. ज्येष्ठा. रविः× शु.उ.प.
४	श	२५	३८	पु	१३	२७	शु	८	५०	बा	२५	३८	५१	५०	१०	४	१३	१७	क. ०।२	चतुर्थी व्र.
५	र	१८	३६	पु	८	१२	ब्र	०/४३	५०/४३	तै	१८	३६	४९	५०	१०	५	१४	१८	कर्के	×सौरः ६/२४ शुक्रोदयः पश्चिमायां ४३/२४
६	चं	१३	८	श्ले	३	५९	वै	४४	१७	व	१३	८	४८	५०	१०	६	१५	१९	सिं३।५९	भ. १३/८ उ. ४०/५७ या. मूले धनुषि बुधः ३६/४
७	मं	८	४६	म	१/५	५८/२४	वि	३८	१४	ब	८	४६	४६	५१	९	७	१६	२०	सिंहे	मूले धनुषि शुक्रः ३९।४६
८	बु	६	५	उ	५९	१९	प्री	३३	१९	कौ	६	५	४५	५१	९	८	१७	२१	कं.१४।२६	*दिसम्बर मा. १२ ता. ३१
९	गु	४	२५	ह	६०	०	आ	२९	२६	ग	४	२५	४४	५१	९	९	१८	२२	कन्यायां	भ. ३४।२५ उ.
१०	शु	४	२५	ह	०	२४	सौ	२६	३९	वि	४	२५	४२	५२	८	१०	१९	२३	तु.३१।४१	भ. ४।२५ या.
११	श	५	२६	चि	२	५९	शो	२४	५८	बा	५	२६	४१	५२	८	११	२०	२४	तुलायां	अनु. १ गुरुः १९।५६ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	र	७	५०	स्वा	६	२६	अ	२४	७	तै	७	५०	४०	५२	८	१२	२१	२५	वृ.५५।१५	प्रदोषः
१३	चं	११	३३	वि	११	३१	सु	२४	११	व	११	३३	३९	५२	८	१३	२२	२६	वृश्चिके	भ ११/३३ उ. ४३/३८ या. बुधोदयः पश्चिमायां २८/५२
१४	मं	१५	४४	अ	१७	२	धृ	२४	४६	श	१५	४४	३८	५२	८	१४	२३	२७	वृश्चिके	श्रवणे भौमः ३७।३४ +बुधः ६/३३
३०	बु	२१	२६	ज्ये	२२	४०	शू	२६	१०	ना	२१	२६	३८	५२	८	१५	२४	२८	ध.२२।४०	मूले धनुष्यर्कः ५०/० सूर्यग्रहणम् पूषायां+

३५पं.मा.कृ.७मं इ.४७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	७	८	६	२	७
२१	४	१	२	०	७	११	२१
४८	३९	५५	३३	९	२०	३०	२९
५८	७	३०	४३	११	३१	२८	२५
६०	४५	९७	१३	७४	५	३	६१
५६	२३	२८	२०	२९	५६	११	११

गोचरग्रहाः

मकर का मंगल अनाज तिलहन में मंदी कारक है। मकरे च स्थिते भौमे घृत तैल महर्घता।

गोचरग्रहाः

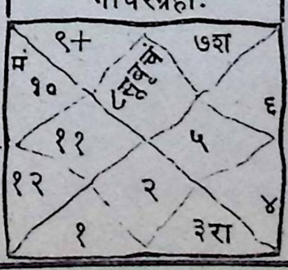

३६पं.मा.कृ.१४मं.इ.४६।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	७	८	६	२	७
२८	१०	१२	४	८	७	११	२८
५५	६	४९	३	५७	५९	८	३८
५२	७	२३	३६	१८	५६	१२	८
६१	४५	९३	१३	७४	५	३	६१
०	२८	४४	१२	२६	३२	११	१९

*बुवृश ×शुबुके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +केशुबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३५४२स.१९८३
१	गु	२६	५०	मू	३०	२८	गं	२७	४३	ब	२६	५०	३५/३७	६/५३	५/७	१६	२५	२९	धनुषि	मूले धनुष्यऽर्कः सोरः ७।८
२	शु	३३	३५	पू	३७	५९	वृ	२९	५३	बा	०	३१	३७	५३	७	१७	२६	३०	म.५४।५४	चन्द्रदर्शनम्
३	श	४०	४	उ	४५	३९	ध्रु	३२	२०	तै	६	४९	३७	५३	७	१८	२७	१	मकरे	पूषायां शुक्रः १८।४३ रविलाखर ३
४	र	४६	४३	श्र	५३	१८	व्या	३४	२६	व	१३	२३	३६	५३	७	१९	२८	२	मकरे	भ. १३।२३ उ. ४६।४३ या.
५	चं	५२	३४	ध	६०	०	ह	३६	२६	ब	१९	३८	३६	५३	७	२०	२९	३	कु.२६।४८	
६	मं	५७	३७	ध	०	१९	व	३७	५८	कौ	२५	५	३६	५३	७	२१	३०	४	कुम्भे	चम्पा ६
७	बु	६०	०	श	६	२३	सि	३८	२६	ग	२९	२९	३६	५३	७	२२	१	५	मी५४।५५	रा. पौषारंभः
७	गु	१	२२	पू	११	५	व्य	३७	४५	व	१	२२	३६	५३	७	२३	२	६	मीने	भ. २ १/२ उ. ३/२ ३/३ या. उषा. बुधः ५८।३७
८	शु	३	२५	उ	१४	२२	व	३५	४२	ब	२	२५	३७	५३	७	२४	३	७	मीने	
९	श	३	३७	रे	१६	३२	प	३२	१	कौ	३	३७	३७	५३	७	२५	४	८	मे.१६।३२	
१०	र	१	४५	अ	१४	५५	शि	२६	४०	ग	१	४५	३७	५३	७	२६	५	९	मेषे	भ. २९।५२ उ. ५७।५९ या. मकरे बुधः●
११	र	५६	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	●३०।१० मोक्षदा ११व्र.स्मा. गीता ज.
१२	चं	४२	५	भ	१२	१६	सि	१९	५९	ब	२५	२	३८	५२	८	२७	६	१०	वृ.२६।७	अनु. २ गुरुः ३१।१ मोक्षदा ११ व्र. वै.
१३	मं	४४	४०	कृ	७	४०	सा	११	२०	कौ	१८	२२	३८	५२	८	२८	७	११	वृषे	पूषायां रविः ५५/१ उषा. शुक्रः ५२/२८ प्रदोषः
१४	बु	३६	२	रो	३१/१	५२/५४	शु	२/२०	४९/९	ग	१०	२१	३९	५२	८	२९	८	१२	मि२७।५८	भ. ३६।२ उ. पूषायां रविः सौरः ८।४६
१५	गु	२६	४५	आ	४६	४३	ब्र	४०	३८	वि	१	२३	४०	५२	८	३०	९	१३	मिथुने	भ. २ १/३ या. खग्रास ग्रस्तोदय चन्द्रग्रहणम्

३७पं.मा.शु.६मं.इ.४६।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	७	८	६	२	८
६	१५	२३	५	१७	८	१०	५
३	३२	१६	३०	४५	३७	४५	४७
२९	५६	५	५८	७	३०	५७	३३
६१	४५	९२	१२	७४	५	३	६१
४	३५	५०	४५	२६	५	११	२२

गोचरग्रहाः

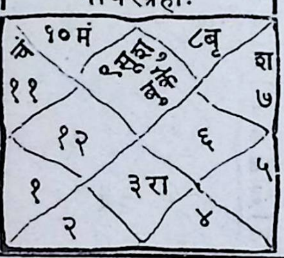

मार्ग.शु.१ गुरौ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे स मता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

३८पं.मा.शु.१३मं.इ.४६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	७	८	६	२	८
१३	२१	२	६	२६	९	१०	१२
११	१	३९	५५	३२	१०	२३	५७
३१	५२	४७	३३	४९	१	४१	२५
६१	४५	७०	१२	७४	४	३	६१
६	४१	१४	२०	२३	३४	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविर्दक्षिणेमार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१६	५८	पु	३९	१८	ऐं	२९	२६	कौ	१६	५८	२५/४०	६/५२	५/८	३१	१०	१४	क.२६।१०	मकरे शुक्रः ३३।४८ धनि. भौमः ४८।५
२	श	७	३१	पु	३२	३०	वै	१८	३८	ग	७	३१	४१	५२	८	१	११	१५	कर्के	भ. ३ ३/३ उ. ५/३ ६/५ या. जनवरी१ता.३१ १९८३
३	श	५१	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र	५१	५	श्ले	२५	१५	वि	२ ८/५	५ ०/०	ब	२४	५०	४२	५२	८	२	१२	१६	सि२५।१५	चतुर्थी व्र. +बुधास्तः पश्चिमायां ०।१७
५	चं	४५	१	म	२०	१३	आ	५१	३२	कौ	१८	२	४३	५१	९	३	१३	१७	सिंहे	
६	मं	४०	५८	पू	१६	४६	सौ	४५	२०	ग	१२	५६	४४	५१	९	४	१४	१८	कं.३१।२२	भ. ४०।५८ उ. ×श्रवणे शुक्रः २८।०
७	बु	३८	३४	उ	१५	११	शो	४०	१०	वि	९	४६	४६	५१	९	५	१५	१९	कन्यायां	भ. ९।४६ या. श्रवणे बुधः ५०।३०●
८	गु	३८	२	ह	१५	२२	अ	३६	४६	बा	८	१८	४७	५१	९	६	१६	२०	तु.४६।२९	●आर्द्रा. १ राहुः मूले ३ केतुः १३।३६
९	शु	३९	२२	चि	१७	३६	सु	३४	४६	तै	८	४२	४९	५०	१०	७	१७	२१	तुलायां	वक्री बुधः ६।३५
१०	श	४१	५६	स्वा	२१	५	धृ	३३	५३	व	१०	३९	५१	५०	१०	८	१८	२२	तुलायां	भ. १/३ ०/९ उ. ४/५ १/६ या. वक्री उषा. बुधः ४/४ ०/०×
११	र	४६	४	वि	२६	६	शू	३४	२९	ब	१४	०	५२	५०	१०	९	१३	२३	वृ.९।५१	कुंभे भौमः ८।८ सफला ११ व्र.
१२	चं	५१	८	अ	३२	९	गं	३५	१५	कौ	१८	३६	५४	४९	११	१०	२०	२४	वृश्चिके	उषा. रविः ५/४ ९/५ स्वाती २ शनिः ३/२ ६/१+
१३	मं	५७	२६	ज्ये	३९	२	वृ	३६	४८	ग	२४	१७	५६	४९	११	११	२१	२५	ध.३९।२	भ. ५/२ ७/६ उ. उषा. रविः सौरः १/१ ०/३ प्रदोषः
१४	बु	६०	०	मू	४६	१८	ध्रु	३८	४८	वि	३०	१९	५८	४८	१२	१२	२२	२६	धनुषि	भ. ३०।१९ या.
१४	गु	३	१३	पू	५३	५७	व्या	४१	२	श	३	१३	२६/१	४८	१२	१३	२३	२७	धनुषि	अनुराधा ३ गुरुः ५३।३२
३०	शु	९	५४	उ	६०	०	ह	४३	१९	ना	९	५४	३	४७	१३	१४	२४	२८	म.१०।५०	मकरेऽर्कः १६।९ (सौरः २५।३८)

३९पं. पौ.कृ.६मं.इ.४६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	७	९	६	२	८
२०	२६	९	८	५	९	१०	२०
१९	३१	२७	१७	२०	३९	१	७
२६	३७	३६	२०	६	५४	२६	२२
६१	४५	३०	११	७४	४	३	६१
६	४६	२५	६	२९	१	११	२६

गोचरग्रहाः

पौष कृ. ३० शुक्रे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.३प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु.उ.प.।

गोचरग्रहाः

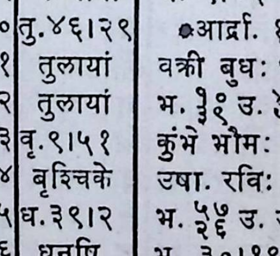

४०पं.पौ.कृ.१३मं.इ.४६।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	७	९	६	२	८
२७	२	६	९	१४	१०	९	२७
२७	०	५१	३६	५	३	३९	१७
४०	३२	३२	७	३८	५४	१०	१४
६१	४५	५६	११	७४	३	३	६१
६	३९	ब	१७	१४,२०		११	२४

*मंबुशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ	शुक्लपक्षः	सं. २०३९	शाकः	१९०४								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	१६	११	उ	१	३१	व	४४	३०	ब	१६	११	२६/५	६/४७	५/१३	१५	२५	२९	मकरे
२	र	२२	३१	श्र	८	५५	सि	४७	२३	कौ	२२	३१	८	४६	१४	१६	२६	१	कुं.४२।१७
३	चं	२८	१४	ध	१५	३९	व्य	४८	३४	ग	२८	१४	१०	४६	१४	१७	२७	२	कुंभे
४	मं	३३	८	श	२२	०	व	४९	२१	व	०	४१	१२	४६	१४	१८	२८	३	कुम्भे
५	बु	३७	१२	पू	२७	२२	प	४९	२८	ब	५	१०	१५	४५	१५	१९	२९	४	मी ११।२
६	गु	३९	४३	उ	३१	३१	शि	४८	१७	कौ	८	२७	१७	४५	१५	२०	३०	५	मीने
७	शु	४०	५३	रे	३४	८	सि	४६	८	ग	१०	१८	२०	४४	१६	२१	१	६	मे. ३४।८
८	श	४०	२४	अ	३५	११	सा	४२	२८	वि	१०	३८	२२	४४	१६	२२	२	७	मेषे
९	र	३८	१३	भ	३४	२८	शु	३७	१७	बा	९	१९	२५	४३	१७	२३	३	८	वृ. ४८।५०
१०	चं	३४	१७	कृ	३२	२	शु	३०	४७	तै	६	१५	२७	४३	१७	२४	४	९	वृषे
११	मं	२८	१६	रो	२७	४३	ब्र	२२	४४	व	१	१६	३०	४२	१८	२५	५	१०	मि ५४।५६
१२	बु	२०	५७	मृ	२२	११	ऐं	१३	४८	बा	२०	५७	३३	४१	१९	२६	६	११	मिथुने
१३	गु	१२	२८	आ	१५	१९	वै	२/३५	४९/५	तै	१२	२८	३६	४१	१९	२७	७	१२	क. ५४।२८
१४	शु	३	०	पु	७/३०	५२/५	प्री	४१	४८	व	३	०	३९	४०	२०	२८	८	१३	कर्के
१५	शु	५०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शिशिरर्तू रविरुत्तरऽहर्गणः ३५७२स.१९८३

चन्द्रदर्शन सभवः
रविलाखर ४
वक्री कुंभे बुधः ३७।१ शते भौमः ४०।९
भ. ०।४१ उ. ३३।८ या.
वक्री पूषा. बुधः धनि. शुक्रः ५६ वसन्त ५
अभि. प्र. रविः ४८।५४ (सौरः ५७।०)
भ ४/३ उ. बुधोदयः पूर्वस्याम् ३१।५८ रा.*
भ. १०।३८ या. भीष्माष्टमी
×अभि.नि. रविः ५७/४६ कुम्भे शुक्रः ३०।१२
श्रवणे रविः ५।१७ (रविः १२।५७)×
भ. १।१६ उ. २८।१६या. अभि.नि.रविः+
प्रदोषः *माघारम्भः भानु ७
+सौरः ५।१४ जया ११ व्र.
भ. ३।०उ. २८।८या. मार्गी बुधः ४२।११

४१पं.मा.शु.४मं.इ.४६।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	९	६	२	९
४	७	२८	१०	२२	१०	९	४
३५	३०	२०	५०	५१	२४	१६	२६
३१	२२	३५	२	४	७	५४	४३
६१	४५	६५/४०	१०	७४	२	३	६१
३	३२	व	३९	७	३८	११	१९

गोचरग्रहाः

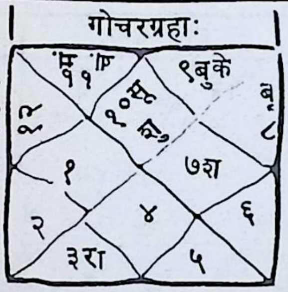

मार्गशीर्ष मासमें सूर्य चन्द्र के दोनों ग्रहण और पौष मासका क्षय होने से संसार में अवघटित घटना होगी।

गोचरग्रहाः

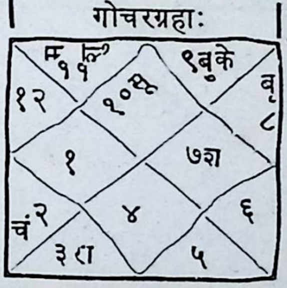

४२पं.मा.शु.११मं.इ ४६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	१०	६	२	९
११	१२	२२	११	१	१०	८	११
४१	५९	५९	५९	२५	३९	५४	३५
५८	१३	१६	५६	५२	४३	३९	३४
६०	४५	३/२१	९	७४	१	३	६१
५९	३४	व	५२	२	५७	११	१३

ति.	प्र. फाल्गुन	कृष्णपक्षः	सं. २०३९	शाकः	१९०४								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	४३	३२	श्ले	५२	९	आ	३०	२९	बा	१८	२३	२६/४२	६/४०	५/२०	२९	९	१४	सिं ५२।९
२	र	३४	४१	म	४५	२१	सौ	२०	८	तै	९	७	४६	३९	२१	३०	१०	१५	सिंहे
३	चं	२७	१	पू	३९	५६	शो	१०	३६	व	०	५१	४९	३८	२२	३१	११	१६	कं. ५४।१
४	मं	२१	६	उ	३६	१७	अ	२/२१	५३/१०	बा	२१	६	५२	३८	२२	१	१२	१७	कन्यायां
५	बु	१७	१	ह	३४	४३	धृ	५०	४४	तै	१७	१	५५	३७	२३	२	१३	१८	कन्यायां
६	गु	१५	१३	चि	३५	१०	शू	४७	२३	व	१५	१३	५९	३६	२४	३	१४	१९	तु. ४।५६
७	शु	१५	२०	स्वा	३७	४१	गं	४५	३५	ब	१५	२०	२७/२	३६	२४	४	१५	२०	तुलायां
८	श	१७	३१	वि	४२	५३	वृ	४५	४०	कौ	१७	३१	६	३५	२५	५	१६	२१	वृ. २५।५०
९	र	२१	२१	अ	४७	४३	ध्रु	४६	५	ग	२१	२१	९	३४	२६	६	१७	२२	वृश्चिके
१०	चं	२६	३२	ज्ये	५४	३७	व्या	४७	५३	वि	२६	३२	१३	३३	२७	७	१८	२३	ध ५.४।३७
११	मं	३२	४९	मू	६०	०	ह	४९	५७	बा	३२	४९	१६	३३	२७	८	१९	२४	धनुषि
१२	बु	३९	१	मू	२	४	व	५२	१६	कौ	५	५५	२०	३२	२८	९	२०	२५	धनुषि
१३	गु	४५	५३	पू	९	४६	सि	५४	३१	ग	१२	२७	२४	३१	२९	१०	२१	२६	म. २६।२८
१४	शु	५१	५८	उ	१७	१४	व्य	५६	३९	वि	१८	५५	२७	३१	२९	११	२२	२७	मकरे
३०	श	५७	४९	श्र	२४	३६	व	५८	२६	च	२४	५६	३१	३०	३०	१२	२३	२८	कु. ५७।५६

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा.

शत शुक्रः ४९।६
*४८।२० अनु. ४ गुरुः १२।३४
भ. ०।५१ उ. २७।१ या. चतुर्थी व्र.
फरवरीमा. २ ता. २८
भ. १५।१३ उ. ४'१।१६या. पूभा. भौमः*
उषा. बुधः २९।४
पातस्पर्शः २९।५५ पातमोक्षः ४६।३०
भ.५३।५६उ. धनि. रविः ३/३२ (सौरः १९/४८)
भ. २६।३२ या.
मकरे बुधः ७।४३ विजया ११ व्र.
पूभा. शुक्रः ३५।८
भ. ४५।५३ उ. प्रदोषः
भ. १८।५५ या. महाशिवरात्री व्र.
कुंभेऽर्कः ४८।५३ (सौरः ५२।४५)

४३पं. प्र.फा.कृ.४मं.इ.४६/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	१०	६	२	९
१८	१८	२४	१३	१०	१०	८	१८
४९	२७	३५	३	१८	४९	२२	४३
२६	४७	२	०	४१	३४	२३	३६
६०	४५	३६/१९	.९	७३	१	३	६१
५५	२८	मा	.५	५६	१७	११	४

गोचरग्रहाः

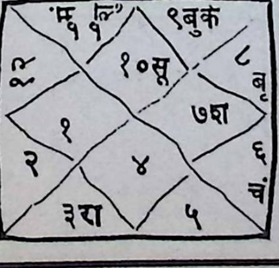

प्र.फा.कृ. ३० शनौ कुंभेऽर्कः प्र. वा.२ न.३ सुतार्थिन्यवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

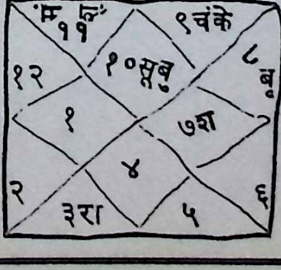

४४पं.प्र.फा.कृ.११मं.इ.४६/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	७	१०	६	२	९
२५	२३	०	१४	१९	१०	८	२५
५५	५५	३५	१	०	५४	१०	५०
१६	२३	४९	१९	३२	४३	८	२३
६०	४५	५४	८	७३	०	३	६०
४७	१२	५३	११	५५	२९	११	५५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६०१स.१९८३
१	र	६०	०	ध	३१	१६	प	५९	३४	किं	३०	२३	२७/३५	६/२९	५/३१	१३	२४	२९	कुम्भे	वक्री शनिः ०।५१ अधिकमासारम्भः
१	चं	२	५८	श	३६	५३	शि	५९	५८	ब	२	५८	३८	२८	३२	१४	२५	३०	कुम्भे	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	७	२२	पू	४२	२	सि	५९	४१	कौ	७	२२	४२	२८	३२	१५	२६	१	मी२५।४८	जमादिलावल ५
३	बु	१०	४०	उ	४५	५४	सा	५८	३३	ग	१०	४०	४६	२७	३३	१६	२७	२	मीने	भ. ४१।४७ उ. मीने भौमः ३८।२८
४	गु	१२	५४	रे	४८	५६	शु	५६	३९	वि	१२	५४	५०	२६	३४	१७	२८	३	मे.४८।५६	भ. १३/५४ या. श्रवणे बुधः ५२/२१ मीने शुक्रः ४०/४
५	शु	१३	५५	अ	५०	३८	शु	५३	५०	बा	१३	५५	५४	२५	३५	१८	२९	४	मेषे	
६	श	१३	४४	भ	५१	१६	ब्र	४९	५५	तै	१३	४४	५८	२४	३६	१९	३०	५	मेषे	शते रविः २५।१४ (सौरः २८।७)
७	र	१२	२६	कृ	५०	१९	ऐं	४४	५५	व	१२	२६	२६/२	२४	३६	२०	१	६	वृ. ६।१	भ. १३/२६ उ. ४०/५८ या. उभा. शुक्रः ३३/१३ उभा.●
८	चं	९	३१	रो	४८	७	वै	३९	४०	ब	९	३१	६	२३	३७	२१	२	७	वृषे	●भौमः ५३।४० रा. फाल्गुनारंभः
९	मं	५	३१	मृ	४४	३२	वि	३१	३४	कौ	५	३१	१०	२२	३८	२२	३	८	मि१६।१९	
१०	बु	०	९	आ	३९	३८	प्री	२३	१७	ग	०	९	१४	२१	३९	२३	४	९	मिथुने	भ. ३६/४६ उ. ५३/२२ या. कमला ११ व्र. स्मा.
११	बु	५३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	गु	४५	३२	पु	३३	४३	आ	१४	१२	ब	१९	२७	१८	२०	४०	२४	५	१०	क.२०।१२	कमला ११ व्र. वै.
१३	शु	३७	८	पु	२७	११	सौ	४/१९	४/३९	कौ	११	२०	२२	२०	४०	२५	६	११	कर्के	
१४	श	२८	१	श्ले	२०	५	अ	४३	४३	ग	२	३४	२६	१९	४१	२६	७	१२	सिं२०।५	भ. २८।१ उ. ५३।३९ या.
१५	र	१९	१८	म	१३	१८	सु	३३	४७	ब	१९	१८	३०	१८	४२	२७	८	१३	सिंहे	घनिष्ठा. बुधः ३।४७

४५ पं.प्र.फा.शु. २मं.इ. ४७/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	७	१०	६	२	१०
३	२९	८	१४	२७	१०	७	२
०	२१	४	५३	४१	५५	४७	५६
४	११	५५	१०	१०	१	५२	२६
६०	४५	७२	७	७३	१/९	३	६०
३७	२०	३०	६	४४	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ शनि ५ रविवार मध्यम हैं प्रजामें भय उपद्रव हो धान्य रुई धातु गुड़ खांड़ तिल तेल अफीम तेज होगी।

गोचरग्रहाः

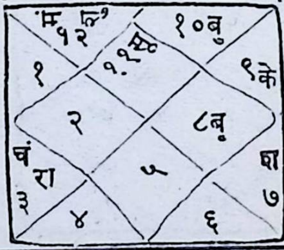

४६पं.प्र.फा.शु. ९म.इ. ४७/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	७	११	६	२	१०
१०	४	१७	१५	६	१०	७	१०
३	४५	२१	३७	२०	५०	२५	१
३२	४०	४६	३०	२०	३८	३६	०
६०	४५	८४	६	७३	१/१	३	६०
२५	१३	५६	५	३२	ब	११	३१

ति.	द्वि. फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेप्र.फाल्गु.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	१०	५०	पू	७	१०	धृ	२४	४६	कौ	१०	५०	२८/३४	६/१७	५/४३	२८	९	१४	कं.२०।५९	
२	मं	४	२०	उ	३/२९	५६/२३	शू	१६	४७	ग	४	२०	३८	१६	४४	१	१०	१५	कन्यायां	भ. ३१/४० उ. ५९/० या. मार्च मा. ३ ता. ३१
३	मं	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु	५४	३६	चि	५७	३४	गं	१०	११	ब	२६	४८	४२	१६	४४	२	११	१६	तु.२८।१३	चतुर्थी व्र.
५	गु	५४	२८	स्वा	५८	२२	वृ	५	३३	कौ	२४	३२	४६	१५	४५	३	१२	१७	तुलायां	कुम्भे बुधः ३०/२५ रेवत्यां शुक्रः ११।१७
६	शु	५५	१७	वि	६०	०	ध्रु	२	८	ग	२५	४६	५०	१४	४६	४	१३	१८	वृ.४५।२९	भ. ५५।१७उ. पूभा. रविः ४१/१९ (सौरः ४३/५४)
७	श	५८	२१	वि	१	११	व्या	०	४५	वि	२६	४९	५४	१३	४७	५	१४	१९	वृश्चिके	भ. २६।४९ या. ●५।३३ सोमवती३०
८	र	६०	०	अ	५	५०	ह	०	४०	बा	३०	३९	५८	१२	४८	६	१५	२०	वृश्चिके	
८	चं	२	५७	ज्ये	११	५०	व	१	३३	कौ	२	५७	२९/२	१२	४८	७	१६	२१	ध.११।५०	शते बुधः २३।४५ ज्येष्ठा. १ गुरुः ५७/१८
९	मं	८	५३	मू	१९	१३	सि	३	४१	ग	८	५३	६	११	४९	८	१७	२२	धनुषि	भ. ४१।५८ उ.
१०	बु	१५	४	पू	२६	४३	व्य	५	५६	वि	१५	४	१०	१०	५०	९	१८	२३	म.४३।३६	भ. १५।४या. मृगे४राहुःमूले२ केतुः८।२३
११	गु	२१	५	उ	३४	१७	व	८	२१	बा	२१	५	१४	९	५१	१०	१९	२४	मकरे	रेवत्यां भौमः २१।३८ कमला ११ व्र.
१२	शु	२७	५६	श्र	४१	३३	प	१०	३२	तै	२७	५६	१९	८	५२	११	२०	२५	मकरे	बुधास्तः पूर्वस्याम् ३०।५४
१३	श	३३	३५	ध	४८	१४	शि	१२	१६	ग	०	४५	२३	७	५३	१२	२१	२६	कु.१४।५३	भ. ३३।३५ उ. प्रदोषः
१४	र	३८	३	श	५३	३८	सि	१३	९	वि	५	४९	२७	७	५३	१३	२२	२७	कुम्भे	भ. ५।४९ या.
३०	चं	४१	३४	पू	५८	१०	सा	१३	१९	च	९	४८	३२	६	५४	१४	२३	२८	मी४२।२	मीनेऽर्कः ४२/४६ (सौरः ४३/५४) अश्वि.मेषे शुक्रः●

४७पं.द्वि.फा.कृ. २मं.इ. ४७/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	७	११	६	२	१०
१७	१०	२७	१६	१४	१०	७	१७
५	९	३६	१४	५७	३९	३	४
४६	२९	४	३५	४७	४७	२१	४९
६०	४४	९३	४	७३	१/४७	३	६०
१२	५७	४६	५५	२०	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

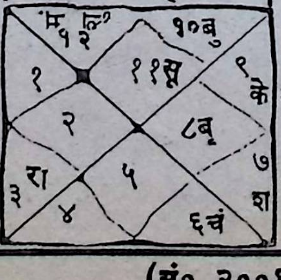

द्वि.फा.शु.३० चंद्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ नं.३प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

४८पं.द्वि.फा.कृ.१२मं.इ. ४७/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	७	११	६	२	१०
२४	१५	९	१६	२३	१०	३	२९
६	३१	६	४३	३३	२५	४१	५
२९	५	५७	१०	४	१	५	१२
५९	४४	[illegible]	३	७३	२/१	३	६०
५८	४७	५९	४५	१४	ब	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३६३१स.१९८३
१	मं	४३	४७	उ	६०	०	शु	१२	३१	किं	१२	४०	३६	६५	५५	१५	२४	२९	मीने	पूभायां बुधः ६।१३
२	बु	४४	५८	उ	१	२८	शु	१०	५४	बा	१४	२३	४०	४	५६	१६	२५	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	गु	४५	०	रे	३	३८	ब्र	८	२९	तै	१४	५९	४४	३	५७	१७	२६	१	मे.३।३८	वक्री स्वाती १शनिः४१।३ जमादिलाखर६
४	शु	४४	१	अ	४	४२	ऐं	५	५	व	१४	३०	४९	२	५८	१८	२७	२	मेषे	भ. १४।३० उ.४१।१या. उभा. रविः २३०*
५	श	४२	१३	भ	४	५८	वै	११	५५३२	ब	१३	७	५३	१	५९	१९	२८	३	बृ.१९।५०	
६	र	४०	२६	कृ	४	२४	प्री	५०	५८	कौ	११	१९	५७	१	५९	२०	२९	४	वृषे	मीने बुधः ३३।४०
७	चं	३५	५४	रो	२	४८	आ	४४	४९	ग	८	१०	३०१	६००	६०	२१	३०	५	मि३१।४१	भ. ३५।५४ उ. *(सौरः ३।५०)
८	मं	३१	२८	मृ	३४०	५६५२	सौ	३८	७	वि	३	४०	६	५५९	१	२२	१	६	मिथुने	भ. ३।४० या. उभायां बुधः १५।२८ रा.×
९	बु	२६	२३	पु	५३	३५	शो	३०	४७	कौ	२६	२३	१०	५८	२	२३	२	७	क.३९।३३	+१५।३ होलिकादहनं
१०	गु	२०	२५	पु	४९	१	अ	२२	४७	ग	२०	२५	१४	५७	३	२४	३	८	कर्के	भ. ४७।७ उ. ×चैत्रारंभः होलाष्टकः
११	शु	१३	५०	श्ले	४३	५०	सु	१४	१०	वि	१३	५०	१८	५६	४	२५	४	९	सिं४३।५०	भ. १३।५० या. भरण्यां शुक्रः ५।२४=
१२	श	६	३७	म	३८	२१	धृ	५२१	५११५	बा	६	३७	२३	५५	५	२६	५	१०	सिंहे	प्रदोषः =आमलकी ११ व्र.
१३	श	५२	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*अस्तो भौमः २५।१६
१४	र	५१	४६	पू	३३	१०	गं	४८	५	ग	२५	३४	२७	५५	५	२७	६	११	कं.४६।५९	भ. ५१।४६ उ. अश्वि. मेषे भौमः ५६७*
१५	चं	४५	३५	उ	२९	३०	वृ	४०	२१	वि	१८	४०	३१	५४	६	२८	७	१२	कन्यायां	भ. १८४० या. रेवत्यां बुधः ५१५७ वक्री गुरुः+

४९पं.द्वि.फा.शु.१मं.इ. ४९८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	७	०	६	२	११
१	२०	२१	१७	२	१०	६	१
५	५०	१२	४	४	५	१८	४
४२	३८	५४	१	५२	४२	५०	५४
५९	४४	१०	२	७२	३२	३	५९
४१	४०	५५	२३	५५	व	११	४९

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ सोमवार उत्तम हैं। अनाज गल्ला में मंदी होगी गुड़ खांड घृत तैलरुई तेज हो।

गोचरग्रहाः

५०पं.द्वि.फा.शु. ८मं.इ. ४८३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	७	०	६	२	११
८	२६	४	१७	१०	९	५	८
३	७	२५	१५	३४	४३	५६	२
८	३४	४४	४	३४	५	३४	४९
५९	४४	९०	०	७२	४३०	३	५९
२९	२१	५२	५९	३५	व	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०३९ शाकः १९०४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेद्वि.फाल्गु.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४०	१६	ह	२४	४७	ध्रु	३३	१	बा	१२	५५	३५	५२	६७	२९	८	१३	तु.५३।३६	वंसत १ छारेंडी
२	बु	३६	२८	चि	२२	२५	व्या	२७	२६	तै	८	४३	३९	५२	८	३०	९	१४	तुलायां	
३	गु	३४	३०	स्वा	२२	७	ह	२३	२०	व	५	२९	४४	५१	९	३१	१०	१५	तुलायां	भ. ५।२९ उ. ३४।३० या. रेवत्यांरविः*
४	शु	३३	१४	वि	२३	३४	व	२०	३७	ब	३	५२	४८	५०	१०	१	११	१६	वृ.८।१२	अप्रेल मा. ४ ता. ३०
५	श	३६	१७	अ	२७	२७	सि	१९	३२	कौ	४	४५	५२	५०	१०	२	१२	१७	वृश्चिके	*३१।३ (सौरः ३१।१८) चतुर्थी व्र.
६	र	३९	५८	ज्ये	३१	५६	व्य	१९	४०	ग	८	७	५६	४९	११	३	१३	१८	ध३१.५६	भ. ३९।५८ उ.
७	चं	४५	१८	मू	३८	३२	व	२१	१	वि	१२	३८	३१००	४८	१२	४	१४	१९	धनुषि	भ. १२।३८ या. अश्वि. मेषे बुधः १६×
८	मं	५१	७	पू	४५	४१	प	२२	५६	बा	१८	१३	४	४७	१३	५	१५	२०	धनुषि	कृत्ति. शुक्रः १२।२९ ×शीतलापूजनम्
९	बु	५२	३७	उ	५३	२५	शि	२५	२२	तै	२४	२२	८	४६	१४	६	१६	२१	म.२।१३	
१०	गु	६०	०	श्र	६०	०	सि	२७	४६	व	३०	३९	११	४६	१४	७	१७	२२	मकरे	भ. ३०।३९ उ. बृषे शुक्रः ५९३२ बुधोदयः+
१०	शु	३	४१	श्र	०	४३	सा	२९	४८	वि	३	४१	१५	४५	१५	८	१८	२३	कु.३४।७	भ. ३।४१ या.
११	श	९	११	ध	७	३२	शु	३१	०	बा	९	११	१९	४४	१६	९	१९	२४	कुंभे	पापमोचनी ११ व्र. +पश्चिमायाम् ५९१०
१२	र	१३	५४	श	१२	५९	शु	३१	१०	तै	१३	५४	२२	४४	१६	१०	२०	२५	कुम्भे	प्रदोषः
१३	चं	१६	४१	पू	१७	२०	ब्र	३०	५	व	१६	४१	२६	४३	१७	११	२१	२६	मी१।१५	भ. १६४१ उ.४७।२४या. भरण्यां बुधः २८११
१४	मं	१८	८	उ	२०	१	ऐं	२८	५	श	१८	८	२९	४२	१८	१२	२२	२७	मीने	
३०	बु	१८	९	रे	२१	२८	वै	२४	५२	ना	१८	९	३३	४१	१९	१३	२३	२८	मे.२१।२८	मन्वादिः

५१पं. चैं.कृ.१.इ.मं४९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	७	०	६	२	११
१४	१	१८	१७	१९	९	५	१४
५९	२३	३५	१८	०	१७	३४	५८
१३	१७	४५	५८	३२	१४	१८	५५
५९	४४	८०	१०७	७२	४०	३	५९
१६	१६	४४	व	९	व	११	१८

गोचरग्रहाः

गोचरग्रहाः

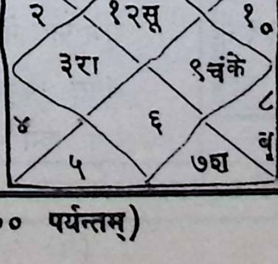

५२पं. चै.कृ. ८मं.इ.४९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	७	०	६	२	११
२१	६	२	१७	२७	८	५	२१
५३	३६	५४	९	२४	४८	१२	५३
३१	७	४०	५४	७	४	३	६
५९	४४	७०	४१३	७१	१४५	३	५९
४	६	८५	व	५०	व	११	४

*मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❋ श्रीगणेशायनमः ❋

ऋद्धिः
लाभः

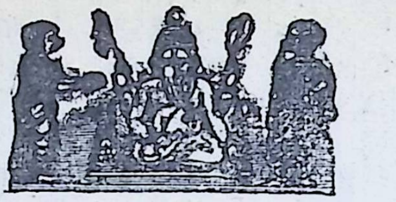

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८४ भोग्यकलिः ४२६९१६ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४० शाकः १९०५ वर्षेऽस्मिन् राजा गुरुः । मंत्री गुरुः । सस्येशश्शनिः । धान्येशोशुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशश्चन्द्रः । नीरसेश्शशनिः । फलेशोभौमः । धनेशश्शनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १० धातृनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तंते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ७।२१।१५।५०भोग्यमासादिः४।८।४४।१० । बार्हस्पत्यदैवतंयुगम्। वर्षनामज्येष्ठः । मेघनामद्रोणः । रोहिणीनिवासःसंधौ । समय निवासोवणिक्गृहे । समयविश्वा ५। समयवाहनंचातकः । स्तंभ १ अन्नस्य । सोमवत्यमा. १ । सोमवतीपंचमी १। अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः१६। तिथिवृद्धिः ९। उत्पत्तिविश्वा८७ । खपतिविश्वा११४। वर्षाविश्वा११। धान्यम् १५। तृणम् १३ । शीतम् १७ । तेजः५ । वायुः १३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ११५ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पाप १८ । शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणाऽभावो भारते ।

भारतेग्रहणाऽभावः

सं० २०४० मार्गशीर्ष कृष्णा ३० रविवार को सूर्यग्रहण पश्चिम प्रदेशों में होगा । जिसका स्पर्श रेल्वे टा. १८।३९ मोक्ष २०।२७ है ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ३।१९

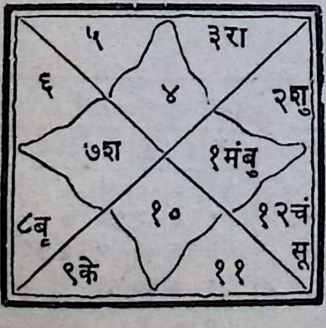

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जगदम्बा से नमन कर पूछे भैरव बात ।
शुभ संवत् चालीस का हाल कहो सब मात ।।

भवानी उत्तर

चालीसो चंचल समय चहुँ दिश ऊढे चाल ।
संवत् सखरो होयसी न जमानु न काल ।।
देव गुरु राजा हुये मन्त्री पद को पाय ।
धान्याधिप भृगु तनय है यह सब जग हर्षाय ।।
समय निवासो वणिक घर रोहिणी संधिवास ।
शुभ फल में कर न्यूनता करे आश का नाश ।।
संवत् विश्वा पांच है स्तंभ लगा है एक ।
धर्म कर्म करते रहो ईश्वर राखे टेक ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् १।९

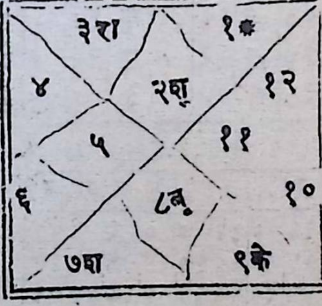

❋सूचंमंबु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२१।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३६।२८

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा गुरुः फलम्—गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुग्धाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मन्त्री गुरुः फलम्—विविध धान्ययुता खलुमेदिनी प्रचुरतोयघना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रिसमागते ।। सस्येशो शनिः फलम्–रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयंतुष धान्यहरंसदा दुरितवाद विवाद युता नराः ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगौ पश्चिम धान्येशो पश्चाद्धान्यन्न पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम्–अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसो विविधसौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्–यदि विधौ रसपेभुवि मानबोनवनवांयुवतीं बुभुजेप्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशःशनिः फलम्–त्रपुपिंडादिलोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तुनां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मदे नीरस नायके ।। फलेशोभौमस्तत्फलम्–फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत् सुबहु पुष्प फलान्वितमेदिनी । गतभयानृपदेशजनास्तदा नृपतयोबहुविग्रहकारकाः ।। धनेशः शनिः फलम्–द्रविणपेरविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजो कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्—विषयसाम्यसुखं शशिजेप्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषता । शशिसुते यदिकोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयंक्वचित् ।। धातृनाम संवत्सरः फलम्–धातृ वर्षेऽखिलाः क्ष्मेशाः सदा युद्ध परायणाः । सम्पूर्णा धरणी भाति बहुसस्यार्घंवृष्टिभिः ।। वर्षनाम ज्येष्ठः फलम्—तस्करैः पापरोगैर्वा पीडयंते पीड्याजनाः । भ्रमन्ते स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यैः ज्येष्ठसंज्ञके ।। मेघनाम द्रोणः फलम्—द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणीनिवासः संधौ फलम्—खंड वृष्टिश्चः संधिषु ।। समयनिवासो वणिग्गृहे फलम्—वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०४० शाके १९०५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र वैशाख ज्येष्ठाषाढ़ मासेषु गोधूल्यां भौमः ७ दोषः

चैत्र मासः

शुक्ले १० शुक्रे मघा. ल. गो. ११ रे. ६ ।ऽ।।।ऽरो.।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः कुम्भे चन्द्र ७ पूज्यः

,, ११ शनौ उफा. ल. ११ (चं. ७ पू.) रे. ९ ।।।।।।।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याभावः

,, १३ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ७ ऽ।।।।ऽअऽ।।

बैसाख मासः

कृष्णे ११ रवौ उभा. ल.११(घ.५११५८उ.)रे.७।ऽ।।।ऽचौ।ऽ।।

,, १२ चन्द्रे रेव. ल. ११(घ.५११२३या.)रे.९ ।।।।।ऽ।।।

शुक्ले ७ गुरौ मघा. ल. ११ रे. ८ ।।।।ऽनृ।ऽ।। चं. ७ पू.

,, १० शनौ उफा. ल. गो. १२ रे.७ ।ऽ।।।चौ.।ऽ।। मीने चं.७पू.

,, ११ रवौ हस्ते ल. १२(चं.७पू.) रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।

,, १३ भौमे स्वा. ल. अन्यगो. ११ रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।

,, १५ गुरौ अनु. ल. ११-१२ रे. ६ ।।ऽवृऽबु।ऽअ।ऽ।। पाद वेधाब्बुधस्य वेधाऽभावः आवश्यके

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ९ रवौ उभा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।अ.।ऽ।।

,, १० चन्द्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

शुक्ले ५ बुधे मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांग्रः रे. ९ ।ऽ।।।।।।।

,, ८ शनौ हस्ते ल.अन्यगो.१२ रे.७ ऽऽ।।।ऽ।।। मीने चं.७पू.

शुक्ले १० चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. सोग्रांग्रः रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

,, १५ बुधे अनु. ल.अन्यगो. १२ रे. ६ ऽऽऽगु।।ऽऽचौ.या.।।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णे ७ शनौ उभा. ल. अन्यगो. २ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे २ भौमे मृगे ल. गो. ४-५ रे. ७ ।।।।ऽऽचौ.ऽ।।।

,, ९ चन्द्रे उफा. ल. ४ रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णे २ शुक्रे मघा.ल.गो.६(घ.४११२या.)रे.९ ।।।।।ऽचौ.।।।।

,, ५ रवौ उफा. ल. गो. ९ रे. ७ ऽ।।।।ऽरो.।ऽ।।

,, ६ चन्द्रे हस्ते ल. गो. रे ९ ।।।।।ऽ।।।

,, १० शुक्रे अनु. ल. ६ (घ.३८।१९उ.)रे. ६ ऽ।।।।ऽनृ.ऽऽ।।

शुक्ले ४ चन्द्रे उभा. ल. अन्यगो. ६ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। कन्या लग्ने चन्द्र ७ पूज्यः रेखा १०

,, ४ चन्द्रे रेवत्यां ल. ९ रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ५ भौमे रेवत्यां ल. अन्यगो. ६ रे. ६ ।ऽ।।।ऽचौऽऽ।।

,, १४ गुरौ मघा.ल.९ रे. ६ ।।।ऽबुऽऽ।। पादतो वेधाभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे २ शनौ उफा. ल. ६-९ रे. ८ ।।।।।ऽ।।।

,, ९ शनौ मूले ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

,, ११ चन्द्रे उषा. ल. ९ रे ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ले २ रवौ उभा. ल. ९ रे. ९ ऽ।।।।ऽअ.।।।।।

,, ३ चन्द्रे रेवत्यां ल. ९ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६१स.१९८३
१	गु	१६	४२	अ	२१	४४	वि	१८	४६	ब	१६	४२	३/६	५/४१	६/१९	१४	२४	२९	मेषे	अश्वि. मेषेऽर्कः ५/६ (सौरः ५/५२) भरण्यां✱
२	शु	१४	१४	भ	२०	४९	प्री	१५	५२	कौ	१४	१४	४०	४०	२०	१५	२५	१	वृ.३५।२३	सिंधारा रज्जब ७ ×जयंती गणगौरी
३	श	१०	५९	कृ	१९	७	आ	१०	८	ग	१०	५९	४३	३९	२१	१६	२६	२	वृषे	भ. ३८।५७ उ. रोहि शुक्रः ३/३ २/० मत्स्य×
४	र	६	५५	रो	१६	४९	सौ	४/०	५३/५०	वि	६	५५	४७	३९	२१	१७	२७	३	मि४५।३१	भ. ६।५५ या. स्व. अनु. ४ गुरुः १७।५२
५	चं	२	३५	मृ	१४	१३	अ	५१	८	बा	२	३५	५१	३८	२२	१८	२८	४	मिथुने	✱भौमः ५/४ ४/६ चन्द्रद. संवत्सरारंभः नवरा.
६	चं	५५	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	मं	५२	५०	आ	११	१३	सु	४४	१६	ग	२५	१७	५५	३७	२३	१९	२९	५	क.५३।५०	भ. ५२।५० उ.
८	बु	४७	४१	पु	८	२	धृ	३७	१९	वि	२०	१६	५८	३६	२४	२०	३०	६	कर्के	भ. २०।१६ या. कृत्ति. बुधः ४५।४३
९	गु	४२	२४	पु	४	३३	शू	३०	७	बा	१५	२	३/२	३६	२४	२१	१	७	कर्के	रा. वैशाखारंभः रामनवमी
१०	शु	३६	५०	श्ले	१/०	५६/२२	गं	२२	५०	तै	९	३७	६	३५	२५	२२	२	८	सिं १।०	+पातमोक्षः १४।३५ कामदा ११ व्रतम्
११	श	३१	२२	पू	५३	४६	वृ	१५	३१	व	४	६	१०	३४	२६	२३	३	९	सिंहे	भ.४।६उ.३१।२२या. पातस्पर्शः ३।१८+
१२	र	२५	५३	उ	५०	३७	ध्रु	८	२८	बा	२५	५३	१४	३३	२७	२४	४	१०	कं.७।५८	वृषे बुधः ३।९ प्रदोषः व्रतम्
१३	चं	२१	१	ह	४७	५८	व्या	१/४५	५३/५०	तै	२१	१	१७	३३	२७	२५	५	११	कन्यायां	
१४	मं	१६	३८	चि	४६	४	व	५०	१६	व	१६	३८	२१	३२	२८	२६	६	१२	तु.१७।१	भ. १६।३८ उ. ४५।३ या.
१५	बु	१३	२८	स्वा	४५	३४	सि	४५	५९	ब	१३	२८	२५	३१	२९	२७	७	१३	तुलायां	भरण्यांरविः ४५/२४ (सौरः ४७/१०) हनुमज्जयंती

१पं. चै.शु. १बृ.इ. ५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१	६	२	११
०	१२	१७	१६	७	८	४	२९
०	४३	३८	५०	१६	१२	४५	५९
०	५	१३	४९	३४	३९	५८	१४
५८	४३	९८	३/२२	७१	४/३७	३	५८
४४	४६	४४	व	२२	व	११	४५

गोचरग्रहाः

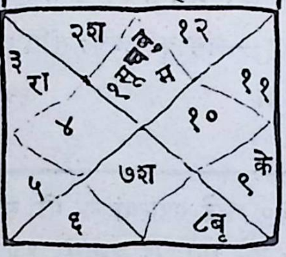

चैत्र शु. १ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

२पं.चै.शु. ९ बृ.इ.५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१	६	२	०
६	१७	२६	१६	१५	७	४	६
५०	५०	५९	२४	२४	४०	२३	४९
४२	५३	५६	८	२५	३७	४३	२७
५८	४३	६०	४/२५	७०	४/४०	३	५८
३१	३१	३५	व	४८	व	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	१०	४६	वि	४६	३१	व्य	४२	५०	कौ	१०	४६	३२/२९	५/३०	६/३०	२८	८	१४	वृ.३१।१७	मृगे शुक्रः १६।१८
२	शु	११	२१	अ	४९	१६	व	४१	२९	ग	११	२१	३२	३०	३०	२९	९	१५	बृश्चिके	भ. ४२।८ उ.
३	श	१२	५६	ज्ये	५३	३४	प	४०	५३	वि	१२	५६	३६	२९	३१	३०	१०	१६	ध.५३।३४	भ. १२।५६ या. चतुर्थी व्र.
४	र	१६	७	मू	५९	२६	शि	४१	३१	बा	१६	७	४०	२८	३२	१	११	१७	धनुषि	वक्री बुधः २८।५० मई मा. ५ ता. ३१
५	चं	२०	५३	पू	६०	०	सि	४२	५९	तै	२०	५३	४३	२७	३३	२	१२	१८	धनुषि	
६	मं	२६	१५	पू	६	५	सा	४४	१७	व	२६	१५	४७	२७	३३	३	१३	१९	म.२२।५७	भ. २६/१५ उ. ५९/२४ या. मिथुने शुक्रः४५।१२✱
७	बु	३२	३३	उ	१३	३४	शु	४७	४५	ब	३२	३३	५१	२६	३४	४	१४	२०	मकरे	वक्री चित्रायां ४ शनिः २४।५०
८	गु	३८	४४	श्र	२१	८	शु	४९	३८	बा	५	३८	५४	२५	३५	५	१५	२१	कु.५४।४१	✱कृत्ति. भौमः १६/४ बुधास्तः पश्चिमायां ५६/२६
९	शु	४४	२९	ध	२८	१४	ब्र	५१	३५	तै	११	३७	५७	२५	३५	६	१६	२२	कुंभे	
१०	श	४९	५	श	३४	२३	ऐं	५२	२८	व	१६	४७	३३/१	२४	३६	७	१७	२३	कुम्भे	भ. १६।४७ उ. ४९।५ या. वृषे भौमः ५३/५७
११	र	५२	१०	पू	३९	६	वै	५१	५८	ब	२०	३८	४	२३	३७	८	१८	२४	मी२२।५५	वक्री मेषे बुधः ४३/३६ वरूथिनी ११ व्र.
१२	चं	५३	२३	उ	४२	९	वि	५०	११	कौ	२२	४	७	२३	३७	९	१९	२५	मीने	आर्द्रा. शुक्रः ३९।५३
१३	मं	५३	११	रे	४३	३१	प्री	४७	२	ग	२३	१७	१०	२२	३८	१०	२०	२६	मे.४३।३१	भ. ५३।११ उ. प्रदोषः
१४	बु	५०	५५	अ	४३	४	आ	४२	२१	वि	२२	२	१३	२१	३९	११	२१	२७	मेषे	भ. २२।२ या. कृत्तिका. रविः ३१/१९ (सौरः×
३०	गु	४७	७	भ	४१	११	सौ	३६	३७	च	१९	१	१६	२१	३९	१२	२२	२८	वृ.५५।२६	×३५/७) मृगे ३ राहुः मूले १ केतुः १८

३पं. वै.कृ. १बृ.इ.५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	७	१	६	२	०
१३	२२	१	१५	२३	७	४	१३
३९	५५	३१	५१	३२	८	१	३७
४३	५९	१	२२	२४	२४	२७	५२
५८	४३	१९	५/३४	६९	४/४०	३	५८
१९	२१	२०	व	५८	व	११	१२

४पं.वै.कृ. ८बृ.इ.५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	७	.२	६	२	०
२०	२७	१	१५	१	६	३	२०
२७	५९	२८	१०	३३	३६	३९	२४
२२	२	४१	२६	११	५८	१२	३३
५८	४३	३०/३८	४/११	६९	४/२४	३	५७
६	११	व	व	१७	व	१५	५७

५पं. वै.कृ.३०बृ.इ. ६।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	७	२	६	२	०
२७	२	२८	१४	९	६	३	२७
१४	५९	२	२४	२६	७	१६	९
३४	४९	५३	२२	३८	३४	५६	४७
५७	४३	३४/३२	७/१६	६८	४/७	३	५७
५४	२	व	व	२३	व	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६९०सन् १९८३
१	शु	४२	७	कृ	३८	११	शो	२९	५८	किं	१४	३७	३३/५९	५/२०	६/४०	१३	२३	२९	वृषे	
२	श	३६	२२	रो	३४	२३	अ	२२	३८	बा	९	१४	२२	२०	४०	१४	२४	३०	वृषे	वृषेऽर्कः ५८/३४ वक्रीभरण्यांबुधः ३९/३६ चन्द्रदर्शनं
३	र	३०	११	मृ	३०	१७	सु	१५	२	तै	३	१६	२५	१९	४१	१५	२५	१	मि२।२०	भ. ५७/३ उ. वृषेऽर्कः सौरः ५३/५५ अक्षया३*
४	चं	२३	५६	आ	२२	५५	धृ	७/२	५२/२४	वि	२३	५६	२८	१८	४२	१६	२६	२	मिथुने	भ. २३।५६ या. +नृसिंह १४
५	मं	१७	४०	पु	२१	५१	गं	५१	५२	बा	१७	४०	३०	१८	४२	१७	२७	३	क.७।५२	*परशुरामजयंती सावान ८
६	बु	११	४४	पु	१७	५७	वृ	४३	४१	तै	११	४४	३३	१७	४३	१८	२८	४	कर्के	पातस्पर्शः ३८।३० पातमोक्षः ५५।४७
७	गु	६	१८	श्ले	१४	२२	ध्रु	३७	३९	व	६	१८	३६	१७	४३	१९	२९	५	सिं१४।२२	भ. ६।१८ उ. ३३।४३ या.
८	शु	१	८	म	११	१९	व्या	३१	१०	व	१	८	३९	१६	४४	२०	३०	६	सिंहे	वक्री अनु. ३ गुरुः ५१।४५
९	शु	५५	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	श	५२	२७	पू	८	५३	ह	२५	८	तै	२४	२९	४१	१६	४४	२१	३१	७	कं.२३।१६	पुन. शुक्रः ३५/५७ रोहि. भौमः ५७/५३ बुधोदयः×
११	र	४९	१९	उ	६	२४	व	१९	४१	व	२०	४७	४३	१५	४५	२२	१	८	कन्यायां	भ. २०/४७ उ. ४९/१९ या. रा.ज्येष्ठा. मोहिनी ११व्र.
१२	चं	४६	११	ह	५	२९	सि	१४	४२	ब	१७	४५	४६	१५	४५	२३	२	९	तु.३५।११	
१३	मं	४४	२०	चि	४	५२	व्य	१०	२६	कौ	१५	१६	४८	१४	४६	२४	३	१०	तुलायां	प्रदोषः ×पूर्वस्याम् २८।४८
१४	बु	४३	४३	स्वा	५	२६	व	६	५६	ग	१४	२	५०	१४	४६	२५	४	११	वृ.५१।४७	भ. ४३/४३ उ. रोहि. रविः २३/९ (सौरः २९/४)+
१५	गु	४४	६	वि	७	१४	प	४	२२	वि	१३	५५	५२	१४	४६	२६	५	१२	वृश्चिके	भ. ६३/५५ या. यमायसान्नजलकुंभ दानम्

६पं. वै.शु. ७वृ.इ.६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	७	२	६	२	१
३	७	२४	१३	१७	५	२	३
५८	५८	२२	३३	१२	४०	५४	५३
२६	५	५५	३६	७	५	४०	२६
५७	४२	३८/१४	७/४४	६७	३/४८	३	५७
४४	३७	व	व	१७	व	११	३४

गोचरग्रहाः

वैशा.शु. २ शनौ वृषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

७पं. वै.शु.१५बृ.इ.६।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	७	२	६	२	१
१०	१२	२२	१२	२४	५	२	१०
४२	५३	४८	४०	४६	१५	३२	३५
२५	३१	५८	३४	५५	१४	२५	३७
५७	४२	२४/२४	७/५२	६५	३/२	३	५७
३५	२६	व	व	५०	व	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४५	५८	अ	९	५०	शि	३	७	बा	१५	२	३३/५४	५/१३	६/४७	२७	६	१३	वृश्चिके	
२	श	४८	४३	ज्ये	१३	५९	सि	२	११	तै	१७	१८	५६	१३	४७	२८	७	१४	ध.१३।५९	
३	र	५३	४८	मू	१९	२०	सा	२	४९	व	२१	१६	५८	१२	४८	२९	८	१५	धनुषि	भ. २१/२६ उ. ५३/४८ या. मार्गी बुधः ४६।२३
४	चं	५८	५७	पू	२६	१०	शु	४	१०	ब	२६	२२	३४/००	१२	४८	३०	९	१६	म.४२।५३	चतुर्थी व्र.
५	मं	६०	०	उ	३३	१	शु	५	४२	कौ	३२	१	२	१२	४८	३१	१०	१७	मकरे	कर्के शुक्रः ४।३७
५	बु	५	५	श्र	४०	३४	ब्र	८	३१	तै	५	५	४	११	४९	१	११	१८	मकरे	जून मा. ६ ता. ३०
६	गु	११	१४	ध	४८	४	ऐं	११	१	व	११	१४	६	११	४९	२	१२	१९	कुं.१४।१९	भ. ११।१४ उ. ४४।१५ या.
७	शु	१७	१७	श	५५	१	वै	१३	१४	ब	१७	१७	७	११	४९	३	१३	२०	कुम्भे	पुष्ये शुक्रः ११।३७
८	श	२२	२०	पू	६०	०	वि	१४	४६	कौ	२२	२०	९	१०	५०	४	१४	२१	मी४४।१०	
९	र	२६	२	पू	०	३७	प्री	१५	१४	ग	२६	२	१०	१०	५०	५	१५	२२	मीने	भ. ५७।५ उ. कृत्तिका. बुधः १६।२८
१०	चं	२८	८	उ	४	२९	आ	१४	२२	वि	२८	८	१२	१०	५०	६	१६	२३	मीने	भ. २८।८ या.
११	मं	२८	५	रे	७	४	सौ	१२	८	बा	२८	५	१३	९	५१	७	१७	२४	मे. ७।४	अपरा ११ व्र.
१२	बु	२६	७	अ	७	१५	शो	८	११	तै	२६	७	१४	९	५१	८	१८	२५	मेषे	मृगे रविः १७/५ (सौरः २७/५३) वृषे बुधः ४९/५१*
१३	गु	२२	१६	भ	५	४७	अ	४२/१	५३/१३	व	२२	१६	१६	९	५१	९	१९	२६	वृ.२०।११	भ. २२।१६ उ. ४९।५४ या. *प्रदोषः
१४	शु	१७	३२	कृ	४३/३	५५/६	धृ	४७	४६	श	१७	३२	१७	९	५१	१०	२०	२७	वृषे	मृगे भौमः ६।४४
३०	श	९	३४	मृ	५२	३	शू	३८	५७	ना	९	३४	१८	८	५२	११	२१	२८	मि२४।५६	वट सावित्री व्र.

८पं.ज्ये.कृ.६बृ.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	७	३	६	२	१
१७	१७	२४	११	२	४	२	१७
२५	४६	५०	४७	१०	५३	१०	१६
८	२३	२	१३	१६	२४	९	४३
५७	४२	३२/३४	७/५२	६४	३/४३	३	५७
२७	१६	मा	व	१०	व	११	१३

गोचरग्रहाः

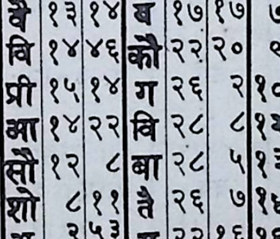

इस मास में जौ गेहूं चना आदि धान्य मंदा होगा। मास के आरंभ में ही धान्य का संग्रह करना चाहिये।

गोचरग्रहाः

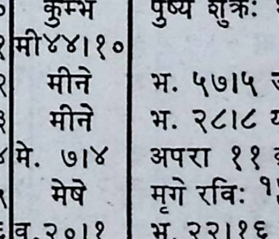

९पं.ज्ये.कृ.१३बृ.इ.६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	७	३	६	२	१
२४	२२	०	१०	९	४	१	२३
७	३७	११	५४	१८	३६	४७	५६
१२	४४	३५	४३	५८	५८	५४	३९
५७	४२	५५	३७/३	६२	१२/०	३	५७
२२	७	१३	व	७	व	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३७२०स.१९८३
१	र	१	४३	आ	४५	५७	गं	२९	४४	ब	१	४३	३४/१९	५/८	५ ६/२	१२	२२	२९	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	र	५१	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	चं	४५	२९	पु	३९	५२	वृ	२०	२९	तै	१९	३१	२०	८	५२	१३	२३	१	क.२६।१७	रमजान ९
४	मं	३७	४०	पु	३४	२१	ध्रु	११	१४	व	११	३४	२१	८	५२	१४	२४	२	कर्के	भ. ११।३४ उ. ३७।४० या.
५	बु	३०	३८	श्ले	२९	२५	व्या	३ २/८	५२/७	ब	४	९	२१	८	५२	१५	२५	३	सिं२९।२५	मिथनेऽर्कः १५।५९ (सौरः २८।४०)
६	गु	२४	२३	म	२५	१२	व	४७	२५	तै	२४	१३	२२	८	५२	१६	२६	४	सिंहे	आश्ले. शुक्रः ३६/२५ वक्री अनु. २ गुरुः ५४/१३
७	शु	१९	१६	पू	२२	९	सि	४१	१	व	१९	१६	२२	८	५२	१७	२७	५	कं.३८।३८	भ.१९।१६उ.४७।१३या. रोहि. बुधः ५ ५/१
८	श	१५	११	उ	२०	६	व्य	३२	५७	ब	१५	११	२३	८	५२	१८	२८	६	कन्यायां	
९	र	१२	२९	ह	१९	१६	व	३०	५	कौ	१२	२९	२३	७	५३	१९	२९	७	तु.४९।२१	मिथुने भौमः ५४।०
१०	चं	१०	३१	चि	१९	२६	प	२७	३४	ग	१०	३२	२३	७	५३	२०	३०	८	तुलायां	भ. ४०।१२ उ. गंगादशमी
११	मं	९	५३	स्वा	२०	५३	शि	२४	५६	वि	९	५३	२४	७	५३	२१	३१	९	तुलायां	भ. ९।५३ या. निर्जला ११ व्र.
१२	बु	१०	२५	वि	२३	२७	सि	२३	९	बा	१०	२५	२४	७	५३	२२	१	१०	वृ.७।४९	आर्द्रा. रविः ३४/३५ (सौरः ३०/१३) रा.आषाढ़ा-●
१३	गु	११	५३	अ	२६	५८	सा	२२	१७	तै	११	५३	२४	७	५३	२३	२	११	वृश्चिके	●रम्भः प्रदोषः
१४	शु	१४	३५	ज्ये	३१	३५	शु	२२	१४	व	१४	३५	२४	७	५३	२४	३	१२	ध.३१।३५	भ. १४।३५ उ. ४६।४८ या.
१५	श	१८	२२	मू	३६	५५	शु	२२	५०	ब	१८	२२	२४	७	५३	२५	४	१३	धनुषि	मृगे बुधः ४४।४५ गुर्जरा. वटसावित्री व्र.

१०पं.ज्ये.शु.६बृ.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	७	३	६	२	२
०	२७	८	१०	१६	४	१	०
४८	२६	३७	५	९	२४	२५	३५
२५	२८	१	३१	५८	०	३८	३८
५७	४१	८३	५ ६/५	५९	३ ९/१	३	५६
१७	५६	४६	ब	२८	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

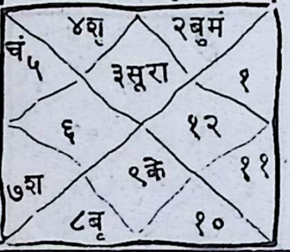

ज्ये. शु. ५ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५न. ५ कुमार्यवस्था(बैंठी) मु. १५ धान्यदिभावे समर्घता शुक्रोदयःप. ।

गोचरग्रहाः

११पं.ज्ये.शु.१३बृ.इ.६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	७	३	६	२	२
७	२	१८	९	२२	४	१	७
२९	१३	३५	२०	३९	१६	३	१४
२४	२६	५५	४९	५०	१	२२	१५
५७	४१	७/०	१ ५/५	५६	४ ०/०	३	५६
१३	३७	३ ८/७	ब	३४	ब	११	५८

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२३	१६	पू	४३	२१	ब्र	२४	२३	कौ	२३	१६	३४/२३	५/७	५ ६/३	२६	५	१४	म.५९।४३	
२	चं	२८	३३	उ	५०	२५	ऐं	२६	७	ग	२८	३३	२२	७	५३	२७	६	१५	मकरे	
३	मं	३४	३५	श्र	५८	३	वै	२८	२८	व	१	३४	२३	७	५३	२८	७	१६	मकरे	भ.१।३४उ.३४।३५या. मिथुने बुधः ४२/४१●
४	बु	४०	४१	ध	६०	०	वि	३१	५	ब	७	३८	२२	८	५२	२९	८	१७	कुं.३१।५०	आर्द्रायां भौमः ४०।३९
५	गु	४६	५५	ध	५	३७	प्री	३३	३७	कौ	१३	४८	२२	८	५२	३०	९	१८	कुम्भे	●बुधास्तः पूर्वस्याम् १७।२ चतुर्थी व्र.
६	शु	५२	१८	श	१३	८	आ	३५	३५	ग	१९	३७	२१	८	५२	१	१०	१९	कुम्भे.	भ. ५२/१८ उ. मघा. सिंहे शुक्रः ३६/१० मार्गी×
७	श	५६	४९	पू	१९	२९	सौ	३६	५२	वि	२४	३४	२०	८	५२	२	११	२०	मी२।५२	भ. २४।३४ या. आर्द्रायां बुधः ०।५
८	र	५९	४५	उ	२४	४६	शो	३७	१५	बा	२८	१७	१९	८	५२	३	१२	२१	मीने	×शनिः ७।३३ जुलाई मा.७ ता. ३१
९	चं	६०	०	रे	२८	३३	अ	३६	१७	तै	३०	२०	१८	८	५२	४	१३	२२	मे.२८।३३	
९	मं	०	५५	अ	३०	२३	सु	३३	३८	ग	०	५५	१७	८	५१	५	१४	२३	मेषे	भ. ३०।२५ उ. ५९।५५ या.
१०	मं	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	बु	५६	५६	भ	३०	२५	धृ	२९	२९	ब	२८	२५	१५	९	५१	६	१५	२४	वृ.४४।५२	पुन. रविः १४।३१(सौरः ३४/१४) योगिनी+
१२	गु	५२	२	कृ	२८	१४	शू	२३	४१	कौ	२४	२९	१४	९	५१	७	१६	२५	वृषे	योगिनी ११ व्र. वै. +११व्र. स्मा.
१३	शु	४५	१७	रो	२४	८	गं	१६	१८	ग	१८	४०	१३	९	५१	८	१७	२६	मि५१।१८	भ. ४५।१७ उ. पुन. बुधः ९।१४ प्रदोषः
१४	श	३६	५५	मृ	१८	२८	वृ	७/३४	५०/२६	वि	११	६	११	१०	५०	९	१८	२७	मिथुने	भ. ११।६ या.
३०	र	२४	५२	आ	११	४४	व्या	४७	४६	च	२	२३	१०	१०	५०	१०	१९	२८	क.५१।२०	

१२पं.आ.कृ.५बृ.इ.६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	७	३	६	२	२
[illegible]	६	२	८	२८	४	०	१३
९	५७	५०	४२	४२	१२	४१	५२
५०	४०	४२	५४	४०	४३	७	२०
५७	४१	[illegible]	२	५१	०/८	३	५६
७	२०	३०	४	३८	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

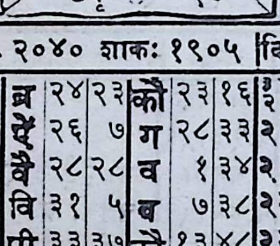

इस मास में ५ रविवार रोगपीड़ा कारक हैं "पंचार्क वासरे रोगाः"। धान्यादि तेज वर्षा मध्यम होगी।

गोचरग्रहाः

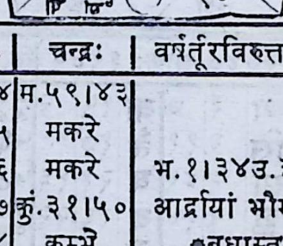

१३पं.आ.कृ.१२बृ.इ.६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	७	४	६	२	२
२०	११	१७	८	४	४	०	२०
५०	४०	४६	११	८	१४	१८	३०
१०	५	१९	४९	४९	२	५१	१४
५७	४१	[illegible]	५ ३/९	४५	४ १/०	३	५६
७	१०	१६	ब	५१	मा	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७४९स.१९८३
१	चं	१८	१४	पु	३ ४ २	५ २ २ ७	ह	३७	२२	ब	१८	१४	३४ ८	५ १०	६ ५०	११	२०	२९	कर्के	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	८	४१	श्ले	५०	७	व	२६	५९	कौ	८	४१	७	११	४९	१२	२१	१	सिं५०।७	कर्के बुधः ४४।३६ रथयात्रा सव्वाल १०
३	मं	५०	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु	५१	४३	म	४३	४०	खि	१७	१०	व	२५	४६	५	११	४९	१३	२२	२	सिंहे	भ. २५।४६ उ. ५१।४३ या. मृगे २ वृषे*
५	गु	४४	५३	पू	३८	५१	व्य	७	५३	ब	१८	१८	४	११	४९	१४	२३	३	कं.५२।५९	पुष्ये बुधः २०।५६
६	शु	३९	२९	उ	३५	२३	व	१ ० ४	५ ३ २ २	कौ	१२	११	२	१२	४८	१५	२४	४	कन्यायां	*राहुः ज्येष्ठा. ४ बृश्चिके केतुः ११।०
७	श	३५	५३	ह	३३	३५	शि	४८	१६	ग	७	४७	०	१२	४८	१६	२५	५	कन्यायां	भ. ३५।५३ उ. कर्केऽर्कः ४२।५५
८	र	३३	३८	चि	३३	११	सि	४४	१४	वि	४	४६	३ ३ ५ ८	१२	४८	१७	२६	६	तु.३।२३	भ. ४।४६ या. कर्केऽर्कः सौरः ६।५८
९	चं	३३	२५	स्वा	३४	२३	सा	४१	२३	बा	३	५८	५६	१३	४७	१८	२७	७	तुलायां	
१०	मं	३४	२९	वि	३७	२०	शु	३९	५८	तै	३	५४	५४	१३	४७	१९	२८	८	वृ.२१।३७	पुन. भौमः ३९।५० ×देवशयनी ११ व्र.
११	बु	३६	४६	अ	४१	१७	शु	३९	५८	व	५	३७	५२	१४	४६	२०	२९	९	बृश्चिके	भ. ३५७ उ. ३६६ या. पुष्ये रविः १३ (सौरः ३२७)×
१२	गु	४०	२२	ज्ये	४६	२८	ब्र	४०	७	ब	८	३४	५०	१४	४६	२१	३०	१०	ध.४६।२८	आश्ले. बुधः ३४ बुधोदयः पश्चिमायाम् ३१ ५७
१३	शु	४४	५०	मू	५२	२१	ऐं	४०	५२	कौ	१२	३६	४७	१५	४५	२२	३१	११	धनुषि	पूफा. शुक्रः ४१।४२ प्रदोषः
१४	श	५०	१६	पू	५९	६	वै	४२	३२	ग	१७	३३	४५	१५	४५	२३	१	१२	धनुषि	भ. ५०।१६ उ. रा. श्रावणारम्भः
१५	र	५५	४७	उ	६०	०	वि	४४	३१	वि	२३	१	४२	१६	४४	२४	२	१३	म.१५।५६	भ. २३।१ या. व्यासपूजा वायुपरीक्षा

१४पं.आ.शु.५वृ.इ. ६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	७	४	६	१	२
२७	१६	२	७	८	४	२९	२७
३०	२०	४९	४८	५०	२०	५६	८
३२	२	८	५०	५६	३१	३५	२१
५७	४१	३० ८	४ ३ ९	३९	१	३	५६
११	०	१ ८ २	व	३५	२२	११	५४

गोचरग्रहाः

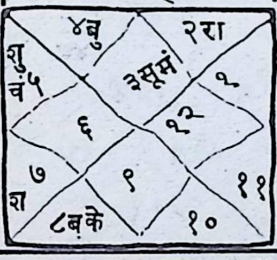

आ. शु. ३० शनौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

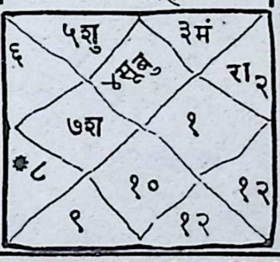

१५पं.आ.शु.१२वृ.इ.५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	७	४	६	१	३
४	२०	१६	७	१२	४	२९	३
११	५८	४५	३३	३२	३१	३४	४६
१७	२६	४०	२५	२८	१२	२०	४८
५७	४०	३० ६	२ १ ९	२८	२	३	५६
१५	४३	२ ०	व	२१	१	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	६०	०	उ	६	२६	प्री	४७	०	बा	२८	३५	३३ ४०	५ १६	६ ४४	२५	३	१४	मकरे	
१	मं	१	५३	श्र	१३	४२	आ	४९	५२	कौ	१	५३	३७	१७	४३	२६	४	१५	कुं.४७।२८	
२	बु	७	२४	ध	२१	१४	सौ	५१	४१	ग	७	२४	३५	१७	४३	२७	५	१६	कुम्भे	भ. ४०।४१ उ.
३	गु	१३	५९	श	२८	३३	शो	५४	२	वि	१३	५९	३२	१८	४२	२८	६	१७	कुंभे	भ. १३।५९ या. मघा सिंहे बुधः २८।०×
४	शु	१९	२०	पू	३५	१४	अ	५५	३७	बा	१९	२०	२९	१८	४२	२९	७	१८	मी१८।३४	×मार्गी गुरुः ५१।४९ चतुर्थी व्र.
५	श	२४	०	उ	४१	११	सु	५६	३५	तै	२४	०	२६	१९	४१	३०	८	१९	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	र	२७	३०	रे	४६	१	धृ	५६	२८	व	२७	३०	२४	१९	४१	३१	९	२०	मे.४६।१	भ. २७।३० उ. ५८।३४ या.
७	चं	२९	३९	अ	४९	२०	शू	५५	१३	ब	२९	३९	२१	२०	४०	१	१०	२१	मेषे	अगस्त मा. ८ ता. ३१
८	मं	२९	५३	भ	५०	५७	गं	५२	३७	कौ	२९	५३	१८	२०	४०	२	११	२२	मेषे	उदयो भौमः ४०।५२
९	बु	२८	२८	कृ	५०	४७	वृ	४८	२८	ग	२८	२८	१५	२१	३९	३	१२	२३	वृ.५।५५	भ. ५६ उ. आश्ले. रविः १३ (सौरः ३२६)+
१०	गु	२५	८	रो	४८	३६	ध्रु	४३	४७	वि	२५	८	१२	२२	३८	४	१३	२४	बृषे	भ. २५।९ या. वक्री शुक्रः ३।५१
११	शु	१९	४६	मृ	४४	३१	व्या	२६	३०	बा	१९	४६	९	२२	३८	५	१४	२५	मि१६।३३	पूफायां बुधः ५५।९ कामिका ११ व्र.
१२	श	१२	४६	आ	३८	५७	ह	२८	५	तै	१२	४६	६	२३	३७	६	१५	२६	मिथुने	प्रदोषः +कर्के भौमः ५१।१४
१३	र	५	२०	पु	३२	२	व	१७	२३	व	५	२०	३ ०	२३	३७	७	१६	२७	क.१८।३४	भ. ५।२० उ ३०।० या.
१४	र	४९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	चं	४४	४६	पु	२४	२८	सि	६ ५८	५६ ५५	च	१९	४३	०	२४	३६	८	१७	२८	कर्के	सोमवती हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.३वृ.इ.५।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	७	४	६	१	३
१०	२५	२९	७	१४	४	२९	१०
५२	३५	२१	२७	५७	४६	१२	२६
१९	२	१८	४३	४३	४८	४	५
५७	४०	३० ०	० ८	१५	२	३	५७
२०	३३	२ ९	व	३३	४०	११	५

गोचरग्रहाः

श्रावण में सोमोती आई। व्यतीपातने सागे लाई।। हरियाली को हुयो है योग। पुण्य करै सो पावे भोग।। वर्षा श्रेष्ठ होगी।

गोचरग्रहाः

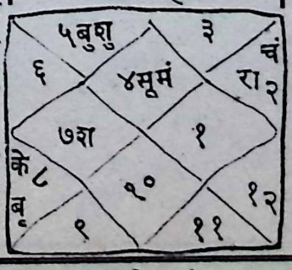

१७पं.श्रा.कृ.१०वृ.इ.५।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	७	४	६	१	३
१७	०	१०	७	१५	५	२८	१७
३४	९	३४	३०	५१	६	४९	५
१	४०	८	४३	४३	५०	४९	५३
५७	४०	९०	५ १	४ ०	३	३	५७
२५	११	५३	मा	व	१९	११	१२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *चंबृके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७७८सन् १९८३
१	मं	३४	२८	श्ले	१६	२९	व	४५	१३	किं	९	४२	३२/५६	५/२५	६/३५	९	१८	२९	सि१६।२९	पुष्ये भौमः १।४४
२	बु	२५	४	म	८	५४	प	३४	२९	कौ	२५	४	५३	२५	३५	१०	१९	३०	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	१६	३४	पू	५६	५४/१७	शि	२४	५६	ग	१६	३४	५०	२६	३४	११	२०	१	क.१५।३१	भ. ४३।१ उ. तीज जिल्काद ११
४	शु	९	२९	ह	५२	२	सि	१६	१३	वि	९	२९	४७	२७	३३	१२	२१	२	कन्यायां	भ. ९।२९ या. वरद ४
५	श	४	१४	चि	५०	२२	सा	८	४	बा	४	१४	४३	२७	३३	१३	२२	३	तु.२१।१२	नागपंचमी
६	र	०	४४	स्वा	५०	१	शु	४३	५५/५४	तै	०	४४	४०	२८	३२	१४	२३	४	तुलायां	भ. ५९।२२ उ.
७	र	५८	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×कर्म रक्षाबन्धनम्
८	चं	६०	०	वि	५१	५५	ब्र	५७	११	वि	२४	४३	३६	२९	३१	१५	२४	५	वृ.३६।२६	भ. ३४/४३ या. उफा. बुधः ४१/१६ वक्री मघायां*
८	मं	०	४	अ	५९	२७	ऐं	५६	१६	ब	०	४	३३	२९	३१	१६	२५	६	वृश्चिके	शु. अ. प.
९	बु	२	१७	ज्ये	६०	०	वै	५६	३९	कौ	२	१७	२९	३०	३०	१७	२६	७	वृश्चिके	मघा. सिंहेऽर्कः ३।८ (सौरः ३४।५३)
१०	गु	६	१०	ज्ये	०	४३	वि	५७	३९	ग	६	१०	२६	३१	२९	१८	२७	८	ध.०।४३	भ. ३८।४१ उ.
११	शु	११	१२	मू	६	५९	प्री	५९	३५	वि	११	१२	२२	३२	२८	१९	२८	९	धनुषि	भ. ११।१२ या. कन्यायां बुधः २४।०=
१२	श	१७	२	पू	१४	२	आ	६०	०	बा	१७	२	१९	३२	२८	२०	२९	१०	म.३०।४९	प्रदोषः =पवित्रा ११ व्र.
१३	र	२२	५८	उ	२१	११	आ	१	४९	तै	२२	५८	१५	३३	२७	२१	३०	११	मकरे	*शुक्रः ३७/३३ शुक्रास्तः पश्चिमायां ३६।०
१४	चं	२९	१५	श्र	२८	३७	सौ	४	३	व	२९	१५	११	३४	२६	२२	३१	१२	मकरे	भ. २९।१५ उ.
१५	मं	३५	९	ध	३६	२	शो	६	३०	वि	२	१२	८	३४	२६	२३	१	१३	कुं.२।१९	भ. २।१२ या. रा. भाद्रपदारंभः श्रावणी×

१८पं.श्रा.शु.३बृ.इ.५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	७	४	६	१	३
२४	४	२०	७	१४	५	२८	२३
१६	४२	२०	४२	५१	३१	२७	४७
२६	४३	४२	०	४३	५	३३	०
५७	४०	७४	२	१६/९१	३	३	५७
३३	६	४९	२५	व	५७	११	२२

गोचरग्रहाः

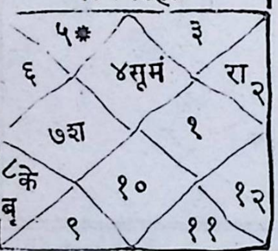

श्रा. शु. ९ बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः प. ।

गोचरग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१०बृ.इ.५।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	७	४	६	१	४
०	९	२८	८	११	५	२८	०
५९	१३	४७	२	४९	५८	५	२९
४९	३७	१०	४६	५५	५९	१८	१३
५७	३९	५५	३	३०/२४	४	३	५७
४०	४९	३४	४६	व	३३	११	३७

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४०	५२	श	४३	१७	अ	८	४९	बा	८	०	३२/४	५/३५	६/२५	२४	२	१४	कुम्भे	
२	गु	४५	५९	पू	४९	४४	सु	१०	४८	तै	१३	२५	०	३६	२४	२५	३	१५	मी३३।८	
३	शु	५०	४	उ	५५	३०	धृ	१२	८	व	१८	१	३१/५६	३७	२३	२६	४	१६	मीने	भ. १८।१९उ.५०।४या. स्वाती १ शनिः ५१/५६
४	श	५३	२३	रे	६०	०	शू	१२	४७	ब	२१	१४	५२	३८	२२	२७	५	१७	मीने	चतुर्थी व्र.
५	र	५५	३४	रे	०	२६	गं	१२	५६	कौ	२४	२६	४८	३८	२२	२८	६	१८	मे.०।२६	×शुक्रोदयः पूर्वस्यां २।२४ श्रीकृष्णजन्मा.व्र.
६	चं	५६	२८	अ	४	७	वृ	१२	६	ग	२६	१	४४	३९	२१	२९	७	१९	मेषे	भ. ५६।२८ उ. आश्ले. भौमः ४७।२०*
७	मं	५६	३	भ	६	३६	ध्रु	११	१७	वि	२६	१५	४०	४०	२०	३०	८	२०	वृ.२१।५३	भ. २६।१५ या. पूफायां रविः ५२।४५
८	बु	५४	११	कृ	७	४६	व्या	८	२०	बा	२५	७	३६	४१	१९	३१	९	२१	वृषे	पूफा. रविः सौरः २५/४५ वक्री बुधः ४०।५१×
९	गु	५०	३४	रो	७	२२	ह	१३/२	५४/२९	तै	२२	२२	३२	४२	१८	१	१०	२२	मि३६।२४	सितम्बर मा. ९ ता. ३० गोगा ९
१०	शु	४५	२०	मृ	५	२६	सि	५०	५६	व	१७	५६	२८	४२	१८	२	११	२३	मिथुने	भ. १७।५६ उ. ४५।२० या.
११	श	३८	४५	आ	५६/१	५५/१५	व्य	४३	३	ब	१२	२	२५	४३	१७	३	१२	२४	क.४३।२३	अजा ११ व्र. *चन्द्रषष्ठी
१२	र	३०	४९	पु	५०	५८	व	३४	२	कौ	४	४७	२१	४४	१६	४	१३	२५	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	चं	२१	५६	श्ले	४४	२	प	२४	१०	व	२१	५६	१७	४५	१५	५	१४	२६	सिं४४।२	भ. २१।५६ उ. ४७।१२ या.
१४	मं	१२	२९	म	३६	३५	शि	१३	५१	श	१२	२९	१३	४५	१५	६	१५	२७	सिंहे	
३०	बु	२	५०	पू	२९	१०	सि	१३/२	४९/३४	ना	२	५०	९	४६	१४	७	१६	२८	कं.४२।३०	कुशाग्रहणी मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.२बृ.इ.५।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	७	४	६	१	४
७	१३	४	८	७	६	२७	७
४४	४३	२०	३१	४७	३१	४३	१३
१७	८	३१	४८	३०	८	२	४५
५७	३९	३४	४	३६/३२	४	३	५७
४९	३९	२१	५३	व	५९	११	४५

गोचरग्रहाः

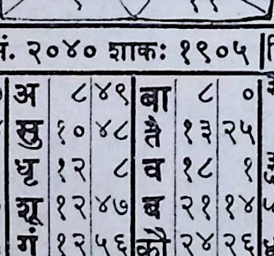

भा.शु. ११ शनौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ नं. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

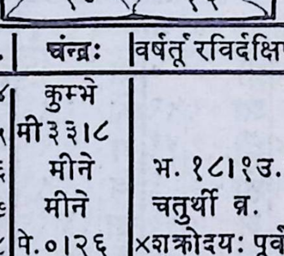

२१पं.भा.कृ. ९वृ.इ. ५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	४	६	१	४
१४	१८	६	९	३	७	२७	१३
२९	१०	९	९	३७	६	२०	५७
५६	४४	२२	१८	४८	३२	४६	५७
५८	३९	३	५	३०/३२	५	३	५७
१	३२	व	५९	व	२५	११	५७

*चंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०४०शाकः१९०५											दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	बु	५०	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	४५	३१	उ	२२	२९	शु	४२	३	ना	१९	३४	३१/५	५/४७	६/१३	८	१७	२६	कन्यायां
३	शु	३८	५५	ह	१६	५०	शु	३४	२६	तै	१२	१३	१	४८	१२	९	१८	१	तु.४४।५२
४	श	३४	४	चि	१२	५५	ब्र	२६	२	व	६	२९	३०/५७	४९	११	१०	१९	२	तुलायां
५	र	३१	१६	स्वा	१०	४२	ऐं	२१	११	ब	२	४१	५३	४९	११	११	२०	३	वृ.५६।०
६	चं	३०	५२	वि	१०	५२	वै	१७	२३	कौ	१	५	४८	५०	१०	१२	२१	४	वृश्चिके
७	मं	३२	८	अ	१३	२	वि	१५	३०	ग	१	३०	४४	५१	९	१३	२२	५	वृश्चिके
८	बु	३५	४२	ज्ये	१७	६	प्री	१४	२९	वि	२	५५	४०	५२	८	१४	२३	६	ध.१७।६
९	गु	४०	२७	मू	२२	४८	आ	१४	४९	ना	१३	२५	३६	५३	७	१५	२४	७	धनुषि
१०	शु	४६	२३	पू	२९	४०	सौ	१६	१८	तै	१८	४७	३२	५४	६	१६	२५	८	म.४६।३२
११	श	५२	३२	उ	३७	९	शो	१८	३२	व	१९	४५	२८	५४	६	१७	२६	९	मकरे
१२	र	५८	५५	श्र	४४	४४	अ	२०	५६	ब	२५	४३	२४	५५	५	१८	२७	१०	मकरे
१३	चं	६०	०	ध	५२	११	सु	२३	३२	कौ	३१	५६	२०	५६	४	१९	२८	११	कु.१८।२८
१३	मं	४	५७	श	५९	१६	धृ	२५	२६	तै	४	५७	१६	५७	३	२०	२९	१२	कुम्भे
१४	बु	१०	८	पू	६०	०	शू	२७	१८	व	१०	८	१२	५८	२	२१	३०	१३	मी४८।५३
१५	गु	१४	५५	पू	५	२५	गं	२८	१३	ब	१४	५५	८	५८	२	२२	३१	१४	मीने

शरद्दरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८०८सं.१९८३

बुधास्तःपश्चिमायाम् ४८।२ चन्द्रदर्शनम्
अनु.≡गुरुः४५/१हरितालिका जिल्हेज १२
भ.२९/६ उ.३४/४या.वक्री कर्के अश्ले. शुक्रः*
ऋषिपंचमी *२६/४१गणेश ४
≡ज्येष्ठा ४ केतुः ५४।४
भ.३२/८उ. उफा. रविः३७/५मृगः१ राहुः≡
भ.५३/५या.उफा रविःसौरः१०/२३वक्री सिंहे+
मार्गी शुक्रः २०।२४ +बुधः २९ ४१
रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
भ.१६/२५उ.५२/३२या.कन्यायामर्कः२ ६(सौरः×
×३५/३४)वक्री पूफा बुधः१२/८जलभू. ११ व्र.
मघा. सिंहे भौमः ५४।८ प्रदोषः
मघा. सिंहे शुक्रः ३५/४८ अनन्त १४
भ.१०/८ उ. ४२/३१या. महालयारंभः
कुमारीणां संध्यापूजनम्

२२पं.भा.शु.२गु.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	७	४	६	१	४
२१	२२	५	९	०	७	२६	२०
१६	३७	३२	५३	४०	४९	५८	४४
५५	१६	१०	२४	३४	५३	३१	३७
५८	३९	४४/५०	६	३७/३०	५	३	५८
१३	१५	व्र	५८	बु	५२	११	१२

२३पं. भा.शु.९ गु.इ.४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	७	३	६	१	४
२८	२७	२९	१०	२९	८	२६	२७
५	१	१७	४४	३५	२६	३६	३२
२४	४८	१३	३१	३१	४२	१५	५९
३८	३९	७/४	७	३/०	६	३	५८
२६	४	ब्र	५९	ब्र	१९	११	२९

२४पं.भा.शु१५गु.इ.४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	७	४	६	१	५
४	१	२३	११	०	९	२६	४
५५	२४	३७	४२	२२	१०	१४	२३
१९	४३	१२	५८	१	२६	०	६
५८	३८	३७/८	८	३४/५२	६	३	५८
३८	५८	ब्र	५५	मा	३०	११	४५

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षःसं.२०४०शाकः१९०५											दि.	उ.	अ.	इ	रा	मु.	चंद्रः
१	शु	१८	२८	उ	१०	३२	वृ	२८	४४	कौ	१८	२८	३०/४	५ ५/९	६/१	२३	१	१५	मीने
२	श	२१	१	रे	१५	१	ध्रु	२८	१४	ग	२१	१	३०/००	० ६/०	६/० ०	२४	२	१६	मे.१५।१
३	र	२२	२७	अ	१८	१४	व्या	२६	४७	वि	२२	२७	२९/५५	६/१	५/५९	२५	३	१७	मेषे
४	चं	२२	४२	भ	२०	२५	ह	२४	४२	ना	२२	४२	५१	२	५८	२६	४	१८	वृ.३५।४४
५	मं	२२	७	कृ	२१	४०	व	२१	४७	तै	२२	७	४७	३	५७	२७	५	१९	बृषे
६	बु	२०	३१	रो	२१	५६	सि	१८	१	व	२०	३१	४३	३	५७	२८	६	२०	मि५१।५५
७	गु	१७	४६	मृ	२१	५५	व्य	१३	२४	ब	१७	४६	३८	४	५६	२९	७	२१	मिथुने
८	शु	१३	१८	आ	१६	२	व	७	५०	कौ	१३	१८	३४	५	५५	३०	८	२२	मिथुने
९	श	९	३६	पु	१६	३	प	१/२६	५२/४३	ग	९	३६	३०	६	५४	१	९	२३	क.१।४८
१०	र	३	३७	पु	११	५९	सि	४६	८	वि	३	३७	२६	७	५३	२	१०	२४	कर्के
११	र	५३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	चं	४९	२१	श्ले	७	४	सा	३७	२१	कौ	२३	५	२२	८	५२	३	११	२५	सि.७।४
१३	मं	४०	४७	म	१/२१	५३/५०	शु	२८	३	ग	१५	४	१८	८	५२	४	१२	२६	सिंहे
१४	बु	३२	३३	उ	४९	११	शु	१८	४३	वि	६	४०	१४	९	५१	५	१३	२७	क.८।५३
३०	गु	२४	३४	ह	४३	२८	त	९	१३	ना	२४	३४	१०	१०	५०	६	१४	२८	कन्यायां

शरद्दतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृ. महाराष्ट्राः

बुधोदयःपूर्वस्याम्२८/४ रा.आश्विनारंभः
भ. ५१।४४ उ.
भ. ३२/२७ या. मार्गी बुधः५८/४ चतुर्थी व्र.
हस्ते रविः १५।३२ (सौरः ४८।४)
भ. २०।३१ उ. ४९।८ या.
स्वाती २ शनिः २४।५३
भ.३६।३६ उ. अक्टूबर १० ता.३१°
भ.३३/७या.उफा.बुधः३३/९अनु.४गुरुः३३/३५*
*इन्दिरा ११ व्र. स्मा.
इन्दिरा ११ व्र. वै.
भ. ४०/४७उ. कन्यायां बुधः५३/१२ प्रदोष.
भ.४६/०या.शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
सर्वपितृ श्राद्धं

२५पं.आ.कृ.७गु.इ.४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	७	४	६	१	५
११	५	२४	१२	२	९	२५	११
४६	४६	१८	४६	४५	५५	५१	१५
५५	२३	२१	१६	५०	४४	४४	१०
५८	३८	४७	९	२७	६	३	५९
५३	४०	२८	४१	६	४५	११	०

गोचरग्रहाः

आसोजां के मेहसे
दोनों बात विनास।
वोरड़ियों के बोर
नहीं, बरण के नहीं
कपास।

गोचरग्रहाः

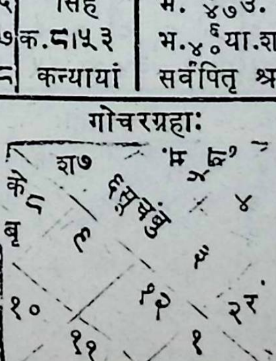

२६पं.आ.कृ.३०गु.इ.४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	४	६	१	५
१८	१०	१	१३	६	१०	२५	१८
४०	६	५१	५५	२९	४३	२९	८
८	२९	७	४१	६	८	२८	२६
५९	३८	९३	१०	३५	७	३	५९
९	३३	४६	२५	५४	२	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति	आश्विन शुक्लपक्ष. सं.२०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८३७स.१९८३
१	शु	१८	७	चि	३८	५२	ऐं	$^{०}_{१७}$	$^{५२}_{०}$	ब	१८	७	२$^{६}_{६}$	१$^{६}_{१}$	४$^{५}_{६}$	७	१५	२९	तु. ११।१०	मातामह श्रा. चद्रदर्शन संभवःनवरात्रा.
२	श	१२	३२	स्वा	३५	३७	वि	४५	२७	कौ	१२	३२	२	१२	४८	८	१६	१	तुलायां	मोहोरम १ सन् १४०४ हि.
३	र	९	३	वि	३४	१३	प्री	४०	४	ग	९	३	$^{२८}_{५८}$	१२	४८	९	१७	२	वृ.१९।३४	भ ३८।१६ उ.
४	चं	७	३०	अ	३४	५२	आ	३६	८	वि	७	३१	५४	१३	४७	१०	१८	३	वृश्चिके	भ. ७।३० यः. चित्रा. रविः ४७।३३
५	मं	७	४९	ज्ये	३७	३१	सौ	३४	१३	वा	७	४९	५०	१४	४६	११	१९	४	ध. ३७।३१	चित्रा.रविःसौरः$^{१५}_{४०}$ह.बुधः$^{१४}_{४}$पूफा.भौ.$^{२३}_{५५}$
६	बु	१०	१७	मू	४१	५९	शो	३३	४९	तै	१०	१७	४६	१५	४५	१२	२०	५	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम बुधाऽस्त पूर्वस्यां$^{१५}_{२४}$
७	गु	१४	२९	पू	४८	८	अ	३४	१९	व	१४	२९	४२	१६	४४	१३	२१	६	धनुषि	भ.$^{१४}_{२६}$उ.$^{४७}_{१६}$ यां सरस्वतीपूज.
८	शु	२०	१०	उ	५५	१२	सु	३६	२	ब	२०	१०	३८	१६	४४	१४	२२	७	म. ४।५४	अस्तं शनेः $^{६}_{१४}$ बलिदानम्
९	श	२६	१७	श्र	६०	०	धृ	३८	४	कौ	२६	२७	३४	१७	४३	१५	२३	८	मकरे	पूफा.शुक्रः$^{४२}_{५१}$विजयादशमीपूजोत्सवः
१०	र	३२	३९	श्र	२	४४	शू	४०	३८	तै	३२	३९	३०	१८	४२	१६	२४	९	कु. ३६।३१	विजया १० पट्टाभिषेके * ११ व्र.
११	चं	३८	५२	ध	१०	१९	गं	४२	४३	व	५	४६	२६	१९	४१	१७	२५	१०	कुम्भे	भ.$^{५}_{४६}$उ.$^{३५}_{५२}$या.तुलायामर्कः$^{३१}_{१९}$पापांकु.*
१२	मं	४४	२६	श	१७	२२	वृ	४४	३५	ब	११	३९	२२	२०	४०	१८	२६	११	कुम्भे	तुलायामर्कः सौर $^{१}_{२३}$ चित्रायांबुधः$^{५३}_{४६}$
१३	बु	४८	३९	पू	२३	४३	ध्रु	४५	३४	कौ	१६	३२	१८	२०	४०	१९	२७	१२	मी ७।८	प्रदोषः
१४	गु	५१	४४	उ	२८	४२	व्या	४५	२६	ग	२०	११	१४	२१	३९	२०	२८	१३	मीने	भ. ५१।४४ उ. *को जागरी व्र.
१५	शु	५३	२२	रे	३२	३१	ह	४४	३१	वि	२२	३३	१०	२२	३८	२१	२९	१४	मे. ३२।३१	भ.$^{२२}_{३३}$या.ज्येष्ठा.१गुरुः$^{२}_{४७}$ सरद्पूर्णिमा*

२७पं.श्रा.शु.७गु.इ.४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	४	६	१	५
२५	१४	१३	१५	११	११	२५	२५
३५	२४	७	९	२०	३१	७	४
४	७	८	०	३५	४४	१३	३८
५९	३८	$^{३०}_{०}$	११	४५	७	३	५९
२१	१२	$^{०}_{२}$	६	७	१०	११	३१

गोचरग्रहाः

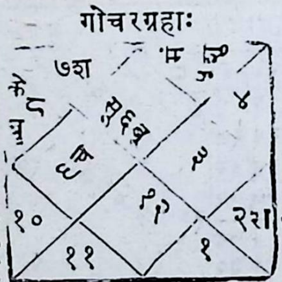

श्रा.शु. ११ चंद्रे तुलायामर्कःप्र.वा. ३न. ४वृद्धावस्था (बैंठी) मु. १५ धान्या.भावे समघंता शुक्रास्त.पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

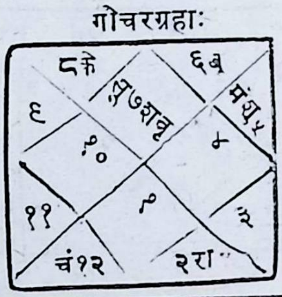

२८पं.श्रा.शु.१४गु.इ $^{३}_{५७}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	७	४	६	१	६
२	१८	२५	१६	१६	१२	२४	२
३१	३९	१२	२७	५६	२१	४४	२
४४	५८	०	२९	२८	३२	५७	७
५९	३७	$^{३०}_{०}$	१२	५०	७	३	५९
३४	५९	$^{०}_{१८}$	४२	४७	१७	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं.२०४० शाकः १९०५												दि	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.श्रा.कृ. महाराष्ट्राः
१	श	५३	४९	अ	३५	१	व	४४	३१	चा	२३	३५	$^{२८}_{६}$	$^{६}_{२३}$	$^{५}_{३७}$	२२	३०	१५	मेषे	तुलाया बुधः ४९।३७
२	र	५२	५८	भ	३६	२०	सिं	३९	३४	तै	२३	२३	२	२४	३६	२३	१	१६	वृ.५१।२५	रा. कार्तिकारंभः
३	चं	५१	१३	कृ	३६	४०	व्य	३५	४०	व	२२	५	$^{२७}_{५८}$	२४	३६	२४	२	१७	वृषे	भ. $^{२२}_{५}$उ. $^{५१}_{१३}$या स्वात्यांरविः$^{१३}_{२१}$(सौरः$^{४२}_{२१}$
४	मं	४८	३३	रो	३५	५८	व	३१	१४	ब	१९	५३	०४	२५	३५	२५	३	१८	वृषे	चतुर्थी व्र.
५	बु	४५	११	मृ	३४	३१	प	२५	५८	कौ	१६	५२	५०	२६	३४	२६	४	१९	मि५।१४	स्वात्यां बुधः ४८।२४
६	गु	४१	४९	आ	३२	४१	शि	२०	२२	ग	१३	२९	४६	२७	३३	२७	५	२०	मिथुने	भ. ४१।४९ उ.
७	शु	३७	१३	पु	३०	१०	सि	१४	११	वि	१८	३१	४२	२८	३२	२८	६	२१	क.१५।४७	भ. $^{१५}_{३१}$या. स्वाती ३ शनिः $^{२४}_{५४}$
८	श	३२	२३	पु	२७	२०	सा	७	३८	बा	४	४७	३९	२८	३३	२९	७	२२	कर्के	
९	र	२७	३	श्ले	२३	४७	शु	$^{०}_{३८}$	$^{५२}_{४१}$	ग	२७	३	३५	२९	३१	३०	८	२३	सिं२३।४७	भ.$^{५४}_{१३}$उ. उफा.शुक्रः ४३।२२
१०	चं	२१	२३	म	१९	५९	ब्र	४५	३८	वि	२१	२३	३१	३०	३०	३१	९	२४	सिंहे	भ. २१।२३या.
११	मं	१५	१६	पू	१५	५१	ऐं	३७	३२	बा	१५	१६	२७	३१	२९	१	१०	२५	क.२९।४४	नवम्बर ११ ता. ३० रमा ११ व्र.
१२	बु	९	१	उ	११	२५	वै	२९	४१	तै	९	१	२४	३१	२९	२	११	२६	कन्यायां	उफा. भौमः$^{५६}_{४७}$ प्रदोषः धन१३
१३	गु	३	२	ह	७	१७	वि	२१	५५	व	३	२	२०	३२	२८	३	१२	२७	तु. ३५।२१	भ.$^{३}_{२}$उ.$^{३०}_{१७}$या. त्रिशा.बुधः$^{५१}_{२९}$ कन्यायां×
१४	गु	५४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×शुक्रः×।४० रूप १४
३०	शु	५२	४६	चि	३	२५	प्री	१४	३४	च	२५	९	१६	३३	२७	४	१३	२८	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्

२९पं.का.कृ.६गु.इ. ३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	४	६	१	६
९	२२	७	१७	२३	१३	२४	९
२९	५४	६	४९	१२	१८	२२	१
४९	३६	३२	४१	१८	५	४२	२७
५९	३७	$^{३०}_{०}$	१२	५५	७	३	४०
४७	४६	$^{०}_{३६}$	१४	१२	२०	११	२

गोचरग्रहाः

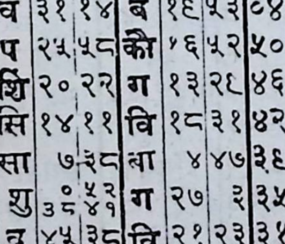

इस मास में अनाज गल्ला किराना तिलहन पाट वारदाना खांड गुड़ शक्कर सोना चांदी में तेजी होकै मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

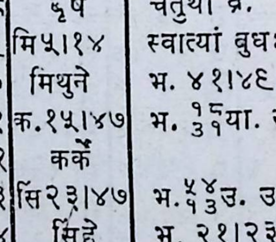

३०पं.का.कृ.१३गु.इ.३।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	४	६	१	६
१६	२७	१८	१९	२९	१४	२४	१६
२९	७	३८	१४	५८	०	०	२
३८	१६	४९	४९	५५	२९	२६	३१
३०	३७	$^{३०}_{०}$	१२	५९	७	३	४०
४	२१	$^{०}_{४२}$	३५	३७	२०	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं०२०४० शाकः१९०५												दि	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	४६	१७	स्वा	०/३१	५८/२२	आ	७	४७	किं	२६	१	२७/१३	६/३३	५/२७	५	१४	२६	वृ.४४।१७
२	र	४७	३८	अ	५८	५३	सौ	२/४	५५/३७	बा	१८	२७	६	३४	२६	६	१५	३०	वृश्चिके
३	चं	४७	३८	ज्ये	६०	०	अ	५४	४०	तै	१७	३८	६	३५	२५	७	१६	१	वृश्चिके
४	मं	४६	३७	ज्ये	०	३२	सु	५३	१४	व	१८	३७	२	३६	२४	८	१७	२	ध.०।३२
५	बु	५३	१६	मू	३	५५	धृ	५२	४७	ब	२१	२६	२६/५६	३६	२४	९	१८	३	धनुषि
६	गु	५८	२८	पू	८	४९	शू	५३	५५	कौ	२५	५२	५६	३७	२३	१०	१९	४	म.२५।२८
७	शु	६०	०	उ	१५	२६	गं	५५	२६	ग	३१	२	५३	३७	२३	११	२०	५	मकरे
७	श	४	१६	श्र	२२	३४	वृ	५७	३७	व	४	१६	४९	३८	२२	१२	२१	६	कु.५६।२६
८	र	१०	४७	ध	३०	१८	ध्रु	५९	५२	ब	१०	४७	४६	३९	२१	१२	२२	७	कुम्भे
९	चं	१७	७	श	३७	३९	व्या	६०	०	कौ	१७	७	४३	३९	२१	१४	२३	८	कुम्भे
१०	मं	२२	५३	पू	४४	२५	व्या	१	५८	ग	२२	५३	४०	४०	२०	१५	२४	९	मी२७।४३
११	बु	२७	२२	उ	४९	४९	ह	३	१७	वि	२७	२२	२७	४१	१९	१६	२५	१०	मीने
१२	गु	३०	१७	रे	५३	४८	व	३	२५	बा	३०	१७	३४	४१	१९	१७	२६	११	मे.५३।४८
१३	शु	३१	४१	अ	५६	३	सि	२	२८	कौ	०	५९	३१	४२	१८	१८	२७	१२	मेषे
१४	श	३१	२०	भ	५६	४६	व्य	०/१७	५५/३५	ग	१	३१	२९	४२	१८	१९	२८	१३	मेषे
१५	र	२९	३४	कृ	५६	१३	प	५२	११	वि	०	२७	२६	४३	१७	२०	२९	१४	वृ.११।३८

हेमंततुं रविर्दक्षि.ऽहर्गणः३८६६स.१९८३

अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
विशा.रवि: ३३/४४(सौर५६/५०)ज्येष्ठा २ गु.*
कन्यायां भौमः ५५।५२ सफर २
भ. १८।३७ उ. ४९।४७ या.
* ४७/१ चंद्र दर्शनम्
वृश्चिके बुधः १४।८
भ ४/१९ उ. ३७/३१ या. अनु.बुधः १५/२ ह.शु ५४/१२
गोपाष्टमी
अक्षय ९
भ ५०/७ उ. रोहि. ४ राहु. ज्ये.२ केतु ४६/१२
भ. २७/२२ या. वृश्चिकेऽर्क २९/४६ (सौरः५४/७)÷
उदयं शने: १३।३६
प्रदोषः ÷प्रबोधिनी ११व्र. तुलसी वि.
भ. ३१/२० उ. अनु. रविः ४८/६ वैकुंठ १४
भा. ०/२७ या अनु.रविःसौरः११/५५ ज्ये.बुधः५९/५०

३१पं.का.शु.६गु.इ.३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	७	५	६	१	६
२३	१	२९	२०	७	१४	२३	२३
३०	१८	४२	४२	५	५२	३८	५
५८	४०	१८	३६	२	५९	१०	८
६०	३७	९९	१३	६१	७	३	६०
१७	५	१३	१	२४	१९	११	३०

गोचरग्रहाः

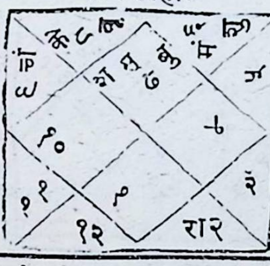

का.शु.११बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्र. वा.३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शु. पूर्वस्याम

गोचरग्रहाः

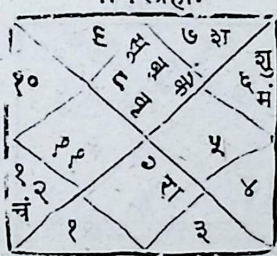

३२पं.का.शु १२गु.इ.३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	७	५	६	१	७
०	५	१०	२२	१९	१५	२३	०
३३	२८	४१	१३	२८	४३	१५	९
४७	१९	४	१६	३४	१	३५	१२
६०	३६	९६	१३	६३	७	३	६०
३०	२८	१८	१७	३१	१२	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०४०शाकः१९०५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	२६	२२	रो	५४	१७	शि	४६	३४	कौ	२६	२२	२६/२४	६/४३	५/१७	२१	३०	१५	वृषे
२	मं	२२	२०	मृ	५१	३२	सि	४०	८	ग	२२	२०	२१	४४	१६	२२	१	१६	मि२२।५५
३	बु	१७	२८	आ	४८	१८	सा	३३	४	वि	१७	२८	१९	४४	१६	२३	२	१७	मिथुने
४	गु	१२	१२	पु	४४	४१	शु	२६	१	बा	१२	१२	१६	४५	१५	२४	३	१८	क३०।३५
५	शु	७	०	पु	४१	१६	शु	१८	४६	तै	७	०	१३	४५	१५	२५	४	१९	कर्के
६	श	१	४३	श्ले	३७	३७	ग	११	२५	व	१	४३	११	४६	१४	२६	५	२०	सि३७।३७
७	श	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	र	५१	३६	म	३४	१४	ऐं	४/२	५२/५५	बा	२४	४	८	४६	१४	२७	६	२१	सिंहे
९	चं	४६	४५	पू	३१	५	वि	४९	५०	तै	१९	१०	६	४७	१३	२८	७	२२	क.४५।२०
१०	मं	४२	४	उ	२८	५	प्री	४२	५९	व	१४	२५	३	४७	१३	२९	८	२३	कन्यायां
११	बु	३७	५०	ह	२५	२१	आ	३६	३५	ब	९	५४	१	४८	१२	३०	९	२४	तु.५४।१०
१२	गु	३४	५१	चि	२३	०	सौ	३०	२५	कौ	५	५७	२५/५९	४८	१२	१	१०	२५	तुलायां
१३	शु	३१	१	स्वा	२१	२८	शो	२४	४७	ग	२	३३	५५	४९	११	२	११	२६	तुलायां
१४	श	२८	४६	वि	२०	३७	अ	१९	४९	श	२८	४६	५७	४९	११	३	१२	२७	वृ.५।५०
३०	र	२७	५९	अ	२१	९	सु	१५	५२	ना	२७	५९	५३	४९	११	४	१३	२८	वृश्चिके

वसंततुं रविरुत्तरे प्र. फा. कृ. महाराष्ट्रः

भ.५६/५४ उ. ज्येष्ठा३गुरुः६।३१ रा.मार्ग*
भा. १७।२८ या. चतुर्थी व्र.
हस्ते भौमः ४७।१७
चित्रा शुक्रः ८/५६ 'स्वाति ४ शनिः १४/२८+
भ १।४३उ.२९।७या. पातःमोक्ष ६।५८
*शीर्षारंभः बुधोदयः प. ३७।१
+पातस्पर्शः ५२/७
भ.१४।२५उ.४२/४ या. मूलेधनुषि बुधः३४/३०
उत्पत्ति ११ व्र.
तुलायां शुक्रः ३/११ दिसम्बर १२ ता.३१
भ.३१/१ उ. ५९/५३ या. ज्येष्ठा. रविः ५८/१६ ×
ज्येष्ठा रविः सौरः १८।५५
×अस्तं गुरोः १२/० प्रदोषः

३३पं.मा.कृ.४गु.इ.२।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	७	५	६	१	७
७	९	२१	२३	२२	१६	२२	७
३७	३३	२३	४५	८	३१	५३	१४
३७	११	५३	२२	१३	३७	३९	४५
६०	३९	९३	१३	६५	७	३	६०
४२	१७	१	२५	१५	२	११	५३

गोचरग्रहाः

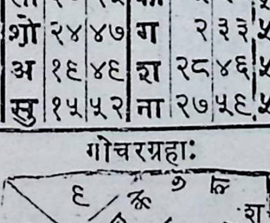

इस मासमें मूंग मोठ बाजरा जौ गेहूं रूई पाट सोना चांदी गुड़ खाँडतिल तेलमें मंदी होगी। सुदीमें लाल रंगकी वस्तु तेज होगी।

गोचर ग्रहाः

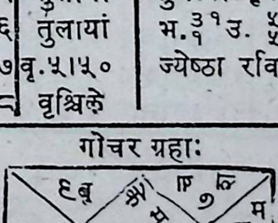

३४पं.मा.कृ.१२गु.इ.२।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	५	६	१	७
१४	१३	१	२५	२९	१७	२२	१४
४२	३५	४३	१९	५९	१९	३६	२१
५४	२०	१६	४१	३१	१२	२४	३९
६०	३५	९३	१३	६६	६	३	६१
५०	४८	४	३२	३७	४७	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४०	शाकः १९०५										दि.	उ.	अ.	इ.	रा	मु.	चन्द्रः
१	चं	२८	१९	ज्ये	२२	४१	धृ	१२	५०	ब	२८	२६	२५/५१	६/४९	५/११	५	१४	२६	ध.२२।४१
२	मं	३०	२२	मू	२५	०	शू	११	२३	कौ	३०	२२	४६	५०	१०	६	१५	३०	धनुषि
३	बु	३३	११	पू	३०	३३	गं	१०	१९	तै	२	७	४८	५०	१०	७	१६	१	म.४३।५९
४	गु	३९	१	उ	३६	१७	वृ	१०	४०	व	६	२६	४६	५१	९	८	१७	२	मकरे
५	शु	४४	३५	श्र	४२	३४	ध्रु	११	५०	ब	११	४८	४५	५१	९	९	१८	३	मकरे
६	श	५१	५	ध	५०	४१	व्या	१३	५०	कौ	१७	५०	४४	५१	९	१०	१९	४	कु.१६।३५
७	र	५७	२९	श	५८	१४	ह	१६	१०	ग	२४	१७	४२	५२	८	११	२०	५	कुम्भे
८	चं	६०	०	पू	६०	०	व	१९	२३	वि	३०	३४	४१	५२	८	१२	२१	६	मी४८।४०
८	मं	३	३८	पू	५	२७	सि	२०	१४	ब	३	३८	४०	५२	८	१३	२२	७	मीने
९	बु	८	५	उ	११	५५	व्य	२१	१	कौ	८	५	३९	५२	८	१४	२३	८	मीने
१०	गु	१२	१९	रे	१६	४३	व	२०	४९	ग	१२	१९	३८	५२	८	१५	२४	९	मे.१६।४३
११	शु	१४	११	अ	१९	४१	प	१९	१५	वि	१४	११	३८	५२	८	१६	२५	१०	मेषे
१२	श	१३	५८	भ	२०	५६	शि	१६	११	चा	१३	५८	३७	५३	७	१७	२६	११	वृ.३५।४५
१३	र	११	५२	कृ	२०	१०	सि	११	३६	तै	११	५२	३७	५३	७	१८	२७	१२	वृषे
१४	चं	८	१	रो	१७	४५	सा	५/३३	५२/४६	व	८	१	३७	५३	७	१९	२८	१३	मि४५।५४
१५	मं	२	५०	मृ	१४	३	शु	५०	७	ब	२	५०	३६	५३	७	२०	२९	१४	मिथुने

हेमंततुँ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८९६स.१९८३

ज्येष्ठा ४ गुरुः ५९।३३ चन्दद.
रविलावल ३
भ.६।२६ उ. ३९।१ या.
पूषा.बुधः $\frac{४}{४}\frac{९}{६}$ स्वात्यां शुक्रः १३।२०
चंपा ६
भ. ५७।२९उ.
भ. ३०।३४या.

भ. ४३।१५उ.
भ.$\frac{१}{१}\frac{४}{१}$या.मूलेधनुष्यर्कः$_{२}\frac{५}{८}$ सौरः$\frac{२}{३}\frac{२}{९}$)*
प्रदोषः
विशाखा.शुक्रः$\frac{२}{५}\frac{३}{४}$चित्रा. भौमः ८।३६
भ. ८।१ उ. ३५।२५या. दत्तजयंती
*मोक्षदा ११व्र गीता जयन्ती

३५पं.मा.शु.४गु.इ.२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	६	६	१	७
२१	१७	११	२६	८	१८	२२	२१
४८	३५	१३	५४	०	४	९	२९
५८	२	३४	२९	३६	५५	८	१७
६०	३५	६९	१३	६७	६	३	६१
५६	२७	४९	३८	४७	३१	११	११

गोचरग्रहाः

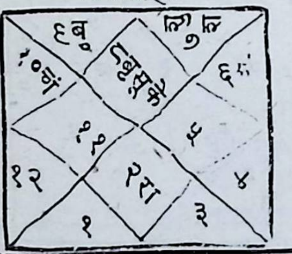

मार्ग.शु ११शुक्रे
धनुष्यर्कः प्र.वा
३न.३ वृद्धावस्था
(बैठी मु. ३०
धान्यादि भावे
समता शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

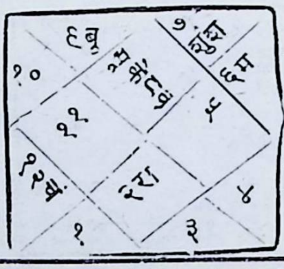

३६पं मा.शु १०गु.इ.२$\frac{२}{१}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	६	६	१	७
२८	२१	१९	२८	१६	१८	२१	२८
५२	३१	३१	२९	८	४८	४६	३८
५२	५२	८	५६	५६	३२	५२	०
६१	३४	५५	१३	६८	६	३	६१
०	५०	५६	३८	४७	१७	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०४०	शाकः १९०५										दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बु	४६	२६	आ	९	२०	ब्र	४१	३४	तै	२७	५६	२५/३६	६/५३	५/७	२१	३०	१५	क.५०।४०
३	गु	४२	२७	पु	४/२	५४/४०	ऐं	३२	३७	व	१५	५८	३६	५३	७	२२	१	१६	कर्के
४	शु	३५	२३	श्ले	५४	९	वै	२३	५२	ब	८	५५	३६	५३	७	२३	२	१७	सि५४।९
५	श	२८	४९	म	४९	२	वि	१५	२४	कौ	२	५	३६	५३	७	२४	३	१८	सिंहे
६	र	२२	५६	पु	४५	४	प्री	७/१६	५२/२८	व	२२	५६	३७	५३	७	२५	४	१९	क.५९।१७
७	चं	१७	५३	उ	४१	५६	सौ	५०	३१	ब	१७	५३	३७	५३	७	२६	५	२०	कन्यायां
८	मं	१३	२८	ह	३९	२९	शो	४६	३६	कौ	१३	२८	३७	५३	७	२७	६	२१	कन्यायां
९	बु	१०	१	चि	३८	२	अ	४०	५८	ग	१०	१	३८	५२	८	२८	७	२२	तु.८।४६
१०	गु	७	२६	स्वा	३७	३५	सु	३६	२३	वि	७	२६	३८	५२	८	२९	८	२३	तुलायां
११	शु	५	४३	वि	३७	९	धृ	३२	१६	बा	५	४३	३९	५२	८	३०	९	२४	वृ.२२।४६
१२	श	४	५९	अ	३९	१९	शू	२९	२३	तै	४	५९	४०	५२	८	३१	१०	२५	वृश्चिके
१३	र	५	३२	ज्ये	४१	४१	गं	२६	४४	व	५	३२	४०	५२	८	१	११	२६	ध.४१।४१
१४	चं	६	५१	मू	४५	२०	वृ	२५	४२	श	६	५१	४१	५२	८	२	१२	२७	धनुषि
३०	म	९	४२	पू	५०	५	ध्रु	२४	५९	ना	९	४२	४२	५२	८	३	१३	२८	धनुषि

हेसंततुं रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.

+अनु. शुक्रः २९।४७
वक्री बुधः$\frac{५}{३}\frac{८}{६}$ मूल१ धनुषि गुरुः $\frac{३}{५}\frac{७}{२}$
भ.१५।२८उ $\frac{४}{२}\frac{२}{७}$या.रा. पौषारम्भः
चतुर्थी व्र.

भ.$\frac{२}{५}\frac{२}{६}$उ $\frac{५}{२}\frac{०}{४}$या.पश्चिमास्तोबुधः ५३।३
वृश्चिके शुक्रः ३९।५
विशाखा१शनिः४१।४उदयंगुरोः४६।१२
भ. ३८।४३उ. उ.गु.
भ.७।२६या.पूषा.रविः$\frac{१}{२}\frac{०}{४}$(सौरः$\frac{२}{१}\frac{४}{७}$)+
तुलायां भौमः२३।५४ सफला ११व्र.
प्रदोषः
भ.५।३२उ.$\frac{३}{१}\frac{६}{१}$या.वक्रीमूले बुधः$\frac{३}{४}\frac{६}{२}$*
*जनवरी १ता.३१ सन १९८४

३७पं.पौ.कृ.३गु.इ.२।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	६	६	१	८
६	२५	२३	०	२४	१९	२१	५
३	२४	०	५	२५	२९	२४	४७
२९	२९	१८	३१	५	४२	३७	२५
६१	३४	२०	३१	६९	५	३	६१
४	७	व्र	३७	३२	५२	११	२२

गोचरग्रहाः

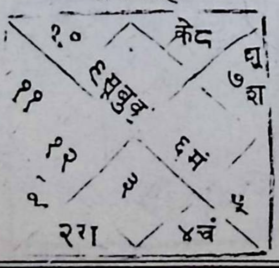

इस मासमें अनाज
गुड़ गुवार सिरस्यूं
पाटबारदाना रुई
चांदी सोना सूत
मूंगफली में तेजी
होगी सुदी में
मंदी हो।

गोचरग्रहाः

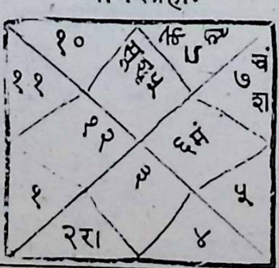

३८पं.पौ.कृ.१०गु.इ.२।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	७	६	१	८
१३	२९	१८	१	२	२०	२१	१२
११	१४	३०	४०	४७	८	२	५७
३१	२	५०	५९	३१	५६	२१	१७
६१	३३	८६/५३	१३	७०	५	३	६१
६	४२	व्र	३२	१८	२३	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्ल पक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ. इं.	रा.	मु.		चंद्रः
१	बु	१३	३२	उ	५५	५८	व्या	२५	१८	ब	१३	३२	२५/४३	६/५१	५/९	४	१४	२९	म.६।३४
२	गु	१८	४३	श्र	६०	०	ह	२६	२८	कौ	१८	४३	४४	५१	९	५	१५	३०	मकरे
३	शु	२४	२६	श्र	२	३१	व	२८	१०	ग	२४	२६	४६	५१	९	६	१६	१	कुं।३६।१०
४	श	३०	५४	ध	९	५०	सि	३०	७	वि	३०	५४	४७	५१	९	७	१७	२	कुंभे
५	र	३७	२६	श	१७	३४	व्य	३२	४४	ब	४	१०	४९	५०	१०	८	१८	३	कुम्भे
६	चं	४३	५५	पू	२५	१६	व	३४	५९	कौ	१०	४१	५१	५०	१०	९	१९	४	मी८।२१
७	मं	४८	२८	उ	३२	७	प	३६	४०	ग	१६	११	५२	५०	१०	१०	२०	५	मीने
८	बु	५३	५७	रे	३७	४१	शि	३७	१५	वि	२१	१३	५४	४९	११	११	२१	६	मे.३७।४१
९	गु	५६	३१	अ	४२	२६	सि	३६	४६	बा	२५	८	५६	४९	११	१२	२२	७	मेषे
१०	शु	५७	२९	भ	४५	६	सा	३४	५५	तै	२७	०	५८	४८	१२	१३	२३	८	मेषे
११	श	५६	१३	कृ	४५	३५	शु	३१	२२	व	२६	५१	२६/१	४८	१२	१४	२४	९	वृ.०।१३
१२	र	५२	४९	रो	४४	८	शु	२६	१७	ब	२४	३१	३	४७	१३	१५	२५	१०	वृषे
१३	चं	४७	३६	मृ	४०	४१	व	१९	३४	कौ	२०	१३	५	४७	१३	१६	२६	११	मि१२।२५
१४	मं	४०	४१	आ	३५	३९	ऐं	११	२६	ग	१४	८	८	४६	१४	१७	२७	१२	मिथुने
१५	बु	३२	४४	पु	२९	३०	वै	३/७	५०/८	वि	४	४३	१०	४६	१४	१८	२८	१३	क.१६।२

शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ३९२६स१९८४

मूल२गुरुः २४/१९ चन्द्रदर्शनम् बुधोदयः ×
भ. ५७/४० उ. रविलाखर ४ ×पूर्वस्यां ३१/२९
भः ३०।५४ या.

ज्येष्ठायां शुक्रः ३०।७
भ. ४८।२८ उ.
भ. ६१/१३ या. उषा. रविः १५/८ (सौरः ३५/४४)*
स्वात्यां भौमः १०/२८ *मार्गी बुधः ३१/५४
÷(सौरः ४१।९) पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
भ. २६/५१ उ. ५६/१३ या. मकरेऽर्कः ३१।२२÷
पुत्रदा ११ व्र. वै.
प्रदोषः
भ. ४०/४१ उ. रोहि. ३ राहुःज्ये. १ केतुः ३८/२०
भ. ४।४३ या.

३९पं.पौ.शु.२गु.इ.१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	८	७	६	१	८
२०	२	८	३	११	२०	२०	२०
१९	५८	२२	१५	१२	४३	४०	७
२९	२६	२३	०	११	२३	६	१४
६१	३२	६६/५०	१३	७०	५	३	६१
६	५१	ब	२२	५३	५६	११	२६

गोचरग्रहाः

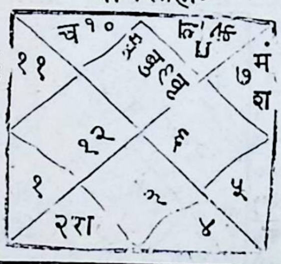

पौ. शु.११° शनौ मकरेऽर्क.प्र. वा.२ न. २ बृद्धावस्था (बैठी) मु३०धा.- भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

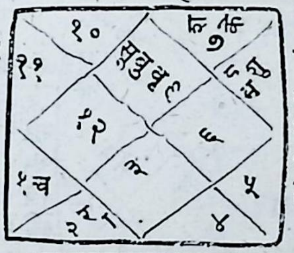

४०पं.पौ.शु९गु.इ.१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	८	७	६	१	८
२७	६	६	४	१९	२१	२०	२९
२७	३१	४३	४७	४०	१४	१७	१७
४०	२८	१	३६	३७	३८	५०	६
६१	३१	५/१	१३	७१	४	३	६१
६	५३	मा	१४	२३	२९	११	२४

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	२४	१०	पु	२२	४५	प्री	४१	५८	कौ	२४	१०	२६/१२	४६/६	१५/४	१९	२९	१४	कर्के
२	शु	१५	१९	श्ले	१५	५५	आ	३१	४३	ग	१५	१९	१५	४५	१५	२०	३०	१५	सिं१५।५५
३	श	६	४६	म	९	१०	सौ	२१	५२	वि	६	४६	१७	४५	१५	२१	१	१६	सिंहे
४	श	५२	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	५२	९	पू	१३/९	५५/५	शो	१२	३४	कौ	२५	३३	२०	४४	१६	२२	२	१७	क.१७।५
६	चं	४६	४०	ह	५४	४७	अ	४/१२	५२/४९	ग	१९	२२	२२	४४	१६	२३	३	१८	कन्यायां
७	मं	४२	२५	चि	५२	५२	धृ	५०	४९	वि	१५	२	२५	४३	१७	२४	४	१९	तु.२३।५०
८	बु	३९	४७	स्वा	५१	४६	शू	४५	४६	बा	११	३६	२७	४३	१७	२५	५	२०	तुलायां
९	गु	३८	२१	वि	५२	१४	गं	४२	०	तै	९	४	३०	४२	१८	२६	६	२१	वृ ३७।७
१०	शु	३८	१९	अ	५४	८	वृ	३९	६	व	८	२०	३३	४१	१९	२७	७	२२	वृश्चिके
११	श	३९	२३	ज्ये	५७	१९	ध्रु	३७	२२	ब	८	५१	३६	४१	१९	२८	८	२३	ध.५७। ९
१२	र	४१	५०	मू	६०	०	व्या	३६	४२	कौ	१०	३७	३९	४०	२०	२९	९	२४	धनुषि
१३	चं	४६	२	मू	१	३५	ह	३६	५५	ग	१३	५६	४२	४०	२०	३०	१०	२५	धनुषि
१४	मं	५१	२५	पू	६	५२	व	३७	२९	वि	१८	४३	४६	३९	२१	२१	११	२६	म.२३।२५
३०	बु	५५	५६	उ	१३	३	सि	३८	५६	च	२६	४१	४९	३८	२२	१	१२	२७	मकरे

शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौष कृ. महाराष्ट्राः

भ. ४१/२ मूलेचन् षि शुक्रः ३१/५८ मूल. ३गुरुः ३८/५०
भ. ४६/६ या. अभि. प्र. रविः १४/७ (सौरः १२/३१)*
*रा माघारम्भः चतुर्थी व्र.
पूषा. बुधः ४३।१३
भ ४६।४० उ.
भ. १५/२ या. श्रवणे रविः २०/४० [सौरः २८/२८]
अभि. नि. रविः १३/९ [सौरः २०।४४]
पातस्पर्शः ५५।४५
भ २८/० उ. ३८/१९ या. पातमोक्षः ११।५९
षट्तिला ११ व्र.

भ. ४६।२ उ. प्रदोषः
भ. १८।४३ या. पूषा. शुक्रः २१।२८
फरवरी २ ता. २९

४१पं.मा.कृ.१गु.इ.१।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	८	७	६	१	९
४	१०	१०	६	२८	२१	१९	४
३५	६	३२	१९	१२	४१	५५	२६
३१	२२	१०	८	७	५५	३४	३५
६१	३०	४५	१२	७१	३	३	६१
३	५४	३०	५५	४९	४८	११	१९

गोचरग्रहाः

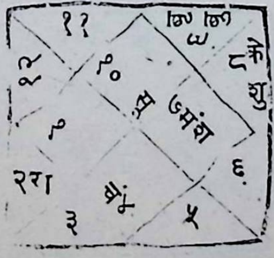

मा. शु.११ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्र. वा. ३न.३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु. पू. ।

गोचरग्रहाः

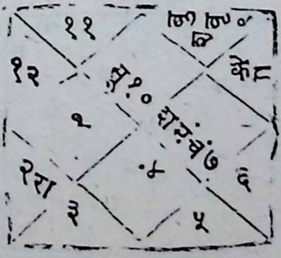

४२पं.मा.कृ.९गु.इ.१।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	८	८	६	१	९
११	१३	१७	७	६	२२	१९	११
४२	३०	४०	४७	४५	४	३३	३५
५८	२५	२६	५६	२९	५२	१९	२६
६०	२९	६६	१२	७२	३	३	६१
५९	३७	४१	२९	७	७	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०४० शाकः १९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शिशिर रविरुत्तरेऽहर्गणः ३९५५सं१९८४
१	गु	६०	०	श्र	१९	४८	व्य	४०	३०	किं	२८	५५	२६/५२	६/३८	५/२२	२	१३	२८	कु.५३।३१	उषा बुधः ७।५
१	शु	१	५४	ध	२७	१५	व	४२	४६	ब	१	५४	५५	३७	२३	३	१४	२९	कुम्भे	चन्द्र दर्शनम्
२	श	८	१९	श	२४	४७	प	४५	९	कौ	८	१९	५९	३६	२४	४	१५	१	कुम्भे	मकरे बुधः ३७।५ जमादिलावल ५
३	र	१४	५५	पू	४२	२८	शि	४७	१६	ग	१४	५५	२७/२	३६	२४	५	१६	२	मी२५।३२	भ. ४८।१० उ. मूल ४ गुरुः ५५।३४
४	चं	२१	२५	उ	४९	३८	सि	४८	१७	वि	२१	२५	६	३५	२५	६	१७	३	मीने	भ. २१/२५या. धनि.रविः ३९/१ (सौरः ३४/१९)
५	मं	२७	१२	रे	५६	९	सा	५०	४४	बा	२७	१२	९	३४	२६	७	१८	४	मे ५६।८	वसन्त ५
६	बु	३२	५	अ	६०	०	शु	५१	१३	तै	३२	५	१३	३३	२७	८	१९	५	मेषे	*पातस्पर्शः ४३/३१ पातमोक्षः ५७/१७
७	गु	३५	३१	अ	१	४१	शु	५०	३८	ग	३	४८	१६	३३	२७	९	२०	६	मेषे	भ. ३५/३१उ. विशाखायां भौमः १७/५७ भानु ७*
८	शु	३७	३१	भ	५	४७	ब्र	४८	३८	वि	६	३१	२०	३२	२८	१०	२१	७	वृ.२१।२०	भ. ६/३१या. श्रवणे बुधः ५४/७ भीष्माष्टमी
९	श	३७	३१	कृ	७	५८	ऐं	४५	४	बा	७	३१	२४	३१	२९	११	२२	८	वृषे	उषा. शुक्रः १५।३९
१०	र	३५	३३	रो	८	१६	वै	३९	४४	तै	६	१८	२७	३१	२९	१२	२३	९	मि३७।१	
११	चं	३१	३६	मृ	५	४७	वि	३३	२	व	३	३४	३१	३०	३०	१३	२४	१०	मिथुने	भ. ३४/३ उ. ३१/३६ या. कुंभेऽर्कः ४/१६+
१२	मं	२५	३१	आ	२/५९	५४/३२	प्री	२४	५८	बा	२५	३१	३५	२९	३१	१४	२५	११	क.४३।५९	प्रदोषः
१३	बु	१८	७	पु	५०	५६	आ	१५	२२	तै	१८	७	३८	२८	३२	१५	२६	१२	कर्के	+(सौरः ८/१६)मकरे शुक्रः ५५/० जया११व्र.
१४	गु	९	१६	श्ले	४३	२५	सौ	४/५५	४६/८	व	९	१६	४२	२८	३२	१६	२७	१३	सिं४३।२५	भ. ९।१६उ. ३४।२७ या.
१५	शु	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४३पं.मा.शु. १गु.इ. २।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	८	८	६	१	९
१८	१६	२६	९	१५	२२	१९	१८
४९	४६	३३	१३	२१	२३	११	४३
२६	२३	२६	१२	२९	२४	३	२८
६०	२८	७९	१२	७२	२	३	६१
५५	१८	४७	९	२६	२५	११	४

४४पं.मा.शु.७गु.इ. २।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	८	८	६	१	९
२१	११	६	१०	२३	२२	१८	२५
५५	५३	२२	३५	५८	३६	४८	५०
१६	२	३४	५३	५	११	४८	१५
६०	२६	[illegible]	११	७२	१	३	६०
४७	१४	३३	३२	५०	४४	११	५५

४५पं.ज्ये.शु.१४गु.इ.२।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	८	९	६	१	१०
३	२२	१७	११	२	२२	१८	२
०	४६	०	५४	३५	४५	२६	५६
४	५२	५८	४	१३	०	३२	१८
६०	२४	९७	१०	७३	१	३	६०
३७	१९	२९	५८	२	३	११	४२

ति	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः१९०५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविरुत्तरे माघकृ. महाराष्ट्रः
१	शु	४९	४९	म	३५	२६	अ	४२	५६	बा	२४	४४	२७/४६	६/२७	५/३३	१७	२८	१४	सिंहे	
२	श	४०	१९	पू	२७	५४	सु	३२	८	तै	१५	४	५०	२६	३४	१८	२९	१५	क.४१।७	*४०/३७ (सौरः ४३/३८) चतुर्थी व्र.
३	र	३१	४०	उ	२०	४७	धृ	२१	५९	व	५	५९	५४	२५	३५	१९	३०	१६	कन्यायां	भ. ५।५९ उ. ३१।४०या. शने रविः*
४	चं	२४	०	ह	१५	६	शू	१२	५२	बा	२४	०	५८	२४	३६	२०	१	१७	तु.४२।५९	घनि. बुधः ८।२३ रा. फाल्गुनारम्भः
५	मं	१८	३	चि	१०	५३	गं	४/५४	५३/३३	तै	१८	३	२८/२	२४	३६	२१	२	१८	तुलायां	बुधास्तः पूर्वस्याम १३।३७
६	बु	१३	५५	स्वा	८	२२	वृ	५३	२९	व	१३	५५	६	२३	३७	२२	३	१९	वृ.५२।४७	भ.१३।५५उ.४२।३५ श्रवणेशुक्रः३।१
७	गु	११	३५	वि	७	३५	व्या	५०	१२	ब	११	३५	१०	२२	३८	२३	४	२०	वृश्चिके	कुंभे बुधः ५७।५८
८	शु	११	६	अ	७	५२	ह	४८	६	कौ	११	६	१४	२१	३९	२४	५	२१	वृश्चिके	पूषा. १ गुरुः १२।७
९	श	१२	२८	ज्ये	११	५०	व	४९	१६	ग	१२	२८	१८	२०	४०	२५	६	२२	ध.११।५०	भ. ४३।५१ उ. वक्री शनिः ६।४९
१०	र	१५	१५	मू	१६	१२	सि	४७	५५	वि	१५	१५	२२	२०	४०	२६	७	२३	धनुषि	भ. १५।१५ या.
११	चं	१९	२९	पू	२१	५३	व्य	४८	४२	बा	१९	२९	२६	१९	४१	२७	८	२४	म.३८।२८	विजया ११ व्र.
१२	मं	२४	३८	उ	२८	१६	व	५०	३१	तै	२४	३८	३०	१८	४२	२८	९	२५	मकरे	शते बुधः ११।३९
१३	बु	३०	४४	श्र	३५	३२	सि	५२	३१	व	३०	४४	३४	१७	४३	२९	१०	२६	मकरे	भ.३०।४४उ.प्रदोषः महाशिवरात्रि स्मा.
१४	गु	३६	४०	ध	४२	५०	शि	५४	३३	वि	३	[illegible]	३८	१६	४४	१	११	२७	कुं ९।११	भ. ३।४२ या महाशिवरात्रि व्र. वै.×
३०	शु	४३	१३	श	५०	३१	प	५६	५९	च	९	५६	४२	१६	४४	२	१२	२८	कुम्भे	×मार्च ३ ता. ३१

४६पं.फा कृ.७गु इ.२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	८	६	६	१	१०
१०	२५	२८	१३	११	२२	१८	१०
३	२८	२३	८	१२	४८	४	०
३२	३७	४६	१०	५४	७	१६	५१
६०	२१	[illegible]	१०	७३	०	३	६०
२५	३६	[illegible]	१४	१५	१३	११	३१

गोचरग्रहाः

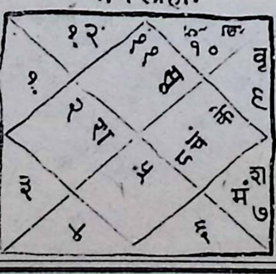

माघ फाल्गुन में शनि मंगलका योग होरहा है यह अशुभ फलकारक है "युद्ध दौ शनि माहेयौ" रुई धान्य धातु रसादि तेज।

गोचरग्रहाः

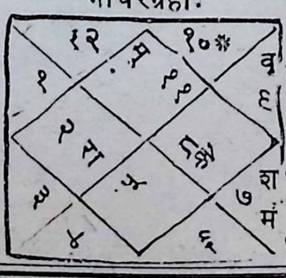

४७पं.फा.कृ.१४गु.इ.३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	८	९	६	१	१०
१७	२७	१०	१४	१९	२२	१७	१७
५	५५	६	१७	५१	४४	४२	३
४६	३०	११	२४	४	५९	१	४१
६०	१८	[illegible]	९	७३	[illegible]	३	६०
१२	५६	[illegible]	२९	२६	ब	११	२०

* शु.बु.चं.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं.२०४०शाकः१९०५												दि.	उ.	अं	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३९८५स१९८४
१	श	४९	२६	पू	५७	५५	सा	५९	१७	किं	१६	१९	२८/४६	६/३५	५/४५	३	१३	२९	मी ४१।१४	पूभा रविः५६/४२(५८/२५)धनि.शुक्रः ५३।४५
२	र	५५	२३	उ	६०	०	शु	६०	०	बा	२२	२९	५०	१४	४६	४	१४	३०	मीने	फुलरिया २ चन्द्रदर्शनम्
३	चं	६०	०	उ	५	७	शु	१	५२	तै	२८	२०	५४	१३	४७	५	१५	१	मीने	जमादिलाखर ६ [+१४/३मोक्षः १६।४
३	मं	१	८	रे	११	३१	शु	२	७	ग	१	८	५८	१२	४८	६	१६	२	मे. ११।३१	भ.३३/३०उ. ८भा. बुधः १५/१ पातस्पर्शः+
४	बु	५	५३	अ	१७	२१	ब्र	३	२२	वि	५	५३	२६/२	१२	४८	७	१७	३	मेषे	भ. ५।५३या. बृश्चिके भौमः ५४।३३
५	गु	९	२८	भ	२१	५९	ऐं	४	२८	बा	९	२८	६	११	४९	८	१८	४	वृ. ३७।५०	=पूषा. २गुरुः ३७।३९ छारेंडी
६	शु	११	५५	कृ	२५	२३	वै	२	२८	तै	११	५५	१०	१०	५०	९	१९	५	वृषे	कुंभे शुक्रः १७।३
७	श	१२	४९	रो	२७	८	वि	१०/१०	५५/४१	व	१२	४९	१४	९	५१	१०	२०	६	मि ५७।१४	भ.१२।४९उ.४२।२८ या. होलाष्टकः
८	र	१२	७	मृ	२७	२०	आ	५१	४६	ब	१२	७	१९	८	१२	११	२१	७	मिथुने	मीने बुधः २४।३३
९	चं	९	३९	आ	२५	४९	सौ	४५	१५	कौ	९	३९	२३	७	५३	१२	२२	८	मिथुने	*दहनं भद्रापुच्छे
१०	मं	५	१९	पु	२२	४१	शो	३७	२८	ग	५	१९	२७	७	५३	१३	२३	९	क. ८।२८	भ.३४/५१उ.५९/५या.मीनेऽर्कः५७/३९(सौरः५८/४५)≡
११	म	५३	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	≡उभा.बुधः१३/२८ आमलकी ११व्र. स्मा.
१२	बु	५१	५६	पु	१७	३५	अ	२८	३१	ब	२५	४१	३२	६	५४	१४	२४	१०	कर्के	आमलकी ११ व्र. वै.
१३	गु	४३	१७	श्ले	११	१६	सु	१८	३८	कौ	१७	३७	३६	५	५५	१५	२५	११	सिं ११।५६	शते शुक्रः २६।२ प्रदोषः
१४	शु	३३	४२	म	४/८	५२/५	धृ	७/५४	४९/०	ग	८	३०	४०	४	५६	१६	२६	१२	सिंहे	भ ३३।४२उ.५८।४४ या. होलिका*
१५	श	२३	४६	उ	४८	२२	ग	४५	५६	ब	२३	४६	४४	३	५७	१७	२७	१३	क. ९।१६	उभा. रविः१८। ४३(सौरः१९।२१ =

४८पं.फा.शु.५गु.इ ३।२१

र	मे	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	८	९	६	१	१०
२४	०	२३	१५	२८	२२	१७	२४
६	२	३०	१९	२९	४०	१९	५
२९	१७	०	५५	३१	५५	४५	४
५९	१५	[illegible]	८	७३	१/१८	३	६०
५८	३४	[illegible]	३७	३८	ब्र	११	६

गोचरग्रहाः

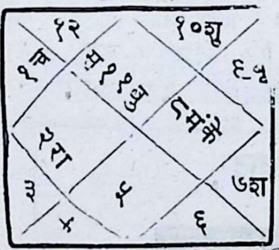

फा. शु. १०भौमे मीनेऽर्कः. प्र. वा. २न.४ वृद्धावस्था (बैठी)मु.३०धा. भावे समता शु. उ. पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

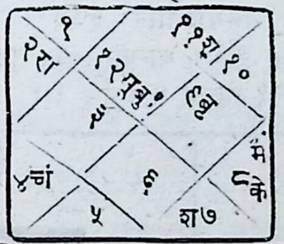

४९प.फा.शु.१३गु.इ.३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	८	१०	६	१	११
१	१	७	१६	७	२२	१६	१
५	४९	१४	१८	७	२९	५७	४
४२	४८	४६	४७	३०	२८	३०	४६
५९	११	[illegible]	७	७३	१	३	५९
४१	३१	[illegible]	३७	५०	५८	११	४९

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४० शाकः१९०५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	बसंततू रविर्दक्षिणे फाल्गुन कृ.महाराष्ट्राः
१	र	१४	६	ह	४१	५	वृ	३५	३९	कौ	१४	६	२९/४९	६/२	५	१८	२८	१४	कन्यायां	वसन्त १ [÷बुधः४५।२६
२	चं	५	१३	चि	३५	१	ध्रु	२६	३	ग	५	१३	५३	१	५९	१९	२९	१५	तु. ८।३०	भ. ३१।२३उ. ५७।३३या. रेवत्यां÷
३	चं	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+ ४ केतुः ३५।११
४	म	५१	२८	स्वा	३०	३२	व्या	१७	५२	ब	२४	३१	५७	१	५९	२०	३०	१६	तुलायां	चतुर्थी व्र. रोहि. २ राहुः अनु.+
५	बु	४७	३३	वि	२७	५४	ह	१०	१०	कौ	१९	३१	३०/१	६/००	६/००	२१	१	१७	वृ. १३।३३	रा. चैत्रारम्भः
६	गु	४५	३८	अ	२६	७	व	६	९	ग	१६	३५	६	५/५९	१	२२	२	१८	बृश्चिके	भ.४५/३८उ. बुधोदयः पश्चिमायाम्३।३८
७	शु	४५	५९	ज्ये	२८	४९	सि	२	४७	वि	१५	४९	१०	५८	२	२३	३	१९	ध. २८।४९	भ. १५।४९या. अनु. भौमः१७।५९*
८	श	४८	७	मू	३२	१६	व्य	०	५६	बा	१७	०	१४	५७	३	२४	४	२०	धनुषि	* शीतलापूजनम्
९	र	५२	२	पू	३७	१७	व	१	७	तै	२०	४	१८	५६	४	२५	५	२१	म. ५३।५२	पूभा. बुधः ३०।५०
१०	चं	५७	८	उ	४३	३६	प	१	३७	व	२४	३५	२३	५५	५	२६	६	२२	मकरे	भ. २४।३५उ. ५७।८ या.
११	मं	६०	०	श्र	५०	५९	शि	३	२५	ब	३०	१३	२७	५५	५	२७	७	२३	मकरे	अश्वि. मेषे. बुधः ८।४३पापमोचनी≡
११	बु	२	१९	ध	५८	२३	सि	५	४१	बा	३	१९	३१	५४	६	२८	८	२४	कु. २४।४१	पापमोचनी ११ व्र. वै.
१२	गु	९	३२	श	६०	०	सा	८	१२	तै	९	३२	३५	५३	७	२९	९	२५	कुम्भे	प्रदोषः ≡११ व्र. स्मा.
१३	शु	१६	२	श	६	७	शु	१०	२९	व	१६	२	३९	५२	८	३०	१०	२६	मी ५६।३२	भ. १६।२उ. ४९/३० या. रेवत्यां रविः४६/२६×
१४	श	२२	५९	पू	१३	२९	शु	१२	३७	श	२२	५९	४४	५१	९	३१	११	२७	मीने	×(सौरः४६।४९ वक्री भौमः ३२।२९
३०	र	२८	४०	उ	२०	२४	ब्र	१४	२१	ना	२८	४०	४८	५०	१०	१	१२	२८	मीने	मन्वादिः अप्रैल४ ता. ३०

५०पं.चैत्रकृ.६गु.इ.४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	११	८	१०	६	१	११
११	३	२१	१७	१५	२२	१६	८
३	११	३	८	४५	१२	३५	२
१८	३१	५०	५३	११	४०	१४	४१
५९	६	[illegible]	६	७३	३३/२	३	५९
२९	५३	[illegible]	३७	५६	ब	११	३५

गोचर ग्रहाः

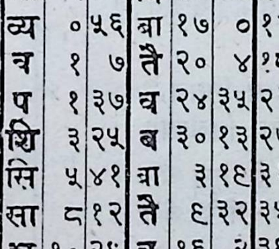

इस मास में प्रजा में रोग पीड़ा हो वालकों में चेचक रोग फैले । धान्य अफीम रुई गल्ला किराना गुड़ खांड़ तेज होकर मंदा हो

गोचरग्रहाः

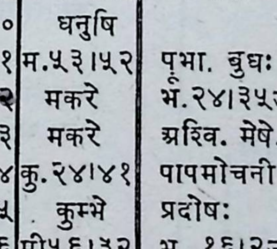

५१ पं.चौ.कृ.१२गु.इ.४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	०	८	१०	६	१	११
१४	४	२	१७	२४	२१	१६	१४
५९	७	५५	५२	२३	५३	१२	५८
१३	३०	३४	५२	२४	१७	५८	४७
५९	१	९१	५	७४	३/१३	३	५९
१६	१३	४	३१	०	ब	११	१८

* मं.चं.के.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०८५ तत्र कृतयुगप्रमाणम्—१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्-८६४००० कलियुगप्रमाणम्-४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५०८५ भोग्यकलिः ४२६९१५ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति—वीरविक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४१ शाकः१९०६ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो रविः । धान्येशो शनिः । मेघेशोगुरुः । रसेशो भौमः । नीरसेशः रविः । फलेशोगुरुः । धनेशः रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य—मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ११ ईश्वरनाम—सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ७।२५।२६।१६ भोग्यमासादिः ४।४।३०।४४ इन्द्रदैवतं युगम् । वर्ष नामः आषाढ़ः मेघ नाम आवर्तः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा १० । समयवाहनंमृगः । स्तंभः २ अन्नजलयोः । सोमवत्यमाः १ । सोमवती पंचमी २ । अङ्गारकी चतुर्थी नास्ति । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३३० । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १६ । तिथिवृद्धिः ९ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १५. तृणम् १३. शीतम् १७. तेजः ५ वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यम् १२१ सत्यम् ॥ धर्मम् १॥ पापम् १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणऽभावो भारते ।

भैरव-भवानी सम्वाद

लाभ-खर्च्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्षलग्नम् ५।७

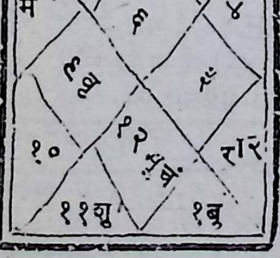

भैरव प्रश्न

अम्बादेवी मात से भैरव पूछत जाय ।
इकतालीस का साल का हाल मुझे बतलाय ॥

भवानी उत्तर

इकतालीस संवत् लगा सुनो हाल चितलाय ।
राजा शशि मंत्री भृगु शुभयोगा मिलजाय ॥
चौमासा वर्षे सही जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोले मीठे बैन ॥
शनि मंगल युति ज्येष्ठ से तीन मासतक होय ।
पशुओं को चारा नहीं रोग उपद्रव होय ॥
अनजल के दो स्तंभ है संवत् मालाकार ।
सिंधु में रोहिणी बसी ईश्वर करसी सार ॥
धान्याधिप धान्य में करसी गोल मटोल ।
मंदी में संग्रह करो होय सवाया मोल ॥
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धरध्यान ।
बंशीधर का कथन है भली करे भगवान ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेशलग्नम् ४।१

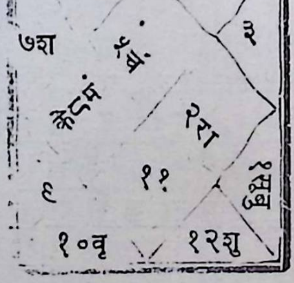

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२२।० केतकीमतेन वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशाः २३।३७।१७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणांफलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरंच धान्यम् सौख्यं जनानां मुदयोनृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ॥ मंत्री शुक्रस्तत्फलम् ॥ भृगुसुत ननुगंत्रिपदंगते शलभमूषक मूषक रौहिषः । श्रवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु- जलं सरितोधिकम् ॥ सस्येशोरविः फलम् ॥ सस्याधिनाथे तरणौहिपूर्वं धान्यं समर्घं वहवोपि चौराः युद्ध नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं चसस्यं बहु भूरुहाश्च ॥ धान्येशः शनि फलम् ॥ निर्धनाः क्षितिभुजो रणादराः सस्यमल्पमतिरोगिणोजनाः । नैवत्रर्षतिजलं सुरेश्वरः स्याद्यदाव्यंतकणयः शनैश्चरः ॥ मेघेशो गुरुः फलम् ॥ गुरुरामंप्रिय वृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणीतदा । श्रुति विचारवरानरपालका रससमृद्धि युताखिलमानवाः रसेशोभौमस्तत्फलम् ॥ यदिधरातनयो रसयोभवेन्नरसराशियुताजनताशुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदो नजलदो बहुवृष्ट करोभुवि ॥ नीरसेशोरविः फलम् । नीरसाधिपतौ सूर्येताम्र चंदनयोरपि रत्नमाणिक्यमुक्तादेर्घवृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशोगुरुः फलम् ॥ सुरगुरुः फलनायकतां गतोगतभयात्रनराशि महाद्रुमाः । यजन याजनकोत्सव मन्दिरा श्रुति विचार पराद्विजपूर्वकाः ॥ धनेशोरविःफलम् ॥ द्रविणये यदिवासरपेतदा वाणिजतो बहुद्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्र तो धन चत्रं लभते क्रयविक्रयात् ॥ दुर्गेशो गुरुः फलम् ॥ सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरयाः करपालिताः । गिरिषुवैनगरेषु सम सुखं सुख मति द्विज शस्त्रवतोनिशम् ॥ ईश्वर नाम संवत्सरः फलम् ॥ ईश्वराब्देखिलाज्जन्तून् धात्रीधाभीत्र सर्वदा । पोषपत्यतुलं चान्नं फलं सूते च पुष्कलम् ॥ वर्षनाम आषाढः फलम् ॥ अर्थ महर्घतां भांति धनधान्यं समं भवेत् । आषाढे स्वल्प वृष्टिश्च तुष धान्यमहर्घता ॥ मेघनाम आवर्तः फलम् । आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् । रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् । समुद्रे नु महा वृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे फलम् ॥ मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवंसंचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

सं० २०४१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शुक्ले १२ शुक्रे उफा. ल. ६।१० रे.६ऽ।।।।।।।।

वैशाख मासः ।

कृष्णे १ चन्द्रे स्वात्यां ल. ६।१० रे.७।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ४ गुरौ मूले ल. १२ रे.६ऽ।।।ऽचौऽऽ।। आवश्यके
,, ५ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ७।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा दोषः
,, ६ शनौ उषा. ल. १२ रे.७।।।।ऽरो.ऽऽ।।
,, ७ रवौ उषा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः ६।१२ रे.८।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले ८ भौमे मघा. ल. ११ (ध. ५।०।६उप.रे.७।।।।ऽचौऽऽ।
चं ७ पूज्य. गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ६ बुधे मघा. ल. ६ रे.८।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति-साम्याऽभावः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णे ८ शुक्रे मघ. ल. अन्यगो. रे.८।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले २ शनौ मूले ल. ५।६ रे.८।।ऽबु।।।ऽ।।
,, ४ चंद्रे उषा. ल. ६ रे.६।ऽ।।।ऽअऽऽ।।
,, १० रवौ उभा. ल. गो. ६ रे.६।।।।।।।।ऽ कन्यालग्ने
रेखा = रोगपंचकः चंद्र ७ पूज्यः
शुक्ले १५ शनौ मृगे ल. ६ रे.७।।।ऽशु।ऽ।।ऽ।।
पादवेधाद् शुक्रवेधाऽभावः

फाल्गुन मासः ।

कृष्णे ३ शुक्रे उफा. ल. गो. रे.८।।।।ऽरो ऽ।।।
,, १० गुरौ मूले ल. १० रे.७ऽ।।।ऽअ. ।ऽ।।
शुक्ले २ गुरौ उभा. ल. १० रे.७ऽऽ।।।ऽ।।।

चैत्र मासः ।

कृष्णे २ शुक्रे हस्ते ल. गो. १० रे.६।ऽ।ऽबु ऽऽचौ।।।।
पादतो वेधाऽभावः आवश्यके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ते.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चद्रः	वसंततू रविरुत्तरेऽहर्गणः४०१५स.१९८४
१	चं	३३	३५	रे	२६	३२	ऐं	१६	३८	किं	१	७	३०/५२	५/५०	६/१०	२	१३	२९	मे.२६।३२	सवत्सरारम्भः नवरात्रारम्भः
२	मं	३७	४०	अ	३२	५१	वै	१६	११	बा	५	३७	५६	४९	११	३	१४	३०	मेषे	सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	बु	४०	३६	भ	३६	१४	वि	१६	१	तै	९	८	३१/३०	४८	१२	४	१५	१	वृ.५२।३	मत्स्यजयंती गणगौरी रज्जब ७
४	गु	४२	३५	कृ	३९	३०	प्री	१४	५१	व	११	३६	४	४७	१३	५	१६	२	वृषे	भ.११/३६उ. ४२/३५ या. उभा. शुक्रः २०।०
५	शु	४३	१०	रो	४१	५०	आ	१३	०	ब	१२	५२	८	४६	१४	६	१७	३	वृषे	
६	श	४२	४५	मृ	४२	५२	सौ	१०	२३	कौ	१२	५७	१२	४६	१४	७	१८	४	मि १२।२१	
७	र	४०	५२	आ	४२	४०	शो	६	३५	ग	११	४८	१६	४५	१५	८	१९	५	मिथुने	भ. ४०।५२उ. भरण्यां बुधः ८।४८
८	चं	३७	३८	पु	४१	२५	अ	१/३८	५३/५५	वि	९	१५	२०	४४	१६	९	२०	६	क.२६।४४	भ. ९।१५ या.
९	मं	३३	१३	पु	३८	५४	धृ	४८	१९	बा	५	२६	२४	४३	१७	१०	२१	७	कर्के	रामनवमी
१०	बु	२७	२८	श्ले	३३	२१	शू	४०	२९	तै	०	२१	२८	४२	१८	११	२२	८	सि ३६।२१	भ.५३।५५उ. वक्री बुधः ३०।२२
११	गु	२०	२१	म	२८	४२	गं	३१	२९	वि	२०	२१	३२	४२	१८	१२	२३	९	सिंहे	भ.२०/२१या.वक्री आश्वि.बुधः३१/५८ कामदा*
१२	शु	१२	२८	पू	२२	३५	वृ	२१	४९	बा	१२	२७	३६	४१	१९	१३	२४	१०	क.३६।०	आश्वि.मेषेऽर्कः२०/२९(सौर.२१/२४)बुधास्तः+
१३	श	४	२४	उ	१६	१४	ध्रु	११	४१	तै	४	२४	४०	४०	२०	१४	२५	११	कन्यायां	भ. ५५।२२ उ. *११ व्र.
१४	श	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+पश्चिमायाम्२६/५९प्रदो.पात.१०/५मोक्षः१९/५८
१५	र	४६	२६	ह	८	५१	व्या	१/२९	५०/२०	वि	२०	५९	४३	३९	२१	१५	२६	१२	तु.३५।३७	भ. २०।५९ या. हनुमज्जयन्ती

५२पं.चै.शु.४गु.इ.४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	०	८	११	६	१	११
२१	४	१०	१८	३	२१	१५	२१
३३	२९	४०	२८	१	२९	५०	५२
३१	१७	३४	८	८	१६	३३	५८
५९	४/३५	५१	४	७४	३/४६	३	५९
४	व्र	५८	२४	२	व्र	११	४

गोचरग्रहाः

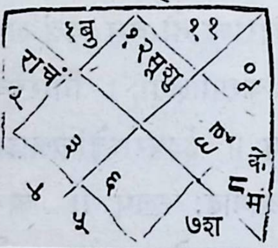

चै.शु.१२ शुक्रे मेषेऽर्कः प्र वा.३ न.४गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शु.उ.पू.

गोचरग्रहाः

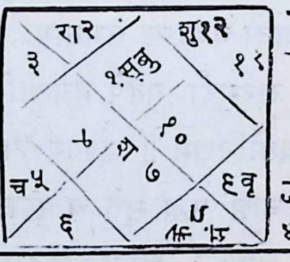

१पं.चै.शु.१२शु.इ.२० २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	८	११	६	१	११
०	४	१३	१८	१३	२०	१५	२९
०	११	७	५८	१०	५९	२४	५९
०	२८	५९	३४	३०	२८	३९	९
५८	११/११	१४/५२	२	७४	४/७	३	५८
४४	व्र	व	५६	१३	व१	११	४५

त.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०४१ शाकः१९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र. कृ. महाराष्ट्रः
१	चं	३८	११	चि	२/२३	५४/४६	व	४२	४९	बा	१२	१९	३१/४७	५/३९	६/२१	१६	२७	१३	तुलायां	रेवत्यां शुक्रः ९।५१
२	मं	३१	२२	वि	५२	४३	सि	३४	५३	तै	४	४२	५१	३८	२२	१७	२८	१४	वृ.३८।४४	भ. ५८।३६ उ.
३	बु	२५	५०	अ	५०	१९	व्य	२८	२२	वि	२५	५०	५५	३७	२३	१८	२९	१५	वृश्चिके	भ. २५।५० या. चतुर्थी व्रः
४	गु	२२	२२	ज्ये	४९	२	व	२३	३८	बा	२२	२२	५८	३६	२४	१९	३०	१६	ध.४९।२	
५	शु	२१	९	मू	५१	४७	प	२०	२५	तै	२१	९	३२/२	३६	२४	२०	३१	१७	धनुषि	वक्री विशा. भौमः ११।१
६	श	२२	१	पू	५५	४०	शि	१९	३	व	२२	१	६	३५	२५	२१	१	१८	धनुषि	भ.२२।१उ.५३।२४या रा.वैशाखारंभः
७	र	२४	५७	उ	६०	०	सि	२०	२८	ब	२४	५७	१०	३४	२६	२२	२	१९	म.१२।३	
८	चं	२९	२३	उ	१	१२	सा	२०	०	कौ	२९	२३	१४	३३	२७	२३	३	२०	मकरे	
९	मं	३५	११	श्र	८	२९	शु	२२	१०	तै	२	१७	१७	३३	२७	२४	४	२१	कु.४२।८	×मेषे शुक्रः१/५४वक्री स्वाती ४ शनिः ५/३७
१०	बु	४१	१०	ध	१५	४६	शु	२४	२७	व	८	१३	२१	३२	२८	२५	५	२२	कुम्भे	भ. ८।१३ उ. ४१।१० या.
११	गु	४७	४३	श	२३	३२	ब्र	२७	५	ब	१४	२६	२५	३१	२९	२६	६	२३	कुंभे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	शु	५३	४१	पू	३०	५७	ऐं	२९	२३	कौ	२०	४२	२९	३०	३०	२७	७	२४	मी१४।५	भरण्यां रविः०।४७(सौरः२।४२) आश्वि.×
१३	श	५९	१७	उ	३७	४९	वै	३१	१७	ग	२६	२९	३२	३०	३०	२८	८	२५	मीने	भ.५९।१७उ. वक्री गुरुः ४७/१२ प्रदोषः
१४	र	६०	०	रे	४३	४१	वि	३२	१४	वि	३१	२२	३६	२९	३१	२९	९	२६	मे.४३।४१	भ. ३१।२२ या.
१४	चं	३	२७	अ	४८	२६	प्री	३२	२५	श	३	२७	४०	२८	३२	३०	१०	२७	मेषे	बुधोदयः पूर्वस्यां ३५।२१
३०	मं	६	४९	भ	५२	४	आ	३१	४४	ना	६	४९	४३	२७	३३	१	११	२८	मेषे	मई ५ ता. ३१

२पं.वै कृ१शु.इ.२०।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	८	११	६	१	०
६	३	९	१९	१	२०	१५	६
५०	१७	५६	१४	४८	३०	२	४९
४२	१७	४९	३८	११	४	२३	२०
५८	१६/४१	३९/२६	१	७४	४/२६	३	५८
३१	व	व	३१	२०	व	११	२९

गोचरग्रहाः

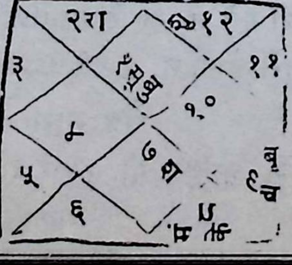

इस मासमें ५ सोम ५ मंगलवार मध्यम है अनाज जौ गेहूँ चना रुई चांदी अफीम किराना ति. मंदा होकर तेज हो।

गोचरग्रहाः

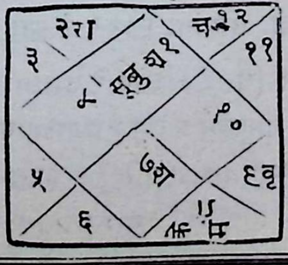

३पं.वै.कृ १२शु.इ.२१।३

र	मं	व	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	८	०	६	१	०
१३	१	५	१९	०	१९	१४	१३
३९	४३	३१	२२	२४	५९	४०	३७
४३	८	१	५	१८	२	७	४५
५८	२१/१०	३१/३८	०	७४	४/४०	३	५८
१९	व	व	१६	२२	व	११	१

२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०४५स.१९८४
१	बु	८	५०	कृ	५४	२९	सौ	२९	५८	ब	८	५०	३२/४७	५/२७	६/३३	२	१२	२९	वृ.७।४०	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	९	४१	रो	५५	५४	शो	२७	३७	कौ	९	४१	५१	२६	३४	३	१३	१	वृषे	बक्री तुलायां भौमः २७/२५ परशुरामजयंती+
३	शु	९	२५	मृ	५६	२५	अ	२४	१७	ग	९	२५	५४	२५	३५	४	१४	२	मि२६।९	भ ३८।५० उ. अक्षया ३ +सावान ८
४	श	८	१६	आ	५७	७	सु	२०	१७	वि	८	१६	५७	२५	३५	५	१५	३	मिथुने	भ. ८।१६ या.
५	र	६	२०	पु	५४	४४	धृ	१५	५३	गा	६	२०	३३/१	२४	३६	६	१६	४	क ४०।५	
६	चं	३	२२	पु	५२	४९	शू	११	११	तै	३	२२	४	२३	३७	७	१७	५	कर्के	भ.५४/४१ उ.भरण्यां शुक्रः ५३/४५ मार्गी बुधः ८/३४
७	चं	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५५	१०	श्ले	५०	६	गं	४/२१	५३/२८	वि	२७	२५	७	२३	३७	८	१८	६	सि५०।६	भ २७।२५ या. पातस्पर्शः ५९।२६
९	बु	४९	४७	म	४६	३५	ध्रु	५०	३३	वा	२२	२९	१०	२२	३८	९	१९	७	सिंहे	पातमोक्षः १२।२६
१०	गु	४३	४२	पू	४२	२२	व्या	४२	४१	तै	१६	४४	१३	२१	३९	१०	२०	८	क.५६।७	कृत्तिकायां रविः ४६/४२ (सौरः ५०।३९
११	शु	३७	२	उ	३७	२०	ह	३४	२६	व	१०	२२	१६	२१	३९	११	२१	९	कन्यायां	भ १०।२२उ.३७।२या. मोहिनी११व्र.
१२	श	२९	४६	ह	३२	१६	व	२५	५०	ब	३	२४	१९	२०	४०	१२	२२	१०	तु.५९।२	प्रदोषः
१३	र	२२	२७	चि	२६	५९	सि	१७	१४	तै	२२	२७	२२	२०	४०	१३	२३	११	तुलायां	शुक्रास्तःपूर्वस्यां ४७/२४ नृसिंह १४ शु.अ.पू.
१४	चं	१५	७	स्वा	२२	३२	व्य	८	४१	व	१५	७	२५	१९	४१	१४	२४	१२	तुलायां	भ. १५/७ उ ४१/५४ या. बृषेऽर्कः १३/५७ (सौर. १८/२७)
१५	मं	८	४१	वि	१८	२५	व	५०/१	५३/१९	ब	८	४१	२८	१८	४२	१५	२५	१३	वृ.४।२७	यमायसान्नजलकुम्भदानं

४पं.वै.शु.७शु.इ. २१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	८	०	६	१	०
२०	२९	२	१९	९	११	१४	२०
२७	३८	५८	२०	१	२७	१७	२४
२२	२१	४४	५६	१६	४	५२	२७
५८	२३/५९	१५/६	१/२	७४	४/४०	३	५७
६	बु	ब	ब्र	२६	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

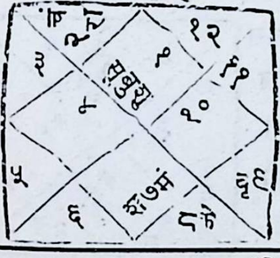

वैं.शु. १४ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्र वा.४ न.५प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ धा. भावेमहर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचरग्रहाः

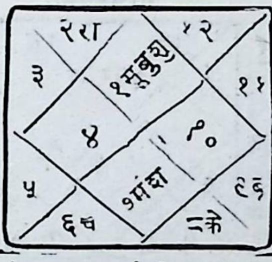

५पं.वै.शु.११शु.इ. २१।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	८	०	६	१	०
२७	२७	४	१९	१७	१८	१३	२७
१३	१९	२	१०	३०	५५	५५	९
३४	२९	३५	१२	४१	१६	३६	४१
३७	२३/२८	१६/४६	२/२५	७४	४/३६	३	५७
५४	ब	मा	ब	२६	ब	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं०२०४१ शाकः १९०६												दि	उ	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाख कृ महाराष्ट्राः
१	बु	३	१४	अ	१५	२४	शि	४९	४५	कौ	३	१४	३३/३०	५/१८	६/४२	१६	२६	१४	वृश्चिके	
२	बु	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	५७	२०	ज्ये	१४	१०	सि	४४	२५	ग	२८	२६	३३	१७	४३	१७	२७	१५	ध.१४।१०	भ. २८।२६ उ. ५७।२० या.
४	शु	५७	४	मू	१४	४६	सा	४१	५१	ब	२७	१२	३६	१७	४३	१८	२८	१६	धनुषि	कृत्ति.शुक्रः ४२।२२ चतुर्थी व्र.
५	श	५९	२	पू	१७	६	शु	४०	५०	कौ	२८	३	३९	१६	४४	१९	२९	१७	म. ३३।१३	रोहि.१राहुःअनु.३केतुः ३६।२२
६	र	६०	०	उ	२१	३७	शु	४०	५८	ग	३०	५३	४१	१६	४४	२०	३०	१८	मकरे	
६	चं	२	४४	श्र	२७	२३	ब्र	४२	२२	व	२	४४	४३	१५	४५	२१	३१	१९	मकरे	भ.२/४४ उ. ३४/५१ या.वृषे शुक्रः २७।४२
७	मं	६	५९	ध	३४	१७	ऐं	४४	२५	ब	६	५८	४६	१५	४५	२२	१	२०	कु.०।५०	रा. ज्येष्ठारम्भः
८	बु	१३	३८	श	४१	५१	वै	४६	५०	कौ	१३	३८	४८	१४	४६	२३	२	२१	कुम्भे	भरण्यां बुधः १३।८
९	गु	२०	०	पू	४९	२१	वि	४९	१७	ग	२०	०	५०	१४	४६	२४	३	२२	मी३२।५९	भ.५५/२९ उ.रोहि. रविः ३७/३२ (सौरः ४४/३९)
१०	शु	२५	५८	उ	५६	२६	प्री	५१	२२	वि	२५	५८	५२	१४	४६	२५	४	२३	मीने	भ. २५।५८ या.
११	श	३१	२५	रे	६०	०	आ	५२	४०	बा	३१	२५	५४	१३	४७	२६	५	२४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	र	३५	२६	रे	२	४१	सौ	५२	३७	कौ	३	२६	५६	१३	४७	२७	६	२५	मे.२।४१	
१३	चं	३८	२२	अ	७	१९	शो	५२	२	ग	६	५४	५८	१२	४८	२८	७	२६	मेषे	भ. ३८।२२ उ. प्रदोषः
१४	मं	३९	३७	भ	१०	४३	अ	५०	५७	वि	८	५३	३४/००	१२	४८	२९	८	२७	वृ.२६।१३	भ.५८/३ या.रोहि.शुक्रः ३५/२७ बुधास्तःपू. ४९/३
३०	बु	३९	२८	कृ	१२	४१	सु	४६	५०	च	९	३२	२	१२	४८	३०	९	२८	वृषे	वट[illegible]जनम्

६पं.ज्ये कृ. ४शु.इ.२१।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	०	६	१	१
३	२४	८	१८	२६	१८	१३	३
१८	४६	३०	५०	१४	२४	३३	५३
२६	१	५०	४२	१३	५८	२०	२१
५७	२१/३७	४४	३/४२	७४	१४/१९	३	५७
४४	ब	४७	ब	३२	ब्र	११	३४

गोचरग्रहाः

इस मास में रस पदार्थ गुड़ खांड़ घृत तैल तिल तेज हो। गरमी का जोर रहेगा। अनाज चांदी भी तेज हो।

गोचरग्रहा

७पं.ज्ये.कृ.१०शु.इ.२१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	१	६	१	१
१०	२२	१५	१८	४	१७	१३	१०
४२	२३	५३	२३	५०	५५	११	३५
२५	५६	४१	६	४२	५५	५	२२
५७	१७/४३	७१	४/४७	७४	८/४	३	५७
३५	ब	४१	ब	३२	ब्र	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः४०७४स१९८४
१	गु	३७	४४	रे	१३	२०	धृ	४२	४४	किं	८	३९	३४/४	५/११	६/४६	३१	१०	२९	मि४३।२	
२	शु	३५	९	मृ	१२	४५	शू	३७	५२	बा	६	२७	६	११	४९	१	११	३०	मिथुने	कृत्ति.बुधः५८/४६चन्द्रदर्शनम् जून१ता.३०
३	श	३१	४१	आ	११	२६	गं	३२	१५	तै	३	२५	७	११	४८	२	१२	१	क ५४।४१	भ. ५९।३६ उ. रमजान ९
४	र	२७	३२	पु	९	६	वृ	२६	१	वि	२७	३२	९	१०	५०	३	१३	२	कर्के	भ. ३७/३२या. वक्री स्वात्यां भौमः ३३/४७
५	चं	२२	५८	पु	६	३१	ध्रु	१९	४८	बा	२२	५८	१०	१०	५०	४	१४	३	कर्के	वृषे बुधः ६।७
६	मं	१८	०	श्ले	३	२९	व्या	१३	१०	तै	१८	०	१२	१०	५०	५	१५	४	सि३।२९	
७	बु	१२	५५	म	२४/०	४६/५७	ह	२८/६	५३/२३	व	१२	५५	१३	९	५१	६	१६	५	सिंहे	भ. १२।५५ उ. ४०।१६ या.
८	गु	७	३८	पू	५३	४३	सि	५२	२७	ब	७	३८	१४	९	५१	७	१७	६	क.११।१९	मृगे रविः ३२।२८ (सौरः ४३।२५)
९	शु	२	१८	ह	५०	५	व्य	४५	१३	कौ	२	१८	१६	९	५१	८	१८	७	कन्यायां	गंगादशर्मी
१०	शु	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*रोहि. बुधः५१।६निर्जला ११व्र.स्मा.
११	श	५१	७	चि	४६	३७	व	३८	१३	व	२३	४२	१७	९	५१	९	१९	८	तु.१८।२१	भ. २३/४२उ. ५१/७या. मृगे शुक्रः २३।३२*
१२	र	४५	३०	स्वा	४३	१७	प	३१	२३	ब	१८	२१	१८	८	५२	१०	२०	९	तुलायां	निर्जला ११ व्र. वै.
१३	चं	४०	४३	वि	४०	१९	शि	२४	३७	कौ	१३	९	१९	८	५२	११	२१	१०	वृ २६।३	प्रदोषः
१४	मं	३६	२०	अ	३८	५	सि	१८	३६	ग	८	३१	२०	८	५२	१२	२२	११	वृश्चिके	भ.३६।२०उ. वक्री पूषा.१गुरुः१६।३२
१५	बु	३३	८	ज्ये	३७	१४	सा	१३	२५	वि	४	४४	२१	८	५२	१३	२३	१२	व्र ३७।१४	भ. ४।४४या. गुर्जरा वटसावित्री पूज.

८पं.ज्ये.शु.२शु.इ.२१।४८ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	४	६	१	७
१७	२०	२५	१७	१३	१७	१२	१७
२५	२७	४२	४७	२९	२९	४८	१९
८	४३	७	७	३८	५३	४९	३८
५७	१२/३६	९३	५/३१	७४	३/४६	३	५७
२७	व	५८	व	३२	क्र	११	१३

ज्येष्ठ अमावस दिवस वा रजनी बादल होय । चौमासा सूखा रहे भारी गड़बड़ होय ।

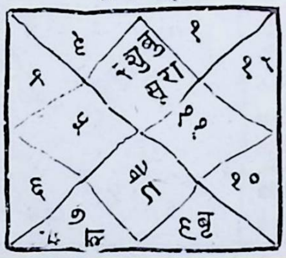

गोचरग्रहाः ९पं.ज्ये.शु.९शु.इ.२१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	८	१	६	१	७
२४	१९	७	१७	२२	१७	१२	२३
७	२	११	२	३	५	२६	५६
१२	२०	४९	२	१४	२४	३४	३४
५७	६/२२	८/२०	६/४२	७४	३/१३	३	५७
२२	व	८१	व	३८	व	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं. २०४१शाकः१९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृ. महाराष्ट्राः
१	बृ	३१	२६	मू	३७	४०	शु	९	२१	बा	२	१७	३४/२१	५/८	५ ६/२	१४	२४	१४	धनुषि	मिथुनेऽर्कः ३९/१(सौरः ४४/१२)मिथुनेशुक्रः ४६/४६
२	शु	३१	८	पू	३९	३९	शु	६	१५	तै	१	१७	२२	८	५२	१५	२५	१५	म.५५।३१	
३	श	३२	४१	उ	४३	६	ब्र	४	४४	व	१	५५	२२	८	५२	१६	२६	१६	मकरे	भ.५५/१उ ३२/४१या मृगेबुधः १६/५७मार्गीभौमः*
४	र	३५	४४	श्र	४८	८	ऐं	४	१२	ब	४	१३	२३	७	५३	१७	२७	१७	मकरे	वक्री स्वाती३शनिः ३८/१० *५।४९ च. व्र
५	चं	४०	३५	ध	५४	३१	वै	४	५८	कौ	८	१०	२३	७	५३	१८	२८	१८	कु२१।१९	
६	मं	४५	५५	श	६०	०	वि	६	३६	ग	१३	१५	२३	७	५३	१९	२९	१९	कुंभे	भ.४५।५५उ. मिथुने बुधः १६।२४
७	बु	५२	७	श	१	३४	प्री	८	५०	वि	१९	१	२४	७	५३	२०	३०	२०	मी५२।२०	भ. १९।१या. आर्द्रा.शुक्रः १५।५९
८	गु	५८	१२	पू	९	१६	आ	११	१५	बा	२५	१०	२४	७	५३	२१	३१	२१	मीने	आर्द्रा.रविः२९।५८(सौरः४५।४५)
९	शु	६०	०	उ	१६	३८	सौ	१३	३५	तै	३१	०	२४	७	५३	२२	१	२२	मीने	आर्द्रा.बुधः२२।४८ रा आषाढ़ारम्भः
९	श	३	४८	रे	२३	२०	शो	१५	२५	ग	३	४८	२४	७	५३	२३	२	२३	मे २३।२०	भ. ३६।१ उ.
१०	र	८	१५	अ	२८	४१	अ	१६	१७	वि	८	१५	२४	७	५३	२४	३	२४	मेषे	भ. ८।१५ या.
११	चं	११	११	भ	३२	२८	सु	१५	५४	बा	११	११	२३	७	५३	२५	४	२५	वृ ४७।५९	योगिनी ११ व्र.
१२	मं	१२	३१	कृ	३४	३३	धृ	१४	११	तै	१२	३१	२३	७	५३	२६	५	२६	वृषे	प्रदोषः
१३	बु	११	५५	रो	३५	२	शू	१०	५८	व	११	५५	२३	७	५३	२७	६	२७	वृषे	भ. ११।५५ उ. ४०।३९ या.
१४	गु	९	२४	मृ	३३	५२	गं	९	२९	श	९	२४	२२	८	५२	२८	७	२८	मि४।२७	पुन. बुधः ३०।४७
३०	शु	५	३५	आ	३१	११	वृ	४/५	५२/५५	ना	५	३५	२२	८	५२	२९	८	२९	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.२शु.इ २१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	१	८	२	६	१	२
०	१८	२१	१६	०	१६	१२	०
४८	२१	२४	१७	३९	४५	४	३५
२५	११	२५	६	४७	५०	१८	४३
५९	०/३७	८०/२०	७/२५	७४	२/३४	३	५६
१३	व	४५	व	३८	व	११	५७

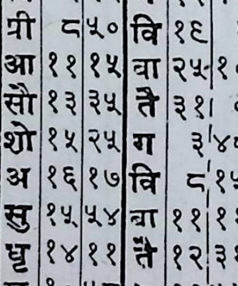

११पं.आ.कृ.९शु.इ.२१।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	८	२	६	१	२
७	१८	६	१५	९	१६	११	७
२९	१९	३७	२५	१६	२९	४२	१४
२४	५	४४	१६	२६	४६	३	१०
५७	५/१६	८०/२०	७/५०	७४	२/१	३	५६
१३	मा	४५	व	३८	व	११	५४

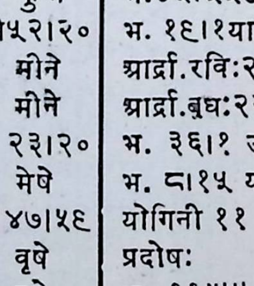

१२पं.आ.कृ.२०शु.इ.२१/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	८	२	६	१	२
१४	१८	२१	१४	१७	१६	११	१३
९	५६	४५	३२	५३	१७	१९	५२
५०	६	५४	१३	२	४९	४७	१५
५७	१०	८०/२०	७/५२	७४	३/२२	३	५६
७	३७	५०	व	३२	व	११	५०

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति	आषाढ शुक्लपक्षः सं.२०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ	इं	रा.	मु.	चंद्रः	वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४१०४स१९८४
१	श	०	३०	पु	२७	४६	व्या	४६	३८	ब	०	३०	३४/२१	५/८	५ ६/२	३०	९	२९	क. १३।३७	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
२	श	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	४८	२०	पु	२३	२५	ह	३९	०	तै	२१	२७	२०	८	५२	१	१०	१	कर्के	पुन.शुक्रः३।५४जौलाई७ता.३१सव्वाल*
४	चं	४१	५३	श्ले	१८	५८	व	३१	२	व	१५	७	१९	८	५२	२	११	२	सिं १८।५८	भ. १५/७ उ. ४१/५३ या. *१०
५	मं	३५	३४	म	१४	३८	सि	२३	१३	ब	८	४३	१८	८	५२	३	१२	३	सिंहे	कर्के बुधः २४।४६
६	बु	२९	२६	पू	१०	२७	व्य	१५	५०	कौ	२	३०	१७	९	५१	४	१३	४	क. २४।३२	बुधोदयः पश्चिमायां ३।३५
७	गु	२३	५५	उ	६	४७	व	८	४८	व	२३	५५	१५	९	५१	५	१४	५	कन्यायां	भ.२३/५५उ.५१/२२या पुन.रविः२८/५४(सौरः४९/४६)*
८	शु	१८	५०	ह	३	२७	प	१/३४	५३/४२	ब	१८	५०	१४	९	५१	६	१५	६	तु. ३२।०	*पुष्ये बुधः२ ९/६ विशाखा. भौमः ४८/४९
९	श	१४	१०	चि	०/३३	५७/५४	सि	४९	५	कौ	१४	१०	१३	९	५१	७	१६	७	तुलायां	
१०	र	१०	७	वि	५७	१	सा	४३	४७	ग	१०	७	११	१०	५०	८	१७	८	वृ. ४२।२२	म. ३८/२५ उ. वक्री मूल. ४ गुरुः ४५/३७
११	चं	६	४३	अ	५५	१६	शु	३८	५३	वि	६	४३	१०	१०	५०	९	१८	९	वृश्चिके	भ.४ ६/३या.कर्केशुक्रः५ ९/८देवशयनी११व्र.
१२	मं	३	५२	ज्ये	५६	८	शु	३४	४२	बा	३	५२	८	१०	५०	१०	१९	१०	ध.५६।८	प्रदोषः
१३	बु	२	५	मू	५६	२५	न	३१	२६	तै	२	५	७	११	४९	११	२०	११	धनुषि	पुष्ये शुक्रः ५६।१३
१४	गु	१	३५	पू	५९	३८	ऐं	२८	४९	व	१	३५	५	११	४९	१२	२१	१२	धनुषि	भ.१/३५उ.३१/४५या.आश्ले.बुधः३५/२४वायुपरीक्षा
१५	शु	१	५६	उ	६०	०	वै	२७	३४	व	१	५६	४	११	४९	१३	२२	१३	ग. १५।३४	मार्गी शनिः १०/४१ व्यासपूजा. गुरु १५

१३पं.आ.शु.८शु.इ.२१/३५ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	८	२	६	१	२
२०	२०	५	१३	२६	१६	१०	२०
५०	८	३७	३८	३०	१०	५७	३०
१०	६	५२	५३	५०	५५	३१	९
५७	१४	२०/०	५२/७	७४	३८/०	३	५६
७	५०	३९	ब	३२	ब	११	५०

आ. कृ. १ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५गतालकावस्था(ऊभी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शु.उ.पू.

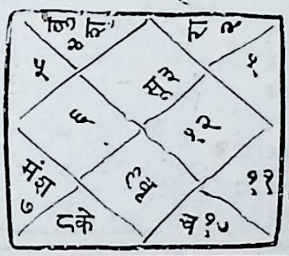

गोचरग्रहाः १४पं.आ.शु. १५शु.इ.२१/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	८	३	६	१	२
२७	२१	१७	१२	५	१६	१०	२७
३०	५३	५७	४५	५	८	३५	८
३२	१३	२५	३०	५३	३८	१६	१६
५७	१८	०	२८/७	७४	०/१	३	५६
११	३५	५३	ब	३२	मा	११	५४

ति	श्रावण कृष्ण पक्षः सं.२०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ	इं	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरे फा कृ. महाराष्ट्राः
१	श	३	५३	उ	३	२०	वि	२६	४६	कौ	३	५३	३४/२	१ ५/२	४ ६/८	१४	२३	१४	मकरे	
२	र	७	१०	श्र	८	१	प्री	२७	१५	ग	७	१०	०	१२	४८	१५	२४	१५	कुं ४१।५५	भ. ३९।५९ उ. कर्केऽर्कः ५८।१८
३	चं	११	४९	ध	१४	१०	आ	२८	३९	वि	११	४९	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१६	कुम्भे	भ. ४ १/९या. कर्केऽर्कः सौरः ३२/३० च. व्र.
४	मं	१६	५८	श	२१	४	सौ	३०	४१	बा	१६	५८	५६	१३	४७	१७	२६	१७	कुम्भे	
५	बु	२३	७	पू	२८	२९	शो	३३	३	तै	२३	७	५४	१३	४७	१८	२७	१८	भी१२।१४	नाग ५ मरुस्थले
६	गु	२९	२२	उ	३५	१६	अ	३५	३७	व	२९	२२	५२	१४	४६	१९	२८	१९	मीने	भ.२९/२२उ पुष्ये रविः।२७/३५ (सौरः ५३/११)
७	शु	३५	२४	रे	४३	१७	सु	३७	१०	वि	२	२३	५०	१४	४६	२०	२९	२०	मे.४३।१७	भ. २।२३या. शुक्रोदयः पश्चिमायां५९/२५
८	श	४०	२०	अ	४९	३२	धृ	३९	३४	बा	७	५२	४७	१५	४५	२१	३०	२१	मेषे	मघा. सिंहे बुधः १७/१२ कृति.४राहुःअनु.*
९	र	४४	१	भ	५४	३१	शू	४०	१	तै	१२	११	४५	१५	४५	२२	३१	२२	मेषे	आश्ले. शुक्रः ४४।२५ *२केतुः२९/४८
१०	चं	४५	५८	कृ	५७	४१	गं	३९	८	व	१४	५९	४२	१६	४४	२३	१	२३	वृ.१०।१९	भ.१४/५९उ ४५/४८या. रा. श्रावणारंभः
११	मं	४५	५७	रो	५९	५	वृ	३६	५६	ब	१५	५७	४०	१६	४४	२४	२	२४	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	बु	४३	४३	मृ	५८	२०	ध्रु	३२	५८	कौ	१४	५०	३७	१७	४३	२५	३	२५	मि२८।४२	
१३	गु	४०	५६	आ	५५	४८	व्या	२७	४२	ग	१२	२०	३५	१७	४३	२६	४	२६	मिथुने	भ. ४०।५६ उ. प्रदोषः
१४	शु	३४	८	पु	५१	३३	ह	२०	४७	वि	७	३२	३२	१८	४२	२७	५	२७	क.३७।३७	भ. ७।३२ या.
३०	श	२७	८	पु	४६	१९	व	१२	४४	च	०	३८	२९	१८	४२	२८	६	२८	कर्के	हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.७गु.इ.२१/१९ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	८	३	६	१	३
४	२४	२८	११	१३	१६	१०	३
११	५	४२	५७	४२	११	१३	४६
१७	६	५८	५८	२९	१०	०	४३
५७	२१	८२	५३/६	७४	०	३	५६
१५	५३	४२	ब्र	२६	५२	११	५७

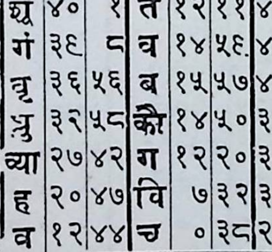

श्रा. कृ. २ रवौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शु. पश्चि.

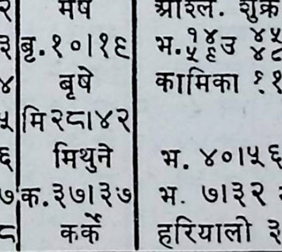

गोचरग्रहाः १६पं.श्रा.कृ.१४शु.इ.२१/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	८	३	६	१	३
१०	२६	७	११	२२	१६	९	१०
५२	४२	४४	१४	१९	१८	५०	२६
१९	४७	२	३८	५	२२	४५	४
५७	२५	६५	६/२	७४	१	३	०७
२०	७	१९	ब्र	२६	३१	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं०२०४१ शाकः१९०६												दि	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षि.ऽहर्गणः४१३३स.१९८४
१	र	१८	१०	श्ले	४०	१९	सि	४ ३/९	५०/५०	ब	१८	१०	३३/२६	५/१९	६/४१	२९	७	२९	सि४०।१९	चंद्र दर्शनम्
२	चं	१०	५५	म	३४	३	व	४४	१२	कौ	१०	५५	२४	१९	४१	३०	८	१	सिंहे	सिंधारा जिल्काद ११
३	मं	२	४४	पू	२८	१	प	३५	५३	ग	२	४४	२१	२०	४०	३१	९	२	क.४१।४३	भ. २८।४७ उ. या. ५४।५० तीज
४	मं	५२	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	४७	५२	उ	२२	३४	शि	२७	२	ब	२१	२१	१८	२०	४०	१	१०	३	कन्यायां	पूफा.बुधः ३७/३८ नाग ५ अगस्त ८ ता. ३१
६	गु	४१	३८	ह	१७	५९	सि	१९	८	कौ	१४	४५	१५	२१	३९	२	११	४	तु.४६।७	अश्ले.रविः ३४/३६ (सौरः५३/५८) मघा सिंहे*
७	शु	३६	३१	चि	१४	१४	सा	११	४२	ग	९	५	१२	२२	३८	३	१२	५	तुलायां	भ. ३६।३१उ. वृश्चिके भौमः ५९।४९
८	श	३२	३१	स्वा	११	३५	शु	२ ५/३	५४/३५	वि	४	३१	९	२२	३८	४	१३	६	वृ.५५।३६	भ. ८।३१ या. *शुक्रः ३५।४८
९	र	२९	४१	वि	१०	१६	ब्र	५४	३७	बा	१	६	६	२३	३७	५	१४	७	वृश्चिके	
१०	चं	२७	५१	अ	१०	८	ऐं	५१	५०	ग	२७	५१	३	२३	३७	६	१५	८	वृश्चिके	भ. ५७।३५ उ.
११	मं	२७	१९	ज्ये	१०	५६	वै	४९	१६	वि	२७	१९	०	२४	३६	७	१६	९	ध.१०।५६	भ. २७।१९ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	बु	२७	५८	मू	१३	२	वि	४७	३१	बा	२७	५८	३२/५६	२५	३५	८	१७	१०	धनुषि	स्वाती ४ शनिः ६।२० प्रदोषः
१३	गु	२९	३३	पू	१६	७	प्री	४५	३८	तै	२९	३३	५३	२५	३५	९	१८	११	म.३२।११	×श्रावणी कर्मः रक्षाबंधनम्
१४	शु	३२	२८	उ	२०	२५	आ	४६	३४	ग	१	०	५०	२६	३४	१०	१९	१२	मकरे	भ. ३२।२८ उ.
१५	श	३६	१४	श्र	२५	२६	सौ	४७	११	वि	४	२१	४७	२७	३३	११	२०	१३	कु.५८।२	भ. ४।२१ या. अनु. भौमः ३।२६×

१७पं.श्रा.शु.७शु इ.२१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
३	६	४	८	४	६	१	३	
१७	२९	१५	१०	०	१६	९	१७	
३४	४२	३८	३८	५६	३०	२८	५	
१	११	५६	१३	२	५८	२१	४८	के
५७	२७	४१	५४/५	७४	२	३	५७	८
२५	३४	४१	व्र	२०	१०	११	१२	

गोचरग्रहाः

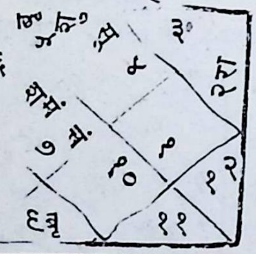

इस मासमें ५ शनिवार नेष्ट हैं धान्य रूई चांदी सोना तेज हो। सुदीमें वर्षा श्रेष्ट होगी।

गोचरग्रहाः

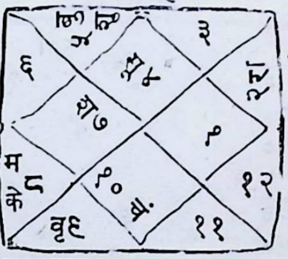

१८पं.श्रा.कृ. १४शु.इ. २०/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	८	४	६	१	३
२४	२	१८	१०	९	१६	९	२३
१६	४८	५०	८	३२	४६	६	४६
२६	४४	५६	४६	२८	१९	६३	५५
५७	२९	१४	४३/८	७२	२	३	५७
३३	५९	५९	ब	२०	४९	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं.२०४१ शाकः१९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावण कृ. महाराष्ट्राः
१	र	४१	१४	ध	३१	३९	शो	४८	३५	बा	८	४४	३२/४३	५/२७	६/३३	१२	२१	१४	कुम्भे	वक्री मूल ३ गुरुः ३९।१८
२	चं	४६	४०	श	३८	२९	अ	५०	१९	तै	१३	५७	४०	२८	३२	१३	२२	१५	कुम्भे	वक्री बुधः ४।४२
३	मं	५२	४७	पू	४५	५६	सु	५२	४३	व	१९	४३	३६	२९	३१	१४	२३	१६	मी२९।५	भ. १९/४३ उ. ५२/४७ या. पूफा. शुक्रः २४/३३
४	बु	५८	५८	उ	५३	२४	धृ	५५	१९	ब	२५	५३	३३	२९	३१	१५	२४	१७	मीने	चतुर्थी व्र.
५	गु	६०	०	रे	६०	०	शू	५७	४९	कौ	३२	५	२९	३०	३०	१६	२५	१८	मीने	मघा सिंहेऽर्कः १८।३१ (सौरः५०।२५)
५	शु	५	११	रे	१	२	गं	५९	५४	तै	५	११	२६	३१	२९	१७	२६	१९	मे. १।२	चंद्रषष्ठी
६	श	१०	३५	अ	७	५९	वृ	६०	०	व	१०	३५	२२	३२	२८	१८	२७	२०	मेषे	भ. १०।३५ उ. ४२।४९ या.
७	र	१५	४	भ	१४	१	वृ	१	५	ब	१५	४	१९	३२	२८	१९	२८	२१	वृ.३०।७	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	चं	१८	२	कृ	१८	२९	ध्रु	१	२६	कौ	१८	२	१५	३३	२७	२०	२९	२२	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	मं	१९	१९	रो	२२	११	व्या	०/३४	५७/१८	ग	१९	१९	११	३४	२६	२१	३०	२३	मि५२।८	भ. ४८/४८ उ. बुधास्तः प. ४०/१६ गोगा ९
१०	बु	१८	१७	मृ	२२	५	ह	५३	५०	वि	१८	१७	८	२४	२६	२२	३१	२४	मिथुने	भ. १८।१७ या. रा. भाद्रपदारंभः
११	गु	१५	२४	आ	२०	५६	सि	४०	५८	बा	१५	२४	४	३५	२५	२३	१	२५	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	शु	१०	२५	पु	१७	५२	व्य	४७	४६	तै	१०	२५	०	३६	२४	२४	२	२६	क ३।३८	उफा.शुक्रः १६।४५ वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	श	३	३६	पु	१२	५४	व	३२	४	व	३	३६	३१/५६	३७	२३	२५	३	२७	कर्के	भ. ३।३६ उ. २६।२६ या.
१४	श	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+बुधः४५।२ कुशाग्रहणी.मन्मादिः
३०	र	४६	२०	श्ले	६/१	५३/३७	प	२२	२२	च	२०	४९	५२	३८	२२	२६	४	२८	सिंहे६।१	कन्यायां शुक्रः ५८।५१ वक्री मघायां+

१९पं.भा.कृ ५शु इ.२०।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र	
४	७	४	८	४	६	१	४	
०	६	१९	९	१८	१७	८	०	
२९	३२	१६	४८	८	६	४३	२९	
४९	३८	१६	०	३१	५४	५८	८	
५७	३१	२३/२६	२/३४	७४	३	३	५७	वृ
४०	४६	व	व्र	८	२८	११	३४	

गोचरग्रहाः

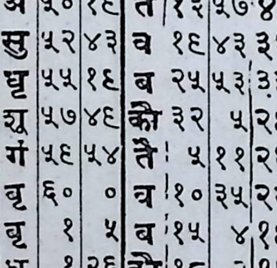

भा.कृ.५ गुरौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) सु. ३० धान्यादिभावे समता शु.पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

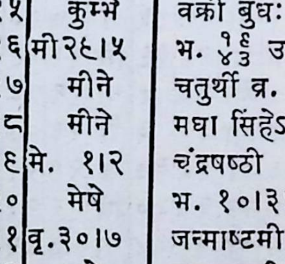

२०पं.भा.शु.१२शु.इ.२०।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	४	६	१	४
७	१०	१५	९	२६	१७	८	७
४६	२०	३७	३५	४४	३२	२१	१२
१७	१७	३४	३५	४२	२८	४२	३१
५७	३३	५७/८	९/१२	७४	४	३	५७
४१	२७	व	व	२	७	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं. २०४१ शाकः१९०६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	३६	४४	पू	५२	१२	शि	१२	२६	किं	११	३२	३१/४८	५/३८	६/२२	२७	५	२६	सिंहे
२	मं	२७	१०	उ	४४	४६	सि	१/३४	४१/३२	बा	१	५७	४४	३६	२१	२८	६	३०	क.५।२०
३	बु	१८	१६	ह	३८	१	शु	४१	१२	ग	१८	१६	४०	४०	२०	२९	७	१	कन्यायां
४	गु	१०	१६	चि	३२	१६	शु	३२	७	वि	१०	१६	३६	४१	१९	३०	८	२	तु.५।१८
५	शु	३	३२	स्वा	२८	१	ब्र	२३	५२	बा	३	३२	३२	४२	१८	३१	९	३	तुलायां
६	शु	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	श	५४	४३	वि	२५	११	ऐं	१७	९	ग	२६	२८	२८	४२	१८	१	१०	४	वृ.१०।५४
८	र	५२	४०	अ	२४	१३	वै	११	३५	वि	२३	४१	२५	४३	१७	२	११	५	वृश्चिके
९	चं	५२	१९	ज्ये	२४	३७	वि	७	२६	बा	२२	२९	२१	४४	१६	३	१२	६	ध.२४।३७
१०	मं	५३	४३	मू	२६	४७	प्री	४	४१	तै	२३	१	१७	४५	१५	४	१३	७	धनुषि
११	बु	५५	५	पू	३०	१३	आ	३	५	व	२४	५४	१३	४५	१५	५	१४	८	म.४६।२५
१२	गु	५९	४९	उ	३४	५९	सौ	२	३५	ब	२८	५७	९	४६	१४	६	१५	९	मकरे
१३	शु	६०	०	श्र	४०	४०	शो	३	८	कौ	३२	४	५	४७	१३	७	१६	१०	मकरे
१३	श	४	१९	ध	४७	२१	अ	४	२	तै	४	१९	१	४८	१२	८	१७	११	कु १।४१
१४	र	९	५५	श	५४	८	सु	५	४७	व	९	५५	३०/५७	४९	११	९	१८	१२	कुंभे
१५	चं	१५	३२	पू	६०	०	धृ	७	३९	ब	१५	३२	५३	४९	११	१०	१९	१३	मी५४।४१

शरद्दतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः स४१६२स.१९८४

चन्द्रदर्शनम्

भ.४४/१६ उ. हरितालिका ३ गणेश४जि.१२

भ.१०/१६ या.पूफा. रविः८/८ (सौरः४१/१७) मार्गी*

*गुरुः २५।३ ऋषि ५

भ.५४।४३ उ. सितम्बर ९ ता. २०

भ. २३।४१ या.

हस्ते शुक्रः ८/२३ ज्येष्ठा.भौमः १३।१९

भ.२४/५४ उ. ४५/५ या.बुधोदयःपूर्वस्यां१७/५६÷

मार्गी बुधः २०।७ वामनजयंती

प्रदोषः ÷जलझूलनी ११ व्र.

भ ९।५५उ. ४२।४३ या. अनंत १४

महालया श्राद्धारंभः

२१पं.भा.शु. ५शु.इ.२०।२६

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	५	६	१	४
१४	१४	९	९	५	१८	७	१३
२९	२०	२६	३३	२०	१	५९	५७
५६	४९	४२	१८	३८	१९	२७	५१
५८	३५	६६	६	७३	४	३	५७
१	५६	व	मा	५६	४०	११	५७

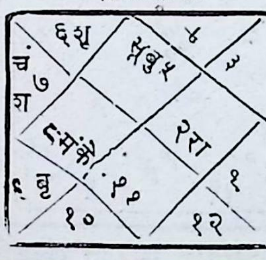

भादवड़े बुध ऊगसी बहु भाद्र बड़ा होय । बुध ऊगे आसोज में कमल काकरां होय ॥

गोचरग्रहाः

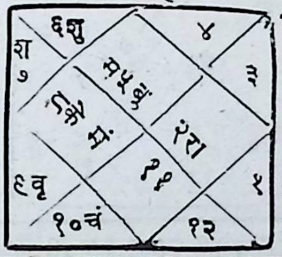

२२पं.भा.शु.१३शुइ २०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	५	६	१	४
२१	१८	६	९	१२	१८	७	२०
१६	३२	३६	३९	५६	३३	३७	४४
५५	४२	२९	२५	२८	२५	११	३१
५८	३६	५८	१	७३	५	३	५८
१३	१०	व	२०	५६	५	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०४१ शाकः१९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	मं	२१	४८	पू	१	३२	शू	९	५९	कौ	२१	४८	३०/४८	५/५०	६/१०	११	२०	१४	मीने
२	बु	२८	४	उ	८	५९	गं	१२	१४	ग	२८	४	४४	५१	९	१२	२१	१५	मीने
३	गु	३४	५	रे	१६	४०	वृ	१४	२९	व	१	४	४०	५२	८	१३	२२	१६	मे.१६।४०
४	शु	३९	३४	अ	२३	३७	ध्रु	१६	३२	ब	६	४९	३६	५३	७	१४	२३	१७	मेषे
५	श	४४	१३	भ	२९	५२	व्या	२८	११	कौ	११	५३	३२	५४	६	१५	२४	१८	वृ.४६।१४
६	र	४७	५०	कृ	३५	२३	ह	१९	७	ग	१६	१	२८	५४	६	१६	२५	१९	वृषे
७	चं	५०	४	रो	३९	२३	व	१८	५६	वि	१८	५७	२४	५५	५	१७	२६	२०	वृषे
८	मं	५०	२७	मृ	४१	५२	सि	१७	४४	बा	२०	१५	२०	५६	४	१८	२७	२१	मि११।७
९	बु	४९	१०	आ	४२	३५	व्य	१५	१	तै	१९	४८	१६	५७	३	१९	२८	२२	मिथुने
१०	गु	४५	४४	पु	४१	२७	व	१०	५६	व	१७	२७	१२	५८	२	२०	२९	२३	क.२६।४४
११	शु	४०	२३	पु	३८	१७	प	५/११	५२/४३	ब	१३	४	८	५८	२	२१	३०	२४	.कर्के
१२	श	३३	३३	श्ले	३३	२५	सि	४६	३२	कौ	६	५८	४	१९	१	२२	३१	२५	सि३३।२५
१३	र	२५	१५	म	२७	२४	सा	३९	५४	व	२५	१५	३०/००	६/००	६/००	२३	१	२६	सिंहे
१४	चं	१५	४४	पू	१९	५२	शु	२९	२६	श	१५	४४	५९/५५	६/१	५५/९	२४	२	२७	कं.३२।५६
३०	मं	५	५०	उ	१२	१०	शु	१८	२२	ना	५	५०	५१	२	५८	२५	३	२८	कन्यायां

शरद्दतू रविर्दक्षिणे भाद्र कृष्णेति महा.

×आश्विनारंभः प्रदोषः

उफा. रविः ५२।२८

भ.१/४ उ.३४/५ या. उफा. रविः सौरः २५/५५

चित्रा.शुक्रः ५९।१३ चतुर्थी व्र.

*मूल ४ गुरुः १३।३३

भ.४७/५० उ.कन्यायामार्कः१७/४९ (सौरः५१/६)*

भ. १८।५७ या. पूफा. बुधः ७।०

≡धनुषि भौमः१४/३१ मातामहश्रा.नवरात्रा.

मातृनवमी =श्रा. सर्व पितृ ३०

भ.१७/२७ उ. ४५/४४ या. तुलायां शुक्रः २५/१४

इन्दिरा ११ व्र.

कृत्ति.३ राहुः अनु. १ केतुः२१।५१

भ.२५/१५ उ ५०/२९ या.विशा.१शनि.६/४५ रा.×

बुधास्तःपूर्वस्यां४/६ ६ शस्त्रादि हतानां=

स्वात्यां शुक्रः ५०/५६ उ.फा.बुधः२६/५२ मूले≡

२३पं.आ.कृ.४शु.इ.२०।१८

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	८	५	६	१	४
२८	२२	१०	९	२२	१९	७	२७
५	५४	१२	५४	३१	९	१४	३२
२४	३६	५८	५०	५८	२५	५५	५२
५८	३७	६७	२	७३	५	३	५८
२६	२२	१५	४४	४४	३२	११	२९

आ. कृ. ६ रत्नौ कन्यायामर्कः प्र. वा.४न ४प्रगल्भा वस्था (बैठी) सु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचरग्रहाः

२४पं.आ.कृ.११शु.इ.१९/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	८	६	६	१	५
४	२७	१९	१०	१	१९	६	४
५५	२४	३५	१९	७	४९	५२	२२
१९	३२	१७	३४	५	५	४०	५९
५८	३८	९८	४	७३	५	३	५८
३८	४०	४१	१	३२	५८	११	४५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	शरद रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१९२ स.१९८४
१	मं	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४६	२७	ह	४/१३	५२/३४	ब्र	७/२२	४१/२०	बा	२१	८	२६/४७	६/३	५/५७	२६	४	२९	तु. ३०। ३०	हस्ते रविः ३०।५५ चन्द्र दर्शनम्
३	गु	३८	१	स्वा	५०	३८	वै	४७	४	तै	१२	१४	४३	३	५७	२७	५	१	तुलायां	हस्ते रविः सौरः३।३६ कन्यायां बुधः*
४	शु	३१	४	वि	४५	३८	वि	३८	४	व	४	३२	३८	४	५६	२८	६	२	वृ.३२।९	भ. ४।३२ उ. ३१।४
५	श	२५	५८	अ	४२	३८	प्री	३०	४६	बा	२५	५८	३४	५	५५	२९	७	३	वृश्चिके	*१७।५८ मोहरम १ स. १४०५ हि.
६	र	२२	४०	ज्ये	४१	२६	आ	२५	१४	तै	२२	४०	३०	६	५४	३०	८	४	ध.४१।२६	+सरस्वत्यावाहनम्
७	चं	२१	२८	मू	४२	२३	सौ	२०	५८	व	२१	२८	२६	७	५३	१	९	५	धनुषि	भा.२१/२८उ.५१/५४या. अक्टूबर १०ता.३१+
८	मं	२२	२०	पू	४५	११	शो	१८	२६	ब	२२	२०	२२	८	५२	२	१०	६	धनुषि	हस्ते बुधः ५०।५० सरस्वती पूजनं
९	बु	२४	४५	उ	४९	४०	अ	१७	१८	कौ	२४	४५	१८	८	५२	३	११	७	म. १।१९	सरस्वती बलीदानम्
१०	गु	२८	४९	श्र	५५	२०	सु	१७	४९	ग	२८	४९	१४	९	५१	४	१२	८	मकरे	विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
११	शु	३३	५३	ध	६०	०	धृ	१८	४०	व	१	२२	१०	१०	५०	५	१३	९	कुं २८।४३	भा.१/२२उ.३३/५३या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	श	३९	५३	ध	२	५	शू	२०	२२	ब	६	५३	६	११	४९	६	१४	१०	कुम्भे	विशाखा शुक्रः ४५।१५
१३	र	४५	५६	श	९	२५	गं	२२	२९	कौ	१२	५५	२	१२	४८	७	१५	११	कुम्भे	प्रदोषः
१४	चं	५२	१८	पू	१६	५३	वृ	२४	५२	ग	१९	७	३८/५८	१२	४८	८	१६	१२	मी०।१	भ. ५२।१८ उ.
१५	मं	५८	२४	उ	२४	२१	ध्रु	२७	१६	वि	२५	२१	५४	१३	४७	९	१७	१३	मीने	भ.३५/२१या. शरद् पूर्णिमा को जागरी व्र.

२५पं आ.शु.४शु.इ.१९।५१ गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	८	६	६	१	५
११	२	१	१०	९	२०	६	११
४६	९	५१	५२	४२	३०	३०	१५
५५	३०	२५	४८	०	२५	२४	१
५८	३९	०/०	५	७३	६	३	५९
५३	२०	?/१	८	२०	२०	११	७

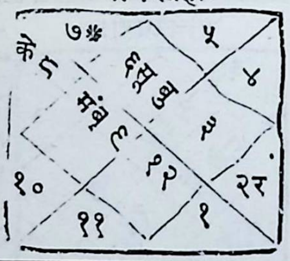

इस मास में ५ मंगलवार हैं प्रजा में पीड़ा, अग्नि भय, उपद्रव हो। हरेक वस्तु तेज रहे।

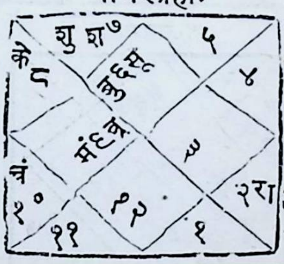

गोचरग्रहाः २६पं.आ.शु.११शु.इ.१९/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	८	६	६	१	५
१८	६	१४	११	१८	२१	६	१८
४०	४६	२९	३३	१५	१४	८	८
८	४८	४२	४७	३६	६	९	४८
५९	४०	०	६	७३	६	३	५९
९	१०	४/३	१९	१२	३३	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं.२०४१ शाकः१९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृ. महाराष्ट्रा
१	बु	६०	०	रे	३१	३७	व्या	२९	२०	बा	३१	१८	२८/५०	६/१४	५/४६	१०	१८	१४	मे.३१।३७	चित्रा रविः२/५६(सौर३४/१२)चित्राबुधः२४/१३
१	गु	४	१३	अ	३८	३०	ह	३१	८	कौ	४	१३	४६	१५	४५	११	१९	१५	मेषे	
२	शु	९	२१	भ	४४	२१	व	३२	२३	ग	९	२१	४२	१६	४४	१२	२०	१६	मेषे	भ. ४१।२९ उ.
३	श	१३	३८	कृ	४९	५६	सि	३३	७	वि	१३	२८	३८	१६	४४	१३	२१	१७	वृ.०।४४	भ. १३।३८ या. चतुर्थी व्र.
४	र	१६	५२	रो	५४	२	व्य	३३	५	बा	१६	५२	३४	१७	४३	१४	२२	१८	वृषे	वृश्चिके शुक्रः ५६/२९ तुलायां बुधः १०/४० +
५	चं	१९	१३	मृ	५७	१६	व	३१	५६	तै	१९	१३	३०	१८	४२	१५	२३	१९	मि२५।३९	+पूषा भौमः ४८/२५
६	मं	२०	१२	आ	५९	८	प	३०	८	व	२०	१२	२६	१९	४१	१६	२४	२०	मिथुने	भ. २०/१२ उ. ५०/५ या. तुलायमर्कः ४८/४२
७	बु	१९	५८	पु	५९	२८	शि	२७	८	ब	१९	५८	२२	२०	४०	१७	२५	२१	क.४४।२३	तुलार्कः सौरः १६/५५ अनु.शुक्रः ३७/५४
८	गु	१८	५	पु	५८	१६	सि	२२	५७	कौ	१८	५	१८	२०	४०	१८	२६	२२	कर्के	स्वात्यां बुधः १७।८
९	शु	१४	३२	श्लो	५६	३२	सा	१७	२५	ग	१४	३२	१४	२१	३९	१९	२७	२३	सिं५६।३२	भ. ४२।३ उ. पूषा १ गुरुः २७।१६
१०	श	९	३४	म	५१	२५	शु	१०	४०	वि	९	३४	१०	२२	३८	२०	२८	२४	सिंहे	भ. ९।३४ या.
११	र	३	३	पू	४५	५५	शु	२/४९	५०/५६	बा	३	३	६	२३	३७	२१	२९	२५	क.५९।१७	रमा ११ व्र.
१२	र	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*(सौरः५७/५३) रा. कार्तिकारम्भः
१३	चं	४६	३५	उ	३९	२२	ऐं	४३	५०	ग	२०	५९	२	२४	३६	२२	३०	२६	कन्यायां	भ. ४६।३५ उ. प्रदोषः धनः १३
१४	मं	३७	१७	ह	३२	११	वै	३३	३४	वि	११	५६	२७/५८	२४	३६	२३	१	२७	तु.५८।२९	भ. ११/५६ या. स्वात्यां रविः २८/४४*
३०	बु	२७	५९	चि	२४	४७	वि	२२	५२	च	२	३४	५४	२५	३५	२४	२	२८	तुलायां	विशाखा २ शनि ८।५५ महालक्ष्मी पू.

२७पं.का.कृ.२गु.इ. १९।३० गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	८	६	६	१	५
२५	११	२६	१२	२६	२१	५	२५
३५	३९	४३	२३	४९	५९	४५	४
६	४	३८	१३	१६	३५	५३	३०
५९	४०	०	७	७२	६	३	५९
२१	४०	५/६	१४	५४	५०	११	३१

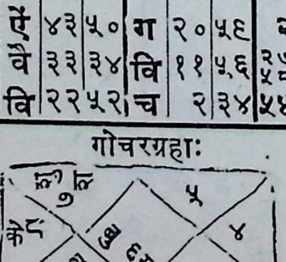

का. कृ. ६ भौमे तुलायायर्कः प्र.वा. ३ न. ४ वृद्धा वस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घंता शुक्रो. प.

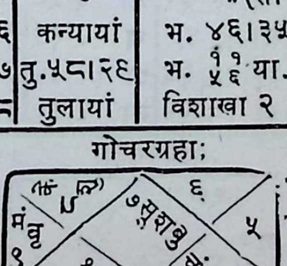

गोचरग्रहाः २८पं.का.कृ ६गु. इ.१९।२०

र	मं	ब	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	७	६	१	६
२	१६	८	१३	५	२२	५	२
३१	३५	२५	१८	२२	४७	२३	१
१४	४६	४८	५४	४१	१३	३७	५८
३९	४१	०	८	७२	७	३	५९
३४	२४	४	१९	३४	२	११	४६

* शु.शचं.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१सन्१९८४
१	गु	१८	५०	स्वा	१७	४२	प्री	१२	२५	ब	१८	५०	२७/५०	२६	३४	२५	३	२९	वृ.५८।२	अस्त शनेः १७/३४ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
२	शु	१०	५२	वि	११	२९	आ	३६	२७	कौ	१०	५२	४६	२७	३३	२६	४	३०	वृश्चिके	विशा. बुधः ३२/३० चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	श	४	२८	अ	६	४४	शो	४६	४६	ग	४	२८	४२	२८	३२	२७	५	१	वृश्चिके	भ. ३२।७ उ. ५९।४७ या. सफर २
४	श	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र	५७	१३	ज्ये	३	३४	अ	४०	१७	ब	२८	२९	३९	२८	३२	२८	६	२	ध.३।३४	ज्येष्ठा. शुक्रः ३७।२२
६	चं	५६	५६	मू	२	४०	सु	३६	१४	कौ	२७	५	३५	२९	३१	२९	७	३	धनुषि	
७	मं	५८	२८	पू	४	१	धृ	३३	४८	ग	२७	४३	३१	३०	३०	३०	८	४	म.१९।४८	भ. ५८।२८ उ.
८	बु	६०	०	उ	७	११	शू	३३	४	वि	३०	१७	२७	३१	२९	३१	९	५	मकरे	भ. ३०/१७ या. बुधोदयः पश्चिमायाम् ४२/३७*
८	गु	२	७	श्र	१२	५	गं	३३	११	ब	२	७	२४	३१	२९	१	१०	६	कुं.४५।११	नवम्बर मा. ११ ता. ३० *गोपाष्टमी
९	शु	७	१	ध	१८	१७	वृ	३४	४२	कौ	७	१	२०	३२	२८	२	११	७	कुम्भे	वृश्चिके बुधः ३३/३ उषा. भौमः १४/९ अक्षय९
१०	श	१३	१३	श	२५	४०	ध्रु	३६	४५	ग	१३	१३	१६	३३	२७	३	१२	८	कुम्भे	भ. ४६।२३ उ.
११	र	१९	३३	पू	३३	८	व्या	३८	५९	वि	१९	३३	१३	३३	२७	४	१३	९	मी१६।१६	भ. ३९/३३ या. अनु. बुधः १९/५ प्रबोधिनी ११×
१२	चं	२५	५६	उ	४०	४९	ह	४१	३७	बा	२५	५६	९	३४	२६	५	१४	१०	मीने	विशा. रविः ४९।७ ×तुलसी वि.
१३	मं	३२	२	रे	४७	५८	व	४३	३४	तै	३२	२	६	३५	२५	६	१५	११	मे.४७।५८	विशा.रविःसौरः १५/२२ मकरेभौमः ४१/२१ प्रदोषः
१४	बु	३७	४१	अ	५४	३६	सि	४५	१७	ग	४	५२	२	३६	२४	७	१६	१२	मेषे	भ. ३७।४१ उ. वैकुंठ १४
१५	गु	४२	१४	भ	६०	०	व्य	४६	१७	वि	९	५७	२६/५९	३६	२४	८	१७	१३	मेषे	भ. ५९/७ या. चंद्रग्रहणम् मूले धनुषिशुक्रः ३३/६

२९पं.का.शु.२शु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	७	६	१	६
९	२१	१९	१४	१३	२३	५	९
२९	३७	३८	२०	५३	३५	१	१
४९	३७	६	५६	१०	४२	२२	१८
५९	४१	९८	९	७२	७	३	६०
४७	४९	२७	९	२०	१४	११	२

गोचरग्रहाः

इस मास में जो गेहूं चना चावल रुई रेशम मसूर सिरस्युं पीतल तांबा तेज होकर मंदा होगा।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.शु. ९शु.इ.१८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	८	७	६	१	६
१६	२६	०	१५	२२	२४	४	१६
२९	४३	२४	२९	२३	२५	३९	२
३८	२३	११	१०	६	२३	६	२२
६०	४२	९४	९	७१	७	३	६०
४	१३	५	५५	५१	२०	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	शरदृर्तू रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४५	५५	भ	०	१७	व	४६	१२	बा	१४	५	२६/५६	६/३७	५/२३	९	१८	१४	वृ.१६।२८	पूषायां २ गुरुः ४।१०
२	श	४८	२७	कृ	५	५९	प	४५	४४	तै	१७	११	५३	३७	२३	१०	१९	१५	वृषे	
३	र	४९	५७	रो	८	३५	शि	४४	१०	व	१९	१२	४९	३८	२२	११	२०	१६	मि३९।५६	भ. १९।१२ उ. ४९।५७ या.
४	चं	५०	२३	मृ	११	१७	सि	४१	५३	ब	२०	१०	४६	३९	२१	१२	२१	१७	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	मं	४९	५२	आ	१३	९	सा	३९	२३	कौ	२०	८	४३	३९	२१	१३	२२	१८	क.५७।३६	ज्येष्ठा. बुधः २५।१९
६	बु	४८	२०	पु	१३	४५	शु	३४	५८	ग	१९	६	४०	४०	२०	१४	२३	१९	कर्के	भ. ४८।२० उ. *पातमोक्षः १७।३५
७	गु	४५	३४	पु	१३	२५	शु	३०	८	वि	१६	५७	३७	४१	१९	१५	२४	२०	कर्के	भ. १६।५७ या. वृश्चिकेऽर्कः ४५।९
८	शु	४१	५९	श्ले	११	५६	ब्र	२४	२९	बा	१३	४७	३४	४१	१९	१६	२५	२१	सि११।५६	वृश्चिकेर्कः सौरः ३९ पातस्पर्शः ३।४६*
९	श	३७	१८	म	९	२४	ऐं	१८	१२	तै	९	३९	३१	४२	१८	१७	२६	२२	सिंहे	
१०	र	३१	२२	पू	५	५७	वै	१०	५१	व	४	२०	२९	४२	१८	१८	२७	२३	कं.१९।५१	भ. ४।२० उ. ३१।२२ या.
११	चं	२४	४९	उ	१/३३	५४/४४	वि	१/४९	५२/८	बा	२४	४९	२६	४३	१७	१९	२८	२४	कन्यायां	अनु. रविः २९/३ (सौरः २७/२) पूषा. शुक्रः ४३/८×
१२	मं	१७	२४	चि	५०	३१	आ	४४	४०	तै	१७	२४	२४	४३	१७	२०	२९	२५	तु.२३।२३	श्रवणे भौमः ७।५५ प्रदोषः
१३	बु	९	३१	स्वा	४४	२०	सौ	३५	१३	व	९	३१	२१	४४	१६	२१	३०	२६	तुलायां	भ. ३९/१ उ. ३५/२८ या. विशा. ३शनिः १३।३०
१४	गु	१	२५	वि	३८	३३	शो	२५	४६	श	१	२५	१९	४४	१६	२२	१	२७	वृ.२५।०	रा. मार्गशीर्षारम्भः ×उत्पत्ति ११ व्र.
३०	शु	५२	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३१पं. मा.कृ.१शु.इ १८।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	८	८	६	१	६
२३	१	१०	१६	०	२५	४	२३
३०	५१	४४	४२	५०	१४	१६	४
५८	४३	२८	३६	५३	३५	५०	५८
६०	४२	८८	१०	७१	७	३	६०
१७	३५	५	४१	३३	२०	११	३०

गोचरग्रहाः

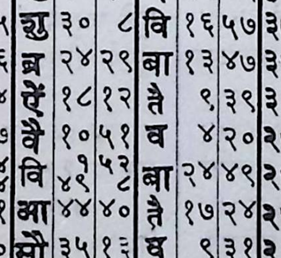

मार्ग.कृ. ७ गुरौ बृश्चिकेऽर्कःप्र.वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे मह-र्घता शुक्रास्तः प.।

गोचरग्रहाः

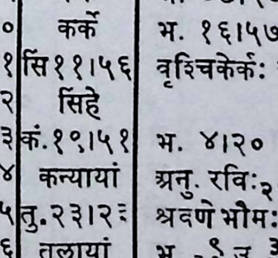

३२पं.मा.कृ. ८शु.इ.१८।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	८	६	१	७
०	७	२०	१८	९	२६	३	०
३३	३	३१	१	१७	५	५४	९
४७	७	४८	१९	३१	५३	३५	२
६०	४२	८०	११	७१	७	३	६०
३०	५२	१७	१६	७	२०	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४२५०स.१९८४
१	शु	४७	२६	अ	३३	२६	अ	१६	५९	किं	२०	४१	२६/१६	६/४५	५/१५	२३	२	२८	वृश्चिके	मूले धनुषि बुधः ५२।०
२	श	४२	१०	ज्ये	२९	३४	सु	८	५५	बा	१४	४८	१३	४५	१५	२४	३	२९	ध.२९।३४	कृत्ति.२ राहुः विशा. केतुः १३/५६ चन्द्रदर्शनम्
३	र	३८	४५	मू	२७	१५	धृ	५१	५४/२२	तै	१०	२८	११	४६	१४	२५	४	१	धनुषि	रविलाखर ३
४	चं	३७	३१	पू	२६	५८	गं	५२	१६	व	८	८	८	४६	१४	२६	५	२	म.४२।२४	भ. ८।८उ. ३७/३१ या. पूषायां३ गुरुः १८।४५
५	मं	३८	०	उ	२८	४१	वृ	५०	११	ब	७	४५	६	४७	१३	२७	६	३	मकरे	
६	बु	४०	४६	श्र	३२	२६	ध्रु	४९	४६	कौ	९	२३	३	४७	१३	२८	७	४	मकरे	उदयं शनेः ५/४६ प।तस्पर्शः १३।२३ मोक्षः*
७	गु	४५	२	ध	३७	३७	व्या	५०	१	ग	१२	५४	१	४८	१२	२९	८	५	कु. ५।१	भ. ४५।२ उ. *३१।२७ चम्पा ६
८	शु	५०	५०	श	४४	२७	ह	५१	३७	वि	१७	५६	२५/५९	४८	१२	३०	९	६	कुम्भे	भ. १७।५६ या. उषायां शुक्रः ४९।५७
९	श	५७	५	पू	५१	३४	व	५३	३५	बा	२३	५८	५५	४९	११	१	१०	७	मी३४।४७	**दिसम्बर मा. १२ ता. ३१**
१०	र	६०	०	उ	५९	१७	सि	५६	६	तै	३०	२१	५७	४९	११	२	११	८	मीने	ज्येष्ठा. रविः १३।३९(सौरः ३४।३७)
१०	चं	३	३७	रे	६०	०	व्य	५८	१०	ग	३	३७	५३	४९	११	३	१२	९	मीने	भ. ३६।४४ उ. मकरे शुक्रः ४१।२५
११	मं	९	५१	रे	६	३८	व	५९	५६	वि	९	५१	५१	५०	१०	४	१३	१०	मे.६।३८	भ. ९।५१ या. वक्री बुधः १६।३९ मो-×
१२	बु	१५	२५	अ	१३	२२	प	६०	०	बा	१५	२५	४९	५०	१०	५	१४	११	मेषे	प्रदोषः ×क्षदा ११ व्र. गीता ज.
१३	गु	१९	४५	भ	१९	१	प	०	४८	तै	१९	२५	४८	५०	१०	६	१५	१२	वृ.३५।७	
१४	शु	२२	५२	कृ	२३	२५	शि	४०	५८/५५	व	२२	५२	४६	५१	९	७	१६	१३	वृषे	भ. २३/५२ उ. ५१/४१ या. धनि. भौमः ५८/४४ दत्तजयंती
१५	श	२४	३०	रो	२६	२८	सा	५७	२८	ब	२४	३०	४५	५१	९	८	१७	१४	मि५७।२०	बुधास्तः पश्चिमायाम् ५१।२८

३३पं.मा.शु.१शु.इ.१९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	८	६	१	७
७	१२	२९	१९	१७	२६	३	७
३७	१६	१६	२४	४१	५५	३२	१४
३७	३४	५२	७	२०	५	१९	३५
६०	४३	७६	११	७६	७	३	६०
४२	२	५२	५६	३४	१५	११	५३

३४पं. मा.शु.८शु.इ.१८।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	८	८	६	१	७
१४	१७	५	२०	२६	२७	३	१४
४२	३२	४४	५०	२	४४	१०	२१
५४	३८	३१	३१	५३	२४	४१	२१
६०	४३	३६	१२	६९	७	३	६१
५०	१३	३७	२०	५९	७	११	३

३५पं.मा.शु.१४शु.इ.१७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	८	९	६	१	७
२१	२२	७	२२	४	२८	२	२१
४८	५०	८	१९	१९	३२	४७	२९
५८	३१	३१	४१	३०	३१	४८	६
६०	४३	३८/३४	१२	६९	६	३	६१
५६	२१	व	४४	११	५९	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२४	४९	मृ	३८	१३	शु	५४	२३	कौ	२४	४९	२५/४४	६/५१	५/९	९	१८	१५	मिथुने	
२	चं	२४	९	आ	२८	५३	शु	५०	२२	ग	२४	९	४२	५२	८	१०	१९	१६	मिथुने	भ. ५३।१८ उ.
३	मं	२२	२७	पु	२८	३५	ब्र	४४	५४	वि	२२	२७	४१	५२	८	११	२०	१७	क.१३।४०	भ.२३/२७ या. पूषा. ४ गुरुः ४९।३८ चतुर्थी व्र.
४	बु	१९	५३	पु	२७	२६	ऐं	४०	२६	बा	१९	५३	४०	५२	८	१२	२१	१८	कर्के	श्रवणे शुक्रः ४।२२
५	गु	१६	३३	श्ले	२५	५१	वै	३४	२९	तै	१६	३३	३९	५२	८	१३	२२	१९	सिं२५।५१	वक्री ज्येष्ठा वृश्चिके बुधः ५६।४६
६	शु	१२	५२	म	२३	४१	वि	२८	२०	व	१२	५२	३८	५२	८	१४	२३	२०	सिंहे	भ. १२।५२ उ. ४०।४६ या.
७	श	८	४१	पू	२०	५२	प्री	२२	५	ब	८	४१	३८	५२	८	१५	२४	२१	कं.३५।४	मूले धनुष्यऽर्कः २०।५१ (सौरः३८।११)
८	र	३	५६	उ	१७	४४	आ	१४	५१	कौ	३	५६	३७	५३	८	१६	२५	२२	कन्यायां	कुम्भे भौमः ४९।९
९	र	५५	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	चं	५४	५	ह	१३	५९	सौ	२०/७	५१/१७	व	२६	३८	३७	५३	७	१७	२६	२३	तु.४२।२	भ. २६।३८ उ. ५४।५ या.
११	मं	४७	१५	चि	१०	५	अ	५१	३७	ब	२०	४०	३७	५३	७	१८	२७	२४	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	बु	४१	८	स्वा	५	४५	सु	४३	४५	कौ	१४	१२	३६	५३	७	१९	२८	२५	वृ.४७।४	*४५।६ पूर्वस्याम् बुधोदयः प्रदोषः
१३	गु	३५	१४	वि	३८/१	५६/८	धृ	३५	५५	ग	८	११	३६	५३	७	२०	२९	२६	वृश्चिके	भ. ३५।१४ उ. विशा. ४ वृश्चिके शनिः*
१४	शु	२९	५५	ज्ये	५४	३१	शू	२८	३१	वि	२	३४	३६	५३	७	२१	३०	२७	ध.५४।३१	भ. २।३४ या.
३०	श	२५	२२	मू	५२	११	गं	२१	५४	ना	२५	२२	३६	५३	७	२२	१	२८	धनुषि	रा. पौषारंभः

३६पं. पौ.कृ.६शु.इ.१७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	९	६	१	७
२८	२८	२९	२३	१२	२९	२	२८
५५	१०	२५	५२	३२	१८	२५	३८
५२	१	४१	३०	२	४७	३३	४९
६१	४२	३९/१३	१३	६८	६	३	६१
०	३५	व	१०	२४	४०	११	१९

गोचरग्रहाः

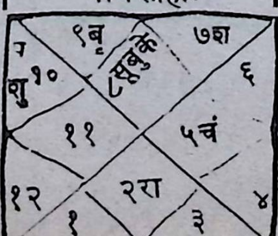

पौष कृ.७ शनौ धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न.३ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३०. धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

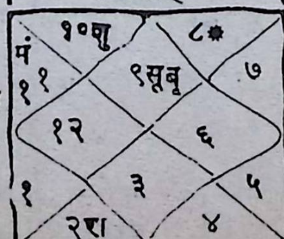

३७पं. पौ.कृ.१४शु.इ.१७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	९	७	१	८
६	३	२१	२५	२०	०	२	५
३	२९	४५	२७	३९	३	३	४७
२९	६	३२	७	७	२९	१७	१४
६१	४३	३८/९	१३	६७	६	३	६१
४	३१	व	२०	२६	२६	११	२२

 *चंबुशके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः ४२८०स.१९८४
१	र	२२	८	पू	५१	३०	वृ	१६	११	व	२२	८	३५/३६	५६/३	५/७	२३	२	२९	धनुषि	घनिष्ठायां शुक्रः ४०।४४
२	चं	२०	३४	उ	५२	१४	ध्रु	११	५२	कौ	२०	३४	३७	५३	७	२४	३	३०	म.६।४१	चंद्रदर्शनम्
३	मं	२०	४६	श्र	५५	२	व्या	८	४४	ग	२०	४६	३७	५३	७	२५	४	१	मकरे	भ. ५२/५३ उ. मार्गी बुधः २/६ शते भौमः १/६ ७*
४	बु	२२	५९	ध	५९	२५	ह	७	५	वि	२२	५९	३७	५३	७	२६	५	२	कुं.२७।१३	भ. २२।५९ या. उषायां १ गुरुः ३३।५३
५	गु	२६	३८	श	६०	०	व	६	३१	बा	२६	३८	३८	५२	८	२७	६	३	कुंभे	
६	शु	३१	५५	श	६	२०	सि	७	३८	तै	३१	५५	३८	५२	८	२८	७	४	मी५५।३५	पूषायां. रविः २५।४७ (सौरः ३९।३९)
७	श	३७	५६	पू	१२	१	व्य	९	१०	ग	४	५५	३९	५२	८	२९	८	५	मीने	भ. ३७।५६ उ. कुम्भे शुक्रः ३१।२१
८	र	४४	२६	उ	१९	३३	व	११	२०	वि	११	११	४०	५२	८	३०	९	६	मीने	भ. ११।११ या. *रविलाखर ४
९	चं	५०	५२	रे	२७	५	प	१३	१६	बा	१७	३९	४०	५२	८	३१	१०	७	मे.२७।५	
१०	मं	५६	३४	अ	३४	१६	शि	१५	३५	तै	२३	४३	४१	५२	८	१	११	८	मेषे	**जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९८५ ई.**
११	बु	६०	०	भ	४०	१७	सि	१६	५०	व	२८	४९	४२	५२	८	२	१२	९	वृ.५६।५५	भ. २८।४९ उ. पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
११	गु	१	५	कृ	४४	५२	सा	१६	५७	वि	१	५	४३	५१	९	३	१३	१०	वृषे	भ. १।५ या. पुत्रदा ११ व्र. वै.
१२	शु	४	४	रो	४८	२	शु	१६	७	बा	४	४	४४	५१	९	४	१४	११	वृषे	शते शुक्रः २/८ ग्रस्तं गुरोः १।१२ प्रदोषः
१३	श	५	२०	मृ	४९	२१	शु	१३	४९	तै	५	२०	४६	५१	९	५	१५	१२	मि१८।४१	
१४	र	५	५	आ	४९	८	ब्र	१०	५	व	५	५	४७	५१	९	६	१६	१३	मिथुने	भ. ५।५ उ. ३/४३ या. मूले धनुषि बुधः ३/४१
१५	चं	३	२	पु	४७	५१	ऐं	५/२५	५४/२२	ब	३	२	४९	५०	१०	७	१७	१४	क.३३।१०	माघस्नान प्रारम्भः

३८पं. पौ.शु.६शु.इ.१७।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	९	७	१	८
१३	८	२१	२७	२८	०	१	१२
११	४९	४१	३	३८	४५	४१	५७
३१	२६	२६	१८	२८	५८	१	६
६१	४३	२५/४१	१३	६६	६	३	६१
६	३३	मा	३०	११	९	११	२६

गोचरग्रहाः

इस मासमें गुरु का अस्त रुई चांदी सोना सूत सिरस्युं मूंगफली गेहूं गुड़ में मंदी लाकर तेजी करेगा ।

गोचरग्रहाः

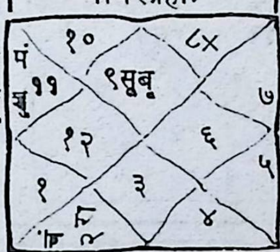

३९पं.पौ.शु.१२शु.इ.१७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	१०	७	१	८
२०	१४	२७	२८	६	१	१	२०
१९	९	२९	४०	२८	२४	१८	७
२६	५०	१०	३०	२६	४०	४६	३
६१	४३	७६	१३	६४	५	३	६१
६	३५	३५	३२	४५	४१	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५६	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५५	५२	पु	४५	२९	वि	५३	१६	तै	२७	५५	२५/५१	५६/०	१५/०	८	१८	१५	कर्के	
३	बु	५०	५०	श्ले	४२	१५	प्री	४६	११	व	२३	२१	५२	५०	१०	९	१९	१६	सिं४२।१५	भ.३/४३ उ.५/० या. उषायां २ मकरे शुक्रः ५/१
४	गु	४५	४४	म	३८	४०	आ	३९	२	व	१८	१७	५४	४९	११	१०	२०	१७	सिंहे	उषा.रविः ३०।३१ (सौरः ४१।१६) च.व्र.
५	शु	४०	२९	पू	३५	९	सौ	३१	२३	कौ	१३	७	५६	४९	११	११	२१	१८	कं.४९।१६	पूभायां भौमः ५८।५५
६	श	३५	१४	उ	३१	३६	शो	२४	३	ग	७	५१	५८	४८	१२	१२	२२	१९	कन्यायां	भ. ३५।१४ उ.
७	र	३०	१०	ह	२८	४	अ	१६	३८	वि	२	४२	२६/१	४८	१२	१३	२३	२०	तु.५६।४७	भ. ४/३ या. मकरेऽर्कः ४६।५५ (सौरः ५६/४१)
८	चं	२५	९	चि	२४	४८	सु	९	१३	कौ	२५	९	३/२	४७	१३	१४	२४	२१	तुलायां	
९	मं	१९	१४	स्वा	२१	४७	धृ	३/३	५३/८	ग	१९	१४	५	४७	१३	१५	२५	२२	तुलायां	भ. ४७।३१ उ.
१०	बु	१५	४९	वि	१८	५७	गं	४९	८	वि	१५	४९	८	४६	१४	१६	२६	२३	वृ.४।४०	भ. १५/४ या. पूषा. शुक्रः ३/५ पूषा. बुधः ५३/२८
११	गु	११	३३	अ	१६	३२	वृ	४३	४	बा	११	३३	१०	४६	१४	१७	२७	२४	वृश्चिके	बुधास्तः पूर्वस्याम् ३/२ षट्तिला ११ व्र.
१२	शु	७	५३	ज्ये	१४	३५	ध्रु	३७	३१	तै	७	५३	१२	४६	१४	१८	२८	२५	ध.१४।३५	प्रदोषः
१३	श	४	५२	मू	१३	३३	व्या	३२	३५	व	४	५२	१५	४५	१५	१९	२९	२६	धनुषि	भ. ४।५२ उ. ३३।५१ या.
१४	र	२	५०	पू	१३	२९	ह	२८	३८	श	२	५०	१७	४५	१५	२०	३०	२७	म.२८।४७	अभि. प्र. रविः १९।४० (सौरः २८।३)
३०	चं	२	५	उ	१४	४५	व	२५	३७	ना	२	५	२०	४४	१६	२१	१	२८	मकरे	रा. माघारंभः सोमवती ३०

४०पं.मा.कृ.५शु इ.१७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	९	१०	७	१	८
२७	१९	५	०	१४	२	०	२७
२७	२९	४९	१९	८	२	५६	१६
४०	४९	१६	२३	२	३१	३०	५५
६१	४३	७५	१३	६३	५	३	६१
५	३२	२७	३८	७	१४	११	२४

गोचरग्रहाः

माघ कृ. ७ रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्या.भावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

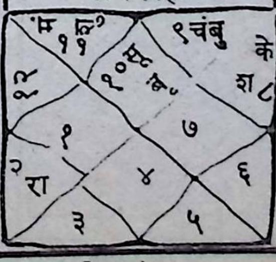

४१पं.मा.कृ.१२शु.इ.१७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	९	१०	७	१	९
४	२४	१५	१	२१	२	०	४
३५	४७	२०	५७	३२	३६	३४	३६
३१	४२	२४	२९	४	१८	१५	२४
६१	४३	८६	१३	६०	४	३	६१
३	३५	११	३८	५६	४६	११	१९

*बुशके (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×बुशके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३१०स.१९८५
१	मं	२	४०	श्र	१७	८	सि	२४	१६	ब	२	४०	२६/२२	६/४४	५/१६	२२	२	२९	कुं.४९।६	चन्द्रदर्शनम् *गुरुः ५९/१८ जमादिलावल५
२	बु	४	५२	ध	२१	५	व्य	२३	१८	कौ	४	५२	२५	४३	१७	२३	३	१	कुम्भे	श्रवणे रविः ३६/३ (सौरः ४४/०) उषायां ३*
३	गु	८	२४	श	२६	३१	व	२३	३२	ग	८	२४	२७	४३	१७	२४	४	२	कुम्भे	भ. ४०/५७ उ. अभि. नि. रविः ३२/३ (सौरः ३६/१६)
४	शु	१३	३१	पू	३२	२६	प	२४	४०	वि	१३	१९	३०	४२	१८	२५	५	३	मी१५।५७	भ. ३३/३१ या. उषा. बुधः ५१/३७ मीने भौमः ८/५९
५	श	१९	११	उ	४०	१४	शि	२६	४९	बा	१९	११	३३	४१	१९	२६	६	४	मीने	मीने शुक्रः ३९/१६ कृत्ति. १ मेषे राहुः विशा.×
६	र	२५	४१	रे	४७	५२	सि	२८	५८	तै	२५	४१	३६	४१	१९	२७	७	५	मे.४७।५२	मकरे बुधः ५९।४७
७	चं	३२	९	अ	५५	१९	सा	३१	१३	व	३२	९	३९	४०	२०	२८	८	६	मेषे	भ. ३२।९ उ. भानु ७ रथ ७
८	मं	३८	१६	अ	६०	०	शु	३३	१०	वि	५	१३	४२	४०	२०	२९	९	७	मेषे	भ. ५/१३ या. उभा. भौमः २६/३३ अनु. १ शनिः+
९	बु	४३	१९	भ	२	०	शु	३४	३	बा	१०	४७	४६	३९	२१	३०	१०	८	वृ.१८।२१	उदयं गुरोः ५८।१२ +३/२७ भीष्माष्टमी
१०	गु	४६	४७	कृ	७	२४	ब्र	३३	५६	तै	१५	३	४९	३८	२२	३१	११	९	वृषे	उभा. शुक्रः ५।५५ =जया ११ व्र.
११	शु	४८	३४	रो	११	२३	ऐं	३२	२३	व	१७	४०	५२	३८	२२	१	१२	१०	मि४२।२७	भ. १७/४० उ. ४८/३४ या. फरबरी मा. २ ता. २८=
१२	श	४८	१५	मृ	१३	३१	वै	२९	१९	ब	१८	२४	५५	३७	२३	२	१३	११	मिथुने	×३तुलायां केतुः ६।३९ वसंत ५
१३	र	४६	१०	आ	१३	३७	वि	२४	४४	कौ	१७	१३	५९	३६	२४	३	१४	१२	क.५७।२५	श्रवणे बुधः २७।१७ प्रदोषः
१४	चं	४२	८	पु	१२	१	प्री	१८	३७	ग	१४	९	२७	३६	२४	४	१५	१३	कर्के	भ. ४२।८ उ. ÷माघस्नान पूर्तिः
१५	मं	३६	४८	पु	८	५२	आ	११	३१	वि	९	२८	६	३५	२५	५	१६	१४	कर्के	भ. ९/२८ या. धनि. रविः ४४/२४ (सौरः ४९/५१)÷

४२पं.मा.शु.४शु.इ.१७।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	९	१०	७	१	९
११	०	२५	३	२८	३	०	११
४२	६	४६	३६	४०	५	११	३५
५८	४	३०	१८	३०	४६	५९	१५
६०	४३	९३	१२	५८	४	३	६१
५९	३४	३८	३२	१३	१५	११	१३

गोचरग्रहाः

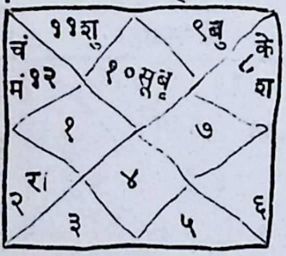

इस मास में ५ मंगलवार अशुभ हैं। धातु धान्य रस आदि पदार्थ तेज होंगे।

गोचरग्रहाः

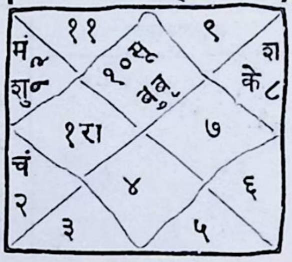

४३पं.मा.शु.११शु.इ.१७।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	९	११	७	०	९
१८	५	६	५	५	३	२९	१८
४९	२२	२५	१४	२५	३१	४९	४३
२६	४१	१२	१०	५	२३	४३	१८
६०	४३	९९	१२	५४	३	३	६१
५५	३२	१७	३०	३५	३४	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	बु	३०	१४	श्ले	२२/४	५४/४९	सौ	२४/३	५१/१४	बा	३	३१	२७/९	६/३४	५/२६	६	१७	१५	सिं४।२२	
२	गु	२३	२०	पू	५३	४६	अ	४५	३५	ग	२३	२०	१३	३३	२७	७	१८	१६	सिंहे	भ. ४९।४५ उ. उषा. ४ गुरुः २४।१०
३	शु	१६	११	उ	४८	२४	सु	३६	५०	वि	१६	११	१६	३३	२७	८	१९	१७	कं.७।२६	भ. १६।११ या. चतुर्थी व्र.
४	श	९	१	ह	४३	३०	धृ	२८	१२	बा	९	१	२०	३२	२८	९	२०	१८	कन्यायां	
५	र	२	२६	चि	३८	१२	शू	१९	५८	तै	२	२६	२४	३१	२९	१०	२१	१९	तु.१०।५१	भ. ५४।१ उ.
६	र	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५१	१३	स्वा	३५	३७	गं	१२	२२	वि	२३	५२	२७	३१	२९	११	२२	२०	तुलायां	भ. २३।५२ या. धनिष्ठा. बुधः २३।२*
८	मं	४६	५९	वि	३२	५०	वृ	२०/५	५३/५४	बा	१९	६	३१	३०	३०	१२	२३	२१	वृ.१८।३२	कुंभेऽर्कः १९।३९ (सौरः २३।४८)
९	बु	४३	२९	अ	३१	५	व्या	५३	४९	तै	१५	१४	३५	२९	३१	१३	२४	२२	वृश्चिके	*पातस्पर्शः १७।६ प. तमोक्षः २८।१८
१०	गु	४०	५३	ज्ये	३०	७	ह	४९	१०	व	१२	११	३८	२८	३२	१४	२५	२३	ध.३०।७	भ. १२।११ उ. ५४/३० या. रेवत्यां शुक्रः ३३/५
११	शु	३९	११	मू	३०	१०	व	४५	१३	ब	१०	२	४२	२८	३२	१५	२६	२४	धनुषि	कुंभे बुधः २१।४० विजया ११ व्र.
१२	श	३८	२७	पू	३१	४	सि	४२	७	कौ	८	४९	४६	२७	३३	१६	२७	२५	म.४६।३६	रेवत्यां भौमः २४।३६
१३	र	३९	४	उ	३३	१४	व्य	३९	४७	ग	८	४५	५०	२६	३४	१७	२८	२६	मकरे	भ. ३९।४ उ प्रदोषः महाशिवरात्रि स्मा.
१४	चं	४०	२६	श्र	३६	२१	व	३८	४२	वि	९	४५	५४	२५	३५	१८	२९	२७	मकरे	भ.९।४५या. शते रविः ५६/० (सौरः ५९/१०)×
३०	मं	४३	२२	ध	४०	२७	प	३८	१२	च	११	५५	५८	२४	३६	१९	३०	२८	कु.८।२४	शते बुधः १०।७ ×महाशिवरात्रि व्र वं.

४४पं. फा.कृ.३शु.इ.१७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	९	११	७	०	९
२५	१०	१७	४	११	३	२९	२५
५५	३७	५६	५१	४१	५२	२७	५०
१६	५९	५३	५३	३८	२३	२८	५
६०	४३	०/४	१३	५०	२	३	६०
४७	१९	१/४	२०	८	५२	११	५५

गोचरग्रहाः

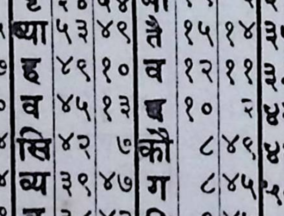

फा. कृ. ८ भौमे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

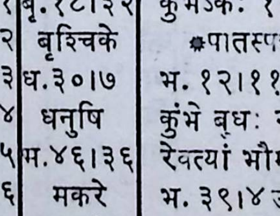

४५पं.फा.कृ.११शु.इ.१७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	९	११	७	०	१०
३	१५	२९	८	१७	४	२९	२
०	५२	५३	२५	२०	८	५	५६
४	५	६	४८	६	४२	१२	८
६०	४३	०/४	१३	४४	२	३	६०
३७	५	१०/०	१०	१९	११	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	त्रसंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४३३९स.१९८५
१	बु	४७	८	श	४५	४०	शि	३८	२६	किं	१५	१५	२६/२	६/२४	५/३६	२०	१	२९	कुंभे	रा. फाल्गुनारंभः
२	गु	५२	१८	पू	५२	१५	सि	३९	४६	बा	१९	४३	६	२३	३७	२१	२	३०	मी३५।३७	फुलरिया २ चन्द्रदर्शनम्
३	शु	५८	२	उ	५९	१४	सा	४१	३५	तै	२५	१०	१०	२२	३८	२२	३	१	मीने	श्रवणे १ गुरुः २७।३७ जमादिलाखर ६
४	श	६०	०	रे	६०	०	शु	४३	४६	व	३१	१५	१४	२१	३९	२३	४	२	मीने	भ. ३१।१५ उ.
४	र	४	२९	रे	६	४४	शु	४६	६	वि	४	२९	१८	२०	४०	२४	५	३	मे.६।४४	भ. ४।२९ या.
५	चं	१०	५९	अ	१४	२५	ब्र	४८	३७	बा	१०	५९	२२	२०	४०	२५	६	४	मेषे	
६	मं	१७	२१	भ	२१	५५	ऐं	५०	१२	तै	१७	२१	२६	१९	४१	२६	७	५	बृ.३८।३१	पूभायां बुधः १२।२८
७	बु	२२	४५	कृ	२८	२०	वै	५१	४	व	२२	४५	३०	१८	४२	२७	८	६	वृषे	भ. २२।४५ उ. ५४।५७ या.
८	गु	२७	१०	रो	३३	४२	वि	५०	४१	ब	२७	१०	३४	१७	४३	२८	९	७	वृषे	होलाष्टकः *होलिकादहनं भद्रोत्तरं
९	शु	२९	४७	मृ	३६	५८	प्री	४८	५९	कौ	२९	४७	३८	१६	४४	१	१०	८	मि५।२०	**मार्च मा. ३ ता. ३१**
१०	श	३०	२६	आ	३८	२६	आ	४५	२८	ग	३०	२६	४२	१६	४४	२	११	९	मिथुने	भ. ५९।४४ उ.
११	र	२९	३	पु	३७	४३	सौ	४०	२७	वि	२९	३	४६	१५	४५	३	१२	१०	क.२२।५३	भ. २९/३ या. मीने बुधः ३९/११ आमलकी ११ व्र.
१२	चं	२५	३१	पु	३५	१७	शो	३३	५२	बा	२५	३१	५०	१४	४६	४	१३	११	कर्के	पूभा. रविः १२।५(सौरः १३।५७)प्रदोषः
१३	मं	२०	४	श्ले	३०	४४	अ	२५	४७	तै	२०	४	५४	१३	४७	५	१४	१२	सिं३०।४४	उभा. बुधः ७/६ बुधोदयः पश्चिमायां५३।३७
१४	बु	१२	५८	म	२४	५३	सु	१६	२८	व	१२	५८	५८	१२	४८	६	१५	१३	सिंहे	भ. १२/५८ उ. २८/५७ या. अश्वि. मेषे भौमः २/१*
१५	गु	४	५६	पू	१८	१८	धृ	६/४९	४९/४३	ब	४	५६	२९/२	१२	४८	७	१६	१४	कं.२१।३१	वक्री शनिः ४७।२ छारेंडी

४६पं.फा.शु. ३शु.इ.१८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	९	११	७	०	१०
१०	२१	१२	९	२२	४	२८	१०
३	४	३५	५९	५	२०	४२	०
३२	१२	१३	२८	२०	२४	५७	४१
६०	४३	[illegible]	१२	३६	१	३	६०
२५	२	२२	४६	३१	३०	११	३१

गोचरग्रहाः

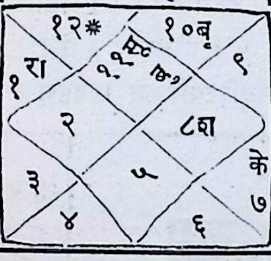

इस मासमें गुरु वारको चंद्रदर्शन है। रुई चांदी में भारी घटाबढ़ी होगी चांदी मंदी हो।

गोचरग्रहाः

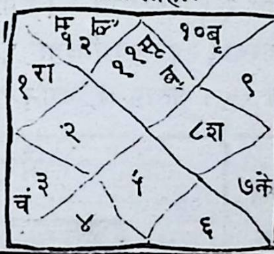

४७पं.फा.शु. ९शु.इ.१८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	९	११	७	०	१०
१७	२६	२५	११	२५	४	२८	१७
५	१४	५२	२९	५२	२७	२०	३
४६	४६	१६	४९	१९	२२	४१	३२
६०	४२	[illegible]	१२	२६	०	३	६०
१२	५९	४०	२०	२१	४९	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४१ शाकः १९०६												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५१	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४७	१९	उ	११	७	गं	४६	२१	तै	२१	४५	२९/६	६/११	५/४९	८	१७	१५	कन्यायां	
३	श	३८	४०	ह	४/१२	५३/४१	धृ	३६	१९	व	१२	५९	१०	१०	५०	९	१८	१६	तु.३०।३२	भ. १२/५९ उ. ३८/४० या. पातःस्पर्शः ३/४१ मोक्षः १२/३५
४	र	३०	३८	स्वा	५२	२०	ध्रु	२७	२	ब	४	३९	१४	९	५१	१०	१९	१७	तुलायां	श्रवणे २ गुरुः १४।१४ चतुर्थी व्र.
५	चं	२३	४१	वि	८	७	व्या	१८	३२	तै	२३	४१	१९	८	५२	११	२०	१८	वृ.३४।१०	
६	मं	१८	७	अ	४५	१६	ह	११	१७	व	१८	७	२३	७	५३	१२	२१	१९	वृश्चिके	भ. १८।७ उ. ४५।५८ या.
७	बु	१३	४९	ज्ये	४४	१९	व	५	१३	ब	१३	४९	२७	७	५३	१३	२२	२०	ध.४४।१९	वक्री शुक्रः ५९।४८ रेवत्यां बुधः ११।४३
८	गु	११	५	मू	४४	१०	सि	०/१४	५६/७	कौ	११	५	३२	६	५४	१४	२३	२१	धनुषि	मीनेऽर्कः १३।२ (सौरः १४/१७) शीतलापूजनम्
९	शु	९	३३	पू	४६	२३	व	५३	४०	ग	९	३३	३६	५	५५	१५	२४	२२	धनुषि	भ. ३९।३२ उ.
१०	श	९	३२	उ	४८	१०	प	५२	७	वि	९	३२	४०	४	५६	१६	२५	२३	म. १।२	भ. ९।३२ या.
११	र	११	२	श्र	५१	५०	शि	५१	२५	बा	११	२	४४	३	५७	१७	२६	२४	मकरे	उभा. रविः २४/६ (सौरः ३४/५३) पापमोचनी*
१२	चं	१३	१७	ध	५६	४८	सि	५१	४५	तै	१३	१७	४९	२	५८	१८	२७	२५	कु.२४।१८	प्रदोषः *११ व्र.
१३	मं	१७	४	श	६०	०	सा	५२	२६	व	१७	४	५३	१	५९	१९	२८	२६	कुम्भे	भ. १७।४ उ. ४९।१३ या.
१४	बु	२१	२३	श	२	२७	शु	५३	५७	श	२१	२३	५७	१	५९	२०	२९	२७	मी५२।१६	
३०	गु	२६	५६	पू	८	५२	शु	५५	४१	ना	२६	५६	३/१	६/००	६/००	२१	३०	२८	मीने	मन्वादिः

४८पं. चै.कृ.२शु.इ.१८।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	९	११	७	०	१०
२४	१	८	१२	२८	४	२७	२४
६	२३	५५	५६	६	२२	५८	४
२९	२	३४	५६	१४	२४	२५	५५
५९	४२	[illegible]	११	१२	०/४	३	६०
५८	४४	[illegible]	५९	५८	ब	११	५

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. ८ गुरौ मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

४९पं. चै.कृ. ९शु.इ.१९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	११	७	०	११
१	६	१९	१४	२८	४	२७	१
५	२८	२३	२१	४०	२६	३६	४
४२	५२	२	३२	४८	१७	१०	२७
५९	४२	७६	११	१	४४	३	५९
४१	४०	४९	२१	ब	ब	११	४९

*चंमंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❋ श्रीगणेशायनमः ❋

ऋद्धिः	सिद्धिः
लाभः	शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८६ भोग्यकलिः ४२६९१४ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४२ शाकः १९०७ वर्षेऽस्मिन् राजा शुक्रः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः। धान्येशोरविः । मेघेशश्शुक्रः । रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः । फलेशोशुक्रः । धनेशश्चन्द्रः । दुर्गेशो शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य-मानेनप्रभवादिषष्टचब्दानांमध्ये ब्रह्मविंशतिकायां१२ बहुधान्याख्यनाम-सम्वत्सरः प्रवर्ततेतस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ७।२९।४२।४२ भोग्यमासादिः ४।०।१७।१८। इन्द्रदैवतंयुगम् । वर्षनामश्रावणः । मेघनाम संवर्तः । रोहिणीनिवासस्तटे । समय निवासोरजकगृहे । समयविश्वा ८ । समयवाहनंदर्दुरः । रतभ १ तृणस्य । सोमवत्यमा. २ । सोमवतीपंचमी २ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः१८। तिथिवृद्धिः१०। उत्पत्तिविश्वा९९ । खपतिविश्वा१२६। वर्षाविश्वा ९। धान्यम् ७। तृणम् ५ । शीतम् ९ । तेजः११ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९५ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पापम् १८ । शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणे २ चन्द्रमसः ।

सं. २०४२ शाके १९०७वैशाख शु. १५ शनौ खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४४	४७	४८	५०	५२
मध्य.	पल	४०	२८	४९	१०	५८
रेल्वे	घं.	१२	१	१	२	३
टाइम	मि.	१९	२६	५९	३१	३८

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ४।२१

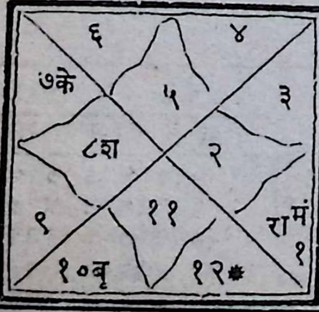

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

सुनहु मात जगदीश्वरी कह भैरव शिर नाय ।
बैयालीस की साल को सांचो भेद सुणाय ।।

भवानी उत्तर

सुण भैरव तू ध्यान से फल समझावुँ तोय ।
राजा मन्त्री देखतां मध्यम संवत् होय ।।
भृगु राजा इस वर्ष में यह सब जग हर्षाय ।
मंत्रीपद शनि को मिले करैं न्याय अन्याय ।।
सस्याधिप मंगल हुआ संवत् विश्वा आठ ।
पण भृगुसुत मेघेश है करसी वर्षा ठाठ ।।
धान्याधिप सूरज बने ईती भय अधिकाय ।
टीडी मूषा कातरा सुवा फिर फिर खाय ।।
श्रावण बदि आषाढ़ में रवि आगे कुजराय ।
पवनचक्र जग में चले वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
कहीं क पश्चिम देश में बढ़े रोग अरु द्वेष ।
पर चिन्ता करना नहीं ईश्वर राखे टेक ।।

सं. २०४२ शाके १९०७आश्विन शु. १५ चंद्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्य.	घ.	३७	४१	४२	४३	४७
मध्यम.	पल	५४	१७	२७	३७	०
रेल्वे	घं.	९	१०	११	११	१
टाइम	मि	३७	५८	२६	५४	१५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ६।२२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३८।७

*सूचंबुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा शुक्रस्तत्फलम्—शुक्रस्य राज्ये बहु सस्य संकुला सुतीव्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः । फलंति वृक्षा बहु गोप्रसूतीर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्यसंयुता ।। मन्त्री शनिः फलम्—रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदाः । नजलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्—प्रथम धान्यपतो धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनोजलं न समसौख्यकरं तुग धान्यहृन् ।। धान्येशो रविः फलम्—पश्चाद्धान्याधिपेसूर्ये पश्चाद्धान्यन्न पच्यते । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्—भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निधान युताद्विज पालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुः फलम्—यदि गुरु रसपोजन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानिच । जनपदा द्विजपूजनतत्परा गज सुवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्—नीरसेशोयदा भौमः प्रवाल रक्तवाससाम् । रक्तचंदन ताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्—यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुहराशयः । बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठ परायणाः ।। धनेशश्चन्द्रः फलम्—धनपतिर्मृगलांछनकोयदा रसचयात्क्रय विक्रयतो धनम् । वसन शालि सुगंध रसंबहु द्रवण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम्—नगरदेश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करोमताः । विनय वाणिजगृहे समः सुखे नगवने निकटेपिच दूरतः ।। बहुधनाख्य नाम संवत्सरः फलम्—अनीतिरतुला वृष्टिर्बहुधानाख्यवत्सरे विविधैः धान्य निचयैः सम्पूर्णा निखिलाधरा ।। वर्षनाम श्रावणः फलम्—मनोल्हादं प्रकुर्वतिजनाः सौख्य समायुताः । श्रावणे वृष्टिरत्युग्रा गोमहिष्यादिकं सुखम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम्—संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणीनिवासः तटे फलम्—तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम्—रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०४२ शाके १९०७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख ज्येष्ठाषाढ़ मासेषु गोधूल्यां ७-८ दोषः

वैसाख मासः

शुक्ले ३ भौमे रोहि. ल. १० रे. १० ।।।।।।।।।

,, ४ बुधे मृगे ल. ११-१२ रे. ६ ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।।

,, ११ बुधे उफा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ७ ।।।ऽबु।ऽरो.ऽ।।।
पादवेधाद्बुधस्य वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ३ भौमे मूले ल. १०-११-१२ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

,, ५ गुरौ उषा. ल. गो. सोग्रांग्रः ११-१२ रे.७ ऽऽ।।।।।ऽ।।
कुंभ मीने रेखा ८ लातदोषाऽभावः

शुक्ले ९ भौमे उफा. ल. १२ रे. ७ ।।।ऽशु।नृऽ।।। पादतो-
वेधाऽभावः चन्द्र ७ पूज्यः

,, १० बुधे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः १०-१२ रे.९ ।।।।।।ऽ।।
मीने चंद्र ७ पूज्यः

,, १२ शुक्रे स्वा. ल. अन्यगो. सोग्रांग्रः १० रे.८ ।।ऽ।।।।।
मकर घ. ४४।७ या.

आषाढ़ मासः

कृष्णे २ भौमे मूले ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।ऽऽअ.।।।। मकर लग्ने
घ. ४३।४ या.

,, ९ भौमे उभा. ल. अन्यगो. १०-११ रे. ६ ऽ।।।।ऽऽरो.ऽ।।
मकर कुम्भे रेखा ७ रोगपंचकाऽभावः

शुक्ले ४ शनौ मघा. ल. २ रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

, ५ रवौ मघा. ल. अन्यगो. ११ रे. ६ ऽ।।।ऽरो.ऽऽ।। कुंभे
नक्षत्रांतदोषः आवश्यके

,, ९ गुरौ स्वात्यां ल. ११ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ले ११ शनौ रेव. ल. ४ रे. ८ ।।ऽ।।।।। कर्के गुरु ७ पू.

,, १५ बुधे रोहि. ल. ४-५ रे. ७ ।।।ऽऽ।ऽ।। कर्के गु. ७ पू.

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे १ गुरौ मृगे ल. ४-५ रे. ९ ।।।।।ऽ।।। कर्के गुरु ७पूज्यः

,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।।

,, ९ शुक्रे उफा. ल. अन्यगो. ५ रे ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।।

,, १० शनौ हस्ते ल. ५ (घ.३९।३१उ.) रे.८ ऽ।।।।।ऽ।।

शुक्ले ३ शनौ उषा. ल. ६ रे. ९ ।।।।ऽअ.।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३६९स.१९८५
१	शु	३२	४३	उ	१६	३	ब्र	५७	५८	ब	३२	४३	३/६	५/९	६/१	२२	१	२९	मीने	रा.चैत्रारम्भः संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	३९	२	रे	२३	३५	ऐं	६०	०	बा	५	५३	१०	५८	२	२३	२	३०	मे.२३।३५	सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	र	४५	२९	अ	३१	१३	ऐं	०	२३	तै	१२	१६	१४	५७	३	२४	३	१	मेषे	भरण्यां भौमः ५१/१२ वक्री बुधः ४३/३० गणगौरी*
४	चं	५१	५६	भ	३८	४८	वै	२	३४	व	१८	४३	१८	५६	४	२५	४	२	वृ.५५।३०	भ. १८।४३ उ. ५१।५६ या.
५	मं	५७	३१	कृ	४५	३७	वि	४	४५	ब	२४	४३	२३	५५	५	२६	५	३	वृषे	बुधास्तः पश्चिमायां ४८।५४
६	बु	६०	०	रो	५१	३७	प्री	६	१८	कौ	२९	५३	२७	५५	५	२७	६	४	वृषे	श्रवणे ३ गुरुः ३३।३९
६	गु	२	१६	मृ	५६	१७	आ	६	५८	तै	२	१६	३१	५४	६	२८	७	५	मि२३।५७	
७	शु	५	३५	आ	५९	३०	सौ	६	३२	व	५	३५	३५	५३	७	२९	८	६	मिथुने	भ. ५।३५उ. ३६/२८ या. *मत्स्यजयंती
८	श	७	२१	पु	६०	०	शो	४	३७	ब	७	२१	३९	५२	८	३०	९	७	क.४५।२३	रामनवमी ×राहुः विशा. २ केतुः २९/२
९	र	७	१४	पु	०	४७	अ	९/१२	५५/५५	कौ	७	१४	४४	५१	९	३१	१०	८	कर्के	रेवत्यां रविः ४९/१ (सौरः २१/२) भरणी ४×
१०	चं	५	९	पु	०/२	५७/१६	धृ	४९	३८	ग	५	९	४८	५०	१०	१	११	९	सिं५७।२०	भ. ३/३ उ. अप्रेल मा. ४ ता. ३० शुक्रास्तः+
११	मं	०	५७	म	५२	३६	शू	४१	३०	वि	०	५७	५२	५०	१०	२	१२	१०	सिंहे	भ. ०।५७ या. कामदा ११ व्रतम्
१२	मं	५३	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	बु	४७	०	पू	४६	३६	गं	३२	१५	कौ	२०	५१	५६	४९	११	३	१३	११	कं.५९।४१	प्रदोषः +पश्चिमायाम् ५१/० शु.अ.प
१४	गु	३८	९	उ	३९	२२	वृ	२१	४९	ग	१२	३४	३१/००	४८	१२	४	१४	१२	कन्यायां	भ. ३८।९ उ. =हनुमज्जयन्ती शु.उ.पू
१५	शु	२८	२५	ह	३१	३३	ध्रु	११	०	वि	३	१७	४	४७	१३	५	१५	१३	तु.५७।३८	भ. ३।१७ या. शक्रोदयः पूर्वस्यां ५७।३६=

५०पं. चै.शु. १ शु.इ. १९।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	११	७	०	११
८	११	२४	१५	२७	४	२७	८
३	३२	४९	४२	९	१७	१३	२
१८	४२	१	२२	४७	४६	२४	३२
५९	४२	२१	१०	३९/३५	९/३१	३	५९
२९	२५	३८	४७	व	व	११	३५

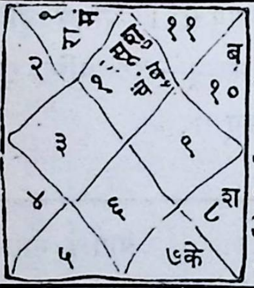

५१पं. चै.शु. ७शु.इ. १९।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	११	७	०	११
१४	१६	२३	१६	२३	४	२६	१४
५९	३५	५६	५७	५४	५	५१	५८
१३	१७	२०	५०	१४	४९	३९	३९
५९	४२	३७/२०	१०	३२/२२	२/११	३	५९
१६	५	व	५	व	व	११	१८

५२पं. च.शु. १५शु.इ. २०।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	११	७	०	११
२१	२१	१९	१८	१९	३	२६	२१
५३	३५	१४	२	३८	४८	२९	५२
३१	६	२	५३	५६	४०	२३	५०
५९	४२	४९/११	९	३५/४७	२/४५	३	५९
४	१	व	१७	व	व	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१८	२९	चि	२३	४४	व्या	०/३	४९/३०	कौ	१८	२९	३१/८	५/४६	६/१४	६	१६	१४	तुलायां	
२	र	८	५१	स्वा	१६	१३	व	३९	१३	ग	८	५१	१२	४६	१४	७	१७	१५	वृ.५६।२९	भ. ३४।१९ उ. ५९।४८ या.
३	चं	५०	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	चं	५२	८	वि	९	५४	सि	३०	२	ब	२५	५४	१६	४५	१५	८	१८	१६	वृश्चिके	वक्री उभायां बुधः २७।५३ चतुर्थी व्र.
५	मं	४६	२	अ	४	४४	व्य	२२	८	कौ	१९	५	२०	४४	१६	९	१९	१७	वृश्चिके	वक्री उभायां शुक्रः ४७।५१
६	बु	४१	५१	ज्ये	२७/१	५८/२	व	१५	३८	ग	१३	५६	२४	४३	१७	१०	२०	१८	ध.१।२७	भ. ४१।५१ उ.
७	गु	३९	२२	पू	६०	०	ध	१०	४०	वि	१०	३७	२८	४२	१८	११	२१	१९	धनुषि	भ. १०।३७या. बुधोदयः पूर्वस्याम् २२।५५
८	शु	३८	४९	पू	०	२	शि	७	२०	बा	९	५	३२	४२	१८	१२	२२	२०	म.१५।३५	कृत्तिका. भौमः ३०।३१
९	श	४०	१४	उ	२	१७	सि	५	२४	तै	९	३१	३६	४१	१९	१३	२३	२१	मकरे	अश्वि. मेषेऽर्कः ३५।५३ (सौरः ३६।५५)
१०	र	४३	५	श्र	५	५९	सा	४	३५	व	११	४०	४०	४०	२०	१४	२४	२२	कुं.३८।३५	भ. ११।४० उ. ४३।५ या.
११	चं	४७	१४	ध	११	१२	शु	५	६	ब	१५	१०	४३	३९	२१	१५	२५	२३	कुम्भे	वक्री विशा. ४ शनिः १/२६ वरूथिनी ११ व्र.
१२	मं	५२	१७	श	१७	१५	शु	६	९	कौ	१९	४६	४७	३९	२१	१६	२६	२४	कुम्भे	श्रवणे ४ गुरुः ४३।१८
१३	बु	५८	२५	पू	२४	१८	ब्र	८	५	ग	२५	२१	५१	३८	२२	१७	२७	२५	मी७।३२	भ. ५८।२५ उ. वृषे भौमः १४।७ प्रदोषः
१४	गु	६०	०	उ	३१	२५	ऐं	९	१०	वि	३१	२१	५५	३७	२३	१८	२८	२६	मीने	भ. ३१।२१ या.
१४	शु	४	१७	रे	३९	५	वै	१२	३५	श	४	१७	५८	३६	२४	१९	२९	२७	मे.३९।५	मार्गी बुधः २।२४
३०	श	१०	३८	अ	४६	३४	वि	१४	५९	ना	१०	३८	३/२	३६	२४	२०	३०	२८	मेषे	

१पं. वै.कृ. ९श.इ. ३५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	९	११	७	०	११
०	२७	१३	१९	१५	३	२६	२९
०	२५	५५	२२	१	२६	३	५९
०	३४	१६	५	१६	६	१५	१
५८	४१	३४/३९	८	२५/५२	३/३२	३	५८
४४	५१	म	१३	म	व	११	४५

गोचरग्रहाः

वैशा. कृ. ९ शनौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न.४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

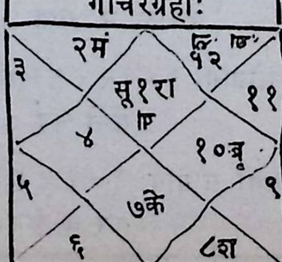

२पं. वै.कृ. ३०श.इ. ३६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	११	७	०	०
६	२	१४	२०	१२	३	२५	६
५०	२०	२९	२०	५३	०	४१	४९
४२	३८	३७	५६	१०	२२	०	२७
५८	४१	७/५	७	१०/२	५३/३	३	५८
३१	४६	मा	१६	व	व	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः४३९९सन् १९८५
१	र	१६	४२	भ	५३	५२	प्री	१७	१६	ब	१६	४२	३/६	५/३५	६/२५	२१	१	२९	मेषे	चन्द्रदर्शनम् रा. वैशाखारंभः
२	चं	२२	४०	कृ	६०	०	आ	११	१४	कौ	२२	४०	१०	३४	२६	२२	२	१	वृ.१०।३५	परशुराम जयंती सावान ८
३	मं	२७	५७	कृ	०	४३	सौ	२०	४२	ग	२७	५७	१४	३३	२७	२३	३	२	वृषे	अक्षया ३
४	बु	३२	२२	रो	६	४०	शो	२१	२९	वि	०	१९	१७	३३	२७	२४	४	३	मि३९।२०	भ. ०।१९ उ. ३२।२२ या. मार्गी शुक्रः ४/८ ५
५	गु	३५	४२	मृ	११	५९	अ	२१	४४	ब	४	२	२१	३२	२८	२५	५	४	मिथुने	×मई मा. ५ ता. ३१ मोहिनी ११व्र.
६	शु	३७	४९	आ	१५	५३	सु	२०	४९	कौ	६	१५	२५	३१	२९	२६	६	५	मिथुने	रेवत्यां बुधः ३२।५० *(सौरः १/१ ६/३)
७	श	३८	२८	पु	१८	३१	धृ	१८	५२	ग	८	८	२९	३०	३०	२७	७	६	क.२।५२	भ. ३८।२८ उ. भरण्यां रविः १६।१०*
८	र	३७	३२	पु	१९	२४	शू	१५	२४	वि	८	०	३२	३०	३०	२८	८	७	कर्के	भ. ८।० या. +यमायसान्नजलकुंभ दा
९	चं	३४	४९	श्ले	१८	४४	गं	१०	३९	बा	६	११	३६	२९	३१	२९	९	८	सिं१८।४४	पातस्पर्शः ५८।१०
१०	मं	३०	८	म	१६	१०	वृ	४/२२	५२/२०	तै	२	२८	४०	२८	३२	३०	१०	९	सिंहे	भ. ५७।६ उ. पातमोक्षः ९।१०
११	बु	२४	४	पू	१२	१	व्या	४८	३	वि	२४	४	४३	२७	३३	१	११	१०	कं.२५।३७	भ. २४।४ या. रोहि. भौमः ३५।२७×
१२	गु	१६	२०	उ	६/२५	५३/१०	ह	३८	१८	ला	१६	२०	४६	२७	३३	२	१२	११	कन्यायां	प्रदोषः
१३	शु	७	२८	चि	५१	५८	व	२७	३९	तै	७	२८	५१	२६	३४	३	१३	१२	तु.२५।४६	भ. ५७।४६ उ. नृसिंह १४
१४	शु	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श	४७	४३	स्वा	४३	५	सि	१६	५१	वि	२२	४४	५४	२५	३५	४	१४	१३	तुलायां	भ. २२।४४ या. खग्रास चन्द्रग्रहणम्+

३पं. वै.शु.७श.इ.३६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	११	७	०	०
१३	७	१७	२१	१२	२	२५	१३
३९	१४	१८	१०	३१	३२	१८	३७
४३	२	२५	४१	१	३१	४४	३७
५८	४१	३६	६	४/४२	४/११	३	५८
१९	३२	१५	१६	मा	व	११	१२

गोचरग्रहाः

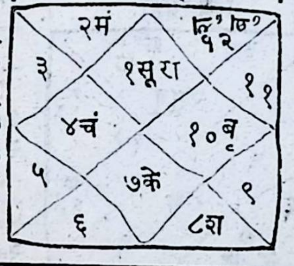

इस मास में ५ शनिवार तेजी कारक हैं प्रजामें अग्नि भय आदि उपद्रव होंगे ।

गोचरग्रहाः

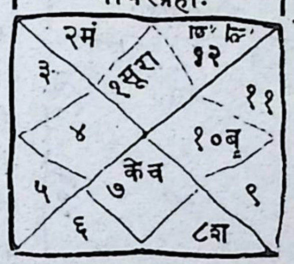

४पं. वै.शु.१५श.इ.३६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	११	७	०	०
२०	१२	२३	२१	१४	२	२४	२०
२७	४	४७	५४	८	३	५६	२४
२२	५५	२४	१४	३८	२९	२८	१९
५८	४१	६३	५	२१	४/११	३	५७
६	२२	२१	१४	५	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३७	५८	वि	३६	३५	व्य	५/५४	४/४५	बा	१२	५०	३२/५७	५/२५	६/३५	५	१५	१४	वृ.२३।१३	
२	चं	२९	८	अ	२९	४८	प	४६	११	तै	३	३३	३३	२४	३६	६	१६	१५	वृश्चिके	भ. ४५।१५ उ.
३	मं	२१	२३	ज्ये	२४	२३	शि	३६	५७	वि	२१	२३	४	२३	३७	७	१७	१६	ध.२४।२३	भ. २१।२३ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	१५	२४	मू	२०	४९	सि	३१	१४	बा	१५	२४	७	२३	३७	८	१८	१७	धनुषि	
५	गु	११	२६	पू	१९	४	सा	२६	२२	तै	११	२६	१०	२२	३८	९	१९	१८	म.३४।१३	अश्वि. मेषे बुधः ४३।१७
६	शु	९	२८	उ	१९	४०	शु	२३	१	व	९	२८	१३	२१	३९	१०	२०	१९	मकरे	भ. ९।२८ उ. ३९।४० या. रेवत्यां शुक्रः*
७	श	९	५२	श्र	२२	६	शु	२१	१९	ब	९	५२	१६	२१	३९	११	२१	२०	कु.५४।१६	कृत्तिका. रविः २।५ (सौरः १ ६/०) पात-×
८	र	१२	४	ध	२६	२६	ब्र	२१	२८	कौ	१२	४	१९	२०	४०	१२	२२	२१	कुंभे	पातमोक्षः ३।१६ ×स्पर्शः ५५।१०
९	चं	१५	५५	श	३२	७	ऐं	२१	५८	ग	१५	५५	२२	२०	४०	१३	२३	२२	कुम्भे	भ. ४८।२९ उ.
१०	मं	२१	३	पू	३९	२२	वै	२३	५६	वि	२१	३	२५	१९	४१	१४	२४	२३	मी२२।३३	भ. २१।३ या. वृषेऽर्कः ३९/२० (सौरः ३३/५८)
११	बु	२७	११	उ	४६	४४	वि	२६	३	बा	२७	११	२८	१८	४२	१५	२५	२४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	गु	३३	२४	रे	५४	२५	प्री	२८	३६	कौ	०	४७	३०	१८	४२	१६	२६	२५	मे.५४।२५	
१३	शु	३३	५४	अ	६०	०	आ	३१	१३	ग	६	३९	३३	१७	४३	१७	२७	२६	मेषे	भ. ३९।५४ उ. प्रदोषः
१४	श	४५	३६	अ	१	५२	सौ	३३	२७	वि	१२	४५	३६	१७	४३	१८	२८	२७	मेषे	भ. १२।४५ या. भरण्यां बुधः ३४।४४
३०	र	५१	८	भ	९	६	शो	३५	२४	च	१८	२२	३९	१६	४४	१९	२९	२८	वृ.२५।४१	वट पूजनम् सावित्री व्र. *४२।५९

५पं.ज्ये.कृ.७श.इ.३६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	९	११	७	०	०
२७	१६	२	२२	१७	१	२४	२७
१४	५३	३६	२९	९	३२	३४	९
३४	४९	५०	४६	२२	३१	१३	३३
५७	४१	८२	४	३२	४/४०	३	५७
५४	१७	५२	५	४३	व	११	४५

गोचरग्रहाः

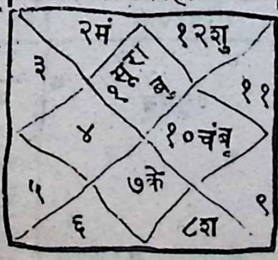

ज्ये.कृ. १० भौमे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

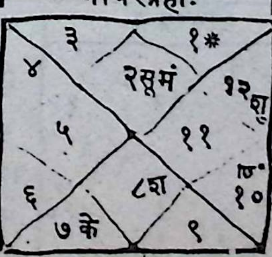

६पं.ज्ये.कृ.१४श.इ.३६।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	९	११	७	०	१
३	२१	१३	२२	२१	१	२४	३
५८	४०	२३	५६	२१	०	११	५३
२६	४४	४९	४६	२२	४७	५७	१३
५७	४१	०/७	२	४१	४/४०	३	५७
४४	७	३२	५१	२३	व	११	३४

 *चंबुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	चं	५५	३६	कृ	१५	२८	अ	३६	३२	किं	२३	२२	३३/४१	५/१६	६/४४	२०	३०	२९	बृषे
२	मं	५९	१६	रो	२१	५	सु	३६	३७	बा	२७	२६	४३	१५	४५	२१	३१	३०	मि५३।३१
३	बु	६०	०	मृ	२५	५८	धृ	३६	५५	तै	३०	४०	४६	१५	४५	२२	१	१	मिथुने
३	गु	२	५	आ	२९	४४	शू	३५	५४	ग	२	५	४८	१४	४६	२३	२	२	क.१६।४४
४	शु	१	३८	पु	३२	२३	गं	३४	४	वि	३	३८	५०	१४	४६	२४	३	३	कर्के
५	श	४	१	पु	३४	१	वृ	३१	३०	बा	४	११	५२	१४	४६	२५	४	४	कर्के
६	र	३	२६	श्ले	३४	२९	ध्रु	२७	५१	तै	३	२६	५४	१३	४७	२६	५	५	सिं३४।२९
७	चं	१	३४	म	३३	२५	व्या	२२	५९	व	१	३४	५६	१३	४७	२७	६	६	सिंहे
८	चं	५६	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	मं	५३	४२	पू	३१	१०	ह	१७	१३	बा	२५	५७	५८	१२	४८	२८	७	७	कं.४५।१६
१०	बु	४७	५९	उ	२७	३२	व	१०	१३	तै	२०	५१	३४/००	१२	४८	२९	८	८	कन्यायां
११	गु	४१	४	ह	२२	५०	सि	२/१८	५१/१६	व	१४	३२	२	१२	४८	३०	९	९	तु.५०।०
१२	शु	३३	०	चि	१७	१०	व	४४	७	ब	७	२	४	११	४९	३१	१०	१०	तुलायां
१३	श	२४	१४	स्वा	१०	४०	प	३४	६	तै	२४	१४	६	११	४९	१	११	११	बृ.५०।२८
१४	र	१५	६	वि	३/४४	५३/२०	शि	२४	२	व	१५	६	७	११	४९	२	१२	१२	बृश्चिके
१५	चं	६	२२	ज्ये	५०	५६	सि	१४	२९	ब	६	२२	९	१०	५०	३	१३	१३	ध.५०।५६

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरऽहर्गणः ४४२८स.१९८५

÷अश्वि. मेषे शुक्रः २ ६/२ निर्जला ११ व्र.
मृगे भौमः ५ १/० अस्तो भौमः ४ ९/३ चन्द्रद.
रा. ज्येष्ठारंभः रमजान ९
भ. ३२।५१ उ.
भ. ३।३८ या. रोहि. रविः ५२।५५
रोहि. रविः सौरः ०।७ पातस्पर्शः ५२।४
कृत्ति. बुधः ९।२७ पातमोक्षः ७।५२
भ. ३ १/४उ. २/५ ९/२या. वृषे बुधः ५/२ ३/१ बुधास्तः●

घनिष्ठा. १ गुरुः ४४।३५
गंगादशमी ●पूर्वस्याम् ४४।३८
भ.१४।३२उ. ४ १/४ या. मिथुने भौमः ५३/४४÷
प्रदोषः ×४४/४४ जून मा. ६ ता. ३०
रोहि.बुधः ३ ४/४ वक्री विशा. ३तुलायांशनिः×
भ. १५।६ उ. ४०।४४ या.
वक्रीगुरुः ०/४ भरणी३ राहुः विशा. १ केतुः ५७/१६

७पं.ज्यै.शु.५श.इ.३७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	९	११	७	०	१
१०	२६	२५	२३	२६	०	२३	१०
४२	२५	३७	१५	३०	२९	४९	३५
२५	२३	५	२५	५०	३५	४२	२४
५७	४१	[illegible]	१	४८	[illegible]	३	५७
३५	४	[illegible]	२८	७	व	११	२३

गोचरग्रहाः

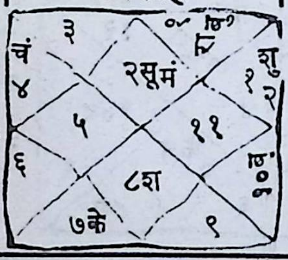

इस मासमें मंगलवार को चंद्रदर्शन और मंगलवारी संक्रांति है यह हरेक वस्तु तेज करे।

गोचरग्रहाः

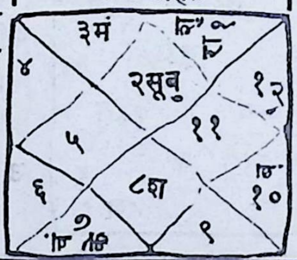

८पं.ज्ये.शु.१३श.इ.३७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	९	०	७	०	१
१७	१	१०	२३	२	०	२३	१७
२५	८	६	२४	१२	०	२७	२६
८	४९	३६	१८	१८	३२	२६	३०
५७	४०	[illegible]	०	५३	४/१४	३	५७
२७	५३	२८	१५	२१	व	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	५१	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	मं	५१	२५	मू	४६	४	सा	५/२८	५२/१३	तै	२४	४९	३४/१०	५/१०	६/५०	४	१४	१४	धनुषि
३	बु	४६	५	पू	४२	४५	शु	५१	१०	व	१८	४५	१२	१०	५०	५	१५	१५	म.५६।११
४	गु	४२	५०	उ	४१	३४	ब्र	४६	२६	ब	१४	२८	१३	१०	५०	६	१६	१६	मकरे
५	शु	४१	५१	श्र	४२	२४	ऐं	४२	१२	कौ	१२	२०	१४	९	५१	७	१७	१७	मकरे
६	श	४२	४९	ध	४५	१७	वै	४१	५३	ग	१२	२०	१६	९	५१	८	१८	१८	कु.१३।५०
७	र	४५	५६	श	४९	५९	वि	४१	५४	वि	१४	२२	१७	९	५१	९	१९	१९	कुम्भे
८	चं	५०	२५	पू	५६	५	प्री	४२	४७	बा	१८	१०	१८	९	५१	१०	२०	२०	मी३९।३४
९	मं	५६	२६	उ	६०	०	आ	४५	७	तै	२३	२५	१९	८	५२	११	२१	२१	मीने
१०	बु	६०	०	उ	४	२३	सौ	४७	३१	ब	२९	२५	२०	८	५२	१२	२२	२२	मीने
१०	गु	२	२३	रे	११	५०	शो	५०	७	वि	२	२३	२१	८	५२	१३	२३	२३	मे.११।५०
११	शु	८	४१	अ	१८	४०	अ	५२	२९	बा	८	४१	२१	८	५२	१४	२४	२४	मेषे
१२	श	१४	३३	भ	२५	५१	सु	५४	२५	तै	१४	३३	२२	८	५२	१५	२५	२५	वृ.४२।२८
१३	र	१९	५०	कृ	३२	२१	धृ	५५	२६	व	१९	५०	२२	८	५२	१६	२६	२६	वृषे
१४	चं	२३	४९	रो	३७	३१	शू	५५	४९	श	२३	४९	२३	७	५३	१७	२७	२७	बृषे
३०	मं	२६	४१	मृ	४१	४३	गं	५५	१४	ना	२६	४१	२३	७	५३	१८	२८	२८	मि९।३७

वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. १८।४५ उ. ४६।५ या.
चतुर्थी व्र.
मृगे रविः ४७/५१ (सौरः ५६/५६) मृगे बुधः ३७/४७●
भ. ४२।४९ उ.
भ. १४।२२ या. आर्द्रा. भौमः ५०।४८
मिथुने बुधः ४४।६

भ. २९।२५ उ. वक्री श्रवणे ४ गुरुः ५७/५०
भ. २ ३/३ या. आर्द्रा. बुधः ४३/४४ भरण्यां शुक्रः ५४/३७
मिथुनेऽर्कः ४६/२९ (सौरः ५९/४३) योगिनी ११ व्र.
प्रदोषः ●पातस्पर्शः २ ३/० पातमोक्षः २१/५२
भ. १९।५० उ. ५१।४९ या.

बुधोदयः पश्चिमायाम् २९।२५

९पं.आ.कृ.६श.इ.३७।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	९	०	६	०	१
२४	५	२५	२३	८	२९	२३	२३
७	५०	२७	२४	२४	३१	५	५६
१२	६	३२	२५	३२	२३	१०	२६
५७	४०	[illegible]	१/३	५७	५ ३/९	३	५७
२२	४०	[illegible]	व	९	व	११	५

गोचरग्रहाः

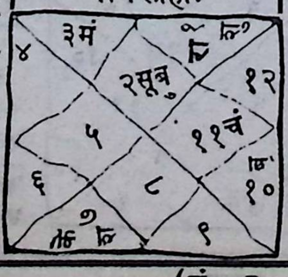

आ. कृ. ११ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यदिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

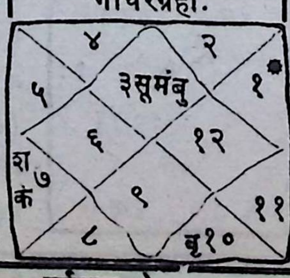

१०पं.आ.कृ.१२श.इ.३७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	९	०	६	०	२
०	१०	१०	२३	१५	२९	२२	०
४८	२९	३५	१४	२	६	४२	३५
२५	२८	२४	२	२	२९	५२	३५
५७	४०	[illegible]	[illegible]	६०	[illegible]	३	५६
१७	२९	[illegible]	व	१७	व	११	५७

●चशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण: ४४५८स.१९८५
१	बु	२८	२१	आ	४४	४३	वृ	५४	१७	ब	२८	२१	३४/२३	५/७	५ ६/३	१९	२९	२९	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	२८	५०	पु	४६	४३	ध्रु	५०	५८	कौ	२८	५०	२४	७	५३	२०	३०	१	क.१३।३१	पुन. बुधः २१।३९ रथयात्रा सव्वाल १०
३	शु	२८	२२	पु	४७	३५	व्या	४७	३८	ग	२८	२२	२४	७	५३	२१	३१	२	कर्के	भ. ५७।३४ उ. आर्द्रा. रविः ४५।२१
४	श	२६	४६	श्ले	४७	३७	ह	४३	३५	वि	२६	४६	२४	७	५३	२२	१	३	सिं४७।३७	भ. २६।४६ या. आर्द्रा. रविः सौरः १।६*
५	र	२४	२६	म	४६	४६	व	३९	८	बा	२४	२६	२४	७	५३	२३	२	४	सिंहे	*रा. आषाढ़ारम्भः
६	चं	२१	७	पू	४५	१०	सि	३३	४८	तै	२१	७	२४	७	५३	२४	३	५	कं.५९।३३	
७	मं	१७	१४	उ	४२	४४	व्य	२९	४१	ब	१७	१४	२३	७	५३	२५	४	६	कन्यायां	भ.१७।१४उ.४४।५५या.कर्केबुधः४१।५४
८	बु	१२	३७	ह	३९	५१	व	२१	१६	ब	१२	३७	२३	७	५३	२६	५	७	कन्यायां	
९	गु	७	१५	चि	३५	४९	प	१४	१०	कौ	७	१५	२३	७	५३	२७	६	८	तु.७।४५	पुष्ये बुधः ५२।१६ कृत्ति. शुक्रः १५।५२
१०	शु	१	१	स्वा	३१	२८	शि	६/२४	५१/५०	ग	१	१	२२	८	५२	२८	७	९	तुलायां	भ. २७/२९ उ. ५४/१८ या. देवशयनी ११ व्र. स्मा.
११	शु	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	श	४६	५८	वि	२६	१८	सा	४९	४०	ब	२०	३८	२२	८	५२	२९	८	१०	बृ.१२।३५	देवशयनी ११ व्र. वै.
१३	र	३९	४९	अ	२१	५	शु	४१	१७	कौ	१३	२४	२१	८	५२	३०	९	११	वृश्चिके	पुन भौमः १।३२ बृषे शुक्रः ३१/५२ प्रदोषः
१४	चं	३२	४०	ज्ये	१६	४	शु	३२	५९	ग	६	१४	२०	८	५२	१	१०	१२	ध.१६।४	भ. ३२/४० उ. ५९/३० या. जुलाई मा. ७ ता. ३१×
१५	मं	२६	२१	मू	४१	३५	ब्र	२५	२५	ब	२६	२१	१९	८	५२	२	११	१३	धनुषि	व्यासपूजा गुरुः १५ ×वायु परीक्षा

११पं.आ.शु.४श.इ.३७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	९	०	६	०	२
७	१५	२४	२२	२२	२८	२२	७
२९	७	१३	५५	०	४३	२०	१४
२४	१९	४८	४४	१४	५९	३९	२
५७	४०	७८	३/४०	६२	३/३	३	५६
१३	१९	२५	व	३९	व	११	५४

गोचरग्रहाः

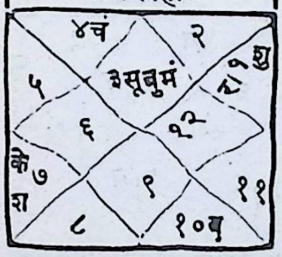

इस मासमें रवि से आगे मंगल है यह वर्षामें कमी धान्य तेज करे। आगे मंगल पीछे भान। वर्षा होवे ओस समान ॥

गोचरग्रहाः

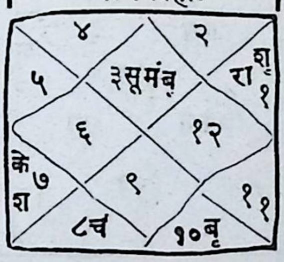

१२पं.आ.शु.१२श.इ.३७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	०	६	०	२
१४	१९	६	२२	२९	२८	२१	१३
९	४३	६	२८	११	२४	५८	५२
५०	३०	७	१६	४९	५८	२४	७
५७	४०	९५	४/४३	६४	२/२४	३	५६
७	२६	७	व	३१	व	११	५०

ति.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२०	१०	पू	८	७	ऐं	१८	२९	कौ	२०	१०	३४/१८	५/८	५ ६/२	३	१२	१४	म.२२।३३	
२	गु	१७	३५	उ	५	५९	वै	१२	५२	ग	१७	३५	१७	९	५१	४	१३	१५	मकरे	भ. ४६।४० उ.
३	शु	१५	४४	श्र	५	४९	वि	८	५२	वि	१५	४४	१५	९	५१	५	१४	१६	कुं.३५।३५	भ. १५।४४ या. पुन. रविः ४४।१७ च.व्र.
४	श	१५	५१	ध	७	२२	प्री	६	१७	बा	१५	५१	१४	९	५१	६	१५	१७	कुंभे	पुन. रविः सौरः ५।१७
५	र	१७	५८	श	१०	४०	आ	५	१४	तै	१७	५८	१३	९	५१	७	१६	१८	मी५९।११	आश्लेषा. बुधः २।५५ नाग ५ मरुस्थले
६	चं	२१	४८	पू	१५	२०	सौ	५	२२	व	२१	४८	११	१०	५०	८	१७	१९	मीने	भ. २१।४८ उ. ५४।२९ या.
७	मं	२७	१०	उ	२२	३०	शो	६	५२	ब	२७	१०	१०	१०	५०	९	१८	२०	मीने	रोहि. शुक्रः ४१।४७
८	बु	३३	०	रे	२९	४२	अ	८	५१	बा	०	१०	८	१०	५०	१०	१९	२१	मे.२९।४२	
९	गु	३९	१०	अ	३७	२०	सु	११	२२	तै	६	५	७	११	४९	११	२०	२२	मेषे	
१०	शु	४५	९	भ	४४	३४	धृ	१३	४६	व	१२	१०	५	११	४९	१२	२१	२३	मषे	भ. १२।१० उ. ४५।८ या.
११	श	५०	२१	कृ	५१	१७	शू	१५	५६	ब	१७	४६	४	११	४९	१३	२२	२४	वृ.१।२४	कामिका ११ व्र.
१२	र	५४	१४	रो	५६	४७	गं	१७	१२	कौ	२२	१८	२	१२	४८	१४	२३	२५	वृषे	
१३	चं	५६	४५	मृ	६०	०	वृ	१७	२५	ग	२५	२९	०	१२	४८	१५	२४	२६	मि२८।४७	भ. ५६/४५ उ. कर्के भौमः १७।४९ प्रदोषः
१४	मं	५७	३८	मृ	०	४७	ध्रु	१६	३७	वि	२७	१२	३३/५८	१२	४८	१६	२५	२७	मिथुने	भ. २७/१२ या. कर्केऽर्कः १३।४१ (रविः ३६/१)
३०	बु	५७	११	आ	३	२३	व्या	१४	४०	च	२७	२५	५६	१३	४७	१७	२६	२८	क.४९।१७	हरियाली ३०

१३पं. प्र.श्रा.कृ.७श.इ.३६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	१	६	०	२
२०	२४	१६	२१	६	२८	२१	२०
५०	१९	७	५२	३६	१०	३६	३०
१०	८	२३	५२	२९	५	८	१
५७	४०	७५	५/४०	६६	१/५२	३	५६
७	१६	१८	व	४	व	११	५०

गोचरग्रहाः

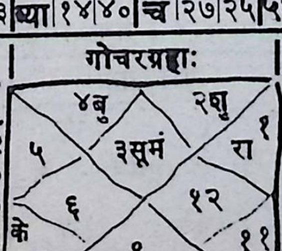

प्र.श्रा.कृ.१४ भौमे कर्केऽर्कः प्र. वा. ५ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५धान्यादिभावे समघंता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

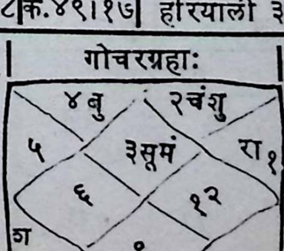

१४पं.प्र.श्रा.कृ.१४श.इ.३६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	१	६	०	२
२७	२८	२४	२१	१४	२७	२१	२७
३०	५२	३	११	१०	५९	१३	८
३२	३०	२५	१०	५५	२०	५२	८
५७	४०	५२	६/३	६७	१/१	३	५६
११	६	७	व	२७	व	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	५५	११	पु	४	३५	ह	११	३४	किं	२६	११	३३/५४	१५/३	६/४७	१८	२७	२९	कर्के
२	शु	५२	१९	पु	४	२६	व	७	१९	बा	२३	४५	५२	१४	४६	१९	२८	३०	कर्के
३	श	४८	३१	श्ले	३	१६	सि	२/२०	५४/२२	तै	२०	२५	५०	१४	४६	२०	२९	१	सिं३।१६
४	र	४४	३	म	१/१६	५७/२४	व	५०	१७	व	१६	१७	४७	१५	४५	२१	३०	२	सिंहे
५	चं	३९	२०	उ	५५	४९	प	४४	३	ब	११	४१	४५	१५	४५	२२	३१	३	कं.१२।५८
६	मं	३४	१५	ह	५२	४४	शि	३७	२६	कौ	६	४७	४२	१६	४४	२३	१	४	कन्यायां
७	बु	२९	१३	चि	४९	३७	सि	३०	४१	ग	२	४४	४०	१६	४४	२४	२	५	तु.२१।११
८	गु	२३	५३	स्वा	४६	११	सा	२३	४०	ब	२३	५३	३७	१७	४३	२५	३	६	तुलायां
९	शु	१८	२७	वि	४२	४४	शु	१६	४०	कौ	१८	२७	३५	१७	४३	२६	४	७	वृ.२८।३६
१०	श	१२	५५	अ	३९	७	शु	९	३२	ग	१२	५५	३२	१८	४२	२७	५	८	वृश्चिके
११	र	७	३४	ज्ये	३५	४२	ब्र	१/३	५३/४	वि	७	३४	२९	१८	४२	२८	६	९	ध.३५।४३
१२	चं	२	१३	मू	३२	४२	वै	४९	१९	बा	२	१३	२६	१९	४१	२९	७	१०	धनुषि
१३	चं	५५	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	मं	५३	३८	पू	३०	२७	वि	४३	१७	ग	२२	४०	२४	१९	४१	३०	८	११	म.४५।२
१५	बु	५०	४१	उ	२८	४६	प्री	३८	१०	वि	२२	७	२१	२०	४०	३१	९	१२	मकरे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४८७स.१९८५

अधिकमास प्रारम्भः
पुष्ये रविः ४२।५८ चन्द्रदर्शनम्
पुष्ये रविः सौरः ८।४२ पुष्ये भौमः ३१/५७ •
भ. १६।१७ उ. ४४।३या. मृगे शुक्रः ५१।८
मघा. सिंहे बुधः ११।४२
वक्री श्रवणे ३ गुरुः ४७/४९ रा. श्रावणारंभः
भ. २९।१३ उ. ५६।३३ या.
मार्गी शनिः १६।३२ •जिलकाद ११

भ. ४०।१४ उ. वक्री बुधः १८।५५×
भ. ७।३४ या. व.मला ११ व्र.
प्रदोषः ×मिथुने शुक्रः ४८।१९

भ. ५३।३१ उ.
भ. २२।७ या.

१५ पं.प्र.श्रा.शु. ३श.इ.३६/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	१	६	०	३
४	३	२९	२०	२१	२७	२०	३
११	२३	२२	२३	५५	५३	५१	४६
१७	१०	१	२८	१	२८	३६	३५
५७	४०	२३	२२/७	६८	२८/०	३	५६
१५	६	५९	व	२९	म	११	५७

गोचरग्रहाः

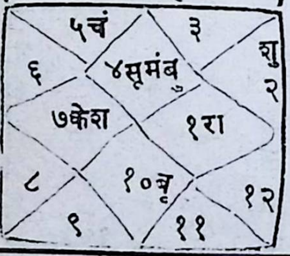

सोमां शुक्रां सुर
गुरां जो चन्दा
ऊगंत। डंक कहे
सुन भडली जल
थल एक करंत ॥
सुदीमें वर्षा होगी।

गोचरग्रहाः

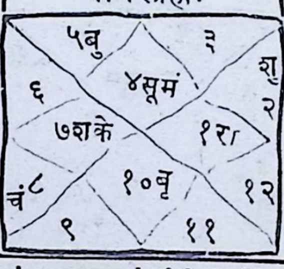

१६पं.प्र.श्रा.शु.१०श.इ.३६/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	९	१	६	०	३
१०	७	१	१९	२९	२७	२०	१०
५२	५७	२७	३०	४६	५२	२९	२५
१९	२९	२९	३६	२३	२५	२१	५२
५७	३९	१/३	४८	६९	१/४०	३	५७
२०	५६	व	व	२०	मा	११	५

ति.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	४९	१०	श्र	२८	३७	आ	३४	२	बा	१९	५६	३३/१८	५/२०	६/४०	१	१०	१३	कु.५९।१३
२	शु	४९	२२	ध	२९	४९	सौ	३०	०	तै	१९	१६	१५	२१	३९	२	११	१४	कुम्भे
३	श	५१	१०	श	३२	४४	शो	२९	२०	व	२०	१७	१२	२२	३८	३	१२	१५	कुम्भे
४	र	५४	२८	पू	३५	५८	अ	२८	५९	ब	२२	४९	९	२२	३८	४	१३	१६	मी२०।९
५	चं	५९	२५	उ	४२	५४	सु	२९	३७	कौ	२६	५६	६	२३	३७	५	१४	१७	मीने
६	मं	६०	०	रे	४९	४१	धृ	३१	२०	ग	३२	११	३	२३	३७	६	१५	१८	मे.४९।४१
६	बु	४	५७	अ	५७	८	शू	३३	३५	व	४	५७	०	२४	३६	७	१६	१९	मेषे
७	गु	११	८	भ	६०	०	गं	३५	५९	ब	११	८	३२/५६	२५	३५	८	१७	२०	मेषे
८	शु	१७	१४	भ	४	२४	वृ	३८	१७	कौ	१७	१४	५३	२५	३५	९	१८	२१	वृ.२१।२३
९	श	२२	४९	कृ	११	४६	ध्रु	४०	१	ग	२२	४९	५०	२६	३४	१०	१९	२२	वृषे
१०	र	२७	६	रो	१७	४९	व्या	४०	४९	वि	२७	६	४७	२७	३३	११	२०	२३	मि५०।८
११	चं	२९	४८	मृ	२२	२६	ह	४०	२९	बा	२९	४८	४३	२७	३३	१२	२१	२४	मिथुने
१२	मं	३०	५५	आ	२५	१८	व	३८	४०	तै	३०	५५	४०	२८	३२	१३	२२	२५	मिथुने
१३	बु	२९	५७	पु	२६	३९	सि	३५	४१	व	२९	५७	३६	२९	३१	१४	२३	२६	क.११।१९
१४	गु	२७	१७	पु	२६	२	व्य	३१	३०	श	२७	१७	३३	२९	३१	१५	२४	२७	कर्के
३०	शु	२३	१४	श्ले	२४	४	व	२५	१९	ना	२३	१४	२९	३०	३०	१६	२५	२८	सिं२४।४

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्रा:

अगस्त मा. ८ ता. ३१
आश्ले. रविः ३९/५६ आर्द्रा. शुक्रः ४१।४५
भ. २०/१७ उ. ५१/१० या. आश्ले. रविः सौरः ९/२९ •
चतुर्थी व्र.
भरणी २ राहुः स्वाती ४ केतुः ५०।१३

भ. ४।५७ उ. ३८।२ या.
•वक्री आश्ले. कर्के बुधः ३२।५५×
×बुधास्तः पश्चिमायाम् १३।२९
भ. ५४।५७ उ. आश्ले. भौमः ८।४९
भ. २७।६ या.
कमला ११ व्र.
प्रदोषः +समाप्तिः
भ.२९।५७उ.५८।३७या. पुन. बुधः १६/५७

मघायां सिंहेऽर्कः ३३।५४ अधिकमास+

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.३श.इ.३६/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	२	६	०	३
१७	१२	२९	१८	७	२७	२०	१७
३४	२८	५७	३७	४३	५६	७	५
१	१२	५०	३०	५५	३८	६	४०
५७	३९	३७/१९	७/५२	७०	१	३	५७
२५	४६	व	व	१०	२	११	१२

गोचरग्रहाः

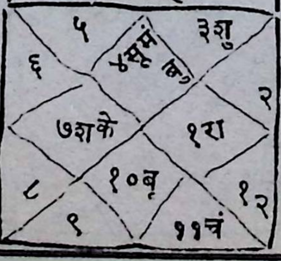

द्वि.श्रा.कृ.३० शुक्रे
सिंहेऽर्कः प्र. वा.४
न.५प्रव्राजिकावस्था
(ऊभी) मु. ३०
धान्यादिभावे सम-
ता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

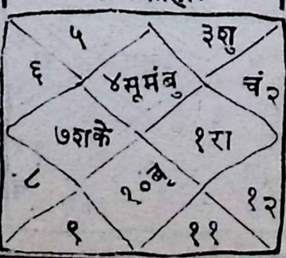

१८पं.द्वि.श्रा.कृ. ९श.इ.३६/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	२	६	०	३
२४	१६	२५	१७	१५	२८	१९	२३
१६	५८	४६	४२	४८	४	४४	४६
२६	८	१२	५४	३२	१२	५०	४७
५७	३९	५६/४७	७/५२	७०	१	३	५७
३३	३९	व	व	४९	४१	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः:४५१७सन्१९८५
१	श	१७	४७	म	२०	४२	प	१८	३२	ब	१७	४७	३३/२६	५/३१	६/२९	१७	२६	२९	सिंहे	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः ५।५६ चन्द्रदर्शनम्
२	र	११	४०	पू	१६	४४	शि	११	१	कौ	११	४०	२२	३२	२८	१८	२७	१	क.३०।३८	वक्री श्रवणे २ गुरुः ५८।२२ सिंवारा●
३	चं	५	१४	उ	१२	२३	सि	३/१४	५१/५५	ग	५	१४	१९	३२	२८	१९	२८	२	कन्यायां	भ. ३१।५९उ.५८/४४या. बुधोदयः पूर्वस्याम्×
४	चं	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	मं	५२	२८	ह	७	४४	शु	४७	१४	ब	२५	३६	१५	३३	२७	२०	२९	३	तु.३५।३३	नागपंचमी ●जिल्हेज १२
६	बु	४६	२९	चि	३/२२	५६/४	शु	३९	४४	कौ	१९	२९	११	३४	२६	२१	३०	४	तुलायां	मार्गी बुधः १६।५४ ×५।२५ तीज
७	गु	४०	५३	वि	५५	५३	ब्र	३२	२६	ग	१३	४१	८	३४	२६	२२	३१	५	वृ.४१।४६	भ. ४०।५३ उ. कर्के शुक्रः ४६।५३
८	शु	३५	४६	अ	५२	५१	ऐं	२५	२०	वि	८	१९	४	३५	२५	२३	१	६	वृश्चिके	भ. ८।१९ या. रा. भाद्रपदारंभः
९	श	३१	२३	ज्ये	५०	२१	वै	१८	५२	बा	३	२९	०	३६	२४	२४	२	७	ध.५०।२२	
१०	र	२७	३२	मू	४८	३४	वि	१२	४५	ग	२७	३२	३३/५६	३७	२३	२५	३	८	धनुषि	भ. ५५।५९ उ. पुष्ये शुक्रः ३३।५६
११	चं	२४	२६	पू	४७	३६	प्री	७	२२	वि	२४	२६	५२	३८	२२	२६	४	९	धनुषि	भ. २४।२६ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	मं	२१	५७	उ	४७	१६	आ	२/३५	५५/४८	बा	२१	५७	४८	३८	२२	२७	५	१०	म.२।३१	प्रदोषः +श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम्
१३	बु	२०	३७	श्र	४७	५२	शो	५५	१	तै	२०	३७	४४	३९	२१	२८	६	११	मकरे	
१४	गु	२०	१६	ध	४९	३७	अ	५२	३२	व	२०	१६	४०	४०	२०	२९	७	१२	कुं.१८।४४	भ. २०।१६ उ. ५०।४५ या.
१५	शु	२१	१४	श	५२	४९	सु	५१	१६	ब	२१	१४	३६	४१	१९	३०	८	१३	कुम्भे	पूफा. रविः २३।३१(सौरः ५६।४८)+

१९पं.द्वि.श्रा.शु.१श.इ.३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	९	२	६	०	४
०	२१	२०	१६	२३	२८	१९	०
५९	२६	१४	५०	५६	१६	२२	२९
४९	१३	२४	१७	५६	५२	३४	०
५७	३९	३३/४३	७/३०	७१	२	३	५७
४०	२९	व	व	२३	२०	११	३४

गोचरग्रहाः

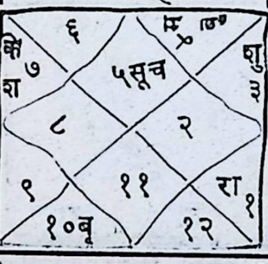

अधिक मास फल- द्वि श्रावणेति दुर्भिक्ष स्वल्पवृष्टि- र्महद्भयं । पाप बुद्धिरता लोका राजानः क्रूर शासनः ॥

गोचरग्रहाः

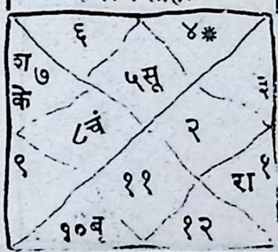

२०पं.द्वि.श्रा.शु. ९श.इ.३५/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	९	३	६	०	४
७	२५	२०	१४	२	२८	१९	७
४४	५३	३४	०	१०	३५	०	१२
१७	३८	४८	५८	३४	३५	१९	३१
५७	३९	३९/३१	६/४९	७१	२	३	५७
४९	२९	मा	व	५०	५९	११	४५

ति.	भाद्रपव कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेद्वि.श्राव.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२३	३४	पू	५७	४१	धृ	५०	२८	कौ	२३	३४	३१/३२	५/४२	६/१८	३१	९	१४	मी४१।२८	मघा सिंहे भौमः ३।४६
२	र	२७	५	उ	६०	०	शू	५१	१	ग	२७	५	२८	४२	१८	१	१०	१५	मीने	भ. ५९।३४ उ. सि..म्बर मा. ९ ता. ३०
३	चं	३२	३	उ	२	३७	गं	५२	१५	वि	३२	३	२५	४३	१७	२	११	१६	मीने	भ. ३/३३ या. मघा. सिंहे बुधः ४७।४८ च.व्र.
४	मं	३७	२६	रे	९	७	वृ	५४	११	ब	४	४४	२१	४४	१६	३	१२	१७	मे. ९।७	
५	बु	४३	३३	अ	१६	२३	ध्रु	५६	४२	कौ	१०	२९	१७	४५	१५	४	१३	१८	मेषे	
६	गु	४९	५७	भ	२४	१	व्या	५९	१	ग	१६	४५	१३	४५	१५	५	१४	१९	बृ.४०।५४	भ. ४९/५७ उ. आश्ले. शुक्रः ४७।२ चन्द्रषष्ठी
७	शु	५५	५८	कृ	३१	३४	ह	६०	०	वि	२२	५७	९	४६	१४	६	१५	२०	वृषे	भ. २२।५७ या.
८	श	६०	०	रो	३८	२१	ह	०	१६	बा	२८	२३	५	४७	१३	७	१६	२१	बृषे	जन्माष्टमी व्र.
८	र	०	४९	मृ	४३	५८	व	२	५०	कौ	०	४९	१	४८	१२	८	१७	२२	मि११।९	बुधास्तः पूर्वस्याम् २०।५४ गोगा ९
९	चं	४	१५	आ	४८	७	सि	३	२०	ग	४	१५	३०/५७	४९	११	९	१८	२३	मिथुने	भ. ३५।९ उ. उदयो भौमः १३।९
१०	मं	६	४	पु	५०	२१	व्य	२	३१	वि	६	४	५३	४९	११	१०	१९	२४	क.३४।४७	भ. ६।४ या. पूफा. बुधः ४६।२०
११	बु	५	५०	पु	५०	२८	व	०/२१	५६/९१	बा	५	५०	४८	५०	१०	११	२०	२५	कर्के	अजा ११ व्र.
१२	गु	३	२९	श्ले	४८	४६	शि	५०	५८	तै	३	२९	४४	५१	९	१२	२१	२६	सिं४८।४६	भ. ५९।२९ उ. वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	गु	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु	५३	३०	म	४५	३०	सि	४४	४	वि	२६	२९	४०	५२	८	१३	२२	२७	सिंहे	भ. २६/२९ या. उफा. रवि.७।५१(सौरः ४/२ १/६)
३०	श	४६	२०	पू	४०	२४	सा	३५	५९	च	१९	५५	३६	५३	७	१४	२३	२८	कं.५४।८	कुशाग्रहणी मन्वादिः

२१पं.भा.कृ.१श.इ.३५।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	९	३	६	०	४
१४	०	२६	१५	१०	२८	१८	१३
२९	२०	४५	१६	२८	५९	३८	५७
५६	५९	१८	५२	४४	३८	३	४३
५८	३९	८२	६/७	७२	३	३	५७
१	१२	१६	व	११	४८	११	५७

२२पं.भा कृ.८श.इ.३५।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	९	३	६	०	४
२१	४	७	१४	१८	२९	१८	२०
१६	४७	४०	३९	५१	२२	१५	४४
५५	४९	१२	२५	१८	२३	४७	२३
५८	३९	७/०	४/५९	७२	४	३	५८
१३	१२	९/५५	व	३२	१८	११	१२

२३पं.भा.कृ.२०श.इ.३५।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	९	३	६	०	४
२८	९	२०	१४	२७	२९	१७	२७
५	१३	४४	९	१७	५२	५३	३२
२४	८	२	५०	२	५	३२	४४
५८	३९	१९/०	३/५२	७२	४	३	५८
२६	५	०/४९	व	५३	४७	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७											दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४५४६स.१९८५
१	र	३८	१७	उ	३४	४३	शु	२६	५६	किं	१२	१९	३०/३२	५/५४	६/६	१५	२४	२९	कन्यायां	*विशा.४बृश्चिकच शनिः१४/४८ चन्द्रदर्शनम्
२	चं	३०	२	ह	२८	४२	शु	१७	३६	बा	४	१०	२८	५४	६	१६	२५	३०	तु.५५।२८	कन्यायामर्कः ३३/१२ मघा. सिंहे शुक्रः ४९/४० ●
३	मं	२२	१	चि	२२	१९	ब्र	५९	३३	ग	२२	१	२४	५५	५	१७	२६	१	तुलायां	भ. ४८/७ उ. कन्यायामर्कः सौरः ६/३७ उफा.×
४	बु	१४	१३	स्वा	१६	२५	वै	४९	३८	वि	१४	१३	२०	५६	४	१८	२७	२	बृ.५७।३४	भ. १४/१३ या. केचिन्मतेन गणेश ४ ऋषि ५
५	गु	७	१४	वि	११	१६	वि	४१	२७	बा	७	१४	१६	५७	३	१९	२८	३	वृश्चिके	कन्यायां बुधः ३१।२५ =१४०६ हि.
६	शु	१	५	अ	७	८	प्री	३४	२२	तै	१	५	१२	५८	२	२०	२९	४	वृश्चिके	भ. ५६।९ उ. +शुक्रः ४७/५१ अनन्त १४
७	शु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×बुधः ४४।४९ गणेश४ मोहोरम १ सन्=
८	श	५२	२५	ज्ये	४	०	आ	२७	२३	वि	२४	१७	८	५८	२	२१	३०	५	ध. ४।०	भ. २४।१७ या. पूफा. भौमः ६।३५
९	र	४९	५६	मू	२	३	सौ	२१	५६	बा	२१	१०	४	५९	१	२२	३१	६	धनुषि	
१०	चं	४८	३१	पू	१	१६	शो	१७	१६	तै	१९	१३	३०/००	०६/०	०६/०	२३	१	७	म.१६।७	रा. आश्विनारंभः रामदेवजी का मेला*
११	मं	४८	२२	उ	१	४०	अ	१३	३४	व	१८	२६	२९/५५	६/१	५/५९	२४	२	८	मकरे	भ. १६/२६ उ. ४६/२३ या. जलझूलनी ११ व्र.
१२	बु	४९	२२	श्र	३	१५	सु	१०	५८	ब	१८	५२	५१	२	५८	२५	३	९	कु.३४।४१	हस्ते बुधः २।४८ वामन १२
१३	गु	५१	२६	ध	६	८	धृ	९	११	कौ	२०	२४	४७	३	५७	२६	४	१०	कुम्भे	हस्ते रविः ४६।१८ प्रदोषः *नवलदुर्गे
१४	शु	५४	४१	श	९	४९	शू	८	२३	ग	२३	४	४३	३	५७	२७	५	११	मी५८।२२	भ.५४।४१उ. हस्ते रविः सौरः १९/७ पूफा.+
१५	श	५८	५०	पू	१४	३२	गं	८	१६	वि	२६	४६	३८	४	५६	२८	६	१२	मीने	भ. २६।४६ या. महालयाश्राद्धारंभः

२४पं.भा.शु.८श.इ.३५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	९	४	७	०	५
४	१३	३	१२	५	०	१७	४
५५	३८	५०	४९	४१	२५	३१	२२
१९	३५	१७	५	४३	३०	१६	५१
५८	३८	[illegible]	३/७	७३	५	३	५८
३८	४७	[illegible]	व	१४	१३	११	४५

गोचरग्रहाः

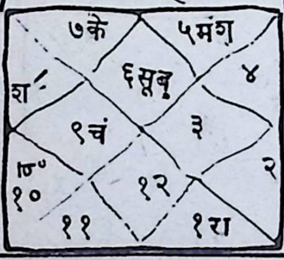

भा. शु. २ चन्द्रे कन्यायामर्कःप्र.वा. ४नं.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

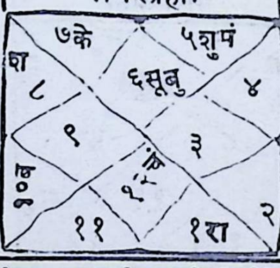

२५पं.भा.शु.१५श.इ.३५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	९	४	७	०	५
११	१८	१६	१३	१४	१	१७	११
४६	३	२०	३७	१७	१	९	१४
५५	५८	४२	४१	५३	४४	१	५३
५८	३८/४७	७/०	१/१६	७२	५	३	५९
५३	व	[illegible]	व	२०	४०	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७											दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तु रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	६०	०	उ	२०	२०	वृ	८	४१	बा	३१	३०	२९/३४	६/५	५/५५	२९	७	१३	मीने	
१	चं	४	१०	रे	२६	४७	ध्रु	१०	१४	ग	४	१०	३०	६	५४	३०	८	१४	मे.२६।४७	●२१।१७ बुधोदयः पश्चिमायाम्५०।५७
२	मं	९	५५	अ	३३	५६	व्या	११	५३	वि	९	५५	२६	७	५३	१	९	१५	मेषे	भ. ४२।५८ उ. अक्टूबर मा. १० ता. ३१
३	बु	१६	२	भ	४१	३०	ह	१३	३६	बा	१६	२	२२	८	५२	२	१०	१६	बृ.५८।२५	भ. १६।२ या. चित्रा. बुधः ३८/१८ चतुर्थी व्र.
४	गु	२२	२४	कृ	४९	१०	व	१६	३७	तै	२२	२४	१८	८	५२	३	११	१७	बृषे	×इन्दिरा ११ व्र. +मातामह श्रा.
५	शु	२८	४०	रो	५६	३१	सि	१८	५९	व	२८	४०	१४	९	५१	४	१२	१८	बृषे	
६	श	३४	०	मृ	६०	०	व्य	२१	२	ग	१	२०	१०	१०	५०	५	१३	१९	मि२९।४०	भ. ३४।० उ. मार्गी गुरुः ९।७
७	र	३८	२२	मृ	२	५०	व	२३	१३	वि	६	१२	६	११	४९	६	१४	२०	मिथुने	भ. ६।१२ या. तुलायां बुधः ४२।४४
८	चं	४१	१३	आ	८	२२	प	२२	२३	बा	९	४८	२	१२	४८	७	१५	२१	क.५६।४	भरणी १ राहुः स्वाती ३ केतुः ४५।२५
९	मं	४२	१३	पु	११	५७	शि	२१	२९	तै	११	४३	२८/५८	१२	४८	८	१६	२२	कर्के	उफा. शुक्रः ४०।० मातृ नवमी
१०	बु	४१	१०	पु	१३	४३	सि	१८	५०	व	११	४२	५४	१३	४७	९	१७	२३	कर्के	भ. ११।४२ उ. ४१।१० या.
११	गु	३८	९	श्ले	१३	४०	सा	१४	४३	ब	९	४०	५०	१४	४६	१०	१८	२४	सिं१३।४०	चित्रायां रविः१७।१९ (सौरः४९।४३)×
१२	शु	३३	६	म	११	२९	शु	८	५७	कौ	५	३८	४६	१५	४५	११	१९	२५	सिंहे	स्वात्यां बुधः ६।४६ कन्यायां शुक्रः●
१३	श	२६	११	पू	७	२०	शु	३५	५१/१७	ब	२६	११	४२	१६	४४	१२	२०	२६	कं.२०।५५	भ. २६/११ उ. ५२/४ या. उफा. भौमः ३५/३३ प्रदोषः
१४	र	१७	५७	उ	४०/१	५३/२७	ऐं	४३	८	श	१७	५७	३८	१६	४४	१३	२१	२७	कन्यायां	शस्त्रादिहतानां श्राद्धं पितृकार्येऽमा.
३०	चं		८	५६	चि	४७	४३	वै	३२	४६	ना	८	५६	३४	१७	४३	१४	२२	२८	तु.२१।२५	सोमवती देवकार्येऽमा. नवरात्रारम्भः+

२६पं.आ.कृ.६श.इ.३५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	९	४	७	०	५
१८	२२	२८	१३	२२	१	१६	१८
४०	२७	९	३६	५३	४१	४६	८
८	३६	१४	७	२०	२४	५५	४०
५९	३८	९८	०/५	७३	७	३	५९
९	४७	११	व	३२	७	११	१६

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार रोगपीड़ा कारक हैं और ५ सोमवार सोमवती अमावस्या मन्दी कारक है गुड़खांड़ रस तेज हो।

गोचरग्रहाः

२७पं.आ.कृ.१३श.इ.३४।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	९	५	७	०	५
२५	२६	९	१३	१	२	१६	२५
३५	५२	२	४४	३०	२३	२४	४
६	२३	५३	९	२९	१३	३०	२२
५९	३८	९७	१	७३	६	३	५९
२१	२७	१९	२४	४७	२४	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५७६ स.१९८५
१	चं	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५०	५	स्वा	४०	९	वि	२२	८	बा	२४	४८	३/०	६/१८	५/४२	१५	२३	२९	तुलायां	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	४१	१०	वि	३३	४	प्री	११	३१	तै	१५	३८	२६	१९	४१	१६	२४	१	वृ.१९।५०	सफर २
४	गु	३३	२०	अ	२६	४०	आ	१/२	५०/२३	व	७	१८	२२	२०	४०	१७	२५	२	बृश्चिके	भ. ७/१८ उ. ३३/२० या. तुलायामर्कः २/५ (सौरः●
५	शु	२६	४८	ज्ये	२१	४२	शो	४३	४२	बा	२६	४८	१८	२०	४०	१८	२६	३	ध.२१।४२	●३३/२६ कन्यायां भौमः ५०/२९ अनु. १शनिः ३७/१९
६	श	२१	४९	मू	१८	५	अ	३६	४७	तै	२१	४९	१४	२१	३९	१९	२७	४	धनुषि	विशाखा. बुधः ३७।५० हस्ते शुक्रः ३६/४०×
७	र	१९	३५	पू	१६	११	सु	३१	८	व	१९	३५	१०	२२	३८	२०	२८	५	म.३१।५	भ. १९।३५उ.४८।१८या. सरस्वती पूज.
८	चं	१७	२	उ	१५	५८	धृ	२६	४९	ब	१७	२	६	२३	३७	२१	२९	६	मकरे	वलिदानम् ×सरस्वत्यावाहनम्
९	मं	१७	८	श्र	१७	१७	शू	२३	५१	कौ	१७	८	२	२४	३६	२२	३०	७	कु.४८।४७	विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
१०	बु	१८	४५	ध	२०	१७	गं	२२	१२	ग	१८	४५	२७/५८	२४	३६	२३	१	८	कुम्भे	भ.५१/११ उ. स्वात्यां रविः ४४/७ रा आश्विना.
११	गु	२१	३८	श	२४	२९	वृ	२१	३८	वि	२१	३८	५४	२५	३५	२४	२	९	कुम्भे	भ. २१।३८ या. स्वात्यां रविः सौरः १३/२४+
१२	शु	२५	४६	पू	२९	४७	ध्रु	२२	८	बा	२५	४६	५०	२६	३४	२५	३	१०	मी१३।२८	+पापांकुशा ११ व्र.
१३	श	३०	३४	उ	३५	५०	व्या	२२	५२	तै	३०	३४	४६	२७	३३	२६	४	११	मीने	वृश्चिके बुधः ४०।३१ प्रदोषः
१४	र	३६	३२	रे	४२	५२	ह	२४	२८	ग	३	३३	४२	२८	३२	२७	५	१२	मे.४२।५२	भ. ३६।३२ उ. कोजागरी व्र.
१५	चं	४२	३०	अ	५०	१	व	२६	२३	वि	९	३१	३९	२८	३२	२८	६	१३	मेषे	भ. ९।३१ या. खग्रास चन्द्रग्रहणम्

२८पं.आ.शु.६श.इ.३४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	९	५	७	०	६
२	१	१९	१४	१०	३	१६	२
३१	१७	५५	१	९	७	२	१
३४	६	१६	४४	१४	८	१४	५०
५९	३८	९०	२	७३	६	३	५९
३४	२७	३१	४६	५६	३८	११	४६

गोचरग्रहाः

आश्वि.कृ.४ गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

२९पं.आ.शु.१३श.इ.३४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	९	५	७	०	६
९	५	२९	१४	१८	३	१५	९
२९	३८	५१	२८	५१	५३	३९	१
४९	३५	४३	४४	१४	२८	५९	१०
५९	३८	८२	४	७३	६	३	६०
४७	१७	४८	४	५८	५७	११	५२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												वि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	४८	४१	भ	५७	२६	सि	२८	३२	बा	१५	४२	२७/३५	६/२९	५/३१	२९	७	१४	मेषे	अनु. बुधः ५।२६
२	बु	५५	१०	कृ	६०	०	व्य	३०	४५	तै	२१	५६	३१	३०	३०	३०	८	१५	वृ.१४।१९	चित्रायां शुक्रः ७।२४
३	गु	६०	०	कृ	५	०	व	३३	२	व	२८	१२	२७	३१	२९	३१	९	१६	वृषे	भ. २८।१२ उ.
३	शु	१	१३	रो	१२	२३	प	३५	०	वि	१	१३	२४	३१	२९	१	१०	१७	मि४५।४३	भ. १।१३ या. नवम्बरमा. ११ ता. ३०●
४	श	६	३७	मृ	१९	४	शि	३६	२५	बा	६	३७	२०	३२	२८	२	११	१८	मिथुने	हस्ते भौमः ३१।१० ●चतुर्थी व्र.
५	र	११	१४	आ	२४	४९	सि	३७	१४	तै	११	१४	१६	३३	२७	३	१२	१९	मिथुने	
६	चं	१४	४६	पु	२९	३४	सा	३७	०	व	१४	४६	१३	३३	२७	४	१३	२०	क.१३।२२	भ.१४।४६उ.४५।४८या. तुलायां शुक्रः×
७	मं	१६	५०	पु	३२	४६	शु	३५	४४	ब	१६	५०	९	३४	२६	५	१४	२१	कर्के	
८	बु	१७	२	श्ले	३४	२०	शु	३३	५	कौ	१७	२	६	३५	२५	६	१५	२२	सिं३४।२०	विशा.रविः ३४/० (सौरः ३०/५३) अस्तं शनेः ३०/३७
९	गु	१५	३६	म	३४	१४	ब्र	२८	५०	ग	१५	३६	२	३६	२४	७	१६	२३	सिंहे	भ. ४३।५६ उ. ×३१।३५
१०	शु	१२	१७	पू	३२	०	ऐं	२३	११	वि	१२	१७	२६/५९	३६	२४	८	१७	२४	कं.४६।११	भ. १२।१७ या.
११	श	६	५२	उ	२८	२	वै	१५	५५	बा	६	५२	५६	३७	२३	९	१८	२५	कन्यायां	ज्येष्ठा. बुधः ३७।१५ स्वात्यां शुक्रः ५०/२९+
१२	र	०	३	ह	२२	२९	वि	७/२८	५०/२४	तै	०	३	५३	३७	२३	१०	१९	२६	तु.४९।४	भ. ५१।४३ उ. प्रदोषः घन १३
१३	र	५१	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं	४२	२३	चि	१५	४०	आ	४७	१६	वि	१७	३	४९	३८	२२	११	२०	२७	तुलायां	भ. १७।३ या. रूप १४
३०	मं	३२	४३	स्वा	८	१३	सौ	३६	११	च	७	३३	४६	३९	२१	१२	२१	२८	वृ.४७।२१	महालक्ष्मी पूजनम् +रमा ११ व्र.

३०पं.का.कृ.४श.इ.३४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	५	७	०	६
१६	१०	८	१५	२७	४	१५	१६
२९	२	५७	४	३५	४०	१७	२
३८	२	७	१९	२०	३७	४३	१४
६०	३८	७२	६	७४	७	३	६०
४	२६	२	१४	२	५	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मासमें मंगलवार की दीपमालिका श्रेष्ठ नहीं है। धान्य रुई तिल तेल गुड़ चावल के संचय से लाभ होगा।

गोचरग्रहाः

३१पं.का.कृ.११श.इ.३४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	६	७	०	६
२३	१४	१६	१५	६	५	१४	२३
३०	२४	३७	४८	१९	२९	५५	४
५८	५०	३४	१८	४८	२४	२७	५०
६०	३८	५३	६	७४	७	३	६०
१७	१५	२	११	८	१४	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६०५सन्१९८५
१	बु	२२	४३	वि	२३	५२/१६	शो	२५	७	किं	२२	४३	२६/४३	६/३९	५/२१	१३	२२	२९	वृश्चिके	अन्नकूट गावर्द्धन पूजा ●गुरुः ३४/१२
२	गु	१३	३४	ज्ये	४५	४६	अ	१४	२१	बा	१३	३४	४०	४०	२०	१४	२३	३०	ध.४५।४६	भ्रातृ २ यम २ चन्द्रदर्शनम्
३	शु	५	२६	मू	४०	५	सु	२४/३	५०/५४	तै	५	२६	३७	४१	१९	१५	२४	१	धनुषि	भ. ३२।९ उ. ५८।५२ या. रविलावल ३
४	शु	५३	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+मार्गशीर्षारंभः प्रबोधिनी ११व्र.स्मा तु.वि.
५	श	५३	५६	पू	३६	८	शू	४७	४६	ब	२६	२४	३४	४१	१९	१६	२५	२	म.५०।३७	वृश्चिकेऽर्कः ०।३२(सौरः ३५/१०)श्रवणे ३●
६	र	५०	५९	उ	३४	७	गं	४२	५	कौ	२२	२८	३१	४२	१८	१७	२६	३	मकरे	
७	चं	५०	१९	श्र	३३	५५	वृ	३७	४२	ग	२०	३९	२९	४२	१८	१८	२७	४	मकरे	भ. ५०।१९ उ. वक्री बुधः ११।२८
८	मं	५२	२५	ध	३५	५६	ध्रु	३४	५६	वि	२१	२२	२६	४३	१७	१९	२८	५	कुं.४।५६	भ. २१/२२ या. अनु. रविः १६/५२(सौरः४३/५८)×
९	बु	५४	१८	श	३९	३८	व्या	३३	४२	बा	२३	२२	२४	४३	१७	२०	२९	६	कुम्भे	विशा. शुक्रः २६।५५ अक्षय ९
१०	गु	५८	४२	पू	४४	५२	ह	३३	५५	तै	२६	३०	२१	४४	१६	२१	३०	७	मी२८।३३	×अनु. २ शनिः २८।३ गोपाष्टमी
११	शु	६०	०	उ	५१	५	व	३४	४४	व	३१	२३	१९	४४	१६	२२	१	८	मीने	भ. ३१/२३ उ. बुधास्तः पश्चिमायाम् ४९/३७ रा.+
११	श	४	४	रे	५८	२५	सि	३६	३१	वि	४	४	१६	४५	१५	२३	२	९	मे.५८।२५	भ. ४/४ या. चित्रा. भौमः ५ ३/६ प्रबोधिनी ११वै.व्र.
१२	र	१०	२२	अ	६०	०	व्य	३८	३८	बा	१०	२२	१३	४५	१५	२४	३	१०	मेषे	प्रदोषः
१३	चं	१६	४३	अ	५	३७	व	४०	५३	तै	१६	४३	११	४६	१४	२५	४	११	मेषे	वक्री अनु. बुधः ५८।४३ वैकुंठ १४
१४	मं	२३	४	भ	१३	१८	प	४३	४	व	२३	४	८	४६	१४	२६	५	१२	वृ.३०।८	भ. २३।४ उ. ५६।११ या.
१५	बु	२९	१९	कृ	२०	३८	शि	४५	३	ब	२९	१९	६	४७	१३	२७	६	१३	वृषे	मन्वादिः कार्तिक स्नान समाप्तिः

३२पं.का.शु.५श.इ.३३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	९	६	७	०	७
०	१८	२०	१६	१५	६	१४	०
३३	४९	२२	३९	५	१८	३३	८
४७	५२	१९	५८	३८	४३	१२	५४
६०	३८	१५	७	७४	७	३	६०
३०	३	५६	२०	२०	२०	११	४०

गोचरग्रहाः

का.शु. ५ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा. ३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

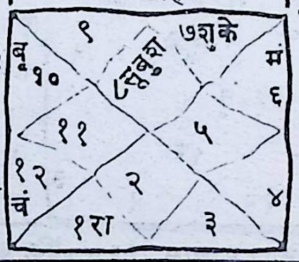

३३पं.का.शु.११श.इ.३३।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	९	६	७	०	७
७	२३	१९	१७	२३	०	१४	७
३७	७	८	३८	५२	८	१०	१४
३७	४१	२	५६	३९	४९	५६	२७
६०	३८	६१/१४	८	७४	७	३	६०
४२	५	व	२३	२०	२०	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे कार्ति. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३५	५	रो	२७	४३	सि	४६	५३	बा	२	१३	२६/३	६/४७	५/१३	२८	७	१४	वृषे	वृश्चिके शुक्रः २३।५८
२	शु	४०	१४	मृ	३४	५	सा	४७	५८	तै	७	४०	१	४८	१२	२९	८	१५	मि०।५४	
३	श	४४	२०	आ	३९	४३	शु	४८	३२	व	१२	१७	२५/५९	४८	१२	३०	९	१६	मिथुने	भ. १२।१७ उ. ४४।२० या.
४	र	४७	२६	पु	४४	२३	शु	४८	२४	ब	१५	५३	५५	४९	११	१	१०	१७	क.२८।१३	अनु. शुक्रः ५।१२ दिसम्बर मा. १२ ता.●
५	चं	४९	४०	पु	४८	२	ब्र	४७	१६	कौ	१८	३३	५७	४९	११	२	११	१८	कर्के	ज्येष्ठा. रविः २९।२ (सौरः ५०।५८)
६	मं	५०	२९	श्लै	५०	२५	ऐं	४५	१९	ग	२०	४	५३	४९	११	३	१२	१९	सिं५०।२५	भ. ५०।२९ उ. ●३१ चतुर्थी व्र.
७	बु	५०	४	म	५१	२९	वै	४२	१६	वि	२०	१६	५१	५०	१०	४	१३	२०	सिंहे	भ. २०।१६ या. तुलायां भौमः ३९।२३×
८	गु	४८	९	पू	५१	८	वि	३८	१	बा	१९	६	४९	५०	१०	५	१४	२१	सिंहे	×बुधोदयः पूर्वस्याम् २३।४
९	शु	४४	२८	उ	४९	१३	प्री	३२	२९	तै	१६	१९	४८	५०	१०	६	१५	२२	कं.५।३९	
१०	श	३९	३१	ह	४५	२९	आ	२५	४६	व	११	५९	४६	५१	९	७	१६	२३	कन्यायां	भ. ११।५९ उ. ३३/९१ या. श्रवणे४गुरुः ५७/४५
११	र	३३	१	चि	४१	५	सौ	१७	४४	ब	६	१६	४५	५१	९	८	१७	२४	तु.१३।२६	मार्गी बुधः ४२।५ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	चं	२५	२५	स्वा	३५	२	शो	५८/०	५०/७	तै	२५	२५	४४	५१	९	९	१८	२५	तुलायां	आश्विनी ४ राहुः स्वाती २ केतुः ३४/१५+
१३	मं	१६	५४	वि	२८	९	सु	४८	३७	व	१६	५४	४२	५२	८	१०	१९	२६	वृ.१४।५७	भ. १६।५४ उ. ४२।१९ या.
१४	बु	७	४४	अ	२०	४४	धृ	३७	५५	श	७	४४	४१	५२	८	११	२०	२७	वृश्चिके	ज्येष्ठा. शुक्रः ३७।१७
३०	बु	५१	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+उदयं शनेः४८।५२ प्रदोषः

३४पं.मा.कृ.३श.इ.३३।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	९	७	७	०	७
१४	२७	१०	१८	२	२७	१३	१४
४२	२८	४९	४३	४०	५८	४८	२१
५४	४१	४४	५५	४१	४४	४०	१४
६०	३०	६३/५३	९	७४	७	३	६१
५०	४४	व	१६	२६	२०	११	३

गोचरग्रहाः

इस मासमें अमावस्या को ५ ग्रहों का योग होरहा हैं यहां पूर्व ही मंदी वस्तु का संग्रह करना लाभ होगा.

गोचरग्रहाः

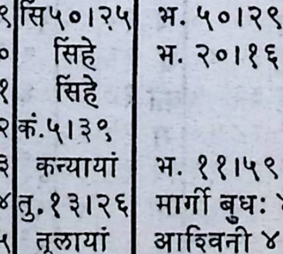

३५पं.मा.कृ.१०श.इ.३३।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	९	७	७	०	७
२१	१	५	१९	११	८	१३	२१
४८	४८	५	५५	२९	४८	२६	२८
५८	३६	४२	५५	३५	११	२५	५८
६०	३७	२९/१	१०	७४	८	३	६१
५६	२८	व	१	२६	१४	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः	सं. २०४२	शाकः	१९०७								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	गु	४९	४६	ज्ये	१३	३२	शू	२७	२४	किं	२४	६	२५/४०	५६/५२	५/८	१२	२१	२८	ध.१३।३२
२	शु	४२	४	मू	७	३	गं	१७	२८	बा	१५	५५	३९	५२	८	१३	२२	२९	धनुषि
३	श	३६	१	पू	३६/५	५६/१०	वृ	८	३१	तै	९	२	३८	५२	८	१४	२३	१	म.१५।३८
४	र	३१	३४	श्र	५५	३९	ध्रु	५८/०	५७/५८	व	३	४७	३८	५२	८	१५	२४	२	मकरे
५	चं	२९	२९	ध	५५	५२	ह	५०	४०	ब	०	२९	३७	५३	७	१६	२५	३	कु.२५।४५
६	मं	२९	२६	श	५७	५७	व	४८	५	तै	२९	२६	३७	५३	७	१७	२६	४	कुम्भे
७	बु	३१	२३	पू	६०	०	सि	४७	१४	ग	०	४९	३७	५३	७	१८	२७	५	मी४६।१३
८	गु	३५	२२	पू	२	१८	व्य	४७	१४	वि	३	२२	३६	५३	७	१९	२८	६	मीने
९	शु	४०	३२	उ	८	१	व	४८	३१	बा	७	५७	३६	५३	७	२०	२९	७	मीने
१०	श	४७	०	रे	१४	५३	प	५०	३९	तै	१३	४६	३६	५३	७	२१	३०	८	मे.१४।५३
११	र	५३	२५	अ	२२	१३	शि	५२	४९	व	२०	१३	३६	५३	७	२२	१	९	मेषे
१२	चं	६०	०	भ	२९	५९	सि	५५	१९	ब	२६	४३	३६	५३	७	२३	२	१०	वृ.४६।५०
१२	मं	०	२	कृ	३७	२४	सा	५७	१८	बा	०	२	३७	५३	७	२४	३	११	वृषे
१३	बु	६	४	रो	४४	२४	शु	५८	५२	तै	६	४	३७	५३	७	२५	४	१२	वृषे
१४	गु	११	३५	मृ	५०	२८	शु	५९	३८	व	११	३६	३७	५३	७	२६	५	१३	मि१७।२६
१५	शु	१६	४	आ	५५	३१	ब्र	५९	४४	ब	१६	४	३८	५२	८	२७	६	१४	मिथुने

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६३४ स.१९८५

चंद्रदर्शनम्
रविलाखर ४
भ.३।४७ उ.३३/३४ या. मूलेधनुष्यर्कः ३६/१४*
*सौरः५३/४२स्वात्यांभौमः२४।२ पातस्पर्शः+
चंपा ६ +१८।११ पातमोक्षः ३६।५
भ. ३१।२३ उ. अनु. ३ शनिः ८।५९
भ. ३।२२ या.

भ.३०/१३ उ.५३/२५ या. ज्येष्ठा. बुधः ५३/४५ मूले×
×धनुषि शुक्रः १५/३३ मोक्षदा ११ व्र. गीता=
प्रदोषः =जयंती रा. पौषारंभः
धनि.१ गुरुः५१/४९ शुक्रास्तःपूर्वस्यां४३/४८ शु.
भ.११।३५ उ.४३/५० या. दत्तजयंती अ.पू.

३६पं.मा.शु.३श.इ.३३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	९	७	७	०	७
२८	६	७	२१	२०	९	१३	२८
५५	७	४२	१२	१८	३६	४	३७
५२	३७	७	३२	७	४३	९	४१
६१	३७	४७/०	५०	७४	७	३	६१
०	४५	मा	४७	२६	२	११	१९

गोचरग्रहाः

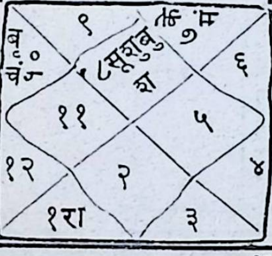

मार्ग. शु. ४ रवौ धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.३० (धान्यादि भावे समता) शुक्रोदयं पूर्वे।

गोचरग्रहाः

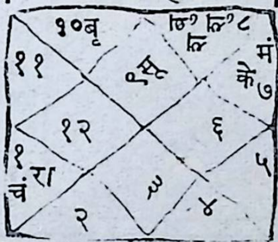

३७पं.मा.शु.१०श.इ.३२।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	९	७	७	०	८
६	१०	१५	२२	२९	१०	१२	५
३	२७	४	३४	७	२३	४१	४७
२९	४७	३०	३४	५	२४	५४	६
६१	३७	७०	११	७४	६	३	६१
४	२२	५५	२०	३२	५३	११	२२

ति.	पौष	कृष्णपक्ष	सं. २०४२	शाकः	१९०७								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	श	१९	२६	पु	५९	४२	ऐं	५९	४	कौ	१९	२६	३५/३८	५६/५२	५/८	२८	७	१५	क.४३।४०
२	र	२१	५२	पु	६०	०	वै	५७	२६	ग	२१	५२	३९	५२	८	२९	८	१६	कर्के
३	चं	२३	५	पु	२	४०	वि	५५	९	वि	२३	५	४०	५२	८	३०	९	१७	कर्के
४	मं	२३	२०	श्ले	४	४१	प्री	५२	३	बा	२३	२०	४०	५२	८	३१	१०	१८	सिं४।४१
५	बु	२२	३७	म	५	५०	आ	४८	५	तै	२२	३७	४१	५२	८	१	११	१९	सिंहे
६	गु	२०	५८	पू	५	५७	सौ	४३	१३	व	२०	५८	४२	५२	८	२	१२	२०	कं.२०।४२
७	शु	१८	७	उ	४	५६	शो	३७	[illegible]	ब	१८	७	४३	५१	९	३	१३	२१	कन्यायां
८	श	१४	१७	ह	२	५९	अ	३१	१२	कौ	१४	१७	४४	५१	९	४	१४	२२	तु.३१।३०
९	र	९	३७	चि	०/१	५६/७	सु	२४	१	ग	९	३७	४६	५१	९	५	१५	२३	तुलायां
१०	चं	३	५३	वि	५१	१३	धृ	१५	५५	वि	३	५३	४७	५१	९	६	१६	२४	वृ.३७।२६
११	चं	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	मं	४९	५५	अ	४५	४४	शू	७/८	५०/५६	कौ	२३	३५	४९	५०	१०	७	१७	२५	वृश्चिके
१३	बु	४२	९	ज्ये	३९	५२	वृ	४८	२८	ग	१६	१	५१	५०	१०	८	१८	२६	ध.३९।५२
१४	गु	३४	२०	मू	३४	०	ध्रु	३९	१०	वि	८	१४	५२	५०	१०	९	१९	२७	धनुषि
३०	शु	२७	८	पू	२८	२७	व्या	३०	१४	च	०	४७	५४	४९	११	१०	२०	२८	म.४२।१८

शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पूषा. रविः ४१।१० (सौरः ५५।२०)
भ. ५२।२८ उ.
भ. २३।५ या. चतुर्थी व्र.

मूले धनुषि बुधः३४।४३ पूषा. शुक्रः ४७/५०+
भ. २०।५८ उ. ४९।३२ या.
+जनवरी मा. १ ता.३१ सन् १९८६

भ. ३६।४५ उ.
भ.३।५३या. विशा. भौमः७।३८ सफला=
×बुधास्तः पूर्वस्यां ३४।५५
सफला ११ व्र. वै. =११ व्र. स्मा.
भ. ४२।९ उ. प्रदोषः
भ. ८।१४ या. धनि. २ गुरुः ४९।१५
उषा.रविः४५/५४ (सौरः ५६/४७) पूषा. बुधः ३९/२४×

३८पं.पौ.कृ.१ श.इ.३२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	९	८	७	०	८
१३	१४	२४	२४	७	११	१२	१२
११	४४	२८	०	५६	९	१९	५६
३१	५८	५५	१८	११	१८	३८	५८
६१	३७	८३	१२	७४	६	३	६१
६	२०	७	२	३२	३७	११	२६

गोचरग्रहाः

पौष शु. ४ भौमे मकरेऽर्कः प्र. वा. ३न.३ बृद्धावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदय पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

३९पं. पौ.कृ.८ श.इ.३२।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	८	७	०	८
२०	१९	४	२५	१६	११	११	२०
१९	१	२९	२९	४४	५२	५७	६
२६	१०	२	४२	४९	३६	२२	५५
६१	३७	९०	१२	७४	६	३	६१
६	१७	४१	२२	३२	२०	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	२०	५२	उ	२३	५९	ह	२२	४	ब	२०	५२	२५/५६	४९/६	११/५	११	२१	२९	मकरे
२	र	१५	५४	श्र	२१	१	व	१५	११	कौ	१५	५४	५८	४८	१२	१२	२२	३०	कुं.५०।२६
३	चं	१२	५९	ध	१९	५०	सि	९	३८	ग	१२	५९	२६/१	४८	१२	१३	२३	१	कुम्भे
४	मं	११	५६	श	१९	४०	व्य	५	३१	वि	११	५६	३	४७	१३	१४	२४	२	कुम्भे
५	बु	१२	५०	पू	२२	२२	व	३	२२	बा	१२	५०	५	४७	१३	१५	२५	३	मी८।११
६	गु	१५	५०	उ	२६	५८	प	२	४५	तै	१५	५०	८	४६	१४	१६	२६	४	मीने
७	शु	२०	२२	रे	३४	३	शि	३	३	व	२०	२२	१०	४६	१४	१७	२७	५	मे.३४।३
८	श	२६	२५	अ	४१	८	सि	४	३५	ब	२६	२५	१२	४६	१४	१८	२८	६	मेषे
९	र	३२	४२	भ	४८	४३	सा	६	२८	कौ	३२	४२	१५	४५	१५	१९	२९	७	मेषे
१०	चं	३९	१२	कृ	५६	१७	शु	८	५३	तै	५	५७	१७	४५	१५	२०	३०	८	वृ.५।३५
११	मं	४५	२०	रो	६०	०	शु	१०	५८	व	१२	१६	२०	४४	१६	२१	१	९	वृषे
१२	बु	५०	४६	रो	३	१८	ब्र	१२	४४	ब	१८	३	२२	४४	१६	२२	२	१०	मि३६।२३
१३	गु	५४	५६	मृ	९	२९	ऐं	१३	४७	कौ	२२	५१	२५	४३	१७	२३	३	११	मिथुने
१४	शु	५७	४०	आ	१४	२०	वै	१३	२८	ग	२६	१८	२७	४३	१९	२४	४	१२	मिथुने
१५	श	५९	७	पु	१८	३	वि	१२	२३	वि	२८	२३	३०	४२	१८	२५	५	१३	क. २।८

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४६६४ स.१९८६

उषा. शुक्रः २६।१ चंद्रदर्शनम्
भ. ४२।२७ उ. जमादिलावल ५
भ.५१/६६ या. मकरेऽर्कः २।१८(सौरः १३/१२)
मकरे शुक्रः ३।१८

भ. २०।२२ उ. ५३।२३ या.
उषा. बुधः ५६।३४ *पुत्रदा ११ व्र.
अनु. ४ शनिः ५७।४०
अभि.प्र.रविः ३५/३ (सौरः ४३/३४) मकरेबुधः ५९/३०
भ.१२।१६ उ.४५।२०या. रा.माघारंभः*
वृश्चिके भौमः ४५/४१ श्रवणे शुक्रः ५९/५२
श्रवणे रविः ५१/२६ (सौरः ५९/३१) प्रदोषः
भ.५७/४० उ. अभि.नि. रविः ४३/५५ (सौरः ५१/४७)+
भ. २८।२३ या. +धनि.३ गुरुः२१।९

४०पं.पौ.शु.१ श.इ.२३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	८	७	०	८
२७	२३	१५	२७	२५	१२	११	२७
२७	१६	१	२	३३	३३	३५	१६
४०	२६	१८	२	४०	१८	७	४७
६१	३६	९६	१२	७४	५	३	६१
६	५७	२	४७	३८	५९	११	२४

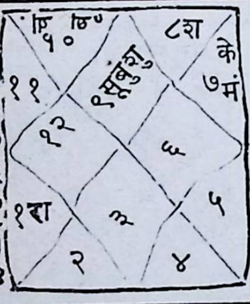

४१पं. पौ.शु.८श.इ.३२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	९	९	७	०	९
४	२७	२६	२८	४	१३	११	४
३५	२९	०	३८	२०	१२	१२	२६
३१	२०	६	६	२४	११	५१	१६
६१	३६	०/०	१३	७४	५	३	६१
३	३८	९/११	११	३८	३१	११	१९

४२पं.पौ.शु.१५श.इ.३२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	१०	९	७	०	९
११	१	७	०	१३	१३	१०	११
४२	४२	२३	१५	९	४७	५०	३५
५८	४	५६	१४	५८	४६	३६	७
६०	३६	०/०	१३	७४	५	३	६१
५९	४०	३७	२०	३८	४	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	५९	१२	पु	२०	२३	प्री	१०	१५	बा	२९	१०	२६/३३	४५/६	१९/५	२६	६	१४	कर्के
२	चं	५८	११	श्ले	२१	२३	आ	७	८	तै	२८	४२	३६	४१	१९	२७	७	१५	सिं२१।२३
३	मं	५६	९	म	२१	२४	सौ	३/५	५५/१३	व	२७	१०	३९	४०	२०	२८	८	१६	सिंहे
४	बु	५३	२०	पू	२०	४७	अ	५४	२	ब	२४	४५	४२	४०	२०	२९	९	१७	कं.३५।२१
५	गु	४९	४३	उ	१९	२	सु	४७	१	कौ	२१	३१	४६	३९	२१	३०	१०	१८	कन्यायां
६	शु	४५	५३	ह	१६	५९	धृ	४०	४९	ग	१७	४८	४९	३८	२२	३१	११	१९	तु.४५।३८
७	श	४१	३४	चि	१४	१८	शू	३४	१२	वि	१३	४३	५२	३८	२२	१	१२	२०	तुलायां
८	र	३६	४७	स्वा	११	२२	गं	२७	१६	बा	९	११	५५	३७	२३	२	१३	२१	वृ.५३।२३
९	चं	३१	४१	वि	८	३	वृ	१९	५०	तै	४	१४	५९	३६	२४	३	१४	२२	वृश्चिके
१०	मं	२५	५५	अ	४	१७	ध्रु	१२	१९	वि	२५	५५	२७/२	३६	२४	४	१५	२३	वृश्चिके
११	बु	२०	९	ज्ये	१४/०	५५/५०	व्या	२४/७	५३/११	बा	२०	९	६	३५	२५	५	१६	२४	ध.०।१४
१२	गु	१४	१३	पू	५२	२	व	५८	४८	तै	१४	१३	९	३४	२६	६	१७	२५	धनुषि
१३	शु	८	३१	उ	४८	३२	सि	५९	४५	व	८	३१	१३	३३	२७	७	१८	२६	म. ६।९
१४	श	३	२४	श्र	४५	५५	व्य	६०	३८	श	३	२४	१६	३३	२७	८	१९	२७	मकरे
३०	श	५५	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

श्रवणे बुधः ३।४
भ. २७/१० उ. ५६।९ या. अनु. भौमः १२/५७
चतुर्थी व्र.

भ. ४५।५३ उ.
भ. १३।४३ या. फरवरी मा. २ ता. २८
धनि. शुक्रः ३९।२१
भ. ५८।४८ उ.
भ. २५।५५ या. धनि. बुधः ४८।४७
धनि. रविः ५९।४७ पट्तिला ११ व्र.
धनि. रविः सौरः ५।२२ प्रदोषः
भ. ८।३१ उ. ३५/५७ या. कुंभे बुधः ४२/३२×
अस्तं गुरोः ३४।४८
×कुंभे शुक्रः ५७।३९ धनि. ४ गुरुः २६/४३

४३पं.मा.कृ.७ श.इ.३२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	१०	९	७	०	९
१८	५	१९	१	२१	१४	१०	१८
४९	५२	१५	५४	५७	१९	२८	४३
२६	२६	२२	३२	२२	१	२०	१०
६०	३६	०	१२	७४	४	३	६१
५५	१	५८	३२	३२	३५	११	४

गोचरग्रहाः

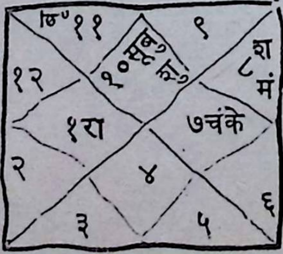

इस मास में गुरु अस्त और पश्चिम में शुक्र का उदय होगा। यह हरेक वस्तु में घटाबढ़ी अधिक करेंगे।

गोचरग्रहाः

४४पं.मा.कृ.१४ श.इ.३३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१०	१०	७	०	९
२५	१०	१	३	०	१४	१०	२५
५५	०	३१	३४	४३	४६	६	४९
१६	२५	५५	१६	५५	२६	४	५७
६०	३५	०	१३	७४	३	३	६०
४६	३१	७	३२	३२	५९	११	५५

*बुबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	र	५६	१२	ध	४४	२९	व	२९	२३	किं	२६	२६	२७/२०	६/३२	५/२८	९	२०	२८	कुं. १५।१२
२	चं	५४	५५	श	४४	४५	प	२४	५७	बा	२५	३४	२४	३१	२९	१०	२१	२९	कुम्भे
३	मं	५५	२०	पू	४६	३५	शि	२१	५४	तै	२५	८	२७	३१	२९	११	२२	१	मी३१।८
४	बु	५७	४७	उ	५०	१०	सि	२०	१९	व	२६	३४	३१	३०	३०	१२	२३	२	मीने
५	गु	६०	०	रे	५५	१५	सा	१९	५०	ब	२९	४६	३५	२९	३१	१३	२४	३	मे. ५५।१५
५	शु	१	४५	अ	६०	०	शु	२०	५३	बा	१	४५	३८	२८	३२	१४	२५	४	मेषे
६	श	७	५	अ	१	४५	शु	२३	२३	तै	७	५	४२	२८	३२	१५	२६	५	मेषे
७	र	१३	१०	भ	९	२	ब्र	२४	३५	व	१३	१०	४६	२७	३३	१६	२७	६	वृ. २५।५८
८	चं	१९	३४	कृ	१६	४४	ऐं	२६	५०	ब	१९	३४	५०	२६	३४	१७	२८	७	वृषे
९	मं	२५	५४	रो	२३	५५	वै	२८	४६	कौ	२५	५४	५४	२५	३५	१८	२९	८	मि५७।१८
१०	बु	३१	२८	मृ	३०	४२	वि	३०	९	ग	३१	२८	५८	२४	३६	१९	३०	९	मिथुने
११	गु	३६	४३	आ	३५	५२	प्री	३०	२९	व	३	४२	२/२	२४	३६	२०	१	१०	मिथुने
१२	शु	३८	१९	पु	३९	४२	आ	२९	३८	ब	७	१	६	२३	३७	२१	२	११	क. २३।४४
१३	श	३९	१६	पु	४१	४७	सौ	२७	२१	कौ	८	४७	१०	२२	३८	२२	३	१२	कर्के
१४	र	३८	३०	श्ले	४२	२५	शो	२३	४७	ग	८	५३	१४	२१	३९	२३	४	१३	सिं४२।२५
१५	चं	३६	१३	म	४१	१७	अ	१९	७	वि	७	२२	१८	२०	४०	२४	५	१४	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:४६९३ स.१९८६

अश्वि. ३राहुः स्वाती१केतुः ३४/३१ चंद्रदर्शनं
शते बुधः २२।४२ जमादिलाखर ६
भ. ३६/३४ उ. ५७/४७या. कुंभेऽर्कः ३५/२ सौरः ३९/५९*
शते शुक्रः १९।२९ वसंतपंचसी
*शुक्रोदयः पश्चिमायां ५९/४८ शु.उ.प.

भ. १३।१० उ. ४६।२२ या. भानु ७
बुधोदयः पश्चि. ३६।२५ भीष्माष्टमी
पूभा. बुधः ४०।२४
शते रविः ११।२३ (सौरः १४।४१)
भ. ३।४२ उ. ३६/४३ या. ज्ये. भौमः ३।३=
शतभिषा १ गुरुः २२।५५
प्रदोषः =रा.फाल्गुनारम्भः जया ११ व्र.
भ. ३८।३० उ. पूभा. शुक्रः ५७।४६
भ. ७।२२ या. मीने बुधः ४७।३

४५पं.मा.शु.६श.इ.३३।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१०	१०	७	०	१०
३	१४	१४	५	९	१५	९	२
०	५	२२	१५	२९	१०	४३	५६
४	२०	१२	२८	५३	५९	४९	०
६०	३५	१/०	१३	७४	३	३	६०
३७	११	९/१७	३८	३२	१८	११	४२

गोचरग्रहाः

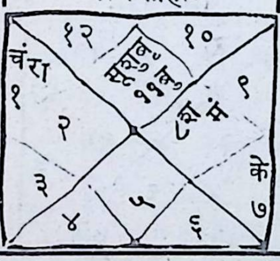

माघ शु. ४ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु.४५ (धान्यादि भावे समर्घता) शुक्रोदयं प.।

गोचरग्रहाः

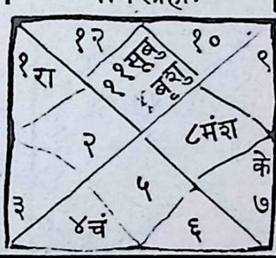

४६पं.मा.शु.१३श.इ.३३।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	१०	१०	७	०	१०
१०	१८	२६	६	१८	१५	९	१०
३	६	२८	५६	१५	३०	२१	०
३२	२०	२७	२	०	२५	२३	३३
६०	३४	९५	१३	७४	२	३	६०
२५	२६	२	३८	३२	३७	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चंन्द्रः
१	मं	३२	४४	पू	३९	२३	सु	१३	२९	बा	४	२९	२८/२२	६/२०	५/४०	२५	६	१५	कं. ५३।३७
२	बु	२८	२३	उ	३६	१७	धृ	६/५४	५२/५०	तै	०	३४	२६	१९	४१	२६	७	१६	कन्यायां
३	गु	२३	३	ह	३२	५०	गं	५२	३२	वि	२३	३	३०	१८	४२	२७	८	१७	कन्यायां
४	शु	१७	३३	चि	२९	११	वृ	४५	५	बा	१७	३३	३४	१७	४३	२८	९	१८	तु. १।१
५	श	१२	६	स्वा	२५	३१	ध्रु	३७	४९	तै	१२	६	३८	१६	४४	१	१०	१९	तुलायां
६	र	६	४६	वि	२१	५२	व्या	३०	१६	व	६	४६	४२	१६	४४	२	११	२०	बृ. ७।४६
७	चं	१	३५	अ	१८	२१	ह	२३	११	ब	१	३५	४६	१५	४५	३	१२	२१	बृश्चिके
८	चं	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	मं	५१	३८	ज्ये	१५	१०	व	१६	५	तै	२४	४	५०	१४	४६	४	१३	२२	ध. १५।१०
१०	बु	४७	८	मू	१२	१२	सि	९	२७	व	१९	२३	५४	१३	४७	५	१४	२३	धनुषि
११	गु	४२	५९	पू	९	४५	व्य	३/७	५४/१	ब	१५	४	५८	१२	४८	६	१५	२४	म. २४।१४
१२	शु	३९	३१	उ	७	४३	प	५१	४४	कौ	११	१५	२९/२	१२	४८	७	१६	२५	मकरे
१३	श	३६	४३	श्र	६	१९	शि	४७	१	ग	८	७	७	११	४९	८	१७	२६	कु. ३५।३०
१४	र	३४	५५	ध	५	४१	सि	४३	८	वि	५	४९	१०	१०	५०	९	१८	२७	कुम्भे
३०	चं	३४	२०	श	६	२४	सा	४०	१०	च	४	३७	१४	९	५१	१०	१९	२८	मी५२।५५

वसन्तर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ५५।४३ उ.
भ. २३।३या. उभा. बुधः १४/५ चतुर्थी व्र.

मार्च मा. ३ ता. ३१
भ. ६।४६ उ. ३४।१० या.
मीने शुक्रः ५९।४०
*प्रदोषः महाशिवरात्री व्र. स्मा.
पूफा. रविः २७।२८ (सौरः २९।२८)
भ. १९।२३ उ. ४७।८ या.
उभा. शुक्रः ३९।४७ विजया ११ व्र.
वक्रीबुधः२४।१६शतभिषा२गुरुः१७।२८
भ. ३६/४३ उ. बुधास्तः पश्चिमायां ५७।४५*
भ. ५।४९ या. महाशिवरात्री व्र. वै.
सोमवती ३० उदयं गुरोः ६।० उ. गु.

४७पं.फा.कृ.५श.इ.३३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	११	१०	१०	७	०	१०
१७	२२	५	८	२६	१५	८	१७
५	४	३५	३७	५९	४५	५९	३
४६	८	२	१९	२	७	१८	२४
६०	३३	५८	१३	७४	१	३	६०
१२	२९	०	३२	२६	५६	११	२०

गोचरग्रहाः

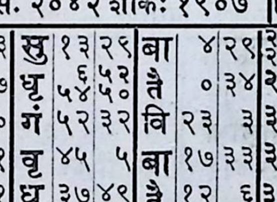

फाल्गुन कारी दूज दिन, निर्मल रहे आकाश। श्रावण भादों जल बहु सुधर जाय चौमास।

गोचरग्रहाः

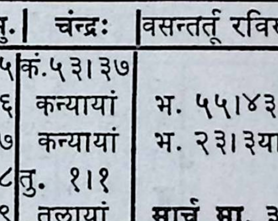

४८पं.फा.कृ.१३श.इ.३४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	११	१०	११	७	८	१०
२४	२५	७	१०	५	१५	८	२४
६	५७	३४	१७	४२	५५	३७	९
२९	२२	४१	५३	१४	१	२	२७
५९	३२	११/३४	१३	७४	१	३	६०
५८	५९	ब	२९	२६	१५	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	मं	३५	०	पू	८	२५	शु	३८	३८	किं	४	४०	२९/५९	६/८	५/५२	११	२०	२९	मीने
२	बु	३७	३१	उ	११	४४	शु	३७	४४	बा	६	१६	२३	७	५३	१२	२१	३०	मीने
३	गु	४१	८	रे	१६	२५	ब्र	३८	१९	तै	९	१९	२७	७	५३	१३	२२	१	मे.१६।२५
४	शु	४६	२२	अ	२२	३४	ऐं	३९	२८	व	१३	४५	३२	६	५४	१४	२३	२	मेषे
५	श	५२	१०	भ	२९	२६	वै	४१	३२	ब	१९	१६	३६	५	५५	१५	२४	३	वृ.४६।१९
६	र	५८	३२	कृ	३६	५५	वि	४३	५३	कौ	२५	२१	४०	४	५६	१६	२५	४	वृषे
७	चं	६०	०	रो	४४	३४	प्री	४६	१६	ग	३१	४३	४४	३	५७	१७	२६	५	बृषे
७	मं	४	५४	मृ	५१	४८	आ	४८	१३	व	४	५४	४९	२	५८	१८	२७	६	मि१८।११
८	बु	१०	४३	आ	५७	४८	सौ	४९	२०	ब	१०	४३	५३	१	५९	१९	२८	७	मिथुने
९	गु	१५	२४	पु	६०	०	शो	४९	१३	कौ	१५	२४	५७	१	५९	२०	२९	८	क.४६।२०
१०	शु	१८	३४	पु	२	३१	अ	४७	४६	ग	१८	३४	३०/५	६०/५	६/०	२१	३०	९	कर्के
११	श	१९	४८	पु	५	२४	सु	४३	५३	वि	१९	४८	६	५९	१	२२	१	१०	कर्के
१२	र	१९	१३	श्ले	६	३२	धृ	४०	२२	बा	१९	१३	१०	५८	२	२३	२	११	सिं६।३२
१३	चं	१६	३९	म	५	४०	शू	३४	२५	तै	१६	३९	१४	५७	३	२४	३	१२	सिंहे
१४	मं	१२	१३	पू	३/५	५६/७	गं	२७	१७	व	१२	१३	१८	५६	४	२५	४	१३	कं.१७।७
१५	बु	६	३५	ह	५४	१२	वृ	१९	११	ब	६	३५	२३	५५	५	२६	५	१४	कन्यायां

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७२३ स.१९८६

फुलरिया २ चन्द्रदर्शनम्
रज्जव ७
भ.१३।४५ उ.४६।२२ या. मीनेऽर्कः ३६/२५*
मूलेधनुषिभौमः ५८।५ वक्रीपूभा.बुधः ४५/५१
उभा. रविः ४९।२९ (सौरः ५०।२४)×
भ. ४।५४ उ. ३७।४८ या. होलाष्टक
वक्री कुम्भे बुधः ९।५७
वक्री शनिः १४।४७ *(सौरः २९।४८)
भ.४९।११उ. शतभिषा.३ गुरुः ३२।३९
भ.५९/४८या. रा.चैत्रारंभः आमलकी ११व्र.
प्रदोषः ×रेवत्यां शुक्रः २३।२६
बुधोदयः पूर्वस्यां २२।५३
भ.१२।१३ उ.३९।२४या. होलिकादहनं+
छारेंडी +भद्रोत्तरे

४९पं.फा.शु.५श.इ.३४।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	१०	११	७	०	११
१	२९	३	११	१४	१६	८	१
५	४७	३१	५६	२४	०	१४	४
४२	२०	१	१३	५४	७	४६	२९
५९	३२	५८/४५	१३	७४	०	३	५९
४१	८	ब	२०	२२	३६	११	४९

गोचरग्रहाः

फाल्गुन शु. ४ शुक्रे मीनेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ (धान्यादिभावे महर्घता) शुक्रो. प.

गोचरग्रहाः

५०पं.फा.शु.११श.इ ३४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	११	७	०	११
८	३	२८	१३	२३	१६	७	८
३	३०	१	३३	५	०	५२	२
१८	२५	५२	२५	१३	०	३१	२४
५९	३०	३६/५९	१३	७४	०/१८	३	५९
२९	५५	ब	१०	२०	ब	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४२ शाकः १९०७												दि.	उ.	अ.	इ.	हिं.	मु.	चन्द्रः
१	बु	५३	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	५२	२६	चि	४९	४६	ध्रु	१०	३५	तै	२६	२	३०/२७	५/५५	६/५	२७	६	१५	तु.२१।५९
३	शु	४४	४९	स्वा	४३	९	व्या	१/३५	५१/५७	व	१८	३७	३१	५४	६	२८	७	१६	तुलायां
४	श	३७	३८	वि	३८	२	व	४४	१	ब	११	१४	३५	५३	७	२९	८	१७	बृ.२४।१९
५	र	३०	५१	अ	३३	१३	सि	३५	४९	कौ	४	१५	३९	५२	८	३०	९	१८	बृश्चिके
६	चं	२४	५२	ज्ये	२९	८	व्य	२८	१३	व	२४	५२	४४	५१	९	३१	१०	१९	ध.२९।८
७	मं	१९	३५	मू	२५	५६	व	२१	१९	ब	१९	३५	४८	५०	१०	१	११	२०	धनुषि
८	बु	१५	११	पू	२३	३७	प	१५	८	कौ	१५	११	५२	५०	१०	२	१२	२१	म.३८।१६
९	गु	११	४०	उ	२२	१३	शि	९	४७	ग	११	४०	५६	४९	११	३	१३	२२	मकरे
१०	शु	९	११	श्र	२१	४७	सि	५	१७	वि	९	११	३१/००	४८	१२	४	१४	२३	कु.५२।१
११	श	८	१४	ध	२२	१६	सा	१/२८	५७/६	बा	८	१४	४	४७	१३	५	१५	२४	कुम्भे
१२	र	७	१०	श	२३	५२	शु	५६	३४	तै	७	१०	८	४६	१४	६	१६	२५	कुम्भे
१३	चं	७	४८	पू	२६	२९	ब्र	५५	१३	व	७	४८	१२	४६	१४	७	१७	२६	मी१०।५०
१४	मं	९	१७	उ	३०	२५	ऐं	५५	८	श	९	१७	१६	४५	१५	८	१८	२७	मीने
३०	बु	१२	१९	रे	३५	१९	वै	५५	२८	ना	१२	१९	२०	४४	१६	९	१९	२८	मे.३५।१९

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. १८।३७ उ. ४४।४९ या. अश्वि. मेषे*
चतुर्थी व्र. *शुक्रः ९।४९
भ.२४।५२ उ.५२।१३या. रेवत्यां रविः×
मार्गी बुधः २।४६ अप्रेल मा.४ ता.३०
शीतलापूजनम्
भ. ४०।२५ उ.
भ. ९।११ या.
शतभिषा. ४ गुरुः २८।२९ पापमोचनी+
प्रदोषः +११ व्रतम्
भ. ७।४८ उ. ३६/३२ या. भरण्यांशुक्रः ५८/३०
×१७।१२ (सौरः १७।५२)
मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.४ श.इ.३५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	०	७	०	११
१४	७	२४	१५	१	१५	७	१४
५९	६	३	९	४५	५५	३०	५८
१३	४३	४८	१४	३२	३७	१५	३१
५९	२९	११/३३	१२	७४	१/०	३	५९
१६	४६	व	४७	१३	ब	११	१८

गोचरग्रहाः

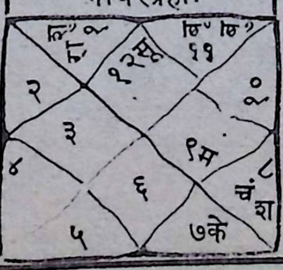

इस मास में सोना चांदी लोहा तांबा घृत तेल चावल में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

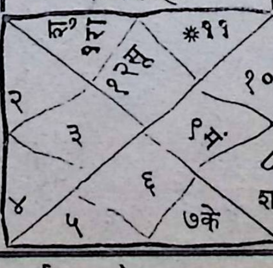

५२पं. चै.कृ.११श.इ.३५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	०	७	०	११
२१	१०	२६	२६	१०	१५	७	२१
५३	३४	९	४१	२३	४६	८	५२
३१	१२	५४	२०	३८	१६	०	४२
५९	२७	२१/३७	१२	७४	१/४४	३	५९
४	४३	मा	२१	२	ब	११	४

 *चंबृबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८७ भोग्यकलिः ४२६९१३ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०४३ शाकः १९०८ अथास्मिन्वर्षेराजा गुरुः । मंत्री रविः । सस्येशो बुधः । धान्येशश्चन्द्रः । मेघेशो रविः । रसेशश्शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशो शनिः । धनेशो भौमः । दुर्गेशो शनिः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां१३ प्रमाथीनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमयेः गतमासादिः ८।३।५८।९ भोग्यमासादिः ३।२६।१।५१ इन्द्रदैवतं युगम् । वर्षनामः भाद्रपदः । मेघ नाम पुष्करः । रोहिणी निवासःसमुद्रे ।समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा १२ । समयवाहनं चातकः । स्तंभाः ३ वाय्वन्न तृणानाम् । सोमवत्यमा २ । सोमवतीपंचमी १। अंगारकी चतुर्थी ३। बुधाष्टमी २। भानुसप्तमी १। रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३५५ । तिथिक्षयः १५ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पति विश्वा८७ । खपति विश्वा ११४ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ७, तृणम् ५. शीतम् ९. तेज ११. वायु १३ वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०१ सत्यम्।।. धर्मम् १।।. पाप १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहण २ चन्द्रमसः ।

सं. २०४३ चैत्र शु. १५ गुरौ
ग्रस्तोदित खग्रासं चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	त्रं.	२६	२९	३०	३१	३४
मध्यम	पल.	१५	३	२५	४७	३५
रेल्वे	घं.	४	६	६	७	८
टाइम	मि.	५७	४	३७	१०	१७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् २।१६

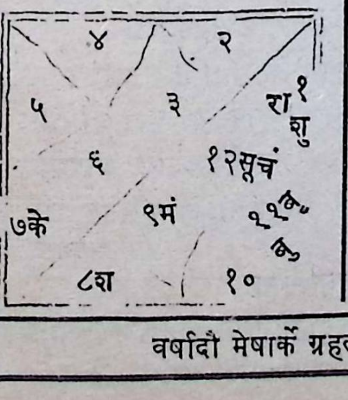

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

नत मस्तक हो मात से भैरव पूछे बात ।
साल तीन चालीस का हाल कहो मम मात ।।

भवानी उत्तर

तियालीस की साल का हाल सुनो दे कान ।
सुरगुरु राजा होण से संग्रह करलो धान ।।

मेघ पति रविदेव हैं वर्षा मध्यम जान ।
भये शनिश्चर फलपति करै साख में हान ।।

रोहिणी वासो सिंधु में संवत् विश्वा अर्क ।
संवतसर उत्तम हुवे कहीं कहीं रहसी फर्क ।।

स्तंभ तीन इस वर्ष में संवत् मालाकार ।
ईश्वर का भजन जगत में सार ।।

सं. २०४३ आश्विन शु. १५
शुक्रे खग्रासं चंद्रग्रहणं

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४१	४४	४५	४७	५०
मध्यम	पल.	२६	३२	५७	२२	२८
रेल्वे	वं.	११	१२	१२	१	२
टाइम	मि.	१	१६	५०	२४	३८

सं २०४३ चैत्र कृष्णा ३० रविवार को पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्तास्त सूर्यग्रहण होगा । भारत में नहीं होगा ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ९।२०

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३८।५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम्–गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुधाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री रविः फलम्–नृप भयं गदतोपिहि तस्करा प्रचुर धान्य धनादिमहीतले । रसचयंहि समर्घतमं सदा रविरमात्यपदं हि समागताः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम्–जलधरा जलराशि मुचोभृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः श्रुतिपाठकरः सदाप्रथमसस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशश्चंद्रः फलम्–चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायतें । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषु क्षीरं तदा बहु ।। मेघेशो रविः फलम्–जलदपेयदिवासरपे तदा सरसि व रमतें जनता रसम् । यवचणेक्षु नीवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुविवर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम्–यजन याजन-कोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुख सुभिक्षसुमोदवती धरा धरणीपाहतपापगणः प्रियाः ।। नीरसेशो बुधस्त-त्फलम्–चित्र वस्त्रादिकञ्चैवशंख चंदन पूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशोवुधोयदि ।। फलेशः शनिः फलम्–यदि शनि फलपः फलहा भवेज्जनितपुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिमभयंवर तस्कर जन्तुभीर्जनपदोगदराशि समाकुलः ।। धनेशो भौमस्त-त्फलम्–असममौल्यकरो धरणीसुतः शरदि तापकरस्तुषधान्यहृत । सहसि मासि भवेद्द्विगुणंतदा नरपतिर्जनशोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम्–रविसुते गढ पालिनि विग्रहैः सकल देशगताश्चलिताजनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषिधनं-शलभैर्मुषितं भुवि ।। प्रमाथी–नाम संवत्सरः फलम्–न मुंचन्ति पयोवाहाः कुत्रचित्कुत्रचिज्जलम् । मध्यमा बृष्टिरर्घश्चनूनमब्दे प्रमाथिनी । वर्षनाम भाद्रपदः फलम्–अर्घं महर्घतां यांति धनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं संपदो भाद्र वर्षके ।। मेघ-नाम पुस्करः फलम्–पुष्करे मंद बृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्–समुद्रेतु महाबृष्टिः ।। समय निवासो मालाकार गृहे फलम्–मालिनः प्रचुरा बृष्टिः ।। एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०४३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ले १० शनौ मघा. ल. गो. ११ रे.७।ऽ।।।।।ऽऽ। कुंभे चं.७ पूज्यः गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, १२ चंद्रे उफा. ल. गो. १० रे. ९ ऽ।।।।।।।। मकरे रेखा ८ या.मित्र

वैशाख मासः

कृष्णे ३ रवौ मूले ल. १२ रे. ८।।।।ऽनृ।ऽ।। भौ. १० पू.

,, ५ चंद्रे मूले ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

,, ७ बुधे उषा. ल. अन्यगो. रे. ८ ऽऽ।।।।।।।

शुक्ले २ शनौ रोहि. ल. १०-११ रे. ७ ।।।।ऽऽरोऽ।।

,, २ रवौ मृगे ल. १०-११ रे.८ ।।ऽशू।।ऽ।। शुक्रयुतिः

,, ८ शनौ मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.८ ।।।।।ऽअ.।ऽ।।

,, १० चंद्रे उफा. ल. गो. सोग्रांगः रे. ६ ।ऽ।।ऽऽनृ।ऽ।।

,, १० चंद्रे हस्ते ल. १२ रे. ८ ।।।।।ऽनृऽ।।। चं. ७ पूज्य

,, ११ भौमे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः रे. ९ ।।।।।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे १० चंद्रे रेव. ल.ऽन्यगो. सोग्रांगः ११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।

शुक्ले ८ रवौ उफा.ल.अ. भौमे१ दोषःरे.७ ।।।ऽ।।ऽऽ दग्धा

आषाढ मासः

कृष्णे ७ शनौ उभा. ल.अन्यगो. भौ.१ दोषः रे.८।।।।।।ऽ।ऽ

कृष्णे ८ रवौ रेव. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽनृऽऽ।। लग्नस्थ-भौम दोषः

शुक्ले ३ गुरौ मघा. ल.अन्यगो. रे.८ ।।ऽशु।।ऽचौ।।।। लग्नस्थ भौमः दोषः शुक्रयुतिश्च आवश्यके

,, ५ शनौ उफा. ल. अन्यगो. रे.८।।।ऽऽरो।।।भौ.१दोषः

,, ६ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। ,, ,,

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे २ भौमे मृगेल.३-७रे.९।।।।ऽअ.।।।तुला५६-३६उप

,, ७ चंद्रे मघा. ल. अन्यगो. ३ घ. ३८-४४ या. रे. ७ ।।।ऽऽरो।ऽ।

,, १० गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ३-७ रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।

शुक्ले ३ गुरौ उषा. ल. ३ रे. १० ।।।।।।।।। चं. ७ पू.

,, ९ भौमे उभा. ल. गो. रे. ९ ऽ।।।।।।।

माघ मासः

कृष्णे २ शनौ मघा. ल. ७-९ रे. १० ।।।।।।।।।

,, ३ रवौ मघा. ल. गो. रे. ९ ।।।।ऽनृ।।।

,, ७ गुरौ स्वा. ल. ९ घ.५५-३७ उ. रे. ७।।।।ऽरोऽऽ।

,, ८ शुक्रे स्वा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।

,, १० रवौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽअ.ऽऽ।

,, ११ चंद्रे मूले ल. ७ अंश १५ उप. रे. ६ ।।ऽचं।।ऽऽ।ऽ पादवेधाऽभाव. आवश्यके

शुक्ले ९ शनौ रोहि. ल.गो. रे.७।।।।ऽचौऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे ८ शनौ अनु.ल.अन्यगो.९घ.५५या.रे.७।।।।।ऽरो४५या.ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७५३ सन् १९८६
१	गु	१६	१७	अ	४१	२७	वि	५६	४७	ब	१६	१७	३५/२२	५/४४	६/१६	१०	२०	२९	मेषे	संवत्सरारंभः चन्द्रदर्शनम् नवरात्रा.
२	शु	२१	२९	भ	४७	५७	प्री	५८	४१	कौ	२१	२९	२६	४३	१७	११	२१	१	मेषे	पूषा.भौमः ५/४ मीनेबुधः १/१० सिधारा सावान८
३	श	२७	१४	कृ	५५	२६	आ	६०	०	ग	२७	१४	२९	४२	१८	१२	२२	२	वृ ४।५०	मत्स्य जयंती गणगौरी
४	र	३३	३०	रो	६०	०	आ	०	५७	व	०	२२	३३	४१	१९	१३	२३	३	बृषे	भ.०।२२ उ.३३।३०या. अश्वि. मेषेऽर्कः✱
५	चं	३९	५३	रो	३	१०	सौ	३	३४	ब	६	४१	३६	४१	१९	१४	२४	४	मि३६।५६	उभा. बुध्रः ५६/३३ अश्वि. २ राहुः चित्रा४÷
६	मं	४७	०	मृ	१०	४७	शो	६	०	कौ	१३	२६	४०	४०	२०	१५	२५	५	मिथुने	✱५१।१४ (सौरः ५२।२७)
७	बु	५१	११	आ	१७	४१	अ	७	५६	ग	१९	५	४३	३९	२१	१६	२६	६	मिथुने	भ. ५१।११ उ. ÷केतुः २८।२४
८	गु	५५	८	पु	२३	३१	सु	८	४६	वि	२३	१०	४७	३९	२१	१७	२७	७	क. ७।४	भ. २३।१० या.
९	शु	५७	२०	पु	२७	४६	धृ	८	३४	बा	२६	१४	५१	३८	२२	१८	२८	८	कर्के	कृत्ति. शुक्रः ५१।६ रामनवमी
१०	श	५७	४२	श्ले	३०	१७	शू	६	५६	तै	२७	३१	५५	३७	२३	१९	२९	९	सिं३०।१७	×रा. वैशाखारंभः कामदा ११ व्र. वै.
११	र	५४	५७	म	३०	४७	गं	३/३९	५५/५१	व	२६	१९	५८	३६	२४	२०	३०	१०	सिंहे	भ. ३६/१४ उ. ५४/५८या. कामदा ११ व्र. स्मा.+
१२	चं	५१	४७	पू	२९	१०	ध्रु	५२	२३	ब	२३	२२	३/२	३६	२४	२१	१	११	कं.४३।१७	पूभा.१ गुरुः ४४।११ बृषे शुक्रः ३३।२४×
१३	मं	४६	१७	उ	२५	४१	व्या	४४	२८	कौ	१९	२	६	३५	२५	२२	२	१२	कन्यायां	प्रदोषः +पातस्प.३८।२ पा.मो. ४८/१७
१४	बु	३८	४२	ह	२०	२९	ह	३५	१७	ग	१२	२९	१०	३४	२६	२३	३	१३	तु.४७।२२	भ. ३८।४२ उ. =चन्द्रग्रहणम्
१५	गु	३०	२२	चि	१४	१४	व	२५	३२	वि	४	३२	१४	३३	२७	२४	४	१४	तुलायां	भ.४।३२ या. हनुमज्ज. ग्रस्तोदय खग्रास=

१पं. चै.शु.४ र.इ.५१।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	०	७	०	११
०	१४	२	१८	२०	१५	६	२९
०	२३	२२	२३	३३	३१	४१	५८
०	२८	१६	६	३६	८	५५	५२
५८	२२	५३	११	७४	२/५	३	५८
४४	५५	२	५५	५२	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

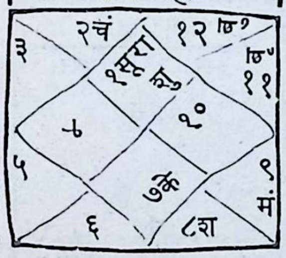

चैत्र शु. ४ रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न.४ वालावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यादि भावे समर्घता) शु. उ. पू.।

गोचरग्रहाः

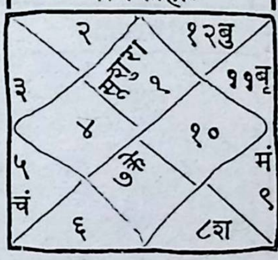

२पं. चै.शु.११ र.इ.५१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	२	७	०	०
६	१७	१०	१९	२९	१५	६	६
५०	२९	१७	५०	८	२२	१९	४९
४२	२	५६	६	२४	३४	३९	३
५८	२०	७३	११	७३	३/५	३	५८
३१	२७	३५	१०	५६	ब	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२१	१६	स्वा	७	२२	सि	१५	१९	कौ	२१	१६	३२/५७	५/३३	६/२७	२५	५	१५	बृ.४७।०	रेवत्यां बुधः ४०।१६
२	श	१२	१४	वि	१३	५३/५१	व्य	५/९	४८/५९	ग	१२	१४	२१	३२	२८	२६	६	१६	बृश्चिके	भ. ३७।४५ उ.
३	र	३	१७	ज्ये	४७	१६	प	४५	५७	वि	३	१७	२५	३१	२९	२७	७	१७	ध.४७।१६	भ. ३।१७ या. भरण्यां रविः ३१।३३✱
४	र	५१	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	✱(सौरः ३३।४५) चतुर्थी व्र.
५	चं	४८	१०	मू	४२	१४	शि	३७	२७	कौ	२१	४२	२९	३०	३०	२८	८	१८	धनुषि	
६	मं	४२	३०	पू	३८	३१	सि	३०	१६	ग	१५	२०	३२	३०	३०	२९	९	१९	म.५२।५६	भ. ४२।३० उ. रोहि. शुक्रः ४४।२३
७	बु	३८	१६	उ	३६	१६	सा	२४	८	वि	१०	२३	३६	२९	३१	३०	१०	२०	मकरे	भ. १०।२३ या.
८	गु	३५	३४	श्र	३५	२९	शु	१९	१०	बा	७	०	४०	२८	३२	१	११	२१	मकरे	मई मा. ५ ता. ३१
९	शु	३४	११	ध	३६	७	शु	१५	२७	तै	४	५२	४३	२७	३३	२	१२	२२	कु.५।४८	पातस्पर्शः ३२।३५ पातमोक्षः ४४।२३
१०	श	३४	१८	श	३८	१४	ब्र	१२	४६	व	४	१९	४७	२७	३३	३	१३	२३	कुम्भे	भ. ४।१९ उ. ३४।१८ या.
११	र	३५	४२	पू	४१	२९	ऐं	११	२२	ब	५	०	५१	२६	३४	४	१४	२४	मी२५।३५	अश्वि. मेषे बुधः १।२२ वरूथिनी ११व्र.
१२	चं	३८	११	उ	४५	५४	वै	१०	४९	कौ	६	५६	५४	२५	३५	५	१५	२५	मीने	
१३	मं	४१	८	रे	५१	२९	वि	११	१५	ग	९	३९	५७	२५	३५	६	१६	२६	मे.५१।२९	भ. ४१।८ उ. प्रदोषः
१४	बु	४६	३४	अ	५७	४३	प्री	१२	७	वि	१३	५१	३३/१	२४	३६	७	१७	२७	मेषे	भ. १३।५१ या.
३०	गु	५२	२६	भ	६०	०	आ	१३	४३	च	१९	३०	४	२३	३७	८	१८	२८	मेषे	पूभा. २ गुरुः ३४।४०

३पं. वै.कृ.३ र.इ.५१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	१	७	०	०
१३	२०	१९	२१	७	१४	५	१३
३९	१७	५८	१२	४१	५०	५७	३७
४३	१७	१९	०	३५	५	२३	२८
५८	१८	९०	१०	७३	४३/२	३	५८
१९	३	२८	४४	४६	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

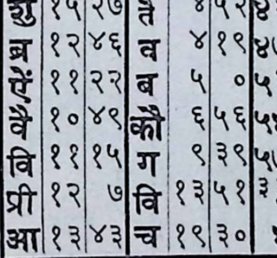

धन राशि का मंगल सोना, चांदी, घृत, तिल तैल, रुई, पाट, वारदाना, सरसों, अलसी, शेयर्स तेज करे।

गोचरग्रहाः

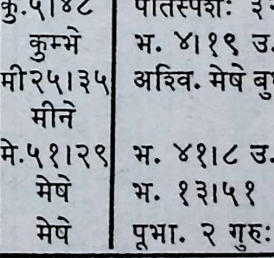

४पं.वै.कृ.११ र.इ.५२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	१	७	०	०
२०	२२	१	२२	१६	१४	५	२०
२७	४७	३०	२९	१३	२४	३५	२४
२२	४२	७	४६	३०	२९	८	१०
५८	१५	७७/०	१०	७३	४/१	३	५७
६	२०	०/२५	१	३२	ब	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः४७८२ सन्१९८६
१	शु	५७	५८	भ	४	२४	सौ	१५	३४	किं	२५	१२	३३/७	५/२३	६/३७	९	१९	२९	वृ.२१।२७	
२	श	६०	०	कृ	११	५९	शो	१८	२	बा	३१	१	१०	२२	३८	१०	२०	३०	वृषे	मृगे शुक्रः ४४।३५ चन्द्रदर्शनम्
२	र	४	५	रो	१९	३२	अ	२०	२७	कौ	२	५	१३	२१	३९	११	२१	१	मि५३।१६	कृत्ति. रविः१७/२८(सौरः२१/४२)भरण्यां बुधः*
३	चं	१०	१८	मृ	२७	०	सु	२२	५३	ग	४	५	१६	२१	३९	१२	२२	२	मिथुने	भ. ४३।२२ उ. अक्षया ३
४	मं	१६	२६	आ	३४	१७	धृ	२४	५७	वि	१६	२६	१९	२०	४०	१३	२३	३	मिथुने	भ. १६।२६ या.
५	बु	२१	५०	पु	४०	४१	शू	२६	३८	बा	२१	५०	२२	२०	४०	१४	२४	४	क.२४।५	वृषेऽर्कः ४४।४३ (सौरः ४९।३०)
६	गु	२६	१६	पु	४६	१३	गं	२७	२५	तै	२६	१६	२५	१९	४१	१५	२५	५	कर्के	*१७/२४बुधास्तःपू.३७/१७ परशु.जयं.रमजान९
७	शु	२९	१४	श्ले	५०	४	वृ	२६	५९	व	२९	१४	२८	१८	४२	१६	२६	६	सिं५०।४	भ. २९/१४ उ.५९/५६ या. मिथुनेशुक्रः १६।५५
८	श	३०	३८	म	५२	१७	ध्रु	२५	१५	ब	३०	३८	३०	१८	४२	१७	२७	७	सिंहे	कृत्ति. बुधः ५४।५२
९	र	३०	९	पू	५२	४०	व्या	२२	६	बा	०	२३	३३	१७	४३	१८	२८	८	सिंहे	उषा. भौमः २०।२१
१०	चं	२७	३४	उ	५०	५७	ह	१७	१५	ग	२७	३४	३६	१७	४३	१९	२९	९	कं.७।१४	भ. ५५।२१ उ. वृषे बुधः २८।५४
११	मं	२३	८	ह	४६	५९	व	१०	४७	वि	२३	८	३९	१६	४४	२०	३०	१०	कन्यायां	भ.२३।८या. वक्री अनु.३ शनिः१८।६३+
१२	बु	१६	३१	चि	४१	३६	सि	२/४७	५०/५३	बा	१६	३१	४१	१६	४४	२१	३१	११	तु.१४।१७	आर्द्रा. शुक्रः ४४।५२ प्रदोषः
१३	गु	८	३४	स्वा	३४	५२	व	४३	२७	तै	८	३४	४३	१५	४५	२२	१	१२	तुलायां	भ.५९।३२उ. रा. ज्येष्ठारंभः नृसिंह१४
१४	गु	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+मोहिनी ११ व्र.
१५	शु	४९	२६	वि	२७	१३	प	३२	४७	वि	२४	२९	४६	१५	४५	२३	२	१३	वृ.१४।८	भ. २४।२९ या. रोहि. बुधः ५३।४५

५पं. वै.शु.२ र.इ.५२।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	१	७	०	०
२७	२४	१४	२३	२४	१३	५	२७
१३	५८	२८	४१	४२	५६	१२	९
३४	१	३४	१७	४०	२	५२	२४
५७	११	[illegible]	९	७३	४/१६	३	५७
५४	५५	[illegible]	१७	२०	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

वै. शु. ५ बुधे
वृषेऽर्कप्र.वा.४न.
५ गताल्कावस्था
(ऊभी) मु. ३०
(धा. भावे समता)
शु.उ.पश्चिमायाम्

गोचरग्रहाः

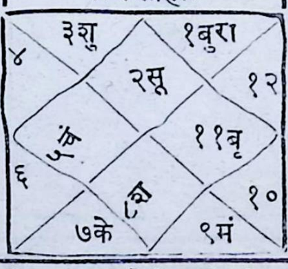

६पं.वै.शु. ९ र.इ.५२।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	०	१०	२	७	०	१
३	२६	२८	२४	३	१३	४	३
५८	४४	४२	४८	९	२६	५०	५३
२६	४६	१८	३२	३६	[illegible]	३७	४
५७	८	[illegible]	८	७३	४/३५	३	५७
४४	५६	३७	२८	११	ब	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श	३९	२८	अ	१९	२५	शि	२१	४६	बा	१४	२७	३३/४८	५/१४	६/४६	२४	३	१४	वृश्चिके	
२	र	२९	४०	ज्ये	११	४१	सि	११	९	तै	४	३४	५०	१४	४६	२५	४	१५	ध्र.११।४१	भ५५/१०उ. रोहि. रविः८।१७(सौरः१५/३९)
३	चं	२०	४०	मू	४/३५	५४/५२	सा	५५	५६	वि	२०	४०	५२	१४	४६	२६	५	१६	धनुषि	भ. २०।४० या. चतुर्थी व्र.
४	मं	१२	५२	उ	५४	२९	शु	४३	५५	बा	१२	५२	५४	१३	४७	२७	६	१७	म.१२।४२	
५	बु	७	१५	श्र	५१	४९	ब्र	३७	२७	तै	७	१५	५६	१३	४७	२८	७	१८	मकरे	
६	गु	२	४६	ध	५१	९	ऐं	३२	२८	व	२	४६	५८	१२	४८	२९	८	१९	कुं.२१।२९	भ. २।२६ उ. ३१।३६ या.
७	शु	०	२५	श	५२	३१	वै	२९	२	ब	०	२५	३४/०	१२	४८	३०	९	२०	कुम्भे	मृगे बुधः ४।३७
८	श	०	४	पू	५५	३५	वि	२७	१०	कौ	०	४	२	१२	४८	३१	१०	२१	मी३९।३१	
९	र	१	२५	उ	६०	०	प्री	२६	२५	ग	१	२५	४	११	४९	१	११	२२	मीने	भ.३२।४९ उ. पू.भा.३ गुरुः २८।७ पुन.*
१०	चं	४	१३	उ	०	३	आ	२७	१५	वि	४	१३	६	११	४९	२	१२	२३	मीने	भ. ४।१३ या. मिथुने बुधः २३।३५
११	मं	८	२९	रे	६	४०	सौ	२८	१४	बा	८	२९	७	११	४९	३	१३	२४	मे.६।४०	बुधोदयः पश्चिमायां ८/३४ अपरा ११ व्र.
१२	बु	१३	४२	अ	१२	११	शो	३०	१३	तै	१३	४२	९	१०	५०	४	१४	२५	मेषे	वक्री भौमः ३३।३९ प्रदोषः
१३	गु	१९	२९	भ	१९	१७	अ	३३	१६	व	१९	२९	१०	१०	५०	५	१५	२६	वृ.३६।१७	भ. १९/२९ उ. ५३/२७ या. आर्द्रा. बुधः४८।१८
१४	शु	२५	२५	कृ	२६	५४	सु	३४	१६	श	२५	२५	१२	१०	५०	६	१६	२७	बृषे	*शुक्रः ५६।२२ जून मा. ६ ता. ३०
३०	श	३१	३५	रो	३४	२३	धृ	३७	२०	ना	३१	३५	१३	९	५१	७	१७	२८	वृषे	वटसावित्री व्र.

७पं.ज्ये.कृ.२र.इ.५२।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	२	७	९	१
१०	२८	१४	२५	११	१२	४	१०
४२	७	१२	४९	२३	५६	२८	३५
२५	४८	४१	३४	५८	२४	२१	१५
५७	५	[illegible]	७	७२	४/४०	३	५७
३५	११	४६	२८	५०	ब	११	२३

गोचरग्रहाः

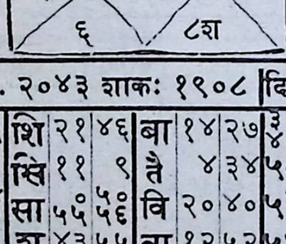

ज्ये. शु. ८ रवौ
मिथुनेऽर्कः प्र.वा.
५न.४ वृद्धावस्था
(बैठी) मु.३० (धा-
न्यादि भावे समता)
शु. उ. प.।

गोचरग्रहाः

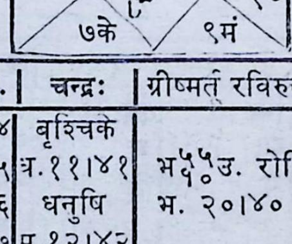

८पं.ज्ये.कृ. ९र.इ.५२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	२	७	०	१
१७	२८	२९	२६	१९	१२	४	१७
२५	४८	२	४२	५५	२४	६	१६
८	३२	४६	४८	२३	०	५	२१
५७	१	[illegible]	६	७२	४/३८	३	५७
२७	२४	२८	३३	२८	ब	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरऽह्र्गणः ४८१२स.१९८६
१	र	३७	४३	मृ	४१	५२	शू	३९	४५	किं	४	३९	३४/१४	५/९	६/५१	८	१८	२९	मि ८।७	मृगे रविः ३।१४ (सौरः १४।२८)
२	चं	४३	२१	आ	४८	५८	गं	४१	४९	बा	१०	३२	१६	९	५१	९	१९	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	४८	२१	पु	५५	१७	वृ	४३	१७	तै	१५	५१	१७	९	५१	१०	२०	१	क.३८।४२	कर्के शुक्रः २०।८ सव्वाल १०
४	बु	५२	३४	पु	६०	०	ध्रु	४५	७	व	२०	२७	१८	८	५२	११	२१	२	कर्के	भ. २०।२७उ. ५२।३४ या.
५	गु	५५	४६	पु	०	४८	व्या	४४	२२	ब	२४	१०	१९	८	५२	१२	२२	३	कर्के	×आषाढ़ारम्भः गुर्जरा. वटसावित्री व्र.
६	शु	५७	३८	श्ले	४	१७	ह	४३	४०	कौ	२६	४२	२०	८	५२	१३	२३	४	सिं४।१७	पुन. बुधः ४५।२८ पुष्ये शुक्रः १३।२६
७	श	५८	५	म	८	३५	व	४१	४१	ग	२७	२२	२१	८	५२	१४	२४	५	सिंहे	भ. ५८।५ उ. ∗पातमोक्षः २९।१५
८	र	५६	४९	पू	१०	३४	सि	३८	२३	वि	२७	२७	२१	८	५२	१५	२५	६	कं.२५।३४	भ.२७।२७या. मिथुनेऽर्कः ५२/१ (सौरः १५/५)
९	चं	५४	१	उ	१०	३४	व्य	३३	४६	बा	२५	२५	२२	८	५२	१६	२६	७	कन्यायां	अश्वि. १ राहुः चित्रा. ३ केतुः १२।३९
१०	मं	४९	९	ह	९	५८	व	२७	४०	तै	२१	३५	२२	८	५२	१७	२७	८	तु.३७।४९	गंगादशमी
११	बु	४३	२	चि	५	४१	प	२०	१४	व	१६	५	२३	७	५३	१८	२८	९	तुलायां	भ. १६।५ उ. ४३।२ या. निर्जला ११ व्र.
१२	गु	३५	३	स्वा	३८	५३/४९	शि	११	३२	ब	९	२	२३	७	५३	१९	२९	१०	वृ.४।१०	
१३	शु	२६	८	अ	४७	१७	सि	१/५९	४९/३१	कौ	०	३५	२३	७	५३	२०	३०	११	वृश्चिके	कर्के बुधः ३९/० प्रदोषः पातस्पर्शः १३।१९∗
१४	श	१६	२०	ज्ये	३९	२४	शु	४०	४६	व	१६	२०	२४	७	५३	२१	३१	१२	ध.३९।२४	भ. १६।२० उ. ४१।१९ या.
१५	र	६	१७	मू	३१	४१	शु	२९	५१	ब	६	१७	२४	७	५३	२२	१	१३	धनुषि	आर्द्रा. रविः ०।४४(सौरः १६।४८) रा.×

९पं.ज्ये.शु.१सू.इ.५२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१०	२	७	०	१
२४	२९	१२	२७	२८	११	३	२३
७	१	७	३०	१४	५३	४३	५६
१२	५२	४१	७	५६	२८	५०	१७
५७	१५/२	७०/०	५	७२	२९/४	३	५७
२२	व	४२	२८	५	व	११	५

१०पं.ज्ये.शु.८सू.इ.५२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	३	७	०	२
०	२८	२३	२८	६	११	३	०
४८	४२	.४	९	३०	२४	२१	३५
२५	२९	१९	४	१४	२२	३४	२६
५७	५२/३	८७	.४	७१	१०/४	३	५६
१७	व	१	२३	४४	व	११	५७

११पं.ज्ये.शु.१५सू.इ.५२।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	३	१०	३	७	०	२
७	२७	२	२८	१४	१०	२	७
२९	४८	३७	३९	४१	५७	५९	१३
२४	३२	५	३६	४६	७	१९	५३
५७	१/६	६२	३	७१	५३/२	३	५६
१३	व	२१	१८	२२	व	११	५४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	३२	पू	२४	३०	ब्र	१९	४४	तै	२१	५९	३४/२४	५/७	६/५३	२३	२	१४	म.३७।५९	पुष्ये बुधः ३३।४८
३	मं	३९	४६	उ	१८	२५	ऐं	१०	१४	व	१३	३९	२४	७	५३	२४	३	१५	मकरे	भ. १३।३९ उ. ३९।४६ या. आश्लेषा.∗
४	बु	३३	५८	श्र	१४	८	वै	३/४	५३/१६	ब	६	५२	२४	७	५३	२५	४	१६	कुं.४२।३२	∗शुक्रः ३१।५४ चतुर्थी व्र.
५	गु	२९	५९	ध	११	८	प्री	५०	१७	कौ	१	५८	२३	७	५३	२६	५	१७	कुम्भे	
६	शु	२८	२०	श	१०	३२	आ	४६	५५	व	२८	२०	२३	७	५३	२७	६	१८	मी५६।४७	भ. २८।२० उ. ५८।५६ या.
७	श	२८	३२	पू	१२	१२	सौ	४५	९	ब	२८	३२	२३	७	५३	२८	७	१९	मीने	वक्री पूषा. भौमः ३१।३५
८	र	३०	५४	उ	१५	४२	शो	४६	११	कौ	३०	५४	२२	८	५२	२९	८	२०	मीने	
९	चं	३४	५८	रे	२०	४६	अ	४५	५२	तै	२	५६	२२	८	५२	३०	९	२१	मे.२०।४६	
१०	मं	४०	५	अ	२७	४	सु	४७	५०	व	७	३१	२१	८	५२	१	१०	२२	मेषे	भ.७।३१उ.४०।५या. जुलाई ७ ता. ३१
११	बु	४६	८	भ	३४	२८	धृ	५०	१२	ब	१३	७	२०	८	५२	२	११	२३	बृ.५०।५०	योगिनी ११ व्र.
१२	गु	५२	१९	कृ	४१	५७	शू	५३	४६	कौ	१९	१३	१९	८	५२	३	१२	२४	बृषे	
१३	शु	५८	३२	रो	४९	४५	गं	५५	२१	ग	२५	२६	१८	८	५२	४	१३	२५	बृषे	भ. ५८।३२ उ. प्रदोषः
१४	श	६०	०	मृ	५६	५९	वृ	५७	३२	वि	३१	२६	१७	९	५१	५	१४	२६	मि२३।२२	भ. ३१।२६ या. पुन. रविः ५९।४०
१४	र	४	२०	आ	६०	०	ध्रु	५९	२९	श	४	२०	१५	९	५१	६	१५	२७	मिथुने	पुन. रविःसौरः ३१/४९ मघा सिंहे शुक्रः ७।५
३०	चं	९	४३	आ	३	४६	व्या	६०	०	ना	९	४३	१४	९	५१	७	१६	२८	क.५३।१७	वक्री बुधः ५७।२६ सोमवती ३०

१२पं.आ.कृ.८सू.इ.५२।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	३	१०	३	७	०	.२
१४	२६	८	२९	२२	१०	२	१३
९	२९	५७	१	४९	३२	३७	५१
५०	२०	४०	५२	५५	२	३	५८
५७	६/५	२१	१	७०	३/१	.३	५६
७	व	२५	५२	३३	व	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ सोमवार और सोमवती अमावस्या धान्यादि में मंदी एवं वर्षा कारक है। सुदी में रस तेज हो।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.कृ.१४सू.इ.५२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	३	१०	४	७	०	२
२०	२४	१२	२९	०	१०	२	२०
५०	५५	७	१४	५२	१०	१४	२९
१०	१६	५५	३८	४४	५५	४७	५२
५७	८/०	४	०	६९	३/४६	३	५६
७	व	३५	४०	५६	व	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८४२स.१९८६
१	मं	१३	५८	पु	९	४७	व्या	०	२९	ब	१३	५८	३४/१३	५/९	६/५१	८	१७	२९	कर्के	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	१७	३३	पु	१४	४७	ह	१	१४	कौ	१७	३३	११	१०	५०	९	१८	१	कर्के	रथयात्रा जिलकाद ११
३	गु	२०	४	श्ले	१९	६	व	१	१२	ग	२०	४	१०	१०	५०	१०	१९	२	सिं१९।६	भ. ५०।४६उ. वक्री गुरुः ३९/२२ वक्री अनु.*
४	शु	२१	२८	म	२२	१४	सि	५	५६/३	वि	२१	२८	८	१०	५०	११	२०	३	सिंहे	भ. २१।२८ या. *२शनिः ३८।३१
५	श	२१	५०	पू	२४	१९	व	५५	३७	बा	२१	५०	७	११	४९	१२	२१	४	कं.३९।२१	
६	र	२१	११	उ	२५	१४	प	५२	९	तै	२१	११	५	११	४९	१३	२२	५	कन्यायां	
७	चं	१८	५५	ह	२४	४५	शि	४७	८	व	१८	५५	४	११	४९	१४	२३	६	तु.५३।३२	भ. ५६/५८उ. ४७/१२या. बुधास्तः पश्चिमायां ४९/१५
८	मं	१५	२८	चि	२२	१९	सि	४१	२०	ब	१५	२८	२	१२	४८	१५	२४	७	तुलायां	
९	बु	१०	५८	स्वा	२०	२८	सा	३४	३२	कौ	१०	५८	०	१२	४८	१६	२५	८	तुलायां	कर्केऽर्कः २९।४ (सौरः ५३।३३)
१०	गु	५	५९	वि	१६	२३	शु	२६	४९	ग	५	५९	३३/५८	१२	४८	१७	२६	९	वृ.२।२४	भ. ३२।२ उ. ५६/५८ या. पूफा. शुक्रः ५३।१×
११	गु	५२	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×देवशयनी ११ व्र. स्मा.
१२	शु	४९	१५	अ	११	१३	शु	१८	१०	ब	२३	५९	५६	१३	४७	१८	२७	१०	वृश्चिके	देवशयनी ११ व्र. वै.
१३	श	४१	१७	ज्ये	५/७	५३/२२	ब्र	५८/२	५/९	कौ	१५	३५	५४	१३	४७	१९	२८	११	ध. ५।७	पुष्ये रविः ५८।२१ प्रदोषः
१४	र	३२	१३	पू	५१	३५	वै	४८	५७	ग	६	४४	५२	१४	४६	२०	२९	१२	धनुषि	भ.३२।१३उ. ५७/५३या. पुष्येरविःसौरः ३४/१४+
१५	चं	२३	३२	उ	४५	१२	वि	३९	१६	ब	२३	३२	५०	१४	४६	२१	३०	१३	म.४।५९	व्यासपूजा +वायु परीक्षा

१४पं.आ.शु.६सू.इ.५२।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	१	१०	४	७	०	२
२७	२३	११	२९	८	९	१	२७
३०	१७	४८	१७	५१	५२	५२	७
३२	२	४०	३५	२९	४१	३२	५९
५७	७/११	२४/५९	०/३४	६९	३/१६	३	५६
११	व	व	व	५	व	११	५४

गोचरग्रहाः

आ.शु. ९ बुधे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४ न. ६ युवावस्था (सूती) मु. ४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

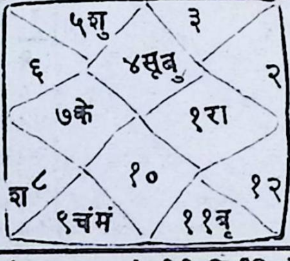

१५पं.आ.शु.१४सू.इ.५२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	४	७	०	३
४	२१	८	२९	१६	९	१	३
११	४२	१७	११	४३	३८	३०	४६
१७	३२	२	२८	१९	५३	१६	२६
५७	५/२९	४१/४०	१/५८	६८	४१/४१	३	५६
१५	व	व	व	८	व्र	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१५	३०	श्र	३९	४४	प्री	३०	२६	कौ	१५	३०	३३/४७	५/१५	६/४५	२२	३१	१४	मकरे	
२	बु	८	५१	ध	३५	४६	आ	२३	३४	ग	८	५१	४५	१५	४५	२३	१	१५	कुं.७।४५	भ. ३६।१८ उ रा. श्रावणारम्भः
३	गु	३	४६	श	३३	२५	सौ	१६	२	वि	३	४६	४२	१६	४४	२४	२	१६	कुम्भे	भ. ३।४६ या. चतुर्थी व्र
४	शु	०	४०	पू	३३	१७	शो	११	१४	बा	०	४०	४०	१६	४४	२५	३	१७	मी१८।१९	नाग ५ मरुस्थले
५	शु	५९	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×मार्गी बुधः ५७।११ प्रदोषः
६	श	६०	०	उ	३५	९	अ	७	५५	ग	३०	१६	३७	१७	४३	२६	४	१८	मीने	*अगस्त मा.८ ता. ३१ कामिका ११ व्र.
६	र	०	५५	रे	३९	१०	सु	६	२९	व	०	५५	३५	१७	४३	२७	५	१९	मे.३९।१०	भ. ०।५५ उ. ३२।३८ या.
७	चं	४	२०	अ	४४	३२	धृ	६	२९	ब	४	२०	३२	१८	४२	२८	६	२०	मेषे	वक्री पुन. बुधः २१।४१
८	मं	८	४७	भ	५१	२६	शू	७	३२	कौ	८	४७	२९	१८	४२	२९	७	२१	मेषे	उफा. शुक्रः ५०।१३
९	बु	१४	५१	कृ	५८	४२	गं	९	४४	ग	१४	५१	२६	१९	४१	३०	८	२२	वृ.८।१५	भ. ४७।४८ उ.
१०	गु	२०	४६	रो	६०	०	वृ	१२	५	वि	२०	४६	२४	१९	४१	३१	९	२३	वृषे	भ. २०।४६ या. मार्गी भौमः ५१।४७
११	शु	२७	२	रो	६	२७	ध्रु	१४	४९	बा	२७	२	२१	२०	४०	१	१०	२४	मि४०।७	कन्यायां शुक्रः ५७/२ बुधोदयः पूर्वस्याम् ३५/१६*
१२	श	३२	५२	मृ	१३	४६	व्या	१७	४	तै	३२	५२	१८	२०	४०	२	११	२५	मिथुने	आश्ले. रविः ५५।२२
१३	र	३८	४	आ	२०	४६	ह	१९	०	ग	५	२८	१५	२१	३९	३	१२	२६	मिथुने	भ. ३८।४ उ. आश्ले. रविः सौरः २५।१×
१४	चं	४१	४९	पु	२६	३३	व	२०	१	वि	३	५६	१२	२२	३८	४	१३	२७	क.१०।४	भ. ९।५६ या.
३०	मं	४४	३८	पु	३१	७	सि	२०	१३	च	१२	१३	९	२२	३८	५	१४	२८	कर्के	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.६सू.इ.५१।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	४	७	०	३
१०	२०	३	२८	२४	९	१	१०
५२	२५	३९	५५	२७	२९	८	२५
१९	१९	०	५८	४८	४६	१	४३
५७	१/५६	३८/२१	३/१६	६६	०/५७	३	५७
२०	व	व	व	५८	व	११	५

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ मंगलवार नेष्ट हैं प्रजामें पीड़ा वर्षा में कमी हो सुदी में रुई चांदी धान्य सोना मन्दा हो।

गोचरग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१३सू.इ.५१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	५	७	०	३
१७	१९	२	२८	२	९	०	१७
३४	३५	२	३०	५	२५	४५	५
१	३५	४२	४०	२०	३०	४५	३१
५७	१/२७	०/४३	४/१९	६५	०/१६	३	५७
२५	मा	व	व	३२	व	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४८७१सन्१९८६
१	बु	४६	५	श्ले	३४	३६	व्य	१५	३०	किं	१५	२२	३/६	५/२३	६/३७	६	१५	२९	सिं३४।३६	मार्गी शनिः २१।७
२	गु	४६	२४	म	३६	५९	व	१७	५२	बा	१६	१५	३	२३	३७	७	१६	३०	सिंहे	सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	शु	४५	५१	पू	३८	१७	प	१५	२३	तै	१६	७	०	२४	३६	८	१७	१	क.५३।२०	पुष्ये बुधः ३०।१० तीज जिल्हेज १२
४	श	४४	१	उ	३८	३०	शि	१२	१	व	१४	५६	३२/५६	२५	३५	९	१८	२	कन्यायां	भ. १४।५६ उ. ४४।११ या. वरद ४
५	र	४१	३९	ह	३८	७	सि	७	५०	व	१२	४९	५३	२५	३५	१०	१९	३	कन्यायां	नागपंचमी •श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्
६	चं	३८	१६	चि	३६	५२	सा	१३/३	५४/३८	कौ	९	५७	५०	२६	३४	११	२०	४	तु.७।२९	हस्ते शुक्रः २१।१०
७	मं	३४	२२	स्वा	३४	४४	शु	५१	५०	ग	६	१९	४७	२७	३३	१२	२१	५	तुलायां	भ. ३४।२२ उ. ×कन्या केतुः१४।४४
८	बु	२९	५४	वि	३२	२	ब्र	४५	२५	वि	१	५९	४३	२७	३३	१३	२२	६	वृ.१७।४३	भ. १।५९ या.
९	गु	२४	१६	अ	२८	३८	ऐं	३८	१८	कौ	२४	१६	४०	२८	३२	१४	२३	७	वृश्चिके	
१०	शु	१८	१३	ज्ये	२४	३५	वै	३०	३८	ग	१८	१३	३६	२९	३१	१५	२४	८	ध.२४।३५	भ. ४४।५२ उ. +पवित्रा ११ व्र.
११	श	११	३१	मू	१९	५९	वि	२२	३३	वि	१२	३१	३५	२९	३१	१६	२५	९	धनुषि	भ. ११।३१या. मघा. सिंहेऽर्कः ४९।१७+
१२	र	४	१९	पू	१४	५५	प्री	१४	३	बा	४	१९	२९	३०	३०	१७	२६	१०	म.२८।३७	मघा सिंहेऽर्कः सौरः २१।२८ प्रदोषः
१३	र	५२	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं	५०	२१	उ	९	४६	आ	५/३१	५१/४३	ग	२३	४८	२६	३१	२९	१८	२७	११	मकरे	भ. ५०।२१ उ. कुम्भे राहुः चित्रायां २×
१५	मं	४४	१९	श्र	४	५६	शो	४९	४६	वि	१७	२०	२२	३२	२८	१९	२८	१२	कुं.३३।१	भ. १७।२० या. आश्ले. बुधः ३८।३४•

१८पं.श्रा.शु.५सू.इ.५१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	५	७	०	३
२४	१९	५	२७	९	९	०	२३
१६	२२	२९	५८	२८	२५	२३	४६
२६	५५	३८	२३	३४	१९	२९	३८
५७	५	५४	५/२५	६३	१/२९	३	५७
३३	१	५९	व	५२	मा	११	२२

गोचरग्रहाः

श्रा.शु. ११ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

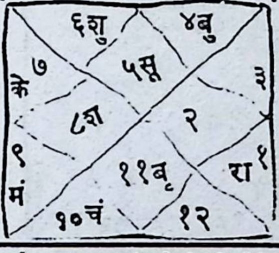

१९पं.श्रा.शु.१२सू.इ.५१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	१०	५	७	०	४
०	१९	१३	२७	१६	९	०	०
५९	४७	४७	१८	४७	३०	१	२८
४९	४६	५६	१४	५६	११	१४	५१
५७	८	९६	६/२६	६१	१	३	५७
४०	२	२५	व	५०	१३	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षंतूं रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३९	१६	ध	१/७	५७/८	अ	४२	५९	बा	११	४८	३२/१९	५/३२	६/२८	२०	२९	१३	कुम्भे	
२	गु	३६	१	पू	५७	८	सु	३७	२०	तै	७	३८	१५	३३	२७	२१	३०	१४	मी४२।२५	
३	शु	३४	२५	उ	५७	५०	धृ	३४	१०	व	५	१३	११	३४	२६	२२	३१	१५	मीने	भ. ५।१३ उ. ३४/२५ या. वक्री पूभा. २ गुरुः•
४	श	३४	४८	रे	६०	०	शू	३०	३२	व	४	३४	८	३४	२६	२३	१	१६	मीने	बुधास्तः पूर्वस्याम् ३१/४४ रा. भाद्रपदारंभः
५	र	३७	३	रे	०	२९	गं	२९	३४	कौ	५	५२	४	३५	२५	२४	२	१७	मे.०।२९	चित्रायां शुक्रः २३।२० चन्द्रषष्ठी
६	चं	४१	७	अ	४	५८	वृ	२५	३१	ग	९	५	०	३६	२४	२५	३	१८	मेषे	भ. ४१।७ उ. •४२।५५ चतुर्थी व्र.
७	मं	४६	३२	भ	१०	५८	ध्रु	३०	४७	वि	१३	४९	३१/५६	३७	२३	२६	४	१९	वृ.२७।४०	भ. १३।४९ या. मघा. सिंहे बुधः५८।११
८	बु	५२	३१	कृ	१७	४९	व्या	३२	४६	बा	१९	३१	५२	३८	२२	२७	५	२०	वृषे	जन्माष्टमी व्र.
९	गु	५८	४३	रो	२५	२०	ह	३५	१४	तै	२५	३७	४८	३८	२२	२८	६	२१	मि५९।५	गोगा ९ +अनु. ३ शनिः २९।३४
१०	शु	६०	०	मृ	३२	५०	व	३७	४४	व	३१	४१	४४	३९	२१	२९	७	२२	मिथुने	भ. ३१।४१ उ.
१०	श	४	४१	आ	३९	५३	सि	३९	४१	वि	४	४१	४०	४०	२०	३०	८	२३	मिथुने	भ. ४।४१ या. पूफा. रविः ३८।५४
११	र	९	५६	पु	४६	५७	व्य	४१	२	बा	९	५६	३६	४१	१९	३१	९	२४	क.३०।११	पूफा. रविः सौरः १२/२० तुलायां शुक्रः १६/१५×
१२	चं	१३	४३	पु	५०	४२	व	४१	१६	तै	१३	४३	३२	४२	१८	१	१०	२५	कर्के	सितम्बर मा. ९ ता. ३० वत्स १२ प्रदोषः
१३	मं	१६	१३	श्ले	५३	५७	प	४०	२२	व	१६	१३	२८	४२	१८	२	११	२६	सिं५३।५७	भ. १६/१३ उ. ४९/३६ या. पूफा. बुधः ४१।५७+
१४	बु	१७	५	म	५५	४०	शि	३८	२४	श	१७	५	२५	४३	१७	३	१२	२७	सिंहे	
३०	गु	१६	१७	पू	५५	५८	सि	३५	०	ना	१६	१७	२१	४४	१६	४	१३	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी ×अजा ११ व्र.

२०पं.भा.कृ.५सू.इ.५१।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	१०	५	७	११	४
७	२०	२५	२६	२३	९	२९	७
४४	३२	५८	३१	४७	३९	३८	१२
१७	२६	५९	५	२८	२९	५८	२२
५७	१२	[illegible]	४/१०	५८	१	३	५७
४९	१	[illegible]	व	५४	५२	११	४५

गोचरग्रहाः

श्रावण कृष्णा चतुर्थी और पंचमी जोय। गरजे बरसे दमदमे सही जमाना होय ॥ रस तेज होगा।

गोचरग्रहाः

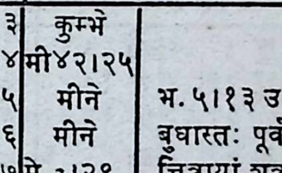

२१पं.भा.कृ.११सू.इ.५१।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	६	७	११	४
१४	२१	९	२५	०	९	२९	१३
२९	५५	४३	३९	२९	५४	१६	५७
५६	२६	५५	२२	४१	१४	४३	३४
५८	१५	[illegible]	४०/७	५५	३	३	५७
१	११	[illegible]	व	५५	३१	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद	शुक्लपक्षः	सं.	२०४३	शाकः	१९०८							दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९,०१स.१९८६
१	शु	१४	१४	उ	५५	१३	सा	३०	४७	ब	१४	१४	३१/१७	४५/५	१५/६	५	१४	२९	कं.१०।४६	●हस्ते बुधः १४/६ अनन्त १४ महालयारंभः
२	श	११	११	ह	५३	३३	शु	२५	४३	कौ	११	११	१३	४५	१५	६	१५	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	र	७	२३	चि	५०	५९	शु	१९	५२	ग	७	२३	९	४६	१४	७	१६	१	तु.२२।१६	भ. ३५/५उ. स्वात्यां शुक्रः ४१/२५ हरितालिका×
४	चं	२	४७	स्वा	४८	१६	ब्र	१३	२२	वि	२	४७	५	४७	१३	८	१७	२	तुलायां	भ. २।४७ या. ऋषि ५
५	चं	५५	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×३ गणेश ४ मोहोरम १ सन् १४०७हि
६	मं	५३	१	वि	४५	१७	ऐं	७	२	कौ	२५	३२	१	४८	१२	९	१८	३	वृ.३१।२	उफा. बुधः ३८।२८
७	बु	४७	५७	अ	४२	४	वै	२०/६	५३/२	ग	२०	२९	३०/५७	४९	११	१०	१९	४	वृश्चिके	भ. ४६।५७ उ.
८	गु	४२	४९	ज्ये	३८	३७	प्री	४६	२२	वि	१५	२३	५३	४९	११	११	२०	५	ध.३८।३७	भ. १५।२३ या. कन्यायां बुधः ३४।१८
९	शु	३७	३४	मू	३५	१२	आ	३९	२४	बा	१०	११	४८	५०	१०	१२	२१	६	धनुषि	
१०	श	३२	१६	पू	३१	५२	सौ	३२	१२	तै	४	४९	४४	५१	९	१३	२२	७	म.४६।२	भ.५९।१२उ. उफा. रवि २३/१४ (सौरः ५६/५८)
११	र	२६	४९	उ	२८	३१	शो	२५	१८	वि	२६	४९	४०	५२	८	१४	२३	८	मकरे	भ. २६।४९ या. जलझूलनी ११ व्र.
१२	चं	२१	५१	श्र	२५	२८	अ	१८	२०	बा	२१	५१	३६	५३	७	१५	२४	९	कु.५४।८	वामन जयन्ती प्रदोषः
१३	मं	१७	२९	ध	२२	४९	सु	११	४५	तै	१७	२९	३२	५४	६	१६	२५	१०	कुम्भे	कन्यायामर्कः४८।५३ उषा. भौमः ११।५४
१४	बु	१३	३७	श	२०	५५	धृ	५	५३	व	१३	३७	२८	५४	६	१७	२६	११	कुम्भे	भ. १३/३७उ. ४२/२५या. कन्यायामर्कः सौरः २३/९●
१५	गु	११	१२	पू	२०	९	शू	४०/०	५६/०	ब	११	१२	२४	५५	५	१८	२७	१२	मी५।२०	वक्री पूभा. १ गुरुः ३१।९

२२पं.भा.शु.३सू.इ.५१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	६	७	११	४
२१	२३	२३	२४	६	१०	२८	२०
१६	५०	१३	४४	४७	१२	२४	४४
५५	१०	५५	३५	३५	५४	२७	१४
५८	१८	५/२	५७/२	५१	३	३	५८
१३	३४	२/७	व	४६	११	११	१२

गोचरग्रहाः

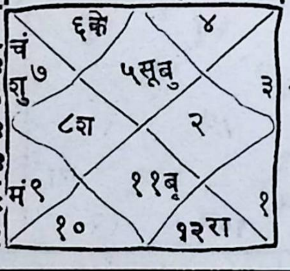

भा. शु. १३ भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा ४ नं.५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

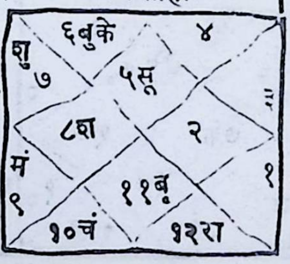

२३पं.भा.शु.११सू.इ.५०।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	१०	६	७	११	४
२८	२६	५	२३	१२	१०	२८	२७
५	११	५४	४८	३५	३६	३२	३२
२४	१७	३६	५८	१७	७	११	३५
५८	२१	४/०	५७/२	४२	३	३	५८
२६	१६	२/४७	व	२०	५०	११	२९

ति.	आश्विन	कृष्णपक्षः	सं.	२०४३	शाकः	१९०८							दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	९	५९	उ	२०	५०	वृ	५३	३३	कौ	९	५९	३०/२०	५६/५	६/४	१९	२८	१३	मीने	
२	श	१०	२०	रे	२१	५७	ध्रु	५२	४	ग	१०	२०	१६	५७	३	२०	२९	१४	मे.२१।५७	भ. ४१।२८ उ.
३	र	१२	३६	अ	२६	४१	व्या	५१	२२	वि	१२	३६	१२	५८	२	२१	३०	१५	मेषे	भ. १२।३६ या. बुधोदयः पश्चिमायाम्●
४	चं	१६	६	भ	३१	५२	ह	५२	०	बा	१६	६	८	५८	२	२२	३१	१६	बृ.४८।२६	
५	मं	२१	१३	कृ	३८	१०	व	५३	३०	तै	२१	१३	४	५९	१	२३	१	१७	बृषे	रा. आश्विनारंभः ●५९।१९ च. व्र.
६	बु	२७	०	रो	४५	३०	सि	५५	४०	व	२७	०	३०/००	०/६००	०/६००	२४	२	१८	वृषे	भ.२७।०उ. मकरे भौमः२३।१६ विशा.×
७	गु	३३	१४	मृ	५२	४६	व्य	५८	०	वि	०	७	२९/५५	६/१	५/५९	२५	३	१९	मि१९।१३	भ. ०।७ या. चित्रा. बुधः ५।२१
८	शु	३९	३०	आ	६०	०	व	६०	०	बा	६	२२	५१	२	५८	२६	४	२०	मिथुने	
९	श	४५	१	आ	०	२४	व	०	१७	तै	१२	१६	४७	३	५७	२७	५	२१	क.५०।३४	हस्ते रविः १।४१ (सौरः ३३/४९) मातृ ९
१०	र	४९	१७	पु	७	०	प	२	१	व	१७	९	४३	३	५७	२८	६	२२	कर्के	भ. १७।९ उ. ४९।१७ या.
११	चं	५२	५	पु	१२	१८	शि	२	४४	ब	२०	४१	३८	४	५६	२९	७	२३	कर्के	तुलायां बुधः ३२।१८ इन्दिरा ११ व्र.
१२	मं	५२	५९	श्ले	१६	११	सि	२	२३	कौ	२२	३२	३४	५	५५	३०	८	२४	सिं१६।११	
१३	बु	५२	५	म	१८	१३	सा	३०/८	५६/४८	ग	२२	३२	३०	६	५४	१	९	२५	सिंहे	भ.५२।५उ. अक्टूबरमा.१०ता.३१प्रदोषः
१४	गु	४९	२२	पू	१८	२३	शु	५२	४६	वि	२०	४३	२६	७	५३	२	१०	२६	कं.३३।१	भ. २०।४३ या. शस्त्रादिहतानांश्राद्धं
३०	शु	४५	११	उ	१६	५८	ब्र	४६	४४	च	१७	१६	२२	८	५२	३	११	२७	कन्यायां	सर्वपितृश्राद्धम् ×शुक्रः ५६।३९

२४पं.आ.कृ.३सू.इ.५०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	१०	६	७	११	५
४	२८	१७	२२	१७	११	२८	४
५५	५९	४९	५४	४५	३	९	२२
१९	४२	५	४०	२५	०	५६	४२
५८	२३	९/०	३७/	३९	४	३	५८
३८	४३	२/६	व	१७	२९	११	४५

गोचरग्रहाः

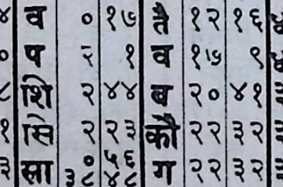

इस मास में ५ शुक्रवार शुभ हैं। बुध का उदय कहीं कहीं वर्षा करेगा। रुई चांदी सोना गेहूं गुड़ मन्दा होगा।

गोचरग्रहाः

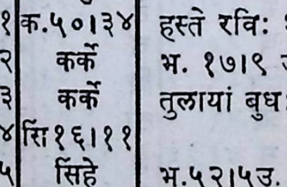

२५पं.आ.कृ.१०सू.इ.५०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	१०	६	७	११	५
११	२	२८	२२	२१	११	२७	११
४६	८	५४	३	५८	३३	४७	१४
५५	४६	७	४७	१	३२	४०	४४
५८	२६	९४	७/२	३०	४	३	५९
५३	३	४९	व	१६	५६	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४९३० स.१९८६
१	श	४०	५१	ह	१४	१४	ऐं	३९	५८	किं	१३	१	२९/५८	६/८	५/५२	४	१२	२८	तु.४२।१४	स्वात्यांबुध:७।५५ मातामहश्रा. नवरात्रा.
२	र	३३	३९	चि	१०	१४	वै	३२	२२	बा	७	१५	१४	९	५१	५	१३	२९	तुलायां	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	२७	१६	स्वा	६	५८	वि	२४	२५	तै	०	२७	१०	१०	५०	६	१४	१	वृ.४८।१	भ. ५३।५७ उ. सफर २
४	मं	२०	३८	वि	२१	५५/२६	प्री	१६	१	वि	२०	३८	६	११	४९	७	१५	२	बृश्चिके	भ. २०।३८ या. ×खग्रास चन्द्रग्रहणम्
५	बु	१४	२७	ज्ये	५२	३१	आ	७	५६	बा	१४	२७	२	१२	४८	८	१६	३	ध.५२।३१	
६	गु	८	२९	मू	४८	४१	शो	१५	५२/३२	तै	८	२९	२८/५८	१२	४८	९	१७	४	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम्
७	शु	३	८	पू	४५	१९	अ	४५	३२	व	३	८	५४	१३	४७	१०	१८	५	म.५९।३९	भ. ३/८ उ. ३/४० या. चित्रा.रवि: ३/४ ३/२ सरस्वती पू.
८	शु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श	५३	५५	उ	४२	४१	सु	३९	८	बा	२६	४	५०	१४	४६	११	१९	६	मकरे	चित्रायां रवि: सौर: ५।१५ बलिदानम्
१०	र	५०	२२	श्र	४०	४१	धृ	३३	१	तै	२२	९	४६	१५	४५	१२	२०	७	मकरे	विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
११	चं	४७	३४	ध	३९	३०	शू	२७	३३	व	१८	५८	४२	१६	४४	१३	२१	८	कु.१०।५	भ.१८।५८उ.४७।३४या. विशाखा.बुध:●
१२	मं	४५	१७	श	३८	५७	गं	२२	३८	ब	१६	२५	३८	१६	४४	१४	२२	९	कुम्भे	श्रवणे भौम: १९।११ वक्री शुक्र: ३५।२१
१३	बु	४३	२३	पू	३९	१३	वृ	१८	२२	कौ	१४	२०	३४	१७	४३	१५	२३	१०	मी२४।९	प्रदोष: ●५३।३१ पापांकुशा ११ व्र.
१४	गु	४३	२४	उ	४०	४२	ध्रु	१५	३	ग	१३	२३	३०	१८	४२	१६	२४	११	मीने	भ. ४३।२४ उ.
१५	शु	४५	४२	रे	४३	१३	व्या	१२	२५	वि	१४	३३	२६	१९	४१	१७	२५	१२	मे.४३।१३	भ. १/३ ४/३ या तुलायामर्क: १/२ ७/८ (सौर: ४/५ ७/८)×

२६पं आ.शु.२सू.इ.५०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	१०	६	७	११	५
१८	५	९	२१	२५	१२	२७	१८
४०	२७	१३	१४	६	७	२५	८
८	१८	३७	२६	०	३७	२५	३१
५९	२८	८९	६/१	१८	५	३	५९
९	११	४६	व	३५	२२	११	१६

गोचरग्रहाः

आश्वि.शु.१५ शुक्रे तुलायामर्क: प्र.वा.४ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो पू. ।

गोचरग्रहाः

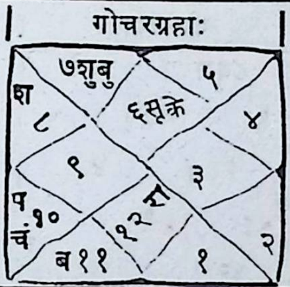

२७पं.आ.शु.१०सू.इ.५०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	१०	६	७	११	५
२५	९	१८	२०	२६	१२	२७	२५
३५	१६	३९	३८	४१	४४	३	४
६	३०	५०	१०	४२	२२	९	१३
५९	२९	७६	५/१४	४	७	३	५९
२१	२१	१	व	८	४९	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४८	१९	अ	४६	३९	ह	११	१०	बा	१७	१	३८/२२	६/२०	५/४०	१८	२६	१३	मेषे	अनु. ४ शनि: ४।१७
२	र	५२	१२	भ	५१	५१	व	१०	२०	तै	२०	१६	१८	२०	४०	१९	२७	१४	मेषे	
३	चं	५७	१७	कृ	५८	९	सि	१०	४४	व	२४	४४	१४	२१	३९	२०	२८	१५	वृ.८।२५	भ २४/४४ उ. ५७/१७ या. रेव. ३ राहु: चित्रा. १●
४	मं	६०	०	रो	६०	०	व्य	१२	१	ब	३०	७	१०	२२	३८	२१	२९	१६	वृषे	वक्री शते ४ गुरु: १६।३२ चतुर्थी व्र.
४	बु	२	५८	रो	४	५६	व	१३	४७	बा	२	५८	६	२३	३७	२२	३०	१७	मि३८।४४	वृश्चिके बुध: ५०।११ ●केतु: ५।३९
५	गु	९	१५	मृ	१२	३३	प	१६	२	तै	९	१५	२	२४	३६	२३	१	१८	मिथुने	स्वात्यां रवि: ५९।३० रा. कार्तिकारम्भ:
६	शु	१०	४७	आ	२०	९	शि	१८	२३	व	१५	४७	२७/५८	२४	३६	२४	२	१९	मिथुने	भ. १५/४७ उ. ४८/४७ या. स्वात्यां रवि: सौर: २८/५६
७	श	२१	४६	पु	२७	१९	सि	२०	३६	ब	२१	४६	५४	२५	३५	२५	३	२०	क.१०।३१	
८	र	२६	४४	पु	३३	३५	सा	२२	७	कौ	२६	४४	५०	२६	३४	२६	४	२१	कर्के	अनु. बुध: ५६।५८
९	चं	३०	१६	श्ले	३८	३३	शु	२२	४०	ग	३०	१६	४६	२७	३३	२७	५	२२	सिं३८।३३	
१०	मं	३२	६	म	४१	३७	शु	२१	४४	व	१	११	४२	२८	३२	२८	६	२३	सिंहे	भ. १।११ उ. ३२।६ या.
११	बु	३१	४७	पू	४२	५३	ब्र	१९	२४	ब	१	५६	३९	२८	३२	२९	७	२४	कं.५७।४०	शुक्रास्त:पश्चिमायां ३५/४८ रमा ११ व्र.शु.अ.प.
१२	गु	२९	२६	उ	४२	०	ऐं	१५	२२	कौ	०	७	३५	२९	३१	३०	८	२५	कन्यायां	प्रदोष: घन १३ +महालक्ष्मी पूजनम्
१३	शु	२५	१७	ह	३९	२७	वै	९	५५	व	२५	१७	३१	३०	३०	३१	९	२६	कन्यायां	भ. २५।१७ उ. ५२।१९ या. रूप १४
१४	श	१९	२०	चि	३५	१३	वि	२/५८	५१/५१	श	१९	२०	२७	३१	२९	१	१०	२७	तु.७।२०	वक्री बुध: ३१/२७ नवम्बर मा. ११ ता. ३०+
३०	र	१२	५	स्वा	२९	४५	आ	४५	३९	ना	१२	५	२४	३१	२९	२	११	२८	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

२८पं.का.कृ.२सू.इ.५०।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	६	७	११	६
२	१३	२६	२०	२६	१३	२६	२
३१	१२	५६	५	१४	२४	४०	१
३४	७	४२	५३	२८	४७	५३	४१
५९	३१	६१	४/५	१३/२३	६	३	५९
३४	२४	४	व	व	१६	११	४६

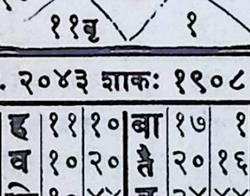

२९पं.का कृ.८सू.इ.४९।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	११	६	७	११	६
९	१७	३	१९	२४	१४	२६	९
२९	१८	१५	४३	२५	७	१८	१
४९	५८	३६	२६	५९	४८	३८	१
५९	३२	३७	५/३	२६/४४	६	३	६०
४७	३१	२२	व	व	२९	११	५२

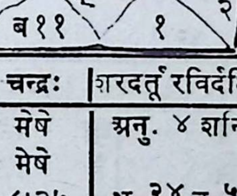

३०पं.का.कृ.३०सू.इ.४९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	१०	६	७	११	६
१६	२१	५	१९	२०	१४	२५	१६
२९	२९	३७	३१	४२	५२	५६	२
३८	२	५२	१	११	५	२२	५
६०	३३	९/५८	१/३१	३५/८	६	३	६०
४	५२	व	व	म	४४	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९६०सन्१९८६
१	चं	४	१३	वि	२३	३५	सौ	३६	११	ब	४	१३	२७/२०	६/३२	५/२८	३	१२	२९	वृ.१०।७	वक्री स्वात्यां शुक्रः १।४५ भ्रातृ २
२	चं	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	मं	४७	५४	अ	१७	१४	शो	२६	२३	तै	२१	५५	१६	३३	२७	४	१३	३०	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम्
४	बु	४०	१०	ज्ये	११	५	अ	१६	५०	व	१४	२	१३	३३	२७	५	१४	१	ध.११।५	भ. १४।२ उ. ४०।१० या. रविलावल ३
५	गु	३३	२१	मू	५	२८	सु	७/२४	५१/४४	ब	६	४६	९	३४	२६	६	१५	२	धनुषि	विशा.रविः १९/५३ (सौरः ४६/२५)धनि.भौमः ६/१९
६	शु	२७	२८	पू	४६	५६/१५	धृ	५१	३४	कौ	०	२५	६	३५	२५	७	१६	३	म.१४।५०	बुधास्तः पश्चिमायाम् २९।३९
७	श	२२	४३	श्र	५४	३४	गं	४४	५३	व	२२	४३	२	३६	२४	८	१७	४	मकरे	भ. २२/४३ उ. ५०/५७ या. वक्री विशा. बुधः १७/२०
८	र	२९	११	ध	५३	११	वृ	३९	१६	ब	१९	११	२६/५९	३६	२४	९	१८	५	कुं.२३।५२	गोपाष्टमी ●३३।९ अक्षय ९
९	चं	१७	०	श	५३	८	ध्रु	३४	३४	कौ	१७	०	५६	३७	२३	१०	१९	६	कुम्भे	वक्री तुलायां बुधः २७।१९ मार्गी गुरुः●
१०	मं	१५	५७	पू	५४	७	व्या	३०	५०	ग	१५	५७	५३	३७	२३	११	२०	७	मी३८।५३	भ.४६।१उ. शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ३७/४८शु.उ.पू.
११	बु	१६	५	उ	५६	२४	ह	२८	१	वि	१६	५	४९	३८	२२	१२	२१	८	मीने	भ. १६।५ या. प्रबोधिनी ११ व्र.
१२	गु	१७	२२	रे	५९	५६	व	२६	११	बा	१७	२२	४६	३९	२१	१३	२२	९	मे.५९।५६	प्रदोषः
१३	शु	१९	४७	अ	६०	०	सि	२५	२०	तै	१९	४७	४३	३९	२१	१४	२३	१०	मेषे	वैकुंठ १४
१४	श	२३	१९	अ	४	२७	व्य	२५	१०	व	२३	१९	४०	४०	२०	१५	२४	११	मेषे	भ.२३।१९उ. ५५/३१या. कुम्भे भौमः ५९।४९
१५	र	२७	४३	भ	९	४०	व	२६	३४	ब	२७	४३	३७	४१	१९	१६	२५	१२	वृ.२६।१६	वृश्चिकेऽर्कः १५।१५ (सौरः ४०।४२)

३१पं.का.शु.८सू.इ.४९।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	१०	६	७	११	६
२३	२५	०	१९	१६	१५	२५	२३
३०	५८	५३	२७	३०	३८	३४	४
५८	२३	१७	४३	२६	४२	७	४१
६०	३४	६४/३५	०/७	३४/१२	७	३	६०
१७	५२	व	व	व	२	११	३०

गोचरग्रहाः

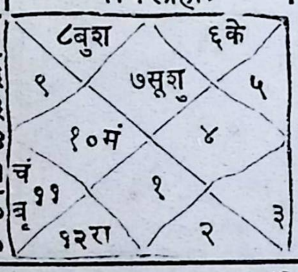

का शु. १५ रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३२पं.का.शु.१५सू.इ.४९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	६	१०	६	७	११	७
०	०	२२	१९	१३	१६	२५	०
३३	२९	३०	३५	११	२६	११	८
४७	२८	४०	२	३५	३१	५१	४५
६०	३५	७१/२९	१/१०	२३/१६	७	३	६०
३०	४४	व	मा	व	१०	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृर्तू रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३३	२३	कृ	१६	७	प	२७	०	बा	०	३३	२६/३४	६/४१	५/१९	१७	२६	१२	वृषे	ग्रस्तं शनेः ४८।३८
२	मं	३९	४	रो	२२	४८	शि	२८	२९	तै	६	१४	३१	४२	१८	१८	२७	१४	मि५६।३६	वक्री स्वात्यां बुधः ५५/४६ ज्येष्ठा. १ शनिः ४२/११
३	बु	४५	३७	मृ	३०	२३	सि	३०	४५	व	१२	२१	२९	४२	१८	१९	२८	१५	मिथुने	भ.१२।२१उ.४५।३७या. अनु. रविः ३४/१५×
४	गु	५१	५९	आ	३७	५५	सा	३३	७	ब	१८	४८	२६	४३	१७	२०	२९	१६	मिथुने	चतुर्थी व्र. ●पातमोक्षः २८।१६
५	शु	५८	१५	पु	४५	३१	शु	३५	२७	कौ	२५	७	२४	४३	१७	२१	३०	१७	क.२८।३७	×(सौरः ५८/३०) बुधोदयः पूर्वस्याम् ४।१६
६	श	६०	०	पु	५२	२४	शु	३७	१७	ग	३१	३	२१	४४	१६	२२	१	१८	कर्के	मार्गी बुधः २३।५१ रा. मार्गशीर्षारंभः
६	र	३	५४	श्ले	५८	२१	ब्र	३८	२८	व	३	५४	१९	४४	१६	२३	२	१९	सिं५८।२१	भ. ३।५४ उ. ३३।२ या. पातस्पर्शः १३/१८●
७	चं	८	१०	म	६०	०	ऐं	३८	४४	ब	८	१०	१६	४५	१५	२४	३	२०	सिंहे	
८	मं	११	१	म	२	५३	वै	३७	४०	कौ	११	१	१३	४५	१५	२५	४	२१	सिंहे	विशा. बुधः २६।०
९	बु	११	५९	पू	५	३८	वि	३५	७	ग	११	५९	११	४६	१४	२६	५	२२	कं.२०।५१	भ. ४१।२६ उ. शते भौमः २३।१४
१०	गु	१०	५६	उ	६	२९	प्री	३०	५६	वि	१०	५६	८	४६	१४	२७	६	२३	कन्यायां	भ.१०।५६या. पूभा.१गुरुः १।४३ मार्गी+
११	शु	७	५३	ह	५	१९	आ	२५	८	बा	७	५३	६	४७	१३	२८	७	२४	तु.३३।४३	उत्पत्ति ११ व्र. +शुक्रः १२।३२
१२	श	२	४३	चि	२/५	५५/१	सौ	१७	४७	तै	२	४३	३	४७	१३	२९	८	२५	तुलायां	भ. ५६।० उ. प्रदोषः
१३	श	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	र	४७	४६	वि	५०	५६	शो	५८	५०/१५	वि	२१	५२	१	४८	१२	३०	९	२६	वृ.३७।२८	भ. २१।५२ या.
३०	चं	३८	४०	अ	४३	३८	सु	४८	४७	च	१३	१३	२५/५९	४८	१२	१	१०	२७	वृश्चिके	दिसम्बर मा. १२ ता.३१ सोमवती ३०

३३पं.मा.कृ.६सू.इ.४९।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	६	१०	६	७	११	७
७	५	१९	१९	११	१०	२४	७
३७	६	३०	५१	२९	१५	४४	१४
३७	१८	३६	३२	५६	२९	३५	१८
६०	३६	३८/१२	२	७/४६	७	३	६०
४२	२८	मा	३२	व	१७	११	५३

गोचरग्रहाः

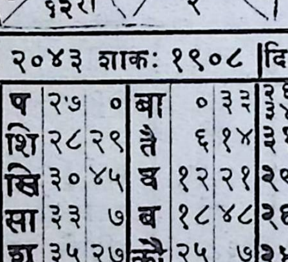

इस मासमें सोमवती अमावस्या अनाज गल्ला रुई पाट वारदाना गुड़ खांड़ मंदा होकर सुदी में तेज होगा।

गोचरग्रहाः

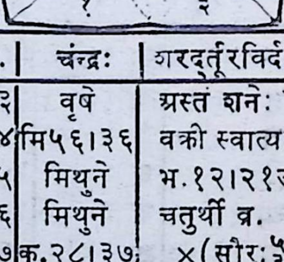

३४पं.मा.कृ.१४सू.इ.४८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	६	१०	६	७	११	७
१४	९	२४	२०	११	१८	२४	१४
४२	४६	२८	१७	४४	४	२७	२१
५४	२६	५९	५६	२	३७	२०	४
६०	३७	६२	४	८/१६	७	३	६१
५०	११	५७	४	मा	२०	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४९८९स.१९८६
१	मं	२९	१६	ज्ये	३६	१३	धृ	३७	५७	किं	३	५८	२५/५७	६/४९	५/११	२	११	२८	ध.३६।१३	ज्येष्ठा. रविः ४४।२५
२	बु	१९	५५	मू	२८	४३	शू	२७	११	कौ	१९	५५	५५	४९	११	३	१२	२९	धनुषि	ज्येष्ठा रविः सौरः ५।४० चन्द्रदर्शनम्
३	गु	११	१४	पू	२१	५९	गं	१६	५६	ग	११	१४	५३	४९	११	४	१३	१	म.३५।३२	भ. ३७।२२ उ. रविलाखर ४
४	शु	३	३०	उ	१६	१०	वृ	७/९	५१/४१	वि	३	३०	५१	५०	१०	५	१४	२	मकरे	भ. ३ ३/० या वृश्चिके बुधः २३।२ पातस्पर्शः●
५	शु	५३	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	श	५२	२०	श्र	११	४९	व्या	५१	४९	कौ	२४	४५	४९	५०	१०	६	१५	३	कु.४०।२७	चम्पा ६ ●३७।१५ मोक्षः ५१।४०
७	र	४९	२३	ध	९	५	ह	४६	४	ग	२०	४५	४८	५०	१०	७	१६	४	कुम्भे	भ. ४९।२३ उ. अनु. बुधः ५१।३५
८	चं	४८	०	श	८	७	व	४१	४०	वि	१८	४५	४६	५१	९	८	१७	५	मी५३।२८	भ. १८।४५ या.
९	मं	४८	२५	पू	८	३५	सि	३८	३५	बा	१८	१३	४५	५१	२	९	१८	६	मीने	
१०	बु	५०	१९	उ	१०	५०	व्य	३६	४६	तै	१९	२२	४४	५१	९	१०	१९	७	मीने	
११	गु	५३	४१	रे	१४	२३	व	३६	२	व	२२	३	४२	५२	८	११	२०	८	मे.१४।२३	भ. २ ३/३ उ ५/४ ३/१ या. मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१२	शु	५७	५३	अ	१९	२२	प	३६	३०	ब	२५	४७	४१	५२	८	१२	२१	९	मेषे	
१३	श	६०	०	भ	२५	३०	शि	३७	७	कौ	३०	२८	४०	५२	८	१३	२२	१०	वृ.४२।९	प्रदोषः ×पूभा.भौमः५२।२९ दत्तजयंती
१३	र	३	३	कृ	३२	७	सि	३८	४६	तै	३	३	३९	५२	८	१४	२३	११	वृषे	
१४	चं	९	१	रो	३९	११	सा	४०	३२	व	९	१	३८	५२	८	१५	२४	१२	वृषे	भ. ९/१ उ. ४ ३/५ या. मूले धनुष्यर्कः ५१।३७×
१५	मं	१५	७	मृ	४६	२६	शु	४२	५०	ब	१५	७	३८	५२	८	१६	२५	१३	मि१२।५५	मूले धनुष्यर्कः सौरः ९/१४ ज्ये. २ शनिः ५८/१९

३५पं.मा.शु.७सू.इ.४८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	६	७	११	७
२१	१४	३	२०	१३	१८	२४	२१
४८	३०	१५	५३	४१	५४	५	२८
५५	१४	५८	३५	४६	५०	४	४९
६०	३७	८०	५	२१	७	३	६१
५६	४९	५५	५	५६	२०	११	११

गोचरग्रहाः

मार्ग. शु १४ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न.३ बालावस्था (बैंठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

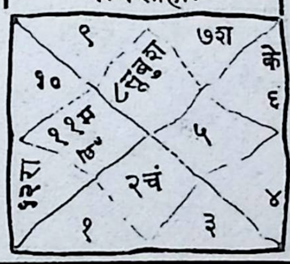

३६पं.मा.शु.१३सू.इ.४८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	६	७	११	७
२८	१९	१३	२१	१७	१९	२३	२८
५५	१९	२०	३७	१९	४४	४२	३७
५२	२६	२०	४४	३७	१०	४९	३२
६१	३८	८९	६	३३	७	३	६१
०	२	१३	१५	१४	१९	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२१	३२	आ	५४	०	शु	४४	५५	कौ	२१	३२	३५/३७	५ ६/३	५/७	१७	२६	१४	मिथुने	ज्येष्ठा. बुधः २।४६
२	गु	२७	५६	पु	६०	०	ब्र	४७	७	ग	२७	५६	३७	५३	७	१८	२७	१५	क.४४।३८	विशा. शुक्रः ४५।३५
३	शु	३३	५९	पु	१	३०	ऐं	४९	१३	व	०	५८	३७	५३	७	१९	२८	१६	कर्के	भ. ०।५८ उ. ३३।५९ या.
४	श	३९	२३	पु	८	३२	वै	५०	१९	ब	६	४१	३६	५३	७	२०	२९	१७	कर्के	बुधास्तः पूर्वस्याम् २०।५५ चतुर्थी व्र.
५	र	४०	५	श्ले	१४	४३	वि	५०	५९	कौ	११	४४	३६	५३	७	२१	३०	१८	सि१४।४३	रेव.२ राहुः हस्ते ४केतुः ५८/३९ उदयं शनेः १४/२३
६	चं	४७	३५	म	२०	७	प्री	५०	४७	ग	१५	५०	३६	५३	७	२२	१	१९	सिंहे	भ. ४७।३५ उ. रा. पौषारंभः
७	मं	४९	३३	पू	२३	५८	आ	४९	२७	वि	१८	३४	३६	५३	७	२३	२	२०	कं.३९।३३	भ. १८।३४ या.
८	बु	४९	४४	उ	२६	२१	सौ	४६	४७	बा	१९	३८	३६	५३	७	२४	३	२१	कन्यायां	
९	गु	४८	१६	ह	२७	८	शो	४२	४३	तै	१९	०	३७	५३	७	२५	४	२२	तु.५६।३२	मूले धनुषि बुधः ५६।९
१०	शु	४४	५०	चि	२५	५६	अ	३७	४	व	१६	३३	३७	५३	७	२६	५	२३	तुलायां	भ. १६।३३ उ. ४४।५० या.
११	श	३९	२७	स्वा	२२	५५	सु	२९	४६	ब	१२	८	३७	५३	७	२७	६	२४	तुलायां	पूभा. २ गुरुः ३५।२१ सफला ११ व्र.
१२	र	३२	३५	वि	१८	१	धृ	२१	२०	कौ	६	१	३८	५२	८	२८	७	२५	वृ.४।१४	पूषायां रविः ५६।३२
१३	चं	२४	१७	अ	११	५९	शू	११	४३	व	२४	१७	३८	५२	८	२९	८	२६	वृश्चिके	भ. २४/१७ उ. ४९/४८ या. पूषा. रविः १०/५२ प्रदोषः
१४	मं	१५	२	ज्ये	४/४	५२/५	गं	१६/१	४८/४८	श	१५	२	३९	५२	८	३०	९	२७	ध.४।४४	मीने भौमः २४।४१
३०	बु	५	२१	पू	४८	५५	ध्रु	३९	१	ना	५	२१	४०	५२	८	३१	१०	२८	धनुषि	वृश्चिके शुक्रः ४२।१८

३७पं. पौ.कृ.५सू.इ.४८।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	१०	६	७	११	८
६	२४	२३	२२	२२	२०	२३	५
३	७	५१	३०	६	३३	२०	४६
२९	८	४७	२५	१८	०	३३	५७
६१	३८	९४	७	४१	७	३	६१
४	१३	१३	१५	२८	११	११	२२

गोचरग्रहाः

धनु राशि गतो भानुःसुभिक्षं तत्र जायते। तिलं तैल महर्घ च कार्पासादि तथैव च।। गुड़बिनौल:अलसी मंदी हो।

गोचरग्रहाः

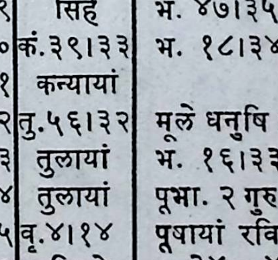

३८पं. पौ.कृ.१२सू.इ.४८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	१०	६	७	११	८
१३	२८	४	२३	२७	२१	२२	१२
११	५७	४०	३०	४०	२०	५८	५६
३१	४७	३७	७	४८	२४	१७	४९
६१	३८	९७	८	४७	७	३	६१
६	४१	५२	२०	५८	२	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०४३	शाकः	१९०८								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	गु	४६	२९	उ	४१	४३	व्या	२७	५५	बा	२१	२	२५/४०	६/५२	५/८	१	११	२९	म. २।७
३	शु	३८	२६	श्र	३५	२६	ह	१८	२	तै	१२	२८	४१	५२	८	२	१२	१	मकरे
४	श	३१	५०	ध	३०	२६	व	८	५२	व	५	८	४२	५२	८	३	१३	२	कुं.२।५६
५	र	२७	१५	श	२७	२०	सि	१६	५४/१२	बा	२७	१५	४३	५१	९	४	१४	३	कुंभे
६	चं	२४	४०	पू	२६	११	व	५०	५१	तै	२४	४०	४४	५१	९	५	१५	४	मी ११।२९
७	मं	२३	५८	उ	२७	१०	प	४८	७	व	२३	५८	४६	५१	९	६	१६	५	मीने
८	बु	२५	२१	रे	३०	८	शि	४६	४२	ब	२५	२१	४७	५१	९	७	१७	६	मे.३०।८
९	गु	२८	३१	अ	३४	४३	सि	४६	५९	कौ	२८	३१	४९	५०	१०	८	१८	७	मेषे
१०	शु	३२	५९	भ	४०	४४	सा	४७	४५	तै	०	४५	५०	५०	१०	९	१९	८	वृ.५७।१०
११	श	३८	३१	कृ	४६	३०	शु	४९	२६	व	५	४५	५२	५०	१०	१०	२०	९	वृषे
१२	र	४४	५३	रो	५४	४६	शु	५१	२८	ब	११	४२	५४	४९	११	११	२१	१०	वृषे
१३	चं	५१	१७	मृ	६०	०	ब्र	५३	३८	कौ	१८	५	५६	४९	११	१२	२२	११	मि २८।३६
१४	मं	५७	४७	मृ	२	२६	ऐं	५६	२२	ग	२४	३२	५८	४८	१२	१३	२३	१२	मिथुने
१५	बु	६०	०	आ	९	५८	वै	५७	५३	वि	३०	५२	२६/१	४८	१२	१४	२४	१३	मिथुने
१५	गु	३	५८	पु	१७	११	वि	५९	३५	ब	३	५८	२	४७	१३	१५	२५	१४	क.०।२३

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०१९स.१९८७

जनवरी मा.१ता.३१ सन्१९८७ई. चंद्र द. जमादिलावल ५
भ. ५।८ उ. ३१/५० या. पूषायां बुधः २३।३३
उभा. भौमः ३२।२८ अनु. शुक्रः १४।२२
भ. २३।५८ उ. ५४।४० या.
भ. ५।४५ उ. ३६/३१ या. पुत्रदा ११ व्र.
उषा. रविः १/१७ सौरः १२/१९ उषायां बुधः ३५/१६
प्रदोषः
भ. ५७।४७ उ. मकरे बुधः ३१।४१
भ. ३/६ २या. मकरेऽर्कः १७।४१ (सौरः ३७/४४)

३९पं. पौ.शु.५सू.इ.४८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१०	७	७	११	८
२०	३	१५	२४	३	२२	२२	२०
१९	५०	४१	३६	४९	७	३६	६
२६	१०	२०	३६	५	५	२	४६
६१	३९	०	९	५३	६	३	६१
६	१	१८	१२	१२	४५	११	२६

गोचरग्रहाः

पौष शु. १५ बुधे मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्या.भावे समर्घता शुक्रोदयः पू।

गोचरग्रहाः

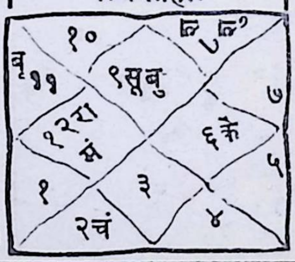

४०पं.पौ.शु.१२सू.इ.४८।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१०	७	७	११	८
२७	७	२७	२५	१०	२२	२२	२७
२७	४२	१	४८	३५	५१	१३	१६
४०	३६	५९	२३	३५	२९	४६	३८
६१	३९	०	९	५८	६	३	६१
६	२१	५	५८	५०	२९	११	२४

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं० २०४३	शाकः	१९०८								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	९	३८	पु	२३	५२	प्री	६०	०	कौ	९	३८	२६/५	६/४७	५/१३	१६	२६	१५	कर्के
२	श	१४	४१	श्ले	२९	४१	प्री	०	३८	ग	१४	४१	८	४६	१४	१७	२७	१६	सि २९।४१
३	र	१८	४६	म	३४	५३	आ	१	४	वि	१८	४६	१०	४६	१४	१८	२८	१७	सिंहे
४	चं	२१	५५	पू	३९	०	सौ	५६	५८/५४	बा	२१	५५	१२	४६	१४	१९	२९	१८	कं.५४।४६
५	मं	२३	४३	उ	४२	२	अ	५७	५३	तै	२३	४३	१५	४५	१५	२०	३०	१९	कन्यायां
६	बु	२४	३३	ह	४३	४४	सु	५४	५६	व	२४	३३	१७	४५	१५	२१	१	२०	कन्यायां
७	गु	२३	५६	चि	४४	१९	धृ	५०	३७	ब	२३	५६	२०	४४	१६	२२	२	२१	तु.१३।५८
८	शु	२१	५३	स्वा	४२	५५	शू	४३	८	कौ	२१	५३	२२	४४	१६	२३	३	२२	तुलायां
९	श	१८	१४	वि	४०	९	गं	३८	३३	ग	१८	१४	२५	४३	१७	२४	४	२३	वृ.२५।५०
१०	र	१३	१३	अ	३६	५	वृ	३०	३८	वि	१३	१३	२७	४३	१७	२५	५	२४	बृश्चिके
११	चं	६	३९	ज्ये	३०	४४	ध्रु	२१	४३	बा	६	३९	३०	४२	१८	२६	६	२५	ध.३०।४४
१२	चं	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	मं	५०	३२	मू	२४	१८	व्या	११	५९	ग	२४	४७	३३	४१	१९	२७	७	२६	धनुषि
१४	बु	४१	१६	पू	१७	१३	ह	४१	४९/२१	वि	१५	५४	३६	४१	१९	२८	८	२७	म.३०।४३
३०	गु	३२	११	उ	९	४९	सि	४०	३३	च	६	४४	३९	४०	२०	२९	९	२८	मकरे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पूभायां३ गुरुः ३/३ ०/३ ज्येष्ठायां ३ शनिः२९।८
भ. ४६।४३ उ. ज्यष्ठा. शुक्रः ४७।३४
भ. १८।४६ या. चतुर्थी व्र.
श्रवणे बुधः ३४।११
अभि. प्र. रविः ५०।२६ (सौरः ५९।६)
भ.२४।३३उ.५४।१५या. रा. माघारंभः
रेवत्यां भौमः २।१३ पातस्पर्शः ४८।४४
भ. ४५।४३उ. श्रवणे रविः ६।४९ (सौरः*
भ. १/१ ३/३ या. अभि. नि. रविः सौरः ७।१९
षटतिला ११ व्र.
*१५/३) अभि नि. रविः ५९/१८ मोक्षः ११९
भ.५०।३२उ. धनि. बुधः २०।२९ प्रदोषः
भ. १५।५४ या.

४१पं.मा.कृ.३सू.इ.४८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	१०	७	७	११	९
४	१३	८	२७	१७	२२	२१	४
३५	३५	३८	६	४०	३४	५१	२६
३१	२८	३१	२३	२६	३०	३१	७
६१	३९	०	१०	५९	६	३	६१
३	३५	७	४४	५८	१५	११	१९

गोचरग्रहाः

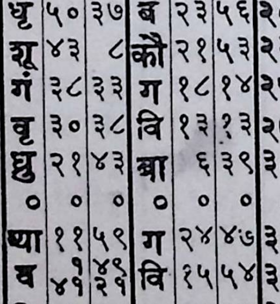

इस मासमें ५ शुक्रवार शुभ है धा. मंदा चांदी सोना सूत रुई तेज हो। गुड़ का वायदा मंदा रहे।

गोचरग्रहाः

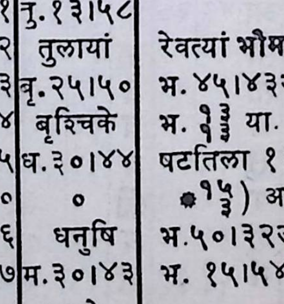

४२पं.मा.कृ.१०सू.इ.४८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	१०	७	७	११	९
११	१८	२०	२८	२५	२४	२१	११
४२	२९	३७	३०	४	१३	२९	३४
५८	२०	५९	४०	३०	५२	१५	५८
६०	३९	०	११	६२	५	३	६१
५९	३३	२	२०	१७	४८	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः५०४८ स.१९८७
१	शु	२३	३१	श्र	५८	५४	व्य	३०	४०	ब	२३	३१	२६ ४२	६ ४०	५ २०	२०	१०	२९	कुं.३०।२५	मूले धनुषि शुक्रः १७।४५
२	श	१५	५६	श	५२	१०	व	२१	५२	कौ	१५	५६	४६	३९	२१	३१	११	३०	कुम्भे	कुंभे बुधः ३१ बुधो.पश्चि.३४ चंद्रदर्शनम्
३	र	१०	२	पू	४९	७	प	१४	१०	ग	१०	२	४९	३८	२२	१	१२	१	मी३४।५३	भ. ३७।५३ उ. फरवरी मा. २ ता. २८=
४	चं	५	४५	उ	४८	२४	शि	७	५३	वि	५	४५	५२	३८	२२	२	१३	२	मीने	भ. ५।४५ या. पूभा. ४ मीनेगुरुः ५।५४
५	मं	३	४९	रे	४९	३८	सि	३	३७	बा	३	४९	५५	३७	२३	३	१४	३	मे.४९।३८	वसंतपंचमी =जमादिलाखर ६
६	बु	२	५०	अ	५२	५६	सा	१	४	तै	३	५०	५९	३६	२४	४	१५	४	मेषे	शते बुधः ९।१८ पातस्पर्शः ५२।२६
७	गु	६	६	भ	५७	५०	शु	०	९	व	६	६	२७	३६	२४	५	१६	५	मेषे	भ.६।६उ.३८।७या. भानु७पातमोक्षः४७
८	शु	१०	७	कृ	६०	०	शु	०	८	ब	१०	७	६	३५	२५	६	१७	६	वृ.१४।२६	धनि.रविः१५।१०(सौरः३०५४)भीष्माष्टमी
९	श	१५	२४	कृ	४	१२	ब्र	१	३२	कौ	१५	२४	९	३४	२६	७	१८	७	वृषे	
१०	र	२१	४६	रो	११	३२	ऐं	३	३१	ग	२१	४६	१३	३३	२७	८	१९	८	मि४५।२१	भ. ५४।५८ उ.
११	चं	२८	११	मृ	१९	१०	वै	५	४७	वि	२८	११	१६	३३	२७	९	२०	९	मिथुने	भ. २८।११ या. जया ११ व्र.
१२	मं	३४	४०	आ	२६	४५	वि	८	११	ब	१	२६	२०	३२	२८	१०	२१	१०	मिथुने	
१३	बु	४०	४९	पु	३३	५५	प्री	१०	११	कौ	७	४४	२४	३१	२९	११	२२	११	क.१७।७	अश्वि.मेषेभौम ३० पूषा.शुक्रः ३४ प्रदोषः
१४	गु	४६	५	पु	४०	३४	आ	११	४९	ग	१३	२७	२७	३१	२९	१२	२३	१२	कर्के	भ. ४६।५ उ. कुंभेऽर्कः ५० (सौरः ५४)
१५	शु	५०	९	श्ले	४६	२	सौ	१२	३८	वि	१८	७	३१	३०	३०	१३	२४	१३	सि४६।२	भ. १८।७ या.

४३पं. मा.शु.३र.इ.४८।१३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	८	७	११	९
१८	२३	२	२९	२	२४	२१	१८
४९	२१	४२	५६	४०	५१	६	४३
२६	३५	४०	२८	५५	२५	५९	१
६०	३९	०	११	६४	५	३	६१
५५	३५	५६	५९	१०	२०	११	४

गोचरग्रहाः

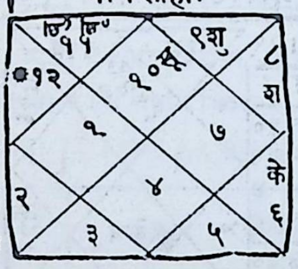

माघ शु.१४ गुरौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ नं. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु.१५ (धान्यादि भावे महर्घता) शुक्रोदयं पू. ।

गोचरग्रहाः

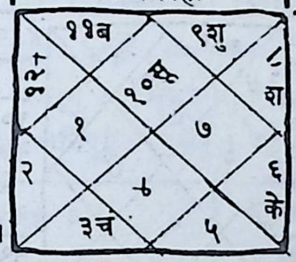

४४पं.मा.शु.१०र.इ.४८।२३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	११	८	७	११	९
२५	२८	१३	१	१०	२५	२०	२५
५५	१२	३५	२७	२९	२५	४४	४९
१६	३२	३५	२५	२	१६	४४	४८
६०	३९	९३	१२	६५	४	३	६०
४७	५०	२६	२९	४३	५३	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५३	२०	म	५०	३६	शो	१२	४६	बा	२१	४५	३७ ३५	६ २५	५ ३१	१४	२५	१४	सिंहे	
२	र	५५	५७	पू	५४	०	अ	१२	७	तै	२४	३८	३८	२८	३२	१५	२६	१५	सिंहे	पूभा. बुधः ३०।५४
३	चं	५६	४५	उ	५६	३२	सु	१०	२६	व	२६	२१	४२	२८	३२	१६	२७	१६	कं.।९३८	भ. २६।२१ उ. ५६।४५ या.
४	मं	५६	४७	ह	५८	०	धृ	८	५	ब	२६	४६	४६	२७	३३	१७	२८	१७	कन्यायां	उभा. १ गुरुः २०।३९ च. व्र.
५	बु	५५	५२	चि	५८	२५	शू	४	५३	कौ	२६	१९	५०	२६	३४	१८	२९	१८	तु.२८।१२	वक्री बुधः ४५।२६
६	गु	५४	०	स्वा	५७	५८	गं	५९	५४ १२	ग	२४	५६	५४	२५	३५	१९	३०	१९	तुलायां	भ. ५४।० उ. शतेरविः ४६ (सौरः ९३)
७	शु	५०	५०	वि	५६	२२	ध्रु	५०	३७	वि	२२	२९	५८	२४	३६	२०	१	२०	वृ.४१।४६	भ.२२या.बुधास्तःपश्चि.५५रा.फाल्गुना.
८	श	४७	१३	अ	५४	५५	व्या	४४	१८	बा	१९	६	२२	२४	३६	२१	२	२१	वृश्चिके	वक्री शते बुधः ४९।३१
९	र	४२	१६	ज्ये	५०	२६	ह	३७	९	तै	१४	४४	६	२३	३७	२२	३	२२	ध.५०।२६	उषा.शुक्रः५७रेवती१राहुःहस्ते३केतुः५७
१०	चं	३६	३१	मू	४६	७	व	२९	१७	व	९	२३	१०	२२	३८	२३	४	२३	धनुषि	भ. ९।२३ उ. ३६।३१ या.
११	मं	२९	४६	पू	४०	५९	सि	२०	३६	ब	३	८	१४	२१	३९	२४	५	२४	म.५४।३१	विजया ११ व्र.
१२	बु	२२	२६	उ	३५	८	व्य	११	३९	तै	२२	२६	१८	२०	४०	२५	६	२५	मकरे	मकरे शुक्रः ५५।२५ प्रदोषः
१३	गु	१४	४३	श्र	२९	१६	व	३ १७	५० ४८	व	१४	४३	२२	२०	४०	२६	७	२६	कु.५६।३५	भ. १४।४३ उ. ५० या. शिवरात्री व्र.
१४	शु	६	५८	ध	२३	५४	शि	४४	१२	श	६	५८	२६	१९	४१	२७	८	२७	कुम्भे	
३०	शु	५२	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४५पं. फा.कृ.२र.इ.४८।३७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	११	८	७	११	१०
३	३	२०	३	१८	२५	२०	२
०	३	९	०	२६	५५	२२	५५
४	२५	५४	२५	१७	१२	२८	५१
६०	३९	३३	१२	६७	४	३	६०
३७	३९	३२	४६	२३	२५	११	४२

गोचरग्रहाः

फाल्गुन शु. १४ शनौ मीनेऽर्कः प्र. वा.३ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यादिभावे समता) शुक्रो. पू.

गोचरग्रहाः

४६पं. फा.कृ.९र.इ.४८।५२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	११	८	७	११	१०
१०	७	१९	४	२६	२६	२०	१०
३	५३	१४	३६	२९	२१	०	०
३२	२८	१३	३६	५३	३२	१३	२४
६०	३९	५६	१३	६८	३	३	६०
२५	४७	व	१०	७	४४	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	५३	३७	श	१८	५६	स	३६	१०	किं	२६	११	३०८	१६८	४३	२८	९	२८	कुम्भे
२	र	४७	४७	पू	१५	१९	सा	२९	१७	बा	२०	४१	३४	१७	४३	१	१०	२९	मी १।७
३	चं	४५	४३	उ	१३	१	शु	२३	४६	तै	१६	४५	३८	१६	४४	२	११	१	मीने
४	मं	४४	४७	रे	१३	१४	शु	२०	४०	व	१५	१५	४२	१६	४४	३	१२	२	मे.१३।१४
५	बु	४५	५७	अ	१४	३९	ब्र	१७	२८	ब	१५	२२	४६	१५	४५	४	१३	३	मेषे
६	गु	४८	५९	भ	१८	२२	ऐं	१७	०	कौ	१७	२८	५०	१४	४६	५	१४	४	वृ.३४।४१
७	शु	५३	२६	कृ	२३	४१	वै	१७	१५	ग	२१	१३	५४	१३	४७	६	१५	५	वृषे
८	श	५९	२८	रो	३०	२९	वि	१८	५९	वि	२६	२७	५८	१२	४८	७	१६	६	वृषे
९	र	६०	०	मृ	३७	४२	प्री	२०	४८	बा	३२	३८	२२	१२	४८	८	१७	७	मि ४।५
९	चं	५	४८	आ	४५	२३	आ	२३	१७	कौ	५	४८	६	११	४९	९	१८	८	मिथुने
१०	मं	१२	१४	पु	५२	४७	सौ	२५	२९	ग	१२	१४	१०	१०	५०	१०	१९	९	क.३५।५२
११	बु	१८	१४	पु	५९	२५	शो	२७	१०	वि	१८	१४	१४	९	५१	११	२०	१०	कर्के
१२	गु	२३	२२	श्ले	६०	०	अ	२८	१८	बा	२३	२२	१९	८	५२	१२	२१	११	कर्के
१३	शु	२७	१७	श्ले	४	४५	सु	२८	१	तै	२७	१७	२३	७	५३	१३	२२	१२	सिं४।४५
१४	श	२९	४८	म	९	०	धृ	२७	५	व	२९	४९	२७	७	५३	१४	२३	१३	सिंहे
१५	र	३१	२	पू	१२	४	शू	२५	२	वि	०	२५	३२	६	५४	१५	२४	१४	कं.२७।३०

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५०७७ स.१९८७

ज्येष्ठा. ४ शनिः ३१।४२
मार्च मा.३ता.३१ चन्द्रदर्शनम् फुलरिया२
भरण्या भौमः ४६।७ रज्जव ७
भ. १५/५५ उ. ४४/४७ या. उभा. २ गुरुः ४४।४
पूभा. रविः ४२।५१ (सौरः ४५।०)
भ. ५३/२६ उ. श्रवणे शुक्रः ३२/३३ बुधो. पू. ३४/४३
भ. २६।२७ या. होलाष्टकः
भ.४५।१४ उ. वक्री धनि. बुधः ३२।३४
भ. १८।१४ या. आमलकी ११ व्र.
प्रदोषः ●मार्गी बुधः २४।३७
भ. २९/४९ उ. मीनेऽर्कः ४३/४८ (सौरः ४५।२०)●
भ.०।२५ या. शते बुधः १७/५५ होलिकादहनं

४७पं. फा.शु.२र.इ.४९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	११	९	७	११	१०
१७	१२	१२	६	४	२६	१९	१७
५	४२	३४	१४	३८	४३	३७	३
४६	७	१	३८	४६	५५	२७	५५
६०	३९	६९/३७	१३	६९	३	३	६०
१२	५५	व	२०	१	२	११	२०

४८पं.फा.शु.९ र.इ.४९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	११	९	७	११	१०
२४	१७	७	७	१२	२७	१९	२४
६	३०	३६	५४	५०	१	१५	४
२९	५४	५४	२५	५३	२३	४१	३८
५९	३९	३७	१३	६९	२	३	६०
५८	५८	व	२०	४७	२२	१५	५

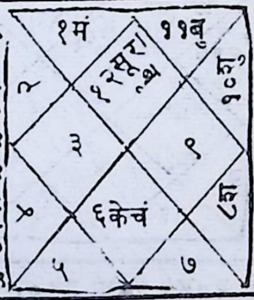

४९पं.फा.शु.१५र.इ ४९।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	११	९	७	११	११
१	२२	६	९	२१	२७	१८	१
५	१५	४४	३३	७	१४	५३	४
४२	११	२९	१७	३०	६	२६	२०
५९	४०	२६	१३	७०	१	३	५९
२९	७	मा	२३	२९	४१	११	४९

त.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४३ शाकः १९०८												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	३०	४३	उ	१३	४४	गं	२१	४६	बा	०	२२	३६	५	५५	१६	२५	१५	कन्यायां
२	मं	२९	२६	ह	१३	५६	वृ	१७	४५	तै	०	४	४०	४	५६	१७	२६	१६	तु.४३।४०
३	बु	२७	६	चि	१३	२४	ध्रु	१३	२	वि	२७	६	४४	३	५७	१८	२७	१७	तुलायां
४	गु	२३	५५	स्वा	१२	१०	व्या	७	४७	बा	२३	५५	४९	२	५८	१९	२८	१८	वृ.५५।३६
५	शु	२०	६	वि	१०	५	ह	५५	५३/४९	तै	२०	६	५३	१	५९	२०	२९	१९	वृश्चिके
६	श	१६	९	अ	७	४५	सि	४९	१	व	१६	९	५७	१	५९	२१	३०	२०	वृश्चिके
७	र	११	३४	ज्ये	४	५५	व्य	४२	११	ब	११	३४	३०	६०	६०	२२	१	२१	ध.४।५५
८	चं	६	३६	मू	४७	५६	व	३४	५७	कौ	६	३६	६	५९	१	२३	२	२२	धनुषि
९	मं	१	२७	उ	५४	१७	प	२७	२९	ग	१	२७	१०	५८	२	२४	३	२३	म.१२।१४
१०	मं	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	बु	४९	५१	श्र	५०	१३	शि	१९	४७	ब	२१	४३	१४	५७	३	२५	४	२४	मकरे
१२	गु	४३	५६	ध	४६	७	सि	११	९	कौ	१६	५३	१८	५६	४	२६	५	२५	कु.१८।१०
१३	शु	३८	५	श	४२	३१	सा	३४	५६	ग	११	१	२३	५५	५	२७	६	२६	कुम्भे
१४	श	३३	०	पू	३९	२५	शु	५१	९	वि	५	३२	२७	५५	५	२८	७	२७	मी२४।५६
३०	र	२८	४४	उ	३७	२३	ब्र	४५	२५	च	०	५२	३१	५४	६	२९	८	२८	मीने

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वसंत १ छारेंडी
भ.५८।१६उ. उभा.३ गुरुः ३९।२४घनि.●
भ.२७/६ या. उभा.रविः ५४/२ (सौरः २५/६) च.व्र
●शुक्रः ४२।३७ अस्तं गुरुः २४।३३
भ. १६।९ उ. ४३।५२ या.
कृत्ति. भौमः १७।७ रा. चैत्रारंभः
कुम्भे शुक्रः १८।३९ शीतलापूजनम्
भ. २८।३१ उ. ५५।३५ या.
पापमोचनी ११ व्रतम् स्मा.
पापमोचनी ११ व्र. वै. नि.
भ.३८।५उ. वृषेभौमः ११।११ प्रदोषः
भ. ५।३२ या. शते शुक्रः ५४।२
मन्वादिः

५०पं. चै.कृ.७ र.इ.५०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	११	९	७	११	११
८	२७	१०	११	२९	२७	१८	८
३	१	४३	१७	२६	२१	३१	२
१८	५९	२६	६	१७	५८	१०	१५
५९	३९	३८	१३	७१	१	३	५९
२९	५४	५८	३८	१	१	११	३५

गोचरग्रहाः

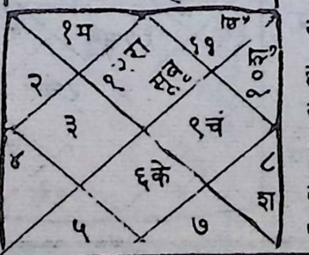

इस मासमें अमावस्या रविवार और होली भी रविवार की होने से धान्यादि के बाजार में तेजी होगी। रोग पीड़ा हो।

गोचरग्रहाः

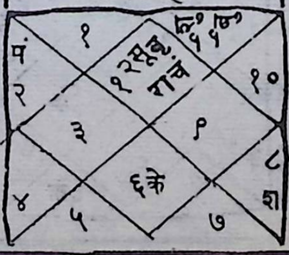

५१पं. चै.कृ.३०र.इ.५०।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	११	१०	७	११	११
१४	१	१७	१२	७	२७	१८	१४
५९	४६	२१	५८	४७	२५	८	५८
१३	८	४३	१२	२०	३७	५५	२२
५९	३९	६२	१३	७१	०	३	५९
१६	५८	१५	३८	३१	१४	११	१८

●चंवृरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८८ भोग्यकलिः ४२६९१२ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्य राज्यात् सम्वत् २०४४ शाकः १९०९ अथास्मिन्वर्षेराजा चन्द्रः । मंत्री भौमः । सस्येशो गुरुः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चन्द्रः । रसेशश्शनिः । नीरसेशो गुरुः । फलेशो रविः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चन्द्रः । एतेदशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां१४ विक्रमनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये: गतमासादिः ८।८।११।३५ भोग्यमासादिः ३।२१।४८।२५ इन्द्रदैवतं युगम्। वर्षनामः भाद्रपदः । मेघ नाम द्रोणः । रोहिणी निवासः पर्वते। समयनिवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा १८ । समयवाहनं मृगः । स्तभाः ३अन्न जलतृणानाम् । सोमवत्यमा १ । सोमवती पंचमी ३। अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी ३। भानुसप्तमी २। रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ३९० । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः १७ । तिथि वृद्धिः १० । उत्पति विश्वा ९३ । खपति विश्वा ८४ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् १३, तृणम् ५. शीतम् ९. तेज ११. वायु १३ वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं ९९ सत्यम्।।. धर्मम् १।।. पाप १८ शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहण २ सूर्यस्य ।

सं. २०४४ आश्विन कृ. ३० बुध
खंडग्रासं ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज.	घं.	५८	०	३		
मध्यम	पल	३१	३४	१४		
रेल्वे	घं.	५	६	७		
टाइम	मि.	५१	४१	३७		

फा. शु. १५ गुरुवार को रात्रि में रेल्वे ९।। बजे अंगुल्याल्प चंद्रग्रहण होना संभव है और मानने योग्य नहीं है ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम ५।५

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़ भैरव खड़ा माता के दरबार ।
चवालीस की साल का कहदो मुखसे सार ।।

भवानी उत्तर

शशि राजा इस वर्ष में शुभफल कारक योग ।
मंत्रीमद कुज को मिला बढै द्वेष अरु रोग ।।
श्रावण में आगे चला रवि रथ से कुजराय ।
भाद्रव कृष्णा पांखलों वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
सस्याधिप गुरु होण से सिद्ध होय सब काज ।
अन्नजल तृण के स्तंभ हैं धान्याधिप युवराज ।।
रोहिणी पर्वत में वसी समय बसे घटकार ।
कहींक पश्चिम देश में मांचे हाहाकार ।।
रजनी पति राजा भये ले दुर्ग मेघ अधिकार ।
राज प्रजा सुख से रहे होसी नैया पार ।।

सं. २०४४ चैत्र कृ. ३० शुक्रे
खंडग्रासं ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणं

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज.	घ.	५८	०	१		
मध्यम	पल.	९	२	४६		
रेल्वे	घं.	५	६	७		
टाइम	मि.	४३	२८	९		

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् १।१७

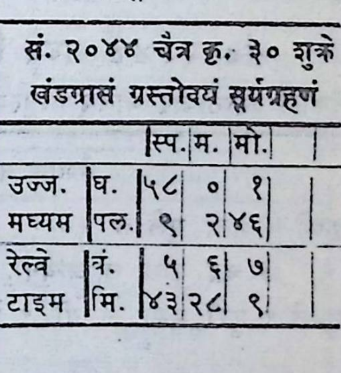

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।३९।४७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः फलम्-चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरंधान्यम् सौख्यंजनानमुदयो नृपाणांप्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ।। मंत्री भौमस्तत्फलम्-अवनिजोननु मंत्रिपद गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना। जनपदेषुजयं सुखसंचयं न वहुगोषुपयो द्विजकर्म च ।। सस्येशो गुरुः फलम्-कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुति पूर्वकः । जलधरा जलदा वहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि च ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्-बुधे धान्याधिपे मेघाःजलं मुचति वैभृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-शशिनितोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषुदुग्ध रसंतदा। फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती नरुभामिनी ।। रसेशः शनिः फलम्-रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गज वाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरानरसैर्युताः ।। नीरसेशोगुरुफलम्-हरिद्रापीत वस्तूनि चित्र वस्त्रादिकञ्चयत्। नीरसेशो यदाजीवो सर्वेषां प्रीति स्तमाः।। फलेशोः रविः फलम्-द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिताफल भोगविशोषिता । बहुजलं जलदोभुविर्मुचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो गुरुः फलम्-सुमनसाचगुरुर्द्रविणा धिपो वणिज वृत्तिपरा सुख भाजनाः । फलित् पुष्पित भूमिरूह्वाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः ।। दुर्गेशश्चन्द्रस्तत्फलम्-गढ़पतिः शशलान्छनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरंजाः । वहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरावर वर्णित विग्रहाः ।। विक्रमनाम संवत्सरस्तत्फलम्-विक्रमाब्दे धराधीशा विक्रमा क्रांतभृतयः । सर्वत्रसर्वदा मेघाः मुचंति कामदं जलम् ।। वर्षनाम भाद्रपदस्तत्फलम्-अर्घ महर्घतां यांति धनधान्यं समं भवेत् । मघवावर्षति स्वच्छं संपदो भाद्रवर्षके ।। मेघनाम द्रोणः फलम्-द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्-पर्वते विंदुमात्रश्च ।। समय निवासो कुंभकार गृहे फलम्-अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०४४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख ज्येष्ठाषाढ मासेषु गोघूल्यां भौमः ७।८ स्थित दोषः

वैशाख मासः

कृष्णे ५ शनौ मूले ल. १०-११ रे. ६ ।।।।।ऽनृऽऽ।ऽ दग्धा.

,, ७ चंद्रे उषा. ल. अन्यगो. ९-११ रे.६ ऽ।।।ऽचौ.ऽऽ।।

शुक्ले ९ गुरौ मघा ल. गो. ९ रे. ७ ।।।।ऽनृऽ।ऽ। गणितेन-क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ शनौ उफा. ल. १० रे. ८ ।।।ऽगु.शु.।।ऽ।।। पादवेधा-द्वेधाऽभावः

,, १४ भौमे स्वा. ल. ११ रे. ७ ।ऽ।।ऽऽ।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे १ गुरौ अनु. ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽऽशऽऽ।।

,, ११ शनौ रेव. ल. ११-११-१ रे. ६ ।।ऽगु।ऽऽरो।ऽ।।

शुक्ले ६ बुधे मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः ११ रे.८ ।।।।।।ऽऽ।। कुम्भे चं. ७ पूज्यः घटी ४७ या.

,, ८ शुक्र उफा. ल. गो. १० रे. ७ ।।।ऽगु।ऽअऽ।।। पादतो-वेधाऽभावः

,, ११ चंद्रे स्वा. ल. १ रे. ९ ।।।।।ऽ।।। चं. ७ पू.

,, १३ बुधे अनु. ल. १०-११ रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णे ९ शुक्रे रेव. ल. १०-११-१ रे. ६ ऽ।।।ऽऽनृ।।।

शुक्ले ४ भौमे मघा. ल. ११-१ रे. ८ ।।।।।ऽ।।

,, ७ शुक्रे उफा. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।

,, १० चंद्रे स्वा. ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽऽअऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ले ५ बुध उषा. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

शुक्ला ५ शनौ उभायां ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।।।।

,, १० गुरौ रोहि. ल.गो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।गणितेन क्रांति-साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे ४ रवौ हस्ते ल.गो.रे.६।।।ऽशऽऽचौऽ।।।पादतोवेधाऽभावः

चैत्र मासः

कृष्णे २ शनौ हस्ते ल. गो. रे. ९ ।ऽ।।।।।।।

,, ४ चंद्रे स्वा. ल. १० घ. ५४।१४ उ. रे. ७ ।।।।ऽ।।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याभावः

,, ५ भौमे स्वा. ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽऽचौ.।ऽऽ। गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

,, ६ बुधे अनु. ल. १० घ. ५६।२२ या. रे ८ ऽऽ।।।।।।।।

,, ७ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽऽ।।।ऽरो।।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१०७ सन् १९८७
१	चं	२५	५९	रे	३६	५६	ऐं	४०	४८	ब	२५	५९	३५	५३	६७	३०	९	२९	मे.३६।५६	संवत्सरारम्भः चन्द्रदर्शनम् नवरात्रा.
२	मं	२४	४६	अ	३७	४७	वै	३८	१०	कौ	२४	४६	३९	५२	८	३१	१०	१	मेषे	रेवत्यां रविः ३२/५५ (सौरः ३३/२४) उभा. ४●
३	बु	२५	३	भ	४०	४३	वि	३६	४९	ग	२५	३	४४	५१	९	१	११	२	वृ.५६।५०	भ. ५६।२४ उ. पूभा. बुधः २३।५ वक्री×
४	गु	२७	४५	कृ	४५	१३	प्री	३६	१२	वि	२७	४५	४८	५०	१०	२	१२	३	वृषे	भ. २७।४५ या.
५	शु	३१	४०	रो	५१	१०	आ	३७	२१	बा	३१	४०	५२	५०	१०	३	१३	४	वृषे	×शनिः १७।३१ अग्रेज मा.४ता.३० गणगौरी
६	श	३६	५९	मृ	५७	५८	सौ	३९	२	कौ	४	१९	५६	४९	११	४	१४	५	मि२४।३४	
७	र	४३	१	आ	६०	०	शो	४१	१२	ग	१०	०	३१	४८	१२	५	१५	६	मियुने	भ.४३।१उ. ●गुरुः २५/४३ सिघारा सावान८
८	चं	४९	२०	आ	५	२८	अ	४३	२९	वि	१६	१०	४	४७	१३	६	१६	७	क.५६।५	भ. १६।१० या.
९	मं	५५	३२	पु	१२	५७	सु	४५	४४	बा	२२	२६	८	४६	१४	७	१७	८	कर्के	रामनवमी
१०	बु	६०	०	पु	१९	१	धृ	४७	१६	तै	२८	६	११	४६	१४	८	१८	९	कर्के	मीने बुधः ५०।९
१०	गु	०	४१	श्ले	२५	५८	शू	४७	३९	ग	०	४१	१५	४५	१५	९	१९	१०	सि२५।५८	भ. ३२।४० उ. पूभा. शुक्रः २।५८
११	शु	४	३८	म	३०	२७	गं	४६	५४	वि	४	३८	१९	४४	१६	१०	२०	११	सिंहे	भ. ४।३८ या. कामदा ११ व्र.
१२	श	७	१	पू	३३	२०	वृ	४४	४३	बा	७	१	२४	४३	१७	११	२१	१२	कं.४८।३८	उभा.बुधः ६।४९ रोहि.भौमः ०।२८ प्रदोषः
१३	र	७	४६	उ	३४	३४	ध्रु	४१	१२	तै	७	४६	२८	४२	१८	१२	२२	१३	कन्यायां	
१४	चं	६	३७	ह	३४	१०	व्या	३६	३६	व	६	३७	३२	४२	१८	१३	२३	१४	कन्यायां	भ. ६।३७ उ. ३५/१५ या. रेवती १ गुरुः ५०/४७
१५	मं	३	५३	चि	३२	४१	ह	३०	५६	ब	३	५३	३६	४१	१९	१४	२४	१५	तु.३।२६	अश्वि.मेषेऽर्कः ३६/९ (सौरः ५७/८) हनुमज्जयंती

५२पं. चै.शु.७ र.इ.५०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	११	१०	७	११	११
२१	६	२६	१४	१६	२७	१७	२१
५३	२८	०	३९	९	२३	४६	५२
३१	३०	३६	४७	५८	३५	३९	३३
५९	३९	८०	१३	७१	२६	३	५९
४	५७	७	३४	५६	व	११	४

गोचरग्रहाः

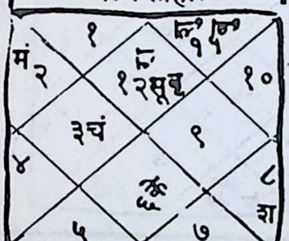

चैत्र शु. १५ भौमे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० (धान्यादि भावे समता)शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

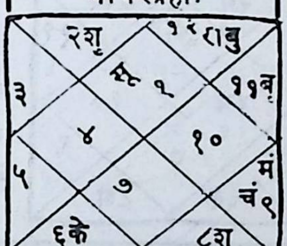

१पं. चै.शु.१५मं.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	११	१०	७	११	११
०	१२	८	१६	२६	२७	१७	२९
०	३	११	४३	१	१८	२०	५८
०	३२	१०	३४	५२	४१	३४	४४
५८	३९	९७	१३	७२	२५	३	५८
४४	४९	१०	३१	१९	व	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	५५	२०	स्वा	३०	५	व	२४	२४	तै	२७	१४	३१/४०	५/४०	६/२०	१५	२५	१६	तुलायां	उदयं गुरोः ४०।१२
३	गु	४९	४५	वि	२६	३७	सि	१७	१९	व	२२	३२	४३	३९	२१	१६	२६	१७	वृ.१२।२९	भ. २२।३२ उ. ४९।४५ या.
४	शु	४४	६	अ	२२	५३	व्य	१०	४	ब	१६	५५	४७	३९	२१	१७	२७	१८	वृश्चिके	मीने शुक्रः २४।१३ चतुर्थी व्र.
५	श	३८	२१	ज्ये	१९	७	व	४३	३६	कौ	११	१३	५१	३८	२२	१८	२८	१९	ध.१९।७	●उभा. ४ राहुः हस्ते २ केतुः ५२।४४
६	र	३२	५१	मू	१५	२३	शि	४७	५५	ग	५	३६	५५	३७	२३	१९	२९	२०	धनुषि	भ. ३२।५१ उ. रेवत्यां बुधः १५।२३
७	चं	२७	२९	पू	११	५०	सि	४०	५९	वि	०	१०	५८	३६	२४	२०	३०	२१	म.२६।१	भ. ०।१० या. उभा. शुक्रः १०।३
८	मं	२२	१२	उ	८	३१	सा	३३	५६	कौ	२२	१२	३२	३६	२४	२१	१	२२	मकरे	रा. वैशाखारम्भः
९	बु	१७	२५	श्र	५	२६	शु	२७	२०	ग	१७	२५	६	३५	२५	२२	२	२३	कु.३४।४	भ. ४५।६ उ.
१०	गु	१२	४७	ध	२	४३	शु	२१	१४	वि	१२	४७	१०	३४	२६	२३	३	२४	कुम्भे	भ. १२।४७ या.
११	शु	८	३८	श	२९	२१/५८	ब्र	१५	१६	बा	८	३८	१४	३३	२७	२४	४	२५	मी४४।१५	वरूथिनी ११ व्र.
१२	श	५	७	उ	५७	५२	ऐं	१०	९	तै	५	७	१७	३३	२७	२५	५	२६	मीने	बुधास्तः पूर्वस्यां ४५।४५ प्रदोषः
१३	र	२	२०	रे	५८	६	वै	५	२९	व	२	२०	२१	३२	२८	२६	६	२७	मे.५८।६	भ. २/० उ. ३१/३० या. अश्वि. मेषे बुधः ३३/५१●
१४	चं	०	३९	अ	५९	२०	वि	५०/१०	५७/५१	श	०	३९	२५	३१	२९	२७	७	२८	मेषे	भरण्यां रविः ४६।५६ (सौरः ४९।१६)
३०	मं	०	८	भ	६०	०	आ	५७	४९	ना	०	८	२९	३०	३०	२८	८	२९	मेषे	रेवती २ गुरुः ३४।४६

२पं. वै.कृ.८ मं.इ.६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	११	११	७	११	०
६	१६	२०	१८	४	२७	१६	६
५०	३९	३	१५	२८	६	५८	४८
४२	२२	५४	४०	५५	०	१९	५५
५८	३९	०/७	१३	७२	२/५	३	५८
३१	५७	४१	२०	४३	व	११	२९

गोचरग्रहाः

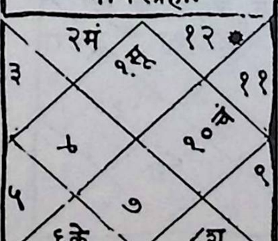

बृष राशौ यदा भौम सर्व धान्य महर्घंता। चंदन कुंकुंम वस्त्रं कार्पासादि महर्घंता ॥ सोना चांदी तेज होकर मंदी हो।

गोचरग्रहाः

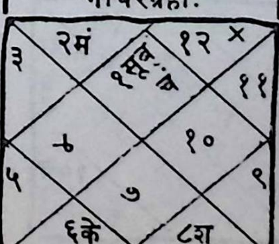

३पं.वै.कृ.३० मं.इ.७।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	११	७	११	०
१३	२१	३	१९	१२	२६	१६	१३
३९	१७	७	५३	५५	४९	३६	३७
४३	१७	४१	५६	५	२६	३	२०
५८	३९	०/७	१३	७२	२/३	३	५८
१९	४७	३१	१२	५६	व	११	१२

●राबृशुबु

×बृराशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	०	५८	भ	२	३	सौ	५६	५६	ब	०	५८	३२/३३	३०/५	३०/६	२९	९	३०	वृ.१८।५
२	गु	३	२५	कृ	६	१२	शो	५७	३८	कौ	२	२५	३६	२९	३१	३०	१०	१	वृषे
३	शु	७	१३	रो	११	४४	अ	५८	४५	ग	७	१३	४०	२८	३२	१	११	२	मि४४।५७
४	श	१२	१६	मृ	१८	१०	सु	६०	०	वि	१२	१६	४३	२७	३३	२	१२	३	मिथुने
५	र	१७	५९	आ	२५	३१	सु	०	५५	बा	१७	५९	४७	२७	३३	३	१३	४	मिथुने
६	चं	२४	८	पु	३३	२	धृ	३	२३	तै	२४	८	५१	२६	३४	४	१४	५	क.१६।९
७	मं	३०	२५	पु	४०	३८	शू	५	५०	व	३०	२५	५४	२५	३५	५	१५	६	कर्के
८	बु	३५	५६	श्ले	४७	१४	गं	७	५१	वि	२	१०	५७	२५	३५	६	१६	७	सिं४७।१४
९	गु	४०	३२	म	५२	३४	वृ	९	६	बा	८	१४	३३/५	२४	३६	७	१७	८	सिंहे
१०	शु	४१	२६	पू	५६	३२	ध्रु	९	२०	तै	११	५९	४	२३	३७	८	१८	९	सिंहे
११	श	४४	२४	उ	५८	२३	व्या	७	५८	व	१३	५५	७	२३	३७	९	१९	१०	कं.१२।१
१२	र	४३	१९	ह	५८	२४	ह	५	११	व	१३	५२	१०	२२	३८	१०	२०	११	कन्यायां
१३	चं	४०	२५	चि	५६	४०	व	४६/०	१५/५४	कौ	११	५२	१३	२१	३९	११	२१	१२	तु.२७।३२
१४	मं	३५	४०	स्वा	५३	१३	व्य	४७	५३	ग	८	३७	१६	२१	३९	१२	२२	१३	तुलायां
१५	बु	२९	४०	वि	४८	३३	व	३९	४८	वि	२	४४	१९	२०	४०	१३	२३	१४	वृ.३४।४३

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१३७ सन् १९८७

चन्द्रदर्शनम्
परशुराम ज. रमजान ९
भ.३/४५उ. रेवत्यां शुक्रः १/१३ मृगे भोमः ३/१२+
भ. १२।१६ या.
भरण्यां बुधः ३।३५
+वक्री ज्येष्ठा. ३ शनिः ५७/३ अक्षया ३=
भ. ३०।२५ उ. =मई मा.५ ता.३१
भ. ३।१० या. पातस्पर्शः ४९।४३
पातमोक्षः २।१६
*बुध्रः४२।२ मिथुने भौमः २१।७ प्रदोषः
भ. १/५३ उ. ४४/२४ या. मोहिनी ११ व्र.
कृत्ति. बुधः ६।५३
कृत्ति. रविः ३२।५१ (सौरः ३७।१३) बृषे*
भ ३५/४९उ. अश्वि. मेषे शुक्रः १६/३२ नृसिंह १४
भ. २।४४ या. रेवती ३ गुरुः २६।३३

४पं. वै.शु.७ मं.इ.७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	११	७	११	०
२०	२५	१७	२१	२१	२६	१४	२०
२७	५४	४२	२९	२४	२९	१३	२४
३२	२२	०	४२	४०	३५	४८	२
५८	३९	७/८	१२	७३	३/१७	३	५७
६	४३	८/५८	५०	१४	व	११	५७

गोचरग्रहाः

मुहुरत पंद्रह की लगी वृष राशि संक्रांति । सरसों गल्ला तैल तिल तेजी में दिन रात ।।

गोचरग्रहाः

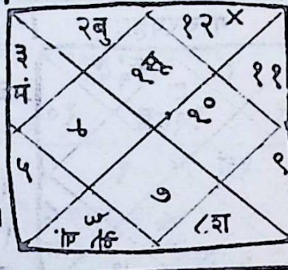

५पं. वै.शु.१४मं.इ. ७।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	११	११	७	११	०
२७	०	२	२३	२९	२६	१५	२७
१३	३०	५९	३	४९	६	५१	९
३४	४३	४९	४०	५	२९	३२	१६
५७	३९	७/८	१२	७३	४६	३	५७
१४	३९	८/६	२६	२०	व	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	२२	३७	अ	४३	९	प	३०	७	कौ	२२	३७	३२/३३	२०/५	४०/६	१४	२४	१५	वृश्चिके
२	शु	१५	९	ज्ये	३७	३९	शि	२२	११	ग	१५	९	२५	१९	४१	१५	२५	१६	ध.३७।३७
३	श	७	१७	मू	३२	१	सि	१३	१९	वि	७	१७	२८	१८	४२	१६	२६	१७	धनुषि
४	श	५१	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	५२	५९	पू	२७	०	सा	३७/४	५५/३३	कौ	२५	५७	३०	१८	४२	१७	२७	१८	म.४०।५२
६	चं	४६	४७	उ	२२	३०	शु	४८	५९	ग	१९	५३	३३	१७	४३	१८	२८	१९	मकरे
७	मं	४१	२०	श्र	१८	४४	ब्र	४२	१	वि	१४	४	३६	१६	४३	१९	२९	२०	कुं.४७।२२
८	बु	३५	५६	ध	१६	१	ऐं	३५	४०	बा	८	३८	३९	१६	४४	२०	३०	२१	कुम्भे
९	गु	३३	२५	श	१४	८	वै	२९	४१	तै	४	५९	४१	१६	४४	२१	३१	२२	मी५८।२६
१०	शु	३०	५७	पू	१३	१२	वि	२६	१७	व	२	११	४३	१५	४५	२२	१	२३	मीने
११	श	२९	२३	उ	१२	२५	प्री	२२	३३	ब	०	१०	४६	१५	४५	२३	२	२४	मीने
१२	र	२८	५६	रे	१४	३६	आ	११	५१	तै	२८	५६	४८	१४	४६	२४	३	२५	मे.१४।३६
१३	चं	२९	४०	अ	१७	१	सौ	१८	५३	व	२९	४०	५०	१४	४६	२५	४	२६	मेषे
१४	मं	३१	२३	भ	२०	१५	शो	१७	०	वि	०	३१	५२	१४	४६	२६	५	२७	वृ.३६।२१
३०	बु	३४	२५	कृ	२४	४०	अ	१६	४७	च	२	५४	५४	१३	४७	२७	६	२८	वृषे

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ.४१।१३उ. वृषेऽर्कः ०।६ (सौरः ५।१)+
भ. ७।१७ या. चतुर्थी व्र.

+रोहि. बुधः ९।४१
भ. ४६/४७ उ. बुधोदयः पश्चिमायां १४।५७
भ. १४।४ या.

मृगे बुधः ५३।५७ आर्द्रा. भोमः ३२।१२
भ.२।११ उ.३०।५७ या. रा.ज्येष्ठारंभः
भरण्यां शुक्रः २०।३१ अपरा ११ व्र.
प्रदोषः *(सौरः ३१।१०)
भ. २९।४० उ. रोहि. रविः २३।४१*
भ. ०।३१ या. मिथुने बुधः ३।५६
वटसावित्री व्र.

६पं.ज्ये.कृ.७मं.इ.७।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	११	०	७	११	१
३	५	१७	२४	८	२५	१५	३
५८	४	५१	३३	१७	४०	२९	५२
२६	१६	७	३६	२०	४८	१६	५६
५७	३९	७/८	१२	७३	५३	३	५७
४४	४६	८/५८	८	३४	व	११	३४

गोचरग्रहाः

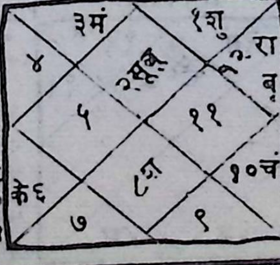

ज्ये. कृ. २ शुक्रे वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ६ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. १५ (धा.भावे महर्घता) शुक्रो. पूर्वस्याम् ।

गोचरग्रहाः

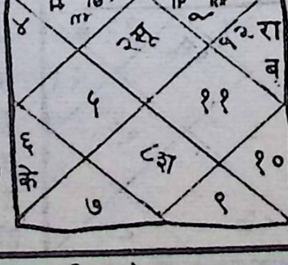

७पं.ज्ये.कृ.१४मं.इ.७।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	०	७	११	१
१०	९	०	२६	१६	२५	१५	१०
४२	३८	६	१	४५	१२	७	३५
२५	६	३६	२६	४४	३६	१	७
५७	३९	०/०	११	७३	२/४	३	५७
३५	३५	१४/९	३२	४६	व	११	२३

*वृशुरा ×वृराशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽह्र्गणः५१६६ रा. १९८७
१	गु	३८	२४	रो	३०	४	सु	१७	२	किं	६	२४	३३।५६	५।१३	६।४७	२८	७	२९	वृषे	
२	शु	४३	३४	मृ	३६	२५	मृ	१८	४४	बा	१०	५९	५८	१२	४८	२९	८	३०	मि३।३२	रेवती. ४ गुरुः २६।४५ चन्द्रदर्शनम्
३	श	४९	१७	आ	४३	३५	शू	२०	३८	तै	१६	२५	३४।०	१२	४८	३०	९	१	मिथुने	आर्द्रा. बुधः १०।२८ सव्वाल १०
४	र	५५	३५	पु	५१	१२	गं	२२	४९	व	२२	२६	२	१२	४८	३१	१०	२	क.२४।१८	भ. २२।२६ उ. ५५।३५ या.
५	चं	६०	०	पु	५८	५३	वृ	२५	७	ब	२८	४०	४	११	४९	१	११	३	कर्के	जून मा. ६ ता. ३०
५	मं	१	४६	श्ले	६०	०	ध्रु	२८	९	बा	१	४६	६	११	४९	२	१२	४	कर्के	
६	बु	७	४१	श्ले	६	१७	व्या	२९	५८	तै	७	४१	७	११	४९	३	१३	५	सिं६।१७	कृत्ति. शुक्रः १५।५३
७	गु	१२	३८	म	१२	३०	ह	३१	५	व	१२	३८	९	१०	५०	४	१४	६	सिंहे	भ. १२।३८ उ. ४४।३१ या.
८	शु	१६	२३	पू	१७	३१	व	३०	५९	ब	१६	२३	११	१०	५०	५	१५	७	कं.३३।२२	*(सौरः २९।५१) निर्जला ११ व्र.
९	श	१८	१९	उ	२०	५५	सि	२९	२९	कौ	१८	१९	१२	१०	५०	६	१६	८	कन्यायां	वृषे शुक्रः ४।२६
१०	र	१८	१७	ह	२२	२२	व्य	२६	२६	ग	१८	१७	१३	९	५१	७	१७	९	तु.५२।७	भ. ४७।१३ उ. गंगादशमी
११	चं	१६	१०	चि	२१	५२	व	२१	३५	वि	१६	१०	१४	९	५१	८	१८	१०	तुलायां	भ. १६।१० या. मृगे रविः १८।३७*
१२	मं	१२	६	स्वा	१९	८	प	१५	१५	बा	१२	६	१६	९	५१	९	१९	११	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	५	५८	वि	१४	४३	शि	३१	५३	तै	५	५८	१७	९	५१	१०	२०	१२	वृ.०।४९	भ. ५८।१८ उ.
१४	बु	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×भौमः ८।१४ गुर्जरा. वटसावित्री पू.
१५	गु	४९	४६	अ	८	५५	सा	४८	४८	वि	२४	२	१८	८	५२	११	२१	१३	वृश्चिके	भ. २४।२ या. पुन. बुधः ५५।५५ पुन.×

८पं.ज्ये.शु.५मं.इ.७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	०	७	११	१
१७	१४	१०	२७	२५	२४	१४	१७
२५	९	२४	२६	१६	४१	४४	१६
८	१८	१०	२०	१६	३१	४५	१३
५७	३९	७६	११	७३	३८	३	५७
२७	३२	१	१	५६	व	११	१३

गोचरग्रहाः

इस मास में शुक्र वार को चंद्रदर्शन और मुदी १४का क्षय धान्य सोना चांदी लाल रंग कीवस्तु तेज कहीं कहीं वर्षा हो।

गोचरग्रहाः

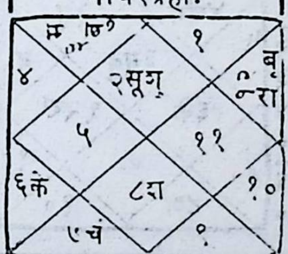

९पं. ज्ये.शु.१२मं.इ.७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	१	७	११	१
२४	१८	१७	२८	३	२४	१४	२३
७	४०	५१	४४	४६	१०	२०	५६
३२	५९	२२	४२	२६	३७	३०	९
५७	३९	४५	१०	७४	४०	३	५७
२२	२५	७८	५५	२	व	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्ष सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	४०	३२	ज्ये	१०	४७	शु	३८	३४	बा	१५	९	३४।१९	५।८	६।५२	१२	२२	१४	ध.२।१०	
२	श	३१	२०	पू	४७	५०	शु	२७	२९	तै	५	५६	२०	८	५२	१३	२३	१५	धनुषि	भ. ५६।५१ उ.
३	र	२२	२२	उ	४१	३२	ब्र	१८	२६	वि	२२	२२	२१	८	५२	१४	२४	१६	म.१।१६	भ.२२।२२या. रोहि. शुक्रः१६।० च. व्र.
४	चं	१३	४४	श्र	३५	४७	ऐं	९	१०	बा	१३	४४	२१	८	५२	१५	२५	१७	मकरे	मिथुनेऽर्कः १७।१५ (सौरः ३०।४६)
५	मं	७	१२	ध	३१	२७	वै	३६	३२	तै	७	१२	२२	८	५२	१६	२६	१८	कु.३।३७	अश्वि. १ मेषे गुरुः १०।१७
६	बु	१	१९	श	२८	३१	प्री	४७	११	व	१	१९	२२	८	५२	१७	२७	१९	कुम्भे	भ. १।१९ उ. २९।९ या.
७	बु	५५	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	गु	५४	२३	पू	२६	५३	आ	४१	२३	बा	२५	४१	२३	७	५३	१८	२८	२०	मी१२।१७	
९	शु	५३	२	उ	२६	५२	सौ	३८	३७	तै	२३	४३	२३	७	५३	१९	२९	२१	मीने	
१०	श	५३	१७	रे	२८	१०	शो	३५	५८	व	२३	१०	२३	७	५३	२०	३०	२२	मे.२८।१०	भ.२३।१० उ.५३।१७या. वक्री ज्येष्ठा२*
११	र	५४	४७	अ	३१	८	अ	३४	३४	ब	२४	२	२४	७	५३	२१	३१	२३	मेषे	वक्री बुधः ८।२८ योगिनी ११ व्र.
१२	चं	५७	२०	भ	३५	३	सु	३४	७	कौ	२६	४	२४	७	५३	२२	१	२४	वृ.५१।१९	आर्द्रा. रविः १६।७ (सौरः ३२।१९)+
१३	मं	६०	०	कृ	४०	६	धृ	३४	३८	ग	२९	२१	२४	७	५३	२३	२	२५	वृषे	प्रदोषः +रा. आषाढारम्भः
१३	बु	१	२०	रो	४५	५३	शू	३५	३५	व	१	२२	२४	७	५३	२४	३	२६	वृषे	भ. १।२२ उ. ३३।४० या.
१४	गु	५	५९	मृ	५२	३४	गं	३७	१६	श	५	५७	२४	७	५३	२५	४	२७	मि१९।१४	मृगे शुक्रः९।२८ बुधास्तः पश्चिमायां ३।०
३०	शु	१२	२३	आ	५९	७	वृ	२९	८	ना	१२	२३	२३	७	५३	२६	५	२८	मिथुने	कर्के भौमः ४९।५४ *शनिः ४०।२०

१०पं. आ.कृ.५मं.इ.७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	२	११	१	७	१०	२
२	२३	२२	२९	१२	२३	१४	०
४८	११	१	५९	१८	३९	०	३५
२५	३५	२१	३८	७	४०	१४	१८
५७	३९	१३	९	७४	४०	३	५६
१७	२९	३८	२०	२	व	११	५७

गोचरग्रहाः

आ. कृ. ४ चन्द्रे मिथुनेऽर्कःप्र.वा. ४नृ.५ गताल्कावस्था(ऊभी)मु. ३०(धान्याभावे समता(शुक्रो. पूर्व.

गोचरग्रहाः

११पं. आ.कृ.१३मं.इ.७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	०	१	७	११	२
७	२७	२२	१	२०	२३	१३	७
२९	३९	३७	८	४९	९	३७	१३
२४	४७	२६	२०	४१	११	५८	४५
५७	३९	२५	८	७४	२४	३	५६
१३	२५	व	५१	११	व	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	१७	१३	पु	६०	०	ध्रु	४१	३९	ब	१७	१३	३४/२३	५/७	५६/३	२७	६	२९	क.५०।१४
२	र	२३	२०	पु	७	१७	व्या	४३	९	कौ	२३	२०	२३	७	५३	२८	७	१	कर्के
३	चं	२९	३८	पु	१४	५०	ह	४६	३१	ग	२९	३८	२२	८	५२	२९	८	२	कर्के
४	मं	३५	३७	श्ले	२१	१९	व	४८	३६	व	२	३७	२२	८	५२	३०	९	३	सिं२१।१९
५	बु	४०	४४	म	२९	१२	सि	५०	२६	ब	८	१०	२१	८	५२	१	१०	४	सिंहे
६	गु	४५	०	पू	३५	२	व्य	५१	२५	कौ	१२	५२	२०	८	५२	२	११	५	कं.५१।११
७	शु	४७	४३	उ	३९	३७	व	५१	३	ग	१६	२२	१९	८	५२	३	१२	६	कन्यायां
८	श	४८	५९	ह	४२	४६	प	४९	२९	वि	१८	२०	१८	८	५२	४	१३	७	कन्यायां
९	र	४८	१४	चि	४३	५३	शि	४६	१८	बा	१८	३५	१७	९	५१	५	१४	८	तु.१३।२०
१०	चं	४५	३०	स्वा	४३	४	सि	४१	२८	तै	१६	५२	१५	९	५१	६	१५	९	तुलायां
११	मं	४०	४८	वि	४०	२०	सा	३५	१३	व	१३	९	१४	९	५१	७	१६	१०	वृ.२६।१
१२	बु	३४	१	अ	३५	४३	शु	२७	२२	ब	७	२५	१३	९	५१	८	१७	११	वृश्चिके
१३	गु	२६	४	ज्ये	२९	३४	शु	१८	१४	कौ	०	३	११	१०	५०	९	१८	१२	ध.२९।३४
१४	शु	१६	४१	मू	२२	२१	ब्र	८/१४	४९/५९	व	१६	४१	१०	१०	५०	१०	१९	१३	धनुषि
१५	श	६	४७	पू	१४	३२	वै	४६	३९	ब	६	४७	८	१०	५०	११	२०	१४	म.२७।३४

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५१९६ स.१९८७

चंद्रदर्शनम्
उभा. ३ राहुः हस्ते १ केतुः ४७।५ रथ●
●यात्रा जिल्काद ११
भ. २।३७ उ. ३५।३७ या. वक्री आर्द्रा.×
पुष्ये भौमः५४।२१ जौलाई मा.७ता.३१
×बुधः १८।० मिथुने शुक्रः ३७।५९
भ. ४७।४३ उ. अस्तो भौमः ३१।५०
भ. १८।२० या.

पुन. रविः १५/३ (सौरः ३६/२०) आर्द्रा. शुक्रः ३५
भ. १३।९ उ. ४०/४८ या. देवशयनी ११ व्र.
अश्वि. २ गुरुः २१।२ प्रदोषः

भ.१६।४१ उ. ४१।४४ या. वायु परीक्षा
व्यास पूजा

१२पं.आ.शु.४मं.इ.७।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	०	१	७	११	२
१४	२	२०	२	२९	२२	१३	१३
९	१०	५	१२	२२	४०	१५	५१
५०	१	४२	२२	३८	५९	४३	५०
५७	३९	३३/३४	७	७४	४	३	५६
७	२५	ब	५८	२०	७	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मास का फल साधारण है वायु का जोर कहीं २ वर्षा भी होगी। सोना चांदी गेहूँजौ चना मटर मदा। सुदी में तेज हो।

गोचरग्रहाः

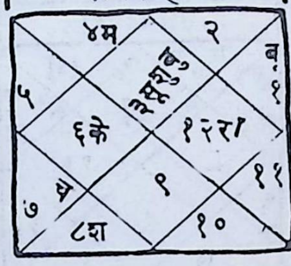

१३पं.आ.शु.११मं.इ.७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	२	७	११	२
२८	६	१६	३	७	२२	१२	२०
५०	३८	७	११	५७	१५	५३	२९
१०	१०	४४	२८	४	०	२७	४४
५७	३९	३५/२	६	७४	३	३	५६
७	२२	ब	५९	२५	४७	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	४९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	र	४७	५३	उ	३६/२	५२/३७	वि	३५	५२	तै	२२	१९	३४/७	५/११	४६/९	१२	२१	१५	मकरे
३	चं	३८	४	ध	५२	२८	प्री	२५	३४	व	१२	५८	५	११	४९	१३	२२	१६	कु.२५।४९
४	मं	३०	१३	श	४७	३५	आ	१६	२६	ब	४	८	४	११	४९	१४	२३	१७	कुम्भे
५	बु	२४	१४	पू	४४	४	सौ	८	३२	तै	२४	१४	२	१२	४८	१५	२४	१८	मी२९।५७
६	गु	२०	१२	उ	४२	३७	शो	०/५५	५५/५९	व	२०	१२	०	१२	४८	१६	२५	१९	मीने
७	शु	१७	५६	रे	४२	५०	सु	५३	३१	ब	१७	५६	३३/५८	१२	४८	१७	२६	२०	मे.४२।५०
८	श	१७	४३	अ	४५	७	धृ	५१	३२	कौ	१७	४३	५६	१३	४७	१८	२७	२१	मेषे
९	र	१९	१६	भ	४८	५०	शू	५०	५८	ग	१९	१६	५४	१३	४७	१९	२८	२२	मेषे
१०	चं	२२	८	कृ	५४	१३	गं	५१	३४	वि	२२	८	५२	१४	४६	२०	२९	२३	वृ.५।१०
११	मं	२६	३४	रो	६०	०	वृ	५२	३४	बा	२६	३४	५०	१४	४६	२१	३०	२४	वृषे
१२	बु	३१	४२	रो	०	१६	ध्रु	५४	३८	तै	३१	४२	४७	१५	४५	२२	३१	२५	मि३३।४०
१३	गु	३७	३८	मृ	७	२२	व्या	५६	५३	ग	४	४०	४५	१५	४५	२३	१	२६	मिथुने
१४	शु	४३	४०	आ	१४	३१	ह	५९	१६	वि	१०	३९	४२	१६	४४	२४	२	२७	मिथुने
३०	श	४९	४९	पु	२२	१०	व	६०	०	च	१६	४४	४०	१६	४४	२५	३	२८	क.५।१६

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. १२।५८ उ. ३८।४ या. बुधोदयः●
●पूर्वस्यां २२।२९ चतुर्थी व्र.
नाग ५ मरुस्थले
भ. ५२/२० उ.४९।४ या. कर्केऽर्कः ६४/७ मार्गी+
कर्केऽर्कः सौरः ९।४
+बुधः २६।१७ पुन. शुक्रः ५६।८
भ. ५०।४२ उ.
भ.२२।८ या. पुष्ये रविः ५३/४४ (सौरः ३९/४५)
कामिका ११ व्र.
अश्वि. भौमः ४८।४४
भ. ३७।३८ उ. रा.श्रावणारंभः प्रदोषः
भ. १०।३९ या.
कर्के शुक्रः ७।५२ हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.४मं.इ.७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	०	२	७	११	२
२७	११	१३	३	१६	२१	१२	२७
३०	६	३६	५९	३०	५१	३१	७
३२	२९	३६	४२	५४	४	१२	५१
५७	३९	१६/१९	५	७४/२६	३	३	५६
११	१२	व	५०	ब	२०	११	५४

गोचरग्रहाः

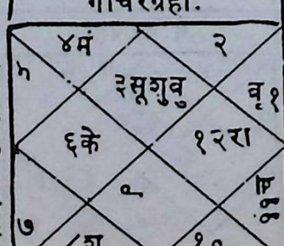

श्रा. कृ. ६ गुरौ कर्केऽर्कः प्र.वा.४ न. ६ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय पूर्वस्याम्।

गोचरग्रहाः

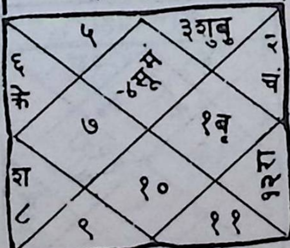

१५पं.श्रा.कृ.११मं.इ.७।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	०	२	७	११	३
४	१५	१३	४	२५	२१	१२	३
११	३३	३९	४२	६	३०	८	४६
१७	३६	३२	७	२९	४७	५६	१८
५७	३९	२९/२	४	७४	४३	३	५६
१५	२०	मा	५७	२६	ब	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२२५सन् १९८७
१	र	५५	५३	पु	२२	३८	व	१	४४	किं	२२	५०	३३/७	५/१७	६/४३	२६	४	२९	कर्के	
२	चं	६०	०	श्ले	३६	५९	सि	४	८	बा	२८	४१	३५	१७	४३	२७	५	३०	सि ३६।५९	पुष्ये शुक्रः ४८।५२ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१	२९	म	४३	३८	व्य	६	११	कौ	१	२९	३२	१८	४२	२८	६	१	सिंहे	पुन. बुधः ५०।४७ सिंधारा जिल्हेज १२
३	बु	६	२०	पू	४९	११	व	७	४१	ग	६	२०	२९	१८	४२	२९	७	२	सिंहे	भ. ३८।२३ उ. तीज
४	गु	१०	२७	उ	५४	३१	प	८	३२	वि	१०	२७	२६	१९	४१	३०	८	३	क. ५।३७	भ. १०।२७ या. वरद ४
५	शु	१३	२६	ह	५८	२२	शि	९	३८	बा	१३	२६	२४	१९	४१	३१	९	४	कन्यायां	शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ५१।० नाग ५ शु.अ.पू.
६	श	१५	८	चि	६०	०	सि	८	६	तै	१५	८	२१	२०	४०	१	१०	५	तु. २९।३४	**अगस्त मा. ८ ता. ३१**
७	र	१५	२३	चि	०	४६	सा	६	४	व	१५	२३	१८	२०	४०	२	११	६	तुलायां	भ. १५।२३ उ. ४४।४४ या.
८	चं	१४	४	स्वा	१	४४	शु	५ २/१	५५/२४	ब	१४	४	१५	२१	३९	३	१२	७	वृ. ४६।९	आश्ले. रविः १०/४५ (सौरः ४०/३२) कर्के बुधः २१/५३
९	मं	१०	५६	वि	५६/०	५७/३३	ब्र	५२	८	कौ	१०	५६	१२	२२	३८	४	१३	८	वृश्चिके	
१०	बु	६	११	ज्ये	५४	२०	ऐं	४३	५२	ग	६	११	९	२२	३८	५	१४	९	ध. ५४।२०	भ. ३३/२ उ. ५९/५४ या. पुष्ये बुधः १३/४६ पवित्रा*
११	बु	५३	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१०	०	
१२	गु	५१	५८	मू	४८	५२	वै	३५	२२	ब	२५	५६	६	२३	३७	६	१५	०	धनुषि	पवित्रा ११ व्र. वै. *११ व्र. स्मा.
१३	शु	४३	८	पू	४२	४	वि	२६	५३	कौ	१७	३२	३	२३	३७	७	१६	११	म. ५५।१२	आश्ले. शुक्रः ३५।४३ प्रदोषः
१४	श	३३	२०	उ	३४	२५	प्री	१६	२१	ग	८	१४	०	२४	३६	८	१७	१२	मकरे	भ. ३३/२० उ. ५९/१८ या. बुधास्तः पूर्वस्याम् २५/५०
१५	र	२३	१६	श्र	२६	४९	आ	५/३१	४९/१०	ब	२३	१६	३२/५६	२५	३५	९	१८	१३	कुं. ५२।५८	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

१६पं.श्रा.शु.२मं.इ.७।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	०	३	७	११	३
१०	२०	१९	५	३	२१	११	१०
५२	०	१४	१६	४२	१४	४६	२५
१९	३६	४२	१९	५४	१३	४	३५
५७	३९	६२	३	७४	२/८	३	५७
२०	२०	३१	४८	३२	व	११	५

गोचरग्रहाः

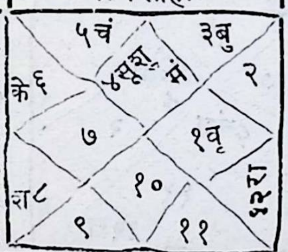

इस मास में रविसे आगे भौम वर्षा में कमी करे और बुध शुक्रका योग कहीं अच्छी वर्षाभी करे धान्यादि में घटा-बढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

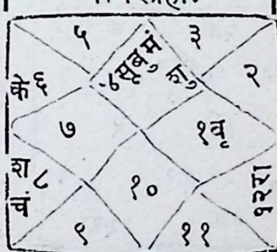

१७पं.श्रा.शु. ९मं.इ.७।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	०	३	७	११	३
१७	२४	१	५	१२	२१	११	१७
३४	२६	२१	४३	२०	२	२४	५
१	५३	४०	१	५६	५३	२५	२३
५७	३९	७/०	२	७४	२/१	३	५७
२५	२०	९/३७	२३	३२	व	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	१३	३७	ध	१९	७	शो	४४	२८	कौ	१३	३७	३३/५३	५/२५	६/३५	१०	१९	१४	कुम्भे	
२	मं	४	५०	श	१२	२९	अ	३४	४७	ग	४	५०	५०	२६	३४	११	२०	१५	मी ५३।२२	भ. ३१।१ उ. ५७।१२ या.
३	मं	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु	५१	३१	पू	७	०	सु	२६	४०	ब	२४	२१	४७	२७	३३	१२	२१	१६	मीने	आश्ले. बुधः १६/२८ मघा. सिंहे भौमः ४७/३४*
५	गु	४७	४५	उ	३	३३	धृ	२०	५६	कौ	१९	३८	४३	२७	३३	१३	२२	१७	मीने	×शुक्रश्च २६।४ वक्री गुरुः १७/३८ मार्गी+
६	शु	४६	१९	रे	२	५५	शू	१४	५०	ग	१७	२	४०	२८	३२	१४	२३	१८	मे. २।५५	भ. ४६।१९ उ. चन्द्रषष्ठी *चतुर्थी व्र.
७	श	४६	५०	अ	२	३३	गं	११	२२	वि	१६	३४	३६	२९	३१	१५	२४	१९	मेषे	भ. १६।३४ या. +शनिः ४७।५३
८	र	४५	१३	भ	५	१	वृ	९	३८	बा	१८	२	३५	२९	३१	१६	२५	२०	बृ. २१।८	जन्माष्टमी व्र.
९	चं	५३	३२	कृ	९	३१	ध्रु	९	५	तै	२१	२२	२९	३०	३०	१७	२६	२१	बृषे	मघा. सिंहेऽर्कः ४।४० (सौरः ३६/५९) गोगा ९
१०	मं	५८	४१	रो	१५	२९	व्या	१०	५	व	२६	३६	२६	३१	२९	१८	२७	२२	मि ४८।५७	भ. ३६/३६ उ. ५६/४१ या. मघा सिंहे बुधः ४३/१३×
११	बु	६०	०	मृ	२२	२५	ह	१२	५९	ब	३१	४७	२२	३२	२८	१९	२८	२३	मिथुने	अजा ११ व्र. स्मा.
११	गु	४	५४	आ	२९	३४	व	१४	१७	बा	४	५४	१९	३२	२८	२०	२९	२४	मिथुने	अजा ११ व्र. वै.
१२	शु	११	९	पु	३७	२९	सि	१६	५२	तै	११	९	१५	३३	२७	२१	३०	२५	क. २०।३०	प्रदोषः वत्स १२
१३	श	१७	२६	पु	४४	५९	व्य	१९	१३	व	१७	२६	११	३४	२६	२२	३१	२६	कर्के	भ. १७।२६ उ. ५०।२३ या.
१४	र	२३	२०	श्ले	५२	७	व	२०	५०	श	२३	२०	८	३४	२६	२३	१	२७	सि ५२।७	रा. भाद्रपदारंभः
३०	चं	२८	३३	म	५८	२९	प	२२	२१	ना	२८	३३	४	३५	२५	२४	२	२८	सिंहे	सोमवती ३० कुशाग्रहणी

१८पं.भा.कृ.२मं.इ. ७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	०	३	७	११	३
२४	२८	१४	५	२०	२०	११	२३
१६	५४	१६	५८	५७	५३	२	४६
२६	११	१	५५	५४	४९	९	३०
५७	३९	३०/८	१	७४	४/४	३	५७
३३	१६	२४	१५	३२	व	११	२२

गोचरग्रहाः

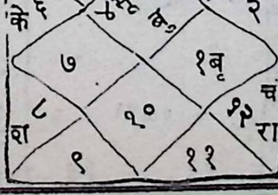

भा. कृ. ९ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

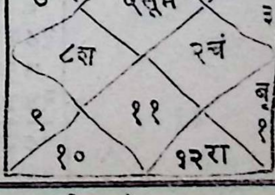

१९पं.भा.कृ.१०मं.इ.६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	०	३	७	११	४
०	३	२८	६	२९	२०	१०	०
५९	२१	४७	६	३६	५१	३९	२८
४२	१८	१०	५८	११	०	५४	४३
५७	३९	०/८	०	७४	५	३	५७
४०	१६	१४	२	२६	व	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२५५स.१९८७
१	मं	३२	४३	पू	६०	०	शि	२४	३८	किं	०	३४	३२/०	५/३६	६/२५	२५	३	२९	सिंहे	पूफा. बुधः २९।४७
२	बु	३६	१६	पू	४	५१	सि	२५	१	बा	४	२९	३६/५१	३७	२३	२६	४	३०	कं.२०।४	चन्द्रदर्शनम् ●पश्चिमायाम् ३८।४९
३	गु	३८	५३	उ	८	३०	सा	२४	४५	तै	७	३४	५२	३८	२२	२७	५	१	कन्यायां	हरितालिका ३ मोहोरम १ सन् १४०८हि
४	शु	३९	३४	ह	१२	७	शु	२३	३९	व	९	३४	४८	३८	२२	२८	६	२	तु.४३।२०	भ. ९।३४ उ. ३९।५४ या. गणेश ४
५	श	४०	७	चि	१४	३२	शु	२१	१८	ब	१०	१	४४	३९	२१	२९	७	३	तुलायाँ	पूफा. शुक्रः ११।२७ ऋषि ५
६	र	३९	१९	स्वा	१६	५९	ब्र	१९	९	कौ	९	४३	४०	४०	२०	३०	८	४	तुलायां	पूफा.रविः ५४/१७ उभा.२राहुः उफा.४केतुः ३९/१४
७	चं	३७	३	वि	१६	१२	ऐं	१५	२	ग	७	११	३६	४१	१९	३१	९	५	बृ.१।२४	भ. ३७।३ उ. पूफा. रविः सौरः २७।५१
८	मं	३३	४३	अ	१५	१०	वै	१०	३८	वि	५	२३	३२	४२	१८	१	१०	६	वृश्चिके	भ. २ ५/३ या. उफा.बुधः ५०/४३ सितम्बर मा.×
९	बु	२९	८	ज्ये	१२	४०	वि	५४/२	५३/१	बा	१	२५	२८	४२	१८	२	११	७	ध.१२।४	पूफा. भौमः ४४।४८ ×९ ता. ३०
१०	गु	२३	१६	मू	९	३३	आ	५०	१४	ग	२३	१६	२५	४३	१७	३	१२	८	धनुषि	भ. ४९/४७ उ. कन्यायां बुधः ४०/२२ बुधोदयः●
११	शु	१६	१८	पू	५६/४	५४/२०	सौ	४१	४५	वि	१६	१८	२१	४४	१६	४	१३	९	म.१८।३१	भ. १६।१८ या. जलझूलनी ११ व्र.
१२	श	८	१९	श्र	५२	५४	शो	३२	२५	बा	८	१९	१७	४५	१५	५	१४	१०	मकरे	वामन जयन्ती प्रदोषः
१३	श	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	र	५१	५७	ध	४६	५	अ	२२	३४	ग	२५	५५	१३	४५	१५	६	१५	११	कु.१९।२९	भ. ५१।५७ उ. अनन्त १४
१५	चं	४२	२३	श	३९	३७	सु	१२	३२	वि	१७	१०	९	४६	१४	७	१६	१२	कुम्भे	भ. १७।१० या. महालयश्राद्धारंभः

२०पं.भा.शु.१मं.इ.६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	०	४	७	११	४
७	७	१२	६	८	२०	१०	७
४४	४८	३५	४	१६	५२	१७	१२
१७	१४	२४	५२	३४	५५	३८	१४
५७	३९	[illegible]	१/१६	७४	०/४४	३	५७
४९	१६	[illegible]	ब	३८	मा	११	४५

गोचरग्रहाः

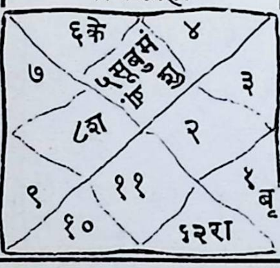

सोमश्य पंचवारा-श्च यत्रमासेभवंति हि । धन धान्य समृद्धिश्च सुखं भवति सर्वदा ॥ मन्दी होवे ।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.शु. ८मं.इ.६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	०	४	७	११	४
१४	१२	२५	५	१२	२०	९	१३
२९	१५	१९	५२	५७	५९	५५	५७
५६	४३	३०	५३	१४	२८	२२	२६
५८	३९	[illegible]	[illegible]	७४	१	३	५७
१	१६	[illegible]	ब	२६	२५	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तूरविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३४	३१	पू	३३	४०	धृ	५४/२	५१/१	बा	८	२६	३१/५	५/४७	६/१३	८	१७	१३	मी२०।१०	उफा. शुक्रः ५५।२०
२	बु	२८	१२	उ	२९	५	गं	४६	१०	तै	१	२१	१	४८	१२	९	१८	१४	मीने	भ. ५५।४६ उ. हस्ते बुधः ४३।५६
३	गु	२३	२०	रे	२५	५५	वृ	२८	३०	वि	२३	२०	३०/५७	४९	११	१०	१९	१५	मे.२५।५५	भ. २३।२० या. चतुर्थी व्र.
४	शु	२०	३२	अ	२४	४०	ध्रु	३४	३८	बा	२०	३२	५३	४९	११	११	२०	१६	मेषे	कन्यायां शुक्रः २९।१६
५	श	२०	०	भ	२५	३८	व्या	३१	११	तै	२०	०	४८	५०	१०	१२	२१	१७	बृ.४१।२३	
६	र	२१	२४	कृ	२८	३८	ह	२९	३८	व	२१	२४	४४	५१	९	१३	२२	१८	बृषे	भ. ३१/२४ उ. ५३/११ या. उफा. रविः ३८।३७
७	चं	२४	५७	रो	३३	२५	व	२९	२९	ब	२४	५७	४०	५२	८	१४	२३	१९	वृषे	उफा. रविः सौरः १२।२९
८	मं	२९	४४	मृ	३९	४३	सि	३०	२६	कौ	२९	४४	३६	५३	७	१५	२४	२०	मि६।३४	●आश्विनारंभः मातामहश्रा. ग्रस्तोदयं×
९	बु	३५	४२	आ	४६	५३	व्य	३२	२६	तै	२	४३	३२	५४	६	१६	२५	२१	मिथुने	मातृ ९ ×सूर्यग्रहणम्
१०	गु	४१	५९	पु	५४	३२	व	३५	३२	व	८	५०	२८	५४	६	१७	२६	२२	क.३७।३८	भ.८।५० उ.४१/५९ या. कन्यायामर्कः ३।५८+
११	शु	४८	४६	पु	६०	०	प	३७	१४	ब	१५	२२	२४	५५	५	१८	२७	२३	कर्के	चित्रायां बुधः २७।१८ इन्दिरा ११ व्र.
१२	श	५४	१७	पु	२	०	शि	३९	३५	कौ	२१	३१	२०	५६	४	१९	२८	२४	कर्के	हस्ते शुक्रः ४०।३ +(सौरः ३७/४०)
१३	र	५९	२०	श्ले	९	१५	सि	४२	२१	ग	२६	४९	१६	५७	३	२०	२९	२५	सिं९।१५	भ. ५९।२० उ. प्रदोषः
१४	चं	६०	०	म	१५	४०	सा	४१	१७	वि	३१	११	१२	५८	२	२१	३०	२६	सिंहे	भ. ३१।११ या. शस्त्रादिहतानांश्राद्धं
१४	मं	३	३	पू	२०	४१	शु	४१	२८	श	३	३	८	५८	२	२२	३१	२७	कं.३६।४३	सर्वपितृश्राद्धम्
३०	बु	६	४९	उ	२४	४६	शु	४२	४१	ना	६	४९	४	५९	१	२३	१	२८	कन्यायां	तुलायां बुधः६।२० उफा. भौमः ३७/७ रा.●

२२पं.आ.कृ.१मं.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	०	४	७	११	४
२१	१६	७	५	२५	२१	९	२०
१६	४२	१५	३१	३९	१०	३३	४४
५५	५८	४०	१६	२५	१६	७	६
५८	३९	[illegible]	५०/३	७४	२	३	५८
१३	१६	[illegible]	ब	३२	५	११	१२

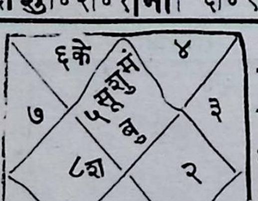

२३पं.आ.कृ.८मं.इ.६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	०	५	७	११	४
२८	२१	१८	५	४	२१	९	२७
५	११	१२	१	२९	२६	११	३२
२४	१७	२५	३७	३९	१६	५१	२७
५८	३९	९१	५/१	७४	२	३	५८
२६	९	४८	ब	३२	४४	११	२९

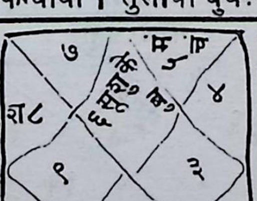

२४पं.आ.कृ.१४मं.इ. ६।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	०	५	७	११	५
४	२५	२८	४	१३	२१	८	४
५५	३९	३८	२२	१	४५	४९	२२
१९	०	३१	८	१९	३४	३६	३४
५८	३९	८०	५/५	७४	३	३	५८
३८	९	५०	ब	३०	२४	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८५ स.१९८७
१	गु	७	५	ह	२७	३७	ब्र	३९	५२	ब	७	५	३०/०	६/०	६/०	२४	२	२९	तु.५८।२७	नवरात्रारम्भः *सरस्वत्यावाहनम्
२	शु	७	२७	चि	२९	१८	ऐं	३७	१३	कौ	७	२७	२९/५५	६/१	५/५९	२५	३	३०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् +पूर्णिमा कोजागरी व्र.
३	श	६	४०	स्वा	२९	५६	वै	३३	४८	ग	६	४०	५१	२	५८	२६	४	१	तुलायां	भ. ३५।४७ उ. सफर २
४	र	४	५४	वि	२९	४४	वि	२९	२५	वि	४	५४	४७	३	५७	२७	५	२	वृ.१४।४७	भ.४।५४या. हस्ते रविः१७।४(सौरः ५/१ ०/०)
५	चं	२	२६	अ	२८	४७	प्री	२४	४६	बा	२	२६	४३	३	५७	२८	६	३	वृश्चिके	स्वात्यां बुधः ४५/२५ कन्यायां भौमः ५३।२३
६	चं	५६	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	मं	५५	१३	ज्ये	२७	२	आ	१९	१९	ग	२७	७	३८	४	५६	२९	७	४	व.२७।२	भ. ५५।१३ उ.
८	बु	५०	३८	मू	२४	४१	सौ	१३	१८	वि	२२	५५	३४	५	५५	३०	८	५	धनुषि	भ. २२।५५ या. चित्रायां शुक्रः २३।५२*
९	गु	४५	२५	पू	२१	४	शो	७/३६	५२/१७	बा	१८	१	३०	६	५४	१	९	६	म.३५।१५	वक्री अश्वि.१ गुरुः३२।५२ अक्टूबर मा.×
१०	शु	३९	२८	उ	१७	४७	सु	५१	५६	तै	१२	२६	२६	७	५३	२	१०	७	मकरे	विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
११	श	३२	५९	श्र	१३	२६	धृ	४३	४४	व	६	१३	२२	८	५२	३	११	८	कु.४१।१	भ.६।१३उ.३२।५९या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	र	२६	१	ध	८	३६	शू	३५	२०	बा	२६	१	१८	८	५२	४	१२	९	कुम्भे	प्रदोषः ×१० ता.३१ सरस्वतीपू. बलि.
१३	चं	१९	८	श	३/३८	५५/१२	गं	२६	५७	तै	१९	८	१४	९	५१	५	१३	१०	मी४५।२	तुलायां शुक्रः ४४।२३
१४	मं	१२	२४	उ	५४	३०	वृ	१९	३७	व	१२	२४	१०	१०	५०	६	१४	११	मीने	.भ. १२।२४ उ. ३९।३२ या. शरद्+
१५	बु	६	३९	रे	५१	२०	ध्रु	११	०	ब	६	३९	६	११	४९	७	१५	१२	मे.५१।२०	शुक्रोदयः पश्चिमायां ४८।३६ शु.उ.प.

२५पं.आ.शु.७मं.इ.५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	०	५	७	११	५
११	०	७	३	२१	२२	८	११
४६	८	३	३६	४३	९	२७	१४
५५	१३	७	२९	२३	५८	२०	३६
५८	३९	६७	४/४	७४	९	३	५९
५३	९	२५	व	२६	१४	११	०

गोचरग्रहाः

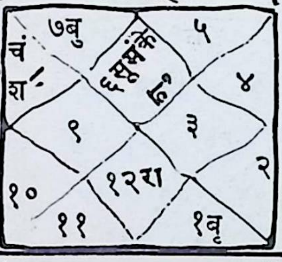

आश्वि. कृ. १०गुरौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ नं.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

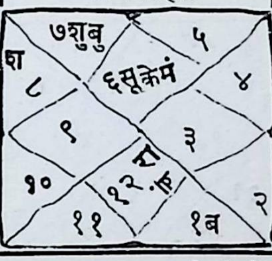

२६पं.आ.शु.१४मं.इ.५।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	०	६	.७	११	५
१८	४	१४	२	०	२२	८	१८
४०	३५	२२	४५	२६	३८	५	८
८	३१	३०	४७	३५	६	४	२३
५९	३९	४७	७	७४	४	३	५९
९	१२	२९	३१	२६	२६	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२	१	अ	४९	२८	व्या	४/९	५४/१३	कौ	२	१	२९/२	६/१२	५/४८	८	१६	१३	मेषे	
२	गु	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	शु	५७	४९	भ	४९	२५	व	५४	१३	व	२८	२५	२८/५८	१२	४८	९	१७	१४	मेषे	भ. २८।२५ उ. ५७।४९ या.
४	श	५८	२२	कृ	५१	५	सि	५१	२८	ब	२८	५	५४	१३	४७	१०	१८	१५	वृ.४।५०	चित्रा. रविः ४८।५ चतुर्थी व्र.
५	र	६०	०	रो	५४	३७	व्य	५०	१९	कौ	२९	४१	५०	१४	४६	११	१९	१६	वृषे	चित्रा. रविः सौरः३०/४६ स्वात्यां शुक्रः४।२७
५	चं	१	२	मृ	६०	०	व	५०	९	तै	१	२	४६	१५	४५	१२	२०	१७	मि२७।२३	
६	मं	५	२२	मृ	०	११	प	५१	२५	व	५	२२	४२	१६	४४	१३	२१	१८	मिथुने	भ. ५।२२ उ. ३८।१० या.
७	बु	१०	५७	आ	७	३९	शि	५३	१४	ब	१०	५७	३८	१६	४४	१४	२२	१९	क.५८।४	हस्ते भौमः२९।४६ उदयं भौमः २५।५०
८	गु	१७	१५	पु	१३	३२	सि	५५	१८	कौ	१७	१५	३४	१७	४३	१५	२३	२०	कर्के	वक्री बुधः ३५।५३ ज्येष्ठा.३शनिः ९।१०
९	शु	२३	३१	पु	२१	२८	सा	५७	५१	ग	२३	३१	३०	१८	४२	१६	२४	२१	कर्के	भ. ५६।३६ उ.
१०	श	२९	४२	श्ले	२८	२०	शु	५९	५३	वि	२९	४२	२६	१९	४१	१७	२५	२२	सिं२८।२०	भ. २९।२४ या. तुलायामर्कः ३२।५१
११	र	३४	५०	म	३५	२८	शु	६०	०	ब	२	१६	२२	२०	४०	१८	२६	२३	सिंहे	तुलायामर्कः सौरः ३।२९ रमा ११ व्र.
१२	चं	३८	३१	पू	४०	४१	शु	१	४	कौ	६	४०	१८	२०	४०	१९	२७	२४	कं.५६।३८	
१३	मं	४०	५९	उ	४४	३२	ब्र	१	१४	ग	९	४५	१४	२१	३९	२०	२८	२५	कन्यायां	भ. ४०।५९ उ. प्रदोषः घन १३
१४	बु	४१	३६	ह	४६	५७	ऐं	०/१३	५७/४९	वि	११	१७	१०	२२	३८	२१	२९	२६	कन्यायां	भ.१/१७या. विशाखा.शुक्रः४७।५० रूप१४
३०	गु	४१	१	चि	४७	५८	वि	५४	४६	च	११	१८	६	२३	३७	२२	३०	२७	तु.१७।२७	बुधास्तःपश्चिमायां १२।० महालक्ष्मी पू.

२७पं.का.कृ.६मं.इ.५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	०	६	७	११	५
२५	९	१९	१	९	२३	७	२५
३५	५	१९	५१	१०	९	४२	४
६	२	१२	५८	८	३२	४९	१३
५९	३९	७६	७/२५	७४	५	३	५९
२१	२१	१	व	२०	५	११	३१

गोचरग्रहाः

का.कृ.१० शनौ तुलायामर्कः प्र.वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. द. ।

गोचरग्रहाः

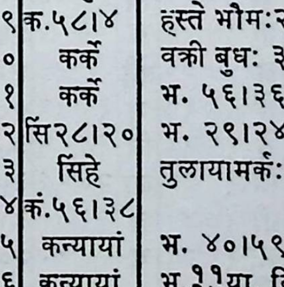

२८पं.का.कृ.१३मं.इ.५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	०	६	७	११	६
२	१३	१८	०	१७	२३	७	२
३१	३५	५३	५४	५२	४४	२०	१
३४	२४	१७	३६	१०	३१	३३	४१
५९	३	३६/५	७/५२	७४	५	३	५९
३४	२४	व	व	२०	३२	११	४६

*चंमंके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३१४सन्१९८७
१	शु	३८	५३	स्वा	४७	३७	प्री	५०	११	किं	९	५७	२८/२	६/२४	५/३६	२३	१	२८	तुलायां	रा. कार्तिकारम्भः अन्नकूट गोवर्द्धन पूज।
२	श	३५	४६	वि	४६	१५	आ	४५	०	बा	७	२०	२७/५८	२४	३६	२४	२	२९	वृ.३१।३५	स्वात्यां रविः ५४/५३ (सौरः ४४/२७); चन्द्रदर्शनम्
३	र	३१	४९	अ	४३	२७	सौ	३९	६	तै	३	४७	५४	२५	३५	२५	३	१	वृश्चिके	भ. ५९।३६ उ. रविलावल ३
४	चं	२७	२३	ज्ये	४१	१३	शो	३२	३०	वि	२७	२३	५०	२६	३४	२६	४	२	ध.४१।१३	भ. २७/२३ या. वक्री रेवती ४ मीने गुरुः ५९/१३
५	मं	२२	३८	मू	३८	११	अ	२५	५२	बा	२२	३८	४६	२७	३३	२७	५	३	धनुषि	
६	बु	१७	४३	पू	३५	३	सु	१९	४	तै	१७	४३	४२	२८	३२	२८	६	४	म.४९।१४	
७	गु	१२	४६	उ	३१	४६	धृ	१२	५	व	१२	४६	३९	२८	३२	२९	७	५	मकरे	भ. १२/४६ उ. ४०/१४ या. वृश्चिके शुक्रः ५९/३० गोपा८
८	शु	७	४१	श्र	२८	२४	शू	५/३६	५२/१७	ब	७	४१	३५	२९	३१	३०	८	६	कुं.५६।४२	×११ता.३० प्रबोधिनी ११व्र.स्मा. तु.वि.
९	श	२	३४	ध	२५	१	वृ	५०	३२	कौ	२	३४	३१	३०	३०	३१	९	७	कुम्भे	वक्री चित्रा. बुधः ३५।२५ अक्षय ९
१०	श	५५	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*राहुः उफा.३केतुः३१।२९ नवम्बरमा.×
११	र	५२	२१	श	२२	७	ध्रु	४३	३७	व	२४	५०	२७	३१	२९	१	१०	८	कुम्भे	भ. २४/५० उ. ५२/२१ या. अनु. शुक्रः ३०/३८ उभा.१*
१२	चं	४७	३२	पू	१८	३७	व्या	३६	३८	ब	१९	५६	२४	३१	२९	२	११	९	मी४।२९	प्रबोधिनी ११ वै. व्र.
१३	मं	४३	३१	उ	१५	५२	ह	३०	१५	कौ	१५	३१	२०	३२	२८	३	१२	१०	मीने	बुधोदयः पूर्वस्याम् ५६।१९ प्रदोषः
१४	बु	४०	९	रे	१३	१४	व	२४	१४	ग	११	४९	१६	३३	२७	४	१३	११	मे.१३।४१	भ.४०।७उ. चित्रा. भौमः९।१० वैकुंठ१४
१५	गु	३७	४९	अ	१२	२२	सि	१८	५५	वि	८	५८	१३	३३	२७	५	१४	१२	मेषे	भ. ८।५८ या. मन्वादिः

२९पं.का.शु.५मं.इ.५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	६	७	११	६
९	१८	१२	२९	२६	२४	६	९
२९	५	३६	५९	३६	२३	५७	०
४९	४९	३२	१३	४०	४९	१८	५३
५९	३९	९३/१६	७/४५	७४	५	३	६०
४७	८	व	व	१०	५७	११	२

गोचरग्रहाः

कन्याराशि का मंगल सोना चांदी रुई रेशम गुड़ अलसी सिरस्युँ तिल तेज करे। तेजी में बेचें आगे मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

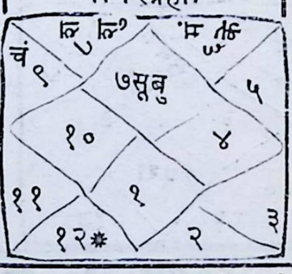

३०पं.का.शु.१३मं.इ. ५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	७	७	११	६
१६	२२	४	२९	५	२५	६	१६
२९	३८	५६	५	१८	४	३५	१
३८	१३	२१	४२	५८	२६	२	५७
६०	३९	४१/३३	७/१६	७४	६	३	६०
४	८	व	व	२	२०	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३७	७	भ	१२	२९	व्य	१४	४६	बा	७	२६	२७/९	६/३४	५/२६	६	१५	१३	वृ.२७।४९	विशा. रविः ३५।१६ मार्गी बुधः ३३।१६
२	श	३७	४९	कृ	१३	५१	व	११	३७	तै	७	२८	६	३५	२५	७	१६	१४	वृषे	विशा. रविः सौरः १।५६
३	र	४०	२०	रो	१६	५५	ष	१०	११	व	९	३४	२	३६	२४	८	१७	१५	मि४९।९	भ. ९।३४ उ. ४०।२० या.
४	चं	४४	१३	मृ	२१	२३	शि	९	१५	ब	१२	१६	२६/५९	३६	२४	९	१८	१६	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	मं	४९	३४	आ	२७	२५	सि	९	४४	कौ	१६	५३	५६	३७	२३	१०	१९	१७	मिथुने	
६	बु	५५	३५	पु	३४	१३	सा	११	१३	ग	२२	३४	५३	३७	२३	११	२०	१८	क.१७।३१	भ. ५५।३५ उ.
७	गु	६०	०	पु	४१	४९	शु	१३	१३	वि	२८	४८	४९	३८	२२	१२	२१	१९	कर्के	भ.२८।४८या. स्वात्यां बुधः ४०/१५ ज्येष्ठा.*
७	शु	२	२	श्ले	४९	२६	शु	१५	२९	ब	२	२	४६	३९	२१	१३	२२	२०	सि४९।२६	*शुक्रः १२।१२
८	श	८	२७	म	५६	३७	ब्र	१७	३६	कौ	८	२७	४३	३९	२१	१४	२३	२१	सिंहे	तुलायां भौमः २६।२२
९	र	१३	५९	पू	६०	०	ऐं	१९	१८	ग	१३	५९	४०	४०	२०	१५	२४	२२	सिंहे	भ. ४६।२ उ.
१०	चं	१८	५	पू	२	३०	वै	१९	५६	वि	१८	५	३७	४१	१९	१६	२५	२३	कं.१८।४०	भ.१८।५या. वृश्चिकेऽर्कः ३१/१८ (सौरः ५६/१३)
११	मं	२०	५१	उ	७	१०	वि	१९	३५	बा	२०	५१	३४	४१	१९	१७	२६	२४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु	२१	४०	ह	९	४९	प्री	१७	४१	तै	२१	४०	३१	४२	१८	१८	२७	२५	तु.४०।२२	ज्येष्ठायां ४ शनिः ६।२६ प्रदोषः
१३	गु	२०	४२	चि	१०	५६	आ	१४	२३	व	२०	४२	२९	४२	१८	१९	२८	२६	तुलायां	भ.२०।४२उ. ४९/१९ या. अनु. रविः४९।३८
१४	शु	१७	५५	स्वा	१०	१९	सौ	९	४४	श	१७	५५	२६	४३	१७	२०	२९	२७	वृ.५३।४३	अनु. रविः सौरः १३।१
३०	श	१३	४४	वि	८	११	शो	३/३९	५२/५८	ना	१३	४४	२४	४३	१७	२१	३०	२८	वृश्चिके	

३१पं. मा.कृ.५मं.इ.४।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	७	७	११	६
२३	२७	४	२८	१४	२५	६	२३
३०	९	५०	१६	२	४७	१२	४
५८	५०	३१	४८	५६	२४	४६	३३
६०	३९	४२/१७	६/३९	७४	६	३	६०
१७	११	मा	व	२	३४	११	३०

गोचरग्रहाः

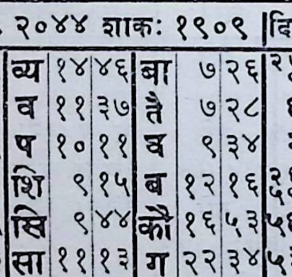

मा. कृ. १० चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न.३ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

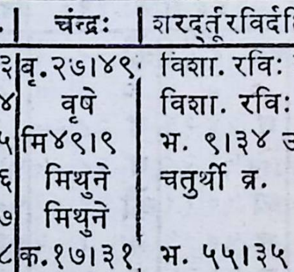

३२पं.मा.कृ.११मं.इ.४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	११	७	७	११	७
०	१	११	२७	२२	२६	५	०
३३	४३	४९	३४	४५	३२	५०	८
४७	३४	५	३४	४०	४६	३१	३७
६०	३९	७७	५/३९	७३	६	३	६०
३०	१५	११	व	५६	५२	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३४४स.१९८७
१	र	८	२०	अ	४	३७	सु	४८	५१	ब	८	२०	२५/२१	६/४४	५/१६	२२	१	२९	वृश्चिके	विशा. बुधः ५२।२ रा. मार्गशीर्षारम्भः
२	चं	२	१	ज्ये	०/२०	५५/२०	धृ	४०	४२	कौ	२	१	१९	४४	१६	२३	२	३०	ध.०।२०	मूले धनुषि शुक्रः ९।६ चन्द्रदर्शनम्
३	चं	५३	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं	४९	१६	पू	५०	५९	शू	३२	१९	व	२२	२९	१६	४५	१५	२४	३	१	धनुषि	भ. २२/२९ उ. ४६/१६ या. स्वात्यां भौमः ३९।१*
५	बु	४३	७	उ	४६	२२	गं	२४	१	ब	१६	११	१३	४५	१५	२५	४	२	म.४।५१	×ना.१२ ता.३१ मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
६	गु	३७	१९	श्र	४२	२१	वृ	१६	९	कौ	१०	१३	११	४६	१४	२६	५	३	मकरे	चम्पा ६ पातस्पर्शः १५।० मोक्षः २८।५
७	शु	३२	३	ध	३८	४७	ध्रु	८	३१	ग	४	४१	८	४६	१४	२७	६	४	कु.१०।३४	भ. ३२।३ उ. ५९।४० या.
८	श	२७	१६	श	३५	५५	व्या	१/७	५३/१७	ब	२७	१६	६	४७	१३	२८	७	५	कुम्भे	+ग्रस्तं शनेः १६/५९ बुधास्तः पूर्वस्याम् १५/५
९	र	२३	१६	पू	३३	३२	व	४८	२४	कौ	२३	१६	३	४७	१३	२९	८	६	मी१९।८	वृश्चिके बुधः २६/३ वक्री रेवती ३गुरुः ३४/७+
१०	चं	१९	५२	उ	३२	१	सि	४२	५२	ग	१९	५२	१	४८	१२	३०	९	७	मीने	भ. ४८।३६ उ. *रविलाखर ४
११	मं	१७	२०	रे	३१	८	व्य	३७	५९	वि	१७	२०	२५/५९	४८	१२	१	१०	८	मे.३१।८	भ. १७/२० या. अनु. बुधः २७।२० दिसम्बर×
१२	बु	१५	४४	अ	३१	५	व	३३	४३	बा	१५	४४	५७	४९	११	२	११	९	मेषे	ज्येष्ठा. रविः ५९।४८ प्रदोषः
१३	गु	१४	४८	भ	३१	५६	प	३०	२०	तै	१४	४८	५५	४९	११	३	१२	१०	वृ.४७।२५	ज्येष्ठा. रविः सौरः २१।१ पूषा. शुक्रः ३८/५५
१४	शु	१५	५	कृ	३३	५२	शि	२७	४२	व	१५	५	५३	४९	११	४	१३	११	वृषे	भ. १५।५ उ. ४६।२१ या. दत्तजयंती
१५	श	१७	३७	रो	३७	१८	सि	२६	२७	ब	१७	३७	५१	४९	११	५	१४	१२	बृषे	

३३पं.मा.शु.४मं.इ.४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	११	८	७	११	७
७	६	२१	२७	१	२७	५	७
३७	१७	४७	०	२८	१९	२८	१४
३७	२४	३१	१४	८	३०	१५	१०
६०	३९	८९	४/२०	७३	७	३	६०
४२	१५	४	व	५०	२	११	५३

गोचरग्रहाः

इस मासमें अनाज गल्ला मूंग बाजरा चावल मंदा होगा गुड़ खांड़ तिलका संग्रह करें लाभ होगा ।

गोचरग्रहाः

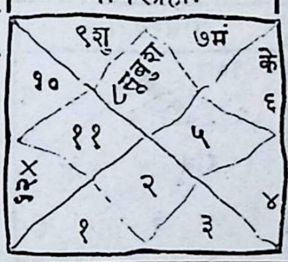

३४पं.मा.शु.११मं.इ.४।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	८	७	११	७
१४	१०	२	२६	१०	२८	५	१४
४२	५२	४२	३५	१०	७	६	२०
५४	१	४८	१०	१२	४४	०	५६
६०	३९	९४	३	७३	७	३	६१
५०	१८	१८	१३	३८	१४	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१९	३८	मृ	४२	५८	सा	२५	२८	कौ	१९	३८	२५/४९	६/५०	५/१०	६	१५	१३	मि१०।८	
२	चं	२३	४७	आ	४७	३१	शु	२५	४६	ग	२३	४७	४८	५०	१०	७	१६	१४	मिथुने	भ. ५६।२७ उ.
३	मं	२९	६	पु	५४	८	शु	२७	४	वि	२९	६	४६	५१	९	८	१७	१५	क.३७।२९	भ. २९।६ या.
४	बु	३४	५९	पु	६०	०	ब्र	२८	५१	ब	२	२	४५	५१	९	९	१८	१६	कर्के	चतुर्थी व्र. पातस्पर्शः ३१/१९ मोक्षः ४९।७
५	गु	४१	२८	पु	१	२९	ऐं	३०	५८	कौ	८	१३	४४	५१	९	१०	१९	१७	कर्के	ज्येष्ठा. बुधः ५।७
६	शु	४८	११	श्ले	९	८	वै	३३	१९	ग	१४	४९	४२	५२	८	११	२०	१८	सिं ९।८	भ. ४८।११ उ.
७	श	५४	१३	म	१६	४०	वि	३५	२२	वि	२१	११	४१	५२	८	१२	२१	१९	सिंहे	भ. २१।११ या.
८	र	५९	२	पू	२३	२५	प्री	३६	४१	बा	२६	३७	४०	५२	८	१३	२२	२०	कं.३९।५१	
९	चं	६०	०	उ	२९	१०	आ	३७	११	तै	३०	४९	३९	५२	८	१४	२३	२१	कन्यायां	उषा. शुक्रः २०।५६ विशा. भौमः५६।५३
९	मं	२	३७	ह	३३	१९	सौ	३६	१६	ग	२	३८	३८	५२	८	१५	२४	२२	कन्यायां	भ. ३३।२७ उ.
१०	बु	४	१७	चि	३५	२७	शो	३४	२	वि	४	१७	३८	५२	८	१६	२५	२३	तु.४।२२	भ. १४/७ या. मूले धनुष्यर्कः ७/० (सौरः ३४/४५)*
११	गु	३	५६	स्वा	३५	३३	अ	३०	१	बा	३	५६	३७	५३	७	१७	२६	२४	तुलायां	मकरे शुक्रः ४।३५ सफला ११ व्र.
१२	शु	१	३१	वि	३३	४८	सु	२४	३४	तै	१	३१	३७	५३	७	१८	२७	२५	वृ.१९।१४	भ ५७/२३ उ. मूले धनुषि बुधः ४५/३२ प्रदोषः
१३	शु	५५	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*मार्गी गुरुः ५१/१६ मूले धनुषि शनिः ५८/४१
१४	श	५१	१३	अ	३०	१३	धृ	१७	३५	वि	२४	१८	३७	५३	७	१९	२८	२६	वृश्चिके	भ. २४।४८ या.
३०	र	४४	४	ज्ये	२५	१६	शू	९	२१	च	१७	३८	३६	५३	७	२०	२९	२७	ध.२५।१६	

३५पं. पौ.कृ.३मं.इ. ४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	८	७	११	७
२१	१५	१३	२६	१८	२८	४	२१
४८	२८	२५	१८	५२	६	४३	२८
५८	५२	४१	२९	१९	३५	५४	४१
६०	३९	९६	१८	७३	७	३	६१
५६	११	११	ब	२६	२०	११	११

गोचरग्रहाः

पौष कृ. १० बुधे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न.३ वालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

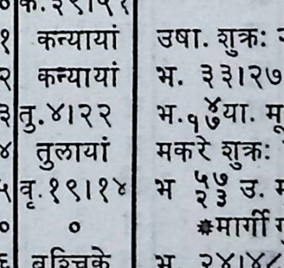

३६पं. पौ.कृ. ९मं.इ.३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	८	७	११	७
२८	२०	२४	२६	२७	२९	४	२८
५५	४	२४	१२	३२	४५	२१	३७
५२	३४	३६	४०	२८	५८	२८	२४
६१	३९	९९	१९	७३	७	३	६१
०	१३	२	ब	२०	२०	११	१९

*राबू

×चंबूरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५३७३स.१९८७
१	चं	३६	५	मू	१९	२१	गं	०/३	५०/२०	किं	१०	४	२५/३६	६/५३	५/७	२१	३०	२८	धनुषि	
२	मं	२७	४९	पू	११	५७	ध्रु	४०	२९	बा	१	५७	३६	५३	७	२२	१	२९	म.२५।३५	रा. पौषारंभः चंद्र दर्शनम्
३	बु	१९	४९	उ	६	३१	व्या	२०	५०	ग	१९	४९	३६	५३	७	२३	२	१	मकरे	भ. ४६।१ उ. जमादिलावल ५
४	गु	१२	१३	श्र	२०/०	५४/३	ह	१९	२०	वि	१२	१३	३६	५३	७	२४	३	२	कुं.२६।३७	भ. १२।३१ या.
५	शु	५	२२	श	५०	५८	व	१२	४९	ता	५	२२	३७	५३	७	२५	४	३	कुंभे	श्रवणे शुक्रः १०।२६
६	शु	१४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	श	५५	०	पू	४७	५८	सि	५/१३	५३/४	ग	२७	१८	३७	५३	७	२६	५	४	मी३३।४३	भ. ५५।० उ. ×पुत्रदा ११ व्र.
८	र	५१	३८	उ	४६	९	व	५२	३३	वि	२३	१९	३७	५३	७	२७	६	५	मीने	भ. २३।१९ या. पूषायां बुधः ५।५१
९	चं	४९	४१	रे	४५	२३	प	४७	५२	बा	२०	४०	३८	५२	८	२८	७	६	मे.४५।२३	●मा.१ ता. ३१ सन् १९८८ ई. प्रदोषः
१०	मं	४८	४९	अ	४५	५०	शि	४४	२	तै	१९	१५	३८	५२	८	२९	८	७	मेषे	पूषायां रविः ११।५६ (सौरः २६।२३)
११	बु	४९	७	भ	४७	३२	सि	४१	२३	व	१८	५८	३९	५२	८	३०	९	८	मेषे	भ. ५६/८ उ. ४९/७ या. वृश्चिके भौमः ५।३७×
१२	गु	५०	४६	कृ	४९	३६	सा	३९	३२	ब	१९	५६	४०	५२	८	३१	१०	९	बृ. ३।३	
१३	शु	५३	२२	रो	५४	४०	शु	३८	४०	कौ	२२	४	४०	५२	८	१	११	१०	बृषे	रेवती४ गुरुः ३/२५ उदयं शनेः ३६/३७ जनवरी●
१४	श	५७	७	मृ	५९	७	शु	३८	२३	ग	२५	१४	४१	५२	८	२	१२	११	मि२६।१३	भ. ५७।७ उ. +भौमः १९।१३
१५	र	६०	०	आ	६०	०	ब्र	३८	४७	वि	२९	२७	४२	५२	८	३	१३	१२	मिथुने	भ. ३६/७ या. पूभा. ४ राहुः उफा. २ केतुः ३३/५
१५	चं	१	४७	आ	६	३७	ऐं	४०	१६	ब	१	४७	४३	५२	९	४	१४	१३	क.५५।२९	उषायां बुधः १५/४० धनि. शुक्रः ५८।२ अनु.+

३७पं. पौ.शु.२मं.इ.३।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	९	८	११	८
६	२४	५	२६	६	०	३	५
३	४०	३१	१७	१२	३५	५९	४६
२९	२३	३४	३८	२२	४२	१३	४९
६१	३९	०/०	५६	७३	७	३	६१
४	११	५३	व	९	२०	११	२२

गोचरग्रहाः

धनु राशि गतो भानुःसुभिक्षं तत्र जायते। तिलं तैल महर्घं च कार्पासादि तथैव च॥ रुई तिल तैल मंदी हो।

गोचरग्रहाः

३८पं.पौ.शु.१०मं.इ.३।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	९	८	११	८
१३	२९	१६	२६	१४	१	३	१२
११	१९	३८	३१	५०	२४	३६	५६
३१	३०	२	४८	२४	४३	५७	४१
६१	३९	०/०	२	७२	७	३	६१
६	१०	५६	२०	५१	१४	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्ततूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	७	२०	पु	११	४६	वै	४१	४७	कौ	७	२०	२५/४४	६/५१	५/९	५	१५	१४	कर्क	
२	बु	१३	२९	पु	१९	२३	वि	४३	५३	ग	१३	२९	४६	५१	९	६	१६	१५	कर्के	भ. ४६।४० उ. मकरे बुधः १४।३५
३	गु	१९	५०	श्ले	२६	५५	प्री	४६	२३	वि	१९	५०	४७	५१	९	७	१७	१६	सिं२६।५५	भ. १९।५० या. चतुर्थी व्र.
४	शु	२६	२६	म	३४	४०	आ	४८	२३	बा	२६	२६	४९	५०	१०	८	१८	१७	सिंहे	
५	श	३२	४६	पू	४१	५२	सौ	५०	२९	तै	३२	४६	५०	५०	१०	९	१९	१८	कं.५८।२८	
६	र	३८	१	उ	४८	१५	शो	५१	२८	ग	५	२३	५२	५०	१०	१०	२०	१९	कन्यायां	भ. ३८।१ उ. कुम्भे शुक्रः १४।३३
७	चं	४२	२३	ह	५३	३९	अ	५१	३८	वि	१०	११	५४	४९	११	११	२१	२०	कन्यायां	भ. १/१९ या. उषा. रविः १६।४० (सौरः २७/५०)
८	मं	४५	८	चि	५७	१६	सु	५०	३६	बा	१३	४५	५६	४९	११	१२	२२	२१	तु.२५।२८	श्रवणे बुधः २०।५
९	बु	४६	३	स्वा	५९	४	धृ	४८	११	तै	१५	३५	५८	४८	१२	१३	२३	२२	तुलायां	बुधोदयः पश्चिमायाम् २९।४४
१०	गु	४४	५५	वि	५८	५८	शू	४४	१	व	१५	२९	२६/१	४८	१२	१४	२४	२३	बृ.४३।५९	भ. १५।२९ उ. ४४/५५ या. मकरेऽर्कः ३३।४०●
११	शु	४१	५	अ	५६	५३	गं	३८	१८	ब	१३	२३	२	४७	१३	१५	२५	२४	बृश्चिके	षट्तिला ११ व्र.
१२	श	३६	२८	ज्ये	५२	४१	वृ	३२	९	कौ	९	१०	५	४७	१३	१६	२६	२५	ध.५२।४१	शते शुक्रः ५५।३
१३	र	२९	३७	मू	४७	४	ध्रु	२२	१६	ग	३	२	८	४६	१४	१७	२७	२६	धनुषि	भ. २९।३७ उ. ५५।३० या. प्रदोषः
१४	चं	२१	२२	पू	४०	९	व्या	११	२९	श	२१	२२	१०	४६	१४	१८	२८	२७	म.५३।१६	✱(सौरः ४३/१५) मूले २ शनिः ५६।५७
३०	मं	१२	२१	उ	३२	३९	ह	५७/१	४९/१	ना	१२	२१	१२	४६	१४	१९	२९	२८	मकरे	

३९पं.मा.कृ.१मं इ.३।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	११	९	८	११	८
२०	३	२८	२६	२३	२	३	२०
१९	५८	०	५६	२६	१३	१४	६
२६	५२	२५	२०	३५	१२	४२	३८
६१	३९	०/०	३	७२	७	३	६१
६	८	५५	४४	३३	५	११	२६

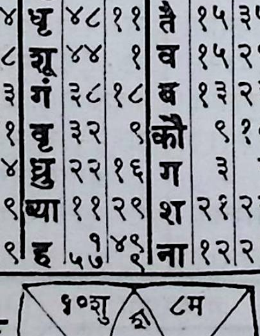

४०पं मा कृ.८मं.इ.३।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	११	१०	८	११	८
२७	८	९	२७	२	२	२	२७
२७	३१	३२	३०	१	५९	५२	१६
४०	५५	२४	१४	८	५६	२६	३०
६१	३९	९९	४	७२	६	३	६१
६	८	३२	५६	१५	५६	११	२४

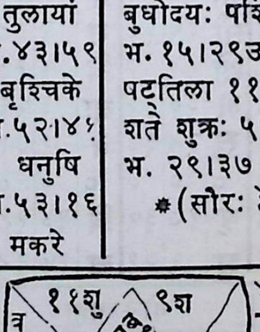

४१पं.मा.कृ.३०मं.इ.३।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	१०	८	११	९
४	१३	२०	२८	१०	२	२	४
३५	१८	५०	११	३३	४५	३०	२५
३१	२५	१३	५३	४३	४३	१०	५९
६१	३९	९२	६	७१	६	३	६१
३	३	२९	५	५१	२४	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४०३स.१९८७
१	बु	२	४९	श्र	२५	१३	सि	४०	१६	ब	२	४९	२६/१५	६/४५	५/१५	२०	३०	२९	कुं.५१।३५	धनिष्ठा. बुधः ४०।३५ चन्द्रदर्शनम्
२	बु	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	४४	४६	ध	१७	५९	व्य	३०	२	तै	१९	१०	१७	४५	१५	२१	१	१	कुम्भे	अभि. प्र. रविः ५।४९ (सौरः १४/३७) रा ●
४	शु	३७	७	श	११	५६	व	२०	८	व	१०	५७	२०	४४	१६	२२	२	२	मी५२।४६	भ. १०।५७ उ. ३७।७ या.
५	श	३०	५२	पू	६	२३	ष	११	४६	ब	२	५९	२२	४४	१६	२३	३	३	मीने	त्रसंत ५ ●माघारंभः जमादिलाखर ६
६	र	२६	३	उ	२	४७	शि	४३/४	५३/५४	तै	२६	३	२५	४३	१७	२४	४	४	मीने	श्रवणे रविः २२/१२ (सौरः ३०/३४) ज्ये.भौमः०।४
७	चं	२३	१७	रे	०	५३	सा	५४	४	व	२३	१७	२७	४३	१७	२५	५	५	मे.०।५३	भ. २३/१७ उ. ५२/४० या. अभि. नि. रविः १४/४१×
८	मं	२२	२	अ	०	४३	शु	५०	५९	ब	२२	२	३०	४२	१८	२६	६	६	मेषे	पूभा. शुक्रः५४।० भीष्माष्टमी पातस्पर्शः+
९	बु	२२	३५	भ	२	११	शु	४९	१४	कौ	२२	३५	३३	४१	१९	२७	७	७	वृ.१७।५९	×(सौरः २२/५०) कुंभे बुधः ४३/५० भानु ७
१०	गु	२४	३४	कृ	५	२०	ब्र	४८	३५	ग	२४	३४	३६	४१	१९	२८	८	८	वृषे	भ.५६।१४उ. +१५/५६ पातमोक्षः २८/४७
११	शु	२७	५५	रो	९	४०	ऐं	४८	२६	वि	२७	५५	३९	४०	२०	२९	९	९	मि४२।२४	भ. २७।५५ या. जया ११ व्र.
१२	श	३२	२६	मृ	१५	९	वै	४९	५३	ब	०	१०	४२	४०	२०	३०	१०	१०	मिथुने	
१३	र	३७	४३	आ	२१	२०	वि	५१	२५	कौ	५	४	४६	३९	२१	३१	११	११	मिथुने	प्रदोषः =फरवरी मा. २ ता. २९
१४	चं	४३	४१	पु	२८	३०	प्री	५३	१६	ग	१०	४२	४९	३८	२२	१	१२	१२	क.११।३१	भ. ४३।४१ उ. अश्वि. १ मेषे गुरुः ५६/३०=
१५	मं	४९	५६	पु	३५	४०	आ	५५	२८	वि	१६	४९	५२	३८	२२	२	१३	१३	कर्के	भ. १६।४९ या. वक्री बुधः २५।१४

४२पं.मा.शु.८मं.इ.३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	११	१०	८	११	९
११	१८	०	२९	१८	४	२	११
३२	०	१७	२	५९	२९	७	३४
५८	२२	३१	४६	४६	३१	५५	५०
६०	३८	६७	७	७१	६	३	६१
५९	५५	१४	६	३२	२३	११	१३

गोचरग्रहाः

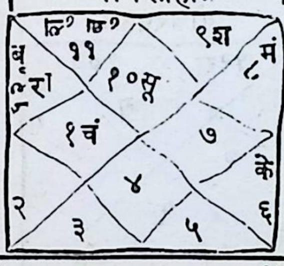

मा. कृ. १० गुरौ मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

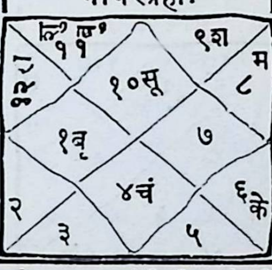

४३पं.मा.शु.१५मं.इ.३।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	०	१०	८	११	९
१८	२२	४	०	२७	५	१	१८
४९	४०	१५	०	२८	१०	४५	४९
२६	४४	५४	५८	५२	३०	३९	२६
६०	३८	४	८	७१	६	३	६०
५५	५०	७	१०	५	४	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	बु	५६	२१	श्ले	४३	२५	सौ	५७	३८	बा	२३	९	२६/५५	६/३७	५/२३	३	१४	१४	सि४३।२५	
२	गु	६०	०	म	५०	३५	शो	५९	५२	तै	२९	३२	५९	३६	२४	४	१५	१५	सिंहे	मीने शुक्रः ११/१० बुधास्तः पश्चिमायाम् ४१।५
२	शु	२	४४	पू	५७	५१	अ	६०	०	ग	२	४४	२७/२	३६	२४	५	१६	१६	सिंहे	भ. ३५।४५ उ.
३	श	८	४७	उ	६०	०	अ	१	२४	वि	८	४७	६	३५	२५	६	१७	१७	कं.१४।३०	भ.८।४७या. धनि.रविः ३३/३० (सौरः ३६/२५) ●
४	र	१३	५७	उ	४	२७	सु	३	५	बा	१३	५७	९	३४	२६	७	१८	१८	कन्यायां	उभा. शुक्रः १०।२९ ●चतुर्थी व्र
५	चं	१८	२४	ह	१०	९	धृ	३	४८	तै	१८	२४	१३	३३	२७	८	१९	१९	तु.४२।२८	
६	मं	२१	४३	चि	१४	४७	शू	३	२९	व	२१	४३	१६	३३	२७	९	२०	२०	तुलायां	भ. २४/३३ उ. ५३/३६ या. वक्री मकरे बुधः १६।३×
७	बु	२३	२९	स्वा	१८	२	गं	२/१६	५७/२२	ब	२३	२९	२०	३२	२८	१०	२१	२१	तुलायां	×पातस्पर्शः १४।१० मोक्षः २५।४३
८	गु	२३	४०	वि	१९	३१	ध्रु	५५	३५	कौ	२३	४०	२४	३१	२९	११	२२	२२	वृ. ४।९	
९	शु	२१	५६	अ	१९	१८	व्या	५०	४	ग	२१	५६	२७	३१	२९	१२	२३	२३	वृश्चिके	भ. ५०।९ उ. मूले धनुषि भौमः ४८।२३
१०	श	१८	२२	ज्ये	१७	१७	ह	४२	५८	वि	१८	२२	३४	३०	३०	१३	२४	२४	ध.१७।१७	भ. १२/२९ या. कुंभेऽर्कः ५।४८ (सौरः १२/०२)
११	र	१२	५२	मू	१३	१७	व	३४	४१	बा	१२	५२	३५	२९	३१	१४	२५	२५	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	चं	५	५६	पू	७	५५	सि	२५	८	तै	५	५६	३८	२८	३२	१५	२६	२६	म.२१।१४	भ. ५७।३५उ. वक्री श्रवणे बुधः ३१/३९ प्रदोषः
१३	चं	५१	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	मं	४८	११	उ	१/९	५६/२३	व्य	१५	४६	वि	२२	५३	४२	२८	३२	१६	२७	२७	मकरे	भ. २२।५३ या. महाशिवरात्रि व्र.
३०	बु	३८	२६	ध	४५	४९	व	४/३१	४८	च	१३	१९	४६	२७	३३	१७	२८	२८	कु.१९।४२	बुधोदयः पूर्वस्याम् १७।३६

४४पं. फा.कृ.६मं.इ.३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	०	११	८	११	९
२५	२७	०	१	५	५	१	२५
५५	२३	१५	५	५०	४९	२३	४९
१६	१३	३२	४६	२४	५२	२४	४०
६०	३८	५५/५०	९	७०	५	३	६०
४७	५०	व	५	३२	३७	११	५५

गोचरग्रहाः

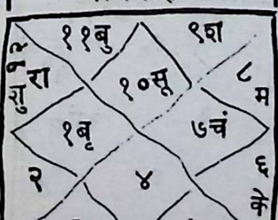

फा. कृ.१० शनौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

४५पं.फा.कृ.१४मं.इ. ४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	०	११	८	११	१०
३	२	२२	२	१४	६	१	२
०	४	३२	१६	६	२५	१	५५
४	४	४२	२३	२५	१६	८	४३
६०	३८	६३/४८	१०	६९	५	३	६०
३७	४०	व	५०	५१	३	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४३२स. १९८८
१	गु	२८	३७	श	३८	२	शि	४१	४४	किं	३	३२	२७ ५०	२६	३४	१८	२९	२९	कुम्भे	रेवत्यां शुक्रः ५५ ५६ मूल ३ शनिः ५९।३
२	शु	१९	३०	पू	३१	१	सि	३१	४१	कौ	१९	३०	५४	२५	३५	१९	३०	३०	मो १७।४६	शते रविः ४३ २९ (सौरः ४५ ४४) चन्द्रदर्शनम्*
३	श	११	३४	उ	२५	२५	सा	२२	३५	ग	११	३४	५८	२४	३६	२०	१	१	मीने	भ. ३८।२६ उ. रज्जव ७ रा. फाल्गुनारंभः
४	र	५	१९	रे	२१	३०	शु	१४	४९	वि	५	१९	२ ६ २	२४	३६	२१	२	२	मे. २१।३०	भ. १९ ५ या. अश्वि. २ गुरुः ४६ ९ पातस्पर्शः ६ ८×
५	चं	०	२९	अ	१९	२८	शु	८	५२	बा	०	२९	६	२३	३७	२२	३	३	मेषे	
६	चं	५७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	मं	५७	१७	भ	१९	१५	ब्र	४	२४	ग	२७	२६	१०	२२	३८	२३	४	४	वृ. ३४।४६	भ. ५७।१७ उ. ×पातमोक्षः १८।३७
८	बु	५८	४८	कृ	२१	१९	ऐं	१	३२	दि	२८	२	१४	२१	३९	२४	५	५	वृषे	भ. २८।२ या. होलाष्टकः
९	गु	६०	०	रो	२४	५९	वै	०	६	बा	३०	२०	१८	२०	४०	२५	६	६	मि ५७।४१	मार्गी बुधः १२।१२ *फुलरिया २
९	शु	१	५२	मृ	३०	२३	वि	०	२८	कौ	१	५२	२२	२०	४०	२६	७	७	मिथुने	
१०	श	६	३८	आ	३६	५०	प्री	१	१६	ग	६	३८	२६	१९	४१	२७	८	८	मिथुने	भ. ३९।२४ उ.
११	र	१२	१०	पु	४४	२	आ	२	५९	वि	१२	१०	३०	१८	४२	२८	९	९	क. २७।१४	भ. १२।१० या. आमलकी ११ व्र.
१२	चं	१८	२६	पु	५१	२६	सौ	५	११	बा	१८	२६	३४	१७	४३	२९	१०	१०	कर्के	अश्वि. मेषे शुक्रः ४७।५ प्रदोषः
१३	मं	२४	५२	श्ले	५८	५३	शो	७	२४	तै	२४	५२	३८	१६	४४	१	११	११	सिं ५८।५३	**मार्च मा. ३ ता. ३१**
१४	बु	३१	१०	म	६०	०	अ	९	३८	व	३१	१०	४२	१६	४४	२	१२	१२	सिंहे	भ. ३१।१० उ. +होलिकादहनं
१५	गु	३७	१६	म	६	१६	सु	११	३९	वि	४	१३	४६	१५	४५	३	१३	१३	सिंहे	भ. १३ ४ या. पूभा. रविः ५६ १४ पूषा. भौमः ५३ ५१ +

४६पं. फा. ७शु. मं. इ. ४।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	०	११	८	११	१०
१०	६	१६	३	२२	६	०	१०
३	४८	५५	३३	१६	५८	४८	०
३२	५८	३४	४	.८	१९	५२	१६
६०	३८	१३ २	१०	६९	४	३	६०
२५	३७	व	३५	४	४१	११	३१

गोचरग्रहाः

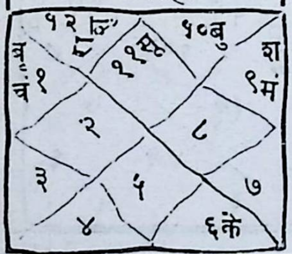

इस मासमें सोना चांदी शेयर्स घृत तिल तैल रुई पाट वारदाना सरसों अलसी में तेजीका रुख हो।

गोचरग्रहाः

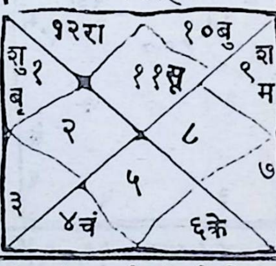

४७पं. फा. शु. १३मं. इ. ४।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	०	०	८	११	१०
१७	११	२१	४	०	७	०	१७
५	३२	८	५३	१९	२६	१६	३
४६	६	४९	२४	५२	१७	३७	७
६०	३८	२७ ५३	११	६८	४	३	६०
१२	२८	मा	१३	१५	८	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षं सं. २०४४ शाकः १९०९												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४२	४४	पू	१३	१६	धृ	१३	३४	बा	१०	०	२८ ५०	६ १४	५ ४६	४	१४	१४	कं. २९।४९	पूभा. रविः सौरः ३१ ० धनि. बुधः १ २ ६ वसंत १*
२	श	४७	२९	उ	१९	२५	शू	१४	४७	तै	१५	६	५४	१३	४७	५	१५	१५	कन्यायां	पातस्पर्शः ५०।२३ *छारेंडी
३	र	५१	२०	ह	२४	५८	गं	१५	८	व	१९	२५	५८	१२	४८	६	१६	१६	तु. ५७।११	भ. १९ २६ उ. ५१ २० या. पूभा. ३ राहुः उफा. १ केतुः ×
४	चं	५४	१४	चि	२९	२६	वृ	१५	१	ब	२२	४७	२ ९ २	१२	४८	७	१७	१७	तुलायां	चतुर्थी व्र. ×१८।२२ पातमोक्षः ५ ० ४
५	मं	५५	५२	स्वा	३१	५७	ध्रु	१३	५२	कौ	२५	३	६	११	४९	८	१८	१८	तुलायां	
६	बु	५६	२२	वि	३५	१३	व्या	११	०	ग	२६	७	१०	१०	५०	९	१९	१९	वृ. १९।३९	भ. ५६।२२ उ. अश्वि. ३ गुरुः ४५।५३
७	गु	५५	३२	अ	३६	२०	ह	८	१६	वि	२५	५७	१४	९	५१	१०	२०	२०	वृश्चिके	भ. २५।५७ या.
८	शु	५३	२३	ज्ये	३५	५३	व	४	४४	बा	२४	२७	१९	८	५२	११	२१	२१	ध. ३५।५३	कुम्भे बुधः ४३।४७ शीतलापूजनम्
९	श	४९	२८	मू	३४	११	सि	२९ १	२६ ५१	तै	२१	२५	२३	७	५३	१२	२२	२२	धनुषि	
१०	र	४४	१२	पू	३०	३१	व	४५	१६	व	१६	५०	२७	७	५३	१३	२३	२३	म. ४४।२२	भ. १६।५० उ. ४४।१२ या. मीनेऽर्कः ५९ ११
११	चं	३७	३७	उ	२५	५५	प	३६	३६	ब	१०	५५	३२	६	५४	१४	२४	२४	मकरे	मीनेऽर्कः सौरः ०।५१ पापमोचनी ११ व्र
१२	मं	२९	४७	श्र	२०	९	शि	२६	५९	कौ	३	४२	३६	५	५५	१५	२५	२५	कुं. ४६।४४	प्रदोषः
१३	बु	२१	१४	ध	१३	१९	सि	१६	५२	व	२१	१४	४०	४	५६	१६	२६	२६	कुम्भे	भ. २१।१४ उ. ४६।३८ या. शते बुधः ५९ ४०
१४	गु	१२	२	श	६ ४	५३ ४४	सा	६ १९	४९ ३८	श	१२	२	४४	३	५७	१७	२७	२७	मी ४६।२२	उभा. रविः २० १५ (सौरः २१ २७) भरण्यां शुक्रः ३१ ५७
३०	शु	२	४७	उ	५२	२२	शु	४६	१०	ना	२	४७	४९	२	५८	१८	२८	२८	मीने	सूर्यग्रहणम् मन्वादिः

४८पं. चै. कृ. ५मं. इ. ४।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	०	०	८	१०	१०
२४	१६	२६	६	८	७	२९	२४
६	१६	४६	१८	१५	५१	५४	४
२९	१६	८	२२	५०	३२	२१	३०
५९	३८	५३	१२	६७	३	३	६०
५८	८	७	५१	२	२८	११	६

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. १० रवौ मीनेऽर्कः प्र. वा. २ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

४९पं. चै. कृ. १२मं. इ. ५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	०	०	८	१०	११
१	२०	४	७	१६	८	२९	१
५	५९	४२	४७	०	११	३२	४
३१	३१	५८	१४	३२	६	६	१२
५९	३७	७१	१२	६५	३	३	५९
४१	५९	५०	१८	३८	४७	११	४९

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❁ श्री गणेशायनमः ❁

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०८९ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०८९ भोग्यकलिः ४२६९११ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीरः विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४५ शाकः १९१० वर्षेऽस्मिन् राजा शुक्रः । मंत्री बुधः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो गुरुः । मेघेशोभौमः । रसेशोरविः । नीरसेशो शुक्रः । फलेशोभौमः । धनेशो शुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १५ वृषनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः ८।१२।२५।२ भोग्यमासादिः ३।१७।३४।५८ । इन्द्रदैवतंयुगम् । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समयविश्वा १८ । समयवाहनम् दर्दुरः । स्तम्भाः २ अन्नजलयोः । सोमवत्यमा.२ सोमवती पंचमी १ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३१५ । समयदिनानि ३८२ । तिथिक्षयः १८ । तिथिवृद्धिः १२ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपतिविश्वा ९३ । वर्षाविश्वा १३ । धान्यम् १३। तृणम् ५। शीतम् ९ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०५ । सत्यं ॥, धर्म १॥, पाप१८ । शनि दृष्टिपश्चिमे । ग्रहण २ चन्द्र सूर्ययोः ।

संवत् २०४५ शाके १९१०
भाद्रपद कृष्णे ३० रवौ
खंडग्रास सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	२	४	६
	प.	२६	५३	१४
रेल्वे टाइम	घं.	७	८	८
	मि.	२५	२४	५७

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ११।२७

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

कर जोड़े तव द्वार पै पूछत भैरवलाल ।
पैंतालीस की साल का सत्य कहो सब हाल ॥

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे संवत्सर का सार ।
दशाधिकारी योग से सुख पावै संसार ॥
पैंतालीसो पाहुणों होसी मोठ जुंवार ।
साधारण हो बाजरो ऊनालु अन्न अपार ॥
जलनिधि में रोहिणी बसी हर्षे चन्द्र चकोर ।
कर्षकजन हर्षित रहें गाज बीज घनघोर ॥
मेघपति अरु फलपति गढ़पति मंगल जानि ।
यह सुख से नहीं रहनदे करे जगत में हानि ॥
राजा मन्त्री देखतां संवत् उत्तम होय ।
व्यापारी रहें लाभ में संशय करो न कोय ॥

संवत् २०४५ शाके १९१०
माघ शुक्ले १५ चन्द्रे
खग्रास चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.		
उज्ज. मध्य.	घ.	३१	३४	३६	३८	४१
	पल	५५	५८	३७	१६	१९
रेल्वे टाइम	घं.	७	८	९	९	१०
	मि	१३	२६	६	४५	५९

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ४।९

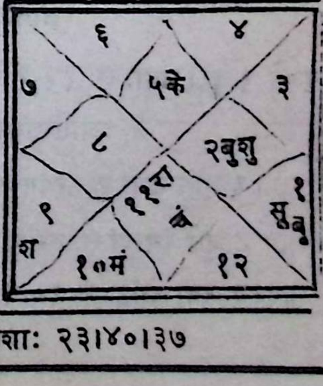

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४०।३७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम्—शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुला सुतीव्रवेगाः सरितोम्बुराशिभिः । फलंति बृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुताः ।। मंत्री बुधस्तत्फलम्—शशिसुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारिसमन्वितं यवमसूरचणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम्—शुक्रोयदा धान्यपतिर्धरायां मेघोजलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनंप्रियंगु बृक्षेषुपुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशो गुरुः फलम्—गुरौ धान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यंते सर्वदेशेषु यज्वानोब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमस्तफलम्—अवनिजो जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीन धराभवाः । क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदं क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकम् ।। रसेशोरविः फलम्—रसपतौ तरणी धरणीतदा विरस भोगरताल्पपयोधरा । वसनतैलघृत प्रियमानवा सुखरसंनभुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रः फलम्—कर्पूर रागरु गन्धानां हेममौक्तिक वाससां । अर्घबृद्धिः प्रजायेत नीरसेशोभृगुर्यदि ।। फलेशो भौमस्तत्फलम्—फलपतिर्यदिभूतनयोभवेन्न बहुपुष्पफलान्वित पादपाः । गदभयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्—द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला भुवि मानवाः । समसुखं क्रयविक्रय जीविनो नृपतयोजन पालनतत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्त्फलम्—अवनिजौ गढ़नायकतां गतो विविधदुःखवियोग समन्वितः । जनपदेषुजनाः क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। बृषनाम संवत्सरः फलम्—बृषाब्दे निखिलाः क्ष्मेशाः युध्यन्ति बृषभै इव । विद्या प्रसक्ता विप्रेंद्राः यजन्ते सततं सुरान् ।। वर्षनाम आश्विनः फलम्—सुभिक्षं पूर्व सस्यं साज्ज्वररोगाकुलं जगत् । आश्विने शोभना बृष्टिः नृप सौख्यकरी सदा ।। मेघनाम आवर्तः फलम्—आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्—समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालाकारगृहे फलम्—मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०४५ शाके १९१० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. ज्येष्ठ मासः

शुक्ले ८ बुधे हस्ते ल. १०-२ रे. ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ

,, १० शुक्रे स्वात्यां ल. १ रे. ९ ।।।।।।ऽ।। चं. ७ पूज्यः

,, ११ रवौ अनु. ल. २ रे. ६ ऽऽ।।ऽऽअ.।।।। चंद्र ७ पूज्यः

,, १२ चन्द्रे अनु. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १० रे.७ ऽऽ।।ऽ।।।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णे १ गुरौ उषा. ल. १२-१ रे. ७ ।।।ऽबु।ऽचौ।।ऽ। गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः पादतो बुधवेधाभावः

,, ६ भौमे उभा.ल.अन्यगो.सोग्रांगः १२-१ रे.७ ऽ।।।ऽअ.ऽ।।

,, ८ बुधे रेवत्यां ल. अन्यगो. सोग्रांग १० रे.८ ।।।।।।।ऽ।ऽ

,, १२ रवौ रोहि. ल. १०-१ रे. ६।ऽऽशु।।ऽचौ।ऽ।। शुक्रयुतिः मेषे रेखा ७ चौर पंचकाऽभावः

कार्तिक मासः

शुक्ले ११ रवौ रेवत्यां ल. गो. ४ रे. ९ ।।।।।ऽनृ।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे १ गुरौ रोहि. ल. (घ.३९।३८या.) रे. ७ ।।।।ऽऽरो।ऽ।।

,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. (घ.३८।४या.) रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।।

,, ९ शुक्रे उफा. ल. अन्यगो. ४ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ले ३ चन्द्रे उषा. ल. अन्यगो. रे. १० ।।।।।।।।।

माघ मासः

कृष्णे ४ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।।।ऽ।।

,, ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽनृऽऽ।।

शुक्ले ९ भौमे मृगे ल.१० (घ.५६।५६उ.) रे. ७ ।ऽ।।ऽअ.।ऽ।।

,, १० बुधे मृगे ल. गो. सोग्रांगः रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४६२स.१९८८
१	शु	५१	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	शुक्रवासरे संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	४६	३५	रे	४६	५६	ब्र	३८	१७	बा	२०	२१	२३५३	६१	५५९	१९	२९	२९	मे.४६।५६	सिघारा चंद्रदर्शनम्
३	र	४०	३७	अ	४३	८	ऐं	२९	३९	तै	१३	३६	५७	१	५९	२०	३०	१	मेषे	मत्स्य जयन्ती गणगोरी सावान ८
४	चं	३६	२६	भ	४१	२	वै	२२	३८	व	८	३१	३०१	६००	६०	२१	१	२	वृ.५६।६	भ. ८।३१ उ. ३६।२६ या. रा. चैत्रारम्भः
५	मं	३४	३२	कृ	४१	१९	वि	१९	८	ब	५	२९	६	५५९	१	२२	२	३	वृषे	
६	बु	३४	४०	रो	४३	३२	प्री	१७	३७	कौ	४	६	१०	५८	२	२३	३	४	वृषे	उषायां भौमः ३५।४२
७	गु	३६	५४	मृ	४७	३२	आ	१५	४१	ग	५	१७	१४	५७	३	२४	४	५	मि१५।३२	भ. ३६।५४ उ.
८	शु	४०	५७	आ	५३	४१	सौ	२५	४७	वि	८	५५	१८	५६	४	२५	५	६	मिथुने	भ.५८या.कृत्ति.शुक्रः ५५ अश्वि.४गुरुः ५३३
९	श	४६	८	पु	६०	०	शो	१७	१०	बा	१३	३२	२३	५५	५	२६	६	७	क.४३।३४	पूभायां बुधः १५।३३ रामनवमी
१०	र	५१	२१	पु	०	११	अ	१९	१६	तै	१८	४४	२७	५५	५	२७	७	८	कर्के	
११	चं	५८	४६	पु	७	५९	सु	२१	४०	व	२५	३	३१	५४	६	२८	८	९	कर्के	भ. २५।३ उ. ५४६या. वृषे शुक्रः १९।४६•
१२	मं	६०	०	श्ले	१५	४०	धृ	२४	९	ब	३१	५८	३५	५३	७	२९	९	१०	सिं१५।४०	•मकरे भौमः ३५३ कामदा ११ व्र.
१२	बु	५	११	म	२३	४	शू	२६	१२	बा	५	११	३९	५२	८	३०	१०	११	सिंहे	रेवत्यां रविः ४७।५८(सौरः ४५६) प्रदोषः
१३	गु	११	५	पू	२८	५५	गं	२७	५२	तै	११	५	४४	५१	९	३१	११	१२	कं.४५।३४	×अप्रेल मा. ४ ता. ३०
१४	शु	१६	८	उ	३५	३२	वृ	२८	४८	व	१६	८	४८	५०	१०	१	१२	१३	कन्यायां	भ. १६।८ उ. ४८।६ या. मीने बुधः ५१२७×
१५	श	२०	३	ह	४०	५४	ध्रु	२८	५७	ब	२०	३	५२	५०	१०	२	१३	१४	कन्यायां	हनुमज्जयन्ती

५०पं.चै.शु.५मं.इ.५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	०	०	८	१०	११
८	२५	१४	९	२३	८	२९	८
३	४३	१८	२०	३१	२६	९	२
१८	५	११	१०	३०	५६	५०	७
५९	३७	८७	१२	६४	२	३	५९
२९	४४	४४	४०	७	७	११	३५

गोचरग्रहाः

वत्सरादौ वसंतादौ बलिराज्ये तथैवच।
पूर्वविद्धंच कर्तव्या प्रतिपत्सर्वदा बुधैः॥
अमायुक्त प्रतिपदा को संवत्सरारम्भ करना।

गोचरग्रहाः

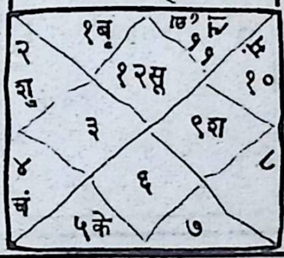

५१पं.चै.शु.१२मं.इ.५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	०	१	८	१०	११
१४	०	२४	१०	०	८	२८	१४
५९	२५	४५	५३	४७	३७	४३	५८
१३	५	१४	२८	३५	५९	३४	१४
५९	३७	००	१३	६२	१	३	५९
१६	३२	८४७	५	१७	२१	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२३	३	चि	४४	३८	व्या	२८	२०	कौ	२३	३	३५६६	५४९	६११	३	१४	१५	तु.१२।४६	उभायां बुधः ४२।४४
२	चं	२४	५५	स्वा	४७	२९	ह	२७	४९	ग	२४	५५	३१००	४८	१२	४	१५	१६	तुलायां	भ. ५५।१५ उ.
३	मं	२५	३५	वि	४९	१३	व	२४	१०	वि	२५	३५	४	४७	१३	५	१६	१७	वृ.३३।४७	भ. २५।३५ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२५	१७	अ	५०	२	सि	२१	१७	बा	२५	१७	८	४६	१४	६	१७	१८	वृश्चिके	
५	गु	२४	१	ज्ये	५०	०	व्य	१७	२९	तै	२४	१	१२	४६	१४	७	१८	१९	ध.५०।०	रोहिं. शुक्रः १४।४३
६	शु	२१	४७	मू	४८	५१	व	१२	४७	व	२१	४७	१६	४५	१५	८	१९	२०	धनुषि	भ. २१।४७उ.५१ १या. भरणी १ गुरुः ५१४५•
७	श	१८	३५	पू	४६	५३	प	७	१७	ब	१८	३५	२०	४४	१६	९	२०	२१	धनुषि	•बुधास्तः पूर्वस्याम् २।२५
८	र	१४	३२	उ	४३	५९	शि	१७	५३९	कौ	१४	३२	२४	४३	१७	१०	२१	२२	म.१।१०	रेवत्यां बुधः २८।३८
९	चं	९	३३	श्र	४०	४	सा	४६	२३	ग	९	३३	२८	४२	१८	११	२२	२३	मकरे	भ. ३६।३२ उ. वक्री शनिः ४७।५२
१०	मं	३	३१	ध	३५	२२	शु	३७	५९	वि	३	३१	३२	४२	१८	१२	२३	२४	कुं.७।४३	भ. ३३१ या. श्रवणे भौमः १६ बरूथिनी×
११	मं	५३	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	बु	४९	१४	श	३०	२९	शु	२९	१३	कौ	२२	५५	३६	४१	१९	१३	२४	२५	कुम्भे	अश्वि. मेषेऽर्कः २२।० (सौरः २३।३०)+
१३	गु	४१	३१	पू	२४	२८	ब्र	१९	५५	ग	१५	२२	४०	४०	२०	१४	२५	२६	मी१०।५६	भ. ४१।३१ उ. प्रदोषः ×११ व्र. स्मा
१४	शु	३३	३९	उ	१८	४२	ऐं	१०	४४	वि	७	३५	४३	३९	२१	१५	२६	२७	मीने	भ. ७।३५ या. +वरूथिनी ११ व्र. वै.
३०	श	२६	३१	रे	१३	२७	वै	१४२	५५२	च	०	५	४७	३९	२१	१६	२७	२८	मे.१३।२७	

५२पं. वै.कृ. ३मं.इ.६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	०	१	८	१०	११
२१	५	५	१२	७	८	२८	२१
५३	७	४९	२९	५२	४४	२५	५२
३१	५५	८	५३	८	२०	१५	२५
५९	३७	००	१३	५९	०	३	५९
४	३३	१८	२०	४३	४५	११	४

गोचरग्रहाः

वैशा. कृ. १२बुधे मेषेऽर्कः प्र. वा.४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

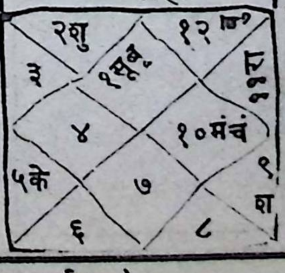

१पं. वै.कृ.१२बु.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	०	१	८	१०	११
०	१०	२२	१४	१५	८	२७	२९
०	३९	२७	२५	३०	४८	५९	५८
०	७	५०	१९	५८	१८	११	३५
५८	३६	००	१३	५५	१३	३	५८
४४	४३	१८	२६	१०	३	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४९१स.१९८८
१	र	२०	१९	अ	९	१०	प्री	४७	३१	ब	२०	१९	३१/५१	५/३८	६/२२	१७	२८	२९	मेषे	आश्वि. मेषे बुधः १६।५ चंद्रदर्शनम्
२	चं	१५	३६	भ	६	१३	आ	४२	२	कौ	१५	३६	५५	३७	२३	१८	२९	१	वृ.२१।५७	परशुराम जयंती रमजान ९
३	मं	१२	४९	कृ	५	१०	सौ	३८	२	ग	१२	४९	५८	३६	२४	१९	३०	२	वृषे	भ. ४२।१७ उ. अक्षय ३
४	बु	११	४६	रो	५	५३	शो	३५	५२	वि	११	४६	३/२	३६	२४	२०	३१	३	मि३७।२०	भ. ११।४६ या.
५	गु	१३	१	मृ	८	४७	अ	३५	२०	बा	१३	१	६	३५	२५	२१	१	४	मिथुने	रा. वैशाखारंभः
६	शु	१६	२	आ	१३	२५	सु	३५	५३	तै	१६	२	१०	३४	२६	२२	२	५	मिथुने	मृगे शुक्रः ३३।५० भरणी २ गुरुः ५९।४१
७	श	२०	४२	पु	१९	३२	धृ	३७	१८	व	२०	४२	१४	३३	२७	२३	३	६	क. ३।०	भ. २०।४२ उ. ५३/३२ या. भरण्यां बुधः ३५/३१ •
८	र	२६	२२	पु	२६	३७	शू	३९	२९	ब	२६	३२	१७	३३	२७	२४	४	७	कर्के	•अस्तं गुरोः ३।३६ अ.गु.
९	चं	३२	३८	श्ले	३४	१३	गं	४१	५५	कौ	३२	३८	२१	३२	२८	२५	५	८	सिं३४।१३	
१०	मं	३८	४९	म	४१	४८	वृ	४४	२५	तै	५	४३	२५	३१	२९	२६	६	९	सिंहे	=पश्चिमायां ५६।११ मई मा.५ ता. ३१
११	बु	४४	४६	पू	४८	४३	ध्रु	४६	१०	व	११	४७	२९	३०	३०	२७	७	१०	सिंहे	भ. ११/४७ उ. ४४/४६ या. भरण्यां रविः २।१९×
१२	गु	४९	३८	उ	५४	४०	व्या	४७	१९	ब	१७	१२	३२	३०	३०	२८	८	११	कं.५।१२	×(सौरः ४।४८) मोहिनी ११ व्र.
१३	शु	५३	४	ह	५९	१९	ह	४७	१३	कौ	२१	२०	३६	२९	३१	२९	९	१२	कन्यायां	कृत्तिका. बुधः ४८।५९ प्रदोषः
१४	श	५५	२५	चि	६०	०	व	४५	१४	ग	२४	१४	४०	२८	३२	३०	१०	१३	तु.३१।६	भ. ५५।२५ उ. नृसिंह १४
१५	र	५६	१०	चि	२	५३	सि	४४	१४	वि	२५	४७	४३	२७	३३	१	११	१४	तुलायां	भ. २५।४७ या. वृषे बुधः ३१/३७ बुधोदयः+

२पं. वै.शु. ४बु.इ.२२।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	१	८	१०	०
६	१५	६	१६	२१	८	२७	६
५०	१८	३२	४	२९	४४	३६	४८
४२	४३	३१	२२	४२	१७	५५	४६
५८	३१	[illegible]	१३	५०	५१	३	५८
३१	१२	[illegible]	३२	१९	व	११	२९

गोचरग्रहाः

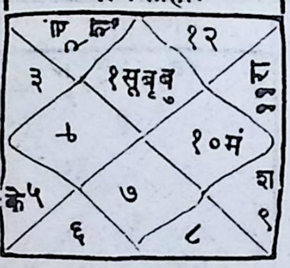

इस मास में ५ रविवार रोग पीड़ा करें। अनाज गल्ला तिलहन गुड़ खांड़ घृत तिल तेल अलसी अरंडा तेज होवे।

गोचरग्रहाः

३पं.वै.शु.११बु.इ.२२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	१	८	१०	०
१३	१९	२१	१७	२१	८	२७	१३
३९	५६	३४	४४	४८	३५	१४	३७
४३	१०	५५	६	५४	३५	३९	११
५८	३६	[illegible]	१३	४४	३८	३	५८
१९	९	[illegible]	२६	२९	व	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशखाकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५६	३०	स्वा	४	५१	व्य	४१	१४	बा	२६	२०	३२/४७	५/२७	६/३३	२	१२	१५	वृ.५०।२९	मिथुने शुक्रः १५।५९ धनि. भौमः २१।२६
२	मं	५४	४	वि	५	४१	व	३७	७	तै	२५	१७	५१	२६	३४	३	१३	१६	वृश्चिके	
३	बु	५१	६	अ	५	२९	प	३२	२०	व	२२	३५	५४	२५	३५	४	१४	१७	वृश्चिके	भ. २२।३५ उ. ५१।६ या.
४	गु	४७	४४	ज्ये	४	३०	शि	२७	१२	ब	१९	२५	५७	२५	३५	५	१५	१८	ध.४।३०	चतुर्थी व्र. ×(सौरः २०।३३)
५	शु	४३	४८	मू	२	४७	सि	२१	१६	कौ	१५	४६	३३/१	२४	३६	६	१६	१९	धनुषि	रोहिण्यां बुधः ३८।५
६	श	३९	२३	पू	२१	५७/२६	सा	१५	८	ग	११	३५	४	२३	३७	७	१७	२०	म.२९।४३	भ. ३९।२३ उ. भरणी ३ गुरुः २।५०
७	र	३४	४९	श्र	५४	३५	शु	८	३३	वि	७	५	७	२३	३७	८	१८	२१	मकरे	भ. ७।५धा. पूभा. २ राहुः पूफा.४ केतुः १७/१
८	चं	२९	४०	ध	५१	१६	शु	५८/१	५२/४९	बा	२	१४	१०	२२	३८	९	१९	२२	कु.२२।५५	
९	मं	२४	१४	श	४७	३१	ऐं	४७	२३	ग	२४	१४	१३	२१	३९	१०	२०	२३	कुम्भे	भ.५१।१५उ. कृत्ति. रविः ४४/१४ (सौरः ५२/४५)
१०	बु	१८	१७	पू	४३	३१	वै	३९	५०	वि	१८	१७	१६	२१	३९	११	२१	२४	मी२९।३१	भ. १८।१७ या.
११	गु	११	१९	उ	३९	३७	वि	३२	२३	बा	११	१९	१९	२०	४०	१२	२२	२५	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	शु	६	२६	रे	३५	४७	प्री	२५	०	तै	६	२६	२२	२०	४०	१३	२३	२६	मे.३५।४७	कुम्भे भौमः ०।५६ प्रदोषः
१३	श	०	५१	अ	३२	३८	आ	१८	०	व	०	५१	२५	१९	४१	१४	२४	२७	मेषे	भ.०।५१उ.२८।१८या. वृषेऽर्कः १५।२९×
१४	श	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	र	५१	४२	भ	३०	४१	सौ	११	४८	च	२३	१३	२८	१८	४२	१५	२५	२८	वृ.४४।५०	मृगे बुधः ३१।४१ वटसावित्री व्र.

४पं. प्र.ज्ये.कृ.३बु.इ.२२/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	२	८	१०	०
२०	२४	५	१९	१	८	२६	२०
२७	३१	४३	२३	१९	२२	५२	२३
२२	५२	३०	३८	३०	१२	२५	५३
५८	२५	[illegible]	१३	३६	१३	३	५७
६	३२	[illegible]	३८	१२	व	११	५७

गोचरग्रहाः

प्र.ज्ये. कृ. १ शनौ वृषेऽर्कः प्र वा.४ नं.५ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१०बु.इ.२२/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	२	८	१०	०
२७	२९	१७	२१	४	८	२६	२७
१३	३	२५	३	३९	५	३०	९
३४	१८	२	५४	४	१०	८	७
५७	३४	९१	१३	२५	५१	३	५७
५४	४४	२२	३८	३६	व	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५२२०स.१९८८
१	चं	४९	५८	कृ	२९	१	शो	६	२३	किं	२०	४७	३३/०	१५/८	४६/२	१६	२६	२९	वृषे	अधिकमास प्रारम्भः
२	मं	४८	३१	रो	२९	२२	अ	२/१४	५६/५२	बा	१९	११	३३	१७	४३	१७	२७	३०	बृषे	चन्द्रदर्शनम् •गुरोः २२।४८ उ.गु.
३	बु	४८	२९	मृ	३१	२८	धृ	५७	५८	तै	१८	३०	३६	१७	४३	१८	२८	१	मि०।२२	सव्वाल १०
४	गु	५०	५४	आ	३४	४६	शू	५७	२५	व	१९	४१	३९	१६	४४	१९	२९	२	मिथुने	भ. ११/४१ उ ५५/५४ या. आर्द्रा. शुक्रः १५/८ उदयं•
५	शु	५४	५०	पु	४०	१०	गं	५८	३७	ब	२२	५२	४१	१६	४४	२०	३०	३	क.२३।४९	
६	श	६०	०	पु	४६	४३	वृ	६०	०	कौ	२७	२८	४३	१५	४५	२१	३१	४	कर्के	मिथुने बुधः ४३/३८ भरणी ४ गुरुः ३।२०
६	र	०	७	श्ले	५३	५३	वृ	०	२२	तै	०	७	४६	१५	४५	२२	१	५	सिं५३।५३	शते भौमः ५४।४७ रा. ज्येष्ठारंभः
७	चं	६	४	म	६०	०	ध्रु	२	३९	व	६	४	४८	१४	४६	२३	२	६	सिंहे	भ. ६।४ उ. ३९।७ या. वक्री शुक्रः २७/४३
८	मं	१२	९	म	१	२१	व्या	५	१२	ब	१२	०	५०	१४	४६	२४	३	७	सिंहे	रोहि. रविः ३९।४ (सौरः ४६।४२)
९	बु	१८	१०	पू	८	४८	ह	७	२५	कौ	१८	१०	५२	१४	४६	२५	४	८	कं.२५।२८	मृगे शुक्रः ८।२
१०	गु	२३	१८	उ	१५	२७	व	९	१	ग	२३	१८	५४	१३	४७	२६	५	९	कन्यायां	भ. ५५।३ उ.
११	शु	२६	४९	ह	२०	३०	सि	९	२९	वि	२६	४९	५६	१३	४७	२७	६	१०	तु.५२।२२	भ. २६।४९ या. कमला ११ व्र.
१२	श	२९	१	चि	२४	१५	व्य	८	४८	बा	२९	१	५८	१२	४८	२८	७	११	तुलायां	प्रदोषः
१३	र	२९	२३	स्वा	२६	६	व	६	४६	तै	२९	२३	३४/००	१२	४८	२९	८	१२	तुलायां	
१४	चं	२७	५८	वि	२६	२४	प	३/१६	५५/२६	व	२७	५८	२	१२	४८	३०	९	१३	बृ.११।२०	भ. २७।५८ उ ५६।२९ या. वक्री बुधः ५/५
१५	मं	२४	५९	अ	२५	१३	सि	५३	७	ब	२४	५९	४	११	४९	३१	१०	१४	बृश्चिके	

६ पं.प्र.ज्ये.शु. ३बु.इ. २३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	०	२	८	१०	१
३	३	२६	२२	६	७	२६	३
५८	३२	९	४३	२९	४४	७	५२
२६	२०	५८	५२	५६	१७	५३	४७
५७	३३	५९	१३	११	३/०	३	५०
४४	५९	२९	३२	३७	व	११	३४

गोचरग्रहाः

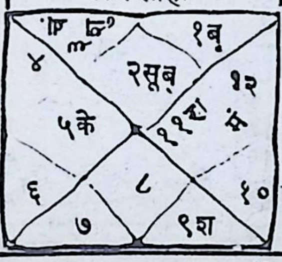

इस मासमें जौ गेहूं चणा चावल रुई पाट बारदाना सोना चांदी सिरस्युं अलसी में मंदी होकर सुदी में तेजी हो।

गोचरग्रहाः

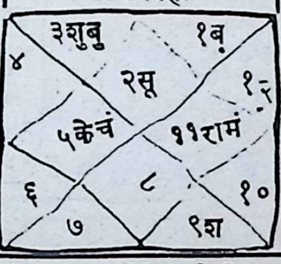

७पं.प्र.ज्ये.शु. ९बु.इ. २३/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	०	२	८	१०	१
१०	७	१	२४	६	७	२५	१०
४२	५६	२७	२२	३८	१९	५५	३४
२५	३५	२५	१२	४६	४१	३७	५८
५७	३३	२३	१२	५४/१	५३/१	३	५७
३५	४	५३	२६	व	व	११	२३

ति.	द्वि. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२०	४१	ज्ये	२२	५३	सा	४६	३८	कौ	२०	४१	३४/६	५/११	६/४९	१	११	१५	ध.२२।५३	जून मा. ६ ता. ३०
२	गु	१५	४३	मू	१९	४२	शु	३९	२६	ग	१५	४३	७	११	४९	२	१२	१६	धनुषि	भ. ४२।४९ उ.
३	शु	९	५५	पू	१५	५६	शु	३२	९	वि	९	५५	९	१०	५०	३	१३	१७	म.२९।५७	भ. ५५/६ या. बुधास्तः पश्चिमायां ३५/६१ च.व्र.
४	श	३	४	उ	१२	०	ब्र	२४	४४	बा	३	४	१०	१०	५०	४	१४	१८	मकरे	कृत्ति. १ गुरुः २५/१३ वक्री मूले २शनिः २५/०
५	श	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	र	५२	१९	श्र	८	१०	ऐं	१७	२३	ग	२५	१२	१२	१०	५०	५	१५	१९	कुं.३६।१३	भ. ५२।१९ उ.
७	चं	४६	४६	ध	४	१७	वै	१०	५	वि	१९	३२	१३	९	५१	६	१६	२०	कुंभे	भ. १९।३२ या.
८	मं	४१	३४	श	०/५६	५६/३९	वि	३/८	५२/५८	बा	१४	१३	१४	९	५१	७	१७	२१	मी४३।२६	मृगे रविः ३४।० (रविः ४५।३१)
९	बु	३६	४०	उ	५४	५३	आ	४९	४९	तै	९	७	१६	९	५१	८	१८	२२	मीने	
१०	गु	३२	२	रे	५२	२९	सौ	४३	३९	व	४	२०	१७	९	५१	९	१९	२३	मे.५२।२९	भ. ४।२० उ. ३२।२ या.
११	शु	२८	२	अ	५०	४१	शो	३७	५३	ब	०	१	१८	८	५२	१०	२०	२४	मेषे	वक्री वृषे शुक्रः ३५/२१ वक्री वृषे बुधः १७/१२•
१२	श	२४	२८	भ	४९	२३	अ	३२	५८	तै	२४	२८	१९	८	५२	११	२१	२५	मषे	प्रदोषः ×३६/४८ अविकमास समाप्तिः
१३	र	२१	५४	कृ	४९	०	सु	२८	३५	व	२१	५४	२०	८	५२	१२	२२	२६	वृ.४।१७	भ. २१।५४ उ. ५१।६ या.
१४	चं	२०	१७	रो	५०	१६	धृ	२४	५३	श	२०	१७	२१	८	५२	१३	२३	२७	वृषे	•शुक्रास्तः प.४/१२ कमला ११ व्र. शु.अ.प.
३०	मं	१९	४८	मृ	५२	२१	शू	२२	९	ना	१९	४८	२१	८	५२	१४	२४	२८	मि२१।१९	मिथुनेऽर्कः ३२/३८ (सौरः ४६/१८) पूभा. भौमः×

८पं.द्वि ज्ये.कृ. १बु.इ. २३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	०	२	८	१०	१
१७	१२	२	२५	४	६	२५	१७
२५	१४	५२	५९	४८	५२	२३	१६
८	४६	३०	४९	४३	३७	२१	४
५७	३२	९/१६	१३	३३/४५	४/१०	३	५७
२७	२	व	१६	व	व	११	१३

गोचरग्रहाः

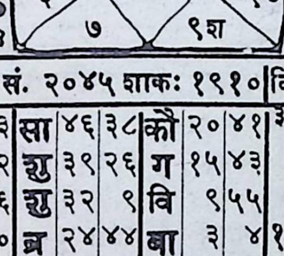

द्वि.ज्ये.कृ. ३०भौमे मिथुनेऽर्कः प्र. वा. ४न.५ प्रव्राजिकावस्था(ऊभी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः प.।

गोचरग्रहाः

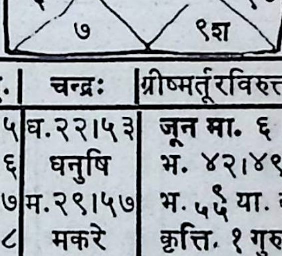

९पं.द्वि.ज्ये.कृ. ९बु.इ. २३/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	०	२	८	१०	१
२४	१६	०	२७	१	६	२५	२३
७	२५	५५	३४	१४	२४	१	५६
१२	२३	१९	४१	५३	७	५४	०
५७	३१	१९/१	१२	३४/२	४/२८	३	५७
२२	२२	व	५८	व	व	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५५५० स.१९८८
१	बु	२०	५३	आ	५५	४७	गं	२०	५९	ब	२०	५३	३४/२२	५/८	५ ६/२	१५	२५	२९	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	२३	२४	पु	६०	०	वृ	२०	२३	कौ	२३	२४	२२	८	५२	१६	२६	१	क.४४।२३	
३	शु	२७	१२	पु	०	३५	ध्रु	२०	५६	ग	२७	१२	२३	७	५३	१७	२७	२	कर्के	भ. ५९।४४ उ. जिलकाद ११
४	श	३२	१६	पु	६	२८	व्या	२२	१[illegible]	वि	३२	१६	२३	७	५३	१८	२८	३	कर्के	भ. ३२।१६ या. ✱रोहि. शुक्रः ४५/१८
५	र	३८	७	श्ले	१३	५८	ह	२४	१९	ब	५	११	२३	७	५३	१९	२९	४	सिं१३।५८	कृत्ति.२ वृषे गुरुः १८/२७ शुक्रोदयःपूर्वस्याम्×
६	चं	४४	११	म	२१	६	व	२६	५८	कौ	११	९	२४	७	५३	२०	३०	५	सिंहे	×९।३६ शु.उ.पू.
७	मं	५०	२२	पू	२८	३७	सि	२९	२९	ग	१७	१६	२४	७	५३	२१	३१	६	कं.४५।२६	भ.५०/२२उ.आर्द्रा.रविः ३१/३० (सौरः ४७/५१)वक्री✱
८	बु	५५	४५	उ	३५	५३	व्य	३१	३७	वि	२३	३	२४	७	५३	२२	१	७	कन्यायां	भ. २३।३या. बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।०+
९	गु	५९	५८	ह	४१	५९	व	३१	५४	बा	२७	५१	२४	७	५३	२३	२	८	कन्यायां	
१०	शु	६०	०	चि	४६	३४	प	३३	८	तै	३१	१९	२४	७	५३	२४	३	९	तु.१४।१५	गंगादशमी
१०	श	२	४१	स्वा	४९	१७	शि	३१	५०	ग	२	४१	२३	७	५३	२५	४	१०	तुलायां	भ. ३३।१ उ. +रा. आषाढ़ारम्भः
११	र	३	२१	वि	५०	२०	सि	२७	१०	वि	३	२१	२३	७	५३	२६	५	११	वृ.३५।४	भ. ३।३१ या. मार्गी बुधः १४/३५ निर्जला=
१२	चं	२	७	अ	४९	१७	सा	२४	५२	बा	२	७	२३	७	५३	२७	६	१२	वृश्चिके	प्रदोषः पातमोक्षः ३३।४
१३	चं	५६	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	मं	५३	५९	ज्ये	४६	३४	शु	१९	४	ग	२६	३२	२२	८	५२	२८	७	१३	ध.४६।३४	भ.५३।५९उ. =११ व्र.पातस्पर्शः १५/३७
१५	बु	४७	४४	मू	४२	२२	शु	१२	२	वि	२०	२०	२२	८	५२	२९	८	१४	धनुषि	भ. २०।५१ या. गुर्जरा. वटसावित्री व्र.

१०पं. द्वि.ज्ये.शु.१बु.इ.२३/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	०	१	८	१०	२
०	२०	२७	२९	२६	५	२४	०
४८	२८	१८	८	५७	५४	३८	३५
२५	३०	४०	१०	३६	०	५०	९
५७	३०	३२/११	१२	३५/४१	४/४०	३	५७
१७	१५	द	३४	व	व	११	५६

११पं. द्वि.ज्ये.शु.८बु.इ.२३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	१	१	८	१०	२
७	२४	२४	०	२३	५	२४	७
२९	२३	३९	३७	३	२२	१६	१३
२४	२८	३२	४४	२२	३०	३५	३६
५७	२८	१७/२४	१२	२६/१७	४/४०	३	५६
१३	५८	व	१५	व	व	११	५४

१२पं.द्वि.ज्ये.शु.१५बु.इ.२३/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	१	१	८	१०	२
१४	२८	२५	२	२०	४	२३	१३
९	६	२	५	३९	५२	५४	५१
५०	४	२०	२८	३२	१६	१९	४१
५७	२७	१४/१९	११	१०/२६	४/३४	३	५६
७	३२	मा	५१	व	व	११	५०

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४०	२४	पू	३७	१७	ब्र	३/५९	५१/१९	बा	१४	३	३४/२१	५/८	५ ६/२	३०	९	१५	म.५०।५०	
२	शु	३२	४६	उ	२१	३०	वै	४६	३१	तै	६	३५	२०	८	५२	१	१०	१६	मकरे	भ. ५८।४७ उ. जुलाई मा. ७ ता. ३१
३	श	२४	४९	श्र	२५	४८	वि	३७	२०	वि	२४	४९	१९	८	५२	२	११	१७	कुं.५३।४	भ. २४।४९ या. मीने भौमः ४५/१८ चतुर्थी व्र.
४	र	१७	१७	ध	२०	२०	प्री	२८	४७	बा	१७	१७	१८	८	५२	३	१२	१८	कुम्भे	मार्गी शुक्रः ४२।५४
५	चं	१०	१४	श	१५	२२	आ	२०	३२	तै	१०	१४	१७	९	११	४	१३	१९	मी५७।१८	
६	मं	३	५३	पू	११	१६	सौ	१२	४९	व	३	५३	१५	९	५१	५	१४	२०	मीने	भ.३।५४उ.३१/३६या. पुन. रविः ३१/२६ (सौरः✱
७	बु	५४	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	✱५१।५२ कृत्ति. ३ गुरुः २९।५७
८	गु	५४	७	उ	७	५७	शो	५/५९	५९/३७	बा	२६	२३	१४	९	५१	६	१५	२१	मीने	मिथुने बुधः ५३।३९ ×पातमोक्षः १२/१९
९	शु	५०	४९	रे	५	३९	सु	५४	४०	तै	२२	२९	१३	९	५१	७	१६	२२	मे. ५।३९	
१०	श	४८	१८	अ	४	३३	धृ	५०	१६	व	१९	३४	११	१०	५०	८	१७	२३	मेषे	भ. १९।३४उ. ४८।१८या. पातस्पर्शः ५६/२७
११	र	४६	५७	भ	३	१०	शू	४६	४३	ब	१७	३७	१०	१०	५०	९	१८	२४	वृ.१८।३५	उभा. भौमः ३८।४२ योगिनी ११ व्र.×
१२	चं	४६	४०	कृ	४	५२	गं	४४	०	कौ	१६	४९	८	१०	५०	१०	१९	२५	वृषे	पूभा. १ राहुः पूफा. ३ केतुः १३।५१
१३	मं	४७	३१	रो	६	४३	वृ	४२	२०	ग	१७	५	७	११	४९	११	२०	२६	मि३८।८	भ. ४७।४१ उ. प्रदोषः
१४	बु	४९	२५	मृ	९	३४	ध्रु	४१	१६	वि	१८	२८	५	११	४९	१२	२१	२७	मिथुने	भ. १८।२८ या. अर्द्रा. बुधः ३५।५५
३०	गु	५२	३४	आ	१३	३२	व्या	४०	४८	च	२०	५९	४	११	४३	१३	२२	२८	मिथुने	

१३पं.आ.कृ.८बु.इ.२३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	१	१	८	१०	२
२०	१	२९	३	२०	४	२३	२०
५०	३३	३३	२९	१०	२२	३२	२९
१०	५८	०	५८	५२	१९	३	३५
५७	२५	५३	११	६/२६	४/१६	३	५६
७	५२	२	१५	मा	व	११	५०

गोचरग्रहाः

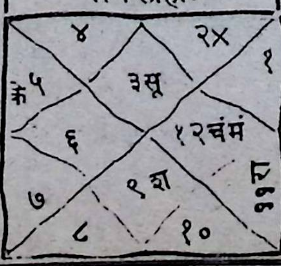

इस मासके आरंभ ही वर्षा अच्छी हो। रुई चांदी गुड़ बिनौला अलसी सिरस्युँ अनाज मंदा हो

गोचरग्रहाः

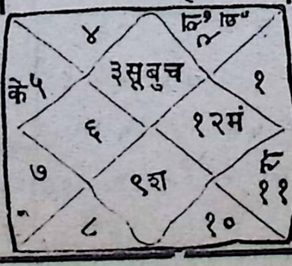

१४पं.आ.कृ.३०बु.इ.२२।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	१	१	८	१०	२
२७	४	७	४	२१	३	२३	२७
३०	४८	४८	४९	२९	५४	९	७
३२	५०	०	३४	४२	१४	४८	४२
५७	२३	८६	१०	२०	४/२	३	५६
११	४६	४२	३८	५८	व	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५७९स.१९८८
१	गु	५६	४७	पु	१८	३७	ह	४१	२८	किं	२४	४०	३४/२	५/१२	६/४८	१४	२३	२९	क. २।२६	
२	शु	६०	०	पु	२४	५५	व	४३	१	बा	२९	२१	०	१२	४८	१५	२४	३०	कर्के	कर्कोऽर्कः ५९।५० चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
२	श	१	५५	श्ले	३१	३८	सि	४५	७	कौ	१	५५	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१	सि ३१।३८	कर्कोऽर्कः सौरः २४।३६ जिल्हेज १२
३	र	७	४९	म	३९	५४	व्य	४७	२६	ग	७	४९	५६	१३	४७	१७	२६	२	सिंहे	भ. ४०।५३ उ.
४	चं	१३	५५	पू	४६	३९	व	४९	५९	वि	१३	५५	५४	१३	४७	१८	२७	३	सिंहे	भ. १३।५५ या. मृगे शुक्रः २९।३१
५	मं	२०	१६	उ	५४	२०	प	५२	४४	बा	२०	१६	५२	१४	४६	१९	२८	४	कं. ३।३४	पुष्ये रविः २९।७ सौरः ५५।१७
६	बु	२६	३	ह	६०	०	शि	५४	२५	तै	२६	३	५०	१४	४६	२०	२९	५	कन्यायां	पुन. बुधः ४६।२८
७	गु	३०	४६	ह	१	११	सि	५५	४०	व	३०	४६	४७	१५	४५	२१	३०	६	तु. ३३।२९	भ. ३०।४६ उ. *पूर्वस्याम् २७।२३
८	शु	३४	२९	चि	६	४८	सा	५५	३९	वि	२	३७	४५	१५	४५	२२	३१	७	तुलायां	भ. ३३/७ या. वक्री मूले शनिः ३१/२ बुधास्तः*
९	श	३६	१७	स्वा	११	५	शु	५४	९	बा	५	२३	४२	१६	४४	२३	१	८	वृ. ५७।५१	कृत्ति. ४ गुरुः ५५।५१ रा. श्रावणारम्भः
१०	र	३६	७	वि	१३	२६	शु	५१	८	तै	६	११	४०	१६	४४	२४	२	९	वृश्चिके	
११	चं	३३	४६	अ	१३	५१	ब्र	४६	२७	व	४	५९	३७	१७	४३	२५	३	१०	वृश्चिके	भ. ४।५९उ ३३।४६या. कर्के बुधः ५५/४×
१२	मं	२९	२६	ज्ये	१२	१५	ऐं	४०	१५	ब	१	३६	३५	१७	४३	२६	४	११	ध. १२।१५	प्रदोषः ×देवशयनी ११ व्र.
१३	बु	२३	१६	मू	८	३१	वै	३२	३३	तै	२३	१६	३२	१८	४२	२७	५	१२	धनुषि	पुष्ये बुधः ३२।२८
१४	गु	१५	३२	पू	१३/९	५३/३४	वि	२४	२३	व	१५	३२	२९	१८	४२	२८	६	१३	म. १६।४२	भ. १५।३२ उ. ४१।८ या. वायु परीक्षा
१५	शु	६	४४	श्र	४९	५१	प्री	१३	४७	ब	६	४४	२६	१९	४१	२९	७	१४	मकरे	मिथुने शुक्रः ४१।३६ व्यासपूजा गुरु १५

१५पं.आ.शु.६बु.इ.२२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	२	१	१	८	१०	३
४	७	१९	६	२४	३	२२	३
११	४४	१५	४	२१	२८	४७	४६
१७	२८	२९	४४	३२	३४	३२	९
५७	२१	[illegible]	९	२३	४६/३	३	५७
१५	५६	[illegible]	५६	३५	ब	११	५

गोचरग्रहाः

आ. शु. २ शुक्रे कर्कोऽर्कः प्र. वा. ४न.५ गतालका-वस्था (ऊभी) मु. १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

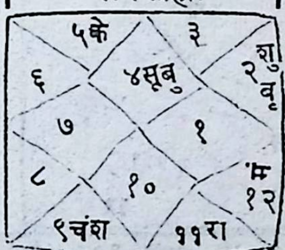

१६पं.आ.श.१३बु.इ.२२।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	१	१	३	१०	३
१०	१०	२	७	२८	६	२२	१०
५२	१७	५९	१४	२४	९	२५	२५
१९	४६	५३	५६	११	२९	१७	२६
५७	१९	[illegible]	९	४१	३	३	५७
२०	२७	[illegible]	१९	२३	८	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४८	९	ध	४३	२८	आ	३/४	४९/३८	तै	२२	४८	३३/२४	५/१९	६/४१	३०	८	१५	कुं. १६।३९	
३	र	३९	१३	श	३५	४६	शो	४३	१२	व	१३	४१	२१	२०	४०	३१	९	१६	कुम्भे	भ. १३।४१ उ. ३९।१३ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	३०	५२	पू	२९	२६	अ	३३	५०	ब	५	२	१८	२०	४०	१	१०	१७	मी १६।१	अगस्त म. ८ ता. ३१
५	मं	२३	२१	उ	२४	१९	सु	२५	११	तै	२३	५१	१५	२१	३९	२	११	१८	मीने	आश्लेषा. रविः २६/८ (सौरः ५६/४) आश्ले.*
६	बु	१८	१०	रे	२१	३६	धृ	१७	५३	व	१८	१०	१२	२२	३८	३	१२	१९	मे. २१।३६	भ. १८।१० उ. ४६।८ या.
७	गु	१४	५	अ	१९	७	शू	११	४१	ब	१४	५	९	२२	३८	४	१३	२०	मेषे	*बुधः ५१।४० नाग ५ मरुस्थले
८	शु	११	२८	भ	१७	३५	गं	६	४४	कौ	११	२८	६	२३	३७	५	१४	२१	वृ. ३२।४४	
९	श	१०	२४	कृ	१८	११	वृ	२	५५	ग	१०	२४	३	२३	३७	६	१५	२२	बृषे	भ. ४०।३५ उ.
१०	र	१०	४६	रो	१९	२६	ध्रु	१०/७	५८/३७	वि	१०	४६	०	२४	३६	७	१६	२३	मि ५१।४०	भ. १०।४६ या. आर्द्रा. शुक्रः ४८।४
११	चं	१२	२५	मृ	२३	५४	ह	५८	९६	बा	१२	२५	३२/५६	२५	३५	८	१७	२४	मिथुने	कामिका ११ व्र.
१२	मं	१५	२९	आ	२८	३२	व	५८	४८	तै	१५	२९	५३	२५	३५	९	१८	२५	मिथुने	मघा सिंहे बुधः २५।१५ प्रदोषः
१३	बु	१९	२८	पु	३४	१३	सि	५९	२५	व	१९	२८	५०	२६	३४	१०	१९	२६	क. १७।४८	भ. १९।२८ उ. ५१।५३ या.
१४	गु	२४	१८	पु	४०	३७	व्य	६०	०	श	२४	१८	४७	२७	३३	११	२०	२७	कर्के	
३०	शु	२९	५०	श्ले	४७	२०	व्य	१	३२	ना	२९	५०	४३	२७	३३	१२	२१	२८	सि ४७।२०	हरियाली ३०

१७पं.श्रा.कृ.६बु.इ.२२।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	१	२	८	१०	३
१७	१२	१७	८	३	२	२२	१७
३४	२६	४५	१९	२२	४७	३	५
१	४९	१४	३४	१९	३५	१	१४
५७	१६	[illegible]	८	४८	३/२६	३	५७
२५	४३	[illegible]	३१	३	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

कर्कटस्थे यदा सूर्यस्तता वर्षतिमाधवाः । तस्मिन् कालेतु धान्यानि क्वचिद्यांति महर्घताम् ।। धान्य तेज वर्षामध्यम हो ।

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ.१३बु.इ.२२।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	४	१	२	८	१०	३
२४	१४	१	९	८	२	२१	२३
१६	७	५३	१८	५६	३२	४०	४६
१६	५५	५३	३२	३५	१३	४५	२१
५७	१३	[illegible]	७	५३	५/१	३	५७
२३	५०	[illegible]	५३	६	ब	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावणं शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६०९सन्१९८८
१	श	३५	४४	म	५५	३	व	३	२५	किं	२	४७	३२/४०	५/२८	६/३२	१३	२२	२९	सिंहे	
२	र	४१	४८	पू	६०	०	प	५	४९	बा	८	४६	३६	२९	३१	१४	२३	३०	सिंहे	सिधारा चन्द्रदर्शनम्
३	चं	४८	१५	पू	२	४१	शि	८	२०	तै	१५	१	३३	२९	३१	१५	२४	१	कं.१९।३४	रोहि. १ गुरुः ४८।२० तीज मोहोरम १●
४	मं	५४	५	उ	१०	१३	सि	१०	४३	व	२१	१०	२९	३०	३०	१६	२५	२	कन्यायां	भ. २१/१० उ. ५४/५ या. मघा. सिंहेऽर्कः २०।३×
५	बु	५९	५	ह	१७	१८	सा	१३	५३	ब	२६	३५	२६	३०	३०	१७	२६	३	तु.५०।२९	नाग ५ ●सन् १४०९ हि.
६	गु	६०	०	चि	२३	४१	शु	१५	२२	कौ	३१	१६	२२	३१	२९	१८	२७	४	तुलायां	×(सौरः ५२/३१) पूफा. बुधः ४७/१५ बुधोदयः+
६	शु	३	२६	स्वा	२८	५९	शु	१५	२०	तै	३	२६	१९	३२	२८	१९	२८	५	तुलायां	
७	श	६	७	वि	३२	४६	ब्र	१५	८	व	६	७	१५	३३	२७	२०	२९	६	वृ.१६।४९	भ. ६।७ उ. ३६।३९ या.
८	र	७	११	अ	३४	५२	ऐं	१३	३७	ब	७	११	११	३४	२६	२१	३०	७	वृश्चिके	
९	चं	६	२९	ज्ये	३५	४	वै	१०	३४	कौ	६	२९	८	३४	२६	२२	३१	८	ध.३५।४	पुन. शुक्रः २९।७ +पश्चिमायाम् ५३/४२
१०	मं	३	३३	मू	३३	२१	वि	५/४६	५३/१६	ग	३	३३	४	३५	२५	२३	१	९	धनुषि	भ. ३१।१५ उ. ५८।५८ या. रा. भाद्र-=
११	मं	५५	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	=पदारंभः पवित्रा ११ व्र. स्मा.
१२	बु	५२	१	पू	२९	३६	आ	५१	४७	ब	२५	२९	०	३६	२४	२४	२	१०	म.४३।१४	उफायां बुधः २६।१२ पवित्रा ११ व्र. वै.
१३	गु	४३	५६	उ	२४	९	सौ	४२	३८	कौ	१७	५९	३१/५६	३७	२३	२५	३	११	मकरे	प्रदोषः
१४	शु	३४	३८	श्र	१७	४०	शो	३२	२८	ग	९	१७	५४	३८	२२	२६	४	१२	कु.४३।४४	भ. ३४/३८ उ. ५९/३९ या. कन्यायां बुधः २७।४४
१५	श	२४	४०	ध	९	४७	अ	२१	४९	ब	२४	४०	४८	३८	२२	२७	५	१३	कुम्भे	श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम्

१९पं. श्रा.शु.५ बु.इ.२२/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	१	२	८	१०	४
०	१५	१४	१०	१५	२	२१	०
५९	१७	२४	१०	१४	२१	१८	२८
४९	२०	१८	१२	५३	४	३०	३४
५७	१०	७/०	६	५७	१/१६	३	५७
४०	५०	२२	३१	१२	व	११	३४

गोचरग्रहाः

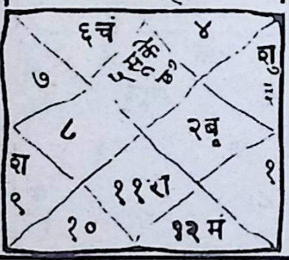

श्रा. शु. ४ भौमे सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोद. पू. ।

गोचरग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१२बु इ.२२।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	१	२	८	१०	४
७	१५	२६	१०	२१	२	२०	७
४४	५६	३३	५४	५३	१५	५६	१२
१७	६	१४	५०	२८	०	१४	५
५९	७	९८	५	६०	०/२६	३	५७
४७	४६	४४	२७	१६	व	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१४	३१	श	१/५६	५२/११	सु	१०/५५	४९/४	कौ	१४	३१	३१/४४	५/३९	६/२१	२८	६	१४	मी४१।५	
२	चं	५	१३	उ	४६	५८	शू	४९	४१	ग	५	१३	४०	४०	२०	२९	७	१५	मीने	भ. ३०।३८उ.५६।३या. मार्गी शनिः ९/१६
३	चं	५०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं	४८	५०	रे	४१	७	गं	४०	२८	ब	२२	१६	३६	४१	१९	३०	८	१६	मे.४१।७	पूफा. रविः ९।४० (सौरः ४३/२३) चतुर्थी व्र.
५	बु	४२	४६	अ	३७	२७	वृ	३२	४८	कौ	१५	३८	३२	४२	१८	३१	९	१७	मेषे	
६	गु	३८	४९	भ	३४	१०	ध्रु	२५	३५	ग	१०	४७	२८	४२	१८	१	१०	१८	वृ.४९।११	भ. ३८।४९ उ. कर्के शुक्रः २५/२१ सितम्बर●
७	शु	३६	५३	कृ	३३	३५	व्या	२०	२५	वि	७	५१	२५	४३	१७	२	११	१९	वृषे	भ.७।५१या. हस्ते बुधः१४।५६ श्रीकृष्ण×
८	श	३६	५२	रो	३५	०	ह	१६	५३	बा	६	५३	२१	४४	१६	३	१२	२०	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै. ×जयंती व्र. स्मा
९	र	३८	३४	मृ	३८	४	व	१४	५१	तै	७	४३	१७	४५	१५	४	१३	२१	मि६।३२	पुष्ये शुक्रः ४३।३७ गोगा ९
१०	चं	४१	४७	आ	४२	३८	सि	१३	५९	व	१०	११	१३	४५	१५	५	१४	२२	मिथुने	भ. १०।११ उ. ४१।४७ या.
११	मं	४६	१९	पु	४८	३१	व्य	१४	३९	ब	१४	६	९	४६	१४	६	१५	२३	क.३२।३	अजा ११ व्र. ●मा. ९ ता. ३०
१२	बु	५१	४०	पु	५५	१२	व	१५	४६	कौ	१८	५९	५	४७	१३	७	१६	२४	कर्के	वत्स द्वादशी
१३	गु	५७	४९	श्ले	६०	०	प	१७	४३	ग	२४	४४	१	४८	१२	८	१७	२५	कर्के	भ. ५७।४९ उ. प्रदोषः
१४	शु	६०	०	श्ले	२	३२	शि	१९	५५	वि	३०	५१	३०/५७	४९	११	९	१८	२६	सिं२।३२	भ. ३०।५१ या.
१४	श	३	५८	म	१०	१	सि	२२	२३	श	३	५८	५४	४९	११	१०	१९	२७	सिंहे	+पूफा. २केतुः २/४८ सूर्यग्रहणम् कुशाग्रहणी
३०	र	१०	८	पू	१७	३१	सा	२४	१७	ना	१०	८	४८	५०	१०	११	२०	२८	कं.३४।१२	वक्री भौमः ३८।४७ शतभिषा. ४ राहुः+

२१पं. भा.कृ.५बु.इ.२१।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	१	२	८	१०	४
१४	१५	७	११	२८	२	२०	१३
२९	५०	१५	३१	५३	१३	३३	५७
५६	२४	७	८	४६	५	२९	१७
५८	४	८७	४	६२	०/१२	३	५७
१	११	३४	१९	४१	मा	११	५७

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ रविवार प्रजा में पीड़ा कारक हैं रविवार को सूर्य ग्रहण घृत तेल गुड़ खांड़रुईसूत कपड़ा गेहूं तेज ।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.कृ.१२बु.इ.२१।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	१	३	८	१०	४
२१	१५	१६	११	६	२	२०	२०
१६	२४	४४	५८	१०	१६	११	४३
५५	४३	४९	५९	१९	३०	४३	५७
५८	२	७४	३	६४	०	३	५८
१३	३०	९	११	२६	५९	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६३९स.१९८८
१	चं	१६	१८	उ	२४	४१	शु	२६	५५	ब	१६	१८	३० ४४	५ ५१	६ ९	१२	२१	२९	कन्यायां	उफा. रविः ५४।० चित्रायां बुधः ४८।४१
२	मं	२१	५१	ह	३२	१	शु	२८	५०	कौ	२१	५१	४०	५२	८	१३	२२	३०	कन्यायां	उफा. रविः सौरः २८।१ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	२६	४९	चि	३८	११	ब्र	३०	१६	ग	२६	४९	३६	५३	७	१४	२३	१	तु. ५।७	भ. ५८।४८ उ. हरितालिका ३ सफर २
४	गु	३०	४८	स्वा	४३	४०	ऐं	३१	८	वि	३०	४८	३२	५४	६	१५	२४	२	तुलायां	भ. ३०।४८ या. गणेश चतुर्थी
५	शु	३३	४७	वि	४८	४	वै	३१	१३	ब	२	१७	२८	५४	६	१६	२५	३	वृ.३१।५८	कन्यायामर्कः१९।२१ (सौरः ५ ३ / १ २) ऋषि५
६	श	३५	२६	अ	५१	११	वि	३०	२३	कौ	४	३७	२४	५५	५	१७	२६	४	वृश्चिके	आश्ले. शुक्रः ४।३०
७	र	३५	४३	ज्ये	५२	५४	प्री	२८	२७	ग	५	३४	२०	५६	४	१८	२७	५	ध.५२।५४	भ. ३५।४३ उ.
८	चं	३४	१४	मू	५३	१	आ	२५	१३	वि	४	५८	१६	५७	३	१९	२८	६	धनुषि	भ. ४।५८ या.
९	मं	३१	१९	पू	५१	१४	सौ	२०	३९	बा	२	४७	१२	५८	२	२०	२९	७	धनुषि	
१०	बु	२६	२५	उ	४८	६	शो	१४	२९	ग	२६	२५	८	५८	२	२१	३०	८	म.५१।२५	भ. ५ ३ / १ ७ उ. राममेवजी का मेलानवलदुर्गे
११	गु	२०	१०	श्र	४३	१३	अ	७ ७	५१ ३६	वि	२०	१०	४	५९	१	२२	३१	९	मकरे	भ. ३ ० / १ ० या. तुलायां बुधः ५ ० / २ ० जलझू. ११व्र.
१२	शु	१२	१७	ध	३७	७	धृ	४९	१३	बा	१२	१७	३० ००	६ ००	६ ००	२३	१	१०	कु.१०।१०	वामन १२ रा. आश्विनारंभः प्रदोषः
१३	श	३	३०	श	२९	५३	शू	३८	४५	तै	३	३०	२९ ५५	६ १	५ ५९	२४	२	११	कुम्भे	भ. ५५।५३ उ. वक्री गुरुः ३ ६ / ४ ० अनन्त १४
१४	श	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	र	४३	५९	पू	२२	२०	गं	२७	५९	वि	१८	५६	५१	२	५८	२५	३	१२	मी९।१४	भ. १८।५६ या. महालयश्राद्धारंभः

२३पं.भा.शु.३बु.इ.२१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	१	३	८	१०	४
२८	१४	२५	१२	१३	२	१९	२७
५	२५	४७	१८	४०	२४	४९	३२
२४	५५	४२	०	३०	११	२७	१८
५८	१ ३५	५६	१	६६	१	३	५८
२६	व	३६	४६	८	३८	११	२९

गोचरग्रहाः

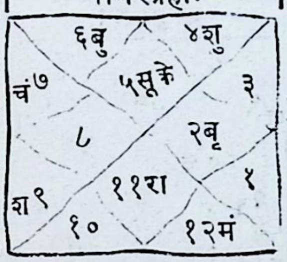

भा. शु. ५ शुक्रे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ नं.४ कुमार्यावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

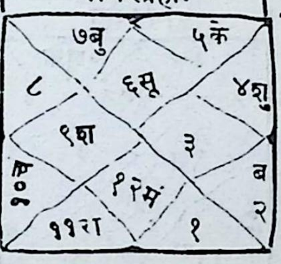

२४पं.भा.शु.१०बु.इ.२१।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	१	३	८	१०	५
४	१३	०	१२	२१	२	१९	४
५५	२	४९	२७	२३	३६	२७	२२
१९	४२	१	४२	६	२५	१२	२५
५८	४ ३२	३३	०	६७	२	३	५८
३८	व	६	३७	२६	१८	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३४	३२	उ	१४	३१	वृ	१७	१२	बा	९	१६	२९ ४७	६ ३	५ ५७	२६	४	१३	मीने	हस्ते रविः ३२।२७
२	मं	२५	५२	रे	७	२०	ध्रु	६ ४७	५० २२	तै	०	१२	४३	३	५७	२७	५	१४	मे.७।२०	भ. ५२।१३ उ. हस्ते रविः सौरः ५।४२✱
३	बु	१८	३६	अ	१ ४४	५५ ८	ह	४८	३८	वि	१८	३६	३८	४	५६	२८	६	१५	मेषे	भ. १८।३६या. मघा. सिंहे शुक्रः ५ ९ / ५ ४ च.व्र.
४	गु	१२	५	कृ	५४	१६	व	४१	४४	बा	१२	५	३४	५	५५	२९	७	१६	वृ.११।४४	✱वक्री बुधः ३४।५५
५	शु	९	४०	रो	५३	४८	सि	३६	१६	तै	९	४०	३०	६	५४	३०	८	१७	वृषे	
६	श	९	२५	मृ	५५	२८	व्य	३२	४७	व	९	२५	२६	७	५३	१	९	१८	मि३४।३८	भ. २ ९ / ५ ६ उ. ३ ९ / ३ ० या. अक्टूबर मा. १० ता. ३१
७	र	९	१५	आ	५८	५९	व	३०	४७	ब	९	१५	२२	८	५२	२	१०	१९	मिथुने	×शुक्रः३६।२९ सोमवती सर्वपितृश्राद्धम्
८	चं	१२	५	पु	६०	०	प	३०	४७	कौ	१२	५	१८	८	५२	३	११	२०	क.४७।५३	
९	मं	१६	२८	पु	४	२	शि	३१	१४	ग	१६	२८	१४	९	५१	४	१२	२१	कर्के	भ. ४ ९ / १ २ उ. बुधास्तः प. ४५।२६ मातृ ९
१०	बु	२१	५६	पु	१०	२८	सि	३३	१	वि	२१	५६	१०	१०	५०	५	१३	२२	कर्के	भ. २१।५६ या. वक्री कन्यायां बुधः ४९।६
११	गु	२८	१६	श्ले	१८	१	सा	३५	१०	बा	२८	१६	६	११	४९	६	१४	२३	सिं१८।१	मूले २ शनिः ४३।४६ इन्दिरा ११ व्र.
१२	शु	३४	४६	म	२५	२१	शु	३७	३५	कौ	१	३१	२	१२	४८	७	१५	२४	सिंहे	
१३	श	४१	२	पू	३३	७	शु	४०	५	ग	७	५४	२९ ५८	१२	४८	८	१६	२५	कं.४९।५८	भ. ४१।२ उ. प्रदोषः
१४	र	४६	५४	उ	४०	२८	ब्र	४२	१४	वि	१३	५८	५४	१३	४७	९	१७	२६	कन्यायां	भ. १३।५८ या.
३०	चं	५२	९	ह	४७	१७	ऐं	४३	५९	च	१९	३१	५०	१४	४७	१०	१८	२७	कन्यायां	चित्रा. रविः ३।२८(सौरः ३ ६ / १ ८) पूफा.×

२५पं.आ.कृ.३बु.इ.२१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	१	३	८	१०	५
११	११	३	१२	२९	२	१९	११
४६	२५	३३	२७	१५	५३	४	१४
५५	५	१४	७	५८	३८	५६	२७
५८	५ १०	४ ७	० ४४	६८	२	३	५९
५३	व	व	व	३३	५९	११	०

गोचरग्रहाः

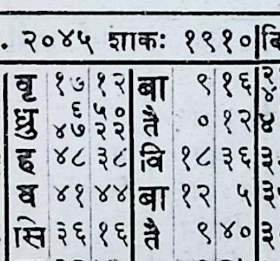

सोमवती अमावस्या कुछ मंदी कारक है सुदी में जौ गेहूं मटर मसूर गुड़ मूँगफली रुई विनौला तिल तैल घृत चांदी तेज हो।

गोचरग्रहाः

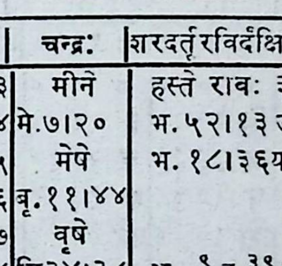

२६पं आ.कृ.१०बु.इ.२१।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	१	४	८	१०	५
१८	९	०	१२	७	३	१८	१८
४०	४७	२८	१६	१५	१५	४२	८
८	४६	२६	५२	५८	०	४१	१४
५९	४ २५	६१ ८	२	६९	३	३	५९
९	व	व	११	२०	३८	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६६८ स.१९८८
१	मं	५६	२८	चि	५३	३	वै	४४	७	किं	२४	१६	२८/४६	६/१५	५/४५	११	१९	२८	तु.२०।१०	मातामहश्रा. नवरात्रारम्भः
२	बु	५९	४९	स्वा	५८	१	वि	४५	२३	बा	२८	५	५२	१६	४४	१२	२०	२९	तुलायां	हस्ते बुधः १८।४९ चन्द्रदर्शनम्
३	गु	६०	०	वि	६०	०	प्री	४४	४	तै	३०	५९	३८	१६	४४	१३	२१	१	वृ.४६।१०	रविलावल ३ ×पापांकुशा ११व्र.
३	शु	२	१०	वि	२	१२	आ	४३	५०	ग	२	१०	३४	१७	४३	१४	२२	२	बृश्चिके	भ. ३२।५० उ.
४	श	३	३१	अ	५	१३	सौ	४१	२९	वि	३	३१	३०	१८	४२	१५	२३	३	बृश्चिके	भ. ३।३१ या. ●सरस्वती पू.
५	र	३	४७	ज्ये	७	१	शो	३८	५५	बा	३	४७	२६	१९	४१	१६	२४	४	ध. ७।१	तुलायामर्कः ४८।१४ सरस्वत्यावाहनम्
६	चं	२	४०	मू	७	५०	अ	३५	७	तै	२	४०	२२	२०	४०	१७	२५	५	धनुषि	तुलायामर्कः सौरः १९/१ मार्गी भौमः ३ ०/९●
७	मं	०	२८	पू	७	२२	सु	३१	२१	व	०	२८	१८	२०	४०	१८	२६	६	म.२१।५८	भ. २०/८ उ. ५६/२ या. बुधोदयः पूर्वस्याम् ५०/७+
८	मं	५६	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	=रा. कार्तिकारम्भः प्रदोषः
९	बु	५२	४६	उ	५	४९	धृ	२४	२६	बा	२५	१	१४	२१	३९	१९	२७	७	मकरे	सरस्वती विसर्जनम् +बलिदानं
१०	गु	४६	५७	श्र	५५/२	५६/०	शू	१७	२८	तै	१९	५२	१०	२२	३८	२०	२८	८	कु.३०।५५	मार्गी बुधः १४।१८ विजया १०
११	शु	४०	१३	श	५३	५०	गं	९	५३	व	१३	३५	६	२३	३७	२१	२९	९	कुम्भे	भ. १३।३५ उ. ४१/३ या. उफा. शुक्रः ५५/४५×
१२	श	३२	२३	पू	४७	५६	वृ	२०/१	५३/६	ब	६	१८	२	२४	३६	२२	३०	१०	मी३४।२५	
१३	र	२४	५	उ	४१	२७	ध्या	४२	१२	तै	२४	५	२७/५८	२४	३६	२३	१	११	मीने	स्वात्यां रविः ३०।१६(सौरः ५९।५९)=
१४	चं	१५	२४	रे	३४	४४	ह	३२	७	व	१५	२४	५४	२५	३५	२४	२	१२	मे.३४।४४	भ.१५।२४उ.४१।१५या. कन्यायां शुक्रः*
१५	मं	७	६	अ	२८	३१	व	२३	११	ब	७	६	५०	२६	३४	२५	३	१३	मेषे	*३९।३५ शरद् १५ कोजागरी व्र.

२७पं.आ.शु.२बु.इ.२१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	५	१	४	८	१०	५
२५	८	२३	११	१५	३	१८	२५
३५	२२	१६	५६	२२	४०	२०	३
६	८	५२	५६	१६	३७	२५	५६
५९	३/३२	८५/४६	३/३२	७०	४	३	५९
२१	व	ब	ब	११	१८	११	३१

गोचरग्रहाः

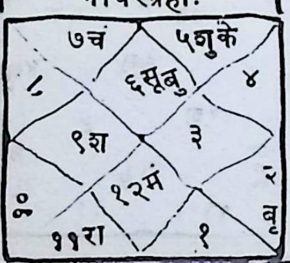

आश्विन.कृ.५ रवौ तुलायामर्कः प्र.वा.३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो पू.।

गोचरग्रहाः

२८पं.आ.शु. ९बु.इ.२०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	५	१	४	८	१०	६
२	७	१८	११	२३	४	१७	२
३१	१८	८	२७	३८	९	५८	१
३४	२५	१६	५४	१०	५०	९	२४
५९	१/२१	८/५३	४/१६	७०	४	३	५९
३४	व	व	व	४९	५०	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	५२	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	५३	३१	भ	२३	१९	सि	१३	३३	तै	२६	३४	२७/४६	६/२७	५/३३	२६	४	१४	वृ.३७।१८	
३	गु	४८	५८	कृ	१९	१४	व्य	५/२६	५३/१६	व	२१	१४	४२	२८	३२	२७	५	१५	वृषे	भ. २१।१४ उ. ४८।५८ या.
४	शु	४६	३१	रो	१७	९	प	५३	३८	ब	१७	४४	३९	२८	३२	२८	६	१६	मि४७।१०	चित्रायां बुधः ३९।५८ चतुर्थी व्र.
५	श	४६	८	मृ	१७	११	शि	५०	४	कौ	१६	१९	३५	२९	३१	२९	७	१७	मिथुने	
६	र	४८	२	आ	१९	१३	सि	४८	२३	ग	१७	५	३१	३०	३०	३०	८	१८	मिथुने	भ. ४८।२ उ.
७	चं	५१	३७	पु	२३	१७	सा	४८	१३	वि	१९	४९	२७	३१	२९	३१	९	१९	क.७।१६	भ. १९।४९ या.
८	मं	५६	४९	पु	२८	४२	शु	४८	४७	बा	२४	१३	२४	३१	२९	१	१०	२०	कर्के	हस्ते शुक्रः ५८/२२ नवम्बर मा. ११ ता. ३०
९	बु	६०	०	श्ले	३५	३८	शु	५०	५२	तै	२९	५६	२०	३२	२८	२	११	२१	सिं३५।३८	तुलायां बुधः ३१।१४
९	गु	३	३	म	४२	५६	ब्र	५२	५२	ग	३	३	१६	३३	२७	३	१२	२२	सिंहे	भ.३६।१७उ. वक्री कृत्तिका ४ गुरुः ३५/७
१०	शु	९	३२	पू	५०	४९	ऐं	५५	२५	वि	९	३२	१३	३३	२७	४	१३	२३	सिंहे	भ. ९।३२ या.
११	श	१५	५०	उ	५८	५	वै	५७	३८	बा	१५	५०	९	३४	२६	५	१४	२४	कं.७।२३	त्रिशा. रविः ३०।३९ रमा ११ व्र.
१२	र	२१	४९	ह	६०	०	वि	५९	१९	तै	२१	४९	६	३५	२५	६	१५	२५	कन्यायां	विशा. रविः १७।२८ प्रदोषः
१३	चं	२६	५६	ह	४	५६	प्री	६०	०	व	२६	५६	२	३६	२४	७	१६	२६	तु.३७।४७	भ. २६।५६उ.५८।४६या. स्वात्यां बुधः●
१४	मं	३०	३५	चि	१०	३२	प्री	०	१९	श	३०	३५	२६/५९	३६	२४	८	१७	२७	तुलायां	रूप १४ ●४।४७ धन १३
३०	बु	३३	१९	स्वा	१५	१	आ	०/१५	५९/१	च	१	५६	५६	३७	२३	९	१८	२८	तुलायां	बुधास्तः पूर्वस्यां ११/९ महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.२बु.इ.२०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	५	१	५	८	१०	६
९	६	२०	१०	२	४	१७	९
२९	४९	५८	५०	०	४३	३५	२९
४९	५	३४	४६	१४	१६	५४	४९
५९	१/१९	६०	५/४६	७१	५	३	६०
४७	मा	५५	ब	२२	१५	११	१

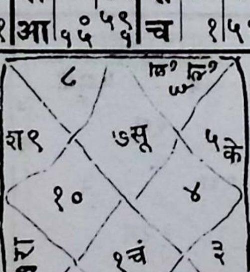

३०पं.का कृ.९बु.इ.२०।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	५	१	५	८	१०	६
१६	६	२९	१०	१०	५	१७	१६
२९	५१	४४	५	२६	१९	५३	१
३८	७	२४	१३	१७	२६	३८	४८
६०	४	८७	६/३६	७१	५	३	६०
४	०	५	ब	४८	४४	११	१८

३१पं.का.कृ.३०बु.इ.२०।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	१	५	८	१०	६
२३	७	१०	९	१८	५	१६	२३
३०	३५	३६	१५	५३	५८	५१	४
५८	३८	२१	४	१०	३४	२३	२४
६०	९	९५	७/१७	७२	६	३	६०
१७	५	४८	ब	८	७	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६९८सन्१९८८
१	गु	३४	४४	वि	१८	२०	शो	५७	२३	किं	४	१	२६/५३	६/३७	५/२३	१०	१९	२९	वृ.२।३१	अन्नकूट गावर्द्धन पूजा
२	शु	३४	१३	अ	२०	२६	अ	५४	३१	बा	४	५०	४९	३८	२२	११	२०	३०	वृश्चिके	भ्रातृ २ चन्द्रदर्शनम्
३	श	३४	१३	ज्ये	२१	१६	सु	५०	५२	तै	४	३५	४६	३९	२१	१२	२१	१	ध.२१।१६	चित्रा. शुक्रः ५४/४८ शतभि. ३ राहुः पूफा. १●
४	र	३२	२५	मू	२१	४७	धृ	४६	२२	व	३	१९	४३	३९	२१	१३	२२	२	धनुषि	भ. ३।१९ उ. ३२।२५ या.
५	चं	२९	५३	पू	२१	१७	शू	४१	३७	ब	१	९	४०	४०	२०	१४	२३	३	म.३५।५३	●केतुः ५४/५० रविलाखर ४
६	मं	२६	३८	उ	१९	४१	गं	३६	६	तै	२६	३८	३७	४१	१९	१५	२४	४	मकरे	वृश्चिकेऽर्कः ४६।४१ विशा.बुधः १२।२५
७	बु	२२	४४	श्र	१७	३९	वृ	२९	५२	व	२२	४४	३४	४१	१९	१६	२५	५	कुं.४६।१७	भ. २२/४४ उ. ५०/२६ या. वृश्चिकेऽर्कः सौरः ११/४५×
८	गु	१८	९	ध	१४	५५	ध्रु	२३	८	ब	१८	७	३१	४२	१८	१७	२६	६	कुम्भे	गोपाष्टमो ×मूले ३ शनिः १४।१९
९	शु	१२	५५	श	११	५५	व्या	१६	१०	कौ	१२	५५	२९	४२	१८	१८	२७	७	मी५३।३५	तुलायां शुक्रः २५।४२ अक्षय ९
१०	श	७	९	पू	७	२८	ह	८	२५	ग	७	९	२६	४३	१७	१९	२८	८	मीने	भ. ३४।० उ. अनु. रविः ५।१ (सौरः ३६/३३)
११	र	०	५३	उ	३/०	५५/१०	व	०/१९	५१/२५	वि	०	५३	२४	४३	१७	२०	२९	९	मे.५८।१०	भ. ५०/३ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१२	र	५३	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	चं	४७	३०	अ	५३	१८	व्य	४२	४३	कौ	२०	५०	२१	४४	१६	२१	३०	१०	मेषे	वृश्चिके बुधः २८।८ प्रदोषः
१४	मं	४१	९	भ	४८	५२	व	३५	८	ग	१४	१९	१९	४४	१६	२२	१	११	मेषे	भ. ४५/९ उ. वकुंठ १४ रा. मार्गशीर्षारंभः
१५	बु	३५	४४	कृ	४५	१६	प	२७	२८	वि	८	२६	१६	४५	१५	२३	२	१२	वृ.२।५८	भ. २६/० या. स्वात्यां शुक्रः ४९/० अनु. बुधः २६/३३

३२पं.का.शु.७बृ.इ.२०१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	६	.१	५	८	१०	७
०	८	२१	८	२७	६	१६	०
३३	४७	५०	१९	२८	४०	२९	८
४७	२०	३५	४४	८	३७	७	२८
६०	१०	९८	७/५२	७२	६	३	६०
३०	४६	५	व	३२	२६	११	४०

गोचरग्रहाः

का. शु. ७ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न.४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३३पं.का.शु.१५बु.इ.१९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	.१	६	८	१०	७
७	१०	३	७	६	७	१६	७
३७	३०	५	२२	४	२४	६	१४
३७	११	४९	४८	२६	१४	५१	.१
६०	१४	९९	७/५२	७२	६	३	६०
४२	१७	३८	व	५०	३८	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतुं रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३१	२६	रो	४२	३८	शि	२०	४०	बा	२	३५	२६/१३	६/४५	५/१५	२४	३	१२	वृषे	
२	शु	२८	४४	मृ	४१	४०	सि	१४	४७	तै	०	५	११	४६	१४	२५	४	१४	मि१२।८	भ. ५८।१३ उ.
३	श	२७	४३	आ	४२	३२	सा	१०	४३	वि	२७	४३	८	४६	१४	२६	५	१५	मिथुने	भ. २७।४३ या. चतुर्थी व्र.
४	र	२८	४९	पु	४५	२९	शु	७	३३	बा	२८	४९	६	४७	१३	२७	६	१६	क.२९।४५	
५	चं	३१	४४	पु	४९	५६	शु	६	२०	कौ	०	१७	३	४७	१३	२८	७	१७	कर्के	वक्री कृत्तिका. ३ गुरुः ३२।४४
६	मं	३६	२२	श्ले	५६	७	ब्र	६	८	ग	४	३	१	४८	१२	२९	८	१८	सिं५६।७	भ. ३६।२२ उ.
७	बु	४२	७	म	६०	०	ऐं	८	१३	वि	९	१४	२५/५९	४८	१२	३०	९	१९	सिंहे	भ. ९।१४ या.
८	गु	४८	३७	म	२	५८	वै	८	४८	बा	१५	२२	५७	४९	११	१	१०	२०	सिंहे	ज्येष्ठा बुधः ४६/२६ दिसम्बर मा.१२ ता.३१
९	शु	५४	५७	पू	१०	२९	वि	११	८	तै	२१	४७	५५	४९	११	२	११	२१	कं.२७।२१	ज्येष्ठा. रविः १५।११ (सौरः ३६।४३)
१०	श	६०	०	उ	१७	५८	प्री	१३	२५	व	२७	५८	५३	४९	११	३	१२	२२	कन्यायां	भ. २७।५८ उ.
१०	र	०	५९	ह	२४	५४	आ	१५	९	वि	०	५९	५१	५०	१०	४	१३	२३	तु.५७।५६	भ. ०।५९ या. विशा. शुक्रः ३२।२३
११	चं	६	११	चि	३०	५८	सौ	१६	२७	बा	६	११	४९	५०	१०	५	१४	२४	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	मं	९	५२	स्वा	३५	२८	शो	१६	३०	तै	९	५२	४८	५०	१०	६	१५	२५	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	१२	२५	वि	३८	३२	अ	१५	२८	व	१२	५२	४६	५१	९	७	१६	२६	वृ.२२।५३	भ. १२।५२ उ. ४२।५५ या.
१४	गु	१२	५८	अ	४०	१३	सु	१४	१७	श	१२	५८	४५	५१	९	८	१७	२७	वृश्चिके	
३०	शु	१२	११	ज्ये	४०	२२	धृ	९	४३	ना	१२	११	४४	५१	३	९	१८	२८	ध.४०।२२	अस्तं शनेः ४२।४७

३४पं. मा.कृ.७बु.इ.१९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	१	६	८	१०	७
१४	१२	१४	६	१४	८	१५	१४
४२	४२	१२	२५	४३	९	४४	२०
५४	११	२२	५९	२६	५८	३६	४७
६०	१७	९९	७/५२	७३	६	३	६१
५०	२२	४६	व	७	५६	११	३

गोचरग्रहाः

इस मासमें धान्य घृत तिलतैल खांड़ रुई पाट वारदाना मटर उड़द गुवार में घटाबढ़ी हो। मंदीमें संग्रहकरना लाभ होगी।

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.कृ.१३बु.इ.१९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	१	६	८	१०	७
२१	१५	२५	५	२३	८	१५	२१
४८	१६	१४	३१	२४	५७	२२	२८
५८	१२	२०	२६	११	२९	२०	३२
६०	२०	९९	७/२९	७३	७	३	६१
५६	४८	०	व	२०	८	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः	सं. २०४५	शाकः १९१०									दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	९	५८	मू	३९	२१	शू	५/५	५४/४४	ब	९	५८	२५/४२	५६/५२	५/८	१०	१९	२९	धनुषि
२	र	६	४७	पू	३७	१९	वृ	५३	५४	कौ	६	५७	४१	५२	८	११	२०	३०	म.५१।४०
३	चं	२	५०	उ	३४	४४	ध्रु	४६	५८	ग	२	५०	४०	५२	८	१२	२१	१	मकरे
४	चं	५५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	मं	५३	४२	श्र	३१	५५	व्या	४१	९	ब	२६	३	३९	५२	८	१३	२२	२	मकरे
६	बु	४८	४१	ध	२८	४९	ह	३३	२०	कौ	२१	११	३८	५२	८	१४	२३	३	कु.०।२२
७	गु	४३	५९	श	२५	२६	व	२६	५	ग	१६	१९	३८	५२	८	१५	२४	४	कुम्भे
८	शु	३८	४८	पू	२२	८	सि	१८	५०	वि	११	२३	३७	५३	७	१६	२५	५	मी७।५८
९	श	३३	४४	उ	१८	४४	व्य	११	४५	बा	५	४६	३७	५३	७	१७	२६	६	मीने
१०	र	२८	५०	रे	१५	२६	व	४/३१	५३/४३	तै	१	१७	३७	५३	७	१८	२७	७	मे.१५।२६
११	चं	२३	५७	अ	१२	२२	शि	५०	३४	वि	२३	५७	३६	५३	७	१९	२८	८	मेषे
१२	मं	१९	४५	भ	९	४८	सि	४४	९	बा	१९	२५	३६	५३	७	२०	२९	९	वृ.२४।७
१३	बु	१५	३५	कृ	७	३	सा	३८	५	तै	१५	३५	३६	५३	७	२१	३०	१०	वृषे
१४	गु	१२	३१	रो	५	२३	शु	३२	५३	व	१२	३१	३६	५३	७	२२	१	११	मि३५।८
१५	शु	१०	३७	मृ	४	५३	शु	२८	४१	ब	१०	३७	३६	५३	७	२३	२	१२	मिथुने

हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७२८स.१९८८

मूले धनुषि बुधः १२।३५
रेवत्यां भौमः २१।११ चन्द्रदर्शनम्
भ. ३३।६० उ. ५२।२६ या. वृश्चिके शुक्रः ३६।१८*
*पातस्पर्शः ९।८ पातमोक्षः २५।७×

चम्पा ६ ×जमादिलावल ५
भ. ४५।३७ उ. मूले धनुष्यऽर्कः २२।३३ (सौरः+
भ. ११।२२ या. मूले ४ शनिः १३।४३

भ. ५६।२३ उ. पूषा. बुधः ४९।२
भ.२३।५७या. मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
प्रदोषः +४१।०७) अनु. शुक्रः १९।३८

भ. १३।२१ उ. ४३।१४ या. रा. पौषारंभः दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.६बु.इ.१९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	१	७	८	१०	७
२८	१८	६	४	२	९	१५	२८
५५	१०	१६	५१	६	४६	०	५५
५२	१	८	३१	४	१२	५	५२
६१	२२	९६	६/३२	७३	७	३	६१
०	३१	४५	व	२८	१४	११	०

गोचरग्रहाः

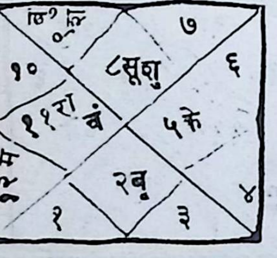

मा शु.६ भौमे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न.३ प्रगल्भावस्था (बैंठी) मु. १५ धान्यादिभावे मह घंता शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

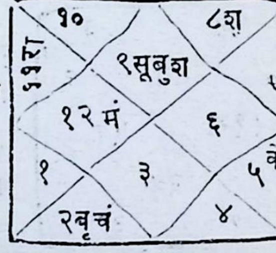

३७पं.मा.शु.१३बु इ.१९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१	७	८	१०	८
६	२१	१७	३	१०	१०	१४	५
३	१९	१८	५७	५०	३५	३७	४६
२९	८	५८	११	०	१०	४९	४०
६१	२४	९६	५/३२	७३	७	३	६१
४	५६	५०	व	४४	२०	११	२२

ति.	पौष	कृष्णपक्षः	सं. २०४५	शाकः १९१०									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	१०	२	आ	५	४५	ब्र	२५	२२	कौ	१०	२	३५/३७	५६/५३	५/७	२४	३	१३	क.५१।३६
२	र	११	१३	पु	७	९	ऐं	२४	६	ग	११	१३	३७	५३	७	२५	४	१४	कर्के
३	चं	१३	५४	पु	१२	४	वै	२३	१	वि	१३	५४	३७	५३	७	२६	५	१५	कर्के
४	मं	१८	०	श्ले	१७	२९	वि	२३	३४	बा	१८	०	३८	५२	८	२७	६	१६	सिं१७।२९
५	बु	२३	२९	म	२३	५६	प्री	२४	५०	तै	२३	२९	३८	५२	८	२८	७	१७	सिंहे
६	गु	२९	४८	पू	३१	११	आ	२७	५०	व	२९	४८	३९	५२	८	२९	८	१८	कं.४८।५
७	शु	३६	७	उ	३८	४६	सौ	२९	६	वि	२	५७	४०	५२	८	३०	९	१९	कन्यायां
८	श	४२	३४	ह	४६	१	शो	३१	१६	बा	९	२०	४०	५२	८	३१	१०	२०	कन्यायां
९	र	४८	६	चि	५२	४७	अ	३२	५२	तै	१५	२०	४१	५२	८	१	११	२१	तु.१९।२४
१०	चं	५२	६	स्वा	५७	५३	सु	३३	३३	व	२०	६	४२	५२	८	२	१२	२२	तुलायां
११	मं	५४	४९	वि	६०	०	धृ	३३	३	व	२३	२७	४३	५१	९	३	१३	२३	वृ.४५।४५
१२	बु	५५	३४	वि	१	४३	शू	३१	१५	कौ	२५	११	४४	५१	९	४	१४	२४	बृश्चिके
१३	गु	५४	२८	अ	३	३१	गं	२७	५८	ग	२५	१	४६	५१	९	५	१५	२५	बृश्चिके
१४	शु	५१	२९	ज्ये	३	३५	वृ	२३	७	वि	२२	५८	४७	५१	९	६	१६	२६	ध.३।३५
३०	श	४७	५	मू	१/५८	५७/१७	ध्रु	१७	५५	च	१९	१७	४९	५०	१०	७	१७	२७	धनुषि

हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

बुधोदयः पश्चिमायाम् ५३।२४
भ. ४२।३३ उ. ज्येष्ठायां शुक्रः ५६।३९
भ. १३।५४ या. चतुर्थी व्र.
उषा. बुधः २७।१७ *गुरुः ३०।५४
पूषा. रविः ३७।१९ (सौरः ४१।५५) वक्री कृत्ति.२*
भ. २९।४८ उ. मकरे बुधः ३६।४०
भ. २।५७ या.

जनवरी मा. १ ता. ३१ सन् १९८९ ई.
भ. २०।६ उ. ५२।६ या.
सफला ११ व्र. ×बुधः ३२।११ प्रदोषः

भ. ५२।४८ उ. मूलेधनुषि शुक्रः ३१।२५श्रवणे×
भ. २२।५८ या.

३८पं. पौ.कृ.५बु.इ.१८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१	७	८	१०	८
१३	२४	२७	३	१९	११	१४	१२
११	४२	५९	२०	३५	२४	५५	५६
३१	२५	५३	५३	६	३१	३३	३२
६१	२६	९२	४/२६	७३	७	३	६१
६	५३	४४	व	५०	२०	११	२६

गोचरग्रहाः

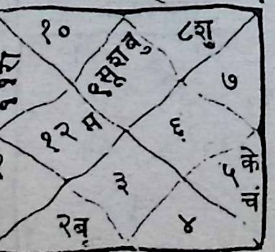

इस मासमें ५ शनिवार अशुभ हैं, गुड़ खांड पाट वारदाना सिरस्युँ सोना चांदी उड़द मूँग चावल हल्दी जीरा किराना तेज।

गोचरग्रहाः

३९पं. पौ.कृ.बु१२.इ.१८।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	१	७	८	१०	८
२०	२८	८	२	२८	१२	१३	२०
१९	९	३५	५३	२०	१४	५३	६
२६	१४	६	१०	४९	३१	१८	२९
६१	२८	८१	३	७३	७	३	६१
६	२१	३२	१९	५३	२०	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५७५७स.१९८९
१	र	४१	३७	उ	५५	७	व्या	१०	१	किं	१४	२८	२५/५१	६/५०	५/१०	८	१८	२८	म.१३।१३	अश्वि. मेषे भौमः १२।१०
२	चं	३५	१९	श्र	५०	२२	ह	३/७	५१/४६	बा	८	२१	५२	५०	१०	९	१९	२९	मकरे	चंद्रदर्शनम् *जमादिलाखर ६
३	मं	२८	४९	ध	४५	३६	सि	४५	२२	तै	२	४	५४	४९	११	१०	२०	१	कुं.१७।५९	भ.५५/३४उ. उषा. रविः ३२।३ (सौरः ४३/२२)*
४	बु	२२	२०	श	४०	५२	व्य	३६	५३	वि	२२	२०	५६	४९	११	११	२१	२	कुंभे	भ. २२।२० या. उदयं शनेः ५७।५६
५	गु	१६	६	पू	३६	३९	व	२८	५४	ना	१६	६	५८	४८	१२	१२	२२	३	मी२२।४३	
६	शु	१०	१९	उ	३२	५३	प	२१	१७	तै	१०	१९	२६/१	४८	१२	१३	२३	४	मीने	मकरेऽर्कः४६/२७(सौरः५६/४७)पूषा.१ शनिः ४३/१२
७	श	५	७	रे	२९	३०	शि	१३	५५	व	५	७	३	४७	१३	१४	२४	५	मे.२९।३०	भ. ५।७उ. ३५/२०या. शतभि. २ राहुः मघा.×
८	र	०	३२	अ	२६	५३	सि	७	१३	ब	०	३२	५	४७	१३	१५	२५	६	मेषे	वक्री बुधः ५४।५० पातस्पर्शः ५५।३१
९	र	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+मार्गी गुरुः ६।३८
१०	चं	५३	२३	भ	२४	५५	सा	१/२	५४/२४	तै	२४	५७	८	४६	१४	१६	२६	७	वृ.३९।३८	पूषायां शुक्रः १६।३७ पातमोक्षः ९।१६
११	मं	५०	५८	कृ	२३	४८	शु	५०	३३	व	२२	१०	१०	४६	१४	१७	२७	८	वृषे	भ.२२।१०उ.५०।५८या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	बु	४९	२३	रो	२३	१८	ब्र	४६	२२	ब	२०	१०	१२	४६	१४	१८	२८	९	मि५३।४१	बुधास्तः पश्चिमायाम् २४।६
१३	गु	४८	५३	मृ	२४	५	ऐं	४३	४	कौ	१९	८	१५	४५	१५	१९	२९	१०	मिथुने	प्रदोषः ×४ केतुः ४६।४७
१४	शु	४९	१९	आ	२५	४५	वै	४०	२९	ग	१९	५	१७	४५	१५	२०	३०	११	मिथुने	भ. ४९/१९उ.अभि.प्र.रविः ३२/१२ (सौरः ३०/९)+
१५	श	५१	२३	पु	२८	२८	वि	३८	३६	वि	२०	१७	२०	४४	१६	२१	१	१२	क.१२।४७	भ. २०।१७ या. रा. माघारंभः

४०पं.पौ.शु.४बु.इ.१८।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	९	१	८	८	१०	८
२७	१	१६	२	७	१३	१३	२७
२७	५७	२२	३४	६	२	३१	१६
४०	१८	५५	४८	३२	४९	२	२१
६१	३९	४९	१/५५	७३	७	३	६१
६	५७	३२	व	५९	१०	११	२४

गोचरग्रहाः

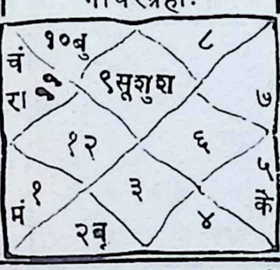

पौष शु. ६शनौ मकरेऽर्कःप्र.वा.२ न.४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

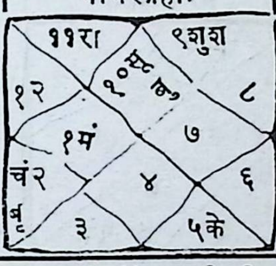

४१पं. पौ.शु.१२ बु.इ.१८/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	८	८	१०	९
४	५	१७	२	१५	१३	१३	४
३५	४८	२७	२७	५३	५०	८	२५
३१	०	१४	४७	२०	५३	४७	५९
६१	३१	३३/४३	१०/१९	७४	७	३	६१
३	१४	व	व	५	२	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५४	२२	पु	३२	२८	प्री	३८	२५	बा	२२	४७	२६/२	६/४४	५/१६	२२	२	१३	कर्के	
२	चं	५८	३६	श्ले	३७	१६	आ	३८	४४	तै	२६	२९	२५	४३	१७	२३	३	१४	सिं३७।१६	श्रवणे रविः ३७।३५ (सौरः ४६।६)
३	मं	६०	०	म	४३	५४	सौ	३९	५२	व	३१	२०	२७	४३	१७	२४	४	१५	सिंहे	भ. ३१/२०उ. अभि. नि. रविः ३०/४(सौरः ३८/२)
३	बु	४	४	पू	५०	५३	शो	४१	३३	वि	४	४	३०	४२	१८	२५	५	१६	सिंहे	भ. ४।४या. वक्री उषा. बुधः ५१/३७ चतुर्थी व्र
४	गु	१०	३	उ	५८	३२	अ	४३	४४	बा	१०	३	३३	४१	१९	२६	६	१७	कं.७।४७	उषायां शुक्रः ५६।३५
५	शु	१६	२९	ह	६०	०	सु	४६	३८	तै	१६	२९	३६	४१	१९	२७	७	१८	कन्यायां	
६	श	२३	९	ह	६	४	धृ	४८	१०	व	२३	९	३९	४०	२०	२८	८	१९	तु.३९।४६	भ. २३।९ उ. ५६।६ या.
७	र	२९	३	चि	१३	२६	शू	४९	३७	ब	२९	३	४२	४०	२०	२९	९	२०	तुलायां	मकरे शुक्रः ३३।१८ पातस्पर्शः ३६।१६*
८	चं	३३	४८	स्वा	१९	३१	गं	५०	६	बा	१	२५	४६	३९	२१	३०	१०	२१	तुलायां	*पातमोक्षः ४९।४१
९	मं	३७	१९	वि	२४	२५	वृ	४९	२२	तै	५	३२	४९	३८	२२	३१	११	२२	वृ.८।११	भरण्यां भौमः ३४/२७ बुधोदयः पूर्वस्याम् ५९/१
१०	बु	३८	४१	अ	२७	२९	ध्रु	४७	२	व	७	५९	५२	३८	२२	१	१२	२३	वृश्चिके	भ. ५९/७ उ. ३६/३१ या. फरवरी मा. २ ता. २८
११	गु	३८	१५	ज्ये	२८	४३	व्या	४३	५	ब	८	२८	५५	३७	२३	२	१३	२४	ध.२८।४३	षट्तिला ११ व्र.
१२	शु	३५	४७	मू	२७	४७	ह	३७	३८	कौ	७	१	५९	३६	२४	३	१४	२५	धनुषि	
१३	श	३१	१४	पू	२४	५६	व	३०	४५	ग	३	३०	२७/२	३६	२४	४	१५	२६	म.३८।५१	भ. ३१।१४ उ. ५८।९ प्रदोषः
१४	र	२५	४	उ	२०	३५	सि	२२	३०	श	२५	४	६	३५	२५	५	१६	२७	मकरे	धनिष्ठा. रविः ४५।५६ (सौरः ५१।५७)
३०	चं	१७	४०	श्र	१४	५३	व्य	१३	१६	ना	१७	४२	९	३४	२६	६	१७	२८	कुं.४१।४७	श्रवणे शुक्रः ३/१ ३/३ मार्गी बुधः ५७/१७ सोमवती

४२पंमा.कृ.३ बु.इ.१८।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	८	८	१०	९
११	९	१०	२	२४	१४	१२	११
४२	४२	४८	२९	३९	३७	४६	३४
५८	२९	२९	२	२२	२६	३१	४१
६०	३२	८८	०/५५	७४	६	३	६१
५९	११	४७	मा	११	४७	११	१३

गोचरग्रहाः

पांच रवि अरु सोम हैं माघ मास केमांय। सोमवती मावस हुई वस्तु मंदी होजांय ।। सुदीमें तेजीहोगी।

गोचरग्रहाः

४३पं.मा.कृ.१० बु.इ.१८/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	९	८	१०	९
१८	१३	३	२	३	१५	१२	१८
४९	४४	३३	४१	२५	२१	२४	४२
२६	३५	५०	३८	१६	५८	१५	४४
६०	३३	४४/४५	२	७४	६	३	६१
५५	७	व	१६	२०	३२	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७८७ स. १९८९
१	मं	९	३२	ध	८	४१	व	३/३४	५०/५२	ब	९	३२	२७/१३	६/३३	५/२७	७	१८	२९	कुम्भे	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	१	१०	श	२/११	५३/४३	शि	४३	५५	कौ	१	१०	१६	३३	२७	८	१९	१	मी४२।२८	रज्जव ७
३	बु	५१	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	गु	४५	२०	उ	५०	८	सि	३४	२०	व	१९	१०	२०	३२	२८	९	२०	२	मीने	भ. १९।१० उ. ४५।२० या.
५	शु	३८	२९	रे	४५	१४	सा	२५	४४	ब	११	५५	२४	३१	२९	१०	२१	३	मे.४५।१४	वसंत पंचमो
६	श	३२	४४	अ	४१	४१	शु	१८	१	कौ	५	३७	२७	३१	२९	११	२२	४	मेषे	*२५/५४) कृत्तिका. ३ गुरुः १६।६ भानु ७
७	र	२८	९	भ	३९	९	शु	११	१०	ग	०	२६	३१	३०	३०	१२	२३	५	वृ.५३।५२	भ. २८/९ उ. ५६/३४ या. कुंभेऽर्कः ३१/११ (सौरः*
८	चं	२४	५९	कृ	३८	१	ब्र	५	२८	ब	२४	५९	३५	२९	३१	१३	२४	६	बृषे	भीष्माष्टमी
९	मं	२२	५९	रो	३८	३	ऐं	०/४०	५६/१६	कौ	२२	५९	३८	२८	३२	१४	२५	७	वृषे	पूषायां २ शनिः २४।५२
१०	बु	२२	१६	मृ	३९	१५	वि	५४	१६	ग	२२	१६	४२	२८	३२	१५	२६	८	मि८।३९	भ. ५३।० उ.
११	गु	२३	४३	आ	४१	४४	प्री	५२	२२	वि	२३	४३	४६	२७	३३	१६	२७	९	मिथुने	भ. २३।४३ या. जया ११ व्र.
१२	शु	२४	१७	पु	४५	२१	आ	५१	३३	बा	२४	१७	५०	२६	३४	१७	२८	१०	क.२९।२९	धनिष्ठा. शुक्रः १५।३ प्रदोषः
१३	श	२७	१९	पु	४९	५३	सौ	५१	३४	तै	२७	१९	५४	२५	३५	१८	२९	११	कर्के	शते रविः ५७।३२ श्रवणे बुधः ४३।१५
१४	र	३०	१	श्ले	५५	१९	शो	५१	५९	व	३०	१	५८	२४	३६	१९	३०	१२	सिं५५।१९	भ. ३०।१ उ. शते रविः सौरः १।१६
१५	चं	३५	४८	म	६०	०	आ	५३	२६	वि	२	५५	२६	२४	३६	२०	१	१३	सिंहे	भ. ५५/३ या. खग्रासचन्द्रग्रहणम् रा फाल्गुना

४४पं. मा.शु. २बु.इ. १९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	१	९	८	१०	९
२५	१७	२	३	१२	१६	१२	२५
५५	४७	४०	३	११	४	२	४९
१६	३८	१९	४२	२०	४८	०	३१
६०	३३	१०/५०	३	७४	६	३	६०
४७	५२	मा	४१	२३	१८	११	५५

गोचरग्रहाः

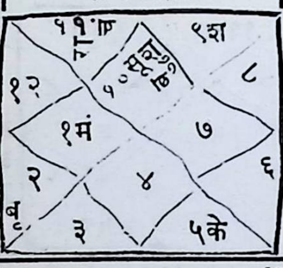

माघ शु.७ रवौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न.३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

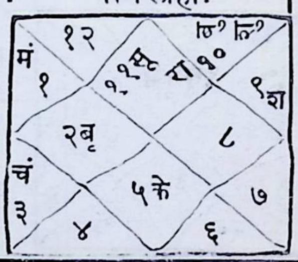

४५पं.मा.शु. १०बृ.इ. १९।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१	९	८	१०	१०
३	२१	६	३	२०	१६	११	२
०	५६	५१	३४	५६	४५	३९	५५
४	६	५८	५२	४९	१८	४४	३४
६०	३४	४४	४	७४	५	३	६०
३७	३८	६	५२	२६	५१	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४५ शाकः १९१०												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	४१	२३	म	१	४९	सु	५४	५७	बा	८	३५	२६	६/२३	५/३७	२१	२	१४	सिंहे	शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १०।४८ शु.अ.पू
२	बु	४७	३४	पू	८	४१	धृ	५७	१९	तै	१४	२८	१०	२२	३८	२२	३	१५	कं.२५।३३	कुंभे शुक्रः ३४।९
३	गु	५३	५०	उ	१६	७	शू	५९	२९	व	२०	४५	१४	२१	३९	२३	४	१६	कन्यायां	भ. २०/४५ उ. ५३/५० या. कृत्ति. भौमः १७।५
४	शु	६०	०	ह	२३	४४	गं	६०	०	ब	२७	४	१८	२०	४०	२४	५	१७	तु.५७।३१	चतुर्थी व्र.
४	श	०	१८	चि	३१	१९	गं	१	५९	बा	०	१८	२२	२०	४०	२५	६	१८	तुलायां	
५	र	६	२६	स्वा	३८	३	वृ	३	५९	तै	६	२६	२६	१९	४१	२६	७	१९	तुलायां	
६	चं	११	३२	वि	४४	१	ध्रु	५	८	व	११	३२	३०	१८	४२	२७	८	२०	वृ.२७।३२	भ. ११/३२ उ. ४३/४१ या. शते शुक्रः ५४।१०
७	मं	१५	४९	अ	४८	१४	व्या	५	२५	ब	१५	४९	३४	१७	४३	२८	९	२१	वृश्चिके	वृषे भौमः ५०।४५
८	बु	१८	१७	ज्ये	५१	१०	ह	५	३९	कौ	१८	१७	३८	१६	४४	१	१०	२२	ध.५१।१०	धनि. बुधः ५१।४० मार्च मा.३ ता. ३१
९	गु	१८	५९	मू	५१	५५	व	३/४	५६/५८	ग	१८	५९	४२	१६	४४	२	११	२३	धनुषि	भ. ४८।१८ उ.
१०	शु	१७	३७	पू	५०	४९	व्य	५०	३४	वि	१७	३७	४६	१५	४५	३	१२	२४	धनुषि	भ. १७।३७ या.
११	श	१४	६	उ	४७	३२	व	४५	२०	बा	१४	६	५०	१४	४६	४	१३	२५	म.४।५९	पूभा. रविः १३/३७ (सौरः १६/३) विजया ११ व्र.
१२	र	८	४१	श्र	४२	३०	प	३६	४५	तै	८	४१	५४	१३	४७	५	१४	२६	मकरे	प्रदोषः
१३	चं	१	३८	ध	३६	११	शि	२७	२	व	१	३८	५८	१२	४८	६	१५	२७	कु.९।२२	भ. १।३८ उ. २७।२५ या. कुम्भे बुध. ३७/५१*
१४	चं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*महाशिवरात्रि व्र.
३०	मं	४३	५९	श	२८	५८	सि	१६	४०	च	१८	३५	२९/२	१२	४८	७	१६	२८	कुम्भे	

४६पं. फा.कृ. २बु.इ. १९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१	९	८	१०	१०
१०	२६	१३	४	२९	१७	११	१०
३	६	५२	१६	४२	२३	१७	०
३२	१४	२	१	०	१३	२९	७
६०	३५	६४	६	७४	५	३	६०
२५	१६	३७	४	२६	२६	११	३१

गोचरग्रहाः

फा. शु. ८ भौमे मीनेऽर्कः प्र.त्रा.३ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

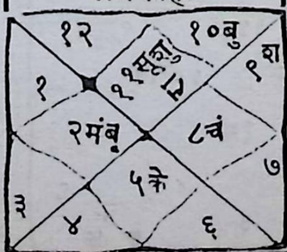

४७पं.फा.कृ. ८बृ.इ. १९।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	१	१०	८	१०	१०
१७	०	२२	५	८	१७	१०	१७
५	१७	३७	३	२६	५७	५५	२
५६	२४	३७	०	२८	४०	१३	५८
६०	३५	८०	६	७४	४	३	६०
१२	४६	८	५६	२९	५६	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन	शुक्लपक्षः	सं. २०४५	शाकः १९१०									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	सु.	चन्द्रः
१	बु	३४	१९	पू	२१	२०	सा	४४	४९/१५	किं	९	९	२६	६/११	५/४९	८	१७	२९	मी८।१५
२	गु	२४	५७	उ	१३	५१	शु	४४	३६	कौ	२४	५७	१०	१०	५०	९	१८	३०	मीने
३	शु	१६	५	रे	६	५४	ब्र	३४	३८	ग	१६	५	१४	९	५१	१०	१९	१	मे.६।५४
४	श	८	२४	अ	१/६	५५/५५	ऐं	२६	१४	वि	८	२४	१९	८	५२	११	२०	२	मेषे
५	र	२	६	कृ	५३	५०	वै	१९	७	बा	२	६	२३	७	५३	१२	२१	३	बृ.१०।५६
६	र	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	चं	५४	३२	रो	५२	५९	वि	१३	११	ग	२५	५४	२७	७	५३	१३	२२	४	वृषे
८	मं	५३	१९	मृ	५३	३६	प्री	८	४१	वि	२३	५५	३२	६	५४	१४	२३	५	मि२३।१७
९	बु	५३	५७	आ	५६	३	आ	५	३७	बा	२३	३८	३६	५	५५	१५	२४	६	मिथुने
१०	गु	५५	५८	पु	५९	४१	सौ	३	५८	तै	२४	५७	४०	४	५६	१६	२५	७	क.४३।४७
११	शु	५९	२४	पु	६०	०	शो	३	१८	व	२७	४१	४४	३	५७	१७	२६	८	कर्के
१२	श	६०	०	पु	४	५३	अ	३	४९	ब	३१	३८	४९	२	५८	१८	२७	९	कर्के
१२	र	३	५२	श्ले	१०	४९	सु	४	४३	बा	३	५२	५३	१	५९	१९	२८	१०	सिं१०।४९
१३	चं	९	११	म	१६	४१	धृ	६	२०	तै	९	११	५७	१	५९	२०	२९	११	सिंहे
१४	मं	१५	२	पू	२४	३७	शू	८	७	व	१५	२	३०/१	६/००	६/००	२१	३०	१२	कं.४१।२९
१५	बु	२१	२०	उ	३२	७	गं	१०	३६	ब	२१	३०	६	५/५९	१	२२	१	१३	कन्यायां

त्रसंततू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५८१६स.१९८९

फुलरिया २ चन्द्रदर्शनम् ×होलाष्टकः
भ. ४२/१४ उ. पूभा. शुक्रः ३७/१४ शते बुधः ५८/५५*
भ. ८।२४ या. *सावान ८
+३६/५९) रोहि. भौमः १६/४० आमलकी ११ व्र. स्मा.
भ. ५४।३२ उ. कृत्तिका. ४ गुरुः १०।१४
भ. २३/५५ या. मीनेऽर्कः १४/३४ (सौरः १६/२३)×
÷मघा ३ केतुः ४२/१६ आमलकी ११ व्र. वै.
भ. २७/४१ उ. ५९/२४ या. उभा. रविः ३१/३८ (सौरः+
मीने शुक्रः ३९।६ शतभिषा. १ राहुः÷
प्रदोषः पूभायां बुधः १५।४६
=बुधास्तः पू. ३५/३३ होलिकादहनं भद्रोत्तरं
भ. १५।२ उ. ४८/११ या. उभा. शुक्रः २०।०=
रा. चैत्रारम्भः छारेंडी

४८पं.फा.शु.१बु.इ.२०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	१	१०	८	१०	१०
२४	४	२	५	१७	१८	१०	२४
६	३४	३६	५८	९	२८	३२	४
२९	१२	५४	८	५०	४४	५७	२१
५९	३५	९१	८	७४	४	३	६०
५८	५५	५६	७	३२	३४	११	५

४९पं.फा.शु.९बु.इ.२०।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१	१०	८	१०	११
१	८	१३	६	२५	१८	१०	१
५	४९	३५	५९	५३	५५	१०	४
४२	५२	५३	३१	२४	४४	४२	२
५९	३६	०	८	७४	३	३	५९
४१	१५	४६	५९	३२	३	११	४९

५०पं.फा.शु.१५बु.इ.२९।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	१	११	८	१०	११
८	१३	२५	८	४	१९	९	८
३	६	४२	७	३५	१९	४८	१
१८	२२	२२	३०	४२	५	२६	५८
५९	३६	०	९	७४	३	३	५९
२९	३७	८	४५	३२	१९	११	३५

ति.	चैत्र	कृष्णपक्षः	सं. २०४५	शाकः १९१०									दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	सु.	चन्द्रः
१	गु	२७	२८	ह	३३	३५	वृ	१२	५०	कौ	२७	२८	३०/१०	५/५८	६/२	२३	२	१४	कन्यायां
२	शु	३३	४३	चि	४६	५७	ध्रु	१५	४	तै	०	३५	१४	५७	३	२४	३	१५	तु.१३।२६
३	श	३९	३१	स्वा	५३	४९	व्या	१७	०	व	६	३७	१८	५६	४	२५	४	१६	तुलायां
४	र	४४	२७	वि	५९	५४	ह	१८	३४	ब	११	५९	२३	५५	५	२६	५	१७	वृ.३४।२३
५	चं	४८	४६	अ	६०	०	व	१९	२०	कौ	१६	३७	२७	५५	५	२७	६	१८	वृश्चिके
६	मं	५१	५२	अ	५	४	सि	१९	१०	ग	२०	१९	३१	५४	६	२८	७	१९	वृश्चिके
७	बु	५३	१४	ज्ये	९	३	व्य	१८	३	वि	२२	३३	३५	५३	७	२९	८	२०	ध. ९।३
८	गु	५३	११	मू	११	११	व	१५	५३	बा	२३	१३	३९	५२	८	३०	९	२१	धनुषि
९	शु	५१	१४	पू	११	४७	प	११	३५	तै	२२	१३	४४	५१	९	३१	१०	२२	म.२६।३२
१०	श	४७	२२	उ	१०	४५	शि	६/२०	५२/५८	व	१९	१८	४८	५०	१०	१	११	२३	मकरे
११	र	४१	३९	श्र	७	३६	सा	५१	११	ब	१४	३१	५२	५०	१०	२	१२	२४	कु.३५।१३
१२	चं	३४	२८	ध	२/५१	५३/५९	शु	४१	४८	कौ	८	४	५६	४९	११	३	१३	२५	कुम्भे
१३	मं	२६	४	पू	४९	३६	शु	३१	३०	ग	०	१६	३१/००	४८	१२	४	१४	२६	मी३६।२५
१४	बु	१६	२१	उ	४१	४६	ब्र	२०	३५	श	१६	२१	४	४७	१३	५	१५	२७	मीने
३०	गु	६	३६	रे	३३	५६	ऐं	९/३	४९/१६	ना	६	३६	८	४६	१४	६	१६	२८	मे.३३।५६

वसंततूॅर्रविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वसन्त १
मीने बुधः ४१।६
भ. ६।३७ उ. ३९।३१ या.
उषायां बुधः ३८।२५ चतुर्थी व्र.
भ. ५१।५२ उ.
भ. २२।३३ या.
शीतलापूजनम्
रेवत्यां रविः ३।२१ (सौरः ४।२७)
भ. १९/१८ उ. ४७/२२ या. रेवत्यां शुक्रः रोहिणी १*
रेवत्यां बुधः ३२।११ पापमोचनी ११ व्र.
*गुरुः ५५।५७ अप्रेल मा. ४ ता. ३०
भ. २६।४ उ. ५१।१३ या. प्रदोषः
मन्वादिः संवत्सरारंभः प्रतिपत्क्षयत्वात्

५१पं. चै.कृ.७बु.इ.२१।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	१	११	८	१०	११
१४	१७	८	९	१३	१९	९	१४
५९	२४	४०	२०	१७	३७	२६	५८
१३	३२	३७	३८	३५	५९	११	५
५९	३७	०	१०	७४	२	३	५९
१६	३७	७	२९	३५	२२	११	१८

गोचरग्रहाः

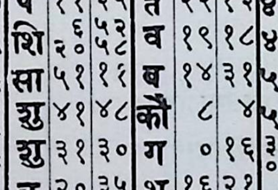

यत्र मासे पंचवारा
जायते च बृहस्पतेः।
विग्रहः पश्चिमे देशे
पीड़ायुद्धंच जायते।।
पांच शुक्रवार है सो
सुख सुभिक्ष हो।

गोचरग्रहाः

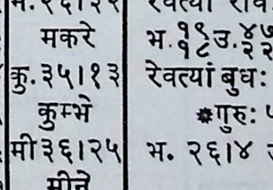

५२पं.चै.कृ.१४बु.इ.२१।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	१	११	८	१०	११
२१	२१	२२	१०	२१	१९	९	२१
५३	४२	३०	३८	५	५२	३	५२
३१	२९	४	१०	४	२६	५५	१६
५९	३७	०	११	७४	१	३	५९
४	१०	५६	७	३८	५२	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः लाभः		सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०९० तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९० भोग्यकलिः ४२६९१० अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति--वीर विक्रमादित्य राज्यात्सम्वत् २०४६ शाकः १९११ वर्षेऽस्मिन् राजा गुरुः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशोशुक्रः । मेघेशोबुधः । रसेशो भौमः । नीरसेशो रविः । फलेशो बुधः । धनेश्शनिः । दुर्गेशो शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य--मानेनप्रभवादिषष्टयब्दानांमध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १६ वृषनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ६।१६।३८।२८ भोग्यमासादिः३।१३।२१।२९ । इन्द्रदैवतंयुगम् । वर्षनामकार्तिकः । मेघनामसंवर्तः । रोहिणीनिवासःसंधौ । समयनिवासोवणिक्गृहे । समयविश्वा१० । समयवाहनंचातकः । स्तंभः१अन्नस्य । सोमवत्यमा.२ । सोमवतीपंचमी१ । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी ३ । समयमुहूर्ताः ३४५ । समयदिनानि ३५३ । तिथिक्षयः१६। तिथिवृद्धिः ९। उत्पत्तिविश्वा९९ । खपतिविश्वा१२६। वर्षाविश्वा ५। धान्यम् ५। तृणम् ११ । शीतम् ९ । तेजः११ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं ९५ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पापम् १८ । शनिदृष्टिपश्चिमे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।

सं. २०४६ शाके १९११ माघ शु. १५ शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४१	४४	४५	४६	५०
मध्य.	पल	२६	४५	८५	४५	४
रेल्वे	घं.	११	१२	१२	१	२
टाइम	मि.	१	२१	४५	९	२९

श्रावण शुक्ला १४ बुधवार को अर्द्धरात्रि पश्चात् प्रातः पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्तास्त चन्द्र ग्रहण होगा। जहां रेल्वे ६-५१ के बाद चन्द्रास्त होगा वहां दीखेगा, भारत में नहीं होगा।

वर्ष लग्नम् ८।२४

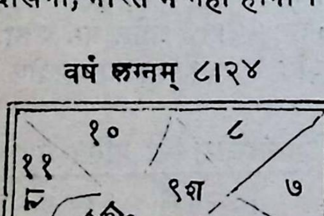

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

माथ नाय कर जोड़ के भैरव करैं पुकार ।
साल छियालीस आइया कहदो फल विस्तार ।।

भवानी उत्तर

छियालीसो छत्रपति करसी रास विलास ।
मन मांग्या मेह वर्ष सी मोक्ता होसी घास ।।
इन्द्र पुरोहित राष्ट्रपति ले मन्त्री का भार ।
अन धन सुख संपति बढ़े इसका यह है सार ।।
संवत् वासो वैश्य घर रोहिणी संधि वास ।
खंडित वर्षा भादवे पवन चालसी खास ।।
व्यापारी व्यापार में थैला भरें सम्हाल ।
बंशीधर का कथन है मध्यम रहसी साल ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ७।०

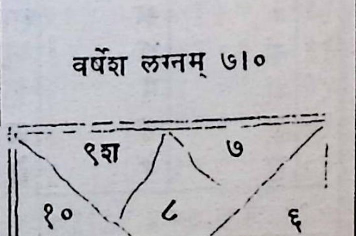

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४१।२८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । वर्षेऽस्मिन् राजा गुरुस्तत्फलम्--गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्च धेनवः । यजंति विप्राः बहवोग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मन्त्री गुरुः फलम्--विविधधान्ययुताखलुमेदिनी प्रचुरतोयघनामुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननुमंत्रि समागते ।। सस्येशो रविः फलम्--सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यंसमर्घं बहवोपिचौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहु भूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम्--भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यन्न पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पंक्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम्--अमृतरश्मिसुते यदिवारिपे बहुजलं तुग्रधान्यरसादिकं । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुताधरणीतदा ।। रसेशो भौमस्तत्फलम्--यदिधरातनयो रसपोभवेन्नरस राशियुता जनताशुभा । नरपतिर्विषमो जनतापदोनजलदोबहुवृष्टि करोभुवि। नीरसेशो रविः नीरसाधिपतौ सूर्येताम्रचंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम्--यदि बुधे फलपे फलमुत्तमम् जलधराजलराशि मुचस्तदा । बहु तृणंकुसुमैः कमलैर्युतं जनपदो जन सौख्यमुदान्वितः ।। धनेशः शनिः फलम्--द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजां कृषिजीविनोद्विजवराः परिपीडित मानसाः ।। दुर्गेशः बुधस्तत्फलम्--विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौभवति राष्ट्रजनेषुविशेषताम् । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषुद्रव्ययुतां न भयंक्वचित् ।। चित्रभानुनाम संवत्सरः फलम्--चित्रार्धवृष्टिः सस्याद्यैः विचित्रा निखिलाधरा । निराकुलाखिला लोकाश्चित्रभानोश्चवत्सरे ।। वर्षनाम कार्तिकस्तत्फलम्--पापबुद्धिरतालोका भवंतिकार्तिकेयदा । देवता नवमन्यन्ते राज्यंच तस्करैर्हृतम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम्--संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणीनिवासः संधौ फलम्--खण्डवृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक्गृहे फलम्--वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०४६ शाके १९११ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

शुक्ले १ शनौ रोहि. ल. १०-१२ रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।
,, २ रवौ मृगे ल. १०-१२ रे. ९ ऽ।।।।।।।।
,, ९ रवौ उफा. ल. १ घ. ५६।२३ उ. रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।
,, ११ भौमे हस्ते ल. १०-१२ रे. ८ ।।।।ऽअ.ऽ।। मीनेचं७पू.
, १५ शनौ अनु. ल. १०-१२ रे. ६ ।।।ऽऽचौऽऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ४ बुधे उषा.ल.१० घ.४४।५३या. रे.६ ।।।ऽ।ऽऽ।ऽल.१२

आषाढ़ मासः

कृष्णे ८ चन्द्रे उभा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ७ ।।।।ऽअ।ऽ।ऽ
भौम शुक्र ८ दोषः दग्धा. आवश्यके
,, ८ चन्द्रे रेव. ल. १-२ रे. ६ ऽ।।।ऽअऽऽ।।
,, ९ भौमे रेव. ल. अन्यगो. सोग्रांग्र: रे.७ ऽ।।।।ऽऽ।।
मं. शु. ८ दोषः
शुक्ले ५ शनौ उफा. ल. १-२ रे. ९ ।।।।ऽनृ।।।
,, ९ बुधे स्वा. ल. गो. सोग्रांगः १ रे. ८ ।।।।ऽरो.ऽ।।
मं. शु. दोषः मेषे चन्द्र ७ पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे ७ रवौ मघा. ल. ६ घ. ४९।९ उ. रे. ८ ।।।ऽ।।ऽ।।
,, ८ चन्द्रे मघा. ल.अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽऽनृ।ऽ।।
,, ११ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. ५ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ले ४ शनौ उषा. ल. ६ रे. ९ ।।ऽशु।।।।।। शुक्र युतिः
,, ९ गुरौ उभा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।।।।
,, १५ भौमे मृगे ल. ६-७ रे. ७ ।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।। तुला लग्न घ. ५१।१६ उपरांत

माघ मासः

शुक्ले ४ भौमे उभा. ल. ६ (चं. ७ पूज्यः) रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
,, ५ बुधे रेवत्यां ल. अन्यगो. ६ रे. ८ ऽ।।।ऽरो.।।।।
कन्या लग्ने चं. ७ पूज्यः
,, ९ रवौ रोहि. ल. गो. ६ रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णे ४ भौमे हस्ते ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ
,, ७ शनौ अनु. ल. ६-७ घ. ३५।१७ उ. रे.८ऽ।।।।।ऽ।।
,, ८ रवौ अनु. ल. अन्यगो. ६ रे ८ ऽ।।।।।ऽ।।
,, १० भौमे मूले ल.अन्यगो.६-७ रे.८।।।।।(रोग३२उ.)ऽऽ।।
शुक्ले २ भौमे उभा. ल. ६ (चं. ७ पूज्यः) रे. ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।
,, ७ शनौ रोहि. ल. अन्यगो. रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११											दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८४६स.१९८९
१	गु	५०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४७	१५	अ	२६	२९	वि	४८	५५	बा	२०	५८	३१/१२	५/४६	६/१४	७	१७	२९	मेषे	मृगे भौमः ५९।३ सिंधारा चन्द्रदर्शनम्
३	श	३९	१६	भ	२०	१४	प्री	३९	५२	तै	१३	१५	१६	४५	१५	८	१८	१	वृ.३३।५८	अश्वि. मेषे बुधः ५९।३७ मत्स्य जयंती*
४	र	३२	४७	कृ	१५	८	आ	३१	५९	व	६	१	२०	४४	१६	९	१९	२	वृषे	भ.६।१ उ. ३३/४७ या. पूषा.३ शनिः २४।५०
५	चं	२८	१४	रो	१२	१६	सौ	२६	७	ब	०	३१	२४	४३	१७	१०	२०	३	मि४१।४०	
६	मं	२५	३८	मृ	११	५	शो	२१	३६	तै	२५	३८	२८	४२	१८	११	२१	४	मिथुने	अश्वि. मेषे शुक्रः ५०।४४
७	बु	२५	४	आ	१२	१०	अ	१८	४९	व	२५	४	३२	४२	१८	१२	२२	५	क.५९।२६	भ. २५।४ उ. ५५।४९ या.
८	गु	२६	३३	पु	१५	११	सु	१७	२३	ब	२६	३३	३६	४१	१९	१३	२३	६	कर्के	अश्वि. मेषेऽर्कः ३७।२३ (सौरः ३९।१)
९	शु	२९	४९	पु	१९	५३	धृ	१७	४६	कौ	२९	४९	४०	४०	२०	१४	२४	७	कर्के	रामनवमी *गणगौरी रमजान ९
१०	श	३४	२५	श्ले	२५	४८	शू	१८	२५	तै	२	७	४३	३९	२१	१५	२५	८	सिं२५।४८	भरण्यां बुधः १४।५१
११	र	३९	५६	म	३२	४२	गं	२०	३१	व	७	१०	४७	३९	२१	१६	२६	९	सिंहे	भ.७।१०उ. ३९।५६या. बुधोदयः पश्चि.×
१२	चं	४६	२	पू	४०	५	वृ	२२	४९	ब	१२	५९	५१	३८	२२	१७	२७	१०	कं.५७।०	×२८।२२ कामदा ११ व्रतम्
१३	मं	५२	३५	उ	४७	४४	ध्रु	२५	७	कौ	१९	१८	५५	३७	२३	१८	२८	११	कन्यायां	मिथुने भौमः ५२।१६ रोहि. २ गुरुः ५४/९+
१४	बु	५८	४१	ह	५५	२	व्या	२७	३२	ग	२५	३८	५८	३६	२४	१९	२९	१२	कन्यायां	भ. ५८।४१ उ. +प्रदोषः
१५	गु	६०	०	चि	६०	०	हं	२९	३७	वि	३१	३५	३२/२	३६	२४	२०	३०	१३	तु.२८।३९	भ. ३१।३५ या. हनुमज्जयन्ती
१५	शु	४	२९	चि	२	१६	व	३१	३१	ब	४	२९	६	३५	२५	२१	१	१४	तुलायां	रा. वैशाखारंभः

१पं. चैं.शु.८ बृ.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	०	८	१०	११
०	२६	१०	१२	२	२०	८	२९
०	५०	३	१५	१२	५	३७	५८
०	४६	२५	४	४०	२३	४७	२७
५८	३७	[illegible]	११	७४	१	३	५८
४४	१६	[illegible]	५१	३८	५	११	४५

गोचरग्रहाः

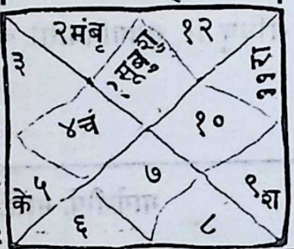

चैत्र शु. ८ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रा. पू. ।

गोचरग्रहाः

२पं.चै.शु.१५बृ.इ.३७।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	०	८	१०	०
६	१	२३	१३	१०	२०	८	६
५०	६	२७	४१	५२	९	१५	४८
४२	०	३६	१०	१	२९	३१	३८
५८	३७	[illegible]	१२	७४	०	३	५८
३१	३४	[illegible]	१६	३२	२०	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११											दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	९	४७	स्वा	८	४८	सिं	३२	३६	कौ	९	४७	३२/१०	५/३४	६/२६	२२	२	१५	वृ.५८।४	कृत्तिका. बुधः २५।४० भरण्यां शुक्रः ३६/४९
२	र	१४	३१	वि	१४	२९	व्य	३३	१२	ग	१४	३१	१४	३३	२७	२३	३	१६	वृश्चिके	भ. ४६।८ उ. *शनिः ७।४१ च. ब्र.
३	चं	१७	४६	अ	१९	१७	व	३३	१२	वि	१७	४६	१७	३३	२७	२४	४	१७	वृश्चिके	भ. १७।४६ या. वृषे बुधः ३७।३० वक्री*
४	मं	२०	१४	ज्ये	२३	२७	प	३२	१४	बा	२०	१४	२१	३२	२८	२५	५	१८	ध.२३।२७	
५	बु	२२	२१	मू	२६	१२	शि	३०	२०	तै	२२	२१	२५	३१	२९	२६	६	१९	धनुषि	
६	गु	२१	५५	पू	२७	४३	सि	२७	२७	व	२१	५५	२९	३०	३०	२७	७	२०	म.४२।४७	भ. २१।५५ उ. ५१।१९ या. भरण्यां×
७	शु	२०	४३	उ	२८	२	सा	२३	२८	ब	२०	४३	३२	३०	३०	२८	८	२१	मकरे	×रविः १७।४२ (सौरः २०।१९)
८	श	१८	१४	श्र	२५	४५	शु	१८	१९	कौ	१८	१४	३६	२९	३१	२९	९	२२	कुं.५५।२६	आर्द्रा. भौमः ३५।२
९	र	१४	३	ध	२४	८	शु	११	५६	ग	१४	३	४०	२८	३२	३०	१०	२३	कुम्भे	भ. ४१।२४ उ. शुक्रोदयः+ शु.उ.प.
१०	चं	८	४५	श	२०	२	ब्र	४/२६	५१/२५	वि	८	४५	४३	२७	३३	१	११	२४	कुम्भे	भ. ८।४५ या. मई मा. ५ ता. ३१
११	मं	१	४६	पू	१४	४३	वै	४६	२५	बा	१	४६	४७	२७	३३	२	१२	२५	मी १।२	वरूथिनी ११ व्र. +पश्चिमायां १५।३६
१२	मं	५२	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	बु	४४	५८	उ	८	२८	वि	३६	२५	ग	१९	२६	५१	२६	३४	३	१३	२६	मीने	भ.४४।५८उ. रोहि.बुधः १४।५८ कृत्ति.=
१४	गु	३६	४६	रे	१/२७	५२/४७	प्री	२६	७	वि	१०	२२	५४	२५	३५	४	१४	२७	मे.१।२७	भ. १०।२२ या. रोहि. ३ गुरुः २८।६
३०	शु	२६	४०	भ	४७	२६	आ	१५	५५	च	१	१३	५७	२५	३५	५	१५	२८	मेषे	=शुक्रः २६।१३ प्रदोषः

३पं. वै.कृ.६ बृ.इ.३७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१	०	८	१०	०
१३	५	३	१५	१९	२०	७	१३
३९	२४	५४	९	३१	८	५३	३७
४३	२०	४७	५०	१९	२०	१६	३
५८	३७	७८	१२	७४	[illegible]	३	५८
१९	४५	४	३१	३२	ब	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मासमें धान्य तृण रुई चांदी चावल जौ गेहूं मंदा होकर सुदी में तेज हो रस तेज कहीं वर्षा हो ।

गोचरग्रहाः

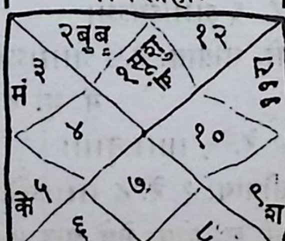

४पं.वै.कृ.३०बृ.इ.३८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१	०	८	१०	०
२०	९	१०	१६	२८	२०	७	२०
२७	४६	५१	४२	९	२	३१	२३
२२	१९	५३	११	२२	३८	०	४५
५८	३७	३७	१३	७४	१/२	३	५७
६	५८	२५	१	३२	ब	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख	शुक्लपक्षः	सं. २०४६	शाकः	१९११								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	१७	५८	कृ	४१	२३	सौ	६/१४	५५/१६	ब	१७	५८	३३/१	५/२४	६/३६	६	१६	२९	वृ.०।५५
२	र	१०	२५	रो	३६	४५	अ	५०	५	कौ	१०	२५	४	२२	३७	७	१७	१	वृषे
३	चं	४	३१	मृ	३३	४६	सु	४३	४६	ग	४	३१	७	२३	३७	८	१८	२	मि५।१६
४	मं	०	२६	आ	३३	२	धृ	३९	२९	वि	०	२६	१०	२२	३८	९	१९	३	मिथुने
५	मं	५८	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	बु	५८	३९	पु	३४	२२	शू	३६	५७	कौ	२८	२२	१३	२१	३९	१०	२०	४	क.१९।२
७	गु	६०	०	पु	३७	३४	गं	३६	१०	ग	२९	१९	१६	२१	३९	११	२१	५	कर्के
७	शु	०	५८	श्ले	४२	२२	वृ	३६	१४	व	०	५८	१९	२०	४०	१२	२२	६	सिं४२।३२
८	श	५	१	म	४८	५४	ध्रु	३७	३७	ब	५	१	२२	२०	४०	१३	२३	७	सिंहे
९	र	१०	२०	पू	५६	२३	व्या	३९	४४	कौ	१०	२०	२५	१९	४१	१४	२४	८	सिंहे
१०	चं	१६	२०	उ	६०	०	ह	४२	१०	ग	१६	२०	२८	१८	४२	१५	२५	९	कं.१३।१६
११	मं	२२	४९	उ	३	५६	व	४४	५२	वि	२२	४९	३०	१८	४२	१६	२६	१०	कन्यायां
१२	बु	२८	५०	ह	११	३७	सि	४७	१	बा	२८	५०	३३	१७	४३	१७	२७	११	तु.४५।१०
१३	गु	३४	३३	चि	१८	४२	व्य	४८	४७	कौ	१	४१	३६	१७	४३	१८	२८	१२	तुलायां
१४	शु	३९	२१	स्वा	२५	८	व	४९	४६	ग	६	५७	३९	१६	४४	१९	२९	१३	तुलायां
१५	श	४३	११	वि	३०	१९	प	४९	५७	वि	११	१६	४१	१६	४४	२०	३०	१४	वृ.४१।१

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८७५स.१९८९

वृषे शुक्रः ७।१४ वक्री पूषा. २ शनिः ४३/१० *
परशुराम जयंती सव्वाल १०
भ.३२।२८उ. अक्षय ३ . *चंद्रदर्शनम्
भ. ०।२६ या.

कृत्ति. रविः ३७/३ (सौरः १६/९) वक्री बुधः १२/६३
भ. ०।५८ उ. ३२।५९ या.

वृषेऽर्कः ३०।५२ (सौरः ३६/४) रोहि. शुक्रः×
भ. ४९।३४ उ.
भ. २२।४९ या. मोहिनी ११ व्र.
×४१/३० बुधास्तः पश्चिमायाम् ३४।५५
प्रदोषः
भ. ३२/९१ उ. रोहि.४गुरुः १९।१८ नृसिंह१४
भ. ११/१६ या. धनि.४ राहुः मघा. २ केतुः ४२/०३

५पं. वै.शु. ७बृ.इ.३८।२२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१	१	८	१०	०
२७	१४	१३	१८	६	१९	७	२७
१३	५	१०	१४	४७	५२	८	८
३४	३१	१	५३	२०	१९	४५	५९
५७	३८	३/४	१३	७४	१/४६	३	५७
५४	२	ब	२०	२६	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

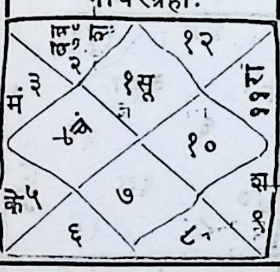

वैशाख शु. ९ रवौ वषेऽर्कः प्र. वा.४ नं. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे स-मता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

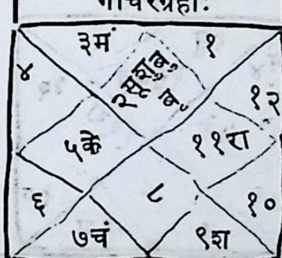

६पं.वै.शु.१३बृ.इ.३८।२१							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	१	८	१०	१
३	१८	११	१९	१५	१९	६	१३
५८	२५	३६	५०	२३	३७	४६	५२
२६	५५	३६	१०	४२	२३	२९	३९
५७	३८	३८/१०	१३	७४	२/२५	३	५७
४४	१६	ब	२६	२६	ब	११	३४

ति.	ज्येष्ठ	कृष्णपक्षः	सं. २०४६	शाकः	१९११								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	४५	३८	अ	३०	४४	शि	४९	२३	बा	१४	२४	३३/४३	५/१५	६/४५	२१	३१	१५	वृश्चिके
२	चं	४७	१३	ज्ये	३७	५३	सि	४७	५६	तै	१६	२५	४६	१५	४५	२२	१	१६	ध.३७।५३
३	मं	४७	२९	मू	४०	३	सा	४५	३२	व	१७	२१	४८	१४	४६	२३	२	१७	धनुषि
४	बु	४६	५३	पू	४१	२३	शु	४२	३२	ब	१७	११	५०	१४	४६	२४	३	१८	म.५६।२६
५	गु	४५	२१	उ	४१	३६	शु	४०	७	कौ	१६	७	५२	१४	४६	२५	४	१९	मकरे
६	शु	४२	५४	श्र	४०	५८	ब्र	३४	१	ग	१४	७	५४	१३	४७	२६	५	२०	मकरे
७	श	३९	२८	ध	३९	१८	ऐं	२८	३९	वि	११	११	५६	१३	४७	२७	६	२१	कु.१०।८
८	र	३५	१३	श	३६	५०	वै	२२	४०	बा	७	२०	५८	१२	४८	२८	७	२२	कुम्भे
९	चं	३०	०	पू	३३	२५	वि	१५	४३	तै	२	३६	३४/००	१२	४८	२९	८	२३	मी१९।१६
१०	मं	२४	०	उ	२९	२३	प्री	८/७	५१/४५	वि	२४	०	२	१२	४८	३०	९	२४	मीने
११	बु	१६	५९	रे	२४	७	सौ	५१	११	बा	१६	५९	४	११	४९	३१	१०	२५	मे.२४।७
१२	गु	८	४९	अ	१८	२९	शो	४२	९	तै	८	४९	६	११	४९	१	११	२६	मेषे
१३	शु	१	४०	भ	१२	५१	अ	३३	१९	व	१	४०	७	११	४९	२	१२	२७	बृ.२६।३०
१४	शु	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	शं	४७	४	कृ	७	२७	सु	२४	४५	च	२०	२९	९	१०	५०	३	१३	२८	बृषे

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पुन. भौमः ५।५२
वक्री कृत्तिका. बुधः ३।५० रा. ज्येष्ठारंभः
भ. १७।२१ उ. ४७।२९ या.
रोहि. रविः ५४।२७ चतुर्थी व्र.
रोहि.रविः सौरः २।१३ मृगे शुक्रः ६।४२●
भ. ४२।५४ उ.
भ. ११।११ या.
●पातस्पर्शः ४१।३१ मोक्षः ५६।११
भ. ५७।० उ. अस्तं गुरोः ५६।२४
भ. २४।० या. मिथुने शुक्रः ३४।३२
अपरा ११ व्र.
जून मा. ६ ता. ३० प्रदोषः
भ. १।४० उ. २७।४८ या. मृगे १ गुरुः×
×५२।५१ बुधोदयः पूर्वस्याम् ३।४६
वटसावित्री व्र.

७पं. ज्ये.कृ.५बृ.इ.३८।३७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	१	८	१०	१
१०	२२	७	२१	२३	१९	६	१०
४२	४६	५८	२६	२९	१८	२४	३४
२५	२३	५२	६	३५	४०	१३	५०
५७	३८	४३/४६	१३	७४	३/४	३	५७
३५	१७	ब	३२	२५	ब	११	२३

गोचरग्रहाः

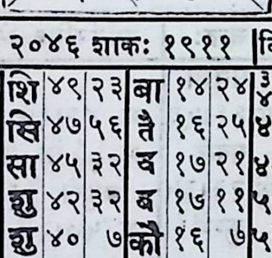

इस मासमें प्रजामें पीड़ा हैजे का प्रकोप हो चांदीसोना रुई सूत, सिरस्युं मूंगफली गुड़ गेहूं में मंदी होके तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

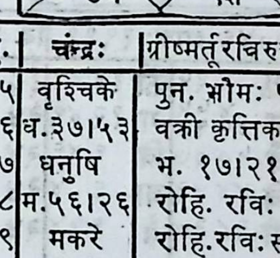

८पं. ज्ये.कृ.१२ बृ.इ.३८/४२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	२	८	१०	१
१७	२७	५	२३	२	१८	६	१७
२५	६	०	३	३३	५६	१	१५
८	२५	४०	७	५०	३८	५८	५६
५७	३८	३६/३७	१३	७४	४३/३	३	५७
२७	१५	ब	३८	२०	ब	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५९०४ स.१९८९
१	र	४०	४४	रो	२/४४	५६/१८	धृ	१७	१	किं	१३	५४	३४/१०	५/१०	६/५०	४	१४	२९	मि३०।५२	आर्द्रा. शुक्रः ५७।२४
२	चं	३६	८	आ	५७	५	शू	१०	२०	बा	८	२६	१२	१०	५०	५	१५	३०	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	३२	१७	पु	५७	२	गं	४	५५	तै	४	४२	१३	९	५१	६	१६	१	क.४२।३	कर्के भौमः २२।४० जिल्काद ११
४	बु	३२	२५	पु	५८	५६	वृ	४५	५८/२	व	२	५१	१४	९	५१	७	१७	२	कर्के	भ.२।५१उ. ३/२ २/५या. मृगे रविः ४/२ ९/३ मार्गी*
५	गु	३३	४०	श्ले	६०	०	ध्रु	५८	१६	ब	३	२	१६	९	५१	८	१८	३	कर्के	मृगे रविः सौरः १।२ *बुधः ३१।४८
६	शु	३६	४७	श्ले	२	४१	ह	५८	४०	कौ	५	१३	१७	९	५१	९	१९	४	सिं२।४१	
७	श	४१	३२	म	८	१	व	६०	०	ग	९	९	१८	८	५२	१०	२०	५	सिंहे	भ. ४१।३२ उ.
८	र	४७	११	पू	१४	४४	व	०	२३	वि	१४	२१	१९	८	५२	११	२१	६	कं.३१।३४	भ. १४।२१ या. पुष्ये भौमः ३५।२६
९	चं	५३	३८	उ	२२	४	सि	२	२९	बा	२०	२४	२०	८	५२	१२	२२	७	कन्यायां	
१०	मं	५९	३४	ह	२९	३८	व्य	५	३२	तै	२६	३६	२१	८	५२	१३	२३	८	कन्यायां	गंगादशमी
११	बु	६०	०	चि	३७	८	व	६	५८	व	३२	२३	२१	८	५२	१४	२४	९	तु.३।२३	भ.३/२ ३/३उ.मिथुनेऽर्कः४/८ निर्जला११व्र.स्मा.
११	गु		५	१३	स्वा	४३	४५	प	९	२३	वि	५	१३	२२	८	५२	१५	२५	१०	तुलायां	भ.९/३या. मिथुनेऽर्कः सौरः४/९ पुन.शुक्रः×
१२	शु	९	५१	वि	४८	५९	शि	१०	३७	बा	९	५१	२२	८	५२	१६	२६	११	वृ.३२।४१	प्रदोषः ×३/४ ६/२ निर्जला ११ व्र. वै
१३	श	१३	२३	अ	५२	५९	सि	१०	३४	तै	१३	२३	२३	७	५३	१७	२७	१२	वृश्चिके	मृगे २ गुरुः १३।२
१४	र	१५	७	ज्ये	५५	३१	सा	७	४०	व	१५	७	२३	७	५३	१८	२८	१३	ध.५५।३१	भ. १५।७उ. ४/२ ५/१ या. रोहि. बुधः २९।११
१५	चं	१५	३४	मू	५६	५२	शु	७	४०	व	१५	३४	२३	७	५३	१९	२९	१४	धनुषि	गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

९पं.ज्ये.शु.५बृ.इ.३८।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	१	२	८	१०	१
२४	.१	४	२४	११	१८	५	२३
७	२७	४७	४०	८	३१	३९	५५
१२	०	३१	२३	५३	१२	४२	५२
५७	३८	५/१४	१३	७४	३	३	५७
२२	२२	मा	३८	८	५८	११	५

गोचरग्रहाः

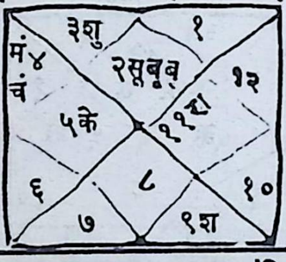

ज्ये.शु.१०बुधे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

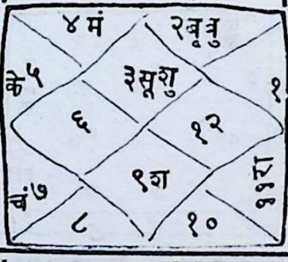

१०पं.ज्ये.शु.११ बृ.इ.३८/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	२	८	१०	२
०	५	८	२६	१९	१८	५	०
४८	४१	९	१८	४२	३	१७	३५
२५	२०	५०	४	४	४०	२७	१
५७	३८	३८	१३	७४	४/१६	३	५६
१७	३४	४४	३८	२	व	११	५६

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१४	४३	पू	५७	७	शु	४	३५	कौ	१४	४३	३४/२४	५/७	६/५३	२०	३०	१५	धनुषि	
२	बु	१२	४९	उ	५६	१३	ब्र	४/३५	५५/१४	ग	१२	४९	२४	७	५३	२१	३१	१६	म.११।५३	भ. ४१।१७ उ. आर्द्रा. रविः ४६।५३
३	गु	९	४६	श्र	५४	४०	वै	५०	३७	वि	९	४६	२४	७	५३	२२	१	१७	मकरे	भ. ४६/९ या. आर्द्रा. रविः सौरः २ ३/२ उदयं*
४	शु	६	४	ध	५२	३०	वि	४४	४३	बा	६	४	२४	७	५३	२३	२	१८	कुं.२३।३५	*गुरोः ५/४ २/८ रा. आषाढ़ारम्भः× उ. गु.
५	श	१	५४	श	५०	२	प्री	३८	३०	तै	१	५४	२४	७	५३	२४	३	१९	कुम्भे	भ. ५७।२४ उ. कर्के शुक्रः ४।३५
६	श	५५	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	र	५२	३५	पू	४६	५८	आ	३२	५	वि	२४	५९	२३	७	५३	२५	४	२०	मी३२।४४	भ. २४।५९ या. ×चतुर्थी व्र.
८	चं	४७	२२	उ	४३	४७	सौ	२५	२०	बा	१९	५८	२३	७	५३	२६	५	२१	मीने	पुष्ये शुक्रः ५१।२७
९	मं	४१	५१	रे	४०	१३	शो	१८	१६	तै	१४	३६	२३	७	५३	२७	६	२२	मे.४०।१३	
१०	बु	३६	२	अ	३६	२९	अ	११	४	व	८	५६	२२	८	५२	२८	७	२३	मेषे	भ.८।५६उ.३६।२या. मृगे बुधः ३९।५९
११	गु	३०	२	भ	३२	३७	सु	३/३४	५२/३९	ब	३	२	२२	८	५२	२९	८	२४	बृ.४६।४०	योगिनी ११ व्र.
१२	शु	२४	१०	कृ	२८	४८	शू	४९	४	तै	२४	१०	२१	८	५२	३०	९	२५	बृषे	प्रदोषः +जुलाई मा. ७ ता. ३१
१३	श	१८	३९	रो	२५	१९	गं	४२	१६	व	१८	३९	२०	८	५२	१	१०	२६	मि५३।५५	भ. ३/३ ९/६ उ. ४/५ ६ या. मृगे ३ मिथुने ५/३ १/२+
१४	र	१३	३१	मृ	२२	३१	वृ	३६	२	श	१३	३१	१९	८	५२	२	११	२७	मिथुने	मिथुने बुधः ४०।५८
३०	चं		९	५५	आ	२०	३८	ध्रु	३०	४४	ना	९	५५	१८	८	५२	३	१२	२८	मिथुने	आश्लेषा. भौमः १।२३ सोमवती३०

११पं. आ.कृ. ३बृ.इ. ३८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	२	८	१०	२
७	१०	१४	२७	२८	१७	४	७
२९	८	३०	५४	१४	३४	५५	१३
२४	४६	३२	३२	६	६	११	२८
५७	३८	७१	१३	७३	४/१४	३	५६
१३	३६	४४	३२	५६	व	११	५४

गोचरग्रहाः

बुधो मिथुन राशिस्थो महर्घं च चतुष्पदाम्। तदा वायु विजानीयात् मेघश्च प्रचुरोभवेत्॥ हर एक वस्तु में घटाबढ़ी होगी।

गोचरग्रहाः

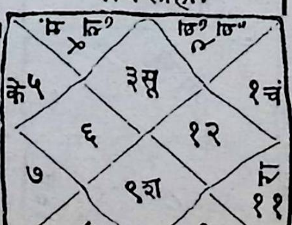

१२पं.आ.कृ.११बृ.इ.३८।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	३	८	१०	२
१४	१४	२४	२९	६	१७	४	१३
९	२९	७	३०	४५	३	३२	५१
५०	४२	१८	१४	४०	५४	५५	३३
५७	३८	९९	१३	७३	४/४०	३	५६
७	३३	३५	२६	५०	व	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	७	८	पु	२०	१८	व्या	२६	३५	ब	७	८	३४/१७	५/९	५६/९	४	१३	२९	क.५।२३
२	बु	६	२	पु	२१	३५	ह	२३	५	कौ	६	२	१५	९	५१	५	१४	१	कर्के
३	गु	६	५९	श्ले	२४	३०	व	२२	२७	ग	६	५९	१४	९	५१	६	१५	२	सिं२४।३०
४	शु	९	३७	म	२८	५१	सि	२१	५१	वि	९	३७	१३	९	५१	७	१६	३	सिंहे
५	श	१३	४४	पू	३५	५	व्य	२२	५९	बा	१३	४४	११	१०	५०	८	१७	४	कं.५१।४६
६	र	१८	५३	उ	४१	४७	व	२४	५६	तै	१८	५३	१०	१०	५०	९	१८	५	कन्यायां
७	चं	२४	५८	ह	४९	२८	प	२७	१६	व	२४	५८	८	१०	५०	१०	१९	६	कन्यायां
८	मं	३१	२	चि	५६	५०	शि	२९	३५	ब	३१	२	७	११	४९	११	२०	७	तु.२३।१९
९	बु	३६	५१	स्वा	६०	०	सि	३०	५५	बा	३	५६	५	११	४९	१२	२१	८	तुलायां
१०	गु	४१	४९	स्वा	३	५४	सा	३३	३८	तै	९	२०	४	११	४३	१३	२२	९	वृ.५३।१६
११	शु	४५	३५	वि	९	४४	शु	३४	२	व	१३	४२	२	१२	४८	१४	२३	१०	वृश्चिके
१२	श	४७	१०	अ	१४	१३	शु	३३	२४	ब	१६	२२	०	१२	४८	१५	२४	११	वृश्चिके
१३	र	४७	१७	ज्ये	१६	५८	ब्र	३१	२६	कौ	१७	१३	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१२	ध.१६।५८
१४	चं	४५	३७	मू	१८	२	ऐं	२८	४	ग	१६	२७	५६	१३	४७	१७	२६	१३	धनुषि
१५	मं	४२	३२	पू	१७	२५	वै	२३	२५	वि	१४	४	५४	१३	४७	१८	२७	१४	म.३१।५६

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९३४स.१९८९

चन्द्रदर्शनम् *रथयात्रा जिल्हेज १२
पुन. रविः ४५/५० वक्री पूषा. १ शनिः ३/८८*
भ.३/१८ उ.पुन. रविःसौरः २७/३ आर्द्रा.बुधः १५/५८
भ.३९/७ या.आश्ले.शुक्रः ४७/४ बुधास्तः पूर्वे.

भ. २४।५८ उ. ५८।० या.

पुन. बुधः ४५।४९

भ. १३।४२उ. ४५/३५ या. देवशयनी ११ व्र.
×व्यासपूजा +प्रदोषः
कर्केऽर्कः १५/२३ (सौरः ४०/७) मृगे४ गुरुः ५२/१२+
भ. ४५।३७ उ. कर्के बुधः १६।४२
भ. १४/४ या. पुष्ये बुधः ५२/५१ वायु परीक्षा×

१३पं.आ.शु.३बृ.इ.३८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	२	३	८	१०	२
२०	१८	७	१	१५	१६	४	२०
५०	५१	२५	४	१५	३२	१०	२९
१०	४	५	४४	४३	५६	४०	२७
५७	३८	[illegible]	१३	७३	४/४०	३	५६
७	३७	[illegible]	२८	४४	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

आ. शु १३ रवौ कर्केऽर्कः प्र. वा. ५न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

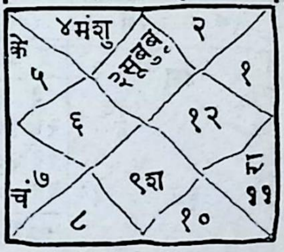

१४पं.आ.शु.१०बृ.इ.३८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	२	३	८	१०	२
२७	२३	२१	२	२३	१६	३	२७
३०	१४	५०	३७	४४	२	४८	७
३२	१६	१३	३४	४९	३८	२४	३४
५७	३८	[illegible]	१३	७३	३४/२	३	५६
११	४०	[illegible]	८	२७	ब	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	३८	२	उ	१५	३१	वि	१७	५१	बा	१०	१७	३३/५२	५/१४	६/४६	१९	२८	१५	मकरे
२	गु	३२	५५	श्र	१२	३८	प्री	११	१४	तै	५	२९	५०	१४	४६	२०	२९	१६	कुं.४०।४९
३	शु	२६	५३	ध	९	१	आ	४/४	५३/३६	वि	२६	५३	४७	१५	४५	२१	३०	१७	कुम्भे
४	श	२०	५०	श	४	५२	शो	४०	५	बा	२०	५०	४५	१५	४५	२२	३१	१८	मी४६।५३
५	र	१४	५०	पू	५३/३	५६/७	अ	४१	४१	तै	१४	५०	४२	१६	४४	२३	१	१९	मीने
६	चं	९	४	रे	५३	२०	सु	३४	२२	व	९	४	४०	१६	४४	२४	२	२०	मे.५३।२०
७	मं	३	३०	अ	५०	२	धृ	२७	१९	ब	३	३०	३७	१७	४३	२५	३	२१	मेषे
८	मं	५३	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	बु	५३	२६	भ	४७	४	शू	२०	२४	तै	२५	२३	३५	१७	४३	२६	४	२२	मेषे
१०	गु	४८	५२	कृ	४४	२६	गं	१४	१	व	२१	९	३२	१८	४२	२७	५	२३	वृ.१।२५
११	शु	४४	५८	रो	४२	२२	वृ	८	१	ब	१६	५५	२९	१८	४२	२८	६	२४	वृषे
१२	श	४१	४०	मृ	४०	५७	ध्रु	२२/५	५५/१	कौ	१३	१९	२६	१९	४१	२९	७	२५	मि११।४०
१३	र	३९	१२	आ	४०	२१	ह	५२	५८	ग	१०	२६	२३	१९	४१	३०	८	२६	मिथुने
१४	चं	३७	४९	पु	४०	३९	व	४९	३४	वि	८	३०	२१	२०	४०	३१	९	२७	क.२५।३४
३०	मं	३७	३७	पु	४२	१३	सि	४६	४९	च	७	४३	१८	२०	४०	१	१०	२८	कर्के

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

पुष्ये रविः ४४/३० मघा सिंहे शुक्रः ५०।१४
भ..५९।५४उ पुष्ये रविः सौरः १०।४८
भ. २६।५३ या. चतुर्थी व्र.
धनि. ३ राहुः मघा. १ केतुः ३३।५९
रा. श्रावणारम्भः नाग ५ मरुस्थले
भ.९।४उ. ३६/१७ या. मघा. सिंहे भौमः ३१/१७
आश्ले. बुधः २३।२९

*अगस्त मा. ८ ता. ३१ हरियाली ३०
भ. २१।९ उ. ४८।५२ या.
कामिका ११ व्र.
पूफा. शुक्रः ५०।४८
भ. ३९/१२उ. बुधोदयः पश्चिमायाम् २८।२×
भ. ८।३० या. ×प्रदोषः
मघा. सिंहे बुधः ३७/३६ आर्द्रा. १ गुरुः ४४/५४*

१५पं.श्रा.कृ.२बृ.इ.३८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	२	४	८	१०	३
४	२७	६	४	२	१५	३	३
११	३६	५९	८	११	३३	२६	४६
१७	३६	६	५६	५३	२२	९	१
५७	३८	[illegible]	१२	७३	१४/१	३	५७
१५	४०	[illegible]	४६	१७	ब	११	५

गोचरग्रहाः

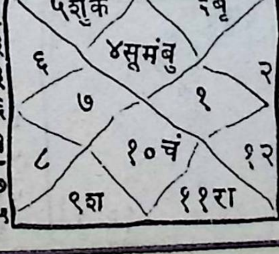

श्रा. शु.१४ बुधे सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोद. प.।

गोचरग्रहाः

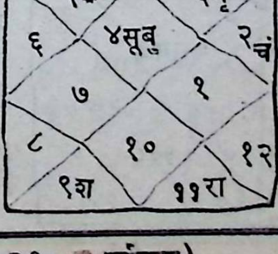

१६पं.श्रा.कृ.१०बृ.इ.३८।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	२	४	८	१०	३
१०	२	२१	५	१०	१५	३	१०
५२	०	२	३७	३८	५	३	२५
१९	५०	४९	१२	२०	५६	५३	१८
५७	३८	[illegible]	१३	७३	५३/६	३	५७
२०	४९	[illegible]	२०	२	ब	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९६३सन्१९८९
१	बु	३८	४९	श्ले	४५	९	व्य	४५	३४	किं	८	१३	३३/१५	५/२१	६/३९	२	११	२९	सिं४५।९	आश्ले. रविः ४१।३१
२	गु	४१	३४	म	४९	२८	व	४४	५८	बा	१०	११	१२	२२	३८	३	१२	३०	सिंहे	आश्ले.रवि:सौरः ११/३५ चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु	४५	२८	पू	५५	५	प	४५	४०	तै	१३	२१	९	२२	३८	४	१३	१	सिंहे	तीज़ मोहोरम १ सन् १४१० हि.
४	श	५०	३८	उ	६०	०	शि	४६	५२	व	१८	३	६	२३	३७	५	१४	२	कं.११।४२	भ. १८।३ उ. ५०।३८ या.
५	र	५६	३२	उ	१	३४	सि	४९	१	ब	२२	३५	३	२३	३७	६	१५	३	कन्यायां	नाग पंचमी
६	चं	६०	०	ह	८	५५	सा	५१	५०	कौ	२९	३६	०	२४	३६	७	१६	४	तु.४२।४३	
६	मं	२	४०	चि	१६	३१	शु	५४	१	तै	२	४०	३३/५६	२५	३५	८	१७	५	तुलायां	
७	बु	८	४६	स्वा	२४	७	शु	५६	१५	व	८	४६	५३	२५	३५	९	१८	६	तुलायां	भ.८।४६उ.४१।३०या. पूफा. बुधः १५/५६*
८	गु	१५	१३	वि	३०	४०	ब्र	५७	२२	ब	१४	१३	५०	२६	३४	१०	१९	७	वृ.१४।२	*उफायांशुक्रः ५७/४५ अस्तं भौमः ५।४१
९	शु	१८	४१	अ	३५	५४	ऐं	५७	३९	कौ	१८	४१	४७	२७	३३	११	२०	८	वृश्चिके	
१०	श	२०	५८	ज्ये	३९	३९	वै	५६	३०	ग	२०	५८	४३	२७	३३	१२	२१	९	ध.३९।३९	भ. ५१।१७ उ. कन्यायां शुक्रः ४३।२८
११	र	२१	३६	मू	४१	३१	वि	५३	५०	वि	२१	३६	४०	२८	३२	१३	२२	१०	धनुषि	भ. २१।३६ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	चं	२०	१०	पू	४१	३३	प्री	४९	३२	बा	२०	१०	३६	२९	३१	१४	२३	११	म.५६।४	पूफा. भौमः ४३।६ प्रदोषः
१३	मं	१७	५८	उ	३९	३७	आ	४३	४८	तै	१७	५८	३३	२९	३१	१५	२४	१२	मकरे	
१४	बु	११	५१	श्र	३६	९	सौ	३५	४३	व	११	५१	२९	३०	३०	१६	२५	१३	मकरे	भ. ११/५१ उ. ३३/५९ या. मघा. सिंहेऽर्कः ३५।२६
१५	गु	५	१९	ध	३१	१९	शो	२८	४१	ब	५	१९	२६	३१	२९	१७	२६	१४	कु.३।४१	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः ६ श्रावणीकर्म रक्षाबं

१७पं.श्रा.शु.२बृ.इ.३७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	२	४	८	१०	३
१७	६	३	७	१९	१४	२	१७
३४	२३	५४	२	३	३९	४१	५
१	३८	४	४२	१८	४३	३७	६
५७	३८	०/९	१२	७२	३/५	३	५१
२५	५५	४५	३	४६	ब	११	१२

१८पं.श्रा.शु.८बृ.इ.३७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	२	४	८	१०	३
२४	१०	१५	८	२७	१४	२	२३
१६	४८	३०	२५	२८	१९	१९	४६
२६	०	२२	१	१९	३७	२२	११
५७	३९	९५	११	७२	५६/३	३	५७
२३	२	३४	२४	२५	ब	११	२२

१९पं.श्रा.शु.१५बृ.इ.३७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	२	५	८	१०	४
०	१५	२५	९	५	१४	१	०
५९	१४	४८	४३	४७	२	५७	२८
४९	२	१८	१९	४२	१२	६	२६
५७	३९	८१	१०	७२	३/१७	३	५७
४०	१२	५६	५६	२	ब	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	५०	११	ध	२५	३९	अ	१९	४६	तै	२३	५७	३२/२२	५/३२	६/२८	१८	२७	१५	कुम्भे	उफा. बुधः १५।३०
३	श	४१	१३	पू	१९	५४	सु	१०	१५	व	१५	४२	१९	३२	२८	१९	२८	१६	मी६।२०	भ. १५/४२ उ. ४१/१३ या. आर्द्रा. २ गुरुः ९।११
४	र	३४	३८	उ	१४	०	धृ	१/३५	५१/२०	ब	७	५५	१५	३३	२७	२०	२९	१७	मीने	कन्यायां बुधः ४२।१ चतुर्थी व्र.
५	चं	२७	४२	रे	८	४४	गं	४४	३१	कौ	१	१०	११	३४	२६	२१	३०	१८	मे.८।४४	हस्ते शुक्रः ११।४७ चन्द्रषष्ठी
६	मं	२०	१	अ	४	१२	वृ	३६	४४	व	२०	१	८	३४	२६	२२	३१	१९	मेषे	भ. २०।१ उ. ४८।६ या.
७	बु	१६	११	भ	२०/७	५७/१४	ध्रु	२९	४१	ब	१६	११	४	३५	२५	२३	१	२०	वृ.१४।४६	रा. भाद्रपदारंभः जन्माष्टी व्र. स्मा.
८	गु	११	५३	रो	५५	५६	व्या	२३	३८	कौ	११	५३	०	३६	२४	२४	२	२१	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	शु	८	४०	मृ	५५	१०	ह	१८	१६	ग	८	४०	३५/५६	३७	२३	२५	३	२२	मि२५।३२	भ. ३७।२९ उ. गोगा ९
१०	श	६	१९	आ	५५	२९	व	१३	५२	वि	६	१९	५४	३८	२२	२६	४	२३	मिथुने	भ. ६।१९ या.
११	र	५	१५	पु	५६	५३	सि	१०	१७	बा	५	१५	४८	३८	२२	२७	५	२४	क.४१।३२	हस्ते बुधः ४१।५९ अजा ११ व्र.
१२	चं	५	१२	पु	५९	१६	व्य	७	४१	तै	५	१२	४४	३९	२१	२८	६	२५	कर्के	वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	मं	६	१३	श्ले	६०	०	व	५	३७	व	६	१३	४०	४०	२०	२९	७	२६	कर्के	भ. ६।१३ उ. ३७।२० या.
१४	बु	८	२६	श्ले	२	५२	प	४	५०	श	८	२६	३६	४१	१९	३०	८	२७	सिं२।५२	पूफा. रविः २५।३ (सौरः ५८।४४)
३०	गु	१२	२	म	७	३२	शि	४	४६	ना	१२	२	३२	४२	१८	३१	९	२८	सिंहे	कुशाग्रहणी

२०पं.भा.कृ.८बृ.इ.३७।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	५	८	१०	४
७	१९	४	१०	१४	१३	१	७
४४	४०	३९	५७	६	४७	३४	११
१७	४१	२९	१४	४०	४९	५१	५७
५७	३९	६५	१०	७१	९/४४	३	५७
४९	१९	१४	१३	३८	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

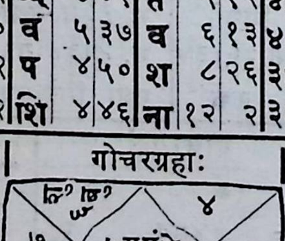

इस मास में ५ शुक्रवार और बुध शुक्र का योग सुभिक्ष कारक है। सूर्य से आगे मंगल वर्षा कहींकमकहीं अधिक करेगा।

गोचरग्रहाः

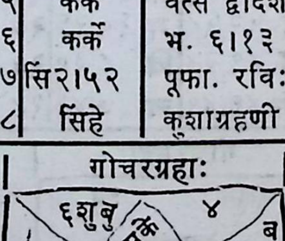

२१पं.भा.कृ.३०बृ.इ.३७।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	५	८	१०	४
१४	२४	१२	१२	२२	१३	१	१३
२९	७	५	६	२३	३८	१२	५७
५६	५२	२	४०	४६	३७	३५	९
५८	३९	४२	९	७१	५१	३	५७
१	१९	४७	३५	११	ब	११	५७

*चंमंबुशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९९३स.१९८९
१	शु	१६	१६	पू	१३	१३	स्व	५	१०	ब	१६	१६	३१/२८	५/४२	६/१८	१	१०	२९	कं.२९।५०	चित्रायां शुक्रः २४/४४ सितम्बर मा.९ता.३०
२	श	२१	३२	उ	१९	४३	सा	६	४६	कौ	२१	३२	२५	४३	१७	२	११	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम् ●११ व्र. स्मा.
३	र	२७	३४	ह	२६	५२	शु	८	३२	ग	२७	३४	२१	४४	१६	३	१२	१	कन्यायां	भ. २७।३४ उ. हरितालिका ३ सफर २
४	चं	३३	४६	चि	३४	२८	शु	९	५६	वि	०	४०	१७	४५	१५	४	१३	२	तु.०।४०	भ. ०।४० या. उफा. भौमः ४०/२७ गणेश ४
५	मं	४०	९	स्वा	४२	७	ब्र	१३	२८	ब	६	५७	१३	४५	१५	५	१४	३	तुलायां	ऋषि ५ ×व्र. वै. वामन जयन्ती
६	बु	४५	५९	वि	४९	३०	ऐं	१५	५३	कौ	१३	४	९	४६	१४	६	१५	४	बृ.३२।३९	
७	गु	५०	४९	अ	५५	३८	वै	१७	५०	ग	१८	२४	५	४७	१३	७	१६	५	वृश्चिके	भ. ५०।४९ उ. तुलायां शुक्रः ५।१८
८	शु	५४	१९	ज्ये	६०	०	वि	१८	५८	वि	२२	३४	१	४८	१२	८	१७	६	वृश्चिके	भ. २२।३४ या. आर्द्रा. ३ गुरुः ४२।५०
९	श	५६	८	ज्ये	०	४९	प्री	१८	५७	बा	२५	१३	३०/५७	४९	११	९	१८	७	ध.०।४९	कन्यायां भौमः ४४।२३
१०	र	५५	५०	मू	४	७	आ	१७	२८	तै	२५	५९	५३	४९	११	१०	१९	८	धनुषि	वक्री बुधः १२।४ मार्गी शनिः १७।११
११	चं	५३	२९	पू	५	२९	सौ	१४	३०	व	२४	३९	४८	५०	१०	११	२०	९	म.२०।१८	भ. २४।३९ उ. ५३।२९ या. जलझूलनी●
१२	मं	४९	७	उ	४	४५	शो	९	५१	ब	२१	१८	४४	५१	९	१२	२१	१०	मकरे	स्वात्यां शुक्रः ४२।५० जलझूलनी ११×
१३	बु	४२	५३	श्र	२/१०	५५/३३	अ	३/३१	५२/१५	कौ	१६	०	४०	५२	८	१३	२२	११	कु.२९।५६	उफा. रविः ९।२३ (सौरः ४३/३२) प्रदोषः
१४	गु	३५	६	श	५१	४६	धृ	४६	३९	ग	८	५९	३६	५३	७	१४	२३	१२	कुम्भे	भ. ३५।६ उ. अनन्त १४
१५	शु	२६	२३	पू	४४	५८	शू	३६	५४	वि	०	४४	३२	५४	६	१५	२४	१३	मी३१।४०	भ. ०।४४ या. महालयश्राद्धारंभः

२२पं.भा.शु.७बृ.इ.३७।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	२	६	८	१०	४
२१	२८	१६	१३	०	१३	०	२०
१६	३६	६	१०	३७	३३	५०	४३
५५	१८	४०	३०	३०	५४	१९	४९
५८	३९	१५	८	७०	१६/०	३	५८
१३	२९	२२	४१	३४	व	११	१२

गोचरग्रहाः

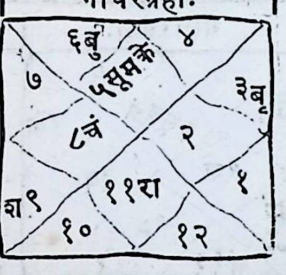

आगे मंगल पीछे भान। वर्षा होवे ओस समान ॥ धान्यादि में तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

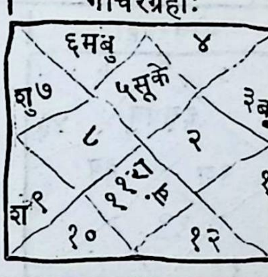

२३पं.भा.शु.१४बृ.इ.३७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	२	६	८	१०	४
२८	३	१६	१९	८	१३	०	२७
५	६	३७	७	४८	३३	२८	३२
२४	२९	१२	५५	२५	४०	४	१०
५८	३९	३६/१६	७	६९	२६/०	३	५८
२६	३५	व	४०	५५	व	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१७	१३	उ	३७	४२	गं	२६	३४	कौ	१७	१३	३०/२८	५/५४	६/६	१६	२५	१४	मीने	कन्यायामर्कः ३४।४४ ●(सौरः ४६/३)
२	र	७	५२	रे	३०	२९	वृ	१६	८	ग	७	५२	२४	५५	५	१७	२६	१५	मे.३०।२९	भ. ३३।२३उ.५८।५४या. कन्यायामर्कः●
३	र	५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	चं	५०	४६	अ	२३	५०	ध्रु	६/२	५/३०	ब	२४	५०	२०	५६	४	१८	२७	१६	मेषे	बुधास्तः पश्चिमायाम् ४८।२० चतुर्थी व्र.
५	मं	४३	५२	भ	१७	५९	ह	४७	३८	कौ	१७	१९	१६	५७	३	१९	२८	१७	बृ.३१।५२	×४ कर्के केतुः २६/११ रा. आश्विनारंभः
६	बु	३८	२२	कृ	१३	२९	व	४०	३	ग	११	७	१२	५८	२	२०	२९	१८	वृषे	भ. ३८।२२ उ.
७	गु	३४	३२	रो	१०	३५	सि	३३	४४	वि	६	२७	८	५८	२	२१	३०	१९	मि३९।४९	भ. ६।२७ या.
८	शु	३२	१	मृ	९	२	व्य	२८	३७	बा	३	१६	४	५९	१	२२	३१	२०	मिथुने	
९	श	३१	१३	आ	९	७	व	२४	४३	तै	१	४७	३०/०	६/०	६/०	२३	१	२१	क.५५।१६	वक्री बुधः ३४/९ घनि.२मकरे राहुः आश्ले.●
१०	र	३१	५३	पु	१०	३८	प	२२	१	व	१	३३	२९/५५	६/१	५/५९	२४	२	२२	कर्के	भ. १।३३उ. ३१/५३ या. विशा. शुक्रः १६।०
११	चं	३३	४६	पु	१३	४४	शि	२०	३५	ब	२	४८	५१	२	५८	२५	३	२३	कर्के	हस्ते भौमः २०।२१ इन्दिरा ११ व्र.
१२	मं	३७	१	श्ले	१७	४०	सि	२०	६	कौ	५	२३	४७	३	५७	२६	४	२४	सिं१७।४८	हस्ते रविः ४७।५०
१३	बु	४१	२१	म	२३	०	सा	२०	३२	ग	९	११	४३	३	५७	२७	५	२५	सिंहे	भ. ४१/२१ उ. हस्ते रविः सौरः २३/१३ प्रदोषः
१४	गु	४६	२४	पू	२९	२	शु	२१	२२	वि	१३	५२	३८	४	५६	२८	६	२६	कं.४५।४५	भ. १३।५२ या. शस्त्रादिहतानांश्राद्धं
३०	शु	५२	१३	उ	३५	५५	शु	२३	१८	च	१९	१८	३४	५	५५	२९	७	२७	कन्यायां	सर्वपितृश्राद्धम्

२४पं.आ.कृ.७बृ.इ.३६।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	६	८	१०	५
४	७	११	१४	१६	१३	०	४
५५	३७	४६	५८	५६	३८	५	२२
१९	५५	२३	५	४९	३१	४८	१७
५८	३९	७३/४३	६	६९	१	३	५८
३८	४६	व	३८	४	१२	११	४५

गोचरग्रहाः

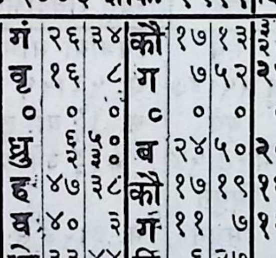

आश्वि.कृ. १शनौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ नं.५ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे सम- र्घता शुक्रा. प. ।

गोचरग्रहाः

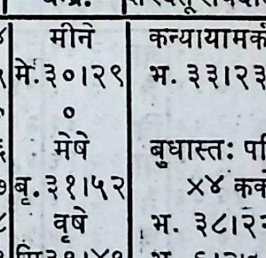

२५पं.आ.कृ.१४बृ.इ.३६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	६	८	९	५
११	१२	४	१५	२४	१३	२९	११
४६	१०	३७	४१	५९	४८	४३	१४
५५	१२	५	२०	४९	१८	३३	१९
५८	३९	६२/१०	५	६८	१	३	५९
५३	४६	व	४०	१६	५२	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०२२ स.१९८९
१	श	५८	१६	ह	४३	२	ब्र	२४	५७	किं	२५	१४	२९/३०	६/६	५/५४	३०	८	२८	कन्यायां	मातामहश्रा. नवरात्रारम्भः
२	र	६०	०	चि	५०	३३	ऐं	२७	१६	बा	३१	२४	२६	७	५३	१	९	२९	तु.१६।४७	बुधोदयः पूर्व. ३०/२२ चन्द्रदर्शनम् अक्टूबर*
२	चं	४	३२	स्वा	५८	११	वै	२९	३१	कौ	४	३२	२२	८	५२	२	१०	१	तुलायां	वृश्चिके शुक्रः ५७।४१ रविलावल ३
३	मं	१०	५७	वि	६०	०	वि	३१	५९	ग	१०	५७	१८	८	५२	३	११	२	वृ.४८।४१	भ. ४३।५६ उ. मार्गी बुधः ५४।१
४	बु	१६	५६	वि	५	३१	प्री	३४	२	वि	१६	५६	१४	९	५१	४	१२	३	बृश्चिके	भ. १६।५६ या. *मा.१० ता. ३१
५	गु	२२	५	अ	१२	१९	आ	३५	३८	बा	२२	५	१०	१०	५०	५	१३	४	बृश्चिके	अनु. शुक्रः ५६।१२
६	शु	२६	१०	ज्ये	१८	११	सौ	३५	२५	तै	२६	१०	६	११	४९	६	१४	५	ध.१८।११	
७	श	२९	१	मू	२२	४५	शो	३६	३	व	२९	१	२	१२	४८	७	१५	६	धनुषि	भ.२९।१उ.५९।२९या. सरस्वत्यावाहनम्
८	र	२९	५६	पू	२५	४९	अ	३४	२२	ब	२९	५६	२९/५८	१२	४८	८	१६	७	म.४१।५	सरस्वती पू. ×शरद्१५ कोजागरी व्र.
९	चं	२९	१०	उ	२६	५४	सु	३१	१८	कौ	२९	१०	५४	१३	४७	९	१७	८	मकरे	वलिदानं +विजया १० सरस्वती वि.
१०	मं	२६	२१	श्र	२६	८	धृ	२६	३२	ग	२६	२१	५०	१४	४६	१०	१८	९	कु.५४।४४	भ. ५३/५९ उ. चित्रा. रविः ५९/५९ (सौरः ५१/४९)+
११	बु	२१	३६	ध	२३	२०	शू	२०	५३	वि	२१	३६	४६	१५	४५	११	१९	१०	कुम्भे	भ. २१।३६ या. आर्द्रा. ४ गुरुः ३७।५३=
१२	गु	१४	५०	श	१८	५०	गं	१२	३४	बा	१४	५०	४२	१६	४४	१२	२०	११	मी५९।१४	प्रदोषः =पापांकुशा ११ व्र.
१३	शु	७	५१	पू	१२	४२	वृ	३/३१	४९/५२	तै	७	५१	३८	१६	४४	१३	२१	१२	मीने	भ. ५७।३६ उ.
१४	शु	४९	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श	४७	५०	उ	५/४०	५२/१२	ध्या	४२	३८	वि	२२	४३	३४	१७	४३	१४	२२	१३	मे.५७।५२	भ. २२।४३ या. हस्ते बुधः १५।३२×

२६पं.आ.शु.५बृ.इ.३६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	७	८	९	५
१८	१६	२	१६	२	१४	२९	१८
४०	४४	२४	१६	५८	२	२१	८
८	१३	३२	४४	१	१०	१७	६
५९	३९	२१/२	४	६७	२	३	५९
९	५६	मा	३१	१३	३२	११	१६

गोचरग्रहाः

इसमासमें ५ शनिवार अशुभ हैं। प्रजामें रोगपीड़ा हो। धान्यगल्ला रुई रस किराना घृत तेज होगा।

गोचरग्रहाः

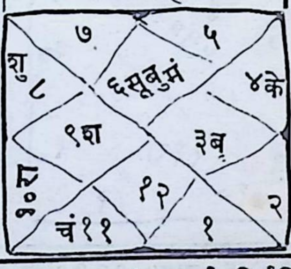

२७पं.आ.शु.१२बृ.इ.३६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	७	८	९	५
२५	२१	७	१६	१०	१४	२८	२५
३५	१९	५१	४३	५०	२०	५९	३
६	५९	४	१६	४९	२	१	४८
५९	३९	७८	३	६५	३	३	५९
२१	५६	२	२१	५३	१९	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३७	४८	अ	४९	५४	ह	३१	३२	बा	१२	४९	२८/३०	६/१८	५/४२	१५	२३	१४	मेषे	चित्रायां भौमः ३६।४४
२	चं	२८	१८	भ	४२	२६	व	२०	३४	तै	३	३	२६	१९	४१	१६	२४	१५	वृ.५५।४७	भ. ५३।५९ उ.
३	मं	१९	४१	कृ	३५	४९	सि	९	५०	वि	१९	४१	२२	२०	४०	१७	२५	१६	वृषे	भ. १९/४५ या. तुलायामर्कः ३।३७ (सौरः*
४	बु	१२	१६	रो	३०	३८	व्य	३०/३७	५१/३४	बा	१२	१६	१८	२०	४०	१८	२६	१७	मि५८।५४	*३४/३२ ज्येष्ठा. शुक्रः ४६।३३ चतुर्थी व्र.
५	गु	६	४	मृ	२७	११	प	४५	२४	तै	६	४	१४	२१	३९	१९	२७	१८	मिथुने	
६	शु	३	२४	आ	२५	४०	शि	४०	४	व	३	२४	१०	२२	३८	२०	२८	१९	मिथुने	भ. ३।२४ उ. ३२।२४ या.
७	श	१	२३	पु	२५	४८	सि	३६	१६	ब	१	२३	६	२३	३७	२१	२९	२०	क.१०।४६	
८	र	१	३७	पु	२८	१७	सा	३४	६	कौ	१	३७	२	२४	३६	२२	३०	२१	कर्के	चित्रा. बुधः ५७/४१ बुधास्तः पूर्वस्यांम् ११।१
९	चं	३	४१	श्ले	३२	१२	शु	३३	१५	ग	३	४१	५७/५८	२४	३६	२३	१	२२	सिं३२।१२	भ. ३५।२४ उ. स्वात्यां रविः ४५।३९×
१०	मं	७	७	म	३७	३४	शु	३३	४९	वि	७	७	५४	२५	३५	२४	२	२३	सिंहे	भ. ७।७ या. स्वात्यां रविः सौरः१५।३०
११	बु	११	५८	पू	४३	४४	ब्र	३४	४७	बा	११	५८	५०	२६	३४	२५	३	२४	सिंहे	तुलायां भौमः ४३।५ रमा ११ व्र.
१२	गु	१७	३६	उ	५०	५७	ऐं	३६	३४	तै	१७	३६	४६	२७	३३	२६	४	२५	कं.०।३२	तुलायां बुधः ४९।२२ प्रदोषः
१३	शु	२३	४७	ह	५८	१६	वै	३८	४१	व	२३	४७	४२	२८	३२	२७	५	२६	कन्यायां	भ. २३।४७ उ. ५७।१ या. धन १३
१४	श	३०	१५	चि	६०	०	वि	४१	३	श	३०	१५	३९	२८	३२	२८	६	२७	तु.३२।८	रूप १४ ×रा. कार्तिकारम्भः
३०	र	३६	३१	चि	६	१	प्री	४३	२३	च	३	२३	३५	२९	३१	२९	७	२८	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.५बृ.इ.३६।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	२	७	८	९	६
२	२५	१७	१७	१८	१४	२८	२
३१	५७	५७	०	३७	४३	३६	१
३४	१४	१४	८	३७	५५	४६	१६
५९	३९	९६	१	६४	३	३	५९
३४	५९	८	५३	२६	५३	११	४६

गोचरग्रहाः

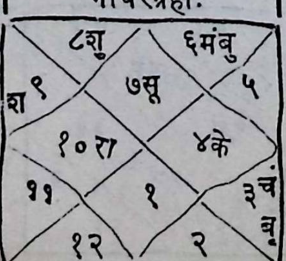

का.कृ. ३ भौमे तुलायामर्कः प्र.वा.४ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

२९पं.का.कृ.१२बृ.इ.३६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	२	७	८	९	६
९	०	२९	१७	२६	१५	२८	९
२९	३५	३७	९	११	१०	१४	०
४९	२८	३०	२९	२	५५	३०	३६
५९	३९	०	०	६२	४	३	६०
४७	५९	२६	४३	४०	३४	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०५२सन्१९८९
१	चं	४२	४१	स्वा	१३	२३	आ	४५	३२	किं	९	३६	३७/३१	६/३०	५/३०	३०	८	२९	तुलायां	स्वात्यां बुधः ४९/३८ वक्रीगुरुः ५३/२७ मूलेधनुषि*
२	मं	४८	२२	वि	२०	४३	सौ	४७	२४	बा	१५	३१	२७	३१	२९	३१	९	३०	वृ.३।५३	भ्रातृ २ चन्द्रदर्शनम्
३	बु	५३	१४	अ	२७	१०	शो	४८	४४	तै	२०	४८	२४	३१	२९	१	१०	१	वृश्चिके	**नवम्बर मा. ११ ता. ३०** रविलाखर ४
४	गु	५७	२१	ज्ये	३३	५	अ	४९	१६	व	२५	१७	२०	३२	२८	२	११	२	ध.३३।५	भ. २५।१७ उ. ५७।२१ या.
५	शु	६०	०	मू	३७	५०	सु	४९	१६	ब	२८	५०	१६	३३	२७	३	१२	३	धनुषि	*शुक्रः ५।२ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
५	श	०	१९	पू	४१	४०	धृ	४८	२६	बा	०	१९	१३	३३	२७	४	१३	४	म.५७।१६	स्वात्यां भौमः ४२।३२
६	र	१	५७	उ	४४	२	शू	४६	१६	तै	१	५७	९	३४	२६	५	१४	५	मकरे	
७	चं	२	९	श्र	४४	५३	गं	४३	१	व	२	९	६	३५	२५	६	१५	६	मकरे	भ.२/९उ.३१/२८या. विशा.रविः६/२(सौरः३२/५९)×
८	मं	०	४७	ध	४४	६	वृ	३८	१९	ब	०	४७	२	३६	२४	७	१६	७	कुं.१४।२९	विशा. बुधः ५४/२८ अक्षय ९ ×गोपाष्टमी
९	मं	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	बु	५३	१	श	४१	३८	ध्रु	३२	१७	तै	२५	०	२६/५९	३६	२४	८	१७	८	कुम्भे	
११	गु	४६	५२	पू	३८	४०	व्या	२५	६	व	१९	५६	५३	३७	२३	९	१८	९	मी२४।२४	भ.५१/१६उ ४६/५२या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुल.वि.
१२	शु	३९	१०	उ	३२	१२	ह	१६	३२	ब	१३	१	५६	३७	२३	१०	१९	१०	मीने	
१३	श	३०	२९	रे	२५	३०	व	६/२८	५/०३	कौ	४	४९	४९	३८	२२	११	२०	११	मे.२५।३०	प्रदोषः वकुंठ १४
१४	र	२०	५९	अ	१८	१३	व्य	४५	४५	ग	२०	५९	४६	३९	२१	१२	२१	१२	मेषे	भ. २०।५९ उ. ४६/१७ या. पूषा. शुक्रः ३२/४५
१५	चं	११	३५	भ	१०	३७	व	३४	४५	ब	११	३५	४३	३९	२१	१३	२२	१३	वृ.२३।४४	मन्वादिः

३०पं.का.शु.४बृ.इ.३५।५२

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	२	८	८	९	६
१६	५	११	१७	३	१५	२७	१६
२९	१४	२१	७	३२	४१	५२	१
३८	३१	१८	८	१७	३८	१५	४०
६०	४०	०/०	४०/०	६०	४	३	६०
४	१०	३२	ब	२५	८	११	१८

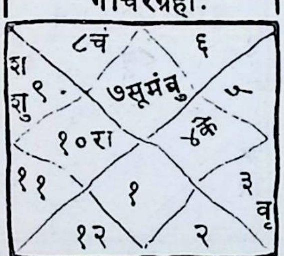

इस मासमें अनाज गल्ला तिलहन रुई वारदाना मजीठ मोंठ धातु में घटाबढ़ो होगी खरीदकरने वालों को लाभ होगा।

गोचरग्रहाः

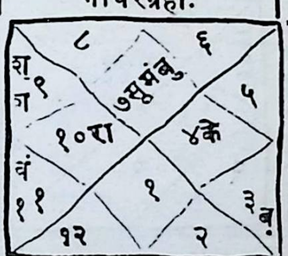

३१पं. का.शु.११ बृ.इ.३५/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	२	८	८	९	६
२३	९	२२	१६	१०	१६	२७	२३
३०	५६	५०	५६	३९	१६	२९	४
५८	३१	५६	६	२२	५	५९	१६
६०	४०	०/०	१०/२	५७	५	३	६०
१७	२३	९	ब	४१	२६	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा.
१	मं	२	८	कृ	३/९	५३/२२	प	२४	१९	कौ	२	८	२६/४०	६/३७	५/२३	१४	२३	१४	वृषे	बृश्चिके बुधः १०।१ पूषा. २ शनिः ९।३
२	मं	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	४६	३८	मृ	५१	१२	शि	१४	३१	व	२०	१०	३७	४१	१९	१५	२४	१५	मि२३।५१	भ. २०/१० उ. ४६/३८ या. वक्री आर्द्रा.३ गुरुः १०/४०
४	गु	४१	१८	आ	४७	४१	सि	५/५७	५३/५२	ब	१३	५८	३४	४१	१९	१६	२५	१६	मिथुने	वृश्चिकेऽर्कः ३/४(सौरः२७/१६)अनु. बुधः १०/२२*
५	शु	३८	११	पु	४५	४	शु	५३	१६	कौ	९	४४	३१	४२	१८	१७	२६	१७	क.३१।२८	
६	श	३८	१७	पु	४७	४०	शु	४९	३७	ग	८	१४	२९	४२	१८	१८	२७	१८	कर्के	भ. ३८।१७ उ. पातस्पर्शः ३६/५२ मोक्षः ४३/१३
७	र	३८	२२	श्ले	४९	९	ब्र	४७	२८	वि	८	१९	२६	४३	१७	१९	२८	१९	सि४९।९	भ.१९या. अनु. रविः२०।२४(सौरः४४/४)
८	चं	४१	२२	म	५३	४७	ऐं	४७	१३	बा	९	५२	२४	४३	१७	२०	२९	२०	सिंहे	उदयो भौमः १।३३ *चतुर्थी व्र.
९	मं	४६	२	पू	५९	४४	वै	४७	२९	तै	१३	४२	२१	४४	१६	२१	३०	२१	सिंहे	
१०	बु	५१	४४	उ	६०	०	वि	४९	८	व	१८	५३	१९	४४	१६	२२	१	२२	कं.१६।३२	भ. १८।५३उ. ५१/४४ या. रा. मार्गशीर्षारंभः
११	गु	५८	१०	उ	६	५५	प्री	५१	२२	ब	२४	५७	१६	४५	१५	२३	२	२३	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	शु	६०	०	ह	१४	१७	आ	५३	४०	कौ	३१	३५	१३	४५	१५	२४	३	२४	तु.४८।१०	विशा. भौमः २७।३ ज्येष्ठा. बुधः ३९/३२
१२	श	५	१	चि	२२	२	सौ	५६	२	तै	५	१	११	४६	१४	२५	४	२५	तुलायां	धनि. १ राहुः आश्ले. ३ केतुः ११/१६ प्रदोषः
१३	र	११	१६	स्वा	२९	२६	शो	५८	७	व	११	१६	८	४६	१४	२६	५	२६	तुलायां	भ. ११।१६ उ. ४३।५३ या.
१४	चं	१६	३९	वि	३६	३२	अ	५९	४४	श	१६	३९	६	४७	१३	२७	६	२७	वृ.१९।४६	उषा. शुक्रः २।३८
३०	मं	२२	४१	अ	४२	५३	सु	६०	०	ना	२२	४१	३	४७	१३	२८	७	२८	वृश्चिके	

३२पं. मा.कृ.४बृ.इ.३५।२७

गोचरग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	८	८	९	७
०	१४	४	१६	१७	१६	२७	०
३३	४०	१	३४	२७	५४	७	८
४७	५	४१	५९	५४	१४	४३	२०
६०	४०	९९	३/३	५४	५	३	६०
३०	२३	४१	ब	१	४०	११	४०

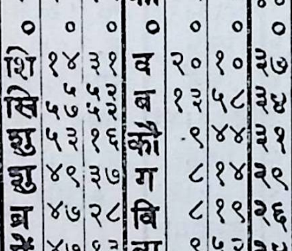

मा. कृ. ४ गुरौ बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महघंता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

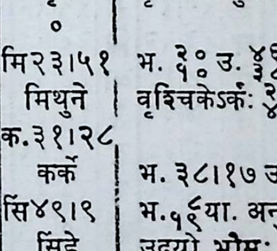

३३पं. मा.कृ.११ बृ.इ ३५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	८	८	९	७
७	१९	१४	१६	२३	१७	२६	७
३७	२५	५८	४	४८	३४	४५	१३
३७	५	३७	५५	५०	३०	२८	५३
६०	४०	९९	८/४	४९	६	३	६०
४२	२६	१४	ब	३०	१७	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०८२स.१९८९
१	बु	२६	४९	ज्ये	४८	१३	सु	०	४६	ब	२६	४९	२६/५१	६/४८	५/१२	२९	८	२९	ध.४८।१३	
२	गु	३०	६	मू	५२	३५	धृ	०	५५	कौ	३०	६	२५/५९	४८	१२	३०	९	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	३२	३१	पू	५६	२	शू	२५/०	५८/३९	तै	१	१८	५७	४९	११	१	१०	१	धनुषि	मकरे शुक्रः ४४/४ दिसम्बर मा.१२ता.३१×
४	श	३३	४१	उ	५८	१९	वृ	५६	५२	व	३	६	५५	४९	११	२	११	२	म.११।३६	भ.६/३ उ.४/३ ३/१या. ज्ये रविः ३/३ ०/४ (सौरः ५/२ ३/४) *
५	र	३३	५२	श्र	५९	३८	ध्रु	५४	०	ब	३	४६	५३	४९	११	३	१२	३	मकरे	मूले धनुषि बुधः १/१ ५/३ बुधोदयः पश्चि. ४/१ ७/७
६	चं	३२	३२	ध	५९	४५	व्या	५०	१३	कौ	३	११	५१	५०	१०	४	१३	४	कु.२९।४१	चम्पा ६ ×जमादिलावल ५
७	मं	३०	४२	श	५८	३६	ह	४४	११	ग	१	३७	४९	५०	१०	५	१४	५	कुम्भे	भ. ३०।४२ उ. ५९।२ या.
८	बु	२७	२२	पू	५६	२८	व	३९	२३	ब	२७	२२	४८	५०	१०	६	१५	६	मी४२।०	
९	गु	२२	५७	उ	५३	१०	सि	३२	४१	कौ	२२	५७	४६	५१	९	७	१६	७	मीने	*पातस्पर्शः २८।४२ पातमोक्षः ४५।५८
१०	शु	१७	१६	रे	४८	४०	व्य	२४	४७	ग	१७	१६	४५	५१	९	८	१७	८	मे.४८।४०	भ. ४३।५८ उ.
११	श	१०	४०	अ	४३	४	व	१६	१७	वि	१०	४०	४४	५१	९	९	१८	९	मेषे	भ. १०।४० या. वृश्चिके भौमः २।३९+
१२	र	२	५५	भ	३६	५५	प	६/५४	५०/१५	बा	२	५५	४२	५२	८	१०	१९	१०	वृ.५०।१८	प्रदोषः +मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१३	र	५२	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं	४५	४४	कृ	३०	२९	सि	४७	११	ग	२०	६	४१	५२	८	११	२०	११	वृषे	भ. ४५।२४ उ.
१५	मं	३८	१८	रो	२४	१	सा	३७	२३	वि	११	५१	४०	५२	८	१२	२१	१२	मि५१।१६	भ.११।५१या. पूषा. बुधः ९।८ दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.२बृ.इ.३५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	८	८	९	७
१४	२४	२५	१५	२९	१८	२६	१४
४२	११	५०	२६	३८	१७	२३	२०
५४	३५	३५	९	१७	२४	१२	३९
६०	४०	९५	५/५०	४३	६	३	६१
५०	४८	४९	ब	५३	३२	११	३

गोचरग्रहाः

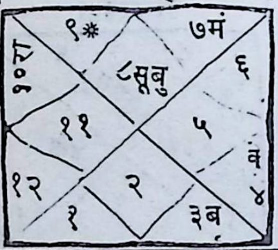

इस मासमें ५ मंगलवार हैं बृश्चिक की संक्रांति १५ मुहूर्ती है। धान्यादि तेज हो दीवाली से ही खरीदी करना।

गोचरग्रहाः

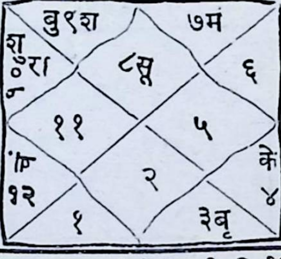

३५पं.मा.शु.९बृ.इ.३४।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	२	९	८	९	७
२१	२९	६	१४	४	१९	२६	२१
४८	०	२९	३९	४१	२	०	२८
५८	२९	५६	२५	२०	६	५७	२४
६०	४०	९२	६/४२	३६	६	३	६१
५६	४०	२३	ब	१४	४६	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३१	१०	मृ	१८	३१	शु	२८	२२	बा	४	४४	३५/३९	६/५२	५/८	१३	२२	१३	मिथुने	अनु. भौमः ४९।६
२	गु	२५	१३	आ	१३	५१	शु	२०	१५	ग	२५	१३	३८	५२	८	१४	२३	१४	क.५६।३२	भ. ५३।३ उ.
३	शु	२०	५३	पु	१०	४६	ब्र	१३	२२	वि	२०	५३	३८	५२	८	१५	२४	१५	कर्के	भ. २०।५३ या. मूले धनुष्यर्कः ३७।४६*
४	श	१८	४८	पु	९	४०	ऐं	८	१७	बा	१८	४८	३७	५३	७	१६	२५	१६	कर्के	पूषा. ३ शनिः ११।३
५	र	१८	३८	श्ले	१०	४६	वै	४	३३	तै	१८	३८	३७	५३	७	१७	२६	१७	सिं१०।४६	श्रवणे शुक्रः १३।५७
६	चं	२०	४६	म	१३	४८	वि	२	४२	व	२०	४६	३७	५३	७	१८	२७	१८	सिंहे	भ.२०।४६उ.५/४ ३/७ या. वक्री आर्द्रा.२ गुरुः×
७	मं	२४	४८	पू	१८	५२	प्री	२	२०	ब	२४	४८	३६	५३	७	१९	२८	१९	कं.३५।२६	*(सौरः ५/४ ५/८) चतुर्थी व्र. पातस्पर्शः ३/१+
८	बु	३०	५	उ	२५	१२	आ	२	५३	कौ	३०	५	३६	५३	७	२०	२९	२०	कन्यायां	
९	गु	३६	१६	ह	३२	२२	सौ	४	५२	तै	३	१०	३६	५३	७	२१	३०	२१	कन्यायां	अस्तं शनेः ५।२ ×२२।५३
१०	शु	४३	२५	चि	४०	२	शो	६	५०	व	९	५०	३६	५३	७	२२	१	२२	तु.६।१२	भ.५९/० उ.४/२ ३/५या.उपा.बुधः १/१ ०/७रा.पौषारंभः
११	श	४९	१८	स्वा	४७	३०	अ	९	२८	ब	१६	२१	३६	५३	७	२३	२	२३	तुलायां	सफला ११ व्र. +पातमोक्षः १८।८
१२	र	५५	१७	वि	५४	३०	सु	११	२६	कौ	२२	१७	३७	५३	७	२४	३	२४	वृ.३७।४५	
१३	चं	६०	०	अ	६०	०	धृ	१३	१०	ग	२७	४९	३७	५३	७	२५	४	२५	वृश्चिके	मकरे बुधः ४।३९ प्रदोषः
१३	मं	०	२२	अ	०	४७	शू	१३	५६	व	०	२२	३७	५३	७	२६	५	२६	वृश्चिके	भ. ०।२२उ. ३२।१४या. वक्री शुक्रः ३।०
१४	बु	४	५	ज्ये	५	५२	गं	१३	४९	श	४	५	३८	५२	८	२७	६	२७	ध.५।५२	
३०	गु	६	४७	मू	९	४३	वृ	१२	५०	ना	६	४७	३८	५२	८	२८	७	२८	धनुषि	पूषा. रविः ४२।४२(सौरः ५७।२६)

३६पं. पौ.कृ.२बृ.इ.३४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	२	९	८	९	७
२८	३	१६	१३	८	१९	२५	२८
५५	५०	४६	४९	४७	४८	३८	३७
५२	३५	४१	४८	४२	४३	४१	७
६१	४०	८५	७/२७	२६	७	३	६१
०	४४	१४	ब	३६	२	११	१९

३७पं.पौ.कृ.९ बृ.इ.३४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	२	९	८	९	८
६	८	२५	१२	११	२०	२५	५
३	४३	५८	५३	३२	३७	१६	४६
२९	१	५५	४३	३८	१	२५	३२
६१	४०	६८	९	१३	७	३	६१
४	५३	५१	५२	५८	८	११	२२

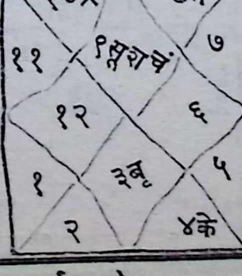

३८पं. पौ.कृ.३० बृ.इ.३४/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	२	९	८	९	८
१३	१३	१	११	१२	२१	२४	१२
११	३६	४४	५६	३९	२५	५४	५६
३१	४३	४९	५३	३२	५५	१०	२४
६१	४१	२६	७/५२	०/४८	७	३	६१
६	९	४६	ब	ब	२०	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६११२ स.१९८९
१	शु	७	५६	पू	१२	१७	ध्रु	११	१४	ब	७	५६	३५/३९	५२/६	८/५	२९	८	२९	म.२७।४०	चन्द्रदर्शनम्
२	श	७	५८	उ	१३	४७	व्या	७	५९	कौ	७	५८	४०	५२	८	३०	९	१	मकरे	वक्री बुधः ३९।१२ जमादिलाखर ६
३	र	७	२	श्र	१४	२०	ह	३४/२	५५/८	ग	७	२	४०	५२	८	३१	१०	२	कुं.४४।७	भ. ३६।७ उ.
४	चं	५	१३	ध	१३	५४	सि	५४	४१	वि	५	१३	४१	५२	८	१	११	३	कुंभे	भ. ५।१३ या. जनवरी मा.१ता.३१ सन्*
५	मं	२	३३	श	१२	४६	व्य	४९	९	ना	२	३३	४२	५२	८	२	१२	४	मी५६।२५	ज्येष्ठायां भौमः २१/७ बुधास्तः पश्चि. ५१/५४
६	मं	५७	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५५	२०	पू	१०	५८	व	४२	५५	ग	२७	१८	४३	५१	९	३	१३	५	मीने	भ. ५५।२० उ. *१९९० ई.
८	गु	५०	४४	उ	८	२६	ष	३६	८	वि	२३	२	४४	५१	९	४	१४	६	मीने	भ. २३।२ या. वक्री धनुषि बुधः २१।१
९	शु	४५	४२	रे	५	२१	शि	२९	५	बा	१८	११	४६	५१	९	५	१५	७	मे.५।२१	
१०	श	३९	५८	अ	३१/८	५५/५६	सि	२१	१८	तै	१२	५०	४७	५१	९	६	१६	८	मेषे	वक्री पूषायां बुधः २८।५६
११	र	३३	४३	कृ	५२	४१	सा	१३	१७	व	६	५०	४९	५०	१०	७	१७	९	वृ.११।२०	भ. ६।५० उ. ३३।४३ या. पुत्रदा ११व्र.
१२	चं	२७	१४	रो	४८	८	शु	५४/१	५१/४२	ब	०	२८	५१	५०	१०	८	१८	१०	वृषे	×४७।२६ (सौरः ५८।५३)
१३	मं	२०	३५	मृ	४३	२८	ब्र	४८	२२	तै	२०	३५	५२	५०	१०	९	१९	११	मि१५।४७	वक्री उषा. शुक्रः ३७।४८ प्रदोषः
१४	बु	१४	४०	आ	३९	२५	ऐं	४०	४६	व	१४	४०	५४	४९	११	१०	२०	१२	मिथुने	भ. १४।४०उ.४१।५९या. उषायां रविः×
१५	गु	९	१८	पु	३६	२६	वै	३३	४५	ब	९	१७	५६	४९	११	११	२१	१३	क.२२।११	माघ स्नान प्रा.

३९पं. पौ.शु.८बृ.इ.३४।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	२	९	८	९	८
२०	१८	२९	११	११	२२	२४	२०
१९	३२	४६	०	४७	१५	३१	६
२६	३५	८	४७	४६	१८	५४	२१
६१	४१	६३/५६	७/४९	१७/१७	७	३	६१
६	१३	ब	ब	व	२०	११	२६

गोचरग्रहाः

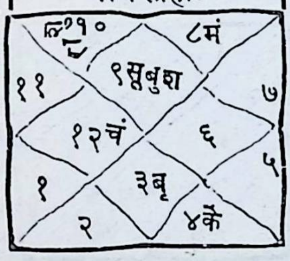

पौष.कृ.३ शुक्रे धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न.३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

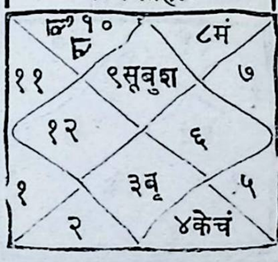

४०पं. पौ.शु.१५ बृ.इ.३४/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	२	९	८	९	८
२७	२३	२१	१०	९	२३	२४	२७
२७	२९	२९	६	०	४	९	१६
४०	५६	२८	४०	३२	४४	३९	१३
६१	४१	८७/१	७/१५	३०/४९	७	३	६१
६	२३	ब	ब	ब	२०	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५	१४	पु	३४	५०	वि	२७	५५	कौ	५	१४	२५/५८	६/४८	५/१२	१२	२२	१४	कर्के	वक्री आर्द्रा. १ गुरुः २९।२३
२	श	२	५४	श्ले	३५	४	प्री	२३	३८	ग	२	५४	२६/१	४८	१२	१३	२३	१५	सिं३५।४	भ. ३२।३३ उ. पूषा. ४ शनिः ३९।८
३	र	२	१२	म	३६	५८	आ	२०	४६	वि	२	१२	३	४७	१३	१४	२४	१६	सिंहे	भ.२।१२या. मकरेऽर्कः ५३/० (सौरः १४/८)*
४	चं	४	३२	पू	४०	३५	सौ	१९	२८	बा	४	३२	५	४७	१३	१५	२५	१७	कं.५६।२५	*बुधोदयः पूर्वस्याम् २५।४ चतुर्थी व्र.
५	मं	६	३१	उ	४५	५४	शो	१९	६	तै	६	३१	८	४६	१४	१६	२६	१८	कन्यायां	
६	बु	११	२२	ह	५२	४१	अ	२०	६	व	११	२२	१०	४६	१४	१७	२७	१९	कन्यायां	भ.१/२ १/२ उ.४/१ ४/४ या. शुक्रास्तः प. १/४ ३/८ शु.अ.प.
७	गु	१७	५	चि	५९	४५	सु	२१	५२	ब	१७	५	१२	४६	१४	१८	२८	२०	तु.२६।१३	
८	शु	२३	३४	स्वा	६०	०	धृ	२४	७	कौ	२३	३४	१५	४५	१५	१९	२९	२१	तुलायां	
९	श	२९	५९	स्वा	७	३५	शू	२६	२०	ग	२९	५९	१७	४५	१५	२०	३०	२२	वृ.५७।४८	अभि.प्र.रविः ३/३ ६/५ (सौरः ४/४ ५/०)मूले धनुषि×
१०	र	३६	२	वि	१४	४०	गं	२८	५	व	२	०	२०	४४	१६	२१	१	२३	वृश्चिके	भ.३/० उ. ३/२ ६/२ या.मार्गीबुधः १/२ ४/१ रा.माघारंभः
११	चं	४१	८	अ	२१	२६	वृ	२९	२३	ब	८	३५	२२	४४	१६	२२	२	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११व्र. शुक्रोदयः पूर्व. ३९/० शु.उ.पू.
१२	मं	४४	४४	ज्ये	२६	३३	ध्रु	२९	३७	कौ	१२	५६	२५	४३	१७	२३	३	२५	ध.२६।३३	श्रवणे रविः ५२।५८ उदयं शनेः २०।२३
१३	बु	४६	५४	मू	३०	२१	व्या	२८	२६	ग	१५	४९	२७	४३	१७	२४	४	२६	धनुषि	भ. ४६।५४ उ. अभि. नि. रविः ४२।२७+
१४	गु	४७	२८	पू	३२	३१	ह	२६	६	वि	१७	११	३०	४२	१८	२५	५	२७	म.४७।४४	भ. १७।११ या. ×भौमः ४५।५२
३०	शु	४६	२२	उ	३३	२६	व	२२	३०	ब	१६	५५	३३	४१	१९	२६	६	२८	मकरे	+(सौरः ५/३ ३) श्रवणे रविःसौरः ३/७ १ प्रदोषः

४१पंमा.कृ.३ बृ.इ.३४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	२	९	८	९	९
४	२८	१६	९	४	२२	२३	४
३५	२९	२	१६	५५	५३	४७	२५
३१	६	५३	३०	५५	५६	२३	४२
६१	४१	१९/४	६/२४	३६/२५	७	३	६१
३	२५	ब	ब	ब	१४	११	१९

गोचरग्रहाः

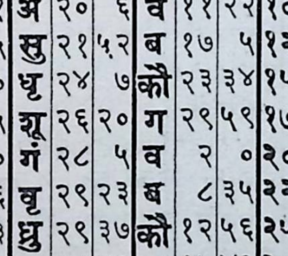

माघ कृ.३. रवौ मकरेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

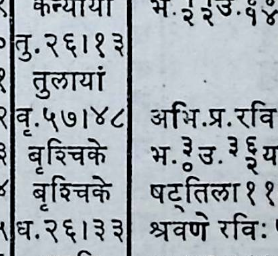

४२पं.मा.कृ.१४ बृ.इ.३४/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	२	९	८	९	९
११	३	१७	८	०	२४	२३	११
४२	२९	५०	३३	५१	४२	२५	३४
५८	४६	१०	३२	२२	५०	७	३३
६०	४१	३०/५६	५/२६	३०/१६	७	३	६१
५९	२७	मा	व	ब	८	११	१३

 *नंमंबुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ	शुक्लपक्षः	सं. २०४६	शाकः	१९११								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१४१स.१९९०
१	श	४३	३	श्र	३२	४४	सि	१७	५८	किं	१४	४२	३६/३	४६/१	१५/९	२७	७	२९	मकरे	वक्री धनुषि शुक्रः १२/४ श्रवणे ४ राहुः आश्ले×
२	र	४०	३२	ध	३१	५	व्य	१२	३३	बा	११	४७	३९	४०	२०	२८	८	३०	कुं.१।५४	चंद्रदर्शनम् ×२ केतुः १०।४०
३	चं	३६	३०	श	२८	४४	व	२ ६/०	५३/१४	तै	८	३१	४२	४०	२०	२९	९	१	कुम्भे	रज्जव ७
४	मं	३१	५०	पू	२५	४०	शि	५२	४१	व	४	१०	४६	३९	२१	३०	१०	२	मी ११।२६	भ. ४।१० उ. ३१।५० या.
५	बु	२७	२	उ	२२	३४	सि	४५	४६	बा	२७	२	४९	३८	२२	३१	११	३	मीने	वसंत पंचमी
६	गु	२१	५५	रे	१९	१४	सा	३८	३७	तै	२१	५५	५२	३८	२२	१	१२	४	मे.१९।१४	पातस्पर्शः ४९।२७ फरवरी मा. २ ता. २८
७	शु	१६	५८	अ	१५	५६	शु	३१	२३	व	१६	५८	५५	३७	२३	२	१३	५	मेषे	भ. १६/५८ उ. ४४/३० या. भानु ७ पातमोक्षः १।८
८	श	१२	२	भ	१२	३९	शु	२४	२१	ब	१२	२	५९	३६	२४	३	१४	६	वृ.२६।४९	भीष्माष्टमी
९	र	७	०	कृ	९	१७	ब्र	१६	१४	कौ	७	०	२७/२	३६	२४	४	१५	७	वृषे	उषा. बुधः ४१।२०
१०	चं	२	११	रो	६	५	ऐं	१०	१	ग	२	११	६	३५	२५	५	१६	८	मि ३४।३७	भ. २९।४७ उ. ५७/२३ या. जया ११ व्र. स्मा.
११	चं	५५	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१२	मं	५२	५८	मृ	३	१०	वै	२ ३/१	५३/३५	ब	२५	१०	९	३४	२६	६	१७	९	मिथुने	धनि. रविः १९/१ (सौरः २८/७) जया ११ व्र. वै.
१३	बु	४९	१६	आ	३ ०/७	५८/९	प्री	५१	५	कौ	२१	७	१३	३३	२७	७	१८	१०	क.४०।५०	मकरे बुधः ७।१७ प्रदोषः
१४	गु	४६	१६	पु	५७	४७	आ	४६	२	ग	१७	४६	१६	३३	२७	८	१९	११	कर्के	भ. ४६।१६ उ. पूषायां भौमः १२।४७
१५	शु	४५	३६	श्ले	५८	१	सौ	४१	४३	वि	१५	५६	२०	३२	२८	९	२०	१२	सिं ५८।१	भ. १५/५६ या. मार्गी शुक्रः १३/३३ चन्द्रग्रहणम्

४३पं. मा.शु.६बृ.इ.३४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	२	८	८	९	९
१८	८	२३	७	२८	२५	२३	१८
४९	३०	४१	५७	०	३०	२	४२
२६	५८	२४	५८	५८	३२	५२	३६
६०	४१	५७	१४/३	१८/३	६	३	६१
५५	५२	१९	व	व	५६	११	४

गोचरग्रहाः

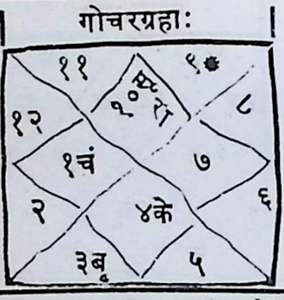

धन राशिमें शनि मंगल का योग सोना चांदी शेयर्स तिलतैल रुई पाट वारदाना सिरस्युँ अलसी घृत तेज करे।

गोचरग्रहाः

४४पं. मा.शु.१४बृ.इ.३४/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	२	८	८	९	९
२५	१३	१	७	२७	२६	२२	२५
५५	३५	४७	३१	५	१६	४०	४९
१६	१३	४९	३०	५३	२६	३६	२३
६०	४१	७४	३/६	१/२५	६	३	६०
४७	५६	९	व	व	३८	११	५५

ति.	फाल्गुन	कृष्णपक्षः	सं. २०४६	शाकः	१९११								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	श	४४	१७	म	५९	४३	शो	३८	४२	बा	१४	५६	२७/२४	३६/१	२५/९	१०	२१	१३	सिंहे	
२	र	४५	३०	पू	६०	०	अ	३७	२	तै	१४	५३	२७	३१	२९	११	२२	१४	सिंहे	उषायां १ शनिः २०।२८
३	चं	४८	१५	पू	२	५९	सु	३६	१४	व	१०	५२	३१	३०	३०	१२	२३	१५	कं.१९।१०	भ.१६।५२ उ. ४६/१५ या. कुंभेऽर्कः ३६।३४●
४	मं	५२	३८	उ	७	४४	धृ	३६	४७	ब	२०	२६	३५	२९	३१	१३	२४	१६	कन्यायां	चतुर्थी व्र. ●(सौरः ४१।२५)
५	बु	५८	५	ह	१३	४८	शू	३८	७	कौ	२५	२१	३८	२८	३२	१४	२५	१७	तु.४७।१४	श्रवणे बुधः ४६/३६ पातःपर्शः ३३/३२ मोक्षः ४५/४७
६	गु	६०	०	चि	२०	४०	गं	४०	२	ग	३१	१२	४२	२८	३२	१५	२६	१८	तुलायां	
६	शु	४	२०	स्वा	२८	११	वृ	४२	३१	व	४	२०	४६	२७	३३	१६	२७	१९	तुलायाँ	भ. ४।२० उ. ३७।३२ या.
७	श	१०	४३	वि	३५	१७	ध्रु	४४	३२	ब	१०	४३	५०	२६	३४	१७	२८	२०	वृ.१८।३१	
८	र	१७	२	अ	४२	४४	व्या	४६	१०	कौ	१७	२	५४	२५	३५	१८	२९	२१	वृश्चिके	
९	चं	२२	२८	ज्ये	४८	३९	ह	४६	५६	ग	२२	२८	५८	२४	३६	१९	३०	२२	ध.४८।३९	भ.५४।२४ उ. शते रविः १२/५५ (सौरः १६/४७)
१०	मं	२६	२०	मू	५३	११	व	४६	३५	वि	२६	२०	२६/२	२४	३६	२०	१	२३	धनुषि	भ. २६।२० या. मकरे शुक्रः ४१।७ रा.×
११	बु	२८	४४	पू	५५	५०	सि	४४	४६	बा	२८	४४	६	२३	३७	२१	२	२४	धनुषि	विजया ११ व्र. ×फाल्गुनारम्भः
१२	गु	३०	१९	उ	५६	४७	व्य	४१	३३	तै	३०	१९	१०	२२	३८	२२	३	२५	म.११।५	
१३	शु	२७	५३	श्र	५५	५३	व	३६	५२	व	२७	५३	१४	२१	३९	२३	४	२६	मकरे	भ २७/५३ उ. ५६/१७ या. धनि. बुधः ३७/३२ मार्गीगुरुः+
१४	श	२४	४१	ध	५३	२६	प	३०	५०	श	२४	४१	१८	२०	४०	२४	५	२७	कु.२४।३९	महाशिवरात्रि व्र. वै.
३०	र	२०	५	श	४९	४९	शि	२३	४०	ना	२०	५	२२	२०	४०	२५	६	२८	कुम्भे	+१६/२६ प्रदोषः महाशिवरात्रि व्र. स्मा.

४५पं. फा.कृ.६बृ.इ.३४।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	२	८	८	९	१०
३	१८	११	७	२८	२७	२२	२
०	४१	६	१३	६	०	१८	५५
४	६	७	४४	४०	५०	२१	२६
६०	४१	८५/५७	१	१३	६	३	६०
३७	५७	व	३९	५०	२६	११	४२

गोचरग्रहाः

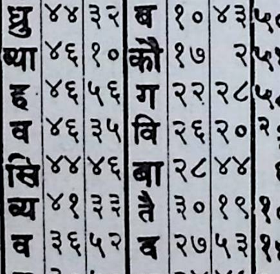

फा. कृ. ३ चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

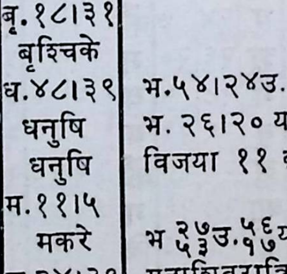

४६पं. फा.कृ.१२बृ.इ.३५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	२	९	८	९	१०
१०	२३	२१	७	०	२७	२१	९
३	४७	४०	५	४९	४२	५६	५९
३२	२०	२६	५३	८	३६	५	५९
६०	४२	९५	०/७	२५	६	३	६०
२५	७	५	व	५३	८	११	३१

●मंबुशुश +मंशुश (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुश =गुशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽह्र्गणः६१७१स.१९९०
१	चं	१४	१६	पू	४५	१२	स्वि	१५	५८	ब	१४	१६	२८/२६	६/१९	५/४१	२६	७	२९	मी३१।२१	उषा. भौमः २३।१४ चन्द्रदर्शनम्
२	मं	७	४७	उ	४०	३०	सा	७/३२	५१/२४	कौ	७	४७	३०	१८	४२	२७	८	१	मीने	कुम्भे बुधः ५६/१७ फुलरिया २ पातस्पर्शः*
३	बु	१	५	रे	३५	३१	शु	५०	३१	ग	१	५	३४	१७	४३	२८	९	२	मे.३५।३१	भ. २७।४६ उ. ५४।२६ या.
४	बु	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*३६/२५ पातमोक्षः ४७।४७ सावान ८
५	गु	४८	८	अ	३०	५९	ब्र	४२	२६	ब	२१	१७	३८	१६	४४	१	१०	३	मेषे	**मार्च मा. ३ ता. ३१**
६	शु	४२	१७	भ	२६	४३	ऐं	३४	५१	कौ	१५	१२	४२	१६	४४	२	११	४	वृ.४०।४९	×बुधः५०।१४ बुधास्तः पूर्वस्याम् २४।५
७	श	३६	५६	कृ	२३	७	वै	२७	३५	ग	९	३६	४६	१५	४५	३	१२	५	बृषे	भ. ३६।५६ उ. मकरे भौमः ८।९ शते×
८	र	३२	१७	रो	२०	७	वि	२०	५५	दि	४	३६	५९	१४	४६	४	१३	६	मि४८।५८	भ. ४।३६ या. पूभा. रविः२९।० (सौरः+
९	चं	२८	१९	मृ	१७	४९	प्री	१४	४५	बा	०	१८	५४	१३	४७	५	१४	७	मिथुने	
१०	मं	२५	१४	आ	१६	२३	आ	९	२१	ग	२५	१४	५८	१२	४८	६	१५	८	मिथुने	भ. ५४।१ उ. +३१/३४) होलाष्टकः
११	बु	२२	४८	पु	१५	४४	सौ	४	३७	वि	२२	४८	२९/२	१२	४८	७	१६	९	क.०।५३	भ. २२।४८ या. आमलकी ११ व्र.
१२	गु	२१	१३	पु	१५	५२	शो	०/३२	५६/४५	बा	२१	१३	६	११	४९	८	१७	१०	कर्के	श्रवणे शुक्रः ५२।५८ प्रदोषः
१३	शु	२०	५५	श्ले	१७	७	सु	५४	४८	तै	२०	५५	१०	१०	५०	९	१८	११	सिं१७।७	
१४	श	२१	२६	म	१९	१४	धृ	५३	३१	व	२१	२६	१४	९	५१	१०	१९	१२	सिंहे	भ. ३१/२६ उ. ५२/२४ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरं
१५	र	२३	२२	पू	२२	५५	शू	५२	४८	ब	२३	२२	१९	८	५२	११	२०	१३	कं.३९।६	पूभा. बुधः १८।४१ छारेंडी

४७पं.फा.५शु.बृ.इ.३५।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	२	९	८	९	१०
१७	२८	२	७	४	२८	२१	१७
५	५४	४७	७	४७	२२	३३	२
४६	५०	२०	५९	३१	१	४९	५०
६०	४२	७/०	१/४	३६	५	३	६०
१२	७	५/२८	मा	४३	४४	११	२०

गोचरग्रहाः

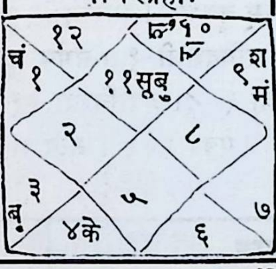

फालगुन में शनि पांच है और पांच रविवार। घटा-बढ़ी होवे घनी तेजी का संचार।।

गोचरग्रहाः

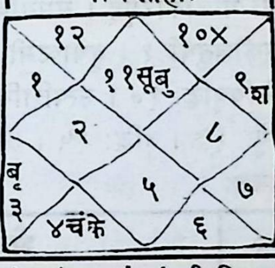

४८पं.फा.शु.१२बृ.इ.३५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	२	९	८	९	१०
२४	४	१५	७	९	२८	२१	२४
६	३	१	१८	४७	५८	११	४
२९	४७	२३	५८	१०	३४	३४	१३
५९	४२	०/०	३	४४	५	३	६०
५८	२२	५/३	२७	२५	१६	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०४६ शाकः १९११												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंततर्तूरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२६	३४	उ	२७	३९	गं	५३	८	कौ	२६	३४	२९/२३	६/७	५/५३	१२	२१	१४	कन्यायां	वसंत १ पातस्पर्शः ६।५७ पातमोक्षः १७/३८
२	मं	३१	१	ह	३३	२३	वृ	५४	२५	ग	३१	१	२७	७	५३	१३	२२	१५	कन्यायां	
३	बु	३६	१९	चि	४०	७	ध्रु	५६	१४	व	३	४०	३२	६	५४	१४	२३	१६	तु.६।५१	भ. ३।४० उ. ३६।१९ या. मीनेऽर्कः*
४	गु	४२	२०	स्वा	४७	३५	व्या	५८	३५	ब	९	१९	३६	५	५५	१५	२४	१७	तुलायां	चतुर्थी व्र. *२९।५७ (सौरः ३१/५४)
५	शु	४८	४३	वि	५५	७	ह	६०	०	कौ	१५	३१	४०	४	५६	१६	२५	१८	वृ.३८।१५	श्रवणे भौमः ४।५० मीने बुधः ४४।५७
६	श	५५	१०	अ	६०	०	ह	०	५६	ग	२१	५६	४४	३	५७	१७	२६	१९	बृश्चिके	भ.५५।१०उ. उभा. रविः ५१/१ (सौरः ५२/३०)
७	र	६०	०	अ	२	४३	व	३	३१	वि	२८	२	४९	२	५८	१८	२७	२०	बृश्चिके	भ. २८।२ या. उभा. बुधः २७।३२
७	चं	०	५५	ज्ये	९	३४	स्वि	४	३१	ब	०	५५	५३	१	५९	१९	२८	२१	ध.९।३४	शीतलापूजनम् ×रा. चैत्रारंभः
८	मं	५	३२	मू	१५	२	व्य	५	१८	कौ	५	३२	५७	१	५९	२०	२९	२२	धनुषि	
९	बु	८	४३	पू	१८	५५	व	४	३३	ग	८	४३	३०/१	६/०	६/०	२१	३०	२३	म.३४।२६	भ. ३९।१७ उ.
१०	गु	९	५२	उ	२१	१	प	२/३१	५६/१२	वि	९	५२	६	५/५९	१	२२	१	२४	मकरे	भ.९।५२या. उषा.२मकरेशनिः१२।५५×
११	शु	९	५	श्र	२१	७	सि	५३	२९	बा	९	५	१०	५८	२	२३	२	२५	कुं.५०।७	पापमोचनी ११ व्र.
१२	श	५	१५	ध	१९	८	सा	४६	३२	तै	५	१५	१४	५७	३	२४	३	२६	कुम्भे	धनिष्ठा. शुक्रः १७।८ प्रदोषः
१३	र	१	२९	श	१५	३२	शु	३८	२६	व	१	२९	१८	५६	४	२५	४	२७	मी५५।५६	भ. १।२९उ. २८।१६या. रेवत्यां बुधः ४७
१४	र	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	चं	४७	३४	पू	९	२३	शु	२९	१७	च	२१	१८	२३	५५	५	२६	५	२८	मीने	सोमवती ३० मन्वादिः

४९पं. चै.कृ.४बृ.इ.३५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	२	२	८	९	११
१	९	२७	७	१५	२९	२०	१
५	१३	४५	३९	३१	३१	४९	३
३१	२३	३२	५४	२६	४८	१८	५५
५९	४२	९/०	३	५०	४	३	५९
४१	२८	५/८	५०	४	५०	११	४९

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. ३ बुधे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

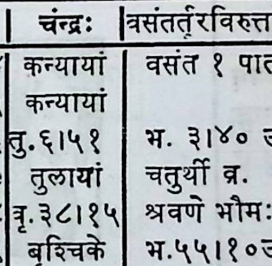

५०पं.चै.कृ.१०बृ.इ.३६।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	२	९	९	९	११
८	१४	११	८	२१	०	२०	८
३	२५	३४	९	४८	१	२७	१
१८	१	४१	४०	३६	४१	३	५०
५९	४२	०/८	५	५४	४	३	५९
२९	३०	५/७	०	४४	१९	११	३५

+मंशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुरा *चंमंशुशरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❁ श्री गणेशायनमः ❁

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०९१ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९१ भोग्यकलिः ४२६९०९ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्याद्दसम्वत् २०४७ शाकः १९१२ वर्षेऽस्मिन् राजा भौमः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो भौमः । धान्येशः शनिः । मेघेशः शुक्रः । रसेशो बुधः । नीरसेशश्चंद्रः । फलेशो बुधः । धनेशो रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १७ सुभानुनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत-मासादिः ८।२०।५१।५४ भोग्यमासादिः ३।९।८।६ । अग्निर्दैवतंयुगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समयविश्वा २० । समयवाहनम् वृषभः । स्तम्भाः २ अन्नतृणयोः । सोमवत्यमा.२ सोमवती पंचमी ३ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी × । रविदशमी १ । समय मुहूर्ताः २८५ । समयदिनानि ३५२ । तिथिक्षयः १८ । तिथिवृद्धिः १० । उत्पत्तिविश्वा ९६ । खपतिविश्वा १०८। वर्षाविश्वा ११ । धान्यम् ५। तृणम् ११। शीतम् ९ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ ।ऐक्यं १०१ । सत्यं ॥, धर्म १॥, पाप१८ । शनि दृष्टिउत्तरे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।

संवत् २०४७ शाके १९१२
श्रावण शुक्ले १५ चंद्रवासरे
खंडग्रासं ग्रस्तोदित चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्जयिनी मध्यमकाल	घ.	२९	३३	३६
	प.	२६	७	४८
रेल्वे टाइम	घं.	६	७	९
	मि.	१३	४२	१०

आसाम में यह ग्रहण चन्दोदय होने के बाद स्पर्श होगा, भारत में ग्रस्तोदय नहीं होगा ।

वर्ष लग्नम् ८।१३

*मंशुशरा

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ विनती करके माता से अर्ज सुनाता है।
सैंतालीसा का हाल कहो सुनने को जी ललचाता है ॥

भवानी उत्तर

प्रेम सहित माता कहती संवत्सर हाल सुनाती हूं ।
सब देख नभश्चर चार जगत में साधारण फल पाती हूं ॥
इस वर्ष का राजा भूमितनय यह क्रूर स्वभाव दिखावेगा ।
कहीं चोर रोग अग्नि भय हो कहीं द्वंद युद्ध करवावेगा ॥
पण मन्त्री भृगुदेव भये जो सुख संपत्ति संचार करे ।
सस्येश सहारा पाकर के जल अरु तृण का भंडार भरे ॥
रोहिणी वासो जलनिधि में संवत्सर विश्वा है खासा ।
अन्नतृण के दो स्तंभ बने इस में नहीं झूठ एक मासा ॥
नाम सुभानु संवत्सर जिसका फल मध्यम पाया है ।
ईश्वरदत्त गुरु ज्ञान दिया वह बंशीधर दरसाया है ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् १०।३

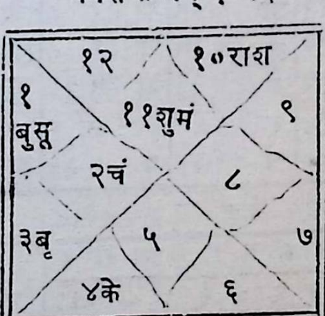

वर्षादी मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४२।१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम्--भौमे नृपे वन्हि भयंजनक्षयं चौराकुलं पार्थिवविग्रहञ्च । दुःखं प्रजाव्याधिवियोगपीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ।। मंत्री शुक्रस्तफलम्--भृगुसुतेननु मंत्रि समागते शलभ मूषक रावथमाहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्--सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघः पयो मुँचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधन तत्परा नरा धराभवेद्धान्यधनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम्--दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहः । सौराष्ट्र देश नष्टश्च यत्र धान्याधिपो शनिः ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम्--भृगुसुते जलदस्यपतिर्यदा जलयुता जलदादिविशोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम्-रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्य घृतादियुताजनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिलदेशसुरक्षिता ।। नीरसेशश्चन्द्रस्तत्फलम्--शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजत वाससां । अर्घबृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशो गुरुः फलम्--सुरगुरुः फलनायकतांगतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मंदिरा श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम्--द्रविणपे यदिवासरपेतदा वणिजतो बहुद्रव्यसमागमः । गजतुरंगममेष खरोष्ट्रतो धनचयंलभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम्--सुरगुरौ गढ़पेनय शोभिता नरवरानरपाः करपालिताः । गिरिषु नगरेषुसमं सुखं सुखमति द्विजशास्त्रवतां विशाम् ।। सुभानुनाम संवत्सरः फलम्--सुभानुवत्सरे भूमौ भूमिपानां च विग्रहैः । भातिभूर्भूरिसस्याढचा भयंकर भुजंगमा ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम्--कार्पासादि महर्घं स्याद्गौधूमादितिलादिकम् । मेघोवर्षतिदेवोवा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। मेघनाम पुष्करः फलम्--पुष्करे मन्द वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम्--समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालाकारगृहे फलम्--मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०४७ शाके१९१२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

क्रृष्णे ५ रवौ मूले ल. १२ रे. ६ ।।।।ऽअ.ऽऽ।ऽ दग्धा आवश्यके
शुक्ले ३ शुक्रे रोहि. ल. १२ रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।।
,, ११ शनौ उफा. ल. अन्यगो. ९-१२ रे. ९ ।।।।।ऽ।।।
धन लग्ने गु. ७ पूज्यः मीने चं. ७ पूज्यः

ज्येष्ठ मासः

क्रृष्णे १० रवौ उभा. ल. अन्यगो. ९ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। धन लग्ने गुरु ७ पूज्यः
,, ११ चन्द्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. ९ रे. ६ ऽ।ऽशु।।ऽचौ।ऽ।। धन लग्ने गुरु ७ पूज्यः शुक्रयुतिः
शुक्ले ११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ९ रे. ७ ऽ।।ऽऽअ।।।। गु.७पूज्यः
,, १३ बुधे अनु.ल.११ रे.६ ।।।शुऽऽ।ऽ।। पादतोवेधाऽभावः

आषाढ़ मासः

शुक्ले ७ शुक्रे हस्ते ल. २ रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ

पौषः मासः

क्रृष्णे ८ रवौ उफा. ल. अन्यगो. ५ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। अन्यगोधूल्यां भौम १ दोषः
,, ९ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. ५ रे.८ ।।।।ऽचौ।ऽ।। अन्यगोधूल्यां भौम १ दोषः सिंहे रेखा ७ दग्धादोषः
,, ११ बुधे स्वा. ल. ५-६ रे. ७ ऽशु।।।ऽरो।ऽ।।

माघ मासः

शुक्ले ५ चंद्रे उभा.ल.अन्यगो.६रे. ९ ।।।।।ऽ।।। कन्या चं.७पू.
,, ६ भौमे रेव.ल.अन्यगो.६ रे.८ ।।।।ऽरो।ऽ।। कं. चं.७पू.

फाल्गुन मासः

क्रृष्णे ५ रवौ हस्ते ल. गो. रे. ६ ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।।
, ८ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।ऽचौ।ऽ।।

चैत्र मासः

क्रृष्णे ५ भौमे स्वात्यां ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ। गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः
,, ७ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ।ऽ।।ऽनृ।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	मं	३९	८	उ	४/१४	५३/३४	ब्र	१९	३७	किं	१३	२१	३०/२७	५/५५	६/५	२७	६	२९	मे.५७।४९
२	बु	३०	२६	अ	५१	१३	ऐं	४६	५९/१३	बा	४	४७	३१	५४	६	२८	७	३०	मेषे
३	गु	२२	७	भ	४५	२	वि	५०	१७	ग	२२	७	३५	५३	७	२९	८	१	वृ.५८।४१
४	शु	१४	१५	कृ	३९	४०	प्री	४१	४२	वि	१४	१५	३९	५२	८	३०	९	२	वृषे
५	श	७	२५	रो	३५	२४	आ	३४	३	बा	७	२५	४१	५१	९	३१	१०	३	वृषे
६	र	१	३२	मृ	३२	२	सौ	२७	१३	तै	१	३२	४८	५०	१०	१	११	४	मि३।४३
७	र	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	चं	५३	३६	आ	३०	१०	शो	२१	२८	वि	२५	१५	५२	५०	१०	२	१२	५	मिथुने
९	मं	५१	३४	पु	२९	३७	अ	१६	४७	बा	२२	३५	५६	४९	११	३	१३	६	क.१४।४५
१०	बु	५०	५०	पु	३०	१६	सु	१३	२	तै	२१	१२	३१/००	४८	१२	४	१४	७	कर्के
११	गु	५१	३२	श्ले	३२	१३	धृ	१०	३०	व	२१	११	४	४७	१३	५	१५	८	सिं३२।१३
१२	शु	५३	५	म	३५	२५	शू	८	५१	ब	२२	१८	८	४६	१४	६	१६	९	सिंहे
१३	श	५५	५५	पू	३९	२९	गं	८	१६	कौ	२४	३०	११	४६	१४	७	१७	१०	कं.५५।४७
१४	र	५९	४४	उ	४४	४१	वृ	८	२३	ग	२७	४९	१५	४५	१५	८	१८	११	कन्यायां
१५	चं	६०	०	ह	५०	४७	ध्रु	८	५५	वि	३२	८	२०	४४	१६	९	१९	१२	कन्यायां
१५	मं	४	३२	चि	५७	२९	व्या	१०	२८	ब	४	३२	२२	४४	१६	१०	२०	१३	तु.२४।८

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२००स.१९९०

संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
सिंधारा चंद्रदर्शनम्
भ.४८/११ उ.गणगौरी मत्स्यजयन्ती रमजान९
भ. १४।१५ या. *४४/१२ कुम्भे शुक्रः ८/७
रेवत्यांरविः १८/४४ (सौरः १९/८) ग्र.मेषे बुधः*
भ. ५६।५४ उ. अप्रेल मा. ४ ता. ३०
श्रवणे३ राहुःआश्ले.१केतुः४ ३/१ बुधोदयः×
भ. २५।१५ या. ×पश्चिमायां ४९/२९
धनिष्ठा. भौमः ३०।५५ रामनवमी
भ. २१।११ उ. ५१/३२ या. कामदा ११ व्र.
शते शुक्रः ३०।४६
प्रदोषः
भ. ५९।४४ उ. भरण्यां बुधः १८।४
भ. ३ ३/३ या. आर्द्रा. १गुरुः ३७/२० हनुमज्जयन्ती

५१पं.चै.शु.३बृ.इ.३६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	२	९	९	९	११
१४	१९	२५	८	२८	०	२०	१४
५९	३७	४९	४७	३१	२७	४	५७
१३	५०	३०	४६	५	२९	४७	५७
५९	४२	[illegible]	६	५८	३	३	५९
१६	२७	५२	११	२०	३८	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मास में रोग पीड़ा हो जौ गेहूं चावल आदि अनाज पहिले कुछ मंदे होकर सुदी ८से तेजी हो । चांदी में घटाबढ़ी.

गोचरग्रहाः

५२पं.चै.शु.११बृ.इ.३७।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	२	१०	९	९	११
२१	२४	८	९	५	०	१९	२१
५३	४९	४५	३३	४५	४८	४२	५२
३१	२७	२२	०	१८	२५	३१	८
५९	४२	[illegible]	७	६१	३	३	५९
४	२४	१३	२	३	०	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	९	५७	स्वा	६०	०	ह	१२	७	कौ	९	५७	३५/२६	५/४३	६/१७	११	२१	१४	तुलायां
२	गु	१६	१०	स्वा	४	४२	व	१४	२८	ग	१६	१०	२९	४२	१८	१२	२२	१५	वृ.५५।२३
३	शु	२२	१८	वि	१२	१७	सि	१७	४	वि	२२	१८	३३	४१	१९	१३	२३	१६	वृश्चिके
४	श	२८	३५	अ	२०	७	व्य	१९	१३	बा	२८	३५	३६	४१	१९	१४	२४	१७	बृश्चिके
५	र	३४	३५	ज्ये	२७	१६	व	२१	१६	कौ	१	३५	४०	४०	२०	१५	२५	१८	ध.२७।१६
६	चं	३९	३५	मू	२३	३२	प	२२	३२	ग	७	५	४३	३९	२१	१६	२६	१९	धनुषि
७	मं	४३	२२	पू	३९	१४	शि	२३	७	वि	११	२८	४७	३९	२१	१७	२७	२०	म.५५।१
८	बु	४५	४१	उ	४२	२१	सि	२२	२०	बा	१४	३१	५१	३८	२२	१८	२८	२१	मकरे
९	गु	४५	५८	श्र	४४	६	सा	२०	५	तै	१५	४९	५५	३७	२३	१९	२९	२२	मकरे
१०	शु	४३	२१	ध	४४	८	शु	१६	२१	व	१४	३९	५८	३६	२४	२०	३०	२३	कुं.१४।८
११	श	४०	३०	श	४१	५५	शु	१०	३५	ब	११	५५	३/२	३६	२४	२१	१	२४	कुम्भे
१२	र	३४	५२	पू	३७	३९	ब्र	३/४६	५१/२९	कौ	७	४१	६	३५	२५	२२	२	२५	मी२३।४३
१३	चं	२७	३३	उ	३१	५७	वै	४६	९	ग	१	२३	१०	३४	२६	२३	३	२६	मीने
१४	मं	१८	५८	रे	२५	१	वि	३५	२४	श	१८	५८	१४	३३	२७	२४	४	२७	मे.२५।१
३०	बु	९	२०	अ	१७	१६	प्री	२४	३५	ना	९	२०	१७	३३	२७	२५	५	२८	मेषे

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ४९।१४ उ. कुम्भे भौमः ३१।३०
भ. २२।१८ या. आश्वि. मेषेऽर्कः ५३/४६*
*(सौरः ५४।५३) चतुर्थी व्र.
भ. ३९।३५ उ.
भ. ११।२८ या.
पूभायां शुक्रः १९।२९
भ. १४।३९ उ. ४३।२१ या.
शते भौमः ३६।४८ रा. वैशाखारम्भः×
×बरूथिनी ११ व्र.
भ. २७।३३ उ. ५३।१६ या. वक्री बुधः+
बुधास्तः पश्चिमायाम् ५९।२८
+२०।२५ प्रदोषः

१पं. वै.कृ. ३शु.इ.५२।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	१०	९	९	११
०	०	१९	१०	१४	१	१९	२९
०	५७	३२	३८	९	११	१६	५८
०	४३	३५	१३	२५	३८	२३	१८
५८	४२	६०	८	६३	२	३	५८
४४	३७	२	२५	३५	११	११	४५

गोचरग्रहाः

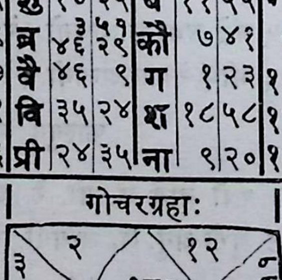

वैशा. कृ. ३ रवौ मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

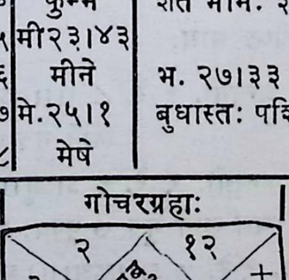

२पं. वै.कृ.१०शु.इ.५३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	१०	९	९	०
६	६	२३	११	२१	१	१८	६
५०	९	४२	३८	४०	२२	५४	४८
४२	०	५४	१०	१६	५९	८	२९
५८	४२	१०	९	६५	१	३	५८
३१	३५	८	११	१३	३१	११	२९

*मंशुशरा (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशरा +चंमंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	ड.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गणः६२३०सन्१९९०
१	बु	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५०	२	भ	९	४८	आ	१३	५६	बा	२४	४९	३२/२५	५/३२	६/२८	२६	६	२९	वृ.२२।५६	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	४१	८	कृ	२/२०	५३/२९	सौ	३/४४	५०/२४	तै	१५	३५	२५	३१	२९	२७	७	१	वृषे	भरण्यां रविः ३ ३/५ (सौरः ३५/५१) अक्षया३●
४	श	३३	२२	मृ	५०	३९	अ	४५	१९	व	७	१५	२९	३०	३०	२८	८	२	मि२३।१४	भ. ७।१५उ. ३३/२२ या. मीने शुक्रः २९।३१
५	र	२६	५५	आ	४६	५९	सु	३८	१४	ब	०	८	३२	३०	३०	२९	९	३	मिथुने	●परशुराम जयन्ती सव्वाल १०
६	चं	२२	१६	पु	४५	३	धृ	३२	१७	तै	२२	१६	३६	२९	३१	३०	१०	४	क.३०।३२	
७	मं	१९	२१	पु	४४	४९	शू	२७	५४	व	१९	२१	४०	२८	३२	१	११	५	कर्के	भ. १९।२१ उ. ४८/४४ या. उभा. शुक्रः ३२/२६×
८	बु	१८	६	श्ले	४६	२६	गं	२४	४६	ब	१८	६	४३	२७	३३	२	१२	६	सिं४६।२६	×आर्द्रा.३ गुरुः ३६/१९ **मई मा. ५ ता. ३१**
९	गु	१८	४३	म	४९	३५	वृ	२३	१०	कौ	१८	४३	४७	२७	३३	३	१३	७	सिंहे	
१०	शु	२०	४४	पू	५४	१०	ध्रु	२२	३५	ग	२०	४४	५१	२६	३४	४	१४	८	सिंहे	भ.५२।२६उ. वक्री शनिः ४५।३८
११	श	२४	८	उ	६०	०	व्या	२३	१६	वि	२४	८	५४	२५	३५	५	१५	९	कं.१०।३८	भ. २४।८ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	र	२८	४२	उ	०	२	ह	२४	२१	बा	२८	४२	५७	५	३५	६	१६	१०	कन्यायां	
१३	चं	३४	१	ह	६	४	व	२६	१०	कौ	१	२१	३३/१	२४	३६	७	१७	११	तु.३९।३७	प्रदोषः +यमायसान्नजलकुंभदानं
१४	मं	३९	११	चि	१२	१०	सि	२७	५७	ग	६	३६	४	२३	३७	८	१८	१२	तुलायां	भ. ३९।११ उ. नृसिंह १४
१५	बु	४५	५५	स्वा	२०	२९	व्य	३०	२८	वि	१२	३३	७	२३	३७	९	१९	१३	तुलायां	भ. १२।३३ या. पूभा. भौमः २५।११+

३पं. वै.शु.३ शु.इ.५३।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	१०	९	९	०
१३	११	२२	१२	२९	१	१८	१३
३९	२२	५६	४३	१९	२९	३१	३६
४३	३९	२४	५९	४८	५३	५२	५४
५८	२२	१८/४५	९	६६	०	३	५८
१९	२९	व	५३	४०	५२	११	१२

गोचरग्रहाः

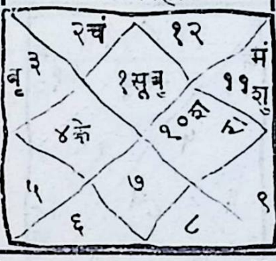

इस मास में बुध वक्री रुई पाटकार-दाना सोना चांदी खांड़ गुड़ चावल सिरस्युं अलसी तेज करेगा।

गोचरग्रहाः

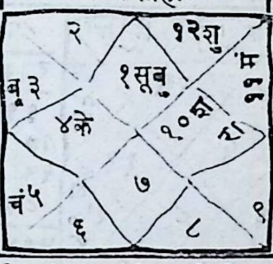

४पं. वै.शु.१०शु.इ.५३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	११	९	९	०
२०	१६	१९	१३	७	१	१८	२०
२७	३४	३	५४	७	३२	९	२५
२२	४८	३६	५८	२३	१३	३६	३६
५८	४२	३६/४३	१०	६७	०/१	३	५७
६	२२	व	३७	२०	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	ड.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५१	५५	वि	२७	५५	व	३२	५०	बा	१८	५५	३३/१०	५/२२	६/३८	१०	२०	१४	वृ.११।४	
२	शु	५८	२	अ	३५	२२	प	३५	४	तै	२४	५५	१३	२१	३९	११	२१	१५	वृश्चिके	कृत्तिका. रविः १९।० (सौरः २३।४८)
३	श	६०	०	ज्ये	४२	२९	शि	३७	१	व	३०	४५	१६	२१	३९	१२	२२	१६	ध.४२।२९	भ.३०।४५उ. बुधोदयः पूर्वस्याम् ५२।१७
३	र	३	२९	मू	४८	४७	सि	३८	४६	वि	३	२९	१९	२०	४०	१३	२३	१७	धनुषि	भ. ३।२९ या. रेवत्यां शुक्रः २९/१५ चतुर्थी व्र
४	चं	८	२१	पू	५४	३०	सा	३९	३३	बा	८	२१	२२	२०	४०	१४	२४	१८	धनुषि	वृषेऽर्कः ४६।१५ (सौरः ५१।३६)
५	मं	१२	२३	उ	५८	५९	शु	३९	३२	तै	१२	२३	२५	१९	४१	१५	२५	१९	म.१०।३७	
६	बु	१५	९	श्र	६०	०	शु	३०	२८	व	१५	९	२८	१८	४२	१६	२६	२०	मकरे	भ. १५।९ उ. ४५।४५ या.
७	गु	१६	२०	श्र	२	५	ब्र	३६	१३	ब	१६	२०	३०	१८	४२	१७	२७	२१	कुं.३२।५१	
८	शु	१५	५९	ध	३	३७	ऐं	३२	२३	कौ	१५	५९	३३	१७	४३	१८	२८	२२	कुम्भे	मार्गी बुधः ५८।५४
९	श	१३	४०	श	३	२२	वै	२७	१४	ग	१३	४०	३६	१७	४३	१९	२९	२३	मी४६।४६	भ. ४१।३७ उ. आर्द्रा. ४ गुरुः ४७।१९
१०	र	९	३५	पू	१/१४	५६/२	वि	२१	२५	वि	९	३५	३९	१६	४४	२०	३०	२४	मीने	भ. ९।३५ या.
११	चं	३	३७	रे	५१	४९	प्री	१२	२३	बा	३	३७	४१	१६	४४	२१	३१	२५	मे.५१।४९	अपरा ११ व्र.
१२	चं	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	मं	४७	३४	अ	४५	१२	आ	१३/३	४९/५४	ग	२१	५७	४३	१५	४५	२२	१	२६	मेषे	भ. ४७/३४ उ. मीने भौमः ५८/५५ रा. ज्येष्ठारंभः●
१४	बु	३७	५४	भ	३७	३९	शो	४०	२६	वि	१२	४४	४६	१५	४५	२३	२	२७	वृ.५०।३९	भ. १२।४४ या. ●प्रदोषः
३०	गु	२७	५३	कृ	२९	४०	अ	३१	१०	च	२	५३	४८	१४	४६	२४	३	२८	वृषे	वट सावित्री व्र.

५पं.ज्ये.कृ.२शु.इ.५३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	११	९	९	०
२७	२१	१५	१५	१५	१	१७	२७
१३	४४	३५	१०	०	३०	४७	८
३४	४९	२४	१९	४३	१४	२१	५०
५७	४२	२५/५९	११	६८	३/१०	३	५७
५४	२०	व	१३	५२	व	११	४५

गोचरग्रहाः

ज्ये. कृ. ४ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्र. वा. ४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भात्रे समता शुक्रो पू.।

गोचरग्रहाः

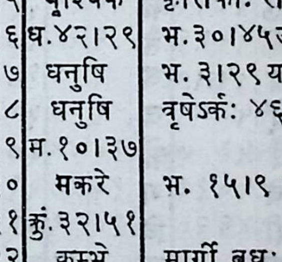

६पं.ज्ये.कृ. ८शु.इ.५३।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	२	११	९	९	१
३	२६	१४	१६	२२	१	१७	३
५८	५४	२७	२९	५८	२३	२५	५२
२६	३२	५८	२८	४४	१६	५	३०
५७	४२	२०/१	११	६९	१	३	५७
४४	१६	व	५०	३७	२५	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६२५९ स.१९९०
१	शु	१७	५४	रो	२१	४९	सु	२०	४६	ब	१७	५४	३३/५०	५/१४	६/४६	२५	४	२९	मि४८।२८	चन्द्रदर्शनम् रोहि. रविः ५ ९/० (सौरः १७/४५) *
२	श	८	३६	मृ	१५	१	धृ	१०	५३	कौ	८	३६	५२	१४	४६	२६	५	१	मिथुने	जिल्काद ११ *अश्वि. मेषे शुक्रः १/३१
३	र	०	३२	आ	९	२५	शू	१/५०	५२/८	ग	०	३२	५४	१३	४७	२७	६	२	क.५१।२५	भ.२७।१७उ.५४/२या. उभा. भौमः ४४।५१
४	र	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	९९	२६	पु	५	२५	वृ	४७	५७	ब	२१	४४	५६	१३	४७	२८	७	३	कर्के	×गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
६	मं	४६	५०	पु	३	१६	ध्रु	४३	३१	कौ	१८	८	५८	१२	४८	२९	८	४	कर्के	
७	बु	४६	२८	श्ले	३	१७	व्या	४०	४९	ग	१६	३९	३४/००	१२	४८	३०	९	५	सिं३।१७	भ. ४६।२८ उ.
८	गु	४७	५६	म	५	२२	ह	३९	२८	वि	१७	१२	२	१२	४८	३१	१०	६	सिंहे	भ. १७।२० या. +१गुरुः १५/१० प्रदोषः
९	शु	५१	२९	पू	९	७	व	३९	५१	बा	१९	४२	४	११	४९	१	११	७	कं.२५।२७	जून मा. ६ ता. ३० =गंगादशमी
१०	श	५५	४४	उ	१४	२८	सि	४०	४६	तै	२३	३६	६	११	४९	२	१२	८	कन्यायां	श्रवणे २ राहुः पुष्ये ४ केतुः ४।४५=
११	र	६०	०	ह	२०	५२	व्य	४२	४२	व	२८	३५	७	११	४९	३	१३	९	तु.५४।३०	भ. २८।३५ उ. निर्जला ११ व्र. स्मा.
११	चं	१	२५	चि	२८	८	व	४५	५	वि	१	२५	९	१०	५०	४	१४	१०	तुलायां	भ. १।२५ या. निर्जला ११ व्र. वै.
१२	मं	७	१७	स्वा	३५	३४	प	४७	३०	बा	७	१७	१०	१०	५०	५	१५	११	तुलायां	कृत्ति. बुधः ४७/३ भरण्यां शुक्रः ३४/२४ पुन.+
१३	बु	१३	३७	वि	४३	१५	शि	४९	५४	तै	१३	३७	१२	१०	५०	६	१६	१२	वृ.२६।२०	
१४	गु	१९	३१	अ	५०	२५	सि	५२	७	ब	१९	३१	१३	९	५१	७	१७	१३	वृश्चिके	भ. १९।३१ उ. ३२।२५ या. वृषे बुधः ४९/४२
१५	शु	२५	१९	ज्ये	५६	२८	सा	५४	४	व	२५	१९	१४	९	५१	८	१८	१४	ध.५६।३८	मृगे रविः ४।४६ (सौरः १६।३४)×

७पं.ज्ये.शु.१शु.इ.५४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	२	०	९	९	१
१०	२	१६	१७	१	.१	१७	१०
४२	२	५९	५२	१	११	२	३४
२५	२८	४६	८	३४	२०	५०	४१
५७	४१	२९/५	१२	७०	२	३	५७
३५	५८	मा	१६	२३	४	११	२३

८पं.ज्ये.शु.९शु.इ.५४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	२	०	९	९	१
१७	७	२२	१९	९	०	१६	१७
२५	८	५१	१७	७	५५	४०	१५
८	१७	४	५३	५२	२३	३४	४७
५७	४१	५८	१२	७०	३२/७	३	५७
२७	५०	५८	३४	५८	व	११	१३

९पं.ज्ये.शु.१५शु.इ.५४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	२	०	९	९	१
२४	१२	१	२०	१७	०	१६	२३
७	१२	३०	४६	१७	३५	१८	५५
१२	२९	४०	५	५६	३१	१८	४३
५७	४१	८९	१२	७१	१३/६	३	५७
२२	४३	२८	५८	२९	व	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	३०	१५	मू	६०	०	शु	५५	१६	कौ	३०	१५	३४/१६	५/९	६/५१	९	१९	१५	धनुषि	
२	र	३४	४१	मू	३	२०	शु	५५	५६	तै	२	२८	१७	९	५१	१०	२०	१६	धनुषि	×शनिः८।५३ योगिनी ११ व्र.
३	चं	३७	५१	पू	८	४०	ब्र	५५	५०	व	६	१६	१८	८	५२	११	२१	१७	म.२४।४२	भ.६।१६उ.३७।५१या. चतुर्थी व्र. पात*
४	मं	४०	१०	उ	१२	४९	ऐं	५४	४९	ब	९	०	१९	८	५२	१२	२२	१८	मकरे	*स्पर्शः ११।२० मोक्षः ३३।४०
५	बु	४१	१८	श्र	१६	१०	वै	५३	७	कौ	१०	४४	२०	८	५२	१३	२३	१९	कुं.४७।१४	
६	गु	४०	१९	ध	१८	२०	वि	५०	१६	ग	१०	४८	२१	८	५२	१४	२४	२०	कुम्भे	भ. ४०।१९ उ. रोहि. बुधः २४।३३
७	शु	३९	५९	श	१९	२५	प्री	४६	२०	वि	१०	९	२१	८	५२	१५	२५	२१	कुम्भे	भ. १०।९ या. मिथुनेऽर्कः ३।२४(सौरः+
८	श	३७	१९	पू	१८	४६	आ	४१	१७	बा	८	३९	२२	८	५२	१६	२६	२२	मी३।५६	कृत्ति. शुक्रः ५२।५७
९	र	३२	५९	उ	१६	४५	सौ	३४	२	तै	५	९	२२	८	५२	१७	२७	२३	मीने	+१७।२१) रेवत्यां भौमः४।१२
१०	चं	२७	३२	रे	१३	२५	शो	२७	४६	व	०	१५	२३	७	५३	१८	२८	२४	मे.१३।२५	भ. ०।१५ उ. २७।३२ या.
११	मं	२०	२८	अ	८	४६	अ	१९	१७	बा	२०	२८	२३	७	५३	१९	२९	२५	मेषे	वृषे शुक्रः ४६।५५ वक्री उपा. १ धनुषिच×
१२	बु	१२	३२	भ	२/५४	५३/५६	सु	१०	७	तै	१२	३२	२३	७	५३	२०	३०	२६	वृ.१६।१६	पुन. २ गुरुः ४९।३२ प्रदोषः
१३	गु	३	४१	रो	४९	१३	धृ	०/१६	४९/४५	व	३	४१	२४	७	५३	२१	३१	२७	वृषे	भ.३।४१उ.२९।०या. मृगे बुधः४७।२४÷
१४	गु	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	÷बुधास्तः पूर्वस्याम् ५२।५०
३०	शु	४५	७	मृ	४२	९	गं	३९	५४	च	१९	४३	२४	७	५३	२२	१	२८	मि१५।४१	आर्द्रा.रविः १६/२ (सौरः १९/५४)रा.आषाढारंभः

१०पं.आ.कृ.७शु.इ.५४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	२	०	९	९	२
०	१७	१२	२२	२५	०	१५	०
४८	१४	३९	१५	२९	१२	५६	३४
२५	२०	५०	५४	३१	१७	३	५२
५७	४१	[illegible]	१३	७१	४७/३	३	५६
१७	१८	[illegible]	१७	५०	व	११	५६

गोचरग्रहाः

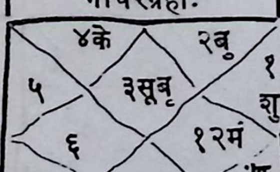

आ. कृ. ७ शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ५ न.५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

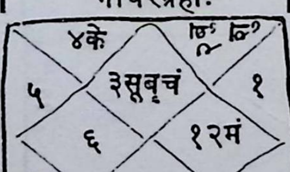

११पं.आ.कृ.३०शु.इ.५४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	२	१	८	९	२
७	२२	२५	२३	३	२९	१५	७
२९	१२	३६	४७	४५	४६	३३	१३
२४	११	४०	५३	२५	२३	४७	१९
५७	४०	[illegible]	१३	७२	४/५	३	५६
१३	५२	[illegible]	२६	१६	व	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६२८८स.१९९०
१	श	३६	३१	आ	३५	४४	वृ	३०	११	किं	१०	४९	३४/२४	५/७	५६/३	२३	२	२९	मिथुने	
२	र	२८	५२	पु	३०	२६	ध्रु	२१	२७	बा	२	४१	२४	७	५३	२४	३	३०	क.१६।४६	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं	२६	१०	पु	२६	३८	व्या	१४	१	ग	२३	१०	२४	७	५३	२५	४	१	कर्के	भ.५१।६उ. मिथुने बुधः २ ३/३ जिल्हेज १२
४	मं	१९	३	श्ले	२४	३८	ह	७	४७	वि	१९	३	२३	७	५३	२६	५	२	सिं२४।३८	भ. १९।३ या. •देवशयनी ११ व्र.
५	बु	१७	३१	म	२४	५६	व	३	२८	बा	१७	३१	२३	७	५३	२७	६	३	सिंहे	आर्द्रा. बुधः ५९।१२
६	गु	१७	३५	पू	२७	१७	सि	१	१	तै	१७	३५	२३	७	५३	२८	७	४	कं.४३।२२	रोहिण्यां शुक्रः ११।१५
७	शु	१९	५३	उ	३१	३६	व्य	०	३	व	१९	५३	२२	८	५२	२९	८	५	कन्यायां	भ. १९।५३ उ. ५१।५७ या.
८	श	२४	०	ह	३७	२२	व	०	११	ब	२४	०	२२	८	५२	३०	९	६	कन्यायां	
९	र	२९	२१	चि	४४	२३	प	१	३४	कौ	२९	२१	२१	८	५२	१	१०	७	तु.१०।५३	**जुलाई मा. ७ ता. ३१**
१०	चं	३५	२१	स्वा	५१	३९	शि	३	५३	तै	२	२१	२०	८	५२	२	११	८	तुलायां	
११	मं	४१	४४	वि	५९	२७	सि	६	२१	व	८	३२	१९	८	५२	३	१२	९	वृ.४२।३०	भ. ३६उ.४१/४४या. अश्वि. मेषे भौमः ५५/३४•
१२	बु	४७	४३	अ	६०	०	सा	८	५५	ब	१४	४३	१८	८	५२	४	१३	१०	वृश्चिके	पुन. बुधः ३।५८ अस्तं गुरोः ६।३६
१३	गु	५३	१४	अ	६	४९	शु	११	१६	कौ	२०	२८	१७	९	५१	५	१४	११	वृश्चिके	पुन. ३ गुरुः ५०।८ प्रदोषः
१४	शु	५७	१४	ज्ये	१३	३८	शु	१२	५९	ग	२५	१४	१५	९	५१	६	१५	१२	ध.१३।३८	भ.५७/१४ उ पुन. रविः १।१२(सौरः ३३/५५)
१५	श	६०	०	मू	१९	२१	ब्र	१३	५६	वि	२९	१६	१४	९	५१	७	१६	१३	धनुषि	भ. २९।१६ या. व्यासपूजा वायु परीक्षा
१५	र	१	१९	पू	२४	५	ऐं	१४	१७	ब	१	१९	१३	९	५१	८	१७	१४	म.३९।५९	कर्क बुधः ५०।२०

१२पं.आ.शु.७शु इ.५३।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	२	१	८	९	२
१४	२७	१०	२५	१२	२९	१५	१३
९	६	४३	२०	४	१७	१६	५१
५०	४७	४१	४६	१६	४९	३२	२४
५७	४०	७/४	१३	७२	२४/१	३	५६
७	२६	९/२४	३२	३७	व	११	५०

गोचरग्रहाः

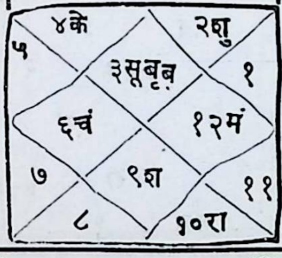

इस मासमें मिथुन का बुध तेजी कारक है। वायु का जोर कहीं२ अच्छी वर्षा हो चौपाया पशु तेज रहे।

गोचरग्रहाः

१३पं.आ.शु.१४शु.इ. ५३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	२	१	८	९	२
२०	१	२५	२९	२०	२८	१४	२०
५०	५९	५५	५४	२३	४८	४९	२९
१०	५४	५९	२९	१३	२२	१६	१८
५७	३९	६/४	१३	७३	३/४	३	५६
७	५४	९/४३	३८	५९	व	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	३	४६	उ	२७	४०	वै	१३	२९	कौ	३	४६	३४/११	५/१०	६/५०	९	१८	१५	मकरे	मृगे शुक्रः १९।१८
२	मं	५	८	श्र	३०	०	वि	१२	४	ग	५	८	१०	१०	५०	१०	१९	१६	मकरे	भ. ३५।१० उ. पुष्ये बुधः २८।१७
३	बु	५	१३	ध	३१	४९	प्री	९	३९	वि	५	१३	८	१०	५०	११	२०	१७	कुं.०।५४	भ. ५।१३ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	४	२८	श	३२	३२	आ	६	३८	बा	४	२८	७	११	४९	१२	२१	१८	कुम्भे	
५	शु	२	४०	पू	३२	१०	सौ	५३/२	५५/१५	तै	२	४०	५	११	४९	१३	२२	१९	मी१७।१६	नाग ५ मरुस्थले
६	श	०	११	उ	३०	५१	अ	५२	४०	व	०	११	४	११	४९	१४	२३	२०	मीने	भ. ०।११ उ. २८।५२ या. मिथुने शुक्रः•
७	श	५७	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	•५४।५६ बुधोदयः पश्चिमायाम् २०/२४
८	र	५२	११	रे	२८	५५	सु	४६	४२	बा	२४	५२	२	१२	४८	१५	२४	२१	मे.२८।५५	
९	चं	४६	४९	अ	२६	४	धृ	३९	५८	तै	१९	३०	०	१२	४८	१६	२५	२२	मेषे	कर्कोऽर्कः ३०।३६ (सौरः ५५।३९)
१०	मं	४०	४७	भ	२२	१२	शू	३२	३१	व	१३	४८	३३/५८	१२	४८	१७	२६	२३	वृ.३६।४	भ.१३।४८उ.४०/४७या. आश्ले. बुधः२४।५७
११	बु	३३	५२	कृ	१७	३९	गं	२४	२७	ब	७	२०	५६	१३	४७	१८	२७	२४	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	गु	२६	२९	रो	१२	२९	वृ	१५	४७	कौ	०	१०	५४	१३	४७	१९	२८	२५	मि३९।३८	पुष्ये रविः ५९।५३ प्रदोषः
१३	शु	१८	५१	मृ	६	४८	ध्रु	५६/२	५२/१	व	१८	४५	५२	१४	४६	२०	२९	२६	मिथुने	भ. १८/४५ उ. ४४/५६ या. पुष्ये रविःसौरः २६/२०×
१४	श	११	६	आ	४९/१	५४/२५	ह	४९	३७	श	११	६	५०	१४	४६	२१	३०	२७	क.४२।३७	×आर्द्रा. शुक्रः २८/५४ पुन. ४ कर्के गुरुः ४२/४५
३०	र	४	८	पु	५१	८	व	४१	५२	ना	४	८	४७	१५	४५	२२	३१	२८	कर्के	हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.५शु.इ.५३।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	२	१	८	९	२
२७	६	१०	२८	२८	२८	१४	२७
३०	३८	३	२८	४५	१७	२७	७
३२	३५	३६	५२	१८	२४	०	२५
५७	३९	७/०	१३	७३	४/०	३	५६
११	७	९/४७	४८	१४	व	११	५४

गोचरग्रहाः

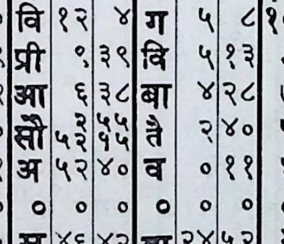

श्रा. कृ. ९ चंद्रे कर्कोऽर्कः प्र. वा. ४न.६ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

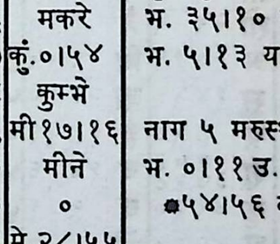

१५पं.श्रा.कृ.१३शु.इ. ५३/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	३	२	८	९	३
४	११	२२	०	७	२७	१४	३
११	१४	४६	२	१०	४६	८	४५
१७	१३	१६	२८	१२	१२	४४	५२
५७	३८	०/६	१३	७३	४/०	३	५६
१५	३०	९/५	३८	२२	व	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः६३१८सन् १९९०
१	र	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५३	३९	श्ले	४९	१९	सि	३५	५	बा	२५	५४	३३/४५	१५/५	६/४५	२३	१	२९	सि४९।१९	चन्द्रदर्शनम् रा. श्रावणारम्भः सिधारा
३	मं	५१	९	म	४८	२७	व्य	२९	४०	तै	२२	२४	४२	१६	४४	२४	२	१	सिंहे	भरण्यां भौमः ९।२८ तीज मोहोरम १*
४	बु	५०	३२	पू	४९	१४	व	२५	४६	व	२०	५०	४०	१६	४४	२५	३	२	सिंहे	भ. २०/५० उ. ५१/३२ या. मघा सिंहे बुधः ३६/३३×
५	गु	५१	५३	उ	५२	९	प	२३	२९	ब	२१	१२	३७	१७	४३	२६	४	३	कं.४।५८	नाग पंचमी उपाकर्मः
६	शु	५५	५	ह	५६	५३	शि	२२	५९	कौ	२३	२९	३५	१७	४३	२७	५	४	कन्यायां	उदयं गुरोः ४५।३६ उ. गु.
७	श	५९	५१	चि	६०	०	सि	२३	१९	ग	२७	२८	३२	१८	४२	२८	६	५	तु.२९।५९	भ. ५९।५१ उ. *सन् १४११ हि.
८	र	६०	०	चि	३	४३	सा	२५	१०	वि	३२	४८	२९	१८	४२	२९	७	६	तुलायां	भ. ३२।४२ या. ×वरद ४
८	चं	५	३४	स्वा	१०	५	शु	२७	६	ब	५	३४	२६	१९	४१	३०	८	७	तुलायां	+श्रवणे १ राहुः पुष्ये ३ केतुः ५७/४३ प्रदोषः
९	मं	११	५२	वि	१७	४३	शु	२९	४३	कौ	११	५२	२३	१९	४१	३१	९	८	वृ.०।४८	पुन. शुक्रः ३३।४
१०	बु	१७	५३	अ	२५	११	ब्र	३२	१०	ग	१७	५३	२१	२०	४०	१	१०	९	वृश्चिके	भ. ५०।४१ उ. अगस्त मा. ८ ता. ३१
११	गु	२३	३०	ज्ये	३२	१६	ऐं	३४	४	वि	२३	३०	१८	२०	४०	२	११	१०	ध.३२।१६	भ. ३३/३० या. आश्ले. रविः ५६/५४ पवित्रा ११ व्र.
१२	शु	२८	२	मू	३७	५६	वै	३५	१२	बा	२८	२	१५	२१	३९	३	१२	११	धनुषि	आश्ले. रविः सौरः २७/७ पूफा. बुधः ३७/३७+
१३	श	३१	१५	पू	४२	३४	वि	३५	२२	तै	३१	१५	१२	२२	३८	४	१३	१२	म.५८।२२	पुष्ये १ गुरुः ३९।१५
१४	र	३२	५५	उ	४५	४९	प्री	३४	१६	ग	२	५	९	२२	३८	५	१४	१३	मकरे	भ. ३२।५५ उ. वक्री पूषा. ४ शनिः ४७/४५
१५	चं	३३	१६	श्र	४७	४१	आ	३२	१४	वि	३	५	६	२३	३७	६	१५	१४	मकरे	भ. ३।५ या. रक्षा बं. ग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणम्

१६पं. श्रा.शु. ६ शु इ.५३/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	३	२	८	९	३
१०	१५	४	१	१५	१७	१३	१०
५२	४८	२	३६	३७	१६	४२	२५
१९	४	२६	४७	८	१	२९	९
५७	३७	९०	१३	७३	४/२६	३	५७
२०	२३	५१	३२	३७	व	११	५

गोचरग्रहाः

मिथुने च यदा शुक्रो महर्घं तत्र जायते । यवगोधूम चणकाः शालिश्चैव विशेषतः ॥ घटाबढ़ी के साथ तेजी हो ।

गोचरग्रहाः

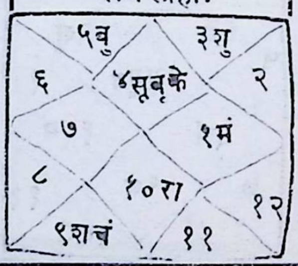

१७पं.श्रा.शु.१२ शु इ.५३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	३	२	८	९	३
१७	२०	१३	३	२४	२६	१३	१७
३४	१०	५१	९	६	४७	२०	४
१	२६	२९	४३	२२	५३	१४	५७
५७	३६	७२	१३	७३	४/८	३	५७
२५	५९	३१	२६	५०	व	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३२	९	ध	४८	१६	सौ	२९	१०	बा	२	४२	३/३	५/२३	६/३७	७	१६	१५	कु.१७।५९	
२	बु	३०	१०	श	४७	४६	शो	२५	५	तै	१	१०	०	२४	३६	८	१७	१६	कुम्भे	भ. ५८।३२ उ. कर्के शुक्रः ४५।२७
३	गु	२६	५५	पू	४६	२८	अ	२०	१९	वि	२६	५५	३२/५६	२५	३५	९	१८	१७	मी३१।४७	भ. २६।५५ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	२३	१२	उ	४४	२६	सु	१४	५६	बा	२३	१२	५३	२५	३५	१०	१९	१८	मीने	
५	श	१८	५६	रे	४२	१	धृ	८	५०	तै	१८	५६	५०	२६	३४	११	२०	१९	मे.४२।१	पुष्ये शुक्रः ३६।२६ चन्द्रषष्ठी
६	र	१४	२६	अ	३९	१०	शू	२/३७	५३/२८	व	१४	२६	४७	२७	३३	१२	२१	२०	मेषे	भ. १४।२६ उ. ४१।५९ या.
७	चं	९	३१	भ	३६	५	वृ	४९	२०	ब	९	३१	४३	२७	३३	१३	२२	२१	वृ.५०।१६	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	मं	४	२२	कृ	३२	४६	ध्रु	४२	२४	कौ	४	२२	४०	२८	३२	१४	२३	२२	वृषे	कृत्ति. भौमः ४५/४० जन्माष्टमी व्र. वै. गोगा९
९	मं	५५	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	बु	५३	१६	रो	२९	१७	व्या	३५	९	व	२६	३७	३६	२९	३१	१५	२४	२३	मि५७।१८	भ. २६।३७ उ. ५३।१६ या.
११	गु	४७	२०	मृ	२५	२०	ह	२७	५०	ब	२०	१८	३३	२९	३१	१६	२५	२४	मिथुने	मघा. सिंहेऽर्कः ५०/४९ उफा. बुधः ३१/३८ अजा*
१२	शु	४१	३४	आ	२१	४३	व	२०	२८	कौ	१४	२५	२९	३०	३०	१७	२६	२५	मिथुने	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः २३।३४ वत्स द्वादशी
१३	श	३६	१४	पु	१८	७	सि	१३	१२	ग	८	५४	२६	३१	२९	१८	२७	२६	क. ४।१	भ ३६।१४ उ. प्रदोषः *११ व्र.
१४	र	३१	२९	पु	१५	५	व्य	६	२५	वि	३	५१	२२	३२	२८	१९	२८	२७	कर्के	भ. ३।५१ या. ×कुशाग्रहणी स मवती
३०	चं	२७	४९	श्ले	१२	३८	व	०/१९	५४/४३	ना	२७	४९	१९	३२	२८	२०	२९	२८	सि१२।३८	बृषे भौमः ३८।३६ पुष्ये २ गुरुः ३।२२×

१८पं.भा.कृ.४शु.इ.५३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	३	३	८	९	३
२४	२४	२०	४	२	२६	१२	२३
१६	२४	५८	४१	३७	२०	५१	४६
२६	२२	४८	२४	२३	६	५८	४
५७	३५	५३	१३	७३	४३/१	३	५७
२३	२२	५७	२०	५६	व	११	२२

गोचरग्रहाः

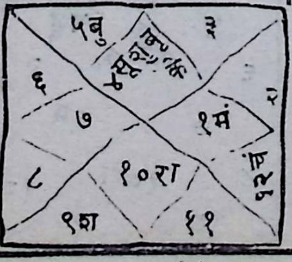

भा. कृ. ११ गुरौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोद. पू. ।

गोचरग्रहाः

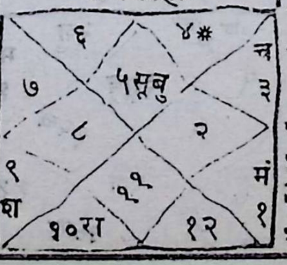

१९पं.भा.कृ.१२ शु इ.५३/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	३	३	८	९	४
०	२८	२७	६	११	२५	१२	०
५९	२६	२२	११	१०	५६	३५	२८
४९	१०	५९	२८	१	३८	४२	१७
५७	३४	२७	१३	७४	२३/३	३	५७
४०	०	३७	८	२	व	११	३४

 *बृशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३४७स.१९९०
१	मं	२५	३३	म	११	४०	शि	५०	५६	ब	२५	३३	३२/१५	५/३३	६/२७	२१	३०	२९	सिंहे	
२	बु	२४	५०	पू	१२	२२	सि	४७	५६	कौ	२४	५०	११	३४	२६	२२	३१	३०	कं.२७।५३	आश्ले. शुक्रः २३।१० चन्द्रदर्शनम्
३	गु	२५	४८	उ	१४	२९	सा	४६	४१	ग	२५	४८	८	३४	२६	२३	१	१	कन्यायां	भ. ५६।४ उ. वक्री बुधः ५१।३५ रा.*
४	शु	२६	२०	ह	१८	१३	शु	४६	४	वि	२६	२०	४	३५	२५	२४	२	२	तु.५०।५३	भ. २६।२० या. गणेश चतुर्थी
५	श	३२	५२	चि	२३	३३	शु	४७	३	बा	३२	५२	०	३६	२४	२५	३	३	तुलायां	ऋषि ५ ×पश्चिमायाम् ३४।३२
६	र	३८	११	स्वा	२९	३८	ब्र	४८	५४	कौ	५	३१	३१/५६	३७	२३	२६	४	४	तुलायां	*भाद्रपदारंभः हरितालिका ३ सफर २
७	चं	४४	२५	वि	३७	१७	ऐं	५१	११	ग	११	१८	५२	३८	२२	२७	५	५	वृ.२०।२२	भ. ४४।२५ उ.
८	मं	५०	३६	अ	४५	८	वै	५३	३५	वि	१७	३०	४८	३८	२२	२८	६	६	वृश्चिके	भ. १७।३० या.
९	बु	५६	२४	ज्ये	५२	१७	वि	५५	५१	बा	२३	३०	४४	३९	२१	२९	७	७	ध.५२।१७	
१०	गु	६०	०	मू	५८	४९	प्री	५७	३१	तै	२८	३६	४०	४०	२०	३०	८	८	धनुषि	पूफा. रविः ४०।२६ राममेवजो का मेला
१०	शु	१	९	पू	६०	०	आ	५८	१	ग	१	९	३६	४१	१९	३१	९	९	धनुषि	भ. ३२/५७ उ. पूफा. रविः सौरः १४/३६ बुधास्तः×
११	श	४	४५	पू	३	४४	सौ	५७	१८	वि	४	४५	३२	४२	१८	१	१०	१०	म.१९।४१	भ ४/४५ या. वक्री पूफा. बुधः १६/४९ सितम्बर+
१२	र	६	२५	उ	७	२६	शो	५५	१६	बा	६	२५	२८	४२	१८	२	११	११	मकरे	मघा. सिंहे शुक्रः १२।४४ प्रदोषः
१३	चं	७	३१	श्र	९	२६	अ	५१	५१	तै	७	३१	२५	४३	१७	३	१२	१२	कु.२९।१९	+मा. ९ ता. ३० जलझूलनी ११ व्र.
१४	मं	४	४२	ध	९	२२	सु	४७	९	व	४	४२	२१	४४	१६	४	१३	१३	कुम्भे	भ. ४/४२ उ. ३/३५ या. अनन्त १४ महालयश्रा.
१५	बु	१	२८	श	८	१	धृ	४१	१३	ब	१	२८	१७	४५	१५	५	१४	१४	मी५१।११	पुष्ये ३ गुरुः ३२।३२

२०पं.भा.शु.४शु.इ.५२।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	३	८	९	४
७	२	२९	७	१९	२५	१२	७
४४	१५	५०	३९	४४	३६	१३	११
१७	४३	२४	५८	४६	७	२७	४८
५७	३२	४/४३	१२	७४	७/४४	३	५७
४९	५८	ब	४७	४	ब	११	४५

गोचरग्रहाः

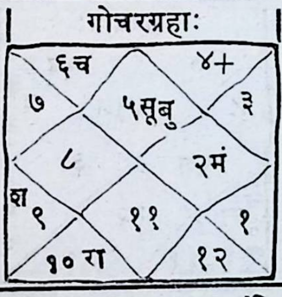

इस मासमें कहीं वर्षा अधिक कहीं कम होगी। कर्के गुरौ अनावृष्टि देशभंगो महर्घता। कर्कका गुरु नेष्ट फल करे।

गोचरग्रहाः

२१पं.भा.शु.१० शु.इ.५२/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	३	८	९	४
१४	५	२६	९	२८	२५	११	१३
२९	५२	५८	५	२१	१९	५१	५७
५६	५	२६	२४	०	१२	११	०
५८	२१	४५/५३	१२	७४	२/१०	३	५७
१	२४	ब	२०	१४	ब	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५५	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५१	३८	पू	५	३४	शू	३४	४३	तै	२४	१६	३१/१३	५/४५	६/१५	६	१५	१५	मीने	
३	शु	४५	३७	उ	१/५०	५६/७	गं	२७	२६	व	१८	३७	९	४६	१४	७	१६	१६	मे.५८।२	भ. १८।३७ उ. ४५।३७ या.
४	श	३९	२२	अ	५३	५४	वृ	१९	५१	ब	१२	३४	५	४७	१३	८	१७	१७	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	र	३३	२५	भ	४९	२८	ध्रु	१२	१२	कौ	६	२८	१	४८	१२	९	१८	१८	मेषे	रोहि. भौमः ३२।५
६	चं	२७	४६	कृ	४५	५७	व्या	४/४२	५२/३२	ग	०	३५	३०/५७	४९	११	१०	१९	१९	वृ.३।३५	भ. २७।४६ उ. ५५।७ या.
७	मं	२२	२७	रो	४२	३१	ह	४९	५७	ब	२२	२७	५३	४९	११	११	२०	२०	वृषे	
८	बु	१७	१५	मृ	३९	१३	सि	४३	८	कौ	१७	१५	४८	५०	१०	१२	२१	२१	मि१०।५२	
९	गु	१२	३४	आ	३६	४३	व्य	३६	४३	ग	१२	३४	४४	५१	९	१३	२२	२२	मिथुने	भ. ४९/२ उ. उफा. रविः ३४/४६ (सौरः ५९/४)*
१०	शु	८	११	पु	३४	३५	व	३०	३७	वि	८	११	४०	५२	८	१४	२३	२३	क.२०।७	भ. ८।११ या. *पूफा. शुक्रः ०।४८
११	श	४	३०	पु	३२	५	प	२४	५५	बा	४	३०	३६	५३	७	१५	२४	२४	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्याम् ३९/४५ इन्दिरा ११ व्र.
१२	र	१	२९	श्ले	३१	५३	शि	१९	५२	तै	१	२९	३२	५४	६	१६	२५	२५	सिं३१।५३	भ.५९।१८उ. कन्यायामर्कः ५०।७ प्रदोषः
१३	र	५७	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	चं	५८	१६	म	३१	४९	सि	१५	३१	वि	२८	४७	२८	५४	६	१७	२६	२६	सिंहे	भ. २८।४७ या. कन्यायामर्कः सौरः २४/१५×
३०	मं	५८	२२	पू	३३	४	सा	१२	२	च	२८	१९	२४	५५	५	१८	२७	२७	कं.४८।४०	सर्वपितृश्राद्धम् ×मार्गी बुधः ३२।५४

२२पं.आ.कृ.३शु.इ.५२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	३	४	८	९	४
२१	९	२१	१०	६	२५	११	२०
१६	१३	५३	२८	५९	६	२८	४३
५५	३५	२	५	२८	५४	५६	४०
५८	२७	४९/३०	१२	७४	१/३१	३	५८
१३	५९	व	२	२०	व	११	१२

गोचरग्रहाः

आ.कृ. १२ रवौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४ नं. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

२३पं.आ.कृ.१० गु.इ.५२/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	३	४	८	९	४
२८	१२	१६	११	१५	२४	११	२७
५	१७	१४	४७	३८	५९	६	३२
२४	४२	२०	२८	२८	२४	४०	१
५८	२६	३८/५६	११	७४	४/४	३	५८
२६	१९	ब	२५	२६	ब	११	२९

+बृशुके (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) *बृशुके ×चंबृके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३७६ स.१९९०
१	बु	५९	४७	उ	३५	२८	शु	९	२५	किं	२९	४	३०/२०	५/५६	६/४	१९	२८	२८	कन्यायां	मातामहश्रा. नवरात्रारम्भः
२	गु	६०	०	ह	३९	२२	शु	८	६	बा	३१	४५	१६	५७	३	२०	२९	२९	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम् ❋रा. आश्विनारंभः
२	शु	३	४३	चि	४३	५६	ब्र	७	१७	कौ	३	४३	१२	५८	२	२१	३०	१	तु.११।३९	रविलावल ३
३	श	७	३	स्वा	५०	२०	ऐं	७	५८	ग	७	३	८	५८	२	२२	३१	२	तुलायां	भ. ३९।४१ उ. मार्गी शनिः ४१।४०
४	र	१२	२०	वि	५७	११	वै	९	७	वि	१२	२०	४	५९	१	२३	१	३	वृ.४०।२८	भ १२/२०या. उफा. शुक्रः ४४/३० पुष्ये४गुरुः २३/५४❋
५	चं	१८	३१	अ	६०	०	वि	११	५	बा	१८	३१	३०/००	६/०	६/०	२४	२	४	बृश्चिके	
६	मं	२४	५२	अ	४	५०	प्री	१३	४१	तै	२४	५२	२९/५५	६/१	५/५९	२५	३	५	बृश्चिके	×बुधास्तः पूर्वस्यां ५७।७ शरद् १५ वै.
७	बु	३१	०	ज्ये	१२	२०	आ	१५	५५	व	३१	०	५१	२	५८	२६	४	६	ध.१२।२०	भ. ३१/१०उ.कन्यायांशुक्रः २५/०सरस्वत्यावाहनं
८	गु	३६	२८	मू	१९	३२	सौ	१८	११	वि	३	४४	४७	३	५७	२७	५	७	धनुषि	भ. ३।४४ या. हस्ते रविः १ ३/३ (सौरः ३६/४५)
९	शु	४०	३२	पू	२५	२९	शो	१९	११	बा	८	३०	४३	३	५७	२८	६	८	म.४१।३८	सरस्वती पूजनम् बलिदानं
१०	श	४३	४	उ	३०	६	अ	१९	३०	तै	११	४८	३८	४	५६	२९	७	९	मकरे	उफा बुधः ५७/३४ विजया १० सरस्वती विस.
११	र	४३	४२	श्र	३२	५४	सु	१८	२३	व	१३	२३	३४	५	५५	३०	८	१०	मकरे	भ.१३।२३उ.४३।४२या. पापांकुशा ११व्र.
१२	चं	४२	११	ध	३३	४७	धृ	१५	३७	ब	१२	५६	३०	६	५४	१	९	११	कु.३।२०	**अक्टूबर मा. १० ता. ३१**
१३	मं	३८	५१	श	३२	३४	शू	११	१९	कौ	१०	३१	२६	७	५३	२	१०	१२	कुम्भे	कन्यायां बुधः ११।१९ प्रदोषः
१४	बु	३३	३८	पू	२९	४६	गं	५/२७	५२/५०	ग	६	१५	२२	८	५२	३	११	१३	मी१५।२८	भ ३३।३८उ. कोजागरी व्र. शरद्१५ स्मा
१५	गु	२७	१३	उ	२५	२३	ध्रु	५०	७	वि	०	२५	१८	८	५२	४	१२	१४	मीने	भ. ०।२५ या. हस्ते शुक्रः २७।०×

२४पं.आ.शु.२शु.इ.५२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	३	४	८	९	५
४	१४	१७	१३	२४	२४	१०	४
५५	५५	२८	३	१९	५६	४४	२२
१९	५९	२६	२२	३७	१०	२४	८
५८	२३	४६/४७	१०	७४	०/६	३	५८
३८	३५	मा:	५३	२६	व	११	४५

गोचरग्रहाः

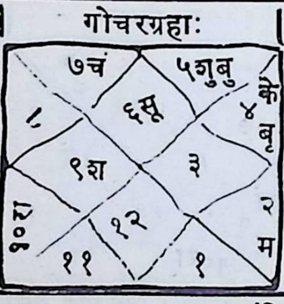

वृषराशिका मंगल मंदीको रोकेगा। वृष राशौ यदा भौमः सर्व धान्य महर्घता। चंदनं कुंकुम वस्त्रं कार्पासादि महर्घता।।

गोचरग्रहाः

२५पं.आ.शु. ९शु.इ.५२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	३	५	८	९	५
११	१७	२५	१४	३	२४	१०	११
४६	८	२	१३	२	५८	२२	१४
५५	४२	१०	५९	३१	५	९	१०
५८	१९	८९	१०	७४	०/४४	३	५९
५३	४७	४३	१०	२६	मा	११	०

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	गरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	१९	४३	रे	२०	३	ध्या	४१	१५	कौ	१९	४३	२९/५४	६/९	५/५९	५	१३	१५	मे.२०।३	उषा. ४ राहुः पुष्ये २ केतुः ४९।४६
२	श	१२	४	अ	१४	११	ह	३१	५९	ग	१२	४	१०	१०	५०	६	१४	१६	मेषे	भ. ३८।३ उ.
३	र	४	२	भ	८	१४	व	२२	३७	वि	४	२	६	११	४९	७	१५	१७	वृ.२१।५१	भ. ४।२ या. हस्ते बुधः ५९।१७ चतुर्थी व्र.
४	र	५२	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	४९	४३	कृ	२/४०	५४/५९	सि	१३	४५	कौ	२३	७	२	१२	४८	८	१६	१८	वृषे	
६	मं	४३	४०	मृ	५३	२३	व्य	५/७	५२/७	ग	१६	४१	२८/५८	१२	४८	९	१७	१९	मि२५।३१	भ. ४३।४० उ.
७	बु	३८	३५	आ	५०	४	प	५०	१	वि	११	७	५४	१३	४७	१०	१८	२०	मिथुने	भ. ११।७ या. चित्रायां रविः ३५।१४
८	गु	३४	२५	पु	४७	५५	शि	४३	५६	बा	६	३०	५०	१४	४६	११	१९	२१	क.३३।२७	चित्रा. रविः सौरः २४/१ शुक्रास्तः×शु.अ.पू.
९	शु	३१	२९	पु	४६	४६	सि	३८	२९	तै	२	५७	४६	१५	४५	१२	२०	२२	कर्के	
१०	श	२९	३०	श्ले	४६	४३	सा	३४	६	व	०	२३	४२	१६	४४	१३	२१	२३	सिं४६।४३	भ. ०।२९ उ. २९।३० या.
११	र	२८	४१	म	४७	३६	शु	३०	१९	बा	२८	४१	३८	१६	४४	१४	२२	२४	सिंहे	रमा ११ व्र. ×पूर्वस्यांम् १२।३६
१२	चं	२९	२	पू	४९	४८	शु	२७	३१	तै	२९	२	३४	१७	४३	१५	२३	२५	सिंहे	चित्रा. बुधः ३५/४८ चित्रा शुक्रः ७/४६ आश्ले.❋
१३	मं	३०	२०	उ	५२	५६	ब्र	२५	३५	व	३०	२०	३०	१८	४२	१६	२४	२६	कं.५।३५	भ. ३०।२० उ. प्रदोषः धन १३
१४	बु	३२	५३	ह	५७	९	ऐं	२४	४२	वि	१	४२	२६	१९	४१	१७	२५	२७	कन्यायां	भ. ३ २/६ या. तुलायामर्कः १९/० सौरः ५०/४ रूप१४
३०	गु	३६	३१	चि	६०	०	वै	२४	३१	च	४	३६	२२	२०	४०	१८	२६	२८	तु.२९।४३	महालक्ष्मी पूजनम् ❋ १ गुरुः १५।३५

२६पं.का.कृ.१शु.इ.५१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	५	८	९	५
१८	१८	६	१५	११	२५	९	१८
४०	५२	२०	१९	४५	४	५९	७
८	३७	३५	२३	३२	३०	५३	५७
५९	१६	[illegible]	९	७४	१	३	५९
९	१३	[illegible]	२६	३२	२६	११	१६

गोचरग्रहाः

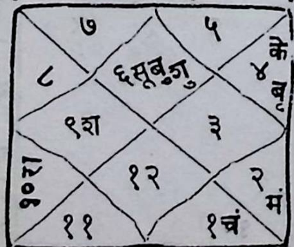

का.कृ. १४ बुधे तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.४ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

२७पं.का.कृ.९शु.इ.५१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	५	८	९	५
२५	२०	१८	१६	२०	२५	९	२५
३५	२	४७	१९	३१	१५	३७	३
६	२	५६	२५	५५	२२	३८	३९
५९	१०	[illegible]	८	७४	२	३	५९
२१	२६	[illegible]	३५	३२	६	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः:६४०६सन्१९९०
१	शु	४१	७	चि	२	१७	वि	२४	४९	किं	८	४९	२८/१८	६/२०	५/४०	१९	२७	२९	तुलायां	तुलायां बुधः २०।७ अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा
२	श	४६	३७	स्वा	८	४१	प्री	२६	२२	बा	१३	५२	१४	२१	३९	२०	२८	३०	वृ.५८।४०	तुलायां शुक्रः२७।२७ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	र	५२	५५	वि	१५	२०	आ	२८	९	तै	१९	४६	१०	२२	३८	२१	२९	१	वृश्चिके	रविलाखर ४
४	चं	५९	२६	अ	२२	५८	सौ	३०	१९	व	२६	५	६	२३	३७	२२	३०	२	·वृश्चिके	भ. २६।५ उ. ५९।२६ या.
५	मं	६०	०	ज्ये	३०	३४	शो	३२	५०	ब	३३	६	२	२४	३६	२३	१	३	ध.३०।३४	स्वात्यां बुधः ८।३७ रा. कार्तिकारम्भः
५	बु	५	४७	मू	३८	४३	अ	३५	२२	बा	५	४७	२७/५९	२४	३६	२४	२	४	धनुषि	स्वात्यां रविः १।२ (सौरः ३१।२)
६	गु	११	४३	पू	४४	५९	सु	३७	११	तै	११	४३	५४	२५	३५	२५	३	५	धनुषि	स्वात्यां शुक्रः ४५।४३
७	शु	१६	२२	उ	५०	४०	धृ	३८	२	व	१६	२२	५०	२६	३४	२६	४	६	म.१।२४	भ. १६।२२ उ. ४८।१२ या.
८	श	२०	२	श्र	५४	४७	शू	३८	९	ब	२०	३	४६	२७	३३	२७	५	७	मकरे	वक्री भौमः ४०।४२ गोपाष्टमी
९	र	२१	५१	ध	५७	१३	गं	३६	३७	कौ	२१	५१	४२	२८	३२	२८	६	८	कुं.२६।०	अक्षय ९
१०	चं	२१	३४	श	५७	२६	वृ	३३	३७	ग	२१	३४	३९	२८	३२	२९	७	९	कुम्भे	भ. ५०।२३ उ.
११	मं	१९	१३	पू	५५	४६	ध्रु	२८	५१	वि	१९	१३	३५	२९	३१	३०	८	१०	मी४१।११	भ.१९।१३या. प्रबं.धिनी ११ व्र. तुल. वि.
१२	बु	१४	४७	उ	५२	१४	व्या	२२	३५	बा	१४	४७	३१	३०	३०	३१	९	११	मीने	विशा. बुधः ३१।३४ प्रदोषः
१३	गु	८	३४	रे	४६	५५	ह	१४	४४	तै	८	३४	२७	३१	२९	१	१०	१२	मे.४६।५५	नवम्बर मा. ११ ता. ३० वकुंठ १४
१४	शु	०	४७	अ	४०	२९	व	५/३७	५९/१	व	०	४७	२४	३१	२९	२	११	१३	मेषे	भ. ०।४७ उ. २६।२९ या.
१५	शु	५१	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

२८पं.का.शु.१शु.इ.५१।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	५	८	९	६
२	२०	०	१७	२९	२५	९	२
३१	३५	५५	१४	१५	३१	१५	१
३४	१०	८	६	२९	८	२२	७
५९	·७	५/०	७	७४	२	३	५९
३४	१४	९/२	३४	३२	४७	११	४६

२९पं.का.शु.७शु.इ.५१।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	६	८	९	६
९	२०	१२	१८	८	२५	८	९
२९	२२	३५	०	१	५१	५३	०
४९	८	४२	४	४४	११	६	२७
५९	०	०/०	६	७४	.३	३	६०
४७	४०	५/३	३७	३८	२७	११	२

३०पं. का.शु.१४शु.इ.५१/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	६	८	९	६
१६	१९	२३	१८	१६	२६	८	१६
२९	२६	५१	३९	४८	१६	३०	१
३८	२	११	३६	७	३०	५१	३१
६०	५/१	९९	५	७४	४	३	६०
४	ब	१८	२४	३७	८	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४२	५९	भ	२३	२१	व्य	४५	१६	बा	१७	३५	२७/२०	६/३२	५/२८	३	१२	१४	वृ.४६।३१	
२	र	२३	४४	कृ	२६	०	व	३४	४१	तै	८	२१	१६	३३	२७	४	१३	१५	वृषे	भ. ५९।२० उ.
३	चं	२४	५७	रो	१८	५४	ध	२४	१३	वि	२४	५७	१३	३३	२७	५	१४	१६	मि४५।४४	भ.२४।५७या. विशा. शुक्र. ३५/३० चतुर्थी व्र.
४	मं	१६	५६	मृ	१२	३४	शि	१४	३५	बा	१६	५६	९	३४	२६	६	१५	१७	मिथुने	विशा.रविः ३१/१५ सौरः ४६/३१ वृश्चिके बुधः ५३/२६
५	बु	१०	२६	आ	७	२१	सि	५/३४	५२/१७	तै	१०	२६	६	३५	२५	७	१६	१८	क.४९।३१	
६	गु	५	२	पु	३	३३	शु	५१	१७	व	५	२	२	३६	२४	८	१७	१९	कर्के	भ.५।२उ.३३।११या. अनु.बुधः५७।२५●
७	शु	१	२०	पु	१	२३	शु	४६	४	ब	१	२०	२६/५९	३६	२४	९	१८	२०	कर्के	
८	शु	५७	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श	५८	३८	श्ले	०	४७	ब्र	४२	६	तै	२८	५६	५३	३७	२३	१०	१९	२१	सिं०।४७	
१०	र	५९	४०	म	१	२९	ऐं	३९	११	व	२९	९	५६	३७	२३	११	२०	२२	सिंहे	भ. २९।९ उं. ५०।४० या.
११	चं	६०	०	पू	३	४८	वै	२७	३८	ब	३०	४८	४९	३८	२२	१२	२१	२३	कं.१९।४५	बुधोदयः प.४७।३५ उत्पत्ति ११ व्र. स्मा.
११	मं	४	५६	उ	७	३७	वि	३७	४	बा	१	५६	४६	३९	२१	१३	२२	२४	कन्यायां	बृश्चिके शुक्रः २३।१८ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१२	बु	५	२२	ह	१२	२७	प्री	३७	२६	तै	५	२२	४३	३९	२१	१४	२३	२५	तु.४५।२२	प्रदोषः ●उपा. १ शनिः ४३।९
१३	गु	९	५३	चि	१८	१८	आ	३८	१७	व	९	५३	४०	४०	२०	१५	२४	२६	तुलायां	भ.९।५३उ.४२।३२या. अनु.शुक्रः५८।५९
१४	शु	१५	११	स्वा	२४	५६	सौ	३९	५१	श	१५	११	३७	४१	१९	१६	२५	२७	तुलायां	वृश्चिकेऽर्कः १७।२७ (सौरः ४२।४८)
३०	श	२१	३	वि	३१	५२	शो	४१	३४	ना	२१	३	३४	४१	१९	१७	२६	२८	वृ.१५।८	ज्येष्ठा. बुधः ४२।५८

३१पं. मा.कृ.७शु.इ.५१।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	३	६	८	९	६
२३	१७	४	१९	२५	२६	८	२३
३०	४८	४५	१०	३६	४५	८	४
५८	११	५०	५२	११	१८	३५	७
६०	१/५	९६	४	७४	४	३	६०
१७	ब	१	१३	३८	४१	११	३०

गोचरग्रहाः

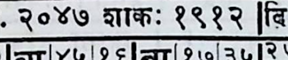

मा. कृ. १४ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्र. वा. ३ न. ३अतिबन्ध्यावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

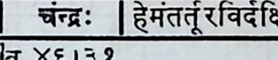

३२पं. मा.कृ.१४ शु.इ.५०/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	७	८	९	७
०	१५	१५	१९	४	२७	७	०
३३	१३	२०	३२	२२	१६	४६	८
४७	३८	६	४२	४२	१	२०	११
६०	३५	९१	३	७४	५	३	६०
३०	ब	५८	१	३२	८	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६४३६स.१९९०
१	र	२७	२८	अ	३९	२२	अ	४३	४६	ब	२७	२८	३६/३१	६/४२	५/१८	१८	२७	२९	वृश्चिके	
२	चं	३३	५५	ज्ये	४६	५९	सु	४६	१३	बा	०	४१	२९	४२	१८	१९	२८	३०	ध.४६।५९	अनु. रविः ३५/४७ (सौरः ५९/३६) चन्द्रदर्शनम्
३	मं	४०	२२	मू	५४	३६	धृ	४८	३२	तै	७	८	२६	४३	१७	२०	२९	१	धनुषि	जमादिलावल ५
४	बु	४६	२२	पू	६०	०	शू	५०	२०	व	१३	२२	२४	४३	१७	२१	३०	२	धनुषि	भ. १३।२२ उ. ४६।२२ या.
५	गु	५१	३२	पू	१	३३	गं	५१	५३	ब	१८	५७	२१	४४	१६	२२	१	३	म.१८।८	रा. मार्गशीर्षारंभः
६	शु	५५	३७	उ	७	५३	वृ	५२	३५	कौ	२३	३४	१९	४४	१६	२३	२	४	मकरे	चम्पा ६
७	श	५८	३१	श्र	१३	८	ध्रु	५२	१६	ग	२७	४	१६	४५	१५	२४	३	५	कु.४५।१	भ. ५८।३१ उ.
८	र	५९	२९	ध	१६	५३	व्या	५०	३१	वि	२९	०	१३	४५	१५	२५	४	६	कुम्भे	भ. २९।० या.
९	चं	५८	४३	श	१८	५८	ह	४७	२३	बा	२९	६	११	४६	१४	२६	५	७	कुम्भे	मूले धनुषि बुधः ५९/२ ज्येष्ठा. शुक्रः ३८/४४
१०	मं	५५	५०	पू	१९	१०	व	४२	४०	तै	२७	११	८	४६	१४	२७	६	८	मी ४।७	×वक्री गुरुः ३२।६ दत्तजयंती
११	बु	५१	३	उ	१७	२६	सि	३६	२९	व	२३	२६	६	४७	१३	२८	७	९	मीने	भ. ३३/२६ उ.५१।३या. मोक्षदा ११ व्र. स्मा.✱
१२	गु	४४	२०	रे	१३	३७	व्य	२८	३७	ब	१७	४१	३	४७	१३	२९	८	१०	मे.१३।३७	मोक्षदा ११ व्र. वै. ✱गीता ज.
१३	शु	३६	३१	अ	८	२२	व	१८	३३	कौ	१०	२५	१	४८	१२	३०	९	११	मेषे	प्रदोषः +दिसम्बर मा.१२ ता.३१
१४	श	२७	१६	भ	९/४०	५२/३१	प	९/१९	४९/१९	ग	१	५३	२५/५९	४८	१२	१	१०	१२	बृ.१४।४८	भ.२७।१उ. ५३/२४या. शुक्रोदयः पश्चि.४९/१२+
१५	र	१७	३२	रो	४६	११	सि	४७	२०	ब	१७	३२	५७	४९	११	२	११	१३	वृषे	ज्येष्ठा. रविः ४५/५७ वक्री कृत्ति.भौमः५।८×

३३पं.मा.शु.६शु.इ.५०।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	७	८	९	७
७	१३	२५	१९	१३	२७	७	७
३७	५	३०	४५	११	५३	२४	१३
३७	३५	५४	५८	१०	६	४	४२
६०	१९/१	८५	१	७४	५	३	६०
४२	व	४२	३१	३२	३६	११	५३

गोचरग्रहाः

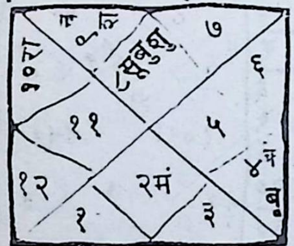

इस मासमें भौम वक्री रुई सण सूत सोनाचांदी मूं.फ-ली एरंडाविनौला धान्य गल्ला आदि में तेज करेगा ।

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.शु.१३ शु.इ.५०/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	३	७	८	९	७
१४	१०	५	१९	२१	२८	७	१४
४२	२५	०	४९	५९	३२	१	२०
५४	४८	७	३०	१८	३५	४८	३०
६०	३०/४३	७५	०	७४	६	३	६१
५०	व	४०	२३	३२	७	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	७	४२	मृ	३८	१६	सा	३६	१६	कौ	७	४२	२५/५५	६/४९	५/११	३	१२	१४	मि१२।१३	ज्येष्ठा. रविः सोरः ७।३६
२	चं	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	मं	४९	४७	आ	३१	१०	शु	२५	३८	व	२३	५१	५३	४९	११	४	१३	१५	मिथुने	भ. २३।५१ उ. ४९।४७ या.
४	बु	४२	३५	पु	२५	१८	शु	१५	५८	ब	१६	११	५१	५०	१०	५	१४	१६	क.११।४६	चतुर्थी व्र. ✱राहुः पुष्ये १ के.तुः ४१/४४
५	गु	३७	२१	पु	२०	५८	ब्र	७	३१	कौ	९	५८	४९	५०	१०	६	१५	१७	कर्के	
६	शु	३३	५२	श्ले	१७	२४	ऐं	०/३४	५४/३१	ग	५	३६	४८	५०	१०	७	१६	१८	सिं१७।२४	भ. ३३/५२ उ. मूले धनुषि शुक्रः १२/२१ उषा. ३✱
७	श	३२	३०	म	१७	४४	वि	५१	१९	वि	३	११	४६	५१	९	८	१७	१९	सिंहे	भ. ३।११ या. पूषा. बुधः १४।४९
८	र	३३	२	पू	१९	८	प्री	४८	५०	बा	२	४६	४५	५१	९	९	१८	२०	कं.३४।५८	
९	चं	३५	१७	उ	२२	२६	आ	४७	४९	तै	४	१०	४४	५१	९	१०	१९	२१	कन्यायां	
१०	मं	३९	४	ह	२७	२	सौ	४८	१८	व	७	१०	४२	५२	८	११	२०	२२	कन्यायां	भ. ७।१० उ. ३९।४ या.
११	बु	४४	५	चि	३३	८	शो	४९	१०	ब	११	३४	४१	५२	८	१२	२१	२३	तु. ०।५	सफला ११ व्र.
१२	गु	४९	५५	स्वा	४०	११	अ	५०	५०	कौ	१७	०	४०	५२	८	१३	२२	२४	तुलायां	×मकरे शनिः १२।५०
१३	शु	५६	१३	वि	४७	२६	सु	५३	३३	ग	२३	४	३९	५२	८	१४	२३	२५	बृ.३०।३८	भ.५६।१३उ. वक्री बुधः ४८।९ प्रदोषः
१४	श	६०	०	अ	५५	१	धृ	५५	१५	वि	२९	३०	३८	५२	८	१५	२४	२६	बृश्चिके	भ. ३९/३०या. मूले धनुष्यऽर्कः५३।९ उषा.२×
१४	र	२	४७	ज्ये	६०	०	शू	५७	२८	श	२	४७	३८	५२	८	१६	२५	२७	वृश्चिके	मूले धनुष्यर्कः सौरः ११।२०
३०	चं	९	९	ज्ये	२	३२	गं	५९	३५	ना	९	८	३७	५३	९	१७	२६	२८	ध.२।३२	पूषा. शुक्रः ५१।१९ सोमवती ३०

३५पं. पौ.कृ.६शु.इ.५०।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	३	८	८	९	७
२१	८	१२	१९	०	२९	६	२१
४८	३	५७	४४	४६	१३	३९	२८
५८	२५	५०	१७	५९	२७	३३	५५
६०	१९/२५	५४	१३/१	७४	६	३	६१
५६	व	४	व	२६	२३	११	११

गोचरग्रहाः

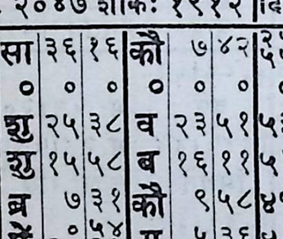

पौष.कृ.१४ शनौ धनुष्यर्कः प्र.वा.१ न.३ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे सम-ता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

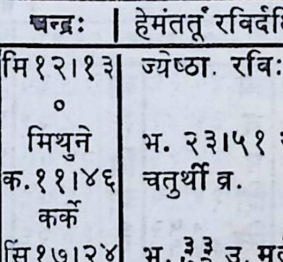

३६पं. पौ.कृ.१३ शु.इ. ५०/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	३	८	८	९	७
२८	६	१६	१९	९	२९	६	२८
५५	१०	१७	२८	३५	५७	१७	३६
५२	३०	२	२३	६	२९	१७	५८
६१	१५/३३	८/१५	२/१६	७४	६	३	६१
०	व	व	व	२६	३७	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०४७	शाकः १९१२									दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४६६ स.१९९०
१	मं	१५	२३	मू	९	५०	वृ	६०	०	ब	१५	२३	३५/३७	५६/५३	५/७	१८	२७	२९	धनुषि	
२	बु	२१	२	पू	१६	४४	वृ	१	२२	कौ	२१	२	३७	५३	७	१९	२८	३०	म.३३।१७	बुधास्तः पश्चिमायाम् ५।४१ चंद्रदर्शनम्
३	गु	२६	१	उ	२२	५४	ध्रु	२	३५	ग	२६	१	३६	५३	७	२०	२९	१	मकरे	भ. ५७।८ उ. वक्री मूले बुधः ३२।२९●
४	शु	२९	५६	श्र	२८	१८	व्या	३	५	वि	२९	५६	३६	५३	७	२१	३०	२	मकरे	भ. २९।५६ या.
५	श	३२	५५	ध	३२	३२	व	३	१	ब	१	२५	३६	५३	७	२२	१	३	कुं.०।२५	रा.पौषारंभः ●जमादिलाखर ६
६	र	३४	२८	श	३५	२५	ह	२	५	कौ	३	४१	३६	५३	७	२३	२	४	कुंभे	
७	चं	३४	४२	पू	३७	४	सि	०/४	५६/३८	ग	४	३५	३६	५३	७	२४	३	५	मी२१।३९	भ. ३४।४२ उ.
८	मं	३३	१०	उ	३७	१२	व	५[illegible]	५	वि	३	५६	३७	५३	७	२५	४	६	मीने	भ. ३।५६ या. ×पुत्रदा ११ व्र.
९	बु	३०	११	रे	३५	३३	प	४५	५४	बा	२	४०	३७	५३	७	२६	५	७	मे.३५।३३	
१०	गु	२५	२०	अ	३२	२२	शि	३८	४१	ग	२५	२०	३७	५३	७	२७	६	८	मेषे	भ. ५२।१५ उ. +मकरे शुक्रः ६।५५
११	शु	१९	१०	भ	२७	४०	सि	३०	३९	वि	१९	१०	३८	५२	८	२८	७	९	वृ.४१।७	भ.१९/१०या. पूषा. रविः ५६ उषा. शुक्रः ३५/२९×
१२	श	११	३४	कृ	२१	३०	सा	२०	४६	बा	११	३४	३८	५२	८	२९	८	१०	वृषे	पूषायां रविः सौरः १२।५८ प्रदोषः
१३	र	२	५९	रो	१४	२६	शु	१०/२६	४९/१२	तै	२	५९	३९	५२	८	३०	९	११	मि४०।४३	भ.५३।३७उ. बुधोदयः पूर्वस्याम् २।४६
१४	र	५०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	चं	४४	३	मृ	६	५९	ब्र	४८	३८	वि	१८	५०	४०	५२	८	३१	१०	१२	मिथुने	भ १८/५०या. वक्री ज्येष्ठा. बृश्चिके बुधः १६/५०+

३७पं. पौ.शु.४शु.इ.४९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	३	८	९	९	८
६	४	११	१९	१८	०	५	५
३	५०	२६	३	२२	४१	५५	४६
२९	३१	१७	३६	५९	१७	२	२२
६१	३०/३२	८८/१०	३/५५	७४	६	३	६१
४	व	व	व	२६	५६	११	२२

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५
सोमवार श्रेष्ठ हैं।
सोमस्यपंचवाराः
स्युः यत्रमासेभव-
न्तिहि। धनधा-
न्यं समृद्धिश्चसुखं-
भवति सर्वदा ।।

गोचरग्रहाः

३८पं. पौ.शु.११ शु.इ.४९/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	३	८	९	९	८
१३	४	२	१८	२७	१	५	१२
११	१३	४९	३०	१०	३१	३२	५६
३१	३०	५९	.४	१	१	४६	१५
६१	४/४१	५९/२०	५	७४	७	३	६१
६	व	व	८	२०	५	११	२६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं० २०४७	शाकः १९१२									दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३४	५५	आ	०/११	५२/११	ऐं	३८	११	बा	९	२९	२५/४०	५६/५२	५/८	१	११	१३	क.३९।१९	श्रस्तंशनेः ३९/३ जनवरी मा.१ता.३१ सन्●
२	बु	२६	४१	पु	४६	१५	वै	२८	१६	तै	०	४८	४१	५२	८	२	१२	१४	कर्के	भ. ५३।३९ उ. ●१९९१ ई.
३	गु	२०	३७	श्ले	४१	५०	वि	१९	३७	वि	२०	३७	४२	५२	८	३	१३	१५	सिं४१।५०	भ. २०।३७ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	१४	४५	म	३९	४	प्री	१२	२८	बा	१४	४५	४३	५१	९	४	१४	१६	सिंहे	मार्गी भौमः ९।७ मार्गी बुधः २।३८
५	श	११	४९	पू	३८	५०	आ	६	४८	तै	११	४९	४४	५१	९	५	१५	१७	कं.५४।१६	
६	र	११	११	उ	४०	३४	सौ	२	५४	व	११	११	४६	५१	९	६	१६	१८	कन्यायां	भ. ११/११ उ. ४१/४७ या. मूले धनुषि बुधः १६/५
७	चं	१२	२३	ह	४४	१५	शो	०	४५	ब	१२	२३	४७	५१	९	७	१७	१९	कन्यायां	
८	मं	१५	४०	चि	४९	२९	अ	०	२२	कौ	१५	४०	४९	५०	१०	८	१८	२०	तु.१६।५२	श्रवणे शुक्रः ५।५८
९	बु	२०	२३	स्वा	५५	५९	सु	०	३६	ग	२०	२३	५१	५०	१०	९	१९	२१	तुलायां	भ. ५३।१९ उ.
१०	गु	२६	१५	वि	६०	०	धृ	२	१३	वि	२६	१५	५२	५०	१०	१०	२०	२२	वृ.४६।३७	भ. २६।१५ या.
११	शु	३२	४४	वि	३	२९	शू	४	२२	बा	३२	४४	५४	४९	११	११	२१	२३	बृश्चिके	उषा.रविः २/४९ (सौरः १४/२५) षट्तिला ११ व्र.
१२	श	३९	२८	अ	१०	५९	गं	६	२९	कौ	६	६	५६	४९	११	१२	२२	२४	बृश्चिके	
१३	र	४६	१	ज्ये	१९	३	वृ	८	५५	ग	१२	४४	५८	४८	१२	१३	२३	२५	ध.१९।३	भ ४६।११ उ. उषा. ३ शनिः १७/४१ प्रदोषः
१४	चं	५१	५१	मू	२६	८	ध्रु	११	६	वि	१८	५६	२६/१	४८	१२	१४	२४	२६	धनुषि	भ.१८।५६या. मकरेऽर्कः १९।१३ (सौरः●
३०	मं	५७	२	पू	३२	५२	व्या	१२	३०	च	२४	२६	३/२	४७	१३	१५	२५	२७	म.४९।१७	●२९/५०) वक्री पुष्ये. ४ गुरुः ५२।५९

३९पं.मा कृ.४शु.इ.४९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	७	३	९	९	९	८
२०	४	२९	१७	५	२	५	२०
१९	१३	५६	४९	५६	१९	१०	६
२६	५५	४२	१६	४६	४८	१०	१२
६१	१०/०	२७/९	१३/४	७४	७	३	६१
६	मा	मा	व	२०	२४	११	२६

गोचरग्रहाः

माघ कृ.१४ चंद्रे
मकरेऽर्कः प्र.वा.३
न.३ वन्ध्य।वस्था
(ऊभी) मु. ३०
धान्यादिभावे सम-
ता शुक्रोदयः प. ।

गोचरग्रहाः

४०पं.मा.कृ.११ शु.इ. ४९/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	३	९	९	९	८
२७	४	३	१७	१४	३	४	२७
२७	५०	४९	१	४२	९	४८	१६
४०	४३	५९	२३	४०	१४	१५	४
६१	५	४७	५/३	७४	७	३	६१
६	५६	५२	व	९	२०	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	६०	०	उ	३८	३२	ह	१३	३२	किं	२९	९	२६/५	६/४७	५/१३	१६	२६	२८	मकरे
१	गु	१	१६	श्र	४२	१२	व	१३	४२	ब	१	१६	८	४६	१४	१७	२७	२९	मकरे
२	शु	४	३५	ध	४७	५	सि	१३	५	कौ	४	३५	१०	४६	१४	१८	२८	१	कुं.१५।८
३	श	६	३९	श	४९	४५	व्य	११	४८	ग	६	३९	१२	४६	१४	१९	२९	२	कुम्भे
४	र	७	४४	पू	५१	३८	व	९	२४	वि	७	४४	१५	४५	१५	२०	३०	३	मी ३६।१०
५	चं	७	४१	उ	५२	१५	ध	६	२८	बा	७	४१	१७	४५	१५	२१	१	४	मीने
६	मं	६	३४	रे	५१	५०	शि	२/४०	५५/१३	तै	६	३४	२०	४४	१६	२२	२	५	मे.५१।५०
७	बु	४	२१	अ	५०	५	सा	५२	२	व	४	२१	२२	४४	१६	२३	३	६	मेषे
८	गु	०	५९	भ	४७	२०	शु	४५	२२	ब	०	५९	२५	४३	१७	२४	४	७	मेषे
९	शु	५५	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	शु	५०	४९	कृ	४३	२१	शु	३७	२९	तै	२३	४०	२७	४३	१७	२५	५	८	वृ.१।२०
११	श	४४	५	रो	३८	२५	ब्र	२८	५९	व	१७	२७	३०	४२	१८	२६	६	९	वृषे
१२	र	३६	२९	मृ	३२	४४	ऐं	१९	५०	ब	१०	१७	३३	४१	१९	२७	७	१०	मि५।३४
१३	चं	२८	२०	आ	२६	१९	वै	१०	८	कौ	२	२४	३६	४१	१९	२८	८	११	मिथुने
१४	मं	२०	४	पु	१९	५२	वि	०/४	५/३१	व	२०	४	३९	४०	२०	२९	९	१२	क.६।२९
१५	बु	१२	६	पु	१३	५३	आ	४१	३५	ब	१२	६	४२	४०	२०	३०	१०	१३	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४९५स.१९९१

चन्द्रदर्शनम्
धनि. शुक्रः ४३।३३ रज्जब ७
भ. ३७।११ उ.
भ.४४/७या. अभि.प्र.रविः५८/५१ पूषा. बुधः३७/१
श्रभि.प्र. रविः सौरः १।१२रा.माघारंभः*
*वसंत पंचमी
भ.४।२१उ.३२/४०या. भानु ७ पातस्पर्शः ५१/१३
श्रवणेरविः २६/१ (सौरः १७/९)कुंभे शुक्रः २/२०×
अभि. नि. रविः ०।५० (सौरः ९।२५)
भ. १७।२५ उ. ४४।५ या. जया ११ व्र.
प्रदोषः ×पातमोक्षः ५।४५
भ. २०।४उ. ४६।५या. शतेशुक्रः २२।४२
उषायां बुधः २८।३२

४१पं.मा.शु.२श.इ.४९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	३	९	९	९	९
४	६	११	१६	२३	३	४	४
२५	१	१८	९	२७	५९	२५	२५
३१	३०	३२	७	२५	२४	५९	३३
६१	१०	६७	७/४०	७४	७	३	६१
३	४४	५६	व	२	२०	११	१९

गोचरग्रहाः

इस मासमें जौगेहूं गुड़मूंग मोंठ मसूर चना चंदन केसर कपड़ा चांदी रुई तेज होकर मंदे होवेंगे ।

गोचरग्रहाः

४२पं. मा.शु.१०शु.इ.४९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	२	१०	९	९	९
११	७	२०	१५	२	४	४	११
४२	३९	१७	१३	१२	४८	३	३४
५८	५४	१७	१९	२२	४३	४४	२४
६०	१३	८१	५७/२	७४	७	३	६१
५९	४८	२	व	२	२०	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	सु.	चन्द्रः
१	गु	४	५८	श्ले	८	५२	सौ	३३	२९	कौ	४	५८	२६/४६	६/३९	५/२१	३१	११	१४	सि८।५२
२	शु	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	शु	५५	१	म	४	५९	शो	२६	२९	व	२७	६	४९	३८	२२	१	१२	१५	सिंहे
४	श	५३	१३	पू	२	५२	अ	२१	२२	ब	२४	७	५२	३८	२२	२	१३	१६	कं.१७।५६
५	र	५३	१५	उ	३	१०	सु	१७	४०	कौ	२३	१४	५५	३७	२३	३	१४	१७	कन्यायां
६	चं	५५	५९	ह	५	१०	धृ	१५	४९	ग	२४	३७	५९	३६	२४	४	१५	१८	तु.३७।९
७	मं	५९	३४	चि	९	८	शू	१५	२३	वि	२७	४६	२७/२	३६	२४	५	१६	१९	तुलायां
८	बु	६०	०	स्वा	१४	४७	गं	१५	५८	बा	३२	१८	६	३५	२५	६	१७	२०	तुलायाँ
८	गु	५	२	वि	२१	४९	वृ	१७	५२	कौ	५	२	९	३४	२६	७	१८	२१	बृ. ५।४
९	शु	११	७	अ	२९	६	ध्रु	१९	५६	ग	११	७	१३	३३	२७	८	१९	२२	बृश्चिके
१०	श	१७	४८	ज्ये	३६	५२	व्या	२२	२०	वि	१७	४८	१६	३३	२७	९	२०	२३	ध.३६।५२
११	र	२४	१४	मू	४४	८	ह	२४	२६	बा	२४	१४	२०	३२	२८	१०	२१	२४	धनुषि
१२	चं	२९	५८	पू	५०	४८	व	२६	६	तै	२९	५८	२४	३१	२९	११	२२	२५	धनुषि
१३	मं	३४	५६	उ	५६	२९	सि	२६	५८	ग	२	२७	२७	३१	२९	१२	२३	२६	म.७।१३
१४	बु	३८	२५	श्र	६०	०	व्य	२६	५४	वि	६	४०	३१	३०	३०	१३	२४	२७	मकरे
३०	गु	४०	४४	श्र	१	४७	व	२५	५७	च	९	३४	३५	२९	३१	१४	२५	२८	कु.२४।३९

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्रा

*राहुःपुन.४ केतुः३४/४० फरवरी २ ता. २८
भ.२७/६उ.५५/१या. मकरे बुधः४१/३४ उषा. २*
रोहि. भौमः ४७।४ चतुर्थी व्र.
उदयं शनेः ५२।११
भ. ५५।५९ उ. पातस्पर्शः ५७।३९
भ. २७।४५ या. पातमोक्षः ११।२२
धनि. रविः १६।४२ (सौरः २३।०)
भ. ४४।२७ उ. श्रवणे बुधः १८।४७
भ. १७/४८ या. पूभा.शुक्रः ८।४१ वक्री पुष्ये×
उषा. ४ शनिः ४४।११ विजया ११ व्र.
×३ गुरुः ११।५५
भ.३४।५६उ. कुंभेऽर्कः ५१/५७(सौरः ५६/४७)+
भ. ६।४० या. महाशिवरात्रि व्र. वै.
+बुधास्तः पू.१२/१७ प्रदोषः महाशिव व्र.स्मा.

४३पं.फा.कृ.३शु.इ.४९।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	३	१०	९	९	९
१८	९	०	१४	१०	५	३	१८
४९	४३	१२	१८	५५	३७	४१	४२
२६	१२	१८	४	८	४१	२८	२७
६०	१७	९०	५६/२	७३	७	३	६१
५५	३५	१२	व	५६	१४	११	४

गोचरग्रहाः

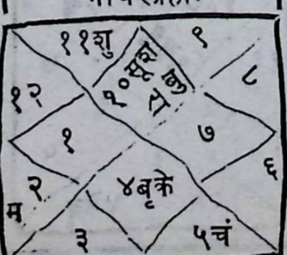

फा. कृ. १४ बुधे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३न. ४ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे सम- ता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

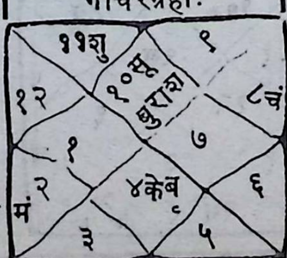

४४पं.फा.कृ.९श.इ.४९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	३	१०	९	९	९
२५	१२	१०	१३	१९	६	३	२५
५५	१	५०	२२	३६	२६	१९	४९
१६	५	४२	४८	५४	२	१२	१४
६०	२१	९७	३८/७	७३	७	३	६०
४७	२८	४३	व	५०	२०	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४१	४३	ध	४	२	प	२३	५६	किं	११	१३	३७/३८	२६/८	३५/२	१५	२६	२९	कुम्भे
२	श	४१	३४	श	६	६	शि	२१	०	बा	११	३८	४२	२८	३२	१६	२७	३०	मी५१।३६
३	र	४०	२८	पू	६	४७	सि	१७	१७	तै	११	१	४६	२७	३३	१७	२८	१	मीने
४	चं	३८	२०	उ	६	४१	सा	१२	३७	व	९	२४	५०	२६	३४	१८	२९	२	मीने
५	मं	३५	३५	रे	५	४५	शु	७	३४	ब	६	५७	५४	२५	३५	१९	३०	३	मे.५।४५
६	बु	३२	५	अ	४	१७	शु	२/५	५३/५०	कौ	३	५०	५८	२४	३६	२०	१	४	मेषे
७	गु	२८	७	भ	५ १/६	५७/१०	ऐं	४९	१६	ग	०	६	२६/२	२४	३६	२१	२	५	बृ.१६।१३
८	शु	२४	२३	रो	५५	४४	वै	४१	१५	ब	२४	२३	६	२३	३७	२२	३	६	बृषे
९	श	१८	१०	मृ	५१	५०	वि	३४	३४	कौ	१८	१०	१०	२२	३८	२३	४	७	मि२३।४७
१०	र	१२	२५	आ	४७	२६	प्री	२६	४१	ग	१२	२५	१४	२१	३९	२४	५	८	मिथुने
११	चं	६	१०	पु	४२	५०	आ	१८	२३	वि	६	१०	१८	२०	४०	२५	६	९	क.२८।५९
१२	चं	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	मं	५३	१२	पु	३८	८	सौ	१०	१७	कौ	२६	२५	२२	२०	४०	२६	७	१०	कर्के
१४	बु	४७	१५	श्ले	३४	२	शो	१/७	२/२६	ग	२०	१३	२६	१९	४१	२७	८	११	सिं३४।२
१५	गु	४१	४९	म	३०	४०	सु	४७	५३	वि	१४	३२	३०	१८	४२	२८	९	१२	सिंहे

त्रसंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६५२५स.१९९१

घनि. बुधः ३१।२० चन्द्रद. फुलरिया २
मीने शुक्रः १४।१९ सावान ८
भ. ९/२४ उ. ३८/२० या. पातस्पर्शः ३३/४० मोक्षः ४४/४५
शते रविः ३६/१८ (सौरः ३२/१९) उषा. शुक्रः ५६/२४
कुम्भे बुधः ३५।२० रा. फाल्गुनारम्भः
भ. २८।७ उ. ५६।१५ या.
होलाष्टकः
भ. ३९।१७ उ. शते बुधः १३।३७
भ. ६।१० या. आमलकी ११ व्र.
प्रदोषः
भ. ४७।१५ उ.
भ. १४।३२ या. होलिकादहनं

४५पं.फा.शु.१शु.इ.५०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	३	१०	९	९	१०
३	१४	२२	१२	२८	७	२	२
०	३५	८	३०	१६	१३	५६	५५
४	४९	४६	५८	४१	१	५७	१७
६०	१३	३७/०	६/५५	७३	६	३	६०
३७	५०	९/४७	ब	३९	३५	११	४२

गोचरग्रहाः

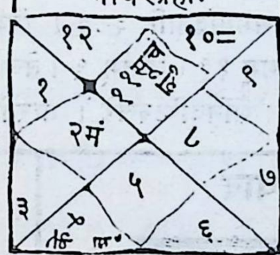

चैत्र कृ. १३गुरौ मीनेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

४६पं.फा.शु.८शु.इ.५०।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	३	११	९	९	१०
१०	१७	४	११	६	७	२	९
३	२६	७	४३	५५	५८	३४	५९
३२	१७	१९	३०	४४	४८	४१	५०
६०	२६	९/०	६	७३	६	३	६०
२५	२८	५३	८	२६	३५	११	३१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४७ शाकः १९१२												दि.	उ.	अं.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः
१	शु	३८	४	पू	२८	१५	धृ	४२	६	बा	९	५६	३८/४	१६/७	४५/३	१	१०	१३	कं.४३।४
२	श	३५	५०	उ	२७	३०	शू	३७	४६	तै	६	५७	३८	१६	४४	२	११	१४	कन्यायां
३	र	३५	११	ह	२८	२६	गं	३४	५०	व	५	३०	४२	१६	४४	३	१२	१५	तु.५९।५९
४	चं	३६	२९	चि	३१	३२	वृ	३३	४०	ब	५	५०	४६	१५	४५	४	१३	१६	तुलायां
५	मं	३९	४३	स्वा	३६	५	ध्रु	३३	२५	कौ	८	६	५०	१४	४६	५	१४	१७	तुलायां
६	बु	४४	३२	वि	४२	१३	व्या	३४	२९	ग	१२	७	५४	१३	४७	६	१५	१८	वृ.२५।४१
७	गु	५०	१४	अ	४८	२	ह	३६	१०	वि	१७	२३	५८	१२	४८	७	१६	१९	वृश्चिके
८	शु	५६	३९	ज्ये	५६	४०	व	३८	२६	बा	२३	२६	२९/२	१२	४८	८	१७	२०	ध.५६।४०
९	श	६०	०	मू	६०	०	सि	४०	५३	तै	२९	५१	६	११	४९	९	१८	२१	धनुषि
९	र	३	३	मू	४	८	व्य	४२	४०	ग	३	३	१०	१०	५०	१०	१९	२२	धनुषि
१०	चं	८	४७	पू	११	५	व	४३	३५	वि	८	४७	१४	९	५१	११	२०	२३	म.२७।३२
११	मं	१३	४३	उ	१६	५६	प	४३	४४	बा	१३	४३	१९	८	५२	१२	२१	२४	मकरे
१२	बु	१७	८	श्र	२१	२७	शि	४३	३	तै	१७	८	२३	७	५३	१३	२२	२५	कु.५२।५५
१३	गु	१८	५५	ध	२४	२४	सि	४०	५३	व	१८	५५	२७	७	५३	१४	२३	२६	कुम्भे
१४	शु	१९	११	श	२५	५०	सा	३७	२४	श	१९	११	३२	६	५४	१५	२४	२७	कुम्भे
३०	श	१७	४४	पू	२५	४६	शु	३२	५०	ना	१७	४४	३६	५	५५	१६	२५	२८	मी१०।४७

वसंततुं रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

मार्च मा. ३ ता. ३१ वसन्त १ छारेंडी
रेवत्यां शुक्रः ४६/५ पातस्पर्शः ३७/४७ मोक्षः ४८/५६
भ.५।३०उ.३५।११या. पूभा. बुधः२०।३
पूभायां रविः४४।२३ (सौरः ४७/६) च. व्र.
भ. ४४।३२ उ.
भ. १७।२३ या. मृगे भौमः ४८।४४
मीने बुधः ४०।० शीतलापूजनम्
भ. ३५।५५ उ. उभा. बुधः २२।५४
भ. ८।४७ या.
पापमोचनी ११ व्र. *(सौरः ४७/२६)
अश्वि. मेषे शुक्रः ४०।१ प्रदोषः
भ.१८।५५उ.४९/२ या. मीनेऽर्कः ४५।२०*
श्रवणे १ शनिः २५।२९
बुधोदयः पश्चिमायाम् मन्वादिः

४७पं. चै.कृ.१शु.इ.५०।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	३	११	९	९	१०
१७	२०	१७	११	१५	८	२	१७
५	३३	९	४	३२	४२	१२	२
४६	५०	३६	१	२०	११	१६	४१
६०	२७	३७/०	५/१	७३	६	३	६०
१२	३५	९/२६	ब	१९	४०	११	२०

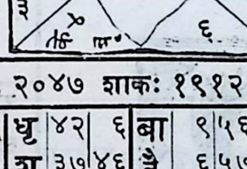

४८पं.का कृ.८शु.इ.५१।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	३	११	९	९	१०
२४	२३	०	१०	२४	९	१	२४
६	५०	२१	३१	६	२३	५०	४
२९	२८	२५	३०	२५	१७	१०	४
५९	२९	७/०	४३	७३	५	३	६०
५८	२०	९/३५	ब	५	५९	११	५

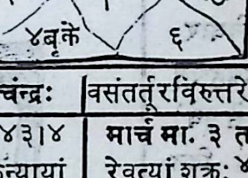

४९पं. चै.कृ.१४ शु.इ.५१/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	३	०	९	९	११
१	२७	१३	१०	२	१०	१	१
५	१४	५२	७	३९	२	२७	३
४२	२	५२	४४	२५	४९	५४	४६
५९	३०	६/०	३२/१	७२	६	३	५९
४१	२९	७	ब	५०	१२	११	४९

=बुशरा *राश (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

✻ श्रीगणेशायनमः ✻

ऋद्धिः
लाभः

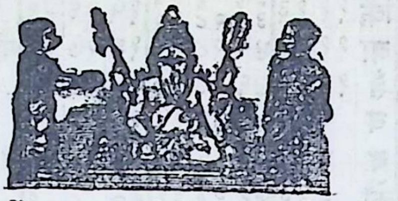

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशि नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०९२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९२ भोग्यकलिः ४२६९०८ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति—वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४८ शाकः १९१३ वर्षेऽस्मिन् राजा रविः । मंत्री रविः । सस्येशो भौमः । धान्येशश्चंद्रः । मेघेशःशनिः । रसेशोगुरुः । नीरसेशोभौमः । फलेशःशनिः । धनेशोभौमः । दुर्गेशःशनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य—मानेनप्रभवादिषष्टयब्दानांमध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १८ तारणनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ८।२५।५।२१ भोग्यमासादिः ३।४।५४।३९ । अग्निदैवतंयुगम् । वर्षनामपौषः । मेघनाम४द्रोणः । रोहिणीनिवासःपर्वते । समय निवासोकुंभकारगृहे । समयविश्वा ८ । समयवाहनं अश्वः । स्तंभः२वायवन्नयोः । सोमवत्यमा.२ । सोमवती पं.२ । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी ३ । भानुसप्तमी ३ । रविदशमी २ । समयमुहूर्ताः ४२० । समयदिनानि ३८३ । तिथिक्षयः१७ । तिथिवृद्धिः१० । उत्पत्तिविश्वा९९ । खपतिविश्वा ९३ । वर्षाविश्वा१७ । धान्यम् ५ । तृणम् ११ । शीतम् ९ । तेजः११ । वायुः१३ । वृद्धिः१५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०७ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पापम् १८ । शनिदृष्टिरुत्तरे । भारते ग्रहणाऽभावः ।

सं. २०४८ शाके १९१३
मार्गशीर्ष शु. १५ शनिवार
ग्रस्तोदयं खंडग्रास चंद्रग्रहणम्

पूर्वी भारत (कलकत्ता से पूर्व) आसाम में होगा । स्पर्श दिन में रेल्वे ३।२३ मोक्ष ४।४२ पर होगा । जहां सूर्यास्त रेल्वे ४।४२ से पहिले होगा वहां यह ग्रहण ग्रस्तोदय दीखेगा । राजस्थान, पंजाब, बिहार यू. पी., मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरातः में नहीं होगा । जहां नहीं दीखे वहां इसके मानने की आवश्यकता नहीं है ।

वर्ष लग्नम् ३।०

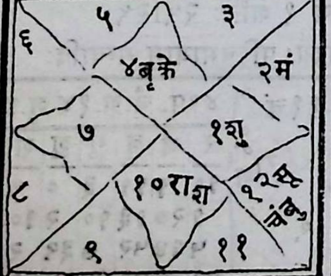

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जननी जगदम्बा सुणो भैरव प्रश्न विनीत ।
अड़तालीस की साल का हाल कहो नवनीत ।।

भवानी उत्तर

अड़तालीसो अधकलो ईश्वर राखे टेक ।
कइयां के अन्न नीपजे कईक रहसी देख ।।
पापग्रहों के कबज में मिले बहुत अधिकार ।
शुभफल में हो न्यूनता इसका यह ही सार ।।
राजा मन्त्री सूर्य है फलपति शनि को जान ।
भूमिपुत्र सस्येश है करें जगत में हान ।।
चाल ग्रहों की देखतां बहुत बढ़े व्यापार ।
पकी पकाई साख में मंगल करे बिगाड़ ।।
नित उठ प्रातःकाल में याद करो प्रभु नाम ।
धान्याधिप शशि होण से सिद्ध होय सब काम ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् १।२६

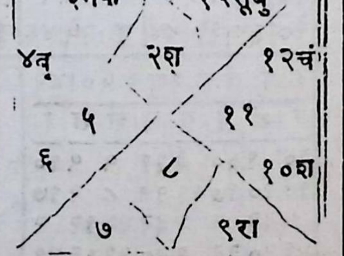

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।२९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४३।८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन्वर्षे राजा रविः फलम्––सूर्येनृपे स्वल्प फलाश्चमेघा स्वल्पं पयं.गोषु जनेष पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाः चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ।। मन्त्री रविः फलम्––नृपभयं गदतोपिह्नितस्करात् प्रचुर धान्य-धनादिमहीतले । रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्यपदं हि समागते ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम्––प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि । प्रभवदा बहुरोगघनोजलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ।। धान्येशश्चन्द्रस्तत्फलम्––चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजा बृद्धिः प्रजायते । गोधूमासर्षपाश्चव गोषु क्षीरं तदा बहु ।। मेघेशः शनिः फलम्––रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरत वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसितापकरो नृपतिः सदा विविधरोगरता जनतापदा ।। रसेशो गुरुः फलम्––यदि गुरौ रसपे जन-सौख्यदो कमलवन्ति सरांसितृणानिच । जनपदाद्विजपूजनतत्परा गजसुवाजिरथोष्ट्रयुतानराः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम्––नी-रसेशोयदा भौम प्रवालरक्तवाससाम् । रक्तचंदन ताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शनिः फलम्––यदि शनि फलपः फलहा भवेज्जनितपुष्पगणस्य द्रुमःसदा । हिम भयं वरतस्करजन्तुभीर्जनपदोगदराशि महाकुलः ।। धनेशो भौमस्तत्फलम्––असम मौल्य करो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुष धान्यहृत् । सहसिमासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोक विधायक ।। दुर्गेशः शनिः फलम्–रविसुतें गढ़पालिनि विग्रहैः सकलदेशगताश्चलिता जनाः । विविधवैरि विशेषित नागराः कृषिधनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। तारणनाम संवत्सरः फलम्––कथंचिन्निखिला लोकाः तरंति प्रतिपन्नताम् । नृपाहव क्षताद्रोगाद्धेषज्येतारणाब्दके ।। वर्षनाम पौषः फलम्—ज्वर रोग क्षुधार्ताश्च जनाजनपदाः सदा । महर्घंतु त्रयोमासाः पौषे स्वास्थ्यंततः परम् ।। रोहिणीनिवासः पर्वते फलम्––पर्वते विन्दुमात्रश्च ।। मेघनाम द्रोणः फलम्––द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। समयनिवासो कुंभकारगृहे फलम्—अनावृष्टि प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०४८ शाके १९१३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. वैसाख मासः

शुक्ले १ बुधे रोहि. ल. अन्यगो. रे. १० ।।।।।।।।।

,, ९ बुधे उफा.ल.अन्यगो.१२-१ रे.८ ।ऽ।।।।ऽ।। मीनेचं७पू.

,, १० गुरौ हस्ते ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽरो.ऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ८ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. ११-१ रे. ९ ।।।।।।ऽ।। कुंभे शनि १२ पूज्यः

शुक्ले ८ बुधे हस्ते ल. १२-२ रे. ७ ।ऽ।।ऽनृऽ।। मीन लग्न घ. ४८ उपरांत

ज्येष्ठ मासः

शुक्ले ९ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ८ ।ऽ।।।ऽ।।

(भौ. गु. शु. ८ दोषः)आवश्यके

,, १० शुक्रे स्वा. ल. १ रे. ८ ।।।।।चौऽ।।

,, १३ चन्द्रे अनु. ल.१२-२ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।। वृषेचन्द्र७पूज्यः

आषाढ़ मासः

कृष्णे १ शुक्रे उषा. ल. १२-१-२ रे. ९ ।।।।ऽ।।।।

,, ७ गुरौ उभा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

मेषे रेखा ८ दग्धा. दोषः

,, ११ चन्द्रे रोहि.ल.१२-१(घ.४५।३१उ.)रे.७।ऽ।।ऽनृ।ऽ।।

कार्तिकादि मासेषु सिंहस्थ गुरु दोषः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५५५स.१९९१
१	र	१५	१३	उ	२४	३२	शु	२७	२८	ब	१५	१३	२९/४०	६/४	५/५६	१७	२६	२९	मीने	रेवत्यां बुधः ३१/३६ चन्द्रद. नवरात्रारंभः*
२	चं	११	२८	रे	२२	२०	ब्र	२१	१८	कौ	११	२८	४४	३	५७	१८	२७	१	मे.२२।२०	उभा.रविः ६/२४ (सौरः६) वक्री पुष्ये २ गुरुः×
३	मं	७	२	अ	१९	२६	ऐं	१४	२६	ग	७	२	४९	२	५८	१९	२८	२	मेषे	भ. ३४।३५ उ. मत्स्य जयंती गणगौरी
४	बु	२	९	भ	१६	१४	वै	७	३२	वि	२	९	५३	१	५९	२०	२९	३	वृ.३०।२५	भ. २।९ या. ×५४/३१ सिंधारा रमजान ९
५	बु	५४	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	गु	५१	५३	कृ	१२	५७	वि	४०/०	५२/५१	कौ	२४	२९	५७	१	५९	२१	३०	४	वृषे	मिथुने भौमः २९।१९ *संवत्सरारंभः
७	शु	४६	१८	रो	९	३७	आ	४६	२७	ग	१९	५	३/१	६/००	६/००	२२	१	५	मि३७।५१	भ. ४६।१८ उ. रा. चैत्रारंभः
८	श	४१	४७	मृ	६	५	सौ	३९	२२	वि	१४	२	६	५/५९	१	२३	२	६	मिथुने	भ. १४।२ या.
९	र	३६	३४	आ	५२/२	५६/४१	शो	३२	१६	बा	९	१०	१०	५८	२	२४	३	७	क.४५।२३	भरण्यां शुक्रः ४१।२८ रामनवमी
१०	चं	३१	४१	पु	५६	३७	अ	२५	२८	तै	४	७	१४	५७	३	२५	४	८	कर्के	भ. ५९।४८ उ. अश्वि. मेषे बुधः ३३।३९
११	मं	२७	५६	श्ले	५३	५५	सु	१९	४७	वि	२७	५६	१८	५६	४	२६	५	९	सिं५३।५५	भ. २७।५६ या. कामदा ११ व्रतम्
१२	बु	२२	३४	म	५१	४४	धृ	१२	३४	बा	२२	३४	२३	५५	५	२७	६	१०	सिंहे	प्रदोषः
१३	गु	१८	५०	पू	५०	२१	शू	६	५३	तै	१८	५०	२७	५५	५	२८	७	११	सिंहे	मार्गी गुरुः ८।११
१४	शु	१५	५३	उ	५०	४	गं	१/४२	५६/३	व	१५	५३	३१	५४	६	२९	८	१२	कं.५।१७	भ. १५।५३ उ. ४५।६ या.
१५	श	१४	१८	ह	५१	४	ध्रु	५४	५१	ब	१४	१८	३५	५३	७	३०	९	१३	कन्यायां	हनुमज्जयन्ती

५०पं. चै.शु.७शु.इ.५१।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	३	०	९	९	११
८	०	२५	९	११	१०	१	८
३	४३	४४	५२	६	३८	५	१
१८	३०	४९	२३	५८	२०	३९	४१
५९	३१	९०	११/०	७२	५	३	५९
२९	४१	३८	व	४३	५	११	३५

गोचरग्रहाः

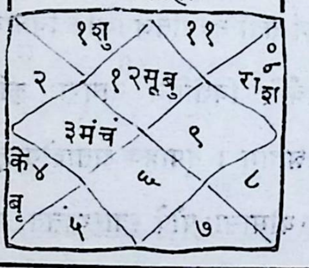

चैत्र सुदी में पूर्व तथा उत्तरकी वायु चले तो बहुत श्रेष्ठ होती है। वर्षा हो तो अशुभ है। पूर्णिमा शनिवारी नेष्ट है।

गोचरग्रहाः

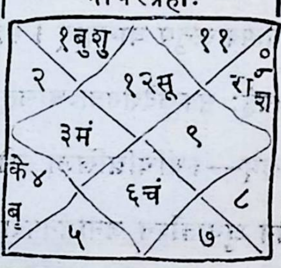

५१पं. चै.शु.१४ शु.इ.५१/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	०	३	०	९	९	११
१४	४	३	९	१९	११	०	१४
५९	१८	२१	४७	३३	१०	४३	५७
१३	१४	१८	३१	०	१६	२३	४८
५९	३२	४६	२३/०	७२	४	३	५९
१६	२९	६	मा	५	३८	११	१८

ति.	प्र.वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१४	५	चि	५२	४१	व्या	५३	२२	कौ	१४	५	३०/३९	५/५२	६/८	३१	१०	१४	तु.२२।२३	रेवत्यां रविः ३४।७ (सौरः ३५।३०)
२	चं	१६	२४	स्वा	५७	४४	ह	५२	३४	ग	१६	२४	४४	५१	९	१	११	१५	तुलायां	भ. ४७।२० उ. अप्रैल मा. ४ ता. ३०
३	मं	१८	१६	वि	६०	०	व	५३	१४	वि	१८	१६	४८	५०	१०	२	१२	१६	वृ.४६।४९	भ. १८।१६ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२२	३०	वि	४	१०	सि	५४	३५	बा	२२	३०	५२	५०	१०	३	१३	१७	वृश्चिके	आर्द्रा. भौमः ३४।३७
५	गु	२७	५०	अ	९	३८	व्य	५६	४०	तै	२७	५०	५६	४९	११	४	१४	१८	वृश्चिके	वक्री बुधः २४।५२ कृत्ति. शुक्रः १७।४९
६	शु	३४	१०	ज्ये	१७	२०	व	५९	१	ग	१	०	३/० १/०	४८	१२	५	१५	१९	ध.१७।२०	भ. ३४।१० उ.
७	श	४०	३४	मू	२४	३६	प	६०	०	वि	७	२२	४	४७	१३	६	१६	२०	धनुषि	भ. ७।३२या. बुधास्तः पश्चिमायां ४९।५६
८	र	४६	३२	पू	३२	४	प	१	१९	बा	१३	३३	८	४६	१४	७	१७	२१	म.४८।४०	वृषे शुक्रः ३७।१३
९	चं	५१	३८	उ	३७	२८	शि	३	१०	तै	१९	५	१२	४६	१४	८	१८	२२	मकरे	
१०	मं	५५	२०	श्र	४३	३२	सि	४	४	व	२३	२९	१६	४५	१५	९	१९	२३	मकरे	भ. २३।२९ उ. ५२।२० या.
११	बु	५७	२८	ध	४७	१५	सा	३	४६	ब	२६	२४	२०	४४	१६	१०	२०	२४	कुं.१५।२३	वरूथिनी ११ व्र.
१२	गु	५७	४०	श	४९	५८	शु	२/४	५६/५६	कौ	२७	३४	२४	४३	१७	११	२१	२५	कुम्भे	पुष्ये. ३ गुरुः १०।५९
१३	शु	५५	२७	पू	४८	५०	ब्र	५४	२२	ग	२६	४८	२८	४२	१८	१२	२२	२६	मी३३।५२	भ. ५५/२७ उ. उषा. १ धनुषि राहुः पुन. ३*
१४	श	५२	२०	उ	४७	३	ऐं	४८	२८	वि	२४	८	३२	४२	१८	१३	२३	२७	मीने	भ.२४।८या. *मिथुने केतुः ३३/३५ प्रदोषः
३०	र	४७	२२	रे	४३	५८	वै	४१	२६	च	१९	५१	३६	४१	१९	१४	२४	२८	मे.४३।५८	अश्वि. मेषेऽर्कः ८।८ (सौरः १०।५)

५२पं. प्र.वै.कृ.६ शु.इ.५३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	०	३	०	९	९	११
२१	७	०	९	२७	११	०	२१
५३	५७	२३	५१	५४	३९	२१	५१
३१	११	४२	७	४०	०	८	५९
५९	३३	१२/८	१	७१	४	३	५९
४	३७	व	२९	४४	५	११	४

गोचरग्रहाः

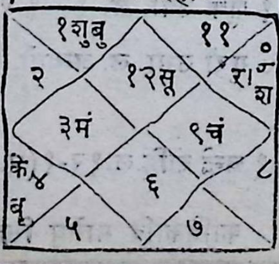

प्र.वै. कृ.३०रवौ मेषेऽर्कः प्र.वा.४न. ४ अतिवन्ध्यांवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प. ।

गोचरग्रहाः

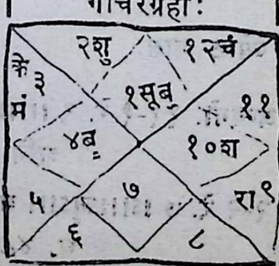

१पं. प्र.वै.कृ.३० सू.इ.८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	०	३	१	९	८	११
०	१२	१	१०	७	१२	२९	२९
०	२२	१८	९	४०	९	५४	५८
०	३८	२९	१८	४४	४३	५९	९
५८	३४	४४/२	३	७१	३	३	५८
४४	२	व	१९	१२	१७	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	चं	४१	१६	अ	३९	७	त्रि	३३	३४	किं	१४	१९	३५/४०	५/४०	६/२०	१५	२५	२९	मेषे
२	मं	३४	२८	भ	३४	३६	प्री	२५	१६	बा	७	५२	४३	३९	२१	१६	२६	३०	वृ.४८।२६
३	बु	२७	३७	कृ	२९	५५	आ	१६	४९	तै	१	२	४७	३९	२१	१७	२७	१	बृषे
४	गु	२०	४६	रो	२५	२०	सौ	८	१३	वि	२०	४६	५१	३८	२२	१८	२८	२	मि५३।११
५	शु	१४	५	मृ	२१	२	शो	०/८	५२/१९	बा	१४	५	५५	३७	२:	१९	२९	३	मिथुने
६	श	८	८	आ	१७	१४	सु	४५	२३	तै	८	८	५८	३६	२४	२०	३०	४	क.५९।४६
७	र	२	३८	पु	१३	५६	धृ	३८	४२	व	२	३८	३/२	३६	२४	२१	१	५	कर्के
८	र	५५	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	चं	५३	५४	पु	११	२३	शू	३२	४१	ब	२५	५८	६	३५	२५	२२	२	६	कर्के
१०	मं	५०	५४	श्ले	९	३२	गं	२७	२६	तै	२२	२४	१०	३४	२६	२३	३	७	सि९।३२
११	बु	४८	२४	म	८	१	वृ	२२	४९	व	१९	३९	१४	३३	२७	२४	४	८	सिंहे
१२	गु	४६	५३	पू	७	१८	ध्रु	१८	४८	ब	१७	३८	१७	३३	२७	२५	५	९	कं.२२।२६
१३	शु	४६	४३	उ	७	४९	व्या	१५	४०	कौ	१६	४८	२१	३२	२८	२६	६	१०	कन्यायां
१४	श	४७	१९	ह	९	३०	ह	१३	३२	ग	१७	१	२५	३१	२९	२७	७	११	तु.४०।५२
१५	र	४९	२३	चि	१२	१३	व	१२	२२	वि	१८	२१	२९	३०	३०	२८	८	१२	तुलायां

वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गण: ६५८४स.१९९१

वक्रीमांनेरेवात्यांबुध: ५५/४ अधिकमासारंभ:
रोहि. शुक्र: ५।३० चन्द्रदर्शनम्
भ. ५४।११ उ. सव्वाल १०
भ. २०।४६ या.

भ. २।३८उ.३०।२०या. रा. वैशाखारंभ:

बुधोदय: पूर्वस्याम् ५४।७

भ.१९।३९उ.४८।२४या. कमला ११ व्र.
*मृगे शुक्र:३५।१८ पुन भौम: ४९।४१
प्रदोष:
भ. ४७/१९ उ. भरण्यां रवि:४६/२८ (रवि:५१/२२)*
भ. १८।२१ या.

२ पं.प्र.वै.शु.७सू.इ.२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	३	१	९	८	०
६	१६	२६	१०	१५	१२	२९	६
५०	१८	३४	३२	५२	२९	३२	४८
४२	११	५२	५६	५५	२८	४४	२०
५८	३४	३४/४१	४	७०	२	३	५८
३१	४७	ब	२२	४२	४०	११	२९

गोचरग्रहा:

इस मासमें ५रवि वार तथा बुधवक्री है। रुई पाट सोना चांदी गुड़ खांड़ सिरस्युँ अलसी चावल तेज होगा।

गोचरग्रहा:

३पं.प्र.वै.शु.१५ सू.इ.४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	३	१	९	८	०
१३	२०	२४	११	२३	१२	२९	१३
३९	११	२३	४	५८	४४	१०	३६
४३	६	२	२३	५५	२८	४८	४५
५८	३५	९/२०	५	६९	१	३	५८
१९	२	ब	२८	५३	५८	११	१२

ति.	द्वि. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	चं	५२	३४	स्वा	१६	३१	सि	११	५०	बा	२०	५८	३३/३२	५/३०	६/३०	२९	९	१३	तुलायां
२	मं	५६	५९	वि	२१	५९	व्य	१२	१७	तै	२४	४६	३६	२९	३१	३०	१०	१४	बृ.५।३७
३	बु	६०	०	अ	२८	४६	व	१३	४१	ब	२९	३२	४०	२८	३२	१	११	१५	बृश्चिके
३	गु	२	६	ज्ये	३५	५३	प	१५	३६	वि	२	६	४३	२७	३३	२	१२	१६	ध.३५।५३
४	शु	८	९	मू	४३	५२	शि	१७	५३	बा	८	९	४७	२७	३३	३	१३	१७	धनुषि
५	श	१४	२६	पू	५२	१	सि	२०	२२	तै	१४	२६	५१	२६	३४	४	१४	१८	धनुषि
६	र	२०	३७	उ	५९	१६	सा	२२	३८	व	२०	३७	५४	२५	३५	५	१५	१९	म.८।५०
७	चं	२६	११	श्र	६०	०	शु	२४	२५	ब	२६	११	५७	२५	३५	६	१६	२०	मकरे
८	मं	३०	४४	श्र	५	२२	शु	२५	४	कौ	३०	४४	३/३	२४	३६	७	१७	२१	कुं.३७।४३
९	बु	३३	२८	ध	१०	४	ब्र	२४	४०	तै	२	१	४	२३	३७	८	१८	२२	कुंभे
१०	गु	३४	१८	श	१२	४७	ऐं	२२	३८	व	३	५३	७	२३	३७	९	१९	२३	मी५८।१६
११	शु	३३	११	पू	१३	२६	वै	१८	५६	ब	३	४४	१०	२२	३८	१०	२०	२४	मीने
१२	श	३०	५	उ	१२	५	वि	१३	५९	कौ	१	३८	१३	२१	३९	११	२१	२५	मीने
१३	र	२५	१	रे	८	५६	प्री	७/८	५३/१	व	२५	१	१६	२१	३९	१२	२२	२६	मे.८।५६
१४	चं	१८	११	अ	४/७	५४/१६	सौ	४९	५७	श	१८	११	१९	२०	४०	१३	२३	२७	मषे
३०	मं	१०	२७	कृ	५१	५९	शो	४०	११	ना	१०	२७	२२	२०	४०	१४	२४	२८	वृ.११।४७

ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेप्र.वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्रा:

मार्गी बुध: १७।२६
भ. २९।३२ उ. मई मा. ५ ता. ३१
भ. २।६ या. चतुर्थी व्र.
मिथुने शुक्र: २७।१३

भ. २०।३७ उ. ५३।२४ या.

भ.३।५३उ. ३४/१८ या. आर्द्रा. शुक्र: २४।१३
अश्वि. मेषे बुध: ५७।४४ कमला ११ व्र.
कृत्ति. रवि: ३४।२३ (सौर: ३९/१९) प्रदोष:
भ. २५।१ उ. ५१।३६ या.

अधिकमास समाप्ति:

४पं.द्वि.वै.कृ.६ सू.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	३	२	९	८	०
२०	२४	२६	११	१	१२	२८	२०
२७	८	९	४४	५७	५४	४८	२३
२२	३५	०	१०	१४	४३	१३	२७
५८	३५	२१/७	६	६९	१	३	५७
६	३०	मा	३४	२	१९	११	५७

गोचरग्रहा:

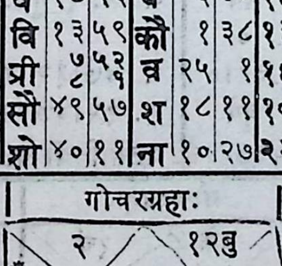

अधिक मास फल- स्वल्प वृष्टिर्भवे- न्मेघो धनधान्य समाकुलं। घृतं तैलंच कार्पास सु- भिक्षं माधव द्वये॥

गोचरग्रहा:

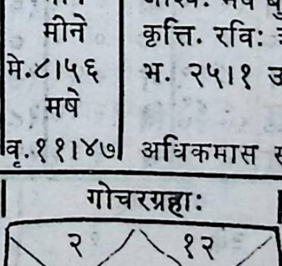

५पं.द्वि.वै.कृ.१३सू.इ.९।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	२	९	८	०
२७	२८	०	१२	९	१३	२८	२७
१३	७	५३	३०	४८	०	५५	८
३४	२६	३१	५४	११	१४	५७	४१
५७	३५	४४	७	६८	०	३	५७
५४	५५	५९	२२	४	३७	११	४५

*मंशुके (सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुके

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६६१४स.१९९१
१	बु	१	५०	रो	४५	४९	अ	३०	२९	ब	१	५०	३३/२५	५/१९	६/४५	१५	२५	२९	वृषे	वृषेऽर्कः१।३८(सौरः ७) कर्के भौमः १७/० ●
२	बु	५१	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	४४	२४	मृ	३९	२८	सु	२०	४८	तै	१८	४०	२८	१८	४२	१६	२६	१	मि१२।३८	परशुराम जयंती अक्षय ३ जिलकाद ११
४	शु	३६	२८	आ	३४	२	धृ	११	१०	व	१०	२६	३०	१८	४२	१७	२७	२	मिथुने	भ.१०।२६उ.३६।२८या. वक्री शनिः ३६/२५
५	श	२९	२३	पु	२९	१९	शू	२/२९	५३/२१	ब	२	५५	३३	१७	४३	१८	२८	३	क.१५।३०	पुष्ये ४ गुरुः ४५।५० ●चंद्रदर्शनम्
६	र	२३	३१	पु	२५	४९	वृ	४७	१८	तै	२३	३१	३६	१७	४३	१९	२९	४	कर्के	
७	चं	१८	४०	श्ले	२३	१७	ध्रु	४२	१२	व	१८	४०	३९	१६	४४	२०	३०	५	सिं२३।१७	भ. १८।४० उ. ४७।३ या.
८	मं	१५	२६	म	२२	०	व्या	३७	३६	ब	१५	२६	४१	१६	४४	२१	३१	६	सिंहे	पुन. शुक्रः २३।१६ पुष्ये भौमः ६।३१
९	बु	१३	२९	पू	२२	५	ह	३४	५	कौ	१३	२९	४३	१५	४५	२२	१	७	कं.३७।२	भरण्यां बुधः ५२।२७ रा. ज्येष्ठारंभः
१०	गु	१२	४४	उ	२२	५३	व	३१	३८	ग	१२	४४	४६	१५	४५	२३	२	८	कन्यायां	भ. ४३।३ उ.
११	शु	१३	२३	ह	२५	१४	सि	२९	५९	वि	१३	२३	४८	१४	४६	२४	३	९	तु.५६।५७	भ. १३।२३ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	श	१५	२	चि	२८	४०	व्य	२९	२५	बा	१५	२	५०	१४	४६	२५	४	१०	तुलायां	रोहि. रविः २५।१३ (सौरः ३३/१६) प्रदोषः
१३	र	१८	५	स्वा	३३	७	व	२९	४४	तै	१८	५	५२	१४	४६	२६	५	११	तुलायां	नृसिंह जयन्ती
१४	चं	२१	५४	वि	३८	३५	प	३०	२९	व	२१	५४	५४	१३	४७	२७	६	१२	वृ.२२।१३	भ. २१।५४ उ. ५४।१६ या.
१५	मं	२६	३७	अ	४४	५१	शि	२२	१०	ब	२६	३७	५६	१३	४७	२८	७	१३	वृश्चिके	यमाय साम्नजल कुंभदानम्

६पं. द्वि.वै.शु.६सू.इ.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	२	९	८	१
३	२	८	१३	१७	१३	२८	३
५८	९	४६	२३	३०	१	३	५२
२६	३५	८	२०	४७	२६	४१	२१
५७	३६	७३	८	६६	१२	३	५७
४४	२	३८	३२	४९	व	११	३४

गोचरग्रहाः

द्वि.वैशाख शु.१बुधे वृषेऽर्कः प्र वा.४ नं.५ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

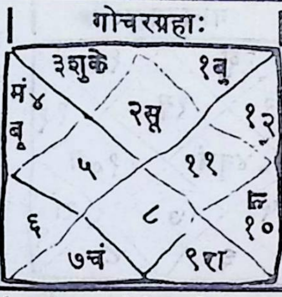

७पं.द्वि.वै.शु.१३सू.इ.९ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	३	२	९	८	१
१०	६	१८	१४	२५	१२	२७	१०
४२	११	४३	२२	२	५७	३१	३४
२५	४६	५९	२९	१७	५०	२६	३२
५७	३६	९४	९	६५	५१	३	५७
३५	२९	४३	२१	१७	व	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३१	३८	ज्ये	५२	१४	सि	३४	४३	कौ	३१	५८	३३/५८	५/१२	६/४८	२९	८	१४	ध.५२।१४	
२	गु	३८	१०	मू	५९	५२	सा	३६	१४	तै	५	४	३४/०	१२	४८	३०	९	१५	धनुषि	कर्के शुक्रः ५७।९
३	शु	४४	१७	पू	६०	०	शु	३८	५७	ब	११	१३	२	१२	४८	३१	१०	१६	धनुषि	भ.११।२३उ.४४।१७या. कृत्ति. बुधः २/०
४	श	५०	२१	पू	७	१	शु	४१	१४	ब	१७	१९	४	११	४९	१	११	१७	म.२४।५०	वृषे बुधः ४८।५२ जून मा.६ ता.३० च.व्र.
५	र	५५	५५	उ	१५	१७	ब्र	४३	२२	कौ	२३	८	६	११	४९	२	१२	१८	मकरे	
६	चं	६०	०	श्र	२२	५३	ऐं	४४	४०	ग	२८	२७	७	११	४९	३	१३	१९	कु.५५।५१	पुष्ये शुक्रः ५।४३
६	मं	०	५९	ध	२८	४९	वै	४५	१७	व	०	५९	९	१०	५०	४	१४	२०	कुम्भे	भ. ०।५९ उ. ३२।४६ या.
७	बु	४	३२	श	३३	४८	वि	४४	३७	ब	४	३२	१०	१०	५०	५	१५	२१	कुम्भे	
८	गु	६	२५	पू	३५	४१	प्री	४२	३१	कौ	६	२५	१२	१०	५०	६	१६	२२	मी२०।१३	बुधास्तः पूर्वस्याम् १६।५
९	शु	६	३२	उ	३६	११	आ	३८	५०	ग	६	३२	१३	९	५१	७	१७	२३	मीने	भ. ३५।३६ उ. रोहि. बुधः ३।२८
१०	श	४	४१	रे	३४	४४	सौ	३४	३८	वि	४	४१	१४	९	५१	८	१८	२४	मे.३४।४४	भ. ४।४१ या. मृगे रविः २०।१ (सौरः ३३/५)
११	र	०	३९	अ	३०	५६	शो	२६	४३	बा	०	३९	१६	९	५१	९	१९	२५	मेषे	आश्ले. १ गुरुः ३३।२४ अपरा ११ व्र.
१२	र	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	चं	४७	१२	भ	२५	३९	अ	१८	१९	ग	२०	५६	१७	९	५१	१०	२०	२६	वृ.३९।०	भ. ४७।१२ उ. प्रदोषः
१४	मं	३८	२३	कृ	१९	४	सु	८/५७	४९/४७	वि	१२	४७	१८	८	५२	११	२१	२७	वृषे	भ. १२।४७ या.
३०	बु	२८	४१	रो	११	३६	शू	४८	७	च	३	३२	१९	८	५२	१२	२२	२८	मि३७।४९	वटसावित्री व्र.

८पं.ज्ये.कृ.५सू.इ.९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	३	९	८	१
१७	१०	०	१५	२	१२	२७	१७
२५	१७	३८	२६	२०	४९	१९	१५
८	३८	३८	३१	२४	२५	१०	३८
५७	३६	[illegible]	१०	६३	[illegible]	३	५७
२७	५५	[illegible]	४	३३	व	११	१२

गोचरग्रहाः

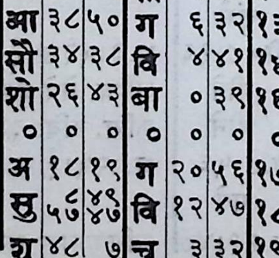

–शकुन विचार–
ज्येष्ठ अमावस
दिवस व रजनी
बादल होय ।
चौमासा सूखा
रहे भारी गड़-
बड़ होय ।।

गोचरग्रहाः

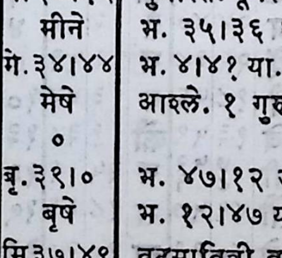

९पं.ज्ये.कृ.११ सू.इ.९ २८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	३	९	८	१
२४	१४	१४	१६	९	१२	२६	२३
७	२६	२३	३५	२४	३६	५६	५५
१२	४६	१०	४२	४०	४७	५५	३४
५७	३८	[illegible]	१०	६१	[illegible]	३	५७
२२	८	[illegible]	४७	१७	व	११	५

*चंमंबृ ×मंबृशु (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) +मंबृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	गु	१८	४३	मृ	४/३	५२/३४	गं	३७	३६	ब	१८	४३	३४/२०	५/८	५ ६/२	१३	२३	२९	मिथुने
२	शु	९	१०	पु	५०	११	वृ	२७	२	कौ	९	१०	२१	८	५२	१४	२४	१	क.३६।४८
३	श	०	४	पु	४४	३३	ध्रु	१७	९	ग	०	४	२१	८	५२	१५	२५	२	कर्के
४	श	५२	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	र	४५	४७	श्ले	४५	२५	व्या	८	३८	ब	१९	०	२२	८	५२	१६	२६	३	सिं४०।२५
६	चं	४१	१४	म	३७	४७	ह	१/२५	५४/२१	कौ	१३	३०	२२	८	५२	१७	२७	४	सिंहे
७	मं	३८	१३	पू	३६	५०	सि	५१	४६	ग	९	४३	२३	७	५३	१८	२८	५	कं.५१।५८
८	बु	३७	११	उ	३७	२२	व्य	४७	५८	वि	७	४२	२३	७	५३	१९	२९	६	कन्यायां
९	गु	३७	२६	ह	३९	४०	व	४६	२३	बा	७	१८	२३	७	५३	२०	३०	७	कन्यायां
१०	शु	३९	५६	चि	४३	१६	प	४५	५८	तै	८	४१	२४	७	५३	२१	३१	८	तु.११।२८
११	श	४३	२९	स्वा	४८	९	शि	४६	३५	व	११	४२	२४	७	५३	२२	१	९	तुलायां
१२	र	४८	२	वि	५३	४९	सि	४७	३९	ब	१५	४५	२४	७	५३	२३	२	१०	वृ.३७।२४
१३	चं	५३	२०	अ	६०	०	सा	४९	३७	कौ	२०	४१	२४	७	५३	२४	३	११	वृश्चिके
१४	मं	५८	५६	अ	०	३४	शु	५१	३८	ग	२६	८	२४	७	५३	२५	४	१२	वृश्चिके
१५	बु	६०	०	ज्ये	७	२२	शु	५४	५	वि	३२	३	२३	७	५३	२६	५	१३	ध.७।२२
१५	गु	५	१०	मू	१४	५५	ब्र	५६	२९	ब	५	१०	२३	७	५३	२७	६	१४	धनुषि

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरऽहर्गणः६६४३ स.१९९१

मृग बुधः १३/२३ आश्ले. भौमः ३/४४ चन्द्रदर्शनम्
पूषा.४ राहुः पुन. २ केतुः ३८/३४ जिल्हेज १२
भ. २६/१० उ. ५२/१७ या. मिथुनेऽर्कः १८।४७*

मियुने बुधः१८।२५ आश्ले. शुक्रः४१।५४

भ. ३८।१३ उ.
भ. ७।४२ या. आर्द्रा. बुधः २५।५६
×३४/२५) रा आषाढ़ारंभः निर्जला ११ व्र.
गंगादशमी *(सौरः ३२।५२)
भ.११/४२ उ ४३/२९ या. आर्द्रा. रविः १७/३९ (सौरः×
पातस्पर्शः ३०।३७ मोक्षः ५८।४९
प्रदोषः
भ. ५८।५६ उ. पुन. बुधः ३०।२३
भ. ३२।३ या. गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
आश्ले. २ गुरुः ५३।६

१०पं.ज्ये.शु.५सू.इ.९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	३	३	९	८	२
०	१८	२९	१७	१६	१२	२६	०
४८	३५	३९	४२	८	१९	३४	३४
२५	४९	४३	४८	३५	४८	३९	४३
५७	३७	[illegible]	११	५८	२/४८	३	५६
१७	२५	[illegible]	२०	२५	व	११	५६

गोचरग्रहाः

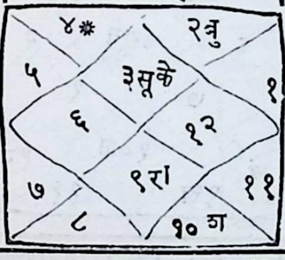

ज्ये. शु. ३शनौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

११पं.ज्ये.शु.१२सू.इ.९।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	३	९	८	२
७	२२	१५	१९	२२	११	२६	७
२९	४६	६	७	२९	५८	१२	१३
२४	४४	३६	२६	२४	३४	२३	१०
५७	३७	[illegible]	११	५४	३/२६	३	५६
१३	३७	[illegible]	५७	२१	व	११	२४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	११	१६	पू	२२	२२	ऐं	५८	५०	कौ	११	१६	३४/२३	५/७	५ ६/३	२८	७	१५	म.३९।११
२	श	१७	८	उ	३०	९	वै	६०	०	ग	१७	८	२२	८	५२	२९	८	१६	मकरे
३	र	२२	३२	श्र	३७	११	वै	०	५०	वि	२२	३२	२२	८	५२	३०	९	१७	मकरे
४	चं	२७	१२	ध	४३	३३	वि	२	२६	बा	२७	१२	२१	८	५२	१	१०	१८	कुं.१०।२२
५	मं	३०	५२	श	४८	४६	प्री	३	२०	तै	३०	५२	२०	८	५२	२	११	१९	कुम्भे
६	बु	३३	२५	पू	५२	४३	आ	३	२९	ग	२	८	१९	८	५२	३	१२	२०	मी३६।४४
७	गु	३४	३२	उ	५४	५९	सौ	२	२७	वि	३	५८	१८	८	५२	४	१३	२१	मीने
८	शु	३३	५६	रे	५५	२९	शो	१	५७/२७	बा	४	१४	१७	९	५१	५	१४	२२	मे.५५।२९
९	श	३१	२१	अ	५३	५९	सु	५१	३०	तै	२	३८	१५	९	५१	६	१५	२३	मेषे
१०	र	२७	९	भ	५०	३०	धृ	४४	५१	वि	२७	९	१४	९	५१	७	१६	२४	मेषे
११	चं	२१	१०	कृ	४५	३१	शू	३६	५२	बा	२१	१०	१३	९	५१	८	१७	२५	वृ.४।१९
१२	मं	१३	४१	रो	३९	१०	गं	२७	४९	तै	१३	४१	११	१०	५०	९	१८	२६	वृषे
१३	बु	४	५०	मृ	३१	४६	वृ	१७	५२	व	४	५०	१०	१०	५०	१०	१९	२७	मि५।२८
१४	बु	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	गु	४५	१०	आ	२३	५२	ध्रु	७/७	४९/३४	च	२०	१७	८	१०	५०	११	२०	२८	मिथुने

वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ४९/५० उ. बुधोदयः पश्चिमायाम् ४०/३६
भ. २२।३२ या. चतुर्थी व्र.
कर्के बुधः ८।३८ **जुलाई मा. ७ ता. ३१**
पुष्ये बुधः ५०/४१ मघा. सिंहे शुक्रः १०।९
भ. ३३।२५ उ.
भ. ३।५८ या.
मघायां सिंहे भौमः ४३।४०
भ. ५९/१५ उ. पुन. रविः १६/३५ (सौरः ३८/२६)
भ. २७।९ या. पातस्पर्शः ४३।५६
पातमोक्षः ५।० योगिनी ११ व्र.
प्रदोषः
भ.४।५०उ.२९/५७या. आश्ले. बुधः २१।२६

१२पं. आ.कृ.३सू.इ.९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	३	९	८	२
१४	२६	२८	२०	२८	११	२५	१३
९	५९	५	२७	२०	३३	५०	५१
५०	४६	२२	५८	२८	५४	८	१५
५७	३७	[illegible]	१२	४९	३/५०	३	५६
७	५०	[illegible]	१९	२६	व	११	५०

गोचरग्रहाः

इस मासमें सिंह राशिमें मंगलशुक्र का योग कहींवर्षा अधिक कहीं कम करेगा,सोनाचांदी गेहूं अलसी मिर्च तांबा तेज हो।

गोचरग्रहाः

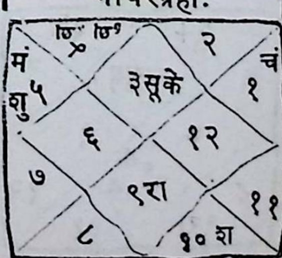

१३पं.आ.कृ.१०सू.इ.९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	३	४	९	८	२
२०	१	११	२१	३	११	२५	२०
५०	१४	१५	५१	३२	७	२७	५९
१०	१३	४०	१८	५३	२५	५२	९
५७	३८	[illegible]	११	४३	४/१	३	५६
७	१	[illegible]	२४	३२	व	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६६७२स.१९९१
१	शु	३६	६	पु	१६	७	ह	४५	३०	किं	१०	३८	३४/७	५/११	६/४९	१२	२१	२९	क. ३।४	
२	श	२५	५६	पु	९	२	व	३५	३१	बा	१	१	५	११	४९	१३	२२	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	र	१७	४७	श्ले	२/४८	५५/३७	सि	२६	२६	ग	१७	४७	४	११	४२	१४	२३	१	सि२।४८	भ.४४/४०उ. आश्ले.३ गुरुः २१/० मोहोरम १*
४	चं	११	३३	पू	५५	५०	व्य	१८	३३	वि	११	३३	२	१२	४८	१५	२४	२	सिंहे	भ. ११।३३ या. *सन् १४१२ हि.
५	मं	७	२	उ	५४	५८	व	१२	३४	बा	७	२	०	१२	४८	१६	२५	३	कं.१०।३७	कर्केऽर्कः ४५।५९
६	बु	४	२८	ह	५६	७	प	८	११	तै	४	२८	३३/५८	१२	४८	१७	२६	४	कन्यायां	कर्केऽर्कः सौरः ११।१०
७	गु	४	१३	चि	५८	५६	शि	५	२२	व	४	१३	५६	१३	४७	१८	२७	५	तु.२७।३२	भ. ४।१३ उ. ३५।१ या.
८	शु	५	४८	स्वा	६०	०	सि	३	५५	ब	५	४८	५४	१३	४७	१९	२८	६	तुलायां	
९	श	९	१४	स्वा	३	२८	सा	४	१४	कौ	९	१४	५२	१४	४६	२०	२९	७	वृ.५२।५०	पुष्येरविः १५/१६ (सौरः ४९/५१) मघासिंहेबुधः १७/१३
१०	र	१३	५८	वि	९	१७	शु	५	१५	ग	१३	५८	५०	१४	४६	२१	३०	८	वृश्चिके	भ. ४६।४८ उ.
११	चं	१९	३८	अ	१५	५३	शु	७	७	वि	१९	३८	४७	१५	४५	२२	३१	९	वृश्चिके	भ. १९/३८ या. वक्री उषा. ४ शनिः ३८।३२×
१२	मं	२५	३४	ज्ये	२२	४७	ब्र	९	२५	बा	२५	३४	४५	१५	४५	२३	१	१०	ध.२२।४७	रा. श्रावणारम्भः प्रदोषः
१३	बु	३१	५६	मू	३०	८	ऐं	११	५३	तै	३१	५६	४२	१६	४४	२४	२	११	धनुषि	
१४	गु	३७	५९	पू	३७	२२	वै	१४	४८	ग	४	५७	४०	१६	४४	२५	३	१२	म.५४।८	भ. ३७।५९ उ. ×देवशयनी ११ व्र.
१५	शु	४३	३१	उ	४४	२९	वि	१६	३२	वि	१०	४५	३७	१७	४३	२६	४	१३	मकरे	भ. १०।४५ या. वायु परीक्षा व्यास १५

१४पं.आ.शु.३सू.इ. ९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	३	४	९	८	२
२७	५	२१	२३	७	१०	२५	२७
३०	३०	५५	१७	५७	३७	५	७
३२	११	३०	२४	३६	३४	३७	१६
५७	३७	८३	१३	३५	४/२८	३	५६
११	२२	३५	७	१४	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

श्रा.शु. ५ भौमे कर्केऽर्कः प्र. वा. ४न.५ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

१५पं.आ.शु.१०सू.इ.८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
४	९	०	२४	११	१०	२४	३
११	४७	५४	४५	८	६	४३	४५
१७	३८	५०	१८	६	५८	२१	४३
५७	३८	६३	१३	२४	४/४०	३	५६
१५	२९	३४	२०	४	ब	११	५७

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४८	२४	श्र	५१	१	प्री	१८	२८	बा	१५	५७	३३/३५	५/१७	६/४३	२७	५	१४	मकरे	पूफायां भौमः ३।२९
२	र	५२	३५	ध	५६	५०	आ	१९	३२	तै	२०	२९	३२	१८	४२	२८	६	१५	कुं.२३।५८	
३	चं	५५	४२	श	६०	०	सौ	२०	११	व	२४	८	२९	१८	४२	२९	७	१६	कुम्भे	भ. २४।८ उ. ५५।४२ या.
४	मं	५७	४३	श	१	५८	शो	२०	१२	ब	२६	४२	२६	१९	४१	३०	८	१७	मी५०।३	आश्ले. ४ गुरुः १।० चतुर्थी व्र.
५	बु	५८	२८	पू	६	५	अ	१९	११	कौ	२८	१०	२३	१९	४१	३१	९	१८	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	गु	५८	३७	उ	९	१६	सु	१७	२२	ग	२८	३७	२१	२०	४०	१	१०	१९	मीने	भ. ५८/३७ उ. वक्री शुक्रः ३८।४१ अगस्त*
७	शु	५७	३	रे	१०	४३	धृ	१४	३५	वि	२७	५०	१८	२०	४०	२	११	२०	मे.१०।४३	भ. २७।५० या. *मा. ८ ता. ३१
८	श	५५	१३	अ	१०	५८	शू	१०	४२	बा	२६	८	१५	२१	३९	३	१२	२१	मेषे	आश्ले. रविः १२।१७ (सौरः ४२।३८)
९	र	५०	०	भ	६	३४	गं	५/४०	५२/५५	तै	२२	३६	१२	२२	३८	४	१३	२२	वृ.२३।५०	
१०	चं	४४	२०	कृ	९	३८	ध्रु	५२	१८	व	१७	१०	९	२२	३८	५	१४	२३	वृषे	भ. १७/१० उ. ४४/२० या. अस्तं गुरोः ३४।३६
११	मं	३७	१९	रो	२/२२	५३/२६	व्या	४३	५८	ब	१०	४९	६	२३	३७	६	१५	२४	मि२९।३४	वक्री बुधः ०।५९ कामिका ११ व्र.
१२	बु	२९	१४	आ	५०	१३	ह	३४	५१	कौ	३	२१	३	२३	३७	७	१६	२५	मिथुने	प्रदोषः
१३	गु	२०	४१	पु	४३	४०	व	२५	४	व	२०	४१	०	२४	३६	८	१७	२६	क.३०।१८	भ. २०।४१ उ. ४५।५९ या.
१४	शु	११	१७	पु	३५	५६	सि	१४	५१	श	११	१७	३२/५६	२५	३५	९	१८	२७	कर्के	
३०	श	२	१८	श्ले	२९	१७	व्य	४/४७	५/१९	ना	२	१८	५३	२५	३५	१०	१९	२८	सिं२९।१७	हरियाली ३०

१६पं.श्रा.कृ.२सू.इ.८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
१०	१४	७	२६	१२	९	२४	१०
५२	८	३५	१४	१८	३६	२१	२५
१९	२४	२४	५३	५०	७	५	०
५७	३८	४४	१३	१०	४/४०	३	५७
५	४७	२७	२६	२५	ब	११	२०

गोचरग्रहाः

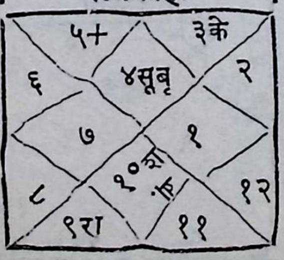

श्रा. शु. ८ शनौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.५ न. ५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोद. प.।

गोचरग्रहाः

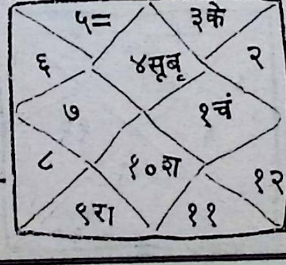

१७पं.श्रा.कृ.९सू.इ.८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
१७	१८	११	२७	१३	९	२३	१७
३४	३०	२४	४५	११	५	५८	४
१	७	५४	४०	२२	२४	५०	४८
५७	३८	८	१३	५/४७	४/३६	३	५७
२५	५४	३१	३२	ब	ब	११	१२

*चंमंशु   +मंबुशु   (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)   ×मंबुशु   =मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७०२सन्१९९१
१	श	५०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४६	२	म	२३	३१	प	४६	१९	बा	१९	२५	३२/५०	५/२६	६/३४	११	२०	२९	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	४०	४९	पू	१९	१३	शि	३८	४९	तै	१३	२६	४७	२७	३३	१२	२१	१	कं.३३।३४	तीज सफर २ *नाग पंचमी
४	मं	३६	५९	उ	१६	४०	सि	३२	२३	व	८	५४	४३	२७	३३	१३	२२	२	कन्यायां	भ.५८/४उ.३६/५९या. शुक्रास्तःप. ३०/३६ शु.अ.प.
५	बु	३५	३१	ह	१६	२६	सा	२७	५७	ब	६	१५	४०	२८	३२	१४	२३	३	तु.४७।१७	मघा. सिंहे गुरुः १८/५३ बुधास्तः पश्चि. ४७/१२*
६	गु	३५	५५	चि	१८	८	शु	२५	२७	कौ	५	४३	३६	२९	३१	१५	२४	४	तुलायां	
७	शु	३८	३५	स्वा	२१	३७	शु	२४	२६	ग	७	१५	३३	२९	३१	१६	२५	५	तुलायां	भ. ३८/३५ उ. पूषा. ३ राहुः पुन. १ केतुः २१/१६
८	श	४२	४२	वि	२६	४५	ब्र	२४	३२	वि	१०	३८	२९	३०	३०	१७	२६	६	वृ.१०।२८	भ.१०/३८या. मघा. सिंहेऽर्कः१६(सौरः ३९/५)×
९	र	४८	१३	अ	३३	८	ऐं	२५	५०	बा	१५	२७	२६	३१	२९	१८	२७	७	वृश्चिके	
१०	चं	५४	११	ज्ये	४०	११	वै	२८	०	तै	२१	१२	२२	३२	२८	१९	२८	८	ध.४०।११	
११	मं	६०	०	मू	४७	२०	वि	३०	२८	व	२७	१३	१९	३२	२८	२०	२९	९	धनुषि	भ. २७।२३ उ. पवित्रा ११ व्र.
११	बु	०	३५	पू	५४	३१	प्री	३३	२	वि	०	६	१५	३३	२७	२१	३०	१०	धनुषि	भ. ०।६ या. ×उफा.भौमः१०।१२
१२	गु	६	४७	उ	६०	०	आ	३५	१२	बा	६	४७	११	३४	२६	२२	३१	११	म.११।२८	कन्यायां भौमः २८।३६ प्रदोषः
१३	शु	१२	१७	उ	२	१९	सौ	३७	१	तै	१२	१७	८	३४	२६	२३	१	१२	मकरे	रा. भाद्रपदारंभः
१४	श	१६	४४	श्र	७	१७	शो	३७	५३	व	१६	४४	४	३५	२५	२४	२	१३	कु.३९।४९	भ. १६।४४ उ. ४८।२५ या.
१५	र	२०	५	ध	१२	२२	अ	३८	३	ब	२०	५	०	३६	२४	२५	३	१४	कुंभे	श्रावणी कर्म रक्षा बन्धनम्

१८पं.श्रा.शु.२सू.इ.८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	३	४	९	८	३
२४	२२	११	२९	११	८	२३	२३
१६	५२	३९	१६	३५	३५	२६	४५
२६	१६	२२	४८	२८	२	३४	५५
५७	३९	२३/२०	१३	२१/५३	४/११	३	५७
२३	४	व	३७	व	व	११	२२

१९पं.श्रा.शु.९सू.इ.८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	४	९	८	४
०	२७	७	०	८	८	२३	०
५९	१८	४४	४८	१३	६	१४	२८
४९	०	२०	३२	४४	२९	१९	८
५७	३९	५४/१९	१३	३३/५९	४/४	३	५७
४०	११	म	३८	व	व	११	३४

२०पं.श्रा.शु.१५सू.इ.८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	४	९	८	४
७	१	१	२	३	७	२२	७
४४	४५	५४	२०	५८	४०	५२	११
१७	४	३२	२८	३४	५९	३	३९
५७	३९	५२/५७	१३	३५/१४	४/४३	३	५७
४९	२९	व	३८	व्र	व	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	२२	२७	श	१६	४३	सु	३७	२२	कौ	२२	२७	३१/५६	५/३७	६/२३	२६	४	१५	कुम्भे	
२	मं	२३	३६	पू	२०	१	धृ	३५	४७	ग	२३	३६	५२	३८	२२	२७	५	१६	मी४।११	भ. ५३/३७ उ. वक्री कर्के आश्ले. बुधः १८।०
३	बु	२३	३९	उ	२२	८	शू	३३	२१	वि	२३	३९	४८	३८	२२	२८	६	१७	मीने	भ.२३/३९या. शुक्रोदयःपूर्व.५०/२४ च.व्र. शु.उ.पू.
४	गु	२२	४०	रे	२३	३७	गं	३०	१७	बा	२२	४०	४४	३९	२१	२९	७	१८	मे.२३।३७	मघा. २गुरुः ४७/१० बुधोदयःपूर्वस्याम् ५६/१५
५	शु	२०	४६	अ	२४	१	वृ	२६	११	तै	२०	४६	४०	४०	२०	३०	८	१९	मेषे	पूफा. रविः ५५/४९ उदयं गुरोः १५/० चन्द्रषष्ठी
६	श	१८	१०	भ	२३	१७	ध्रु	२२	१	व	१८	१०	३६	४१	१९	३१	९	२०	वृ.३७।५५	भ. १८/१०उ ४६/२३ या. पूफा. रविः सौरः २९/५७*
७	र	१४	३५	कृ	२१	४८	व्या	१६	६	ब	१४	३५	३२	४२	१८	१	१०	२१	वृषे	वक्री आश्ले. कर्के शुक्रः २२/५४ सितम्बर मा.×
८	चं	१०	२०	रो	१९	१०	ह	१०	११	कौ	१०	२०	२८	४२	१८	२	११	२२	मि४७।२३	जन्माष्टी व्र. वै. *मार्गी बुधः ५०/७
९	मं	५	१	मृ	१५	३६	व	३/१०	५२/३५	ग	५	१	२५	४३	१७	३	१२	२३	मिथुने	भ. ५।१ उ. ३१।५८ या. गोगा ९
१०	मं	५३	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×९ ता. ३० जन्माष्टमी व्र. स्मा.
११	बु	५२	१३	आ	११	१०	व्य	४७	४३	ब	२५	३३	२१	४४	१६	४	१३	२४	क.५२।१४	अजा ११ व्र. स्मा. +वत्स द्वादशी
१२	गु	४४	५०	पु	५	५५	व	३९	९	कौ	१८	३१	१७	४५	१५	५	१४	२५	कर्के	मघा. सिंहे बुधः १०/२३ अजा ११ व्र. वै.+
१३	शु	३७	२९	पु	०/१५	५४/११	प	३०	२०	ग	११	९	१३	४५	१५	६	१५	२६	सिं५४।२६	भ ३७।२९ उ. प्रदोषः
१४	श	२९	५५	म	४९	१०	शि	२१	३२	वि	३	४२	९	४६	१४	७	१६	२७	सिंहे	भ. ३।४२ या. हस्ते भौमः ०।४६
३०	र	२३	१२	पू	४४	३९	सि	१३	२	ना	२३	१२	५	४७	१३	८	१७	२८	कं.५८।४९	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्दादिः

२१पं.भा.कृ.७सू.इ. ८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	४	४	९	८	४
१४	६	२९	३	०	७	२२	१३
२९	१३	२९	५१	६	१७	२९	३६
५६	२३	३१	४७	३६	५७	४७	५१
५८	३९	२/२२	१३	२६/४३	३/११	३	५७
१	२९	मा	३२	व	व	११	५७

गोचरग्रहाः

इस मास में ५ सोमवार तथा बुध गुरु शुक्र का उदय वर्षा श्रेष्ठ करे। धान्य गुड़ गेहूं सोना सिरस्युं मूंगफली तेज होकर मंदी हो।

गोचरग्रहाः

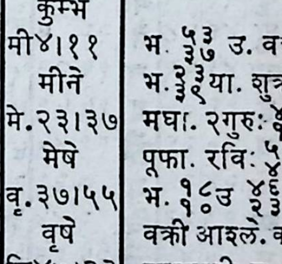

२२पं.भा.कृ.३०सू.इ.७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	३	९	८	४
२१	१०	३	५	२७	६	२२	२०
१६	४४	१८	२२	४७	५८	७	४४
५५	३१	५४	२६	५२	१६	३२	३१
५८	३९	६३	१३	११/२८	३/३२	३	५८
१२	४६	१३	२५	व	व	११	१२

*चंमंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७३१स.१९९१
१	चं	१७	२१	उ	४१	२१	सा	५/१५	५३/१९	ब	१७	२९	३/१	५/४८	६/१२	९	१८	२९	कन्यायां	
२	मं	१३	२०	ह	३९	५४	शु	५३	६	कौ	१३	२०	३०/५७	४९	११	१०	१९	३०	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	११	२	चि	४०	२२	ब्र	४९	४	ग	११	२	५३	४९	११	११	२०	१	तु.१०।८	भ. ४०/५१ उ. हरितालिका ३ गणेश चतुर्थी✽
४	गु	१०	४०	स्वा	४२	३४	ऐं	४६	४१	वि	१०	४०	४८	५०	१०	१२	२१	२	तुलायां	भ. १०।४० या. मार्गी शुक्रः ५८।४७
५	शु	१२	२६	वि	४६	५६	वै	४६	४	बा	१२	२६	४४	५१	९	१३	२२	३	वृ.३०।५०	उफा. रविः ४०।९ ऋषि पंचमी
६	श	१५	५२	अ	५२	३१	वि	४६	२०	तै	१५	५२	४०	५२	८	१४	२३	४	वृश्चिके	उफा.रविःसौरः १४/३५ मघा.३ गुरुः १६।३४
७	र	२०	५०	ज्ये	५९	२३	प्री	४७	५५	व	२०	५०	३६	५३	७	१५	२४	५	ध.५९।२३	भ. २०/५० उ. ५३/४५ या. पूफा. बुधः ३३/५६ अस्तो+
८	चं	२६	३९	मू	६०	०	आ	४९	५८	ब	२६	३९	३२	५४	६	१६	२५	६	धनुषि	वक्री उषा. ३ शनिः २३।२६
९	मं	३३	९	मू	६	३७	सौ	५२	२८	कौ	३३	७	२८	५४	६	१७	२६	७	धनुषि	कन्यायामर्कः ५।३० (सौरः ३९।४६)
१०	बु	३९	१०	पू	१३	५५	शो	५४	४३	तै	६	१३	२४	५५	५	१८	२७	८	म.३०।३९	बुधास्तः पूर्वस्याम् ४७।११
११	गु	४४	५०	उ	२०	५१	अ	५६	४१	व	१२	४	२०	५६	४	१९	२८	९	मकरे	भ. १२।४ उ. ४४/५० या. जलझूलनी ११ व्र.
१२	शु	४९	२०	श्र	२६	५८	सु	५७	३०	ब	१७	५	१६	५७	३	२०	२९	१०	कु.५९।२४	वामन जयन्ती ✽रविलावल ३
१३	श	५२	३०	ध	३१	५०	धृ	५७	३७	कौ	२०	५५	१२	५८	२	२१	३०	११	कुम्भे	प्रदोषः +भौमः ४६।५६
१४	र	५४	९	श	३५	२६	शू	५६	३७	ग	२३	१९	८	५८	२	२२	३१	१२	कुम्भे	भ.५४।९उ. उफा. बुधः ५७/१३ अनन्त १४
१५	चं	५४	२०	पू	३७	५३	गं	५४	३०	वि	२४	१४	४	५९	१	२३	१	१३	मी२२।१६	भ. ३४/१४ या. रा. आश्विनारंभः महालयारं.

२३पं.भा.शु.७सू.इ.७।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	४	३	९	८	४
२८	१५	१२	६	२७	६	२१	२७
५	१७	३६	५१	१७	४२	४५	३१
२४	३१	४९	२२	२	२५	१६	५२
५८	३९	९९	१२	५/५	१/५५	३	५८
२६	५२	४	१९	मा:	ब	११	२९

गोचरग्रहाः

भा. शु. ९ भौमे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.४गतालकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभात्रे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

२४पं.भा.शु.१४सू.इ.७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	४	३	९	८	५
४	१९	२५	८	२८	६	२१	४
५५	५२	९	१८	४०	३१	२३	२१
१९	४८	११	५०	१	८	१	५९
५८	४०	०/८	१३	१९	१/१	३	५८
३८	१३	०/५०	३	४४	ब	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	५३	१०	उ	३९	०	वृ	५१	१५	बा	२३	४५	३०/००	० ६/०	० ६/०	२४	२	१४	मीने	कन्यायां बुधः ४६।२९
२	बु	५१	०	रे	३८	४७	ध्रु	४६	५८	तै	२२	५	२९/५५	६/१	५/५९	२५	३	१५	मे.३८।४७	
३	गु	४७	४६	अ	३८	२४	व्या	४१	५९	व	१९	२३	५१	२	५८	२६	४	१६	मेषे	भ. १९/२३ उ. ४७/४६ या. मघा. सिंहे शुक्रः १।४३
४	शु	४३	५६	भ	३६	५६	ह	३६	३५	ब	१५	५१	४७	३	५७	२७	५	१७	बृ.५१।२५	हस्ते रविः १८।३६ (सौरः ५३/१६) चित्रा.✽
५	श	३९	३४	कृ	३४	५२	व	३०	२६	कौ	११	४५	४३	३	५७	२८	६	१८	वृषे	✽भौमः २६।२९ चतुर्थी व्र.
६	र	३५	८	रो	३२	३१	सि	२४	२७	ग	७	२१	३८	४	५६	२९	७	१९	वृषे	भ. ३५।८ उ.
७	चं	३०	२०	मृ	२९	४१	व्य	१७	२३	वि	२	४४	३४	५	५५	३०	८	२०	मि १।५	भ.२।४४या हस्ते बुधः ४१/५५ मघा.४गुरुः २२/१६
८	मं	२५	१३	आ	२६	२६	व	१०	४०	कौ	२५	१३	३०	६	५४	१	९	२१	मिथुने	**अक्टूबर मा. १० ता. ३१**
९	बु	२०	२	पु	२२	४३	प	३/२८	५२/४३	ग	२०	२	२६	७	५३	२	१०	२२	क.८।३९	भ. ४७।१३ उ. मातृ ९
१०	गु	१४	२५	पु	१८	४९	सि	४८	४८	वि	१४	२५	२२	८	५२	३	११	२३	कर्के	भ. १४।२५ या.
११	शु	८	४९	श्ले	१४	४५	सा	४१	३२	बा	८	४९	१८	८	५२	४	१२	२४	सिं१४।४५	मार्गी शनिः २९।४० इन्दिरा ११ व्र.
१२	श	३	२१	म	१०	४७	शु	३४	२६	तै	३	२१	१४	९	५०	५	१३	२५	सिंहे	भ. ५८।१८ उ. प्रदोषः
१३	श	५४	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×सर्वपितृश्राद्धम् सोमवती ३०
१४	र	५३	२५	पू	७	५५	शु	२७	३२	वि	२६	४	१०	१०	५१	६	१४	२६	कं.२२।६	भ. २६।४ या. शस्त्रादिहतानां श्राद्धं
३०	चं	५०	२८	उ	४	३८	ब्र	२१	२०	च	२२	९	६	११	४९	७	१५	२७	कन्यायां	चित्रा. बुधः ४२।२० तुलायां भौमः २३/७×

२५पं.आ.कृ.६सू.इ.७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	४	४	९	८	५
११	२४	८	९	१	६	२१	११
४६	२८	२०	४४	३७	२५	०	१४
५५	१६	२०	२८	१	१६	४५	१
५८	४०	०/८	१२	३१	०/३	३	५९
५२	२३	०/१३	३८	२०	व	११	०

गोचरग्रहाः

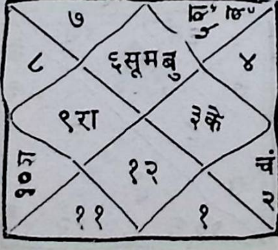

सिंहका गुरु सुभिक्ष एवं मंदी करे। वृहस्पतिर्यदा सिंहे सुभिक्षं तत्रजायते। मेघाश्च प्रबलास्तत्र बहुसस्या च मेदिनी ॥

गोचरग्रहाः

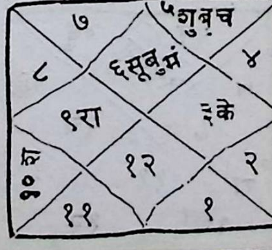

२६पं.आ.कृ.१४सू.इ.७।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	४	४	९	८	५
१८	२९	२०	११	५	६	२०	१८
४०	८	३०	६	५०	२३	३८	७
८	३८	४	४०	६	३७	२९	४८
५९	४०	०/७	१२	४०	१/०	३	५९
९	३९	५/९	१७	२१	मा	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७६० स.१९९१
१	मं	४८	२८	ह	३	१९	ऐं	१६	५	किं	१९	२८	२९/२	६/१२	५/४८	८	१६	२८	तु.३३।३१	नवरात्रारम्भः मातामहश्रा.
२	बु	४७	५८	चि	३	४४	वै	११	४६	बा	१८	१३	२८/५८	१२	४८	९	१७	२९	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् *तुलायां बुधः ४५।८
३	गु	४९	३१	स्वा	४	४९	वि	८	५३	तै	१८	४४	५४	१३	४७	१०	१८	१	वृ.५२।२३	चित्रायां रविः ५०।३७ रविलाखर ४
४	शु	५२	३४	वि	८	१४	प्री	७	३२	व	२१	२	५०	१४	४६	११	१९	२	बृश्चिके	भ.२१/२उ.५२/३४या. चित्रा. रविः सौरः २२/५३*
५	श	५७	१०	अ	१३	२९	आ	६	४८	ब	२४	५२	४६	१५	४५	१२	२०	३	बृश्चिके	×८/१४ पूषा. २ राहुः आर्द्रा. ४ केतुः १३/१६+
६	र	६०	०	ज्ये	१९	५२	सौ	७	४१	कौ	२९	५४	४२	१६	४४	१३	२१	४	ध.१९।५२	=विजया १० सरस्वती विसर्जनम्
६	चं	२	३८	मू	२६	५३	शो	९	१०	तै	२	३८	३८	१६	४४	१४	२२	५	धनुषि	सरस्वत्यावाहनं +विजया१० पट्टा.
७	मं	९	७	पू	३४	३२	अ	११	३७	व	९	७	३४	१७	४३	१५	२३	६	म.५१।१४	भ.९।७उ.४२/१७या. स्वात्यां बुधः ३८।४५÷
८	बु	१५	२६	उ	४१	२३	सु	१३	५४	ब	१५	२६	३०	१८	४२	१६	२४	७	मकरे	पूफा. शुक्रः १६।२८ वलिदानं
९	गु	२१	१४	श्र	४८	३४	धृ	१६	०	कौ	२१	१४	२६	१९	४१	१७	२५	८	मकरे	तुलायामर्कः ३४/२३ स्वात्यां भौमः २०।३९=
१०	शु	२६	१३	ध	५३	५८	शू	१७	३४	ग	२६	१३	२२	२०	४०	१८	२६	९	कु.२१।१६	भ. ५७/५५उ. तुलार्कः सौरः ५/३५ पूफा. १ गुरुः×
११	श	२९	३७	श	५७	५८	गं	१८	१	वि	२९	३७	१८	२०	४०	१९	२७	१०	कुम्भे	भ. २९।३७ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	र	३१	१९	पू	६०	०	वृ	१७	१९	ब	०	२८	१४	२१	३९	२०	२८	११	मी४६।११	
१३	चं	३१	१६	पू	०	१५	ध्रु	१५	१४	कौ	१	१७	१०	२२	३८	२१	२९	१२	मीने	प्रदोषः ÷सरस्वती पूजनम्
१४	मं	२९	१९	उ	०	५०	व्या	११	३७	ग	०	१७	६	२३	३७	२२	३०	१३	मीने	भ. २९।१९उ.५७।४०या. कोजागरी व्र.
१५	बु	२६	१	रे	०/२	५/२	ह	६	४९	ब	२६	१	२	२४	३६	२३	१	१४	मे. ०।२	उषा.४शनिः १४/१५ बुधोदयः प. रा.कार्तिका.

२७पं.आ.शु.६सू.इ.७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	४	९	८	५
२५	३	२	१२	१०	६	२०	२५
३५	४९	२०	२६	५१	२६	१६	३
६	४८	२६	२४	४	१०	१४	३०
५९	४०	[illegible]	११	४७	०	३	५९
२१	४०	४४	४८	१२	५९	११	३१

गोचरग्रहाः

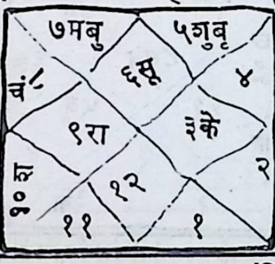

आ. शु. ९ गुरौ तुलायामर्कः प्र.वा.३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

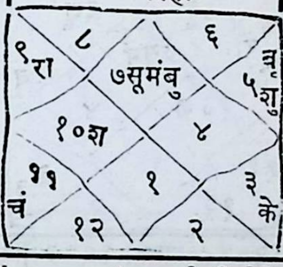

२८पं.आ.शु.१२सू.इ.६।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	४	९	८	६
२	८	१३	१३	१६	६	१९	२
३१	३३	३७	४२	३७	३४	५३	०
३४	४३	४०	६	२६	४८	५८	५८
५९	४१	९२	११	५२	१	३	५९
३४	१	३८	१०	३५	४०	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२१	२६	भ	५४	५९	व	१/२	५ ३/५	कौ	२१	२६	२७/५८	६/२४	५/३६	२४	२	१५	मेषे	स्वात्यां रविः १६/२५ (सौरः ४६/३३) विश.×
२	शु	१६	८	कृ	५१	२४	व्य	४६	४१	ग	१६	८	५४	२५	३५	२५	३	१६	वृ. ९।५	भ. ४३।८ उ.
३	श	१०	८	रो	४७	३८	व	३८	५५	वि	१०	८	५०	२६	३४	२६	४	१७	वृषे	भ. १०।८ या. करक चतुर्थी व्र.
४	र	४	५	मृ	४३	४२	प	३१	८	बा	४	५	४६	२७	३३	२७	५	१८	मि२५।३१	
५	र	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	चं	५२	१६	आ	४०	४	शि	२३	२८	ग	२५	८	४२	२८	३२	२८	६	१९	मिथुने	भ. ५२।१६ उ.
७	मं	४७	११	पु	३६	२८	सि	१५	५५	वि	१९	४३	३९	२८	३२	२९	७	२०	क.२२।२२	भ. १९।४३ या. ×बुधः १७।५०
८	बु	४२	८	पु	३३	०	सा	८	३५	बा	१४	४०	३५	२९	३१	३०	८	२१	कर्के	वृश्चिके बुधः५२।५६ उफा. शुक्रः५३।२
९	गु	३७	४४	श्ले	३०	१	शु	३१/०	५३/२२	तै	९	५६	३१	३०	३०	३१	९	२२	सि३०।०	
१०	शु	३३	३७	म	२७	२३	ब्र	४८	४६	व	५	४०	२७	३१	२९	१	१०	२३	सिंहे	भ.४०/५उ ३३/३७या. नवम्बर मा. ११ ता. ३०
११	श	३०	१२	पू	२५	११	ऐं	४३	८	ब	१	५४	२४	३१	२९	२	११	२४	कं.३९।४९	अनु बुधः ११।२६ रमा ११ व्र.
१२	र	२७	२२	उ	२३	४३	वै	३८	६	तै	२७	३२	२०	३२	२८	३	१२	२५	कन्यायां	कन्यायां शुक्रः ४।५ प्रदोषः घन १३
१३	चं	२५	४३	ह	२२	५४	वि	३३	१४	व	२५	४३	१६	३३	२७	४	१३	२६	तु.५३।९	भ. २५।४३ उ. ५५।२० या. रूप १४
१४	मं	२४	५६	चि	२३	२४	प्री	३०	२	श	२४	५६	१३	३३	२७	५	१४	२७	तुलायां	विशा. भौमः ४८।४८ महालक्ष्मी पूजनम्
३०	बु	१५	२०	स्वा	२५	५	आ	२७	१८	ना	२५	२०	९	३४	२६	६	१५	२८	तुलायां	विशा. रविः३६।४८ अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा

२९पं.का.कृ.४सू.इ.६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	४	९	८	६
९	१३	२४	१४	२३	६	१९	९
२९	१९	२४	५३	६	४७	३१	०
४९	२६	०	२४	५४	२८	४२	१८
५९	४१	९३	१०	५६	.२	३	६०
४७	१६	४५	३१	३१	२०	११	२

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ गुरुवार श्रेष्ठ हैं। मंगलवारी दीपमालिका अनाज बाजरा मूँग मक्का आदिका संग्रह से लाभकारक रहे।

गोचरग्रहाः

३०पं.का.कृ.१२सू.इ.६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	५	९	८	६
१६	१८	४	१५	०	७	१९	१६
२९	७	३९	५९	४	५	९	१
३८	५९	४०	५६	१२	१३	२७	२२
६०	४१	८६	९	५९	३	३	६०
४	२६	३८	४६	४५	१	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७९० सन् १९९१
१	शु	२७	१५	वि	२८	३६	सौ	२६	४	ब	२७	१५	२७ ६	६ ३५	५ २५	७	१६	२९	वृ.१२।२६	विशा.रविः सौरः ४।२ पूफा. २ गुरुः ४२ २५
२	शु	३०	३२	अ	३३	११	शो	२४	५८	कौ	३०	३२	२	३६	२४	८	१७	३०	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् भ्र.तृ २
३	श	३५	११	ज्ये	३९	१६	अ	२५	३८	तै	२	५१	२६ ५९	३६	२४	९	१८	१	ध.३९।१६	जमादिलावल ५
४	र	४०	३५	मू	४५	३६	सु	२६	५०	व	७	५३	५३	३७	२३	१०	१९	२	धनुषि	भ. ७।५३ उ. ४०।३५ या.
५	चं	४६	५८	पू	५३	५९	धृ	२८	५२	ब	१३	४६	५६	३७	२३	११	२०	३	धनुषि	
६	मं	५३	२९	उ	६०	०	शू	३१	१०	कौ	२०	१३	४९	३८	२२	१२	२१	४	म.१०।५८	ज्येष्ठा. बुधः ३।२७ हस्ते शुक्रः ४८।२७
७	बु	५९	४८	उ	१	५५	गं	३३	२६	ग	२६	३८	४६	३९	२१	१३	२२	५	मकरे	भ. ५९।४८ उ.
८	गु	६०	०	श्र	९	३४	वृ	३५	२८	वि	३२	३२	४३	३९	२१	१४	२३	६	कुं.४२।५१	भ. ३२।३२ या. गोपाष्टमी
८	शु	५	१७	ध	१६	८	ध्रु	३६	४३	ब	५	१७	४०	४०	२०	१५	२४	७	कुम्भे	
९	श	९	२०	श	२१	१३	व्या	३६	४१	कौ	९	२०	३७	४१	१९	१६	२५	८	कुम्भे	वृश्चिकेऽर्कः ३२।५०(सौरः ५६ १९) अक्षय ९
१०	र	११	५५	पू	२४	३४	ह	३५	२८	ग	११	५५	३४	४१	१९	१७	२६	९	मी८।४३	भ. ४२।९ उ.
११	चं	१२	२३	उ	२५	५८	व	३२	४६	वि	१२	२३	३१	४२	१८	१८	२७	१०	मीने	भ. २३ ३ या. प्रबं.धिनी ११ व्र. तुल. वि.
१२	मं	१०	४९	रे	२५	२१	सि	२८	२६	बा	१०	४९	२९	४२	१८	१९	२८	११	मे.२५।२१	अनु. रविः ५१।१० प्रदोषः
१३	बु	७	२५	अ	२३	५	व्य	२२	३५	तै	७	२५	२६	४३	१७	२०	२९	१२	मेषे	अनु. रविः सौरः १५ ७ वृश्चिके भौमः १३●
१४	गु	२	२०	भ	१९	१७	व	१५	१६	व	२	२०	२४	४३	१७	२१	३०	१३	वृ.३३।२	भ. २।२० उ. २९।१ या. ●वकुंठ १४
१५	शु	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३१पं.का.शु.४सू.इ.६।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	५	९	८	६
२३	२२	१४	१७	७	७	१८	२३
३०	५९	१६	१	१२	२७	४७	३
५८	५९	२३	३४	४	२२	११	५८
६०	४१	७३	८	६२	३	३	६०
१७	३७	३८	५९	११	४२	११	३०

गोचरग्रहाः

का.शु. ९ शनौ
वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.
३न.३ युवावस्था
(सूती) मु. १५
धान्यादिभावे स-
मता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

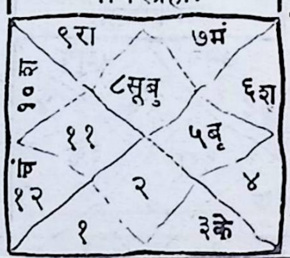

३२पं.का.शु.१०सू.इ.६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	५	९	८	७
०	२७	२२	१७	१४	७	१८	०
३३	५२	४८	५७	४१	५३	२४	८
४७	३७	४७	७	२८	४६	५६	२
६०	४१	६४	८	६४	४	३	६०
३०	४६	४०	३	७	२३	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४८	१८	कृ	१४	१६	प	६ ५२	५१ ७	बा	२२	१	२६ २१	६ ४४	५ १६	२२	१	१४	वृषे	रा. मार्गशीर्षारंभः
२	श	४०	३१	रो	८	४६	खि	४८	२९	तै	१४	२४	१९	४४	१६	२३	२	१५	मि३५।५३	
३	र	३२	२८	मृ	३ १	५४ २९	सा	३८	५८	व	६	२९	१६	४५	१५	२४	३	१६	मिथुने	भ. ६।२९ उ. ३२ २८ या. चित्रा. शुक्रः ५६ २१●
४	चं	२५	११	पु	५२	१६	शु	३०	१	बा	२५	११	१३	४५	१५	२५	४	१७	क.३८।३५	चतुर्थी व्र. ●अनु. भौमः ५१।१४
५	मं	१८	२३	पु	४८	१०	शु	२१	१४	तै	१८	२३	११	४६	१४	२६	५	१८	कर्के	
६	बु	१२	३६	श्ले	४४	२८	ब्र	१३	८	व	१२	३६	८	४६	१४	२७	६	१९	सिं४४।२८	भ. १२।३६उ. ४०।७या. वक्री बुधः ५३।५
७	गु	७	३८	म	४१	४७	ऐं	६ ५९	५२ २८	ब	७	३८	६	४७	१३	२८	७	२०	सिंहे	
८	शु	३	४६	पू	३९	५९	वि	५३	५३	कौ	३	४६	३	४७	१३	२९	८	२१	कं.५४।४६	
९	श	१	५	उ	३९	५	प्री	४९	१९	ग	१	५	१	४८	१२	३०	९	२२	कन्यायां	भ. ३०।१२ उ. ५९ २० या. तुलायां शुक्रः ४८ ३३
१०	श	५७	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	५८	४४	ह	३९	५	आ	४५	३७	ब	२९	२	२५ ५९	४८	१२	१	१०	२३	कन्यायां	दिसम्बर १२ ता.३१ उत्पत्ति ११ व्र. स्मा
१२	चं	५९	२६	चि	४०	२८	सौ	४२	४६	कौ	२९	५	५७	४९	११	२	११	२४	तु.९।४६	बुधास्तः पश्चि. ३१।२ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१३	मं	६०	०	स्वा	४२	५०	शो	४०	५९	ग	३०	१४	५५	४९	११	३	१२	२५	तुलायां	ज्येष्ठा. रविः १।२०(सौरः २३ ७) प्रदोषः
१३	बु	१	२	वि	४६	२३	अ	३९	५२	व	१	२	५३	४९	११	४	१३	२६	वृ.३०।३०	भ. १।२ उ. ३२।२८ या.
१४	गु	३	५३	अ	५१	२०	सु	३९	३५	श	३	५३	५१	५०	१०	५	१४	२७	वृश्चिके	×३ केतुः ५।१४
३०	शु	७	४६	ज्ये	५७	२८	धृ	३९	५१	ना	७	४६	४९	५०	१०	६	१५	२८	ध.५७।२८	स्वात्यां शुक्रः ३५।९ पूगा. १ राहुः आर्द्रा.×

३३पं. मा.कृ.३सू.इ.५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	५	९	८	७
७	२	२९	१८	२२	८	१८	७
३७	४८	५	४५	२४	२४	२	१३
३७	२२	३१	२२	५०	०	४०	३५
६०	४१	२५	६	६५	४	३	६०
४२	५६	२२	५८	२३	५२	११	५३

गोचरग्रहाः

मार्गशीर्ष में ५
शनि शुक्रवार भी
पांच । घटाबढ़ी
होवेघनी दोतरफा
यह चाल ।। हरेक
वस्तुमें मंदीहोकर
तेजी होगी ।

गोचरग्रहाः

३४पं.मा.कृ.११सू.इ.५।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	६	९	८	७
१४	७	२९	१९	०	८	१७	१४
४२	४३	५१	२५	१९	५७	४०	२०
५४	४४	४०	१९	१६	५०	२५	२१
६०	४१	२९ ५९	५	६७	५	३	६१
५०	१७	व	५६	४	१९	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६८२०स.१९९१
१	शं	१२	५२	मू	६०	०	शू	४१	२२	ब	१२	५२	३५/४८	६/५०	५/१०	७	१६	२९	धनुषि	पूफा. ३ गुरुः ५९।२९
२	र	१८	२१	मू	४	१६	गं	४३	७	कौ	१८	२१	४६	५१	९	८	१७	३०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	२४	५३	पू	११	५४	वृ	४५	२२	ग	२४	५३	४५	५१	९	९	१८	१	म.२८।५३	भ. ५८।१० उ. जमादिलाखर ६
४	मं	३१	२८	उ	१९	५०	ध्रु	४७	३१	वि	३१	२८	४४	५१	२	१०	१९	२	मकरे	भ. ३१।२८ या.
५	बु	३८	७	श्र	२७	४९	व्या	४९	५६	ब	४	४७	४२	५२	८	११	२०	३	मकरे	
६	गु	४३	५५	ध	३५	१५	ह	५१	४६	कौ	११	१	४१	५२	८	१२	२१	४	कु.१।३२	श्रवणे १ शनिः ३७।२८ चम्पा ६
७	शु	४८	५२	श	४१	३७	व	५२	४७	ग	१६	२३	४०	५२	८	१३	२२	५	कुम्भे	भ.४६उ. वक्री अनु. बुधः७।२० ज्येष्ठा.*
८	श	५२	२३	पू	४६	४०	सि	५२	३७	वि	२०	३७	३९	५२	८	१४	२३	६	मी३०।२५	भ. २०।३७ या. बुधोदयः पूर्वं. ३६।६
९	र	५४	२	उ	४९	४६	व्य	५१	११	बा	२३	१२	३८	५२	८	१५	२४	७	मीने	
१०	चं	५४	३०	रे	५०	४५	व	४८	९	तै	२४	१६	३८	५२	८	१६	२५	८	मे.५०।४५	मूले धनुष्यर्कः ८।३२(सौरः २६।५१)
११	मं	५१	११	अ	४९	४१	प	४३	२६	व	२२	५१	३७	५३	७	१७	२६	९	मेषे	भ.२३उ.५१या. मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१२	बु	४६	४१	भ	४६	४२	शि	३७	८	ब	१८	५६	३७	५३	७	१८	२७	१०	मेषे	विशा. शुक्रः ६।२७ *भौमः २८।७
१३	गु	४०	२७	कृ	४१	४३	सि	२९	१९	कौ	१३	३४	३७	५३	७	१९	२८	११	वृ.०।२५	मार्गी बुधः २६।४६ प्रदोषः
१४	शु	३२	४०	रो	३५	३८	सा	१९	५७	ग	६	३३	३६	५३	७	२०	२९	१२	वृषे	भ. ३२।४० उ. ५८।२० या.
१५	श	२३	५९	मृ	२८	४१	शु	१०/१२	४९/२३	ब	२३	५९	३६	५३	७	२१	३०	१३	मि२।१०	दत्तजयंती पूर्व प्रदेशे चंद्रग्रहणम्

३५पं.मा.शु.५सू.इ.५।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	६	९	८	७
२१	१२	२२	२०	८	९	१७	२१
४८	४६	४०	०	२२	३५	१८	२८
५८	४८	८	२९	४४	४२	९	६
६०	४२	९८/२२	४	६८	५	३	६१
५६	२०	व	४५	९	४६	११	११

गोचरग्रहाः

मा. शु. १० चंद्रे धनुष्यर्कः प्र.वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं पू.

गोचरग्रहाः

३६पं.मा.शु. ९सू.इ.५।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	६	९	८	७
२८	१७	१५	२०	१६	१०	१४	२८
५५	४९	२	२५	३१	१५	५५	३६
५२	१२	५५	४८	३४	२२	५३	४९
६१	४२	४९/५४	३	६९	६	३	६१
०	४१	व	३४	४	१४	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	१४	४६	आ	२१	२६	ब्र	४८	५६	कौ	१४	४६	३५/३६	६/५३	५/७	२२	१	१४	मिथुने	रा. पौषारंभः
२	चं	५	४१	पु	१४	२५	ऐं	३८	२६	ग	५	४१	३६	५३	७	२३	२	१५	क.१।१०	भ. ३१।३८ उ. ५६।५६ या.
३	चं	५१	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं	४८	५९	पु	८	३	वै	२८	३४	ब	२२	५७	३६	५३	७	२४	३	१६	कर्के	चतुर्थी व्र.
५	बु	४३	२२	श्ले	२/२५	५५/५२	वि	१९	२५	कौ	१६	१०	३७	५३	७	२५	४	१७	सिं२।२९	ज्येष्ठा. बुधः २१।४०
६	गु	३८	२०	पू	५५	२७	प्री	११	२७	ग	१०	५१	३७	५३	७	२६	५	१८	सिंहे	भ. ३८।२० उ. वृश्चिके शुक्रः २०।५६
७	शु	३३	५३	उ	५४	६	आ	४/५०	५४/३८	वि	६	६	३७	५३	७	२७	६	१९	कं.१०।७	भ. ६।६ या.
८	श	३१	५५	ह	५४	६	शो	५५	२२	बा	२	५४	३८	५२	८	२८	७	२०	कन्यायां	
९	र	३१	३८	चि	५५	२९	अ	५२	३२	तै	१	४६	३८	५२	८	२९	८	२१	तु.२४।४७	पूषा.रविः १३/२८ (सौरः ३/२९) अनु. शुक्रः ११/४
१०	चं	३२	५०	स्वा	५८	२३	सु	५१	०	व	२	१४	३९	५२	८	३०	९	२२	तुलायां	भ. २।१४ उ. ३२।५० या.
११	मं	३५	१७	वि	६०	०	धृ	५०	२२	ब	४	३	४०	५२	८	३१	१०	२३	वृ.४६।२०	मूले धनुषि भौमः ५२।७ सफला ११ व्र.
१२	बु	३९	२८	वि	२	१९	शू	५०	४१	कौ	७	२२	४०	५२	८	१	११	२४	वृश्चिके	वक्री गुरुः५६।३२ जनवरी मा.१ता.३१*
१३	गु	४३	४६	अ	७	३४	गं	५१	३२	ग	११	३७	४१	५२	८	२	१२	२५	वृश्चिके	भ. ४३।४६ उ. प्रदोषः
१४	शु	४९	२१	ज्ये	१३	२२	वृ	५३	२	वि	१६	३३	४२	५२	८	३	१३	२६	ध.१३।२२	भ. १६।३३ या.
३०	श	५५	१७	मू	२०	२३	ध्रु	५४	४८	च	२२	१९	४३	५२	९	४	१४	२७	धनुषि	उदयो भौमः ३२।५७ *सन् १९९२

३७पं. पौ.कृ.१सू.इ.५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	६	९	८	८
६	२२	१५	२०	२४	१०	१६	५
३	५४	१	४२	५१	५८	३३	४६
२९	११	१	१४	५०	५२	३८	१४
६०	४२	३०/१४	२	६९	६	३	६१
५६	२६	व	६	५०	२८	११	२२

गोचरग्रहाः

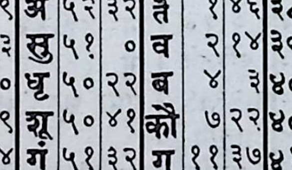

पौष शु. ९ भौमे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

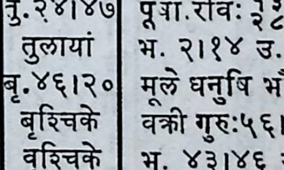

३८पं. पौ.कृ. ९सू.इ.५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	७	९	८	८
१३	२८	२०	२०	३	११	१६	१२
११	०	५९	४८	१२	४३	११	५६
३१	३२	२४	४०	५८	२३	२२	६
६१	४२	६२	०	७०	६	३	६१
६	५५	४	४३	३२	४४	११	२६

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) *मंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०४८	शाकः	१९१३								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८४९ स. १९९२
१	र	६०	०	पू	२७	३१	व्या	५६	५३	किं	२८	३१	२५ ४४	६ ५१	५ ९	५	१५	२८	म. ४४।२९	मूले धनुषि बुधः २८।५
१	चं	१	४६	उ	३५	२४	ह	५९	८	ब	१	४६	४६	५१	९	६	१६	२९	मकरे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	८	१३	श्र	४३	११	व	६०	०	कौ	८	१३	४७	५१	९	७	१७	१	मकरे	रज्जव ७
३	बु	१४	४५	ध	५१	५	व	१	३०	ग	१४	४५	४९	५०	१०	८	१८	२	कुं. १७।८	भ. ४७।४३ उ.
४	गु	२०	४२	श	५८	०	सि	३	१९	वि	२०	४२	५१	५०	१०	९	१९	३	कुंभे	
५	शु	२५	४९	पू	६०	०	व्य-	४	४६	बा	२५	४९	५२	५०	१०	१०	२०	४	मी ४७।३१	भ. २०।४२ या. ज्येष्ठा. शुक्रः ७।५५
६	श	२९	५३	पू	४	२	व	६	२९	तै	२९	५३	५४	४९	११	११	२१	५	मीने	उषा. रविः १८।१२ (सौरः २९।५६)
७	र	३२	३१	उ	८	३७	प	५	६	ग	१	१२	५६	४९	११	१२	२२	६	मीने	भ. ३२।३१ उ. श्रवणे २ शनिः १८।१३
८	चं	३३	२१	रे	११	२७	शि	३	२९	वि	२	५६	५८	४८	१२	१३	२३	७	मे. ११।२७	भ. २।५६ या. अस्तं शनेः १।२६
९	मं	३२	२५	अ	१२	४०	सि	२३	५५ ८	बा	२	५३	२६ ९	४८	१२	१४	२४	८	मेषे	मकरेऽर्कः ३४।३६ (सौरः ४५/२१) पूषायां●
१०	बु	२९	३३	भ	११	३५	शु	४९	३१	तै	०	५९	३	४७	१३	१५	२५	९	वृ. २५।४९	भ. ५७।८ उ.
११	गु	२४	४३	कृ	८	३१	शु	४१	४९	वि	२४	४३	५	४७	१३	१६	२६	१०	वृषे	भ. २४।४३ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	शु	१८	३	रो	३ ५०	५४ ५९	ब्र	३२	४७	बा	१८	३	८	४६	१४	१७	२७	११	मि ३०।४३	प्रदोषः ●बुधः ५७।१०
१३	श	१०	१	आ	४९	५२	ऐं	३२	४१	तै	१०	१	१०	४६	१४	१८	२८	१२	मिथुने	पूषायां भौमः ४५।५७
१४	र	०	४७	पु	४१	५९	वै	११	५०	व	०	४७	१२	४६	१४	१९	२९	१३	क. २८।५७	भ. ०।४७ उ. २५।५४ या.
१५	र	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३९पं. पौ.शु.१सू.इ. ५।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	४	७	९	८	८
२०	३	२९	२०	११	१२	१५	२०
१९	९	३०	४६	३८	३०	४९	६
२६	४७	२२	८	५५	७	७	३
६१	४३	७७	३५ ०	७१	७	३	६१
६	३	१	व	५	२	११	२६

४०पं. पौ.शु.७सू.इ.४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	४	७	९	८	८
२७	८	९	२०	२०	१३	१५	२७
२७	१९	१०	३४	११	१८	२६	१५
४०	५६	४४	१६	६	२५	५१	५५
६१	४३	८६	३ ७	७१	७	३	६१
६	२०	४६	व	३२	१०	११	२४

४१पं. पौ.शु.१४सू.इ.४।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	४	७	९	८	९
४	१३	१९	२०	२८	१४	१५	४
३५	३३	३०	१२	४३	७	४	२५
३१	४७	४	५०	३०	४४	३५	२४
६१	४३	९३	३ ३ १	७१	७	३	६१
३	३४	५७	व	५१	१८	११	१९

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं० २०४८	शाकः	१९१३								दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४१	१२	पु	३४	१४	वि	३९	४ ५८	बा	१६	७	२६ १५	६ ४५	५ १५	२०	३०	१४	कर्के	मूले धनुषि शुक्रः ८।४९
२	मं	३१	५०	श्ले	२६	४९	आ	३८	५०	तै	६	३१	१७	४५	१५	२१	१	१५	सि २६।४९	भ. ५/३ ७/८ उ. अभि.प्र. रविः २ ७/१ (सौरः १/४ ६/३) ●
३	बु	२३	२६	म	२०	२९	सौ	२९	४	वि	२३	२६	२०	४४	१६	२२	२	१६	सिंहे	भ. ३/२ ६ या. वक्री पूफा. २गुरुः ४/५ ३/४ चतुर्थी व्र.
४	गु	१६	३३	पू	१५	४६	शो	२०	३२	बा	१६	३३	२२	४४	१६	२३	३	१७	कं. ३०।०	उषा. बुधः ४/३ ९/१ बुधास्तः पूर्वस्याम् २३।५
५	शु	११	५	उ	१२	४२	अ	१३	२६	तै	११	५	२५	४३	१७	२४	४	१८	कन्यायां	श्रवणे रविः २३।४४ (सौरः ३२।४०)
६	श	७	५३	ह	११	१४	सु	७	५०	व	७	५३	२७	४३	१७	२५	५	१९	तु. ४१।३५	भ. ७।५३उ. ३७।१४या. अभि.नि.रविः×
७	र	६	३४	चि	११	५५	धृ	३	५०	ब	६	३४	३०	४२	१८	२६	६	२०	तुलायां	×१६।१३ (सौरः २/५ ४/६) मकरे बुधः ५/३ ३/१
८	चं	७	२१	स्वा	१४	२०	शू	१	२३	कौ	७	२१	३३	४१	१९	२७	७	२१	तुलायां	
९	मं	९	४२	वि	१८	६	गं	०	२३	ग	९	४२	३६	४१	१९	२८	८	२२	वृ. २।१०	भ. ४१।४२ उ.
१०	बु	१३	४३	अ	२३	९	वृ	०	५३	वि	१३	४३	३९	४०	२०	२९	९	२३	वृश्चिके	भ. १३।४३ या.
११	गु	१८	४४	ज्ये	२९	९	ध्रु	१	५३	ना	१८	४४	४२	४०	२०	३०	१०	२४	ध. २९।९	पूषा. शुक्रः ५७।४४ षट्तिला ११ व्र.
१२	शु	२४	५०	मू	३६	९	व्या	३	२९	तै	२४	५०	४६	३९	२१	३१	११	२५	धनुषि	
१३	श	३१	५	पू	४३	१९	ह	५	३९	व	३१	५	४९	३८	२२	१	१२	२६	धनुषि	भ. ३/५ १/२ उ. श्रवणे बुधः १ ७/१ फरवरी मा.२+
१४	र	३७	४२	उ	५०	५३	व	८	१	वि	४	२३	५२	३८	२२	२	१३	२७	म. ०।१३	भ. ४।२३ या. +ता. २९ प्रदोषः
३०	चं	४४	४	श्र	५८	१८	सि	१०	१३	च	१०	५३	५५	३७	२३	३	१४	२८	मकरे	सोमवती ३० ●रा. माघारंभः

४२पं.मा.कृ.७सू.इ.४।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	८	९	८	९
११	१८	०	१९	७	१४	१४	११
४२	४८	१८	४२	१८	५७	४२	३४
५८	११	४७	५८	१८	४०	२०	१५
६०	४३	९६	३ ४ १	७२	७	३	६१
५९	४५	५४	व	१६	२०	११	१३

गोचरग्रहाः

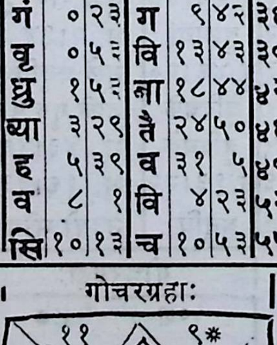

—मास फल—
उड़द, मूंग और
बाजरा, मक्का
मंदी जान। मंगल
धन के जब रहे
मंदीमें लो मान॥

गोचरग्रहाः

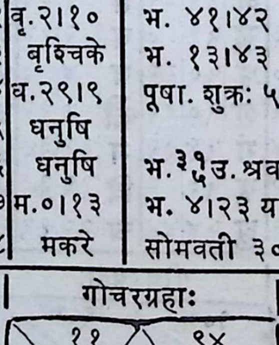

४३पं.मा.कृ.१४सू.इ.५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	८	९	८	९
१८	२४	११	१९	१५	१५	१४	१८
४९	५	३९	५	५४	४८	२०	४२
२६	२०	१८	४२	४	११	४	१८
६०	४४	३ ०	५ ५ १	७२	७	३	६१
५५	१	९	व	३४	२०	११	४

*मंशुरा (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×मंशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६८७९स.१९९२
१	मं	५०	१३	ध	६०	०	व्य	१२	२३	किं	१७	८	२६/९५	६/३६	५/२४	४	१५	२९	कुं.३१।५९	
२	बु	५५	४१	ध	५	४१	व	१४	८	बा	२२	५७	२७/२	३६	२४	५	१६	३०	कुम्भे	उषा. भौमः ३५।५६ चन्द्रदर्शनम्
३	गु	६०	०	श	१२	२१	प	१५	१०	तै	२८	३	६	३५	२५	६	१७	१	कुम्भे	धनि. रविः ३२।५ (सौरः ३६/३१) सावान ८
३	शु	०	२६	पू	१८	२१	शि	१५	५७	ग	०	२६	९	३४	२६	७	१८	२	मी२।३६	भ. ३२।२१ उ.
४	श	४	१६	उ	२१	३५	सि	१५	३४	वि	४	१६	१३	३३	२७	८	१९	३	मीने	भ. ४।१६ या. धनि. बुधः ५८।५६
५	र	६	५८	रे	२७	२२	सा	१४	४८	बा	६	५८	१६	३३	२७	९	२०	४	मे.२७।२२	मकरे भौमः ५४/४२ श्रवणे ३ शनिः २१।२७*
६	चं	८	२१	अ	२९	४७	शु	१२	४४	तै	८	२१	२०	३२	२८	१०	२१	५	मेषे	उषा. शुक्रः ५१।४८ *वसंत ५
७	मं	८	१५	भ	३०	३९	शु	९	२७	व	८	१५	२४	३१	२९	११	२२	६	वृ.४५।२३	भ. ८।१५ उ. ३७।३१ या. भानु ७
८	बु	६	४६	कृ	२९	३९	ब्र	४/४७	५४/१४	ब	६	४६	२७	३१	२९	१२	२३	७	वृषे	कुंभे बुधः ५१।१ भीष्माष्टमी
९	गु	३	३७	रो	२७	९	वै	५१	५०	कौ	३	३७	३१	३०	३०	१३	२४	८	मि५५।७	कुंभेऽर्कः २७/० (सौरः १२/२८) मकरे शुक्रः ३०/१४
१०	गु	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	शु	५२	२६	मृ	२३	८	वि	४२	३५	व	२५	३५	३५	२९	३१	१४	२५	९	मिथुने	भ.२५।३५ उ. ५३/२६ या. जया ११ व्र. स्मा.
१२	श	४४	४०	आ	१६	५९	प्री	३४	११	ब	१८	३३	३३	२८	३२	१५	२६	१०	क.५६।५४	उदयं शनेः १७।३८ जया ११ व्र. वै.
१३	र	३५	५९	पु	१०	१२	आ	२३	५०	कौ	१०	१९	४२	२९	३२	१६	२७	११	कर्के	शते बुधः २७।५८ प्रदोषः
१४	चं	२६	३९	पु	२/४४	५२/१९	सौ	१३	१३	ग	१	१९	४६	२७	३३	१७	२८	१२	सिं५५।३	भ. २६।३९ उ. ५१।५२ या.
१५	मं	१७	५	म	४७	३६	शो	२/१६	४९/२९	ब	१७	५	५०	२६	३४	१८	२९	१३	सिंहे	

४४पं.मा.शु.५सू.इ.५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	८	९	८	९
२५	२९	२३	१८	२४	१६	१३	२५
५५	२३	३१	२१	३१	३८	५७	४९
१६	३८	२५	११	१२	२	४९	५
६०	४४	९/०	६/४३	७२	७	३	६०
४७	१	९/५९	ब	५३	१८	११	५५

गोचरग्रहाः

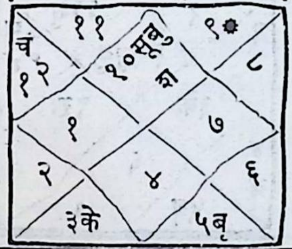

मा. शु. ९ गुरौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पू.

गोचरग्रहाः

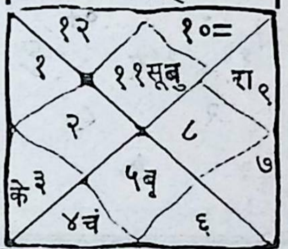

४५पं.मा.शु.१३सू.इ.५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	९	९	८	१०
३	४	६	१७	३	१७	१३	२
०	४२	१	३१	९	२७	३५	५५
४	५८	५	२३	२९	२५	३३	८
६०	४४	९/०	७/२८	७३	७	३	६०
३७	१६	९/३३	ब	११	११	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	७	५८	पू	४१	१७	सु	४१	५३	कौ	७	५८	२७/५४	६/२५	५/३५	१९	३०	१४	कं.५४।५८	शते रविः ४३।४१ (सौरः ४७।५०)
२	बु	५१	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	गु	५३	५	उ	३६	२६	धृ	३३	१६	व	२६	३०	५८	२४	३६	२०	१	१५	कन्यायां	भ.२६/३० उ.५३/५ या. मूले४राहुःआर्द्रा.२केतुः×
४	शु	४८	३	ह	३३	२३	शू	२६	५	ब	२०	३४	२/६	२४	३६	२१	२	१६	कन्यायां	श्रवणे शुक्रः ३७।३९ चतुर्थी व्र.
५	श	४५	३	चि	३२	६	गं	२०	२२	कौ	१६	३३	६	२३	३७	२२	३	१७	तु.२।४४	वक्री पूफा. १ गुरुः ४८।२९
६	र	४४	३६	स्वा	३३	१	वृ	१६	३२	ग	१४	४९	१०	२२	३८	२३	४	१८	तुलायां	भ.४४/३६ उ. पूभा. बुधः ३६/४६ श्रवणे भौमः ०/१२
७	चं	४५	५९	वि	३५	४४	ध्रु	१४	१५	वि	१५	१७	१४	२१	३९	२४	५	१९	वृ.२०।४	भ. १५।१७ या.
८	मं	४९	२३	अ	४०	२५	व्या	१३	४८	बा	१७	४१	१८	२०	४०	२५	६	२०	वृश्चिके	×५९।१० रा. फाल्गुनारम्भः
९	बु	५४	१०	ज्ये	४६	११	ह	१४	१०	तै	२१	५१	२२	२०	४०	२६	७	२१	ध.४६।११	*महाशिवरात्रि व्र. स्मा.
१०	गु	६०	०	मू	५३	८	व	१५	४५	व	२७	९	२६	१९	४१	२७	८	२२	धनुषि	भ. २७।९ उ.
१०	शु	०	८	पू	६०	०	सि	१७	५३	वि	०	८	३०	१८	४२	२८	९	२३	धनुषि	भ.०।८या. बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।४३
११	श	६	२६	पू	०	११	व्य	२०	२१	बा	६	२६	३४	१७	४३	२९	१०	२४	म.१७।१	मीने बुधः १३।५ विजया ११ व्र.
१२	र	१३	११	उ	७	३२	व	२२	४३	तै	१३	११	३८	१६	४४	१	११	२५	मकरे	मार्च मा. ३ ता. ३१ प्रदोषः
१३	चं	१९	३१	श्र	१४	३५	प	२४	१	व	१९	३१	४२	१६	४४	२	१२	२६	कु.४८।४	भ. १९।३१उ.५२/२४या. उभा. बुध्रः ८।४८*
१४	मं	२५	१७	ध	२१	३३	शि	२६	३०	श	२५	१७	४६	१५	४५	३	१३	२७	कुंभे	पूभा.रविः ५९/४७ धनि.शुक्रः २६/४४ महाशि.व्र.वै.
३०	बु	३०	७	श	१७	५१	सि	२७	२६	ना	३०	७	५०	१४	४६	४	१४	२८	कुंभे	पूभा. रविः सौरः २।३७

४६पं.फा.कृ.६सू.इ.५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	९	९	८	१०
१०	१०	१९	१६	११	१८	१३	९
३	४	२	३७	४७	१५	१३	५९
३२	८	१३	४४	४२	४०	१७	४१
६०	४४	९/०	६/५२	७३	७	३	६०
२५	३१	९/४४	ब	२०	२०	११	३१

गोचरग्रहाः

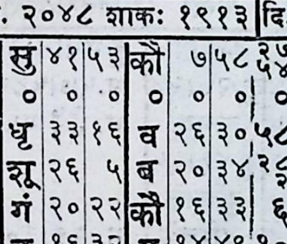

इस मास में घृत तिल तैल गुड़खांड़ एरंडा सोनाचांदी तांबा गेहूं तेज रहेगा ।

गोचरग्रहाः

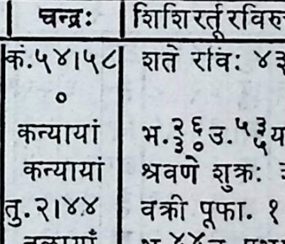

४७पं.फा.कृ.१२सू.इ.६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	४	९	९	८	१०
१७	१५	१	१५	२०	१९	१२	१७
५	२६	३१	४३	२६	२	५१	२
३६	२८	३४	२६	२८	४६	२	३२
६०	४४	९/०	७/५२	७३	६	३	६०
१२	३७	९/४२	ब	३०	४६	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः६९०९स.१९९२
१	शु	३४	४	पू	३२	४९	सा	२७	४०	किं	२	५	२८/५४	१६/३	४५/७	५	१५	२९	मी१६।३९	
२	शु	३७	५	उ	३७	१५	शु	२७	६	बा	५	३४	५८	१२	४८	६	१६	३०	मीने	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	श	३८	५६	रे	४०	५२	शु	२५	४६	तै	८	०	२९/२	१२	४८	७	१७	१	मे.४०।५२	रमजान ९ *शते शुक्रः १५।२१
४	र	३९	४४	अ	४३	२२	ब्र	२३	२३	व	९	२०	६	११	४९	८	१८	२	मेषे	भ. ९।२०उ. ३९/४४ या. कुम्भे शुक्रः ५१।८
५	चं	३९	२८	भ	४४	४४	ऐं	२०	३५	ब	९	३६	१०	१०	५०	९	१९	३	बृ.५९।४७	श्रवणे ४ शनिः ५५।१७
६	मं	३८	४	कृ	४४	५६	वै	१६	४६	कौ	८	४६	१४	९	५१	१०	२०	४	बृषे	
७	बु	३५	३३	रो	४३	५७	वि	११	५५	ग	६	४८	१९	८	५२	११	२१	५	बृषे	भ. ३५।३३ उ. धनिष्ठा. भौमः २८।४०
८	गु	३२	३	मृ	४१	३९	प्री	६/८	५३/३	वि	३	४८	२३	७	५३	१२	२२	६	मि१२।४८	भ. ४३/८ या. रेवत्यां बुधः ४३/५२ होलाष्टकः
९	शु	२७	२३	आ	३९	२५	सौ	५२	५	कौ	२७	२३	२७	७	५३	१३	२३	७	मिथुने	
१०	श	२१	३२	पु	३३	३४	शो	४३	४६	ग	२१	३२	३२	६	५४	१४	२४	८	क.१९।४६	भ. ४९/१० उ. मीनेऽर्कः ०।४३(सौरः ५३/७)*
११	र	१४	४७	पु	२७	४३	अ	३४	४६	वि	१४	४७	३६	५	५५	१५	२५	९	कर्के	भ. १४।४७ या. आमलकी ११ व्र.
१२	चं	७	१०	श्ले	२१	२०	सु	२५	११	बा	७	१०	४०	४	५६	१६	२६	१०	सिं२१।२०	वक्री बुधः ५०।५३ प्रदोषः
१३	चं	५१	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	मं	५०	४१	म	१४	४९	धृ	१५	२३	ग	२१	४९	४४	३	५७	१७	२७	११	सिंहे	भ.५०।४१उ. उभा. रविः ३१/४७(सौरः ३३/३३)
१५	बु	४२	४०	पू	८	२४	शू	५२/५	५१/३	वि	१६	४०	४९	२	५८	१८	२८	१२	कं.२२।१	भ. १६।४० या. होलिकादहनं

४८पं.फा.४शु.सू.इ.६।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	४	९	९	८	१०
२४	२०	१२	१४	२९	१९	१२	२४
६	४८	१७	४८	५	४८	२८	३
२९	५८	१३	४३	२	१४	४६	५५
५९	४४	७५	४५/५	७३	६	३	६०
५८	४८	३१	व	४३	२९	११	४२

गोचरग्रहाः

फा.शु. १० शनौ मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

४९पं.फा.शु.११सू.इ.६।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	४	१०	९	८	११
१	२६	१७	१३	७	२०	१२	१
५	१३	२१	५६	४३	३१	६	३
३१	३७	४३	३५	१२	३७	३१	३७
५९	४४	१७	१५/७	७३	६	३	५९
४१	५३	२४	व	५०	१२	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०४८ शाकः १९१३												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	वसंततूंरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	३६	४१	उ	५२/२	५५/३	वृ	४८	५७	बा	९	४०	२९/५३	६/१	५/३	१९	२९	१३	कन्यायां	कुंभेभौमः ५७/४३ पश्चिमास्तो बुधः २६/२१ छारेंडी
२	शु	३०	४	चि	५६	३	ध्रु	४२	८	तै	३	२२	५७	१	५९	२०	३०	१४	तु.२७।२४	भ.५७।५८उ. वक्री मघा. ४ गुरुः १८।७
३	श	२५	५३	स्वा	५५	२९	व्या	३६	५९	वि	२५	५३	३०/१	६/०	६/०	२१	१	१५	तुलायां	भ. २५/५३ या. वक्री उभा. बुधः २४।१३*
४	र	२४	५	वि	५६	५८	ह	३३	२०	बा	२४	५	६	५९	१	२२	२	१६	वृ.४१।३५	*रा. चैत्रारंभः चतुर्थी व्र.
५	चं	२३	५९	अ	६०	०	व	३१	२३	तै	२३	५९	१०	५८	२	२३	३	१७	बृश्चिके	
६	मं	२६	३०	अ	०	२२	सि	३१	२	व	२६	३०	१४	५७	३	२४	४	१८	बृश्चिके	भ. २६।३० उ. ५८।३० या.
७	बु	३०	३०	ज्ये	५	२२	व्य	३१	३७	ब	३०	३०	१८	५६	४	२५	५	१९	ध.५।२२	पूभा. शुक्रः ४।८
८	गु	३६	०	मू	११	४९	व	३३	३५	बा	३	०	२३	५५	५	२६	६	२०	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	शु	४१	५८	पू	१८	५५	प	३५	४६	तै	८	५९	२७	५५	५	२७	७	२१	म.३५।४५	
१०	श	४८	३२	उ	२६	१४	शि	३८	१४	व	१५	१५	३१	५४	६	२८	८	२२	मकरे	भ.१५।१५उ. ४६/३२या. शते भौमः ३९।४६
११	र	५४	४३	श्र	३३	२५	सि	४०	२३	ब	२१	३७	३५	५३	७	२९	९	२३	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	चं	६०	०	ध	४०	३	सा	४२	१६	कौ	२७	३७	३९	५२	८	३०	१०	२४	कुं.६।४४	रेवत्यां रविः ४९।३० (सौरः ५१।१)
१२	मं	०	३१	श	४५	५०	शु	४३	११	तै	०	३१	४४	५३	९	३१	११	२५	कुम्भे	प्रदोषः
१३	बु	५	५	पू	५०	२५	शु	४३	११	व	५	५	४८	५०	१०	१	१२	२६	मी३४।१७	भ.५।५उ.३६।४०या. अप्रेल मा.४ता.३०
१४	गु	८	१४	उ	५४	७	ब्र	४२	१७	श	८	१४	५२	५०	१०	२	१३	२७	मीमे	मीने शुक्रः १२।२६
३०	शु	१४	१४	रे	५६	३०	ऐं	४०	१२	ना	१०	१५	५६	४९	११	३	१४	२८	मे.५६।३०	बुधोदयः पूर्वस्याम् ७।८ मन्वादिः

५०पं. चै.कृ.४ सू.इ. ७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	४	१०	९	८	११
८	१	१६	१३	१६	२१	११	८
३	३७	२	८	२१	१२	४४	१
१८	५	१२	१०	४७	११	१५	३२
५९	४५	५२/५५	३६/१	७३	५	३	५९
२९	२	व	व	५६	५०	११	३५

गोचरग्रहाः

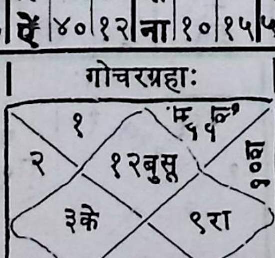

भूसुतः कुंभः राशिस्थः सर्व धान्य महर्घता। एवंप्रजायतेह्यर्घं लोकमध्ये तु निर्भयम्।। कुंभ का मंगल धान्य धातु रस तेज करे।

गोचरग्रहाः

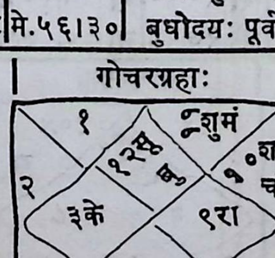

५१पं. चै.कृ.११सू.इ.७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	४	१०	९	८	११
१४	७	१०	१२	२४	२१	११	१४
५९	०	२२	२५	५९	४९	२१	५७
१३	४३	१६	५९	३८	४४	५९	३९
५९	४४	५२/४२	२५/२९	७४	५	३	५९
१६	५८	व	व	२	२३	११	१८

+मंशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

❀ श्री गणेशायनमः ❀

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथाऽस्मिन्वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०९३ तत्र कृतयुगप्रमाणम्–१७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम्–८६४००० कलियुगप्रमाणम्–४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९३ भोग्यकलिः ४२६९०७ अथास्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति–वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०४९ शाकः १९१४ वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशो गुरुः । धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशः शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशोरविः । धनेशो बुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य–मानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां १९ पार्थिवनाम–सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गत-मासादिः ८।२९।१८।४७ भोग्यमासादिः ३।०।४१।१३ । अग्निदैवतंयुगम् । वर्षनाम माघः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासोमालाकारगृहे । समयविश्वा१८ । समयवाहनंमहिषः । स्तम्भाः३ अन्नवायुतृणानां । सोमवत्यमा.१ सोमवती पंचमी १ । अंगारकीचतुर्थी २ । बुधाष्टमी २ । भानुसप्तमी २ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्ताः ३०० । समयदिनानि ३५४ । तिथिक्षयः १७ । तिथिवृद्धिः ११ । उत्पत्तिविश्वा ९३ । खपतिविश्वा ९३ । वर्षाविश्वा ९ । धान्यम् ११। तृणम् ११। शीतम् ९ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रहः ११ । ऐक्यं १०५ । सत्यं ।।, धर्म १।।, पाप१८ । शनि दृष्टिरुत्तरे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।

संवत् २०४९ शाके १९१४ मार्गशीर्ष शुक्ले १४ बुधवासरे खग्रास चन्द्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज. मध्य.	घ.	५२	५५	५६	५८	१
	पल	२७	९	४९	२९	११
रेल्वे टाइम	घं.	३	४	५	५	६
	मि.	२६	३१	११	५१	५५

यह ग्रहण बंगाल, बिहार, आसाम में ग्रस्तास्त होगा । जहां चन्द्रास्त रेल्वे ६।५५ के बाद होगा वहां ग्रस्तास्त नहीं होगा । राजस्थान में ग्रस्तास्त नहीं होगा ।

वर्ष लग्नम् २।१

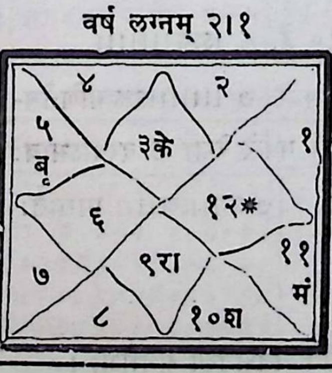

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे भाव से जगजननी पे आय ।
उनंचास की साल का हाल कहो समझाय ॥

भवानी उत्तर

सुन भैरव भोपाल जी संवत् का फल खास ।
अन धन जन सम होयसी मुकता होसी घास ॥
राजा शनि मन्त्री शशि करें परस्पर द्वेष ।
रोग युद्ध फैले घणा करे अनेकों भेष ॥
मेघमाल वर्षा करे शुक्ल पक्ष आषाढ़ ।
भाद्रव खैंच दिखावसी पवन लगावे आड़ ॥
संवत् होसी सांतरो दरखत बेलां लूम ।
कोई दिशा के मांयने टीडी करसी घूम ॥
धान्याधिप कुज धान्य में करसी गोल मटोल ।
करण हार ईश्वर धणी उन्हें भजो दिल खोल ॥

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

लाभ-खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ४।१७

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४३।५८

*सूचंबुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम्––शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धे नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम्––शशिनि मंत्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुः फलम्––कणपतौ सुर-राजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनिवै ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम्–भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालिक्षुघृततैलानि महर्घाणि भवन्ति हि ।। मेघेशो रविः फलम्––जलदपे यदि वासरपे तदा सरसिवै रमते जनता रसम् । यवचणेक्षुनीवारसुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तफलम्––यजनयाजनकोत्सवकौत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुखसुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहत पापगणप्रियाः ।। नीरसेशो बुधस्तत्फलम्––चित्रवस्त्रादिकन्चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविः फलम्––द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोगविशेषिता । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधः फलम्––द्रविणपो हिमरश्मिसुतोयदा विविधसंग्रहवस्तुफलार्थदा । द्विजवरा जपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेषविशेषितमानसाः ।। दुर्गेशो रविः फलम्––नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमा । समधिको न तदा नृपजोऽन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। पार्थिवनाम संवत्सरः फलम्––पार्थिवाब्दे तु राजानः सुखिनः सुप्रजाभृशम् । बहुभिः फलपुष्पाद्यैः विविधैश्च पयोधरैः ।। वर्षनाम माघस्तत्फलम्––सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरेरौरवं माघे वर्षे धान्यमहर्घता ।। मेघनाम आवर्तः फलम्––आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम्––समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालीगृहे फलम्––मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०४९ शाके १९१४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे १० गुरौ उफा. ल. ५-७ रे. ९ ।।।।।ऽ।।। तुला लग्ने रेखा ८ नृपपंचकः भौम १० पूज्यः

,, ११ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो.सोग्रांगः ५ रे. ६ ।।ऽ।।वृ।।ऽनृ. (घ. ४५ या.)ऽऽ।।

शुक्ले २ गुरौ मूले ल. ५-६ रे. ७ ।।।ऽऽअ.ऽ।।। सिंह लग्न घ. ४१।२३ उपरांत

,, ९ गुरौ उभा. ल. ६ रे. ८ ऽ।।ऽवृ।।।।।। चं. ७ पूज्यः पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः

माघ मासः

कृष्णे १० रवौ अनु. ल. ७ रे. ६ ।ऽ।।।नृऽऽ।। आवश्यके

,, ११ चन्द्रे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।।।ऽनृऽ।।

शुक्ले ५ गुरौ रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

,, ६ शुक्रे रेव. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।ऽऽचौ।।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णे १ रवौ मघाः ल. गो. रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।

,, ८ रवौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽअ।ऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णे १ भौमे हस्ते ल. गो. १० रे. ८ ।ऽऽवृ।।।।।।

,, ४ गुरौ स्वात्यां ल. गो. १० रे. ७ ।।।।।।ऽऽऽ गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः । मकरे रेखा ८ दग्धाऽभावः

,, ६ शनौ अनु. ल. अन्यगो. रे. ७.ऽऽ।।ऽअ।।। मासांतः

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६९३९स.१९९२
१	श	१०	५४	अ	५७	५८	वै	३७	२३	ब	१०	५४	३१/००	५/४८	६/१२	४	१५	२९	मेषे	उभा.शुक्रः ५३/२७ चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः*
२	र	१०	२१	भ	५८	३२	वि	३३	४६	कौ	१०	२१	४	४७	१३	५	१६	१	मेषे	सिंधारा सव्वाल १०
३	चं	८	५३	कृ	५८	२०	प्री	२९	८	ग	८	५३	८	४६	१४	६	१७	२	वृ.१३।३२	भ. ३७।४३ उ. गणगौरी
४	मं	६	३४	रो	५७	१८	आ	२४	१०	वि	६	३४	१२	४६	१४	७	१८	३	वृषे	भ. ६।३४ या. *नवरात्रारंभोऽभिजिति
५	बु	३	१९	मृ	५५	२९	सौ	१८	४३	बा	३	१९	१६	४५	१५	८	१९	४	मि२६।२३	
६	बु	५६	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु	५५	२०	आ	५३	८	शो	१२	३३	ग	२७	२५	२०	४४	१६	९	२०	५	मिथुने	भ. ५५।२० उ.
८	शु	५०	३४	पु	४९	५२	अ	६/१	५३/०	वि	२२	५७	२४	४३	१७	१०	२१	६	क.३५।४१	भ. २२।५७ या.
९	श	४५	१०	पु	४५	५७	धृ	५१	३५	बा	१७	५२	२८	४२	१८	११	२२	७	कर्के	मार्गी बुधः ३६।१४ रामनवमी
१०	र	३९	१४	श्ले	४१	३४	शू	४३	५८	तै	१२	१२	३२	४२	१८	१२	२३	८	सिं४१।३४	
११	चं	३३	०	म	३६	५१	गं	३५	४६	ब	६	७	३६	४१	१९	१३	२४	९	सिंहे	भ.६/७ उ.३३/० या. आश्वि. मेषेऽर्कः २३।३१×
१२	मं	२६	२७	पू	३२	३७	वृ	२७	४६	बा	२६	२८	४०	४०	२०	१४	२५	१०	कं.४६।२९	प्रदोषः ×(सौरः२५।३६)कामदा ११ व्र.
१३	बु	२०	६	उ	२८	८	ध्रु	१९	४६	तै	२०	६	४३	३९	२१	१५	२६	११	कन्यायां	पूभायां भौमः १।४२ रेवत्यां शुक्रः ४२/५४
१४	गु	१४	४	ह	२४	२०	व्या	१२	२५	व	१४	४	४७	३९	२१	१६	२७	१२	तु.५२।५५	भ. १४।४ उ. ४१।२६ या.
१५	शु	८	४८	चि	२१	२९	ह	५	५३	ब	८	४८	५१	३८	२२	१७	२८	१३	तुलायां	धनिष्ठा. १ शनिः ४३।१ हनुमज्जयन्ती

५२पं. चै.शु.२सू.इ.७।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	११	९	८	११
२१	१२	५	११	३	२२	१०	२१
५३	२७	५८	५०	२६	३०	५९	५१
३१	०	२६	३८	२५	४०	४४	५०
५९	४५	२६/२	४/८	७४	४	३	५९
४	१४	व	व	४	५७	११	४

गोचरग्रहाः

चैत्र शु. ११ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. वा.३ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

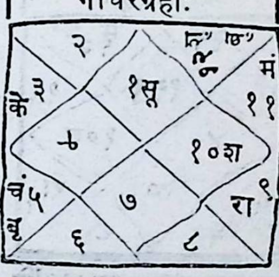

१पं. चै.शु.११ चं.इ.३/३ ३/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	४	११	९	८	११
०	१८	६	११	१३	२३	१०	२९
०	४५	१७	२१	४७	३	३३	५८
.०	१४	१०	८	२८	३८	५४	१
५८	४५	९/३७	२/५८	७४	४	३	५९
४४	१७	मा	व	१६	२५	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मतूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४	५५	स्वा	२०	७	व	०/१०	५५/५६	कौ	४	५५	३१/५५	५/३७	६/२३	१८	२९	१४	तुलायाँ	
२	र	२	४९	वि	१९	४८	व्य	५३	१३	ग	२	४९	५८	३६	२४	१९	३०	१५	वृ.४।५३	भ. ३२।३१ उ.
३	चं	२	१३	अ	२०	१४	व	५२	२	वि	२	१३	३/२२	३६	२४	२०	३१	१६	वृश्चिके	भ. २।१३ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	३	४३	ज्ये	२५	२८	प	५१	४३	बा	३	४३	६	३५	२५	२१	१	१७	ध.२५।२८	रा. वैशाखारम्भः
५	बु	६	४८	मू	३१	२९	शि	५२	५५	तै	६	४८	१०	३४	२६	२२	२	१८	धनुषि	
६	गु	११	४६	पू	३८	१६	सि	५४	४१	व	११	४६	१४	३३	२७	२३	३	१९	म.५५।१४	भ. ११।४६ उ. ४४।३१ या.
७	शु	१७	१६	उ	४५	३१	सा	५७	१३	ब	१७	१६	१७	३३	२७	२४	४	२०	मकरे	मूले ३ राहुः आर्द्रा. १ केतुः ३।१४
८	श	२३	३४	श्र	५३	३	शु	५१	२८	कौ	२३	३४	२१	३२	२८	२५	५	२१	मकरे	×बुधः २२।१३ मार्गी गुरुः ५४।५८
९	र	२९	४८	ध	६०	०	शु	६०	०	ग	२९	४८	२५	३१	२९	२६	६	२२	कुं.२६।३७	अश्विन. मेषे शुक्रः ३४।३९
१०	चं	३५	३०	ध	०	११	शु	१	४१	व	२	३९	२९	३०	३०	२७	७	२३	कुम्भे	भ.२।३९उ.५३/२० या. भरण्यां रविः ३।५१*
११	मं	४०	२	श	६	४४	ब्र	३	१	ब	७	४६	३२	३०	३०	२८	८	२४	मी५५।२८	बरूथिनी ११ व्र.
१२	बु	४३	३	पू	११	४२	ऐं	३	१६	कौ	११	३२	३६	२९	३१	२९	९	२५	मीने	*(सौरः ५६/४)मीने भौमः ५४/१० रेवत्यां×
१३	गु	४४	५२	उ	१५	२५	वै	२	२१	ग	१३	५२	४०	२८	३२	३०	१०	२६	मीने	भ. ४४।४२ उ. प्रदोषः
१४	शु	४४	२८	रे	१८	४	वि	०/१७	५६/३१	वि	१४	३५	४३	२७	३३	१	११	२७	मे.१८।४	भ. १४।३५ या. मई मा. ५ ता. ३१
३०	श	४२	४४	अ	१७	५५	आ	५२	२१	च	१३	३६	४७	२७	३३	२	१२	२८	मेषे	उषायां भौमः १२।३३

२पं. वै.कृ.३चं.इ.२३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	४	११	९	८	०
६	२४	९	११	२२	२३	१०	६
५०	१४	५०	२	२५	३०	११	४८
४२	३५	४९	३८	१	३	३८	१२
५८	४५	४०	१/३४	७४	३	३	५८
३१	१२	५६	व	२०	४५	११	२९

गोचरग्रहाः

इसमासमें ५शनिवार अशुभ हैं। शनिवाराः यदा पंच पाताले कंपते फणी। ईशानदेश भंगश्च बन्हिदाहो महर्घता ।।

गोचरग्रहाः

३पं. वै.कृ.१० चं.इ.२४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	४	०	९	८	०
१३	२९	१६	१०	१	२३	९	१३
३९	३७	४२	५४	१	५२	४९	३६
४३	३८	०	१८	१९	५१	२३	३७
५८	४५	६४	०/५	७४	३	३	५८
२९	१७	१७	व	२६	११	११	१२

 +चंमं

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २८ सन् १९९२
१	र	३९	४०	भ	१७	२	सौ	४६	५३	किं	११	१२	३२/५१	५/२६	६/३४	३	१३	२९	वृ.३१।३३	
२	चं	३५	४१	कृ	१५	८	शो	४०	४६	बा	७	४०	५४	२५	३५	४	१४	३०	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
३	मं	३०	५४	रो	१२	३१	अ	३४	१	तै	३	१७	५७	२५	३५	५	१५	१	मि४०।५३	भ.५८।२२ उ. अक्षया ३ परशुराम ज.●
४	बु	२५	५०	मृ	९	१४	सु	२७	५	वि	२५	५०	३३/१	२४	३६	६	१६	२	मिथुने	भ. २५।५० या. ●जिलकाद ११
५	गु	२०	२९	आ	५	५५	धृ	२०	१३	बा	२०	२९	४	२३	३७	७	१७	३	क.४८।२२	अश्वि. मेषे बुधः २९।१ भरण्यां शुक्रः ३२/५९
६	शु	१५	१०	पु	३ २/१	५६/३२	शू	१३	७	तै	१५	१०	७	२३	३७	८	१८	४	कर्के	
७	श	९	४६	श्ले	५५	४७	गं	६/३	५ ३/५	व	९	४६	१०	२२	३८	९	१९	५	सिं५५।४७	भ. ९।४६ उ. ३७।१० या.
८	र	४	३४	म	५२	२२	ध्रु	५२	५	ब	४	३४	१३	२१	३९	१०	२०	६	सिंहे	कृत्तिका. रविः ४९।४६ (सौरः ५४।५१)
९	र	५४	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	चं	५४	२२	पू	४९	२०	व्या	४५	२८	तै	२६	५१	१६	२१	३९	११	२१	७	सिंहे	शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ६।० शु.अ.पू.
११	मं	४९	४३	उ	४६	३३	ह	३८	५९	व	२२	२	१९	२०	४०	१२	२२	८	कं.३।३८	भ. २२।२उ. ४९।४३या. मोहिनी ११ व्र.
१२	बु	४५	१६	ह	४४	१९	व	३२	५२	ब	१७	२९	२२	२०	४०	१३	२३	९	कन्यायां	
१३	गु	४१	४१	चि	४२	४०	सि	२७	२५	कौ	१३	२८	२५	१९	४१	१४	२४	१०	तु.१३।२	वृषेऽर्कः १७।१ (सौरः २२।३९) प्रदोषः
१४	शु	२८	५३	स्वा	४१	५५	व्य	२२	३४	ग	१०	१७	२८	१८	४२	१५	२५	११	तुलायां	भ. ३८/३५ उ. भरण्यां बुधः ३८/३५ नृसिंह १४
१५	श	३७	२८	वि	४२	३०	व	१८	३३	वि	८	१०	३०	१८	४२	१६	२६	१२	वृ.२७।२१	भ. ८।१० या. यमाय सान्नजल कुंभदानं

४पं. वै.शु.२ चं.इ.२४।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	४	०	९	८	०
२०	४	२५	१०	९	२४	९	२०
२७	५९	४१	५४	३८	११	२७	२३
२२	१३	९	१३	२०	४२	७	१९
५८	४५	८४	३/१	७४	२	३	५७
६	११	५	मा	२६	२६	११	५७

गोचरग्रहाः

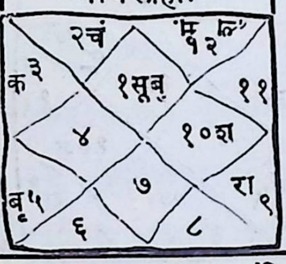

वै. शु. १३ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रा. पू.।

गोचरग्रहाः

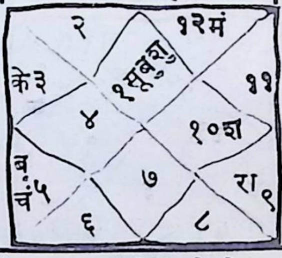

५पं. वै.शु.१० चं.इ.३४/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	४	०	९	८	०
२७	१०	६	११	१८	२४	९	२७
१३	२१	३१	२	१५	२५	४	८
३४	३२	५५	३१	२९	१५	५२	३३
५७	३५	८/०	२	७४	१	३	५७
५४	.२	८/५०	२३	२६	४३	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	३७	१०	अ	४४	१९	प	१५	४३	बा	७	१९	३३/३३	५/१७	४६/३	१७	२७	१३	वृश्चिके	
२	चं	३८	४१	ज्ये	४६	५८	शि	१४	२६	तै	७	५५	३६	१७	४३	१८	२८	१४	ध.४६।५८	कृत्तिका. शुक्रः १५।७
३	मं	४१	२५	मू	५२	२०	सि	१३	४३	व	१०	३	३९	१६	४४	१९	२९	१५	धनुषि	भ.१०।३उ.४/२५या. रेवत्यां भौमः ४९।२२
४	बु	४५	५०	पू	५८	१४	सा	१४	२२	ब	१३	३७	४१	१६	४४	२०	३०	१६	धनुषि	वृषे शुक्रः५६।८ बुधास्तः पू. ३५/३१ चतुर्थी व्र.
५	गु	५१	४	उ	६०	०	शु	१५	५२	कौ	१८	२७	४३	१५	४५	२१	३१	१७	म.१४।५१	
६	शु	५७	१७	उ	४	४३	शु	१७	५९	ग	२४	१०	४६	१५	४५	२२	१	१८	मकरे	भ. ५७/१७ उ. कृत्ति. बुधः२०/५६ रा. ज्येष्ठारंभः
७	श	६०	०	श्र	१२	५८	ब्र	२०	२८	वि	३०	२२	४८	१४	४६	२३	२	१९	कुं.४६।४५	भ. ३०।२२ या. वृषे बुधः ५५।२८
७	र	३	२७	ध	२०	३२	ऐं	२२	५२	ब	३	२७	५०	१४	४६	२४	३	२०	कुम्भे	रोहि. रविः ४०।३६ (सौरः ४८।४८)
८	चं	९	२०	श	२७	३२	वै	२४	४७	कौ	९	२०	५२	१४	४६	२५	४	२१	कुम्भे	
९	मं	१४	१७	पू	३३	२२	वि	२५	४४	ग	१४	१७	५४	१४	४७	२६	५	२२	मी१६।५५	भ. ४५।५८ उ.
१०	बु	१७	४०	उ	३७	४६	प्री	२५	३९	वि	१७	४०	५६	१३	४७	२७	६	२३	मीने	भ. १७।४० या. ●सावित्री व्र.
११	गु	१९	२९	रे	४०	१४	आ	२४	८	बा	१९	२९	५८	१३	४८	२८	७	२४	मे.४०।१८	रोहि. बुधः ४०।३७ अपरा ११ व्र.
१२	शु	१९	१७	अ	४१	७	सौ	२१	२	तै	१९	१७	३४/०	१२	४८	२९	८	२५	मेषे	रोहि. शुक्रः ८/९ वक्री शनिः ३१/४५ प्रदोषः
१३	श	१७	२०	भ	३९	५६	शो	१६	३४	व	१७	२०	२	१२	४८	३०	९	२६	वृ.५४।२०	भ. १७।२० उ. ४५।२२ या.
१४	र	१३	२३	कृ	३७	३२	अ	१०	३८	श	१३	२३	४	११	४९	३१	१०	२७	वृषे	
३०	चं	८	११	रो	३३	२६	सु	१ ३/३	५२/५८	ना	८	११	६	११	४९	१	११	२८	वृषे	जून मा. ६ ता. ३० सोमवती ३० वट●

६पं.ज्ये.कृ.१चं.इ.२४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	४	०	९	८	१
३	१५	१९	११	२६	२४	८	३
५८	४०	०	१९	५१	३४	४२	५२
२६	१९	४७	५९	५०	८	३६	१३
५७	४४	७८	३	७४	१	३	५७
४४	५९	८	४४	३२	७	११	३४

७पं.ज्ये कृ.८चं.इ.२४।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	४	१	९	८	१
१०	२०	३	११	५	२४	८	१०
४२	५६	५	४६	२८	३९	२०	३४
२५	३५	३५	२६	२६	०	२०	२४
५७	४४	७८	४	७४	०	३	५७
३५	४९	५७	५२	२३	२२	११	२३

८पं.ज्ये.कृ.३० चं.इ.२४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	४	१	९	८	१
१७	२६	१८	१२	१४	२४	७	१७
२५	१२	१५	२०	४	३८	५८	१५
.८	१८	३२	३१	१९	२७	५	३०
५७	४४	७८	६	७४	१७	३	५७
२७	३८	५५	१	३२	व	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५८ स.१९९२
१	मं	१	४६	मृ	२८	४७	शू	४७	३४	ब	१	४६	३४/७	५/११	६/४९	२	१२	२९	मि १।७	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	५२	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	बु	४७	३९	आ	२३	४१	गं	३९	५	तै	२३	५२	९	१०	५०	३	१३	१	मिथुने	
४	गु	४०	२९	पु	१८	२१	वृ	३०	२७	व	१४	४	१०	१०	५०	४	१४	२	क.४।४१	मृगे बुधः ४६।३३ जिल्हेज १२
५	शु	३३	४७	पु	१३	३८	ध्रु	२२	२३	ब	७	८	१२	१०	५०	५	१५	३	कर्के	भ.१४।४उ. ४/२९या. पूफायां १ गुरुः ४।१३
६	श	२७	४०	श्ले	९	१९	व्या	१४	५६	कौ	०	४३	१३	९	५१	६	१६	४	सिं९।१९	अश्वि. मेषे भौमः २८।१ मिथुने बुधः ३९/५८
७	र	२२	५	म	५	४२	ह	७	३४	व	२२	५	१४	९	५१	७	१७	५	सिंहे	भ. २२।५ उ. ४९/४३या. मृगे रविः ३५।३२*
८	चं	१७	२१	पू	३	२	व	५८/०	५४/५	ब	१७	२१	१६	९	५१	८	१८	६	कं.१७।२४	मृगे शुक्रः ५६।२ *(सौरः ४७/३७)
९	मं	१३	३०	उ	२९/३	५६/४३	व्य	४९	५१	कौ	१३	३०	१७	९	५१	९	१९	७	कन्यायां	आर्द्रा. बुधः ५३।५०
१०	बु	१०	१७	चि	५८	३५	व	४५	२३	ग	१०	१७	१८	८	५२	१०	२०	८	तु.२८।५३	भ. ३९।३६ उ. गंगादशमी
११	गु	७	५५	स्वा	५८	५१	प	४१	३०	वि	७	५५	१९	८	५२	११	२१	९	तुलायां	भ. ५५/७या. बुधोदयः प. ३५/१३ निर्जला ११व्र.
१२	शु	६	३५	वि	६०	०	शि	३८	३५	बा	६	३५	२०	८	५२	१२	२२	१०	बृ.४४।५५	प्रदोषः ×४९/२४) मिथुने शुक्रः २२।१९
१३	श	६	२६	वि	०	१६	सि	३६	२९	तै	६	२६	२१	८	५२	१३	२३	११	वृश्चिके	
१४	र	७	२	अ	२	४३	सा	३५	२५	व	७	२	२१	८	५२	१४	२४	१२	वृश्चिके	भ.७।२उ. ३८या. मिथुनेऽर्कः ३४/१० (सौरः×
१५	चं	९	१३	ज्ये	६	५२	शु	३४	५५	ब	९	१३	२२	८	५२	१५	२५	१३	ध.६।५२	गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

९पं.ज्ये.शु.८चं.इ.२४।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	४	१	९	८	१
२४	१	३	१३	२२	२४	७	२३
७	२६	३६	१	४१	३३	३५	५५
१२	१०	४५	५१	१३	४७	४९	२६
५७	४४	[illegible]	६	७४	१/५	३	५७
२२	१५	४८	५०	३८	व	११	५४

गोचरग्रहाः

ज्ये. शु. १४रवौ मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.५ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रा.पू.।

गोचरग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.१५चं.इ. २४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	२	९	८	२
०	६	१७	१३	१	२४	७	०
४८	३७	२१	४२	१७	२३	१३	३४
२५	५५	४६	४१	४५	४९	३४	३५
५७	४३	[illegible]	७	७४	४१/६	३	५६
१७	५९	[illegible]	५८	३८	व	११	५६

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१२	२५	मू	११	३७	शु	३५	२८	कौ	१२	२५	३४/२२	५/८	६/५२	१६	२६	१४	धनुषि	पुन. बुधः ४८।५१
२	बु	१७	२	पू	१७	३६	ब्र	३६	५५	ग	१७	२	२२	८	५२	१७	२७	१५	म.३४।१४	भ. ४९।३६ उ.
३	गु	२२	१०	उ	२४	१०	ऐं	३८	५५	वि	२२	१०	२३	७	५३	१८	२८	१६	मकरे	भ. २२।१० या. चतुर्थी व्र.
४	शु	२८	८	श्र	३१	२९	वै	४१	१९	बा	२८	८	२३	७	५३	१९	२९	१७	मकरे	आर्द्रा. शुक्रः ४८।३२
५	श	३४	२३	ध	३९	१४	वि	४३	४९	कौ	१	१५	२३	७	५३	२०	३०	१८	कुं.५।२२	
६	र	४०	३५	श	४७	१३	प्री	४६	१२	ग	७	२९	२४	७	५३	२१	३१	१९	कुम्भे	भ. ४५/३० उ. आर्द्रा. रविः ३३।२(सौरः ४९/५७)
७	चं	४५	५०	पू	५४	८	आ	४८	०	वि	१३	१२	२४	७	५३	२२	१	२०	मी३७।२४	भ. १३/१२या. कर्के बुधः ५२/२४ रा. आषाढ़ारंभः
८	मं	५०	४	उ	५८	५९	सौ	४८	५१	बा	१७	५७	२४	७	५३	२३	२	२१	मीने	
९	बु	५२	४०	रे	६०	०	शो	४८	३१	तै	२१	२२	२४	७	५३	२४	३	२२	मीने	भरण्यां भौमः ३२।५४ पुष्ये बुधः ४७।२९
१०	गु	५३	२०	रे	२	५६	अ	४६	५५	व	२३	०	२३	७	५३	२५	४	२३	मे.२।५६	भ. २३।० उ. ५३/२०या. मूले २ राहुः मृगे ४*
११	शु	५१	५६	अ	४	४६	सु	४३	२	ब	२२	३८	२३	७	५३	२६	५	२४	मेषे	योगिनी ११ व्र. *केतुः ५७।४६
१२	श	४८	३३	भ	४	४४	धृ	३८	०	कौ	२०	१४	२३	७	५३	२७	६	२५	बृ.१९।१४	
१३	र	४३	२२	कृ	२६/३	५६/९	शू	३१	२३	ग	१५	५७	२२	८	५२	२८	७	२६	बृषे	भ. ४३।२२ उ. प्रदोषः
१४	चं	३६	१९	मृ	५३	४१	गं	२३	१७	वि	९	५०	२२	८	५२	२९	८	२७	मि२६।१८	भ. ९।५० या.
३०	मं	२८	२१	आ	४७	२९	वृ	१४	११	च	२	२०	२१	८	५२	३०	९	२८	मिथुने	पुन. शुक्रः ३६।१०

११पं.आ.कृ.७चं.इ.२४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	४	२	९	८	२
७	११	२९	१४	९	२४	६	७
२९	४६	२६	४४	५४	९	५१	१३
२४	२६	५	३४	२१	२५	१८	२
५७	४३	९५	८	७४	२६/२	३	५६
१३	४९	२४	४९	३८	व	११	५४

गोचरग्रहाः

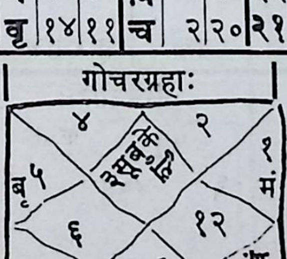

इस मासमें मंगलवार पीड़ाकारक हैं। बदीमें वायुका जोरकहीं२वर्षाभी होगी। रुई कपास तिल तेल तेज हो।

गोचरग्रहाः

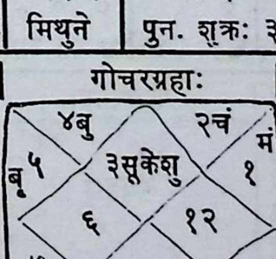

१२पं.आ.कृ.१४चं.इ. २४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	२	९	८	२
१४	१६	९	१५	१८	२३	६	१३
९	५०	१३	४३	३१	५१	२९	५१
५०	५६	८	५५	१५	३	२	७
५७	४३	७५	९	७४	५८/२	३	५६
७	२६	५६	३८	३२	व	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	सु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८७ स.१९९२
१	बु	१९	३१	पु	४०	४१	ध्रु	४/३५	५०/१५	ब	१९	३१	३४/२०	५/८	६/५२	१	१०	२९	क.२७।२३	जुलाई मा. ७ ता. ३१
२	गु	१०	३२	पु	३३	५१	ह	४५	१	कौ	१०	३२	१९	८	५२	२	११	३०	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	शु	१	५८	श्ले	२७	३०	व	३५	२१	ग	१	५८	१८	८	५२	३	१२	१	सिं२७।३०	भ. २/६ उ. ५/५ या. मोहोरम १ सन् १४१३ हि.
४	शु	५२	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	श	४६	४०	म	२१	५६	सि	२६	३७	ब	२०	२२	१७	९	५१	४	१३	२	सिंहे	शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २२।४८ शु.उ.प.
६	र	४०	४५	पू	१७	३१	व्य	१८	४९	कौ	१३	४२	१५	९	५१	५	१४	३	कं.३१।४३	पुन. रविः ३१/५८ (सौरः ५३/२८) पूफा.२ गुरुः ३९/३३
७	चं	३६	४	उ	१४	१६	व	११	५६	ग	८	२४	१४	९	५१	६	१५	४	कन्यायां	भ. ३६।४ उ. आश्ले. बुधः ६।५०
८	मं	३२	५३	ह	१२	२३	प	६	१३	वि	४	२८	१३	९	५१	७	१६	५	तु.४२।१६	भ. ४/२८ या. वक्री श्रवणे ४ शनिः ५३।३२
९	बु	३०	५६	चि	१२	८	शि	१/४१	५६/२६	बा	१	५४	११	१०	५०	८	१७	६	तुलायां	कर्के शुक्रः ४३।४१
१०	गु	३०	२५	स्वा	१२	४६	सा	५५	४३	तै	०	४०	१०	१०	५०	९	१८	७	वृ.५९।२३	
११	शु	३१	१३	वि	१४	५५	शु	५४	८	व	०	४९	८	१०	५०	१०	१९	८	वृश्चिके	भ.०।४९ उ.३१।१३ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	श	३२	५८	अ	१७	५	शु	५३	१७	ब	२	५	७	११	४९	११	२०	९	वृश्चिके	पुष्ये शुक्रः २८।४३
१३	र	३६	११	ज्ये	२२	२०	ब्र	५४	३	कौ	४	३४	५	११	४३	१२	२१	१०	ध.२२।२०	प्रदोषः
१४	चं	४०	३	मू	२७	५१	ऐं	५४	३६	ग	८	७	४	११	४९	१३	२२	११	धनुषि	भ. ४०।३ उ. कृत्तिका. भौमः ११।२१
१५	मं	४५	१०	पू	३४	९	वै	५६	१७	वि	१२	३६	२	१२	४८	१४	२३	१२	म.५०।४९	भ. १२।३६ या. व्यास १५ वायु परीक्षा

१३पं.आ.शु.७चं.इ.२४।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	२	९	८	२
२०	२१	१६	१६	२७	२३	६	२०
५०	५२	५४	४९	७	२८	६	५९
१०	१	३६	३०	१५	५९	४७	१
५७	४३	४९	१०	७४	३/६	३	५६
७	७	७	२१	३२	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

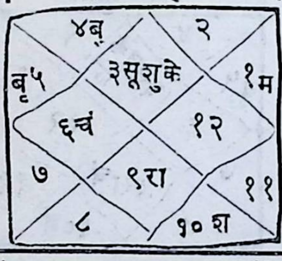

इस मासमें बुध शुक्रका यौग और गुरुवार को चंद्र दर्शन वर्षा श्रेष्ठ कारक है। सोना चांदी मंदा अनाज में घटाबढ़ी हो।

गोचरग्रहाः

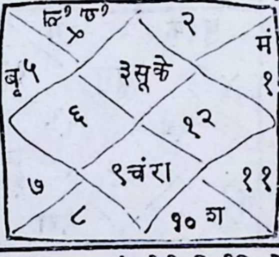

१४पं.आ.शु.१४चं.इ. २४/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	९	८	२
२७	२६	२१	१७	५	२३	५	२७
३०	४९	५१	५८	४३	४	४४	७
३२	२३	७	५५	४८	५	२१	८
५७	४२	२०	१०	७४	५/८	३	५६
११	५१	७	५८	३२	ब	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	सु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५०	२२	उ	४०	४७	वि	५८	११	बा	१७	४६	३४/०	५/१२	६/४८	१५	२४	१३	मकरे	
२	गु	५६	३४	श्र	५८	२३	प्री	६०	०	तै	२३	२८	३३/५८	१२	४८	१६	२५	१४	मकरे	कर्कोऽर्कः १।२२ (सौरः २६।४२)
३	शु	६०	०	ध	५५	५८	प्री	०	४३	व	२९	३५	५६	१३	४७	१७	२६	१५	कुं.२२।१०	भ. ३६/२५ उ. वृषे भौमः ५६/२ वक्री बुधः ५४/३३
३	श	२	३६	श	६०	०	आ	३	५	वि	२	३६	५४	१३	४७	१८	२७	१६	कुम्भे	भ. २।३६ या. चतुर्थी व्र.
४	र	८	४६	श	३	२७	सौ	५	४०	बा	८	४६	५२	१४	४६	१९	२८	१७	मी४३।४५	पुष्ये रविः ३०।३९ (सौरः ५७।२३)
५	चं	१४	१९	पू	१०	३१	शो	७	४७	तै	१४	१९	५०	१४	४६	२०	२९	१८	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	मं	१९	४	उ	१६	३६	अ	९	११	व	१९	४	४७	१५	४५	२१	३०	१९	मीने	भ. १९।४ उ. ५०।४७ या.
७	बु	२२	२९	रे	२१	४८	सु	९	४३	ब	२२	२९	४५	१५	४५	२२	३१	२०	मे.२१।४८	आश्ले. शुक्रः १७।२७
८	गु	२४	१९	अ	२५	१९	धृ	९	१४	कौ	२४	१९	४२	१६	४४	२३	१	२१	मेषे	रा. श्रावणारम्भः
९	शु	२४	१३	भ	२७	१	शू	७	११	ग	२४	१३	४०	१६	४४	२४	२	२२	वृ.४१।५६	भ. ५३।९ उ. पूफा. ३ गुरुः ५२।३९
१०	श	२२	५	कृ	२६	४३	गं	३/३१	५४/४९	वि	२२	५	३७	१७	४३	२५	३	२३	बृषे	भ. २२/५ या. बुधास्तः पश्चिमायाम् ५१।४१
११	र	१८	१	रो	२४	३३	ध्रु	५१	३१	बा	१८	१	३५	१७	४३	२६	४	२४	मि५२।२४	कामिका ११ व्र.
१२	चं	११	५३	मृ	२०	१६	व्या	४३	१७	तै	११	५३	३२	१८	४२	२७	५	२५	मिथुने	प्रदोषः
१३	मं	४	१९	आ	१४	२९	ह	३३	५०	व	४	१९	२९	१८	४२	२८	६	२६	क.५४।१९	भ. ४।१९ उ. २९।५० या.
१४	मं	५१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	बु	४५	४४	पु	७	३५	व	२३	४६	च	२०	३२	२६	१९	४१	२९	७	२७	कर्के	हरियाली ३०

१५पं.श्रा.कृ.५चं.इ.२४।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	३	९	८	३
४	१	२३	१९	१४	२२	५	३
११	४२	२८	१३	१९	३६	२२	४५
१७	५०	४४	३०	४१	११	१६	३५
५७	४२	१/१५	११	७४	४/१२	३	५६
१५	१०	ब	३५	२६	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

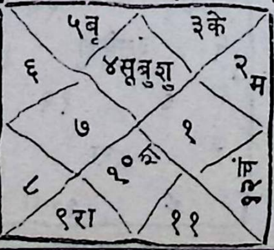

श्रा. कृ. २ गुरौ कर्कोऽर्कः प्र. वा. ५न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो.प.।

गोचरग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.१२चं.इ. २४/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	३	९	८	३
१०	६	२१	२०	२२	२२	५	१०
५२	३२	२३	३०	५६	६	०	२४
१९	६	३८	४६	५६	४७	०	५२
५७	४१	३९/६	१२	७४	४/३३	३	५७
२०	३९	ब	११	२६	ब	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण	शुक्लपक्षः	सं. २०४९	शाकः	१९१४								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः
१	शु	३५	४३	शु	०/२	५२/११	सि	१३	४	किं	१०	४३	३३/२४	५/१९	६/४१	३०	८	२८	सि५२।१३
२	शु	२६	२	म	४५	१५	व्य	२/१९	४९/३२	बा	०	५२	२१	२०	४०	३१	९	२९	सिंहे
३	श	१६	५६	पू	३८	१४	प	४१	५५	ग	१६	५६	१८	२०	४०	१	१०	१	कं.५१।५५
४	र	९	१५	उ	३३	१	शि	३३	१५	वि	९	१५	१५	२१	३९	२	११	२	कन्यायां
५	चं	२	५८	ह	२९	१४	सि	२६	१	बा	२	५८	१२	२२	३८	३	१२	३	तु.५७।५९
६	चं	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	मं	५५	३२	चि	२६	४५	सा	२०	२	ग	२६	५६	९	२२	३८	४	१३	४	तुलायां
८	बु	५४	३७	स्वा	२७	५	शु	१४	५२	वि	२५	४	६	२३	३७	५	१४	५	तुलायां
९	गु	५५	३४	वि	२८	४३	शु	१२	४७	बा	२५	५	३	२३	३७	६	१५	६	वृ.१३।१८
१०	शु	५७	४६	अ	३२	१	ब्र	१०	४६	तै	२६	४०	०	२४	३६	७	१६	७	वृश्चिके
११	श	६०	०	ज्ये	३६	४३	ऐं	१०	१४	व	२९	३६	३३/५६	२५	३५	८	१७	८	ध.३६।४३
११	र	१	२७	मू	४२	२३	वै	१०	५७	वि	१	२७	५३	२५	३५	९	१८	९	धनुषि
१२	चं	६	४	पू	४९	०	त्रि	११	५८	बा	६	४	५०	२६	३४	१०	१९	१०	धनुषि
१३	मं	११	४९	उ	५६	४	प्री	१३	५४	तै	११	४९	४७	२७	३३	११	२०	११	म.५।४६
१४	बु	१७	२३	श्र	६०	०	आ	१५	५०	व	१७	२३	४३	२७	३३	१२	२१	१२	मकरे
१५	गु	२३	३९	श्र	३	२०	सौ	१८	१३	बं	२३	३९	४०	२८	३२	१३	२२	१३	कु.३७।९

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ११६ सन् १९९२

चन्द्रदर्शनम् सिंघारा
भ.४३।३उ. रोहि. भौमः ३६/१३ अगस्त मा.●
भ. १९/५ या. आश्ले. रविः २७/४० (सोरः ५८/१०)×
वक्री पुष्ये बुधः १७।१९ नाग पंचमी
भ. ५५।३२उ. ×मघा. सिंहे शुक्रः ८।३१
भ. २५।४ या.
●८ ता. ३१ तीज सफर २
भ. २९।३६ उ. पवित्रा ११ व्र. स्मा.
भ. १।२७ या. पवित्रा ११ व्र. वै.
पूफा. ४ गुरुः ५१।३१ प्रदोषः
बुधोदयः पूर्वस्याम् २०।०
भ.१७।२३उ. ५०/२१ या. पूफा. शुक्रः ५७।७
मार्गी बुधः ३४।२० श्रावणी कर्म रक्षाबं.

१७पं.श्रा.शु.५चं.इ.२४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	४	९	८	३
१७	११	१६	२१	१	२१	४	१७
३४	१३	३४	५०	३३	३५	३७	४
१	५९	३७	४५	३६	२५	४८	४०
५७	४१	४४/५४	१२	७४	४/४०	३	५७
२५	१०	व	२५	२०	व	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मासका फल श्रेष्ठ है। श्रावण पहली पंचमी वर्षे करेनिहाल। पवन चले तो अति बुरी पड़े हलाहल काल॥

गोचरग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.१२चं.इ. ३३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	४	४	९	८	३
२४	१५	१२	२३	१०	२१	४	२३
१६	५२	३५	१४	१०	३	१५	४५
२९	२६	२	६	३३	५७	२९	४७
५७	४१	३६/२१	१२	७४	४/४०	३	५७
२३	३३	व	५०	१४	व	११	२२

ति.	भाद्रपद	कृष्णपक्षः	सं. २०४९	शाकः	१९१४								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	२९	४०	ध	१०	५९	शो	२०	४०	कौ	२९	४०	३२/३६	५/२९	६/३१	१४	२३	१४	कुम्भे
२	श	३५	४४	श	१७	५९	अ	२२	५९	तै	२	४२	३३	२९	३१	१५	२४	१५	कुम्भे
३	र	४०	५६	पू	२५	२२	सु	२५	१	व	८	२०	२९	३०	३०	१६	२५	१६	मी८।३१
४	चं	४५	३१	उ	३१	३४	धृ	२६	३५	ब	१३	१३	२६	३१	२९	१७	२६	१७	मीने
५	मं	४९	१३	रे	३७	११	शू	२७	२५	कौ	१७	२२	२२	३२	२८	१८	२७	१८	मे.३७।११
६	बु	५१	४०	अ	४१	३६	गं	२७	२०	ग	२०	२६	१९	३२	२८	१९	२८	१९	मेषे
७	गु	५२	३४	भ	४४	२९	वृ	२६	२७	वि	२२	७	१५	३३	२७	२०	२९	२०	वृ.५९।५०
८	शु	५१	५४	कृ	४५	५८	ध्रु	२४	१३	बा	२२	१४	११	३४	२६	२१	३०	२१	वृषे
९	श	४८	२६	रो	४५	३९	व्या	२०	३१	तै	२०	१०	८	३४	२६	२२	३१	२२	वृषे
१०	र	४५	१	मृ	४३	२८	ह	१५	२९	व	१६	४३	४	३५	२५	२३	१	२३	मि१४।२३
११	चं	३९	०	आ	३९	३८	व	८	४४	ब	१२	०	०	३६	२४	२४	२	२४	मिथुने
१२	मं	३१	२९	पु	३४	७	सि	१/३	५१/०	कौ	५	१५	३१/५६	३७	२३	२५	३	२५	क.२०।३०
१३	बु	२३	४७	पु	२७	३२	व	४२	४	व	२३	४७	५२	३८	२२	२६	४	२६	कर्के
१४	गु	१३	७	श्ले	२०	२	प	३१	२५	श	१३	७	४८	३८	२२	२७	५	२७	सिं२०।२
३०	शु	४	१२	म	१२	१६	शि	२०	३७	ना	४	६	४४	३९	२१	२८	६	२८	सिंहे

वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

भ. ८।२०उ. ४०/५६ या. मघा. सिंहेऽर्कः ३१/३५●
चतुर्थी व्र. ●(सौरः ५४।३७)
भ. ५१।४० उ चन्द्रषष्ठी
भ. २२।७ या.
जन्माष्टी व्र.
मृगे भौमः २९/४ आश्ले. बुधः ८।४ गोगा ९
भ.१६।४३उ.४५।१या. उफा. शुक्रः ५०/११×
अजा ११ व्र. ×रा. भाद्रपदारंभः
वक्री श्रवणे३शनिः४।१७ वत्स १२ प्रदोषः
भ. २३।४७उ. ४८।२७या. उफा. १ गुरुः+
+४५।१६ कन्यायां शुक्रः ३२।१६
कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.४चं.इ.२३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	४	४	९	८	४
०	२०	१३	२४	१८	२०	३	०
५९	२४	२५	३९	४५	३३	५३	२८
४९	४०	३३	५४	५४	०	१३	०
५७	३९	३१/५६	१३	७४	४	३	५७
४०	४९	मा	१४	८	व	११	३४

गोचरग्रहाः

भा. कृ. ३ रवौ सिंहेऽर्कः प्र.वा.४ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोद. प.।

गोचरग्रहाः

२०पं.भा.कृ.११चं.इ. ३३/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	४	४	९	८	४
७	२४	१९	२६	२७	२०	३	७
४४	५०	५०	८	२१	२	३०	११
१७	४२	९	३१	१४	५५	५८	३१
५७	३९	८४	१३	७४	१/४	३	५७
४९	७	११	२०	२	व	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद	शुक्लपक्षः	सं.	२०४९	शाकः	१९१४							दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	शु	४९	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	श	४४	२	पू	२४/७	५५/३७	सि	४९/०	५०/३	बा	१८	३६	३१/४०	४५/०	२६/०	२९	७	२९	कं.१७।५०
३	र	३६	२३	ह	५१	५६	शु	५०	३८	तै	१०	१३	३६	४१	१९	३०	८	१	कन्यायां
४	चं	३०	७	चि	४७	५२	शु	४२	२९	व	३	१५	३२	४२	१८	३१	९	२	तु.१९।५४
५	मं	२५	४९	स्वा	४५	५८	ब्र	३६	२०	बा	२५	४९	२८	४२	१८	१	१०	३	तुलायां
६	बु	२३	४१	वि	४५	५३	ऐं	३१	४१	तै	२३	४१	२५	४३	१७	२	११	४	वृ.३०।५४
७	गु	२३	३०	अ	४८	१	वै	२८	५१	व	२३	३०	२१	४४	१६	३	१२	५	वृश्चिके
८	शु	२५	१९	ज्ये	५१	५३	वि	२७	२०	ब	२५	१९	१७	४५	१५	४	१३	६	ध.५१।५३
९	श	२८	५७	मू	५७	२०	प्री	२७	३१	कौ	२८	५७	१३	४५	१५	५	१४	७	धनुषि
१०	र	३३	४४	पू	६०	०	आ	२८	२२	तै	१	२१	९	४६	१४	६	१५	८	धनुषि
११	चं	३९	४०	पू	३	४६	सौ	३०	१४	व	६	४२	५	४७	१३	७	१६	९	म.२०।३८
१२	मं	४५	४०	उ	११	१३	शो	३२	३४	ब	१२	४०	१	४८	१२	८	१७	१०	मकरे
१३	बु	५२	१०	श्र	१८	३८	अ	३५	१	कौ	१८	५५	३०/५७	४९	११	९	१८	११	कु.५२।२६
१४	गु	५८	७	ध	२६	१५	सु	३७	२५	ग	२५	८	५३	४९	११	१०	१९	१२	कुंभे
१५	शु	६०	०	श	३३	२५	धृ	३९	२८	वि	३१	१	४८	५०	१०	११	२०	१३	कुम्भे
१५	श	३	५६	पू	४०	१४	शू	४१	२२	ब	३	५६	४४	५१	९	१२	२१	१४	मी२३।३२

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६ स.१९९२

चन्द्रदर्शनम्
पूफा. रविः ११/१२ (सौरः ४५/२९) मघा. सिंहे*
भ. ३।१५ उ. ३०।७ या. गणेश चतुर्थी
मिथुने भौमः ४२।१२ बुधास्तः पूर्वस्याम्×
*बुधः ५९/६ हरितालिका ३ रविलावल३
भ. २३।३०उ.५४।२५या. हस्ते शुक्रः ४०/४९
अस्तं गुरोः २८।४८
×सितम्बर मा. ९ ता. ३० ऋषि पंचमी
रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
भ. ६।४२उ.३९।४०या. पूफा. बुधः ३१/१० +
वामन १२ +जलझूलनी ११ व्र.
प्रदोषः =अनन्त १४
भ.५८।७उ. मूले १ राहुः मृगे ३ केतुः ५०/१८ =
भ. ३१।१ या. उफा. २ कन्यायां गुरुः ४३/४३ *
उफा. रविः ७५/३२ *महालयश्राद्धारंभः

२१पं.भा.शु.४चं.इ.२३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	४	५	९	८	४
१४	२९	०	२७	५	१९	३	१३
२९	९	४४	३६	५६	३४	८	५६
५६	५८	४	३	५३	४४	४२	४३
५८	३८	७/०	१३	७३	५८	३	५७
१	८	२६	३२	५५	व	११	५७

गोचरग्रहाः

इस मासका फल मध्यम है। रक्त वस्तु रसादिपदार्थ गुड़खांड चीनीघृत तैल तेज हो। पूर्णिमा को बादल हो तो श्रेष्ठ रहे।

गोचरग्रहाः

२२पं.भा.शु.११चं.इ. २३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	४	५	९	८	४
२१	३	१३	२९	१४	१९	२	२०
१६	२९	१	५	३२	९	४६	४४
५५	५०	८	३८	३५	५४	२६	२३
५८	३७	[illegible]	१३	७३	४०	३	५८
१३	१४	[illegible]	३२	५०	व	११	१२

ति.	आश्विन	कृष्णपक्षः	सं.	२०४९	शाकः	१९१४							दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	८	४४	उ	४६	६	गं	४२	२४	कौ	८	४४	३०/४०	५५/२	६/८	१३	२२	१५	मीने
२	चं	१२	५०	रे	५१	२०	वृ	४२	५५	ग	१२	५०	३६	५३	७	१४	२३	१६	मे.५१।२०
३	मं	१५	५६	अ	५५	३२	ध्रु	४२	४२	वि	१५	५६	३२	५४	६	१५	२४	१७	मेषे
४	बु	१७	५६	भ	५८	४१	व्या	४१	३९	बा	१७	५६	२८	५४	६	१६	२५	१८	मेषे
५	गु	१८	५३	कृ	६०	०	ह	३९	४१	तै	१८	५२	२४	५५	५	१७	२६	१९	वृ.१४।१०
६	शु	१८	३८	कृ	०	३५	व	३६	५०	व	१८	३८	२०	५६	४	१८	२७	२०	वृषे
७	श	१७	१०	रो	१	१८	सि	३३	२	ब	१७	१०	१६	५७	३	१९	२८	२१	मि३१।२
८	र	१४	१६	मृ	४६/०	५६/३	व्य	२७	५१	कौ	१४	१६	१२	५८	२	२०	२९	२२	मिथुने
९	चं	१०	१	पु	५६	२६	व	२१	३८	ग	१०	१	८	५८	२	२१	३०	२३	क.४२।२
१०	मं	४	२९	पु	५१	४	प	१४	२६	वि	४	२९	४	५९	१	२२	३१	२४	कर्के
११	मं	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	बु	४९	४५	श्ले	४५	२३	शि	६/१२	५०/५५	कौ	२३	३८	३०/००	६/००	६/००	२३	१	२५	सिं४५।२३
१३	गु	४१	११	म	३८	५४	सा	४७	१९	ग	१५	२८	२९/५५	६/१	५/५९	२४	२	२६	सिंहे
१४	शु	३१	५५	पू	३१	५५	शु	३७	२	वि	६	३३	५१	२	५८	२५	३	२७	कं.४५।१२
३०	श	२३	७	उ	२५	२	शु	२६	५८	ना	२३	७	४७	३	५७	२६	४	२८	कन्यायां

शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

उफा. रविः सौरः ३०/७ आर्द्रा. भौमः ९।४६
भ. ४४/२३उ. उफा. बुधः २०/३ चित्रा. शुक्रः ३३/४४
भ. १५/५६ या. कन्यायां बुधः ४६/१६ चतुर्थी व्र.
कन्यायामर्कः २०।५३ (सौरः ५५।१८)

भ. १८।३८ उ. ४७।५४ या.
तुलायां शुक्रः ५९।३१

भ. ३७।१५ उ. हस्ते बुधः १९।५२
भ. ४।२९ या. इन्दिरा ११ व्र. स्मा.

रा. आश्विनारंभः इन्दिरा ११ व्र. वै.
भ. ४१।११ उ. प्रदोषः
भ. ६।३३ या. स्वात्यां शुक्रः २५।०
हस्ते रविः ३३।५९ सर्वपितृश्राद्धम्

२३पं.आ.कृ.२चं.इ.२३।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	५	९	८	४
२८	७	२७	०	२३	१८	२	२७
५	२४	२३	३६	७	४७	२४	३१
२४	०	२	३२	१	३१	११	४४
५८	३६	[illegible]	१३	७३	३	३	५८
२६	३	१९	२८	४४	व	११	२९

गोचरग्रहाः

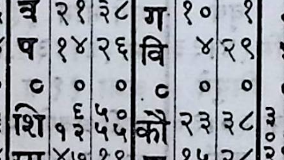

आ. कृ. ४ बुधे कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

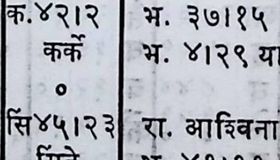

२४पं.आ.कृ. ९चं.इ.२३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	६	९	८	५
४	११	१०	२	१	१८	२	४
५५	१६	५	६	४२	२८	१	२२
१९	४४	३५	५४	११	५५	५५	५१
५८	३४	[illegible]	१३	७३	२०	३	५८
३८	५८	५०	३८	२६	व	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७५ स.१९९२
१	र	१४	५०	ह	१८	४२	ब्र	१७	१७	ब	१४	५०	२९/४३	६/३	५/५७	२७	५	२९	तु.४६।६	हस्ते रविः सौरः ४८/७ उफा. ३ गुरुः ६/७*
२	चं	७	५०	चि	१३	३०	ऐं	८	२३	कौ	७	५०	३८	४	५६	२८	६	३०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम् *मातामहश्रा. नवरात्रा.
३	मं	२	२९	स्वा	९	४७	वै	४१/०	५३/३३	ग	२	२९	३४	५	५५	२९	७	१	वृ.५३।२४	भ.३/४ ०/५ उ.५ ९/२ या.चित्रा.बुधः ८/० रविलाखर४
४	मं	५६	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	५७	४७	वि	७	५६	प्री	४९	४१	व	२८	२४	३०	६	५४	३०	८	२	वृश्चिके	उदयं गुरोः १०।४८ उ.गु.
६	गु	५८	२६	अ	८	२७	आ	४६	५८	कौ	२८	६	२६	७	५३	१	९	३	वृश्चिके	**अक्टूबर मा. १० ता. ३१**
७	शु	६०	०	ज्ये	१०	४९	सौ	४५	५१	ग	२९	५५	२२	८	५२	२	१०	४	ध.१०।४९	बुधोदयः पश्चि. ४९।३४ सरस्वत्यावाहनं
७	श	१	२४	मू	१५	८	शो	४५	५३	व	१	२४	१८	८	५२	३	११	५	धनुषि	भ. २ १/४ उ. ३/३ ३/२ या. तुलायां बुधः २०।५४
८	र	५	३९	पू	२१	२३	अ	४७	४	ब	५	३९	१४	९	५०	४	१२	६	म.३८।४	सरस्वती पूजनम्
९	चं	११	३२	उ	२८	५	सु	४९	८	कौ	११	३२	१०	१०	५१	५	१३	७	मकरे	बलिदानं विजयादशमी पूजोत्सवः
१०	मं	१७	३८	श्र	३५	३२	धृ	५१	२६	ग	१७	३८	६	११	४९	६	१४	८	मकरे	भ. ५/२ ०/३ उ. विशा. शुक्रः ३/२ ०/० विजया १०×
११	बु	२४	८	ध	४३	९	शू	५३	५२	वि	२४	८	२	१२	४८	७	१५	९	कु.९।२०	भ. २ ४/८ या. स्वात्यांबुधः ३/४ ७/६ पापांकुशा ११व्र.
१२	गु	३०	१०	श	५१	२२	गं	५६	८	बा	३०	१०	२८/५८	१२	४८	८	१६	१०	कुम्भे	पुन. भौमः १५।४८
१३	शु	३५	५१	पू	५७	८	वृ	५७	४६	कौ	३	०	५४	१३	४७	९	१७	११	मी४०।४१	प्रदोषः ×सरस्वती विसर्जनम्
१४	श	४०	२०	उ	६०	०	ध्रु	५८	३३	ग	८	५	५०	१४	४६	१०	१८	१२	मीने	भ.४०।२०उ. चित्रा. रविः ६/० (सौरः ३/२ ८/४)
१५	र	४३	४१	उ	२	४६	व्या	५८	४०	वि	१२	०	४६	१५	४५	११	१९	१३	मीने	भ. १२।० या. शरद् १५ कोजागरी व्र.

२५पं.आ.शु.२चं.इ.२२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	५	६	९	८	५
११	१४	२२	३	१०	१८	१	११
४६	५७	२	३७	१६	१४	३९	१३
५५	४३	२०	६	१९	१३	४०	५३
५८	३३	७/०	१२	७३	१/४६	३	५९
५३	४०	९/२३	३२	१७	व	११	०

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ रविवार प्रजामें रोग-पीड़ाकारक हैं। पंचार्कवासरे रोगाः व्यापार में मंदी होकर तेजी होगी।

गोचरग्रहाः

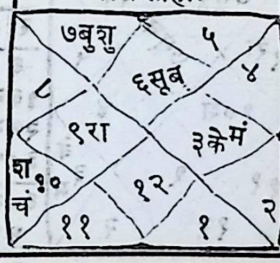

२६पं.आ.शु.९चं.इ.२२।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	५	६	९	८	५
१८	१८	३	५	१८	१८	१	१८
४०	२७	१७	७	४९	४	१७	७
८	१८	२०	४८	५१	१२	२४	४०
५९	३२	९७	१३	७३	१/३	३	५९
९	८	१४	३२	३	व	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४६	०	रे	७	१७	ह	५७	५१	बा	१४	५१	२८/४२	१ ६/६	५/४४	१२	२०	१४	मे.७।१७	उफा. ४ गुरुः ३९।११
२	मं	४७	१०	अ	१०	४८	व	५६	६	तै	१६	३५	३८	१६	४४	१३	२१	१५	मेषे	मार्गी शनिः २।३२
३	बु	४७	८	भ	१३	१५	सि	५३	२८	व	१७	९	३४	१७	४३	१४	२२	१६	वृ.३८।२५	भ.१७।९उ.४ ७/८या. वृश्चिके शुक्रः३२।१७
४	गु	४६	६	कृ	१४	३८	व्य	५०	१०	ब	१६	३७	३०	१८	४२	१५	२३	१७	वृषे	चतुर्थी व्र.
५	शु	४४	२०	रो	१५	२५	व	४६	१	कौ	१५	१३	२६	१९	४१	१६	२४	१८	मि४४।५३	तुलायामर्कः ४९।४६ विशा. बुधः ४९।८
६	श	४१	४०	मृ	१४	४५	प	४१	१७	ग	१३	०	२२	२०	४०	१७	२५	१९	मिथुने	भ.४/४ १/० उ. तुलार्कः सौरः २ १/७ अनु. शुक्रः १ ४/४
७	र	३८	५०	आ	१३	२१	शि	३५	४६	वि	९	५७	१८	२०	४०	१८	२६	२०	क.५६।४४	भ. ९।५७ या.
८	चं	३३	४९	पु	११	१२	सि	२९	३९	बा	६	१	१४	२१	३९	१९	२७	२१	कर्के	
९	मं	२८	४१	पु	८	१३	सा	२२	४३	तै	१	१४	१०	२२	३८	२०	२८	२२	कर्के	भ. ५५।५४ उ.
१०	बु	२२	४७	श्ले	४	३७	शु	१५	२०	वि	२२	४७	६	२३	३७	२१	२९	२३	सिं४।३७	भ. २२।४७ या.
११	गु	१६	१४	म	०/५	५४/५६	शु	१ ७/३	५ १/३	बा	१६	१४	२	२४	३६	२२	३०	२४	सिंहे	रमा ११ व्र.
१२	शु	८	५९	उ	४९	३३	ऐं	४९	४९	तै	८	५९	२७/५८	२४	३६	२३	१	२५	कं.८।३९	स्वात्यांरविः ३/४ १/८ रा.कार्तिकारम्भः प्रदोषः×
१३	श	१	२२	ह	४४	२५	वै	४०	५६	व	१	५२	५४	२५	३५	२४	२	२६	कन्यायां	भ.५ १/२ उ. ३/१ ८/५ या. स्वात्यां रविः ३/५ (सौरः*
१४	श	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*वृश्चिके बुधः ९।२० रूप १४
३०	र	४८	१४	चि	३९	३७	वि	३२	३१	च	२१	२६	५०	२६	३४	२५	३	२७	तु.१२।१	महालक्ष्मी पूजनम् ×घन १३

२७पं.का.कृ.१चं.इ.२२।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	५	६	९	८	५
२५	२१	१३	६	२७	१७	०	२५
३५	४२	५४	३६	२२	५८	५५	३
६	७	११	१८	३०	५९	८	२२
५९	२९	९०	१३	७२	१/६	३	५९
२१	४७	७	२०	५०	व	११	३१

गोचरग्रहाः

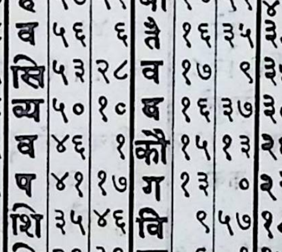

का. कृ. ५ शुक्रे तुलायामर्कः प्र.वा.३ न. ४ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

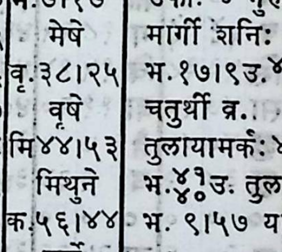

२८पं.का.कृ.८चं.इ.२२।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	५	७	९	८	६
२	२४	२३	८	५	१७	०	२
३१	३९	२९	३	५४	५८	३२	०
३४	४०	४५	४३	५७	५१	५३	५०
५९	२७	८२	१३	७२	२/६	३	५९
३४	३९	८	१०	३१	मा	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०४ सन् १९९२
१	चं	४२	४८	स्वा	३५	४०	प्री	२४	४०	किं	१५	३१	२७/४६	६/२७	५/३३	२६	४	२८	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा
२	मं	३८	५९	वि	३२	५८	आ	१७	४५	बा	१०	५३	४२	२८	३२	२७	५	२९	वृ.१८।३८	अनु. बुधः १।३ चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ २
३	बु	३७	४	अ	३२	१३	सौ	१२	१६	तै	८	१	३९	२८	३२	२८	६	१	वृश्चिके	हस्ते १ गुरुः ४४/३९ ज्येष्ठा. शुक्रः १८/७ जमादि.५
४	गु	३६	५५	ज्ये	३३	६	शो	८	६	व	६	५९	३५	२९	३१	२९	७	२	ध.३३।६	भ. ५ ६/९ उ. ३६/५५ या. ज्येष्ठा.४ वृश्चिके राहुः*
५	शु	३९	१	मू	३६	३०	अ	५	३४	ब	७	५८	३१	३०	३०	३०	८	३	धनुषि	*मृगे २ वृषे केतुः ४२।१७
६	श	४२	३७	पू	४१	१९	सु	४	४७	कौ	१०	४९	२७	३१	२९	३१	९	४	म.५७।५३	
७	र	४७	५९	उ	४७	३७	धृ	४	५९	ग	१५	१८	२४	३१	२९	१	१०	५	मकरे	भ. ४७।५९ उ. नवम्बर मा. ११ ता. ३०
८	चं	५३	५३	श्र	५४	३४	शू	६	२४	वि	२०	५६	२०	३२	२८	२	११	६	मकरे	भ. २०।५६ या. गोपाष्टमी
९	मं	६०	०	ध	६०	०	गं	८	३६	बा	२७	११	१६	३३	२७	३	१२	७	कुं.२८।२३	कर्के भौमः ४३।३८ अक्षय ९
९	बु	०	३०	ध	२	१२	वृ	१०	४६	कौ	०	३०	१३	३३	२७	४	१३	८	कुम्भे	
१०	गु	६	४४	श	९	३७	ध्रु	१२	५५	ग	६	४४	९	३४	२६	५	१४	९	मी५९।४६	भ. ३९।३५ उ. विशा. रविः ५२।११
११	शु	१२	२६	पू	१६	२९	व्या	१४	४९	वि	१२	२६	६	३५	२५	६	१५	१०	मीने	भ. ५/२ २/६ या. विशा. रविः सौरः ३/३ ९/४ प्रबोधिनी×
१२	श	१६	५१	उ	२२	२१	ह	१५	४७	बा	१६	५१	२	३६	२४	७	१६	११	मीने	मूले धनुषि शुक्रः १३।१७ प्रदोषः
१३	र	२०	४	रे	२६	४६	व	१५	३७	तै	२०	४	२६/५९	३६	२४	८	१७	१२	मे.२६।४६	वैकुंठ १४ ×११ व्र. तुलसी वि.
१४	चं	२१	५८	अ	२९	५१	सि	१४	२७	व	२१	५८	५६	३७	२३	९	१८	१३	मेषे	भ. २१।५८ उ. ५५।५४ या.
१५	मं	२१	५०	भ	३१	२८	व्य	१२	१२	ब	२१	५०	५३	३७	२३	१०	१९	१४	वृ.४६।३२	वक्री बुधः ३९।९ मन्वादिः

२९पं.का.शु.१चं.इ.२२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	७	५	७	९	८	६
९	२७	२	९	१४	१८	०	९
२९	१६	३४	२९	२५	४	१०	०
४९	५९	४४	३४	३४	३०	३७	१०
५९	२५	६९	१२	७२	.१	३	६०
४७	८	५३	४९	७	१९	११	२

३०पं.का.शु.८चं.इ.२२।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	७	५	७	९	७	६
१६	२९	१०	१०	२२	१८	२९	१६
२९	२९	७	५१	५३	५४	४८	१
३८	५३	२६	४३	५६	१३	२२	१४
६०	२२	५०	१२	७१	१	३	६०
४	११	५४	२०	४८	५३	११	१८

३१पं.का.शु.१४चं.इ.३१/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	५	८	९	७	६
२३	१	१४	१२	१	१८	२९	२३
३०	२५	२९	१२	२१	२९	२६	३
५८	५९	२०	७	३३	२	६	५०
६०	१८	१३	८	७१	२	३	६०
१७	४३	३५	३	२४	१६	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	२०	४०	कृ	३१	४५	व	८	५६	कौ	२०	४०	२६/४९	६/३८	५/२२	११	२०	१५	वृषे	
२	गु	१८	२५	रो	३१	११	प	४/१५	५५/१	ग	१८	२५	४६	३९	२१	१२	२१	१६	वृषे	भ. ४६।४९ उ.
३	शु	१५	१४	मृ	२९	४४	शि	५३	३८	वि	१५	१४	४३	३९	२१	१३	२२	१७	मि०।२८	भ. १५।१४ या. चतुर्थी व्र.
४	श	११	२०	आ	२७	२२	सा	४७	२०	बा	११	२०	४०	४०	२०	१४	२३	१८	मिथुने	
५	र	७	५	पु	२४	५६	शु	४०	४९	तै	७	५	३७	४१	१९	१५	२४	१९	क.१०।३२	वृश्चिकेऽर्कः ४/१ ६/३ बुधास्तः पश्चि. ५०।१३
६	चं	२	३४	पु	२२	८	शु	३४	२	व	२	३४	३४	४१	१९	१६	२५	२०	कर्के	भ. २।३४ उ. ३०।१७ या. वृश्चिकेऽर्कः×
७	चं	५५	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×सौरः १३।५१ हस्ते २ गुरुः ३५।४५
८	मं	५२	५३	श्ले	१८	५९	ब्र	२७	६	बा	२५	२६	३१	४२	१८	१७	२६	२१	सिं१८।५९	
९	बु	४७	५०	म	१५	३७	ऐं	१९	५८	तै	२०	२१	२९	४२	१८	१८	२७	२२	सिंहे	
१०	गु	४२	२१	पू	१२	१०	वै	१२	४२	व	१५	५	२६	४३	१७	१९	२८	२३	कं.२६।१५	भ. १५।५ उ. ४/२ ३/१ या अनु. ३ ६/३ (सौरः ३/३ ०/९)*
११	शु	३७	२	उ	८	३१	वि	५/१४	५२/३४	ब	९	४१	२४	४३	१७	२०	२९	२४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र. *पूगा. शुक्रः २०।३४
१२	श	३१	४३	ह	४	५३	आ	५०	४०	कौ	४	२२	२१	४४	१६	२१	३०	२५	तु.३३।१६	पुष्ये भौमः ४८।३४
१३	र	२७	१	चि	१/३८	५७/८	सौ	४३	५१	व	२७	१	१९	४४	१६	२२	१	२६	तुलायां	भ. २७।१ उ. ५/५ ४/६ या. रा. मार्गशीर्षारंभः+
१४	चं	२२	५०	वि	५६	४४	शो	३७	४३	श	२२	५०	१६	४५	१५	२३	२	२७	वृ.२४।१५	
३०	मं	१९	५३	अ	५६	१	अ	३२	२९	ना	१९	५३	१३	४५	१५	२४	३	२८	वृश्चिके	वक्री विशा. बुधः २।८ +प्रदोषः

३२पं. मा.कृ.६चं.इ.२१।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	८	९	७	७
०	२	१२	१३	९	१८	२९	०
३३	४६	३०	२८	४६	४८	३	७
४७	२६	४३	४१	४८	३९	५०	५४
६०	३२	६/०	११	७०	१	३	६०
३०	५७	ब	२२	५८	२१	११	४०

गोचरग्रहाः

मा. कृ. ५ रवौ
वृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३
न.४ प्रगलभावस्था
(बैठी) मु. १५
धान्यादिभावे स-
मता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

३३पं.मा.कृ.१४चं.इ.२१/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	८	९	७	७
७	३	४	१४	१८	१९	२८	७
३७	३३	२३	३९	९	१२	४१	१३
३७	३२	२७	४३	३६	५०	३५	२७
६०	.८	१३/३	१०	७०	३	३	६०
४२	४५	ब	३७	२१	५६	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

तिं.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	बु	१८	९	ज्ये	५६	५०	सु	२८	५	व	१८	९	२६/११	६/४६	५/१४	२५	४	२९	ध.५६।५०
२	गु	१८	४	मू	५९	१२	धृ	२४	५९	कौ	१८	४	८	४६	१४	२६	५	३०	धनुषि
३	शु	१९	५०	पू	६०	०	शू	२३	३५	ग	१९	५०	६	४७	१३	२७	६	१	धनुषि
४	श	२३	१०	पू	३	१८	गं	२२	४६	वि	२३	१०	३	४७	१३	२८	७	२	म.१९।४०
५	र	२८	११	उ	८	४४	वृ	२३	७	बा	२८	११	१	४८	१२	२९	८	३	मकरे
६	चं	३३	४६	श्र	१५	१७	ध्रु	२४	४६	कौ	०	५८	२५/५९	४८	१२	३०	९	४	कु.४८।४३
७	मं	४०	१४	ध	२२	८	व्या	२७	११	ग	७	०	५७	४९	११	१	१०	५	कुम्भे
८	बु	४६	४०	श	३०	११	ह	२९	२८	वि	१३	२७	५५	४९	११	२	११	६	कुम्भे
९	गु	५२	४०	पू	३७	२७	व	३९	३७	बा	१९	४०	५३	४९	११	३	१२	७	मी२०।३८
१०	शु	५७	३३	उ	४३	५०	सि	३३	४	तै	२५	६	५१	५०	१०	४	१३	८	मीने
११	श	६०	०	रे	४८	५२	व्य	३३	२८	व	२९	१४	४९	५०	१०	५	१४	९	मे.४८।५२
११	र	०	५६	अ	५२	२०	व	३२	४१	वि	०	५६	४८	५०	१०	६	१५	१०	मेषे
१२	चं	२	४१	भ	५४	७	प	३०	३०	बा	२	४१	४६	५१	९	७	१६	११	मेषे
१३	मं	२	२८	कृ	५४	२	शि	२६	५९	तै	२	२८	४५	५१	९	८	१७	१२	वृ. ९।५
१४	बु	०	५२	रो	५२	१९	सि	२१	५८	व	०	५२	४४	५१	९	९	१८	१३	वृषे
१५	बु	५६	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २३४ स.१९९२

वक्री तुलायां बुधः १०।२० चन्द्रदर्शनम्
भ. ५११३० उ. बुधोदयः पूर्व. ३६।१०*
भ. २३।१० या.
*जमादिलाखर६ पातस्पर्शः १/२८ मोक्षः ३६/१२
उषा. शुक्रः ३०।१८ चम्पा ६
भ. ४४/१४ उ. मार्गी बुधः ४१/५८ दिस.१२ता.३१
भ. १३/२७ या. ज्येष्ठा. रविः १६/४३ (सौरः ३८/३९)
वक्री भौमः ४।५७ मकरे शुक्रः २२।३४
वक्री पुन. भौमः ११/४७ श्रवणे ४ शनिः ५२/२८
भ. ३९/१४ उ. मोक्षदा ११ व्र. स्मा. गीता ज.
भ.०।५६या. वृश्चिके बुधः ३।१३ हस्ते ३×
प्रदोषः ×गुरुः १०/१३ मोक्षदा ११ व्र. वै
भ. ५०/२ उ. ३८/५७ या. दत्तजयंती चंद्रग्रहणम्

३४पं.मा.शु.६चं.इ.२१।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	६	५	८	९	७	७
१४	३	२८	१५	२६	१९	२८	१४
४२	३६	२८	४८	२९	४०	१९	२०
५४	१४	१२	३२	२४	३३	१९	१३
६०	२	५१	९	६९	४	३	६१
५०	४३	व	५९	३९	३८	११	३

गोचरग्रहाः

इस मासका फल साधारण है। रुई अनाज गल्ला रस पदार्थ गुड़ खांड आदिमें घटाबढ़ी सोना चांदी मंदा हो।

गोचरग्रहाः

३५पं.मा.शु.१२चं.इ. ३०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	९	९	७	७
२१	३	१	१६	४	२०	२७	२१
४८	६	४	५०	४४	१२	५७	२७
५८	३६	१९	५३	३१	२५	४	५८
६०	४/१५	४९/३८	९	६८	५	३	६१
५६	व	मा	१६	५३	१	११	११

तिं.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	गु	५२	३२	मृ	४९	१०	सा	१६	५	बा	२४	४७	२५/४२	६/५२	५/१०	१०	१९	१४	मि२१।७
२	शु	४७	५	आ	४५	५२	शु	९	१३	तै	१९	४८	४१	५२	८	११	२०	१५	मिथुने
३	श	४१	६	पु	४१	४७	शु	२९/१	५२	व	१४	५	४०	५२	८	१२	२१	१६	क.२७।४९
४	र	३५	५	पु	३७	४१	ऐं	४५	३०	ब	८	६	३९	५२	८	१३	२२	१७	कर्के
५	चं	२९	७	श्ले	३३	२२	वै	३७	४०	कौ	२	६	३८	५२	८	१४	२३	१८	सिं३३।२२
६	मं	२३	३४	म	२९	२९	वि	२९	५५	व	२२	३४	३८	५२	८	१५	२४	१९	सिंहे
७	बु	१८	३२	पू	२५	५७	प्री	२२	३२	ब	१८	३२	३७	५३	७	१६	२५	२०	कं.३९।५२
८	गु	१३	२२	उ	२१	३५	आ	१५	३२	कौ	१३	२२	३७	५३	७	१७	२६	२१	कन्यायां
९	शु	९	११	ह	१९	१४	सौ	८	४७	ग	९	११	३७	५३	७	१८	२७	२२	तु.४८।१४
१०	श	५	२४	चि	१७	१४	शो	३/२५	५४/१९	वि	५	२४	३६	५३	७	१९	२८	२३	तुलायां
११	र	२	५	स्वा	१५	४७	सु	५१	४८	बा	२	५	३६	५३	७	२०	२९	२४	तुलायां
१२	र	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	चं	५८	११	वि	१५	१०	धृ	४७	२३	ग	२८	५३	३६	५३	७	२१	३०	२५	वृ.०।१९
१४	मं	५७	३५	अ	१५	३५	शू	४३	४९	वि	२७	५४	३६	५३	७	२२	१	२६	वृश्चिके
३०	बु	५८	२३	ज्ये	१६	४७	गं	४१	१२	च	२७	५९	३६	५३	७	२३	२	२७	ध.१६।४७

हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

अनु. बुधः ४।४८
श्रवणे शुक्रः ४६।६
भ. १४।४ उ. ४१।६ या.
चतुर्थी व्र.

भ. २३।३४ उ. ५१।३या. मूले धनुष्यर्कः*

भ. ३७।१७ उ. ×२३/५५ (सौरः ४२/२३)
भ. ५।२४ या. सफला ११ व्र. स्मा.
ज्येष्ठा. बुधः १७।११ सफला ११ व्र. वै

भ. ५८/११ उ. वक्री मिथुने भौमः ३२/७ प्रदोषः
भ. २७।५४ या. रा. पौषारंभः

३६पं. पौ.कृ.५चं.इ.२०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	५	९	९	७	७
२८	.१	८	१७	१२	२०	२७	२८
५५	५६	५१	४७	५५	४७	३४	३६
५२	१३	३२	२४	२२	५६	४८	४१
६१	११/५५	७४	८	६८	५	३	६१
०	व	२७	२६	२	३०	११	१९

गोचरग्रहाः

पौष कृ.६ भौमे धनुष्यर्कः प्र.वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैंठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

३७पं. पौ.कृ.१३चं.इ. ३०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	५	९	९	७	८
६	०	१८	१८	२०	२१	२७	५
३	३	८	३७	५८	२७	१२	४६
२९	४३	९	२६	१५	२५	३२	६
६०	११/२४	८३	७	६६	५	३	६१
५६	व	२३	१४	५९	५२	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०४९				शाकः	१९१४					दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः २६३स.१९९२-९३
१	गु	६०	०	मू	१९	२२	वृ	३९	५५	किं	२९	२७	३५/३७	५६/५३	५/७	२४	३	२८	धनुषि	धनिष्ठा. शुक्रः २७।३५
१	शु	०	३१	पू	२३	१३	ध्रु	३८	५९	ब	०	३१	३७	५३	७	२५	४	२९	म.३९।२४	चंद्रदर्शनम्
२	श	३	५६	उ	२७	५८	व्या	३९	२९	कौ	३	५६	३७	५३	७	२६	५	१	मकरे	रज्जव ७
३	र	८	५४	श्र	३४	४५	ह	४०	३०	ग	८	५४	३८	५२	८	२७	६	२	मकरे	भ. ४१।४१ उ.
४	चं	१४	२९	ध	४१	४७	व	४२	१६	वि	१४	२९	३८	५२	८	२८	७	३	कुं.८।१६	भ. २४/२९ या. पूषा. रविः ३६/५१ (सौरः ४४/१)
५	मं	२१	०	श	४९	२४	सि	४४	३८	बा	२१	०	३९	५२	८	२९	८	४	कुंभे	कुम्भे शुक्रः १८।४५
६	बु	२७	२७	पू	५७	१३	व्य	४६	५८	तै	२७	२७	४०	५२	८	३०	९	५	मी४०।१६	मूले धनुषि बुधः २०।१२
७	गु	३३	५२	उ	६०	०	व	४९	२	ग	०	३९	४०	५२	८	३१	१०	६	मीने	भ. ५३/३२ उ. ज्येष्ठा. ३ राहुः मृगे १ केतुः ३४/१७ *
८	शु	३९	१५	उ	४	५	प	५०	९	वि	६	३३	४१	५२	८	१	११	७	मीने	भ. ३६/३३ या. जनवरी १ता. ३१ सन् १९९३
९	श	४३	१९	रे	१०	३	शि	५०	१८	बा	११	१७	४२	५२	८	२	१२	८	मे.१०।३	*बुधास्तः पूर्वस्याम् ३९।५५
१०	र	४५	४७	अ	१५	३७	सि	४९	४	तै	१४	३३	४३	५१	९	३	१३	९	मेषे	
११	चं	४६	१०	भ	१८	२०	सा	४६	१९	व	१५	५८	४४	५१	९	४	१४	१०	वृ.३३।३१	भ. १५/५८ उ. ४६/१० या. शते शुक्रः १६/२६ पुत्रदा×
१२	मं	४४	३५	कृ	१९	१	शु	४१	५५	ब	१५	२२	४६	५१	९	५	१५	११	वृषे	हस्ते ४ गुरुः १३।५ ×११ व्र.
१३	बु	४०	५९	रो	१७	४७	शु	३६	१	कौ	१२	४७	४७	५१	९	६	१६	१२	मि४६।१६	प्रदोषः
१४	गु	३६	८	मृ	१४	४५	ब्र	२८	४५	ग	८	३३	४९	५०	१०	७	१७	१३	मिथुने	भ. ३६।८ उ. पूषा. बुधः २।४२
१५	शु	२९	२	आ	१०	१६	ऐं	२०	२२	वि	२	३५	५१	५०	१०	८	१८	१४	क.५१।१६	भ. २।३५ या. धनिष्ठा. १ शनिः ३६।१०

३८पं. पौ.शु.४चं.इ.२०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	७	५	९	९	७	८
१३	२७	२८	१९	२८	२२	२६	१२
११	४०	२८	२०	५६	८	५०	५५
३१	१६	१५	२४	१३	४५	१७	५८
६१	२६/४	९२	६	६५	९	३	६१
६	ब	१०	१६	४०	२०	११	२६

गोचरग्रहाः

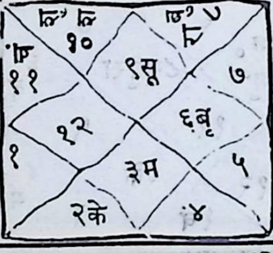

इस मासमें भौम वक्री है अत:धान्य रुई सूत विनोला सण सोना चांदी मूंगफली अलसी अंडी तेज रहे।

गोचरग्रहाः

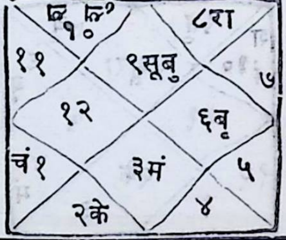

३९पं.पौ.शु.११चं.इ. ३/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	१०	९	७	८
२०	२५	८	१९	६	२२	२६	२०
१९	११	५९	५५	४२	५२	२८	५
२६	३५	२४	३३	४३	३०	१	५५
६१	३/१	९६	५	६४	६	३	६१
६	ब	२०	४	१०	३२	११	२६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं० २०४९				शाकः	१९१४					दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२१	३३	पु	४/४९	५४/२५	वै	११	४८	कौ	२१	३३	२५/५२	६/५०	५/१०	९	११	१५	कर्के	
२	र	१३	४८	श्ले	५२	४७	वि	१/४९	५०/२६	ग	१३	४८	५४	४९	११	१०	२०	१६	सिं५२।४७	भ. ३९/४९ उ. उषा. रविः ३३/५५ (सौरः ४५/२८)
३	चं	५	५०	म	४६	५५	आ	४२	५५	वि	५	५०	५६	४९	११	११	२१	१७	सिंहे	भ. ५।५० या. चतुर्थी व्र.
४	चं	५२	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	मं	५१	४३	पू	४१	५९	सौ	३४	१	कौ	२५	४	५८	४८	१२	१२	२२	१८	कं.५५।५२	
६	बु	४५	३९	उ	३७	३१	शो	२५	५३	ग	१८	४१	२६/१	४८	१२	१३	२३	१९	कन्यायां	भ. ४५।३९ उ. मकरेऽर्कः ४९।५९
७	गु	४१	५	ह	३४	२५	अ	१८	२८	वि	१३	२२	३	४७	१३	१४	२४	२०	तु.३।१९	भ. १३।२२ या. मकरेऽर्कः सौरः ०।५३
८	शु	३७	१४	चि	३२	१४	सु	१२	२	बा	९	१०	५	४७	१३	१५	२५	२१	तुलायां	उषा. बुधः ३९।५५
९	श	३४	४०	स्वा	३१	१४	धृ	६	३१	तै	५	५७	८	४६	१४	१६	२६	२२	तुलायां	पूभा. शुक्रः ४७।४८ पातस्पर्शः ५५।४०
१०	र	३३	६	वि	३०	५९	शू	१/५४	५६/१६	व	३	५३	१०	४६	१४	१७	२७	२३	वृ.१६।२	भ. ३।५३ उ. ३३।६ या. मकरे बुधः ३६/२०*
११	चं	३२	४३	अ	३२	१६	वृ	५५	२०	ब	२	५४	१२	४६	१४	१८	२८	२४	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्र. *पातमोक्षः २२/५९
१२	मं	३३	३४	ज्ये	३४	४२	ध्रु	५३	२५	कौ	३	८	१५	४६	१४	१९	२९	२५	ध.३४।४२	वक्री आर्द्रा. भौमः २।४६
१३	बु	३५	२३	मू	३७	५९	व्या	५२	३६	ग	४	२८	१७	४५	१५	२०	३०	२६	धनुषि	भ. ३५/२२ उ. अभि.प्र. रविः ३२/४४ (सौरः ३२/१५)×
१४	गु	३८	२२	पू	४२	२४	ह	५२	२७	वि	६	५२	२०	४४	१६	२१	१	२७	म.५८।४४	भ. ६।५२ या. रा. माघारंभः ×प्रदोष
३०	शु	४२	२८	उ	४७	४४	व	५२	४६	च	१०	२५	२२	४४	१६	२२	२	२८	मकरे	

४०पं.मा.कृ.३चं.इ.२०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	१०	९	७	८
२७	२२	१९	२०	१४	२३	२६	२७
२७	३८	५६	२२	१६	३८	५	१५
४०	४२	५३	३३	५१	४२	४६	४७
६१	२९/५६	९७	३	६२	६	३	६१
६	ब	२०	५२	२०	५०	११	२४

गोचरग्रहाः

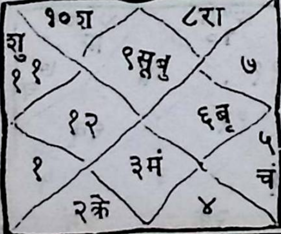

माघ कृ. ६ बुधे मकरेऽर्कः प्र.वा.२ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प.।

गोचरग्रहाः

४१पं.मा.कृ.११चं.इ. २०/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	१०	९	७	९
४	२०	१	२०	२१	२४	२५	४
३५	२०	१५	४१	३७	२६	४३	२५
३१	२	१८	२०	१५	२४	३०	१६
६१	२९/२९	७०/०	२	६३	७	३	६१
३	ब	५९	२७	४	२	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	४७	३८	श्र	५४	११	सि	५४	१४	किं	१५	३	२६/२५	६/४३	५/१७	२३	३	२९	मकरे
२	र	५३	२०	ध	६०	०	व्य	५५	४८	बा	२०	२९	२७	४३	१७	२४	४	३०	कुं.२७।४०
३	चं	५९	४४	ध	१	१०	व	५७	५८	तै	२६	३२	३०	४२	१८	२५	५	१	कुम्भे
४	मं	६०	०	श	८	४५	प	६०	०	व	३३	२	३३	४१	१९	२६	६	२	मी५९।२८
४	बु	६	२०	पू	१६	२२	प	०	१२	वि	६	२०	३६	४१	१९	२७	७	३	मीने
५	गु	१२	५५	उ	२४	२०	शि	२	३७	बा	१२	५५	३९	४०	२०	२८	८	४	मीने
६	शु	१८	४१	रे	३०	४०	सि	४	३२	तै	१८	४१	४२	४०	२०	२९	९	५	मे. ३०।००
७	श	२३	२८	अ	३६	२३	सा	५	३३	व	२३	२८	४६	३९	२१	३०	१०	६	मेषे
८	र	२५	५२	भ	४०	२८	शु	५	२५	ब	२५	५२	४९	३८	२२	३१	११	७	वृ.५६।३
९	चं	२८	२०	कृ	४२	५०	शु	४	५	कौ	२८	२०	५२	३८	२२	१	१२	८	वृषे
१०	मं	२७	५५	रो	४३	१३	ब्र	१/७	५५/२७	ग	२७	५५	५५	३७	२३	२	१३	९	बृषे
११	बु	२५	१८	मृ	४१	२०	वै	५०	१७	वि	२५	१८	५९	३६	२४	३	१४	१०	मि१२।१७
१२	गु	२०	४१	आ	३७	४३	वि	४२	४१	ना	२०	४१	२/२	३६	२४	४	१५	११	मिथुने
१३	शु	१४	१६	पु	३२	२१	प्री	३४	२९	तै	१४	५६	६	३५	२५	५	१६	१२	क.१८।४१
१४	श	६	३५	पु	२६	६	आ	२३	२९	व	६	३५	९	३४	२६	६	१७	१३	कर्के
१५	श	५०	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २९३ स.१९९३

श्रवणे रविः ३९/७ (सौरः ४६/१२) श्रवणे बुधः*
अभि.नि.रविः ३१/२६ (सौरः ४०/२८) चन्द्रदर्शनम्
सावान ८ *३९/३६ अस्तं शनेः ४२/१८
भ. ३२।२ उ. मीने शुक्रः ५२।८
भ. ६।२० या.
वसंत पंचमी
×पातस्पर्शः ३३।३१ मोक्षः ५२/१० भानु ७
भ. ३३/२८ उ. ५४/४० या. उभा. शुक्रः १.१।२५×
धनि. बुधः ३०/८ वक्री गुरुः १७/१३ भीष्माष्टमी
फर्वरी मा. २ ता. २८
भ. ५६।३६ उ.
भ. २५।१८ या. जया ११ व्र.
कुंभे बुधः १३।२० प्रदोषः
धनि. रविः ४७।२८ (सौरः ५४।३)
भ.६।३५उ. ३२।२या. धनि. २ शनिः १९/८६

४२पं.मा.शु.३चं.इ.२०।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	१०	९	७	९
११	१८	१२	२०	२८	२५	२५	११
४२	२७	५४	५०	३२	१५	२१	३४
५८	३२	२५	२०	५२	७	१४	७
६०	११/१७	[illegible]	१	५६	७	३	६१
५९	व	३१	२	५८	१४	११	१३

गोचरग्रहाः

माघ मास जो पड़े न शीत, तो भी समय जानियो मीत । माघ पांच जो हों शनिवार, तो भी जोशी काल विचार ।।

गोचरग्रहाः

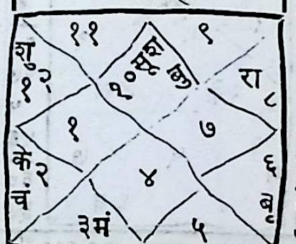

४३पं.मा.शु.९चं.इ.२०।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	११	९	७	९
१८	१६	२४	२०	५	२६	२४	१८
४९	५५	५०	४९	१४	५	५८	४२
२६	३०	१६	३०	६	१३	५९	१०
६०	१५/१३	७/०	११	५३	७	३	६१
५५	व	३२	व	२	२०	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	४८	१३	श्ले	१८	३२	सौ	१२	५५	बा	२२	५१	२७/१३	३६	५/२७	७	१८	१४	सि१८।३२
२	चं	३९	२	म	११	७	शो	२/१६	४६/२३	तै	१३	३७	१६	३३	२७	८	१९	१५	सिंहे
३	मं	३०	१४	पू	३/५९	५३/२८	सु	४१	४३	व	४	३८	२०	३२	२८	९	२०	१६	कं.१७।२१
४	बु	२२	१६	ह	५२	११	धृ	३२	२५	बा	२२	१६	२४	३१	२९	१०	२१	१७	कन्यायां
५	गु	१५	४१	चि	४८	२९	शू	२४	३१	तै	१५	४१	२७	३१	२९	११	२२	१८	तु.२०।२०
६	शु	१०	३७	स्वा	४६	१४	गं	१७	५२	व	१०	३७	३१	३०	३०	१२	२३	१९	तुलायां
७	श	७	२५	वि	४५	४०	वृ	१२	२८	ब	७	२५	३५	२९	३१	१३	२४	२०	वृ.३०।४९
८	र	५	२६	अ	४६	२८	ध्रु	८	१०	कौ	५	२६	३८	२८	३२	१४	२५	२१	बृश्चिके
९	चं	५	११	ज्ये	४९	५	व्या	५	२८	ग	५	११	४२	२९	३२	१५	२६	२२	ध.४९।५
१०	मं	६	३१	मू	५२	५२	ह	३	५१	वि	६	३१	४६	२७	३३	१६	२७	२३	धनुषि
११	बु	९	०	पू	५७	४९	व	३	२२	बा	९	०	५०	२६	३४	१७	२८	२४	धनुषि
१२	गु	१२	५५	उ	६०	०	सि	३	३९	तै	१२	५५	५४	२५	३५	१८	२९	२५	म.१४।१९
१३	शु	१७	४३	उ	३	४९	व्य	४	३९	व	१७	४३	५८	२४	३६	१९	३०	२६	मकरे
१४	श	२३	२५	श्र	१०	४७	व	६	१७	श	२३	२५	२/२	२४	३६	२०	१	२७	कु.४४।९
३०	र	२९	१४	ध	१७	३२	प	८	५	ना	२९	१४	६	२३	३७	२१	२	२८	कुंभे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

शते बुधः ४९।५
भ. ४।३८ उ. ३०।१४ या. चतुर्थी व्र.
बुधोदयः पश्चिमायाम् ६।५१
पातस्पर्शः २३।५८ पातमोक्षः ३७।१९
भ. १०/३७ उ. ३९।१ या. कुंभेऽर्कः २२।४३×
*महाशिवरात्रि व्र. स्मा.
भ. ३५/४१ उ. पूभा. बुधः ४०/५७ रेवत्यां शुक्रः २१/४४
भ. ६।३१ या. मार्गी भौमः १३।३३
विजया ११ व्र. ×(सौरः २८।०)
शते रविः ५९।४ प्रदोषः
भ.१७।४३उ. ५०/३४या. शते रविः सौरः ३/२२*
रा. फाल्गुनारम्भः महाशिरात्रि व्र. वै.

४४पं.फा.कृ.२चं.इ.२०।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	५	११	९	७	९
२५	१६	७	२०	११	२६	२४	२५
५५	२	३५	४०	१७	५५	३६	४८
१६	२०	३१	५५	२०	४४	४३	५७
६०	८/४५	५/०	१/४६	४८	७	३	६०
४७	व	५१	व	११	२०	११	५०

गोचरग्रहाः

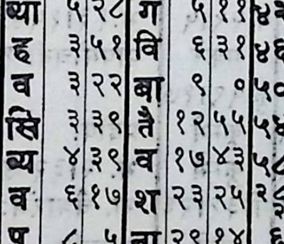

फा. कृ. ६ शुक्रे कुम्भेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः प.

गोचरग्रहाः

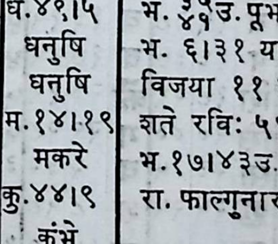

४५पं.फा.कृ.९चं.इ.२०।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	११	९	७	१०
३	१५	१९	२०	१६	२७	२४	३
०	४३	२८	२२	३९	४६	१४	५५
४	२६	३३	१	२८	३७	२८	०
६०	४४	९४	१/३	३८	७	३	६०
३७	व	५	व	१२	२०	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	त्रसंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३२३ स.१९९३
१	चं	३५	३६	श	२४	५८	शि	१०	८	किं	२	२५	२८/१०	२६/२	५/३८	२२	३	२९	कुम्भे	
२	मं	४२	४	पू	३२	३१	सि	१२	३५	बा	८	५१	१४	२१	३९	२३	४	३०	मी१५।३८	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया २
३	बु	४८	२९	उ	३९	४१	सा	१४	५४	तै	१५	१७	१८	२०	४०	२४	५	१	मीने	मीने बुधः ३/३ ०/० रमजान ९ पातस्पर्शः ४५/५०
४	गु	५४	१७	रे	४६	४२	शु	१६	४३	व	२१	२३	२२	२०	४०	२५	६	२	मे.४६।४२	भ. २१।२३ उ. ५४।१७ या.
५	शु	५९	१४	अ	५३	२०	शु	१८	११	ब	२६	४५	२६	१९	४१	२६	७	३	मेषे	उदयं शनेः २१।२ मोक्षः ५९।८
६	श	६०	०	भ	५८	१६	ब्र	१९	२	कौ	३१	११	३०	१८	४२	२७	८	४	मेषे	वक्री बुधः ४७।४
६	र	३	७	कृ	६०	०	ऐं	१८	३७	तै	३	७	३४	१७	४३	२८	९	५	बृ.१४।१३	वक्री हस्ते ३ गुरुः १२।४९
७	चं	५	३४	कृ	२	७	वै	१७	९	व	५	३४	३८	१६	४४	१	१०	६	वृषे	भ. ५।३४उ. ३५/५५ या. बुधोदयः पश्चिमा.×
८	मं	६	१५	रो	४	९	वि	१४	११	ब	६	१५	४२	१६	४४	२	११	७	मि३४।१४	वक्री कुम्भे बुधः ३९।३९
९	बु	५	५	मृ	४	२०	प्री	९	३७	कौ	५	५	४६	१५	४५	३	१२	८	मिथुने	×३१/५५ होलाष्टकः मार्च मा. ३ ता.३१
१०	गु	१	५८	आ	२/३६	५६/१४	आ	३/४०	५२/१७	ग	१	५८	५०	१४	४६	४	१३	९	क.४४।४७	भ.२९।२४उ. ५३/५१ या. पूभा. रविः १५।९+
११	गु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	+(सौरः १/९) ज्ये. २राहुः रोहि. ४केतुः=
१२	शु	४९	५९	पु	५३	३९	शो	४७	१३	ब	२३	२५	५४	१३	४७	५	१४	१०	कर्के	आमलकी ११ व्र. वै.
१३	श	४२	५५	श्ले	४७	१	अ	३७	९	कौ	१६	२७	५८	१२	४८	६	१५	११	सिं४७।१७	धनि. ३ कुम्भे शनिः २१।५५ प्रदोषः
१४	र	३२	५१	म	३९	२१	सु	२६	२३	ग	७	५३	२९/२	१२	४८	७	१६	१२	सिंहे	भ. ३२/५१ उ. ५७/४६ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरं
१५	चं	२२	४०	पू	३१	२९	धृ	१५	१६	ब	२२	४०	६	११	४९	८	१७	१३	कं.४४।२६	छारेंडी =२८/४१ आमलकी ११ व्र. स्मा

४६पं.फा.शु.१चं.इ.२१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	११	९	७	१०
१०	१५	२८	१९	२१	२८	२३	९
३	५९	७	५५	८	३६	५१	५९
३२	४६	.१	५	९	३२	१२	३३
६०	५/७	५६	४/११	३३	७/१४	३	६०
२५	मा	४९	व	१४	व	११	३१

४७पं.फा.शु.७चं.इ.२१।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	५	११	९	७	१०
१७	१६	०	१९	२४	२९	२३	१७
५	४५	१८	२०	२१	२६	२९	२
४६	५८	४३	४९	१४	९	५६	२४
६०	१०	१६/२८	५/११	२२	७	३	६०
३७	४०	व	व	१३	८	११	२०

४८पं.फा.शु.१५चं.इ. २१/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	११	१०	७	१०
२४	१८	२५	१८	२६	०	२३	२४
६	२	४२	३९	१०	१३	७	३
२९	४९	२५	३	४१	५१	४१	४७
५९	१४	[illegible]	[illegible]	७	६	३	६०
५८	५२	व	व	३५	५६	११	५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०४९ शाकः १९१४												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१२	४८	उ	२३	३५	शू	४/१६	४९/२२	कौ	१२	४८	२९/१०	६/१०	५/५०	९	१८	१४	कन्यायां	वसन्त १ पातस्पर्शः ३।५७ मोक्षः १३।४६
२	बु	३	२०	ह	१६	९	वृ	४३	४६	ग	३	२०	१४	९	५१	१०	१९	१५	तु.४३।१६	भ. २९।६ उ. ५४।५३ या.
३	बु	५१	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	गु	४७	५१	चि	१०	२३	ध्रु	३५	१४	ब	२१	२२	१९	८	५२	११	२०	१६	तुलायां	वक्री शुक्रः ३६।५२ चतुर्थी व्र.
५	शु	४२	३२	स्वा	६	०	व्या	२८	०	कौ	१५	११	२३	७	५३	१२	२१	१७	वृ.४९।१०	
६	श	३९	२२	वि	३	३३	ह	२२	२९	ग	१०	५७	२७	७	५३	१३	२२	१८	वृश्चिके	भ. २९।२२ उ.
७	र	३८	१०	अ	३	८	व	१८	३०	वि	८	४६	३२	६	५४	१४	२३	१९	वृश्चिके	भ. ८।४६ या. मीनेऽर्कः १६।६ (सौरः×
८	चं	३८	५२	ज्ये	४	३२	सि	१६	७	बा	८	३१	३६	५	५५	१५	२४	२०	ध.४।३२	शीतलापूजनम्
९	मं	४१	१६	मू	७	४४	व्य	१५	७	तै	१०	४	४०	४	५६	१६	२५	२१	धनुषि	पुन.भौमः १४/३३ बुधोदयः पूर्वस्याम् १०।४७
१०	बु	४५	१५	पू	१२	३४	व	१५	३८	व	१३	१५	४४	३	५७	१७	२६	२२	म.२९।५	भ.१३।१५उ. ४५/१५ या. उभा. रविः ३७।१०+
११	गु	५०	१५	उ	१८	३८	प	१६	३७	ब	१७	४५	४९	२	५८	१८	२७	२३	मकरे	पापमोचनी ११ व्र. +(सौरः ३९।५)
१२	शु	५६	२४	श्र	२५	३७	शि	१८	२९	कौ	२३	१९	५३	१	५९	१९	२८	२४	कु.५९।१७	
१३	श	६०	०	ध	३२	५८	सि	२०	४०	ग	२९	२८	५७	१	५९	२०	२९	२५	कुम्भे	प्रदोषः
१३	र	२	३२	श	४०	३५	सा	२३	५	व	२	३२	३०/२	६/००/५	६/०/६	२१	३०	२६	कुम्भे	भ. २।३२ उ. ३४।४५ या.
१४	चं	८	५८	पू	४८	७	शु	२५	२५	श	८	५८	६	५/५९	६/१	२२	१	२७	मी३१।२६	रा. चैत्रारंभः
३०	मं	१५	९	उ	५५	२०	शु	२७	३४	ना	१५	९	१०	५९	२	२३	२	२८	मीने	मन्वादिः ×१८/३२) वक्री शते बुधः ४९/४७

४९पं. चै.कृ.८चं.इ.२२।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
१	१९	१९	१७	२५	१	२२	१
५	४३	३३	५२	५६	१	४५	३
४२	४८	५८	८	५६	३०	२५	२९
५९	१८	४८/२१	७/१६	८/५६	६	३	५९
४१	३२	व	व	व	५३	११	४९

गोचरग्रहाः

चैत्र कृ. ७रवौ मीनेऽर्कः प्र.त्रा.३ न.४ वालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महघंता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

५०पं. चै.कृ.१४ चं.इ. २२/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
८	२१	२६	१७	२३	१	२२	८
३	४६	४५	०	५१	४६	२३	१
१८	१६	०	३९	२८	३७	१०	२४
५९	२१	८/२०	७/५०	१४/५४	६	३	५९
२९	३७	व	व	व	१६	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

* श्रीगणेशायनमः *

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पाद-पंकज स्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिं नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथाऽस्मिन् वर्षे सृष्टितो गताऽब्दाः १९५५८८५०९४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९४ भोग्यकलिः ४२६९०६ अथाऽस्मिन्सम्वत्सरे श्रीमन्नृपति—वीर विक्रमादित्यराज्यात्सम्वत् २०५० शाकः १९१५ वर्षेऽस्मिन् राजा बुधः । मंत्री भौमः । सस्येशो शुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः । रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशोगुरुः । दुर्गेशश्चंद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य—मानेनप्रभवादिषष्टयब्दानांमध्ये ब्रह्मविंशतिकायां २० व्ययनाम-सम्वत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ९।३।३२।१४भोग्यमासादिः२।२६।२७।४६। अग्निर्दैवतंयुगम् । वर्षनामफाल्गुनः । मेघनाम संवर्तः । रोहिणीनिवासःपर्वते । समय निवासोकुंभकारगृहे । समयविश्वा १८ । समयवाहनं सिंचाणुः । स्तंभः१जलस्यः । सोमवत्यमा.२ । सोमवती पं.२ । अंगारकीचतुर्थी १ । बुधाष्टमी १ । भानुसप्तमी १ । रविदशमी १ । समयमुहूर्ताः ४०५ । समयदिनानि ३८१ । तिथिक्षयः१८। तिथिवृद्धिः ९। उत्पत्तिविश्वा१०५। खपतिविश्वा ९६। वर्षाविश्वा१५। धान्यम् ११। तृणम् ११ । शीतम् ९ । तेजः११ । वायुः१३ । वृद्धिः१५। क्षयः १५ । विग्रहः ११। ऐक्यं १११ । सत्यम् ।।, धर्मम् १।।, पापम् १८ । शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणं १ चन्द्रमसः ।

सं. २०५० शाके १९१५
ज्येष्ठ शु. १५ शुक्रवासरे
खग्रास ग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्य.	घ.	२५	२८	३०	३२	३४
मध्यम.	पल	४१	१५	१४	१३	४७
रेल्वे	घं.	४	५	६	७	८
टाइम	मि.	४३	४५	३३	२०	२२

यह ग्रहण भारत में सर्वत्र ग्रस्तोदय दीखेगा ।

वर्ष लग्नम् २।२०

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

हे जगदम्बे कालिका मत राखे तू पोल ।
संवत्सर पचास का कहो हाल सब खोल ।।

भवानी उत्तर

सांवलिया भैरव सुणो कहूं हाल सब खोल ।
संवत्सर पचास में बजे जुभाऊ ढोल ।।
राजा बुधजी वापड़ा चलै न इनका जोर ।
मन्त्री मंगल क्रूर है करै और की ओर ।।
संवत्सर व्यय नाम का खर्चा अधिक कराय ।
रोहिणी पर्वत में बसी वर्षा अल्प दिखाय ।।
मेघपति अरु फलपति गढ़पति शशि को जान ।
उत्तम फल दरसाय के सब की राखे स्यान ।
अर्द्ध शताब्दी वर्ष में स्तम्भ लगा है एक ।
बंशीधर का कथन है ईश्वर राखे टेक ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मि.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ७।८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३१।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४४।४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन्वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्––बुधस्यराज्ये सजलं महीतलं गृहेगृहे तूर्य विव हमंगलम् । प्रकुर्वतेदानदयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धनधान्य संकुलम् ।। मन्त्री भौमस्तत्फलम्––अवनिजोनन्नु मंत्रिकतांगतो भवति दस्युगदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम्––शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूमशालीक्षु धनं प्रियंगु बृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्––बुधे धान्याधिपे मेघा जलंमुंचन्ति वैभृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम्––शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशो रविः फलम्––रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भोगरताल्प पयोधराः । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुखरसन्नभुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशो शुक्रस्तत्फलम्––कर्पूरागरु गन्धानां हेममौक्तिक वाससां । अर्घवृद्धि प्रजायते नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम्––यदि विधुः फलपोद्रुम राशयः फलयुता वलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विजमुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलम्––सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्तिपरा सुख भाजनाः । फलितपुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चन्द्रः फलम्––गढ़पतिः शशलाञ्छनको यदा नृपसुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेषु च गोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ।। व्ययनाम संवत्सरः फलम्––व्ययाब्दे निखिलालोका बहुव्ययपरा भृशम् । वीरमत्तेभ तुरगैः रथैर्भूपति सर्वदा ।। वर्षनाम फाल्गुनः फलम्––सुभिक्षं प्रचुरा बृष्टिरुत्तरेयाम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरम् फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम्––संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम्––पर्वते विन्दुमात्रश्च ।। समय निवासो कुंभकारगृहे फलम्––अनावृष्टि प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

सं० २०५० शाके १९१५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैसाख मासः

कृष्णे ७ भौमे उषा. ल. १२ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।। गुरु ७पूज्यः
„ ८ बुधे उषा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।
शुक्ले ४ चन्द्रे मृगे ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।
„ ९ शुक्रे मघा. ल. गो. रे. ६ ऽ।।ऽ।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः आवश्यके
„ ११ रवौ उफा. ल. १२ रे. ९ ।।।।।ऽ।।। गु. चं. ७ पूज्यौ

ज्येष्ठ मासः

कृष्णे ३ शनौ मूले ल.१२(घ.५५।४०उ)रे. ८ ।।।।।ज्चौ।ऽ।आ
„ ४ रवौ मूले ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
„ ५ चन्द्रे उषा. ल. १२ रे ७ ।ऽ।।ऽरो।।।ऽ दग्धा. गु.७पू.
„ ६ भौमे उषा. ल.अन्यगो. रे.७ ।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा. आवश्यके
„ १० रवौ उभा.ल.१रे. ६ ।।।ऽबृ।ऽअऽऽ।।पादतोवेधाऽभावः
„ ११ चन्द्रे रेव. ल. अन्यगो. सोग्रांगः१ रे.६ ।।ऽशु।ऽऽअ।ऽ।। शुक्रयुतिः मेषे रेखा ७ अग्निपंचकाऽभावः
शुक्ले ६ गुरौ मघा. ल. १ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।
„ ९ रवौ हस्ते ल. १२ रे.७।।ऽवृ।ऽचौ।ऽ।। गुरु चंद्रौ७पूज्यौ
„ १२ भौमे स्वा. ल. अन्यगो.सोग्रांगः रे. ७ ऽ।।ऽऽरो।।।।

आषाढ़ मासः

कृष्णे १शनौमूले ल.गो.सोग्रांगः१२-१रे.९।ऽ।।।।।।।मीनेगु.७पू.
„ ३ चन्द्रे उषा. ल.गो. सग्रांगः१२ रे. ७ ।।।।।।।ऽऽऽ मीन लग्न घ. ५०।५५ या. गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

कृष्णे ९ रवौ रेवत्यां ल. १ रे. ७ ।।।।ऽऽग्र.।ऽ।।
शुक्ले ९ चन्द्रे स्वा. ल. १ रे. ८ ।।।।।ऽनृ।ऽ।। चन्द्र ७ पूज्यः

कार्तिक मासः

शुक्ले १५ चन्द्रे रोहि. ल. ४-६ रे. ७ ।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णे १ भौमे मृगे ल. ४-६ रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।।।तुलायां रेखा ७ चौर पंचकः
„ ८ भौमे उफा. ल. ४-७ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। तुला लग्ने रेखा ७ नृप पंचकः
„ १२ शुक्रे स्वात्यां ल. ४ रे. ७ ।।ऽबृ।ऽचो।ऽ।।

माघ मासः

शुक्ले ४ चन्द्रे रेव. ल. ९ रे. ६ ।ऽ।।ऽअऽऽ।।
„ ९ रवौ मृगे ल. अन्यगो. ७-९ रे. ९ ।।।।।(रो. ३४उ.) ऽ।।। तुला लग्न घ. ३८।३२ उ. धनु लग्नेचं. ७ पूज्यः
„ १४ शुक्रे मघा. ल. ७-९ रे. ७ ।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णे २ रवौ उफा. ल. गो. ७ रे. ९ ।।।।ऽ।(चो.३१उ.)।।।। गोधूल्यां भौम ७ दोषः
„ ८ शनौ मूले ल. १० रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
„ १० चन्द्रे उषा. ल. अन्यगो. ९ रे. ७ ऽ।।।ऽनृ.३१या.।ऽ।। अन्य. गोधूल्यां भौम ७ दोषः
शुक्ले १ रवौ रेव.ल.९-१ (घ.५०।२०उ.) रे. ८ ।।।।।ऽअऽ।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रीचैत्र	शुक्लपक्षः	सं. २०५०	शाकः	१९१५								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५३स.१९९३
१	बु	२१	७	रे	६०	०	ब्र	२९	२०	ब	२१	७	३०/१४	५/५७	६/३	२४	३	२९	मीने	चन्द्रद. मार्गी बुधः संवत्सरारंभः नवरा.
२	गु	२६	२३	रे	२	७	ऐं	३०	३७	कौ	२६	२३	१८	५६	४	२५	४	१	मे. २।७	वक्री हस्ते २गुरुः ३०/७ सिधारा सव्वाल १०
३	शु	३०	५६	अ	८	०	वै	३१	१६	ग	३०	५६	२३	५५	५	२६	५	२	मेषे	मत्स्य जयंती गणगौरी
४	श	३४	३४	भ	१३	११	वि	३१	११	व	२	४५	२७	५५	५	२७	६	३	वृ.२९।८	भ. २।४५ उ. ३४।३४ या.
५	र	३६	५८	कृ	१६	५४	प्री	३०	२३	ब	५	४६	३१	५४	६	२८	७	४	वृषे	
६	चं	३८	५	रो	२०	११	आ	२८	२९	कौ	७	३१	३५	५३	७	२९	८	५	मि५०।५६	
७	मं	३७	४५	मृ	२१	४१	सौ	२५	१०	ग	७	५५	३९	५२	८	३०	९	६	मिथुने	भ. ३७/४५ उ. शुक्रास्तःपश्चिमायां ४३/४८ शु.अ.प.
८	बु	३६	३	आ	२१	४१	शो	२०	४८	वि	६	५४	४४	५१	९	३१	१०	७	मिथुने	भ. ५४/६ या. रेवत्यां रविः ५ ४/३ (सौरः ३ ६/३)
९	गु	३२	३६	पु	१९	५९	अ	१५	८	बा	४	१९	४८	५०	१०	१	११	८	क.५।२५	पूभा..बुधः २/१ ३/८ रामनवमी अप्रैल४ता.३०
१०	शु	२७	२८	पु	१६	५०	सु	८/४०	५१/५५	तै	०	२	५२	५०	१०	२	१२	९	कर्के	भ. ५४।१५ उ.
११	श	२१	२	श्ले	१२	१०	शू	५१	४४	वि	२१	२	५६	४९	११	३	१३	१०	सिं१२।१०	भ. २ १/२ या. वक्रीउभा. शुक्रः ५१/१४ शुक्रोदयः*
१२	र	१३	१०	म	६/११	५३/१८	गं	४०	३५	बा	१३	१०	३१/००	४८	१२	४	१४	११	सिंहे	प्रदोषः
१३	चं	४	२१	उ	५२	४०	वृ	३०	७	तै	४	२१	४	४७	१३	५	१५	१२	कं.१२।४७	भ. ५५।१५ उ.
१४	चं	५०	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*पूर्वस्यां ४२/० कामदा ११ व्र. शु.उ.पू.
१५	मं	४५	११	ह	४४	१२	ध्रु	१९	१९	वि	२०	१३	८	४६	१४	६	१६	१३	कन्यायां	भ. २/१ ०/३ या. धनि.४ शनिः ३६/३७ हनुमज्जयन्ती

११पं. चै.शु.६चं.इ.२२।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
१४	२४	१८	१६	२०	२	२२	१४
१९	८	४६	७	०	२८	०	५७
१३	२	३१	८	५४	४१	५४	३१
५९	२४	२४/२५	७/५२	३५/१८	६	३	५९
१६	१४	मा	ब	ब	६	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मासमें ५ मं-
गलवार अशुभ
हैं। यत्र मासे म-
हीसुनो जायंते
पंचवासराः। रक्ते
न पूरितापृथ्वी छत्र
भंग तदा भवेत्॥

गोचरग्रहाः

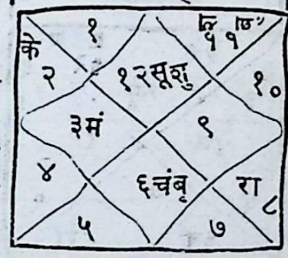

५२पं. चै.शु.१३चं.इ.२३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	११	१०	७	११
२१	२६	२४	१५	५५	३	२१	२१
५३	४४	७	१३	४६	८	३८	५१
३१	२४	१९	२६	४८	५६	३८	४२
५९	२९	५१	७/५२	३४/४३	५	३	५९
४	३१	१३	ब	ब	४४	११	४

ति.	वैशाख	कृष्णपक्षः	सं. २०५०	शाकः	१९१५								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	३५	५६	चि	३७	१५	व्या	९/४	५०/१३	बा	१०	३३	३१/१२	५/४६	६/१४	७	१७	१४	तु.१०।४३	
२	गु	२७	५०	स्वा	३१	३३	व	५०	३४	तै	१	५३	१६	४५	१५	८	१८	१५	तुलायां	भ. ५४।२७ उ.
३	शु	२१	४	वि	२६	५३	स्वि	४३	२५	वि	२१	४	२०	४४	१६	९	१९	१६	वृ.१३।३	भ. २१।४ या. चतुर्थी व्र.
४	श	१६	७	अ	२४	२१	व्य	३७	४४	बा	१६	७	२४	४३	१७	१०	२०	१७	वृश्चिके	मीने बुधः ५१।०
५	र	१३	९	ज्ये	२३	५७	व	३३	५१	तै	१३	९	२८	४२	१८	११	२१	१८	ध.२३।५७	
६	चं	१२	४७	मू	२६	२१	प	३१	३४	व	१२	४७	३२	४२	१८	१२	२२	१९	धनुषि	भ. १२।४७ उ. ४३।२७ या.
७	मं	१४	७	पू	२९	३२	शि	३१	१६	ब	१४	७	३६	४१	१९	१३	२३	२०	म.४५।५२	अश्वि. मेषेऽर्कः ३८।५४ (सौरः ४१।७)*
८	बु	१७	२६	उ	३४	५३	सि	३१	३९	कौ	१७	२६	४०	४०	२०	१४	२४	२१	मकरे	*कर्के भौमः २३।५४ उभा. बुधः ३२।२६
९	गु	२२	११	श्र	४१	२५	सा	३३	१३	ग	२२	११	४३	३९	२१	१५	२५	२२	मकरे	भ. ५५।९ उ.
१०	शु	२८	८	ध	४८	५२	शु	३५	२९	वि	२८	८	४७	३९	२१	१६	२६	२३	कुं.१५।१३	भ. २८।८ या.
११	श	३४	१८	श	५६	३२	शु	३७	०	ब	१	१३	५१	३८	२२	१७	२७	२४	कुम्भे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	र	४०	५०	पू	६०	०	ब्र	४०	३२	कौ	७	३४	५५	३७	२३	१८	२८	२५	मी४७।७	
१३	चं	४६	५८	पू	३	५९	ऐं	४२	४७	ग	१३	५४	५८	३६	२४	१९	२९	२६	मीने	भ. ४६।५८ उ. प्रदोषः
१४	मं	५२	२८	उ	११	१४	वै	४४	२७	वि	१९	४३	३२/२	३६	२४	२०	३०	२७	मीने	भ. १९।४३ या. पुष्ये भौमः ५६।१
३०	बु	५७	८	रे	१७	५५	वि	४५	३२	च	२४	४८	६	३५	२५	२१	१	२८	मे.१७।५५	वक्री हस्ते. १ गुरुः ४६/२१ रा. वैशाखारम्भः

१पं. वै.कृ.७ मं.इ.३८।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	११	१०	७	११
०	०	३	१४	११	३	२१	२९
०	७	२८	१३	३३	५४	१२	५७
०	३	१	१	४	१८	३४	५३
५८	२८	७४	७/२२	२८/४३	५	३	५८
४४	११	२०	ब	ब	९	११	४५

गोचरग्रहाः

वै. कृ. ७ भौमे
मेषेऽर्कः प्र.वा.३न.
४ कुमार्यवस्था
(बैठी) मु. ४५
धान्यादिभावे सम-
र्घता शुक्रो. पू.।

गोचरग्रहाः

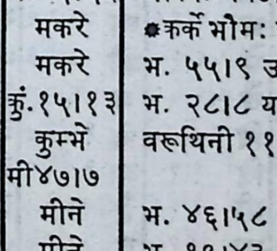

२पं. वै.कृ.१४ मं.इ. ३९/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	११	१०	७	०
६	३	१३	१३	१०	४	२०	६
५०	११	२१	२५	०	२७	५०	४८
४२	४२	२९	१२	२२	३२	१८	४
५८	२९	९१	६/३७	४/३	४	३	५८
३१	३७	५९	ब	ब	४७	११	२९

 *चंबुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३८२ स.१९९३
१	गु	६०	०	अ	२३	१७	प्री	४५	४४	किं	२८	५६	३२/१०	५/३४	६/२६	२२	२	२९	मेषे	रेवत्यां बुधः ४६ मार्गी शुक्रः २५।११
१	शु	०	४४	भ	२८	२	आः	४५	१९	ब	०	४४	१४	३३	२७	२३	३	३०	वृ.४३।५६	चंद्रदर्शनम्
२	श	३	२९	कृ	३१	३६	सौ	४४	४	कौ	३	२९	१७	३३	२७	२४	४	१	वृषे	परशुराम जयंती जिल्काद ११
३	र	५	१	रो	३४	५	शो	४१	४४	ग	५	१	२१	३२	२८	२५	५	२	बृषे	भ. ३५।१६ उ. अक्षय ३
४	चं	५	३१	मृ	३५	५८	अ	३८	५६	वि	५	३१	२५	३१	२९	२६	६	३	मि ५।२	भ. ५।३१ या.
५	मं	४	५८	आ	३६	४	सु	३५	१८	बा	४	५८	२९	३०	३०	२७	७	४	मिथुने	भरण्यां रविः १९।१४(सौरः २१।२५)
६	बु	३	१६	पु	३५	२५	धृ	३०	३२	तै	३	१६	३२	३०	३०	२८	८	५	क.२०।३५	
७	गु	०	३६	पु	३३	४४	शू	२४	५३	व	०	३६	३६	२९	३१	२९	९	६	कर्के	भ. ०।३६ उ. २९।१० या. पातस्पर्शः●
८	गु	५७	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	शु	५१	५०	श्ले	३०	५७	गं	१८	२६	बा	२४	२८	४०	२८	३२	३०	१०	७	सि३०।५७	अश्वि. मेषे बुधः ३५।५४
१०	श	४५	५४	म	२७	१०	वृ	११	५	तै	१८	५२	४३	२७	३३	१	११	८	सिंहे	मई मा. ५ ता. ३१
११	र	३८	५६	पू	२२	१७	ध्रु	५६	५५	व	१२	२५	४७	२७	३३	२	१२	९	कं.३५।५०	भ. १२।२५ उ. ५६ या. मोहिनी ११ व्र
१२	चं	३१	१४	उ	१६	३२	ह	४४	४६	ब	५	५	५१	२६	३४	३	१३	१०	कन्यायां	प्रदोषः ●१०।४४ पातमोक्षः २५।४०
१३	मं	२३	४९	ह	१०	१६	व	३५	१०	तै	२३	४९	५४	२५	३५	४	१४	११	तु.३७।२५	बुधास्तः पूर्वस्याम् २६।३४ नृसिंहजयन्ती
१४	बु	१४	४६	चि	४/११	४/५६	सि	२५	४०	व	१४	४६	५७	२५	३५	५	१५	१२	तुलायां	भ. १४।४६ उ. ४०।४२ या.
१५	शु	६	३७	वि	५३	२२	व्य	१७	०	ब	६	३७	३३	२४	३६	६	१६	१३	वृ.३९।३६	ज्येष्ठा. १ राहुः रोहि. ३ केतुः २८।२४

३पं. वै.शु.५ मं.इ.३९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	५	११	१०	७	०
१३	६	२४	१२	१०	४	२०	१३
३९	२४	४८	४१	२६	९	२८	३६
४३	१४	१८	२४	२४	४	३	२९
५८	३०	८/०	५/४६	१२/०	४	३	५८
१९	५०	९/०	व	मा	१३	११	१२

गोचरग्रहाः

इस मास में मेष की संक्रांति ४५ मुहूर्तों और मीन का शुक्र हरप्रकार के धान्य में मन्दी कारक है।

गोचरग्रहाः

४पं. वै.शु.१३ मं.इ.३९/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	५	११	१०	७	०
२०	९	७	१२	१२	५	२०	२०
२७	४४	४०	५	३५	२३	५	२३
२२	१३	१६	२८	५६	२०	४७	११
५८	३१	२/०	४/३६	२५	३	३	५७
६	५३	८/४०	व	३२	३४	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	५३	९	अ	४९	४२	व	९	५	तै	२६	५१	३३/४	५/२३	६/३७	७	१७	१४	वृश्चिके	भरण्यां बुधः ३१।८
३	श	४९	२९	ज्ये	४७	४०	प	२०	५५	ब	२१	५९	१०	२३	३७	८	१८	१५	ध.४७।४०	भ. २१।५९ उ. ४९।५९ या.
४	र	४८	११	मू	४७	५८	शि	५३	३८	ब	१९	५	१३	२२	३८	९	१९	१६	धनुषि	चतुर्थी व्र.
५	चं	४८	११	पू	४९	५८	सा	५१	५०	कौ	१८	१२	१६	२१	३९	१०	२०	१७	धनुषि	पातस्पर्शः ५७।४९
६	मं	५०	३५	उ	५४	११	शु	५१	३१	ग	१९	२४	१९	२१	३९	११	२१	१८	म. ६।१	भ. ३८ उ कृत्ति. रविः ५ (सौरः २२)●
७	बु	५४	४५	श्र	५९	४२	शु	५२	१४	वि	२२	४०	२२	२०	४०	१२	२२	१९	मकरे	भ. २२।४० या. रेवत्यां शुक्रः ३६।२६
८	गु	६०	०	ध	६०	०	ब्र	५४	११	बा	२७	२९	२५	२०	४०	१३	२३	२०	कु.३२।५८	
८	शु	०	१३	ध	६	१४	ऐं	५६	१७	कौ	०	१३	२८	१९	४१	१४	२४	२१	कुम्भे	वृषेऽर्कः ३३/२४ (सौरः ३९/०) कृत्ति. बुधः ८।७
९	श	६	२	श	१४	१५	वै	५९	५३	ग	६	२	३०	१८	४२	१५	२५	२२	कुम्भे	भ. ३९।१५ उ. वृषे बुधः २१।८
१०	र	१२	२७	पू	२१	५६	वि	६०	०	वि	१२	२७	३३	१८	४२	१६	२६	२३	मी ५।१	भ. १२।२७ या. ●पातमोक्षः १८।४७
११	चं	१८	२९	उ	२९	४	वि	१	११	बा	१८	२९	३६	१७	४३	१७	२७	२४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	मं	२३	५७	रे	३५	४३	प्री	३	११	तै	२३	५७	३९	१७	४३	१८	२८	२५	मे.३५।४३	आश्ले. भौमः २४।३४ प्रदोषः
१३	बु	२८	१०	अ	४०	५९	आ	४	१०	व	२८	१०	४१	१६	४४	१९	२९	२६	मेषे	भ. २८।१० उ. ५९।४१ या.
१४	गु	३१	११	भ	४५	१२	सौ	४	१४	श	३१	११	४३	१६	४४	२०	३०	२७	मेषे	रोहि. बुधः २।३२
३०	शु	३२	५१	कृ	४८	५	शो	३	१६	च	२	[illegible]	४६	१५	४५	२१	३१	२८	बृ.०।५५	वटसावित्री व्र. ([illegible]ट चंन)

५पं.ज्ये.कृ.६मं.इ ३९।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	५	११	१०	७	०
२७	१३	२१	११	१६	५	१९	२७
१३	१२	२३	३६	६	४५	४३	८
३४	४०	५६	११	११	०	३१	२५
५७	३२	८/२	३/३	३५	२	३	५७
५४	४७	१/३१	व	५३	५५	११	४५

गोचरग्रहाः

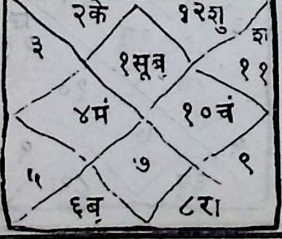

ज्ये. कृ. ८ शुक्रे वृषेऽर्कः प्र वा.४ नं. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे मह घंता शुक्रो पू।

गोचरग्रहाः

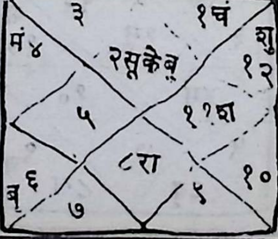

६पं.ज्ये.कृ.१२मं.इ.४०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	११	१०	७	१
३	१६	७	११	२०	६	१९	३
५८	४८	४	१५	३९	२	२१	५२
२६	३६	५	७	०	३८	१६	५
५७	३६	[illegible]	१/३	४३	२	३	५७
४४	[illegible]१	५६	व	५७	१६	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरऽहर्गणः ४१२ स.१९९३
१	श	३३	४९	गो	४९	५२	अ	१/८	५७/१५	किं	३	२०	३३/४६	५/१५	६/४५	२२	१	२९	वृषे	रा. ज्येष्ठारम्भः
२	र	३२	२३	मृ	५०	१६	धृ	५४	५०	बा	३	६	४८	१४	४६	२३	२	३०	मि२०।८	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	३०	३१	आ	५०	८	शू	५०	१७	तै	१	२७	५०	१४	४६	२४	३	१	मिथुने	भ. ५९/१२ उ. रोहि. रविः ५५/५९ जिल्हेज १२*
४	मं	२७	५३	पु	४८	५३	गं	४५	२२	वि	२७	५३	५२	१४	४६	२५	४	२	क.३४।१२	भ. २७।५३ या. रोहि. रविः सौरः ४।१९
५	बु	२४	२९	पु	४७	३९	वृ	३९	५६	बा	२४	२९	५४	१३	४७	२६	५	३	कर्के	मृगे बुधः १७।२०
६	गु	२०	३१	श्ले	४४	४७	ध्रु	३३	५९	तै	२०	३१	५६	१३	४७	२७	६	४	सिं४४।४७	बुधोदयः पश्चिमायाम् २०।२५
७	शु	१६	८	म	४१	१३	व्या	२७	२९	व	१६	८	५८	१२	४८	२८	७	५	सिंहे	भ. १६।८ उ. ४३।३७ या.
८	श	११	५	पू	३८	३८	ह	२०	३४	ब	११	५	३४/०	१२	४८	२९	८	६	कं.५२।४०	मिथुने बुधः ३६।४२ मार्गी गुरुः ४१।४१
९	र	५	३९	उ	३४	४४	व	१३	१५	कौ	५	३९	२	१२	४८	३०	९	७	कन्यायां	अश्वि. मेषे शुक्रः ३३।१३ गंगादशमी
१०	र	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	*ग्रासस्पर्शः ४।१६ मोक्षः ४४।३७
११	चं	५३	१६	ह	३०	३३	सि	३९	५२	व	२६	२५	४	११	४९	३१	१०	८	तु.५८।१७	भ.२६।२५उ. ४३/१६ या. निर्जला११व्र. स्मा.
१२	मं	४६	३७	चि	२६	२	व	४९	५१	ब	१९	५६	६	११	४९	१	११	९	तुलायां	जून मा. ६ ता. ३० निर्जला ११ व्र. वै.
१३	बु	४०	१८	स्वा	२१	४०	प	४२	९	कौ	१३	२७	७	११	४९	२	१२	१०	तुलायां	आर्द्रा. बुधः १८।४५ प्रदोषः
१४	गु	३४	४४	वि	१७	३३	शि	३४	५३	ग	७	३१	९	१०	५०	३	१३	११	वृ.३।३५	भ. ३४।४४ उ.
१५	शु	२९	१३	अ	१३	५५	सि	२८	१८	वि	१	५८	१०	१०	५०	४	१४	१२	वृश्चिके	भ. ५/८ या. गुर्जं.वटसावित्री व्र. ग्रस्तो.चं.ग्र.

७पं.ज्ये.शु.४मं.इ.४०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	५	११	१०	७	१
१०	२०	२२	११	२५	६	१८	१०
४२	२९	१०	२	५९	१५	५९	३४
२५	५६	१	२४	२४	२२	०	१६
५७	३४	८/८	४६	४९	१	३	५७
३५	१८	५२	ब	४९	३७	११	२३

गोचरग्रहाः

वृष राशौ यदा सूर्यं कनकान्न महर्घता। वातंच वहते दीर्घं कार्पासादि विनश्यति ।। धान्य रुई सोना तेज वायु का जोर।

गोचरग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.१२मं.इ. ४१/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	५	०	१०	७	१
१७	२४	५	१०	१	६	१८	१७
२५	१६	३८	५९	५५	२३	३६	१५
८	१	३२	१३	५	२४	४५	२२
५७	३४	०/०	१४	५४	०	३	५७
२७	५८	५	मा	३४	५८	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	२५	२५	ज्ये	१२	३	सा	२२	५३	कौ	२५	२६	३४/१२	५/१०	६/५०	५	१५	१३	ध.१२।३	
२	र	२३	२६	मू	११	३५	शु	१८	४४	ग	२३	२५	१३	९	५१	६	१६	१४	धनुषि	भ. ५३।९ उ.
३	चं	२२	५३	पू	१२	४३	शु	१५	५८	वि	२२	५३	१४	९	५१	७	१७	१५	म.२८।३१	भ. २२।५३ या. मृगे रविः ५०।५५ च. व्र.
४	मं	२४	२२	उ	१५	५५	ब्र	१४	५५	बा	२४	२२	१६	९	५१	८	१८	१६	मकरे	मृगे रविः सौरः ३।८
५	बु	२७	३४	श्र	२०	१०	ऐं	१४	४६	तै	२७	३४	१७	९	५१	९	१९	१७	कुं.५३।२६	
६	गु	३२	४१	ध	२६	४३	वै	१५	५४	ग	०	७	१८	९	५२	१०	२०	१८	कुम्भे	भ. ३२/४१ उ. पुन. बुधः ५९/२८ वक्री शनिः ४५।४
७	शु	३८	१४	श	३३	२६	वि	१७	५२	वि	५	२७	१९	८	५२	११	२१	१९	कुम्भे	भ. ५।२७ या.
८	श	४४	२१	पू	४१	४	प्री	२०	१५	बा	११	१७	२०	८	५२	१२	२२	२०	मी२४।९	मघायां सिंहे भौमः १९।१६
९	र	५०	१५	उ	४९	२	आ	२२	३८	तै	१७	१८	२१	८	५२	१३	२३	२१	मीने	भरण्यां शुक्रः ५७।१७
१०	चं	५५	५६	रे	५५	३२	सौ	२४	४७	व	२३	५	२१	८	५२	१४	२४	२२	मे.५५।३२	भ. २३।५ उ. ५५/५६ या. मिथुनेऽर्कः ४९।३३
११	मं	६०	०	अ	६०	०	शो	२६	१६	ब	२८	४	२२	८	५२	१५	२५	२३	मेषे	मिथुनेऽर्कः सौरः ५/५३ योगिनी ११ व्र. स्मा.
११	बु	०	१३	अ	१	१८	अ	२६	३५	बा	०	१३	२२	८	५२	१६	२६	२४	मेषे	योगिनी ११ व्र. वै.
१२	गु	३	३	भ	५	३६	सु	२५	४६	तै	३	३	२३	७	५३	१७	२७	२५	वृ.२१।१७	प्रदोषः
१३	शु	४	२३	कृ	८	२०	धृ	२३	३८	व	४	२३	२३	७	५३	१८	२८	२६	बृषे	भ. ४।२३ उ. ३४।१० या.
१४	श	३	५६	रो	९	२६	शू	२०	२०	श	३	५६	२३	७	५३	१९	२९	२७	मि३९।१९	कर्के बुधः ५१।५५
३०	र	१	५२	मृ	९	१३	गं	१५	४५	ना	१	५२	२४	७	५३	२०	३०	२८	मिथुने	

९पं.आ.कृ.४मं.इ.४०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	५	०	१०	७	१
२४	२८	१६	११	८	६	१८	२३
७	६	३९	४	१९	२७	१४	५५
१२	१४	५८	१२	१२	११	२९	१८
५७	३५	८६	१	५८	०	३	५७
२२	४३	११	४२	१६	११	११	५४

गोचरग्रहाः

आ. कृ. १० चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र.वा. ४न.४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

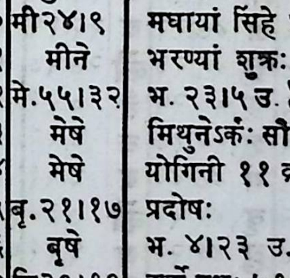

१०पं.आ.कृ.११मं.इ. ४१/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	०	१०	७	२
०	२	२५	११	१५	६	१७	०
४८	०	२५	१८	४	२५	५२	३४
२५	३६	८	४	४४	२३	१३	२७
५७	३६	६०	३	६१	२/०	३	५६
१७	१	२३	८	४	ब	११	५६

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४४२ स.१९९३
१	र	५६	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	५४	२१	आ	७	३७	वृ	१०	२२	बा	२६	२७	३४/२४	५/७	५ ६/३	२१	३०	२९	क.५०।५२	आर्द्रा. रविः ४६ चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	मं	४९	२१	पु	५	१७	ध्रु	४/१५	५४/१६	तै	२१	५१	२४	७	५३	२२	१	१	कर्के	आर्द्रा. रविः सौरः २८/५ रा. आषाढ़ारंभः✽
४	बु	४४	२	पु	२/८	५६/३५	ह	५०	२९	व	१६	४१	२४	७	५३	२३	२	२	सिं५८।४३	भ. १६।४१ उ. ४४।२ या.
५	गु	३८	३४	म	५५	१४	व	४३	३८	ब	११	१८	२४	७	५३	२४	३	३	सिंहे	✽मोहोरम १ सन् १४१४ हि.
६	शु	३३	१	पू	५१	३७	सि	३६	४०	कौ	५	४७	२३	७	५३	२५	४	४	सिंहे	
७	श	२७	२९	उ	४८	१३	व्य	२२	२९	ग	०	१५	२३	७	५३	२६	५	५	कं.५।४६	भ. २७/२९ उ. ५४/५३ या. पुष्ये बुधः ३१।०
८	र	२२	१६	ह	४४	५६	व	२२	३८	ब	२२	१६	२३	७	५३	२७	६	६	कन्यायां	कृत्ति. शुक्रः ८।६
९	चं	१७	२	चि	४१	४९	प	१५	४०	कौ	१७	२	२२	८	५२	२८	७	७	तु.१३।२२	
१०	मं	१२	१	स्वा	३८	५२	शि	८	१०	ग	१२	१	२२	८	५२	२९	८	८	तुलायां	भ. ३९।४३ उ. वक्री बुधः ३८।३१
११	बु	७	२५	वि	३६	२८	सि	४१/२	५४/७	वि	७	२५	२१	८	५२	३०	९	९	वृ.२२।४	भ. २५/७ या. बृषे शुक्रः ३१/७२ देवशयनी ११ व्र
१२	गु	३	१३	अ	३४	२५	शु	५१	२८	बा	३	१३	२०	८	५२	१	१०	१०	वृश्चिके	**जुलाई मा. ७ ता. ३१** प्रदोषः
१३	गु	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु	५७	१७	ज्ये	३३	८	शु	४६	३५	ग	२८	२८	१९	८	५२	२	११	११	ध.३३।८	भ. ५७।१७ उ.
१५	श	५५	४०	मू	३३	१६	ब्र	४२	४७	वि	२६	२९	१८	८	५२	३	१२	१२	धनुषि	भ. २६।२९ या. व्यास १५ वायु परीक्षा

११पं.आ.शु.३मं.इ.४०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	०	१०	७	२
७	५	१	११	२२	६	१७	७
२९	५९	२४	४०	७	१९	२९	१२
२४	२४	७	१२	१२	२३	५८	५४
५७	३६	३०	४	६३	१०	३	५६
१३	२६	७	१६	२०	ब	११	५४

गोचरग्रहाः

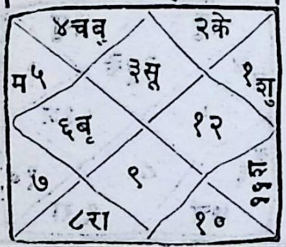

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं वर्षा की कमी वायु अधिक चले धान्यादिमें तेजी सुदी में कहीं २ वर्षा हो।

गोचरग्रहाः

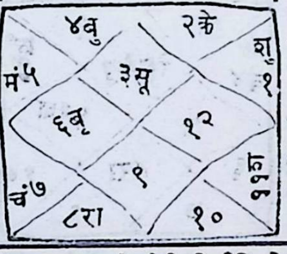

१२पं.आ.शु.१०मं.इ.४०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	०	१०	७	२
१४	१०	४	१२	२९	६	१७	१३
९	१	६	१०	२४	२	७	५०
५०	१६	४७	२३	४७	८	४२	५९
५७	३६	०/७	५	६५	१/५०	३	५६
७	५९	ब	३२	२	ब	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५५	४२	पू	३४	५३	ऐं	४०	४	बा	२५	४१	३४/१७	५/९	५ ६/१	४	१३	१३	म.५०।२५	
२	चं	५७	९	उ	३७	०	वै	३८	४१	तै	२६	२५	४५	९	५१	५	१४	१४	मकरे	पुन. रविः ४७।२१ पूफा. भौमः २३।४६
३	मं	६०	०	श्र	४१	२५	वि	३८	७	व	२८	३६	१४	९	५१	६	१५	१५	मकरे	भ. २८।३६ उ. पुन. रविः सौरः ९।२९×
३	बु	०	४	ध	४६	५५	प्री	३८	४६	वि	०	४	१३	९	५१	७	१६	१६	कुं.१४।१०	भ. ०।४ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	४	४३	श	५३	२६	आ	४०	१९	बा	४	४३	११	१०	५०	८	१७	१७	कुम्भे	वक्री पुन बुधः २२।४० अनु. ४ राहुः✽
५	शु	९	४५	पू	६०	०	सौ	४२	३२	तै	९	४५	१०	१०	५०	९	१८	१८	मी४४।०	रोहि. शुक्रः २८।२७ नाग ५ मरुस्थले
६	श	१६	३	पू	०	५१	शो	४५	२४	व	१६	३	८	१०	५०	१०	१९	१९	मीने	भ. १६।३ उ. ४९।११ या.
७	र	२२	१९	उ	८	२६	अ	४७	२२	ब	२२	१९	७	११	४९	११	२०	२०	मीने	×बुधास्तः पश्चिमायाम् १९।०
८	चं	२७	५७	रे	१५	१८	सु	४९	२३	कौ	२७	५७	५	११	४९	१२	२१	२१	मे.१५।१८	✽रोहि. २ केतुः २२।४३
९	मं	३२	४६	अ	२१	५३	धृ	५०	२५	तै	०	२१	४	११	४९	१३	२२	२२	मेषे	वक्री मिथुने बुधः ११।४५
१०	बु	३५	५८	भ	२७	१६	शू	५०	१७	व	४	२२	२	१२	४८	१४	२३	२३	वृ.४३।१२	भ. ४।२२ उ. ३५।५८ या.
११	गु	३७	४३	कृ	३०	५९	गं	४८	४३	ब	६	५१	०	१२	४८	१५	२४	२४	बृषे	हस्ते २ गुरुः २१।६ कामिका ११ व्र.
१२	शु	३७	१७	रो	३२	३२	वृ	४५	५१	कौ	७	३०	३३/५८	१२	४८	१६	२५	२५	बृषे	कर्केऽर्कः १६।४५ (सौरः ४२।१३)
१३	श	३५	५	मृ	३२	१८	ध्रु	४१	२२	ग	६	११	५६	१३	४७	१७	२६	२६	मि२।२५	भ. ३५।५ उ. प्रदोषः
१४	र	३०	५६	आ	३०	२२	व्या	३५	३४	वि	३	०	५४	१३	४७	१८	२७	२७	मिथुने	भ. ३।० या.
३०	चं	२५	१५	पु	२६	५८	ह	२८	३४	ना	२५	१५	५२	१४	४६	१९	२८	२८	क.१२।४९	पुष्ये रविः ४६।२ सोमवती हरियाली ३०

१३पं.श्रा.कृ.३मं.इ.४०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	५	१	१०	७	२
२०	१४	३	१२	६	५	१६	२०
५०	२७	२०	४८	५३	५२	४५	२८
१०	७	४६	२२	६	३४	२७	५३
५७	३७	२६/५३	६	६६	२/२१	३	५६
७	२०	ब	२९	३४	ब	११	५०

गोचरग्रहाः

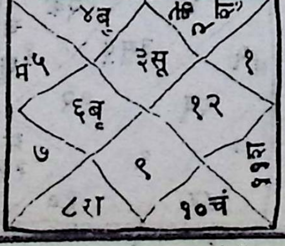

श्रा. कृ. १२ शुक्रे कर्केऽर्कः प्र. वा. ५न.५ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो.पू.।

गोचरग्रहाः

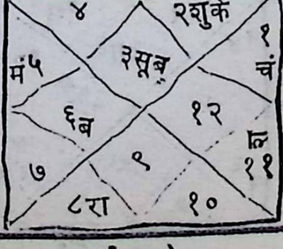

१४पं.श्रा.कृ.९मं.इ.३९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	१	१०	७	२
२७	१८	२९	१३	१४	५	१६	२७
३०	१६	४१	३३	३०	३३	२३	७
३२	५९	२४	४	२२	११	११	०
५७	३७	३९/४१	७	६७	३/८	३	५६
११	४९	ब	२७	४७	ब	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४७१ सन् १९९३
१	मं	१८	५०	शु	२२	४०	व	२०	३७	ब	१८	५०	३३/५०	५/१४	६/४६	२८	२९	२९	कर्के	पुष्ये रविः सोरः १२।५४
२	बु	१२	९	श्ले	१७	१०	सि	१२	१४	कौ	१२	७	४७	१५	४५	२१	३०	३०	सिं१७।१०	चन्द्रदर्शनम् मृगे शुक्रः ३३।५३ सिंघारा
३	गु	४	३५	म	१२	८	व्य	४ ३/३	५१/११	ग	४	३५	४५	१५	४५	२२	३१	१	सिंहे	भ. ३/५ ०/३ उ. ५/१ ७/१ या. तीज वरद ४ सफर २
४	गु	५२	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	शु	५०	३४	पू	६	५८	प	४६	४८	ब	२३	५२	४२	१६	४४	२३	१	२	कं.२०।४७	रा. श्रावणारम्भः नागपंचमी
६	श	४४	२३	उ	१ २/७	५६/२६	शि	३९	१५	कौ	१७	२८	४०	१६	४४	२४	२	३	कन्यायां	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४१।२१
७	र	३८	४७	चि	५४	५८	सि	३१	५५	ग	११	३५	३७	१७	४३	२५	३	४	तु.२६।५०	भ. ३८।४७ उ.
८	चं	३४	८	स्वा	५२	२८	सा	२५	१८	वि	६	२७	३५	१७	४३	२६	४	५	तुलायां	भ. ६।२७ या.
९	मं	३०	१६	वि	५०	३२	शु	१९	२२	बा	२	१२	३२	१८	४२	२७	५	६	वृ.२६।११	उफा.भौमः ३१।४५ मिथुने शुक्रः २९।१४
१०	बु	२७	१९	अ	४८	५१	शु	१४	२०	ग	२७	१९	२९	१८	४२	२८	६	७	वृश्चिके	भ. ५६।१५ उ. मार्गी बुधः ५६।५४
११	गु	२५	११	ज्ये	४९	३९	ब्र	९	४४	वि	२५	११	२६	१९	४१	२९	७	८	ध.४९।३९	भ. २५।११ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	शु	२३	५५	मू	५०	४२	ऐं	५	५९	बा	२३	५५	२४	१९	४१	३०	८	९	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	२३	५४	पू	५२	५२	वै	३	२	तै	२३	५४	२१	२०	४०	३१	९	१०	धनुषि	×शुक्रः ३/३ १/२ श्रावणी कर्म रक्षाबंधनं
१४	र	२४	४३	उ	५६	२	वि	०	५८	व	२४	४३	१८	२०	४०	१	१०	११	म.८।३९	भ. ३/४ ४/३ उ ५/५ ५/६ या. अगस्त मः. ८ ता. ३१
१५	चं	२७	८	श्र	६०	०	प्री	०/१	५९/३२	ब	२७	८	१५	२१	३९	२	११	१२	मकरे	आश्ले. रविः ४/३ कन्यायां भौमः १/८ आर्द्रा.×

१५पं.श्रा.शु.१मं.इ.३९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	१	१०	७	३
४	१२	२५	१४	२२	५	१६	३
११	२९	२९	२४	१७	१०	०	४५
१७	२८	२	१८	५३	४४	५५	२७
५७	३८	३९/३२	८	६८	४ ३/६	३	५६
१५	५	ब	३१	५०	ब	११	५७

गोचरग्रहाः

श्रा.में कर्कसंक्रांति ४५ मुहूर्ती धान्यादि में मन्दी और श्रेष्ठ वर्षा कारक है। श्रावणे कर्क संक्रांतौ जाते मेघ महोदयः।

गोचरग्रहाः

१६पं.श्रा.शु.९मं.इ.३९।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	२	१०	७	३
१०	२६	२४	१५	०	४	१५	१०
५२	४५	२३	२०	१२	४४	३८	२४
१९	०	३५	५३	०	२८	४०	४४
५७	३८	१२/५६	९	६९	४/१	३	५७
२०	२७	ब	१९	३८	ब	११	५

ति.	प्र. भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	३०	३२	श्र	०	३१	सौ	६०	०	कौ	३०	३२	३३/१२	५/२२	६/३८	३	१२	१३	कु.२३।२४	आश्ले. रविः सौरः १३।४१
२	बु	३५	२१	ध	६	१८	सौ	०	१०	तै	२	५६	९	२२	३८	४	१३	१४	कुम्भे	
३	गु	४१	२६	श	१२	१७	शो	१	३७	व	८	२३	६	२३	३७	५	१४	१५	कुम्भे	भ.८।२३उ.४/२ १/६ या. कर्के बुधः ३/३ ४/२ हस्ते ३*
४	शु	४६	३४	पू	१९	२४	अ	३	२२	ब	१४	०	३	२३	३७	६	१५	१६	मी२।३७	चतुर्थी व्र. *गुरुः १६।२९
५	श	५२	४४	उ	२६	५८	सु	५	५५	कौ	१९	३९	०	२४	३६	७	१६	१७	मीने	÷५४।३३ कुशाग्रहणी मन्वादिः
६	र	५८	५४	रे	३४	४१	धृ	८	२५	ग	२५	५४	३२/५६	२५	३५	८	१७	१८	मे.३४।४१	भ.५८।५४उ. पुष्ये बुधः २/२ ७/३ चन्द्रषष्ठी
७	चं	६०	०	अ	४१	४३	शू	१०	४६	वि	३१	३३	५३	२५	३५	९	१८	१९	मेषे	भ. ३१।३३ या.
७	मं	४	१२	भ	४७	४६	गं	१२	३८	ब	४	१२	५०	२६	३४	१०	१९	२०	मेषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	बु	८	२६	कृ	५२	३८	वृ	१३	२१	कौ	८	२६	४७	२७	३३	११	२०	२१	वृ.३।५९	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	गु	१०	५५	रो	५५	२५	ध्रु	१३	३	ग	१०	५५	४३	२७	३३	१२	२१	२२	वृषे	भ. ४१।१० उ. गोगा ९
१०	शु	११	२६	मृ	५६	२८	व्या	१२	१२	वि	११	२६	४०	२८	३२	१३	२२	२३	मि२५।५६	भ. ११।२६ या. पुन. शुक्रः ४७।१५
११	श	९	५६	आ	५५	३२	ह	७	३७	बा	९	५६	३६	२९	३१	१४	२३	२४	मिथुने	अजा ११ व्र. +बुधास्तः पूर्वस्याम् ३/५ ५/३
१२	र	६	२३	पु	५२	३६	व	३ २/७	५३/२६	तै	६	२३	३३	२९	३१	१५	२४	२५	क.३८।२०	प्रदोषः वत्स १२
१३	चं	२	४	पु	४७	५५	व्य	४८	४	व	१	४	२९	३०	३०	१६	२५	२६	कर्के	भ.१।४उ ३/३ ७/० या. मघा. सिंहेऽर्कः ३६।५८×
१४	चं	५२	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×आश्ले बुधः १/९ ७/३ वक्री धनि.३ शनिः ३/३ ८/९+
३०	मं	४५	४९	श्ले	४२	६	व	३८	५६	च	१९	५७	२६	३१	२९	१७	२६	२७	सिं४२।६	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः १०।८ हस्ते भौमः÷

१७पं.प्र.भा.कृ.१मं.इ. ३९/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	५	२	१०	७	३
१७	१	२८	१६	८	४	१५	१७
३४	३	१९	२३	११	१५	१६	४
१	३६	३७	५६	२८	५४	३४	३२
५७	३८	५७/१९	९	७०	४/१६	३	५७
२५	४८	मा	५६	२६	ब	११	५२

१८पं.प्र.भा.कृ.७मं.इ. ३९/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	२	१०	७	३
२४	५	६	१७	१६	३	१४	२३
१६	२५	५१	३१	१७	४५	५४	४५
२६	१६	२९	२३	२०	३२	९	३९
५७	३९	९६	१०	७१	४/३४	३	५७
२३	१२	११	४१	५	ब	११	२२

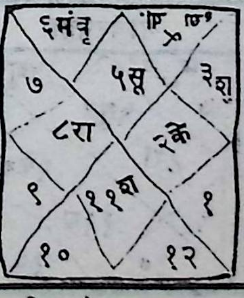

१९पं.प्र.भा.कृ.३०मं.इ. ३९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	५	२	१०	७	४
०	९	१९	१८	२४	३	१४	०
५९	४९	०	४३	२७	१४	३१	२८
४९	५२	११	२३	१८	३१	५३	५२
५७	३९	[illegible]	११	७१	४/४०	३	५७
४०	२९	[illegible]	१७	३२	ब	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणेऽर्हगणः ५०० स.१९९३
१	बु	३६	५९	म	३५	२४	प	२९	१७	किं	११	२४	३२/२२	५/३२	६/२८	१८	२७	२८	सिंहे	अधिकमास प्रारंभः
२	गु	२७	५४	पू	२८	३२	शि	१९	१५	बा	२	२६	१९	३०	२८	१९	२८	२९	कं.४१।५०	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	१९	२०	उ	२१	४६	सि	९/२३	५९/१३	ग	१९	२०	१५	३३	२७	२०	२९	१	कन्यायां	भ. ४५।२३ उ. रविलावल ३
४	श	११	२६	ह	१५	४७	शु	५०	४१	वि	११	२६	११	३४	२६	२१	३०	२	तु.४३।४३	भ. ११।२६ या.
५	र	४	१६	चि	११	३८	शु	४२	५२	बा	४	१६	७	३४	२६	२२	३१	३	तुलायां	कर्के शुक्रः २३।४८
६	र	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५३	५०	स्वा	७	११	ब्र	३५	५०	ग	२६	८	४	३५	२५	२३	१	४	बृ.४९।५९	भ.५३।५०उ. मघा. सिंहे बुधः १२।१०●
८	मं	५०	५२	वि	४	१४	ऐं	३०	५	वि	२२	१२	०	३६	२४	२४	२	५	बृश्चिके	भ. २२।२१ या. हस्ते ४ गुरुः ४३।८
९	बु	४९	१०	अ	३	७	वै	२५	२१	बा	२०	१	३१/५६	३७	२३	२५	३	६	वृश्चिके	पुष्ये शुक्रः १०।२२ ●रा. भाद्रपदारंभः
१०	गु	४८	४४	ज्ये	३	१९	वि	२१	४६	तै	१८	५७	५२	३८	२२	२६	४	७	ध.३।१९	
११	शु	४९	४७	मू	४	५१	प्री	१९	२०	व	१९	१५	४८	३८	२२	२७	५	८	धनुषि	भ.१९।१५उ.४९।४७या. कमला ११ व्र.
१२	श	५१	४४	पू	७	५०	आ	१७	४९	व	२०	४६	४४	३९	२१	२८	६	९	म.२३।४७	
१३	र	५५	८	उ	११	३८	सौ	१७	३	कौ	२३	२६	४०	४०	२०	२९	७	१०	मकरे	पूफा. बुधः ५२।१४ प्रदोषः
१४	चं	५९	१९	श्र	१६	२९	शो	१७	३३	ग	२७	१३	३६	४१	१९	३०	८	११	कुं.४९।२८	भ. ५९।१९ उ. पूफा. रविः २६।३५
१५	मं	६०	०	ध	२२	२७	अ	१८	१०	वि	३१	५७	३२	४२	१८	३१	९	१२	कुंभे	भ. ३१।५७ या. पूफा. रविः सौरः १।०
१५	बु	४	३५	श	२९	१	सु	१९	५३	ब	४	३५	२८	४२	१८	१	१०	१३	कुम्भे	सितम्बर मा. ९ ता. ३१

२०पं.प्र.भा.शु.८मं.इ.३/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	३	१०	७	४
७	१४	२	१९	२	२	१४	७
४४	१७	५१	५९	४२	४२	९	११
१७	४२	५३	१०	११	२२	३७	२३
५७	३९	९/०	११	७१	४	३	५७
४९	३८	८/४०	५४	५९	४०	११	४५

गोचरग्रहाः

प्र.भा.कृ.१३चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. वा.४ न.५ वंध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

२१पं.प्र.भा.शु.१५मं.इ.३/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	३	१०	७	४
१४	१८	१६	२१	११	२	१३	१३
२९	४७	४६	१८	१	११	४७	५६
५६	५३	५	१८	२३	२०	२२	३५
५८	३९	९/०	१२	७२	४/२८	३	५७
१	५९	८/५८	१९	२०	व	११	५७

ति.	द्वि.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृर्तू रविर्दक्षिणे प्र.भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	९	५९	पू	३६	५	धृ	२१	४०	कौ	९	५९	३९/२५	५/४३	६/१७	२	११	१४	मी१९।१९	
२	शु	१६	११	उ	४२	३१	शू	२४	१	ग	१६	११	२१	४४	१६	३	१२	१५	मीने	भ. ४९।१५ उ.
३	श	२२	२०	रे	५१	१०	गं	२६	२३	वि	२२	२०	१७	४५	१५	४	१३	१६	मे.५१।१०	भ. २२।२० या. चतुर्थी व्र.
४	र	२८	३१	अ	५८	३४	वृ	२९	२	बा	२८	३१	१३	४५	१५	५	१४	१७	मेषे	उफा. बुधः ५७।४४ आश्ले. शुक्रः २३।२५
५	चं	३४	७	भ	६०	०	ध्रु	३१	३	कौ	१	१९	९	४६	१४	६	१५	१८	मेषे	●कन्यायां बुधः ४९।१८
६	मं	३८	५०	भ	५	१५	व्या	३२	२८	ग	६	२८	५	४७	१३	७	१६	१९	वृ.२१।४१	भ. ३८।५० उ. चित्रा. भौमः ३६।१३✱
७	बु	४२	९	कृ	११	४	ह	३३	१	वि	१०	२९	१	४८	१२	८	१७	२०	बृषे	भ. १०।२९ या.
८	गु	४३	५२	रो	१५	१४	व	३२	२९	बा	१३	०	३०/५७	४९	११	९	१८	२१	मि४६।३९	अनु. ३ राहुः रोहि. १ केतुः १४।४९
९	शु	४३	३७	मृ	१८	४	सि	३०	२०	तै	१३	४४	५३	४९	११	१०	१९	२२	मिथुने	चित्रायां १ गुरुः ४५।३०
१०	श	४१	४१	आ	१८	३५	व्य	२६	४३	व	१२	३९	४८	५०	१०	११	२०	२३	मिथुने	भ. १२।३९ उ. ४१।४१ या.
११	र	३७	३८	पु	१७	१३	व	२१	३८	ब	९	३९	४४	५१	९	१२	२१	२४	क.२।३४	कमला ११ व्र.
१२	चं	३१	३०	पु	१३	५७	प	१४	४९	कौ	४	३४	४०	५२	८	१३	२२	२५	कर्के	उफा. रविः १०/५५ (रविः ४५/३८) हस्तेबुधः ४०/४९ ×
१३	मं	२३	५६	श्ले	९	०	शि	६/३५	५०/३८	व	२३	५६	३६	५३	७	१४	२३	२६	सिं ९।०	भ. २३।५६ उ. ४९।२८ या. प्रदोषः
१४	बु	१४	५९	म	२/४	५२/४१	सा	४६	५४	श	१४	५९	३२	५४	६	१५	२४	२७	सिंहे	●बुधोदयः पश्चिमायाम् ५३।१४
३०	गु	५	२०	उ	४७	४०	शु	३६	१५	ना	५	२०	२८	५४	६	१६	२५	२८	कं.८।२८	कन्यायामर्कः ३६/१६ मघायां सिंहे शुक्रः २५/२५

२२पं.द्वि.भा.कृ.६मं.इ.३८/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	३	१०	७	४
२१	२३	२९	२२	१९	१	१३	२०
१६	२१	४०	४०	२३	४१	२५	४३
५५	४०	३०	३७	५३	५३	६	१५
५८	४०	०/०	१२	७२	४/१०	३	५८
१३	२१	८/४१	३९	४१	व	११	१२

गोचरग्रहाः

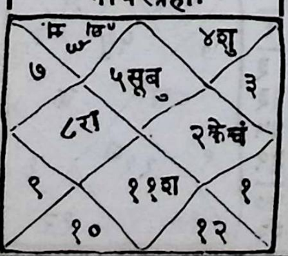

द्वि.भा.कृ. ३० गुरौ कन्यायामर्कः प्र.वा. ४नं.५बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

२३पं.द्वि.भा.कृ.१३मं.इ.३८/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	३	१०	७	४
२८	२७	११	२४	२७	१	१३	२७
५	५७	३८	५	५०	५४	२	३१
२४	४७	५३	३१	१	२०	५१	३६
५८	४०	७/०	१२	७२	५/३	३	५८
२६	३८	८/४६	५	५६	व	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५३० स.१९९३
१	गु	५०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४५	५०	ह	३९	५२	शु	२५	१३	बा	२०	५५	३०/२४	५/५५	६/५	१७	२६	२९	कन्यायां	कन्यायामर्कः सौरः ५९ चन्द्रद. तुलायां•
३	श	३६	५६	चि	३२	५८	ब्र	१४	४६	तै	११	२३	२०	५६	४	१८	२७	१	तु.६।२५	हरितालिका३ रविलास्वर४ •भौमः ३४/१
४	र	२९	१९	स्वा	२६	४४	ऐं	४/३	५१/२	व	३	७	१६	५७	३	१९	२८	२	तुलायां	भ. ३।७ उ. २९।१९ या. गणेश चतुर्थी
५	चं	२३	९	वि	२२	२२	वि	४८	१९	बा	२३	७	१२	५८	२	२०	२९	३	वृ.८।२८	ऋषिपंचमी ×जलझूलनी ११ व्र.
६	मं	१८	५०	अ	१९	३४	प्री	४२	१६	तै	१८	५०	८	५८	२	२१	३०	४	वृश्चिके	चित्रायां बुधः ५९।३०
७	बु	१६	११	ज्ये	१८	२७	आ	३७	३४	व	१६	११	४	५९	१	२२	३१	५	ध.१८।२७	भ. १६।११ उ. ४५।५३ या.
८	गु	१५	३४	मू	१९	१४	सौ	३४	१७	ब	१५	३४	३०/००	६/००	६/००	२३	१	६	धनुषि	रा. आश्विनारंभः
९	शु	१६	४७	पू	२१	५५	शो	३२	३४	कौ	१६	४७	२५/५५	६/१	५/५९	२४	२	७	म.३७।५३	+चित्रा.२गुरुः ५/६ पूफा.शुक्रः २३/१ वामनज
१०	श	१९	११	उ	२५	४९	अ	३१	५५	ग	१९	११	५१	२	५८	२५	३	८	मकरे	भ. ५१।१३ उ. मेला रामदेवजी नवलदुर्गो
११	र	२३	१५	श्र	३१	७	सु	३२	४४	वि	२३	१५	४७	३	५७	२६	४	९	मकरे	भ.२३/१५या. हस्ते रविः ४९/२२ तुलायांबुधः ३०/५×
१२	चं	२८	७	ध	३७	१६	धृ	३३	३७	बा	२८	७	४३	३	५७	२७	५	१०	कु.४।११	हस्ते रविः सौरः २३/१९ स्वात्यां भौमः ४३/०+
१३	मं	३४	२	श	४४	२०	शू	३५	२७	कौ	१	४	३८	४	५६	२८	६	११	कुम्भे	प्रदोषः
१४	बु	३९	४४	पू	५१	२८	गं	३७	२५	ग	६	५३	३४	५	५५	२९	७	१२	मी३४।४१	भ. ३९।४४ उ. अनन्त १४
१५	शु	४६	९	उ	५३	२	वृ	३९	५२	वि	१२	५६	३०	६	५४	३०	८	१३	मीने	भ. १२।५६ या. महालयश्राद्धारंभः

२४पं.द्वि.भा.शु.६मं.इ. ३८/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	५	४	१०	७	५
४	२	२२	२५	६	०	१२	४
५५	३६	४६	३२	१९	४९	४०	२१
१९	५४	३४	१७	३१	८	३५	४३
५८	४०	९४	१३	७३	२९	३	५८
३८	४८	५८	२०	१४	व	११	४५

गोचरग्रहाः

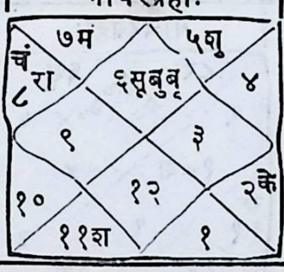

अधिक मास फल
द्विभाद्रे क्षेममारोग्यं सस्यनिष्पत्तिरुत्तमा । बहुक्षीरघृतागावो वृष्टिः कार्तिक संमिता ।।

गोचरग्रहाः

२५पं.द्वि.भा.शु.१३मं.इ. ३८/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	४	१०	७	५
११	७	३	२७	१४	०	१२	११
४६	१८	३	०	५२	२८	१८	१३
५५	१०	५४	४७	५	५	१९	४५
५८	४१	८६	१२	७३	४३	३	५९
५३	१५	५	२६	२६	व	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												वि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५२	१६	रे	६०	०	ध्रु	४२	२	बा	१९	१२	२६/२६	६/७	५/५३	१	९	१४	मीने	स्वात्यां बुधः ८।५४ अक्टूबर १० ता. ३१
२	श	५८	२१	रे	६	२३	व्या	४४	१९	तै	२५	१९	२२	८	५२	२	१०	१५	मे.६।२३	
३	र	६०	०	अ	१३	४४	ह	४६	१०	व	३१	१	१८	८	५२	३	११	१६	मेषे	भ. ३१।१ उ.
३	चं	३	४१	भ	२०	१४	व	४७	३९	वि	३	४१	१४	९	५०	४	१२	१७	वृ.३६।४४	भ.४३/१या. अस्तं गुरोः २४।३६ चतुर्थी व्र.
४	मं	८	१६	कृ	२६	१४	सि	४८	२३	बा	८	१६	१०	१०	५१	५	१३	१८	वृषे	•कन्यायां शुक्रः ५६।२१
५	बु	११	५५	रो	३१	१	व्य	४८	२१	तै	११	५५	६	११	४९	६	१४	१९	वृषे	
६	गु	१४	२०	मृ	३४	११	व	४७	१०	व	१४	२०	२	१२	४८	७	१५	२०	मि२।५४	भ. १४।२० उ. ४४।४६ या.
७	शु	१५	१२	आ	३६	५०	प	४४	४९	ब	१५	१२	२६/५८	१२	४८	८	१६	२१	मिथुने	उफा. शुक्रः १४।३७
८	श	१४	३४	पु	३७	२६	शि	४१	१७	कौ	१४	३४	५४	१३	४७	९	१७	२२	क.२२।१७	
९	र	१२	८	पु	३६	१६	सि	३६	८	ग	१२	८	५०	१४	४६	१०	१८	२३	कर्के	भ.३९/५५उ. चित्रा. रविः २३/३३ (सौरः ५३/५५)•
१०	चं	७	४३	श्ले	३३	१७	सा	३०	३७	वि	७	४३	४६	१५	४५	११	१९	२४	सि३३।१७	भ.४७/३ या. वक्री धनि. २ मकरे शनिः ३१/३०
११	मं	१	४५	म	२८	४०	शु	२१	४८	बा	१	४५	४२	१५	४५	१२	२०	२५	सिंहे	विशा.बुधः ५१/८ चित्रा.३गुरुः इन्दिरा११व्र.
१२	मं	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	बु	४५	४३	पू	२२	३०	शु	१२	४७	ग	२०	१	३८	१६	४४	१३	२१	२६	कं.३५।५४	भ. ४५।४३ उ. प्रदोषः
१४	गु	३६	१०	उ	१६	६	ब्र	५२/६	४९/२२	वि	१०	५६	३४	१७	४३	१४	२२	२७	कन्यायां	भ. १०।५६ या. शस्त्रादिहतानां श्राद्धं
३०	शु	२६	२०	ह	८	२९	वै	४१	१०	च	१	१५	३०	१८	४२	१५	२३	२८	तु.३४।१९	सर्वपितृश्राद्धम्

२६पं.आ.कृ.४मं.इ.३८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	४	१०	७	५
१८	१२	१२	२८	२३	०	११	१८
४०	४	२६	३०	२७	१०	५६	७
८	३४	३८	५४	४३	३४	४	३२
५९	४१	७४	१३	७३	१०	३	५९
९	२२	४७	३२	४१	व	११	१६

गोचरग्रहाः

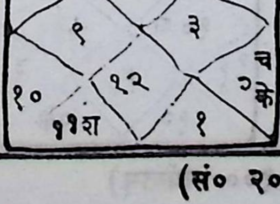

इस मासका फल मध्यम है। सुदी में चार ग्रहों का योग वर्षाकिरेतथा कहीं युद्धादि उपद्रव हो। बाजारमें घटाबढ़ी अधिक हो.

गोचरग्रहाः

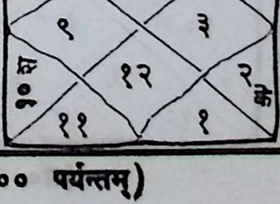

२७पं.आ.कृ.११मं.इ. ३७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	६	५	९	७	५
२५	१६	२०	०	२	२९	११	२५
३५	५३	३५	१	४	५६	३३	३
६	१०	२०	५७	४९	२४	४८	१४
५९	४१	५८	१३	७३	३५	३	५९
२१	४२	५९	३८	५०	व	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	श	१६	४६	चि	०/१०	५२/४२	वि	३०	४	ब	१६	४६	२८/२६	६/१९	५/४१	१६	२४	२९	तुलायां
२	र	७	४६	वि	४६	२७	प्री	२०	०	कौ	७	४६	२२	२०	४०	१७	२५	३०	वृ.३३।३
३	चं	०	८	अ	४१	५२	आ	१०	५२	ग	०	८	१८	२०	४०	१८	२६	१	वृश्चिके
४	चं	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	मं	५०	११	ज्ये	३८	३५	सौ	३/३७	५२/३५	ब	२२	१०	१४	२१	३९	१९	२७	२	ध.३८।३५
६	बु	४८	१०	मू	३८	१९	अ	५१	२८	कौ	१९	१०	१०	२२	३८	२०	२८	३	धनुषि
७	गु	४८	३२	पू	३८	३९	सु	४८	१९	ग	१८	२१	६	२३	३७	२१	२९	४	म.५४।२३
८	शु	५०	३२	उ	४१	३४	धृ	४६	४०	वि	१९	३२	२	२४	३६	२२	३०	५	मकरे
९	श	५४	२५	श्र	४६	२५	शू	४६	५१	बा	२२	२८	३७/५८	२४	३६	२३	१	६	मकरे
१०	र	५९	३२	ध	५२	३१	गं	४७	२९	तै	२६	५८	५४	२५	३५	२४	२	७	कु.१९।२८
११	चं	६०	०	श	५९	४३	वृ	४९	२१	व	३२	३८	५०	२६	३४	२५	३	८	कुम्भे
११	मं	५	४५	पू	६०	०	ध्रु	५१	३१	वि	५	४५	४६	२७	३३	२६	४	९	मी५०।१५
१२	बु	११	५१	पू	७	५	व्या	५३	५०	बा	११	५१	४२	२८	३२	२७	५	१०	मीने
१३	गु	१८	२७	उ	१४	४३	ह	५६	१	तै	१८	२७	३९	२८	३२	२८	६	११	मीने
१४	शु	२४	२८	रे	२२	१३	व	५८	७	व	२४	२८	३५	२९	३१	२९	७	१२	मे.२२।१३
१५	श	२९	४६	अ	२९	९	सि	५९	५७	ब	२९	४६	३१	३०	३०	३०	८	१३	मेषे

शरदतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५९ स.१९९३

मातामहश्रा. नवरात्रारम्भः
तुलायामर्कः ५/९ (सौरः ३६/३८) चन्द्रदर्शनम्✱
भ. २७।९ उ. ५४।१० जमा।दिलावल ५
✱विशा.भौमः ९/२१ ×सरस्वती विसर्ज.
हस्ते शुक्रः ०।५७ +विजया १०
सरस्वत्यावाहनं =भौमः४।५० प्रदोष.
भ. ४८।३२ उ. सरस्वती पूजनम्
भ. १९।३२ या. बलिदानं
स्वात्यां रविः ४७।११ रा.कार्तिकारम्भः×
स्वात्यां रविः सौरः ३७/३६ वक्री बुधः५१।७+
भ. ३२।३८ उ. पापांकुशा ११ व्र. स्मा.
भ. ५।४५ या. पापांकुशा ११ व्र. वै.
चित्रा. ४ गुरुः ४६/५ मार्गी शनिः ५०/५८ अस्तो=
÷शरद् १५ स्मा. कोजागरी व्र.
भ. २४/२८ उ.५७।७या. चित्रा.शुक्रः१५।२८÷
उदयं गुरोः ३४।४८ शरद्१५ वै. उ.गु

२८पं.आ.शु.५मं.इ.३७।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	५	९	७	६
२	२१	२६	१	१०	२९	११	२
३१	४३	४०	३३	४५	४८	११	०
३४	४८	३७	४	१८	४३	३३	४२
५९	४१	३४	१३	७३	४९	३	५९
३४	५८	३१	३८	५२	ब	११	४६

गोचरग्रहाः

आ. शु. २ रवौ तुलायामर्कः प्र.वा.४ न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रो. पू. ।

गोचरग्रहाः

२९पं.आ.शु.११मं.इ. ३७/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	५	९	७	६
९	२६	२८	३	१९	२९	१०	९
२९	३७	५०	४	२८	४५	४९	०
४९	४८	२८	२६	१२	१८	१७	२
५९	४२	११/४३	१३	७४	०/८	३	६०
४७	१३	ब	३८	१	ब	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः
१	र	३५	७	भ	३५	२९	व्य	६०	०	बा	२	२६	२७/२७	६/३१	५/२९	३१	९	१४	वृ.५१।५२
२	चं	३९	१६	कृ	४०	५३	व्य	०	४६	तै	७	११	२४	३१	२९	१	१०	१५	वृषे
३	मं	४२	२३	रो	४५	२७	व	१	१३	व	१०	४९	२०	३२	२८	२	११	१६	वृषे
४	बु	४४	२३	मृ	४९	०	प	०/५२	५६/५५	ब	१३	२३	१६	३३	२७	३	१२	१७	मि१७।१६
५	गु	४५	१४	आ	५१	७	सि	५७	३८	कौ	१४	४८	१३	३३	२७	४	१३	१८	मिथुने
६	शु	४५	०	पु	[illegible]	५३	सा	५४	४०	ग	१५	७	९	३४	२६	५	१४	१९	क.३७।२६
७	श	४३	३४	पु	५२	४५	शु	५०	४२	वि	१४	१७	६	३५	२५	६	१५	२०	कर्के
८	र	४०	४१	श्ले	५१	३०	शु	४५	३२	बा	१२	७	२	३६	२४	७	१६	२१	सि५१।३०
९	चं	३६	३२	म	४९	२	ब्र	३९	२६	तै	८	३६	२६/५९	३६	२४	८	१७	२२	सिंहे
१०	मं	३१	[illegible]	पू	४५	१०	ऐं	३२	४७	व	३	४७	५६	३७	२३	९	१८	२३	कं.५८।५३
११	बु	२४	२१	उ	४०	५	वै	२३	५६	बा	२४	२१	५३	३७	२३	१०	१९	२४	कन्यायां
१२	गु	१६	२९	ह	३३	५९	वि	१४	४१	तै	१६	२९	४९	३८	२२	११	२०	२५	कन्यायां
१३	शु	८	१६	चि	२७	२८	प्री	४/५५	४९/४७	व	८	१६	४६	३९	२१	१२	२१	२६	तु.०।४६
१४	शु	५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	श	५०	४१	स्वा	२०	४४	सौ	४४	३०	च	२४	५९	४३	३९	२१	१३	२२	२७	तुलायां

शरदतूं रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

वृश्चिके भौमः २३/५८। बुधास्तः पश्चिमा. ५४/१२
नवम्बर मा. ११ ता. ३०
भ. १०।४९ उ. ४२।२३ या.
चतुर्थी व्र.
तुलायां शुक्रः ४।१९
भ. ४५।० उ. अनु. भौमः ५।४७
भ.१४।१७या. विशा.रविः७।३४(सौरः✱
✱३५।५) वक्री स्वात्यां बुधः २०।३
भ. ३।४७ उ. ३१।२ या. स्वात्यां बुधः २२/४६
रमा ११ व्र.
अनु.२राहुः कृत्ति.४ केतुः ७/१ प्रदोषः धन १२
भ.८।१६उ.३३/४७या स्वाती१गुरुः१५।४४×
×बुधोदयः पूर्वस्याम् ३।८ रूप १४
महालक्ष्मी पूजनम्

३०पं.का.कृ.३मं.इ.३७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	६	५	९	७	६
१६	१	२५	४	२८	२९	१०	१६
२९	३४	१३	३५	१२	४६	२७	१
३८	४१	५	१७	३६	५२	१	६
६०	४२	८३/१८	१३	७४	०/१५	३	६०
४	३५	ब	३२	८	मा	११	१८

गोचरग्रहाः

दीपमालिका शनिवारी होने से धान्य संग्रह से लाभ हो । शनि मंगल आवे दीवाली । मरे रंक जीवे भंडशाली ॥

गोचरग्रहाः

३१पं.का.कृ.१०मं.इ. ३७/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	६	६	९	७	६
२३	६	१५	६	६	२९	१०	२३
३०	३४	५७	४	५७	५३	४	३
५८	२३	१८	४१	५०	४६	४६	४२
६०	४२	७३/५२	१३	७४	१	३	६०
१७	४५	ब	२३	१४	२६	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५८८ सन्१९९३
१	र	४२	३६	वि	१४	२	शो	३४	५०	किं	१६	३८	२६/४०	६/४०	५/२०	१४	२३	२८	वृ.०।४३	धनि. ३ कुम्भे शनिः १२/२४ अन्नकूटगाव.पूजा
२	चं	३५	५२	अ	८	१४	अ	२६	०	बा	९	१४	२७	४१	१९	१५	२४	२९	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् मार्गी बुधः १३।४६ भ्रातृ २
३	मं	३०	४५	ज्ये	३	४४	सु	१८	३	तै	३	१८	२४	४१	१९	१६	२५	१	ध.३।४४	भ.५९।८उ. वृश्चिकेऽर्कः ३ ३/६ (सौरः ३९/२२)*
४	बु	२७	३१	मू	१	११	धृ	११	३१	वि	२७	३१	३१	४२	१८	१७	२६	२	धनुषि	भ. २७।३१ या. *जमादिलाखर ६
५	गु	२६	४०	पू	०	२५	शू	६	३८	बा	२६	४०	२९	४२	१८	१८	२७	३	म.१५।४७	
६	शु	२७	४१	उ	१	५५	गं	३	५०	तै	२७	४१	२६	४३	१७	१९	२८	४	मकरे	अनु. रविः २१।५६ (सौरः ४६।१०)
७	श	३०	४७	श्र	५	२०	वृ	२	३२	ग	३०	४७	२४	४३	१७	२०	२९	५	कुं.३७।५४	भ. ३०।४७ उ. विशा. शुक्रः २।५६
८	र	३५	२६	ध	१०	२८	ध्रु	२	२२	वि	३	६	२१	४४	१६	२१	३०	६	कुम्भे	भ. ३।६ या. गोपाष्टमी
९	चं	४१	२९	श	१७	१०	व्या	३	१९	बा	८	२७	१९	४४	१६	२२	१	७	कुम्भे	रा. मार्गशीर्षारंभः अक्षय ९
१०	मं	४७	५२	पू	२४	२३	ह	५	२०	तै	१४	४०	१६	४५	१५	२३	२	८	मी७।३५	ज्येष्ठा. भौमः ३२।१३
११	बु	५४	२९	उ	३२	४	व	७	४२	व	२१	११	१३	४५	१५	२४	३	९	मीने	भ. २१।११ उ. ५४।२९ या. प्रबोधिनी×
१२	गु	६०	०	रे	३९	२८	सि	१०	७	व	२७	३२	११	४६	१४	२५	४	१०	मे.३९।३८	विशा. बुधः २७।२५
१२	शु	०	३५	अ	४६	३१	व्य	१२	६	बा	०	३५	८	४६	१४	२६	५	११	मेषे	प्रदोषः ×११ व्र. तुलसी विवाह
१३	श	६	१९	भ	५२	४२	व	१३	४४	तै	६	१९	६	४७	१३	२७	६	१२	मेषे	वृश्चिके शुक्रः ५५।१२ वैकुंठ १४
१४	र	१०	४०	कृ	५७	४०	प	१४	२५	व	१०	४०	३	४७	१३	२८	७	१३	वृ.८।५४	भ.१०।४०.उ. ४३/२४ या. स्वाती २ गुरुः ४१/५८
१५	चं	१४	७	रो	६०	०	शि	१४	२०	ब	१४	७	१	४८	१२	२९	८	१४	वृषे	मन्वादिः

३२पं.का.शु.३मं.इ.३६।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	६	१०	७	७
०	२१	१२	७	१५	०	९	०
३३	३७	५३	३३	४४	५	४२	७
४७	८	१०	७	४९	६	३०	४६
६०	४३	१९/२२	१३	७४	२	३	६०
३०	१	मा	१४	२०	७	११	४०

गोचरग्रहाः

का. शु. ३ भौमे बृश्चिकेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पू.।

गोचरग्रहाः

३३पं.का.शु.१०मं.इ.३६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	६	१०	७	७
७	१६	१७	८	२४	०	९	७
३७	४३	५२	५९	३१	२१	२०	१३
३७	१६	५२	३१	५५	५०	१५	१९
६०	४३	६५	१२	७४	२	३	६०
४२	११	१९	५३	२६	४७	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चंन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१६	१९	रो	१	३१	सि	१३	२७	कौ	१८	१९	२५/५९	६/४८	५/१२	३०	९	१५	मि३३।१	अनु. शुक्रः ३६।३३
२	बु	१७	२५	मृ	४	३२	सा	११	३७	ग	१७	२५	५७	४९	११	१	१०	१६	मिथुने	भ. ४७।१९ उ. **दिसम्बर मा. १२ ता. ३१**
३	गु	१७	१३	आ	६	१	शु	८	५१	वि	१७	१३	५५	४९	११	२	११	१७	क.५१।४४	भ.१७।१३या. ज्येष्ठा. रविः ३ ३/६ (सौरः*
४	शु	१६	१३	पु	६	५८	शु	५	२५	बा	१६	१३	५३	४९	११	३	१२	१८	कर्के	*५४/१०) वृश्चिके बुधः ५०।२६ चतुर्थीव्र.
५	श	१४	२०	पु	७	५	ब्र	१/७	५४/१९	तै	१४	२०	५१	५०	१०	४	१३	१९	कर्के	
६	र	११	४०	श्ले	५	५१	वै	५०	३८	ग	११	४०	४९	५०	१०	५	१४	२०	सिं५।५१	भ,११।४०उ.३९।५७या. अनु.बुधः४।११
७	चं	८	१४	म	४	१९	वि	४४	२२	ब	८	१४	४८	५०	१०	६	१५	२१	सिंहे	
८	मं	३	५९	पू	१/४४	५६/४०	प्री	३७	५३	कौ	३	५७	४६	५१	९	७	१६	२२	कं.१५।५३	
९	मं	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	बु	५३	२	ह	५४	१७	आ	३०	९	व	२५	५६	४५	५१	९	८	१७	२३	कन्यायां	भ. २५।५६ उ. ५३।२ या.
११	गु	४६	४०	चि	४९	३४	सौ	२२	३	ब	१९	५१	४४	५१	९	९	१८	२४	तु.२१।५६	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	शु	३९	४४	स्वा	४४	५५	शो	१३	२३	कौ	१३	१२	४२	५२	८	१०	१९	२५	तुलायां	ज्येष्ठा. शुक्रः ९।४४ बुधास्तः पूर्व. ५६।१
१३	श	३२	४५	वि	३९	१०	अ	४/३४	५१/६	ग	६	१४	४१	५२	८	११	२०	२६	वृ.२५।३७	भ. ३२/४५ उ. ५९/१६ या. मूले धनुषि भौमः ३५/५×
१४	र	२५	४६	अ	३४	११	धृ	४७	२३	श	२५	४६	४०	५२	८	१२	२१	२७	वृश्चिके	×प्रदोषः
३०	चं	१९	३८	ज्ये	३०	४	शू	३९	२८	ना	१९	३८	३९	५२	८	१३	२२	२८	ध:३०।४	ज्येष्ठा. बुधः ५४।४२ सोमवती ३०

३४पं. मा.कृ.१मं.इ.३६।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	६	७	१०	७	७
१४	२१	२६	१०	३	०	८	१४
४२	५०	५४	२३	२०	४२	५७	२०
५४	५३	७	५३	१०	५८	५९	५
६०	४३	८३	१२	७४	३	३	६१
५०	४१	१९	२५	२६	३२	११	३

गोचरग्रहाः

मार्ग. शु २ बुधे धनुष्यर्कः प्र.वा.२ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयं प.

गोचरग्रहाः

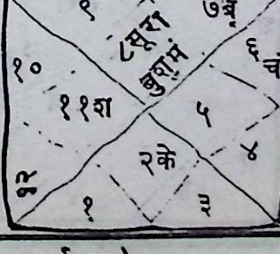

३५पं.मा.कृ.८मं.इ.३६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	७	१०	७	७
२१	२७	७	११	१२	१	८	२१
४८	१	९	४४	८	८	३५	२७
५८	१६	५८	४९	६	४९	४३	५०
६०	४३	९०	१२	७४	४	३	६१
५६	५६	४१	१०	२६	१०	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः	सं. २०५०	शाकः	१९१५								बि.	उ.	अ.	इं.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१८ स.१९९३
१	मं	१४	२८	मू	२६	४४	गं	३२	३७	ब	१४	२८	२५/३८	६/५२	५/८	१४	२३	२९	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	११	१९	पू	२५	१२	वृ	२६	५२	कौ	११	१९	३८	५३	७	१५	२४	१	म.४०।१७	मूले धनुष्यर्कः ३९/१८ (सौरः ५७/५४) रज्जव ७
३	गु	९	२३	उ	२५	३२	ध्रु	२२	४१	ग	९	२३	३७	५३	७	१६	२५	२	मकरे	भ. ३९।२६ उ. स्वाती ३ गुरुः ८।३०
४	शु	९	२९	श्र	२७	३७	व्या	२०	१	वि	९	२९	३७	५३	७	१७	२६	३	कु.५९।३४	भ. ९।२९ या.
५	श	१२	२५	ध	३१	३१	ह	१९	७	बा	१२	२५	३७	५३	७	१८	२७	४	कुम्भे	
६	र	१५	४९	श	३६	४१	व	२०	१४	तै	१५	४९	३६	५३	७	१९	२८	५	कुम्भे	चम्पा ६
७	चं	२१	१७	पू	४४	२	सि	२०	३८	व	२१	१७	३६	५३	७	२०	२९	६	मी२७।११	भ. २१।१७ उ. ५४।२० या.
८	मं	२७	२२	उ	५१	२६	व्य	२२	२०	ब	२७	२२	३६	५३	७	२१	३०	७	मीने	मूले धनुषि शुक्रः ४८।४
९	बु	३४	४	रे	५९	७	व	२४	४४	बा	०	४३	३६	५३	७	२२	१	८	मे.५९।७	मूले धनुषि बुधः ३६/५३ शुक्रास्तः• शु.अ.पू.
१०	गु	४०	१७	अ	६०	०	प	२६	५६	तै	७	१०	३६	५३	७	२३	२	९	मेषे	
११	शु	४६	२	अ	६	१२	शि	२८	४१	व	१३	१०	३७	५३	७	२४	३	१०	मेषे	भ. १३/१० उ. ४६/२ या. मोक्षदा ११ व्र. गीता ज.
१२	श	५२	२२	भ	१२	४१	सि	२९	४०	ब	१८	१२	३७	५३	७	२५	४	११	वृ.२८।५७	
१३	र	५३	२८	कृ	१७	४३	सा	२९	२५	कौ	२१	५५	३	५३	७	२६	५	१२	वृषे	प्रदोषः •पूर्वस्याम् ३६/१२ रा. पौषारंभः
१४	चं	५४	५६	रो	२१	२३	शु	२८	१४	ग	२४	१२	३८	५२	८	२७	६	१३	मि५२।३१	भ. ५४।५६ उ. ×दत्तजयंती
१५	मं	५५	५	मृ	२३	४०	शु	२५	५६	वि	२५	०	३८	५२	८	२८	७	१४	मिथुने	भ. २५।०या. पूषा.।रविः ४४/१४ (सौरः ५९/३२)×

३६पं.मा.शु.१मं.इ.३६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	७	१०	७	७
२८	२	१७	१३	२०	१	८	२८
५५	१३	४४	२	५६	३८	१३	३६
५२	८	५३	१७	२५	१३	२८	३३
६१	४४	९५	११	७४	४	३	६१
०	७	२२	३१	३२	४५	११	१९

३७पं.मा.शु.८मं.इ.३६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	६	७	१०	७	८
६	७	२८	१४	२९	२	७	५
३	३०	३७	१७	४५	११	५१	४५
२९	४०	१	१०	४	३८	१२	५८
६१	४४	९७	०	७४	५	३	६१
४	२६	५१	५६	३२	९	११	२२

३८पं.मा.शु.१५मं.इ. ३५/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	६	८	१०	७	८
१३	१२	९	१५	८	२	७	१२
११	४८	३७	२६	३३	४८	२८	५५
३१	११	५	४६	५८	४७	५७	५०
६१	४४	९९	०	७४	५	३	६१
६	३७	४८	११	३२	३८	११	२६

ति.	पौष	कृष्णपक्षः	सं. २०५०	शाकः	१९१५								दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	५३	४१	आ	२४	३८	ब्र	२५	२६	बा	२४	२१	२५/३९	६/५२	५/८	२९	८	१५	मिथुने	पूषा. भौमः १८।३८
२	गु	५१	१९	पु	२४	१७	ऐं	१८	१	तै	२२	३०	४०	५२	८	३०	९	१६	क.९।२३	पूषा. बुधः ५०।५२
३	शु	४८	५	पु	२२	२५	वै	१२	४९	व	१९	४२	४०	५२	८	३१	१०	१७	कर्के	भ. १९।४२ उ. ४८।५ या.
४	श	४४	६	श्ले	२०	५०	वि	६	५९	ब	१६	५	४१	५२	८	१	११	१८	सिं२०।५०	पूषा. शुक्रः ४१/२१ जनवरी १ ता. ३१ सन्•
५	र	३९	४९	म	१८	२५	प्री	०/२४	५३/२८	कौ	११	५७	४२	५२	८	२	१२	१९	सिंहे	
६	चं	३५	१२	पू	१६	५	सौ	४७	८	ग	७	३०	४३	५१	९	३	१३	२०	कं.३०।४	भ. ३५।१२ उ. धनि. ४ शनिः ४।३६
७	मं	३०	२८	उ	१२	२	शो	४०	१०	वि	२	५०	४४	५१	९	४	१४	२१	कन्यायां	भ. २।५० या. •१९९४ चतुर्थी व्र.
८	बु	२५	३१	ह	९	१९	अ	३२	५६	कौ	२५	३१	४६	५१	९	५	१५	२२	तु.३७।३७	स्वाती ४ गुरुः ३४।१४
९	गु	२०	२९	चि	५	५५	सु	२५	३४	ग	२०	२९	४७	५१	९	६	१६	२३	तुलायां	भ. ४७।५१ उ.
१०	शु	१५	१४	स्वा	२/११	५६/३९	धृ	१८	७	वि	१५	१४	४९	५०	१०	७	१७	२४	वृ.४४।४१	भ. १५।१४ या.
११	श	९	५७	अ	५५	२५	शू	१०	५१	बा	९	५७	५१	५०	१०	८	१८	२५	वृश्चिके	उषा. बुधः २।३५ सफला ११ व्र.
१२	र	४	५४	ज्ये	५२	३९	गं	३/४७	५३/१७	तै	४	५४	५२	५०	१०	९	१९	२६	ध.५२।२९	प्रदोषः ×मकरे बुधः १३।१
१३	चं	०	२३	मू	५०	८	ध्रु	५०	५०	व	०	२३	५४	४९	११	१०	२०	२७	धनुषि	भ.०।२३उ. २८/२४ या. उषा. रविः४८।१८×
१४	चं	५६	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	मं	५३	४०	पू	४८	५२	व्या	४५	२८	च	२५	२	५६	४९	११	११	२१	२८	धनुषि	उषा. रविः सौरः०।५९ उषा. शुक्रः ५९/११

३९पं. पौ.कृ.७मं.इ.३५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	८	१०	७	८
२०	१८	२०	१६	१७	३	७	२०
१९	७	४९	३०	२१	२९	६	५
२६	८	१६	२९	२५	१०	४१	४७
६१	४४	१०	९	७४	६	३	६१
६	५७	४५	२	३८	२	११	२६

गोचरग्रहाः

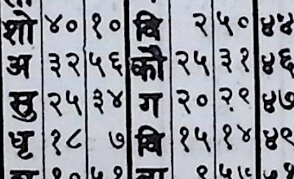

धन राशिका मंगल सोना चांदी शेयर तिल तेल घृत रुई पाट बारदाना अलसी सिरस्युं में तेजी करेगा।

गोचरग्रहाः

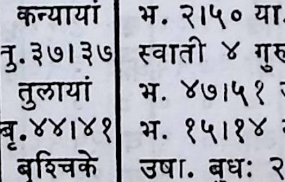

४०पं.पौ.कृ.३०मं.इ. ३५/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	६	८	१०	७	८
२७	२३	-२	१७	२६	४	६	२७
२७	२९	२१	२९	१०	११	४४	१५
४०	३१	५४	३१	४८	५६	२५	३०
६१	४५	१०	८	७४	६	३	६१
६	७	५६	३४	३८	२५	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	हिमंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६४७ स.१९९४
१	बु	५१	२४	उ	४९	९	ह	४१	१०	किं	२२	३२	२५/५८	६/४८	५/१२	१२	२२	२९	म.३।५६	अनु. १ राहुः कृत्ति. ३ केतुः ५८।५९
२	गु	५२	२९	श्र	५१	१७	व	२८	१०	बा	२१	५६	२६/१	४८	१:	१३	२३	३०	मकरे	चंद्रदर्शनम्
३	शु	५४	२३	ध	५४	३२	सि	३६	४१	तै	२३	२६	३	४७	१३	१४	२४	१	कुं.२२।५५	मकरेऽर्कः २२/५ (सौरः २४/१६) मकरेशुक्रः ५६/३८ ●
४	श	५७	५९	श	५९	१	व्य	३५	५	व	२६	११	५	४७	१३	१५	२५	२	कुंभे	भ. २६।११ उ. ५९/५७ या. उषा. भौमः २६/२
५	र	६०	०	पू	६०	०	व	३६	२९	ब	३०	३४	८	४६	१४	१६	२६	३	मी४८।३६	श्रवणे बुधः १९।३६ ●सावान ८
५	चं	३	१०	पू	५	७	प	३८	८	बा	३	१०	१०	४६	१४	१७	२७	४	मीने	×पश्चिमायाम् ४२/५४ पुत्रदा ११ व्र.
६	मं	८	५२	उ	१२	८	शि	४०	१०	तै	८	५२	१२	४६	१४	१८	२८	५	मीने	
७	बु	१५	२०	रे	१९	४३	सि	४२	२३	व	१५	२०	१५	४६	१४	१९	२९	६	मे.१९।४३	भ. १५।२० उ. ४८।३४ या.
८	गु	२१	४७	अ	२७	१६	सा	४४	३१	ब	२१	४७	१७	४५	१५	२०	३०	७	मेषे	अभि.प्र.रविः ३८।७ (सौरः ४६/४७) मकरे+
९	शु	२७	४५	भ	३४	८	शु	४५	५९	कौ	२७	४५	२०	४४	१६	२१	१	८	वृ.५०।३४	रा. माघारंभः +भौमः १०।३४
१०	श	३२	२९	कृ	३९	५०	शु	४६	३१	तै	०	७	२२	४४	१६	२२	२	९	वृषे	श्रवणे शुक्रः ३२।७
११	र	३५	४९	रो	४४	२	ब्र	४५	४३	व	४	९	२५	४३	१७	२३	३	१०	वृषे	भ.४/९ उ. ३५/४९ या. श्रवणे रविः ५४/३० बुधोदयः×
१२	चं	३७	९	मृ	४६	३२	ऐं	४३	३६	ब	६	२९	२७	४३	१७	२४	४	११	मि१५।१७	अभि. नि. रविः ४६/५९ (सौरः ५५/५९) श्रवणे=
१३	मं	३७	४	आ	४६	२०	वै	३९	५५	कौ	७	६	३०	४२	१८	२५	५	१२	मिथुने	प्रदोषः =रविः सौरः ४३/३ धनि. बुधः ३५/१
१४	बु	३४	४५	पु	४६	२४	वि	३४	४२	ग	५	५४	३३	४१	१९	२६	६	१३	क.३१।२३	भ. ३४।४५ उ.
१५	गु	३१	१४	पु	४४	०	प्री	२८	५४	वि	२	५९	३६	४१	१९	२७	७	१४	कर्के	भ २।५९ या. माघ स्नान प्रा.

४१पं. पौ.शु.६मं.इ.३५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	६	९	१०	७	९
४	२८	१४	१८	४	४	६	४
३५	५३	१०	२२	५८	५७	२२	२५
३१	१७	१६	५	४४	०	१०	८
६१	४२	९/०	७	७४	६	३	६१
३	१२	९/५९	२९	३८	३८	११	१९

गोचरग्रहाः

पौष शु. ३ शुक्रे
मकरेऽर्कः प्र.वा.३
न. ३ युवावस्था
(सूती) मु. ३०
धान्यादिभावे सम-
ता शुक्रोदयः पू. ।

गोचरग्रहाः

४२पं. पौ.शु.१३मं.इ. ४५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	९	१०	७	९
११	४	२५	१९	१३	५	५	११
४२	१८	५४	७	४६	४४	५९	३३
५८	२५	७	८	४१	१७	५४	५९
६०	४५	९८	६	७४	६	३	६१
५९	२२	१२	२७	३८	५६	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरतूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	२६	२३	श्ले	४०	३९	आ	२१	५५	कौ	२६	२३	३६/३९	६/४०	५/२०	२८	८	१५	सि४०।३९	कुम्भे बुधः ५।५९
२	श	२०	४७	म	३६	१८	सौ	१४	१४	ग	२०	४७	४२	४०	२०	२९	९	१६	सिंहे	भ. ४७।४३ उ.
३	र	१४	४०	पू	३२	३४	शो	६/१९	५१/५९	वि	१४	४०	४६	३९	२१	३०	१०	१७	कं.४६।२२	भ. १४।४० या. चतुर्थी व्र.
४	चं	८	३५	उ	२७	४४	सु	५०	१७	बा	८	३५	४९	३८	२२	३१	११	१८	कन्यायां	●३५।१३ फर्वरी मा. २ ता. २८
५	मं	२	२९	ह	२३	३४	धृ	४२	२६	तै	२	२९	५२	३८	२२	१	१२	१९	तु.५१।५६	भ.५६।४३उ. श्रवणे भौमः ८/५६ शते बुधः●
६	मं	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५१	३६	चि	२०	१९	शू	३५	४	वि	२४	१०	५५	३७	२३	२	१३	२०	तुलायां	भ.२४।१०या. धनिष्ठा. शुक्रः ३४/१२ शते १×
८	गु	४५	४९	स्वा	१६	३२	गं	२७	५७	बा	१८	४२	५९	३६	२४	३	१४	२१	वृ.५९।१७	
९	शु	४२	३१	वि	१३	३२	वृ	२१	२३	तै	१४	१०	२७	३६	२४	४	१५	२२	वृश्चिके	विशाखा. १ गुरुः २४।२५
१०	श	३८	४४	अ	११	१८	ध्रु	१५	१०	व	१०	२७	६	३५	२५	५	१६	२३	वृश्चिके	भ.१०।३७उ. ४४/३८ या. अस्तं शनेः ४०।१७
११	र	३५	४२	ज्ये	९	३५	व्या	९	३१	ब	७	१३	९	३४	२६	६	१७	२४	ध.९।३५	धनि.रविः ५१/२ (सौरः ३४/९) षट्तिला ११व्र
१२	चं	३३	१८	मू	८	४३	ह	४	४१	कौ	४	३०	१३	३३	२७	७	१८	२५	धनुषि	कुम्भे शुक्रः ३०।४८
१३	मं	३१	५३	पू	८	२२	व	०/१६	५६/२५	ग	२	३५	१६	३३	२७	८	१९	२६	म.२३।४६	भ. ३१।५३ उ. प्रदोषः
१४	बु	३१	४०	उ	९	२७	व्य	५४	५	वि	१	४६	२०	३२	२८	९	२०	२७	मकरे	भ १।४६ या. ×शनिः ३४।१२
३०	गु	३२	३७	श्र	११	३३	व	५२	४७	च	२	८	२४	३१	२९	१०	२१	२८	कुं.४३।१७	शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २४।०

४३पं.मा कृ.५मं.इ.३५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	६	९	१०	७	९
१८	९	६	१९	२२	६	५	१८
४९	४४	४०	४५	३४	३३	३७	४२
२६	३८	५५	१८	२६	४	३९	२
६०	४५	८१	५	७४	७	३	६१
५५	३२	५८	१४	३२	८	११	४

गोचरग्रहाः

माघ मासका फल
रुई धान्य कपास
में मंदी माघ में
होय । घृत गुड़ का
संग्रह करो लाभ
सवाया होय ॥

गोचरग्रहाः

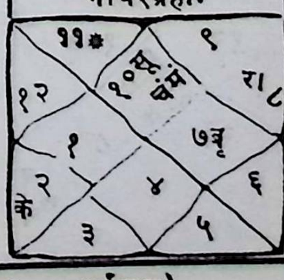

४४पं.मा.कृ.१३मं.इ.३६।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	६	१०	१०	७	९
२५	१५	१३	२०	१	७	५	२५
५५	१२	११	१४	२१	२२	१५	४८
१६	२२	४४	४९	४	५९	२३	४९
६०	४५	३३	४	७४	७	३	६०
४७	४२	३१	२	३२	१४	११	५५

*बुशुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६७७ स.१९९४
१	शु	३४	५०	ध	१४	५९	प	५१	३१	किं	३	४३	२७	६/३५	५/२९	११	२२	२९	कुंभे	वक्री बुधः २२।५१
२	श	३८	२७	श	१९	४५	शि	५२	३४	बा	६	३८	३१	३०	३०	१२	२३	३०	कुम्भे	कुंभेऽर्कः ३८।६ (सौरः ४/३ ३/१) चन्द्रदर्शनम्*
३	र	४३	२९	पू	२५	४	सि	५३	४३	तै	१०	५८	३५	२९	३१	१३	२४	१	मी८।४४	बुधास्तः पश्चिमायां ३१।३९ रमजान ९
४	चं	४९	७	उ	३२	९	सा	५५	४७	व	१६	१८	३८	२८	३२	१४	२५	२	मीने	भ. १६।१८ उ. ४९।७ या.
५	मं	५५	३७	रे	३९	४८	शु	५७	५४	ब	२२	२२	४२	२९	३२	१५	२६	३	मे.३९।४८	पातस्पर्शः ४२।५४ व्रसंत पंचमी
६	बु	६०	०	अ	४७	२८	शु	६०	०	कौ	२८	४८	४६	२७	३३	१६	२७	४	मेषे	पातमोक्षः सूर्योदय काले
६	गु	२	०	भ	५४	५४	शु	०	१३	तै	२	०	५०	२६	३४	१७	२८	५	मेषे	*शते शुक्रः ४९।५
७	शु	८	१९	कृ	६०	०	ब्र	१	४९	व	८	१९	५४	२५	३५	१८	२९	६	वृ.११।३२	भ. १९ उ. ४/५ ०/७ या. धनि. भौमः ५/१ ७/० भानु ७
८	श	१३	३५	कृ	१	२७	ऐं	३	३६	ब	१३	३५	५८	२४	३६	१९	३०	७	बृषे	शते रविः १४।२७ (सौरः १/५ ६/३) भीष्माष्टमी
९	र	१७	३१	रो	६	४६	वै	३	४९	कौ	१७	३१	२/६	२४	३६	२०	१	८	मि३८।३२	रा. फाल्गुनारम्भः
१०	चं	१९	४२	मृ	१०	१९	वि	३६	५७/२३	ग	१९	४२	६	२३	३७	२१	२	९	मिथुने	भ. ४९।५० उ. वक्री धनि. बुधः १७।३७
११	मं	१९	५८	आ	११	५९	आ	५५	३७	वि	१९	५८	१०	२२	३८	२२	३	१०	क.५६।४७	भ. १९।५८ या. जया ११ व्र.
१२	बु	१७	५७	पु	११	४४	सौ	४९	४९	ना	१७	५७	१४	२१	३९	२३	४	११	कर्के	पूभा. शुक्रः ३०।४७ प्रदोषः
१३	गु	१४	१६	पु	९	२९	शो	४२	३६	तै	१४	१६	१८	२०	४०	२४	५	१२	कर्के	
१४	शु	८	४५	श्ले	४	४३	अ	३४	१३	व	८	४५	२२	२०	४०	२५	६	१३	सिं४।४३	भ. ८।४५ उ. ३५।१६ या.
१५	श	१	४७	म	२८	५४/७	सु	२५	१३	ब	१	४७	२६	१९	४१	२६	७	१४	सिंहे	बुधोदयः पूर्वस्याम् ३/५ ८/७ माघ स्नान समा.

४५पं.मा.शु.५मं.इ.३६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	६	१०	१०	७	१०
३	२०	१२	२०	१०	८	४	२
०	४१	८	३५	७	१३	५३	५४
४	२	४६	५३	५२	३७	७	५२
६०	४५	५०/५३	२	७४	७	३	६०
३७	५८	व	४६	३२	२०	११	४२

गोचरग्रहाः

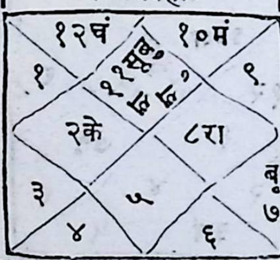

माघशु. २ शनौ कुम्भेऽर्कः प्र.वा.२ न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः प ।

गोचरग्रहाः

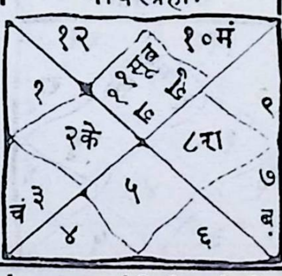

४६पं.मा.शु.११मं.इ. ३/३ ६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	६	१०	१०	७	१०
१०	२६	५	२०	१८	९	४	९
३	१०	३	४७	५२	४	३०	५९
३२	१९	४७	२०	४१	४८	५२	२५
६०	४५	७३/१	·१	७४	७	३	६०
२५	५८	व	१९	२७	२०	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	४६	११	उ	४८	२३	धृ	१५	४२	तै	२०	११	२८/३०	६/१८	५/४२	२७	८	१५	कं. ८।२	कुंभे भौमः २६।२२
३	चं	३८	७	ह	४२	३४	शू	५/५९	५०/४९	व	१२	९	३४	१७	४३	२८	९	१६	कन्यायां	भ.१२।९उ.३८/७या. वक्री मकरे बुधः ४९/७*
४	मं	३०	३०	चि	३६	४४	वृ	४७	४७	ब	४	१८	३८	१६	४४	१	१०	१७	तु.९।३९	चतुर्थी व्र. मार्च मा. ३ ता. ३१
५	बु	२३	४०	स्वा	३१	५८	ध्रु	३९	३३	तै	२३	४०	४२	१६	४४	२	११	१८	तुलायां	वक्री गुरुः ३/४ ३/३ शतभिषा.२ शनिः ७।१९
६	शु	१७	४२	वि	२८	१	व्या	३२	१४	व	१७	४२	४६	१५	४५	३	१२	१९	बृ.१४।०	भ १७।४२उ. ४/१ ५/५ या. मीने शुक्रः ३२।४४
७	शु	१२	४८	अ	२५	१६	ह	२५	४४	ब	१२	४८	५०	१४	४६	४	१३	२०	बृश्चिके	पूभा. रविः ३०।३२ (सौरः ३३।४०)
८	श	९	१	ज्ये	२३	३३	व	२०	२०	कौ	९	१	५४	१३	४७	५	१४	२१	ध.२३।३३	*पातस्पर्शः १४।४३ मोक्षः २६।४४
९	र	७	३३	मू	२३	११	सि	१५	४२	ग	७	३३	५८	१२	४८	६	१५	२२	धनुषि	भ.३६।१६उ. मार्गी बुधः ४२।३५ उभा.×
१०	चं	४	५९	पू	२३	४१	व्य	१२	१२	वि	४	५९	२९	१२	४८	७	१६	२३	म.३९।९	भ. ४।५९ या. शते भौमः ५७।३०
११	मं	४	५५	उ	२५	३२	व	९	२५	बा	४	५५	६	११	४९	८	१७	२४	मकरे	उदयो भौमः ५४।११ विजया ११ व्र.
१२	बु	५	४०	श्र	२८	२८	प	७	४६	तै	५	४०	१०	१०	५०	९	१८	२५	मकरे	प्रदोषः ×शुक्रः ११।४३
१३	गु	७	३४	ध	३२	२६	शि	६	४६	व	७	३४	१४	९	५१	१०	१९	२६	कु.०।१६	भ.७।३४उ. ३९।८या. कुंभे बुधः४८।१९+
१४	शु	१०	४१	श	३७	३६	सि	६	३७	श	१०	४१	१९	८	५२	११	२०	२७	कुंभे	+उदयं शनेः ३०।० महाशिवरात्रि व्र.
३०	श	१४	४४	पू	४३	४२	सा	७	२	ना	१४	४४	२३	७	५३	१२	२१	२८	मी२७।११	पातस्पर्शः ४२।३१ पातमोक्षः ५६।२१

४७पं.फा.कृ.४मं.इ.३६।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	६	१०	१०	७	१०
१७	१	२९	२०	२७	९	४	१७
५	४५	३५	५०	३६	५५	८	२
३६	१९	२०	३५	४७	३०	३६	१६
६०	४६	३/१	०	७४	७	३	६०
१२	८	व	१३	२६	२०	११	२०

गोचरग्रहाः

इस मासमें शनि मंगल सूर्यका योग भयप्रद है। व्यापारी लोग पहले मंदीमें संग्रह करें यहां अच्छी तेजी बाजारमें आवेगी।

गोचरग्रहाः

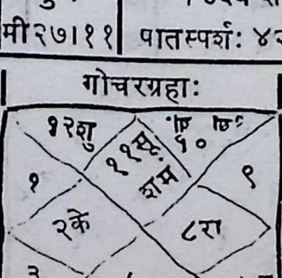

४८पं.फा.कृ.११मं.इ.३७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	६	११	१०	७	१०
२४	७	२९	२०	६	१०	३	२४
६	१०	३४	४५	२०	४५	४६	३
२९	२६	३४	४	२६	४०	२१	३९
५९	४६	११/३८	१/३	७४	७	३	६०
५८	३	ब	म्र	२६	१४	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः७०७ स.१९९४
१	र	२०	४	उ	५०	२०	शु	८	३४	ब	२०	४	२९/२७	६/७	५/५३	१३	२२	२९	मीने	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	२६	३३	रे	५७	४८	शु	१०	२७	कौ	२६	३३	३२	६	५४	१४	२३	१	मे.५७।४८	मीनेऽर्कः ३१/२९ (सौरः ३४/०) फुलरिया २*
३	मं	३२	३	अ	६०	०	ब्र	१२	४०	ग	३२	३	३६	५	५५	१५	२४	२	मेषे	*सव्वाल १०
४	बु	३९	८	अ	५	२२	ऐं	१४	५७	व	५	३५	४०	४	५६	१६	२५	३	मेषे	भ. ५।३५ उ. ३९/८ या. रेवत्यां शुक्रः ५५/३८×
५	गु	४५	४	भ	१३	५	वै	१७	३१	ब	१२	६	४४	३	५७	१७	२६	४	वृ.२९।५२	उभा. रविः ५२।३३ (सौरः ५४।३६)
६	शु	५०	३३	कृ	२०	१६	वि	१९	२४	कौ	१७	४८	४९	२	५८	१८	२७	५	वृषे	×विशा. ४ राहुः कृत्ति. २ केतुः ५४/२७
७	श	५५	७	रो	२७	३	प्री	२०	३४	ग	२२	५०	५३	१	५८	१९	२८	६	मि५९।२३	भ. ५५।७ उ. शते बुधः १३।३१
८	र	५८	१२	मृ	३१	४४	आ	२०	३८	वि	२६	३९	५७	१	५९	२०	२९	७	मिथुने	भ. २९।३९ या. होलाष्टकः
९	चं	५८	३१	आ	३४	४७	सौ	१९	१२	ना	२८	२१	३०/१	०/६०	५९	२१	३०	८	मिथुने	
१०	मं	५७	४०	पु	३५	५३	शो	१६	२६	तै	२८	५	६	५९	०/६०	२२	१	९	क.२१।२	रा. चैत्रारंभः सं० १९१६
११	बु	५५	५३	पु	३५	५	अ	१२	५	व	२६	४६	१०	५८	१	२३	२	१०	कर्के	भ.३६/४ उ.५५/५३ या. आमलकी ११ व्र. स्मा.
१२	गु	५०	५६	श्ले	३२	२५	सु	६/२	५२/१९	ब	२३	२६	१४	५७	२	२४	३	११	सिं३२।२२	वक्री स्वाती ४ गुरुः २/० आमलकी ११व्र.वै.
१३	शु	४४	१४	म	२७	५०	शू	४९	२५	कौ	१७	३६	१८	५६	३	२५	४	१२	सिंहे	पूभा. भौमः १।११ प्रदोषः
१४	श	३६	८	पू	२१	३९	गं	३९	२६	ग	१०	११	२३	५५	४	२६	५	१३	कं.३४।५५	भ. ३६।८ उ. होलिकादहनं भद्रापुच्छे
१५	र	२७	५	उ	१४	४३	वृ	२१	३	दि	१	३६	२७	५५	५	२७	६	१४	कन्यायां	भ. १/३६ या. अश्वि. मेषे शुक्रः ४२/४४ छारेंडी

४९पं.फा.शु.३मं.इ.३७।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	१०	७	११
११	१२	३	२०	१५	११	३	१
५	४०	४५	२९	३	३५	२४	३
३१	२६	११	४२	११	१०	५	२१
५९	४६	४१	२/४०	७४	७	३	५९
४१	१३	५२	व	२०	२	११	४९

गोचरग्रहाः

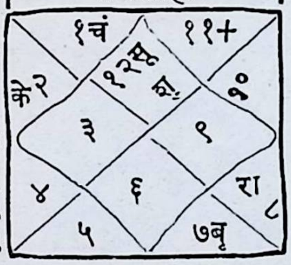

फा शु. २ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र.वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रो. प.।

गोचरग्रहाः

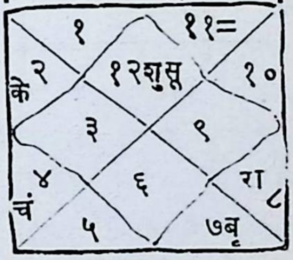

५०पं.फा.शु.१०मं.इ. ३७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	१०	७	११
८	१८	१०	२०	२३	१२	३	८
३	९	३६	६	४४	२३	१	१
१८	४७	१४	४	६	२८	४९	१६
५९	४६	६८	४/४	७४	६	३	५९
२९	८	५३	व	१७	५०	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्ष सं. २०५० शाकः १९१५												दि.	उ.	अ.	इ.	रा.	मु.	चन्द्रः	त्रसंततूंरविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	१७	३४	ह	७	७	ध्रु	१८	२२	कौ	१७	३४	३०/१	५/५४	६	२८	७	१५	तु.३३।३४	वसंत १
२	मं	८	१	चि	०/२	५२/४७	व्या	७/१५	४९/५२	ग	८	१	३५	५३	७	२९	८	१६	तुलायां	भ. ३३।३६ उ. ५९।१२ या.
३	मं	५१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	बु	५१	१९	वि	४६	५२	व	४८	३७	ब	२५	१५	३९	५२	८	३०	९	१७	वृ.३३।२१	पूभा. बुधः ६।४९ चतुर्थी व्र.
५	गु	४४	३७	अ	४१	११	खि	४०	४४	कौ	१७	५८	४४	५३	९	३१	१०	१८	बृश्चिके	रेवत्यां रविः ६/१६ (सौरः २२/४) शते ३ शनिः ६/१
६	शु	३९	२८	ज्ये	३९	२६	व्य	३३	५२	ग	१२	२	४८	५०	१०	१	११	१९	ध.३९।३६	भ. ३९/२८ उ. अप्रेल मा.४ ता.३० शीतला पू.
७	श	३६	३	मू	३७	४०	व	२८	३६	वि	७	४५	५२	५०	१०	२	१२	२०	धनुषि	भ. ७।४५ या.
८	र	३४	११	पू	३७	४९	प	२४	२६	बा	५	७	५६	४९	११	३	१३	२१	म.५३।१७	
९	चं	३३	५७	उ	३९	४१	शि	२१	३७	तै	४	४	३१/०	४८	१२	४	१४	२२	मकरे	
१०	मं	३५	२१	श्र	४२	५३	सि	२०	८	व	४	३९	४	४७	१३	५	१५	२३	मकरे	भ. ४।३९उ. ३५/२१ या. मीने बुधः ५२।४२
११	बु	३७	५३	ध	४७	२१	सा	१९	४४	ब	६	३७	८	४६	१४	६	१६	२४	कुं.१५।१३	मीने भौमः ४७।४४ पापमोचनी ११ व्र.
१२	गु	४१	४८	श	५२	५३	शु	२०	२५	कौ	९	५०	१२	४६	१४	७	१७	२५	कुम्भे	भरण्यां शुक्रः ३१।१८ उभा. बुधः ५९।२१
१३	शु	४६	२८	पू	५३	२२	शु	२१	२३	ग	१४	८	१६	४५	१५	८	१८	२६	मी४२।४४	भ. ४६।२८ उ. प्रदोषः
१४	श	५२	९	उ	६०	०	ब्र	२३	५	व	१९	१८	२०	४४	१६	९	१९	२७	मीने	भ. १९।१८ या.
३०	र	५७	५४	उ	६	७	ऐं	२४	५५	च	२५	१	२४	४३	१७	१०	२०	२८	मीने	मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.२ मं.इ.३८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	०	१०	७	११
१४	२३	१९	१९	२	१३	२	१४
५९	३८	२१	३३	२२	१०	३९	५७
१३	५३	१९	४७	३८	१६	३४	२३
५९	४६	८०	५/१४	७४	६	३	५९
१६	८	५५	व	८	३३	११	१८

गोचरग्रहाः

इस मास में रुई पाट वारदाना शेयर सोना चांदी अलसी अरहर सिरसों गुड़खांड़ मटरमें घटाबढ़ीके साथ मंदी होगी।

गोचरग्रहाः

५२पं. चै.कृ.१०मं.इ. ३८/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	६	०	१०	७	११
२१	२९	२९	१८	११	१३	२	२१
५३	६	३७	५५	०	५४	१७	५१
३१	४७	३७	८	५०	५८	१८	३४
५९	४६	९४	६/१४	७४	६	३	५९
४	८	४३	व	२	२०	११	४

+मंबुश *मंबुश (सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) =मंबुश ×मंबुश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन्वर्षे सृष्टितोगताब्दाः '१९५५८८५०९५ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९५ भोग्यकलिः ४२६९०५ अथास्मिन्शुभसंवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्य राज्यतोगताब्दाः संम्बत् २०५१ शाकः १९१६ वर्षेऽस्मिन् राजाचंद्रः । मंत्री– बुधः । सस्येशः शनिः । धान्येशोगुरुः । मेघेशोबुधः । रसेशश्चंद्रः । नीरसेशः शनिः । फलेशोभौमः । धनेशः शुक्रः दुर्गेशोभौमः । एतेदशाधिकारिणः । तत्रबार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानांमध्ये विष्णुविंशतिकायां सर्वजिन्नाम संवत्सरः प्रवर्त्तते तस्य मेषार्कसमयेगतमासादिः ६।७।४५।४०।। भोग्यमासादिः २।२२।१४।२०।। त्वष्टृ–दैवतंयुगम् । वर्षनाम चैत्रः। मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासः समुद्रे। समयनिवासोमालाकारगृहे। समयविश्वा ५ समय वाहनं मृगः। स्तम्भा ३ जलान्नवायूनाम्। सोमवत्यमा २। सोमवती पंचमी२। अंगारकी चतुर्थी २। बुधाष्टमी १। भानुसप्तमी १। रविदशमी २। समय मुहूर्ता ३६०। समयदिनानि ३५५। तिथिक्षयः १५। तिथिवृद्धिः १०। उत्पत्ति विश्वा ९३। खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ७ धान्यं १७ तृणम् ११. शीतं ६. तेज११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५ निग्रहः ११ ऐक्यं १०९ सत्यं ।। धर्म १।। पाप १८ शनिदृष्टिरुत्तरे ग्रहणाऽभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

भैरव प्रश्न

जय जयदंबे मातचंडिके भैरव पूछे बात यही ।
इक्कावन संवत्सरका सब हाल सुनादो सही सही

भवानी उत्तर

माता कहती है ध्यान लगा सुण भैरव फल संवत्सरके
हैं राष्ट्रपती श्रीनिशानाथ शुभ फल सूचक हैं घरघरके ।
मंत्री का पद युवराज लिया अरुवसी रोहिणी सागरमें
धान्येश जहां हों देव पूज्य रहता आनंद चराचर में
फलपति अरु दुर्गेश भौम नहिं वे चूकेंगे लाखोंमें
कहिं युद्ध रचावें धरणीपर अरु विघ्न मंचावें साखोंमें
अनजल वायू के स्तंभतीन ये रक्षक हैं संवत्सरके
सवविघ्नविपत्ती दूर होंय जव ध्यानधरें विश्वंभरका ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	बृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षलग्नम् ११।१०

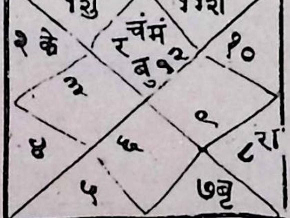

वर्षेश लग्नम् १०।१२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३२।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४५।४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

अथाधिकारिणां फलम् ।।अथास्मिन्वर्षेराजा चन्द्रस्तत्फलम्-चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरंच धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् । मंत्रीबुधस्तत्फलम्–शशिसुतें ननु मंत्रिपदं गते स्व-पतिनारमते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवाजिसमन्वितं यवमसूरचणान्न–महर्घता ।। सस्येशः शनिस्तत्फलम्– रविसुतेयदि धान्यपतौजना नृपतिभिः परिपीड़ित विग्रहाः । गदभयं तुषधान्यहरंसदादुरितवादविवादयुतानराः धान्योशोगुरुस्तत्फलम्-गुरौ धान्याधिपेयाते यवगोधूमशालयः । पच्यंते सर्व देशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशोबुधस्तत्फलम्–अमृतरस्मिसुतेयदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् द्विजवरायजनोत्सुकचेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलं-यदि विधौरसपेभुविमानवा नवनवां बुभुजे युवतीं प्रियाम् । जलधरावहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। फलेशोः भौम-स्तत्फलम्-फलपतिर्यदि भूतनयोभवेन्नबहुपुष्पफलान्वित पादपाः । गद्भयान्वित-देशजनास्तदानृपतयोवहुविग्रहकारकाः ।। नीर-सेशः शनिस्तत्फलं-अयः पिंडादिलोहानां कृष्णावस्त्रादिवस्तुनां । अर्धवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम्-यदिफलस्यपतौ भृगुजेधरा मुदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुफला नरनाथसुभोगदा द्विजवराश्श्रुति–पाठ–परायणाः । दुर्गेशोभौम स्तत्फलं-अवनिजे गढनायकतांगते विविध, दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भयविशेषतयान फलं क्वचित् ।। सर्वजिन्नामसंवत्सरस्तत्फलम्-सर्वजिद्वत्सरे सर्वे जनास्त्रिदश सन्निभाः ।। राजानो विलयं यांतिभीमसंग्राम–भूमिषु ।। वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम्-सस्यानिघृकार्पास तैलादिसुख संचयः । चैत्रवर्षे भवेद्वृद्धिः नृपसौख्यफलप्रदाः । मेघनाम पुष्करस्तत्फलम्-पुष्करे मंद वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः समुद्रेत्तत्फलम्-समुद्रेतु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकारगृहे फलम्-मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभय् ।।

सं. २०५१ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्रमासः

शुक्ला ३ गुरौ रो.ल. १० (घ.४६।३४या) रे ६ ऽ।।।।।।।।
" ५ शनौ मृगे ल. ऽन्यगो ६ रे. ६ ।।।।ऽऽ।ऽ धन लग्ने चंद्रः ७ मः पूज्य
" १० गुरौ मघा. ल. गो. रे ७।ऽ।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः ।
" १२ शनौ उफा. ल. ऽन्यगो. १० रे. ६ ऽ।।।।।।।।

वैशाखमासः

कृष्णा २ बुधे अनु. ल. गो. रे. ६ ।ऽ।।ऽऽ नृ ऽ।।
" ४ शुक्रे मूले ल. गो. १० रे. ८।।।।ऽ चौ ।ऽ।।
" ११ शुक्रे उमा. ल. १० रे. ७ ।ऽ।।। ऽ नृ.।ऽ।।
शुक्ला ७बुधे. मघा. ल.ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।।ऽ।।
१० शुक्रे उफा. ल. गो. रे ८।ऽ।।।।ऽ।।

ज्येष्ठमासः

कृष्णा २ गुरौ मूले. ल. गो. रे. ८।ऽ।ऽ।ऽ।।।।
" ६ गुरौ उभा. ल. ऽन्यगो. रे ६ ।।।।।।ऽ।।
शुक्ला ५.भौमे मघा. ल. ऽ न्यगो. रे ८।ऽ।।ऽअ।।।।
८ शुक्रे हस्ते ल. २ रे ७ ।ऽ।।ऽ अ ऽ।।।
" १३ भौमे अनु. ल. ऽन्य. गो. २ रे ७।।।ऽऽ चौ ऽ ।।। बृषे (चंद्रः ७ मे पूज्यः)

आषाढमासः

कृष्णा १ शुक्रे उषा ल. २ (घ. ५७।०उ.) रे १०।।।।।।।।।।

कृष्णा७ गुरौ उभा. ल. ऽन्यगो. रे. ८।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धादोषः
" ८ शुक्रे रेव. ल. ऽन्यगोरे. ७।।।।। ऽ चौ ऽऽ।।

मार्गशीर्षमासः

शुक्ला ४ भौमे उषा. ल. ऽ.न्य गो. रे. ६।।।।ऽ अ।।।।
" ८ शनौ उमा. ल. ४-६ रे ६।।।।ऽ चौ ।।।।कर्कल. घ ३६।२७उ कन्याल. चं. ७ पूज्यः
" १० चन्द्रे रेव. ल. ४-६ रे. ६ ।ऽ।।ऽरोऽऽ।। कन्यालग्नं घटी ४५।३६ यावत् चं. ७ पूज्य.

माघमासः

कृष्णा५ शनौ उफा. ल. गो. ८-६ रे ८ऽ।।।।।ऽ।।
" ६ रवौ हस्ते. ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽ रो ऽ।।
शुक्ला४ शुक्रे उभा. ल. ८।६ रे. ७।।।। ऽ अ ऽऽ।।
" ५ शनौ रेव. ल. ऽन्य गो. ८।६ रे १० ।।।।।।।।।
" ८ बुधे रोहि ल. ८ (घ. ४८।२० उ) रे ८।।।।। ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः
" ६ गुरौ. रोहि. ल. गो. ६रे. ७।।।।। ऽ रो ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुनमासः

कृष्णा२ शुक्रे उफा. ल. ८ रे ८।।।।। ऽनृप ऽ।।
" ३ शनौ हस्ते ल. गो. ८ रे ८।।।।।।ऽ।ऽ दग्धादोषः
शुक्ला१ गुरौ उभा. ल. ८ रे ७ ।ऽ।।ऽ रो ऽ।।
" २ शुक्रे. उभा. ल. ६ रे.८।ऽ।।।ऽ।।। चं. ७ मः पूज्यः
" ७ बुधे रोहि. ल. ऽ न्य गो. ६ रे ८।।।।।ऽऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ७३६ सन् १९९४
१	चं	६०	०	रे	१३	२६	वै	२७	१४	किं	३१	६	३५/२७	५/४३	६/१७	२१	२६	११	मे.१३।२६	उमा. भौमः ०।५८ संवत्सरारंभः
१	मं	४	१८	अ	२१	९	वि	२९	४१	व	४	१८	३०	४२	१८	२२	३०	१२	मेषे	चंद्रदर्शनम् नवरात्रारंभ :
२	बु	१०	२९	भ	२५	११	प्री	३२	१०	कौ	१०	२९	३४	४१	१९	२३	१	१३	वृ४५।५९	अश्वि. मेषेऽर्क ५४।१७ (सौर ५६।३४)=
३	गु	१६	४६	कृ	३६	२२	आ	३३	५८	ग	१६	४६	३८	४०	२०	२४	२	१४	वृषे	भ. ४९।३४ उ. गणगोरी मत्स्यज.
४	शु	२२	२२	रो	४२	३०	सौ	३५	३३	वि	२२	२२	४२	४०	२०	२५	३	१५	वृषे	भ. २२।२२ या. रेवत्यां बुधः ४१।३२.
५	श	२७	८	मृ	४८	२९	शो	३६	२९	बा	२७	८	४६	३९	२१	२६	४	१६	मि१५।३४	[=सिंघारा जिल्काद ११
६	र	३०	३२	आ	५२	४७	अ	३६	२०	तै	३०	३२	५०	३८	२२	२७	५	१७	मिथुने	[8 बुधास्तः पूर्वस्यां १८।३८.
७	चं	३२	४७	पु	५५	३२	सु	३४	५३	ग	१	३९	५३	३७	२३	२८	६	१८	क३९।५३	भ. ३२।४७ उ. कृत्ति शुक्रः २४।५१8
८	मं	३३	७	पु	५६	४२	धृ	३२	३	वि	२	५७	५७	३७	२३	२९	७	१९	कर्के	भ. २।५७ या. [A भा. वैशाखारंभः
९	बु	३१	४९	श्ले	५५	५५	शू	२७	४३	बा	२	२८	३२/१	३६	२४	३०	८	२०	सिं५५।५५	रामनवमी पातस्पर्शः ८।४५ मोक्षः ३३/२१.
१०	गु	२७	२१	म	५३	९	गं	२१	४९	ग	२७	२१	५	३५	२५	१	९	२१	सिंहे	भ. ५५।११ उ. वृषे शुक्रः ७।२७ A
११	शु	२३	२	पू	४८	३५	वृ	१४	२२	वि	२३	२	९	३४	२६	२	१०	२२	सिंहे	भ. २३।२ या.. अश्वि.मेषे बुधः ४०।३६B
१२	श	१६	१	उ	४२	३१	ध्रु	४५/३	५०/५५	बा	१६	१	१२	३४	२६	३	११	२३	कं.२।४	प्रदोषः [B कामदा ११ व्र.
१३	र	७	४१	ह	३५	२३	ह	४५	१६	तै	७	४१	१६	३३	२७	४	१२	२४	कन्यायां	भ. ५८।२ उ.
१४	र	५०	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[÷ ३०।२४ हनुमज्जयंती.
१५	चं	४७	५९	चि	२७	२८	व	३४	१९	वि	२३	०	२०	३२	२८	५	१३	२५	तु.१।२५	भ. २३।० या वक्री स्वाती ३ गुरुः ÷

१ पं. चै.शु.२बु. इ. ५४।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	६	०	१०	७	११
०	५	१३	१८	२१	१४	१	२९
०	३३	२४	१	९	४७	५१	५७
०	४	५८	४४	४३	२४	१४	४६
५८	४६	०/०	७/११	७३	५	३	५८
४४	४	०/७	व.	५६	५४	११	४५

गोचर ग्रहाः

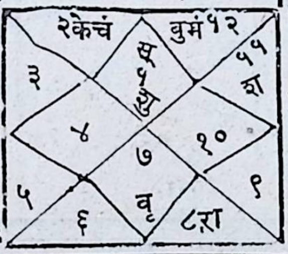

चैत्र शुक्ला २ बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वाः. न. प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिर्भावि समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

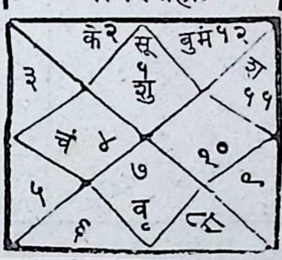

२ पं. चै.शु.९बु.इ.५४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	६	०	१०	७	०
६	१०	२६	१७	२९	१५	१	६
५०	५८	२८	११	४४	२६	२८	४७
४२	२३	५९	६	१०	५३	५८	५७
५८	४५	०/०	७	७३	५	३	५८
३१	५३	२६/५	४३	५०	३२	११	२९

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्रा
१	मं	३७	५२	स्वा	१९	३४	सि	२३	२१	बा	१२	५५	३३/२३	५/३१	६/२९	६	१४	२६	वृ५८।४६	[÷(सॉरः ३७।५९).
२	बु	२८	२८	वि	११	५०	व्य	१२	४५	तै	३	१०	२७	३१	२९	७	१५	२७	वृश्चिके	भ. ५४।१० उ. भरण्यां रवि. ३४।३०÷
३	गु	१९	५३	अ	५	१४	व	५८/२	५५/२५	वि	१९	५३	३१	३०	३०	८	१६	२८	वृश्चिके	भ. १९।५३ या. रेवत्यां भौमः 8
४	शु	१२	४५	ज्ये	०/१	५६/३५	शि	४७	१६	बा	१२	४५	३४	२९	३१	९	१७	२९	घ.०।१	भरण्यां बुधः ८।१९ रोहि. शुक्रः १८।५३
५	श	७	३५	पू	५५	१	सि	४१	४४	तै	७	३५	३८	२८	३२	१०	१८	३०	धनुषि	[8 १८।४८ च. व्र.
६	र	४	१६	उ	५५	२२	सा	३७	४७	व	४	१६	४१	२८	३२	११	१९	१	म.१०।७	भ. ४।१६ उ. ३३।४० या मई ५ ता. ३१+
७	चं	३	४	श्र	५७	५२	शु	३५	२५	ब	३	४	४५	२७	३३	१२	२०	२	मकरे	[+पातस्पर्शः ३४।४३ पातमोक्षः ५३।१७
८	मं	३	५०	ध	६०	०	शु	३४	२१	कौ	३	५०	४८	२६	३४	१३	२१	३	कुं.२९।५३	[A शतभिषा ४ शनिः ४१।२८.
९	बु	६	११	ध	१	५५	ब्र	३५	६	ग	६	११	५२	२६	३४	१४	२२	४	कुंभे	भ. ३८।११ उ.
१०	गु	१०	११	श	७	२५	ऐं	३६	८	वि	१०	११	५५	२५	३५	१५	२३	५	मी५७।१७	भ. १०।११ या कृति बुधः १७।५७ A
११	शु	१५	१९	पू	१३	५५	वै	३८	७	बा	१५	१९	५८	२४	३६	१६	२४	६	मीने	वृषे बुधः ५३।६ वरूथिनी ११ व्र.
१२	श	२१	२२	उ	२०	५९	वि	४०	२७	तै	२१	२२	३३/२	२४	३६	१७	२५	७	मीने	प्रदोषः
१३	र	२७	२०	रे	२८	४३	प्री	४२	५०	व	२७	२०	५	२३	३७	१८	२६	८	मे.२८।४३	भ. २७।२० उ.
१४	चं	३३	४०	अ	३६	१९	आ	४५	१८	वि	०	३०	८	२२	३८	१९	२७	९	मेषे	भ. ०।३० या.
३०	मं	३९	४६	भ	४३	४०	सौ	४७	३६	च	६	४३	११	२२	३८	२०	२८	१०	मेषे	मृगे शुक्रः २०।२१.

३ पं.वै.कृ.२बु.इ. ५४।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	१	१०	७	०
१२	१६	१०	१९	८	१६	१	१२
३९	२१	४५	१९	१६	३	६	३६
४७	४३	२९	५	४४	३२	४२	२२
५८	४५	६५/१	५ ७/२	७३	५	३	५९
१९	४९	०/१२	व.	४४	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ल ४ शनौ वृषेऽर्क प्रविष्टः वा. ४ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

४ पं.वैं.कृ.९बु.इ. ५५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	१	१०	७	०
२०	२१	२५	१५	१६	१६	०	२०
२७	४४	५१	२५	४७	३६	४४	२३
५५	३५	५८	४४	४९	२५	२७	०५
५८	४५	६५/१	५ ७/२	७३	४	३	५७
६	३९	०/५	व.	२८	३८	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९१६												दि	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुतरेऽ हर्ग. ७६६ सन्१९९४
१	बु	४५	२६	कृ	५०	४६	शो	४६	२८	किं	१२	३७	३३ ५४	५ ०५	६ ३९	२१	२६	११	वृ.०।२५	कृति रवि २०।२६ (सौर; २५।५१) रोहि-
२	गु	५०	२६	रो	५७	२	अ	५०	५१	बा	१७	५६	१७	२१	३६	२२	३०	१२	वृषे	चंद्र दर्शनम् [–बुधः४०।४७ बुधोदयः::
३	शु	५४	४८	मृ	६०	०	सु	५१	३४	तै	२२	३८	२०	२०	४०	२३	१	१३	मि. २९ ४७	परशुराम जयंती अक्षया ३ जिल्हेज १२
४	श	५७	५६	मृ	२	३२	धृ	५१	२०	व	२६	२३	२३	१६	४१	२४	२	१४	मिथुने	भ.२६।२३उ.५७।५९या. वृषेऽर्के४७।४१८
५	र	६०	०	आ	७	१	शू	५०	३७	ब	२९	४	२६	१९	४१	२५	३	१५	क५४।४४	अश्वि. मेषे भौमः ४५।३ मिथुने शुक्रः ५१ ५२
५	चं	०	६	पु	१०	३९	गं	४८	४६	बा	०	६	२८	१८	४२	२६	४	१६	कर्के	[::पश्चिमायां४०।२९ [8सौरः५३।३६
६	मं	०	५६	पु	१२	४४	वृ	४५	४७	तै	०	५६	३१	१८	४२	२७	५	१७	कर्के	भ.०।२९ उ.२८।४५ या.विशा.३ तुलायांA
७ ८	बु	२० ९	५७ ३१	श्ले	१३	३४	ध्रु	४१	२७	व	०	२६	३४	१७	४३	२८	६	१५	सिं१३।३४	[Aराहुः कृत्ति १ मेषे केतुः ५४।१०
९	गु	५४	४४	म	१२	४०	व्या	३५	५७	बा	२५	५२	३७	१७	४३	२९	७	१६	सिंहे	मृगे बुधः ०।५५
१०	शु	४६	२६	पू	१०	१३	ह	२६	५	तै	२२	५	३९	१६	४४	३०	८	२०	कं२४।१२	[B-२१।२८ मोहिनी ११व्र
११	श	४२	५०	उ	६	११	व	२१	१०	व	१६	८	४२	१६	४४	३१	९	२१	कन्ययां	भ. १६।८ उ.४२।५० या. आर्द्रा शुक्रःB
१२	र	३४	४६	ह	०५ ५	५३ ३२	सि	१२	११	ब	८	४६	४४	१५	४५	१	१०	२२	तु२७।५१	वक्री स्वाती २ गुरुः २२।२८भा.ज्येष्ठारंभ
१३	चं	२५	४७	स्वा	४७	१४	व्य	१३	४९ ३६	कौ	०	१८	४७	१५	४५	२	११	२३	तुलायां	मिथुने बुधः १८।३९ प्रदोषः नृसिंह १४
१४	मं	१६	८	वि	३९	४४	प	४१	१०	व	१६	८	४९	१४	४६	३	१२	२४	वृ२६।३७	भ. १६।८ उ. ४१।१८ या.
१५	बु	६	२८	अ	३२	२६	शि	३०	५६	ब	६	२८	५२	१४	४६	४	१३	२५	वृश्चिके	रोहि. रविः ११।१५(सौरः १९।४६)

५पं.वै.शु. १बु. इ. ५५।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	६	१	१०	७	०
२७	२७	१०	१४	२५	१७	०	२७
१३	५	३१	३३	१५	६	२२	८
३७	२४	१२	२२	५४	४	११	१९
५७	४५	० ९	३८	७३	४	३	५७
५४	२४	९ १४	व.	१६	४	११	४५

६ पं.वै.शु. ७बु.इ.५५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	६	२	१०	६	१
३	२	२३	१३	३	१७	२९	३
५८	२३	१०	४३	४२	३१	५९	५२
३७	५६	४४	५९	१४	१६	५६	०
५७	४५	०	५६ ७	७३	३	३	५७
४४	२२	९ ५४	व	२	३१	११	३४

७पं.वै.शु.१५बु.इ.५५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	२	१०	६	१
१०	७	३	१२	१२	१७	२९	१०
४२	३८	१३	५९	६	५२	३७	३४
२९	४६	२३	१३	२५	२३	४०	११
५७	४५	७३	६ १	७२	२	३	५७
३५	८	५८	व	४७	४६	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुतरेवैशाखकृष्णाति महाराष्ट्रा
१	बु	५०	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		
२	गु	४९	७	ज्ये	२५	५७	सि	२१	१५	तै	२३	६	३३ ५४	५ १३	६ ४७	५	१४	२६	घ२५।५७	
३	शु	४२	१९	मू	२०	४७	सा	१२	३५	व	१५	४३	५६	१३	४७	६	१५	२७	धनुषि	भ. १५।४३ उ. ४२।१९ या.
४	श	३७	२५	पू	१७	१३	शु	०५ ६	५४ १४	ब	६	५२	५८	१२	४८	७	१६	२८	म३१।४९	आर्द्रा बुधः ४३।७ चतुर्थी व्रत
५	र	३४	३८	उ	१५	३७	ब्र	५५	५४	कौ	६	१	३४ ०	१२	४८	८	१७	२९	मकरे	
६	चं	३४	६	श्र	१६	२७	ऐं	५३	४०	ग	४	२२	२	१२	४८	९	१८	३०	कुं४७।४७	भ. ३४।६ उ.
७	मं	३५	३१	ध	१९	८	वै	५३	२२	वि	४	४८	३	११	४९	१०	१९	३१	कुंभे	भ. ४।४८ या.
८	बु	३८	५६	श	२३	५२	वि	५३	४६	बा	७	१३	५	११	४९	११	२०	१	कुंभे	पुन. शुक्र ३२।२० जून ६ ता. ३०
९	गु	४३	४२	पू	२९	४६	प्री	५५	३०	तै	११	१९	७	११	४९	१२	२१	२	मी१३।१७	भरण्यां भौमः ३२:२४
१०	शु	४९	३८	उ	३७	४	प्री	५७	४७	व	१६	४०	९	१०	५०	१३	२२	३	मीने	भ. १६।४० उ. ४९।३८ या.
११	श	५५	४५	रे	४४	२४	सौ	६०	०	ब	२२	४१	१०	१०	५०	१४	२३	४	मे४४।२४	अपरा ११ व्रतम्
१२	र	६०	०	अ	५२	६	सौ	०	२२	कौ	२८	५५	१२	१०	५०	१५	२४	५	मेषे	
१२	चं	२	५	भ	५९	२९	शा	२	५६	तै	२	५	१३	९	५१	१६	२५	६	मेषे	प्रदोषः
१३	मं	८	४	कृ	६०	०	अ	५	१२	व	८	४	१५	९	५१	१७	२६	७	वृ१६।१२	भ. ८।४ उ. ४०।४५ या.
१४	बु	१३	२५	कृ	६	२३	सु	७	२	श	१३	२५	१६	९	५१	१८	२७	८	वृषे	मृगे रविः ६।८ (सौरः १८।३६)
३०	गु	१७	४८	रो	१२	१६	धृ	८	८	ना	१७	४८	१७	९	५१	१९	२८	९	मि४४।४९	कर्के शुक्रः ५७।११ वटार्चनम्

८पं. ज्ये.कृ. ८बु.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	२	१०	६	१
१७	१२	१०	१२	१०	१८	२९	१७
२५	५२	१७	२०	२८	९	१५	१५
१९	३०	२८	१०	५	२५	२४	१७
५७	४४	४०	५	७२	२	३	५७
२७	५५	५९	११	२५	७	११	१३

गोचर ग्रहाः

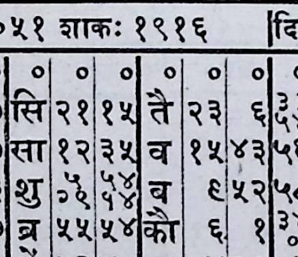

इस मास में अनाज

गल्ला जौ गेहूं चना रुई बिनोला मटर अरहर सोना चांदी तेज हो किराना लाख-चपड़ा मंदा हो

गोचर ग्रहाः

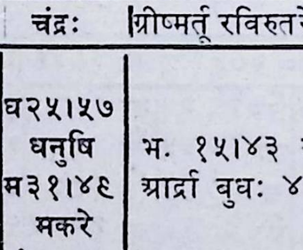

९पं.ज्ये.कृ.१४बु.इ५५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	६	२	१०	६	१
२४	१८	१३	११	२८	१८	२८	२३
७	३	५६	४७	४६	२०	५३	५५
१९	११	३१	४२	५	५६	९	१३
५७	४४	७	४ २	७२	१	३	५७
२२	४३	५५	व	२	२८	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ऽहर्ग. ७९६ सन् १९९४
१	शु	२१	१७	मृ	१७	२१	शू	८	२५	ब	२१	१७	३४/१८	८	५६	२०	२९	१०	मिथुने	वक्री बुधः ५७।४४
२	श	२३	२९	आ	२१	१६	गं	७	४९	कौ	२३	२९	१९	८	५२	२१	३०	११	मिथुने	चंद्र दर्शनम्
३	र	२४	५३	पु	२४	१४	वृ	६	३९	ग	२४	५३	१९	८	५२	२२	१	१२	क८।३०	भ.५५।०उ.पुष्ये शुक्रः ५०।२४ मोहोरमA
४	चं	२५	७	पु	२६	२	ध्रु	४	२५	वि	२५	७	२०	८	५२	२३	२	१३	कर्के	भ. २५।७ या. [A१ सन् १४१५ हि.
५	मं	२४	२२	श्ले	२६	५८	व्या	५/३९	५६/२४	बा	२४	२२	२१	८	५२	२४	३	१४	सिं. २६/५८	
६	बु	२२	२७	म	२७	१	व	५३	२६	तै	२२	२७	२१	८	५२	२५	४	१५	सिंहे	मिथुनेऽर्क ४।४२ (सौरः १९।२४)
७	गु	१९	२५	पू	२५	४८	सि	४६	४९	व	१९	२५	२२	८	५२	२६	५	१६	क.४०।१४	भ. १९।२५ उ. ४७।२८ या. बुधास्तः×
८	शु	१५	३१	उ	२३	३४	व्य	४१	३५	ब	१५	३१	२२	८	५२	२७	६	१७	कन्यायां	[×पश्चिमायां ५।२६
९	श	१०	३४	ह	२०	१६	व	३४	१४	कौ	१०	३४	२३	७	५३	२८	७	१८	तु.४८।३	[=११व्र. स्मा.
१०	र	४	२६	चि	१५	५०	प	२६	१६	ग	४	२६	२३	७	५३	२९	८	१९	तुलायां	भ. ३०।५६ उ. ५७।२६ या. निर्जला =
११	र	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ ३।३७(सौरः २०।५७) वक्री शनिः+
१२	चं	४९	३५	स्वा	१०	३४	शि	१७	३४	ब	२३	३०	२३	७	५३	३०	९	२०	वृ.५१।१२	कृत्ति. भौमः ४२।४८.निर्जला ११ व्र. वै.
१३	मं	४१	२०	वि	४/४४	५३/५५	सि	८/२०	५०/३३	कौ	१५	२७	२४	७	५३	३१	१०	२१	वृश्चिके	प्रदोष व्रत [+४७।१९ भा.आषाढारभंः
१४	बु	३२	५६	ज्ये	५२	२९	शु	४९	३८	ग	७	८	२४	७	५३	१	११	२२	ध.५२।२९	भ. ३२।५६ उ. ५९।१ या. आर्द्रा.रविः÷
१५	गु	२५	५	मू	४७	७	शु	४१	२	व	२५	५	२४	७	५३	२	१२	२३	धनुषि	गुर्जराणां वट सावित्री व्र.

१०पं.ज्ये.शु.६बु.इ.५५।३६ | गोचर ग्रहाः | ज्येष्ठ शुक्ले ६ बुधे | गोचर ग्रहाः | ११पंज्ये.शु१४बु.इ५५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	६	३	१०	६	२
०	२३	१४	११	७	१८	२८	०
४८	११	१	२३	०	२८	३०	३४
३६	२४	१	३८	५४	८	५३	२२
५७	४४	१९/१९	२/४९	७१	०	३	५६
१७	२७	व.	व.	३४	४९	११	५७

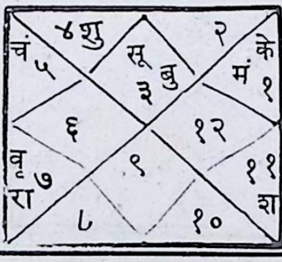

मिथुनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३०धान्या दिभावे समता शुक्रो-दयः पश्चिमायां

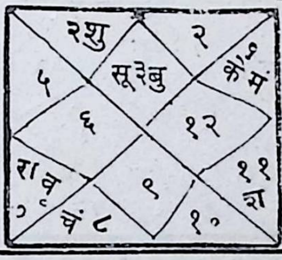

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	६	३	१०	६	२
७	२८	११	११	१५	१८	२८	७
२९	१७	१२	७	११	३०	८	१२
३१	४६	१५	४४	५६	४३	३८	४९
५७	४४	३२/४९	२१/२९	७१	०/१	३	५६
१३	११	व.	व.	७	वं.	११	५४

ति.	आषाढ कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	१८	८	पू	४२	५२	ब्र	३३	९	कौ	१८	८	३४/३४	७	५६	३	१३	२४	म५७।०	आश्ले शुक्रः ९।५१
२	श	१२	३९	उ	३९	५६	ऐं	२६	२५	ग	१२	३९	२४	७	५३	४	१४	२५	मकरे	भ. ४०।४१ उ. वृषे भौमः १४।९
३	र	८	४४	श्र	३८	१०	वै	२१	१८	वि	८	४४	२३	७	५३	५	१५	२६	मकरे	भ. ८।४४ या. चतुर्थी व्रत
४	चं	७	९	ध	४०	१७	वि	१७	४३	बा	७	९	२३	७	५३	६	१६	२७	कुं ९।४६	
५	मं	७	२०	श	४३	३४	प्री	१५	४७	तै	७	२०	२२	८	५२	७	१७	२८	कुंभे	[×५५।२९
६	बु	९	४४	पू	४५	३१	आ	१५	३३	व	९	४४	२२	८	५२	८	१८	२९	मी३२।१७	भ. ९।४४ उ.°४१।४६ या. मार्गी गुरु×
७	गु	१३	४७	उ	५५	०	सौ	१६	१२	ब	१३	४७	२१	८	५२	९	१९	३०	मीने	
८	शु	१९	१८	रे	६०	०	शो	१८	१८	कौ	१९	१८	२०	८	५२	१०	२०	१	मीने	वक्री मृगे बुधः २६।७ जौलाई ७ ता. ३१
९	श	२५	५	र	२	३	अ	२०	२०	ग	२५	५	१९	८	५२	११	२१	२	मे. २।३	भ. ५८।२० उ.
१०	र	३१	३४	अ	९	४६	सु	२३	४	वि	३१	३४	१८	८	५२	१२	२२	३	मेषे	भ. ३१।३४ या.
११	चं	३७	२९	भ	१७	१२	धृ	२५	२९	ब	४	३१	१७	९	५१	१३	२३	४	बृ३३।४१	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४५।३७ योगिनी ११व्र.
१२	मं	४२	४६	कृ	२३	७	शू	२७	२३	कौ	१०	७	१६	९	५१	१४	२४	५	वृषे	मघायां सिंहे शुक्रः ४६।४१
१३	बु	४६	४९	रो	२९	५८	गं	२८	२४	ग	१४	४७	१५	९	५१	१५	२५	६	वृषे	भ. ४६।४९ उ. पुन. रविः २।२७ (सौर=
१४	गु	४९	३४	मृ	३४	४४	वृ	२८	३०	वि	१८	११	१४	९	५१	१६	२६	७	मिं २।२१	भ. १८।११ या. [=२४।५९)प्रदोषः
३०	शु	५१	२६	आ	३८	१०	ध्रु	२७	३८	च	२०	३०	१३	९	५१	१७	२७	८	मिथुने	मार्गी बुधः १५।१५

१२ पं.आ.कृ.६ बु.५५।२९ | गोचर ग्रहाः | | गोचर ग्रहाः | १३ पं.आ.कृ.१३बु. इ. ५५/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	३	१०	६	२
१४	३	७	११	२३	१८	२७	१३
९	१९	२५	०	१८	२८	४६	५०
५८	१	५२	४०	१८	२३	२२	५४
५९	४३	३१/२२	०/०	७०	०/३४	३	५६
७	५३	व.	॥.	२९	व.	११	५०

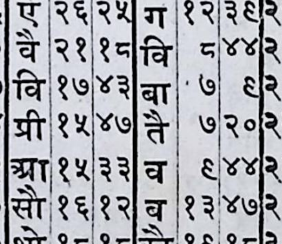

वृष राशि का भौम सब धान्य चंदन केसर वस्त्र कपास रुई तेज करे। हवा के साथ वर्षा होगी।

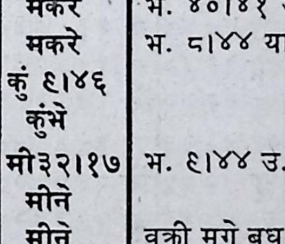

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	४	१०	६	२
२०	८	५	११	१	१८	२७	२०
५०	१८	२९	२	१९	२१	२४	२८
२४	२९	५६	२०	४४	११	६	४८
५७	४३	५/०	१/४	६९	२/५	३	५६
७	१३	व.	मा	३८	व.	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८२५ सन्.१९९४
१	श	५१	८	पु	४०	१३	व्या	२५	४३	किं	२१	१७	३४/५१	५/१०	६/४०	१८	२८	९	क.२४।४३	रोहि. भौमः १६।१६
२	र	४९	५६	पु	४१	१२	ह	२२	५२	बा	२०	३२	१०	१०	५०	१९	२९	१०	कर्के	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
३	चं	४८	४	श्ले	४१	१४	व	१९	८	तै	१९	०	८	१०	५०	२०	१	११	सिं. ४५/५४	सफर २
४	मं	४५	१३	म	४०	२३	सि	१४	३४	व	१६	३८	७	११	४९	२१	२	१२	सिंहे	भ. १६।३८ उ. ४५।१३ या. आर्द्रा×
५	बु	४१	३५	पू	३८	४२	व्य	९	२६	व	१३	२४	५	११	४९	२२	३	१३	कं५३।१०	[× बुधः १०।५१
६	गु	३७	३५	उ	३६	२५	व	४/०	५३/५८	कौ	९	३५	३	११	४९	२३	४	१४	कन्यायां	
७	शु	३३	१	ह	३४	८	शि	५१	३३	ग	५	१८	१	१२	४८	२४	५	१५	कन्यायां	भ. ३३।१ उ.
८	श	२७	५९	चि	३०	५८	सि	४४	४८	वि	०	३०	३३/५९	१३	४८	२५	६	१६	तुँ२।२३	भ. ०।३० या. कर्केऽर्कः ३१।५३ =
९	र	२२	२६	स्वा	२७	२४	सा	३७	३६	कौ	२२	२६	५७	१३	४७	२६	७	१७	तुलायां	पूफा शुक्रः ३५।४५
१०	चं	१६	२६	वि	२३	३१	शु	३०	७	ग	१६	२६	५५	१३	४७	२७	८	१८	वृ.९।२९	भ. ४३।१७ उ. [=(सौर : ५७।४३)
११	मं	१०	८	अ	१९	१३	शु	२२	८	वि	१०	८	५२	१४	४६	२८	९	१९	वृश्चिके	भ. १०।८ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	बु	३	३९	ज्ये	१४	५४	ब्र	१४	२७	बा	३	३९	५०	१४	४६	२९	१०	२०	ध.१४।५४	पुष्ये रविः १।११ (सौरः २८।२४) +
१३	गु	५३	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+विशा.२ राहुः भरणी ४ केतुः ÷
१४	शु	५१	३७	मू	१९	४४	ऐं	६/४३	५२/५५	ग	२४	२९	४६	१४	४६	३०	११	२१	धनुषि	भ. ५१।३७ उ. [÷ ४७।१६ प्रदोषः
१५	श	४६	४१	पू	६	५६	वि	५३	११	वि	१९	९	४५	१५	४५	३१	१२	२२	म.२१।१६	भ. १९।९ या. गुरु १५ वायु परीक्षा

१४ पं.आ.शु.५. बु.इ. ५५/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	४	१०	६	२
२७	१३	७	११	९	१८	२७	२७
३०	१४	३७	१२	१५	९	१	६
४३	२	४१	१४	३२	१४	५१	५५
५७	४२	३३/९	२	६८	२/४	३	५६
११	५६	मा	२४	४९	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ८

शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ६ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

१५पं.आ.शु.१२बु.इ.५५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	६	४	१०	६	३
४	१८	१४	११	१७	१७	२६	३
११	५	९	३१	५	५२	३०	४५
२८	५६	४३	२३	१०	५५	३५	२२
५७	४२	७५	३	६७	२/३६	३	५६
१५	३८	४४	४४	४६	व.	११	५८

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	अ.	उ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	४३	२	उ	४	१७	प्री	४७	३६	बा	१४	५१	३३/४३	५/१५	६/४५	१	१३	२३	मकरे	भा. श्रावणारंभः
२	र	४१	१८	श्र	३	७	आ	४३	३१	तै	१२	१०	४०	१६	४४	५	१४	२४	कुं.३३।२०	
३	चं	४०	५७	ध	३	३२	सौ	४०	४४	ब	११	७	३८	१६	४४	३	१५	२५	कुंभे	भ. ११।७ उ. ४०।५७ या. पुन. बुधः+
४	मं	४२	४२	श	५	४२	शो	३९	४०	व	११	४९	३५	१७	४३	४	१६	२६	मी. ५३/४३	चतुर्थी व्र. [+२६।४०
५	बु	४६	२	पू	९	४३	अ	३९	२२	कौ	१४	२२	३३	१७	४३	५	१७	२७	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	गु	५०	५९	उ	१५	१४	सु	४०	३३	ग	१८	३०	३०	१८	४२	६	२८	२८	मीने	भ. ५०।५९ उ. मृगे भौमः ३२।७
७	शु	५६	४३	रे	२१	४०	धृ	४२	२५	वि	२३	५१	२७	१९	४१	७	१९	२९	मे२१।५७	भ. २३।५१ या. उफा. शुक्रः ३७।८
८	श	६०	०	अ	२९	४	शू	४४	४८	बा	२९	३४	२४	१९	४१	८	२०	३०	मेषे	[÷शुक्रः४५।१२ बुधास्तः पूर्वस्यां ८।१४=
८	र	२	२६	भ	३६	३७	गं	४७	२३	कौ	२	२६	२२	२०	४०	९	२१	३१	वृ ५३/२६	कर्कें बुधः ६।१७. [=अगस्त्य ८ता. ३१
९	चं	८	५५	कृ	४३	५५	वृ	४९	२९	ग	८	५५	१९	२०	४०	१०	२२	१	वृषे	भ. ४१।३५ उ. पुष्ये बुधः ५९/४२ कन्यायां÷
१०	मं	१४	१६	रो	५०	१६	ध्रु	५१	२	वि	१४	१६	१६	२१	३९	११	२३	२	वृषे	भ. १४।१६ या आश्ले. रविः ५८।१२
११	बु	१८	२३	मृ	५५	११	व्या	५१	१९	बा	१८	२३	१३	२१	३९	१२	२४	३	मि२२।४३	आश्ले. रविःसौरः २९।११ कामिका×
१२	गु	२१	१६	आ	५८	४०	ह	५०	३६	तै	२१	१६	१०	२२	३८	१३	२५	४	मिथुने	प्रदोषः [×११ व्र.
१३	शु	२२	१३	पु	६०	०	व	४८	२६	व	२२	१३	७	२३	३७	१४	२६	५	कँ४५।२	भ. २२।१३ उ. ५१।५४ या.
१४	श	२१	३५	पु	०	२९	सि	४५	४	श	२१	३५	४	२३	३७	१५	२७	६	कर्के	
३०	र	१९	२३	पु	४/३	५९/०	व्य	४०	३०	ना	१९	२३	०	२४	३६	१६	२८	७	सिं. ५९/४३	मिथुने भौमः ३१।४५ हरियांली ३०.

१६पं.श्रा.कृ.५बु.इ.५४।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	४	१०	६	२
१०	२२	२४	११	२४	१७	२६	१०
५२	५४	२१	५८	४६	३२	१७	२४
३०	४८	५०	४८	४४	३८	२०	३९
५७	४२	७/०	४	६६	३/१५	३	५७
२०	१९	९/३	५२	३१	व.	११	५

ग्रोचर ग्रहाः

इस मास का फल

मध्यम है जौ बोहूं चावल मूंग धूल तैल तेज वर्षा में कमी, कहीं २ वर्षा अधिक होगी।

ग्रोचर ग्रहाः

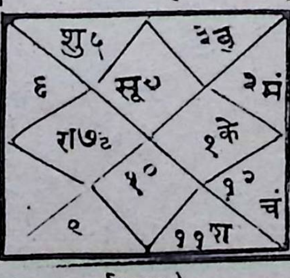

१७पं.श्रा.कृ.११.बु.इ.५४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	६	५	१०	६	३
१७	२७	७	१२	२	१७	२५	१७
३४	३९	२८	३३	२०	८	५५	४
१२	२२	४४	५८	२४	५३	४	२७
५७	४१	०/२	५	६४	३/४८	३	५७
२५	४७	९/३	५९	५९	व.	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ८५५ स. १९९४
१	चं	१५	५८	म	५७	४१	व	३५	२	व	१५	५८	५५	२५	३५	१७	२९	८	सिंहे	आश्ले. बुधः १८।१०
२	मं	११	३१	पू	५४	३८	प	२८	५१	कौ	११	३१	५४	२५	३५	१८	३०	९	सिंहे	चंद्र दर्शनम् सिधारा
३	बु	६	२२	उ	५१	८	शि	२१	५३	ग	६	२२	५०	२६	३४	१९	१	१०	कं.८।४५	भ. ३३।४१ उ. तीज. रविलावल ३
४	गु	१	०	ह	४७	३५	सि	१४	४२	वि	१	०	४७	२७	३३	२०	२	११	कन्यायां	भ. १।० या. स्वाती ३ गुरुः २४।१० A
५	गु	५४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[A हस्ते शुक्रः ११।१ वक्रीशते ३ B
६	शु	५०	१	चि	४३	५६	सा	७	४२	कौ	२२	४६	४४	२७	३३	२१	३	१२	तु.१५।४६	[B शनिः २५।५५ नागपंचमी
७	श	४४	३१	स्वा	४०	२६	शु	४०	५२	ग	१७	१६	४०	२८	३२	२२	४	१३	तुलायां	भ. ४४।३१ उ.
८	र	३९	४०	वि	३७	१७	ब्र	४६	३८	वि	१२	५	३७	२९	३१	२३	५	१४	वृ.२३।५	भ. १२।५ या. मघा. सिंहे बुधः ४८।४८
९	चं	३४	१४	अ	३४	४	ऐं	३९	४९	बा	६	५७	३३	२९	३१	२४	६	१५	वृश्चिके	[× २५।३६ आर्दा भौमः २९।५३ =
१०	मं	२९	११	ज्ये	३१	९	वै	३२	१०	तै	१	४२	३०	३०	३०	२५	७	१६	ध.३१।०९	भ. ५६।५८ उ. मघा सिंहेऽर्कः ५२।१४
११	बु	२४	४६	मू	२८	३९	वि	२६	५०	वि	२४	४६	२६	३१	२९	२६	८	१७	धनुषि	भ. २४।४६ या. मघा सिंहेऽर्क : सौरः ×
१२	गु	२०	४१	पू	२६	२५	प्री	२०	५५	बा	२०	४१	२२	३२	२८	२७	९	१८	म. ४१।५	प्रदोषः [= पवित्रा ११ व्र.
१३	शु	१७	२४	उ	२४	५९	आ	१५	३१	तै	१७	२४	१९	३२	२८	२८	१०	१९	मकरे	[C रक्षा-बंधनम्.
१४	श	१५	२	श्र	२४	२८	सौ	१०	४८	व	१५	२	१५	३३	२७	२९	११	२०	कुं ५४।५२	भ. १५।२ उ. ४४।३२ या.
१५	र	१३	५९	ध	२५	१७	शो	७	१	ब	१३	५९	१२	३४	२६	३०	१२	२१	कुंभे	पूफा बुध. ४५।४० श्रावणीकर्म. C

१८पं.श्रा.शु.३बु.इ.५४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	६	६	५	१०	६	३
२४	२	२१	१३	९	१६	२५	२३
१६	१९	५७	१६	४२	४२	१२	४५
३७	४८	४३	१९	४७	७	४८	३४
५७	४१	[illegible]	६	६३	४	३	५७
३३	२०	४८	४९	१६	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

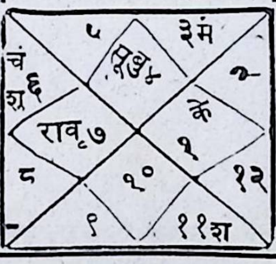

श्रावण शुक्ले १०

भौमे सिंहऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम।

गोचर ग्रहाः

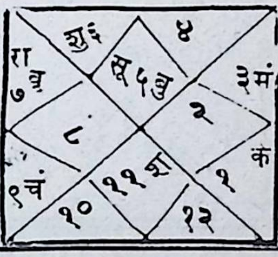

१९गं. श्री. शु. ११बु.इ.५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	५	१०	६	४
०	६	६	१४	१६	१६	२५	०
५९	५६	३	५	५२	१२	१०	२७
५३	४६	५८	१२	४८	५८	३३	४७
५७	४०	[illegible]	७	६०	२	३	५७
४०	४६	३५	५८	५९	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	१४	१२	श	२७	२१	अ	४	१४	कौ	१४	१२	८	३४	२६	३१	१३	२२	कुंभे	
२	मं	१६	१	पू	३०	५०	सु	२	२३	ग	१६	१	४	३५	२५	१	१४	२३	मी१४।५८	भ. ४७।३४ उ. भा. भाद्रपदारंभः
३	बु	१९	८	उ	३५	४१	धृ	२	१३	वि	१९	८	१	३६	२४	२	१५	२४	मीने	भ. १९।८ या. चित्रा. शुक्रः २६।४९ च. व्र.
४	गु	२३	५२	रे	४२	३	शू	२	५५	बा	२३	५२	५७	३७	२३	३	१६	२५	मे ४२।३	[× बुधः १६।१० तुलायां शुक्रः ३२।१६.
५	शु	२९	१८	अ	४८	५८	गं	४	१२	तै	२९	१८	५३	३७	२३	४	१७	२६	मेषे	बुधोदयः पश्चिमायां ४३।५४ चंद्रषष्ठी
६	श	३५	२८	भ	५६	३५	वृ	६	२८	ग	२	२३	४९	३८	२२	५	१८	२७	मेषे	भ. ३५।२८ उ.
७	र	४१	३७	कृ	६०	०	ध्रु	८	५३	वि	८	३२	४६	३९	२१	६	१९	२८	वृ. १३।२७	भ. ८।३२ या.
८	चं	४७	२९	कृ	४	३	व्या	११	२२	बा	१४	३३	४२	४०	२०	७	२०	२९	वृषे	उफा. बुधः १७।५४ श्रीकृष्णजयंती व्र.
९	मं	५२	१३	रो	११	२	ह	१३	११	तै	२९	५१	३८	४०	२०	८	२१	३०	मि४३।५३	पूफा. रविः ४१।५० गोगा ९
१०	बु	५५	३२	मृ	१६	४३	व	१४	१६	व	२३	५२	३४	४१	१९	९	२२	३१	मिथुने	भ.२३।५२ उ. ५५।३२ या. पूफा.रविः=
११	गु	५६	५९	आ	२१	३	सि	१४	८	ब	२६	१५	३०	४२	१८	१०	२३	१	मिथुने	सितम्बर ९ ता. ३० अजा ११ प्र.
१२	शु	५६	३५	पु	२३	३०	व्य	१२	३६	कौ	२६	४७	२६	४३	१७	११	२४	२	क७।५३	वत्सद्वादशी [= सौरः १६।२८ कन्यायां×
१३	श	५४	९	पु	२४	१०	व	९	३८	ग	२५	२२	२२	४४	१६	१२	२५	३	कर्के	भ. ५४।९ उ. प्रदोषः
१४	र	४९	५३	श्ले	२२	५३	प	१०	५४	वि	२२	१	१८	४४	१६	१३	२६	४	सिं२२।५३	भ. २२।१ या.
३०	चं	४४	२६	म	२०	११	सि	५२	१९	च	१७	१०	१५	४५	१५	१४	२७	५	सिंहे	स्वाती ४ गुरुः ९।१९ कुशाग्रहणी मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.३बु.इ.५४।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	५	१०	६	४
७	११	१९	१५	२३	१५	२४	७
४४	२९	७	०	४६	४१	४८	११
२०	१७	४४	२२	४४	५६	१७	२७
५७	४०	[illegible]	८	५८	३	३	५७
४८	५	३४	४९	१४	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

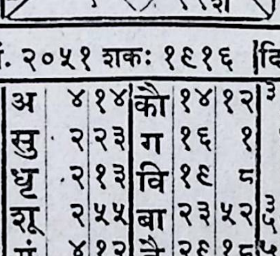

इस मास में

सोमवती अमावास्या, अनीज गल्ला तिलहन धातु में तेजी बंद करके मंदी करे। वर्षा अच्छी हो रसकस धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

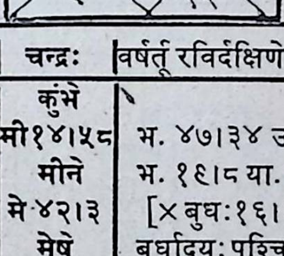

२१पं.भा.कृ.१०बु. इ.५४

र	मं	ब	गु	गु	श	रा	र
४	२	५	६	६	१०	६	४
१४	१५	१	१६	०	१५	२४	१३
३०	५७	४	१	२०	१०	२६	५६
०	२२	२३	२६	५३	५	२	२९
५८	३९	[illegible]	९	५४	४	३	५७
१	३६	२८	३८	३४	व.	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	मं	३७	४६	पू	१६	४	सा	४४	१०	किं	१२	६	३/५१	५/४६	६/१४	१५	२८	६	कं.२९।४८
२	बु	३०	३०	उ	११	५	शु	३५	४६	वा	४	८	७	४७	१३	१६	२९	७	कन्यायां
३	गु	२३	१७	ह	५	४५	शु	२७	६	ग	२३	१७	३	४७	१३	१७	१	८	तु.३३।१८
४	शु	१६	४	चि	०/३३	५५/१	ब्र	१८	६	वि	१६	४	३/५९	४८	१२	१८	२	६	तुलायां
५	श	९	२३	वि	५१	७	ऐं	९	४९	वा	९	२३	५५	४९	११	१९	३	१०	वृ३७।१३
६	र	३	११	अ	४७	२८	वै	२/५४	५२/२५	तै	३	११	५१	५०	१०	२०	४	११	वृश्चिके
७	र	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०
८	चं	५३	१८	ज्ये	४४	२०	प्री	४७	५६	वि	२५	३४	४७	५१	९	२१	५	१२	ध४०।२०
९	मं	४९	३५	मू	४२	२०	आ	४१	५७	वा	२१	२६	४३	५१	९	२२	६	१३	धनुषि
१०	बु	४६	५०	पू	४१	१०	सौ	३६	४०	तै	१८	१२	३९	५२	८	२३	७	१४	म५६।१६
११	गु	४४	५९	उ	४०	५५	शो	३२	११	व	१५	५४	३५	५३	७	२४	८	१५	मकरे
१२	शु	४४	२०	श्र	४१	२६	अ	२८	२२	व	१४	३४	३१	५४	६	२५	९	१६	मकरे
१३	श	४४	२३	ध	४३	१२	सु	२५	३१	कौ	१४	२१	२७	५५	५	२६	१०	१७	कुं१२।१९
१४	र	४५	३४	श	४६	१	धृ	२३	२३	ग	१४	५८	२२	५६	४	२७	११	१८	कुंभे
१५	चं	४८	१०	पू	४९	५७	शू	२२	२७	वि	१६	५२	१८	५६	४	२८	१२	१९	मी३३।५८

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८८४सन् १९९४

हस्ते बुधः ३४।३९
पुन. भौमः २४।७ चंद्र दर्शनम्
भ. ४९।४० उ. स्वात्यांशुक्रः २६।३३A
भ. १६।४ या. गणेशचतुर्थी
ऋषिपंचमी. [A हरितालिका ३ रवि-
भ. ५७।५१ उ. [लाखर ४.
[B बुधः ५५।५ जलझूलनी ११व्र.
भ. २५।३४ या. [÷मेला नवलदुर्गे.
उफा. रविः २६।१५ [×वासर १।५ उ.
उफा रविः १।७ सौरः रामदेवजी का÷
भ. १५।५४ उ. ४४।५९ या. चित्रा.B
कन्यायामर्कः ५१।३६ वामन१२ हरि-×
कन्यायामर्कः सौरः २६।१८ प्रदोषः
भ. ४५।३४ उ. अनंत १४
भ. १६।५२ या. महालयश्राद्धारंभः

२२ पं.भा.शु.२बु.इ.५४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	६	१०	६	४
२१	२०	१२	१७	६	१४	२४	२०
१७	१९	१	८	२९	२८	३	४३
२	३४	३४	२८	३८	६	४६	९
५८	३९	११	१०	४९	४/०	३	५८
१३	११	५०	२२	५३	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

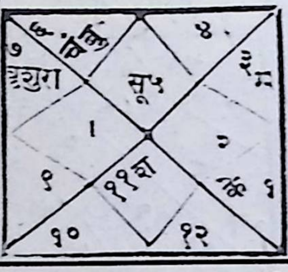

भाद्रपद शुक्ल १२

शुक्रे कन्यायांमर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० वान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम ।

गोचर ग्रहाः

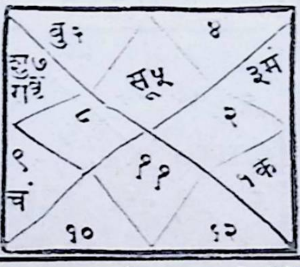

२३ पं.भा.शु.१०बु.इ.५३/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	६	१०	६	४
२८	२४	२१	१८	१२	१४	२३	२७
५	३७	५७	१९	४	६	४१	३१
२४	२६	४३	१२	२६	४०	३०	२९
५८	३८	८०	१०	४४	४/२५	३	५८
२६	३७	४४	५९	१३	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकाः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र
१	मं	५१	४७	उ	५४	५०	गं	२१	५२	वा	१९	५८	०/१४	६/७	३/३	२९	१३	२०	मीने
२	बु	५६	४७	रे	६०	०	वृ	२२	१९	तै	२४	४७	९	५८	२	३०	१४	२१	मीने
३	गु	६०	०	रे	०	५७	ध्रु	२३	४८	व	२९	२१	५	५९	१	३१	१५	२२	मे.०।५७
३	शु	१	५६	अ	७	४१	व्या	२५	३५	वि	१	५६	३०/००	६/००	६/००	१	१६	२३	मेषे
४	श	८	२५	भ	१५	१०	ह	२७	५७	वा	८	२५	५१/५६	६/१	५/५९	२	१७	२४	वृ.३२।४
५	र	१४	४६	कृ	२२	४६	व	३०	२३	तै	१४	४६	५२	२	५८	३	१८	२५	वृषे
६	चं	२०	५५	रो	३०	१७	सि	३२	३७	व	२०	५५	४८	२	५८	४	१९	२६	वृषे
७	मं	२६	१६	मृ	३६	५२	व्य	३४	२६	व	२६	१६	४४	३	५७	५	२०	२७	मि.३।३४
८	बु	३०	२४	आ	४२	२२	व	३५	१३	कौ	३०	२४	४०	४	५६	६	२१	२८	मिथुने
९	गु	३२	५३	पु	४६	११	प	३४	५०	तै	१	३८	३६	५	५५	७	२२	२९	क.३०।१४
१०	शु	३३	२३	पु	४८	८	शि	३२	२१	व	३	८	३२	६	५४	८	२३	३०	कर्के
११	श	३१	५५	श्ले	४८	१	सि	२९	२८	व	२	३९	२८	६	५४	९	२४	१	सिं.४८।१
१२	र	२८	२१	म	४५	४७	सा	२४	२२	तै	२८	२१	२३	७	५३	१०	२५	२	सिंहे
१३	चं	२२	५४	पू	४२	२२	शु	१७	४५	व	२२	५४	१९	८	५२	११	२६	३	कं.५५।५६
१४	मं	१५	४३	उ	३६	४२	शु	९	४१	श	१५	४३	१५	९	५१	१२	२७	४	कन्यायां
३०	बु	७	३९	ह	३०	२६	ब्र	३८	२९	ना	७	३९	११	१०	५०	१३	२८	५	तु.५६।५७

शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

[=भा आश्विनारंभः च.व्र.
तुलायां बुधः १४।३९ विशा. १ राहुः+
भ.२९।२१ उ.[+भरणी.३ केतुः ३९।३८
भ. १।५६ या. कर्के भौम. ४४।३६ =
विशा. १ गुरुः २।५९
[÷शतभिषा. २ शनि. २३।१३
भ. २०।५५ उ. ५३।३६. या. वक्री÷
हस्ते रविः ४।४५ सौरः ३३।४८×
[×स्वात्यां बुधः २३।४३विशा.शुक्रः४।३७
पुष्ये भौम. ३४।५ मातृ ९
भ. ३।८ उ. ३३।२३ या.
अक्टूबर १० ता. ३१ इंदिरा ११ व्र.
प्रदोष व्र.
भ. २२।५४ उ. ४९।१९ या.
सर्वपितृ श्राद्धम्
मातामह श्रा. नवरात्रा.

२४पं. आ.कृ.२बु.इ.५३।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	स
५	२	६	६	६	१०	६	५
४	२८	०	१९	१६	१२	२३	४
५५	४९	४२	३४	५६	३७	१९	२१
१६	४४	४३	५९	१७	१२	१५	३६
५८	३७	६५	११	३६	४	३	५८
२८	५६	३२	३७	२२	व	११	४५

२५पं.आ.कृ.८बु.इ.५३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	६	६	१०	६	५
११	२	७	२०	२०	१२	२२	११
४६	५५	४१	५४	४८	१०	५६	१२
५२	१	५९	२२	११	१९	५९	३७
५८	३७	४६	१२	३६	६/३	३	५९
५३	४	४८	१४	३१	व	११	०

२६पं.आ.कृ२०बु.इ५३।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	६	६	१०	६	५
१४	६	१२	२२	२२	१२	२२	१८
४०	५४	१६	१६	२२	४५	३४	७
६	५०	४४	५५	२०	४०	४४	२४
५९	२६	१५	१२	१३	०/३	३	५९
९	१९	१२	२९	२८	व.	११	१६

×वृ बुउरा (विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ×वृबु७रा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६१३ स. १९९४
१	बु	५१	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=सौरः) विशा. २ गुरुः ८।२७×
२	गु	५०	२	चि	२३	२९	वै	४०	४०	बा	२४	२९	२९/७	६/११	५/४९	१४	२९	६	तुलायां	चंद्र दर्शनम् [×श्रीसरस्वतीपूजनम्
३	शु	४१	२३	स्वा	१६	३९	वि	३०	३१	तै	१५	४२	३	११	४९	१५	१	७	बृ.५६।४४	वक्रो बुधः ५६।१५ जमादिलावल ५
४	श	३३	३१	वि	१०	५	प्री	२०	३७	व	७	२७	५८/५९	१२	४८	१६	२	८	वृश्चिके	भ. ७।२७ उ. ३३।३१ या.
५	र	२६	२८	अ	४/२४	५५/३२	आ	११	२८	बा	२६	२८	५५	१३	४७	१७	३	९	ध.५९।५६	
६	चं	२०	४८	मू	५६	४३	सौ	३/२९	५२/५४	तै	२०	४८	५१	१४	४६	१८	४	१०	धनुषि	चित्रा. रविः ३६४७ सरस्वत्यावाहनम्
७	मं	१६	३०	पू	५४	५७	अ	५०	२६	व	१६	३०	४७	१५	४५	१९	५	११	धनुषि	भ. ३६/३० उ.४५।७या. चित्रा रविः९।२२=
८	बु	१३	४३	उ	५४	२८	सु	४५	३५	ब	१३	४३	४३	१५	४५	२०	६	१२	म.९।५०	वक्री शुक्रः १४।३७ बलिदानं.
९	गु	१२	१५	श्र	५५	३२	धृ	४१	५३	कौ	१२	१५	३९	१६	४४	२१	७	१३	मकरे	विजया १० सरस्वतीविसजनम्
१०	शु	१२	१३	ध	५७	५२	शू	३९	१९	ग	१२	१३	३५	१७	४३	२२	५	१४	कुं.२६।४२	भ. ४३/५५ उ. बुधास्तः पश्चिमायां ५९/५४
११	श	१३	३७	श	६०	०	गं	३७	३८	वि	१३	३७	३१	१८	४२	२३	९	१५	कुम्मे	भ. १३।३७ या. पाँपांकुशा ११ व्र.
१२	र	१५	५३	श	१	१४	वृ	३७	८	बा	१५	५३	२७	१९	४१	२४	१०	१६	मी४९।४४	प्रदोष व्र.
१३	चं	१८	३९	पू	५	५४	ध्रु	३७	२७	तै	१८	३९	२३	१९	४१	२५	११	१७	मीने	तुलायामर्कः २०।३६ (सौरः ५२।६)
१४	मं	२३	५६	उ	११	२७	व्या	३८	८	व	२३	५६	२०	२०	४०	२६	१२	१८	मीने	भ. २३।५६ उ. ५६।४० या. कोजागरी व्र.
१५	बु	२९	२३	रे	१७	५०	ह	३९	३२	ब	२९	२३	१६	२१	३९	२७	१३	१९	मे.१७।५०	वक्री चित्रायां बुधः ०।८ शरद्पूर्णिमा

२७पं.आ.शु.८बु.इ.५३।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	६	६	१०	६	५
२५	१०	११	२३	२४	१२	२२	२५
३५	४६	५७	४२	२०	२४	१२	३
२	५५	५४	३६	४६	५४	२८	६
५९	३५	३६/४८	१२	१/२३	२/३९	३	५९
२१	२६	व.	५६	व.	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

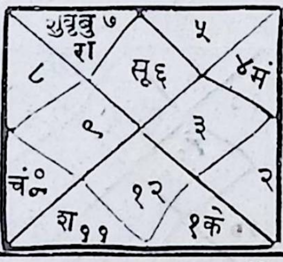

आश्विन शुक्ला १३

चंद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा ४ न ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५धान्यादि भावे समर्धता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

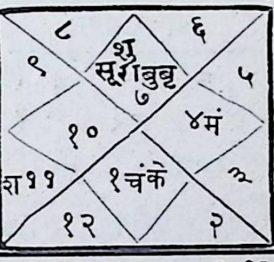

२८पं.आ.शु१५बुघेइ५३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	१०	६	६
२	१४	५	२५	२३	१२	२१	२
३१	२९	२०	१०	२३	८	५०	०
२६	५६	२०	१९	२८	१७	१२	३३
५९	३४	९०/८	१३	१७/५०	२/४	३	५९
३४	२८	व.	१४	व.	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	गु	३५	१२	अ	२४	३८	व	४१	१७	बा	२	१७	२६/१२	५/२२	६/३८	२८	१४	२०	मेषे	
२	शु	४१	२७	भ	३१	५९	सि	४३	३७	तै	८	१९	८	२२	३८	२९	१५	२१	बृ.४८।५२	
३	श	४७	५०	कृ	३९	३३	व्य	४५	५१	व	१४	३८	४	२३	३७	३०	१६	२२	वृषे	भ. १४।३८ उ. ४७।५० या.
४	र	५४	२	रो	४७	१	व	४८	१८	ब	२०	५६	०	२४	३६	१	१७	२३	वृषे	भा. कार्तिकारंभ, चतुर्थी व्र.
५	चं	५९	३८	मृ	५४	१०	प	५०	२०	कौ	२६	५०	२७/५६	२५	३५	२	१८	२४	मि२०।३५	स्वात्यां रविः २।३८ (सौरः ३३।९) ×
६	मं	६०	०	आ	६०	०	शि	५१	२९	ग	३२	२	५३	२५	३५	३	१९	२५	मिथुने	[×आश्ले भौमः २२/५ वक्री कन्या. बुधः ३५/२३
६	बु	४	२६	आ	०	१६	सि	५२	१	व	४	२६	४९	२६	३४	४	२०	२६	क.४९।२	भ. ४।२६ उ. ३६।५ या. विशा. ३गुरुः=
७	गु	७	४३	पु	५	१७	सा	५१	२२	ब	७	४३	४५	२७	३३	५	२१	२७	कर्के	वक्री स्वात्यां शुक्रः ५९।२० बुघोदयः ÷
८	शु	९	३१	पु	८	५४	शु	४९	२५	कौ	९	३१	४१	२८	३२	६	२२	२८	कर्के	[=४८।२९ **शुक्रास्तः पश्चिमायां** ४९।१२
९	श	९	२६	श्ले	१०	३०	शु	४५	४५	ग	९	२६	३७	२९	३१	७	२३	२९	सिं१०।३०	भ. ३८।२१ उ.
१०	र	७	१७	म	१०	७	ब्र	४०	२३	वि	७	१७	३४	२९	३१	८	२४	३०	सिंहे	भ. ७।१७ या. मार्गी बुधः २५।३३
११	चं	३	९	पू	७	५९	ऐं	३३	४७	बा	३	९	३०	३०	३०	९	२५	३१	कं.२१।५६	रमा ११ व्र. [÷पूर्वस्यां ५६।३८
१२	चं	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०००	[Aप्रदोषः घन (१३)
१३	मं	४९	२८	उ	३/४६	५३/४०	वै	२५	२८	ग	२३	१७	२७	३१	२९	१०	२६	१	कन्यायां	भ. ४९।२८ उ. नवम्बर ११ ता. ३० A
१४	बु	४०	४३	चि	५१	१	वि	१५	५९	वि	१५	५	२३	३१	२९	११	२७	२	तु.२४।१३	भ. १५।५ या. रूप १४
३०	गु	३१	१४	स्वा	४३	३१	प्री	५/३७	४९/१३	च	५	५८	१९	३२	२८	१२	२८	३	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.६बु.इ५२।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	६	१०	६	६
९	१८	२८	२६	२०	११	२१	८
२९	३	१९	४०	३४	५६	२७	५९
४२	४३	३७	१	१९	१०	५७	५३
५९	३३	४३/४७	१३	३१/१	१/२४	३	६०
४७	१७	व.	२५	व.	व.	११	२

×रा७वृशु

गोचर ग्रहाः

इस मास का फल उत्तम है। सोना चांदी गल्ला तिलहन पाट वारदाना खांड में घटाबढी होकर मंदी होगी।

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.कृ१४बु.इ.५२/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	६	१०	६	६
१६	२१	२८	२८	१६	११	२१	१६
२९	२६	९	१०	३२	४९	५	०
२८	३१	३६	५९	२०	३४	४१	५७
६०	३१	४२/१४	१३	३६/३३	३०/१	३	६०
४	५६	मा	३२	व.	व.	११	१८

×चं७रावृशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ९४३ स.१९९४
१	शु	२१	२७	वि	३५	४२	सौ	४३	४६	ब	२१	२७	२७/५६	६/३३	५/२७	१३	२९	४	वृ.२२।३९	अस्तंगुरोः ४०।४८ अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	श	११	५६	अ	२८	११	शो	३३	४	कौ	११	५६	१२	३४	२६	१४	३०	५	वृश्चिके	तुलायां बुधः २९।३६ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२
३	र	३	१०	ज्ये	२१	३४	अ	२२	५७	ग	३	१०	९	३४	२६	१५	१	६	घ.२१।३४	भ. २९।५५ उ. ५५।४१ या. विशा. =
४	र	५२	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=रविः २३।४ (सौर ५०।:३३) ÷
५	चं	४९	४९	मू	१६	९	सु	१३	५०	व	२२	४५	५	३५	२५	१६	२	७	धनुषि	[÷ जमादिलाखर ६
६	मं	४५	४१	पू	१२	२९	धृ	६/५९	५३/४६	कौ	१७	४५	२	३६	२४	१७	३	८	म.२७।०	[A **शुक्रोदयः पूर्वस्याम्** १६।१२
७	बु	४३	२६	उ	१०	३३	गं	५५	२	ग	१४	३३	२६/५८	३६	२४	१८	४	९	मकरे	भ. ४३।२६ उ. मार्गी शनिः ४।३४A
८	गु	४३	२	श्र	१०	२६	वृ	५१	४१	वि	१३	१४	५५	३७	२३	१९	५	१०	कुं.४१।२५	भ. १३।१४ या. स्वात्यां बुधः ५७।२०B
९	शु	४४	३४	ध	१२	११	ध्रु	४९	४६	बा	१३	४८	५२	३८	२२	२०	६	११	कुम्भे	विशा. ४ वृश्चिके गुरुः ४।४० अक्षय ९
१०	श	४७	२५	श	१५	३४	व्या	४९	२	तै	१५	५९	४९	३८	२२	२१	७	१२	कुम्भे	[B गोप ८
११	र	५१	४१	पू	२०	३४	ह	४९	४३	व	१९	३३	४५	३९	२१	२२	८	१३	मी.४।१९	भ. १९।३३ उ. ५१।४१ या. प्रबोधिनी C
१२	चं	५६	४३	उ	२६	२७	व	५०	३२	ब	२४	१२	४२	४०	२०	२३	९	१४	मीने	[C११ व्र. तुलसी विवाहः
१३	मं	६०	०	रे	३३	१३	सि	५२	१७	कौ	२९	४६	३९	४०	२०	२४	१०	१५	मे.३३।१३	प्रदोष व्र.
१३	बु	२	५०	अ	४०	२४	व्य	५४	१४	तै	२	५०	३६	४१	१९	२५	११	१६	मेषे	वृश्चिकेऽर्कः १९।९ (सौरः ४४।५०) +
१४	गु	८	५०	भ	४७	४४	व	५६	२०	व	८	५०	३३	४१	१९	२६	१२	१७	मेषे	भ. ८।५० उ. ४२।२ या. [+ वैकुंठ १४
१५	शु	१५	१४	कृ	५५	२३	प	५८	३७	ब	१५	१४	३०	४२	१८	२७	१३	१८	वृ.४।३८	कार्ति. स्ना. पूर्तिः पुष्कर यात्रा

३१ पं.का.शु.७बु.५२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	१०	६	६
२३	२४	५	२९	१२	११	२०	२३
३०	२८	१५	४३	२८	४७	४३	३
५०	२८	२५	३७	४१	६	२६	३२
६०	३०	७८	१३	३१/६	०/४	३	६०
१७	७	२२	३८	व.	मा	११	३०

ग्रोचर ग्रहाः

कार्तिकशु शुक्ले

१३ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.३ प्रौढावस्था- (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

ग्रोचर ग्रहाः

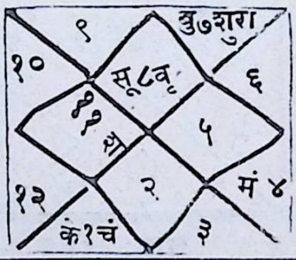

३२ पं.का.शु.१३बु.इ. ५२/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	६	७	६	१०	६	७
०	२७	१५	१	९	११	२०	०
३३	३६	२६	१७	४०	५०	२१	७
२९	२९	३१	२	१	२०	१०	३६
६०	२८	९०	१३	१/६	०	३	६०
३०	११	५४	३८	व.	५६	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्ति. कृष्णेति महाः
१	श	२१	३७	रो	६०	०	शि	६०	०	कौ	२१	३७	६/२७	६/४३	५/१७	२८	१४	१९	वृषे	अनु. रविः ३७।२९ विशा. बुधः ३३।४
२	र	२७	३९	रो	२	३८	सि	०	५२	ग	२७	३९	२५	४३	१७	२९	१५	२०	मि.३६।६	अनु.रविः सौरः१।३८ बुधास्तः पूर्वस्यां ५४/५८
३	चं	३३	२	मृ	९	३५	सि	२	३४	व	०	२०	२२	४४	१६	३०	१६	२१	मिथुने	भ. ०।२० उ. ३३।२ या.
४	मं	३७	३७	आ	१५	४१	सा	३	५०	ब	५	१९	१९	४४	१६	१	१७	२२	मिथुने	भा. मार्गशीर्षारंभः च. व्र.
५	बु	४१	११	पु	२१	८	शु	४	४३	कौ	९	२४	१७	४५	१५	२	१८	२३	क.४।४६	मघा.सिंहे भौमः१४।१२ स्वाती ४राहुःA
६	गु	४३	४०	पु	२५	२२	शु	४	१९	ग	१२	२५	१४	४५	१५	३	१९	२४	कर्के	भ. ४३।५० उ. मार्गी शुक्रः ३७।२२
७	शु	४४	३५	श्ले	२८	१२	ब्र	३	१९	वि	१४	७	१२	४६	१४	४	२०	२५	सिं. २६/५९	भ. १४।७ या. [A भरणी २ केतुः ३१/२४
८	श	४३	५१	म	२९	३७	ऐं	०/५६	५६/२४	बा	१४	१३	९	४६	१४	५	२१	२६	सिंहे	वृश्चिके बुधः ८।५२ अनु १ गुरुः २।२४
९	र	४१	२३	पू	२९	२१	वि	५२	१०	तै	१२	३७	७	४७	१३	६	२२	२७	कं.४३।४८	
१०	चं	३७	८	उ	२७	९	प्री	४५	४९	व	९	१५	५	४७	१३	७	२३	२८	कन्यायां	भ. ९।१५ उ. ३७।८ या. अनुः बुधः २२/५४
११	मं	३१	१९	ह	२३	२७	आ	३७	४६	ब	४	१३	२	४८	१२	८	२४	२९	तु.५०।४६	**उदयं गुरोः** ३८।२४ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु	३४	२	चि	१८	५	सौ	२८	४४	तै	२४	२	०	४८	१२	९	५५	३०	तुलायां	प्रदोष व्र.
१३	गु	१५	३०	स्वा	११	३२	शो	१८	४६	व	१५	३०	२५/५८	४८	१२	१०	२६	१	वृ.५०।५८	भ. १५।३० उ. ४०।४५ या. दिसम्बर B
१४	शु	५	५९	वि	४/६	५२/२१	अ	७/५८	४९/५९	श	५	५९	५६	४९	११	११	२७	२	वृश्चिके	ज्येष्ठा रविः ४७।३६ [B१२ ता. ३१
३०	शु	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३३ पं.मा.कृ.५बु.इ.५२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	७	६	१०	६	७
७	०	२६	२	८	११	१९	७
३७	१६	२१	५०	४५	५८	५८	१३
२६	३७	२५	२४	०	२३	५४	९
६०	२६	९५	१३	१/३८	१	३	६०
४२	१७	५५	३८	व.	३७	११	५३

ग्रोचर ग्रहाः

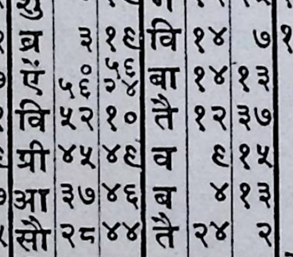

इस मास में ५

शनि ५ रविवार मध्यम है रुई सूत सोना जांदी सिरस्युं मूंगफली गुड़ धान्य में तेजी होकर मंदी होवेगी ।

ग्रोचर ग्रहाः

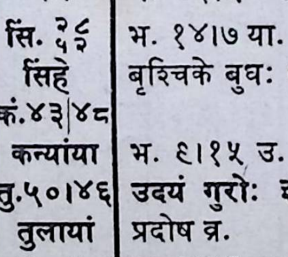

३४पं.मा.कृ .१२बु.इ.५१/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	६	१०	६	७
१४	२	७	४	९	१२	१९	१४
४२	३९	२२	२३	४३	११	३६	१९
४०	२५	४४	१०	४१	२०	३९	५५
६०	२३	९७	१३	१३	२	३	६१
५०	३४	४६	२२	२५	१९	११	३

×बु७बृशुरा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	४६	४२	ज्ये	४८	३५	धृ	४५	५६	किं	२१	३०	२५ ५४	६ ४९	५ ११	१२	२८	३	ध.४८।३५
२	र	३८	४	मू	४१	५२	शू	३५	४५	बा	१२	२३	५३	४६	११	१३	२९	४	धनुषि
३	चं	३०	३५	पू	३६	१४	गं	२६	२०	तै	४	१९	५१	५०	१०	१४	१	५	म.५०।१६
४	मं	२४	५५	उ	३२	१९	वृ	१७	५७	वि	२४	५५	४९	५०	१०	१५	२	६	मकरे
५	बु	२१	६	श्र	३०	१४	ध्रु	११	२३	बा	२१	६	४८	५०	१०	१६	३	७	मकरे
६	गु	१९	२५	ध	३०	२०	व्या	६	२७	तै	१९	२५	४६	५१	९	१७	४	८	कु.०।१७
७	शु	२०	०	श	३२	३२	ह	३	१४	व	२०	०	४५	५१	९	१८	५	९	कुम्भे
८	श	२२	२४	पू	३६	२७	व	१	२९	ब	२२	२४	४४	५१	९	१९	६	१०	मी. २० २८
९	र	२६	३१	उ	४१	५५	सि	१	३३	कौ	२६	३१	४३	५१	९	२०	७	११	मीने
१०	चं	३१	४७	रे	४८	३६	व्य	२	५	ग	३१	४७	४२	५२	८	२१	८	१२	मे.४८।३६
११	मं	३८	११	अ	५६	१७	व	३	४७	व	४	५९	४१	५२	८	२२	९	१३	मेषे
१२	बु	४४	२९	भ	६०	०	प	५	५०	ब	११	२०	४०	५२	८	२३	१०	१४	मेषे
१३	गु	५१	४	भ	३	४४	शि	८	८	कौ	१७	४६	३९	५२	८	२४	११	१५	वृ.२०।८
१४	शु	५७	१४	कृ	११	२२	सि	१०	२६	ग	२४	९	३९	५२	८	२५	१२	१६	वृषे
१५	श	६०	०	रो	१८	३५	सा	१२	१६	वि	३०	४	३८	५२	८	२६	१३	१७	मि. ५१ ५४
१५	र		२ ५५	मृ	२५	१३	शु	१४	०	ब	२	५५	३८	५२	८	२७	१४	१८	मिथुने

हेमंतर्तू रवि देक्षिणेऽहर्गणः ६७२स १६६४

ज्येष्ठा. रविः सौरः ६।३२
चंद्र दर्शनम्
भ. ५७।४५ उ. रज्जव ७
भ. २४।५५ या. ज्येष्ठा बुधः ४६।३६
चंपाषष्ठी
भ. २०।० उ. ५१।१२ या.
अनु. २ गुरुः १३।२८
[B१३।४६ प्रदोषः
भ. ४।५६ उ. ३८।११ या. मोक्षदा ११A
[Aव्र. गीताजयंती
मूले धनुष्यर्कः ५४।५१ मूले धनुषि बुधB
भ. ५७ १४ उ. मूले धनुष्यर्कः सौ.रः ३३ २२
भ. ३०।४ या. श्रीदत्तजयंती

३५पं.मा.शु.५बु.इ.५१।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	६	१०	६	७
२१	४	१८	५	१२	१२	१९	२१
४८	४०	२२	५४	२४	२९	१४	२७
४३	५	३७	५०	४३	२४	२३	३९
६०	२०	९९	१३	२६	३	३	६१
५६	२०	६	२६	२१	३	११	११

गोचर ग्रहः

मार्गशीर्ष शुक्ले १३ गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहः

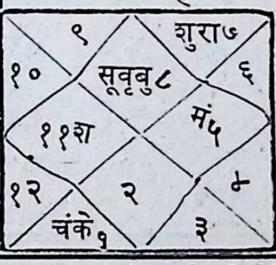

३६पं.मा.शु.१२बु.इ. ५१ ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	७	६	१०	६	७
२८	६	२९	७	१६	१२	१८	२८
५५	१७	२३	२५	२४	५२	५२	३६
३७	१०	२	३७	४	८	८	२२
६१	१६	९९	१२	३६	३	३	६१
०	५२	४७	१९	१३	४१	११	१९

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	चं	७	५०	आ	३०	४९	शु	१४	५५	कौ	७	५०	२५ ३७	६ ५३	५ ७	२८	१५	१९	मिथुने
२	मं	११	५५	पु	३५	५४	ब्र	१५	८	ग	११	५५	३७	५३	७	२९	१६	२०	क.१९।३८
३	बु	१४	५०	पु	३९	५८	ऐं	१४	४३	वि	१४	५०	३६	५३	७	३०	१७	२१	कर्के
४	गु	१६	४७	श्ले	४२	५३	वै	१३	३१	बा	१६	४७	३६	५३	७	१	१८	२२	सिं. ४ ५३
५	शु	१७	४०	म	४४	४६	वि	११	१७	तै	१७	४०	३६	५३	७	२	१७	२३	सिंहे
६	श	१७	२०	पू	४५	१९	प्री	८	१४	व	१७	२०	३६	५३	७	३	२०	२४	सिंहे
७	र	१५	४७	उ	४४	३९	आ	१४ ६	५३ ५२	व	१५	४७	३७	५३	७	४	२१	२५	कं. ०।९
८	चं	१२	५२	ह	४२	४९	शो	५२	५५	कौ	१२	५२	३७	५३	७	५	२२	२६	कन्यायां
९	मं	८	४५	चि	३९	३५	अ	४५	३५	ग	८	४५	३७	५३	७	६	२३	२७	तु.११।१२
१०	बु	३	२०	स्वा	३५	७	सु	३७	३०	वि	३	२०	३८	५२	८	७	२४	२८	तुलायां
११	बु	५३	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	गु	४९	६	वि	२९	३५	धृ	२८	२०	कौ	२२	५६	३८	५२	८	८	२५	२९	वृ.१५।५८
१३	शु	४०	४३	अ	२३	२३	शू	१८	४४	ग	१४	५४	३९	५२	८	९	२६	३०	वृश्चिके
१४	श	३१	५३	ज्ये	१६	२६	गं	२६ ८	४७ ४९	वि	६	४८	४०	५२	८	१०	२७	३१	ध.१६।२६
३०	र	२३	३४	मू	९	४०	ध्रु	४८	२७	ना	२३	३४	४१	५२	८	११	२८	१	धनुषि

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेत्ति महा.

भ. ४३।२२ उ. विशा. शुक्रः १६।४२.
भ. १४।५० याः चतुर्थी व्र.
शतभिषा. ३ शनिः ३।५६ भा. पौषारंभः
पूषा बुधः ३३।२३
भ. १७।२० उ. ४६।४४ या.
[A ३१ सन् १९९५
भ. ३६।२ उ. अनु. ३ गुरुः ७।५०
भ. ३।२० या. पूषा. रविः ५१ ५१ सफला =
[=११ व्र. स्मा.
पूषा. रविः सौरः १५।० सफला ११ व्र. वै.
भ. ४०।४३ उ. प्रदोषः
भ. ६।४८ या. उषा. बुधः ४८।१८
वृश्चिके शुक्रः ८।४३ जनवरी १ता.A

३७ पं.पौ. कृ.३ बु.इ. ५१ २३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	६	१०	६	८
६	७	१०	८	२१	१३	१८	५
३	२४	२९	५५	२७	१९	२९	४५
१४	७	४६	१	१४	५	५२	४७
६१	१२	० ०	१२	४४	४	३	६१
४	७	० ८	५७	१	२३	११	२२

गोचर ग्रहः

इसमास में ५ सोमवार श्रेष्ठ है अनाज गला रुई घृत तिल तैल बिनोला गुड़खांड मंदा सुदी में चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहः

३८पं. पौ.कृ.१०बु.इ. ५१ १४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	७	६	१०	६	८
१३	७	२१	१०	२७	१३	१८	१२
११	५७	४५	२१	१६	५०	७	५५
१३	१८	१४	३६	१२	२८	३६	३९
६१	६	९९	१२	४९	४	३	६१
६	१०	५३	३२	४६	५२	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तेऽहर्ग. १००२ स. १९९५
१	चं	१५	३८	पू	३/४०	५४/५१	व्या	३९	३१	ब	१५	३८	२५/४२	६/५२	५/८	१२	२९	२	म. १७/२३	मकरे बुधः ५७।२८ चंद्र दर्शनम्
२	मं	९	७	अ	५५	३	ह	३१	३७	कौ	९	७	४३	५१	९	१३	१	३	मकरे	सावान ८ [Aअनु.शुक्रः २९।२०
३	बु	४	११	ध	५३	१०	ब	२५	४	ग	४	११	४४	५१	९	१४	२	४	कुं. २४।६	भ. ३२।४३ उ. वक्री भौमः ४३।२५A
४	गु	१	१६	श	५३	४७	सि	२०	९	वि	१	१६	४५	५१	९	१५	३	५	कुम्भे	भ. १।१६ या. बुधोदयः पश्चिमायां १४।४
५	शु	०	३४	पू	५६	१९	व्य	१७	८	बा	०	३४	४७	५१	९	१६	४	६	मी. ४०/४१	
६	श	१	४६	उ	६०	०	व	१५	५४	तै	१	४६	४८	५०	१०	१७	५	७	मीने	
७	र	५	८	उ	०	४२	प	१५	३४	व	५	८	५०	५०	१०	१८	६	८	मीने	भ. ५।८ उ. ३७।३१ या.
८	चं	९	५४	रे	६	३३	शि	१६	३६	ब	९	५४	५२	५०	१०	१९	७	९	मे.६।३३	श्रवणे बुधः ५।५२
९	मं	१६	३	अ	१३	४०	सि	१८	३७	कौ	१६	३	५३	४९	११	२०	८	१०	मेषे	
१०	बु	२२	२९	भ	२१	१०	सा	२०	३९	ग	२२	२९	५५	४९	११	२१	९	११	बृ.३८।४	भ. ५५/४९ उ. उषा .रविः ४।३६(सौरः १६/२७)
११	गु	२९	१०	कृ	२८	४४	शु	२३	१	वि	२९	१०	५७	४९	११	२२	१०	१२	वृषे	भ. २९।१० या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	शु	३५	१६	रो	३६	१२	शु	२५	१	ब	२	१३	५९	४८	१२	२३	११	१३	वृषे	अनु. ४ गुरुः १।५५
१३	श	४०	५६	मृ	४२	५७	ब्र	२६	४३	कौ	८	६	२/१	४८	१२	२४	१२	१४	मि.९।३४	मकरेऽर्कः २१।० (सौरः ३१।५४) प्रदोषः
१४	र	४५	१०	आ	४८	२३	ऐं	२७	१९	ग	१३	३	४	४७	१३	२५	१३	१५	मिथुने	भ. ४५।१० उ.
१५	चं	४८	२८	पु	५२	४५	वै	२७	१३	विं	१६	४९	६	४७	१३	२६	१४	१६	क. ३६/४०	भ. १६।४९ या. माघ. स्ना. प्रा.

३९ पं.पौ.शु.३बु.इ.५१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	७	१०	६	८
२०	७	३	११	३	१४	१७	२०
५९	५७	५	४५	३९	२५	४५	५
२६	४३	२४	२२	२९	५९	२१	३६
६१	०/७	९७	१२	५४	५	३	६१
६	व.	५१	१४	२२	२२	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले शनौ

मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

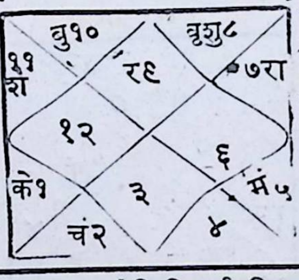

४०पं.पौ शु १०बु.इ.५१/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	७	१०	६	८
२७	७	१४	१३	१०	१५	१७	२७
२७	१८	७	६	३१	४	५३	१५
२२	३६	१६	१४	१२	२३	५	२८
६१	५/६	८९	११	५८	५	३	६१
६	व्र.	४७	४०	४	५०	११	२४

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	५०	३२	पु	५५	५६	वि	२६	१६	बा	१९	३०	२६/८	६/४६	५/१४	२७	१५	१७	कर्के	ज्येष्ठा. शुक्रः ४७।४५
२	बु	५१	२५	श्ले	५८	२६	प्री	२४	१४	तै	२०	५८	११	४६	१४	२८	१६	१८	सिं. ५८/२६	धनि. बुधः ४७।३९
३	गु	५१	१०	म	५९	१६	आ	२१	२५	व	११	१७	१३	४५	१५	२९	१७	१९	सिंहे	भ. २१।१७ उ. ५१।१० या.
४	शु	४९	५५	पू	५९	३७	सौ	१८	०	ब	२०	३२	१६	४५	१५	३०	१८	२०	सिंहे	अभि. प्र. रविः ५३।३० चतुर्थी व्र.
५	श	४८	०	उ	५८	५९	शो	१३	४३	कौ	१८	५७	१९	४४	१६	१	१९	२१	कं. १४/२८	अभि. प्र. रविः सौरः ३।१५भा. माघारंभः
६	र	४५	११	ह	५७	३१	अ	८	५०	ग	१६	३५	२१	४४	१६	२	२०	२२	कन्यायां	भ. ४५।११ उ. [÷(सौरः ११/२८) स्वाती.S
७	चं	४२	४	चि	५५	२०	सु	३/९	५३/५२	वि	१३	३७	२४	४३	१७	३	२१	२३	तु. २६/२५	भ. १३।३७या. [S३ राहुः भर १केतुः २४/७
८	मं	३७	२५	स्वा	५२	२२	शू	५०	१३	बा	९	४४	२७	४३	१७	४	२२	२४	तुलायां	श्रवण रविः १०।७ सौरः १९।११)
९	बु	३२	२१	विं	४८	४४	गं	४२	३८	तै	४	५३	२९	४२	१८	५	२३	२५	वृ. ३४/३८	भ. ५९।२७ उ. अभि, नि. रविः २ ३/२÷
१०	गु	२६	३४	अ	४४	१९	वृ	३४	३८	विं	२६	३४	३२	४२	१८	६	२४	२६	वृश्चिके	भ. २६।३४ या. वक्री बुधः १३।४२
११	शु	२०	७	ज्ये	३९	३७	ध्रु	२६	७	बा	२०	७	३५	४१	१९	७	२५	२७	ध. ३९/३७	शतभिषा. ४ शनिः २१।३६बुधास्तः A
१२	श	१३	१०	मू	३४	२१	व्या	१७	२६	तै	१३	१०	३८	४०	२०	८	२६	२८	धनुषि	प्रदोषः - [B तिला ११ प्र.
१३	र	६	२१	पू	२९	१४	ह	८	४४	व	६	२१	४१	४०	२०	९	२७	२९	म. ४३।६	भ. ६।२१ उ. ३२।५२ या. मूले धनुषि
१४	र	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	(शुक्रः ९।७
३०	चं	५३	३२	उ	२४	४२	व	०/१४	५२/२२	च	२६	२७	४५	३९	२१	१०	२८	३०	मकरे	सोमवती ३० [Aपश्चिमायां २१।९ षट्-B

४१ पं.मा.कृ.२बु.इ ५१।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	७	१०	६	९
४	६	२३	१४	१७	१५	१७	४
३५	९	२३	२३	४४	४५	०	२४
१३	२२	४९	४२	१०	४७	५०	५७
६१	१६/२	६६	११	६०	६	३	६१
३	व.	४७	१	४७	१४	११	१९

गोचर ग्रहाः

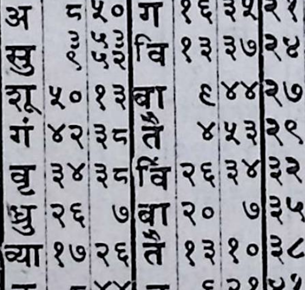

माघ शुक्ले १२

रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्ट वा. २ न. ३ गता-लकावस्या (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहा

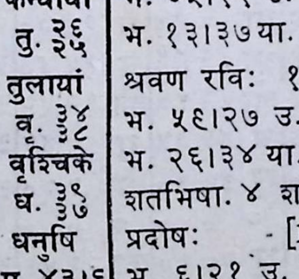

४२पं.मा.कृ ९बु.इ ५१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	७	१०	६	९
११	४	२७	१५	२५	१६	१६	११
४२	२७	२४	३४	१३	३०	३८	३३
४०	७	३२	४१	१२	१८	३४	४८
६०	२४/४१	४	१०	६३	६	३	६१
५९	व.	२५	२१	४	२६	११	१३

  ×वृ८शु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५१ शाकः१९१६											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्ग. १०३१ सन् १९९५
१	मं	४८	३१	श्र	२१	८	व्य	४५	३५	किं	२१	१	२६/४८	६/३८	५/२२	११	२९	३१	कुं. ४९/५५	
२	बु	४५	१०	ध	१८	४१	व	३९	५९	बा	१६	५०	५१	३८	२२	१२	३०	१	कुम्भे	वक्री श्रवणे बुधः४८।२५ ज्येष्ठा१ गुरुः+
३	गु	४३	४९	श	१८	६	प	३५	५०	तै	१४	२९	५४	३७	२३	१३	१	२	कुम्भे	रमजान९ [+ ३७/३१ चंद्रदर्शनम् फर्वरी२८
४	शु	४४	१३	पू	१९	१४	शि	३३	१०	व	१३	१	५८	३६	२४	१४	२	३	मी. ३।५८	भ. १३।१ उ. ४४।१३ या.
५	श	४६	४२	उ	२२	२८	सि	३२	१५	ब	१५	२७	२७/१	३६	२४	१५	३	४	मीने	वसंत ५ [×(सौरः २५।०१) भानु ७B
६	र	५०	४०	रे	२७	२५	सा	३२	२५	कौ	१८	४१	५	३५	२५	१६	४	५	मे. २७/२५	[Bपातस्पर्शः ५४।१३
७	चं	५६	१५	अ	३३	४३	शु	३३	४०	ग	२३	२७	८	३४	२६	१७	५	६	मेषे	भ. ५६।१५ उ. धनि. रविः १८।२५×
८	मं	६०	०	म	४०	४१	शु	३५	३०	वि	२९	२१	१२	३४	२६	१८	६	७	वृ. ५७/३६	भ. २९।२१ या. भीष्माष्टमी पातमोक्षःS
८	बु	२	२८	कृ	४८	२०	ब्र	३७	४५	ब	२	२८	१५	३३	२७	१९	७	८	वृषे	[S१७।२६
९	शु	८	५९	रो	५५	४८	ऐं	३९	५५	कौ	८	५९	१९	३२	२८	२०	८	९	वृषे	बुधोदयः पूर्वस्यां ५५ वक्री कर्के आश्ले.A
१०	शु	१५	१०	मृ	६०	०	वै	४१	४६	ग	१५	१०	२३	३१	२९	२१	९	१०	मि. २९/१५	भ. ४७।५७ उ. [Aभौमः ७।२
११	श	२०	४५	मृ	२	४३	वि	४२	४१	वि	२०	४५	२७	३१	२९	२२	१०	११	मिथुने	भ.२०।४५ या. पूषा.शुक्रः १०/४० जया११व्र.
१२	र	२४	२२	आ	८	२५	प्री	४२	३५	बा	२४	२२	३०	३०	३०	२३	११	१२	क. ५६/४६	कुंभेऽर्कः ५३/४१ (सौरः ५८।५९) प्रदोषः
१३	चं	२७	१३	पु	१२	५३	आ	४२	२८	तै	२७	१३	३४	२९	३१	२४	१२	१३	कर्के	
१४	मं	२९	२	पु	१५	४	सौ	३९	२	व	२९	२	३८	२८	३२	२५	१३	१४	कर्के	भ. २९।२ उ. ५८।५७ या.
१५	बु	२८	५१	श्ले	१७	९	शो	३५	३९	ब	२८	५१	४१	२८	३२	२६	१४	१५	सि. १७।९	माघस्नानपूर्तिः

४३पं.मा.शु.२बु.इ.५१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	७	८	१०	६	९
१८	२	२३	१६	२	१७	१६	१८
४९	२१	१३	४३	५५	१६	१६	४०
१६	५८	१	४९	५	२३	१८	५२
६०	३१/२३	७७/४७	९	६४	६	३	६१
५५	व.	व.	३६	४७	४३	११	४

४४पं.मा.शु.८बु.इ. ५१/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	७	८	१०	६	६
२५	०	१५	१७	१०	१८	१५	२५
५५	९	९	४४	४६	४	५४	४८
१	४	२५	५६	४४	३७	३	३९
६०	३४/५१	६५/५५	८	६६	७	३	६०
४६	व.	व.	४६	१६	०	११	५५

४५पं.मा.शु.१५बु.इ. ५१/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	८	१०	६	१०
२	२७	११	१८	१८	१८	१५	२
५९	५१	४८	४२	४६	५४	३१	५४
४९	७	८	२२	४१	१४	४७	४२
६०	३५/३७	८/७	७	६७	७	३	६०
३७	व.	व.	४४	२९	८	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं. २०५१ शाकः १९१६											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु	२७	२०	म	१७	१६	अ	३१	११	कौ	२७	२०	२७/४५	२६/७	५/३३	२७	१५	१६	सिंहे	
२	शु	२४	४०	पू	१६	२६	सु	२५	४९	ग	२४	४०	४९	२६	३४	२८	१६	१७	कं. ३०/५८	भ. ५३/५३ उ. मार्गी बुधः २३/१७ अस्तं शनेः ४६/२१
३	श	२१	७	उ	१४	३२	धृ	१९	५९	वि	२१	७	५३	२५	३५	२९	१७	१८	कन्यायां	भ. २१।७ या. चतुर्थी व्र.
४	र	१६	५८	ह	१२	७	शू	१३	३५	बा	१६	५८	५६	२५	३५	३०	१८	१९	तु. ४०/४१	शते रविः २५।५७ (सौरः ३४।२१)
५	चं	१२	३५	चि	९	१८	गं	७	१	तै	१२	३५	२८/०	२४	३६	१	१९	२०	तुलायां	भा. फाल्गुनारंभः
६	मं	७	५३	स्वा	६	१९	वृ	०/४	५२/४	व	७	५३	४	२३	३७	२	२०	२१	वृ. ४८/५६	भ. ७।५३ उ. ३५।३१ या.
७	बु	३	८	वि	३/८	५६/३८	व्या	४५	५७	ब	३	८	८	२२	३८	३	२१	२२	वृश्चिके	उषा. शुक्रः ४०।४९
८	बु	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	गु	५२	५४	ज्ये	५६	२५	ह	३८	५०	तै	२५	३१	१२	२२	३८	४	२२	२३	ध. ४६/२५	
१०	शु	४७	३६	मू	५३	५	व	३१	२२	व	२०	१५	१६	२१	३९	५	२३	२४	धनुषि	भ. २०/१५ उ. ४७/३६ या. पूभा १ शनिः ५६।२०
११	श	४२	२६	पू	४९	२५	सि	२४	४०	ब	१५	१	२०	२०	४०	६	२४	२५	धनुषि	मकरे शुक्रः ३५।५५ विजया ११ व्र.
१२	र	३७	२८	उ	४६	१६	व्य	१७	२०	कौ	९	५७	२४	१९	४१	७	२५	२६	म. ३।२८	[×श्रीमहा शिवरात्री (प्र. स्मा
१३	चं	३३	२	श्र	४३	५३	व.	१०	३९	ग	५	१५	२८	१८	४२	८	२६	२७	मकरे	भ. ३/३२ उ. ज्येष्ठा २ गुरुः ३२/२० प्रदोषः×
१४	मं	२९	९	ध	४२	२	प	४/३५	५४/५०	विं	१	५	३२	१८	४२	९	२७	२८	कुं. १२/५७	भ. १।५ या. महाशिवरात्री व्र. वै.
३०	बु	२६	५०	श	४१	३५	सि	५५	१०	ना	२६	५०	३६	१७	४३	१०	२८	१	कुम्भे	मार्च ३ ता. ३१

४६पं.फा.कृ.७बु.इ.५१।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	८	१०	६	१०
१०	२५	१४	१९	२६	१९	१५	९
३	४०	१२	३०	५२	४५	९	५९
२२	९	२२	५४	४१	०	३२	१५
६०	३१/३७	३०/५३	६	६८	७	३	६०
२५	व.	मा।	३८	३२	१४	११	३१

गोचर ग्रहाः

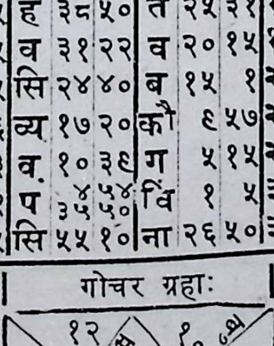

माघ मास से ही धान्य में मंदी के ग्रह योग चालू है तेची का व्यापार बंद करदें पाट कुष्टा रुई सण सूत वारदामां तेज कहीं २ वर्ष होगी।

गोचर ग्रहाः

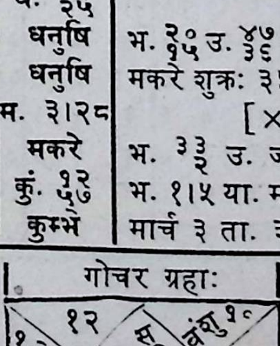

४७पं.फा.कृ.३०बु.इ. ५२/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	९	१०	६	१०
१७	२३	२०	२०	५	२०	१४	१७
५	३९	४	१३	३	३६	४७	२
३५	१४	३४	८	४०	१८	१६	७
६०	२४/४८	५५	५	६९	७	३	६०
१२	व.	३३	३८	१६	२०	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	२५	१८	पू	४२	२९	सा	५२	१३	ब	२५	१८	२८ ४०	१६	५ ४४	११	२९	२	मी. २७ १६
२	शु	२५	३४	उ	४५	८	शु	५०	४९	कौ	२५	३४	४४	१५	४५	१२	१	३	मीने
३	श	२७	४२	रे	४९	१४	शु	४९	५९	ग	२७	४२	४८	१४	४६	१३	२	४	मे. ४९ १४
४	र	३१	११	अ	५४	५०	ब्र	५०	४७	वि	३१	११	५२	१४	४६	१४	३	५	मेषे
५	चं	३६	३४	भ	६०	०	ऐं	५२	२७	ब	३	५२	५६	१३	४७	१५	४	६	मेषे
६	मं	४२	४१	भ	१	२८	वै	५४	३४	कौ	९	३७	२९ १	१२	४८	१६	५	७	बृ. १८ १९
७	बु	४८	२६	कृ	८	५३	वि	५६	५०	ग	१५	३३	५	११	४९	१७	६	८	बृषे
८	गु	५४	५२	रो	१६	२२	प्री	५९	३	वि	२१	३९	९	१०	५०	१८	७	९	मि. ५० १
९	शु	६०	०	मृ	२३	४१	आ	६०	०	बा	२७	४५	१३	९	५१	१९	८	१०	मिथुने
९	श	०	३९	आ	२९	५६	आ	०	३२	कौ	०	३९	१७	९	५१	२०	९	११	मिथुने
१०	र	५	११	पु	३४	५८	सौ	१	२	ग	५	११	२१	८	५२	२१	१०	१२	क. १८ ४३
११	चं	८	१४	पु	३८	२१	शो	० २२	५८ १	वि	८	१४	२६	७	५३	२२	११	१३	कर्के
१२	मं	९	२१	श्ले	३९	४९	सु	५४	५२	बा	९	२१	३०	६	५४	२३	१२	१४	सि. ३९ ४९
१३	बु	८	४७	म	३९	४४	धृ	४९	५६	तै	८	४७	३४	५	५५	२४	१३	१५	सिंहे
१४	गु	६	३	पू	३७	५५	शू	४३	५९	व	६	३	३८	४	५६	२५	१४	१६	कं. ५२ १०
१५	शु	२	२३	उ	३४	५८	गं	३७	१	ब	२	२३	४३	३	५७	२६	१५	१७	कन्यायां

वसंततर्तू रविरुत्तरेहर्गणः १०६१ सन् १९९५

चंद्र दर्शनम्
फुलरिया २ सव्वाल १० पातस्पर्वः ४६।७
भ. ५९।२६ पूभा. रविः ४६।३ ×
भ. ३१।११ या. धनिः बुधः २३।१९
श्रवणे शुक्रः ३।२३
[×(सौरः ४९।८) पातमोक्षः १।५
भ. ४८।२६ उ.
भ. २१।३९ या. होलाष्टकः
कुंभे बुधः २७।३२
[+प्रदोषः
भ. ३६।४२ उ. [=(भद्रोत्तरं
भ. ८।१४ या. आमलकी ११ व्र.
मीनेऽर्कः ४६।५६ (सौरः ४९।२९)+
शते बुधः १६।२९
भ. ६।३ उ. ३४।१३ या. होलिकादहनं=
धनि. शुक्रः २१।४३ छारेंडी

४८पं.फा.शु.७बु.इ.५२।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	९	१०	६	१०
२४	२२	२८	२०	१३	२१	१४	२४
६	२	३	४७	१७	४८	२५	३
२२	१०	४७	२४	३५	१६	०	३०
५९	१६ ४६	७३	४	७०	७	३	६०
५८	व.	२६	२६	५	२०	११	६

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले १२
भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु ३०, धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

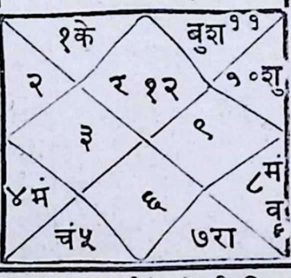

४९ पं.फा.शु.१३बु.इ. ५५ २२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	७	९	१०	६	११
१	२१	७	२१	२१	२२	१४	१
५	१३	३३	१३	३५	१९	२	३
३५	१	४	१	१७	४१	४६	१२
५९	१ ३ ६	८७	३	७०	७	३	५९
४१	व.	३१	१६	४३	१६	११	४९

ति.	चैत्र कृष्ण पक्षः सं० २०५१ शाकः १९१६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	शु	५४	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	श	५१	२५	ह	३१	३	वृ	२९	१६	तै	२४	३८	२९ ४७	६ ३	५ ५७	२७	१६	१८	तु ५८ १९
३	र	४५	५	चि	२६	३६	ध्रु	२१	१६	व	१८	१५	५१	२	५८	२८	१७	१९	तुलायां
४	चं	३८	४४	स्वा	२२	६	व्या	१२	५७	ब	११	५४	५५	१	५९	२९	१८	२०	तुलायां
५	मं	३२	३१	वि	१७	४१	ह	५ २२	५२ ८	कौ	५	३७	३० ००	६ ००	६ ००	३०	१९	२१	वृ. ३ ४७
६	बु	२६	४६	अ	१४	३७	सि	५०	११	व	२६	४६	४	५ ५९	६ १	१	२०	२२	वृश्चिके
७	गु	२१	२२	ज्ये	१०	०	व्य	४३	४	ब	२१	२२	८	५८	२	२	२१	२३	ध. १० ०
८	शु	१६	२३	मू	६	४९	व	३६	३२	कौ	१६	२३	१२	५८	२	३	२२	२४	धनुषि
९	श	१२	५	पू	४	१७	प	३०	२९	ग	१२	५	१६	५७	३	४	२३	२५	म १८ ४७
१०	र	८	२२	उ	२	१६	शि	२५	१	बि	८	२२	२१	५६	४	५	२४	२६	मकरे
११	चं	५	१९	श्र	१	५	सि	२०	८	बा	५	१९	२५	५५	५	६	२५	२७	कुं. ३० ५०
१२	मं	२	५५	ध	०	३५	सा	१६	१	तै	२	५५	२९	५४	६	७	२६	२८	कुंभे
१३	बु	१	३९	श	१	११	शु	१२	३७	व	१	३९	३३	५३	७	८	२७	२९	मी ४७ २६
१४	गु	१	२५	पू	२	५०	शु	१०	६	श	१	२५	३७	५३	७	९	२८	३०	मीने
३०	शु	२	२९	उ	५	३६	ब्र	८	५९	ना	२	२९	४१	५२	८	१०	२९	३१	मीने

वसंततर्तूरविरुत्तरे फाल्गुन कृ ष्णेति महा.

उभा. रविः ८।० (सौरः १०।५)
भ. १८।१५ उ. ४५।५ या.
चतुर्थी व्र. [=१४।६ भा. चैत्ररंभः
[×(५७१२ पूमा. २ शनीः=
भ. २६।४६ उ. ५४।४ या. कुंभे शुक्रः×
मार्गी भौमः ३२।२६ पूभा. बुधः B
शीतलापूजनम्
भ. ४०।१३ उ. [A(४१।१८
भ. ८।२२ या. [Cबुधः(५१।५ ,
पापमोचनी ११ व्र.
शते शुक्रः २१।५४ प्रदोषः
भ. १।३९. उ. ३१।३२ या. मीनेC
[B५७।१८ उदयं शनेः १।२०
रेवत्यां रविः ३५।३९ (सौरः ३७।३२A

५० पं. चै. कृ. ६ बु. इ. ५३ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	७	९	१०	६	११
८	२०	१८	२१	२९	२३	१३	८
३	२०	१४	३०	५५	१०	४०	१
१८	३८	४९	११	१६	२३	३९	७
५९	१ ३०	९८	१	७१	७	४	५९
२९	व.	२९	४६	१४	८	११	३५

गोचर ग्रहाः

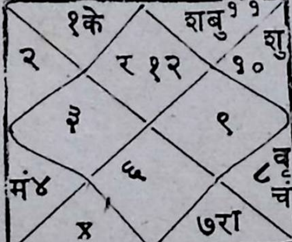

इस मास में प्रजा में पीड़ा बालकों के चेचक रोग हो। पिछला स्टाक बेच कर अनाज का संग्रह फिर कर लेना लाभ होगा।

गोचर ग्रहाः

५१ पं. चै.कृ. १३ बु. इ. ५३ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	१०	१०	६	११
१४	२०	०	२१	८	२४	१३	१४
५९	२२	४	३८	१७	०	१८	५७
१०	२६	३०	२	१०	२२	१४	१५
५९	५४ १	७०	०	७१	७	३	५९
१६	मा	९ ५३	३६	४०	२	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनोदेवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणि–रिवतमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८ ५०९६ तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६००० द्वापर युग प्रमाणम् ८६४००० कलियुग प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्येगतकलिः ५०९६ भोग्य कलिः ४२६९०४ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५२ शाकः १९१७ वर्षेऽस्मिन् राजा शनिः । मंत्री शुक्रः । सस्येशो रविः ।धान्येशः-शनिः मेघेशोगुरुः । रसेशोभौमः । नीरसेशो रविः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः। दुर्गेशोगुरुः एते दशाधिकारिणः । तत्रबार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुर्विंशतिकायां सर्वधारीनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्य मेषार्क समये गतमासादिः ९।११।५९।६ भोग्यमासादिः २।१८।०।५४ त्वष्टृ दैवतं युगम् । वर्षनामज्येष्ठः। मेघनामद्रोणः। रोहिणीनिवासः संधौ। समपनिवासो वणिग् गृहे समयविश्वा १० समयवाहनम् महिषः स्तंभौ २ जलतृणयोः। सोमवत्यमाः १ सोमवती पञ्चमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी १ भानुससमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् १७ तृणम् ११ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११५ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणे २ चंद्रमसः १ सूर्यस्य १ ।

सं. २०५२ चैत्र शुक्ला १५ शनिवासरे पूर्व भारते ग्रस्तोदयं चन्द्रग्रहणम्

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
उज्जयनी घं.	२६	२८	२९	३
मध्यम का. प.	३८	१६	५४	१८
रेलवे घं.	५	५	६	१
टाइम मि.	६	४५	२५	१९

नोट – यहग्रहण जिन प्रांतों में रेलवे ६।२५ बजे से पूर्व चन्द्रोदय होगा वहीं दीखेगा। राजस्थान में नहीं दीखेगा।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	बृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ०।७

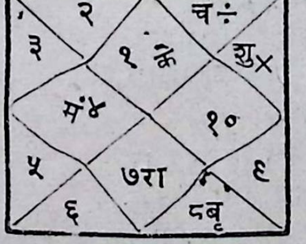

÷बुर१२ ×श११

भैरव भवानी सम्वाद

भै. प्र.– मात भवानी अंबिका बन्दौ बारम्बार ।
हाथ जोड़ पूछूं तने बावन का सब सार ।।
भ. उ.– सुणजे भैरव चेतकर मैं समझावुं तोय ।
राजा मंत्री देखतां मध्यम संवत् होय ।।
श्रावण वर्षा वर्षकर भादव करसी तंग ।
राजनीति के कारणें जनता होय विरंग ।।
पापग्रहों नें बर्ष में लिया अधिक अधिकार ।
भाग सुभाग्यो निपजसी ना सारे इकसार ।।
मेघपती अरु फलपती गढपति गुरु को जान ।
मंत्री भृगुसुत बर्ष में राखे जगका मान ।।
संवत्सर के आदि में संग्रह कर लो धान ।
दूणा डेडा दामड़ा भादुं में लो मान ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो हैं जग करतार ।।

संवत् २०५२ कार्तिक कृष्णे ३० भौम वासरे सूर्यग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
उज्ज घ.	२	५	८
मध्य प.	१९	८	२१
रेलवे घ.	७	८	९
टा. प.	२३	३०	४७

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्षश लग्नम् २।१०

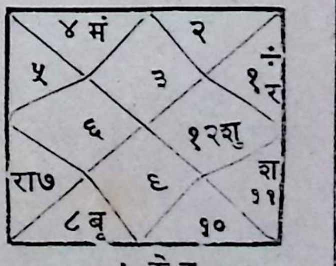

÷ के बु

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४६।३०

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम्-अथास्मिन्नूवर्षे राजा शनिस्तत्फलभ्-शनैश्चरे भूमिपतौसक्ज्जलं प्रमूतरोगैः परि पीडयते जनः युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् मंत्री शुक्रस्तत्फलम्–भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गतेशलभमूषकरावृथमाहिषैः ।। भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोऽधिकम् ।। सस्येशोरविस्तफलम्-सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यं समर्घं वहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढयांः स्वल्पंच सस्यं बहु भूरुहाश्च।। धान्येशः शनिस्तत्फलम्-निर्धनाः क्षितिभुजो रणादराः । सस्य मल्पमति रोगिणो नराः । नैव वर्षतिजलं सुरेश्वरः स्याद्यदान्त्यकणपः शनैश्वरः । मेघेशो गुरुस्तत्फलम् गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाऽखिल विलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपरा नरपालका रस समृद्धि युताऽखिल मानवाः । रसेशो भौमस्तत्फलम्—यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरसराशियुता जनता शुभाः । नरपतिर्विषमोजनतापदो नजलदोवहुवृष्टि करो भवेत् ।। नीरसेशो रविस्तत्फलम्–नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपुचंदनयोरपि रत्नमाणिश्य मुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते । फलेशो गुरुस्तत्फलम्–सुरगुरुः फल नायकत्तांगतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मंदिरा श्रुतिविचारपराद्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविस्तत्फलम् द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहुद्रव्यसमागमः । गजतुरंगम मेषखरोष्ट्रतो धन-वयं लभतेक्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशोगुरुस्तत्फलम्–सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवराः नरपा नरपालिताः । गिरीषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शास्त्रवतां विशाम् ।। सर्वधारी नासंवत्सरस्तत्फलम् सर्वधार्यब्दपे भूपाः प्रजापालन तत्पराः । प्रशान्त वैरा सर्वत्रं वहु सस्यार्घवृष्टयः ।। वर्ष नाम ज्येष्ठस्तत्फलम्–तस्करैः पाप रोगैर्वा पीडयंते पीडयाजना भ्रमंत्ति स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यै ज्यैष्ठ संज्ञके । मेघ नाम द्रोणः फलम्–द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः संधौ फलम्–खंड वृष्टिश्च संघिषु । समय निवासो वणिग्गृहे फलम्–वणिग्गृहे शुभं नास्ति । एवं संचिन्त्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ।।

संमत् २०५२ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्रमासः ।

शुक्ले १४ शुक्रे हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे ६।।।।।ऽ।।।

वैशाखमासः ।

कृष्णे ५ बुधे मूले ल. ८।१२ रे. ८।।।।।ऽऽ।। मीने दग्धा-दोषः

" ७ शुक्रे उषा ल. गो ८।१२ रे. ८।।।।।ऽऽ।।

शुक्ले २ चंद्रे रोहि ल. १२ रे. ८।।।।ऽ रो ऽ।।

" ३ भौमे मृगे ल.१२ रे. ८ऽ।।ऽ।।।।। शनि १२ पूज्यः

" ८ चंद्रे मघा, ल.गो.सोग्रांगः रे. ८।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभायः

" १० बुधे उफा. ल. गो. सोग्रांगः ६ रे. ६ऽ।।ऽ।ऽ।ऽ।

गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

" ११ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. सोग्रांगः रे. ६ ऽऽ।।ऽरो ।।।धनलग्नेरेखा६लातपातैकार्गलदोषानामभावः

ज्येष्ठमासः ।

कृष्णे १ चंद्रे अनु. ल.६ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।

" ३ बुधे मूले ल. गो. रे. ७।।।।ऽअ.ऽ।ऽ

" ४ गुरौ उषा. ल. १२ रे. ७।।।।।ऽऽऽ। गणितेन क्रांति-साम्याऽभावः

".१० बुधे रेव. ल. ६ रे. ६।।।।।।ऽ।।

शुक्ले ६ बुधे उफा. ल. गो. रे. ६ ऽ।।ऽऽनृऽ।।

आषाढमासः ।

कृष्णे ७ चंद्रे उभा. ल. २ रे. ६।।।।।ऽन्टऽऽ।ऽ गु. ७ पूज्यः

" ८ भौमे उभा. ल. अन्यगो. रे. ८।।।।।ऽऽ।।

" ८ भौमे रेव. ल. २ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।। गुरु ७ पूज्यः

" ६ बुधे रेव. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।ऽ चो ।ऽ।।

शुक्ले ४ रवौ मघा. ल. अन्यगो. २ रे. ८।।।।।ऽऽ।। वृषे गु. ७ पू.

" ६ भौमे उफा. ल. अन्यगो. रे. ६ ।ऽ।ऽ।ऽऽ।।

मार्गशीर्षमासः ।

(मार्गशीर्षादिमासेषु गोधूल्यां भौम ७।८ म दोषः)

कृष्णे ११ रवौ हस्ते ल. अ. अन्यगो. रे. ८।।।।ऽअ.।ऽ।।

शुक्ले ४ रवौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ६ऽऽ।।।ऽऽ।। आवश्यके

" १० शुक्रे उभा. ल. गो. रे. ६।।।।ऽचौ ऽऽ।ऽ दग्धा. आवश्यके

" १० शुक्रे रेव. ल. ६ (घ. ४८।३८ उ.) रे. ६ ।।।।ऽ चौ ।।।। चं. ७ पू.

माघमासः ।

कृष्णे १० भौमे अनु. ल. ७।६ रे. ६ ।ऽ।।ऽ अ ऽऽ।।

फाल्गुन मासः ।

कृष्णे ४ गुरौ हस्ते ल. ८।६ रे. ७ ।।।ऽशुऽ।।ऽ।। पादवेधात् शुक्रस्यवेधाऽभावः

" ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।। ऽ शु ऽऽरो।ऽ।। पादतो वेधाऽभावः

" ६ शनौ स्वा. ल. ८ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

" ८ चंद्रे अनु. ल. ६ रे. ८।।।।। ऽ अ.।ऽ।।

" ६ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

शुक्ले २ भौमे उभा. ल. ६।१० रे. ७ ऽऽ।।।ऽ।।।

चैत्रमासः।

कृष्णे १ बुधे हस्ते ल. ६।१० (घ. ४६।४१ उ.) रे. ८ऽ।।।ऽनृ ।।।।

" ४ शनौ स्वा. ल. गो. रे. ६ ।।।ऽ बुऽ।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याभावः पादतो वेधाभावश्च

" ५ रवौ अनु. ल. ६।१० (घ. ५०।१६ उ.) रे ८ऽ।।। ऽरो ।।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१०९१ सन्१९९५
१	श	४	५२	रे	९	३७	ऐं	८	१०	ब	४	५२	३०/४५	५/५१	६/९	११	३०	१	मे. ९।३७	वक्री गुरुः ५७।५७ पूर्वास्तो बुधः १३/१४ +
२	र		८	२२	अ	१५	१	वै	८	४४	कौ	८	२२	४९	५०	१०	१२	१	२	मेषे	सिंघारा मस्स्यज. ज़िल्काद ११
३	चं	१३	३२	भ	२१	२३	वि	१०	६	ग	१३	३२	५३	४९	११	१३	२	३	वृ. ३८।९	भ. ४६।१७ उ. गणगौरी
४	मं	१९	३	कृ	२८	२८	प्री	११	५०	वि	१९	३	५७	४९	११	१४	३	४	वृषे	भ. १९।३ या.
५	बु	२५	२२	रो	३६	१०	आ	१४	२०	बा	२५	२२	३/१	४८	१२	१५	४	५	वृषे	[+चंद्र दर्शनम् अप्रेल ४ता. ३०E
६	गु	३१	४६	मृ	४३	४०	सौ	१६	५२	तै	३१	४६	५	४७	१३	१६	५	६	मि.९।५५	[E संवत्सरारंभः नवरात्रा.
७	शु	३७	५३	आ	५०	५२	शो	१९	५	ग	४	४९	१०	४६	१४	१७	६	७	मिथुने	भ. ३७।५३ उ. रेवत्यां बुधः ४५।५४
८	श	४२	५१	पु	५६	३७	अ	२०	३१	वि	१०	२२	१४	४५	१५	१८	७	८	क. ४०/११	भ. १०।२२ या. पूभा. शुक्रः ४०।२५
९	र	४६	२९	पु	६०	०	सु	२०	५३	बा	१४	४०	१८	४४	१६	१९	८	९	कर्के	रामनवमी [B(सौरः १२।५)अश्वि.P
१०	चं	४८	२०	पु	१	८	धृ	१९	४८	तै	१७	२४	२२	४४	१६	२०	९	१०	कर्के	[Pमेषे बुधः २०।३१
११	मं	४८	१६	श्ले	३	४८	शू	१७	१२	व	१८	१८	२६	४३	१७	२१	१०	११	सिं. ३।४८	भ. ९/१८ उ. ४८/१६ या. कामदा ११ व्र.
१२	बु	४६	१	म	४	२२	गं	१३	७	ब	१७	८	३०	४२	१८	२२	११	१२	सिंहे	स्वाती २ राहुः आश्वि ४ केतुः २०।१६
१३	गु	४१	५३	पू	२/५९	५७/००	वृ	७	२२	कौ	१३	५७	३४	४१	१९	२३	१२	१३	कं. १७/१४	प्रदोषः [Aग्रस्तोदयं चंद्रग्रहणम्
१४	शु	३६	३	ह	५५	८	ध्रु	०/१७	५१/५०	ग	८	५८	३८	४०	२०	२४	१३	१४	कन्यायां	भ. ३६।३ उ. अश्वि मेषेऽर्कः ९।४०B
१५	श	२८	५०	चि	४९	४९	ह	४३	२	वि	२	२६	४२	४०	२०	२५	१४	१५	तु. ३२/२८	भ. २।२६ या. हनुमन्जयंती. पूर्व भारतेA

५२ पं.चै.शु.५बु.इ.५३।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	१०	१०	६	११
२१	२०	१२	२१	१६	२४	१२	२१
५३	५८	५५	३७	४०	४८	५५	५१
३१	३०	४२	५	५	५४	५८	२६
५९	१०	[illegible]	४६	७२	६	३	५९
४	१६	[illegible]	ब.	२	४६	११	४

गोचर ग्रहः

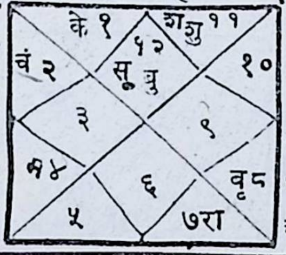

चैत्र शुक्ले १४

शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहः

१ पं.चै.शु.१४ बु.इ. ९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	७	१०	१०	६	११
०	२२	२९	२१	२६	२६	१२	२९
०	१७	३७	२२	३४	४६	२९	५७
०	२	२३	३०	४८	८	५४	३८
५८	१५	[illegible]	२/१८	७२	६	३	५५
४४	४६	[illegible]	व.	२८	२९	११	४८

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र	२०	५६	स्वा	४३	३५	व	३३	२९	कौ	२०	५६	३१/४६	५/३९	६/२१	२६	१५	१६	तुलायां	मीने शुक्रः ५९।३४
२	चं	१२	४०	वि	३७	१६	सि	२४	२०	ग	१२	४०	५०	३८	२२	२७	१६	१७	वृ. २३/५०	भ. ३८।३५ उ.
३	मं	४	३१	अ	३१	११	व्य	१४	३९	वि	४	३१	५३	३७	२३	२८	१७	१८	वृश्चिके	भ. ४।३१ या. चतुर्थी व्र
४	मं	५२	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	४९	४३	ज्ये	२५	५७	व	५/४३	५१/४९	कौ	२३	११	५७	३७	२३	२९	१८	१९	ध. २५/५७	उभायां. शुक्रः ४६।५५
६	गु	४३	३१	मू	२१	२९	शि	५०	१३	ग	१६	३७	३२/१	३६	२४	३०	१९	२०	धनुषि	भ. ४३।३१ उ. भरण्यां बुधः ३७।९
७	शु	३८	४०	पू	१८	१३	सि	४३	४५	वि	११	५	५	३५	२५	१	२०	२१	म. ३२/४१	भ. ११।५ या. भा. वैशाखारंभः
८	श	३४	५०	उ	१६	६	सा	२८	१४	बा	६	४५	९	३४	२६	२	२१	२२	मकरे	पूभा. ३ शनिः ४१।१
९	र	३२	१८	श्र	१५	५	शु	३३	५३	तै	३	३४	१२	३४	२६	३	२२	२३	कुं. ४५।९	
१०	चं	३०	४४	ध	१५	१३	शु	३०	२४	व	१	३१	१६	३३	२७	४	२३	२४	कुम्भे	भ. १।३१ उ. ३०।४४ या.
११	मं	३०	२५	श	१६	३१	ब्र	२७	४६	ब	०	३४	२०	३२	२८	५	२४	२५	कुम्भे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	बु	३१	३२	पू	१९	५	ऐं	२६	१	कौ	०	५८	२३	३१	२९	६	२५	२६	मी. ३।२७	बुधोदयः पश्चिमायाम् १५।२१
१३	गु	३३	२९	उ	२२	३४	वै	२५	२८	ग	२	३०	२७	३१	२९	७	२६	२७	मीने	भ. ३३/२९ उ.भरण्यां रविः ४९/५३ (सौरः ५३/३०)×
१४	शु	३६	४१	रे	२७	४	वि	२५	२६	वि	५	५	३१	३०	३०	८	२७	२८	मे. २७।४	भ. ५।५ या. वृषे बुधः ५४।२३
१५	श	४०	४५	अ	३२	३४	प्री	२६	३	च	८	४३	३४	२९	३१	९	२८	२९	मेषे	[× कृत्ति :बुधः ९।२ प्रदोष व्र.

२ पं. वै. कृ' ७ शु.इ. ९।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	११	१०	६	०
६	२३	१४	२१	५	२६	१२	६
५०	५४	२७	१	०	३०	७	४७
४२	०	३६	३०	४०	३२	३८	४९
५८	१९	[illegible]	४६	७२	६	३	५८
३१	१२	[illegible]	व.	४७	१४	११	२९

गोचर ग्रहः

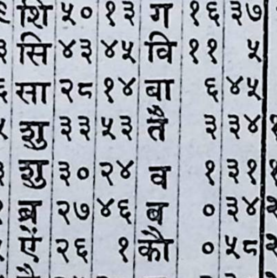

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथिक्षय और शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि दरेक वस्तु में मंदी करे धान्य मंदा होगा घृत चांदी रुई तेज।

गोचर ग्रहः

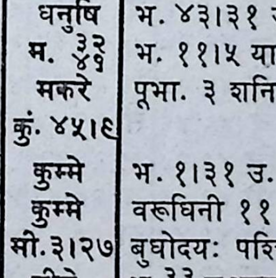

३पं.वै.कृ.१४ शु.इ.१०।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	११	१०	६	०
१३	२५	२८	२०	१३	२७	११	१३
३९	५३	३६	३२	२७	१२	४५	३६
४७	१७	११	३१	३६	४३	२२	१४
५८	२२	[illegible]	५४/३	७३	५	३	५८
१९	२३	५३	व.	१	५०	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	वैंशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	४५	५६	भ	३९	११	आ	२०	३५	किं	१३	३४	३२/३८	५/२८	६/३२	१०	२९	३०	बृ. ५५/५५
२	चं	५१	३७	कृ	४६	७	सौ	२९	३१	बा	१८	५६	४१	२८	३२	११	३०	१	बृषे
३	मं	५७	४७	रो	५३	४६	शो	३१	५३	तै	२४	४२	४५	२७	३३	१२	१	२	बृषे
४	बु	६०	०	मृ	६०	०	अ	३४	१७	व	३०	४९	४८	२६	३४	१३	२	३	मि. २७/३२
४	गु	४	११	मृ	१	२०	सु	३६	५३	वि	४	११	५२	२६	३४	१४	३	४	मिथुने
५	शु	१०	११	आ	८	५०	धृ	३८	५७	बा	१०	११	५५	२५	३५	१५	४	५	क. ५८/५४
६	श	१५	४१	पु	१५	३५	शू	४०	११	तै	१५	४१	५८	२४	३६	१६	५	६	कर्के
७	र	२०	४	पु	२१	११	गं	४०	२३	व	२०	४	३/३२	२४	३६	१७	६	७	कर्के
८	चं	२२	५२	श्ले	२५	१३	वृ	३९	१५	ब	२२	५२	५	२३	३७	१८	७	८	सिं. २५/१३
९	मं	२३	४९	म	२७	२६	ध्रु	३६	३२	कौ	२३	४९	८	२२	३८	१९	८	९	सिंहे
१०	बु	२२	४४	पू	२७	४३	व्या	३२	२४	ग	२२	४४	११	२२	३८	२०	९	१०	कं. ४२/१६
११	गु	१९	३७	उ	२५	५५	ह	२६	२४	वि	१९	३७	१४	२१	३९	२१	१०	११	कन्यायां
१२	शु	१४	२६	ह	२२	७	व	१८	५८	बा	१४	२६	१७	२१	३९	२२	११	१२	तु. ४९/३२
१३	श	७	२३	चि	१६	३७	सि	१०	४	तै	७	२३	२०	२०	४०	२३	१२	१३	तुलायां
१४	श	५१	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	र	४९	४६	स्वा	१०	१	व्य	०९	४९/३५	वि	२४	२४	२३	१९	४१	२४	१३	१४	बृ. ४९/३३

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेहर्गणः ११२० स. १९९५

रेवत्यां शुक्रः ४८।२०
चंद्र दर्शनम् मई ५ ता. ३१
परशुरामजयंती अक्षया ३ जिल्हेज १२
भ. ३०।५९ उ. रोहि. बुधः ५८।५१
भ. ४।११ या. वक्री ज्येष्ठा. १ गुरुः ३१।०
पालस्पर्शः ४६।५२
पालमोक्षः १५।७
भ. २०।४ उ. ५१।२८ या.
[=(सौरः ४१।२२) अश्वि. मेषे शुक्रः×
[×५१।१४ : मोहिनी ११ व्र.
भ. ५१।१० उ. मघा. सिंहे भौमः २४।४१
भ. १९।३७ या.कृत्ति. रविः ३५।४९=
प्रदोषः
भ. ५९।३ उ. नृसिंह १४
भ. २४।२४ या. यमाय सान्नजलकुंभदानं

४ पं. वै. शु. ५ शु. इ. १०/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	११	१०	६	०
२०	२८	१०	१९	२१	२७	११	२०
२७	११	१७	५६	५५	५२	२३	२२
२५	५६	३१	२	३४	२३	७	५७
५८	२४	९०	६/२	७३	५	३	५७
६	४९	३८	व.	१४	२६	११	५७

गोचर ग्रहाः

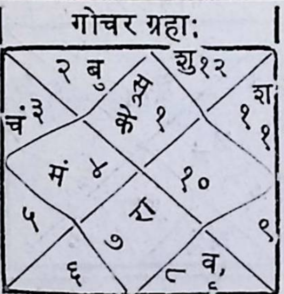

इस मास में घटा बढी अधिक होगी सुदी १५ के आसपास चांदी घृत चावल तेज हो मंदी में अनाज संग्रह करनाश्रेष्ठ है।

गोचर ग्रहाः

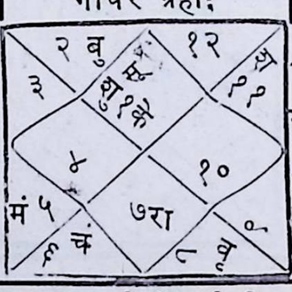

५ पं. वै.शु. १२ शु.इ. १०/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	७	०	१०	६	०
२७	०	१८	१९	०	२८	११	२७
१३	४७	४५	१३	२३	२८	०	०८
३७	१३	४०	१२	४६	३४	५१	११
५७	२६	५६	४ ६/८	७३	४	३	५७
५४	४४	४१	व.	२६	५७	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	चं	४०	१५	वि	२/४४	५२/३२	प	३९	१८	बा	१५	०	३३/२६	५/१९	६/४१	२५	१४	१५	वृश्चिके
२	मं	३०	४४	ज्ये	४७	५०	शि	२८	४४	तै	५	२९	२८	१८	४२	२६	१५	१६	ध. ४७/५०
३	बु	२१	३४	मू	४१	२६	सि	१८	४३	वि	२१	३४	३१	१८	४३	२७	१६	१७	धनुषि
४	गु	१३	२०	पू	३६	२	सा	९	३५	बा	१३	२०	३४	१७	४३	२८	१७	१८	म.५०।२
५	शु	६	४४	उ	३२	३	शु	४०/१	५३/२६	तै	६	४४	३७	१७	४३	२९	१८	१९	मकरे
६/७	श	५/२७	५६/३२	श्र	२९	४४	ब्र	४९	२८	व	१	२७	३९	१६	४४	३०	१९	२०	कुं. ५९/२६
८	र	५६	११	ध	२९	१०	ऐं	४५	२५	बा	२७	१०	४२	१६	४४	३१	२०	२१	कुंभे
९	चं	५६	४	श	३०	५	वै	४२	४६	तै	२६	७	४४	१५	४५	१	२१	२२	कुंभे
१०	मं	५७	२५	पू	३२	४७	वि	४१	२०	व	२६	४४	४७	१५	४५	२	२२	२३	मी. १७/१०
११	बु	६०	०	उ	३६	४१	प्री	४१	१	ब	२८	४५	४९	१४	४६	३	२३	२४	मीने
११	गु	०	५	र	४१	४७	आ	४१	४३	बा	०	५	५२	१४	४६	४	२४	२५	मे. ४१/४७
१२	शु	३	५६	अ	४७	४७	सौ	४२	४६	तै	३	५६	५४	१३	४७	५	२५	२६	मेषे
१३	श	८	४०	भ	५४	४४	शो	४४	३९	व	८	४०	५६	१३	४७	६	२६	२७	मेषे
१४	र	१४	२१	कृ	६०	०	अ	४६	४०	श	१४	२१	५८	१२	४८	७	२७	२८	बृ. ११/३०
३०	चं	२०	१०	कृ	१	४८	सु	४८	५९	ना	२०	१०	३४/०	१२	४८	८	२८	२९	बृषे

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा.;

वृषेऽर्कः ३।४ (सौरः ९।९)
भ. ५६।९ उ.
भ. २१।३४ या. चतुर्थी व्र.
मृगे बुधः ३७।११
भ. १।२७ उ. २९।४३ या.
भरण्यां शुक्रः ५३।५३ भा. ज्येष्ठारंभः
भ. २६।४४ उ. ५७।२५ या. वक्री×
अपरा ११ व्र. स्मा. [× बुधः–६।४७
रोहि. रविः २६।३८ (सौरः ३५।१७)+
बुधास्तः पश्चिमायां ३९।१३ प्रदोषः
भ. ८।४० उ. ४१।३१ या.
[+अपरा ११ व्र. वै.
सोमवती ३० वटपूजनम्

६ पं. ज्ये. कृ. ५ शु. इ. १०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	०	१०	६	१
३	३	२३	१८	८	२९	१०	३
५८	३६	३०	२५	५२	१	३८	५१
३७	५०	१८	१२	५५	१६	३६	५२
५७	२८	१८	७/२९	७३	४	३	५७
४४	४४	२३	व.	४३	३६	११	३४

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णे १ चंद्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

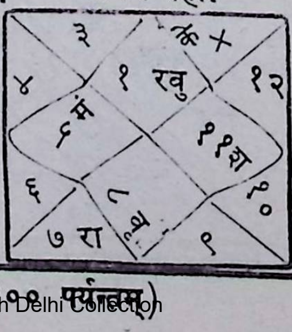

७ पं.ज्ये.कृ. १२ शु.इ. १०/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	०	१०	६	१
१०	६	२४	१७	१७	२९	१०	१०
४२	३९	१६	३३	२२	३०	१६	३४
२९	५८	२६	२९	२६	२९	२०	०३
५७	३०	१४/२१	५/२	७३	३	३	५७
३५	२०	व.	व.	५०	५७	११	२३

×१शु चं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे हर्गणः ११५० स, १९९५
१	मं	२६	१७	रो	९	१८	धृ	५१	३१	ब	२६	१७	३४/२	५/१२	६/४८	९	२९	३०	मि.४३।३	वक्री रोहि. बुधः ६।४१
२	बु	३२	३०	मृ	१६	४९	शू	५३	५२	वा	३२	३०	३	११	४९	१०	३०	३१	मिथुने	स्वाती १ राहु आश्वि. ३ केतुः१९।४७+
३	गु	३८	३२	आ	२४	१८	गं	५६	२	तै	५	३१	५	११	४९	११	१	१	मिथुने	जून६ ता. ३० मोहोरम १ सन् १४१६ हि.
४	शु	४३	५०	पु	३१	६	वृ	५७	३१	व	११	११	७	११	४९	१२	२	२	क. १४/२४	भ. ११।११ उ.४३।५० या. कृति. शुक्र×
५	श	४८	२०	पु	३७	१४	ध्रु	५८	३०	ब	१६	५	९	१०	५०	१३	३	३	कर्क	पूभा. ४ मीने शनिः ३७।४५
६	र	५१	३७	श्ले	४२	१६	व्या	५८	२६	कौ	१९	५८	१०	१०	५०	१४	४	४	सिं. ४२/१६	[+चंद्र दर्शनम्
७	चं	५३	२९	म	४५	४१	ह	५७	१३	ग	२२	२३	१२	१०	५०	१५	५	५	सिंहे	भ. ५३।२९ उ. वृषे शुक्रः ३१।३२
८	मं	५३	३७	पू	४७	४०	व	५४	२३	वि	२३	५५	१३	९	५१	१६	६	६	सिंहे	भ. २३।५५ या.
९	बु	५१	५३	उ	४७	५०	सि	५०	१७	बा	२२	१५	१५	९	५१	१७	७	७	कं २।४२	[×४९।९ वक्री अनु. ४ गुरुः ९।२७
१०	गु	४८	१५	ह	४६	५	व्य	४४	३५	तै	२०	४	१६	९	५१	१८	८	८	कन्यायां	मृगे रविः ३१/३१ (सौरः ३४।७) गंगादशमी
११	शु	४२	४६	चि	४२	१९	व	३८	१७	व	१५	३०	१७	९	५१	१९	९	९	तु. १४/११	भ. १५।३० उ. ४२।४६ या. पूफा. A
१२	श	३५	३५	स्वा	२७	२	प	२८	४९	ब	९	१०	१८	८	५२	२०	०	१०	तुलायां	प्रदोष व्र.
१३	र	२७	२	त्रि	३०	२९	शि	१९	५	कौ	१	१८	१९	८	४२	२१	११	११	वृ. १७।८	[Aभौमः १८।५१ निर्जला ? ११ व्र.
१४	चं	१७	१८	अ	२२	५२	सि	३ ८/३	४९/१५	व	१७	१८	१९	८	४२	२२	१२	१२	वृश्चिके	भ. १७।१८ उ. ४२।२० या.
१५	मं		७ २२	ज्ये	१४	४८	शु	४६	४७	ब	७	२२	२०	८	५२	२३	१३	१३	ध. १४/४८	रोहि शुक्रः ४९।९ गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

८ पं.ज्ये.शु.४ शु. इ.१०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१	७	०	१०	६	१
१७	९	२१	१६	२५	२९	९	१७
२५	५३	५२	४०	५२	५५	५४	१५
१९	२	४१	१२	५९	५	४	९
५७	३१	३०/४९	५६/२	७३	३	३	५७
२७	२८	व.	व.	५४	२४	११	१३

गोचर ग्रहाः

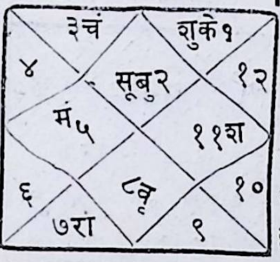

इस मास में गर्मी अधिक रोग पीड़ा हो। जौ गेहूं चना चावल मसूर मूंग उड़द घृत तिल तैल गुड़ खांड में मंदी होकर तेजी होगी.

गोचर ग्रहाः

९ पं.ज्ये.शु.११शु.इ. ११।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	१	११	६	१
२४	१३	१८	१५	४	०	९	२३
७	१५	१९	४६	२३	१५	३१	५५
१९	४३	३४	५९	५३	४३	४९	०५
५७	३२	३९/३१	५७/२	७४	२	३	५७
२२	४६	व.	व.	२	३९	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ज्जेष्ठ कृष्णेतिः महाः
१	मं	४९	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४७	३४	मू	६/५८	५२/५६	शु	३६	१०	तै	२२	२५	३४/२१	५/८	६/५२	२४	१४	१४	धनुषि	बुधोदयः पूर्वस्याम् ४३।५८
३	गु	३९	२	उ	५३	५१	ब्र	२६	३१	व	१३	१८	२१	८	५२	२५	१५	१५	म. १३/२३	भ. १३।१८ उ. ३९।२ या.मिथुनेऽर्कः:B
४	शु	३१	५२	श्र	४९	२९	ऐं	१७	५४	ब	५	२७	२२	८	५२	२६	१६	१६	मकरे	[B२०।५(सौरः३४।५५)-च. व्र.
५	श	२६	४३	ध	४६	५८	वै	१०	४०	तै	२६	४३	२२	८	५२	२७	१७	१७	कुं. १७/४३	
६	र	२३	२५	श	४६	१८	वि	५	४	व	२३	२५	२३	७	५३	२८	१८	१८	कुंभे	भ. २३।२५ उ. ५२।५२ या. मार्गी बुधः
७	चं	२२	१९	पू	४७	४७	प्री	१/८	५/३७	ब	२२	१९	२३	७	५३	२९	१९	१९	मी. ३२/२४	
८	मं	२३	९	उ	५१	१	सौ	५७	४६	कौ	२३	९	२३	७	५३	३०	२०	२०	मीने	[C(सौरः ३६।२८) भा. आषाढारंभः
९	बु	२५	४२	रे	५५	५८	शो	५९	२८	ग	२५	४२	२४	७	५३	३१	२१	२१	मे. ५५/५८	भ. ५७।४४ उ.
१०	गु	२९	४६	अ	६०	०	अ	५९	३२	वि	२९	४६	२४	७	५३	१	२२	२२	मेषे	भ.२९।४६ या. आर्द्रा. रवि. १९।० C
११	शु	३४	४४	अ	२	१६	सु	६०	०	ब	२	१५	२४	७	५३	२	२३	२३	मेषे	योनिनी ११ व्र.
१२	श	४०	४६	भ	९	१३	सु	१	३५	कौ	७	४५	२४	७	५३	३	२४	२४	वृ.२९।३	मृगे शुक्रः ४२।१
१३	र	४६	५२	कृ	१६	३४	धृ	३	५७	ग	१३	४९	२४	७	५३	४	२५	२५	वृषे	भ. ४६।५२ उ. प्रदोष व्र.
१४	चं	५२	५८	रो	२४	११	शू	६	२८	वि	१९	५५	२३	७	५३	५	२६	२६	मि. ५७/५४	भ. १९।५५ या.
३०	मं	५९	४	मृ	३१	३७	गं	८	५९	च	२६	१	२३	७	५३	६	२७	२७	मिथुने	

१० पं. आ. कृ. ४ शु.इ. १०/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	७	१	११	६	२
०	१६	१६	१४	१२	०	९	०
४८	४६	७	५५	५५	३१	९	३४
३६	५५	३४	२६	१६	४४	३३	१४
५७	३३	१२/२३	७	७४	२	३	५६
१७	३३	व.	२२	८	१	११	५७

गोचर ग्रहाः

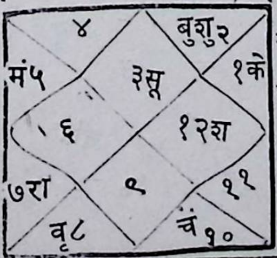

आषाढ कृष्णे ३ गुरौ मिथुनेऽर्क प्रविष्ट वा. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

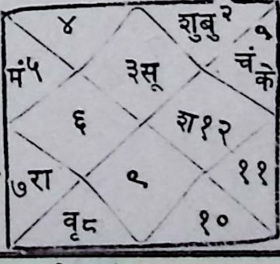

११ पं.आ.कृ. ११ शु.इ. १०/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	७	१	११	६	२
७	२०	१७	१४	२१	०	८	७
२९	२६	११	८	२७	४२	१२	१२
३१	२	२४	१०	१८	४७	१८	४१
५७	३४	१९/४५	६	७४	१	३	५६
१३	३८	मा	४०	१४	२२	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	आषाढ शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	६०	०	आ	३८	५२	वृ	११	१६	किं	३१	४६	३४/२२	५/८	६/५२	७	२८	२८	मिथुने
१	गु	४	३४	पु	४५	२९	धु	२३	६	ब	४	३४	२२	८	५२	८	२९	२९	क. २८/५०
२	शु	९	२५	पु	५१	१६	व्या	१४	३१	कौ	९	२५	२१	८	५२	९	१	३०	कर्के
३	श	१३	३०	श्ले	५६	१६	ह	१५	१९	ग	१३	३०	२०	८	५२	१०	२	१	सि. ५६/१६
४	र	१६	२६	म	६०	०	व	१५	८	वि	१६	२६	१९	८	५२	११	३	२	सिंहे
५	चं	१८	२५	म	०	११	शि	१४	२९	बा	१८	२५	१८	८	५२	१२	४	३	सिंहे
६	मं	१९	२	पू	२	४९	व्य	१२	४५	तै	१९	२	१७	९	५१	१३	५	४	कं. १८/११
७	बु	१८	१८	उ	४	१९	व	९	४५	व	१८	१८	१६	९	५१	१४	६	५	कन्यायां
८	गु	१६	२	ह	४	१६	प	५	३१	व	१६	२	१५	९	५१	१५	७	६	तु. ३३/२६
९	शु	१२	५	चि	२/३५	५६/४४	सि	०/४	५३/१९	कौ	१२	५	१४	९	५१	१६	८	७	तुलायां
१०	श	६	५०	वि	५४	४३	सा	४५	३२	ग	६	५०	१३	९	५१	१७	९	८	वृ. ४०/५२
११	र	०	४	अ	४८	५५	शु	३६	४१	वि	०	४	०	१०	५०	१८	१०	९	वृश्चिके
१२	र	५१	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	११	०	०	०	०	०	०
१३	चं	४३	२	ज्ये	४१	५९	शु	२६	४४	कौ	१७	३१	१०	१०	५०	१९	११	१०	ध. ४१/५९
१४	मं	३३	२९	मू	३४	४२	ब्र	१६	३१	ग	८	१५	८	१०	५०	२०	१२	११	धनुषि.
१५	बु	२३	३६	पू	२७	१७	ऐं	५/५९	४९/४४	ब	२३	३६	७	११	४९	२१	१३	१२	म. ४०/३२

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण: ११७९ सन् १९९५

चंद्र दर्शनम्
मिथुने शुक्रः १०।४६ रथयात्रा सफर २
भ. ४४।५८ उ. मृगे बुध:२४।५६ वक्री×
भ. १६।२६ या.
[×:अनु. ३ गुरु: ५।२ जौलाई३१
उका. भौम: ४७।५० [B३९।१३
भ.१८।१८ उ.४७।१० या. आर्द्रा शुक्र:B
पुन. रवि. १७।५० (सौर: ४०।३०)=
[= मिथुने बुध: ४१।१० वक्री शनि: ५४/३
भ. ३३।२७ उ. देवशयनी ११ व्र. स्मा.
भ. ०।४ या. देवशयनी ११ व्र. वै.
[Aबुध:१३।५८ वायुपरीक्षा
कन्यायां भौम: २०।४२ प्रदोष:
भ. ३३।२९ उ. ५८।३३ या. आर्द्रा. A
व्यासपूजा. गुरु १५

१२ पं. आ. शु. २ शु. इ. १०/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	७	२	११	६	२
१४	२४	२२	१३	०	०	८	१३
९	१३	१०	२४	०	४९	२५	५०
५८	४१	४१	१६	७	३७	२	४६
५७	३५	५६	५/०	७४	०	३	५६
७	१९	९	व.	२०	४३	११	५०

गोचर ग्रहाः

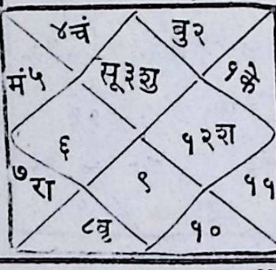

इस मास में घटवटी बजार में अधिक रहेगी तेजीमें वेचो मंदी में खरीदो फायदा होगा। सुदी में मंदी होवे और वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

१३ पं. आ. शु. ९ शु. इ. १०/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	७	२	११	६	२
२०	२८	०	१२	८	०	८	२०
५०	५	४४	४९	३३	५१	२	२८
२४	५३	१०	८	३६	२५	४६	४०
५७	३६	८९	४/३	७४	०/८	३	५६
७	३	३२	व.	२६	व.	११	५०

ति.	श्रावणकृष्ण पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	१४	४२	उ	२०	२१	वि	४६	१	कौ	१४	४२	३४/५	५/११	४/४९	२२	१४	१३	मकरे
२/३	शु	६/३४	५३/१९	श्र	१४	१८	प्री	३७	२४	ग	६	३४	३	११	४९	२३	१५	१४	कु. ४२/११
४	श	५४	२०	ध	१०	४	आ	३०	१०	ब	२७	६	१	१२	४८	२४	१६	१५	कुम्भे
५	र	५२	२९	श	७	३८	सौ	२४	३१	कौ	२३	२४	३३/५९	१२	४८	२५	१७	१६	मी. ५२/२२
६	चं	५२	७	पू	७	१६	शो	२०	४०	ग	२२	१८	५७	१३	४७	२६	१८	१७	मीने
७	मं	५३	४१	उ	९	८	अ	१८	२०	वि	२२	५४	५५	१३	४७	२७	१९	१८	मीने
८	बु	५७	११	रे	१२	५०	सु	१७	५४	बा	२५	२६	५२	४४	४६	२८	२०	१९	मे. १२/५०
९	गु	६०	०	अ	१८	१९	धृ	१९	१६	तै	२९	३५	५०	१४	४६	२९	२१	२०	मेषे
९	शु	१	५९	भ	२४	४९	शू	१९	५९	ग	१	५९	४८	१४	४६	३०	२२	२१	वृ. ४१/४०
१०	श	८	४	कृ	३२	१३	गं	२२	२०	वि	८	४	४५	१५	४५	३१	२३	२२	वृषे
११	र	१४	१०	रो	३९	५३	वृ	२४	५०	बा	१४	१०	४३	१५	४५	१	२४	२३	वृषे
१२	चं	२०	२६	मृ	४७	२८	धु	२७	२२	तै	२०	२६	४०	१६	४४	२	२५	२४	मि. १३/४०
१३	मं	२६	२४	आ	५४	९	व्या	२९	४४	व	२६	२४	३८	१६	४४	३	२६	२५	मिथुने
१४	बु	३१	३८	पु	६०	०	ह	३१	३४	श	३१	३८	३५	१७	४३	४	२७	२६	क. ४४/१७
३०	गु	३५	५८	पु	०	५९	व	३२	३९	च	३	४८	३३	१७	४३	५	२८	२७	कर्के

वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषा. कृष्णेति महा.

[+ पूर्वस्याम् ३६/२३ नाग ५ मरुस्थले
भ. ३३।१४ उ. ५४।५३ या.
चतुर्थी व्र.
कर्केऽर्क: ४७/१६ पुन. शुक्र: २९/२१ बुधास्त:+
भ. ५२।७ उ. कर्केऽर्क: सौर: १४।१४
भ.२२।५४ या.पुन. बुध: १२।४२
[×कामिका ११ व्र.
पुष्ये रवि: १६।३४ (सौर: ४३।५५
भ. ३५।१ उ.
भ. ८।४ या.
कर्के बुध: ५।१८ [भा. श्रावणारंभ:
पुष्ये बुध: ४०/४० कर्के शुक्र: ३७/१३ प्रदोष:
भ. २६।२४ उ. ५९।१ या.
पुष्ये शुक्र: २३/२१ हस्ते भौम: ४२/२९ हरियाली ३०

१४ पं. श्रा.कृ. २ शु. इ. १०/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	७	२	११	६	२
२७	२	१२	१२	१७	०	७	२७
३०	४	१४	२०	७	४८	४०	६
४३	५	२	५६	५५	२५	३१	४७
५७	३६	[illegible]	३/७	७४	४/६	३	५६
११	३५	२७	व.	२६	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

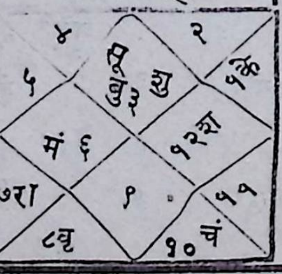

श्रावण कृष्णे ५ रवौ कर्केऽर्क: प्रविष्ट: वा ४ न.५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

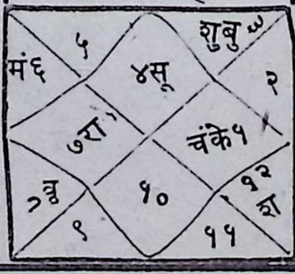

१५पं. श्रा. कृ.९ शु.इ. ३०/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	७	२	११	६	३
४	६	२६	१२	२५	०	७	३
११	८	६	०	४३	४०	१८	४५
२८	३८	३६	४३	२३	२३	१५	१४
५७	३७	[illegible]	२/२	७४	३/१	३	५६
१५	२५	४४	व.	२९	व.	११	५८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२०९ सन् १९९५
१	शु	३९	५	पु	६	१६	सि	३३	५०	किं	७	३२	३३/३०	५/१८	६/४०	६	२९	२८	कर्क	
२	श	४१	१३	श्ले	१०	४७	व्य	२३	२३	बा	१०	९	२७	१९	४१	७	३०	२९	सि१०।४७	चंद्र दर्शनम् शुक्रास्तः पूर्वस्यां ३/४८ सिंधारा
३	र	४२	२०	म	१४	०	व	३१	१४	तै	११	४६	२५	१९	४१	८	१	३०	सिंहे	आश्ले. बुधः ५३।३८ तीज. रविलावल ३
४	चं	४२	२८	पू	१६	२१	प	२८	५१	व	१२	२४	२२	२०	४०	९	२	३१	कं३१।४१	भ. १२।२४ उ. ४२।२८ या. वरद ४
५	मं	४१	२८	उ	१७	४१	शि	२५	५६	ब	११	५८	१९	२०	४०	१०	३	१	कन्ययां	अगस्त ३१ नागपंचमी [C भद्रोत्तरम्
६	बु	३९	२७	ह	१८	१२	सि	२२	२८	कौ	१०	२७	१६	२१	३९	११	४	२	तु४७।४५	मार्गी गुरुः ३।४४ चित्रा ४ राहु आश्वि.=
७	गु	३६	१८	चि	१७	१९	सा	१६	४०	ग	७	५२	१३	२१	३९	१२	५	३	तुलायां	भ. ३६।१८ उ. आश्ले रवि. १३।३५ ×
८	शु	३२	१९	स्वा	१५	३३	शु	१२	११	वि	४	१८	१०	२२	३८	१३	६	४	वृ५७।२६	भ. ४।१८ या. [×(सौरः ४४।४२)
९	श	२७	२०	वि	१२	४३	शु	५६/५७	५२/४६	कौ	२७	२०	७	२३	३७	१४	७	५	वृश्चिके	[= २ केतुः १२।६
१०	र	२१	१२	अ	८	४९	ऐं	५०	४९	ग	२१	१२	४	२३	३७	१५	८	६	वृश्चिके	भ. ४७।४२ उ. मघा. सिंहे बुधः ३२।११
११	चं	१४	१३	ज्ये	४/८	५४/३२	वै	४२	८	वि	१४	१३	०	२४	३६	१६	९	७	ध.४।८	भ. १४।१३ या. आश्ले. शुक्रः ९।३९ ÷
१२	मं		६	२८	पू	५२	३२	वि	३३	२	बा	६	२८	३२/५७	२५	३५	१७	१०	८	धनुषि	प्रदोषः [÷वक्री पूभा ३कुंभे शनिः ५९/४० A
१३	मं	५१	५८	०	०	०	०००	०	०००	०		०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[A पवित्रा ११ व्र.
१४	बु	५०	३	उ	४६	४२	प्री	२३	४२	ग	२४	१४	५४	२५	३५	१८	११	९	म, ६।५	भ. ५०।३ उ. बुधोदय. पश्चिमायां ५५/३७
१५	गु	४२	२१	श्र	४०	५६	आ	१४	२६	वि	१६	१२	५०	२६	३४	१९	१२	१०	मकरे	भ. १६।१२ या. श्रावणी कर्म रक्षाबंधनं C

१६पं. श्रा.शु.१शु. इ. ३१/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	३	११	६	३
१०	१०	१०	११	४	०	६	१०
५२	१७	५९	४९	१९	२७	५६	२४
३०	३५	५३	१	३७	४३	०	३१
५७	३७	२०/४८	०/५८	७४	२/१०	३	५७
२०	५२	०/५८	व. ३२	व.	११		५

गोचर ग्रहाः

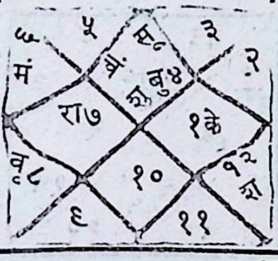

इस मास का फल

श्रेष्ठ है वर्षा उत्तम होगी अनाज गला में मंदी, सुदी में चांदी सोनां तेंज होगा। सुदी में कहीं २ वर्षा कम होगी।

गोचर ग्रहाः

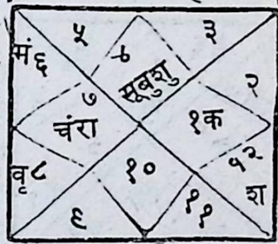

१७पं. श्रा. शु. ८शु. इ. १९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	७	३	११	६	३
१७	१४	२५	११	१२	०	६	१७
३४	३१	१७	४७	५७	१०	३३	०४
१२	५२	३५	६	७	२३	४४	१९
५७	३८	०/८	०/२५	७४/३२	२	३	५७
२५	२५	०/२२	मा	व.	४३	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्राव. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	३५	४३	ध	३६	६	सौ	५/४६	५२/५	बा	९	२	३२/४७	५/२७	६/३३	२०	१३	११	कुं८।३१	
२	श	३०	२२	श	३२	२९	अ	५१	१२	तै	३	२	४४	२७	३३	२१	१४	१२	कुंभे	भ. ५८।३५ उ.
३	र	२६	४७	पू	३०	४२	सु	४६	१	वि	२६	४७	४०	२८	३२	२२	१५	१३	मी१६।९	भ. २६।४७ या. पूफा. बुधः ५२।१ च.व्र.
४	चं	२५	१९	उ	३१	१५	धृ	४२	१९	बा	२५	१९	३७	२९	३१	२३	१६	१४	मीने	[×(सौरः ४१।७)मघा सिंहे शुक्रः ५८/५८=
५	मं	२५	४९	रे	३३	२८	शू	४०	२३	तै	२५	४९	३३	२९	३१	२४	१७	१५	मे३३।२८	चंद्रषष्ठमी [= जन्माष्टमी व्र. स्मा.
६	बु	२८	२३	अ	३७	२९	गं	४०	२	व	२८	२३	३०	३०	३०	२५	१८	१६	मेषे	भ. २८।२३ उ.
७	गु	३२	३४	भ	४३	१६	ब	४०	३८	वि	०	२८	२६	३१	२९	२६	१९	१७	मेषे	भ. ०।२८ या. मघा सिंहेऽर्क ७।३७×
८	शु	३८	१९	कृ	५०	१३	धृ	४२	३१	बा	५	२६	२२	३२	२८	२७	२०	१८	वृ०।१	चित्रा भौमः १९।४९ जन्माष्टमी व्र. वै
९	श	४४	१९	रो	५७	४०	व्या	४४	३८	तै	११	१९	१९	३२	२८	२५	२१	३१	वृषे	गोगा ९
१०	र	५०	३४	मृ	६०	०	ह	४७	१८	व	१७	२६	१५	३३	२७	२९	२२	२०	मि३१।२८	भ. १७।२६ उ. ५०।३४ या.
११	चं	५५	३०	मृ	५	१६	व	४९	४३	व	२३	२	१२	३४	२६	३०	२३	२१	मिथुने	अजा. ११ व्र.
१२	मं	६०	०	आ	१२	२६	सि	५१	३१	कौ	२८	३९	८	३४	२६	३१	२४	२२	मिथुने	उफा बुध. १४।० वत्सद्वादशी
१२	बु	१	४९	पु	१९	५५	व्य	५२	३२	तै	१	४९	४	३५	२५	१	२५	२३	क२।१८	रा. भाद्रपदारंभः प्रदोषः
१३	गु	५	४६	पु	२४	११	व	५२	४०	व	५	४६	१	३६	२४	२	२६	२४	कर्के	भ. ५।४६ उ. ३७।३ या. कन्यायां B
१४	शु	८	१९	श्ले	२८	१०	प	५१	४३	श	८	१९	३१/५७	३७	२३	३	२७	२५	सि२८।१०	[B बुधः ३१।१३
३०	श	९	३७	म	३०	५२	शि	४९	३९	ना	९	३७	५३	३७	२३	४	२८	२६	सिंहे	कुशाग्रहणी मन्वादिः

१८पं.भा.कृ.१शु.इ.१०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	७	३	१०	६	३
२४	१८	८	११	२१	२९	६	२३
१६	५०	२२	५३	३४	४९	११	४५
३७	२	३०	६	४१	१९	२८	२६
५७	३८	०/८	१	७४	२/३	३	५७
३३	५३	०/१३	३१	३८	व.	११	२२

१९पं.भा.कृ.८शु.इ. ९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	७	४	१०	६	४
०	२३	२०	१२	०	२९	५	०
५९	१३	१४	८	१३	२४	४९	२७
५३	३०	४६	४२	४१	२५	१३	३९
५७	३९	९८	२	७४	३	३	५७
४०	२३	५९	५७	३८	५२	११	३४

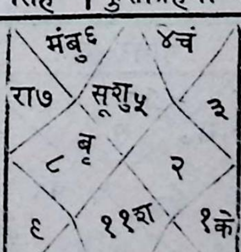

२०पं. भा.कृ.१४शु.इ.४९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	७	४	१०	६	४
७	२७	०	१२	८	२८	५	७
४४	४१	५६	३२	५३	५६	२६	११
२०	४९	१०	३१	५६	५६	५७	९
५७	३९	८७	४	७४	१/४	३	५७
४९	५९	२७	५	३८	व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
																५	२९	२७	कं.४७।२६
१	र	९	३५	पु	३२	२४	सि	४६	४५	ब	९	३५	३१ ४९	५ ३८	६ २२	६	३०	२८	कन्यायां
२	चं	८	३४	उ	३२	३२	सा	४२	५६	कौ	८	३४	४६	३९	२१	७	१	२९	कन्यायां
३	मं	६	१८	ह	३२	२	शु	३८	१८	ग	६	१८	४०	४०	२०	८	२	३०	तु.१।२१
४	बु	३	२२	चि	३०	४०	शु	३३	२	वि	३	२२	३८	४०	२०	०	०	०	०
५	गु	५६	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	३	३१	तुलायां
६	गु	५५	३६	स्वा	२८	४३	ब्र	२७	१८	कौ	२७	३४	३४	४१	१९	१०	४	१	वृ.११।१५
७	शु	५०	५९	वि	२६	१९	ऐं	२१	२९	ग	२३	१७	३०	४२	१८	११	५	२	वृश्चिके
८	श	४५	५९	अ	२३	२५	वै	१५	४२	वि	१८	२९	२६	४३	१७	१२	६	३	ध.२०।७
९	र	४०	३५	ज्ये	२०	७	वि	८	७	बा	१३	१७	२२	४४	१६	१३	७	४	धनुषि
१०	चं	३४	३८	मू	१६	२०	प्री	५०	५२ ३५	तै	७	३६	१८	४४	१६	१४	८	५	म२६।८
११	मं	२८	३२	पू	१२	१३	सौ	४५	३१	व	१	३५	१५	४५	१५	१५	९	६	मकरे
१२	बु	२२	१८	उ	७	५४	शो	३७	५२	बा	२२	१८	११	४६	१४	१६	१०	७	कुं ३१।२६
१३	गु	१६	११	श्र	३	५०	अ	३०	१३	तै	१६	११	७	४७	१३	१७	११	८	कुंभे
१४	शु	१०	४१	ध	०/५९	५६	सु	२३	१	व	१०	४१	३	४७	१३	१८	१२	९	मी४०।३१
१५	श	५	५८	पू	५५	२	धृ	१६	३१	व	५	५८	३० ५९	४८	१२				

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२३९स,१९९५

[+भौमः ५११५ चंद्रदर्शनम्
पूफा. शुक्रः ४४।३० तुलायां +
भ. ३४।५० उ. हरितालिका ३ गणेश-×
भ. ३।२२ या.पूफा. रविः५७।१३ऋषि५
[×चतुर्थी रविलाखर ४
पूफा. रविः सौरः ३१।५९ हस्ते बुधः ५१।४०
भ. ५०।५६ उ. सितम्बर ३०
भ. १८।२६ या.
[÷महालयश्राद्धारंभः
अनु. ४ गुरुः ७।१६ रामदेवजीकामेला
भ. ३५ उ. ३६ या. जलझूलनी ११ व्र.
वामन १२ प्रदोषः
स्वात्यां भौमः ५५।१६
भ. १०।४१ उ. ३८।२० या. उफा.8
[8शुक्रः ३० अनंत १४ व्र.÷

२१पं.भा.शु.७शु. इ.६।३७ | गोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	४	१०	६	४
१४	२	१०	१३	१७	२८	५	१३
३०	१३	२२	४	३५	२७	४	५६
००	३४	३०	३०	२	४	४२	२१
५८	४०	७३	५	७४	४	३	५७
१	२४	१०	१४	३६	२५	११	५७

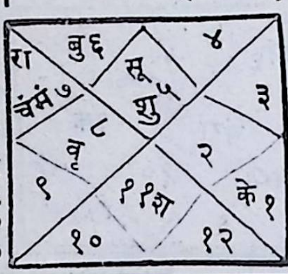

भाद्रपद कृष्णे ७ गुरौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

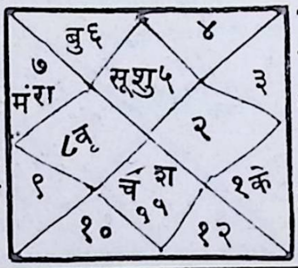

२२पं.भा.शु,१४शु. इ९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	४	१०	६	४
२१	६	१८	१३	२६	२७	४	२०
१७	४९	१८	४४	१६	५५	४२	४३
२	३७	२५	४२	८	१९	२६	१
५८	४०	५४	६	७४	४	३	५८
१३	४६	५८	२३	३२	व.	११	१३

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः
१	र	२	४६	उ	५४	५१	शू	११	५	कौ	२	४६	३० ५५	५ ४९	६ ११	१९	१३	१०	मीने
२	चं	१	८	रे	५६	८	गं	६	५९	ग	१	८	५१	५०	१०	२०	१४	११	मे. ५६।८
३	मं	१	१३	अ	५९	११	वृ	४	७	वि	१	१३	४७	५१	९	२१	१५	१२	मेषे
४	बु	३	१४	भ	६०	०	ध्रु	२	५२	बा	३	१४	४३	५१	९	२२	१६	१३	मेषे
५	गु	६	४७	भ	४	३	व्या	२	२७	तै	६	४७	३९	५२	८	२३	१७	१४	वृ२०।३७
६	शु	१२	२	कृ	१०	२०	ह	३	३९	व	१२	२	३५	५३	७	२४	१८	१५	वृषे
७	श	१७	५२	रो	१७	२३	व	५	१९	ब	१७	५२	३१	५४	६	२५	१९	१६	मि५१।११
८	र	२४	८	मृ	२४	५९	सि	७	३९	कौ	२४	८	२७	५५	५	२६	२०	१७	मिथुने
९	चं	३०	१७	आ	३२	१९	व्य	१०	८	ग	३०	१७	२२	५६	४	२७	२१	१८	मिथुने
१०	मं	३५	४१	पु	३९	१३	व	१२	११	व	२	५९	१८	५६	४	२८	२२	१९	क२२।२९
११	बु	३९	४९	पु	४४	५०	प	१३	३७	ब	७	४५	१४	५७	३	२९	२३	२०	कर्के
१२	गु	४२	२५	श्ले	४९	५	शि	१३	५२	कौ	११	७	९	५८	२	३०	२४	२१	सिं. ४९।५
१३	शु	४३	२७	म	५१	३७	सि	१३	१	ग	१२	५६	५	५९	१	३१	२५	२२	सिंहे
१४	श	४२	३६	पु	५२	३६	सा	१०	५१	वि	१३	१	३० ००	६ ००	६ ००	१	२६	२३	सिंहे
३०	र	४०	२१	उ	५१	५८	शु	७	२०	च	११	२८	२९ ५६	६ १	५९	२	२७	२४	कं७।२६

शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र.कृष्णेति महाराष्ट्राः

भ. ३१।१० उ. कन्यायां शुक्र. ९।४१
भ. १।१३ या. चतुर्थी व्र.
उफा.रविः४१।३८ चित्रा. बुध ३६।५३
उफा. रविः सौरः १६।३८
भ. १२।२ उ. ४४।५७ या.
[×बुधः ५२।५२ हस्ते शुक्रः११५८
कन्यायामर्कः ६।५९ (सौरः ४१।४९)
सौभाग्यवतीनांश्रा.
भ. २।५९ उ. ३५।४१ या. वक्री ×
इंदिरा ११ व्र.
[÷शस्त्रादि हतानांश्राद्धम्
भ. ४३।२७ उ. प्रदोषः
भ. १३।१ या. रा. आश्विनारंभः ÷
वक्री पूभा. २ शनिः २६।५१ सर्वपितृश्रा.

२३ पं. आ.कृ.६ शु.९।१९ | गोचर ग्रहाः

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	५	१०	६	४
२८	११	२४	१४	४	२७	४	२७
५	२९	७	३१	५८	२२	२०	३१
२४	१७	४४	४१	१६	५५	१०	२१
५८	४१	३०	७	७४	४	३	५८
२६	६	५९	२०	३२	४०	११	२९

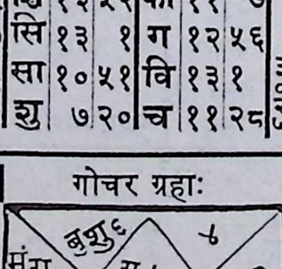

आश्विन कृष्णे ८ रवौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ गतालका वस्था(ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

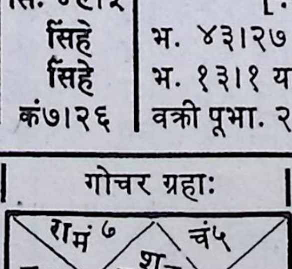

२४पं.आ.कृ.१३शु. इ.९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	५	१०	६	५
४	१६	२५	१५	१३	२६	३	४
५५	१२	२९	२५	३९	५०	५७	२१
१६	५०	५३	४१	४७	३८	५५	२८
५८	४१	५३	८	७४	३८	३	५८
३	३६	व.	२८	२६	व.	११	४५

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १२६८ स. १९९५
१	चं	३६	५२	ह	५०	१४	शु	४०	२५	किं	८	३६	२९/५२	६/२	५८	३	२८	५२	कन्यायां	मातामह श्रा. नवरात्रा.
२	मं	३२	१९	चि	४७	४०	ऐं	५०	४६	बा	४	३५	४८	२	५८	४	२९	२६	तु.१८।५७	चंद्र दर्शनम् [A जमादिलावल ५
३	बु	२७	८	स्वा	४४	१७	वै	४३	५०	ग	२७	८	४४	३	५७	५	१	२७	तुलायां	भ. ५४/२५ उ. हस्ते रविः २०।८ (सौरः=
४	गु	२१	४३	वि	४०	३८	वि	३६	२८	व	२१	४३	४०	४	५६	६	२	२८	वृ२६।३२	भ. २१।४३ या. बुधास्तः पश्चिमायां ३७/४८
५	शु	१६	११	अ	३६	५७	प्री	२९	१६	बा	१६	११	३६	५	५५	७	३	२९	वृश्चिके	वक्री हस्ते बुधः ३४।४३ चित्रा शुक्र ५५/१४
६	श	१०	४६	ज्ये	३३	२९	आ	२२	७	तै	१०	४६	३२	६	५४	८	४	३०	ध,३३।२९	ज्येष्ठा. १ गुरुः ४२।४
७	र	५	३१	मू	२९	५६	सौ	१४	४३	व	५	३१	२८	६	५४	९	५	१	धनुषि	भ. ५।३१उ.३२।५६ या. अक्टूबर ३१B
८	चं	०	२०	पू	२६	४९	शो	७	४४	ब	०	२०	२३	७	५३	१०	६	२	म, ४१।०	सरस्वतिपू, बलिदा. [×पपांकुशा ११व्र.
९	चं	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	[=५०।१९) विशा. भौम. ४२।३२ A
१०	मं	५०	४९	उ	२३	३५	अ	४६/०	५३/२८	तै	२३	७	१९	८	५२	११	७	३	मकरे	विजयादशमी. [B सरस्वत्यावाहनम्
११	बु	४६	२९	श्र	२१	०	धृ	४७	५६	व	१८	३९	१५	९	५१	१२	८	४	कुं,४९।५०	भ. १८।३९ उ. ४६।२९ या. चित्रा. ३÷
१२	गु	४१	४३	ध	१८	४१	शू	४१	५९	ब	१४	६	११	१०	५०	१३	९	५	कुंभे	तुलायां शुक्रः १६/६ शुक्रोदयः पश्चिमायां ४६/१२
१३	शु	३८	४६	श	१७	४	गं	३६	३१	कौ	१०	१४	७	११	४९	१४	१०	६	कुम्भे	प्रदोष व्र. [÷राहुः अश्वि.१ केतुः ४/२८×
१४	श	३७	४३	पू	१६	७	वृ	३१	४७	ग	८	१४	३	११	४९	१५	११	७	मी. १।२१	भ. ३७।४३ उ. कोजागरी व्र.
१५	र	३६	५४	उ	१६	२५	ध्रु	२७	५२	वि	७	१८	२६/५९	१२	४९	१६	१२	८	मीने	भ.७।१८ या. शरद् पूर्णिमा.

२५ पं.आ.शु.५शु.इ.९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	५	१०	६	५
११	२१	२३	१६	२२	२६	३	११
४६	०	४५	२५	२२	१९	३५	१३
५२	२९	२२	४१	४१	१६	३९	२९
५८	४१	५९/१६	९	७४	४/२२	३	५९
५३	५७	व.	१४	२६	व.	११	०

गोचर ग्रहाः

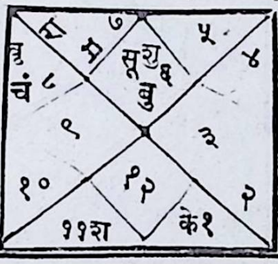

इस मास में ५ रवि वार रोगपीड़ाकारक है "पंचार्कवासरे रोगाः" रसपदार्थ गुड़ खांड घृत तेल अनाज गल्ला धातु आदि तेज हो।

गोचर ग्रहाः

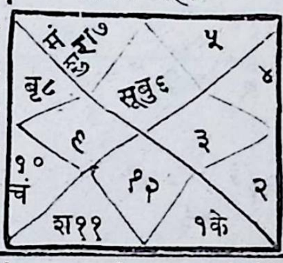

२६ पं.आ.शु.१३ शु.इ. ५८/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	६	१०	६	५
१८	२५	१६	१७	१	२५	३	१८
४०	५१	५७	३१	५	४९	१३	७
८	५०	४२	३४	२८	३०	२४	१६
५९	४२	६१/५८	९	७४	४/४	३	५९
९	२५	व.	५५	२६	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकाः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे आश्वि. कृष्णेति महा.
१	चं	३७	२६	रे	१७	४९	व्या	२५	७	बा	७	१०	२८/५५	६/१३	५/४७	१७	१३	९	मे.१७।४९	[C सूर्यग्रहणम् अन्नकूट=
२	मं	३९	४२	अ	२०	४९	ह	२३	४९	तै	८	३४	५१	१४	४६	१८	१४	१०	मेषे	चित्रा. रविः ५२।१० स्वात्यां शुक्रः३७।२
३	बु	४३	०	भ	२५	१०	व	२३	३	व	११	२१	४७	१५	४५	१९	१५	११	बृ.४१।३७	भ. ५/२ ५/५ उ.४३।० या. चित्रा. रविःसौरः २४/५३
४	गु	४८	९	कृ	३०	५९	सि	२३	३३	ब	१५	३५	४३	१५	४५	२०	१६	१२	वृषे	बृश्चि के भौमः ५।३६ बुधोदयः ÷
५	शु	५३	४३	रो	३७	२८	व्य	२४	५६	कौ	२०	५६	३९	१६	४४	२१	१७	१३	वृषे	[÷पूर्वस्याम् १३।५० च.व्र.
६	श	६०	०	मृ	४५	०	व	२६	५६	ग	२६	४३	३५	१७	४३	२२	१८	१४	मि११।१४	मार्गी बुधः ९।३
६	र	०	४	आ	५२	३६	प	२९	१७	व	०	४	३१	१८	४२	२३	१९	१५	मिथुने	भ. ०।४ उ. ३३।१५ या.
७	चं	६	२५	पु	५९	५२	शि	३१	३३	ब	६	२५	२७	१९	४१	२४	२०	१६	क.४३।३	अनु. भौमः ४७।३४
८	मं	१२	१८	पु	६०	०	सि	३३	२६	कौ	१२	१८	२३	१९	४१	२५	२१	१७	कर्के	तुलायामर्कः ३५।५९
९	बु	१७	६	बु	६	२२	सा	३४	२३	ग	१७	६	२०	२०	४०	२६	२२	१८	कर्के	भ. ४८।४० उ.(तुलायामर्क ७।३७सौरः)
१०	गु	२०	१४	श्ले	११	१९	शु	३४	१७	वि	२०	१४	१६	२१	३९	२७	२३	१९	सिं११।१९	भ. २०।१४ या. [=गोवर्द्धनपूजा
११	शु	२१	३७	म	१४	४७	शु	३२	४६	बा	२१	३७	१२	२२	३८	२८	२४	२०	सिंहे	ज्येष्ठा. २ गु १६।८ रमा ११ व्र.
१२	श	२१	१२	पू	१६	१४	ब्र	२९	३९	तै	२१	१२	८	२२	३८	२९	२५	२१	कं.३१।१०	विशा. शुः २०।५२ प्रदोषः धन १३
१३	र	१८	४५	उ	१५	५६	ऐं	२५	८	व	१८	४५	४	२३	३७	३०	२६	२२	कन्यायां	भ. १८।४५ उ. ४६।४० यां. रूप १४
१४	चं	१४	३५	ह	१३	४४	वै	१९	३	श	१४	३५	०	२४	३६	१	२७	२३	तु.४२।०	रा. कार्तिकारंभः महालक्ष्मीपूजनम्
३०	मं	८	५६	चि	१०	१७	वि	११	५५	ना	८	५६	२७/५६	२५	३५	२	२८	२४	तुलायां	स्वात्यां रविः १८।१ (सौरः४८।४०) C

२७पं. का. कृ.५शु.इ.८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	७	६	१०	६	५
२५	०	११	१८	९	२५	२	२५
३५	४६	३१	४२	४७	२२	५१	२
२	३०	२३	५४	५६	१९	८	५८
५९	४२	१०/१७	१०	७४	३/४६	३	५९
२१	५२	व.	४१	२०	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

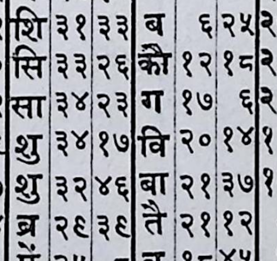

कार्तिक कृष्णे ८ भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

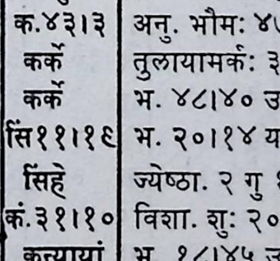

२८पं.का.कृ११शु.इ,८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	७	६	१०	६	६
२	५	१४	१९	१८	२४	२	२
३१	४४	१४	५८	३०	५९	२८	०
२६	२८	९	३४	२९	२	५२	२५
५९	४३	६/१६	११	७४	३/१०	३	५९
३४	८	मा	१८	१४	व.	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२९८स.१९९५
१	बु	२	१३	स्वा	५	२६	प्री	४७/३	५१/२१	ब	२	१३	२७/५३	६/२५	५/३५	३	२९	२५	वृ४६।३४	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २
२	बु	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१०	० ०	[÷नवम्बर ३० अक्षय ९
३	गु	४७	४९	वि	१६/०	५४/४०	सौ	४६	१४	तै	२१	९	४९	२६	३४	४	१	२६	वृश्चिके	जमादिलाखर ६
४	शु	४०	४४	ज्ये	४९	३९	शो	३७	१८	व	१४	१६	४५	२७	३३	५	२	२७	ध.४९।३९	भ. १४/१६ उ. ४०/४४ या. चित्रा. बुधः१७।४३
५	श	३४	६	मू	४४	४७	अ	२८	४२	ब	७	२५	४१	२८	३२	६	३	२८	धनुषि	[=ज्येष्ठा. ३ गुरुः ११।११
६	र	२८	६	पू	४०	३९	सु	२०	५२	कौ	१	६	३७	२९	३१	७	४	२९	म.५४।४७	बृश्चिके शुक्रः २३।४०
७	चं	२२	५१	उ	३७	१३	धृ	१३	११	व	२२	५१	३४	२९	३१	८	५	३०	मकरे	भ. २२।५१ उ. ५०।४४ या.
८	मं	१८	३६	श्र	३४	४९	शू	६	२३	व	१८	३९	३०	३०	३०	९	६	३१	मकरे	तुलायां बुध ३३।३० गोप ८
९	बु	१५	१	ध	३३	६	गं	१७/०	५४/४१	कौ	१५	१	२७	३१	२९	१०	७	१	कुं.३।५९	अनु.शुक्रः २।२ बुधास्तः पूर्वस्याम् ५६/७÷
१०	गु	१२	३३	श	३२	३३	ध्रु	५०	२४	ग	१२	३३	२३	३१	२९	११	८	२	कुंभे	भ. ४१।४८ उ.
११	शु	११	३	पू	३२	४२	व्या	४६	३२	वि	११	३	१९	३२	२८	१२	९	३	मी. १७/४०	भ. ११/३ या.प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसीविवाहः
१२	श	१०	३०	उ	३३	५९	ह	४३	२७	बा	१०	३०	१६	३३	२७	१३	१०	४	मीने	स्वात्यांबुधः३६/५७ ज्येष्ठा.भौमः ३४/३९ प्रदोषः
१३	र	११	५	रे	३६	१९	व	४१	२१	तै	११	५	१२	३४	२६	१४	११	५	मे.३६।१९	वैकुंठ १४
१४	चं	१२	३२	अ	३९	४७	सि	४०	१९	व	१२	३२	९	३४	२६	१५	१२	६	मेषे	भ. ३३/३२ उ. ४४।३ या. विशा. रविः३६/७=
१५	मं	१५	३३	भ	४४	१९	व्य	३९	४४	ब	१५	३३	५	३५	२५	१६	१३	७	मेषे	विशा. रविः सौरः ६।४ मन्वादिः

२९ पं.का.शु.४शु. इ.८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	७	६	१०	६	६
९	१०	२३	२१	२७	२४	२	८
२९	४६	६	१८	१२	३९	६	५९
४२	४८	४	४३	४७	०	३७	४५
५९	४३	८९	११	७४	२/२१	३	६०
४७	१९	११	५६	५	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

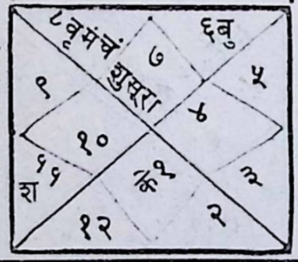

इसे मास का फल

मध्यम है तेजी मंदी अधिक होगी। सूर्य-ग्रहण से पूर्व मंदी बस्तु हो खरीदना तेजी होगी। चांस है लाभ होगा।

गोचर ग्रहाः

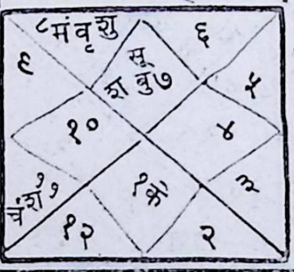

३०पं.का. शु.११ इ.८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	७	१०	६	६
१६	१५	४	२२	५	२४	१	१६
२९	५१	१४	४२	५५	२३	४४	००
२८	४३	४२	२२	३७	२०	२१	४९
६०	४३	९८	१२	७४	१/४१	३	६०
४	३४	११	२०	२	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे कार्ति. कृष्णेत्ति महा.
१	बु	१९	२८	कृ	५०	६	व	४०	१७	कौ	१९	२८	२७/२	६/३६	५/२४	१७	१४	८	बृ.०।४६	[=मार्गी शनिः ४७।३१ प्रदोषः
२	गु	२४	४८	रो	५६	३०	प	४१	२७	ग	२४	४८	२६/५८	३६	२४	१८	१५	९	वृषे	भ. ५७।३७ उ.
३	शु	३०	२६	मृ	६०	०	शि	४३	१५	वि	३०	३६	५५	३७	२३	१९	१६	१०	मि३०।८	भ. ३०।२६ या.
४	श	३६	४६	मृ	३	४७	सि	४५	३९	व	३	३६	५२	३८	२२	२०	१७	११	मिथुने	ज्येष्ठा. शुक्रः ४६।३५ चतुर्थी व्र.
५	र	४३	१६	आ	११	१८	सा	४७	४३	कौ	१०	१	४९	३८	२२	२१	१८	१२	मिथुने	विशा. बुधः ४२।२८
६	चं	४९	३५	पु	१९	८	शु	४९	५६	ग	१६	२५	४५	३९	२१	२२	१९	१३	क.२।१०	भ. ४९।३५ उ. [×उपत्ति ११ व्र. स्माः
७	मं	५५	४	पु	२६	२३	शु	५१	४०	वि	२२	१९	४२	४०	२०	२३	२०	१४	कर्के	भ. २२।१९ या.
८	बु	५९	५	श्ले	३२	१०	ब्र	५२	२९	बा	२७	४	३९	४०	२०	२४	२१	१५	सिं ३२।१०	[÷ज्येष्ठा. ४ गुरुः ४९।१३
९	गु	६०	०	म	३७	१	ऐं	५२	३	तै	३०	१९	३६	४१	१९	२५	२२	१६	सिंहे	बृश्चिकेऽर्कः ३४।३२
९	शु	१	३३	पू	३९	३७	वै	५०	०	ग	१	३३	३३	४१	१९	२६	२३	१७	कं.५४।५३	भ. ३१।४६ उ. वृश्चिऽर्कः सौरः ०।२१
१०	श	१	५९	उ	४०	४४	वि	४६	३१	वि	१	५९	३०	४२	१८	२७	२४	१८	कन्यायां	भ. १।५९ या. वृश्चिके बुधः ५३।२९×
११	र	०	२६	ह	३९	४३	प्री	४१	७	बा	०	२६	२७	४३	१७	२८	२५	१९	कन्यायां	अनु. रविः ५२।५२ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१२	र	५६	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ०	- [+भौमः३९।८ भा. मार्गशीर्षारंभः
१३	चं	५१	२८	चि	३६	४९	आ	३४	४६	ग	२४	९	२५	४३	१७	२९	२६	२०	तु.८।१६	भ. ५१।२८ उ. अनु. रविः १७।९=
१४	मं	४४	१४	स्वा	३१	५६	सौ	२६	३५	वि	१७	५१	२२	४४	१६	३०	२७	२१	तुलायां	भ. १७।५१या. अनु. बुधः १२।४२ ÷
३०	बु	३६	९	वि	२५	५८	शो	१७	२३	च	१०	११	१९	४४	१६	१	२८	२२	बृ.१२।२८	मूले धनुषि शुक्रः २७।४० मूले धनुषि+

३१ पं. मा. कृ.३ शु.इ.७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	७	१०	६	६
२३	२०	१५	२४	१४	२४	१	२३
३०	५९	४३	९	३८	१२	२२	३
५०	५६	४१	७	२८	७	६	२४
६०	४३	९९	१२	७३	६/१	३	६०
१७	४४	३२	४४	५६	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे

९ गुरौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न ३ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

३२पं.मा.कृ.९ शु.इ.७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	७	७	१०	६	७
०	२६	२७	२५	२३	२८	०	०
३३	१०	३	३८	२०	६	५९	७
२९	५२	२२	५६	४६	२९	५०	२८
६०	४४	०/०	१३	७२	२/२	३	६०
३०	२१	३३	८	५०	व.	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१३२७ स.१९९५
१	गु	२७	२१	अ	१९	१४	अ	२७	४९/४८	किं	१	४५	२६/२७	४६	१५	२	२९	२३	वृश्चिके	
२	शु	१८	३४	ज्ये	१२	११	धृ	४७	५	कौ	१८	३४	१४	४५	१५	३	३०	२४	ध.१२।११	[×पूषा शुक्रः १३।४८
३	श	१०	५	मू	२७/५६	५३/५८	शू	३७	५०	ग	१०	५	१२	४६	१४	४	१	२५	धनुषि	चंद्र दर्शनम्
४	र	२	१६	उ	५४	१	गं	२७	४०	वि	२	१६	९	४६	१४	५	२	२६	म.१२।५६	भ. ३६।१० उ. रज्जव ७
५	र	५३	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०००	भ. २।१६ या.
६	चं	५०	४	श्र	५०	१४	वृ	१९	२२	कौ	२२	४८	७	४७	१३	६	३	२७	मकरे	[=११ व्र. गीताजयंती
७	मं	४५	५४	ध	४७	४३	ध्रु	११	५७	ग	१७	५९	५	४७	१३	७	४	२८	कुं.१८।५९	चंपा ६
८	बु	४३	२३	श	४६	३७	व्या	५	५९	वि	१४	३८	२	४८	१२	८	५	२९	कुम्भे	भ. ४५।५४ उ.
९	गु	४२	११	पू	४६	५०	ह	१/१	५६/१९	बा	१२	४७	०	४८	१२	९	६	३०	मी३१।४९	भ. १४।३८ या. ज्येष्ठा बुधः ३५।३७
१०	शु	४२	२५	उ	४८	३८	सि	५४	३७	तै	१२	१८	२५/५८	४८	१२	१०	७	१	मीने	[÷ रेव. ४ मीनें केतुः ५६।७
११	श	४४	८	रे	५१	३८	व्य	५२	५७	व	१३	१६	५६	४९	११	११	८	२	मे.५१।३८	दिसम्बर ३१
१२	र	४६	३७	अ	५५	४९	व	५२	२०	व	१५	२२	५४	४९	११	१२	९	३	मेषे	भ. १३।१६ उ. ४४।८ या. मोक्षदा=
१३	चं	५०	३७	भ	६०	०	प	५२	३४	कौ	१८	३७	५३	४९	११	१३	१०	४	मेषे	ज्येष्ठा रविः २।५९ (सौरः २५।३)×
१४	मं	५५	१०	भ	०	५७	शि	५२	४८	ग	२३	५३	५१	५०	१०	१४	११	५	वृ.१७।२६	प्रदोप व्र. [Aअस्तं गुरौः ६३६
१५	बु	६०	०	कृ	६	५२	सि	५४	३९	वि	२८	३	४९	५०	१०	१५	१२	६	वृषे	भ. ५५।१० उ. चित्रा २ कन्यायां राहुः÷
१५	गु	०	५६	रो	१३	४१	सा	५६	२०	ब	०	५६	४८	५०	१०	१६	१३	७	मि४७।१३	भ. २८।३ या. दत्तजयंती मूल १ धनुषि गुरुः ४२।१७A

३३पं.मा.शु.२शु.इ.७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	७	८	१०	६	७
७	१	८	२७	२	२४	०	७
२७	२५	१०	१०	२	५	३७	१३
२६	३७	५९	४४	४२	४२	३४	१
६०	४४	९९	१३	७३	२०	३	६०
४२	३२	५२	२०	४४	मा	११	५३

गोचर ग्रहाः

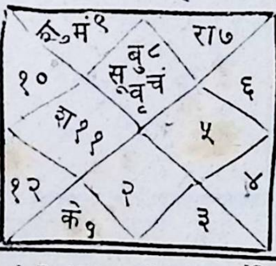

धन राशि का मंगल, रुई पाट वार दाना घृत तिल तैल सोना चांदी शेयर्स-अलसी सिरस्युं में तेजी का रुख करेगा।

गोचर ग्रहाः

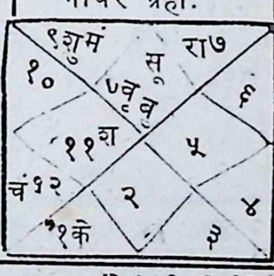

३४पं.मा.शु१०शु.इ.७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	७	८	१०	६	७
१४	६	१९	२८	१०	२४	०	१४
४२	४२	११	४४	४४	१०	१५	१९
४०	२५	१०	६	५३	३०	१९	४७
६०	४४	९८	१३	७३	१	३	६१
५०	४७	५५	२९	३५	७	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महाराष्ट्रां
१	शु	६	४६	मृ	२०	४६	शु	५८	५१	कौ	६	४६	२५/४६	५१	९	१७	१४	८	मिथुने	मूले धनुषि बुधः १।४३
२	श	१३	१७	आ	२८	२०	शु	६०	०	ग	१३	१७	४५	५१	९	१८	१५	९	मिथुने	भ. ४६।३१ उ. पूषा भौमः ५२।३६
३	र	१९	४५	पु	३५	५५	शु	०	४०	वि	१९	४५	४४	५१	९	१९	१६	१०	क.१९।१	भ. १९।४५ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	२६	४	पु	४३	१९	ब्र	३	४	बा	२६	४	४३	५१	९	२०	१७	११	कर्के	[÷पूषा बुधः ३१।४ मकरे शुक्रः ३९।२०=
५	मं	३१	४२	श्ले	४६	४६	ऐं	५	२	तै	३१	४२	४२	५२	८	२१	१८	१२	सिं४९।४६	[=बुधोदयः पश्चिमायां ३३।१
६	बु	३६	२६	म	५५	३१	वै	६	२२	ग	४	४	४१	५२	८	२२	१९	१३	सिंहे	भ. ३६।२६ उ. उषा शुक्रः ५५।२८
७	गु	३९	५०	पू	५९	५९	वि	६	३९	वि	८	८	४०	५२	८	२३	२०	१४	सिंहे	भ. ८।८ या.
८	शु	४१	३२	उ	६०	०	प्री	५	५६	बा	१०	४१	३९	५२	८	२४	२१	१५	कं.१५।३८	
९	श	४१	१९	उ	२	३४	आ	३	५१	तै	११	२५	३९	५२	८	२५	२२	१६	कन्यायां	मूले धनुष्यर्कः१०।१४(सौरः२८।५३)÷
१०	र	३९	११	ह	३	१७	सौ	०/५५	५४/५६	व	१०	१५	३८	५२	८	२६	२३	१७	तु.३२।३५	भ. १०।१५ उ. ३९।११ या.
११	चं	३४	५८	चि	५/१/३	५६/४७	अ	४८	१९	ब	७	४	३८	५२	८	२७	२४	१८	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	मं	२९	८	वि	५२	३९	सु	४०	६	कौ	२	४	३७	५३	७	२८	२५	१९	बृ.३९।५४	
१३	बु	२१	२०	अ	४७	१४	धृ	३०	३१	व	२१	२०	३७	५३	७	२९	२६	२०	वृश्चिके	भ. २१।२० उ. ४६।५६ यां. प्रदोपः
१४	गु	१२	३२	ज्ये	३९	५४	शू	२०	१३	श	१२	३२	३६	५३	७	३०	२७	२१	ध.३९।५४	मूल २ गुरुः २०।५५ अस्तो भौमः ४।३८
३०	शु	३	६	मू	३२	४	गं	९/१८	४८/५२	ना	३	६	३६	५३	७	१	२८	२२	धनुषि	रा. पौषारंभः

३५पं.पौ.कृ.१२शु.इ.७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	८	८	१०	५	७
२१	१२	०	०	१९	२४	२९	२१
४८	१	८	१९	२६	२०	५३	२७
४३	४१	४६	८	१०	६	३	३१
६०	४४	९७	१३	७३	१	३	६१
५६	५७	२२	३२	२२	४६	११	११

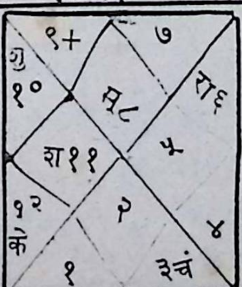

३६पं.पौ.कृ.८शु.इ.६।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	८	८	१०	५	७
२८	१७	११	१	२८	२४	२९	२८
५५	२३	५	५५	७	३४	३०	३६
३७	२०	४६	८	१२	४१	४८	१४
६१	४५	९५	१३	७२	२	३	६१
०	१२	४३	३८	१४	२९	११	१९

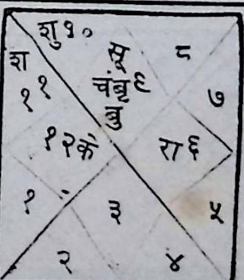

३७पं.पौ.कृ३०शु.इ.६।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	८	९	१०	६	८
६	२२	२१	३	६	२४	२९	५
३	४७	५१	३०	४६	५४	८	४५
१४	१३	२५	२५	३८	१८	३२	३९
६१	४५	९०	१३	७३	३	३	६१
४	३६	४९	३८	०	१७	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	पौष शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	शु	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	श	४३	५५	पू	२४	३१	ध्रु	४८	२५	बा	१८	४०	३५/३६	६/५३	५/७	२	२९	२३	म.३७/४२
३	र	३५	२२	उ	१७	१७	व्या	३७	९	तै	९	३८	३६	५३	७	३	१	२४	मकरे
४	चं	२८	५	श्र	११	१३	ह	२७	५१	व	१	४३	३७	५३	७	४	२	२५	कुं.३८।५९
५	मं	२२	२०	ध	६	४६	व	१९	५८	बा	२२	२०	३७	५३	७	५	३	२६	कुम्भे
६	बु	१८	२६	श	४	१	सि	१३	४१	तै	१८	२६	३७	५३	७	६	४	२७	मी.४८/१९
७	गु	१६	१८	पू	२	५५	व्य	८	३८	व	१६	१८	३८	५२	८	७	५	२८	मीने
८	शु	१६	१७	उ	३	४४	व	५	११	ब	१६	१७	३८	५२	८	८	६	२९	मीने
९	श	१७	५०	रे	६	२८	प	३	१३	कौ	१७	५०	३९	५२	८	९	७	३०	मे.६।२८
१०	र	२०	५३	अ	१०	३७	शि	२	२३	ग	२०	५३	४०	५२	८	१०	८	३१	मेषे
११	चं	२५	२८	भ	१५	५९	सि	३	१	वि	२५	२८	४१	५२	८	११	९	१	वृ.३२/३६
१२	मं	३०	३५	कृ	२२	२७	सा	३	४२	बा	३०	३५	४२	५२	८	१२	१०	२	वृषे
१३	बु	३६	५३	रो	२९	३०	शु	५	३०	कौ	३	४४	४३	५१	९	१३	११	३	वृषे
१४	गु	४३	१	मृ	३६	४७	शु	७	२७	ग	९	५७	४४	५१	९	१४	१२	४	मि.३।३८
१५	शु	४९	२६	आ	४४	१७	ब्र	९	३६	वि	१६	१३	४५	५१	९	१५	१३	५	मिथुने

शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः १३५६ स.१९९५

चन्द्र दर्शनम्
श्रवणे शुक्रः ४५।४५ सावान ८
भ.१।४३ उ.२८।५ या.उषा. बुध.१७।६

मकरे बुधः ३८।४७ उषा. भौमः ४।३१
भ. १६।१८ उ. ४६।१८ या.
पूषा. रविः १५।१४ (सौरः ३०।३१)
B मूलः ३ गुरुः ०।१६
भ. ५३।१० उ. मकरे भौमः २६।४३
भ. २५।२८ या. उदयं गुरोः × [उ. गु.]
× ४०।१२ जनवरी ३१ सन् +
प्रदोष व्र. +१९९६ पुत्रदा ११ व्र.
भ. ४३।१ उ. धनि शुक्रः ३२।२६
भ. १६।१३ या. श्रवणे बुध : ४०।४१ B

३८ पं.पौ.शु.८शु. ६।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	८	९	१०	५	८
१३	२८	१	५	१५	२५	२८	१३
११	१३	५६	६	२४	१८	४६	५५
१३	८	१७	२९	३६	५४	१६	३१
६१	४५	७९	१३	७२	३	३	६१
६	४६	२६	३२	४८	५२	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौष कृष्णे ९ शनौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवाऽवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

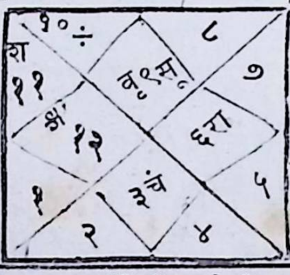

३९ पं.पौ.शु.१५शु.इ. ३६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	९	१०	५	२
२०	३	९	६	२४	२५	२८	२०
१९	४१	३२	४१	१	४७	५४	५
२६	१०	१७	२४	१२	२८	१	२८
६१	४५	४८	१३	७२	४	३	६१
६	५८	२८	३१	३०	३४	११	२६

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	५५	५३	पु	५१	३९	ऐं	११	४८	बा	२२	४०	२५/४७	६/५१	५/९	१६	१४	६	क.३४/४९
२	र	६०	०	पु	५८	५०	वै	१४	१	तै	२८	२४	४८	५०	१०	१७	१५	७	कर्के
२	चं	०	५५	श्ले	६०	०	वि	१५	३८	ग	०	५५	५०	५०	१०	१८	१६	८	कर्के
३	मं	७	१०	श्ले	५	२८	प्री	१६	४९	वि	७	१०	५२	५०	१०	१९	१७	९	सिं.५।२८
४	बु	११	३७	म	१०	११	आ	१७	३२	बा	११	३७	५३	४९	११	२०	१८	१०	सिंहे
५	गु	१५	८	पू	१५	५३	सौ	१७	२१	तै	१५	८	५५	४९	११	२१	१९	११	कं.३१।४७
६	शु	१७	३०	उ	१९	३१	शो	१६	४	व	१७	३०	५७	४९	११	२२	२०	१२	कन्यायां
७	श	१८	१६	ह	२१	३४	अ	१३	४६	ब	१८	१६	५९	४८	१२	२३	२१	१३	तु.५०।३२
८	र	१७	३५	चि	२२	१०	सु	१०	५	कौ	१७	३५	२६/५	४८	१२	२४	२२	१४	तुलायां
९	चं	१५	६	स्वा	२१	६	धृ	५/४	५३/३६	ग	१५	६	४	४७	१३	२५	२३	१५	तुलायां
१०	मं	१०	३५	वि	१८	४	गं	५०	५६	वि	१०	३५	६	४७	१३	२६	२४	१६	वृ.३।४९
११	बु	४	४४	अ	१३	२९	वृ	४१	५३	बा	४	४४	८	४६	१४	२७	२५	१७	वृश्चिके
१२	बु	५२	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	गु	४८	४९	ज्ये	७	३२	ध्रु	३२	१	ग	२३	८	११	४६	१४	२८	२६	१८	ध. ७।३२
१४	शु	३९	२३	मू	०/३४	५२/२२	व्या	२१	२०	वि	१४	६	१३	४५	१५	२९	२७	१९	धनुषि
३०	श	२९	४५	उ	४५	२०	ह	१०/१९	४८/५९	च	४	३४	१६	४५	१५	३०	२८	२०	म. ६।२

शिशिरर्तू रविरुत्तरेपौषकृष्णेति महाराष्ट्राः

भ. ३४।२ उ.
भ. ७।१० या. वक्री बुधः ३३।३ कुम्भे ×
[× शुक्रः ५।व२९ च. व्र.
उषा रविः १९।५९ (सौरः ३१।५८)
भ. १७।३० उ. ४७।५३ या. बुधास्तः ÷
वक्री उषा.बुधः३६।४ श्रवणे भौम ११।३६
मकरेऽर्कः ३६।२३ (सौरः ४७।२५)
भ. ४२।५० उ. शते शुक्रः ३०।२२
भ. १०।३५ या. पूभा. ३ शनिः २४७
षट् तिला ११ व्र.
[÷पश्चिमायां १६।४
भ. ४८।४९ उ. प्रदोषः
भ. १४।६ या. मूल. ४ गुरुः ५९।३७

४० पं.मा.कृ.६शु.इ. ६।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	८	१०	१०	५	८
२७	९	१०	८	२	२६	२८	२७
२७	१०	४१	१५	३५	२०	१	१५
२२	१	३५	४०	२	१३	४५	२०
६१	४६	२७/५४	१३	७२	४	३	६१
६	२	व.	२०	६	५७	११	२४

गोचर ग्रहाः

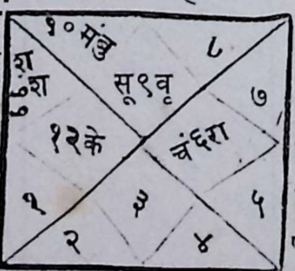

माघकृष्णे८रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २न. ३ युवा वस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भाव महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

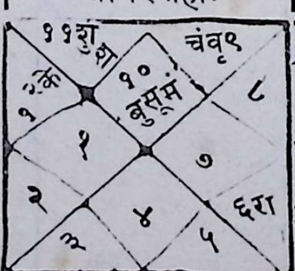

४१पं.मा.कृ.१४शु.इ.२६/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	१०	१०	५	९
४	१४	३	९	११	२६	२७	४
३५	४०	५६	४८	६	५६	३९	२४
१३	३७	२	२२	१४	३८	३	४९
६१	४६	९३/१	१३	७१	५	३	६१
३	१२	व.	८	४७	२६	११	१९

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

÷ मं. बु. शु.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः१३८६सन् १९९६
१	र	२०	१६	श्र	३७	५७	सि	४८	५६	ब	२०	१६	२६/१९	६/४४	५/१६	१	२९	२१	मकरे	अभि. प्र. रविः८।५३ (सौरः १८।४६) ×
२	चं	११	४२	ध	३१	४६	व्य	३९	३३	कौ	११	४२	२१	४४	१६	२	१	२२	कुं. ४।५०	रमजान ९ [B पातमोक्षः३९।४५
३	मं	४	२९	श	२६	४९	व	३१	३	ग	४	२९	२४	४३	१७	३	२	२३	कुंभे	भ.३१।४३ उ. ५८।५७ या.
४	मं	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A भा. माघारंभ[=वक्री पूषा.बुधः४८।५९
५	बु	५५	१६	पू	२३	५५	प	२४	२८	व	२७	३	२७	४३	१७	४	३	२४	मी. ९।३८	श्रवणे रविः २५।३०(सौरः ३४।४२) ÷
६	गु	५३	४८	उ	२२	५१	शि	१९	२३	कौ	२४	३२	२९	४२	१८	५	४	२५	मीने	अभि.नि.रविः १७।४५(सौरः २६।५९)=
७	शु	५४	२९	रे	२४	१०	सि	१६	८	ग	२४	८	३२	४२	१८	६	५	२६	मे. २४।१०	भ.५४।२९ उ. पूभा. शुक्रः २८।३भानु ७
८	श	५६	५६	अ	२७	९	सा	१४	१७	वि	२५	४२	३५	४१	१९	७	६	२७	मेषे	भ. २५।४२ या. भीष्माष्टमी
९	र	६०	०	भ	३२	४	शु	१४	१७	बा	२९	६	३८	४०	२०	८	७	२८	बृ. ४८।३५	[×वक्री धनुषि बुधः४०।२२चंद्रदर्शनम् A
९	चं	१	१७	कृ	३८	११	शु	१४	४७	कौ	१	१७	४१	४०	२०	९	८	२९	वृषे	पातस्पर्शः २७।५८
१०	मं	६	३५	रो	४५	२९	ब्र	१६	३१	ग	६	३५	४५	३९	२१	१०	९	३०	वृषे	भ.३९।४८ उ. धनि.भौमः १।३० B
११	बु	१३	२	मृ	५२	५२	ऐं	१८	३५	वि	१३	२	४८	३८	२२	११	१०	३१	मि. १९/१०	भ. १३।२ या. मार्गी बुधः २२।४४+
१२	गु	१९	२१	आ	६०	०	वै	२०	५७	बा	१९	२१	५१	३८	२२	१२	११	१	मिथुने	फरवरी ता. २९ प्रदोषव्र० [+जया ११व्र.
१३	शु	२५	५५	आ	०	२३	वि	२३	१६	तै	२५	५५	५४	३७	२३	१३	१२	२	क. ५०।५९	[÷ बुधोदयः पूर्वस्याम् ४८।५४ वसंत५
१४	श	३२	१	पु	७	५१	प्री	२५	८	व	३२	१	५८	३६	२४	१४	१३	३	कर्के	भ.३२।१ उ. मीने शुक्रः ४८।३५
१५	र	३७	४३	पु	१४	५१	आ	२६	५२	बि	४	५२	२७/१	३६	२४	१५	१४	४	कर्के	भ. ४।५२ या. पूषा. १ गुरुः ४७।२

४२पं.मा.शु.७वु.शु.इ६।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	८	१०	१०	५	९
११	२०	२६	११	१३	२७	२७	११
४२	११	२७	१९	३४	३६	१७	३२
४०	४२	१४	८	२३	५४	१४	४०
६०	४६	४३/४२	१२	७१	५	३	६१
५९	१२	ब	४६	२२	५०	११	३३

गोचर ग्रहाः

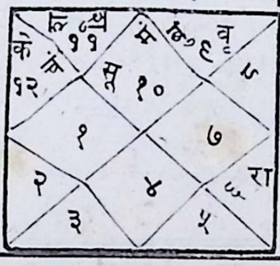

इस मास में मकर का मंगल घृत तैल सोना चांदी तांबा रुई अलसी गुड़ खांड गेहूं एरंडा में तेजी करता है।

गोचर ग्रहाः

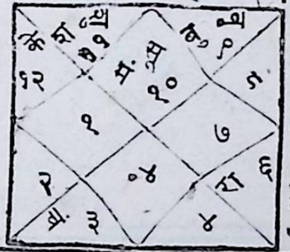

४३ पं. मा.शु.१३शु.इ. ६/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	८	१०	१०	५	९
१८	२५	२५	१२	२७	२८	२६	१८
४९	४३	४३	४७	५९	१९	५४	४१
१६	५	५	२	३१	३४	५८	४४
६०	४६	१४/२३	१२	७०	६	३	६१
५५	२२	मा	२०	५५	१९	११	४

ति	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	चं	४२	२२	श्ले	२०	५६	सौ	२७	४६	बा	१०	२	२७/५	३६/५	२५/५	१६	१५	५	सि २०/५९	[A १।३८ श्री महाशिवरात्रि व्र.
२	मं	४६	१४	म	२६	१०	शो	२७	५४	तै	१४	१८	८	३४	२६	१७	१६	६	सिंहे	धनि. रविः ३३।४८ (सौरः ४०।३२) =
३	बु	४९	१	पू	३०	४१	अ	२७	२५	व	१७	३७	१२	३४	२६	१८	१७	७	कं. ४९/२९	भ. १७।३७ उ.४९।१या. कुंभेभौमः३०।८
४	गु	५०	४५	उ	३३	५५	सु	२६	१४	ब	१९	५३	१५	३३	२७	१९	१८	८	कन्यायां	मकरे बुधः ५०।३१ च. व्र.
५	शु	५१	२६	ह	३६	१९	धृ	२४	१	कौ	२१	५	१९	३२	२८	२०	१९	९	कन्यायां	[=उपा.बुधः ४।५ उभा.शुक्रः ३४:२६ ×
६	श	५०	५३	चि	३७	३४	शू	२०	५९	ग	२१	९	२३	३१	२९	२१	२०	१०	तु ५९	भ. ५०।५३उ.
७	र	४९	२२	स्वा	३७	३१	गं	१६	५८	विं	२०	७	२७	३१	२९	२२	२१	११	तुलायां	भ. २०।७ या. पातस्पर्शः ३१।४१÷
८	चं	४६	१४	वि	३६	१३	वृ	११	५२	बा	१७	४८	३०	३०	३०	२३	२२	१२	वृ. ३१/३२	[×चित्रा. १ राहुः रेवती. ३ केतुः४९।४६
९	मं	४१	५८	अ	३३	४६	धृ	५/५०	५/५२	तै	१४	६	३४	२९	३१	२४	२३	१३	वृश्चिके	कुंभेऽर्कः ९।४ (सौरः१४।३०)
१०	बु	३६	२४	ज्ये	२९	५९	ह	५०	३९	व	९	११	३८	२८	३२	२५	२४	१४	ध. २९/५९	भ. ९।११उ. ३६।२४ या.
११	गु	२९	५०	मू	२४	५८	व	४१	४०	ब	३	७	४१	२८	३२	२६	२५	१५	धनुषि	शते भौमः ५८।७ विजया ११ व्र.
१२	शु	२२	४	पू	१९	५	सि	३२	८	तै	२२	४	४५	२७	३३	२७	२६	१६	म ३२/२९	प्रदोषव्रतम् [÷ मोक्षः ५२।६
१३	श	१३	५०	उ	१२	४१	व्या	२१	५९	व	१३	५०	४९	२६	३४	२८	२७	१७	मकरे	भ. १३।५०उ. ३९।२४ या. रेवत्यां B
१४	र	४	५७	श्र	५/५०	५३/२५	व	११	४९	श	४	५७	५३	२५	३५	२९	२८	१८	कुं. ३१/३२	श्रवणे बुधः २६।४०
३०	र	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		[B शुक्रः ५६।५० पूभा. ४मीने शनिः A

४४ पं. फा. कृ.५ शु. इ. ६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	८	११	१०	५	९
२५	१	०	१४	६	२९	२६	२५
५५	१४	१२	१२	१८	४	३२	४८
१	४९	४०	०	२९	५२	४३	३१
६०	४६	४६	११	७०	६	३	६०
४७	२६	३८	५७	१७	३२	११	५५

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्णे ९ भौमे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

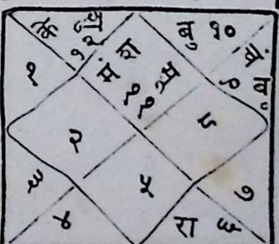

४५ पं.फा.कृ.१२शु.इ. ७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	११	१०	५	१०
२	६	७	१५	१४	२९	२६	२
५९	४६	२४	३३	३२	५२	१०	५४
४९	५५	४७	२५	४९	८	२७	३४
६०	४६	६६	११	६९	६	३	६०
३७	२७	४४	१८	३३	४७	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	चं	४८	५५	श	५३	४०	प	२/८	५२/२	किं	२२	३४	२७/५६	६/२०	५/३०	३०	२९	१९	कुम्भे
२	मं	४२	२७	पू	४९	२६	सि	४५	२२	बा	१५	४१	२८/०	२४	३६	१	३०	२०	मी. ३५/३०
३	बु	३७	४०	उ	४६	४१	सा	३८	५२	तै	१०	३	४	२३	३७	२	१	२१	मीने
४	गु	३४	५३	रे	४६	४	शु	३३	४३	व	६	१६	८	२२	३८	३	२	२२	मे.४६।४
५	शु	३४	१०	अ	४७	३९	शु	३०	४४	व	४	३१	१२	२२	३८	४	३	२३	मेषे
६	श	३५	३१	भ	५१	११	ब्र	२९	३१	कौ	४	५०	१६	२१	३९	५	४	२४	मेषे
७	र	३८	५७	कृ	५६	२८	ऐं	२९	१६	ग	७	१४	२०	२०	४०	६	५	२५	वृ.७।३०
८	चं	४३	४३	रो	६०	०	वै	३०	१४	वि	११	२०	२४	१९	४१	७	६	२६	वृषे
९	मं	४९	५४	रो	३	६	वि	३२	१८	बा	१६	४८	२८	१८	४२	८	७	२७	मि. ३६/४६
१०	बु	५६	१७	मृ	१०	२६	प्री	३४	२७	तै	२३	५	३२	१८	४२	९	८	२८	मिथुने
११	गु	६०	०	आ	१८	३	आ	३६	५५	व	२९	३३	३६	१७	४३	१०	९	२९	मिथुने
११	शु	२	४९	पु	२५	३१	सौ	३९	१	वि	२	४९	४०	१६	४४	११	१०	१	क.८।३९
१२	श	८	५०	पु	३३	२९	शो	४०	३४	बा	८	५०	४४	१५	४५	१२	११	२	कर्क
१३	र	१४	१६	श्ले	३८	३५	अ	४१	२२	तै	१४	१६	४८	१४	४६	१३	१२	३	सिं. ३८/५
१४	चं	१८	१९	म	४३	२०	सु	४१	१८	व	१८	१९	५२	१४	४६	१४	१३	४	सिंहे
१५	मं	२१	१६	पू	४७	७	धृ	४०	२४	ब	२१	१६	५६	१३	४७	१५	१४	५	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः१४१५सन्१९९६

शते रविः ४५।२० (सौरः ४९।५२)
चंद्रदर्शनम् भा. फाल्गुनारंभः फुलरिया २
सव्वाल १०
भ. ६।१६ उ. ३४।५३ या. पूषा. २ 8
8 गुरुः ६।५
[C १।२६(सौरः ४।३९)होली का दहनं=
भ. ३८।५७ उ. = भद्रोत्तरम्
भ. ११।२० या. होलाष्टकः
[÷अस्तं शनेः२९।५६ आमल की११ A
धनि बुधः १३।३५ A व्र.स्मा.
भ. २९।३३ उ.अश्वि. मेषे शुक्रः३०।१६÷
भ.२।४९या.आमलकी ११व्र.वै. **मार्च ३१**
प्रदोष व्र.
कुंभे बुधः ३४।५५ पूभा. भौमः ५६।३३
भ. १८।१९ उ. ४९।४८ या पूभा. रवि C
छारेंडी

४६पं.फा.शु.५शु.इ.७।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	११	११	५	१०
१०	१२	१६	१६	२२	०	२५	९
३	१८	१५	५०	४१	४१	४८	५९
२२	४३	१४	५३	२४	३१	१२	७
६०	४६	८०	१०	६८	७	३	६०
२५	२७	४१	४०	४८	२	११	३१

गोचर ग्रहः ÷केशशु

इस मास का फल साधारण है। भुसुतः कुंभराशिस्थः सर्वधान्य महर्घता। एवं प्रजायते ह्यर्घ लोकमध्ये तु निर्भयम्॥ धान्यादि तज हो।

गोचर ग्रहः

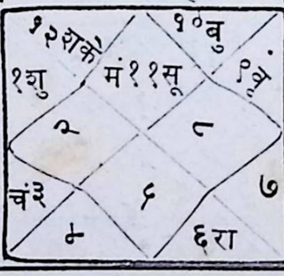

४७पं.फा.शु.११शु.इ.३६/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	०	११	५	१०
१७	१७	२६	१८	०	१	२५	१७
५	४९	१४	३	४२	३२	२५	१
३५	१२	३१	५०	११	१७	५६	५९
६०	४६	९१	९	६७	७	३	६०
१२	२७	५०	५४	४७	९	११	२०

ति.	चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०५२ शाकः १९१७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	२२	५९	उ	४९	४१	शू	३८	२२	कौ	२२	५९	२९/१	६/१२	५/४८	१६	१५	६	कं.२।४५
२	गु	२३	४०	ह	५१	१०	गं	३५	४०	ग	२३	४०	५	११	४९	१७	१६	७	कन्यायां
३	शु	२३	१०	चि	५१	४१	वृ	३२	८	वि	२३	१०	९	१०	५०	१८	१७	८	तु. २१/३६
४	श	२१	४३	स्वा	५१	२१	ध्रु	२७	४३	बा	२१	४३	१३	९	५१	१९	१८	९	तुलायां
५	र	१९	३३	वि	५०	१६	व्या	२२	५३	तै	१९	३३	१७	९	५१	२०	१७	१०	वृ. ३५/३२
६	चं	१६	२१	अ	४८	२८	ह	१७	१६	व	१६	२१	२१	८	५२	२१	२०	११	वृश्चिके
७	मं	१२	४२	ज्ये	४६	५	व	११	११	ब	१२	४२	२६	७	५३	२२	२१	१२	ध.४६।५
८	बु	८	१४	मू	४२	३९	सि	४/२६	५२/४०	कौ	८	१४	३०	६	५४	२३	२२	१३	धनुषि
९	बु	३	८	पू	३८	४६	व	४९	१५	ग	३	८	३४	५	५५	२४	२३	१४	म. ५२/३८
१०	गु	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	शु	५०	४४	उ	३४	१५	प	४०	५६	बं	२३	५८	३८	४	५६	२५	२४	१५	मकरे
१२	श	४३	४९	श्र	२९	१३	शि	३२	१९	को	१७	१६	४३	३	५७	२६	२५	१६	कुं. ५६/४१
१३	र	३५	५७	ध	२४	११	सि	२३	५१	ग	९	५३	४७	३	५७	२७	२६	१७	कुंभे
१४	चं	३०	६	श	१९	१३	सा	१५	३८	वि	३	१	५१	२	५८	२८	२७	१८	कुंभे
३०	मं	२४	१६	पू	१५	१७	शु	७	५८	ना	२४	१६	५५	१	५९	२९	२८	१९	मी. १।१६

वसंतर्तू रविरुत्तरेफाल्गुनकृष्णेतिमाहाराष्ट्र

वसंत = २।१९(सौर ५।०)
भ. ५३।२५ उ. शते बुधः ४८।१८ +
भ. २३।१० या. चतुर्थी व्र.
[+ पातस्पर्शः १९।३ मोक्षः ३३।५०
भ. १६।२१ उ. ४४।३१ या.
[× ५१।४१ शीतला पूजा
भरण्यां शुक्रः २६।४१
पूषा. ३ गुरुः ३६।५७ बुधास्तः पूर्वस्याम् ×
भ. ३०।१० उ. ५७।१२ या. मीनेऽर्कः =
[A ४५।४५ पाप मोचनी ११ व्र. स्मा.
पूभा. बुधः ३६।३ उभा. १ शनिः A
मीने भौमः४१।२१पापमोचनी ११ व्र.बै.
भ. ३५।५७ उ. उभा. रविः २३।२३ B
भ. ३।१ या.[B (सौरः २५।३६) प्रदोषः
मन्वादिः

४८ पं. चै.कृ.३शु.इ. ५५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	८	०	११	५	१०
२४	२३	७	१९	८	२	२५	२४
६	१९	१२	११	३४	२३	३	३
२२	३४	५८	२०	३७	३५	४०	२२
५९	४६	०	९	६६	७	३	६०
५८	१७	०	११	३५	२०	११	६

गोचर ग्रहः

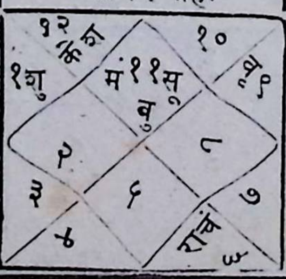

चैत्र कृष्णे ९ गुरों मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढाऽवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहः

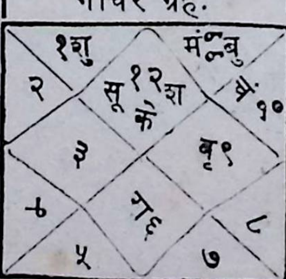

४९ पं.चै. कृ. ११शु.इ. १५/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	८	०	११	५	११
१	२८	१९	२०	१६	३	२४	१
५	४८	९	१२	१५	१५	४१	३
३५	११	१४	४७	१८	२५	२५	४
५९	४६	०	८	६५	७	३	५९
४१	१७	०	२४	५	२०	११	४९

÷स्वा.के.शु.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९७ तत्र कृत युग प्रमाणम् १७२८००० त्रतायुगप्रमाणम् १२९३००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग–प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत–कलिः ५०९७ भोग्यकलिः ४२६९०३ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५३ शाकः १९१८ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशो रविः । मेघेशः शुक्रः । रसेशोबुधः निरसेशश्चंद्रः । फलेशः शुक्रः । धनेशः चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंश-तिकायां ३ विरोधी नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमयेः गत मासादिः ९।१६।१२।३३ भोग्यमासादिः २।१३।४७।२७ त्वष्टृ दैवतं युगम् । वर्षनाम आषाढः । मेघनाम आवर्तः रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा ८ समय वाहनम् सिचाणुः स्तंभाऽभावः सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी ३ बुधाष्टमी २ भानु सप्तमी २ रविदशमी ३ समय मुहुर्ताः ४०१५ समयदिनानि ५८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् ९ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १०५ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिः दृष्टि रुत्तरे ग्रहणाति ३ चन्द्रमसः २ सूर्यस्य १

सं. २०५३ चैत्र शुक्ला १५ बुधे ग्रस्तास्तं खग्रासं चन्द्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	५२	५५	५६	५८	१
मध्यमप.	२५	१२	५७	४२	२९
रे. घं.	३	४	५	५	७
टा. मि.	२५	३२	१४	५६	३

भाद्रपद शुक्ला १५ शुक्रवार को प्रातः पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्ताऽस्त चंद्रग्रहण होगा । यह ग्रहण जहां दीखे वहां ही स्नान दानादि की आवश्यकता है अन्यत्र नहीं ।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	५	१४	२	११	१४	२
ख.	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ४।६

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी के वचन कहो अनमोल ।
संवत्सर त्रेपन्न का हाल कहो सब खोल ॥

भवानी उत्तर

सुण भैरव तू ध्यान से हाल कहूं सब खोल ।
नाम विरोधी वर्ष है मचै जगत में रोल ॥
राजा बुध कमजोर है चले न इसका जोर ।
मंत्री शनि महाराज हैं करैं और की ओर ॥
साखां होसी सरसरी भाद्रव तेजी जान ।
फलपति भृगु के कारणे आखिर रहसी मान ॥
रोहिणी बासो सिंधु में वर्षा विश्वा पांच ।
संवत मध्यम होयसी यह ही समझो सांच ॥

संवत् २०५३ फाल्गुन कृष्णे ३० रविवासरे ग्रस्तोदय सूर्य ग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्ज	घ.	५६	५८	०
मध्य	प.	४७	३०	३६
रेलवे	घ.	५	५	६
टा.	प.	१०	५१	४१

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	१४	५	८	११	११	८
ख.	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ४।२५

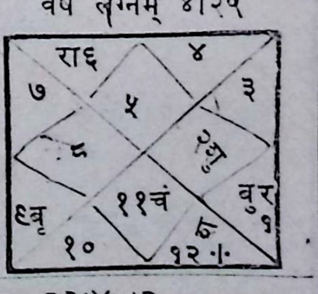

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २०।३४।० केतकी मतेन वेधासिद्ध सूक्ष्यायनांशाः २३।४७।२०

× र श चं मं ।

÷ मं.क

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तुर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदाः न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम् ।। प्रथमधान्यपतौ धरणी सुते गज-तुरंग-खरौष्ट्र-गवामपि । प्रभवदो बहु–रोग–घनो जलं न सम सौख्यकरं तुषधान्य हृन् ।। धान्येशो रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचोजलदा दिवि शोभनाः । धन-निधान-युता-द्विज-पालका नृपतयो जनता-सुख दायकाः ।। रसेशो बुधस्त-फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते महीं सुलभधान्यघृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वर नायकपालिताः बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससां । अर्घवृद्धिः पुजायेत शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु–कुमार–मही–रुह–राशयः । बहुफला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्र स्तत्फलम् ।। धनपति मृगलांछनको यदा रसचयं क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगन्धरसं बहु द्रविणतैलघृतंनृपसौख्यदं ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् । नगरदेशविशेषपतिर्यदा भृगु सुतो बहु सौख्य करोमतः । विनय वाणिज गेहं समः सुखो नगवने निकटेपि चदूरतः ।। विरोधी नाम संवत्सरः फलम् ।। विरोधी वत्सरे भूपाः परस्पर विरोधिनः । भूरि भूति युता भूमी भूरिवारि–समायुता ।। वर्षनाम अषाढः फलम् ।। अर्घं महर्घतां यांति धनं धान्यं समं भवेत् । अषाढे स्वल्पवृष्टिश्च तुषधान्यमहर्घता ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यांत् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रे तुमहावृष्टिः ।। समयनिवासो माली गृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं मंचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभा शुभम् ।।

संमत् २०५३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु. ३ शनौ रोहि. ल. १०।११रे. ९।।ऽशु।।।।।।शुक्रयुति दोषः

" ५ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो. ११ रे. ६।।।।।ऽरो.ऽऽ।ऽ दग्धा आवश्यके कुंभे रोगपंचकाऽभावः रेखा ७

" ९ शनौ मघा.ल.गो.११ रे. ७।।।।ऽनृऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः कुंभे चं. ७ पूज्यः नृपपंचकाऽभावः

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ३ चंद्रे मूले ल.गौ. ११रे. ७।।।ऽऽनृ।ऽ।। गोधूल्यां भौ.७दोषः

शु. २ रवौ मृगे ल. अन्यगो.११ रे. ८।।ऽशु।।ऽ।।।शुक्र युतिः

प्र. आषढ मासः ।

कृ. १ रवौ मूले ल. ११ रे. ८।ऽ।।ऽ।।।।।

कार्तिक मासः ।

शु. ११गुरौ रेवत्यां ल.गो.४रे.९।।।ऽ।।।।

" १५चंद्रे रोहि.ल.४रे.८।।।ऽ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ भौमे मृगे ल.७रे.।।।ऽऽअऽ।।।

" ९ बुधे उफा.ल.अन्यगो. ४रे. ८।।।।।ऽऽ।।कर्क लग्न घटी३६।२०यावत्

" १२ शनौ स्वा, ल. ४ रे. ९।।।।।।ऽ।।

शु. २ गुरौ उषा. ल. ७ रे.८ऽ।ऽगु।।।।।। घ.४९।४७उ.

" ३ शुक्रे उषा. ल. अन्यगो. रे.८ऽ।ऽगु.।।।।।।

माघ मासः ।

शु. ८ शुक्रे रोहि. ल.१० रे.८।।।।ऽअऽ।।घ.५७।१८ उप.

अग्रे शुक्राऽस्तः

अत्रक्वचित्स्मृतिद्रष्टि दोषश्वेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेहर्गण १४४५ स. १९९६
१	बु	१९	१८	उ	१२	११	शु	५९	२८	ब	१९	१८	३०/०१	०६/०६	६/०	२०	२९	२०	मीने	उभा. भौमः ५४।३७ चंद्र दर्शनम् ÷
२	गु	१६	७	रे	१०	४५	ऐं	५१	२६	कौ	१६	७	४	५/५९	१	१	१	२१	मे. १०।४५	मीने बुधः ५।११ भा. चैत्रारंभ. A
३	शु	१४	४४	अ	११	१८	वै	४८	५०	ग	१४	४४	८	५८	२	२	२	२२	मेषे	भ. ४४।५७ उ. उमा. बुधः ४८।१२ B
४	श	१५	११	भ	१३	२५	वि	४७	४९	वि	१५	११	१२	५८	२	३	३	२३	वृ. २९।२६	भ. १५।११ या. [B गणगौरी
५	र	१७	३०	कृ	१७	२९	प्री	४८	१	बा	१७	३८	१६	५७	३	४	४	२४	वृषे	कृत्ति. शुक्रः ५६।३ [÷ संवत्सरारंभनवरात्रा
६	चं	२१	३९	रो	२३	१३	आ	४९	२९	तै	२१	३९	२१	५६	४	५	५	२५	मि. ५६/३५	[A जिलकाद ११ सिंधारा मत्स्यज.
७	मं	२७	१७	मृ	२९	५८	सौ	५१	२०	व	२७	१७	२५	५५	५	६	६	२६	मिथुने	भ. २७।१७ उ. [D कामदा ११ व्र.
८	बु	३३	२१	आ	३७	२६	शो	५३	४२	वि	०	२०	२९	५४	६	७	७	२७	मिथुने	भ. ०।२० या.
९	गु	३९	३९	पु	४४	५३	अ	५६	०	बा	६	३०	३३	५३	७	८	८	२८	क. २८।२	वृषे शुक्रः १५।१५ रामनवमी
१०	शु	४५	४४	पु	५२	५	सु	५७	४९	तै	१२	४१	३७	५३	७	९	९	२९	कर्के	रेवत्यां बुधः ३१।१२
११	श	५१	१२	श्ले	५८	२९	धृ	५८	५६	व	१८	२८	४१	५२	८	१०	१०	३०	सिं. ५/२९	भ. १८।२८ उ. ५१।१२ या रेवत्यां C
१२	र	५५	३	म	६०	०	शू	५८	५६	व	२३	७	४५	५१	९	११	११	३१	सिंहे	[C रविः ५१।२ (सौरः ५३।३०) D
१३	चं	५७	३९	म	३	१९	गं	५७	५३	कौ	२६	२१	४९	५०	१०	१२	१२	१	सिंहे	प्रदोष : अप्रेल ४ ता. ३० [× खग्रास चंद्र E
१४	मं	५८	३०	पू	६	५६	वृ	५५	३१	ग	२८	४	५३	४९	११	१३	१३	२	कं. २/२७	भ. ५८।३० उ. [E ग्रहणम् हनुमज्जयंती
१५	बु	५७	५७	उ	९	१	ध्रु	५२	१३	वि	२८	१३	५७	४९	११	१४	१४	३	कन्यायां	भ. २८।१३ या. उदयं शने: ५६।४३ ×

५० पं. चै. शु. ३ शु. इ. ८।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	८	०	११	५	११
८	४	२	२१	२३	४	२४	८
३	१६	३	८	४३	७	१९	०
१८	५२	७	१७	१	३०	९	५९
५९	४६	[illegible]	७	६३	७	३	५९
२९	७	[illegible]	१३	२५	२०	११	३५

गोचर ग्रहाः

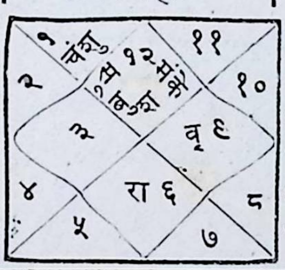

इस मास में ५ बुधवार सब पदार्थों में तेजी कारक है रुई चांदी सोना सण तिल गुड विनोला अलसी सिरस्यु में घटा बढी हो।

गोचर ग्रहाः

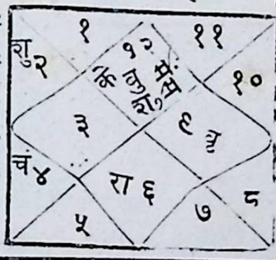

५१ पं. चै शु १० शु इ. ५/८७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	८	१	११	५	११
१४	९	१५	२१	०	४	२३	१४
५९	४३	५४	५७	५४	५९	५६	५७
१०	५२	४३	११	४३	२४	५४	७
५९	४६	[illegible]	६	६१	७	३	५९
१६	७	[illegible]	१५	८	१४	११	१८

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु	५६	४	ह	९	३३	व्या	४७	४२	बा	२७	०	३१/१	५/४८	६/१२	१५	१५	४	तु. ३९/१५	अश्वि. मेषे बुधः ५८।४५
२	शु	५३	१३	चि	८	५७	ह	४२	२०	तै	२४	३८	५	४७	१३	१६	१६	५	तुलायां	
३	श	४९	२६	स्वा	७	२६	व	३६	३७	व	२१	१९	१०	४६	१४	१७	१७	६	वृ. ५०/४४	भ. २१।१९ उ. ४९।२६ या.
४	र	४४	४९	वि	५	१०	सि	३०	१६	व	१७	७	१४	४५	१५	१८	१८	७	वृश्चिके	चतुर्थी व्र.
५	चं	४०	८	अ	२/२६	५७/३	व्य	२३	३५	कौ	१२	२८	१८	४४	१६	१९	१९	८	ध. ५९/२९	रेवत्यां भौमः ९।४ रोहि. शुक्रः २६।१३
६	मं	३५	१७	मू	५६	१७	व	१६	५२	ग	७	४२	२२	४४	१६	२०	२०	९	धनुषि	भ. ३५।१७ उ. हस्ते. ४ राहुः रेव २ A
७	बु	३०	१८	पू	५३	०	प	९	५८	वि	२	४७	२६	४३	१७	२१	२१	१०	धनुषि	भ. २।४७ या.
८	गु	२५	११	उ	४९	३८	शि	२/५२	५२/५२	कौ	२५	११	३०	४२	१८	२२	२२	११	म. ७।१०	भरण्यां बुध : ४४।३ उभा. २ शनि: ५८।४७
९	शु	१९	४९	श्र	४६	६	सा	४८	३०	ग	१९	४९	३४	४१	१९	२३	२३	१२	मकरे	भ. ४७।७ उ.
१०	श	१४	२५	ध	४२	५५	शु	४१	३८	वि	१४	२५	३८	४०	२०	२४	२४	१३	कुं. १४/३०	भ. १४।२५ या. अश्वि. मेषेऽर्कः २५।२ +
११	र	८	४९	श	३९	४१	शु	३४	३८	बा	८	४९	४२	४०	२०	२५	२५	१४	कुम्भे	वरूथिनी ११ व्र. [+ (सौरः २७।३७)
१२	चं	४	१६	पू	३७	५९	ब्र	२८	१०	०	४	१६	४६	३९	२१	२६	२६	१५	मी. २३/५	भ. ५९।५० उ. पूषा. ४ गुरुः ७।३६ प्रदोषः
१३	चं	५५	३४	०	०	०	०	०	०	तै	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A केतु: ४८।१७ बुधोदय: पश्चिमायां ४।१४
१४	मं	५६	१	उ	३५	१	ऐं	२२	१८	वि	२७	५५	५०	३८	२२	२७	२७	१६	मीने	भ. २७।५५ या.
३०	बु	५३	३८	र	३४	०	वै	१७	२१	च	२४	४९	५३	३७	२३	२८	२८	१७	मे. ३४।०	देवपितृ कार्याऽमा.

५२ पं. वै. कृ. २ शु. इ ९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	८	१	११	५	११
२१	१५	०	२२	७	५	२३	२१
५३	८	२१	३८	४६	५०	३४	५१
३१	४६	१४	६	५९	४२	३८	१८
५९	४५	[illegible]	५	५८	७	३	५९
४	४२	[illegible]	७	१७	८	११	४

गोचर ग्रहाः

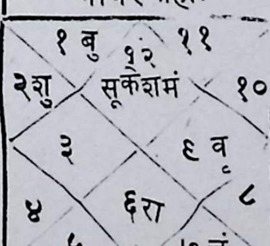

वैशाख कृष्णे १० शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ वालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समंता शुक्रोदयः पश्चिमायांम्

गोचर ग्रहा

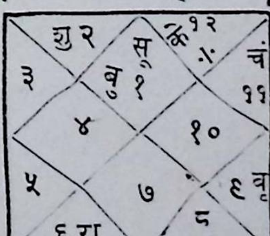

१पं. वै. कृ १० श इ २५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	१	११	५	११
०	२१	१६	२३	१५	६	२३	२९
०	३०	१९	१४	१९	४९	८	५७
०	११	२६	१३	३०	५८	३०	२९
५८	४५	[illegible]	३	५३	६	३	५८
४४	४२	[illegible]	२३	३८	५६	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	५२	१६	अ	३४	२०	वि	१३	१९	किं	२२	५७	३१/५७	५/३७	६/२३	२९	२९	१८	मेषे
२	शु	५२	४०	भ	३६	७	प्री	१०	२५	बा	२२	२८	३२/१	३६	२४	३०	३०	१९	वृ.५१।५८
३	श	५४	५२	कृ	३९	३२	आ	९	४	तै	२३	४६	५	३५	२५	३१	१	२०	वृषे
४	र	५८	२५	रो	४४	२४	सौ	८	२०	व	२६	२६	९	३४	२६	१	२	२१	वृषे
५	चं	६०	०	मृ	५०	४३	शो	९	४	व	३०	५६	१२	३४	२६	२	३	२२	मि. १७/३४
५	मं		३ २८	आ	५७	४३	अ	१०	५०	बा	३	२८	१६	३३	२७	३	४	२३	मिथुने
६	बु	९	११	पु	६०	०	सु	१३	४	तै	९	११	२०	३२	२८	४	५	२४	क. ४८/५२
७	गु	१५	२२	पु	५	१२	धृ	१५	३४	व	१५	२२	२३	३१	२९	५	६	२५	कर्के
८	शु	२१	४०	पु	१२	४१	शू	१७	४६	व	२१	४०	२७	३१	२९	६	७	२६	कर्के
९	श	२७	१०	श्ले	१९	३०	गं	१९	२६	कौ	२७	१०	३१	३०	३०	७	८	२७	सिं. ३९/०
१०	र	३१	२९	म	२५	६	वृ	२०	४	ग	३१	२९	३४	२९	३१	८	९	२८	सिंहे
११	चं	३४	११	पू	२९	१३	ध्रु	१९	३७	व	२	५०	३८	२८	३१	९	१०	२९	कं. ४४/५०
१२	मं	३४	५८	उ	३१	४०	व्या	१७	४०	व	४	२२	४१	२८	३२	१०	११	३०	कंन्यायां
१३	बु	३४	४	ह	३२	८	ह	१४	१७	कौ	४	१९	४५	२७	३३	११	१२	१	कंन्यायां
१४	गु	३१	१७	चि	३०	५८	व	९	२९	ग	२	२८	४८	२६	३४	१२	१३	२	तु.१।३३
१५	शु	२७	३	स्वा	२८	२५	सि	३६	५३	ब	२७	३	५२	२६	३४	१३	१४	३	तुलायां

वसंततूर् रविरुत्तरेऽहर्गणः १४७४ सन् १९९६

चंद्रदर्शनम्
कृत्ति. बुध: २४।४ जिल्हेज १२ परशु- A
भ. २६।२६ उ. ५८।५५ या. भा. B
वृषे बुध: ३८।४९ [B वैशाखारंभ
मृगे शुक्र: १३।१७ [D कुंभदा.
अश्वि. मेषे भौम: ३३।२१
भ. १५।२२ उ. ४८।३१ या. पातस्पर्श: C
पातमोक्ष: ११।२४ [C ४८।२५
भरण्यां रवि: ५।१६ (सौर: ९।२)
[A राम जयंती अक्षया ३
भ. २।५० उ. ३४।११ या. मोहिनी ११व्र.
प्रदोष:मई५ता.३१ [÷५५।२९नृसिंह १४
भ. ३१।१७ उ. ५९।१० या.वक्री बुध:÷
मिथने शुक्र: ५८।३० यमाय सान्नजल D

२ पं. वै. शु. ३ श. इ. २५/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	१	११	५	०
६	२६	२६	२३	२१	७	२२	६
५०	५०	४१	३७	३	३८	४६	४७
४२	५६	३८	२३	५४	२०	१४	४०
५८	४५	८१	२	४८	६	३	५८
३१	३२	३८	२६	३६	३८	११	२९

गोचर ग्रहा:

इस मास में गेहूं जो चना चावल अरहर आदि धान्य मंदा होगा रुई चांदी सोना तेज होगा प्रजा में सुखशांती रहेगी

गोचर ग्रहा:

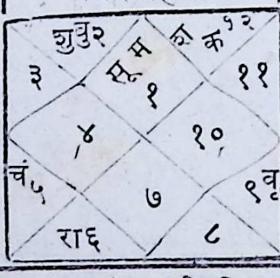

३ पं. वै. शु. ९ श. इ. २५/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	८	१	११	५	०
१३	२	३	२३	२६	८	२२	१३
३९	१०	१७	५०	८	२५	२३	३६
४७	१६	१७	५६	३५	१	५९	०५
५८	४५	३२	१	४१	६	३	५८
१९	२२	३२	०५	५०	२६	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	२१	३३	वि	२४	४६	व	४८	५१	कौ	२१	३३	३२/५५	५/२५	६/३५	१४	१५	४	वृ. १०/४१
२	र	१५	२	अ	२०	३६	प	४०	५४	ग	१५	२	५८	२४	३६	१५	१६	५	वृश्चिके
३	चं	८	४४	ज्ये	१४	४७	शि	३२	५७	वि	८	४४	३३/२	२४	३६	१६	१७	६	ध. १५/४७
४	मं	२	१३	मू	१०	१३	सि	२४	५४	बा	२	१३	५	२३	३७	१७	१८	७	धनुषि.
५	मं	५३	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	बु	४९	४९	पू	७	१	सा	१७	८	ग	२२	४९	९	२२	३८	१८	१९	८	म. २१।२
७	गु	४४	१६	उ	७	५६/३६	शु	९	५७	वि	१७	२	११	२२	३८	१९	२०	९	मकरे
८	शु	३९	११	ध्र	५६	४३	शु	४८	५३/३५	बा	११	४३	१४	२१	३९	२०	२१	१०	कु. २६/१३
९	श	३४	५२	श	५४	२	ऐं	५०	२७	तै	७	१	१७	२१	३९	२१	२२	११	कुम्भे
१०	र	३१	११	पू	५३	८	वै	४५	७	व	३	१	२०	२०	४०	२२	२३	१२	मी. ३६/२२
११	चं	२८	४	उ	५२	१९	वि	४०	२३	बा	२८	४	२३	१९	४१	२३	२४	१३	मीने
१२	मं	२५	५६	रे	५२	२८	प्री	३६	२२	तै	२५	५६	२६	१९	४१	२४	२५	१४	मे. ५२/२८
१३	बु	२४	४२	अ	५३	४४	आ	३३	६	व	२४	४२	२८	१८	४२	२५	२६	१५	मेषे
१४	गु	२४	२९	भ	५६	२	सौ	३०	४७	श	२४	२९	३१	१८	४२	२६	२७	१७	मेषे
३०	शु	२५	३८	कृ	५९	३७	शो	२९	४९	ना	२५	३८	३४	१७	४३	२७	२८	१६	बृ. ११/५६

गृष्मर्तू रविरुत्तरे वैशा. कृष्णेति महाराष्ट्रा:

वक्री गुरु: १९।२७
भ.४१।५३उ.बुधास्त:पश्चिमायांम्४०।०
भ. ८।४४ या. चतुर्थी व्र.
पातस्पर्श: ३६।७
भं. ४९।४९ उ. पातमोक्ष: १५।३८
भ. १७।२ या.
कृत्ति. रवि: ५१।१२ (सौरा: ५६।५४)
[÷ १७।३९ उमा. ३ शनि: ४७।२७
भ. ३।१ उ. ३१।११ या. भरण्यां भौम: ÷
अपरा ११ व्रतम्
वृषेऽर्क: १८।२७ (सौर: २४।४१)प्रदोष:
भ. २४।४२ उ. ५४।३५ या.
वक्री मेषे बुध: २७।१२
वटपूजनम्

४ पं. ज्ये. कृ. १ श. इ. २५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	८	२	११	५	०
२०	७	४	२३	०	९	२२	२०
२७	२७	५०	५६	१५	९	१	२२
२५	४	१७	२	३६	५०	४३	४८
५८	४५	५६	१/०	३४	६	३	५७
६	७	व.	व.	१६	१३	११	५७

गोचर ग्रहा:

ज्येष्ठ कृष्णे १२ भौमे
वृषेऽर्क: प्रविष्ट:वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भोव समता शुक्रोदय : पश्चिमा- याम्

गोचर ग्रहा:

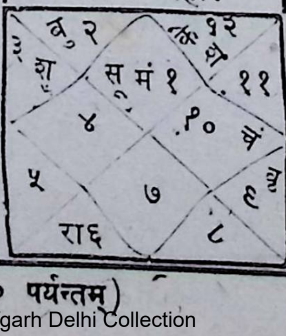

५ पं. ज्ये. कृ.९ श.इ. २६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	८	२	११	५	०
२७	१२	२	२३	३	९	२१	२७
१३	४१	३७	५२	८	५२	३९	८
३७	२८	४१	५	२	५	२७	२
५७	४४	३०/५१	१/२	२१	५	३	५६
५४	४७	व.	वे.	५	५०	११	४५

A श. मं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	जेष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १५०४सन् १९९६
१	श	२८	२	रो	६०	०	अ	२९	८	व	२८	२	३३/३७	१७/५	४/६३	२८	२९	१८	वृषे	
२	र	३१	२७	रो	४	१४	सु	२९	४६	कौ	३१	२७	३९	१६	४४	२९	३०	१९	मि३७।१४	चन्द्रदर्शनम् [B वक्री पूषा ३ गुरु :४५।१२
३	चं	३६	४१	मृ	१०	१६	धृ	३१	८	तै	४	४	४२	१६	४४	३०	१	२०	मिथुने	मोहर्रम १ सन् १४१७ हि.
४	मं	४२	१४	आ	१६	५०	शू	३३	६	व	९	२७	४४	१५	४५	३१	२	२१	मिथुने	भ. ९।२७ उ. ४२।१४ या.
५	बु	४८	२६	पु	२४	३४	गं	३५	३७	ब	१५	२०	४७	१५	४५	१	३	२२	क७।३८	वक्री भरण्यां बुधः ४०।३८ उदयो *
६	गु	५४	३७	पु	३२	५	वृ	३८	१५	कौ	२१	२२	४९	१४	४६	२	४	२३	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।४१
७	शु	६०	०	श्ले	३९	३९	ध्रु	४०	३२	ग	२७	२१	५२	१४	४६	३	५	२४	सिं३९।३९	रोहि. रविः ४२।१ (सौरः ५०।४९) B
७	श	०	३०	म	४६	४	व्या	४२	१	व	०	३०	५४	१३	४७	४	६	२५	सिंहे	भ. ०।३० उ. ३२।५५ या.
८	र	५	२०	पू	५०	४९	ह	४२	३१	ब	५	२०	५६	१३	४७	५	७	२६	सिंहे	[* भौमः २५।४५ भा. ज्येष्ठारंभः
९	चं	८	४४	उ	५४	४६	व	४१	४१	कौ	८	४४	५८	१२	४८	६	८	२७	कं ६।४८	वक्री शुक्रः ३७।५७
१०	मं	१०	१६	ह	५६	२०	सि	३९	२१	ग	१०	१६	३४/००	१२	४८	७	९	२८	कन्यायां	भ. ४०।५ उ. गंगादशमी
११	बु	९	५५	चि	५५	४३	व्य	३५	१३	वि	९	५५	२	१२	४८	८	१०	२९	तु.२६।१	भ. ९।५५ या. मार्गी बुधः ५६।२४ C
१२	गु	७	२६	स्वा	५३	३०	व	२९	३८	बा	७	२६	३	११	४९	९	११	३०	तुलायां	कृत्ति. भौमः २६।१ प्रदोषः
१३	शु	२	५९	वि	४९	३२	प	२२	४१	तै	२	५९	५	११	४९	१०	१२	३१	वृ.३५।३१	भ. ५६।५७ उ. [C निर्जला ११ व्र.
१४	शु	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[D गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
१५	श	४९	२९	अ	४४	११	शि	१४	२९	वि	२३	१३	७	११	४९	११	१३	१	वृश्चिके	भ. २३।१३ या. जून ६ ता. ३० D

६ पं.ज्ये.शु.१श.इ.२६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	२	११	५	१
३	१७	२८	२३	४	१०	२१	३
५८	५३	५६	३८	२६	३१	१७	५१
३७	६	१७	४६	१३	१२	१२	४३
५७	४४	३२	२	६	५	३	५७
४४	२६	८/व	५०/व	१६	२५	११	३४

७ पं.ज्ये.शु.७श.इ.२६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	२	११	५	१
१०	२३	२५	२३	३	११	२०	१०
४२	२	१८	१७	४५	७	५४	३३
२९	१०	७	१३	४३	२३	५६	५४
५७	४४	१६/४३	४/४	१०/५३	४	३	५७
३५	११	व	व	व	५६	११	२३

८ पं. ज्ये: शु.१५ श.इ. २६/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	२	११	५	१
१७	२८	२६	२२	१	११	२०	१७
२५	८	२१	४५	३०	३९	३२	१५
१९	१७	४०	४३	३६	१४	४१	००
५७	४४	९/१७	५/२२	२६/४१	४	३	५७
२७	१	मा	व	व	३१	११	१३

ति.	प्र. आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र	४१	१९	ज्ये	३८	९	सि	०५/२४	५०/४३	बा	१५	२३	३४/९	५/१०	६/५०	१२	१४	२	ध.३८।१९	[A (सौरः ५०।२७)
२	चं	३२	५२	मू	३१	४७	शु	४६	१९	तै	७	५	१०	१०	५०	१३	१५	३	धनुषि	भ. ५८।३८ उ. वृषे भौमः ५८।३७ *
३	मं	२४	२५	पू	२५	२२	शु	३६	५९	वि	२४	२५	१२	१०	५०	१४	१६	४	म, ३८/५६	भ. २४।२५ या. वक्री वृषे शुक्रः E
४	बु	१६	३९	उ	१९	३८	ब्र	२८	५	बा	१६	३९	१३	९	५१	१५	१७	५	मकरे	[E ५०।४ चंद्र व्र.
५	गु	९	१३	श्र	१४	४१	ऐं	१९	५४	तै	९	१३	१५	९	५१	१६	१८	६	कुं, ४२/४४	[* कृति. बुधः २४।५१
६	शु	३	५	ध	१०	४८	वै	१२	३३	व	३	५	१६	९	५१	१७	१९	७	कुंभे	भ. ३।५ उ. ३०।३६ या मृगे रविः =
७	शु	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=३६।५४ (सौरः ४९।३९) शुक्रास्तः C
८	श	५४	१६	श	७	५४	वि	६	२	बा	२६	१२	१७	९	५१	१८	२०	८	मी. ५१/५३	वृषेबुधः३०।२ [C पश्चिमायां B
९	र	५१	४७	पू	६	३३	प्री	३०/७	५५/४३	तै	२३	२	१८	८	५२	१९	२१	९	मीने	[÷ योगिनी ११ व्र. स्मा वै.
१०	चं	५०	२३	उ	६	७	सौ	५२	५०	व	२१	५	१९	८	५२	२०	२२	१०	मीने	भ. २१।५ उ. ५०।२३ यां
११	मं	५०	१४	रे	७	६	शो	५०	२८	ब	२०	१९	२०	८	५२	२१	२३	११	मे. ७।६	हस्ते. ३ राहु : रेव. १ केतुः ४२।४२ ÷
१२	बु	५१	१६	अ	१०	२४	अ	४८	५३	कौ	२०	४५	२१	८	५२	२२	२४	१२	मेषे	योगिनी ११ व्र. निं. [B ५७।३६
१३	गु	५३	१९	भ	१२	५८	सु	४८	२३	ग	२२	१७	२१	८	५२	२३	२५	१३	वृ० २८/३७	भ. ५३।१९ उ. प्रदोषः
१४	शु	५६	३६	कृ	१५	३२	धृ	४८	२७	वि	२४	५८	२२	८	५२	२४	२६	१४	वृषे	भ. २४।५८ या. मिथुनेऽर्कः ३५।२८ A
३०	श	६०	०	रो	२१	२८	शू	४९	९	च	२८	४२	२२	८	५२	२५	२७	१५	मि. ५४/३१	वक्री रोहि. शुक्रः २६।५१
३०	र	०	४७	मृ	२७	३४	गं	५०	४४	ना	०	४७	२३	८	५२	२६	२८	१६	मिथुने	शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ५३।२४

९पं. प्र.आ.कृ.८.श.इ. २६/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	८	१	११	५	१
२४	३	२९	२२	२७	१२	२०	२३
७	१४	५७	७	३७	९	१०	५४
१९	५९	२९	३४	३७	२९	२५	५६
५७	४३	४१	६/११	३५/४८	३	३	५७
२२	४५	२२	व	व.	५२	११	५

गोचर ग्रहाः

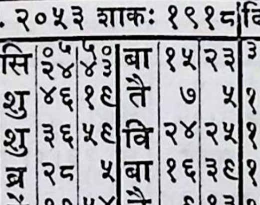

आषाढ कृष्णे १४ शुक्रे

मिथुनेऽर्कः प्रविष्टःवा ४ न. ५ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्धंता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

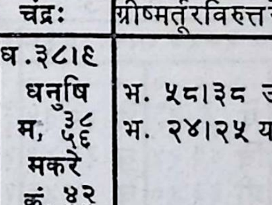

१०पं.प्र.आ.कृ.३०श.इ. २६/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	८	१	११	५	२
०	८	७	२१	२३	१२	१९	०
४८	१२	२	२३	२०	३३	४८	३४
३६	२५	२०	३१	१७	४०	९	०५
५७	४३	७२	५६/६	३३/५१	३	३	५६
१७	३५	४९	व.	व.	१९	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. आषाढ़ शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण: १५३४स. १९९६
१	चं	६	१	आ	३४	१८	बृ	५२	४५	ब	६	१	३४/२३	५/७	६/५३	२७	२९	१७	मिथुने	रोहिण्यां भौमः ५४।२७ रोहिण्यां ×
२	मं	११	३१	पु	४१	३७	ध्रु	५५	११	कौ	११	३१	२३	७	५३	२८	१	१८	क. २४।४७	सफर २
३	बु	१७	४६	पु	४९	१६	व्या	५७	३६	ग	१७	४६	२३	७	५३	२९	२	१९	कर्के	भ. ५०।५२ उ.
४	गु	२३	५९	श्ले	५६	५१	ह	६०	०	वि	२३	५९	२४	७	५३	३०	३	२०	सिं ५६।५१	भ. २३।५९ या.
५	शु	२९	५६	म	६०	०	ह	०	५	बा	२९	५६	२४	७	५३	३१	४	२१	सिंहे	आर्द्रा. रविः ३४।२३ (सौरः ५२।०)
६	श	३५	१२	म	४	२	व	२	२०	कौ	४	३४	२४	७	५३	१	५	२२	सिंहे	भा. आषाढ़ारंभः
७	र	३९	२२	पू	१०	७	सि	३	३८	ग	७	१७	२४	७	५३	२	६	२३	कं. २६।२२	भ. ३९।२२ उ.
८	चं	४१	५६	उ	१५	७	व्य	४	१	वि	१०	३९	२४	७	५३	३	७	२४	कन्यायां	भ. १०।३९ या.
९	मं	४२	४६	ह	१८	१०	व	२	५८	बा	१२	२१	२३	७	५३	४	८	२५	तु. ४८।४३	मृगे बुधः ४०।१३
१०	बु	४१	२९	चि	१९	१७	प	२/२	५५/५५	तै	१२	७	२३	७	५३	५	९	२६	तुलायां	[× बुधः ५२।४४ चंद्र दर्शन संभवः
११	गु	३८	१०	स्वा	१८	३६	सि	५०	२८	व	९	४९	२२	८	५२	६	१०	२७	तुलायां	भ. ९।४९ उ. ३८।१० या. वक्री पूषा =
१२	शु	३२	४४	वि	१५	४४	सा	४३	५	ब	५	२४	२२	८	५२	७	११	२८	बृ. १।२७	[= २ गुरुः ११।४४ कमला ११ व्र.
१३	श	२५	८	अ	११	३	शु	३४	१७	तै	२५	८	२१	८	५२	८	१२	२९	वृश्चिके	मिथुने बुधः १३।२८ [÷ पूर्वस्यां ९।४४
१४	र	१६	७	ज्ये	५/१	५२/२	शु	२४	३२	व	१६	७	२०	८	५२	९	१३	३०	ध. ५।१	भ. १६।७ उ. ४१।५४ या. बुधास्तः ÷
१५	चं	७	४१	पू	५०	११	ब्र	१४	११	ब	७	४१	१९	८	५२	१०	१४	१	धनुषि	मार्गी शुक्रः २७।५६ जौलाई ७ता. ३१

११पं.प्र.आ. शु. ६श.इ. २६/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	८	१	११	५	२
७	१३	१७	२०	१९	१२	१९	७
२९	११	५६	३४	५३	५४	२५	१२
३१	३१	२४	३०	१३	२२	५४	३२
५७	४३	०/७	३७	३१/२६	२	३	५६
१३	८°		व.	व.	३४	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चने मूंग मोठ गुड़ खांड चन्दन केशर और रुई कपड़ा कपास तेज होकर मंदा । कहीं कहीं वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

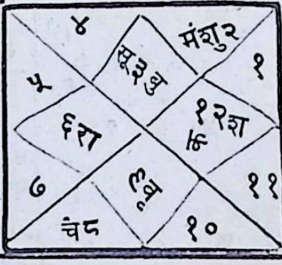

१२पं.प्र.आ.शु १३श.इ. २६/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	१	११	५	२
१४	१८	०	१९	१८	१३	१९	१३
९	६	२५	४२	५	९	३	५०
५८	५०	१६	२२	२४	५०	३८	३७
५७	४२	[illegible]	५२	४६	१	३	५६
७	४८	°	व.	व.	५६	११	५०

÷मंबुशु

ति.	द्वि. आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र. आषा. कृष्णेत्ति महा.
१	चं	४९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४८	१६	उ	४२	३५	ऐं	४०/३	४९/२९	तै	२२	३५	३४/१८	५/८	६/५२	११	१५	२	म. ३।१७	आर्द्रा. बुधः ३५।४०
३	बु	३९	७	श्र	३५	३४	वि	४३	२५	व	१३	४१	१७	९	५१	१२	१६	३	मकरे	भ. १३।४१ उ. ३९।७ या. चतुर्थी व्र.
४	गु	३०	५२	ध	२९	३४	प्री	३३	५०	ब	४	५३	१६	९	५१	१३	१७	४	कुं. २।३४	
५	शु	२४	७	श	२४	५६	आ	२५	४८	तै	२४	७	१५	९	५१	१४	१८	५	कुंभे	पुन. रविः ३३।१३ (सौरः ५६।२) A
६	श	१८	५९	पू	२१	३५	सौ	१८	५६	व	१८	५९	१४	९	५१	१५	१९	६	मी. ७।२५	भ. १८।५९ उ. ४७।२० या. ÷
७	र	१५	४०	उ	२०	९	शो	१३	३४	ब	१५	४०	१३	९	५१	१६	२०	७	मीने	[÷ मृगे भौमः ५४।५२
८	चं	१३	५२	रे	२०	२०	अ	९	३२	कौ	१३	५२	११	१०	५०	१७	२१	८	मे. २०।२०	पुन. बुधः ५७।२३
९	मं	१३	५३	अ	२२	१४	सु	६	४९	ग	१३	५३	१०	१०	५०	१८	२२	९	मेषे	भ. ४४।३६ उ. [+ मास समाप्तिः
१०	बु	१५	२०	भ	२५	४०	धृ	५	२८	वि	१५	२०	८	१०	५०	१९	२३	१०	बृ. ४१।४९	भ. १५।२० या.
११	गु	१७	५४	कृ	३०	१६	शू	५	५	बा	१७	५४	७	११	४९	२०	२४	११	वृषे	कमला ११ व्रतम्
१२	शु	२२	१६	रो	३५	५८	गं	५	५२	तै	२२	१६	५	११	४९	२१	२५	१२	वृषे	[A उ.भा. ४ शनिः ४४।५०
१३	श	२७	२	मृ	४२	२७	वृ	७	१	व	२७	२	३	११	४९	२२	२६	१३	मि. ९।१२	भ. २७।२ उ. ५९।५० या. ×
१४	र	३२	३८	आ	४९	४	ध्रु	८	४४	श	३२	३८	१	१२	४८	२३	२७	१४	मिथुने	[× कर्के बुधः २५।३
१५	चं	३८	३३	पु	५७	५	व्या	१०	५१	च	५	३५	३३/५९	१२	४८	२४	२८	१५	क. ४०।५	पुष्ये बुधः ०।४८ सोमवती. अधिक- +

१३पं.द्वि.आ.कृ.६ श.इ. २६/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	१	११	५	२
२०	२२	१४	१८	१८	१३	१८	२०
५०	५९	४२	४८	१५	२०	४१	२८
३४	३८	४	०	३२	५३	२३	३१
५७	४२	[illegible]	५२	११/४१	१	३	५६
७	३२	°	व.	मा	१७	११	५०

गोचर ग्रहाः

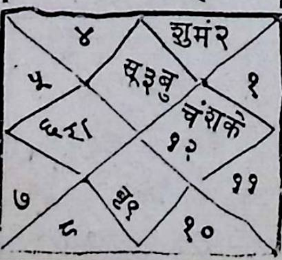

इस मास में रस पदार्थ घृत तेल गुड़ सरसों अन्डी अलसी में तेजी कपास रुई सन में मंदी होकर तेजी होगी वर्षा अच्छी हो

गोचर ग्रहाः

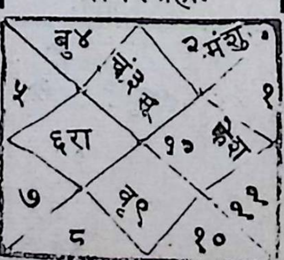

१४पं.द्वि.आ.कृ.१३श.इ. २६/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	८	१	११	५	२
२७	२७	०	१७	२०	१३	१८	२७
३०	४८	०	५४	७	२६	१९	६
४३	४३	५८	४३	८	४९	७	३८
५७	४२	[illegible]		७	२५	०	३	५६
११	११	५८	४७	८	३८	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५६३ स. १९९६
१	मं	४४	३४	पु	६०	०	ह	१३	१८	किं	११	३३	३३/५७	५/१३	६/४७	२५	२९	१६	कर्के	कर्कोऽर्कः २।३९ (सौरः २८।४६) A
२	बु	५०	४६	पु	४	४१	व	१५	४६	बा	१७	४०	५५	१३	४७	२६	३०	१७	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा (A मिथुनेभौमः ३२/४४
३	गु	५६	४१	श्ले	१२	७	सि	१८	१०	तै	२३	४३	५२	१४	४६	२७	१	१८	सि. १२।७	वक्री शनिः ३८।४८ रविलावल ३
४	शु	६०	०	म	१९	१६	व्य	२०	१९	व	२९	१६	५०	१४	४६	२८	२	१९	सिंहे	भ. २९।१६ उ. पुण्ये रविः ३१।५७ +
४	श	१	५२	पू	२५	३९	व	२१	५०	वि	१	५२	४८	१४	४६	२९	३	२०	कं. ४२।३	भ. १।५२ या मृगे शुक्रः ११।११
५	र	६	१८	उ	३१	१६	प	२२	५३	बा	६	१८	४५	१५	४५	३०	४	२१	कन्यायां	आश्लेषां. बुधः ३४।९ (+ सौरः ५९।३७
६	चं	९	२४	ह	३५	२८	शि	२२	५१	तै	९	२४	४३	१५	४५	३१	५	२२	कन्यायां	(=७।२३ भा. श्रावणा रंभः
७	मं	११	१०	चि	३८	११	सि	२१	३५	व	११	१०	४०	१६	४४	१	६	२३	तु.६।४९	भ. ११।१० उ. ४१।९ या. वक्री पूषा B
८	बु	११	७	स्वा	३९	१४	सा	१८	५६	व	११	७	३८	१६	४४	२	७	२४	तुलायां	(B१ गुरुः ३९।४४ बुधोदयः पश्चिमायां =
९	गु	९	[illegible]	वि	३८	३८	शु	१४	५३	कौ	९	२९	३५	१७	४३	३	८	२५	वृ. २३/४७	(D वायु परीक्षा
१०	शु	५	४०	अ	३५	४७	शु	९	१०	ग	५	४०	३३	१७	४३	४	९	२६	वृश्चिके	भ. ३२।५० उ. आर्द्रा. भौमः २८।५१ C
११	श	०	१	ज्ये	३१	११	ब्र	१/५९	५१/५६	वि	०	१	३०	१८	४२	५	१०	२७	ध. ३१/११	भ. ०।१ या. देवशयनी ११ व्र. वै.
१२	श	५२	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	C देवशयनी ११ व्र.स्मा.
१३	र	४३	२	मू	२५	८	वै	४३	५७	कौ	१७	५२	२७	१९	४१	६	११	२८	धनुषि	सिंहे मघायां बुधः ५५।७ प्रदोषः
१४	चं	३४	२२	पू	१७	५९	वि	३३	३९	ग	८	४२	२४	१९	४१	७	१२	२९	म.३१।११	भ. ३४।२२ उ. ५९।१९ या.
१५	मं	२४	१५	उ	१०	५	प्री	२२	३७	व	२४	१५	२२	२०	४०	८	१३	३०	मकरे	मिथुने शुक्रः २९।२३ व्यास पूजा गुरु१५D

१५पं. द्वि:आ.शु.४ श.इ. २५/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	८	१	११	५	३
४	२	१४	१७	२३	१३	१७	३
११	३४	२४	३	२८	२८	५९	४५
२८	५५	४	३२	४४	१२	५१	०५
५७	४२	[illegible]	१७	३५	१३	३	५६
१५	५५	[illegible]	व.	४२	व	११	५८

गोचर ग्रहाः

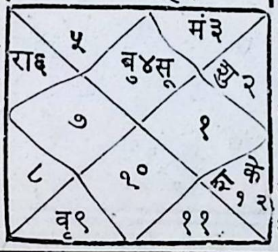

द्वि. आषाढ शुक्ले १ भौमे कर्कोऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न.५ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

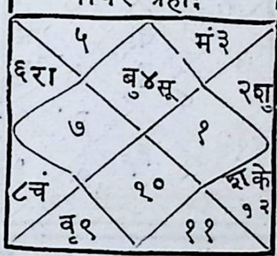

१६पं. द्वि.आ.शु.११ शइ. २५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	८	१	११	५	३
१०	७	२७	१६	२७	१३	१७	१०
५२	१९	२५	१६	४५	२४	३४	२४
३०	३४	४४	१६	४०	४०	३६	२२
५७	४१	[illegible]	२८/६	४३	५९/०	३	५७
२०	४३	[illegible]	व.	५३	व.	११	५

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे द्वि, आषा.कृष्णेति महा.;
१	बु	१४	८	श्र	२/१०	५२/१७	आ	११	४७	कौ	१४	८	३३/५९	५/२०	६/४०	९	१४	३१	कुं. २८/१९	वक्री उभा. ३ शनिः ४७।२७
२/३	गु	४/५१	३६/२७	श	४७	५२	सौ	१/८	५०/८	ग	४	३६	१६	२१	३६	१०	१५	१	कुंभे	भ. ३०।१९ उ. ५६।३या अगस्त८ता.३१
४	शु	४९	७	पू	४२	३५	अ	४२	४०	व	२२	३५	१३	२१	३६	११	१६	२	मी. २८/५५	आश्ले. रविः २८।५८ चतुर्थी व्र.
५	श	४४	०	उ	३९	७	सु	३५	२०	कौ	१६	३४	१०	२२	३८	१२	१७	३	मीने	आश्ले रविः सौरः ०।१४ नाग ५मरुस्थले
६	र	४०	५८	रे	३७	३१	धृ	२९	३७	ग	१४	२९	७	२३	३७	१३	१८	४	मे. ३७/३१	भ. ४०।५८ उ.
७	चं	४०	०	अ	३८	३	शू	२५	३८	वि	१०	२९	४	२३	३७	१४	१९	५	मेषे	भ. १०।२९ या.
८	मं	४०	५४	भ	४०	४०	गं	२९	११	बा	१०	२७	०	२४	३६	१५	२०	६	बृ. ५६/४१	पूफा बुधः ७।२४
९	बु	४३	४०	कृ	४४	४८	बृ	२२	१३	तै	१२	१७	३२/५७	२५	३५	१६	२१	७	बृषे	
१०	गु	४७	४९	रो	५०	२०	ध्रु	२२	४९	व	१५	४४	५४	२५	३५	१७	२२	८	बृषे	भ. १५।४४ उ. ४७।४९ या. आर्द्रा =
११	शु	५३	५	मृ	५६	५७	व्या	२३	५०	व	२०	२७	५०	२६	३४	१८	२३	९	मि. २३/३८	कामिका११ व्र.स्मा. वैं. (=शुक्रः ७।५४
१२	श	५९	११	आ	६०	०	ह	२५	५०	कौ	२५	३८	४७	२७	३३	१९	२४	१०	मिथुने	कामिका ११ व्रं. निं.
१३	र	६०	०	आ	४	२०	व	२९	१६	ग	३२	१५	४४	२७	३३	२०	२५	११	क. ५४/५३	प्रदोषः
१३	चं	५	२०	पु	११	४३	सि	३०	४२	व	५	२०	४०	२८	३२	२१	२६	१२	कर्के	भ. ५।२० उ. ३८।२३ या.
१४	मं	११	२६	पु	१९	२८	व्य	३३	७	श	११	२६	३७	२९	३१	२२	२७	१३	कर्के	हस्त २ राहुः उभा. ४ केतुः ३५।२९ C
३०	बु	१७	२८	श्ले	२६	४४	व	३५	२३	ना	१७	२८	३३	२९	३१	२३	२८	१४	सिं. २६/४४	C हरियाली ३०

१७पं. श्रा.कृ.५ श.इ. ३५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	८	२	११	५	३
१७	१२	९	१५	२	१३	१७	१७
३४	०	२	३५	५९	१५	१२	०४
१२	४	१०	१८	२	४७	२०	१०
५७	४१	९५	५/९	४९	३६	३	५७
२५	१६	३६	व.	४९	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

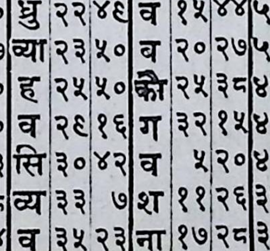

इस मास में सोना चांदी आदि धातु रुई पाट वारदाना में तेजी हो अनाज चावल गेहूं बाजरा आदि में मंदी होकर तेजी हो

गोचर ग्रहाः

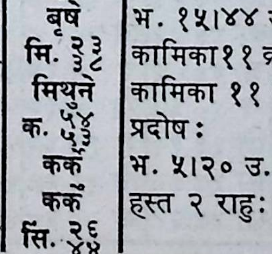

१८पं. श्रा.कृ. १२ श.इ. २५/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	८	२	११	५	३
२४	१६	१९	१५	८	१३	१६	२३
१९	३८	२२	०	४५	२	५०	४५
३७	४९	४४	४३	१४	१३	५	१७
५७	४०	८१	३२/४	५४	१०/२	३	५७
३३	५८	१७	व.	३८	व.	११	२२

*चं के (सं० २००१ समारभ्य २१०० प ःम्) ∴शु चं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	२२	५८	म	३३	४७	प	३७	१९	ब	२२	५८	३२/३०	५/३०	६/३०	२४	२९	१५	सिंहे
२	शु	२७	४०	पू	३९	५२	शि	३८	४२	कौ	२७	४०	२६	३१	२९	२५	३०	१६	कं.५६।१३
३	श	३१	४२	उ	४५	१७	सि	३९	३०	ग	३१	४२	२२	३२	२८	२६	१	१७	कन्यायां
४	र	३४	३७	ह	४९	३७	सा	३९	८	व	३	९	१९	३२	२८	२७	२	१८	कन्यायां
५	चं	३६	२६	चि	५२	५९	शु	३९	२०	ब	५	३१	१५	३३	२७	२८	३	१९	तु.२१।१८
६	मं	३६	५८	स्वा	५४	५४	शु	३६	४०	कौ	६	४२	१२	३४	२६	२९	४	२०	तुलायां
७	बु	३६	१०	वि	५५	३१	ब्र	३३	३४	ग	६	३४	८	३४	२६	३०	५	२१	वृ.४०।२२
८	गु	३३	५४	अ	५४	५४	ऐं	२९	२२	वि	५	२	४	३५	२५	३१	६	२२	वृश्चिके
९	शु	२९	५८	ज्ये	५२	१२	वै	२३	५२	बा	१	५५	१	३६	२४	१	७	२३	ध.५२।१२
१०	श	२४	४०	मू	४८	२७	वि	१७	२२	ग	२४	४०	३३/५७	३७	२३	२	८	२४	धनुषि
११	र	१७	५२	पू	४३	१४	प्री	९	३५	वि	१७	५२	५३	३७	२३	३	९	२५	म५६।३९
१२	चं	९	५०	उ	३६	५४	आ	०/३७	५०/१६	बा	९	५०	४९	३८	२२	४	१०	२६	मकरे
१३	मं	०	५३	श्र	२९	४७	शो	४०	३८	तै	०	५३	४६	३९	२१	५	११	२७	कुं ५६।२
१४	मं	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	बु	४१	५३	ध	२२	१७	अ	३०	४	वि	१६	३८	४२	४०	२०	६	१२	२८	कुंभे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९३स,१९९६

मघायां सिंहेऽर्कः२३।० (सौरः५६।३९)÷
रविलाखर ४ तीज[÷पुन.भौमः३६।१६A
भ. ३।९ उ. ३४।३७ या. वरद ४
कन्यायां बुधः ११।२८ नागपंचमी
[A उफा. बुधः२।४२ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
भ. ३६।१० उ.
भ. ५।२ या. पुन. शुक्रः २९।१३
भा. भाद्रपदारंभः
भ. ५१।१६ उ.
भ. १७।५२ या. पवित्रा ११ व्रतम्
प्रदोषः
भ. ५१।२४ उ.
[B बंधनं भद्रोत्तरं
भ. १६।३८ या. श्रावणीकर्म. रक्षा B

१९पं.श्रा.शु.३श.इ.२५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	८	२	११	५	४
०	२१	२८	१४	१५	१२	१६	०
५९	१३	७	३३	११	४४	२७	२७
१३	५५	३०	३६	१७	१०	४९	३०
५७	४०	६३	३/२७	५८	२	३	५७
४०	४१	३४	व	२२	४८व	११	३४

गोचर ग्रहाः

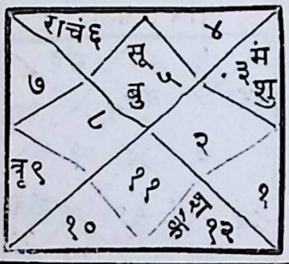

श्रावण शुक्ले २ शुक्रे

सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

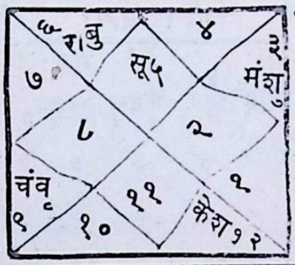

२०पं,श्रा.शु,१०श. इ२५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	८	२	११	५	४
७	२५	४	१४	२१	१२	१६	७
४४	४६	५७	१५	५८	२३	५	११
२०	१२	५०	३६	८	२	३३	०
५७	४०	४१	२/१०	६१	३/२३	३	५७
४९	२१	३५	व	९	व.	११	४२

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	३२	५०	श	१५	५	सु	१९	५०	बा	७	२१	३१/३८	५/४०	६/२०	७	१३	२९	मी. ५५/१३
२	शु	२५	४	पू	८	३५	धृ	१०	२१	ग	२५	४	३४	४१	१९	८	१४	३०	मीने
३	श	१८	३९	उ	३	३५	शू	१/२३	५२/४१	वि	१८	३९	३०	४२	१८	९	१५	३१	मीने
४	र	१३	५८	रे	०/१०	५८/२७	बृ	४८	१६	बा	१३	५८	२६	४३	१७	१०	१६	१	मे.०।१०
५	चं	११	३६	भ	५९	३२	ध्रु	४४	१९	तै	११	३६	२२	४४	१६	११	१७	२	मेषे
६	मं	११	२२	कृ	६०	०	व्या	४१	५४	व	११	२२	१८	४४	१६	१२	१८	३	बृ१५।१४
७	बु	१३	१६	कृ	२	२०	ह	४१	२८	ब	१३	१६	१५	४५	१५	१३	१९	४	वृषे
८	गु	१७	४	रो	७	५	व	४१	४२	कौ	१७	४	११	४६	१४	१४	२०	५	मि४०।४
९	शु	२२	७	मृ	१३	२	सि	४३	१३	ग	२२	७	७	४७	१३	१५	२१	६	मिथुने
१०	श	२८	८	आ	२०	८	व्य	४५	३१	वि	२८	८	३	४७	१३	१६	२२	७	मिथुने
११	र	३४	२०	पु	२७	४५	व	४८	१	ब	१	१४	३०/५९	४८	१२	१७	२३	८	क १०।५१
१२	चं	४०	४४	पु	३५	२५	प	५०	३७	कौ	७	३२	५५	४९	११	१८	२४	९	कर्के
१३	मं	४६	४०	श्ले	४२	४६	शि	५३	११	ग	१३	४२	५१	५०	१०	१९	२५	१०	सिं. ४२/४६
१४	बु	५१	५५	म	४९	३३	सि	५४	३०	वि	१९	१८	४७	५१	९	२०	२६	११	सिंहे
३०	गु	५६	०	पू	५५	१६	सा	५५	२८	च	२३	५८	४३	५१	९	२१	२७	१२	सिंहे

शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रा.कृष्णेति महाराष्ट्राः

भ. ५१।५१ उ. पूफा. रविः १२।३८ ÷
भ. १८।३९ या. कर्के भौमः १।५५ च.व्र.
कर्के शुक्रः १८।४ सितम्बर ६ता० ३०
वक्री बुधः ३२।१ चंदन षष्ठी
भ. ११।२२ उ. ४२।१९ या.
मार्गी गुरुः १५।५० पुष्ये शुक्रः ३३।५६C
पुष्ये भौमः २३।१३ जन्माष्टमी व्र. वै.
भ. ५५।७ उ. गोगानवमी
भ. २८।८ या. [÷(सौरः ४७।३१)
अजा ११ व्रतम् [C श्रीकृष्णजयंतीव्र.स्मा.
वत्स द्वादशी [B लोहार्गलस्नानं
भ. ४६।४० उ. प्रदोषः
भ. १९।१८ या. बुधास्तःपश्चिमायाम् ३/१७
उफा. रविः ५७।१ कुशाग्रहणी.मन्वादिB:

२१ पं. भा.कृ.३ श.इ. २४/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	२	११	५	४
१४	०	९	१४	२९	११	१५	१३
३०	१५	७	६	३	५७	४३	५६
०	२२	५२	२५	५४	२२	१८	१२
५८	३९	१२	०/४४	६३	३/५२	३	५७
१	५७	३८	व	२५	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

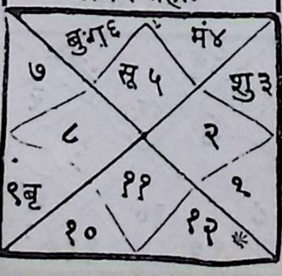

इस मास में गेहूं जौ चना शक्कर गुड रूई चांदी सोना लोहा तांबा आदि धातुओं में तेजी हो कहीं २ थोड़ी वर्षा होगी ।

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.कृ.१०श. इ.२४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	३	११	५	४
२१	४	९	१४	६	११	१५	२०
१७	४०	१८	७	२५	२९	२१	४२
२	१२	४०	५	२३	६	२	५२
५८	३९	२९/८	०/३६	६१२	४/१०	३	५८
१३	३४	व.	मा	५	व.	११	१२

*केशचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१६२२स.१९९६
१	शु	५६	१७	उ	६०	०	शु	५५	३२	किं	२७	३८	३१/३९	५/५२	६/८	२२	२८	१३	कं. ५१/३१	उफा. रविः सौरः ३२।१० ÷ नवल दुर्गे
२	श	६०	०	उ	०	१४	शु	५५	०	बा	३०	१६	३५	५३	७	२३	२६	१४	कन्यायां	चंद्र दर्शनम् [8 रामदेवजी का मेला ÷
२	र	१	२२	ह	३	५६	ब्र	५३	३५	कौ	१	२२	३१	५४	६	२४	१	१५	तु. ३५/२०	जमादिलावल ५ [D हरीवासराऽभावः E
३	चं	२	२५	चि	६	४१	ऐं	५१	१२	ग	२	२५	२७	५५	५	२५	२	१६	तुलायां	भ. ३२।२८ उ. कन्यायामर्कः २२।२२ *
४	मं	२	३१	स्वा	८	२६	वै	४८	१३	वि	२	३१	२२	५६	४	२६	३	१७	वृ.५४।१	भ. २।३१ या. ऋषि पंचमी [B चतुर्थी
५/६	बु	५१/५८	२५/२	बि	९	११	वि	४४	३१	बा	१	२५	१८	५६	४	२७	४	१८	वृश्चिके	वक्री सिंहे बुध ५७।२२ [E प्रदोषः
७	गु	५६	२०	अ	८	५६	प्री	३९	४६	ग	२७	५३	१४	५७	३	२८	५	१९	वृश्चिके	भ.५६।२० उ. [A ४९।३५श्रीगणेश B
८	शु	५२	४१	ज्ये	७	३४	आ	३४	१३	वि	२४	३१	९	५८	२	२९	६	२०	ध. ७।३४	भ.२४।३१ या.[+ मार्गी बुधः३७।३१ F
९	श	४७	२०	मू	५	२१	सौ	२७	५७	बा	२०	१	५	५९	१	३०	७	२१	धनुषि	[C नारंभः जलझूलनी ११ व्र.
१०	र	४१	१९	पू	२/५	५५/५५	शो	२०	४६	तै	१४	१९	३०/००	६/००	६/००	३१	८	२२	म. १६।४	वक्री पूषा. बुधः २०।५९ रामदेवजी 8
११	चं	३४	२६	श्र	५२	५४	अ	१२	५२	व	७	५२	२९/५६	६/१	५९	१	९	२३	मकरे	भ. ७।५२ उ. ३४।२६ या भा. आश्वि- C
१२	मं	२६	५५	ध	४७	६	सु	४/१२	५०/५६	व	०	४०	५२	२	५८	२	१०	२४	कुं. २०।०	बुधोदयः पूर्वस्यां १८।१८ वामन १२ D
१३	बु	१८	५२	श	४१	७	शू	४५	४३	तै	१८	५२	४८	२	५८	३	११	२५	कुम्भे	[× रविः ३५।३१ आश्ले. भौमः ५३।८+
१४	गु	१०	५२	पू	३५	१७	गं	३६	३१	व	१०	५२	४४	३	५७	४	१२	२६	मी. २१/४४	भ. १०।५२ उ. ३७।७ या. हस्ते ×
१५	शु	३	२५	उ	३०	३५	वृ	२७	४६	ब	२	४३	४०	४	५६	५	१३	२७	मीने	हस्तेरविःसौरः९।५१ महालयश्राद्धारंभः

२३पं.भा.शु.२श.इ.२४।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	८	३	११	५	४
२८	९	४	१४	१३	१०	१४	२७
५	२	२१	१६	५९	५८	५८	३१
२४	३६	७	५२	१७	२९	२७	१२
५८	३८	६/४७	१	६६	४/२८	३	५८
२६	५९	व.	४५	३७	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

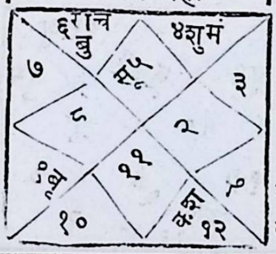

भाद्रपद शुक्ले ३ चंद्रे कन्यायाम र्ः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः स्यांपूर्व

गोचर ग्रहाः

२४पं.भा.शु.९श.इ.२४/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	८	३	११	५	५
४	१३	२७	१४	२१	१०	१४	४
५५	२२	३५	३६	४७	२५	३६	२१
१६	३७	२८	१४	५३	५९	३१	१९
५८	३८	५/५६	३	६७	४/४०	३	५८
३८	४०	व.	१२	५८	व.	११	४५

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरहर्तु रविर्दक्षिणे भाद्र कृष्णेति महा.
१	शु	५३	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५२	२	रे	२५	५८	ध्रु	१९	५२	तै	२४	३३	३९/३६	६/५	५/५५	६	१४	२८	मे. २५/५८	सिंहे मघायां शुक्रः ४१।५१
३	र	४८	४९	अ	२३	१७	व्या	१३	-४	व	२०	२५	३२	६	५४	७	१५	२९	मेषे	भ. २०।२५ उ. ४८।४९ या.
४	चं	४७	३१	भ	२२	४०	ह	७	५०	ब	१८	१०	२८	६	५४	८	१६	३०	बृ. ३७/५६	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४८	२५	कृ	२३	४६	व	४	३	कौ	१७	५८	२३	७	५३	९	१७	१	वृषे	उफा. बुधः ३१।५४अक्टूबर १० तां.३१
६	बु	५१	२०	रो	२७	१९	सि	१	५८	ग	१९	५२	१९	८	५२	१०	१८	२	मि. ५९/४९	भ. ५१।२० उ.
७	गु	५५	४९	मृ	३२	१९	व्य	१	२३	वि	२३	३४	१५	९	५१	११	१९	३	मिथुने	भ. २३।३४ या
८	शु	६०	०	आ	३८	५०	व	२	२	बा	२८	४३	११	१०	५०	१२	२०	४	मिथुने	कन्यायां बुधः ४०।४१ मातृ ९
८	श	१	३८	पु	४५	५५	प	३	४९	कौ	१	३८	७	११	४९	१३	२१	५	क.२९।९	[× (सौरः ४०।२५) पूफा.शुक्रः१४।१÷
९	र	७	५०	पु	५३	३४	शि	५	५२	ग	७	५०	३	११	४९	१४	२२	६	कर्के	भ. ४०।५९ उ. ÷ प्रदोष व्रतम्
१०	चं	१४	८	श्ले	६०	०	सि	८	१७	वि	१४	८	२८/५९	१२	४८	१५	२३	७	कर्के	भ. १४।८ या.
११	मं	२०	९	श्ले	१	३	सा	१०	३२	बा	२०	९	५५	१३	४७	१६	२४	८	सि. १।३	इंदिरा ११ व्रतम्
१२	बु	२५	१९	म	७	५५	शु	१२	१९	तै	२५	१९	५१	१४	४६	१७	२५	९	सिंहे	
१३	गु	२९	१६	पू	१३	४०	शु	१३	२४	व	२९	१६	४७	१५	४५	१८	२६	१०	कं. २९/५०	भ. २९।१६ उ. चित्रा रविः ७।३३ ×
१४	शु	३१	५३	उ	१८	२२	ब्र	१३	१३	वि	०	३४	४३	१५	४५	१९	२७	११	कन्यायां	भ. ०।३४ या. हस्ते बुधः ३६।२५ A
३०	श	३३	८	ह	२१	२९	ऐं	१२	११	च	२	३०	३९	१६	४४	२०	२८	१२	तु. ५२/२८	सर्वपितृ ३० A शस्त्रादिहतानां श्राद्धं

२५पं.आ.कृ.२श.इ.२४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	८	३	११	५	५
११	१७	२५	१५	२९	९	१४	११
४६	३७	३७	३	३९	५३	१४	१३
५२	५५	८	५८	५८	२	१५	२०
५८	३८	२०/७	४	६८	४/४०	३	५९
५३	५	मा	२१	५१	व.	११	००

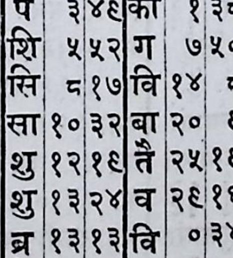

२६पं.आ.कृ.८श.इ.२४/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	४	११	५	५
१८	२१	०	१५	७	९	१३	१८
४०	४९	५६	३९	४२	२०	५२	७
८	१२	२४	५४	५०	४२	०	७
५९	३७	७७	५	६९	३/४	३	५९
९	३६	४३	३१	३८	व.	११	१६

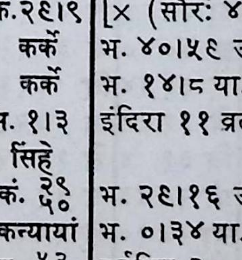

२७पं.आ.कृ.३०श.इ.२४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	४	११	५	५
२५	२५	११	१६	१५	८	१३	२५
३५	५५	१८	२३	५२	४९	२९	२
२	४१	०	२४	३७	५	४४	४९
५९	३७	९८	६	७०	४/१६	३	५९
२:	.२	१५	३४	२५	व.	११	३१

[* (सौरः ५७।२१)आश्ले.शुक्रः A(**विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्**) F वक्री उभा. २ शनिः५४।५०अनंत १४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	३३	१	चि	२३	२६	वै	१०	९	किं	३	४	३८/३५	६/१५	५/४३	२१	२९	१३	तुलायां
२	चं	३१	४७	स्वा	२४	१७	वि	७	१	बा	२	२४	३१	१८	४२	२२	३०	१४	तुलायां
३	मं	२९	४१	वि	२४	२	प्री	६/५	५५/११	तै	०	४४	२७	१९	४१	२३	१	१५	वृ. ९।३
४	बु	२६	४६	अ	२२	५६	सौ	५२	४९	वि	२६	४६	२३	१९	४१	२४	२	१६	वृश्चिके
५	गु	२२	१	ज्ये	२१	१४	शो	४७	६	बा	२२	१	२०	२०	४०	२५	३	१७	ध. २३/१४
६	शु	१९	२	मू	१८	५६	अ	४०	५९	तै	१९	२	१६	१९	४१	२६	४	१८	धनुषि
७	श	१४	२९	पू	१६	२२	सु	३४	१९	व	१४	२९	१२	२२	३८	२७	५	१९	म. ३०/५
८	र	९	३१	उ	१३	१४	धृ	२७	३१	ब	९	३१	८	२२	३८	२८	६	२०	मकरे
९	चं	४	१६	श्र	९	४४	शू	२०	१०	कौ	४	१६	४	२३	३७	२९	७	२१	कुं. ३७/४६
१०	चं	५४	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
११	मं	५२	३८	ध	५	४९	गं	१२	३८	व	२५	३७	०	२४	३६	३०	८	२२	कुंभे
१२	बु	४६	३७	श	३०/८	५६/५५	बृ	४/४६	५२/२१	ब	१९	३७	२७/५६	२५	३५	१	९	२३	मी. ४३/१९
१३	गु	४०	४८	उ	५३	३८	व्या	४९	२५	कौ	१३	४२	५३	२५	३५	२	१०	२४	मीने
१४	शु	३५	४०	रे	५०	१३	ह	४२	११	बा	८	१४	४९	२६	३४	३	११	२५	मे. ५०/१३
१५	श	३१	१६	अ	४७	४६	व	३५	४४	वि	३	२८	४५	२७	३३	४	१२	२६	मेषे

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६५२सन् १९९६

मातामह श्राद्धं नवरात्रारंभ:
पूषा. २गुरु:५५/४४बुधास्त:पूर्वस्यां २२/५८चंद्र- A
भ. ५८।१३ उ. हस्त. १ राहु: उभा. B
भ. २६।४६ या. तुलायामर्क: ५१।२२
तुलायामर्क: सौर: २३।९ A दर्शनम्
सरस्वत्यावाहनम्
भ.१४/२९उ.४२/०या.मघा.सिंहे भौम:२७/१९सर-C
चित्रा. बुध: १।२८ C स्वती पू. बलिदानं
उफा.शुक्र:३१/४१सरस्वतीविसर्जनंविजया १०
B ३ केतु: २७।३० जमादिलाखर ६
भ.२५/३७उ.५२/३८या.पापांकुशा ११ व्र. स्मा
स्वात्यांरवि:३३/२४तुलायांबुध:५९/२१रा. *
स्वात्यांरवि:सौर:४/१२कन्यांशुक्र:१७/१८प्रदोष:
भ. ३५।४० उ. कोजागरी व्र.
भ.३।२८ या. शरद्पूर्णिमा का. स्ना. प्रा.

२८ पं.आ.शु.७. श.इ. २३/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	८	४	११	५	६
२	२९	२२	१७	२४	८	१३	२
३१	५७	१५	१४	८	१९	७	००
२६	५४	११	४२	३८	३७	२९	१६
५९	३६	[illegible]	७	७१	५३/९	३	५९
३४	३९	[illegible]	३५	४	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ले ५गुरौ
तुलायामर्कः प्रविष्टः
वा. ४ न.५ गतालका
वस्था (ऊभी) मु. ३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२९पं.आ.शु.१५श.इ. २३/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	५	११	५	३
९	३	४	१८	२	७	१२	८
२९	५६	११	१३	३०	५२	४५	५९
४२	२८	५६	५५	४०	४४	१३	३६
५९	३६	[illegible]	८	७१	४३/३	३	६०
४७	२	[illegible]	३८	३१	व.	११	२

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः
१	र	२८	२५	भं	४६	५१	सि	३०	१५	कौ	२८	२५	२७/४१	६/२८	५/३३	५	१३	२७	मेषे
२	चं	२७	८	कृ	४७	२२	व्य	२५	५९	ग	२७	८	३७	२९	३१	६	१४	२८	बृ.१।५९
३	मं	२७	३१	रो	४९	४१	व	२२	५९	वि	२७	३१	३४	२९	३१	७	१५	२९	वृषे
४	बु	२९	५४	मृ	५३	५६	प	२१	४४	बा	२९	५४	३०	३०	३०	८	१६	३०	मि. २१/४९
५	गु	३३	४०	आ	५९	३२	शि	२१	१४	कौ	१	४७	२७	३१	२९	९	१७	३१	मिथुने
६	शु	३९	०	पु	६०	०	सि	२२	१७	ग	६	२०	२३	३१	२९	१०	१८	१	क.४९।३४
७	श	४५	११	पु	६	१५	सा	२३	५३	वि	१२	६	१९	३२	२८	११	१९	२	कर्के
८	र	५१	३८	पु	१३	४३	शु	२६	९	बा	१८	२५	१६	३३	२७	१२	२०	३	कर्के
९	चं	५७	५१	श्ले	२१	११	शुं	२८	२५	तै	२४	१४	१२	३४	२६	१३	२१	४	सिं. २१/१५
१०	मं	६०	०	म	२८	२६	ब्र	३०	२०	व	३०	३१	९	३४	२६	१४	२२	५	सिंहे
१०	बु	३	११	पू	३४	३७	ऐं	३१	४४	वि	३	११	५	३५	२५	१५	२३	६	कं. ५०/४९
११	गु	७	२१	उ	३९	२६	वै	३१	५८	बा	७	२१	२	३६	२४	१६	२४	७	कन्यायां
१२	शु	१०	२	ह	४२	४९	वि	३१	४	तै	१०	२	२६/५८	३६	२४	१७	२५	८	कन्यायां
१३	श	११	०	चि	४३	४७	प्री	२८	४३	व	११	०	५५	३७	२३	१८	२६	९	तुं. १३/१८
१४	र	१०	१०	स्वा	४४	३४	आ	२५	१०	श	१०	१०	५२	३८	२२	१९	२७	१०	तुलायां
३०	चं	७	५०	वि	४३	२१	सौ	२०	२१	ना	७	५०	४९	३८	२२	२०	२८	११	वृ. ३८/३९

हेमंततूं रविर्दक्षिणे आश्विन. कृष्णेति महा०

स्वात्यां बुध: ४८।३२
भ. ५७।१९ उ.
भ. २७।३१ या. करक चतुर्थी व्रतम्
भ.३९।०उ.हस्तेशुक्र:३६/४ नवम्बर ता.३०
भ. १२।६ या.
[+ सोमवती
विशा. बुध: १२।०
भ. ३०।३१ उ. विशा. रवि: ५३।५०
भ. ३।११ या. विशा. रवि: सौर: A
रमा ११ व्र. [A २१।३६पूषा. ३ गुरु २९/३५
प्रदोष: धन १३
भ. ११।० उ. ४०।३५ या. बृश्चिके *
महालक्ष्मीपूजनम् [* बुध:५४।५६रूप १४
अनु. बुध:५५।७ अन्नकूटं गोवर्धनपूजा +

३०पं.का.कृ.७श.इ.२३।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	५	११	५	६
१६	७	१६	१९	१०	७	१२	१६
२९	४७	५५	१९	५६	२९	२२	००
२८	३१	३०	८	५३	१०	५७	४०
६०	३५	[illegible]	९	७१	३/२	३	६०
४	१२	[illegible]	२८	५६	व.	११	१८

ग्रोचर ग्रहाः

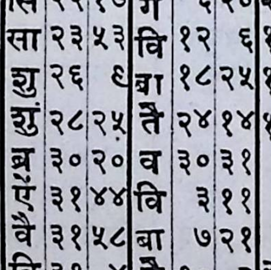

इस मास में रुई चावल घृत में मंदी रहेगी सोना चांदी वारदाना तांबा लोहा आदि धातुओ मेंतेजी होवे ।

ग्रोचर ग्रहाः

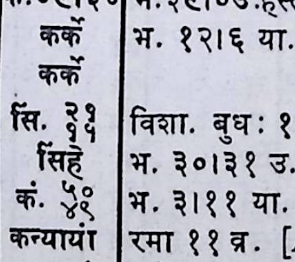

३१पं.का.कृ.१३.श.इ. २३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	५	११	५	६
२३	११	२९	२०	१९	७	१२	२३
३०	३४	७	२९	२७	१०	०	०३
५०	५५	१९	३५	०	५	४२	१५
६०	३४	९९	१०	७२	२२/२	३	६०
१७	४०	५१	१३	१७	व.	११	३०

* कार्तिकारंभ: पापा कुशा ११ व्र. वै.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१६८२स.१९९६
१	मं	४	१५	अ	४१	७	शो	१४	३४	व	४	१५	२६/४५	६/३९	५/२१	२१	२९	१२		
२	मं	५५	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२१	२९	१२	वृश्चिके	पूफा. भौमः २५।१२ चित्रा. शुक्रः A
३	बु	५४	३५	ज्ये	३८	२	अ	८	१	तै	२७	१२	४२	४०	२०	०	०	०	० ०	F ३४।५१ बुधोदयः पश्चिमायां ४०।५४
४	गु	४९	१४	मू	३४	२२	सु	०/५६	५३/३०	व	२१	५५	३९	४०	२०	२२	१	१३	ध.३८।२	रज्जव ७ A ३६।३ चंद्र दर्शनम्
५	शु	४३	४१	पू	३०	३८	शू	४६	२	व	१६	२८	३६	४१	१९	२३	२	१४	धनुषि	भ. २१।५५ उ. ४९।१४ या. C अक्षय ९
६	श	३८	८	उ	२६	५३	गं	३८	४३	कौ	१०	५५	३३	४१	१९	२४	३	१५	म. ४४/४२	वृश्चिकेऽर्कः ४९।५०
७	र	३३	३	श्र	२३	२०	वृ	३१	१७	ग	५	३६	३०	४२	१८	२५	४	१६	मकरे	वृश्चिकेऽर्कः सौरः १५।५३ E प्रदोष.
८	चं	२८	३	ध	१९	५७	ध्रु	२४	१४	वि	०	३३	२७	४३	१७	२६	५	१७	कुं.५१।३८	भ.३३.३उ. D प्रबोधिनी११व्र.तुलसी =
९	मं	२३	२३	श	१६	५५	व्या	१७	१२	कौ	२३	२३	२५	४३	१७	२७	६	१८	कुंभे	भ. ०।३३ या तुलायां शुक्रः १।२२ B
१०	बु	१९	२२	पू	१४	११	ह	१०	२८	ग	१९	२२	२२	४४	१६	२८	७	१९	मी. ५९/५२	अनु. रविः ८।१५ (सौरः ३२।४१) C
११	गु	१४	४९	उ	११	४३	व	४/५	५४/३	वि	१४	४९	१९	४४	१६	२९	८	२०	मीने	भ. ४७।५ उ. B गोपाष्टमी
१२	शु	११	२५	रे	९	५५	व्य	५२	४२	बा	११	२५	१७	४५	१५	३०	९	२१	मीने	भ. १४।४९ या.ज्येष्ठा. बुधः ३२।५० D
१३	श	८	४३	अ	८	३४	व	४८	३	तै	८	४३	१४	४५	१५	१	१०	२२	मे.९।५५	भा. मार्गशीर्षारंभःहरिवासरः९।५५ या. E
१४	र	७	४	भ	८	२८	प	४४	८	व	७	४	१२	४६	१४	२	११	२३	मेषे	स्वात्यां शुक्रः २४।३वैकुण्ठ १४= विवाहः
१५	चं	६	३१	कृ	९	३२	शि	४१	१९	ब	६	३१	९	४६	१४	३	१२	२४	बृ २३/४४	भ. ७।४ उ. ३६।४८ या. पूषा. ४ गुरुः F
																४	१३	२५	वृषे	मन्वादि. का स्ना. पूर्ति. पुष्करस्नानं

३२पं.का.शु.६श. इ.२३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	५	११	५	७
०	१५	८	२१	२८	६	११	०
३३	१३	५५	४५	०	५५	३८	७
२९	८	१६	१८	५४	१	२६	१९
६०	३३	९७	१०	७२	४६	३	६०
३०	२५	४१	५६	४३	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

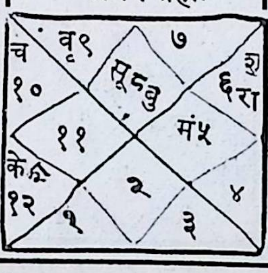

कार्तिक शुक्ले ५ शुक्रे बृश्चिकेंऽर्कः प्रविष्टः वा २ नं. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदय : पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३३गं. का. शु. १३श.इ.२२/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	६	११	५	७
७	१८	१९	२३	६	६	११	७
३७	४४	४५	६	३८	४५	१६	१२
२६	५६	७	४	३५	०	११	५२
६०	३२	०	११	७२	२	३	६०
४२	४५	५६	३७	५६	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेश्रावणकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	७	२८	रो	११	५१	सि	३९	४८	कौ	७	२८	२६/७	६/४७	५/१७	५	१४	२६	मि४३।४१	A ३३।५६ दिसम्बर १२ ता. ३१
२	बु	९	५९	मृ	१५	३२	सा	३९	०	ग	९	५९	५	४७	१३	६	१५	२७	मिथुने	भ.४२।२उ.
३	गु	१४	६	आ	२०	३७	शु	३९	२२	वि	१४	६	२	४८	१२	७	१६	२८	मिथुने	भ. १४।६ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	१८	५५	पु	२७	३	शु	४०	४१	बा	१८	५५	०	४८	१२	८	१७	२९	क. १०/२६	
५	श	२४	५४	पु	३३	५६	ब्र	४२	३७	तै	२४	५४	२५/५८	४८	१२	९	१८	३०	कर्के	मूले धनुषि बुधः १२।३
६	र	३१	१५	श्ले	४१	२४	ऐं	४४	४८	व	३१	१५	५६	४९	११	१०	१९	१	सिं. ४१/२४	भ. ३१।१५ उ. वक्री उभा. १ शनिः A
७	चं	३७	४४	म	४९	८	वै	४७	२	वि	४	३०	५४	४९	११	११	२०	२	सिंहे	भ. ४।३० या. ज्येष्ठा. रविः १८।२२ B
८	मं	४३	३४	पू	५६	५	वि	४८	५६	बा	१०	३३	५३	४९	११	१२	२१	३	सिंहे	B (सौरः४०।३५) मार्गीशनिः ४५।४०
९	बु	४८	१८	उ	६०	०	प्री	४९	४७	तै	१५	५४	५१	५०	१०	१३	२२	४	कं १२।२९	विशा.शुक्रः६।१६
१०	गु	५१	३४	उ	१	४३	आ	४९	३५	व	१९	५४	४९	५०	१०	१४	२३	५	कन्यायां	भ. १९।५४ उ. ५१।३४ या.
११	शु	५२	५४	ह	५	५९	सौ	४८	४	ब	२२	१२	४८	५०	१०	१५	२४	६	तु. ३७/१३	उभा.२शनिः१०।५२उत्पत्ति११व्र.स्मा.वै.
१२	श	५२	२०	चि	८	२८	शो	४५	०	कौ	२२	३१	४६	५१	९	१६	२५	७	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र. निं.
१३	र	४९	५९	स्वा	९	१	अ	४०	२१	ग	२१	९	४५	५१	९	१७	२६	८	वृ. ५३।१	भ. ४९।५९ उ. प्रदोषः
१४	चं	४५	३३	वि	७	४१	सु	३४	२०	वि	१७	४६	४४	५१	९	१८	२७	९	वृश्चिके	भ. १७।४६ या. पूषा. बुधः ३०।३२
३०	मं	४०	५८	अ	४	२४	धृ	२६	५९	च	१३	१५	४३	५१	९	१९	२८	१०	बृश्चिके	उफा. भौमः ६।३ उषा. १ गुरुः ४५।२१

३४पं.मा.कृ.५श.इ.२२।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	६	११	५	७
१४	२२	०	२४	१५	६	१०	१४
४२	५	१६	३०	१८	४०	५३	१९
४०	५३	५	३२	११	१९	५५	३८
६०	३१	९०	१२	७३	१६०	३	६१
५०	२९	४१	१०	१४	व.	११	३

गोचर ग्रहाः

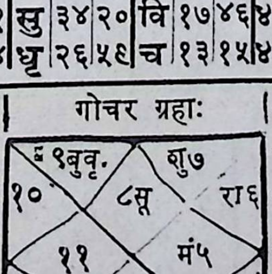

इस मास में सोना चांदी ताम्बा आदि धातुये तेजी हो सभी प्रकार के धान्यो में मंदी हो प्रजा में शान्ति रहे

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.कृ.१२श.इ. २२/२९

र	मं	ब्र	गु	गु	श	रा	र
७	४	८	८	६	११	५	७
२१	२५	१०	२५	२३	६	१०	२१
४८	१७	२२	५८	५९	४०	३१	२७
४३	३५	२३	१	४९	३७	३९	२२
६०	३०	८३	१२	७३	३१	३	६१
५६	१४	१३	२५	२०	मा.	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१७११ स.१९९६
१	बु	३३	१३	ज्ये	२५	५४/४७	शू	१८	४६	किं	७	५	२५/४२	६/५२	५/८	२०	२९	११	ध. ०।२५	
२	गु	२६	११	पू	४९	४७	गं	१०	०	कौ	२६	११	४१	५२	८	२१	३०	१२	धनुषि	वृश्चिके शुक्रः ४।३६ चद्र दर्शनम्
३	शु	१८	४९	उ	४४	२९	वृ	०/५४	५०/४७	ग	१८	४९	४०	५२	८	२२	१	१३	म. ३।२८	भ. ४५।१९ उ. सावान ८
४	श	११	४९	श्र	३९	१९	व्या	४२	५९	वि	११	४९	३९	५२	८	२३	२	१४	मकरे	भ. ११।४९ या. अनु. शुक्रः ५३।१४
५	र	५	११	ध	३४	५०	ह	३५	१	बा	५	११	३९	५२	८	२४	३	१५	कुं. ७।४	मूले धनुष्यर्कः२५।३७(सौरः ४४।२५ ×
६	र	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	× चंपा ६
७	चं	५४	१०	श	३०	५५	व	२७	१९	ग	२६	४२	३८	५२	८	२५	४	१६	कुंभे	भ. ५४।१० उ.
८	मं	४९	५८	पू	२७	५७	सि	२०	२२	वि	२२	४	३८	५२	८	२६	५	१७	मी. ३/४१	भ. २२।४ या. उफा. ४ राहुः उभा. २ =
९	बु	४६	४४	उ	२६	२	व्य	१४	८	बा	१८	१८	३७	५३	७	२७	६	१८	मीने	[= केतुः १९।२७
१०	गु	४४	२९	रे	२४	५९	व	८	४६	तै	१५	३१	३७	५३	७	२८	७	१९	मे.२४।५९	कन्यायां भौमः ८।०
११	शु	४३	१३	अ	२४	५५	प	४	२	व	१३	५१	३६	५३	७	२९	८	२०	मेषे	भ. १३।५१ उ. ४३।१३ या. मोक्षदा ÷
१२	श	४२	५६	भ	२५	४३	शि	०/८	५७/५	ब	१३	४	३६	५३	७	३०	९	२१	वृ.४१.१२	[÷ ११ व्र. गीताजयंती
१३	र	४३	५४	कृ	२७	४१	सा	५५	५	कौ	१३	१६	३६	५३	७	१	१०	२२	वृषे	भा. पौषारम्भः प्रदोषः
१४	चं	४५	७	रो	३०	४१	शु	५४	२	ग	१४	२२	३६	५३	७	२	११	२३	वृ.षे	भ. ४५।७ उ. वक्री बुधः २६।३३
१५	मं	४८	३८	मृ	३४	४२	शु	५३	२५	वि	१६	५२	३७	५३	७	३	१२	२४	मि. २।४१	भ. १६।५२ या. दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.४श.इ.२२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	७	११	५	७
२८	२८	१९	२७	२	६	१०	२८
५५	२०	२५	२९	४२	४६	९	३६
३७	१३	४१	५३	४	२२	२४	५
६१	२८	६५	१२	७३	१	३	६१
०	२९	५०	५२	३२	१६	११	१९

गोचर ग्रहाः

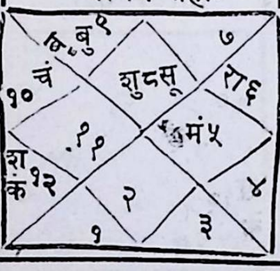

मार्गशीर्ष शुक्ले ५

रवौ धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा. ३ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

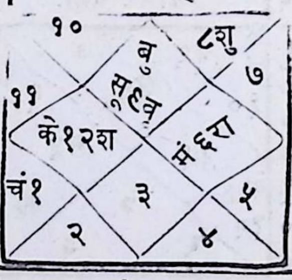

३७मा.शु.१२श.इ.२२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	७	११	५	८
६	१	२४	२९	११	६	९	५
३	१०	५८	३	२६	५७	४०	४५
१४	५९	२३	७	३५	७	८	३०
६१	२६	२५	१३	७३	१	३	६१
४	४७	४९	१४	४४	५७	११	२२

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु	५२	३८	आ	३९	५७	ब्र	५३	४८	बा	२०	३८	२५/३७	६/५३	५/७	४	१३	२५	मिथुंने	उषा. २ मकरे गुरुः २८।४७ ज्येष्ठा. =
२	गु	५८	२५	पु	४६	१६	ऐं	५४	५९	तै	२५	३१	३७	५३	७	५	१४	२६	क.२९।४१	बुधास्तः पश्चिमायां ५२।१०
३	शु	६०	०	पु	५३	३५	वै	५६	३३	व	३१	२०	३८	५२	८	६	१५	२७	कर्के	भ. ३१।२० उ. [= शुक्रः २९।१६.
३	श	४	१६	श्ले	६०	०	वि	५९	७	वि	४	१६	३८	५२	८	७	१६	२८	कर्के	भ. ४।१६ यां पूषा. रविः ३०।३७ ×
४	र	१०	४२	श्ले	०	३०	प्री	६०	०	बा	१०	४२	३९	५२	८	८	१७	२९	सिं.०।३०	[×(सौरः ४६।३) च. व्र.
५	चं	१७	११	म	८	५	प्री	१	१८	तै	१७	११	४०	५२	८	९	१८	३०	सिंघे	
६	मं	२३	२९	पू	१५	४५	आ	३	२९	व	२३	२९	४१	५२	८	१०	१९	३१	कं. ३/२३	भ. २३।२९ उ. ५६।३९ या.
७	बु	२९	४९	उ	२२	१९	सौ	५	११	ब	२९	४९	४२	५२	८	११	२०	१	कन्यायां	जनवरी १ ता. ३१ सन् १९९७ ई.
८	गु	३३	०	ह	२७	४६	शो	५	४७	बा	१	२५	४३	५१	९	१२	२१	२	तुं.५९।३८	[A पूर्वस्यां १९।४२ प्रदोषः
९	शु	३५	१९	चि	३१	२९	अ	५	२५	तै	४	९	४४	५१	९	१३	२२	३	तुलायां	
१०	श	३५	३७	स्वा	३३	२२	सु	३	३५	व	५	२८	४५	५१	९	१४	२३	४	तुलायां	भ. ५।२८ उ. ३५।३७ या.
११	र	३४	५	वि	३३	१८	धृ	०/४	५४/५६	ब	४	५०	४७	५१	९	१५	२४	५	वृ.१८।१९	वक्री मूले बुधः२०।२१ मूले धनुषि ÷
१२	चं	३०	२४	अ	३१	६	गं	४८	२४	का	२	१४	४८	५०	१०	१६	२५	६	वृश्चिके	[÷ शुक्रः १२।१५ सफला ११ व्र.
१३	मं	२५	४७	ज्ये	२७	७	वृ	४०	११	व	२५	४७	५०	५०	१०	१७	२६	७	ध.२७।७	भ. २५।४७ उ. ५१।४४ या. बुधोदयः A
१४	बु	१७	४०	मू	२१	४७	ध्रु	३०	५३	श	१७	४०	५२	५०	१०	१८	२७	८	धनुषि	उषा. ३ गुरुः ५२।४५
३०	गु	९	३४	पू	१५	११	व्या	२०	५६	ना	९	३४	५३	४९	११	१९	२८	९	म.२८।२७	अस्तं गुरोः ६।०

३८पं. पौ. कृ.३श.इ२१।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	७	११	५	८
१३	३	२३	०	२०	७	९	१२
११	४०	७	३८	१२	१३	२४	५५
१३	२६	२६	३५	३२	३४	५३	२२
६१	२४	६१/२०	१३	७३	२	३	६१
६	२८	व.	२२	५०	४७	११	२६

गोचर ग्रहाः

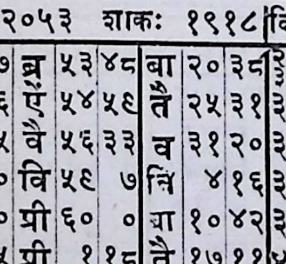

इस मास में धान्य जौ गेहूं चना मूं मोठ अलसी में मन्दी होवे सोना चांदी में घटा बढी हो रेशम रंग गुड में तेजी हो ।

गोचर ग्रहाः

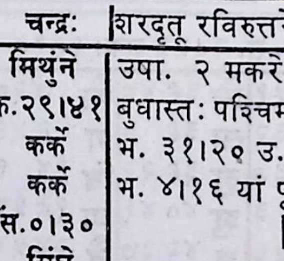

३९ पं.पौ.कृ.१०श.इ. २१/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	७	११	५	८
२०	५	१४	२	२८	७	९	२०
१९	५५	४७	१५	५७	३४	२	५
२६	४८	५३	२९	५७	१२	३७	१९
६१	२१	९०/१४	१३	७२	३	३	६१
६	२५	व.	३२	५६	२६	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्ल पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१७४१सन् १९९७
१	शु	०	३७	उ	८	१४	ह	९	३४	व	०	३७	२५/५५	६/४९	५/११	२०	२९	१०	मकरे	उषा. रविः ३५।२२ (सौरः ४७।३०)×
२	शु	५१	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[× चंद्र दर्शनम्
३	श	४३	१९	श्र	१५	५३/२१	व	१९	४९/५५	तै	१७	३५	५७	४९	११	२१	१	११	कुं २७/५५	मार्गी बुधः ६।४६ रमजान ९
४	र	३५	३१	श	४८	५७	व्य	४०	३५	व	९	२५	५९	४८	१२	२२	२	१२	कुम्भे	भ. ९।२५ उ. ३५।३१ या.
५	चं	२८	५०	पू	४४	२७	व	३२	१२	ब	२	५२	२६/१	४८	१२	२३	३	१३	मी. ३०/५५	मकरेऽर्कः ५१।४६
६	मं	२३	२१	उ	४१	११	प	२४	५४	त	२३	२१	४	४७	१३	२४	४	१४	मीने	मकरेऽर्कः सौरः २।५७ [B माघस्ना.प्रा.
७	बु	१९	२७	रे	३९	१८	शि	१८	४३	व	१९	२७	६	४७	१३	२५	५	१५	मे. ३९/१८	भ. १९।२७ उ. ४८।१७ या. पूषा. +
८	गु	१७	६	अ	३९	९	सि	१३	४०	ब	१७	६	८	४६	१४	२६	६	१६	मेषे	[+ शुक्रः ४८।३
९	शु	१६	०	भ	४०	६	सा	९	५०	कौ	१६	०	११	४६	१४	२७	७	१७	बृ. ५५/४४	[* (सौरः५०।१४) उषा४ गुरुः ०।१५B
१०	श	१६	३२	कृ	४२	४०	शु	७	७	ग	१६	३२	१३	४५	१५	२८	८	१८	वृषे	भ. ४७।१८ उ. [= प्रदोषः
११	र	१८	५	रो	४६	१७	शु	५	३१	वि	१८	५	१६	४५	१५	२९	९	१९	वृषे	भ. १८।५ या. पुत्रदा ११ व्र.
१२	चं	२१	७	मृ	५१	१०	ब्र	४	५७	बा	२१	७	१९	४४	१६	३०	१०	२०	मि. ४३/१४	अभि.प्र.रविः२४।१६ (सौरः ३४।१८ =
१३	मं	२५	१०	आ	५६	५०	ऐं	५	११	तै	२५	१०	२१	४४	१६	१	११	२१	मिथुने	हस्ते भौमः ५।२४ पूषा. बुधः ४३।३ ÷
१४	बु	३०	०	पु	६०	०	वै	५	४९	व	३०	०	२४	४३	१७	२	१२	२२	क. ४४/५६	भ. ३०।० उ. [÷ भा. मावारंभः
१५	गु	३५	४३	पु	३	२१	वि	७	२०	वि	२	५२	२७	४३	१७	३	१३	२३	कर्के	भ. २।५२ या. श्रवणे रविः ४०।५३ *

४०पं.पौ. शु. ३ श. इ. २१/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	९	८	११	५	८
२७	७	८	३	७	८	८	२७
२७	५०	९	५३	४३	०	४०	१५
२२	४२	३६	५३	४४	०	२१	११
६१	१८	३/२	१३	७४	४	३	६१
६	२२	मा.	३८	२	७	११	२४

गोचर ग्रहाः

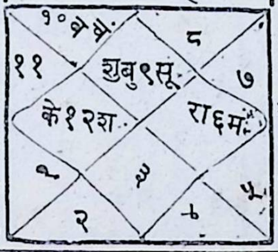

पौष शुक्ले ५ चंद्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा २ न. ४ गतालकावस्था (उभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४१ पं.पौ.शु. १०श.इ.२१/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	८	११	५	९
४	९	१०	५	१६	८	८	४
३५	२१	५७	३२	३०	३०	१८	२४
१३	४	२२	५६	०	३२	६	४०
६१	१४	४२	१३	७४	४	३	६१
३	१८	२	३८	८	३८	११	१९

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं० २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४१	५१	पु	१०	१४	प्री	८	५८	बा	८	४७	२६/२९	६/४२	५/१८	४	१४	२४	कर्के	अभिनि. रविः ३३।८ (सौरः ४२।३१)
२	श	४८	१३	श्ले	१७	४०	आ	११	६	तै	१५	२	३२	४२	१८	५	१५	२५	सिं. १७/४०	
३	र	५४	४०	म	२५	१६	सौ	१३	१३	व	२१	२६	३५	४१	१९	६	१६	२६	सिंहें	भ.२१।२६उ.५४।४०या.उषा.शुक्रः३०।३
४	चं	६०	०	पू	३२	४४	शो	१५	४०	ब	२७	४४	३८	४०	२०	७	१७	२७	कं. ४९/२८	चतुर्थी व्र.
४	मं	०	४९	उ	३९	४३	अ	१८	३०	बा	०	४९	४१	४०	२०	८	१८	२८	कंन्यायां	
५	बु	६	२२	ह	४५	५२	सु	१७	४६	तै	६	२२	४५	३९	२१	९	१९	२९	कंन्यायां	मकरे शुक्रः ६।४५
६	गु	१०	५६	चि	५०	४५	धृ	१९	१७	व	१०	५६	४८	३८	२२	१०	२०	३०	तु. १८/१८	भ. १०।५६ उ. ४२।३५ या.
७	शु	१४	१३	स्वा	५४	११	शू	१८	३४	ब	१४	१३	५१	३८	२२	११	२१	३१	तुलायां	[× उभा.३ शनिः२९।५८षट्तिला ११व्र.
८	श	१५	४६	वि	५५	४६	गं	१६	३७	कौ	१५	४६	५४	३७	२३	१२	२२	१	वृ. ४०/२१	फरवरी २ ता. २८
९	र	१५	३३	अ	५५	३४	बृ	१३	६	ग	१५	३३	५८	३६	२४	१३	२३	२	वृश्चिके	भ. ४४।२२ उ. उषा. बुधः १५।२७
१०	चं	१३	११	ज्ये	५३	१४	ध्रु	८	३	वि	१३	११	२७/१	३६	२४	१४	२४	३	ध. ५३/१४	भ. १३।११ या.
११	मं	८	५६	मू	४९	३	व्या	३७	५१/३१	बा	८	५६	५	३५	२५	१५	२५	४	धनुषि.	वक्रीभौमः ५२।३१मकरेबुधः५४।२५ ×
१२	बु	३	३१	पू	४३	१९	व	४२	४७	तै	३	३१	८	३४	२६	१६	२६	५	म. ५६/३५	भ. ५५।४उ. धनि.रविः४९।११ (सौरः +
१३	बु	५१	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+ ५६।४) उदयं गुरोः१९।१२ प्रदोषः
१४	गु	४६	३	उ	३६	२४	सि	३३	२७	वि	२०	३३	१२	३४	२६	१७	२७	६	मकरे	भ. २०।३३ या. श्रवणे शुक्रः ७।३ .
३०	शु	३६	३३	श्र	२८	४७	व्य	२२	३५	च	११	१८	१५	३३	२७	१८	२८	७	कुं. ५४/५०	श्रवण. १ गुरुः १५।११

४२पं. मा. कृ. २ श. इ. २१/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	८	११	५	९
११	१०	१७	७	२५	९	७	११
४२	२४	१२	१२	१५	४	५५	३३
४०	२५	५७	११	४०	३७	५०	३१
६०	९	५९	१३	७४	५	३	६१
५९	२०	३७	३८	१४	२	११	१३

गोचर ग्रहाः

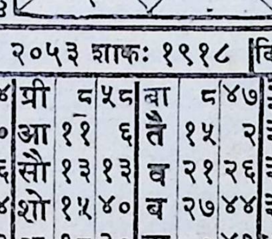

माघ शुक्ले ६ बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवाऽवस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

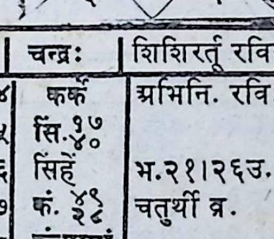

४३पं. मा.कृ.८श.इ.२२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	९	९	११	५	९
१८	१०	२५	८	४	९	७	१८
४९	५४	३२	५१	१	४२	३३	४१
१६	३६	४६	२२	५५	४०	३५	३५
६०	३	७५	१३	७४	५	३	६१
५५	२४	२९	३२	२०	३२	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	२७	४६	ध	२०	५३	व	११	२१	किं	२	११	२७/५९	६/३२	५/२८	१९	२६	८	कुम्भे
२	र	१८	१४	श	१३	२५	प	०/३७	४९/४१	कौ	१८	१४	२३	३१	२६	२०	३०	९	मी. ५३/२६
३	चं	८	५०	पू	६	४७	सि	४१	१५	ग	८	५०	२७	३१	२६	२१	१	१०	मीने
४	मं	१	२७	उ	१/२०	५६/१९	सा	३३	१	वि	१	२७	३०	३०	३०	२२	२	११	मे. ५७/३९
५	मं	५४	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	बु	५१	५६	अ	५५	४७	शु	२६	४०	कौ	२३	५१	३४	२६	३१	२३	३	१२	मेषे
७	गु	४६	५६	भ	५५	३४	शु	२१	४१	ग	२०	५८	३८	२८	३२	२४	४	१३	मेषे
८	शु	४६	१	कृ	५७	१८	ब्र	१८	५	वि	१६	३०	४१	२८	३२	२५	५	१४	वृ.१२।४
९	श	५१	४१	रो	६०	०	ऐं	१६	८	बा	२०	२१	४५	२७	३३	२६	६	१५	वृषे
१०	र	५४	५१	रो	०	५६	वै	१५	१७	तै	२३	१६	४६	२६	३४	२७	७	१६	मि. ३३/२७
११	चं	५६	२५	मृ	५	५५	वि	१५	५४	व	२७	८	५३	२५	३५	२८	८	१७	मिथुने
१२	मं	६०	०	आ	११	५८	प्री	१६	४०	ब	३१	३७	५६	२५	३५	२९	९	१८	मिथुने
१२	बु	४	४६	पु	१८	५२	आ	१८	३८	बा	४	४६	२८/०	२४	३६	३०	१०	१९	क.२।७
१३	गु	१०	५७	पु	२५	५६	सौ	२०	३६	तै	१०	५७	४	२३	३७	१	११	३०	कर्क
१४	शु	१७	६	श्ले	३३	२८	शो	२२	४५	व	१७	६	८	२२	३८	२	१२	२१	सिं. ३३/२८
१५	श	२३	२८	म	४१	२	अ	२४	५७	ब	२३	२८	१२	२२	३८	३	१३	२२	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः१७७०सन्१९९७

[+ भौमः २२।५ जया ११ व्र. स्मा. वै.
चंद्रदर्शनम् [B५३।२६भा.फाल्गुनारंभः
भ. ३५।८ उ. सव्वाल १०
भ. १।२७ या. वसंत ५
[* शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १२।३६ प्रदोषः
कुंभेऽर्कः २४।२७ (सौरः ३०।२) ×
भ. ४६।५६ उ. भानु ७ रथ ७
भ. १६।३० या. भीष्माष्टमी
[= जया ११ व्र. निं.
धनि. शुक्रः ४८।४०[× श्रवणे बुधः ३।८
भ. २७।८ उ. ५६।२५ या. वक्री उफा +
उफा. ३ राहुः उभा.१केतुः १३।० =
शते रविः ०।४३ (सौरः ५।२४)*
धनि. बुधः ३३।९ श्रवण. २ गुरुः B
भ. १७।६ उ. ५०।१६ या.
कुंभे शुक्रः ८।१८ माघस्नान पूर्तिः

४४पं.मा.शु.१श.इ.२२।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	९	९	११	५	९
२५	१०	४	१०	१२	१०	७	२५
५५	५६	४६	२८	४७	२३	११	४८
१	१०	३०	२६	३८	४९	१९	२२
६०	२३	८५	१३	७४	५	३	६०
४७	व.	३१	२६	२६	५८	११	५१

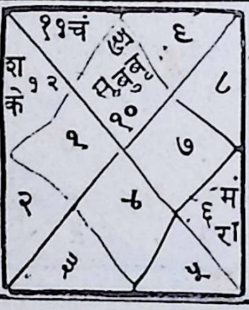

४५पं.मा.शु.९श.इ.२२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	९	११	५	१०
२	१०	१५	१२	२१	११	६	२
५९	२४	१५	५	३३	६	४९	५४
४९	४	३२	१०	०	५४	३	२५
६०	१२/४	९५	१३	७४	६	३	६०
३७	व.	००	२०	२६	२०	११	४२

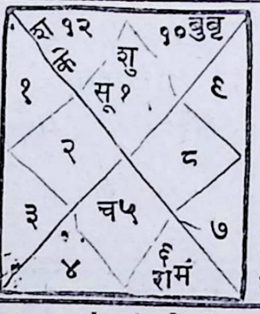

४६पं.मा.शु.१५श.इ. २२/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	१०	११	५	१०
१०	९	२६	१३	०	११	६	९
३	१९	२६	३९	१७	५३	२६	५८
२२	२३	४६	२२	४९	३५	४८	५८
६०	११/२९	८/०	१३	७४	६	३	६०
२५	व.	१९	१	२६	३२	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	२६	४४	पू	४८	१६	सु	२७	८	कौ	२६	४४	२८/१६	६/२१	५/३९	४	१४	२३	सिंहे
२	चं	३५	३८	उ	५५	४	धृ	२८	५७	तै	२	४१	२०	२०	४०	५	१५	२४	कं.५।०
३	मं	४०	३८	ह	६०	०	शू	३०	६	व	८	८	२४	१६	४१	६	१६	२५	कन्यायां
४	बु	४५	६	ह	१	४	गं	३०	५५	ब	१२	५२	२८	१८	४२	७	१७	२६	तु. ३३/४
५	गु	४८	२१	चि	६	२१	बृ	३०	४१	कौ	१६	४३	३२	१८	४२	८	१८	२७	तुलायां
६	शु	५०	२५	स्वा	१०	३४	ध्रु	२६	३८	ग	१६	२३	३६	१७	४३	९	१६	२८	वृ. ५७/४४
७	श	५१	४	वि	१३	२७	व्या	२७	२३	वि	२०	४६	४०	१६	४४	१०	२०	१	वृश्चिके
८	र	५०	२	अ	१४	३५	ह	२३	४६	बा	२०	३३	४४	१५	४५	११	२१	२	वृश्चिके
९	चं	४७	२२	ज्ये	१४	१४	व	१८	५६	तै	१८	४२	४८	१४	४६	१२	२२	३	ध. १४/१४
१०	मं	४२	३८	मू	१२	२	सि	१२	२६	व	१५	०	५२	१४	४६	१३	२३	४	धनुषि
११	बु	३६	४१	पू	८	१६	व्य	५/००	५१/००	ब	६	४०	५६	१३	४७	१४	२४	५	म. २२/४
१२	गु	२६	६	उ	३/१३	५३/१९	प	४६	२०	कौ	२	५५	२९/१	१२	४८	१५	२५	६	मकरे
१३	शु	२०	३८	ध	४६	१४	शि	३५	४६	व	२०	३८	५	११	४६	१६	२६	७	कुं. २३/५३
१४	श	११	१	श	४१	२६	सि	२५	०	श	११	१	९	१०	५०	१७	२७	८	कुंभे
३०	र	१	२३	पू	३३	५७	सा	१४	२	ना	१	२३	१३	६	५१	१८	२८	६	मी. २०/४९

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेतिमहाराष्ट्राः

बुधास्तः पूर्वस्यां १५।४
कुंभे बुधः २७।५५
भ. ८।८ उ. ४०।३८ या.
चतुर्थी व्र.
शते शुक्रः २८।२
भ. ५०।२५ उ. शते बुधः २४।१६
भ. २०।४६ या. मार्च ३ ता. ३१
[÷ बुधः ४६।१४ श्री महाशिवरात्रि व्र.
[E १६।४९ (सौरः २०।११)
भ. १५।० उ. ४२।३८ या. पूभा. रवि. E
विजय ११ व्र.
उभा. ४ शनिः ३४।२२ प्रदोषः
भ. २०।३८ उ. ४५।४९ या. पूभा. ÷
श्रवण. ३ गुरुः १२।३४
ग्रस्तोदित सूर्य ग्रहणम्

४७ पं. फा.कृ.७श.इ. २२/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	१०	११	५	१०
१७	७	८	१५	९	१२	६	१७
५	४३	२६	१२	२	४२	४	१
३५	२३	५३	४	४६	२९	३२	५०
६०	३६/५	८/०	१२	७४	६	३	६०
१२	व.	१६	३७	३२	५०	११	२०

गौचर ग्रहाः

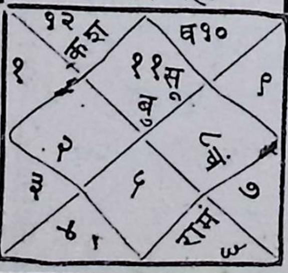

इस मास में अनाज जौ चना गेहूं मटर मंदा होगा सोनाचांदी धातु आदि तेज होगी कहीं वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

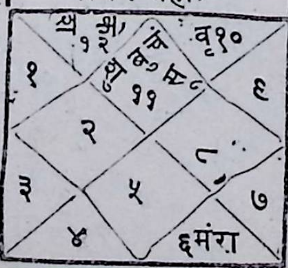

४८ पं. फा.कृ. १४श.इ. २३/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	१०	११	५	१०
२४	५	२१	१६	१७	१२	५	२४
६	४९	११	४२	४७	३२	४२	३
२२	४८	६	११	२	४६	१७	१२
५९	३२/७	८/०	१२	७४	७	३	६०
५८	व.	७	१४	३२	२	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०००
२	चं	४३	११	उ	२७	७	शु	३/४४	५०/२९	बा	१७	२०	२९/१७	६/९	५/५१	१९	२९	१०	मीने
३	मं	३५	५३	रे	२१	३४	ब्र	४५	५३	तै	९	२०	२१	८	५२	२०	१	११	मे.२१।३४
४	बु	३०	२८	अ	१७	४६	ऐं	३९	५	व	३	१०	२६	७	५३	२१	२	१२	मेषे
५	गु	२६	५३	भ	१५	३५	वै	३४	७	बा	२६	५३	३०	६	५४	२२	३	१३	वृ.३०।४०
६	शु	२५	२६	कृ	१५	५२	वि	३०	४९	तै	२५	२६	३४	५	५५	२३	४	१४	वृषे
७	श	२६	४	रो	१८	६	प्री	२८	५९	व	२६	४	३८	४	५६	२४	५	१५	मि५०।५
८	र	२८	३०	मृ	२२	५	आ	२९	०	ब	२८	३०	४३	३	५७	२५	६	१६	मिथुने
९	चं	३२	५५	आ	२७	४०	सौ	२९	३८	बा	०	४३	४७	३	५७	२६	७	१७	मिथुने
१०	मं	३८	१८	पु	३४	२९	शो	३१	२४	तै	५	२४	५१	२	५८	२७	८	१८	क.१७।४७
११	बु	४४	४६	पु	४१	५०	अ	३३	३२	व	११	२०	५५	१	५९	२८	९	१९	कर्के
१२	गु	५०	५८	श्ले	४९	३४	सु	३५	५५	ब	१७	५२	३०/०	६/०	६/०	२९	१०	२०	सिं४९।३४
१३	शु	५७	१८	म	५६	५९	धृ	३८	२३	कौ	२४	८	४	५/५९	१	३०	११	२१	सिंहे
१४	श	६०	०	पू	६०	०	शू	४०	२०	ग	३०	४	८	५८	२	१	१२	२२	सिंहे
१४	र		२ ५०	पू	४	३	गं	४२	५	व	२	५०	१२	५८	२	२	१३	२३	कं.२०।४३
१५	चं	८	३८	उ	१०	४१	वृ	४२	५९	ब	८	३८	१६	५७	३	३	१४	२४	कन्यायां

वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः१८०० स.१९९७

पूभा. शुक्रः १०।१९ चंद्र दर्शनम् +
जिलकाद ११ [+ फुलरिया २
भ.३।१०उ.३०।२८या.मीनेबुधः ५८।३९
अस्तं शनेः २७।३७
मीनेऽर्कः १७।४२(सौरः २०।३२) =
भ. २६।४ उ. ५७।१७ या.
होलाष्टकारंभः
उभा. रविः ३८।४६ (सौरः ४१।८)
मीने शुक्रः११।४८ [=उभा.बुधः३९।४८
भ.११।२०उ.४४।४६या.आमलकी ११व्र.
उभा. शुक्रः ५२।३४ [* ५७।३ छारेंडी
रेवत्यां बुधः २३।४७ प्रदोषः
भा. चैत्रारंभः [× दहनं भद्रोत्तरम्
भ. २।५० उ. ३५।४४ या. होलिका ×
श्रवण.४गुरुः५२।३८बुधोदयःपश्चिमायां*

४९पं.फा.शु.७श.इ.२३/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	९	१०	११	५	११
१	३	४	१८	२६	१४	५	१
५	४१	४६	९	३१	२४	२०	२
३५	४२	३७	१४	५	११	१	५५
५९	३४/२७	[illegible]	११	७४	७	३	५९
४१	व.	३८	४७	३२	१४	११	४९

गोचर ग्रहाः

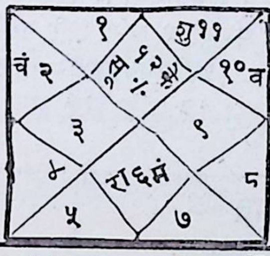

फाल्गुन शुक्ले ६ शुक्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्धता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

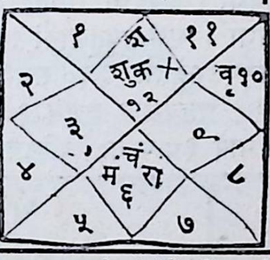

५०पं.फा.शु१४श.इ.२३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	९	११	११	५	११
८	१	१८	१९	५	१५	४	८
३	१३	३७	३२	१३	१५	५७	०
१८	२२	१२	२४	४१	५०	४६	५०
५९	३३/४६	[illegible]	११	७४	७	३	५९
२९	व.	[illegible]	९	३८	२२	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५३ शाकः १९१८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	मं	१३	३	ह	१६	९	ध्रु	४३	१७	कौ	१३	३	३०/२१	५/५६	६/४	४	१५	२५	तु.४८।३७
२	बु	१६	४७	चि	२१	५	व्या	४२	५४	ग	१६	४७	२५	५५	५	५	१६	२६	तुलायां
३	गु	१९	१५	स्वा	२४	४७	ह	४१	४४	वि	१९	१५	२९	५४	६	६	१७	२७	तुलायां
४	शु	२०	३८	वि	२७	२८	व	३९	१५	बा	२०	३८	३३	५३	७	७	१८	२८	वृ.११।४७
५	श	२१	२	अ	२९	१२	सि	३६	३५	तै	२१	२	३७	५३	७	८	१९	२९	वृश्चिके
६	र	२०	२०	ज्ये	२९	४७	व्य	३२	३८	व	२०	२०	४१	५२	८	९	२०	३०	ध.२९।४७
७	चं	१८	२०	मू	२८	५६	व	२७	३९	ब	१८	२०	४५	५१	९	१०	२१	३१	धनुषि
८	मं	१५	५	पू	२७	२	प	२०	४७	कौ	१५	५	४९	५०	१०	११	२२	१	म.४१।१३
९	बु	१०	४२	उ	२३	४७	शि	१४	४४	ग	१०	४२	५३	४९	११	१२	२३	२	मकरे
१०	गु	४	५६	श्र	१९	२९	सि	६/५०	५१/१२	वि	४	५६	५७	४९	११	१३	२४	३	कुं.४६।४४
११	शु	५३	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	५०	२०	ध	१३	५९	शु	४८	४३	कौ	२४	१५	३/१	४८	१२	१४	२५	४	कुम्भे
१३	श	४१	५२	श	७	५२	शु	३८	४३	ग	१६	६	५	४७	१३	१५	२६	५	मी४७।५०
१४	र	३३	७	पू	१/९	५३/२२	ब्र	२८	५२	वि	७	२९	१०	४६	१४	१६	२७	६	मीने
३०	चं	२४	४५	रे	४८	३३	ऐं	१९	१९	बा	२४	४५	१४	४५	१५	१७	२८	७	मे.४८।३३

वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गु कृष्णेति महाराष्ट्रांः

वसंत १
भ. ४८।१ उ. [+७।० चतुर्थी व्र.
भ. १९।१५ यां. वक्री सिंहे भौमः +
अश्वि. मेषे बुधः २७।१४
[÷रेवत्यां शुक्रः ३५।५९ शीतलापूजा
भ. २०।२० उ. ४९।२० या.
रेवत्यां रविः ६।२५ (सौरः ८।३५) ÷
अप्रेल ४ ता. ३०
भ. ३७।४९ उ. रेवती १ शनिः ८।३४
भ. ४।५६ या. पापमोचनी ११ व्र. स्मा.
पापमोचनी ११ व्र. वै.
भ. ४१।५२उ. वक्रीपूफा.भौमः *
भ. ७।२९ या. [* ५०।९ प्रदोषः
भरण्यां बुधः २८।२६ मन्वादि

५१पं.चै.कृ.५श.इ.२४।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	०	९	११	११	५	११
१४	२८	१	२०	१३	१६	४	१४
५९	५५	३६	५१	५६	८	३५	५६
१०	१६	२२	४	१३	४६	३०	५८
५९	२८/१७	[illegible]	११	७४	७	३	५९
१९	व.	[illegible]	३१	३८	२०	११	१८

गोचर ग्रहाः

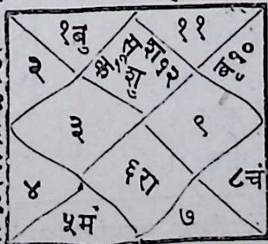

इस मास में चांवल गेहूं जौ चना रुई कपास वारदाना गुड़ शक्कर धृत तेल सोना चांदी ताम्बा आदि धातुओ में तेजी हो

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१३श.इ.२३/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	०	९	११	११	५	११
२१	२६	११	२२	२२	१७	४	२१
५३	४८	३	३	३७	३	१३	५१
३१	३२	५०	२६	३४	५८	१४	९
५९	२०/४	९६	९	७४	७	३	५९
४	व.	००	४७	३८	२०	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग-प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत-कलिः ५०९८ भोग्यकलिः ४२६९०२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५४ शाकः १९१९ अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः। मंत्री रविः। सस्येशो बुधः। धान्येशश्चंद्रः। मेघेशः शनिः। रसेशः शुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेशः शनिः। धनेशोभौमः। दुर्गेशः शनिः। एते दशाधिकारिणः। तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ४ विकृति नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत मासादिः ९।२०।२५।५९ भोग्यमासादिः २।९।४।१ त्वष्टृ दैवतं युगम्। वर्षनाम श्रावणः। मेघनाम संवर्तः रोहिणी निवासः संधौ। समयनिवासो वाणिक गृहे। समय विश्वा १२ समय वाहनम् बृषभः। स्तंभा ३ अन्नवायुतृणानां सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानु सप्तमी १ रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १५ तिथिवृद्धिः ८ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् ९ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १११ सत्यम्॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिः दृष्टिरुत्तरे ग्रहण १ चन्द्रमसः

संवत् २०५४ भाद्रपद शुक्ले १५ भौमवासरे

खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	४०	४३	४४	४५	४८
मध्य प.	३६	३४	४४	५४	५२
रे. घं.	१०	११	१२	१२	२
टा. मि.	४१	५३	२१	४९	०

वर्ष लग्नम् ४। २०

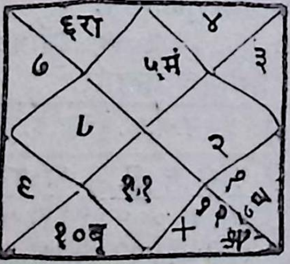

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे कालिका पूछे भैरवलाल ।
संवत् चोवन आइया शीघ्र कहो सब हाल ॥

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव चेतकर हाल कहुं समझाय ।
राजा कुज मंत्री रवि यह सब जग डरपाय ॥
मेघपति अरु फलपति गढ पति शनि महाराज ।
यह सुख से नहीं रहन दें बिगड़े सारे काज ॥
समय निवासो वैश्य घर रोहिणी संधि निवास ।
खंड वृष्टि का योग है कहीं कहीं वर्षा खास ॥
सौम्यदेव सस्येश है स्तम्भ लगे है तीन ।
बिगड़े काज सुधार दें इसमें मेषन मीन ॥
आषाढां हल जोत हो श्रावण जय जय कार ।
परमेश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	१४	८	५	२	१४	५
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ७।१६

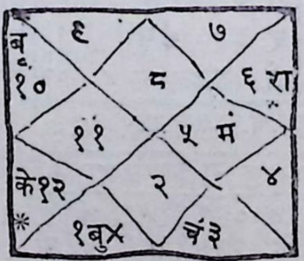

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३५।० केतकी मतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४८।२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः फलम् ।। भौमे नृपे वन्हिभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दुःखं प्रजाव्याधिवियोगपीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ।। मंत्री रविः फलम् ।। नृपभयंगदतोपिहि तस्करात्प्रचुरधान्यधनादि महीतले । रसचयं हि समर्घतमं सदा रविरमात्यपदं हि समागते ।। सस्येशोबुधस्तत्फलम् ।। जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगण श्रुतिपाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने ।। धान्यशश्चंद्रः फलम् ।। चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजापतेः । गोधूमा-सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरंतदा बहु ।। मेघेशः शनिः फलम् ।। रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरल वृष्टिवतीवसुधातदा । मनसितापकरो नृपति सदा विविधरोगरता जनता मता ।। रसेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः । सुखसुभिक्षसुमोदवतीधराधरणिपाहतपापगणप्रियाः । नीरसेशोबुधस्तत्फलम् ।। चित्रवस्त्रादिकञ्चैव शंखचंदनपूर्वकम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतनीरसेशोबुधोयदि ।। फलेशःशनिःफलम् ।। यदि शनिःफलयःफलहाभवेज्जनित पुण्यगणस्य द्रुमःसदा । हिमभयंवरतस्करजन्तुभी जनपदो गदराशि समाकुलः।। धनेशोभौमःफलम् ।। असममौल्यकरोधरणीसुतः शरदि तापकरस्तुषधान्यहन्त् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ।। दुर्गेशःशनिःफलम् ।। रविसुते गढ़पालिनिविग्रहैः सकलदेशगताश्चलिताजनाः । विविधवैरिविशेषितनागराः, कृषिधनंशलभैर्मु षितंभुवि ।। विकृतिनाम संवत्सरःफलम् । प्रकृतिर्विकृतिं याति विकृतिःप्रकृतितथा । तथापिसुखिनोलोका भृशं विकृतिवत्सरे ।। वर्षनामश्रावणःफलम् ।। मनोल्हादं प्रकुर्वन्तिंजनाः सौख्यसमायुताः । श्रावणे वृष्टिरत्युग्रागोमहिष्यादिकं सुखं ।। मेघनामसंवर्तःफलम् ।। संवर्तेजलपूरिता ।। रोहिणी निवासः संघौफलम् ।। खंडवृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासोवणिक्गृहेफलम् ।। वणिक्गृहेशुभंनास्ति । एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयंशुभाशुभम् ।।

संमत् २०५४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशांख मासः ।

शु. ३ शुक्रे मृगे ल. अन्यगो. रे. १० । । । । । । । । । ।

,, ८ बुधे मघा, ल. १ रे. ८ । । । ।ऽ। । ऽ। । व्यये शनिः

,, ११ रव्रौ हस्ते ल. गो. रे. ९ । । । । । । ।ऽ। । ।

,, १३ भौमे स्वा. ल. अन्यगो १ रे. ७ । ऽ ।। ऽ ।ऽ।।।
मेषे चं.७ पूज्यश्चौर पंचकश्च

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. २ शनौ मूले ल. गो. रे. ६ ।।।। ।। ऽ।।।

,, ४ चंद्रे उषा.ल.गो. रे.६ ।।। ऽ शु । ऽ अ ।ऽऽ । गणितेन क्रांति साम्याऽभावः शुक्रस्य पादतो वेधाऽभावः आवश्यके

,, ६ शुक्रे उभा. ल. १ रे. ७ ।।।। ऽऽचो ।ऽ।।

शु. ६ बुधे मघा. ल. अन्य गो. रे. ७ ।ऽ।।ऽऽ रो ।।।।

,, १३ बुधे अनु. ल. अन्यगो. २ रे. ६ ।।।।।ऽ।।। वृषे चं. ७ पूज्यः

आषाढ मासः ।

कृ. २ रवौ उषा. ल. गो. २ रे. ८ ।।।ऽबुऽ।।।। बुधस्य पादवेधा द्वेधाऽभावः

,, ६ गुरौ उभा. ल. २ रे. ७ ।।।ऽऽअ ।ऽ।।

,, ७ शुक्रे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽ।ऽ।ऽदग्ध.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ७ शुक्रे मघा.ल.७ रे. ८।।ऽ।। पादवेधाद्गुरोर्वेधाभावः

,, १० चंद्रे हस्ते ल. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ११ भौमे हस्ते ल. अन्यगो. (मं. शु. ८ दोषः) रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। तुला लग्न ध. ५४।१७ या.

शु. ६ चंद्रे उभा. ल. गो. रे.६।।।।ऽनु ।।।। मं. बु.८दोषः

माघ मासः ।

कृ. १० शुक्रे अनु. ल. ७।६ रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।

शु. ४ शनौ उभा. ल. ८।६ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ९ शुक्रे रोहि. ल. ८ रे. ।।।।।।ऽऽ।चं. ७पू. गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः

अग्रे गुर्वस्तो मीनाऽर्कश्च

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेहर्गण१८२९ स. १९९७
१	मं	१६	४६	अ	४२	४१	वै	१०	२९	ब	१६	४६	३१/१८	५/४४	६/१६	१८	२९	८	मेषे	चंद्र दर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	बु	१०	२६	भ	४०	७	वि	२/३७	५३/३३	कौ	१०	२६	२२	४४	१६	१९	१	९	बृ.५४।४३	जिल्हेज १२ सिंधारा. मत्स्यजयंती
३	गु	५	४६	कृ	३८	३०	आ	५१	१०	ग	५	४६	२६	४३	१७	२०	२	१०	वृषे	भ. ३४।२१ उ. उ. गणगौरी
४	शु	२	५६	रो	३९	१०	सौ	४७	९	वि	२	५६	३०	४२	१८	२१	३	११	वृषे	भ. २।५६ या. अश्वि.मेषे शुक्रः २२।४१
५	श	२	१९	मृ	४१	४०	शो	४६	५९	बा	२	१९	३४	४१	१९	२२	४	१२	मि. १०/५	
६	र	३	४६	आ	४६	२२	अ	४६	४६	तै	३	४६	३८	४०	२०	२३	५	१३	मिथुने	अश्वि. मेषेऽर्कः ४०।२५ (सौरः ४३।८ B
७	चं	७	१४	पु	५२	७	सु	४७	४३	व	७	१४	४२	४०	२०	२४	६	१४	क. ३५/४३	भ. ७।१४उ.३९।३९या घक्री बुध २५।५५
८	मं	१२	३	पु	५९	२२	धृ	४९	४८	ब	१२	३	४६	३९	२१	२५	७	१५	कर्के	[C १५।५९भरण्यांशुक्रः८।२५ उफा.२ D
९	बु	१८	०	श्ले	६०	०	शू	५२	१३	कौ	१८	०	५०	३८	२२	२६	८	१६	कर्के	बुधास्तः पश्चिमायां ४९।२ रामनवमी
१०	गु	२४	१४	श्ले	६	४५	गं	५४	४५	ग	२४	१४	५३	३७	२३	२७	९	१७	सिं.६।४५	भ. ५७।२३ उ. उदयं शनेः १५।९
११	शु	३०	३२	म	१४	२३	बृ	५६	५०	वि	३०	३२	५७	३७	२३	२८	१०	१८	सिंहे	भ. ३०।३२ या कामदा ११ व्र.
१२	श	३६	२७	पू	२१	३४	ध्रु	५८	४१	ब	३	२९	३२/१	३६	२४	२९	११	१९	कं.३/८	[D राहुःपूभा.४केतुः११।४५हनुमज्जयंती
१३	र	४१	३४	उ	२८	११	व्या	५९	२८	कौ	९	०	५	३५	२५	३०	१२	२०	कन्यायां	प्रदोष व्रतम् [B धनि. १ गुरुः ०।१७
१४	चं	४५	२०	ह	३३	२८	ह	५९	२६	ग	१३	२७	९	३४	२६	१	१३	२१	कन्यायां	भ. ४५।२० उ. भा. वैशाखारंभः
१५	मं	४८	८	चि	३७	४१	व	५८	३०	वि	१६	४४	१२	३४	२६	२	१४	२२	तु. ५।३५	भ. १६।४४ या.वक्री अश्विन्यां बुधः C

१ पं.चै.शु.६र.इ. ४०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	११
०	२४	१५	२३	२	१८	३	२९
०	४५	५१	२५	५१	३	४७	५७
०	३२	५४	१	४०	२६	६	२१
५८	१३/४६	४	८	७४	७	३	५८
४४	व.	३	५०	३८	१४	११	४५

गोचर ग्रहाः

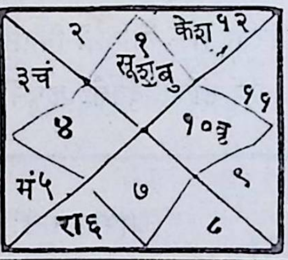

चैत्र शुक्ले६ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ३ प्रगल्भावस्था(वैठी) मु. १५ धान्यादि भावेमहर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२पं.चै.शु १३र इ.४०।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	०
६	२३	१४	२४	११	१८	३	६
५०	४७	१२	२६	३०	५४	२४	४७
४२	१०	५८	१७	५८	४३	५०	३२
५८	५/३७	३३/२०	७	७४	७	३	५८
३१	व.	व.	५९	३२	८	११	२९

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	४९	२९	स्वा	४०	४५	सि	५६	४२	बा	१८	४८	३२/१६	५/३३	६/२७	३	१५	२३	तुलायां	[B शुक्रोदयः पश्चिमायां ४५।३६
२	गु	४९	४९	वि	४२	४०	व्य	५३	५४	तै	१९	४७	२०	३२	२८	४	१६	२४	वृ. २७/११	
३	शु	४९	२	अ	४३	३१	व	५०	२८	व	१९	२५	२३	३१	२९	५	१७	२५	वृश्चिके	भ. १९।२५ उ. ४९।२ या.
४	श	४७	१०	ज्ये	४३	३३	प	४६	९	ब	१८	५	२७	३१	२९	६	१८	२६	ध. ४/३३	मार्गी. भौमः २१।१४ चतुर्थी व्रतम्
५	र	४४	३७	मू	४२	३७	शि	४१	२४	कौ	१५	५१	३१	३०	३०	७	१९	२७	धनुषि	भरण्यां रविः २०।३९ (सौरः २४।३३ B
६	चं	४१	१७	पू	४१	४	सि	३५	५२	ग	१२	५७	३४	२९	३१	८	२०	२८	म.५५।२९	भ. ४१।१७ उ.
७	मं	३७	२३	उ	३८	४४	सा	२९	५०	वि	९	२०	३८	२८	३२	९	२१	२९	मकरे	भ. ९।२० या. रेवती २ शनिः ८।२३
८	बु	३२	४२	श्र	३५	४९	शु	२३	१३	बा	५	३	४१	२८	३२	१०	२२	३०	मकरे	
९	गु	२७	२८	ध	३२	१६	शु	१६	२	तै	०	५	४५	२७	३३	११	२३	१	कुं. ४।२	भ. ५४।२५ उ. मई ५ ता. ३१
१०	शु	२१	२३	श	२८	२	ब्र	८	२१	वि	२१	२३	४८	२६	३४	१२	२४	२	कुम्भे	भ. २१।२३ यां कृत्ति शुक्रः ५७।२०
११	श	१४	४३	पू	२३	१६	ऐं	०/१६	५१/३०	बा	१४	४३	५२	२६	३४	१३	२५	३	मी. ९।२८	बुधोदयः पूर्वस्यां ४७।२९ वरूथिनी११व्र.
१२	र	७	४६	उ	१८	१४	वि	४३	२४	तै	७	४६	५५	२५	३५	१४	२६	४	मीने	प्रदोषः
१३	चं	०	५३	रे	१३	२४	प्री	३५	१७	व	०	५३	५८	२४	३६	१५	२७	५	मे.१३।२४	भ. ०।५३उ. २६।२९ या. बृषे शुक्रः ३९।४
१४	चं	५३	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	मं	४८	१६	अ	९	६	आ	२७	५५	च	२१	१०	३३/२	२४	३६	१६	२८	६	मेषे	

३पं.वै.कृ.५ र.इ. ४०।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	०
१३	२३	१०	२५	२०	१९	३	१३
३९	२२	०	२२	१०	४५	२	३५
४७	१२	७	४८	८	१४	३५	५७
५८	१/१९	३९/५७	६	७४	६	३	५८
१९	मा.	व.	५१	३२	५६	११	१२

गोचर ग्रहाः

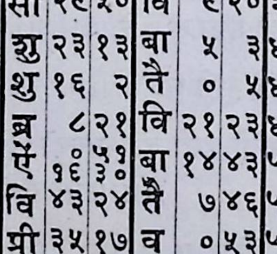

इस मास में सोना चांदी आदि धातुओ में मंदी गल्ला जो चनामटर मूंग चावल मंदा हो कर तेजी हो

गोचर ग्रहाः

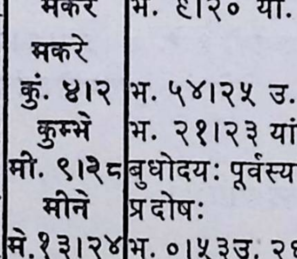

४पं.वै.कृ १२र.इ. ४१।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	०	११	५	०
२०	२३	६	२९	२८	२०	२	२०
२७	३४	१५	११	४८	३४	४०	२२
२५	३०	३२	३५	७	१९	१९	४०
५८	७	२२/१२	६	७४	६	३	५७
६	८	व.	१	३२	३८	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेहर्गण:१८५८सन् १९९७
१	बु	४३	२३	भ	५	३४	सौ	२१	८	किं	१५	४९	३३/५	५/२३	६/३७	१७	२९	७	बृ.१९।५६	[A १४।१८ हि. अक्षया ३ परशुराम ज.
२	गु	४०	१२	कृ	३	६	शो	१५	४५	बा	११	४७	८	२२	३८	१८	३०	८	वृषे	चंद्र दर्शनम्
३	शु	३८	५५	रो	२	०५	अ	११	४४	तै	९	३४	११	२२	३८	१९	१	९	मि. ३३/११	वनि. २ गुरु: ६।१५ मोहोरम १ सन् A
४	श	३९	२९	मृ	४	२०	सु	९	७	व	९	१३	१४	२१	३९	२०	२	१०	मिथुने	भ. ९।१३ उ. ३९।२९ या. मार्गी C
५	र	४१	५९	आ	७	३१	धृ	८	१५	ब	१०	४४	१७	२१	३९	२१	३	११	क.५६।७	कृत्ति. रवि: ६।३५ (सौर १२।२५)
६	चं	४६	५	पु	१२	१८	शू	८	३३	कौ	१४	२	२०	२०	४०	२२	४	१२	कर्के	[C बुध: ४१।३८
७	मं	५१	३२	पु	१८	४१	गं	९	५३	ग	१८	४९	२३	१९	४१	२३	५	१३	कर्के	भ. ५१।३२ उ. रोहि. शुक्र: ४६।४४
८	बु	५७	३४	श्ले	२५	४२	वृ	११	४९	वि	२४	३३	२६	१९	४१	२४	६	१४	सि. २५/४२	भ. २४।३३या वृषेऽर्क:३३।५० ÷
९	गु	६०	०	म	३२	१९	ध्रु	१४	२३	बा	३०	३७	२८	१९	४१	२५	७	१५	सिंहे	[÷ (सौर: ४०।१२)
९	शु	३	४६	पू	४०	५५	व्या	१६	३८	कौ	३	४६	३१	१८	४२	२६	८	१६	कं.५७।३८	
१०	श	९	४४	उ	४७	४७	ह	१८	४३	ग	९	४४	३४	१७	४३	२७	९	१७	कन्यायां	भ. ४२।३ उ.
११	र	१४	४२	ह	५३	१९	व	१९	४७	वि	१४	४२	३७	१७	४३	२८	१०	१८	कन्यायां	भ. १४।४२ या. मोहिनी ११ व्रतम्
१२	चं	१८	२५	चि	५७	२९	सि	१९	५८	बा	१८	२५	३९	१६	४४	२९	११	१९	तु २५।२४	प्रदोष :
१३	मं	२०	४३	स्वा	६०	०	व्य	१८	५२	तै	२०	४३	४२	१६	४४	३०	१२	२०	तुलायां	नृसिंह १४
१४	बु	२१	१२	स्वा	०	८	व	१६	३७	व	२१	१२	४४	१५	४५	३१	१३	२१	वृ.४६।२	भ. २१।१२ उ. ५०।४८ या.
१५	गु	२०	२३	वि	१	२०	प	१३	१९	ब	२०	२३	४७	१५	४५	१	१४	२२	वृश्चिके	भा. ज्येष्ठारंभ: यमायसान्न जलकुंभदानं

५पं.वै.शु.५र.इ.४१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	९	१	११	५	०
२७	२४	६	२६	७	२१	२	२७
१३	२०	१३	५२	२४	२१	१८	७
३७	४२	५५	४१	११	०	४	५४
५७	१२	४३/१	४	७४	६	३	५७
५४	१२	मा	५३	२६	२६	११	४५

गोचर ग्रहाः

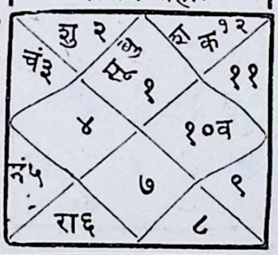

वैशाख शुक्लें ८ बुधे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

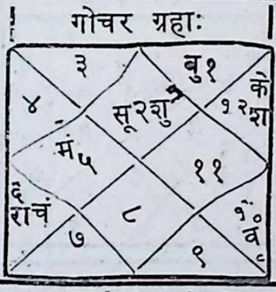

६पं.वै.शु.११र.इ. ४१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	९	१	११	५	१
३	२५	९	२७	१६	२२	१	३
५८	३७	३०	२६	०	५	५५	५१
३७	१६	५०	६	३६	४६	४८	३५
५७	१६	३३	४	७४	६	३	५७
४४	५९	३४	४५	२६	८	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	शु	१८	१०	अ	१/३	५८/४५	शि	८	५९	कौ	१८	१०	३३/४९	५/१४	६/४६	२	१५	२३	ध.५९।५८	भरण्यां बुधः २८।१२उफा.भौम:४०।५७
२	श	१४	५३	मू	५७	५३	सि	३/४१	५४/१५	ग	१४	५३	५२	१४	४६	३	१६	२४	धनुषि	भ. ४२।४७ उ. रोहि. रविः ५७।२४ ×
३	र	१०	४१	पू	५५	१६	शु	५१	३४	विं	१०	४१	५४	१३	४७	४	१७	२५	धनुषि	भ.१०।४१या.रोहि.रवि:सौर:६।२० ÷
४	चं	५	५५	उ	५२	२०	शु	४४	५२	बा	५	५५	५६	१३	४७	५	१८	२६	म. ९।३२	[÷ च. व्र. [× मृगे शुक्र: ४०।९
५	मं	१	७	श्र	४९	८	ब्र	३८	७	तै	१	७	५८	१२	४८	६	१९	२७	मकरे	भ. ५५।५७ उ.
६	मं	५४	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५०	५१	ध	४५	४६	ऐं	३१	१८	वि	२३	२४	३४/००	१२	४८	७	२०	२८	कुं.१७।२७	भ. २३।२४ या. [÷ चंद्र व्र.
८	गु	४५	३९	श	४२	२९	वै	२४	१७	बा	१८	१५	२	१२	४८	८	२१	२९	कुंभे	[B बुधः १३।३१ कन्यायां भौमः ५।१७
९	शु	४०	११	पू	३८	५७	वि	१७	१७	तै	१२	५५	३	११	४९	९	२२	३०	मी. २४/५०	मिथुने शुक्र: ७।४०
१०	श	३४	४४	उ	३५	४०	प्री	१०	८	व	७	२८	५	११	४९	१०	२३	३१	मीने	भ. ७।२८उ. ३४।४४ या. रेवती. ३ A
११	र	२९	२९	रे	३२	२२	आ	३/२२	५३/१४	ब	२	६	७	११	४९	११	२४	१	मे.३२।२२	जून ६ ता. ३० अपरा ११ व्र.
१२	चं	२४	३२	अ	२९	२९	शो	५०	२६	तै	२४	३२	९	१०	५०	१२	२५	२	मेषे	प्रदोषः [A शनिः १०।४८
१३	मं	२०	१४	भ	२७	१९	अ	४४	३६	व	२०	१४	१०	१०	५०	१३	२६	३	वृ.४१।५३	भ. २०।१४ उ. ४८।२० या. कृति. B
१४	बु	१६	२५	कृ	२५	३८	सु	३९	४२	श	१६	२५	१२	१०	५०	१४	२७	४	वृषे	आर्द्रा. शुक्र: ३०।५८
३०	गु	१४	२	रो	२५	२८	धृ	३५	५२	ना	१४	२	१३	९	५१	१५	२८	५	मी. ५५/५९	बृषे बुध : ३३।२ वट सावित्री व्रतम्

७पं.ज्ये.कृ. ३र.इ.४१।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	९	१	११	५	१
१०	२७	१५	२७	२४	२२	१	१०
४२	२०	३७	५१	३६	४८	३३	३३
२३	३८	१	२९	११	१४	३२	४६
५७	२०	६१	२	७४	५	३	५७
३५	१२	३६	२६	२०	४७	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास में सोना चांदी आदि धातुये रूई पाट वारदाना में तेजी होगी अनाज चावल गेहूं बाजरा आदि में मन्दी होकर शुक्ल पक्ष में तेजी

गोचर ग्रहाः

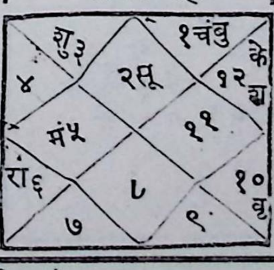

८पं.ज्ये.कृ.११र.इ.४१।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	९	२	११	५	१
१७	२९	२४	२८	३	२३	१	१७
२५	२७	२८	६	१०	२८	११	१४
२९	५०	२५	४०	३७	५	१७	५२
५७	२३	८६	१	७४	५	३	५७
२७	६	१	७	१४	२०	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१८८८ सन्१९९७
१	शु	१२	५६	मृ	२६	३१	शू	३३	२	ब	१२	५६	३४/१५	५/९	५ ६/१	१६	२६	६	मिथुने	चंद्र दर्शनम्
२	श	१३	२३	आ	२९	१६	गं	३१	४८	कौ	१३	२३	१६	९	५११	१७	१	७	मिथुने	मृगे रविः ५२।१७ सफर २
३	र	१५	४३	पु	३३	३४	वृ	३१	७	ग	१५	४३	१७	९	५११	१८	२	८	क१७।२९	भ. ४७।३१ उ. मृगे रविः सौरः ५।१० ×
४	चं	१९	२०	पु	३९	२१	ध्रु	३२	२	वि	१९	२०	१८	८	५२	१९	३	९	कर्के	भ. १९।२० या. [× वक्री गुरुः १८।५
५	मं	२४	२७	श्ले	४५	५८	व्या	३३	४६	बा	२४	२७	१९	८	५२	२०	४	१०	सिं. ४५/५८	[D गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
६	बु	३०	३	म	५३	३०	ह	३६	८	तै	३०	३	१९	८	५२	२१	५	११	सिंहे	रोहि. बुधः ७।४७
७	गु	३६	१८	पू	६०	०	व	३८	३४	ग	३	१०	२०	८	५२	२२	६	१२	सिंहे	भ. ३६।१८ उ.
८	शु	४२	३०	पू	०	५१	सि	४१	१	वि	९	२४	२१	८	५२	२३	७	१३	कं. १५/३९	भ. ९।२४ या.
९	श	४७	४३	उ	८	३	व्य	४२	४५	बा	१५	७	२१	८	५२	२४	८	१४	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः ५०।५१ बुधास्तः पूर्वस्यां ५४/४०
१०	र	५१	४०	ह	१४	२८	व	४३	४७	तै	१९	४७	२२	८	५२	२५	९	१५	तु. ४६/५०	मिथुनेऽर्कः सौरः ५।५८ पुन. शुक्रः ÷
११	चं	५४	१६	चि	१९	१४	प	४२	५९	व	२२	५८	२२	८	५२	२६	१०	१६	तुलायां	भ. २२।५८ उ. ५४।१६ या. निर्जला +
१२	मं	५४	४९	स्वा	२२	३२	शि	४१	८	ब	२४	३२	२३	७	५३	२७	११	१७	तुलायां	मृगे बुधः ५३।१७ निर्जला ११ व्र. नि.
१३	बु	५३	३२	वि	२३	५२	सि	३७	४७	कौ	२४	१०	२३	७	५३	२८	१२	१८	वृ. ८।३२	प्रदोषः [÷ २७।३२ गंगा १०
१४	गु	५०	३१	अ	२३	२३	सा	३३	६	ग	२२	२	२३	७	५३	२९	१३	१९	वृश्चिके	भ. ५०।३१ उ. [+ ११ व्र. स्मा. वै.
१५	शु	४५	५९	ज्ये	२१	२७	शु	२७	६	वि	१८	१५	२४	७	५३	३०	१४	२०	ध. ३१/३७	भ. १८।१५ या. मिथुनें बुधः ५९।३१ D

९ पं.ज्ये.शु.३र.इ.४१।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	९	२	११	५	१
२४	१	५	२८	११	२४	०	२३
७	५८	३८	१३	४४	३	४९	५४
१९	१२	३८	३७	४९	५४	१	४८
५७	२५	७/०	०/४	७४	५	३	५७
२२	४४	२३	व.	८	५४	११	५

गोचर ग्रहाः

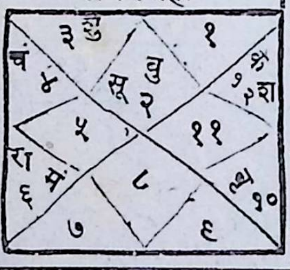

ज्येष्ठशुक्ले ९ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१० पं.ज्ये.शु.१०र.इ. ४१/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	९	२	११	५	२
०	४	१८	२८	२०	२४	०	०
४८	४१	४२	१०	१७	३७	२६	३३
३६	४१	५०	४८	३१	५	४६	५७
५७	२७	७/४८	२५/१	७४	४	३	५६
१७	५५	२५	व.	२	२७	११	५७

ति.	आषाढ कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	४०	२१	मू	१८	९	शु	२०	१५	बा	१३	९	३४/२४	५/७	५ ६/३	३१	१५	२१	धनुषि	आर्द्रा. रविः ४९।४६[E ३८।३८ च. व्र.
२	र	३३	४८	पू	१३	५८	ब्र	१२	३१	तै	७	४	२४	७	५३	१	१६	२२	म. २७/४९	आर्द्रा.रविःसौरः७।३१ भा. आषाढ़ारंभः
३	चं	२७	७	उ	९	२१	ऐं	४/२९	५२/४	व	०	२८	२४	७	५३	२	१७	२३	मकरे	भ. २८ उ. २७।७ या. कर्के शुक्रः E
४	मं	२०	१२	श्र	४	४०	वि	४८	३१	बा	२०	१२	२४	७	५३	३	१८	२४	कुं. ३२/२१	आर्द्रा. बुधः ७।१५ उफा. १ सिंहे राहुः÷
५	बु	१३	४८	ध	०/२	५५/४४	प्री	४०	३९	तै	१३	४८	२३	७	५३	४	१९	२५	कुम्भे	[÷ पूभा. ३ कुंभे केतूः ६।३०
६	गु	७	४३	पू	५२	१०	आ	३३	२३	व	७	४३	२३	७	५३	५	२०	२६	मी. ३८।४	भ. ७।४३ उ. ३४।५५ या. पुष्ये शुक्रः ३५/३७
७	शु	२	७	उ	४९	४	सौ	२६	१८	ब	२	७	२२	८	५२	६	२१	२७	मीने	हस्ते भौमः ४८।१०
८	शु	५४	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श	५२	३१	रे	४६	३२	शो	१९	५९	तै	२४	५०	२२	८	५२	७	२२	२८	मे. ४६/३२	
१०	र	४८	५७	अ	४४	४८	अ	१४	२	व	२०	४८	२१	८	५२	८	२३	२९	मेषे	भ. २०।४८ उ. ४८।५७ या.
११	चं	४५	५९	भ	४३	३८	सु	८	४७	ब	१७	२८	२०	८	५२	९	२४	३०	वृ. ५८/३२	पुन.बुधः ११।१७ योगिनी ११ व्र.स्मा.वै.
१२	मं	४३	५५	कृ	४३	१३	धृ	४	५	कौ	१४	५७	१९	८	५२	१०	२५	१	वृषे	जौलाई ७ ता.३१ योगिनी ११ व्र. नि.
१३	बु	४२	४८	रो	४४	०	शू	१६/०	५६/५४	ग	१३	२१	१८	८	५२	११	२६	२	वृषे	भ, ४२।४८ उ, प्रदोषः
१४	गु	४२	४६	मृ	४५	५८	वृ	५४	५२	वि	१२	४७	१७	९	५१	१२	२७	३	मि. १४/५९	भ. १२।४७ या.
३०	शु	४३	५८	आ	४८	५४	ध्रु	५३	५८	च	१३	२२	१६	९	५१	१३	२८	४	मिथुने	देवपितृ कार्याऽमा.

११पं.आ.कृ.२र.इ.४१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	९	२	११	५	२
७	७	३	२७	२८	२५	०	७
२९	४२	३७	५८	४९	५	४	१२
३१	१८	४१	३०	५१	४६	३०	२४
५७	२९	७/०	४४/२	७३	३	३	५६
१३	४६	५०	व.	५५	४९	११	५४

गोचर ग्रहाः

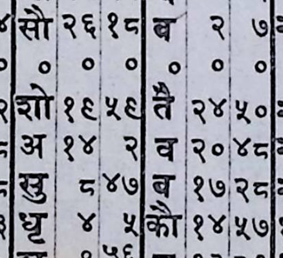

आषाढ शुक्ले ११ बुधे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

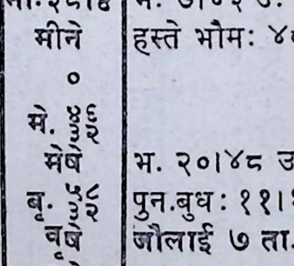

१२पं.आ.कृ.१० र.इ. ४१/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	९	३	११	४	२
१४	१०	१८	२७	७	२५	२९	१३
९	५९	५७	३७	२१	३०	४२	५०
५८	४९	२९	५९	११	४०	१४	२९
५७	३१	७/४८	५७/३	७३	३	३	५६
७	३८	२५	व.	५०	१६	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्ल पक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः १९१७ स.१९९७
१	श	४६	३२	पु	५३	१९	व्या	५३	१७	किं	१५	१५	३४/१५	५/९	६/५१	१४	२९	५	क. ३७/१३	पुन. रविः ४८।३६ कर्के बुधः ०।२१
२	र	५०	२०	पु	५८	४७	ह	५४	९	बा	१८	२६	१४	९	५१	१५	३०	६	कर्के	पुन. रविः सौरः ११।३३ पुष्ये बुधः A
३	चं	५५	२५	श्ले	६०	०	व	५५	३७	तै	२२	५३	१३	९	५१	१६	१	७	कर्के	आश्ले.शुक्रः२१।२ बुधोदयःपश्चिमायां D
४	मं	६०	०	श्ले	५	८	सि	५७	२४	व	२८	११	११	१०	५०	१७	२	८	सिं.५।८	भ. २८।११उ. [D १०।५९ रविलावल
४	बु	०	५८	म	१२	१७	व्य	६०	०	वि	०	५८	१०	१०	५०	१८	३	९	सिंहे	भ. ०।५५ या
५	गु	७	३	पू	१९	५८	व्य	०	३	बा	७	३	८	१०	५०	१९	४	१०	कं.३६।५२	[A ४१।२६ चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
६	शु	१३	२२	उ	२७	३४	व	२	४३	तै	१३	२२	७	११	४९	२०	५	११	कन्यायां	• [× ४४।१७) देवशयनी ११ व्र.
७	श	१९	११	ह	३४	३२	प	५	२	व	१९	११	५	११	४९	२१	६	१२	कन्यायां	भ. १९।११उ. ५१।३१ या. वक्री धनि ❊
८	र	२३	५१	चि	४०	१९	शि	६	३२	ब	२३	५१	३	११	४९	२२	७	१३	तु.७।२५	आश्ले. बुधः ५८।१ [❊ १ गुरु. ३।५७
९	चं	२७	८	स्वा	४४	४२	सि	६	५८	कौ	२७	८	१	१२	४८	२३	८	१४	तुलायां	[+ ४७।२० वायु परीक्षा
१०	मं	२८	२६	वि	४७	२०	सा	६	१३	ग	२८	२६	३३/५९	१२	४८	२४	९	१५	वृ.३१।४१	भ. ५८।१० उ.
११	बु	२७	५३	अ	४७	४६	शु	५३/४	५६/५	वि	२७	५३	५७	१३	४७	२५	१०	१६	वृश्चिके	भ. २७।५३ या. कर्केऽर्कः १८।२ (सौर×
१२	गु	२५	६	ज्ये	४६	२६	ब्र	५४	३१	बा	२५	६	५५	१३	४७	२६	११	१७	ध.४६।२६	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	शु	२०	३६	मू	४३	१७	ऐं	४७	३४	तै	२०	३६	५२	१४	४६	२७	१२	१८	धनुषि	मघा. सिंहे शुक्रः २३।४८
१४	श	१४	१६	पू	३८	२८	वै	३९	१५	व	१४	१६	५०	१४	४६	२८	१३	१९	म.५१।५८	भ. १४।१६ उ. ४०।२६ या. पुष्ये रविः+
१५	र	६	३६	उ	३२	३५	वि	३०	१६	व	६	३६	४८	१४	४६	२९	१४	२०	मकरे	पुष्ये रविः सौरः ३४/५८ व्यासपूजा गुरु १५

१३ पं.आ.शु.२२र.इ. ४१/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	९	३	११	४	२
२०	१४	३	२७	१५	२५	२९	२०
३०	२३	२०	७	५१	५१	१९	२८
२४	४२	१०	१४	२९	१४	५९	२४
५७	३३	०/९	५/४	७३	२	३	५६
७	००	४२	व.	४०	३१	११	५०

१४पं.आ.शु.८र.इ. ४१/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	९	३	११	४	२
२७	१८	१६	२६	२४	२६	२८	२७
३०	१	१०	३०	२०	६	५७	६
४३	८	४०	४	४६	३६	४३	३०
५७	३४	१/०	६/७	७३	१	३	५६
११	७	५२	व.	२४	५३	११	५४

१५ पं.आ.शु.१५र.इ. ४१/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	९	४	११	४	३
४	२१	२७	२५	२	२६	२८	३
११	४८	३१	४६	४७	१७	३५	४४
२८	२२	४८	१	४६	३१	२८	५७
५७	३५	९०	४/६	७३	१	३	५६
१५	१३	३१	व.	१४	१४	११	५८

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेआषाढ़कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	५१	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५५।३७वक्रीशनिः२६।५५अगस्त८ता.३१
२	चं	४९	४४	श्र	२६	३	प्री	२०	४९	तै	२४	५	३३/४५	५/१५	६/४५	३०	१५	२१	कुं.५२।४६	
३	मं	४१	२०	ध	१९	२९	आ	११	६	व	१५	३२	४३	१५	४५	३१	१६	२२	कुम्भे	भ. १५।३२ उ. ४१।२० या. मघा. ×
४	बु	३३	१७	श	१३	२२	सौ	१/५९	५०/५५	ब	७	१९	४०	१६	४४	१	१७	२३	मी.५५।७	चित्रा. भौमः १७/२२ भा.श्रावणारंभः चं. व्र.
५	गु	२६	१०	पू	९	२	अ	४४	२२	तै	२६	१०	३८	१६	४४	२	१८	२४	मीने	नाग ५ मरुस्थले [× सिंहे बुधः १९।२९
६	शु	१९	५७	उ	३	२८	सु	३६	५०	व	१९	५७	३५	१७	४३	३	१९	२५	मीने	भ. १९।५७ उ. ४७।३२ या.
७	श	१५	८	रे	०/८	५७/४६	धृ	३०	२३	ब	१५	८	३३	१७	४३	४	२०	२६	मे.०।८	
८	र	११	२०	भ	५६	५९	शू	२४	५८	कौ	११	२०	३०	१८	४२	५	२१	२७	मेषे	
९	चं	८	५८	कृ	५७	८	गं	२०	३४	ग	८	५८	२७	१९	४१	६	२२	२८	वृ.१२।१	भ. ३८।१९ उ.
१०	मं	७	४०	रो	५८	४७	वृ	१७	११	वि	७	४०	२४	१९	४१	७	२३	२९	वृषे	भ. ७।४० या. पूफा. शुक्रः २५।२५
११	बु	७	३५	मृ	६०	०	ध्रु	१४	४७	बा	७	३५	२२	२०	४०	८	२४	३०	मि. ३०/३९	कामिका ११ व्र.
१२	गु	८	५०	मृ	२	२५	व्या	१३	१४	तै	८	५०	१९	२०	४०	९	२५	३१	मिथुने	प्रदोषः
१३	शु	११	५	आ	५	१६	ह	१७	४६	व	११	५	१६	२१	३९	१०	२६	१	क. ५३/४९	भ. ११।५ उ. ४२।५० या. पूफा. बुधः÷
१४	श	१४	३५	पु	१०	०	व	१२	५८	श	१४	३५	१३	२१	३९	११	२७	२	कर्के	आश्ले. रविः ४४।२१
३०	र	१८	५४	पु	१५	४६	सि	१३	३४	ना	१८	५४	१०	२२	३८	१२	२८	३	कर्के	आश्ले. रविः सौरः १५।४५ हरियाली ३०

१६ पं.श्रा.कृ.८र.इ. ४१।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	९	४	११	४	३
१०	२५	७	२४	११	२६	२८	१०
५२	४४	८	५६	१३	२३	१३	२४
३०	३१	१०	३५	१२	२८	१२	१४
५७	३६	७२	३७/२	७२	०	३	५७
२०	९	३६	व.	५६	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

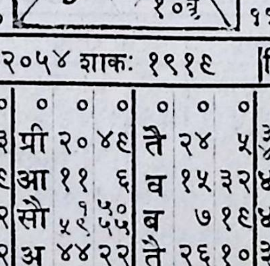

सोमवाराः यदा पंच चांद्र मासे भवन्तिहि धनधान्यं समृद्धिः स्यात् सुख सर्वत्र सुन्दरम् इस मास में धातु तेज वर्षा श्रेष्ठ हो।

गोचर ग्रहाः

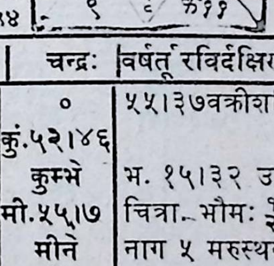

१७पं.श्रा.कृ.३०र.इ. ४०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	९	४	११	४	३
१७	२९	१४	२४	१९	२६	२७	१७
३९	३८	५५	३	३७	२४	५०	४
१२	४	८	४३	२६	७	५६	२
५७	३६	५१	५/२	७२	१/०	३	५७
२५	५९	४१	व.	३७	व.	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९४७ स, १९९७
१	चं	२४	५	श्ले	२२	१७	व्य	१५	१७	ब	२४	५	३३/७	५/२३	६/३७	१३	२९	४	सिं २३/१७	तुलायां भौमः १०।३
२	मं	२९	४७	म	२९	१९	व	१७	१३	कौ	२९	४७	४	२३	३७	१४	३०	५	सिंहे	चन्द्र दर्शनम् सिंधारा
३	बु	३५	५९	पू	३६	४९	प	१९	३८	तै	२	५३	०	२४	३६	१५	१	६	कं ५४।१	रविलाखर ४ तीज
४	गु	४२	२३	उ	४५	३५	शि	२१	६	व	९	११	३२/५७	२५	३५	१६	२	७	कन्यायां	भ. ९।११उ.४२।२३ या. वरद चतुर्थी
५	शु	४८	२९	ह	५१	५९	सि	२४	४०	ब	१५	२६	५४	२५	३५	१७	३	८	कन्यायां	नागपंचमीं
६	श	५३	२८	चि	५८	३०	सा	२६	५४	कौ	२०	५८	५०	२६	३४	१८	४	९	तु. २५/१४	उफा. शुक्रः ३५।६ वक्री श्रबरा ४ गुरु. १६/५५
७	र	५७	४२	स्वा	६०	०	शु	२८	९	ग	२५	३२	४७	२७	३३	१९	५	१०	तुलायां	भ. ५७।४२ उ. [× ११ व्रतम् स्मा
८	चं	६०	०	स्वा	४	१०	शु	२८	२३	वि	२८	४८	४४	२७	३३	२०	६	११	वृ. ५२।७	भ. २८।४८ या.
८	मं	०	२	वि	८	६	ब्र	२७	१९	ब	०	२	४०	२८	३२	२१	७	१२	वृश्चिके	कन्यायां शुक्रः २१।२३
९/१०	बु	५८/०	४२/३८	अ	१०	१७	ऐं	२५	५२	कौ	०	४२	३७	२९	३१	२२	८	१३	वृश्चिके	[÷ सिंहेऽर्कः सौरः १२।१०
११	गु	५५	५८	ज्ये	१०	३२	वै	२०	५१	व	२७	३९	३३	२९	३१	२३	९	१४	ध. १०/३२	भ. २७।३९ उ. ५५।५८ या. पवित्रा ×
१२	शु	५०	२१	मू	८	४८	वि	१५	७	ब	२३	१०	३०	३०	३०	२४	१०	१५	धनुषि	स्वात्यां भौमः ११।१९ पवित्रता ११..व्र.
१३	श	४३	६	पू	४/५६	५४/३२	प्री	७/५०	५१/१८	कौ	१६	४३	२६	३१	२९	२५	११	१६	म. ३८/३४	मघा. सिंहेऽर्कः ३८।२३ प्रदोषः
१४	र	३४	३५	श्र	५२	५५	सौ	४९	२२	ग	८	५०	२२	३२	२८	२६	१२	१७	मकरे	भ. ३४।३५ उ. ५९।५२ या. मघा. ÷
१५	चं	२५	८	ध	४५	२४	शो	३८	५४	ब	२५	८	१९	३२	२८	२७	१३	१८	कुं. १९।९	श्रावणी कर्म. रक्षा वन्धनम्

१८पं.श्रा.शु. ७र.इ.४०।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	९	४	११	४	३
२४	३	२०	२३	२७	२६	२७	२३
१६	५७	१८	९	५९	२०	२८	४५
३७	५४	१८	०	२	५६	४१	९
५७	३७	३७	५ ६/२	७२	५ ०/४	३	५७
३३	५५	३६	व.	१०	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

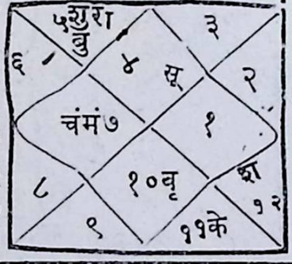

श्रावण शुक्ले १३ शनौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती)मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायांम्

गोचर ग्रहाः

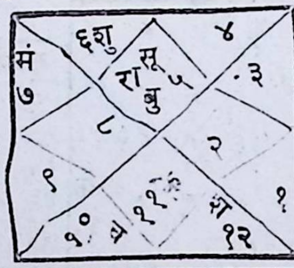

१९ पं.श्रा.शु.१४ र.इ. ४०/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	५	११	४	४
०	८	२२	२२	६	२६	२७	०
५९	१६	२७	१५	१९	११	६	२७
५३	३७	४३	०	१६	१०	२५	२२
५७	३८	१७	५ ६/२	७१	३ १/९	३	५७
४०	४९	२९	व.	५५	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेतिः महाः
१	मं	१५	२५	श	३७	४४	अ	२८	१९	कौ	१५	२५	३२/१५	५/३३	६/२७	२८	१४	१९	कुंभे	[÷ १९।१२ जन्माष्टमी व्र. स्मा.
२	बु	६	१३	पू	३०	१३	सु	१७	३८	ग	६	१३	१२	३४	२६	२९	१५	२०	मी. १७।५	भ. ३१।२६ उ. ५६।४० या. हस्तेशुक्रः ×
३	बु	५०	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B ३।३९ सितम्बर ९ ता. ३० कुशा- A
४	गु	४८	३६	उ	२३	३२	धृ	७/२९	५९/३३	ब	२२	३८	८	३४	२६	३०	१६	२१	मीने	वक्री बुधः०।४५ चतुर्थी व्र.[× ४४।४९
५	शु	४२	०	रे	१८	४	गं	४९	५५	कौ	१५	१८	४	३५	२५	३१	१७	२२	मे. १८।४	चंद्र षष्ठी [A ग्रहणी सोमवती ३०
६	श	३६	५०	अ	१४	१३	वृ	४२	५८	ग	९	२६	१	३६	२४	१	१८	२३	मेषे	भ.३६।५०उ.भा. भाद्रपदारंभ :हलषष्टी
७	र	३३	४३	भ	१२	१	ध्रु	३७	३४	वि	५	१६	३५/५७	३७	२३	२	१९	२४	बृ.२६।५०	भ. ५।१६ या. बुधास्तः पश्चिमायां ÷
८	चं	३२	८	कृ	११	१९	व्या	३३	१७	बा	२	५५	५३	३७	२३	३	२०	२५	वृषे	पूफा. ४ राहुः पूभा. २ केतुः ५९।२ =
९	मं	३२	१९	रो	१२	२१	ह	३०	३२	तै	२	१३	४९	३८	२२	४	२१	२६	मि. ४३/४७	गोगा ९ [= जन्माष्टमी व्र. वै.
१०	बु	३४	०	मृ	१५	१४	व	२८	[illegible]	व	३	९	४६	३९	२१	५	२२	२७	मिथुने	भ. ३।९।उ.३४।०या.
११	गु	३६	५८	आ	१९	२०	सि	२८	४१	व	५	२९	४२	४०	२०	६	२३	२८	मिथुने	अजा ११ व्रतम्
१२	शु	४१	१५	पु	२४	२८	व्य	२९	१९	कौ	९	६	३८	४०	२०	७	२४	२९	क.८।११	वत्स द्वादशी
१३	श	४६	२५	पु	३०	३५	व	३०	३२	ग	१३	५०	३४	४१	१९	८	२५	३०	कर्के	भ. ४६।२५ उ. पूफा. रविः ३७/५९ प्रदोषः
१४	र	५२	६	श्ले	३७	३९	प	३२	२०	वि	१९	१५	३०	४२	१८	९	२६	३१	सिं. ३७/३९	भ. १९।१५यां. पूफा.रवि.सौरः ३।२
३०	चं	५८	२	म	४४	४७	शि	३४	२१	च	२५	४	२६	४३	१७	१०	२७	१	सिंहे	वक्री मघायां बुधः ३१।३४ चित्रा.शुक्रः B

२० पं. भा. कृ. ७ र.इ. ४०/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	५	११	४	७
७	१२	२०	२१	१४	२५	२६	४
४४	४०	१७	२३	३७	५७	४४	१०
२०	४८	२	१०	३४	२२	१०	५२
५७	३९	११/१३	२ ६/१	७१	१ २/२	३	५७
४९	२४	व.	व.	२९	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

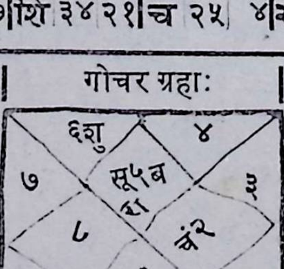

इस मास में गेहूं जौ चना मटर रुई कपास मंदी होके तेजी हो। चांदी सोना आदि धातुओं में मन्दी होवे

गोचर ग्रहाः

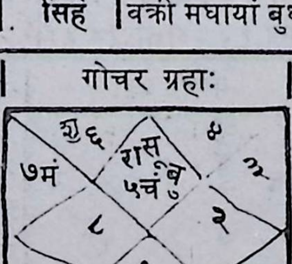

२१ पं.भा.कृ. ११ र.इ. ४०/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	५	११	४	४
१४	१७	१४	२०	२२	२५	२६	१३
३०	११	१४	३५	५२	३९	२१	५६
०	१७	२४	४२	२६	१८	२४	४
५८	४०	६३/४५	३ ६/७	७१	५ २/१	३	५७
११	१८	व	व.	२	व.	११	५७

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	सं	६०	०	पू	५२	२०	सि	३६	४८	किं	३१	१०	३१/२२	५/४४	६/१६	११	२८	२	सिंहे
१	बु	४	१७	उ	५९	४९	सा	३९	१०	ब	४	१७	१८	४४	१६	१२	२९	३	कं. ९।१३
२	गु	१०	२७	ह	६०	०	शु	४१	३१	कौ	१०	२७	१५	४५	१५	१३	१	४	कन्यायां
३	शु	१६	२३	ह		७	१८	शु	४३	४१	ग	१६	२३	११	४६	१४	१४	२	५	तुं. ४०/३५
४	श	२१	३६	चि	१३	५२	ब्र	४५	२	वि	२१	३६	७	४७	१३	१५	३	६	तुलायां
५	र	२५	५९	स्वा	२०	०	ऐं	४५	५६	बा	२५	५९	३	४७	१३	१६	४	७	तुलायां
६	चं	२८	५६	वि	२४	५०	वै	४५	५५	तै	२८	५६	३०/५९	४८	१२	१७	५	८	वृ. ८/३८
७	मं	३०	३६	अ	२८	२६	वि	४४	४०	व	३०	३६	५५	४९	११	१८	६	९	वृश्चिके
८	बु	३०	३९	ज्ये	३०	१८	प्री	४२	०	वि	०	३७	५१	५०	१०	१९	७	१०	ध. ३०/१८
९	गु	२८	४४	मू	३०	२४	आ	३८	१	कौ	२८	४४	४७	५१	९	२०	८	११	धनुषि
१०	शु	२५	७	पू	२८	३५	सौ	३१	२६	ग	२५	७	४३	५१	९	२१	९	१२	म. ४२/३९
११	श	१९	२३	उ	२४	५३	शो	२५	१३	वि	१९	२३	३९	५२	८	२२	१०	१३	मकरे
१२	र	१२	१०	श्र	१९	४७	अ	१६	५०	बा	१२	१०	३५	५३	७	२३	११	१४	कुं. ४६/२८
१३	चं	३	३४	ध	१३	९	सु	७/१४	४९/२५	तै	३	३४	३१	५४	६	२४	१२	१५	कुंभे
१४	चं	५०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१५	मं	४४	०	श	५/४२	५१/५९	शू	४५	४४	वि	१८	५९	२७	५५	५	२५	१३	१६	मी. ४४/४१

शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१९७६स. १९९७

[= (सौरः ४७।४१) जलझूलनी ११ व्र.
चंद्रदर्शनम्
जमादिलावल ५
भ.४८/५९उ.विशा.भौः२।३८ हरितालिका ३
भ. २१।३६ या तुलायां शुक्रः४४।५५ +
रिषी ५ [+ वक्री श्रवण. ३ गुरुः ३७/२७B
बुधोदयः पूर्वस्याम् २६/३७ [B गणेशचतुर्थी
भ. ३०।३६ उ.
भ. ०।३७ या. [A राम देवजी का मेला
मार्गी बुध : १३।५९
भ. ५२।१५ उ. स्वात्यां शुक्रः२७।२१ A
भ. १९।२३ या. उफा. रविः १२।२४ =
[÷ चंद्रग्रहणम् महालयश्राद्धारंभः
वामनद्वादशी. प्रदोषःहरिवासरः१।२९या
भ. ५४।० उ. अनंत १४
भ. १८।५९ या. कन्यायामर्क ३७/४५खग्रासः÷

२२ पं. भा.शु.५ र.इ. ४०/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	६	११	४	४
२१	२१	९	१९	१	२५	२५	२०
१७	४६	२३	५३	४	१७	५९	४२
२	५९	२४	३८	५२	१०	३८	४४
३८	४०	३७/३७	५/४६	७०	३/३०	३	५८
१३	४४	व.	व.	२३	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

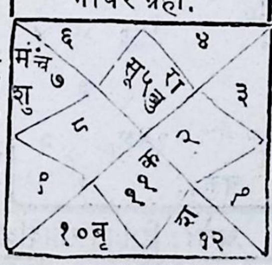

भाद्रपद शुक्ले १५
भौमे कन्यायामर्कः
प्रवृष्टःवा. ४ न. ५
बालावस्था (बैंठी)
मुः ३०धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२३पं.भा.शु.१२र.इ.४०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	९	६	११	४	४
२८	२६	१०	१९	९	२४	२५	२७
५	२७	३६	१८	१३	५१	३७	३१
२४	५४	२९	३२	५९	०	२३	४
५८	४१	४७/७	३/३८	६९	५ ३/२	३	५८
२६	७	मा	व.	३७	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं० २०५४शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	३३	५३	उ	४९	४९	गं	३४	४८	बा	८	५६	३०/२२	५/५६	६/४	२६	१४	१७	मीने
२	गु	२४	३४	रे	४२	३३	बृ	२४	२	ग	२४	३४	१८	५६	४	२७	१५	१८	मे. ४३/३३
३	शु	१६	१९	अ	३६	३४	ध्रु	१४	६	वि	१६	१९	१४	५७	३	२८	१६	१९	मेषे
४	श	९	२५	भ	३२	१५	व्या	५/१६	५२/३२	बा	९	२५	९	५८	२	२९	१७	२०	बृ.४६।३७
५	र	४	३८	कृ	२९	४१	व	५२	३	तै	४	३८	५	५९	१	३०	१८	२१	वृषे
६	चं	१	४५	रो	२९	८	सि	४७	५०	व	१	४५	३०/००	६/००	६/००	३१	१९	२२	मि. ५९/५५
७	मं	१	२	मृ	३०	४३	व्य	४५	१५	ब	१	२	२९/५६	६/१	५/५९	१	२०	२३	मिथुने
८	बु	२	२०	आ	३३	५९	व	४४	१	कौ	२	२०	५२	२	५८	२	२१	२४	मिथुने
९	गु	५	१३	पु	३९	५	प	४४	३५	ग	५	१३	४८	२	५८	३	२२	२५	क.२२।४९
१०	शु	९	४२	पु	४५	१८	शि	४५	३७	वि	९	४२	४४	३	५७	४	२३	२६	कर्के
११	श	१५	५	श्ले	५२	२९	सि	४७	२६	बा	१५	५	४०	४	५६	५	२४	२७	सिं. ५२/२९
१२	र	२१	२२	म	५९	४७	सा	४९	४९	तै	२१	२२	३६	५	५५	६	२५	२८	सिंहे
१३	चं	२७	४१	पू	६०	०	शु	५२	११	व	२७	४१	३२	६	५४	७	२६	२९	सिंहे
१४	मं	३३	५७	पू	७	३१	शु	५४	३८	वि	०	४९	२८	६	५४	८	२७	३०	कं.२४।२३
३०	बु	४०	४	उ	१५	१	ब्र	५६	४८	च	६	५८	२३	७	५३	९	२८	१	कन्यायां

शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.;

कन्यायामर्कः सौर. १२।५२
भ. ५०।२७ उ. पूफा. बुधः ८।१८
भ. १६/११या. वृश्चिके भौमः ५३/१९चतुर्थी व्र.
[+ २।४३बुधास्तःपूर्वस्यां४३/४०इंदिरा११व्र.
भ. १।४५ उ. ३१।२४ या.
विशा. शुक्रः २९।८ भा. आश्विनारंभः
अनु. भौमः ३९।२३ मातृ ९
भ. ३७।२७ उ.
भ. ९।४२ या. हस्ते रविः५०।५४
हस्ते रविः सौरः २५।२२ उफा बुधः +
कन्यायां बुधः ५६।१० प्रदोषः
भ. २७।४१ उ.
भ. ०।४९ यां शस्त्रादिहतानांश्रा.
अक्टूबर १० ता० ३१ सर्वपितृश्रा.

२४ पं.आ.कृ.५ र.इ. ३९/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	९	६	११	४	५
४	१	१८	१८	१७	२४	२५	४
५५	१४	९	५१	२०	२१	१५	२१
१६	३१	५८	३२	१०	४७	७	११
५८	४१	९०	२३/३	६८	१०/४	३	५८
३८	५७	५६	व.	५२	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

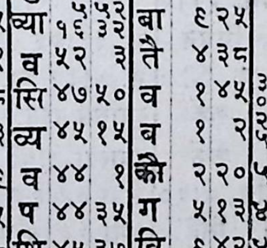

इस मास में धान्य में मंदी होवे सोना चांदी आदि धातुओ में तेजी हो प्रजा में लड़ाई उपद्रव की सम्भावना होवे

गोचर ग्रहाः

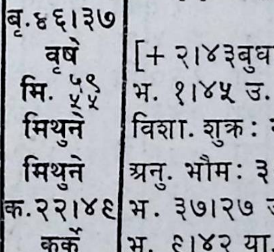

२५ पं.आ.कृ. १२ र.इ. ३९/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	९	६	११	४	५
११	६	२९	१८	२५	२३	२४	११
४६	६	३०	३३	२१	५०	५२	१३
५२	२५	२५	२९	३२	४६	५२	१२
५८	४२	०/४	१५/२	६७	२१/४	३	५९
५३	२३	४७	व.	५७	व.	११	००

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः १६५२सन् १९९७
१	गु	४५	३७	ह	२२	१	ऐं	५८	२६	किं	१२	५०	२९/१९	६/८	५/५२	१०	२९	२	तु.५५।१९	वृश्चिकेशुक्रः४३।४२मातामहश्रा.नवरात्रा
२	शु	५०	४०	चि	२८	३७	वै	५९	४२	बा	१८	८	१५	९	५१	११	३०	३	तुलायाम्	चन्द्र दर्शनम्
३	श	५४	२०	स्वा	३४	२३	वि	६०	०	तै	२२	२९	११	१०	५०	१२	१	४	तुलायां	हस्ते बुधः १९।३६ जमादिलाखर
४	र	५७	१७	वि	३९	९	वि	०	२८	व	२५	४८	७	११	४९	१३	२	५	वृ. २२/५८	भ. २५/४८ उ. ५७/१७ या.अनु.शुक्रः ४२/३७ वक्री रेव ×
५	चं	५८	५५	अ	४२	५२	प्री	९	५९/२	ब	२८	६	३	११	४९	१४	३	६	वृश्चिके	[× २ शनिः १४।४२
६	मं	५९	२७	ज्ये	४५	२८	सौ	५७	१५	कौ	२९	११	२८/५९	१२	४८	१५	४	७	ध. ४५/२८	
७	बु	५८	४०	मू	४६	४६	शो	५४	१३	ग	२९	३	५५	१३	४७	१६	५	८	धनुषि	भ. ५८।४० उ. सरस्वत्यावाहनम्
८	गु	५६	२०	पू	४६	४६	अ	५०	०	वि	२७	२९	५१	१४	४६	१७	६	९	धनुषि	भ. २७/२९ या.मार्गी गुरुः४३।८ सरस्वनीपू.
९	शु	५२	२६	उ	४४	५८	सु	४४	३२	बा	२४	२३	४७	१५	४५	१८	७	१०	म.१।१९	चित्रा. रविः २२/५६ (सौरः ५५/५६) बलिदानम्
१०	श	४७	१४	श्र	४१	५०	धृ	३७	५१	तै	१९	५०	४३	१५	४५	१९	८	११	मकरे	चित्रा.बुध ५२/२९ विजया१०सरस्वतीविसर्ज.
११	र	४०	३१	ध	३७	२५	शू	३०	८	व	१३	५३	३९	१६	४४	२०	९	१२	कुं.९।३७	भ. १३/५३ उ. ४०/३१ या. पापांकुशा ११ व्र.
१२	चं	३२	३८	श	३१	४८	गं	२१	२०	व	६	३५	३५	१७	४३	२१	१०	१३	कुंभे	ज्येष्ठा. भौमः ३३।२७
१३	मं	२३	५३	पू	२५	५	वृ	११	३४	तै	२३	५३	३१	१८	४२	२२	११	१४	मी. ११/४९	प्रदोषः
१४	बु	१४	३८	उ	१७	५३	ध्रु	१९	४९/५७	व	१४	३८	२७	१९	४१	२३	१२	१५	मीने	भ. १४।३८ उ. ३९।५८ या. तुलायां +
१५	गु	५	१७	रे	१०	३४	ह	४०	१९	व	५	१७	२३	१९	४१	२४	१३	१६	मे. १०/३४	[+ बुधः ३५/२८ शरद् १५ कोजागरी व्र.

२६ पं.आ.शु. ४ र.इ. ३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	९	७	११	४	५
१८	११	१२	१८	३	२३	२४	१८
४०	२	२३	२४	१९	१८	२०	७
८	१३	३५	४७	३५	४	३६	०
५९	४२	७/०	४०/४७	६६	४/४०	३	५९
९	४४	५१/४५	व.	४७	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

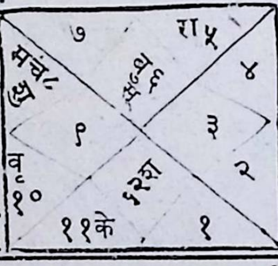

यदा वृश्चिक राशिस्थो जायते च महीसुतः । महर्घं सर्वद्रव्याणां नृपाणां कोपमादिशेत् ॥

वृश्चिक का मंगल तेजी कारक है

गोचर ग्रहाः

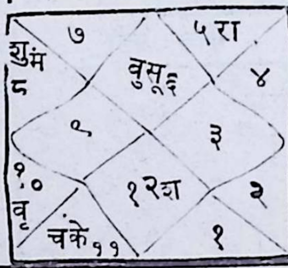

२७पं.आ.शु.११ र.इ. ३९/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	९	७	११	४	५
२५	१६	२४	१८	११	२२	२४	२५
३५	१	४४	२६	६	४४	८	०२
२	८	१३	२०	७	३५	२०	४१
५९	४३	७/०	३४/०	६५	४/४०	३	५९
२१	१०	३८/३	मा	२४	व.	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन. कृष्णेति महा०
१	गु	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[= गोवर्द्धन पूजा
२	शु	४८	५३	अ	३/४१	५४/११	व	३०	३१	तै	२२	४३	२८/३०	६/२०	५/४०	२५	१४	१७	मेषे	तुलायामर्कः ६।४५ (सौरः ३८।४०) ÷
३	श	४२	४३	कृ	५३	३९	सि	२१	४४	व	१५	४८	१६	२१	३९	२६	१५	१८	वृ.११।४९	भ.१५।४८उ.४४/४३ या. [÷ज्येष्ठाशुक्र ४०/१८
४	र	३८	२३	रो	५१	१०	व्य	१४	७	ब	१०	३३	१२	२२	३८	२७	१६	१९	वृषे	स्वात्यां बुधः ४३।५८ करक चतुर्थी व्र.
५	चं	३६	१८	मृ	५०	५५	व	८	१२	कौ	७	२०	८	२२	३८	२८	१७	२०	मि. २१।२	[× ५१ केतुः१।१ रमा११ व्र. नि.
६	मं	३६	२९	आ	५२	४४	प	४	५	ग	६	२३	४	२३	३७	२९	१८	२१	मिथुने	भ. ३६।२९ उ.
७	बु	३८	३३	पु	५६	३२	शि	१	२७	वि	७	३१	०	२४	३६	३०	१९	२२	क. ४०/३५	भ. ७।३१ या.
८	गु	४२	३८	पु	६०	०	सि	०	४९	वा	१०	३५	२७/५६	२५	३५	१	२०	२३	कर्के	स्वात्यां रविः ४८।४७ भा. कार्तिकारंभः
९	शु	४७	५२	पु	२	३	सा	०	५९	तै	१५	१४	५३	२५	३५	२	२१	२४	कर्के	स्वात्यां रविः सौरः १९।४३
१०	श	५४	७	श्ले	८	५०	शु	२	२६	व	२०	५९	४९	२६	३४	३	२२	२५	सि. ८।५०	भ. २०।५९ उ. ५४।७ या.
११	र	६०	०	म	१६	८	शु	४	३५	व	२७	४	४५	२७	३३	४	२३	२६	सिंहे	रमा ११ व्र. स्मा. वै.
११	चं	०	१	पू	२३	५५	ब्र	७	४	बा	०	१	४१	२८	३२	५	२४	२७	कं.४०।४७	विशा. बुधः ५७।५१पूफा.३राहुः पूभा.×
१२	मं	७	३	उ	३१	२५	ऐं	९	२९	तै	७	३	३७	२९	३१	६	२५	२८	कन्यायां	प्रदोषः धन १३
१३	बु	१३	९	ह	३८	३४	वै	११	३४	व	१३	९	३४	२९	३१	७	२६	२९	कन्यायां	भ. १३।१९ उ. ४५।४५ या. रूप १४
१४	गु	१८	२०	चि	४४	४३	वि	१३	१३	श	१८	२०	३०	३०	३०	८	२७	३०	तु.११।३८	मूले धनुषि शुक्रः १५।५ महालक्ष्मी पू.
३०	शु	२२	३१	स्वा	४९	५९	प्री	१४	९	ना	२२	३१	२७	३१	२९	९	२८	३१	तुलायां	मूले धनुषि भौमः ४५।८ अन्नकूटं =

२८पं.का.कृ.४र.इ. ३९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	९	७	११	४	६
२	२१	६	१८	१८	२२	२३	२
३१	५	३१	३७	४६	११	४६	००
२६	२	५५	१६	३४	४६	५	०८
५९	४३	३७/०	१	६३	४/३४	३	५९
३४	५६	९/१७	४४	५०	व.	११	४६

ग्रोचर ग्रहाः

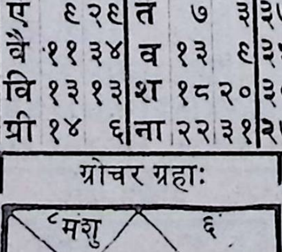

कार्तिक कृष्णे २ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु.१५ धान्यादि भावें महर्घता. शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

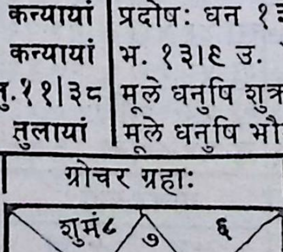

२९पं.का.कृ.११.र.इ. ३९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	९	७	११	४	६
९	२६	७	१८	२६	२१	२३	८
२९	१२	४९	५७	१७	४०	२३	५९
४२	२२	३०	४७	२	५	४९	२८
५९	४३	९९	३	६१	४/१९	३	६०
४७	५६	२५	१२	५६	व.	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हिमंततू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०३६सन्१९९७
१	श	२५	३७	वि	५४	१९	आ	१४	८	ब	२५	३७	२६/२३	६/३१	५/२९	१०	२९	१	वृ.३८।१४	नवम्बर ११ ता. ३०
२	र	२७	४३	अ	५७	२५	सौ	१३	२६	कौ	२७	४३	५९	३२	२८	११	३०	२	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
३	चं	२८	४२	ज्ये	५९	३२	शो	११	५६	ग	२८	४२	१६	३३	२७	१२	१	३	ध.५९।३२	भ.५८।४२उ.वृश्चिके बुधः२६।५३बु×
४	मं	२८	४३	मू	६०	०	अ	९	२०	वि	२८	४३	१२	३४	२६	१३	२	४	धनुषि	भ.२८।४३या.
५	बु	२८	४१	मू	०	३८	सु	६	४	बा	२८	४१	९	३४	२६	१४	३	५	धनुषि	अनु बुधः३२।४
६	गु	२५	३४	पू	०	५६	धृ	२०	५९	तै	२५	३४	५	३५	२५	१५	४	६	म.१५।२	विशा. रविः ९।१३ (सौरः ३७।७)
७	शु	२२	३१	उ	३	५८	गं	५१	५३	व	२२	३१	२	३६	२४	१६	५	७	मकरे	भ. २२।३१उ.५०।३६ या.
८	श	१८	४१	श्र	५५	२७	वृ	४५	२८	ब	१८	४१	२६/५८	३६	२४	१७	६	८	कुं,२६।४७	श्रवणे ४ गुरुः४२।२८ गोपाष्टमी
९	र	१३	४९	श	५१	३७	ध्रु	३८	१४	कौ	१३	४९	५५	३७	२३	१८	७	९	कुंभे	अक्षय ९
१०	चं	८	४	पू	४७	८	व्या	३०	२५	ग	८	४	५२	३८	२२	१९	८	१०	मी.३३।१६	भ.३५।२७उ.
११	मं	२	५०	उ	४१	४४	ह	२१	४०	वि	२	५०	४९	३८	२२	२०	९	११	मीने	भ. २।५०या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसी विवाहः
१२	मं	५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×वृधोदयःपश्चिमायां५५।५१रज्जव ७
१३	बु	४६	८	रे	३५	५५	व	१२	४१	कौ	२०	०	४५	३९	२१	२१	१०	१२	मे.३५।५५	पूषा. शुक्रः३३।९प्रदोपः
१४	गु	३८	२८	अ	३०	२२	सि	१०	५०	ग	१२	१७	४२	४०	२०	२२	११	१३	मेषे	भ.३८।२८उ.वैकुंठ १४
१५	शु	३१	८	भ	२४	४७	व	४५	१५	वि	४	४८	३९	४०	२०	२३	१२	१४	वृ.३८।३७	भ.४।४८ या. ज्येष्ठा.बुधः४६।३०मन्वादि

३०पं.का.शु.२२.इ.३८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	९	८	११	४	६
१६	१	२८	१९	३	२१	२३	१६
२९	२३	४३	२७	३५	१०	१	००
२८	५३	२३	७	३५	१९	३४	३२
६०	४४	९५	४	५९	५८	३	६०
४	१४	५१	२३	३१	व:	११	१८

गोचर ग्रहाः

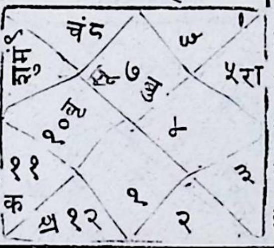

धनराशि गते भौमे मूल द्रव्य तृणानि च काष्ठं च धृतकार्पासं महर्घं च चतुष्पदाम्।अनाजगल्ले में तेजी होकर मन्दी होवे।

गोचर ग्रहाः

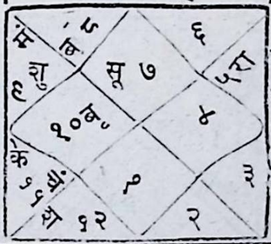

३१पं.का.शु.९र.इ.३८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	९	८	११	४	६
२३	६	९	२०	१०	२०	२२	२३
३०	३७	१२	५	३६	४३	३९	०३
५०	४१	८	१३	७	१२	१८	७
६०	४४	९१	५	५६	३७	३	६०
१७	४०	१०	३४	२२	व:	११	२०

ति.	मार्ग शीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हिमंततूर्रविरुत्तरे कार्ति. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	२५	५	कृ	२०	७	प	३७	१३	कौ	२५	५	२६/३६	६/४१	५/१९	२४	१३	१५	वृषे	[×बुधः४६।२७वक्री रेव.१रविः१५।९
२	र	२०	२१	रो	१६	४४	शि	३०	१५	ग	२०	२१	३३	४१	१९	२५	१४	१६	मि४५।५९	भ.४८ ५३उ. वृश्चिकेऽर्कः५।१८*
३	चं	१७	२५	मृ	१५	१५	सि	२४	५४	वि	१७	२५	३०	४२	१८	२६	१५	१७	मिथुने	भ.१७।२५या. चतुर्थीव्र.[* (सौरः३१।२४)
४	मं	१६	२७	आ	१५	३३	सा	२०	५७	बा	१६	२७	२७	४३	१७	२७	१६	१८	मिथुने	पूषा. भौमः ३०।५८
५	बु	१७	४८	पु	१८	५	शु	१८	४८	तै	१७	४८	२५	४३	१७	२८	१७	१९	कं २।१२	अनु. रविः २३।३८ (सौरः४८।१२)
६	गु	२०	५४	पु	२२	१८	शु	१८	८	व	२०	५४	२२	४४	१६	२९	१८	२०	कर्के	भ. २०।५४ उ. ५३।१५या.
७	शु	२५	३५	श्ले	२८	४	ब्र	१८	३१	ब	२५	३५	१९	४४	१६	३०	१९	२१	सिं.२८।४	
८	श	३१	२९	म	३५	७	ऐं	२०	११	कौ	३१	२९	१७	४५	१५	१	२०	२२	सिंहे	भा. मार्गशीर्षारंभः
९	र	३७	५४	पू	४२	२६	वै	२२	७	तै	४	४१	१४	४५	१५	२	२१	२३	कं.५९।२१	
१०	चं	४४	२६	उ	५०	४	वि	२४	३४	व	११	१०	१२	४६	१४	३	२२	२४	कन्यायां	भ. ११।१०उ४४।२६या. मूले धनुपि×
११	मं	५०	३१	ह	५७	१७	प्री	२६	५०	ब	१७	२८	९	४६	१४	४	२३	२५	कन्याया	उत्पत्ति११ व्र.
१२	बु	५५	५०	चि	६०	०	आ	२८	२७	कौ	२३	१०	७	४७	१३	५	२४	२६	तु.३०।३१	
१३	गु	५९	३९	चि	३	४४	सौ	२९	२६	ग	२७	४४	५	४७	१३	६	२५	२७	तुलायां	भ. ५९।३९ उ.उपा.शुक्रः१७।५७ प्रदोपः
१४	शु	६०	०	स्वा	८	४६	शो	२९	१४	वि	३०	५५	२	४८	१२	७	२६	२८	वृ.५६।४५	भ. ३०।५५या.
१४	श	२	१२	वि	१२	४४	अ	२८	७	श	२	१२	०	४८	१२	८	२७	२९	वृश्चिके	
३०	र	३	१७	अ	१५	३०	सु	२५	५२	ना	३	१७	२५/५८	४८	१२	९	२८	३०	वृश्चिके	

३२पं.मा.कृ.२२.इ.३८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	९	८	११	४	७
०	११	१९	२०	१७	२०	२२	०
३३	५५	१७	५२	१४	२०	१७	७
२९	४८	१७	१२	१७	४६	२	११
६०	४४	८४	६	५२	५५	३	६०
३०	५५	१६	३५	२३	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

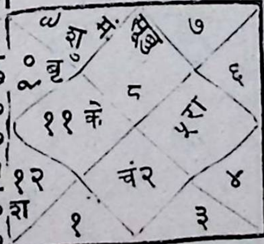

३३पं.मा.कृ.९र.इ.३८।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	९	८	११	४	७
७	१७	२८	२१	२३	२०	२१	७
३७	१५	३६	४६	२३	१	५४	१२
२६	१४	७	१६	२८	२३	४७	४४
६०	४५	७३	७	४७	१५	३	६०
४२	१४	४९	३८	३२	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

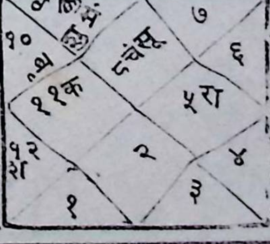

३४पं.मा.कृ.३०र.इ.३८।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	९	८	११	४	७
१४	२२	६	२२	२८	१९	२१	१४
४२	३८	१४	४७	५७	४७	३२	१९
४०	३८	६	४६	२५	२०	३१	३०
६०	४५	५२	८	४१	४०	३	६१
५०	२०	१०	४१	१२	व.	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं०२०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२०६६स,१९६७
१	चं	३	१३	ज्ये	१६	१९	धृ	२२	२९	व	३	१३	२५/५६	६/४९	५/११	१०	२९	१	ध.१६।१९	चंद्रदर्शनम् दिसम्बर१२ता.३१
२	मं	१	५२	मू	१६	२६	शू	१८	२९	कौ	१	५२	५४	४९	११	११	१	२	धनुषि	ज्येष्ठा. रवि: ३३।४५ (सौद।५६।६)=
३	मं	५७	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	=मकरे शुक्र:९।५ सावान८
४	बु	५६	३८	पू	१५	३३	गं	१३	३०	व	२८	९	५३	४९	११	१२	२	३	म.३०।१०	भ. २८।९उ. ५६।३८या.
५	गु	५२	५९	उ	१३	५९	वृ	०७	५४	व	२४	४९	५१	५०	१०	१३	३	४	मकरे	धनिष्ठा.१गुरु: २०।४७
६	शु	४८	५९	श्र	११	५६	ध्रु	३/६	५३/४७	कौ	२०	५९	४९	५०	१०	१४	४	५	कुं.४०।४३	उषा. भौम: ४८।३०चंपा६
७	श	४४	३३	ध	९	३१	ह	४९	१०	ग	१६	४६	४८	५०	१०	१५	५	६	कुंभे	भ.४४।३३उ.
८	र	३९	४६	श	६	४०	व	४२	८	वि	१२	१०	४६	५१	९	१६	६	७	मी.४९।९	भ.१२।१०यावक्रीबुध:३०।६
९	चं	३४	३२	पू	३/१९	५६/२४	सि	३४	५०	वा	७	९	४५	५१	९	१७	७	८	मीने	÷११प्र. गीताजयंती
१०	मं	२८	५५	रे	५५	३८	व्य	२७	१८	तै	१	४४	४४	५१	९	१८	८	९	मे.५५।३८	भ.५६।४उ.
११	बु	२३	१३	अ	५१	३१	व	१९	२७	वि	२३	१३	४३	५१	९	१९	९	१०	मेषे	भ.२३।१३या.।मकर भौम:५।० मोक्षदा÷
१२	गु	१७	२	भ	४७	३८	प	११	४९	वा	१७	२	४२	५२	८	२०	१०	११	मेषे	बुवास्त: पश्चिमायां४६।२८प्रदोष:
१३	शु	११	५२	कृ	४४	१३	शि	४/९	५२/४७	तै	११	५२	४१	५२	८	२१	११	१२	वृ. १।४७	
१४	श	७	४	रो	४१	३२	सा	५०	२६	व	७	४	४०	५२	८	२२	१२	१३	वृषे	भ.७।४उ.३५।१या.दत्तजयंती
१५	र	२	५७	मृ	३६	५५	शु	४४	४८	व	२	५७	३९	५२	८	२३	१३	१४	मि१०।४४	

३५पं.मा.शु.८र. इ.३७।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	९	९	११	४	७
२१	२८	९	२३	३	१९	२१	२१
४८	६	३१	५५	४१	३७	१०	२७
४३	४	८	४८	१७	५५	१६	१४
६०	४५	५९	९	३२	५३	३	६१
५६	३४	व:	३२	५८	व:	११	११

गोचर ग्रहा:

मार्गशीर्ष कृष्णे२रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ प्रौढाऽवस्था (बैठी) मु.४५वान्यादि भावे समर्घता गुक्रोदय: पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहा:

३६पं.मा.शु.१५र.इ.३७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	९	९	११	४	७
२८	३	४	२५	७	१९	२०	२८
५७	२१	५४	९	२०	३४	४८	३५
३७	३५	१४	२५	२८	१६	०	५७
६१	४५	४६	१०	२२	११	३	६१
०	४९	व:	१७	११	व:	११	१९

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मा.कृष्णेति महाराष्ट्रा:
१	चं	०	२२	आ	३९	५८	शु	४०	३४	कौ	०	२२	३५/३९	६/५२	८	२४	१४	१५	मिथुने	मूले धनुष्यर्क:४१।० (सौर:५९।५६)
२	चं	५९	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	मं	६०	०	पु	४१	२६	ब्र	३७	२७	व	३०	१६	३८	५२	८	२५	१५	१६	क.२६।४	भ.३०।१६उ. मार्गी शनि:१४।५०
३	बु	०	३	पु	४४	३२	ऐं	३६	९	वि	०	३	३८	५२	८	२६	१६	१७	कर्के	भ.०।३या. चतुर्थी व्र.
४	गु	२	४१	श्ले	४९	२४	वै	३५	३२	बा	२	४१	३७	५३	७	२७	१७	१८	सिं४०।२४	वक्रीज्येष्ठा. वृश्चिके बुध:१।२०
५	शु	६	४२	म	५५	५८	वि	३६	३५	तै	६	४२	३७	५३	७	२८	१८	१९	सिंहे	[÷केतु:४३।१सोमवती
६	श	१२	२०	पू	६०	०	प्री	३७	५७	व	१२	२०	३६	५३	७	२९	१९	२०	सिंहे	भ.१२।२०उ.४५।२८या.
७	र	१८	३५	पू	२	५२	आ	४०	१०	ब	१८	३५	३६	५३	७	३०	२०	२१	कं.१९।४७	
८	चं	२५	७	उ	१०	३३	सौ	४२	२२	कौ	२५	७	३६	५३	७	१	२१	२२	कन्यायां	धनिष्ठा.२गुरु:४३।१७.मा.पौषारंभ:
९	मं	३१	२५	ह	१७	४७	शो	४४	२५	ग	३१	२५	३६	५३	७	२	२२	२३	तु.५१।१४	श्रवणे भौम:२।४०बुधोदय: पूर्वल्यां३।५१
१०	बु	३६	५२	चि	२४	४१	अ	४५	३९	व	४	९	३७	५३	७	३	२३	२४	तुलायां	भ.४।९उ.३६।५२या.श्रवणे शुक्र:४१।५८
११	गु	४०	४७	स्वा	३०	१७	सु	४५	५५	ब	८	५०	३७	५३	७	४	२४	२५	तुलायां	वक्री शुक्र:३१।५० सफला११व्र.
१२	शु	४३	२६	वि	३४	२२	धृ	४४	५२	कौ	१२	७	३७	५३	७	५	२५	२६	वृ.१८।२१	[×शुक्र:४२।३५
१३	श	४४	१६	अ	३६	५७	शू	४२	३५	ग	१३	५१	३८	५२	८	६	२६	२७	वृश्चिके	भ४४।१६उ.मार्गी बुध:५०।१९ प्रदोष:
१४	र	४३	१७	ज्ये	३७	३७	गं	३८	५९	वि	१३	४७	३८	५२	८	७	२७	२८	ध.३७।३७	भ.४/३या.पूषा.रवि:४६।०वक्री उषा.×
३०	चं	४०	५३	मू	३६	५७	वृ	३४	१०	च	१२	५	३९	५२	८	८	२८	२९	धनुषि	पूषा.रवि.सौर:१।३४पूफा.२राहु:शते.४÷

३७पं.पौ.कृ७.र.इ.३७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	९	९	११	४	८
१६	८	२६	२६	९	१९	२०	५
३	५६	१२	२८	३३	३५	२५	४५
१४	५३	४४	१	०	४३	४४	२२
६१	४५	५३	१०	८	५२	३	६१
४२	२६	व.	५६	४७	मा	११	२२

गोचर ग्रहा:

पौष कृष्णे१चंद्रे धनुष्यर्क:प्रविष्ट:वा.२ न.४प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५वान्यादि भावे समर्घता गुक्रोदय: पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहा:

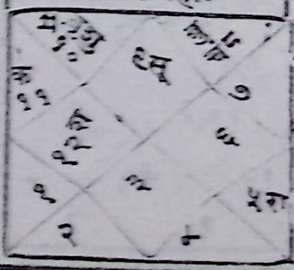

३८पं.पौ.कृ.१४र.इ३७।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	९	९	११	४	८
१२	१४	२२	२७	१०	१९	२०	१२
११	२६	१०	५१	०	४२		३ ५५
१३	४६	४८	५४	३६	५७	२९	१४
६१	४५	००	११	५७	१	३	६१
६	५४	मा	३५	व:	२२	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः
१	मं	३७	१३	पू	३४	५१	ध्रु	२८	७	किं	९	३	२५/४०	६/५२	५/८	९	२९	३०	म.४९।७
२	बु	३२	३२	उ	३१	५६	व्या	२१	३४	बा	४	५२	४१	५२	८	१०	३०	३१	मकरे
३	गु	२७	१७	श्र	२८	३०	ह	१४	२२	ग	२७	१७	४२	५२	८	११	१	१	कुं. ५६/३७
४	शु	२१	५१	ध	२४	४३	व	६/३	५/३	वि	२१	५१	४३	५१	९	१२	२	२	कुंभे
५	श	१६	१७	श	२०	५२	व्य	५१	४८	बा	१६	१७	४४	५१	९	१३	३	३	कुंभे
६	र	१०	५७	पू	१७	१३	व	४४	१७	तै	१०	५७	४५	५१	९	१४	४	४	मी. ३।८
७	चं	५	४४	उ	१३	३६	प	३७	२	व	५	४४	४७	५१	९	१५	५	५	मीने
८	मं	०	५०	रे	१०	२७	शि	२९	५५	ब	०	५०	४८	५०	१०	१६	६	६	मे.१०।२७
९	मं	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	बु	५१	५२	अ	७	२६	सि	२३	१६	तै	२४	१	५०	५०	१०	१७	७	७	मेषे
११	गु	४८	२	भ	४	५८	सा	१७	१	व	१९	५६	५२	५०	१०	१८	८	८	बृ.१९।२८
१२	शु	४४	४४	कृ	२	५९	शु	११	१३	ब	१६	२३	५३	४९	११	१९	९	९	वृषे
१३	श	४२	२०	रो	१	३८	शु	५	४८	कौ	१३	३२	५५	४९	११	२०	१०	१०	मि. ३१/४७
१४	र	४०	५२	मृ	०	५६	ब्र	५८	५६	ग	११	३६	५७	४९	११	२१	११	११	मिथुने
१५	चं	४०	४०	आ	१	२९	वै	५४	१७	वि	१०	४६	५९	४८	१२	२२	१२	१२	क.४७।४९

शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः२०९५स.१९९७

चंद्र दर्शनम्
भ. ५४/३४ उ.जनवरी १ ता.३१ सन् १९९८×
भ. २१।५१ या. [× ई. रमजान ९
भ. ५।४४ उ. ३३।१७ या.
[= ५०।३२ पुत्रदा ११ व्र. स्मा. वै.
[÷ गुरुः५६।१५ रेवती २ शनिः १०।५३
मूले धनुषि बुधः ४६।८ धनिः ३ कुंभे ÷
भ. १९।५६ उ. ४८।२ या.धनि. भौमः =
पुत्रदा ११ व्र. नि.
उषा. रविः ५०।४५ प्रदोष:
भ. ४०।५२ उ. उषा रवि. सौरः ३।१
भ. १०।३६ या. माघ स्ना. प्रा.

३९पं.पौ.शु.६ र.इ.३७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	९	९	११	४	८
२०	१९	२७	२९	८	१९	१९	२०
१९	५६	२१	१९	२९	५४	४१	०५
२६	५३	५०	२६	३५	४०	१३	११
६१	४५	५०	१२	२२/३४	२	३	६१
६	५९	१५	१४	व.	५	११	२६

गोचरं ग्रहाः

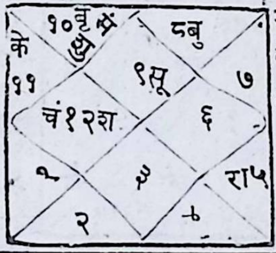

इस मास में मकर का मंगल घृत तेल गुड़ की तेजी तथा चावल बाजरा मूंग मोठ की मंदी करेगा प्रजा में दु:खफैलेगा

गोचर ग्रहाः

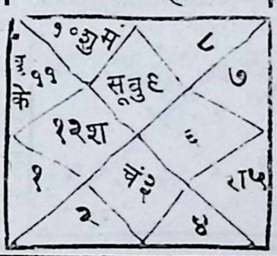

४०पं. पौ.शु. १४ र.इ.३७/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१०	९	११	४	८
२७	२५	४	०	५	२०	१९	२७
२७	२७	५८	५०	८	१२	१८	१५
२२	४७	८	१०	३८	२२	५८	०३
६१	४५	७०	१२	३४/३३	२	३	६१
६	५९	२०	२९	व.	४६	११	२४

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः
१	मं	४१	४९	पु	३	१६	वि	५२	४६	बा	११	१४	२६/१	६/४८	५/१२	२३	१३	१३	कर्के
२	बु	४४	३७	पु	६	३०	प्री	५१	५७	तै	१३	१३	४	४७	१३	२४	१४	१४	कर्के
३	गु	४८	२९	श्ले	११	१	आ	५२	२९	व	१६	३२	६	४७	१३	२५	१५	१५	सिं११।१
४	शु	५३	४९	म	१६	५८	सौ	५३	३५	ब	२१	८	८	४६	१४	२६	१६	१६	सिंहे
५	श	५९	४५	पू	२३	३४	शो	५४	४६	कौ	२६	४७	११	४६	१४	२७	१७	१७	कं.४०।२६
६	र	६०	०	उ	३१	२	अ	५७	४६	ग	३३	१	१३	४५	१५	२८	१८	१८	कन्यायां
६	चं	६	१७	ह	३८	३८	सु	५९	५४	व	६	१७	१६	४५	१५	२९	१९	१९	कन्यायां
७	मं	१२	४९	चि	४६	२	धृ	६०	०	ब	१२	४९	१९	४४	१६	३०	२०	२०	तु.१२।२०
८	बु	१८	४०	स्वा	५२	१७	धृ	१	४९	कौ	१८	४०	२१	४४	१६	१	२१	२१	तुलायां
९	गु	२३	१३	वि	५७	१८	शू	२	४६	ग	२३	१३	२४	४३	१७	२	२२	२२	बृ.४१।७
१०	शु	२६	२२	अ	६०	०	गं	२	३८	वि	२६	२२	२७	४३	१७	३	२३	२३	वृश्चिके
११	श	२७	३०	अ	०	३५	वृ	१/३	५७/३३	वा	२७	३०	२९	४२	१८	४	२४	२४	वृश्चिके
१२	र	२६	४७	ज्ये	१	५४	व्या	५३	२४	तै	२६	४७	३२	४२	१८	५	२५	२५	ध.१।५४
१३	चं	२४	५	मू	२९/१	५७/४७	ह	४७	२१	व	२४	५	३५	४१	१९	६	२६	२६	धनुषि
१४	मं	१९	३७	उ	५५	३४	व	४०	४	श	१९	३७	३८	४०	२०	७	२७	२७	म.१३।२१
३०	बु	१३	५१	श्र	५०	३८	सि	३१	५३	ना	१३	५१	४१	४०	२०	८	२८	२८	मकरे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महाराष्ट्राः

[÷ वक्री धनुषिशुक्रः१०।५७ शुक्रोदयः+
मकरेऽर्कः७।९(सौरः१८।२८)शुक्रास्तः ×
भ.१/३ ६/२ उ. ४/२ ८/९ या. [× पश्चिमायां ४८।०
चतुर्थी व्र.
कुंभे भौमः २३।५१
पूषा. बुधः ६।३५ [+ पूर्वस्यां २४।३६
भ. ६।१७ उ. ३९।३३ या.
अभि. प्र. रवि. ३९।३९(सौरः४९।४९÷
भा. माघारंभः
भ. ५४।४७ उ. धनि ४ गुरुः ३०।१०
भ. २६।२२ या. श्रवणे रविः ५६।१६
अभि. नि.रवि. ४८।३१(सौरः५८।२)=
शते भौमः ५२।१३
भ.२४।५ उ. ५१।५१ या. वक्री पूषा. A
उषा. बुधः २/१ २/१ [A शुक्रः ४५।३२ प्रदोषः
[= श्रवणे रविःसौरः५।४५षट्तिला ११व्र.

४१ पं.मा.कृ.६र.इ.३७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	९	११	४	९
४	०	१४	२	०	२०	१८	४
३५	५६	२	२४	५५	३४	५९	२४
१३	१६	१६	२२	५९	३४	४२	३२
६१	४६	८२	१२	३५/५०	३	३	६१
३	१	४६	५६	व.	३२	११	१९

गोचर ग्रहाः

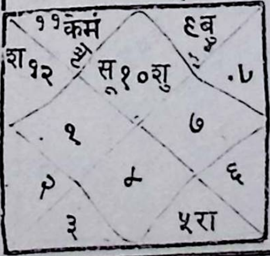

माघकृष्णे २ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

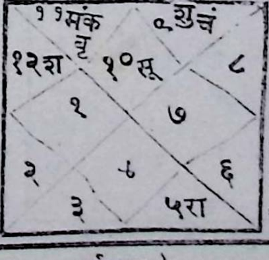

४२ पं.मा.कृ.१२र.इ.३७/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	१०	८	११	४	९
११	६	२४	४	२७	२१	१८	११
४२	२८	१	१	११	१	३४	३३
४०	३४	३०	१६	६	३७	२९	२३
६०	४५	९०	१२	३७/२०	४	३	६१
५९	५४	३९	१४	व.	८	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः२१२५स.१९९८
१	गु	६	५७	ध	४५	८	व्य	२२	५८	ब	६	५७	२६/४५	३९	२१	९	२९	२९	कुं.१७।५३	मकरे बुधः ४५।३० चन्द्रदर्शनम्
२	गु	५२	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	५२	१८	श	३९	३५	व	१३	४४	तै	२५	५९	४८	३८	२२	१०	१	३०	कुम्भे	सव्वाल १० [+ मोक्षः ३५।५३
३	श	४५	१२	पू	३४	८	प	४०	५१	व	१८	४५	५१	३८	२२	११	२	३१	मी. ३०/३०	भ. १८।४५ उ. ४५।१२ या.
४	र	३८	३७	उ	२९	८	सि	४७	४०	ब	११	५४	५४	३७	२३	१२	३	१	मीने	फ॰रवरी२ ता. २८ वसंत पंचमी
५/६	चं	३२	३७	रे	२५	४	सा	३९	५५	कौ	५	३७	५८	३६	२४	१३	४	२	मे. २५।४	[× पूर्वस्यां ३४।११ भानु ७
७	मं	२७	३२	अ	२१	३५	शु	३२	५३	ग	०	५	२७/१	३६	२४	१४	५	३	मेषे	भ. २७।३२ उ. ५५।२९ या. बुधास्तः ×
८	बु	२३	२५	भ	१९	५	शु	२६	३८	ब	२३	२५	५	३५	२५	१५	६	४	बृ. ३३/४१	श्रवणे बुधः ५५।४४ भीष्माष्टमी
९	गु	२०	१८	कृ	१७	२९	ब्र	२१	१७	कौ	२०	१८	८	३४	२६	१६	७	५	वृषे	शत. १गुरुः४८।१७ पातस्पर्शः७।४१ +
१०	शु	१८	४	रो	१७	०	ऐं	१६	५०	ग	१८	४	१२	३४	२६	१७	८	६	मि. ४७/१२	भ.४७।३० उ.धनि. रविः ४।३४(सौरः A
११	श	१६	५६	मृ	१७	२५	वै	१२	५४	वि	१६	५६	१५	३३	२७	१८	९	७	मिथुने	भ. १६।५६ या. जया ११ व्र.
१२	र	१६	४४	आ	१९	२	वि	१०	०	बा	१६	४४	१९	३२	२८	१९	१०	८	मिथुने	प्रदोषः [A ११।३५) मार्गी शुक्रः५४।३८
१३	चं	१७	४६	पु	२१	३२	प्री	७	५६	तै	१७	४६	२३	३१	२९	२०	११	९	क.५।५५	
१४	मं	१९	५६	पु	२५	११	आ	६	५४	व	१९	५६	२७	३१	२९	२१	१२	१०	कर्के	भ. १९।५६ उ. ५१।३३ या.
१५	बु	२३	१२	श्ले	३०	१	सौ	६	१६	ब	२३	१२	३०	३०	३०	२२	१३	११	सिं. ३०।१	पूभा. भौमः ५३।५० माघ स्नान पूर्तिः

४३पं.मा.शु.५र.इ. ३७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१०	८	११	४	९
१८	११	४	५	२५	२१	१८	१८
४९	५९	३८	३८	९	३३	१२	४०
१६	३५	३५	५३	११	१८	११	२७
६०	४५	९७	१३	१२	४	३	६१
५५	५७	१४	२६	५०	४४	११	४

गोचर ग्रहाः

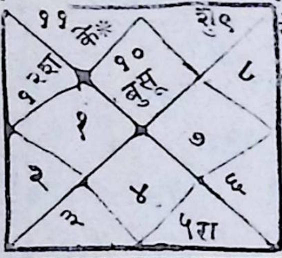

इस मास में धान्य जो
गेहूं चना, मटर सरसों
तेज होवे सोना चांदी
आदि धातुओं में मंदी
हो प्रजा में सुखशांति
रहे

गोचर ग्रहाः

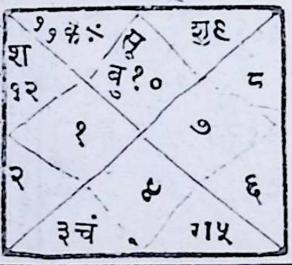

४४पं.मा.शु.१२.रइ.३७/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१०	८	११	४	९
२५	१७	१५	७	२४	२२	१७	२५
५५	२९	५२	१८	४२	७	४९	४८
१	३८	२०	११	११	४८	५५	१४
६०	४५	०	१३	४	५	२	६०
४७	५८	५०/१०	३२	१०	७	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा.
१	गु	२७	२८	म	३५	५९	शो	६	४८	कौ	२७	२८	२७/३४	२९	३१	२३	१४	१२	सिंहे	कुंभेऽर्कः ३९।५० (सौरः ४५।३३)
२	शु	३२	५५	पू	४२	३२	अ	८	७	तै	०	११	३८	२८	३२	२४	१५	१३	कं. ५९/३३	धनि. बुधः८।५७ अस्तं गुरोः ४६४८
३	श	३८	४६	उ	४९	५१	सु	९	५२	व	५	५०	४१	२८	३२	२५	१६	१४	कंन्यायां	भ. ५।५० उ. ३८।४६ या.
४	र	४५	११	ह	५७	२९	धृ	१२	८	ब	११	५९	४५	२७	३३	२६	१७	१५	कंन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	चं	५२	१०	चि	६०	०	शू	१४	२१	कौ	१८	४१	४९	२६	३४	२७	१८	१६	तु. ३१/३१	कुंभे बुधः ५२।४८ उषा. शुक्रः ३६।०
६	मं	५७	५६	चिं	५	१४	गं	१६	३९	ग	२५	३	५३	२५	३५	२८	१९	१७	तुलायां	भ. ५७।५६ उ. [× २ गुरुः ४१।३९
७	बु	६०	०	स्वा	१२	१४	वृ	१८	१८	वि	३०	३०	५६	२५	३५	२९	२०	१८	तुलायां	भ. ३०।३० या.
७	गु	३	४	वि	१८	११	ध्रु	१९	१	ब	३	४	२८/०	२४	३६	३०	२१	१९	वृ. १।४१	शते रविः१६।६(सौरः२०।५५)शत. ×
८	शु	७	५	अ	२२	४७	व्या	१८	५४	कौ	७	५	४	२३	३७	१	२२	२०	वृश्चिके	शते बुधः ४०।११ भा. फालगुनारंभः
९	श	९	११	ज्ये	२५	४१	ह	१७	३	ग	९	११	८	२२	३८	२	२३	२१	ध. २५/४१	भ. ३९।१८ उ. रेवती ३ शनिः ८।४३
१०	र	९	२६	मू	२६	३१	व	१३	३९	वि	९	२६	१२	२२	३८	३	२४	२२	धनुषि.	भ. ९।२६ या,
११	चं	७	२३	पू	२५	१८	सि	८	३२	बा	७	२३	१६	२१	३९	४	२५	२३	म. ३९/१	मकरे शुक्रः ३०।२१ विजया ११ व्र.
१२	मं	३	३४	उ	२२	१२	व्य	४/०	५१/३	तै	३	३४	२०	२०	४०	५	२६	२४	मकरे	भ.५७।४८उ. मीने भौमः४१।१८प्रदोषः
१३	मं	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५०	२२	श्र	१७	२०	प	४४	४७	वि	२४	५	२४	१९	४१	६	२७	२५	कुं. ४६/५७	भ. २४।५ या. महाशिवरात्रि व्र.
३०	गु	४२	५	ध	११	१४	शि	३४	५४	च	१६	१३	२८	१८	४२	७	२८	२६	कुंभे	

४५ पं.फा.कृ.४ र.इ. ३७/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	१०	८	११	४	१०
२	२२	२७	८	२६	२२	१७	२
५९	५८	४५	५८	२१	४६	२७	५३
४९	४४	५४	४१	४३	४४	४०	१७
६०	४५	०	१३	१८	५	३	६०
३७	३८	९/३	३८	५१	३६	११	४२

ग्रोचर ग्रहाः

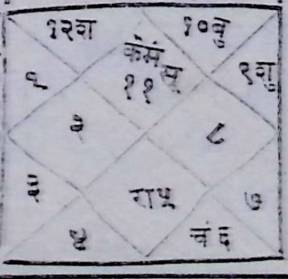

फालगुन कृष्णे १ गुरौ
कुंभऽर्कः प्रविष्टः वा.
२ न. ३ युवावस्था
(सूती) मु. ३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

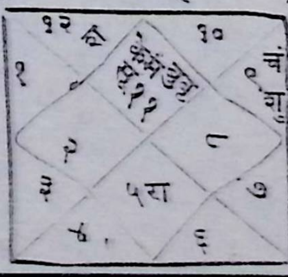

४६पं.फा.कृ.१०र.इ.३८/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१०	८	११	४	१०
१०	२८	१०	१०	२९	२३	१७	९
३	२६	२१	४०	३३	२८	५	५८
२२	२८	२५	५	२२	५९	२४	५०
६०	४५	०	१३	३०	६	३	६०
२५	३२	४/३	३८	३३	२	११	३१

* वृ मं (सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷ वृ मं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्ल पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	अं.	चन्द्रः
१	शु	३३	७	श	४/३०	५३/४९	सि	२४	३६	कि	७	४२	३८/३२	६/१८	५/४२	८	२९	२७	मी४४।७
२	श	२४	१०	उ	५०	२२	सा	१४	१४	कौ	२४	१०	३६	१७	४३	९	३०	२८	मीने
३	र	१५	२९	रे	४४	३	शु	४/५०	५९/२२	ग	१५	२९	४०	१६	४४	१०	१	१	मे.४४।३
४	चं	७	४६	अ	३८	४६	ब्र	४६	०	वि	७	४६	४४	१५	४५	११	२	२	मेषे
५	मं	०	५३	भ	३४	५२	ऐं	३८	४६	बा	०	५३	४८	१४	४६	१२	३	३	बृ.४९।१४
६	मं	५४	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	बु	५१	२२	कृ	३२	२३	वै	३२	२८	ग	२३	२२	५२	१४	४६	१३	४	४	वृषे
८	गु	४९	४	रो	३१	१४	वि	२७	३१	वि	२०	१४	५६	१३	४७	१४	५	५	वृषे
९	शु	४८	८	मृ	३१	३५	प्री	२३	४५	बा	१८	४८	२९/१	१२	४८	१५	६	६	मि. १।२५
१०	श	४८	३२	आ	३३	२८	आ	२१	८	तै	१८	२०	५	११	४९	१६	७	७	मिथुने
११	र	५०	२८	पु	३६	४१	सौ	१९	३८	व	१९	३०	९	१०	५०	१७	८	८	क.२०।५३
१२	चं	५३	२३	पु	४०	५९	शो	१९	६	ब	२१	५५	१३	९	५१	१८	९	९	कर्के
१३	मं	५७	३१	श्ले	४६	१५	अ	१९	१८	कौ	२५	२९	१७	९	५१	१९	१०	१०	सिं४६।१५
१४	बु	६०	०	म	५२	३४	सु	२०	१	ग	२९	५६	२१	८	५२	२०	११	११	सिंहे
१४	गु	२	२४	पू	५८	४४	धृ	२१	३६	व	२	२४	२६	७	५३	२१	१२	१२	सिंहे
१५	शु	८	२	उ	६०	०	शू	२३	१५	ब	८	२	३०	६	५४	२२	१३	१३	कं. १५।४२

वसंतर्तु रविरुत्तरेहर्गणः २१५४ स.१९९८

पूमा.बुध:४५।४६[×चंद्र दर्शनम् फुलरिपा२
उभा.भौम:५३।३६ अस्तं भौमः ५२।१६×
भ.४१।३७उ.बुधोदय; पश्चिमायां ५०।७*
भ.७।४६या.पूफा.१राहुःशते.३केतु:२७।२५
[मार्च ३ ता.३१ जिल्काद ११.
[÷(सौर:३५।४२)मीने बुध:५९।३२
भ.५१।२२उ.पूभा.रवि:३२।१२÷
भ.२०।१४पा:शत.३गुरु:५५।५३होलाष्टक
उभा बुधः ४०।२१.

भ.१९ ३०उ.५०।२८पा.।।
श्रवणे शुक्र:४६ २६आमलकी११व्र. नि.
प्रदोषः [।।आमलकी ११व्र.स्मा.नि.

भ.२।२४उ.३५।१३या.होलिंका दहनं°
छारेंडी. [°भद्रोत्तरम्

४७पं.फा.शु.३ र.इ.३८।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१०	९	११	४	१०
१७	३	२३	१२	३	२४	१६	१७
५	५४	३५	२१	५७	१३	४३	१
३५	०	१७	२९	१४	२३	८	४२
६०	४५	१४	१३	३९	६	३	६०
२१	३५	४४	३८	४७	२२	११	२०

गोचर ग्रहाः

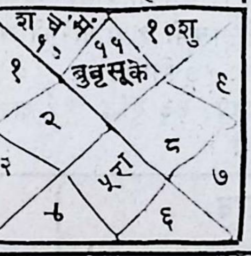

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर में मन्दी होगी तथा सुदी में चन्द्र दर्शन द्वाराधातु रुई रंग तेज होवे ।

गोचर ग्रहाः

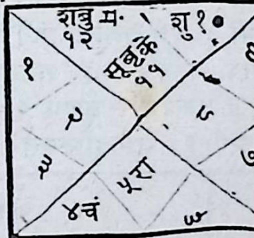

४८पं.फा.शु.११र.इ३८।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	१०	९	११	४	१०
२४	९	६	१४	९	२५	१६	२४
६	१९	५६	२	७	०	२०	३
२२	५९	३५	२	१६	३६	५३	५
५९	४५	४/०	१३	४६	६	३	६०
५८	२७	५०	३२	४०	३८	११	६

ति.	चैत्र कृष्ण पक्षः सं. २०५४ शाकः १९१९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	१४	१	उ	६	३६	गं	२५	३७	कौ	१४	१	२९/३४	६/५	५/५५	२३	१४	१४	कन्यायां
२	र	२०	२२	ह	१४	१३	बृ	२७	५५	ग	२०	२२	३८	४	५६	२४	१५	१५	तु.४८।६
३	चं	२६	४६	चि	२१	५९	ध्रु	३०	१३	वि	२६	४६	४३	३	५७	२५	१६	१६	तुलायां
४	मं	३२	५८	स्वा	२९	११	व्या	३२	१७	ब	३२	५८	४७	३	५७	२६	१७	१७	तुलायां
५	बु	३८	५	वि	३५	३१	ह	३३	३२	कौ	५	३१	५१	२	५८	२७	१८	१८	वृ.१८।५६
६	गु	४२	३२	अ	४१	९	व	३४	१५	ग	१०	१८	५५	१	५९	२८	१९	१९	वृश्चिके
७	शु	४५	२७	ज्ये	४५	१८	सि	३३	४१	वि	१३	५९	३०/००	६/०	६/०	२९	२०	२०	ध.४५।१८
८	श	४६	५०	मू	४७	४७	व्य	३१	४८	बा	१६	८	४	५/५९	१	३०	२१	२१	धनुषि
९	र	४६	१०	पू	४८	२९	व	२८	२२	तै	१६	३०	८	८	२	१	२२	२२	धनुषि
१०	चं	४३	३८	उ	४७	१०	प	२३	२९	व	१४	५४	१२	५८	२	२	२३	२३	म. ३।९
११	मं	३९	६	श्र	४३	४६	शि	१७	२	व	११	२२	१६	५७	३	३	२४	२४	मकरे
१२	बु	३२	३६	ध	३८	४९	सि	५६	४९/३०	कौ	५	५१	२१	५६	४	४	२५	२५	कुं.११।१७
१३	गु	२४	५१	श	३२	२६	शु	४९	३०	व	२४	५१	२५	५५	५	५	२६	२६	कुंभे
१४	शु	१५	४३	पू	२५	५	शु	३८	४८	श	१५	४३	२९	५४	६	६	२७	२७	मी.५६/११
१५	श	६	१	उ	१७	७	ब्र	२७	४१	ना	६	१	३३	५३	७	७	२८	२८	मीने

वसंतर्तु रविरुत्तरे फाल्गु.कृष्णेति महाराष्ट्राः

मीनेऽर्कः३३।५(सौर:३६३)रेवत्यां=
भ.५३।३४उ. उदयं गुरोः२६।२४ | उ.गु
भ. २६।४६या.चतुर्थी व्र.
उभा.रवि:५४।९ (सौर:५६।३९)
रेवयां भौम:१४।४८
भ.४२।३२उ.शत.४गुरु:३७।१५
भ.१३।५९ या.शीतलापूजनम्
=बुधः६।१९ वसंत १
रेवती.४शनि:३३।३४रा.चैत्रारंभ
भ.१४।५४ड.४३।३८या.
धनि·शुक्र.२७।३पापभोचनी११व्र,

भ·२४।५१उ.५०।१७यावक्रीबुध:४४।४२°
अस्तंशनि:१३।३६
मन्वादिः °प्रदोषाः

४९ पं.फा.कृ.२२.इ, ३९।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	९	११	४	११
१	१४	१८	१५	१५	२५	१५	१
५	४२	४०	४१	११	४९	५८	२
३५	२५	१	४९	१३	३५	३७	४७
५९	४५	८९	१२	११	६	३	५९
४१	१७	५६	२६	५५	५	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे १शनौ
मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा.
३न.३ युवावस्था
(सूती)मु. ३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

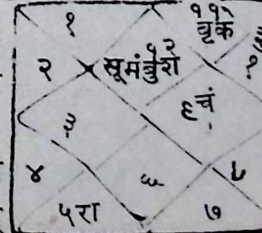

५०पं.चै.कृ.९र.इ.३९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	९	११	४	११
८	२०	२६	१७	२१	२६	१५	८
[illegible]	३	५	२८	३९	४०	३६	०
१८	५०	२०	२८	१४	४१	२२	४२
५९	४५	४४	१३	५६	७	३	५९
२९	१०	४	२०	८	५	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५०९९ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग–प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत–कलिः ५०९९ भौग्यकलिः ४२६९०१ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीर विक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५५ शाकः १९२० अथास्मिन् वर्षे राजा रविः। मंत्री चंद्रः। सस्येशो गुरुः। धान्येशोभौमः। मेघेशश्चंद्रः। रसेश: शनिः। नीरसेशो गुरुः। फलेशो रविः। धनेशोबुधः। दुर्गेशो रविः। एते दशाधिकारिणः। तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ५ खर नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गत मासादिः ९।२४।३९।२६ भोग्यमासादिः २।५।२०।३४ त्वष्टृ दैवतं युगम्। वर्षनाम भाद्रपदः। मेघनाम पुष्करः रोहिणी निवासः संधौ। समयनिवासो रजक गृहे। समय विश्वा १८ समय वाहनम् अश्वः। स्तंभा ३ अन्नजलतृणानां। सोमवत्यमाः १ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी १ भानुसप्तमी १ रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् ९ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११७ सत्यम्॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे ग्रहण १ सूर्यस्य पूर्वप्रदेशे।

सूर्यग्रहण।

भाद्रपद कृष्णा ३० शनिवासरे पूर्वभारते स्वल्पग्रासं सूर्यग्रहणम्। तद्वार्षिक पंचांगे दृष्टव्यम्।

वर्ष लग्नम् १।०

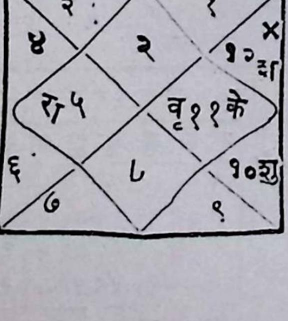

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल।
संवत पचपन देखकर कहो शुभाऽशुभ हाल।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला मैं समझाऊं तोय।
ग्रह चारों को देखतां संवत् अच्छा होय॥
राजा रवि मंत्री शशी संस्थाधिप गुरु राज।
मैत्रीयोग के कारणे सारें जग का काज॥
वर्षनाम है भाद्रपद रोहिणी तट निर्वार।
समयनिवासो रजकघर वर्षे मूसलधार॥
अट्ठारह विश्वा समय चंद्र भये मेघेश।
अनजल तृण के स्तंभ है संवत होय विशेष॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार।
"बंशीधर" भगवान का भजन जगत में सार॥

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् १०।२५

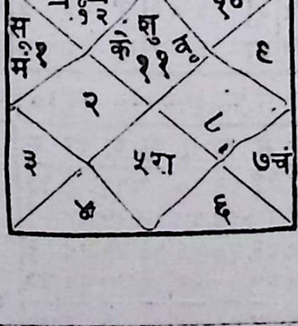

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३६।० केतकी मतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।४९।१०

× चं. मं. बु. सू.।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Rajajgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गोषुजनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ।। मंत्री चंद्रस्त त्फलम् ।। शनि मंत्रिगतेबहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशोगुरुः फलम् ।। कणपतौ सुर राजपुरोहिते सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौम स्तत्फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृततैलानि महर्धाणि भवंति च ।। मेघेशश्चंद्रः फलम् ।। शशिनितोयदपे यदि गोमहिष्यजवरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविधभोगवती ननु भामिनी ।। रसेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजि-खरोष्ट्रहा जनपदेषुनरान्न रसैर्युता ।। नीरसेशोगुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीतवस्तूनि पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदाजीवो सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशो रविः फलम् ।। द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोगविरोधतः । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधस्तत्फलम् ।। द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविध संग्रहवस्तुफला तदा । द्विजवरा जप यज्ञसुसंयुताः । कृषिविशेषविशेषित मानवाः ।। दुर्गेशोरविः फलम् ।। नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमा । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् ।। खरनाम संवत्सरफलम् ।। खराब्देनिखिलालोकाः अन्योऽन्यं समरोत्सुकाः । मध्यमा बृष्टि रत्युग्रैः रोगैर्यान्ति लयं नृपाः ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अर्घं महर्घतां यांति धनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं संपदौ भाद्रवर्षके ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणीनिवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे । रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

संमत् २०५५ मध्ये विवाह मुहूर्त्ताः

वैशाखज्येष्ठयोर्विवाहेषु गोधूल्यां भौम ७ दोषः ।

वैशाख मासः ।

कृ. ५ शुक्र मूले ल. गो. १० रे. ६ ऽ।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा. आवश्यके

,, ७ रवौ उषा. ल. अन्यगो. ६।१२ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

शु.२ भौमे रोहि ल. १०।१२ रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।

,, ३ बुधे मृगे ल.१२ रे. ९ ।।।।ऽचो ।।।। घ. ५५।३२उ.

,, ६ चंद्रे मघा. ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽअऽ।ऽ। गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

,,११ गुरौ उफा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽबुऽ।ऽ।।। पादतो-बेधाऽभावः

,, ,, हस्ते ल. ६।१० रे. ६ऽऽ।ऽशुऽ।।।।।पादतो वेधा भावःआवश्यके

,, १२ शुक्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. रे ६ ऽऽ।ऽशुऽ।।।। पादतो बेधाऽभावः आव.

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. १ भौमे अनु. ल. ६ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ५ शनौ उषा. ल. १२ (घ.५३।३८उ.)रे. ६ ।।।।ऽ अऽऽ।. गणितनक्रांति साम्याऽभावः आवश्यके

,, १० गुरौ उभा. ल. अन्यगो. ६।१० रे.७।।।।ऽचोऽऽ।।

,, ११ शुक्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. ६।१०रे. ८।।ऽशु।।।ऽ।। शुक्रयुतिः

शु. ८ भौमे उफा. ल. १२ रे. ८।।।ऽ।ऽ।।। चं. पूज्यः

,, ६ बुधे उफा. ल. गो. रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।।

,, १३ चंद्रे अनु. ल. ६।१० रे. ८ ।।।ऽशु।।ऽ।।। शुक्रस्य-पादवेधाऽभावः

,, १५ बुधे मुलें ल. १०।१२ रे. ७।।।ऽ।ऽऽ।।

आषाढ मासः ।

कृ. ६ गुरौ रेवत्यां ल. अन्यगो. १०रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शु. ६ भौमे उफा. ल. १०।१२।२ रे. ७।ऽ।।।ऽऽ।। मीने चन्द्र ७ पू.

पौषमासः ।

कृ.१ शुक्रे मृगेल. ४रे. ७।ऽ।ऽ।ऽ।ऽ।। गुरु ८दोषः आवश्यके

,, ८ शुक्रे उफा, ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।

माघ मासः ।

शु. ५शुक्रेउभा.ल.अन्यगो.सोग्रांगः८।९ रे.८।।।।ऽरोऽ।।

.. ६ शनौ रेव. ल.अन्यगो सोग्रांगः८।६ रे. ६।।।।।।ऽ।।

,, ६ भौमे रोहि. ल. ८(घ.५०।७ उ.) रे. ७।।।ऽबु।।ऽऽ।

फाल्गुन मासः ।

कृ. ३ बुधे उफा ल. ८।६ रे. ८ ।।।।ऽअ।ऽ।।

,, ४ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ६ ।।।।।।ऽ।। हस्ते ल.८।६ रे.६।।।ऽगु. ऽ।ऽऽ।। पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावः

,. ८ भौमे अनु. ल. अन्यगो. ९ रे.७ ऽ।।।ऽरोऽ।।

शु. २ गुरौ उभा. ल. ८।६ रे. ७ ।।ऽगु ।।।ऽऽ।।

चैत्र मासः

कृ. १ बुधे उफा ल. गो. ८ (घ. ४५।१८ या.) रे. ६ ।।।ऽशु ।।।।। शुक्रस्यपादवेधाद्वेधाऽभावः

,, ६ चंद्रे अनु. ल. अन्यगो. रे. ८ ऽऽ।।।।।।।

,, ७ भौमे अनु. ल. अन्यगो रे. ७ ऽऽ।।।ऽचो ।।।।

,, ११ शनौउषा.ल.६घ.४८।६उ.रे. ८।।।।ऽअ.।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	५०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	र	४६	२९	रे	९	२५	ऐं	१६	५८	बा	२१	१७	३०/७	५/५३	६/७	८	२९	२९	मे. ९।२५
३	चं	३७	४३	भ	२/५	५४/००	वै	३/२	५०/२९	तै	१२	११	४१	५२	८	९	१	३०	मेषे
४	मं	३०	२९	कृ	५१	२३	प्री	४९	१५	व	४	११	४५	५१	९	१०	२	३१	वृ. ९।५५
५	बु	२४	४६	रो	४८	३७	आ	४२	५५	बा	२४	४६	४९	५०	१०	११	३	१	वृषे
६	गु	२०	५९	मृ	४७	३४	सा	३७	५१	तै	२०	५९	५३	४९	११	१२	४	२	मि. १८।५
७	शु	१८	५५	आ	४८	३७	शो	३४	२०	व	१८	५५	५७	४९	११	१३	५	३	मिथुने
८	श	१८	५९	पु	५१	१९	अ	३२	२६	ब	१८	५९	३/१	४८	१२	१४	६	४	क. ३५/२
९	र	२०	४२	पु	५५	३५	सु	३१	४३	कौ	२०	४२	५	४७	१३	१५	७	५	कर्के
१०	चं	२३	५५	श्ले	६०	०	धृ	३२	३३	ग	२३	५५	८	४६	१४	१६	८	६	कर्के
११	मं	२८	२९	श्ले	१	७	शू	३३	२९	वि	२८	२९	१२	४६	१४	१७	९	७	सिं. १।७
१२	बु	३३	४०	म	७	२९	गं	३५	२२	बा	१	४	१६	४५	१५	१८	१०	८	सिंहे
१३	गु	३९	४८	पू	१४	३३	वृ	३७	३१	कौ	६	४४	१९	४४	१६	१९	११	९	कं. ३१/५
१४	शु	४५	५४	उ	२२	२	ध्रु	३९	४१	ग	१२	५१	२३	४३	१७	२०	१२	१०	कन्यायां
१५	श	५२	६	ह	२९	२८	व्या	४१	५८	वि	१९	०	२६	४३	१७	२१	१३	११	कन्यायां

वसंततर्तू रविरुत्तरेहर्गणः २१८४ स.१९९८

संवत्सरारंभ : शनिवासरे
बुधास्त:पश्चिमायां २२।३४ चंद्रदर्शनम् ×
मत्स्यज.गणगौरी.जिल्हेज १२ [× सिंधारा
भ. ४।११उ. ३०।२९ या. रेवत्यां रवि÷
अप्रेल ४ ता. ३०
[÷२१।४८(सौर:२६।६) कुंभेशुक्र१०।५७
भ. १८।५५ उ. ४८/५७ या.पूभा. १गुरु:७।२३
अश्वि. मेषे भौम: ४५।५६
रामनवमी
भ. ५६।१२उ. शते शुक्र: ३९।२६
भ. २८।२९या. कामदा ११ व्र.
प्रदोष:
भ. ४५।५४ उ.
भ. १९।०या. हनुमज्जयंतीवैशाखस्नानारंभ

५१ पं.चै.शु २२.इ. ३९।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	१०	९	११	४	११
१४	२५	२७	१८	२८	२७	१५	१४
५९	२३	३३	५७	२९	३२	१४	५६
१०	२४	१८	२२	३८	२८	६	५०
५९	४४	३१/२१	१३	५९	७	३	५९
१६	५२	व.	२	२५	१४	११	४८

गोचर ग्रहाः

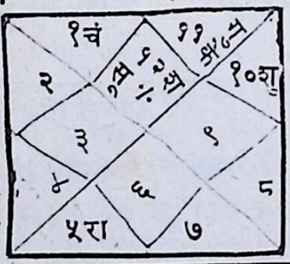

इस मास में गेहूं जो चना मूग मोठ आदि मोटे अनाजो में मंदी होवे । सोना चांदी धातु पाट वारदाना रुई में तेजी हो ।

गोचर ग्रहाः

५२ पं.चै शु ६ र इ. ४०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	१०	१०	११	४	११
२१	०	२३	२०	५	२८	१४	२१
५३	४०	३९	३२	३८	२५	५१	५१
३१	८	१४	६	४२	३०	५०	०१
५९	४४	४५/३३	१२	६१	७	३	५९
४	३१	व.	३७	५५	२०	११	४

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	५८	१५	चि	३६	५३	ह	४४	१४	बा	२६	१०	३१/३०	५/४२	६/१८	२२	१४	१२	तु. ३।११
२	चं	६०	०	स्वा	४३	५८	व	४६	११	तै	३१	५	३४	४१	१९	२३	१५	१३	तुलायां
२	मं	३	५५	वि	५०	२८	सि	४७	२८	ग	३	५५	३८	४०	२०	२४	१६	१४	वृ. ३३/५०
३	बु	८	४३	अ	५६	६	व्य	४८	१३	वि	८	४३	४२	४०	२०	२५	१७	१५	वृश्चिके
४	गु	१२	४९	ज्ये	६०	०	व	४८	३	बा	१२	४९	४६	३९	२१	२६	१८	१६	वृश्चिके
५	शु	१५	४३	ज्ये	०	४४	प	४७	५	तै	१५	४३	५०	३८	२२	२७	१९	१७	ध. ०।४४
६	श	१७	३४	मू	४	९	शि	४४	५७	व	१७	३४	५३	३७	२३	२८	२०	१८	धनुषि
७	र	१७	४६	पू	६	७	सि	४१	३२	व	१७	४६	५७	३७	२३	२९	२१	१९	म. २१/१५
८	चं	१६	४०	उ	६	३८	सा	३६	५६	कौ	१६	४०	३/१	३६	२४	३०	२२	२०	मकरे
९	मं	१३	४०	श्र	५	२०	शु	३०	३५	ग	१३	४०	५	३५	२५	१	२३	२१	कुं. ३३/५१
१०	बु	८	४७	ध	३/२२	५५/३३	शु	२३	१३	वि	८	४७	९	३४	२६	२	२४	२२	कुम्भे
११	गु	२	३५	पू	५१	५९	ब्र	१४	३०	बा	२	३५	१२	३४	२६	३	२५	२३	मी. ३८/२८
१२	गु	५२	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१३	शु	४६	२	उ	४५	११	ऐं	५९/४	४९/३३	ग	२०	२६	१६	३३	२७	४	२६	२४	मीने
१४	श	३६	२२	रे	३७	३४	वि	४३	५३	वि	११	१२	२०	३२	२८	५	२७	२५	मे. ३७।३४
१५	र	२६	३७	अ	२९	५९	प्री	३२	५८	च	१	२९	२३	३१	२९	६	२८	२६	मेषे

वसंततर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराष्ट्राः

अश्वि. मेषेऽर्क: ५५।४८(सौर:५८।४०)
भ. ३६।१९ उ.
भ. ८।४३ या. चतुर्थी व्र.
वक्री उभा. बुध: १४।४४
भ. १७।३४उ. ४७।४०या. पूभा. २गुरु:×
पूभा.शुक्र: ११।१२
[× ३३।३९अश्वि. १ मेषे शनि: ६।७
भ.४१।१३उ.भा.वैशाखारंभ:पातस्पर्श: ÷
भ. ८।४७या.मार्गी बुध:१२।६ भरण्यां+
वरूथिनी ११ व्र. [+ भौम: ३८।५१
[÷ २९।४३ पातमोक्ष: ४६।३५
भ. ४६।२ उ.रेवत्यां बुध:५७।३९प्रदोष:
भ. ११।१२ या.

१पं.वै.कृ. २चं.इ ५५।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	१०	११	४	११
०	६	१७	२२	१४	२९	१४	२९
०	५२	५८	१९	२०	२७	२५	५७
०	१९	३०	१२	४६	५०	४२	१२
५८	४४	३३/५४	१२	६३	७	३	५८
४४	२२	व.	१४	५९	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

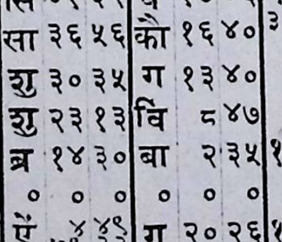

वैशाख कृष्णे २ चन्द्रे मेषेऽर्क: प्रविष्ट:वा. ३ न.४ प्रौढावस्था (बैठी)मु. ४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

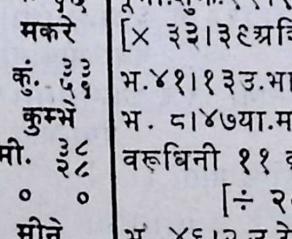

२ पं.वै.कृ ८चं.इ. ५६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	१०	०	४	०
६	१२	१६	२३	२१	०	१४	६
५०	४	१८	४७	५४	२०	३	४७
४२	५	०	५३	५०	४६	२७	२३
५८	४४	२८/५	११	६५	७	३	५८
३१	१७	व.	४५	४४	२०	११	२९

÷ मं बु × के गु (सं० २००१ [illegible] पर्यन्तम्) ※ के गु + के गु

CC0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेहर्गणः२२१३ सन् १९९८
१	चं	१७	५	भ	२२	३३	आ	२२	५२	ब	१७	५	३२/२७	५/३१	६/२९	७	२९	२७	वृ. ५५/९	भरण्यां रविः३६।२ (सौरः४०।५)चं. द.
२	मं	८	२५	कृ	१६	१७	सौ	१३	३१	कौ	८	२५	३१	३०	३०	८	१	२८	बृषे	मीने शुक्रः १५।५७ बुधोदयःपूर्वस्यां ×
३	बु	१	४	रो	११	३२	शो	५/१०	५३/१८	ग	१	४	३४	२९	३१	९	२	२९	मि.४०।४	भ. २८।१८ उ. ५५।३३ या. अक्षया ३
४	बु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[× ३३।४२परशुराम ज. मोहर्रम १ ÷
५	गु	५१	५८	मृ	८	३७	सु	५३	२८	ब	२३	४५	३८	२८	३२	१०	३	३०	मिथुने	उदयं शने :४५।२७ [÷ सन् १४१९ हि.
६	शु	५०	३५	आ	७	३५	धृ	४९	१३	कौ	२१	१७	४१	२८	३२	११	४	१	क.५३।३४	उभा. शुक्रः १४।४४ मई ५ ता० ३१
७	श	५१	१७	पु	८	५३	शू	४८	२३	ग	२०	५६	४५	२७	३३	१२	५	२	कर्के	भ. ५१।१७ उ. पातस्पर्शः ५२।३२
८	र	५३	५०	पु	१२	१०	गं	४८	२९	वि	२२	३४	४८	२६	३४	१३	६	३	कर्के	भ. २२।३४ या. पातमोक्षः १८।४०
९	चं	५८	४	श्ले	१६	५३	वृ	४९	११	बा	२५	५७	५२	२६	३४	१४	७	४	सिं. ३/३६	मघा ४ राहुः शते. २ केतुः ३६।१०
१०	मं	६०	०	म	२२	५९	ध्रु	५०	५८	तै	३०	४४	५५	२५	३५	१५	८	५	सिंहे	पूभा. ३ गुरुः ३२।४३
१०	बु	३	२५	पू	३०	१८	व्या	५३	१८	ग	३	२५	५८	२४	३६	१६	९	६	कं. ४७।९	भ. ३६।३२ उ. [B भौमः ५३।५६
११	गु	९	४०	उ	३७	३७	ह	५५	४७	वि	९	४०	२/३	२४	३६	१७	१०	७	कन्यायां	भ. ९।४० या. मोहिनी ११ व्र.
१२	शु	१५	५३	ह	४५	२८	व	५८	१३	बा	१५	५३	५	२३	३७	१८	११	८	कन्यायां	व्रदोषः [A मेषे बुधः ३०।३७ कृति. B
१३	श	२२	४	चि	५२	४१	सि	६०	०	तै	२२	४	८	२२	३८	१९	१२	९	तु. १९।४	नृसिंहजयंती [+ वै. स्ना. पूर्तिः
१४	र	२७	५३	स्वा	५९	३५	सि	०	१७	व	२७	५३	११	२२	३८	२०	१३	१०	तुलायां	भ. २७।५३ उ. ५९।५७ या. अश्वि. A
१५	चं	३२	१	वि	६०	०	व्य	२	२	ब	३२	१	१४	२१	३९	२१	१४	११	वृ.४९।१	कृत्ति. रविः २१।५८(सौरः२७।५७)+

३पं.वै.शु.१चं.इ.५६।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	१०	०	४	०
१३	१७	१८	२५	२९	१	१३	१३
२९	१३	२६	१२	३८	१३	४१	३५
४७	३०	२४	५०	६	४४	११	४८
५८	४४	२४/४३	११	६७	७	३	५८
१९	७	मा	८	६	१४	११	१२

४ पं.वै.शु.९ चं.इ.५६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१०	११	०	४	०
२०	२२	२३	२६	७	२	१३	२०
२७	२१	४६	३३	२७	५	१८	२२
२५	४	३०	४०	११	३१	५५	३१
५८	४३	५४	१०	६८	७	३	५७
६	३७	१९	३१	११	७	११	५७

५पं.वै.शु.१५चं.इ. ५६।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	१०	११	०	४	०
२७	२७	१	२७	१५	२	१२	२७
१३	२३	४३	४९	२३	५६	५६	७
३७	३०	१६	५५	१७	३१	४०	४५
५७	४३	७५	९	६९	६	३	५७
५४	२६	२३	४८	२	५६	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	३७	७	वि	५	३०	व	३	८	बा	४	३४	३३/१७	५/२१	६/३९	२२	१५	१२	वृश्चिके	[× ४६।१३ (यौरः ५५।४४)
२	बु	४०	२८	अ	१०	३२	प	३	२८	तै	८	४८	२०	२०	४०	२३	१६	१३	वृश्चिके	रेवत्यां शुक्रः ३।२८
३	गु	४२	४१	ज्ये	१४	४३	शि	३	१	व	११	३५	२३	१९	४१	२४	१७	१४	ध. १४/४३	भ. ११।३५ उ. ४२।४१ या.बृषेऽर्क ×
४	शु	४३	५०	मू	१७	५६	सि	५१/३	५७/६	ब	१३	१६	२६	१९	४१	२५	१८	१५	धनुषि	बृषे भौमः३२।१३अश्वि.२शनिः२७/१४च.व्र.
५	श	४३	५४	पू	२०	९	शु	५६	५४	कौ	१३	५२	२८	१८	४२	२६	१९	१६	म. ३५/२४	[+ पूभा.४मीने गुरुः१२।२सोमवती ३० *
६	र	४२	५४	उ	२१	८	शु	५३	९	ग	१३	२४	३१	१८	४२	२७	२०	१७	मकरे	भ. ४२।५४ उ.
७	चं	४०	४६	श्र	२१	५	ब्र	४८	१८	वि	११	५०	३४	१७	४३	२८	२१	१८	कुं. ५०/२५	भ. ११।५० या [* वट्पूजनम्
८	मं	३७	१२	ध	१९	४४	ऐं	४२	३४	बा	८	५९	३७	१७	४३	२९	२२	१९	कुंभे	भरण्यां बुधः ५४।१६
९	बु	३२	४१	श	१७	४	वै	३५	३८	तै	४	५६	३९	१६	४४	३०	२३	२०	मी. ५९/१६	भ. ५९।३७ उ.
१०	गु	२६	३४	पू	१३	१९	वि	२७	५३	वि	२६	३४	४२	१६	४४	३१	२४	२१	मीने	भ. २६।३४ या.
११	शु	१९	४१	उ	८	२३	प्री	१९	१९	बा	१९	४१	४४	१५	४५	१	२५	२२	मीने	भा. ज्येष्ठारंभः अपरा ११ व्र.
१२	श	११	८	रे	३/१	५३/४३	आ	१०	८	तै	११	८	४७	१५	४५	२	२६	२३	मे.२।३१	प्रदोषः
१३	र	३	१४	भ	४९	३४	सौ	०/२२	५०/११	व	३	१४	४९	१४	४६	३	२७	२४	मेषे	भ. ३।१४ उ. २८।४१ या. अश्वि. ÷
१४	र	५१	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ मेषे शुक्रः ४२।२१
३०	चं	४५	५९	कृ	४३	१४	अ	४१	५	च	२०	१३	५२	१४	४६	४	२८	२५	वृ. २।५९	रोहि. रविः१२।४७ (सौरः२१।५२)+

६ पं. ज्ये.कृ.७चं.इ.५६।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	१०	११	०	४	१
३	२	११	२९	२३	३	१२	३
५८	२७	४८	०	२३	४६	३४	५१
३७	२९	५४	५८	३८	१९	२४	२६
५७	४३	३५	९	६९	६	३	५७
४४	१६	२२	५	५३	३८	११	३४

गोचर ग्रहाः

ज्यष्ठकृष्णे ३ गुरौ
बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.
४ न. ४ बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्य।दिभावे समता
शुक्रुयय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

७पं.ज्ये.कृ.३०चं.इ.५७।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	११	०	०	४	१
१०	७	२३	०	१	४	१२	१०
४२	२७	४५	६	२७	३३	१२	३३
२९	१४	३२	७	०	२९	९	३९
५७	४३	[illegible]	८	७०	६	३	५७
३५	६	[illegible]	१९	३४	२६	११	२३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

* शु गु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२२४२स.१९९८
१	मं	३८	१६	रो	३७	४४	सु	३२	२२	किं	१२	८	३३/५४	५/१३	६/४७	५	२९	२६	वृषे	
२	बु	३१	५३	मृ	३३	४०	धृ	२४	४५	बा	५	५	५६	१३	४७	६	३०	२७	मि.५।४२	कृत्ति. बुधः ३०।८ चन्द्र दर्शनन्
३	गु	२७	७	आ	३१	५	शू	१८	२१	ग	२७	७	५८	१२	४८	७	१	२८	मिथुने	भ. ५५।४९ उ. सफर २
४	शु	२४	३२	पु	३०	२७	गं	१३	१८	त्रि	२४	३२	३४/००	१२	४८	८	२	२९	क.१५।३७	भ. २४।३२या. बृषे बुधः१६।४७रोहि.×
५	श	२३	५८	पु	३१	५६	बृ	१०	१४	बा	२३	५८	२	१२	४८	९	३	३०	कर्के	बुधस्तः पूर्वस्यां१७।३४ [× भौमः२०।१५
६	र	२५	२७	श्ले	३५	३५	ध्रु	८	१०	त	२५	२७	३	११	४९	१०	४	३१	सिं. ३५/५	
७	चं	२८	५३	म	४०	५५	व्या	७	५६	व	२८	५३	५	११	४९	११	५	१	सिंहे	भ. २८।५३ उ. जून ६ ता. ३०
८	मं	३३	४१	पू	४७	४०	ह	९	२	वि	१	१७	७	११	४९	१२	६	२	सिंहे	भ. १।१७ या.
९	बु	३९	४१	उ	५४	५३	व	११	७	बा	६	४१	९	१०	५०	१३	७	३	कं ४।२८	रोहि. बुधः ११।५२
१०	गु	४५	४४	ह	६०	०	सि	१३	२५	तै	१२	४३	१०	१०	५०	१४	८	४	कन्यायां	गंगादशमी
११	शु	५२	५५	ह	२	२९	व्य	१६	२	व	१८	५०	१२	१०	५०	१५	९	५	तु. ३६।८	भ. १८।५० उ. ५१।५५ या. भरण्यां ÷
१२	श	५७	३८	चि	९	४७	व	१८	२५	ब	२४	४७	१३	९	५१	१६	१०	६	तुलायां	[÷ शुक्रः ६।१४ निर्जला ११ व्र.
१३	र	६०	०	स्वा	१६	४६	प	२०	९	कौ	३०	५	१५	९	५१	१७	११	७	तुलायां	प्रदोषः
१३	चं	२	३२	वि	२२	३७	शि	२१	०	तै	२	३२	१६	९	५१	१८	१२	८	वृ. ६।८	मृगे रविः ७।४० (सौरः २०।४२)
१४	मं	६	०	अ	२७	१६	सि	२१	०	व	६	०	१७	९	५१	१९	१३	९	वृश्चिके	भ. ६।० उ. ३७।१६ या. मृगे बुधः २१/४६
१५	बु	८	३१	ज्ये	३०	५८	सा	२०	१६	ब	८	३१	१८	८	५२	२०	१४	१०	ध.३०।५८	गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

८पं.ज्ये. शु.७चं.इ. ५७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	११	०	०	४	१
१७	१२	७	१	९	५	११	१७
२५	२४	२४	५	३५	१८	४९	१४
१९	३२	३२	२	३८	४०	५३	४३
५७	४२	[illegible]	७	७१	६	३	५७
२७	४६	[illegible]	१२	११	७	११	१३

गोचर ग्रहाः

वृष राशौ यदा भौमः सर्व धान्य महर्घता। चन्दनं कुकुमं वस्त्रं कार्पासादि महर्घता।। इस सास में चांदी सोना तिल पाट मन्दे व घृत तेज हो।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु१३ चं.इ. ५७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	११	०	०	४	१
२४	१७	२२	१	१७	६	११	२३
७	१८	२७	५७	४७	१	२७	५४
१९	५८	१४	२२	२	२३	३७	३९
५७	४२	[illegible]	६	७१	५	३	५७
२२	२०	[illegible]	१७	३८	४६	११	०५

ति.	आषाढ़ कृष्ण पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्त रे ज्येष्ठ कृष्णेत्ति महा.
१	गु	९	३६	मू	३३	१०	शु	१८	२५	कौ	९	३६	३४/१९	५/८	६/५२	२१	१५	११	धनुषि	
२	शु	९	४०	पू	३४	२०	शु	१५	३९	ग	९	४०	१९	८	५२	२२	१६	१२	म. ४९/२६	भ. ३९।२ उ. मिथुने बुधः २८।२९
३	श	८	२४	उ	३४	४४	ब्र	१२	१५	वि	८	२४	२०	८	५२	२३	१७	१३	मकरे	भ. ८।२४ या. चतुर्थी व्र.
४	र	६	२७	श्र	३४	१९	ऐं	८	१	बा	६	२७	२१	८	५२	२४	१८	१४	मकरे	(× बुधः ३।३५ अश्वि. ३शनिः४२।३८
५	चं	३	४७	ध	३३	१	वै	४/१२	५४/२६	तै	३	४७	२१	८	५२	२५	१९	१५	कुं.३।१७	मिथुनेऽर्कः६।१४ सौरः२१।३०) आर्द्रा.×
६	मं	०	१६	श	३१	३	प्री	५२	४७	व	०	१६	२२	८	५२	२६	२०	१६	कुंभे	भ.०।१६उ.२८।१०या.कृत्ति.शुक्र२९।२३
७	मं	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	बु	५१	२०	पू	२८	३१	आ	४६	९	बा	२३	४२	२२	८	५२	२७	२१	१७	मी. १४।९	मृगे भौमः ३४।५९
९	गु	४५	५०	उ	२४	९	सौ	३९	७	तै	१८	३५	२३	७	५३	२८	२२	१८	मीने	
१०	शु	३९	४९	रे	२१	८	शो	३१	३१	व	१२	५०	२३	७	५३	२९	२३	१९	मे.२१।८	भ. १२।५०उ. ३९।४९या.बृषे शुक्रः १५/५८
११	श	३३	१०	अ	१६	४८	अ	२३	३३	ब	६	२९	२३	७	५३	३०	२४	२०	मेषे	योगिनी ११ व्र.
१२	र	२६	१७	भ	११	५६	सु	१५	१४	तै	२६	१७	२४	७	५३	३१	२५	२१	वृ. २५/५६	पुनः बुधः५३।५४बुधोदयः पश्चिमायां २२/५४
१३	चं	१९	१६	कृ	७	५६	धृ	७/२	५३/२	व	१९	१६	२४	७	५३	१	२६	२२	वृषे	भ. १९।१६ उ.४५।५४या.आर्द्रा रविः ÷
१४	मं	१२	३२	रो	२/२८	५६/८	गं	५१	४७	श	१२	३२	२४	७	५३	२	२७	२३	मि. ३०/२	[÷ ५।९ (सौरः२३।५) उभा. १ गुरुः +
१५	बु	६	५०	आ	५४	६	बृ	४५	७	ना	६	५०	२४	७	५३	३	२८	२४	मिथुने	[+ ७।५३ भा. आषाढारंभ : प्रदोषः

१०पं.आ.कृ.५ चं.इ. ५७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	११	०	०	४	२
०	२२	७	२	२६	६	११	०
४८	११	५३	४२	१	४१	५	३३
३६	१३	६	१४	१६	१७	२२	४८
५७	४२	[illegible]	५	७२	५	३	५६
१७	१०	[illegible]	१०	२	१९	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ५ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५म.५प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

११पं.आ.कृ.१३चं.इ.५७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	११	१	०	४	२
७	२७	२२	३	४	७	१०	७
२९	१	२	१९	१७	१७	४३	१२
३१	१२	४९	१६	४२	५६	६	१५
५७	४२	[illegible]	४	७२	४	३	५६
१३	००	[illegible]	४	२५	५३	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः २२७२ सन् १९९८
१/२	गु	२/७	५६/५६	पु	५४	२५	ध्रु	३९	४३	ब	२	७	३४/२४	५/७	६/५३	४	२९	२५	कं. ३९/५	चन्द्र दर्शनम् रथयात्रा
३	शु	५७	५३	पु	५४	५५	व्या	३५	४४	तै	२८	२८	२३	७	५३	५	१	२६	कर्के	रविलावल ३
४	श	५८	५७	श्ले	५७	१६	ह	३३	७	व	२८	२०	२३	७	५३	६	२	२७	सिं. ५७/१६	भ. २८।२० उ.५८।४७ या. कर्के बुधः ×
५	र	६०	०	म	६०	०	व	३२	१८	ब	२९	५८	२२	८	५२	७	३	२८	सिंहे	[× १५।४१ रोहि. शुक्रः ४७/४३ मिथुने ÷
५	चं	१	१०	म	१	३२	सि	३२	३५	बा	१	१०	२२	८	५२	८	४	२९	सिंहे	पुष्ये बुधः २।० +भौमः २०।३९
६	मं	५	२०	पू	७	१७	व्य	३४	४४	तै	५	२०	२१	८	५२	९	५	३०	क.२४।१	
७	बु	१०	४३	उ	१४	८	व	३६	४६	व	१०	४३	२०	८	५२	१०	६	१	कन्यायां	भ. १०।४३ उ. ४४।१६ या. +
८	गु	१७	४९	ह	२१	१५	प	३८	३२	ब	१७	४९	१९	८	५२	११	७	२	तु.५५।८	[+ जोलाई ७ ता. ३१
९	शु	२२	५५	चि	२६	१	शि	४०	५५	कौ	२२	५५	१८	८	५२	१२	८	३	तुलायां	[A ३ राहुः शत. १ केतुः ३०।१२
१०	श	२८	५२	स्वा	३६	८	सि	४३	०	ग	२८	५२	१७	९	५१	१३	९	४	तुलायां	[B वायुपरीक्षा गुरु १५ व्यास पूजा
११	र	३३	३८	वि	४२	२०	सा	४४	११	व	१	१५	१६	९	५१	१४	१०	५	वृ. २५/४७	भ. १।१५ उ. ३३/३८ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	चं	३७	१	अ	४७	७	शु	४४	२३	ब	५	१९	१५	९	५१	१५	११	६	वृश्चिके	पुन. रविः ३।३९(सौरः २७।५)मघा A
१३	मं	३९	११	ज्ये	५०	२६	शु	४३	२३	कौ	८	६	१४	९	५१	१६	१२	७	ध. ५०/२६	आश्ले. बुधः ५७/४२ आर्द्रा. भौमः ५/११ प्रदोषः
१४	बु	३९	२६	मू	५२	१३	ब्र	४०	३	ग	९	१९	१३	९	५१	१७	१३	८	धनुषि	भ. ३९।२६ उ.
३०	गु	३८	२३	पू	५२	३१	ऐं	३७	५०	वि	८	५५	११	१०	५०	१८	१४	९	धनुषि	भ. ८।५५ या. मृगे शुक्रः ४४।१३ B

१२ पं.आ.शु.५चं.इ. ५७।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	१	०	४	२
१४	१	४	३	१२	७	१०	१३
९	४८	३३	४७	३६	५१	२०	५०
५८	५०	६	३८	४७	२२	५१	२०
५७	४१	६/०	२	७२	४	३	५६
७	४६	३५	५८	४६	२६	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में गुड सक्कर जो चना गेहूं चावल घृत में मन्दी होकर तेजी होगी कही २ अच्छी वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.१२चं.इ. ५६/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	१	०	४	२
२०	६	१५	४	२०	८	९	२०
५०	३४	१५	७	५७	२०	५८	२८
२४	१६	४०	४१	१४	२	३५	१४
५७	४१	८३	१	७३	३	३	५६
७	३४	१४	३३	१	४६	११	५०

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	३५	४९	उ	५१	५७	वै	३३	२०	बा	७	७	३४/१०	५/१०	६/५८	१९	१५	१०	म.७।२१	[÷ सिंहे बुधः १४।१ आर्द्रा. शुक्रः२।४२
२	श	३२	२३	श्र	५०	३	वि	२८	४	तै	४	६	८	१०	५०	२०	१६	११	मकरे	
३	र	२८	४	ध	५७	२८	प्री	२२	१३	व	०	१३	७	११	४९	२१	१७	१२	कुं. १८/४६	भ. ०।१३ उ. २८।४ या. चतुर्थी व्र.
४	चं	२३	१०	श	४४	२६	आ	१५	४८	बा	२३	१०	५	११	४९	२२	१८	१३	कुम्भे	
५	मं	१८	८	पू	४१	२०	सौ	९	४	तै	१८	८	३	११	४९	२३	१९	१४	मी. २७।७	मिथुने शुक्रः २८।३१ नाग ५ मरुस्थले
६	बु	१२	५४	उ	३८	८	शो	२/१६	५३/१३	व	१२	५४	१	१२	४८	२४	२०	१५	मीने	भ. १२।५४ उ. ४०।१७ या.
७	गु	७	४०	रे	३४	४९	सु	४८	३१	ब	७	४०	३३/५९	१२	४८	२५	२१	१६	मे. ३४।४९	कर्कोऽर्कः ३३।५(सौरः ५९।४९)वक्री ×
८	शु	२	२०	अ	३१	३५	धृ	४१	३७	कौ	२	२०	५७	१३	४७	२६	२२	१७	मेषे	[× गुरुः १६।४६ उदयी भौमः ५३।४०
९	शु	५४	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	श	५१	४०	भ	२८	१०	शू	३४	३२	व	२४	२१	५५	१३	४७	२७	२३	१८	बृ. ४३/२२	भ. २३।२१ उ. ५१।४० या.
११	र	४६	२७	कृ	२४	५८	गं	२७	४४	ब	१९	३	५२	१४	४६	२८	२४	१९	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	चं	४१	३६	रो	२१	५६	वृ	२१	५	कौ	१४	१	५०	१४	४६	२९	२५	२०	मि. ५०/३७	पुष्ये रविः२।४३(सौरः ३०।३०)मघा.÷
१३	मं	३७	२६	मृ	१९	१७	ध्रु	१५	०	ग	९	३१	४८	१४	४६	३०	२६	२१	मिथुने	भ. ३७।२६ उ. प्रदोषः
१४	बु	३३	५१	आ	१७	२९	व्या	९	१६	वि	५	३८	४५	१५	४५	३१	२७	२२	मिथुने	भ. ५।३८ या.
३०	गु	३१	३५	पु	१६	४४	ह	४	२५	च	२	४३	४३	१५	४५	१	२८	२३	क. १।५५	भा. श्रावणारंभः हरियाली ३०

१४ पं. श्रा.कृ.४ चं.इ. ५६/४६ ।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	११	१	०	४	२
२७	११	२४	४	२९	८	९	२७
३०	१७	०	१७	२१	४५	३६	०६
४३	२०	७	५३	११	७	१९	२१
५७	४१	६१	०	७३	३	३	५६
११	२३	१३	२६	१९	१५	११	५४

गौचर ग्रहाः

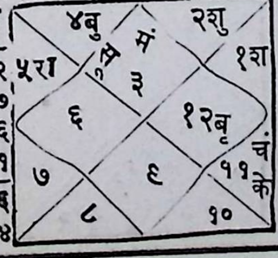

श्रवण कृष्णे ७ गुरौ कर्कोऽर्कः प्रविष्ट :वा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१५ पं.श्रा.कृ. १२चं.इ. ५६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	२	०	४	३
४	१५	०	४	७	९	९	३
११	५८	२५	१९	४६	५	१४	४४
२८	१	१६	१	१	४९	४	४८
५७	४०	३५	५/२	७३	२	३	५६
१५	५७	३४	व.	२६	३१	११	५८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्ल पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३०१सन् १९९८
१	शु	३०	४६	पु	१७	२५	व	०/२८	५६/५९	किं	१	१२	३३/४०	५/१६	६/४४	२	२९	२४	कर्क	
२	श	३१	२८	श्ले	१९	२०	व्य	५६	३०	बा	१	८	३८	१६	४४	३	३०	२५	सिं. १९/२०	चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	र	३३	५५	म	२२	५७	व	५५	५८	तै	२	४१	३५	१७	४३	४	१	२६	सिंहे	तीज रविलाखर ४
४	चं	३८	३८	पू	२७	४६	प	५६	३८	व	६	१६	३३	१७	४३	५	२	२७	कं.४४।२७	भ. ६।१६ उ. ३८।३८ या. पुनः भौमः ×
५	मं	४२	४८	उ	३४	२०	शि	५८	२२	ब	१०	४३	३०	१८	४२	६	३	२८	कन्यायां	नागपंचमी [× ३।१४ वरद ४
६	बु	४८	३५	ह	४१	१४	सि	६०	०	कौ	१५	४२	२७	१९	४१	७	४	२९	कन्यायां	वक्री. बुधः १२।४४
७	गु	५४	४३	चि	४८	५४	सि	०	५०	ग	२१	३९	२४	१९	४१	८	५	३०	तु १५।४	भ. ५४।४३ उ.
८	शु	६०	०	स्वा	५६	२०	सा	३	२३	वि	२७	४७	२२	२०	४०	९	६	३१	तुलायां	भ. २७।३७ या. पुन. शुक्रः १।३७
८	श	०	५१	वि	६०	०	शु	५	३९	ब	०	५१	१९	२०	४०	१०	७	१	वृ.४६।२९	अगस्त ८ ता. ३१
९	र	६	४	वि	३	१२	शु	७	२९	कौ	६	४	१६	२१	३९	११	८	२	वृश्चिके	आश्ले. रविः ५९।४४
१०	चं	९	४९	अ	८	२९	ब्र	८	१४	ग	९	४९	१३	२१	३९	१२	९	३	वृश्चिके	भ. ४१।४ उ. आश्ले. रविः सौरः ३१।१७
११	मं	१२	१९	ज्ये	१२	३८	ऐं	७	५०	विं	१२	१९	१०	२२	३८	१३	१०	४	ध.१२।३८	भ. १२।१९या. पवित्रा ११ व्र.
१२	बु	१२	३७	मू	१४	५१	वै	६	१	बा	१२	३७	७	२३	३७	१४	११	५	धनुषि	प्रदोषः [÷ रक्षाबंधनम्
१३	गु	११	१३	पू	१५	१६	वि	२/३९	५४/१६	तै	११	१३	४	२३	३७	१५	१२	६	म २९।५५	बुधास्तः पश्चिमायां १३।३२
१४	शु	७	५८	उ	१३	५३	आ	५१	५८	व	७	५८	०	२४	३६	१६	१३	७	मकरे	भ. ७।५८ उ. ३५।३७ या.
१५	श	३	१६	श्र	११	६	सौ	४५	०	ब	३	१६	३३/५७	२५	३५	१७	१४	८	कुं. ३९/११	कर्के शुक्रः १९।३४ श्रावणी कर्म. ÷

१६पं.श्रा. शु. ४ चं. इ. ५६/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	२	०	४	३
१०	२०	३	४	१६	९	८	१०
५२	३६	५५	१०	१२	२१	५१	२४
३०	११	४८	२३	२९	५८	४८	०५
५७	४०	५	३/१७	७३	१	३	५७
२०	४६	५०	व.	४४	५२	११	०५

गोचर ग्रहाः

इस मास में मिथुन का शुक्र सोना चांदी आदि धातु रुई पाट बारदाने में तेजी करेगा चावल गेहूं मूंग मोठमें मंदी होकर तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

१७ पं.श्रा.शु. १०चं.इ. ५६/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	११	२	०	४	३
१७	२५	३	३	२४	९	८	१७
३४	१३	४५	५२	४२	३२	२९	०३
१२	३४	३६	५५	११	२०	३३	५३
५७	४०	२६/१८	३/३४	७३	१	३	५७
२५	३०	व.	व.	५०	१३	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्ण पक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	५४	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ पुष्ये भौमः २५।२९ गोगा ९
२	र	५०	५४	ध	७	१७	शो	३७	१२	तै	२४	१६	३२/५४	५/२५	६/३५	१८	१५	९	कुम्भे	वक्री पूभा. ४ गुरुः ३०।२०
३	चं	४४	६	श	२/३८	५५/१५	अ	२९	४	व	१७	३०	५०	२६	३४	१९	१६	१०	मी.४४।५	भ. १७।३० उ. ४४।६ या. वक्री ×
४	मं	३७	१२	उ	५३	४	सु	२०	५०	ब	१०	३९	४७	२७	३३	२०	१७	११	मीने	पुण्ये शुक्रः १।४७ कर्के भौमः ३/४६ चन्द्र व्र.
५	बु	३०	३८	रे	४८	३५	धृ	१२	४५	कौ	३	४३	४४	२७	३३	२१	१८	१२	मे.४८।३५	चन्द्रषष्टी[× अश्लि. कर्के बुधः ३४।४१
६	गु	२४	३२	अ	४४	३८	शू	४/५२	५३/२५	व	२४	३२	४०	२८	३२	२२	१९	१३	मेषे	भ. २४।३२ उ. ५१।४६ या.
७	शु	१९	६	भ	४१	१८	वृ	५०	२३	ब	१९	६	३७	२९	३१	२३	२०	१४	बृ.५५।३५	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	श	१४	१२	कृ	३८	२८	ध्रु	४३	५८	कौ	१४	१२	३३	२९	३१	२४	२१	१५	वृषे	वक्री शनिः३३।४ जन्माष्टमी वै.
९	र	९	५०	रो	३६	२८	व्या	३८	३	ग	९	५०	३०	३०	३०	२५	२२	१६	वृषे	भ. ३८।५ उ. मघा सिंहेऽर्कः ५३।४६ ÷
१०	चं	६	२०	मृ	३५	६	ह	३२	५२	वि	६	२०	२६	३१	२९	२६	२३	१७	मि. ५।४७	भ.६।२०या. मघा सिंहेऽर्कसौरः २७।४२
११	मं	३	३४	आ	३४	३१	व	२८	८	बा	३	३४	२२	३२	२८	२७	२४	१८	मिथुने	अजा ११ व्र.
१२	बु	१	४०	पु	३४	४४	सि	२४	१५	तै	१	४०	१९	३२	२८	२८	२५	१९	कं.१९।४१	वत्स द्वादशी. प्रदोषः
१३	गु	०	५०	पु	३६	१३	व्य	२१	१३	व	०	५०	१५	३३	२७	२९	२६	२०	कर्के	भ. ०।५० उ. ३०।५७ या.
१४	शु	१	४	श्ले	३८	४६	व	१७	५८	श	१	४	१२	३४	२६	३०	२७	२१	सिं. ३८/४६	आश्ले. शुक्रः ५७।७
३०	श	२	३३	म	४२	३१	प	१८	१	ना	२	३३	८	३४	२६	३१	२८	२२	सिंहे	बुधोदयः पूर्वस्यां २।२९ कुशाग्रहणी

१८पं. भा. कृ. ३ चं. इ. ५६/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	११	३	०	४	३
२४	२९	२९	३	३	९	८	२३
१६	४७	४१	२६	१३	३८	७	४५
३७	२४	१७	३५	१०	३५	१७	००
५७	४०	५२/११	४/३६	७३	०	३	५७
३३	१४	व.	व.	५६	३१	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ९ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा ४न.६ बृद्धावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१९ पं.भा.कृ.१० चं.इ. ५६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	११	३	०	४	४
०	४	२४	२	११	९	७	०
५९	२०	८	५१	४५	३९	४५	२७
५३	२८	६	१८	३६	७	१	१३
५७	४०	४७/३	५/४३	७४	९/१६	३	५७
४०	३	व.	व.	२	व	११	३४

(विक्रम सं. [illegible])

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२३३१ स.१९९८
१	र	५	२३	पू	४७	२५	शि	१७	२०	व	५	२३	३२/४	३५	२५	१	२९	२३	सिंहे	चंद्रदर्शनं संभव:भा.भाद्रपदारंभ:
२	चं	९	१६	उ	५३	३४	सि	१८	५	कौ	६	१६	१	३६	२४	२	१	२४	कं३।५७	मार्गी बुध:७।४१ जमादिलावल५
३	मं	१४	२९	ह	६०	०	सा	१९	३८	ग	१४	२९	५७/३	३७	२३	३	२	२५	कन्यायां	भ.४७।५१उ. हरितालिका३
४	बु	२०	१३	ह	०	२४	शु	२१	२३	वि	२०	१३	५३	३७	२३	४	३	२६	तु.३४।६	भ.२१।१३या. गणेशचतुर्थी
५	गु	२६	२९	चि	७	४९	शु	२३	५३	बा	२६	२९	४९	३८	२२	५	४	२७	तुलायां	ऋषिपंचमी
६	शु	३२	४७	स्वा	१५	३२	ब्र	२६	३३	तै	३२	४७	४६	३९	२१	६	५	२८	तुलायां	
७	श	३८	३२	वि	२२	४१	ऐं	२८	५०	ग	५	४०	४२	४०	२०	७	६	२९	वृ५।५४	भ.३८।३२उ.
८	र	४३	३	अ	२९	१७	वै	३०	२१	वि	१०	४८	३८	४०	२०	८	७	३०	वृश्चिके	भ.१०।४८या.पूफा.रवि:४३।२२
९	चं	४६	२८	ज्ये	३४	२९	वि	३०	५६	बा	१४	४६	३४	४१	१९	९	८	३१	ध.३४।२९	पूफा.रवि:सौर१८।३३
१०	मं	४७	४३	मू	३७	४९	प्री	३०	५	तै	१७	५	३०	४२	१८	१०	९	१	धनुषि	मघा.सिंहे शुक्र:४६।३० **सितम्बर९ता.३०**
११	बु	४७	३	पू	३९	४४	आ	२८	५०	व	१७	२३	२६	४३	१७	११	१०	२	म.५४।३२	भ.१७।२३उ.४७।३या.जलझूलनी,११व्र
१२	गु	४४	१०	उ	३८	५७	सौ	२३	५३	ब	१५	३७	२२	४४	१६	१२	११	३	मकरे	वामन जयंती. हरिवासराऽभाव:
१३	शु	३९	२९	श्र	३६	२५	शो	१८	२२	कौ	११	४९	१८	४४	१६	१३	१२	४	मकरे	मघायां सिंहे बुध:२८।५प्रदोष:
१४	श	३३	१०	ध	३२	२५	अ	११	२४	ग	६	१६	१५	४५	१५	१४	१३	५	कुं.४।२५	भ.३३।१०उ.५९।२१या.अनंत१४
१५	र	२५	३२	श	२६	५३	सु	५/३/१	५०/५६	ब	२५	३२	११	४६	१४	१५	१४	६	कुंभे	आश्ले.भौम:१५।५६महालयश्राद्धारंभ:

२०पं.भा.शु.२चं.इ.५५।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	११	३	०	४	४
७	८	२२	२	२०	९	७	७
४४	४९	१५	८	२०	३५	२३	१०
२०	४८	१८	२०	५३	३८	४६	४३
५७	३९	६/६	३/२	७४	५/६	३	५७
४९	४६	मा	व.	८	व.	११	४५

गोचर ग्रहा:

इसमास में ५शनिवार ५रविवार अशुभ हैं धान्य धातुरुई पाट रस तेजहो।वर्षा कहीं कम कहीं अधिक होगी।

गोचर ग्रहा:

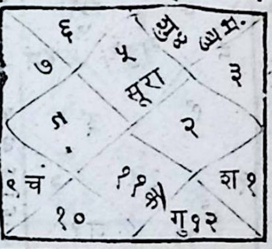

२१पं.भा.शु.९चं.इ.५५।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	११	३	०	४	४
१४	१३	२५	१	२८	९	७	१३
३०	१७	२२	१९	५७	२५	०	५५
०	३८	५९	५५	१९	२३	३०	५५
५८	३९	६७	११	७४	४/१	३	५७
१	४६	२७	व.	१६	व.	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्र.कृष्णेति महाराष्ट्रां:
१	चं	१७	८	पू	२०	४३	शू	४५	९	कौ	१७	८	३१/७	५/४७	६/१३	१६	१५	७	मी.७।१६	मघा.२राहु:धनिष्ठा.४केतु:२२।३७
२	मं	८	३२	उ	१३	५९	गं	३५	७	ग	८	३२	३	४७	१३	१७	१६	८	मीने	भ.३४।१५उ.५९।५८या.
३	मं	५१	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=शुक्र३४।०
४	बु	५२	१	रे	७	४१	वृ	२५	२०	व	२५	५९	०/५९	४८	१२	१८	१७	९	मे.७।४१	चतुर्थीव्र.
५	गु	४४	५६	अ	४४/१	५४/५८	ध्रु	१५	५०	कौ	१८	२९	५५	४९	११	१९	१८	१०	मेषे	भ.३९।३उ.वक्री पूभा.३कुंभेगुरु:२४।४२+
६	शु	३९	३	कृ	५२	३३	व्या	१७	५२/२७	ग	११	५९	५१	५०	१०	२०	१९	११	बृ.१०।४०	[+ बुधास्त:पूर्वस्यां१२।५५
७	श	३४	१४	रो	४९	४३	व	५३	१०	वि	६	३९	४७	५१	१०	२१	२०	१२	वृषे	भ. ६।३९या. पूफा. बुध: ११।२०पूफा.=
८	र	३०	४४	मृ	४८	२४	सि	४७	३३	बा	२	२९	४३	५१	९	२२	२१	१३	मि१९।४	उफा.रवि:२७।४७
९	चं	२८	३५	आ	४८	१२	व्य	४३	१०	ग	२८	३५	३९	५२	८	२३	२२	१४	मिथुने	भ.५८।३उ.उफा.रवि:सौर:३।१३मातृ९
१०	मं	२७	३२	पु	४९	२	व	३९	३५	वि	२७	३२	३५	५३	७	२४	२३	१५	क.३३।४९	भ.२७।३२या.
११	बु	२७	४३	पु	५१	१७	प	३७	१४	बा	२७	४३	३१	५४	६	२५	२४	१६	कर्के	कन्यायामर्क:५३।८इंदिरा११व्र.
१२	गु	२९	१४	श्ले	५४	३४	शि	३५	३६	तै	२९	१४	२७	५५	५	२६	२५	१७	सिं५४।३४	कन्यायामर्क:सौर:२८।२४
१३	शु	३१	५८	म	५९	६	सि	३५	७	ग	०	३६	२२	५६	४	२७	२६	१८	सिंहे	भ.३१।५८उ.प्रदोष:
१४	श	३५	२८	पू	६०	०	सा	३५	१४	वि	३	४३	१८	५६	४	२८	२७	१९	सिंहे	भ.३।४३या.उफा.बुध:२८।२५
३०	र	४०	८	पू	४	२३	शु	३५	४८	च	७	४८	१४	५७	३	२९	२८	२०	कं.२०।५९	सर्वपितृश्राद्धम्

२२पं.आ.कृ.१चं.इ.५५।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	११	४	०	४	४
२१	१७	५	०	७	९	६	२०
१७	४५	४९	२७	३५	११	३८	४२
२	१८	१२	१८	२४	१३	१५	३५
५८	३९	०/०	५/०	७४	१/४	३	५८
१३	१८	५८	व.	२०	व.	११	१२

गोचर ग्रहा:

आश्विन कृष्णे११बुधे कन्यायामर्क: प्रविष्ट: वा. ४ न. ५ गतालका वस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहा:

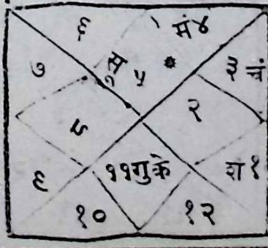

२३पं.आ.कृ.९चं.इ.५५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१०	४	०	४	४
२८	२२	१८	२९	१६	८	६	२७
५	८	२५	३२	१५	५२	१५	३०
२४	३८	५	२४	२९	१९	५९	५५
५८	३९	[illegible]	५/६	७४	५/३	३	५८
२६	११	३३	व.	२६	व.	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२३६०सन्१९९८
१	चं	४५	३१	उ	१०	४७	शु	३७	२८	किं	१२	४९	३०/९	५/८	६/२	३०	२९	२१	कन्यायां	कन्यायां बुध:१/२ १/० नवरात्रा.मातामह श्रा:
२	मं	५१	३०	ह	१७	३१	ब्र	३९	२८	बा	१८	३१	५	५९	१	३१	३०	२२	तु.५१।१५	चन्द्र दर्शनम्
३	बु	५७	४८	चि	२४	५९	ऐं	४१	४५	तै	२४	३९	३०/००	६/००	६/००	१	१	२३	तुलायां	उफा.शुक्र:१८।७भा. आश्विनारंभ:+
४	गु	६०	०	स्वा	३२	३५	वै	४४	७	व	३०	३	२९/५६	६/१	५/५९	२	२	२४	तुलायां	भ.३०।३उ. [+जमादिलाखर ६
४	शु	३	१८	वि	४०	११	वि	४६	२८	वि	३	१८	५२	२	५८	३	३	२५	वृ.२३।१७	भ.३।१८या.कन्यायां शुक्र:५७।१२
५	श	१०	१८	अ	४७	१६	प्री	४८	३८	बा	१०	१८	४८	२	५८	४	४	२६	वृश्चिके	हस्ते बुध:३२।३३ [×भौम: ३६।४६
६	र	१५	१७	ज्ये	५३	२६	आ	४९	५३	तै	१५	१७	४४	३	५७	५	५	२७	ध.५३।२६	हस्ते रवि:६।१७(सौर:५/४ ०/४)मघा.सिंहे×
७	चं	१९	३०	मू	५८	७	सौ	५०	१४	व	१९	३०	४०	४	५६	६	६	२८	धनुषि	भ.१९।३०उ.५/४ १/५या.सरस्वत्यावाहनम्
८	मं	२१	५९	पू	६०	०	शो	४९	१०	ब	२१	५९	३६	५	५५	७	७	२९	धनुषि	सरस्वतीपूजनम्
९	बु	२२	३७	पू	१	१६	अ	४६	४०	कौ	२२	३७	३२	६	५४	८	८	३०	म.१६।३४	[÷नम् अक्टूबर१०ता.३१
१०	गु	२१	१३	उ	२	२७	सु	४२	३७	ग	२१	१३	२८	६	५४	९	९	१	मकरे	भ.४/५ १/२ उ.विजया१०सरस्वती विसर्ज-÷
११	शु	१७	४०	श्र	४३/	५७/१०	धृ	३६	४४	वि	१७	४०	२३	७	५३	१०	१०	२	कुं,३०।१७	भ.१/४ ७/०या.पापांकुशा ११व्र.
१२	श	१२	१०	श	५४	२	शू	२९	२९	बा	१२	१०	१९	८	५२	११	११	३	कुंभे	हस्ते शुक्र:५८।५० प्रदोष:
१३	र	४	५९	पू	४७	५४	गं	२१	४१	तै	४	५९	१५	९	५१	१२	१२	४	मी३४।२६	भ.५६।२८उ.चित्रा.बुध: १२।५८
१४	र	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	चं	४७	७	उ	४०	४५	वृ	१०	५८	वि	२१	४७	११	१०	५०	१३	१३	५	मीने	भ.२१।४७या.शरद् १५ कोजागरी व्र.

२४पं.आ.शु.१चं.इ.५५।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	१०	४	०	४	५
४	२९	१	२८	२४	८	५	४
५५	३०	२५	३६	५७	२९	५३	२१
१६	५०	२६	४३	१४	२०	४३	०२
५८	३८	[illegible]	५/२	७४	३/३	३	५८
३८	५४	३६	व.	२६	व.	११	४५

२५पं.आ.शु.७चं.इ.५५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	१०	५	०	४	५
११	०	१४	२७	३	८	५	११
४६	५०	१७	४३	४०	३	३१	१३
५२	५७	५३	१९	८	३२	२८	०३
५८	३८	१०/०	६७/३२	७४	३/५५	३	५९
५३	४४	३४	व.	३२	व.	११	००

२६पं.आ.शु.१५चं.इ.५५।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	१०	५	०	४	५
१८	५	२९	२६	१२	७	५	१८
४०	८	१६	५२	२४	३३	९	०६
८	३१	१२	३०	१८	७	१२	५०
५९	३८	१०/०	४६	७४	४/१८	३	५९
९	२१	३७	व.	३२	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्रा:
१	मं	३७	२१	रे	३३	१२	ध्रु	३/११	४९/१०	बा	१२	१४	२९/७	६/११	५/४९	१४	१४	६	मे.३३।१२	[×पूर्वस्याम् ५३।२४करक चतुर्थी व्र.
२	बु	२७	५०	अ	२५	३१	ह	३८	४८	तै	२	३५	३	११	४९	१५	१५	७	मेषे	भ.५३।१९उ.वक्रीपूभा.२गुरु:४५।१
३	गु	१८	४९	भ	१८	२६	व	२८	२६	वि	१८	४९	२८/५९	१२	४८	१६	१६	८	वृ.३१।५२	भ.१/४ ८/९या.तुलायां बुध:४।३६ शुक्रास्त:×
४	शु	१०	५६	कृ	१२	११	सि	१९	४	बा	१०	५६	५५	१३	४७	१७	१७	९	वृषे	[+अश्वि.२शनि:२६।७ प्रदोष: धन १३
५/६	श	५५/४	२७/१४	रो	७	२९	व्य	११	३९	तै	४	२७	५१	१४	४६	१८	१८	१०	सि. ३५/५३	भ.५९।४१उ.चित्रा.रवि:३८।१९
७	र	५६	४३	मृ	४	१८	व	३/५	५४/१८	वि	२८	१२	४७	१५	४५	१९	१९	११	मिथुने	भ.२८।१२या.चित्रा.रवि:सौर:११।२८
८	चं	५५	२८	आ	२	५८	शि	५३	३५	बा	२६	५	४३	१५	४५	२०	२०	१२	क.४/१ ८/०	स्वात्यां बुध: २१।३७
९	मं	५५	५०	पु	३	१३	सि	५०	३८	तै	२५	९	३९	१६	४४	२१	२१	१३	कर्के	[÷३९।४७बुधोदय: पश्चिमायां १९।४०
१०	बु	५७	५३	पु	५	१९	सा	४९	७	व	२६	५२	३५	१७	४३	२२	२२	१४	कर्कें	भ.२६।५२उ.५७।५३या.चित्रायांशुक्र:÷
११	गु	६०	०	श्ले	८	४५	शु	४८	३५	ब	२९	३४	३१	१८	४२	२३	२३	१५	सि. ८।४५	रमा ११ व्र. स्मा.
११	शु	१	१५	म	१३	३९	शु	४९	१०	बा	१	१५	२७	१९	४१	२४	२४	१६	सिंहे	रमा ११ व्र. वै.
१२	श	५	४६	पू	१९	२९	ब्र	५०	१८	तै	५	४६	२३	१९	४१	२५	२५	१७	कं ३६।८	तुलायामर्क:२२।८(सौर:५/१ ४/२)वक्री +
१३	र	११	४	उ	२६	८	ऐं	५२	१	व	११	४	२०	२०	४०	२६	२६	१८	कन्यायां	भ.११।४उ.४३।५९ या. रूप १४
१४	चं	१६	५३	ह	३३	१०	वै	५२	५६	श	१६	५३	१६	२१	३९	२७	२७	१९	कंन्यायां	तुलायांशुक्र:५/५ ८/४पूफाभौम:५/२ ८/६महालक्ष्मीपू.
३०	मं	२३	१४	चि	४०	३९	वि	५६	१९	ना	२३	१४	१२	२२	३८	२८	२८	२०	तु. ६।५४	विशा.बुध:५/४ ४/१अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

२७पं.का.कृ.८चं.इ.५४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	१०	५	०	४	५
२५	९	७	२६	२१	७	४	२५
३५	२४	३५	८	९	१	४६	०२
२	२९	१०	६	३६	२३	५७	३२
५९	३८	९९	६/५	७४	४/३२	३	५९
२१	८	४३	व.	३२	व	११	३१

गोचर ग्रहा:

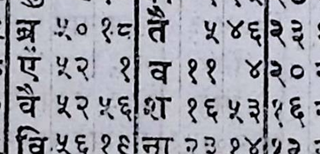

कार्तिक कृष्णे १२
शनौ तुलायामर्क:
प्रविष्ट: वा. ४ नृ. ४
प्रौढावस्था (बैठी) मु.
४५ धान्यादिभावे
समर्घता शुक्रास्त:
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहा:

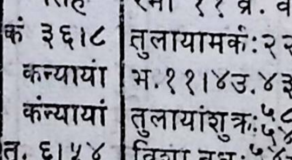

२८ पं.का.कृ. १४चं.इ.५४/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	१०	५	०	४	६
२	३	१८	२५	२९	६	४	१
३१	३७	२९	३०	५४	२८	२४	५९
२९	३७	४६	२२	४३	२६	४१	५९
५९	३७	९३	४/५६	७४	४/४०	३	५९
३४	४४	११	व.	३८	व:	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्ल पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३९०सन्१९९८
१	बु	२९	२६	स्वा	४८	३१	प्री	५८	३९	ब	२९	२६	२/८	६/२२	५/३८	२९	२९	२१	तुलायां	[× रविः ४।१० (सौरः ३५।१५)
२	गु	३५	४२	वि	५५	४४	आ	६०	०	बा	२	३४	४	२३	३७	३०	३०	२२	वृ. ३/५३	चंद्रदर्शनम् यमे २ भातृ २
३	शु	४१	४७	अ	६०	०	आ	०	५०	तै	८	४४	०	२४	३६	१	१	२३	वृश्चिके	भा. कार्तिकारंभः रज्जव ७
४	श	४६	५६	अ	२	४४	सौ	२	५२	व	१४	२२	२७/५६	२५	३५	२	२	२४	वृश्चिके	भ. १४।२२ उ. ४६।५६ या. स्वात्यां ×
५	र	५१	२४	ज्ये	८	५९	शो	४	९	ब	१९	१०	५३	२५	३५	३	३	२५	ध. ८।५९	स्वात्यां शुक्रः १६।४९
६	चं	५४	२५	मू	१४	३४	अ	४	५९	कौ	२२	५५	४९	२६	३४	४	४	२६	धनुषि	[÷ ११ व्र.तुलसी विवाहः
७	मं	५६	२	पू	१८	४३	सु	३	५९	ग	२५	१४	४५	२७	३३	५	५	२७	म. ३४/२३	भ. ५६।२ उ. बृश्चिके बुधः ५५।५०
८	बु	५६	८	उ	२१	२५	धृ	३	३५	वि	२६	५	४१	२८	३२	६	६	२८	मकरे	भ. २६।५ यां गोपाष्टमी
९	गु	५४	१०	श्र	२२	२६	शू	०/५४	५५/५५	बा	२५	९	३७	२९	३१	७	७	२९	कुं. ५२।४	अक्षय ९
१०	शु	५०	२८	ध	२१	४१	वृ	५१	१२	तै	२२	१९	३४	२९	३१	८	८	३०	कुम्भे	अनु. बुधः १५।०
११	श	४४	५७	श	१८	५३	ध्रु	४४	१	व	१७	४३	३०	३०	३०	९	९	३१	कुंभे	भ. १७।४३ उ.४४।५७ या.प्रबोधिनी ÷
१२	र	३७	४५	पू	१४	३१	व्या	३५	३६	ब	११	२१	२७	३१	२९	१०	१०	१	मी.०।३७	हरिवासराऽभावः **नवम्बर ११ ता. ३०**
१३	चं	२९	११	उ	८	३१	ह	२६	३	कौ	३	२८	२३	३१	२९	११	११	२	मीने	प्रदोषः वैकुंठ चतुर्दशी
१४	मं	१९	४३	रे	१/३२	५२/११	व	१५	३२	व	१९	४३	१९	३२	२८	१२	१२	३	मे. १।३२	भ. १९।४३ उ. ४४।४८ या.
१५	बु	९	५२	भ	४५	४४	सि	४/३०	४८/५३	ब	९	५२	१६	३३	२७	१३	१३	४	बृ. ५८/५०	विशा. शुक्रः ५६।२८ मन्वादिः

२९ पं.का.शु.६ चं.इ. ५४/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	१०	६	०	४	६
९	१७	२८	२५	८	५	४	८
२९	४८	३१	१	४१	५४	२	५९
४२	२५	४८	३०	२८	५४	२५	१९
५९	३७	८६	३/४७	७४	४/४०	३	६०
४७	१४	१४	व.	३८	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

इस मासमें गुड घृत तैल सक्कर चीनी अनाज गल्ला सोना चांदी मूंग मोठ बाजरा तिल तेज होकर मंदा होवेगा।

गोचर ग्रहाः

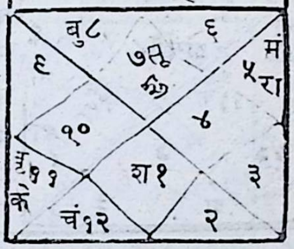

३० पं.का.शु.१३ चं.इ. ५४/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	१०	६	०	४	६
१६	२१	८	२४	१७	५	३	१६
२९	५७	१	४१	२८	२१	४०	०
२८	२२	३०	४२	१	४७	१०	२३
६०	३६	७६	३/३०	७४	४/३४	३	६०
४	५३	५५	व.	३८	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१/२	गु	०/५०	३/४४	कृ	३८	६	व	४२	२९	कौ	०	३	२७/५२	६/३४	५/२६	१४	१४	५	वृषे	
३	शु	४२	३८	रो	३१	२८	प	३२	२९	व	१६	४३	९	३४	२६	१५	१५	६	सि. ५८/४७	भ. १६।४३ उ. ४२।३८ या. विशा. ×
४	श	३६	१२	मृ	२६	७	शि	२३	२६	ब	९	२५	५	३५	२५	१६	१६	७	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	र	३१	३६	आ	२२	४०	सि	१५	४८	कौ	३	५४	२	३६	२४	१७	१७	८	मिथुने	[× रविः २४।३६ (सौरः ५२।३९)
६	चं	२९	८	पु	२१	८	सा	९	४७	ग	०	२२	२६/५८	३६	२४	१८	१८	९	क६।३१	भ. २९।८ उ. ५८।५४ या. मघा १ ÷
७	मं	२८	४०	पु	२१	४५	शु	५	२६	ब	२८	४०	५५	३७	२३	१९	१९	१०	कर्के	ज्येष्ठा. बुधः ८।१५उफा. भौमः५६।१३
८	बु	३०	११	श्ले	२४	१९	शु	२	३९	कौ	३०	११	५२	३८	२२	२०	२०	११	सिं. २४/१९	[÷ राहुः धनि. ३ केतुः १४।३०
९	गु	३३	२९	म	२८	३७	ब्र	१	२०	तै	१	५०	४९	३८	२२	२१	२१	१२	सिंहे	वृश्चिके शुक्रः ५४।५५
१०	शु	३८	१८	पू	३४	२५	ऐं	१	४४	व	५	५३	४५	३९	२१	२२	२२	१३	कं. ५१/८	भ. ५।५३ उ. ३८।१८ या.
११	श	४३	४७	उ	४१	१५	वै	२	३७	ब	११	३	४२	४०	२०	२३	२३	१४	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	र	५०	१०	ह	४८	३२	वि	४	२६	कौ	१६	५८	३९	४०	२०	२४	२४	१५	कन्यायां	अनु. शुक्रः ३२।४ मार्गी गुरुः ३।६
१३	चं	५६	४६	चि	५६	१४	प्री	६	३८	ग	२३	२८	३६	४१	१९	२५	२५	१६	तु. २२/२३	भ. ५६।४६ उ. बृश्चिकेऽर्कः२०।४१ +
१४	मं	६०	०	स्वा	६०	०	आ	९	१	वि	२९	५३	३३	४१	१९	२६	२६	१७	तुलायां	भ. २९।५३ या. [+ (सौरः४६।५६) =
१४	बु	३	१	स्वा	३	४४	सौ	११	१७	श	३	१	३०	४२	१८	२७	२७	१८	वृ.५४।१३	[= कन्यायां भौमः ४९।४१ प्रदोषः
३०	गु	९	१२	वि	११	२	शो	१३	२९	ना	९	१२	२७	४३	१७	२८	२८	१९	वृश्चिके	अनु. रविः ३९।१

३१ पं.मा.कृ.६ चं.इ. ५४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	१०	६	०	४	६
२३	२६	१६	२४	२६	४	३	२३
३०	२	२५	३०	१५	४९	१७	२
५०	१०	११	४३	४	५५	५४	५८
६०	३६	६२	१/७	७४	४/११	३	६०
१७	३२	२	ब.	३८	व	११	३०

गोचर ग्रहाः

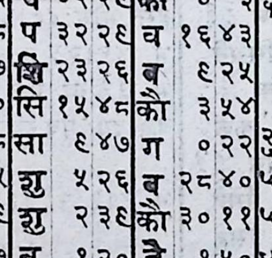

मार्गशीर्ष कृष्णे १३ चन्द्रे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

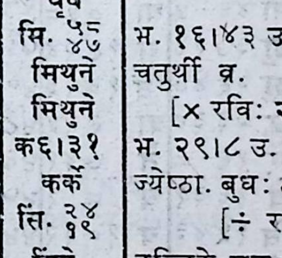

३२ पं.मा.कृ. १३ चं.इ. ५३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	७	०	४	७
०	०	२२	२४	५	४	२	०
३३	२	२६	३१	१	२०	५५	७
२९	३१	२४	५	३७	१०	३९	२
६०	३६	३३	०/२४	७४	३/५५	३	६०
३०	४	११	मा	३२	व.	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४२० स, १९९८
१	शु	१४	४६	अ	१७	५६	अ	१४	५८	ब	१४	४६	२६/२५	६/४३	५/१७	२९	२६	२०	बृश्चिके	अनु. रविः सौरः ३।४४ वक्री बुधः ×
२	श	१९	३०	ज्ये	२३	५६	सु	१६	८	कौ	१९	३०	२२	४४	१६	३०	१	२१	ध. २३/५६	सावान ८ [×३२।२४ चंद्रदर्शनम्
३	र	२३	२६	मू	२९	११	धृ	१६	४३	ग	२३	२६	१९	४४	१६	१	२	२२	धनुषि	भ. ५४।५३ उ. भा. मार्गशीर्षारंभः
४	चं	२६	२१	पू	३३	२२	शू	१६	१०	वि	२६	२१	१७	४५	१५	२	३	२३	म. ४९।८	भ. २६।२१ या.
५	मं	२८	९	उ	३६	३०	गं	१५	४	वा	२८	९	१४	४५	१५	३	४	२४	मकरे	
६	बु	२८	३७	श्र	३८	२७	बृ	१३	२२	तै	२८	३७	१२	४६	१४	४	५	२५	मकरे	बुधास्तः पश्चिमायां ३४।५ चंपा ६
७	गु	२७	४६	ध	३८	५७	ध्रु	१०	५	व	२७	४६	९	४६	१४	५	६	२६	कुं. ८।४२	भ. २७/४६ उ. ५६/३९ या ज्येष्ठा. शुक्रः ११।९
८	शु	२५	३१	श	३८	४	व्या	५	५२	ब	२५	३१	७	४७	१३	६	७	२७	कुंभे	
९	श	२१	४४	पू	३५	४९	ह	०/१९	५३/१८	कौ	२१	४४	५	४३	१३	७	८	२८	मी. २१/२३	[+ ११।३८ दत्तजयन्ती
१०	र	१६	३१	उ	३१	५९	सि	४५	५७	ग	१६	३१	२	४८	१२	८	९	२९	मीने	भ. ४३/१३ उ. शुक्रोदयः पश्चिमायां ४२।३६
११	चं	९	५५	रे	२६	५६	व्य	३७	८	वि	९	५५	०	४८	१२	९	१०	३०	मे. ५६/२६	भ. ९।५५ या. वक्री अनु. बुधः ÷
१२	मं	२	७	अ	२०	४५	व	२७	२२	बा	२	७	३५/५८	४८	१२	१०	११	१	मेषे	प्रदोषः दिसम्बर १२ ता. ३१
१३	मं	५१	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ ३६।२६ मोक्षदा ११ व्र.
१४	बु	४४	२०	भ	१३	५३	प	१७	७	ग	१८	५५	५६	४९	११	११	१२	२	बृ. २७।१	भ. ४४।२० उ. ज्येष्ठा. रविः ४९।८
१५	गु	३५	१४	कृ	६/२४	५२/५८	शि	६/२४	४९/३८	वि	९	४७	५४	४९	११	१२	१३	३	वृषे	भ. ९।४७ या. ज्येष्ठा. रविः सौरः +

३३ पं.मा.शु.४ चं.इ. ५३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	७	०	४	७
७	४	२३	२४	१३	३	२	७
३७	०	९	४०	४९	५३	३३	१२
२९	२९	५४	३७	१२	४२	२३	३५
६०	३५	३/३३	१	७४	३/३२	३	६०
४२	२८	व.	३२	२२	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं जो बाजरा मूंग चावल मोठ आदि धान्यो में मंदी रहे सुदी में धान्य धातु तेज होवे प्रजा में सुखशांति रहे।

गोचर ग्रहाः

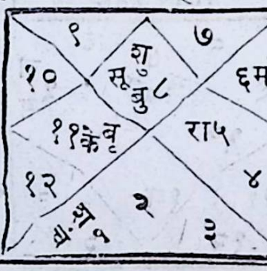

३४ पं. मा. कृ. ११ चं.इ. ५३/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	७	०	४	७
१४	७	१६	२५	२२	३	२	१४
४२	५३	१६	०	३६	२०	११	१९
४०	५३	३४	३२	२५	५८	७	२१
६०	३४	१६/२६	३	७४	२/५०	३	६१
५०	५९	व.	२	३२	व.	११	३

ति.	पौष कृष्ण पक्षः सं २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महाः
१	शु	२६	४१	मृ	५३	२	सा	४६	५	बा	०	५८	२५/३३	६/४९	५/११	१३	१४	४	मि. २६/१५	हस्ते भौमः ४८।३ वक्री आश्वि. १ शनि. ३३/२४
२	श	१९	२४	आ	४८	५	शु	३७	१३	ग	१९	२४	५१	५०	१०	१४	१५	५	मिथुने	भ. ४६।२३ उ.
३	र	१३	२३	पु	४४	४४	शु	२९	४०	वि	१३	२३	४९	५०	१०	१५	१६	६	क. ३०/३४	भ. १३/२३ या. मूले धनुषि शुक्रः ४५/३२ चं. व्र.
४	चं	९	२५	पु	४३	२५	ब्र	२३	३४	बा	९	२५	४८	५०	१०	१६	१७	७	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्यां ४३।५८
५	मं	७	४१	श्ले	४४	२१	ऐं	१९	६	तै	७	४१	४६	५१	९	१७	१८	८	सिं. ४४/२१	
६	बु	८	१	म	४७	१२	वै	१६	३१	व	८	१	४५	५१	९	१८	१९	९	सिंहे	भ. ८।१ उ. ३९।१७ या.
७	गु	१०	३२	पू	५१	४७	वि	१५	४३	व	१०	३२	४४	५१	९	१९	२०	१०	सिंहे	
८	शु	१४	४४	उ	५७	५५	प्री	१५	४६	कौ	१४	४४	४३	५१	९	२०	२१	११	कं ८।१९	मार्गी बुधः ४४।२
९	श	२०	११	ह	६०	०	आ	१७	५	ग	२०	११	४२	५२	८	२१	२२	१२	कन्यायां	भ. ५३।२३ उ.
१०	र	२६	३६	ह	५	८	सौ	१९	१३	वि	२६	३६	४१	५२	८	२२	२३	१३	तु. ३९।०	भ. २६।३६ या.
११	चं	३३	१२	चि	१२	५३	शो	२१	१२	बा	३३	१२	४०	५२	८	२३	२४	१४	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	मं	३९	३८	स्वा	२०	३७	अ	२३	४९	कौ	६	२५	३९	५२	८	२४	२५	१५	तुलायां	मूलें धनुष्यर्कः ५६।२३
१३	बु	४५	४९	बि	२७	५७	सु	२५	५१	ग	१२	४३	३९	५२	८	२५	२६	१६	वृ. ११।७	भ. ४५।४९ उ. मूलेधनुष्यर्क. सौरः ×
१४	गु	५०	५४	अ	३४	४३	धृ	२७	२६	वि	१८	२१	३८	५२	८	२६	२७	१७	वृश्चिके	भ. १८।२१ या. पूपा. शुक्रः २४।५६
३०	शु	५४	५६	ज्ये	४०	१६	शू	२८	२०	च	२२	५६	३८	५२	८	२७	२८	१८	ध. ४०/१६	[× १५।२८ प्रदोषः

३५पं.पौ.कृ.४चां.इ.५३।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	८	०	४	७
२१	११	८	२५	१	३	१	२१
४८	४५	३२	२९	२४	१२	४८	२७
३३	४०	५३	३५	०	४७	५२	५
६०	३४	४१/२०	४	७४	२/१०	३	६१
५६	१४	व.	१३	२६	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

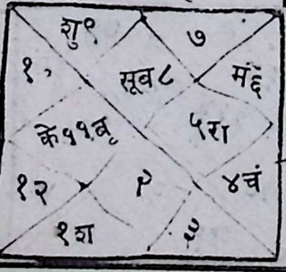

पौप कृष्णे १२ भौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टःवा २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

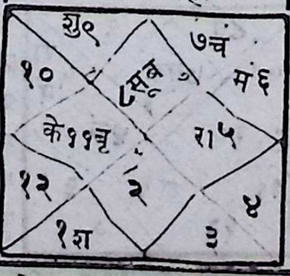

३६पं.पौ.कृ.११चां.इ.५३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१०	८	०	४	७
२८	१५	८	२६	१०	२	१	२८
५५	३१	२०	७	११	५८	२६	३५
३७	२३	३५	३७	३५	५२	३६	४८
६१	३३	३२/१४	५/२५	७४	१/३४	३	६१
०	३६	मा	व.	२६	व.	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः २४४९स.१९९८
१	श	५८	१७	मू	४४	५५	गं	२८	१६	किं	२६	३८	३५/३७	५६/३	५/७	२८	२६	१६	धनुषि	पूभा. ३ गुरुः ४०।३०
२	र	६०	०	पू	४८	३३	वृ	२७	२१	बा	२६	१४	३७	५३	७	२९	३०	२०	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	०	११	उ	५१	१०	ध्रु	२५	४१	कौ	०	११	३६	५३	७	३०	१	२१	म.४।१२	रमजान ६
३	मं	१	४	श्र	५२	३५	व्या	२३	४	ग	१	४	३६	५३	७	१	२	२२	मकरे	भ.३१।४ उ.भा.पौषारंभः
४/५	बु	१/५	५/४५	ध	५३	६	ह	१९	४६	वि	१	५	३६	५३	७	२	३	२३	कुं. २२/५२	भ.१।५या.ज्येष्ठा. बुधः ५३।४१
६	गु	५७	४७	श	५२	४७	व	१५	५६	कौ	२८	४६	३६	५३	७	३	४	२४	कुंभे	[÷४०।२८ पुत्रदा ११ व्र.
७	शु	५४	४५	पू	५१	२५	सि	११	५	ग	२६	१६	३७	५३	७	४	५	२५	मी. ३६/४५	भ.५४।४५ उ.
८	श	५०	५३	उ	४६	११	व्य	५/२१	५३/२९	वि	२२	४६	३७	५३	७	५	६	२६	मीने	भ.२२।४६ या.
९	र	४५	५६	रे	४५	५५	प	५१	४४	बा	१८	२६	३७	५३	७	६	७	२७	मे.४५।५५	उषा.शुक्रः ५६।३३
१०	चं	४०	६	अ	४१	४६	शि	४३	५२	तै	१३	४	३८	५२	८	७	८	२८	मेषे	भ.६।५१उ.३/३या.पूषा.रविः २/३ (सौरः×
११	मं	३३	३२	भ	३६	५१	सि	३५	१५	व	६	५१	३८	५२	८	८	९	२९	बृ.५०।२९	[×१७/६)चित्रा.भौमः५६/६मार्गी शनिः ÷
१२	बु	२६	१६	कृ	३१	२३	सा	२६	१३	बा	२६	१६	३९	५२	८	९	१०	३०	वृषे	मकरे शुक्रः४१।० प्रदोषः
१३	गु	१८	४२	रो	२५	२८	शु	१६	५५	तै	१८	४२	४०	५२	८	१०	११	३१	मि. ५२/४३	
१४	शु	११	८	मृ	१९	५८	शु	७/४३	५१/९	व	११	८	४१	५२	८	११	१२	१	मिथुने	भ.११/८ उ.३७/४०या.जनवरी१ ता.३१सन्१९
१५	श	४	१२	आ	१४	५६	ऐं	५०	५५	ब	४	१२	४२	५२	८	१२	१३	२	क.५६।५६	मूले धनुषि बुधः४५।४७ मा.स्ना.प्रा.

३७पं.पौ.शु.२चं.इ.५२।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	१०	८	०	४	८
६	१९	१४	२६	१८	२	१	५
३	११	३०	५४	५८	५०	४	४५
१४	४२	१८	२५	५२	३१	२१	१३
६१	३२	६४	६	७४	४०/७	३	६१
४	४९	२६	३२	२६	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

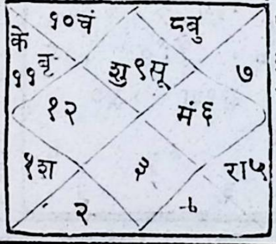

शनेश्चर पंचकं दृष्ट्वा
पाताले कम्पते फणी।
ईशानदेश भंगश्च
वह्निनदाहो महर्घता॥
इस मास में धान्य
चांदी सोना तेज प्रजा
में अशान्ति होवें।

गोचर ग्रहाः

३८पं. पौ.शु. १०चं.इ.५२/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	१०	८	०	४	८
१३	२२	२३	२७	२७	२	०	१२
११	४४	१५	४८	४५	४७	४२	५५
१३	५६	४७	५४	५४	३१	५	०५
६१	३१	७९	७	७४	०/६	३	६१
६	५०	३	३५	२०	व.	११	२६

ति.	माघ कृष्ण पक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	५४	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×पूषा.बुधः५१।५पूभा.४मीने.गुरुः+
२	र	५३	२६	पु	११	०	वै	४४	०	तै	२५	५३	२५/४३	६/५१	५/९	१३	१४	३	कर्के	[+५७/११आश्ले.४राहुः व नि:२केतुः६।४६
३	चं	५१	१३	पु	८	३५	वि	३८	३२	व	२२	४५	४४	५१	६	१४	१५	४	कर्के	भ.२२।४५उ.५१।१३ या.
४	मं	५०	२५	श्ले	७	३८	प्री	३४	३४	व	२१	१३	४५	५१	६	१५	१६	५	सिं७।३८	चतुर्थी व्र.
५	बु	५१	४४	म	९	२३	आ	३२	१४	कौ	२१	४	४७	५१	६	१६	१७	६	सिंहे	
६	गु	५५	१६	पू	१२	५२	सौ	३१	२४	ग	२३	१८	४८	५०	१०	१७	१८	७	कं.२९।१०	भ.५५।१६उ.श्रवणे शुक्रः ४०।१०
७	शु	६०	०	उ	१७	५६	शो	३१	४२	वि	२७	४५	५०	५०	१०	१८	१९	८	कन्यायां	भ.२७।४५या.
७	श	०	१४	ह	२४	३८	अ	३३	२८	व	०	१४	५२	५०	१०	१९	२०	९	तु.५८।८	
८	र	६	१३	चि	३१	३६	सु	३५	२५	कौ	६	१३	५३	४९	११	२०	२१	१०	तुलायां	[÷५०।३षट्तिला ११ व्र.
९	चं	१२	४७	स्वा	३९	२३	धृ	३७	३८	ग	१२	४७	५५	४९	११	२१	२२	११	तुलायां	भ.५४/५७उ.उषा.रविः६।८(सौरः१/३ ९/३)×
१०	मं	१९	८	वि	४६	४७	शू	३९	४६	वि	१९	८	५७	४९	११	२२	२३	१२	बृ.२९।५६	भ.१९।८या.
११	बु	२५	१६	अ	५३	४८	गं	४१	२८	बा	२५	१६	५९	४८	१२	२३	२४	१३	वृश्चिके	तुलायां भौमः४।५५ बुधास्तःपूर्वस्यां÷
१२	गु	३०	२६	ज्ये	५९	३५	बृ	४२	२३	तै	३०	२६	२/६१	४८	१२	२४	२५	१४	ध.५९।३५	मकरेऽर्कः२२।३२(सौरः३४।०)
१३	शु	३४	६	मू	६०	०	ध्रु	४२	११	ग	२	१७	४	४७	१३	२५	२६	१५	धनुषि	भ.३४।६उ.प्रदोषः
१४	श	३६	४१	मू	३	५८	व्या	४१	०	वि	५	२४	६	४७	१३	२६	२७	१६	धनुषि	भ.५।२४या.
३०	र	३७	४३	पू	६	५६	ह	३८	४०	च	७	१२	८	४६	१४	२७	२८	१७	म.२२।२१	

३९पं.मा.कृ.३चं.इ.५२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	१०	९	०	४	८
२०	२६	३	२८	६	२	०	२०
१९	७	१	५०	३२	४९	१९	५
२६	५२	४८	३५	४६	५५	४९	२
६१	३०	८५	८	७४	४०/७	३	६१
६	३८	५७	३७	१४	मा	११	२६

गोचर ग्रहाः

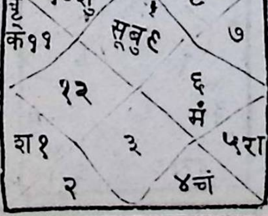

माघ कृष्णे १२ गुरौ
मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा.
३न. ३ युवावस्था
(सूती)मु. १५धान्या-
दि भावे महर्घता
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

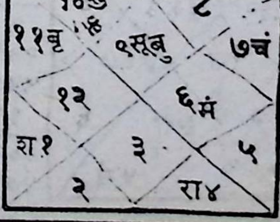

४० पं.मा.कृ.९चं.इ. ३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	१०	९	०	३	८
२७	२९	१३	२९	१५	२	२९	२७
२७	२४	२२	५९	१९	५८	५७	१४
२२	१८	२६	१७	८	१	३४	५४
६१	२९	९४	९	७४	१	३	६१
६	३८	१७	२८	८	२९	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्ल पक्षः	सं. २०५५	शाकः १९२०										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः२४७९स.१९९९
१	चं	३७	१७	उ	८	३६	व	३५	२२	किं	७	३०	२६/११	४६	५/१४	२८	२९	१८	मकरे	धनि शुक्रः १६।४३
२	मं	३५	४९	श्र	१०	१०	सि	३१	१२	बा	६	३०	१३	४५	१५	२९	३०	१९	कुं. ३९।२८	चंद्र दर्शनम्
३	बु	३३	२२	ध	८	४६	व्य	२६	१५	तै	४	३५	१६	४५	१५	३०	१	२०	कुंभे	अभि.प्र.रविः ५५/२ उषा.बुधः ३६/५ सव्वाल१०
४	गु	३०	१६	श	७	२०	व	२०	३४	व	१	४९	१९	४४	१६	१	२	२१	मी. ५०/७	भ.१।४९उ. ३०।१६या.अभि.प्र.रवि.×
५	शु	२६	३०	पू	५	२९	प	१४	३७	बा	२६	३०	२१	४४	१६	२	३	२२	मीने	मकरे.बुधः४१।५४ अश्वि.२शनिः=
६	श	२२	२३	उ	३	६	शि	८	२३	तै	२२	२३	२४	४३	१७	३	४	२३	मीने	कुंभे.शुक्रः३५।३५ [=३३।४९ वसंत५
७	र	१७	५५	रे	२०/५	५६/४६	सि	३०/१	५/१३	व	१७	५५	२७	४३	१७	४	५	२४	मे. ०।२५	भ.१७।५५ उ.४५।२८या.श्रवणे.रविः+
८	चं	१३	२	भ	५३	४६	शु	४७	१६	ब	१३	२	२९	४२	१८	५	६	२५	मेषे	अभिनि.रविः ५ ३/४ (सौरः १/३ ३/४) भीष्माष्टमी
९	मं		७	४९	कृ	५०	७	शु	३९	५६	कौ	७	४९	३२	४२	१८	६	७	२६	वृ. ७।५२	[×सौरः५।२१ भा.माधारंभः
१०	बु	३	२२	रो	४६	३	ब्र	३२	०	ग	३	२२	३५	४१	१९	७	८	२७	वृषे	भ. ३०/२ उ. ५६/४३ या.जया११व्र.स्मा.पात–☼
११	बु	५३	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+ १/३ ५/९ (सौरः ३/६ १/७ भानु७ [☼स्पर्शः ३/१ ७/२
१२	गु	५०	५६	मृ	४२	११	ऐं	२४	२८	ब	२३	४९	२८	४०	२०	८	९	२८	मि. १४।७	श्रवणे बुधः३३।४स्वात्यां भौमः ३/२ ४/७ A
१३	शु	४५	३२	आ	३८	२३	वै	१६	५३	कौ	१८	१४	४१	४०	२०	९	१०	२९	मिथुने	शते शुक्रः०।१२उभा.१गुरुः ३/२ ६/७ प्रदोषः
१४	श	४०	४८	पु	३५	२३	वि	९	४६	ग	१३	१०	४५	३९	२१	१०	११	३०	क. २१।८	भ. ४/४ ०/८ उ. [Aजया११व्र.वै.पातमोक्षः २/१ ३/६
१५	र	३७	५	पु	३३	१०	प्री	३/२४	५४/२८	वि	८	५६	४८	३८	२२	११	१२	३१	कर्के	भ.८।५६या.माघस्नानपूर्तिः

४१पं.मा.शु.१चं.इ.५२।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	११	९	०	३	९
४	२	२४	१	२४	३	२९	४
३५	३२	८	१३	४	१०	२५	२४
१८	५३	५३	१९	१६	५५	१८	२३
६१	२८	९८	१०	७४	२	३	६१
३	१	४३	१२	२	१०	११	१९

गोचर ग्रहाः

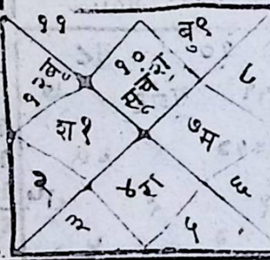

इस मास में अनाज चावल गेहूं जो चना मटर रस गुड सक्कर घृत तैल धातु सोना चांदी ताम्बा पीतल तेज हो।

गोचर ग्रहाः

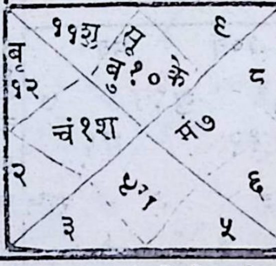

४२पं. मा.शु.८चं.इ. ५२/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	१०	०	३	९
११	५	५	२	२	३	२९	११
४२	२९	२५	३२	४८	२९	१३	३३
४०	५६	५५	३८	५४	२०	३	१४
६०	२५	०/०	१०	७३	२	३	६१
५९	५९	५/३१	५६	५६	५२	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः	सं. २०५५	शाकः १९२०										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा.
१	चं	३४	३८	श्ले	३२	३२	सौ	५३	३६	बा	५	५२	२६/५१	५/३८	६/२२	१२	१३	१	सिं ३२/३२	फरवरी २ ता. २८
२	मं	३३	४८	म	३३	१४	शो	५०	२४	तै	४	१३	५४	३७	२३	१३	१४	२	सिंहे	[×गुरुः ३५।४२ महाशिवरात्रिव्र. स्मा.
३	बु	३४	५०	पू	३५	५०	अ	४९	१३	व	४	२०	५८	३६	२४	१४	१५	३	कं. ५१/२	भ. ४।२० उ. ३४।५० या.
४	गु	३७	३१	उ	४०	१	सु	४८	३६	ब	६	१०	२७/१	३६	२४	१५	१६	४	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	शु	४१	४८	ह	४५	४०	धृ	४९	३५	कौ	९	३९	५	३५	२५	१६	१७	५	कंन्यायां	धनि. बुधः १९।४५
६	श	४७	२२	चि	५२	२२	शू	५१	३	ग	१४	३५	८	३४	२६	१७	१८	६	तु. १९।१	भ. ४/२ ७/२ उ. धनि.रविः ५/१ ९/७ (सौरः२७।७)
७	र	५३	४१	स्वा	५९	४८	गं	५३	१९	वि	२०	२	१२	३४	२६	१८	१९	७	तुलायां	भ. २०।२ या.
८	चं	६०	०	वि	६०	०	वृ	५५	२९	बा	२६	५२	१५	३३	२७	१९	२०	८	वृ. ५०/३२	पूभा. शुक्रः ४१।५२
८	मं	०	२	वि	७	२७	ध्रु	५७	२२	कौ	०	२	१९	३२	२८	२०	२१	९	वृश्चिके	कुंभे. बुधः ८।३
९	बु	६	११	अ	१४	४२	व्या	५८	४३	ग	६	११	२३	३१	२९	२१	२२	१०	वृश्चिके	भ. ३८।५३ उ.
१०	गु	११	३६	ज्ये	२०	४१	ह	५९	२	वि	११	३६	२७	३१	२९	२२	२३	११	ध. २०/४१	भ. ११।३६ या.
११	शु	१५	२४	मू	२५	३३	व	५८	८	वा	१५	२४	३०	३०	३०	२३	२४	१२	धनुषि.	कुंभेऽर्कः ५/१ ५/३ शते बुधः ४/१ ८ विजया ११व्र.
१२	श	१७	५०	पू	२८	५९	सि	५५	५३	तै	१७	५०	३४	२९	३१	२४	२५	१३	म. ३४/१	कुंभेऽर्कः सौरः १।५ प्रदोषः
१३	र	१८	२१	उ	३०	२८	व्य	५२	१३	व	१८	२१	३८	२८	३२	२५	२६	१४	मकरे	भ. १८।२१ उ. ४७।४७ या. उभा.२ ×
१४	चं	१७	१३	श्र	३०	१८	व	४७	२३	श	१७	१३	४१	२८	३२	२६	२७	१५	कुं. ५९/३४	महाशिवरात्रि व्र. वै.
३०	मं	१४	३६	ध	२८	४९	प	४१	२५	ना	१४	३६	४५	२७	३३	२७	२८	१६	कुम्भे	मीने शुक्र ४७।६

४४ पं.फा.कृ.१ चं.इ. ५२/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	१०	०	३	९
१८	८	१७	३	११	३	२८	१८
४९	१२	१२	५७	३१	५२	५०	४१
१६	११	१८	१८	५९	३०	४७	१८
६०	२३	०/०	११	७३	३	३	६१
५५	५५	३६	३१	५०	३२	११	०४

४४पं.फा. कृ.८ चं.इ. ५२/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	११	१०	०	३	९
२५	१०	२९	५	२०	४	२८	२५
५५	४१	३१	२५	१३	२०	२८	४८
१	५३	३७	८	३७	३८	३१	५
६०	२१	०/०	१२	७३	४	३	६०
४७	४६	३४	१०	४४	१४	११	५५

४५ पं.फा.कृ.१४चं.इ. ५३/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	१०	०	३	१०
२	१२	१२	६	२८	४	२८	२
५९	५३	१८	५६	५३	५२	६	५४
४९	२५	३६	२	५३	३०	१६	८
६०	१७	०/०	१२	७३	४	३	६०
३७	५९	४३	२१	३४	४९	११	४२

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं०२०५५ शाकः १९२०												द्वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:२५०९स,१९९९
१	बु	१०	२९	श	२६	१६	शि	३४	५०	ब	१०	२९	२७/४१	६/२६	५/३४	२८	२९	१७	कुंभे	चन्द्र दर्शनम्
२	गु	५	४४	पू	२२	४८	सि	२७	२८	का.	५	४४	५३	२५	३५	२९	१	१८	मी.८।४०	फुलरिया २ जिल्काद ११
३	शु	०	१६	उ	१८	५९	सा	१९	४६	ग	०	१६	५६	२५	३५	३०	०	०	मीने	भ.२७।२९उ.५४।४३या.शतेरवि:३/३ १/१×
४	शु	५४	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	१९	०	[×(सौर:३६।२७)उभा.शुक्र:२७।३४
५	श	४९	१	रे	१५	८	शु	१२	१६	ब	२१	५२	२८/०	२४	३६	१	३	२०	मे.१५।८	पूभा.बुध:२।११बुधोदय:पश्चिमायां÷
६	र	४३	३४	अ	११	१९	शु	४/५२	५२/२४	कौ	१६	१८	४	२३	३७	२	४	२१	मेषे	[÷१७।१९ भा.फाल्गुनारंभ:
७	चं	३८	१२	भ	७	३५	ऐं	५०	८	ग	१०	५३	८	२२	३८	३	५	२२	वृ.२१।४३	भ.३८।१२उ.
८	मं	३३	१३	कृ	४	७	वै	४३	१४	वि	५	४३	१२	२२	३८	४	६	२३	वृषे	भ.५।४३या. होलाष्टक:
९	बु	२८	३८	रो	१/८	५७/२०	वि	३६	३५	बा	०	२६	१६	२१	३९	५	७	२४	मि२९।४९	[+२०।४७ मार्च३ ता.३१होलिकादहनं=
१०	गु	२४	१७	आ	५६	१३	ध्री	३०	१६	ग	२४	१७	२०	२०	४०	६	८	२५	मिथुने	भ.५२।२७उ.मीनें बुध:५२।४७
११	शु	२०	३७	पु	५४	३५	आ	२४	२४	वि	२०	३७	२४	१९	४१	७	९	२६	क.४०।०	भ.२०।३७या.आमलकी ११व्र.
१२	श	१७	२४	पु	५३	३७	सौ	१९	१४	बा	१७	२४	२८	१८	४२	८	१०	२७	कर्के	प्रदोष:
१३	र	१५	४	श्ले	५३	४४	शो	१३	३७	तै	१५	४	३२	१८	४२	९	११	२८	सिं५३।४४	उभा.बुध:२२।२० [=भद्रोत्तरम्
१४	चं	१३	४४	म	५४	५९	अ	१०	५४	व	१३	४४	३६	१७	४३	१०	१२	१	सिंहे	भ.१३।४४उ.४३।३९ या.उभा.३गुरु:+
१५	मं	१३	३४	पू	५७	२८	सु	८	८	ब	१३	३४	४०	१६	४४	११	१३	२	सिंहे	रेवत्यायांशुक्र:१९।४९छारेंडी

४६पं.फा.शु.७चं.इ.५३।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	११	११	०	३	१०
१०	१४	२४	८	७	५	२७	१९
३	४३	५३	३०	३१	२८	४४	५८
२२	१	१३	१८	५९	३४	०	४१
६०	१४	८/०	१२	७३	५	३	६०
२५	२२	५/३८	५१	२३	११	११	३१

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्णे ११ शुक्रे कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.२ नः ३ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्या-दिभावे समता शुक्रो-दयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

४७ पं.फा.शु.१४ चं.इ. ५३/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	११	११	०	३	१०
१७	१६	५	१०	१६	६	२७	१७
५	११	१२	७	८	८	२१	१
३५	२८	३२	१६	१०	१०	४५	३३
६०	९	७४	१३	७३	५	३	६०
१२	५९	३२	१४	१४	४०	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५५ शाकः १९२०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसन्तर्तूरविरुत्तरे फा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु	१५	०	उ	६०	०	धृ	६	५०	कौ	१५	०	२८/४४	६/१५	५/४५	१२	१४	३	कं.१३।२६	वसंत १
२	गु	१७	४६	उ	१	२०	शू	६	५	ग	१७	४६	४८	१४	४६	१३	१५	४	कन्यायां	भ.४९।४४उ.पूभा.रवि:४/३ ७/५(सौर:५/१ १/४)
३	शु	२१	४२	ह	६	४१	गं	६	३०	वि	२१	४२	५२	१४	४६	१४	१६	५	तु.३९।५०	भ.२१।४२या. चतुर्थी व्र.
४	श	२७	०	चि	१३	०	वृ	७	५१	बा	२७	०	५६	१३	४७	१५	१७	६	तुलायां	
५	र	३३	५	स्वा	२०	१	ध्रु	९	४२	कौ	०	२	२९/१	१२	४८	१६	१८	७	तुलायां	अश्वि.३शनि:३।४८
६	चं	३९	२३	वि	२७	४०	व्या	१२	५	ग	६	१४	५	११	४९	१७	१९	८	वृ.१०।४६	भ.३९।२३उ.
७	मं	४५	४५	अ	३५	११	ह	१४	१९	वि	१२	३४	९	१०	५०	१८	२०	९	वृश्चिके	भ.१२।३४या.
८	बु	५१	३२	ज्ये	४२	३	व	१६	१९	बा	१८	३८	१३	९	५१	१९	२१	१०	ध.४२।३	वक्रीबुध:२२।११शीतलांपूजनम्
९	गु	५५	४९	मू	४७	४२	सि	१७	२२	तै	२३	४०	१७	९	५१	२०	२२	११	धनुषि	[×भौम:२१।५२पापमोचनी ११ व्र.वै.
१०	शु	५८	४४	पू	५२	३	व्य	१७	१०	व	२७	१७	२१	८	५२	२१	२३	१२	धनुषि	भ.२/१ ७उ.५/४ ८/४या.बुधास्त:पश्चिमायां ३/२ ८/१
११	श	५९	३७	उ	५४	२०	व	१५	४५	ब	२९	११	२६	७	५३	२२	२४	१३	म.७।३७	अश्वि.मेषेशुक्र:१ ६/३पापमोचनी११व्र.स्मा.
१२	र	५८	३५	श्र	५४	४०	प	१२	४७	कौ	२९	६	३०	६	५४	२३	२५	१४	मकरे	मीनेऽर्क:४८।२८(सौर:५१।३५)वक्री×
१३	चं	५५	३४	ध	५३	२४	शि	८	१७	ग	२७	४	३४	५	५५	२४	२६	१५	कुं.२४।२	भ.५/३ ५/४उ.उभा४गुरु:२/१ ९/७आश्ळे.३राहु:+
१४	मं	५०	५३	श	५०	२२	सि	३/८	५२/३५	वि	२३	१३	३८	४	५६	२५	२७	१६	कुंभे	भ.२३।१३या.
३०	बु	४४	५५	पू	४५	४६	शु	४६	५९	च	१७	५४	४३	३	५७	२६	२८	१७	मी. ३/५ १/५	मन्वादि: [+वनि१केतु:१/५ ७/५ प्रदोष:—

४८ पं.चै.कृ६.चं.इ.५४।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	११	११	०	३	३
२४	१७	१०	११	२४	६	२६	२४
६	१२	५	४५	४१	५१	५९	२
२२	४३	१०	४७	४२	७	२९	५६
५९	४	१२	१३	७२	६	३	६०
५८	२९	५९	२०	५६	३	११	६

गोचर ग्रहाः

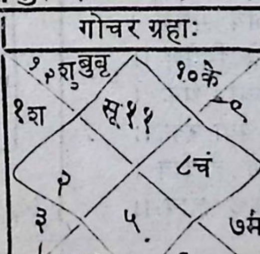

चैत्र कृष्णे १२ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्या-दि भावे समता शुक्रो-दयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

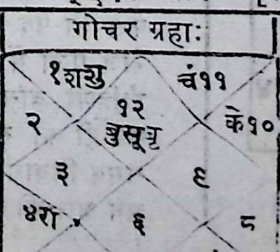

४९पं.चै.कृ,१३चं.इ५४।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	०	०	३	११
१	१७	८	१२	३	७	२६	१
५	४४	१०	२५	११	३६	३७	२
३५	१२	५२	४१	५३	१४	१३	३८
५९	१/६	८/३	१२	७२	६	३	५९
४१	व.	[illegible]	३२	४३	२५	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०० तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग-प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत-कलिः ५१०० भोग्यकलिः ४२६९०० अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५६ शाकः १९२१ अथास्मिन् वर्षे राज़ा गुरुः। मंत्री बुधः। सस्येशो शुक्रः। धान्येशो गुरुः। मेघेशोभौमः। रसेशो रविः। नीरसेशो शुक्रः। फलेशो भौमः। धनेशो शुक्रः। दुर्गेशो भौमः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ६ नंदननाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ९।२८।५२।५२ भोग्यमासादिः २।१।७।८ अहिर्बुध्य दैवतं युगम्। वर्षनाम भाद्रपदः। मेघनाम द्रोणः रोहिणी निवासः तटे। समयनिवासो रजकगृहे। समय विश्वा १८ समयवाहनम् चातकः। स्तंभौ २ वायुतृणयोः। सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी १ भानु सप्तमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् १५ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११५ सत्यम्॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणाभावः।

भैरव भवानी सम्वाद

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	बृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	५	१४	११	११	५	११

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार।
छप्पन संवत् का कहो श्रीमुख से शुभसार॥

भवानी उत्तर

भैरव छप्पन साल का भेद सुनाऊं तोय।
नभचर चार विचार से श्रेष्ट जमाना होय॥
अधिक लिया इस साल में सौम्य ग्रहां अधिकार।
घर २ बजें बधावणां घर २ मंगलाचार॥
गुरु राजा इस वर्ष में यह सब जग हर्षाय।
मंत्री पद बुध को मिला करैं न्याय की न्याय॥
फलपति पद को पायकर भौम भये मेघेश।
राज प्रजा में अशुभफल करता रहे विशेष॥
रोहिणी वासो सिंधुतट वर्षा विश्वा अंक।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक॥
समय निवासो रजक घर स्तंभ लगे है दोय।
अन जल की कमती रहे तेजी सब कुछ होय॥

वर्ष लग्नम् ७।२२

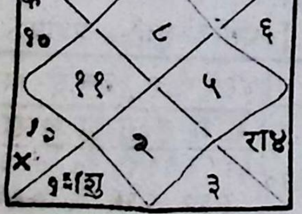

वर्षेश लग्नम् २।१३

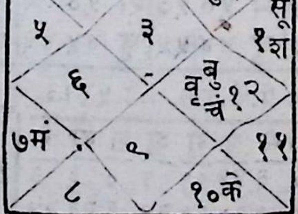

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५०।०

× चं. बृ. बु. सू.।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुःफलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते । मंत्री बुधःफलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना रमते मदनक्रियां ।। बहुधरिबहुवारिसमन्वितं यवमसूरचणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलम् वर्षति शोभनप्रियम् ।। गोधूमशालीक्षुवनप्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशोगुरुः फलम्।। गुरौ धान्यपतौ याति यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशो भौमः फलम् ।। अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुतिविचारविहीनमहीधराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौतरणौ धरणीतदा विरसभोगरताल्पपयोधराः । क्सनतैलघृतप्रियमानवाः सुखरसं च भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। कर्पूरागुरुगन्धानां हेम मौक्तिकवाससां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमस्तत्फम् ।। फलपति यदि भूतनयो भवेत्सुबहुपुष्पफलान्वितमेदिनी । गतभयानृतदेशजनास्तदा नृपतयो बहुविग्रहकारकाः । धनेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला भुवि मानवाः । समसुखाः क्रय-विक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः । दुर्गेशोभौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो गढ़नायकतांगतो विविध दुःखवियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। नन्दननाम संवत्सरःफलम् ।। नंदनाब्दे सदा पृथ्वी बहुसस्यार्कवृष्टिभिः।।आनंददाखिलानां तु जन्तूनां समहीभुजाम् ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अर्घं महर्घतां याति धनधान्यं समं भवेत् । मघवा वर्षति स्वच्छं सर्वदा भाद्रवर्षके ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासः तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे । रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयम् शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५६ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु.११ चंद्रे उफा. ल. गो. सोग्रांगः रे. ७ऽ।।ऽगु।।।।।ऽलग्न-स्थ भौमदोषः पादवेधाद्गुरोर्वेधाऽभावो गणितेन-क्रांतिसाम्याभावश्च आवश्यके

,, १३ बुधे हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ८ऽऽ।।।।।।। भौ.१ दोषः

प्र. ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ४ भौमे मूले ल. ११ रे. ७ ।।।।ऽऽअ.।ऽ।।

,, १० भौमे उभा. ल. ११ रे. ७।।।।ऽरो.ऽऽ।।

,, ११ बुधे रेवत्यां ल. ११ रे. ८।।ऽगु।।।।ऽ।।

द्वि. ज्येष्ठ मासः ।

शु. ८ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. रे.८ ।ऽ।।।ऽ।।

,, १० बुधेस्वा.ल.गो.२रे.७।।।ऽऽरो।ऽ।। वृषे श.१२पूज्यः

आषाढ मासः ।

कृ. ८भौमे रेव. ल. अन्यगो. २,रे.७ ।।।।ऽअ।ऽ।ऽदग्धा

कार्तिक मासः ।

शु.१२ शनौ रेवत्यां ल. गो. रे. ६ ।।।ऽ।।।।

,, १५ भौमे रोहि. ल.५रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ६ बुधे उफा.ल.अन्यगो.५ रे.७।।।ऽचो।ऽ।ऽदग्धा २६।११ उ.

,, १० गुरौ हस्ते ल.५रे.८।।।।।ऽऽ।।

शु. ३ शनौ उषा. ल. अन्यगो.रे.१०।।।।।।।।।

माघ मासः ।

कृ. १ शनौ मघा.ल.८।९रे.७।।ऽबु।ऽरो ऽ।।बुधस्यपाद-वेधाद्वेधाऽभावः

,, ५ भौमे उफा.ल.गो.(भौ. ८ दोषः) रे.७।।।ऽऽअ-।ऽ।।हस्ते ल.८।९रे.७।।।।ऽअऽऽ।।

,, ६ बुधे हस्ते ल.गो.(भौ.८दोषः)रे.८।।।।।ऽऽ।।

,, ११ भौमे मूले ल.८रे.६ ।।।ऽ।ऽऽ।ऽदग्धा.आवश्यके

शु. ४ बुधे रेवत्यां ल.८।९ रे.६ ।ऽ।।ऽरोऽऽ।।

,, ५ गुरौ रेव.ल.अन्यगो.रे.७।ऽ।।।ऽऽ।।

,, १० भौमे मृगे ल.अन्यगो.सोग्रांगःरे. ७।ऽ।।ऽअ.।ऽ।।

,, १५ शनौ मघा.ल.८।९रे.८।।।।ऽचो।ऽ।ध.४६।५२उ.

फाल्गुन मासः ।

कृ. २ चन्द्रे उफा.ल.गो.(भौ.८दो.)८।९ रे.८।।।ऽऽ।।।। ध.५२।९ या.

,, ६ चन्द्रे मूले ल.८रे.७।।।।ऽचोऽऽ।।

शु. १ भौमे उभा. ल. ८।९ रे. १० ।।।।।।।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	३७	४२	उ	४०	३९	शु	३८	८	किं	११	१८	२९/४७	६/३	५/५७	२७	२९	१८	मीने
२	शु	३०	११	रे	३४	४४	ब्र	२९	१	बा	३	५६	५१	२	५८	२८	३०	१९	मे.३४।४४
३	श	२२	३४	अ	२९	४	ऐं	१९	४७	ग	२२	३४	५५	१	५९	२९	१	२०	मेषे
४	र	१५	१३	भ	२३	४२	वै	१०	४७	वि	१५	१३	३०/००	०६/००	६/००	३०	२	२१	बृ.३७।३३
५	चं	८	३३	कृ	१९	५	वि	२/४१	५२/१९	बा	८	३३	४	५९	१	१	३	२२	वृषे
६	मं	२	३०	रो	१५	५	आ	४८	२	तै	२	३०	८	५८	२	२	४	२३	मि.४३।३७
७	मं	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	बु	५३	७	मृ	१२	९	सौ	४१	५१	वि	२५	१२	१२	५८	२	३	५	२४	मिथुने
९	गु	५०	२	आ	१०	१३	शो	३६	३५	बा	२१	३४	१६	५७	३	४	६	२५	क.५४।२७
१०	शु	४७	४५	पु	९	११	अ	३२	४	तै	१८	५४	२१	५६	४	५	७	२६	कर्के
११	श	४६	४३	पु	९	१९	सु	२८	२२	व	१७	१४	२५	५५	५	६	८	२७	कर्के
१२	र	४६	३२	श्ले	१०	१७	धृ	२५	३८	ब	१६	३७	२९	५४	६	७	९	२८	सिं.५१।०७
१३	चं	४७	३०	म	१२	३६	शू	२३	४६	कौ	१७	१	३३	५३	७	८	१०	२९	सिंहे
१४	मं	४९	४९	पू	१५	४७	गं	२२	४६	ग	१८	४०	३७	५३	७	९	११	३०	कं.३१।५२
१५	बु	५३	८	उ	२०	६	वृ	२२	१९	वि	२१	२८	४१	५२	८	१०	१२	३१	कन्यायां

बसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २५३८स. १९९९

उभा. रविः ९।३२ (सौरः १२।२१÷
चंद्रदर्शनम् सिंधारा
भ ४८।५३उ.मत्स्यज. गणगौरी जिल्हेज १२
भ.१५।१३या.वक्री पूभा.बुधः३२।३८
अस्तं गुरोः४८।०भा.चैत्रारंभः अ. गु.
भ.५७।१८उ.भरण्यांशुक्रः१७।५७
[÷संवत्सरारंभ:नवरात्रा.
भ.२५।१२या.
वक्री कुंभे बुधः ७।४बुधोदयः पूर्वस्यां–×
[×५६।१९रामनवमी
भ.१७।१४उ.४६।३२या.कामदा११व्र.
[*(सौरः३९।३८)हनुमज्जयंती
रेवती. १गुरुः१३।१७ प्रदोषः
भ. ४९।४९उ.
भ.२१।२८ या. रेवत्यां रविः३७।११

५०पं.चै.शु.५चं.इ.५४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	११	०	०	३	११
८	१७	२	१५	११	८	२६	८
३	४३	२	६	३९	२४	१४	०
१८	४८	३१	१८	३६	७	५८	३३
५९	८/१४	५६/२३	१३	७२	६	३	५९
२९	वः	वः	३५	२२	३८	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में गुड सक्कर चीनीं धान्य सोना चांदी रुई तेज होवे तथा पशु बीमारी ग्रसित होवे गल्ला तेज होवे

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.शु.१३चं.इ.५५।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	११	०	०	३	११
१४	१७	२७	१६	२०	९	२५	१४
५९	८	४६	४९	३	१४	५२	५६
१०	१७	३४	३०	५८	२४	४२	४१
५९	१४/५६	२५/३१	१३	७२	६	३	५९
१६	व	वः	३८	२	५४	११	१८

ति.	वैशाख कृष्ण पक्षः सं० २०५६शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	५७	२९	ह	२५	२०	ध्रु	२२	५५	बा	२५	१८	३०/४५	५/५१	६/९	११	१३	१	तुं.५८।३३
२	शु	६०	०	चि	३१	४६	व्या	२४	१८	तै	३०	११	४९	५०	१०	१२	१४	२	तुलायां
२	श	२	५३	स्वा	३८	४१	ह	२६	५	ग	२	५३	५३	४९	११	१३	१५	३	तुलायां
३	र	८	४४	वि	४६	४	व	२८	३०	वि	८	४४	५७	४९	११	१४	१६	४	वृ.२९।१३
४	चं	१४	५७	अ	५३	४४	सि	३०	५४	वा	१४	५७	३/१	४८	१२	१५	१७	५	वृश्चिके
५	मं	२१	२१	ज्ये	६०	०	व्य	३३	१५	तै	२१	२१	५	४७	१३	१६	१८	६	वृश्चिके
६	बु	२७	२२	ज्ये	१	१२	व	३४	५६	व	२७	२२	१०	४६	१४	१७	१९	७	ध.१।१२
७	गु	३२	८	मू	७	४७	प	३५	५२	ब	३२	८	१४	४५	१५	१८	२०	८	धनुषि
८	शु	३५	५३	पू	१३	७	शि	३५	४७	बा	३	३३	१८	४४	१६	१९	२१	९	म.२९।२
९	श	३७	४८	उ	१६	४७	सि	३४	१३	तै	६	५०	२२	४४	१६	२०	२२	१०	मकरे
१०	र	३७	४३	श्र	१८	४४	सा	३०	५८	व	७	४६	२६	४३	१७	२१	२३	११	कुं४८।३४
११	चं	३५	२९	ध	१८	२४	शु	२६	४	ब	६	३६	३०	४२	१८	२२	२४	१२	कुंभे
१२	मं	३१	१४	श	१६	१६	शु	२०	७	कौ	३	२१	३४	४१	१९	२३	२५	१३	मी.५१।८३
१३	बु	२५	१२	पू	१२	११	न	११	४६	व	२५	१२	३८	४०	२०	२४	२६	१४	मीने
१४	गु	१७	३३	उ	६	४३	ऐं	२/४३	५०/१०	श	१७	३३	४२	४०	२०	२५	२७	१५	मीने
३०	शु	९	१	रे	१०/१०	५/५३	वि	४२	३१	ना	९	१	४६	३९	२१	२६	२८	१६	मे.०।१०

बसंतर्तू रवि रुत्तरेचैत्र कृष्णतिमहा.;

अप्रैल ४ ता. ३०
भ. ३५।४८ उ.
भ.८।४४या. मार्गी बुधः६।१२ चतुर्थी व्र.
कृत्ति. शुक्रः१७।५३ अश्वि.४शनिः६।१
भ. २७।२२ उ. ५९।४५ या.
वृषे शुक्रः ५।३१
अस्तं शनेः३७।१४
मीने बुधः२८।५०
भ.७।४६।उ.३७।४३या.
रेवती.२गुरुः४।३२ वरूथिनी ११व्र.
प्रदोषः
भ.२५।१२उ. ५१।२३या. अश्वि-मेषेऽर्कः÷
उभा.बुधः७।३५ रोहि शुक्रः४४।१४
[÷११।११(सौरः१४।११)

५२ पं.वै.कृ.४चं..इ.५५।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	११	०	०	३	११
२१	१५	२७	१८	२७	१०	२५	२१
५३	५६	५०	२९	२४	५	३०	५०
३१	१३	१८	३०	४७	३१	२७	५२
५९	३०/१६	५/८	१३	७१	७	३	५९
४	वः	माः	३८	३५	८	११	४

गोचर ग्रहाः

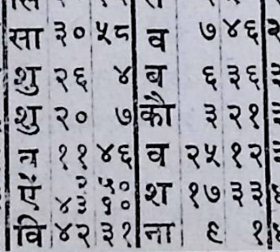

वैशाखकृष्णे १३ बुधे
मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न.४ प्रगल्भा-वस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

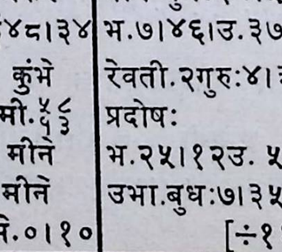

१ पं.वैं.कृ.१३बु इ.११।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	१	०	३	११
०	१३	२	२०	८	११	२५	२९
०	४८	३९	२८	९	६	४	५७
०	२२	३२	३४	४७	४०	१९	४
५८	३६/१६	४३	१३	७१	७	३	५८
४४	वः	३	३२	४	१४	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्ल पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२५६८सन् १९९९
१	शु	५०	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५०	३५	भ	४५	५०	प्री	३२	१५	बा	२५	१०	३१/५०	५/३८	६/२२	२७	२९	१७	वृ.५९।११	चन्द्र दर्शनम्
३	र	४१	४८	कृ	३९	१२	आ	२१	४९	तै	१६	१२	५३	३७	२३	२८	१	१८	वृषे	परशुरामजयंती अक्षया३मोहर्रम१सन्×
४	चं	३३	५०	रो	३३	१८	सौ	१२	३१	व	८	४९	५७	३७	२३	२९	२	१९	वृषे	भ.८।४९उ.३३।५०या. [×१४२० हि.
५	मं	२६	५८	मृ	२८	३७	शो	४/२	५२/४७	ब	०	२४	३२/१	३६	२४	३०	३	२०	मि. ०।५८	उदयं गुरोः ५१।०
६	बु	२१	२२	आ	२५	२२	सु	५०	३२	तै	२१	२२	५	३५	२५	१	४	२१	मिथुने	भा.वैंशाखारंभः
७	गु	१७	२६	पु	२३	३२	धृ	४५	३७	व	१७	२६	९	३४	२६	२	५	२२	कं.९।०	भ. १७।२६उ.४६।१३या.
८	शु	१४	५९	पु	२३	१४	शू	४२	०	ब	१४	५९	१२	३४	२६	३	६	२३	कर्के	[+३गुरुः७।२४मोहिनी११ व्र.
९	श	१४	४	श्ले	२४	१७	गं	३९	१३	कौ	१४	४	१६	३३	२७	४	७	२४	सिं. २४/१७	पातस्पर्शः३५।०पातमोक्षः५२।५५
१०	र	१४	३०	म	२७	२	वृ	३७	५०	ग	१४	३०	२०	३२	२८	५	८	२५	सिंहे	भ.४५।२६उ. [=१७।३५ प्रदोषः
११	चं	१६	२२	पू	३०	४७	ध्रु	३७	२८	वि	१६	२२	२३	३१	२९	६	९	२६	कं.४७।१	भ.१६।२२या.रेवत्यांबुधः४६।३०रेवती+
१२	मं	१९	२६	उ	३५	४२	व्या	३८	२	बा	१९	२६	२७	३१	२९	७	१०	२७	कन्यायां	भरण्यांरविः५१/२५ (सौरः५५/३६) मृगे शुक्रः=
१३	बु	२३	३४	ह	४१	२६	ह	३८	४४	तै	२३	३४	३१	३०	३०	८	११	२८	कन्यायां	नृसिंहजयंती
१४	गु	२८	२५	चि	४८	१०	व	४०	३५	व	२८	२५	३४	२९	३१	९	१२	२९	तु १४।४७	भ.२८।५५उ.
१५	शु	३४	०	स्वा	५५	७	सि	४२	२१	वि	१	१३	३८	२८	३२	१०	१३	३०	तुलायां	भ.११३या.यमाय सान्नजलकुंभदानं

२पं. वैं. शु. ६ बु. इ. ११/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	१	०	३	०
६	११	९	२२	१६	१२	२४	६
५०	३१	४२	८	१९	०	४२	४७
४२	५२	११	४२	१९	७	३	१५
५८	३८/३७	६६	१३	७०	७	३	५८
३१	व.	१४	२६	२३	२०	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठ मंदा हो गुड सक्कर में तेजी रहे धातु सोना चांदी में काफी तेजी बने ।

गोचर ग्रहाः

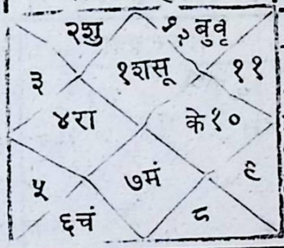

३ पं.वै.शु.१३ बु. इ. ११/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	१	०	३	०
१३	९	१८	२३	२४	१२	२४	१३
२९	०	४०	४७	२३	५४	१९	२५
५७	११	२४	३८	३५	११	४८	४०
५८	२७/५०	८४	१३	६९	७	३	५८
१३	व	४४	२०	३५	२०	११	१२

ति.	प्र.ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेवैशाख कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	४०	१	वि	६०	०	व्य	४४	४७	बा	७	०	३२/४१	५/२८	६/३२	११	१४	१	वृ.४५।४१	भ.१शनिः४२।५९ मई ५ ता. ३१
२	र	४६	७	वि	२	३३	व	४७	७	तै	१३	४	४५	२७	३३	१२	१५	२	वृश्चिके	
३	चं	५२	१९	अ	९	५९	प	४९	३२	व	१९	१३	४८	२६	३४	१३	१६	३	वृश्चिके	भ.१९।१३उ.५२।१९या.मिथुने शुक्रः ९/१८
४	मं	५८	८	ज्ये	१७	३२	शि	५१	३८	ब	२५	१३	५२	२६	३४	१४	१७	४	ध.१७।३२	वक्री चित्रायां भौमः४३।२१ व्र.
५	बु	६०	०	मू	२४	२२	सि	५२	५५	कौ	३०	३७	५५	२५	३५	१५	१८	५	धनुषि	अश्विनी मेषे बुधः२१।४७
५	गु	३	७	पू	३०	२४	सा	५३	३९	तै	३	७	५८	२४	३६	१६	१९	६	म ४६।३६	
६	शु	७	१९	उ	३५	१३	शु	५३	१४	व	७	१९	३/२	२४	३६	१७	२०	७	मकरे	भ.७।१९उ.३८।४२ या.
७	श	१०	४	श्र	३८	३८	शु	५१	४०	ब	१०	४	५	२३	३७	१८	२१	८	मकरे	
८	र	११	२	ध	४०	१८	ब्र	४८	२५	कौ	११	२	८	२२	३८	१९	२२	९	कुं. ९।२८	आर्द्रा.शुक्रः६।२०
९	चं	१०	१५	श	३९	४९	ऐं	४३	४१	ग	१०	१५	११	२२	३८	२०	२३	१०	कुम्भे	भ.३८।४७उ.रेवती.४गुरुः३६।५०
१०	मं	७	१९	पू	३७	३५	वै	३७	२०	वि	७	१९	१४	२१	३९	२१	२४	११	मी.२३।९	भ.७।१९या.कृत्ति.रविः३७।२१ (सौरः ×
११	बु	२	३२	उ	३३	१३	धि	२९	३०	बा	२	३२	१७	२१	३९	२२	२५	१२	मीने	भरण्यांबुधः४७/४३अपारा११व्र. [×४३।२८)
१२	बु	५३	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷६।१५ वटपूजनम्
१३	गु	४७	४६	रे	२७	३५	प्री	२०	२७	ग	२१	४७	२०	२०	४०	२३	२६	१३	मे.२७।३५	भ.४७।४६उ.प्रदोषः
१४	शु	३८	२८	अ	२०	३७	आ	१०/१६	४९/२०	वि	१३	७	२३	१९	४१	२४	२७	१४	मेषे	भ.१३।७या.बुधास्तःपूर्वस्यां१९।१३
३०	श	२८	४१	भ	१२	५६	शो	४८	४०	च	३	३४	२६	१९	४१	२५	२८	१५	वृ.२५।५८	वृषेऽर्कः४।३६ (सौरः ११/१५) उदयं शनेः÷

४पं.प्र.ज्ये. कृ.५ बु.इ. ११/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	११	२	०	३	०
२०	६	२९	२५	२	१३	२३	२०
२७	२८	४३	२४	२०	४७	५७	२२
२५	३७	२३	३२	३८	२०	३२	२३
५८	२२/५२	०/८	१३	६८	७	३	५७
६	वें.	३/०	८	४७	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

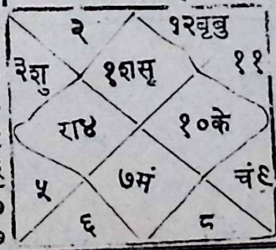

प्र. ज्येष्ठ कृष्णे ३० शनौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न. ५ सुतार्थित्य-वस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

५ पं.प्र.ज्ये.कृ.११बु.इ. १२/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	११	२	०	३	०
२७	४	१२	२७	१०	१४	२३	२७
१३	११	११	०	९	४०	३५	०७
३७	२	३१	१४	२९	३७	१६	३७
५७	१९/२१	०/२	१२	६७	७	३	५७
५४	व.	३/४	२४	३८	१४	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि	उ.	अ.	भा	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:२५९७ सन् १९९९
१	र	१८	३४	कृ	५/४	५२/२५	अ	३७	५३	ब	१८	३४	३३/२८	५/१८	५/४३	२६	२९	१६	वृषे	चंद्रदर्शनम् अधिकमासारंभ:
२	चं	८	५९	मृ	५०	४४	सु	२७	३७	कौ	८	५९	३१	१८	४२	२७	१	१७	मि.२४।७	आश्ळे.२राहु:श्रव. ४ केतु. ०।४२सफर२
३	मं	०	१५	आ	४५	१९	धृ	१७	१७	ग	०	१५	३४	१७	४३	२८	२	१८	मिथुने	भ.२६।३२उ.५२।४९ या.
४	मं	५२	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	४७	२	पु	४१	३४	शू	१०	२६	ब	१९	५५	३७	१७	४३	२९	३	१९	क.२७।३०	कृति. बुध: २७।३६
६	गु	४३	४	पु	३९	३४	गं	५/८	५५/१	कौ	१५	३	३९	१६	४४	३०	४	२०	कर्के	
७	शु	४१	१४	श्ले	३९	३०	ध्रु	५५	२८	ग	१२	९	४२	१६	४४	३१	५	२१	सिं. ३९/०	भ.४१।१४उ. वृष बुध: २।४३
८	श	४१	१३	म	४१	२३	व्या	५३	३८	वि	११	१३	४४	१५	४५	१	६	२२	सिंहे	भ.११।१३या. पुन.शुक्र:१०/४८भा.ज्येष्ठारंभ:
९	र	४२	५९	पू	४४	४९	ह	५२	४८	बा	१२	६	४७	१५	४५	२	७	२३	सिंहे	
१०	चं	४६	१०	उ	५०	१	व	५३	४२	तै	१४	३४	४९	१४	४६	३	८	२४	कं. १।७	[×२८/१० (सौर:३७/२३)रोहि.बुध:३६/३८कमला÷
११	मं	५०	४६	ह	५६	८	सि	५४	४६	व	१८	२२	५२	१४	४६	४	९	२५	कन्यायां	भ.१८।२२उ. ५०।४६या. रोहि.रवि:×
१२	बु	५६	२	चि	६०	०	व्य	५६	५२	ब	२३	२५	५४	१३	४७	५	१०	२६	तु.२९।३६	अश्वि.१मेषे गुरु:०।४६ [÷११ व्रतम्
१३	गु	६०	०	चि	३	५	व	५९	५	कौ	२९	१	५६	१३	४७	६	११	२७	तुलायां	प्रदोष:
१३	शु	१	५९	स्वा	१०	१९	प	६०	०	तै	१	५९	५८	१२	४८	७	१२	२८	तुलायां	भरणी २ शनि: २७।४२
१४	श	८	५	वि	१७	४७	प	१	२२	व	८	५	३४/००	१२	४८	८	१३	२९	वृ.०।५५	भ.८।५उ. ४१।६या.
१५	र	१४	६	अ	२५	९	शि	३	४०	ब	१४	६	२	१२	४८	९	१४	३०	वृश्चिके	कर्के शुक्र: ४७।५४

६ पं.प्र.ज्ये.शु.५बु.इ.१२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	११	२	०	३	१
३	२	२६	२८	१७	१५	२३	३
५८	२२	८	३२	४९	३२	१३	५१
३७	१९	१७	२८	१२	५६	१	१८
५७	११/१२	५/४	१२	६६	७	३	५७
४४	व:	५/६	२०	२२	६	११	३४

गोचर ग्रहा:

इस मासमें सोना चांदी रुई पाट वारदाना अनाज चावल गेहूं बाजरा गुड सक्कर आदि में तेजी हो, धूप अधिक वायुका जोरहो

गोचर ग्रहा:

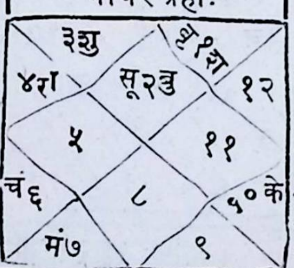

७ पं.प्र.ज्ये.शु.१२बु.इ.३२/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	२	०	३	१
१०	९	११	०	२५	१६	२२	१०
४२	१०	१६	२	१७	२४	५०	३३
२९	४१	५२	२०	२	२२	४५	२९
५७	३५	८०	१२	६४	६	३	५७
२५	व.	८/३	१	४६	५६	११	२३

ति.	द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	चं	२०	४	ज्ये	३२	२०	सि	६	१	कौ	२०	४	३४/३	५/११	६/४९	१०	१५	३१	ध. ३२/३०	मृगे बुध: ४०।४५
२	मं	२५	३२	मू	३८	५५	सा	७	५७	ग	२५	३२	५	११	४९	११	१६	१	धनुषि	भ.५७/१८उ. मार्गी भौम:३३/४८जून ६ ता.३०
३	बु	२९	०५	पू	४४	५६	शु	९	१४	वि	२९	५	७	११	४९	१२	१७	२	धनुषि	भ.२९।५या.पुष्येशुक्र:५८/५३ च. व्र.
४	गु	३३	५२	उ	५०	४	शु	१०	१०	ब	२	२८	९	१०	५०	१३	१८	३	म.१।१३	मिथुने बुध:५१।३४
५	शु	३६	३८	श्र	५४	७	ब्र	१०	६	कौ	५	१५	१०	१०	५०	१४	१९	४	मकरे	
६	श	३८	८	ध	५६	४१	ऐं	९	११	ग	७	२४	१२	१०	५०	१५	२०	५	कुं. २५/२४	
७	र	३८	१६	श	५७	४५	वै	७	१०	वि	८	१२	१३	९	५१	१६	२१	६	कुंभे	भ.३८।८उ.बुधोदय:पश्चिमायां ३९।९
८	चं	३६	३७	पू	५७	२३	वि	५३/२	५५/२६	बा	७	२६	१५	९	५१	१७	२२	७	मी. ४२/२९	भ.८।१२या.
९	मं	३३	३०	उ	५५	१६	आ	५३	११	तै	५	४	१६	९	५१	१८	२३	८	मीने	आर्द्रा. बुध:११।३९
१०	बु	२८	३०	रे	५१	३५	सौ	४६	६	व	१	०	१७	९	५१	१९	२४	९	मे.५१/३५	मृगे रवि:२३।३(सौर:३६।१३)
११	गु	२२	२	अ	४६	३०	शो	३७	२७	बा	२२	२	१८	८	५२	२०	२५	१०	मेषे	भ.१०।०उ.२८।३०या.
१२	शु	१४	१२	भ	४०	२	अ	२८	८	तै	१४	१२	१९	८	५२	२१	२६	११	बृ. ५३/११	कमला ११ व्र.
१३	श	५	२१	कृ	३२	३८	सु	१८	४९	व	५	२१	१९	८	५२	२२	२७	१२	बृषे	अश्वि.२गुरु:४७।२९ प्रदोष:
१४	श	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ.५।२१उ.३०.३०या.
३०	र	४५	५२	रो	२५	१	धृ	७/१३	४९/२०	च	२०	४४	२०	८	५२	२३	२८	१३	मि.५१/१६	अधिकमास समाप्ति:

८ पं.द्वि.ज्ये.कृ.३बु.इ. १२/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	०	३	०	३	१
१७	०	२६	१	२	१७	२२	१७
२५	३९	३२	२८	३१	१४	२८	१४
१९	५४	२०	३०	२६	४६	३०	३५
५७	३४/०	८०	११	६२	६	३	५७
२७	मा	४६	२४	५०	३८	११	१३

गोचर ग्रहा:

इस मास में गेहूं जो चना मटर अरहर गुड सक्कर में मंदी होकर सुदी में तेजी की संभावना है प्रजा में शांति और वर्षा होगी।

गोचर ग्रहा:

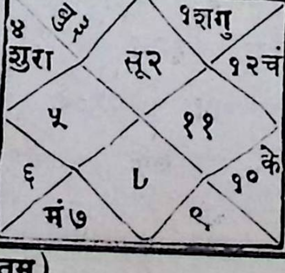

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.१०बु.इ.३२/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	२	०	३	०	३	१
२४	०	१०	२	९	१८	२२	२३
७	४८	२८	५१	२८	२	६	५४
१९	२५	१९	४०	५	३८	१४	३१
५७	६	८०	१०	६०	६	३	५७
२२	१०	२०	५४	२२	२६	११	०५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२६२६स.१९९९
१	चं	३६	१८	मृ	१७	३१	गं	४६	२०	किं	११	५	३४/२१	६/८	६/५२	२४	२९	१४	मिथुने	पुन.बुधः३१।०
२	मं	२७	३४	आ	१०	५०	बृ	३७	०	बा	१	५६	२१	८	५२	२५	३०	१५	क.५१।४०	मिथुनेऽर्कः३१/७(सौरः३७।१)चंद्रदर्शनम्
३	बु	२०	१७	पु	५	१७	ध्रु	२८	४३	ग	२०	१७	२२	८	५२	२६	१	१६	कर्के	भ.४७/३२उ.आश्ले.शुक्रः४८।३९रविलावल३
४	गु	१४	४८	पु	१/१२	५८/५	व्या	२१	५४	वि	१४	४८	२२	८	५२	२७	२	१७	सिं. ५९/१७	भ.१४।४८या.
५	शु	११	२५	म	५९	२०	ह	१६	५०	बा	११	२५	२३	७	५३	२८	३	१८	सिंहे	
६	श	९	५९	पू	६०	०	व	१३	३६	तै	९	५९	२३	७	५३	२९	४	१९	सिंहे	
७	र	९	३४	पू	१	४३	सि	११	५०	व	९	३४	२३	७	५३	३०	५	२०	कं.१७।४४	भ.९।३४उ.४०।१८या.
८	चं	११	२	उ	५	४७	व्य	११	५३	ब	११	२	२४	७	५३	३१	६	२१	कन्यायां	कर्के बुधः२१।५७ [×आषाढारंभः
९	मं	१७	४३	ह	११	२६	व	१२	३७	कौ	१७	४३	२४	७	५३	१	७	२२	तु.४४।४९	आर्द्रा रविः ३०/३२(सौरः ३८/३४)भा.×
१०	बु	२३	१	चि	१८	१३	प	१४	२५	ग	२३	१	२४	७	५३	२	८	२३	तुलायां	भ.५६।७उ.गंगादशमी
११	गु	२९	१४	स्वा	२५	४०	शि	१६	४९	वि	२९	१४	२४	७	५३	३	९	२४	तुलायां	भ.३९/१४या.पुष्ये बुधः७।१९निर्जला ११व्र.
१२	शु	३५	२८	वि	३३	१६	सि	२०	२५	ब	२	२१	२४	७	५३	४	१०	२५	वृ.१६।२२	
१३	श	४१	३३	अ	४०	४४	सा	२१	५३	कौ	८	२७	२३	७	५३	५	११	२६	वृश्चिके	प्रदोषः
१४	र	४७	१०	ज्ये	४७	४७	शु	२४	३	ग	१४	२१	२३	७	५३	६	१२	२७	ध.४७।४७	भ.४७।१०उ.भरणी३शनिः५८।४२
१५	चं	५२	७	मू	५४	१०	शु	२५	५८	वि	१९	३८	२२	८	५२	७	१३	२८	धनुषि	भ.१९।३८या.गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

१०पं.द्वि.ज्ये. शु.३बु.इ.१२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	३	०	३	२
०	१	२२	४	१६	१८	२१	०
४८	३३	२४	१०	५	४८	४३	३३
३६	३२	२५	८	३१	१४	५८	४०
५७	११	९४	१०	२७	६	३	५६
१७	३४	४२	११	१४	७	११	५७

गोचर ग्रहाः

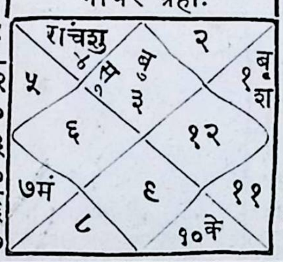

द्वि.ज्येष्ठ शुक्ले२ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा ४न. ६ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

११पं.द्वि.ज्ये.शु१०बु.इ.१३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	३	०	३	२
७	२	२	५	२२	१९	२१	७
२९	५२	१३	२२	१६	३१	२१	१२
३१	२३	३७	५९	४८	३४	४३	०७
५७	१६	७२	९	५३	५	३	५६
१३	१७	३६	२९	१	४६	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेत्ति महा.
१	मं	५६	१	पू	५९	३०	ब्र	२६	५६	बा	२४	४	३४/२२	५/८	६/५२	८	१४	२९	धनुषि	
२	बु	५९	८	उ	६०	०	ऐं	२७	१२	तै	२७	३४	२१	८	५२	९	१५	३०	म. १५/४०	
३	गु	६०	०	उ	४	८	वै	२६	४९	व	३०	४	२०	८	५२	१०	१६	१	मकरे	भ.३०/४उ. अश्वि.३गुरुः१३/३६जुलाई७ता.३१
३	शु	१	०	श्र	७	४४	वि	२५	४३	वि	१	०	१९	८	५२	११	१७	२	कुं.३८।५८	भ.१।०या.मघा. सिंहेशुक्रः४७।३९च.व्र.
४	श	१	५९	ध	१०	११	प्री	२३	४०	बा	१	५९	१८	८	५२	१२	१८	३	कुंभे	
५	र	१	५१	श	११	४१	आ	२०	४६	तै	१	५१	१७	९	५१	१३	१९	४	मी. ५७।५	
६	चं	०	३७	पू	१२	१४	सौ	१७	०	व	०	३७	१६	९	५१	१४	२०	५	मीने	भ.०।३७उ.२९।२६ या.
७	चं	५७	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५४	३५	उ	११	२०	शो	१२	७	बा	२६	२४	१५	९	५१	१५	२१	६	मीने	पुन.रविः१९/३२(सौरः४३/३६)स्वात्यां ×
९	बु	४९	५१	रे	९	१७	अ	३/७	५६/३७	तै	२२	१३	१४	९	५१	१६	२२	७	मे.९।१७	[×भौमः२९।६
१०	गु	४४	५०	अ	६	५	धृ	५२	२६	व	१७	२०	१३	९	५१	१७	२३	८	मेषे	भ.१७।२०उ.४४।५०या.
११	शु	३६	५४	भ	१/४३	५४/४३	शू	४२	४३	ब	१०	२२	११	१०	५०	१८	२४	९	वृ. १५/२४	योगिनी११व्र.
१२	श	२८	५७	रो	५०	२८	गं	३४	३१	कौ	२	२५	१०	१०	५०	१९	२५	१०	वृषे	प्रदोषः
१३	र	२०	३२	मृ	४३	५३	बृ	२४	५८	व	२०	३२	८	१०	५०	२०	२६	११	मि. १७/१०	भ.३०/३२उ.४६।६या.वक्री बुधः३।४९÷
१४	चं	११	४०	आ	३७	३३	ध्रु	१५	१५	श	११	४०	७	११	४९	२१	२७	१२	मिथुने	[÷आश्ले.१राहुःश्रव.३ केतुः ५१।६
३०	मं	३	१९	पु	३१	३२	व्या	५/५०	५५/१२	ना	३	१९	५	११	४९	२२	२८	१३	कं.१८।२	

१२ पं.आ.कृ. २बु.इ. १३/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	३	०	३	२
१४	४	९	६	२७	२०	२०	१३
९	४०	२९	३१	५६	११	५९	५०
५८	५२	७	८	१३	५३	२७	१२
५७	१९	४५	८	४७	५	३	५६
७	५८	२२	४१	५०	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

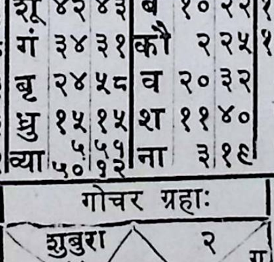

आषाढ शुक्ले ४ शुक्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टःवा. ४ न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

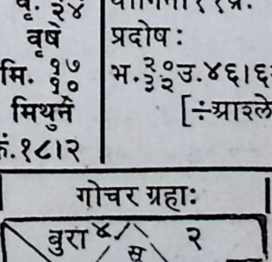

१३पं.आ.कृ.९बु.इ.१२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	४	०	३	२
२०	९	१४	७	२	२०	२०	२०
५०	५९	१२	३३	५४	४९	३७	२८
२४	४२	३२	७	७	११	१२	०६
५७	२३	१६	७	४१	४	३	५६
७	७	१३	४३	०	५३	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः २६५६ स.१९९९
१	मं	५२	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	४६	२८	पु	२६	४७	व	४६	२१	ा	२२	३७	३४/३	५/११	६/४९	२३	२९	१४	कर्के	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
३	गु	४४	५६	श्ले	२३	२८	सि	४२	५८	त	१७	१२	१	१२	४८	२४	१	१५	सिं.३३/८	रविलारवर ४
४	शु	४२	३२	म	२२	१	व्य	३७	५	व	१३	४४	३३/५९	१२	४८	२५	२	१६	सिंहे	भ.१३/४४उ. ४२।३२या.कर्कोऽर्क:४८।४८
५	श	४२	०	पू	२२	३८	व	३५	१	ब	१२	१६	५७	१३	४७	२६	३	१७	कं.३८।१९	कर्कोऽर्क:सौर:१५।२०
६	र	४३	४०	उ	२५	१९	प	३३	४६	कौ	१२	५०	५५	१३	४७	२७	४	१८	कन्यायां	बुधास्त:पश्चिमायां ३४।१४
७	चं	४७	११	ह	२९	४७	शि	३३	२५	ग	१५	२६	५२	१४	४६	२८	५	१९	कन्यायां	भ.४७।११उ.
८	मं	५२	६	चि	३५	४५	सि	३४	३७	वि	१९	३९	५०	१४	४६	२९	६	२०	तु.२।४६	भ.३/९या.पुष्ये रवि:१८।६(सौर:४६।१
९	बु	५८	५	स्वा	४२	४४	सा	३६	४१	बा	२५	५	४८	१४	४६	३०	७	२१	तुलायां	
१०	गु	६०	०	वि	५०	१३	शु	३९	७	तै	३१	१३	४५	१५	४५	३१	८	२२	वृ.३३।२०	
१०	शु	४	२२	अ	५७	५६	शु	४१	३८	ग	४	२२	४३	१५	४५	१	९	२३	वृश्चिके	भ.३७।२७उ.भा.श्रावणारंभ :
११	श	१०	३३	ज्ये	६०	०	ब्र	४३	५७	वि	१०	३३	४०	१६	४४	२	१०	२४	वृश्चिके	भ.१०।३३या. देवशयनी ११ व्र.
१२	र	१५	५८	ज्ये	५	२	ऐं	४५	४६	बा	१५	५८	३८	१६	४४	३	११	२५	ध.५।२	हरिवासराऽभाव: प्रदोष :
१३	चं	२०	४३	मू	११	२९	वै	४६	४२	तै	२०	४३	३५	१७	४३	४	१२	२६	धनुषि	
१४	मं	२४	८	पू	१६	४३	वि	४६	४२	व	२४	८	३३	१७	४३	५	१३	२७	म.३२।४४	भ.२४।८उ.५५/१४या.वायुपरीक्षा
१५	बु	२६	२०	उ	२०	४५	प्री	४५	४३	ब	२६	२०	३०	१८	४२	६	१४	२८	मकरे	अश्वि.४गुरु:४७/१५गुरु१५व्यास पूजा

१४ पं.आ.शु.२बु इ.१२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	०	४	०	३	२
२७	९	१५	८	६	२१	२०	२७
३०	३४	२३	२८	५८	२३	१४	६
४३	४४	२८	१	३४	१३	५६	१३
५७	२५	१३/११	६	३१	४	३	५६
११	४६	व	४१	५६	२७	११	५४

१५ पं.आ.शु.९ बु .इ.१२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	०	४	०	३	३
४	१२	१२	३	९	२१	१९	२
११	३३	५९	१६	५१	५२	५२	४४
२८	४०	५३	२६	२५	२३	४०	४०
५७	२८	३८/२१	५	२०	३	३	५६
१५	१८	व	४९	१०	४८	११	५८

१६ पं.आ.शु.१५बु.इ.११/७२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	०	४	०	३	३
१०	१५	८	९	११	२२	१९	१०
५२	४९	१५	५७	१३	१७	२०	२३
३०	२३	३६	१४	५९	४९	२५	५७
५७	३०	४४/४४	४	५	३	३	५७
२०	१७	व	४२	२७	१६	११	०५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेआषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	२७	१७	श्र	२३	२८	आ	४३	४२	कौ	२७	१७	३३/२७	५/१९	६/४१	७	१५	२९	कुं.५४।१७	
२	शु	२७	२	ध	२५	५	सौ	४१	५	ग	२७	२	२४	१९	४१	८	१६	३०	कुम्भे	भ.५६।५६उ.वक्री शुक्र:२७।५१
३	श	२५	५०	श	२५	४४	शो	३७	२७	वि	२५	५०	२२	२०	४०	९	१७	३१	कुंभे	भ.२५।५० या. चतुर्थी व्र.
४	र	२३	३४	पू	२५	३५	अ	३३	२२	बा	२३	३४	१९	२०	४०	१०	१८	१	मी. ३०/७	अगस्त ८ ता. ३१
५	चं	२०	३९	उ	२४	३१	सु	२८	२९	तै	२०	३९	१६	२१	३९	११	१९	२	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	मं	१७	२	रे	२२	४६	धृ	२२	५८	व	१७	२	१३	२१	३९	१२	२०	३	मे.२२/४६	भ.१७/२उ.४/५९या.आश्ले.रवि:१५/७(सौर:४६/८
७	बु	१२	५६	अ	२०	२९	शू	१६	५६	ब	१२	५६	१०	२२	३८	१३	२१	४	मेषे	बुधोदय:पूर्वस्यां२२।४३
८	गु	७	५८	भ	१७	२९	गं	१०	२२	कौ	७	५८	७	२३	३७	१४	२२	५	वृ. ३१/४	विशा.भौम:२८।३१
९	शु	२	३३	कृ	१३	५२	वृ	३/२५	५२/३५	ग	२	३३	४	२३	३७	१५	२३	६	वृषे	भ.२९/३०उ.५६/२८या.मार्गी बध:४३।५५
१०	शु	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	श	५०	०	रो	९	४५	व्या	४८	२	ब	२३	१४	०	२४	३६	१६	२४	७	मि. ३७/२८	कामिका ११व्र.स्मा.
१२	र	४३	१०	मृ	५	१०	ह	३९	४४	कौ	१६	३५	३२/५७	२५	३५	१७	२५	८	मिथुने	कामिका ११व्र.वै.
१३	चं	३६	२०	आ	०/२९	५५/१७	व	३१	३८	ग	९	४५	५४	२५	३५	१८	२६	९	क. ४१/५७	भ.३६।२०उ. प्रदोष :
१४	मं	२९	५३	पु	५१	३६	सि	२३	४५	वि	३	७	५०	२६	३४	१९	२७	१०	कर्के	भ.३।७ या.
३०	बु	२४	१६	श्ले	४८	२२	व्य	१६	२०	ना	२४	१६	४७	२७	३३	२०	२८	११	सिं. ४९/३२	शुक्रास्त: पश्चिमायां ३०।०हरियाली ३०

१७ पं.श्रा.कृ.७बु.इ. ११/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	३	०	४	०	३	३
१९	१९	४	१०	१०	२२	१९	१७
१८	१८	४८	२९	४९	३८	८	३
४०	४०	२२	२०	३७	४९	९	४५
३२	३२	१९/५९	३	११/२३	२	३	५७
१८	१८	व	३४	व.	३१	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में बाजरा मूंग मोठ गेहूं जो आदि धान्य मंदा होवे चांदी सोना ताम्बा आदि धातु व रस तेज हो वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

१८ पं.श्रा.कृ. ३०बु.इ. ११/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	०	४	०	३	३
२४	२३	६	१०	८	२२	१८	२३
१६	२	११	५३	२८	५४	४५	४४
३७	४२	२४	२०	१	४०	५४	५२
५७	३४	३५/१०	२	२६/५१	१	३	५७
३३	३	मा	१६	व.	५२	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः २६८५सन्१९९९
१	गु	१९	५४	म	४६	१४	व	९	४६	ब	१९	५४	३२/४४	५/२७	६/३३	२१	२९	१२	सिंहें	
२	शु	१७	२	पू	४६	०	प	४	२२	कौ	१७	२	४०	२८	३२	२२	३०	१३	सिंहे	चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	श	१६	५	उ	४७	४०	शि	२१	५७/२५	ग	१६	५	३७	२९	३१	२३	१	१४	कं. १।२५	भ.४/३ ६/३उ.तीज.जमादिलावल ५
४	र	१७	२	ह	५१	०	सा	५६	५६	वि	१७	२	३३	२९	३१	२४	२	१५	कन्यायां	भ.१७।२या.वरद ४
५	चं	१९	४९	चि	५५	५९	शु	५७	४	बा	१९	४९	३०	३०	३०	२५	३	१६	तु.२३।२९	नागपंचमी
६	मं	२४	९	स्वा	६०	०	शु	५७	५२	तै	२४	९	२६	३१	२९	२६	४	१७	तुलायां	मघा.सिंहेर्कः९।९ (सौरः४३।१३)
७	बु	२९	४१	स्वा	२	२६	ब्र	५८	१८	व	२९	४१	२२	३२	२८	२७	५	१८	वृ.२५।५४	भ.२९।४१उ.
८	गु	३५	५३	वि	९	३०	ऐं	६०	०	वि	२	४७	१९	३२	२८	२८	६	१९	वृश्चिके	भ.२।४७या.
९	शु	४२	२	अ	१७	७	ऐं	२	४४	बा	८	५७	१५	३३	२७	२९	७	२०	वृश्चिके	आश्ले.बुधः५३।५१
१०	श	४७	४७	ज्ये	२४	२२	वै	५	११	तै	१४	५५	१२	३४	२६	३०	८	२१	ध.२४।२२	[×पूर्वस्यां श्रावणी कर्म.रक्षाबंधनंभद्रोत्तरं
११	र	५२	४२	मू	३१	११	वि	७	१९	व	२०	१४	८	३४	२६	३१	९	२२	धनुषि	भ.२०।१४उ.५/४ २/२या. पवित्रा ११व्र.
१२	चं	५६	१	पू	३६	३१	प्री	८	२२	ब	२४	२२	४	३५	२५	१	१०	२३	म.५२।३३	वृश्चिके भौमः२१।५९भा.भाद्रपदारंभ :
१३	मं	५७	५०	उ	४०	४०	आ	८	३४	कौ	२६	५६	१	३६	२४	२	११	२४	मकरे	वक्री गुरुः९।३०प्रदोष :
१४	बु	५८	४	श्र	४३	७	सौ	७	३४	ग	२७	५७	३१/५७	३७	२३	३	१२	२५	मकरें	भ.५८।४उ.वक्री कर्के आश्ले.शुक्रः४०।०
१५	गु	५६	४७	ध	४४	८	शो	५	२२	वि	२७	२६	५३	३७	२३	४	१३	२६	कुं.१३।३८	भ.२/२ ७/६या.बुधास्तःपूर्वस्यां १/२ ६/३ शुक्रोदयः×

१९ पं.श्रा.शु.७बु.इ.११।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	०	४	०	३	४
०	२६	१२	११	४	२३	१८	०
५९	५९	५०	७	३६	५	२३	२७
५३	४२	१३	३७	४	५६	३८	५
५७	३५	८४	०	३५/४७	१	३	५७
४०	२५	५३	५८	व.	१३	११	३४

गोचर ग्रहाः

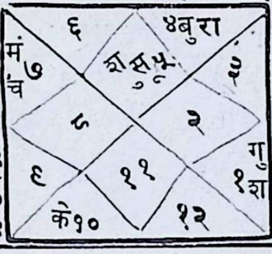

श्रावण शुक्ले ६ भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्धता शुक्रास्त :पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

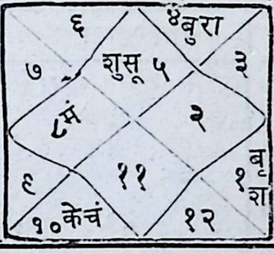

२०पं.श्रा.शु.१४बु..इ. १/१ १/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	०	४	०	३	४
७	१	२३	११	०	२३	१८	७
४४	६	४८	१३	१६	१२	१	१०
२०	३६	३२	१२	१६	७	२२	३५
५७	३६	०/०	१०	३३/५८	०	३	५७
४९	३४	५	व.	व.	३१	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेश्रावण कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५४	१२	श	४३	४४	अ	१/४६	५५/३१	बा	२५	२९	३१/४९	५/३८	६/२१	५	१४	२७	कुंभे	
२	श	५०	३१	पू	४२	२०	धृ	५१	५३	तै	२२	२१	४६	३९	२१	६	१५	२८	मी. २७/४१	मघा.सिंहे बुधः३/३ ५/५अनु.भौमः५७।२०
३	र	४६	८	उ	३९	५९	शू	४५	५८	व	१८	१९	४२	४०	२०	७	१६	२९	मीने	भ.१/१ ९/६उ.४६।८या.वक्री शनिः४८।९
४	चं	४१	५	रे	३६	५९	गं	३९	२३	ब	१३	३७	३८	४०	२०	८	१७	३०	मे. ३३/५९	पूफा.रविः५८।४५ चतुर्थी व्र.
५	मं	३६	८	अ	३३	५३	वृ	३२	३४	कौ	८	३७	३४	४१	१९	९	१८	३१	मेषे	पूफा.रविःसौरः३४।५चंद्रषष्ठी
६	बु	३०	५३	भ	३०	३५	ध्रु	२५	४६	ग	३	३१	३०	४२	१८	१०	१९	१	बृ. ४४/४६	भ.३/५ ०/३उ.५/१ ९/८या.सितम्बर ९ ता. ३०
७	गु	२५	४२	कृ	२७	२०	व्या	१८	४२	ब	२५	४२	२६	४३	१७	११	२०	२	वृषे	जन्माष्टमी व्र.स्मार्ता.जयंती
८	शु	२०	२९	रो	२४	२	ह	११	३८	कौ	२०	२९	२२	४४	१६	१२	२१	३	सि. ५२/१८	जन्माष्टमी व्र.वै.
९	श	१५	१२	मृ	२०	३५	व	४/४१	५३/३२	ग	१५	१२	१८	४४	१६	१३	२२	४	मिथुने	भ.४/३ २/७उ.पूफा.बुधः१९।१० गोगा ९
१०	र	१०	२	आ	१७	१७	व्य	५०	५६	वि	१०	२	१५	४५	१५	१४	२३	५	मिथुने	भ.१०।२ या.
११	चं	४	५९	पु	१४	१९	व	४४	१७	बा	४	५९	११	४६	१४	१५	२४	६	क.०।४	अजा ११ व्र.
१२	मं	०	२६	पु	११	३६	प	३८	१०	तै	०	२६	७	४७	१३	१६	२५	७	कर्के	भ५/२ ६/५उ. वत्सद्वादशी प्रदोप:
१३	मं	५५	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५३	१०	श्ले	९	३५	शि	३२	२८	वि	२४	४७	३	४७	१३	१७	२६	८	सिं. ९/३५	भ.२४।४७या.
३०	गु	५१	१५	म	८	२०	सि	२७	४२	च	२२	१२	३०/५९	४८	१२	१८	२७	९	सिंहे	मांर्गी शुक्रः३६।२१कुशाग्रहणी.मन्वादि :

२१ पं. भा.कृ.६ बु.इ. १/१ १/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	३	०	३	४
१४	५	७	११	२६	२३	१७	१३
३०	२१	१३	८	४५	१२	३९	५५
०	५४	४४	१३	४०	५८	७	४७
५८	३७	७	१/३६	२१/५४	१०/१६	३	५७
१	२५	५	व	व.	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

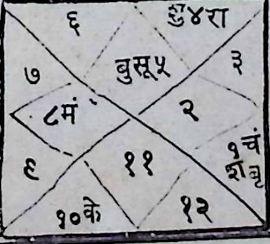

इस मास में धान्य रुई सोना चांदी लोहा रंग सूत तेज होगे प्रजा में अशांति रहे कहीं २ थोडी वर्षा भी होवे।

गोचर ग्रहाः

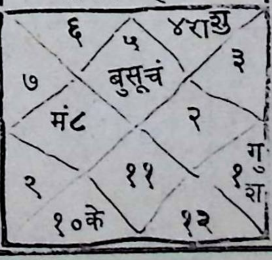

२२ पं.भा.कृ. १४बु.इ.१/५ ०/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	०	३	०	३	४
२१	९	२०	१०	२४	२३	१७	२०
१७	४६	५४	५३	५७	८	१६	४२
२	५५	२५	२८	४०	४२	५१	२७
५८	३८	०/६	२/५६	३/३४	५/६	३	५८
१३	३०	१३	व	व.	व.	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२७१४ स.१९९८
१	शु	५०	३७	पू	८	२२	सा	२३	४७	किं	२०	५६	३०/५५	५/४९	६/११	१९	२८	१०	कं. ३३/४०	
२	श	५१	३८	उ	९	३७	शु	२०	५६	बा	२१	८	५१	५०	१०	२०	२९	११	कन्यायां	उफा बुध:१०।५७ चंद्र दर्शनम्
३	र	५४	२२	ह	१२	३२	शु	१९	५३	तै	२३	०	४७	५१	९	२१	१	१२	तु.४४।४७	हरितालिका ३
४	चं	५८	२२	चि	१७	२	ब्र	१९	२	व	२६	२२	४३	५१	९	२२	२	१३	तुलायां	भ.२६।२२उ.५८।२२या.उफा.रवि:४३/१०×
५	मं	६०	०	स्वा	२२	५८	ऐं	१९	३५	ब	३१	३	३९	५२	८	२३	३	१४	तुलायां	उफा. रवि.सौर:१८।४४ ऋषि ५
५	बु	३	४४	वि	३०	३३	वै	२१	२१	बा	३	४४	३५	५३	७	२४	४	१५	वृ. ३३/२९	[×कन्यायांबुध:२६/१गणेश ४जमादिलाखर६
६	गु	९	५८	अ	३७	३	वि	२३	३७	तै	९	५८	३१	५४	९	२५	५	१६	वृश्चिके	[÷सौर: ४३।५५
७	शु	१५	५८	ज्ये	४४	३७	प्री	२६	२	व	१५	५८	२७	५५	५	२६	६	१७	ध. ४४/३७	भ.१५।५८उ.४९।१या.कन्यायामर्क:६/१÷
८	श	२२	४	मू	५१	४९	आ	२८	१८	ब	२२	४	२२	५६	४	२७	७	१८	धनुषि	हस्ते बुध:३३/९ज्येष्ठा.भौम:४२।२४
९	र	२७	२३	पू	५७	५९	सौ	३०	१०	कौ	२७	२३	१८	५६	४	२८	८	१९	धनुषि	पुष्य.४ राहु: श्रवण २ केतु:४६।१०
१०	चं	३१	३२	उ	६०	०	शो	३०	५९	ग	३१	३२	१४	५७	३	२९	९	२०	म. ५४/१२	रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	मं	३३	२८	उ	२	५१	अ	३०	२५	व	२	३०	९	५८	२	३०	१०	२१	मकरे	भ.२।३०उ.३३/२८या.वक्री अश्वि.३ गुरु:+
१२	बु	३३	४६	श्र	५	५२	सु	२८	३२	ब	३	३७	५	५९	१	३१	११	२२	कुं. ३६/२९	वामन जयंती[+३२।२६जलझूलनी ११व्र.
१३	गु	३२	१३	ध	७	८	धृ	२५	१२	कौ	२	५९	३०/००	६/००	६/००	१	१२	२३	कुम्भे	भा.आश्विनारंभ : प्रदोष:
१४	शु	२८	५५	श	६	३५	शू	२०	२५	ग	०	३४	२९/५६	६/१	५/५९	२	१३	२४	मी.४९/५७	भ.२/५९ ५/५उ.५/३ ६/३या.बुधास्त:पश्चिमायां४/४ ९/३=
१५	श	२४	१०	पू	४	२४	गं	१४	२३	ब	२४	१०	५२	२	५८	३	१४	२५	मीने	महालयश्राद्धारंभ: [=अनंत १४

२३ पं.भा.शु. ५ बु.इ. १०/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	०	३	०	३	४
२८	१४	३	१०	२५	२२	१६	२७
५	२०	५०	३०	८	५९	५४	३०
२४	३१	६	४	५०	१७	३६	४७
५८	३९	०/०	४/६	१०/३१	९/४१	३	५८
२६	३३	०/७	व.	मा	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

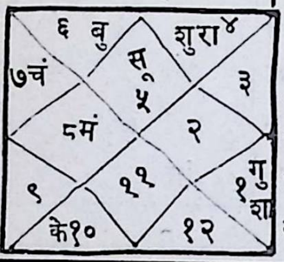

भाद्रपद शुक्ले ७ शुक्रे। कन्यायामर्क: प्रविष्ट: वा. ४ न.४ प्रगलभावस्था (वैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

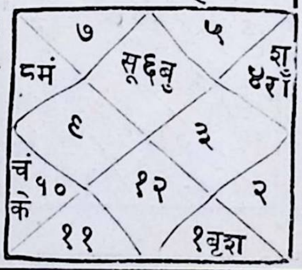

२४ पं.भा शु १२बु इ. १०/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	३	०	३	५
४	१९	१५	९	२७	२२	१६	४
५५	१	५५	५६	५	४५	३२	२०
१६	२३	१	३८	२८	०	२०	५४
५८	४०	३०/०	५/१७	२४	२/१४	३	५८
३८	२०	९/१०	व.	११	व	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेतिमहा.
१	र	१८	१६	उ	५९	५५/३१	वृ	७/७	५२/७	कौ	१८	१६	२९/४८	६/२	५/५८	४	१५	२६	मे.५६।३०	चित्रा.बुध: ४७।४२
२	चं	११	३९	अ	५१	४२	व्या	५१	४	ग	११	३९	४४	३	५७	५	१६	२७	मेषे	भ.३८।१५उ.हस्ते रवि: ३१/४० (सौर:५६/२५)
३	मं	४	५२	भ	४६	४७	ह	४२	४१	वि	४	५२	४०	४	५६	६	१७	२८	मेषे	भ.४/५२या.मघा. सिंहे शुक्र:२१।८ च.व्र.
४	मं	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	५१	३४	कृ	४२	७	व	३४	२३	कौ	२४	४७	३६	५	५५	७	१८	२९	बृ. ०।३७	
६	गु	४५	३४	रो	३७	४६	सि	२६	१५	ग	१८	३४	३२	६	५४	८	१९	३०	वृषे	भ.३/३ ५/४उ. तुलायाम् बुध:५३।३३
७	शु	४०	१०	मृ	३४	२	व्य	१८	४४	वि	१२	५२	२८	६	५४	९	२०	१	मि.५।५५	भ.१२।५२या. अक्टूबर १० ता.३१
८	श	३५	३२	आ	३०	५५	व	११	२७	बा	७	५१	२३	७	५३	१०	२१	२	मिथुने	
९	र	३१	२१	पु	२८	१८	प	४/५८	५४/६	तै	३	२६	१९	८	५२	११	२२	३	क.१३।५७	भ.५९/४४उ.सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्
१०	चं	२८	७	पु	२६	४२	सि	५३	४८	वि	२८	७	१५	९	५१	१२	२३	४	कर्के	भ.२८।७या.
११	मं	२५	३२	श्ले	२६	३	सा	४९	५	बा	२५	३२	११	१०	५०	१३	२४	५	सिं. २६।३	स्वात्यां बुध:२५।५२ इंदिरा ११ व्र.
१२	बु	२३	५९	म	२५	५०	शु	४५	९	तै	२३	५९	७	११	४९	१४	२५	६	सिंहे	प्रदोष:
१३	गु	२३	२९	पू	२६	५७	शु	४२	४	व	२३	२९	३	११	४९	१५	२६	७	क.४२।२६	भ.२३।२९उ.५३।४३ या.
१४	शु	२३	५६	उ	२८	५६	ब्र	३९	४६	श	२३	५६	५८/५९	१२	४८	१६	२७	८	कन्यायां	मूले धनुषि भौम:५।६शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	श	२५	५१	ह	३२	१८	ऐं	३८	५४	ना	२५	५१	५५	१३	४७	१७	२८	९	कन्यायां	सर्वपितृ श्राद्धं

२५ पं.आ.कृ. ५ बु.इ १०/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	०	४	०	३	५
११	२३	२७	९	०	२२	१६	११
४६	४८	१२	१९	२८	२५	१०	१२
५२	०	२५	१	४४	५५	४	५५
५८	४०	९७	६/१५	३४	२/५४	३	५९
५३	५९	३७	व	५३	व.	११	००

गोचर ग्रहाः

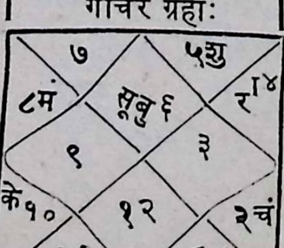

यत्र मासे रवेर्वारा: जायते पंच सन्ततम्। दुर्भिक्षं छत्रभंगश्च तथास्ते च महद्भयम् धान्य स्वर्ण आदि तेज रहेंगे प्रजा में रोगपीड़ा हो।

गोचर ग्रहाः

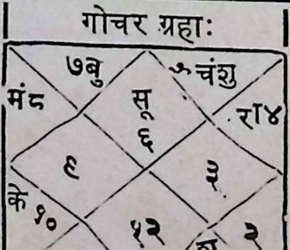

२६ पं.आ.कृ १२ बु.इ.१०/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	०	४	०	३	५
१८	२८	७	८	५	२२	१५	१८
४०	४०	४६	२८	१	२	४७	०६
८	२३	४४	५२	४१	४२	४९	४२
५९	४१	८९	७/४	४३	३/३४	३	५९
९	३७	५५	व.	३	व.	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७४४सन्१९९९
१	र	२८	५६	चि	३६	३९	वै	३८	६	व	२८	५६	२८/२१	६/१४	५/४६	१८	२९	१०	तु.४।२८	चित्रा.रविः५३।४२मातामहश्रा.नवरात्रा
२	चं	३३	७	स्वा	४२	२५	वि	३८	५०	बा	१,	१	४७	१५	४५	१९	३०	११	तुलायां	चित्रा. रविः सौरः २६।५९ चंद्र दर्शनम्
३	मं	३८	३१	वि	४८	५२	प्री	४०	८	तै	५	४९	४३	१५	४५	२०	१	१२	वृ.३२।१५	रज्जव ७ [*कार्तिकारंभः
४	बु	४४	३८	अ	५६	९	आ	४१	५०	व	११	३५	३९	१६	४४	२१	२	१३	वृश्चिके	भ. ११।३५ उ. ४४।३८ या.
५	गु	५०	५८	ज्ये	६०	०	सौ	४४	१५	व	१७	४८	३५	१७	४३	२२	३	१४	वृश्चिके	विशा. बुधः५९।२
६	शु	५७	२२	ज्ये	३	५८	शो	४६	५४	कौ	२४	१०	३१	१८	४२	२३	४	१५	ध.३।५८	सरस्वत्यावाहनम्
७	श	६०	०	मू	११	३२	अ	४८	५८	ग	३०	१७	२७	१९	४१	२४	५	१६	धनुषि	पूफा. शुक्रः ४२।५२सरस्वतीपूज.
७	र	३	१३	पू	१८	२९	सु	५०	२२	व	३	१३	२३	१९	४१	२५	६	१७	म.३४।५६	भ. ३।१३ उ. ३५।३२या. तुलायामर्कः÷
८	चं	७	५०	उ	२४	१५	धृ	५०	५७	ब	७	५०	२०	२०	४०	२६	७	१८	मकरे	तुलायामर्कः सौरः९।४३
९	मं	११	५	श्र	२८	३८	शू	५०	१०	कौ	११	५	१६	२१	३९	२७	८	१९	कुं.५९।५३	विजयादशमी सरस्वती विसर्जनम्
१०	बु	१२	१५	ध	३१	८	गं	४७	४१	ग	१२	१५	१२	२२	३८	२८	९	२०	कुंभे	भ.४१।५५उ. वक्री अश्वि. २गुरुः१७।२
११	गु	११	३६	श	३१	३७	वृ	४३	४६	वि	११	३६	८	२२	३८	२९	१०	२१	कुंभे	भ. ११३६या. पापांकुशा११व्र.
१२	शु	८	४४	पू	३०	२	ध्रु	३८	१९	बा	८	४४	४	२३	३७	३०	११	२२	मी१५।२६	प्रदोषः [÷३७।३१ बलिदानं
१३	श	४	३	उ	२६	४४	व्या	३१	१०	तै	४	३	०	२४	३६	१	१२	२३	मीने	भ.५७।३४उ.बृश्चिके बुधः२०।२१भा.*
१४	श	५३	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	भ. २३।४६ या. स्वात्यां रविः१९।३३×
१५	र	४९	५८	रे	२१	४३	ह	२२	४७	वि	२३	४६	२७/५६	२५	३५	२	१३	२४	मे.२१।[illegible]३	[×(सौरः५०।४६)शरद्१५कोजागरीव्र

२७आ.शु.४बु.इ.१०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	०	४	०	३	५
२५	३	१७	७	१०	२१	१५	२५
३५	३७	३४	३६	२५	३६	२५	२
२	१२	१२	४०	३०	७	३३	२४
५९	४२	८०	४०/७	४९	५६/३	३	५९
२१	११	२६	व्र.	१४	व	११	३१

गोचर ग्रहा

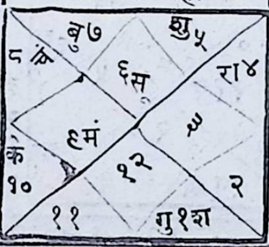

आश्विनशुक्ले ७र वौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४बालावस्था-(बैठी) मु.४५धान्या-दिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

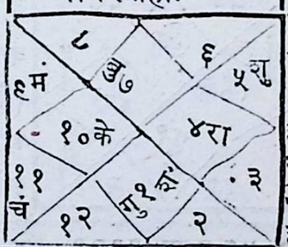

२८पंआ.शु.१०बु.इ१०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	०	४	०	३	६
२	८	२६	६	१६	२१	१५	१
३१	३९	२३	४०	२९	५	३	५९
२६	३६	६	५५	१७	५३	१८	५१
५९	४२	६८	७	५३	४	३	५९
३४	२९	२६	५२	५६	१२	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	चं	४१	४१	अ	१५	४९	व	१३	४०	बा	१५	५०	५७/५३	२/५	३/५	३	१४	२५	मेषे	
२	मं	३३	९	भ	९	१८	सि	५/३	५०/१	तै	७	२५	४९	२६	३४	४	१५	२६	बृ.२२।३७	भ. ५८।५७उ. अनु. बुधः४७।१६पूषा.=
३	बु	२४	४६	कृ	३५/२	४३/५३	व	४४	१३	वि	२४	४६	४५	२७	३३	५	१६	२७	वृषे	भ.२४।४६या. करक चतुर्थी व्र.
४	गु	१६	५२	मृ	५०	४२	प	३४	४९	बा	१६	५२	४१	२८	३२	६	१७	२८	मि.३३/२९	[=.भौमः३४।५०
५	शु	९	५८	आ	४६	३	शि	२६	६	तै	९	५८	३७	२९	३१	७	१८	२९	मिथुने	[*१०।३० रमा११व्र.
६	श	४	८	पु	४२	४३	सि	१८	१७	व	४	८	३४	२९	३१	८	१९	३०	क.२८।३३	भ.४।८उ.३१।५२या.उफा. शुक्रः४९।३८
७	श	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	र	५६	१९	पु	४०	३५	सा	११	३५	बा	२७	५७	३०	३०	३०	९	२०	३१	कर्के	
९	चं	५४	१६	श्ले	३९	४४	शु	५	५८	तै	२५	१८	२७	३१	२९	१०	२१	१	सिं३९।४४	नवम्बर११ ता.३० [×घन १३
१०	मं	५३	३८	म	४०	२	शु	१९/१	२६/५६	व	२३	५७	२३	३१	२९	११	२२	२	सिंहे	भ. २३।५७उ.५३।३८या.
११	बु	५४	१७	पू	४१	५२	ऐं	५५	१६	ब	२३	५८	१९	३२	२८	१२	२३	३	कं.५७।३४	कन्यायां शुक्रः७।४२ वक्री भ.२ शनिः*
१२	गु	५६	१	उ	४४	४१	वै	५३	२८	कौ	२५	९	१६	३३	२७	१३	२४	४	कन्यायां	वक्री बुधः १६।३५ [Bरूप१४
१३	शु	५८	५६	ह	४८	४५	वि	५२	५६	ग	२७	२८	१२	३४	२६	१४	२५	५	कन्यायां	भ.५८।५६उ.विशा.रविः३९।५९प्रदोषः×
१४	श	६०	०	चि	५३	४५	प्री	५३	२	वि	३०	५५	९	३४	२६	१५	२६	६	तु.२१।१५	भ.३०।५५या. विशा.रविःसौरः८।१०B
१४	र	२	५३	स्वा	५९	३७	आ	५३	३५	श	२	५३	५	३५	२५	१६	२७	७	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	चं	७	४४	वि	६०	०	सौ	५५	१३	ना	७	४४	२	३६	२४	१७	२८	८	वृ४९।३७	सोमवती३०अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

२९ पं.का.कृ.३बु.इ, ९।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	४	०	३	६
९	१३	३	५	२३	२०	१४	८
२९	४५	३८	४४	४	३३	४१	५९
४२	४	१०	२८	२६	४०	२	११
५९	४२	४८	५२/७	५७	३४/४	३	६०
४७	५७	१६	व.	४७	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

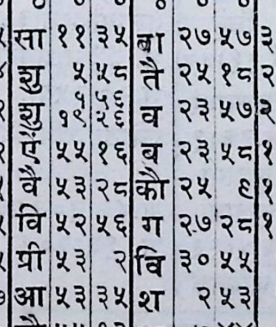

इस मास में चावल गेहूं जो जना मक्का वाजरा रुई कपास बारदाना गुड़ तेल घृत सोना चांदी लोहा तेज चोपामेंयों भी तेजी होगी।

गोचर ग्रहाः

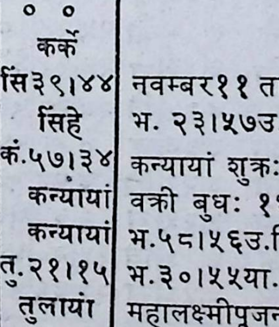

३०पं.का.कृ.११बु.इ.९।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	५	०	३	६
१६	१८	७	४	०	२०	१४	१६
२९	५५	४७	४८	१	०	१८	००
२८	३७	३१	४३	५९	४	४६	१५
६०	४३	११	४०/७	६०	४०/४	३	६०
४	२८	१०	व.	३५	व.	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	अं.	चन्द्रः
१	मं	१३	१८	त्रि	६	१७	शो	५६	५६	ब	१३	१८	२६/५८	३६	५ २४	१८	२९	९	वृश्चिके
२	बु	१९	३३	अ	१३	२८	अ	५९	७	कौ	१९	३३	५५	३७	२३	१९	१	१०	वृश्चिके
३	गु	२६	२	ज्ये	२१	५	सु	६०	०	ग	२६	२	५२	३८	२२	२०	२	११	ध. २१।५
४	शु	३२	३३	मू	२८	४४	सु	१	३७	वि	३२	३३	४९	३८	२२	२१	३	१२	धनुषि
५	श	३८	४८	पू	३६	१६	धृ	३	४७	ब	५	४०	४५	३९	२१	२२	४	१३	म.५२/५५
६	र	४३	५३	उ	४२	५०	शू	५	५१	कौ	११	२०	४२	४०	२०	२३	५	१४	मकरे
७	चं	४७	५९	श्र	४८	२३	गं	७	७	ग	१५	५६	३९	४०	२०	२४	६	१५	मकरे
८	मं	५०	२९	ध	५२	२३	वृ	७	१७	वि	१९	१४	३६	४१	१९	२५	७	१६	कुं.२०/५३
९	बु	५०	५९	श	५४	२८	ध्रु	६	११	बा	२०	४४	३३	४१	१९	२६	८	१७	कुंभे
१०	गु	४९	३५	पू	५४	३८	व्या	३/३८	५५/५४	ते	२०	१७	३०	४२	१८	२७	९	१८	मी.३९/३५
११	शु	४६	१	उ	५२	४३	व	५३	४९	व	१७	४८	२७	४३	१७	२८	१०	१९	मीने
१२	श	४०	३५	रे	४९	३	सि	४६	२९	ब	१३	१८	२५	४३	१७	२९	११	२०	मे.४९।३
१३	र	३३	२५	अ	४३	३४	व्य	३७	३९	कौ	७	०	२२	४४	१६	३०	१२	२१	मेषे
१४	चं	२४	५६	भ	३६	४९	व	२७	५०	व	२४	५६	१९	४४	१६	१	१३	२२	बृ.४९/५७
१५	मं	१५	३७	कृ	२९	२०	प	१७	११	व	१५	३७	१७	४५	१५	२	१४	२३	बृषे

हेमंततूं रविर्दक्षिणेहर्गणः२७७४ स.१९९९

बुधास्तः पश्चिमायां ४७।१५ चंद्र दर्शनम्
भ्रातृ२यम२ सावान८
भ- ५९।१७ उ. [=हस्ते शुक्रः ४१।३८
भ.३२।३३या. वक्री विशा. बुधः३८।५१=
उषा.भौमः३६।२४ [*५५।२५ अक्षय ९
[÷वक्री अश्वि. १गुरुः३४।३०
भ.४७।५९उ.वक्री तुलायां बुधः३९।२३÷
भ.१९।१४या. वृश्चिकेऽर्कः ३/६ गोपाष्टमी
वृश्चिकेऽर्कः सौरः २।२७ मकरे भौमः*
[×५४/२४प्रबोधिनी११व्र. तुलसीविवाहः
भ. १७।४८उ. ४६।१या. अनु.रवि.×
अनु.रविःसौरः१/१५ [Cबुधोदयःपूर्वस्यांA
पुष्य. ३राहुः श्रवण. १केतुः ३८।१५C
भ. २४।५६उ. ५०/१७या. भा. मार्गशीर्षारंभः
पुष्करयात्रा. मन्यादिः [A५१।२७प्रदोषः

३१पं.का.शु.२बु.इ.९।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	०	५	०	३	६
२९	२४	५	३	७	१९	१३	२३
३०	९	४९	५६	२०	२६	५६	०२
५०	०	४१	४२	२४	१७	३१	५०
६०	४३	५५/५८	७/५	६२	४/०	३	६०
१७	४७	व.	व.	५६	त्र.	११	३०

गोचर ग्रहाः

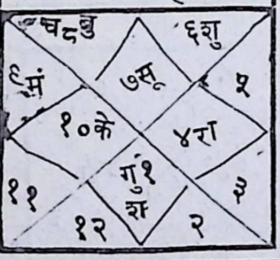

कार्तिक शुक्ले ८ भौमे
बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३न. ३बालावस्था
(बैठी)मु.३०धान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३२पं.का.शु.९.बु.इ.९।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	०	५	०	३	७
०	२९	२७	३	१४	१८	१३	०
३३	२६	३९	१०	५४	५२	३४	०६
२९	१०	११	८	०	४८	१५	५४
६०	४३	१४/११	६	६४	३४/१	३	६०
३०	५९	व.	१५	४३	व.	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः
१	बु	५	५८	रो	२१	३२	शि	६/२०	४९/८	कौ	५	५८	२६/१४	६/४५	५/१५	३	१५	२४	मि.४७/४९
२	बु	५०	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३	गु	४७	४३	मृ	१४	७	सा	४४	५९	व	२२	१३	१२	४६	१४	४	१६	२५	मिथुने
४	शु	४०	४	आ	७	२०	शु	३५	१७	ब	१३	५३	९	४६	१४	५	१७	२६	क.४८/५९
५	श	३३	४७	पु	५२/३	५५/४	शु	२६	४६	कौ	६	५८	७	४७	१३	६	१८	२७	कर्के
६	र	२९	१३	श्ले	५५	३६	ब्र	१९	२३	ग	१	३०	५	४७	१३	७	१९	२८	सिं.५५/३६
७	चं	२६	२७	म	५५	४	ऐं	१३	३३	ब	२६	२७	२	४८	१२	८	२०	२९	सिंहे
८	मं	२५	२८	पू	५६	१४	वै	९	४	कौ	२५	२८	०	४८	१२	९	२१	३०	सिंहे
९	बु	२६	११	उ	५९	९	वि	६	३	ग	२६	११	२५/५८	४८	१२	१०	२२	१	कं.११।५८
१०	गु	२८	२५	ह	६०	०	प्री	४	२५	वि	२८	२५	५६	४९	११	११	२३	२	कन्यायां
११	शु	३१	५९	ह	३	२०	आ	३	५०	ब	०	१२	५४	४९	११	१२	२४	३	तु.३६।१
१२	श	३६	४९	चि	८	४३	सौ	४	२१	कौ	४	२४	५३	४९	११	१३	२५	४	तुलायां
१३	र	४२	२०	स्वा	१४	५८	शो	५	२५	ग	९	३४	५१	५०	१०	१४	२६	५	तुलायां
१४	चं	४८	१९	वि	२२	५	अ	७	५	वि	१५	२०	४९	५०	१०	१५	२७	६	वृ.५।१९
३०	मं	५४	५३	अ	२९	२७	सु	८	५६	च	२१	३६	४८	५०	१०	१६	२८	७	वृश्चिके

हेभंततूं रविर्दक्षिणे का. कृष्णेति महा०

चित्रा. शुक्रः४३।५६
[+ता.३१
भ.२२।१३उ. ४७।४३या. मार्गी बुधः२३/४१
चतुर्थीव्र.
[=उत्पत्ति११व्र.
भ. २९।१३ उ. ५७।५० या.
[-स्वात्यां शुक्रः१९।७
तुलायां शुक्रः३४।९
भ. ५७/१८ उ.श्रवणेभौमः१/५६ दिसम्बर१२+
भ.२८।२५या.
ज्येष्ठा. रविः ४।३४(सौरः २७।०९)=

भ.४२।२०उ.प्रदोषः
भ. १५।२० या. बृश्चिके बुधः२०।५२-

३३पं.मा.कृ. १बु.इ.९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	०	५	०	३	७
७	४	२१	२	२२	१८	१३	७
३७	४४	५३	३०	४१	२०	१२	१२
२९	३८	६	४	२८	४६	०	२७
६०	४४	१०/५८	५/१५	६६	४/१०	३	६०
४२	७	व.	व.	१४	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

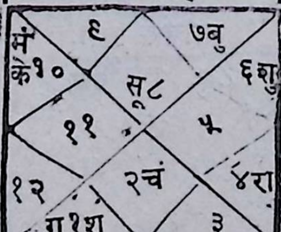

मार्गशीर्षशुक्ले ८गुरौ
घनुष्यर्कः प्रविष्टः
वा. ३न. ३बालावस्था
(बैठी)मु.३० धान्यादि
भावे समता शुक्रोदय.
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

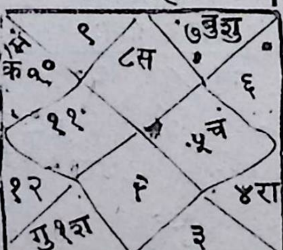

३४पं.मा.कृ.९ बु.इ.८।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	०	६	०	३	७
१४	१०	२४	१	०	१७	१२	१४
४२	५	२५	५७	३९	५०	४९	१९
४०	३५	१९	७	०	४९	४४	१३
६०	४४	५०/४४	४/४	६७	५३/२	३	६१
५०	१९	मा.	व.	२९	व.	११	०२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्षः सं २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण: २८०३ स,१९९ ९
१	बु	६०	०	ज्ये	३७	२	धृ	११	१४	किं	२८	३	२५/४६	५६/५१	५/९	१७	२९	८	ध. ३७।२	अनु.बुध:५९।५३
१	गु	१	१३	मू	४४	३३	शू	१३	३०	ब	१	१३	४५	५१	९	१८	३०	९	धनुषि	चन्द्र दर्शनम्
२	शु	७	३७	पू	५१	५५	गं	१५	४६	कौ	७	३७	४४	५१	९	१९	१	१०	धनुषि	रमजान ९
३	श	१३	३७	उ	५८	२७	वृ	१६	५४	ग	१३	३७	४३	५१	९	२०	२	११	म. ८।३३	भ.४६।१५उ.
४	र	१८	५३	श्र	६०	०	ध्रु	१८	४५	वि	१८	५३	४२	५२	८	२१	३	१२	मकरे	भ.१८।५३या.
५	चं	२३	११	श्र	४	२२	व्या	१९	२६	बा	२३	११	४१	५२	८	२२	४	१३	कुं. ३६/४९	
६	मं	२६	१९	ध	९	१५	ह	१९	२१	तै	२६	१९	४०	५२	८	२३	५	१४	कुम्भे	चंपाषष्ठी
७	बु	२७	५१	श	१२	५०	व	१७	४८	व	२७	५१	३९	५२	८	२४	६	१५	मी. ५९/८	भ.२७।५१उ.५७।५२या.
८	गु	२७	५३	पू	१४	३५	सि	१५	१२	ब	२७	५३	३९	५२	८	२५	७	१६	मीने	मूले धनुष्यर्क:११।४६ (सौर:३०।५९)
९	शु	२५	५४	उ	१४	४१	व्य	११	३	कौ	२५	५४	३८	५२	८	२६	८	१७	मीने	विशा.शुक्र:४५।३८
१०	श	२२	११	रे	१२	२	व	५/३४	५२/४४	ग	२२	११	३८	५२	८	२७	९	१८	मे.२२।२	भ.४९/२९उ.ज्येष्ठा.बुध: ३५/१२धनि.भौम:३८/४०
११	र	१६	३४	अ	९	२२	शि	५०	३	वि	१६	३४	३७	५३	७	२८	१०	१९	मेषे	भ.१६/३४या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	चं	९	२३	भ	४/९	५३/२८	सि	४०	२३	बा	९	२३	३७	५३	७	२९	११	२०	वृ.१७।३१	प्रदोषः
१३	मं	१	४	रो	५०	१३	सा	२९	५५	तै	१	४	३६	५३	७	३०	१२	२१	वृषे	भ.५१।३५उ.मार्गी गुरु:७।२
१४	मं	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	बु	४१	५३	मृ	४२	१९	शु	१८	४४	वि	१६	४४	३६	५३	७	१	१३	२२	मि. ११/९६	भ.१६।४४या. भा.पौषारंभ : दत्तजयंती

३५ पं.मा.शु.१ बु.इ. ८/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	६	०	३	७
२१	१५	२	१	८	१७	१२	२१
४८	२८	१५	३४	४५	२४	२७	३६
९३	३०	३२	२६	७	११	२८	५७
६०	४४	७५	२/४६	६८	३/२८	३	६१
५६	३१	२८	व.	३३	व.	११	१?

३६पं.मा.शु.७ बु.इ. ८/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	०	६	०	३	७
२८	२०	११	१	१६	१७	१२	२८
५५	५१	५६	२१	५८	१	५	३५
३७	४०	४९	७	२६	५२	१३	४०
६१	४४	८६	१/२२	६९	२/४७	३	६१
०	२७	१८	ग्र	१८	व:	११	१९

३७ पं. मा. शु. १५बु.इ. ८/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	०	६	०	३	८
६	२६	२२	१	२५	१६	११	५
३	१५	१६	१८	१८	४३	४२	४५
१४	५४	४४	२९	४३	१९	५७	५
६१	४४	९२	८०/१४	७०	२/१०	३	६१
४	४०	३७	मा	८	व.	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महाः
१	गु	३२	७	आ	३५	३१	शु	७/४५	४९/४	बा	७	०	२५/३६	५६/५३	५/७	२	१४	२३	मिथुने	बुधास्त:पूर्वस्याम् ३६।४३
२	शु	२३	७	पु	२७	१५	ऐं	४६	३८	ग	२३	७	३६	५३	७	३	१५	२४	क. १४/१९	भ.४९।६उ.
३	श	१५	५	पु	२१	१७	वै	३७	१४	वि	१५	५	३७	५३	७	४	१६	२५	कर्के	भ.१५।५या.वृश्चिके शुक्र:५/४८चतुर्थी व्र.
४	र	८	४७	श्ले	१७	०	वि	२९	४६	बा	८	४७	३७	५३	७	५	१७	२६	सि.१७।०	कुंभे भौम:५१।५५
५	चं	४	२१	म	१४	२५	प्री	२३	३२	तै	४	२१	३७	५३	७	६	१८	२७	सिंहे	मूले धनुषिबुध :१९।१९
६	मं	२	२	पू	१३	५६	आ	१९	४	व	२	२	३८	५२	८	७	१९	२८	कं. २९/२०	भ.२।२उ.३/५९या:अनु.शुक्र:४८।२२
७	बु	१	५६	उ	१५	३३	सौ	१६	१४	ब	१	५६	३८	५२	८	८	२०	२९	कन्यायां	पूषा.रवि:१६।४६(सौर:३२।३७)
८	गु	३	३८	ह	१८	५८	शो	१४	५२	कौ	३	३८	३९	५२	८	९	२१	३०	तु.५१।३६	
९	शु	७	३	चि	२४	१४	अ	१५	८	ग	७	३	४०	५२	८	१०	२२	३१	तुलायां	भ.३९।३२उ.
१०	श	१२	२	स्वा	३०	२४	सु	१५	५८	वि	१२	२	४१	५२	८	११	२३	१	तुलायां	भ.१२।२या. जनवरी१ता.३१×
११	र	१७	५१	वि	३७	२५	धृ	१७	४२	बा	१७	५१	४२	५२	८	१२	२४	२	वृ. २०/४०	सफला ११ व्र. [×सन् २०००ई.
१२	चं	२४	१५	अ	४५	९	शू	१९	४७	तै	२४	१५	४३	५१	९	१३	२५	३	वृश्चिके	
१३	मं	३०	५४	ज्ये	५२	५१	गं	२२	१५	व	३०	५४	४४	५१	९	१४	२६	४	ध.५२।५१	भ.३०/४४उ.पूषा.बुध:४९।४७शतेभौम:÷
१४	बु	३७	११	मू	६०	०	वृ	२४	२९	वि	४	२	४५	५१	९	१५	२७	५	धनुषि	भ.४।२या. [÷ ३३।३ प्रदोषः
३०	गु	४३	३१	मू	०	१६	ध्रु	२६	२७	च	१०	२१	४७	५१	९	१६	२८	६	धनुषि	

३८पं.पौ.कृ.७बु.इ.१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	७	०	३	८
१३	१	२	१	३	१६	११	१२
११	४१	५५	२५	४३	२९	२०	५४
१३	२०	५	५९	१९	४९	४२	५७
६१	४४	९६	१	७०	३१	३	६१
६	३८	३२	२०	४६	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

गेहूं , मूग जो मोठ बाजरा के भाव बढ़ेंगे चांदी स्वर्ण लोहा आदि धातुऐं तेजी होंगी प्रजा में शान्ति रहेगी, सुदी में शीत अधिक पड़ेगा।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.१४बु.इ.८।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	७	०	३	८
२०	७	१३	१	१२	१६	१०	२०
१९	६	५०	४३	१२	२१	५८	०४
२६	०	१३	५	४	४०	२६	५४
६१	४४	९९	२	७१	०/४१	३	६१
६	३४	१८	४६	१७	व.	११	२६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०५६	शाकः	१९२१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२८३३स.२०००
१	शु	४८	५८	पू	७	२०	व्या	२७	५९	किं	१६	१४	२५/४८	६/५०	५/१०	१७	२९	७	म. ३३/४१	
२	श	५३	३६	उ	१३	४४	ह	२८	७	बा	२१	१७	५०	५०	१०	१८	३०	८	मकरे	ज्येष्ठा.शुक्र:४४।३३ चंद्र दर्शनम्
३	र	५७	२८	श्र	१९	१८	व	२९	३५	तै	२५	३२	५२	५०	१०	१९	१	९	कुं. ५१/३७	सव्वाल १०
४	चं	६०	०	ध	२३	५५	सि	२९	५	व	२८	५१	५३	४९	११	२०	२	१०	कुंभे	भ.३८।५१उ.
४	मं	०	१४	श	२७	३०	व्य	२७	५९	वि	०	१४	५५	४९	११	२१	३	११	कुंभे	भ.०।१४या.उषा.रवि:३३/११(सौर:३५/४)
५	बु	१	५०	पू	३०	८	व	२६	१	बा	१	५०	५७	४९	११	२२	४	१२	मी. १४/२८	मार्गी शनि:२३।३४
६	गु	२	१६	उ	३२	११	प	२२	५२	तै	२	१६	५९	४८	१२	२३	५	१३	मीने	उषा.बुध:४।२३
७	शु	१	१६	रे	३१	७	शि	१८	३५	व	१	१६	२६/१	४८	१२	२४	६	१४	मे.३१।७	भ.५/१६उ.३०/८या.मकरेऽर्कः:३७/५५(सौर:४९/३१)
८	शु	५७	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	श	५५	४	अ	२९	३४	सि	१३	१३	बा	२७	२	४	४७	१३	२५	७	१५	मेषे	मकरेबुध:१।४९
१०	र	४९	५६	भ	२६	२८	सा	६/३५	५३/२३	तै	२२	३०	६	४७	१३	२६	८	१६	वृ.४०।२३	[×श्रवणे बुध:३।१६पूभा.भौम:५५/४३
११	चं	४३	२१	कृ	२२	९	शु	५०	२	व	१६	३९	८	४६	१४	२७	९	१७	वृषे	भ.३६/१६उ.४३/२३या.पुत्रदा ११ व्र.
१२	मं	३५	३४	रो	१६	२४	ब्र	४०	२३	ब	९	२७	११	४६	१४	२८	१०	१८	मि. ४३।८	पातस्पर्श:२३।३८
१३	बु	२७	२	मृ	९	५३	ऐं	३०	१५	कौ	१	१८	१३	४५	१५	२९	११	१९	मिथुने	मूलेधनुषि शुक्र:४४।२२ प्रदोष:
१४	गु	१७	५५	आ	३/४५	५२/२	वै	१९	३१	व	१७	५५	१६	४५	१५	३०	१२	२०	कं४२।२४	भ.३५/१६उ.४३/१६या.पातमोक्ष:३।१०
१५	शु	८	५९	पु	४८	५३	वि	९/१५	५०/५१	ब	८	५९	१९	४४	१६	१	१३	२१	कर्के	अभि.प्र.रवि:१०।१५(सौर:२०।५२)×

४०पं.पौ.शु.५बु.इ. ८।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	०	७	०	३	८
२७	१२	२५	२	२०	१६	१०	२७
२७	३१	४	९	४३	१९	३६	१४
२२	८	१	४०	८	८	१०	४६
६१	४४	१०/०	४	७१	०/२	३	६१
६	३१	५/११	२	४२	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः –

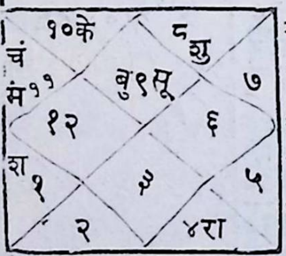

पौष शुक्ले ७ शुक्रे

मकरेऽर्कः प्रविष्टः वाः २ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

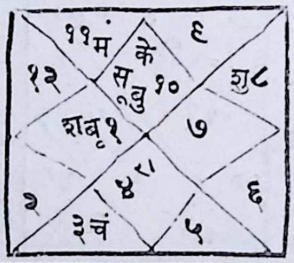

४१गं. पौ.शु. १३बु.इ.७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	०	७	०	३	९
४	१७	६	२	२९	१६	१०	४
३५	५५	३९	४५	१६	२२	१३	२४
१३	८	४३	२५	१९	१२	५५	१५
६१	४४	१०/०	५	७२	५२	३	६१
३	४०	९८/१४	१४	२	मा	११	१९

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०५६	शाकः	१९२१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौषकृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१/२	श	५०/२	३३/४१	श्ले	४३	११	आ	५०	२८	कौ	०	३१	२६/२१	४४/४	५/१६	२	१४	२२	सिं. ४३/११	[÷३२।३१ च. व्र.
३	र	४७	३२	म	३९	८	सौ	४२	५०	तै	२०	२४	२४	४३	१७	३	१५	२३	सिंहे	भ.३२/४०उ.४३/७३या.पुष्य.२राहु:उषा.४×
४	चं	४३	३५	पू	३७	३७	शो	३६	३६	व	१५	३४	२७	४३	१७	४	१६	२४	क. ५२/२०	श्रवणेरवि:२७/२(सौर:३६/४८)अश्वि.२ गुरु:÷
५	मं	४२	८	उ	३६	३०	अ	३२	११	ब	१२	५२	२९	४२	१८	५	१७	२५	कन्यायां	अभि.नि.रवि:१९।१७(सौर:२९।५)
६	बु	४२	३४	ह	३८	२५	सु	२९	२५	कौ	१२	२१	३२	४२	१८	६	१८	२६	कन्यायां	भ.
७	गु	४५	१३	चि	४२	१४	धृ	२८	३४	ग	१३	५३	३५	४१	१९	७	१९	२७	तु. १०/१९	[×केतु:३०।३९
८	शु	४९	१५	स्वा	४७	५५	शू	२८	३२	वि	१७	१४	३८	४०	२०	८	२०	२८	तुलायां	ध.बुध:४७।८
९	श	५५	८	वि	५४	३९	गं	२९	५३	बा	२२	११	४१	४०	२०	९	२१	२९	वृ.३७।५८	[+षट्तिला ११ व्र.
१०	र	६०	०	अ	६०	०	वृ	३१	२९	तै	२८	१९	४५	३९	२१	१०	२२	३०	वृश्चिके	पूषा.शुक्र:३२।४६
१०	चं	१	३०	अ	१	५८	ध्रु	३४	१७	वि	१	३०	४८	३८	२२	११	२३	३१	वृश्चिके	भ.१।३० या.भरणी.२ शनि:१।५४
११	मं	८	१०	ज्ये	९	४३	व्या	३६	३५	बा	८	१०	५१	३८	२२	१२	२४	१	ध. ९।४३	कुंभे बुध:३८फरवरी ९ ता० २९+
१२	बु	१४	३६	मू	१७	१७	ह	३८	४१	तै	१४	३६	५४	३७	२३	१३	२५	२	धनुषि	मीने भौम:५४।३६ प्रदोष:
१३	गु	२०	३६	पू	२४	२३	व	४०	१३	व	२०	३६	५८	३६	२४	१४	२६	३	म.४०।५४	बुधोदय: पश्चिमायां२५।८
१४	शु	२५	४४	उ	३०	२६	सि	४१	६	श	२५	४४	२७/१	३६	२४	१५	२७	४	मकरे	
३०	श	२९	४०	श्र	३५	३१	व्य	४१	५	ना	२९	४०	५	३५	२५	१६	२८	५	मकरे	शते बुध:२७।५३

४२पं.मा.कृ.६बु.इ.८।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	०	८	०	३	९
११	२३	१८	३	७	१६	९	११
४२	१९	३९	३०	५२	३०	५१	३३
४०	१६	३२	१४	५	५०	३९	०६
६०	४४	१०/०	६	७२	१	३	६१
५९	३४	४/६	२५	२६	३२	११	१३

गोचर ग्रहाः

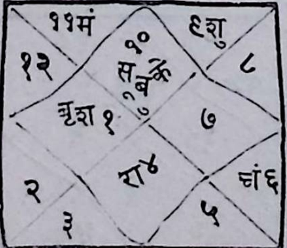

इस मास में ४ शनिवार अशुभ फल के सूचक है धान्य धातु रुई पाट में तेजी होवे प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

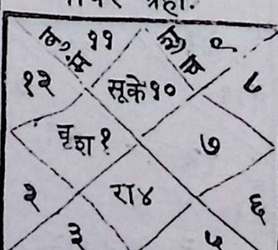

४३पं.मा.कृ.१२बु.इ.८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	०	८	०	३	९
१८	२८	०	४	१६	१६	९	१८
४९	४१	५३	२२	२८	४४	२९	४१
१६	२	४६	४१	२३	४२	२४	१०
६०	४४	१०/०	७	७२	२	३	६१
५५	३१	९८/११	२५	४४	१४	११	०४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः२८६३स.२०००
१	र	३२	३४	ध	३८	३६	व	४०	१३	किं	१	७	२७/८	६/३४	५/२६	१७	२९	६	कुं.७।४०	धनि.रविः३५।२० (सौरः४२।३८)
२	चं	३४	२२	श	४२	३१	प	३८	३४	बा	३	२८	१२	३४	२६	१८	३०	७	कुंभे	चंद्र दर्शनम्
३	मं	३५	०	पू	४४	१९	शि	३५	५२	तै	४	४१	१५	३३	२७	१९	१	८	मी. २७/५२	उभा.भौमः१०।२७ जिल्काद ११
४	बु	३४	४५	उ	४५	२५	सि	३२	२२	व	४	५२	१९	३२	२८	२०	२	९	मीने	भ.४।५२उ.३४।४५या.
५	गु	३३	२६	रे	४५	२६	सा	२८	३१	ब	४	५	२३	३१	२९	२१	३	१०	मे.४५।२६	उषा.शुक्रः२६।४वसंत ५
६	शु	३१	८	अ	४४	२३	शु	२३	४४	कौ	२	१६	२७	३१	२९	२२	४	११	मेषे	
७	श	२७	५८	भ	४२	३३	शु	१७	५६	व	२७	५८	३०	३०	३०	२३	५	१२	वृ.५६।५४	भ.२७/५८उ.५५/३५या.भानु७ पातस्पर्शः४५।१
८	र	२३	१६	कृ	३९	५७	ब्र	११	४२	व	२३	१६	३४	२९	३१	२४	६	१३	वृषे	कुंभेऽर्कः३/१९ (सौरः१/१९) मकरे शुक्रः२ ५/७÷
९	चं	१८	५८	रो	३६	१५	ऐं	४/४०	५९/१२	कौ	१८	५८	३८	२८	३२	२५	७	१४	वृषे	पूभा.बुधः५८।३५
१०	मं	१३	१४	मृ	३१	३५	वि	४८	२०	ग	१३	१४	४१	२८	३२	२६	८	१५	मि. ३।५५	भ.३९।५४उ.
११	बु	६	३५	आ	२६	३४	प्री	३९	२९	वि	६	३५	४५	२७	३३	२७	९	१६	मिथुने	भ.६।३५ या. जया ११ व्र.
१२	बु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷भीष्माष्टमी पातमोक्षः ०।४२
१३	गु	५१	४४	पु	२१	१	आ	३०	११	कौ	२५	३१	४९	२६	३४	२८	१०	१७	क.७।२५	अश्वि.३गुरुः १९।५३ प्रदोषः
१४	शु	४४	१९	पु	१५	२६	सौ	२१	५	ग	१८	२	५३	२५	३५	२९	११	१८	कर्के	भ.४४।१९उ.
१५	श	३७	३२	श्ले	१०	१	शो	१२	२५	वि	१०	५८	५६	२५	३५	३०	१२	१९	सिं१०।१	भ.१०।५८या. शते रविः४६/५२ (सौरः५१/५८)

४४पं.मा.शु.४बु.इ.८।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	०	८	०	३	९
२५	४	१२	५	२५	१७	९	२५
५५	२	३१	२२	५	३	७	४७
१	४२	३०	३७	३१	४३	८	५७
६०	४४	९२	८	७२	२	३	६०
४७	१६	३०	३२	५६	५५	११	५५

गोचर ग्रहाः

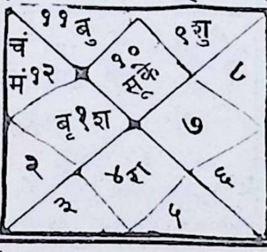

माघ शुक्ले ८ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भाव्रे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४५पं. मा.शु.११बु.इ. ३४/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
२	९	२१	६	३	१७	८	२
५९	२२	५	२८	४३	२७	४४	५४
४९	८	५३	५२	३०	२२	५२	००
६०	४४	५६	९	७३	३	३	६०
३७	११	२९	२२	१४	३६	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	३१	३७	म	५	३८	अ	४/३५	५/५९	बा	४	३४	२८/०	६/२४	५/३६	१	१३	२०	सिंहे	भा.फाल्गुनारंभः
२	चं	२७	१९	पू	२	२५	धृ	५२	९	ग	२७	१९	४	२३	३७	२	१४	२१	कं.१७।४	भ.५६/२उ.वक्री बुधः३६/१८ श्रवणे शुक्रः१२/४५
३	मं	२४	४६	उ	१	२	शू	४८	११	वि	२४	४६	८	२२	३८	३	१५	२२	कन्यायां	भ.२४।४६या.चतुर्थी व्र.
४	बु	२४	८	ह	१	३४	गं	४५	५९	बा	२४	८	१२	२२	३८	४	१६	२३	तु.३२।४४	बुधास्तःपश्चिमायां९।५
५	गु	२५	४४	चि	३	५५	बृ	४५	१३	तै	२५	४४	१६	२१	३९	५	१७	२४	तुलायां	
६	शु	२९	११	स्वा	८	१४	ध्रु	४५	३०	व	२९	११	२०	२०	४०	६	१८	२५	बृ.५७।४३	भ.२९।११उ.रेवत्यां भौमः५२।२४
७	श	३४	११	वि	१४	१२	व्या	४७	१२	वि	१	४१	२४	१९	४१	७	१९	२६	वृश्चिके	भ.१।४१या.
८	र	४०	६	अ	२१	१९	ह	४९	४	बा	७	८	२८	१८	४२	८	२०	२७	वृश्चिके	
९	चं	४६	३९	ज्ये	२८	४६	व	५१	३१	तै	१३	२२	३२	१८	४२	९	२१	२८	ध.२८।४६	वक्री शते बुधः२३।२२
१०	मं	५२	५४	मू	३६	२०	सि	५३	४३	व	१९	४६	३६	१७	४३	१०	२२	२९	धनुषि	भ.१९।४६उ.५२।५४या.
११	बु	५८	५४	पू	४३	२७	व्य	५५	२८	ब	२५	५४	४०	१६	४४	११	२३	१	धनुषि	मार्च ३ ता. ३१ विजया ११ व्र.
१२	गु	६०	०	उ	४९	४३	व	५६	२८	कौ	३१	२३	४४	१५	४५	१२	२४	२	म.०।१	
१२	शु	३	५३	श्र	५४	५०	प	५६	१३	तै	३	५३	४८	१४	४६	१३	२५	३	मकरे	धनि.शुक्रः२।४४ प्रदोषः
१३	श	७	२०	ध	५८	२३	शि	५५	१०	व	७	२०	५२	१४	४६	१४	२६	४	कुं. २६/३९	भ.२०/७उ.३९/२६या.पूभा.रविः५८/२(सौरः×
१४	र	९	२९	श	६०	०	सि	५२	४७	श	९	२९	५६	१३	४७	१५	२७	५	कुंभे	[×६।४५)महाशिवरात्रि व्र.
३०	चं	१०	१६	श	०	३८	सा	४९	३४	ना	१०	१६	२९/१	१२	४८	१६	२८	६	मी.४६/१९	अश्वि.४ गुरुः२२।५२सोमवती ३०

४६ पं.फा.कृ. ४बु.इ.८/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
१०	१४	२३	७	१२	१७	८	९
३	४०	३	४०	२१	५५	२२	५८
२२	१६	४३	३७	५४	५९	२७	३३
६०	४३	१९/११	१०	७३	४	३	६०
२५	५५	व.	५	२१	१७	११	३१

गोचर ग्रहाः

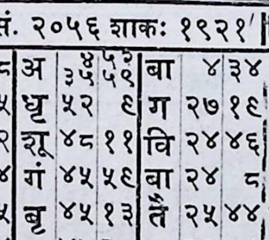

इस मास में गेहूं जो चना आदि धान्य किराना धातुवांना में मंदी होकर तेजी रहेगी। या घटाबढी अधिकहो, रस पदार्थ तेज होंगे।

गोचर ग्रहाः

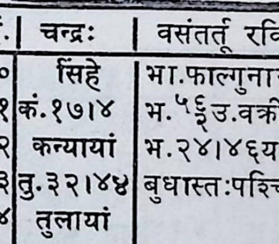

४७ पं.फा.कृ.११बु.इ.९।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
१७	१९	१७	८	२१	१८	८	१७
५	५५	५७	५८	०	२८	०	१
३५	५९	११	१६	४३	४१	२१	२५
६०	४३	६९/४१	१०	७३	४	३	६०
२०	५०	व.	५१	३३	५०	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः २८९३ स,२०००
१	मं	९	३५	पू	१	३८	शु	४५	२३	व	९	३५	२९/५	६/१	५/४९	१७	२९	७	मीने	चंद्र दर्शनम्
२	बु	७	४७	उ	१	२३	शु	४०	२८	कौ	७	४७	९	१०	५०	१८	१	८	मीने	कुंभे शुक्रः ३६/१७ बुधोदयः पूर्वस्याम् ५/४४×
३	गु	५	५	रे	२९	५/१	ब्र	३४	४५	ग	५	५	१३	९	५१	१९	२	९	मे. ०।२९	भ.३३।२५उ. पातमोक्षः६।०
४	शु	१	४६	भ	५६	१८	ऐं	२९	४१	वि	१	४६	१७	९	५१	२०	३	१०	मेषे	भ.१।४६या.
५	शु	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	(×फुलरिया२जिल्हेज१२पातस्पर्शः ५३/४६
६	श	५३	२६	कृ	५३	४३	वै	२२	२९	कौ	२५	३४	२१	८	५२	२१	४	११	वृ.१०।३९	
७	र	४८	४४	रो	५०	४५	वि	१५	५०	ग	२१	५	२६	७	५३	२२	५	१२	वृषे	भ.४८।४४उ.
८	चं	४३	४७	मृ	४६	२१	प्री	९	०	वि	१६	१६	३०	६	५४	२३	६	१३	मि. ५८/३३	भ.१६/१या शते शुक्रः ५०/४ होलाष्टकः
९	मं	३८	३५	आ	४४	७	आ	४६/१	५३/१	ब्रा	११	११	३४	५	५५	२४	७	१४	मिथुने	मीनेऽर्कः ५८/३ (सौरः ०/६) अश्वि.मेषेभौमः ३८/४७
१०	बु	३२	५६	पु	४०	२	शो	४६	४०	तै	५	४६	३८	४	५६	२५	८	१५	क.२६।३	[÷आमलकी ११ व्र.
११	गु	२७	२०	पु	३६	३४	अ	३९	२०	व	०	८	४३	३	५७	२६	९	१६	कर्के	भ.०।८उ २७।२०या.मार्गी बुधः ३३/४९÷
१२	शु	२१	३८	श्ले	३२	३२	सु	३१	५५	ब्रा	२१	३८	४७	३	५७	२७	१०	१७	सिं ३२/३२	उभा.रविः ५४/५५ (सौरः२७।४२)भ.३+
१३	श	१६	१७	म	२९	११	धृ	२४	५६	तै	१६	१७	५१	२	५८	२८	११	१८	सिंहे	शनिः३७।२६द्रदोषः
१४	र	११	३१	पू	२६	४१	शू	१८	३५	व	११	३१	५५	१	५९	२९	१२	१९	कं. ४१/२०	भ.११/३१ उ.३९/४१ या. होलिकादहनं भद्रोत्तरम्
१५	चं	७	५१	उ	२५	२०	गं	१३	१०	व	७	५१	३०/००	६/००	६/००	३०	१३	२०	कन्यायां	छारंडी

४८ पं.फा.शु.२ बु.इ.९।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	०	९	०	३	१०
२४	२५	११	१०	२९	१९	७	२४
६	१०	१६	२०	३९	५	३८	२
२२	३४	१२	१३	१८	३५	६	४८
५९	४३	४८/४	११	७३	५	३	६०
३८	३९	वः	२३	४४	१४	११	०६

गोचर ग्रहाः

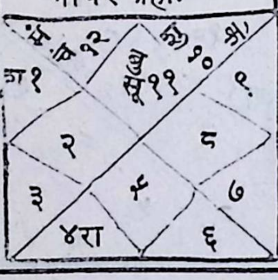

फाल्गुन शुक्ले ९ भौमे मीनेंऽर्कः प्रविष्टः वा ३न. ४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

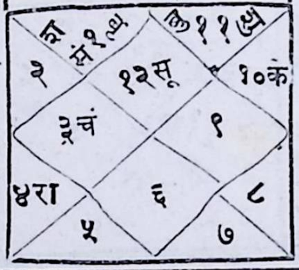

४९ पं.फा.शु.१० बु.इ. ४६/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	१०	०	३	११
१	०	९	११	८	१९	७	१
५	२२	४	४४	१८	४५	१५	२
३५	३०	५९	५	८	५८	५०	३०
५९	४३	६/००	१२	७३	५	३	५९
४१	३४	व.	२	५०	४२	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः २०५६ शाकः १९२१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसन्तर्तू रविरुत्तरे फा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	५	३१	ह	२५	२६	वृ	९	५	कौ	५	३१	३०/४	५/५९	६/५	१	१४	२१	तु. ५६/१५	भा. चैत्रारंभः वसंत १
२	बु	४	५०	चि	२७	५	ध्रु	६	८	ग	४	५०	८	५८	२	२	१५	२२	तुलायां	भ.३५।१८उ.भरणी १गुरुः३७।३१
३	गु	५	४७	स्वा	३०	३२	व्या	४	५१	वि	५	४७	१२	५८	२	३	१६	२३	तुलायां	भ.५।४७या. चतुर्थी व्र.
४	शु	८	३१	वि	३५	२७	ह	४	१४	बा	८	३१	१६	५७	३	४	१७	२४	वृ. १९/१३	पूभा.शुक्रः४०।०
५	श	१२	५६	अ	४१	५८	व्र	५	१२	तै	१२	५६	२१	५६	४	५	१८	२५	वृश्चिके	
६	र	१८	२०	ज्ये	४८	५८	सि	६	३४	व	१८	२०	२५	५५	५	६	१९	२६	ध. ४८/५८	भ.२८/१०उ.५१/३०या.पुष्य. १राहुःउषा.३×
७	चं	२४	३९	मू	५६	३२	व्य	९	९	ब	२४	३९	२९	५४	६	७	२०	२७	धनुषि.	शीतलापूजनम्
८	मं	३०	५१	पू	६०	०	व	११	२७	कौ	३०	५१	३३	५३	७	८	२१	२८	धनुषि	[×केतु. २६।४६
९	बु	३६	५१	पू	३	५८	प	१३	३३	तै	३	५१	३७	५३	७	९	२२	२९	म. ३८/३०	[+भरण्यां भौमः५३।५५अप्रेल ४ता. ३०
१०	गु	४१	५६	उ	१०	३७	शि	१४	५६	व	९	२४	४१	५२	८	१०	२३	३०	मकरे	भ.२९/४उ.४१/५६या.रेवत्यां रविः ५३/३४ (सौर.÷
११	शु	४५	३३	श्र	१६	८	सि	१५	२०	ब	१३	१४	४५	५१	९	११	२४	३१	कुं. ४८/४	पापमोचनी ११ व्र. [÷५५।१९)
१२	श	४७	३९	ध	२०	१	सा	१४	२५	कौ	१६	३६	४९	५०	१०	१२	२५	१	कुम्भे	पूभा.बुधः१७।३९मीने शुक्रः४५।१८+
१३	र	४७	५८	श	२२	१९	शु	१२	१८	ग	१७	४९	५३	४९	११	१३	२६	२	कुंभे	भ.४७।५८उ. प्रदोषः
१४	चं	४६	१९	पू	२२	५७	शु	८	४६	वि	१७	८	५७	४९	११	१४	२७	३	मी.७।४७	भ.१७।८या.
३०	मं	४३	२५	उ	२१	५६	ब्र	५७/३	५४/१	च	१४	५२	३१/१	४८	१२	१५	२८	४	मीने	मन्वादिः

५० पं.चै.कृ२.बु.इ. १०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	१०	०	३	११
८	५	११	१३	१६	२०	६	८
३	३२	३१	१४	५६	२९	५३	०
१८	१७	१९	२२	१६	२४	३४	२५
५९	४३	२६/२	१२	७३	६	३	५९
२९	३	म।	२०	५६	५	११	३५

गोचर ग्रहाः

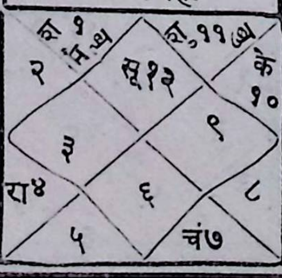

इस मास में गेहूं जो चना रस तेज रहेगे धातु सोना चांदी में मंदी रहेगी प्रजा में अशान्ति रहे बालकों में रोग हो ।

गोचर ग्रहाः

५१ पं.चै.कृ,९बु.इ१०।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	१०	०	३	११
१४	१०	१७	१४	२५	२१	६	१४
५९	३९	११	४७	३४	१५	३१	५६
१०	५८	३१	२४	५२	७	१९	३३
५९	४२	५३	१२	७४	६	३	५९
१६	५८	५४	४६	२	२६	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०१ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४००० कलियुग-प्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गत-कलिः ५१०१ भोग्यकलिः ४२६८९९ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०५७ शाकः १९२२ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशो शुक्रः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चंद्रः । नीरसेशः शनिः । फलेशो बुधः । धनेशः शनिः । दुर्गेशो बुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ७ विजयनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः १०।३।६।१८ भोग्यमासादिः १।२६।५३।४२अहिबुध्न्य-दैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम आवर्तः । रोहिणीनिवासस्तटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० समयवाहनम् सिंचायुः । स्तंभौ २ वायुजलयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् १५ तृणम् १७ शीतम् ९ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १२१ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहण २ चंद्रमसः ।

संवत् २०५७ आषाढ शुक्ले
१५ रवौ
ग्रस्तोदय खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज	घ.	२७	३०	३२	३४	३७
मध्य	प.	३४	१८	२८	३८	२२
रेलवे	घ.	५	६	७	८	९
टा.	मि.	२९	३४	२६	१८	२४

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ७।२६

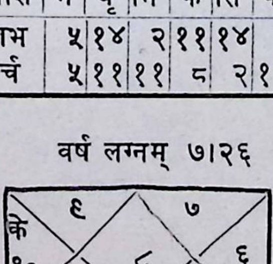

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

पूछे भैरव भाव से जग जननी पे आय ।
सतावन की साल का कहो हाल समझाय ॥

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे प्रेम भाव दरशाय ।
माता बालक पोषसी बछड़ा पोषे गाय ॥
राजा बुध मंत्री गुरु यह सब जग हर्षाय ।
विजय नाम वत्सर बना होवें न्याय की न्याय ॥
संवत् होसी सांतरो दरखत बेलां लूम ।
कोई दिशा के मांय ने टीडी करसी धूम ॥
वर्षा विश्वा पंचदश रोहिणी तट निर्धार ।
वर्षा उत्तम होयसी इसका यह ही सार ॥
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
परमेश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ।

संवत् २०५७ पौष शुक्ले
१५ भौमवासरे
खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज	घं.	४४	४६	४८	४९	५२
मध्य	प.	८	५८	१५	३२	२२
रे.	घं.	१२	१	१	२	३
टा.	मिं.	६	१४	४५	१६	२४

लाभ खर्च कौष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ५।३

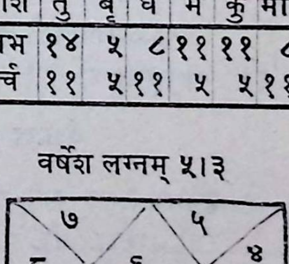

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३८।० केतकी मतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५०।५०

× चं. शु. सू. । (विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) * मं. बृ. सू.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यविवाह मंगलम् ।। प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थं सुभिक्षं धनधान्यसंकुलम् ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोयधना मुदिता भवेत् । नृपतयोजनपालन तत्पराःसुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ।।सस्येशो रविःफलम्।। सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशो पश्चाद्धान्यं न पच्येत । सस्याः समर्घतां यान्ति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम् ।। अमृतरश्मिसुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुकचेतसो विविधसौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चंद्रः फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवां नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहुवारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। त्रपुपिंडादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तूनां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मंदे नीरसनायके । फलेशो बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशिमुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जनसौख्यसमन्विताः ।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणजे रविजे विरलं धनम् गदरता धरणी पतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीड़ितमानसाः ।। दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् ।। विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्यवतान्न भयं क्वचित् ।। विजयनाम संवत्सरः फलम् ।। विजयाब्दे तु राजानः जयसंघोषतत्पराः । सुनंदंति प्रजाः सर्वा बहुसस्यार्घवृष्टिभिः । वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्वसस्यं स्याज्ज्वररोगाकुलं जगत् । आश्विने शोभना वृष्टिः नृपसौख्यकरी तदा ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टि स्यात् ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् । तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वष्टिरुत्तमा । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५७ मध्ये विवाह मुहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शु.१० गुरौ मघा.ल. ११ रे.७।ऽ।।।।ऽऽ।गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावःचंद्रोऽत्र सप्तमे पूज्यः

,, १२ शनौ उफा.ल ९।११रे. ६ ऽ।।ऽशु।ऽअ।।ऽ।धनु-लग्न ४५।९उप.गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावःशुक्रस्य पादतो वेधाभावश्च

,, १३ रवौ हस्ते ल. ६।१२ रे.७।।।ऽबु।ऽ।।।पादवेधाद्बुधस्य वेधाभावः मीने चं.७ पूज्यः

,, १४ चंद्रे हस्ते ल. अन्यगो. (भौ.७ दोषः) रे. ६।।।ऽ बुऽऽऽ।।।पादतो बुधस्य वेधाऽभावःआवश्यके

,, १५ भौमे स्वा. ल. ११ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः ।

कृ. १ बुधे स्वा. ल. ९ रे. ६ ।।।।ऽऽचोऽऽ।।

,, ५ रवौ मले ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।भौम ७ दोषः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ.७ शनौ मघा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।ऽअऽऽ।।

,, १० चंद्रे उफा. ल. अन्यगो. रे. ७ ।।।।ऽनृ।ऽ।ध.२७।६या. आव.

माघ मासः ।

कृ. ५ रवौ उफा. ल. गो. रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

,, ९ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

,,१० शुक्रे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

शु. ५ चंद्रे उभा. ल. अन्यगो. रे. ७।।।।ऽचो ऽऽ।।

,, ६ भौमे रेवत्यां ल. अन्यगो. रे. १०।।।।।।।।।

,,१० शनौ रोहि. ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽअ।ऽऽ। गणितेनक्रान्तिसाम्याऽभावः

फाल्गुन मासः ।

कृ.१० शनौ मूले ल. १० रे. ७ ऽऽ।।।।।ऽ।।

शु. २ रवौ उभा. ल. १० रे. ७ ।ऽ।।।ऽनृऽ।।

,, ३ चंद्रे रेवत्यां ल. १० रे. ८ ।।ऽशु।।।।।।ऽदग्धाशुक्रयुतिश्च

चैत्र मासः ।

कृ. १ शनौ हस्ते ल. १० रे. ८ ।ऽ।।ऽरो।।।।

,, २ रवौ हस्तें ल. गो. रे. ९ ।ऽ।।।।।।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२९२२सन्२०००
१	बु	३९	१	रे	१९	४४	वै	५१	२८	किं	११	१३	३ १/५	४५/७	१६/३	१६	२९	५	मे. १९/४४	संवत्सरारंभःनवरात्रा.
२	गु	३३	४९	अ	१६	३१	वि	४४	१४	बा	६	२८	१०	४६	१४	१७	३०	६	मेषे	भरणी.२गुरुः३१।१७चंद्रदर्शनम् सिधारा
३	शु	२८	१३	भ	१२	४६	प्री	३६	३७	तै	१	४	१४	४५	१५	१८	१	७	बृ. ३६/४५	भ. ५५।१५उ. गणगौरी. मत्स्यज. +
४	श	२२	१८	कृ	८	४३	आ	२९	१	वि	२२	१८	१८	४४	१६	१९	२	८	वृषे	भ.२२।१८या.
५	र	१६	२३	रो	४	४७	सौ	२१	३७	बा	१६	२३	२२	४४	१६	२०	३	९	मि. ३२/५३	मीने बुधः१२।४
६	चं	१०	४४	मृ	५९/०	५७/२३	शा	१४	८	तै	१०	४४	२६	४३	१७	२१	४	१०	मिथुने	[+मोहोरम१सन्१४२१हि.
७	मं	५	२०	पु	५४	८	अ	७	४	व	५	२०	३०	४२	१८	२२	५	११	क. ३९/५६	भ.५।२०उ.३२।४५या.उभा.बुधः१२।५३
८	बु	०	१०	पु	५१	१८	सु	२/०	५३/३६	ब	०	१०	३४	४१	१९	२३	६	१२	कर्के	रामनवमी.
९	बु	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ ५९/२७ पातस्पर्शः ३/५ पातमोक्षः १५।३२
१०	गु	५१	१२	श्ले	४९	३	शू	४७	३२	तै	२३	२२	३८	४०	२०	२४	७	१३	सिं.४९।३	अश्वि. मेषेऽर्कः२६।३४(सौरः२९।४३)
११	शु	४७	५	म	४७	१७	ग	४१	४६	व	१९	८	४२	४०	२०	२५	८	१४	सिंहे	भ. १९।८उ. ४७।५या. कामदा११व्र.
१२	श	४४	१४	पू	४५	९	वृ	३६	४७	ब	१५	४०	४६	३९	२१	२६	९	१५	सिंहे	रेवत्यां शुक्रः१५।१५भरणी. ४शनिः÷
१३	र	४१	५९	उ	४५	३७	ध्रु	३२	१८	कौ	१३	६	५०	३८	२२	२७	१०	१६	कं.०।१६	प्रदोषः
१४	चं	४०	४२	ह	४६	३०	व्या	२८	४६	ग	११	२०	५३	३७	२३	२८	११	१७	कन्यायां	भ.४०।४२उ.
१५	मं	४०	३२	चि	४८	२५	ह	२६	८	वि	१०	३७	५७	३७	२३	२९	१२	१८	तु. १७/२८	भ.१०।३७या. हनुमज्जयंती

५२ पं.चै.शु.१ बु.इ. १०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	०	११	०	३	११
२१	१५	२५	१६	४	२२	६	२१
५३	४५	५	२२	१३	३	९	५०
३१	५०	४६	२३	३७	२२	३	४४
५९	४२	७३	१३	७४	६	३	५९
४	५०	९	८	८	४०	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले१०गुरौ
मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३
न.४प्रौढावस्था(बैठी)
मु.१५धान्यादि भावे
महर्घता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१पं.चै..शु.१०बृ.इ.२६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	०	११	०	३	११
०	२१	६	१८	१४	२३	५	२९
०	४३	४५	१७	२५	२	४२	५६
०	८	७	२७	२३	२०	५९	५५
५८	४२	९२	१३	७४	६	३	५८
४४	४३	८	२०	१९	५६	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा.
१	बु	४१	५९	स्वा	५१	५०	व	२४	४३	बा	११	१६	३ २/१	३६ ५	२४ ६	३०	१३	१९	तुलायां	रेवत्यां बुधः३८।१६
२	गु	४४	५३	वि	५६	१४	सि	२४	५९	तै	१३	२६	५	३५	२५	३१	१४	२०	वृ.४०।८	कृति.भौमः २१।५६भरणी. ३गुरुः३७।९
३	शु	४८	५६	अ	६०	०	व्य	२४	४७	व	१६	४९	९	३४	२६	१	१५	२१	वृश्चिके	भ.१६।४९उ.४८।५६या.भा.वैशाखारंभः
४	श	५४	५	अ	२	१९	व	२६	१७	ब	२१	३१	१२	३४	२६	२	१६	२२	वृश्चिके	अस्तं शनेः५१।३३ चतुर्थीव्र.
५	र	६०	०	ज्ये	९	३	प	२७	५१	कौ	२७	७	१६	३३	२७	३	१७	२३	ध.९।३	
५	चं	०	९	म	१६	३८	शि	३०	७	तै	०	९	२०	३२	२८	४	१८	२४	धनुषि	[+अश्वि.मेषे बुधः०/५बुधास्तःपूर्वस्यां २५/११
६	मं	६	१५	पू	२४	७	सि	३२	३७	व	६	१५	२३	३१	२९	५	१९	२५	म. ४०/५७	भ.६।१५उ. ३९।२६या.वृषे भौमः३।१०
७	बु	१२	३७	उ	३१	२२	सा	३४	२६	ब	१२	३७	२७	३१	२९	६	२०	२६	मकरे	अश्वि. मेषे शुक्रः४।४१
८	गु	१८	१६	श्र	३७	३२	शु	३५	५९	कौ	१८	१६	३१	३०	३०	७	२१	२७	मकरे	भरण्यां रविः ६।४८(सौरः११।८)+
९	शु	२२	५	ध	४२	२७	शु	३५	४७	ग	२२	५	३४	२९	३१	८	२२	२८	कुं. ८।५९	भ.५३।२४उ. अस्तं गुरोः३१।४८ अ.गु.
१०	श	२४	४४	श	४५	४७	ब्र	३४	५९	वि	२४	४४	३८	२८	३२	९	२३	२९	कुम्भे	भ.२४।४४या.
११	र	२४	२९	पू	४७	४	ऐं	३२	१६	बा	२४	२९	४१	२८	३२	१०	२४	३०	मी. ३१/४४	वरूथिनी११व्र.
१२	चं	२३	६	उ	४६	२५	वै	२७	५५	तै	२३	६	४५	२७	३३	११	२५	१	मीने	अस्तो भौमः१४।५६मई ५तां. ३१प्रदोषः
१३	मं	१९	५८	रे	४३	५६	वि	२२	८	व	१९	५८	४८	२६	३४	१२	२६	२	मे. ४३/५६	भ.१९।५८उ.४७।२५या.
१४	बु	१४	५२	अ	४०	२	प्री	१५	७	श	१४	५२	५२	२६	३४	१३	२७	३	मेषे	भ.रण्यांबुधः४१।१२
३०	गु	९	४०	भ	३५	०	आ	५८/६	३१/५१	ना	९	४०	५५	२५	३५	१४	२८	४	वृ. ४८/३४	भरणी.४गुरुः५२।४८

२ पं.वै.कृ.२गु.इ.२६।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	०	११	०	३	०
६	२६	१८	१९	२३	२३	५	६
५०	४३	५	५७	२	५४	२०	४७
४२	३०	२४	४०	१७	४०	४३	०६
५८	४२	७०	१३	७४	७	३	५८
३१	२९	३५	३२	२०	८	११	२९

गोचर ग्रहाः

३ पं. वै. कृ. ८बृ.इ.२७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	०	०	०	३	०
१३	१	०	२१	१	२४	४	१३
३९	४	५१	३४	३९	४७	५८	३५
४७	६	४३	१६	५०	१७	२७	३१
५८	४२	७६	१३	७४	७	३	५८
१९	८	३८	३२	२६	१४	११	१२

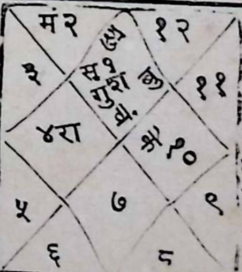

४पं. वै. कृ.३०गु.इ२७।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	०	०	०	३	०
२०	६	१४	२३	१०	२५	४	२०
२७	३६	५६	१४	१७	४१	३६	२२
२५	०	४९	१३	१७	१३	१२	१४
५८	४२	७०	१३	७४	७	३	५७
६	४	४७	३८	२६	२०	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२६५२सन्२०००
१	शु	१	१५	कृ	२९	१६	शो	४९	१२	ब	१	१५	३२ ५८	५ २४	६ ३६	१५	२९	५	वृषे	चंद्रदर्शनम् [Bअक्षया ३ सफर२
२	शु	५२	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	श	४६	७	रो	२३	२६	अ	४०	२	तै	२०	१	३ ३	२४	३६	१६	१	६	मि५२।३७	भरण्यांशुक्रः ५४ ३८ परशुरामजयंती.B
४	र	३८	४०	मृ	१७	४९	सु	३१	५	व	१२	२३	५	२३	३७	१७	२	७	मिथुने	भ.१२।२३उ.३८।४०या.
५	चं	३१	४३	आ	१२	४९	धृ	२२	४९	ब	५	११	८	२२	३८	१८	३	८	क.५४।३०	शुक्रास्तःपूर्वस्याम् २५।४८
६	मं	२५	३१	पु	८	२४	शू	१५	२०	तै	२५	३१	११	२२	३८	१९	४	९	कर्के	रोहि. भौमः१७।१३कृत्ति.बुधः४४।५८
७	बु	२०	१०	पु	४	५५	गं	८	१६	व	२०	१०	१४	२१	३९	२०	५	१०	कर्के	भ.२ १ ०उ.४ ८या.कृति.रविः५२ ४४(सौरः५९ ०)
८	गु	१६	५	श्ले	१	४२	वृ	०२ ६	५४ ४८	ब	१६	५	१७	२१	३९	२१	६	११	सिं. १।४२	वृषे बुधः२५।५१
९	शु	१२	५५	म	०	५९	व्या	५२	२३	कौ	१२	५५	२०	२०	४०	२२	७	१२	सिंहे	कृति.१शनिः४।३८
१०	श	१०	४१	पू	०	३५	ह	४८	४८	ग	१०	४१	२३	१९	४१	२३	८	१३	कं.१५।१६	भ.४०।९उ.[×(सौरः३६ ४७)मोहिनी११व्र.
११	र	९	३८	उ	१	२	व	४६	२	वि	९	३८	२६	१९	४१	२४	९	१४	कन्यायां	भ.९।३८या.वृषेऽर्कः१९।५९×
१२	चं	९	४४	ह	३	४	सि	४४	८	बा	९	४४	२८	१८	४२	२५	१०	१५	तु ३४।२३	रोहि. बुधः५९।११प्रदोषः
१३	मं	१०	४१	चि	५	४३	व्य	४३	१	तै	१०	४१	३१	१८	४२	२६	११	१६	तुलायां	नृसिंह१४
१४	बु	१२	५७	स्वा	९	४१	व	४२	१	व	१२	५७	३४	१७	४३	२७	१२	१७	वृ.५७।५९	भ.१२।५७उ.४४।४०या.कृति.शुक्रः४७।४
१५	गु	१६	२३	वि	१४	४	प	४१	३४	ब	१६	३३	३७	१७	४३	२८	१३	१८	वृश्चिके	कृति.१गुरुः५१।१९वै.स्ना.पूर्तिः

५ पं.प्र.वै.शु.८बृ.इ. २७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	०	०	०	३	०
२७	११	०	२४	१८	२६	४	२७
१३	३०	३	५३	५३	३५	१३	७
३७	५४	३२	४६	४२	२८	५६	२८
५७	४१	[illegible]	१३	७४	७	३	५७
५४	५४	[illegible]	३८	३२	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले११रवौ बृषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न.५बालावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

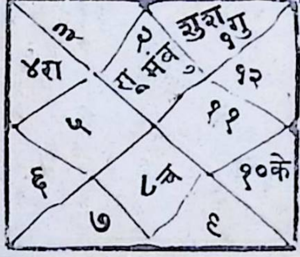

६पं.वै.शु.१५बृ.इ.२७।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	०	०	०	३	१
३	१६	१५	२६	२७	२७	३	३
५८	२१	६	३३	३०	२९	५१	५१
३७	११	७	४०	२९	१०	४१	०९
५७	४१	[illegible]	१३	७४	७	३	५७
४४	४७	[illegible]	३३	३२	२०	११	३४

ति.	ज्येष्ठ३ कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेवैशाख कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	२०	४३	अ	२०	११	शि	४१	२४	कौ	२०	४३	३३ ३९	५ १६	६ ४४	२९	१४	१९	वृश्चिके	[×३२।२७रोहि.शुक्रः३५।३पुन.४राहुःA
२	श	२५	५८	ज्ये	२७	८	सि	४३	११	ग	२५	५८	४२	१६	४४	३०	१५	२०	ध.२७।८	भ. ५९।११उ. वृषेशुक्रः२८।४बुधोदयः÷
३	र	३२	२४	मू	३४	३२	सा	४५	१९	वि	३२	२४	४४	१५	४५	३१	१६	२१	धनुषि	भ.३२।२४या. चतुर्थी व्र.
४	चं	३८	१	पू	४१	५	शु	४७	५६	ब	५	१३	४७	१५	४५	१	१७	२२	म ५८।११	मृगे बुधः३०।४०भा. ज्येष्ठारंभः
५	मं	४४	१७	उ	४९	३१	शु	५०	३०	कौ	११	९	४९	१४	४६	२	१८	२३	मकरे	[Aउषा.२केतुः२५।१७उदयंशनेः३७।५२
६	बु	४९	५७	श्र	५६	४८	ब्र	५३	८	ग	१७	७	५२	१४	४६	३	१९	२४	मकरे	भ. ४९।५७उ. रोहि. रविः४३।३३=
७	गु	५४	४१	ध	६०	०	ऐं	५४	४२	वि	२२	१९	५४	१३	४७	४	२०	२५	कुं.२९।४१	भ. २२।१९ या.[÷पश्चिमायां१०।१५
८	शु	५८	८	ध	२	३५	वै	५५	३०	बा	२६	२५	५६	१३	४७	५	२१	२६	कुम्भे	मिथुने बुधः २८।२२
९	श	५९	४३	श	७	११	वि	५५	३८	तै	२८	५५	५८	१२	४८	६	२२	२७	मी५३।३४	[=(सौरः ५२।५५)उदयंगुरोः ३५।२४
१०	र	५८	१४	पू	९	२	प्री	५३	३५	व	२८	५८	३ ४ ० ०	१२	४८	७	२३	२८	मीने	भ. २८।५८उ. ५८।१४या. मृगे भौमः×
११	चं	५६	४९	उ	१०	४३	आ	४६	४४	ब	२७	३१	२	१२	४८	८	२४	२९	मीने	अपरा११व्र.स्मा.
१२	मं	५२	२०	रे	९	२५	सौ	४३	१६	कौ	२४	३४	३	११	४९	९	२५	३०	मे.९।२५	आर्द्रा.बुधः२३।३९अपरा११व्र.वै.
१३	बु	४६	१	अ	६	८	शो	३६	१७	ग	१९	१०	५	११	४९	१०	२६	३१	मेषे	भ.४६।१उ. प्रदोषः
१४	गु	३८	८	भ	१ ८	५३ ५५	अ	२६	५१	त्रि	१२	४	७	११	४९	११	२७	१	वृ.१४।३७	भ.१२।४या. जूनद्दता.३०
३०	शु	२९	२२	रो	४८	२	सु	१६	४६	च	३	४५	९	१०	५०	१२	२८	२	वृषे	कृत्ति.२वृषेगुरुः१३।४७ वटपूजनम्

७ पं.ज्ये.कृ.७बृ.इ.२७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	०	१	०	३	१
१०	२१	२८	२८	६	२८	३	१०
४२	११	३१	१३	७	२२	२९	३३
२९	४६	५	३८	२३	५९	२५	२०
५७	४१	[illegible]	१३	७४	७	३	५७
३५	४०	[illegible]	३२	३२	१४	११	२३

गोचर ग्रहाः

इसमास में गेहूं जो चना बाजरा आदि धान्य में मंदी होवे सोना चांदी तिल कपास में तेजी कही २वर्षा और धूप अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.कृ.१४बृ.इ.२७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	०	१	०	३	१
१७	२५	९	२९	१४	२९	३	१७
२५	५८	३७	४९	४२	१५	७	१४
१९	४८	८	४८	५४	३६	९	२६
५७	४१	८५	१३	७४	७	३	५७
२७	२०	३३	२०	३८	३	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽर्हगणः२९८१स २०००
१	श	१९	५८	मृ	४१	३	धृ	७/४२	४९/५८	ब	१९	५८	३४/१०	५/१०	६/५०	१३	२९	३	मि१४।३२	चंद्र दर्शनम्
२	र	१०	४७	आ	३३	१९	गं	४८	१६	कौ	१०	४०	१२	१०	५०	१४	१	४	मिथुने	रविलावल३
३	चं	२	१०	पु	२७	४१	बृ	३९	७	ग	२	१०	१३	९	५१	१५	२	५	कं.१४।६	भ. २८।१३उ. ५४।१६या.
४	चं	५२	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
५	मं	४६	३७	पु	२१	५८	ध्रु	३०	२०	ब	२०	२६	१५	९	५१	१६	३	६	कर्के	[÷भौमः ३४/३० कृत्ति.२वृषे शनिः२१।२४
६	बु	४१	८	श्ले	१७	५९	व्या	२२	२०	कौ	१३	५२	१६	९	५१	१७	४	७	सिं१७।५९	मृगे रविः३८।२६(सौरः५१।४५)मिथुने÷
७	गु	३६	२९	म	१५	२	ह	१५	४४	ग	८	५९	१७	९	५१	१८	५	८	सिंहे	भ. ३६।२९ उ. मृगेशुक्रः २८।४७
८	शु	३४	१६	पू	१४	१६	व	१०	५	वि	५	३३	१८	८	५२	१९	६	९	कं.२६।२३	भ. ५।३३या.
९	श	३३	४६	उ	१४	३८	सि	५	३५	बा	४	०	१९	८	५२	२०	७	१०	कन्यायां	पुन. बुधः २३।३८
१०	र	३४	२९	ह	१६	३७	व्य	२/७	५७/४९	तै	४	७	१९	८	५२	२१	८	११	तु.४८।१७	गंगादशमी
११	चं	३६	१०	चि	१९	५८	प	५८	४०	व	५	१९	२०	८	५२	२२	९	१२	तुलायां	भ. ५।४३उ. ३७।१०या. निर्जला११व्र.
१२	मं	३९	२६	स्वा	२४	२८	शि	६०	०	ब	८	१८	२१	८	५२	२३	१०	१३	तुलायां	मिथुने शुक्रः५५।२२
१३	बु	४३	३५	वि	३०	७	शि	०	५४	कौ	११	३१	२१	८	५२	२४	११	१४	वृ.१३।४२	मिथुनेऽर्कः ३७।० (सौरः ५२।३३)प्रदोषः
१४	गु	४८	३५	अ	३६	३२	सि	१	५०	ग	१६	३५	२२	८	५२	२५	१२	१५	वृश्चिके	भ. ४८।३५उ.
१५	शु	५४	५	ज्ये	४३	२०	सा	३	३५	वि	२१	१०	२२	८	५२	२६	१३	१६	ध.४३।२०	भ. २१।२०या कृत्ति. ३गुरुः५८।०=

९पं.ज्ये. शु.७बृ.इ.२७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१	१	१	३	१
२४	०	१८	१	२३	०	२	२३
७	४३	८	२६	१८	७	४४	५४
१९	३०	४६	२१	५४	४१	५२	२२
५७	४१	५७	१३	७४	६	३	५७
२२	१०	४०	१९	३८	५६	११	०५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठशुक्ले १३ बुधे
मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः
वा. ४न. ५युवावस्था
(सूती) मु. ३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु१४बृ.इ.२७।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
०	५	२३	३	१	०	२	०
४८	२६	४१	०	५५	५८	२२	३३
३६	१७	२८	३६	५	१६	३८	३१
५७	४१	२६	१२	७४	६	३	५६
१७	६	१	५५	३८	३८	११	५७

तिं	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेत्ति महाः
१	श	६०	०	मू	५०	३६	शु	५	३२	बा	२७	०४	३४/२३	५/७	५ ६/३	२७	१४	१७	धनुषि	आर्द्रा.भौमः१५।३०
१	र	००	३	पू	५८	०	शु	७	५४	तै	००	०३	२३	७	५३	२८	१५	१८	धनुषि	[×बुधः२४।५५
२	चं	६	१७	उ	६०	०	ब्र	१०	२०	ग	५	१७	२३	७	५३	२९	१६	१९	म.१४।४२	भ.३८।४१उ.आर्द्रा.शुक्रः२१।५२
३	मं	१२	५	उ	५	२६	ऐं	१२	४६	वि	१२	५	२४	७	५३	३०	१७	२०	मकरे	भ. १२।५या. चतुर्थी व्र.
४	बु	१८	३६	श्र	१२	४२	वै	१४	५९	बा	१८	३६	२४	७	५३	३१	१८	२१	कुं.४५।५२	आर्द्रा. रविः ३५।५५(सौरः५४।६वक्री×
५	गु	२३	५७	ध	१९	२	वि	१६	२३	तै	२३	५७	२४	७	५३	१	१९	२२	कुंभे	राष्ट्रीय आषाढारंभः
६	शु	२८	११	श	२४	१७	प्री	१७	८	व	२८	११	२४	७	५३	२	२०	२३	कुंभे	भ.२८।११उ.५९।३४या.
७	श	३०	५६	पू	२८	३७	आ	१६	५७	ब	३०	५६	२४	७	५३	३	२१	२४	मी१२।३२	
८	र	३१	२८	उ	३१	०	सौ	१५	१५	बा	१	१२	२३	७	५३	४	२२	२५	मीने	
९	चं	२९	५७	रे	३१	३७	शो	११	११	तै	०	४३	२३	७	५३	५	२३	२६	मे३१।३७	भ५८।१उ.
१०	मं	२६	५	अ	३०	२६	अ	७	२९	वि	२६	५	२२	८	५२	६	२४	२७	मेषे	भ.२६।५या. बुधास्तःपश्चिमायां३७।५०
११	बु	१९	५६	भ	२७	०	सु	१/२२	५२/१६	बा	१९	५६	२२	८	५२	७	२५	२८	बृ.४०।४४	योगिनी११व्र.
१२	गु	१३	२४	कृ	२१	५६	शू	४४	३२	तै	१३	२४	२१	८	५२	८	२६	२९	वृषे	प्रदोषः
१३	शु	४	१	रो	१५	४४	गं	३४	३७	व	४	१	२०	८	५२	९	२७	३०	मि४१।५५	भ.४।१उ. २९।१०या. पुन. शुक्रः१०।११
१४	शु	५०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	श	४४	३५	मृ	८	७	बृ	२४	७	च	१९	५७	१९	८	५२	१०	२८	१	मिथुने	जौलाई७ता.३१

११पं.आ.कृ. ५बु.इ. २७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
७	१०	२५	४	१०	१	२	७
२९	८	५१	३२	३१	४६	०	११
३१	३८	१४	४९	१६	२६	२३	५८
५७	४०	४/३५	१२	७४	६	३	५६
१३	५६	व.	३१	३७	२६	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में रसपदार्थ
घृत तेल गुड़ सरसो
अन्डी अलसी में तेजी
कपास रुई सन में मंदी
होकर तेजी होगी
सुदीमें वर्षा अच्छी हो

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.कृ.१२बृ.इ.२७/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
१४	१४	२४	६	१९	२	१	१३
९	४८	३४	१	७	३२	३८	५०
५८	०	५	४८	१९	३१	७	०३
५७	४०	२७/५८	१२	७४	६	३	५६
७	४६	व.	१४	३२	९	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३०१० सन्२०००
१	र	३४	४६	आ	७/१५	४५/८	ध्रु	१३	१४	किं	६	४१	३४/१८	५/८	६/५२	११	२६	२	क.३९।२२	कृत्ति.४गुरुः ३५।७
२	चं	२५	५०	पु	४५	६	व्या	२/३१	४९/३४	बा	०	१८	१७	६	५१	१२	३०	३	कर्के	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
३	मं	१७	४६	श्ले	३६	५	व	४२	४७	ग	१७	४६	१६	६	५१	१३	१	४	सिं३९।५	भ.४४।६उ.रविलाखर ४
४	बु	१०	३२	म	३४	२३	सि	३४	३६	वि	१०	३२	१५	६	५१	१४	२	५	सिंहे	भ.३/३२या.पुन.रविः३४।४५ (सौरः५८।८
५	गु	५	२०	पू	३१	३४	व्य	२८	११	बा	५	२०	१४	६	५१	१५	३	६	कं.४६।८	
६	शु	१	३६	उ	२६	५१	व	२३	८	तै	१	३६	१३	६	५१	१६	४	७	कन्यायां	भ.५९/१उ.पुन.भौमः१७/५२वक्री आर्द्रा.बुधः४९/१३
७	शु	५७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	श	५६	८	ह	३१	१७	प	१६	३६	वि	२६	४	११	१०	५०	१७	५	८	कन्यायां	भ.२६।४या.कर्के शुक्रः१६।५६
९	र	६०	०	चि	३४	५	शि	१७	४८	बा	३०	६	१०	१०	५०	१८	६	९	तु.२।४१	कृत्ति.३ शनिः ४४।०
९	चं	१	५	स्वा	३८	२३	सि	१७	७	कौ	१	५	८	१०	५०	१९	७	१०	तुलायां	[÷३०।५२)गुरु१५
१०	मं	४	२५	वि	४४	१५	सा	१७	५६	ग	४	२५	७	११	४६	२०	८	११	वृ.२७।४७	भ.३६।४०उ.पुष्ये शुक्रः२।३६
११	बु	८	५६	अ	५०	४३	शु	१८	५६	वि	८	५६	५	११	४६	२१	९	१२	वृश्चिके	भ.८।५६या.देवशयनी ११ व्र.
१२	गु	१४	२६	ज्ये	५७	५८	शु	२१	२७	बा	१४	२६	३	११	४६	२२	१०	१३	ध.५७।५८	हरिवासराऽभावः प्रदोषः
१३	शु	२०	१४	मू	६०	०	ब्र	२३	१६	तै	२०	१४	१	१२	४८	२३	११	१४	धनुषि	[×दयःपश्चिमायां ४६।१२ वायु परिक्षा
१४	श	२६	५०	मू	५	२६	ऐं	२५	३८	व	२६	५०	३/५९	१२	४८	२४	१२	१५	धनुषि	भ.२६/५०उ.५९/३७या.बुधोदयःपूर्वस्यां२/१८शुक्रो×
१५	र	३२	२४	पू	१२	५३	वै	२७	५६	ब	३२	२४	५७	१३	४७	२५	१३	१६	म.२६।४४	खग्रास चंद्रग्रहणम् कर्केऽर्कः४/१ (सौरः÷

१३पं.आ.शु.५बृ.इ.२७।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	२	१	३	२
२०	१९	२०	७	२७	२	१	२०
५०	२६	५०	२६	४४	०	१५	२७
२४	२	२८	५६	१२	५८	५१	५७
५७	४०	३७/८	११	७४	५	३	५६
७	३६	व.	४२	३२	४९	११	५०

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले १५ रवौ कर्केऽर्कः प्रविष्टःवा. ५न.४ बालावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१४ पं.आ.शु.१२बृ.इ. ३७/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	१	३	१	३	२
२७	२४	१७	८	६	२	०	२७
३०	२	९	५०	१९	५७	५३	६
४३	४६	१८	४९	४८	४	३६	४
५७	४०	२६/२७	११	७४	५	३	५६
११	२६	व.	६	२६	२२	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेआषाढकृष्णेतिमहाराष्ट्रां:
१	चं	३८	२२	उ	२०	१५	वि	३०	२०	बा	५	२३	३/५५	५/१३	६/४७	२६	१४	१७	मकरे	
२	मं	४३	३६	श्र	२६	५५	प्री	३२	२२	तै	११	१	५२	१४	४६	२७	१५	१८	मकरे	मार्गी.बुधः२३।३१
३	बु	४८	४	ध	३३	२६	आ	३३	४०	व	१५	५१	५०	१४	४६	२८	१६	१९	कुं.०।११	भ.१५।५१उ.४८।४मा.पुष्ये रविः३/३९
४	गु	५१	४३	श	३६	१	सौ	३४	२६	ब	१६	२३	४८	१४	४६	२९	१७	२०	कुंभे	पुष्ये रविःसौरः३/३ रोहिणी.१गुरुः६/१च.व्र.
५	शु	५४	२१	पू	४३	४८	शो	३४	२६	कौ	२३	२	४५	१५	४५	३०	१८	२१	मी. ३/३७	आश्ले.शुक्रः२/१६नाग५मरुस्थले
६	श	५५	१६	उ	४६	४०	अ	३३	३५	ग	२४	५०	४३	१५	४५	३१	१९	२२	मीने	भ.५५/१९उ.कर्के भौमः३०।५
७	र	५५	३६	रे	४८	३७	सु	२६	२६	वि	२५	२८	४०	१६	४४	१	२०	२३	मे.४८।३७	भ.२५।२८या.भा. श्रावणारंभः
८	चं	५३	५६	अ	४८	५८	धृ	२७	१३	बा	२४	४२	३८	१६	४४	२	२१	२४	मेषे	
९	मं	५०	३५	भ	४७	३५	शू	२३	४४	तै	२२	१६	३५	१७	४३	३	२२	२५	मेषे	
१०	बु	४५	४२	कृ	४४	२७	गं	१७	२६	व	१८	८	३३	१७	४३	४	२३	२६	वृ.१।५३	भ.१८।८उ.४/४५या.पुनःबुध :१६।४२
११	गु	३६	३	रो	४०	२४	वृ	१०	४१	ब	१२	२२	३०	१८	४२	५	२४	२७	वृषे	पुष्ये भौमः४०।५७कामिका ११ व्र.
१२	शु	३१	५	मृ	३४	२७	ध्रु	२/१५	४९/४४	कौ	५	४	२७	१६	४१	६	२५	२८	मि. ७।२५	प्रदोषः
१३	श	२२	१५	आ	२७	३२	ह	४२	४६	व	२२	१५	२४	१६	४१	७	२६	२९	मिथुने	भ.२२।१५उ.४७।२२या.
१४	र	१२	२६	पु	२०	६	व	३२	२३	श	१२	२६	२२	२०	४०	८	२७	३०	क. ६।५८	पुनः३वृषे राहुः उषा. १ केतुः१८।२७
३०	चं		२ ४७	पु	१२	०	सि	२१	२२	ना	२	४७	१९	२०	४०	९	२८	३१	कर्के	हरियांली. सोमवती ३०

१५पं.श्रा.कृ.४बृ.इ.२७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	१	३	१	३	३
४	२८	१६	१०	१४	४	०	३
११	३७	४४	३	५६	३४	३१	४४
२८	४१	५३	१८	५३	३४	२०	३१
५७	४०	११/४	१०	७४	४	३	५६
१५	१६	मा	२९	२६	५६	११	५८

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ सोमवार तथा ५ मंगलवार साधारण हैं वदी में अनाज गल्ला रस पदार्थ धातु मन्दा होगा, सुदी में तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

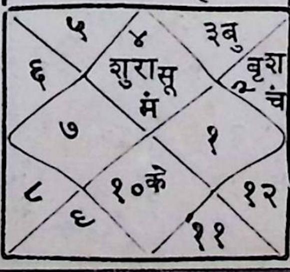

१६पं.श्रा.कृ.११बृ.इ. २७/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	१	३	१	३	३
१०	३	२१	११	२३	५	०	१०
५२	१०	९	२३	३३	९	९	२३
३०	५२	१८	१३	२९	११	५	४८
५७	३९	५८	९	७४	४	३	५७
२०	५९	५६	४७	२६	२९	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	श्राबण शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः३०४० सन्२०००
१	चं	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४४	४२	श्ले	५/११	५३/५६	व्य	११	१७	बा	१९	०	३३/१६	५/२१	६/३९	१०	२९	१	सि. ५।११	मघा.सिंहे शुक्रः ४६/१० चंद्र दर्शनम् अगस्त ८×
३	बु	३७	३७	पू	५४	२०	व	१/५६	१/५४	तै	११	१०	१३	२१	३९	११	१	२	सिंहे	आश्ले.रविः ३/३० तीज जमादिलावल ५
४	गु	३२	२२	उ	५१	२५	शि	४७	५	व	४	५९	१०	२२	३८	१२	२	३	कं ८।३७	भ.४।५९उ. ३/३ या.आश्ले. रविःसौरः ३/० ÷
५	शु	२८	४६	ह	५०	२७	सि	४१	३३	ब	०	३९	७	२३	३७	१३	३	४	कन्यायां	नागपंचमी [×ता.३१ सिंवारा
६	श	२७	४६	चि	५१	५०	सा	३८	१७	तै	२७	४९	४	२३	३७	१४	४	५	तु. २१।८	पुष्ये बुधः३६।२४ [÷कर्के बुधः३१।४७
७	र	२८	३५	स्वा	५५	३	शु	३६	२५	व	२८	३५	०	२४	३६	१५	५	६	तुलायां	भ.२८।३५उ.
८	चं	३१	३२	वि	५९	५८	शु	३६	२५	वि	०	४	३२/५७	२५	३५	१६	६	७	वृ.४३।४४	भ.०।४या.
९	मं	३५	५२	अ	६०	०	ब्र	३७	९	बा	३	४१	५४	२५	३५	१७	७	८	वृश्चिके	रोहिणी २ गुरुः४१।४१
१०	बु	४१	२३	अ	६	१०	ऐं	३८	५३	तै	८	३७	५०	२६	३४	१८	८	९	वृश्चिके	बुधास्तः पूर्वस्याम् ३८।५८
११	गु	४७	३७	ज्ये	१३	२९	वै	४१	१९	व	१४	२९	४७	२७	३३	१९	९	१०	ध.१३।२९	भ.१४।२९उ. ४/७ या.पवित्रा ११ व्र.
१२	शु	५३	५५	मू	२०	४९	वि	४३	४२	ब	२०	४६	४४	२७	३३	२०	१०	११	धनुषि	
१३	श	६०	०	पू	२८	२०	प्री	४६	९	कौ	२६	५८	४०	२८	३२	२१	११	१२	म.४५।१०	आश्ले.बुधः ५/१४ पूफा.शुक्रः३०।३९ प्रदोषः
१३	र	०	१	उ	३५	४०	आ	४८	२०	तै	०	१	३७	२९	३१	२२	१२	१३	मकरे	
१४	चं	५	३९	श्र	४२	२९	सौ	५०	८	व	५	३९	३३	२९	३१	२३	१३	१४	मकरे	भ.५।३९उ.३८।६या.
१५	मं	१०	३३	ध	४८	२९	शो	५१	७	ब	१०	३३	३०	३०	३०	२४	१४	१५	कुं,१५।२९	श्रावणीकर्म. रक्षाबंधनम्

१७ पं.श्रा.शु.४बृ.इ. २७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	१	४	१	२	३
१७	७	२९	१२	२	५	२९	१७
३४	४२	५२	३१	१०	३८	४६	०३
१२	२९	३०	५५	१	५६	४९	३६
५७	३९	९६	९	७४	३	३	५७
२५	५९	१८	५	२०	५०	११	१२

गोचर ग्रहाः

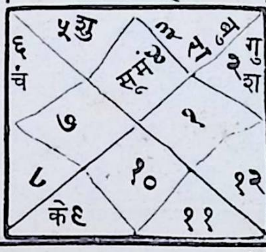

इस मास में मंगलवार का चंद्रदर्शन धान्यु धातु रस सभी पदार्थो को तेज करेगा वर्षा कहीं कम कहीं अधिक होगी ।

गोचर ग्रहाः

१८ पं.श्रा.शु.११बृ.इ. ३६/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	४	१	२	३
२४	१२	१२	१३	१०	६	२९	२३
१६	१३	२	३४	४६	४	२४	४४
३७	३७	३८	३४	५९	५५	३३	४३
५७	३९	१/१७	८	७४	३	३	५७
१३	४९	२५/१	१८	१४	१८	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेश्रावण कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	बु	१४	२६	श	५३	२४	अ	५१	३२	कौ	१४	२६	३२/२६	५/३१	६/२९	२५	१५	१६	कुंभे	मघा.सिंहेऽर्कः ३/३४ (सौरः५८।४५
२	गु	१७	१८	पू	५७	२५	सु	५१	४	ग	१७	१८	२२	३२	२८	२६	१६	१७	मी४१।२५	भ.४८।१४उ.आश्ले.भौमः२२।१५
३	शु	१९	१०	उ	६०	०	धृ	४९	२१	वि	१९	१०	१९	३२	२८	२७	१७	१८	मीने	भ.१९।१०या.चतुर्थी व्र.
४	श	१९	३१	उ	०	१७	शू	४७	३५	बा	१९	३१	१५	३३	२७	२८	१८	१९	मीने	मघा.सिंहे बुधः१८।२०
५	र	१९	४०	रे	२	१४	गं	४४	४०	तै	१९	४०	१२	३४	२६	२९	१९	२०	मे.२।१४	चंद्रषष्ठी
६	चं	१८	२३	अ	३	२	बृ	४०	५५	व	१८	२३	८	३४	२६	३०	२०	२१	मेषे	भ.१८।२३उ.४७।१०या
७	मं	१५	५६	भ	३	१०	ध्रु	३५	५५	ब	१५	५६	४	३५	२५	३१	२१	२२	बृ.१७।४८	कृत्ति.४ शनिः ५/१७ जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	बु	१२	४९	कृ	४/१	५७/१२	व्या	३०	१८	कौ	१२	४९	१	३६	२४	१	२२	२३	वृषे	उफा.शुक्रः ३/२२ भा.भाद्रपदारंभ:जन्मा-×
९	गु	७	२९	मृ	५५	५	ह	२३	४३	ग	७	२९	३१/५७	३७	२३	२	२३	२४	मि. २६/५९	भ. ३/५४ उ.गोगा ९ [×ष्टमी वै.
१०	शु	१	२	आ	५०	२६	व	१६	४६	वि	१	२	५३	३७	२३	३	२४	२५	मिथुने	भ.१।२या.उदयो.भौमः ५/२६ अजा.+
११	शु	५३	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+११व्र.स्मा.
१२	श	४६	४४	पु	४४	४२	सि	७/३६	५०/५८	कौ	२०	४०	४९	३८	२२	४	२५	२६	क.३१।८	पूफा.बुधः२।४१कन्यायां शुक्रः ३/५७ अजा=
१३	र	३८	२६	पु	३८	२४	व	४८	५८	ग	१२	३५	४६	३९	२१	५	२६	२७	कर्के	भ. ३/२६ उ.प्रदोषः [=११व्र.वै.वत्स द्वादशी
१४	चं	२९	४९	श्ले	३१	५२	प	३९	२३	वि	४	८	४२	४०	२०	६	२७	२८	सिं३१।५२	भ.४।८या.
३०	मं	२१	३४	म	२५	४७	शि	२९	५९	ना	२१	३४	३८	४०	२०	७	२८	२९	सिंहे	कुशाग्रहणी

१९ पं. भा.कृ.२ बृ.इ. २६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	१	४	१	२	४
०	१६	२६	१४	१९	६	२९	०
५९	४३	८	३१	२२	२९	२	२६
५३	१	२०	१६	५२	२५	१८	५६
५७	३९	१/२	७	७४	२	३	५७
४०	४२	२/०	११	४	३३	११	३४

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे १ बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती)मु. १५ धान्या दिभावें महर्घता शुक्रो दयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

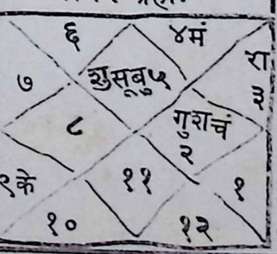

२० पं.भा. कृ. ९ बृ.इ. ३६/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	४	१	२	४
७	२१	१०	१५	२७	६	२८	७
४४	११	११	२०	५९	४२	४०	१०
२०	२८	४६	४९	१७	५०	२	२६
५७	३९	१/१७	६	७३	१	३	५७
४९	३२	३६	१६	५६	५४	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३०६९ स.२०००
१	बु	१४	१८	पु	२०	१६	सि	२१	१०	ब	१४	१८	३१/३४	५/४१	६/१९	८	२६	३०	क.३४।२१	पूफा.रविः १४/८ (सौरः ४६/३६) चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	१४	उ	१६	२७	सा	१३	४१	कौ	८	१४	३०	४२	१८	९	१	३१	कन्यायां	जमादिलाखर ६
३	शु	३	५३	ह	१३	५७	शु	७	२	ग	३	५३	२६	४३	१७	१०	२	१	तु.४३।४९	भ.३२/४९उ.सितम्बर९ ता. ३०गणेश ४
४	श	१	४५	चि	१३	४१	शु	१/५६	५७/४१	वि	१	४५	२३	४४	१६	११	३	२	तुलायां	भ.१।४५या.उफा.बुधः १४/५३ऋषि ५
५	र	१	३०	स्वा	१५	१७	ऐं	५७	२३	बा	१	३०	१८	४४	१६	१२	४	३	तुलायां	हस्ते शुक्रः१३।५५
६	चं	३	२०	वि	१९	१०	वै	५७	८	तै	३	२०	१५	४५	१५	१३	५	४	वृ. ३।११	कन्यायां बुधः१७।१०
७	मं	७	८	अ	२४	२६	वि	५८	२	व	७	८	११	४६	१४	१४	६	५	वृश्चिके	भ७।८उ.३९/४३या.बुधोदयः पश्चिमयां ५४/३८
८	बु	१२	१७	ज्ये	३१	१०	प्री	६०	०	व	१२	१७	७	४७	१३	१५	७	६	ध. ३१/१०	
९	गु	१८	१५	मू	३८	१९	प्री	०	२	कौ	१८	१५	३	४७	१३	१६	८	७	धनुषि	मघा.सिंहे भौमः१८/३८रोहि.३गुरुः५९।१४
१०	शु	२४	३०	पू	४५	५८	आ	२	२४	ग	२४	३०	३०/५९	४८	१२	१७	९	८	धनुषि	भ.५७/२९उ.रामदेवजीका मेला नवलदुर्गा
११	श	३०	२९	उ	५३	१३	सौ	४	५८	वि	३०	२९	५५	४९	११	१८	१०	९	म. २।४७	भ.३०।२९या.जलझूलनी ११व्र.
१२	र	३६	११	श्र	६०	०	शो	६	२४	ब	३	२०	५१	५०	१०	१९	११	१०	मकरे	हस्ते बुधः ५।१३ वामनजयंती
१३	चं	४१	७	श्र	०	६	अ	७	५४	कौ	८	३९	४७	५१	९	२०	१२	११	कुं. ३२/५८	प्रदोषः [×अनंत १४
१४	मं	४४	१४	ध	५	५०	सु	९	४५	ग	१२	४०	४३	५१	९	२१	१३	१२	कुंभे	भ.४४/१४उ.उफा.रविः५८/३३वक्री शनिः११/४९×
१५	बु	४६	२९	श	१०	२३	धृ	९	३८	वि	१५	२२	३९	५२	८	२२	१४	१३	मी. ५७/५३	भ.१५/२२या.उफा.रविःसौरः३४/१६महालयारंभः

२१ पं.भा.शु २ बृ.इ. २६/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	१	५	१	२	४
१४	२५	२३	१६	६	६	२८	१३
३०	३८	१८	३	३४	५४	१७	५५
०	४२	५४	३६	५	२२	४७	३८
५८	३९	[illegible]	५	७३	१	३	५७
१	१५	२३	८	५०	१५	११	५७

गोचर ग्रहाः

कन्या राशि गते शुक्रे
सर्वसस्यं विनश्यति
तृत्र धान्य महर्घाणि
शालिश्चैव विशेषतः
तेजी कारक योग है
वर्षा अच्छी हो ।

गोचर ग्रहाः

२२ पं.भा.शु ९वृ इ. २६/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१	५	१	२	४
२१	०	५	१६	१५	७	२७	२०
१७	५	२६	३७	९	०	५२	४२
२	२	१०	४८	११	४३	३१	१८
५८	३९	३४/०	४	७३	०	३	५८
१३	८	१९/२६	१	४४	३४	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेतिमहा.
१	गु	४७	८	पू	१३	४८	शू	८	३४	बा	१६	४८	३०/५	५/५३	६/७	२३	१५	१४	मीने	चित्रा. शुक्रः ६।५४
२	शु	४७	८	उ	१५	५३	गं	६	३९	तै	१७	८	३१	५४	६	२४	१६	१५	मीने	
३	श	४५	४५	रे	१६	५३	वृ	३	४०	व	१६	२६	२७	५५	५	२५	१७	१६	मे. १६/५३	भ.१६/२६उ.४५/४५या.कन्यायामर्कः२३/५४(सौरः५९/२७
४	र	४४	१९	अ	१६	५९	ध्रु	०/८	५५/३४	ब	१५	२	२२	५६	४	२६	१८	१७	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	चं	४०	३१	भ	१६	८	ह	५०	४२	कौ	१२	२५	१८	५६	४	२७	१९	१८	वृ. ३०/४८	चित्रा.बुधः ५२।५०
६	मं	३६	५४	कृ	१४	४९	व	४५	३३	ग	९	१२	१४	५७	३	२८	२०	१९	वृषे	भ.३६/५४उ.तुलायांशुक्रः३३।४५
७	बु	३२	५५	रो	१२	४९	सि	३८	५९	वि	५	२५	९	५८	२	२९	२१	२०	मि.४१/२०	भ.५।२५या.
८	गु	२७	४९	मृ	९	५२	व्य	३२	२४	बा	०	२२	५	५९	१	३०	२२	२१	मिथुने	
९	शु	२२	३५	आ	६	५८	व	२५	२४	ग	२२	३५	३०/००	६/००	६/००	३१	२३	२२	क.४९।२	मांतृ ९
१०	श	१६	४५	पु	३/४	५५/४२	प	१७	४६	वि	१६	४५	२९/५६	६/१	५/५९	१	२४	२३	कर्के	भ. १६/४५या.४९/४०या.तुलायां बुधः३५/१५×
११	र	१०	२६	श्ले	५४	८	शि	९	५५	बा	१०	२६	५२	२	५८	२	२५	२४	सिं.५४।८	इंदिरा ११ व्र. [×भा. आश्विनारंभः
१२	चं	३	४३	म	४९	९	सि	१/३७	५१/२८	तै	३	४३	४८	२	५८	३	२६	२५	सिंहे	भ.५७/३उ.स्वात्यां शुक्रः३०/७प्रदोषः
१३	चं	५३	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷हतानां श्रा.
१४	मं	५०	५०	पू	४४	५७	शु	४५	४७	वि	२३	५६	४४	३	५७	४	२७	२६	कं. ५९।५	भ.२३/५६या.हस्ते रविः३७/३शस्त्रादि÷
३०	बु	४५	३५	उ	४१	२८	शु	३८	२२	च	१८	१६	४०	४	५६	५	२८	२७	कन्यायां	हस्ते रविःसौरः११/५७सर्वपितृ ३०

२३ पं.आ.कृ. १ बृ.इ २६/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१	५	१	२	४
२८	४	१६	१७	२३	७	२७	२७
५	३०	३९	३	४३	५	३३	३०
२४	४०	७	७	४१	३४	१५	३८
५८	३८	९४	२	७३	१०/६	३	५८
२६	५८	५९	५०	३५	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

आश्विन कृष्णे ३ शनौ
कन्यायामर्कः प्रविष्टः
वाः ४ न.५वृद्धावस्था
(बैठी) मु.३० धान्या
दि भावे समता शुक्रो-
दयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२४ पं.आ.कृ ८ बृ.इ. २६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	१	६	१	२	५
४	८	२६	१७	२	६	२७	४
५५	५५	५६	१९	१७	५७	११	२०
१६	५	५३	१२	१७	४७	०	४५
५८	३८	८४	१	७३	५५/०	३	५८
३८	५०	५६	२६	२१	व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	आश्विन शुक्ल पक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३०९८स.२०००
१	गु	४१	२७	ह	३८	५०	ब्र	३१	३६	किं	१३	३१	२९/३६	६/५	५/५	६	२९	२८	कन्यायां	पूफा.भौमः३७/३२स्वात्यां बुधः४७/१४माता×
२	शु	३९	८	चि	३६	५०	ऐं	२६	१३	बा	१०	१७	३२	६	५४	७	३०	२९	तु.७।५०	चंद्र दर्शनम् [×महश्रा. नवरात्रा.
३	श	३८	३४	स्वा	३८	२८	वै	२२	१०	तै	८	५०	२८	६	५४	८	१	३०	तुलायां	वक्री गुरुः६।२२ रज्जव ७
४	र	३९	४५	वि	४१	१३	वि	१९	२५	व	९	९	२३	७	५३	९	२	१	वृ.२५।३२	भ.९।९उ.३९/४५या.पुन.२राहु :पूषा.४केतुः÷
५	चं	४२	४३	अ	४५	३२	प्री	१८	२२	ब	११	१४	१९	८	५२	१०	३	२	वृश्चिके	वक्री कृत्ति.३शनिः३८।४५
६	मं	४७	२१	ज्ये	५१	१३	आ	१८	३०	कौ	१५	२	१५	९	५१	११	४	३	ध.५१।१३	[÷१०।३२ अक्टूबर १० ता. ३१
७	बु	५३	१	मू	५७	५६	सौ	१९	५४	ग	२०	११	११	१०	५०	१२	५	४	धनुषि	भ.५३।१उ.सरस्वत्यावाहनस्
८	गु	५९	१४	पू	६०	०	शो	२१	३८	वि	२६	८	७	११	४९	१३	६	५	धनुषि	भ.२६।८या.सरस्वती पू.
९	शु	६०	०	पू	५	२७	अ	२४	१	बा	३२	२६	३	११	४९	१४	७	६	म.२२।१९	विशा.शुक्रः ४।१२बलिदानं
९	श	५	३८	उ	१२	५५	सु	२६	२२	कौ	५	३८	२८/५९	१२	४८	१५	८	७	मकरे	विजयादशमी
१०	र	११	३१	श्र	२०	११	धृ	२८	१५	ग	११	३१	५५	१३	४७	१६	९	८	कुं.५३।१०	भ.४३।५३उ.सरस्वतीविसर्जनम्
११	चं	१६	१६	ध	२६	८	शू	२९	१९	वि	१६	१६	५१	१४	४६	१७	१०	९	कुंभे	भ.१६।१६ या.पापांकुशा ११ व्र.
१२	मं	१९	३०	श	३०	५१	गं	२९	२६	बा	१९	३०	४७	१५	४५	१८	११	१०	कुम्भे	चित्रा.रविः ९।५(सौरः४२/३१)प्रदोषः
१३	बु	२१	२१	पू	३४	६	वृ	२८	१७	तै	२१	२१	४३	१५	४५	१९	१२	११	मी. ५६/१७	
१४	गु	२१	३५	उ	३५	४२	ध्रु	२५	५९	व	२१	३५	३९	१६	४४	२०	१३	१२	मीने	भ.२१।३५उ.५०।२२या.विशा.बुधः=
१५	शु	१९	८	रे	३५	५२	व्या	२२	२०	ब	१९	८	३५	१७	४३	२१	१४	१३	मे.३५।५२	[=१५।२०कोजागरी व्र. शरद् १५

२५पं.आ.शु.१वृ.इ.२५।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	१	६	३	२	५
११	१३	६	१७	१०	६	२६	११
४६	१८	१३	२५	५०	४८	४८	१२
५२	५८	५९	३०	४६	३८	४४	४६
५८	३८	७३	०	७३	१/४०	३	५९
५३	४३	१७	२२	१४	व.	११	००

२६पं.आ.शु.८वृ.इ.२५।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	१	६	१	२	५
१८	१७	१४	१७	१९	६	२६	१८
४०	४१	१३	२२	२३	३३	२६	६
८	५३	१९	३७	१७	४७	२९	३३
५९	३८	५७	१/१०	७२	२/१४	३	५९
९	४३	२९	व.	५६	व.	११	१६

२७ पं.आ.शु.१४वृ.इ. ३५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	१	६	१	२	५
२५	२२	२०	१७	२७	६	२६	२५
३५	३	५	९	५३	१४	४	०२
२	११	२८	४	३१	३८	१३	१५
५९	३८	३१	३/३२	७२	२/५४	३	५९
२१	२६	५९	व.	४१	व.	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेआश्वि.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	श	१७	३१	अ	३४	५६	ह	१७	४९	कौ	१७	३१	२८/३१	६/१८	५/४२	२२	१५	१४	मेषे	वृश्चिके शुक्रः १०।१०
२	र	१३	४९	भ	३२	३८	व	१२	१४	ग	१३	४९	२७	१९	४१	२३	१६	१५	वृ.४७।३	भ.४१।३६उ.
३	चं	९	२३	कृ	३०	३१	सि	५/५६	५३/२२	वि	९	२३	२३	१९	४१	२४	१७	१६	वृषे	भ.९।२३या.तुलायामर्कः५२/५४अनु.शुक्रः×
४	मं	४	२८	रो	२७	२०	व	५२	२१	बा	४	२८	२०	२०	४०	२५	१८	१७	मि५५।३४	तुलायामर्कःसौरः३५/१५वक्री बुधः१९।८
५	मं	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=प्रदोषः धन १३
६	बु	५४	२६	मृ	२३	४७	प	४५	१४	ग	२६	५८	१६	२१	३९	२६	१९	१८	मिथुने	भ.५४।२६उ. [+रमा. ११ व्र.
७	गु	४९	७	आ	२०	१७	शि	३८	१२	वि	२१	४६	१२	२२	३८	२७	२०	१९	मिथुने	भ२१।४६या. उफा.भौमः४८।२९
८	शु	४४	७	पु	१६	४९	सि	३१	५	बा	१६	३७	८	२२	३८	२८	२१	२०	क.२।४५	[÷बुधः३२/२८बुधास्तः पश्चिमायां १६/३९=
९	श	३९	२	पु	१३	३५	सा	२४	७	तै	११	३४	४	२३	३७	२९	२२	२१	कर्के	वक्री रोहिणी.२गुरुः५।१९ [×५१/३९च.व्र.
१०	र	३४	२	श्ले	१०	५१	शु	१६	४९	व	६	३२	०	२४	३६	३०	२३	२२	सिं. १०/५१	भ.६।३२उ.३४।२या.
११	चं	२९	१९	म	६	३७	शु	१०	२५	ब	१	४१	२७/५६	२५	३५	१	२४	२३	सिंहे	स्वात्यां रविः३४/५६भा.कार्तिकारंभः+
१२	मं	२४	५४	पू	४	३२	ब्र	३/२७	५३/५०	तै	२४	५४	५३	२५	३५	२	२५	२४	कं.१९।२	स्वात्यां रविःसौर.६/१८वक्री स्वात्यां÷
१३	बु	२१	२०	उ	२	३५	वै	५१	३८	व	२१	२०	४९	२६	३४	३	२६	२५	कन्यायां	भ.३१/२०उ.४९/५०या.कन्यायां भौमः१३/५४रूप१४
१४	गु	१८	२०	ह	०	३५	वि	४६	४४	श	१८	२०	४५	२७	३३	४	२७	२६	तु.३०।२२	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	शु	१६	५७	चि	०	१०	प्री	४२	४७	ना	१६	५७	४१	२८	३२	५	२८	२७	तुलायां	ज्येष्ठा. शुक्रः५२/३१अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२८ पं.का.कृ.७बृ.इ. २५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	१	७	१	२	६
२	२६	२२	१६	६	५	२५	१
३१	२५	२	४६	२५	५१	४१	५९
२६	१६	३५	१९	३०	०	५७	४२
५९	३८	१३/४५	३/४८	७२	३/३४	३	५९
३४	१९	व.	व.	२३	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

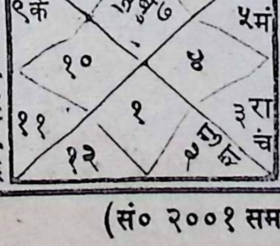

कार्तिक कृष्णे ३ चंद्रे
तुलायमर्कःप्रविष्टःवा
३न.४ कुमार्यवस्था
(बैठी)मु. ४५धान्या
दि भावें समर्घता
शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

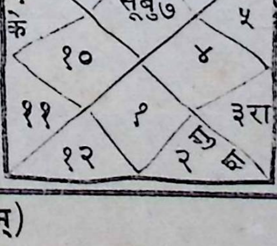

२९ पं.का.कृ.१४बृ.इ. २५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	१	७	१	२	६
९	०	१७	१६	१४	५	२५	८
२९	४५	२७	१४	५५	२४	१९	५९
४२	२५	५८	५६	१६	२५	४१	०२
५९	३८	८/१	४/५८	७२	३/५६	३	६०
४७	१२	व.	व.	२	व.	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गण:३१२८स.२०००
१	श	१६	३१	स्वा	०	५९	आ	३९	५६	ब	१६	३१	२/३७	६/२९	५/३१	६	२९	२८	वृ.४७।४०	चंद्र दर्शनम्
२	र	१७	५१	वि	३	१४	सौ	३८	३६	कौ	१७	५१	३४	२९	३१	७	१	२९	वृश्चिके	भ्रातृ २ यम २ सावान ८
३	चं	२०	५०	अ	६	५८	शो	३७	५९	ग	२०	५०	३०	३०	३०	८	२	३०	वृश्चिके	भ.५३।२ उ.
४	मं	२५	१४	ज्ये	१२	८	अ	३८	२०	वि	२५	१४	२७	३१	२९	९	३	३१	ध.१२।८	भ.२५।१४ या.
५	बु	३०	४१	मू	१८	३१	सु	३९	५९	बा	३०	४१	२३	३१	२९	१०	४	१	धनुषि	नवम्बर ११ ता. ३०
६	गु	३७	४	पू	२५	३८	धृ	४२	११	कौ	३	५२	१९	३२	२८	११	५	२	म.४२।३२	[÷विवाह:
७	शु	४३	२६	उ	३३	१४	शू	४४	२६	ग	१०	१५	१६	३३	२७	१२	६	३	मकरे	भ.४३।२६उ.
८	श	४९	११	श्र	४०	३८	गं	४६	४१	वि	१६	१९	१२	३४	२६	१३	७	४	मकरें	भ.१६/९या.वक्री चित्रा.बुध:१/३ ३/६बुधोदय:×
९	र	५४	५२	ध	४७	३०	वृ	४८	१४	बा	२२	१	९	३४	२६	१४	८	५	कुं.१४।४	विशा.रविः५५।२२ अक्षय ९
१०	चं	५८	४६	श	५२	५५	ध्रु	४८	५५	तै	२६	४९	५	३५	२५	१५	९	६	कुंभे	विशा.रविः सौरः २३।४२
११	मं	६०	०	पू	५६	५०	व्या	४८	४९	व	२९	५२	२	३६	२४	१६	१०	७	मी.४/३	भ.३९/५२उ.प्रबोधिनी ११ व्र.स्मा. तुलसी÷
११	बु	०	५८	उ	५९	२	ह	४६	३५	वि	०	५८	३/८	३६	२४	१७	११	८	मीने	भ.०/५८या.मार्गी बुधः५/३७मूलें धनुषि शुक्र:=
१२	गु	१	१७	रे	५९	१७	व	४३	६	बा	१	१७	५५	३७	२३	१८	१२	९	मे.५९।१७	प्रदोषः [=६/३६प्रबोधिनी ११ व्र. वै.
१३	शु	५८	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×पूर्वस्यां४९।५१ गोपाष्टमी
१४	शु	५६	२५	अ	५८	९	सि	३८	१३	ग	२८	४	५२	३८	२२	१९	१३	१०	मेषे	भ.५/३६उ.हस्ते भौमः२/५ ४/९स्वात्यां बुध:*
१५	श	५१	४१	भ	५४	५७	व्य	३२	५	वि	२४	३	४९	३८	२२	२०	१४	११	मेषे	भ.२४/३या. मन्वादिः *५/१ ५/८वैकुंठ १४

३०पं.का.शु.६ वृ.इ.२५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	१	७	१	२	६
१६	५	८	१५	२३	४	२४	१६
२९	४	५५	३३	२३	५३	५७	०
२८	४१	५२	४३	३८	४९	२६	६
६०	३८	७५/११	६/६	७१	४/१३	३	६०
४	१	वं:	वं.	४०	व:	११	१८

गोचर ग्रहा:

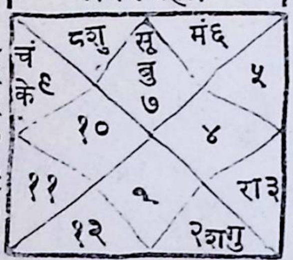

इस मास में वदि में गेहूं जौ चना बाजरा मक्का मूंग मोठ तिलहन आदि मंदा होकर सुदि में तेज होवे ५ शनिवार अशुभहैं।

गोचर ग्रहा:

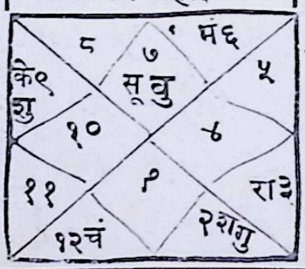

३१ पं.का.शु. १२ वृ.इ. ५४/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	१	८	१	२	६
२३	९	६	१४	१	४	२४	२३
३०	२२	१३	४७	५०	२१	३५	२
५०	८	३७	२४	४६	११	११	४१
६०	३७	१७/२१	६/५०	७१	४/३४	३	६०
१७	४७	मा	व:	१६	व:	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.;
१	र	४५	३८	कृ	५०	५५	व	२४	४९	बा	१८	३९	२६/४५	६/३९	५/२१	२१	१५	१२	वृ. ८।५६	
२	चं	३९	४	रो	४६	११	प	१६	४६	तै	१२	२१	४२	४०	२०	२२	१६	१३	वृषे	
३	मं	३२	१३	मृ	४१	४३	शि	८/१४	५१/३०	व	५	३९	३९	४०	२०	२३	१७	१४	मि. ३/६	भ.५/३०उ.३/१या.चतुर्थी व्र.
४	बु	२५	२२	आ	३६	१६	सा	५१	१९	बा	२५	२२	३६	४१	१९	२४	१८	१५	मिथुने	वृश्चिकेऽर्कः ५१।२७
५	गु	१८	५६	पु	३१	३४	शु	४२	५९	तै	१८	५६	३३	४१	१९	२५	१९	१६	क.१७।४५	वृश्चिकेऽर्कः सौरः १७।५९
६	शु	१३	१३	पु	२८	१३	शु	३५	१७	व	१३	१३	३०	४२	१८	२६	२०	१७	कर्कें	भ.१/३ उ.४०/३४या.पातस्पर्शः२७/१×
७	श	७	५५	श्ले	२४	४	ब्र	२८	२	व	७	५५	२७	४३	१७	२७	२१	१८	सिं.२४।४	[×पातमोक्षः४८।२८
८	र	३	२१	म	२१	३२	ऐं	२१	२६	कौ	३	२१	२५	४३	१७	२८	२२	१९	सिंहे	अनु.रविः९।४७(सौरः३४/४७)पूषा.शुक्र:१/७
९	र	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	चं	५५	४४	पू	१९	२८	वै	१५	११	व	२७	६	२२	४४	१६	२९	२३	२०	कं.३४।१०	भ.२७/६उ.५५/४४या.वक्री रोहिणी.१गुरु:४४/७
११	मं	५४	१२	उ	१८	१६	वि	९	४९	व	२४	५८	१९	४४	१६	३०	२४	२१	कंन्यायां	वक्री कृतिका.२शनिः५७/५१ उत्पत्ति ११ व्र.
१२	बु	५२	५५	ह	१७	५१	प्री	५	११	कौ	२३	३४	१७	४५	१५	१	२५	२२	तु.२८।८	भा.मार्गशीर्षारंभ:
१३	गु	५२	५६	चि	१८	२६	आ	१/७	५७/२	ग	२२	५६	१४	४५	१५	२	२६	२३	तुलायां	भ.५२/६उ.विशा.बुध:४।५७ प्रदोषः
१४	शु	५३	३७	स्वा	२०	१३	शो	५५	५१	वि	२३	१७	१२	४६	१४	३	२७	२४	तुलायां	भ.२३।१७ या.
३०	श	५५	४६	वि	२२	५८	अ	५४	३५	च	२४	४१	९	४६	१४	४	२८	२५	वृ.७।१७	

३२पं.मा.कृ.५वृ.इ.२४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	१	८	१	२	७
०	१३	११	१३	१०	३	२४	०
३३	३८	१४	५४	१५	४७	१२	०६
२९	४६	१७	५०	२९	२४	५५	४५
६०	३७	६७	३५	७०	४/०	३	६०
२०	३३	४	व:	४५	व:	११	४०

गोचर ग्रहा:

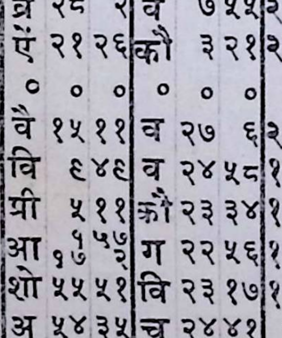

मार्गशीर्ष कृष्णे४ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.४ गतालकावस्था (ऊभी)मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहा:

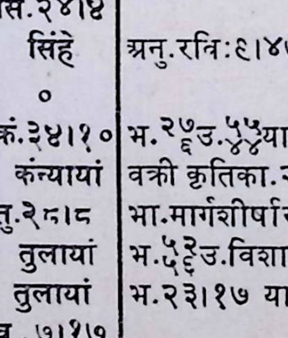

३३ पं.मा.कृ.१३बृ.इ. ३४/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	१	८	१	२	७
७	१७	२०	१२	१८	३	२३	७
३७	५४	२७	५८	३७	१३	५०	१२
२६	४०	४०	३९	१२	१६	३९	१८
६०	३७	८५	५/२	७०	४/०	३	६०
४२	१८	१७	वं.	९	व:	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१५७सन्२०००
१	र	५९	११	अ	२६	५१	सु	५४	२२	किं	२७	२८	२६७	४६७	१३५	५	२९	२६	वृश्चिके	[B पूषा. ३केतुः २।३२
२	चं	६०	०	ज्ये	३१	५९	धृ	५४	५०	बा	३१	३४	५	४७	१३	६	३०	२७	ध३१।५९	चंद्रदर्शनम्
२	मं		३	५६	मू	३८	१८	शू	५५	५८	कौ	३	५६	२	४८	१२	७	१	२८	धनुषि	रमजान ९
३	बु	९	२२	पू	४५	१०	गं	५७	३३	ग	९	२२	०	४८	१२	८	२	२९	धनुषि	भ. ४२।२४ उ. वृश्चिके बुधः ४७।४२
४	गु	१५	२७	उ	५२	४६	वृ	५९	५४	वि	१५	२७	२५८	४८	१२	९	३	३०	म.२।४	भ. १५।२७ याः उषा. शुक्रः १०।४२
५	शु	२२	१०	श्र	६०	०	ध्रु	६०	०	बा	२२	१०	५६	४९	११	१०	४	१	मकरे	अनु.बुधः५७।२बुधास्त :पूर्वस्यां५०।५६A
६	श	२८	४४	श्र	०	२६	ध्रु	२	२३	तै	२८	४४	५४	४९	११	११	५	२	कुं. ३४।८	ज्येष्ठा. रविः १९।५४(सौरः४२।४१)*
७	र	३४	२५	ध	७	५०	व्या	४	३५	ग	१	३४	५३	४९	११	१२	६	३	कुंभे	भ.३४।२५उ.मकरेशुक्रः३।३६पुन.१राहुB
८	चं	३८	५७	श	१४	१०	ह	५	५५	वि	६	५२	५१	५०	१०	१३	७	४	कुंभे	भ. ६।५२ या.
९	मं	४२	१६	पू	१९	२२	व	६	१९	बा	१०	३६	४९	५०	१०	१४	८	५	मी. ३।४	[A दिसम्बर १२ ता.३१
१०	बु	४३	२७	उ	२२	१०	सि	५	२८	त	१२	५१	४८	५०	१०	१५	९	६	मीने	[* चित्रा. भौमः १७।५५
११	गु	४२	४४	रे	२४	१५	व्य	१०३	५५९	व	१३	४	४६	५१	९	१६	१०	७	मे २४।१५	भ. १३।४उ.४२।४४ या.मोक्षदा ११व्र.C
१२	शु	३९	५०	अ	२३	३९	प	५३	४४	ब	११	१७	४५	५१	९	१७	११	८	मेषे	[C गीता जयंती
१३	श	३५	८	भ	२०	२९	शि	४६	३४	कौ	७	२९	४४	५१	९	१८	१२	९	वृ.३४।३५	प्रदोषः
१४	र	२८	३४	कृ	१६	५४	सि	३८	४	ग	१	५१	४३	५१	९	१९	१३	१०	वृषे	भ.२८।३४उ.५४।४७या. ज्येष्ठा.बुधः D
१५	चं	२०	५९	रो	११	१५	सा	२८	३४	ब	२०	५९	४२	५२	८	२०	१४	११	मि.३८।५	श्रवसोशुक्रः२८।३० [D२९।१दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.४बृ.इ.२४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१	८	१	२	७
१४	२२	०	१२	२६	२	२३	१४
४२	९	५६	१	५५	३९	२८	१९
४०	३२	२८	४४	३७	२५	२४	०४
६०	३७	९२	५७२	६९	२४१	३	६१
५०	११	४७	व.	२१	व.	११	०३

गोचर ग्रहाः

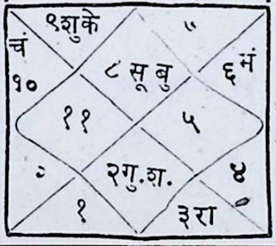

इस मासमें कृष्णपक्ष की तिथि क्षय और शुक्लपक्ष की तिथि वृद्धि अनाज गल्ले में मंदी कारक है चान्दी सोना रुई तेज होवे

गोचर ग्रहाः

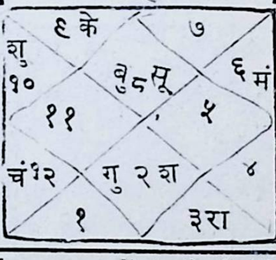

३५पं.मा.शु.११बृ.इ.२४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	१	९	१	२	७
२१	२६	११	११	५	२	२३	२१
४८	२३	४३	६	९	७	६	२६
४३	४६	१६	४	११	१९	८	४८
६०	२६	९६	४६२	६८	१४०	३	६१
५६	५१	१४	वं.	३८	व.	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हैमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	१२	४२	मृ	५६४	४५३	शु	१८	५८	कौ	१२	४२	२५४१	५६२	५८	२१	१५	१२	मिथुने	
२	बु	४	४	पु	५१	५४	शु	४४८	५००	ग	४	४	४०	५२	८	२२	१६	१३	क.३८।३६	भ. २७।५४ उ. ५५।४७ या. तुलायां÷
३	बु	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷भौमः२७।५
४	गु	४८	६	पु	४५	३५	ऐं	४९	१७	ब	२१	५६	३९	५२	८	२३	१७	१४	कर्के	चतुर्थी व्र.
५	शु	४१	१३	श्ले	४०	३३	वै	४०	२९	कौ	१४	३९	३९	५२	८	२४	१८	१५	सिं४०।३३	मूलेधनुष्यर्कः २७।९ (सौरः४६।३१)
६	श	३५	३५	म	३६	३०	वि	३२	३३	ग	८	२४	३८	५२	८	२५	१९	१६	सिंहे	भ.३५।३५उ.वक्री कृत्ति.४गुरुः३।३२
७	र	३१	५	पू	३३	४०	प्री	२५	१०	वि	३	२०	३८	५२	८	२६	२०	१७	कं.४८।२२	भ.३।२०या.
८	चं	२८	२५	उ	३२	२८	आ	१९	४९	कौ	२८	२५	३७	५३	७	२७	२१	१८	कन्यायां	
९	मं	२६	२३	ह	३२	१०	सौ	१५	८	गं	२६	२३	३७	५३	७	२८	२२	१९	कन्यायां	भ.५६।६उ.मुलेधनुषिबुधः१३।४२
१०	बु	२५	४९	चि	३३	१०	शो	११	२४	वि	२५	४९	३६	५३	७	२९	२३	२०	तु.२।४०	भ. २५।४९ या.
११	गु	२५	४९	स्वा	३५	४१	अ	८	५२	बा	२५	४९	३६	५३	७	३०	२४	२१	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	शु	२८	४३	वि	३९	५	सु	७	१३	तै	२८	४३	३६	५३	७	१	२५	२२	वृ.२३।१४	भा. पौषारंभः
१३	श	३२	४	अ	४३	५४	धृ	६	४०	ग	०	२३	३६	५३	७	२	२६	२३	वृश्चिके	भ. ३२।४ उ. प्रदोषः
१४	र	३६	३	ज्ये	४९	१९	शू	६	४५	वि	४	३	३७	५३	७	३	२७	२४	ध४९।१९	भ.४।३याःस्वात्यां भौमः ३७।७ धनि.[×
३०	चं	४१	९	मू	५५	५९	गं	७	१३	च	८	३६	३७	५३	७	४	२८	२५	धनुषि	सोमवती ३० [× शुक्रः १२।९

३६ पं.पौ.कृ.४बृ.इ,२३।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१	२	१	२	७
२८	०	२२	१०	१३	१	२२	२८
५५	३४	३३	११	१७	३७	४३	३५
३७	२६	१८	५३	४९	२६	५३	३१
६१	३६	९८	७६	६७	५३२	२	३१
०	२५	५	व.	३८	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

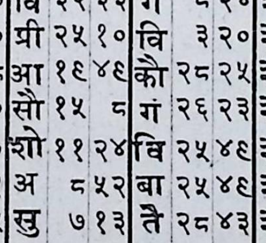

पौष कृष्णे ५ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

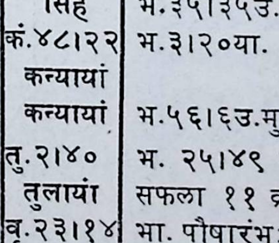

३७पं. पौ. कृ. ११बृ. इ.२३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	९	१	२	८
६	४	३	९	२१	१	२२	५
३	४३	३५	२३	१९	१०	२१	४४
१४	२०	५३	२४	४४	४४	३७	५६
६१	२६	९९	१८६	६६	२३	३	६१
४	८	४०	व.	३१	व.	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं० २०५७	शाकः	१९२२								दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३१८७सन्२०००
१	मं	४६	५६	पू	६०	०	बृ	८	४४	किं	१४	२	२५/३७	६/५३	५/७	५	२९	२६	धनुषि	
२	बु	५३	१८	पू	२	४२	ध्रु	१०	२७	बा	२०	७	३८	५२	८	६	३०	२७	म. १९/३५	पूषा.बुधः३३।१२चंद्रदर्शनम्
३	गु	५९	४२	उ	१०	१७	व्या	१२	४३	तै	२६	३०	३८	५२	८	७	१	२८	मकरे	पूषा.रविः३२।९(सौरः४९)सव्वाल१०
४	शु	६०	०	श्र	१७	५३	ह	१५	५	व	३३	९	३९	५२	८	८	२	२९	कुं५१।४३	भ.३३।९उ.कुंभे शुक्रः६।३३
४	श	६	३६	ध	२५	३२	व	१७	१०	वि	६	३६	४०	५२	८	९	३	३०	कुंभे	भ.६।३६या.
५	र	१२	२९	श	३२	२८	सि	१९	१०	बा	१२	२९	४१	५२	८	१०	४	३१	कुंभे	
६	चं	१७	४३	पू	३८	३४	व्य	२०	२४	तै	१७	४३	४२	५२	८	११	५	१	मी. २२।२	जनवरी१ ता. ३१ सन्२००१ ई.
७	मं	२१	३४	उ	४३	२२	व	२०	४२	व	२१	३४	४३	५१	९	१२	६	२	मीने	भ.२१।३४उ.५२।४८ या.
८	बु	२४	१	रे	४६	२१	प	१९	३८	ब	२४	१	४४	५१	९	१३	७	३	मे.४६।२१	
९	गु	२४	२९	अ	४७	२६	शि	१७	७	कौ	२४	२९	४५	५१	९	१४	८	४	मेषे	उषा.बुधः ४२।२६ शते शुक्रः८।२७
१०	शु	२३	७	भ	४६	३८	सि	१३	७	ग	२३	७	४७	५१	९	१५	९	५	मेषे	भ.५१।१६उ.
११	श	१९	२६	कृ	४३	४४	सा	७/१७	५३/४२	वि	१९	२६	४८	५०	१०	१६	१०	६	वृ.०।५५	भ.३१/२६या.मकरे बुधः ४९/२४पुत्रदा११ व्र.
१२	र	१३	४८	रो	३९	३	शु	५१	७	बा	१३	४८	५०	५०	१०	१७	११	७	वृषे	प्रदोषः
१३	चं	५	४४	मृ	३२	५९	ब्र	४१	१९	तै	५	४४	५२	५०	१०	१८	१२	८	मि. ६।१	भ.५७।१६उ.
१४	चं	५१	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	मं	४८	४९	आ	२५	४७	ऐं	३०	४४	वि	२३	२	५३	४९	११	१९	१३	९	मिथुने	भ.२३।२ या.खग्रास चंद्रग्रहणम्

३८पं. पौ.शु.३बृ.इ. २३/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	९	१	२	८
१३	८	१४	८	२९	०	२१	१२
११	५०	४४	४२	१३	४८	५९	५४
१३	४६	३१	०	१९	२९	२१	४८
६१	३५	०/०	२०/५	६५	४४/२	३	६१
६	४७	४७/०	व:	६	व्र.	११	२६

गोचर ग्रहाः

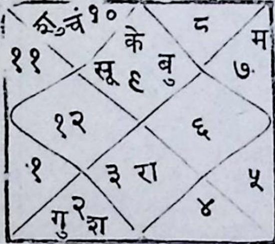

इम मास में चंद्रदर्शन बुधवार का है अतः चांदी सोना तिलहन सण पाट मन्दे होगें धान्य में तेजी हो, सुदी में शीत अधिक पड़े।

गोचर ग्रहाः

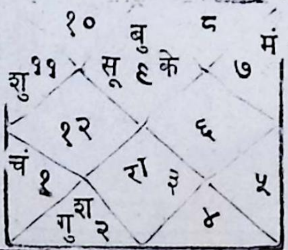

३९पं.पौ.शु.९बृ.इ. २३/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	१	१०	१	२	८
२०	१२	२६	८	६	०	२१	२०
१९	५६	७	८	५५	३०	३७	०४
२६	३५	४८	१०	५२	१४	६	४५
६१	३५	०/०	४	६३	२	३	६१
६	२५	४३	व	३३	व्र.	११	२६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं० २०५७	शाकः	१९२२								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	बु	३९	१९	पु	१८	४	वै	१९	५२	बा	१४	४	२५/५५	६/४९	५/११	२०	१४	१०	क.४।५९	उषा.रविः३६।५४(सौरः४९।३६)
२	गु	३०	२९	पु	१०	४६	वि	९/१४	४९/१	तै	४	५३	५७	४९	११	२१	१५	११	कर्के	भ.५५।४० उ.
३	शु	२०	५०	श्ले	३/२९	५३/२५	आ	४८	२७	वि	२०	५०	५९	४८	१२	२२	१६	१२	सिं. ३।२९	भ.३०/५९या. श्रवणे बुधः ४४।९ च. व्र.
४	श	१३	३३	पू	५२	९	सौ	३९	४९	बा	१३	३३	२६/१	४८	१२	२३	१७	१३	सिंहे	मकरेऽर्कः५३।१८
५	र	७	१२	उ	४९	२	शो	३२	२६	तै	७	१२	४	४७	१३	२४	१८	१४	कं. ६।२२	मकरेऽर्कःसौरः ५।३
६/७	चं	२/५९	५३/७	ह	४७	४६	अ	२६	२६	व	२	५३	६	४७	१३	२५	१९	१५	कन्यायां	भ.२/५३उ.३०/५७या.बुधोदयःपश्चिमायां२७/३३
८	मं	५९	२६	चि	४७	५९	सु	२१	५०	बा	२९	१३	८	४६	१४	२६	२०	१६	तु.१७।५२	विशा.भौमः३८/५४पूभा.शुक्रः४२।२५
९	बु	६०	०	स्वा	५०	१४	धृ	१८	३९	तै	२९	५३	११	४६	१४	२७	२१	१७	तुलायां	[×५३/५०पातस्पर्शः१०/३४पातमोक्षः३९/५४षट्- =
९	गु	०	२०	वि	५३	१२	शू	१७	२	ग	०	२०	१३	४५	१५	२८	२२	१८	वृ.३७।२८	भ.३२।१उ. [=तिला११व्र.
१०	शु	३	४२	अ	५८	४५	गं	१६	२८	वि	३	४२	१६	४५	१५	२९	२३	१९	वृश्चिके	भ.३।४२या.
११	श	६	१५	ज्ये	६०	०	वृ	१६	५९	बा	६	१५	१९	४४	१६	३०	२४	२०	वृश्चिके	अभि.प्र.रविः२५/४८(सौरः३६/२४)धनि.बुधः×
१२	र	११	२२	ज्ये	४	४४	ध्रु	१८	३	तै	११	२२	२१	४४	१६	१	२५	२१	ध.४।४४	भा.माघारंभः प्रदोषः
१३	चं	१७	४	मू	११	३१	व्या	१९	४८	व	१७	४	२४	४३	१७	२	२६	२२	धनुषि	भ.१७।४उ.५०।१८या. (÷गुरुः३५।१८
१४	मं	२३	३२	पू	१८	३८	ह	२१	३८	श	२३	३२	२७	४३	१७	३	२७	२३	म.३५।३१	श्रवणे रविः४२।२५(सौरः५२।२०)
३०	बु	२९	४४	उ	२६	१०	व	२३	५०	ना	२९	४४	२९	४२	१८	४	२८	२४	मकरे	अभि. मि.रविः३४/४०(सौरः४४/३७)मार्गी÷

४०पं.माघकृ.२ बृ.इ.२३/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	१	१०	१	२	८
२७	१६	७	७	१४	०	२१	२७
२७	५८	४३	४४	२५	१६	१४	१४
२२	५२	२६	२	५	५५	५०	३७
६१	३४	०/०	[illegible]	६१	०/२८	३	६१
६	४३	२८	व.	३२	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

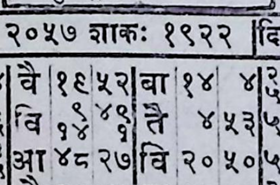

माघ कृष्णे ४ शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

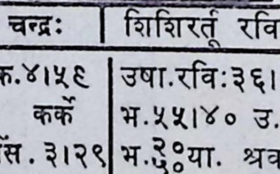

४१ पं.माघ.कृ.९वृ.इ. २३/२२

र	मं	ब्र	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	१	१०	१	२	९
४	२०	१९	७	२१	०	२०	४
३५	५९	१९	२८	३८	९	५२	२४
१३	४२	२६	५५	५६	४	३५	०६
६१	३४	९६	१/३५	५८	०/३५	३	६१
३	१७	३७	व:	४८	वं.	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	माघशुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३२१७स.२००१
१	गु	३६	६	श्र	३३	४१	सि	२६	१	किं	२	५६	२६/३२	६/४२	५/१८	५	२६	२५	मकरे	कुंभे बुधः २३।१७ मार्गी शनिः ११।४५
२	शु	४२	२८	ध	४६	१४	व्य	२८	१०	बा	६	१८	३५	४१	१६	६	३०	२६	कुं.७।२८	मीने शुक्रः ५८।० चंद्र दर्शनम्
३	श	४८	१६	श	४८	१६	व	३०	८	तै	१५	२२	३८	४०	२०	७	१	२७	कुम्भे	जिल्काद ११
४	र	५३	२३	पू	५४	२२	प	३१	१६	व	२०	४६	४१	४०	२०	८	२	२८	मी. ३७/५०	भ. २०।४९ उ. ५२।२३ या.
५	चं	५७	३७	उ	५६	५१	शि	३१	५८	ब	२५	०	४५	३६	२१	९	३	२६	मीने	वसंत पंचमी
६	मं	६०	०	रे	६०	०	सि	३१	३५	कौ	२६	५	४८	३८	२२	१०	४	३०	मीने	उभा. शुक्रः २७।२६
६	बु	०	३४	रे	४	०	सा	३०	३५	तै	०	३४	५१	३८	२२	११	५	३१	मे. ४/०	[÷केतुः ५५।१७
७	गु	१	५३	अ	६	३७	शु	२७	५८	व	१	५३	५४	३७	२३	१२	६	१	मेषे	भ.१।५३उ.३२।२३या. फरवरी मा. २ ×
८	शु	२	५२	भ	७	३४	शु	२३	५६	ब	२	५२	५८	३६	२४	१३	७	२	वृ. २२/२२	पातस्पर्शः४३/४४ पातमोक्षः५९।३८भीष्म ८
९	शु	५६	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	श	५५	५१	कृ	६	४५	ब्र	१८	२६	तै	२७	१६	२७/१	३६	२४	१४	८	३	वृषे	वृश्चिके भौमः ३३/३३ आर्द्रा.४राहुःपूषा. २ ÷
११	र	५१	२	रो	४/४	५५/२८	ऐं	१०	२४	व	२३	२६	५	३५	२५	१५	९	४	मि.३१/४८	भ.२३।२६उ.५१।२या.वक्री बुधः३।४६*
१२	चं	४३	५	आ	५३	१	वै	२/१८	५१/२०	ब	१७	४	८	३४	२६	१६	१०	५	मिथुने	धनि.रविः५०।४३(सौर. ५८।१०)
१३	मं	३४	६	पु	४६	३७	प्री	४३	१३	कौ	८	३७	१२	३४	२६	१७	११	६	कं. ३३/१३	बुधास्तः पश्चिमायां २१।११ प्रदोषः
१४	बु	२५	१	पु	३८	४६	आ	३२	१०	व	२५	१	१५	३३	२७	१८	१२	७	कर्के	भ. २५।१ उ. ५०।२० या. [*जया११व्र.
१५	गु	१५	३८	श्ले	३०	५६	सौ	२१	७	ब	१५	३८	१९	३२	२८	१९	१३	८	सिं.३०/५६	मा. स्ना. पूर्तिः [× ता. २८ भानु ७

४२पं.मा.शु.१बृ.इ.२३।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	१	१०	१	२	९
११	२४	०	७	२८	०	२०	११
४२	५७	०	२४	३२	७	३०	३२
४०	०	११	११	१०	५	१९	५७
६०	३२	८१	०/१	५५	०	३	६१
५९	२९	३३	मा	४३	मा	११	१३

४३ पं.मा.शु.७बृ.इ.२३।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	१	११	१	२	९
१८	२८	६	७	५	०	२०	१८
४९	४८	१३	२९	५९	१०	८	२१
१६	५४	५९	१७	२८	३४	३	१
६०	३२	३३	१	५१	०	३	६१
५५	४९	१४	१७	२४	५३	११	०४

४४ पं.मा.शु.१५बृ.इ.२३/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	१	११	१	२	९
२५	२	५	७	१०	०	१९	२५
५५	३६	०	४४	५०	१९	४५	४७
१	२५	५०	२	५३	२३	४८	४८
६०	३१	५३/५३	२	४६	१	३	६०
४७	४०	व	४२	७	३५	११	५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेमाघकृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१/२	शु	५५/५१	३/२	म	२३	२२	शो	१०/८	४९/४९	कौ	५	३२	२७/२३	६/३१	५/२९	२०	१४	९	सिंहे	अनु. भौमः ४६।१८
३	श	४६	०	पू	१६	४८	सु	५०	४३	व	२२	४७	२७	३१	२६	२१	१५	१०	कं.३०।३८	भ.२२।४७ उ. ४६।० या.
४	र	४२	२६	उ	११	२६	धृ	४२	५६	ब	१५	४३	३०	३०	३०	२२	१६	११	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	चं	३८	२	ह	८	४७	शू	३६	४६	कौ	१०	१४	३४	३१	२६	२३	१७	१२	तुं.३७।४३	कुंभेऽर्कः २५।५६ (सौर. ३२।८)
६	मं	३५	५६	चि	६	४०	गं	३२	१३	ग	६	५६	३८	२८	३२	२४	१८	१३	तुलायां	भ.३५।५६ उ. वक्री मकरे बुधः ३९।३
७	बु	३५	५०	स्वा	७	१७	बृ	२६	२०	वि	५	५३	४१	२८	३२	२५	१६	१४	वृ.५४।१५	भ.५।५३ या.
८	गु	३७	३५	वि	६	४६	ध्रु	२७	५०	बा	६	४३	४५	२७	३३	२६	२०	१५	वृश्चिके	
९	शु	४०	५१	अ	१४	१७	व्या	२८	१२	तै	६	४३	४९	२६	३४	२७	२१	१६	वृश्चिके	रेवत्यां शुक्रः २६।२६
१०	श	४६	५	ज्ये	२०	५	ह	२८	५८	व	१३	२८	५३	२५	३५	२८	२२	१७	ध.२०।५	भ.१३।२८ उ. ४६।५ या.
११	र	५१	४४	मू	२७	१०	व	३०	४७	ब	१८	४६	५६	२५	३५	२९	२३	१८	धनुषि	विजया ११ व्र.
१२	चं	५८	२४	पू	३४	२०	सि	३३	६	कौ	२५	४	२८/००	२४	३६	३०	२४	१९	म.५१।१४	शते रविः२।१५(सौरः७।३०)बुधोदयः +
१३	मं	६०	०	उ	४१	५८	व्य	३५	२७	ग	३१	४५	४	२३	३७	१	२५	२०	मकरे	भा. फाल्गुनारंभः प्रदोषः
१३	बु	५	७	श्र	४६	३७	व	३८	१६	व	५	७	८	२२	३८	२	२६	२१	मकरे	भ.५।७ उ.३८।१७या. महाशिवरात्रि व्र.
१४	गु	११	२६	ध	५६	५३	प	३६	४२	श	११	२६	१२	२२	३८	३	२७	२२	कुं.२३।१५	ज्येष्ठा. भौमः ८।१ [+पूर्वस्यां १३।४३
३०	शु	१७	३१	श	६०	०	शि	४१	२७	ना	१७	३१	१६	२१	३६	४	२८	२३	कुंभे	

४५ पं.फा.कृ.८बृ.इ.२३/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	१	११	१	२	१०
२	६	२७	८	१५	०	१९	२
५९	१९	४६	८	५७	३३	२३	५३
४९	५	३७	२०	२५	३२	३२	५१
६०	३०	७६/१८	४	३८	२	३	६०
२७	५८	व	१	५९	१६	११	४२

गोचर ग्रहाः

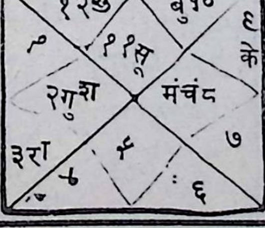

फाल्गुन कृष्णे ५ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती)मु. ३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

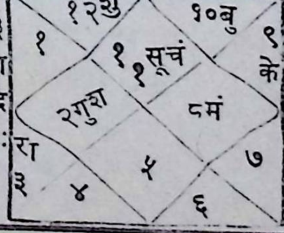

४६ पं.फा.कृ.१४बृ.इ.२४/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	१	११	१	२	१०
१०	९	२२	८	२०	०	१९	९
३	५५	१५	४१	२	५२	१	५८
२२	१६	२२	४२	१०	५२	१६	२४
६०	२९	३०/१८	५	२९	२	३	६०
२५	५१	व	१०	३२	५६	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण: ३२४७ स,२००१
१	श	२२	३७	श	३	२५	सि	४२	२५	ब	२२	३७	२८/२०	६/२०	५/४०	५	२९	२४	मी, ५३/४६	चंद्रदर्शनम्
२	र	२७	१	पू	९	१३	सा	४३	४	कौ	२७	१	२४	१९	४१	६	१	२५	मीने	जिल्हेज १२ फुलरिया २
३	चं	३०	५०	उ	१४	३६	शु	४२	३५	ग	३०	५०	२८	१८	४२	७	२	२६	मीने	
४	मं	३३	२०	रे	१८	३३	शु	४१	२२	व	२	५	३२	१८	४२	८	३	२७	मे. ९/३ ८/३	भ.२/५उ.३/२०या.मार्गी बुधः३/२५पातस्पर्शः×
५	बु	३४	३९	अ	२१	२६	ब्र	३९	३०	ब	३	५९	३६	१७	४३	९	४	२८	मेषे	पातमोक्षः ८।५३ [×५५।५६
६	गु	३४	५०	भ	२३	२०	ऐं	३६	२४	कौ	४	४४	४०	१६	४४	१०	५	१	वृ. ३२/३६	मार्च ३ ता. ३१
७	शु	३३	३४	कृ	२३	४९	वै	३२	११	ग	४	११	४४	१५	४५	११	६	२	वृषे	भ.३३।३४उ.
८	श	३१	६	रो	२३	३५	वि	२६	५२	वि	२	२०	४८	१४	४६	१२	७	३	मि. ५२/३	भ.२।२०या. होलाष्टकः
९	र	२७	२	मृ	२०	३१	प्री	२०	२३	कौ	२७	२	५२	१४	४६	१३	८	४	मिथुने	पूभा. रविः१८।२१ (सौरः२२।१७)
१०	चं	२१	४१	आ	१६	३७	आ	१४	५८	ग	२१	४१	५६	१३	४७	१४	९	५	क. ५७/५२	भ.४८।२०उ.
११	मं	१४	५९	पु	११	३७	सौ	५/१९	४/३४	वि	१४	५९	२९/१	१२	४८	१५	१०	६	कर्के	भ.१४।५९या. रोहिणी.१गुरुः३९/१६÷
१२	बु	७	१६	पु	५/३९	५३/४	अ	४४	४१	वा	७	१६	५	११	४९	१६	११	७	सिं. ५८/४३	प्रदोषः [÷आमल की ११ व्र.
१३	बु	५१	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	४९	३२	म	५१	२९	सु	३४	१२	ग	२४	५	९	१०	५०	१७	१२	८	सिंहे	भ.४९।३२उ.
१५	शु	४०	३८	पू	४४	३४	धृ	२४	१	वि	१५	५	१३	९	५१	१८	१३	९	कं..५८।२	भ.१५/५या.वक्री शुक्रः३१/२९ होलिकादहनम्

४७ पं.फा.शु.६ बृ. इ. २४/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	१	११	१	२	१०
१७	१३	२२	९	२२	१	१८	१७
५	२६	२३	२३	५२	१६	३९	१
३५	१३	२४	२८	५१	४८	१	१६
६०	२८	१४/४९	६	१७	३	३	६०
१२	५	सा:	३२	३०	३७	११	२०

गोचर ग्रहाः

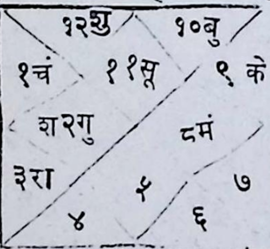

इस मास में मीन का शुक्र चना गेहूं जौ मटर मूग चावल आदि गल्ले में मंदी करेगा चांदी सोना लोहा में तेजी होगी, फल उत्तम है।

गोचर ग्रहाः

४८ पं.फा.शु.१४ बृ.इ. २४/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	९	११	१	२	१०
२४	१६	२६	१०	२४	१	१८	२४
६	४७	५२	१२	०	४५	१६	२
२२	२४	४४	५४	५८	०	४५	३९
५९	२६	४५	७	२	४	३	६०
५८	२६	००	२०	१९	१७	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः २०५७ शाकः १९२२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसन्तर्तूरविरुत्तरे फा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	३२	३८	उ	३८	२५	शू	१४	५	वा	६	३८	२९/१७	६/९	५/५१	१९	१४	१०	कन्यायां	वसंत १ छारेंडी
२	र	२४	५२	ह	३३	३२	गं	५/१०	५२/२३	ग	२४	५२	२१	८	५२	२०	१५	११	कन्यायां	भ.५२/१उ.पातस्पर्शः४२/५३पातमोक्षः५३/३४
३	चं	१९	११	चि	३०	१७	ध्रु	५१	२८	वि	१९	११	२६	७	५३	२१	१६	१२	तु.१।५५	भ.१९।११या.कुंभे बुधः३४/४४चतुर्थी व्र.
४	मं	१५	२३	स्वा	२८	५९	व्या	४७	५	बा	१५	२३	३०	६	५४	२२	१७	१३	तुलायां	
५	बु	१३	५८	वि	३०	४	ह	४४	१६	तै	१३	५८	३४	५	५५	२३	१८	१४	वृ.१४।४८	मीनेऽर्कः१९/१४(सौरः२२।३८
६	गु	१४	२०	अ	३२	४९	व	४३	४९	व	१४	२०	३८	४	५६	२४	१९	१५	वृश्चिके	भ.१४।२०उ.४५।३१या.
७	शु	१६	४२	ज्ये	३७	२६	सि	४३	२६	व	१६	४२	४३	३	५७	२५	२०	१६	ध. ३७/२६	शीतलापूजनम्
८	श	२१	३४	मू	४३	२९	व्य	४४	५०	कौ	२१	३४	४७	३	५७	२६	२१	१७	धनुषि	उभा.रविः४०/१८(सौरः४३/१४)शत बुधः५५/२२
९	र	२७	१	पू	५०	५१	व	४६	५३	ग	२७	१	५१	२	५८	२७	२२	१८	धनुषि	
१०	चं	३३	१३	उ	५८	१९	प	४९	२३	व	०	७	५५	१	५९	२८	२३	१९	म. ७।४३	भ०।७उ. ३३।१३ या.
११	मं	३९	४७	श्र	६०	०	शि	५१	४१	ब	६	३०	३०/००	६/००	६/००	२९	२४	२०	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	बु	४६	१६	श्र	५	५९	सि	५३	५८	कौ	१३	२	३०/४	५/५९	६/१	३०	२५	२१	कु. ३९/३७	
१३	गु	५२	१	ध	१३	१४	सा	५५	३५	ग	१९	८	८	५८	२	१	२६	२२	कुंभे	भ.५२।१उ.भा.चैत्रारंभः प्रदोषः
१४	शु	५६	४९	श	१९	५२	शु	५६	२८	वि	२४	२५	१२	५८	२	२	२७	२३	कुंभे	भ.२४।२५या.
३०	श	६०	०	पू	२५	२८	शु	५६	२९	च	२८	४६	१६	५७	३	३	२८	२४	मी.९।४	मन्वादिः
३०	र	०	४३	उ	२९	५८	ब्र	५५	३४	ना	०	४३	२१	५६	४	४	२९	२५	मीने.	

४९ पं.चै.कृ६.बृ.इ. २५।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	१	२	११
१	२०	३	११	२३	२	१७	१
५	०	५६	९	७	१८	५४	२
२५	३६	५६	५८	४१	३२	३०	२१
५९	२४	६५	८	१४/५२	४	३	५९
४१	२८	८	२८	व. ५०	११	४९	

गोचर ग्रहाः

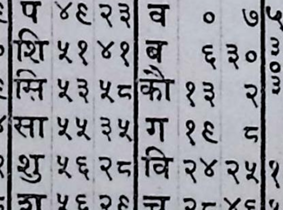

चैत्र कृष्णे ५ बुधे मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमाया

गोचर ग्रहाः

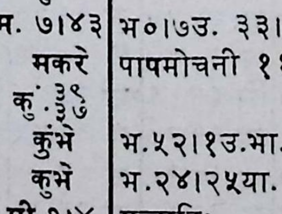

५० पं,चै.कृ,१३ बृ.इ ३५/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	१	२	११
८	२३	१२	१२	२०	२	१७	८
३	१	४८	१२	१७	५५	३२	०
१८	३४	२२	३६	४६	१६	१४	१६
५९	२२	८१	९	२९/२९	५	३	५९
२९	३२	४१	१६	व.	१४	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०२ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०२ भोग्यकलिः ४२६८९८ अथास्मिन् वर्षे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०५८ शाकः १९२३ अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः। मंत्री भृगुः। सस्येशश्चंद्रः। धान्येशः शनिः। मेघेशो गुरुः। रसेशोबुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो गुरुः। धनेशो रविः। दुर्गेशो गुरुः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ८ जयनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।७।१९।४५ भोग्यमासादिः१।२२।४०।१५अहिर्बुध्न्य-दैवतं युगम्। वर्षनाम कार्तिकः। मेघनाम संवर्तः। रोहिणीनिवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे। समय विश्वा २० समयवाहनम् मृगः। स्तंभौ २ जलतृणयोः। सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानु सप्तमी १ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ७ धान्यम् ७ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १०३ सत्यम् ॥ धर्म १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणम् १ चंद्रमसः।

संवत् २०५८ आषाढ शुक्ले

१५ गुरौ

ग्रस्तोदयचंद्रग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्ज.	घ.	३१	३४	३८
मध्य	प.	४०	५६	१२
रेलवे	घ.	७	८	९
टा.	मि.	७	२५	४४

वर्ष लग्नम् ११।१६

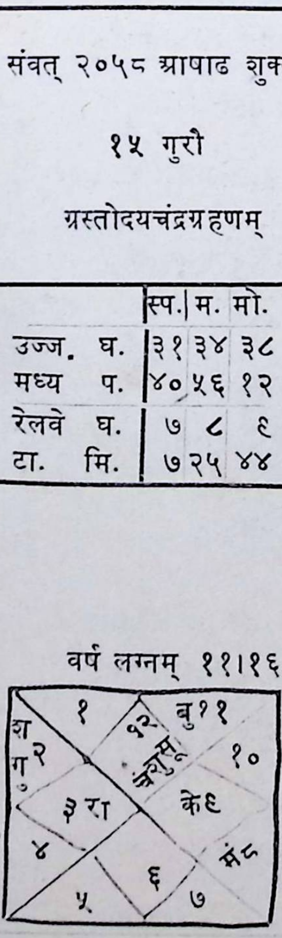

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

सुख कर दुख हर अंबिका सुणो अर्ज चित लाय।
अठ्ठावन की साल को सांचो भेद बताय ॥

भवानी उत्तर

सुण भैरव तू ध्यान से कर चिंता को दूर ।
अठ्ठावन की साल में बधे प्रजा को नूर ॥
शशिराजा मंत्री भृगु यह है सौम्य सुयोग ।
राज प्रजा आनंद से भोगे उत्तम भोग ।
सौम्य ग्रहों के कवज में मिले आठ अधिकार।
घर २ गऊ व्यावसी घर २ मंगलाचार ॥
धान्याधिप शनिदेव है श्रावण में शनि पांच।
सब वस्तु तेजी करे यह ही समझो सांच ॥
समय निवासो रजक घर संवत् विश्वा बीस।
भैरव चिंता दूर कर रक्षक है जगदीश ॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ७।२४

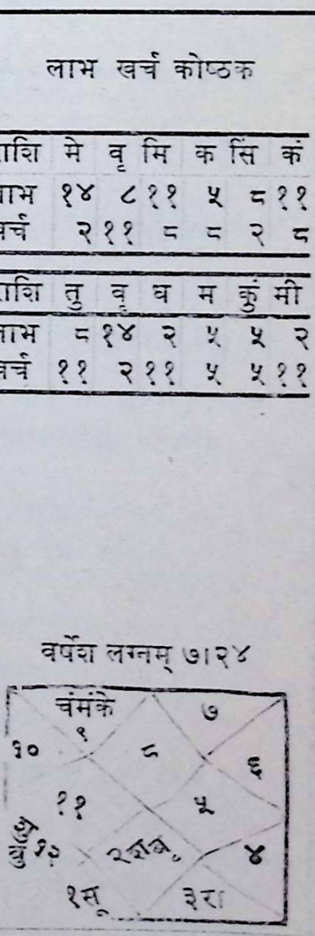

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।३९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५१।४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरश्च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणाम् प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभमूषकरावथमाहिषैः । भवति धान्यसमर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। सस्याधिपे-शीतकरे प्रजासुखं मेघाः पयो मुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। दुर्भिक्षं जायते तत्र कलहं देशविग्रहं । सौराष्ट्रदेशनष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनिः । मेघेशो गुरुःफलम् ।। गुरुरपिप्रियवृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपरा नरपालका रससमृद्धियुताखिलमानवाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायकपालिता बहु-जलाखिलदेशसुरक्षिताः । नीरसेशश्चंद्रःफलम् ।। शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजतवाससाम् । अर्धवृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे । फलेशोगुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सवमंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशोरविःफलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतोबहुद्रव्यसमागमः । गजतुरंगममेष-खरोष्ट्रतो धनचयं लभते क्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवराः नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समंसुखं सुखमति द्विजशस्त्रवतांविशाम् । जयनाम संवत्सरः फलम्।। जयमंगलघोषोघैः संकुला धरणी तदा । जयाब्दे धरणिनाथाः संग्रामे जयकांक्षिणः ।। वर्षनाम कार्तिकः फलम् ।। पापवुद्धिः रतालोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यंते राज्यं च तस्करैर्हृतम् ।। मेघनाम संवर्तःफलम् । संवर्ते जलपूरिता । रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिःसुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम् । रजके वृष्टिरुत्तमा । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ७ रवौ उषा. ल. ११।१२ रे. ६ऽ।।।ऽअ.ऽऽ।।

शु. २ बुधे रोहि. ल. ११।१२ रे. ९।।ऽवृ।।।।।।घ.५२।५१ उ.

,, ३ गुरौ रोहि. ल. १० रे. ६।।ऽवृ।।।।।।घ. ४८।२३ या मृगे ल.११ रे. ७।।।।ऽनृऽऽ।। घ.५३।१७या.

,, ४ शुक्रे मृगे ल. अन्य गो. रे. ९।।।।ऽनृ।।।

,, ८ भौमे मघा. ल. ११ (चं७पू.) रे. ६ऽ।।।ऽरोऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ६ रवौ उपा. ल. अन्यगो. रे. ६।।।।ऽअऽऽ।ऽ दग्धा. आवश्यके

,, १० शुक्रे उभा. ल. अन्यगो. १०।११ रे. ८।।।।।ऽऽ।। मकरकुंभलग्ने नृपपंचकः रेखा ७

,, ११ शनौ रेव. लं अन्यगो. १०।११ रे. ७।।ऽनृ।।ऽनृ।ऽ।। शुक्रयुतिः

शु. ९ गुरौ मृगे ल. अन्यगो. ११।१ रे. ८।।ऽ।।।ऽ।।

शु. ६ चंद्रे मघा. ल. १ रे. ६ऽ।।।ऽनृऽऽ।।

,, ८ बुधे उफा. ल. १ रे. ८।।।।ऽनोऽ।।

,, ९ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ६।।।।।ऽ।।। हस्ते ल. १०।१२ रे. ६।।।।।।ऽ।। मीने चं. ७ पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ६ गुरौ मघा. ल. ७ रे. ६ऽऽ।।ऽ।ऽ।। घ. ५२।१ उप.

,, ८ शनौ उफा. ल. अन्यगो. ७ रे. ६ऽ।।।ऽनृऽऽ।। तुला लग्ने नृपपंचकाभावः रेखा ७

,, ९ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ऽ।।।।।ऽ।ऽ दग्धादोषः

माघ मासः ।

शु. ३ शुक्रे उभा. ल. १० रे. ६।।।।।।।ऽ दग्धा.

फाल्गुन मासः ।

कृ. १ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ८।।।ऽऽचो।।।।

,, ७ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे. ६ऽ।।।।।।।।

,, ८ बुधे मूले ल. १० रे. ७।।।ऽऽनृ।ऽ।।

,, ९ गुरौ मूले ल. अन्यगो. रे. ७।।।ऽऽनृ।ऽ।।

अग्रे मीनाऽर्क दोषः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः
१	चं	३	१०	रे	३३	२२	ऐं	५३	००	ब	३	१०	३०/२५	५५	६/५	५	३०	२६	मे.३३।२२
२	मं	४	३७	अ	३५	५०	वै	५१	२४	कौ	४	३७	२९	५४	६	६	१	२७	मेषे
३	बु	५	६	भ	३७	१०	वि	४८	१	ग	५	६	३३	५३	७	७	२	२८	वृ.५२।१८
४	गु	४	२२	कृ	३७	४१	प्री	४४	११	वि	४	२२	३७	५३	७	८	३	२९	वृषे
५	शु	२	४६	रो	३७	८	आ	३९	२३	ब्रा	२	४६	४१	५२	८	९	४	३०	वृषे
६	श	०	१६	मृ	३५	४७	सौ	३३	४३	तै	०	१६	४५	५१	९	१०	५	३१	मि. ६/७
७	श	५६	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	र	५२	३९	आ	३३	२९	शो.	२७	३५	वि	२४	४५	४९	५०	१०	११	६	१	मिथुने
९	चं	४७	२८	पु	३०	३८	अ	२०	३७	बा	२०	३	५३	४९	११	१२	७	२	क.१६।८
१०	मं	४१	२९	पु	२६	१७	सु	१२	५५	तै	१४	२८	५७	४९	११	१३	८	३	कर्के
११	बु	३५	११	श्ले	२१	३३	धृ	४४/४	५१/१७	व	८	२०	३१/१	४८	१२	१४	९	४	सिं.३५/३
१२	गु	२७	२८	म	१६	११	गं	४७	०	ब	१	१९	५	४७	१३	१५	१०	५	सिंहे
१३	शु	१९	५८	पू	१०	२९	वृ	३८	२	तै	१९	५८	१०	४६	१४	१६	११	६	कं.२४।७
१४	श	१२	२२	उ	५	०	ध्रु	२९	३७	व	१२	२२	१४	४५	१५	१७	१२	७	कन्यायां
१५	र	५	२९	ह	८	५६/२	व्या	२१	४४	ब	५	२९	१८	४४	१६	१८	१३	८	तु.२८।१०

वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गण:३२७७ स. २००१

कृत्ति.३शनि:३०/४६ चंद्रदर्शनम् संवत्सरा-×
पूभाबुध:३७/३५मोहोरम १ सन्१४२२ हि.÷
भ.३४/४४उ.वक्री उभा.शुक्र:३२/२२शुक्रास्त:+
भ.४।२२या.रोहिणी २ गुरु:१४।४७
[+पश्चिमायां १९/४८ गणगौरी
भ.५६/५१उ.रेवत्यां रवि:०७/५७(सौर:५६/४१)
[×रंभ:नवरात्रा. [÷सिंधारा,मत्स्यज.
भ.२४/४५या. शुक्रोदय: पूर्वस्याम् १५/३९अप्रेल=
मीने बुध:५०/१८रामनवमी [=४ ता.३०
भ.८/२०उ.३५/११या.उभा.बुध:४३/११कामदा*
प्रदोष: [*११ व्र.
भ.१२/२२उ.३८/५६या.आर्द्रा.३राहु: पूषा. १ A
हनुमज्जयंती [Aकेतु: ५१।३८

५१ पं.चै.शु.४बृ.इ.२५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१	११	१	२	११
१४	२५	२३	१३	१६	३	१७	१४
५९	४९	५	२१	७	३६	०९	५६
१०	१२	४६	५०	३४	३६	५९	२४
५९	१९	९४	९	३६/२३	५	३	५९
१६	५७	१५	५६	व.	४२	११	१८

गोचर ग्रहाः

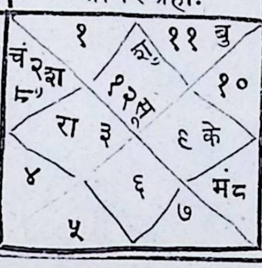

इस मास में ५ शनिवार ५रविवार अशुभ हैं प्रजामें पीड़ा धान्य गल्ला रस धातु तेज होगें, कहीं २ अग्नि भय हो।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.शु.१२.बृ.इ.२६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	१	११	१	२	११
२१	२८	४	१४	११	४	१६	२१
५३	२२	३६	३६	५२	२०	४७	५०
३१	२	११	४	१	२०	४३	३५
५९	१६	०/६	१०	३१/४१	६	३	५९
११	५४	६/८	४२	व.	४	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः
१	र	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	चं	५५	३२	स्वा	५३	४६	ह	१५	१	तै	२७	३५	३१/२२	४४/५	१६/६	१९	१४	९	तुलायां
३	मं	५३	४	वि	५३	२०	व	९	३३	व	२४	१८	२६	४३	१७	२०	१५	१०	वृ. ३८/२६
४	बु	५२	२३	अ	५४	४३	सि	५	४१	ब्र	२२	४४	३०	४२	१८	२१	१६	११	वृश्चिके
५	गु	५४	३	ज्ये	५८	१३	व्य	३	२३	कौ	२३	१३	३४	४१	१९	२२	१७	१२	ध.५८।१३
६	शु	५७	३२	मू	६०	०	व	२	४७	ग	२५	४७	३८	४०	२०	२३	१८	१३	धनुषि
७	श	६०	०	मू	३	४३	प	३	२	वि	३०	१	४२	४०	२०	२४	१९	१४	धनुषि
७	र	२	२९	पू	१०	२२	शि	४	४९	ब	२	२९	४६	३९	२१	२५	२०	१५	म. २७।९
८	चं	८	२०	उ	१७	३१	सि	६	४८	कौ	८	२०	५०	३८	२२	२६	२१	१६	मकरे
९	मं	१४	४७	श्र	२५	१४	सा	९	३५	ग	१४	४७	५३	३७	२३	२७	२२	१७	कुं. ५८/४४
१०	बु	२०	५८	ध	३२	३२	शु	११	३८	वि	२०	५८	५७	३७	२३	२८	२३	१८	कुम्भे
११	गु	२५	५८	श	३९	२२	शु	१३	३१	बा	२५	५८	३२/१	३६	२४	२९	२४	१९	कुंभे
१२	शु	३१	१४	पू	४४	४७	ब्र	१४	३७	तै	३१	१४	५	३५	२५	३०	२५	२०	मी. ३८/२६
१३	श	३४	३०	उ	४९	८	ऐं	१४	३८	ग	२	४९	९	३४	२६	१	२६	२१	मीने
१४	र	३६	२०	रे	५१	५५	वै	१३	२६	वि	५	२५	१२	३४	२६	२	२७	२२	मे.५१।५५
३०	चं	३६	४३	अ	५३	२७	वि	११	१४	च	६	३२	१६	३३	२७	३	२८	२३	मेषे

वसंततूं रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा०

–
भ.२४/१८उ.५३/४या.बुधास्त: पूर्वस्यां५६/४६
चतुर्थी व्र.
रेवत्यां बुध: ८।४२
भ.५७/३२उ.अश्वि.मेषेऽर्क: ४१/५८ (सौर:४५/२४)
भ.३०।१ या.
रोहिणी.३ गुरु:१४।२४
भ.४७।५२उ.
भ.२०।५८या.अश्वि.मेषे बुध:५२।२६
मार्गी शुक्र:५६।२८वरूथिनी ११ व्र.
भ.३४।३०उ.भा. वैशाखारंभ: प्रदोष:
भ.५।२५ या.
सोमवती ३०

१पं.वै.कृ. ६ शु.इ. ४१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१	११	१	२	११
०	०	१९	१६	८	५	१६	२९
०	५५	४३	११	२४	१३	२१	५६
०	४४	३७	२	३२	१	३५	४७
५८	११	०/६	११	१५	६	३	५८
४४	१५	६/०	२४	२२	२६	११	४५

गोचर ग्रहाः

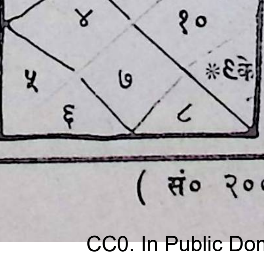

वैशाख कृष्णे ६ शुक्रे मेषेऽर्क: प्रविष्ट: वा ३ न. ४ प्रगल्भावस्था (वैठी)मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.कृ.१२ शु.इ. ४२।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१	११	१	२	०
६	२	३	१७	७	६	१५	६
५०	४४	४९	३४	३४	२	५९	४६
४२	२४	६	३४	३७	२८	१९	५८
५८	८	[illegible]	१२	६/३	६	३	५८
३१	३४	[illegible]	२	मा	३८	१९	२९

* चंमं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	सु	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३३०६ स.२००१
१	मं	३५	३९	भ	५३	४२	प्री	७	५८	क्किं	६	११	३२/२०	५/३२	६/२८	४	२९	२४	मेषे	[×चंद्र दर्शनम् परशुराम जयंती
२	बु	३३	३५	कृ	५२	५१	आ	४ ३/६	५५/१६	बा	४	३७	२३	३१	२९	५	३०	२५	वृ.८।२८	भरण्यां बुधः७।२८ कृत्ति.४शनिः ५०।९×
३	गु	३०	३३	रो	५१	२३	शो	५३	१७	तै	२	४	२७	३१	२९	६	१	२६	वृषे	भ.५८।४१उ. सफर२ अक्षया३
४	शु	२६	५०	मृ	४९	२	अ	४७	२१	वि	२६	५०	३१	३०	३०	७	२	२७	मि२०।१३	भ. ३६/५० या. भरण्यां रविः ३३/११ (सौरः ३६/३९)
५	श	२२	३७	आ	४६	३५	सु	४१	८	बा	२२	३७	३४	२९	३१	८	३	२८	मिथुने	[G४५।३१मोहिनी ११व्र.वै.
६	र	१८	७	पु	४३	४०	धृ	३४	२९	तै	१८	७	३८	२८	३२	९	४	२९	कं२९।२३	
७	चं	१३	२३	पु	४०	३८	शू	२७	२०	व	१३	२३	४१	२८	३२	१०	५	३०	कर्के	भ. १३।२३ उ. ३९।४४ या.
८	मं	८	५	श्ले	३७	७	गं	२१	२८	ब	८	५	४५	२७	३३	११	६	१	सिं. ३७।७	कृत्ति.बुधः२५/३मई५ता.३१पातस्पर्शः५४/४५
९	बु	२	४६	म	३४	२६	वृ	१३	२१	कौ	२	४६	४८	२६	३४	१२	७	२	सिंहे	वृषे बुधः५९/५०रोहि.४गुरुः४२/४७पातमोक्षः९।८
१०	बु	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	गु	५१	१६	पू	२९	३८	ध्रु	५/५७	५२/४३	व	२४	५	५२	२६	३४	१३	८	३	कुं.४३।३७	भ.२४।५उ.५१।१६या.मोहिनी ११ स्मा.
१२	शु	४५	२९	उ	२५	३४	ह	५१	२९	ब	१८	२२	५५	२५	३५	१४	९	४	कन्यायां	वक्री भौमः ४६।८बुधोदयः पश्चिमायांG
१३	श	४०	१५	ह	२२	३०	व	४४	३२	कौ	१२	५२	५८	२४	३६	१५	१०	५	तु.५१।५	प्रदोषः
१४	र	३५	३४	चि	१९	४१	सि	३८	२८	ग	७	५५	[illegible]	२४	३६	१६	११	६	तुलायां	भ. ३५।३४उ. नृसिंह १४
१५	चं	३१	५८	स्वा	१७	४२	व्य	३३	१६	वि	३	४६	५	२३	३७	१७	१२	७	तुलायां	भ.३/४६ या. अस्तं शनेः ३५/३२ यमाय कुंभदानं

३पं.वै.शु. ४शु. इ.४२।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१	११	१	२	०
१३	४	१८	१९	८	६	१५	१३
३९	४	४५	०	३८	५२	३७	३५
४७	२६	११	५४	१७	५९	४	२३
५८	४	[illegible]	१२	१७	६	३	५८
१९	४०	[illegible]	२०	५	५६	११	१२

गोचर ग्रहाः

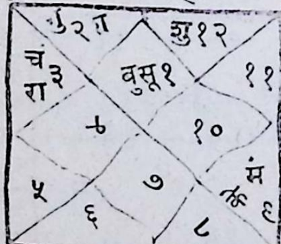

सोमवाराः यदा पञ्च चांद्रमासे भवन्तिहि। धन धान्यं समृःद्धिः; स्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम् । इसयोग से यह मास मन्दी कारक है।

गोचर ग्रहाः

४०पं.वै.शु.१२शु.इ.४२।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	१	११	१	२	०
२०	४	३	२०	११	७	१५	२०
२७	५३	२४	२९	१८	४५	१४	२२
२५	२०	३२	३१	२२	४३	४८	०६
५८	०	[illegible]	१४	२९	७	३	५७
६	२	[illegible]	४६	१८	८	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वै. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	मं	२९	४३	वि	१७	८	व	२९	२३	वा	०	५०	३३/८	५/२२	६/३८	१८	१३	८	वृ.२।१७	रोहि.बुधः८।३६
२	बु	२८	५८	अ	१८	१	प	२६	२६	ग	२८	५८	११	२२	३८	१९	१४	९	वृश्चिके	भ. ५९।३१ उ.
३	गु	३०	५	ज्ये	२०	४३	शि	२५	१४	वि	३०	५	१४	२१	३९	२०	१५	१०	ध२०।४३	भ.३०।५ या. चतुर्थी व्र.
४	शु	३२	५५	मू	२५	२	सि	२४	४६	ब	१	३०	१७	२१	३९	२१	१६	११	धनुषि	कृत्ति. रविः८।७ (सौरः१४।३१)
५	श	३७	१४	पू	३०	५०	सा	२४	५८	कौ	५	५	२०	२०	४०	२२	१७	१२	म.४७।२३	[×पातस्पर्शः ३७।२०पातमोक्षः ५८।५७
६	र	४२	३८	उ	३७	२७	शु	२७	२७	ग	९	५६	२३	१९	४१	२३	१८	१३	मकरे	भ.४२।३८उ.रेवत्यां शुक्रः५८।४४
७	चं	४८	५६	श्र	४५	०२	शु	२९	४८	वि	१५	४७	२६	१९	४१	२४	१९	१४	मकरे	भ.१५/४७ या. वृषेऽर्कः३५/३२ (सौरः४२।१८)×
८	मं	५५	४	ध	५२	३६	ब्र	३२	१२	बा	२१	५९	२८	१८	४२	२५	२०	१५	कुं.१८।४९	[W२१।३१भा.ज्येष्ठारंभः
९	बु	६०	०	श	५९	४३	ऐं	३४	१४	तै	२७	५६	३१	१८	४२	२६	२१	१६	कुंभे	मृगे बुध :२९।५४
९	गु	०	४८	पू	६०	०	वै	३५	४	ग	०	४८	३४	१७	४३	२७	२२	१७	मी४९।२०	भ.३३।१३उ. मृग १गुरुः३८।३९
१०	शु	५	३८	पू	५	५३	वि	३६	२९	वि	५	३८	३७	१७	४३	२८	२३	१८	मीने	भ. ५।३८ या.
११	श	८	५८	उ	१०	३२	प्री	३५	४४	बा	८	५८	३९	१६	४४	२९	२४	१९	मीने	अपरा ११ व्रतम्
१२	र	१०	४१	रे	१३	३१	आ	३३	३२	तै	१०	४१	४२	१६	४४	३०	२५	२०	मे.१३।३१	प्रदोषः
१३	चं	१०	३०	अ	१४	५४	सौ	३०	१०	व	१०	३०	४४	१५	४५	३१	२६	२१	मेषे	भ. १०।३०उ. ३९।३६या.
१४	मं	८	४१	भ	१४	३१	शो	२५	२८	श	८	४१	४७	१५	४५	१	२७	२२	वृ.२९।५	मिथुने बुधः २।२४ रोहिणी. १शनिः W
३०	बु	५	२७	कृ	१२	५१	अ	१९	३७	ना	५	२७	४९	१४	४६	२	२८	२३	वृषे	वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.४शु.इ.४२।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	१	११	१	२	०
२७	५	१६	२२	१५	८	१४	२७
१३	१४	०	१	१३	३८	५२	७
३७	१३	१८	४४	१९	५३	३३	२०
५७	४/४	[illegible]	१३	३८	७	३	५७
५४	व.	०/५२	८	५२	१४	११	४५

गोचर ग्रहाः

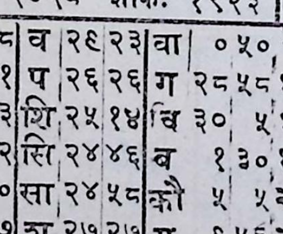

ज्येष्ठ कृष्णे ७ चंद्रे वृषेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ४ बालावस्था (बैठी)मु. ३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

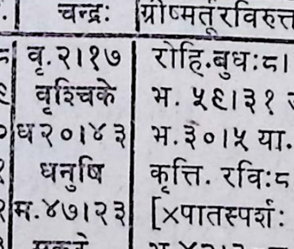

६पं.ज्ये.कृ.१०शु.इ.४३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१	११	१	२	१
३	४	२६	२३	२०	९	१४	३
५८	४६	०	३४	४	३३	३०	५१
३७	१६	१४	१९	१६	१८	१७	१
५७	८	७२	१३	४६	७	३	५७
४४	२८	१०	२०	७	२०	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३३३६ स.२००१
१	गु	०	४३	रो	१०	३	सु	१३	४	ब	०	४३	३३/५२	५/१४	६/४३	३	२९	२४	मि३८।१०	रोहि. रविः ५९।५६ चंद्रदर्शनम्
२	गु	५४	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷६ ता. ३० गंगा १०
३	शु	४९	२२	मृ	६	१६	ध्रु	५/४३	५२/४०	तै	२२	२०	५४	१३	४७	४	१	२५	मिथुने	रोहि. रविः सौरः ८।२६ रविलावल३
४	श	४३	२०	आ	२/१३	५६/००	गं	५०	२८	व	१६	२१	५६	१३	४७	५	२	२६	क.४४।१३	भ. १६।२१ उ. ४५।२० या.
५	र	३७	३४	पु	५४	१३	वृ	४३	२५	ब	१०	२७	५८	१२	४८	६	३	२७	कर्के	पातस्पर्शः १८।११ पातमोक्षः ४८।१९
६	चं	३१	१६	श्ले	५०	२०	ध्रु	३५	४३	कौ	४	२५	३४/००	१२	४८	७	४	२८	सि५०।२०	
७	मं	२५	५४	म	४६	५१	व्या	२८	४३	व	२५	२४	२	१२	४८	८	५	२९	सिंहे	भ. २५।५४ उ. ५३।१४ या.
८	बु	२०	३३	पू	४३	५३	ह	२०	४१	ब	२०	३३	३	११	४९	९	६	३०	कं.५८।१४	अश्वि. मेषे शुक्रः ५०।३५
९	गु	१५	५१	उ	४१	१६	व	१५	१५	कौ	१५	५१	५	११	४९	१०	७	३१	कन्यायां	
१०	शु	११	२६	ह	३९	१२	सि	९	२३	ग	११	२६	७	११	४९	११	८	१	कन्यायां	भ. ३९।३७ उ.मृग. २गुरुः २०।३४ जून÷
११	श	७	४७	चि	३७	४१	व्य	३/४६	५५/८	वि	७	४७	९	१०	५०	१२	९	२	तु.८।२६	भ. ७।४७ उ. वक्री बुधः २८।४६×
१२	र	४	५०	स्वा	३६	५३	प	५४	३६	बा	४	५०	१०	१०	५०	१३	१०	३	तुलायां	प्रदोषः [× निर्जला ११ व्र.
१३	चं	२	२५	वि	३७	१३	शि	५१	१३	तै	२	२५	१२	१०	५०	१४	११	४	वृ.२२।८	अस्तं गुरोः १२।०
१४	मं	१	२०	अ	३८	४३	सि	४८	३९	व	१	२०	१३	९	५१	१५	१२	५	वृश्चिके	भ. १।२०उ. ३१।१७ या.
१५	बु	१	१३	ज्ये	४१	२५	सा	४६	३२	ब	१	१३	१५	९	५१	१६	१३	६	ध.४१।२५	गुर्जराणां वटसावित्री व्रतम्

७ पं.ज्ये. शु.३ शु.इ. ४७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१	११	१	२	१
१०	३	२	२५	२५	१०	१४	१०
४२	५४	३८	९	३८	२७	८	३३
२९	५४	४२	११	५६	११	१	१२
५७	१२/४	३५	१३	५१	७	३	५७
३५	व.	१	२६	३२	२०	११	२३

गोचर ग्रहाः

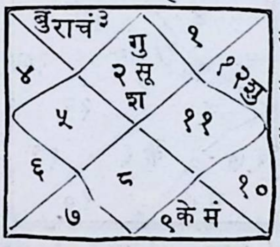

इस मास में चांदी स्वर्ण मंदे धान्य चावल गेहूं जौ घृत रुईमेंमंदी होकर तेजी होगी। यही धन के भौम का फल है वायु का जोर रहे।

गोचर ग्रहाः

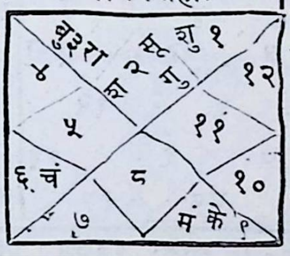

८ पं.ज्ये.शु.१० शु. इ. ४३/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१	०	१	२	१
१७	२	५	२६	१	११	१३	१७
२५	१८	४३	४५	४५	२१	४५	१४
१९	३२	३७	७	०	५८	४६	१८
५७	१४/५०	२	१३	५५	७	३	५७
२७	व.	४४	३२	५५	२०	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	गु	२	४७	मू	४५	३४	शु	४६	५७	कौ	२	४७	३४/५६	५/९	६/५१	१७	१४	७	धनुषि	मृगेरविः ५३।४९ बुधास्तः पश्चिमायां*
२	शु	५	४७	पू	५०	५८	शु	४७	३७	ग	५	४७	१७	९	५१	१८	१५	८	धनुषि	भ. ३७।४९ उ. मृगेरविः सौरः ७।१६
३	श	९	५०	उ	५७	२२	ब्र	४९	७	वि	९	५०	१८	८	५२	१९	१६	९	म.७।३४	भ. ९।५०या. आर्द्रा. २राहुः मूल.४केतुः×
४	र	१४	३१	श्र	६०	०	ऐं	५१	७	बा	१४	३१	१९	८	५२	२०	१७	१०	मकरे	वक्री ज्येष्ठा. वृश्चिके भौमः ४।१७
५	चं	२०	५९	श्र	४	३७	वै	५३	३८	तै	२०	५९	१९	८	५२	२१	१८	११	कुं ३८।१६	[* २८।१२
६	मं	२७	१९	ध	११	५६	वि	५६	४	व	२७	१९	२०	८	५२	२२	१९	१२	कुंभें	भ. २७।१९ उ. उदयं शनेः ३२।४८
७	बु	३३	१३	श	१९	३५	प्री	५८	१६	वि	०	३७	२१	८	५२	२३	२०	१३	कुंभे	भ. ०।३७ या.भरण्यां शुक्रः ५६।२२
८	गु	३८	३३	पू	२६	२९	आ	५९	३७	बा	५	५३	२१	८	५२	२४	२१	१४	मी.९।४६	मिथुनेऽर्कः ५२।२३
९	शु	४२	२६	उ	३१	५८	सौ	५९	३८	तै	१०	२५	२२	८	५२	२५	२२	१५	मीने	मिथुनेऽर्कः सौरः ८।४ मृग.३गुरुः४९।५१
१०	श	४४	३३	रे	३६	०	शो	५८	२८	व	१३	२५	२२	८	५२	२६	२३	१६	मे.३६।०	भ. १३।२५ उ. ४४।३३ या.
११	र	४४	५९	अ	३८	३०	अ	५५	४५	ब	१४	४६	२३	७	५३	२७	२४	१७	मेषे	रोहिणी. २शनिः १२।१६ योगिनी११व्र.
१२	चं	४३	२६	भ	३८	३५	सु	५०	२९	कौ	१४	१३	२३	७	५३	२८	२५	१८	वृ.५३।११	[× ४९।१४ च व्र..
१३	मं	३९	५५	कृ	३६	५८	धृ	४४	१७	ग	११	४०	२३	७	५३	२९	२६	१९	वृषे	भ.३९।५५उ.वक्रीवृषेबुधः२८।३३प्रदोषः
१४	बु	३४	२९	रो	३३	५०	शू	३८	४०	वि	७	११	२४	७	५३	३०	२७	२०	वृषे	भ. ७।११ या.
३०	गु	२७	५७	मृ	२९	२९	गं	३०	२७	च	१	१३	२४	७	५३	३१	२८	२१	मि. १।३९	आर्द्रा. रविः ५१।१८

९पं. आ.कृ.२शु.इ.४३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१	०	१	२	१
२४	०	५	२८	८	१२	१३	२३
७	२०	२९	२१	१७	१६	२३	५४
१९	३१	२५	२९	४२	३४	३०	१४
५७	१४/५९	२२/२९	१३	५८	७	३	५७
२२	व.	व.	३८	५६	१४	११	५

गोचर ग्रहाः

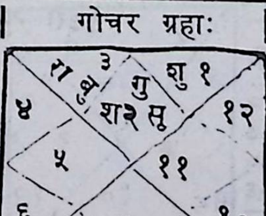

आषाढ कृष्णे ८ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ४न.५युवावस्था(सूती) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

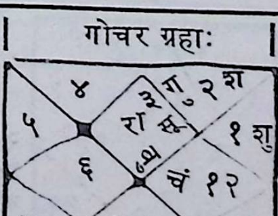

१० पं. आ.कृ.९ शु.इ. ४३/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	१	०	१	२	२
०	२८	२	२९	१५	१३	१३	०
४८	१७	२	५८	९	९	१	३३
३६	३५	४६	३०	४७	२५	१५	२३
५७	१३/४२	३३/२२	१३	६१	७	३	५६
१७	व.	व.	३८	५५	८	११	५७

×मं चं के

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३६५ स.२००१
१	शु	२०	१६	आ	२३	३१	वृ	२१	४१	व	२०	१६	३४/२४	५/७	६/५३	१	२९	२२	मिथुने	आर्द्रा.रविः सौरः ९।३७ चंद्रदर्शनम् भा.*
२	श	१२	२०	पु	१७	३८	ध्रु	१२	३४	कौ	१२	२०	२४	७	५३	२	१	२३	क.४।६	रा. रविलाखर४रथयात्रा[*आषाढारंभः
३	र	४	४४	पु	११	४४	व्या	३/२५	५०/५३	ग	४	४४	२४	७	५३	३	२	२४	कर्के	भ. ३०।४० उ. ५६।१९ या.
४	र	५१	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aगुरुः२१।१६
५	चं	४९	४१	श्ले	६	७	व	४६	६	व	२२	०९	२३	७	५३	४	३	२५	सिं.६।७	बुधोदयः पूर्वस्यां ४०।५
६	मं	४३	४९	म	१/२४	५५/५६	सि	३८	२९	कौ	१६	४५	२३	७	५३	५	४	२६	सिंहे	कृति. शुक्रः ५९।१६
७	बु	३८	११	उ	५४	३१	व्य	३१	३१	ग	११	०	२२	८	५२	६	५	२७	कं. ३१/८	भ. ३८।११ उ.
८	गु	३३	५०	ह	५२	३३	व	२५	२२	वि	६	०	२२	८	५२	७	६	२८	कन्यायां	भ.६।० या. उदयं गुरोः ०।३६
९	शु	२९	४८	चि	५१	४७	प	२०	२३	बा	१	४९	२१	८	५२	८	७	२९	तु.२२।१०	मार्गीबुधः५५।५८
१०	श	२८	५२	स्वा	५१	४७	शि	१५	५६	ग	२८	५२	२०	८	५२	९	८	३०	तुलायां	भ. ५८।२० उ.वृषे शुक्रः २।१७ मृग ४A
११	र	२७	४८	वि	५३	२	सि	१२	२७	वि	२७	४८	१९	८	५२	१०	९	१	वृ. ३७/४३	भ. २७।४८ या. जुलाई ७ता. ३१ देवB
१२	चं	२७	५३	अ	५५	२९	सा	१०	३३	बा	२७	५३	१८	८	५२	११	१०	२	वृश्चिके	प्रदोषः हरिवासरः १३।५१ या.
१३	मं	२८	५८	ज्ये	५८	५३	शु	८	११	तै	२८	५८	१७	९	५१	१२	११	३	ध.५८।५३	[B शयनी ११ व्र. [C व्यासपूजा
१४	बु	३१	२२	मू	६०	०	शु	७	३३	ग	०	१०	१६	९	५१	१३	१२	४	धनुषि	भ.३१।२२उ.वायुपरीक्षा
१५	गु	३५	४६	मू	३	२०	ब्र	७	१६	वि	३	३४	१५	९	५१	१४	१३	५	धनुषि	भ.३।३४या.चंद्रगृहणम्पुन.रविः५०।८C

११ पं. आ.शु.१ शु.इ. ४३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	२	०	१	२	२
७	२६	२८	१	२२	१४	१२	७
२९	१३	३५	३५	१६	२	३८	११
३१	५	१३	२४	५२	२	५९	५०
५७	११	२६/८	१३	६३	७	३	५६
१३	५५	व.	३८	५६	८	११	५४

गोचर ग्रहाः

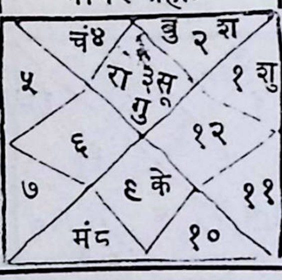

यदा दैत्यगुरुर्मेषे सर्वधान्य महर्घता । महिषी पशुपीडा च मेघवर्षा भविष्यति॥ इस योग से घृत तैल-गल्ला तिलहन तेज हो।

गोचर ग्रहाः

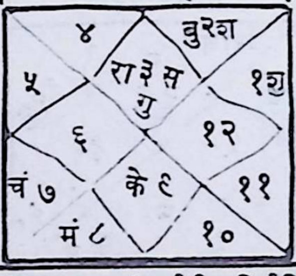

१२पं.आ.शु९ शु.इ.४३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	२	०	१	२	२
१४	२४	२७	३	२३	१४	१२	१३
९	२६	१७	११	३९	५२	१६	४९
५८	२८	५६	२४	७	४१	४३	५५
५७	७/५८	१/११	१३	६५	६	३	५६
७	व.	व.	३२	३५	३८	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महाः
१	शु	३९	३२	पू	८	५३	ऐं	८	६	बा	७	३९	३४/१४	५/९	६/५१	१५	१४	६	म. २५/२२	पुन. रविः १३।३९मिथुने बुधः ३१।३
२	श	४४	११	उ	१४	४७	वै	९	३०	तै	११	५२	१३	९	५१	१६	१५	७	मकरे	
३	र	५०	३४	श्र	२२	८	वि	११	२८	व	१७	२२	११	१०	५०	१७	१६	८	कुं. ५५/५४	भ. १७।२२ उ. ५०।३४ या.
४	चं	५६	४४	ध	२९	४१	प्री	१३	५८	व	२३	३९	१०	१०	५०	१८	१७	९	कुम्भे	रोहि. शुक्रः १३।४७ चतुर्थी व्रतम्
५	मं	६०	०	श	३७	२०	आ	१६	३४	कौ	२९	३५	८	१०	५०	१९	१८	१०	कुंभे	नाग ५ मरुस्थले
५	बु	२	२५	पू	४४	५३	सौ	१८	५९	तै	२	२५	७	११	४९	२०	१९	११	मी.२८।०	
६	गु	८	२९	उ	५१	११	शो	२०	५५	व	८	२९	५	११	४९	२१	२०	१२	मीने	भ. ८।२९ उ. ४१।३ या.
७	शु	१३	३७	रे	५६	२९	अ	२१	५६	व	१३	३७	३	११	४९	२२	२१	१३	मे५६।२९	आर्द्रा बुधः २६।३० मार्गी भौमः२२।५९
८	श	१६	२९	अ	६०	०	सु	२१	५८	कौ	१६	२९	१	१२	४८	२३	२२	१४	मेषे	[÷रोहिणी.३शनिः३६।९
९	र	१७	३९	अ	०	५	धृ	२०	३३	ग	१७	३९	३३/५९	१२	४८	२४	२३	१५	मेषे	भ. ४७।२४ उ. आर्द्रा. १गुरुः ११।१२÷
१०	चं	१७	९	भ	२	१	शू	१७	३३	वि	१७	९	५७	१३	४७	२५	२४	१६	वृ. ३६/५९	भ. १७।९ या. कर्केऽर्कः १९।३४ ×
११	मं	१४	२९	कृ	५१/१	५७/३४	गं	१३	४	बा	१४	२९	५५	१३	४७	२६	२५	१७	वृषे	कामिका११व्रतम् [×सौरः ४६।२३
१२	बु	९	४	मृ	५५	१९	बृ	६/५२	५२/१७	तै	९	४	५२	१४	४६	२७	२६	१८	मि. २७/२२	प्रदोषः
१३	गु	३	२०	आ	४९	३८	व्या	५०	१०	व	३	२०	५०	१४	४६	२८	२७	१९	मिथने	भ. ३।२० उ.२९।२२ पुष्येरविः४८।५२
१४	गु	५२	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ००	
३०	शु	४६	३४	पु	४३	५	ह	४०	२४	च	२०	५८	४८	१४	४६	२९	२८	२०	क. २९/४४	पुष्ये रविः सौरः १७।४ हरियाली ३०

१३ पं.श्रा.कृ.१.शुइ. ४३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	२	१	१	२	२
२०	२३	०	४	७	१५	११	२०
५०	४	७	४६	११	४१	५४	२७
२४	२८	३०	३७	३८	३५	२८	४९
५७	४/००	३६/३५	१३	६७	६	३	५६
७	व.	मा.	२६	१	२६	११	५०

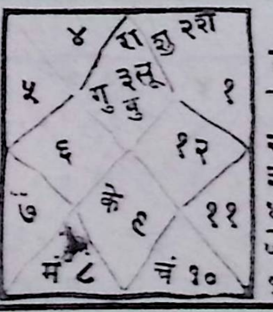

१४पं.श्रा.कृ.७शु.इ. ४२/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	२	२	१	१	२	२
२७	२२	७	६	१४	१६	११	२७
३०	१६	०	२०	५२	२८	३२	०५
४३	५५	५८	२४	५५	१६	१२	५६
५७	१/२	७६	१२	६८	६	३	५६
११	मा.	४१	१९	९	१३	११	५४

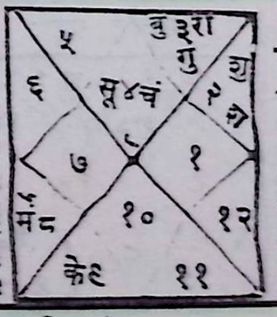

१५पं.श्रा.कृ.३०शु.इ. ४२/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	२	२	१	१	२	३
४	२२	१७	७	२२	१७	११	३
११	१२	२१	५२	४१	१२	९	४४
२८	२२	७	३४	४२	५०	५७	२३
५७	५	८/०	१२	६९	५	३	५६
१५	१७	३/२८	५९	२	५०	११	५८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३९४ सन् २००१
१	श	३६	५९	पु	३५	४०	व	३०	०	किं	११	४६	३३/४५	१५/५	४६/५	३०	२९	२१	कर्के	मृगे शुक्रः १५।५८
२	र	२७	३२	श्ले	२८	२५	सि	१९	४४	बा	२	१६	४३	१५	४५	३१	३०	२२	सि. २८/२५	पुन. बुधः १२।१८ चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	चं	१८	४१	म	२१	३५	व्य	९/३४	५०/१७	ग	१८	४१	४०	१६	४४	१	१	२३	सिंहे	भ. ४४/५० उ.भा. श्रावणारंभः जमादिलावल+
४	मं	१०	५९	पू	१५	३०	प	५१	१७	वि	१०	५९	३८	१६	४४	२	२	२४	कं. २९/१८	भ. १०।५९ या. वरद ४ [+ ५ तीज
५	बु	३	३९	उ	१०	४१	शि	४३	४७	बा	३	३९	३५	१७	४३	३	३	२५	कन्यायां	बुधास्तः पूर्वस्यां १३।१७ नाग ५
६	बु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	गु	५४	१३	ह	७	५०	सि	३७	२८	ग	२६	१०	३३	१७	४३	४	४	२६	तु. ३६।४६	भ. ५४।१३ उ.
८	शु	५१	५२	चि	५	४३	सा	३२	३१	वि	२३	२	३०	१८	४२	५	५	२७	तुलायां	भ. २३/२ या. कर्के बुधः ३७/४० मिथुने शुक्रः ११/३१
९	श	५१	८	स्वा	५	२८	शु	२८	५३	बा	२१	२९	२७	१९	४१	६	६	२८	वृ. ५१/१९	
१०	र	५१	५६	वि	६	३५	शु	२६	४६	तै	२१	३१	२४	१९	४१	७	७	२९	वृश्चिके	पुष्ये बुधः ७।९
११	चं	५३	५५	अ	९	३१	ब्र	२५	१	व	२२	५५	२२	२०	४०	८	८	३०	वृश्चिके	भ. २२/५५ उ. ५३/५५ या. आर्द्रा. २गुरुः ४१/५९ पवित्रा ×
१२	मं	५७	१३	ज्ये	१३	३१	ऐं	२४	३७	ब	२५	३४	१९	२०	४०	९	९	३१	ध. १३/३१	[× ११ व्र.
१३	बु	६०	०	मू	१८	२९	वै	२५	१८	कौ	२९	२०	१६	२१	३९	१०	१०	१	धनुषि	अगस्त ८ ता. ३१ प्रदोषः
१३	गु	१	२८	पू	२४	२२	वि	२५	५१	तै	१	२८	१३	२१	३९	११	११	२	म. ४०/५०	आश्ले. रविः ४५।५३ आर्द्रा. शुक्रः १।२४
१४	शु	६	३८	उ	३०	१३	प्री	२८	३	व	६	३८	१०	२२	३८	१२	१२	३	मकरे	भ. ६/३८ उ. ३९/२२ या. आश्ले. रविः सोरः १७/५१
१५	श	१२	५	श्र	३८	१०	आ	३०	१	ब	१२	५	७	२३	३७	१३	१३	४	मकरे	आश्ले. बुधः ३६/२५ याजुषामुपाकर्म. रक्षा बंध.

१६ पं. श्रा.शु. ८शु.इ. ४३/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	२	२	१	२	३
१०	२२	०	९	०	१७	१०	१०
५२	४३	३०	२२	३७	५४	४७	२३
३०	१	४	२३	५५	२९	४१	४०
५७	९	०/१८	१२	६९	५	३	५७
२०	४८	३/७	२५	५६	२६	११	५

गोचर ग्रहाः

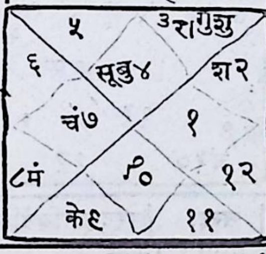

श्रावण कृष्णे १० चन्द्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

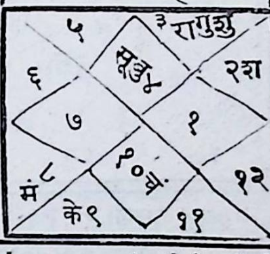

१७पं. श्रा.शु. १४शु.इ. ४२/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	२	२	१	२	३
१७	२३	१५	१०	८	१८	१०	१७
३४	४७	५	४९	३९	३२	२५	३
१२	२४	३१	३७	०	६	२५	२८
५७	१३	२९/८	१२	७०	४	३	५७
२५	३२	२/५	१७	३८	५६	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	१८	१४	ध	४५	४०	सौ	३१	४७	कौ	१८	१४	३३/४	२५/३	३६/७	१४	१४	५	कुं. १९/५५	
२	चं	२४	२०	श	५२	५९	शो	३४	४६	ग	२४	२०	०	२४	३६	१५	१५	६	कुंभे	भ. ५७।७ उ.
३	मं	३०	२०	पू	६०	०	अ	३७	२०	वि	३०	२०	३२/५७	२५	३५	१६	१६	७	मी. ४३/३४	भ. ३०।२० या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु	३६	१	पू	०	२५	सु	३९	२९	ब	३	१०	५४	२५	३५	१७	१७	८	मीने	
५	गु	४०	४३	उ	७	१७	धृ	४०	२९	कौ	७	५२	५०	२६	३४	१८	१८	९	मीने	चंद्रषष्ठी
६	शु	४४	३६	रे	१३	१६	शू	४१	२८	ग	१२	०	४७	२७	३३	१९	१९	१०	मे. १३।१६	भ. ४४।३६ उ.
७	श	४६	५९	अ	१८	२	गं	४१	१६	वि	१५	३६	४४	२७	३३	२०	२०	११	मेषे	भ. १५/३६ या. मघा. सिंहे बुधः १।३ आर्द्रा. ÷
८	र	४७	४०	भ	२१	१४	वृ	३९	३८	बा	१७	१७	४०	२८	३२	२१	२१	१२	वृ. ३७/१३	जन्माष्टमी व्रतम् [÷१राहुः मूल ३केतुः ४१/२
९	चं	४६	३१	कृ	२२	४३	ध्रु	३६	३९	तै	१७	५	३७	२९	३१	२२	२२	१३	वृषे	पुन. शुक्रः २५।२५ गोगा ९
१०	मं	४३	३२	रो	२२	१८	व्या	३१	५९	व	१५	२	३३	२९	३१	२३	२३	१४	मि. ५०/४३	भ. १५।२ उ. ४३।३२ या.
११	बु	३८	१७	मृ	१९	८	ह	२५	४९	ब	१०	५५	३०	३०	३०	२४	२४	१५	मिथुने	अजा ११ व्रतम्
१२	गु	३१	२८	आ	१५	०	व	१८	१६	कौ	४	५३	२६	३१	२९	२५	२५	१६	क. ५६/२९	मघा. सिंहेऽर्कः ३९/५५ आर्द्रा. ३गुरुः २३/५९ वत्स *
१३	शु	२३	१४	पु	१०	१९	सि	२४/९	४९/५४	व	२३	१४	२२	३२	२८	२६	२६	१७	कर्के	भ. २३/१४ उ. ४८/३० या. मघा. सिंहेऽर्कः सोरः १४/१६
१४	श	१३	४६	पु	२३/३	५२/१९	व	४८	४०	श	१३	४६	१९	३२	२८	२७	२७	१८	सिं. ५५/४१	पूफा. बुधः ३।१० [* १२ प्रदोषः
३०	र	३	४७	म	४७	४४	प	३७	४७	ना	३	४७	१५	३३	२७	२८	२८	१९	सिंहे	बुधोदयः पश्चिमायां ९/४२ कुशाग्रहणी मन्वा.

१८पं. भा.कृ. ६शु.इ. ४२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	२	२	१	२	३
२४	२५	२९	१२	१६	१९	१०	२३
१६	२७	२३	१३	४६	७	३	४४
३७	११	२०	५५	२३	१	१०	३५
५७	१७	०/१८	११	७१	४	३	५७
१३	१३	२/५	५२	१४	३२	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णें १२गुरौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

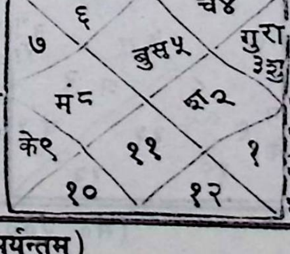

१९पं. भा.कृ. १३शु.इ. ४२/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	२	२	१	२	४
०	२७	१२	१३	२४	१९	९	०
५९	३५	४०	३४	५८	३७	४०	२६
५३	४६	५५	४१	१	४१	५४	४८
५७	२१	०/१८	११	७१	३	३	५७
४०	१३	४६	१६	४१	५४	११	३४

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेहर्गणः३४२४ सन्२००१
१	र	४९	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४४	५	पू	३९	५८	शि	२७	१	बा	१८	५५	३३/१२	५/३४	६/२६	२९	२९	२०	कं.५३।१७	चंद्रदर्शनम्
३	मं	३५	२९	उ	३३	१३	सि	१६	२४	तै	९	४७	८	३४	२६	३०	१	२१	कन्यायां	जमादिलाखर ६ हरितालिका ३
४	बु	२८	१३	ह	२७	४०	सा	७/१०	५१/४७	व	१	५१	४	३५	२५	३१	२	२२	तु.५५।४७	भ.१।५१उ.२६/१३या.कर्के शुक्रः०/४७गणेश ४
५	गु	२२	३९	चि	२३	५६	शु	५३	२४	बा	२२	३९	१	३६	२४	?	३	२३	तुलायां	रोहिणी४शनिः३३/५२भा. भाद्रपदारंभः×
६	शु	१९	०	स्वा	२२	८	ब्र	४७	१६	तै	१९	०	३१/५७	३७	२३	२	४	२४	तुलायां	पुष्ये शुक्रः४७।२३मूले धनुषि भौमः१०/२
७	श	१७	२१	त्रि	२१	५९	ऐं	४३	३७	व	१७	२१	५३	३७	२३	३	५	२५	वृ.७।२	भ.१७।२१उ. ४७।३२या. उफा.बुधः४८/३५
८	र	१७	४२	अ	२४	१	वै	४१	३७	ब	१७	४२	४९	३८	२२	४	६	२६	वृश्चिके	[×ऋषिपंचमी
९	चं	१९	४३	ज्ये	२७	३२	वि	४०	५६	कौ	१९	४३	४६	३९	२१	५	७	२७	ध.२७।३२	कन्यायां बुधः४६।२०
१०	मं	२३	२०	मू	३२	४७	प्री	४१	३७	ग	२३	११	४२	४०	२०	६	८	२८	धनुषि	भ.५५।४८उ.रामदेवजीका मेला नवलदुर्गे
११	बु	२८	१७	पू	३८	५२	आ	४२	२८	वि	२८	१७	३८	४०	२०	७	९	२९	म.५५।४०	भ.२८।१७या.जलझूलनी ११ व्र.
१२	गु	३३	४८	उ	४६	३	सौ	४४	४४	ब	०	५८	३४	४१	१९	८	१०	३०	मकरे	पूफा.रविः२९।५१ वामन जयंती
१३	शु	३९	४६	श्र	५३	१५	शो	४६	४९	कौ	६	४५	३०	४२	१८	९	११	३१	मकरे	पूफा.रविःसौरः५।८ प्रदोषः
१४	श	४६	७	ध	६०	०	अ	४९	११	ग	१२	५५	२६	४३	१७	१०	१२	१	कुं.२६।५९	भ.४६।७उ.सितम्बर ९ ता.३०अनंत१४
१५	र	५२	७	ध	०	४४	सु	५१	२९	वि	१९	७	२२	४४	१६	११	१३	२	कुंभे	भ.१९।७या.महालयारंभः कु.सं.पूजनारंभः

२० पं.भा.शु.६शु.इ. २४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	२	३	१	२	४
७	०	२४	१४	३	२०	९	७
४४	१२	४६	५०	१३	३	१८	१०
२०	३२	५५	५६	३४	५०	३९	१८
५७	२३	०	१०	७२	३	३	५७
४९	३१	५५	४०	२	२१	११	४५

गोचर ग्रहाः

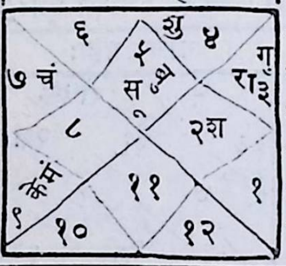

इस मास में सोना चांदी आदि धातुओं रुई पाट वारदाना में तेजी हो, धान्य चावल गेहूं बाजरा आदि में तेजी होकर मंदी हो, वर्षा भीहोवे

गोचर ग्रहाः

२१ पं.भा.शु.१३शु.इ. ४१/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	३	१	२	४
१४	३	५	१६	११	२०	८	१३
३०	११	४८	३	३२	२६	५६	५५
०	१३	१	५८	५६	.२	२३	३०
५८	२६	९१	९	७२	२	३	५७
१	१२	५४	५६	२९	३७	११	५७

ति.	प्र. आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	५७	५६	श	८	५	धृ	५३	५०	बा	२५	२	३१/१८	५/४४	६/१	१२	१४	३	मी.५७/४७	हस्ते बुधः २६।२४
२	मं	६०	०	पू	१४	२३	शू	५५	४३	तै	३१	३५	१५	४५	१५	१३	१५	४	मीने	आर्द्रा. ४ गुरुः २२।२४
२	बु	३	१४	उ	२१	४४	गं	५६	५५	ग	३	१४	११	४६	१४	१४	१६	५	मीने	भ.३५।२८उ.आश्ले. शुक्रः १।३४
३	गु	७	४२	रे	२७	३८	वृ	५७	३७	वि	७	४२	७	४७	१३	१५	१७	६	मे.२७।३८	भ.७।४२या.चतुर्थी व्रतम्
४	शु	११	१७	अ	३२	३४	ध्रु	५७	३६	बा	११	१७	३	४७	१३	[illegible]	१८	७	मेषे	[÷मघायां शुक्रः ०।१५
५	श	१३	४५	भ	३६	२३	व्या	५६	३४	तै	१३	४५	३०/५९	४८	१२	[illegible]	१९	८	वृ.५२।१	
६	र	१५	१	कृ	३८	५५	ह	५४	३४	व	१५	१	५५	४९	११	१८	२०	९	वृषे	भ.१५।१उ.४४।५८ या.
७	चं	१४	५४	रो	४०	८	व	५१	२४	ब	१४	५४	५१	५०	१०	१९	२१	१०	वृषे	
८	मं	१३	१४	मृ	३९	३६	सि	४६	४६	कौ	१३	१४	४७	५१	९	२०	२२	११	मि. ९।५२	मातृ ९ सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्
९	बु	९	५१	आ	३७	२५	व्य	४०	१६	ग	९	५१	४३	५१	९	२१	२३	१२	मिथुने	भ.३७।२२ उ.
१०	गु	४	५४	पु	३३	४५	व	३३	४१	वि	४	५४	३९	५२	८	२२	२४	१३	क.१९।४०	भ.४।५४या.उफा.रविः१३/५६(सौरः४९/४७)×
११	गु	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×चित्राबुधः४२।२८इंदिरा११व्र.स्मार्ता.
१२	शु	५०	३३	पु	२८	५७	प	२५	१९	कौ	२४	३०	३५	५३	७	२३	२५	१४	कर्के	इंदिरा ११ व्र. वै.
१३	श	४१	४५	श्ले	२२	३८	शि	१४	७	ग	१६	९	३१	५४	६	२४	२६	१५	सि ३२/३८	भ.४१।४५उ. प्रदोषः
१४	र	३२	१७	म	१५	२५	सि	५/४५	४९/३७	वि	७	१	२७	५५	५	२५	२७	१६	सिंहे	भ.७।१या.कन्यायामर्कः३९।१७सिंहे÷
३०	चं	२२	३२	पू	७	४९	शु	४४	३२	ना	२२	३२	२२	५६	४	२६	२८	१७	कं. २१/२	कन्यायामर्कःसौरः१४/५८सर्वपितृ३०सोमवती

२२ पं. प्र.आ.कृ.४शु.इ. ४१/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	३	१	२	४
२१	६	१५	१७	१९	२०	८	२०
१७	३०	४३	१०	५८	४२	३४	४२
२	३६	३४	५२	१९	५४	७	१०
५८	२८	७९	९	७२	१	३	५८
१३	३७	३१	१७	५०	५६	११	१२

गोचर ग्रहाः

प्र. आश्विन कृष्णे १४ रवौकन्यायामर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

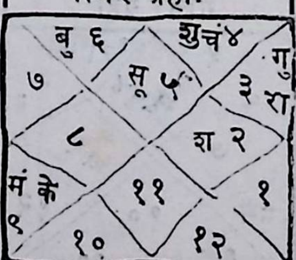

२३पं.प्र.आ.कृ.१२शु.इ.४१/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	२	३	१	२	४
२८	१०	२४	१८	२८	२०	८	२७
५	८	२२	११	२४	५४	११	३०
२४	६	५६	४९	११	१४	५२	३०
५८	३०	६३	८	७३	१	३	५८
२६	२३	५२	२९	५	१७	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४५३सन्२००१
१	मं	१३	१६	उ	२३/०	५३/१७	शु	३४	१६	ब	१३	१६	३०/१८	५५/६	६/४	२७	२९	१८	कन्यायां	तुलायां बुधः२२।१७चंद्रदर्शनम् ×
२/३	बु	५४/३	५३/१०	चि	४८	६	ब्र	२४	५१	कौ	४	५३	१४	५७	३	२८	१	१९	तु.२०/५३	रज्जव ७ [× अधिकमासारंभः
४	गु	५२	५४	स्वा	४४	१९	ऐं	१६	२३	व	२५	२८	९	५८	२	२९	२	२०	तुलायां	भ.२५/२८ उ.५२/५४ या. पूषा. भौमः ३२।३६
५	शु	४९	४९	वि	४२	२२	वै	९	१३	ब	२१	२४	५	५९	१	३०	३	२१	वृ.२७।५१	
६	श	४८	५४	अ	४२	३५	वि	३	५७	कौ	१९	२४	३०/००	६/००	६/००	३१	४	२२	वृश्चिके	
७	र	५०	९	ज्ये	४४	४८	प्री	३८/०	५७/५३	ग	१९	३१	२९/५६	६/१	५/५९	१	५	२३	ध.४४।४८	भ. ५०।९ उ. भा. आश्विनारंभः
८	चं	५३	१३	मू	४९	३	सौ	५८	२६	वि	२१	४१	५२	२	५८	२	६	२४	धनुषि	भ.२१।४१ या.
९	मं	५७	४९	पू	५४	३८	शो	५८	५२	बा	२५	३४	४८	२	५८	३	७	२५	धनुषि	
१०	बु	६०	०	उ	६०	०	अ	६०	०	तै	३०	४६	४४	३	५७	४	८	२६	म. ११/२२	हस्ते रविः५३/२२पूफा.शुक्रः५७/१२वक्रीशनिः४६/१३
१०	गु	३	३८	उ	१	३४	अ	०	४५	ग	३	३८	४०	४	५६	५	९	२७	मकरे	भ.३६/३८उ. हस्ते रविःसौरः२७।२८
११	शु	९	३८	श्र	८	५९	सु	२	१७	वि	९	३८	३६	५	५५	६	१०	२८	कुं.४२।५२	भ.९।३८ या. कमला ११ व्रतम्
१२	श	१६	२२	ध	१६	४६	धृ	५	२०	बा	१६	२२	३२	६	५४	७	११	२९	कुम्भे	पुन.१ गुरुः १।२५ प्रदोषः
१३	र	२२	३७	श	२४	१३	शू	७	४७	तै	२२	३७	२८	६	५४	८	१२	३०	कुम्भे	वक्री बुधः २०।५
१४	चं	२८	१३	पू	३१	१३	गं	९	५०	व	२८	१३	२३	७	५३	९	१३	१	मी.१४/२८	भ.२८।१३ उ. अक्टूबर १० ता. ३१
१५	मं	३३	४	उ	३७	२८	वृ	११	२९	वि	०	३८	१९	८	५२	१०	१४	२	मीने	भ.०।३८ या.

२४पं.प्र.आ.शु.५शु.इ.४१/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	२	४	१	२	५
४	१२	२	१९	६	२१	७	४
५५	५७	२६	७	५४	१	४९	२०
१६	४	५३	२६	२९	१९	३६	३७
५८	३२	४४	७	७३	०	३	५८
३८	१९	१६	२४	२०	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगलवार का चंद्र दर्शन गेहूं जौ चना मटर गुड़ सक्कर चीनी सोना ताम्बा चांदी लोहा में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

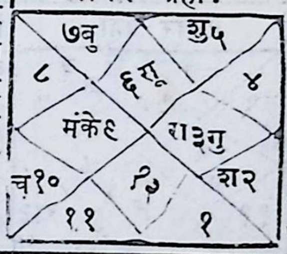

२५पं.प्र.आ.शु.११शु.इ.४१/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	२	४	१	२	५
११	१८	५	१९	१५	२१	७	११
४६	१	२९	५५	२७	२	२७	१२
५२	५	१३	२३	२९	३८	२१	३८
५८	३३	१३	६	७३	१४	३	५९
५३	३७	४६	२६	२९	व.	११	००

ति.	द्वि.आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेप्र,आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	बु	३६	५०	रे	४२	३९	ध्रु	१२	२६	बा	४	५६	२९/१५	६/९	५५/१	११	१५	३	मे.४२/३९	
२	गु	३९	५३	अ	४७	३	व्या	१२	४२	तै	८	२२	११	१०	५०	१२	१६	४	मेषे	
३	शु	४१	३७	भ	५०	२९	ह	१२	६	व	१०	४५	७	११	४९	१३	१७	५	मेषे	भ.१०।४५उ.४१।३७या.
४	श	४२	२२	कृ	५२	५२	व	१०	४४	ब	११	५९	३	११	४९	१४	१८	६	वृ. ६।५	चतुर्थी व्रतम्
५	र	४२	४	रो	५४	८	सि	८	२६	कौ	१२	९	५९/२९	१२	४८	१५	१९	७	वृषे	उफा.शुक्रः४८/२७बुधास्तःपश्चिमायां ०।३
६	चं	४१	४९	मृ	५४	३०	व्य	५	१६	ग	११	५३	५५	१३	४७	१६	२०	८	मि२४।१९	भ.४१।४९ उ.
७	मं	३८	१०	आ	५३	३२	व	२०/१	५५/१६	वि	१	२५	५१	१४	४६	१७	२१	९	मिथुने	भ. ९।२५ या.
८	बु	३४	३७	पु	५१	३२	शि	५०	५१	बा	६	२३	४७	१५	४५	१८	२२	१०	क.३७।२	चित्रा.रविः३४/२८(सौरः५/३) कन्यायां ×
९	गु	३०	१३	पु	४८	३१	सि	४४	५	तै	२	२५	४३	१५	४५	१९	२३	११	कर्के	भ.५७/५उ.वक्री कन्यायां बुधः ३९।२८
१०	शु	२३	५७	श्ले	४४	११	सा	३६	२९	वि	२३	५७	३९	१६	४४	२०	२४	१२	सिं. ४४/५१	भ.२३।५७या. उषा. भौमः२९।१०
११	श	१७	२०	म	३८	५२	शु	२८	१०	बा	१७	२०	३५	१७	४३	२१	२५	१३	सिंहे	मृगशिरा४राहुःमूल२केतुः३४/२कमला११व्र.
१२	र	९	३४	पू	३३	१३	शु	१९	८	तै	९	३४	२१	१८	४२	२२	२६	१४	कं.४६।३८	प्रदोषः [× शुक्रः२१।२४
१३	चं	१	२८	उ	२६	५६	ब्र	३८/९	५०/११	व	१	२८	२७	१९	४१	२३	२७	१५	कन्यायां	भ.१।२८ उ.२७।१७ या.
१४	चं	५१	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	मं	४५	०	ह	२०	४२	वै	४९	२९	च	१९	३	२३	१९	४१	२४	२८	१६	तु.४७।४९	अधिकमास समाप्तिः

२६ पं.द्वि.आ.कृ.३शु इ.४१/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	२	४	१	२	५
१८	२२	३	२०	२४	२०	७	१८
४०	१६	५६	३६	३	५९	५	६
८	४८	३८	११	४०	२	५	२५
५९	३४	४४/४६	५	७३	५/३	३	५९
९	५०	व.	१७	४४	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धनराशि का मंगल, तृण घास रुई कपास वारदाना सोना चांदी आदि धातु तेज और चौपाया पशुओं को पीडा हो।

गोचर ग्रहाः

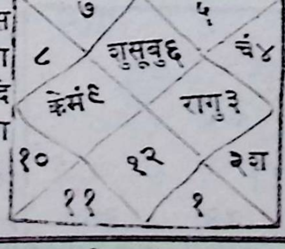

२७पं.द्वि.आ.कृ.१०शु.इ.४०/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	२	५	१	२	५
२५	२६	२८	२१	२	२०	६	२५
३५	४१	३०	८	४१	४९	४२	०२
२	१०	२५	१७	५३	३०	४९	७
५९	३५	६५/६६	४	७३	३१	३	५९
२१	५८	व.	७	५०	व.	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः१९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४८२स.२००१
१	बु	३८	७	चि	१४	५६	वि,	४१	३३	किं	११	३३	२८/२०	६/२०	५/४०	२५	२९	१७	तुलायां	तुलायांमर्कः८।१७ सौरः४०।४६)वक्री×
२	गु	३२	१८	स्वा	१०	१४	प्री	३३	४४	बा	५	१२	१६	२१	३९	२६	३०	१८	वृ.५२।४९	हस्ते शुक्रः३३।४१चंद्रदर्शनम्
३	शु	२८	१९	वि	७	१	आ	२५	४९	ग	२८	१९	१२	२२	३८	२७	१	१९	वृश्चिके	भ.५६।५४उ.सावान ८
४	श	२६	२८	अ	५	४५	सौ	२१	५४	वि	२६	२८	८	२२	३८	२८	२	२०	वृश्चिके	भ.२६।२८या.बुधोदयः पूर्वस्यां२७।१२
५	र	२६	३२	ज्ये	६	२९	शो	१८	३४	बा	२६	३२	४	२३	३७	२९	३	२१	ध.६।२९	[×हस्ते बुधः३०/२१ मकरेभौमः४०/२१A
६	चं	२८	४९	मू	९	१३	अ	१७	८	तै	२८	४९	०	२४	३६	३०	४	२२	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम्[Aनवरात्रारंभःघटस्था
७	मं	३२	२६	पू	१३	४५	सु	१६	४४	ग	०	३८	५७/६	२५	३५	१	५	२३	म३०।१४	भ.३२/२६उ.स्वात्यांरविः५१/१९मार्गी बुधः४३/१७÷
८	बु	३८	१०	उ	१९	४१	धृ	१७	३०	वि	५	१८	५३	२५	३५	२	६	२४	मकरे	भ.५।१८या.स्वात्यां रविःसौरः२१।४९B
९	गु	४४	१६	श्र	२६	५३	शू	१९	२३	बा	११	१३	४९	२६	३४	३	७	२५	मकरे	सरस्वती विसर्जनम् [Bबलिदानम्
१०	शु	५०	५१	ध	३४	२४	गं	२१	३३	तै	१७	३३	४५	२७	३३	४	८	२६	कुं.०।३८	विजयादशमी [Cका.स्ना.प्रा.
११	श	५७	२	श	४२	२	वृ	२४	०	व	२३	५६	४१	२८	३२	५	९	२७	कुंभे	भ.२३।५६उ.५७।२या.पापांकुशा११.व्र.
१२	र	६०	०	पू	४९	७	ध्रु	२६	९	व	२९	४९	३७	२९	३१	६	१०	२८	मी.३२/१४	[÷भा.कार्तिकारंभः सरस्वतीपूजनम्
१२	चं	२	४८	उ	५५	३३	व्या	२७	५२	बा	२	४८	३४	२९	३१	७	११	२९	मीने	चित्रा बुधः१७/३६चित्रायांशुक्रः१/१८प्रदोषः
१३	मं	७	३१	रे	६०	०	ह	२८	३८	त	७	३१	३०	३०	३०	८	१२	३०	मीने	[+३७।२०शरद् १५कोजागरी व्र.
१४	बु	१०	२५	रे	०	१७	व	२८	२५	व	१०	२५	२७	३१	२९	९	१३	३१	मे.०।१७	भ.१०/२५उ.४१/३४या.वक्री रोहिणी.३शनिः+
१५	गु	१२	४३	अ	३	५२	सि	२७	१८	ब	१२	४३	२३	३१	२९	१०	१४	१	मेषे	श्रवणे भौमः४०।८नवम्बर११ता.३०C

२८पं.द्वि.आ.शु.३शु.इ.४०/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	५	२	५	१	२	६
२	१	२१	२१	११	२०	६	१
३१	१३	३	३१	२२	३५	२०	५९
२६	३७	१४	४८	४१	१७	३४	३४
५९	३६	५८/२६	२	७३	२/१३	३	५९
३४	५९	व.	५७	५६	त्रः	११	४६

गोचर ग्रहाः

द्वि. आश्विन. शुक्ले १ बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टःवा.४न.४ प्रज्ञा जिकावस्था(ऊभी)मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

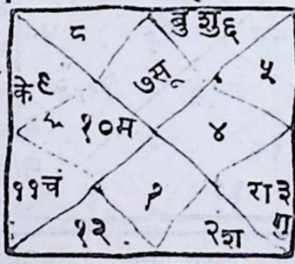

२९पं.द्वि.आ.शु.१०शु.इ.४०/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	५	२	५	१	२	६
९	५	२१	२१	२०	२०	५	८
२९	५३	२७	४४	५	१६	५८	५८
४२	३५	५८	४६	२४	१२	१८	५४
५९	३७	४२/४९	१	७४	२/५३	३	६०
४७	५२	मा.	२९	२	व.	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे द्वि. आ. कृष्णेति महा.;
१	शु	१३	३८	भ	६	५६	व्य	२५	१६	कौ	१३	३८	२७/१९	६/३२	५/२८	११	१५	२	वृ.२२।१९	
२	श	१३	१८	कृ	८	३१	व	२२	८	ग	१३	१८	१६	३३	२७	१२	१६	३	वृषे	भ.४२/३८उ.तुलायां बुधः४३।३०तुलायां×
३	र	११	५८	रो	८	५६	प	१८	१६	वि	११	५८	१२	३४	२६	१३	१७	४	मि३८।४१	भ.११।५८या.वक्री गुरुः१९/४६करक४व्र.
४	चं	९	३७	मृ	८	२६	शि	१३	४३	बा	९	३७	९	३४	२६	१४	१८	५	मिथुने	[×शुक्रः३६।४९
५	मं	६	३२	आ	७	१३	सि	८	३४	तै	६	३२	५	३५	२५	१५	१९	६	क.५०।५४	विशा.रवि.१०।४८(सौरः३९।१३)
६	बु	३	४६	पु	५	२६	सा	२९	५३/१३	व	३	४६	२	३६	२४	१६	२०	७	कर्कें	भ.३।४६उ. ३१।३३या.
७	बु	५५	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Aयमदीपदानम्
८	गु	५४	१६	पु	३	३२	शु	४९	५६	बा	२६	४८	२६/५८	३६	२४	१७	२१	८	कर्कें	स्वात्यांबुधः१०।६स्वात्यांशुक्रः५५।२६
९	शु	४९	०	श्ले	०/२८	५५/१	ब्र	४२	५२	तै	२१	३८	५५	३७	२३	१८	२२	९	सिं.०।२८	[B निमित्तदीपदानम्
१०	श	४३	१८	पू	५२	२३	ऐं	३५	१५	व	१६	९	५२	३८	२२	१९	२३	१०	सिंहे	भ.१६।९उ.४३।१८या.
११	र	३६	५७	उ	४८	०१	वै	२७	२४	ब	१०	८	४९	३८	२२	२०	२४	११	कं.६।३२	रमा११व्रतम्
१२	चं	३०	४५	ह	४३	३५	वि	१९	८	कौ	३	५२	४५	३९	२१	२१	२५	१२	कंन्यायां	बुधास्तः पूर्वस्यां २६।२० धन १३A
१३	मं	२४	४७	चि	३९	२१	प्री	११	३	व	२४	४७	४२	४०	२०	२२	२६	१३	तु.११।२८	भ.२४।४७उ.५१।५०या.प्रदोषःरूप१४ B
१४	बु	१८	५२	स्वा	३५	२३	आ	३/५	५२/३५	श	१८	५२	३९	४०	२०	२३	२७	१४	तुलायां	रू प १४ निमित्तप्रभातस्नानं महाC
३०	गु	१२	३६	वि	३२	१७	शो	४९	१	ना	१२	३६	३६	४१	१९	२४	२८	१५	वृ.१८।४	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा [Cलक्ष्मीपूजा

३०पं.का.कृ.१शु.इ.४०।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	५	२	५	१	२	६
१६	१०	२८	२१	२८	१९	५	१५
२९	३८	३५	५०	५०	५२	३६	५९
२८	३८	२४	३१	२०	४१	३	५८
६०	३८	८०	०	७४	३/३४	३	६०
४	२७	२८	२२	८	व,	११	१८

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले १ शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वाः३न३.बालावस्था (बैठी)मु.३० धान्या-दि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

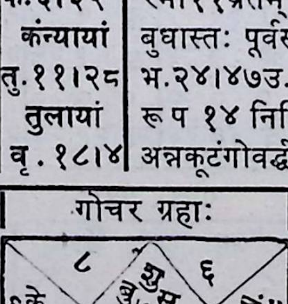

३१पं.का.कृ.९शु.इ. ४०/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	२	६	१	२	६
२३	१५	८	२१	७	१९	५	२०
३०	२८	५९	४५	३५	२५	१२	०२
५०	३७	५३	४३	२४	५२	४७	३३
६०	३८	९३	१/१	७४	५/३६	३	६०
१७	५५	८	व.	१४	व.	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikam Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५१२स.२००१
१	शु	९	४६	अ	३०	३१	अ	४३	२३	ब	९	४६	२६/३३	६/४१	५/१९	२५	२९	१६	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कः ६/५० (सौरः ३/३०) विशा. बुधः×
२	श	७	४१	ज्ये	३०	३५	सु	३९	१६	कौ	७	४१	३०	४२	१८	२६	१	१७	ध.३०।३५	रमजान ९ भ्रातृ २ यम२
३	र	७	२०	मू	३२	५७	धृ	३६	३४	ग	७	२०	२७	४३	१७	२७	२	१८	धनुषि	भ ३८/१०उ. [×३४/६६चंद्रदर्शनसंमवः
४	चं	९	१	पू	३५	३८	शू	३५	९	वि	९	१	२५	४३	१७	२८	३	१९	म.५१।५५	भ.९।१या.अनु.रविः २५/१० (सौरः ५९/१८)÷
५	मं	११	५६	उ	४०	४४	गं	३५	८	बा	११	५६	२२	४४	१६	२९	४	२०	मकरे	धनि.भौमः ३६/३९ [÷विशा.शुक्रः३५।५४
६	बु	१७	१४	श्र	४७	१२	बृ	३६	२५	तै	१७	१४	१९	४४	१६	३०	५	२१	मकरे	[Aतुलसी विवाहः
७	गु	२२	५६	ध	५४	२५	ध्रु	३८	५	व	२२	५६	१७	४५	१५	१	६	२२	कुं.२०।४८	भ.२२/५६उ.५५/५९या.वृश्चिके बुधः५४/१९+
८	शु	२९	१	श	६०	०	व्या	४०	२२	ब	२९	१	१४	४५	१५	२	७	२३	कुंभे	गोपाष्टमी [+भा.मार्गशीर्षारंभः
९	श	३५	५८	श	१	५७	ह	४२	४६	बा	२	२९	१२	४६	१४	३	८	२४	मी. ५२/२८	अनु.बुधः ५०।२अक्षय ९
१०	र	४१	५४	पू	९	१९	व	४४	३५	तै	८	५६	९	४६	१४	४	९	२५	मीने	[Bका. स्ना. पूर्तिः
११	चं	४६	३३	उ	१५	५७	सि	४५	३८	व	१४	१३	७	४७	१३	५	१०	२६	मीने	भ.१४/१३उ.४६/३३या.प्रबोधिनी ११ व्र. A
१२	मं	४९	५६	रे	२१	२८	व्य	४५	३८	व	१८	१४	५	४७	१३	६	११	२७	मे.२१।५८	वृश्चिके शुक्रः२९/४हरिवासरः३१/२८या.
१३	बु	५१	४३	अ	२४	५३	व	४३	५०	कौ	२०	४९	२	४८	१२	७	१२	२८	मेषे	प्रदोषः
१४	गु	५१	४९	भ	२७	४३	प	४१	५४	ग	२१	४६	०	४८	१२	८	१३	२९	वृ.४२।५३	भ.५१।४९उ.वैकुंठ १४
१५	शु	५०	१९	कृ	२८	२५	शि	३८	१४	वि	२१	४	२५/५८	४८	१२	९	१४	३०	वृषे	भ.२१/४या.अनु.शुक्रः९/१७कुंभे भौमः४।७B

३२पं.का.शु.१शु.इ.४०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	२	६	१	२	७
०	२०	२०	२१	१६	१८	४	०
३३	२३	८	३१	२२	५४	५१	६
२९	२४	३१	८	५	५८	३१	३७
६०	३९	९७	३ २/७	७४	१ ४/३	३	६०
२०	३५	४१	व.	२०	व.	११	४०

३३पं.का.शु.८शु.इ.३९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	२	६	१	२	७
७	२५	१	२१	२५	१८	४	७
३७	२१	१८	६	९	२२	२९	१२
२६	४७	४३	३८	२२	८	१६	१०
६०	३९	[illegible]	५ ३/३	७४	३ ४/४	३	६०
४२	५४	३५	व.	२६	व.	११	५३

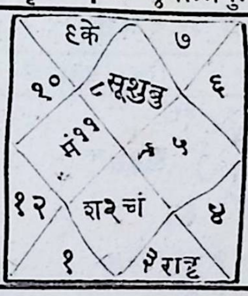

३४ पं.का.शु.१५शु. इ. ३९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	२	७	१	२	७
१४	०	१२	२०	३	१७	४	१४
४२	२३	२४	३३	५७	४८	७	२०
४०	४२	५०	११	३६	४	०	५६
६०	४०	९९	५/५	७४	४/४०	३	६१
५०	१६	११	व.	२६	व.	११	३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहारा:
१	श	४७	३५	रो	२७	५४	सि	३३	३१	बा	१८	५७	२५/५६	६/४९	५/११	१०	१५	१	मि.५६/५३	दिसम्बर १२ ता. ३१
२	र	४३	५५	मृ	२५	५२	सा	२६	४६	तै	१७	४५	५४	४९	११	११	१६	२	मिथुने	ज्येष्ठा.रविः३५।१७(सौरः५८।१२)
३	चं	३९	२०	आ	२३	४०	शु	२१	२८	व	११	३७	५३	४९	११	१२	१७	३	मिथुने	भ.११/३७उ.३९/२०या.ज्येष्ठायां बुधः१३।५७
४	मं	३४	२२	पु	२०	३१	शु	१४	३५	ब	६	५०	५१	५०	१०	१३	१८	४	क.६।१८	चतुर्थी व्र.
५	बु	२९	५०	पु	१७	११	ब्र	७	३३	कौ	२	६	४९	५०	१०	१४	१९	५	कर्के	
६	गु	२४	१७	श्ले	१३	५३	ऐं	०/१४	५१/४७	व	२४	१७	४७	५१	९	१५	२०	६	सिं. १/५३	भ.२४।१७उ.५/४३या.वक्री आर्द्रा.४गुरुः१/१४
७	शु	१९	९	म	१०	२५	वि	४५	४६	ब	१९	९	४६	५१	९	१६	२१	७	सिंहे	
८	श	१४	२४	पू	७	६	प्री	३८	४१	कौ	१४	२४	४५	५१	९	१७	२२	८	कं.२१।१७	
९	र	९	१७	उ	३	५२	आ	३१	३३	ग	९	१७	४४	५१	९	१८	२३	९	कन्यायां	भ.३६।५५उ.शते भौमः २७।१२
१०	चं	४	३४	ह	०/३४	५७/१३	सौ	२५	४३	वि	४	३४	४३	५१	९	१९	२४	१०	तु. २९/१०	भ.४/३४या.मूले धनुषि बुधः५६/२५ज्येष्ठा×
११	मं	०	५	स्वा	५५	२०	शो	१८	६	बा	०	५	४२	५२	८	२०	२५	११	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	मं	५५	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	×शुक्रः३१।४३
१३	बु	५२	४२	वि	५३	४५	अ	११	३०	ग	२४	१२	४१	५२	८	२१	२६	१२	वृ.३९।८	भ.५२।४२ उ. प्रदोषः
१४	गु	४९	५६	अ	५२	४३	सु	५	२०	वि	२१	१९	४०	५२	८	२२	२७	१३	वृश्चिके	भ.२१।१९या.
३०	शु	४८	४७	ज्ये	५३	११	धृ	१/१७	५६/१	च	१९	२२	३९	५२	८	२३	२८	१४	घ.५३।११	वक्री रोहिणी २ शनिः३०:२७

३५ पं.मा.कृ.७शु.इ. ३९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	२	७	१	२	७
२१	५	२३	१/९	१२	१७	३	२१
४८	२६	२३	५/१	४६	१३	४४	२६
४३	२६	२४	२२	१२	२३	४५	४०
६०	४०	९९		७४	४/४०	३	६१
५६	४७	३२	व.	२६	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

इस मास के आरंभ में धान्य गल्ला सोना चांदी आदि धातु रस में मंदी होकर तेजी हो सुदि में रुई में घटाबढी होवे .

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.कृ.३०शु.इ. ३९/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	२	७	१	२	७
२८	१०	४	१९	२१	१६	३	२८
५५	३१	२८	४	३४	३९	२२	३५
३७	१	४४	२३	५	२१	२९	२३
६१	४१	९९	५ ६/९	७४	२८/४	३	६१
०	१	४	वे.	३२	व.	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः३५४१स.२००१
१	श	४८	४३	मू	५४	३८	गं	५४	२५	किं	१८	४३	३५/३९	५६/५२	५/८	२४	२९	१५	धनुषि	मूलेधनुष्यर्कः४२/३२मृगशिरा. ३राहुःमूल.×
२	र	५०	२८	पू	५७	५०	बृ	५३	२	बा	१९	३५	३८	५२	८	२५	३०	१६	धनुषि	मूले धनुष्यर्कः सौरः२।२चंद्र दर्शनम्
३	चं	५३	४१	उ	६०	०	ध्रु	५२	१६	तै	२०	४	३८	५२	८	२६	१	१७	म १३।५९	सव्वाल १०
४	मं	५८	२३	उ	२	२४	व्या	५२	४४	व	२६	२	३७	५३	७	२७	२	१८	मकरे	भ.२६।२ उ.५८।२३या.
५	बु	६०	०	श्र	८	२३	ह	५४	६	ब	३१	१०	३७	५३	७	२८	३	१९	कुं.४१।४५	पूषा.बुधः १७।३९
५	गु	३	५६	ध	१५	७	व	५६	१३	बा	३	५६	३६	५३	७	२९	४	२०	कुम्भे	
६	शु	१०	२२	श	२२	३५	सि	५८	३५	तै	१०	२२	३६	५३	७	३०	५	२१	कुम्भे	मूले धनुषि शुक्रः३०/३२शुक्रास्तः पूर्वस्याम्३९/२४
७	श	१७	०	पू	३०	११	व्य	६०	०	व	१७	०	३६	५३	७	१	६	२२	मी१३।१७	भ.१७।०उ.५०।२या.भा.पौषारंभः
८	र	२३	३	उ	३७	२६	व्य	०	४४	ब	२३	२	३६	५३	७	२	७	२३	मीन	
९	चं	२८	२५	रे	४३	२९	व	२	२३	कौ	२८	२५	३७	५३	७	३	८	२४	मे.४३।२९	[×१केतुः२५।५९
१०	मं	३२	९	अ	४८	१२	प	३	३७	तै	०	१७	३७	५३	७	४	९	२५	मेषे	
११	बु	३३	१९	भ	५१	२०	शि	३	३२	व	२	४४	३७	५३	७	५	१०	२६	मेषे	भ.२/४४उ.३३/१९या.मोक्षदा११व्र. गीताजयंती
१२	गु	३४	३४	कृ	५२	२८	सि	२९	५६/३४	ब	३	५६	३८	५२	८	६	११	२७	वृ ७।१	पूभा.भौमः ३८/५बुधोदयः पश्चिमायां४८।०
१३	शु	३२	५१	रो	५१	५२	शु	५१	५	कौ	३	४२	३८	५२	८	७	१२	२८	वृषे	पूषा.रविः४७।३२उषावुधः३८/५९प्रदोषः
१४	श	२९	२३	मृ	४६	२२	शु	४५	५७	ग	१	७	३९	५२	८	८	१३	२९	मि. ३०/५१	भ.२९/२३उ.५७/२५या.पूषा.रविः सौरः३।४०
१५	र	२५	२६	आ	४५	४२	ब्र	३८	३८	ब	२५	२६	४०	५२	८	९	१४	३०	मिथुने	मकरे बुधः ४३।१० दत्तजयंती

३७पं.मा.शु.६शु.इ.३९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	२	८	१	२	८
६	१५	१५	१८	०	१६	३	५
३	३५	३३	११	२२	७	०	४४
१४	४९	३२	२०	५९	१	१३	४८
६१	४०	९८	४०/७	७४	१०/४	३	६१
४	५१	२६	व.	३२	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले १ शनौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. २ न.३ वालावस्था (वैठी)मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

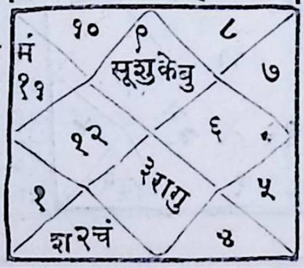

३८पं.मा.शु.१३शु.इ.५३/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	२	८	१	२	८
१३	२०	२६	१७	९	१५	२	१२
११	४१	४०	१५	११	३७	३७	५४
१३	४२	५५	४३	२०	८	५८	४०
६१	४१	९६	५२/७	७४	५२/३	३	६१
६	१०	७	व.	३२	व.	११	२६

ति	पौष कृष्णपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेत्ति महाः
१	चं	१९	२९	पु	४१	५२	ऐं	३०	२९	कौ	१९	२९	२५/४५	५६/५२	५/८	१०	१५	३१	क.२७।४९	पूषा.शुक्रः५९।४
२	मं	१२	९	पु	३६	५०	वै	२१	२५	ग	१२	९	४२	५२	८	११	१६	१	कर्के	भ.३८/४९उ.जनवरी१ ता.३१सन्२००२ई.
३	बु	५	२९	श्ले	३०	५९	वि	१३	५	वि	५	२९	४३	५१	९	१२	१७	२	सिं. ३०/५९	भ.५।२९या.वक्री आर्द्रा.३गुरुः४/०च. व्र.
४	बु	५१	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	गु	५०	३८	म	२६	७	प्री	३८/४	५१/३५	कौ	२४	१४	४४	५१	९	१३	१८	३	सिंहे	
६	शु	४५	५२	पू	२१	३८	सौ	४८	२५	ग	१८	१४	४५	५१	९	१४	१९	४	कं.३५।४०	भ.४५।५२उ.
७	श	४०	४०	उ	१७	४५	शो	४०	५६	वि	१३	१५	४७	५१	९	१५	२०	५	कन्यायां	भ.१३।१५या.
८	र	३६	१३	ह	१४	५९	अ	३४	१५	बा	८	२६	४८	५०	१०	१६	२१	६	तु.४३।८	श्रवणे बुधः२३।८
९	चं	३२	२८	चि	१२	१६	सु	२८	१०	तै	४	२०	५०	५०	१०	१७	२२	७	तुलायां	
१०	मं	२९	४१	स्वा	१०	५३	धृ	२२	५३	व	१	४	५२	५०	१०	१८	२३	८	वृ.५५।२४	भ.१।४ उ.२९।४१या.
११	बु	२७	४१	वि	१०	१४	शू	१८	१२	बा	२७	४१	५३	४९	११	१९	२४	९	वृश्चिके	सफला ११ व्रतम्
१२	गु	२६	३६	अ	१०	१८	गं	१४	१२	तै	२६	३६	५५	४९	११	२०	२५	१०	वृश्चिके	उषा.रविः५२।१७मीने भौमः २०।११
१३	शु	२६	४३	ज्ये	११	३५	वृ	११	४	व	२६	४३	५७	४९	११	२१	२६	११	ध.११।३५	भ.२६।४३उ.५७।२२या.उषा.रविः×
१४	श	२८	१	मू	१३	५३	ध्रु	८	४४	श	२८	१	५९	४८	१२	२२	२७	१२	धनुषि	[×सौरः५।७उषा.शुक्रः३२।२ प्रदोषः
३०	र	३०	११	पू	१७	३७	व्या	७	४६	ना	३०	११	२६/१	४८	१२	२३	२८	१३	म.३३।४७	

३९पं.पौ.कृ. ६शु.इ.३८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	२	८	१	२	८
२०	२५	७	१६	१७	१५	२	२०
१९	४६	२७	१९	५८	१०	१५	४
२६	४८	२९	१६	५२	१९	४२	३७
६१	४१	८७	५२/७	७४	२४/३	३	६१
६	१७	४३	व.	४४	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में जौ चावल बाजरा मूंग मोठ तिलहन मटर मंदे होवें प्रजा में सुख शान्ति रहे सुदि १५के आसपास तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.कृ.१३शु.इ.३५/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	२	८	१	२	८
२७	०	१६	१५	२६	१४	१	२७
२७	५४	३२	२३	४८	४७	५३	१४
२२	४	४६	१०	२२	५६	२७	२९
६१	४१	७	४०/७	७४	४३	३	६१
६	१७	४०	व.	३८	व.	११	२४

CC0. In Public Domain. Kirti Kant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३५७१स.२००२
१	चं	३३	४३	उ	२२	२१	ह	७	५	किं	१	५५	२६/४	६/४७	५/१३	२४	२९	१४	मकरे	मकरेऽर्कः८।४१(सौरः३०/३४)मकरेशुक्रः१२/५०
२	मं	३८	३१	श्र	२८	१०	व	७	३५	बा	६	७	६	४७	१३	२५	३०	१५	मकरें	उभा.भौमः९।४०चंद्रदर्शनम्
३	बु	४४	८	ध	३४	४३	स	८	५५	तै	११	२०	८	४६	१४	२६	१	१६	कुं.१।५६	जिल्काद ११
४	गु	५०	३०	श	४२	७	व्य	१०	३५	व	१७	१९	११	४६	१४	२७	२	१७	कुंभे	भ.१७।१९उ.५०।३०या.
५	शु	५७	१२	पू	४९	४२	व	१२	३९	ब	२३	२१	१३	४५	१५	२८	३	१८	मी. ३२/४८	[÷४०।५८भा.माघारंभः
६	श	६०	०	उ	५७	२१	प	१५	१२	कौ	३०	२२	१६	४५	१५	२९	४	१९	मीने	वक्री बुधः२।१३
६	र	३	३२	रे	६०	०	शि	१७	१६	तै	३	३२	१९	४४	१६	३०	५	२०	मीने	अभि.प्र.रविः४१।२१(सौरः५१।५५)
७	चं	९	२२	रे	४	१३	सि	१८	५४	व	९	२२	२१	४४	१६	१	६	२१	मे.४।१३	भ ९।२२उ.४१/३७या. बुधास्तःपश्चिमायां÷
८	मं	१३	५२	अ	५	५८	सा	१९	१७	ब	१३	५२	२४	४३	१७	२	७	२२	मेषे	श्रवणे शुक्रः१०।३५
९	बु	१६	५६	भ	१४	२५	शु	१८	२९	कौ	१६	५६	२७	४३	१७	३	८	२३	वृ. २९/४५	श्रवणे रविः५७।४८
१०	गु	१८	८	कृ	१६	४७	शु	१६	१९	ग	१८	८	२९	४२	१८	४	९	१४	वृषे	भ.४७/३६उ.श्रवणेरविःसौरः७।५१अभि.×
११	शु	१७	५	रो	१७	१०	ब्र	१२	१३	वि	१७	५	३२	४२	१८	५	१०	२५	मि.४६/२३	भ. १७।५ या. अभि. नि. रविःसौरःA
१२	श	१४	०	मृ	१५	३८	ऐं	६/४१	५२/५८	बा	१४	०	३५	४१	१९	६	११	२६	मिथुने	प्रदोषः [A०।८पुत्रदा११व्र.
१३	र	९	७	आ	१२	५	वि	५१	१४	तै	९	७	३८	४०	२०	७	१२	२७	क५२।४९	[×नि. रविः५०।३
१४	चं	२	२८	पु	७	२	प्री	४१	५३	व	२	२८	४१	४०	२०	८	१३	२८	कर्के	भ.२।२८उ. २८।३७ या.
१५	चं	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

४१ पं. पौ. शु. ५शु. इ ३८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	९	१	२	९
४	५	२०	१४	५	१४	१	४
३५	५९	३६	३०	३६	३०	३१	२३
१३	१७	४	३६	२९	०	११	५८
६१	४१	४	५ ६/९	७४	२/८	३	६१
३	२६	४८	व.	३८	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

पौषशुक्ले १ चंद्रे

मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न. ३ वालावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४२ पं.पौ.शु ११शु.इ ३८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	[illegible]	१	२	९
१५	११	१६	१३	१४	१४	१	११
४२	३	१४	४३	२४	१६	८	३२
४०	२९	३१	५	५४	३४	५५	९९
६०	४१	८ १/४	६/१०	७४	१/२६	३	६१
५९	१४	व.	व:	३८	व:	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	मं	४६	५६	पु	०/५५	५३/२६	आ	३१	५९	बा	२०	५१	३६/४५	६/३९	५/२१	९	१४	२९	सिं५४।२१	वक्रीआर्द्रा.२गुरुः११।११
२	बु	३७	३९	म	४७	२८	सौ	२१	४७	तै	१२	१७	४८	३८	२२	१०	१५	३०	सिंहे	वक्री उषा.बुधः४९।९
३	गु	२९	२०	पू	४१	१	शो	११	५१	व	३	२९	५१	३८	२२	११	१६	३१	कं. ५४/३४	भ.३।२९उ.२९।२०या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२१	२८	उ	३५	१६	अ	९/१८	५१/५४	बा	२१	२८	५४	३७	२३	१२	१७	१	कन्यायां	धनि.शुक्रः४५।४७फरवरी २ ता.२८
५	श	१४	३८	ह	३०	४८	धृ	४५	१८	तै	१४	३८	५८	३६	२४	१३	१८	२	तु.५९।५	रेवत्यांभौमः२४।३९बुधोदयःपूर्वस्यां×
६	र	९	०	चि	२७	२३	शू	३८	१९	व	९	०	२७/१	३६	२४	१४	१९	३	तुलायां	भ.९।०उ.३६।४९या. [×३९।३३
७	चं	४	३८	स्वा	२५	१	गं	३२	२९	ब	४	३८	५	३५	२५	१५	२०	४	तुलायां	[Bशतेशुक्रः२२।५
८	मं	२	८	वि	२४	१४	वृ	२७	४७	कौ	२	८	८	३४	२६	१६	२१	५	वृ. ९।२६	[A५८।१२षट्तिला११व्र.स्मा.
९	बु	०	३	अ	२४	४४	ध्रु	२४	८	ग	०	३	१२	३४	२६	१७	२२	६	वृश्चिके	भ.२९।५२उ.५९।४०या.धनि.रविः ÷
१०	बु	५९	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷६।६(सौरः१३।४१)
११	गु	६०	०	ज्ये	२६	४०	व्या	२१	४१	ब	३०	१३	१५	३३	२७	१८	२३	७	ध. २६/४०	कुंभेशुक्रः३।३६ शुक्रोदयःपश्चिमायांA
११	शु	०	४७	मू	२९	५०	ह	१९	५६	बा	०	४७	१९	३२	२८	१९	२४	८	धनुषि	मार्गीशनिः२७।५षट्तिला११व्र.वै.
१२	श	३	२८	पू	३४	२	व	१९	२३	तै	३	२८	२३	३१	२९	२०	२५	९	म.५०।२०	मार्गीबुधः३९।४९प्रदोषः
१३	र	६	१५	उ	३९	१४	सि	१९	३१	व	६	१५	२७	३१	२९	२१	२६	१०	मकरे	भ.६।१५उ.३८।२१या.
१४	चं	१०	२७	श्र	४५	२७	व्य	२०	९	श	१०	२७	३०	३०	३०	२२	२७	११	मकरे	
३०	मं	१५	५१	ध	५२	१६	व	२१	४६	ना	१५	५१	३४	२९	३१	२३	२८	१२	कुं. ५१/५९	कुंभेऽर्कः४१।२२ (सौरः४७।३९) B

४३ पं.मा.कृ. ४शु.इ. ३८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	९	१	२	९
१८	१६	७	१३	२३	१४	०	१८
४९	८	५८	२	११	८	४६	४०
१६	३१	८	२४	२८	४२	४०	५३
६०	४१	६६/३७	५/५	७४	०/३४	३	६१
५५	१९	व.	व.	३२	व:	११	४

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ३० भौमे

कुँभेऽर्क प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

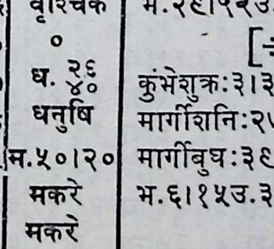

४४ पं.मा कृ.११शु.इ. ३९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	२	१०	१	२	९
२५	२१	४	१२	१	२४	०	२५
२५	१२	४१	२९	५८	७	२४	४७
१	२५	२०	३५	३७	३४	२४	४०
६०	४१	५/४०	३/५३	७४	१/०	३	६०
४७	१३	व:	व:	३२	मा.	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः
१	बु	२१	२२	श	५९	२९	प	२२	४८	ब	२१	२२	३७/३८	२६/२८	५/३२	२४	२९	१३	कुंभे
२	गु	२७	४९	पू	६०	०	शि	२५	४६	कौ	२७	४९	४१	२८	३२	२५	३०	१४	मी. ५/१ ०/०
३	शु	३४	२६	पू	७	.३	सि	२८	८	तै	१	८	४५	२७	३३	२६		१५	मीने
४	श	४०	४९	उ	१४	४२	सा	३०	१८	व	७	३७	४९	२६	३४	२७	२	१६	मीने
५	र	४६	४६	रे	२२	६	शु	३२	१७	ब	१३	४७	५३	२५	३५	२८	३	१७	मे. २२।६
६	चं	५१	५१	अ	२८	२८	शु	३३	२६	कौ	१९	१८	५६	२५	३५	२९	४	१८	मेषे
७	मं	५५	४५	भ	३४	३	ब्र	३३	४९	ग	२३	४८	२८/००	२४	३६	३०	५	१९	वृ. ५०।२
८	बु	५७	५३	कृ	३७	५९	ऐं	३२	५२	वि	२६	४९	४	२३	३७	१	६	२०	वृषे
९	गु	५८	८	रो	३९	५८	वै	३०	३०	बा	२८	१	८	२२	३८	२	७	२१	वृषे
१०	शु	५६	२२	मृ	४०	५	वि	२६	३४	तै	२७	१५	१२	२२	३८	३	८	२२	मि. १०।२
११	श	५२	४६	आ	३८	२०	प्री	२०	५८	व	२४	३४	१६	२१	३९	४	९	२३	मिथुने
१२	र	४६	४७	पु	३४	३७	आ	१३	५२	ब	१९	४७	२०	२०	४०	५	१०	२४	क. २०।३३
१३	चं	३९	२८	पु	२८	५२	सौ	५/४१	४९/४७	कौ	१३	८	२४	१९	४१	६	११	२५	कर्के
१४	मं	३१	३२	श्ले	२२	४७	अ	५४	४९	ग	५	३०	२८	१८	४२	७	१२	२६	सिं२२।४७
१५	बु	२१	११	म	१४	३४	सु	३३	५४	व	२१	११	३२	१८	४२	८	१३	२७	सिंहे

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:३६०१स.२००२

चंद्रदर्शनम्
जिल्हेज १२
भ.७।३७उ.४०।४९या.मृग.२वृषे राहु:×
वसंतपंचमी
[×ज्येष्ठा.४वृश्चिके केतु:१९।५०
भ.५/४ ५/५उ.शतेरवि:१/३ ७/८(सौर:२३।१)÷
भ.२६।४९या.अश्वि.मेषेभौम:५३।१३+
[+भा.फाल्गुनारंभ:भीष्म८
[÷श्रवणेबुध:४।४६भानु७
भ.२४।३४उ.५२।४६ या.पूभा. शुक्र: A
जया११व्र.वैष्णवानास्
प्रदोष: [A३।५९जया११व्र.स्मा.
भ.३१।३२उ.५६।२२या.
माघस्नानमूर्ति:

४५पं.मा.शु.३शु.इ.३९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	२	१०	१	२	१०
२	२६	७	१२	१०	१४	०	२
५९	१६	२१	५	४५	११	२	५३
४९	३४	४७	४२	०	१०	९	४३
६०	४१	३३/१	२/३५	७४	०	३	६०
३७	१३	मा.	व.	३२	१९	११	४२

गोचर ग्रहाः

इस मासमें चांदी स्वर्ण मंदे हो रस पदार्थों में तेजी हो गल्ले में मन्दी हो शीतका अधिक प्रभाव होगा।

गोचर ग्रहाः

४६पं.मा.शु.१० शु.इ. ३९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	१०	१	१	१०
१०	१	१३	११	१९	१४	२९	९
३	१३	२८	५०	२९	२०	३९	५८
२२	१६	५५	३८	४२	३८	५३	१६
६०	४१	५७	१/१	७४	१	३	६०
२५	२०	४९	व.	२६	३६	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	११	३१	पू	४/६ ६/	५/४ २/०	धृ	२३	१	कौ	११	३१	२८/३६	६/१७	५/४३	९	१४	२८	कं. १९।५६
२	शु	२	५	ह	५२	२३	शू	१२	२५	ग	२	५	४०	१६	४४	१०	१५	१	कन्यायां
३	शु	५१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
४	श	४५	३४	चि	४६	५३	गं	२/२९	५१/२०	ब	१९	२५	४४	१५	४५	११	१६	२	तु१९।३८
५	र	३९	२२	स्वा	४२	४८	ध्रु	४६	२३	कौ	१२	२८	४८	१४	४६	१२	१७	३	तुलायां
६	चं	३४	५९	वि	४०	३२	व्या	४०	२५	ग	७	१०	५२	१४	४६	१३	१८	४	वृ. २६।७
७	मं	३२	२४	अ	३९	५९	ह	३५	५०	वि	३	४१	५६	१३	४७	१४	१९	५	वृश्चिके
८	बु	३०	१६	ज्ये	४१	१४	व	३२	४२	बा	१	२०	२९/१	१२	४८	१५	२०	६	ध. ४१।१४
९	गु	३२	३८	मू	४४	१७	सि	३१	०	तै	१	२६	५	११	४९	१६	२१	७	धनुषि.
१०	शु	३५	०	पू	४८	२९	व्य	३०	४०	व	३	४९	९	१०	५०	१७	२२	८	धनुषि
११	श	३८	५६	उ	५४	६	व	३१	११	व	६	५८	१३	९	५१	१८	२३	९	म. ४।५३
१२	र	४३	४२	श्र	६०	०	प	३२	१२	कौ	११	१९	१७	९	५१	१९	२४	१०	मकरे
१३	चं	४९	३५	श्र	०	२९	शि	३४	८	ग	१६	३८	२१	८	५२	२०	२५	११	कुं, ३४।८
१४	मं	५५	२९	ध	७	४६	सि	३६	०	वि	२२	३८	२६	७	५३	२१	२६	१२	कुंभे
३०	बु	६०	०	श	१४	१४	सा	३८	२३	च	२८	४५	३०	६	५४	२२	२७	१३	कुंभे
३०	गु	२	१	पू	२१	४६	शु	४०	३७	ना	२	१	३४	५	५५	२३	२८	१४	मी४।५२

वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेतिमहाराष्ट्रां:

मार्गीगुरु:०।३१
भ.२७।४०उ.५३।१६या.मार्च ३ता.३१

पातस्पर्श:३३।८पातमोक्ष: ४३।२३ B
धनि.बुध:८।२७मीनेशुक्र:४।४२
भ.३४।५९उ.पूभा.रवि:३३।४४(सौर: C
भ.३।४१या.उभा.शुक्र:४४।१८

कुंभेबुध:५२।४१ [Bचतुर्थी व्र.
भ.३।४९उ.३५।०या. [C३७।४८
विजया११व्रतम्

भ.४९।३५उ.भरण्यांभौम:५२।६प्रदोष:
भ.२२।३८या.शतेबुध:३०।५५
श्रीमहाशिवरात्रिव्रतम्
मीनेऽर्क:३४।३७(सौर:३८।९)

४७ पं. फा. कृ.२शु.इ.३९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	२	१०	१	१	१०
१७	६	२१	११	२८	१४	२९	१७
५	११	३७	४६	१४	३४	१७	१
३५	१७	१२	२३	४६	२६	३७	०८
६०	४१	७४	०/२२	७४	२	३	६०
१२	२२	४१	मा.	२६	१६	११	२०

गोचर ग्रहाः

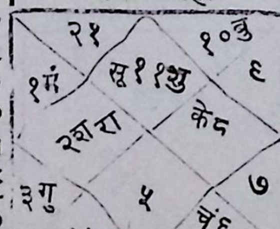

फाल्गुनकृष्णे३०गुरौ मीनेऽर्क:प्रविष्ट:वा. ३न.४प्रव्राजिकावस्था (ऊभी)मु.४५घान्या दि भावे समर्धताशुक्रो दय:पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

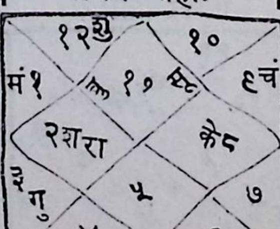

४८पं.फा.कृ.१०शु.इ.४०/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	२	११	१	१	१०
२४	११	१	११	६	१४	२८	२४
६	८	९	५०	५८	५३	५५	२
२२	१०	१८	४६	१२	३८	२२	३१
५९	४१	८७	१	७४	२	३	६०
५८	१३	३२	२९	२६	५६	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः
१	शु	८	२२	उ	२९	४०	शु	४२	५०	ब	८	२२	२९/३८	६/४	५/५६	२४	२९	१५	मीने
२	श	१४	२९	र	३७	३२	ब्र	४४	५०	कौ	१४	२९	४३	३	५७	२५	१	१६	मे. ३/३२
३	र	२०	१६	अ	४४	१६	ऐं	४६	४	ग	२०	१६	४७	३	५७	२६	२	१७	मेषे
४	चं	२५	१०	भ	४९	४९	वै	४६	४७	वि	२५	१०	५१	२	५८	२७	३	१८	मेषे
५	मं	२९	४	कृ	५४	४५	वि	४६	५३	बा	२९	४	५५	१	५९	२८	४	१९	वृ६।३
६	बु	३१	४३	रो	५८	१२	प्री	४५	३१	कौ	०	२३	३०/००	०६/००	०६/००	२९	५	२०	वृषे
७	गु	३२	५०	मृ	५९	३२	आ	४२	५६	ग	२	१६	३०/४	५९	६/१	३०	६	२१	मि२८।५२
८	शु	३२	२२	आ	५९	३८	सौ	३९	७	वि	२	३६	८	५८	२	१	७	२२	मिथुने
९	श	३०	५	पु	५७	५०	शो	३३	५०	बा	१	१४	१२	५८	२	२	८	२३	कं४३।१७
१०	र	२५	५९	पु	५४	१९	अ	२७	४	ग	२५	५९	१६	५७	३	३	९	२४	कर्के
११	चं	२०	२	श्ले	४९	१२	सु	१८	५१	वि	२०	२	२१	५६	४	४	१०	२५	सिं. ४९/१२
१२	मं	१२	४४	म	४२	३९	धृ	५/५	४९/२५	बा	१२	४४	२५	५५	५	५	११	२६	सिंहे
१३	बु	३	५९	पू	३५	२०	गं	४८	२२	तै	३	५९	२९	५४	६	६	१२	२७	कं.४८।२०
१४	बु	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	गु	४४	३२	उ	२७	२०	वृ	३८	२३	वि	१९	३१	३३	५३	७	७	१३	२८	कन्यायां

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३६३१ स.२००२

चंद्रदर्शनम्
रेवत्यां शुक्रः२८।४७मोहोरम१सन्×
भ.५२।४३उ.उभा.रवि५५।४१A
भ.२५।१०या. [A(सौरः५८।४५)
[×१४२३हि.फुलरिया २
पूमा.बुधः४१।३३
भ.३२।५०उ.
भ.२।३६या.भा.चैत्रारंभः होलाष्टकः
भ.५३।०उ.बुधास्तः पूर्वस्यां३२।३३
भ.२०।२या.आमलकी११व्र.
मीने बुधः१५।२८प्रदोषः
म.५४।३१उ.अश्वि.मेषेशुक्रः१५।२६
[Bदहनम्
भ.१९।३१या.उभा.बुधः०।२होलिकाB

४९पं.फा. शु. १शु. इ.४०/३१

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	११	१	१	११
१	१६	११	१२	१५	१५	२८	१
५	३	४९	५	४०	१७	३३	२
३५	७	३७	२८	१२	२०	६	१३
५९	४०	९७	२	७४	३	३	५९
४१	५९	५९	५९	२०	३७	११	४९

गोचर ग्रहाः

इस मास में गल्ला जौ चना गेहूं मटर सरसों में मंदी होगी. सोना चांदी लोहा में तेजी हो प्रजा में चैन फैले ।

गोचर ग्रहाः

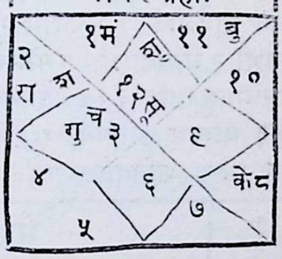

५०पं.फा.शु.८शु.इ.४०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	२	११	१	१	११
८	२०	२३	१२	२४	१५	२८	८
३	५६	३३	२८	२०	४५	१०	०
१८	३८	१४	५५	५६	५४	५१	८
५९	४०	०	४	७४	४	३	५९
२९	५८	८	९	१४	१७	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५८ शाकः १९२३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	शु	३४	४५	ह	१९	३६	ध्रु	२८	२९	बा	९	३८	३०/३७	५/५३	६/७	८	१४	२९	तु.४५।५८
२	श	२५	४३	चि	१३	२०	व्या	१६	२३	तै	०	१४	४१	५२	८	९	१५	३०	तुलायां
३	र	१८	५०	स्वा	६	१७	ह	७	११	वि	१८	५०	४५	५१	९	१०	१६	३१	वृ.४६।३६
४	चं	१३	२०	वि	०/२	५६/२५	व	०/२५	५२/४२	बा	१३	२०	४९	५०	१०	११	१७	१	वृश्चिके
५	मं	७	१७	ज्ये	५८	४९	व्य	४८	३८	तै	७	१७	५३	४९	११	१२	१८	२	ध.५८।४९
६	बु	४	५८	मू	६०	०	व	४५	४४	व	४	५८	५७	४९	११	१३	१९	३	धनुषि
७	गु	४	५९	मू	०	४१	प	४४	२५	ब	४	५९	३१/१	४८	१२	१४	२०	४	धनुषि
८	शु	६	४४	पू	४	८	शि	४४	४३	कौ	६	४४	५	४७	१३	१५	२१	५	म.२०।२६
९	श	१०	२३	उ	९	२०	सि	४५	४०	ग	१०	२३	८	४६	१४	१६	२२	६	मकरे
१०	र	१५	१५	श्र	१५	४१	सा	४८	३८	वि	१५	१५	१२	४६	१४	१७	२३	७	कुं.४९।१९
११	चं	२१	३१	ध	२२	५६	शु	४९	५५	बा	२१	३१	१६	४५	१५	१८	२४	८	कुंभे
१२	मं	२७	११	श	३०	२३	शु	५२	३०	तै	२७	११	१९	४४	१६	१९	२५	९	कुंभे
१३	बु	३३	५४	पू	३८	१०	ब्र	५४	५०	ग	०	३२	२३	४३	१७	२०	२६	१०	मी२१।१३
१४	गु	४०	७	उ	४५	२८	ऐं	५६	५३	वि	७	००	२६	४३	१७	२१	२७	११	मीने
३०	शु	४५	५३	रे	५२	३८	वै	५८	३६	च	१३	००	३०	४२	१८	२२	२८	१२	मे.५२।३८

वसंतर्तू रविरुत्तरे फा. कृष्णेति महाराष्ट्राः

वसंत१छारेंडी
भ.५२।१६उ.कृत्ति.भौमः५७।०
भ.१८।५०या.रेवत्यां रविः२३।२० ×
अप्रेल४ता.३०
आर्द्रा. ३गुरुः१६।४६ रोहिणी३शनिः३४/१६
भ.४।५८उ.३४।५९या.रेवत्यां बुधः५१/४०
वृषेभौमः४५।१४शीतलापूजनम्
[×(सौरः२६।१२)चतुर्थी व्र.
भ.१५।१५या. ४२/४९ या.भरण्यांशक्रः५६/१
पापमोचनी११व्रतम्
भ.३३।५४उ.अश्वि.मेषेबुधः२८।२९÷
भ.७।०या. [÷प्रदोषः
मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.१शु.इ.४१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	२	०	१	१	११
१४	२५	६	१३	३	१६	२७	१४
५९	४८	३५	०	०	१९	४८	५६
१०	१४	२८	५४	७	८	३५	१६
५९	४०	६	५	७४	४	३	५९
१६	५९	५५	१९	८	५०	११	१८

गोचर ग्रहाः

चैत्रस्य प्रथमे पक्षे पंचमी बुधवासरे । भौमे वा कुरुते स्वर्घं गोधूमस्य घृतस्यच ।। यहां घी गेहूंमें तेजी का योग है ।।

गोचर ग्रहाः

५२पं. चै.कृ.८शु.इ.४१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	०	१	१	११
२१	०	२०	१३	११	१६	२७	२१
५३	३८	२३	४१	३५	५६	२६	५०
३१	२४	१७	२०	२	१७	१९	२७
५९	४०	२	६	७४	५	३	५९
४	५५	५५	२८	२	१३	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१००पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०३ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०३ भोग्यकलिः ४२६८९७ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०५९ शाकः १९२४ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री शनिः । सस्येशोभौमः । धान्यशो रविः । मेघेशः शनिः । रसेशोगुरुः । नीरसेशो भौमः । फलेशः शुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ९ मन्मथनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः १०।११।३३।११ भोग्यमासादिः १।१८।२६।४९ अहिर्बुध्न्यदैवतं युगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणीनिवासःसंधौः । समयनिवासो वणिक्गृहे । समय विश्वा ८ समयवाहनम् महिषः । स्तंभौ २ अन्नवारवोः । सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी नैव अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी १ भानु सप्तमी १ रविदशमी नैव समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् ७ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ ऐक्यम् १०९ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५

भैरव प्रश्न

अंबा देवी मात से पूछत भैरव जाय ।
गुणसठ संवत् का कहो हालचाल समझाय ।।

भवानी उत्तर

गुणसट्यो गुण आगलो संचय करो सब कोय ।
तेजी कारक वर्ष है दूणा दमड़ा होय ।।
रवि सुत राजा वर्ष का मंत्री पद को पाय ।
रोग युद्ध दुर्भिक्ष भय मचे जगत के मांय ।।
शनि देव मेघेश है इनकी बाण कुबाण ।
रोहिणी वासो संवि में हो वर्षा की हाण ।।
श्रावण में आगे चले रविरथ से कुजराय ।
कहींक वर्षा खैंच हो कहीं २ प्रलय दिखाय ।।
समय निवासो वैश्य घर इसका फल शुभनांय ।
ईश कृपा से फल कहा संवत् गुणसठ मांय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्ष लग्नम् ८।१२

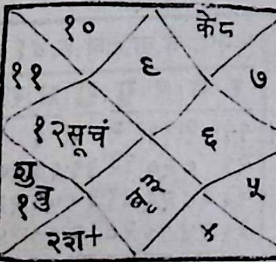

वर्षेश लग्नम् ११।८

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४०।० केतकी मतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५२।३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिःफलम् ।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्चदेशान् । मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनयसंरहिता बहु दुःखदाः । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशोभौमस्तत्फलम् ।। प्रथम धान्यपतौ धरणीपतौ गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदा बहुरोग घनो जलं न समसौख्यकरं तुषधान्यहृत् ।। धान्येशः रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शनिः फलम् । रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरलवृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपति सदा विविधरोगरता जनता यदा ।। रसेशो गुरुःफलम् ।। यदि गुरौ रसपे जनसौख्यदे कमलवंति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विजपूजन तत्पराः गजसवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम् ।। नीरसेशो यदा भौमः प्रवालरक्तवाससां । रक्त चंदनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात् क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालियुगं धनजं बहु द्रविणतैलघृतं नृपसौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् ।। नरवरेषु विशेष पतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्यकरो मनः । विनयवाणिजगेहसमः सुखो गतवने निकटेपि च दूरतः ।। मन्मथ नाम संवत्सरः फलम् ।। मन्मथाब्देखिला लोकाः तस्करा इव लोलुपाः । शालीक्षुयवगोधूमैर्नयनाभिनवाधरा ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम् ।। कार्पादि महर्घं स्याद्गोधूमासतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणीनिवासः संधौ फलम् ।। खंडवृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे । वणिक् गृहे शुभंनास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०५९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

(चैत्र वैशाख ज्येष्ठाषाढमासेषु गोधूल्यां भौम८।७दोषः)

चैत्र मासः ।

शु. १० चंद्रे मघा. ल. गो.११रे.६।ऽ।।ऽरो।ऽऽ।गणितेन-क्रांतिसाम्याऽभावः कुंभे चं. ७ पूज्यः

,, १३ गुरौ हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ऽ।।।ऽअ.ऽ।।

,, १४ शुक्रे स्वा. ल. १०।११ रे.७।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः ।

कृ. ४ भौमे मूले ल. गो.१०।११।१२रे.८।।।ऽ।ऽ।।

,, ११ बुधे उभा. ल. १०।११रे.७।ऽ।।ऽचो।ऽ।।

शु. ७ रवौ मघा. ल.१रे.८।।।।ऽनृ।ऽ।।

,, ९ भौमे उफा. ल.गो. सोग्रांगः१२रे.६ऽऽ।।ऽचो।ऽ।। मीने चं. ७पू.

,, १३ शुक्रे स्वा. ल.अन्यगो.सोग्रांगः११रे.८।ऽ।।।ऽ।।

,, १५ रवौ अनु. ल.११रे.८।।।।ऽअ.।ऽ।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. १ चंद्रे मूले ल.१रे.७।ऽ।ऽजु।ऽ।।।।गुरोःपादवेधाऽभावः

,, ९ भौमे उभा.ल.११।१रे.८।।।।ऽअ.।ऽ।।

,, १० बुधे रेवत्यां ल. ११।१रे.८।।।।।ऽऽ।।

शु. ५ शनौ मघा.ल.१रेः९।ऽ।।।।।।।

,, ८ भौमे हस्ते ल. १२ (चं.७पूज्यः)रे.८।ऽ।।।ऽ।।

,, १० गुरौ स्वा.ल.१रे.९।।।।।ऽ।।चं.७पू.

,, १२ शनौ अनु.ल.अन्यगो.१२रे.८ऽऽ।।।।।।।

आषाढ मासः ।

कृ. ६ चंद्रे उभा.ल.१रे.७ऽ।।।ऽचो।ऽ।।

,, ७ भौमे उभा.ल.अन्यगो.रे.७ऽ।।।।।ऽ।ऽदग्धा दोषः

,, ७ भौमे रेव.ल.१रे.७।।।।।ऽऽ।ऽदग्धा.

,, ८ बुध रेवत्यां ल.अन्गो.रे.७।।।।ऽरो।ऽऽ।।

कार्तिक मासः ।

शु. १२ शनौ रेव.ल.४रे.८ऽ।।।।ऽ।।घ.३८।१३ उप.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ८ गुरौ उफा.ल.६रे.८ऽ।।।।ऽ।।

,, ११ शनौ हस्ते ल. अन्यगो.सोग्रांगः रे.८।।।।।ऽऽ।।

शु. ८ गुरौ उभा.ल.गो.४रे.९।।।।ऽरो।।।घ ३७/४या.

,, ९ शुक्रे रेव.ल.४।६रे.६।ऽ।।।ऽऽ।ऽघ. ३५।२९ उप.

माघ मास ।

कृ. २ चन्द्रे मघा. ल.गो.६ रे.९।।।।ऽचो।।।

,, ४ बुधे उफा.ल.गो.७रे.७ऽ।।।ऽरो।ऽ।।

,, ५ गुरौ हस्ते ल. गो.७रे.९।।।।।ऽ।।

शु, ४ बुधे उभा. ल. ६ (चं.७ पू.)रे.७।।।।ऽनृऽऽ।।

,, ५ गुरौ रेव.ल.अन्यगो. ६रे.७ऽ।।।ऽऽ।।

,, १४ रवौ मघा. ल. ७(घ.४०।४०उ.) रे.६।।ऽबु।ऽऽ।।पादतोवेधाभावः

फाल्गुन मासः ।

कृ. २ भौमे उफा. ल.६।७रे.८ऽ।।।।ऽ।।

शु. १ भौमे उभा. ल.१०रे.९।।।।ऽअ.।।।गु.७पूज्यः

,, ६ रवौ रोहि.ल.१०(घ.५३।४५उ.)रे.७।।।ऽ।ऽऽ।।गुरु ७ पू.

,, ७ चंद्रे रोहि. ल. अन्यगो.रे.७।।।ऽ।ऽऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६६० स.२००२
१	श	५०	४८	अ	५८	४०	वि	५६	४६	किं	१९	२१	३१/४	५/४१	६/१९	२३	२९	१३	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कः:५७।१९संवत्सरारंभ .नव-×
२	र	५५	५	भ	६०	०	प्री	६०	०	बा	२२	५६	३८	४०	२०	२४	३०	१४	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कःसौरः:४६ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	५८	५०	भ	४	३२	प्री	०/१५	५९/४१	तै	२६	५८	४२	४०	२०	२५	१	१५	ब.२०।३४	सफर२मत्स्यजयंती,गणगौरी
४	मं	६०	०	कृ	८	४०	सौ	५८	४१	व	२९	४३	४६	३९	२१	२६	२	१६	वृषे	भ.२९/४३उ.भरण्यांबुधः४७/१४ [×रात्रा,घटस्था
४	बु	०	३६	रो	१२	१०	शा	५६	५९	वि	०	३६	५०	३८	२२	२७	३	१७	मि. ४३/२०	भ ०।३६या.कृति.शुक:५९।१७
५	गु	१	४४	मृ	१४	३१	अ	५३	५८	बा	१	४४	५३	३७	२३	२८	४	१८	मिथुने	
६	शु	१	२८	आ	१४	४१	सु	४९	५३	तै	१	२८	५७	३७	२३	२९	५	१९	मिथुने	रोहि.भौमः:३२/४२बुधोदयःपश्चिमायाम्१९/४२
७/८	श	५ ०/७	७/१५	पु	१५	१६	धृ	४४	४७	व	०	७	३२/१	३६	२४	३०	६	२०	क.०।८	भ.०।१७उ.२६/४५या.मृग.१राहुःज्येष्ठा.३÷
९	र	५३	७	पु	१३	३५	शू	३७	२८	बा	२५	१४	५	३५	२५	१	७	२१	कर्के	वृषे शुक्रः:१/९३/५भा.वैशाखारंभः:रामनवमी
१०	चं	४७	३३	श्ले	१०	३७	गं	३०	१०	तै	२०	२०	९	३४	२६	२	८	२२	सिं. ३/७	[÷केतुः१६।३२
११	मं	४०	३६	म	६	११	वृ	२२	३४	व	१४	४	१२	३४	२६	३	९	२३	सिंहे	भ.१४/४उ.४०/३६या.कृत्ति.बुधः४३/१४पातस्पर्शः+
१२	बु	३२	४३	पू	०/४४	५३/३४	ध्रु	१४	२०	ब	६	३९	१६	३३	२७	४	१०	२४	कं.१४।७	[+११/३२पातमोक्षः३३/४२कामदा११व्र.
१३	गु	२३	५७	ह	४७	१६	व्या	२/३	४९/४७	तै	२३	५७	२०	३२	२८	५	११	२५	कन्यायां	वृषे.बुधः:५२।११प्रदोषः
१४	शु	१४	४३	चि	४०	६	व	४२	५६	व	१४	४३	२३	३१	२९	६	१२	२६	तु.१३।४१	भ.१४।४३उ.४०।२५या.
१५	श	६	७	स्वा	३३	३१	सि	३३	१९	ब	६	७	२७	३१	२९	७	१३	२७	तुलायां	भरण्यां रविः:३७/४(सौरः:४२/११) नुमज्जयंती

१ पं. चै.शु.१श.इ. ५७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	२	०	१	११	११
०	६	७	१४	२१	१७	२७	२९
०	१७	२२	३९	४५	४५	०	५६
०	३२	१६	७	४७	१८	१५	३८
५८	४०	०/१	७	७३	५	३	५८
४४	४१	५/४	२६	५२	५०	११	४५

२ पं.चै.शु. ७ श.इ. ५७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	२	१	१	१	०
६	११	२१	१५	०	१८	२६	६
५०	४	२२	३५	१९	२७	३७	४६
४२	८	४१	२	१९	११	५९	४९
५८	४०	३०/५	८	७३	६	३	५८
३१	३८	५५	३८	४९	१०	११	२९

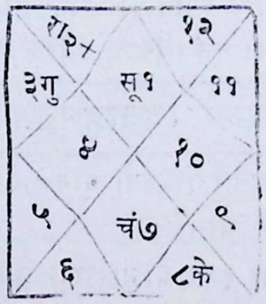

३ पं. चै.शु. १५ श.इ. ५७/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	२	१	१	१	०
१३	१५	३	१६	८	१९	२६	१३
३९	४८	८	३७	५२	१३	१५	३५
४७	३२	२४	१२	१६	४८	४४	१४
५८	४०	८९	९	७३	६	३	५८
१९	३१	५६	२७	४०	२६	११	१२

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णोतिमहाराष्ट्राः
१	श	५१	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	र	५०	४	वि	२७	५८	व्य	२४	३४	तै	२३	४०	३२/१	५/३०	६/३०	८	१४	२८	वृ.१४।२१	रोहि.शुक्रः:५३/३आर्द्रा४गुरुः१५।३९
३	चं	४४	२०	अ	२३	५०	व	१६	४६	व	१७	१२	३४	२९	३१	९	१५	२९	वृश्चिके	भ.१७।१२उ.४४।२०या.
४	मं	४०	४१	ज्ये	२१	२६	प	१०	४९	ब	१२	३१	३८	२८	३२	१०	१६	३०	ध.२१।२६	चतुर्थी व्र.
५	बु	३९	१७	मू	२१	२५	शि	६	२४	कौ	९	५९	४१	२८	३२	११	१७	१	धनुषि	मई ५ ता. ३१
६	गु	३९	५२	पू	२३	१७	सि	३	४७	ग	९	३४	४५	२७	३३	१२	१८	२	म. ३९/१८	भा।३९।५२ उ.
७	शु	४२	४४	उ	२७	२२	सा	२	४८	वि	११	९	४८	२६	३४	१३	१९	३	मकरे	भ.११।९या. रोहिण्याम् बुधः२३।२१
८	शु	४६	४३	श्र	३२	५१	शु	२	४९	अ	१४	४४	५२	२६	३४	१४	२०	४	मकरे	रोहिणी.४शनिः३४।४४
९	श	५२	२६	ध	३९	४७	शु	४	२८	त	१९	३५	५५	२५	३५	१५	२१	५	कुं. ६।१९	
१०	र	५८	३०	श	४७	५	ब्र	६	३५	व	२५	२८	५८	२४	३६	१६	२२	६	कुंभे	भ.२५।२८उ.५८।३०या.
११	चं	६०	०	पू	५४	४९	ऐं	९	४	ब	३१	४३	३/३	२४	३६	१७	२३	७	मी३७।५३	वरूथिनी ११ व्र.स्मार्ता.
११	मं	४	५६	उ	६०	०	वै	११	२१	कौ	४	५६	५	२३	३७	१८	२४	८	मीने	वरूथिनी ११ व्र. वैः
१२	बु	११	८	उ	२	१७	वि	१३	५२	तै	११	८	८	२२	३८	१९	२५	९	मीने	मृगे. शुक्रः५८/४मृगे भौमः७।५प्रदोषः
१३	गु	१६	३७	रे	९	१८	प्री	१५	३९	व	१६	३७	११	२२	३८	२०	२६	१०	मे.९।१८	भ.१६।३७उ.४८।५१ या.
१४	शु	२१	५	अ	१५	१९	आ	१६	२१	श	२१	५	१४	२१	३९	२१	२७	११	मेषे	कृत्ति.रविः२३।३०(सौरः३०।३(
३०	र	२४	३२	भ	१९	५९	सौ	१७	३७	ना	२४	३२	१७	२१	३९	२२	२८	१२	वृ.३५।५६	

४ पं.वै.कृ. ८ श.इ.५८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	२	१	१	१	०
२०	२०	११	१७	१७	२०	२५	२०
२७	३०	२४	४४	२२	२	५३	२१
३५	५०	४३	२०	३०	३५	२८	५७
५८	४०	५३	१०	७३	६	३	५७
६	२८	३९	११	२४	३८	११	५७

ग्रोचर ग्रहाः

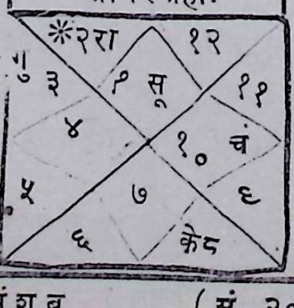

चैत्र शुक्ले १ शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. न.बालावस्था (वैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

ग्रोचर ग्रहाः

५ पं.वै.कृ.१४श.इ.५८।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	२	१	१	१	०
२७	२५	१५	१८	२५	२०	२५	२७
१३	१५	३२	५६	५०	५३	३१	७
३७	७	३८	१३	४१	२८	१२	११
५७	४०	१२	१०	७३	६	३	५७
५४	१७	४०	५४	१४	५६	११	४५

×रा श ❊ श मं शु बु (सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) ÷श रा मं शु +श मं शु बु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४												दि	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः
१	चं	२६	४९	कृ	२३	४८	शो	१५	५७	ब	२६	४९	२ ३/०	२ ५/०	४ ६/०	२३	२९	१३	वृषे
२	मं	२७	५४	रो	२६	३१	अ	१४	१६	कौ	२७	५४	२३	१९	४१	२४	१	१४	मि. ५७/२३
३	बु	२८	१	मृ	२८	१४	सु	११	४४	ग	२८	१	२६	१९	४१	२५	२	१५	मिथुने
४	गु	२७	१	आ	२८	५८	धृ	७	५०	वि	२७	१	२८	१८	४२	२६	३	१६	मिथुने
५	शु	२५	१४	पु	२८	५५	शू	२ ४/६	५५/२६	बा	२५	१४	३१	१८	४२	२७	४	१७	क.१३।५६
६	श	२२	३२	पु	२७	४५	वृ	५४	१७	तै	२२	३२	३४	१७	४३	२८	५	१८	कर्के
७	र	१८	५०	श्ले	२५	५०	ध्रु	४८	१४	व	१८	५०	३७	१७	४३	२९	६	१९	सिं. २५/५०
८	चं	१४	२२	म	२७	४	व्या	४१	२९	ब	१४	२२	३९	१६	४४	३०	७	२०	सिंहे
९	मं	९	०	पू	१९	२४	ह	३३	५५	कौ	९	०	४२	१६	४४	३१	८	२१	कं.३३।१९
१०	बु	२	५८	उ	१५	२	व	२५	४६	ग	२	५८	४४	१५	४५	१	९	२२	कन्यायां
११	बु	५३	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	गु	४८	३९	ह	९	५८	सि	१७	२७	ब	२२	२३	४७	१५	४५	२	१०	२३	तु.३७।१४
१३	शु	४१	१०	चि	३ ४/२	५४/२९	व्य	२ ८/९	५१/१६	कौ	१४	५५	४९	१४	४६	३	११	२४	तुलायां
१४	श	३३	२९	वि	५३	५७	व	५१	१९	ग	७	१९	५२	१४	४६	४	१२	२५	वृ.४०।१३
१५	र	२६	५३	अ	४९	४३	शि	४३	३८	वि	०	११	५४	१३	४७	५	१३	२६	वृश्चिके

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:३६९.०सन्२००२

चंद्र दर्शनम्
वृषेऽर्क: ५९/४५ (सौर: ५७/५०) वक्री.बुध:४४।१×
भ.५७।३१उ.मिथुने शुक्र: ३२/४२ अक्षया ३
भ.२७।१या.
पुनः१गुरु: ५१/१६ बुधास्त:पश्चिमायां५१।५३
[×रविलावल३परशुरामजयंती
भ.१८।५०उ.४६।३६या.मिथुने भौम: ११/५
आर्द्रा.शुक्र:५६।४५
[+नृसिंह १४
भ. २६/३३ उ. ५६/८ या.ग्रस्तं शने: १७/१० भा.ज्येष्ठा*
[*रंभ:मोहिनी ११ व्र.स्मार्ता
मोहिनी ११व्र. वै.
प्रदोष :
भ.३३।२९उ.रोहि.रवि: १५/१९ (सौर: ३३/५८+
भ.०।११या.यमाय घटदानम्

६ पं. वै.शु. ६ श. इ. ५८/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	२	२	१	१	१
३	२९	१५	२०	४	२१	२५	३
५८	५१	३३	१२	१६	४६	८	५०
३७	३२	४	४७	१२	१२	५७	५२
५७	४१	१९/२६	११	७२	७	३	५७
४४	१३	व.	२५	५६	८	११	३४

गोचर ग्रहा:

वैशाख शुक्ले २भौमे वृषेऽर्क: प्रविष्ट: वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु.१०धान्यादि भावे समता शुक्रोदय: पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहा:

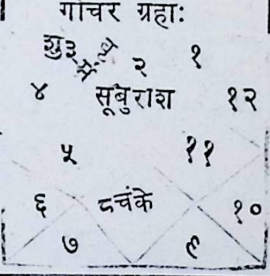

७ पं.वै.शु.१४श.इ. ५६/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	२	२	१	१	१
१०	४	१२	२१	१२	२२	२४	१०
४२	२९	४३	३२	३९	३९	४६	३३
२९	३५	४४	३५	३२	२२	४१	३
५७	३९	३१/५१	१२	७२	७	३	५७
३५	५९	व.	२	३७	१४	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः
१	चं	२१	९	ज्ये	४७	३२	सि	३६	१३	कौ	२१	९	३३/५६	१ ५/३	४ ६/७	६	१४	२७	ध.४७।३२
२	मं	१७	२	मू	४५	१९	सा	३१	३७	ग	१७	२	५८	१२	४८	७	१५	२८	धनुषि
३	बु	१५	११	पू	४५	५२	शु	२७	४४	वि	१५	११	३४/००	१२	४८	८	१६	२९	धनुषि
४	गु	१४	७	उ	४८	२८	शु	२५	३२	बा	१४	७	२	१२	४८	९	१७	३०	म.१।३१
५	शु	१५	५०	श्र	५२	५६	ब्र	२४	५३	तै	१५	५०	३	११	४९	१०	१८	३१	मकरे
६	श	१९	१६	ध	५८	५३	ऐं	२५	१९	व	१९	१६	५	११	४९	११	१९	१	कुं२५।५५
७	र	२४	१६	श	६०	०	वै	२७	७	ब	२४	१६	७	११	४९	१२	२०	२	कुंभे
८	चं	२९	५७	श	६	१४	वि	२९	७	कौ	२९	५७	९	१०	५०	१३	२१	३	मी. ५६/३४
९	मं	३६	१९	पू	१३	२०	प्री	३२	४४	तै	३	८	१०	१०	५०	१४	२२	४	मीने
१०	बु	४२	२४	उ	२०	४३	आ	३४	१	व	९	२१	१२	१०	५०	१५	२३	५	मीने
११	गु	४७	५०	रे	२७	५१	सौ	३६	७	ब	१५	७	१३	९	५१	१६	२४	६	मे.२७।५१
१२	शु	५१	४७	अ	३३	५७	शो	३७	११	कौ	१९	४९	१५	९	५१	१७	२५	७	मेषे
१३	श	५५	१९	भ	३८	४६	अ	३७	१३	ग	२३	३३	१६	९	५१	१८	२६	८	वृ.५४।४०
१४	र	५६	४४	कृ	४२	२३	सु	३६	८	वि	२६	१	१७	९	५१	१९	२७	९	वृषें
३०	चं	५६	४८	रो	४४	२२	धृ	३४	३	च	२६	४६	१८	८	५२	२०	२८	१०	वृषे

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

भ.४६।६ उ.
भ.१५।११या.आर्द्रा.भौम: १४/१६ च. व्र.
पुन:शुक्र:३२।३०
वक्री.कृत्ति.बुध: १९/७ मृगे.१शनि: ३/२७÷
भ.१९।१६उ. ५१/४८ या.जून ६ ता.३०
[÷पातस्पर्श:३।४७ पातमोक्ष:२८।५४
पुन:२गुरु:५५।२८
भ.९।२१उ. ४३/२४ या. बुधोदय:पूर्वस्याम् ३३/४१
अपरा: ११ व्र.
[*प्रदोष :
भ.५५।१९उ.मृगे रवि: ९/१२ सौर: २२/४८)*
भ.२६।१या.कर्के.शुक्र:३४।३४
मार्गी बुध: २७/१५ वटसावित्री व्र.सोमवती३०

८पं.ज्ये.कृ. ६श.इ. ५८/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	२	२	१	१	१
१७	१	१९	२२	२१	२३	२४	१७
२५	६	१४	५५	०	३४	२४	१४
१९	१९	२०	५९	२२	१२	२६	९
५७	३९	२७/३२	१२	७२	७	३	५७
२७	५९	व.	२०	१५	२०	११	१३

गोचर ग्रहा:

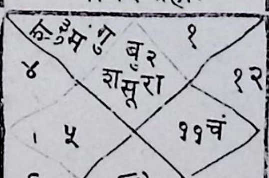

इस मासमें रस पदार्थ घृत तैल गुड़ सरसों अन्डी अलसी सोना चांदी धान्य रुई में मन्दीहोकर तेजीहोगी कही २ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहा:

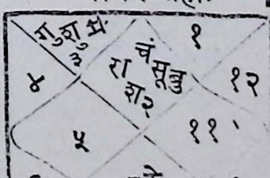

९ पं.ज्ये.कृ.१३श.इ. १८/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	२	२	१	१	१
२४	१३	७	२४	२९	२४	२४	२३
७	४१	३५	२१	१६	२८	२	५४
१९	१०	१३	४३	५९	१९	१०	५
५७	१२	६/४०	३९	७१	७	३	५७
२२	४५	व.	५६	५३	२०	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३७१९स,२००२
१	मं	५५	३२	मृ	४५	७	शू	३०	४६	किं	२६	१०	३४/१९	५/८	५६/२	२१	२९	११	मि१४।५४	
२	बु	५३	२	आ	४४	३४	गं	२६	३४	बा	२४	१७	१९	८	५२	२२	३०	१२	मिथुने	पुष्ये शुक्रः २१।३०चंद्रदर्शनम्
३	गु	४९	५२	पु	४३	२४	बृ	२१	४६	तै	२१	२७	२०	८	५२	२३	१	१३	कं.२८।४१	रविलाख र ४
४	शु	४५	५६	पु	४१	१८	ध्रु	१६	५	व	१७	५४	२१	८	५२	२४	२	१४	कर्के	भ.१७।५४उ.४५।५६ या.
५	श	४१	२९	श्ले	३९	१	व्या	१०	५	ब	१३	४३	२१	८	५२	२५	३	१५	सिं.३९।१	मिथुनेऽर्कः७।४६(सौरः२३।३६)
६	र	३६	४१	म	३६	९	ह	५९/३	५३/२३	कौ	९	५	२२	८	५२	२६	४	१६	सिंहे	
७	चं	३१	४४	पू	३३	७	सि	५०	५७	ग	४	१३	२२	८	५२	२७	५	१७	कं.४७।१६	भ.३१/४४उ.५९/६या.रोहि.बुधः३३/३अस्तो*
८	मं	२६	२८	उ	२९	४३	व्य	४३	३७	ब	२६	२८	२३	७	५३	२८	६	१८	कन्यायां	पुन.भौमः३५।५९ [*भौमः३१।१४
९	बु	२१	४	ह	२६	१६	व	३६	१७	का	२१	४	२३	७	५३	२९	७	१९	तु.५४।२३	पुनः३गुरुः५५।४४
१०	गु	१५	१९	चि	२२	२९	प	२८	३८	ग	१५	१९	२३	७	५३	३०	८	२०	तुलायां	भ.४२।२०उ.गंगादशमी
११	शु	९	२०	स्वा	१८	५०	शि	२१	५४	वि	९	२०	२४	७	५३	३१	९	२१	तुलायां	भ.९।२० या. निर्जला ११व्र.
१२	श	६३	५८	वि	१५	१६	सि	१४	५३	बा	३	५८	२४	७	५३	१	१०	२२	वृ. १।१०	आर्द्रा.रविः६/४१(सौरः२५/९)रोहि.४राहुः×
१३	श	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×ज्येष्ठा२केतुः१४/१७भा.आषाढारंभःप्रदोष
१४	र	५४	११	अ	१२	१५	सा	९	१३	ग	२६	२५	२४	७	५३	२	११	२३	वृश्चिके	भ.५४/१०उ.आश्ले शुक्रः४/५८पातस्पर्शः३४/१६
१५	चं	५०	३७	ज्ये	९	५६	शु	२/१५	५४/५४	वि	२२	२४	२४	७	५३	३	१२	२४	ध.९।५७	भ.३२/२४या.पातमोक्षः६/२२गुर्जराणांवटसा.व्र.

१० पं.ज्ये.शु.५ श. इ. ५८/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	२	३	१	१	२
०	१८	९	२५	७	२५	२३	०
४८	१५	२०	५०	२९	२२	३०	३३
३६	३२	४६	३१	५६	५२	५४	१४
५७	३९	२४/५६	१३	७१	७	३	५६
१७	५०	मा	८	२५	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले ५ शनौ मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५ न, ५ वालावस्था (वैठी)मु.१५ धान्यादिभावें महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

११ पं.ज्ये.शु.१२ श.इ. ५८/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	२	३	१	१	२
७	२२	१४	२७	१५	२६	२३	७
२९	४८	५२	२०	४०	१७	१७	११
३१	२९	५	३८	३०	१७	३९	४१
५७	३९	५९	१२	७०	७	३	५६
१३	५२	१०	२७	५२	१४	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	४८	३१	मू	८	४१	ब्र	५३	८	बा	१९	३४	३४/२४	५/७	५६/३	४	१३	२५	धनुषि	
२	बु	४८	०	पू	९	३	ऐं	५०	१६	त	१८	१६	२३	७	५३	५	१४	२६	म.२४।३१	मृग.२शनिः७।१
३	गु	४९	८	उ	१०	५६	वै	४९	६	व	१८	३४	२३	७	५३	६	१५	२७	मकरे	भ.१८/३४उ.४९/८या.उदयं शनेः३५।२०
४	शु	५२	१	श्र	१४	२७	वि	४८	४४	ब	२०	३४	२२	८	५२	७	१६	२८	कुं.४६।५८	चतुर्थी व्रतम्
५	श	५६	३५	ध	१९	२९	प्री	४९	४१	कौ	२४	१७	२२	८	५२	८	१७	२९	कुंभे	मृगे बुधः ४९।५६
६	र	६०	०	श	२६	१	आ	५१	७	ग	२९	१४	२१	८	५२	९	१८	३०	कुंभे	
६	चं	१	५५	पू	३३	५	सौ	५३	५५	व	१	५५	२०	८	५२	१०	१९	१	मी. ६/१९	भ.१/५५उ.३५/१या.जुलाई ७ ता. ३१
७	मं	८	७	उ	३९	४९	शो	५६	१६	ब	८	७	१९	८	५२	११	२०	२	मीने	[÷अस्तं गुरोः १०।४८
८	बु	१४	१०	र	४७	५२	अ	५८	३७	कौ	१४	१०	१८	८	५२	१२	२१	३	मे. ४७/५२	[×१०।१०पुन.४कर्के गुरुः ३४।४६
९	गु	२०	१९	अ	५४	३७	सु	६०	०	ग	२०	१९	१७	९	५१	१३	२२	४	मेषे	भ.५२।२५उ.मिथुने बुधः९१/५८कर्के भौमः×
१०	शु	२४	३१	भ	५९	५७	सु	०	६	वि	२४	३१	१६	९	५१	१४	२३	५	मेषे	भ.२४/३९या.मधा.सिंहे शुक्रः२८।८
११	श	२७	४०	कृ	६०	०	धृ	०	४६	बा	२७	४०	१५	९	५१	१५	२४	६	वृ. ५/५५	पुनःरवि.५/३१(सौरः२९/११)योगिनी११ व्र.
१२	र	२९	१७	कृ	३	४९	शू	०/१	५७/५६	तै	२९	१७	१४	९	५१	१६	२५	७	वृषे	आर्द्रा.बुधः४३।५६प्रदोषः
१३	चं	२८	५०	रो	५	५२	वृ	५३	४५	व	२८	५०	१३	९	५१	१७	२६	८	मि. ३६/२५	भ.२८।५०उ.५७।४८या.
१४	मं	२६	४६	मृ	६	२०	ध्रु	४९	५६	श	२६	४६	११	१०	५०	१८	२७	९	मिथुने	पुष्ये भौमः१३/४९बुधास्तःपूर्वस्याम्४५।३५÷
३०	बु	२२	५३	आ	५	४	व्या	४४	१	ना	२२	५३	१०	१०	५०	१९	२८	१०	कं.४८।१२	

१२ पं.आ.कृ५.श.इ. ५८/३१

र	मं	बु	गु	शु	शु	रा	र
२	२	१	२	३	१	१	२
१४	२७	२३	२८	२३	२७	२२	१३
९	१९	३२	५२	४५	१०	५५	४९
५८	४१	५६	८	०	४१	२३	४६
५७	३९	९०	१२	७०	७	३	५६
७	४३	२३	२६	११	८	११	५०

गोचर ग्रहाः

मिथुने च यदा भौमः मेघश्च प्रबलो भवेत्। आरक्तं सर्वं द्रव्याणि महर्घाणि भवन्तिहि।। इस मास में सभी धान्य रस तेज होंगे धातु मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

१३ पं,आ.कृ,११ श.इ ५८/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	४	१	१	२
२०	१	५	०	१	२८	२२	२०
५०	५१	१४	५४	४४	३	३३	२७
२४	११	६	५४	२०	१४	८	४०
५७	३९	[illegible]	१३	६९	७	३	५६
७	३९	१/३	३२	२०	८	११	५०

×गुसू *राश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०५९			शाकः १९२४									दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७४९ स. २००२
१	गु	१८	१५	पु	३५/२	३३/५६	ह	३७	२३	ब	१८	१५	३४/८	५/१०	६/५०	२०	२९	११	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	शु	१२	३२	श्ले	५४	५६	व	३०	४	कौ	१२	३२	७	११	४९	२१	१	१२	सि. ५/३ ४/६	जमादिलावल ५ रथयात्रा
३	श	६	२५	म	५०	५५	सि	२२	२१	ग	६	२५	५	११	४९	२२	२	१३	सिंहे	भ. ३३।२१ उ.
४	र	०	१७	पू	४६	४६	व्य	१४	३५	वि	०	१७	३	११	४९	२३	३	१४	सिंहे	भ. ०।१७ या. पुन. बुधः २४।४७
५	र	५३	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×शुक्रः १२।१९
६	चं	४७	१३	उ	४२	५६	व	१०/७	३३/५७	कौ	२०	३८	१	१२	४८	२४	४	१५	कं. ०।४८	[=पुष्ये बुधः ३/६ पुष्य. १ गुरुः ३।३५÷
७	मं	४२	४०	ह	३९	३०	शि	५२	४८	ग	१४	५६	५३/३९	१२	४८	२५	५	१६	कन्यायां	भ. ४२।४० उ. कर्केऽर्कः ३४।५७
८	बु	३७	२७	चि	३५	५९	सि	४५	५२	वि	१०	४	५७	१३	४७	२६	६	१७	तु७।५४	भ. १०।४या. कर्केऽर्कः सौरः १।५५ पूफा.×
९	गु	३२	४३	स्वा	३३	१४	सा	४०	३२	बा	५	५	५५	१३	४७	२७	७	१८	तुलायां	[÷देवशयनी ११व्र
१०	शु	२८	३०	वि	३१	१२	शु	३३	३५	तै	०	३६	५२	१४	४६	२८	८	१९	वृ. १६।४३	भ ५६।४० उ. कर्के बुधः १।१३
११	श	२४	५०	अ	२९	२४	शु	२८	१२	वि	२४	५०	५०	१४	४६	२९	९	२०	वृश्चिके	भ. ३/४ या. पुष्ये रविः ४।१५ (सौरः ३/३)=
१२	र	२१	५७	ज्ये	२८	२५	ब्र	२३	१७	बा	२१	५७	४८	१४	४६	३०	१०	२१	ध. २८।२५	प्रदोषः
१३	चं	१९	५३	मू	२८	१३	ऐं	१८	५९	तै	१९	५३	४५	१५	४५	३१	११	२२	धनुषि	[+३२।३९भा. श्रावणारंभः वायुपरीक्षा
१४	मं	१८	५९	पू	२९	१९	वै	१४	३५	व	१८	५९	४३	१५	४५	१	१२	२३	म. ४४।५०	भ. ५/६ उ. ४९।३या. मृग. ३मिथुने शनिः+
१५	बु	१९	७	उ	३१	२६	वि	१३	९	ब	१९	७	४०	१६	४४	२	१३	२४	मकरे	व्यास पूजा गुरु१५

१४पं.आ.शु.३श.इ.५८।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	४	१	१	२
२७	६	१९	१	९	२८	२२	२१
३०	२०	५	३८	३८	५४	१०	५
४३	५३	१०	३४	३५	११	५२	४७
५७	३९	[illegible]	१३	६८	६	३	५६
११	३९	[illegible]	३८	३१	४०	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले७भौमे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५प्रगल्भावस्था (वैठी) मु. ३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

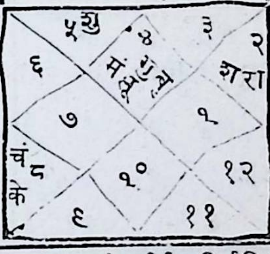

१५पं.आ.शु.११.श.इ. ५८/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	४	१	१	३
४	१०	४	३	१७	२९	२१	३
११	४९	५	३२	२५	४३	४८	४४
२८	५५	२४	२४	१२	२६	३६	१४
५७	३९	[illegible]	१३	६७	६	३	५६
१५	२९	[illegible]	३८	२५	२६	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०५९			शाकः १९२४									दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेआषाढ कृष्णेति महा०
१	गु	२०	५०	श्र	३४	५५	ग्री	१२	५	कौ	२०	५०	३३/८	५/१६	६/४४	३	१४	२५	मकरे	
२	शु	२३	५३	ध	३९	३४	आ	११	२९	ग	२३	५३	३५	१७	४३	४	१५	२६	कुं. ७।१४	भ. ५६।० उ. आश्ले. बुधः ३४।३८
३	श	२८	७	श	४५	४३	सौ	१२	७	वि	२८	७	३३	१७	४३	५	१६	२७	कुंभे	भ. २८।७या. चतुर्थी व्रतम्
४	र	३२	३५	पू	५२	३६	शो	१३	३८	व	०	२०	३०	१८	४२	६	१७	२८	मी. ३५/५३	[×नाग ५ मरुस्थले
५	चं	३९	२४	उ	५९	५९	अ	१६	३०	कौ	५	५९	२७	१९	४१	७	१८	२९	मीने	उफा. शुक्रः २५।२४आश्ले. भौमः ५९।४२×
६	मं	४५	४०	रे	६०	०	सु	१८	४	ग	१२	३२	२४	१९	४१	८	१९	३०	मीने	भ. ४५।४० उ.
७	बु	५१	४०	रे	७	३४	धृ	२०	३७	वि	१८	४०	२२	२०	४०	९	२०	३१	मे. ७।३४	भ. १८।४०या. [=अगस्त ८ ता. ३१
८	गु	५६	४२	अ	१४	५४	शू	२२	५४	बा	२४	११	१९	२०	४०	१०	२१	१	मेषे	मघा. सिंहे बुधः ५७।११ कन्यायां÷
९	शु	६०	०	भ	२१	४	गं	२४	१२	तै	२८	३७	१६	२१	३९	११	२२	२	वृ. ३७।१७	बुधोदयः पश्चिमायाम् ३०।३१
९	श	०	३१	कृ	२५	५९	वृ	२४	२३	ग	०	३१	१३	२१	३९	१२	२३	३	वृषे	भ. ३/६ उ. आश्ले. रविः १।१६ (सौरः ३/३)
१०	र	२	४७	रो	२९	४	ध्रु	२३	१९	वि	२	४७	१०	२२	३८	१३	२४	४	मि. ५९/३७	भ. २।४७या. पुष्य. २गुरुः ०।२७
११	चं	२	५८	मृ	३०	११	व्या	२०	३५	बा	२	५८	७	२३	३८	१४	२५	५	मिथुने	कामिका ११ व्रतम्
१२	मं	१	९	आ	२९	२६	ह	१६	२३	तै	१	९	४	२३	३८	१५	२६	६	मिथुने	भ. ५७।२१ उ. प्रदोषः
१३	मं	५६	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷शुक्रः ३५।७उदयं गुरोः ३७।१२=
१४	बु	५१	५४	पु	२६	४६	व	१०	३५	वि	२४	३७	०	२४	३६	१६	२७	७	क. १२।२६	भ. २४।३७ या.
३०	गु	४५	७	पु	२२	४७	सि	२५/३	५३/५१	च	१८	३१	५३/२७	२५	३५	१७	२८	८	कर्के	हरियाली ३०

१६पं. श्रा. कृ.३श. इ. ५८/०।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	३	४	२	१	३
१०	१५	१८	५	२५	०	२१	१०
५२	१९	४२	६	३	३०	२६	२३
३०	४१	७	१४	५०	२९	२१	३१
५७	३९	[illegible]	१३	६६	६	३	५७
२०	३६	४०	३८	१	१४	११	५

गोचर ग्रहाः

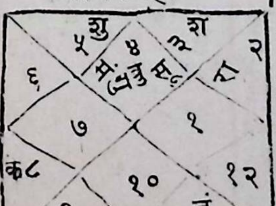

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरामूँग मोठ व धातु सोना चांदी तेज हो रुई रंग सूत में अच्छी तेजी हो कहीं २वर्षा हो

गोचर ग्रहाः

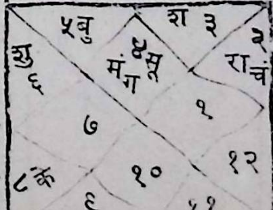

१७पं.श्रा.कृ.९श.इ. ५७/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	३	५	२	१	३
१७	१९	१	६	२	१	२१	१७
३४	४८	५२	३९	३३	१५	४	३
१२	१४	२२	२५	१८	४	५	१९
५७	३९	[illegible]	१३	६४	५	३	५७
२५	२६	[illegible]	३२	२६	५०	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३७७८सन् २००२
१	शु	३७	२०	श्ले	१८	३६	व	४६	२५	किं	११	१४	३२/५४	५/२५	६/३५	१८	२९	९	मि. ३/६	
२	श	२९	१७	म	११	४२	प	३७	७	बा	३	१९	५०	२६	३४	१९	३०	१०	सिंहे	पूफा.बुध:४०।१७चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	२१	१७	पू	५/४०	५४/१३	शि	२७	५०	ग	२१	१७	४७	२७	३३	२०	१	११	क.१९।१३	भ.४७।२९उ.हस्ते शुक्र:५।५२जमादि×
४	चं	१३	४२	ह	५४	३४	सि	१८	४३	वि	१३	४२	४४	२७	३३	२१	२	१२	कन्यायां	भ.१३।४२या.वरद चतुर्थी
५	मं	६	४१	चि	५०	४	सा	१०	२५	बा	६	४१	४०	२८	३२	२२	३	१३	तु.२२।१९	नागपंचमी [×लाखर६तीज
६	बु	०	२४	स्वा	४६	४०	शु	२/४२	५२/१५	तै	०	२४	३७	२९	३१	२३	४	१४	तुलायां	भ.५५।१७उ.
७	बु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×भद्रोत्तरम्
८	गु	५१	१३	वि	४४	१३	ब्र	४९	२७	वि	२३	१५	३३	२९	३१	२४	५	१५	वृ.२९।५०	भ.२३।१५या.
९	शु	४८	१०	अ	४२	५१	ऐं	४२	२८	वा	१९	४१	३०	३०	३०	२५	६	१६	वृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्क:५५।१८
१०	श	४६	१९	ज्ये	४२	४३	वै	३९	४९	तै	१७	१४	२६	३१	२९	२६	७	१७	ध४२।४३	मघा.सिंहेऽर्क:सौर:२९।४८
११	र	४५	३३	मू	४३	२७	वि	३६	१९	व	१५	५६	२२	३२	२८	२७	८	१८	धनुषि	भ.१५।५६उ.४५।३३या.पवित्रा११व्र.
१२	चं	४५	५८	पू	४५	२५	प्री	३३	५३	ब	१५	४५	१९	३२	२८	२८	९	१९	धनुषि	उफा.बुध:२३।२२मघा.सिंहे भौम:=
१३	मं	४७	२१	उ	४८	१८	आ	३२	१३	कौ	१६	३९	१५	३३	२७	२९	१०	२०	म.१।८	प्रदोष: [=५३।१४पुष्य.३गुरु:१९।२५
१४	बु	४९	५६	श्र	५२	२९	सौ	३१	३०	ग	१८	३८	१२	३४	२६	३०	११	२१	मकरे	भ४९।५६उ.कन्यायां बुध: ३४।३८
१५	गु	५३	३५	ध	५७	३२	शो	३१	८	वि	२१	४६	८	३४	२६	३१	१२	२२	कुं. २५।१	भ.२१।४६या.श्रावणी कर्म रक्षा बंधनं×

१८पं.श्रा.शु.२श.इ.५७।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	३	५	२	१	३
२४	२४	१३	८	९	१	२०	२३
१६	१६	४९	११	५१	५८	४१	४४
३७	१६	१	२०	२५	१	५०	२६
५७	३९	९९	१३	६२	५	३	५७
३३	२६	५२	२६	३३	२६	११	२२

गोचर ग्रहाः

श्रावणशुक्ले९ शुक्रेंसि
हेऽर्कःप्रविष्टःवा ४न.
६युवावस्था. (सूती)
मु. १५धान्यादि भाव
महर्घता शक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१९ पं.श्रा.शु.१०श.इ.५७/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	३	५	२	१	४
०	२८	२४	९	१६	२	२०	०
५९	४३	३२	४२	५५	३६	१९	२६
५३	५९	३८	२५	४८	२२	३४	३९
५७	३९	८६	१३	६०	४	३	५७
४०	२६	५८	१९	१०	५६	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रा. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	५८	१९	श	६०	०	अ	३१	५६	बा	२५	५७	३२/४	५/३५	६/२५	१	१३	२३	कुंभे	भा.भाद्रपदारंभः
२	श	६०	०	श	३	४४	सु	३३	३१	तै	३०	५५	१	२६	२४	२	१४	२४	मी.५३/४०	चित्रा.शुक्र:३२।४५रोहिणी.३राहु:ज्ये.×
२	र	३	३२	पू	१०	१९	धृ	३५	२३	ग	३	३२	३१/५७	३७	२३	३	१५	२५	मीने	भ.३६।३५उ. [×ष्ठा.केतु:६।३१
३	चं	९	३८	उ	१७	४६	शू	३७	४४	वि	९	३८	५३	३७	२३	४	१६	२६	मीने	भ.९।३८या.मृग४शनि:४३।४५चतुर्थी व्र.
४	मं	१५	५४	रे	२५	२०	गं	४०	१५	बा	१५	५४	४९	३८	२२	५	१७	२७	मे २५।२०	
५	बु	२२	९	अ	३२	५३	वृ	४२	४२	तै	२२	९	४६	३९	२१	६	१८	२८	मेषे	चंद्रषष्ठी
६	गु	२७	४१	भ	३९	५१	ध्रु	४४	३६	व	२७	४१	४२	४०	२०	७	१९	२९	वृ.५६।१९	भ.२७।४१उ.५९।५९या.हस्तेबुध: ५८/४३
७	शु	३२	१७	कृ	४५	४३	व्या	४५	४३	ब	३२	१७	३८	४०	२०	८	२०	३०	वृषे	पूफा.रवि:४४।५४जन्माष्टमी व्र.स्मार्ता.
८	श	३५	३४	रो	५०	८	ह	४५	४४	बा	३	५५	३४	४१	१९	९	२१	३१	वृषे	पूफा.रवि:सौर:२०।३९तुलायांशुक्र:A
९	र	३६	५७	मृ	५२	५०	व	४४	१९	तै	६	१५	३०	४२	१८	१०	२२	१	मि.२५/२९	सितम्बर९ता.३०गोगा९
१०	चं	३६	११	आ	५३	२९	सि	४१	२०	व	६	३४	२६	४३	१७	११	२३	२	मिथुने	भ.६।३४उ.३६।११या.
११	मं	३३	२२	पु	५२	१४	व्य	३६	४६	ब	४	४६	२२	४४	१६	१२	२४	३	क.३७।३३	अजा११व्रतम् [A४७।३८जन्माष्टमी वै.
१२	बु	२८	४१	पु	४९	४	व	३०	३१	कौ	१	१	१८	४४	१६	१३	२५	४	कर्के	पुष्य.४गुरु:१३।५४वत्सद्वादशी प्रदोष:
१३	गु	२२	७	श्ले	४४	७	प	२१	५२	व	२२	७	१५	४५	१५	१४	२६	५	सिं४४।७	भ.२२।७उ.४८।९या.
१४	शु	१४	११	म	३७	४६	शि	१३	४८	श	१४	११	११	४६	१४	१५	२७	६	सिंहे	
३०	श	५	१३	पू	३०	४६	सि	४/२	४९/२८	ना	५	१३	७	४७	१३	१६	२८	७	कं.४३।५५	कुशाग्रहणी मन्वादि:

२०पं. भा. कृ. २श. इ.५७/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	५	२	१	४
७	३	४	११	२३	३	१९	७
४४	११	१	११	४३	११	५७	१०
२०	१७	४८	४९	२६	४९	१८	१९
५७	३९	७१	१२	५७	४	३	५७
४९	१६	३३	५९	५	३७	११	४५

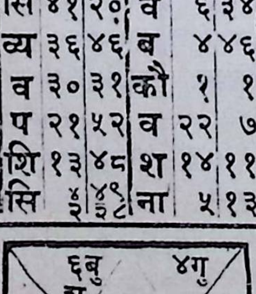

२१पं. भा. कृ. श. इ.५७/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	६	२	१	४
१४	७	११	१२	०	३	१९	१३
३०	३९	४६	३८	८	४३	३५	५५
०	११	१६	४९	३१	१	३	२१
५८	३९	५३	१२	५३	३	३	५७
१	९	४७	३४	२	५८	११	५७

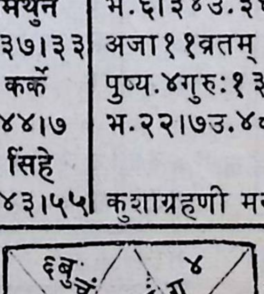

२२पं.भा.कृ.३०श.इ.५७।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	६	२	१	४
२१	१२	१७	१४	६	४	१९	२०
१७	५	२३	३	५	९	१२	४२
२	५६	१३	०	४२	४७	४०	१
५८	३९	२८	१२	४८	३	३	५८
१३	९	२६	१५	८	२४	११	१२

CC0. In Public Domain Kritikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद	शुक्लपक्षः	सं० २०५९	शाकः	१९२४								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	५०	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	र	४६	१७	उ	२३	२५	शु	४३	१३	बा	२१	१	३/१/३	४५/७	१६/३	१७	२९	८	कन्यायां
३	चं	३७	२८	ह	१६	१६	शु	३२	५८	तै	११	५२	३०/५९	४८	१२	१८	१	९	तु.४३। ०
४	मं	२९	२२	चि	९	४४	ब्र	२३	७	व	३	२५	५५	४९	११	१९	२	१०	तुलायां
५	बु	२२	४९	स्वा	४/१०	५५/४६	ऐं	१४	१९	बा	२२	४९	५१	५०	१०	२०	३	११	वृ.४५।५९
६	गु	१७	२१	अ	५७	१८	वै	६	४२	तै	१७	२१	४७	५१	९	२१	४	१२	वृश्चिके
७	शु	१३	५६	ज्ये	५६	३१	वि	०/२०	५४/५१	व	१३	५६	४३	५१	९	२२	५	१३	ध५६।३१
८	श	११	३५	मू	५७	२	आ	५०	२२	ब	११	३५	३९	५२	८	२३	६	१४	धनुषि
९	र	११	६	पू	५९	६	सौ	४८	४१	कौ	११	६	३५	५३	७	२४	७	१५	धनुषि
१०	चं	१२	१३	उ	६०	०	शो	४७	२०	ग	१२	१३	३१	५४	६	२५	८	१६	म.१३।२९
११	मं	१४	२६	उ	२	३८	अ	४७	१	वि	१४	२६	२७	५५	५	२६	९	१७	मकरे
१२	बु	१७	५९	श्र	७	१९	सु	४७	४३	बा	१७	५९	२२	५६	४	२७	१०	१८	कुं.४०।५
१३	गु	२२	२४	ध	१२	५३	धृ	४८	३०	तै	२२	२४	१८	५६	४	२८	११	१९	कुंभे
१४	शु	२७	५३	श	१९	२६	शू	५०	९	व	२७	५३	१४	५७	३	२९	१२	२०	कुम्भे
१५	श	३३	२५	पू	२६	१९	गं	५२	३	वि	०	३९	९	५८	२	३०	१३	२१	मी, ६।३६

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:३८०८सन्२००२

स्वात्यां शुक्र:३६।५२चंद्रदर्शनम्
पूफा.भौम:५०।३८रज्जव७हरितालिका३
भ.३।२५उ.२९।२२या. गणेशचतुर्थी
ऋषिपंचमी
[–बुवास्त:पश्चिमायाम्१४।३६A
भ.१३।५६उ.४२।४६या.उफा.रवि:×
उफा.रवि:सौर:५।१६
[×२९।११६वक्री बुध:१२।३
भ.४३।१६उ.कन्यायामर्क:५४।४०÷
भ. १४।२६या. कन्यायामर्क: सौर: ३०/३+
वामनजयंती प्रदोष:[÷रामदेवजीकामेला
[Aमहालय श्राद्धारंभ: कु.सं.पूजनारंभ:
भ. २७/३३उ.अनंत१४ [+जलझूलनी११व्र.
भ.०।३६या.आश्लेषा:१गुरु:५०।३३ –

२३पं.भा.शु.८श.इ. ५६/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	३	६	२	१	४
२८	१६	१९	१५	११	४	१८	२७
५	३२	३२	२४	२५	३२	५०	३०
२४	६	१३	११	४४	२४	३२	२१
५८	३९	९/२८	११	४१	२	३	५८
२६	९	व.	५०	४५	३९	११	२९

गोचर ग्रहा:

भाद्रपद शुक्ले १० चंद्रे
कन्यायामर्क: प्रविष्ट:
वा.४न.४ वृद्धा.वस्था
(बैठी)मु.४५धान्या
दि भावे समर्घता शुक्रो
दय:पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहा:

२४पं. भा.शु.१५श.इ.५६/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	३	६	२	१	५
४	२०	१६	१६	१५	४	१८	४
५५	५८	३३	४१	५८	४९	२८	२०
१६	४१	०	१०	१२	४४	१६	२८
५८	३९	५८/२६	११	३३	१	३	५८
३८	२	व.	१२	१९	५९	११	४५

ति.	आश्विन	कृष्णपक्षः	सं० २०५९	शाकः	१९२४								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	३९	४३	उ	३३	४३	वृ	५४	२८	बा	६	३४	३०/५	५/५९	६/१	३१	१४	२२	मीने
२	चं	४५	५८	रे	४१	१६	ध्रु	५६	४३	तै	१२	५०	३०/०	६/०	६/०	१	१५	२३	मे.४१।१६
३	मं	५१	५५	अ	४८	४६	व्या	५९	४	व	१८	५६	२९/५६	६/१	५/५९	२	१६	२४	मेषे
४	बु	५७	३८	भ	५५	४६	ह	६०	०	ब	२४	४७	५२	२	५८	३	१७	२५	मेषे
५	गु	६०	०	कृ	६०	०	ह	१	१६	कौ	३०	१	४८	२	५८	४	१८	२६	वृ.१२।२०
५	शु	२	२५	कृ	२	५	व	३	२८	तै	२	२५	४४	३	५७	५	१९	२७	वृषे
६	श	६	२०	रो	७	३२	सि	३	१३	व	६	२०	४०	४	५६	६	२०	२८	मि३९।३१
७	र	८	४२	मृ	११	२९	व्य	२	५७	ब	८	४२	३६	५	५५	७	२१	२९	मिथुने
८	चं	९	१८	आ	१३	५४	व	१६/५	५६/५८	कौ	९	१८	३२	६	५४	८	२२	३०	क.५९।१०
९	मं	८	५	पु	१४	२८	शि	५३	२०	ग	८	५	२८	६	५४	९	२३	१	कर्के
१०	बु	५	०	पु	१३	११	सि	४७	२७	वि	५	०	२३	७	५३	१०	२४	२	कर्के
११	बु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१२	गु	५३	४	श्ले	९	४९	सा	३९	४६	कौ	२६	२८	१९	८	५२	११	२५	३	सिं९।४९
१३	शु	४४	५९	म	५ ४/३	५३/४१	शु	३०	२०	ग	१९	१	१५	९	५१	१२	२६	४	सिंहें
१४	श	३५	३९	उ	५१	१०	शु	२०	५८	वि	१०	१९	११	१०	५०	१३	२७	५	क.११।४३
३०	र	२५	४७	ह	४३	१२	ब्र	१०/२२	४८/५०	च	०	४३	७	११	४९	१४	२८	६	कंन्यायां

शरदृतू रविर्दक्षिणे, भा. कृष्णेतिमहा.

[+सर्वपितृ श्रा.
भा.आश्विनारंभ:
भ.१८।५६उ.५१।५५या.
चतुर्थी व्रतम्
[÷शस्त्रादिहतानांश्रा.
हस्ते रवि:७।४६(सौर:४३।०)
भ.६।२०उ.३७।३१या.वक्री उफा.बुध:=
[=२२।४३वक्रीशनि:२५।४५
विशा.शुक्र:३४।१६उफा.भौम:५१।१२×
भ.३६।३२उ.अक्टूबर१०ता.३१
भ.५।०या.इंदिरा११व्रतं स्मार्ता.
[×उदयो भौम:५३।२८मातृ९
इंदिरा११व्र.वै.
भ.४४।५९उ. प्रदोष:
भ.१०।१९या.बुधोदय:पूर्वस्याम्६।४२÷
मार्गी बुध:४३।७कन्यायां भौम:७।२२+

२५ पं. आ.कृ.६श.इ.५६/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	३	६	२	१	५
११	२५	९	१७	१९	५	१८	११
४६	२५	१७	५५	२३	२	६	१२
५२	३०	२	५२	५३	६	१	२९
५८	३९	१६/३	१०	२२	१	३	५९
५३	२	व.	३४	१४	२०	११	००

गोचर ग्रहा:

इस मास में चावल
गेहूं जौ चना कपास
पाट बारदाना सोना
चांदी ताम्बा लोहा
मंदा होकर तेज
होगा।प्रजा में रोग
पीडा रहे।

गोचर ग्रहा:

२६पं. आ.कृ.१४श.इ.५६/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	३	६	२	१	५
१८	२९	४	१९	२१	५	१७	१८
४०	५२	४४	३	२५	९	४३	६
८	५५	३६	४३	४८	०	४५	१६
५९	३८	७/५०	९	८	०	३	५९
९	५५	व.	५०	३२	४०	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८३७स.२००२
१	चं	१५	४८	चि	३५	२१	वै	४८	१३	ब	१५	४८	२९/३	६/११	५/४९	१५	२९	७	तु.६।१६	नवरात्रारंभः मातामहश्राद्धम्
३	मं	१५/६	५२/४	स्वा	२८	८	वि	३७	४३	कौ	६	१५	[illegible]	१२	४८	१६	३०	८	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
४	बु	५०	४९	वि	२१	५९	प्री	२८	१९	व	२४	३४	५५	१३	४७	१७	१	९	वृ.८।३१	भ.२४/३४उ.३०/४९या. वक्री शुक्रः३९/८सावान८
५	गु	४५	३१	अ	१७	११	आ	१९	३८	ब	१८	१०	५१	१४	४६	१८	२	१०	वृश्चिके	चित्रा रविः३९।५१
६	शु	४२	१	ज्ये	१४	२४	सौ	१२	५५	कौ	१३	४६	४७	१५	४५	१९	३	११	ध.१४।२४	चित्रा.रविःसौरः१३।३४ [×वाहनम्
७	श	४०	५७	मू	१३	१९	शो	७	४४	ग	११	२६	४३	१५	४५	२०	४	१२	धनुषि	भ.४०/५७उ.आश्लेषा.२गुरुः३/४२सरस्वत्या×
८	र	४१	२३	पू	१४	२८	अ	३	५९	वि	११	१०	३९	१६	४४	२१	५	१३	म३०।१३	भ.११/१०या.सरस्वती पू.बलिदानं च
९	चं	४४	७	उ	१७	३०	सु	१	१५	बा	१२	४५	३५	१७	४३	२२	६	१४	मकरे	
१०	मं	४७	३८	श्र	२१	५८	धृ	०	५९	तै	१५	५२	३१	१८	४२	२३	७	१५	कुं.५४।४९	हस्ते बुधः२/१०सरस्वतीविसर्जनं विजया१०
११	बु	५२	३८	ध	२७	४०	शू	१	२९	व	२०	८	२७	१९	४१	२४	८	१६	कुंभे	भ.२/८उ.५२/३८या.पापांकुशा ११व्र.
१२	गु	५८	३६	श	३४	२०	गं	२	३१	ब	२५	३७	२३	१९	४१	२५	९	१७	कुंभे	तुलायामर्कः२३/४०(सौरः५६/१८)
१३	शु	६०	०	पू	४१	१३	बृ	४	३४	कौ	३१	३७	२०	२०	४०	२६	१०	१८	मी.२४/३०	प्रदोषः
१३	श	४	३८	उ	४९	१०	ध्रु	६	३४	तै	४	३८	१६	२१	३९	२७	११	१९	मीने	
१४	र	११	५	रे	५६	३२	व्या	८	४६	व	११	५	१२	२२	३८	२८	१२	२०	मे.५६।३२	भ.११/५उ.४४/८या.वक्री स्वात्यां शुक्रः९/२४÷
१५	चं	१७	११	अ	६०	०	ह	११	३	ब	१७	११	८	२२	३८	२९	१३	२१	मेषे	हस्ते भौमः४६।४० [÷शरद् १५

२७पं.आ.शु.७ श.इ. ५६/२०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	३	६	२	१	५
२५	४	७	२०	२१	५	१७	२५
३५	१९	२९	७	४४	१०	२१	१
२	४८	४६	५९	३१	३७	२९	५८
५९	३८	६३/४०	९	३७/१५	११	३	५९
३१	५०	मा	६	व.	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुंक्ले १२

गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४:न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घंता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२८पं. आ.शु.१३ श.इ ५६/१०							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	३	६	२	१	६
२	८	१६	२१	२०	५	१६	१
३१	४८	२५	५	५	७	५९	५९
२६	१४	८	२	६	१६	१४	२५
५९	३८	८१	८	२३/७	५२/०	३	६९
३४	५८	९	११	व.	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	मं	२३	११	अ	३	५४	व	१३	१६	कौ	२३	११	२८/४	६/२३	५/३७	३०	१४	२२	मेषे	[×३७/२१)चित्रा बुधः१३/०बुधास्तःपूर्वस्याम्÷
२	बु	२८	२८	भ	१०	४७	सि	१४	५८	ग	२८	२८	०	२४	३६	१	१५	२३	वृ.२७।१७	भा.कार्तिकारंभः
३	गु	३२	५०	कृ	१६	४५	व्य	१५	८	व	०	३९	२७/५६	२५	३५	२	१६	२४	वृषे	भ.०/३९उ.३२/५०या.स्वात्यां रविः५/४२(सौरः×
४	शु	३६	३४	रो	२२	१०	व	१६	४३	ब	४	४२	५३	२५	३५		१७	२५	मि५४।१६	रोहिणी२राहुःअनु.४केतुः५/४९करक४ व्र.
५	श	३९	४	मृ	२६	२३	प	१६	२७	कौ	७	४६	४९	२६	३४	४	१८	२६	मिथुने	[÷५६/३८शुक्रास्तःपश्चिमायां १३।४८
६	र	४०	१५	आ	२९	३८	शि	१५	२५	ग	९	३९	४५	२७	३३	५	१९	२७	मिथुने	भ.४०।१५उ.
७	चं	४०	६	पु	३१	३१	सि	१३	१४	वि	१०	१०	४१	२८	३२	६	२०	२८	क.१६।२	भ.१०।१०या. तुलायां बुधः१४।३४
८	मं	३८	२८	पु	३१	५०	सा	१०	२	बा	९	१७	३७	२९	३१	७	२१	२९	कर्के	
९	बु	३५	६	श्ले	३०	२८	शु	५/२०	५४/८	तै	६	४७	३४	२९	३१	८	२२	३०	सिं. ३०/८	
१०	गु	३०	८	म	२७	४०	ब्र	५२	२१	व	२	३७	३०	३०	३०	९	२३	३१	सिंहे	भ.२।३७उ.३०।८या
११	शु	२३	२३	पू	२३	२८	ऐं	४३	५९	बा	२३	२३	२७	३१	२९	१०	२४	१	कं.३७।९	स्वात्यां बुधः४५/१०नवम्बर ११ ता.३०+
१२	श	१६	५	उ	१७	४०	वै	३४	३९	तै	१६	५	२३	३१	२९	११	२५	२	कंन्यायां	प्रदोषः धन १३ [+रमा ११ व्रत.
१३	र	७	२५	ह	१०	५७	वि	२४	२०	व	७	२५	१९	३२	२८	१२	२६	३	तु.३७।१४	भ.७।२५उ.३२।४७या. रूप १४
१४	र	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	चं	४८	४४	चि	३/३	५२/२९	प्री	१४	५	च	२३	२६	१६	३३	२७	१३	२७	४	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम् सोमवती ३०

२९पं.का.कृ.५श.इ.५५।५९							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	३	६	२	१	६
९	१३	२७	२१	१६	४	१६	८
२९	१५	४९	५६	४३	५७	३६	५८
४२	४७	२०	१०	३०	१४	५८	४५
५९	३८	९९	७	३४/१५	१/३८	३	६०
४७	५०	४६	७	व,	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

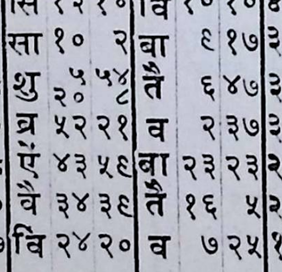

इस मास सें बाजरा मूंग मोठ मक्का चना आदि धान्य चांदी सोना रुई तिलहन मंदे होवे घृत गुड़ सक्कर तेज होगी।

गोचर ग्रहाः

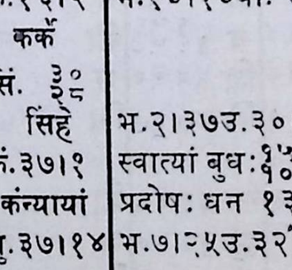

३०पं.का.कृ.१२श.इ. ५५/४८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	३	६	२	१	६
१६	१७	९	२२	१२	४	१६	१५
२९	४४	३०	२९	३३	४३	१४	५९
२८	१३	१४	४०	१८	१८	४२	४९
६०	३८	२०/०	६	३५/४३	१३/३	३	६०
४	४४	३०	११	व.	व.	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:३८६६स.२००२
१	मं	३९	२६	वि	४८	५१	आ	३/१	४५/३३	किं	१४	५	२७/१२	६/३४	५/२६	१४	२८	५	वृ.३५।३८	अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
२	बु	३१	२३	अ	४२	५०	शो	४२	४७	बा	५	२४	९	३४	२६	१५	२९	६	वृश्चिके	विशा.रवि:२६/८(सौर:४५/६)चंद्रदर्शनम्+
३	गु	२४	५४	ज्ये	३८	१०	अ	३४	३३	ग	२४	५४	५	३५	२५	१६	१	७	ध.३८।१०	भ.५/३६/६उ.रमजान९ [+शुक्रोदय:पूर्वस्यां×
४	शु	१९	५९	मू	३५	१०	सु	२७	१८	वि	१९	५९	२	३६	२४	१७	२	८	धनुषि	भ.१३।५९या. [×५५/६२यमरभ्रातृ२
५	श	१७	१३	पू	३४	२१	धृ	२१	५०	बा	१७	१३	२६/५८	३६	२४	१८	३	९	म.४९।४१	विशा.बुध:२०।३०
६	र	१६	४३	उ	३५	४४	शू	१८	१०	तै	१६	४३	५५	३७	२३	१९	४	१०	मकरे	आश्लेषा.३गुरु:३८।७
७	चं	१८	२३	श्र	३९	४	गं	१६	१	व	१८	२३	५२	३८	२२	२०	५	११	मकरे	भ.१८।२३उ.५०।२या.चित्रा.भौम:४९/८
८	मं	२१	४१	ध	४४	३	वृ	१५	४८	ब	२१	४१	४९	३८	२२	२१	६	१२	कुं.११।३४	गोपाष्टमी
९	बु	२६	३१	श	५०	२६	ध्रु	१६	४	कौ	२६	३१	४५	३९	२१	२२	७	१३	कुंभे	अक्षय नवमी कूष्मांड ९
१०	गु	३२	२९	पू	५७	४७	व्या	१७	४९	ग	३२	२९	४२	४०	२०	२३	८	१४	मी. ५/४०/७	[÷धिनी ११व्र.तुलसीविवाह:
११	शु	३८	५५	उ	६०	०	ह	१९	५३	व	५	४२	३९	४०	२०	२४	९	१५	मीने	भ.५/४२उ.३८/५५या.वृश्चिके बुध:३७/६९प्रबो-÷
१२	श	४५	२६	उ	५	२२	व	२२	३१	ब	१२	१०	३९	४१	१९	२५	१०	१६	मीने	वृश्चिकेऽर्क:२२/१३(सौर:४९/३)वक्रीचित्रा.*
१३	र	५१	४१	रे	१२	५८	सि	२४	३४	कौ	१८	३३	३३	४१	१९	२६	११	१७	मे.१२।५८	अनु बुध:३६।३६ प्रदोष:[*शुक्र:२६।३१
१४	चं	५७	१७	अ	२०	८	व्य	२६	२९	ग	२४	२९	३०	४२	१८	२७	१२	१८	मेषे	भ.५७।१७उ.वैकुंठ १४
१५	मं	६०	०	भ	२७	०	व	२८	३२	वि	२९	४४	२७	४३	१७	२८	१३	१९	वृ.४३।२५	भ.२९।४४या.अनु रवि: ४०।३३
१५	बु	२	११	कृ	३२	४१	प	२८	५३	ब	२	११	२५	४३	१७	२९	१४	२०	वृषे	अनु.रवि:सौर:५।५०

३१पं.का.शु.५श.इ.५५।३६।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	३	६	२	१	६
२३	२२	२०	२३	८	४	१५	२३
३०	१२	५९	१९	४४	२३	५२	०२
५०	१४	१०	२६	१३	३८	२७	२४
६०	३८	७/०	५	२७/३	२/५	३	६०
१७	५५	३/८	२	व.	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

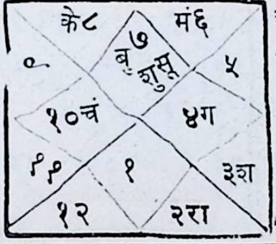

कार्तिक शुक्ले १२ शनौ वृश्चिकेऽर्क: प्रविष्ट: वा. ३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावें समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

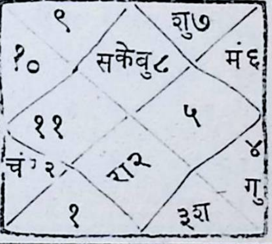

३२ पं.का.शु.१२श.इ. ५५/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	३	६	२	१	७
०	२६	२	२३	६	४	१५	०
३३	४१	११	४४	३४	०	३०	६
२९	६	२४	३८	५	४	११	२८
६०	३८	९९	३	१२/१८	३/३४	३	६०
३०	४७	५२	५०	वं.	व.	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणेकार्तिककृष्णेतिमहाराः
१	गु	६	२	रो	३७	२५	शि	२८	५५	कौ	६	२	२६/२२	६/४४	५/१६	२०	१५	२१	वृषे	
२	शु	८	५९	मृ	४१	६	सि	२८	११	ग	८	५९	१९	४४	१६	१	१६	२२	मि. ९/१५	भ.३९/४६उ.मार्गी शुक्र:१३/४६तुलायां भौम:×
३	श	१०	३३	आ	४३	५९	सा	२६	४४	वि	१०	३३	१७	४५	१५	२	१७	२३	मिथुने	भ.१०।३३या.चतुर्थी व्रतम्
४	र	११	२०	पु	४५	४२	शु	२४	२५	चा	११	२०	१४	४५	१५	३	१८	२४	क.३०।१६	
५	चं	११	१	पु	४६	२४	शु	२१	१४	तै	११	१	१२	४६	१४	४	१९	२५	कर्के	,[×४।४५भा.मार्गशीर्षारंभ:
६	मं	९	३८	श्ले	४६	३	ब्र	१७	१६	व	९	३८	९	४६	१४	५	२०	२६	सिं. ४६/३	भ.९।३८उ.३८/२५या.ज्येष्ठा . बुध:०।४९
७	बु	७	१२	म	४५	३५	ऐं	१२	१७	ब	७	१२	७	४७	१३	६	२१	२७	सिंहे	वक्री मृग.३ शनि:२२।३७
८	गु	३	४१	पू	४२	७	वै	६/२६	५३/१५	कौ	३	४१	५	४७	१३	७	२२	२८	कं.५६।११	स्वात्यां शुक्र:२६।११
९	गु	५५	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷भौम:२६।११ प्रदोष:
१०	शु	५३	२०	उ	३८	२५	प्री	५२	४	व	२६	१०	२	४८	१२	८	२३	२९	कन्यायां	भ.२६।१०उ.५३।२०या.
११	श	४६	३५	ह	३३	४९	आ	४३	४७	ब	१९	५७	०	४८	१२	९	२४	३०	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्रतम्
१२	र	३९	११	चि	२८	१२	सौ	३४	४४	कौ	१२	५३	५५/५८	४८	१२	१०	२५	१	तु. ३०/१	दिसम्बर १२ ता. ३१
१३	चं	३१	६	स्वा	२२	१५	शो	२५	४१	ग	५	८	५९	४९	११	११	२६	२	तुलायां	भ.३१/६उ.५७/४या.ज्येष्ठा.रवि:५९/४० स्वात्यां÷
१४	मं	२३	१	वि	१६	१	अ	१५	२३	श	२३	१	५४	४९	११	१२	२७	३	वृ.२।३४	ज्येष्ठा.रवि:सौर:१३।४४
३०	बु	१५	१९	अ	१०	४	सु	५/५६	५१/१०	ना	१५	१९	५३	४९	११	१३	२८	४	वृश्चिके	मूले धनुषि बुध:४९।५९

३३ पं.मा.कृ.३श.इ. ५५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	३	६	२	१	७
७	१	१३	२४	६	३	१५	७
३७	११	१३	३	२२	३३	७	१२
२६	२८	२३	४	५	३६	५६	१
६०	३८	९८	३	३/५८	३/५६	३	६०
४२	५०	४०	२६	मा.	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

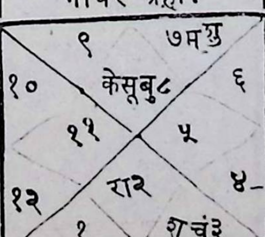

इस मास म धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का आदि मंदे हो कर तेज होजावे धातु व रस घटबढ लेकर तेज होवें

गोचर ग्रहाः

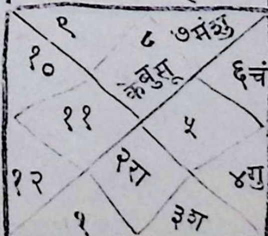

३४पं.मा.कृ.११श.इ. ५४/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	३	६	२	१	७
१४	५	२४	२४	७	३	१४	१४
४२	४१	७	१२	५९	२	४५	१८
४०	१०	१६	४	१०	३५	४०	४७
६०	३८	९५	१	१८	४/१३	३	६१
५०	४२	५९	२	२६	व.	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूँ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८९६स.२००२
१	गु	८	३४	ज्ये	४	५१	शू	४६	१३	ब	८	३४	२५/५१	६/५०	५/१०	१४	२९	५	घ.४।५१	
२	शु	३	१	मू	१/६	५६/४९	गं	४२	३५	कौ	३	१	४९	५०	१०	१५	३०	६	धनुषि	वक्री गुरुः५१।२९ चंद्रदर्शनम्
३	श	१	२४	उ	५८	३३	वृ	३७	१८	ग	१	२४	४८	५०	१०	१६	१	७	म.१२।५९	भ.३९/३७उ.५५/५०या.बुधोदयःपश्चिमायाम् ×
४	श	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[× ५१/०७सव्वाल १०
५	र	५८	१०	श्र	६०	०	ध्रु	३३	४०	ब	२८	०	४६	५१	९	१७	२	८	मकरे	
६	चं	६०	०	श्र	०	१०	व्या	३२	३	कौ	२९	२४	४५	५१	९	१८	३	९	कु ३२।५	चंपाषष्ठी
६	मं	०	३८	ध	४	०	ह	३१	१७	तै	०	३८	४४	५१	९	१९	४	१०	कुंभे	
७	बु	५	१०	श	९	२०	व	३२	१४	व	५	१०	४३	५१	९	२०	५	११	मी. ५९/२७	भ.५।१०उ.३७।४८ या.
८	गु	१०	२६	पू	१६	९	सि	३४	२७	ब	१०	२६	४२	५२	८	२१	६	१२	मीने	पूषा.बुधः२८।१८
९	शु	१६	४९	उ	२३	२८	व्य	३५	२९	कौ	१६	४९	४१	५२	८	२२	७	१३	मीने	
१०	श	२३	१९	रे	३१	२०	व	३८	२९	ग	२३	१९	४०	५२	८	२३	८	१४	मे.३१।२०	भ.५६।३४उ.
११	र	२९	५०	अ	३८	३७	प	४०	३०	वि	२९	५०	३९	५२	८	२४	९	१५	मेषे	भ.२९/५०या.मूले धनुष्यर्कः ५५/५५मोक्षदा F
१२	चं	३५	३०	भ	४५	३१	शि	४२	१४	ब	२	४०	३९	५२	८	२५	१०	१६	मेषे	मूले. धनुष्यर्कः सौरः १७।३४
१३	मं	४०	४	कृ	५१	१	सि	४२	५०	कौ	७	४७	३८	५२	८	२६	११	१७	वृ.१।५३	प्रदोषः [F ११ व्र. गीताजयंती
१४	बु	४३	२३	रो	५५	२६	सा	४२	३७	ग	११	४४	३८	५२	८	२७	१२	१८	वृषे	भ. ४३।२३ उ.
१५	गु	४५	२५	मृ	५८	३४	शु	४०	३८	वि	१४	२४	३७	५३	७	२८	१३	१९	मि. २६/५९	भ. १४।२४ या. दत्तजयंती

३५पं.मा.शु.३ श.इ. ५४/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	३	६	२	१	७
२१	१०	४	२४	११	२	१४	२१
४८	१०	५१	१२	१०	२९	२३	२६
४३	३४	१४	१८	३७	४२	२४	३१
६०	३८	९४	०/११	३०	४	३	६१
१६	४०	३४	व	२	२४	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले ११

रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.शु.१० श.इ. ५४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	३	६	२	१	७
२८	१४	१५	२४	१५	१	१४	२८
५५	४०	२८	२	३३	५५	१	३५
३७	२०	५	३५	०	३४	९	१४
६१	३८	८९	१/४५	३९	४/०	३	६१
०	२६	५	व.	२२	वं.	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूँ रविर्दक्षिणे मार्ग कृष्णेति महा.
१	शु	४६	६	आ	६०	०	शु	३८	५८	बा	१५	४६	३५/३७	६/५३	५/५	२९	१४	२०	मिथुने	विशा. शुक्रः ४४।२९
२	श	४५	४०	आ	०	३१	ब्र	३५	५५	तै	१५	५३	३६	५३	७	३०	१५	२१	क.४६।७	
३	र	४४	१	पु	१	१९	ऐं	३२	२६	व	१४	५०	३६	५३	७	१	१६	२२	कर्के	भ.१५/४०उ.४४/१या. भा. पौषारंभः
४	चं	४१	४३	पु	१	९	वै	२७	२५	ब	१२	५२	३६	५३	७	२	१७	२३	कर्के	उषा.बुधः३/४२ विशा.भौमः१२/६चतुर्थी व्र.
५	मं	३८	३९	श्ले	०/१०	५६/२०	वि	२२	२	कौ	१०	११	३६	५३	७	३	१८	२४	सिं.०।१०	
६	बु	३५	३	पू	५६	२८	प्री	१६	१३	ग	६	५१	३७	५३	७	४	१९	२५	सिंहे	भ.३५।३ उ. मकरे बुधः २६।६
७	गु	३१	०	उ	५३	४६	आ	१०	५	वि	३	१	३७	५३	७	५	२०	२६	कं.१०।४७	भ.२।३१ या.
८	शु	२६	३१	ह	५०	३१	सौ	४/१३	५१/५३	कौ	२५	३१	३७	५३	७	६	२१	२७	कन्यायां	वक्री आश्लेषा.२गुरुः३२/८रोहि.१राहुः ×
९	श	२१	१०	चि	४६	४१	अ	४८	३४	ग	२१	१०	३८	५२	८	७	२२	२८	तुं.१८।३६	भ.४८।२२उ. [× अनु.३केतुः५०।३९
१०	र	१५	३४	स्वा	४२	३७	सु	४०	४५	वि	१५	३४	३८	५२	८	८	२३	२९	तुलायां	भ.३३/५४या.पूषा.रविः३/५८(सौरः१९/१२)
११	चं	९	२६	वि	३७	११	धृ	३२	५०	बा	९	२६	३९	५२	८	९	२४	३०	वृ.२३।३२	सफला ११ व्रतम्
१२	मं	३	१६	अ	३३	४०	शू	२४	४९	तै	३	१६	४०	५२	८	१०	२५	३१	वृश्चिके	भ.५७।१३उ.प्रदोषः
१३	मं	५३	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	बु	५१	३७	ज्ये	२९	३९	गं	१६	३३	वि	२४	२५	४१	५२	८	११	२६	१	ध.२९।३९	भ.३४/५या.वृश्चिके शुक्रः२७/४१ जनवरी १ A
३०	गु	४६	४६	मू	२६	२०	वृ	९	८	च	१९	११	४२	५२	८	१२	२७	२	धनुषि	[A ता. ३१ सन् २००३ ई.

३७ पं.पौ.कृ.२श.इ. ५४/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	३	६	२	१	८
६	१९	२५	२३	२०	१	१३	५
३	१०	१९	४२	५३	२०	३८	४४
१४	१२	२२	११	५६	४२	५३	३९
६१	३८	७०	३/१३	४६	४/०	३	६१
४	२३	४१	व.	१३	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ११ भौमे

मकरऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ बालावस्था(बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

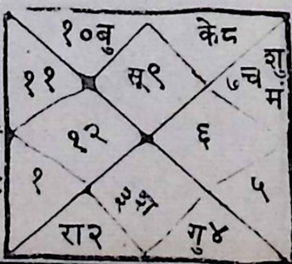

३८पं. पौ.कृ.९ श.इ. ५४/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	३	६	२	१	८
१३	२३	२	२३	२६	०	१३	१२
११	४२	४४	१३	५६	४६	१६	५४
१३	१४	२४	५९	५३	३४	३८	३१
६१	३८	४७	४/१९	५१	४/२८	३	६१
६	२२	२३	व.	२८	व.	११	२६

CC-0. In Public Domain. ... Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेहर्गणः३९२५सन्२००३
१	शु	४३	११	पू	२३	५२	ध्रु	२/३४	५३/४१	किं	१४	५८	२५/४३	५६/१	५/९	१३	२८	३	म.३८।४०	वक्री बुध: २३।४३
२	श	४१	२३	उ	२३	४	ह	५२	४७	बा	१२	१७	४४	५१	९	१४	२९	४	मकरे	अनु.शुक्र:४२।२८ चंद्रदर्शनम्
३	र	४१	७	श्र	२३	४७	व	४९	४९	तै	११	१५	४५	५१	९	१५	१	५	कुं.५५।१७	बुधास्त:पश्चिमायां २५।१९ जिल्काद ११
४	चं	४३	७	ध	२६	२६	सि	४८	२३	व	१२	७	४७	५१	९	१६	२	६	कुंभे	भ.१२।७उ.४३।७यां.
५	मं	४६	३५	शं	३१	४	व्य	४८	२९	ब	१४	५१	४८	५०	१०	१७	३	७	कुम्भे	वृश्चिके भौम:४०।४७
६	बु	५१	२५	पू	३७	०	व	४९	४०	कौ	१९	०	५०	५०	१०	१८	४	८	मी. ३०/३१	वक्री मृग.२वृषे शनि: १३।१८
७	गु	५७	५०	उ	४३	५०	प	५१	२१	ग	२४	३८	५२	५०	१०	१९	५	९	मीने	भ.५७।५० उ.
८	शु	६०	०	रे	५१	२४	शि	५३	३५	वि	३०	५४	५३	४९	११	२०	६	१०	मे.५१।२४	भ.३०।५४ या.वक्री धनुषि बुध:३।२१
८	श		३ ५८	अ	५८	४७	सि	५६	४८	ब	३	५८	५५	४९	११	२१	७	११	मेषे	उषा.रवि:७।४० (सौर:२०।३९)
९	र	१०	४१	भ	६०	०	सा	५७	३५	कौ	१०	४१	५७	४९	११	२२	८	१२	मेषे	वक्री पूषा.बुध:११।९अनु.भौम:४९।७
१०	चं	१६	३४	भ	५	५३	शु	५८	४१	ग	१६	३४	५९	४८	१२	२३	९	१३	वृ.२२।२४	भ.४८।५५उ.
११	मं	२१	१७	कृ	११	५८	शु	५८	४०	वि	२१	१७	२ ६/१	४८	१२	२४	१०	१४	वृषे	भ.३६/१७या.मकरेऽर्क:२४(सौर:३६)×
१२	बु	२४	२८	रो	१६	३७	ब्र	५७	२९	बा	२४	२८	४	४७	१३	२५	११	१५	मि. ४६/४८	प्रदोष: [×पुत्रदा ११ व्र.
१३	गु	२६	५	मृ	१९	५०	ऐं	५५	२	तै	२६	५	६	४७	१३	२६	१२	१६	मिथुने	
१४	शु	२६	२	आ	२१	१३	वै	५१	१०	व	२६	२	८	४६	१४	२७	१३	१७	मिथुने	भ.२६।२उ.५५/१३या.ज्येष्ठा.शुक्र:४५/४७÷
१५	श	२४	२३	पु	२१	१०	वि	४७	२२	ब	२४	२३	११	४६	१४	२८	१४	१८	क.६।११	माघस्नान प्रारंभ: [÷बुधोदय:पूर्वस्यां ४०/२०

३९पं.पौ.शु. २श.इ.५४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	३	७	२	१	८
२०	२८	४	२२	३	०	१२	२०
१९	१३	४	३८	३०	१३	५४	४
२६	४१	५२	१७	५४	४८	२२	२८
६१	३८	२६/२७	५/३२	५५	४/१०	३	६१
६	१९	व.	व.	४८	व.	११	२६

४०पं. पौ.शु.८ श. इ.५४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	३	७	१	१	८
२७	२	२७	२१	१०	२९	१२	२७
२७	४५	६	५४	३०	४४	३२	१४
२२	७	३६	४७	४७	३५	६	२०
६१	३८	१३/५४	६/२७	५८	३/५२	३	६१
६	५	त्र	व.	५१	व.	११	२४

४१ पं.पौ.शु.१५श.इ. ५४/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	३	७	१	१	९
४	७	१९	२१	१७	२९	१२	४
३५	१६	२७	५	५०	१७	९	२३
१२	१	४	२०	१७	५६	५१	४९
६१	३७	४३/१०	७/११	६१	३/२३	३	६१
३	४६	वं	व.	४३	व.	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	र	२१	२४	पु	१९	५४	प्री	४०	३७	कौ	२१	२४	२६/१३	६/४५	५/१५	२९	१५	१९	कर्के	
२	चं	१७	३५	श्ले	१७	४३	आ	३४	१३	ग	१७	३५	१६	४५	१५	३०	१६	२०	सिं १७/४३	भ.४५/१३उ.अभि.प्र.रवि:५६।३४
३	मं	१२	५०	म	१४	३८	सौ	२७	१४	वि	१२	५०	१९	४४	१६	१	१७	२१	सिंहे	भ.५/४०या.अभि.प्र.रवि:सौर:७।२७×
४	बु	७	५०	पू	११	२३	शो	२०	३	बा	७	५०	२१	४४	१६	२	१८	२२	कं. ३५/३१	[×माघारंभ: चतुर्थी व्र.
५	गु	२	४७	उ	७	५	अ	१३	४९	तै	२	४७	२४	४३	१७	३	१९	२३	कन्यायां	भ.५७।४८उ.मार्गीबुध: ५२।२१
६	गु	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	५२	३१	ह	४	२७	सु	५/३२	५२/३८	वि	२५	३९	२७	४३	१७	४	२०	२४	तु ३२।४१	भ.२५।३९या.श्रवणेरवि:१/३ (सौर:३/३)
८	श	४७	४०	चि	०/५५	५६/४९	शू	५१	४	बा	२०	५	२९	४२	१८	५	२१	२५	तुलायां	अभि.नि.रवि:३/६ (सौर:१५।४०)
९	र	४२	३६	वि	५४	३६	गं	४४	१	तै	१५	८	३२	४२	१८	६	२२	२६	वृ.४०।२३	
१०	चं	३७	५८	अ	५१	३७	वृ	३६	३८	व	१०	१७	३५	४१	१९	७	२३	२७	वृश्चिके	भ.१०/१७उ.५६/८या.वक्री आश्लेषा.१गुरु: ३५/४०
११	मं	३३	३१	ज्ये	४९	१	ध्रु	३०	३७	ब	५	४७	३८	४०	२०	८	२४	२८	ध.४९।१	षटतिला ११ व्रतम्
१२	बु	२९	४१	मू	४७	१	व्या	२४	२९	कौ	१	३९	४१	४०	२०	९	२५	२९	धनुषि	मूले धनुषि शुक्र:५९।४९
१३	गु	२६	२९	पू	४५	३८	ह	१८	५९	व	२६	२९	४५	३९	२१	१०	२६	३०	धनुषि	भ.२६।२९उ.५५/१७या. प्रदोष:
१४	शु	२४	५	उ	४५	२८	व	१४	८	श	२४	५	४८	३८	२२	११	२७	३१	म. ०।३५	
३०	श	२३	५	श्र	४६	३४	सि	१०	१६	ना	२३	५	५१	३८	२२	१२	२८	१	मकरे	फरवरी २ ता० २८

४२ पं. मा. कृ. ८श. इ. ५४/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	३	७	१	१	९
११	११	१८	२०	२५	२८	११	११
४२	४६	५२	१२	२४	५५	४७	३२
४०	३०	३०	०	२२	३७	३५	४०
६०	३७	१७/३८	७/५२	६३	२/४७	३	६१
५९	३३	मा	व	४३	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

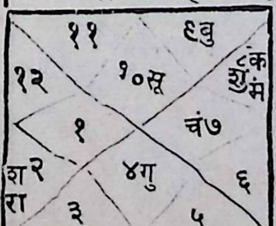

यत्र मासे रवेर्वाराः
जायते पंच सन्ततम् ।
दुर्भिक्षं छत्रभंगश्च
तथास्ते च महद्भयम
इस मास में धान्य
रस धातु तेज हो प्रजा
में रोग शोक हो ।

गोचर ग्रहाः

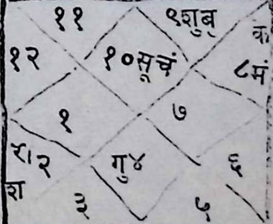

४३पं. मा. कृ. ३०श.इ. ५४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	३	८	१	१	९
१८	१६	२३	१९	३	२८	११	१८
४९	१७	३५	१६	९	३७	२५	४०
१६	१०	४९	१९	५४	४४	२०	४४
६०	३७	४८	५/८	६५	२/७	३	६१
५५	३९	३८	व.	१८	व.	११	४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः:३९५५स.२००३
१	र	२३	१३	ध	४८	५९	व्य	७	१४	व	२३	१३	२६/५४	३६	५/२३	१३	२९	२	कुं. १७/४६	ज्येष्ठा. भौमः ३०।४०
२	चं	२५	२५	श	५२	५३	व	५	५८	कौ	२५	२५	५८	३६	२४	१४	३०	३	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
३	मं	२८	२५	पू	५८	२१	प	५	१७	ग	२८	२५	२७/१	३६	२४	१५	१	४	मी. ५१/९	जिल्हेज १२
४	बु	३३	२२	उ	६०	०	शि	५	४०	व	०	५३	५	३५	२५	१६	२	५	मीने	भ.०/५३ उ.३३/२३ या. उषा. बुधः ६।३
५	गु	३९	१५	उ	४	४३	सि	७	७	व	६	१८	८	३४	२६	१७	३	६	मीने	धनि. रविः ३१/२९ (सौरः २९/१३) वेसंत ५
६	शु	४५	२२	रे	१२	०	सा	९	१६	कौ	१२	१८	१२	३४	२६	१८	४	७	मे १२।०	
७	श	५२	२	अ	१९	३१	शु	११	३१	ग	१८	४२	१५	३३	२७	१९	५	८	मेषे	भ. ५/३३ उ. मकरे बुधः १।१६ भानु ७
८	र	५७	५५	भ	२७	४	शु	१३	४९	वि	२४	५८	१९	३२	२८	२०	६	९	वृ. ४/३३	भ.२४।५८ या. भीष्माष्टमी
९	चं	६०	०	कृ	३३	४३	ब्र	१५	१९	बा	३०	३०	२३	३१	२९	२१	७	१०	वृषे	पूषा. शुक्रः ५५।११
९	मं	३	६	रो	३९	४	ऐं	१५	५८	कौ	३	६	२७	३१	२९	२२	८	११	वृषे	
१०	बु	६	४४	मृ	४३	५	वै	१५	३८	ग	६	४४	३०	३०	३०	२३	९	१२	मि. ११/४	भ.३७।४२ उ. कुंभेऽर्कः ५६।४५
११	गु	८	४१	आ	४५	५	वि	१३	४३	वि	८	४१	३४	२९	३१	२४	१०	१३	मिथुने	भ.८/४१ या. कुंभेऽर्कः सौरः ३/११ जया ११ व्र.
१२	शु	८	३८	पु	४५	१२	प्री	१०	२३	बा	८	३८	३८	२८	३२	२५	११	१४	क. ३०/१०	प्रदोषः
१३	श	६	४९	पु	४३	३९	आ	५/३२	५३/३७	तै	६	४९	४१	२८	३२	२६	१२	१५	कर्के	श्रवणे बुधः ५६।४१
१४/१५	र	३/२	५४/५२	श्ले	४०	४०	शो	५१	५५	व	३	२	४५	२७	३३	२७	१३	१६	सिं. ४०/४०	भ.३/२ उ. ३०/२८ या. मा. स्ना. पूर्तिः

४४ पं. मा.शु.७ श.इ. ५४/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	३	८	१	१	९
२५	२०	१	१८	११	२८	११	२५
५५	४८	०	२०	५	२४	३	४७
१	२२	४३	२४	४६	३६	९	३१
६०	३७	६८	५६/२	६६	१/२६	३	६०
४७	२३	२९	व.	४२	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

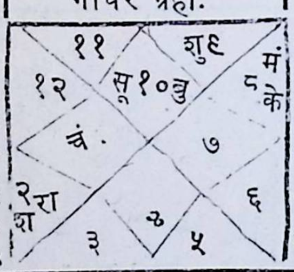

माघ शुक्लें १० बुधे

कुंभऽर्कः प्रवृष्टःवा. २ न.३ वृद्धावस्था (वैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४५ पं.मा.शु१३ श.इ. ५४/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	३	८	१	१	१०
२	२५	९	१७	१३	२८	१०	२
५९	१८	५७	२६	७	१६	४०	५३
४९	१४	१८	३१	५२	५२	४८	३४
६०	३७	८१	६/२३	६७	०/३४	३	६०
३७	१	३४	व.	५२	व.	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	चं	५१	३७	म	३६	१०	अ	४३	५९	बा	२४	४५	२७/४९	२६	५/३४	२८	१४	१७	सिंहे	
२	मं	४४	४४	पू	३१	१०	सु	३४	४७	तै	१८	१०	५३	२५	३५	२९	१५	१८	कं. ४४/५१	भ.११/१४ उ.३७/४३ या.शते रविः ३३/१ (सौरः ३३/३३)
३	बु	३७	४४	उ	२५	५५	धृ	२६	२६	व	११	१४	५६	२५	३५	३०	१६	१९	कन्यायां	भा.फाल्गुनारंभः चतुर्थीव्र.
४	गु	३०	५०	ह	२१	३२	शू	१७	५०	ब	४	१७	२८/००	२४	३६	१	१७	२०	तु.४८।४८	
५	शु	२४	१८	चि	१६	४	गं	९	२०	तै	२४	१८	४	२३	३७	२	१८	२१	तुलायां	भ.२/१६ उ.४५/४५ या.उषा.शुक्रः २३।२४वक्री×
६	श	१८	२६	स्वा	११	५०	वृ	३१/३	५२/२५	व	१८	२६	८	२२	३८	३	१९	२२	वृ. ५४/११	मूले.धनुषि भौमः १५।४ [+शनिः४२।५७
७	र	१३	४	वि	८	१८	व्या	४७	३०	ब	१३	४	१२	२२	३८	४	२०	२३	वृश्चिके	[×पुष्य.४गुरुः३४।२४ मार्गी +
८	चं	८	४१	अ	५	३७	ह	४१	१७	कौ	८	४१	१६	२१	३९	५	२१	२४	वृश्चिके	भ.३३/३७ उ.धनि.बुधः७/१८ मकरें शुक्रः९।१
९	मं	५	१	ज्ये	३	४५	व	३५	५८	ग	५	१	२०	२०	४०	६	२२	२५	ध.३।४५	भ.२।१४या.
१०	बु	२	१४	मू	२	४०	सि	३१	२६	वि	२	१४	२४	१९	४१	७	२३	२६	धनुषि	विजया. ११ व्रतस्
११	गु	०	२०	पू	२	३८	व्य	२७	३४	बा	०	२०	२८	१८	४२	८	२४	२७	म. १७/५०	भ.५९/४१ उ.कृत्तिका.४राहुःश्र२केतुः४५/१२=
१२	शु	०	२४	उ	३	२५	व	२४	३५	तै	०	२४	३२	१८	४२	९	२५	२८	मकरे	[=प्रदोषः
१३	शु	५९	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	भ.३/१०या.कुंभे बुधः३३/४७मार्च३ ता ३१
१४	श	६०	०	श्र	५	२९	प	२२	२५	वि	३०	९	३६	१७	४३	१०	२६	१	कुं.३६/५८	महाशिवरात्रि व्र.
१४	र	०	३७	ध	८	२६	शि	२१	३०	श	०	३७	४०	१६	४४	११	२७	२	कुंभे	
३०	चं	३	१६	श	१२	३७	सि	२०	५२	ना	३	१६	४४	१५	४५	१२	२८	३	कुंभे	सोमवती ३०

४६ पं.फा.कृ. ६ श. इ. ५४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	३	८	१	१	१०
१०	२९	१९	१६	२७	२८	१०	९
३	४७	५८	३७	१६	१४	१८	५८
२२	४२	८	४४	१२	२८	३३	७
६०	३६	९१	६/३७	६८	०/१	३	६०
२५	४१	३१	व.	५०	मा	११	२९

गोचर ग्रहाः

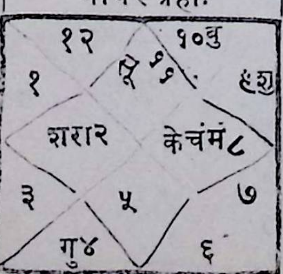

इस मास में चावल गेहूं जौ चना मक्का बाजरा रुई कपास वारदाना गुड़ तेल घृत सोना चांदी लोहा पाट में घटावढ़ी हो, रुखतेजी का रहे।

गोचर ग्रहाः

४७ पं.फा.कृ.१४ श.इ. ५६/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	३	९	१	१	१०
१७	४	०	१५	५	२८	९	१७
५	१६	५४	५२	२९	१८	५७	०
३५	५५	२२	२६	१०	४३	१७	५९
६०	३६	०/०	५/४३	६९	०	३	६०
१२	१०	३०	व:	३४	५४	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३९८५सन्२००३
१	मं	६	५१	पू	१७	४८	सा	२१	२८	ब	६	५१	३८/४८	६/१४	५/४६	१३	२९	४	मी.१।३१	पूभा. रविः४९।७(सौरः ५३/२०)चंद्रदर्शनम्
२	बु	११	४४	उ	२४	१३	शु	२१	५३	कौ	११	४४	५२	१४	४६	१४	३०	५	मीने	शते बुधः२१।३६श्रवणे शुक्रः४३।४८=
३	गु	१७	१४	रे	३१	५	शु	२४	४२	ग	१७	१४	५६	१३	४७	१५	१	६	मे.३१।५	भ.५०।२९उ.बुधा स्तः पूर्वस्यां५६।१७
४	शु	२३	४५	अ	३८	४०	ब्र	२६	५३	वि	२३	४५	२९/१	१२	४८	१६	२	७	मेषे	भ.२३/४५या. [Aमीने बुधः२४।८छारेंडी
५	श	३०	७	भ	४६	२७	ऐं	२९	२७	कौ	३०	७	५	११	४९	१७	३	८	मेषे	[×पातमोक्षः३०।४७फुलरिया२
६	र	३६	३२	कृ	५३	४५	वै	३१	४६	बा	३	१९	९	१०	५०	१८	४	९	वृ. ३।१६	[=मोहोरम१सन्१४२४पातस्पर्शः१९।०×
७	चं	४२	१७	रो	६०	०	वि	३३	८	ग	९	२५	१३	९	५१	१९	५	१०	वृषे	भ.४२।१७उ.
८	मं	४६	२६	रो	०	२	प्री	३३	२२	वि	१४	२२	१७	९	५१	२०	६	११	मि.३३/२७	भ.१४।२२या.होलाष्टकः
९	बु	४९	१६	मृ	५	११	आ	३३	६	बा	१७	५०	२१	८	५२	२१	७	१२	मिथुने	[+५०।०(सौरः५३।४१)आमलकी११व्र.
१०	गु	५१	५	आ	८	३४	सौ	३०	५०	तै	२०	१०	२६	७	५३	२२	८	१३	क.५४।४०	पूभा.बुधः१०।३६
११	शु	४९	५२	पु	१०	२	शो	२७	१	व	२०	२९	३०	६	५४	२३	९	१४	कर्के	भ.२०।२९उ.४४९।५२या.मीनेऽर्कः+
१२	श	४५	३२	पु	९	१४	अ	२१	५३	ब	१७	४२	३४	५	५५	२४	१०	१५	कर्के	[B०।३८होलिकादहनंभद्रापुच्छे
१३	र	३९	१९	श्ले	६	४७	सु	१४	४३	कौ	१२	२५	३८	४	५६	२५	११	१६	सिं.६।४७	पूषा.भौमः९।४प्रदोषः
१४	चं	३३	३२	म	२/२९	५४/३२	धृ	२६/२	५०/४३	ग	६	२५	४३	३	५७	२६	१२	१७	सिंहे	भं.३३।३२उ.५९।३१या.धनि.शुक्रःB
१५	मं	२५	३०	उ	५०	९	गं	४७	१४	ब	२५	३०	४७	३	५७	२७	१३	१८	कं.१०।१६	उभा.रविः११।४(सौरः१४।१७)A

४८पं.फा.शु.५श.इ.५५।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	३	९	१	१	१०
२४	८	१२	१५	१२	२८	९	२४
६	४५	४२	१५	४४	२७	३४	२
२२	५४	४३	४३	३८	४३	२	२२
५९	३५	६/०	३४/२	७०	१	३	६०
५८	५३	२/६	व.	१७	३५	११	६

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले ११ शुक्रे
मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ वालावस्था (बैठी) मु. ३०धान्या दिं भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

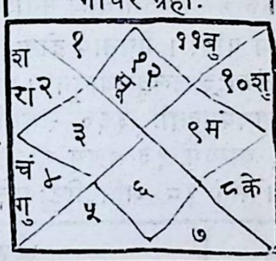

४९पं.फा.शु.१२श.इ.५५/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	२	९	१	१	११
१	१३	२५	१४	२२	२८	९	१
५	१२	१६	४६	३	४२	११	२
३५	११	२०	५२	२९	७	४६	०४
५९	३५	६/०	.२३/७	७०	२	३	५९
४१	३७	४८/९	व.	५५	[illegible]	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०५९ शाकः १९२४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे फा. कृष्णेति महा.
१	बु	१६	५५	ह	४३	१६	वृ	३७	४	कौ	१६	५५	२९/५१	६/२	५/५८	२८	१४	१९	कन्यायां	वसंत१
२	गु	८	३७	चि	३६	३२	ध्रु	२६	५९	ग	८	३७	५५	०/०	५९	२९	१५	२०	तु.९।५४	भ.३४।०उ.५९।२४या.उभा.बुधः३।५१
३	गु	५०	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	शु	५१	३५	स्वा	३०	१६	व्या	१७	७	ब	२५	२९	३०/०	६/००	६/००	३०	१६	२१	तुलायां	चतुर्थीव्रतम्
५	श	४४	३४	वि	२४	५८	ह	८	२७	कौ	१८	५	४	५/५९	१	१	१७	२२	वृ.११/५८	कुंभेशुक्रः३५।२९भा.चैत्रारंभः
६	र	३८	५२	अ	२०	५१	व	२०/७	५३/३	ग	११	४३	८	५८	२	२	१८	२३	वृश्चिके	भ.३८।५२उ.
७	चं	३४	२१	ज्ये	१८	५	व्य	४७	४२	वि	६	३४	१२	५८	२	३	१९	२४	ध.१८।५	भ.६।३४या.शीतलापूजनम्
८	मं	३१	३४	मू	१६	४४	व	४३	७	बा	२	५८	१६	५७	३	४	२०	२५	धनुषि	
९	बु	२९	५२	पू	१६	३९	प	३९	२६	ग	२९	५२	२१	५६	४	५	२१	२६	म.३१/५६	भ.५९।५२उ.रेवत्यां बुधः४४।९
१०	गु	२९	५२	उ	१७	४७	शि	३७	७	वि	२९	५२	२५	५५	५	६	२२	२७	मकरे	भ.२९।५२या.
११	शु	३०	३५	श्र	२०	३१	सि	३५	३२	ब	०	५	२९	५४	६	७	२३	२८	कुं. ५२/२१	शते शुक्रः१०।५पापमोचनी११व्र.
१२	श	३२	४०	ध	२४	११	सा	३५	७	कौ	१	३७	३३	५३	७	८	२४	२९	कुम्भे	[÷(सौरः४१।४४)
१३	र	३६	११	श	२९	३	शु	३५	२२	ग	४	२५	३७	५३	७	९	२५	३०	कुम्भे	भ.३६।११उ.प्रदोषः
१४	चं	४०	२५	पू	३४	३८	शु	३६	१४	वि	८	१८	४१	५२	८	१०	२६	३१	मी.१८/१४	भ.८।१८या.रेवत्यां रविः३८।४३÷
३०	मं	४५	३२	उ	४१	१३	ब्र	३७	४४	च	१२	५८	४५	५१	९	११	२७	१	मीने	मार्गीगुरुः४९।५१अप्रेल४ता.३०मन्वादिः

५० पं.चै.कृ.५श.इ.५६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	३	१०	१	१	११
८	१७	९	१४	०	२९	८	७
३	३७	४	२५	२४	०	४९	५९
१८	१९	३०	४१	४३	५०	३०	५९
५९	३४	६/०	२/४	७१	२	३	५९
२९	५७	६/५४	व.	१३	५५	११	३५

गोचर ग्रहाः

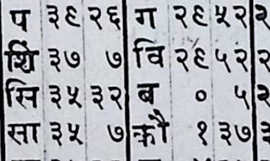

इस मास में कुंभ का शुक्र धान्य सोना चांदी रुई पाट में मंदी हो प्रजा में सुख शान्ति रहे कही २ वर्षा भी हो।

गोचर ग्रहाः

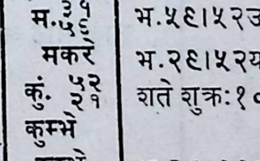

५१पं.चै.कृ.१२श.इ. ५६/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	३	१०	१	१	११
१४	२१	२३	१४	८	२९	८	१४
५९	५९	१८	१३	४७	२६	२७	५६
१०	३८	२२	२६	२८	२	१५	७
५२	३४	६/०	३/३	७१	३	३	५९
१६	३४	९	व.	४८	३५	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०४ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०४ भोग्यकलिः ४२६८९६ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६० शाकः १९२५ अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः। मंत्री चंद्रः। सस्येशोबुधः। धान्येशो भौमः। मेघेशो रविः। रसेशःशुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेशो रविः। धनेशोबुधः। दुर्गेशो रविः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १० दुर्मुखनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।१५।४४।३८ भोग्यमासादिः१।१४।१३।२२ अहिर्बुध्न्यदैवतं युगम्। वर्षनाम पौषः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणीनिवासः समुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समयविश्वा १२ समयवाहनम् सिंचाणुः। स्तंभाः३ जलतृणवायूनां। सोमवत्यमाः नैव सोमवती पंचमी ३ अँगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी नैव भानुसप्तमी २ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५२ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ९ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् १३ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् १०७ सत्यम्।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहणे २ चंद्रसूर्ययोः।

संवत् २०६० ज्येष्ठ कृष्णे
३० शनौ
खण्डग्रास सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्ज.	घ.	२	४	५
मध्य	प.	४४	५६	१०
रेल्वे	घ.	७	८	८
टा.	मि.	३३	२५	३१

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ८।५

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जननी जगदंबा सुणो भैरव प्रश्न विनीत।
साल साठ अब आइया हाल कहो कर प्रीत।।

भवानी उत्तर

बुध राजा मंत्री शशी पिता पुत्र को योग।
नदियां बहे उतावली जनता भोगे भोग।।
द्रोण नाम है मेघ का रोहिणी सागर वास।
स्तंभ तीन है वर्ष में पूरण हो सब आस।।
धान्याधिप कुज धान्य में घटाबढी की चाल।
कइ एक माल कमायसी कइ एक हों पैमाल।।
सरांसरी संबत् हुवे वर्षा विश्वा पांच।
ईश भजन से सुख मिले भैरव समझो सांच।।

संवत् २०६० कार्तिक शुक्ले
१५ शनौ अर्द्धरात्रि पश्चाद्
ग्रस्तास्त खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज घं.	५६	५९	०	१	५
मध्य प.	२३	५८	५२	४६	२१
रे. घं.	५	६	६	७	८
टा. मि.	०	२६	४८	९	३५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् २।२१

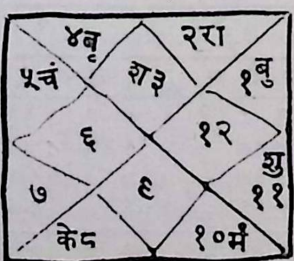

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४१।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५३।२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम्। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्यविवाहमंगलम्। प्रकुर्वते दानदयां जनोपि स्वास्थ्यं सुभिक्षं धनधान्यसंकुलम् ।। मंत्री चंद्रः फलम् ।। शशिनि मंत्रि गते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुखमंडिता। वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाःसुखराशि सुशोभिताः।। सस्येशो बुधस्तत्फलम् ।। जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणःस्तुतिपाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशो भौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्मधान्येशे ग्रीष्मधान्यमहर्घकम् ।। शालीक्षुघृततैलादिमहर्घाणि भवंति च। मेघेशो रविः फलम्।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम्। यवचनेक्षुनिवारसुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषितमानसाः। सुखसुभिक्षसमोदवती धरा धरणिपा हत पापगणाः प्रियाः। नीरसेशो बुधः फलम् ।। चित्रवस्त्रादिकञ्चैव शंखचंदनपूर्वकम्। अर्धवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविः फलम्।। द्रुमवती फलपुष्पवती धरा प्रमुदिता फलभोगविरोधतः । बहुजलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः।। धनेशो बुधः फलम्।। द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रहवस्तु फला तदा ।। द्विजवरा· जपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेषविशेषितमानसाः ॥ दुर्गेशो रविःफलम् ।। नयविशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुरोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोऽन्यतः पथिषु संव्रजतां न भयं क्वचित् ॥ दुर्मुखनाम संवत्सरः फलम् ॥ दुर्मुखाब्दे मध्यवृष्टि रीतिचौराकुला धरा। महावैरा महीनाथा वीरवारणवाजिभिः॥ वर्षनाम पौषः फलम् ॥ ज्वररोगक्षुधार्ताश्च नाना जनपदाः सदा। महर्घं तु त्रयोमासाः पौषे स्वास्थ्यं ततः परं॥ मेघनाम द्रोणः फलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा। रोहि. वासः समुद्रे फलम्। समुद्रे तु महावृष्टिः। समयनिवासो माली गृहे फलम्। मालिनः प्रचुरा वृष्टिः।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्।।

संवत् २०६० मध्ये विवाहमूहूर्ताः

चैत्र मासः ।

शु. १२ चंद्रे उफा. ल. १२ रे. ८ऽ।।ऽ।।।।

वैशाख मासः ।

कृ. १ गुरौ स्वा. ल. ११ रे. ७।।।ऽ।ऽऽ।

,, ४ रवौ मूले ल. ११।१२ रे. ६।।।ऽऽचोऽऽ।

शु.११ चंद्रे हस्ते ल. १२ रे.८ऽ।।।।ऽ।।।चंद्रोऽत्रसप्तमेपूज्यः

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ३ रवौ मूले ल.१२ रे. ७।।।ऽ।ऽ।।ऽदग्धा.

,, ११ चंद्रे रेवत्यां ल.अन्यगो. सोग्रांगः११।१ रे. ७।।।।ऽअऽऽ।।मेषे भौम १० पूज्यः

शु. ६ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १ रे.७।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ८ रवौ उफा. ल. गो. सोग्रांगः १२ रे. ९।।।।।।ऽ।। मीने चं. ७ पू.

,, ११ बुधे स्वा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः १ रे. ८।।।।ऽरोऽ।।मेषे चंद्र ७ पूज्यः

,, १५ शनौ मूले ल. १२।१ रे. ६ ।।।ऽऽ अ. ऽऽ।

आषाढ मासः ।

कृ. ७ शनौ उभा. ल. अन्यगो. रे. ६ ऽ।।।।ऽऽ।ऽदग्धादोषः आवश्यके

,, ८ रवौ रेवत्यां ल. अन्यगो. १ रे. ६ऽ।।।ऽचो. ऽऽ।मषे चौरपंचका ऽ भावः रेखा७

शु. ४ गुरौ मघा. ल. १ रे. ७।।।।ऽरो. ऽऽ।

अग्र मार्गशीर्षादिमासेषु सिंहस्थ गुरुदोषः।

सिंहस्थगुरौ वर्ज्यकर्माणि-

उद्यानचूडा व्रतबंधदीक्षा विवाहयात्रादि वधूप्रवेशम्।

तडागकूपत्रिदशप्रतिष्ठा बृहस्पतौ सिंहगते न कुर्यात्।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४०१४स.२००३
१	बु	५०	४०	रे	४८	१०	ऐं	४०	२१	किं	१८	५	३०/४९	५/५०	६/१०	१२	२८	२	मे.४८।१०	अश्वि.मेषेबुधः३७।३७संवत्सरारंभः×
२	गु	५७	३८	अ	५५	१४	वै	४२	१	बा	२४	०९	५३	४९	११	१३	२९	३	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा [×नवरात्रा.
३	शु	६०	०	भ	६०	०	वि	४४	२६	तै	३०	५१	५७	४९	११	१४	१	४	मेषे	बुधोदयःपश्चिमायाम्५।२सफर२=
३	श	४	२	भ	३	१७	प्री	४६	३८	ग	४	२	३१/१	४८	१२	१५	२	५	वृ.२०।१२	भ.३७।१४उ. [=गणगौरी मत्स्यजयंती
४	र	१०	२६	कृ	१०	५५	आ	४८	३६	वि	१०	२६	५	४७	१३	१६	३	६	वृषे	भ.१०।२६या.उषा.भौमः३०।२०
५	चं	१६	८	रो	१७	४३	सौ	५०	२०	बा	१६	८	१०	४६	१४	१७	४	७	मि. ५०/४१	मृग.३मिथुने शनिः१७।२०
६	मं	२०	५८	मृ	२३	३९	शो	५०	३२	तै	२०	५८	१४	४५	१५	१८	५	८	मिथुने	पूभा.शुक्रः१७।१२
७	बु	२४	३७	आ	२८	२०	आ	४९	५०	व	२४	३७	१८	४४	१६	१९	६	९	मिथुने	भ.२४।३७उ.५५।२८या.भरण्यां÷
८	गु	२६	१८	पु	३१	२४	सु	४७	३३	ब	२६	१८	२२	४४	१६	२०	७	१०	क. १५/३८	[+पातस्पर्शः७।५२पातमोक्षः१७।४७–
९	शु	२६	२०	पु	३२	३२	धृ	४३	४६	कौ	२६	२०	२६	४३	१७	२१	८	११	कर्के	मकरे भौमः३७।५१रामनवमी
१०	श	२४	२०	श्ले	३१	३५	शू	३८	२०	ग	२४	२०	३०	४२	१८	२२	९	१२	सिं. ३१/५	भ.५२।१९उ. [÷बुधः२९।५४
११	र	२०	१९	म	२८	४७	गं	३१	१७	वि	२०	१९	३४	४१	१९	२३	१०	१३	सिंहे	भ.२०।१९या.कामदा११व्रतम्
१२	चं	१४	११	पू	२३	५६	वृ	२२	४९	ग	१४	११	३८	४०	२०	२४	११	१४	कं. ३७/२६	अश्वि.मेषेऽर्कः१२।४४(सौरः१६।१७)+
१३	मं	६	३६	उ	१७	५५	ध्रु	१३	११	तै	६	३६	४२	४०	२०	२५	१२	१५	कन्यायां	भ.५७।४४उ. [–प्रदोषः
१४	मं	५१	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aहनुमज्जयंती
१५	बु	४७	५८	ह	१०	४१	व्या	४१	४९/१४	वि	२२	५२	४६	३९	२१	२६	१३	१६	तु.३६।५०	भ.२२।५२या.मीने शुक्रः३५।३३A

५२पं.चै.शु.३श.इ.५६।५६

	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	०	३	१०	१	१	११
२१	२६	६	१४	१७	२९	८	२१
५३	२१	५७	१०	११	५४	४	५०
३१	११	५८	५	२४	१८	५९	१८
५९	३२	७५	४७	७२	४	३	५९
४	४८	४९	मा.	७	१५	११	४

गोचरग्रहाः

चैत्र शुक्ले १२ चंद्रे
मेषेऽर्क प्रविष्ट. वा.४
न४कुमार्यवस्था बैठी)
मु. ३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु.१२चं.इ:१२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	१०	२	१	११
०	१	१९	१४	२७	०	७	२९
०	२५	२८	२१	७	३१	३८	५६
०	५	१६	४	१९	५	५५	३०
५८	३२	७५	२	७२	४	३	५८
४४	५८	२८	१४	३२	५०	११	४५

ति	वैशाखकृष्णपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेत्ति महाः
१	गु	३८	५	चि	३/०	५२/६	व	४१	४२	बा	१३	२	३१/५०	५/३८	६/२३	२७	१४	१७	तुलायां	[÷बुधास्तःपश्चिमायाम्५९।४३=
२	शु	२८	२३	वि	४७	५०	मि	३०	२९	तै	३	१४	५३	३७	२३	२८	१५	१८	वृ.३४।३९	भ.५३।५३उ.
३	श	१९	२४	अ	४१	३२	व्य	२०	३५	वि	१९	२४	५७	३७	२३	२९	१६	१९	वृश्चिके	भ.१९।२४या.उभा.शुक्रः२२।१९×
४	र	११	४२	ज्ये	३६	४०	व	११	५९	बा	११	४२	३२/१	३६	२४	३०	१७	२०	ध३६।४०	
५	चं	५	२५	मू	३३	२८	प	२९/४	५४/३	तै	५	२५	५	३५	२५	१	१८	२१	धनुषि	भा.वैशाखारंभः [×चतुर्थी व्र.
६	मं	१	९	पू	३२	०	सि	५३	५८	व	१	९	९	३४	२६	२	१९	२२	म.४७।५	भ.१।९उ.२९।५५या.
७	मं	५७	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
८	बु	५७	४८	उ	३२	२३	सा	५०	५७	बा	२८	८	१२	३४	२६	३	२०	२३	मकरे	कृत्ति.बुधः४६।२९
९	गु	५८	४७	श्र	३४	३६	शु	४९	१९	तै	२८	११	१६	३३	२७	४	२१	२४	मकरे	
१०	शु	६०	०	ध	३८	१०	शु	४८	५३	व	२९	५८	२०	३२	२८	५	२२	२५	कुं.६।२३	भ.२९।५८उ.वक्रीबुधः४६।५१
१०	श	१	८	श	४३	२६	ब्र	४९	३८	वि	१	८	२३	३१	२९	६	२३	२६	कुंभे	भ.१।८या.
११	र	५	५	पू	४९	२४	ऐं	५०	४९	बा	५	५	२७	३१	२९	७	२४	२७	मी. ३२/५५	भरण्यां रविः५२।५७(सौरः५७।४२)÷
१२	चं	९	५४	उ	५६	२८	वै	५२	४७	तै	९	५४	३१	३०	३०	८	२५	२८	मीने	वक्री भरण्यां बुधः४०।९श्रवणेभौमः+
१३	मं	१५	५३	रे	६०	०	वि	५४	५९	व	१५	५३	३४	३१	२९	९	२६	२९	मीन	भ.१५।५३उ.४८।४१या.
१४	बु	२१	२९	रे	३	२६	प्री	५७	१३	श	२१	२९	३८	२८	३२	१०	२७	३०	मे.३।२६	रेवत्यां शुक्रः२३।१०[=वरूथिनी११ व्र.
३०	गु	२७	५६	अ	११	७	आ	५९	३८	ना	२७	५६	४१	२८	३२	११	२८	१	मेषे	मई५ता.३१ [+३६।५१प्रदोषः

२पं.वै.कृ.५चं.इ.२।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	११	२	१	०
६	५	२५	१४	५	१	७	६
५०	२९	२७	३९	३४	८	१६	४६
४२	७	१४	७	१६	४९	३९	४१
५८	३२	२८	३	७२	५	३	५८
३१	१६	२६	३८	५०	१७	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में जौ गेहूं
चना बाजरा कपास
मंदा चांदी स्वर्ण
घृत तैल रुई रंग तेज
प्रजा में कहीं २ रोग
पीडा हो।

गोचर ग्रहाः

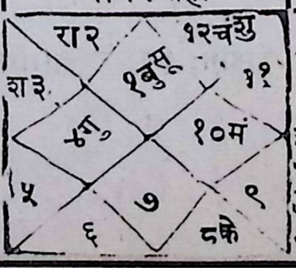

३पं.वै.कृ.१२चं.इ.१३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	११	२	१	०
१३	९	२६	१५	१४	१	६	१३
३९	४७	३३	५	१	४९	५४	३५
४७	४६	११	१०	२३	५२	२३	६
५८	३१	१५/१३	४	७३	५	३	५८
१९	८	व.	४७	१०	४५	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:४०४४सन्२००३
१	शु	३३	५८	भ	८	३७	सौ	६०	०	किं	०	५६	३२/४५	५/२७	६/३३	१२	२९	२	वृ.३५।२७	कृतिका. ३ राहुः अनु.१ केतु:४५।१३
२	श	४०	०	कृ	२५	५९	सौ	२	१	बा	६	५८	४८	२६	३४	१३	३०	३	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	र	४५	२२	रो	३२	४९	शो	३	५८	तै	१२	४१	५२	२६	३४	१४	१	४	वृषे	रविलावल ३ परशुरामजयंती अक्षया३
४	चं	४९	५०	मृ	३८	५५	अ	५	१७	व	१७	३६	५५	२५	३५	१५	२	५	मि. ५/५२	भ १७।३६ उ. ४९।५०या.
५	मं	५३	५६	आ	४४	१०	सु	६	५	ब	२१	५३	५८	२४	३६	१६	३	६	मिथुने	
६	बु	५६	८	पु	४८	८	धृ	६	१८	कौ	२५	२	३/३	२४	३६	१७	४	७	कं. ३२।९	
७	गु	५६	५८	पु	५०	३८	शू	५	८	ग	२६	३३	५	२३	३७	१८	५	८	कर्के	भ.५६।५८उ.
८	शु	५६	१४	श्ले	५१	२९	गं	२/३८	५६/२६	वि	२६	३६	८	२२	३८	१९	६	९	सिं. ५१/२९	भ. ३/३६या. पातस्पर्श:५८।५३
९	श	५३	४३	म	५०	४७	ध्रु	५३	५०	बा	२४	५८	११	२२	३८	२०	७	१०	सिंहे	पातमोक्षः १२।१०
१०	र	४९	२२	पू	४८	४	व्या	४७	८	तै	२१	३२	१४	२१	३९	२१	८	११	सिंहे	कृत्ति.रवि:५३/१३ (सौर:४५/३४) अश्वि.मेषे×
११	चं	४३	१४	उ	४३	३७	ह	३९	११	व	१६	१८	१७	२१	३९	२२	९	१२	कं.१।१३	भ.१६/१८उ.४३/१४या.मृग.४शनि:१३/५० मोहिनी+
१२	मं	३५	४०	ह	३७	४७	व	३०	५	ब	९	२७	२०	२०	४०	२३	१०	१३	कन्यायां	[×शुक्रः २५।५१ [+११ व्रतम्
१३	बु	२७	१६	चि	३०	५०	सि	२०	३	कौ	१	२८	२३	१९	४१	२४	११	१४	तु.४।१८	आश्ले. १ गुरु:५४/५० प्रदोषः नृसिंह १४
१४	गु	१७	१०	स्वा	२३	४	व्य	९/११	४९/१२	व	१७	१०	२६	१९	४१	२५	१२	१५	तुलायां	भ.३७/१०उ.४२।९या.वृषेऽर्कः ६/८ (सौर:१३/२१)
१५	शु	७	७	वि	१५	१७	प	४७	३४	ब	७	७	२८	१८	४२	२६	१३	१६	वृ. २।१४	बुधोदयः पूर्वस्यां१७/५७ यमाय कुंभदानम्

४ पं. वै.शु. ४ चं. इ. १३/२९ | गोचर ग्रहाः | वैशाखशुक्ले १४ गुरौ | गोचर ग्रहाः | ५ पं.वै.शु.११चं.इ. १३/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	११	२	१	०
२०	१३	२३	१५	२२	२	६	२०
२७	५१	३९	३९	२९	३३	३२	२१
२५	१८	१८	४०	३१	४३	८	४९
५८	२९	३५/४०	५	७३	६	३	५७
६	५०	व.	५६	२०	६	११	५७

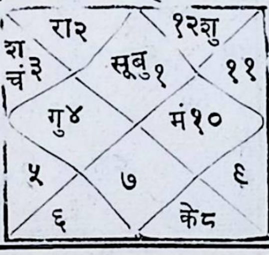

बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

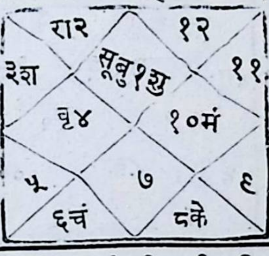

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	३	०	२	१	०
२७	१७	१९	१६	०	३	६	२७
१३	४६	४२	२१	५८	१९	९	७
३७	४७	५८	३६	३७	५९	५२	३
५७	२८	३१/२६	६	७३	६	३	५७
५४	२९	व.	४६	३१	२६	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	शु	५०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४८	७	अ	७	४६	शि	३७	२६	तै	२२	४०	३३/३१	५/१८	६/४२	२७	१४	१७	वृश्चिके	
३	र	४०	१०	ज्ये	०/५९	५४/५२	सि	२८	२१	व	१४	८	३४	१७	४३	२८	१५	१८	ध ०।५९	भ.१४।८उ.४०।१०या.
४	चं	३३	५५	पू	५२	१६	सा	२०	३५	व	७	२	३७	१७	४३	२९	१६	१९	धनुषि	चतुर्थी व्र.
५	मं	२९	३१	उ	५०	४३	शु	१४	१६	कौ	१	४३	३९	१६	४४	३०	१७	२०	म.६।५३	
६	बु	२७	२६	श्र	५१	२६	शु	९	४४	व	२७	२६	४२	१६	४४	३१	१८	२१	मकरे	भ.२७।२६उ.५७/३० या.
७	गु	२७	३४	ध	५४	१	ब्र	६	५४	ब	२७	३४	४४	१५	४५	१	१९	२२	कु.२२।४३	मार्गी बुधः १३/१ भरण्यां शुक्र:३३/२२ धनि:÷
८	शु	२९	११	श	५८	२५	ऐं	५	३३	कौ	२९	११	४७	१५	४५	२	२०	२३	कुम्भे	[÷भौमः ५९/४८ भा.ज्येष्ठारंभः
९	श	३२	४७	पू	६०	०	वै	६	६	तै	०	५९	४९	१४	४६	३	२१	२४	मी. ४७/८३	
१०	र	३७	४१	पू	४	२२	वि	६	५५	व	५	१४	५२	१४	४६	४	२२	२५	मीने	भ.५/१४उ.३७/३१या.रोहि.रवि:३९/४२ (सौर:३९/२९)
११	चं	४३	४३	उ	११	२०	प्री	८	५३	ब	१०	४२	५४	१३	४७	५	२३	२६	मीने	अपरा११ व्रतम्
१२	मं	४९	४१	रे	१८	४४	आ	११	२१	कौ	१६	४२	५६	१३	४७	६	२४	२७	मे.१८।४४	
१३	बु	५६	७	अ	२६	२५	सौ	१३	५९	ग	२२	५३	५८	१२	४८	७	२५	२८	मेषे	भ.५६।७उ. प्रदोषः
१४	गु	६०	०	भ	३३	४६	शो	१६	१७	वि	२९	४	३४/००	१२	४८	८	२६	२९	वृ.५०।३३	भ.२९।४या.
१४	शु	२	१	कृ	४०	५५	अ	१८	३०	श	२	१	२	१२	४८	९	२७	३०	वृषे	
३०	श	७	४६	रो	४७	२९	सु	२०	२४	ना	७	४६	३	११	४९	१०	२८	३१	वृषे	सूर्यग्रहणम् वटसावित्री व्र.

६पं.ज्ये.कृ. ४चं.इ. १३/५० | गोचर ग्रहाः | गोचर ग्रहाः | ७ पं.ज्ये.कृ.११चं.इ. १३/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	३	०	२	१	१
३	२१	१७	१७	९	४	५	३
५८	३७	३३	९	२८	८	४७	५०
३७	२३	४०	४३	१९	४६	३७	४४
५७	२७	१२/११	७	७३	६	३	५७
४४	२२	व.	५५	४४	३८	११	३४

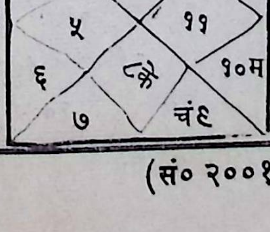

इस मास में मकर का मंगल धान्यों में मंदी करेगा सोना चांदी घृत तेल रुई में तेजी प्रजा में रोग बढ़े धूप अधिक पड़े।

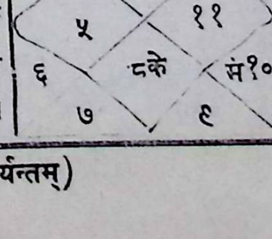

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	३	०	२	१	१
१०	२५	१८	१८	१७	४	५	१०
४२	१६	३५	४	५८	५९	२५	३२
२९	३७	५३	३७	१६	५३	२१	५५
५७	२५	१६/३२	८	७३	६	३	५७
३५	३९	व.	४८	५०	५६	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४०७४स.२००३
१	र	१२	२७	मृ	५३	१०	धृ	२१	३४	व	१२	२७	३४/५	५/५५	६/४९	११	२९	१	सि२०।१९	चंद्रदर्शनम् जून ६ ता. ३०
२	चं	१६	२८	आ	५८	८	शू	२२	७	कौ	१६	२८	७	११	४९	१२	१	२	मिथुने	कृत्ति.शुक्र:२२।५७ रविलाखर ४
३	मं	१९	३२	पु	६०	०	गं	२१	५२	ग	१९	३२	९	१०	५०	१३	२	३	क.४५।५८	भ.५०।३१ उ.
४	बु	२१	३०	पु	१	५५	वृ	२०	४१	वि	२१	३०	१०	१०	५०	१४	३	४	कर्के	भ.२१।३० या.
५	गु	२२	१४	पु	४	४०	ध्रु	१८	५३	बा	२२	१४	१२	१०	५०	१५	४	५	कर्के	वृषे शुक्र:५७।१६कुंभे भौमः १६।५७
६	शु	२१	४५	श्ले	६	१६	व्या	१६	७	तै	२१	४५	१३	९	५१	१६	५	६	सिं.६।१६	कृत्ति.बुध:२।५५अस्तं शनेः २४।२६
७	श	२०	४	म	६	४८	ह	१२	११	व	२०	४	१५	९	५१	१७	६	७	सिंहे	भ.२०।४उ.४९।५या
८	र	१८	५	पू	५	४१	व	७	५	ब	१८	५	१६	९	५१	१८	७	८	कं.२०।६	मृगे रविः ३४/५ (सौरः ३९/६) वृषे बुध: ४१/२० ×
९	चं	१२	४०	उ	३/२१	५६/१८	सि	०/५३	५२/४९	कौ	१२	४०	१७	९	५१	१९	८	९	कन्यायां	[×आश्ले २गुरु:४/५ आर्द्रा.१शनि:२७।३५
१०	मं	७	१	चि	५४	४०	व	४५	२२	ग	७	१	१८	८	५२	२०	९	१०	तु.२७।१०	भ.३३।३१उ.गंगा १० निर्जला११व्र.स्मा.
११	बु	०	१	स्वा	४८	४७	प	३६	२१	वि	०	१	१९	८	५२	२१	१०	११	तुलायां	भ.०१या.निर्जला ११ व्र. वै.
१२	बु	५१	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	गु	४३	१३	वि	४१	५७	शि	२६	३४	कौ	१७	३२	१९	८	५२	२२	११	१२	वृ.३८/४०	प्रदोषः
१४	शु	३३	५३	अ	३४	५०	सि	१६	२६	ग	८	३२	२०	८	५२	२३	१२	१३	वृश्चिके	भ.३३।५३उ.५९।१५या.रोहि. शुक्र:१२/२१
१५	श	२४	५६	ज्ये	२८	६	सा	६/२५	५०/२५	ब	२४	५६	२१	८	५२	२४	१३	१४	घ.२८।६	गुर्जराणां वटसावित्री व्र

८ पं.ज्ये.शु.२ चं.इ.१४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	३	०	२	१	१
१७	२८	२३	१९	२६	५	५	१७
२५	४६	५	५	२८	५२	३	१४
१९	१९	२४	४६	५९	२३	५	०१
५७	२४	४७	९	७३	७	३	५७
२७	१०	१०	३७	५६	५	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं जौ चना मटर सरसों अलसी आदि और धान्य गल्ले में मंदी होकर तेजी हो जावे। कहीं२ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

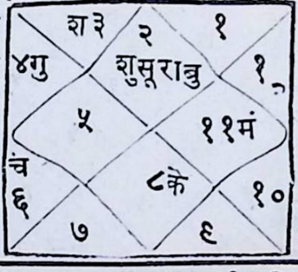

९ पं. ज्ये.शु. ९ चं.इ. १४/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	३	१	२	१	१
२४	१	०	२०	५	६	४	२३
७	५९	४१	११	०	४५	४०	५३
१९	२	१७	५६	४	३६	५०	५७
५७	२२	७५	१०	७४	७	३	५७
२२	८	४५	२०	२	१४	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	र	१६	२८	मू	२२	११	शु	४७	५७	कौ	१६	२८	३४/२१	५/८	६/५३	२५	१४	१५	धनुषि	मिथुनेऽर्कः २३/६ (सौरः ३९/७) रोहिण्यां बुधः÷
२	चं	९	२६	पू	१७	१४	ब्र	४०	२५	ग	९	२६	२२	८	५२	२६	१५	१६	म.३१।२७	भ.३६।३७उ. [÷३०।४५
३	मं	३	४९	उ	१४	६	ऐं	३४	२४	वि	३	४९	२२	८	५२	२७	१६	१७	मकरे	भ.३।४९या. चतुर्थी व्र.
४	बु	०	८	श्र	१२	५५	वै	३०	२	बा	०	८	२३	७	५३	२८	१७	१८	कु.४३।२३	
५	बु	५८	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	गु	५९	२४	ध	१३	५०	वि	२७	१७	ग	२९	६	२३	७	५३	२९	१८	१९	कुम्भे	भ.५९।२४उ.शते भौम:५९।४१
७	शु	६०	०	श	१६	५२	प्री	२६	२६	वि	३०	३९	२३	७	५३	३०	१९	२०	कुम्भे	भ.३०।१९या.
७	श	१	५४	पू	२१	४०	आ	२६	३०	ब	१	५४	२४	७	५३	३१	२०	२१	मी.५।२८	
८	र	६	२९	उ	२७	५३	सौ	२७	५५	कौ	६	२९	२४	७	५३	१	२१	२२	मीने	आर्द्रा.रविः २३/४ (सौरः ४/४०)भा.आषाढारंभः
९	चं	१२	१३	रे	३५	११	शो	३०	४०	ग	१२	१३	२४	७	५३	२	२२	२३	मे.३५/११	भ.४५।११उ.मृगे बुधः ११।२२
१०	मं	१८	१०	अ	४२	४३	अ	३२	४६	वि	१८	१०	२४	७	५३	३	२३	२४	मेषे	भ.१८।१०या.मृगे शुक्र:१५/२ बुधास्त:×
११	बु	२४	३१	भ	५०	१८	सु	३५	१७	बा	२४	३१	२४	७	५३	४	२४	२५	मेषे	योगिनी ११ व्र. [×पूर्वस्यां १७।१४
१२	गु	३०	३२	कृ	५७	३२	धृ	३७	४०	तै	३०	३२	२३	७	५३	५	२५	२६	वृ.७।७	मिथुने.बुध:३४।१६
१३	शु	३५	५६	रो	६०	०	शू	३९	१९	ग	३	१४	२३	७	५३	६	२६	२७	वृषे	भ.३५/५६उ.आश्ले.३गुरु:१७।१५ प्रदोषः
१४	श	४०	१०	रो	३	५६	गं	४०	२३	वि	८	३	२२	८	५२	७	२७	२८	मि.३६/३५	भ.८।३या.
३०	र	४३	२६	मृ	९	१४	बृ	४०	३१	च	११	४७	२२	८	५२	८	२८	२९	मिथुने	आर्द्रा.बुध:४१/५० मिथुने शुक्र:४३।५९

१० पं.आ. कृ. २चं.इ. १४/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	३	१	२	१	२
०	४	१०	२१	१३	७	४	०
४८	४९	५५	२२	३२	३९	१८	३३
३६	२६	३७	८	६	४०	३४	०६
५७	१९	८/०	१०	७४	७	३	५६
१७	५३	०/१९	५६	८	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

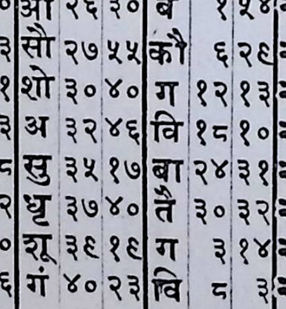

आषाढ़ कृष्णे १ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ६ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

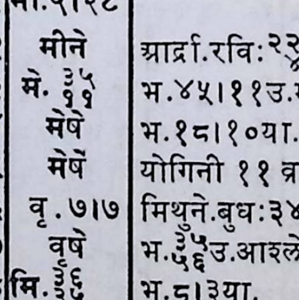

११ पं.आ. कृ.९चं.इ. ५३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	३	१	२	१	२
७	७	२३	२२	२२	८	३	७
२९	३६	२५	३७	४	३३	५६	११
३१	४०	८	१९	१६	५८	१९	३३
५७	१७	८/०	११	७४	७	३	५६
१३	३०	१७	३३	१८	२०	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६०					शाकः १९२५							दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ४१०३ स.२००३
१	चं	४५	२५	आ	१३	२९	ध्रु	३९	४२	किं	१४	२५	३४/२१	५/८	६/५२	९	२९	३०	मिथुने	
२	मं	४६	२३	पु	१७	४१	व्या	३८	३	बा	१५	५४	२०	८	५२	१०	३०	१	क.११३८	चंद्रदर्शनम् जुलाई ७ ता. ३१रथयात्रा
३	बु	४६	८	पु	१८	४६	ह	३५	३४	तै	१६	१६	१९	८	५२	११	१	२	कर्के	जमादिलावल ५
४	गु	४५	१	श्ले	१९	४५	व	३२	१३	व	१५	४	१८	८	५२	१२	२	३	सिं१९।४५	भ.१५।४उ.४५।१या.
५	शु	४२	५८	म	१९	५४	सि	२८	१९	ब	१३	५९	१७	९	५१	१३	३	४	सिंहे	आर्द्रा.२शनिः ४/० क्रति २ राहुः विशा.४ ×
६	श	३९	५४	पू	१९	९	व्य	२३	४४	कौ	११	२६	१६	९	५१	१४	४	५	कं.३३।४६	पुनः बुधः४७।१आर्द्रा.शुक्रः१२।१४
७	र	३६	७	उ	१७	३५	व	१८	१२	ग	८	०	१५	९	५१	१५	५	६	कन्यायां	भ.३/६ उ.पुन.रविः२०।५४(सौरः ४/४)
८	चं	३१	३५	ह	१५	१६	प	१२	१०	वि	४	२०	१४	९	५१	१६	६	७	तु.४३।३८	भ.४।२०या.
९	मं	२६	१०	चि	११	५९	शि	५/२२	५२/१९	कौ	२६	१०	१३	९	५१	१७	७	८	तुलायां	[× केतुः ३/६
१०	बु	२०	४	स्वा	७	५८	सा	५०	७	ग	२०	४	११	१०	५०	१८	८	९	वृ.४९।३२	भ.४६।४०उ.
११	गु	१३	१६	वि	३/२४	५४/४४	शु	४१	३८	वि	१३	१६	१०	१०	५०	१९	९	१०	वृश्चिके	भ.१/१या.कर्के बुधः ३/०देवशयनी ११ व्र.
१२	शु	५	५०	ज्ये	५२	४१	शु	३२	५१	बा	५	५०	८	१०	५०	२०	१०	११	ध.५२।४१	उदयं शनेः४५।२० प्रदोषः
१३	शु	५२	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	श	५१	५८	मू	४७	३३	ब्र	२४	९	ग	२५	१०	७	११	४९	२१	११	१२	धनुषि	भ.५१।५८उ.पुष्ये बुधः ४।४९
१५	र	४४	२९	पू	४२	५८	ऐं	१५	५६	वि	१८	१३	५	११	४९	२२	१२	१३	म.५७।४	भ.१८।१३या.व्यासपूजा वायुपरीक्षा

१२पं.आ. शु. १च. इ.१३/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	३	२	२	१	२
१४	९	७	२३	०	९	३	१३
९	५४	४७	५५	३७	२८	३४	४९
५८	५८	३५	३७	५	३०	३	३८
३७	१५	२०/१	१२	७४	७	३	५६
७	९	३१/२३	१०	२२	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ रविवार गेहूं जौ चना मटर बांजरा आदि धान्य रस धातु में तेजी करें वर्षा अच्छी हो प्रजा में अशान्ति रहे।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.८चं.इ.१३।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	३	२	२	१	२
२०	११	२३	२५	९	१०	३	२०
१०	४४	४	१६	१०	२३	११	२७
२४	४६	१	३४	४८	१७	४७	३२
५७	१२	२०/१	१२	७४	७	३	५६
७	२९	६/१३	२३	२६	१४	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६०					शाकः १९२५							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	३८	५०	उ	३९	२०	वै	८	१९	बा	११	३९	३४/३	५/११	६/४९	२३	१३	१४	मकरे	आ.श्ले.४ गुरुः ९।४
२	मं	३४	५०	श्र	३७	१४	वि	४१	५४/३८	तै	६	५०	१	१२	४८	२४	१४	१५	मकरे	
३	बु	३२	३८	ध	३७	६	आ	५२	२९	व	३	४४	३३/५९	१२	४८	२५	१५	१६	कु.७।१०	भ.३/४उ.३/२या.कर्केऽर्कः ५/०पुनःशुक्रः३/४×
४	गु	३२	१७	श	३८	४८	सौ	५०	२४	ब	२	२८	५७	१३	४७	२६	१६	१७	कुंभे	कर्केऽर्कःसौरः१७।२६
५	शु	३४	७	पू	४२	११	शो	४९	३६	कौ	३	११	५५	१३	४७	२७	१७	१८	मी.२६/२०	आश्ले बुधः५६।१६नाग५मरुस्थले
६	श	३७	४१	उ	४७	२७	अ	४९	५५	ग	५	५४	५२	१४	४६	२८	१८	१९	मीने	भ.३७।४१उ.
७	र	४२	५०	रे	५३	५८	सु	५९	४४	वि	१०	१६	५०	१४	४६	२९	१९	२०	मे.५३।५८	भ.३/६या.पुष्ये.रविः१९।३८(सौरः४/७)
८	चं	४८	३०	अ	६०	०	धृ	५३	४७	बा	१५	४०	४८	१४	४६	३०	२०	२१	मेषे	[×बुधोदयः पश्चिमायां ५/७ चतुर्थी व्र.
९	मं	५४	४८	अ	१	११	शू	५६	२३	तै	२१	३९	४५	१५	४५	३१	२१	२२	मेषे	
१०	बु	६०	०	भ	८	५२	गं	५८	४३	व	२७	४६	४३	१५	४५	१	२२	२३	बृ.२५।४०	भ.२७।४६उ.भा.श्रावणारंभः
१०	गु	०	४४	कृ	१६	७	बृ	६०	०	वि	०	४४	४०	१६	४४	२	२३	२४	बृषे	भ.०।४४या.कर्के शुक्रः१०।४
११	शु	६	११	रो	२२	५३	वृ	०	४४	बा	६	११	३८	१६	४४	३	२४	२५	मि.५५/३५	कामिका ११ व्रतम्
१२	श	१०	२६	मृ	२८	१७	ध्रु	१	४९	तै	१०	२६	३५	१७	४३	४	२५	२६	मिथुने	मघा सिंहे बुधः३/७पुष्येशुक्रः५/५प्रदोषः
१३	र	१३	२२	आ	३२	२६	व्या	१	४९	व	१३	२२	३३	१७	४३	५	२६	२७	मिथुने	भ.३/२उ. ४/०या.शुक्रास्तः पूर्वस्यां१२।०
१४	चं	१४	३८	पु	३४	५९	ह	५०/०	५७/४७	श	१४	३८	३०	१८	४२	६	२७	२८	क.१९।२१	
३०	मं	१४	३५	पु	३६	१२	सि	५५	२५	ना	१४	३५	२७	१९	४१	७	२८	२९	कर्के	हरियाली ३०

१४पं.श्रा.कृ.१चं.इ.१३।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	३	३	२	२	१	२
२७	१३	७	२६	१७	११	२	२७
३०	११	३८	४०	४५	१७	४९	५
४३	३५	५६	५९	३२	२	३२	३९
५७	१०	२०/१	१२	७४	७	३	५६
११	३२	०/३४	५०	२६	८	११	५४

१५पं.श्रा.कृ.८चं.इ. १३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	३	२	२	१	३
४	१४	२०	२८	२६	१२	२	३
११	७	५०	७	२०	९	२७	४४
२८	३४	१३	३४	४२	४३	१६	६
५७	७	७०/१	१३	७४	७	३	५६
१५	१९	०/८२	१३	३२	००	११	५८

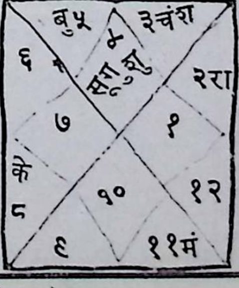

१६पं.श्रा.कृ.१४चं.इ.९/२ ३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	३	३	२	१	३
१०	१४	२	२९	४	१३	२	१०
५२	३१	३४	३५	५७	१	५	२३
३०	१९	२३	४२	१४	५	१	२३
५७	५	९६	१३	७४	६	३	५७
२०	१	२३	२०	३२	४४	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः:४१३३स.२००३
१	बु	१२	५२	श्ले	३६	१३	व्य	५१	१४	व	१२	५२	३३/२४	५/१९	६/४१	८	२९	३०	सिं ३६/१३	मघा१सिंहे गुरु:२।१७ चंद्र दर्शनम्
२	गु	१०	२४	म	३५	१३	व	४६	१९	कौ	१०	२४	२२	२०	४०	९	३०	३१	सिंहे	आर्द्रा.३शनि:५/७जमादिलाखर६सिंधारा
३	शु	६	५८	पू	३३	२५	प	४०	३१	ग	६	५८	१९	२०	४०	१०	१	१	कं.४७।५०	भ.३४/५३उ.अगस्त ८ ता.३१ तीज
४	श	२	४९	उ	३१	५	शि	३४	२३	वि	२	४९	१६	२१	३९	११	२	२	कन्यायां	भ.२।४९या.नागपंचमी
५	श	५५	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	र	५३	२७	ह	२८	१९	सि	२८	११	कौ	५५	५३	१३	२१	३९	१२	३	३	तु.५६।५०	आश्ले.रवि:१६।३९ (सौर:४८।५४)
७	चं	४८	२३	चि	२५	२२	सा	२१	३५	ग	२०	५२	१०	२२	३८	१३	४	४	तुलायां	भ.४८।२३उ.पूफा.बुध:३४।४०
८	मं	४३	११	स्वा	२२	०	शु	१४	५३	वि	१५	४७	७	२३	३७	१४	५	५	तुलायां	भ.१५।४७या.
९	बु	३७	४३	वि	१८	३८	शु	७	५०	बा	१०	२७	४	२३	३७	१५	६	६	वृ.४।२९	आश्ले.शुक्र:४२।२०
१०	गु	३२	२	अ	१५	४	ब्र	०/४४	५२/४२	तै	४	५२	०	२४	३६	१६	७	७	वृश्चिके	भ.५६।१६ उ.
११	शु	२६	३०	ज्ये	११	२६	वै	४६	१७	वि	२६	३०	३३/५७	२५	३५	१७	८	८	ध. ११/२६	भ.२६।३०या. पवित्रा ११ व्र.
१२	श	२१	२	मू	७	५५	वि	३९	२८	बा	२१	२	५४	२५	३५	१८	९	९	धनुषि	प्रदोषः
१३	र	१६	१	पू	४	३५	प्री	३२	४१	तै	१६	१	५०	२६	३४	१९	१०	१०	म.१८।५७	अस्तं गुरो:७।१२
१४	चं	११	३६	उ	२	१	आ	२६	४२	व	११	३६	४७	२७	३३	२०	११	११	मकरे	भ.११।३६उ.४०।०या.
१५	मं	८	२४	श्र	०	१५	सौ	२१	४०	ब	८	२४	४४	२७	३३	२१	१२	१२	कुं.३०।११	श्रावणी कर्म. रक्षाबंधनम्

१७ पं श्रा.शु. ७चं. इ ९३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	३	२	१	३
१७	१४	१२	१	१३	१३	१	१७
३४	२७	५१	५	३४	५०	४२	३
१२	२९	२२	३१	४८	३१	४५	११
५७	२	८०	१३	७४	६	३	५७
२५	२२	१४	३२	३२	३१	११	१२

गोचर ग्रहाः

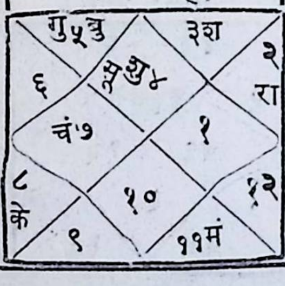

श्रावण कृष्णे ३ बुधे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैंठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु १३चं.इ १/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	४	४	३	२	१	३
२४	१३	२१	२	२२	१४	१	२३
१६	५४	३०	३६	१२	३७	२०	९४
३७	१८	२५	१४	३६	४८	२९	१८
५७	०	६१	१३	७४	६	३	५७
३३	४६	५५	३२	३८	१४	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	६	३५	ध	०	७	शो	१७	४३	कौ	६	३५	३३/४०	५/२८	६/३२	२२	१३	१३	कुम्भे	
२	गु	६	१४	श	१	१०	अ	१४	४६	ग	६	१४	३७	२९	३१	२३	१४	१४	मी४८।२६	भ.३६/५८उ.वक्री भौम:३६/३३मघा.२गुरुः२८
३	शु	७	४३	पू	४	१२	सु	१३	३८	वि	७	४३	३३	२९	३१	२४	१५	१५	मीने.	भ.७।४३या.चतुर्थीव्रतम्
४	श	१०	४६	उ	८	३३	धृ	१३	१६	बा	१०	४६	३०	३०	३०	२५	१६	१६	मीने	उफा बुध: १६।३४
५	र	१५	२८	रे	१४	३०	शू	१४	११	तै	१५	२८	२६	३१	२९	२६	१७	१७	मे. १४/३०	मघासिंहेऽर्कः:१९/४१(सौर:४५/१९)मघासिंहे÷
६	चं	२०	५३	अ	२१	१५	गं	१५	५६	व	२०	५३	२२	३२	२८	२७	१८	१८	मेषे	भ.२०/५३उ.५३/५७या. [÷शुक्र:३१/२२चंद्रषष्ठी
७	मं	२७	१	भ	२८	४२	वृ	१८	१२	ब	२७	१	१९	३२	२८	२८	१९	१९	वृ. ४५/३५	जन्माष्टमी व्र. स्मार्ता.
८	बु	३३	१३	कृ	३६	१३	ध्रु	२०	३६	बा	०	७	१५	३३	२७	२९	२०	२०	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वैष्णवानाम्
९	गु	३८	५५	रो	४३	१५	व्या	२२	५४	तै	६	४	१२	३४	२६	३०	२१	२१	वृषे	कन्यायां बुध:३४/३४गोगानवमी
१०	शु	४३	२८	मृ	५०	११	ह	२४	२८	व	११	११	८	३४	२६	३१	२२	२२	मि१६।४३	भ.११।११उ.४३।२८या.
११	श	४६	२७	आ	५३	५३	व	२४	५६	ब	१४	५८	४	३५	२५	१	२३	२३	मिथुने	भा.भाद्रपदारंभ: अजा ११ व्र.
१२	र	४७	५५	पु	५६	४४	सि	२४	१८	कौ	१७	११	१	३६	२४	२	२४	२४	क.४१।२	वत्सद्वादशी
१३	चं	४७	३०	पु	५७	५७	व्य	२२	१८	ग	१७	४२	३१/५७	३७	२३	३	२५	२५	कर्के	भ.४७।३०उ. प्रदोषः
१४	मं	४५	७	श्ले	५७	२६	व	१८	५२	त्रि	१६	१८	५३	३७	२३	४	२६	२६	सिं. ५७/२६	भ.१६।१८या.वक्री बुध:५२।१०
३०	बु	४१	२८	म	५५	२३	प	१४	१	च	१३	१७	४९	३८	२२	५	२७	२७	सिंहे	कुशाग्रहणी. पिठोरी ३० मन्वादिः

१९ पं.भा.कृ. ६चं.इ. १२/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	४	४	४	२	१	४
०	१२	२७	४	०	१५	०	०
५९	५५	३५	७	५१	२३	५८	२६
५३	४८	३०	५१	४३	२	१४	३१
५७	५ ०/३	३८	१३	७४	६	३	५७
४०	व:	५९	३८	३८	५०	११	३४

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ५ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

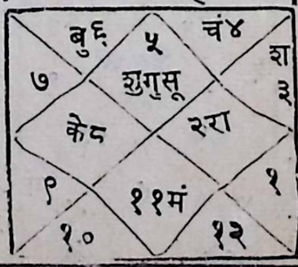

२० पं.भा.कृ.१३चं.इ: १२/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	४	२	१	४
७	११	२	५	९	१६	०	७
४४	४६	०	३९	३२	५	३५	१०
२०	४१	२२	१४	१३	४२	५८	१
५७	३ ९/१	९	१३	७४	५	३	५७
४९	व:	१८	३८	३८	२८	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४१६२स.२००३
१	गु	३६	२९	पू	५२	२०	शि	८	६	किं	८	५८	३१/४६	५/३९	६/२१	६	२८	२८	सिंहे	पूफा.शुक्र:१५।५४
२	शु	३०	४३	उ	४८	२८	स	१/२०	५२/३६	वा	३	१८	४२	४०	२०	७	२९	२९	क.६।२२	मघा.३गुरु:५५।५५चंद्रदर्शनम्
३	श	२४	३१	ह	४४	८	शु	४६	६	ग	२४	३१	३८	४०	२०	८	१	३०	कन्यायां	भ.५१।२५उ.रज्जव७हरितालिका३
४	र	१८	१६	चि	३९	५०	शु	३८	१२	वि	१८	१६	३४	४१	१९	९	२	३१	तु.११।५९	भ.१८।१६या. पूफा. रवि:०।१७(सौर:×
५	चं	१२	४	स्वा	३५	४५	ब्र	३०	३८	ग	१२	४	३०	४२	१८	१०	३	१	तुलायां	सितंबर९ता.३०ऋषि५ [=गणेशचतुर्थी
६	मं	६	१०	वि	३१	५१	ऐं	२३	१७	तै	६	१०	२६	४३	१७	११	४	२	वृ.१७।५०	[×३६।११) आर्द्रा. ४ शनि: १७।५०=
७	बु	०	४२	अ	२८	२०	वै	१५	५८	व	०	४२	२२	४४	१६	१२	५	३	वृश्चिके	भ.०।४२उ.२८।५या.उदयं गुरो:५८।४८
८	बु	५४	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Aमायाम्१२।१३
९	गु	५१	१	ज्ये	२५	२६	वि	८	५६	बा	२३	१७	१८	४४	१६	१३	६	४	ध.२५।२६	वक्री सिंहे बुध:५८।५६ बुधास्त: पश्चिमA
१०	शु	४७	३	मू	२२	५६	प्री	४६/२	५३/५९	तै	१९	२	१५	४५	१५	१४	७	५	धनुषि	कृत्ति.१मेषे राहु:विशा.३तुलायांचकेतु:३१/११
११	श	४३	४३	पू	२०	५८	सौ	५१	१०	व	१५	२३	११	४६	१४	१५	८	६	म.३५।४०	भ.१५।२३उ.४/३३या.जलझूलनी११व्र.
१२	र	४०	५६	उ	१९	४७	शो	४६	२२	ब	१२	२०	७	४७	१३	१६	९	७	मकरे	वामन द्वादशी [B०।५६प्रदोष:
१३	चं	३९	५	श्र	१९	११	अ	४२	१०	कौ	१०	१	३	४७	१३	१७	१०	८	कुं.४९।३३	वक्री पूफा. बुध:२१।४६उफा. शुक्र:B
१४	मं	३७	२९	ध	१९	५५	सु	३८	४८	ग	८	१७	३०/५९	४८	१२	१८	११	९	कुम्भे	भ.३७।२९उ.अनंत १४व्र.
१५	बु	३८	५८	श	२१	२९	धृ	३६	२३	वि	८	१३	५५	४९	११	१९	१२	१०	कुम्भे	भ.१/३या.कन्यायां शुक्र:४/५९महालयारंभ:

२१पं.भा.शु.५चं.इ.१२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	४	४	२	१	४
१४	१०	१	७	१८	१६	०	१३
३०	२८	५३	१०	१३	४४	१३	५५
०	३६	१०	५५	८	३५	४३	१३
५८	१५/१८	३०/००	१३	७४	५	३	५७
१	व.	व.	३४	३२	१	११	५७

गोचर ग्रहाः

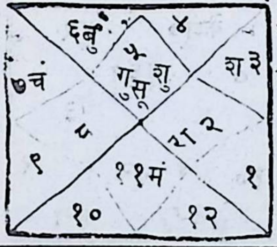

इस मास में गेहूं चावल जौ चना बाजरा आदिधान्य गुड चीनी तांबा सोना रंग कपास तेज हो वर्षा अच्छी हो चौपाये पशुओं में रोग हो ।

गोचर ग्रहाः

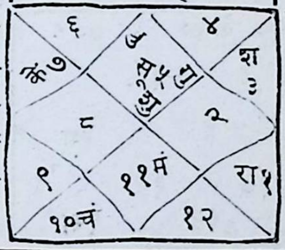

२२ पं.भा.शु.१३चं.इ.१२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	४	४	४	२	०	४
२१	९	२६	८	२६	१७	२९	२१
१७	१५	५४	४१	५४	१९	५१	४१
२	४	५८	१७	१८	५९	२७	५३
५८	५/२	६६/४३	१३	७४	४	३	५८
१२	व.	व.	३२	३२	३८	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भा.कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४१	४	पू	२४	३६	शू	३५	१४	बा	१०	१	३०/५१	५/५०	६/१०	२०	१३	११	मी.८।४९	[*१०।३ (सौर:४६।१) बुधादय: पूर्व×
२	शु	४४	२१	उ	२८	४५	गं	३४	४६	तै	१२	४२	४७	५१	९	२१	१४	१२	मीने	[=२२।३१मघा.४गुरु:२१।५३चतुर्थी व्र.
३	श	४८	५६	रे	३४	१६	वृ	३५	१४	व	१६	३८	४३	५१	९	२२	१५	१३	मे ३६/१९	भ.१६।३८उ.४८।५६या.उफा.रवि:४४/४२
४	र	५४	११	अ	४०	४६	ध्रु	३६	२८	ब	२१	३४	३९	५२	८	२३	१६	१४	मेषे	उफा. रवि:सौर:२०।५०मार्गी भौम:=
५	चं	६०	०	भ	४८	७	व्या	३८	३५	कौ	२७	१६	३५	५३	७	२४	१७	१५	मेषे	
५	मं	०	२१	कृ	५५	४६	ह	४०	५८	तै	०	२१	३१	५४	६	२५	१८	१६	वृ ५।१	
६	बु	०६	३८	रो	६०	०	व	४३	२१	व	६	३८	२७	५५	५	२६	१९	१७	वृषे	भ.६।३८ उ. ३९।५३या. कन्यायामर्क:*
७	गु	१३	८	रो	३	१६	सि	४५	३०	ब	१३	८	२२	५६	४	२७	२०	१८	मि. ३६/४२	हस्तेशुक्र:४५।१०
८	शु	१८	१७	मृ	१०	८	व्य	४६	४७	कौ	१८	१७	१८	५६	४	२८	२१	१९	मिथुने	[×स्याम्५९।३८
९	श	२१	४१	आ	१५	२७	व	४७	१	ग	२१	४१	१४	५७	३	२९	२२	२०	मिथुने	भ.५२।४८उ. मार्गी बुध:१६। ४मातृ९+
१०	र	२३	५६	पु	१९	३७	प	४५	४९	वि	२३	५६	९	५८	२	३०	२३	२१	क.३।१७	भ.२३ ५६या. [+सौभाग्यवतीनां श्राद्धम्
११	चं	२३	५९	पु	२१	४९	शि	४३	८	बा	२३	५९	५	५९	१	३१	२४	२२	कर्के	इंदिरा११व्रतम्
१२	मं	२२	७	श्ले	२१	४८	सि	३८	५१	तै	२२	७	३०/००	०/६०	०/६०	१	२५	२३	सिं. २१/४८	भा.आश्विनारंभ: प्रदोष:
१३	बु	१८	१८	म	२०	१६	सा	३३	४	व	१८	१८	२९/५६	६/१	५/५९	२	२६	२४	सिंहे	भ. १८।१८ उ. ४५।३२या शस्त्रादि–
१४	गु	१२	४६	पू	१६	४५	शु	२५	५०	श	१२	४६	५२	२	५८	३	२७	२५	कं.३०।३२	सर्व पितृ श्राद्धम् [–हतानां श्रा
३०	शु	५	५५	उ	११	५३	शु	१७	३५	ना	५	५५	४८	२	५८	४	२८	२६	कन्यायां	मातामहश्रा. नवरात्रा.

२३प.आ.कृ.५चं.इ.१२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	४	४	५	२	०	४
२८	८	२०	१०	५	१७	२९	२७
५	१६	२१	११	३५	५१	२९	३०
२४	८	२५	१३	३८	३६	११	१३
५८	७/०	५४/५५	१३	७४	४	३	५८
२६	मा.	व.	२०	३२	१	११	२९

गोचर ग्रहाः

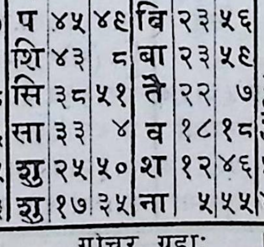

आश्विन कृष्णे ६बुधे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४न.५ वृद्धावस्था (वैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्त:पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

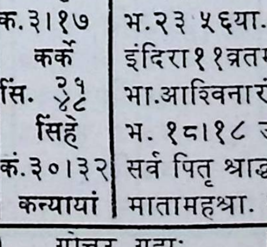

२४पं. आ.कृ.११चं.इ.१२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	४	४	५	२	०	५
४	७	१८	११	१४	१८	२९	४
५५	४०	४५	३९	१८	१८	६	२०
१६	४४	४०	४७	११	३६	५६	२०
५८	२	३०/५९	१३	७४	३	३	५८
३८	३९	मा.	१४	२६	२८	१९	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४१९२स.२००३
१	शु	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A४६।४८सरस्वती पू. बलिदानम्
२	श	५०	११	ह	६	११	ब्र	८/३५	५०/३७	बा	२४	१०	२९/४४	६/३	५७	५	२९	२७	तु.३३।११	हस्ते रविः २३।१२ (सौर:५८।३१)×
३	र	४२	५	चि	१ ०/१	५३/५२	वै	४९	५०	तै	१६	८	४०	४	५६	६	१	२८	तुलायां	सावान८ [×चंद्रदर्शनम्
४	चं	३४	३२	वि	४८	२४	वि	४०	२३	व	८	१९	२६	५	५५	७	२	२९	वृ.३४।४९	भ.८।१९उ.३४।३२या.चित्रा.शुक्र:२८।८
५	मं	२७	३९	अ	४३	३१	प्री	३१	५५	ब	१	५	३२	६	५४	८	३	३०	वृश्चिके	पूफा.१गुरु:१६३० [–वाहनम्
६	बु	२१	३४	ज्ये	३९	२७	आ	२३	५६	तै	२१	३४	२८	६	५४	९	४	१	ध.३९।२७	उफा.बुध:८।४८अक्ट्रवर१०ता.३१
७	गु	१६	३२	मू	३६	३१	सौ	१६	४३	व	१६	३२	२३	७	५३	१०	५	२	धनुषि	भ. १६।३२उ.४४।३५ या. सरस्वत्या–
८	शु	१२	३८	पू	३४	३५	शो	१०	२७	ब	१२	३८	१९	८	५२	११	६	३	म. ४९/२४	कन्यायां बुध:२६।१शुक्रोदय:पश्चिमायांA
९	श	१०	५	उ	३३	५०	अ	५	१३	कौ	१०	५	१५	९	५१	१२	७	४	मकरे	तुलायां शुक्र:४९।८
१०	र	८	२२	श्र	३४	९	सु	४७	५६/२८	ग	८	२२	११	१०	५०	१३	८	५	मकरे	भ.३८।७उ.सरस्वती विसर्जनं विजया१०
११	चं	७	५२	ध	३५	४१	शू	५४	३२	वि	७	५२	७	११	४९	१४	९	६	कुं.४।५५	भ.७।५२या.पापांकुशा११व्र.
१२	मं	८	४५	श	३८	२५	गं	५२	५५	बा	८	४५	३	११	४९	१५	१०	७	कुंभे	प्रदोषः [=शरद्१५कोजागर्ति व्र.
१३	बु	१०	१६	पू	४१	५९	वृ	५२	१५	तै	१०	१६	२६/५९	१२	४८	१६	११	८	मी२६।५	बुधास्तः पूर्वस्यां२१।६ [*का. स्ना. प्रा.
१४	गु	१३	१४	उ	४६	४१	ध्रु	५१	५९	व	१३	१४	५५	१३	४७	१७	१२	९	मीने	भ.१३।१४उ.४५।९या.हस्तेबुध:२८।०=
१५	शु	१७	४	रे	५२	२२	व्या	५२	३७	ब	१७	४	५१	१४	४६	१८	१३	१०	मे. ५२।२२	चित्रा.रवि:५५।१४स्वात्यां शुक्र:११।५*

२५पं.आ.शु.४ चं.इ.१२।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	४	४	५	२	०	५
११	७	२४	१३	२६	१८	२८	११
४६	३५	७	६	०	४१	४४	१२
३२	१७	१९	११	४	१३	४०	२१
१८	४	७८	१२	७४	३	३	५९
१३	५०	२९	५२	२६	४२	११	००

गोचर ग्रहाः

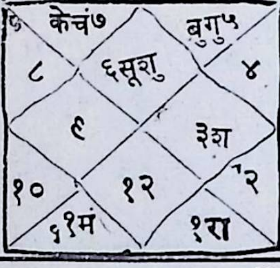

कृष्ण पक्ष में तिथी बढे, शुक्ल पक्ष घट जाय। एक चीज की क्या कहें सभी चीज घट जाय ।। इस मास में धान्य रस धातु संभी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

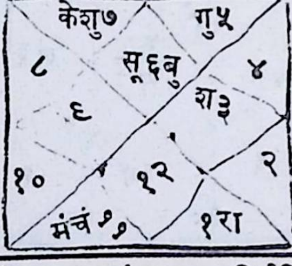

२६ पं.आ.शु. ११चं. इ. ९/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	६	२	०	५
१८	८	४	१४	१	१८	२८	१८
४०	१	३४	३०	४२	५९	२२	६
८	३४	४८	२५	३२	२०	२५	८
५९	८	९९	१२	७४	२	३	५९
९	८	३०	२६	२६	२	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे ग्रा.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	२२	११	अ	५८	५०	ह	५३	५९	कौ	२२	११	२६/४७	१५/६	४५/५	१९	१४	११	मेषे	चित्रा.रवि:सौर:२६।५
२	र	२७	३७	भ	६०	०	व	५५	५०	ग	२७	३७	४३	१५	४५	२०	१५	१२	मेषे	
३	चं	३३	४९	भ	५	५२	सि	५८	१०	व	०	४३	२९	१६	४४	२१	१६	१३	वृ. २२/४७	भ.०।४३उ.३३।४९या.
४	मं	४०	८	कृ	१३	३२	व्य	६०	०	ब	६	५८	३५	१७	४३	२२	१७	१४	वृषे	चतुर्थी व्र.
५	बु	४६	३५	रो	२१	१४	व्य	०	३५	कौ	१३	२१	३१	१८	४२	२३	१८	१५	मि.५४/२६	[–महालक्ष्मीपू.
६	गु	५२	११	मृ	२७	३८	व	२	३६	ग	१९	२३	२७	१९	४१	२४	१९	१६	मिथुने	भ.५२।११उ.चित्रा.बुध:५८।५५
७	शु	५६	५०	आ	३४	५९	प	४	३९	वि	२४	३०	२३	१९	४१	२५	२०	१७	मिथुने	भ.२४।३०या.तुलायामर्क:३९।३पूफा.२×
८	श	६०	०	पु	४०	१७	शि	५	४३	बा	२८	२६	२०	२०	४०	२६	२१	१८	क.२३।५८	तुलायामर्क:सौर:११।४९ [×गुरु:५०।५५
८	र	०	३	पु	४३	५१	सि	५	३८	कौ	०	३	१६	२१	३९	२७	२२	१९	कर्के	
९	चं	१	२०	श्ले	४५	३२	सा	४	१७	ग	१	२०	१२	२२	३८	२८	२३	२०	सिं.४५/३२	भ.३०।५८उ.तुलायां बुध:४७।१९विशा=
१०	मं	०	३७	म	४५	१७	शु	१३/५	५५/२६	वि	०	३७	८	२२	३८	२९	२४	२१	सिंहे	भ.०।३७या.रमा११व्र स्मार्ता.
११	मं	५७	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+(सौर:५२।५२)रूप१४ [Aधन१३
१२	बु	५३	१३	पू	४२	५७	ब्र	५०	२९	कौ	२५	३२	४	२३	३७	३०	२५	२२	कं.५६।५४	रमा११व्र.वै. [=शुक्र:५३।४६
१३	गु	४६	३९	उ	३८	४५	ऐं	४२	४०	ग	१९	५६	०	२४	३६	१	२६	२३	कन्यायां	भ.४६।३९उ. भा. कार्तिकारंभः प्रदोष:A
१४	शु	३८	३८	ह	३३	७	वै	३३	३७	वि	१२	३८	२७/५६	२५	३५	२	२७	२४	तु.५८।४४	भ.१२।३८या.स्वात्यां रवि:२१।५+
३०	श	२९	४४	चि	२६	२३	वि	२३	५०	च	४	११	५३	२५	३५	३	२८	२५	तुलायां	स्वात्यां बुध:१३।४४वक्री शनि:५०।३६–

२७ पं,का.कृ,३ चं. इ. ५५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	४	६	२	०	५
२५	८	१७	१५	१०	१९	२८	२५
१५	५७	३१	५१	२५	११	०	०१
२	४३	३४	१८	१	३१	९	५०
५९	१०	६	१२	७४	२	३	५९
११	२९	५५	११	२०	२२	११	३१

गोचर ग्रहाः

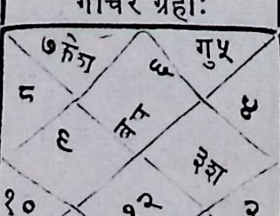

कार्तिक कृष्णे ७ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्या दि भावे समर्घता शुक्रोदय:पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

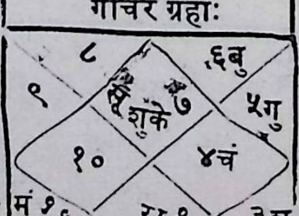

२८ पं. का.कृ.९चं.इ. ११/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	४	६	२	०	६
२	१०	२८	१७	१९	१९	२७	१
३१	२८	५७	९	७	१९	३७	५९
२६	२३	२२	२५	४६	५	५३	१७
५९	१३	०	१२	७४	०	३	५९
३४	५६	६	३३	१४	४२	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	२०	१३	स्वा	१८	५८	प्री	१३	२०	ब	२०	१३	२७/४९	६/२६	५/३४	४	२६	२६	वृ.५८।२३
२	चं	१०	५८	वि	११	३२	आ	२/४५	४९/२८	कौ	१०	५८	४५	२७	३३	५	३०	२७	वृश्चिके
३	मं	२	२०	अ	४/३४	५३/४६	शो	४२	१६	ग	२	२०	४१	२८	३२	६	१	२८	ध.५८।२३
४	मं	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	बु	४६	४६	मू	५३	३२	अ	३३	८	ब	२०	३७	३७	२६	३१	७	२	२६	धनुषि
६	गु	४२	४०	पू	५०	१७	सु	२५	२३	कौ	१४	४४	३४	२६	३१	८	३	३०	धनुषि
७	शु	३६	२०	उ	४८	२८	धृ	१८	५३	ग	१०	५६	३०	३०	३०	९	४	३१	म.४।५०
८	श	३७	२६	श्र	४८	२३	शू	१३	३६	वि	८	२३	२५	३१	२६	१०	५	१	मकरे
९	र	३७	१४	ध	४६	४३	गं	६	३५	बा	७	२०	२३	३१	२६	११	६	२	कुं.१६।३
१०	चं	३८	४०	श	५२	४५	वृ	६	५५	तै	७	५७	१९	३२	२८	१२	७	३	कुंभे
११	मं	४१	१४	पू	५६	५१	ध्रु	५	२२	व	६	५७	१६	३३	२७	१३	८	४	मी. ४०/५०
१२	बु	४५	४	उ	६०	०	व्या	४	५३	ब	१३	६	१२	३४	२६	१४	९	५	मीने
१३	गु	४६	३६	उ	२	११	ह	५	२६	कौ	१७	२२	९	३४	२६	१५	१०	६	मीने
१४	शु	५५	३२	रे	८	६	व	६	२०	ग	२२	३५	५	३५	२५	६	११	७	मे. ८।६
१५	श	६०	०	अ	१५	५	सि	८	२	वि	२८	२४	२	३६	२४	१७	१२	८	मेषे
१५	र	१	१६	भ	२२	६	व्य	६	४७	ब	१	१६	२६/५९	३६	२४	१८	१३	९	वृ. ३९

हिमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१स.२००३

अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
चंद्रदर्शनम् यम २भ्रातृ२
भ.२८।२२उ.५४।२५या.वृश्चिके शुक्रः A
[A५६।४८रमजान९
[D४राहुः विशा.२केतुः२३।७वैकुंठ१४
[Vस्ना.पूर्ति. अर्द्धरात्रिपश्चाद् ग्रस्ताऽस्तH
भ.३६।२० उ. अनु. शुक्रः ३५।२४
भ.८।२३या.विशा बुधः५८।१८नवम्बर×
अक्षय९कूष्मांड९ [×११ता.३०गोपाष्टमी
[Hचंद्रग्रहणम्
भ.९।५७उ. ४१।१४या. प्रबोधिनी ११÷
पूफा.३गुरुः३६।५० [÷व्र. तुलसीविवहः
विशा.रविः४१।३१प्रदोषः
भ.५/३ ५/२उ. विशा. रविःसौरः १/९ ९/० भरणीD
भ२८।२४या. वृश्चिके बुधः ३/२ ९/५ का.V

२९पं.का.शु.२चं.इ.११।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	४	६	२	०	६
९	१२	१०	१८	२७	१९	२७	८
२९	२६	४२	२४	४९	२०	१५	५८
४२	४९	११	७	४४	५३	३८	३७
५९	१६	०	१०	७४	१०	३	६०
४७	४९	३३/२२	५६	८	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

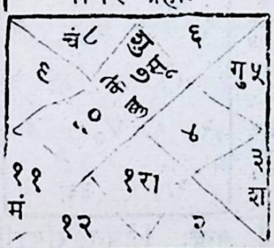

इस मास में ५शनिवार ५रविवार अशुभ हैं धान्यों में मंदी होकर तेजी हो धातु सोना चांदी रुई रुपास तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३०पं. का.शु. १०चं.इ. ११/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	४	७	२	०	६
१६	१४	२२	१९	६	१९	२६	१५
२९	५०	१	३३	३२	१७	५३	५९
२८	५३	५९	२२	१३	३१	२२	४१
६०	१९	०	१०	७४	५०	३	६०
४	२९	०/२५	१६	२	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
१	चं	७	४१	कृ	२६	३६	व	११	५६	कौ	७	४१	२६/५२	६/३७	५/२३	१९	१४	१०	वृषे
२	मं	१४	४	रो	३७	११	प	१४	१४	ग	१४	४	५२	३८	२२	२०	१५	११	वृषे
३	बु	२०	१६	मृ	४४	२६	शि	१६	३२	वि	२०	१६	४९	३८	२२	२१	१६	१२	मि.९/५०
४	गु	२५	५३	आ	५१	१४	सि	१८	२६	बा	२५	५३	४५	३६	२१	२२	१७	१३	मिथुने
५	शु	३०	५०	पु	५७	१८	सा	१६	३२	तै	३०	५०	४२	४०	२०	२३	१८	१४	क४०।४७
६	श	३४	३५	पु	६०	०	शु	२०	१६	ग	२	४३	३९	४०	२०	२४	१९	१५	कर्के
७	र	३७	१	पु	१	५७	शु	१६	४८	वि	५	४८	३६	४१	१६	२५	२०	१६	कर्के
८	चं	३७	३२	श्ले	५	७	ब्र	१८	११	बा	७	१६	३३	४१	१६	२६	२१	१७	सि.५।७
९	मं	३६	२२	म	६	३३	ऐं	१५	१०	तै	६	५७	३०	४२	१८	२७	२२	१८	सिहे
१०	बु	३३	१५	पू	६	१४	वै	१०	२८	व	४	४६	२७	४३	१७	२८	२३	१९	कं.२०।४०
११	गु	२८	१७	उ	३/५८	५५/५६	वि	५/२८	५१/१४	ब	०	४६	२५	४३	१७	२९	२४	२०	कन्यायां
१२	शु	२१	३१	चि	५४	११	आ	४७	४८	तै	२१	३१	२२	४४	१६	३०	२५	२१	तु.२७।२
१३	श	१३	२६	स्वा	४७	३	सौ	३७	४०	व	१३	२६	१९	४४	१६	१	२६	२२	तुलायां
१४	र	४	१	वि	३६	३४	शो	२७	१	श	४	१	१७	४५	१५	२	२७	२३	वृ.२६।२६
३०	र	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

हेमंततूं रविर्दक्षिणेकार्ति.कृष्णेतिमहाराट्राः

अनु.बुधः२२।२४
भ.४७।१०उ.ज्येष्ठा.शुक्रः२।२४
भ.२०।१६या.चतुर्थी व्रतम्
[=बुधोदयः पश्चिमायां५५।०
[V१।४८भा.मार्गशीर्षारंभः
भ.३४।३५उ.पूभा.भौमः२०।३२
भ. ५।४८या. वृश्चिकेऽर्कः:३७।४६=
वृश्चिकेऽर्कः:सौरः:४।३३
[A५५।५६ज्येष्ठा.बुधः४।३०
भ. ४।४९उ. ३३।१५ या. अनु. रविःA
अनु. रविःसौरः२१।२१उत्पत्ति ११व्र.
प्रदोषः
भ. १३।२६ उ.३/४ ६/४या. मूले धनुषिशुक्रःV

३१ पं.मा.कृ.१चं.इ. १०/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	४	७	२	०	६
२३	१७	३	२०	१५	१९	२६	२३
३०	३८	१	३८	१४	८	३१	२
५०	४९	२६	२	२८	१३	७	१६
६०	२२	९७	९	७३	१/३७	३	६०
१७	१	३४	३१	५६	व.	११	२०

गोचर ग्रहाः

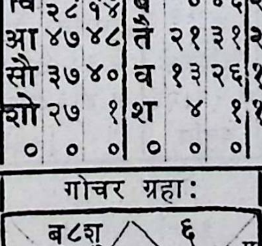

मार्गशीर्ष कृष्णे७ रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.३ कुमार्यंव स्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

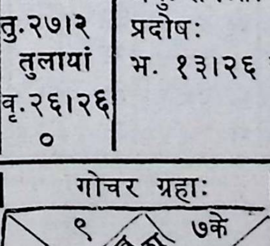

३२पं.मा.कृ.८चं.इ.१०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	४	७	२	०	७
०	२०	१३	२१	२३	१८	२६	०
३२	४४	४२	३७	५६	५३	८	६
२९	४६	१४	२३	४६	४२	५१	२०
६०	२४	९३	८	७३	१/३	३	६०
३०	२२	४७	४०	५०	व.	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष	शुक्लपक्षः	सं. २०६०			शाकः	१९२५					दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४२५०स.२००३
१	चं	४४	३४	अ	३१	३४	अ	१५	५३	किं	१९ २७	२६ १४	६ ४५	५ १५	३	२८	२४	वृश्चिके	
२	मं	३५	१४	ज्ये	२४	२	सु	५६	४९ १७	बा	९ ५४	१२	४६	१४	४	२९	२५	ध. २४/२	चंद्रदर्शनम्
३	बु	२६	५८	मू	१७	१४	शू	४४	३२	तै	१ ६	९	४६	१४	५	१	२६	धनुषि	भ.५३।३४उ. सव्वाल १०
४	गु	२०	१०	पू	११	३७	गं	३५	५०	वि	२० १०	७	४७	१३	६	२	२७	म. २५/४३	भ.२०।१०या.
५	शु	१५	८	उ	८	१	वृ	२८	५४	बा	१५ ८	५	४७	१३	७	३	२८	मकरे	मूले धनुपि बुध:१२।२७
६	श	११	५९	श्र	६	५	ध्रु	२३	३०	तै	११ ५९	२	४८	१२	८	४	२९	कुं.३६।३	चंपा ६
७	र	१०	४८	ध	६	१	व्या	१९	३६	व	१० ४८	०	४८	१२	९	५	३०	कुंभे	भ.१०।४८उ ४१।१८या.
८	चं	११	४७	श	८	७	ह	१७	११	ब	११ ४७	२५ ५८	४८	१२	१०	६	१	मी. ५५/५२	पूफा.४गुरु:५१।४३दिसम्बर१२ता३१
९	मं	१४	२१	पू	११	४७	व	१६	१६	कौ	१४ २१	५६	४९	११	११	७	२	मीने	पूषा.शुक्र:४८.५
१०	बु	१८	२९	उ	१७	७	सि	१६	४८	ग	१८ २९	५४	४९	११	१२	८	३	मीने	भ. ५१।७उ. ज्येष्ठा. रवि: ६।३×
११	गु	२३	४६	रे	२३	२०	व्य	१८	४२	वि	२३ ४६	५३	४९	११	१३	९	४	मे.२३।२०	भ.२३।४६या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	शु	२९	५८	अ	३०	३२	व	१९	३१	बा	२९ ५८	५१	५०	१०	१४	१०	५	मेषे	मीने भौम:१०।२३ [×(सौर:२९।१५)
१३	श	३६	७	भ	३७	५५	प	२१	३५	कौ	३ २	४९	५०	१०	१५	११	६	वृ.५४।५०	प्रदोष:
१४	र	४२	४२	कृ	४५	३५	शि	२३	५३	ग	९ २४	४८	५०	१०	१६	१२	७	वृषे	भ.४२।४२उ.
१५	चं	४८	५३	रो	५२	४९	सि	२६	२	वि	१५ ४७	४६	५१	९	१७	१३	८	वृषे	भ.१५।४७या.पूषा.बुध:४३।३२दत्तजयंती

३३पं.मा.शु.१चं.इ. १०/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	४	८	२	०	७
७	२४	२५	२२	२	१८	२५	७
३७	६	६	२९	३८	३४	४६	११
२६	५०	२५	२४	१३	४४	३५	५३
६०	२६	८८	७	७३	५ ३/३	३	६०
४२	२८	४९	३७	४४	व.	११	५३

३४ पं.मा.शु.८चंइ१०।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	४	८	२	०	७
१४	२७	४	२३	११	१८	२५	१४
४२	४२	०	१५	२०	११	२४	१८
४०	११	२५	२९	१३	६	२०	३९
६०	२७	८१	६	७३	३ ३/४	३	६१
५०	५९	५	३३	३२	व.	११	३

३५पं. मा.शु.१५च.इ. ९/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	४	८	२	०	७
२१	१	१२	२३	२०	१७	२५	२१
४८	२८	४४	५३	०	४४	२	२६
४३	२६	१०	३५	२५	२	४	२३
६०	२९	६४	५	७३	५ ३/६	३	६१
५६	३१	२५	२८	२०	व.	११	११

ति.	पौष	कृष्णपक्षः	सं. २०६०			शाकः	१९२५					दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेतिमहा:
१	मं	५४	५७	मृ	५९	५९	सा	२८	०	बा	२१ ५५	२५ ४५	५ ३/१	५/९	१८	१४	९	मि. २६/३४	
२	बु	६०	०	आ	६०	०	शु	२९	४३	तै	२७ ३५	४४	५१	९	१९	१५	१०	मिथुने	
२	गु	०	१४	आ	६	२५	शु	३०	४९	ग	० १४	४३	५१	९	२०	१६	११	क.५४।५५	भ.३२।२७उ.उभा.भौम:५६।५६
३	शु	४	४१	पु	११	४	ब्र	३१	१५	वि	४ ४१	४२	५२	८	२१	१७	१२	कर्के	भ.४।४१या.३०।९चतुर्थी व्रतम्
४	श	८	१६	पु	१६	५२	ऐं	३०	५७	बा	८ १६	४१	५२	८	२२	१८	१३	कर्के	उपा.शुक्र:
५	र	१०	४४	श्ले	२०	३६	वै	२९	३९	तै	१० ४४	४०	५२	८	२३	१९	१४	सिं. ३०/३६	
६	चं	११	५२	म	२२	१५	वि	२७	३२	व	११ ५२	३९	५२	८	२४	२०	१५	सिंहे	भ.११।५२उ.४१।४९या.
७	मं	११	४५	पू	२४	१३	प्री	२४	१४	ब	११ ४५	३९	५२	८	२५	२१	१६	कं.३९।५	मूले धनुष्यर्क :१३।१८ (सौर:३३।५)×
८	बु	१०	१	उ	२३	४५	आ	१९	३५	कौ	१० १	३८	५२	८	२६	२२	१७	कन्यायां	वक्री बुध:१२।३१
९	गु	६	४४	ह	२१	३६	सौ	१३	४१	ग	६ ४४	३८	५२	८	२७	२३	१८	तु. ४९/४६	भ.३४।१४उ.
१०	शु	१	४४	चि	१७	५५	शो	६/३७	५१/४३	वि	१ ४४	३७	५३	७	२८	२४	१९	तुलायां	भ.१।४४या.सफला११व्र.स्मार्तानां
११	शु	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	०	०	०	[×मकरे शुक्र:१४।०
१२	श	४७	५२	स्वा	१३	१०	सु	४८	५८	कौ	२१ ४७	३७	५३	७	२९	२५	२०	वृ. ५३/२९	बुधास्त: पश्चिमायां५२।२५ सफला÷
१३	र	३९	७	वि	६/५५	५१/५६	धृ	३८	४८	ग	१३ २९	३६	५३	७	३०	२६	२१	वृश्चिके	भ.३९।७उ.प्रदोष: [÷११व्र.वै.
१४	चं	३०	०	ज्ये	५२	२७	शू	२८	११	वि	४ ३४	३६	५३	७	१	२७	२२	ध.५२।२७	भ.४।३४या.वक्री आर्द्रा.३शनि:२९भा.*
३०	मं	२०	३९	मू	४५	२	गं	१७	२०	ना	२० ३९	३६	५३	७	२	२८	२३	धनुषि	[*पौषारंभ:

३६पं. पौ.कृ.६चं.इ.९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	४	८	२	०	७
२८	५	१८	२३	२८	१७	२४	२८
५५	२२	१३	२३	४१	१२	३९	३५
३७	४८	४८	४६	४९	५८	४९	०६
६१	३०	२४	४	७३	१ ४/४	३	६१
०	४२	३८	१४	१४	व.	११	१९

गोचर ग्रहा:

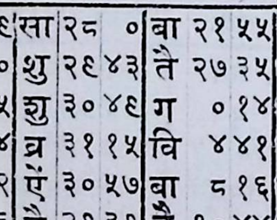

पौष कृष्णे७भौमे धनुष्यर्क: प्रविष्ट: वा.३ न. ३कुमार्थवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय: पश्चिमायां

गोचर ग्रहा:

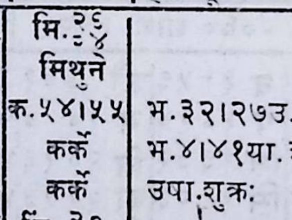

३७पं.पौ.कृ.१४चं.इ. ९।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	९	२	०	८
६	९	१६	२४	७	१६	२४	५
३	२६	२७	४५	२१	३९	१७	४४
१४	४६	३२	७	७	५४	३३	३१
६१	३२	५९	३	७२	४	३	६१
४	००	४७	१	५६	३४	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०६०	शाकः	१९२५								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेहर्गणः:४२८०सन्२००३
१	बु	११	४१	पू	३८	२३	बृ	६/५४	५०/२५	ब	११	४१	३५/३६	६/५३	५/७	२	२९	२४	म.५२।१	श्रवणे शुक्रः २०।३०
२	गु	३	४९	उ	३२	५६	व्या	४८	३४	कौ	३	४९	३७	५३	७	४	३०	२५	मकरे	वक्री मूले बध:१८।१चंद्रदर्शनम्
३	गु	५३	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	शु	५२	५४	श्र	२९	१७	ह	४१	१०	व	२५	११	३७	५३	७	५	१	२६	कुं५८।१७	
५	श	५०	१७	ध	२७	१७	व	३५	३७	ब	२१	३५	३७	५३	७	६	२	२७	कुंभे	भ.२५।११उ.५२।५४या.जिल्काद ११
६	र	५०	६	श	२७	४०	सि	३१	५७	कौ	२०	११	३८	५२	८	७	३	२८	कुंभे	
७	चं	५१	३९	पू	२९	५१	व्य	२९	३५	ग	२०	५२	३८	५२	८	८	४	२९	मी.४/१८	
८	मं	५५	१९	उ	३४	१०	व	२९	१८	वि	२३	२९	३९	५२	८	९	५	३०	मीने	भ.५/३ २/९उ.पूषा.रवि:२/१ ८(सौर:३/४ ४/३)
९	बु	६०	०	रे	४०	१	प	२९	३७	बा	२७	५२	४०	५२	८	१०	६	३१	मे.४०।१	भ.२३।२९या.
९	गु	०	२५	अ	४७	१	शि	३१	७	कौ	०	२५	४१	५२	८	११	७	१	मेषे	
१०	शु	६	३७	भ	५४	२८	सि	३३	१५	ग	९	३७	४२	५२	८	१२	८	२	मेषे	जनवरी १ ता. ३१ सन् २००४ ई.
११	श	१३	१	कृ	६०	०	सा	३५	२९	वि	१३	१	४३	५१	९	१३	९	३	वृ.१०।११	भ.३/४ ९/९उ.बुधोदय:पूर्वस्यां ४।६
१२	र	१९	३७	कृ	२	११	शु	३८	८	बा	१९	३७	४४	५१	९	१४	१०	४	वृषे	भ.२ ३/१या.रेवत्यां भौम:६/२ ९पुत्रदा११ व्र.
१३	चं	२५	५२	रो	९	३०	शु	३९	४८	तै	२५	५२	४५	५१	९	१५	११	५	मि.४३।२	धनि:शुक्र:६।४७ प्रदोष:
१४	मं	३१	३४	मृ	१६	३५	ब्र	४१	११	व	३१	३४	४७	५१	९	१६	१२	६	मिथुने	
१५	बु	३६	१५	आ	२२	३४	ऐं	४१	५५	वि	३	५४	४८	५०	१०	१७	१३	७	मिथुने	भ.३१।३४उ.वक्री गुरु:४५।४९
																				भ.३।५४या.मार्गी बुव:१/३ ६/५मा. स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु. ७चं.इ.९।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	९	२	०	८
१२	१३	८	२४	१५	१६	२३	१२
११	२६	१४	५६	५८	५	५५	५४
१३	५८	१३	५६	२६	४८	१७	२६
६१	३२	९२/१४	१	७२	४/४०	३	६१
६	५१	व.	३१	३९	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

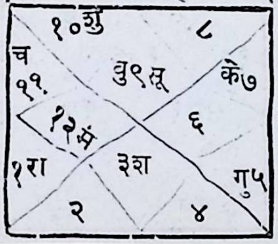

इसमास में बुदी में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का चावल गेहूं में तेजी हो गुरु का चंद्र दर्शन सुदि में धातु सोना चांदी तांबा रुई मंदी करे ।

गोचर ग्रहाः

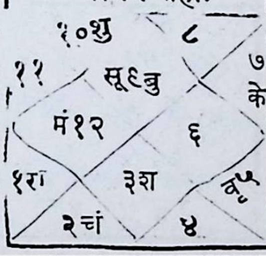

३९पं.पौ.शु.१३चं.इ.९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	९	२	०	८
२०	१७	३	२४	२४	१५	२३	२०
१९	४९	५१	५९	३२	३०	३३	०४
२६	४१	४०	३१	६	४७	२	२०
६१	३३	१५/४१	०	७२	४/४	३	६१
६	५५	व	२२	२२	व.	११	२६

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०६०	शाकः	१९२५								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु	४०	४	पु	२७	४६	वै	४२	१	बा	८	१०	२५/५०	६/५०	५/१०	१८	१४	८	क.११।२८	
२	शु	४२	५१	पु	३२	६	त्रि	४१	१२	तै	११	२८	५२	५०	१०	१९	१५	९	कर्के	कुंभेशुक्र:३/४ ३/१भ.३राहु:विशा.१केतु:१/१ ५/३
३	श	४४	२४	श्ले	३५	१३	प्री	३९	४३	व	१३	३७	५३	४९	११	२०	१६	१०	सिं.३/१ ५/३	भ.१३।३७उ.४४।२४या.
४	र	४४	५६	म	३७	२०	आ	३७	१७	ब	१४	४०	५५	४९	११	२१	१७	११	सिंहे	उषा. रवि:२ ३/३(सौर:३/१ ६/०)चतुर्थी व्र.
५	चं	४४	३३	पू	३८	३४	सौ	३३	५५	कौ	१४	४४	५७	४९	११	२२	१८	१२	कं.५३।३५	
६	मं	४३	७	उ	३८	३८	शो	२९	५१	ग	१३	५०	५९	४८	१२	२३	१९	१३	कन्यायां	भ.४३।७ उ.
७	बु	४०	३४	ह	३७	४२	अ	२४	५५	वि	११	५०	२६/१	४८	१२	२४	२०	१४	कन्यायां	भ.१/५ १/०या.मकरेऽर्क:३/२ ९/७(सौर:५१।३७)
८	गु	३६	५९	चि	३५	४९	सु	१९	९	बा	८	४६	४	४७	१३	२५	२१	१५	तु.६।४५	शते शुक्र:६।५६
९	शु	३२	२१	स्वा	३२	४६	धृ	१२	३१	तै	४	४०	६	४७	१३	२६	२२	१६	तुलायां	भ.५९।२८उ.
१०	श	२६	३५	वि	२८	४०	शू	५४/३	५५/३८	वि	२६	३५	८	४६	१४	२७	२३	१७	वृ.१४।४२	भ.२६।३५या.
११	र	१९	५२	अ	२३	३२	वृ	४७	३८	बा	१९	५२	११	४६	१४	२८	२४	१८	वृश्चिके	षट्तिला ११ व्रतम्
१२	चं	१२	३५	ज्ये	१७	४९	ध्रु	३८	१०	तै	१२	३५	१३	४५	१५	२९	२५	१९	ध.१७।४९	प्रदोष:
१३	मं	४	४०	मू	११	५०	व्या	२८	२९	व	४	४०	१६	४५	१५	३०	२६	२०	धनुषि	भ.४।४०उ.३०।३९या
१४	मं	५१	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×पूषा.बुध:४/५ ३/८भा. माघारंभ:
३०	बु	४९	२	पू	५	४९	ह	१९	२	च	२२	५०	१९	४४	१६	१	२७	२१	म.१९।२५	अभि:प्र.रवि:११।५७(सौर:२२।२८)×

४० पं. मा. कृ. ५चं. इ. ९/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	४	१०	२	०	८
२७	२२	४	२४	३	१४	२३	२७
२७	८	२०	५२	७	५६	१०	१४
२२	१०	२०	२८	१	४२	४६	२२
६१	३४	३६	९/१४	७२	४/२८	३	६१
६	३२	२९	व.	२	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

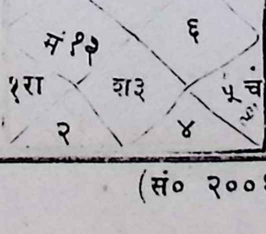

माघ कृष्णे ७ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ४ बालावस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

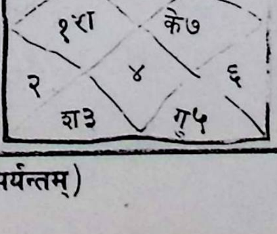

४१पं. मा. कृ. १२चं.इ.९/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	४	१०	२	०	९
४	२६	१०	२४	११	१४	२२	४
३५	२९	४२	३७	३७	२४	४८	२३
१३	१०	२२	१९	१९	२२	३१	४१
६१	३७	६१	३/२	७१	४/७०	३	६१
३	२५	३७	व.	३८	व.	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ		शुक्लपक्षः सं. २०६०			शाकः १९२५							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३०९स.२००४
१	गु	४२	२७	उ	०/१४	५५/२५	व	१०	३१	किं	१५	४४	२६/२१	६/४४	५/१६	२	२८	२२	मकरे	
२	शु	३७	१५	ध	५२	३०	सि	२/२०	५३/२२	बा	९	२१	२४	४३	१७	३	२९	२३	कुं.२४।४	चंद्रदर्शनम्
३	श	३३	४०	श	५१	१७	व	५०	१९	तै	५	२८	२७	४३	१७	४	१	२४	कुंभे	श्रवणे रविः३/३ ८/४(सौरः३/५ ८/४)अश्वि.मेषे.×
४	र	३२	२५	पू	५२	१६	प	४६	३७	व	३	२	२९	४२	१८	५	२	२५	मी३७।४२	भ.३/२उ.३/२ २/५या.अभि.मि.रविः२/४ ०/९(सौरः+
५	चं	३२	५२	उ	५५	९	शि	४५	२	ब	२	३८	३२	४२	१८	६	३	२६	मीने	पूभा.शुक्रः५/४ ०/९वसंत५ [+३१।११)
६	मं	३५	३१	रे	५९	४६	सि	४४	३३	कौ	४	११	३५	४१	१९	७	४	२७	मे.५९।४६	[×भौमः१९।४१जिल्हेज१२
७	बु	४०	४८	अ	६०	०	सा	४५	१	ग	८	९	३८	४०	२०	८	५	२८	मेषे	भ.४०।४८उ.भानुसप्तमी
८	गु	४५	३९	अ	५	५४	शु	४६	५८	वि	१३	१३	४१	४०	२०	९	६	२९	मेषे	भ.१३।१३या.भीष्माष्टमी
९	शु	५१	५२	भ	१३	३	शु	४९	१	बा	१८	४६	४५	३९	२१	१०	७	३०	वृ.२९।५६	[=१३।३८मा.स्ना पूर्तिः
१०	श	५८	३१	कृ	२०	३४	ब्र	५१	२३	तै	२५	११	४८	३८	२२	११	८	३१	वृषे	उषा.बुधः४३।३६
११	र	६०	०	रो	२७	७	ऐं	५३	२६	व	३१	३८	५१	३८	२२	१२	९	१	वृषे	भ.३/३ १/८उ.फरवरी २ ता.२९जया११व्र.स्मा
११	चं	४	४६	मृ	३५	१०	वै	५५	६	वि	४	४६	५४	३७	२३	१३	१०	२	सि.१।८	भ.४।४६या.जया ११ व्र. वै.
१२	मं	१०	२३	आ	४१	२०	वि	५५	४४	बा	१०	२३	५८	३६	२४	१४	११	३	मिथुने	मकरे बुधः१/५मीने शुक्रः३/३ ७/८प्रदोषः
१३	बु	१४	४७	पु	४६	१३	प्री	५५	३५	तै	१४	४७	२/१	३६	२४	१५	१२	४	कं२९।५९	वक्री आर्द्रा.२शनिः२५।३९
१४	गु	१७	५५	पु	५०	१	आ	५४	१७	व	१७	५५	५	३५	२५	१६	१३	५	कर्के	भ.१/५ ७/५उ.४/५ ८/०या.वक्री पूफा.३गुरुः५०।५८
१५	शु	१९	४४	श्ले	५२	२२	सौ	५२	१	ब	१९	४४	८	३४	२६	१७	१४	६	सिं.५/२ ३/२	धनि.रविः३/५ ६/३(सौरः४/४ ४/४)उभा.शुक्रः=

४२ पं. मा.शु.५ चं.इ. ९/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	४	१०	२	०	९
११	०	१९	२४	२०	१३	२२	११
४२	५३	१२	१२	४	५४	२६	३२
४०	२४	२२	२५	२६	२२	१५	३२
६०	३५	७६	३/५८	७१	३/५२	३	६१
५९	३९	५३	व.	१४	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ७ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ४ बालावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

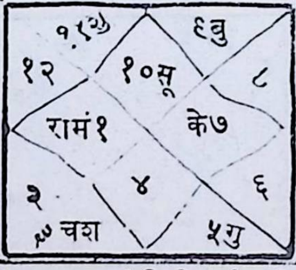

४३ पं.मा.शु११ चं.इ. ९/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	४	१०	२	०	९
१८	५	२८	२३	२८	१३	२२	१८
४९	१२	४५	३९	२८	२७	३	४०
१६	४७	१४	७	८	४०	५९	३६
६०	३२	८७	५/११	७०	३/२३	३	६१
५५	१२	१७	व.	४३	व.	११	४

ति.	फाल्गुन		कृष्णपक्षः सं २०६०			शाकः १९२५							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	श	२०	१२	म	५३	२८	शो	४८	४९	कौं	२०	१२	२७/१२	६/३४	५/२६	१८	१५	७	सिंहे	
२	र	१९	२६	पू	५३	४१	अं	४४	४६	ग	१९	२६	१५	३३	२७	१९	१६	८	सिंहे	भ.४८।३६उ.
३	चं	१७	४७	उ	५३	१४	सु	४०	५	वि	१७	४७	१९	३२	२८	२०	१७	९	कं.८।३४	भ.१/४ ७/५या. श्रवणे बुधः४/१ ३/०चतुर्थी व्र.
४	मं	१५	१२	ह	५१	४२	धृ	३४	४९	बा	१५	१२	२३	३१	२९	२१	१८	१०	कन्यायां	
५	बु	११	५६	चि	४९	४४	शू	२८	५३	तै	११	५६	२७	३१	२९	२२	१९	११	तु२०।४३	[÷महाशिवरात्रि वै.
६	गु	८	१९	स्वा	४७	१८	गं	२२	४०	व	८	१९	३०	३०	३०	२३	२०	१२	तुलायां	भ.८।१९उ.३६।१३या.
७	शु	४	६	वि	४४	२६	वृ	१५	५६	ब	४	६	३४	२९	३१	२४	२१	१३	वृ.३०।९	कुंभेऽर्कः१२।८(सौरः१८।४२)
८	शु	५५	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×महाशिवरात्रि व्र.स्पा.
९	श	५५	६	अ	४०	५३	ध्रु	८	५७	तै	२७	१२	३८	२८	३२	२५	२२	१४	वृश्चिके	भरण्यांभौमः४१।१९
१०	र	४८	२९	ज्ये	३७	३	व्या	१/२९	५२/११	व	२१	४७	४१	२८	३२	२६	२३	१५	ध.३७।३	भ.२/४ १/७उ.४/२ ८/९या.बुधास्तः पूर्वस्यां ५१।५
११	चं	४२	२६	मू	३२	४४	व	४५	३४	ब	१५	२७	४५	२७	३३	२७	२४	१६	धनुषि.	विजया ११ व्र.
१२	मं	३६	१५	पू	२८	२९	सि	३७	४०	कौ	९	२०	४९	२६	३४	२८	२५	१७	म.४२।२६	रेवत्यां शुक्रः३८।२२
१३	बु	३०	१३	उ	२४	१६	व्य	२९	५२	ग	३	१४	५३	२५	३५	२९	२६	१८	मकरे	भ.३/१ ३/३उ.५/३ २/२या.धनि.बुधः२/८प्रदोषः×
१४	गु	२४	५०	श्र	२०	३५	व	२२	३६	श	२४	५०	५६	२५	३५	३०	२७	१९	कुं,४९।७	शते रविः४/२ ८/४(सौरः५/४ ४/४) ÷
३०	शु	२०	४	ध	१७	४१	प	१५	५९	ना	२०	४	२/० ८/०	२४	३६	१	२८	२०	कुंभे	भा.फाल्गुनारंभः

४४ पं.फा.कृ. ३ चं. इ. ९/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	४	११	२	०	९
२५	९	९	२२	६	१३	२१	२५
५५	४५	७	५९	४५	५	४१	४७
१	३८	१९	१३	५०	१०	४४	२३
६०	३६	९४	६/१४	७०	२/४२	३	६०
४७	४०	५४	व.	५	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

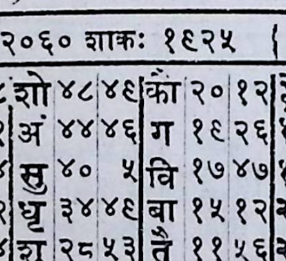

फाल्गुन कृष्णे ७ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

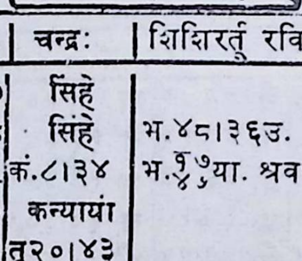

४५ पं.फा.कृ.११ चं.इ. १०/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	४	११	२	०	१०
२	१४	२०	२२	१४	१२	२१	२
५९	१४	१२	१२	५८	४६	१९	५३
४९	४९	५०	५०	८	३४	२८	२६
६०	३७	०/०	५/५	६९	२/७	३	६०
२७	३	४४	व:	१४	व.	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४३३९ स. २००४
१	श	१६	४१	श	१६	१४	शि	१०	२६	ब	१६	४१	२८/४	२३/६	३७/५	२	२९	२१	कुंभे	चंद्रदर्शनम्
२	र	१५	४	पू	१६	२३	सि	६	१९	कौ	१५	४	८	२२	३८	३	१	२२	मी. १।२१	कुँभे बुध: ३/३० मोहोरम१सन्१४२५ हि.×
३	चं	१५	२	उ	१८	१०	सा	३	३७	ग	१५	२	१२	२२	३८	४	२	२३	मीने	भ.४६.२ उ. [×फुलरिया २
४	मं	१७	२	रे	२१	४०	शु	२	१४	वि	१७	२	१६	२१	३९	५	३	२४	मे.२१।४०	भ.१७।२या.
५	बु	२०	४१	अ	२६	५२	शु	२	११	बा	२०	४१	२०	२०	४०	६	४	२५	मेषे	शते बुध: ४४।५१
६	गु	२५	५३	भ	३३	३२	ब्र	३	१४	तै	२५	५३	२४	१९	४१	७	५	२६	वृ.५०/२०	
७	शु	३१	४०	कृ	४०	४१	ऐं	५	४	व	३१	४०	२८	१८	४२	८	६	२७	वृषे	भ.३१।४०उ.
८	श	३८	११	रो	४८	१८	वै	७	१९	वि	४	५६	३२	१८	४२	९	७	२८	वृषे	भ.४।५६या. होलाष्टक:
९	र	४४	३०	मृ	५५	३४	वि	९	३१	बा	११	२०	३६	१७	४३	१०	८	२९	मि२१।५६	अश्वि.मेषे.शुक्र:१४।३५
१०	चं	५०	१५	आ	६०	०	प्री	११	३२	तै	१७	२२	४०	१६	४४	१	९	१	मिथुने	मार्च ३ ता ३१ [+दहनम्
११	मं	५४	४४	आ	२	१६	आ	१२	२८	व	२२	२९	४४	१५	४५	१२	१०	२	क.५१।०	भ.२/२६उ.५/४४या.आमलकी ११ व्र.
१२	बु	५७	४०	पु	७	२३	सौ	१२	४४	ब	२६	१२	४८	१४	४६	१३	११	३	कर्के	[÷वक्री पूफा.२गुरु:३६।३४ प्रदोष:
१३	गु	५८	५८	पु	११	१६	शो	११	३९	कौ	२८	१९	५२	१४	४६	१४	१२	४	कर्के	पूभा.रवि:४/३० (सौर:८/६१) पूभा.बुध:१/३२÷
१४	शु	५८	३७	श्ले	१३	२२	अ	९	१३	ग	२८	४७	५६	१३	४७	१५	१३	५	सिं१३।२२	भ.५८।३७ उ.
१५	श	५६	४०	म	१४	३	सु	५	२९	वि	२७	३८	२९/१	१२	४८	१६	१४	६	सिंहे	भ.२७।३८या.कृत्ति.भौम:३/३०होलिका+

४६पं.फा.शु.३चं.इ.१०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	४	११	२	०	१०
१०	१८	२	२१	२३	१२	२०	९
३	४४	२	२१	४	३३	५७	५७
२२	२	२	४३	५५	५८	१३	५९
६०	३७	३/८०	४०/७	६८	२६/१	३	६०
२५	१०	६/५६	व.	३०	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

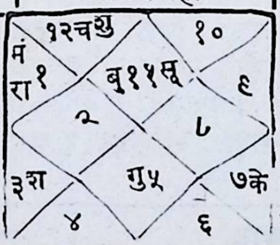

शनिवाराः यदा पंच पाताले कम्पते फणी, ईशानदेशभंगश्च वाह्निदाहो महर्घता इस मास में ५शनिवार अशुभ हैं धान्य धातुमें मंदी होकर तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

४७पं.फा.शु.१०.चं.इ. ३/०८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	४	०	२	०	१०
१७	२३	१४	२०	१	१२	२०	१७
५	१३	३७	२७	३	२६	३४	०
३५	४१	२३	०	०	१३	५७	५१
६०	३७	८०	५२	६७	३४/०	३	६०
१२	२६	१५	व.	२६	व.	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९२५												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	र	५३	३०	पू	१३	११	धृ	४१/०	५४/१२	चा	२५	५	२९/५	११/६	४९/५	१७	१५	७	कं.२७।४१	मार्गी शनि:५८।५७वसंत१छारेंडी
२	चं	४९	२४	उ	११	११	गं	४८	२८	तै	२१	२७	९	१०	५०	१८	१६	८	कन्यायां	
३	मं	४४	२६	ह	८	२१	बृ	४१	२६	व	१६	५५	१३	९	५१	१९	१७	९	तु.३६।४२	भ.५/५६उ.४/२४या.मीने बुध:१३।९
४	बु	३९	७	चि	५	४	ध्रु	३४	१३	ब	११	४६	१७	९	५१	२०	१८	१०	तुलायां	उभा.बुध:५/५१चतुर्थी व्रतम्
५	गु	३३	५१	स्वा	३७/१	३०/५६	व्या	२७	०	कौ	६	२९	२१	८	५२	२१	१९	११	वृ.४४।०	वृषे भौम:२३।१४
६	शु	२८	३५	अ	५४	३४	ह	१९	४२	ग	१	१३	२६	७	५३	२२	२०	१२	वृश्चिके	भ.३/५६उ.५/५४या.भरण्यां शुक्र:१/३४भरणी×
७	श	२३	१२	ज्ये	५१	१५	व	१२	३१	ब	२३	१२	३०	६	५४	२३	२१	१३	ध.५१।१५	[×२राहु:स्वाती४केतु.१/०शीतलापूजनम्
८	र	१७	१७	मू	४८	७	सि	२८/५	५३/५२	कौ	१७	१७	३४	५	५५	२४	२२	१४	धनुषि	मीनेऽर्क:५।२३ (सौर:९।१२)
९	चं	१३	१९	पू	४४	५९	व	५१	४६	ग	१३	१९	३८	४	५६	२५	२३	१५	म.५९।२१	भ.४०।५६उ.
१०	मं	८	३४	उ	४२	२८	प	४५	२२	वि	८	३४	४३	३	५७	२६	२४	१६	मकरे	भ.८।३४या.
११	बु	४	१६	श्र	३९	१३	शि	३९	२१	बा	४	१६	४७	३	५७	२७	२५	१७	मकरे	उभारवि:३६/२७ (सौर:२९/४८)रेवत्यांबुध:४४/४७÷
१२	गु	०	२५	ध	३८	४१	सि	३३	५६	तै	०	२५	५१	२	५८	२८	२६	१८	कुं.८।५७	भ.५७/१४उ. प्रदोष:
१३	गु	५६	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷बुधोदय:पश्चिमायां४/५९२पापमोचनी+
१४	शु	५४	५६	श	३७	५६	सा	२९	१५	वि	२६	५	५५	१	५९	२९	२७	१९	कुंभे	भ.२६।५या. [+११ व्र.
३०	श	५४	१	पू	३८	३२	शु	२५	२२	च	२४	२९	३०/००	६/००	६/००	३०	२८	२०	मी.२/३३	मन्वादि:

४८रं. चै. कृ.२ चं. इ. १०/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	४	०	२	०	१०
२४	२७	२७	१९	८	१२	२०	२४
६	४३	१८	३३	५२	२४	१२	२
२२	३४	५२	७	४८	२५	४१	१४
५९	३७	७०	५२/७	६६	१/०	३	६०
५८	४८	८१	व.	७	मा	११	६

गोचर ग्रहाः

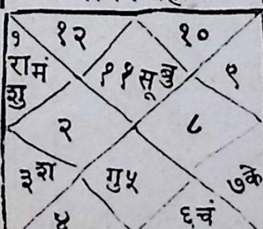

चैत्र कृष्णे ८ रवौ मीनेऽर्क: प्रविष्ट:वा. ३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

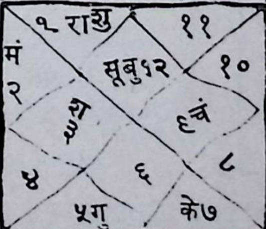

४९पं.चै.कृ.९च.इ. ११।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	४	०	२	०	११
१	२	११	१८	१६	१२	१९	१
५	१३	४३	३९	२९	२७	५०	१
३५	५	५२	११	२८	५०	२६	५६
५९	३७	७०	३८	६४	०	३	५९
४१	५२	६/४४	व:	३४	५३	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०५ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०५ भोग्यकलिः ४२६८९५ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६१ शाकः १९२६ अथास्मिन् वर्षे राजा रविः। मंत्री भौमः। सस्येशःशुक्रः। धान्येशः बुधः। मेघेशश्चंद्रः। रसेशःशनिः। नीरसेशो गुरुः। फलेशश्चंद्रः। धनेशोगुरुः। दुर्गेशश्चंद्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ११ हेमलम्बनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।१९।५८।५ भोग्यमासादिः १।१०।१।५५ पितृदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणीनिवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे। समयविश्वा १८ समयवाहनमश्वः। स्तंभाः नैव। सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् १३ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम् ११३ सत्यम् ।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहण २ चंद्रस्य ।

संवत् २०६१ वैशाख शुक्ले
१५ भौमे
खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उज्ज.	घ.	४४	४७	४८	५०	५२
मध्य	प.	३१	१०	५५	२०	५९
रेल्वे	घ.	१२	१	१	२	३
टा.	मि.	१५	१९	५७	३५	३९

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ९।२०

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय जय माता अंबिका बन्दौ बारम्बर ।
हाथ जोड़ कर पूछता इकसठ का सब सार ।।

भवानी उत्तर

सुनजे भैरव ध्यान से माता कहे विचार ।
राजा मंत्री देखतां हो उत्पात अपार ।।
पर भृगुजी सस्येश है वर्षापति द्विजराज ।
सुख संपत्ति संचार हो जग में मंगल काज ।।
अधिक मास श्रावण बना रवि आगे कुजराय ।
पवन चक्र जग में चले वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
व्यापारां घटबढ घणी रसकस तेजी जाण ।
कहींक पूर्व देश में करसी कुछेक हान ।।
दशाधिकारी योग से फल सब उत्तम होय ।
बंशीधर का कथन है भजन करो सब कोय ।।

नोट—यह ग्रहण जहां रेल्वे ६ बजकर ४७ के पीछे चंद्रास्त होगा वहीं दिखाई देगा ।

आश्वि. शुक्ले १४ बुधे
अर्द्धरात्रि पश्चाद् पश्चिमप्रदेशे
ग्रस्ताऽस्त चंद्रग्रहणम्

		स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
उज्ज	घं.	०	३	५	६	९
मध्य	प.	४९	४७	२२	५७	५५
रे.	घं.	६	७	८	९	१०
टा.	मिं.	४७	५८	३६	१४	२५

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ५।१२

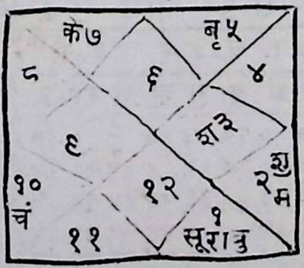

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४२।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५४।१०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविःफलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघा स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ।। मंत्री भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजोननु मंत्रिकतांगतोभवतिदस्युगदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च । सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनं प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशोबुधस्तत्फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोल्पं च वर्षति।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदिगोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती मही विविधभोगवती ननु-भामिनी ।। रसेशः शनिःफलम् ।। रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः।। नीरसेशोगुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीतवस्तूनि पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलीभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखावरभोग-समन्विता नृपतयो नयनाटनतत्पराः । धनेशोगुरुः फलम् ।। सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपरा सुखभाजनाः। फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः । दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढ़पति शशलाञ्छनको यदा नृपसुराज्य विलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा वरवर्णित विग्रहाः ।। हेमलम्बनाम संवत्सरः फलम् ।। आकुला हेमलम्बे तु मध्यसस्यार्घवृष्टिभिः ।। भातिभूर्भवतिक्षोभ बहुविद्युल्लतादिभिः । वर्षनाम फाल्गुनःफलम् । सुभिक्षं प्रचुरा-वृष्टिरुत्तरेयाम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरम् फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु. ३ गुरौ रोहि. ल. ११ रे. ८ ।।ऽशु।।ऽरो।।।।शुक्रयुतिः गु. ७पू.

,, ६ गुरौ मघा. ल. गो. सोग्रांगः रे.६ऽरा।।।।ऽज्यो।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः आवश्यके

,, ११ शनौ उफा. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.८।।।।।ऽरो।ऽ।।

,, १२ रवौ हस्ते ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.८ऽऽ।।।।।।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ३ शुक्रे मूले ल. गो. सोग्रांगः ११ रे. ८ ।।।ऽ।।ऽ।। कुंभे गु. ७ पू.

,, ५ रवौ उषा. ल. ११ रे. ७ ।ऽ।ऽशु ।।।।ऽ शुक्रस्य पादवेधाऽभावः सप्तमस्थो गुरुपूज्यः

कार्तिक मासः ।

शु. ११ चंद्रे रेवत्यां ल.६ रे.८।।।।ऽऽचो।।।।चं.७ पूज्यः

,, १५ शुक्रे रोहि.ल.६ रे.७।।।।ऽऽअ.।ऽ।।घ.४६।५१उ.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. १ शनौ रोहि. ल. ५ घ. ४५।१६ या.रे. ७।।।ऽऽ अ ।ऽ।।मृगे ल. ६ घ.४८।१६ उ.रे.९ ।।।।।ऽ।।।

,, २ रवौ मृगे ल. गो. ५।६ रे. ९ ।।।।।ऽ।।।घ.४४ उ. नृपपंचक रेखा ८

,, ९ चंद्रे उफा. ल. अन्यगो रे.६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।हस्ते ल. ५ रे. ६ ।।ऽवृ।।ऽअ।ऽ।ऽदग्धा. आवश्यके

,, ११ बुधे स्वा. ल.५।६ रे. ७ ।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

शु. ३ भौमे उषा. लः ६ रे. ८ ।।।ऽऽअ।।।।

पौष मासः ।

शु. ७ रवौ रेव.ल. अन्यगो.६ रे.८।।।।ऽअ।ऽ।।कन्यायां चं. ७ पू.

,, १२ शुक्रे मृगे ल. गो.६ रे. ६ ऽसू।।ऽ।।।ऽऽआवश्यके

माघ मास ।

कृ. ४ शनौ उफा. ल. गो. ८ रे.८।।।।ऽज्यो।ऽ।।वृश्चिके चोरपंचकाऽभावः रेखा ९

,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. ८ रे ८ ।।।।।।ऽऽ।। वृश्चिके रोगपंचकः

,, ९ गुरौ अनु. ल. अन्यगो. ६रे.६ऽ।।।ऽअ३४या.ऽऽ।।

शु. ३ शुक्रेउभा.ल.६।८रे.९।।।।ऽअ।।।।कन्यायांचं. ७पू.

,, ४ शनौ रेवत्यां ल. ८ रे. ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।

अग्रे शुक्राऽस्तः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi And eGangotri

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४३६८सन्२००४
१	र	५४	१३	उ	४०	१७	शु	२२	३८	किं	२४	७	३०/४	५/५९	६/१	१	२९	२१	मीने	भा.चैत्रारंभः संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	चं	५६	१०	रे	४३	३७	ब्र	२१	२३	बा	२५	११	८	५८	२	२	३०	२२	मे.४३।३७	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	मं	५९	३२	अ	४८	१३	ऐं	२०	४७	तै	२७	५०	१२	५८	२	३	१	२३	मेषे	सफर २ मत्स्यजयंती गणगौरी
४	बु	६०	०	भ	५४	१६	वै	२१	१३	व	३२	२	१६	५७	३	४	२	२४	मेषे	भ.३२।२उ.कृत्ति. शुक्रः ५२।८
४	गु	४	३३	कृ	६०	०	वि	२२	४३	वि	४	३३	२१	५६	४	५	३	२५	वृ.१०।५८	भ.४।३३या.अश्वि.मेषे बुधः ४०।५६
५	शु	१०	१	कृ	१	४	प्री	२५	३	बा	१०	१	२५	५५	५	६	४	२६	वृषे	
६	श	१६	२१	रो	८	३७	आ	२७	२५	तै	१६	२१	२९	५४	६	७	५	२७	मि. ४२/२२	रोहिण्यां भौमः २०।२
७	र	२२	३४	मृ	१६	७	सौ	२९	४३	व	२२	३४	३३	५३	७	८	६	२८	मिथुने	भ.२२।३४उ.५५।३३या. वृषे शुक्रः १४/३
८	चं	२८	३१	आ	२३	१६	शो	३१	२८	ब	२८	३१	३७	५३	७	९	७	२९	मिथुने	
९	मं	३३	२६	पु	२९	२३	अ	३२	१२	बा	०	५९	४१	५२	८	१०	८	३०	क.१२।५१	रेवत्यां रविः५४।६(सौरः५७/१५) रामनवमी
१०	बु	३६	५६	पु	३४	४	सु	३१	५८	तै	५	११	४५	५१	९	११	९	३१	कर्के	
११	गु	३८	३७	श्ले	३६	५३	धृ	३०	११	व	७	४६	४९	५०	१०	१२	१०	१	सिं. ६३/५३	भ.७/४६उ.३६/३७या.वक्री पूफा.१गुरुः ५९/५५×
१२	शु	३८	१७	म	३७	५५	शू	२६	५७	ब	८	२७	५३	४९	११	१३	११	२	सिंहे	[×अप्रेल ४ ता.३० कामदा११व्र.
१३	श	३५	५९	पू	३६	५८	गं	२२	१४	कौ	७	८	५७	४९	११	१४	१२	३	कं. ५१/२१	प्रदोषः
१४	र	३१	५८	उ	३४	३०	वृ	१६	०	ग	३	५९	३१/१	४८	१२	१५	१३	४	कन्यायां	भ.३१।५८उ.५९।१६या.
१५	चं	२६	३४	ह	३०	३४	ध्रु	८	५२	ब	२६	३४	५	४७	१३	१६	१४	५	तु ५८।१०	हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.२चं.इ.११।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	४	१	२	०	११
८	६	२४	१७	२३	१२	१९	७
३	४२	२९	४८	५२	३६	२८	५९
१८	२५	४९	३२	१९	५०	१०	५१
५९	३८	६/०	५६/६	६२	१	३	५९
२९	३	०/७	व.	४१	२२	११	३५

५१ पं.चै.शु.८चं.इ.११।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	४	१	२	०	११
१४	११	३	१७	०	१२	१९	१४
५९	११	४९	२	५८	५०	५	५५
१०	२०	५२	४९	१२	५६	५५	५९
५९	३८	६५	६/१०	६०	२	३	५९
१६	१४	२१	व.	१६	१३	११	१६

५२पं.चै.शु. १५चं.इ. ६२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	४	१	२	०	११
२१	१५	७	१६	७	१३	१८	२१
५३	४०	५९	२२	४३	९	४३	५०
३१	१२	३८	५२	१	५८	३९	१०
५९	३८	८	५/५	५७	२	३	५९
४	२०	३९	व.	७	५३	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं	१९	५८	चि	२५	४७	व्या	३०/७	५९/२८	कौ	१९	५८	३१/२०	५/४६	६/१४	१७	१५	६	तुलायां	वक्री.बुधः २८।५८
२	बु	१२	५२	स्वा	२०	२७	व	४३	२२	ग	१२	५२	१४	४५	१५	१८	१६	७	तुलायां	भ.३९।१२उ.रोहि.शुक्रः३६।१५
३	गु	५	३२	वि	१५	११	सि	३४	५३	वि	५	३२	१८	४४	१६	१९	१७	८	वृ.१।३०	भ.५।३२या. चतुर्थी व्रतम्
४	गु	५२	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	शु	५१	३४	अ	१०	७	व्य	२६	२९	कौ	२४	५७	२२	४४	१६	२०	१८	९	वृश्चिके	बुधास्तःपश्चिमायां ४।२७
६	श	४५	३५	ज्ये	५	३३	व	१८	३२	ग	१८	३४	२६	४३	१७	२१	१९	१०	ध.५।३३	भ.४५।३५उ.
७	र	४०	१६	मू	१/४०	५७/२८	प	११	२	वि	१२	५५	३०	४२	१८	२२	२०	११	धनुषि	भ.१२।५५या.
८	चं	३५	३६	उ	५६	९	शि	४/२९	५३/५६	बा	७	५५	३४	४१	१९	२३	२१	१२	म.१२।५२	
९	मं	३१	५८	श्र	५४	५६	सा	५३	१९	तै	३	४७	३८	४०	२०	२४	२२	१३	मकरे	अश्वि.मेषेऽर्कः २९/५(सौरः३१/४२)आर्द्रा.३÷
१०	बु	२९	१०	ध	५४	३३	शु	४८	४३	व	०	३४	४२	४०	२०	२५	२३	१४	कुं.२४।४३	भ.०।३४उ.२९।१०या. [÷शनिः४९।३०
११	गु	२७	१६	श	५४	५७	शु	४५	१	बा	२७	१६	४६	४१	१९	२६	२४	१५	कुंभे	वरूथिनी ११ व्र.
१२	शु	२६	१९	पू	५६	१८	ब्र	४२	१३	तै	२६	१९	५०	३८	२२	२७	२५	१६	मी. ४०/५८	प्रदोषः
१३	श	२६	३५	उ	५९	४६	ऐं	४०	८	व	२६	३५	५३	३७	२३	२८	२६	१७	मीने	भ.३६/५उ.५७।११या.मृगे भौमः १३।५९
१४	र	२७	४६	रे	६०	०	वै	३९	२१	श	२७	४६	५७	३७	२३	२९	२७	१८	मीने	
३०	चं	३०	२५	रे	२	३५	वि	३८	५६	ना	३०	२५	३२/१	३६	२४	३०	२८	१९	मे.२।३५	

१ पं.वै.कृ.९मं.इ.२८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	४	१	२	०	११
०	२०	५	१५	१५	१३	१८	२९
०	५७	५१	४३	३	३७	१७	५६
०	२९	४०	१९	२५	१	३१	२३
५८	३८	३८/४५	३/४१	५१	३	३	५८
४४	१९	व.	व.	५८	४०	११	४५

गोचर ग्रहाः

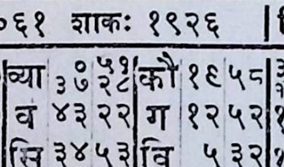

वैशाख कृष्णे ९ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

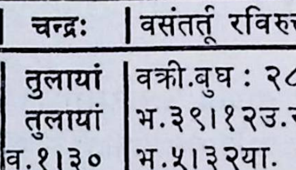

२पं. वै. शु. १मं.इ. ३६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	४	१	२	०	०
६	२५	१	१५	२०	१४	१७	६
५०	२५	६	२०	३६	६	५५	४६
४२	१	१८	२४	३६	७	१५	३४
५८	३८	४०/२६	२/२५	४६	४	३	५८
३१	३६	व.	व.	२८	२०	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३९८सन्२००४
१	मं	३४	३	अ	७	२८	प्री	३९	३५	किं	२	१७	३२/५	५/३५	६/२५	३१	२९	२०	मेषे	
२	बु	३८	५९	भ	१३	२५	आ	४१	२	बा	६	३१	९	३४	२६	१	३०	२१	वृ.३०।३	चंद्रदर्शनम् भा. वैशाखारंभ
३	गु	४४	२४	कृ	१९	५९	सौ	४२	५६	तै	११	४१	१२	३४	२६	२	१	२२	वृषे	वक्री रेवत्यां मीने बुधः६/४२ रविलावल३×
४	शु	५०	४८	रो	२७	२०	शो	४५	११	व	१७	३६	१६	३३	२७	३	२	२३	वृषे	भ.१७।३६उ.५०।४८या.मृगे शुक्रः५९/१८
५	श	५७	८	मृ	३५	९	अ	४७	५३	ब	२३	५८	२०	३२	२८	४	३	२४	मि. १/१४	[×परशुरामजयंती अक्षया३
६	र	६०	०	आ	४२	३७	सु	५०	१७	कौ	३०	१०	२३	३१	२९	५	४	२५	मिथुने	
६	चं	३	१३	पु	४९	३२	धृ	५१	५९	तै	३	१३	२७	३१	२९	६	५	२६	कं.३२।४९	बुधोदयः पूर्वस्यां १५।२४
७	मं	८	३४	पु	५४	५३	शू	५२	३८	व	८	३४	३१	३०	३०	७	६	२७	कर्के	भ.६/३४उ.४०/०या.भरण्यांरविः६/०(सौरः÷
८	बु	१२	४६	श्ले	५९	२६	गं	५२	९	ब	१२	४६	३४	२९	३१	८	७	२८	सिं. ५९/२६	[÷१३।१४)मिथुने भौमः४/२०
९	गु	१५	१३	म	६०	०	बृ	५०	११	कौ	१५	१३	३८	२८	३२	९	८	२९	सिंहे	पातस्पर्शः३८।१४पातमोक्ष ५०।२
१०	शु	१५	४४	म	१	४६	ध्रु	४६	२३	ग	१५	४४	४१	२८	३२	१०	९	३०	सिंहे	भ.४४।५८उ.
११	श	१४	१३	पू	२	१	व्या	४१	१२	वि	१४	१३	४५	२७	३३	११	१०	१	कं.१६।३५	भ.१४।१३या.मई.५ ता.३१मोहिनी११व्र.
१२	र	१०	३५	उ	१७/०	५६/३०	ह	३४	२३	बा	१०	३५	४८	२६	३४	१२	११	२	कन्यायां	मार्गी बुधः२६।१मार्गी गुरुः३६/४६प्रदोषः
१३	चं	५	३	चि	५१	३५	व	२६	७	तै	५	३	५२	२६	३४	१३	१२	३	तु.२४।१४	भ.५७।४७उ.,नृसिंहजयंती
१४	चं	५२	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=यमाय कुंभदानम्
१५	मं	४९	३६	स्वा	४५	१९	सि	१६	५४	वि	२३	४१	५५	२५	३५	१४	१३	४	तुलायां	भ.२३।४१या. खग्रासचंद्र ग्रहणम्=

३ पं. वै.शु. ७ मं. इ. ३६/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	४	१	२	०	०
१३	२९	२७	१५	२५	१४	१७	१३
३९	५२	५३	६	२३	३९	३३	३४
४७	२३	२०	५८	३८	४०	०	५९
५८	३८	२९/५	१/१	३९	४	३	५८
१९	३५	व.	व	२	५०	११	१२

गोचर ग्रहाः

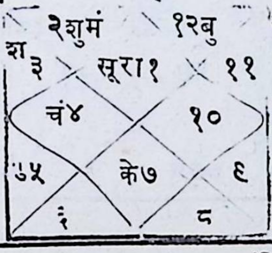

वृषराशौ यदा भौमः सर्वधान्य महर्घता। चन्दनं कुंकुमं वस्त्रं कार्पासादि महर्घता॥ इस मास में धान्य व रस मंदा होकर तेज हो, धातु मंदा रहे।

गोचर ग्रहाः

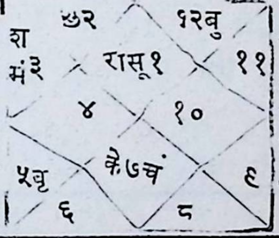

४ पं. वै.शु. १५मं.इ. २६/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	४	१	२	०	०
२०	४	२८	१५	२९	१५	१७	२०
२७	१९	४	१	७	१७	१०	२१
२५	३०	१२	१९	२३	६	४४	४३
५८	३८	४/३	२/५	२९	५	३	५७
६	३७	मा	मा	८	१४	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा.
१	बु	४०	४४	वि	३८	३४	व्य	७/१५	४९/४३	बा	१५	१०	३२/५८	५/२४	६/३६	१५	१४	५	वृ. २५/१६	
२	गु	३१	४६	अ	३१	३४	प	४७	२	तै	६	१४	३३/२	२४	३६	१६	१५	६	वृश्चिके	भ.५७।२०उ.मिथुने शुक्रः१७।१४
३	शु	२२	५३	ज्ये	२४	५८	शि	३७	२६	वि	२२	५३	५	२३	३७	१७	१६	७	ध.२४।५८	भ २२।५३या.चतुर्थी व्रतम्
४	श	१४	५०	मू	१९	१०	सि	२८	२५	बा	१४	५०	८	२२	३८	१८	१७	८	धनुषि	अश्वि.मेषे बुधः४५/५०आर्द्रा.भौमः१३।५९
५	र	७	४३	पू	१४	१९	सा	२०	२८	तै	७	४३	११	२२	३८	१९	१८	९	म. ३८/२७	
६/७	चं	१/५७	५५/२९	उ	१०	५१	शु	१३	२६	व	१	५७	१४	२१	३९	२०	१९	१०	मकरे	भ.१।५७उ.२९।४२या.कृत्ति.रविः५४/१६
८	मं	५४	२९	श्र	८	४८	शु	७	४५	बा	२५	२८	१७	२१	३९	२१	२०	११	कुं.३८/१४	(कृत्ति.रविः१।६सौर)
९	बु	५२	५५	ध	७	५३	ब्र	३/१९	५६/२५	तै	२३	४१	२०	२०	४०	२२	२१	१२	कुंभे	
१०	गु	५२	३७	श	८	२९	वै	५७	२५	व	२२	४६	२३	१९	४१	२३	२२	१३	मी. ५५/०	भ.२२।४६उ.५२।३७या.
११	शु	५३	४७	पू	१०	३१	वि	५५	५५	ब	२३	११	२६	१९	४१	२४	२३	१४	मीने	वृषेऽर्कः३१/३१(सौरः३९/५३)भ.१राहुःस्वा.३×
१२	श	५५	५६	उ	१३	५३	प्री	५५	२८	कौ	२४	५२	२८	१८	४२	२५	२४	१५	मीने	[×केतुः८।३९अपरा ११ व्र.
१३	र	५९	३१	रे	१८	१०	आ	५४	५६	ग	२७	४४	३१	१८	४२	२६	२५	१६	मे १८।१०	भ.५९।३१उ. प्रदोषः
१४	चं	६०	०	अ	२३	३७	सौ	५६	४७	वि	३१	३७	३४	१७	४३	२७	२६	१७	मेषे	भ.३१।४७या.
१४	मं	३	४२	भ	२९	५५	शो	५८	३५	श	३	४२	३७	१७	४३	२८	२७	१८	वृ. ४६/३५	वक्री शुक्रः४९/५१आर्द्रा. ४शनिः १२।५८
३०	बु	९	२	कृ	३६	३७	अ	६०	०	ना	९	२	३९	१६	४४	२९	२८	१९	वृषे	वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ. ८ मं.इ. २९/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	४	२	२	०	०
२७	८	१	१५	१	१५	१६	२७
१३	४५	४२	४	२९	५७	४८	६
३७	१४	४	४४	१०	५०	२८	५७
५७	३८	३७	१	१६	५	३	५७
५४	५१	१	३२	२६	४१	११	४५

गोचर ग्रहाः

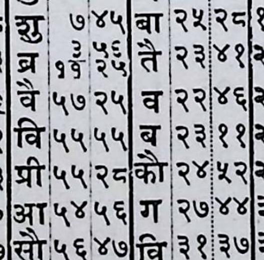

ज्येष्ठ कृष्णे ११ शुक्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

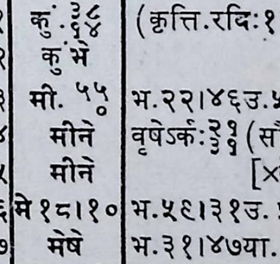

६ पं.ज्ये.कृ.१४मं.इ. २९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	२	२	०	१
३	१३	८	१५	२	१६	१६	३
५८	११	१९	१७	१४	४१	२६	५०
३७	४९	३०	४२	३८	३८	१३	३९
५७	३८	६४	२	०	६	३	५७
४४	४७	७	५८	५२	२	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४४२८स.२००४
१	गु	१४	२९	रो	४३	५९	अ	०	२५	ब	१४	२९	३३/४२	५/१६	६/४४	३०	२९	२०	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	शु	२०	४०	मृ	५१	३१	सु	२	५३	कौ	२०	४०	४४	१५	४५	३१	१	२१	मि. १७/४९	रविलाख र ४
३	श	२७	१	आ	५८	५०	धृ	५	२९	ग	२७	२	४७	१५	४५	१	२	२२	मिथुने	भ.५९/५९उ.भरण्यां बुधः३९/१३भा.ज्येष्ठारंभः
४	र	३२	५८	पु	६०	०	शू	७	५०	वि	३२	५८	४९	१४	४६	२	३	२३	क.४९।२९	भ.३२।५८या.
५	चं	३८	४०	पु	६	२३	गं	९	५७	ब	५	४९	५२	१४	४६	३	४	२४	कर्के	रोहि.रविः४५।५(सौरः५५।१)
६	मं	४३	१७	पु	१२	४४	वृ	१२	३७	कौ	१०	५८	५४	१३	४७	४	५	२५	कर्के	
७	बु	४६	२८	श्ले	१८	१०	ध्रु	१२	६	ग	१४	५२	५६	१३	४७	५	६	२६	सि. १८/१०	भ.५६।२८उ.
८	गु	४८	८	म	२१	५९	व्या	११	२८	वि	१७	१८	५८	१२	४८	६	७	२७	सिंहे	भ.१७।१८या.
९	शु	४७	४९	पू	२३	५१	ह	९	१९	बा	१७	५९	३४/००	१२	४८	७	८	२८	कं.३८।५३	वक्री वृषे शुक्रः४२।९
१०	श	४५	३७	उ	२४	१	व	५	३६	तै	१६	४३	२	१२	४८	८	९	२९	कन्यायां	पुनः भौमः२०।७गंगादशमी
११	र	४१	२२	ह	२२	१३	सि	१०/१९	५३/०९	व	१३	२९	३	११	४९	९	१०	३०	तु५०।७	भ.१३।२९उ.४१।२२या.निर्जला११व्र.
१२	चं	३४	५८	चि	१८	२	व	४५	१०	व	८	१०	५	११	४९	१०	११	३१	तुलायां	कृत्ति.बुध.२१।३
१३	मं	२७	१३	स्वा	१२	४६	प	३५	४१	कौ	१	५	७	११	४९	११	१२	१	वृ.५२।४१	जून ६ ता. ३० प्रदोषः
१४	बु	१८	५	वि	६/०	५२/२१	शि	२५	१६	व	१८	५	९	१०	५०	१२	१३	२	वृश्चिके	भ.१८।५उ.४३।११या.वृषे बुधः१३।२
१५	गु	८	१७	ज्ये	५०	२६	सि	१४	३७	ब	८	१७	१०	१०	५०	१३	१४	३	ध.५०।२६	गुर्जराणाम् वटसावित्रीव्रतम्

७ रं.ज्ये.शु.६मं.इ.२९।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	२	२	०	१
१०	१७	१७	१५	१	१७	१६	१०
४२	३७	२७	३८	४	२७	३	३२
२९	५६	७	२८	५	४०	५७	५०
५७	३८	८७	४	१६/३७	६	३	५७
३५	४६	९	७	व.	२३	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में मिथुन का मंगल धान्य को तेज करें सुदि में धान्य धातु सोना चांदी मंदा हो कहीं २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

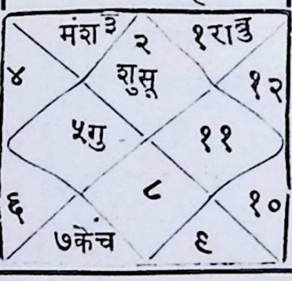

८ पं. ज्ये.शु.१३मं.इ.३९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	४	१	२	०	१
१७	२२	२८	१६	२८	१८	१५	१७
२५	२	४२	७	३	१६	४१	१३
१९	४९	४	४८	३२	५	४२	५६
५७	३८	०/०	५	३०/४५	६	३	५७
२७	५६	९	१५	व.	३८	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णोतिमहा.
१	गु	४९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+पूफा.२गुरुः४३/३१बुधास्तः पूर्वस्यां५०।२
२	शु	४८	२८	मू	४२	४४	सा	३/४४	४९/२९	तै	२३	१९	३४/१२	५/१०	६/५०	१४	१५	४	धनुषि	
३	श	३९	२०	पू	३५	४७	शु	४३	११	व	१३	५४	१३	९	५१	१५	१६	५	म.४९।२५	भ.१३/५४उ.३९/२०या.शुक्रास्तः पश्चिमायां४९/१२×
४	र	३१	२७	उ	३०	१६	ब्र	३४	३५	ब	५	१७	१५	९	५१	१६	१७	६	मकरे	[×चतुर्थी व्र.
५	चं	२५	१७	श्र	२६	५	ऐं	२७	५	कौ	२५	१७	१६	९	५१	१७	१८	७	कु.५४।५४	मृगे रविः३९/५८(सौरः५३/५१)रोहि.बुधः३५/२३+
६	मं	२०	५०	ध	२३	४३	वै	२१	८	व	२०	५०	१७	९	५१	१८	१९	८	कुम्भे	भ.२०।५०उ.४०।३४या.
७	बु	१८	१८	श	२३	११	वि	१६	३५	ब	१८	१८	१८	८	५२	१९	२०	९	कुम्भे	वक्री रोहि.शुक्रः२४।३६
८	गु	१७	३१	पू	२४	३५	प्री	१३	३१	कौ	१७	३१	१९	८	५२	२०	२१	१०	मी.९।१४	
९	शु	१८	२३	उ	२७	४०	आ	१२	३	ग	१८	२३	१९	८	५२	२१	२२	११	मीने	भ.४९।५८उ.
१०	श	२१	१३	रे	३२	२	सौ	११	३८	वि	२१	१३	२०	८	५२	२२	२३	१२	मे. ३/२	भ.२१।१३या.
११	र	२५	१३	अ	३७	४४	शो	१२	३५	बा	२५	१३	२१	८	५२	२३	२४	१३	मेषे	मृगे बुधः५८।१३योगिनी ११ व्र.
१२	चं	३०	३	भ	४४	२४	अ	१३	४२	तै	३०	३	२१	८	५२	२४	२५	१४	मेषे	मिथुनेऽर्कः३६/२२(सौरः५४/३९)कर्के भौमः८/४२÷
१३	मं	३५	५२	कृ	५१	४१	सु	१५	४५	ग	२	५८	२२	८	५२	२५	२६	१५	वृ. १।१७	भ.३५/५२उ.पुन.१शनिः४१।२९ प्रदोषः
१४	बु	४१	३४	रो	५८	५६	धृ	१७	५५	वि	८	४३	२२	८	५२	२६	२७	१६	वृषे	भ.८/४३या. [÷शुक्रोदयः पूर्वस्यां४०।४८
३०	गु	४७	५५	मृ	६०	०	शू	२०	२४	च	१४	४४	२३	७	५३	२७	२८	१७	मि.३२/४५	मिथुने बुधः ५।५८

९ पं.आ. कृ. ६मं.इ. २९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	४	१	२	०	१
२४	२६	११	१६	२३	१९	१५	२३
७	२७	५०	४४	५३	६	१९	५३
१९	२५	२	५३	३५	३२	२६	५२
५७	३८	[illegible]	६	३६/३१	६	३	५७
२२	४७	[illegible]	२३	व.	५२	११	५

गोचर ग्रहाः

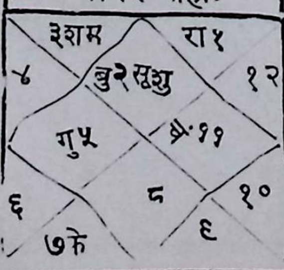

आषाढकृष्णे १२ चन्द्रे मिथुनेऽर्कः प्रवृष्टः वा. ४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

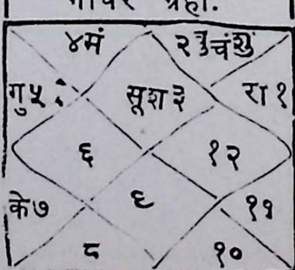

१० पं.आ. कृ.१३मं.इ.२९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	४	१	२	०	२
०	०	२९	१७	१९	१९	१४	०
४८	५२	३४	२८	४५	५८	५७	३३
३६	१९	१६	३७	१८	३५	१०	१
५७	३८	[illegible]	७	३०/१९	७	३	५६
१७	५४	[illegible]	१९	व.	२	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४४५७ स.२००४
१	शु	५३	४६	मृ	६	३५	गं	२२	५२	किं	२०	५२	३४/३३	५/७	५६/५३	२८	२६	१८	मिथुने	
२	श	५६	४४	आ	१३	५८	बृ	२५	१४	बा	२६	४६	२३	७	५३	२९	३०	१९	मिथुने	आर्द्रा.बुधः:५९/४५पुष्येभौमः:३६/५६चन्द्रदर्शनम् ×
३	र	६०	०	पु	२१	८	ध्रु	२७	१६	तै	३२	२४	२४	७	५३	३०	१	२०	क. ४/२०	अस्तं शनेः:३२/१९जमादिलावल५ [×रथयात्रा
३	चं	५	४	पु	२७	२६	व्या	२८	३५	ग	५	४	२४	७	५३	३१	२	२१	कर्के	भ.३७/१उ.आर्द्रा.रविः:३७/३ (सौरः५६।१२)
४	मं	९	३१	श्ले	३३	६	ह	२९	२२	वि	९	३१	२४	७	५३	१	३	२२	सिं. ३/३६	भ.९।३१या. भा.आषाढारम्भः
५	बु	१२	५१	म	३७	४०	व	२९	३५	ब्रा	१२	५१	२४	७	५३	२	४	२३	सिंहे	
६	गु	१५	५	पू	४०	५८	सि	२८	३५	तै	१५	५	२४	७	५३	३	५	२४	कं.५६।२२	
७	शु	१५	४०	उ	४२	३५	व्य	२६	१३	व	१५	४०	२३	७	५३	४	६	२५	कन्यायां	भ.१५।४०उ.४५।१५या.
८	श	१४	५०	ह	४२	२८	व	२२	४३	ब	१४	५०	२३	७	५३	५	७	२६	कन्यायां	पुनःबुध :१३।५७
९	र	१२	४	चि	४०	४०	प	१७	३७	कौ	१२	४	२२	८	५२	६	८	२७	तु.११।३४	
१०	चं	७	५३	स्वा	३७	१८	शि	११	८	ग	७	५३	२२	८	५२	७	९	२८	तुलायां	भ.३४।३६ उ.
११	मं	१	१९	वि	३२	११	सि	१/३	५५/३	वि	१	१९	२१	८	५२	८	१०	२९	वृ.१८।१०	भ . ५९/१या.मार्गीशुक्रः:५/४५देवशयनी११व्र.
१२	मं	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	बु	४४	४१	अ	२५	४४	शु	४४	११	कौ	१९	८	२०	८	५२	९	११	३०	वृश्चिके	बुधोदयः पश्चिमायां ६।१५ प्रदोषः
१४	गु	३४	५२	ज्ये	१८	१९	शु	३३	३८	ग	९	४६	१९	८	५२	१०	१२	१	ध.१८।१६	भ.३४/५२उ.५९/४६ या.कर्के बुधः:१३/५८जुलाई७÷
१५	शु	२४	४०	मू	१०	२५	ब्र	३२	५०	ब	२४	४०	१८	८	५२	११	१३	२	धनुषि	व्यासपूजा गुरु१५ [÷ता. ३१

११गं.आ. शु. ४मं. इ.२९/३५

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	१	२	०	२
७	५	११	१८	१६	२०	१४	७
२९	१६	५८	१८	४९	५२	३४	११
३१	३७	२६	५०	३७	१	५५	२८
३७	३८	२०	८	१६/९	७	३	५६
१३	४८	३९	२६	व:	१४	११	५४

गोचर ग्रहाः

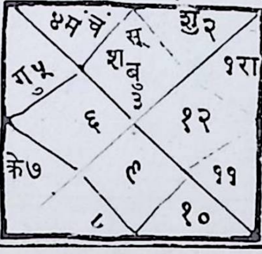

इस मासमें धान्य गेहूं जौ चना मटर मूंग अलसी तेज हो वर्षा अच्छी हो पशु रोग फैले धातु अच्छी तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.शु.११मं.इ. २९/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	१	२	०	२
१४	९	२६	१९	१५	२१	१४	१३
९	४१	३१	१५	४२	४५	१२	४९
५८	३५	८	१४	७	५०	३९	३३
५७	३८	२०	९	१/८	७	३	५६
७	५०	८	१०	मा	२०	११	५०

ति.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	१४	५३	पू	३२	५३	ऐं	१२	१	कौ	१४	५३	३४/१७	५/९	६/५१	१२	१४	३	म.१५।४५	पुष्ये बुधः ०।१५
२/३	र	५/५०	५२/०	श्र	४९	३४	वै	१/५८	५०/४९	ग	५	५०	१६	९	५१	१३	१५	४	मकरे	भ.३१/५०उ.५७/५०या.पूफा.३गुरुः४४।३५
४	चं	५१	४०	ध	४५	१०	प्री	४५	४	ब	२४	४४	१५	९	५१	१४	१६	५	कुं.१७।२२	पुनःरविः:३६/१६चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४७	२६	श	४२	३४	आ	३८	४१	कौ	१९	३२	१४	९	५१	१५	१७	६	कुंभे	पुनःरविःसौरः०।१४नाग५मरुस्थले
६	बु	४५	२४	पू	४२	६	सौ	३४	५	ग	१६	२५	१३	९	५१	१६	१८	७	मी. २७/१३	भ.४५।२४उ.
७	गु	४५	३२	उ	४३	५६	शो	३१	१७	वि	१५	२८	११	१०	५०	१७	१९	८	मीने	भ.१५।२८ या.
८	शु	४७	२५	रे	४७	२८	अ	२९	५३	बा	१६	२८	१०	१०	५०	१८	२०	९	मे.४७।२८	
९	श	५१	१२	अ	५२	३१	सु	३०	२०	तै	१९	४८	८	१०	५०	१९	२१	१०	मेषे	आश्ले. बुधः४५।४६आश्ले. भौमः:३/८
१०	र	५६	७	भ	५८	५६	धृ	३१	१३	व	२३	४०	७	११	४९	२०	२२	११	मेषे	भ.२३/४०उ५६।७या.पुन.२ शनिः२८।५५
११	चं	६०	०	कृ	६०	०	शू	३३	१७	ब	२९	६	५	११	४९	२१	२३	१२	वृ.१५।४७	कामिका ११ व्र. स्मा.
११	मं	२	११	कृ	६	२१	गं	३५	३८	बा	२	११	३	११	४९	२२	२४	१३	वृषे	कामिका ११ व्र. वै.
१२	बु	८	१०	रो	१३	५४	बृ	३८	१३	तै	८	१०	१	१२	४८	२३	२५	१४	मि.४७/४५	प्रदोषः
१३	गु	१४	३०	मृ	२१	३७	ध्रु	४०	४४	व	१४	३०	३३/५९	१२	४८	२४	२६	१५	मिथुने	भ.१४।३०उ.४७।२७या.
१४	शु	२०	२३	आ	२८	५८	व्या	४२	५८	श	२०	२३	५७	१३	४७	२५	२७	१६	मिथुने	कर्केर्कः:५/४३ (सौरः:३२/५८)अश्वि४राहुः×
३०	श	२५	५८	पु	३५	५८	ह	४४	४७	ना	२५	५८	५५	१३	४७	२६	२८	१७	क.१९।१३	हरियाली [×स्वाती२केतुः:३/२१

१३पं.प्र.श्रा.कृ.५मं.इ. २९/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	४	१	२	०	२
२०	१४	९	२०	१६	२२	१३	२०
१०	५	२९	१७	२७	४०	५०	२७
२४	४२	३१	१०	३२	५	२४	२७
५७	३८	२०	९	१६	७	३	५६
७	५८	३७	५२	२६	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

प्र. श्रावण कृष्णे १४ शुक्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टः वा. ५न ५वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१४पं.प्र.श्रा.कृ.११मं.इ. २९/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	४	१	२	०	२
२९	१८	२०	२१	१८	२३	१३	२७
३०	३०	४६	२३	४८	३४	२८	५
४३	१४	४१	५६	५४	४१	८	३४
५७	३८	९०	१०	२८	७	३	५६
११	५०	२९	३५	५६	२०	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगणः४४८७स.२००४
१	र	३०	२९	पु	४१	५६	व	४५	५५	व	३०	२९	३/५२	५/१४	६/४४	२७	२९	१८	कर्के	चन्द्रदर्शनम्
२	चं	३४	२५	श्ले	४७	११	सि	४६	३२	बा	२	२७	५०	१४	४६	२८	१	१९	सिं.४७/५१	पुष्ये रविः३५।१जमादिलाखर ६
३	मं	३७	१५	म	५१	२८	व्य	४५	१३	तै	५	५०	४८	१४	४६	२९	२	२०	सिंहे	पुष्ये रविःसौरः३।३९मघा.सिंहे बुधः६/७
४	बु	३९	५	पू	५४	३२	व	४४	५९	व	८	१०	४५	१५	४५	३०	३	२१	सिंहे	भ.८।१०उ.३९।५या.मृगे शुक्रः४६।४१
५	गु	३९	३७	उ	५६	४४	प	४३	११	ब	९	१५	४३	१५	४५	३१	४	२२	कं.१०।५	
६	शु	३९	८	ह	५७	३८	शि	४०	२८	कौ	९	२३	४०	१६	४४	१	५	२३	कन्यायां	भा. श्रावणारंभः
७	श	३७	१८	चि	५७	१५	सि	३६	२७	ग	८	१३	३८	१६	४४	२	६	२४	तु.२७।२६	भ.३६।१८उ.पूफा.४गुरुः५७।४८
८	र	३४	३	स्वा	५५	३४	सा	३१	२६	वि	५	१०	३५	१७	४३	३	७	२५	तुलायां	भ.५।१०या.अस्तो भौमः ४४।२२
९	चं	२९	४०	वि	५२	३५	शु	२५	२२	बा	१	५१	३३	१७	४३	४	८	२६	वृ.३८।२०	उदयं शनेः५३।११
१०	मं	२३	५०	अ	४८	१७	शु	१८	१२	ग	२३	५०	३०	१८	४२	५	९	२७	वृश्चिके	भ.५०।२३उ.
११	बु	१६	५७	ज्ये	४२	५०	ब्र	१०	५	वि	१६	५७	२७	१९	४१	६	१०	२८	ध. ४२/५०	भ १६।५७या.कमला ११ व्र.
१२	गु	८	४२	मू	३६	३६	ऐं	१/२	५०/२७	बा	८	४२	२४	१९	४१	७	११	२९	धनुषि	]+सिंहे भौमः४७।३१
१३	शु	०	१	पू	२९	४४	वि	४१	१९	तै	०	१	२२	२०	४०	८	१२	३०	म.४२।५९	भ.५०।५१उ.
१४	शु	५०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श	४१	५६	उ	२२	४६	प्री	३१	१९	वि	१६	२६	१९	२०	४०	९	१३	३१	मकरे	भ.१६।२६या.मिथुने शुक्रः२५।०मघा.+

१५पं प्र.श्रा.शु. ३मं.इ २८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	४	१	२	०	३
४	२२	०	२२	२२	२४	१३	३
११	५४	२४	३४	२९	२९	५	४४
२८	४९	४	५२	५३	२	५२	१
५७	३८	७१	११	३८	७	३	५६
१५	५५	५	१२	४०	१४	११	५८

गोचर ग्रहाः

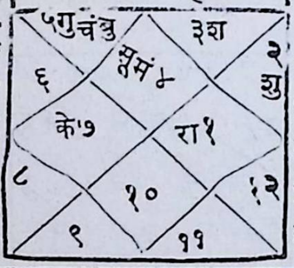

इस मासमें ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य गेहू जौ चना धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा तेज हो प्रजा में दुःख व्याप्त हो।

गोचर ग्रहाः

१६पं प्र.श्रा.शु १०मं इ २८/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	४	१	२	०	३
१०	२७	८	२३	२७	२५	१२	१०
५२	१८	०	४९	१०	२२	४३	२३
३०	३६	१	४४	५५	४४	३७	१८
५७	३९	४८	११	४६	७	३	५७
२०	२	३५	४९	४	८	३१	५

ति.	द्वि.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.श्रावण कृष्णेतिमहा.
१	र	३३	३८	श्र	१६	२९	आ	२१	४६	बा	७	४७	३३/१६	५/२१	६/३९	१०	१४	१	कुं. ४३/४१	अगस्त ८ ता.३१
२	चं	२६	४२	ध	१०	५३	सौ	१३	६	तै	०	१०	१३	२१	३९	११	१५	२	कुम्भे	भ.५३।५९उ.आश्ले.रविः ३२।२
३	मं	२१	१७	श	६	५९	शो	५/२८	२/५०	वि	२१	१७	१०	२२	३८	१२	१६	३	मी५०।११	भ ३/१या.आश्ले.रविःसौरः५/६ चतुर्थी व्र.
४	बु	१७	४६	पू	४	३४	सु	५४	४५	बा	१७	४६	७	२३	३७	१३	१७	४	मीने.	पूफा.बुधः१४।५९
५	गु	१६	३६	उ	४	३१	धृ	५२	५	तै	१६	३६	४	२३	३७	१४	१८	५	मीने	
६	शु	१७	२९	रे	६	३५	शू	५१	५	व	१७	२९	०	२४	३६	१५	१९	६	मे.६।३५	भ.२/६उ.४/९या.पुनः३शनिः५९।२१
७	श	२०	३१	अ	१०	२६	गं	५१	९	ब	२०	३१	३३/५७	२५	३५	१६	२०	७	मेषे	
८	र	२४	५२	भ	१६	६	वृ	५२	३४	कौ	२४	५२	५४	२५	३५	१७	२१	८	वृ. ३२/५०	वक्री बुधः ५।५४आर्द्रा. शुक्रः १९।४७
९	चं	३०	४०	कृ	२३	४	ध्रु	५४	४२	ग	३०	४०	५०	२६	३४	१८	२२	९	वृषे	
१०	मं	३६	४४	रो	३०	२०	व्या	५७	६	व	३	४१	४७	२७	३३	१९	२३	१०	वृषे	भ.३।४१उ.३६।४४ या.
११	बु	४३	११	मृ	३८	७	ह	५९	४८	ब	९	५८	४४	२७	३३	२०	२४	११	मि.४।१४	उफा.१गुरुः१५।१कमला ११ व्र.
१२	गु	४९	५	आ	४५	२७	व	६०	०	कौ	१६	८	४०	२८	३२	२१	२५	१२	मिथुने	
१३	शु	५४	३१	पु	५२	३०	व	१	५८	ग	२१	४७	३७	२९	३१	२२	२६	१३	क.३५।४४	भ.५४।३१उ.
१४	श	५८	३७	पु	५८	१८	सि	३	४३	वि	२६	३४	३३	२९	३१	२३	२७	१४	कर्के	भ.२६।३४या.
३०	र	६०	०	श्ले	६०	०	व्य	४	४७	च	३०	११	३०	३०	३०	२४	२८	१५	कर्के	[×बुधास्तः पश्चिमायां३३।४८
३०	चं		१४६	श्ले	२	६	व	४	४९	ना	१	४६	२६	३१	२९	२५	२९	१६	सिं २।६	मघा.सिंहेऽर्कः२६/४वक्री मघायां बुधः३३/७४×

१७पं.द्वि.श्रा.कृ ३मं.इ. २८/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	२	२	०	३
१७	१	१३	२५	२	२६	१२	१७
३४	९४	३	८	३७	१५	२१	३
१२	४९	२५	३८	२६	१८	२१	६
५७	३९	२१	१२	५१	७	३	५७
२५	२	२८	१४	३२	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

द्वि. श्रावण कृष्णे ३० चन्द्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न ५ प्रव्राजिका–वस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१८पं.द्वि.श्रा कृ१०मंइः३६/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	४	२	२	०	३
२४	६	१४	२६	८	२७	११	२३
१६	१०	५१	३०	४०	६	५९	४४
३७	२६	१४	१४	५	४३	६	१३
५७	३९	११/१	१२	५५	६	३	५७
३३	९	वः	३३	५९	४४	११	२२

CC0. In Public Domain. Anikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५१७सन् २००४
१	मं	३	३२	म	६	३७	प	३	५४	ब	३	३२	३/२	५/३२	६/२८	२६	३०	१७	सिंहे	मघा.सिंहेऽर्कः०।५१ चंद्रदर्शनम्
२	बु	४	१७	पू	६	७	शि	२/१६	५७/२४	कौ	४	१७	१९	३२	२८	२७	१	१८	क.२४।२६	रज्जव ७ सिंधारा
३	शु	३	५७	उ	१०	३५	सा	५५	७	ग	३	५७	१५	३३	२७	२८	२	१९	कन्यायां	भ.३३।२०उ.तीज
४	शु	२	४३	ह	११	१	शु	५२	४	वि	२	४३	१२	३४	२६	२९	३	२०	तु.४०।४७	भ.२।४३या. वरद ४
५	श	०	३६	चि	१०	३५	शु	४७	२५	बा	०	३६	८	३४	२६	३०	४	२१	तुलायां	पूफा.भौमः५४।३६ नाग पंचमी
६	श	५६	५०	स्वा	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	र	५३	४३	०	६	२२	ब्र	४१	५७	ग	२५	३४	४	३५	२५	३१	५	२२	वृ.५२।५४	भ.५३।४३उ.पुनःशुक्रः२८।३७
८	चं	४६	६	वि	७	२५	ऐं	३५	४८	वि	२१	२६	१	३६	२४	१	६	२३	वृश्चिके	भ.२१।२६ या. भा.भाद्रपदारंभः
९	मं	४३	४२	अ	४	४०	वै	२६	५	बा	१६	२५	५७/३१	३७	२३	२	७	२४	वृश्चिके	
१०	बु	३७	३८	ज्ये	२/१	५५/४४	वि	२१	४३	तै	१०	२१	५३	३७	२३	३	८	२५	ध. १।२	
११	गु	३०	५४	पू	५१	५६	प्री	१३	४६	ब	४	१६	४९	३८	२२	४	९	२६	धनुषि	भ.४।१६उ.३०।५४या.पवित्रा११व्र.
१२	शु	२३	४०	उ	४७	५	आ	२७/५	५१/२५	बा	२३	४०	४६	३६	२१	५	१०	२७	म.५।४६	उफा.२कन्यायां गुरुः२७।३४प्रदोषः
१३	श	१६	१७	श्र	४१	२०	शो	४८	१०	तै	१६	१७	४२	४०	२०	६	११	२८	मकरे	
१४	र	९	८	ध	३६	२०	अ	३९	५९	व	९	८	३८	४०	२०	७	१२	२९	कुं. ८।५०	भ.९।८उ.३५।५७या. [×रक्षाबन्धनम्
१५	चं	२	४६	श	३२	२६	सु	३२	२१	ब	२	४६	३४	४१	१९	८	१३	३०	कुंभे	पूफा.रविः१५/४०(सौरः५१/४२) श्रावणी कर्म.×

१९पं.द्वि.श्रा.शु.१मं.इ. २८/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	२	२	०	४
०	१०	१२	२७	१५	२७	११	०
५९	३५	२५	५४	१०	५६	३६	२६
५३	३१	१६	११	१९	२८	५०	२६
५७	३९	४६/२५	१२	५९	६	३	५७
५०	९	व.	५८	२५	३२	११	३४

गोचर ग्रहाः

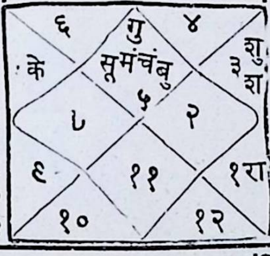

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन गेहूं जौ चना बाजरा मूंगमोठ सोना चांदी लोहातांबा रस गुड सक्कर में तेजी करेंगा वर्षा कही कम कही अधिक हो ।

गोचर ग्रहाः

२०पं.द्वि.श्रा.शु.६मं.इ, २८/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	४	२	२	०	४
७	१५	६	२९	२२	२८	११	७
४४	१	३३	२०	३	४४	१४	९
२०	५२	१८	३५	३२	२८	३४	५५
५७	३९	५६/५६	१३	६२	६	३	५७
४९	९	व.	१७	०	१४	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे द्वि. श्रा. कृष्णेति महा.
१	चं	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	५३	४६	पू	२९	३४	धृ	२५	३६	तै	२५	४२	३१/३०	५/४२	६/१८	९	१४	३१	मी. १५/१७	बुधोदयः पूर्वस्यां ५७।४३
३	बु	५२	५२	उ	२८	२३	शू	२०	१७	व	२३	१६	२६	४३	१७	१०	१५	१	मीने	भ.२३/५९उ.५२/५३या.कर्के शुक्रः१९/१९सितंबर६×
४	गु	५१	४८	रे	२९	८	गं	१६	१६	ब	२२	२०	२२	४४	१६	११	१६	२	मे २९।८	मार्गीबुधः४७/१५चतुर्थी व्रतम् [×ता.३०
५	शु	५३	५६	अ	३१	५२	वृ	१४	५	कौ	२२	५२	१८	४४	१६	१२	१७	३	मेषे	
६	श	५७	४१	भ	३६	१६	ध्रु	१३	१७	ग	२५	४६	१५	४५	१५	१३	१८	४	वृ.५२।५०	भ.५७/४१उ.पुष्ये शुक्रः२४/३६चंद्रषष्ठी
७	र	६०	०	कृ	४२	२६	व्या	१३	३४	वि	३०	२१	११	४६	१४	१४	१९	५	वृषे	भ.३०/२१या.पुन.४कर्के शनिः२०।१८
७	चं	३	१	रो	४६	२०	ह	१५	१६	ब	३	१	७	४७	१३	१५	२०	६	वृषे	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	मं	८	५३	मृ	५६	५३	व	१७	८	कौ	८	५३	३	४७	१३	१६	२१	७	मि. २३/७	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	बु	१५	११	आ	६०	०	सि	१६	३८	ग	१५	११	३०/५९	४८	१२	१७	२२	८	मिथुने	भ.४८।१३उ.अस्तं गुरोः२८/४८गोगा ९
१०	गु	२१	१६	आ	४	२५	व्य	२२	१	वि	२१	१६	५५	४९	११	१८	२३	९	क.५४।४३	भ.२१।१६या.
११	शु	२६	३८	पु	११	२६	व	२४	४	बा	२६	३८	५१	५०	१०	१९	२४	१०	कर्के	अजा ११ व्र.
१२	श	३०	४६	पु	१७	२८	प	२५	५	तै	३०	४६	४७	५१	९	२०	२५	११	कर्के	उफा.भौमः३०।१७वत्सद्वादशी
१३	र	३३	४१	श्ले	२२	०	शि	२५	३	ग	२	१३	४३	५१	९	२१	२६	१२	सिं२२।०	भ.३३/४१उ.उफा.३गुरुः२३/४२ प्रदोषः
१४	चं	३४	४५	म	२५	२३	सि	२३	५१	वि	४	१३	३९	५२	८	२२	२७	१३	सिंहे	भ.४।१३या.उफा.रविः०/५(सौरः३६/३२)
३०	मं	३४	३४	पू	२७	२२	सा	२१	३८	च	४	४०	३५	५३	७	२३	२८	१४	कं.४२।२९	कुशाग्रहणी पिठोरी ३०मन्वादिः

२१पं. भा. कृ. २मं. इ. २८/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	२	२	०	४
१४	१९	२	०	२९	२९	१०	१३
३०	२९	९	४८	१४	२९	५२	५५
०	३८	४०	३२	५३	२८	१९	७
५८	३९	३३/३२	१३	६४	५	३	५७
१	१६	वः	२६	१	५३	११	५७

२२पं. भा. कृ. ८ मं. इ. २७/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	३	०	४
२१	२३	३	२	६	०	१०	२०
१७	५७	४१	१७	४०	११	३०	४१
२	४७	५६	३५	३०	४६	३	४७
५८	३९	४७/२८	१३	६५	५	३	५८
१३	२६	मा	३२	३८	३२	११	१२

२३पं.भा.कृ.३० मं. इ. २७/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	३	०	४
२८	२८	११	३	१४	०	१०	२७
५	२६	१८	४८	१८	५१	७	३०
२४	४६	१४	११	४०	१८	४८	६
५८	३९	९१	१३	६७	५	३	५८
२६	२६	४६	३८	४	२	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४५४६सन्२००४
१	बु	३२	५६	उ	२७	४९	शु	१८	१६	किं	३	४५	३०/३१	५/४	६/६	२४	२९	१५	कंन्यायां	पूफा.बुध:४७/२१ [Aदेवजीका मेला नवलदुर्गे
२	गु	३०	२१	ह	२७	१०	शु	१३	५६	बा	१	३८	२७	५५	५	२५	३०	१६	तुं.५६।२६	कन्यायामर्कः २५।२६ आश्ले. शुक्र:×
३	शु	२६	४९	चि	२५	४२	ब्र	८	५०	ग	२६	४९	२२	५६	४	२६	१	१७	तुलायां	भ. ५४।४३ उ. सावान ८ हरितालिका
४	श	२२	३८	स्वा	२३	२६	ऐं	५९/२	४५/५३	वि	२२	३८	१८	५६	४	२७	२	१८	तुलायां	भ.२२।३८या. गणेशचतुर्थी [–अनंत१४
५	र	१८	७	वि	२०	४७	वि	५०	२१	बा	१८	७	१४	५७	३	२८	३	१९	वृ. ६।२७	ऋषिपंचमी [Dउफा.४गुरु:४६।३१–
६	चं	१३	१३	अ	१७	५६	प्री	४३	४०	तै	१३	१३	९	५८	२	२९	४	२०	वृश्चिके	बुधास्त: पूर्वस्यां८।५२ [Lमहालयारंभ:
७	मं	८	१८	ज्ये	१४	४३	आ	३६	५०	व	८	१८	५	५९	१	३०	५	२१	ध १४।४३	भ.८।१८उ.३५।४२या. [*चंद्रदर्शनम्
८	बु	३	५	मू	११	२६	सौ	२९	४६	ब	३	५	३०/००	६/००	६/००	३१	६	२२	धनुषि	[×३४।१० कन्यायां भौम: ४९।३५÷
९	बु	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷अश्विनी ३ राहु स्वाती १ केतु : ५४/४६ *
१०	गु	५२	२०	पू	७	५६	शो	२२	३५	तै	२५	२	२९/५६	६/१	५/५९	१	७	२३	म.२२।२	उफा. बुध: ३०/१२ भा. आश्विनारंभ:राम-A
११	शु	४६	५४	उ	४	२०	अ	१५	७	व	१९	३७	५२	२	५८	२	८	२४	मकरे	भ.१९।३७ उ. ४६।५४ या. जलझूलनी=
१२	श	४१	३७	श्र	४९/०	५/४६	सु	८	९	ब	१४	१५	४८	२	५८	३	९	२५	कुं २९।१२	कन्यायां बुध: ४६।५०वामनजयंती
१३	र	३६	५६	श	५४	४७	धृ	१/१५	५३/२५	कौ	९	१६	४४	३	५७	४	१०	२६	कुंभें	हस्ते रवि:३८।३५प्रदोष: [=११व्र.
१४	चं	३२	५१	पू	५२	३७	गं	४८	४१	ग	५	५३	४०	४	५६	५	११	२७	मी. ३७/५०	भ.३२।५१ उ. हस्ते रवि: सौर:१४।३D
१५	मं	२९	५७	उ	५१	४४	वृ	४३	२२	वि	१	२४	३६	५	५५	६	१२	२८	मीने	भ.१।२४ या. मघायांसिहे शुक्र: २४।४L

२४पं.भा.शु.७मं.इ. २७/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	५	३	३	०	५
४	२	२२	५	२२	१	९	४
३५	५७	५९	१८	६	२६	४५	२०
१६	१४	४९	५४	२५	४६	३२	१३
५८	३९	०/६०	१३	६८	४	३	५८
३८	३९	६/४४	३८	१२	३८	११	४५

गोचर ग्रहा:

भाद्रपद शुक्ले २ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहा:

२५पं. भा.शु.१५ म.इ. २७/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	५	३	०	५
११	७	४	६	०	१	९	११
४६	२८	५३	४९	३	५८	२३	१२
५२	१	१३	१८	५४	२६	१६	१३
५८	३९	०	१३	६९	४	३	५९
५३	३६	३१	३८	४	४	११	००

ति.	आश्विन कृष्ण पक्षः सं० २०६१ शाकः१९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा·
१	बु	२८	३०	रे	५२	२०	ध्रु	३९	२६	कौ	२८	३०	२९/३२	६/६	५/५४	७	१३	२९	मे.५२।२०	
२	गु	२८	३२	अ	५४	२७	व्या	३६	३४	ग	२८	३२	२८	६	५४	८	१४	३०	मेषे	भ.५९।२७उ.
३	शु	३०	२२	भ	५८	६	ह	३५	१७	वि	३०	२२	२३	७	५३	९	१५	१	मेषे	भ. ३०।२२ या. हस्तेबुध: १५।१२×
४	श	३३	३६	कृ	६०	०	व	३४	४६	ब	१	५९	१९	८	५२	१०	१६	२	वृ.१४।२५	हस्ते भौम:२३।५५
५	र	३८	४०	कृ	३	२०	सि	३५	३८	कौ	६	८	१५	९	५१	११	१७	३	वृषे	[×अक्टूबर१०ता.३१चतुर्थी व्रतम्
६	चं	४४	२०	रो	१०	१०	व्य	३७	१९	ग	११	३०	११	१०	५०	१२	१८	४	मि४३।३४	भ.४४।२०उ.उदयं गुरो:३६।१२
७	मं	५०	३२	मृ	१६	५८	व	३९	३४	वि	१७	२६	७	११	४९	१३	१९	५	मिथुने	भ.१७।२६या.
८	बु	५६	५१	आ	२४	३५	प	४१	४१	बा	२३	११	३	११	४९	१४	२०	६	मिथुने	[+१२। ४शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्
९	गु	६०	०	पु	३१	५२	शि	४३	५६	तै	२९	४३	२८/५६	१२	४८	१५	२१	७	क.१५।२	मातृ ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
९	शु	२	३५	पु	३८	३४	सि	४५	२६	ग	२	३५	५५	१३	४७	१६	२२	८	कर्के	भ.३४।५१उ.चित्रा.बुध:३।४९
१०	श	७	८	श्ले	४३	४७	सा	४५	५७	वि	७	८	५१	१४	४६	१७	२३	९	सिं४३।४७	भ.७।८या.पूफा.शुक्र:५३।४३
११	र	१०	८	म	४७	३८	शु	४५	११	बा	१०	८	४७	१५	४५	१८	२४	१०	सिंहें	चित्रा. रवि: १०।३७ (सौर:४४।३७)÷
१२	चं	११	२५	पू	४९	३७	शु	४३	७	तै	११	२५	४३	१५	४५	१९	२५	११	सिंहे	प्रदोष: [÷इंदिरा११व्र.
१३	मं	१०	५५	उ	४९	४६	ब्र	३९	३३	व	१०	५५	३९	१६	४४	२०	२६	१२	कं.४।३९	भ.१०।५५उ.३९।४५ या.तुलायां बुध:+
१४	बु	८	३४	ह	४८	२६	ऐं	३४	४२	श	८	३४	३५	१७	४३	२१	२७	१३	कन्यायां	हस्त.१गुरु:१३।३१सर्वपितृ३०
३०	गु	४	४९	चि	४५	५३	वै	२८	३९	ना	४	४९	३१	१८	४२	२२	२८	१४	तु.१७।१०	नवरात्रारंभ:मातामहश्राद्धम्

२६ पं.आ.कृ.७ मं.इ. २७/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	५	४	३	०	५
१८	१२	१८	८	८	२	९	१८
४०	०	२७	२०	९	२५	१	६
८	४०	५८	१३	१४	३०	१	०
५९	३९	०	१३	६९	३	३	५९
९	२९	६	३२	५६	३०	११	१६

गोचर ग्रहा:

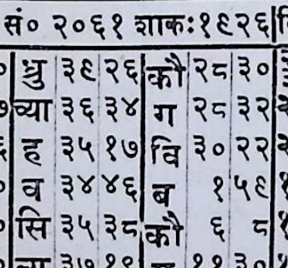

कृष्ण पक्ष में तिथी वढे, शुक्ल पक्ष घट जाय। एक चीज की क्या कहें सभी चीज घट जाय।। इस मास में धान्य धातु सभी तेज होगें।

गोचर ग्रहा:

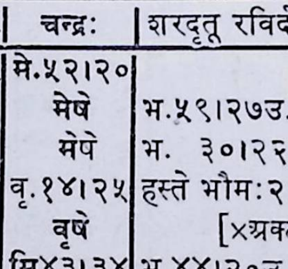

२७पं.आ.कृ.१३मं.इ.२७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	५	४	३	०	५
२५	१६	०	९	१६	२	८	२५
३५	३३	२६	४९	२०	४८	३८	०१
२	७	६	३७	३१	१४	४५	४२
५९	३९	०	१३	७०	२	३	५९
२१	३९	८/६	२६	३७	४४	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५७६ स.२००४
१	गु	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Fविशा.बुधः४४।२५पापांकुशा ११व्र
२	शु	५३	५८	स्वा	४२	१३	वि	२१	४६	बा	२६	५५	२८/२७	६/१९	५/४१	२३	२९	१५	तुलायां	चंद्रदर्शनम् [×३/२ १/१ रमजान९[Aबलिदानम्
३	श	४७	५३	वि	३८	४	प्री	१४	३	तै	२०	५५	२३	१९	४१	२४	१	१६	वृ.२४।६	तुलायामर्कः ५४।२६ स्वात्यां बुधः×
४	र	४१	३७	अ	३३	२९	आ	६/१	५/५	व	१४	४४	२०	२०	४०	२५	२	१७	वृश्चिके	भ.१/४ ४/४उ. ४/३ १/७या. तुलायामर्कः[सौरः३/२ ७/१
५	चं	३५	३१	ज्ये	२९	१७	शो	५०	२०	ब	८	३४	१६	२१	३९	२६	३	१८	ध२९।१७	[+कन्यायां शुक्रः ५/४ ४/८ भा.कार्तिकारंभः
६	मं	२९	२६	मू	२५	८	अ	४२	४०	कौ	२	२८	१२	२२	३८	२७	४	१९	धनुषि	सरस्वत्यावाहनम् [Bशरद पूर्णिमाL
७	बु	२३	१८	पू	२१	३२	सु	३५	२२	व	२३	१८	८	२२	३८	२८	५	२०	म३५।३०	भ.२३।१८उ.५१।२१या. सरस्वती पू.A
८	गु	१९	२३	उ	१७	२४	धृ	२८	१४	ब	१९	२३	४	२३	३७	२९	६	२१	मकरे	उफा. शुक्रः९।२० [=सरस्वतीविसर्जनम्
९	शु	१५	१	श्र	१५	३४	शु	२१	४६	कौ	१५	१	०	२४	३६	३०	७	२२	कुं.४४।३०	चित्रायां भौमः४८।१५ विजया १०=
१०	श	१२	१९	ध	१३	२६	गं	१५	४९	ग	१२	१९	२७/५६	२५	३५	१	८	२३	कुंभे	भ.४०।१६ उ.स्वात्यां रविः३६।२८+
११	र	८	१३	श	१२	७	वृ	१०	१७	वि	८	१३	५३	२५	३५	२	९	२४	मी.५६/२६	भ.८।१३या. स्वात्यां रविःसौरः८।२४F
१२	चं	५	४४	पू	११	१३	ध्रु	५	२२	बा	५	४४	४९	२६	३४	३	१०	२५	मीने	प्रदोषः Lकोजागरीव्र. पश्चिमप्रदेD
१३	मं	४	१६	उ	११	२३	व्या	१/७	५६/४१	तै	४	१६	४५	२७	३३	४	११	२६	मीन	बुधोदयः पश्चिमायां३।५७
१४	बु	३	५	रे	१२	४३	व	५५	१४	व	३	५	४१	२८	३२	५	१२	२७	मे.१२।४३	भ.३।५ उ. ३४।१या. पुष्य.१ शनिः३/१ ०/५B
१५	गु	४	५६	अ	१५	७	सि	५४	२	ब	४	५६	३७	२९	३१	६	१३	२८	मेषे	का.स्ना.प्रा. [Dशेग्रस्तास्तचंद्रग्रहणम्

२८ पं. आ.शु.६मं इ.२६/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	५	४	३	०	६
२	२१	११	११	२४	३	८	१
३१	६	४९	१८	३८	६	१६	५९
२६	५८	४४	०	२८	२९	३०	०८
५९	२९	०	१३	७१	२	३	५९
३४	३९	८	२०	१३	४	११	४६

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ल३शनौ
तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२९पं. आ.शु.१३मं.इ.२६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	५	५	३	०	६
९	२५	२२	१२	३	३	७	८
२९	४२	४३	४४	१	१८	५४	५८
४२	०	२३	३१	३०	३२	१४	२८
५९	३९	९५	१२	७१	१	३	६०
४७	४३	४८	५९	४०	२२	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूर् रविर्दक्षिणे, आ. कृष्णेतिमहा.
१	शु	७	१४	भ	१८	४९	व्य	५३	२२	कौ	७	१४	२७/३४	२६	५/३१	७	१४	२९	वृ३५।२	हस्त.२गुरुः९।५८
२	श	१०	४४	कृ	२३	४०	व	५४	०	ग	१०	४४	३०	३०	३०	८	१५	३०	वृषे	भ.४२।४५उ. [×चतुर्थी व्र.
३	र	१४	४६	रो	३०	३	प	५५	१२	वि	१४	४६	२७	३१	२९	९	१६	३१	वृषे	भ.१४।४६या. वृश्चिके बुधः१९।३५×
४	चं	२०	१२	मृ	३६	५५	शि	५७	४	बा	२०	१२	२३	३१	२९	१०	१७	१	मि.३।२९	हस्ते शुक्रः १३।१७ तुलायां भौमःL
५	मं	२७	३२	आ	४४	२१	सि	५९	२५	तै	२७	३२	१९	३२	२८	११	१८	२	मिथुने	अनु.बुधः३२।४९
६	बु	३४	७	पु	५२	१	स्वा	६०	०	ग	०	४९	१६	३३	२७	१२	१९	३	क.३५।२	भ.३४।७उ. [L५७।४०नवम्बर११ता३०
७	गु	४०	१६	पु	५९	१४	सा	१	४१	वि	७	११	१२	३४	२६	१३	२०	४	कर्के	भ.७।११या.उदयो भौमः५४।१७
८	शु	४५	२४	श्ले	६०	०	शु	३	५०	बा	१२	५०	९	३४	२६	१४	२१	५	कर्के	विशा.रविः५६।५४
९	श	४९	१३	श्ले	५	२८	शु	५	१	तै	१७	१८	५	३५	२५	१५	२२	६	सिं.५।२८	विशा.रविःसौरः२५।४८
१०	र	५१	१७	म	१०	१६	ब्र	५	५	व	२०	१४	२	३६	२४	१६	२३	७	सिंहे	भ.२०।१४उ.५१।१७या.
११	चं	५१	२३	पू	१३	१६	ऐं	३	५८	ब	२०	५०	२६/५८	३६	२४	१७	२४	८	कं.२८।३३	वक्री शनिः१३।४०रमा११व्र.
१२	मं	४९	२७	उ	१४	२५	वै	११	५५/४२	कौ	२०	२५	५५	३७	२३	१८	२५	९	कन्यायां	[Hस्वात्यां भौमः१।४७ महालक्ष्मीपूजनम्
१३	बु	४५	४४	ह	१३	२९	प्री	५१	४	ग	१७	३५	५२	३८	२२	१९	२६	१०	तु.४२।९	भ.४५।४४उ.प्रदोषःधन.१३
१४	गु	४०	५	चि	१०	५०	आ	४३	३८	वि	१२	५५	४९	३८	२२	२०	२७	११	तुलायां	भ.१२।५५या.रूप१४
३०	शु	३३	१४	स्वा	६	४०	सौ	३५	१५	च	६	४०	४५	३९	२१	२१	२८	१२	वृ. ४७/२९	ज्येष्ठा. बुधः०।२०चित्रा.शुक्रः१२।२२H

३०पं.का.कृ.५मं.इ.२६।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	५	५	२	०	६
१६	०	३	१४	११	३	७	१५
२९	१९	१०	८	२८	२६	३१	५९
२८	१२	३७	४६	२३	२०	५८	३२
६०	३९	९०	१२	७२	०	३	६०
४	५२	४	३३	२	४३	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में कन्या का शुक्र धान्य में तेजी करे चावल विशेष तेज हो धातु सोना चांदी ताम्बा सुदि में तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.कृ.१२मं.इ.२६/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	५	५	३	०	६
२३	४	१३	१५	१९	३	७	२३
३०	४७	६	३०	५९	२८	९	२
५०	०	३५	२५	३१	१२	४२	६
६०	३९	८३	१२	७२	९	३	६०
१७	४६	१०	१४	२६	व.	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४६०५स.२००४
१	श	२५	३५	वि	१/५	५४/११	शो	२६	४	ब	२५	३५	२६/४२	६/४०	५/२०	२२	२९	१३	वृश्चिके	अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
२	र	१७	२७	ज्ये	४९	६	अ	१६	४४	कौ	१७	२७	३९	४०	२०	२३	३०	१४	घ.४९।६	चंद्रदर्शनम् भातृ२ यम२
३	चं	९	४१	मू	४३	७	सु	७/१	५०/२५	ग	९	४१	३६	४१	१९	२४	१	१५	धनुषि	भ.३५।५१ उ. वृश्चिकेऽर्कः ५२।५९÷
४	मं	२	२	पू	३७	४५	शू	४८	४०	वि	२	२	३३	४१	१९	२५	२	१६	म ५१।४०	भ.२।२या.बृश्चिकेऽर्क:सौर:२०।५
५	मं	५३	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷हस्त.३गुरु:४०।८सव्वाल१०
६	बु	४९	१५	उ	३३	२६	गं	४०	२४	कौ	२२	१६	३०	४२	१८	२६	३	१७	मकरे	तुलायां शुक्र:३६।२० [+केतु:४६।३४
७	गु	४४	३४	श्र	२९	४०	वृ	३३	१८	ग	१६	५५	२७	४३	१७	२७	४	१८	कुं.५८।२९	भ.४४।३४ उ.अश्विनी.२राहु: चित्रा.४+
८	शु	४०	५६	ध	२७	१८	ध्रु	२६	५२	वि	१२	४५	२५	४३	१७	२८	५	१९	कुंभे	भ.१२/४५ या. अनु. रवि:१/१९ (सौर:३६/५३)×
९	श	३८	२६	श	२६	४	व्या	२१	२७	बा	९	४१	२२	४४	१६	२९	६	२०	कुंभे	वक्री पुन.४शनि:३७।१६अक्षय९
१०	र	३७	०	पू	२५	५५	ह	१६	५४	तै	७	४३	१९	४४	१६	३०	७	२१	मि. १०/५८	[=५८।४३भा.मार्गशीर्षारंभ:प्रबोधिनीA
११	चं	३६	४९	उ	२६	५१	व	१३	१९	व	६	५४	१७	४५	१५	१	८	२२	मीने	भ.६।५४उ. ३६।४९या. स्वात्यां शुक्र:=
१२	मं	३७	५२	रे	२९	११	सि	१०	३७	ब	७	२०	१४	४५	१५	२	९	२३	मे.२९।११	मूले धनुषि बुध:५३।३८
१३	बु	३९	५७	अ	३२	१८	व्य	८	५८	कौ	८	५८	१२	४६	१४		१०	२४	मेषे	प्रदोष: [A११व्र.तुलसीविवाह.
१४	गु	४३	९	भ	३६	४३	व	८	१४	ग	११	३०	९	४६	१४	४	११	२५	बृ. ५३।०	भ.४३।९उ.वैकुंठ१४ [×गोपाष्टमी
१५	शु	४७	२०	कृ	४१	५२	प	७	४७	वि	१५	४४	७	४७	१३	५	१२	२६	वृषे	भ.१५।४४या.मन्वादि:का.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.४मं.इ. २६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	५	३	०	७
०	९	२२	१६	२८	३	६	०
३३	३६	१३	४९	३४	२४	४७	६
२९	०	२३	१	५२	२६	२७	१०
६०	३९	७१	११	७२	५०	३	६०
३०	५२	२६	४५	४७	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले३ चंद्रे
वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३न.४ वृद्धावस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३३पं.का.शु. १२मं.इ.२५/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	६	३	०	७
७	१४	२९	१८	७	३	६	७
३७	१७	३७	३	१२	१५	२५	११
२६	१७	२९	५८	५०	२९	१२	४३
६०	३९	४८	११	७३	३ १/७	३	६०
४२	५९	४७	५	००	व.	११	५३

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेत्ति महा:
१	श	५२	३८	रो	४८	१६	शि	८	२२	बा	१९	५९	२६/५	६/४७	५/१३	६	१३	२७	वृषे	
२	र	५८	३०	मृ	५४	५६	सि	९	५१	तै	२५	३४	२	४८	१२	७	१४	२८	मि२१।३६	
३	चं	६०	०	आ	६०	०	सा	११	३१	व	३१	२४	०	४८	१२	८	१५	२९	मिथुने	भ.३१।२४उ. [÷व्रतम्
३	मं	४	४६	आ	२	२८	शु	१३	४७	वि	४	४६	२५/५८	४८	१२	९	१६	३०	क.५३।६	भ.४।४६या. वक्री बुध:१०।३९चतुर्थी÷
४	बु	११	१२	पु	९	५९	शु	१६	६	बा	११	१२	५६	४९	११	१०	१७	१	कर्के	विशा.भौम:५७।९दिसम्बर१२ता.३१
५	गु	१७	४१	पु	१७	३८	ब्र	१८	२०	तै	१७	४१	५४	४९	११	११	१८	२	कर्के	ज्येष्ठा.रवि.२१।२६ (सौर:४४।४७)×
६	शु	२३	२०	श्ले	२४	२७	ऐं	१९	५८	व	२३	२०	५३	४९	११	१२	१९	३	सिं. २४/२७	भ.२३।२०उ.५५।३७या.विशा. शुक्र:४७/४९
७	श	२७	५३	म	३०	२२	वै	२१	२	ब	२७	५३	५१	५०	१०	१३	२०	४	सिंहे	[×पातस्पर्श:१७।११पातमोक्ष: ३४।३८
८	र	३१	३	पू	३४	४५	वि	२१	१	कौ	३१	३	४९	५०	१०	१४	२१	५	कं.५०।२६	हस्त.४गुरु:३ २/६बुधास्त:पश्चिमायां५/५५
९	चं	३२	२३	उ	३७	३०	प्री	१९	३३	तै	१	४३	४८	५०	१०	१५	२२	६	कन्यायां	
१०	मं	३१	३८	ह	३८	१२	आ	१६	२८	व	२	१	४६	५१	९	१६	२३	७	कन्यायां	भ.२।१उ.३१।३८या. वक्री वृश्चिके+
११	बु	२८	५०	चि	३६	५५	सौ	११	५४	ब	०	१४	४५	५१	९	१७	२४	८	तु.७।३४	उत्पत्ति११व्र. [+ज्येष्ठा. बुध:५०।५०
१२	गु	२४	६	स्वा	३३	३१	शो	५/४०	५२/१४	तै	२४	६	४४	५१	९	१८	२५	९	तुलायां	प्रदोष:
१३	शु	१७	२९	वि	२८	२९	सु	४८	४७	व	१७	२९	४३	५१	९	१९	२६	१०	वृ.१४।४४	भ.१७।२९उ.४३।३२या.
१४	श	९	३४	अ	२२	१४	धृ	३८	५३	श	९	३४	४२	५२	८	२०	२७	११	वृश्चिके	वृश्चिके शुक्र:४३।३३
३०	र	०	३७	ज्ये	१५	५४	शू	२८	२२	ना	०	३७	४१	५२	८	२१	२८	१२	ध.१५।५४	

३४ पं.मा.कृ.३मं.इ. ३५/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	५	६	३	०	७
१४	१८	३	१९	१५	३	६	१४
४२	५८	३०	१३	५३	१	२	१८
४०	५९	५०	५९	२०	५	५६	२९
६०	४०	१/४१	१०	७३	२/१२	३	६१
५०	३	व,	२६	१४	व:	११	३

गोचरग्रहाः

यह मास सोना चांदी रूई सूत गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ में तेजी करेगा कहीं२ विग्रह पैदा होने की सम्भावना है।

गोचर ग्रहाः

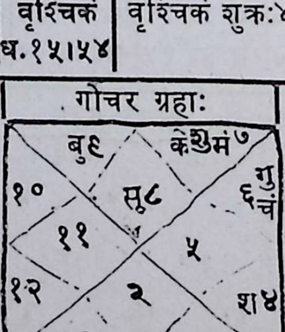

३५ पं. मा. कृ.१०मं. इः२५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	५	६	३	०	७
२१	२३	०	२०	२४	२	५	२१
४८	४३	३६	१३	३५	४२	४०	२६
४३	१२	२५	५२	२	०	४०	१२
६०	३९	८६/२२	९	७३	५/३	३	६१
५६	५६	व.	४१	२६	व.	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४६३५स२००४
१	र	५०	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×(सौर:४८।३७) पातस्पर्शः:११।५०+
२	चं	४२	७	मू	७	४०	गं	१७	३२	बा	१६	४८	२५/४०	५ ६/२	५/८	२२	२९	१३	धनुषि	चंद्रदर्शनम् [÷जिल्काद११
३	मं	३३	३१	पू	२९°	५३/२१	बृ	७/१	४९/५०	तै	७	४९	३९	५२	८	२३	१	१४	म.१३।४९	भ. ५९।३४ उ. अनु. शुक्रः २४।१२÷
४	बु	२५	३८	श्र	४८	१६	व्या	४७	३५	वि	२५	३८	३९	५२	८	२४	२	१५	मकरे	भ.२५।३८या. मूले धनुष्यर्कः:२८।४१×
५	गु	१९	१९	ध	४४	७	ह	३९	४४	बा	१९	१९	३८	५२	८	२५	३	१६	कुं.१६।११	वृश्चिके भौमः:४/३ १/२ बुधोदयः पूर्वस्यां४/४२
६	शु	१४	१८	श	४१	३१	व	३३	०	तै	१४	१८	३८	५२	८	२६	४	१७	कुंभे	चंपा६ [+पातमोक्षः:२८।२
७	श	११	५	पू	४०	४१	सि	२७	३६	व	११	५	३७	५३	७	२७	५	१८	मी.२५/५७	भ.११।५उ.४०।१९या.
८	र	९	३३	उ	४१	१६	व्य	२३	२८	ब	९	३३	३७	५३	७	२८	६	१९	मीने	
९	चं	९	३३	रे	४३	३४	व	२०	३८	कौ	९	३३	३६	५३	७	२९	७	२०	मे.४३।३४	मार्गी बुधः:३२।३
१०	मं	११	१८	अ	४७	४	प	१९	८	ग	११	१८	३६	५३	७	३०	८	२१	मेषे	भ.४२।४३उ.अनु. भौमः:३३।५१
११	बु	१४	८	भ	५२	१	शि	१८	३५	वि	१४	८	३६	५३	७	१	९	२२	मेषे	भ.१४/८या.भा.पौषारंभ:मोक्षदा११व्र.A
१२	गु	१८	१४	कृ	५७	४८	सि	१९	११	बा	१८	१४	३६	५३	७	२	१०	२३	वृ.८।२८	प्रदोषः [Aगीताजयंती
१३	शु	२३	१	रो	६०	०	सा	१९	५४	तै	२३	१	३७	५३	७	३	११	२४	वृषे	
१४	श	२८	५६	रो	४	११	शु	२१	३०	व	२८	५६	३७	५३	७	४	१२	२५	मि३७।४७	भ.२८।५६उ.ज्येष्ठा. शुक्रः:२।५२
१५	र	३४	५८	मृ	११	२५	शु	२३	१२	वि	१	५७	३७	५३	७	५	१३	२६	मिथुने	भ.१।५७या.दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.३मं.इ. २५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	५	७	३	०	७
२८	२८	१९	२१	३	२	५	२८
५५	२८	३७	१९	१८	१८	१८	३४
३७	१६	४१	५५	३६	२५	२५	५५
६१	४०	७ ३/५	८	७३	३ ३/४	३	६१
०	७	व.	४९	४०	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले४बुधे
धनुष्यर्कः प्रविष्टः
वा.३ न. ३बालावस्था
(बैठी)मु.३० धान्यादि
भावे समता
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

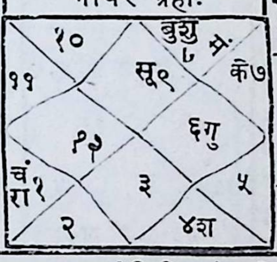

३७पं.मा.शु. १०मं.इ.२५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	५	७	३	०	८
६	३	१६	२२	१२	१	४	५
३	१४	५८	१३	३	५१	५६	४४
१४	१०	५	४८	१८	२५	९	२०
६१	४०	१° ३५	७	७३	५ ३/६	३	६१
४	२१	मा	५३	४७	व.	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूं रविरुत्तरे मार्ग.कृष्णेति महा.:
१	चं	४१	३१	आ	१८	५२	ब्र	२५	२९	बा	७	४०	२५/३८	५ ६/२	५/८	६	१४	२७	मिथुने	
२	मं	४७	४१	पु	२६	१९	ऐं	२७	४०	तै	१४	३१	३८	५२	८	७	१५	२८	क.९।३३	पूषा:रवि:३३।४१(सौर:५०।१५)
३	बु	५४	१	पु	३३	४७	वै	२९	५०	व	२०	५१	३९	५२	८	८	१६	२९	कर्के	भ.२०।५१उ.५४।१या.
४	गु	५९	३७	श्ले	४०	४७	वि	३१	४९	ब	२६	४९	४०	५२	८	९	१७	३०	सिं.४०/४७	चतुर्थी व्रतम्
५	शु	६०	०	म	४७	०	प्री	३३	१	कौ	३२	३	४१	५२	८	१०	१८	३१	सिंहे	चित्रा.१गुरुः२३।२३
५	श	४	२९	पू	५१	२५	आ	३३	३४	तै	४	२९	४२	५२	८	११	१९	१	सिंहे	जनवरी१ता.३१सन्२००५
६	र	८	१३	उ	५६	२३	सौ	३३	५	व	८	१३	४३	५१	९	१२	२०	२	कं.७।३९	भ.८।१३उ.३९।२१या.
७	चं	१०	२९	ह	५८	४३	शो	३१	३०	ब	१०	२९	४४	५१	९	१३	२१	३	कंन्यायां	
८	मं	११	२	चि	५९	१६	अ	२८	२३	कौ	११	२	४५	५१	९	१४	२२	४	तु.२८।५९	मूले धनुषिशक्र:४५।३९
९	बु	१०	२	स्वा	५७	५६	सु	२३	५०	ग	१०	२	४७	५१	९	१५	२३	५	तुलायां	भ.३८।१६उ.मुले धनुषिबुध:३३।२५
१०	गु	६	३१	वि	५४	३७	धृ	१७	४१	वि	६	३१	४८	५०	१०	१६	२४	६	वृ.४०।१५	भ.६।३१या.
११	शु	१	१८	अ	४९	४३	शू	९	५९	बा	१	१८	५०	५०	१०	१७	२५	७	वृश्चिके	सफला११व्र.
१२	शु	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
१३	श	४६	३०	ज्ये	४३	३०	गं	१/६	४९/५८	ग	२०	३५	५२	५०	१०	१८	२६	८	ध.४३।३०	भ.४६।३०उ. प्रदोषः
१४	र	३७	१६	मू	३६	६	ध्रु	४०	३४	वि	११	५३	५३	४९	११	१९	२७	९	धनुषि	भ.११।५३या.ज्येष्ठायां भौमः:५२।१४
३०	चं	२७	३९	पू	२८	५	व्या	२९	२६	च	२	२७	५५	४९	११	२०	२८	१०	म४१।९	उषा.रवि:३८।२६(सौर:५१।४२)

३८पं.पौ.कृ.२मं.इ.२५/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	५	७	३	०	८
१३	८	२१	२३	२०	१	४	१२
११	२	१	०	४८	२०	३३	५४
१३	४६	३७	५	४७	१३	५४	१२
६१	४०	५२	६	७३	१४/४	३	६१
६	२५	२५	४२	५०	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

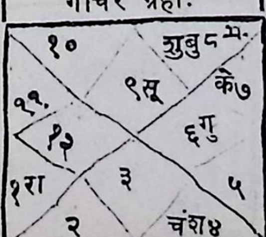

पौष शुक्ले ५ शुक्रे
मकरेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३न.४ बालावस्था
(बैठी)मु.३०धान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

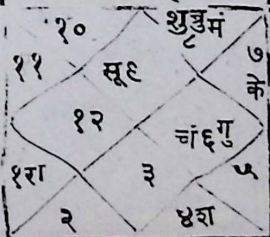

३९पं.पौ.कृ.८मं.इ.२४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	५	७	३	०	८
२०	१२	२८	२३	२९	०	४	२०
१९	५२	३७	४०	३४	४७	११	४
२६	१२	२६	१२	३०	१३	३८	९
६१	४०	७२	५	७३	४	३	६१
६	२९	२१	४४	५६	३४	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं. २०६१			शाकः	१९२६						दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	मं	१७	५०	उ	२०	२२	ह	१९	१३	ब	१७	५०	२५/५७	६/४९	५/१५	२१	२९	११	मकरे
२	बु	८	२७	श्र	१३	४	व	३६	७ ५०/११	कौ	८	२७	५९	४८	१२	२२	३०	१२	कुं.४०।४
३	गु	०	२७	ध	७	५	व्य	४९	१	ग	०	२७	२६/१	४८	१२	२३	१	१३	कुंभे
४	गु	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	४८	५३	श	२/१६	५७/१३	व	४१	५७	ब	२१	२०	४	४७	१३	२४	२	१४	मी.४५/११
६	श	४५	५६	उ	५८	२९	प	३६	३०	कौ	१७	२५	६	४७	१३	२५	३	१५	मीने
७	र	४५	०	रे	५९	२९	शि	३२	२३	ग	१५	२८	८	४६	१४	२६	४	१६	मे.५९।२९
८	चं	४६	७	अ	६०	०	सि	३०	२	वि	१५	३४	११	४६	१४	२७	५	१७	मेषे
९	मं	४८	५३	अ	२	३१	सा	२८	५३	बा	१७	३०	१३	४५	१५	२८	६	१८	मेषे
१०	बु	५३	१४	भ	७	११	शु	२९	२२	तै	२१	४	१६	४५	१५	२९	७	१९	वृ.२३।४०
११	गु	५८	२९	कृ	१३	७	शु	३०	२०	व	२५	५१	१९	४४	१६	३०	८	२०	वृषे
१२	शु	६०	०	रो	१९	५५	ब्र	३२	१३	ब	३१	७	२१	४४	१६	१	९	२१	मि.५३/३५
१३	श	३	४६	मृ	२७	१६	ऐं	३४	१९	बा	३	४६	२४	४३	१७	२	१०	२२	मिथुने
१३	र	११	७	आ	३४	४४	वै	३६	३१	तै	११	७	२७	४३	१७	३	११	२३	मिथुने
१४	चं	१७	२९	पु	४२	११	वि	३८	४०	व	१७	२९	२९	४२	१८	४	१२	२४	क.२५।२०
१५	मं	२३	४९	पु	४९	२८	प्री	४०	४०	ब	२३	४९	३२	४२	१८	५	१३	२५	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:४६६४स.२००५

चन्द्रदर्शनम्
भ.२७/७उ.५३/४८या.मकरेऽर्क:५४/०जिल्हेज १२

मकरेऽर्क:सौर:९/०वक्री पुन:३मिथुनेशनि:×
पूषा.बुध:३/०पूषाशुक्र:२१/६ [×११।३८
भ४५।०उ.
भ.१५।३४या.
[÷३८/३०)अश्वि.१राहु:चित्रा.३केतु:३९/१+
[*४६/४३)उषा.बुध:१६/० [+पुत्रदा ११व्र.
भ.२५/५१उ.२८/९या.अभि. प्र.रवि:३७/२० सौर:÷
भा.माघारंभ:
प्रदोष:
श्रवणे रवि:४३/५७(सौर :५४/२६)
भ.१७/२९उ.५२/३९या.अभि.नि.रवि:३६/१२(सौर:*
बुधास्त:पूर्वस्याम्४२।४६मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ. शु.१ मं.इ. २४/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	५	८	३	०	८
२७	१७	७	२४	८	०	३	२७
२७	४२	५२	१२	२०	१२	४९	१४
२२	४०	३४	२९	५३	५८	२२	१
६१	४०	८३	४	७४	४	३	६१
६	३४	३१	३१	२	४०	११	२४

४१ पं.पौ.शु.९मं.इं२४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	५	८	२	०	९
४	२२	१७	२४	१७	२९	३	४
३५	३५	५३	३५	७	३८	२७	२३
१३	२४	१०	४२	५	१०	७	३०
६१	४०	९१	३	७४	४/०	३	६१
३	४२	२२	१८	८	व.	११	१९

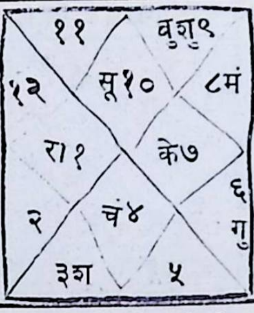

४२पं.पौ.शु.१५म.इ.२४/५[illegible]

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	५	८	२	०	९
११	२७	२८	२४	२५	२९	३	११
४२	२९	३१	५०	५२	४	४	३२
४०	२४	५२	२८	३४	८	५१	२१
६०	४०	९७	१	७४	४/२८	३	६१
५९	४३	१९	४७	१७	व.	११	१३

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं. २०६१			शाकः	१९२६						दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः
१	बु	२९	३८	श्ले	५६	१२	आ	४२	२०	कौ	२९	३८	३६/३५	६/४१	५/१९	६	१४	२६	सिं.५६/१२
२	गु	३४	५९	म	६०	०	सौ	४३	११	तै	२	१९	३८	४०	२०	७	१५	२७	सिंहे
३	शु	३९	१६	म	२	५	शो	४३	४७	व	७	७	४१	४०	२०	८	१६	२८	सिंहे
४	श	४२	३२	पू	७	२४	अ	४३	२७	ब	१०	५४	४५	३९	२१	९	१७	२९	कं.२३।२६
५	र	४४	४७	उ	११	३२	सु	४१	५६	कौ	१३	४०	४८	३८	२२	१०	१८	३०	कन्यायां
६	चं	४५	५५	ह	१४	२८	धृ	३९	२६	ग	१५	२१	५१	३८	२२	११	१९	३१	तु.४५/१९
७	मं	४५	३७	चि	१६	११	शू	३६	५५	वि	१५	४६	५४	३७	२३	१२	२०	१	तुलायां
८	बु	४३	४१	स्वा	१६	४१	गं	३२	१६	बा	१४	३९	५८	३६	२४	१३	२१	२	तुलायां
९	गु	४०	९	वि	१५	२२	वृ	२६	२२	तै	११	५५	२५/१	३६	२४	१४	२२	३	वृ.४०/२
१०	शु	३५	२०	अ	१२	२४	ध्रु	१९	२३	व	७	४४	५	३५	२५	१५	२३	४	वृश्चिके
११	श	२८	५९	ज्ये	८	१४	व्या	११	१८	ब	२	१०	८	३४	२६	१६	२४	५	ध.८।१४
१२	र	२१	२०	मू	२/२९	५३/२५	ह	२/६	४९/५६	तै	२१	२०	१२	३४	२६	१७	२५	६	धनुषि
१३	चं	१२	११	उ	४८	४१	सि	४१	३१	व	१२	११	१५	३३	२७	१८	२६	७	म.९।६
१४	मं	३	२६	श्र	४२	१०	व्य	३०	३८	श	३	२६	१९	३२	२८	१९	२७	८	मकरे
३०	मं	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०

शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा:

मकरे बुध:१५।१६उषा.शुक्र:३।१४

भ.७/७उ.३९/१६या.मकरेशुक्र:४४/४७मूलेधनुषि×
चतुर्थी व्रतम् [×भौम:५३।८

भ.४५।५५उ.
भ.१५/४६या.श्रवणेबुध:३५/५३फरवरीरता.२८
पातस्पर्श:२।५०पात मोक्ष:१४।५२

भ.७/४४उ.३५/२०या.वक्री गुरु:१३।४
धनि.रवि:५२/१५(सौर:०/१६)श्रवणे शुक्र:÷
प्रदोष: [÷४०/१८पट्तिला ११ व्र.
भ.१२।११उ.३७।४९या.

४३ पं.मा.कृ.७ मं.इ.२५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	५	९	२	०	९
१८	२	९	२४	४	२८	२	१८
४९	२३	४१	५५	३८	३१	४२	४०
१६	५३	३१	३४	४६	५२	३६	२६
६०	४०	९/०	०	७४	४/१०	३	६१
५५	४४	२८	३४	२०	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

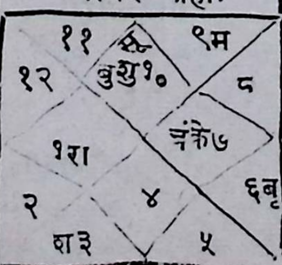

इस मास में धन का मंगल धातु लोहा सोना चांदी रुई तृण काष्ट धृत तेज करें सुदि में धातु मन्दी पशु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

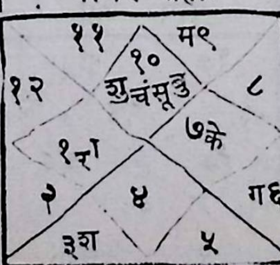

४४पं.मा.कृ.१४ मं.इ. २८/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	५	९	२	०	९
२५	७	२१	२४	१३	२८	२	२३
५५	२०	२७	५१	२४	१	२०	४७
१	१३	०	४८	३६	४४	२०	१३
६०	४०	७/०	५/१	७४	५/३	३	६०
४७	४०	५८	व	२६	व.	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ	शुक्लपक्षः	सं. २०६१	शाकः	१९२६								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गण:४६९३स.२००५
१	बु	४५	११	ध	३४	१६	व	२०	१५	किं	१६	४२	२३/७	३१/६	२९/५	२०	२८	९	कुं.८।१४	वनि. बुध:२८।३७
२	गु	३७	२६	श	२८	१४	प	१०	३१	बा	११	१९	२७	३१	२९	२१	२९	१०	कुंभे	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	३१	१०	पू	२३	३४	शि	५५/५	५२/४४	तै	४	१८	३०	३०	३०	२२	१	११	मी९।४४	भ.५/५६उ.मोहोरम१सन्१४२६ हि.
४	श	२६	३७	उ	२०	५३	सा	४८	५९	वि	२६	३७	३४	२९	३१	२३	२	१२	मीने	भ.३/३६या.कुभेऽर्क:३/३७(सौर:३४।१४)
५	र	२४	१८	रे	२०	८	शु	४५	१४	बा	२४	१८	३८	२८	३२	२४	३	१३	मे.२०।८	कुम्भे बुध:२१।९ वसंत ५
६	चं	२४	८	अ	२१	३४	शु	४२	५३	तै	२४	८	४१	२८	३२	२५	४	१४	मेषे	
७	मं	२५	५६	भ	२४	५४	ब्र	४२	२८	व	२९	५६	४५	२७	३३	२६	५	१५	वृ.४१।१०	भ.२५/५६उ.५७/४९या.भानु ७ रथ ७
८	बु	२९	४१	कृ	३०	०	ऐं	४२	४४	ब	२९	४१	४९	२६	३४	२७	६	१६	वृषे	शते बुध:५६/४९वनि.शुक्र:३१/४१पूषा.भौम:×
९	गु	३४	४१	रो	३६	२१	वै	४४	१७	बा	२	११	५३	२५	३५	२८	७	१७	वृषे	शुक्रास्त: पूर्वस्याम्१८।०
१०	शु	४९	२	मृ	४३	४०	वि	४६	२३	तै	७	५२	५६	२५	३५	२९	८	१८	मि.१०।०	[×५६।२५ भीष्माष्टमी
११	श	४७	२८	आ	५१	२०	प्री	४८	४७	व	१४	१५	२८/०	२४	३६	३०	९	१९	मिथुने	भ.१४/१५उ.४७/२८य:.शते रवि:३/४७(सौर:६/३६÷
१२	र	५३	५२	पु	५८	५९	आ	५१	८	ब	२०	४०	४	२३	३७	१	१०	२०	कं.४१।५	भा. फाल्गुनारंभ: [÷जया११व्र.
१३	चं	५९	५८	पु	६०	०	सौ	५३	७	कौ	२६	५५	८	२२	३८	२	११	२१	कर्के	कुम्भे शुक्र: ४०।४७ प्रदोष:
१४	मं	६०	०	पु	५	३	शो	५४	३८	ग	३२	४४	१२	२२	३८	३	१२	२२	कर्के	
१४	बु	५	३१	श्ले	१२	४१	अ	५५	२८	व	५	३१	१६	२१	३९	४	१३	२३	सिं. २/४१	भ.५।३१उ.३७।४८ या.
१५	गु	१०	४	म	१८	५	सु	५५	२९	ब	१०	४	२०	२०	४०	५	१४	२४	सिंहे	पूभा. बुध: ७।१ मा. स्ना. पूर्तिः

४५ पं. मा.शु. ७मं.इ. ३५/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	५	९	२	०	१०
२	१२	३	२४	२२	२७	१	२
५९	१८	५०	३८	१०	३५	५८	५३
२९	०	३५	४१	१६	५७	४	१६
६०	४०	८/६	२२/२	७४	२३/३	३	६०
३७	५४	१७	व.	२६	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ४ शनौ कुम्भेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावें समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४६ पं.मा.शु१४ मं.इ. २५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	५	१०	२	०	१०
१०	१७	१९	२४	०	२७	१	९
३	१६	४९	१६	५५	१२	३५	५७
२२	१६	३४	३४	४१	५०	४९	४९
६०	४०	८/६	४०/३	७४	४२/२	३	६०
२५	४६	४८/५	व.	२६	व.	११	३१

ति.	फाल्गुन	कृष्णपक्षः	सं २०६१	शाकः	१९२६								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तु रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	शु	१३	३७	पू	२२	४७	धृ	५४	४१	कौ	१३	३७	२४/२८	१९/६	४१/५	६	१५	२५	कं.३८।३९	
२	श	१६	३	उ	२६	१६	शू	५३	६	ग.	१६	३	२८	१८	४२	७	१६	२६	कन्यायां	भ.४६।४३ उ.
३	र	१७	२३	ह	२८	५६	गं	५०	४२	वि	१७	२३	३२	१८	४२	८	१७	२७	तु५९।४२	भ.१७।२३या.शते शुक्र:०।४० चतुर्थी व्र.
४	चं	१७	४६	चि	३०	२८	बृ	४७	३१	बा	१७	४६	३६	१७	४३	९	१८	२८	तुलायां	
५	मं	१७	२	स्वा	३१	५	ध्रु	४३	२८	तै	१७	२	४०	१६	४४	१०	१९	१	तुलायां	मीने बुध:२/१६बुधोदय:पश्चिमायां३/३६×
६	बु	१५	२५	वि	३०	३४	व्या	३८	३१	व	१५	२५	४४	१५	४५	११	२०	२	वृ.१५।४०	ग.१५।२५उ.४/५३/९या. [×मार्च ३ ता. ३१
७	गु	१२	३४	अ	२८	५५	ह	३२	४६	ब	१२	३४	४८	१४	४६	१२	२१	३	वृश्चिके	उभा.बुध:१७।४८
८	शु	८	५६	ज्ये	२६	२८	ब	२६	१६	कौ	८	५६	५२	१४	४६	१३	२२	४	ध.२६।२८	पूभा. रवि:१९।५३(सौर:२४।२३)
९	श	४	११	मू	२२	५६	सि	१८	५०	ग	४	११	५६	१३	४७	१४	२३	५	धनुषि.	भ३१।१४उ.५८।१८या.
१०	श	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	५१	३५	पू	१८	२६	व्य	१०	४०	ब	२४	५८	२९/१	१२	४८	१५	२४	६	म.३२।५	वक्री हस्त:४गुरु:३/१६विजया ११ व्र.स्मा.
१२	चं	४४	७	उ	१३	०	व	४७/१	४४/५०	कौ	१७	५१	५	११	४९	१६	२५	७	मकरे	उषा.भौम:३१।३ विजया११व्र.वै.
१३	मं	३६	४	श्र	६	५८	शि	४३	२	ग	१०	५	९	१०	५०	१७	२६	८	कुं.३३।५७	भ.३/४६उ.प्रदोष:महाशिवरात्रि व्र. स्मा.
१४	बु	२८	८	ध	५६/०	५२/४	सि	३३	४२	वि	२	६	१२	९	५१	१८	२७	९	कुंभे	भ.२/६या.पूभा.शुक्र:४३/२वक्री पुन.२शनि:÷
३०	गु	२१	३७	पू	५०	१६	सा	२४	५६	ना	२१	३७	७	९	५१	१९	२८	१०	मी.३६/२९	[÷४५।२५ महाशिवरात्रि व्र.व्रैं.

४७ पं.फा.कृ. ५ मं. इ. २६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	५	१०	२	०	१०
१७	२२	२९	२३	९	२६	१	१७
५	१६	५७	४६	४०	५४	१३	०
३५	१२	०	४८	२३	५८	३३	४२
६०	४०	८/०	५२/४	७४	७/२	३	६०
१२	३८	५७/८	व.	३२	व.	११	२०

गोचर ग्रहाः

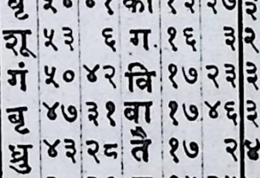

शुक्रस्य पंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्रप्रवर्तते ।। इस मास का फल अच्छा है धातु में तेजी रहे ।

गोचर ग्रहाः

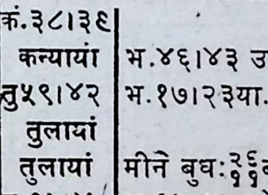

४८ पं.फा.कृ.१ ३मं.इ. ३६/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	५	१०	२	०	१०
२४	२७	११	२३	१८	२६	०	२४
६	१७	३४	९	२४	४१	५१	२
२२	१३	१७	४	४३	५३	१८	५
५९	४१	८८	६/४	७४	२७/१	३	६०
५८	१	५५	व:	३२	व.	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७२३ स. २००५
१	शु	१४	५	उ	४६	३२	शु	१७	४	ब	१४	५	२९/२५	६/८	५/५२	२०	२९	११	मीने	चंद्रदर्शनम्
२	श	८	५३	रे	४४	१९	शु	१०	२४	कौ	८	५३	२३	७	५३	२१	१	१२	मे.४४।१९	रेवत्यां बुधः २०/११ मकरे भौमः ३ २/९ सफर २×
३	र	५	२९	अ	४४	१३	ब्र	५	१८	ग	५	२९	३०	६	५४	२२	२	१३	मेषे	भ.३४।५४उ. [×फुलरिया २
४	चं	४	२०	भ	४६	३६	ऐं	३ १	५६/५७	वि	४	२०	३४	५	५५	२३	३	१४	मेषे	भ.२ ४/० या.मीनेऽर्कः ३०/४९ (सौरः २४/४४)
५	मं	४	५५	कृ	५०	९	वि	५९	२६	बा	४	५५	३८	४	५६	२४	४	१५	वृ.२ २/६	
६	बु	७	४०	रो	५५	३४	प्री	६०	०	तै	७	४०	४३	३	५७	२५	५	१६	वृषे	[=कन्यायां केतुः ३४।३३
७	गु	११	५८	मृ	६०	०	प्री	०	४	व	११	५८	४७	३	५७	२६	६	१७	मि२८।५७	भ.११/५८ उ.४४/५२ या.उभा.रविः ४१/५० (सौरः ÷
८	शु	१७	४५	मृ	२	२०	आ	१	५७	व	१७	४५	५१	२	५८	२७	७	१८	मिथुने	होलाष्टकम् [÷४५/२०)मीनेशुक्रः ४४।४८
९	श	२३	५३	आ	९	३९	सौ	४	११	कौ	२३	५३	५५	१	५९	२८	८	१९	मिथुने	वक्री बुधः ५।४७
१०	र	३०	१९	पु	१७	१५	शो	६	३७	ग	३०	१९	३०/००	६/००	६/००	२९	९	२०	क.०।२१	उभा.शुक्रः २५।५
११	च	३६	२५	पु	२४	३३	अ	८	४०	व	३	२२	४	५९/५	१	३०	१०	२१	कर्के	भ.२ ३/२ उ.३/२ ६/५ या।बुधास्तः पश्चिमायां ३/२ ६+
१२	मं	४१	४६	श्ले	३१	१८	सु	१०	२६	ब	९	५	८	५८	२	१	११	२२	सिं३१।१८	मार्गी शनिः ३/५ ४/६ भा.चैत्रारंभः
१३	बु	४५	५८	म	३६	४४	धृ	११	९	कौ	१३	२२	१२	५८	२	२	१२	२३	सिंहे	प्रदोषः [+आमलकी ११ व्र.
१४	गु	४८	४८	पू	४०	५५	शू	११	१	ग	१७	२३	१६	५७	३	३	१३	२४	कं.५६।३९	भ.४/४ ९/८ उ.रेवती.४मीने राहुः चित्रा.२=
१५	शु	५०	१०	उ	४३	५०	गं	९	४८	वि	१९	२९	२१	५६	४	४	१४	२५	कन्यायां	भ.१/३ ९/२ या.श्रवणे भौमः ५/४ ४/९ होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.५मं.इ.२६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	५	१०	२	०	११
१	२	१८	२२	२७	२६	०	१
५	१९	५०	२४	८	३४	२९	१
३५	८	२६	५४	२४	१	२	४७
५९	४०	४१	४ ६/१	७४	३ ०/५	३	५९
४१	५५	५८	व.	३२	व.	११	४९

ग्रोचर ग्रहाः

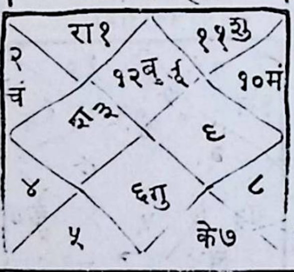

फाल्गुन शुक्ले ४ चंद्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

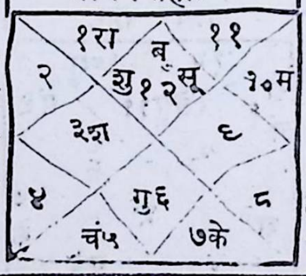

५०पं.फा.शु.१२.मं.इ. २७/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	५	११	२	०	११
८	७	१९	२१	५	२६	०	७
३	२१	५१	३५	५१	३२	६	५९
१८	२९	५०	५६	४०	१०	४६	४२
५९	४०	३४/३७	३ ३/३	७४	०/१	३	५९
२०	५६	व.	व.	३८	व.	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	श	५०	२२	ह	४५	२८	वृ	७	३८	बा	२०	१६	३०/२५	५/५५	६/५	५	१५	२६	कन्यायां	वसंत १ छारेंडौ
२	र	४९	२४	चि	४६	०	ध्रु	४	२५	तै	१९	५३	२९	५४	६	६	१६	२७	तु.१५।४४	वक्री उभा.बुधः ५५।४१
३	चं	४७	१६	स्वा	४५	३४	व्या	२०/८	५५/१९	व	१८	२०	३३	५३	७	७	१७	२८	तुलायां	भ.१८।२०उ.४७।१६या.
४	मं	४४	३०	वि	४४	३४	व	५०	२६	ब	१५	५३	३७	५३	७	८	१८	२९	वृ.२९।४९	चतुर्थीव्रतम्
५	बु	३९	५२	अ	४२	३८	सि	४४	३२	कौ	१२	११	४१	५२	८	९	१९	३०	वृश्चिके	
६	गु	३७	६	ज्ये	४०	२७	व्य	३८	२३	ग	८	२९	४५	५१	९	१०	२०	३१	ध.४०।२७	भ.३७/६ उ.रेवत्यां रविः २ ९/६ (सौरः १३/४७)÷
७	शु	३२	४३	मू	३७	३५	व	३१	५०	वि	४	५४	४९	५०	१०	११	२१	१	धनुषि	भ.५ ४/४ या.अप्रेल ४ ता.३०शीतलापूजनम्
८	श	२७	५२	पू	३४	२८	प	२४	४९	बा	०	१९	५३	४९	११	१२	२२	२	म.४८।३२	पुन.३शनिः ४०।५३ [÷रेवत्यांशुक्रः ५ ८/०
९	र	२२	३१	उ	३०	४४	शि	१७	२९	ग	२२	३१	५७	४९	११	१३	२३	३	मकरे	भ.४९।३६उ.
१०	चं	१६	४२	श्र	२६	३५	सि	९	५२	वि	१६	४२	३ १/१	४८	१२	१४	२४	४	कुं.५४।२८	भ.१६।४२या.वक्रीहस्तः ३गुरुः ९।५४
११	मं	१०	३५	ध	२२	२०	सा	५९/१	५२/७	बा	१०	३५	५	४७	१३	१५	२५	५	कुंभे	पापमोचिनी ११ व्र.
१२	बु	४	२६	श	१८	३५	शु	४६	४१	तै	४	२६	१०	४६	१४	१६	२६	६	कुंभे	भ.५/२ ८/६ उ.बुधोदयः पूर्वस्याम् ३ ९/२ प्रदोषः
१३	बु	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	५१	५४	पू	१४	१७	ब्र	३९	४१	वि	२५	१०	१४	४५	१५	१७	२७	७	मी.०।१५	भ.२५।१०या.
३०	शु	४८	१९	उ	११	७	ऐं	३३	६	च	२०	६	१८	४४	१६	१८	२८	८	मीने	मन्वादिः

५१गं. चै. कृ.४ म.इ. २७/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	५	११	२	११	११
१४	१२	१५	२०	१४	२६	२९	१४
५९	२४	१८	४३	३३	३५	४४	५५
१०	२९	१०	३०	४७	३१	३१	५१
५९	४०	५३/७	५ ७/२	७४	५ ०/२	३	५९
१६	४७	व.	व.	३८	मा	११	१८

गोचर ग्रहाः

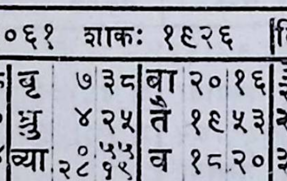

इस मास में ५ रविवार ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य धातु रस गुड़ शक्कर चीनी तेल घृत में तेजी रहे प्रजा में रोग पीड़ा हो

गोचर ग्रहाः

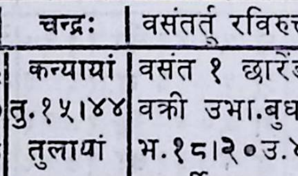

५२ पं.चै.कृ.११ मं.इ. २७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	५	११	२	११	११
२१	१७	१०	१९	२३	२६	२९	२१
५३	२७	१	४९	१५	४४	२२	५०
३१	५८	४४	४८	२२	१३	१५	२
५९	४०	३८/४५	५ ७/२	७४	१	३	५९
४	५०	व.	वः	३८	३१	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०६ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०६ भोग्यकलिः ४२६८९४ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६२ शाकः १९२७ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः। मंत्री बुधः । सस्येशःशनिः। धान्येशोः गुरुः । मेघेशो । भौमः । रसेशश्चंद्रः । नीरसेशःशनिः । फलेशोभौमः । धनेशःशुक्रः । दुर्गेशोभौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १२ बिलंम्बीनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १०।२४।११।३१ भोग्यमासादिः १।५।४८।२९ पितृदैवतं युगम्। वर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम संवर्तः। रोहिणीनिवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे । समयविश्वा ५समयवाहनम् महिषः स्तंभाः ३ अन्नजलवायूनां । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी ३ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी १ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १७तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति बिश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् १३ तृणम् ९ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम्११९ सत्यम् ॥ धर्मं १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः पूर्वे ग्रहण ३ (चंद्रस्य १ सूर्यस्य २)

सं.२०६२आ.कृ.३०चं. सूर्यग्रहणम्

		स्प.	म.	मो.
उज्ज.	घ.	२४	२६	२७
मध्य	प.	५३	२९	३
रेल्वे	घ.	४	५	५
टा.	मि.	२४	३	१६

आश्विन शु.१५चंद्रे पूर्वप्रदेशे ग्रस्तोदयचंद्रग्रहणम् ।

	स्पर्श	मध्य	मो.
उज्ज घं.	२५	२५	२६
मध्य प.	३	५७	५१
रे. घं.	४	४	५
टा. मिं.	२८	५०	११

नोट–यह ग्रहण जहां रेलवे ५।११ से पूर्व चंद्रोदय होगा वहीं दृश्य होगा नवलगढ में नहीं दीखेगा ।

वर्ष लग्नम् ८।२७

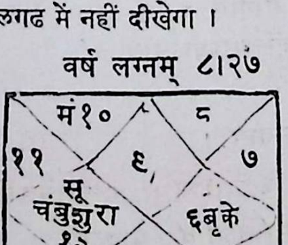

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जय अंबे जगदीश्वरी तू है रक्षक माय ।
विक्रम बासठ सालका सच्चा भेद बताय ।

भवानी उत्तर

भैरव सुन तू ध्यान से फल कहुं सब समझाय ।
राजा मंत्री देखतां मध्यम फल दरशाय ॥
पापग्रहोंके कबज में मिले अधिक अधिकार ।
शुभ फलकी हो न्यूनता इसका यह ही सार ॥
वर्षा विश्वा सप्तदश भौम भये मेघेश ।
कहींक वर्षा अल्प हो कहींक होय विशेष ॥
आषाढां वर्षा लगे श्रावण मध्यम जान ।
भाद्रव खैंचाताण हो यही मेघ परमाण ॥
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट निर्धार ।
स्तंभ तीन हैं वर्ष के यह है उत्तम सार ॥

सवत् २०६२ चैत्र कृ.३०
बुधे सूर्यग्रहणम्

उ.	घ.	२५	२७	२८
म.	प.	२	२०	५७
रेलवे	घं.	४	५	६
टा.	मि.	२८	२३	.२

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ८।२

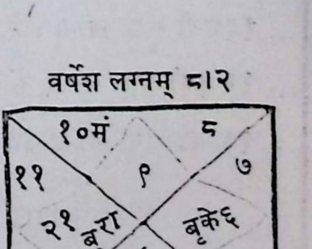

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४३।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५५।०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणांफलम्।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिःफलम्।। शनैश्चरे भूमिपतौ सरुज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः। युद्धंनृपाणां गदतस्कराद्यैः भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री बुधस्तत्फलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना रमते मदनक्रियां । बहुधनंबहुवह्निसमन्वितं यवमसूरचणान्नमहर्घता ।। सस्येशः शनिःफलम्।। रविसुते यदि धान्यपतौ जना नृपतिभिः परिपीडितविग्रहाः । गदभयंतुषधान्यहरं सदा दुरितवादविवादयुता नराः । धान्येशोगुरुःफलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यवंगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानोब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीनधरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम् ।। रसेशश्चंद्रः फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियां । जलधरा बहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवती मही।। नीरसेशः शनिःफलम् ।। अयःपिण्डादिलोहानां कृष्णवस्त्रादिवस्तूनाम् । अर्घवृद्धिःप्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशो भौमस्तत्फलम् ।। असममौल्यकरो धरणीसुतः शरदितापकरस्तुषधान्यहृत् । सहसि मासि भवेद्द्विगुणं तदा नरपतिर्जनशोक विधायकः ।।धनेशःशुक्रस्तत्फलम्।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला ननु मानवाः । समसुखाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजोगढनायकतां गतो विविधदुःखवियोगसमन्वितः। जनपदेषु जना क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ।। विलम्बीनाम संवत्सरःफलम् ।। विलंबीवत्सरे भूपाः परस्परविरोधिनः । प्रजापीडा त्वनर्थत्वं तथापि सुखिनो जनाः ।। वर्षनाम फाल्गुनःफलम् ।। सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्यपश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम संवर्तःफलम् ।। संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणीनिवासस्तटेफलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६२ मध्ये विवाहमूहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ७ शनौ उषा. ल. अन्यगो. रे. ७ऽऽ।।ऽ।।।।

शु. ३ बुधे मृगे ल. अन्यगो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।

,, १२ शनौ स्वा. ल. १ (चं.७पू.) रे.८।ऽ।।।ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. ४ शुक्रे उषा. ल.१ (घ.५६।६या.) रे.६ ।।।ऽशुऽ।।ऽऽ।
गणितेनक्रांतिसाम्याऽभावःशुक्रस्यपाद वेधाभावश्च

,, ६ भौमे उभा. ल.१रे.८।।।ऽवृ।।।ऽ।।ऽ।।गुरोःपादवेधाभावः

शु. ५ रवौ मघा. ल. अन्यगो. रे. ९।ऽ।।।।।।।

,, ११शनौ स्वा. ल. गो. रे. ६ ।।।।।ऽ।।

,, १२ रवौ अनु. ल. २ रे.८।।।।ऽनृऽ।।।

,, १३ चंद्रे अनु. ल. अन्यगो. रे.९ ।।।।।ऽ।।।

आषाढ मासः ।

कृ. २ गुरौ उषा. ल. १।२ रे.८ ।।।।ऽऽरो ।।।।

,, ७भौमे उभा. ल. १।२ रे. ६ ।।।ऽवृ ।ऽनृ।ऽ।ऽदग्धा.
पादवेदाद्गुरोर्वेधाऽभावः आवश्यके

शु. ३ शनौ मघा. ल. १।२ रे.१० ।।।।।।।।।

,, ६ बुधे हस्ते ल. अन्यगो. रे. ७ ।।ऽवृ।।।ऽऽ।।

,, ८ शुक्रे स्वा. ल. गो. १ रे. ७ऽ।।।ऽअऽ।।मेषे चं७
पू. मासांतः

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ३ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ६।।।।ऽअ.।।।

,, ७ बुधे मघा. ल. अन्यगो. रे. ६।।।।।।ऽ।।

माघ मासः ।

कृ. ७ रवौ स्वा. ल. अन्यगो. ९ रे. ६ऽ।।।।ऽरोऽऽ।

शु. ५ गुरौ रेवत्यां ल. ६ रे.८।।।ऽऽअ ।।।

,, ६ शुक्रे रेवत्यां ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे.८।।।।ऽऽअ।।।।

,, १० भौमे रोहि. ल. गो.सोग्रांगः रे. ७ ।।।।।ऽचोऽ।ऽ।-
गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

फाल्गुनमासः ।

कृ. ५ शनौ स्वा. ल. ९ रे. ६ऽऽ।।ऽचो।।ऽ।गणितेनक्रांति-
साम्याऽभावः आवश्यके

,, ८ भौमे अनु. ल. अन्यगो. रे.६।।।ऽऽरोऽऽ।।

शु. ३ गुरौ रेवत्यां ल. ६ रे. ८ ।।।ऽ।।।ऽ दग्धादोष.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७५२स.२००५
१	श	४५	०	रे	८	५३	वै	२७	४१	किं	१८	९	३१/२२	५/४४	६/१६	१९	२९	९	मे. ८।५३	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	र	४३	२५	अ	८	२४	वि	२३	४१	बा	१४	१२	२६	४३	१७	२०	३०	१०	मेषे	अश्वि.मेषे शुक्रः५४।४८ चंद्रदर्शनम्÷
३	चं	४३	३४	भ	९	१६	प्री	२१	०	तै	१३	२९	३०	४२	१८	२१	१	११	वृ.२४।५८	रविलावल ३गणगौरी मत्स्यजयंती
४	मं	४५	२९	कृ	१२	१२	आ	२०	४०	व	१४	३३	३४	४१	१९	२२	२	१२	वृषे	भ.१४।३३उ.४५।२९ या. [÷सिंधारा
५	बु	४९	७	रो	१६	३८	सौ	१९	४६	ब	१७	१८	३८	४०	२०	२३	३	१३	वृषे	अश्वि.मेषेऽर्कः४३।३०(सौरः४७।२०)×
६	गु	५४	१६	मृ	२२	५०	शो	२१	१	कौ	२१	४१	४२	४०	२०	२४	४	१४	मि. ४९/४४	मार्गी बुधः१२।५३
७	शु	६०	०	आ	२९	३५	अ	२२	४३	ग	२७	११	४६	३९	२१	२५	५	१५	मिथुने	[×घनि.भौमः३५।४४
७	श	०	८	पु	३७	१०	सु	२५	३६	व	०	८	५०	३८	२२	२६	६	१६	मिथुने	भ.०।८उ.३३।१५या.
८	र	६	२२	पु	४४	४०	धृ	२७	३३	ब	६	२२	५३	३७	२३	२७	७	१७	कं.३०/१७	रामनवमी स्मा.
९	चं	१२	३७	श्ले	५१	३७	शू	२९	२०	कौ	१२	३७	५७	३७	२३	२८	८	१८	कर्के	रामनवमी वै.
१०	मं	१७	५६	म	५७	३५	गं	३०	४४	ग	१७	५६	३२/१	३६	२४	२९	९	१९	सिं. ५५/३७	भ.५०।५उ.
११	बु	२२	१४	पू	६०	०	वृ	३०	५७	वि	२२	१४	५	३५	२५	३०	१०	२०	सिंहे	भ.२२।१४या.कामदा११व्र.
१२	गु	२४	५५	पू	२	८	ध्रु	२९	५७	बा	२४	५५	९	३४	२६	१	११	२१	सिंहे	भरण्यां शुक्रः४१।१२भा. वैशांखारंभः=
१३	शु	२५	५२	उ	४	५९	व्या	२७	३२	तै	२५	५२	१२	३४	२६	२	१२	२२	कन्यायां	कुंभे भौमः५८।२५ [=प्रदोषः
१४	श	२५	६	ह	६	१६	ह	२३	५७	व	२५	६	१६	३३	२७	३	१३	२३	तु.३६।७	भ२५।६उ.५३।५९
१५	र	२२	५२	चि	५	५८	व	१९	१३	ब	२२	५२	२०	३२	२८	४	१४	२४	तुलायां	हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.५बु.इ.४३।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	५	०	२	११	११
०	२३	८	१८	३	२६	२८	२९
०	२५	१२	४५	२९	५७	५६	५६
०	१६	७	१८	३१	३६	११	१५
५८	४०	४३	७/४०	७४	२	३	५८
४४	५२	व.	व.	३२	१९	११	४५

गोचर ग्रहाः

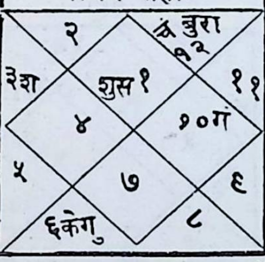

चैत्र शुक्ले ५बुधे मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा ३ न ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

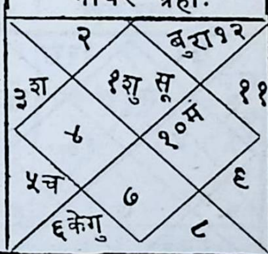

२पं.चै.शु.११बु.इ.४३/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	५	०	२	११	०
६	२८	१०	१७	१२	२७	२८	६
५०	२८	५०	५४	८	१७	३३	४६
४२	३७	६	५०	३५	२४	५५	२६
५८	४०	२२/४०	७/७	७४	३	३	५८
३१	४२	मा	व.	३२	००	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेतिमहाराद्राः
१	चं	१९	१६	स्वा	४	२६	सि	१३	२०	कौ	१९	१६	३३/२३	५/३१	६/२९	५	१५	२५	वृ.४७।३४	शुक्रोदयः पश्चिमायां२४।०
२	मं	१४	४९	वि	१/५६	५६/४२	व्य	८	५७	ग	१४	४९	२७	३१	२९	६	१६	२६	वृश्चिके	भ.४२।१०उ.
३	बु	९	३२	ज्ये	५५	२	व	०/१	५२/५५	वि	९	३२	३१	३०	३०	७	१७	२७	ध५५।२	भ.९।३२या. भरण्यां रविः२३।४३÷
४	गु	४	५	मू	५१	२८	शि	४५	४०	बा	४	५	३४	२९	३१	८	१८	२८	धनषि	[÷सौरः२८।४५)रेंवत्यां बुधः४९।४७×
५	गु	५४	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
६	शु	५३	१	पू	४७	५२	सि	३८	२६	ग	२५	४०	३८	२८	३२	९	१९	२९	धनुषि	भ.५३।१उ. [×चतुर्थी व्र.
७	श	४७	५०	उ	४४	१५	सा	३१	१८	वि	२०	२५	४१	२८	३२	१०	२०	३०	म.१।५८	भ.२०।२५या.
८	र	४२	२९	श्र	४१	१	शु	२४	१९	बा	१५	१०	४५	२७	३३	११	२१	१	मकरे	मई ५ता.३१
९	चं	३७	२४	ध	३७	५९	शु	१७	२६	तै	९	५६	४८	२६	३४	१२	२२	२	कुं.९।२९	कृत्ति.शुक्रः३१।१९शते भौमः४०।२३+
१०	मं	३२	४०	श	३५	६	ब्र	१०	४५	व	५	२	५२	२६	३४	१३	२३	३	कुम्भे	भ.५।२उ.३२।४०या.
११	बु	२८	१०	पू	३२	४२	ऐं	३४	५४/१५	ब	०	२५	५५	२५	३५	१४	२४	४	मी१८।१८	वरूथिनी११व्र. [+वक्री हस्त.२गुरुः३६/२
१२	गु	२४	१९	उ	३०	५५	वै	५३	२८	तै	२४	१९	५८	२४	३६	१५	२५	५	मीने	वृषे शुक्रः१२।३३प्रदोषः
१३	शु	२१	१६	रे	२९	५३	प्री	४९	२	व	२१	१६	३३/२	२४	३६	१६	२६	६	मे.२९।५३	भ.२१।१६उ.५०।९या.
१४	श	१९	२	अ	२९	५१	आ	४५	२०	श	१९	२	५	२३	३७	१७	२७	७	मेषे	
१५	र	१८	१५	भ	३१	९	सौ	४२	४६	ना	१८	१५	८	२२	३८	१८	२८	८	वृ.४६।४७	अश्वि. मेषे बुधः३९।०

३ पं.वै.कृ.३बु.इ.४४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	५	०	२	११	०
१३	३	१६	१७	२०	२७	२८	१३
३९	३१	३४	८	४८	४१	११	३४
३७	५	४४	३५	०	३१	३९	५१
५८	४०	५५	६/१०	७४	३	३	५८
१९	३४	२	व.	३२	३७	११	१२

गोचर ग्रहाः

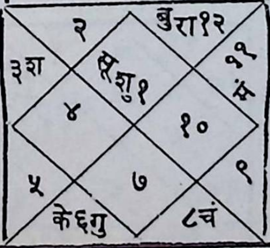

इस मास में बदि में धान्य व धातु में मंदी होगी सुदि में चन्द्र दर्शन सोमवार का सोना चांदी व धान्य में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.कृ.११बु.इ.४४।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	५	०	२	११	०
२०	८	२४	१६	२९	२८	२७	२०
२७	३	४४	२८	२४	१०	४९	२१
२५	११	१०	३४	५४	२३	२४	३५
५८	४०	८६	५/२१	७४	४	३	५७
६	२१	१०	व	२६	१७	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७८२स.२००५
१	चं	१८	३५	कृ	३३	४३	शो	४१	४३	ब	१८	३५	३३ ११	५ २२	६ ३८	१९	२९	६	वृषे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	२०	४६	रो	३७	५२	अ	४१	१	कौ	२०	४६	१४	२१	३६	२०	१	१०	वृषे	रविलाखर४परशुरामजयंती
३	बु	२३	३२	मृ	४३	१६	सु	४१	४२	ग	२३	३२	१७	२१	३६	२१	२	११	मि.३५/१०	भ.५६उ. कृत्ति.रवि:६।३६(सौर:३६/१७)=
४	गु	२८	५३	आ	४६	४३	धृ	४३	१८	वि	२८	५३	२०	२०	४०	२२	३	१२	मिथुने	भ.२८।५३या. [=अक्षया.३
५	शु	३४	२३	पु	५७	५	शू	४५	२६	ब	१	३८	२३	१६	४१	२३	४	१३	क४०।१४	रोहि.शुक्र:१९।३३
६	श	४०	३२	पु	६०	०	गं	४८	२२	कौ	७	२८	२६	१९	४१	२४	५	१४	कर्के	वृषेऽर्क:३६।५४(सौर:४४।२४)
७	र	४६	४४	पु	४	३६	वृ	५०	२२	ग	१३	३८	२८	१८	४२	२५	६	१५	कर्के	भ.४६।४४उ.
८	चं	५२	३२	श्ले	१२	७	ध्रु	५१	२३	वि	१९	३८	३१	१८	४२	२६	७	१६	सिं.१२।७	भ.१९।३८या..भरण्यां बुध:५०।४३
९	मं	५७	१६	म	१८	४६	व्या	५३	६	बा	२४	५४	३४	१७	४३	२७	८	१७	सिंहे	
१०	बु	६०	०	पू	२४	४	ह	५३	२०	तै	२८	४९	३७	१७	४३	२८	९	१८	कं.४०।२	[Bमोहिनी ११व्र.
१०	गु	०	२२	उ	२७	५८	व	५१	२२	ग	०	२२	३९	१६	४४	२९	१०	१९	कन्यायां	भ.३१।३उ.
११	शु	१	४४	ह	२९	४४	सि	४८	११	वि	१	४४	४२	१६	४४	३०	११	२०	तु.५९।४०	भ.१।४४या. पूभा. भौम: ५२।१९B
१२	श	०	५६	चि	२९	३६	व्य	४३	३१	बा	०	५६	४४	१५	४५	३१	१२	२१	तुलायां	प्रदोष:
१३	श	५७	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×कुंभदानम्
१४	र	५४	२	स्वा	२८	३	व	३७	२९	ग	२६	१३	४७	१५	४५	१	१३	२२	तुलायां	भ.५४।२उ.भा.ज्येष्ठारंभ: नृसिहजयंती
१५	चं	४८	१६	वि	२४	३४	प	३०	२२	वि	२१	६	४९	१४	४६	२	१४	२३	वृ.१०।२६	भ.२१।९या. कृत्ति. बुध:५५।३८ यमाय×

५पं.वै.शु. ३ बु.इ.४४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	५	१	२	११	०
२७	१३	४	१५	८	२८	२७	२७
१३	३४	५५	५५	२	४३	२७	०६
३७	५२	३७	१२	२	८	८	४९
५७	४०	९५	४/८	७४	४	३	५७
५४	१०	३८	व.	२६	५०	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले ६ शनी वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युवावस्था(सूती) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

६ पं.वै.शु.१०बु.इ.४४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	५	१	२	११	१
३	१८	१९	१५	१६	२९	२७	३
५८	३५	५२	२८	३८	१९	४	५०
३७	६	२६	५९	६	५९	५३	३१
५७	३९	६/२०	३/००	७४	५	३	५७
४४	५३	५५	व.	२६	११	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः स. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वै. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	४१	२१	अ	२०	१	शि	२२	१	बा	१४	४९	३३ ५२	५ १४	६ ४६	३	१५	२४	वृश्चिके	मृगे शुक्र: १३।३४ बुधास्त: पूर्वस्यां १७/४०
२	बु	३४	७	ज्ये	१५	४८	सि	१३	३७	तै	७	४४	५४	१३	४७	४	१६	२५	ध १५/४८	रोहि.रवि:०।२८ (सौर:१०।३२) वृषे×
३	गु	२६	३७	मू	९	२४	सा	५३/३	५१/२०	व	०	२२	५६	१३	४७	५	१७	२६	धनुषि	भ. ०।२२उ.२६।३७या. रेवती. ३राहु:÷
४	शु	१९	९	पू	५८/३	५५/८	शु	४७	४६	बा	१९	९	५८	१२	४८	६	१८	२७	म.१७।४४	[×बुध:३२।९पुन.४कर्क शनि:४४।४२
५	श	१२	२०	उ	५४	४२	ब्र	४०	५५	तै	१२	२०	३४/००	१२	४८	७	१९	२८	मकरे	पातस्पर्श:३०।५३पातमोक्ष:४४।३४
६	र	६	७	ध	५१	७	ऐं	३२	३८	व	६	७	२	१२	४८	८	२०	२९	कुं.२२।४९	भ.६।७उ.३३।२३या.मिथुनेशुक्र:४०।१९
७	चं	०	३९	श	४८	३४	वै	२५	५९	ब	०	३९	३	११	४९	९	२१	३०	कुंभे	रोहिण्यां बुध:१४।१७
८	चं	५५	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷चित्रा.१केतु:३४।१चतुर्थी व्र.
९	मं	५२	२२	पू	४६	३८	वि	१९	४५	तै	२४	१५	५	११	४९	१०	२२	३१	मि.३२।७	
१०	बु	४९	३२	उ	४५	४५	प्री	१४	५२	व	२०	५७	७	११	४९	११	२३	१	मीने	भ.२०।५७उ.४९।३२या.जूनद्दता.३०
११	गु	४७	४४	रे	४५	४३	आ	१०	३७	ब	१८	३८	९	१०	५०	१२	२४	२	मे.४५।४३	मार्गी गुरु:५३।४४अपरा११व्र.
१२	शु	४६	५२	अ	४६	४९	सौ	६	५९	कौ	१०	१८	१०	१०	५०	१३	२५	३	मेषे	[+भौम:६।३३प्रदोष:
१३	श	४७	१७	भ	४८	५७	शो	४	२२	ग	१७	४	१२	१०	५०	१४	२६	४	मेषे	भ. ४७।१७उ. आर्द्रा. शुक्र:३।७ मीने+
१४	र	४८	२९	कृ	५२	८	अ	२	२८	वि	१७	५३	१३	९	५१	१५	२७	५	वृ. ४।४४	भ. १७।५३या.मृगे बुध:१३।५२
३०	चं	५१	१४	रो	५६	२५	सु	१	४७	च	१९	५१	१५	९	५१	१६	२८	६	वृषे	वटपूजनम्

७ पं. ज्ये.कृ. २ बु. इ. ४४/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	५	१	३	११	१
१०	२३	०	१५	२५	०	२६	१०
४२	३३	२६	१०	१२	०	४२	३२
२९	१९	२	५९	५८	०	३७	४२
५७	३९	२०	१/३८	७४	५	३	५७
३५	५०	२१	व.	२०	३७	११	२३

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले७भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्ट. वा.४न.५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

८ पं.,ज्ये.कृ.१० बु.इ. ४४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	५	२	३	११	१
१७	२८	१५	१५	३	०	२६	१७
२५	२९	१२	२	४८	४३	२०	१३
१८	३१	४४	२०	१४	२२	२१	४८
५७	३९	२०	११	७४	६	३	५७
२७	३४	४०	व	१४	२	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः४८११स.२००५
१	मं	५४	५३	मृ	६०	०	धृ	१	२४	किं	२३	३	३४/५६	५/९	५६/९	१७	२९	७	मि. २९/७	मृगे रविः५५।२१
२	बु	५९	५०	मृ	१	५०	शू	२	११	बा	२७	२१	१७	९	५१	१८	३०	८	मिथुने	मृगे रविःसौरः १९/२२ मिथुने बुधः ३२/१५ उभा.×
३	गु	६०	०	आ	८	२२	गं	४	४५	तै	३२	३६	१८	८	५२	१९	१	९	क.५८।३५	जमादिलावल ५ [×भौमः ४३/३ ३/३ चंद्रदर्शनम्
३	शु	५	२२	पु	१५	२०	वृ	५	४३	ग	५	२२	१९	८	५२	२०	२	१०	कर्के	भ.३८।२५उ.
४	श	११	२८	पु	२२	५५	ध्रु	८	०	वि	११	२८	१९	८	५२	२१	३	११	कर्के	भ.११।२८ या.आर्द्रा.बुध :३०।८
५	र	१७	४६	श्ले	३०	३४	व्या	१०	४३	बा	१७	४६	२०	८	५२	२२	४	१२	सि. ३०/३४	[×भौमः४३।३३चंद्र दर्शनम्
६	चं	२३	४९	म	३७	५५	ह	१३	२०	तै	२३	४९	२१	८	५२	२३	५	१३	सिंहे	[A पश्चिमायां २३।४७
७	मं	२९	२	पू	४४	१०	व	१४	५२	व	२९	२	२१	८	५२	२४	६	१४	सिंहे	भ. २९/२ उ.मिथुनेऽर्कः ५३/५ बुधास्तः A
८	बु	३२	५५	उ	४९	१६	सि	१५	४५	वि	०	५८	२२	८	५२	२५	७	१५	कं. ०।२६	भ. ०/५८ या.मिथुनेऽर्कःसौरः १०/१ पुनःशुक्रः ०/३
९	गु	३५	११	ह	५२	३३	व्य	१५	२४	बा	४	२	२२	८	५२	२६	८	१६	कन्यायां	[=रंभःगुर्जराणां वटसावित्री व्र.
१०	शु	३५	२३	चि	५४	५	व	१३	३२	तै	५	१७	२३	७	५३	२७	९	१७	तु२३।१९	गंगा दशमी
११	श	३३	४१	स्वा	५३	५	प	९	५८	व	४	३२	२३	७	५३	२८	१०	१८	तुलायां	भ. ४/३२ उ. ३३/४१ या.पुन.बुधः१३।२२निर्जला÷
१२	र	२९	४३	वि	५०	२२	शि	५०/४	५३/२०	ब	१	४२	२३	७	५३	२९	११	१९	वृ.३५।३३	प्रदोषः [÷११ व्र.
१३	चं	२३	५९	अ	४५	५३	सा	५०	४	तै	२३	५९	२४	७	५३	३०	१२	२०	वृश्चिके	[+५२।५०
१४	मं	१६	३३	ज्ये	३९	५९	शु	४०	५०	व	१६	३३	२४	७	५३	३१	१३	२१	ध.३९।५९	भ.१६.३३उ.४२।२१या.आर्द्रा.रविः +
१५	बु	८	८	मू	३३	२७	शु	३०	३	ब	८	८	२४	७	५३	१	१४	२२	धनुषि	आर्द्रा.रविःसौरः११।४३भा.आषाढा=

९ पं.ज्ये.शु.२बु.इ.४४।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	५	२	३	११	१
२४	३	०	१५	१२	१	२५	२३
७	२०	४७	२	२१	२९	५८	५३
१९	४९	५३	२०	१८	१०	९	४४
५७	३८	५९/०	५६	७४	६	३	५७
२२	५९	२४	मा	५	२०	११	५

१०पं.ज्ये.शु.८बु.इ.४४।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	२	३	११	२
०	८	१५	१५	२०	२	२५	०
४८	९	९	१०	५४	२७	३५	३२
३६	२२	२९	५५	१८	२०	५०	५२
५७	३८	५९/०	२	७३	६	३	५६
१७	३७	२६	१७	५६	३४	११	५७

११पं.ज्ये.शु.१५बु.इ. ४४/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	५	२	३	११	२
७	१२	२७	१५	२९	३	२५	७
३९	५२	४३	२८	२५	७	१३	१०
३१	५२	५९	३०	५५	१६	३५	२०
५७	३७	०	३	७३	६	३	५६
१३	५०	४७	४३	५०	५०	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	बु	५०	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	४९	५९	पू	२६	२६	ब्र	२०	५२	तै	२४	३१	३४/२४	५/७	५६/३	२	१५	२३	म.३९।४२	कर्के शुक्रः १२।३६
३	शु	४१	५	उ	१९	२९	ऐं	१०	५७	व	१५	३२	२४	७	५३	३	१६	२४	मकरे	भ. ३५/२ उ. ४१/५ या.कर्के बुधः ४/५५ पुष्य.१×
४	श	३२	५२	श्र	१३	२	वै	५४/१	५०/५	ब	६	५८	२३	७	५३	४	१७	२५	कु.४०।१६	पुष्ये शुक्रः ५५/६ चतुर्थी व्र.
५	र	२५	३८	ध	७	२९	प्री	४४	१२	तै	२५	३८	२३	७	५३	५	१८	२६	कुम्भे	पुष्ये बुधः ३/४१
६	चं	१९	५८	श	३	२१	आ	३६	५९	व	१९	५८	२२	८	५२	६	१९	२७	मी. ४६/१७	भ.१९।५८उ.४७।४३या.
७	मं	१५	२८	पू	३५/०	५८/३	सौ	३१	२३	ब	१५	२८	२२	८	५२	७	२०	२८	मीने	रेवत्यां भौमः २०।१
८	बु	१२	३२	रे	५९	८	शो	२६	४७	कौ	१२	३२	२१	८	५२	८	२१	२९	मे. ५९/८	[×शनिः ३६/३२ पातस्पर्शः ८/४६ पातमोक्षः २४/२९
९	गु	१०	५५	अ	६०	०	अ	२३	१८	ग	१०	५५	२०	८	५२	९	२२	३०	मेषे	भ.४०।५०उ.
१०	शु	१०	४६	अ	०	२८	सु	२०	५९	वि	१०	४६	१९	८	५२	१०	२३	१	मेषे	भ.१०।४६या. जुलाई ७ ता. ३१
११	श	१२	२	भ	३	१९	धृ	१९	४३	बा	१२	२	१८	८	५२	११	२४	२	वृ. ११/९	योगीनी ११ व्र.
१२	र	१४	२२	कृ	७	६	शू	१९	२६	तै	१४	२२	१७	९	५१	१२	२५	३	वृषे	प्रदोष : [÷शुक्रः ५५।२८
१३	चं	१८	१	रो	१२	९	गं	२०	१	व	१८	१	१६	९	५१	१३	२६	४	मि. ४५/१	भ.१८।१उ. ५०।६ या.
१४	मं	२२	११	मृ	१७	५४	वृ	२१	४२	श	२२	११	१५	९	५१	१४	२७	५	मिथुने	पुनःरविः५१।४०अस्तं शनेः३४।५०
३०	बु	२७	४१	आ	२४	३९	ध्रु	२३	४३	ना	२७	४१	१४	९	५१	१५	२८	६	मिथुने	पुन.रविःसौरः १५/४५ आश्ले.बुधः ३४/५८ आश्ले.÷

१२ पं.आ. कृ. ८बु.इ. ४४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	३	३	११	२
१४	१७	८	१५	७	३	२४	१३
९	३२	२३	५३	५६	५९	५१	४९
५८	४२	३८	५३	४६	१३	१९	२५
५७	३७	८२	४	७३	७	३	५६
७	२१	४	४५	४४	२	११	५०

गोचर ग्रहाः

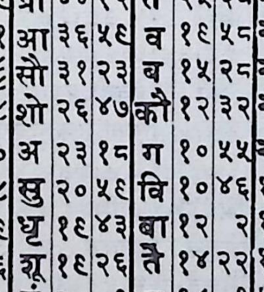

इस मास में धान्य जौ गेहूं चना सरसों मटर बाजरा धातु सोना चांदी लोहा मंदा हो, घृत तैल गुड शक्कर तेज हो वर्षा अच्छी हो ।

गोचर ग्रहाः

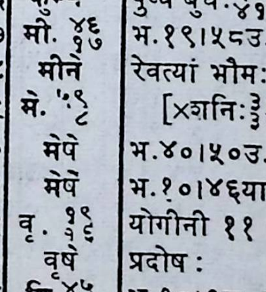

१३ पं.आ. कृ.३०बु.इ. ४४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	३	३	११	२
२०	२२	१६	१६	१६	४	२४	२०
५०	७	५९	२७	२६	५२	२९	२७
२४	८	१३	४	३८	८	३	१९
५७	३६	५८	५	७३	७	३	५६
७	३२	५१	५३	३२	११	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	सु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः:४८४१ स.२००५
१	गु	३३	१३	पु	३१	३२	व्या	२३	५२	किं	०	२७	३४/१३	५/९	५६/५१	१६	२९	७	क.१४।४९	चन्द्रदर्शनसंभवः
२	शु	३९	१५	पु	३९	८	ह	२७	५	वा	६	१४	११	१०	५०	१७	१	८	कर्के	हस्त.३गुरुः ५६/२८जमादिलाखर ६रथयात्रा
३	श	४५	३६	श्ले	४६	४१	व	२१	४९	तै	१२	२५	१०	१०	५०	१८	२	९	सिं४६।४१	
४	र	५१	४३	म	५४	१६	सि	३१	४२	व	१८	३९	८	१०	५०	१९	३	१०	सिंहे	भ.१८।३९ उ.५१।४३
५	चं	५७	५	पू	६०	०	व्य	३३	३४	ब	२४	२३	७	११	४९	२०	४	११	सिंहे	
६	मं	६०	०	पू	१	३	व	३५	५०	कौ	२९	१८	५	११	४९	२१	५	१२	कं.१७।३१	
६	बु	१	३२	उ	६	५६	प	३६	१९	तै	१	३२	३	११	४९	२२	६	१३	कन्यायां	
७	गु	४	३९	ह	११	२६	शि	३५	५८	ब	४	३९	१	१२	४८	२३	७	१४	तु.४२।५६	भ.४।३९उ.३५।२२ या.
८	शु	६	४	चि	१४	२६	सि	३३	४२	ब	६	४	३३/५९	१२	४८	२४	८	१५	तुलायां	
९	श	५	४०	स्वा	१५	३६	सा	२९	७	कौ	५	४०	५७	१३	४७	२५	९	१६	वृ.५९।५२	कर्कोऽर्कः:२१।६(सौर:४८।२९)
१०	र	३	११	वि	१४	३७	शु	२४	५९	ग	३	११	५५	१३	४७	२६	१०	१७	वृ.श्चिके	भ.३०/५८उ.५९/४६या.मघा.सिंहे शुक्रः:५९/१×
११	र	५५	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×देवशयनी ११ व्र.स्मा.
१२	चं	५२	१४	अ	११	४९	शु	१८	२०	ब	२५	३०	५२	१४	४६	२७	११	१८	वृश्चिके	देवशयनी ११ व्र. वै. [+शनिः:४९/४
१३	मं	४४	२०	ज्ये	७	२	ब्र	१०	२	कौ	१८	१७	५०	१४	४६	२८	१२	१९	घ. ७।२	पुष्ये रविः:२०/२४अश्वि. मेषेभौमः:१७/१प्रदोषः
१४	बु	३५	१२	मू	५२/०२	५२/३८	ऐं	४३/०३	४९/५१	ग	९	४६	४८	१४	४६	२९	१३	२०	धनुषि	भ.३५/५२उ.पुष्येरविः:सौरः:१९/१०पुष्य.२+
१५	गु	२५	१९	उ	४५	३७	वि	३९	३५	वि	०	१५	४५	१५	४५	३०	१४	२१	म.६।२६	भ.०/१५या.वक्री बुधः:२३/४३व्यासपूजागुरु१५

१४गं.आ. शु. ६बु. इ. ४४/२६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	५	३	३	११	२
२७	२६	२३	१७	२४	५	२४	२७
३०	३१	६	८	५४	४५	६	५
४३	३०	२९	२	४७	३२	४८	२६
५७	३५	३१	६	७२	७	३	५६
११	३४	४७	२३	२०	१९	११	५४

गोचर ग्रहाः

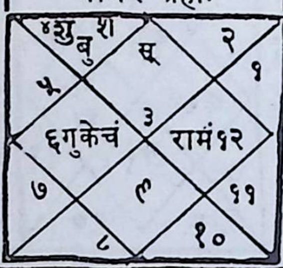

आषाढ़ शुक्ले ९ शनौ। कर्कोऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ युवावस्था (सूती)मु. ४५धान्यादि भाथे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

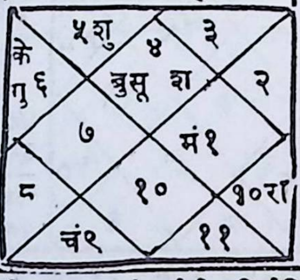

१५पं.आ.शु.१४बु.इ. ४४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	४	३	११	३
४	०	२६	१७	३	६	२३	३
११	५०	९	५४	२१	३९	४४	४३
२८	२	४	५४	३६	२५	३२	५३
५७	३४	२	७	७३	७	३	५६
१५	३०	१५	५०	११	२०	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	१५	१५	श्र	३७	४५	प्री	२८	३८	कौ	१५	१५	३३/४३	५/१५	६/४५	३१	१५	२२	मकरे	भ.३१।५उ.५६।४६या. भा.श्रावणारंभः
२/३	श	५५/२५	५१/२१	ध	३०	२५	आ	१८	५	ग	५	२५	४०	१६	४४	१	१६	२३	कुं.४।५	
४	र	४८	४०	श	२४	०	सौ	६/५	५१/७९	व	२२	४३	३८	१६	४४	२	१७	२४	कुंभे	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	४२	२४	पू	१९	९	अ	५१	४३	कौ	१५	३२	३५	१७	४३	३	१८	२५	मी. ५।२२	नाग ५ मरुस्थले
६	मं	३८	१०	उ	१५	५२	सु	४५	४३	ग	१०	१७	३३	१७	४३	४	१९	२६	मीने	भ.३८।१०उ.
७	बु	३५	४१	रे	१४	३५	धृ	४१	१	वि	६	५५	३०	१८	४२	५	२०	२७	मे.१४।३५	भ.६।५५या.
८	गु	३५	१३	अ	१४	४८	शू	३८	१	वा	५	२६	२७	१९	४१	६	२१	२८	मेषे	रेवती.२राहु:हस्त४केतुः२७।११
९	शु	३६	२३	भ	१७	८	गं	३७	१	तै	५	४८	२४	१९	४१	७	२२	२९	वृ.३३।४	पूफा.शुक्रः:१/२बुधास्तः पश्चिमायां०।२०
१०	श	३९	४	कृ	२०	४९	बृ	३५	५२	व	७	४३	२२	२०	४०	८	२३	३०	वृषे	भ.७।४३उ.३९।४या.
११	र	४३	११	रो	२६	१२	ध्रु	३५	५४	ब	११	७	१९	२०	४०	९	२४	३१	मि.५९/५६	कामिका ११ व्र.
१२	चं	४८	२	मृ	३३	४१	व्या	३८	७	कौ	१५	३१	१६	२१	३९	१०	२५	१	मिथुने	अगस्त ८ ता. ३१
१३	मं	५४	३	आ	४१	७	ह	४०	१२	ग	२१	२	१३	२१	३९	११	२६	२	मिथुने	भ.५४।३ उ.आश्ले.रविः:४७/२५प्रदोषः
१४	बु	५९	५४	पु	४८	२८	व	४२	२१	वि	२६	५८	१०	२२	३८	१२	२७	३	क.३१।३८	भ २६।५८या.आश्ले. रविः:५९/५७सौरः
३०	गु	६०	०	पु	५६	०	सि	४४	४८	च	३२	५९	७	२३	३७	१३	२८	४	कर्के	हस्त.४गुरुः५६।२८
३०	शु	६	४	श्ले	६०	०	व्य	४७	२२	ना	६	४	४	२३	३७	१४	२९	५	कर्के	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.७बु.इ. ४४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	४	३	११	३
१०	४	२५	१८	११	७	२३	१०
२२	५८	३५	४८	४६	३४	२२	२३
३०	८	१३	४७	४१	३०	१७	१०
५७	३३	२३/४२	८	७२	७	३	५७
२०	२३	व:	४५	५०	२०	११	५

गोचर ग्रहाः

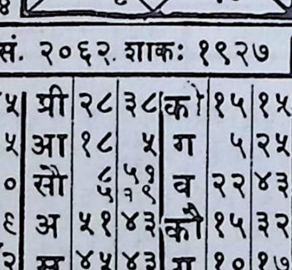

इस मास में बदि में धान्य गेहूं चावल जौ चना मटर बाजरा आदि धान्य सोना चांदी ताम्बा में मंदी सुदि में तेजी और वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

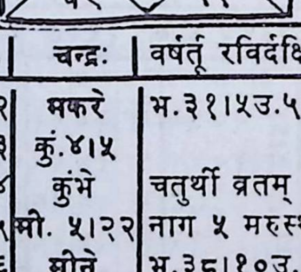

१७पं.श्रा.कृ.१४बु.इ.४४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	४	३	११	३
१९	८	२१	१९	२०	८	२३	१७
३४	५४	२४	४८	१०	२८	०	२
१२	३६	४३	२२	१६	३४	१	५८
५७	३१	४९/२५	९	७२	७	३	५७
२५	४८	व.	३४	३२	१४	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८७१सन्२००५
१	श	१२	६	श्ले	३	२१	व	४६	३८	ब	१२	६	३३/००	५/२४	६/३६	१५	३०	६	सिं ३।२१	चंद्रदर्शनम्
२	र	१७	५४	म	१०	३१	प	५१	३४	कौ	१७	५४	३२/५७	२५	३५	१६	१	७	सिंहे	रज्जव ७ सिंघारा
३	चं	२३	८	पू	१७	१	शि	५३	०	ग	२३	८	५४	२५	३५	१७	२	८	कं. ३३/२६	भ.५५।१६उ.तीज
४	मं	२७	२५	उ	२२	४१	सि	५३	४४	वि	२७	२५	५०	२६	३४	१८	३	९	कन्यायां	भ.३७/२५या.उफा.शुक्रः ११।१५वरद४
५	बु	३०	४४	ह	२८	१७	सा	५३	५५	बा	३०	४४	४७	२७	३३	१९	४	१०	तु.५६।४०	वक्री पुष्ये बुधः१३/२३उदयं शनेः५९/२२नाग ५
६	गु	३२	४७	चि	३१	३	शु	५२	५४	कौ	१	४५	४४	२७	३३	२०	५	११	तुलायां	कन्यायां शुक्रः५७।३६
७	शु	३३	२०	स्वा	३२	५९	शु	५०	२६	ग	३	४	४०	२८	३२	२१	६	१२	तुलायां	भ.३३।२०उ.भरण्यां भौमः ८।११
८	श	३२	२१	वि	३३	१०	ब्र	४६	५७	वि	२	५०	३७	२९	३१	२२	७	१३	वृ. १८/७	भ.२।५०या.बुधोदयः पूर्वस्याम् ४८।०
९	र	२९	३१	अ	३१	५५	ऐं	४१	५८	बा	०	५६	२३	२९	३१	२३	८	१४	वृश्चिके	[+२९।३पवित्रा११व्र.
१०	चं	२४	५४	ज्ये	३०	२३	वै	३५	३२	ग	२४	५४	३०	३०	३०	२४	९	१५	ध.३०।२३	भ.५१।४८उ.पुष्य.३शनिः३५।११
११	मं	१८	४३	मू	२६	७	वि	२७	४७	वि	१८	४३	२६	२९	३१	२५	१०	१६	धनुषि	भ.१५/४३या.मघा.सिंहेऽर्कः४५/२७मार्गी बुधः+
१२	बु	१०	५३	पू	२०	२५	प्री	१८	५३	बा	१०	५३	२२	३२	२८	२६	११	१७	म. ३३/४१	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः१६।२२ प्रदोषः
१३	गु	२	१	उ	१३	२९	आ	५९/८	४९/१६	तै	२	१	१९	३२	२८	२७	१२	१८	मकरे	भ.५२।२०उ.
१४	गु	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×भद्रोत्तरम्
१५	शु	४२	१५	श्र	४७/५	५३/४	शो	४७	२५	वि	१७	१७	१५	२३	२७	२८	१३	१९	कुं ३१/४९	भ.८७/१७या.श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्×

१८ पं. श्रा.शु. ५ बु. इ. ४३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	५	४	३	११	३
२४	१२	१६	२०	२८	९	२२	२३
१९	३७	१९	५३	३१	२१	३७	४४
३७	३४	८	१०	१९	५४	४५	५
५७	३०	४१/५	१०	७२	७	३	५७
३३	१९	व.	१७	७	८	११	२२

गोचर ग्रहाः

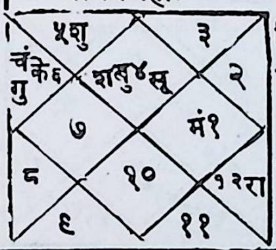

श्रावण शुक्ले ११भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्या दि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१२बु.इ. ४३/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	५	५	३	११	४
०	१६	१४	२२	६	१०	२२	०
५९	१२	५९	२	५०	१५	१५	२६
५३	०	४२	६	२	४	३०	१८
५७	२८	५६/३	१०	७१	७	३	५७
४०	११	मा	५६	४६	२	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श	३२	२९	श	५०	१८	अ	३६	४१	बा	७	२२	३२/१२	५/३४	६/२६	२९	१४	२०	कुंभे	हस्ते शुक्रः २२।३२
२	र	२३	३७	पू	४४	४०	सु	२६	२९	ग	२३	३७	८	३४	२६	३०	१५	२१	मी. ३१/४	भ.४९।४४उ.
३	चं	१५	५१	उ	३८	२०	धृ	१७	८	वि	१५	५१	४	३५	२५	३१	१६	२२	मीने	भ.१५।५१या.आश्ले. बुधः३७/३७चतुर्थी व्र.
४	मं	९	४७	रे	३५	३	शू	९	२३	बा	९	४७	१	३६	२४	१	१७	२३	मे ५३।३	भा. भाद्रपदारंभः
५	बु	५	४३	अ	३३	२८	गं	५ ३/९	५५/१५	तै	५	४३	३१/५७	३७	२३	२	१८	२४	मेषे	चंद्रषष्ठी
६	गु	३	५१	भ	३४	११	ध्रु	५५	५	व	३	५१	५३	३७	२३	३	१९	२५	वृ. ४९/५१	भ.३/५१उ.३४/३या.चित्रा.१गुरुः३।१९
७	शु	४	१४	कृ	३६	५०	व्या	५३	४२	ब	४	१४	४९	३८	२२	४	२०	२६	वृषे	जन्माष्टमी व्र.स्मा.
८	श	६	२६	रो	४१	२१	ह	५३	५९	कौ	६	२६	४६	३९	२१	५	२१	२७	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	र	१०	१९	मृ	४६	५८	व	५४	५४	ग	१०	१९	४२	४०	२०	६	२२	२८	मि१४।९	भ.४२।५२ उ. गोगा ९
१०	चं	१५	२५	आ	५४	१७	सि	५६	५०	वि	१५	२५	३८	४०	२०	७	२३	२९	मिथुने	भ.१५।२५या. [÷द्वादशी
११	मं	२१	३४	पु	६०	०	व्य	५९	१६	बा	२१	३४	३४	४१	१९	८	२४	३०	क. ४४/४८	पूफा.रविःसौरः३१।३अजा ११ व्र.
१२	बु	२७	५०	पु	१	३८	व	६०	०	तै	२७	५०	३०	४२	१८	९	२५	३१	कर्के	पूफा.रविःसौरः७/१३चित्रा.शुक्रः४२/४०वत्स÷
१३	गु	३४	८	पु	९	४०	व	१	५१	ग	०	५९	२६	४३	१७	१०	२६	१	कर्के	भ.३४/८उ.मघा.सिंहे बुधः२२/४९सितम्बर९×
१४	शु	४०	२	श्ले	१६	५४	प	४	१५	वि	७	५	२२	४४	१६	११	२७	२	सिं. ५६/५४	भ.७।५या. [×ता.३० प्रदोषः
३०	श	४५	३८	म	२४	१	शि	६	१९	च	१२	५०	१८	४४	१६	१२	२८	३	सिंहे	बुधास्तःपूर्वस्याम्४८/७कुशाग्रहणी मन्वादिः

२०पं.भा कृ. ५ बु.इ. ४३/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	५	५	३	११	४
७	१९	१९	२३	१५	११	२१	७
४४	१५	२६	१६	६	५	५३	५
२०	५८	१०	१२	३२	४९	१४	४७
५७	२६	६८	११	७१	६	३	५७
४९	१३	१९	३२	२०	४७	११	४५

गोचर ग्रहाः

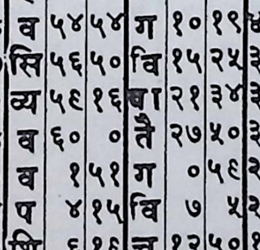

इस मास का फल। अशुभ है धान्य चावल गेहूं चना बाजरा सोना चांदी रुई गुड शक्कर तेज हो रोग शोक फैले वर्षा कही कम कही अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

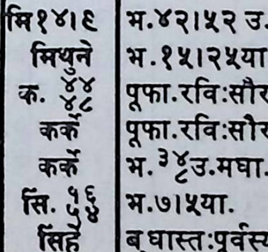

२१ पं.भा.कृ.१२बु.इ. ४३/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	३	५	५	३	११	४
१४	२२	२८	२४	२३	११	२१	१३
३०	४	५४	३३	२०	५५	३०	५४
०	८	०	३६	५३	२३	५९	५९
५८	२३	०/०	१२	७०	६	३	५७
१	५	३०	९	४७	३२	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	प्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९००स.२००५
१	र	५०	८	पू	३०	५२	सि	७	५६	किं	१७	५३	३५/१५	५/४५	६/१५	१३	२९	४	क.४७।२२	
२	चं	५३	५३	उ	३६	५३	सा	९	१४	बा	२२	०	११	४६	१४	१५	३०	५	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	मं	५६	४४	ह	४०	४४	शु	९	४३	तै	२५	१८	७	४७	१३	१५	१	६	कन्यायां	तुलायां शुक्रः २४/४३ सावान८ हरितालिका ३
४	बु	५८	१३	चि	४४	१५	शु	९	२४	व	२७	२८	३	४७	१३	१६	२	७	तु.१२।२९	भ.३२/२८ उ.५९/१३ या.गणेशचतुर्थी
५	गु	५८	५३	स्वा	४६	५४	ब्र	८	४	ब	२८	३३	३०/५१	४८	१२	१७	३	८	तुलायां	पूफा. बुधः३७।२९ऋषिपंचमी
६	शु	५८	१०	वि	४८	२५	ऐं	६	६	कौ	२८	३२	५५	४९	११	१८	४	९	वृ.३३।२	
७	श	५६	२२	अ	४८	४३	वै	३/२०	५५/५५	ग	२७	१६	५१	५०	१०	१९	५	१०	वृश्चिके	भ.५६।२२उ.
८	र	५३	८	ज्ये	४७	३८	प्री	५४	१३	वि	२४	४५	४७	५१	९	२०	६	११	ध.४७।३८	भ.२४।४५ या.चित्रा२गुरुः४८।१६
९	चं	४८	४७	मू	४४	७	आ	४८	११	बा	२०	५७	४३	५१	९	२१	७	१२	धनुषि	स्वात्यां शुक्रः८।३
१०	मं	४३	२	पू	४१	३८	सौ	४१	१	तै	१५	५४	३९	५२	८	२२	८	१३	म.५५।२७	उफा.रविः९५/३८(सौरः५९/३ पुष्य.४शनिः२०/४
११	बु	३६	११	उ	३६	५४	शो	३२	५९	व	९	३७	३५	५३	७	२३	९	१४	मकरे	भ.९/३ ७उ.३९/१ या.जलझूलनी ११ व्र.
१२	गु	२८	१४	श्र	३१	५	अ	२३	५८	ब	२	१३	३१	५४	६	२४	१०	१५	कुं.५७।४७	उफा.बुधः३३/८ कृत्ति.भौमः२८/१० वामन×
१३	शु	१९	३६	ध	२४	३२	सु	१४	१९	तै	१९	३६	२७	५५	५	२५	११	१६	कुम्भे	कन्यायामर्कः ४०।४९ [×जयंती प्रदोषः
१४	श	१०	३४	श	१७	३९	धृ	४/१३	४९/५९	व	१०	३४	२२	५६	४	२६	१२	१७	मी.५७/४०	भ.१०/३४ उ ३६/५४ या.कन्यायामर्कःसौरः१७/४÷
१५	र	१	५४	पू	१०	५९	गं	४४	३७	ब	१	५४	१८	५६	४	२७	१३	१८	मीने	[÷कन्यायां बुधः३८/३ अनंत१४महालयारंभः

२२पं.भा.शु.४बु.इ.४३।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	५	६	३	११	४
२१	२४	११	२५	१	१२	२१	२०
१७	२९	३७	५३	३१	४३	८	४१
०२	२	२६	४६	५२	१	४३	३९
१८	२०	७१/०	१२	७०	६	३	५८
१३	२२	६/३१	२३	१०	२०	११	१२

गोचर ग्रहाः

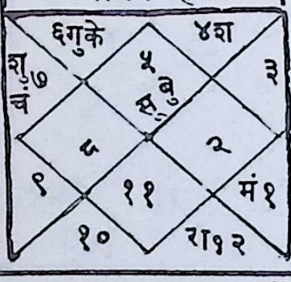

भाद्रपद शुक्ले १३
शुक्ले कन्यायामर्कः
प्रविष्टःवा. ४ न ५
प्रौढावस्था (बैठी)
मु.१५ धान्यादि भावे
महर्घता शुक्रोदयः
पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

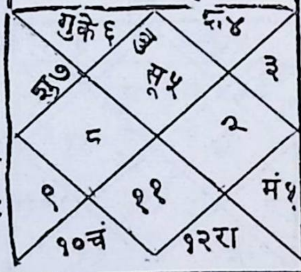

२३ पं.भा.शु.११बु.इ.४३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	५	६	३	११	४
२८	२६	२५	२७	९	१३	२०	२७
५	२४	५	१७	३९	२८	४६	२९
२४	०	१०	२४	११	१२	२७	५८
५८	१७	७१/०	१२	६९	५	३	५८
२६	८	५/४७	५०	२०	५६	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	प्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा.
१	र	५१	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४७	११	उ	५	४	बृ	३५	४९	तै	२०	३१	३०/१४	५५/५७	६/३	२८	१४	१९	मीने	
३	मं	४२	१	रे	२१/०	५६/५०	ध्रु	२८	६	व	१४	३६	९	५८	२	२९	१५	२०	मे.२०/१	भ.१४।३६उ.४२।१या.
४	बु	३८	४९	भ	५६	८	व्या	२१	४६	ब	१०	२५	५	५९	१	३०	१६	२१	मेषे	चतुर्थी व्र.
५	गु	३७	५२	कृ	५७	८	ह	१७	१५	कौ	८	२०	३०/००	६/००	६/००	३१	१७	२२	वृ.११।३३	हस्ते बुधः४८।५४
६	शु	३९	१	रो	६०	०	व	१४	१९	ग	८	२६	२९/५६	६/१	५/५९	१	१८	२३	वृषे	भ.३९/१ उ.वि.शुक्रः४२/३८ भा. आश्विनारंभः
७	श	४२	१४	रो	०	१८	सि	१२	२	वि	१०	३८	५२	२	५८	२	१९	२४	मि.३२/४०	भ.१०।३८या.
८	र	४६	५१	मृ	५	१	व्य	१२	९	बा	१४	३२	४८	२	५८	३	२०	२५	मिथुने	
९	चं	५२	५५	आ	११	२८	व	१३	२६	तै	१९	५३	४४	३	५७	४	२१	२६	मिथुने	हस्तेरविः५३/८ मातृ९ (सौभाग्यवतीनांश्रा.
१०	मं	५९	५	पु	१८	४३	प	१५	३५	व	२६	०	४०	४	५६	५	२२	२७	क.१।५५	भ.२६/० उ.४९/५ या.हस्तेरविःसौरः२९/३४ चित्रा.*
११	बु	६०	०	पु	२६	२२	शि	१७	५२	ब	३२	१९	३६	५	५५	६	२३	२८	कर्के	इंदिरा११व्र.स्मा. [*३तुलायांगुरुः५५/४१
११	गु	५	३२	श्ले	३३	५३	सि	२०	२७	बा	५	३२	३२	६	५४	७	२४	२९	सिं.३३/५३	रेवती.१ राहुःहस्त.३केतुः१९/७ इंदिरा+
१२	शु	१२	४	म	४१	४	सा	२२	३५	तै	१२	४	२८	६	५४	८	२५	३०	सिंहे	चित्रा बुधः३४/५३ प्रदोषः [+११व्र.वै.
१३	श	१७	१	पू	४७	३२	शु	२५	१७	व	१७	१	२३	७	५३	९	२६	१	सिंहे	भ.९७/१ उ.४९/५ या.अक्टूबर१० ता.३१
१४	र	२१	८	उ	५२	३२	शु	२६	१०	श	२१	८	१९	८	५२	१०	२७	२	क.३।४७	वृश्चिके शुक्रः२७/४० शस्त्रादिहतानां श्राद्धम्
३०	चं	२४	१२	ह	५६	४३	ब्र	२५	५९	ना	२४	१२	१५	९	५१	११	२८	३	कन्यायां	सूर्यग्रहणम् सर्व पितृ ३०

२४पं.आ.कृ.४बु.इ.४२।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	५	६	३	११	५
४	२७	७	२८	१७	१४	२०	४
५५	४६	५९	४३	४३	१०	२४	२०
१६	८	१०	२३	२३	१६	१२	५
५८	१३	०/८	१३	६८	५	३	५८
३८	१८	५६	१४	३५	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

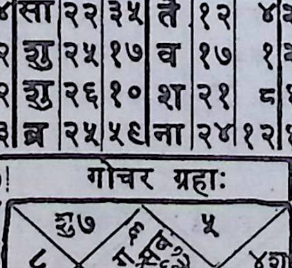

इस मास में ५ सोमवार श्रेष्ट हैं गेहूं जौ चना बाजरा मटर सरसो सोना चांदी लोहा कपासवस्त्र-तेज होकर मंदे हों कहीं २ वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

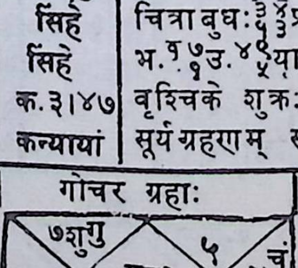

२५पं. आ.कृ.११बु.इ.४२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	६	६	३	११	५
११	२८	२०	०	२५	१४	२०	११
४६	२१	६	११	४२	४९	१	१२
५२	५२	२६	२	३२	३०	५६	०५
५८	९	३०/०	१३	६७	५	३	५९
५३	७	५९	२०	३२	२	११	००

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९३०सन्२००५
१	मं	२५	५९	चि	५९	४१	ऐं	२५	८	ब	२५	५९	२९/११	६/१०	५/५०	१२	२९	४	तु २८।१२	तुलायां बुधः४६/५९ नवरात्रारंभः मातामह×
२	बु	२६	३९	स्वा	६०	०	वै	२३	२२	कौ	२६	३९	७	११	४९	१३	३०	५	तुलायां	अनु.शुक्रः३८/३४ बुधोदयः पश्चिमायां५४/४१÷
३	गु	२६	१८	स्वा	१	२५	वि	२०	३५	ग	२६	१८	३	११	४९	१४	१	६	वृ.४७।५	भ.५५।३७उ.रमजान ९ [×श्राद्ध म
४	शु	२४	५६	वि	२	१८	प्री	१६	५५	वि	२४	५६	२८/५९	१२	४८	१५	२	७	वृश्चिके	भ.२४।५६या. [÷चंद्रदर्शनम्
५	श	२२	४७	अ	२	१३	आ	१२	४८	बा	२२	४७	५५	१३	४७	१६	३	८	वृश्चिके	स्वात्यां बुधः४८/५० अस्तं गुरोः५४।३६
६	र	१९	३६	ज्ये	१	२२	सौ	८	२	तै	१९	३६	५१	१४	४६	१७	४	९	ध.१।२२	[Bपूर्णिमा वै.का.स्ना.प्रा.
७	चं	१५	५३	मू	३०/७	५६/३७	शो	२/२	५३/४७	व	१५	५३	४७	१५	४५	१८	५	१०	धनुषि	भ.१५/५३उ.४३/३३या.चित्रा. रविः२६।०
८	मं	११	२५	उ	५४	५	सु	४९	३३	ब	११	२५	४३	१५	४५	१९	६	११	म.११।२६	चित्रा. रविः सौरः०।८
९	बु	६	१०	श्र	५०	११	धृ	४२	७	कौ	६	१०	३९	१६	४४	२०	७	१२	मकरे	वक्री भौमः ३१।५७ [+११व्र.स्मा.
१०	गु	०	१६	ध	४५	४४	शू	३४	११	ग	०	१६	३५	१७	४३	२१	८	१३	कुं.१७।५८	भ.२६/५८उ.५३/४०या चित्रा४गुरुः३३/३४पापांकुशा+
११	गु	५३	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Aविशा बुधः५९/२३ज्येष्ठा.शुक्रः३०/५४शरद्B
१२	शु	४६	३६	श	४०	५३	गं	२५	४५	ब	२०	८	३१	१८	४२	२२	९	१४	कुंभे	पापांकुशा ११ व्र. वैं.
१३	श	३९	३६	पू	३५	३५	वृ	१७	९	कौ	१३	७	२७	१९	४१	२३	१०	१५	मी. २१/५५	प्रदोषः [=पूर्णिमा स्मा.
१४	र	३२	३८	उ	३०	३९	ध्रु	८	३२	ग	६	८	२३	१९	४१	२४	११	१६	मीने	भ.३३/३८उ.५९/३८या.कोजागरीव्र.शरद्=
१५	चं	२६	३८	रे	२६	९	व्या	०/६	५२/२३	ब	२६	३८	२०	२०	४०	२५	१२	१७	मे.२६।९	तुलायामर्कः४/९ (सौरः४३/५३) चंद्रग्रहणम्A

२६पं.आ.शु.२बु.इ.४२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	६	७	३	११	५
१८	२८	१	१	३	१५	१९	१८
४०	३७	३२	४०	३५	२५	३९	५
८	३७	६	२६	३५	१२	४१	५२
५९	४	९९	१३	६६	४	३	५९
९	३२	१४	३२	२०	३९	११	१६

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ले १५ चंद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ४न.४ वालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु. ९ बु. इ. ४३/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	६	७	३	११	५
२५	२८	१२	३	११	१५	१९	२५
३५	१	१८	१०	२२	५७	१७	१
२	१५	३२	४४	२३	०	२५	३४
५९	०/७	९३	१३	६९	४	३	५९
२१	व.	७	३२	५३	५	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	मं	२१	३५	अ	२२	४७	व	४५	४५	कौ	२१	३५	२८/१६	२६/४	५/३९	२६	१३	१८	मेषे	वक्री भरण्यां भौमः ५४।४२
२	बु	१८	१४	भ	२०	५५	सि	४०	७	ग	१८	१४	१२	२२	३८	२७	१४	१९	वृ.३५।५४	भ.४७।२६उ.
३	गु	१६	३९	कृ	२०	५३	व्य	३६	१७	वि	१६	३९	८	२२	३८	२८	१५	२०	वृष	भ.१६।३९।या. करक चतुर्थी व्र.
४	शु	१६	५८	रो	२२	३७	व	३४	२	बा	१६	५८	४	२३	३७	२९	१६	२१	मि. ५४/२७	
५	श	१९	१८	मृ	२६	१७	प	३२	५६	तै	१९	१८	०	२४	३६	३०	१७	२२	मिथुने	
६	र	२३	२०	आ	३१	२८	शि	३३	३	व	२३	२०	२७/५९	२५	३५	१	१८	२३	मिथुने	भ.२३/२०उ.५६/९या.स्वात्यां रविः५९/५१×
७	चं	२८	५८	पु	३८	१८	सि	३४	३६	ब	२८	५८	५३	२५	३५	२	१९	२४	क.२१।३५	स्वात्यां रविःसौरः२३/५५आश्लेषा.१शनिः÷
८	मं	३५	२	पु	४५	२३	सा	३६	२५	बा	२	०	४९	२६	३४	३	२०	२५	कर्के	वृश्चिके बुधः १४।३३ [÷१६।१९
९	बु	४१	२४	श्ले	५३	१	शु	३८	५९	तै	८	१३	४५	२७	३३	४	२१	२६	सिं. ५३/५	[×भा.कार्तिकारंभ
१०	गु	४७	३७	म	६०	०	शु	४१	५	व	१४	३०	४१	२८	३२	५	२२	२७	सिंहे	भ.१४।३०उ.४७।३७या.अनु.बुधः५५/४१
११	शु	५३	५	म	०	२०	ब्र	४३	५८	ब	२०	२१	३७	२९	३१	६	२३	२८	सिंहे	स्वाती.१गुरुः४१।६ रम्भा.११ व्र.
१२	श	५७	१०	पू	६	५८	ऐं	४४	०	कौ	२५	८	३४	२९	३१	७	२४	२९	कं. २३/१७	
१३	र	५९	५५	उ	१२	१६	वै	४३	५२	ग	२८	३२	३०	३०	३०	८	२५	३०	कन्यायां	भ.५९/५५उ.मूले धनुषि शुक्रः१५/४ प्रदोषः+
१४	चं	६०	०	ह	१६	१६	वि	४२	४०	वि	३०	३०	२७	३१	२९	९	२६	३१	तु.४७।३०	भ.३०।३०या.रूप १४ [+धन १३
१४	मं	१	५	चि	१८	४४	प्री	४०	१३	श	१	५	२३	३१	२९	१०	२७	१	तुलायां	नवम्बर११ता.३० महालक्ष्मीपूजनम्
३०	बु	०	४५	स्वा	१९	३८	आ	३६	४४	ना	०	४५	१९	३२	२८	११	२८	२	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२८ पं.का.कृ.२बु.इ. ४२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	६	६	७	३	११	६
२	२६	२२	४	१८	१६	१८	१
३१	४४	२६	४२	५८	२४	५५	५९
२६	१०	४२	११	३०	११	९	००
५९	५/१	८५	१३	६३	३	३	५९
३४	व.	३१	३८	१४	३१	११	४६

गोचर ग्रहाः

भूमिपुत्रो यदा मेषे सुभिक्षं सर्वधान्यकम् । प्रबलानि महर्घाणि क्रोधाबांस्तु भवेन्नृपः ।। इस मास में धान्य धातु मन्दे होंगे ।

गोचर ग्रहाः

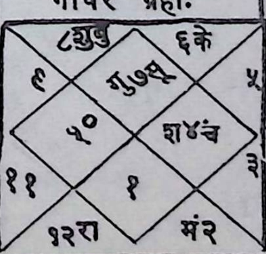

३९पं.का.कृ. ९बु.इ. ४२/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	६	७	३	११	६
९	२४	१	६	२६	१६	१८	८
२९	५३	४८	१२	२३	४६	३२	५८
४२	१२	५८	५८	१७	४१	५४	२०
५९	१/३	७४	१३	६१	२	३	६०
४७	व	३९	३८	४	४५	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४९६०सन् २००५
१	बु	५८	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५६	२६	वि	१९	२७	सौ	३२	१७	बा	२७	४५	२७/१६	६/३३	५/२७	१२	२९	३	वृ. ४।३७	चंद्रदर्शनम् भातृ २ यम २
३	शु	५२	५६	अ	१८	१९	शो	२७	०	तै	२४	४१	१२	३४	२६	१३	१	४	वृश्चिके	उदयं गुरोः३२।२४ सव्वाल १०
४	श	४८	३९	ज्ये	१६	१९	अ	२०	५६	व	२०	४७	९	३४	२६	१४	२	५	ध १६।१९	भ.२०।४७ उ.४८।३९ या.
५	र	४४	९	मू	१३	४८	सु	१४	२९	ब	१६	२४	५	३५	२५	१५	३	६	धनुषि	विशा. रविः१२।१७(सौरः४१।१९)
६	चं	३९	२१	पू	१०	५२	धृ	८	२	कौ	११	४५	२	३६	२४	१६	४	७	म.२५।५	
७	मं	३४	३४	उ	७	४४	शू	५/१	५२/४९	ग	६	५८	२६/५८	३६	२४	१७	५	८	मकरे	भ ३४।३४उ.
८	बु	२९	३८	श्र	४	३७	वृ	४७	२	वि	२	६	५५	३७	२३	१८	६	९	कुं ३२।५१	भ.२।६ या. गोपाष्टमी
९	गु	२४	१९	ध	५/५	५६/३७	ध्रु	४०	२	कौ	२४	१९	५२	३८	२२	१९	७	१०	कुंभे	कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	शु	१९	५	पू	५४	१४	व्या	३२	३१	ग	१९	५	४९	३८	२२	२०	८	११	मी. ४०/९	भ.४६।३३उ.ज्येष्ठा.बुध :४१।३१
११	श	१४	१	उ	५०	५६	ह	२५	२२	वि	१४	१	४५	३९	२१	२१	९	१२	मीने	भ.१४/५या.पूषा.शुक्रः४९/८स्वाती. २गुरुः५९/३×
१२	र	८	५९	रे	४८	८	व	१८	२८	बा	८	५९	४२	४०	२०	२२	१०	१३	मे.४८।८	वक्री बुध:१५।२५ प्रदोषः
१३	चं	४	३७	अ	४५	५०	सि	११	५५	तै	४	३७	३९	४०	२०	२३	११	१४	मेषे	वैकुंठ १४
१४	मं	०	५०	भ	४४	१९	व्य	५	४४	व	०	५०	३६	४१	१९	२४	१२	१५	वृ.५९।१९	भ.०।५०उ.३/३ ९/४या.मन्वादिः का.स्ना.पू.
१५	मं	५७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×प्रबोधिनी ११व्र. तुलसीविवाहः

३०पं.का.शु.१बु.इ. ४१/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	६	८	३	११	६
१६	२२	९	७	३	१७	१८	१५
२९	३०	५९	४४	३६	४	१०	५९
२८	१६	४६	४९	४७	५९	३८	२४
६०	३/६	५९	१३	५८	२	३	६०
४	व	३९	३२	५८	४	११	१८

गोचर ग्रहाः

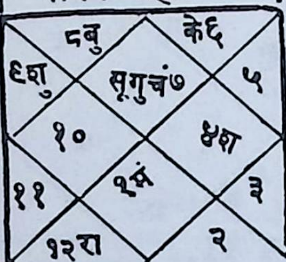

मार्गशीर्ष कृष्णे १बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ३० धान्या दि भावे समता शुक्रो दयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

३१ पं. का.शु. ८ बु.इ. ४१/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	०	७	६	८	३	११	६
२३	२०	१५	९	१०	१७	१७	२३
३०	१०	४८	१५	२८	१७	४८	१
५०	५२	४३	४३	१	१०	२३	५८
६०	३३/८	३०	१३	५५	१	३	६०
१७	व	४२	२८	४	२४	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६२ शाकः१९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	बु	५७	१	कृ	४४	१९	व	२९/०	५५/५३	बा	२७	३८	२६/३३	६/४१	५/५९	२५	१३	१६	वृषे	वृश्चिकेऽर्कः६२ (सौरः३३/५६)वक्री अनु.×
२	गु	५७	२८	रो	४५	३७	शि	५३	३१	तै	२७	१४	३०	४२	१८	२६	१४	१७	वृषे	[×बुधः ३५।१५
३	शु	५९	३७	मृ	४८	४५	सि	५२	१०	व	२८	३२	२७	४३	१७	२७	१५	१८	मि. १९/५	भ.२८/३२उ.५९/३७या.बुधास्तःपश्चिमायां४३/३०
४	श	६०	०	आ	५३	१२	सा	५१	३०	ब	३१	३६	२५	४३	१७	२८	१६	१९	मिथुने	अनु.रविः६/४२ (सौरः५३/२४) चतुर्थी व्र.
५	र	३	३५	पु	५९	१९	शु	५२	१७	बा	३	३५	२२	४४	१६	२९	१७	२०	कं.४२।४७	
५	चं	८	२५	पु	६०	०	शु	५३	१७	तै	८	२५	१९	४४	१६	३०	१८	२१	कर्के	
६	मं	१४	१२	पु	६	१	ब्र	५५	५९	व	१४	१२	१७	४५	१५	१	१९	२२	कर्के	भ.५/५ ४/३उ.४७/२५या.वक्री शनिः२३/४÷
७	बु	२०	३७	श्ले	१३	४०	ऐं	५८	९	ब	२०	३७	१४	४५	१५	२	२०	२३	सिं. १३/४०	भा.मार्गशीर्षारंभः
८	गु	२७	७	म	२१	५	वै	६०	०	कौ	२७	७	१२	४६	१४	३	२१	२४	सिंहे	
९	शु	३२	५४	पू	२८	१०	वै	०	२०	तै	०	१	९	४६	१४	४	२२	२५	कं.४४।४०	[+पूर्वस्यां ०।३६ दिसंबर १२ ता. ३१
१०	श	३७	२७	उ	३४	१०	वि	१	४७	व	५	१०	७	४७	१३	५	२३	२६	कन्यायां	भ.५।१०उ.३६।२७या.
११	र	४०	२७	ह	३८	४१	प्री	२	१०	ब	८	५४	५	४७	१३	६	२४	२७	कन्यायां	उत्पत्ति ११ व्र.
१२	चं	४१	४४	चि	४१	२८	आ	२/१०	५७/४	कौ	११	५	२	४८	१२	७	२५	२८	तु.१०।४	उषा.शुक्रः१८।३१
१३	मं	४१	६	स्वा	४२	३७	शो	५५	३८	ग	११	२५	०	४८	१२	८	२६	२९	तुलायां	भ.४१/६ उ.वक्री विशा.बुधः१/४ ३/३स्वाती.३÷
१४	बु	३८	४३	वि	४१	५५	अ	५०	३९	वि	९	५५	२५/५८	४८	१२	९	२७	३०	वृ.२७।५	भ.९।५५या. [÷गुरुः१।४० प्रदोषः
३०	गु	३४	५६	अ	३९	३८	सु	४४	२५	च	६	५०	५६	४९	११	१०	२८	१	वृश्चिके	उभा.४राहुः हस्तः२केतुः९/१ ६/२बुधोदयः+

३२पं.मा.कृ. १ बु.इ. ४५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	३	११	७
०	१८	१६	१०	१६	१७	१७	०
३३	०	३६	४४	५७	२४	२६	६
२९	३६	५४	५६	१४	३२	७	२
६०	१३/४९	३९/३५	१३	५०	०	३	६०
३०	व.	व.	२०	४१	४३	११	४०

गोचर ग्रहाः

३३पं.मा.कृ.१बु.इ. ४१/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	३	११	७
७	१६	९	१२	२२	१७	१७	७
३७	१०	४०	१२	५४	२६	३	११
२६	१	४४	५०	३६	१७	५१	३५
६०	११/४	१८/२८	१३	४५	१०	३	६०
४२	व.	व.	८	२९	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

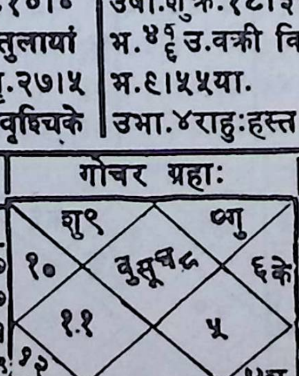

३४ पं.मा.कृ.१४बु.इ. ४५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	८	३	११	७
१४	१४	५	१३	२८	१७	१६	१४
४२	५५	१६	३८	११	२२	४१	१८
५०	२६	३७	५६	१०	४४	३६	२१
६०	५६/३	४३/१	१२	३८	५०/१	३	६१
५०	व.	व	४२	२९	वः	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९८९स.२००५
१	शु	२९	४९	ज्ये	३६	२६	धृ	३७	१८	किं	२	२२	२५/५४	४६	५/११	११	२९	२	ध.३६।२६	ज्येष्ठा.रविः३६।४९
२	श	२३	५६	मू	३२	२६	शू	२९	३५	कौ	२३	५६	५३	४९	११	१२	३०	३	धनुषि	ज्येष्ठा. रविःसौरः०।१८ मकरे शुक्रःA
३	र	१७	४३	पू	२७	५०	गं	२१	३४	ग	१७	४३	५१	५०	१०	१३	१	४	म. ४१/३	भ.४४।३८उ. मार्गी बुधः३६/५६ जिल्काद११
४	चं	११	३३	उ	२३	२०	वृ	१३	१४	वि	११	३३	४९	५०	१०	१४	२	५	मकरे	भ. ११।३३ या. पातस्पर्शः ३८।४०=
५	मं	५	२५	श्र	१९	४	ध्रु	५/१६	५३/१०	बा	५	२५	४८	५०	१०	१५	३	६	कुं.४७।५	चंपा६ [=पातमोक्षः५३।२
६	मं	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A३१।२३ चंद्रदर्शनम्
७	बु	५४	२७	ध	१५	७	ह	५०	५	ग	२७	७	४६	५१	९	१६	४	७	कुंभे	भ.५४।२७उ.
८	गु	४९	४३	श	११	३५	व	४३	५५	वि	२२	५	४५	५१	९	१७	५	८	मी५४।२३	भ.२२।५या.
९	शु	४५	३५	पू	८	४०	सि	३७	२५	बा	१७	३९	४४	५१	९	१८	६	९	मीने	
१०	श	४२	५	उ	६	१३	व्य	३१	१७	तै	१३	५०	४३	५१	९	१९	७	१०	मीने	अनु.बुधः३८।१८
११	र	३९	१५	रे	४	३५	व	२५	३४	व	१०	४०	४२	५१	९	२०	८	११	मे.४।३५	भ.१०।४०उ.३९।१५या.मोक्षदा११व्र.×
१२	चं	३७	५	अ	३	३९	प	१९	५२	ब	८	१०	४१	५२	८	२१	९	१२	मेषे	मार्गी भौमः४७।४८ [×गीताजयंती
१३	मं	३५	५९	भ	३	२७	शि	१५	३१	कौ	६	३२	४०	५२	८	२२	१०	१३	वृ.१८/४१	प्रदोषः
१४	बु	३५	५७	कृ	४	२५	सि	१२	९	ग	५	५८	३९	५२	८	२३	११	१४	वृषे	भ.३५।५७उ.
१५	गु	३७	६	रो	६	१४	सा	९	३५	वि	६	३१	३९	५२	८	२४	१२	१५	मि.३७/५२	भ.६।३१या.मूलेधनुष्यर्कः४/४४ दत्तजयंती

३५पं.मा.शु.७बु.इ,४०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	.०	७	६	९	३	११	७
२१	१४	१	१५	२	१७	१६	२१
४८	२०	४०	२	३३	१३	१९	२६
४३	५६	५२	२४	११	१६	२०	०४
६०	३/४३	३३/३२	१२	२९	१/३२	३	६१
५६	व.	मा	२०	११	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

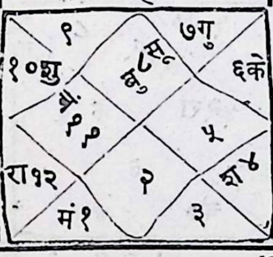

मार्गशीर्ष शुक्ले १५गुरी धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

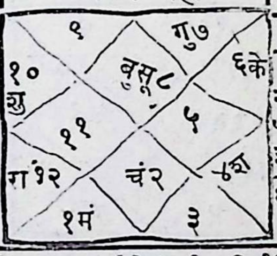

३६पं.मा.शु.१४बु.इ. ४०/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	६	९	३	११	७
२८	१४	७	१६	५	१६	१५	२८
५५	२४	५९	२२	४४	५८	५७	३४
३७	४०	४६	३७	५३	४१	५	४७
६१	१/२२	६६	११	१७	२	३	६१
०	मा.	२०	४७	४२	१३	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु	३९	४१	मृ	९	३२	शु	८	२८	बा	८	२३	३५/३८	५६/५२	५/८	२५	१३	१६	मिथुने	मूले धनुष्यर्कःसौरः४।८स्वाती४गुरुः९/१४
२	श	४३	२८	आ	१३	५९	शु	७	४६	तै	११	३४	३८	५२	८	२६	१४	१७	मिथुने	[÷सौरः५।४६
३	र	४८	४४	पु	१९	३५	ब्र	८	८	व	१९	६	३७	५३	७	२७	१५	१८	क.३।११	भ.१६।६उ.४८।४४या.
४	चं	५४	२६	पु	२६	१०	ऐं	९	२०	ब	२१	३५	३७	५३	७	२८	१६	१९	कर्के	चतुर्थी व्र.
५	मं	६०	०	श्ले	३३	४०	वै	११	१०	कौ	२७	३७	३६	५३	७	२९	१७	२०	सिं.३३/४०	
५	बु	०	४७	म	४१	८	वि	१३	२८	तै	०	४७	३६	५३	७	३०	१८	२१	सिंहे	ज्येष्ठा. बुधः २७।३६ वक्री पुष्य.४+
६	गु	७	२५	पू	४८	३५	प्री	१५	३७	व	७	२५	३६	५३	७	१	१९	२२	सिंहे	भ.७।२५उ.४०।३४या. भा. पौषारंभः
७	शु	१३	४२	उ	५५	२५	आ	१७	४५	ब	१३	४२	३६	५३	७	२	२०	२३	कं.५।१७	वक्री शुक्रः८।१२ [+शनिः२७।२८
८	श	१८	५०	ह	६०	०	सौ	१८	५६	कौ	१८	५०	३७	५३	७	३	२१	२४	कन्यायां	
९	र	२२	३२	ह	१	५६	शो	१९	४	ग	२२	३२	३७	५३	७	४	२२	२५	तु.३२।५६	भ.५३।३३उ.
१०	चं	२४	३५	चि	४	५७	अ	१७	५०	वि	२४	३[illegible]	३७	५३	७	५	२३	२६	तुलायां	भ.२४।३५या.
११	मं	२४	३७	स्वा	७	८	सु	१५	२	बा	२४	३७	३८	५२	८	६	२४	२७	वृ.५२।३	सफला११व्र.
१२	बु	२२	३०	वि	७	१	धृ	१०	४४	तै	२२	३०	३८	५२	८	७	२५	२८	वृश्चिके	पूषा.रविः४९।४प्रदोषः
१३	गु	१८	३८	अ	५	१६	शू	४/५०	५२/३९	व	१८	३८	३९	५२	८	८	२६	२९	वृश्चिके	भ.१८।३८उ.४५।४९ या. पूषा. रविः÷
१४	शु	१२	५९	ज्ये	१/४०	५४/५६	वृ	४९	७	श	१२	५९	४०	५२	८	९	२७	३०	ध.१।४०	मूले घनुषि बुधः४५।३४
३०	श	५	५८	पू	५०	४६	ध्रु	३९	५७	ना	५	५८	४१	५२	८	१०	२८	३१	घनुषि	

३७पं.पौ.कृ.५बु.इ.४०।३४

बु	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	६	९	३	११	८
६	१५	१६	१७	७	१६	१५	५
२	६	५७	३९	२१	२९	३४	४४
१४	४७	२२	७	११	२२	४९	१२
६१	६	८१	९	३	२/५४	३	६१
४	२५	५	२५	२२	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथी वृद्धि शुक्ल पक्षकी तिथी क्षय गेहूं वाजरा मूग मोठ मक्का आदि धान्य सोना चांदी लोहा में तेजी करेगी

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ. कृ.१२ बु. इ.४०/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	६	९	३	११	८
१३	१६	२६	१८	७	१६	१५	१२
११	२४	५३	५०	७	१५	१२	५४
१३	४०	४९	५६	४४	३२	३३	४
६१	१०	८९	१०	१२/५०	३/५	३	६१
६	५५	१६	३४	व.	व.	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०१९स.२००५
१	श	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Dपुत्रदा११व्र.
२	र	५०	११	उ	४४	४२	व्या	३०	१३	बा	२४	१३	२५/४२	६/५२	५/८	११	२९	१	म.४।१७	चंद्रदर्शनम् जनवरी१ता.३१सन् २००६
३	चं	४२	१९	श्र	३८	२६	ह	२०	३२	तै	१६	१५	४३	५१	९	१२	१	२	मकरे	जिल्हेज१२
४	मं	३४	४६	ध	३२	४०	व	१०	४९	व	८	३२	४४	५१	९	१३	२	३	कुं/५।३२	भ.८।३२उ.३४।४६या.
५	बु	२७	५८	श	२७	३२	सि	३/०	५९/४७	ब	१	२२	४५	५१	९	१४	३	४	कुंभे	विशा.१गुरुः५०।५७बुधास्तःपूर्वस्यां३/२
६	गु	२२	५	पू	२३	२६	व्र	४७	२२	तै	२२	५	४७	५१	९	१५	४	५	मि.९।२८	
७	शु	१७	२५	उ	२०	२७	प	३९	४९	व	१७	२५	४८	५०	१०	१६	५	६	मीने	स.१७।२५उ.४५।४१या.
८	श	१३	५६	रे	१८	४१	शि	३४	१७	ब	१३	५६	५०	५०	१०	१७	६	७	मे.१८।४१	[+शुक्रः२९।२७
९	र	११	४३	अ	१८	३	सि	२९	४६	कौ	११	४३	५२	५०	१०	१८	७	८	मेषे	पूषा.बुधः४६।२
१०	चं	१०	२६	भ	१८	३५	सा	२५	५९	ग	१०	२६	५३	४९	११	१९	८	९	वृ.३४।०	भ.४०।३०उ.
११	मं	१०	३४	कृ	२०	१६	शु	२३	२६	वि	१०	३४	५५	४९	११	२०	९	१०	वृषे	भ. १०।३४ या. उषा. रविः ५३।४९D
१२	बु	११	४९	रो	२३	८	शु	२१	४०	बा	११	४९	५७	४९	११	२१	१०	११	मि.५५।०	उषा.रविःसौरः७।१३ प्रदोषः
१३	गु	१४	१	मृ	२६	५२	ब्र	१९	५८	तै	१४	१	५९	४८	१२	२२	११	१२	मिथुने	शुक्रास्तःपश्चिमायां२५।१२
१४	शु	१७	२२	आ	३२	७	ऐं	२०	३४	व	१७	२२	२६/१	४८	१२	२३	१२	१३	मिथुने	भ.१७।२२उ.४९।३६या. वक्री धनुषि+
१५	श	२१	५०	पु	३७	५९	वै	२१	१३	ब	२१	५०	४	४७	१३	२४	१३	१४	क.२१।३१	मकरेऽर्कः१०।१३(सौरः३२/४०)मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.५बु.इ.४०/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	६	९	३	११	८
२०	१८	७	१९	४	१५	१४	२०
१९	८	१९	५८	५१	४८	५०	४
२६	५६	१९	१६	११	१८	१८	१
६१	१४	९४	९	२७/२९	३/५८	३	६१
६	३२	२९	४८	व.	व.	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले१५ शनौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ बालावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु १२ बु.इ.४०/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	६	९	३	११	८
२७	२०	१८	२१	१	१५	१४	२७
२७	१४	६	०	५	१७	२८	१३
२२	३८	२९	२९	१३	२८	२	५३
६१	१८	९८	९	३५/५१	१४/६	३	६१
६	८	३८	२	व.	व.	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरें पौष कृष्णेति महा.
१	र	२७	१८	पु	४४	३६	वि	२२	४१	कौ	२७	१८	२६	४६/७	१५/३	२५	१४	१५	कर्के	
२	चं	३३	१५	श्ले	५१	४२	प्री	२४	१७	तै	०	१६	८	४६	१४	२६	१५	१६	सिं. ५१/४२	
३	मं	३९	३५	म	५९	१६	आ	२६	२९	व	६	२५	११	४६	१४	२७	१६	१७	सिंहे	भ.६।२५उ.३९।३५या.उषा.बुधः७।३६
४	बु	४६	५	पू	६०	०	सौ	२८	५१	ब	१२	४९	१३	४५	१५	२८	१७	१८	सिंहे	शुक्रोदयःपूर्वस्याम्१३।४८चतुर्थी व्र.
५	गु	५२	३०	पू	७	५१	शो	३१	३	कौ	१९	१७	१६	४५	१५	२९	१८	१९	कं.२३।४१	मकरे बुधः५।१४वक्री पूषा.शुक्रः२।१५
६	शु	५८	१	उ	१४	१४	अ	३२	४९	ग	२५	१६	१९	४४	१६	३०	१९	२०	कन्यायां	भ.५८।१ उ. अभि प्र. रविः ४२।४३–
७	श	६०	०	ह	२०	३२	सु	३३	५३	वि	३०	१६	२१	४४	१६	१	२०	२१	तु.५३।९	भ.३०।१६या.भा.माघारंभः
७	र	२	३३	चि	२५	४६	धृ	३३	४७	व	२	३३	२४	४३	१७	२	२१	२२	तुलायां	[=अभि.नि.रविः५१।३५
८	चं	५	३४	स्वा	२९	२२	शू	३२	२३	कौ	५	३४	२७	४३	१७	३	२२	२३	तुलायां	श्रवणे रविः ५९।२० [–(सौरः५४।१
९	मं	६	४८	वि	३०	५९	गं	३०	२८	ग	६	४८	२९	४२	१८	४	२३	२४	वृ.१५।३५	भ.३६।१९ उ. श्रवणे रविःसौरः९।५७=
१०	बु	५	५१	अ	३०	४०	वृ	२४	५७	वि	५	५१	३२	४२	१८	५	२४	२५	वृश्चिके	भ.५।५१या. अभि.नि.रविःसौरः२।१४×
११	गु	४	३	ज्ये	२८	२७	ध्रु	१८	४२	बा	४	३	३५	४१	१९	६	२५	२६	ध.२८।२७	षट् तिला११व्र.
१२	गु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×श्रवणे बुधः७।३४
१३	शु	५१	२३	मू	२४	६	व्या	११	४	ग	२४	४४	३८	४०	२०	७	२६	२७	धनुषि	भ.५१।२३उ.प्रदोषः
१४	श	४३	१४	पू	१८	२२	ह	२/१	४९/५	वि	१७	१९	४१	४०	२०	८	२७	२८	म.३१।३९	भ.१७।१९या.कृत्ति.भौमः३१।२५
३०	र	३४	२३	उ	११	३१	सि	४१	३०	च	८	४८	४५	३९	२१	९	२८	२९	मकरे	

४१पं. मा.कृ.४ बु. इ. ४०/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	६	८	३	११	९
४	२२	२९	२१	२६	१४	१४	४
३५	४६	१७	५६	५२	४४	५	२३
१३	८	३५	३५	३४	३१	४७	२२
६१	२१	८/०	८	३४/२	४/३४	३	६१
३	१३	५९	८	व.	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

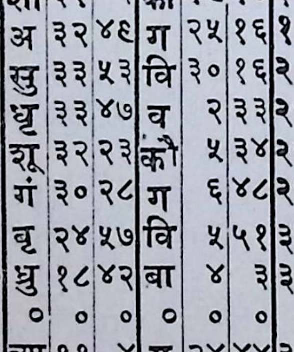

इस मास में मेष का मंगल गेहूं जौ चना मूंग मोठ गवार मंदा चांदी सोना कपडा तेज करेगा युद्ध की सम्भावना रहेगी

गोचर ग्रहाः

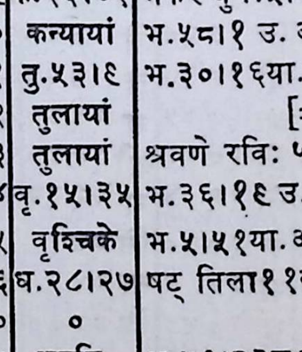

४२पं.मा कृ.१० बु.इ:४०/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	६	८	३	११	९
११	२५	१०	२२	२३	१४	१३	१०
४२	३२	५७	४६	३७	१०	४२	२२
४०	४२	२९	१	५	३७	३१	१३
६०	२३	८/०	६	२२/२७	४/४०	३	६१
५९	३६	५९	५५	व.	व.	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:५०४९स.२००६
१	चं	२५	२	श्र	४/६	५२/२७	व्य	३०	३९	ब	२५	२	२६/४८	६/३८	५/२२	१०	२९	३०	कुं.३०।१९	विशा.२गुरु:१८।५४चंद्रदर्शनम्
२	मं	१५	४५	श	४९	३४	व	२०	३	कौ	१५	४५	५१	३८	२२	११	३०	३१	कुंभे	भ.३३।५ उ.५६।१३ या. धनि. बुध:×
३	बु	६	५८	पू	४३	१३	प	९	५५	ग	६	५८	५४	३७	२३	१२	१	१	मी२९।४९	[×४८।२३ फर्वरी२ ता.२८मोहोरम१=
४	बु	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	उभा.३ राहु:हस्त:१केतु:४।१वसंत५
५	गु	५२	५२	उ	३८	२९	शि	०/२८	५३/२	ब	२६	२	५८	३६	२४	१३	२	२	मीने	भ.४४।५३ उ. मार्गी शुक्र: २६।५० +
६	शु	४७	५८	रे	३४	५८	सा	४५	४५	कौ	१९	५५	२७/१	३६	२४	१४	३	३	मे.३४।५८	[+वक्रीपुष्य.३ शनि:५४।२६ पातस्पर्श:A
७	श	४४	५३	अ	३३	१५	शु	४०	१९	ग	१५	५५	५	३५	२५	१५	४	४	मेषे	[A२५।१७पातमोक्ष:३६/२६भानु ७रथ७
८	र	४३	२३	भ	३३	५	शु	३६	१०	वि	१४	८	८	३४	२६	१६	५	५	वृ.४८।२८	भ.१४।८ या. कुंभे बुध:३३।१८ वृषेV
९	चं	४३	३५	कृ	३४	३८	ब्र	३३	२६	बा	१३	२९	१२	३४	२६	१७	६	६	वृषे	धनि. रवि:७।३८(सौर:१५।४७)
१०	मं	४५	१९	रो	३७	४६	ऐं	३१	५०	तै	१४	२७	१५	३३	२७	१८	७	७	वृषे	[Vभौम.३।४८भीष्माष्टमी
११	बु	४८	१७	मृ	४२	११	वै	३१	२०	व	१६	४८	१९	३२	२८	१९	८	८	मि.९।५८	भ.१६।४८उ.४८।१७या.जया११व्र.
१२	गु	५२	२८	आ	४७	३५	वि	३१	५५	ब	२०	२३	२३	३१	२९	२०	९	९	मिथुने	शते बुध:१६।५७ [=सन्१४२७हि.
१३	शु	५७	२७	पु	५३	४२	प्री	३२	३९	कौ	२४	५८	२७	३१	२९	२१	१०	१०	कं.३७।१०	प्रदोष:
१४	श	६०	०	पु	६०	०	आ	३४	२०	ग	२९	१७	३०	३०	३०	२२	११	११	कर्के	भ.३।८ उ.३५।१७या.कुंभेऽर्क:४२।५४*
१४	र	३	८	पु	०	२२	सौ	३६	११	व	३	८	३४	२९	३१	२३	१२	१२	कर्के	[*(सौर:४९/४५)बुधोदय:पश्चिमायां५०।८
१५	चं	९	२६	श्लो	७	५९	शो	३८	३१	ब	९	२६	३८	२८	३२	२४	१३	१३	सिं. ७/५९	मा. स्ना. पूर्ति:

४३ पं. मा. शु. ३बु.इ. ४०/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	६	८	३	११	९
१८	२८	२३	२३	२२	१३	१३	१८
४९	३२	५	२८	४	३५	२१	४०
१६	२०	४२	८	४१	६	१५	१८
६०	२५	०/०	५	६/२८	४/४०	३	६१
५५	५२	१/५	५९	व.	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

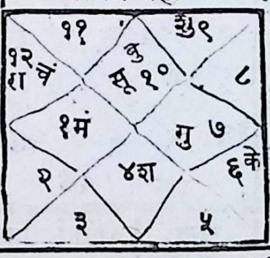

माघ शुक्ले १४ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४४ पं.मा.शु ११ बु.इ. ४०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	१०	६	८	३	११	९
२५	१	५	२४	२२	१३	१२	२५
५५	४३	३५	२	३२	२	५९	४७
०१	४८	२	४६	४६	६	०	५
६०	२७	०/०	४	९/३७	४/२८	३	६०
४७	४४	१९	४७	मा	व.	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	मं	१५	४५	म	१५	४९	अ	४०	३३	कौ	१५	४५	२७/४१	६/२८	५/३२	२५	१४	१४	सिंहे	
२	बु	२२	१६	पू	२२	५९	सु	४२	५०	ग	२२	१६	४५	२७	३३	२६	१५	१५	कं.३९।४९	भ.५५।१९उ.
३	गु	२८	२२	उ	३०	१८	धृ	४४	४२	वि	२८	२२	४९	२६	३४	२७	१६	१६	कन्यायां	भ.२८।२२या.पूभा.बुध५४/२५चतुर्थी व्र.
४	शु	३३	४९	ह	३६	५६	शू	४५	५२	ब	१	५	५३	२५	३५	२८	१७	१७	कंन्यायां	
५	श	३८	२७	चि	४२	४३	गं	४६	४२	कौ	६	८	५६	२५	३५	२९	१८	१८	तु९।५०	पातस्पर्श:१४।१४पातमोक्ष:२५।३१
६	र	४२	४	स्वा	४७	१९	वृ	४६	२	ग	१०	१५	२८/००	२४	३६	३०	१९	१९	तुलायां	भ. ४२।४ उ. शतेरविः १९।१०×
७	चं	४४	७	वि	५०	२७	ध्रु	४४	४१	वि	१३	५	४	२३	३७	१	२०	२०	वृ.३४।४०	भ.१३।५या.भा.फाल्गुनारंभः
८	मं	४४	२५	अ	५१	४९	व्या	४१	३८	बा	१४	१६	८	२२	३८	२	२१	२१	वृश्चिके	[×(सौर:२५।७)उषा.शुक्र:३३।२५
९	बु	४३	०	ज्ये	५१	२८	ह	३७	१६	तै	१३	४३	१२	२२	३८	३	२२	२२	ध.५१।२८	
१०	गु	३९	४१	मू	४९	४	व	३१	१४	व	११	२०	१६	२१	३९	४	२३	२३	धनुषि.	भ.११।२०उ.३९।४१या.
११	शु	३४	१६	पू	४४	५५	सि	२२	५७	ब	६	५८	२०	२०	४०	५	२४	२४	म.५८।३१	मीने बुध:११।३४विजया११व्र.
१२	श	२७	२४	उ	३९	१९	व्य	१५	८	कौ	०	५०	२४	१९	४१	६	२५	२५	मकरे	मकरे शुक्र:२४।१२रोहि.भौम:२७/३९प्रदोष:
१३	र	१९	७	श्र	३२	२५	व	४/१४	५१/२३	व	१९	७	२८	१८	४२	७	२६	२६	कुं.५८।४१	भ.१९।७ उ.४४।२७या.महाशिवरात्रि+
१४	चं	९	४६	ध	२४	५८	शि	४३	५	श	९	४६	३२	१८	४२	८	२७	२७	कुंभे	महाशिवरात्रि व्र. वै. [+व्र.स्मा.
३०	मं	०	३	श	१६	५९	सि	३२	२३	ना	०	३	३६	१७	४३	९	२८	२८	मी.५६/१३	

४५ पं.फा. कृ. २ बु. इ. ४०/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	६	८	३	११	१०
२	५	१७	२४	२४	१२	१२	२
५[illegible]	५	५५	२९	४७	३०	३६	५३
४९	३८	२१	१७	४६	०	४४	८
६०	२८	०/०	३	२३	४/१०	३	६०
३७	५८	१५	३४	१२	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

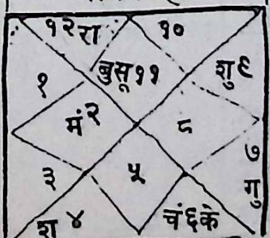

वृष राशौ यदा भौमः सर्वधान्य महर्घता। चन्दनं कुंकुमं वस्त्रं कार्पासादि महर्घता।। इस मास में धान्य व रस तेज हो धातु मंदी होवे।

गोचर ग्रहाः

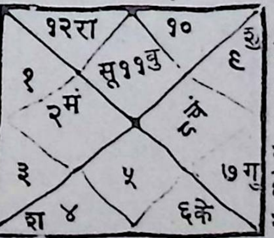

४६ पं.फा.कृ. ९ बु.इ. ४१/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	६	८	३	११	१०
१०	८	२८	२४	२८	१२	१२	९
३	३५	८	४६	२७	०	१४	५७
२२	५६	२८	५२	११	२५	२९	४१
६०	३०	७३	२	३४	५३/२	३	६०
२५	१७	५९	८	१६	व.	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि..उ.		अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	मं	५०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	बु	४०	५४	पू	९	१७	सा	२१	४३	बा	१५	३१	२८/४०	६/१	५/४४	१०	२९	१	मीने
३	गु	३२	४६	उ	२/२७	५४/४१	शु	११	५९	तै	६	५०	४४	१५	४५	११	१	२	मे.५७।८
४	शु	२६	७	अ	५३	१०	शु	३/९	५२/५२	वि	२६	७	४८	१४	४६	१२	२	३	मेषे
५	श	२१	११	भ	५१	१७	ऐं	५०	३३	बा	२१	११	५२	१४	४६	१३	३	४	मेषे
६	र	१८	१५	कृ	५१	१४	वै	४६	३१	तै	१८	१५	५६	१३	४७	१४	४	५	वृ.५६/७
७	चं	१७	२९	रो	५३	२५	वि	४४	८	व	१७	२९	२९/१	१२	४८	१५	५	६	वृषे
८	मं	१८	३३	मृ	५७	१४	ध्री	४३	३	ब	१८	३३	५	११	४९	१६	६	७	मि२५।१९
९	बु	२१	२२	आ	६०	०	आ	४३	३९	कौ	२१	२२	९	१०	५०	१७	७	८	मिथुने
१०	गु	२५	४६	आ	२	२७	सौ	४४	३४	ग	२५	४६	१३	९	५१	१८	८	९	क.५२।१९
११	शु	३१	२	पु	८	५३	शो	४६	२०	वि	३१	२	१७	९	५१	१९	९	१०	कर्के
१२	श	३७	१५	पु	१६	१३	अ	४८	३८	व	४	८	२१	८	५२	२०	१०	११	कर्के
१३	र	४३	३७	श्ले	२३	३४	सु	५१	५०	कौ	१०	२६	२६	७	५३	२१	११	१२	सिं२३।३४
१४	चं	५०	४८	म	३१	१३	धृ	५३	३	ग	१७	१२	३०	६	५४	२२	१२	१३	सिंहे
१५	मं	५६	१	पू	३८	२८	शू	५५	८	वि	२३	२४	३४	५	५५	२३	१३	१४	कं.५४।४७

वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५०७८ स.२००६

चंद्रदर्शनम् मार्च ३ ता.३१ फुलरिया २
भ.५९।२६ उ.सफर२पातस्पर्शः१९।६×
भ.२६।७या.वक्री बुधः१।२२
पूभा.रविः३५।१६(सौरः३९।५४)
बुधास्तः पाश्चिमायां१५।०
भ.१७।२९उ.४८।१या वक्रीगुरुः१२।५१
होलाष्टकम् [×पातमोक्षः२८।३
भ.५८।२४उ.वक्रीकुंभे बुधः१५।४६
भ. ३१।२ या. श्रवणे शुक्रः१२।३२÷
(=सौरः४०।१५) होलिकादहनम्
प्रदोषः [÷आमलकी११व्र.
भ.५०।४८उ.
भ. २३।२४ या. मीनेऽर्कः ३६।९=

४७पं.फा.शु.२बु.इ.४१।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	६	९	३	११	१०
१७	१२	२	२४	३	११	११	१७
५	१३	५४	५५	११	३३	५२	०
३५	२३	१८	४१	४२	४७	१३	३४
६०	३१	१२	०	४२	३	३	६०
१२	२१	५२	५१	२८	२२	११	२०

गोचर ग्रहाः

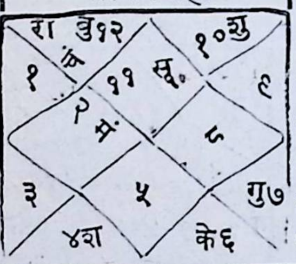

फाल्गुन शुक्ले १५भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ वालावस्था (वैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४८ पं.फा.शु.९ .बु.इ.४१/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	६	९	३	११	१०
२४	१५	०	२४	८	११	११	२४
६	५५	३१	५५	४५	११	२९	१
२२	२३	२३	८	७	२०	५१	५७
५९	३२	५४/४३	२८/०	४९	२/४१	३	६०
५८	३०	व.	व:	१२	वै.	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९२७												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः
१	बु	६०	०	उ	४५	४६	गं	५६	५०	बा	२८	५०	२९/३८	६/४	५/५६	२४	१४	१५	कन्यायां
१	गु	१	४१	ह	५१	५१	वृ	५७	५७	कौ	१	४१	४३	३	५७	२५	१५	१६	कन्यायां
२	शु	६	४४	चि	५७	३५	ध्रु	५८	२८	ग	६	४४	४७	३	५७	२६	१६	१७	तु.२४।४३
३	श	१०	४९	स्वा	६०	०	व्या	५८	११	वि	१०	४९	५१	२	५८	२७	१७	१८	तुलायां
४	र	१३	४९	स्वा	२	२	ह	५७	७	बा	१३	४९	५५	१	५९	२८	१८	१९	वृ.४९।२६
५	चं	१५	५०	वि	५	१४	व	५५	२	तै	१५	५०	३०/००	६/००	६/००	२९	१९	२०	वृश्चिके
६	मं	१७	३९	अ	७	५२	सि	५१	४८	व	१७	३९	४	५/५९	१	३०	२०	२१	वृश्चिके
७	बु	१६	५	ज्ये	८	४७	व्य	४७	२१	ब	१६	५	८	५८	२	१	२१	२२	ध.८।४७
८	गु	१४	२	मू	८	२०	व	४१	४४	कौ	१४	२	१२	५८	२	२	२२	२३	धनुषि
९	शु	१०	१६	पू	६	१३	प	३४	५७	ग	१०	१६	१६	५७	३	३	२३	२४	म.२०।१९
१०	श	५	८	उ	३२/९	५५/३	शि	२६	४९	वि	५	८	२१	५६	४	४	२४	२५	मकरे
११	श	५३	२५	०	०	०	०	०-	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	र	५०	४४	ध	५१	४४	सि	१७	७	कौ	२४	३९	२५	५५	५	५	२५	२६	कुं.२४।४३
१३	चं	४१	५५	श	४४	४४	सा	७/५२	४९/३९	ग	१६	१९	२९	५४	६	६	२६	२७	कुंभे
१४	मं	३२	४४	पू	३७	१८	शु	४६	५५	वि	७	१९	३३	५३	७	७	२७	२८	मी.२४/१०
३०	बु	२३	१९	उ	३०	९	ब्र	३६	४३	बा	२३	१९	३७	५३	७	८	२८	२९	मीने

वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०

वसंत १ छारंडी
भ.३८।४६उ.उभा.रविः५७।१३
भ.१०।४९या. उभा. रविः सौरः०।५१×
[×बुधोदयःपूर्वस्यां४०।२९चतुर्थी व्र.
भ.१७।३९उ.४६।५२या.
वक्री शते बुधः९।२९मृगे भौमः१९।२२=
शीतलापूजनम् [=भा.चैत्रारंभः
भ.३७।४२उ.धनि.शुक्रः३३।४१
भ.५।८या.पोपमोचनी११व्र.स्मा.
पापमोचनी११व्र.वै.
भ.४१।५५उ.मार्गी बुधः १८।५९ प्रदोषः
भ.७।१९या.पूभा.बुधः३०।२८
सूर्य ग्रहणम् मन्वादिः

४९पं. चै. कृ. १ बु. इ. ४२/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	६	९	३	११	११
१	१९	२३	२४	१४	१०	११	१
५	४१	५७	४५	५५	५३	७	१
३५	४६	२६	३६	४८	१३	४२	३९
५९	३३	५८/३६	२/१	५३	२/७	३	५९
४१	१४	व.	व.	३२	व.	११	४९

५० पं.चै.कृ. ७ बु.इ. ४२/२४

र	मं	बु	व	शु	श	रा	र
११	१	१०	६	९	३	११	११
८	२३	१९	२४	२१	१०	१०	७
३	३३	४७	२६	३३	४०	४५	५९
१८	०	२	४२	२२	५	२६	३४
५९	३३	२३/३८	३/२५	५७	१/२७	३	५९
२९	५२	व.	वै.	२६	व.	११	३५

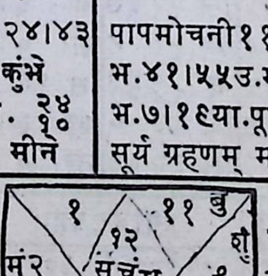

५१पं.चै.कृ.३०बु. इ. ४२/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	६	९	३	११	११
१४	२७	२०	२३	२८	१०	२०	१४
५९	२८	१४	५९	२८	३२	२३	५३
१०	२६	४९	५३	५९	१०	११	४३
५९	३५	१२/१८	४/३५	६०	०/३७	३	५९
१६	२	मा.	व.	२१	व.	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०७ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०७ भोग्यकलिः ४२६८९३ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६३ शाकः १९२८ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः। मंत्री गुरुः । सस्येशोरविः। धान्येशः शुक्रः । मेघेशो गुरुः । रसेशोभौमः । नीरसेशोरविः । फलेशोबुधः । धनेशःशनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १३ विकारिनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः १०।२७।२४।५८ भोग्यमासादिः १।२।३५। २ पितृदैवतं युगम्। वर्षनाम वैशाखः। मेघनाम पुष्करः। रोहिणीनिवासः पर्वते। समयनिवासः कुंभकारगृहे । समयविश्वा १०समयवाहनम् चातकः, स्तंभौः २ जलतृणयोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३५१ तिथिक्षयः १४तिथिवृद्धिः ५ उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् ५ तृणम् १५ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम्१०९ सत्यम् ॥ धर्मं १॥ पापं १८ शनिदृष्टिः दक्षिणे ग्रहणानि ३ (चंद्रस्य २ सूर्यस्य १)

सं.२०६३भा.शु.१५ गुरौ
खण्डग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४३	४५	४८
प.	५३	५७	१
घ.	१२	१२	१
मि.	०	५०	३९

फाल्गुन शु. १५ शुक्रे खग्रास
चंद्रग्रहणम् ।

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घं.	५१	५४	५५	५७	०
प.	१९	२४	५७	३०	३५
घं.	२	४	४	५	६
मि.	५९	१३	५०	२७	४१

वर्ष लग्नम् ४।७

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता से कर जोडके पूछे भैरव लाल।
तिरसठ संवत् का मुझे शीघ्र कहो सब हाल॥

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे हाल सुनो घर ध्यान।
राजा मंत्री गुरु हुये बढे मान संमान॥
धान्याधिप भृगुजी भये मेघपति गुरुराज।
प्रचुर धान्य अरु मेघ से सारें जग का काज॥
रोहिणी पर्वत में वसी समय बसे घट कार।
खंडवृष्टि का योग है ना सारें इक सार॥
ज़ौ गेहूँ संचय करो लाभ सवाया होय।
रस कसमें तेजी रहे संशय करो न कोय॥
नो विश्वा वर्षाबनी स्तंभ लगे है दोय।
होणी हो सो होयसी फल यह मालुम होय॥

संवत् २०६३ चैत्र कृ.३० चंद्रे
सूर्यग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	५९	१	३
प.	१६	१७	२२
घं.	६	६	७
मि.	९	५८	४८

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	०५	१४	११	११	५	११
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ११।२०

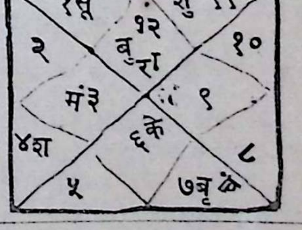

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४४।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५५।५०

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्चधेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोग्निहोत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविधधान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर तोय धनामुदिताभवेत् । नृपतयो जनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रिसमागते । सस्येशोरविःफलम् ।। सस्थाधिनाथेत्तरणौहिपूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पंचसस्यं बहुभूतहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्ततफलम् ।। भृगौ पश्चिमेधान्येशे पश्चाद्धान्यंन पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशोगुरुः फलम् ।। गुरुरपि प्रियवृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुतिविचारपराः नरपालकाः रससमृद्धियुताखिलमानवाः ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनतानदो जलदो बहुवृष्टिकरो भुवि ।। नीरसेशोरविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये नाम्न चंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपेफलमुत्तमं जलधरा जलराशिमुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमैः कमलैर्युतं जनपदोजनसौख्यमुदान्वितः ।। धनेशः शनिःफलम् । द्रविणपे रविजेविरलं धनम् गदरता धरणीपतयः सदा । अधनता वणिजां कृषिजीविनो द्विजवरा परिपीडितमानसाः ।। दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् ।। विषमसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषताम् । शशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुतां न भयं क्वचित् ।। विकारिनाम संवत्सरःफलम् ।। विकार्यब्देखिला लोकाःसरोगा वृष्टिपीडिताः । पूर्वसस्यफलं स्वल्पं बहुलं चापरंफलम् ।। वर्षनाम वैशाखःफलम् ।। अर्धं विविध भावेन जायते द्रविणप्रदम् । नीरुजाःनिर्भया लोका वैशाखे जनपूजिताः ।। मेघनामपुष्करः फलम् । पुष्करे मंद वृष्टिश्च रोहिणीनिवासः पर्वते फलम् ॥ पर्वते विन्दुमात्रश्च ।। समयनिवासः कुंभकारगृहे फलम् । अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृ. ७ गुरौ उषा. ल. गो. रे ६ ऽ।।।ऽचोऽऽ।

शु. ४ चंद्रे मृगे. ल. अन्यगो. रे. ६।।।।ऽरो।।।

,, ९ शनौ मधा. ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः ।

शु. १ रवौ मृगे ल. १ रे. ८।।ऽबु।।ऽनृ।।।।गुरु७पूज्यः

,, ६ शुक्रे मघा.ल. अन्यगो. १ रे.६ ।।।ऽरोऽऽ।मेषे गु. ७ पू. रोगपंचकाऽभावश्च

,, ११ बुधे स्वा. ल १ (चंद्रगुरु७पूज्यौ)रे.८ऽ।ऽवृ।।।।।।

,, १२ गुरौ स्वा.ल. अन्यगो. रे.७ऽ।ऽवृ।।ऽ।।

आषाढ मासः।

कृ.१चंद्रे मूले ल. गो. रे. ६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।पादवेधाद्बुस्य् वेधाऽभावः आवश्यके

शु. ४ गुरौ मघा ल. १।२ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।मेषे गु. ७पू.

,, ५ शुक्रे मघा. ल. अन्यगो. रे.८।।।।।ऽऽ। भौम८दोषः

पौष मासः ।

कृ. ८ बुधे हस्ते ल. ७ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

माघ मासः ।

शु. ५ भौमे उभा. ल. अन्यगो.सोग्रांगः८ रे.६ ।।।।।ऽ।।

,, १० रवौ रोहि. ल. गो. सौगांगः रे. ८ ।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ११ चंद्रे मृगे ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ६ ।।।ऽऽचो ऽ।ऽदग्धा

फाल्गुन मासः।

कृ. ३ चंद्रे उफा. ल. गो. सोग्रांगः ७।८ रे. ७ ।।।ऽऽनृ।ऽ।

,, ४ भौमे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः ७।८ रे. ६ ।।।।।।ऽ।

,, ७ शुक्रे स्वा. ल.अन्यगो. सोग्रांगः रे. ६ ऽऽ।ऽबु ।ऽरो।।।। पादतो बुधवेधाऽभावः आवश्यके

,, ११ भौमे मूले ल. ७।८ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।

शु. २ चंद्रे उभा. ल. ८।९ रे. ६।ऽऽशु।।ऽऽ।। शुक्रयुतिदोषः

चैत्र मासः

कृ. २ भौमे हस्ते ल. गो. सोग्रांगः रे ६।ऽ।।।।।।।

,, ४ गुरौ स्वा. ल. गो. सोग्रांगः ८ (घ. ४५।१३या.) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ६ शनौ अनु. ल. अन्यगो. सोग्रांगः रे. ८ ऽऽ।।।।।।।

,, ८ चंद्रे मूले ल. अन्यगो. ८ रे. ६ ।।।।।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१०७स२००६
१	गु	१४	२५	रे	२३	३१	ऐं	२७	१	ब	१४	२५	३०/४१	५/५२	६/८	९	२९	३०	मे.२३।३१	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	शु	६	४२	अ	१८	१३	वै	१८	२४	कौ	६	४२	४५	५१	९	१०	१	३१	मेषे	रेवत्यां रविः२४।५२ सौरः२८।१८)×
३	श	०	२६	भ	१४	२७	वि	११	४	ग	०	२६	४९	५०	१०	११	२	१	वृ.२८।५९	भ.२९उ.५५/३या.अप्रेल४ता.३०गणगौरी
४	श	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×कुंभे शुक्रः १३।१५ रविलावल–
५	र	५३	३७	कृ	१२	३२	प्री	५	२२	ब	२४	४५	५३	४९	११	१२	३	२	वृषे	[–३सिंधारा मत्स्यजयंती
६	चं	५३	२५	रो	१२	५६	आ	३१/५	५७/४७	कौ	२३	३१	५७	४९	११	१३	४	३	मि.४४/७	मिथुने भौमः१३।८
७	मं	५५	१३	मृ	१५	१६	शो	५९	३	ग	२४	१९	३/१	४८	१२	१४	५	४	मिथुने	भ.५५।१३उ.शते शुक्रः४२।५५
८	बु	५८	५७	आ	२०	३६	अ	५९	१९	वि	२७	५	५	४७	१३	१५	६	५	मिथुने	भ. २७।५या. मार्गी शनिः ५०।१२
९	गु	६०	०	पु	२५	२६	सु	६०	०	बा	३१	२९	८	४६	१४	१६	७	६	क.९।१४	वक्री. विशा. १गुरुः ३६।५४ उभा.=
९	शु	४	०	पु	३२	३२	सु	१	३	कौ	४	०	१२	४६	१४	१७	८	७	कर्के	[=२राहुः उफा. ४केतुः०।२२रामनवमी
१०	श	१०	१०	श्ले	३९	४९	धृ	३	२२	ग	१०	१०	१६	४५	१५	१८	९	८	सिं३९।४९	भ. ४३।१७ उ.
११	र	१६	२५	म	४७	३५	शू	५	३८	वि	१६	२५	१९	४४	१६	१९	१०	९	सिंहे	भ. १६।२५या. कामदा ११ व्र.
१२	चं	२२	४७	पू	५४	५६	गं	८	६	बा	२२	४७	२३	४३	१७	२०	११	१०	सिंहे	
१३	मं	२८	४४	उ	६०	०	बृ	१०	१२	तै	२८	४४	२६	४३	१७	२१	१२	११	कं.११।३८	मीने बुधः३१।२९ प्रदोषः
१४	बु	३४	२	उ	१	४६	ध्रु	११	४४	ग	१	२३	३०	४२	१८	२२	१३	१२	कन्यायां	भ.३४।२उ.
१५	गु	३८	१३	ह	७	४३	व्या	१२	३७	वि	६	७	३४	४१	१९	२३	१४	१३	तु.४०।१३	भ.६।७या.अश्वि.मेषेऽर्कः५९/५०हनुमज्जयंती

५२पं.चै.शु.८बृ.इ. ४३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	६	१०	३	११	११
२१	१	२४	२३	५	१०	१०	२?
५३	२७	२६	२५	३६	३०	०	४९
३१	१८	४६	५	५०	०	५५	५४
५९	३४	४२	४/५०	६२	०/१	३	५९
४	५६	२१	व.	४०	व:	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले १५ गुरौ
मेषेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३ न.४ कुमार्य
वस्था (बैठी) मु.३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु. १५बृ.इ. ५८/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	६	१०	३	११	११
०	६	२	२२	१४	१०	९	२९
०	१०	४७	३४	३३	३२	३५	५६
०	५५	४९	१९	७	१०	५१	७
५८	३५	६८	४/६३	६४	५८/०	३	५८
४४	२९	२०	व.	४७	मा	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र. कृष्णेति महा.:
१	शु	४१	२२	चि	१२	४८	ह	१२	४४	बा	९	४८	३१/३८	५/४०	६/२०	२४	१५	१४	तुलायां	अश्वि. मेषेऽर्कःसौरः २।५२उभा. बुधः÷
२	श	४३	४०	स्वा	१६	५८	व	१२	१८	तै	१२	३१	४२	४०	२०	२५	१६	१५	तुलायां	[÷२७।५आर्द्रा. भौमः४८।१
३	र	४४	४०	वि	१९	५२	सि	१०	२८	व	१४	१०	४६	३९	२१	२६	१७	१६	वृ.४।१०	भ.१४।१०उ.४४।४०या.
४	चं	४४	४१	अ	२१	४८	व्य	८	४	ब	१४	४०	५०	३८	२२	२७	१८	१७	वृश्चिके	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४३	४२	ज्ये	२२	४४	व	४	५५	कौ	१४	१२	५३	३७	२३	२८	१९	१८	ध.२२।४४	
६	बु	४१	५०	मू	२२	४९	प	९/२	५५/३	ग	१२	४६	५७	३७	२३	२९	२०	१९	धनुषि	भ.४१।५०उ.पूभा. शुक्रः०।१२
७	गु	३८	४७	पू	२१	४९	सि	५०	३४	वि	१०	१९	३/१	३६	२४	३०	२१	२०	म.३/३ ६/२	भ.१०।१९या.
८	शु	३४	४५	उ	२०	४०	सा	४४	१२	बा	७	४६	५	३५	२५	१	२२	२१	मकरे	भा. वैशाखारंभः
९	श	२९	५२	श्र	१६	३५	शु	३६	४८	तै	२	३१	९	३४	२६	२	२३	२२	कुं. ३/५ ४/५	भ.५६।५०उ.
१०	र	२३	४९	ध	१२	३४	शु	२८	५४	वि	२३	४९	१२	३४	२६	३	२४	२३	कुम्भे	भ. २३।४९या.
११	चं	१७	३	श	७	३८	ब्र	२०	११	बा	१७	३	१६	३३	२७	४	२५	२४	मी.४/२ ८/८	रेवत्यां बुधः१३।३४ वरूथिनी ११व्र.
१२	मं	९	२४	पू	२/४	५४/२	ऐं	११	५	तै	९	२४	२०	३२	२८	५	२६	२५	मीने	प्रदोषः
१३	बु	१	२०	रे	५०	१३	वै	५१/१	५०/०	व	१	२०	२३	३१	२९	६	२७	२६	मे.५०।१३	भ. १।२०उ.२७।२२या.
१४	बु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४५	५४	अ	४४	४२	प्री	४४	७	च	१९	३८	२७	३१	२९	७	२८	२७	मेषे	भरण्यां रविः३९।६ (सौरः४४।१७)

२पं. वै. कृ. ७बृ.इ. ५९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	६	१०	३	११	०
६	१०	१२	२१	२२	१०	९	६
५०	१४	३	४६	११	४१	१३	४६
४२	५६	२२	४१	१७	१७	३'५	१७
५८	३६	८५	२९/६	६६	१	३	५८
३१	१	१७	व.	१६	३२	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में मिथुन का मंगल धान्य बाजरा जौ गेहूं मूगं मोठ में कुछ मंदी करे धातु सोना चांदी लोहा कपास वार दाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

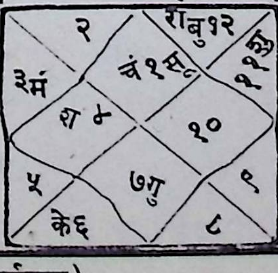

३ पं. वै. कृ. ३०बृ. इ. ५९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	६	१०	३	११	०
१३	१४	२२	२०	२९	१०	८	१३
३९	२०	५७	५४	५७	५५	५१	३४
४७	२८	४३	१८	२२	३७	२०	४२
५८	३६	०/८	६/२	६७	२	३	५८
१९	८	२६	व.	३१	१७	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१३६स.२००६
१	शु	३९	२३	भ	४०	३४	आ	३६	२२	किं	१३	३८	३२/३१	५/३०	६/३०	८	२९	२८	तृ.५४।४६	मीने शुक्रः १।४४
२	श	३४	११	कृ	३७	२२	सौ	२९	४७	बा	६	४७	३४	२९	३१	९	३०	२९	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	र	३१	१	रो	३६	२४	शो	२४	४०	तै	२	३५	३८	२८	३२	१०	१	३०	वृषे	उभा. शुक्रः ५९।२९ रविलाखर४×
४	चं	२९	४४	मृ	३७	११	अ	२०	५६	व	०	२२	४१	२८	३२	११	२	१	मि६।४७	भ.०।२२उ.२९।४४या. मई ५ता.३१
५	मं	३०	२२	आ	४०	७	सु	१९	२५	ब	०	३	४५	२७	३३	१२	३	२	मिथुने	अश्वि. मेषे बुधः५।३
६	बु	३३	४	पु	४४	४९	धृ	१९	४	कौ	१	४३	४८	२६	३४	१३	४	३	क. ३९/२८	[×परशुराम जयंती अक्षया३
७	गु	३७	२२	पु	५१	५	शू	१९	४१	ग	५	१३	५२	२६	३४	१४	५	४	कर्के	भ.३७।२२उ.
८	शु	४३	४	श्ले	५८	१०	गं	२१	३५	वि	१०	१३	५५	२५	३५	१५	६	५	सिं. ५८/१०	भ. १०।१३या. वक्री स्वाती. ४गुरुः÷
९	श	४९	१४	म	६०	०	वृ	२३	५४	बा	१६	९	५८	२४	३६	१६	७	६	– सिंहे	बुधास्तः पूर्वस्यां५९।४२पातमोक्षः ८/११
१०	र	५५	२७	म	५	४७	ध्रु	२६	२५	तै	२२	२१	३/३२	२४	३६	१७	८	७	सिंहे	पुन.भौमः३४।२१ [÷५/५ ३/१पातस्पर्शः ५५/१६
११	चं	६०	०	पू	१३	१९	व्या	२८	४३	व	२८	२५	५	२३	३७	१८	९	८	कं.३०।३	भ.२८।२५उ.मोहिनी ११ व्र.
११	मं	१	२२	उ	२०	१६	ह	३०	३१	वि	१	२२	८	२२	३८	१९	१०	९	कन्यायां	भ.१।२२या. भरण्यां बुधः११।११
१२	बु	६	२८	ह	२६	२३	व	३१	२०	बा	६	२८	११	२२	३८	२०	११	१०	तु.५८।४४	प्रदोषः
१३	गु	१०	१९	चि	३१	५	सि	३१	२०	तै	१०	१९	१४	२१	३९	२१	१२	११	तुलायां	कृत्ति.रविः२५।२ सौरः ३/९ नृसिंहजयंती
१४	शु	१२	४७	स्वा	३४	२९	व्य	३०	१०	व	१२	४७	१७	२१	३९	२२	१३	१२	तुलायां	भ. १२।४७ उ. ४३।२२ या. रेवत्यां=
१५	श	१३	५७	वि	३६	४२	व	२८	०	ब	१३	५७	२०	२०	४०	२३	१४	१३	वृ.२१।८	यमाय कुंभदानम् [=शुक्रः५२।५३

४पं.वै. शु. ७बृ.इ.५९।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	६	११	३	११	०
२०	१८	५	२०	७	११	८	२०
२७	२६	३३	१	४९	१४	२९	२१
२५	१३	५८	५२	४८	४९	४	२६
५८	३६	[illegible]	५ ७/२	६८	२	३	५७
६	२२	८/४७	व.	३४	५६	११	५७

गोचर ग्रहाः

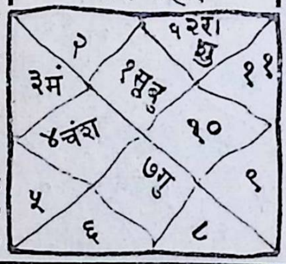

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथी क्षय व शुक्ल पक्ष की तिथी वृद्धी धान्य व रस में मंदी लाती हैं और शुभ सूचक है।

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.१३बृ.इ.५९।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	६	११	३	११	०
२७	२२	१९	१०	१५	११	८	२७
१३	३३	११	८	४७	३८	६	०६
३७	२५	१०	४९	३१	२०	४८	४०
५७	३६	[illegible]	५ ७/२	६९	३	३	५७
५४	४१	५६	व.	२०	३४	११	४५

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वै. कृष्णेत्ति महाः
१	र	१३	४७	अ	३७	३७	प	२४	४८	कौ	१३	४७	३३/२३	५/१९	६/४१	२४	१५	१४	वृश्चिके	वृषेऽर्कः५२।१७(सौरः५९।५६)
२	चं	१२	३१	ज्ये	३७	३५	शि	२०	५३	ग	१२	३१	२६	१९	४१	२५	१६	१५	ध. ३७।३५	भ.४१।२१उ.कृत्ति बुधः३५।२२
३	मं	१०	११	मू	३६	५१	सि	१६	११	वि	१०	११	२८	१८	४२	२६	१७	१६	धनुषि	भ.१०।११चतुर्थी व्र.
४	बु	७	७	पू	३५	८	सा	१०	५१	बा	७	७	३१	१८	४२	२७	१८	१७	म ४९।३६	वृषे बुधः२।४५.
५	गु	३	१०	उ	३३	१	शु	५/७	५३/४९	तै	३	१०	३४	१७	४३	२८	१९	१८	मकरे	भ.५९।६उ.
६	गु	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	शु	५४	२८	श्र	३०	२४	ब्र	५२	२८	वि	२६	४७	३७	१७	४३	२९	२०	१९	कुं.५८।५०	[×वट पूजनम्
८	श	४९	३४	ध	२७	१५	ऐं	४५	३१	बा	२२	१	३९	१६	४४	३०	२१	२०	कुंभे	भ. २६।४७ या. पातस्पर्शः १६।१०–
९	र	४३	५८	श	२२	४९	वै	३८	२३	तै	१६	४६	४२	१६	४४	३१	२२	२१	कुंभे	[–पातमोक्षः२८।४१
१०	चं	३८	४	पू	१९	५९	वि	३०	५४	व	११	१	४४	१५	४५	१	२३	२२	मी. ५/५६	रोहिण्यां बुधः४१।१३
११	मं	३०	५२	उ	१५	५८	प्री	२३	१५	ब	४	२८	४७	१५	४५	२	२४	२३	मीने	भ.११।१उ.३८।४या.भा. ज्येष्ठारंभः
१२	बु	२५	३८	रे	११	४६	आ	१५	४०	तै	२५	३८	४९	१४	४६	३	२५	२४	मे.११।४६	अपरा ११व्र.
१३	गु	१९	४२	अ	७	५२	सौ	८	१६	व	१९	४२	५२	१४	४६	४	२६	२५	मेषे	अश्वि. मेषे शुक्रः२२।२३प्रदोषः
१४	शु	१४	१९	भ	४	१७	शो	१/५४	५३/४४	श	१४	१९	५४	१३	४७	५	२७	२६	वृ.१८।३८	भ. १९।४२ उ.४७।१या. रोहि. रविः=
३०	श	९	४३	कृ	१	४१	सु	४९	३८	ना	९	४३	५६	१३	४७	६	२८	२७	वृषे	[=१५।५१(सौरः२६।४)

मृगे बुधः ४९।४८ कर्के भौमः २७।५१×

६ पं.ज्ये.कृ.५बृ.इ. ५९/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	६	११	३	११	१
२	२६	४	१८	२३	१२	७	३
५८	४२	१२	१७	४९	६	४३	५०
३७	५४	७	२	३४	४३	३२	२२
५७	३७	[illegible]	२३/७	७०	४	३	५७
४४	७	[illegible]	व.	१०	१४	११	३४

गोचरग्रहाः

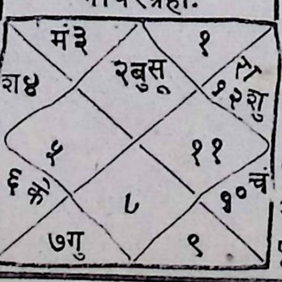

ज्येष्ठ कृष्णे १ रवौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

पं. ७ज्ये.कृ.१४शु. इः०।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	६	०	३	११	१
१०	०	१९	१७	१	१२	७	१
४२	५४	२९	२९	५१	३९	२१	३२
२९	३६	२४	२४	१६	१४	१७	३३
५७	३७	[illegible]	४ ६/०	७०	४	३	५७
३५	१३	[illegible]	व.	४८	४७	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८												दिं.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५१६६ स.२००६
१	र	६	३२	रो	०	२२	धृ	४५	४१	ब	६	३२	३/५८	१२	४८	७	२९	२८	मि. ३०/१	चंद्रदर्शनम्
२	चं	५	२	मृ	०	३९	शू	४३	९	कौ	५	२	३४/००	१२	४८	८	१	२९	मिथुने	बुधोदयः पश्चिमायां४/३ ३/७जमादिलावल५
३	मं	५	१४	आ	२	३७	गं	४१	४९	ग	५	१४	२	१२	४८	९	२	३०	क.५०।२२	भ.३६।१७उ.पुष्ये भौमः८।५३
४	बु	७	२०	पु	६	१७	वृ	४१	४९	वि	७	२०	३	११	४९	१०	३	३१	कर्के	भ.७।२०या.मिथुने बुधः९।१८
५	गु	११	०	पु	११	२९	धु	४३	१९	बा	११	०	५	११	४९	११	४	१	कर्के	जून ६ ता.३०
६	शु	१६	०	श्ले	१८	७	व्या	४४	५९	तै	१६	०	७	११	४९	१२	५	२	सिं.१८।७	पुष्य. ४शनिः५३।४३
७	श	२१	५३	म	२५	२१	ह	४७	२६	व	२१	५३	९	१०	५०	१३	६	३	सिंहे	भ.२१।५३ उ. ५४।५८ आर्द्रा. बुधः३/४ १/६÷
८	र	२८	२	पू	३२	५४	व	४९	५२	ब	२८	२	१०	१०	५०	१४	७	४	कं.४९।४३	भरण्यां शुक्रः४४।१४
९	चं	३४	३	उ	४०	७	सि	५२	१	बा	१	२	१२	१०	५०	१५	८	५	कन्यायां	
१०	मं	३९	१७	ह	४६	३३	व्य	५३	२६	तै	६	४०	१३	९	५१	१६	९	६	कन्यायां	गंगादशमी [÷वक्री. स्वाती. ३ गुरुः५।७
११	बु	४३	१४	चि	५१	५३	व	५३	४०	व	११	१५	१५	९	५१	१७	१०	७	तु.१९।१३	भ.११।१५उ.४३।१४या. उभा. १ राहुः×
१२	गु	४५	३९	स्वा	५५	३२	प	५२	४३	ब	१४	२६	१६	९	५१	१८	११	८	तुलायां	मृगे रविः१०।४४(सौरः२४।५४)
१३	शु	४६	१७	वि	५७	२९	शि	५०	२५	कौ	१५	५८	१७	९	५१	१९	१२	९	वृ. ४२/०	प्रदोषः [×उफा.३केतुः५/१ ९/३निर्जला११व्र.
१४	श	४५	१६	अ	५७	४९	सि	४६	५६	ग	१५	४६	१८	८	५२	२०	१३	१०	वृश्चिके	भ.४५।१६उ. [=सावित्री व्र.
१५	र	४२	४१	ज्ये	५६	४६	सा	४२	८	वि	१३	५८	१९	८	५२	२१	१४	११	ध. ५६/४६	भ१३।५८या.पुन. बुधः५/१ ३/१गुर्जराणां वट=

८ पं. ज्ये.शु.६शु.इ. ०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	६	०	३	११	१
१९	५	३	१६	१०	१३	६	१७
२५	६	३०	४९	४	१५	५९	१३
१९	५४	४०	१९	५५	२५	२	३९
५७	३७	६/८	५/५०	७१	५	३	५७
२७	२७	८/२	व.	२०	८	११	१३

गोचर ग्रहाः

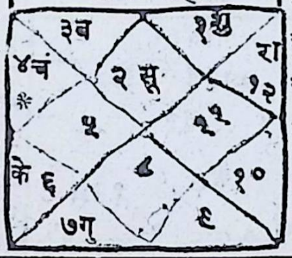

इस मास में ५रविवार
अशुभ हैं धान्य गेहुं
जौ चना बाजरा मूंग
मोठ चांदी स्वर्ण
वस्त्र तेज हो कहीं
२ वर्षा हो

गोचर ग्रहाः

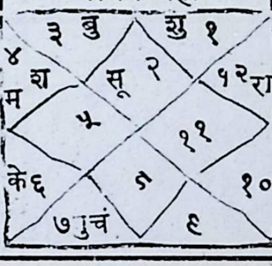

९ पं.ज्ये.शु.१३शु इ. १/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	६	०	३	११	१
२४	९	१५	१६	१८	१३	६	२३
७	१९	२७	१०	१७	५४	३६	५३
१९	४४	४३	८	२८	५४	४६	३५
५७	३७	९४	४/४१	७१	५	३	५७
२२	३८	२०	व.	४७	३४	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे, ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	चं	३८	५६	मू	५४	३०	शु	३६	२४	बा	१०	४९	३४/१९	५/८	५ ६/२	२२	१५	१२	धनुषि	
२	मं	३४	१९	पू	५१	२५	शु	३०	५	तै	६	३७	२०	८	५२	२३	१६	१३	धनुषि	[+५१।३५चतुर्थी व्र.
३	बु	२८	४२	उ	४७	५६	ब्र	२३	८	व	१	३०	२१	८	५२	२४	१७	१४	म.५।३३	भ. १।३० उ. २८।४२ या. पातस्पर्शः+
४	गु	२२	५७	श्र	४४	२३	ऐं	१५	५८	बा	२२	५७	२१	८	५२	२५	१८	१५	मकरे	मिथुनेऽर्कः९।१८(सौरः३/४ ५/२)पातमोक्षः२ ७/३
५	शु	१८	१५	ध	४०	३९	वै	८	३४	तै	१८	१५	२२	८	५२	२६	१९	१६	कुं.१२।२१	कृत्ति शुक्रः६।३२
६	श	११	३७	श	३७	२	वि	२ ३/३	५२/४९	व	११	३७	२२	८	५२	२७	२०	१७	कुंभे	भ.११।३७उ.३८।५४या.
७	र	६	१०	पू	३३	३०	आ	४७	१८	ब	६	१०	२३	७	५३	२८	२१	१८	मी.२९/३	बृषे शुक्रः५२।५२
८	चं	१	५०	उ	३०	१७	सौ	४०	२४	कौ	१	५०	२३	७	५३	२९	२२	१९	मीने	कर्के बुधः४६।१९
९	चं	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	मं	५१	३	रे	२७	१९	शो	३४	१	व	२३	३८	२३	७	५३	३०	२३	२०	मे.२७।१९	भ.२३।३८उ.५१।३या.
११	बु	४६	३६	अ	२४	५५	अ	२७	४८	ब	१८	४९	[illegible]	७	५३	३१	२४	२१	मेषे	आश्ले. भौमः११।३३योगिनी११व्र.
१२	गु	४२	५२	भ	२२	५६	सु	२२	७	कौ	१४	४४	२४	७	५३	१	२५	२२	वृ३७।३७	आर्द्रा. रविः ८।१२ (सौरः २७।१५)×
१३	शु	३९	५३	कृ	२१	३७	धृ	१६	५९	ग	११	२२	२४	७	५३	२	२६	२३	वृषे	भ.३९।५३उ.प्रदोषः
१४	श	३७	४७	रो	२१	८	शू	१२	३८	वि	८	५०	२४	७	५३	३	२७	२४	मि५१।३१	भ.८।५०या. पुष्ये बुधः३१।२२
३०	र	३७	५	मृ	२१	५६	गं	९	५	च	७	२६	२४	७	५३	४	२८	२५	मिथुने	[×भा.आषाढारंभः

१० पं.आ.कृ.५शु.इ. ०।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	६	०	३	११	२
०	१३	२५	१५	२६	१४	६	०
४८	३४	४	४१	३२	३७	१४	३२
३६	५	५	३१	२०	४८	३०	४४
५७	३७	७१	३ ३/७	७२	६	३	५६
१७	५१	५	व.	७	१	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ४ गुरौ
मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः
वा.५न.५कुमार्यवस्था
(बैठी)मु.३०धान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

११पं.आ.कृ.१३शु.इ. ०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	१	३	११	२
७	१७	२	१५	४	१५	५	७
२९	४८	१३	२०	४९	२३	५२	११
३१	५४	५८	१७	४४	६	१५	११
५७	३८	४२	२/२०	७२	६	३	५६
१३	५	६	वः	३२	२०	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५१९५स.२००६
१	चं	३७	२८	आ	२३	५४	बृ	६	३१	किं	७	१६	३४/२३	५/७	६/५३	५	२९	२६	मिथुने	
२	मं	३९	४५	पु	२७	१५	ध्रु	५	३१	बा	८	३७	२३	७	५३	६	३०	२७	क.११।२५	रोहि. शुक्रः४१।२७चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु	४३	४	पु	३२	४	व्या	४	५६	तै	११	२५	२२	८	५२	७	१	२८	कर्के	जमादिलाखर ६
४	गु	४८	४	श्ले	३८	१३	ह	५	३९	व	१५	३४	२२	८	५२	८	२	२९	सिं. ३८/१३	भ.१५।३४उ.४८।४या.
५	शु	५३	४३	म	४५	१०	व	७	८	ब	२०	५३	२१	८	५२	९	३	३०	सिंहे	
६	श	५९	४८	पू	५२	३९	सि	९	३१	कौ	२६	४६	२०	८	५२	१०	४	१	सिंहे	जुलाई ७ता. ३१
७	र	६०	०	उ	६०	०	व्य	१२	८	ग	३२	५२	१९	८	५२	११	५	२	कं.९।३१	वक्री बुधः५६।४२
७	चं	५	५६	उ	०	६	व	१४	३७	व	५	३६	१८	८	५२	१२	६	३	कन्यायां	भ.५।३६उ.३८।४६या.
८	मं	११	३५	ह	७	१९	प	१६	३१	ब	११	३५	१७	९	५१	१३	७	४	तु. ४०/१६	मार्गी गुरुः ४६।४६आश्ले. १शनिः५।२१
९	बु	१६	१	चि	१३	१३	शि	१७	३२	कौ	१६	१	१६	९	५१	१४	८	५	तुलायां	
१०	गु	१८	५६	स्वा	१७	४७	सि	१७	२६	ग	१८	५६	१५	९	५१	१५	९	६	तुलायां	भ.४९।२८उ.पुन.रविः७।३ (सौरः ३१/१७)
११	शु	२०	१	वि	२०	३५	सा	१५	५२	वि	२०	१	१४	९	५१	१६	१०	७	वृ. ५४/३	भ.२०।१या. देवशयनी ११व्र.
१२	श	१९	८	अ	२१	२८	शु	१२	४१	बा	१९	८	१३	९	५१	१७	११	८	वृश्चिके	मृगे शुक्रः२८।५१प्रदोषः
१३	र	१६	२६	ज्ये	२०	२६	शु	८	४	तै	१६	२६	११	१०	५०	१८	१२	९	ध. २०/२६	बुधास्तः पश्चिमायां ३४।३०
१४	चं	११	४६	मू	१७	३४	ब्र	२/११	५३/४३	व	११	४६	१०	१०	५०	१९	१३	१०	धनुषि	भ.११।४६उ.३८।४८या. वायुपरीक्षा
१५	मं	५	५०	पू	१३	३४	वै	४६	४९	ब	५	५०	८	१०	५०	२०	१४	११	म. २७/१८	व्यासपूजा गुरु १५

१२पं.आ.शु.५ शु.इ. ०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	१	३	११	२
१४	२२	६	१५	१३	१६	५	१३
९	४	२१	७	९	१०	२९	४९
५८	५५	४३	३७	५४	३७	५९	१६
५७	३८	१२	५६	७२	६	३	५६
७	१२	२२	व.	५०	३२	११	५०

गोचर ग्रहाः

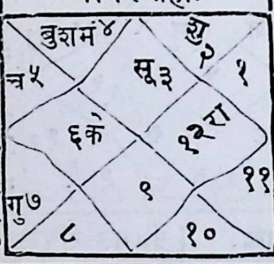

इस मास में गेहूं जौ चना बाजरा गुड शक्कर चीनी सोना चांदी सभी वस्तुएँ तेज हो चौपाये पशु पीडित हो कहीं २ अच्छी वर्षा हो

गोचर ग्रहाः

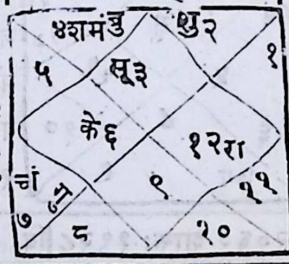

१३ पं.आ.शु.१०शु.इं ५९/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	६	१	३	११	२
२०	२६	७	१५	२१	१६	५	२०
५०	२२	१	४	३१	५९	७	२७
२४	५२	२९	१२	३४	५३	४४	१०
५७	३८	१७/२	२६	७३	६	३	५६
७	१९	व.	मा	१०	५०	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महाः
१	मं	५२	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० .०	
२	बु	५१	२२	उ	८	३१	वि	३८	१०	तै	२५	३	३४/७	५/११	६/४९	२१	१५	१२	मकरे	मघा.सिंहे. भौमः५४।३६
३	गु	४३	३८	श्र	३/०	५४/२८	प्री	२९	१९	व	१७	२९	५	११	४९	२२	१६	१३	कुं.३०।१४	भ.१७।२९उ.४३।३८या.
४	शु	३६	१३	श	५२	१६	आ	२०	३८	ब	९	५५	३	११	४९	२३	१७	१४	कुंभे	मिथुने शुक्रः३।४९चतुर्थी व्र.
५	श	२९	१४	पू	४७	३९	सौ	१२	४	कौ	२	४४	१	१२	४८	२४	१८	१५	मी. ३३/४८	वक्री. पुन.बुधः३६।१९नाग५मरुस्थलें
६	र	२३	२	उ	४३	३९	शो	४/१४	५२/३६	व	२३	२	३३/५९	१२	४८	२५	१९	१६	मीने	भ.२३।२उ.५०।२०या.कर्केऽर्कः३६।२९
७	चं	१७	३७	रे	४०	३१	सु	५०	१७	ब	१७	३७	५७	१३	४७	२६	२०	१७	मे.४०।३१	कर्केऽर्कः सौरः४।१
८	मं	१३	२	अ	३८	२०	धृ	४४	२२	कौ	१३	२	५५	१३	४७	२७	२१	१८	मेषे	
९	बु	९	२४	भ	३७	१४	शू	३९	१०	ग	९	२४	५२	१४	४६	२८	२२	१९	वृ.५२।५	भ.३८।९उ.आर्द्रा.शुक्रः३७।४
१०	गु	६	५४	कृ	३६	३८	गं	३४	५४	वि	६	५४	५०	१४	४६	२९	२३	२०	वृषे	भ. ६।५४ या. पुष्ये रविः ५।४७=
११	शु	५	३	रो	३७	११	वृ	३१	२१	बा	५	३	४८	१४	४६	३०	२४	२१	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	श	४	२२	मृ	३८	५६	ध्रु	२८	४४	तै	४	२२	४५	१५	४५	३१	२५	२२	मि. ८।३	प्रदोषः [÷४४।१९अस्तं शनेः२६।२८
१३	र	४	५५	आ	४१	३७	व्या	२६	५१	व	४	५५	४३	१५	४५	१	२६	२३	मिथुने	भ.४।५५उ.३५।३८या. भा. श्रावणारंभः
१४	चं	६	२०	पु	४५	४०	ह	२६	१०	श	६	२०	४०	१६	४४	२	२७	२४	क २९।३९	हरियाली३०
३०	मं	९	१२	पु	५०	३३	व	२५	५१	ना	९	१२	३८	१६	४४	३	२८	२५	कर्के	[=(सौरः३४।४२) वक्री मिथुने बुधः÷

१४ पं.श्रा.कृ. ३वृ.इ. ५९/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	६	१	३	११	२
२७	०	४	१५	२९	१७	९	२७
३०	४१	१९	९	५५	५१	४५	५
४३	४६	१२	११	५	१४	२८	१७
५७	३८	३६/४७	१	७३	७	३	५६
११	२६	व.	३३	२०	२	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ६ रवौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ वृद्धावस्था (बैठी मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रो दयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

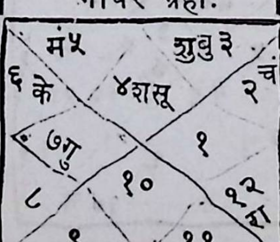

१५पं.श्रा.कृ.१० वृ.इ. ५९/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	६	२	३	११	३
४	५	२९	१५	८	१८	४	३
११	१	४९	२३	२१	४३	२३	४३
२८	८	१	२४	१४	४४	१२	४४
५७	३८	४२/५५	२	७३	७	३	५६
१५	३३	व.	५९	३२	८	११	५८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२२५सन्२००६
१	बु	१३	१	श्ले	५६	५२	सि	२६	४२	ब	१३	१	३३/५५	५/१७	६/४३	४	२९	२६	सि. ५६/५२	चंद्रदर्शनम्
२	गु	१८	२	म	६०	०	व्य	२८	१७	कौ	१८	२	३३	१७	४३	५	१	२७	सिंहे	बुधोदय:पूर्वस्यां १५।७रज्जव७सिधांरा
३	शु	२३	४३	म	३	३०	व	३९	१९	ग	२३	४३	३०	१८	४२	६	२	२८	सिंहे	भ.५६।४६उ.तीज
४	श	२९	५०	पू	१०	४६	प	३२	३९	वि	२९	५०	२७	१९	४१	७	३	२९	कं. २७/४३	भ.२९।५०या. वरद४
५	र	३६	७	उ	१८	३५	शि	३५	१६	ब	२	५८	२४	१९	४१	८	४	३०	कन्यायां	मार्गी बुधः ४२।५७ पुन. शुक्रः ३५।२÷
६	चं	४२	३	ह	२६	२	सि	३७	५५	कौ	९	५	२२	२०	४०	९	५	३१	तु.५९।२६	आश्ले. २शनि:१४।३०
७	मं	४७	८	चि	३२	५०	सा	३९	३४	ग	१४	३५	१९	२०	४०	१०	६	१	तुलायां	भ.४७।८उ.अगस्त८ता.३१
८	बु	५०	५५	स्वा	३८	२८	शु	४०	२५	वि	१९	१	१६	२१	३९	११	७	२	तुलायां	भ.१९।१या. [÷नागपंचमी
९	गु	५२	५८	वि	४२	३७	शु	४०	२	बा	२१	५६	१३	२१	३९	१२	८	३	वृ.२६।३५	आश्लेरवि:४८/२(सौर:३५/२९)पूफा.भौम:३९/५
१०	शु	५३	१२	अ	४४	५५	ब्र	३८	१४	तै	२३	५	१०	२२	३८	१३	९	४	वृश्चिके	[केतुः ५२।१ श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्
११	श	५१	१८	ज्ये	४५	१३	ऐं	३४	४६	व	२२	१५	७	२३	३८	१४	१०	५	ध.४५।१३	भ.२२।१५ उ.५१।१८या. कर्के बुध:३२/२०×
१२	र	४७	१२	मू	४३	२३	वै	२९	३७	ब	१९	१५	४	२३	३८	१५	११	६	धनुषि	
१३	चं	४१	२३	पू	३९	३४	वि	२३	१	कौ	१४	१६	०	२४	३६	१६	१२	७	म.५३।१९	कर्के शुक्र:५३।११प्रदोषः [×पवित्रा११व्र.
१४	मं	३३	४९	उ	३४	२३	प्री	१४	५४	ग	७	३४	३२/५७	२५	३५	७	१३	८	मकरे	भ.३३।४९उ.५९/३६या:स्वाती.४गुरु:४५/३४
१५	बु	२५	२३	श्र	२८	१	आ	५/४२	५९/५२	ब	२५	२३	५४	२५	३५	१८	१४	९	कुं५४।३२	पुष्ये बुधः ११।२३ पूभा. ४राहुः उफा.२=

१६ पं. श्रा.शु. २ बृ. इ. ५९/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	६	२	३	११	३
१०	९	२७	१५	१६	१९	४	१०
५२	२२	०	४५	४८	३६	०	२३
३०	३०	४	३२	२९	३२	५७	०१
५७	३८	१३/३१	४	७३	७	३	५७
२०	४४	व.	६	४४	१४	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मास का फल

साधारण है चांदी रुई स्वर्ण तिल वस्त्र मन्दे होवें हवा तेज रहे जल वृष्टि अच्छी हो रस में तेजी रहे।

गोचर ग्रहाः

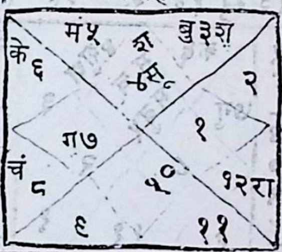

१७पं.श्रा.शु. ९ बृ.इ. ५९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	६	२	३	११	३
१७	१३	२८	१६	२५	२०	३	१७
३४	४५	५५	१५	१८	३०	३८	२
१२	७	५५	४७	७	४	४१	४९
५७	३८	४१/२२	५	७३	७	३	५७
२५	५०	मा.	१४	५०	२०	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ	अ	भा.	मु	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	गु	१६	१२	ध	२१	५	शो	४५	४३	कौ	१६	१२	३२/५०	५/२६	६/३४	१९	१५	१०	कुंभे	पुष्ये शुक्रः३५।२९
२	शु	७	५	श	१३	५७	अ	३५	३१	ग	७	५	४७	२७	३३	२०	१६	११	मी.५३/५५	भ.३२।३५उ.५८।५या.
३	शु	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[+आश्ले. बुधः५३।४ गोगा९
४	श	४९	५८	पू	७	१४	सु	२५	४३	ब	२४	१	४४	२७	३३	२१	१७	१२	मीने	चतुर्थी व्रतम्
५	र	४२	५१	उ	१/१	५५/३	धृ	१६	४०	कौ	१६	२५	४०	२८	३२	२२	१८	१३	मे.५६।१४	चंद्र षष्ठी
६	चं	३७	१०	अ	५२	४६	शू	८	२६	ग	१०	०	३७	२९	३१	२३	१९	१४	मेषे	भ.३७।१०उ.
७	मं	३२	५८	भ	५०	३७	गं	१/२६	५४/१०	वि	५	४	३३	२९	३१	२४	२०	१५	मेषे	भ.५।४या.जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	बु	३०	५	कृ	५०	१	ध्रु	५०	५५	बा	१	३१	३०	३०	३०	२५	२१	१६	वृ.५।२८	मघा. सिंहेऽर्कः५६।५०जन्माष्टमी व्र. वै.
९	गु	२८	४३	रो	५०	४७	व्या	४७	१७	ग	२८	४३	२६	३१	२९	२६	२२	१७	वृषे	भ.५८।४६ उ. मघा. सिंहेऽर्कः सौरः३१/५४+
१०	शु	२८	५०	मृ	५२	५१	ह	४४	५८	वि	२८	५०	२२	३२	२८	२७	२३	१८	मि. ३१/४९	भ.२८।५०या.
११	श	३०	१३	आ	५६	१४	व	४३	३८	बा	३०	१३	१९	३२	२८	२८	२४	१९	मिथुने	बुधास्तः पूर्वस्यां१९।३७अजा११ व्र.
१२	र	३२	४२	पु	६०	०	सि	४३	२२	कौ	१	२८	१५	३३	२७	२९	२५	२०	क४४।४०	वत्सद्वादशी
१३	चं	३६	३६	पु	०	४९	व्य	४३	५२	ग	४	३९	१२	३४	२६	३०	२६	२१	कर्के	भ.३६।३६उ.आश्ले. शुक्र:२७।५०प्रदोषः
१४	मं	४१	४	पु	६	२५	व	४४	४३	वि	८	५०	८	३४	२६	३१	२७	२२	कर्के	भ.८।५०या. [×३०मन्वादिः
३०	बु	४६	२९	श्लो	१२	४९	प	४६	३६	च	१३	४६	४	३५	२५	१	२८	२३	सिं. १२/४९	भा. भाद्रपदारंभः कुशाग्रहणी पिठोरी×

१८ पं.भा कृ. १ बृ.इ. ५९/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	६	३	३	११	३
२४	१८	५	१९	३	२१	३	२३
१६	८	५१	५४	४९	२४	१६	४३
३७	३१	२५	११	१६	५०	२६	५६
५७	३९	८४	६	७३	७	३	५७
३३	८	१४	२२	५६	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ८रवौ सिंहे ऽर्कः प्रविष्टः
वा.४ न.६ युवावस्था. (सूती) मु. ४५
धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

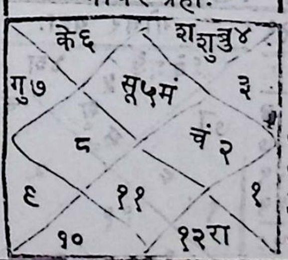

१९ पं.भा.कृ.९ बृ. इ. ५९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	६	३	३	११	४
०	२२	१६	१७	१२	२२	२	०
५९	३३	५०	३९	२२	१८	५४	२६
५३	५०	५३	२९	२६	२५	१०	०९
५७	३९	८/०	७	७४	७	३	५७
४०	८	२९	१९	२	१६	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरहतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२५४स.२००६
१	गु	५२	१६	म	१९	३६	शि	४८	३२	किं	१९	२२	३२/१	५/३४	६	२	२९	२४	सिंहे	सिंहे मघा. बुधः४६।३८उफा. भौमः२६/५८
२	शु	५८	२३	पू	२७	२	सि	५०	५९	बा	२५	१९	३१/५७	३७	२३	३	३०	२५	कं.४३।५५	उदयं शनेः ३०।५५चंद्रदर्शनम्
३	श	६०	०	उ	३४	३५	सा	५२	२७	तै	३१	१९	५३	३७	२३	४	१	२६	कंन्यायां	आश्ले.३शनिः१/०३सावान ८हरितालिका३
३	र	४	१६	ह	४२	१९	शु	५५	५०	ग	४	१६	४९	३८	२२	५	२	२७	कन्यायां	भ.३७।३२उ. गणेशचतुर्थी
४	चं	१०	४९	चि	४९	२२	शु	५७	५८	वि	१०	४९	४६	३९	२१	६	३	२८	तु.१५।५०	भ.१०।४९ या.
५	मं	१६	८	स्वा	५५	४०	ब्र	५९	२९	बा	१६	८	४२	४०	२०	७	४	२९	तुलायां	कन्यायां भौमः४४।१७ऋषिपंचमी
६	बु	२०	३५	वि	६०	०	ऐं	६०	०	तै	२०	३५	३८	४०	२०	८	५	३०	वृ.४४।३५	पूफा. रविः४६।२६
७	गु	२३	३४	वि	०	५४	ऐं	०/५	५९/१८	व	२३	३४	३४	४१	१९	९	६	३१	वृश्चिके	भ.२३।३४उ.५४।१८ या पूफा. रविः+
८	शु	२५	१	अ	३	३७	वि	५७	२८	ब	२५	१	३०	४२	१८	१०	७	१	वृश्चिके	[+सौरः२३/४५पूफा. बुधः३/३८/७अस्तो भौमः५४/१७
९	श	२४	३२	ज्ये	६	४३	प्री	५२	५०	कौ	२४	३२	२६	४३	१७	११	८	२	ध. ४/३६	सिंहे मघायां शुक्रः१९।४सितम्बर९ता३०
																				[÷३२।२१महालयारंभः
१०	र	२१	५७	मू	६	५०	आ	४८	४०	ग	२१	५७	२२	४४	१६	१२	९	३	धनुषि	भ.४/५९/५उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	चं	१७	३४	पू	४	५३	सौ	४२	२	वि	१७	३४	१८	४४	१६	१३	१०	४	म.१८।५४	भ.१७।३४या.विशा. १गुरुः१७।११जल=
१२	मं	११	१	उ	५०/७	५४/२५	शो	३३	५३	बा	११	१	१५	४५	१५	१४	११	५	मकरे	प्रदोषः [=झूलनी११ व्र. वामनजंयती
१३	बु	३	६	ध	४८	३८	अ	२४	२६	तै	३	६	११	४६	१४	१५	१२	६	कुं. २२	भ.५३।५८उ.अनंत १४
१४	बु	५०	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	गु	४४	५	श	४०	५३	सु	१४	२	वि	१९	१	७	४७	१३	१६	१३	७	कुम्भे	भ. १९।१ या. चंद्रग्रहणम् उफा. बुधः÷

२०पं.भा.शु.१बृ.इ.५८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	६	३	३	११	४
७	२७	०	१८	२०	२३	२	७
४४	०	२४	३१	५७	११	३१	९
२०	५४	११	३७	४७	१७	५४	३८
५७	३९	८/०	८	७४	७	३	५७
४९	१५	२/४	२६	१०	८	११	४५

२१पं. भा.शु.७ बृ.इ. ५८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	३	३	११	४
१४	१	१४	१९	२९	२४	२	१३
३०	२८	१९	२९	३४	३	९	५४
०	३७	८	३८	५२	४३	३९	५०
५८	३९	८/०	९	७४	७	२	५७
१	३२	५८	११	२०	२	११	५७

२२ पं.भा.शु.१५बृ.इ.५८/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	४	३	११	४
२१	५	२७	२०	८	२४	१	२०
१७	५८	२८	३३	१३	५५	४७	४१
२	२४	४८	१४	२३	१	२३	३०
५८	३९	८/०	९	७४	६	३	५८
१३	४३	२/३	५३	२६	४९	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरहतु रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	शु	३४	८	पू	३२	५८	धृ	१३/७	४९/५	बा	९	६	३५/३	५/४७	६/१३	१७	१४	८	मी.१९/५७	
२	श	२४	१९	उ	२५	२३	गं	४१	३४	ग	२४	१९	३०/५९	४८	१२	१८	१५	९	मीने	भ.४९।५२उ. कन्यायां बुधः२०।५
३	र	१५	२६	रे	१८	२५	वृ	३१	२९	वि	१५	२६	५५	४९	११	१९	१६	१०	मे १८।२५	भ.१५।२६या.चतुर्थी व्र.
४	चं	७	४५	अ	१२	४०	ध्रु	२२	३६	बा	७	४५	५१	५०	१०	२०	१७	११	मेषे	
५	मं	१	५३	भ	८	२८	व्या	१४	५२	तै	१	५३	४७	५१	९	२१	१८	१२	वृ.२२।५२	भ.५७।४८उ.पूफा.शुक्रः ६।२८
६	मं	५५	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×५६।१२बुधोदयःपश्चिमायां४४।३५
७	बु	५५	३१	कृ	६	५	ह	८	३५	वि	२६	३९	४३	५१	९	२२	१९	१३	वृषे	भ.२६।३९या.उफा.रविः३०।५१
८	गु	५५	१८	रो	५	३७	व	३	५३	बा	२५	२४	३९	५२	८	२३	२०	१४	मि३६।२२	उफा.रविःसौरः७।२५हस्ते भौमः१३।४४
९	शु	५६	४६	मृ	७	८	सि	३८/०	५८/२०	तै	२६	२	३५	५३	७	२४	२१	१५	मिथुने	हस्ते बुधः ८/०मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	श	५९	४०	आ	१०	२१	व	५८	२८	व	२८	१३	३१	५४	६	२५	२२	१६	क.५८।४६	भ.२८।१३ उ.५९।४०या. कन्यायामर्कः×
११	र	६०	०	पु	१४	५५	प	५९	१६	ब	३१	५०	२७	५५	५	२६	२३	१७	कर्के	कन्यायामर्कःसौरः३/३२/६इंदिरा११व्र.स्मा.
११	चं	४	०	पु	२०	४३	शि	६०	०	बा	४	०	२२	५६	४	२७	२४	१८	कर्के	इंदिरा११व्र.वै.
१२	मं	९	८	श्ले	२७	२८	शि	०	२५	तै	९	८	१८	५६	४	२८	२५	१९	सिं. २७/२८	प्रदोषः
१३	बु	१५	१३	म	३४	४४	सि	२	२५	व	१५	१३	४	५७	३	२९	२६	२०	सिंहे	भ.१५।१३उ.४८।१४या.
१४	गु	२१	१४	पू	४२	६	सा	४	२८	श	२१	१४	९	५८	२	३०	२७	२१	क.५९।०	शस्त्रादिहतानां श्रा.
३०	शु	२७	३२	उ	४९	४३	शु	६	५४	ना	२७	३२	५	५९	१	३१	२८	२२	कन्यायां	उफा. शुक्रः ५०।४२सर्वंपितृ३०

२३पं.आ.कृ.८बृ.इ.५८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	६	४	३	११	४
२८	१०	९	२१	१६	२५	१	२७
१	२९	४३	४१	५३	४४	२५	२९
२४	४२	२२	५६	२४	१३	८	४९
५८	३९	८/०	१०	७४	६	३	५८
२६	४९	८८/४९	३७	२६	३२	११	२९

गोचर ग्रहाः

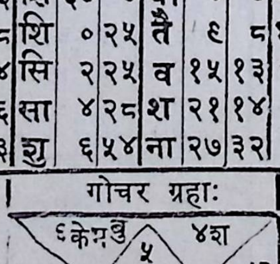

आश्विन कृष्णे १०
शनौ कन्यायामर्कः
प्रविष्टः वा४ न.४
वृद्धावस्था (बैठी)
मु.४५ धान्यादि भावे
समर्घता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

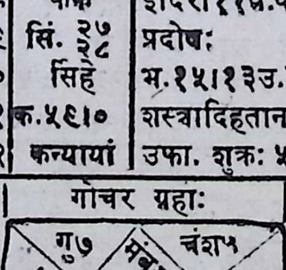

२४पं. आ.कृ.१४बृ.इ. ५८/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	६	४	३	११	८
४	१५	२१	२२	२५	२६	१	४
५५	३	६	५५	३४	३१	२	१९
१६	८	२२	१२	५९	३७	५२	५६
५८	३९	९७	११	७४	६	३	८
३८	५९	५९	१४	२६	२०	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽर्हगण:५२८४सन्२००६
१	श	३३	४१	ह	५७	६	शु	९	२३	किं	०	३५	३०	०६	०६	१	२९	२३	कन्यायां	चित्रा. बुध:२०।९ आश्ले.४शनि:१७/३९भा.+
२	र	३९	३१	चि	६०	०	ब्र	११	२८	बा	६	३६	२९ ५६	६ १	५ ५९	२	३०	२४	तु.३०।४०	विशा.२गुरु:१०।४६चंद्रदर्शनम्
३	चं	४४	३६	चि	४	१५	ऐं	१३	२८	तै	१२	४	५२	२	५८	३	१	२५	तुलायां	कन्यायां शुक्र:३०।१०रमजान ९
४	मं	४८	५७	स्वा	१०	२३	वै	१४	४३	व	१६	४६	४८	२	५८	४	२	२६	वृ.५९।३६	भ.१६।४६उ.४८।५७या. [=मातामह श्रा.
५	बु	५२	१६	वि	१६	०	वि	१५	२१	व	२०	३७	४४	३	५७	५	३	२७	वृश्चिके	हस्ते रवि: ९।२१ (सौर: ४५।६)÷
६	गु	५४	१६	अ	२०	२९	प्री	१५	२९	कौ	२३	१६	४०	४	५६	६	४	२८	वृश्चिके	[L३५।२४शरद् पूर्णिमा स्मा.कोजागरीव्र.
७	शु	५४	५०	ज्ये	२३	२८	आ	१४	३१	ग	२४	३३	३६	५	५५	७	५	२९	ध २३।२८	भ.५४।५०उ. [÷तुलायांबुध:५०।१३
८	श	५३	४६	मू	२५	१२	सौ	११	५८	वि	२४	१८	३२	६	५४	८	६	३०	धनुषि	भ.२४।१८या.
९	र	५१	७	पू	२५	७	शो	८	२४	बा	२२	२६	२८	६	५४	९	७	१	म.३९।५३	अक्टूबर१०ता.३१
१०	चं	४६	२४	उ	२४	१४	अ	२३/३	५३/३९	तै	१८	४५	२३	७	५३	१०	८	२	मकरे	स्वात्यां बुध:१६।४७
११	मं	४०	२२	श्र	१९	५६	धृ	४९	१५	व	१३	२३	१९	८	५२	११	९	३	कुं. ४७/२२	भ.१३।२३ उ.४३/२२या. हस्तेशुक्र:३१।६×
१२	बु	३२	९	ध	१४	४८	शू	४०	२८	ब	६	१६	१५	९	५१	१२	१०	४	कुंभे	चित्रायां भौम:३६।५ [×पापांकुशा११व्र.
१३	गु	२३	५३	श	८	१९	गं	३०	३१	तै	२३	५३	११	१०	५०	१३	११	५	मी. ४७/५९	प्रदोष: [+ आश्विनारंभ:नवरात्रारंभ:=
१४	शु	१४	१७	पू	५/१२	५२/१६	वृ	१९	४६	ब	१४	१७	७	११	४९	१४	१२	६	मीने	भ.१४।१७उ.३९/१९ या. शुक्रास्त:पूर्वस्यांL
१५	श	४	२०	रे	४५	३८	धृ	८/४९	४९/८	ब	४	२०	३	११	४९	१५	१३	७	मे.४५।३८	का. स्ना. प्रा. शरद्पूर्णिमा व्र.

२५पं.आ.शु.६बृ.इ.५८।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	६	५	३	११	५
११	१९	१	२४	४	२७	०	११
४६	३८	४१	१२	१८	१९	४०	११
५२	२४	३५	५४	२५	३७	३६	५६
५८	३९	८९	११	७४	५	३	५९
५३	५९	३१	५३	३२	५७	११	०१

गोचर ग्रहाः

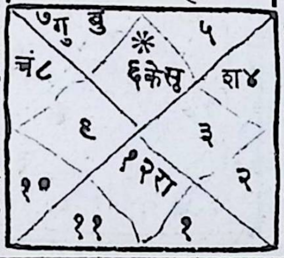

इस मास में अलसी सरसों तिल सोना रुई रंग गुड में तेजी चांदी चावल घृत में मन्दी हो फसल को नुकसान पहुंचे वर्षा कम होवे।

गोचर ग्रहाः

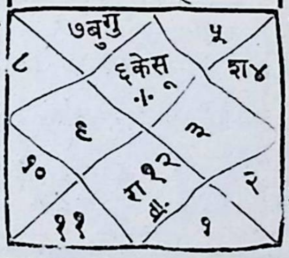

२६पं.आ.शु.१३बृ. इ. ५९/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	६	५	३	११	५
१८	२४	११	२५	१२	२७	०	१८
४०	१५	२५	३४	२	५८	१८	५
८	०	३७	१	३१	४८	२१	४३
५९	४०	७९	१२	७४	५	३	५९
९	१६	२	१९	३२	३२	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	श	५०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[B४४।२
२	र	४५	५८	अ	३८	२८	ह	४७	४०	तै	२०	१८	२८/५९	६/१२	५/४८	१६	१४	८	मेषे	[A३/५ १/१पूभा.३कुंभेराहु:उफा.१सिंहे केतु:B
३	चं	३८	२३	भ	३२	३६	ब	३८	२०	व	१२	१०	५५	१३	४७	१७	१५	९	वृ. ४६/३०	भ.१२।१०उ.३८।२३या.
४	मं	३२	४५	कृ	२८	१३	सि	३०	१६	ब	५	३४	५१	१४	४६	१८	१६	१०	वृषे	चित्रा.रवि:४१।२३चतुर्थी व्र.
५	बु	२८	५५	रो	२५	४६	व्य	२३	४४	कौ	०	५०	४७	१५	४५	१९	१७	११	मि ५५/३४	चित्रा. रवि: सौर: १५।४०विशा.३गुरु:A
६	गु	२७	३०	मृ	२५	२५	व	१८	५२	व	२७	३०	४३	१५	४५	२०	१८	१२	मिथुने	भ.२७।३०उ.५७।४६या विशा.बुध:९३/३
७	शु	२८	१	आ	२७	१८	प	१५	४०	ब	२८	१	३९	१६	४४	२१	१९	१३	मिथुने	
८	श	३०	३१	पु	३१	४	शि	१४	५	कौ	३०	३१	३५	१७	४३	२२	२०	१४	क. १५/८	चित्रा. शुक्र: १२।२९तुलायां भौम:३५।०
९	र	३४	४७	पु	३७	१५	सि	१४	१६	तै	३	३९	३१	१८	४२	२३	२१	१५	कर्के	
१०	चं	४०	२	श्ले	४२	४४	सा	१४	५६	व	७	२५	२७	१९	४१	२४	२२	१६	सिं. ४२/४४	भ.७।२५उ.४०।२या.
११	मं	४६	२३	म	५०	१३	शु	१६	५०	ब	१३	१२	२३	१९	४१	२५	२३	१७	सिंहे	तुलायामर्क:२५।१२(सौर:५/२४)रमा११व्र.
१२	बु	५२	४१	पू	५७	४०	शु	१९	४	कौ	१९	३२	२०	२०	४०	२६	२४	१८	सिंहे	
१३	गु	५९	८	उ	६०	०	ब्र	२१	३४	ग	२५	४९	१६	२१	३९	२७	२५	१९	क. १४/३४	भ.५९/८उ. तुलायां शुक्र:३ १/३प्रदोष:धन१३
१४	शु	६०	०	उ	५	१८	ऐं	२३	५३	वि	३२	११	१२	२२	३८	२८	२६	२०	कन्यायां	भ.३२।११या. रूप१४
१४	श	५	१४	ह	१२	३८	वै	२५	५९	श	५	१४	८	२२	३८	२९	२७	२१	तु.४६।२	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	र	१०	४५	चि	१९	२८	वि	२७	३८	ना	१०	४५	४	२३	३७	३०	२८	२२	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा

२७ पं.का.कृ.६ बृ.इ. ५७/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	६	५	३	१०	५
२५	२८	२०	२६	२१	२८	२९	२५
३५	५४	६	५८	४७	३७	५६	०१
२	३२	२५	८	१७	५२	५	२१
५९	४०	६६	१२	७४	५	३	५९
२१	२६	२७	३९	३२	२	११	३१

गोचर ग्रहाः

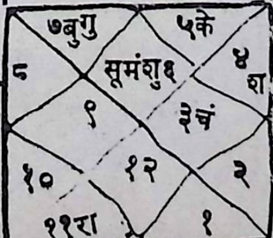

कार्तिक कृष्णे ११ भौमे तुलायामर्क: प्रविष्ट: वा.४ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्त: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२८पं.का. कृ.१३ बृ.इ. ५७/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	६	६	३	१०	६
२	३	२७	२८	०	२९	२९	१
३१	३५	८	२४	३३	१२	३३	५८
२६	१३	४९	५४	७	२३	५०	५१
५९	४०	४५	१३	७४	४	३	५९
३४	३६	४५	५	३८	३९	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३१४सन्२००६
१	चं	१५	१४	स्वा	२५	२२	प्री	२८	३२	ब	१५	१४	२८/०	२६/४	३५/६	१	२९	२३	तुलायां	वृश्चिके बुधः ४२।११भा. कार्तिकारंभः
२	मं	१९	१	वि	३०	२९	आ	२८	५३	कौ	१९	१	२७/५६	२५	३५	२	३०	२४	वृ.१४।१२	स्वात्यांरविः ७।१४ (सौरः ३९।१७)×
३	बु	२१	४६	अ	३४	३२	सौ	२८	२६	ग	२१	४६	५३	२५	३५	३	१	२५	वृश्चिके	भ.५२।३५उ. सव्वाल१०
४	गु	२३	२५	ज्ये	३७	२९	शो	२७	२	वि	२३	२५	४९	२६	३४	४	२	२६	ध. ३७/९	भ.२३।२५या.
५	शु	२३	५९	मू	३९	२९	अ	२४	५८	वा	२३	५९	४५	२७	३३	५	३	२७	धनुषि	वक्री बुधः ५३/४६ विशा.४वृश्चिके गुरुः२६।९
६	श	२३	१७	पू	४०	२२	सु	२२	५	तै	२३	१७	४१	२८	३२	६	४	२८	म५५।१५	[×स्वात्यां शुक्रः ३६।१ स्वात्यां भौमः÷
७	र	२१	३२	उ	३९	५६	धृ	१७	५९	व	२१	३२	३७	२९	३१	७	५	२९	मकरे	भ.२१।३२उ.४९।४६या.
८	चं	१८	०	श्र	३८	१३	शू	१२	५५	व	१८	०	३४	२९	३१	८	६	३०	मकरे	मघा.१सिंहेशनिः३७।४२गोपाष्टमी
९	मं	१४	२	ध	३५	१६	गं	६/४९	५३/४३	कौ	१४	२	३०	३०	३०	९	७	३१	कुं. ६।४४	कूष्मांड९अक्षय९ [=नवम्बर११ता.३०
१०	बु	८	२१	श	३१	८	ध्रु	५१	२५	ग	८	२१	२७	३१	२९	१०	८	१	कुंभे	भ.३४।५८उ. वक्री तुलायांबुधः५९।१७=
११	गु	१	३५	पू	२५	५०	व्या	४२	२५	वि	१	३५	२३	३१	२९	११	९	२	मी. १२/१६	भ.१।३५या बुधास्तःपश्चिमायां४४।१५A
१२	गु	५२	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷३१।५० चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २यम२
१३	शु	४५	१९	उ	१९	४७	ह	३२	५४	कौ	१९	३१	१९	३२	२८	१२	१०	३	मीने	प्रदोषः [Aप्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१४	श	३६	३५	रे	१३	३	व	२२	४७	ग	१०	५७	१६	३३	२७	१३	११	४	मे. १३/३	ग.३६।३५उ.विशा.शुक्रः२/५८वैकुंठ१४
१५	र	२८	६	अ	६/५४	५३/४३	सि	१२	४०	वि	२	२०	१२	३४	२६	१४	१२	५	मेषे	भ.२।२०या. मन्वादिः का. स्ना· पू.

२९पं.का.शु.४ बृ.इ. ५७/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	६	६	३	१०	६
९	८	१	२९	९	२९	२९	८
२९	१८	५	५३	१९	४४	११	५८
४२	५८	२	३८	१९	५३	३४	११
५९	४०	९	१३	७४	४	३	६०
४७	४६	००	२०	३८	५	११	२

गोचर ग्रहाः

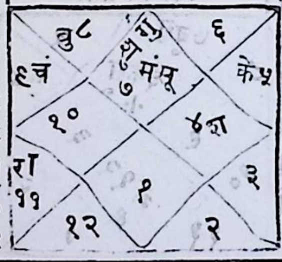

इस मास में प्रजा में दारुण दुःख फैले धातु सोना चांदी ताम्बा रस धान्य में तेजी रहे रुई में मन्दी होवे।

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.शु.११बृ.इ. ५७/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	७	६	४	१०	६
१६	१३	२९	१	१८	०	२८	१५
२९	३	३	२४	६	११	४९	५९
२८	५८	४३	३२	०	४२	१८	१५
६०	४०	५६/१९	१३	७४	३	३	६०
४	५६	व.	२६	३८	३१	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः१९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	चं	२०	१९	कृ	५४	३६	व्य	३/०	५१/१०	कौ	२०	१९	२७/९	६/३४	२५/६	१५	१३	६	वृ.१३।३७	विशा. रविः२७।४०(सौरः५६।५१)
२	मं	१३	५६	रो	५०	४१	प	४६	२६	ग	१३	५६	५	३५	२५	१६	१४	७	वृषे	भ.४१।४उ.
३	बु	९	७	मृ	४८	३७	शि	३९	५२	वि	९	७	२	३६	२४	१७	१५	८	मि. ३९/१९	भ.९।७या.चतुर्थी व्र.
४	गु	६	१९	आ	४८	४७	सि	३५	५	बा	६	१९	२६/५८	३६	२४	१८	१६	९	मिथुने	
५	शु	५	३७	पु	५०	४७	सा	३२	४	तै	५	३७	५५	३७	२३	१९	१७	१०	क. ३५/१७	वक्री स्वात्यां बुधः३६/३ अस्तं गुरोः१९।१२
६	श	७	८	पु	५५	१०	शु	३०	५	व	७	८	५२	३८	२२	२०	१८	११	कर्के	भ.७।८उ.३८।५६या.अनु.१गुरुः४०।२५
७	र	१०	४३	श्ले	६०	०	शु	३०	३७	ब	१०	४३	४९	३८	२२	२१	१९	१२	कर्के	वृश्चिके शुक्रः२७।३७
८	चं	१६	३६	श्ले	०	३४	ब्रं	३१	४०	कौ	१६	३६	४५	३९	२१	२२	२०	१३	सिं. ०/३४	विशा. भौमः४।७
९	मं	२१	४३	म	७	४६	एं	३२	४६	ग	२१	४३	४२	४०	२०	२३	२१	१४	सिंहे	भ.५४।५४उ.
१०	बु	२८	५	पू	१५	१	वै	३५	५८	वि	२८	५	३९	४०	२०	२४	२२	१५	कं.३१।५८	भ.२८।५या. अनु. शुक्रः ४।२२बुधोदयः÷
११	गु	३४	३५	उ	२२	४७	वि	३८	२४	ब	१	२०	३६	४१	१९	२५	२३	१६	कन्यायां	वृश्चिकेऽर्कः३३/४५(सौरः५१/८) उत्पत्ति११व्र.
१२	शु	४०	४३	ह	३०	५९	प्री	४०	२६	कौ	७	३९	३३	४१	१९	२६	२४	१७	कन्यायां	[÷पूर्वस्यां४।५७
१३	श	४६	८	चि	३६	५३	आ	४२	१	ग	१३	२५	३०	४२	१८	२७	२५	१८	तु. ३।५६	भ.४६।८उ.मार्गी बुधः१५।९प्रदोषः
१४	र	५०	८	स्वा	४२	४३	सौ	४२	५६	वि	१८	८	२७	४३	१७	२८	२६	१९	तुलायां	भ.१८।८या.अनु.रविः४२।५
१५	च	५३	१९	वि	४७	१८	शो	४२	४०	च	२१	४४	२५	४३	१७	२९	२७	२०	वृ. ३१/५०	अनु.रविःसौरः७।५६

३१पं.मा.कृ.४ बृ.इ. ५७/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	७	६	४	१०	६
२३	१७	२१	२	२६	०	२८	२३
३०	५१	१	५६	५३	३४	२७	०१
५०	५४	५९	४६	२	५	३	५०
६०	४१	५४/४३	१३	७४	२	३	६०
१७	६	व.	३२	३२	४४	११	३०

गोचर ग्रहाः

मार्ग शीर्ष कृष्णे ११ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

३२ पं.मा.कृ.११ बृ.इ.५६/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	७	७	४	१०	७
०	२२	१५	४	५	०	२८	०
३३	४०	१७	२९	३९	११	४	५
२९	५२	५६	४६	४७	५८	४८	५३
६०	४१	१२/१	१३	७४	२	३	६०
३०	१०	व.	३८	३२	३	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः५३४३ स.२००६
१	मं	५५	२	अ	५०	३७	अ	४१	३७	किं	२४	१०	३६/२२	६/४४	५/१६	२०	२८	२१	वृश्चिके	[×६।४६उदयं गुरोः ४३।१२ दत्तजयंती
२	बु	५५	३७	ज्ये	५२	५३	सु	३९	३६	बा	२५	१९	१९	४४	१६	१	२९	२२	व.५२।५३	चंद्रदर्शनम् भा. मार्गशीर्षारंभः
३	गु	५५	१६	मू	५४	८	धृ	३६	४५	तै	२४	३२	१७	४५	१५	२	१	२३	धनुषि	जिल्काद ११
४	शु	५३	५०	पू	५४	२२	शू	३२	५८	व	२२	४५	१४	४५	१५	३	२	२४	धनुषि	भ.२२।४५उ.५३।५०या.
५	श	५१	४१	उ	५३	५०	गं	२८	४४	व	२०	६	१२	४६	१४	४	३	२५	म.९।१४	ज्येष्ठा. शुक्रः ४३।३४
६	र	४८	३२	श्र	५२	२९	बृ	२३	५०	कौ	१६	१४	९	४६	१४	५	४	२६	मकरे	विशा.बुधः२४।२अनु.२गुरु३९।१४चंपा६
७	चं	४४	५६	ध	५०	२६	ध्रु	१८	८	ग	१२	३५	७	४७	१३	६	५	२७	कुं २१।२७	भ.४४।५६उ.वृश्चिके भौमः२६।४२
८	मं	४०	२५	श	४७	४३	व्या	११	५३	वि	७	५२	५	४७	१३	७	६	२८	कुम्भे	भ.७।५२या.शुक्रोदयःपश्चिमायाम् १९/२
९	बु	३५	२०	पू	४४	१३	ह	५/२	५२/३५	बा	२	२६	२	४८	१२	८	७	२९	मी.३०।६	
१०	गु	२९	३४	उ	४०	१	सि	४९	४३	ग	२९	३४	०	४८	१२	९	८	३०	मीने	भ.५६।२०उ. [+११व्र. गीता जयंती
११	शु	२३	७	रे	३५	१९	व्य	४१	१३	वि	२३	७	२५/५८	४८	१२	१०	९	१	मे.३५।१९	भ.२३।७या.दिसम्बर१२ता. ३१मोक्षदा+
१२	श	१६	१८	अ	३०	१६	व	३२	४०	बा	१६	१८	५६	४९	११	११	१०	२	मेषे	ज्येष्ठा.रविः५२।१२अनु. भौमः१४/४२प्रदोषः
१३	र	९	२८	भ	२५	६	प	२४	४	तै	९	२८	५४	४९	११	१२	११	३	वृ.३८।५७	ज्येष्ठा.रविःसौरः१५।५०
१४	चं	२	४७	कृ	२०	३२	शि	१५	४३	व	२	४७	५३	४९	११	१३	१२	४	वृषे	भ.२।४७उ. ३०।२९या. वृश्चिके बुधः×
१५	चं	५४	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

३३पं.मा.शु.३बृ.इ. ५६।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	७	७	४	१०	७
७	२७	१७	६	१४	१	२१	७
३७	३१	४९	३	२७	३	४२	११
२६	३४	४१	४	१३	५४	३२	२६
६०	४१	५३/४	१३	७४	१	३	६०
४२	२०	मा.	३८	३२	२२	११	५३

गोचर ग्रहाः

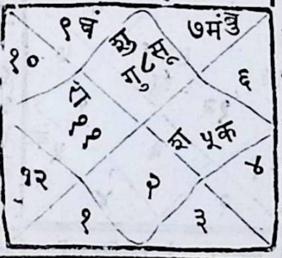

इस मास में बुध का चन्द्र दर्शन चांदी रुई स्वर्ण सण तिल आदि पदार्थों में मंदी करे धान्य व रस में मंदी होकर तेजी रहे

गोचर ग्रहाः

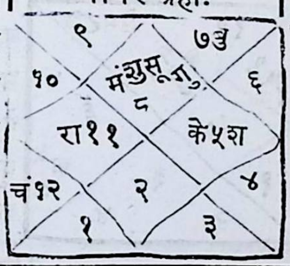

३४पं.मा.शु. १० बृ.इ.५६/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	७	७	४	१०	७
१४	२	२५	७	२३	१	२७	१४
४२	२५	५४	३६	१४	१०	२०	१८
४०	४१	०	५४	२०	५९	१६	१२
६०	४१	७७	१३	७४	०	३	६१
५०	४०	३४	३६	३२	४१	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	मं	५२	१६	रो	१६	४७	सि	७	५९	बा	२४	४३	२५/५१	६/५०	५/१०	१४	१३	५	मि४५।३४	
२	बु	४९	१९	मृ	१४	१४	सा	१/४	५४/२८	तै	२०	५३	४९	५०	१०	१५	१४	६	मिथुने	अनु. बुधः२०।६मूले धनुषिशुक्रः१८।२१+
३	गु	४७	५९	आ	१३	११	शु	५१	२८	व	१८	३९	४८	५०	१०	१६	१५	७	क.५८।४९	भ.१८।३९उ.४७।५९या.
४	शु	४८	४०	पु	१४	१	ब्र	४९	८	ब	१८	२०	४६	५१	९	१७	१६	८	कर्के	चतुर्थी व्र. [+वक्री शनिः२१।११
५	श	५१	१६	पु	१६	५४	ऐं	४८	१	कौ	१९	५६	४५	५१	९	१८	१७	९	कर्के	
६	र	५५	४०	श्ले	२१	३७	वै	४८	४	ग	२३	२८	४४	५१	९	१९	१८	१०	सिं२१।३७	भ.५५।४०उ.
७	चं	६०	०	म	२७	४०	वि	४९	३२	वि	२८	२९	४३	५१	९	२०	१९	११	सिंहे	भ.२८।२९या.अनु.३गुरुः४८।५८
७	मं	१	१९	पू	३४	३२	प्री	५१	१४	ब	१	१९	४२	५२	८	२१	२०	१२	क.५१।२९	[×ज्येष्ठा. बुधः१४।५४
८	बु	७	३८	उ	४२	१५	आ	५३	३०	कौ	७	३८	४१	५२	८	२२	२१	१३	कन्यायां	पूभा. २ राहुः पूफा.४केतुः३५।५९
९	गु	१४	६	ह	४९	४९	सौ	५५	३७	ग	१४	६	४०	५२	८	२३	२२	१४	कन्यायां	भ.४७।१३उ.बुधास्तःपूर्वस्यां२८।१४
१०	शु	२०	२१	चि	५६	५१	शो	५७	२८	वि	२०	२१	३९	५२	८	२४	२३	१५	तु.२३।२०	भ. २०।२१ या. मूले धनुष्यर्कः ५९।२७×
११	श	२५	४४	स्वा	६०	०	अ	५८	२७	बा	२५	४४	३९	५२	८	२५	२४	१६	तुलायां	मूले धनुष्यर्कः सौरः१९।४०पूषा. शुक्रः÷
१२	र	२९	४९	स्वा	२	४९	सु	५८	१५	तै	२९	४९	३८	५२	८	२६	२५	१७	वृ.५१।११	[÷५७।४४ उदयो भौमः४/८सफला ११व्र.
१३	चं	३२	३४	वि	७	१८	धृ	५७	२	ग	१	११	३८	५२	८	२७	२६	१८	वृश्चिके	भ.३२।३४उ. प्रदोषः
१४	मं	३३	३२	अ	१०	३२	शू	५४	४१	वि	३	२	३७	५३	७	२८	२७	१९	वृश्चिके	भ.३।२ या.
३०	बु	३३	२०	ज्ये	१२	१३	गं	५०	५४	च	३	२६	३७	५३	७	२९	२८	२०	ध.१२।१३	

३५पं.पौ.कृ.३बृ.इ.५६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	८	४	१०	७
२१	७	५	९	२	१	२६	२१
४८	२१	४१	९	१	१२	५८	२५
४३	२५	१७	३२	३०	२५	०	५५
६०	४१	८८	१३	७४	१२	३	६१
५६	४४	८	३२	२९	वं.	११	११

गोचर ग्रहाः

पौष कृष्णे १०शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

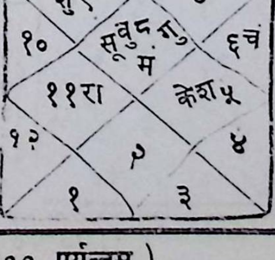

३६पं. पौ.कृ. ९ बृ.इ.५६।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	८	४	१०	७
२८	१२	१६	१०	१०	१	२६	२८
५५	१९	१०	४१	४९	८	३५	३४
३७	५	४१	३५	१	३८	४५	३७
६१	४१	९३	१३	७४	५३	३	६१
०	५४	२८	२०	२८	व.	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	३१	२५	मू	१२	३१	बृ	४६	१३	किं	२	२२	३५/३६	६/५३	५/७	३०	२६	२१	धनुषि
२	शु	२८	३३	पू	११	३२	ध्रु	४०	५३	कौ	२८	३३	३६	५३	७	१	३०	२२	म.२६।७
३	श	२५	२	उ	९	५०	व्या	३४	४७	ग	२५	२	३६	५३	७	२	१	२३	मकरे
४	र	२०	४३	श्र	७	१४	ह	२८	९	वि	२०	४३	३६	५३	७	३	२	२४	कुं.३५।५५
५	चं	१६	१६	ध	४	३६	व	२१	३२	बा	१६	१६	३७	५३	७	४	३	२५	कुंभे
६	मं	११	२६	श	३०/१	५६/५६	सि	१४	३९	तै	११	२६	३७	५३	७	५	४	२६	मी.४४/५३
७	बु	६	३८	उ	५५	५	व्य	७	३६	व	६	३८	३७	५३	७	६	५	२७	मीने
८	गु	१	४०	रे	५१	३६	व	२५/०	५२/४६	ब	१	४०	३८	५२	८	७	६	२८	मे.५१।३६
९	गु	५४	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१०	शु	५१	३०	अ	४८	१०	शि	४७	४४	तै	२४	४	३८	५२	८	८	७	२९	मेषे
११	श	४६	२४	भ	४४	५०	सि	३८	४४	व	१८	५७	३९	५२	८	९	८	३०	वृ.५९।४
१२	र	४१	६०	कृ	४१	४४	सा	३१	५१	ब	१४	२	४०	५२	८	१०	९	३१	वृषे
१३	चं	३७	२४	रो	३९	१७	शु	२५	१०	कौ	९	३२	४१	५२	८	११	१०	१	वृषे
१४	मं	३४	४	मृ	३७	२३	शु	१९	१०	ग	५	४४	४२	५२	८	१२	११	२	मि.८।२०
१५	बु	३१	४५	आ	३६	४६	ब्र	१४	१	वि	२	५५	४३	५१	९	१३	१२	३	मिथुने

शिशिरर्तुरविरुत्तरेऽहर्गण:५३७३स.२००६

ज्येष्ठा. भौम:०।१३
चंद्रदर्शनम् भा. पौषारंभः
भ.५२।५२ उ.मूले धनुषि बुध:५१।३३=
भ.२०।४३या. [=जिल्हेज१२
भ. ६।३८ उ.३४।९ या. उषा. शुक्र:×
[×३२।३४अनु.४गुरु:१९।५६
पूषा. रवि:४।२७(सौर:२१।१८)
भ. १८।५७ उ.४६।२४या. मकरे शुक्र:÷
[÷१४।०पुत्रदा११व्र.
पूषा. बुध: १५।१७ जनवरी १ ता.३१+
भ ३२।५४उ. [+सन्२००७प्रदोषः
भ.२।५५या.मा. स्ना. प्रा.

३७पं. पौ. शु १ बृ इ. ५५/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	७	८	४	१०	८
६	१७	२६	१२	१९	०	२६	५
३	१८	५३	१२	३५	५८	१३	४४
१४	५८	४६	०	५३	४८	२९	०३
६१	४१	९६	१३	७४	१/४०	३	६१
४	५८	३९	१४	२६	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

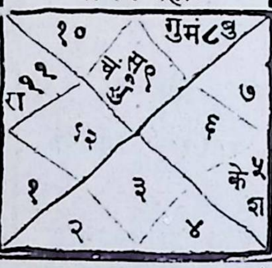

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का जुवार चावल गेहूं सोना चांदी रुई घृत तेज होवे शीत का प्रकोप रहे।

गोचर ग्रहाः

३८पं. पौ. शु. ८ बृ. इ ५५/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	७	८	४	१०	८
१३	२२	७	१३	२८	०	२५	१२
११	२०	४९	४०	२३	४४	५१	५३
१२	५३	१६	३०	६	१०	१४	५५
६१	४२	९९	१२	७४	२/१६	३	६१
६	२	२५	५०	२०	व.	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	३०	४६	पु	३७	३५	ऐं	१०	४	बा	१	१६	२५/४४	६/५१	५/९	१४	१३	४	कं.२२।२३
२	शु	३१	२८	पु	३९	४०	वै	७	१	तै	१	६	४५	५१	९	१५	१४	५	कर्के
३	श	३३	५३	श्ले	४३	४१	वि	५	३१	व	२	४१	४७	५१	९	१६	१५	६	मि. ४३/४३
४	र	३७	३७	म	४८	३२	प्री	४	४९	ब	५	४८	४८	५०	१०	१७	१६	७	सिंहे
५	चं	४२	५८	पू	५५	४२	आ	५	३४	कौ	१०	१८	५०	५०	१०	१८	१७	८	सिंहे
६	मं	४८	५५	उ	६०	०	सौ	७	३	ग	१५	२७	५२	५०	१०	१९	१८	९	क.१२।३२
७	बु	५५	२४	उ	३	२	शो	९	६	वि	२२	११	५३	४९	११	२०	१९	१०	कन्यायां
८	गु	६०	०	ह	१०	३१	अ	११	२५	बा	२८	४०	५५	४९	११	२१	२०	११	तु.४४।१३
८	शु	१	५६	चि	१७	३१	सु	१३	१८	कौ	१	५६	५७	४९	११	२२	२१	१२	तुलायां
९	श	७	३७	स्वा	२४	२३	धृ	१४	४७	ग	७	३७	५९	४८	१२	२३	२२	१३	तुलायां
१०	र	१२	१	वि	३०	३८	शू	१५	१४	वि	१२	१	२६/१	४८	१२	२४	२३	१४	वृ. १३/४७
११	चं	१५	४	अ	३३	२९	गं	१४	३१	बा	१५	४	४	४७	१३	२५	२४	१५	वृश्चिके
१२	मं	१६	२	ज्ये	३५	१४	वृ	१२	१७	तै	१६	२	६	४७	१३	२६	२५	१६	ध.३५।१४
१३	बु	१५	२३	मू	३५	२०	ध्रु	८	४४	व	१५	२३	८	४६	१४	२७	२६	१७	धनुषि
१४	गु	१२	५२	पू	३३	४७	व्या	३/४६	५३/५२	श	१२	५२	११	४६	१४	२८	२७	१८	म.४८।५
३०	शु	८	४९	उ	३०	५९	व	५०	१९	ना	८	४९	१३	४५	१५	२९	२८	१९	मकरे

शिशिरर्तु रविरुत्तरें पौष कृष्णेति महा.

[÷कर्के आश्ले.४शनि:५६।१३
भ.२।४१उ.३३।५३या.
श्रवणे शुक्र: १३।२चतुर्थी व्र.
मूले धनुषिभौम: २३।४९
भ:४८।५५उ.उषा.बुध:४२।३१
भ.२२।११या.
उषा. रवि:९।१२(सौर:२२।४५) वक्री÷
मकरे बुध:४०।३ज्येष्ठा.१गुरु:४७।४८
भ.३९।४९उ.
भ.१२।१या.मकरेऽर्क:(सौर:३८।१२)
षट् तिला११व्र.
प्रदोषः
भ.१५।२३ उ.४४।८ या. श्रवण बुध:+
[+३८।३घनि. शुक्र:५०।०

३९पं. मा कृ. १ बृ. इ: ५५/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	७	९	४	१०	८
२०	२७	१८	१५	७	०	२५	२०
१९	२४	५८	६	१०	२४	२८	३
२६	४७	५९	५०	५	१४	५८	५२
६१	४२	०	१२	७४	२/५७	३	६१
६	२३	३४	२०	५४	व.	११	२६

४० पं. मा. कृ. ८ बृ. इ. ५५।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	७	९	४	१०	८
२७	२	०	१६	१५	०	२५	२७
२७	३०	२६	२९	५५	०	६	१३
२२	३२	३४	२८	४८	२	४२	४४
६१	४२	०	१२	७४	३/३८	३	६१
६	३८	४६	३	८	व.	११	२४

४१पं. मा. कृ. १४ बृ. इ. ५५/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	७	९	३	१०	९
४	७	१२	१७	२४	२९	२४	४
३५	३९	१४	४९	४०	३२	४४	२३
१३	४	३८	१६	५९	५३	२७	१३
६१	४२	०	११	७४	३/५८	३	६१
३	४६	९	२४	२	व.	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:५४०३स.२००७
१	श	३	३८	श्र	२७	७	सि	४२	२४	ब	३	८	२६/१६	६/४५	५/१५	३०	२९	२०	कुं.५४।५२	अभि प्र.रवि: ५८।६चंद्रदर्शनम्
२	श	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Bमोहोरम१सन्१४२८हि.
३	र	५१	२१	ध	२२	३८	व्य	३४	३०	तै	२४	२९	१९	४४	१६	१	१	२१	कुंभे	अभि. प्र.रवि: सौर:९।३३भा.माघारंभ:B
४	चं	४४	५४	श	१७	५८	व	२५	५६	व	१८	८	२१	४४	१६	२	२	२२	मी५९।३२	भ.१८।८उ.४४।५४या.
५	मं	३८	५६	पू	१३	२३	प	१७	५५	ब	११	५५	२४	४३	१७	३	३	२३	मीने	कुंभे शुक्र:९।४वसंत५ [÷२/१ ६/७भीष्माष्टमी
६	बु	३३	६	उ	९	१६	शि	१०	६	कौ	६	१	२७	४३	१७	४	४	२४	मीने	श्रवणे रवि:१४।४३(सौर:२५।२९)
७	गु	२७	५६	रे	५	३१	सि	२/३४	५२/४०	ग	०	३१	२९	४२	१८	५	५	२५	मे. ५।३१	भ.२७।५६उ.५५।३२या.अभि.नि.रवि:×
८	शु	२३	८	अ	२/१५	५७/२४	शु	४८	४६	ब	२३	८	३२	४२	१८	६	६	२६	मेषे	पूषा.भौम:३९।२७बुधोदय: पश्चिमायां+
९	श	१९	३	कृ	५७	४६	शु	४१	४१	कौ	१९	३	३५	४१	१९	७	७	२७	वृ.१४।१०	[+३९।२७ पातस्पर्श: ९।७ पातमोक्ष:÷
१०	र	१५	३६	रो	५६	२६	ब्र	३७	१४	ग	१५	३६	३८	४०	२०	८	८	२८	वृषे	भ.४४।१७उ.शते शुक्र:३३।४१
११	चं	१२	५९	मृ	५५	५२	ऐं	३२	२६	वि	१२	५९	४१	४०	२०	९	९	२९	मि.२६।९	भ.१२।५९या. कुंभे बुध:१/९ ४/४जया११व्र.
१२	मं	१०	५९	आ	५६	१६	वै	२८	१७	बा	१०	५९	४५	३९	२१	१०	१०	३०	मिथुने	प्रदोष: [×५६/८(सौर:१७/४६)धनि.बुध:A
१३	बु	१०	२	पु	५७	५८	वि	२४	५६	तै	१०	२	४८	३८	२२	११	११	३१	कं.४२।३२	ज्येष्ठा.२गुरु:२०।३५ [A२/४ ४/५भानु७रथ७
१४	गु	१०	११	पु	६०	०	प्री	२२	२५	व	१०	११	५१	३८	२२	१२	१२	१	कर्के	भ.१०।११उ.४०।५४या.फर्वरी२ता.२८
१५	शु	११	३७	पु	०	३५	आ	२१	२१	ब	११	३७	५४	३७	२३	१३	१३	२	कर्के	शते बुध;३७।४६मा. स्ना. पूर्ति:

४२ पं.मा. शु ७ वृ. इ. ५५/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	७	१०	३	१०	९
११	१२	२४	१९	३	२९	२४	११
४२	४८	१२	४	२५	२	२२	३२
४०	३६	४०	४८	१९	१०	११	४
६०	४३	८०	१०	७३	४/१६	३	६१
५९	३	८	५०	५६	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे १० रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.२ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायांम्

गोचर ग्रहाः

४३ पं.मा.शु. १४बृ.इ. ५५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	७	१०	३	१०	९
१८	१८	५	२०	१२	२८	२३	१८
४९	०	३६	१५	८	२९	५९	४०
१६	१	५४	५४	१३	२०	५६	९
६०	४३	९०	१०	७३	३/४	३	६१
५५	८	५८	१	५०	व.	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	श	१४	२५	श्ले	४	३१	सौ	२०	३६	कौ	१४	२५	२६/५८	६/३६	५/२४	१४	१४	३	सिं. ४।३१	
२	र	१८	२२	म	९	३५	शो	२१	४	ग	१८	२२	२७/१	३६	२४	१५	१५	४	सिंहे	भ.५०।५८उ.
३	चं	२३	३५	पू	१५	५२	अ	२२	१८	वि	२३	३५	५	३५	२५	१६	१६	५	कं.३२।३६	भ.२३।३५या.चतुर्थी व्र.
४	मं	२९	१९	उ	२२	५०	सु	२४	१०	बा	२९	१९	८	३४	२६	१७	१७	६	कन्यायां	धनि.रवि:२३।१(सौर:३१।१९)
५	बु	३५	४१	ह	३०	२३	धृ	२६	२५	कौ	२	३०	१२	३४	२६	१८	१८	७	कन्यायां	[+पातस्पर्श:३१।५६पातमोक्ष:४४।१९
६	गु	४२	२१	चि	३७	५६	शू	२८	३७	ग	९	१	१५	३३	२७	१९	१९	८	तु ४।९	भ. ४२।२१ उ. पूभा. शुक्र: १५।४५+
७	शु	४८	२५	स्वा	४५	१८	गं	३०	४६	वि	१५	२३	१९	३२	२८	२०	२०	९	तुलायां	भ.१५।२३या.
८	श	५३	२५	वि	५१	२६	बृ	३१	५५	बा	२०	५५	२३	३१	२९	२१	२१	१०	वृ.३४।२४	[=२९।३१विजया११व्र.वै
९	र	५७	८	अ	५६	१३	ध्रु	३२	८	तै	२५	१७	२७	३१	२९	२२	२२	११	वृश्चिके	[×विजया११व्र.स्मा.
१०	चं	५८	५५	ज्ये	५९	७	व्या	३०	५९	व	२८	२	३०	३०	३०	२३	२३	१२	ध.५९।७	भ.२८।२उ.५८।५५या.कुंभेऽर्क:५८।१७
११	मं	५८	४१	मू	६०	०	ह	२८	१७	ब	२८	४८	३६	२९	३१	२४	२४	१३	धनुषि.	कुंभेऽर्क: सौर:५।१७उषा.भौम:२७।४१×
१२	बु	५६	२६	मू	०/१७	५८/५६	व	२४	१२	कौ	२७	३४	३८	२८	३२	२५	२५	१४	धनुषि	वक्री बुध:३।१७पूभा.१राहु:पूफा.३केतु:=
१३	गु	५२	२२	उ	५६	३२	सि	१८	१७	ग	२४	२४	४१	२८	३२	२६	२६	१५	म.१३।३४	भ.५२।२२उ. प्रदोष:
१४	शु	४६	२७	श्र	५२	८	व्य	११	४	वि	१९	२४	४५	२७	३३	२७	२७	१६	मकरे	भ.१९।२४या. मीने शुक्र: १/१ ७/८ बुधास्त:A
३०	श	३९	१४	ध	४६	४४	व	२/३९	५०/४७	च	१२	५१	४९	२६	३४	२८	२८	१७	कुं.१९।२६	[Aपश्चिमायां १/३ ५/४ महाशिवरात्रि व्र.

४४ पं.फा.कृ. ९ बृ.इ. ५५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	७	१०	३	१०	९
२५	२३	१४	२१	२०	२७	२३	२५
५५	१३	९	२१	४९	५५	३७	४६
१	५२	१८	११	२६	४४	४०	५६
६०	४३	५५	९	७३	४/४०	३	६०
४७	१९	४७	१९	४४	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

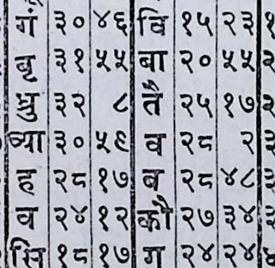

फाल्गुन कृष्णे १०चंद्रे कुंभेऽर्कः वा. २ न. ३ वृद्धावस्था (वैठी) मु.१५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

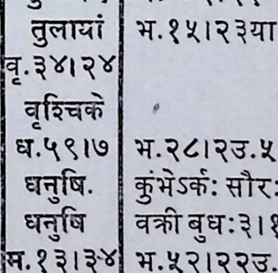

४५ पं.फा. कृ.१३वृ. इ. ५६/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	७	१०	३	१०	१०
२	२८	१५	२२	२९	२७	२३	२
५९	२८	५५	२१	२९	२०	१५	५२
४९	५	५९	२२	१०	४९	२४	५९
६०	४३	३०/३१	८	७३	४/४०	३	६०
३७	४४	व.	२८	३२	व	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५४/३२ स.२००७
१	र	३१	२१	श	४०	२३	शि	४३	४५	किं	५	१८	२७/५३	६/२५	५/३५	२९	२९	१८	कुंभे	उभा.शुक्रः४८।४२मकरे भौमः५।४
२	चं	२३	९	पू	३४	४	सि	३३	५३	कौ	२३	९	५६	२५	३५	३०	३०	१९	मी. ३०/३९	शते रविः ३४/३३ (सौरः ४१/२९) चंद्रदर्शनम्+
३	मं	१५	९	उ	२७	५५	सा	२४	१९	ग	१५	९	२८/००	२४	३६	१	१	२०	मीने	भ.४१।२२उ. भा. फाल्गुनारंभः सफर २
४	बु	७	३५	रे	२२	२८	शु	१९	१७	वि	७	३५	४	२३	३७	२	२	२१	मे.२२।२८	भ.३५/७या.पातस्पर्शः६।५५पातमोक्षः१६/१०
५	गु	०	४०	अ	१७	४९	शु	६/५९	५२/३४	बा	०	४०	८	२२	३८	३	३	२२	मेषे	[=श्रवणे भौमः१६।४१ होलिकादहनं
६	शु	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	शु	५०	४	भ	१४	८	ऐं	५३	५	ग	२२	२८	१२	२२	३८	४	४	२३	वृ. ३६/१	भ.५०।४३उ.ज्येष्ठा. ३ गुरुः ३७।३४
८	श	४६	३२	कृ	११	३९	वै	४७	३०	वि	१८	१८	१६	२१	३९	५	५	२४	वृषे	भ. १८।१८ या. वक्री आश्ले. ३ शनिः×
९	र	४४	२०	रो	१०	३७	वि	४२	५९	बा	१५	२६	२०	२०	४०	६	६	२५	मि. ४०/३७	[×४२।२२होलाष्टकम्
१०	चं	४३	१८	मृ	१०	३७	प्री	३९	३१	तै	१३	४९	२४	१९	४१	७	७	२६	मिथुने	वक्री धनि.बुधः०।३८ [+फुलरिया२
११	मं	४३	२५	आ	११	४४	आ	३६	५२	व	१३	२२	२८	१८	४२	८	८	२७	क५८।३५	भ.१३।२२उ.४३।२५या. आमलकी११व्र.
१२	बु	४४	४३	पु	१४	१२	सौ	३५	१९	ब	१४	५	३२	१८	४२	९	९	२८	कर्के	[÷३९।२३ मार्च ३ ता.३१प्रदोषः
१३	गु	४७	८	पु	१७	४७	शो	३४	४४	कौ	१५	५५	३६	१७	४३	१०	१०	१	कर्के	रेवत्यां शुक्रः ५४।४७ बुधोदयः पूर्वस्यां÷
१४	शु	५०	४०	श्ले	२१	८	अ	३४	२३	ग	१८	५४	४०	१६	४४	११	११	२	सिं. २१।८	भ.५०।४०उ.
१५	श	५५	५	म	२७	२८	सु	३५	४	वि	२२	५३	४४	१५	४५	१२	१२	३	सिंहे	भ. २२।५३ या. खग्रास चंद्रग्रहणम्=

४६पं.फा.शु.५वृ.इ.५६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
१०	३	१०	२३	८	२६	२२	९
३	४४	२७	१५	७	४७	५३	५७
२२	२८	१४	०	८	५३	९	३२
६०	४३	७४/२	७	७२	४/२८	३	६०
२५	५०	वः	१८	२०	व.	११	३१

ग्रोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धातु लोहा सोना चांदी रुई रंग धान्य तेज होवे खेती में नुकसान हो प्रजा में क्लेश रहे।

ग्रोचर ग्रहाः

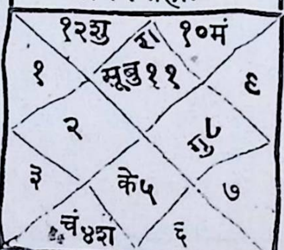

४७पं.फा.शु.१३.बृ.इ. ५६/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
१७	९	३	२४	१६	२६	२२	१७
५	१	३४	१	४२	१५	३०	०
३५	३०	८	४८	२५	५४	५३	२५
६०	४३	४९/२२	:६	७२	४/१०	३	६०
१२	५५	व.	२०	१३	व.	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६३ शाकः १९२८												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	र	६०	०	पू	३४	५१	धृ	३६	३०	बा	२७	४६	२८/४८	६/१४	५/४६	१३	१३	४	कं.५१।२६	पूभा.रविः५/३९(सौरः५५/२६)वसंत१ छारेंडी
१	चं	०	२७	उ	४१	११	शू	३८	२२	कौ	०	२७	५२	१४	४६	१४	१४	५	कंन्यायां	[+५१।३२(सौरः५५।४७)
२	मं	६	२५	ह	४८	१४	गं	४०	३९	ग	६	२५	५६	१३	४७	१५	१५	६	कन्यायां	भ.३९।३३उ.पातस्पर्शः५ ६/१पातमोक्षः१/३ ७/९
३	बु	१२	४१	चि	५५	३७	वृ	४३	०	वि	१२	४१	२९/१	१२	४८	१६	१६	७	तु.२१।५५	भ.१२।४१या.चतुर्थी व्र.
४	गु	१९	२५	स्वा	६०	०	ध्रु	४५	१३	बा	१९	२५	५	११	४९	१७	१७	८	तुलायां	
५	शु	२५	१७	स्वा	३	२२	व्या	४७	६	तै	२५	१७	९	१०	५०	१८	१८	९	वृ.५३।२८	[÷नवरात्रारंभः
६	श	३०	४४	वि	१०	१०	ह	४८	११	व	३०	४४	१३	९	५१	१९	१९	१०	वृश्चिके	मार्गी बुधः३०।२६
७	र	३५	८	अ	१६	२	व	४८	११	वि	२	५६	१७	९	५१	२०	२०	११	वृश्चिके	भ.३०।४४उ.
८	चं	३७	४७	ज्ये	२०	२४	सि	४६	५९	बा	६	२८	२१	८	५२	२१	२१	१२	ध.२०।२४	भ.२।५६या.
९	मं	३८	४९	मू	२३	४	व्य	४४	४	तै	८	१८	२६	७	५३	२२	२२	१३	धनुषि	अश्वि.मेषे शुक्रः५१।४५ शीतलापूजनम्
१०	बु	३७	३८	पू	२३	४०	व	३९	४९	व	८	१५	३०	६	५४	२३	२३	१४	म.३८।२०	भ. ८।१५ उ. ३७।३८या. मीनेऽर्कः+
११	गु	३४	३४	उ	२२	२०	प	३३	४०	ब	६	६	३४	५	५५	२४	२४	१५	मकरे	पापमोचनी११ व्र.
१२	शु	२९	१७	श्र	१९	५०	शि	२६	४	कौ	१	५५	३८	४	५६	२५	२५	१६	कुं.४६।५५	प्रदोषः
१३	श	२२	२६	ध	१४	१	सि	१७	१०	व	२२	२६	४३	३	५७	२६	२६	१७	कुंभे	भ.२२।२६उ.४८।२०या.
१४	र	१४	१३	श	७	४२	सा	७/२८	४९/२७	श	१४	१३	४७	३	५७	२७	२७	१८	मी. ४७/१०	उभा. रविः१२।३६ (सौरः१६।२३)
३०	चं	५	१	पू	०/१९	५२/३२	शु	४६	७	ना	५	१	५१	२	५८	२८	२८	१९	मीने	सूर्यग्रहणम् मन्वादिः संवत्सरारंभः

४८पं.चै.कृ.४वृ. इ.५७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
२४	१४	१	२४	२५	२५	२२	२४
६	२०	३५	४०	१५	४६	८	१
२२	४२	४३	४४	१८	४१	३८	४८
५९	४४	२/४४	५	७२	३/५२	३	६०
५८	१	व.	८	५३	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

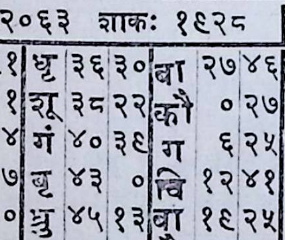

चैत्र कृष्णे १० बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

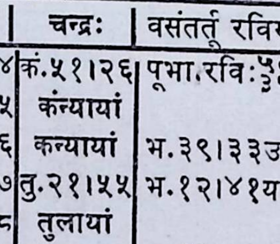

४९पं.चै.कृ.११बृ.इ. ५७/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	७	०	३	१०	११
१	१९	४	२५	३	२५	२१	१
५	४०	२३	११	४४	२०	४६	१
३५	१२	३१	५६	४२	३१	२२	३०
५९	४४	३१	३	७२	३/२	३	५९
४१	१	४१	५९	३४	व.	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०८ तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८००० त्रेंतायुगप्रमाणम् १२९६००० द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४००० कलियुगप्रमाणम् ४३२००० तन्मध्ये गतकलिः ५१०८ भोग्यकलिः ४२६८९२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६४ शाकः १९२९ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः। मंत्री शनिः। सस्येशश्चन्द्रः। धान्येशो रविः। मेघेशः शुक्रः। रसेशोबुधः। नीरसेशश्चन्द्रः। फलेशः शुक्रः। धनेशश्चंद्रः। दुर्गेशःशुक्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १४ शार्वरीनाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमय गतमासादिः ११।२।३८।२४ भोग्यमासादिः ०।२७।२१।३६ पितृदैवतं युगम्। वर्षनाम ज्येष्ठः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणीनिवासः समुद्रे। समयनिवासो मालाकार गृहे। समय विश्वा २०समयवाहनम् बृषभः स्तंभः १ जलस्य। सोमवत्यमाः नैव सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी १ भानुसप्तमी २ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १९ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् ५ तृणम् १५ शीतम् १५ तेजः ११ वायुः १३ वृद्धिः १५ क्षयः १५ विग्रहः ११ ऐक्यम्१०५ सत्यम्।। धर्मं १।। पापं १८ शनिदृष्टिः दक्षिणे ग्रहणं१ चंद्रमसः

सं. २०६४ माघशुक्ला १४ बुधवारको अर्द्धरात्रि पश्चात् पश्चिम प्रदेशोंमें ग्रस्ताऽस्त एवं खग्रास चंद्रग्रहण होगा। जहां चंद्रास्त रेल्वे ७।१४ पीछे होगा वहां यह ग्रहण दृश्य होगा। जयपुर राजस्थान में नही होगा। जहां नही दीखे वहां स्नान दानादि की आवश्यकता नही है। स्पर्श रेल्वे ७।१४ मोक्ष १०।४२

वर्षलग्नम् ०।१४

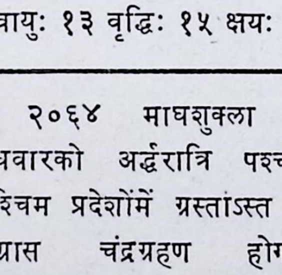

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

सुणो मात जगदीश्वरी कह भैरव शिर नाय।
चोसठ संवत् का मुझे सांचा भेद बताय।।

भवानी उत्तर

सुनले भैरव ध्यानसे फल कहुं तोय समझाय।
जल तृण की हो अधिकता संवत् चोंसठ मांय।।
राजा शशि मंत्री शनि इनकी खोटी बान।
आपसमें कर द्वेषता कर जगत् में हान।।
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये सात अधिकार।
रोहिणीवास समुद्रमें उत्तर इंनका सार।।
स्तंभ एक जलका हुआ समय जो विश्वा बीस।
धर्म कर्म करते रहो रक्षक है जगदीश।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	२१	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् २।२९

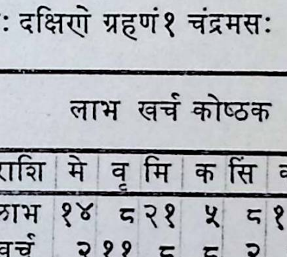

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५६।४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणांफसम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानृपाणाम् ॥ मंत्रीशनिःफलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदाः। न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित्।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्।। सस्याधिपेशीतकरे प्रजासुखं मेघःपयोमुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यघनौघपूर्णा ।। धान्येशोरविःफलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घंज्वरपीडनम् । मेघेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्यपतिर्यदा जलमुचो जलदा दिविशोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनतासुखदायकाः ।। रसेशोबुधस्तत्फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृतादियुताजनाः । प्रमुदिता वरंनायकपालिता बहुजलाखिल देशसुरक्षिताः।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम्।। शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजतवाससाम् । अर्घवृद्धिःप्रजायेत शशांकेनीरसाधिपे । फलेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। यदिफलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुफला नरनाथसुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात्क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगंध रसंबहुद्रविणतैलघृतं नृपसौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। नगरदेशविशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनयवाणिजगेहसमःसुखो नगवने निकटेऽपिचदूरतः ।। शार्वरी नाम संवत्सरःफलम् ।। शार्वरीवत्सरे पूर्णा धरा सस्यार्घ वृष्टिभिः । जनाश्चसुखिनःसर्वे राजानःस्युर्विवैरिणः । वर्षनामज्येष्ठः फलम् ।। ज्येष्ठाः धर्ममार्गस्थाःपीडचन्तेसत्क्रियापराः । नचवर्षति वै देवो भवेत्सस्यविनाशनम् ॥ मेघनामद्रोणःफलम् ॥ द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् । समुद्रे तु महावृष्टिः ।। समयनिवासो मालीगृहेफलम् ।। मालिनःप्रचुरा वृष्टिः ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैःकथनीयंशुभाशुभम् ।।

संवत् २०६४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाखमासः ।

शु. २ गुरो रोहि. ल. १२ रे. ९।।ऽशु।।।।।।शुक्रयुतिः
,, ५ शनौ मृगे ल. अन्यगो. रे. ६ऽ।।ऽ।ऽऽ।।
,, १० गुरौ मघा. ल. गो. रे. ७।ऽ।।।।।ऽऽ।गणितेनक्रांति साम्याऽभावः

प्र. ज्यष्ठमासः ।

कृ. ४ रवौ मूले ल. गो.१२ रे.८।।।ऽ।।ऽ।।मीने नृपपंचकः
,, ६ भौमे उषा. ल. अन्यगो. रे. ८।ऽ।।।।।।ऽदग्धा.

द्वि. ज्येष्ठमासः ।

शु. ८ शुक्रे हस्ते ल. १२ रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽदग्घा.चं.७पू.
,, ८ शनौ हस्ते ल. अन्यगो. १२ रे. ९।।।।।।ऽ।। मीनलग्न घ. ४७।३१या. चं.७पू.
,, १२ बुधे अनु. ल. अन्यगो. १२ रे. ७ऽऽ।।।ऽअ।।।।

आषाढमासः ।

कृ. १ रवौ उषा. ल. १२ रे. ९ ।।।।।ऽच्चो।।।।
,, ६ शुक्रे उभा. ल. २ रे. ७ऽ।।।ऽअऽ।।।गु.७पूज्यः
,, ७ शनौ रेव. ल. अन्यगो. २ रे. ८।।।।।।ऽ।ऽदग्धा.

कार्तिकमासः ।

शु. ११ बुधे रेव. ल. गो. ४ रे. ८ ।।।।ऽऽनृ३७या.।।।।
,, १५ शनौ रोहि. ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽऽरो।ऽ।।

मार्गशीर्षमासः ।

कृ. १ रवौ मृगे ल. ४।६ रे. ७ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ८ रवौ उफा. ल. अन्यगो. ४।७ रे. ८।।।।।ऽच्चो २८या.।ऽ।।
,, ९ चंद्रे उफा. ल. अन्यगो. रे. ७।।।।।ऽऽ।ऽदग्धा.
,, ९ चंद्रे हस्ते ल. ४रे.७।।।।।रोऽ।ऽ।ऽघ.३८।२७या.
,, १० भौमे हस्ते ल. अन्यगो. ४रे. ८।।।।ऽरो २७ या. ।ऽ।। कर्कलग्न घटी ३६ यावत्

माघमासः ।

कृ.२गुरौ मघा. ल. गो. रे.९।।।ऽ।।।।।
,, ४ शनौ उफा. ल. गो.७रे.८।।।।।ऽअ.२८या.।ऽ।।
,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. ७रे.८।।।।।ऽऽ।।तुलायां नृपपंचकः
,, ९ गुरौ अनु. ल. ७रे.६ऽ।।।ऽरोऽऽ।।

फाल्गुनमासः ।

कृ. १ शुक्रे उफा. ल.७रे.१०।।।।।।।।।
,, ७ गुरौ अनु. ल. ७ रे. ६ऽ।।।ऽच्नो.ऽऽ।।
,, ९ शनौ मूले ल. अन्यगो. सोग्रांगः७ रे.७।।।।ऽरोऽऽ।। तुला लग्न घटी ३९।२१या.
शु. २रवौ रेव. ल. ६रे.९ ।।।।।ऽ।।।चं. ७पू. शुक्र षष्ठस्थदोषः
,, ६ गुरौ रोहि. ल. अन्यगो. सोग्रांगः र.६ऽ।।।ऽअऽऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४६२स.२००७
१	चं	५०	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×चंद्र दर्शनम् सिंवारा
२	मं	४६	२	रे	४५	२५	ब्र	३५	३३	बा	२०	४३	२९/५५	६/१	५९/५	२९	२९	२०	मे.४५।२५	शते बुधः १५।५३धनि. भौमः ४१।४६×
३	बु	३७	१३	अ	३८	३८	ऐं	२५	२१	तै	११	३४	३०/००	६/००	६/००	३०	१	२१	मेषे	रविलावल ३ मत्स्यजयंती गणगौरी
४	गु	२९	२१	भ	३२	५९	वै	१५	५३	व	३	१७	४	५९	१	१	२	२२	वृ.४६।५५	भ.३।१७उ.२९।२१या.भा.चैत्रारंभः
५	शु	२२	५७	कृ	२८	४३	वि	७	५५	ब	२२	५७	८	५८	२	२	३	२३	वृषे	भरण्यां शुक्रः५४।१५
६	श	१७	५५	रो	२६	१०	प्री	१/८	५४/३२	तै	१७	५५	१२	५८	२	३	४	२४	मि. ५५/४३	
७	र	१४	५३	मृ	२५	१७	सौ	५१	३१	व	१४	५३	१६	५७	३	४	५	२५	मिथुने	भ.१४।५३उ.४४।८या.
८	चं	१३	२२	आ	२५	५९	शो	४८	४७	ब	१३	३२	२१	५६	४	५	६	२६	मिथुने	रामनवमी स्मा.
९	मं	१३	३८	पु	२८	१९	अ	४७	२३	कौ	१३	३८	२५	५५	५	६	७	२७	कं.१२/४४	रामनवमी वै.
१०	बु	१५	१९	पु	३२	८	सु	४७	३	ग	१५	१९	२९	५४	६	७	८	२८	कर्के	भ.४६।५०उ.
११	गु	१८	२१	श्ले	३७	७	धृ	४७	३७	वि	१८	२१	३३	५३	७	८	९	२९	सिं. ३७।७	भ. १८।२१ या. कुंभे भौमः २९।१७÷
१२	शु	२२	३४	म	४३	५	शू	४८	३४	बा	२२	३४	३७	५३	७	९	१०	३०	सिंहे	प्रदोषः [÷कामदा११व्र.
१३	श	२७	४३	पू	४९	५१	गं	५०	२१	तै	२७	४३	४१	५२	८	१०	११	३१	सिंहे	रवत्यां रविः४०।१५ (सौरः४३।५०)+
१४	र	३३	२६	उ	५६	४४	वृ	५२	१०	ग	०	३४	४५	५१	९	११	१२	१	क. ६।३४	भ.३३।२६उ.अप्रेल४ता.३०
१५	चं	३९	२१	ह	६०	०	ध्रु	५४	३१	वि	६	२३	४९	५०	१०	१२	१३	२	कन्यायां	भ.२६या.हनुमज्जयंती [+पूभा.बुधः१४/५

५०पं.चै.शु.४वृ.इ. ५७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	७	०	३	१०	११
८	२५	१०	२५	१२	२४	२१	७
३	०	२०	३४	१२	५८	२४	५९
१८	२	१३	४८	०	१९	६	२५
५९	४४	५५	२	७२	२/४१	३	५९
२९	७	४१	३९	१४	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

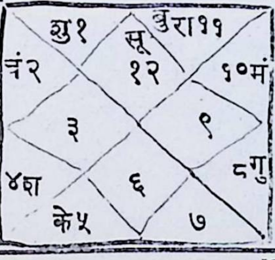

इस मास में मकर का मंगल धान्य जौ बाजरा गेहूं चना मटर को मंदा करे रस कस गुड शक्कर घृत चांदी सोना में तेजी हो

गोचर ग्रहाः

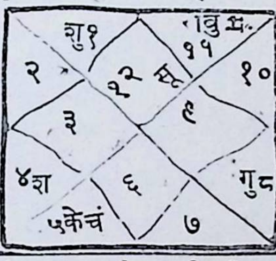

५१पं.चै..शु११वृ.इ.५८।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	०	३	१०	११
१४	०	१८	२५	२०	२४	२१	१४
५९	२१	२५	४८	३५	४०	१	५५
१०	१४	३७	२५	२४	२३	५१	३४
५९	४४	७४	१	७१	२/७	३	५९
१६	११	३१	१६	५३	व.	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	४५	३९	ह	४	१४	व्या	५६	४९	बा	१२	३०	३०/५३	४९	११	१३	१४	३	तु.३७।५८	
२	बु	५१	५६	चि	११	४२	ह	५९	१०	तै	१८	४७	५७	४९	११	१४	१५	४	तुलायां	कृत्ति.शुक्रः५५।४२
३	गु	५७	४६	स्वा	१९	४	व	६०	०	व	२४	५१	३/१	४८	१२	१५	१६	५	तुलायां	भ २४।५१उ.५७।४६या.
४	शु	६०	०	वि	२५	५५	व	१	३	ब	३०	२२	५	४७	१३	१६	१७	६	वृ. ९।१३	वृषे शुक्रः५३।१७ वक्री गुरुः४४/४१चतुर्थी व्र.
४	श	२	५९	अ	३२	८	सि	२	२२	बा	२	५९	१०	४६	१४	१७	१८	७	वृश्चिके	मीने बुधः१२।२६शते भौमः१६।३८
५	र	७	३१	ज्ये	३७	१७	व्य	३	१२	तै	७	३१	१४	४५	१५	१८	१९	८	ध ३७।१७	
६	चं	१०	३८	मू	४१	८	व	२	५६	व	१०	३८	१८	४४	१६	१९	२०	९	धनुषि	भ.१०।३८उ.४१।३४या.उभा.बुधः२६/२१
७	मं	१२	३०	पू	४२	२२	प	२९/१	५७/८	ब	१२	३०	२२	४४	१६	२०	२१	१०	म.५७।४३	
८	बु	१२	३३	उ	४३	४९	सि	५४	२३	कौ	१२	३३	२६	४३	१७	२१	२२	११	मकरे	
९	गु	१०	५५	श्र	४२	३६	सा	४८	३८	ग	१०	५५	३०	४२	१८	२२	२३	१२	मकरे	भ.३९।५उ.
१०	शु	७	१५	ध	३९	३८	शु	४१	१४	वि	७	१५	३४	४१	१९	२३	२४	१३	कुं. ७।७	भ.७।१५या.
११	श	१	३२	श	३४	२२	शु	३२	४५	बा	१	३२	३८	४०	२०	२४	२५	१४	कुंभे	अश्वि. मेषेऽर्कः१४।१३(सौरः१८।२३ =
१२	श	५३	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=वरूथिनी११व्र.
१३	र	४६	२	पू	२८	१४	ब्र	२३	४	ग	२०	१७	४२	४०	२०	२५	२६	१५	मी१४।४६	भ.४६।२उ.रोहि.शुक्रः२३।२६प्रदोषः
१४	चं	३६	३४	उ	२१	२	ऐं	१२	३४	वि	११	१८	४६	३९	२१	२६	२७	१६	मीने	भ.११।१८या.
३०	मं	२६	४०	रे	१३	८	वै	३७/१	५८/४८	च	१	३७	५०	३८	२२	२७	२८	१७	मे.१३।८	रेवत्यां बुधः१२।४६

५२पं.वै.कृ.३वृ.इ. ५८।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	०	३	१०	११
२१	५	२८	२५	२८	२४	२०	२१
५३	४२	९	५२	५४	२७	३९	४९
३१	२२	२२	५९	४३	४०	३५	४५
५९	४४	८९	०	७१	१/२६	३	५९
४	१४	३५	१२	२६	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

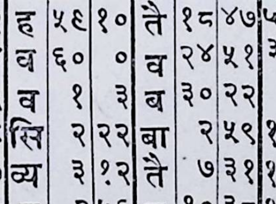

वैशाख कृष्णे११शनौ

मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

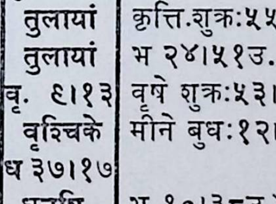

१पं.वै.कृ.११श.इ. १४।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	७	१	३	१०	११
०	१२	११	२५	८	२४	२०	२९
०	०	२६	४४	२८	१८	१३	५५
०	५४	३५	३१	१७	३२	२७	५८
५८	४४	२/०	१/३७	७०	२८	३	५८
४४	२७	१९	व.	४९	व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	१६	३८	अ	५/१४	५३/११	प्री	३१	५७	ब	१६	३८	५३/३	३७	२६/३	२८	२९	१८	मेषे
२	गु	७	१९	कृ	५१	४५	आ	३०	१७	कौ	७	१९	५७	३७	२३	२९	१	१९	वृ. ११/४६
३	गु	५१	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
४	शु	५२	१७	रो	४६	५९	सौ	२१	२७	व	२५	४३	३/१	३६	२४	३०	२	२०	वृषे
५	श	४७	३०	मृ	४४	९	शो	१४	१४	ब	१९	५४	५	३५	२५	१	३	२१	मि. ५५/३४
६	र	४४	३१	आ	४३	९	अ	८	४७	कौ	१६	१	९	३४	२६	२	४	२२	मिथुने
७	चं	४३	४८	पु	४४	१४	सु	४	४६	ग	१४	१०	१२	३४	२६	३	५	२३	क.२८।५८
८	मं	४४	५०	पु	४७	१२	धृ	२	२३	वि	१४	२०	१६	३३	२७	४	६	२४	कर्के
९	बु	४७	४४	श्ले	५१	५७	शू	१	२६	बा	१६	१७	२०	३२	२८	५	७	२५	सिं. ५१/५७
१०	गु	५२	५	म	५७	५६	गं	२	१	तै	१९	३०	२३	३१	२९	६	८	२६	सिंहे
११	शु	५७	२३	पू	६०	०	वृ	३	१०	व	२४	५४	२७	३१	२९	७	९	२७	सिंहे
१२	श	६०	०	पू	४	५१	ध्रु	५	५	ब	३०	२६	३१	३०	३०	८	१०	२८	कं. २१/३९
१२	र	३	२९	उ	१२	२	व्या	७	२३	बा	३	२९	३४	२९	३१	९	११	२२	कन्यायां
१३	चं	९	३७	ह	१९	५९	ह	९	४५	तै	९	३७	४८	२८	३२	१०	१२	३०	तु.५३।२३
१४	मं	१५	५१	चि	२७	४	व	१२	४	व	१५	५१	४१	२८	३२	११	१३	१	तुलायां
१५	बु	२१	४९	स्वा	३४	१७	सि	१४	१६	ब	२१	४९	४५	२७	३३	१२	१४	२	तुलायां

वसन्तर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:५४९१स.२००७

शत.४राहुः पूफा.२केतुः ३/६ चंद्रदर्शनम्
मार्गी शनिः २३।५५ रविलाखर ४=
=परशुराम जयंती अक्षया३
भ.२५।४३उ.५२।१७या.
बुधास्त:पूर्वस्यां५७।३५भा.वैशाखारंभः
[+पूभा. भौम:४७।५८
भ.४३।४८उ.
भ.१४।२०या.अश्वि. मेषे बुध:३०।२४+
[×पात मोक्ष:२०।३८
मृगे शुक्रः ५७।३४ पातस्पर्शः ८।५०×
भ.२४।४४उ.५७।२३या. भरण्यां रवि:÷
[÷५४।२९(सौर:५९।४८)मोहिनी११व्र.
प्रदोष:
भरण्यां बुध:४८।२८नृसिंह जयंती
भ.१५।५१उ.४८।५०या.मई५ता.३१
मिथुने शुक्र:५१।२६ यमाय कुंभदानम्

२पं.वै.शु.५श.इ.१४।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	७	१	३	१०	०
६	१७	२४	२५	१६	२४	१९	६
५०	२१	४	२८	४६	१५	५१	४६
४२	२९	४८	५५	२९	०	१२	९
५८	४४	६/०	३/१	७०	१/०	३	५८
३१	२९	४०	व.	१०	मा	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में गेहूं वाजरा मूगं मोठ में तेजी हो रुई घृत तिलहन चांदी लोहा आदि धातुओं में मंदी होवे।

गोचर ग्रहाः

३ पं.वै.शु.१२श.इ. १४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	७	१	३	१०	०
१३	२२	८	२५	२४	२४	१९	१३
३९	४१	१	५	४९	१९	२८	३४
४७	१३	१	३५	८	१६	५६	३४
५८	४४	२९	४/८	६९	०	३	५८
१९	१९	३२	व.	१६	५८	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः स. २०६४ शाकः १९२६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	२७	१२	वि	४०	५२	व्य	१६	८	कौ	२७	१२	३२/४८	२६	३४	१३	१५	३	वृ.२४।१३
२	शु	३१	५५	अ	४६	३८	व	१७	१३	ग	३१	५५	५२	२६	३४	१४	१६	४	वृश्चिके
३	श	३५	४३	ज्ये	५१	४४	प	१७	५०	व	३	४९	५५	२५	३५	१५	१७	५	ध.५१।४४
४	र	३८	२८	मू	५५	४४	शि	१७	३५	ब	७	५५	५८	२४	३६	१६	१८	६	धनुषि
५	चं	४०	१३	पू	५८	३३	सि	१६	३१	का	९	२०	३/३२	२४	३६	१७	१९	७	धनुषि
६	मं	४०	४३	उ	६०	०	सा	१४	२९	ग	१०	२८	५	२३	३७	१८	२०	८	म.१३।५८
७	बु	३९	५३	उ	०	१३	शु	११	२३	वि	१०	१८	८	२२	३८	१९	२१	९	मकरे
८	गु	३७	२९	श्र	२३/०	५८/४१	शु	९	११	बा	८	४१	११	२२	३८	२०	२२	१०	कुं.२९।४४
९	शु	३३	३१	श	५६	९	ब्र	३७/१	५३/१९	तै	५	३०	१४	२१	३९	२१	२३	११	कुंभे
१०	श	२८	१५	पू	५१	५१	ऐं	४७	८	व	०	५३	१७	२१	३९	२२	२४	१२	मी. ३७/५६
११	र	२०	५९	उ	४६	२३	वि	३८	२०	बा	२०	५९	२०	२०	४०	२३	२५	१३	मीने
१२	चं	१३	३६	रे	३९	५३	प्री	२८	३१	तै	१३	३६	२३	१९	४१	२४	२६	१४	मे.३९।५३
१३	मं	४	४८	अ	३२	४३	आ	१८	२०	ब	४	४८	२६	१९	४१	२५	२७	१५	मेषे
१४	मं	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	बु	४५	५६	म	२५	३१	सौ	४१/७	५६/४९	च	२०	३६	२८	१८	४२	२६	२८	१६	वृ.३८।४९

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वै. कृष्णेति महाराष्ट्राः

भ.३।४९उ.३५।४३या.चतुर्थी व्र.
कृत्ति. बुध:५८।५१
मीने भौम:५३।२३
भ.४०।४३उ. वृषे बुध:३२।५१ आर्द्रा.A
भ.१०।१८या. [Aशुक्र:२४।७
पात स्पर्श:०।७पात मोक्ष:११।५३
कृति.रवि:४०।२५ (सौर:४७।४०)
भ.०।५३उ.२८।१५या. उभा. भौम:१२/४७
रोहि. बुध:१३।१९अपरा११व्र.
बुधोदयः पश्चिमायां१६।४६प्रदोष:
भ. ४।४८ उ. ३०।३२ या. वृषेऽर्कः:D
[D७।४० (सौर:१५।२७
वट पूजनम्

४पं. प्र.ज्ये.कृ. ३श.इ. १५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	७	२	३	१०	०
२०	२८	२२	२४	२	२४	१९	२०
२७	१	५९	३२	४३	२८	६	२१
२५	५२	२	४६	५९	१२	४०	१८
५८	४६	[illegible]	२५/२२	६८	१	३	५७
६	२५	४०	व.	३२	३२	११	५७

गोचर ग्रहाः

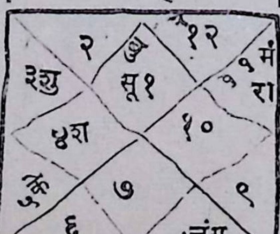

प्र. ज्येष्ठ कृष्णे १३
भौमे वृषेऽर्कः
प्रविष्टः वा.४ न.५
वृद्धावस्था (बैठी)
मु.३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१०श.इ, १५/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	७	२	३	१०	०
२७	३	८	२३	१०	२४	१८	२७
१३	२१	०	५३	२९	४३	४४	६
३७	४७	४	४२	३५	१	२५	३२
५७	४४	[illegible]	१६/७	६७	२	३	५७
५४	२५	४९	व.	१७	१६	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५५२०स.२००७
१	गु	३६	५६	कृ	१८	४३	अ	४८	६	किं	११	२७	३३/३१	५/१८	६/४२	२७	२९	१७	वृषे	वक्री ज्येष्ठा. २ गुरुः ६८ अधिकमासारंभः
२	शु	२९	९	रो	१२	३९	सु	३९	३६	बा	३	४	३४	१७	४३	२८	३०	१८	मि४०।२३	चंद्रदर्शनम्
३	श	२२	५७	मृ	८	८	धृ	३२	२२	ग	२२	५७	३७	१७	४३	२९	१	१९	मिथुने	भ.५०।३९उ.जमादिलावल५
४	र	१८	२२	आ	५	४	शू	२६	३८	वि	१८	२२	३९	१६	४४	३०	२	२०	क.४९।३७	भ. १८।२२या. मृगे बुधः१८।२० पुन.÷
५	चं	१६	८	पु	४	२८	गं	२२	५५	बा	१६	८	४२	१६	४४	३१	३	२१	कर्के	[÷शुक्रः५८।३९
६	मं	१५	५६	पु	५	५५	वृ	२०	४४	तै	१५	५६	४४	१५	४५	१	४	२२	कर्के	भा. ज्येष्ठारंभः
७	बु	१७	५०	श्ले	९	१९	ध्रु	२०	१९	व	१७	५०	४७	१५	४५	२	५	२३	सि.९।१९	भ.१७।५०उ.४९।४२या.
८	गु	२१	३४	म	१४	२८	व्या	२०	५१	ब	२१	३४	४९	१४	४६	३	६	२४	सिंहे	मिथुने बुधः२९।५१
९	शु	२६	३८	पू	२०	५०	ह	२२	३०	कौ	२६	३८	५२	१४	४६	४	७	२५	कं.३७।४१	रोहि.रविः३१।१४(सौरः४१।३५)
१०	श	३२	४३	उ	२८	१४	व	२४	४६	ग	३२	४३	५४	१३	४७	५	८	२६	कन्यायां	
११	र	३८	५३	ह	३५	४६	सि	२७	१४	ग	५	४८	५६	१३	४७	६	९	२७	कन्यायां	भ.५।४८उ.३८।५३या.कमला११व्र.
१२	चं	४५	३	चि	४३	२२	व्य	२९	४९	ब	११	५६	५८	१२	४८	७	१०	२८	तु.८।३४	
१३	मं	५०	५६	स्वा	५०	२५	व	३१	५७	कौ	१७	५९	३४/००	१२	४८	८	११	२९	तुलायां	आर्द्रा.बुधः११।५४रेवत्यां भौमः५०।२९
१४	बु	५५	५९	वि	५६	५१	प	३३	३१	ग	२३	२८	२	१२	४८	९	१२	३०	वृ.४०।१४	भ.५५।५९उ. कर्के शुक्रः४२।२०
१५	गु	५९	५०	अ	६०	०	शि	३४	२८	वि	२७	५५	३	११	४९	१०	१३	३१	वृश्चिके	भ.२७।५५या.

६पं.प्र.ज्ये.शु. ३ श.इ. १५/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	७	२	३	१०	१
३	८	२१	२३	१८	२५	१८	३
५८	३९	२९	८	५	१	२२	५०
३७	२९	१७	३१	५३	५	९	१४
५७	४४	६/०	६	६५	२	३	५७
४४	१४	२६/८	व.	४८	५५	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ चना मक्का मंदा होकर तेज होवे चांदी सोना लोहा आदि धातुएं तेज हो कहीं वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

७रं.प्र.ज्ये.शु.१०श.इ.१५/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	७	२	३	१०	१
१०	१३	२	२२	२५	२५	१७	१०
४२	५६	३०	१९	२९	२४	५९	३२
२९	४२	४३	५५	२४	७	५४	२५
५७	४४	८४	४०/६	६४	३	३	५७
३५	४	४६	व.	९	३४	११	२३

ति	द्वि. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र. ज्ये. कृष्णेत्ति महाः
१	शु	६०	०	अ	२	१०	सि	३४	३७	बा	३१	१३	३४/५	५/११	६/४९	११	१४	१	वृश्चिके	जून ६ ता.३०
१	श	२	३४	ज्ये	६	३६	सा	३३	५५	कौ	२	३४	७	११	४९	१२	१५	२	ध.६।३६	पुष्ये शुक्रः५५।३७
२	र	४	४३	मू	९	५७	शु	३२	२५	ग	४	४३	९	१०	५०	१३	१६	३	धनुषि	भ.३५।३उ.
३	चं	५	२४	पू	१२	१९	शु	३०	८	वि	५	२४	१०	१०	५०	१४	१७	४	म. ३७/९	भ.५।२४या. चतुर्थी व्र.
४	मं	५	१२	उ	१३	४१	ब्र	२७	२	बा	५	१२	१२	१०	५०	१५	१८	५	मकरे	
५	बु	३	५६	श्र	१३	५५	ऐं	२३	३	तै	३	५६	१३	९	५१	१६	१९	६	कु. ४३/७	
६	गु	१	४३	ध	१३	२०	वै	१८	१४	व	१	४३	१५	९	५१	१७	२०	७	कुंभे	भ.१।४३उ.३०।४या.
७	गु	५६	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	शु	५४	२५	श	११	४६	वि	१२	४९	बा	२६	२४	१६	९	५१	१८	२१	८	मी. ५४/८	मृगे रविः२६।७(सौरः४०।२५
९	श	४९	१०	पू	९	८	प्री	३६/१	५२/४८	तै	२१	४७	१७	९	५१	१९	२२	९	मीने	[=१गुरुः४३।२७
१०	र	४३	११	उ	५	३८	सौ	५१	३१	व	१६	११	१८	८	५२	२०	२३	१०	मीने	भ.१६।११उ.४३।११या.
११	चं	३६	१०	रे	२०/१	५४/४०	शो	४३	४	ब	९	४०	१९	८	५२	२१	२४	११	मे. २०/१	कमला११व्र.
१२	मं	२८	३५	भ	५०	५	अ	३४	१०	कौ	२	२३	१९	८	५२	२२	२५	१२	मेषे	आश्ले. ४शनिः३८।३०
१३	बु	२०	३७	कृ	४४	११	सु	२४	५९	व	२०	३७	२०	८	५२	२३	२६	१३	वृ.३।३६	भ.२०।३७उ.४६।३७या. वक्री ज्येष्ठा.=
१४	गु	१२	२७	रो	३८	४१	धृ	१५	५७	श	१२	३७	२१	८	५२	२४	२७	१४	वृषे	[×वक्री. बुधः१२।२६
३०	शु	५	८	मृ	३४	६	शू	३६/७	५२/२३	ना	५	८	२१	८	५२	२५	२८	१५	मि. २३/६	मिथुनेऽर्कः २४।४१ (सौरः ४१।१३)×

८पं.द्वि.ज्ये. कृ.१श. इः१५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	७	३	३	१०	१
१७	१९	११	२१	२	२५	१७	१७
२५	१०	२८	२६	३८	५२	३७	१३
१९	२३	८	२८	३१	८	३८	३१
५७	४३	५४	५६/२	६२	४	३	५७
२७	५८	४७	व.	५	१३	११	१३

गोचर ग्रहाः

द्वि. ज्येष्ठ. कृष्णे३०

शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

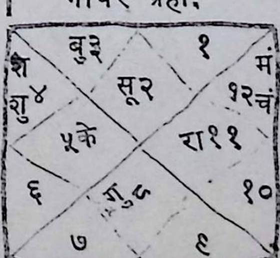

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.९श.इ.१५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	७	३	३	१०	१
२४	२४	१६	२०	९	२६	१७	२३
७	२२	३	३३	३०	२३	१५	५३
१९	१९	२९	३२	२९	५६	२२	२७
५७	४३	२१	५६/२	५९	४	३	५७
२२	४८	२३	व.	२६	४५	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५५५०स.२००७
१	शु	५३	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷५९।९चंद्र दर्शनम्
२	श	५३	३८	आ	३०	२६	वृ	५३	२०	बा	२६	१२	३४/३२	५/८	६/५२	२६	२९	१६	मिथुने	आश्ले. शुक्रः५९।२९अश्वि. मेषे भौमः÷
३	र	५०	३२	पु	२८	२६	ध्रु	४८	१९	तै	२२	८	२२	८	५२	२७	१	१७	क. ९३/५६	जमादिलाखर६
४	चं	४९	१२	पु	२८	२०	व्या	४४	३४	व	१९	५२	२३	७	५३	२८	२	१८	कर्के	भः१९।५२उ.४९।१२या.
५	मं	५०	७	श्ले	३०	१६	ह	४२	५६	ब	१९	४०	२३	७	५३	२९	३	१९	सिं. ३०/१९	बुधास्तःपश्चिमायां३१।१६
६	बु	५२	५५	म	३४	९	व	४२	३७	कौ	२१	३१	२३	७	५३	३०	४	२०	सिंहे	शत.३राहुःपूफा.१केतुः२३।१
७	गु	५७	१८	पू	३९	३२	सि	४३	१४	ग	२५	७	२४	७	५३	३१	५	२१	कं.५६।१६	भ.५७।१८उ.
८	शु	६०	०	उ	४६	२६	व्य	४५	१४	वि	३०	४	२४	७	५३	१	६	२२	कन्यायां	भ. ३०।४० या. आर्दा. रविः २३।३६÷
८	श	२	५१	ह	५३	४७	व	४७	३१	ब	२	५१	२४	७	५३	२	७	२३	कन्यायां	[÷(सौरः४२।४६)भा.आषाढारंभः
९	र	८	५९	चि	६०	०	प	५०	६	कौ	८	५९	२४	७	५३	३	८	२४	तु.२७।३७	
१०	चं	१४	५५	चि	१	२७	शि	५२	२९	ग	१४	५५	२४	७	५३	४	९	२५	तुलायां	भ.४७।२७उ. गंगादशमी
११	मं	२१	०	स्वा	८	३२	सि	५४	१९	वि	२१	०	२३	७	५३	५	१०	२६	वृ.५८।३१	भ.२१।० या. पातस्पर्शः३४।०पातमोक्षः×
१२	बु	२५	५२	वि	१५	१०	सा	५५	१७	बा	२५	५२	२३	७	५३	६	११	२७	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	गु	२९	३१	अ	२०	२८	शु	५५	६	तै	२९	३१	२२	८	५२	७	१२	२८	वृश्चिके	[×५३।२९निर्जला११व्र.
१४	शु	३१	४६	ज्ये	२४	३१	शु	५३	५८	ग	०	३८	२२	८	५२	८	१३	२९	ध. ३४/२१	भ.३१।४६उ.
१५	श	३२	४०	मू	२७	१३	ब्र	५१	५२	वि	२	१३	२१	८	५२	९	१४	३०	धनुषि	भ.२।१३या. गुर्जराणां वटसावित्रीव्रतम्

१०पं.द्वि.ज्ये.शु.२श.इ. १५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	७	३	३	१०	२
०	२९	१७	१९	१५	२६	१६	०
४८	३१	२४	४०	५९	५९	५३	३२
३६	५९	२५	३४	२	२८	७	३६
५७	४३	५/६	४०/७	५५	५	३	५७
१७	३२	व.	व.	५६	६	११	५७

११पं.द्वि.ज्ये.शु.८श.इ. १५/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	७	३	३	१०	२
७	४	१५	१८	२२	२७	१६	७
२९	३८	३७	५०	०	३८	३०	११
३१	३५	५	२४	४	२०	५१	३
५७	४३	२९/४७	७/९	५१	५	३	५७
१३	४	व.	व.	२३	३२	११	५४

१२पं.द्विज्ये.शु.१५श.इ. १५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	७	३	३	१०	२
१४	९	११	१८	२७	२८	१६	१३
९	४०	५३	४	२५	२०	८	४९
५८	३४	१०	४४	१९	२८	३६	०८
५७	४२	३४/४३	६/२०	४५	५	३	५६
७	५०	व.	व.	५१	५९	११	५०

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठ कृष्णेतिमहा.
१	र	३२	१२	पू	२८	४१	ऐं	४८	३९	बा	२	२६	३४/२०	५/८	३/५२	१०	१५	१	म ४३।४५	जुलाई७ता.३१
२	चं	३०	३७	उ	२८	५८	वै	४४	४७	तै	१	२५	१९	८	५२	११	१६	२	मकरे	भ.५९।२०उ.
३	मं	२८	३	श्र	२८	१६	वि	४०	५	वि	२८	३	१८	८	५२	१२	१७	३	कुं.५७।३५	भ.२८।३या. मघा. सिंहे शुक्रः ५५।२४=
४	बु	२४	४१	ध	२६	५५	प्री	३४	५०	बा	२४	४१	१७	९	५१	१३	१८	४	कुंभे	=चतुर्थी व्र.
५	गु	२०	३८	श	२४	४६	आ	२७	५६	तै	२०	३८	१६	९	५१	१४	१९	५	कुंभे	भरण्यां भौमः२२।५३
६	शु	१६	२४	पू	२२	२६	सौ	२२	४६	व	१६	२४	१५	९	५१	१५	२०	६	मी.८।१	भ. १६।२४ उ. ४४।२ या. पुन. रविः×
७	श	११	४०	उ	१९	३१	शो	१६	२१	ब	११	४०	१४	९	५१	१६	२१	७	मीने	[×२२।२६(सौरः४६।४८)
८	र	६	३१	रे	१६	१७	अ	९	३२	कौ	६	३१	१३	९	५१	१७	२२	८	मे.१६।१७	बुधोदयःपूर्वस्यां१६।१४
९	चं	१	७	अ	१२	४०	सु	१७/२	५२/४४	ग	१	७	११	१०	५०	१८	२३	९	मेषे	भ.२८।६उ.५५।५या.पातस्पर्शः५६।३२
१०	चं	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	मं	४८	५८	भ	८	४४	शू	४७	२६	ब	२२	१	१०	१०	५०	१९	२४	१०	वृ.२२।४२	पातमोक्षः११।७योगिनी ११व्र.स्मा.
१२	बु	४२	५४	कृ	४	३७	गं	३९	५८	कौ	१५	५६	८	१०	५०	२०	२५	११	वृषे	मार्गी बुधः९।२१योगिनी ११ व्र. वै.
१३	गु	३६	५९	रो	४०/०	५६/३०	वृ	३२	३९	ग	९	५६	७	११	४९	२१	२६	१२	मि२८।५०	भ.३९।५९उ.प्रदोषः
१४	शु	३१	४८	आ	५३	५९	ध्रु	२५	४५	वि	४	२३	५	११	४९	२२	२७	१३	मिथुने	भ.४।२३ या.
३०	श	२७	१९	पु	५२	२	व्या	१९	२६	ना	२७	१९	३	११	४९	२३	२८	१४	कं.३७।३२	

१३ पं.आ.कृ. ७श. इ. १५/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	७	४	३	१०	२
२०	१४	९	१७	२	२९	१५	२०
५०	२९	९	२४	७	५	४६	२७
२४	२५	२५	२२	१	१३	२०	२
५७	४२	२०/१३	५/२५	३८	६	३	५६
७	२३	व.	व.	८	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

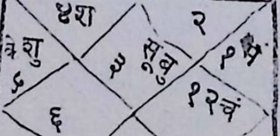

इस मास में धान्य जौ गेहूं चना मटर सरसो अलसी बाजरा बुदि में मंदा होकर सुदि में तेज हो कहीं२वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

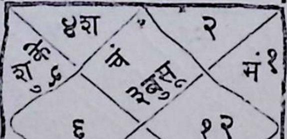

१४पं.आ.कृ. ३० श.इ. १५/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	७	४	३	१०	२
२७	१९	९	१६	५	२९	१५	२७
३०	३२	४	५१	४३	५२	२४	५
४३	१९	८	१८	१९	१९	४	९
५७	४१	१६/३	१४/६	२८	६	३	५६
११	५३	मा.	व.	१८	३२	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः:५५७९ स.२००७
१	र	२४	२३	पु	५१	४९	ह	१४	१६	ब	२४	२३	३४/१	५/१२	६/४८	२४	२९	१५	कर्के	मघा.१ सिंहेशनिः:२५।४५ चंद्रदर्शनम्
२	चं	२२	५७	श्ले	५२	५४	व	१०	१९	कौ	२२	२७	३३/५९	१२	४८	२५	१	१६	सिं. ५२/५४	कर्कोऽर्कः:५१।५२वक्री अनु.४गुरुः:५४।५+
३	मं	२३	२३	म	५५	५६	सि	७	४९	ग	२३	२३	५७	१३	४७	२६	२	१७	सिंहे	भ.५४।३० उ. कर्कोऽर्कः सौरः:१९।३२
३	बु	२५	३८	पू	६०	०	व्य	६	३४	वि	२५	३८	५५	१३	४७	२७	३	१८	सिंहे	भ.२५।३८ या.
४	गु	२९	२५	पू	०	२९	व	६	३५	बा	२९	२५	५२	१४	४६	२८	४	१९	कं. २।१	[+रज्जव ७ रथयात्रा
५	शु	३४	३३	उ	६	३८	प	७	५९	कौ	१	५७	५०	१४	४६	२९	५	२०	कन्यायां	पुष्ये रविः:२१।१० (सौरः:५०।१३)
६	श	४०	२८	ह	१३	२६	शि	९	४५	ग	७	३१	४८	१४	४६	३०	६	२१	तु.४७।१०	भ.४०।२८ उ.
७	र	४६	३५	चि	२०	५४	सि	१२	१०	वि	१३	३१	४५	१५	४५	३१	७	२२	तुलायां	भ.१३।३१ या.
८	चं	५२	४०	स्वा	२८	२२	सा	१४	३८	बा	१९	३७	४३	१५	४५	१	८	२३	तुलायां	रा.श्राणारंभः
९	मं	५७	१७	वि	३५	२३	शु	१६	४१	तै	२४	५८	४०	१६	४४	२	९	२४	वृ.१८।३८	कृत्ति. भौमः ३२।२८
१०	बु	६०	०	अ	४१	१३	शु	१८	८	व	२९	२४	३८	१६	४४	३	१०	२५	वृश्चिके	भ.२९।२४ उ. देवशयनी११व्र. स्मा.
११	गु	१	३२	ज्ये	४५	३५	ब्र	१८	२५	वि	१	३२	३५	१७	४३	४	११	२६	ध.४५।३५	भ.१/३ २ या. पुन.बुधः ३/३ ६/१ देवशयनी११व्र.वै
१२	शु	३	४१	मू	४८	१८	ऐं	१७	३१	बा	३	४१	३३	१७	४३	५	१२	२७	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	४	२३	पू	४९	२२	वै	१५	२०	तै	४	२३	३०	१८	४२	६	१३	२८	धनुषि	वक्री शुक्रः:१८।१७
१४	र	३	०	उ	४८	४४	वि	११	३७	व	३	०	२७	१९	४१	७	१४	२९	म.४।१२	भ.३।० उ. ३/३ ९/५ या.वृषे भौमः ३/३ ८ वायुपरीक्षा
१५	चं	०	१०	श्र	४७	१	प्री	६	५३	ब	०	१०	२४	१९	४१	८	१५	३०	मकरे	व्यासपूजा गुरु १५

१५पं.श्रा. शु.७श.इ. १५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	७	४	४	१०	३
४	२४	१३	१६	८	०	१५	३
११	२४	५५	२५	१३	४१	१	४३
२८	७	५९	५५	८	१७	४९	३६
५७	४१	६१	३/१४	१५	६	३	५६
१५	१८	२१	व.	२८	४९	११	५८

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले २ चंद्रे कर्कोऽर्कः प्रविष्टः वा४ न.५युवावस्था (सूती) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१६पं.श्रा.शु.१३श.इ. ५४/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	७	४	४	१०	३
१०	२९	२२	१६	९	१	१४	१०
५२	९	५२	८	०	३२	३९	२२
३०	४३	१२	२४	२५	१३	३३	५३
५७	४०	९७	५५	०	७	३	५७
२०	५५	७	व.	९	२	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	श्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	चं	५६	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
२	मं	५१	१५	ध	४४	१७	आ	९/१४	५३/२९	तै	२३	४६	३३/२२	५/२०	६/४०	९	१६	३१	कुं१५।३९	[÷२५।१० अगस्त ८ ता.३१
३	बु	४५	३७	श	४०	४९	शो	४७	३९	व	१८	२६	१९	२०	४०	१०	१७	१	कुंभे	भ. १८।२६ उ.४५।३७ या. कर्के बुधः÷
४	गु	३९	४८	पू	३६	५८	अ	४०	२२	ब	१२	४२	१६	२१	३९	११	१८	२	मी.२२/५५	चतुर्थी व्र.
५	शु	३३	५५	उ	३३	१२	सु	३२	५८	कौ	६	५५	१३	२१	३९	१२	१९	३	मीने	आश्ले. रविः १८।११ (सौरः ५१।०) =
६	श	२८	२३	रे	२९	३१	धृ	२५	४२	ग	१	९	१०	२२	३८	१३	२०	४	मे.२९।३१	भ. २८।२३ उ.५५।३८या. अस्तंशनेः २/३ ६
७	र	२२	५२	अ	२५	४५	शू	१८	२९	ब	२२	५२	७	२३	३७	१४	२१	५	मेषे	[=पुष्येबुधः १/२ ९ बुधास्तः पूर्वस्यां ४/३ १/१ नाग५
८	चं	१७	३३	भ	२२	३५	गं	११	३४	कौ	१७	३३	४	२३	३७	१५	२२	६	वृ.३६।४७	मार्गी गुरुः:३०।५९
९	मं	१२	३४	कृ	१९	२६	ब्र	४/४४	५३/३५	ग	१२	३४	०	२४	३६	१६	२३	७	वृषे	भ.४०।१५ उ.
१०	बु	७	५६	रो	१६	४७	व्या	५१	८	वि	७	५६	[illegible]	२५	३५	१७	२४	८	मि. ४५/४०	भ. ७।५६ या.
११	गु	३	४०	मृ	१४	३४	ह	४६	३०	बा	३	४०	५४	२५	३५	१८	२५	९	मिथुने	शुक्रास्त।पश्चिमायां २/२ ९/४ कामिका ११व्र.
१२	शु	०	५	आ	१३	४	व	४१	२२	तै	०	५	५०	२६	३४	१९	२६	१०	क५७।२८	भ.५७।१६ उ. आश्ले.बुधः५।३८ प्रदोषः
१३	शु	५७	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	श	५५	३०	पु	१२	१६	सि	३७	१	वि	२६	२३	४७	२७	३३	२०	२७	११	कर्के	भ.२६।२३ या. मघा. २ शनिः:३९।३८
३०	र	५४	५६	पु	१२	२६	व्य	३३	३१	च	२५	१३	४४	२७	३३	२१	२८	१२	कर्के	हरियाली

१७पं.श्रा.कृ. १ श.इ. ५४/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	७	४	४	१०	३
१७	३	५	१६	७	२	१४	१७
३४	५०	२	०	५३	२४	१७	२
१२	४९	२२	११	२	०	१८	४१
५७	४०	[illegible]	०/२४	१७/४	७	३	५७
२५	१७	[illegible]	व.	व.	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

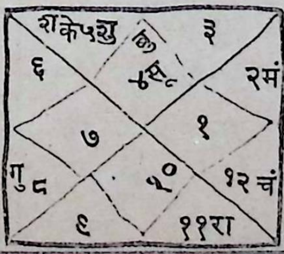

वृष राशौ यदा भौमः सर्वधान्य महर्घता। चन्दनं कुंकुमं वस्त्र कार्पासादि महर्घता॥ इसमास में धान्य व रस तेज हो वर्षा श्रेष्ट होवे।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ.१४श.इ. १४/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	७	४	४	१०	३
२४	८	१९	१६	४	३	१३	२३
१६	२४	०	०	५७	१६	५५	४३
३७	४३	१	२५	४	५९	२	४८
५७	३९	[illegible]	५०	५३	७	३	५७
३३	३२	[illegible]	मा	व.	१४	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	चं	५५	४३	श्ले	१३	५३	व	३१	१	किं	२५	१९	३२/४०	२५/२८	६/३२	२२	२९	१३	सिं१३।५३
२	मं	५८	९	म	१६	४३	प	२९	५२	बा	२६	५६	३७	२९	३१	२३	३०	१४	सिंहे
३	बु	६०	०	पू	२१	११	शि	२९	२३	तै	३०	१	३३	२९	३१	२४	१	१५	कं.३७।३५
३	गु	१	५२	उ	२६	४७	सि	३०	११	ग	१	५२	३०	३०	३०	२५	२	१६	कन्यायां
४	शु	६	५०	ह	३३	१८	सा	३१	३२	वि	६	५०	२६	३१	२९	२६	३	१७	कन्यायां
५	श	१२	३३	चि	४०	१३	शु	३३	५२	बा	१२	३३	२२	३२	२८	२७	४	१८	तु.६।४५
६	र	१८	४३	स्वा	४८	१४	शु	३६	२१	तै	१८	४३	१९	३२	२८	२८	५	१९	तुलायां
७	चं	२५	०	वि	५५	४३	ब्र	३८	५२	व	२५	०	१५	३३	२७	२९	६	२०	वृ.३८।५१
८	मं	३०	३६	अ	६०	०	ऐं	४०	४९	ब	३०	३६	१२	३४	२६	३०	७	२१	वृ.श्चिके
९	बु	३५	०	अ	२	८	वै	४१	४५	बा	२	४८	८	३४	२६	३१	८	२२	वृश्चिके
१०	गु	३७	५२	ज्ये	७	२७	वि	४१	४१	तै	६	२६	४	३५	२५	१	९	२३	ध. ७।२७
११	शु	३८	४३	मू	११	११	प्री	४०	७	व	८	१७	१	३६	२४	२	१०	२४	धनुषि
१२	श	३७	३९	पू	१२	५३	आ	३७	५	ब	८	१०	३/५७	३७	२३	३	११	२५	म.२७।५१
१३	र	३४	४५	उ	१२	४४	सौ	३२	२५	कौ	६	१२	५३	३७	२३	४	१२	२६	मकरे
१४	चं	३०	८	श्र	१०	५०	शो	२६	२१	ग	२	२६	४९	३८	२२	५	१३	२७	कुं. ३९।३
१५	मं	२३	५९	ध	७	१६	अ	१९	६	व	२३	५९	४६	३९	२१	६	१४	२८	कुम्भे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५६०८ स.२००७

रोहि. भौम:३९।१४
चंद्र दर्शनम् सिंधारा
सावान८तीज
भ.३४।२१उ.मघा.सिंहे बुध:१५।२३
भ. ६।५० या. मघा. सिंहेऽर्कः १२।१३×
नाग पंचमी
वक्री कर्के आश्ले. शुक्रः २६।३
भ.२५।०उ.५७।४८या.
[×(सौर:४७।२५)वरद४
शत राहु:मघा.४केतु:१५।३३
पूफा.बुध:२०।१७रा.भाद्रपदारंभ:
भ. ८।१७ उ. ३८।४३ या. शुक्रोदय:=
[=पूर्वस्यां२८।१२पवित्रा११व्र.
प्रदोष: [=बन्धनम्
भ.३०।८उ.५७।४या.
ज्येष्ठा.१गुरु:१६।२१श्रावणी कर्म रक्षा=

१९पं.श्रा.शु. ५श.इ. १४/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	७	४	४	१०	४
०	१२	३	१६	०	४	१३	०
५९	५१	५७	१०	४३	९	३२	२६
५३	१८	७	४१	३४	४७	४६	१
५७	३८/४६	[illegible]	२	३६/३१	७	३	५७
४०	मा	२८	००	व.	२०	११	३४

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले
सिंहेऽर्कः प्रविष्टा:
वा.५न.५ बालावस्था
(बैठी)मु.३० धान्यादि
भावे समता शुक्रास्त:
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१२श.इ. १४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	७	३	४	१०	४
७	१७	१६	१६	२६	५	१३	७
४४	९	५४	२९	३४	३	१०	९
२०	५४	०	३८	४१	५८	३८	३०
५७	३७	[illegible]	३	३०/२१	७	३	५७
४९	३७	३६	२५	व.	२०	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	१६	४६	श	२/३४	५४/३१	सु	१०	५८	कौ	१६	४६	३१/४२	५/४०	६/२०	७	१५	२९	मी.४३/२७
२	गु	९	२४	उ	५१	२४	धृ	२/११	५१/२	ग	९	२४	३८	४०	२०	८	१६	३०	मीने
३	शु	१	३३	रे	४५	५३	गं	४४	२७	वि	१	३३	२४	४१	१९	९	१७	३१	मे.४५।५३
४	शु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	श	४७	२३	अ	४०	४३	वृ	३५	४०	कौ	२०	१	३०	४२	१८	१०	१८	१	मेषे
६	र	४१	१०	भ	३६	२३	ध्रु	२७	४४	ग	१४	१६	२६	४३	१७	११	१९	२	वृ.५०।३०
७	चं	३६	८	कृ	३२	४९	व्या	२०	८	वि	८	३८	२२	४४	१६	१२	२०	३	वृषे
८	मं	३१	२५	रो	३०	१०	ह	१३	२८	बा	३	४६	१८	४४	१६	१३	२१	४	मि.४९/१४
९	बु	२७	५७	मृ	२८	१८	व	७	३१	ग	२७	५७	१५	४५	१५	१४	२२	५	मिथुने
१०	गु	२५	३२	आ	२७	२६	सि	२/१९	५५/४१	वि	२५	३२	११	४६	१४	१५	२३	६	मिथुने
११	शु	२४	३	पु	२७	४९	व	५४	२१	बा	२४	३	७	४७	१३	१६	२४	७	क.१२।४६
१२	श	२३	३८	पु	२९	४	प	५१	४९	तै	२३	३८	३	४७	१३	१७	२५	८	कर्के
१३	र	२४	२३	श्ले	३१	३५	शि	४९	५०	व	२४	२३	३०/५९	४८	१२	१८	२६	९	सिं३१।३५
१४	चं	२६	११	म	३४	५८	सि	४९	१९	श	२६	११	५५	४९	११	१९	२७	१०	सिंहे
३०	मं	२९	१९	म	३९	३०	सा	४८	५४	ना	२९	१९	५१	५०	१०	२०	२८	११	कं.५५।५३

शरदतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति मह्रा.:

भ.३५।२८उ.उफा.बुध:४७।२१
भ.१।३३या.पूफा.रवि:१।४९(सौर:३/५ ६/६)=
[=बुधोदय:पश्चिमायां३।२६चतुर्थीव्र.
कन्यायां बुध:४२।५सितम्बर९ता.३०
भ.४१।१०उ.चंद्रषष्ठी
भ.८।३८या.जन्माष्टमी व्र. स्मा.
मृगे भौम:५१।३९जन्माष्मी व्र.वै.
भ.५६।४४गोगा९
भ.२५।३२या.मघा.३शनि:५३।३३
हस्ते बुध:५६।१२अजा११व्र.
मार्गी शुक्र: १।२० उदयं शने: ५२।२१+
भ.२४।२३उ.५५।१७या.
[+वत्सद्वादशी प्रदोष:
कुशा ग्रहणी पिठोरी३०मन्वादि:

२१पं.भा. कृ.५ श.इ. १४/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	७	३	४	१०	४
१४	२१	२९	१६	२३	५	१२	१२
३०	१८	११	५६	३६	५७	४८	५४
०	४०	२०	१७	५८	७	१५	४२
५८	३६	२०/०	४	१६/३६	७	३	५७
१२	२१	३५	३४	व.	१७	११	५७

गोचर ग्रहाः

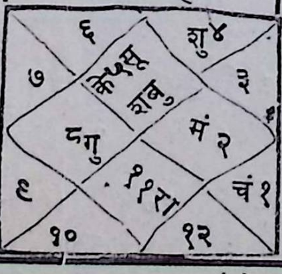

इस मास में गेहूं चना
चावल जौ वाजरा
आदि धान्य तथा
चांदी स्वर्ण आदि
धातु मंदी होवे
चोपाये पशु ओ में
रोग हो।

गोचर ग्रहाः

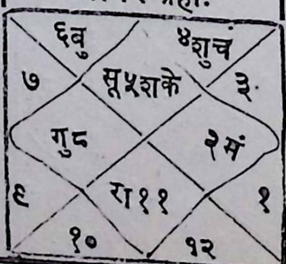

२२पं.भा.कृ.१२श.इ. १४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	७	३	४	१०	४
२१	२५	१०	१७	२२	१६	१२	२०
१७	१८	२८	३२	२८	४९	२५	४१
२	४३	१६	२	३०	३४	००	२२
५८	३५	९५	५	३०/१	७	३	५८
१३	१२	११	४२	मा	८	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३८स.२००७
१	बु	३३	२६	उ	४५	१	शु	४९	४१	किं	१	१२	३०/४७	५/५१	६	२१	२९	१२	कंन्यायां	[×हरितालिका ३
२	गु	३८	३८	ह	५१	३१	शु	५१	६	बा	६	२	४३	५१	९	२२	३०	१३	कन्यायां	उफा.रविः४६।१४ चंद्रदर्शनम्
३	शु	४४	२३	चि	५८	४९	ब्र	५३	३	तै	११	३१	३९	५२	८	२३	१	१४	तु.२५।१०	उफा. रविः सौरः २२।५६ रमजान ९ ×
४	श	५०	४५	स्वा	६०	०	ऐं	५५	२४	व	१७	४०	३५	५३	७	२४	२	१५	तुलायां	भ,१७।४० उ.५०।४५ या. गणेश चतुर्थी
५	र	५७	८	स्वा	६	२३	वै	५७	५३	ब	२३	५६	३१	५४	६	२५	३	१६	वृ.५७।१०	मिथुने भौमः ४९।२१ ऋषि पंचमी
६	चं	६०	०	वि	१४	५	वि	६०	०	कौ	३०	८	२७	५५	५	२६	४	१७	वृश्चिके	कन्यायामर्कः ११/३५ (सौरः ४८/७) चित्रा.बुधः २/४७
६	मं	३	९	अ	२१	२७	वि	०	३०	तै	३	९	२२	५६	४	२७	५	१८	वृश्चिके	[÷जलझूलनी ११व्र. वामन जयंती
७	बु	८	१०	ज्ये	२७	३५	प्री	२	१०	व	८	१०	१८	५६	४	२८	६	१९	ध. २७/३५	भ.८।१० उ.४०।५ या.
८	गु	११	५९	मू	३२	३७	आ	२	५९	ब	११	५९	१४	५७	३	२९	७	२०	धनुषि	
९	शु	१४	१	पू	३५	४८	सौ	२	३५	कौ	१४	१	९	५८	२	३०	८	२१	म.५१। ७	
१०	श	१४	५	उ	३७	२	शो	०/४२	५६/३०	ग	१४	५	५	५९	१	३१	९	२२	मकरे	भ.४३।५ उ. तुलायां बुधः१३।३३
११	र	१२	५	श्र	३६	१३	सु	५२	१०	वि	१२	५	३०/००	६/००	६/००	१	१०	२३	मकरे	भ. १२।५ या. रा. आश्विनारंभः ÷
१२	चं	८	२	ध	३३	३१	गु	४५	३३	बा	८	२	२९/५६	६/१	५/५९	२	११	२४	कुं. ४/५२	प्रदोषः
१३	मं	२	६	श	२८	४९	धृ	३७	२२	तै	२	६	५२	२	५८	३	१२	२५	कुम्भे	भ.५४।३९ उ. अनंत १४
१४	मं	५२	३३	०	०	०	शु	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	बु	४६	६	पू	२२	५९	गं	२८	१	वि	२०	२०	४८	२	५८	४	१३	२६	मी. ९।२६	भ.३०/२०या.महालयारंभः कु.संध्या.पूजनारंभ.

२३पं.भा.शु.४श.इ.१३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	७	३	४	१०	४
२८	२९	२०	१८	२३	७	१२	२७
५	६	४६	१५	१८	४१	३	२९
२४	१४	५	१४	२५	३५	४४	४१
५८	३३	८४	६	१५	७	३	५८
२६	४७	४०	३८	३७	२	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ६ चंद्रे
कन्यायामर्कः प्रविष्टः
वा.४ न.४ गतालका
वस्था (ऊभी) मु. ४५
धान्यादि भावे समर्घता
शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२४ पं.भा.शु.१०श.इ.१३/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	३	४	१०	५
४	२	०	१९	२५	८	११	४
५५	५२	०	५	४७	३२	४१	१९
१६	४०	११	६	६	३०	२८	४८
५८	३२	७२	७	२८	६	३	५८
३८	१६	१३	४८	१२	४९	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भा. कृष्णोतिमहाराष्ट्रा
१	गु	३७	०	उ	१६	२०	वृ	१८	२१	बा	११	३३	२९/४४	६/३	५/५७	५	१४	२७	मीने	हस्ते रविः२४/४४(सौरः०/३ ०/७)स्वात्यां बुधः५९/१५
२	शु	२७	५६	रे	९	१	ध्रु	७/५१	४९/४३	तै	२	२८	४०	४	५६	६	१५	२८	मे.९।१	भ.५३।३२ उ. ज्येष्टा. २गुरुः ५९।३४
३	श	१९	८	अ	५ १/३	५३/३८	ह	४७	३४	वि	१९	८	२६	५	५५	७	१६	२९	मेषे	भ.१९।८या. मघा.सिंहे शुक्रः५३/८ चतुर्थी व्र.
४	र	१०	५९	कृ	४९	५७	व	३८	१९	बा	१०	५९	३२	६	५४	८	१७	३०	वृ.९।८	आर्द्रा. भौमः २६।१७
५	चं	४	५	रो	४५	४३	सि	२९	५१	तै	४	५	२८	६	५४	९	१८	१	वृषे	भ.५८।२२ उ. अक्टूबर १० ता. ३१
६	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
७	मं	५४	२४	मृ	४२	४९	व्य	२२	३८	वि	२६	२३	२३	७	५३	१०	१९	२	मि.१४/१६	
८	बु	५१	५७	आ	४१	२८	व	१६	४०	बा	२३	१०	१९	८	५२	११	२०	३	मिथुने	भ.२६।२३ या.
९	गु	५०	४७	पु	४१	३७	प	११	५७	तै	२१	२२	१५	९	५१	१२	२१	४	क.२६।३४	
१०	शु	५१	११	पु	४३	६	शि	८	२२	व	२०	५९	११	१०	५०	१३	२२	५	कर्के	मघा. ४ शनिः ५४।२८ मातृ ९+
११	श	५२	५४	श्ले	४६	११	सि	५	५४	ब	२२	३	७	११	४९	१४	२३	६	सिं. ४६/११	भ.२०।५९ उ.५१।११ या.
१२	र	५५	४०	म	५०	४	सा	४	२७	कौ	२४	१७	३	११	४९	१५	२४	७	सिंहे	इंदिरा ११ व्र.
१३	चं	५९	४८	पु	५५	१३	शु	४	४	ग	२७	४४	२८/५९	१२	४८	१६	२५	८	सिंहे	भ.५९।४८ उ. प्रदोषः
१४	मं	६०	०	उ	६०	०	शु	४	३३	वि	३२	११	५५	१३	४७	१७	२६	९	कं.११।४३	भ.३२।११ या. शस्त्रादि हतानांश्रा.
१४	बु	४	३४	उ	१	१३	ब्र	५	२४	श	४	३४	५१	१४	४६	१८	२७	१०	कन्यायां	चित्रा.रविः५६/४६ वक्री-बुधः५१/१८ सर्वं पितृ ३०
३०	गु	१०	१०	ह	८	५	ऐं	७	१०	ना	१०	१०	४७	१५	४५	१९	२८	११	तु.४१।३६	चित्रा. रविः सौरः३१।११

२५पं. आ.कृ.३श.इ.१३/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	३	४	१०	५
११	६	७	२०	२९	९	११	११
४६	३	४८	२	२५	२१	१९	११
५२	४	५०	२	२	१४	१३	४८
८	३०	५५	८	३७	६	३	५९
५३	२९	३४	४२	५३	३४	११	००

गोचर ग्रहाः

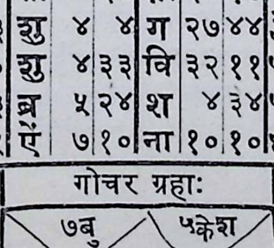

इस मास में शनिवार
का चंद्रदर्शन चांदी
स्वर्ण लोहा रुई रंग
सूत तथा धान्य तेज
होवे कहीं २ वर्षा की
होवे

गोचर ग्रहाः

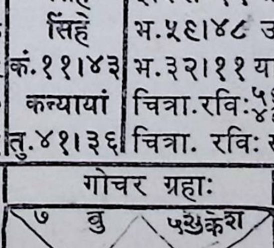

२६पं.आ.कृ.११श. इ. १३/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	४	४	१०	५
१८	९	१३	२१	४	१०	१०	१८
४०	७	२८	५	२८	८	५६	५
८	१२	८	६	१२	२०	५७	३५
५९	२७	२८	९	४५	६	३	५९
९	४	४६	३२	२९	२०	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण: ५६/६८ सन् २००७
१	शु	१६	११	चि	१५	७	वै	९	५	ब	१६	११	२/४३	६/१५	५/४५	२०	२९	१२	तुलायां	नवरात्रारंभः मातामहश्राद्धम्
२	श	२२	३०	स्वा	२२	३९	वि	११	२३	कौ	२२	३०	३९	१६	४४	२१	३०	१३	तुलायां	चंद्रदर्शनम् [÷स्मा. कोजागरी व्र.
३	र	२९	१	वि	३०	२०	प्री	१३	४९	ग	२९	१	३५	१७	४३	२२	१	१४	वृ.१३।२५	सव्वाल १०
४	चं	३५	१३	अ	३७	५६	आ	१६	२	व	२	७	३१	१८	४२	२३	२	१५	वृश्चिके	भ.२।७ उ.३५।१३ या.
५	मं	४०	३३	ज्ये	४४	३४	सौ	१८	०	ब	७	५३	२७	१९	४१	२४	३	१६	ध ४४।३४	पूफा. शुक्रः ५९।३
६	बु	४४	५६	मू	५०	२८	शो	१९	२२	कौ	१२	४४	२३	१९	४१	२५	४	१७	धनुषि	तुलायामर्कः ४०।३२
७	गु	४७	५५	पू	५४	५८	अ	१९	५९	ग	१६	२५	२०	२०	४०	२६	५	१८	धनुषि	भ. ४७।५५ उ. तुलायामर्कः =
८	शु	४९	१८	उ	५७	५२	सु	१९	१८	वि	१८	३६	१६	२१	३९	२७	६	१९	म.१०।४१	भ.१८।३६ या. ज्येष्ठा. ३ गुरुः ३८।४०
९	श	४८	४९	श्र	५८	५३	धृ	१७	१७	बा	१९	६	१२	२२	३८	२८	७	२०	मकरे	[=सौरः१३।५५ बुधास्तः पश्चिमायां ५६/१७
१०	र	४६	२२	ध	५८	३	शू	१३	४१	तै	१७	३५	८	२२	३८	२९	८	२१	कुं. ३८/२८	[Aशत. १राहुः मघा. ३केतुः ७।३३प्रदोषः
११	चं	४१	४९	श	५५	३	गं	८	३४	व	१४	५	४	२३	३७	३०	९	२२	कुंभे	भ.१४।५ उ.४१।४९या. पापां कुशा ११व्र.
१२	मं	३५	१७	पू	५०	१९	वृ	५१/१	५२/२	ब	८	३२	०	२४	३६	१	१०	२३	मी. ३६/३०	वक्री चित्रा.बुधः१४।५१ रा. कार्तिकारंभः
१३	बु	२७	३०	उ	४४	२	व्या	४४	८	कौ	१	२३	२७/५६	२५	३५	२	११	२४	मीने	स्वात्यां रविः२२।३७ (सौरः५४।५८) A
१४	गु	१८	२४	रे	३६	५०	ह	३३	४२	व	१८	२४	५३	२५	३५	३	१२	२५	मे.३६।५०	भ.१८।२४ उ.४३।३४या. शरद्पूर्णिमा÷
१५	शु	८	४३	अ	२८	५९	व	२२	५७	ब	८	४३	४९	२६	३४	४	१३	२६	मेषे	शरद् पूर्णिमा वै. का. स्ना. प्रा.

२७ पं.आ.शु. २ श.इ. १३/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	७	४	४	१०	५
२५	११	१५	२२	१०	१०	१०	२५
३५	५१	१८	१३	४	५२	३४	०१
२	२९	३२	३४	४१	४४	४२	१७
५९	२।३	४१/१४	१०	५०	५	३	५९
२१	२०	व.	१६	५५	५६	११	३१

गोचर ग्रहाः

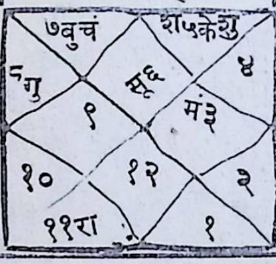

आश्विनशुक्ले ६ बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ युवावस्था (सूती)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

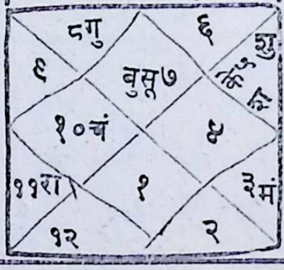

२८पं.आ.शु.९श.इ.१३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	७	४	४	१०	६
२	१४	१०	२३	१६	११	१०	१
३१	९	३८	२६	१९	३४	१२	५८
२६	४७	५३	१७	२३	१२	२६	४३
५९	२२	५६/३	१०	५३	५	३	५९
३४	२२	व.	५६	२७	३२	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	शु	५०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	४९	१७	म	२१	३	सि	११	४९	तै	२४	४	२७/४५	६/२७	५/३३	५	१४	२७	वृ.३४।१२	
३	र	४०	३५	कृ	१३	३९	व्य	१/०	४९/४१	व	१४	५६	४१	२८	३२	६	१५	२८	वृषे	भ.१४।५६उ.४०।३५या.
४	चं	३३	३	रो	७	१०	प	४१	४०	ब	६	५०	३७	२९	३१	७	१६	२९	मि. ३४/४२	वक्री कन्यायां बुधः १/८ २ बुधोदयः पूर्वस्यां=
५	मं	२७	१८	मृ	२/१४	५६/५४	शि	३३	४०	कौ	०	१०	३४	२९	३१	८	१७	३०	मिथुने	उफा.शुक्रः ५०।५
६	बु	२३	३५	पु	५७	४०	सि	२७	१४	व	२३	३५	३०	३०	३०	९	१८	३१	क. ४३।२	भ.२३।३५उ.५२।३१या.
७	गु	२१	२६	पु	५८	०	सा	२२	२५	ब	२१	२६	२७	३१	२९	१०	१९	१	कर्के	मार्गी बुधः५१।३७ नवम्बर ११ता.३०
८	शु	२१	३४	श्ले	६०	०	शु	१८	५५	कौ	२१	३४	२३	३१	२९	११	२०	२	कर्के	[=५२।५७ करक चतुर्थी व्र.
९	श	२३	१९	श्ले	०	३४	शु	१७	१३	ग	२३	१९	१९	३२	२८	१२	२१	३	सिं. ०/३४	भ.५४।५५उ कन्यायां शुक्रः ५।१२
१०	र	२६	३२	म	४	२८	ब्र	१६	२९	वि	२६	३२	१६	३३	२७	१३	२२	४	सिंहे	भ.२६।३२या. तुलायां बुधः३६।४३
११	चं	३१	८	पू	९	५४	ऐं	१७	११	बा	३१	८	१२	३४	२६	१४	२३	५	कं.२६।२७	ज्येष्ठा.४गुरुः५४।० रमा११ व्र.
१२	मं	३६	३१	उ	१६	५	वै	१८	१५	कौ	३	४९	९	३४	२६	१५	२४	६	कन्यायां	विशा. रविः४३।३
१३	बु	४२	३४	ह	२३	१८	वि	२०	८	ग	९	३७	५	३५	२५	१६	२५	७	तु.५६।५५	भ. ४२/४४ उ. विशा.रविः सौरः१२/२३ प्रदोषः ÷
१४	गु	४९	०	चि	३०	३१	प्री	२२	१६	वि	१५	५२	२	३६	२४	१७	२६	८	तुलायां	भ.१५।५२या. रुप१४ [÷धन१३
३०	शु	५५	२६	स्वा	३८	१०	आ	२४	३३	च	१२	१३	२६/५८	३६	२४	१८	२७	९	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९ पं.का.कृ.२ श.इ. १२/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	७	४	४	१०	६
९	१५	२	२४	२३	१२	९	८
२९	५९	२८	४५	२	१२	५०	५८
४२	२०	२६	३६	५३	४३	१०	३
५९	१८	७४/४१	११	५८	५	३	६०
४७	२५	व.	३८	४४	२	११	२

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले ६ शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ प्रौढावस्था बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३० पं.का.कृ.९ श.इ. १२/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	७	५	४	१०	६
१६	१७	२९	२६	०	५२	९	१५
२९	२९	३४	७	७	४७	२७	५९
२८	१३	५९	२३	४१	२४	५५	७
६०	१४	१७/५२	१२	६१	४	३	६०
४	७	मा	८	३०	३८	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६९७ स.२००७
१	श	६०	०	वि	४५	३६	सौ	२६	५१	किं	२८	३७	२६/५५	३६/७	२४/३	१९	२८	१०	वृ.२८।४५	पूफा.१शनिः३५।४ अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	र	१	४७	अ	५२	४९	शो	२९	५१	ब	१	४७	५२	३८	२२	२०	२९	११	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्
३	चं	७	४१	ज्ये	५९	२९	अ	३०	५०	कौ	७	४१	४९	३८	२२	२१	१	१२	ध. ५९/२	स्वात्यां बुधः १।५६ हस्तेशुक्रः ३३।१३×
३	मं	१२	४८	मू	६०	०	सु	३१	५४	ग	१२	४८	४५	३९	२१	२२	२	१३	धनुषि	भ.४४।५९उ.
४	बु	१७	११	मू	५	२०	धृ	३२	२२	वि	१७	११	४२	४०	२०	२३	३	१४	धनुषि	भ.१७।११या. [+तुलसीविवाह
५	गु	२०	२२	पू	१०	३०	शू	३२	२३	बा	२०	२२	३९	४०	२०	२४	४	१५	म. २६/५	[÷१धनुषिगुरुः ५४/८ प्रबोधिनी११ व्र.+
६	शु	२२	२४	उ	१४	१२	गं	३१	१६	तै	२२	२४	३६	४१	१९	२५	५	१६	मकरे	वृश्चिकेऽर्कः३९।८
७	श	२२	५३	श्र	१६	४०	वृ	२८	४९	व	२२	५३	३३	३१	१९	२६	६	१७	कुं.४७।१	भ.२२।५३उ ५३/२३या.वृश्चिकेऽर्कःसौरः ६/३०
८	र	२१	५२	ध	१७	२३	ध्रु	५५	८	ब	२१	५२	३०	४२	१८	२७	७	१८	कुंभे	गोपाष्टमी [×जिल्काद११ भातृ २ यम२
९	चं	१९	८	श	१६	२८	व्या	२०	१५	कौ	१९	८	२७	४३	१७	२८	८	१९	मि. ५९/३१	अनु.रविः५७।२८कुष्मांड ९ अक्षय९
१०	मं	१४	३२	पू	१३	५२	ह	१३	४४	ग	१४	३२	२५	४३	१७	२९	९	२०	मीने	भ.४/३ ५/२उ.अनु.रविःसौरः२/२ ३/७वक्रीभौमः३७/४९
११	बु	८	३२	उ	९	४४	व	६/३	५१/४	वि	८	३२	२२	४४	१६	३०	१०	२१	मीने	भ.८।३२या. विशा. बुधः १४।५८ मूल.÷
१२	गु	०	५२	रे	४/४	५३/१०	व्य	४७	८	बा	०	५२	१९	४४	१६	१	११	२२	मे.४।४	रा. मार्गशिर्षारंभः प्रद्रोषः
१३	गु	५१	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Nपूर्वस्यां १०।५३ मन्वादिः का. स्नाःपू.
१४	शु	४२	४९	भ	४९	४०	व	३६	२८	ग	१७	३३	१७	४५	१५	२	१२	२३	मेषे	भ.४२।४९उ. वैकुंठ १४
१५	श	३३	८	कृ	४१	५२	प	२५	३६	वि	७	५४	१४	४५	१५	३	१३	२४	वृ. २।४३	भ.७।५४या. चित्रा. शुक्रः २९/२१ बुधास्तःN

३१ पं.का.शु.१ श. इ. १२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	७	५	४	१०	६
२३	१८	४	२७	७	१२	९	२३
३०	१७	३४	२२	३०	१८	५	०१
५०	१३	१२	१७	५०	२९	३९	४१
६०	९	६८	१२	६३	४	३	६०
१७	१०	५८	२६	३६	२	११	३०

३२ पं.का.शु.७ श. इ. १२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	७	५	४	१०	७
०	१८	१३	२९	२५	१३	८	०
३३	२६	५९	०	९	४४	४३	७
२९	६	२८	०	२२	३१	२४	४५
६०	३	८७	१२	६५	३	३	६०
३०	२७	१०	५३	१३	२८	११	४०

३३ पं.का.शु.१५श. इ. १२/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	८	५	४	१०	७
७	१७	२४	०	२३	१४	८	७
३७	५१	३८	३१	०	६	२१	११
३७	४	१७	४८	४७	१८	८	१८
६०	३/६	९४	१३	६६	२	३	६०
४२	व.	१७	५०	४१	४१	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	र	२३	४२	रो	३४	५१	शि	१४	३९	कौ	२३	४२	२६/१२	४६	१४	४	१४	२५	वृषे	
२	चं	१५	१५	मृ	२७	४३	सि	१४/१९	५०/२०	गं	१५	१५	९	४६	१४	५	१५	२६	मि.१।२	भ.४१।३२उ.
३	मं	७	४९	आ	२२	३८	शु	४६	३१	वि	७	४९	७	४७	१३	६	१६	२७	मिथुने	भ.७।४९या.वृश्चिके बुधः३६/४८चतुर्थी व्र.
४	बु	२	२०	पु	१९	२३	शु	३९	४३	बा	२	२०	५	४७	१३	७	१७	२८	क.५।१२	
५	बु	५६	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	गु	५७	४०	पु	१७	५२	ब्र	३४	४४	ग	२८	१६	२	४८	१२	८	१८	२९	कर्के	भ.५७।४०उ. अनु. बुधः४६।३०
७	शु	५८	२९	श्ले	१८	३६	ऐं	३१	२०	वि	२८	५१	०	४८	१२	९	१९	३०	सिं. १८/३६	भ.२८।५१या.तुलायां शुक्रः१९।११
८	श	६०	०	म	२१	१३	वै	२९	३०	बा	२९	५१	२५/५८	४८	१२	१०	२०	१	सिंहे	दिसम्बर१२ता.३१
८	र	१	१३	पू	२५	१३	वि	२९	३३	कौ	१	१३	५६	४९	११	११	२१	२	क. ४२/२२	[÷(सौरः३१।२१)
९	चं	५	४५	उ	३१	४९	प्री	३०	१७	ग	५	४५	५४	४९	११	१२	२२	३	कन्यायां	भ. ३८।२७ उ. ज्येष्ठा. रविः ७।३५÷
१०	मं	११	९	ह	३९	०	आ	३१	५९	वि	११	९	५३	४९	११	१३	२३	४	कन्यायां	भ.११।९या.
११	बु	१७	३९	चि	४६	२९	सौ	३४	१२	बा	१७	३९	५१	५०	१०	१४	२४	५	तु.१२।४४	उत्पत्ति११व्र.
१२	गु	२४	८	स्वा	५४	१६	शो	३६	३८	तै	२४	८	४९	५०	१०	१५	२५	६	तुलायां	स्वात्यां शुक्रः१।२४मूल.२गुरुः४८।५७
१३	शु	३०	४५	वि	६०	०	अ	३९	०	व	३०	४५	४८	५०	१०	१६	२६	७	वृ. ४४/५०	भ.३०।४५उ. प्रदोषः
१४	श	३६	५३	वि	१	४२	सु	४१	१	वि	३	४९	४६	५१	९	१७	२७	८	वृश्चिके	भ.३।४९या.ज्येष्ठा. बुधः१३।५७
३०	र	४२	२९	ध	८	४६	ध्रु	४२	३१	च	९	४१	४५	५१	९	१८	२८	९	वृश्चिके	

३४ पं.मा.कृ.८ श. इ. ११/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	६	४	१०	७
१४	१६	५	२	०	१४	७	१४
४२	३४	३८	४	५९	२३	५८	१८
४०	४८	६	४४	३५	१०	५	४
६०	१०/४७	९७	१३	६७	१	३	६१
५०	व.	४	२३	५२	११	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल वार का चद्र दर्शन मदीमें बाजरा मूंग मोठ मक्का आदि धान्य सोना चांदी लोहा गुड सक्कर में तेजी करेगा

गोचर ग्रहाः

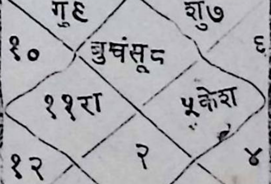

३५ पं.मा.कृ.१४श. इ. ११/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	६	४	१०	७
२१	१४	१६	३	९	१४	७	२१
४८	४१	३६	३८	९	३४	३६	२५
४३	२	१४	५३	२९	२३	३७	२७
६०	१७/१८	९८	१३	६८	१	३	६१
५६	व.	४३	३२	५१	१९	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:५७२७स.२००७
१	चं	४६	५३	ज्ये	१५	०	शु	४३	२०	किं	१४	४१	२५/४४	६/५१	५/९	१९	२९	१०	ध.१५।०	
२	मं	५०	४०	मू	२०	२७	गं	४३	३२	बा	१८	४६	४३	५१	९	२०	३०	११	धनुषि	चंद्रदर्शनम् अस्तंगुरो:५६।२४
३	बु	५३	२२	पू	२४	५६	वृ	४३	२	त	२२	१	४२	५२	८	२१	१	१२	म. ४०/४९	जिल्हेज १२
४	गु	५४	५७	उ	२८	२९	ध्रु	४१	२५	व	२४	९	४१	५२	८	२२	२	१३	मकरे	भ.२४।९उ.५४।५७या.
५	शु	५४	२६	श्र	३०	५३	व्या	३९	१३	ब	२५	१२	४०	५२	८	२३	३	१४	मकरे	
६	श	५४	४८	ध	३२	२८	ह	३६	९	कौ	२५	८	३९	५२	८	२४	४	१५	कुं १।४१	चंपा ६
७	र	५२	५२	श	३२	३३	व	३२	७	ग	२४	५०	३९	५२	८	२५	५	१६	कुम्भे	भ. ५२।५२ उ. मूलेधनुष्यर्कः १४।५०+
८	चं	४९	४३	पु	३१	२५	सि	२७	०	वि	२१	१७	३८	५२	८	२६	६	१७	मी. १६/४२	भ.२१।१७या. विशा.शुक्र:२४।५१
९	मं	४५	२५	उ	२९	६	व्य	२०	४९	बा	१६	३४	३८	५२	८	२७	७	१८	मीने	[+(सौर:३५।११ मूलेधनुषिबुध:३७।४७
१०	बु	३९	४९	रे	२५	४०	व	१३	४१	तै	१२	३७	३७	५३	७	२८	८	१९	मे.२५।२४	[Dमोक्षदा११व्र. गीताजयंती
११	गु	३३	१७	अ	२०	५८	प	३५/५	५५/५०	व	६	३२	३७	५३	७	२९	९	२०	मेषे	भ.६।३२उ.३३।१७या. वक्री शनि:४/३१D
१२	शु	२५	२८	भ	१५	१७	सि	४७	७	बा	२५	२८	३६	५३	७	३०	१०	२१	वृ.२८।४१	मूल. ३ गुरु:२२।३६ प्रदोष:
१३	श	१७	१५	कृ	८	५३	सा	३६	५७	तै	१७	१५	३६	५३	७	१	११	२२	वृषे	रा. मौषारंभ:
१४	र	८	३८	रो	२/१५	५३/२३	शु	३६	५८	व	८	३८	३६	५३	७	२	१२	२३	मि२८।५६	भ.८।३८उ. ३४।२९ या. दत्तजयंती
१५	चं	०	२०	अ	४९	५२	शु	१७	१४	ब	०	२५	३६	५३	७	३	१३	२४	मिथुने	पूषा. बुध: ५८।५५

३६ पं.मा.शु. ६ श.इ. ११/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	८	६	४	१०	७
२८	१२	२७	५	१७	१४	७	२८
५५	१६	३६	१४	२५	४०	१४	२४
३७	३७	२९	४२	१६	३४	२१	३०
६१	३३/११	९९	१३	६९	०	३	६१
०	व	४५	३८	३६	३७	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले७रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावेमहर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३७ पं.मा.शु.१३श.इ. ११/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	६	४	१०	८
६	९	८	६	२५	१४	६	५
३	३७	४१	५१	४६	४१	५२	५३
१४	१	३५	४	३४	२	६	५५
६१	२७/९	९९	१३	७०	१६	३	६१
४	व	२०	३८	२२	व	११	२९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	चं	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४६	४०	पु	४५	१३	ब	८	१७	तै	१९	४२	२५/३७	६/५३	५/७	४	१४	२५	क.३१।४१	वृश्चिके शुक्र: ४७।१५ धनिष्ठा:४राहु:×
३	बु	४२	१	पु	४२	१६	ऐं	२५/०	५२/२५	व	१४	२०	३७	५३	७	५	१५	२६	कर्के	भ.१४।२० उ. ४२।९ या.
४	गु	३९	२८	श्ले	४१	२२	वि	४९	१	ब	१०	४४	३७	५३	७	६	१६	२७	सिं४१।२२	चतुर्थी व्र.
५	शु	३९	७	म	४२	२९	प्री	४५	५२	कौ	९	१७	३८	५२	८	७	१७	२८	सिंहे	अनु.शुक्र:२६।३५
६	श	४०	५२	पू	४५	३५	आ	४४	३४	ग	९	५९	३८	५२	८	८	१८	२९	सिंहे	भ.४/५२ उ. पूषा.रवि: ५९/५० (सौर:३६/४९)+
७	र	४४	३२	उ	५०	३३	सौ	४४	१३	वि	१२	४२	३९	५२	८	९	१९	३०	क. १।४९	भ.१२।४२ या.
८	चं	४९	३७	ह	५६	५७	शो	४५	१७	बा	१७	४०	४०	५२	८	१०	२०	३१	कन्यायां	[×मघा २केतु:५९।२३
९	मं	५५	४८	चि	६०	०	अ	४७	९	तै	२२	४२	४१	५२	८	११	२१	१	तु.३०।३७	जनवरी १०।३१
१०	बु	६०	०	चि	४	१६	सु	४९	२२	व	२९	३	४२	५२	८	१२	२२	२	तुलायां	भ.२९।३उ. उषा. बुध.२२।४०
१०	गु	२	१९	स्वा	११	५६	धृ	५१	५०	वि	२	१९	४३	५१	९	१३	२३	३	तुलायां	भ.२।१९ या.
११	शु	८	५१	वि	१९	२९	शू	५३	४८	बा	८	५१	४४	५१	९	१४	२४	४	वृ. २।३६	मूल. ४ गुरु: ५५।३ सफला ११ व्र.
१२	श	१५	०	अ	२६	३५	गं	५५	३१	तै	१५	०	४५	५१	९	१५	२५	५	वृश्चिके	मकरे बुध: ५९।१० प्रदोष:
१३	र	२०	२२	ज्ये	३२	४६	वृ	५६	४	व	२०	२२	४७	५१	९	१६	२६	६	ध.३२।४६	भ.२०।२२ उ.५२।२१ या.उदयं गुरो।३७/४८
१४	चं	२४	१९	मू	३७	४५	ध्रु	५५	५४	श	२४	१९	४८	५०	१०	१७	२७	७	धनुषि	+वक्री मृगेभौम:
३०	मं	२७	१५	पू	४१	४९	व्या	५४	४९	ना	२७	१५	५०	५०	१०	१८	२८	८	म. ५७/२९	ज्येष्ठा.शुक्र:३०/४५बुधोदय:पश्चिमायां १५/५६

३८ पं.पौ.कृ.३ श.इ. ११/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	८	७	४	१०	८
१३	७	१९	८	४	१४	६	१२
११	१	५६	२७	१२	३६	२९	५३
१३	१६	१३	४०	३६	३२	५०	४७
६१	२७/३४	०/०	१३	७१	०/५७	३	६१
६	व.	२०	३८	०	व:	११	२६

गोचर ग्रहाः

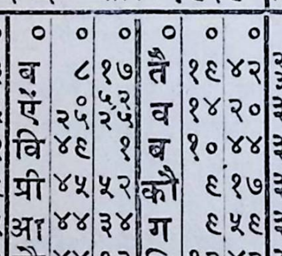

मिथुने च यदा भौमः मेघश्च प्रवलो भवेत् । आरक्तं सर्व द्रव्याणि महर्घाणि भवन्तिहि॥ धान्य रस तेज धातु मंदी होवे वर्षाभीहो।

गोचर ग्रहाः

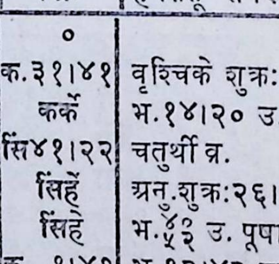

३९पं.पौ.कृ. १२श.इ.११।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	८	७	४	१०	८
२०	४	१	१०	१२	१४	६	२०
१९	४२	२०	३	४२	२६	७	३
२६	७	२८	३६	१८	१	३४	४४
६१	२४/५०	९९	१३	७१	१/४४	३	६१
६	व:	४३	१२	२६	व.	११	२६

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	२८	५०	उ	४४	३३	ह	५२	४४	व	२८	५०	२५/५२	६/५०	५/१०	१९	२९	६	मकरे
२	गु	२९	२०	श्र	४६	३	व	४९	४३	कौ	२९	२०	५३	४९	११	२०	३०	१०	मकरे
३	शु	२८	४६	ध	४६	४५	सि	४५	५८	ग	२८	४६	५५	४९	११	२१	१	११	कुं.१६।२४
४	श	२७	१६	श	४६	३७	व्य	४१	५७	वि	२७	१६	५७	४९	११	२२	२	१२	कुंभे
५	र	२४	५८	पू	४५	३२	व	३६	३१	बा	२४	५८	५९	४८	१२	२३	३	१३	मी३०।४८
६	चं	२१	४८	उ	४३	४७	प	३०	४८	तै	२१	४८	२६/१	४८	१२	२४	४	१४	मीने
७	मं	१८	८	रे	४१	२२	शि	२४	३०	व	१८	८	४	४७	१३	२५	५	१५	मे.४१।२२
८	बु	१३	३९	अ	३८	१२	सि	१७	४०	ब	१३	३९	६	४७	१३	२६	६	१६	मेषे
९	गु	८	३९	भ	३४	२५	सा	१०	२२	कौ	८	३९	८	४६	१४	२७	७	१७	वृ.४८।२०
१०	शु	२	५६	कृ	३०	७	शु	२/९	५१/३८	ग	२	५६	११	४६	१४	२८	८	१८	वृश्चिके
११	शु	५३	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१२	श	४९	४८	रो	२५-	१०	ब्र	४५	३३	ब	२३	११	१३	४५	१५	२९	९	१९	मि. ५२/४६
१३	र	४३	५	मृ	२०	२२	ऐं	३६	५६	कौ	१६	२६	१६	४५	१५	३०	१०	२०	मिथुने
१४	चं	३६	३१	आ	१५	३०	वै	२८	४४	ग	९	४८	१९	४४	१६	१	११	२१	क.५७।२०
१५	मं	३०	५६	पु	११	१६	वि	२१	३	वि	०३	४४	२१	४४	१६	२	१२	२२	कर्के

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:५७५७स.२००८
[=(सौर:२५।४) रा.माघारंभः
श्रवणे बुध:३५।१४ चंद्रदर्शनम्
भ.५८।१ उ. उषा.रवि. ३/५४/६ (सौर: ३/१ ८/६)×
भ.२७।१६या.
[×मोहोरम १ सन् १४२९ हि
मकरेऽर्क:४०।५९(सौर:५३।४३)
भ.१८।८ उ.४५।५४ या.
[*पूषा.१गुरु:४२।९ पुत्रदा ११व्र.
पातस्पर्श: ०।४३ पातकमोक्ष:१४।१४
भ.२८।४५ उ.५४।३४ या. पुत्रदा ११ व्र.

धनि.बुध:२८।४१ मुले धनुषिशुक्र: ३/३ ०/० *
प्रदोष:
भ. ३६।३१ उ. अभि. प्र. रवि: १३।२९=
भ.३।४४ या. मा. स्ना. प्रा.

४० पं.पौ.शु. ४श. इ. १/३ १

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	८	७	४	१०	८
२७	२	१२	११	२१	१४	५	२७
२७	४८	३८	३८	१४	१०	४५	१३
२२	२२	५३	५३	३५	३०	१९	३६
६१	१९/३५	९९	१३	७१	२/०	३	६१
६	व.	२९	२६	५१	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ६ चंद्रे मकरेऽर्कःप्रविष्टःवार न.३ प्रौढावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४१पं. पौ. शु १ श.इ. १ १/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	७	४	१०	९
४	१	२२	१३	२९	१३	५	४
३५	३०	५७	१३	४८	५०	२३	२३
१३	०	७	०५	३६	४६	३	५
६१	१३/४	७८	१३	७२	३/१	३	६१
३	व.	३१	१९	१०	व.	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	२६	३१	पु	८	९	प्री	१४	१७	कौ	२६	३१	३६/२४	४६/३	१५/७	३	१३	२३	कर्के
२	गु	२३	३९	श्ले	६	२६	आ	८	५१	ग	२३	३९	२७	४३	१७	४	१४	२४	सिं.६।२६
३	शु	२२	४०	म	६	३६	सौ	४	३४	वि	२२	४०	२९	४२	१८	५	१५	२५	सिंहे
४	श	२३	२०	पू	८	३०	शो	१	५९	बा	२३	२०	३२	४२	१८	६	१६	२६	क.२४।२६
५	र	२६	११	उ	१२	१६	अ	१	०	तै	२६	११	३५	४१	१९	७	१७	२७	कन्यायां
६	चं	३०	३५	ह	१७	३४	सु	०	५८	व	३०	३५	३८	५०	२०	८	१८	२८	तु.५०।५७
७	मं	३६	२२	चि	२४	२१	धृ	२	१९	वि	३	२९	४१	४०	२०	९	१९	२९	तुलायां
८	बु	४२	४५	स्वा	३१	३८	शु	४	३	बा	९	३२	४५	३९	२१	१०	२०	३०	तुलायां
९	गु	४९	४२	वि	३९	१७	गं	६	३५	तै	१६	१३	४८	३८	२२	११	२१	३१	वृ.२२।२२
१०	शु	५५	२५	अ	४६	२८	वृ	८	३५	व	२३	३४	५१	३८	२२	१२	२२	१	वृश्चिके
११	श	६०	०	ज्ये	५३	६	ध्रु	१०	२९	ब	२८	५	५४	३७	२३	१३	२३	२	ध.५३।६
११	र	०	४४	मू	५८	१९	व्या	११	२५	बा	०	४४	५८	३६	२४	१४	२४	३	धनुषि
१२	चं	४	३५	पू	६०	०	ह	११	१३	तै	४	३५	२७/१	३६	२४	१५	२५	४	धनुषि
१३	मं	७	८	पू	२	२	व	९	५८	व	७	८	५	३५	२५	१६	२६	५	म.१७।३७
१४	बु	७	५३	उ	४	१९	सि	७	३१	श	७	५३	८	३४	२६	१७	२७	६	मकरे
३०	गु	७	२०	श्र	५	८	व्य	५ ३/३	५५/२३	ना	७	२०	१२	३४	२६	१८	२८	७	कुं.३४।५४

शिशिरर्तू रविरुत्तरें पौष कृष्णेति महा.
[÷२०।५९ फर्वरी २ ता. २९
भ.५३।९उ. श्रवणेरवि: ३/९ ०/० (सौर: ४/० १)
भ. ३/४ २/०या. अभि.नि.रवि: २/२ २/१ (सौर: ३/१ ३/७)×
[×चतुर्थी व्र.

भ. ३/३ ०/५उ.वक्रीबुध: ४/४ ९/०वक्रीमघा.४शनि: ४/४
भ.३।२९ या. पातस्पर्श ४/१ ३/१ पातमोक्ष: ५/८ ७
पूषा. शुक्र: ८।२०
बुधास्त: पश्चिमायां १६।५०
भ.२३।३४ उ.५५।२५ या. मार्गी भौम:÷
षट्तिला ११ व्र.

पूषा.२गुरु: १०।० प्रदोष:
भ.७।८ उ..३७।३१ या.
धनि. रवि: ३८।२४ (सौर:४६।५०) +
[+वक्री श्रवणे बुध: ४४।१२

४२पं.मा.कृ.४श.इ.११।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	८	४	१०	९
११	०	२९	१४	८	१३	५	११
४२	४८	१९	४५	२४	२७	०	३१
४०	१४	१३	२२	४३	०	४८	५६
६०	३ ५/६	३३	१२	७२	४ ३/३	३	६१
५९	व.	३५	५७	३२	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जौ बाजरा मूगं मोढ मंदा होकर तेज हो. सोना चांदी रुई पाट में घटबढचले शीत-अधिक ।

गोचर ग्रहाः

४३पं मा. कृ.११श.इ: १/१ १/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	८	४	१०	९
१८	०	२८	१६	१७	१२	४	१८
४९	४४	५	१५	१	५९	३८	४०
१६	२८	४२	११	५९	२४	३२	०१
६०	४ ०/४	५५/२१	१२	७२	५ ३/९	३	४१
५५	मा	व.	३२	५०	व.	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५७/८७ स.२००८
१	शु	५	१७	ध	४	४०	प	५३	४९	ब	५	१७	२७/५५	३६/३	२५/२७	१९	२९	८	कुम्भे	चंद्र दर्शनम्
२	श	२	१८	श	३	१२	शि	४७	४१	कौ	२	१८	१९	३२	२८	२०	१	९	मी. ४६/३६	सफर२
३	श	५६	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	र	५४	१	पू	१/४	५९/८	सि	४०	५७	व	३६	१३	२३	३१	२९	२१	२	१०	मीने	भ.२६।१३उ.५४।१या.उषा.शुक्र:०।३४
५	चं	४९	२५	रे	५५	१४	सा	३४	१३	ब	२१	४३	२७	३१	२९	२२	३	११	मे.५५।१४	वलंत५
६	मं	४४	३१	अ	५१	५६	शु	२७	१४	कौ	१६	५८	३०	३०	३०	२३	४	१२	मेषे	मकरे शुक्र:४४।४५बुधोदय:पूर्वस्यां ३६/५५
७	बु	३९	३५	भ	४८	५०	शु	२०	१४	ग	१२	४	३४	२९	३१	२४	५	१३	मेषे	भ.३९।३५ उ. कुंभेऽर्कः १३/४० (सौरः ३९/४८) +
८	गु	३४	४०	कृ	४५	३५	ब्र	१३	८	वि	७	८	३८	२८	३२	२५	६	१४	वृ.३।१	भ.७।८या.भीष्माष्टमी [+रथ७भानु७
९	शु	२९	३८	रो	४२	६	ऐं	५५/९	५२/४१	बा	२	९	४१	२८	३२	२६	७	१५	वृषे	[×श्रवणे शुक्रः ४७।३२ पूषा. ३ गुरु:÷
१०	श	२४	२५	मृ	३८	५१	वि	५१	४४	ग	२४	२५	४५	२७	३३	२७	८	१६	मि.१०/२८	भ.५१।५७उ.
११	र	१९	३०	आ	३५	४३	प्री	४४	५९	वि	१९	३०	४९	२६	३४	२८	९	१७	मिथुने	भ.१९।३०या.जया.११व्र.
१२	चं	१४	४१	पु	३३	८	आ	३८	१९	बा	१४	४१	५३	२५	३५	२९	१०	१८	क.१८।४६	प्रदोष:
१३	मं	१०	४५	पु	३०	५८	सौ	३२	२९	तै	१०	४५	५६	२५	३५	३०	११	१९	कर्के	शते रवि:४९।५६(सौर:५६।१०)
१४	बु	७	२३	श्ले	२९	४४	शो	२७	२२	व	७	२३	२८/००	२४	३६	१	१२	२०	सिं. २९/४४	भ.७।२३उ.३६।१७या. मार्गी बुध: २५/५३ ×
१५	गु	५	१०	म	२९	५९	अ	२३	२९	ब	५	१०	४	२३	३७	२	१३	२१	सिंहे	मा.स्ना.पूर्तिः [÷४३।०रा.फाल्गुनारंभः

४४पं.मा.शु.२श.इ ३१/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	८	८	४	१०	९
२५	१	२०	१७	२५	१२	४	२५
५५	१३	१५	४२	४०	२८	१६	४६
१	४१	३६	२९	५	५४	१६	४८
६०	६	७६/५६	१२	७३	४/४७	३	६०
४७	२१	व.	१४	५	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ७बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ प्रगल्भावस्था. (वैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रो-दयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

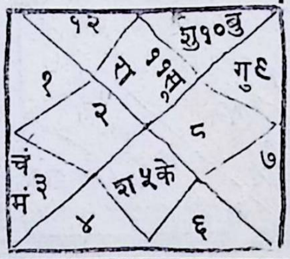

४५ पं. मा.शु.१०श. इ. ११/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	८	९	४	१०	१०
२	२	१४	१९	४	११	३	२
५९	१२	४५	६	१८	५६	५४	५२
४९	५४	१४	४३	३६	१०	१	५१
६०	११	२७/२	११	७३	४/३४	३	६०
३७	१८	व.	४२	१७	व.	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविर्दक्षिणे माघ कृष्णेति महा.
१	शु	४	४०	पू	३१	३१	सु	२०	२०	कौ	४	३०	२८/८	२६/२	३५/८	३	१४	२२	कं.४७।२०	
२	श	५	१३	उ	३४	४६	धृ	१९	१०	ग	५	१३	१२	२२	३८	४	१५	२३	कन्यायां	भ.३६।२६उ.
३	र	७	३९	ह	३९	१५	शू	१८	२९	वि	७	३९	१६	२१	३९	५	१६	२४	कन्यायां	भ.७।३९या. चतुर्थी व्र.
४	चं	११	३५	चि	४५	२३	गं	१९	१६	बा	११	३५	२०	२०	४०	६	१७	२५	तु.१२।१९	
५	मं	१६	५६	स्वा	५२	१७	वृ	२०	४१	तै	१६	५६	२४	१९	४१	७	१८	२६	तुलायां	धनिष्ठा.३राहु:मघा.१केतु:५३।१९
६	बु	२२	५६	वि	५९	५१	ध्रु	२२	५७	व	२२	५६	२८	१८	४२	८	१९	२७	तृ.४२।५८	भ.२२।५६उ.५६।९या.
७	गु	२९	२२	अ	६०	०	व्या	२५	८	ब	२९	२२	३२	१८	४२	९	२०	२८	वृश्चिके	
८	शु	३५	५१	अ	७	२५	ह	२७	२०	बा	२	३५	३६	१७	४३	१०	२१	२९	वृश्चिके	[Aधनि. बुध:३५।४०
९	श	४१	२१	ज्ये	१४	२७	व	२८	५१	तै	८	३५	४०	१६	४४	११	२२	१	ध.१४।२७	मार्च३ता.३१
१०	र	४५	२६	मू	२०	११	सि	२९	२१	व	१३	२३	४४	१५	४५	१२	२३	२	धनुषि	भ.१३।२३उ.४५।२६या.धनि.शुक्र: ३६/५४
११	चं	४८	१२	पू	२४	३३	व्य	२८	३९	ब	१६	४९	४८	१४	४३	१३	२४	३	म. १०/१४	विजया११व्र.
१२	मं	४८	५६	उ	२७	१८	व	२६	३१	कौ	१८	३४	५२	१४	४६	१४	२५	४	मकरे	पूभा. रवि: ६।२ (सौर: १०।५७)A
१३	बु	४७	५८	श्र	२८	१९	प	२३	४	ग	१८	२६	५६	१३	४७	१५	२६	५	कुं.५७।५०	भ.४७।५७उ.आर्दा.भौम:१७।११प्रदोष:
१४	गु	४५	३	ध	२७	२३	शि	१८	५	वि	१६	३०	२९/१	१२	४८	१६	२७	६	कुंभे	भ.१६।३०या.महाशिव रात्री व्र.
३०	शु	४०	५०	श	२५	३	सि	११	५८	च	१२	५६	५	११	४९	१७	२८	७	कुम्भे	

४६ पं.फा.कृ.२ श.इ. ११/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	२९	८	९	४	१०	१०
१०	३	१५	२०	१२	११	३	९
३	४०	१९	२७	५६	२२	३१	५७
२२	२३	३०	२५	३८	५२	४५	२४
६०	१५	१७/४५	११	७३	४/४०	३	६०
२५	५०	मा.	३	२६	व.	११	३२

गोचर ग्रहाः

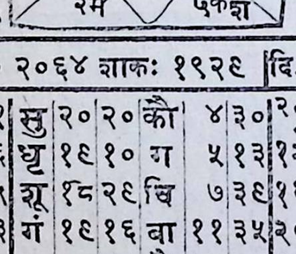

शुक्रस्य पंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम्। प्रजा वृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते।। इस मास में धान्य रस मंदे सोना चांदी तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

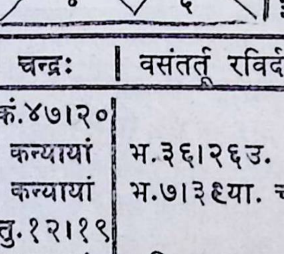

४७पं.फा.कृ.९ श.इ. १२।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	८	९	४	१०	१०
१७	५	२०	२१	२१	१०	३	१७
५	२५	५	४३	३६	४८	९	०
३५	१०	४२	५	०	४२	३०	१७
६०	१९	४७	१०	७३	४/४०	३	६०
१७	४	१०	२४	३८	व.	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
१	श	३५	२२	पू	२१	२६	सा	४/४५	५२/१०	किं	८	६	२/९	६/१०	५/५०	१८	२९	८	मी. ७।२०
२	र	२९	२	उ	१७	१०	शु	४८	४३	बा	२	११	१३	९	५१	१९	३०	९	मीने
३	चं	२२	४६	रे	१२	२८	ब्र	४०	१३	ग	२२	४६	१७	९	५१	२०	१	१०	मे.१२।२८
४	मं	१६	४	अ	७	४३	ऐं	३२	११	वि	१६	४	२१	८	५२	२१	२	११	मेषे
५	बु	९	५३	भ	३/२६	५५/५१	वै	२४	२०	बा	९	५३	२६	७	५३	२२	३	१२	वृ.१७।२४
६	गु	३	५७	रो	५५	४४	वि	१६	५५	तै	३	५७	३०	६	५४	२३	४	१३	वृषे
७	गु	५४	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
८	शु	५३	५१	मृ	५२	५६	प्री	९	४४	वि	२६	१६	३४	५	५५	२४	५	१४	मि. ३४/२०
९	श	४९	४५	आ	५०	४६	आ	३/१६	५४/१०	बा	२१	४८	३८	४	५६	२५	६	१५	मिथुने
१०	र	४६	३८	पु	४९	९	शो	५१	५९	तै	१८	११	४३	३	५७	२६	७	१६	क.३४।३३
११	चं	४३	४१	पु	४८	२८	अ	४७	८	व	१५	१०	४७	३	५७	२७	८	१७	कर्के
१२	मं	४१	४२	श्ले	४८	२१	सु	४३	५	ब	१२	४२	५१	२	५८	२८	९	१८	सिं. ४/२१
१३	बु	४०	५६	म	४९	२६	धृ	३९	५८	कौ	११	१९	५५	१	५९	२९	१०	१९	सिंहे
१४	गु	४१	६	पू	५१	३५	शू	३७	३०	ग	११	१	३/००	६/००	६/००	३०	११	२०	सिंहे
१५	शु	४२	३५	उ	५५	१	गं	३६	३४	वि	११	५०	४	५/५९	१	१	१२	२१	कं.७।२५

वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः५८१६ स.२००८

कुंभे शुक्रः ०।४२ पातस्पर्शः ४५।५२×
चंद्र दर्शनम् फुलरिया२ [×पातमोक्षः ५४/५६
भ.४९।२५उ. कुंभे बुधः ३३।४८ पूपा४=
भ.१६।४या.वक्री मघा.३शनिः४५।५९
[=गुरुः४९।२४रविलावल३
भ.५८।४३उ.शते शुक्रः२४।१
भ.२६।१६या.मीनऽर्कः६।५५(सौरः ११/१८)+
शते बुधः१४।४४ [+होलाष्टकम्
भ. १५।१०उ. ४३।४१ या. उभा. रविः B
[B२७।५९(सौरः ३५/५४) आमलकी ११व्र.
प्रदोषः
भ.४१।६उ.
भ.११।५०या.रा.चैत्रारंभः होलिकादहनम्

४८पं. फा.शु. १श.इ. १२/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	८	१०	४	१०	१०
२४	७	२७	२२	०	१०	२	२४
६	४४	२१	५४	१४	१५	४७	१
२२	३१	५८	४३	२८	४३	१४	४०
५९	२२	३६	९	७३	४/२५	३	६०
५८	५	५८	४०	४८	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

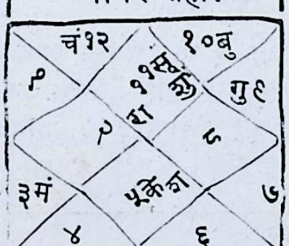

फाल्गुन शुक्ले ८ शुक्रे
मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा.३
न.४बृद्धावस्था(बैठी)
मु. ३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

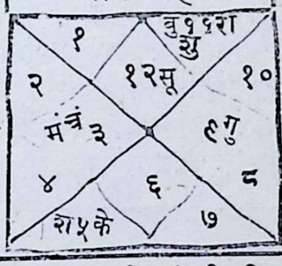

४९ पं.फा.शु.९ श.इ. १२/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
१	१०	६	२४	८	९	२	९
५	१४	१९	०	३३	४२	२४	९
३५	६	५२	२२	५३	१६	५८	२२
५८	२४	८१	८	७३	४/१	३	५९
४१	२३	२९	४९	५०	व.	११	३

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०६४ शाकः १९२९												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	४५	२४	ह	५९	४३	बृ	३५	५६	बा	१४	५४	३०/८	५/५८	६/५	२	१३	२२	कन्यायां
२	र	४९	१५	चि	६०	०	धृ	३६	३१	तै	१७	५९	१२	५८	२	३	१४	२३	तु. ३२/३६
३	चं	५४	३५	चि	५	३०	व्या	३७	५१	व	२१	५९	१६	५७	३	४	१५	२४	तुलायां
४	मं	६०	०	स्वा	१२	१	ह	३९	४३	ब	२७	२०	२१	५६	४	५	१६	२५	तुलायां
४	बु	०	२०	वि	१९	२१	व	४२	५	बा	०	२०	२५	५५	५	६	१७	२६	वृ.२।३१
५	गु	६	४०	अ	२७	२	सि	४४	२६	तै	६	४०	२९	५४	६	७	१८	२७	वृश्चिके
६	शु	१३	८	ज्ये	३४	३१	व्य	४६	४१	व	१३	८	३३	५३	७	८	१९	२८	ध. ३४/३१
७	श	१९	२	मू	४१	७	व	४७	५९	ब	१९	२	३७	५३	७	९	२०	२९	धनुषि
८	र	२३	४३	पू	४६	३८	प	४८	१६	कौ	२३	४३	४१	५२	८	१०	२१	३०	धनुषि
९	चं	२७	१६	उ	५०	२६	शि	४७	१६	ग	२७	१६	४५	५१	९	११	२२	३१	म.२।३५
१०	मं	२८	४४	श्र	५२	२९	सि	४४	४४	वि	२८	४४	४९	५०	१०	१२	२३	१	मकरे
११	बु	२८	१४	ध	५२	२९	सा	४०	३८	बा	२८	१४	५३	४९	११	१३	२४	२	कुं.२२।२९
१२	गु	२५	३७	श	५०	२८	शु	३४	५६	तै	२५	३७	५७	४९	११	१४	२५	३	कुंभे
१३	शु	२१	१६	पू	४६	४८	शु	२७	४८	व	२१	१६	३/१	४८	१२	१५	२६	४	मी.३२/४३
१४	श	१५	५	उ	४१	४०	ब्र	१९	२४	श	१५	५	५	४७	१३	१६	२७	५	मीने
३०	र	७	३८	रे	३५	४३	ऐं	१०	१८	ना	७	३८	१०	४६	१४	१७	२८	६	मे.३५।४३

वसंततूं रविरुत्तरे, फाल्गुन कृष्णेतिमहा.

वसंत १ छारेंडी
[÷२२।८पूभा.शुक्रः१२।५६
भ.२१।५९ उ.५४।३५या. पूभा.बुधः÷
चतुर्थी व्र.
[×शुक्रः१८।२६ अप्रेल ४ ता.३०
भ.१३।८ उ.४६।५ या. शीतला पूजनम्
रेवत्यां रविः ५५/३८ (सौरः ५९/२१) मीनेबुधः २०/१३
भ.५८।० उ.
भ.२८।४४या. उभा. बुधः १३।५३मीने×
पापमोचनी ११ व्र.
बुधास्तः पूर्वस्यां ७।१८ प्रदोषः
भ. २१।१६ उ.४८।११या.उभा.शुक्रः५०/२
उषा. १ गुरुः १२।५९
मन्वदिः नवरात्रारंभः

५०पं.चै.कृ.१ श.इ.१३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
८	१२	१६	२५	१७	९	२	७
३	५७	३७	०	३२	१५	२	५९
१८	५०	८	२८	२४	५०	४३	१७
५९	२६	९४	७	७२	५/३	३	५९
२९	१०	२२	५५	५६	व.	११	३५

५१ पं. चै. कृ. ७ श. इ. १३/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
१४	१५	२८	२५	२६	८	१	१४
५८	५३	२	५३	११	५०	४०	५५
१०	५३	३५	३८	४९	६	२७	२६
५९	२८	१०/०	६	७४	३	३	५९
१६	७	३/५५	४५	२	१९	११	१८

५२पं.चै. कृ. १४श.इ.१३/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	८	११	४	१०	११
२१	११	१०	२६	४	८	१	२१
५३	१	५१	४०	५०	२८	१८	४९
३१	२३	२५	५	१७	१६	११	३७
५९	२९	०/२	५	७४	३/२८	३	५९
४	३४	५/२	५३	१४	व.	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

मजयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रैतायुगप्रमाणम् ८६४०००, द्वपरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१०९, भोग्यकलिः ४२६८९१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०६५, शाकः १९३०, अथास्मिन् वर्षे राजा रविः। मंत्री रविः। सस्येशो बुधः। धान्येशश्चंद्रः। मेघेशः शनिः। रसेशो गुरुः नीरसेशो भौमः। फलेशः शनिः। धनेशो-भौमः। दुर्गेशः शनिः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १५ लपवनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ११।६।५१।५० भोग्यमासादिः ०।२३।८।१० पितृदैवतं युगम्। वर्षनाम आषाढः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासः संधौ। समयनिवासो वणिक्गृहे। समय विश्वा १२ समयवाहनम् मृगः स्तंभः१ अन्नस्य। सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी २, रविदशमी नैव समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानी ३५२ तिथिक्षयः १७, तिथिवृद्धिः ९ उत्पत्ति विश्वा ९३, खपति विश्वा ८४, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् ११ तृणम् १५, शीतम् १५ तेजः ११, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११३, शनिदृष्टिः दशिणे सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण सूर्यस्य १ चंद्रमसः १।

संवत् २०६५ श्राव.कृ.३० शुक्रे

सूर्यग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	२२	२४	२७
प.	५७	५८	३९

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२

वर्ष लग्नम् ४।७

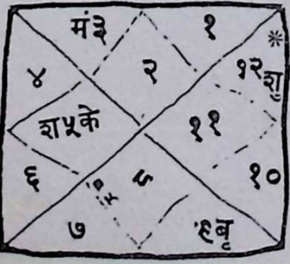

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न।

अंबा देवी मातसे पूछत भैरव जाय।
विक्रम पैंसठ सालका मुझको गुण बतलाय।।

भवानी उत्तर

माता कहे पुकारके सुन भैरव सब हाल।
दूध दही बिन देशका भूखां मरसी बाल।।
दिवानाघ राजा भये मंत्री पदको पाय।
समय निवासो वैश्यघर तेजी अधिक दिखाय।।
बिन पाणी बादल झुके इंद्र घनुष ले संग।
कहीं वर्षे कहीं यूं रहे प्रजा होयसी तंग।।
पापग्रहां इस वर्ष में लिया अधिक अधिकार।
रोग उपद्रव चौरभय जग में बढैं अपार।।
रोहिणी वासो संधि में स्तंभ लगा है एक।
धर्म कर्म जप तप किये ईश्वर राखे टेक।।

सं.२०६५श्रा.शु. १५ शनिवासे

चंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४७	५१	५४
प.	१४	४	५४
घ.	१	२	४
मि.	२१	५३	२५

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ५।२०

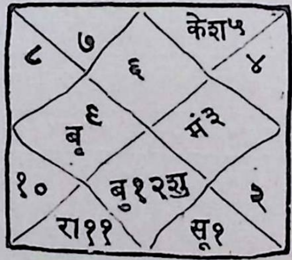

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४६।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५७।३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणांफलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजारविस्तत्फलम् ॥ सूर्येनृपेस्वल्पफलाश्च मेघाःस्वल्पं पयो गोषुजनेषुपीड़ा। स्वल्पंसुधान्यंफलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधानिधनंनृपाणाम् ॥ मंत्रीरविःफलम् ॥ नृपभयंगदतोपिहिनस्करा त्प्रचुरधान्यधनादिमहितले। रसचयंहिसमर्घतमंतदारवि रमात्यपदंहिसमागतः ॥ सस्येशोबुधस्तत्फलम् ॥ जलधराजलराशिमुचो भृशंसुखसमृद्धियुतंनिरुपद्रवम्। द्विजगणःश्रुतिपाठकरःसदाप्रथमसस्यपतौसतिबोधने। धान्येशश्चंद्रःफलम् ॥ चंद्रेधान्याधिपेजातेप्रजाबृद्धिप्रजायते। गोधुमाःसर्षपाश्चैवंगोषुक्षीरंतदाबहु ॥ मेघेशःशनिःफलप् ॥ रविसुतेजलदस्यपतौभवेद्विरतबृष्टिवतीवसुधातदा। मनसितापकरो नृपतिःसदाविविधरोगरताजनतामता। रसेशोगुरुःफलम् ॥ यदिगुरोरसपेजनसौख्यदेकमलवन्ति सरांसितृणानिच। जनपदा द्विजपूजनतत्परा गजसवाजिरथोष्ट्रयुतानृपाः ॥ नीरसेशोभौमस्तत्फलम् ॥ नीरसेशोयदाभौमः प्रवालारक्तवांससां। रक्तचंदनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशःशनिःफलं ॥ यदिशनिःफलपः फलहाभवेज्जनितपुन्यगणस्यद्रुमःसदा। हिमत्रयंवरतस्करजन्तुत्रीर्जनपदागदराशि महाकुलः ॥ धनेशःभौमस्तफलम् ॥ असममौल्यकरोधरणीसुतः शरदितापकरस्तुबधान्यहृत्। सहसिमासिभवेद्धीगुणंतदा नरपतिर्जनशोकविधायकः ॥ दुर्गेशःशनिःफलम् ॥ रविसुतेगढ पालिनिविग्रहैःसकलदेशगताश्चालिताजनाः। विविधवैरिविशेषितनागराःकृषि धनंनलभेभ्दुविकश्चन ॥ प्लवनामसंवत्सरः फलम् ॥ ल्पवाब्देनीखिलाधात्रीबृष्टिभिःप्लवसन्निभा। रोगकालेत्वीतिभीतिःसम्मूर्णवत्सरेफलम् ॥ वर्षनाम आषाढः फलम् ॥ प्लवाब्देतुराजानःसर्वदाकलहोत्सुकाः। क्वचिदीतिःकृचिद्भीतिःक्वचिवृद्धिर्जलंक्कचित् ॥ मेघनामआवर्तःफलम् ॥ आवर्तेछिन्नबृष्टिःस्यात्। रोहिणीनिवासःसंधौफलम् ॥ खंडबृष्टिश्चसंधिषु ॥ समयनिवासोवणिकगृहेफलम्वणिक् गृहेशुभंनास्ति ॥ एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०६५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुल्का १२ गुरौ उफा ल. ऽन्यगो रे ८ ऽस्।।ऽशु।।।।।
मीनेव्याघातःपादतो शुक्रस्य वेधाभावः

,, १३ शुक्रेहस्ते ल. ऽन्यगो. १२ रे. ८।।।।ऽ नृप ऽ।।
मीने चन्द्रोऽर्च्यः

वैशाख मासः।

कृष्णा ७ रवै उषा ल.ऽन्यगो १२ रे ६ ।ऽऽबृ ।ऽऽ
(नृप.घ.५१या)।।।आवश्यके

मार्गशीर्ष मासः.

कृ. १० शनौ उफा. ल्. अन्योगो. रे ८।।।।ऽचौरः
५१ या ।ऽ।।भौम ७ स्थदोषः

,, १० शनौ हस्ते ल. ७ रे ।।।।। (चौ.५१ या)ऽऽ।।
,, ११ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो. रे ८।।।।।।ऽऽ।। भौम
७ स्थदोषः

शु. २ शनौ मूले ल. ६-७ रे८ऽ।।।। (नृ.४५या)ऽ।।
कन्या लग्ने शनिः पूज्यः तुला. ल. घ ५३।१५उ.

,, ४ भौमे उषा. लः ऽन्यगो. रे ६।।ऽबृ शु. ।।।।।।ल.
ऽन्यगो. सप्तमस्थ भौमदोषः

शु. ९ रवौ उभा. ल. ऽन्यगो.रे.ऽ।।ऽ।ऽ (नृप३८उ.)।।ऽ
दग्धा सप्तमस्थ भौमदोषः

,, १४ गुरौ रोहि.ल.६(घ.४६।१०उ.पादवधाद्वेधाभावः)
रे.६ ।।ऽ शु. ।ऽरो.ऽऽ।।

,, १५ शुक्रे मृगे. ल. ६ रे. ।ऽ।ऽ बृ. ।। रोग ३३या.।ऽ।।
पाद तोवेधाभावः

फाल्गुन मासः

कृ. ५ शनौ. स्वा. ल. ८।९ रे. ऽऽ।।ऽअ।।।ऽ। गणितेन
क्रांति साभ्याऽभावः

,, ७ चन्द्रे अनु ल. ९ रे.ऽ।।।।ऽनृ।ऽ।

,, ८ भौमे ऽनु ल. गो. सोग्रांगः रे. ६।।।।।।ऽ।।

,, १० गुरौ मूले ल. ८ रे ।।।।।ऽऽ।।

शु. १ गुरौ उभा ल. ८।९ रे ८।ऽ।।।ऽ।।

,, २ शुक्रे रेव. ल. ८।९ रे७ऽ।ऽशु ।।ऽ चौ।।।
शुक्र युतिदोषः

अत्रक्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चैत्क्षंतव्यं सुधीभिः ॥

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	५१	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
२	चं	५०	५६	अ	२९	१८	वै	४६/०	५०/३७	बा	२५	१३	३१/१४	५/४५	६/१५	१८	२९	७	मेषे
३	मं	४२	४३	भ	२२	५६	प्री	४१	२३	तै	१६	४९	१८	४४	१६	१९	१	८	वृ. ३६।२३
४	बु	३४	५६	कृ	१६	४६	आ	३२	१४	व	८	४९	२२	४४	१६	२०	२	९	वृषे
५	गु	२७	५७	रो	११	४२	सौ	२४	४	ब	१	२६	२६	४३	१७	२१	३	१०	मि३९।३७
६	शु	२२	३	मृ	७	३३	शो	१६	३५	तै	२२	३	३०	४२	१८	२२	४	११	मिथुने
७	श	२७	९	आ	४	२८	अ	१०	२	व	१७	९	३४	४१	१९	२३	५	१२	कं.४८।६
८	र	१३	३७	पु	२	३८	सु	४	४३	ब	१३	३७	३८	४०	२०	२४	६	१३	कर्के
९	चं	११	२८	पु	२	१९	धृ	१३/०	५३/३४	कौ	११	२८	४२	४०	२०	२५	७	१४	कर्के
१०	मं	१०	२३	श्ले	२	५५	गं	५४	१४	ग	१०	२३	४६	३९	२१	२६	८	१५	सि. २।५५
११	बु	१०	२८	म	४	४६	वृ	५२	४९	वि	१०	२८	५०	३८	२२	२७	९	१६	सिंहे
१२	गु	११	५२	पू	७	५१	धृ	५२	१७	बा	११	५२	५३	३७	२३	२८	१०	१७	कं.२३।५१
१३	शु	१४	१५	उ	१२	१	व्या	५२	१४	तै	१४	१५	५७	३७	५३	२९	११	१८	कन्यायां
१४	श	१७	५२	ह	१७	२	ह	५३	१	व	१७	५२	३२/१	३३	२४	३०	१२	१९	तु. ५०।३
१५	र	२२	१८	चि	२३	४	व	५४	३४	ब	२२	१८	५	३५	२५	३१	१३	२०	तुलायां

वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:५८४६स. २००८

पुन. भौमः १२।४७ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
रेवत्यां बुधः१५।२९ २विलाखर४मत्स्य×
भ.८।४९ उ. ३४।५६या.
[÷शुक्रः ४९।२६ राम नवमी वै.
[×जयंती गनगौरी
भ.१७।९ उ. ४५।२३या.
अश्वि. मेषेऽर्कः २९।३९ (सौरः ३३/५५)=
अश्वि मेषेबुधः ५९।१९ रेवत्यां ÷
भ.४०।२५ उ.
भ.१०।२८ या. कामदा ११ व्र.
प्रदोषः
[=रामनवमी स्मा.
भ.१७।५२ उ.५०।५ या.
हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.८ र.इ. २९।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	८	११	४	१०	११
०	२२	२६	२७	१५	८	०	२९
०	५३	५५	२३	१	११	५२	५१
०	१०	२६	२८	५	२४	३	४९
५८	३१	८६	४	७४	५ १/२	३	५८
४४	३	११/२६	४२	२०	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

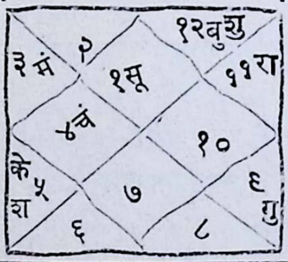

चैत्र शुक्ले ८ रवौ
मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा३
न. ४ कुमार्यवस्था
(वैठी)मु.३०धान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

२पं.चै.शु.१५र.इ. २९।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	८	११	४	१०	०
६	२६	११	२७	२३	७	०	६
५०	१६	४२	५१	३९	५९	२९	४६
४२	४१	२२	४७	३६	३१	४८	०
५८	३१	८०	३	७४	१ १/९	३	५८
३१	३३	५/३	२०	२६	व.	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
१	चं	२७	४०	स्वा	२९	३९	सि	५६	२५	कौ	२७	४०	३२/९	५/३४	२६	१	१४	२१	तुलायां
२	मं	३३	३१	वि	३६	५०	व्य	५८	५०	तै	०	५	१२	३४	२६	२	१५	२२	वृ.२०।२
३	बु	३९	४३	अ	४४	२६	व	६०	०	व	६	३७	१६	३३	२७	३	१६	२३	वृश्चिके
४	गु	४६	१	ज्ये	५२	६	व	१	२१	ब	१२	५२	२०	३२	२८	४	१७	२४	ध. ५२।६
५	शु	५१	५९	मू	५९	१४	प	३	४२	कौ	१९	०	२३	३१	२९	५	१८	२५	धनुषि
६	श	५७	६	पू	६०	०	शि	५	३९	ग	२४	३२	२७	३१	२९	६	१९	२६	धनुषि
७	र	६०	०	उ	५	२६	सि	६	५०	वि	२९	१२	३१	३०	३०	७	२०	२७	म.२१।४५
७	चं		१	१७	पू	१०	४१	सा	७	५	व	१	१७	३४	२९	३१	८	२१	२८	मकरे
८	मं	३	४२	श्र	१४	६	शु	५	५३	कौ	३	४२	३८	२८	३२	९	२२	२९	कुं.४४।५३
९	बु	४	२०	ध	१५	४०	शु	१३	५५/५५	ग	४	२०	४१	२८	३२	१०	२३	३०	कुंभे
१०	गु	२	५५	श	१५	१८	एं	५२	११	वि	२	५५	४५	२७	३३	११	२४	१	मी. ५८/३३
११	शु	५६	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	५३	५७	पू	१२	५६	वै	४५	५२	कौ	२६	४१	४८	२६	३४	१२	२५	२	मीने
१३	श	४६	४७	उ	८	३९	वि	३६	५८	ग	२०	२२	५२	२६	३४	१३	२६	३	मीने
१४	र	३८	१५	रे	४९/२	५३/८	प्री	२७	१९	वि	१२	३१	५५	२५	३५	१४	२७	४	मे २।४९
३०	चं	२८	५८	भ	४८	२३	आ	१६	५०	च	३	३६	५८	२४	३६	१५	२८	५	मेषे

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः

भरण्यां बुधः१६।४१ रा. वैशाखारंभः
[+(सौरः१५।२०) कृत्ति. बुवः४०।४२×
भ.६।३७उ.३९।४३या.
चतुर्थी व्र.
अश्वि. मेषे शुक्रः४०।१२
भ.५७।६उ.
भ २९।१२ या. भरण्यां रविः ९।५२+
[×कर्के भौमः५०/१७ बुधोदयः पश्चिमायां५०/४०
वृषे बुधः२१।५३धनि.२मकरेराः आश्ले=
भ.३३।३७उ.
भ.५५या.वरुथिनी११व्र.स्मा.मई५ता.३१
[=४कर्के केतुः५२।९
मार्गी शनिः१४।३या.वरुथिनी११व्र. वै
भ.४६।४७उ. प्रदोषः
भ.१२।३१या.पुष्ये भोमः१८।३६
रोहि. बुधः५।६शुक्रास्तः पूर्वस्यां४३।४८

३पं.वै.कृ.७र.इ. ३०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	८	०	४	१०	०
१३	२९	२६	२८	२	७	०	१३
३९	४९	१९	१२	१६	५३	७	३४
४७	१	१२	४०	५९	१७	३२	२५
५८	३२	८०	१	७४	२०/७	३	५८
१९	४६	३/५	५४	२६	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

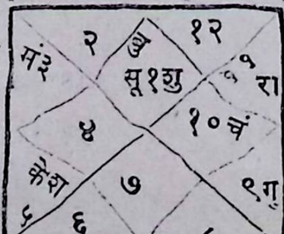

इस मास में धान्य सोना चांदी रस में मंदी होकर तेजी होजावे धूप अधिक हैजा आदि रोग होवे। कहीं स्वर्षा भी हो।

गोचर ग्रहाः

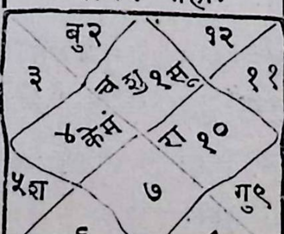

४पं.वै.कृ.१४ र.इ. ३०।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	८	०	४	९	०
२०	३	९	२८	१०	७	२९	२०
२७	२६	१	२४	५४	५१	४५	२१
२५	३५	५२	०	२२	३२	१७	९
५८	३३	६०	०	७४	१३/०	३	५७
६	३२	२८	४५	२६	मा	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५८७५स.२००८
१	मं	१९	१५	कृ	४०	५२	सौ	६/६	४९/३१	ब	२९	१५	३/३२	५/२४	६/३६	१६	२९	६	वृ.१।३१	भरण्यां शुक्रः२७।४७चंद्र दर्शनम्
२	बु	९	४६	रो	३३	४०	अ	४५	३७	कौ	९	४९	२	२३	३७	१७	१	७	वृषे	जमादिलावल५परशुराम जयंती
३	गु	०	४१	मृ	२७	१७	सु	३५	५९	ग	०	४१	८	२२	३८	१८	२	८	मि.०।२९	भ.२६।४२ उ. ५२।४३ या. वक्री गुरुः×
४	गु	५२	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×३२।५३अक्षया३
५	शु	४६	१०	आ	२२	२२	धृ	२७	५८	ब	१९	२६	११	२२	३८	१९	३	९	मिथुने	[÷मृगे बुधः३४।५९
६	र	४१	९	पु	१८	५३	शू	२१	१७	कौ	१३	३९	१४	२१	३९	२०	४	१०	क४।४६	कृत्ति. रविः५५।४८
७	श	३८	४	पु	१७	१	गं	१५	५०	ग	९	३६	१७	२१	३९	२१	५	११	कर्के	भ.३८।४उ.कृत्ति. रविः सौरः३।१२
८	चं	३६	३९	श्ले	१६	५४	वृ	११	४७	वि	७	२३	२०	२०	४०	२२	६	१२	सिं१६।५४	भ.७।२३या.
९	मं	३६	५४	म	१८	३०	ध्रु	८	५८	बा	६	४६	२३	१९	४१	२३	७	१३	सिंहे	
१०	बु	३८	३७	पू	२१	५७	व्या	७	३७	तै	७	४६	२६	१९	४१	२४	८	१४	कं.३८।३	वृषेऽर्कः २३।३ (सौरः ३०।५९)÷
११	गु	४१	४३	उ	२६	५२	ह	७	२१	व	१०	११	२८	१८	४२	२५	९	१५	कन्यायां	भ.१०।११उ.४१।४३या.मोहिनी११व्र.
१२	शु	४५	५८	ह	३१	५८	व	८	१	ब	१३	५१	३१	१८	४२	२६	१०	१६	कन्यायां	
१३	श	५१	१	चि	३८	१४	सि	९	१३	कौ	१८	२९	३४	१७	४३	२७	११	१७	तु.५।६	कृत्ति. शुक्रः२८।५८प्रदोषः
१४	र	५६	४१	स्वा	४५	२२	व्य	११	५	ग	२३	५१	३७	१७	४३	२८	१२	१८	तुलायां	भ.५६।४१उ. नृसिंह जयंती
१५	चं	६०	०	वि	५२	२८	व	१३	२	वि	२९	३८	३९	१६	४४	२९	१३	१९	वृ. ३५/४१	भ.२९।३८या. वृषे शुक्रः५२।२७
१५	मं	२	३५	अ	५९	५६	प	१५	२४	ब	२	३५	४२	१६	४४	३०	१४	२०	वृश्चिके	यमाय कुंभ दानम्

५पं.वै.शु.६शु.इ.३०।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	८	०	४	९	०
२७	७	१९	२८	१९	७	२९	२७
१३	१०	४४	२६	३१	५५	२३	०६
३७	१	६	२४	२३	१६	१	२३
३२	३४	७०	३३	७४	०	३	५७
५४	६	१५	व.	३२	५८	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले १०रवौ
वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा४
न. ५ प्रौढावस्था
(बैठी) मु. ४५
धान्यादि भावे
समर्धता शुक्रास्तः
पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

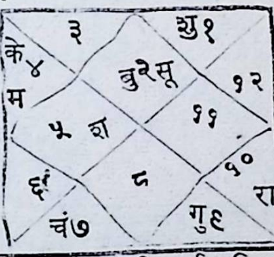

६पं.वै.शु.१४र.इ.३०।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	०	४	९	१
३	१०	२५	२८	२८	८	२९	३
५८	५६	१	१८	७	३	०	५०
३७	३८	१	२९	५५	४०	४५	५
५७	३४	३०	२/१	७४	१	३	५७
४४	४७	२८	व.	३२	२६	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	हिं.	सु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महाः
१	बु	८	४१	ज्ये	६०	७	शि	१७	४९	कौ	८	४१	३३/४४	५/१५	६/४५	२१	१५	२१	वृश्चिके	[+वक्री बुधः५२।४८
२	गु	१४	५२	ज्ये	७	२१	सि	२०	१०	ग	१४	५२	४७	१५	४५	१	१६	२२	घ. ७।२१	भ.४७।४२उ. रा. ज्येष्ठारंभः
३	शु	२०	३२	मू	१४	२७	सा	२२	१३	वि	२०	३२	४९	१४	४६	२	१७	२३	धनुषि	ग.२०।३२या. चतुर्थी व्र.
४	श	२५	२३	पू	२१	०	शु	२३	४१	बा	२५	२३	५२	१४	४६	३	१८	२४	स.३७।२५	रोहि. रविः ४६।३७ (सौरः ५७।७)+
५	र	२९	३८	उ	२६	३९	शु	२४	२९	तै	२९	३८	५४	१३	४७	४	१९	२५	मकरे	
६	चं	३२	३८	श्र	३१	८	ब्र	२४	१४	ग	१	८	५६	१३	४७	५	२०	२६	मकरे	भ.३२।३८उ.
७	मं	३४	१०	ध	३४	११	ऐं	२२	५९	वि	३	२४	५८	१२	४८	६	२१	२७	कुं. २।४०	भ.३।३४या.
८	बु	३४	०	श	३५	३६	वै	२०	१७	बा	४	४	३४/००	१२	४८	७	२२	२८	कुंभे	रोहि. शुक्रः८।४८आश्ले. भौमः४२।९
९	गु	३१	५९	पू	३५	८	वि	१६	८	तै	२	२९	२	१२	४८	८	२३	२९	मी.१८/१४	बुधास्तः पश्चिमायां९।२३
१०	शु	२८	११	उ	३२	४६	प्री	१०	२६	व	०	५	३	११	४९	९	२४	३०	मीने	भ.०।५उ.२८।११या.
११	श	२२	२०	रे	२८	३५	आ	३/२५	५/३५	बा	२२	२०	५	११	४९	१०	२५	३१	मे.२८।३५	अपरा११व्र.
१२	र	१५	८	अ	२३	५	शो	४५	३१	तै	१५	८	७	११	४९	११	२६	१	मेषे	प्रदोषः जून६ता.३०
१३	चं	६	२५	भ	१६	१८	अ	३५	६	व	६	२५	९	१०	५०	१२	२७	२	वृ. २९/२१	भ.६।२५उ.३१।३७या.
१४	चं	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	मं	४६	४९	कृ	८	२०	सु	२४	१०	च	२१	५४	१०	१०	५०	१३	२८	३	वृषे	वटपूनम्

७ ज्ये.कृ.५ र.इ.३०।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	१	४	९	१
१०	१४	२७	२८	६	८	२८	१०
४२	४७	२३	२	४४	१७	३८	३२
२९	२०	१७	१०	४६	३५	३०	१६
५७	३५	३/२	३/२२	७४	२	३	५७
३५	२०	व.	व.	३२	१६	११	२३

गोचर ग्रहाः

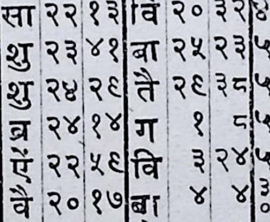

इस मास में गहूं जौ चना मटर आदि धान्यो में तेजी रहे सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड शक्कर चीनी में मंदी रहे।

गोचर ग्रहाः

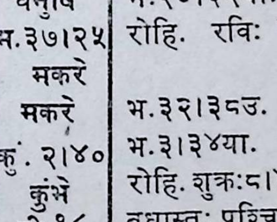

८पं.ज्ये.कृ.१२र.इ.३०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	१	४	९	१
१७	१८	२६	२७	१५	८	२८	१७
२५	४१	९	३७	२०	३५	१६	१३
१९	३१	४७	१९	३८	४९	१४	२२
५७	३५	३५/२५	४/२३	७४	२	३	५७
२७	३९	व.	व.	३८	५५	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	३६	२३	रो	४०	५२/११	धृ	१३	२२	किं	११	४५	३४/१२	५/१०	६/५०	१४	२९	४	मि. २६/४३
२	गु	२७	१४	आ	४६	१४	शु	२/४३	५०/१८	बा	१	५६	१३	९	५१	१५	३०	५	मिथुने
३	शु	१९	१	पु	४०	५३	बृ	४४	१०	ग	१९	१	१५	९	५१	१६	१	६	क.२७।०
४	श	१२	१८	पू	३५	४३	धृ	३७	४	वि	१२	१८	१६	९	५१	१७	२	७	कर्के
५	र	७	२८	श्ले	३४	५२	व्या	३१	३६	बा	७	२८	१७	९	५१	१८	३	८	सिं. ३४/५२
६	चं	४	३१	म	३४	५४	ह	२७	३५	तै	४	३१	१८	८	५२	१९	४	९	सिंहे
७	मं	३	४५	पू	३७	४	व	२५	१३	व	३	४५	१९	८	५२	२०	५	१०	कं.५३।१
८	बु	५	२	उ	४०	५२	सि	२४	१४	ब	५	२	१९	८	५२	२१	६	११	कन्यायां
९	गु	७	४५	ह	४६	१४	व्य	२४	५६	कौ	७	५४	२०	८	५२	२२	७	१२	कन्यायां
१०	शु	२१	२४	चि	५२	४८	व	२६	१	ग	१२	२४	२१	८	५२	२६	८	१३	तु.१४।३१
११	श	१७	३७	स्वा	६०	०	प	२८	१	वि	१७	३७	२१	८	५५	२४	९	१४	तुलायां
१२	र	२३	३८	स्वा	०	७	शि	३०	२९	बा	२३	३८	२२	८	५५	२५	१०	१५	वृ. ५०/४३
१३	चं	२९	४७	वि	०७	३४	सि	३२	५५	तै	२९	४७	२२	८	५२	२६	११	१६	वृश्चिके
१४	मं	३५	५२	अ	१५	८	सा	३५	१४	ग	२	४९	२३	७	५३	२७	१२	१७	वृश्चिके
१५	बु	४१	४०	ज्ये	२२	१४	शू	३७	१३	वि	८	४३	२३	७	५३	२८	१३	१८	व.२२।१४

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५९०४स.२००८

चंद्र दर्शनम्
भ.४५।३९उ.जमादि लाखर६
भ.१२।१८ या. मृगे रविः ४१।३०+
मृगे शुक्रः१।१७
[=(सौरः५६।४५)निर्जला११व्र.
भ.३।४५उ.३४।२४या.
[(+सौरः५५।५७)वक्रीरोहि. बुधः३२।३
वक्री पूषा.४गुरुः५६।०
भ.४५।०उ.मिथुने शुक्रः ३७/५५ गंगा दशमी
भ. १७।३७ या. मिथुनेऽर्कः ४०।४=
प्रदोषः
बुधोदयः पूर्वस्यां५७।३०
भ.३५।५२उ. [÷वट सावित्री व्र.
भ.८।४३या.आर्द्रा. शुक्रः४९।२गुर्जराणां÷

९पं.ज्ये.शु.५र.इ.३०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	८	१	४	९	१
२४	२२	२२	२७	२३	८	२७	२३
७	३८	४८	३	५६	५८	५३	५३
१९	४२	१८	५८	५३	३७	५९	१८
५७	३६	३२/१८	५/३०	७४	३	३	५७
२२	१७	व.	व.	३८	३३	११	५

गोचर ग्रहाः

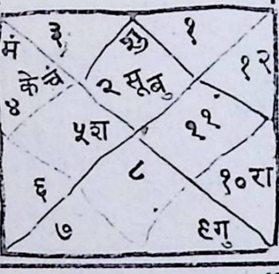

ज्येष्ठा शुक्ले ११ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ बालावस्था (बैठी) मु.१५ वान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

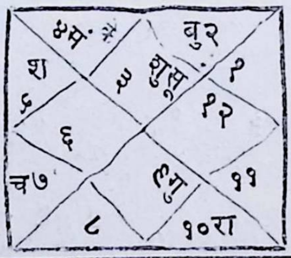

१०पं.ज्ये.शु. १२ र.इ. ३०/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	८	२	४	९	२
०	२६	१९	२६	२	९	२७	०
४८	३८	४३	२३	३३	२६	३१	३२
३६	५३	१९	३१	०	६	४३	२७
५७	३६	२२/१६	६/२३	७४	४	३	५६
१३	३६	व.	व.	३८	११	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	४६	५५	मू	२९	१३	शु	३९	८	बा	१४	१८	३४/३	५/७	५६/३	२९	१४	१९	धनुषि
२	शु	५१	२२	पू	३५	२५	ब्र	४०	२७	तै	१९	८	२४	७	५३	३०	१५	२०	म.५१।४५
३	श	५५	०	उ	४०	४४	ऐं	४१	३	व	२३	११	२४	७	५३	३१	१६	२१	मकरे
४	र	५७	३१	श्र	४५	४	वै	४०	५५	ब	२६	१६	२४	७	५३	१	१७	२२	मकरे
५	चं	५९	३	ध	४८	३०	वि	३९	५६	कौ	२८	१७	२४	७	५३	२	१८	२३	कु १६।४७
६	मं	५९	१३	श	५०	४६	प्री	३७	५५	ग	२९	८	२४	७	५३	३	१९	२४	कुम्भे
७	बु	५८	१३	पू	५१	२६	आ	३५	१	वि	२८	४३	२३	७	५३	४	२०	२५	मी. ३६/१६
८	गु	५५	४०	उ	५०	५०	सौ	३०	४७	बा	२६	५६	२३	७	५३	५	२१	२६	मीने
९	शु	५१	३८	रे	४८	४४	शो	२५	१९	तै	२३	३९	२२	८	५२	६	२२	२७	मे. ४६/४४
१०	श	४६	८	अ	४५	१३	अ	१८	४२	व	१८	५३	२२	८	५२	७	२३	२८	मेषे
११	र	३९	१३	भ	४०	२७	सु	११	२	व	१२	४१	२१	८	५२	८	२४	२९	वृ.५३।५८
१२	चं	३१	२६	कृ	३४	२९	धृ	२/२३	५०/२४	कौ	५	१९	२०	८	५२	९	२५	३०	वृषे
१३	मं	२२	२३	रो	२७	३८	गं	४२	४४	व	२२	२३	१९	८	५२	१०	२६	१	मि. ५४।०
१४	बु	१३	०	मृ	२०	२२	बृ	३२	१६	श	१३	०	१८	८	५२	११	२७	२	मिथुने
३०	गु	३	३४	आ	१३	१४	ध्रु	२२	१३	ना	३	३४	१७	९	५१	१२	२८	३	क.५३।१८

गीष्मर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.

भ.२३।११ उ. ५५।० या. आर्द्रा. रविः×
मघा.४शनिः ३०/२८ चतुर्थी व्र.रा.आषाढारंभः
भ.५९।१३उ.
भ.२८।४३या.
[×३९।५९ (सौरः५८।१८) मार्गीबुधः÷
[÷९।१८मघा.सिंहे भौमः१९।४६
भ.१८।५३उ.४६।८या.
पुन.शुक्रः४२।३६योगिनी११व्र.
मृगे बुधः३२।२४प्रदोषः
भ.२२।२३ उ. ४७/४२ या. धनि. १ राहुः=
[=आश्ले.३केतुः४६।३२जौलाई७ता.३१:

११ पं.आ.कृ. ४ र.इ. ३०/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	८	२	४	९	२
७	०	१९	२५	११	९	२७	७
२९	४३	२०	३७	९	५७	९	१०
३१	५२	१०	३४	७	५०	२७	५४
५७	३७	५/२२	१६/३	७४	४	३	५६
१३	१	मा.	व.	३२	४४	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं चना जौ मक्का वाजरा सोना चांदी लोहा गुड सक्कर तेज होवे फिर सुदी में मन्दे हो वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

१२ पं.आ.कृ. ११र.इ. ३०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	८	२	४	९	२
१४	४	२२	२४	१९	१०	२६	१३
९	५१	३७	४६	४५	३२	४७	४९
५८	२५	४१	४८	२१	३८	१२	०
५७	३७	४१	४६/३	७४	५	३	५६
७	३०	१३	वं.	३२	५	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९३४स.२००८
१	गु	५१	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	शु	४६	५३	पु	६	४६	व्या	१२	४०	बा	२०	४७	३४/१६	५/९	५६/५१	१३	२९	४	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	४०	४६	पु	१/२८	५६/१८	ह	४/८	५२/४५	तै	१३	५०	१५	९	५१	१४	१	५	सिं. ५७/४६	पुन. रविः ३७।४९ रज्जव७
४	र	३६	२२	म	५५	४९	सि	५१	२	व	८	३४	१४	९	५१	१५	२	६	सिंहे	भ.८।३४ उ.३६।२२ या. पुन. रविः+
५	चं	३४	१९	पू	५६	२४	व्य	४७	१९	ब	५	२०	१३	९	५१	१६	३	७	सिंहे	कर्के शुक्रः५०।२
६	मं	३४	१४	उ	५८	४३	व	४५	१०	कौ	४	१६	११	१०	५०	१७	४	८	कं.११।५९	[+सौरः२।२० मिथुनेबुधः३६।२६
७	बु	३६	११	ह	६०	०	प	४४	५०	ग	५	१३	१०	१०	५०	१८	५	९	कन्यायां	भ.३६।११ उ.
८	गु	४०	७	ह	४	१३	शि	४५	११	वि	८	८	८	१०	५०	१९	६	१०	तु.३६।३५	भ.८/६या. पुष्ये शुक्रः ३५/४ वक्रीपूषा३ गुरुः ५४/२०
९	शु	४५	७	चि	८	५६	सि	४६	५५	बा	१२	३७	७	११	४९	२०	७	११	तुलायां	आर्द्रा. बुधः२९।१४
१०	श	१५	१४	स्वा	१६	६	सा	४९	८	तै	१८	११	५	११	४९	२१	८	१२	तुलायां	
११	र	५७	२९	वि	२३	१२	शु	५१	३४	व	२४	२२	३	११	४९	२२	९	१३	वृ. ६।३३	भ. २४/१२ उ. ५७/२९ या. पूफा. भौमः ४०।५४÷
१२	चं	६०	०	अ	३१	१३	शु	५४	८	व	३०	३१	१	१२	४८	२३	१०	१४	वृश्चिके	[÷शुक्रोदयःदश्चिमायां ३/६ देवशयनी ११व्र.
१२	मं	३	३२	ज्ये	३८	२५	ब्र	५६	१७	बा	३	३२	३३/५९	१२	४८	२४	११	१५	ध. ३/५६	प्रदोषः
१३	बु	९	२०	मू	४५	२७	ऐं	५८	३	तै	९	२०	५७	१३	४७	२५	१२	१६	धनुषि	कर्केऽर्कः ७।१५(सौरः३५।४)
१४	गु	१४	११	पू	५१	१२	वै	५८	५९	व	१४	११	५५	१३	४७	२६	१३	१७	धनुषि	भ.१४।११ उ.४६।२या. वायुपरीक्षा
१५	शु	१७	५३	उ	५६	११	वि	५९	६	ब	१७	५३	५२	१४	४६	२७	१४	१८	म. ७।२६	पुन.बुधः ४७/२४ बुधास्तःपूर्वस्यां २१/५६ व्यासपूजा

१३ पं.आ.शु.४ र. इ. ३०/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	८	२	४	९	२
२०	९	२९	२३	२८	११	२६	२०
५०	१	५२	५३	२१	११	२४	२६
२४	३४	३४	३१	२९	६	५६	५४
५७	३७	७८	५/२	७४	५	३	५६
७	४४	१९	व.	३२	३२	११	५०

गोचर ग्रहाः

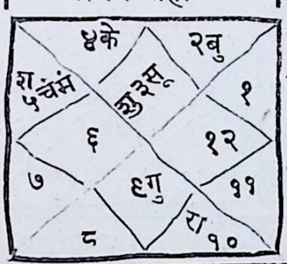

आषाढ ७ शुक्ले.१३
बुधे कर्केऽर्कः प्रविष्टः
वा.५ न.५ युवावस्था
(सूती) मु. ३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

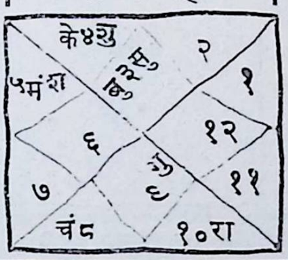

१४ पं.आ.शु.११ र.इ. ३०/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	८	३	४	८	२
२७	१३	१०	२२	[illegible]	११	२६	२७
३०	१३	१५	५९	५७	५२	२	५
४३	२६	५०	३१	४३	४१	२१	०
५७	३८	६/०	५/२	७४	५	३	५६
११	८	३३/४४	व.	२६	२८	१९	५४

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेत्ति महाः
१	श	२०	४९	श्र	५९	४७	प्री	५८	२१	कौ	२०	४९	३३/५०	५/१४	६/४६	२८	१५	१९	मकरे	पुष्ये रविः ३६।३३
२	र	२२	२८	ध	६०	०	आ	५६	४९	ग	२२	२८	४८	१४	४६	२९	१६	२०	कुं. ३१।७	भ.५२।४३ उ. पुष्ये रविः सौरः ५।४५
३	चं	२२	५९	ध	२	२७	सौ	५४	२५	वि	२२	५९	४५	१५	४५	३०	१७	२१	कुम्भे	भ.२२।५९ या. आश्ले.शुक्रः २३/५ चतुर्थी व्र.
४	मं	२२	२८	श	४	१	शो	५१	१५	बा	२२	२८	४३	१५	४५	३१	१८	२२	मी. ४९/३८	
५	बु	२१	४	पू	४	५१	अ	४७	२२	तै	२१	४	४०	१६	४४	१	१९	२३	मीने	कर्के बुधः ४३/७ रा.श्रावणारंभःनाग५मरुस्थल
६	गु	१८	४४	उ	४	३८	सु	४२	३२	व	१८	४४	३८	१६	४४	२	२०	२४	मीने	भ.१८।४४ उ.४७।५ या.
७	शु	१५	२५	रे	३	३१	धृ	३७	६	ब	१५	२५	३५	१७	४३	३	२१	२५	मे. ३।३१	पुष्ये बुधः १०।२९
८	श	११	१०	अ	१/२३	५६/५९	शू	३०	४७	कौ	११	१०	३३	१७	४३	४	२२	२६	मेषे	पूफा. १ शनिः ५८२७
९	र	६	३	कृ	५४	२५	गं	२३	४४	ग	६	३	३०	१८	४२	५	२३	२७	वृ.१२।२३	भ.३२।५८ उ. ५९।५३ या.
१०	र	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×अगस्तदता.३१ हरियाली सूर्यग्रहणम्
११	चं	५२	५८	रो	४९	३२	वृ	१६	१	ब	२६	२८	२७	१९	४१	६	२४	२८	वृषे	कामिका ११ व्र. स्मा.
१२	मं	४५	२५	मृ	४४	७	ध्रु	७/३८	५१/१५	कौ	१९	११	२४	१९	४१	७	२५	२९	मि१६।५०	कामिका ११ व्र. वै.
१३	बु	३७	३१	आ	३८	२६	ह	४९	४७	ग	११	२८	२२	२०	४०	८	२६	३०	मिथुने	भ.३७।३१ उ. प्रदोषः
१४	गु	२९	३५	पु	३२	३७	व	४०	४९	वि	३	३३	१९	२०	४०	९	२७	३१	क. १९।४	भ.३।३३ या.
३०	शु	२२	१६	पु	२७	२६	सि	३२	२२	ना	२२	१६	१६	२१	३९	१०	२८	१	कर्के	आश्ले. बुधः२९।१६ मघा.सिंहेशुक्रः १४/४४×

१५ पं. श्रा.कृ. २ र.इ. ३०/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	८	३	४	९	३
४	१७	२३	२२	१५	१२	२५	३
११	२८	२८	६	३४	३६	४०	४३
२८	१२	३४	२२	४१	५४	२५	२७
५७	३८	[illegible]	७/४०	७४	६	३	५६
१५	२०	७/१३	व	२६	२०	११	५८

गोचर ग्रहाः

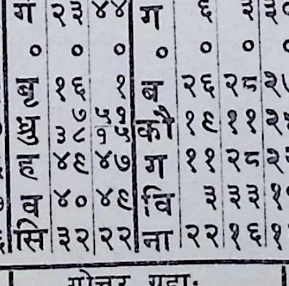

इस मास में ५
शनिवार अशुभ हैं,
गेहूं जौ चना बाजरा
सोना चांदी गुड में
तेजी हो प्रजामे कष्ट
वर्षा कहीं कम कहीं
अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

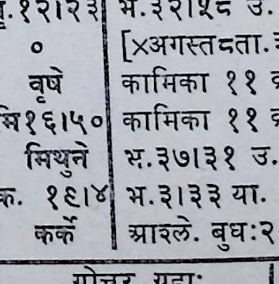

१६ पं.श्रा. कृ.९ र. इः ३०/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	८	३	४	९	३
१०	२१	८	२१	२४	१३	२५	१०
५२	४५	११	१६	१०	२३	१८	२२
३०	११	१७	४१	४८	२८	९	४४
४७	३८	[illegible]	१६/५	७४	६	३	५७
२०	४३	५	व	२५	३२	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९६३ स.२००८
१	श	१६	१	श्ले	२३	१६	व्य	२४	४१	व	१६	१	३/१ ३/३	२५/१	३६/१	११	२९	२	सिं. २३/१९	आश्ले. रविः३३।३४
२	र	११	१४	म	२०	२९	व	१८	७	कौ	११	१४	१०	२२	३८	१२	३०	३	सिंहे	आश्ले. रविःसौरः३६/२ चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	चं	८	१६	पू	१९	३३	प	१३	८	ग	८	१६	७	२३	३७	१३	१	४	कं.३४।४७	भ.३७।४३उ.उफा.भौमः२४/० सावान८तीज
४	मं	७	१०	उ	२०	२८	शि	९	२२	वि	७	१०	४	२३	३७	१४	२	५	कन्यायां	भ.७।१०या. वरद४
५	बु	८	१४	ह	२३	२९	सि	७	४१	बा	८	१४	०	२४	३६	१५	३	६	तु.५५।५५	नाग पंचमी. याजुषा मुपाकर्म.
६	गु	११	१५	चि	२८	२२	सा	७	२१	तै	११	१५	३५/२७	२५	३५	१६	४	७	तुलायां	मघा. सिंहे बुधः१२।७
७	शु	१५	४५	स्वा	३४	३२	शु	८	१	व	१५	४५	५४	२५	३५	१७	५	८	तुलायां	भ.१५।४५ उ.४८।३५ या.
८	श	२१	२४	वि	४१	३७	शु	९	५१	ब	२१	२४	५०	२६	३४	१८	६	९	वृ.२४।५०	कन्यायां भौमः३२/४९ वक्री पूषा.२ गुरुः५।५३ [+पवित्रा ११ व्र.
९	र	२७	३६	अ	४९	१३	ब्र	१२	४	कौ	२७	३६	४७	२७	३३	१९	७	१०	वृश्चिके	
१०	चं	३३	४७	ज्ये	५६	१५	ऐं	१४	३३	तै	०	४१	४४	२७	३३	२०	८	११	ध. ५६/३६	बुधोदयः पश्चिमायां४०।०
११	मं	३९	४०	मू	६०	०	वै	१६	५७	व	६	४३	४०	२८	३२	२१	९	१२	धनुषि	भ.६।४३उ.३९।४०या. पूफा. शुक्रः४।९+
१२	बु	४४	२३	मू	३	३८	वि	१८	४१	ब	१२	१	३७	२९	३१	२२	१०	१३	धनुषि	[÷रक्षा बन्धन भद्रोत्तरं चंद्रग्रहणम्
१३	गु	४७	५०	पू	९	३८	प्री	१९	४०	कौ	१६	७	३३	२९	३१	२३	११	१४	म.२५।४७	पूफा. बुधः३१।१९प्रदोषः
१४	शु	५०	७	उ	१४	१५	आ	१९	३५	ग	१८	५९	३०	३०	३०	२४	१२	१५	मकरे	भ.५०।७उ.
१५	श	५०	४३	श्र	१७	३८	सौ	१८	२७	वि	२०	२५	२६	३१	२९	२५	१३	१६	कुं.४८।३८	भ. २०।२५ या. मघा. सिंहेऽर्कः२७।३६÷

१७पं.श्रा.शु.२ र.इ. ३०।१

रा	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	८	४	४	९	३
१७	२६	२२	२०	२	१४	२४	१७
३४	५	४४	३१	४७	११	५५	२
१२	६	४९	२६	४६	४२	५४	३२
५७	३८	२०/३	१६	७४	६	३	५७
५५	३	१	व.	२०	४८	११	१२

गोचर ग्रहाः

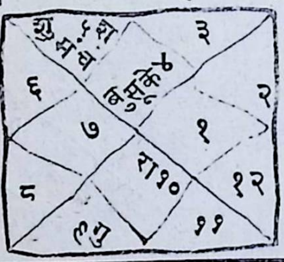

श्रावण शुक्ले १५ शनौ
सिंहेऽर्कः प्रविष्टः
वा.४ न.५ बालावस्था
(बैठी) मु. ३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

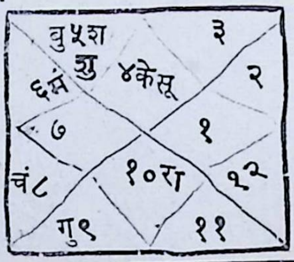

१८पं. श्रा.शु.९ र.इ. ३०।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	८	४	४	९	३
२४	०	६	१९	११	१५	२९	२३
१६	२७	१२	५२	२३	१	३३	४३
३७	७	७	३०	३५	४८	२८	३९
५७	३९	८/०	५/२१	७४	७	३	५७
३३	११	५०	व	११	२	१५	२२

२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.:
१	र	५८	१०	ध	१९	३८	शो	१६	१७	बा	२०	२६	३/२ २/२	३ ५/२	२ ६/८	२६	१४	१७	कुंभे	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः५ ३/७ ग्रस्तं शनेः २१/५३
२	चं	४८	२५	श	२०	११	अ	१२	५८	तै	१९	२७	१९	३२	२८	२७	१५	१८	कुंभे	[+भाद्रपदारंभः जन्माष्टमी . स्मा.
३	मं	४५	४०	पू	१९	५२	सु	८	५२	व	१७	२	१५	३३	२७	२८	१६	१९	मी. ४।५६	भ.१७।२उ.४५।४० या.
४	बु	४२	१७	उ	१८	४७	धृ	४/५	५३/३९	ब	१३	५८	१२	३४	२६	२९	१७	२०	मीने	चतुर्थी व्र.
५	गु	२८	२	रे	१६	५३	गं	५२	४७	कौ	१०	१०	८	३४	२६	३०	१८	२१	मे.१६।५३	चंद्र षष्ठी
६	शु	३३	५३	अ	१४	३३	वृ	४६	३५	ग	५	५८	४	३५	२५	३१	१९	२२	मेषे	भ.५३/३३उ. उफा. बुधः५३/२९ उफा. शुक्रः५६/३
७	श	२९	११	भ	११	५६	ध्रु	४०	६	वि	१	३२	१	३६	२४	१	२०	२३	वृ.२६।८	भ.१।३२या. पूफा. २ शनिः४६।१६रा.+
८	र	२४	४	कृ	८	४६	व्या	३३	११	कौ	२४	४	३१/५७	३७	२३	२	२१	२४	वृषे	कन्यायां बुधः४९।४४ जन्माष्टमी व्र. वै.
९	चं	१८	३०	रो	५	२०	ह	२६	२५	ग	१८	३०	५३	३७	२३	३	२२	२५	मि. ३३/२९	भ.४५।३५उ. कन्ययां शुक्रः३८।२४हस्ते×
१०	मं	१२	४०	मृ	३ १/७	५६/७	व	१८	४१	वि	१२	४०	४९	३८	२२	४	२३	२६	मिथुने	भ.१२।४०या. [×भौमः३०।३४गोगा९
११	बु	६	४६	पु	५३	४३	सि	११	१०	बा	६	४६	४६	३९	२१	५	२४	२७	क.३९।२६	अजा११व्र.
१२	गु	०	४६	पु	४९	५०	व्य	४६/३	५२/३८	तै	०	४६	४२	४०	२०	६	२५	२८	कर्के	भ.५५।९उ.वत्स द्वादशी प्रदोषः
१३	गु	५४	२३	०	०	०	०	०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷कुशा ग्रहणी पिठोरी३०
१४	शु	५०	४	श्ले	४६	४३	प	४९	३७	वि	२२	३६	३८	४०	२०	७	२६	२९	सिं४६।४३	भ.२२।३६या.
३०	श	४६	८	म	४४	१५	शि	४३	८	च	१८	६	३४	४१	१९	८	२७	३०	सिंहे	पूफा. रविः १७।१२ (सौरः ५३।४८)÷

१९ पं.भा.कृ.१ र.इ. २९/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	८	४	४	९	४
०	४	५८	१९	१९	१५	२४	०
५९	५२	२६	१३	५९	५३	११	२५
५३	५२	३८	५५	४९	१०	२३	५२
५७	३९	२०/०	४/८	७४	७	३	५७
४०	१८	५३	व.	२	८	११	३४

गोचर ग्रहाः

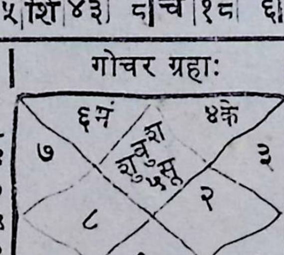

इस मास में
५ रविवार अशुभ हैं
धान्य गल्ला किराणा
चांदी सोना रुई
पाट सण वारदाना
में घटाबढी चले रोग
भय बढे।

गोचर ग्रहाः

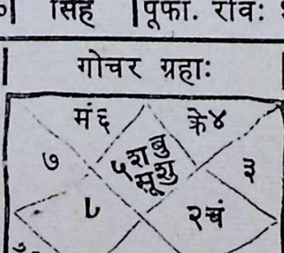

२०पं.भा. कृ.८ र. इ. ३९/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	८	४	४	९	४
७	९	२९	१	२८	१६	२३	७
४४	१९	२९	५६	३५	४५	४९	८
२०	४४	२०	२८	२०	१४	७	२१
५७	३९	९१	३/१	७३	७	३	५७
४९	४१	४७	" .	५७	१४	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५९/२ स.२००८
१	र	४३	२०	पू	४३	८	सि	३८	७	किं	१४	४४	३१/०	५/४२	६/१८	९	२८	३१	कं.५८।१७	हस्ते बुधः५५।३४
२	चं	४२	१४	उ	४३	४५	सा	३४	१४	बा	१२	४७	२६	४३	१७	१०	२९	१	कंन्यायां	चंद्रदर्शनं सितम्बर९ ता. ३०
३	मं	४२	५५	ह	४५	५३	शु	३१	३२	तै	१२	३५	२२	४४	१६	११	१	२	कन्यायां	हस्ते शुक्रः४७।२९ श्रवण.४राहुः आश्ले×
४	बु	४५	२५	चि	४९	४५	शु	३०	२१	व	१४	१०	१८	४४	१६	१२	२	३	तु.१७।४९	भ.१४।१०उ.४५।२५या. गणेश चतुर्थी
५	गु	४९	२५	स्वा	५५	९	ब्र	३०	८	ब	१७	२५	१५	४५	१५	१३	३	४	तुलायां	ऋषिपंचमी
६	शु	४५	४४	वि	६०	०	ऐं	३१	२८	कौ	२२	०५	११	४६	१४	१४	४	५	वृ. ४५।५	[×२केतुः३८।४०रमजान९हरितालिका३
७	श	६०	०	वि	१	४४	वै	३३	१७	ग	२७	४६	७	४७	१३	१५	५	६	वृश्चिके	[=नवल दुर्गे
७	र	०	४४	अ	८	४५	वि	३५	३१	व	००	४४	३	४७	१३	१६	६	७	वृश्चिके	भ.०।४४उ.३३।५०या.
८	चं	६	५६	ज्ये	१६	२८	प्री	३७	५८	ब	६	५६	३०/५९	४८	१२	१७	७	८	ध. १६/२८	मार्गी गुरुः ४८।४८या.
९	मं	१२	५६	मू	२३	५०	आ	३९	४९	कौ	१२	५६	५५	४९	११	१८	८	९	धनुषि	[Aशुक्रः२२।०
१०	बु	१८	१०	पू	३०	२०	सा	४१	३१	ग	१८	१०	५१	५०	१०	१९	९	१०	म.४६।३३	भ.४९।५८उ. रामदेवजी का मेला=
११	गु	२१	४६	उ	३५	१४	शो	४१	३९	वि	२१	४६	४७	५१	९	२०	१०	११	मकरे	भ· २१।४६या.जलझूनी ११व्र.
१२	शु	२४	५	श्र	३७	२२	अ	४०	४३	बा	२४	५	४३	५१	९	२१	११	१२	मकरे	चित्रा.बुधः३१।८वामन जयंती प्रदोषः
१३	श	२४	२६	ध	४०	४७	सु	३८	२८	तै	२४	२६	३९	५२	८	२२	१२	१३	कुं. ९।५	उफा.रविः१।३७(सौरः३६/५८)चित्रा.A
१४	र	२२	५८	श	४०	४९	धृ	३४	४४	व	२२	५८	३५	५३	७	२३	१३	१४	कुम्भे	भ.२२।५८उ.५१।३७या. अनंत १४
१५	चं	२०	१५	पू	३९	३३	शू	२९	५५	ब	२०	१५	३१	५४	६	२४	१४	१५	मी. २४/५२	चित्रा. भौमः३।४४महालयारंभः

२१ पं.भा.शु.१ र.इ. ३९/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	८	५	४	९	४
१४	१३	९	१८	७	१७	२३	१३
३०	४९	२५	४१	१०	३८	२६	५४
०	३४	५२	६	१६	२	५१	३४
५८	३९	७८	४ १/३	७३	७	३	५७
१	५६	४४	व.	५०	२०	११	५७

२२ पं.भा.शु. ७ र. इ. २९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	८	५	४	९	४
२१	१८	१७	१८	१४	१८	२३	२०
१७	२१	५९	३५	४४	३१	४	४१
२	४०	२८	२४	५३	२६	३६	१३
५८	४०	६२	१ ०/३	७३	७	६	५८
१३	३	३०	व.	४४	२०	११	१२

२३ पं.भा.शु.१४र.इ. २९/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	८	५	४	९	४
२८	२२	२४	१८	२४	१९	२२	२७
५	५६	४२	३९	१८	२४	४२	२९
२४	५३	२५	२९	४३	२२	२०	३२
५८	४०	४१	५६	७३	७	३	५८
२६	१३	५२	मा.	३२	१७	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भा. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा
१	मं	१६	६	उ	३७	१७	गं	२३	५०	कौ	१६	६	३०/७	५/५५	६/३	२५	१५	१६	मीने	कन्यायामर्कः२६।५८
२	बु	११	११	र	३३	५३	वृ	१७	२०	ग	११	११	२२	५६	४	२६	१६	१७	मे.३३।५३	भ.३८।३०उ. कन्यायामर्कः सौरः३।३९
३	गु	५	४९	अ	३०	१३	ध्रु	१०	६	वि	५	४९	१८	५६	४	२७	१७	१८	मेषे	भ.५।४९या. चतुर्थी व्र.
४	गु	५३	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[× शुक्रः ३५।३७
५	शु	५३	५०	भ	२६	१०	व्या	२/४४	५२/२३	कौ	२६	४४	१४	५७	३	२८	१८	१९	वृ.४०।१९	तुलायां शुक्रः८।२१पूफा.३शनिः१०।५२
६	श	४८	१०	कृ	२२	४७	व	४७	४६	ग	२१	०	९	५८	२	२९	१९	२०	वृषे	भ.४८।१०उ. [+ सौभाग्यवतीनां श्रा.)
७	र	४२	४४	रो	१८	३५	सि	४०	२६	वि	१५	२७	५	५९	१	३०	२०	२१	मी.४६/५२	भ.१५।२७या.उदयं शनेः५३।४८
८	चं	३७	३१	मृ	१५	९	व्य	३३	२२	बा	१०	८	३०/००	६/००	६/००	३१	२१	२२	मिथुने	वक्री बुधः ५३।१७
९	मं	३२	४९	आ	११	५५	ब	२६	२९	तै	५	१०	२९/५६	१	५/५९	१	२२	२३	क. ५४/५२	रा. आश्विनारंभः मातृ९+
१०	बु	२८	१५	पु	९	११	प	१९	५९	व	०	३३	५२	२	५८	२	२३	२४	कर्के	भ.०।३३उ.२८।१५या. स्वात्यां×
११	गु	२४	२०	पु	६	५६	शि	१३	५३	बा	२४	२०	४८	२	५८	३	२४	२५	कर्के	तुलायां भौमः १०।२५ इंदिरा ११ व्र.
१२	शु	२०	५९	श्ले	५	१०	सि	८	११	तै	२०	५९	४४	३	५७	४	२५	२६	सिं. ५।१०	हस्ते रविः४०।७ प्रदोषः
१३	श	१८	३४	म	४	४	सा	३/७	५५/३७	व	१८	३४	४०	४	५६	५	२६	२७	सिंहे	भ.३६/३४उ.४७/५०या.हस्तेरविःसौरः१६।९
१४	र	१७	६	पु	३	५२	शु	५५	१४	श	१७	६	३६	५	५५	६	२७	२८	कं. १९।८	शस्त्रादि हतानां श्रा.
३०	चं	१६	५३	उ	४	५५	ब्र	५२	३८	ना	१६	५३	३२	६	५४	७	२८	२९	कन्यायां	सर्व पितृ३० सोमवती

२४पं.आ.कृ. ७ र. इ. २९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	८	८	६	४	९	५
४	२७	२८	१८	२	२०	२२	४
५५	३४	३९	५२	५२	१६	२०	१९
१६	१९	१४	२३	१	२६	५	३९
५८	४०	९	२	७३	७	३	५८
३८	३०	५४	१६	२०	८	११	४५

गोचर ग्रहाः

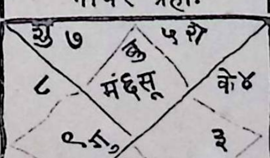

आश्विन कृष्णे १भौमे
कन्यायामर्कः प्रविष्टः
वा.४ न.४ युवावस्था
(सूती)मु.४५धान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

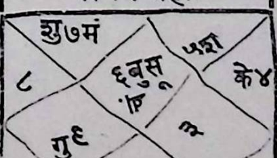

२५पं. आ.कृ.१४ र.इ. २८/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	८	६	४	९	५
११	२	२७	१९	११	२१	२१	११
४६	१४	५७	१४	२५	७	५७	१०
५२	४९	४०	५३	१२	५९	४९	३९
५८	४०	३९/२१	३	७३	७	३	५९
५३	३५	व.	३७	११	२	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति:	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६०/३२ सन् २००८
१	मं	१८	०	ह	७	११	ऐं	५१	३०	ब	१८	०	२९/२८	६/६	५/५४	८	२९	३०	तु.३८।५५	बुधास्तः पाश्चिमायां २५।२१ +
२	बु	२०	४१	चि	१०	३९	वै	५०	५६	कौ	२०	४१	२३	७	५३	९	३०	१	तुलायां	चंद्रदर्शनम् अक्टूबर१० ता. ३१
३	गु	२४	४०	स्वा	१५	३५	वि	५१	३१	ग	२४	४०	१९	८	५२	१०	१	२	तुलायां	भ.५७।१६उ. सव्वाल १०
४	शु	२९	५२	वि	२१	५९	प्री	५२	५५	वि	२९	५२	१५	९	५१	११	२	३	वृ. ५।२३	भ.२९/५२या. [+नवरात्रारंभ:मातामह श्रा.
५	श	३५	४९	अ	२८	५६	आ	५४	८	ब	२	४४	११	१०	५०	१२	३	४	वृश्चिके	वक्री हस्ते बुध: २०५८
६	र	४२	१०	ज्ये	३६	३५	सौ	५७	४१	का	८	५९	७	११	४९	१३	४	५	ध ३६।३५	विशा.शुक्र:३१।४२स्वात्यां भौम:४।५
७	चं	४८	३१	मू	४४	४	शो	५९	५५	ग	१५	२०	३	११	४९	१४	५	६	धनुषि	भ. ४८।३१ उ.
८	मं	५४	८	पू	५१	१०	अ	६०	०	वि	२१	२०	२८/५९	१२	४८	१५	६	७	धनुषि	भ.२१।२० या.
९	बु	५८	२६	उ	५७	६	अ	१	४६	बा	२६	१७	५५	१३	४७	१६	७	८	म.७।३८	पूषा.३ गुरु:२६।३०
१०	गु	६०	०	श्र	६०	०	सु	२	४६	तै	२९	५१	५१	१४	४६	१७	८	९	मकरे	अस्तो भौम: ३२।२१
१०	शु	१	२०	श्र	१	३५	धृ	२	४०	ग	१	२०	४७	१५	४५	१८	९	१०	कुं. ३२/५५	भ.३५/४७उ.चित्रा रवि: १२।१९(सौर:४६/४३)
११	श	२	१४	ध	४	१६	शू	१/६	५६/५१	वि	२	१४	४३	१५	४५	१९	१०	११	कुंभे	भ. २।१४या. पापां कुशा ११ व्र.
१२	र	१	८	श	५	४	वृ	५३	२०	बा	१	८	३९	१६	४४	२०	११	१२	मी. ४९।७	प्रदोष: [Bबुधोदय: पूर्वस्यां४८।१४
१३	र	५७	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷व्र. का.स्ना. प्रा.
१४	चं	५३	२२	पू	३	४८	ध्रु	४७	११	ग	२५	४७	३५	१७	४३	२१	१२	१३	मीने	भ५३।२२उ. वृश्चिके शुक्र:४५।०B
१५	मं	४७	२०	उ	०/१५	५६/३६	व्या	३९	४७	वि	२०	२१	३१	१८	४२	२२	१३	१४	मे.५६।५२	भ.२०।२१ या.शरद पूर्णिम कोजागरी÷

२६पं.आ.शु.६ र.इ.२८।४८।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	८	६	४	९	५
१८	६	२१	१९	१९	२१	२१	१८
४०	५६	४५	४५	५६	५८	३५	५
८	५६	१४	५०	२९	५	३३	२६
५९	४१	८३/४९	४	७२	६	३	५९
९	७	व.	४७	५२	५७	११	१६

गोचर ग्रहाः

इसमास में गेहूं जौ चना चांदी रुई सोना तिल घृत गुड सक्कर तेल चीनी आदि पदार्थ मंदेहोकर अन्त में तेंज होवे।

गोचर ग्रहाः

२७ पं.आ.शु. १२ र.इ.३८/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	८	६	२	९	५
२५	११	१४	२०	२८	२२	२१	२५
३५	४२	५२	२४	२७	४६	१३	१
२	१८	३७	५८	४०	१६	१८	८
५९	४१	४४/२०	५	७२	६	३	५९
२१	२४	व.	५६	३२	३२	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	बु	४०	२२	अ	५१	३९	ह	३१	२७	बा	१३	५१	२८/३७	६/१९	५/४१	२३	१४	१५	मेषे	[=मार्गी बुध:१।३५अनु.शुक्र:२७।३३
२	गु	३२	४१	भ	४५	५८	व	२२	३१	तै	६	३१	२३	१९	४१	२४	१५	१६	वृ.५९।३५	भ.५८।५१उ.तुलायामर्क: ५५।५८ =
३	शु	२५	२	कृ	४०	१९	सि	१३	२१	वि	२५	२	२०	२०	४०	२५	१६	१७	वृषे	भ.२५।२या. तुलायामर्क:सौर:२९।२७÷
४	श	१७	४०	रो	३४	५३	प	४/२५	५/१७	बा	१७	४०	१६	२१	३९	२६	१७	१८	वृषे	[÷पूफा. ४ शनि:२९।१४करकचतुर्थी व्र.
५	र	१०	४८	मृ	३०	१	प	४७	२१	तै	१०	४८	१२	२२	३८	२७	१८	१९	मि. २।२७	[+३८।०रा. कार्तिकारंभ:
६	चं	४	४६	आ	२६	४	शि	३९	३६	व	४	४६	८	२२	३८	२८	१९	२०	मिथुने	भ.४।४६ उ:३२।१३ या.
७	चं	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	मं	५५	२५	पु	२२	४९	सि	३२	४४	बा	२७	३२	४	२३	३७	२९	२०	२१	क.८।३८	[=ज्येष्ठा. शुक्र:२९।२९रूप१४
९	बु	५२	१९	पु	२०	३८	सा	२६	३२	तै	२३	५२	०	२४	३६	३०	२१	२२	कर्के	
१०	गु	५०	२	श्ले	१९	२८	शु	२१	२३	ब	२१	१०	२७/५६	२५	३५	१	२२	२३	सिं. ३१/२९	भ२१।१०उ.५०।२या.स्वात्यां रवि:+
११	शु	४८	५६	म	१९	१९	शु	१६	५८	ब	१९	२९	५३	२५	३५	२	२३	२४	सिंहे	स्वात्यां रवि:सौर:३१/३०विशा.भौम:३१।८×
१२	श	४८	५१	पू	२०	४	बृ	१३	२१	कौ	१८	५३	४९	२६	३४	३	२४	२५	क. ३५/३५	
१३	र	४९	५४	उ	२२	३	ऐं	१०	४४	ग	१९	२२	४५	२७	३३	४	२५	२६	कन्यायां	भ.४९।५४उ. प्रदोष: धन१३
१४	चं	५२	४	ह	२५	४	वै	८	५८	वि	२०	५९	४१	२८	३२	५	२६	२७	तु. ५७।७	भ. २०।५९ या. चित्रा. बुध: ३७।१९=
३०	मं	५५	२७	चि	२९	११	वि	७	५२	च	२३	४६	३७	२९	३१	६	२७	२८	तुलायां	महा लक्ष्मी पूजनम् [×रमा११व्र.

२८ पं.का.कृ.५ र.इ. ३८/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	८	७	४	९	६
२	१६	१४	२१	६	२३	२०	२
३१	३०	४४	१२	५७	३२	२१	५८
२६	४७	३५	११	४७	३५	२	३४
५९	४१	४३/२	६	७२	६	३	५९
३४	३४	मा	४९	१४	२०	११	४६

गोचर ग्रहाः

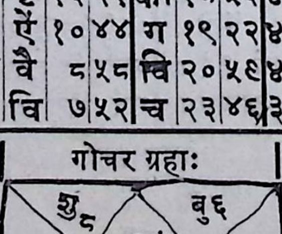

कार्तिक कृष्णे २ गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ५ प्रगल्या-वस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

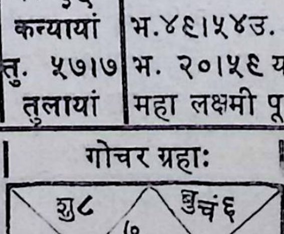

२९ पं.का.कृ.२ र.इ. ३८/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	८	७	४	९	६
९	२१	२१	२२	१५	२४	२०	८
२९	२१	३४	६	२६	१६	२८	५७
४२	४०	३७	४०	३८	१२	५७	५४
५९	४१	५१	७	७१	३	३	६०
४७	५०	३४	५९	५५	५३	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०५१ स.२००८
१	बु	५९	५५	स्वा	३५	१३	प्री	७	४०	किं	२७	१४	२७/३४	२६/२	५/३१	७	२८	२९	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	गु	६०	०	वि	४०	३८	आ	८	२०	बा	३२	३६	३०	३०	३०	८	२९	३०	वृ. २४/१७	चंद्र दर्शनं भातृ२यम२
२	शु	५	१७	अ	४७	२४	सौ	९	४८	कौ	५	१७	२७	३१	२९	९	१	३१	वृश्चिके	तुलयां बुधः५५।२३जिल्काद११
३	श	११	४९	ज्ये	५५	१	शो	११	४३	ग	११	४९	२३	३१	२९	१०	२	१	ध. ५५।११	भ.४४।४८उ.नवम्बर११ता३०
४	र	१७	४७	मू	६०	०	अ	१३	४५	वि	१७	४७	१९	३२	२८	११	३	२	धनुषि	भ.१७।४७या.
५	चं	२४	२३	मू	२	३०	सु	१६	१३	बा	२४	२३	१८	३३	२७	१२	४	३	धनुषि	पूषा.४गुरुः५०।२
६	मं	३०	२६	पू	१०	११	धृ	१८	४४	तै	३०	२७	१२	३४	२६	१३	५	४	म.२६।५१	श्रवण.३राहुः आश्ले.१केतुः ३०।५५÷
७	बु	३५	२२	उ	१६	५१	शू	२०	१८	ग	२	५५	९	३४	२६	१४	६	५	मकरे	भ.३५/२२उ.विशा.रविः५/२६स्वात्यांबुधः९/२
८	गु	३९	१७	श्र	२२	३३	गं	२१	३	वि	७	२०	५	३५	२५	१५	७	६	कुं. ५४/३४	भ.२०/७या.विशा.रविः सौरः२७/५४ गोपाष्टमी
९	शु	४१	२१	ध	२६	३५	वृ	२०	३३	बा	१०	१९	२	३६	२४	१६	८	७	कुम्भे	मूले धनुषि शुक्रः२९।७वृश्चिके भौमःA
१०	श	४१	२८	श	२८	५२	ध्रु	१८	४७	तै	११	२६	२६/५८	३६	२४	१७	९	८	कुम्भे	[÷बुधास्तःपूर्वस्यां१७।३४
११	र	३९	२४	पू	२९	५	व्या	१५	१४	व	१०	२१	५५	३७	२३	१८	१०	९	मी. १४।२	भ.१०।२१उ.३९।२४या. प्रबोधिनी११×
१२	चं	३५	१९	उ	२७	११	ह	१०	०	ब	७	२३	५२	३८	२२	१९	११	१०	मीने	[A४६।२७अक्षय९
१३	मं	२९	२६	रे	२३	२९	व	३८/३	५१/४४	का	२	२३	४९	३८	२२	२०	१२	११	मे.२३।२९	प्रदोषःवैकुंठ१४ [×व्र.तुलसी विवाहः
१४	बु	२१	५८	अ	१८	१३	व्य	४५	४७	व	२१	५८	४५	३९	२१	२१	१३	१२	मेषे	भ.२१।५८उ.४७।४३या.अनु.भौमः ३/३
१५	गु	१३	२८	भ	११	५६	व	३५	४९	ब	१३	२८	४२	४०	२०	२२	१४	१३	बृ.२५।११	विशा. बुधः१८।१७मन्वादिः का. स्ना. पू.

३०पं.का.शु.४ र.इ.२८।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	८	७	४	९	६
१६	२६	२	२३	२३	२४	२०	१५
२९	१६	२६	७	५४	५७	६	५८
२८	१	१७	५२	४७	१४	३१	५८
६०	४२	९४	८	७१	५	३	६०
४	०	४१	५३	३२	३१	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथी क्षय शुक्ल पक्ष की तिथी वृद्धि धान्य वाजरा मूगं मोठ चांदी सोना मंदी करे रुई तेज होवे ।

गोचर ग्रहाः

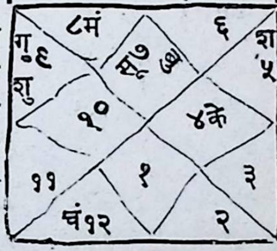

३१ पं.का.शु.११र. इ. २७/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	-८	८	४	९	६
२३	१	१४	२४	२	२५	१९	२३
३०	११	४	१४	२०	३५	४४	१
५०	१७	३७	५३	४६	१०	१५	३२
६०	४२	९९	९	७१	५	३	६०
१७	१०	४	४२	७	२	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	शु	४	२८	कृ	५४/३	५२/४४	प	२५	२१	कौ	४	२८	२६/३९	६/४०	५/२०	२३	१५	१४	वृषे	
२	शु	५०	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श	४६	४०	मृ	५०	४१	शि	१४	५८	ब	२१	३	३६	४१	१९	२४	१६	१५	मि२४।१०	भ.२१।३उ.४६।४०या.बृश्चिकेऽर्कः५४/३१
४	र	३८	४१	आ	४४	३५	सि	४/४८	५०/३०	व	१२	४०	३३	४१	१९	२५	१७	१६	मिथुने	बृश्चिकेऽर्कःसौरः२२।११चतुर्थी व्र.
५	चं	३१	५४	पु	३९	३३	शु	४६	३७	कौ	५	२०	३०	४२	१८	२६	१८	१७	क २५।४९	
६	मं	२६	३२	पु	३५	५६	शु	३९	३१	व	२६	३२	२७	४३	१७	२७	१९	१८	कर्कें	भ.२६।३२उ.५४।४२या.पूष।शुक्रः४०/२४
७	बु	२२	५२	श्ले	३३	५६	ब्र	३३	७	ब	२२	५२	२५	४३	१७	२८	२०	१९	सिं. ३३/५६	अनुं. रविः १२।५१ (सौरः ३८।५९)+
८	गु	२०	२५	म	३३	२२	ऐं	२८	९	कौ	२०	२५	२२	४४	१६	२९	२१	२०	सिंहे	[+बृश्चिके बुधः२०।३१
९	शु	१९	३६	पू	३४	१२	वै	२४	२३	ग	१९	३६	१९	४४	१६	३०	२२	२१	कं.४९।४७	भ.४९।५४अनु. बुधः३७।५३
१०	श	२०	१३	उ	३६	३५	वि	२१	५५	वि	२०	१३	१७	४५	१५	१	२३	२२	कन्यायां	भ. २०।१३ या. उषा. १ गुरुः ५८।५४=
११	र	२२	१४	ह	४०	३	प्री	२०	३१	बा	२२	१४	१४	४५	१५	२	२४	२३	कन्यायां	उफा. १शनिः५०।३८उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	२५	२८	चि	४४	४६	आ	२०	७	तै	२५	२८	१२	४६	१४	३	२५	२४	तु.१२।२५	[=रा. मार्गशीर्षारंभः
१३	मं	२९	४४	स्वा	५०	३४	सौ	२०	२६	व	२९	४४	९	४६	१४	४	२६	२५	तुलायां	भ.२९।४४उ. प्रदोषः
१४	बु	३५	५	वि	५७	११	शो	२१	१२	वि	२	२४	७	४७	१३	५	२७	२६	वृ.४०।३२	भर।२४ या.
३०	गु	४०	४३	अ	६०	०	अ	२२	५९	च	७	५४	५	४७	१३	६	२८	२७	वृश्चिके	

३२ पं. मा.कृ.४ र. इ. २७/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	८	८	४	९	७
०	६	२५	२५	१०	२६	१९	०
३३	१०	१३	२८	४४	८	२२	५
२९	१६	४१	१२	२	४६	०	३६
६०	४२	९९	१०	७०	४	३	६०
३०	२६	२३	२६	३०	३८	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे ३शनौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्ठा.: वा.३ न.३ बृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

३३पं.मा.कृ.११ र.इ. २७/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	८	८	४	९	७
७	११	६	२६	१९	२६	१८	७
३७	११	२३	४५	३	३८	५९	११
२६	३१	३८	२२	५०	२८	४४	९
६०	४२	०	११	६९	३	३	६०
४२	४६	३४	५	५२	५८	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०८१स.२००८
१	शु	४६	५१	अ	४	११	सु	२४	३६	किं	१३	४७	२६/२	६/४८	५/१२	७	२६	२८	वृश्चिके	उषा. शुक्राः५१।१२ चंद्रदर्शनम्
२	श	५३	१५	ज्ये	११	४०	धृ	२६	५६	बा	२०	३	०	४८	१२	८	३०	२६	ध. ११/४०	ज्येष्ठा.बुधः०।४जिल्हेज१२
३	र	५९	५२	मू	१६	८	शू	२९	१६	तै	२६	३४	२५/५८	४८	१२	९	१	३०	धनुषि	भ. ३२।५६ उ. ज्येष्ठा. भौमः ०।३७+
४	चं	६०	०	पू	२६	४४	गं	३१	३१	व	३२	५६	५६	४६	११	१०	२	१	म. ४३/३२	भ. ६।६ या. ज्येष्ठा. रविः २२।५८=
४	मं	६	६	उ	३३	५४	वृ	३३	१६	वि	६	६	५४	४६	११	११	३	२	मकरे	[=सौरः ५/४ ३/३)मकरे शुक्रः ४५/०पातमोक्षः ८/४०
५	बु	११	२२	श्र	४०	१०	ध्रु	३४	४४	बा	११	२२	५३	४६	११	१२	४	३	मकरे	चंपा ६
६	गु	१५	५३	ध	४५	१६	व्या	३५	१६	तै	१५	५३	५१	५०	१०	१३	५	४	कुं. १२/४३	भ.१८।५२उ.४६।३२या.
७	शु	१८	५२	श	४६	१	ह	३४	२८	व	१८	५२	४९	५०	१०	१४	६	५	कुंभे	[+दिसम्बर१२ ता.२१ पातस्पर्शः४६।२३
८	श	२०	१२	पू	५१	४	व	३२	२६	ब	२०	१२	४८	५०	१०	१५	७	६	मी. ३५/३४	
९	र	१६	४६	उ	५१	७	सि	२८	५५	कौ	१६	४६	४६	५१	९	१६	८	७	मीने	
१०	चं	१७	४	रे	४६	१२	व्य	२३	४१	ग	१७	४	४५	५१	९	१७	९	८	मे. ४९/१२	भ.४४।५२उ.मूले धनुषि बुधः२५।१४
११	मं	१२	४१	अ	४५	१५	व	१७	३	वि	१२	४१	४४	५१	९	१८	१०	९	मेषे	भ.१२।४१या.उषा.२मकरे गुरुः३१।३३÷
१२	बु	६	१०	भ	३९	४४	प	४५/८	३७/५०	बा	६	१०	४३	५१	९	१९	११	१०	वृ. ५३।५	प्रदोष.
१३	बु	५२	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷मोक्षदा११ व्र.गीताजयंती
१४	गु	४६	२२	कृ	३३	७	सि	४८	५७	ग	२२	५६	४२	५२	८	२०	१२	११	वृषे	भ.४६।२२उ.श्रवणे शक्रः६।५७
१५	शु	३६	४५	रो	२५	१६	सा	३७	५६	वि	१४	४०	४१	५२	८	२१	१३	१२	मि. ५१/२६	भ.१४।४०या. दत्त जयंती

३४ पं.मा.शु. ३ र. इ. २७/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	८	८	४	९	७
१४	१६	१७	२८	२७	२७	१८	१४
४२	१६	२५	८	२१	४	३७	१७
४०	१	१	२०	२९	५२	२९	५५
६०	४३	९९	११	६९	३	३	६१
५०	७	२३	४६	३	२३	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चन्द दर्शन सोना चांदी लोहा रुई कपास वस्त्र आदि पदार्थो में तेजी करेगा रस धान्य में मन्दी होकर तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

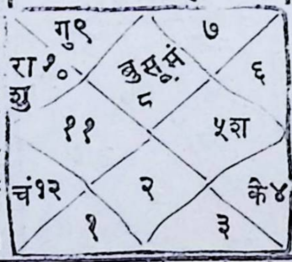

३५ पं.मा.शु.९र.इ. २७।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	८	९	४	९	७
२१	२१	२८	२९	५	२७	१८	२१
४८	२२	२४	३४	३२	२५	१५	२५
४३	२५	५०	३७	४९	५९	१३	३८
६०	४३	९८	१२	६८	२	३	६१
५६	१७	९	१४	१८	३६	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	श	२६	५५	मृ	१७	३४	शु	२६	४२	बा	४	५०	२५/४०	६/२	५/८	२२	१४	१३	मिथुने	
२	र	२०	३२	आ	९	५२	शु	१५	५०	ग	२०	३२	३९	५२	८	२३	१५	१४	क.४६।३८	भ.४६।१३उ. पातस्पर्शः४२।५०
३	चं	११	५४	पु	५४/२	१०/५४	ब्र	२३/५	२९/५०	वि	११	५४	३९	५२	८	२४	१६	१५	कर्के	भ.११।५४या. मूले धनुष्यर्कः३०।१३BA
४	मं	४	३५	श्ले	५३	४४	वै	४८	४	बा	४	३५	३८	५२	८	२५	१७	१६	सिं५३।४४	पूषा. बुधः५३।७
५	मं	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A(सौरः ५/४ ३/३)पातमोक्षः१।४चतुर्थी व्र.
६	बु	५५	२६	म	५०	३१	वि	४१	३३	ग	२७	१३	३८	५२	७	२६	१८	१७	सिंहे	भ.५५।२६उ.
७	गु	५३	५०	पु	५०	८	प्री	३६	२४	वि	२४	४०	३७	५३	७	२७	१९	१८	सिंहे	भ.२४।४०या.
८	शु	५४	२	उ	५१	४४	आ	३२	४९	बा	२३	५६	३७	५३	७	२८	२०	१९	क. ५।३२	मूले धनुषि भौमः ५।३२ बुधोदयः*
९	श	५५	५८	ह	५४	५६	सौ	३१	२	तै	२५	०	३६	५३	७	२९	२१	२०	कन्यायां	[*पश्चिमायां ७।३१
१०	र	५६	२३	चि	५६	३९	शो	३०	१६	व	२७	४१	३६	५३	७	३०	२२	२१	तु.२७।१६	भ.२७।४१उ.५६।२३
११	चं	६०	०	स्वा	६०	०	अ	३०	५५	ब	३१	४६	३६	५३	७	१	२३	२२	तुलायां	धनि. शुक्रः ५६।३१ रा.पौषारंभः=
११	मं	४	१४	स्वा	५	३७	सु	३१	५५	बा	४	१४	३६	५३	७	२	२४	२३	वृ. ५५/४२	सफला११व्र. वै.
१२	बु	९	५४	वि	१२	२४	धृ	३३	४६	तै	९	५४	३७	५३	७	३	२५	२४	वृश्चिके	उषा.३गुरुः४८।५८प्रदोषः
१३	गु	१५	५१	अ	१९	४४	शू	३५	५०	व	१५	५१	३७	५३	७	४	२६	२५	वृश्चिके	भ.१५।५१उ.४९।१६या. उषा. बुधः ३०/५७
१४	शु	२२	४०	ज्ये	२७	२०	गं	३८	२	श	२२	४०	३७	५३	७	५	२७	२६	ध.२७।२०	[=सफला११व्र.स्मा
३०	श	२९	४	मू	३४	५३	बृ	४०	१५	ना	२९	४	३८	५२	८	६	२८	२७	धनुषि	मकरे बुधः५०।५०

३६ पं,पौ.कृ. २ र. इ. २३/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	९	९	४	९	७
२८	२६	९	१	१३	२७	१७	२८
५५	३१	२३	३	४०	४१	५२	३४
३७	४१	४९	५०	४८	५३	५७	२१
६१	४३	९६	१२	६७	१	३	६१
०	३७	५४	३२	१७	५३	११	१९

गोचर ग्रहाः

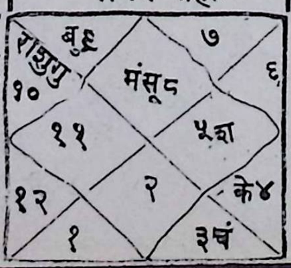

पौष कृष्णे ३ चंद्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

३७पं.पौ.कृ. १० र.इ. २६/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	९	९	४	९	८
६	१	२०	२	२१	२७	१७	५
३	४३	१९	३६	३७	५२	३०	४३
१४	१	२६	१४	५२	४१	४२	४६
६१	४३	९३	१२	६६	१	३	६१
४	४७	५५	५९	१	१३	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५/११ स.२००८
१	र	३५	२६	पू	४२	१०	ध्रु	४२	१८	किं	२	१५	३५/३८	५६/२	५/८	७	२९	२८	म.५८।५५	पूषा. रविः ३५।१३ (सौरः ५२।२१)A
२	चं	४१	१९	उ	४९	८	व्या	४४	१२	बा	८	२३	३९	५२	८	८	३०	२९	मकरे	चंद्र दर्शनम् [Aकुंभे शुक्रः५६।२२
३	मं	४६	२०	श्र	५५	१४	ह	४५	२१	तै	१३	५०	४०	५२	८	९	१	३०	मकरे	मोहरम१सन् १४३०दि.
४	बु	५०	४१	ध	६०	०	व	४५	४४	व	१८	३१	४१	५२	८	१०	२	३१	कुं.२७।५६	भ.१८:३१उ.५०।४१या.
५	गु	५३	५६	ध	०	३९	सि	४५	२८	व	२२	१९	४२	५२	८	११	३	१	कुंभे	वक्री शनिः ५८/४८ जनवरी१ता.३१सन्२००९
६	शु	५५	४६	श	५	४	व्य	४४	२२	कौ	२४	५१	४३	५१	९	१२	४	२	मी.५२/१८	[+३९।५८(सौरः५३।४८)
७	श	५६	१५	पू	८	२	व	४१	५६	ग	२६	०	४४	५१	९	१३	५	३	मीने	भ.५६।१५उ.
८	र	५५	२	उ	९	३९	प	३८	२२	वि	२५	३८	४५	५१	९	१४	६	४	मीने	भ.३५/३८या. श्रवणे बुधः४१/५३शते शुक्रः१।५
९	चं	५२	१९	रे	९	४१	शि	३३	२६	बा	२३	४०	४७	५१	९	१५	७	५	मे.९।४१	पूषा. भौमः५७।३
१०	मं	४७	४०	अ	७	४८	सि	२६	५८	तै	१९	५९	४८	५०	१०	१६	८	६	मेषे	श्रवण.२राहुःपुष्य.४केतुः२३।१
११	बु	४१	३६	भ	२४/२	५५/७	सा	१९	१९	व	१४	३८	५०	५०	१०	१७	९	७	वृ.१८।८	भ.१४।३८उ.४१।३६या.पुत्रदा११व्र.
१२	गु	३४	१०	रो	५३	१०	शु	१०	२३	ब	७	५३	५२	५०	१०	१८	१०	८	वृषे	उषा.४गुरुः७।५३
१३	शु	२५	२१	मृ	४५	५७	शु	३/३	४/२ ९/३	तै	२५	२१	५३	४९	११	१९	११	९	मि१९।३४	प्रदोषः
१४	श	१५	५९	आ	३८	२३	ऐं	३९	१	व	१५	५९	५५	४९	११	२०	१२	१०	मिथुने	भ. १५।५९उ.४१।११ या. उषा रविः+
१५	र	६	२२	पु	३०	३५	वै	२७	५६	ब	६	३२	५७	४९	११	२१	१३	११	कं.१७।३२	वक्री बुधः५१।५१मा. स्ना. प्रा.

३८ पं.पौ. शु. १ र. इ. ३६/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	९	४	९	८
१३	६	०	४	२९	२७	१७	१२
११	५६	५१	१०	२७	५७	८	५३
१३	५६	४	३७	५४	२९	२६	३८
६१	४४	८५	१३	६४	०	३	६१
६	४	४७	२०	३५	२६	११	६२

३९ पं.पौ. शु ८ र. इ. २६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	१०	४	९	८
२०	१२	९	५	७	२७	१६	२०
१९	१३	४४	४६	६	५७	४६	२
२६	१	२४	५५	३६	५०	११	३५
६१	४४	६२	१३	६२	२१	३	६१
६	२२	४	२६	५३	व.	११	२६

४०पं.पौ. शु. १५ र.इ.२६/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	१०	४	९	८
२७	१७	१५	७	१४	२७	१६	२७
२७	३०	७	२४	३१	५२	२३	१३
२२	५४	४१	४७	१६	२६	५५	२७
६१	४४	५	१३	६०	१/८	३	६१
६	३१	२०	३२	३८	व.	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाः
१	र	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+३७।४४(सौरः४८।४९)
२	चं	४८	३८	पु	२३	४७	वि	१७	३४	तै	२२	५२	२५/५९	४६/८	५/१२	२२	१४	१२	कर्के	[÷पूर्वस्यां २८।२४
३	मं	४१	३४	श्ले	१७	५१	प्री	६/२	५९/३१	व	१५	७	२६/१	४८	१२	२३	१५	१३	सिं. १७/५१	भ.१५।७उ.४१।३४या. मकरेऽर्कः५६।२२
४	बु	३६	१०	म	१३	४३	सौ	५२	५६	ब	८	५२	४	४७	१३	२४	१६	१४	सिंहे	मकरेऽर्कःसौरः ९/१५ अस्तं गुरोः ७/१२ चतुर्थी व्र.
५	गु	३२	५८	पू	११	४	शो	४७	४५	कौ	४	३४	६	४७	१३	२५	१७	१५	कं.२६।०	बुधास्तः पश्चिमायां०।४७
६	शु	३१	५५	उ	१०	४७	अ	४४	१६	ग	२	२७	८	४६	१४	२६	१८	१६	कन्यायां	भ.३१।५५उ.पूभा.शुक्रः४५।१
७	श	३२	५२	ह	१२	४०	सु	४२	३२	वि	२	२४	११	४६	१४	२७	१९	१७	तु४४।३१	भ.२।२४या.वक्री उषा.बुधः५९।९
८	र	३५	४७	चि	१६	२२	धृ	४२	२५	बा	४	१७	१३	४५	१५	२८	२०	१८	तुलायां	[=उषा.भौमः२३।२५प्रदोषः
८	चं	४०	२५	स्वा	२१	५०	शू	४३	५	तै	८	६	१६	४५	१५	२९	२१	१९	तुलायां	[×२८।५२(सौरः४०।३६)
९	मं	४५	४	वि	२८	१३	गं	४४	४६	व	१३	१५	१९	४४	१६	३०	२२	२०	वृ.११।३७	भ.१३।१५उ.४६।४या. अभि. प्र. रविः×
१०	बु	५२	३४	अ	२५	५२	वृ	४६	५९	ब	१९	१९	२१	४४	१६	१	२३	२१	वृश्चिके	रा. माघारंभः षट् तिला११व्र.
११	गु	५९	१७	ज्ये	४३	१६	ध्रु	४९	२६	कौ	२५	५५	२४	४३	१७	२	२४	२२	ध४३।१६	श्रवण.१गुरुः१७।२१
१२	शु	६०	०	मू	५१	१	व्या	५१	३९	ग	३२	५८	२७	४३	१७	६	२५	२३	धनुषि	श्रवणे रविः ४५।२९ (सौरः ५६।३२)=
१३	श	६	४०	पू	५८	१३	ह	५३	३६	व	६	४०	२९	४२	१८	४	२६	२४	धनुषि	भ.६।४०उ.३९।११या.अभि. नि. रविः+
१४	र	११	४२	उ	६०	०	ब	५५	२	श	११	४२	३२	४२	१८	५	२७	२५	म.१४।५५	
३०	चं	१७	९	उ	५	२	सि	५५	५३	ना	१७	९	३५	४१	१९	६	२८	२६	मकरे	वक्री धनुषि बुधः १५।२५ बुधोदयः÷

४१पं.मा.कृ. ८ र. इ. २६/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	९	१०	४	९	९
४	२२	९	९	२१	२७	१६	४
३५	५१	२२	३	३७	४१	१	२२
१३	५४	१२	४३	५५	४९	३९	५६
६१	४४	८२/४९	१३	३७	४६/१	३	६१
३	३८	व.	३८	५७	व.	११	१९

ग्रोचर ग्रहाः

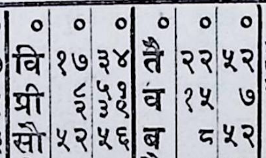

माघ कृष्णे ४ बुधे मकरेऽर्क. प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

ग्रोचर ग्रहाः

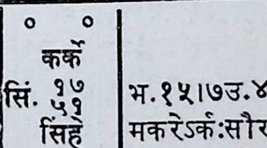

४२ पं.मा.कृ.१४ र.इ. ३६/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	८	१०	४	९	९
११	२८	०	१०	२८	२७	१५	११
४२	१२	५४	४२	२५	२६	३९	३१
४०	३२	१४	५८	२६	२	२४	४७
६०	४४	६६/२७	१३	५४/१७	२/२५	३	६१
५९	४७	व.	२८	व.	व.	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तुं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६१/४१ स.२००९
१	मं	२१	३४	श्र	१०	४०	व्य	५६	८	ब	२१	३४	२६/३८	६/४०	५/२०	७	२९	२७	कु. ४३।९	मीने शुक्रः१०।४८ मकरे भौमः ५०।२६×
२	बु	२५	४	ध	१५	३८	व्र	५५	३१	कौ	२५	४	४१	४०	२०	८	१	२८	कुंभे	सफर२ [×चंद्र दर्शनम्
३	गु	२७	३९	श	१९	३२	प	५३	५९	ग	२७	३९	४५	३९	२१	९	२	२९	कुम्भे	भ.५८।१६उ.
४	शु	२८	५४	पू	२२	२६	शि	५१	४४	वि	२८	५४	४८	३८	२२	१०	३	३०	मी. ६।४३	भ.२८।५४या. उभा. शुक्रः५०।७
५	श	२९	२३	उ	२४	१४	सि	४८	४३	बा	२९	२३	५१	३८	२२	११	४	३१	मीने	वसंत५
६	र	२८	२८	रे	२४	५३	सा	४४	४०	तै	२८	२८	५४	३७	२३	१२	५	१	मे.२४।५३	फर्वरी २ ता.२८
७	चं	२६	३१	अ	२४	२८	शु	३९	३१	व	२६	३१	५८	३६	२४	१३	६	२	मेषे	भ.२६।३१ उ ५४।५४ या. मार्गी बुधः=
८	मं	२३	१७	भ	२२	४०	शु	३३	३२	ब	२३	१७	२७/१	३६	२४	१४	७	३	वृ.३६।५८	भीष्माष्टमी [=७।७भानु७रथ७
९	बु	१८	५३	कृ	१९	५१	ब्र	२६	२५	कौ	१८	५३	५	३५	२५	१५	८	४	वृषे	[÷श्रवण.२गुरुः२१।८
१०	गु	१३	११	रो	१५	४१	ऐं	१८	२६	ग	१३	११	८	३४	२६	१६	९	५	मि. ४३।७	भ. ३९।५१ उ. धनि. रविः ५३।४७÷
११	शु	६	३२	मृ	१०	३३	वै	९	३५	वि	६	३२	१२	३४	२६	१७	१०	६	मिथुने	भ.६।३२ या. धनि. रविः सौरः २।२२+
१२	शु	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Bउदयो भौमः४७।३५
१३	श	५०	३७	आ	३४/३	२३/२५	वि	०/७	५०/२	कौ	२४	४३	१५	३३	२७	१८	११	७	क. ४४/३७	मकरे बुधः२७।५५प्रदोषः [+जया११व्र.
१४	र	४२	२	पु	५१	२८	आ	४०	५	ग	१६	२०	१९	३२	२८	१९	१२	८	कर्के	भ.४२।२उ. वक्री पूफा. ४शनिः५१।५८B
१५	चं	३३	४६	श्ले	४५	१७	सौ	३०	२७	वि	७	५४	२३	३१	२९	२०	१३	९	सिं. ४५/१७	भ.५४/७या.श्रवणेभौमः४५/४६मा. स्ना. पूर्तिः

४३ पं. मा.शु.६ र. इ. २६/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	९	११	४	९	९
१८	३	२७	१२	४	२७	१५	१८
४९	३५	४०	२३	३९	५	१७	३९
१६	४९	५२	१०	५८	३१	८	५२
६०	४४	५३/२	१३	४९	३/७	३	६१
५५	५६	व.	३८	४४	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

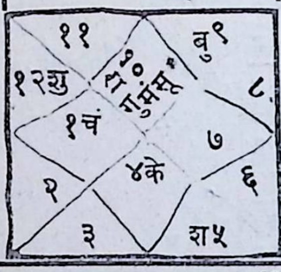

इस मास में ५ सोमवार

सभी धान्य बाजरा मूंग मोठ को मंदा करें सुदि में धान्य धातु तेज हो प्रजा में सुख शांति रहे। शीत अधिक पडे।

गोचर ग्रहाः

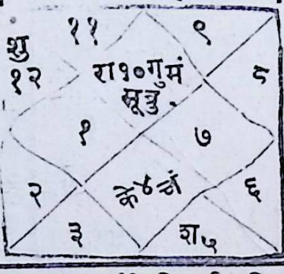

४४पं.मा.शु.१४र.इ. २३/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	९	११	४	९	९
२५	९	०	१४	१०	२६	१४	२५
५५	०	३५	१	१७	४१	५४	४६
१	२५	२८	५२	१०	३५	५३	३९
६०	४५	३६/१०	१३	४३	४/३६	३	६०
४७	१४	मा	३२	५३	व.	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तुं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा०
१	मं	२६	२८	म	४०	१४	शा	२१	३७	बा	०	७	२६/२७	६/२९	५/३१	२१	१४	१०	सिंहे	उदयं गुरोः ४३।१२
२	बु	२०	२६	पू	३६	३६	अ	१३	४६	ग	२०	२६	३०	३०	३०	२२	१५	११	कं.५१।५	भ.४८।९उ.
३	गु	१५	५३	उ	३४	३१	सु	७	१३	वि	१५	५३	३४	२९	३१	२३	१६	१२	कन्यायां	भ.५५/५३या.कुंभेऽर्कः२९/३(सौरः३६/२०)चतुर्थी व्र.
४	शु	१३	३४	ह	३४	४१	धृ	२२/५	५६/४३	बा	१३	३४	३८	२८	३२	२४	१७	१३	कन्यायां	पातस्पर्शः ४९।४८
५	श	१३	१४	चि	३६	५३	गं	५७	४७	तै	१३	१४	४१	२८	३२	२५	१८	१४	तु.५।४७	पातमोक्षः १।२६
६	र	१४	५८	स्वा	४१	५	वृ	५७	२४	व	१४	५८	४५	२७	३३	२६	१९	१५	तुलायां	भ.१४।५८उ.४६।५४ या.
७	चं	१८	५०	वि	४६	४०	ध्रु	५८	३१	ब	१८	५०	४९	२६	३४	२७	२०	१६	वृ.३०।१७	
८	मं	२४	१	अ	५३	४१	व्या	६०	०	कौ	२४	१	५३	२५	३५	२८	२१	१७	वृश्चिके	[×(सौरः११।४२)श्रवण.३ गुरुः४५।०
९	बु	३०	२०	ज्ये	६०	०	व्या	०	२६	ग	३०	२०	५६	२५	३५	२९	२२	१८	वृश्चिके	श्रवणे बुधः३१।४० रेवत्यां शुक्रः४।५७
१०	गु	३६	५०	ज्ये	१	१२	ह	२	३७	व	५	३५	२८/००	२४	३६	३०	२३	१९	ध.१।१२	भ.५।३५ उ. ३६।५०या.शतेरविः५।१९×
११	शु	४३	१३	मू	८	५०	व	५	६	ब	१०	१	४	२३	३७	१	२४	२०	धनुषि	विजया११ व्र. रा. फाल्गुनारंभः
१२	श	४९	१३	पू	१६	१७	सि	७	१२	कौ	१६	१३	८	२२	३८	२	२५	२१	म. ३२/५२	
१३	र	५४	२२	उ	२२	५९	व्य	८	४०	ग	२१	४७	५२	२२	३८	३	२६	२२	मकरे	भ.५४।२२ उ. प्रदोषः
१४	चं	५८	२	श्र	२८	२३	व	९	२८	वि	२६	११	१६	२१	३९	४	२७	२३	मकरे	भ.२६।११ या. महाशिवरात्री व्र.
३०	मं	६०	०	ध	३२	४९	प	९	२०	च	२९	२५	२०	२०	४०	५	२८	२४	कुं. ०।३६	
३०	बु	०	५०	श	३६	१	शि	८	११	ना	०	५०	२४	१९	४१	६	२९	२५	कुंभे	

४५ पं.फा.कृ.६ र.इ. २६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	११	४	९	१०
२	१४	६	१५	१५	२६	१४	२
५९	२६	५६	३९	५	१३	३२	५२
४९	३१	४२	२५	२४	३४	३७	४२
६०	४५	५९	१३	३५	४/४	३	६०
३७	२२	३३	२२	५६	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्णे ३गुरौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ बालावस्था(बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.कृ.१३र.इ. ५७/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	९	११	४	९	१०
१०	१९	१५	१७	१८	२५	१४	९
३	५३	१४	१५	४७	४२	१०	५७
२२	६	२४	४७	२०	५०	२१	१५
६०	४५	७८	१३	२५	२४/२	३	६०
२५	२८	२	१४	४५	व.	११	२१

* चं रा मं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसन्ततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ६५/७१ स.२००८
१	गु	२	८	पू	३८	२	सि	६	१३	ब	२	८	२८/२८	१६/८	५/४२	७	३०	२६	मी२२।३२	धनि.भौम:४६।४५चंद्र दर्शनम्
२	शु	२	१९	उ	३९	९	सा	१६/३	५६/११	कौ	२	१९	३२	१८	४२	८	१	२७	मीने	रविलावल ३ पातस्पर्शः ३१/४७ पातमोक्षः+
३	श	१	३४	रे	३९	२	शु	५४	५५	ग	१	३४	३६	१७	४३	९	२	२८	मे.३९।२	भ.३०।४०उ.५९।४७या.धनि.बुध:२२।३
४	श	५८	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×(सौर:२६।२९)होलाष्टकम्
५	र	५७	१५	अ	३८	२५	ब्र	४९	५९	ब	२८	३१	४०	१६	४४	१०	३	१	वृ. ५१/२४	मार्च३ता.३१ [+४२।२३ फुलरिया २
६	चं	५३	५८	भ	३६	५८	ऐं	४४	१६	कौ	२५	३७	४४	१५	४५	११	४	२	वृषे	[=पुष्य.३केतु:१७।४८ होलिका दहनम्A
७	मं	५०	२	कृ	३४	४३	वै	३८	८	ग	२२	०	४८	१४	४६	१२	५	३	वृषे	भ.५०।२उ.
८	बु	४५	२१	रो	३१	५३	वि	३१	२३	वि	१७	४२	५२	१४	४६	१३	६	४	मि. ०।१०	भ. १७।४२ या. पूमा. रवि: २१।२५×
९	गु	४०	७	मृ	२८	२८	प्री	२४	१०	बा	१२	४४	५६	१३	४७	१४	७	५	मिथुने	कुंभे बुध:१६।२८वक्री शुक्र:५१।४८
१०	शु	३४	२०	आ	२४	२५	आ	१८	२०	तै	७	१३	२/९	१२	४८	१५	८	६	क:५।५५	श्रवणे.४गुरु:४७।३०
११	श	२८	२	पु	१९	४५	सौ	१२/८	२९/५१	व	१	११	५	११	४९	१६	९	७	कर्के	भ.१।११उ.२८।२या. कुंभे. भौम:२५।५÷
१२	र	२१	१३	पु	१४	५३	अ	५१	२४	बा	२१	१३	९	१०	५०	१७	१०	८	सिं.१०।५	प्रदोष: [÷आमलकी११व्र.
१३	चं	१४	३४	श्ले	१०	१५	सु	४३	१०	तै	१४	३४	१३	९	५१	१८	११	९	सिंहे	शते बुध:१२।१३
१४	मं	८	९	म	५	३७	धृ	३५	४०	व	८	९	१७	९	५१	१९	१२	१०	क.१६।३२	भ.८।९उ.३५।२२ या. श्रवण. १ राहु:=
१५	बु	२	३५	पू	२/८	५७/३४	शू	२९	०	ब	२	३५	२१	८	५२	२०	१३	११	कन्यायां	वसंत१छारेंडी [Aभद्रोत्तरम्

४७ पं.फा.शु. ५ र.इ. २७/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	३	९	११	४	९	१०
१७	२५	२४	१८	२१	२५	१३	१७
५	२०	४८	५०	३	१०	४८	०
३५	१७	५८	३१	३६	२३	६	८
६०	४५	८१	१२	१२	४/३८	३	६०
१२	३८	३१	५३	१९	व.	११	२०

गोचर ग्रहाः

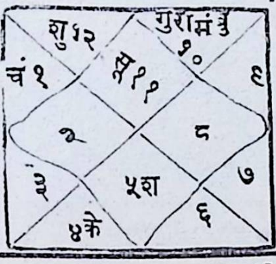

मकरे च स्थिते भौमे घृत तेल महर्घता। सुभिक्षं तत्र धान्यानां लोकाना दु:ख पीडनम्।। इस मास में धान्य धातु मंदे रस तेज रहे

गोचर ग्रहाः

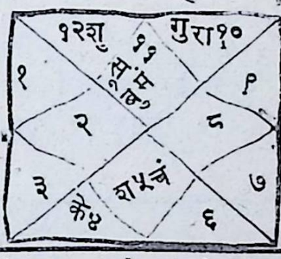

४८ पं.फा. शु.१२र.इ. २७/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	९	११	४	९	१०
२४	०	५	२०	२१	२४	१३	२४
६	२७	२७	२२	३२	३६	२५	१
२२	५३	४३	५२	५३	५८	५०	३१
५२	४५	५७	१२	७/३७	४/४०	३	६०
५८	४६	४५	२६	व.	व.	११	६

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०६५ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	बु	५५	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५५	३०	ह	५८	५६	गं	२३	२८	तै	२६	५४	२९/२६	६/७	५/५३	२१	१४	१२	कन्यायां	[×पूफा.३शनि:४५।५६ प्रदोष:
३	शु	५४	२८	चि	६०	०	बृ	१९	२२	व	२४	५९	३०	६	५४	२२	१५	१३	तु.२९।३०	भ.२४।५९उ.५४।२८या.
४	श	५५	२६	चि	०	३	ध्रु	१६	५९	ब	२४	५७	३४	५	५५	२३	१६	१४	तुलायां	मीनेऽर्कः:२२।१८(सौर:२६।५० चतुर्थी व्र.
५	र	५८	१७	स्वा	३	९	व्या	१५	५८	कौ	२६	५२	३८	४	५६	२४	१७	१५	वृ.५१।३५	शते भौम:५८।१४
६	चं	६०	०	वि	७	४४	ह	१६	१	ग	३०	३५	४३	३	५७	२५	१८	१६	वृश्चिके	बुधास्त: पूर्वस्यां४३।१७
६	मं	२	५२	अ	१४	१	व	१७	२७	व	२	५२	४७	३	५७	२६	१९	१७	वृश्चिके	भ. २।५२ उ. ३५/४२ या उभा. रवि:४३/२२ =
७	बु	८	३२	ज्ये	२०	५४	सि	१९	१४	ब	८	३२	५१	२	५८	२७	२०	१८	ध. २०/५४	[=(सौर:४७।२६)पूमा. बुध:५।३०
८	गु	१४	५०	मू	२८	२६	व्य	२१	४२	कौ	१४	५०	५५	१	५९	२८	२१	१९	धनुषि	शीतला पूजनम्
९	शु	२१	८	पू	३५	५८	व	२३	५२	ग	२१	८	३०/००	६/००	६/००	२९	२२	२०	म.५२।४०	भ.५४।६उ.
१०	श	२७	४	उ	४२	४६	प	२५	४७	वि	२७	४	४	५५/९	१	३०	२३	२१	मकरे	भ.२७।४या.
११	र	३२	८	श्र	४८	४०	शि	२६	५०	बा	३२	८	८	५८	२	१	२४	२२	मकरे	मीने बुध: ३७/२४वक्री उभा. शुक्र: १६/३१धनि.÷
१२	चं	३५	४५	ध	५३	८	सि	२६	५०	कौ	३	५४	१२	५८	२	२	२५	२३	कुं.२०।५४	[÷१गुरु:४०/४८रा.चैत्रारंभ:पापमोचनी११व्र.
१३	मं	३८	३	श	५५	५६	सा	२५	३३	ग	६	५४	१६	५७	३	३	२६	२४	कुंभे	भ. ३८।३ उ. उभा. बुध:२२।२१ वक्री×
१४	बु	३८	२८	पू	५७	२५	शू	२३	७	वि	८	१६	२१	५६	४	४	२७	२५	मी. ४२।२	भ.८।१६या.
३०	गु	३७	३८	उ	५७	२८	शु	१९	३७	च	८	३	२५	५५	५	५	२८	२६	मीने	शुक्रास्त: पश्चिमायां६।० मन्वादि:

४९ पं. चै. कृ.५ र.इ: २८/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	९	११	४	९	११
१	६	१७	२१	१९	२४	१३	१
५	१७	६	५२	५८	३	३	२
३५	६	०	३६	५	२९	३५	१३
५९	४५	[illegible]	१२	२१/१७	४/४०	३	५९
४१	४६	[illegible]	८	व.	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

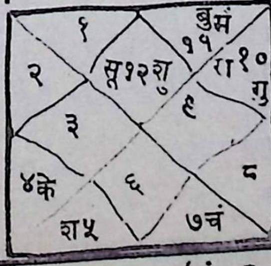

चैत्र कृष्णे ४ शनौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

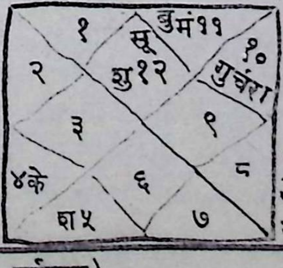

५०पं.चै. कृ. ११ र.इ. ३८/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	९	११	४	९	११
८	११	२९	२२	१६	२३	१२	७
३	४५	४३	१७	३३	३०	४१	५९
१८	१४	५	३८	२२	०	१९	८
५९	४५	[illegible]	११	३३/८	४/२२	३	५९
२९	५०	[illegible]	३४	व.	व.	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

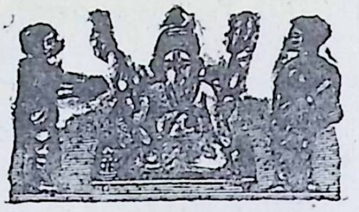

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००,द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०१, भोग्यकलिः ४२६८९०, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६६, शाकः १९३१, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री चन्द्रः । सस्येशोगुरुः । धान्येशो भौमः । मेघेशः रविः। रसेशशनि । नीरसेशोगुरुः । फलेशः रविः । घनेशोबुधः । दुर्गेशःरविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां १६ शुभकृन्नाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमय गतमासादिः ११।११।५।१७ भोग्यमासादिः ०।१८।५४।४३ विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम श्रावणः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणीनिवासः समुद्रे । समयनिवासो मालाकार गृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् दुर्दुरः स्तंभः २ जलतृणयो । सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा १२६, वर्षाविश्वा १३, धान्यम् ११, तृणम् १५, शीतम् १५, तेजः ११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११९' सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःदक्षिणे ग्रहणं ३ सूर्यस्य २ चंद्रमसः १

संवत् २०६६ श्रा.कृ.३० बुधे सूर्य ग्रहणम् "ग्रस्तोदितम्"

	स्पर्श	मध्य	मो.
घ.	५७	५९	२
प.	४४	५८	२५
घं.	५	६	७
मि.	३३	२६	२५

पौष शु. १५ गुरौ चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घ.	४४	४५	४७
प.	१७	५१	२५
घं.	१२	१२	१
मि.	१०	४७	२५

वर्षलग्नम् ६।११

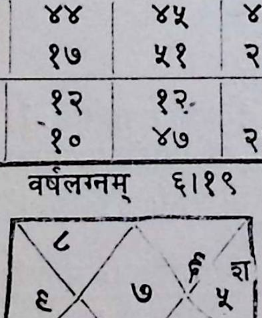

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जयजननी "जगदीश्वरी" तूं जग की प्रतिपाल ।
छयासठ संयतकाकहो श्रीमुख ते सब हाल ।।

भवानी उत्तर

सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्रीदेखतां श्रेष्ट जमानुं होय ।।
छायाकरसी छयासठो प्रजा करे उछाह ।
राजा की रोजी बढे सोरा होसी साह ।।
सस्ता अन्नबिकायसी वहता होसी राह ।
महा माई का वाक्य हैं वाह जमाना वाह ।।
रोहिणी वासो जलधि में संवतमालाकार ।
जलवर्षे हर्षे प्रजा मंगल गावें नार ।।
फलसंवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
"ईश्वरदत्त" रमेश का भजन जगत में सार ।।

सं. २०६६ श्रा. १८३१ माघ कृ. ३० शुक्रे सूर्य ग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	१३	१७	२१
प.	५	०	४४
घं.	११	१	३
मिं.	४१	१५	९

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ८।१०

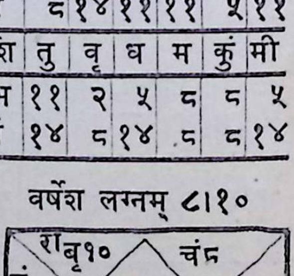

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५८।२०

+बु चं शु सू

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन्वर्षेराजाशुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रस्यराज्येबहु सस्य संकुला सुतीव्रवेगासरितोंबुराशिभिः । फलंतिवृक्षा बहुगोप्रसूति वंसुन्धरा पार्थिवसौख्यसंयुता ।। मंत्रीचंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनिमंत्रीगतेबहु सस्यवत्यपिधरारमरते सुखमंडिता । वियतिवारिधराबहुवर्षिणोजनपदाःसुखराशिसुशोभिताः ।। सस्येशोगुरुःफलम् ।। कणपतौसुरराज पुरोहिते-सकलसौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसिबहूनि वसूनिवै ।। धान्यशोभौमस्तत्फलम् ।। भूमिजे-ग्रीष्मधान्यशेग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृत तैलादिमहर्घाणिभवंतिच ।। मेघेशोरविःफलम् ।। जलदपेयदिवासरपेतदा-सरसिवैरमतेजनता रसम् । पनचणेक्षुनीवार सुशालिभिसुखचयंसुलंभंभुविवर्तते ।। रसेशःशनिःफलम् । रविसुते रसपेरस-संक्षयोनाजलदा गददात्च पयोधराः । अजगवांगजवाजिखरोष्ट्रहा जनपदेषुनराननरसैर्युता ।। नीरसेशोगुरुःफलय् ।। हरिद्रा-पीतवस्तूनिपीतवत्रादिकंचयत् । नीरसेशोयदाजीवःसर्वेषाप्रीतिरुतमा ।। फलेशःरविःफलम् ।। द्रुमवती फल पुण्यवतीधरा प्रभूदिताफलभोगविरोधतः । बहुजलंजलदा भुविमुंचतिक्वचिदयिप्रमितंफलयोरविः । धनेशोबुधस्तत्फलम् ।। द्रविणयोहिम-रश्मिसुतोयदिविविधसंग्रहवस्तुफलातदा । द्विजवरा जययज्ञसुसंयुताः कृषिविशेषविशेषितमानसाः ।। दुर्गेशरविःफलम् ।। नयविशेषकरस्तरणिस्तदागतभयानरराजपुरोगमाः । समधिकेनतदानृपतोन्यतः पार्थिषुसंव्रजतांनभयंक्वचित् ।। शुभकृन्नाम-संवन्सरःफलम् ।। शुभकृद्वन्सरेपृथ्वीसम्पूर्णाःविविधोत्सैवः आतंक चौरा भयदा राजानः समरोत्सुकाः ।। वर्षनाम श्रावणःफलम् ।। मनोल्हादंप्रकुर्वन्तिजनाःसौख्यसमायुताः । श्रांवणे बृष्टिः । रत्युग्रज्ञो महिष्या दिकं सुखम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्तेजल पूरीता । रोहिणी निवासः समुद्रेफलम् ।। समुद्रेतुमहाबृष्टिः । समप निवासो मालिगृहेफलम् ।। मालिनः प्रचुरा बृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०६६ मध्ये विवाहमूहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ८ शुक्रे उषा ल. ऽन्यगो. ८।९ रे. ८।।।।।
(नृ.५०घ.उ.)ऽऽ।।

शुल्का४भौमे मृगे ल. ९(चं.पू.)रे.१०।।।।।।।।।

,, ११ भौमे उफर ल. ऽन्यगो रे. ९।।।।।ऽ।।।

,, १३गुरौ स्वात्यां ल. ९(घ.४२।१४उ.)र.९।।।।।।ऽ।।

ज्वेष्ठ मासः ।

कृष्णा ३ भौमे मूले ल.गो. रे.९।।।।।ऽ।।।

,, १० भौमे उभा ल. १ रे.।।।।।(नृपघ.५०य)।ऽऽ।।

,, ११ बुधे उभा. ल.ऽन्य.गो.९रे.८।।।।।ऽऽ।।

शुल्का ७ शनौ मघा. ल. ऽ न्यगो. रे.६।।।ऽऽचौऽऽ।।

,, ९चन्द्रे उफा. ल.गो. ९ रे८।।।।ऽरोऽ।।

आषाढ मासः।

कृष्ण १ चन्द्रे मूले ल. गो१२रे.७।।।ऽ।(चो.घ. ३९उ)
ऽऽ।।मीने. चौ. पं चकः रे.६

,, ९बुधे रेब ला. ऽन्यगो. रे.८।।।।ऽ अग्नि।ऽ।।

शुल्का४शुक्रे मघा. ल. ऽन्यगो २ रे६।।।ऽऽअऽऽ।।

,, ७रवौ उफा.ल.१२।२ रे६।ऽ।।ऽनृऽऽ।।मीने चन्द्रेऽ
र्च्यः बृष घटी५६।११या.

,, ८चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो रे७।।।।ऽ नृ ।ऽ।ऽ दग्धा

,, १०बुधे स्वात्यां ल. गो. रे८।।।।ऽचौ४२घ.या.।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः ।

शुल्का१५बुधे. रोहि. ल.५ (घ.४३।३७या)रे.७।।।ऽ।ऽऽ।।

पौष मासः ।

कृष्णा९ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. ५ सिंहे लातदोषा ऽ मावः
रे. ६ऽ।।।ऽ(चौ.घ.५१या)।ऽ।ऽ

,, ११शनौ स्वात्यां ल. ५ रे ।।।।ऽ(रो.४९या)।ऽ।।

अत्र क्वचित्स् मृतिदृष्टि दोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६२०० स.२००९
१	शु	३५	१५	र	५६	२१	ब्र	१४	५९	किं	६	२६	३०/२९	५/५४	६/६	६	२९	२७	मे५६।२१	सं वत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	३१	५०	अ	५४	२५	ऐं	९	३७	बा	३	३२	३३	५३	७	७	३०	२८	मेषे	चंद्रदर्शनं सिंधारा
३	र	२७	४६	भ	५१	३९	वै	३/२९	५३/१३	ग	२७	४६	३७	५३	७	८	१	२९	मेषे	भ.५५।२३उ. शुक्रोदयः पूर्वस्यां५८।४८×
४	चं	२३	१	कृ	४८	४०	प्री	४९	५८	वि	२३	१	४१	५२	८	९	२	३०	वृ.५।५४	भ.२३।१या.
५	मं	१८	१८	रो	४५	३१	आ	४३	८	बा	१८	१८	४५	५१	९	१०	३	३१	वृषे	रेवत्यां रविः ११।१ (सौरः १४।५३)=
६	बु	१३	६	मृ	४२	११	सौ	३६	१५	तै	१३	६	४९	५०	१०	११	४	१	मि. ५१/३	पूभा. भौमः५९।५३अप्रेल४ता.३०
७	गु	७	५९	आ	३८	५२	शो	२९	७	व	७	५९	५३	४९	११	१२	५	२	मिथुने	भ.७।५९उ.३५।२८या.
८	शु	२	५७	पु	३५	३२	अ	२२	२	ब	२	५७	५७	४९	११	१३	६	३	कं.२१।२२	राम नवमी [=रेवत्यां बुधः८।४८
९	शु	५४	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×रविलाखर४मत्स्य जयंती गणगौरी
१०	श	५२	३८	पु	३२	७	सु	१४	४६	तै	२५	११	३/१	४८	१२	१४	७	४	कर्के	
११	र	४७	३२	श्ले	२८	५५	धृ	७	५९	व	२०	५	५	४७	१३	१५	८	५	सिं२८।५५	भ.२०।५५उ.४७।३२या. कामदा११व्र.
१२	चं	४२	५३	म	२६	५	शु	२ ३/१	५ ४/१	ब	१५	१३	१०	४६	१४	१६	९	६	सिंहे	अश्वि.मेषे बुधः३५।५६
१३	मं	३८	४७	पू	२३	४७	बृ	४९	२६	कौ	१०	५०	१४	४५	१५	१७	१०	७	कं.३८।२३	प्रदोषः
१४	बु	३५	२९	उ	२२	१४	ध्रु	४४	२७	ग	७	८	१८	४४	१६	१८	११	८	कन्यायां	भ.३५।२९उ. धनि.२गुरुः५४।४२
१५	गु	३३	२५	ह	२१	५०	व्या	४०	३७	वि	४	२७	२२	४४	१६	१९	१२	९	तु.५२।२६	भ.४।२७या. हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.३र.इ.२८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	९	११	४	९	११
१४	१७	१३	२४	१२	२२	१२	१४
५९	१२	१८	४०	१०	५९	१९	५५
१०	४३	४३	५९	४४	५९	३	१७
५९	४५	[illegible]	१०	३६/५	४/५	३	५९
१९	५९	५२	५६	व.	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

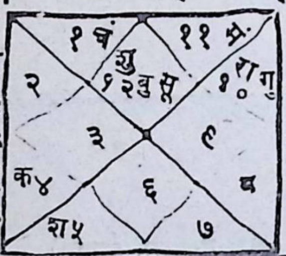

इस मास में धान्य
वाजरा मूंग मोठ
चावल गेहूं चना धातु
सोना चांदी ताम्बा
शक्कर चीनी तेल
घृत तेज होवेंगे।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.शु.११र.इ. २९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	९	११	४	९	११
२१	२२	२७	२५	८	२२	११	२१
५३	४०	४३	५८	११	३१	५६	४९
३१	२६	५	१६	४९	४१	४८	२८
५९	४५	[illegible]	१०	२७/४१	३/४९	३	५९
४	५९	७	१९	व.	व.	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्रः
१	शु	३२	४३	चि	२२	४४	ह	३७	४७	बा	३	४	३१/२६	५/४३	६/१७	२०	१३	१०	तुलायां	
२	श	३३	४४	स्वा	२५	१६	व	३६	३२	तै	३	१४	३०	४२	१८	२१	१४	११	तुलायां	[+वरुथिनी११व्र.
३	र	३६	८	वि	२९	१७	सि	३५	५३	व	४	५५	३४	४१	१९	२२	१५	१२	वृ.१३।१७	भ.४।५५उ.३६।८या.
४	चं	४०	५	अ	३४	५८	व्य	३६	५०	ब	८	५	३८	४०	२०	२३	१६	१३	वृश्चिके	अश्वि. मेषेऽर्कः४४।५९(सौरः४९।२६)÷
५	मं	४५	२३	ज्ये	४१	२४	व	३८	३०	कौ	१२	४४	४२	४०	२०	२४	१७	१४	ध.४१।२४	मीने भौमः५३/१२बुधोदयः पश्चिमायां८/३१
६	बु	५१	२९	मू	४८	४९	प	४०	३०	ग	१८	२६	४६	३९	२१	२५	१८	१५	धनुषि	भ.४१।२९उ.
७	गु	५७	३३	पू	५६	२०	शि	४२	५६	वि	२४	३१	५०	३८	२२	२६	१९	१६	धनुषि	भ.२४।३१या.
८	शु	६०	१०	उ	६०	०	सि	४५	१०	बा	३०	३९	५३	३७	२३	२७	२०	१७	म.१३।१०	मार्गी शुक्रः४७।२१
८	श	३	५	उ	३	३८	सा	४६	४७	कौ	३	५	५७	३७	२३	२८	२१	१८	मकरे	[÷भरण्यां बुधः०।४१चतुर्थी व्र.
१९	र	९	४४	श्र	१०	८	शु	४७	२६	ग	९	४४	३/२१	३६	२४	२९	२२	१९	कु.४२।४०	भ.४०।५९उ.उभा. भौमः२२।३०
१०	चं	१२	४	ध	१५	१२	शु	४६	५७	वि	१२	४	५	३५	२५	३०	२३	२०	कुम्भे	भ.१२।५४या.
११	मं	१५	५२	श	१८	५०	ब्र	४४	५५	बा	१५	५२	९	३४	२६	१	२४	२१	कुम्भे	कृत्ति. बुधः २४।४६ रा. वैशाखारंभः+
१२	बु	१५	५५	पु	२०	३२	ऐं	४१	३३	तै	१५	५५	१२	३४	२६	२	२५	२२	मी.५।७	प्रदोषः
१३	गु	१४	३०	उ	२०	२३	वै	३६	४१	व	१४	३०	१६	३३	२७	३	२६	२३	मीने	भ.१४।३०उ.४२।५६या.
१४	शु	११	२१	रे	१८	३७	वि	३०	३३	श	११	२१	२०	३२	२८	४	२७	२४	मे.१८।३७	बृषे बुधः३७।३९
३०	श	६	२८	अ	१५	३८	प्री	२३	३१	ना	६	२८	२३	२९	३१	५	२८	२५	मेषे	

१पं. वै.कृ.४ चं.इ.४४।५९

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	९	११	४	९	११
०	२९	१४	२७	५	२२	११	२९
०	७	४३	२५	३०	०	३०	५५
०	४८	२३	४८	२२	२२	४०	४१
५८	४५	[illegible]	९	५/२१	३/८	३	५८
४४	५५	५८	२८	व.	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ४ चंद्रे
मेषेऽर्कः प्रविष्टः
वा. ३ न. ४
गतालकावस्था मु.१५
धान्यादि भावे
महर्घता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

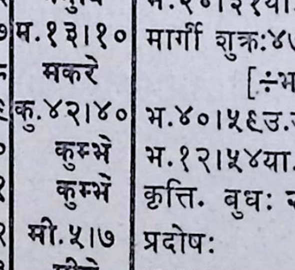

२पं.वै.कृ.१०चं.इ.४५।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	९	११	४	९	०
६	४	२५	२८	५	२१	११	६
५०	२३	५८	३१	२१	३९	८	४५
४२	१८	५९	२४	१४	४०	२४	५२
५८	४५	६२	८	२७/२	२/२३	३	५८
३१	१५	१३	३९	मा	घ.	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६२३० स.२००६
१	र	०	५१	भ	११	२२	आ	१५	३५	ब	०	५१	३२/२७	५/३१	६/२९	६	२९	२६	वृ.२५।१२	चंद्र दर्शनम्
२	र	५३	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	चं	४७	४०	कृ	६	४३	सौ	७/३३	५१/२९	तै	२१	१	३१	३०	३०	७	१	२७	वृषे	
४	मं	४०	५३	रो	५/५८	५५/११	अ	५१	५	व	१४	१६	३४	२९	३१	८	२	२८	मि. ३/५९	भरण्यां रविः२५।१५(सौरः ६/५ ९/१)जमादि×
५	बु	३४	२५	आ	५२	४९	शु	४३	१४	ब	७	४१	३८	३८	३२	९	३	२९	मिथुने	भ.१४।१६उ.४०।५३या.
६	गु	२८	२०	पु	४८	५७	धृ	३५	५०	कौ	१	२२	४१	३८	३२	१०	४	३०	क. ३४/५४	[×लावल ५ परशुराम जयंती अक्षया३
७	शु	२२	५३	पु	४५	३६	शू	२८	४१	व	२२	५३	४५	२७	३३	११	५	१	कर्के	भ.२२।५३ उ. ५०।२९ या. धनि.३कुंभे÷
८	श	१८	४	श्ले	४३	१०	गं	२२	१९	ब	१८	४	४८	२६	१४	१२	६	२	सिं. ४३/१०	पातस्पर्शः०।४६पातमोक्षः१२।२६
९	र	१३	४७	म	४१	८	वृ	१६	२०	कौ	१३	४७	५२	२६	३४	१३	७	३	सिंहे	[÷गुरुः१७।१५मई५ता.३१
१०	चं	१०	२१	पू	४०	१०	ध्रु	११	७	ग	१०	२१	५५	२५	३५	१४	८	४	कं. ५५।५	भ.३८।५९उ.
११	मं	७	३८	उ	३९	४५	व्या	६	३१	वि	७	३८	५८	२४	३६	१५	९	५	कन्यायां	भ.७।३८या. मोहिनी११व्र.
१२	बु	५	५५	ह	४०	२९	ह	२/३८	५७/४	बा	५	५५	३/३	२४	३६	१६	१०	६	कन्यायां	वक्री बुधः१०।४८रेवत्यां भौमः३/४ ०/४प्रदोषः
१३	गु	५	८	चि	४२	१४	सि	५७	२२	तै	५	८	५	२३	३७	१७	११	७	तु. ११/२२	नृसिंह जयंती
१४	शु	५	२०	स्वा	४५	४	व्य	५६	३२	व	५	२०	८	२२	३८	१८	१२	८	तुलायां	भ.५।२०उ.३६।८या.
१५	श	६	५६	वि	४९	११	व	५६	७	ब	६	५६	११	२२	३८	१९	१३	९	वृ. ३३।६	बुधास्तः पश्चिमायां३।६यमायकुंभ दानम्

३पं.वै.शु.३ चं.इ. ४५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	९	११	४	९	०
१३	९	३	२९	७	२१	१०	१३
३९	५६	५५	३३	१३	२३	४६	३४
४७	३८	४१	४	४८	३५	८	१७
५८	४५	२८	७	२५	४/१	३	५८
१९	५०	४३	३८	३५	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

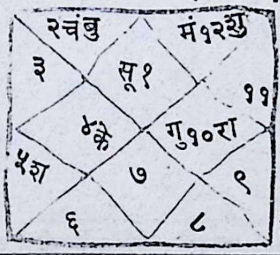

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथी वृद्धि व शुक्ल पक्ष की तिथी क्षय धातु धान्य व रस के भावो में तेजी कारक है तेजी ठहरेगी नही।

गोचर ग्रहाः

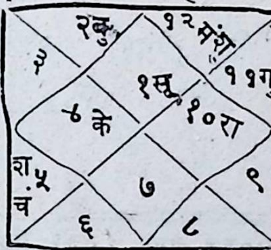

४पं.वै.शु. १० चं.इ. ४५/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	११	४	९	०
२०	१५	७	०	१०	२१	१०	२०
२७	१९	३३	२६	१०	१२	२३	२१
२५	५६	१४	४६	३०	१८	५३	०१
५८	४५	३	६	३३	१/१६	३	५७
६	४६	२९	३७	३	व.	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः स. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैं. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र	९	४८	अ	५४	३१	प	५६	४२	कौ	९	४८	३३/१४	५/२१	६/३२	२०	१४	१०	वृश्चिके	
२	चं	१३	४८	ज्ये	६०	०	शि	५८	१०	ग	१३	४८	१७	२१	३९	२१	१५	११	वृश्चिके	भ.४६।२३उ.कृत्ति. रविः१/१ १/१ (सौरः१/४ ९/३)
३	मं	१८	४८	ज्ये	०	४३	सि	६०	०	वि	१८	५८	२०	२०	४०	२२	१६	१२	ध. ०।४३	भ.१८।५८या. उषा.४राहुः पुष्य.२केतुः+
४	बु	२४	४७	मू	७	३०	सि	०	१४	बा	२४	४७	२३	१९	४१	२३	१७	१३	धनुषि	[+२६।२६चतुर्थी व्र.
५	गु	३०	५२	पू	१५	१९	सा	२	३६	तै	३०	५२	२६	१९	४१	२४	१८	१४	म. ३६/१६	बृषेऽर्कः ३८।२६ (सौरः ४६।३०)÷
६	शु	३७	११	उ	२३	६	शु	४	५७	ग	४	१	२८	१८	४२	२५	१९	१५	मकरे	भ.३७।११उ.
७	श	४२	५६	श्र	३०	१४	शु	७	१८	वि	१०	४	३१	१८	४२	२६	२०	१६	मकरे	भ.१०।४या.मार्गी शनिः१५।२१
८	र	४७	२४	ध	३६	१६	ब्र	८	४१	बा	१५	१०	३४	१७	४३	२७	२१	१७	कुं.३।१५	[÷रेवत्यांशुक्रः५७।५०
९	चं	५०	३८	श	४०	५८	ऐं	९	१३	तै	१९	१	३७	१७	४३	२८	२२	१८	कुंभे	
१०	मं	५१	४३	पू	४३	५३	वै	८	२३	व	२१	१०	३९	१६	४४	२९	२३	१९	मि. २७/१०	भ.२१।१०उ.५१।४३या.
११	बु	५०	५६	उ	४४	४६	वि	६	१	ब	२१	१९	४२	१६	४४	३०	२४	२०	मीने	अपरा११व्र.
१२	गु	४८	८	रे	४३	४३	प्री	५८/१	५४/३०	कौ	१९	३२	४४	१५	४५	३१	२५	२१	मे. ४३/४३	
१३	शु	४३	२२	अ	४०	४८	सौ	४९	२५	ग	१५	४५	४७	१५	४५	१	२६	२२	मेषे	भ.४३।२२उ. रा. ज्येष्ठारंभः प्रदोषः
१४	श	३६	५२	भ	३६	१२	शो	४१	७	वि	१०	७	४९	१४	४६	२	२७	२३	वृ. ४९/४६	भ.१०।७या.
३०	र	२८	१२	कृ	३०	२९	अ	३२	४	च	२	३२	५२	१४	४६	३	२८	२४	वृषे	अश्वि. मेषे भौमः१।५३वट पूजनम्

५पं ज्ये.कृ.२ चं.इ. ४५।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	१०	११	४	९	०
२७	२०	६	१	१४	२१	१०	२७
१३	४०	३५	१३	२६	६	१	६
३७	५५	४२	४८	४९	१४	३७	१५
५७	४५	२५/२४	५	४१	२५/०	६	५७
५४	३१	व.	२९	३९	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णे ५ गुरौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

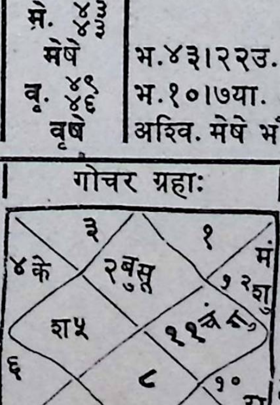

६ पं.ज्ये.कृ.९ चं.इ. ४६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	१०	११	४	९	१
३	२६	३	१	१९	२१	९	३
५८	१	२६	५४	३६	५	३९	४९
३७	५२	२४	१८	२९	४६	२२	५७
५७	४५	३३/४८	४	४७	१४/०	३	५७
४४	१८	व.	३१	४५	मा	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ६२/५९ स. २००९
१	चं	२०	४९	रो	२४	५	सु	२२	२५	ब	२०	४९	३३/५४	५/१३	६/४७	४	२९	२५	मि.५०/५१	रोहि. रविः२।०(सौरः१/३ २/८)चंद्र दर्शनम्
२	मं	१२	५	मृ	१७	३७	धृ	१२	४७	कौ	१२	५	५६	१३	४७	५	१	२६	मिथुने	जमादि लाखर६
३	बु	३	३९	आ	११	१६	शू	३/१०	५०/४८	ग	३	३९	५८	१२	४८	६	२	२७	क.५२।४	भ.२९।४१उ.५५/४३या. वक्री मेषे बुधः४४/२५
४	बु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	४८	३२	पु	५	४०	वृ	४५	३७	ब	२२	१०	३४/००	१२	४८	७	३	२८	कर्के	बुधोदयः पूर्वस्यां २।३
३	शु	४२	३४	पु	४ ०/३	५६/२३	ध्रु	३८	१४	कौ	१५	३६	२	१२	४८	८	४	२९	सिं. ५७।७	
७	श	३७	४१	म	५४	४४	व्या	३१	५१	ग	१०	८	३	११	४९	९	५	३०	सिंहे	भ.३७।४१उ.
८	र	३४	१०	पू	५३	३५	ह	२६	२६	वि	५	५६	५	११	४९	१०	६	३१	सिंहे	भ.५।५६या. अश्वि. मेषे शुक्रः३।५२
९	चं	३१	५३	उ	५३	४०	व	२२	५	बा	३	२	७	११	४९	११	७	१	कं.८।३७	जून ६ता.३०
१०	मं	३०	५८	ह	५५	२	सि	१८	४५	तै	१	२६	९	१०	५०	१२	८	२	कन्यायां	मार्गी बुधः७।२६गंगादशमी
११	बु	३१	१२	चि	५७	३६	व्य	१६	२०	व	१	५	१०	१०	५०	१३	९	३	तु.२६।१९	भ.१।५उ.३१।१२या. निर्जला११व्र.
१२	गु	३२	२८	स्वा	६०	०	व	१४	५९	ब	१	५०	१२	१०	५०	१४	१०	४	तुलायां	[=वटसावित्री व्र.
१३	शु	३५	१२	स्वा	१	१६	प	१४	३४	कौ	३	५०	१३	९	५१	१५	११	५	वृ.४९।४३	वृषे बुधः३८।३४प्रदोषः
१४	श	३८	३७	वि	५	५२	शि	१५	१८	ग	६	५४	१५	९	५१	१६	१२	६	वृश्चिके	भ.३८।३७उ.
१५	र	४३	११	अ	११	१९	कृ	१६	१८	वि	१०	५३	१६	९	५१	१७	१३	७	वृश्चिके	भ.१०।५३ या. मृगे रवि :५६/५३ गुर्जराणां=

७पं.ज्ये.शु. १चं.इ.४६।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	११	४	९	१
१०	१	०	२	२५	२१	९	१०
४२	१८	४९	२५	२५	८	१७	३२
२९	४३	१६	१६	३४	५३	६	८
५७	४५	२४/५५	३	५२	०	३	५७
३५	१६	व.	२५	४३	५९	११	२३

गोचर ग्रहाः

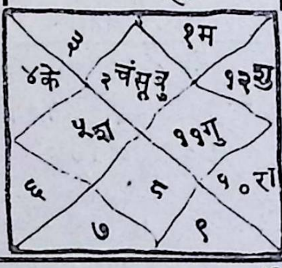

इस मास में
५ रविवार अशुभ है
धान्य गेहूं जौ चना
मटर सरसों अलसी
बाजरा मूंग मोठ
स्वर्ण ताम्बा में
घटाबढी धूप अधिक।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.शु. ९च.इ. ४६/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	१०	०	४	९	१
१७	६	२९	२	१	२१	८	१७
२५	३३	६	४५	३७	१७	५४	१३
१९	५८	२२	५८	४१	२८	५०	१४
५७	४४	१/३४	२	५७	१	३	५७
२७	५५	व.	०	१३	३२	११	१

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्ये. कृष्णेति महाराष्ट्रा३
१	चं	४८	३०	ज्ये	१७	५५	सा	१७	१०	बा	१५	५०	३४/१७	५/९	६/५१	१८	१४	८	ध.१७।५५	मृगे रविः सौरः११।२८
२	मं	५४	२५	मू	२४	४७	शु	१९	७	तै	२१	२८	१८	८	५२	१९	१५	९	धनुषि	[+पातस्पर्शः१३।१५पातमोक्षः३७।८
३	बु	६०	०	पू	३२	१९	शु	२१	३४	व	२७	२४	१९	८	५२	२०	१६	१०	म.४९।७	भ. २७।२४ उ. भरण्यां भौमः ५०।५२+
३	गु	०	२३	उ	३९	४९	ब्र	२४	३	वि	०	२३	१९	८	५२	२१	१७	११	मकरे	भ.०।२३या. चतुर्थी व्र.
४	शु	६	३७	श्र	४७	१९	ऐं	२६	२६	बा	६	३७	२०	८	५२	२२	१८	१२	मकरे	
५	श	१२	२९	ध	५४	३	वै	२८	३६	तै	१२	२९	२१	८	५२	२३	१९	१३	कुं२०।४१	भरण्यां शुक्रः५४।३५वक्री गुरुः३९।४३
६	र	१७	२३	श	५९	५५	वि	२९	४७	व	१७	२३	२१	८	५२	२४	२०	१४	कुंभे	भ.१७।२३उ.४९।१६या. मिनेऽर्कः५५/२७
७	चं	२१	८	पू	६०	०	प्री	३०	८	ब	२१	८	२२	८	५२	२५	२१	१५	मी.४८/१०	मिथुनेऽर्कः सौरः१२।१६
८	मं	२३	३४	पू	४	१४	आ	२९	४	कौ	२३	३४	२२	८	५२	२६	२२	१६	मीने	
९	बु	२३	५६	उ	६	४७	सौ	२६	३३	ग	२३	५६	२३	७	५३	२७	२३	१७	मीने	भ.५३।६उ.
१०	गु	२२	१७	रे	७	२६	शो	२२	३४	वि	२२	१७	२३	७	५३	२८	२४	१८	मे.७।२६	भ.२२।१७या.रोहि. बुधः८।४१
११	शु	१८	३०	अ	५	५४	अ	१६	४६	बा	१८	३०	२३	७	५३	२९	२५	१९	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	श	१२	५६	भ	२/३०	५४/५४	सु	९	२८	तै	१२	५६	२४	७	५३	३०	२६	२०	वृ.१६।१४	प्रदोक्षः
१३	र	५	३६	रो	५०	५२	धृ	०/४८	५०/२६	व	५	३६	२४	७	५३	३१	२७	२१	वृषे	भ.५।३६उ.३१।१६या. आर्द्रा. रविः५४/२२
१४	र	५१	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	चं	४७	२१	मृ	४३	४०	गं	४०	४७	च	२२	८	२४	७	५३	१	२८	२२	मि१७।१६	आर्द्रा.रविः सौरः१३।४९रा. आषाढारंभः

९पं.आ.कृ.१ चं.इ. ४६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१०	०	४	९	१
२४	११	१	२	८	२१	८	२३
७	४७	३२	५९	१८	३१	३२	५३
१९	१७	३१	२	२९	१२	३५	१०
५७	४४	२९/३४	०	६०	२	३	५७
२२	४०	मा	५१	१६	१७	११	५

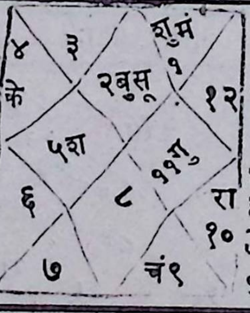

१० पं.आ.कृ. ७च. इ. ४६/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	०	४	९	२
०	१६	७	३	१५	२१	८	०
४८	५८	३१	३	१६	४९	१०	३२
३६	५५	३०	२२	४१	३२	१९	१९
५७	४४	६२	२ ०/२	६२	२	३	५६
१७	३२	३६	व.	४०	५६	११	५७

११पं. आ कृ.३०चं इ. ४६/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	०	४	९	२
७	२२	१६	२	२२	२२	७	७
२९	४	३५	५८	२९	११	४८	१०
३१	१९	१०	५	५३	२४	४	४६
५७	४४	९०	५ १/२	६४	३	३	५६
१३	१८	४५	व.	३२	३४	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६२८८स.२००९
१	मं	३७	३२	आ	३५	५९	वृ	३०	३	किं	१२	२६	३४/२४	५/७	२ ६/३	२	२९	२३	मिथुने	[÷पूर्वस्यां२२।१७देवशयनी११व्र.वै.
२	बु	२७	५०	पु	२८	२७	ध्रु	१९	३२	बा	२	४१	२४	७	५३	३	३०	२४	क१५।२०	चंद्रदर्शनं रथयात्रा
३	गु	१८	४८	पु	२१	३९	व्या	२५	२६	ग	१८	४८	२३	७	५३	४	१	२५	कर्के	भ.४४।४८उ. रज्जन७
४	शु	१०	४८	श्ले	१५	५१	व	५०	४९	वि	१०	४८	२३	७	५३	५	२	२६	सिं. १५/५१	भ.१०।४८या. कृत्ति. शुक्र:४८।५६
५	श	४	१०	म	११	३१	सि	४५	५	बा	४	१९	२२	८	५२	६	३	२७	सिंहे	मृगे बुध:२३।२९
६	श	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[D१७।५१वायुपरीक्षा
७	र	५६	११	पू	८	५२	व्य	३९	३४	ग	२७	४६	२२	८	५२	७	४	२८	कं२३।४०	भ.५६।११उ.
८	चं	५४	५१	उ	८	१	व	३५	३	वि	२५	३१	२१	८	५२	८	५	२९	कन्यायां	भ.२५।३१या. वृषे शुक्र: ५०।२९ कृत्ति+
९	मं	५५	१२	ह	८	४७	प	३२	४६	बा	२५	१	२०	८	५२	९	६	३०	तुं.४०।१	मिथुने बुध:५५।१७ [+भौम:८।११
१०	बु	५६	५९	चि	११	१५	शि	३१	२५	तै	२६	५	१९	८	५२	१०	७	१	तुलायां	जौलाई७ता.३१
११	गु	६०	०	स्वा	१५	१	सि	३१	१४	व	२८	२०	१८	८	५२	११	८	२	तुलायां	भ. २८।२०उ. देवशयनी११व्र. स्मा.
११	शु	०	१७	वि	२०	१९	सा	३१	५७	वि	०	१७	१७	९	५१	१२	९	३	वृ.४।०	भ.०।१७या. वृषे बौम:४९।५ बुधास्त:÷
१२	श	४	३४	अ	२६	२०	शु	३३	१३	बा	४	३४	१६	९	५१	१३	१०	४	वृश्चिके	आर्द्रा. बुध:११।१३प्रदोष:
१३	र	९	६६	ज्ये	३३	७	शु	३५	७	तै	९	३६	१५	९	५१	१४	११	५	ध.३३।७	पुन. रवि:५३।१२
१४	चं	१५	१९	मू	४०	११	ब्र	३७	४	व	१५	१९	१४	९	५१	१५	१२	६	धनुषि	भ.१५।१९उ.४८।२१या.पुन.रवि:सौर:D
१५	मं	२१	२२	पू	४७	४२	ऐं	३९	३७	ब	२१	२२	१३	९	५१	१६	१३	७	ध.नुषि	व्यासपूजा गुरु१५

१३ पं.आ.शु.८ चं. इ. ४६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	१०	०	४	९	२
१४	२७	२७	२	२९	२२	७	१३
९	७	४९	४३	५५	३९	२५	४८
५८	४४	३०	८	१६	४	४८	५१
५७	४३	[illegible]	१/३	६६	४	३	५६
७	४७	[illegible]	व.	६	१३	११	५०

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ६ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.१४चं.इ. ४६/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	१०	१	४	९	२
२०	२	१२	२	७	२३	७	२०
५०	८	३	१३	३०	१०	३	२६
२४	२४	११	५५	५८	१९	३२	४५
५७	४३	[illegible]	१/४	६७	४	३	५६
६	३१	[illegible]	व.	१०	४६	११	५०

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेत्ति महाः
१	बु	२७	२२	उ	५५	४	वै	४१	२८	कौ	२७	२२	३४/५१	१०/५	५०/६	१७	१४	८	म.४।३२	रोहि.शुक्र:५९।१५पूफा. ४शनि:४८।०
२	गु	३३	२३	श्र	६०	०	वि	४४	२३	तै	०	२२	१०	१०	५०	१८	१५	९	मकरे	[÷सौर:२१।१६मृगे शुक्र:५८।५
३	शु	३८	५४	श्र	२	२३	प्री	४६	२८	व	६	८	८	१०	५०	१९	१६	१०	कुं३५।४९	भ.६।८उ.३८।५४या. पुन. बुध: २४।२५
४	श	४३	४०	ध	९	१४	आ	४७	५२	ब	११	१७	७	११	४९	२०	१७	११	कुंभे	चतुर्थी व्र.
५	र	४७	२९	श	१५	२२	सौ	४८	४२	कौ	१५	४३	५	११	४९	२१	१८	१२	कुंभे	नाग५मरुस्थले
६	चं	५०	३६	पू	२०	१९	शो	४८	३४	ग	१९	११	३	११	४९	२२	१९	१३	मी.४।४	भ.५०।३६उ.
७	मं	५१	५६	उ	२३	५८	अ	४७	१३	वि	२१	१६	१	१२	४८	२३	२०	१४	मीने	भ.२१।१६या.उषा.३राहु:पुष्य.१ केतु:२८
८	बु	५१	४५	रे	२६	११	सु	४४	३७	बा	२१	५०	३३/५९	१२	४८	२४	२१	१५	मे.२६।११	कर्के बुध:७।१५
९	गु	४९	२९	अ	२६	४२	धृ	४०	३४	तै	२०	३७	५७	१३	४७	२५	२२	१६	मेषे	कर्केऽर्कः २२।३८ (सौर: ५०।३५)A
१०	शु	४५	२८	भ	२५	२३	शु	३५	८	व	१७	२८	५५	१३	४७	२६	२३	१७	वृ.३९।१४	भ.१७।२८उ.४५।२८या.रोहि. भौम:५/२६
११	श	३९	३४	कृ	२१	४९	गं	२८	७	ब	१२	३१	५२	१४	४६	२७	२४	१८	वृषे	कामिका११व्र.
१२	र	३२	१४	रो	१७	११	वृ	१९	४४	कौ	५	५४	५०	१४	४६	२८	२५	१९	मि. ४/४७	पुष्ये रवि:५१।५६प्रदोष:
१३	चं	२३	३२	मृ	११	४	ध्रु	१०	२०	व	२३	३२	४८	१४	४६	२९	२६	२०	मिथुने	भ.२३।३२ उ. ४८।४१ या. पुष्ये रवि:÷
१४	मं	१३	५०	आ	४३/२	५२/१०	व्या	०/५	४९/८	श	१३	५०	४५	१५	४५	३०	२७	२१	कं.४२।४९	[Aपुष्ये१बुध:४१।४७
३०	बु	३	४९	पु	४७	५९	ब	३८	२६	ना	३	४९	४३	१५	४५	३१	२८	२२	कर्के	सूर्यगहणम् हरियाली

१४पं. श्रा.कृ. ६ चं.इ. ४५/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	१०	१	४	९	२
२७	७	२७	१	१५	२३	६	२७
३०	५	७	४७	१४	४४	४१	४
४३	६	३२	४२	३५	५६	१६	५२
५७	४२	[illegible]	५/२३	६८	५	३	५६
११	७	[illegible]	व.	१५	५	११	५४

गोचर ग्रहाः

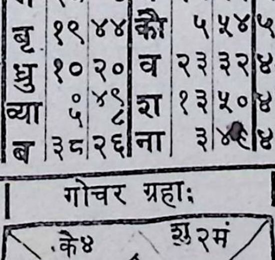

श्रावण कृष्णे ९ गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

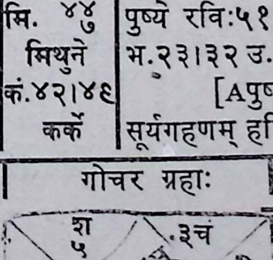

१५पं.श्रा. कृ.३१ चं. इ:४५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१०	१	४	९	३
४	११	११	१	२३	२४	६	३
११	५८	५१	८	५	२२	१९	४३
२८	४१	११	३८	५०	१६	१	१९
५७	४२	[illegible]	१/६	६९	५	३	५६
१५	३१	[illegible]	व.	२०	३४	११	५८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६३१८स.२००९
१	बु	४९	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×मकरे गुरः५६।४७
२	गु	४४	२०	श्ले	४०	३७	सि	२७	४१	वा	१६	४	३३/४०	५/१६	६/४४	१	२९	२३	सिं.४०/६७	आश्ले. बुधः ७।५५ चंद्रदर्शनम् रा.÷
३	शु	३६	१०	म	३४	२६	व्य	१७	५८	तै	१०	१५	३८	१६	४४	२	१	२४	सिंहे	सावानदतीज [÷श्रावणारंभःसिंधारा
४	श	२९	२९	पू	२९	४०	व	९	७	व	२	४९	३५	१७	४३	३	२	२५	कं.४४।००	म.२।४९उ.३९या. बुधोदयः पश्चिमायां=
५	र	२४	४६	उ	२६	५१	प	३/४	५५/७	बा	२४	४६	३३	१७	४३	४	३	२६	कन्यायां	मिथुने शुक्रः५०।५९नाग पंचमी
६	चं	२२	३	ह	२५	५२	सा	५२	८	तै	२२	३	३०	१८	४२	५	४	२७	तु.५६।२५	[+अगस्तदता.३१पवित्रा११व्र.
७	मं	२१	२४	चि	२६	५८	शु	४९	४४	व	२१	२४	३७	१९	४१	६	५	२८	तुलायां	भ.२१।२४उ.५२।५या.
८	बु	२२	४५	स्वा	२९	५६	शु	४८	४९	ब	२२	४५	३४	१९	४१	७	६	२९	तुलायां	[=५३/४वरद४
९	गु	२५	५०	वि	३४	४७	सि	४२	२०	कौ	२५	५०	३२	२०	४०	८	७	३०	वृ.३६	मघा. सिंहे बुधः१०।३२ वक्री धनि.२×
१०	शु	३०	२६	अ	४०	१५	व्र	५०	२९	ग	३०	२६	११	२०	४०	९	८	३१	वृश्चिके	[Aभद्रोत्तरम
११	श	३५	४६	ज्ये	४७	५०	ऐं	५२	३१	व	३	२	१६	२१	३९	१०	९	१	ध.४७।५०	भ.३।२ उ. ३५।४६या. आर्द्रा. शुक्रः४१/१०+
१२	र	४१	४८	मू	५५	१४	वै	५४	५५	ब	८	४४	१३	२१	३९	११	१०	२	धनुषि	आश्ले.रविः४८।४७
१३	चं	४८	८	पू	६०	०	वि	५७	४१	कौ	१४	५८	१०	२२	३८	१२	११	३	धनुषि	आश्ले. रविः सौरः२२।३प्रदोषः
१४	मं	५४	१	पू	२	४६	प्री	५९	४७	ग	२१	५	७	२३	३७	१३	१२	४	म.१९।३७	भ.५४।१उ.
१५	बु	६०	०	उ	१०	५	आ	६०	०	वि	२७	६	४	२३	३७	१४	१३	५	मकरे	भ.२७।६या.श्रावणी कर्म रक्षा बन्धनम्A
१५	गु	०	११	श्र	१७	१४	आ	२	२	ब	०	११	०	२४	३६	१५	१४	६	कुं.५०।२९	मृगे भौमः१७।२५

१६पं.श्रा.शु. ६चं.इ. ४५/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	१०	२	४	९	३
१०	१६	२५	०	१	२५	५	१०
५२	५०	३२	२२	३	४	५६	२२
३०	३१	३६	५५	५८	२३	४६	३६
५७	४२	६०/६०	६	७०	५	३	५७
२०	५	०/१४	व.	११	५९	११	५

गोचर ग्रहाः

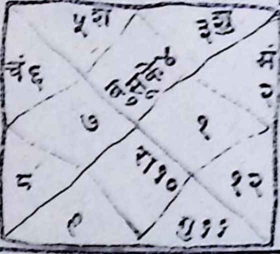

वृष राशौ यदा गौमः सर्व धान्य महर्घता। चन्दनं कुंकुमं वस्त्रं कार्पासादि महर्घता॥ इस मास में धान्य व रस तेज धातु मंदी हो

गोचर ग्रहाः

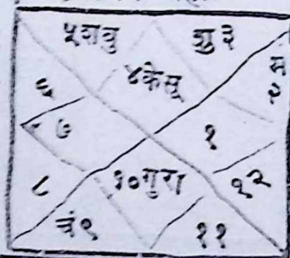

१७पं. श्रा.शु. १३चं.इ. ४५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	९	२	४	९	३
१७	२१	७	२९	९	२५	५	१७
३४	३४	२४	३२	६	४८	३४	२
१२	१९	४०	४९	५४	७	३०	२४
५७	४१	०/०	४०/७	७०	६	३	५७
२५	४५	०/३	व.	५०	२०	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति मृहा.
१	शु	४	५७	ध	२३	४४	सौ	३	४५	कौ	४	५७	३३	२५	३६	१६	१५	७	कुंभे	पूफा. बुधः१८।३७
२	श	९	२२	श	२९	२०	शो	४	५२	ग	९	२२	५४	२५	३५	१७	१६	८	कुंभे	भ.४१।७उ.
३	र	१२	५२	पू	३४	१८	अ	५	२८	वि	१२	५२	५०	२६	३४	१८	१७	९	मी१७।४	भ.१२।५२या.चतुर्थी व्र.
४	चं	१५	१४	उ	३८	७	सु	५	१८	बा	१५	१४	४७	२७	३३	१९	१८	१०	मीने.	[÷मिथुने भौमः२३।३५अजा११व्र. स्मा.
५	मं	१६	४४	रे	४०	४६	धृ	३	५८	तै	१६	४४	४४	२७	३३	२०	१९	११	मे.४०।४६	उफा.१शनिः४०।२०चंद्र षष्ठी
६	बु	१६	५१	अ	४२	१७	शू	६	५७/९	व	१६	५१	४०	२८	३२	२१	२०	१२	मेषे	भ.१६।५१उ.४६।१४या.
७	गु	१५	३७	भ	४२	१५	वृ	५४	५२	ब	१५	३७	३७	२९	३१	२२	२१	१३	वृ.५६।५७	पुन. शुक्रः३।२१जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	शु	१३	०	कृ	४१	४	ध्रु	४९	३१	कौ	१३	०	३३	२९	३१	२३	२२	१४	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	श	८	५३	रो	३८	१४	व्या	४३	०	गं	८	५३	३०	३०	३०	२४	२३	१५	वृषे	भ.३६।११उ. गोगा९
१०	र	३	३०	मृ	३४	१२	ह	३५	२७	वि	३	३०	२६	३१	२९	२५	२४	१६	मि. ६।१३	भ.३।३० या. मघा. सिंहेऽर्कः ४२।५९÷
११	र	५२	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधः१।२४अजा११व्र. वै. वत्स द्वादशी
१२	चं	४८	३४	आ	२८	४५	व	२६	५४	कौ	२२	३१	२२	३२	२८	२६	२५	१७	मिथुने	मघा. सिंहेऽर्कः सौरः १८।२८ उफा.×
१३	मं	३९	४७	पु	२२	२२	सि	१७	१७	ग	१४	१०	१९	३२	२८	२७	२६	१८	कं. ८।५८	भ.३९।४७उ. प्रदोषः
१४	बु	३०	२६	पु	१५	२०	व्य	१४/७	३८/४९	वि	५	७	१५	३३	२७	२८	२७	१९	कर्के	भ.५।७या.कन्यायां बुधः५२।२३
३०	गु	२१	१३	श्ले	८	१	प	४६	४७	ना	२१	१३	१२	३४	२६	२९	२८	२०	सिं.८।१	कुशा ग्रहणी पिठोरी३०मन्वादिः

१८ पं.भा.कृ.४ चं.इ. ४५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	९	२	४	९	३
२४	२६	१८	२८	१७	२६	५	२३
१६	१५	१०	३९	१५	३४	१२	४३
३७	३२	४४	४७	५४	९	१४	३१
५७	४१	८६	५४/५	७१	६	३	५७
३३	१९	२५	व.	२३	३२	११	२२

गोचर ग्रहाः

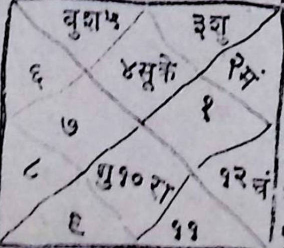

भाद्रपद कृष्णे १२चंद्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.६ गतालकावस्था ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

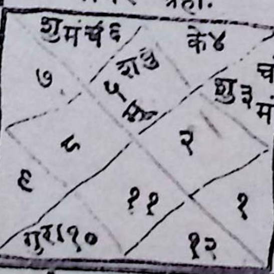

१९पं.भा.कृ.१२चं.इ. ४५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	९	५	४	९	४
०	०	२७	२७	२५	२७	४	०
५९	५५	३१	४४	२८	२१	४९	२५
५३	१२	१६	१०	४१	४४	५९	४४
५७	४०	७०	५२/६	७१	६	३	५७
४०	३४	११	व.	५०	५०	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३४७स.२००९
१	शु	१२	२९	म	१/३	५४/१	शि	३७	१०	ब	१२	२९	३२/८	५/३४	२६/६	३०	२९	२१	सिंहे	कर्क शुक्रः३७।५१
२	श	४	४०	उ	५०	५१	सि	२८	३२	कौ	४	४०	५	३५	२५	३१	३०	२२	कं.९।८	चंद्रदर्शनं हरितालिका३
३	श	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×गणेशचतुर्थी रा. भाद्रपदारंभः
४	र	५४	४८	ह	४८	१	सा	२१	१७	व	२६	५२	१	३६	२४	१	१	२३	कन्यायां	भ.२६।५२ उ. ५४।४८ या. रमजान९×
५	चं	५२	५३	चि	४७	२५	शु	१५	२८	ब	२३	५०	३१/५७	३७	२३	२	२	२४	तु.१७।४३	ऋषि पंचमी
६	मं	५३	१	स्वा	४८	५५	शु	११	२८	कौ	२२	५६	५३	३७	२३	३	३	२५	तुलायां	पुष्ये शुक्रः६।२
७	बु	५५	१९	वि	५२	२८	ब्र	९	१०	ग	२४	१०	४९	३८	२२	४	४	२६	वृ.३६।३५	भ.५५।१९उ. आर्द्रा. भौमः४०।२५वक्री÷
८	गु	५९	१८	अ	५७	४०	ऐं	८	४४	वि	२७	१९	४६	३९	२१	५	५	२७	वृश्चिके	भ.२७।१९या.
९	शु	६०	०	ज्ये	६०	०	वै	८	५९	बा	३१	५७	४२	४०	२०	६	६	२८	वृश्चिके	[÷धनि.१गुरुः६।१७
९	श	४	३७	ज्ये	४	११	वि	१०	३८	कौ	४	३७	३८	४०	२०	७	७	२९	ध.४।११	[=अस्तं शनेः१२।२८जल झूलनी११व्र.
१०	र	१०	३८	मू	११	२५	प्री	१२	५३	ग	१०	३८	३४	४१	१९	८	८	३०	धनुषि	भ.४३।५४उ.पूफा.रविः३/५ २/५हस्ते बुधः३/३ ४/२
११	चं	१७	११	पू	१८	५८	आ	१५	३२	वि	१७	११	३०	४२	१८	९	९	३१	म.३५।५२	भ.१७।११या. पूफा. रविः सौरः९।१९=
१२	मं	२३	११	उ	२६	३२	सौ	१७	५१	बा	२३	११	२६	४३	१७	१०	१०	१	मकरे	सितम्बर ९ता.३०वामन जयंती प्रदोषः
१३	बु	२८	५६	श्र	३३	३८	शो	२०	३४	तै	२८	५६	२२	४४	१६	११	११	२	मकरे	
१४	गु	३३	४३	ध	३९	५५	अ	२१	३७	ग	१	१९	१८	४४	१६	१२	१२	३	कुं.६।४६	भ.३३।४३उ. अनंत१४
१५	शु	३७	२३	श	४५	२	सु	२२	३१	वि	५	३५	१५	४५	१५	१३	१३	४	कुंभे	भ.५।३५या.आश्ले. शुक्रः३/५ ४/१महालयारंभः

२०पं.भा.शु.५चं.इ.४५।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	४	९	४
७	५	५	२६	३	२८	४	७
४४	२३	९	५०	४५	११	२७	९
२०	६	१८	२४	१४	२८	४३	१३
५७	४०	५१	४७/१	७२	७	३	५७
४९	०	०	व.	११	२	११	४५

गोचर ग्रहाः

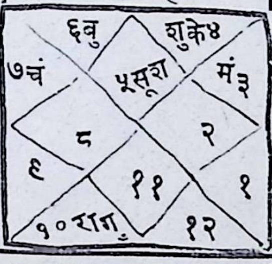

शुक्रस्य पंचवाराःस्यु
यत्र मासे निरन्तरम्।
प्रजावृद्धिः सुभिक्षं
च सुखं तत्र प्रवर्तते।।
इस मास में धातु
धान्य कुछघतेज
होके मंदीपकड़ले।

गोचर ग्रहाः

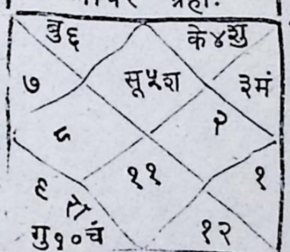

२१पं. भा.शु. ११ चं.इ. ४९/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	४	९	४
१४	९	१०	२६	१२	२९	४	१३
३०	४९	२९	०	६	२	५	५४
०	५	१३	०	३२	२८	२८	२५
५८	३९	२४	१०/७	७२	७	३	५७
१	२५	५४	व.	३२	८	११	५७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरहतू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	४०	१२	पू	४९	२३	धृ	२२	२९	बा	८	४७	३१/११	५/४६	६/१४	१४	१४	५	मी.३३/१८	वक्री बुधः३०।४७
२	र	४१	४९	उ	५२	३१	शू	२१	४०	तै	११	१	७	४७	१३	१५	१५	६	मीने	[÷पुन.४केतुः२।१३इंदिरा११व्र.
३	चं	४२	६	रे	५४	३२	ग	२०	४	व	११	५७	३	४७	१३	१६	१६	७	मे.५४।३२	भ.११।५७उ.४२।६या.
४	मं	४१	३७	अ	५५	४७	वृ	१७	३०	ब	११	५२	३०/५९	४८	१२	१७	१७	८	मेषे	उफा.२कन्यायां शनिः२९।४९चतुर्थी व्र.
५	बु	४०	७	भ	५६	५	ध्रु	१४	१७	कौ	१०	५२	५५	४९	११	१८	१८	९	मेषे	[Lपुन. भौमः १/४ ८/९ शस्त्रादि हतानां श्रा
६	गु	३७	४३	कृ	५५	१४	व्या	१०	१७	ग	८	५५	५१	५०	१०	१९	१९	१०	वृ.१०।५२	भ.३७।४३उ.
७	शु	३४	२२	रो	५३	३१	ह	५/२५	५४/७	वि	६	२	४७	५१	९	२०	२०	११	वृषे	भ.६।२या.
८	श	३०	२०	मृ	५०	५१	सि	५३	३५	बा	२	२१	४३	५१	९	२१	२१	१२	मि२२।११	[×वक्री उफा. बुधः ५७।५५ बुधास्तः=
९	र	२५	१०	आ	४७	२९	व्य	४६	३४	ग	२०	१०	३९	५२	८	२२	२२	१३	मिथुने	भ.५२।९उ.उफा.रविः१७।०(सौरः५/५ ३/९ ×
१०	चं	१९	८	पु	४३	९	व	३८	५०	वि	१९	८	३५	५३	७	२३	२३	१४	क. २९।४	भ.१९।८या. [=पश्चिमायां४७।३५मातृ
११	मं	१२	२१	पु	३८	५	प	३०	३१	बा	१२	२१	३१	५४	६	२४	२४	१५	कर्के	मघा. सिंहे शुक्रः३५।२५ उषा. २ राहुः÷
१२	बु	४	५३	श्ले	३२	२६	शि	२१	२४	तै	४	५३	२७	५५	५	२५	२५	१६	सिं३२।२६	भ.५७।११उ.कन्यायामर्कः४२।२१प्रदोषः
१३	बु	५२	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	गु	४९	३०	म	२६	४८	सि	१२	३५	बि	२३	२०	२२	५६	४	२६	२६	१७	सिंहे	भ.२३।२०या.कन्यायामर्कःसौरः१९।१०L
३०	शु	४२	१५	पू	२१	३२	सा	३/३८	५१/३३	च	१५	५८	१८	५६	४	२७	२७	१८	कं.३५।२१	सर्वं पितृ३०

२२ पं.आ.कृ. ३ चं.इ. ४४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	४	९	४
२१	१४	१२	२५	२०	२९	३	२०
१७	८	२१	१२	३०	५४	४३	४१
२	५६	५०	३२	४३	३२	१२	५
५८	३८	११/४०	६/२२	७२	७	३	५८
१३	५०	व.	व.	५३	१७	११	१२

गोचर ग्रहाः

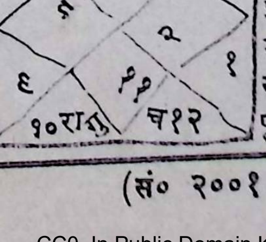

आश्विन कृष्णे १२
बुधे कन्यायामर्कः
प्रविष्टः वा. ३ न. ५
प्रगल्भावस्था (बैठी)
मु.३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

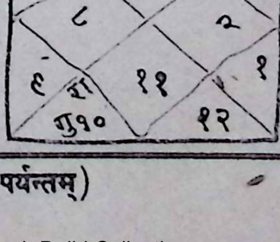

२३ पं.आ.कृ. १०चं.इ. ४४/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	९	३	५	९	४
२८	२८	९	२४	२८	०	३	२७
५	२२	१५	३१	५८	४५	२०	२९
२४	२६	३२	५९	१	५४	५६	२४
५८	३७	५/७	५/२६	७३	७	३	५८
२६	५८	व.	व.	१४	२०	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन	शुक्लपक्षः	सं. २०६६	शाकः	१९३१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविरुत्तरेऽहर्गणः६३७६स. २००९
१	श	३६	२८	उ	१६	४९	शु	४७	२७	किं	९	२६	३०/१४	५७	६/३	२८	२८	१९	कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामह श्राद्धम्
२	र	३१	५६	ह	१३	२५	ब्र	४०	४७	बा	४	१२	९	५८	२	२९	२९	२०	तु ४२।२९	चंद्रदर्शनम्
३	चं	२९	१३	चि	११	३४	ऐं	३५	४३	वै	०	३४	५	५९	१	३०	१	२१	तुलायां	भ.५८।४८उ.सव्वाल१०
४	मं	२८	२४	स्वा	११	४७	वै	३१	५२	वि	२८	२४	३०/००	६/०	६/०	३१	२	२२	वृ.५८।१६	भ.२८।२४या.
५	बु	२९	५२	वि	१३	४६	वि	२९	५३	बा	२९	५२	२९/५६	१	५९/५	१	३	२३	वृश्चिके	वक्री सिंहे बुधः३०।१६रा.आश्विनारंभः
६	गु	३३	८	अ	१७	४४	प्री	२९	३१	कौ	१	३०	५२	२	५८	२	४	२४	वृश्चिके	[÷स्मा. कोजागरी व्र.
७	शु	३७	४९	ज्ये	२३	१०	आ	२९	५५	ग	५	२८	४८	२	५८	३	५	२५	ध.२३।१०	भ.३७।४९उ.
८	श	४३	४१	मू	३०	९	सौ	३१	५२	वि	१०	४४	४४	३	५७	४	६	२६	धनुषि	भ.१०।४४या. हस्ते रविः५५।३०पूफा.×
९	र	५०	८	पू	३७	२९	शो	३३	५९	बा	१६	५४	४०	४	५६	५	७	२७	म.५४।२३	हस्ते रविःसौरः३१।४० [×शुक्रः३१।१२
१०	चं	५६	१६	उ	४५	४	अ	३६	२५	तै	२३	१२	३६	६	५५	६	८	२८	मकरे	बुधोदयः पूर्वस्यां२४।४८
११	मं	६०	०	श्र	५२	२२	सु	३८	४४	व	२९	१३	३२	६	५४	७	९	२९	मकरे	भ.२९।१३उ. मार्गी बुधः ३९।५६ पापां=
११	बु	२	११	ध	५८	५१	धृ	४०	२२	वि	२	११	२८	६	५४	८	१०	३०	कुं.२५।३६	भ.२।११या पापां कुशा११व्र. वै.
१२	गु	६	५७	श	६०	०	शू	४१	१४	बा	६	५७	२३	७	५३	९	११	१	कुंभे	प्रदोषः अक्टूबर १०ता.३१
१३	शु	१०	२२	श	३	५९	गं	४१	४	तै	१०	२२	१९	८	५२	१०	१२	२	मी. ५१/९	[=कुशा११व्र.स्मा.
१४	श	१२	३८	पू	८	०	बु	३९	४६	व	१२	३८	१५	९	५१	११	१३	३	मीने	भ.१२।३८उ.४२।५५या शरद पूर्णिमा÷
१५	र	१३	११	उ	१०	२७	ध्रु	३७	३३	ब	१३	११	११	१०	५०	१२	१४	४	मीने	शरद् पूर्णिमा वै. का. स्ना. प्रा.

२४पं.आ. शु.३चं.इ.४४।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	९	४	५	९	५
४	२२	२	२३	७	१	२	४
५५	२९	१०	५८	२९	३८	५८	१९
१६	१७	४४	४१	२४	४६	४१	३१
५८	३७	५३/५७	१/४/६	७३	७	३	५८
३८	१	व.	व.	२०	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

स मास में धान्य
गल्ला गुड सक्कर
नमक घृत में तेजी
रहे प्रजा में रोग
शोक फैले मनुष्य
चिन्ताग्रसित हो

गोचर ग्रहाः

२५पं.आ.शु.१० चं.इ. ४४/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	९	४	५	९	५
११	२६	२८	२३	१६	२	२	११
४६	२८	६	३४	३	३१	३६	११
५२	३४	४	४१	११	४८	२५	३१
५८	३६	३९/४	१३/३	७३	७	३	५९
५३	८	व.	व.	३२	१४	११	०

ति.	कार्तिक	कृष्णपक्षः	सं. २०६६	शाकः	१९३१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविरुत्तरे आश्वि.कृष्णेति महारा.
१	चं	१२	२८	रे	११	३८	व्या	३४	११	कौ	१२	२८	२९/७	६/११	५/४९	१३	१५	५	मे.११।३८	कन्यायांबुधः ३।२१ कर्के भौमः १०।४A
२	मं	१०	४४	अ	११	४०	ह	३०	२	ग	१०	४४	३	११	४९	१४	१६	६	मेषे	भ.३४।१८उ. [=शनिः२१/१२उदयं शनेः२४/१४
३	बु	०७	५३	भ	१०	४७	व	२४	५८	वि	७	५३	२८/५९	१२	४८	१५	१७	७	वृ.२५।२४	भ.०७।५३या. उफा. शुक्रः२२।४ करक×
४	बु	४	२१	कृ	९	११	सि	१९	१५	बा	४	२१	५५	१३	४७	१६	१८	८	वृषे	[Aवक्री श्रवण. ४गुरुः२०।३७ उफा. ३=
५	गु	०	२०	रो	६	५६	व्य	१३	१४	तै	०	२०	५१	१४	४६	१७	१९	९	मि. ३५/४०	भ.५६।४उ. [×चतुर्थी व्र.
६	शु	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷रुप१४महालक्ष्मी पूजनमे
७	श	५१	२४	मृ	४	२३	व	६	५८	वि	२३	४४	४७	१५	४५	१८	२०	१०	मिथुने	भ. २३।४४ या. चित्रा. रविः २७।३२+
८	र	४६	२३	आ	२५/१	४३/५६	प	१९/०	५३/१०	बा	१८	५३	४३	१५	४५	१९	२१	११	क.४४।२	चीत्रा. रविः सौरः२।१४पुष्ये भौमः३१।९
९	चं	४१	३	पु	५४	४३	सि	४६	१३	तै	१३	४३	३९	१६	४४	२०	२२	१२	कर्के	हस्ते बुधः५५।४९ [+कन्यायां शुक्रः४२/०
१०	मं	३५	२३	श्ले	५१	८	सा	३८	५५	व	८	१३	३५	१७	४३	२१	२३	१३	सिं. ५१/८	भ.८।१३उ.३५।२३या.
११	बु	२९	४०	म	४७	८	शु	३१	१९	ब	२	३१	३१	१८	४२	२२	२४	१४	सिंहे ९	मार्गी गुरुः३३।१९रमा११व्र.
१२	गु	२३	५९	पू	४३	२३	शु	२३	५१	तै	२३	५९	२७	१९	४१	२३	२५	१५	कं.५७।२	प्रदोषः धन१३ [−अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजन
१३	शु	१८	३५	उ	३९	४८	ब्र	१६	३१	व	१८	३५	२३	१९	४१	२४	२६	१६	कंन्यायां	भ.१८।३५उ.४६।१२या. रुप१४
१४	श	१३	४८	ह	३७	१७	ऐं	९	४१	श	१३	४८	२०	२०	४०	२५	२७	१७	कन्यायां	तुलाया मर्कः११।२१ (सौरः ४४।५८)÷
३०	र	१०	११	चि	३५	३५	वै	३/३२	५४/३२	ना	१०	११	१६	२१	३९	२६	२८	१८	तु.६।२६	हस्ते शुक्रः ७।५ बुधास्तः पूर्वस्यां५।२८−

२६पं..का.कृ१चं.इ. ४४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	९	४	५	९	५
१८	०	०	२३	२४	३	२	१८
४०	१९	४२	१९	३९	२२	१४	५
८	५९	४०	१६	४३	४४	१०	१८
५९	३५	६२/४१	१/५२	७३	७	३	५९
९	९	मा	व.	४४	५	११	१६

गोचर ग्रहाः

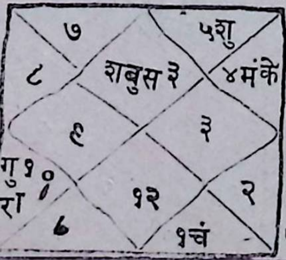

कार्तिक कृष्णे १४
शनौ तुलायामर्कः
प्रविष्टः वा.४ न.४
वन्ध्यावस्था (ऊभी)
मु.३० धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

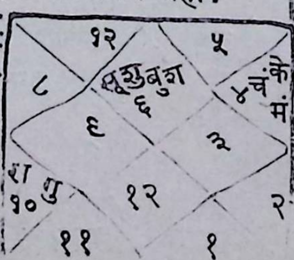

२७पं.का.कृ.१५चं.इ.४४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	९	५	५	९	५
२५	४	९	२३	३	४	१	२५
३५	१	४१	१३	१८	१३	५१	१
२	१९	४२	३४	३२	१६	५४	०
५९	३४	९२	१/९	७३	७	३	५९
२१	२	५२	व.	५०	२	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४०६स.२००९
१	चं	७	४१	स्वा	३५	२	प्री	५४	१०	ब	७	४१	२८/१२	६/२२	५/३८	२७	२६	१६	तुलायां	[×तुलसीविवाहः
२	मं	६	५५	वि	३६	५१	आ	५१	२५	कौ	६	५५	८	२२	३८	२८	३०	२०	वृ.२१।२४	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२ यम२
३	बु	७	०	अ	३९	५५	सौ	५०	५	ग	७	०	४	२३	३७	२९	१	२१	वृश्चिके	भ.३८।५७उ.चित्रा.बुधः ३३/२४ धनि.१÷
४	गु	१०	५४	ज्ये	४४	३२	शो	४९	४६	वि	१०	५४	०	२४	३६	३०	२	२२	व.४४।३२	भ.१०।५४या.
५	शु	१५	८	मू	५०	५४	अ	५१	३	बा	१५	८	३७/५६	२५	३५	१	३	२३	धनुषि	स्वात्यां रविः५३।२३रा.कार्तिकारंभः
६	श	२०	३७	पू	५७	३६	सु	५२	४०	तै	२०	३७	५३	२५	३५	२	४	२४	धनुषि	स्वात्यां रविःसौरः२६।१तुलायां बुधः४७/२५
७	र	२६	५५	उ	६०	०	धृ	५४	५०	व	२६	५५	४९	२६	३४	३	५	२५	म.१४।३१	भ.२६।५५उ.
८	चं	३३	११	उ	५	१८	शू	५७	१४	वि	०	३	४५	२७	३३	४	६	२६	मकरे	भ.०।३या गोपाष्टमी
९	मं	३९	१५	श्र	१२	३७	गं	५९	१०	बा	६	१५	४१	२८	३२	५	७	२७	कुं.४६।७	कृष्मांड९अक्षय९
१०	बु	४४	२५	ध	१९	३६	वृ	६०	०	तै	११	४७	३७	२९	३१	६	८	२८	कुंभे	स्वात्यां बुधः४३।३०चित्रा.शुक्रः५१।१८
११	गु	४८	८	श	२५	२२	वृ	०	२८	व	१६	१४	३४	२९	३१	७	९	२९	कुंभे	भ.१६।१४उ.४८।८या.प्रबोधिनी११व्र.×
१२	शु	५०	१४	पू	२९	३४	ध्रु	३/८	५९/०	ब	१९	१२	३०	३०	३०	८	१०	३०	मी. ३३/१	[÷गुरुः१२।४३जिल्काद११
१३	श	५०	४०	उ	३२	१६	ह	५७	१५	कौ	२०	२८	२७	३१	२९	९	११	३१	मीने	प्रदोषः
१४	र	४९	७	रे	३३	१२	व	५३	३५	ग	१९	५४	२३	३१	२९	१०	१२	१	मे.३३।१२	भ.४९।७उ.नवम्बर११ता.३०वैकुंठ१४
१५	चं	४६	२२	अ	३२	३०	सि	४८	२६	वि	१७	४५	१९	३२	२८	११	१३	२	मेषे	भ.१७।४५या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

२८पं.का.शु.१चं.इ.४३।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	९	५	५	९	६
२	७	२०	२३	११	५	१	१
३१	३२	३४	१८	५९	२	३९	५८
२६	१०	४४	४०	१३	३५	३८	२६
५९	३२	०/०	५४/०	७३	६	३	५९
३४	४६	३७	मा.	५६	४४	११	४६

२९पं.का.शु.८चं.इ.४३।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	९	५	५	९	६
९	१०	३	२३	२०	५	१	८
२९	५०	१४	३१	४२	५०	७	५७
४२	४३	२०	५२	२९	२	२३	४६
५९	३१	०	२	७४	६	२	६०
४७	१९	५८	१३	२	३२	११	२

३० पं.का.शु.१५चं. इ. ४३/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	९	५	५	९	६
१६	१३	१५	२३	२९	६	०	१५
२९	५५	१२	५५	२७	३५	४५	५८
२८	४८	१४	४४	२५	२०	७	५०
६०	२९	०	३	७४	६	३	६०
४	१०	१९	३५	१४	१६	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	मं	४२	८	भ	३०	२५	व्य	४२	२७	बा	१४	१४	२७/५६	६/३३	५/२७	१२	१४	३	वृ.४४।४०	तुलायां शुक्रः९।४८उफा.४शनिः२८।९
२	बु	३७	१४	कृ	२७	२५	व	३५	४१	तै	९	४३	१२	३४	२६	१३	१५	४	वृषे	[+३२।१५चतुर्थी व्र.
३	गु	३१	२०	रो	२३	४४	प	२८	१०	व	४	१७	९	३४	२६	१४	१६	५	मि५१।४५	भ.४।१७ उ. ३१।२० या. विशा. बुधः+
४	शु	२५	३८	मृ	१९	४५	शि	२०	४०	बा	२५	३८	५	३५	२५	१५	१७	६	मिथुने	विशा. रविः१३।४९(सौरः४३।२५)
५	श	२०	१	आ	१५	४७	सि	१२	४५	तै	२०	१	२	३६	२४	१६	१८	७	कं.५७।५४	
६	र	१४	२६	पु	११	५६	सा	५/२४	५२/२९	व	१४	२६	२६/५८	३६	२४	१७	१९	८	कर्के	भ.१४।२६उ.४१।४७या.स्वात्यां शुक्रः२९/८
७	चं	९	८	पु	८	१८	शु	५०	४१	ब	९	८	५५	३७	२३	१८	२०	९	कर्के	आश्ले. भौमः३६।४१
८	मं	०४	७	श्ले	५	१	ब्र	४२	२०	कौ	४	७	५२/०	३८/०	२२/०	१९	२१	१०	सि. ५।१	
९	मं	५५	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	बु	५५	१९	म	२/४	५७/३१	ऐं	३६	१३	व	२७	२६	४९	३८	२२	२०	२२	११	सिंहे	भ.२७।२६उ.५५।१९या.वृश्चिके बुधः४९/११
११	गु	५१	४०	उ	५७	४९	वै	३०	५५	ब	२३	२६	४५	३९	२१	२१	२३	१२	कं. १४।९	उत्पत्ति११व्र.
१२	शु	४८	३७	ह	५६	२७	वि	२५	१५	कौ	२०	८	४२	४०	२०	२२	२४	१३	कन्यायां	[=धनुषि राहुः पुन.३ मिथुने केतुः५४।२१
१३	श	४६	२८	चि	५५	५३	प्री	२०	१०	ग	१७	३२	३९	४०	५०	२३	२५	१४	तु.२६।१०	भ.४६।२८ उ. अनु. बुधः३२।७प्रदोषः
१४	र	४५	१९	स्वा	५६	२६	आ	१५	४६	वि	१५	५३	३६	४१	१९	२४	२६	१५	तुलायां	भ.१५।५३या.
३०	चं	४५	२०	वि	५८	०	सौ	१२	९	च	१५	१९	३३	४१	१९	२५	२७	१६	वृ.४२।३७	वृश्चिकेऽर्कः ९।५४ (सौरः३७/४२) उषा.१=

३१ पं. मा.कृ.७ चं. इ. ४३/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	९	६	५	९	६
२३	१६	२६	२४	८	७	०	२३
३०	४२	१२	२८	१३	१८	२२	१
५०	५८	२५	५	५	२९	५२	२४
६०	२७	०	४	७४	५	३	६०
१७	३	०/२८	४६	२०	५०	११	३०

गोचर ग्रहाः

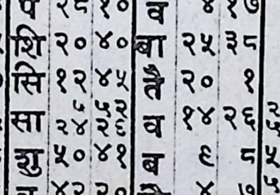

मार्गशीर्ष कृष्णे ३०
चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः
प्रविष्टः वा. ३
न.४ अतिवन्ध्यावस्था
(सूती) मु. ४५
धान्यादि भावे समर्घ-
ता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

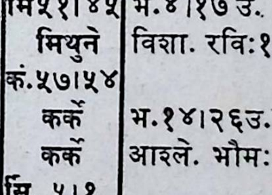

३२पं.मा.कृ.३०चं.इ. ४३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	९	६	५	९	७
०	१९	७	२५	१६	७	०	०
३३	१४	१५	९	५९	५८	०	५
२९	११	४	३६	५६	५८	३६	२९
६०	२४	१८	५	७४	५	३	६०
३०	२९	३३	५८	२५	२६	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४३५स.२००९
१	मं	४६	५०	अ	६०	०	शो	९	२८	किं	१६	५	२६/३०	४६/२	५/१८	२६	२८	१७	वृश्चिके	[÷शुक्रः८।१४जिल्हेज१२
२	बु	४९	५२	अ	१	१०	अ	८	२२	बा	१८	२१	२७	४३	१७	२७	२९	१८	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्
३	गु	५४	८	ज्ये	५	३८	सु	७	५०	तै	२२	०	२५	४३	१७	२८	१	१९	ध. ५।३८	अनु रविः२८।१४(सौरः५४।३०)विशा.÷
४	शु	५९	३५	मू	११	३२	धृ	८	१४	व	२६	५१	२२	४४	१६	२९	२	२०	धनुषि	भ.२६।५१उ.५८।३५या.
५	श	६०	०	पू	१७	५९	शू	९	२८	ब	३२	४०	१९	४४	१६	३०	३	२१	म.३४।५०	[×११व्र.गीताजयंती
५	र	५	४६	उ	२५	२९	गं	११	३३	बा	५	४६	१७	४५	१५	१	४	२२	मकरे	ज्येष्ठा. बुधः४९।१५रा. मार्गशीर्षारंभः
६	चं	१२	७	श्र	३३	४	वृ	१४	०	तै	१२	७	१४	४५	१५	२	५	२३	मकरे	चंपा ६
७	मं	१८	३५	ध	४०	३१	ध्रु	१६	१४	व	१८	३५	१२	४६	१४	३	६	२४	कुं.६।४७	भ.१८।३५उ.५१।२७या.
८	बु	२४	१८	श	४७	६	व्या	१८	४	व	२४	१८	९	४६	१४	४	७	२५	कुम्भे	[Aबुधः३०/४९दत्तजयंती दिसम्बर१२ता.३१
९	गु	२८	४०	पू	५२	१३	ह	१९	०	कौ	२८	४०	७	४७	१३	५	८	२६	मी३५।३४	r=बुधोदयः पश्चिमायां४७।१९ मोक्षदा×
१०	शु	३१	३४	उ	५५	५३	ब	१८	४८	तै	०	७	५	४७	१३	६	९	२७	मीने	वृश्चिके शुक्रः६।३३
११	श	३२	२७	रे	५७	३४	सि	१७	१३	व	२	१	२	४८	१२	७	१०	२८	मे.५७।३४	भ.२।१उ.३२।२७या. धनि. २ गुरुः४३/३१=
१२	र	३१	१९	अ	५७	२३	व्य	१४	०	ब	१	५२	०	४८	१२	८	११	२९	मेषे	अनु. शुक्रः२५।३५
१३	चं	३८	२०	भ	५५	१३	व	९	२२	तै	२८	२०	३५/५८	४८	१२	९	१२	३०	मेषे	प्रदोषः
१४	मं	२३	२६	कृ	५१	३४	प	३/२	५२/३५	व	२३	३६,	५६	४९	११	१०	१३	१	वृ.९।१८	भ. २३।२६उ.५०।२० या. मूले धनुषिA
१५	बु	१७	१४	रो	४६	३७	सि	४७	११	ब	१७	१४	५४	४९	११	११	१४	२	वृषे	ज्येष्ठा. रविः३८।२१

३३पं.मा.शु.६चं.इ.४२।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	९	६	५	८	७
७	२१	१८	२५	२५	८	२९	७
३७	२२	५	५९	४७	३५	३८	११
२६	४४	५२	१७	१७	२०	२०	०१
६०	२१	९६	६	७४	४	३	६०
४२	२६	११	५१	२६	५६	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य
बाजरा मूगं मोठ
चावल मक्का गुहार
सोना चांदी ताम्बा
लोहा मंदा रहे रस
तेज हो सुभिक्ष होवे

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.शु.१३चं.इ. ४३/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	९	७	५	८	७
१४	२३	२८	२६	४	९	२९	१४
४२	४	४५	५६	३५	८	१६	१७
४०	३७	४	१३	३५	२८	५	४७
६०	१७	९३	८	७४	४	३	६१
५०	५१	१८	२	२६	३२	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	गु	१०	५	मृ	४१	१	सा	३८	७	कौ	१०	५	२५/५३	६/४९	५/११	१२	१५	३	मि१३।४९	ज्येष्ठा. रविः सौरः२।२४
२	शु	२	३५	आ	३५	१६	शु	२८	५१	ग	२	३५	५१	५०	१०	१३	१६	४	मिथुने	भ.२८।५५उ.५५।१५या.
३	शु	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×ज्येष्ठा. शुक्रः२०।३९
४	श	४७	३७	पु	२९	२४	शु	१९	३९	ब	२१	१७	४९	५०	१०	१४	१७	५	क.१५।५९	चतुर्थी व्र.
५	र	४१	०	पु	२४	२४	ब्र	१०	३७	कौ	१४	१९	४८	५०	१०	१५	१८	६	कर्के	
६	चं	३४	५९	श्ले	१९	५०	ऐं	७/१३	५२/७	ग	७	२९	४६	५१	९	१६	१९	७	सिं. ३९/५०	भ.३४।५९उ.
७	मं	३०	४	म	१६	११	वि	४७	२८	वि	२	३२	४५	५१	९	१७	२०	८	सिंहे	भ.२।३२या.
८	बु	२६	१	पू	१३	३५	प्री	४१	११	कौ	२६	१	४४	५१	९	१८	२१	९	कं.२८।१०	
९	गु	२३	८	उ	११	५४	आ	३५	५१	ग	२३	८	४३	५१	९	१९	२२	१०	कन्यायां	भ. ५२।९ उ. पूषा. बुधः ३६।१५×
१०	शु	२१	१०	ह	११	९	सौ	३१	२०	वि	२१	१०	४२	५२	८	२०	२३	११	तु.४१।२१	भ.२१।१०या.
११	श	२०	१७	चि	११	३४	शो	२७	४३	बा	२०	१७	४१	५२	८	२१	२४	१२	तुलायां	सफला११व्र.
१२	र	२०	३२	स्वा	१३	१८	अ	२५	१	तै	२०	३२	४०	५२	८	२२	२५	१३	तुलायां	प्रदोषः
१३	चं	२२	४७	वि	१५	५७	सु	२३	७	व	२२	४७	३९	५२	८	२३	२६	१४	वृ.०।१७	भ.२२।४७उ.५३।३२या.हस्त.१शनिः३०/२४
१४	मं	२४	१७	अ	१९	३७	धृ	२२	१९	श	२४	१७	३९	५२	८	२४	२७	१५	वृश्चिके	मूले धनुष्यर्कः ४५।३६
३०	बु	२७	५९	ज्ये	२४	२६	शू	२१	५०	ना	२७	५९	३८	५२	८	२५	२८	१६	ध.२४।२६	मूले धनुष्यार्कः सौरः६।१४

३५पं.पौ.कृ. ६चं.इः ४२/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	९	७	५	८	७
२१	२४	९	२७	१३	९	२८	२१
४८	१९	७	५९	२३	३७	५३	२५
४३	३४	३७	४९	२८	५	४९	३०
६०	१३	८७	७	७४	३	३	६१
५६	१६	७	५६	३२	५१	११	११

गोचर ग्रहाः

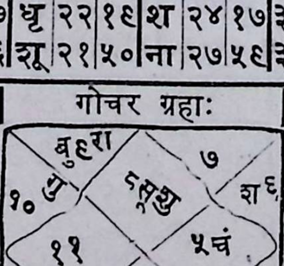

पौष कृष्णे १४भौमे
धनुष्यर्कःप्रविष्टःवार
न.३ अतिवन्ध्यावस्था
(सूती) मु. १५
धान्यादि भावे मह-
घंता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

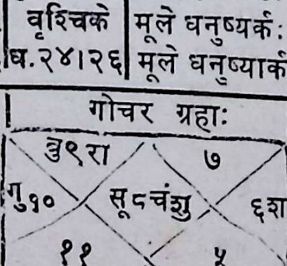

३६ पं,पौ.कृ.१३. चंइ. ४२/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	८	९	७	५	८	७
२८	२४	१९	२९	२२	१०	२८	२८
२५	५९	२४	९	११	१	[illegible]	[illegible]
३७	३०	५०	५४	५६	४४	३४	१३
६१	५	७५	९	७४	३	३	६१
०	१४	२१	४४	३२	१६	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	ग्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविदक्षिणेऽहर्ग ६४६५ स.२००९
१	गु	३२	३७	मू	३०	११	गं	२२	३२	किं	०	१८	२५/३८	६/५२	५/८	२६	२९	१७	धनुषि	[×५४।२९बुधास्तः पश्चिमायां ३३/३० प्रदोषः
२	शु	३८	११	पू	३६	४७	वृ	२३	५५	बा	५	२४	३७	५३	७	२७	३०	१८	स.५३।३७	चंद्रदर्शनम्
३	श	४४	३२	उ	४४	४	ध्रु	२५	४५	तै	११	२१	३७	५३	७	२८	१	१९	मकरे	धनि.३कुंभेगुरुः१६।३१शुक्रास्तः पूर्वस्यां÷
४	र	५०	५८	श्र	५१	४३	व्या	२७	४५	व	१७	४५	३६	५३	७	२९	२	२०	मकरे	भ.१७।४५उ.५०/५८या. मूले धनुषि शुक्रः५२/३८
५	चं	५७	३८	ध	५९	२३	ह	३०	१३	ब	२४	१८	३६	५३	७	३०	३	२१	कुं२५।३३	[÷२२।१२मोहोरम१सन्१४३१दि.
६	मं	६०	०	श	६०	०	व	३२	३३	कौ	३०	३९	३६	५३	७	१	४	२२	कुम्भे	उषा. बुधः ३५।३८ वक्री भौमः ५४।७=
६	बु	३	४०	श	६	३३	सि	३४	१५	तै	३	४०	३६	५३	७	२	५	२३	मी.५६।९	[=रा. पौषारंभः
७	गु	८	४६	पू	१२	४१	व्य	३४	५०	व	८	४६	३७	५३	७	३	६	२४	मीने	भ.८।४६उ.४०।३९या.
८	शु	१२	३१	उ	१७	४१	व	३४	२९	ब	१२	३१	३७	५३	७	४	७	२५	मीने	[+३१।३९ भां. स्ना. प्रा.
९	श	१४	३४	रे	२०	५४	प	३२	३८	कौ	१४	३४	३७	५३	७	५	८	२६	मे. २०/५४	वक्री बुधः७।५०
१०	र	१४	३१	अ	२२	९	शि	२९	५	ग	१४	३१	३८	५२	८	६	९	२७	मेषे	भ.४३।२८उ.
११	चं	१२	२५	भ	२१	२३	सि	२३	५८	वि	१२	२५	३८	५२	८	७	१०	२८	वृ.३५।४१	भ.१२।२५या.पूषा.रविः५०/३६पुत्रदा११व्र.
१२	मं	८	१३	कृ	१८	३५	सा	१७	२२	बा	८	१३	३९	५२	८	८	११	२९	वृषे	पूषा. रविः सौरः७।५२वक्री. पूषा. बुधः×
१३	बु	२	१६	रो	१३	५१	शु	९/१२	५०/३२	तै	२	१६	४०	५२	८	९	१२	३०	मि. ४०/४९	भ.५४।४१उ.
१४	बु	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	गु	४५	१४	मृ	७	४६	ब्र	४९	४३	वि	१९	५८	४१	५२	८	१०	१३	३१	मिथुने	भ.१९।५८या.चंद्र ग्रहणम् पूषा. शुक्रः+

३७पं.पौ.शु. ५ .चंइ.४२।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
६	२५	२५	०	१	१०	२८	५
३	५	५९	२५	१	२१	९	४३
१४	२०	३८	२६	२६	२५	१८	३८
६१	१	४५	१०	७४	२	३	६१
४	११	१४	२९	३२	२८	११	२२

गोचर ग्रहाः

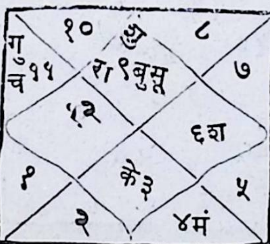

इस मास में बाजरा
मूंग मोठ चावल रुई
गुड सक्कर गन्ना में
तेजी रहे चांदी सोना
में घट वढ चले पशु
रोग ग्रसित हों।

गोचर ग्रहाः

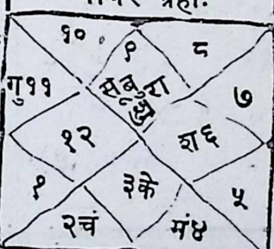

३८पं. पौ. शु.११चं. इ. ४१/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
१३	२४	२७	१	९	१०	२७	१२
११	३०	११	४५	४९	३५	४७	५३
१३	२९	४२	५८	८	५६	२	३०
६१	४५/३	२६/१३	११	७४	१	३	६१
६	व.	व.	८	३३	४१	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	ग्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा
१	शु	३७	२२	आ	५०	५२/४७	ऐं	३९	६	बा	११	१७	२५/४२	६/५२	४५/८	११	१४	१	क.३९।४३	जनवरी१ता.३१सन्२०१०
२	श	२८	११	पु	४६	२६	वै	२८	३१	तै	२	४२	४३	५१	९	१२	१५	२	कर्के	भ.५३।४८उ.
३	र	१९	२६	श्ले	४०	०	वि	१८	१८	वि	१९	२६	४४	५१	९	१३	१६	३	सिं. ४०।०	भ.१९।२६या. चतुर्थी व्र.
४	चं	११	२७	म	३४	८	प्री	४८/३	५९/१६	बा	११	२७	४५	५१	९	१४	१७	४	सिंहे	[×बुधोदयः पूर्वस्यां३९।११षट्तिला११व्र
५	मं	४	५१	पू	२९	५८	सौ	५२	२२	तै	४	५१	४७	५१	९	१५	१८	५	क.४४।१३	भ.५८।३८उ. धनि.४ गुरुः२९।२
६	मं	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	बु	५५	५७	उ	२७	१	शो	४६	८	वि	२७	४८	४८	५०	१०	१६	१९	६	कन्यायां	भ.२७।४८या.
८	गु	५३	४४	ह	२५	४०	अ	४१	७	बा	२४	५०	५०	५०	१०	१७	२०	७	तु. ५५/४६	
९	शु	५३	७	चि	२५	५२	सु	३७	२३	तै	२३	२५	५२	५०	१०	१८	२१	८	तुलायां	
१०	श	५४	१	स्वा	२७	३८	धृ	३४	४१	व	२३	३४	५३	४९	११	१९	२२	९	तुलायां	भ.२३।३४उ.५४।१या.
११	र	५६	८	वि	३०	४९	शू	३३	१५	ब	२५	४	५५	४९	११	२०	२३	१०	वृ. १५/१	उषा. रविः५५।२१ वक्री मूले बुधः४४/१२×
१२	चं	५९	३४	अ	३५	१	गं	३२	४७	कौ	२७	५१	५७	४९	११	२१	२४	११	वृश्चिके	उषा.रविःसौरः९।१९उषा.शुक्रः४।४०
१३	मं	६०	०	ज्ये	४०	२४	वृ	३३	१०	ग	३१	५०	४९	४८	१२	२२	२५	१२	ध.४०।२४	प्रदोषः
१३	बु	४	७	मू	४६	३७	ध्रु	३४	०	व	४	७	२६/१	४८	१२	२३	२६	१३	धनुषि	भ.४।७उ.३६।४६या. मकरे शुक्रः४५।३४
१४	गु	९	२५	पू	५३	३४	व्या	३५	४४	श	९	२५	४	४७	१३	२४	२७	१४	धनुषि	मकरेऽर्कः११।४५(सौरः२४।४६) वक्री÷
३०	शु	१५	१४	उ	६०	०	ह	३७	२९	ना	१५	१४	६	४७	१३	२५	२८	१५	म. १०/२८	सूर्य ग्रहणम् [÷शनिः५१।४९

३९ पं.मा.कृ.४ चं.इ. ४१/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
२०	२३	२०	३	१८	१०	२७	२०
१९	१४	२१	१०	३७	४५	२४	३
२६	५३	३६	४४	४८	१८	४७	२७
६५	१४/८	१७/००	११	७४	१	३	६१
६	व.	व.	४७	३८	६	११	२६

ग्रोचर ग्रहाः

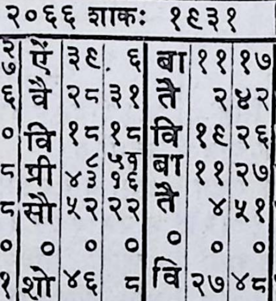

माघ कृष्णे १४ गुरौ
मकरेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३न.३अतिवन्ध्या-
वस्था (सूती) मु.३०
धान्यादि भावे समता
शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

ग्रोचर ग्रहाः

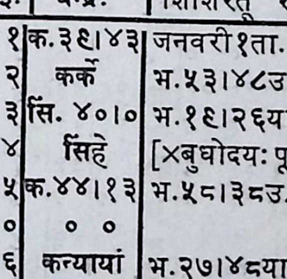

४०पं.मा.कृ.१२.चं इ. ४१/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१०	८	५	८	८
२७	२१	१२	४	२७	१०	२७	२७
२७	३७	३८	३९	२६	४०	२	१३
२२	४१	४९	४०	१३	५२	३१	१९
६१	२१/५७	४२/५३	१२	७४	०	३	६१
६	व.	व.	१४	३८	१९	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूं रविरुत्तरेऽहर्गं ६४९५ स. २०१०
१	श	२१	३५	उ	०	४६	व	३९	४३	ब	२१	५८	२६ ८	६ ४६	५ १४	२६	२९	१६	मकरे	मार्गी बुधः३१।४४चंद्र दर्शन संभवः
२	र	२८	५	श्र	८	१८	सि	४२	१	कौ	२८	५	११	४६	१४	२७	१	१७	कुं. ४३	सफर२
३	चं	३४	३७	ध	१५	५४	व्य	४४	१७	तै	१	२१	१३	४५	१५	२८	२	१८	कुंभे	पूषा.४राहु:पुन.२कतु:४६।४९
४	मं	४०	४५	श	२३	१४	व	४५	५७	व	७	४१	१६	४५	१५	२९	३	१९	कुम्भे	भ.७।४१उ.४०।४५या.
५	बु	४६	१	पू	३०	२	प	४७	१९	ब	१३	२३	१९	४४	१६	३०	४	२०	मी१३।२०	अभि. प्र. रवि:४४।१५ (सौर:५६।७)×
६	गु	५०	१८	उ	३५	४९	शि	४७	५१	कौ	१८	१०	२१	४४	१६	१	५	२१	मीने	पूषा.बुध:२२ ४४श्रवणे शुक्र:४ ३ ६रा.माघारंभः
७	शु	५३	१८	रे	४०	१२	सि	४७	१२	ग	२१	४८	२४	४३	१७	२	६	२२	मे.४०।१२	भ.५३।१८उ. भानु७ रथ७
८	श	५४	२६	अ	४३	४	सा	४५	१८	वि	२३	५२	२७	४३	१७	३	७	२३	मेषे	भ.२३।५२या. भीष्माष्टमी
९	र	५३	५०	भ	४४	७	शु	४१	४६	बा	२४	८	२९	४२	१८	४	८	२४	वृ.५८।५१	श्रवणे रवि:०।५२(सौर:१ २ ३)अभि. नि.÷
१०	चं	५१	१०	कृ	४३	५	शु	३६	४०	तै	२२	२९	३२	४२	१८	५	९	२५	वृषे	अभि.नि.रवि:सौर:४।२० [÷रवि:५३।७
११	मं	४६	३४	रो	४०	१६	ब्र	३०	१	व	१९	५२	३५	४१	१९	६	१०	२६	वृषे	भ.१९।५२ उ.४६।३४ या. वक्री पुष्ये+
१२	बु	४०	१	मृ	३५	३३	ऐं	२१	५४	ब	१३	१७	३८	४०	२०	७	११	२७	मि.७।५५	[×शत.१गुरु:५७।५०वसंत५
१३	गु	३२	५	आ	२९	२६	वै	१२	२५	कौ	६	२	४१	४९	२०	८	१२	२८	मिथुने	प्रदोषः [+भौमः३३।१४जया११ व्र.
१४	शु	२३	४	पु	२२	१	वि	३ १	४ ९	व	२३	४	४५	३९	२१	९	१३	२९	कं.८।५२	भ.२३।४उ.४८।१२या.
१५	श	१३	२०	पु	१४	७	आ	४०	१	व	१३	२०	४८	३८	२२	१०	१४	३०	कर्के	मा. स्ना. पूर्तिः

४१पं.मा.शु.३चं.इ.४१।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	९	५	८	९
४	१९	१२	६	६	१०	२६	४
३५	३८	०	११	१४	४८	४०	२२
१३	३६	४३	३८	२८	३२	१६	४८
६१	२९ २३	१९ १४	१२	७४	२३	३	६१
३	व.	मा	३५	३८	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

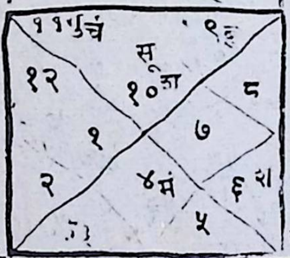

इस मास में चांदी
स्वर्ण लोहा रुई रंग
सूत वस्त्र में तेजी हो
प्रजा में अशान्ति फैले
धान्यो में मंदी रहे
शीतभय हो ।

गोचर ग्रहाः

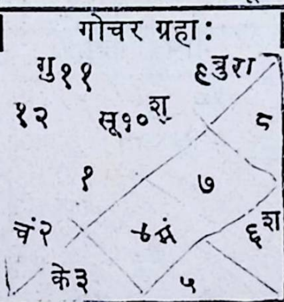

४२पं..माशु.१०चं.इ.४१ ५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	९	५	८	९
११	१७	१७	७	१५	१०	२६	११
४२	९	१	४६	२	४२	१८	३१
४१	११	२३	३७	३८	१४	०	३९
६०	३४ २	५१	१३	७४	१ ६	३	६१
५९	व.	१६	२	३४	व.	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूं रविरुत्तरे माघ कृष्णेतिमहा.
१	र	३	२९	श्ले	६ १७	५३ २३	सौ	२९	१	कौ	३	२९	२६ ५१	६ ३८	५ २३	११	१५	३१	सि.६।१७	[×बुधः२।५६ कुंभे शुक्रः३५।५४
२	र	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷(सौर:५१।५१)शिवरात्री व्र.
३	चं	४५	३५	पू	५२	१७	शो	१८	२९	व	१९	४९	५४	३७	२३	१२	१६	१	सिंहे	भ.१९।४९उ.४५।३५या. धनि. शुक्र:१ ८=
४	मं	३८	१८	उ	४७	२८	अ	९	१४	ब	११	५६	५८	३६	२४	१३	१७	२	कं.६।४	चतुर्थी व्र.
५	बु	३२	५२	ह	४४	१०	सु	२२	५३	कौ	५	३५	२७ १	३६	२४	१४	१८	३	कन्यायां	उषा. बुधः२७।५०
६	गु	२९	१६	चि	४२	४४	शु	४९	२१	ग	१	४	५	३५	२५	१५	१९	४	तु.१३।२६	भ.२९।१६उ.५८।३१या. शत.२ गुरु:३५ ३७
७	शु	२७	४६	स्वा	४३	११	गं	४५	४३	ब	२७	४६	८	३४	२६	१६	२०	५	तुलायां	शुक्रोदयः पश्चिमायां२८।१२
८	श	२८	४	वि	४५	४७	वृ	४३	५०	कौ	२८	४	१२	३४	२६	१७	२१	६	वृ.३०।८	धनि. रवि:९।१० (सौर:१७।५३)मकरे×
९	र	३०	१६	अ	४९	५२	ध्रु	४३	४	ग	३०	१६	१५	३३	२७	१८	२२	७	वृश्चिके	[=फर्वरी२ ता.२८
१०	चं	३३	४९	ज्ये	५५	१९	व्या	४३	४३	व	२	२	१९	३२	२८	१९	२३	८	ध. ५५ १९	भ.२।२उ.३३।४९या.
११	मं	३८	३९	मू	६०	०	ह	४४	४१	ब	६	१४	२३	३१	२९	२०	२४	९	धनुषि	विजया११व्र.
१२	बु	४४	२९	मू	१	३६	व	४६	४६	कौ	११	३४	२७	३१	२९	२१	२५	१०	धनुषि	
१३	गु	५०	४४	पू	८	५३	सि	४८	३५	ग	१६	३७	३०	३०	३०	२२	२६	११	म.२५।४६	भ.५०।४४उ.शते शुक्र:५८।४प्रदोषः
१४	शु	५७	१०	उ	१६	२५	व्य	५०	५९	वि	२३	५७	३४	२९	३१	२३	२७	१२	मकरे	भ. २३।५७ या. कुंभेऽर्कः ४४।२६÷
३०	श	६०	०	श्र	२४	४	व	५३	१३	च	३०	२१	३८	२८	३२	२४	२८	१३	कुं.५७।१८	श्रवणे बुधः९।११वक्री उफा.४शनिः३५ ३४
३०	र	३	३१	ध	३१	३२	प	५५	१४	ना	३	३१	४१	२८	३२	२५	२९	१४	कुंभे	

४३पं.फा.कृ.३चं.इ.४१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१०	९	५	८	९
१८	१४	२४	९	२३	१०	२५	१८
४९	४७	३६	२३	४९	३०	५५	३९
१६	५६	२२	३८	३७	२५	४४	४४
६०	३४	७०	१३	७४	५ १ २	३	६१
५५	१३	०	२०	३२	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्णे १४शुक्रे
कुंभेऽर्कः प्रविष्टः
वा.२ न.३ वन्ध्याव-
स्था (ऊभी) मु.३०
धान्यादि भावे
समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

४४पं०फा.कृ.१०चं.इ.४२ ८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	१०	१०	५	८	९
२५	१२	३	११	२	१०	२५	२५
५५	३४	३५	२	२६	१३	३३	४६
१	५९	५३	३१	४८	४४	२९	३१
६०	३१ ३५	५२	१३	७४	३ ३	३	६०
४७	व.	३७	२६	३२	व.	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:६५२५स.२०१०
१	चं	६	५०	श	३८	४१	शि	५७	६	ब	९	५०	२७/४५	६/२७	५/३३	२६	३०	१५	कुंभे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	१५	२८	पू	४५	१३	सि	५८	१४	कौ	१२	२८	४९	२६	३४	२७	१	१६	मी. ३९/५	रविलावल३फुलरिया२
३	बु	२०	३१	उ	५१	१	सा	५८	३९	ग	२०	३१	५३	२५	३५	२८	२	१७	मीने	भ.५२।३२उ.
४	गु	२४	३३	रे	५५	४४	शु	५८	२४	वि	२४	३३	५६	२५	३५	२९	३	१८	मे.५५।४४	भ.२४।३३या. शत.३गुरु:२५।१३
५	शु	२७	३५	अ	५९	२३	शु	५७	२५	बा	२७	३५	२/०	२४	३६	३०	४	१९	मेषे	शते रविः २०।४२ (सौरः २७।१३)+
६	श	२९	१६	भ	६०	०	ब्र	५५	१०	तै	२९	१६	४	२३	३७	१	५	२०	मेषे	रा. फाल्गुनारंभः [+ग्रस्तं गुरोः०।०
७	र	२९	२७	भ	१	३३	ऐं	५१	३४	व	२९	२७	८	२२	३८	२	६	२१	वृ. १६/४४	भ.२९।२७उ.५८।४९या.धनि.बुधः५६।३
८	चं	२८	१०	कृ	२	२०	वै	४६	४०	व	२८	१०	१२	२२	३८	३	७	२२	वृषे	पूभा. शुक्रः३६।९ होलाष्टकम्
९	मं	२५	११	रो	१/८	५७/३२	वि	४०	२१	कौ	२५	११	१६	२१	३९	४	८	२३	मि. २९/२९	
१०	बु	२०	२३	आ	५४	३७	प्री	३२	५४	ग	२०	२३	२०	२०	४०	५	९	२४	मिथुने	भ.४७।१८उ.
११	गु	१४	१४	पु	४९	१	आ	२४	१०	वि	१४	१४	२४	१९	४१	६	१०	२५	क३५।२५	भ. १४।१४ या. कुंभे बुधः ५६।१०÷
१२	शु	६	३४	पु	४२	१७	सौ	१४	३१	बा	६	३४	२८	१८	४२	७	११	२६	कर्के	बुधास्तः पूर्वस्यां५२।२५प्रदोषः
१३	शु	५१	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷आमलकी११व्र.
१४	श	४८	२२	श्ले	३४	५९	शो	५६/३	४९/६	ग	२३	७	३२	१८	४२	८	१२	२७	सिं.३५।०	भ.४८।२२उ.
१५	र	३८	४३	म	२७	११	सु	४२	१४	वि	१३	३२	३६	१७	४३	९	१३	२८	सिंहे	भ.१३:३२या. होलिका दहनम्

४५ पं.फा. शु. १चं.इ. ४२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	१०	५	८	१०
२	१०	१३	१२	११	९	२५	२
५९	३४	४३	४३	२२	५३	११	५२
४९	१	५९	१६	५२	१०	१३	३४
६०	२५/१	८७	१३	७४	३/१४	३	६०
३७	व.	४४	३२	३२	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

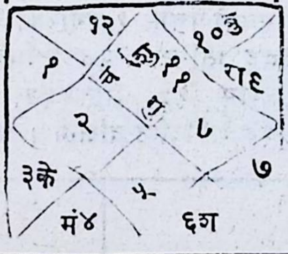

चैत्र कृष्णे १४ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ वंध्यावस्था (ऊभी)मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

४६पं. फा.शु. ८चं इ. ४२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	१०	१०	५	८	१०
१०	८	२४	१४	२०	९	२४	९
३	५७	३७	२३	८	२८	४८	५७
२२	७	३४	२४	२	१२	५८	७
६०	१५/१	९९	१३	७४	४३/१	३	६०
२५	व	५६	३८	२६	व	११	३१

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०६६ शाकः १९३१												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे, फाल्गुन कृष्णेतिमहा.
१	चं	२९	३०	पू	१९	४६	धृ	३१	५४	बा	४	७	३८/४०	६/१६	५/४४	१०	१४	१	कं.३३।८	शते बुधः५४/१२मार्च३ ता.३१वसंत१छारेंडी
२	मं	२१	४	उ	१२	१३	शू	२२	७	ग	२१	४	४३	१५	४५	११	१५	२	कन्यायां	भ.४७।३२उ.मीने शुक्रः ३७।२०
३	बु	१४	१	ह	८	३	गं	१३	५२	वि	१४	१	४८	१४	४६	१२	१६	३	तु३६।२५	भ.१४।१या. चतुर्थी व्र.
४	गु	८	३६	चि	४	४८	वृ	७	१०	बा	८	३६	५२	१४	४६	१३	१७	४	तुलायां	पूभा. रविः ३६।४८ (सौरः ४२।०)=
५	शु	५	२६	स्वा	३	१८	ध्रु	५८/१	५६/१८	तै	५	२६	५६	१३	४७	१४	१८	५	वृ.४७।५३	उभा. शुक्रः१७।१३
६	श	४	१९	वि	४	४	ह	५६	४४	व	४	१९	२९/१	१२	४८	१५	१९	६	वृश्चिके	भ.४।१९उ.३४।५६या.
७	र	५	३३	अ	६	४७	व	५६	३७	ब	५	३३	५	११	४९	१६	२०	७	वृश्चिके	[=शत.४ गुरुः१७।१
८	चं	८	२६	ज्ये	११	३२	सि	५७	२३	कौ	८	२६	९	१०	५०	१७	२१	८	ध. ३१/३२	शीतला पूजनम्
९	मं	१३	८	मू	१७	३८	व्य	५९	४	ग	१३	८	१३	९	५१	१८	२२	९	धनुषि	भ.४५।५८उ. पूभा. बुधः१८।५०
१०	बु	१८	४९	पू	२४	४७	व	६०	०	वि	१८	४९	१७	९	५१	१९	२३	१०	म.४१।३४	भ.१८।४९या.
११	गु	२५	५	उ	३१	५२	व	१	१६	बा	२५	५	२१	८	५२	२०	२४	११	मकरे	मार्गी भौमः५।२४पापमोचनी११व्र.
१२	शु	३१	४७	श्र	३९	५८	प	३	४४	तै	३१	४७	२६	७	५३	२१	२५	१२	मकरे	[×(सौरः४२।२१)मीनेः बुध३४।१७
१३	श	३८	७	ध	४७	२८	शि	६	२	ग	४	५७	३०	६	५४	२२	२६	१३	कुं.१३।४३	भ.३८।७उ. प्रदोषः
१४	र	४४	१	श	५४	३३	सि	८	४	वि	११	४	३४	५	५५	२३	२७	१४	कुंभे	भ. ११।४ या. मीनेऽर्कः ३७।४१×
३०	चं	४९	१३	पू	६०	०	सा	९	४०	च	१६	३७	३८	४	५६	२४	२८	१५	मी४४।१०	मन्वादिः

४७ पं.चै. कृ. १ चं. इ. ४२/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	१०	१०	५	८	१०
१७	७	६	१६	२८	९	२४	१७
५	५१	१९	४	५२	०	२६	००
३५	४७	४८	५९	३०	१८	४२	००
६०	९/२	१०/७	१३	७४	४/५	३	६०
२१	व	२६	३८	२६	व	११	२०

४८पं.चै. कृ.८ चं.इ. ४३/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	१०	११	५	८	१०
२४	७	१८	१७	७	८	२४	२४
६	१९	५२	४६	३५	२९	४	१
२२	१६	३४	३०	३५	५६	२६	२३
५९	३/११	१०/७	१३	७४	४/२२	३	६०
५८	व	३/८	३८	२६	व	११	६

४९पं.चै. कृ. ३० चं.इ. ४३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१०	११	५	८	११
१	७	२	१९	१६	७	२३	१
५	२३	१७	२७	१७	५७	४२	१
३५	३१	२	३२	१३	३२	११	५
५९	४/६	१०/७	१३	७४	४/०	३	५९
४१	म	४०	३२	२०	व	११	४९

CC0: In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१११, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००,द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१११, भोग्यकलिः ४२६८८९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६७, शाकः १९३२, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री बुधः । सस्येशः शुक्रः। धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः:। रसेशा रविः । नीरसेशःशुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १७ शोभकृन्नाम संवत्सरःप्रवर्तते तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ११।१५।१८।४३ भोग्यमासादिः ०।१४।४१।१७ विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपदः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासःपर्वते । समयनिवासः कुंभकार गृहे। समय विश्वा १८ समयवाहनम् वृषभः स्तंभाः नैव सोमवत्यमानैव। सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी १ रविदशमी ३ समय मुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः २० तिथिवृद्धिः १४ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा १०८, वर्षाविश्वा ५, धान्यम् १७, तृणम् १५, शीतम् १५, तेजः ११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११७, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःदक्षिणे । ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	१४	८	५	२	१४	५

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ बिनती करुं सदा लगावुं धान ।
सतसठिये की साल में कैसा नियभें धान ।।

भवानी उत्तर

सत सठियो सतछोडसी जनता पलटे वेष ।
राजा मंत्री योग से हो उत्पात विशेष ।।
रोहिणी पर्वत में वसी भूमितनय मेघेश ।
रसकसकी कमतीरहे रसपति भये दिनेश ।।
पण सुरगुरु धान्येश है करै धान्य की सार ।
निशानाथ फलपति भये करसी श्रेष्ठ विचार ।।
सौम्यग्रहां इसवर्षमें लिया सात अधिकार ।
ज्येतिषके आधार से शर्मा कहे विचार ।।

वर्षेश लग्नम् ८।१०

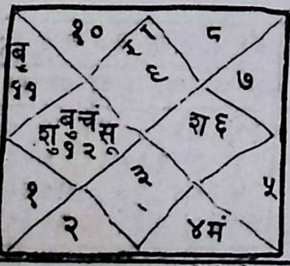

वर्षलग्नम् ६।१९

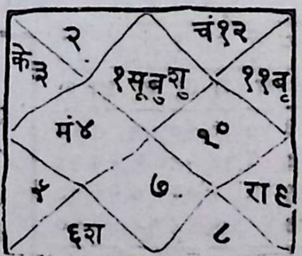

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २३।५९।११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन्वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमेनृपेवन्हित्रयंजनक्षयंचौराकुलंपार्थिवविग्रहञ्च । दुःखप्रजा व्याधिवियोगपीड़ास्वल्पंपयोमुंचतिवांरिवाहः ।। मंत्रीवुधस्तत्फलम् ।। शशिसुतेशुभमंत्रिसमागतेस्वपतिनारमतेमदनक्रियाम्। बहुधनंबहुवारिसमन्वितं यवमसूरचणान्नमहर्घता ।। सस्येशःशुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रोयदाधान्यपतिर्वरायांमेघोजलंवर्षति शोभनप्रियम् । गोधूमशालीक्षुधनप्रियंगु वृक्षेषुपुष्पाणिसुखप्रदानि ।। धान्येशोगुरुःफलम् ।। गुरौवान्यपतौयान्तियवगोधूम-शालयः । पच्यन्तेसर्वदेशेषु यज्वानोव्रह्मवादिनः ।। मेघेशोभौमःफलम्।। अवनिजेजलदस्यपतौ भुविश्रुतिविचारविहीन-धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरंजलमल्पकंक्वचिदपिप्रचुरंबहुतापदम् ।। रसेशोरविफलम् ।। रसपतौ तरणौधरणीतदाविरस भोगरताल्पपयोवराः । वसन तैल घृतप्रियमानवाःसुखरसंनभुनक्तिमहीपतिः ।। निरसेशःशुक्रस्तत्फलम् ।। कर्पूरागरुगन्धाना हेममौतिमकवाससां । अर्घवृद्धिःप्रजायेतनीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेश्चंद्रस्तत्फलम् ।। यदिविधुःफलयोद्रुमराजयःफलयुता-वलिभिःकुसुमैर्यूताद्विजमुखावरभोग समन्वितानृपतयो नयनाटनतत्पराः ।। धनेशोगुरुःतत्फलम् ।। सुमनसांचगुरुर्द्रविणाधिपः वणिज्वृत्तिपराःसुखभाजनाः । फलितपुष्पित भूमिरुहाःसदाविविधद्रव्ययुताभुविमानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढपतिर्मृगलांधनकोयदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनोनरवरा वरवर्णितविग्रहाः ।। शोभ-कृन्नामसंवत्सरःफलम् ।। शोभकृद्वत्सरेधात्री प्रजानांरोगशोकदा । तथापिसुखिनो लोकाबहु सस्यार्घवृष्टिभिः ।। वर्षनाम-भाद्रपदःफलम् ।। अर्घमहर्घतां यतिधनधान्यसमंभवेत् । मघवावर्षतिस्वच्छं संपर्दो भाद्रवर्षके ।। मेघनामपुष्करःफलम् । पुष्करेमंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणीनिवासःपर्वतेफलम् ।। पर्वतेविंदुमात्रश्च । समय निवासःकुंभकारगृहे फलम् । अनावृष्टिःप्रजापतौ । एवं संचित्य दैवज्ञैःकथनीयंशुभाशुभम् ।।

संवत् २०६५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. वैशाख मासः ।

शु. २ शनौ रोहि. ल. ऽन्यगो रे १०।।।।।।।।।

,, ७ गुरौ मघा ल. १ (घ५६।५६उ)रे.६।।।।।।ऽ।।

,, १० रवौ हस्ते ल .गो. रे ६।।ऽगुऽगुऽरोऽ।।आवश्यके

ज्येष्ठ मासः ।

कृ. २ शनौ मूले ल. गो. १ रे८ऽऽ।।।।।।।

,, ४ चन्द्रे उषा ल. गो रे.७।।।ऽ।ऽ।ऽ घ. ४० उ. क्रांतिसाम्यम्

,, ६ रवौ उषा ल. ऽ न्यगो रे।।ऽ बृ ।ऽ।(नृप.४६'ऽऽ।।

शु. १० चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. १ रे ।।।।ऽचौऽ।।। मेषे चन्द्रो ७र्च्यः

१२ बुधे अनु ल. ऽन्यगो २ रे।ऽ।।।ऽरो.।।।।वृषे चन्द्रोऽर्च्यः

आषाढमासः

कृ. १ रवौ उषा ल. १ रे.।।।।।।।।ऽ। क्रांतिसा

,, ७ शनौ उमा ल. ऽ न्यगो१-२रे६।।बृ।ऽऽरो।ऽ।।आव

,, ११ गुरौ रोहि. ल. १ रे६ऽऽ।।।ऽनृप।ऽ।।आवस्यके

कार्तिक मासः

शु. १२ गुरौ रवे ल. गो. रे ६ऽ।।।ऽऽअऽ।।।

मार्गशीर्षमासः

कृ. १ चन्द्रे रोहि. ल. ५ गु. पू. रे७।।।।ऽऽचौ।ऽ।।

मार्गशिर्ष मासः

कृ. २ भौमे मृगे ल. ५-७ रे८।।।।ऽ।ऽ।।।सिंहे गु. पू.

,, ८ चन्द्रे उफा ल. ७ रे।।।।ऽऽनृ।ऽ।।

,, ६ भौमे उफा. ल.५गु. पू. रे७।।।।ऽ।।ऽ।ऽघ४१।४६या.

,, १२ गुरौ स्वात्यां ल. ५ गु. पू. रे।।ऽशु।।।ऽघ.५४यम।।

शु. ३ बुधे उषा. ल. ७ रे ऽ।।।।ऽनृ।।।।

माघमासः ।

कृ. ४ रवौ उफा. ल. गो ७-८ रे६।।।।।।।ऽ।।गोधूल्यां सप्तमस्थभौमदोषः

शु. ६ शनौ रोहि ल. गो. रेऽ।।।।ऽग्र भौम ७ मस्यदोषः गणितेनक्रांति साम्याऽ भाव

,, १५ शुक्रे मघा. ७-८ रे७।।।ऽ।ऽऽ।तुलयां १२ शनि ल. ८ घ. ४७ या.

फाल्गुन मासः

कृ. १ शनौ उफा ल. ८ रे।।।।ऽ चौ ।।।।

,, ७ गुरौ अनु ल. ऽन्यगो ७-८रे. ६ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

अन्यगो. सप्तमस्थभौम दोषः

शु. २ चन्द्रे रेव ल. ८-१०रे. ६ऽ।।।ऽऽनृ ५२या.ऽ।।।

शु. ६ शुक्रे रोहि. ल. ८-१०रे.६ऽ।।।।ऽरो.५२ या ऽऽ।।

वृश्चिके चन्द्रो ऽर्च्यः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः स० २०६७ शाकः १९३२												दि	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६५५४ स.२०१०
१	मं	५३	२०	पू	०	४३	शु	१०	३५	किं	२१	१६	२९/४३	६/३	५/७	२५	२९	१६	मीने	संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	बु	५६	३६	उ	५	५९	शु	१०	४७	बा	२४	५८	४७	३	५७	२६	३०	१७	मीने	उभा. रविः५८।४५पूभा.१गुरुः४३।४३A
३	गु	५८	५५	रे	१०	१४	ब्र	१०	१७	तै	२७	४६	५१	२	५८	२७	१	१८	मे१०।१४	उभा. रविः सौरः २।५७ रविलाखर४D
४	शु	५९	५५	अ	१३	३२	ऐं	८	४१	व	२९	२५	५५	१	५९	२८	२	१९	मेषे	भ.२९।२५उ.५९।५५या
५	श	६०	०	भ	१५	४३	वै	६	३३	ब	२९	५७	३/०	६/०	६/०	२९	३	२०	वृ.३१।१	उदयंगुरोः४१।२४
६	र	५८	५५	कृ	१६	५६	वि	३/६	५५/४७	कौ	२९	२७	४	५९	१	३०	४	२१	वृषे	[Aचंद्रदर्शनंम सिंधारा
७	चं	५६	३८	रो	१७	२	आ	५४	३४	ग	२७	४६	८	५८	२	१	५	२२	मि. ४६/२२	भ.५६।३८ उ. पूपा.३ राहुः पुन.१ केतुः÷
८	मं	५३	१३	मृ	१५	२७	सौ	४८	४३	वि	२४	५८	१२	५८	२	२	६	२३	मिथुने	भ.२४।५८या. रेवत्यां बुधः२२।२२
९	बु	४८	३८	आ	१३	२६	शो	४१	४२	बा	२०	५५	१६	५७	३	३	७	२४	कं.५५।४९	रामनवमी [÷४२।२१रा. चैत्रारंभः
१०	गु	४२	५१	पु	९	५७	अ	३३	५०	तै	१५	४६	२१	५६	४	४	८	२५	कर्के	[Dमत्स्य जयंती गणगौरी
११	शु	३६	७	पु	५/३२	५४/१७	सु	२५	१३	व	९	२९	२५	५५	५	५	९	२६	सिं५९।४९	भ.९।२९उ. ३६।७ या. अश्वि. मेषे=
१२	श	२८	१४	म	५३	३३	धृ	१६	४	व	२	११	२९	५४	६	६	१०	२७	सिंहे	बुधोदयः पश्चिमायां२७।३६प्रदोषः
१३	र	१९	५०	पू	४७	१	शू	६/१५	५०/१०	तै	१९	५०	३३	५३	७	७	११	२८	सिंहे	[=शुक्रः४८।४३कामदा११व्र.
१४	चं	११	२०	उ	४०	३८	बृ	४६	८२	व	११	२०	३७	५३	७	८	१२	२९	कं.०।२५	भ.११।२० उ.३७।१२ या. अश्वि. मेषे+
१५	मं	३	३	ह	३४	५४	ध्रु	३७	५८	ब	३	३	४१	५२	८	९	१३	३०	कन्यायां	हनुमज्जयंती [+बुधः४९।१२

५०पं. चै.शु.७ चं.इ. ४३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१०	११	५	८	११
८	७	१५	२१	२४	७	२३	७
३	५७	२३	७	५७	२४	१९	५९
१८	७	२८	८	५०	२९	५५	००
५९	९	३/०	१३	७४	४/०	३	५९
२९	५२	६/४	२५	१४	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में बुधवार का चन्द्रदर्शन धातु सोना चांदीरुई तिल सूत में मंदी लावेगा धान्यव रस में तेजी रहेगी।

गोचर ग्रहाः

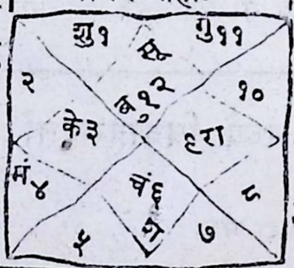

५१पं.चै. शु.१४चं.इ. ४४/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१०	०	५	८	११
१४	९	२९	२२	३	६	२२	१४
५९	१	५१	४५	३६	५१	५७	५५
१०	४३	७	११	४३	२२	४०	९
५९	१५	०	१३	७४	४/३८	३	५९
१६	३२	१४	१४	४	व.	११	१८

ति.	प्र. वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	५२	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+२२।८वक्री उफा. ३ शनिः ११।२८=
२	बु	४८	४५	चि	३०	३४	व्या	३०	१३	तै	२२	१६	३१/४५	५/५१	६	१०	१४	३१	तु.२।४४	रेवत्यां रविः२६।३४(सौरः३०।५४)
३	गु	४५	१४	स्वा	२७	३९	ह	२३	४०	व	१७	५९	४९	५०	१०	११	१५	१	तुलायां	भ.१७।५९उ.४५।१४ या. पूभा.२ गुरुः+
४	शु	४२	५९	वि	२६	५८	व	१८	५५	ब	१४	६	५३	४९	११	१२	१६	२	वृ.११।५६	चतुर्थी व्रतम्
५	श	४२	४२	अ	२७	५५	सि	१५	४६	कौ	१२	३५	५६	४९	११	१३	१७	३	वृश्चिके	[=अप्रेल४ता.३०
६	र	४४	३३	ज्ये	३१	१४	व्य	१४	२७	ग	१३	३८	३/१	४८	१२	१४	१८	४	ध.३१।१४	भ.४४।३३उ.
७	चं	४८	२३	मू	३६	११	व	१४	४	वि	१६	२८	५	४७	१३	१५	१९	५	धनुषि	भ.१६।२८या.
८	मं	५२	३७	पू	४२	४४	प	१५	१३	बा	२१	०	८	४६	१४	१६	२०	६	म.५९।३०	भरण्यां शुक्रः३७।५०
९	बु	५९	३४	उ	४९	५०	शि	१७	१७	तै	२६	३५	१२	४६	१४	१७	२१	७	मकरे	भरण्यां बुधः२९।२०
१०	गु	६०	०	श्र	५७	३१	सि	१९	३५	व	३२	४७	१६	४५	१५	१८	२२	८	मकरे	भ.३२।४७उ.
१०	शु	६	१	ध	६०	०	सा	२२	७	वि	६	१	१९	४४	१६	१९	२३	९	कुं.३१।१६	भ.६।१या.
११	श	११	३७	ध	५	२	शु	२४	१७	बा	११	३०	२३	४३	१७	२०	२४	१०	कुम्भे	वरूथिनी११व्र.
१२	र	१८	२३	श	१२	५	शु	२५	५१	तै	१८	२३	२६	४३	१७	२१	२५	११	कुम्भे	प्रदोषः
१३	चं	२२	५८	पू	१८	११	ब्र	२६	४७	व	२२	५८	३०	४२	१८	२२	२६	१२	मी.१।४०	भ.२२।५८उ.५४।३९या.
१४	मं	२६	२०	उ	२२	५९	ऐं	२६	३८	श	२६	२०	३४	४१	१९	२३	२७	१३	मीने	
३०	बु	२८	४५	रे	२६	५३	वै	२५	३८	ना	२८	४५	३८	४०	२०	२४	२८	१४	मे.२६।५३	अश्वि. मेषेऽर्कः०।२५(सौरः४।५८)

५२पं.वै.कृ.७चं.इ.४४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	०	१०	०	५	८	११
२१	१०	१०	२४	१२	६	२२	२१
५३	२३	४५	२१	१४	१९	३५	४९
३१	५०	७	४०	२४	१२	२४	२०
५९	१८	८१	१२	७३	४/२२	३	५९
४	१०	०	५६	५६	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

प्रथम वैशाख कृष्णे ३०बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ सुतार्थिन्यवस्था (सूती) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्.

गोचर ग्रहाः

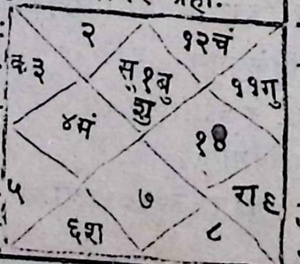

१पं. वै.कृ.३०बु.इ.०।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१०	०	५	८	११
०	१२	१७	२६	२२	५	२२	२९
०	५०	५४	१५	२०	४०	९	५५
०	३५	४७	१८	१७	५२	१७	३२
५८	२१	२४	१२	७३	५/३	३	५८
४४	४३	२३	२५	५०	व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.बैशाखशुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः६५८४सन् २०१०
१	गु	२६	४७	अ	२६	२३	वि	२३	३२	ब	२६	४७	३१/४२	५/४०	६/२०	२५	२९	१५	मेषे	पूभा. ३ गुरुः ५६।३३
२	शु	२६	३६	भ	३०	४७	प्री	२०	३८	कौ	२६	३६	४६	३६	२१	२६	३०	१६	वृ.४५।५३	चंद्र दर्शनम्
३	श	२८	२७	कृ	३१	११	आ	१६	५४	ग	२८	२७	५०	३८	२२	२७	१	१७	वृषे	भ.५७/२५उ.वक्री बुधः३६/५७ कृति.शुक्रः३१/५५ +
४	र	२६	२३	रो	३०	३७	सौ	१२	२८	वि	२६	२३	५३	३७	२३	२८	२	१८	वृषे	भ.२६।२३या. [+ जमादि लावल ५
५	चं	२३	३१	मृ	२९	२६	शो	७	३२	बा	२३	३१	५७	३७	२३	२९	३	१९	मि. ०।१	बुधास्तः पश्चिमायां ५१।४
६	मं	२०	२	आ	२७	३४	अ	२/०	५३/५१	तै	२०	२	३२/१	३६	२४	३०	४	२०	मिथुने	वृषे शुक्रः१५।१७
७	बु	१५	४३	पु	२५	१३	धृ	४६	१०	व	१५	४३	५	३५	२५	१	५	०	क.१०/४९	भ.१५/४३उ.४३/२३ या. रा. वैशाखारंभः
८	गु	११	२	पु	२१	५२	शू	४२	८	ब	११	२	९	३४	२६	२	६	२१	कर्के	
९	शु	५	४३	श्ले	१८	८	गं	३४	२७	कौ	५	४३	१२	३४	२६	३	७	२२	सिं. १/८	
१०	शु	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२३	०	
११	श	५३	१६	म	१३	५२	वृ	२६	२६	व	२६	३१	१६	३३	२७	४	८	२४	सिंहे	भ.३६/३५उ.५३/९६या. कमला ११ व्र. स्मा.
१२	र	४६	२९	पू	९	११	ध्रु	१८	१७	ब	२०	५३	२०	३२	२८	५	९	२५	क. २३/०	आश्ले.भौमः४१।१ कमला ११ व्र. वै.
१३	चं	३६	४७	उ	४/३९	५४/२५	व्या	१०	४	कौ	१३	८	२३	३१	२६	६	१०	२६	कन्यायां	
१४	मं	३४	३२	चि	५५	४७	ह	२/११	५२/३१	ग	८	१०	२७	३१	२९	७	११	२७	तु.२७।४७	भ.३४/३२उ.भरण्यां रविः४०/३८(सौरः४६।२३)
१५	बु	२७	५५	स्वा	५२	५०	सि	४८	१३	वि	१	१३	३१	३०	३०	८	१२	२८	तुलायां	भ.१।१३या.रोहि.शुक्रः२७।२२

२पं.प्र.बै.शु.७ब.इ.०।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१०	१	५	८	०
६	१५	१८	२७	०	५	२१	६
५०	८	१६	४५	५५	१४	४७	४५
४२	३४	४८	४	४१	३५	१	४३
५८	२४	२२/३१	१२	७३	३/४३	३	५८
३१	१६	व.	८	४४	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

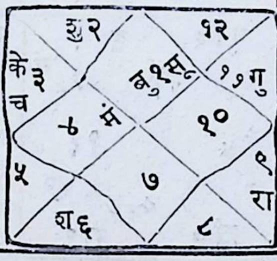

इस मासमें सोना चांदी ताम्बा लोहा वस्त्र रुई घृत तेल धान्य गुड सक्कर चीनी गन्ना में तेंजी रहे या घटा-बढी हो ।

गोचर ग्रहाः

३पं.प्र.बै.शु. १५बु.इ.०।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१०	१	५	८	०
१३	१७	१४	२९	९	४	२१	१३
२९	४१	१८	१२	२७	५१	२४	३४
४७	५३	५६	५०	२२	२०	४६	८
५८	२६	३८/१३	११	७३	३/४	३	५८
१९	३२	व.	३०	३७	व.	११	१२

ति.	द्वि.बैशाखकृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूं रविरुत्तरे प्र.बैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	२३	३६	वि	५१	२३	व्य	४२	५०	कौ	२३	३६	३२/३४	५/२९	६/३१	९	१३	२९	वृ.३६।४३	वक्री आश्विन्यां बुधः ३३।२८
२	शु	२१	१	अ	५१	३१	व	३८	५०	ग	२१	१	२८	२८	३२	१०	१४	३०	वृश्चिके	भ.५०।३२उ.
३	श	२०	३	ज्ये	५३	३४	प	३६	२५	वि	२०	३	४१	२८	३२	११	१५	१	ध. ५३/३४	भ.२०।३या.पूभा.४गुरुः३२।३१ मई ×
४	र	२०	५८	मू	५७	२२	शि	३५	२८	बा	२०	५८	४५	२७	३३	१२	१६	२	धनुषि	[× ५ ता० ३१ चतुर्थी व्र.
५	चं	२३	५०	पू	६०	०	सि	३५	३७	तै	२३	५०	४८	२६	३४	१३	१७	३	म.१९।३५	
६	मं	२८	२९	पू	२	५४	सा	३७	१	व	२८	२९	५२	२६	३४	१४	१८	४	मकरे	भ.२८।२९उ.
७	बु	३३	५०	उ	९	३७	शु	३८	५३	वि	१	९	५५	२५	३५	१५	१९	५	मकरे	भ.१।९या.
८	गु	४०	१०	श्र	१६	५६	शु	४१	२६	बा	७	०	५८	२४	३६	१६	२०	६	कुं.५०।४३	
९	शु	४६	३०	ध	२४	२९	ब्र	४३	४८	तै	१३	१५	३/३	२४	३६	१७	२१	७	कुंभे	बुधोदयः पूर्वस्यां १६।९
१०	श	५२	७	श	३१	४७	ऐं	४५	४६	व	१९	१३	५	२३	३७	१८	२२	८	कुंभे	भ.१९।१३उ.५२।७या.
११	र	५६	५९	पू	३८	१७	वै	४६	५९	ब	२४	३१	८	२२	३८	१९	२३	९	मी. २१/४०	मृगे शुक्रः २९।२८ कमला ११ व्र.
१२	चं	६०	०	उ	४३	१०	वि	४७	२	कौ	२८	३५	११	२२	३८	२०	२४	१०	मीने	
१२	मं	०	१३	रे	४७	१	प्री	४५	५७	तै	०	१३	१४	२१	३९	२१	२५	११	मे.४७।१	कृति. रविः२६।३४(सौरः३४।१५)
१३	बु	२	७	अ	४८	५०	अ	४३	३९	व	२	७	१७	२१	३९	२२	२६	१२	मेषे	भ.२।७उ.३२।१४या.
१४	गु	२	२०	भ	४९	३०	सौ	४०	४	श	२	२०	२०	२०	४०	२३	२७	१३	मेषे	[÷मिथुने शुक्रः५८।११
३०	शु	०	५६	कृ	४८	४७	शो	३५	२२	ना	०	५६	२३	१९	४१	२४	२८	१४	वृ.४।१९	वृषेऽर्कः ५३।४९ मार्गी बुधः १०।६ ÷

४ पं.द्वि.बै.कृ.७बु.इ. १।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	१	५	८	०
२०	२०	१०	०	१७	४	२१	२०
२७	३०	४३	३७	५६	३१	२	२०
२५	१८	५९	८	५६	१९	३०	५२
५८	२८	२९/१६	१०	७३	२/२४	३	५७
६	१७	व.	५८	२०	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

द्वि. वैशाख कृष्णे ३० शुक्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ कुभार्यवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

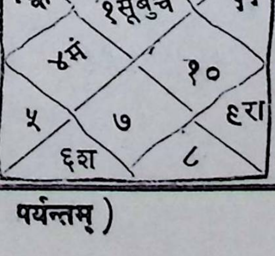

५ पं.द्वि.बै.कृ.१३बु.इ. ३/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	११	१	५	८	०
२७	२३	८	१	२६	४	२०	२७
२३	३१	५७	५६	२४	१५	४०	६
३७	२२	३२	५६	५०	५८	१५	६
५७	३०	८/३४	१०	७३	१/४६	३	५७
५४	४२	व.	२१	११	व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः१९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गं ६६१३ स.२०१०
१	शु	५७	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५४	४०	रो	४७	११	अ	३०	१	बा	२६	३५	३३/२६	५/१९	६/४१	२५	२९	१५	वृषे	वृषेऽर्कः सौरः २।२ चंद्रदर्शनम्
३	र	५०	१९	मृ	४४	४०	सु	२३	५८	तै	२२	२९	२८	१८	४२	२६	१	१६	मि१५।२५	जमादि लाखर ६ परशुराम जयंति अ.३
४	चं	४५	२५	आ	४१	३८	धृ	१७	१३	व	१७	५२	३१	१८	४२	२७	२	१७	मिथुने	भ. १७।५२ उ. ४५।२५ या.
५	मं	४०	१८	पु	३८	२८	शू	१०	३४	ब	१२	५१	३४	१७	४३	२८	३	१८	क.२४।१६	
६	बु	३४	५६	पु	३५	८	गं	४ ३/१	५ ३/५	कौ	७	३७	३७	१७	४३	२९	४	१९	कर्के	उभा. १ गुरू. ५९।१३
७	गु	२९	२९	श्ले	३१	४३	ध्रु	४९	४४	ग	२	१३	३९	१६	४४	३०	५	२०	सिं३१।२६	भ.२९।२९उ.५६।५६ या. आर्द्रा शुक्र ३/२ २/३
८	शु	२४	२३	म	२८	२२	व्या	४२	४८	व	२४	२३	४२	१६	४४	३१	६	२१	सिंहे	[= मघा. सिंहे भौमः ५९।१६ प्रदोषः
९	श	१८	५९	पू	२४	५८	ह	३५	४६	कौ	१८	५९	४४	१५	४५	१	७	२२	कं.३९।११	रा. ज्येष्ठारंभ
१०	र	१३	५८	उ	२१	५९	व	२९	९	ग	१३	५८	४७	१५	४५	२	८	२३	कन्यायां	भ. ४१।२५ उ. भरण्यां बुधः २०।५४
११	चं	८	५२	ह	१८	५७	सि	२२	३६	वि	८	५२	४९	१४	४६	३	९	२४	तु.४७।४३	भ. ८।५२ या. पूषा २ राहुः आर्द्रा÷
१२	मं	४	१६	चि	१६	३०	व्य	१६	३२	बा	४	१६	५२	१४	४६	४	१०	२५	तुलायां	रोहि. रविः१७।२३ सौरः २८।१०)=
१३	बु	०	१४	स्वा	१४	३४	व	१०	५८	तै	०	१४	५४	१३	४७	५	११	२६	वृ.५८।५५	भ. ५७।० उ० नृसिंह जयंती
१४	बु	५६	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ ४ कतुः ४०।५२ मोहिनी ११ व्र.
१५	गु	५५	३	वि	१३	४२	प	६	१०	वि	२६	१	५६	१३	४७	६	१२	२७	वृश्चिके	ग. २६।१ या. यमाय कुंभदानम्

६ पं.द्वि.बै.शु.६ बु.इ. ३०/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	११	२	५	८	१
३	२६	१०	३	४	४	२०	३
५८	४१	३९	१०	४९	५	१७	४९
३७	२०	१८	४४	४१	२	५९	४८
५७	३१	१९/०	९	७२	१/२	३	५७
४४	१६	मा	३८	५०	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

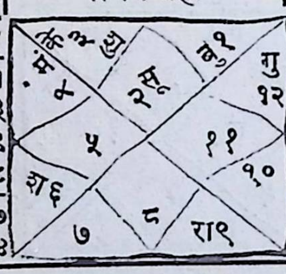

इस मास में गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों, बाजरा, मूंग चांवल तेज होवे। तेरह दिन का पक्ष अशुभ है धूप अधिक है हैजा आदि रोग की वृद्धि।

गोचर ग्रहाः

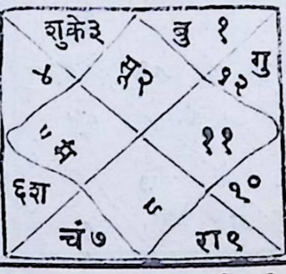

७ पं.द्वि.वै.शु. १३ बु.इ. ३६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	२	५	८	१
१०	०	१५	४	१३	३	१९	१०
४२	१	३७	२१	१२	५९	५५	३२
२९	१६	५१	३६	४७	४६	४३	००
५७	३२	५१	८	७२	२/२०	३	५७
३५	११	२८	५०	३२	व.	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः सं० २०६७ शाकः १९३०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे द्वि. वै.कृष्णेति महा.
१	शु	५४	२५	अ	१४	११	शि	२/३०	५७/१०	बा	२४	४४	३३/५८	५/१२	६/४८	७	१३	२८	वृश्चिके	
२	श	५५	३२	ज्ये	१५	४६	सा	५८	३१	तै	२४	५८	३४/०	१२	४८	८	१४	२९	ध.१५।४६	मार्गी शनिः ५२।४१
३	र	५७	५४	मू	१९	५	शु	५८	१	ब	२६	४३	२	१२	४८	९	१५	३०	धनुषि	भ.२६।४३उ.५७।५४ या. पातस्पर्शः ५५/३२
४	चं	६०	०	पू	२३	४८	शु	५८	५५	ब	२९	३८	३	११	४१	१०	१६	१	म.४०।२२	पु. शुक्रः ४४/५७ पातमोक्षः ३/२० चतुर्थीव्र.
४	मं	१	२३	उ	३०	२	त्र	६०	०	बा	१	२३	५	११	४६	११	१७	२	मकरे	जून ६ ता. ३०
५	बु	७	८	श्र	३६	५६	ब्र	०	३१	तै	७	८	७	११	४९	१२	१८	०	मकरे	
६	गु	१३	८	ध	४४	३३	ऐं	२	५१	व	१३	८	९	१०	५०	१३	१९	३	कुं.१०।४४	भ. १३।८ उ. ४६।१२ या.
७	शु	१९	१६	श	५१	५१	वै	५	१६	व	१९	१६	१०	१०	५०	१४	२०	४	कुम्भे	कृत्तिबुधः २७।३१
८	श	२५	२२	पू	५८	५८	वि	७	३५	कौ	२५	२२	१२	१०	५०	१५	२१	५	मी. ४२/११	
९	र	३०	२३	उ	६०	०	प्री	९	२४	ग	३०	२३	१३	९	५१	१६	२२	६	मीने	वृषे बुधः ४३।२९
१०	चं	३३	५३	उ	४	४१	आ	१०	८	व	२	१०	१५	९	५२	१७	२३	७	मे.९।०	भ. २।१० उ. ३३।५३ या.
११	मं	३६	८	रे	९	०	सौ	९	४५	ब	५	२	१६	९	५१	१८	२४	८	मेषे	मृगे रविः १२/१६ (सौरः २७/००)अपरा ११व्र.
१२	बु	३६	२७	अ	११	२८	शि	७	५८	कौ	६	१७	१७	९	५१	१९	२५	९	वृ. २९।०	कर्के शुक्रः ११।५६
१३	गु	३४	४२	भ	१२	१६	अ	४/२९	५५/१३	ग	५	३५	१८	८	५२	२०	२६	१०	वृषे	भ. ३४।४२ उ. प्रदोषः
१४	शु	३१	१३	कृ	११	१२	धृ	५३	४३	वि	२	५८	१९	८	५५	२१	२७	११	मि. ३६/४६	भ. २।५८ या. उभा. २ गुरुः ३४।७
३०	श	२६	२०	रो	८	४०	शू	४६	३७	ना	२६	२०	१९	८	५२	२२	२८	१२	मिथुने	रोहि. बुधः ३०/५६ पुण्ये शुक्रः ०।९ वट पू.

८पं. ज्ये.कृ. ५ बु.इ. १।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	११	२	५	८	१
१७	३	२३	५	२१	३	१९	१७
२५	२९	३२	२५	३२	५८	३३	१२
१९	२०	५६	१२	१३	८	२८	५
५७	३३	७६	८	७२	१/०	३	५७
२७	१५	५८	०	६	मा	११	१३

गोचर ग्रहाः

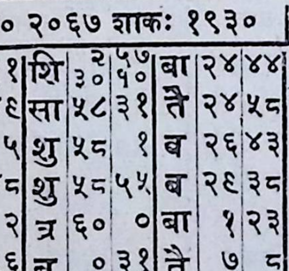

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथी क्षय धान्य गल्ला सोना, चांदी, गुड, सक्कर गन्ना में तेजी करेंगी वायु के साथ वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

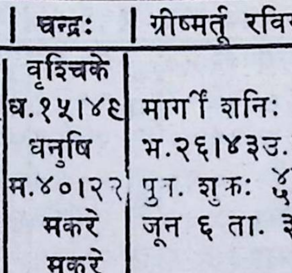

९ पं. ज्ये. कृ.१२बु.इः ४२/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	११	२	५	८	१
२४	७	३	६	२९	४	१९	२३
७	४	५८	२२	४७	२	११	५६
१९	५९	४१	४१	४६	२९	१२	१
५७	३३	[illegible]	६	७१	१	३	५७
२२	५८	३/१०	४९	४४	२	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६६४३सन्२०१०
१	र	२०	१६	मृ	४	५२	गं	३८	४७	ब	२०	१६	३४/२०	५/८	६/५२	२३	२६	१३	मिथुने	चंद्र दर्शनम्
२	चं	१३	२८	आ	१/१३	५५/२२	बृ	३०	५३	कौ	१३	२८	२१	८	५२	२४	१	१४	क. ४९/३१	रज्जव ७
३	मं	६	३९	पु	५०	३६	ध्रु	२२	१७	ग	६	३६	२१	८	५२	२५	२	१५	कर्के	भ.३३/८उ.५९/३८या.मिथुनऽर्कः ३१/५० (सौरः ३७/४८)
४	मं	५२	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	बु	५३	२	श्ले	४५	५६	व्या	१४	४	ब	२६	२०	२२	८	५२	२६	३	१६	सिं. ४५/५६	
६	गु	४७	१	म	४१	४७	ह	६/१२	५२/३६	कौ	२०	१	२२	८	५२	२७	४	१७	सिंहे	बुधास्तः पूर्वस्यां २५।१
७	शु	४१	१८	पू	३८	५	सि	५१	३८	ग	१४	१०	२३	७	५३	२८	५	१८	कं.५२।२७	भ.४१।१८उ.
८	श	३६	३०	उ	३५	३२	व्य	४५	१६	वि	८	५४	२३	७	५३	२९	६	१९	कन्यायां	भ.८।५४या.मृगे बुधः ३४।५
९	र	३२	१४	ह	३३	०	व	३९	३२	बा	४	२२	२३	७	५३	३०	७	२०	कन्यायां	पूफा.भौमः५२।५५
१०	चं	२८	५६	चि	३१	३८	प	३५	२२	तै	०	३५	२४	७	५३	३१	८	२१	तु.२।१९	भ.५७।३४ उ. गंगादशमी
११	मं	२६	१३	स्वा	३१	०	शि	२९	५२	वि	२६	१३	२४	७	५३	१	९	२२	तुलायां	भ.२६/१३या.आर्द्रा.रविः ६/४५ (सौरः ३९/३१) +
१२	बु	२४	३२	वि	३१	१९	सि	२६	४	बा	२४	३२	२४	७	५३	२	१०	२३	वृ.१५।१४	आश्ले. शुक्रः२८।२४प्रदोषः
१३	गु	२३	५३	अ	३२	२१	सा	२३	१६	तै	२३	५३	२४	७	५३	३	११	२४	वृश्चिके	[+मिथुने बुधः ३९/३९रा. आषाढारंभेः ÷
१४	शु	२४	१३	ज्ये	३४	३८	शु	२१	४	व	२४	१३	२४	७	५३	४	१२	२५	ध.३४।३८	भ.२४/१३उ.५५।४या. [÷ निर्जला ११व्र.
१५	श	२५	५५	मू	३८	१४	शु	२०	१६	ब	२५	५५	२३	७	५३	५	१३	२६	धनुषि	आर्द्रा.बुधः४।५५गुर्जराणा वट सावित्रीव्र.

१०पं.ज्ये.शु.५बृ.इ.१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	११	३	५	८	२
०	१०	१६	७	७	४	१८	१०
४८	४७	२५	१३	५९	११	४८	३२
२६	५३	१	४८	५६	३१	५७	१०
५७	३४	७/०	६	७१	१	३	५६
१७	४९	५/१४	५	१०	३५	११	५७

गोचर ग्रहाः

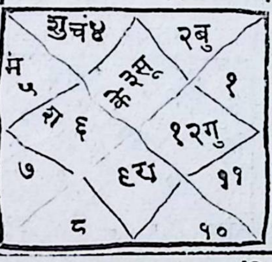

ज्येष्ठ शुक्ले ३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ६ प्रगल्भावस्था (बैठी, मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चियाम् ।

गोचर ग्रहाः

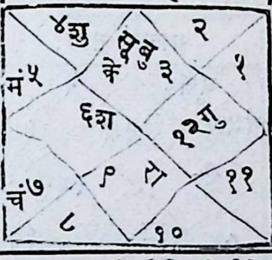

११पं.ज्ये.शु.१२बु.इ.१/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	३	५	८	२
७	१४	०	७	१६	४	१८	७
२९	३५	४२	५७	८	२७	२६	१०
३१	४६	५०	०	२८	८	४१	३७
५७	३५	७/०	४	७०	२	३	५६
१२	२०	५/५५	५८	४०	२०	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	आ	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा०
१	र	२८	५२	पू	४२	५७	ब्र	१९	४९	कौ	२८	५२	३४/२३	५/७	६/५३	६	१४	२७	म. ५९/२६	
२	चं	३३	४	उ	४८	५२	ऐं	२०	३५	तै	०	५८	२२	८	५२	७	१५	२८	मकरे	
३	मं	३८	७	श्र	५५	२२	वै	२१	५९	व	५	३५	२२	८	५२	८	१६	२९	मकरे	भ.५।३५उ.३८।७या.
४	बु	४४	०	ध	६०	०	वि	२४	२	ब	११	३	२१	८	५२	९	१७	३०	कुं.२९।८	चतुर्थी व्र.पातस्पर्शः१३।१५पातमोक्षः ३७/१०
५	गु	५०	२	ध	२	५५	प्री	२६	३२	कौ	१७	१	२०	८	५२	१०	१८	१	कुंभे	पुन.बुधः५१।४५ जौलाई ७ ता. ३१
६	शु	५६	१६	श	१०	२६	आ	२९	९	ग	२३	९	१९	८	५२	११	१९	२	कुम्भे	भ.५६।१६उ.
७	श	६०	०	पू	१७	५६	सौ	३१	२७	वि	२९	३	१८	८	५२	१२	२०	३	मी. १।४	भ.२९।३या.
७	र	१	४९	उ	२४	३४	शो	३२	५५	ब	१	४९	१७	९	५१	१३	२१	४	मीने	
८	चं	६	१४	रे	३०	५	अ	३३	३४	कौ	६	१४	१६	९	५१	१४	२२	५	मे.३०।५	मघा.सिंहे शुक्रः९।१७
९	मं	९	९	अ	३४	१०	सु	३२	४४	ग	९	९	१५	९	५१	१५	२३	६	मेषे	भ.३९/३८उ.पुन.रविः ६/४५ (सौरः३३।२३) ×
१०	बु	१०	७	भ	३६	०	धृ	३०	२५	वि	१०	७	१४	९	५१	१६	२४	७	वृ.५०।५८	भ.१०।७या.पातस्पर्शः३५।१०
११	गु	९	६	कृ	३५	५०	शू	२६	२७	बा	९	६	१३	९	५१	१७	२५	८	वृषे	पुष्ये बुधः २६/४५पातमोक्षः ०/३१योगिनी११व्र.
१२	शु	६	४	रो	३३	५३	गं	२०	५८	तै	६	४	११	१०	५०	१८	२६	९	वृषे	प्रदोषः [×कर्के बुधः३५।२०
१३	श	१	५	मृ	३०	११	बृ	१४	४	व	१	५	१०	१०	५०	१९	२७	१०	मि. २।२	भ.५/१उ.२७/५५या.बुधोदयः पश्चिमायां ३।१५
१४	श	५३	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	र	४६	३९	आ	२४	५८	ध्रु	५/५०	५०/५५	च	२०	२९	८	१०	५०	२०	२८	११	मिथुने	

१२ पं.आ.कृ.४बु.इ.१।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	११	३	५	८	२
१४	१८	१६	८	२४	४	१८	१३
९	३०	४	३१	१०	४३	४	४८
५२	१४	८	५२	५२	४८	२५	४२
५७	३६	७/०	३	६९	३	३	५६
७	१०	०/२६	५२	५६	१	११	५०

गोचर ग्रहाः

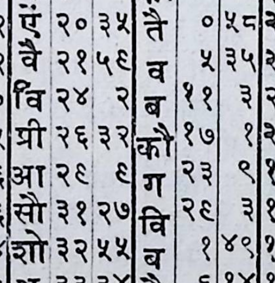

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर कुछ मंदे होवे तथा धातु सोना चांदी तांबा लोहा गुड़ सक्कर चीनी तेज होवे । खंड वर्षा होगी ।

गोचर ग्रहाः

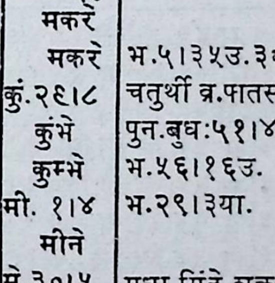

१३पं.आ.कृ.१०बु.इ. १/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	११	४	५	८	२
२०	२२	०	८	२	५	१७	२०
५०	२८	५०	५८	९	५	४२	२६
२४	२६	४६	१९	७	३१	१०	३६
५७	३६	७/०	२	६९	३	३	५६
७	२७	०/२५	३४	२	३२	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	अषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण६६७२ स.२०१०
१	चं	३८	४	पु	१८	५३	ह	४७	८	किं	१२	२१	३४/७	१५	४६/९	२१	२९	१२	क. ५।२५	
२	मं	२९	१९	पु	१२	२५	व	३७	१९	बा	३	४१	५	११	४९	२२	३०	१३	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु	२०	४९	श्ले	५/४७	५३/२८	सि	२७	४१	ग	२०	४९	३	११	४९	२३	१	१४	सिं. ५।४७	भ. ४६/४५ उ. उफा. भौम: १४/२६ सावन ८
४	गु	१२	४२	पू	५४	१	व्य	१८	१७	वि	१२	४२	१	१२	४८	२४	२	१५	सिंहे	भ. १२।४२ या. आश्ले. बुध: २१।४८
५	शु	५	३९	उ	४९	४३	ब	१०	५	बा	५	३९	३३/५९	१२	४८	२५	३	१६	कं. ७।५६	कर्केऽर्कः ३८।१ पूफा. शुक्र: ५७।५
६	शु	५३	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	श	५४	५३	ह	४६	४०	प	२/३९	५३/२६	ग	२७	१३	५७	१३	४७	२६	४	१७	कंन्यायां	भ. ५४।५३ कर्केऽर्कः सौर: ६।७
८	र	५१	२२	चि	४४	५६	सि	५०	४१	वि	२३	८	५५	१३	४७	२७	५	१८	तु.१५।४७	भ. २३।८ या.
९	चं	४९	९	स्वा	४४	३२	सा	४६	१९	बा	२०	१५	५२	१४	४६	२८	६	१९	तुलायां	कन्यायां भौम: ५८।१९
१०	मं	४८	१६	वि	४५	१२	शु	४३	४	तै	१८	४३	५०	१४	४६	२९	७	२०	वृ. ३०।२	पुष्ये रवि: ७।१९ (सौर: ३६।४८)
११	बु	४८	४८	अ	४७	१२	शु	४०	४१	व	१८	२९	४८	१४	४६	३०	८	२१	वृश्चिके	भ. ३६/२९ उ. ४८/४८ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	गु	५०	२२	ज्ये	५०	१९	ब्र	३९	१३	ब	१९	५९	४५	१५	४५	३१	९	२२	ध ५०।१९	वक्री गुरू: ६।३२
१३	शु	५२	५९	मू	५४	४१	ऐं	३८	५३	कौ	२१	४०	४३	१५	४५	१	१०	२३	धनुषि	मघा. सिंहे बुध: ३८/२० रा.श्रावणारंभ:प्र.
१४	श	५६	४३	पू	६०	०	वै	३९	३	ग	२४	५१	४०	१६	४४	२	११	२४	धनुषि	भ. ५६।४३ उ.
१५	र	६०	०	पू	०	३	वि	३९	४९	वि	२९	३	३८	१६	४४	३	१२	२५	म.१६।३५	भ २९/३ या. व्यास पूजा वायु प. ग. १५
१५	चं	१	१७	उ	६	१०	प्री	४१	३१	ब	१	१७	३५	१७	४३	४	१३	२६	मकरे	पूषा. १ राहु: आर्द्रा ३ केतु: ३४।२

१४ पं.आ.शु.३बु.इ.१।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	११	४	५	८	२
२७	२६	१४	९	१०	५	१७	२७
३०	३१	११	१४	०	३२	१९	४
४३	५५	५०	५३	२९	४०	५४	४३
५७	३७	०/९	१	६८	४	३	५६
११	१	२९	१५	७	१६	११	५४

गोचर ग्रहाः

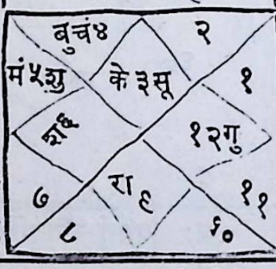

अषाढ़ शुक्ले ५ शुक्रे कर्केऽर्कः प्रविष्ठः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु. धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयऽ पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१५पं.आ.शु.११बु.इ.१।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	११	४	५	८	३
४	०	२६	९	१७	६	१६	३
११	३९	०	२३	४४	४	५७	४३
२८	१८	११	२४	३८	३४	३९	१०
५७	३७	०	०	६६	४	३	५६
१५	४७	५६	१४	५८	४३	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आ. कृष्णोतिमहाराष्ट्राः
१	मं	६	३७	श्र	१२	५०	आ	४३	३२	कौ	६	३७	३३/३	५/१७	६/४३	५	१४	२७	कुं. ४६/२९	
२	बु	१२	४०	ध	२०	९	सौ	४६	१०	ग	१२	४०	३०	१८	४२	६	१५	२८	कुंभे	भ. ४५।४० उ. उफा. ४ शनि: ६।५७
३	गु	१८	४०	श	२७	३७	शो	४८	३२	वि	१८	४०	२७	१९	४१	७	१६	२९	कुम्भे	भ.१८।४०या. उफा.शुक्र:१४।४० च.व्र.
४	शु	२४	४९	पू	३५	१४	अ	५१	२	बा	२४	४९	२४	१९	४१	८	१७	३०	मी. ८/२०	
५	श	३०	३५	उ	४२	१८	सु	५३	४	तै	३०	३५	२२	२०	४०	९	१८	३१	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	र	३५	२९	रे	४८	३५	धृ	५४	२१	ग	३	२	१९	२०	४०	१०	१९	१	मे.४८।३५	भ.३५/२९ उ. कन्यायां शुक्र:२५/५२ अ.८ता. ३१
७	चं	३९	९	अ	५३	४१	शू	५४	३५	वि	७	१९	१६	२१	३९	११	२०	२	मेषे	भ. ७।१९ या. पूफा. बुध: ३२।२२
८	मं	४१	२४	भ	५७	८	गं	५३	४१	बा	१०	१६	१३	२१	३९	१२	२१	३	मेषे	आश्ले. रवि: ४।२० (सौर: ३७।३५
९	बु	४१	३७	कृ	५८	४१	वृ	५१	१४	तै	११	३०	१०	२२	३८	१३	२२	४	वृ.१२।३१	
१०	गु	३९	५४	रो	५८	७	ध्रु	४७	१७	व	१०	४५	७	२३	३७	१४	२३	५	वृश्चिके	भ. १०/४५ उ. ३९/५४ या. हस्ते भौम: २२/१६
११	शु	३५	५७	मृ	५५	४६	व्या	४१	३२	ब	९	५५	४	२३	३७	१५	२४	६	मी.२६/५६	कामिका ११ व्र.
१२	श	३०	६	आ	५२	२०	ह	३४	२३	कौ	३	१	०	२४	३६	१६	२५	७	मिथुने	प्रदौष:
१३	र	२२	४७	पु	४५	३५	व	२५	४७	व	२२	४७	३२/५७	२५	३५	१७	२६	८	कं.३२।१७	भ. २२।४७ उ. ४८।२५ या.
१४	चं	१४	३	पु	३८	४४	सि	१६	८	श	१४	३	५४	२५	३५	१८	२७	९	कर्के	
३०	मं	४	२३	श्ले	३१	१	व्य	५/४४	४९/९१	ना	४	२३	५०	२६	३४	१९	२८	१०	सि३१।१	हरियाली

१६ पं.श्रा.कृ. २ बु. इ. १।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	४	५	८	३
१०	४	९	९	२५	६	१६	१०
५२	५१	१५	२२	१९	३९	३५	२२
३०	१८	५८	२६	३७	१४	२३	२७
५७	३८	७६	१/६	६५	५	३	५७
३०	४	६	व	३१	१०	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य जौ चना मटर धातु लोहा चांदी सक्कर तेज होकर मंदे होवेंगे, वर्षा विषम होगी ।

गोचर ग्रहाः

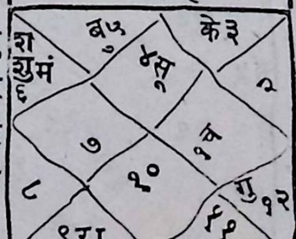

१७पं. श्रा.कृ. ९बु.इ.०।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	५	५	८	३
१७	९	१४	९	२	७	१६	१७
३४	७	४८	११	४५	१७	१३	२
१२	३७	१८	१७	४०	६	७	१५
५७	३८	५९	३४/२	६३	५	३	५७
२५	३८	५०	व	५०	३६	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७०१ स.२०१०
१	मं	५०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४४	५७	म	२३	२७	प	४४	१६	बा	१९	४७	३२/४७	५/२७	६/३३	२०	२९	११	सिंहे	हस्ते शुक्रः१।४३ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	६६	१	पू	१५	४९	शि	३४	२	तै	१०	२९	४४	२७	३३	२१	१	१२	कं ३१।४६	रमजान ९ तीज
४	शु	२८	९	उ	९	४०	सि	२४	२५	व	२	५	४०	२८	३२	२२	२	१३	कन्यायां	भ.२।५ उ.२८।९ या. वरद ४
५	श	२१	४०	ह	४	४०	सा	१६	१३	बा	२१	४०	३७	२९	३१	२३	३	१४	तु.३२।५२	नाग पंचमी
६	र	१६	५६	चि	१/५	५८/१०	शु	९	२५	तै	१६	४०	३३	२९	३१	२४	४	१५	तुलायां	[श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनं भद्रोतरम्
७	चं	१३	५४	वि	५९	१६	शु	३/५	५५/३८	व	१३	५४	३०	३०	३०	२५	५	१६	वृ. ४४/१६	भ. १३/५४ उ. ४३/१७ या. मघा सिंहेऽर्क. ५६/२२
८	मं	१२	४०	अ	६०	०	ऐं	५६	५२	ब	१२	४०	२६	३१	२९	२६	६	१७	वृश्चिके	मघा. सिंहेऽर्क. सौरः ३४।०
९	बु	१३	१७	अ	१	१	वै	५५	२३	कौ	१३	१७	२२	३२	२८	२७	७	२८	वृश्चिके	
१०	गु	१५	१९	ज्ये	४	२३	वि	५५	१३	ग	१५	१९	१९	३२	२८	२८	८	१९	ध.४।२३	भ. ४७।१ उ.
११	शु	१८	४३	म	८	५६	प्री	५५	५३	वि	१८	४३	१५	३३	२७	२९	९	२०	धनुषि	भ.१८।४३ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	श	२३	१०	पू	१४	३७	आ	५७	७	बा	२३	१०	१२	३४	२६	३०	१०	२१	म.३१।०	वक्री बुधः १७।१४ प्रदोषः
१३	र	२८	२९	उ	२०	१०	सौ	५९	०	तै	२८	२९	८	३४	२६	३१	११	२२	मकरे	
१४	चं	३४	१०	श्र	२८	१३	शो	६०	०	ग	१	१९	४	३५	२५	१	१२	२३	मकरे	भ.३४।१० उ. रा. भाद्रपदारंभः
१५	मं	४०	१९	ध	३५	३३	शो	०	५८	वि	७	१४	१	३६	२४	२	१३	२४	कुं.१।५३	भ. ७।१४ या. चित्रा. शुक्रः ४२।१ ×

१८पं.श्रा.शु.२बु.इ. ०।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	११	५	५	८	३
२४	१३	२१	८	९	७	१५	२३
१६	२६	१६	५१	५९	४८	५०	४२
३७	५३	५८	२२	२	५	५२	२२
५७	३९	४४	४३/७	६१	६	६	५७
३३	१०	४७	व.	९८	०	११	२२

गोचर ग्रहाः

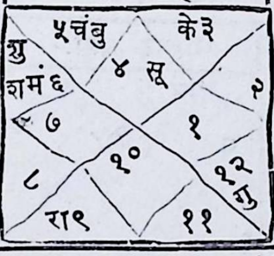

श्रावण शुक्ले ७ चंद्रे
सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४
न.५ बालावस्था(बैठी)
मु.४५ धान्यादि भावे
समर्घता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

१७पं. श्रा.शु. १३चं.इ. ४५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	५	५	८	४
०	१७	२४	८	१६	८	१५	०
५९	५२	५५	२२	५७	४२	२८	२५
५३	२६	५	१९	२	२९	३६	३५
५७	३९	२८	०४/५६	५९	६	३	५७
४०	३५	१७	व.	२५	२०	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	५६	१७	श	४२	५९	अ	३	२७	बा	१३	१८	३१/५७	५/३७	२६/३	३	१४	२५	कुंभे	[+जन्माष्टमी व्र. स्मा.
२	गु	५२	२६	पू	५०	५०	सु	५	५०	तै	१९	२२	५३	३७	२३	४	१५	२६	मी३३।५२	चित्रा. भौमः ३०।३२
३	शु	५७	५३	उ	५७	२६	धृ	८	११	व	२५	९	४९	३८	२२	५	१६	२७	मीने.	भ. २५/९ उ. ५७/५३ या. बुधास्त. पश्चिमायां ३५/१९
४	श	६०	०	रे	६०	०	शू	१०	८	ब	३०	१७	४६	३९	२१	६	१७	२८	मीने	चतुर्थी व्रतम्
४	र	२	४१	रे	३	४६	गं	११	३१	बा	२	४१	४२	४०	२०	७	१८	२९	मे.३।४६	हस्त. १ शनिः ४२।२५
५	चं	६	४०	अ	९	१९	वृ	१२	९	तै	६	४०	३८	४०	२०	८	१९	३०	मेषे	पूफा. रविः ४७।५८ चन्द्रषष्ठी
३	मं	८	१९	भ	१३	३९	ध्रु	१२	४	व	८	१९	३४	४१	१९	९	२०	३१	वृ.२९।२२	भ.८।१९ उ. ३९/३२ या.पूफा.रविःसौरः २४/५१
७	बु	१०	४४	कृ	१६	३२	व्या	१०	४४	ब	१०	४४	३०	४२	१८	१०	२१	१	वृषे	तुलायां शुक्रः९।४ सितम्ब ९ ता.३० +
८	गु	१०	२४	रो	१७	५१	ह	८	१५	कौ	१०	२४	२६	४३	१७	११	२२	२	मि४७।४२	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	शु	८	५	मृ	१७	३३	व	४/९	५४/३१	ग	८	५	२२	४४	१६	१२	२३	३	मिथुने	भ.३६।२ उ. गोगा ९ [* ११व्र.स्मा.
१०	श	३	५९	आ	१५	८	व्य	५१	३७	वि	३	५९	१८	४४	१६	१३	२४	४	क.५७।९	भ.३/५९ या.वक्रीउभा.१गुरुः २/५० अजा *
११	श	५४	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×वत्सद्वादशी
१२	र	५१	५२	पु	११	९	व	४३	२६	कौ	२५	१	१५	४५	१५	१४	२५	५	कर्के	तुलायां भौमः५३।१२ अज ११ व्र. वै. ×
१३	चं	४२	१३	पु	५/२३	५३/२१	प	३४	१	वि	१७	३	११	४६	१४	२५	२६	६	सि५८।४७	भ.४२।१३ उ. प्रदोषः
१४	मं	३२	३३	म	५१	७	शि	२३	४६	ग	७	२३	७	४७	१३	१६	२७	७	सिंहे	भ.७।२३ या. वक्री मघायांबुधः ४२।४०
३०	बु	२२	३७	पू	४३	१२	सि	१२	५०	ना	२२	३७	३	४७	१३	१७	२८	८	कं.५६।१८	कुशा ग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

२० पं.भा.कृ.१ बु.इ. ०।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	२	५	८	४
३७	२२	२४	७	२३	९	१५	७
४४	१९	३६	४४	३७	२७	६	९
२०	४१	७	३५	८	७	२१	४
५७	४०	३२/८	६/२	५५	६	३	५७
४९	१	व.	व.	४७	३३	११	४५

२१पं.भा.कृ.७बु.इ. ०।१९

रा	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	११	५	५	८	४
१४	६	१९	७	२९	१०	१४	१४
०	११	१९	०	५२	१५	४४	५४
३०	५०	८	३२	२२	२२	५	१६
५८	४०	६३/३४	६/४५	५१	६	३	५७
१	१९	वा	व	२३	५०	११	५७

२२पं.भा.कृ३०बु.इ.०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	११	६	५	८	४
२१	१	१३	६	५	११	१४	२०
१७	२५	५	१०	३७	४	२१	४०
२	५९	१७	४८	२३	१२	४९	५६
५८	४०	५०/२८	७/२८	४६	५	३	५८
१३	३८	व.	व:	२४	२	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:६७३१स.२०१०
१	गु	१२	३७	उ	३५	६५	सा	८।१	१६	व	१२	३७	५९।३०	४८।५	१।६	१८	२९	९	कन्यायां	स्वात्यां शुक्र:२१।८ चंद्रदर्शनम्
२	शु	२	२६	ह	२८	४७	शु	[illegible]	२४	कौ	२	२६	५५	४९	११	१९	१	०	तु.५६।१	बुधोदय: पूर्वस्यां ३९।१७ सव्वाल १०÷
	शु	५२	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१०	० ०	[÷हरितालिका ३
३	श	४९	८	चि	२३	१६	ब्र	३२	२८	व	२२	१६	५१	५०	१०	२०	२	११	तुलायां	भ.२२।१६ उ. ४९।८ या. गणेश चतुर्थी
४	र	४४	३१	स्वा	२०	२३	ऐं	२५	२	ब	१६	५०	४७	५१	९	२१	३	१२	तुलायां	मार्गी बुध: ५७।२६ ऋषि पंचमी
५	चं	४१	५६	वि	१९	३५	वै	१९	१४	कौ	१३	१३	४३	५१	९	२२	४	१३	वृ. १७।३	उफा.रवि: ३२।२३
६	मं	४१	४३	अ	१७	४४	वि	१५	७	ग	११	४९	३९	५२	८	२३	५	१४	वृश्चिके	भ.४१।४३ उ. उफा. रवि: सौर: ९।३१
७	बु	४३	१४	ज्ये	२०	०	प्री	१२	२६	वि	१२	२८	३५	५३	७	२४	६	१५	घ.२०। ०	भ.१२।२८ या. स्वात्यां भौम: ५१।१०
८	गु	४६	३३	मू	२३	५१	आ	११	२५	बा	१४	५१	३१	५४	६	२५	७	१६	धनुषि	कन्या यामर्क: ५७।४४ अस्तं शनि: ३।३७
९	शु	५१	१६	पू	२९	२२	सौ	११	५३	तै	१८	५५	२७	५५	५	२६	८	१७	म.४६।१	कन्यार्क:सौर:३४।४२रामदवजीकामेला×
१०	श	५६	५८	उ	३५	५६	शो	१२	५५	व	२४	८	२२	५६	४	२७	९	१८	मकरे	भ.२४.८ उ.५६।५८या.जल झूलनी११व्र.
११	र	६०	०	श्र	४२	४५	अ	१४	५३	ब	३०	०	१८	५६	४	२८	१०	१९	मकरे	पूफा. बुध: १७।१४ वामन जयंती
१२	चं	३	२	ध	५०	४७	सु	१७	५	बा	३	२	१४	५७	३	२९	११	२०	कु१७।१६	प्रदोष: [×नवल दुर्गे
१३	मं	९	२८	श	५८	२५	धृ	१९	३१	तै	९	२८	९	५८	२	३०	१२	२१	कुम्भे	[Aसंध्या. पूजनारंभ:
१४	बु	१५	३४	पू	६०	०	शू	२१	४९	व	१५	३४	५	५९	१	३१	१३	२२	मी.४८।४४	भ.१५।३४ उ. ४८।२९ या. अनंत १४
१५	गु	२१	२४	पू	५	३१	गं	२४	२२	व	२१	२४	३०।००	००।६	६।०	१	१४	२३	मीने	रा. आश्विनारंभ: महालयारंभ:कु .A

२३भा.शु. ८ बु. इ. ०११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	११	६	५	८	४
२२	६	११	५	१०	११	१३	२७
५	५	५४	१६	३९	५४	५९	२९
२४	६	४३	१९	१६	४	३४	१५
५८	४०	२०।४८	७।५२	३९	७	३	५८
२६	५६	मा	व.	५५	१०	११	२९

गोचर ग्रहाः

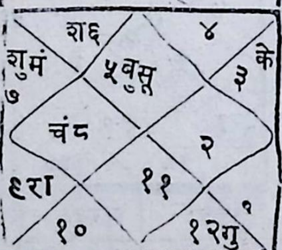

भाद्रपद शुक्ले ९ गुरौ
कन्यायामर्कः प्रविष्टः
वा.४ न.५ युवावस्था
(सूती)मु.३०धान्यादि
भावे समता शुक्रोदयः
पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

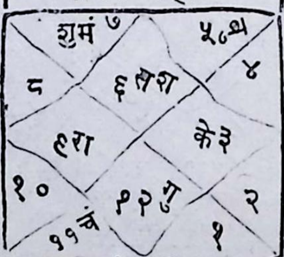

३पं.वै शु.३ चं.इ. ४५।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	११	६	५	८	५
४	१०	१६	४	१४	१२	१३	४
५५	४५	४४	२२	५७	४५	३७	१९
१६	३२	५६	१६	५४	४३	१८	२२
५८	४१	७५	७।५२	२९	७	३	५८
३८	२२	३७	व.	४१	२०	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः स. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भा.कृष्णंति महाराष्ट्राः
१	शु	२६	२६	उ	१२	२५	वृ	२५	४	कौ	२६	२६	२९।५६	६।१	९।५५	२	१५	२४	मीने	[×४ राहु:आर्द्रा.२ केतु:२६।२६
२	श	३०	५२	रे	१८	१९	ध्रु	२६	४३	ग	३०	५२	५२	२	५८	३	१६	२५	मे१८।१९	[Aप्रदोष:[÷चतुर्थीव्र. [Bहतानां श्राद्धम्
३	र	३४	५	अ	२३	३५	व्या	२७	८	ब	२	२८	४८	२	५८	४	१७	२६	मेषे	भ.२।२८उ ३४।५या. हस्त२ शनि: ३।६÷
४	चं	३६	४०	भ	२७	४७	ह	२६	५२	ब	५	२२	४४	३	५७	५	१८	२७	वृ. ४३।३५	हस्ते रवि:१०।५३(सौर:४६।१२) मुल×
५	मं	३७	५९	कृ	३०	५९	व	२५	३८	कौ	७	१८	४०	४	५६	६	१९	२८	वृषे	उफा.बुध:१८।५०
६	बु	३८	६	रो	३३	०	सि	२३	३६	ग	८	१	३६	५	५५	७	२०	२९	वृषे	भ.३८।६उ. वक्री पूभा. ४ गुरु:४८।३३
७	गु	३६	५५	मृ	३३	५२	व्य	२०	३०	वि	७	३१	३२	६	५४	८	२१	३०	मि. २६।३	भ. ७।३१ या. कन्यायां बुध:१६।५७+
८	शु	३४	१४	आ	३३	१४	व	१६	१८	बा	५	३५	२८	६	५४	९	२२	१	मिथुने	अक्टूबर १० ता. ३१
९	श	३०	१५	पु	३१	८	प	१०	५०	तै	२	१६	२३	७	५३	१०	२३	२	क. ५६।४०	भ.५७।३५उ.मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा)
१०	र	२४	५५	पु	२७	३९	शि	१७।४	५२।२८	वि	२४	५५	१९	८	५२	११	२४	३	कर्के	भ. २४।५५या.
११	चं	१८	४	श्ले	२२	५६	सा	४८	११	चा	१८	४	१५	९	५१	१२	२५	४	सि. २२।५६	वक्री शुक्र:५५।४९इंदिरा ११व्र.
१२	मं	१०	१७	म	१७	४	शु	३८	४२	तै	१०	१७	११	१०	५०	१३	२६	५	सिंहे	हस्ते बुध:५१।१२विशा. भौम:२९।२३
१३	बु	१	३१	पू	१०	२५	शु	२८	३७	व	१	३१	७	११	४९	१४	२७	६	क.२३।३८	भ.१।३१उ.२६।५८या. शस्त्रादि
१४	बु	५०	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+बुधास्त: पूर्वस्यां २०।४०
३०	गु	४३	२५	उ	१७।३	५३।२	ब्र	१८	५	च	१७	५५	३	११	४९	१५	२८	७	कन्यायां	सर्व पितृ ३०

२५पं.आ.कृ.५मं.इ.५९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	११	६	५	८	५
११	१५	२७	३	१७	१३	१३	११
४६	३१	४९	२६	५०	३८	१५	११
५२	५५	१६	२४	११	२८	३	२२
५८	४१	६।०	७।५२	१७	७	३	५९
५३	३४	३५	व.	२५	२०	११	००

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार
का चन्द्रदर्शन चांदी
स्वर्ण लोहा रुई आदि
में अच्छी तेजी करेगा
धान्य मंदे होकर तेज
हो प्रजा में पीड़ा हो ।

गोचर ग्रहाः

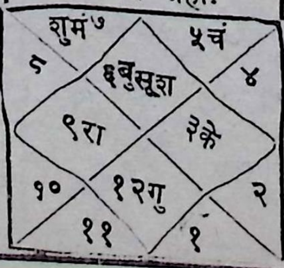

२६पं.आ.कृ.१२मं.इ.५९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	६	५	८	५
१८	२०	१०	२	१९	१४	१२	१८
४०	२१	१४	३३	१६	३०	५२	५
८	११	५६	००	३४	७	४७	९
५२	४२	६।०	१६।७	३।७	७	३	५९
९	५	११	व.	व.	२०	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:६७६०स.२०१०
१	शु	३४	५५	चि	४९	५५	ऐं	७/५६	५०/४०	किं	६	१०	२८/५९	६/१२	५/४८	१६	२६	८	तुं.२३।७	नवरात्रारंभः मातामह श्राद्धम्
२	श	२७	४०	स्वा	४४	४७	वि	४९	४३	बा	१	१७	५५	१३	४७	१७	३०	९	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	र	२१	५५	वि	४१	१२	प्री	४३	१९	ग	२१	५५	५१	१४	४६	१८	१	१०	वृ.२७।६	भ.४९।५८उ.चित्रा.रवि:४३/५६जिल्काद ११
४	चं	१८	२	अ	३९	२०	आ	३६	११	वि	१८	२	४७	१५	४५	१९	२	११	वृश्चिके	भ.१८।२या.चित्रा.रवि:सौर:१७।४८
५	मं	१६	३४	ज्ये	४०	०	सौ	३२	८	बा	१६	३४	४३	१५	४५	२०	३	१२	ध.४०।०	
६	बु	१६	५४	मू	४३	२०	शो	२९	४७	तै	१६	५४	३९	१६	४४	२१	४	१३	धनुषि	चित्रा. बुध:२१।३१
७	गु	१९	२८	पू	४७	५१	अ	२९	१०	व	१९	२८	३५	१७	४३	२२	५	१४	ध.नुषि	भ.१९।२८उ.५१।३८या.
८	शु	२३	४७	उ	५२	४७	सु	२९	१५	ब	२३	४७	३१	१८	४२	२३	६	१५	म.४।५	[A का. स्ना. प्रा. [÷ पश्चिमायाम् ३६।०
९	श	२९	१७	श्र	५९	५७	धृ	३०	३८	कौ	२९	१७	२७	१९	४१	२४	७	१६	मकरे	
१०	र	३५	४	ध	६०	०	शू	३२	४९	तै	२	१०	२३	१९	४१	२५	८	१७	कुं३३।४०	तुलायामर्कः:२६।४४तुलायां बुध:१९।४
११	चं	४२	६	ध	७	२२	गं	३५	१	व	८	३५	२०	२०	४०	२६	९	१८	कुंभे	भ.६/५उ.४२/६या.तुलार्क:सौर:०।३०पापां+
१२	मं	४८	१३	श	१५	८	वृ	३७	३२	ब	१५	१०	१६	२१	३९	२७	१०	१९	कुंभे	वृश्चिके भौम:४७।२उदयं शने:३६।४३
१३	बु	५४	४	पू	२२	२०	ध्रु	३९	३८	कौ	२१	८	१२	२२	३८	२८	११	२०	मी.५।३२	प्रदोष: [+ कुशा ११ व्र.
१४	गु	५८	५०	उ	२९	७	व्या	४१	१३	ग	२६	२७	८	२२	३८	२९	१२	२१	मीने	भ.५८/५०उ. स्वात्यां बुध: १०/५५ शुक्रास्त: ÷
१५	शु	६०	०	रे	३४	४५	ह	४१	५२	वि	३०	२५	४	२३	३७	३०	१३	२२	मे.३४।४५	भ.३/६या.शरद् पूर्णिमा कोजागरी व्र. A
१५	श	२	३५	अ	३९	२८	व	४१	४९	ब	२	३५	०	२४	३६	१	१४	२३	मेषे	हस्त.३शनि:५०।५७श.कार्तिकारंभ:

२७ पं.आ.शु.५ मं. इ. ५९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	११	६	५	८	५
२५	२५	२२	१	१८	१५	१२	२५
३५	१३	४०	४४	५२	२१	३०	००
२	८	१६	३५	४४	४	३१	५१
५९	४२	७/०	६/२३	१०/२८	७	३	५९
२१	२२	६/४१	व.	त्रै.	१४	११	३१

गोचर ग्रहाः

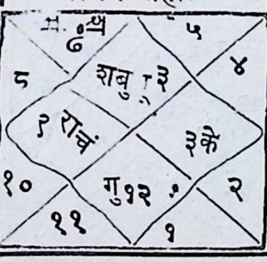

आश्विन शुक्ले १० रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

२८पं.आ.शु.१२ मं.इ. ५९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	६	५	८	६
२	०	४	१	१६	१६	१२	१
३१	८	३७	०	३३	११	८	५८
२६	३८	३०	३२	४०	४६	१६	१७
५९	४२	७/०	५/३४	२७/३९	७	३	५९
३४	३२	५८	व.	व.	८	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्वि.कृष्णेति महारा.
१	र	५	११	भ	४२	५५	सि	४०	५६	कौ	५	११	२७/५६	६/२५	५/३५	२	१५	२४	वृ.५८।३४	स्वात्यां रवि:८/४८(सौर:४१/३३अनु.भौम:२८/५
२	चं	६	५०	कृ	४५	३१	व्य	३९	८	ग	६	५०	५३	२५	३५	३	१६	२५	वृषे	भ.३७।०उ. [=प्रदोष: रूप १४
३	मं	७	११	रो	४७	२	व	३६	२५	वि	७	११	४९	२६	३४	४	१७	२६	वृषे	भ.७।११या.करक चतुर्थी व्र.
४	बु	६	३४	मृ	४७	३५	प	३३	५	बा	६	३४	४५	२७	३३	५	१८	२७	मि. १७/१९	
५	गु	५	५	आ	४७	१४	शि	२८	५८	तै	५	५	४१	२८	३२	६	१९	२८	मिथुने	
६	शु	२	४४	पु	४५	५६	सि	२४	४	व	२	४४	३७	२९	३१	७	२०	२९	कं.३१।१६	भ.२/४४उ.३१।५या.विशा.बुध:२२।१०
७	शु	५६	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×४९।१०शुक्रोदय:पूर्वस्याम् ३४।१२ =
८	श	५५	१७	पु	४३	५१	सा	१८	२०	बा	२७	२१	३४	२९	३१	८	२१	३०	कर्के	[Bवक्री चित्रा.शुक्र:१८/५०अन्नकूटं गोव. पूजा
९	र	५०	३१	श्ले	४०	४८	शु	१२	५	तै	२२	५४	३०	३०	३०	९	२२	३१	सिं. ४०/४८	
१०	चं	४४	२०	म	३६	५६	शु	४/५२	५२/१९	व	१७	२६	२७	३१	२९	१०	२३	१	सिंहे	भ.१७।२६उ.४४/३०या. नवम्बर ११ ता.३०
११	मं	३७	४३	पू	३२	२५	ऐं	४८	४७	ब	११	१	२३	३१	२९	११	२४	२	कं४६।४	वक्री पूभा.३कुंभे गुरुः३९।३१रमा११व्र.
१२	बु	३१	३४	उ	२७	०	वै	३९	५६	कौ	४	३८	१९	३२	२८	१२	२५	३	कन्यायां	धन १३
१३	गु	२३	८	ह	२१	२८	वि	३०	५६	व	२३	८	१६	३३	२७	१३	२६	४	तु.४८।४३	भ.२३।८उ.४९।२४या.बृश्चिक बुध: ×
१४	शु	१५	४०	चि	१५	५८	प्री	२१	५५	श	१५	४०	१२	३४	२६	१४	२७	५	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	श	८	५८	स्वा	११	८	आ	१३	२२	ना	८	५८	९	३४	२६	१५	२८	६	वृ.५३।५	विशा.रवि:२९।१२(सौर:५८।५७) B

२९ पं.का.कृ. ३ मं.इ. ५९/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	११	६	५	८	६
९	५	१६	०	१२	१७	११	८
२९	७	१	२४	४७	१	४६	५७
४२	४१	३०	५०	२४	४४	०	३७
५९	४२	५९	४/३५	३५	६	३	६०
४७	४८	५८	व.	५८	५६	११	०२

गोचर ग्रहाः

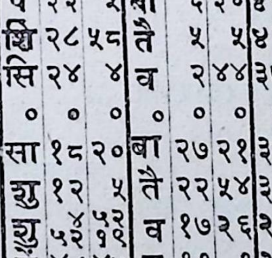

यत्र मासे रवेर्वाराः जायत पञ्च सन्तनम्। दुर्भिक्षं छत्र भङ्गश्च तथास्ते च महद्भयम्।

इस मास में ५ रविवार तेजी कारक हैं कहीं पीड़ा होवे ।

गोचर ग्रहाः

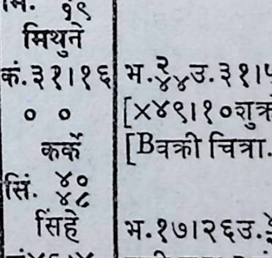

३०पं.का. कृ.११ मं. इ:५८/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	१०	६	५	८	६
१६	१०	२७	२९	८	१७	११	१५
२९	१०	०	५८	३२	५०	२३	५८
२८	२६	४३	५२	५३	२४	४५	४१
६०	४३	९७	३/३१	३३/५२	६	३	६०
४	८	३१	व.	व.	३८	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:६७९०स.२०१०
१	र	३	१३	वि	७	४	सौ	५/३८	५३/२०	ब	३	१३	२७/५	६/३५	५/२५	१६	२९	७	वृश्चिके	अनु.बुध: ९।४९ बुधोदय: पश्चिमायां =
२	र	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= ४६।३४ चन्द्रदर्शनम् भातृ २ यम २
३	चं	५६	४५	अ	४	२८	अ	५३	४१	तै	२७	५२	२	३६	२४	१७	१	८	वृश्चिके	जिल्हेज १२
४	मं	५६	१३	ज्ये	३	३७	सु	४९	४१	व	२६	२९	२६/५८	३६	२४	१८	२	९	ध.३।३७	भ. २६।२९ उ. ५६।१३ या.
५	बु	५८	१	मू	४	४१	धृ	४७	४७	ब	२७	७	५५	३७	२३	१९	३	१०	धनुषि	
६	गु	६०	०	पू	६	४७	शू	४७	१३	कौ	२९	४७	५२	३८	२२	२०	४	११	म.२३।२०	ज्येष्ठा भौमः ५६।३९
६	शु	१	३१	उ	११	४६	गं	४७	३२	तै	१	३१	४९	३८	२२	२१	५	१२	मकरे	[Lमार्गी गुरुः २०।५१ वैकुंठ १४
७	श	६	३५	श्र	१९	१९	वृ	४९	९	व	६	३५	४५	३९	२१	२२	६	१३	कुं५२।४९	भ. ६।३५ उ. ३९।३५ या.
८	र	१२	३५	ध	२६	२०	ध्रु	५१	१८	ब	१२	३७	४२	४०	२०	२३	७	१४	कुंभे	गोपाष्टमी
९	चं	१९	७	श	३४	२	व्या	५३	३४	कौ	१९	७	३९	४०	२०	२४	८	१५	कुंभे	कुण्माड ९ अक्षय ९
१०	मं	२५	२४	पू	४१	१६	ह	५५	४३	ग	२५	१९	३६	४१	१९	२५	९	१६	मी.३४/२८	भ. ५८।२२ उ. वृश्चिकेऽर्कः २५।१७÷
११	बु	३१	१९	उ	४८	२५	व	५७	२२	वि	३१	१९	३३	४१	१९	२६	१०	१७	मीने	भ. ३१/१९ या प्रवोधिनी ११ व्रं. तुलसी वि.
१२	गु	३६	४	रे	५४	८	सि	५८	२७	व	३	४२	३०	४२	१८	२७	११	१८	मे.५४।८	[÷ (सौरः ५३।१४) ज्येष्ठा बुधः ६।२७
१३	शु	३९	३२	अ	५८	३७	व्य	५७	५६	कौ	७	४८	२७	४३	१७	२८	१२	१९	मेषे	अनु. रविः ४३/३७ मार्गी शुक्रः २५/४४ प्रदोषः
१४	श	४१	३७	भ	६०	०	व	५६	३०	ग	१०	३४	२५	४३	१७	२९	१३	२०	मेषे	भ. ४१।३७ उ. अनु. रविः सौरः १०।२L
१५	र	४२	१२	भ	१	५२	प	५४	४	वि	११	५४	२२	४४	१६	३०	१४	२१	वृ.१७।१७	भ. ११।५४ या मन्वादिः का. स्ना. पू.

३१पं.का.शु.४मं.इ.५८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	१०	६	५	८	६
२३	१५	७	२९	५	१८	११	२३
३०	१४	४७	४१	१५	३७	१	१
५०	१७	२	३१	४	१	२९	५५
६०	४३	९४	२/१०	२२/३४	६	३	६०
१७	३५	५४	व.	व.	२६	११	३०

गोचर ग्रहाः

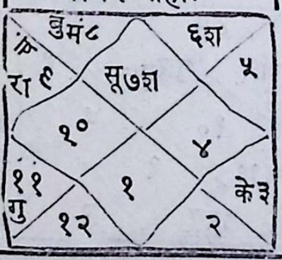

कार्तिक शुक्ले १० भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न३प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३२पं.का.शु. १०मं.इ. ५८/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	६	५	८	७
०	२०	१७	२९	३	१९	१०	०
३३	२२	५५	३३	२८	२१	३९	५
२९	५	५९	५०	५०	३६	१३	१९
६०	४३	८७	०/४०	६/१७	६	३	६०
३०	५०	४२	व.	व.	१४	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमततू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा.
१	चं	४१	२१	कृ	३	३५	शि	५०	२३	बा	११	४६	२६/१२	६/४४	५/१६	१	१५	२२	वृषे	रा. मार्गशीर्षारंभः
२	मं	३९	३३	रो	४	६	सि	४६	१२	तै	१०	२०	१७	४५	१५	२	१६	२३	मि३३।४६	हस्त. ४ शनिः २०।०
३	बु	३६	३५	मृ	३	२६	सा	४१	५	ब	८	८	१४	४५	१५	३	१७	२४	मिथुने	भ. ८।८ उ. ३६।३५ या.
४	गु	३३	१२	आ	३	११	शु	३५	२८	व	४	२९	१२	४६	१४	४	१८	२५	क.४५।४९	मूल धनुषि बुधः ४८।३२ चतुर्थी व्र.
५	शु	२९	९	पु	०/२	५७/४९	शु	२९	१०	कौ	१	१०	९	४६	१४	५	१९	२६	कर्के	
६	श	२४	५९	श्ले	५५	५३	ब्र	२२	४६	व	२४	५९	७	४७	१३	६	२०	२७	सिं५५।५३	भ. २४/५९ उ. ५२/३८ या. अस्तो भौमः २०/३०
७	र	२०	१७	म	५१	५०	ऐं	१६	१	ब	२०	१०	५	४७	१३	७	२१	२८	सिंहे	
८	चं	१५	२२	पू	४८	२४	वै	९	२	कौ	१५	२२	२	४८	१२	८	२२	२९	सिंहे	मूले धनुषि भौमः ५३/५४ मूल ३ राहुः ×
९	मं	१०	३८	उ	४४	४६	वि	१/४४	५२/३१	ग	१०	३८	०	४८	१२	९	२३	३०	कं.२।२९	भ. ३७।४१ उ.
१०	बु	४	४४	ह	४१	२	आ	४६	४०	वि	४	४४	२५/५८	४८	१२	१०	२४	१	कन्यायां	भ. ४।४४ या. स्वात्यां शुक्र! २७।१३ A
११	बु	५४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Aदिसम्बर१२ता.३१उत्पत्ति ११व्र.स्मा.
१२	गु	५३	४६	चि	३८	१४	सौ	३९	१०	कौ	२६	३१	५६	४९	११	११	२५	२	तु.९।३८	ज्येष्ठा रविः ५३।४४ उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१३	शु	४८	४१	स्वा	३३	३८	शो	३१	५८	ग	२१	१३	५४	४९	११	१२	२६	३	तुलायां	भ. ४८/४१ उ. ज्येष्ठा रविः सौरः १७/५६ प्र.
१४	श	४४	११	वि	३०	४०	अ	२५	५	वि	१६	२६	५३	४९	११	१३	२७	४	वृ.१६।२५	भ. १६।२६ या. पूभा. ४ मीने गुरुः २७/१४
३०	र	४०	४८	अ	२८	२८	सु	१८	४५	च	१२	२९	५१	५०	१०	१४	२८	५	वृश्चिके	[× आर्द्रा १ केतुः १८।७

३३ पं.मा.कृ. २ मं. इ. ५६/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	६	५	८	७
७	२५	२७	२९	४	२०	१०	७
३७	३३	४१	३६	१३	३	१६	१०
२६	७	१२	४	१	४३	५८	५२
६०	४४	७५	१०/४३	११/३८	५	३	६०
४२	११	२९	मा	मा	५०	११	५३

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष शुक्ले १० गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

३४ पं.मा.कृ. ९मं.इ. ५८/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	१०	६	५	८	७
१४	०	६	२९	६	२०	९	१४
४२	४७	१५	४९	२९	४२	५४	१७
४०	२९	४३	१६	१७	२९	४२	३८
६०	४४	६२	१	२२	५	३	६१
५०	२६	५	५५	१	१९	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६६/१९ स. २०१०
१	चं	३८	४९	ज्ये	२७	४८	धृ	१३	२८	किं	९	४९	२५/४९	५६/०	१५/०	१५	२९	६	ध. २७/४८	
२	मं	३८	२३	मू	२८	३१	शू	९	२७	बा	८	३६	४८	५०	१०	१६	३०	७	धनुषि	चंद्रदर्शनम् पातस्पर्शः१९।२पातमोक्षः ५१/४१
३	बु	३९	४२	पू	३०	४७	गं	६	३९	तै	९	२	४६	५१	९	१७	१	८	म.४६।४७	मोहोरम् १ सन् १४३२ हिं.
४	गु	४२	४२	उ	३४	४६	वृ	५	१९	व	११	१२	४५	५१	९	१८	२	९	मकरे	भ.११।१२उ.४२।४२या.वक्रीबुधः ६।४६
५	शु	४७	२२	श्र	४०	२७	ध्रु	४	४५	ब	१५	२	४४	५१	९	१९	३	१०	मकरे	
६	श	५३	०	ध	४६	५८	व्या	५	५५	कौ	२०	११	४३	५१	९	२०	४	११	कुं. १३/४३	चंपा ६
७	र	५९	३०	श	५४	२६	ह	६	३१	ग	२६	१५	४२	५२	८	२१	५	१२	कुंभे	भ.५९।३० उ.
८	चं	६०	०	पू	६०	०	व	९	३१	वि	३२	४२	४१	५२	८	२२	६	१३	मी. ४५/१२	३२।४२ या.
८	मं	५	५५	पू	२	७	सि	११	४७	ब	६	५५	४०	५२	८	२३	७	१४	मीने	ास्तः पश्चिमायां ५।१८
९	बु	१२	०	उ	९	१९	व्य	१३	४५	कौ	१२	०	३९	५२	८	२४	८	१५	मीने	
१०	गु	१७	७	रे	१५	४२	व	१५	३	ग	१७	७	३९	५२	८	२५	९	१६	मे.१५।४२	.४५/५६उ.मूले धनुष्यर्कः०।५९ (सौरः२१/४६)
११	शु	२०	४६	अ	२०	३३	प	१५	९	वि	२०	४६	३८	५२	८	२६	१०	१७	मेषे	.२०।४६ या. पूषा. भौमः २८।१५ ÷
१२	श	२२	४६	भ	२४	९	शि	१४	११	बा	२२	४६	३८	५२	८	२७	११	१८	वृ.३९।३४	प्रदोषः [÷मोक्षदा११व्र.गीता जयंती
१३	र	२३	७	कृ	२५	५०	सि	११	४१	तै	२३	७	३७	५३	७	२८	१२	१९	वृषे	
१४	चं	२१	३७	रो	२५	४७	सा	७	४८	व	२१	३७	३७	५३	७	२९	१३	२०	मि५५।३	भ.२१।३७उ.५०।६या. दत्त जयंती
१५	मं	१८	३५	मृ	२४	१९	शु	७/४०	५३/५४	ब	१८	३५	३६	५३	७	३०	१४	२१	मिथुने	विशा. शुक्रः२३।२९

३५पं.मा.शु.२ मं.इ. ५७/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	६	५	८	७
२१	६	११	०	१०	२१	९	२१
४८	३	३०	१	५	१८	३२	२५
४३	४०	४	५६	१३	४	२७	२१
६०	४४	२३	३	३४/१	४	३	६१
५६	३७	३५	२४	मा	५०	११	११

३६पं.मा.शु.८ मं. इ. ५७/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	११	६	५	८	७
२८	११	१०	०	१४	२१	९	२८
५५	२४	१६	४३	४९	४९	१०	३४
३७	१४	१	८	५५	४८	११	४
६१	४४	५३/१४	४	४१	४	३	६१
०	४७	व.	३५	५७	२३	११	१९

३७पं. मा शु.१५मं.इ. ५७/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	११	६	५	८	८
६	१६	१	१	२०	२२	८	५
३	४५	२७	२४	२७	१७	४७	४३
१९	१८	४७	२०	२५	१०	५५	२९
६१	४५	१४/५३	५	४८	३	३	६१
४	२	व.	४७	२४	४४	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	बु	१४	१७	आ	२१	४८	ब्र	४९	४०	कौ	१४	१७	२५/३६	६/५३	३/७	१	१५	२२	मिथुने	वक्री ज्येष्ठा. वृश्चिके बुधः५२।२९ रा.+
२	गु	९	१४	पु	१८	८	ऐं	४२	४	ग	९	१४	३६	५३	७	२	१६	२३	क४।४	भ.३६।२३उ. [+ पौषारंभः
३	शु	३	३२	पु	१४	५	वै	३४	२६	वि	३	३२	३६	५३	७	३	१७	२४	कर्के	भ.३।३२या.चतुर्थी व्र.
४	शु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	श	५१	४९	श्ले	९	३	वि	२६	३९	कौ	२४	४६	३७	५३	७	४	१८	२५	सिं. ९।३	बुधोदयः पूर्वस्यां ११।३६
६	र	४६	२२	म	६	१	प्री	१८	५२	ग	१९	५	३७	५३	७	५	१९	२६	सिंहे	भ.४६।२२उ.
७	चं	४१	१९	पू	२/१६	५६/३५	आ	११	१४	वि	१३	५०	३७	५३	७	६	२०	२७	कं.१६।२५	भ.१३।५०या.
८	मं	३६	२३	ह	५५	३५	सौ	४/३	५२/५४	बा	८	५०	३८	५२	८	७	२१	२८	कन्यायां	
९	बु	३२	१५	चि	५३	१	अ	५०	२५	तै	४	१९	३८	५२	८	८	२२	२९	तु.२४।१७	भ.५९/५९उ.पूषा.बुधः५/५९(सौरः२३।२४)
१०	गु	२७	४४	स्वा	५०	४९	सु	४४	१६	वि	२७	४४	३९	५२	८	९	२३	३०	तुलायां	भ.२७।४४या,मार्गी बुधः३३।४१
११	शु	२४	१९	वि	४९	२	धृ	३८	३१	बा	२४	१९	४०	५२	८	१०	२४	३१	वृ.३४।२९	सफला ११ व्र.
१२	श	२१	३४	अ	४८	१५	शू	३३	२२	तै	२१	३४	४१	५२	८	११	२५	१	वृश्चिके	वृश्चिके शुक्रः३१/४०जनवरी १ ता. ३१ B
१३	र	१९	३८	ज्ये	४८	३१	गं	२८	५९	व	१९	३८	४२	५२	८	१२	२६	२	ध.४८।३१	भ.१९।३८उ.४९।१४या.
१४	चं	१८	५०	मू	४९	५८	वृ	२५	२८	श	१८	५०	४३	५१	९	१३	२७	३	धनुषि	उषा.भौमः४८।१६
३०	मं	१९	४	पू	५२	३२	ध्रु	२२	५३	ना	१९	४	४४	५१	९	१४	२८	४	धनुषि	अनु.शुक्रः५२।१ [Bसन्२०११प्रदोषः

३८पं.पौ.कृ.८मं.इ.५७।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	११	६	५	८	८
१३	२२	२५	२	२६	२२	८	१२
११	६	१५	१३	४०	४०	२५	५३
१३	३२	३२	१७	५९	१२	४०	२१
६१	४५	१२/५	६	५३	३	३	६१
६	२२	व.	४३	१६	१६	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य सोना चांदी ताम्बा पीतल रसगुड़ सक्कर चीनी घृत तेल तृण घास पशु तेज रहे सुदि में धातु हो।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.३०मं.इ.५७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	११	७	५	८	८
२०	२७	२७	३	३	२२	८	२०
१९	३२	३६	९	२४	५८	३	०३
२६	२०	२५	५०	५८	२३	२४	१८
६१	४५	४०/३५	७	५७	२	३	६१
६	३२	मा	५३	३	१९	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः
१	बु	२०	४६	उ	५६	२८	व्या	२१	४२	ब	२०	४६	२५/४५	६/५१	५/९	१५	२९	५	म.८।३१
२	गु	२४	२	श्र	६०	०	ह	२०	५८	कौ	२४	२	४७	५१	९	१६	१	६	मकरे
३	शु	२८	३१	श्र	१	३६	व	२१	२०	ग	२८	३१	४८	५०	१०	१७	२	७	कुं.३४।२०
४	श	३४	४	ध	७	४	सि	२२	४४	व	१	१७	५०	५०	१०	१८	३	८	कुंभे
५	र	४०	२५	श	१५	७	व्य	२४	४४	ब	७	१५	५२	५०	१०	१९	४	९	कुम्भे
६	चं	४६	५७	पू	२२	४५	व	२७	७	कौ	१३	४१	५३	४९	११	२०	५	१०	मी. ५/०
७	मं	५३	२२	उ	३०	१४	प	२९	१९	ग	२०	१०	५५	४९	११	२१	६	११	मीने
८	बु	५८	५८	रे	३६	५४	शि	३१	८	वि	२६	१०	५७	४९	११	२२	७	१२	मे.३६।५४
९	गु	६०	०	अ	४२	४७	सि	३२	५	बा	३१	४	५९	४८	१२	२३	८	१३	मेषे
९	शु	३	११	भ	४७	२२	सा	३१	५४	कौ	३	११	२६/१	४८	१२	२४	९	१४	मेषे
१०	श	६	१	कृ	५०	३	शु	३०	२२	ग	६	१	४	४७	१३	२५	१०	१५	वृ.३।२
११	र	६	४७	रो	५१	३४	शु	२७	१४	वि	६	४७	६	४७	१३	२६	११	१६	वृषे
१२	चं	५	३०	मृ	४९	२३	ब्र	२२	३१	बा	५	३०	८	४६	१४	२७	१२	१७	मि. २/२९
१३	मं	२	२०	आ	४६	२५	ऐं	१६	१३	तै	२	२०	११	४६	१४	२८	१३	१८	मिथुने
१४	मं	५४	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१५	बु	५१	२	पु	४१	५७	वै	८	४२	बि	२४	९	१३	४५	१५	२९	१४	१९	क.२८।४

शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६८४९स.२०११
चंद्र दर्शनम्
उभा.१गुरु:१४।३७ सफर
भ.१।१७उ.३४।४या.मूले धनुषि बुधः A
[A २९।३१ मकरे भौम:११।४७
भ.५३।२२उ.उषा.बुध:१०/४४(सौर:२४/५१)
भ.२६।१० या.
मकरेऽर्कः२७/८(सौर:४०/५८)पातस्पर्श:४०।४
भ.३६।२४उ.पातमोक्ष:५।८
भ.६।४७या.पुत्रदा११व्र.
ज्येष्ठा.शुक्र:४३।१० प्रदोषः
भ.५७।१६उ.चित्रा.१शनि:५०।४६
भ.२४।९पूषा.बुध:१७।४४मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.७मं.इ.५७।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	११	७	५	८	८
२७	२	४	४	१०	२३	७	२७
२७	५८	१२	१३	३२	११	४१	१३
२२	१२	४३	१६	५६	३१	९	१०
६१	४५	६३	८	६०	१	३	६१
६	४७	२९	४९	९	३२	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ९ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महघंता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.१३मं.इ.५७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	७	५	८	९
४	८	१२	५	१७	२३	७	४
३५	२६	५४	२३	५७	२०	१८	२२
१३	३५	७	२४	४	६	५३	३९
६१	४५	७५	९	६२	०	३	६१
३	५७	३१	४०	२९	५६	११	१९

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः
१	गु	४३	५३	पु	३६	४१	वि	१८	५०/५४	बा	१७	२८	२६/१६	६/४५	५/१५	३०	१५	२०	कर्के
२	शु	३६	१४	श्ले	३०	४९	आ	४१	५०	तै	१०	३	१९	४४	१६	१	१६	२१	सिं. ३०/४९
३	श	२८	२१	म	२५	५१	सौ	३२	२९	व	२	१७	२१	४४	१६	२	१७	२२	सिंहे
४	र	२१	३	पू	१९	१९	शो	२३	२३	बा	२१	३	२४	४३	१७	३	१८	२३	कं.३३।५
५	चं	१४	२२	उ	१४	२४	अ	१४	५४	तै	१४	२२	२७	४३	१७	४	१९	२४	कंन्यायां
६	मं	८	२९	ह	१०	६	सु	५६/५७	५२/५७	व	८	२९	२९	४२	१८	५	२०	२५	तु.३८।३१
७/८	बु	३/५६	३/१	चि	६	५७	शू	५३	३७	ब	३	३१	३२	४२	१८	६	२१	२६	तुलायां
९	गु	५७	१	स्वा	४	५५	गं	४८	२१	तै	२८	१७	३५	४१	१९	७	२२	२७	वृ.४९।४१
१०	शु	५४	५६	वि	३	५६	वृ	४३	५२	व	२५	५८	३८	४०	२०	८	२३	२८	वृश्चिके
११	श	५४	८	अ	३	५१	ध्रु	४०	१८	ब	२४	३२	४१	४०	२०	९	२४	२९	वृश्चिके
१२	र	५४	४४	ज्ये	४	५०	व्या	३७	४०	कौ	२४	२६	४५	३९	२१	१०	२५	३०	ध.४।५०
१३	चं	५६	८	मू	७	९	ह	३५	४७	ग	२५	२८	४८	३८	२२	११	२६	३१	धनुषि
१४	मं	५८	४५	पू	१०	२५	व	२५	५	वि	२६	५६	५१	३८	२२	१२	२७	१	म.२६।२८
३०	बु	६०	०	उ	१४	३८	सि	३४	३८	च	३०	३२	५४	३७	२३	१३	२८	२	मकरे
३०	गु	२	३२	श्र	१९	५७	व्य	३५	२६	ना	२	३२	५८	३६	२४	१४	२९	३	कुं.५३।८

शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
अभि.प्र.रवि:५९।३८श्रवणे भौम:५९।९
अभि.प्र.रवि:सौर:११।३९रा.माघारंभः
भ.२।१७उ.२८।२१या.चतुर्थी व्र.
[÷८।३०(सौर:१९।५२)
श्रवणे रवि:१६।१५(सौर:२७।३५)
भ.८।२९उ.३६।०या.अभि. नि. रविः ÷
उभा.२गुरु:१।३८पातस्पर्श:३८।६पात-×
वक्री शनि:३७।१३ [×मोक्ष:५४।४४
भ.२५।५८उ.५४।५६या.उषा.बुधः ४६/१८
मूले धनुषि शुक्र:४९।३४षट्तिला११व्र.
मकरे बुध:५९।५१
भ.५६।८ उ. मूल. २राहुः मृग. ४केतुः =
भ.२६।५६या.फर्वरी २ ता. २८
वक्री हस्ते.४शनि:४२।२१
[= ११।१० प्रदोषः

४२पं.मा.कृ.६मं.इ.५७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	११	७	५	८	९
११	१३	२२	६	२५	२३	६	११
४२	५५	३५	३९	३७	२२	५६	३१
४०	३७	३५	१४	३०	२६	३७	३०
६०	४६	८६	१०	६४	०	३	६१
५९	७	४४	२५	१९	१०	११	१३

गोचर ग्रहाः

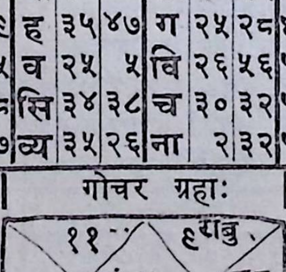

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का जो मंदे हो सुदि में धातु चांदी सोना ताम्बा रस गुड़ सक्कर तेज रहे, शीत अधिक पड़े।

गोचर ग्रहाः

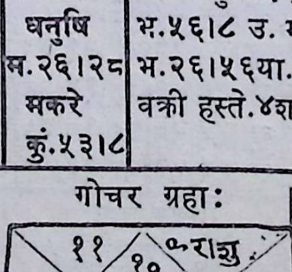

४३पं.मा.कृ.१४मं.इ.५७/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	११	८	५	८	९
१८	१९	३	७	३	२३	६	१८
४९	२५	३	५९	२५	२०	३४	३९
१०	२३	४३	४६	५९	२४	२२	३५
६०	४६	९५	११	६५	३२	३	६१
५५	७	३१	४	४९	व.	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६८७९स.२०११
१	शु	७	२८	ध	२६	१७	व	३६	४५	ब	७	२८	२७/१	३६/६	२४/५	१५	३०	४	कुंभे	चंद्रदर्शनम्
२	श	१२	५७	श	३३	१९	प	३८	३४	कौ	१२	५७	५	३५	२५	१६	१	५	कुंभे	रविलावल
३	र	१९	२०	पू	४०	४७	शि	४०	४३	ग	१९	२०	८	३४	२६	१७	२	६	मी. ७३/५५	भ. ५२/३७ उ. धनि.रविः ३४/३३ (सौरः ३३/२५)÷
४	चं	२५	५५	उ	४८	२५	सि	४३	२	वि	२५	५५	१२	३४	२६	१८	३	७	मीने	भ. २५।५५ या. बुधास्तः पूर्वस्यां२०।११
५	मं	३२	२३	रे	५६	१	सा	४५	२४	बा	३२	२३	१५	३३	२७	१९	४	८	मे.५६।१	वसंत ५ [÷श्रवणबुधः ३४/५४ धनि.भौमः ५०/३२
६	बु	३८	२२	अ	६०	००	शु	४७	१०	कौ	५	२२	१९	३२	२८	२०	५	९	मेषे	पातस्पर्शः ५।७ पातमौक्षः २०।३१
७	गु	४३	१३	अ	२	५२	शु	४७	५२	ग	१०	४७	२३	३१	२९	२१	६	१०	मेषे	भ.४३।१३ उ. पूषा.शुक्रः ४०/४६ भानु७रथ७
८	शु	४६	५३	भ	८	१९	ब्र	४७	२८	वि	१५	२	२७	३१	२९	२२	७	११	वृ.२४/३०	भ.१५।२या.उभा.३ गुरुः ५६/४५ भीष्माष्टमी
९	श	४८	४७	कृ	१२	२१	ऐं	४५	४६	बा	१७	४७	३०	३०	३०	२३	८	१२	वृषे	कुंभेऽर्कः ५९।४९
१०	र	४८	२८	रो	१४	४१	वै	४२	२०	तै	१८	३८	३४	२९	३१	२४	९	१३	मि४४।४७	कंभेऽर्कः सौरः ७।२३
११	चं	४६	१३	मृ	१४	५३	वि	३७	१९	व	१७	२०	३८	२८	३२	२५	१०	१४	मिथुने	भ.१७/२० उ. ४६/१३ या.धनि.बुधः ३४/५१ जया ११व्र.
१२	मं	४१	५३	आ	१२	५८	प्री	३०	४८	ब	१४	३	४१	२८	३२	२६	११	१५	कं.५५।५	कुंभेभौमः २२।६
१३	बु	३५	४१	पु	९	७	आ	२२	३८	कौ	८	४७	४५	२७	३३	२७	१२	१६	कर्के	प्रदोषः
१४	गु	२७	१	पु	४३/३	५३/२६	सौ	१३	१७	ग	१	२१	४९	२६	३४	२८	१३	१७	सिं. ५७/१२	भ. २७।१ उ. ५३।४६ या.
१५	शु	२०	३०	म	४९	५९	शो	३/१८	४९/१९	ब	२०	३०	५३	२५	३५	२९	१४	१८	सिंहे	कुंभेबुधः२५।४९ मा. स्ना. पूर्तिः

४४पं.मा.शु.५मं.इ.५७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	११	८	६	८	९
२५	२४	१४	९	११	२३	६	२५
५५	५६	०	२५	२४	१२	१२	४६
१	१७	४०	८	२५	५४	६	२२
६०	४६	०	११	६७	२६/१	३	६०
४७	१७	१५	४२	१०	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघशुक्ले ९ शनौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवार२ न.३ युवावस्था(सूती) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

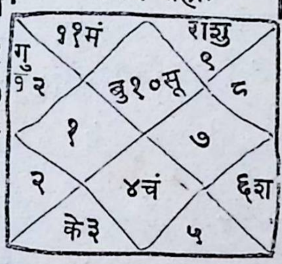

४५पं.मा. शु.१२मं. इ. ५७/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	११	८	५	८	१०
२	०	२५	१०	१९	२३	५	२
५९	२७	४३	५३	३०	०	४९	५२
४९	३६	३४	४६	२९	११	५१	२५
६०	४६	०	१२	६८	२/७	३	६०
३७	२७	५५	९	१३	व.	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	१०	८	पू	४२	४४	सु	४२	५	कौ	१०	८	२७/५६	२५/६	३५/५	३०	१५	१९	कं. ५६।०	शतेरविः ३६।५ (सौरः४२।४५)
२	र	१	२	उ	३५	४६	धृ	३१	५०	ग	१	२	२८/०	२४	३६	१	१६	२०	कन्यायां	भ.२६।४०उ.५२।१९या.रा.फाल्गुनारंभः
३	र	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	चं	४४	२०	ह	२९	२५	शू	२२	११	ब	१८	१९	४	२३	३७	२	१७	२१	तु५६।५२	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	३७	३५	चि	२४	२०	गं	१३	१९	कौ	१०	५८	८	२२	३८	३	१८	२२	तुलायां	शतेबुधः ११।५ उषा.शुक्रः५।४४
६	बु	३२	४०	स्वा	२०	४५	वृ	४६/५	५३/४७	ग	४	५८	१२	२२	३८	४	१९	२३	तुलायां	भ.३२।२० उ. शतेभौमः ५१।३६
७	गु	२८	४०	वि	१८	३६	व्या	५४	२४	वि	०	३०	१६	२१	३९	५	२०	२४	वृ.४।८	भ.०।३०या. मकरे शुक्रः ५९।३४
८	शु	२६	३५	अ	१८	८	ह	५०	४०	कौ	२६	३५	२०	२०	४०	६	२१	२५	वृश्चिके	
९	श	२६	२०	ज्ये	१९	१	व	४८	८	ग	२६	२०	२४	१९	४१	७	२२	२६	ध. १९।१	भ.५६।४१ उ. उभा. ४ गुरुः४८।१५
१०	र	२७	२	मू	२१	३५	सि	४६	४३	वि	२७	२	२८	१८	४२	८	२३	२७	धनुषि	भ.२७।२ या.
११	चं	२९	१७	पू	२५	१९	व्य	४६	२२	बा	२९	१७	३२	१८	४२	९	२४	२८	म.४१।३३	विजया ११ व्र.
१२	मं	३२	४५	उ	३०	१६	व	४६	४८	कौ	१	१	३६	१७	४३	१०	२५	१	मकरे	पूभा.बुधः२१।२१ मार्च ३ ता.३१
१३	बु	३७	१८	श्र	३६	९	प	४७	४१	ग	५	१	४०	१६	४४	११	२६	२	मकरे	भ.३७/१८उ. प्रदोषः महाशिवरात्री व्र. स्मा.
१४	गु	४२	३७	ध	४२	४९	शि	४९	३४	वि	९	५७	४४	१५	४५	१२	२७	३	कुं.९।२९	भ.९।५७ या. महाशिवरात्री व्र. वै.
३०	शु	४८	२४	श	४९	४०	सि	५१	२०	च	१५	३०	४८	१४	४६	१६	२८	४	कुंभे	पूभा. रविः ५२।११ (सौरः५७।३२)

४६ पं.फा.कृ.५ मं.इ. ५८/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	८	५	८	१०
१०	५	८	१२	२७	२२	५	९
३	५८	७	२६	४०	४२	२७	५६
२२	३०	३४	१७	८	५४	३५	५८
६०	४६	०	१२	६९	३६/२	३	६०
२५	२७	०	३२	२	व.	११	३१

ग्रोचर ग्रहाः

इस मास में ५शनिवार अहितकर हैं धान्य बाजरा मंग मोठ चावल में तेजी प्रजा में रोग शोक फैलनेकी सम्भावना हो।

ग्रोचर ग्रहाः

४७पं.फा.कृ.१२मं. इ. ५८/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	११	९	५	८	१०
१७	११	२१	१४	५	२२	५	१६
५	३०	१३	१	५५	२१	५	५९
३५	५४	५९	८	३०	२९	१९	५१
६०	४६	०	१२	६९	२३/३	३	६०
१३	२५	७	५६	५२	व.	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः६८०८स. २०१०
१	श	५५	३५	पू	५७	१३	सा	५३	४०	किं	२२	५९	२८/५२	६/१४	५/४६	१४	२९	५	मी४०।१९	श्रवणे शुक्रः २८।१६
२	र	६०	०	उ	६०	०	शु	५६	४	बा	२८	२३	५६	१३	४७	१५	३०	६	मीने	मीने बुधः ३०।२९ चंद्र दर्शनम् पात ×
२	चं	१	११	उ	४	४९	शु	५८	२०	कौ	१	११	२९/१	१२	४८	१६	१	७	मीने	रविलाखर ४
३	मं	७	३५	रे	१२	२०	ब्र	६०	०	ग	७	३५	५	११	४९	१७	२	८	मे.१२।२०	भ. ४०।३१ पु. उभा. बुधः १५।४
४	बु	१३	२६	अ	१९	२०	ब्र	०	६	वि	१३	२६	९	१०	५०	१८	३	९	मेषे	भ. १३।२६ या.
५	गु	१८	३२	भ	२५	३५	ऐं	१	३६	बा	१८	३२	१३	९	५१	१९	४	१०	वृ. ४१/५०	×स्पर्शः१९।२३ पातमोक्षः ३३।१३ फु.२
६	शु	२२	४०	कृ	३०	३६	वै	२	९	तै	२२	४०	१७	९	५१	२०	५	११	वृषे	बधोदयः पश्चिमायां ३५।१४
७	श	२५	२३	रो	३४	२०	वि	३ ३/२	५८/२	व	२५	२३	२१	८	५२	२१	६	१२	वृषे	भ. ३३/३ उ. २२/५३ या. पूभा. भौमः ४३/५७
८	र	२५	२०	मृ	३६	१६	आ	५६	१६	ब	२५	२०	२६	७	५३	२२	७	१३	मि५।१७	स्वाती १ गुरुः १७।३४ होलाष्टकम्
९	चं	२४	२९	आ	३६	१८	सौ	५१	२०	कौ	२४	२९	३०	६	५४	२३	८	१४	मिथुने	मीनेऽर्कः ५३।४ (सौरः ५७।५३)
१०	मं	२२	४०	पु	३४	३०	शो	४४	५२	ग	२२	४०	३४	५	५५	२४	९	१५	क.१९।५७	भ. ५०।१० उ. रेवत्या बुधः ३२।४४
११	बु	१७	४१	पु	३०	३६	अ	३६	५५	वि	१७	४१	३८	४	५६	२५	१०	१६	कर्के	भ. ५७/१ या. धनि शुक्रः ३९/१६ आ. ११ व्र.
१२	गु	११	१	श्ले	२५	११	सु	२७	४२	बा	११	१	४३	३	५७	२६	११	१७	सिं२५।११	प्रदोषः
१३	शु	३	१	म	१८	२३	धृ	१७	२७	तै	३	१	४७	३	५७	२७	१२	१८	सिंहे	भ. ५३/४२ उ. उभा. रविः १४/८ [सौरः ३९/६]
१४	शु	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१५	श	४३	४७	पू	१०	४६	शू	३ ६/८	४८/४९	वि	१८	४६	५१	२	५८	२८	१३	१९	क.२३।४३	भ. १९/४६ या. गोधूलिसमये होलिका द.

४८पं. फा.शु. ३मं.इ. ५८/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	११	११	९	५	८	१०
२४	१७	४	१५	१४	२१	४	२४
६	०	४३	३८	१२	५६	४३	१
२२	२५	१९	४२	५२	२	४	१४
५९	४६	८०	१३	७०	३/५२	३	६०
५८	२२	४६	१४	३२	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले ९ चंद्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती)मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

४९पं.फा.शु.१० मं.इ. ५८/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	११	९	५	८	११
१	२२	१७	१७	२२	२१	४	१
५	३१	२२	१६	३२	२८	२०	०
३५	१२	१७	८	१३	१२	४८	५६
५९	४६	९९	१३	७१	१ ४/०	३	५९
४१	२२	३	२६	७	व.	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फा. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	र	३३	५५	उ	४६/२	५३/१४	बृ	४४	३८	ग	८	५१	२९/५५	६/५	५/५९	२९	१४	२०	कन्यायां	वसन्त १ छारेंडी
२	चं	२४	१९	चि	४७	५८	ध्रु	३३	५८	बा	२४	१९	३०/०	६/०	६/०	३०	१५	२१	तु.२१।२९	भ. ५०।१ उ.
३	मं	१५	४४	स्वा	४२	१	व्या	२४	४६	वि	१५	४४	४	५/५९	१	१	१६	२२	तुलायां	भ. ५५/४४ या. कुंभे शुक्रः ३७/३ रा. चै.च व्र.
४	बु	८	२६	वि	३७	५०	ह	१६	३५	बा	८	२६	८	५८	२	२	१७	२३	वृ.२३।५३	
५	गु	२	५९	अ	३५	३४	व	७	५५	तै	२	५९	१२	५८	२	३	१८	२४	वृश्चिके	भ. ५९।५५ उ.
६	गु	५६	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	५७	५६	ज्ये	३५	४	सि	४	४३	वि	२८	५५	१६	५७	३	४	१९	२५	ध.३५।४	भ. ३६/६ या. अश्वि. मेषे बुधः४०/३ मीने×
८	श	५८	२०	मू	३६	३५	व्य	१/१६	५८/०	बा	२८	८	२१	५६	४	५	२०	२६	धनुषि	[× भौमः ३३।१८ शीतला पूजनम्
९	र	६०	०	पू	३९	५४	प	५८	४०	तै	२९	३०	२५	५५	५	६	२१	२७	म.५६।७	शते शुक्रः ४७।२९स्वाती २ गुरुः५४।५३
९	चं	०	४०	उ	४४	४६	शि	५९	२५	ग	०	४०	२९	५४	६	७	२२	२८	मकरे	भ. ३२।२० उ. अस्तं गुरोः १७।२४
१०	मं	४	०	श्र	५०	५०	सि	६०	०	वि	४	०	३३	५३	७	८	२३	२९	मकरे	भ. ४।० या. उभा. भौमः ५६।२८
११	बु	८	५१	ध	५७	४५	सि	०	२६	बा	८	५१	३७	५३	७	९	२४	३०	कुं. २४/२९	वक्री बुधः ४१।४२ पापमोचनी ११ व्र.
१२	गु	१४	३७	श	६०	०	सा	२	२६	तै	१४	३७	४१	५२	८	१०	२५	३१	कुम्भे	रेवत्यां रविः ४१।१७(सौरः ५६/६)प्रदोषः
१३	शु	२०	४७	श	५	५	शु	४	४१	व	२०	४७	४५	५१	९	११	२६	१	मि. ५५/४३	भ. २०।४७ उ. ५४।० या. बुधास्तः ÷
१४	श	२७	१३	पू	१२	३५	शु	७	५	श	२७	१३	४९	५०	१०	१२	२७	२	मीने	[÷पश्चिमायां ४५।१५ अप्रेल ४ ता.३०
३०	र	३३	२८	उ	२०	८	बु	९	३६	च	०	२०	५३	४९	११	१३	२८	३	मीने	वक्री मीने रेवत्यां बुधः४६।४९ मन्वादि

५०पं.चै.कृ.३मं.इ.५९।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	११	१०	५	८	११
८	२८	२६	१८	०	२०	३	७
३	०	३७	५७	३४	५६	५८	५८
१८	५८	३०	२५	२५	५३	३३	५१
५९	४६	७१	१३	७१	३ ४/२	३	५९
२९	२२	३४	३२	३२	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

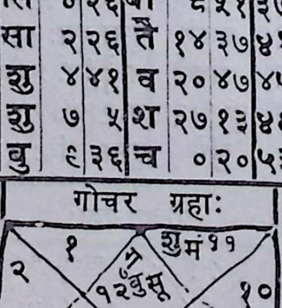

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं शक्कर गुड धातु वदि में कुछ मंदी होकर सुदि में तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

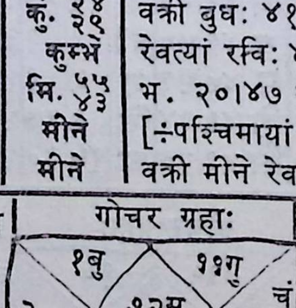

५१ पं. चै.कृ.१०मं.इ. ५९/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	११	१०	५	८	११
१४	३	०	२०	९	२०	३	१४
५९	२९	२९	३८	१८	२५	३६	५५
१०	४२	३१	६	२९	५५	१७	०
५९	४६	४	१३	७१	४/०	३	५९
१९	११	५९	३८	५७	व.	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११२, भोग्यकलिः४२६८८८, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०६८, शाकः १९३३, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः। मंत्री गुरुः। सस्येशः शनिः। धान्येशशुक्रः। मेघेशो बुधः । रसेशश्चंद्रः नीरसेशः शनिः। फलेशो बुधः। धनेशः शनिः। दुर्गेशो बुधः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां १८ क्रोधीनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्क्समये गतमासादिः११।१९।३२।१० भोग्यमासादिः०।१०।२७।५० विश्वेदेवदैवतं युगम्। वर्षनाम आश्विनः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासः समुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समय विश्वा ५ समयवाहनम् मृगः स्तंभः२ अन्नजलयोः। सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी १, रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १५, तिथिवृद्धिः ८ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् १७ तृणम् १५, शीतम् १५ तेजः ११, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२३, सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ शनिदृष्टिःदशिणयो। ग्रहण २ चंद्रमसः

संवत् २०६८ ज्ये. शु. बुधे १५
खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घं.	४३	४६	४८	५०	५२
प.	४३	१४	१७	२०	५१
घं.	११	१२	१	२	३
मि.	५६	५७	४६	३५	३५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	क
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् ६।३

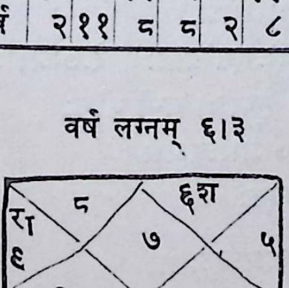

भैरव भवानी संवाद

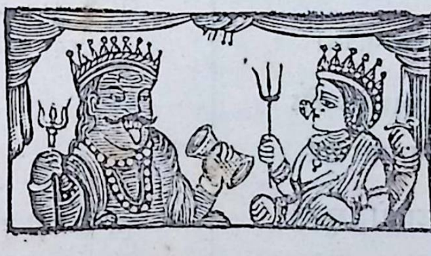

भैरव प्रश्न।

जय जय माता अंबिका बन्दौं बारम्बार ।
मैं पूछूं कर ज़ोड़ कर अठसठिये का सार ।

भवानी उत्तर

अठसठियो आठों दिशां निपजे सुन्दर धान ।
मंत्री गुरु राजा शशि बाढे जग सन्मान ।।
दैत्यगुरु धान्येश है मेघपति युवराज ।
सागर में रोहिणी बसी सुन्दर हों सब काज ।।
वर्षा वर्षे चहुं दिशा नभमंडल में जोर ।
श्रावण में शनि पांच हैं कहींक माचै शोर ।।
संवत् विश्वा पांच हैं स्तंभ लगे हैं दोय ।
ईश भजन बिन जगत में सुख नहीं पाया कोय ।।

सं.२०६८मार्ग.शु. १५ शनिवासरे
खग्रास चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	३१	३४	३५	३६	४०
प.	७	३१	३७	४३	७
घ.	६	८	८	९	१०
मि.	५४	१५	४२	८	३०

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ३।७

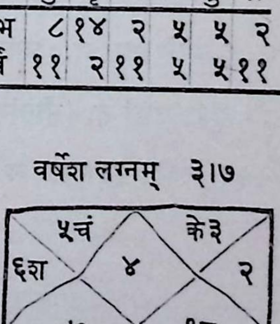

÷चंमंबुगुसू वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।४९।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।०।१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानिप्रभूतवृष्टिःप्रचुरंचधान्यं सौख्यंजनानामुदयोनृपाणांप्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्रीगुरुःफलम् ।। विविध धान्ययुता खलुमेदिनीप्रचुरतोय घनामुदिता भेवत् । नृपतयोजनपालनतत्पराः सुरगुरौ ननुमंत्रि समागते ।। सस्येशः शनिफलम् ।। रविसुत यदिधान्यपतौ जनोनृपतिभिः परिपीडितविग्रहः । गदभयं तुषधान्यहृरंसदादुरितवादविवाद युतानराः ।। धान्येशः शुक्रफलम् ।। भृगौ पश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्याः समर्घतांयांति स्वल्पंक्षीरंगवामपि ।। मेघेशोबुधस्तत्फलम् ।। अमृतरश्मिसुते यदिवारिपेबहुजलं तुष धान्यरसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसाः विविधसौख्ययुता धरणीतदा।। रसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। यदिविधौरसपे भुवि मानवो । नवनवां युवतीं बुभुज प्रियाम् । जलधरा बहुवारिविधायका रसवती धनधान्यवतीमही ।। नीरसेशः शनिः फलं ।। त्रपुपिंडादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तूनां । अर्घवृद्धिः प्रजायेत मंदेनीरसनायके ।। फलेशोबुधस्तत्फलम्।। यदिबुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहुतृणं कुसुमं कमलैर्दुतं जनपदा जनसौख्य मुदान्विताः।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजेविरलंधनं गदरता धरणी पतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडित मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम्।। विषयसाम्यसुखं शशिजेप्रभौभवति राशिगते तुविशेषतः। शशियुते यदिकोटक पालके पथिषु द्रव्ययुतांनभयंक्वचित् ।। क्रोधीनामसंवत्सरः फलम् ।। क्रोध्यब्दे निखिला लोकाः क्रोधलोभपरायणाः । इति दोषेण सततं मध्यसस्यार्घवृष्टयः ।। वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्वसस्यंस्याज्ज्वररोगाकुलं जगत् । अश्विनेशोभना वृष्टिः नृप सौख्यकरोसदा ।। मेघनामद्रोणः फलम् ।। द्रोणेवर्षति सर्वदा ।। रोहिणीनिवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रतुमहावृष्टिः । समयनिवासोमालिगृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

संवत् २०६८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शु. २ गुरौ रोहि ल. १० रे८।।।।ऽअ. ५० याऽ।।

,, ८ बुधे मघा ल. गो (भौम ७ स्थः) रे.७।।।।ऽ रोऽ ४२या.(उप४२उ)ऽ।गणितेन क्रांतिसाम्याऽभाव

,, १५ भौमे अनु ल. गो. १०रे६।।।ऽऽअऽऽ।।गो धूल्यां ७ स्थो भौमः

ज्यष्ठ मासः ।

शु. ६ भौमे मघा ल. ऽन्यगो सौग्रांगः रे७।।।।ऽ नृऽऽ।।

,, ८ गुरौ उफा ल. (सोग्रांग)ल.१० रे८।।।।ऽचौ।ऽ।।

,,११ रवौ स्वात्यां ल. गो. (सोग्रांगः) १० रे.८।।।ऽगु।ऽ।।

आषाढ मासः।

कृ. ९ शुक्रे रेव ल.ऽन्यगो १०।१रे।।।ऽऽरो५१ याऽऽ।।

शु. ६ बुधे उफा ल. ऽन्यगो. रे६।।।।।ऽअ।।।

,, ९ शनौ स्वात्यां ल. गो. १ रे. ६।।।।ऽ।। मेषे ७ चां. पू.

मार्गशीर्ष मासः ।

कृ. ११ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो. (सोग्रांगः) रे ८।।।।ऽ नृ ३९ या ऽ।।

शु. ५ भौमे उषा ल. ऽ न्यगो. (सोग्रांगः)रे६ऽऽ।।।ऽऽ।।

,, ९ रवौ उभा ल. गो. (सोग्रांगः) रे ऽ।।।ऽरो२८ या ।।।ऽदग्धा.

माघ मासः

कृ. ७ रवौ हस्ते ल. गो. रे८ऽ।।।।ऽ।।

,, ११ गुरौ अनु. ल. ऽ न्यगो. रे. ६।ऽ।।ऽऽऽ।।

फाल्गुनमासः ।

कृ. १ बधे मघा ल. गो.९ र. ७।।।ऽ सू।ऽऽ।।

,, ३ शुक्रे उफा. ल. ९र९।।।।।ऽ।।

,, १० शुक्रे मूले ल. न्यगो. (सौग्रांगः) रे.७।ऽ।।ऽ नृप।ऽ।। लग्ने भौमः

शु. ३ शुक्रे उमा. ल. ९ रे.७।ऽ।।ऽअऽ।।

चैत्र मासः

कृ. १ शुक्रे हस्त ल. ९ र.६ऽऽ।ऽबु ऽ।।।।

,, ४ रवौ स्वात्यां ल. ९ रे.६।।।ऽ।।ऽऽऽगणितेनक्रांति साम्याऽभावः।

,, अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दिं.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूंरविरुत्तरेऽहर्गणः ६९३८ स.२०११
१	चं	३९	२८	रे	२७	२९	ऐं	११	२५	किं	६	२८	३०/५७	५८/४	६/११	१४	२९	४	मे.२७।२९	मूल. १ राहुः मृग. ३ केतुः७।१३ वक्री÷
२	मं	४४	५३	अ	३४	१६	वै	१३	२२	बा	१२	११	३ १/१	४८	१२	१५	३०	५	मेषे	चंद्र दर्शनम् सिंवारा [×नवरात्रारंभः
३	बु	४९	३४	भ	४०	१६	वि	१४	४०	तै	१७	१४	५	४७	१३	१६	१	६	वृ.५६।३४	जमादि लावल ५ मत्स्य जयंती गणगौरी
४	गु	५३	२७	कृ	४५	३१	प्री	१५	१	व	२१	३१	१०	४६	१४	१७	२	७	वृषे	भ.२१।३१उ.५३।२७या.पूभा.शुक्रः५३/३०
५	शु	५६	१०	रो	५९	४०	आ	१५	५	ब	२४	४९	१४	४५	१५	१८	३	८	वृषे	[÷हस्त. ३ शनिः२४।२५ संवत्सरारंभः×
६	श	५७	२८	मृ	५२	३२	सौ	१४	८	कौ	२६	४९	१८	४४	१६	१९	४	९	मि. २१।६	रेवती. ३ गुरुः४७।०
७	र	५७	२९	आ	५४	०	शो	११	५०	ग	२७	२८	२२	४४	१६	२०	५	१०	मिथुने	भ. ५७।२९उ.
८	चं	५५	५०	पु	५३	५४	अ	८	२२	वि	२६	४०	२६	४३	१७	२१	६	११	क३८।५६	भ.२६।४०या.
९	मं	५२	४१	पु	५२	५	सु	३/४०	५६/२०	बा	२४	१६	३०	४२	१८	२२	७	१२	कर्के	रामनवमी
१०	बु	४७	३८	श्ले	४८	४५	शु	५०	१९	तै	२०	५	३४	४१	१९	२३	८	१३	सिं४८।४५	[=१५।४८(सौरः२०।२९)कामदा११व्र.
११	गु	४१	१८	म	४४	७	गं	४१	४६	व	१४	२९	३८	४०	२०	२४	९	१४	सिंहे	भ.१४।२९ उ.४१/१८ या. अश्वि. मेषेऽर्कः=
१२	शु	३३	२४	पू	३७	५६	वृ	३२	१५	व	७	२१	४२	४०	२०	२५	१०	१५	कं.५१।८	प्रदोषः
१३	श	२४	३६	उ	३०	४७	धृ	२१	४८	तै	२४	२६	४६	४९	३१	२६	११	१६	कन्यायां	मीने शुक्रः११।३३रेवत्यां भौमः४।५९
१४	र	१५	१	ह	२३	१६	व्या	११	८	व	१५	१	५०	४८	२२	२७	१२	१७	तु.४९।२७	भ.१५।१उ.४०।८या. बुधोदयःपूर्वस्यां ३८/३५
१५	चं	५	१४	चि	१५	३८	ह	०/२३	४९/३४	ब	५	१४	५३	३७	२३	२८	१३	१८	तुलायां	उभा. शुक्रः५८।२०हनुमज्जयंती

५२ पं.चै. शु. २मं. इ. ५९/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	११	१०	५	८	११
२१	८	२८	२२	१७	१९	३	२१
५३	५६	२०	१९	४३	५२	१४	४९
३१	५३	४६	३७	१६	३४	१	११
५९	४५	४४/४७	१३	७२	४/४०	३	५९
४	४८	व.	३८	१६	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ११ गुरौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४ न.४वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१ पं. चै.शु. ११वृ.इ. १५/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	११	१०	५	८	११
०	१५	२२	२४	२७	१९	२	२९
०	२१	२०	२१	३९	१३	४८	५५
०	३५	५६	४	४७	५	१४	२४
५८	४५	४१/२६	१३	७२	३४	३	५८
४४	५८	व.	३८	३९	व.	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	चं	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४७	२८	स्वा	८	३८	सि	४०	३१	तै	२१	३८	३१/५७	५/३०	६/२३	२९	१४	१९	वृ.४९।१०	
३	बु	४०	२३	वि	२/४०	५५/४५	व्य	३२	२२	व	१३	५५	३ २/१	३६	२४	३०	१५	२०	वृश्चिके	भ.१३।५५उ.४०।२३या.
४	गु	३५	५	ज्ये	५६	१	व	२५	३३	ब	७	४६	५	३५	२५	१	१६	२१	घ.५६।१	भा. वैशाखारंभः चतुर्थी व्र.
५	शु	३१	५३	मू	५५	४६	प	२०	१७	कौ	३	२९	९	३४	२६	२	१७	२२	धनुषि	[×भौमः५०।१६
६	श	३१	३	पू	५७	३९	शि	१६	५५	ग	१	२८	१२	३४	२६	३	१८	२३	धनुषि	भ.३१।३उ. मार्गी बुधः३।३३
७	र	३२	१	उ	६०	०	सि	१५	५	वि	१	३२	१६	३३	२७	४	१९	२४	म१३।३७	भ.१।३२या. रेवती४ गुरुः४।४९ उदयो×
८	चं	३५	१	उ	१	२२	सा	१५	७	बा	३	३९	२०	३२	२८	५	२०	२५	मकरे	उदयं गुरौः५५।१२
९	मं	३९	३७	श्र	६	४९	शु	१५	५३	तै	७	१९	२३	३१	२९	६	२१	२६	कुं.४०।२	
१०	बु	४५	१४	ध	१३	१०	शु	१७	४१	व	१२	२५	२७	३१	२९	७	२२	२७	कुंभे	भ.१२।२५उ.४५।१४या.भरण्यां रविः ५६/१
११	गु	५१	२५	श	२०	४६	ब्र	२०	५	ब	१८	२०	३१	३०	३०	८	२३	२८	कुंभे	भरण्यां रविः सौरः१।५४वरूथिनी११व्र.
१२	शु	५७	५५	पू	२८	२३	ऐं	२२	३२	कौ	२४	४०	३४	२९	३१	९	२४	२९	मी११।२९	रेवत्यां शुक्रः५८।३६
१३	श	६०	०	उ	३५	५९	वै	२५	१६	ग	३१	३	३८	२८	३२	१०	२५	३०	मीने	प्रदोषः
१३	र		४ ११	रे	४३	१४	वि	२७	११	व	४	११	४१	२८	३२	११	२६	१	मे.४३।१४	भ.४।११उ.३६।५९या. मई५ ता. ३१
१४	चं	९	४७	अ	४९	५४	प्री	२८	५५	श	९	४७	४५	२७	३३	१२	२७	२	मेषे	
३०	मं	१४	४४	भ	५५	१९	आ	२९	५५	ना	१४	४४	४८	२६	३४	१३	२८	३	मेषे	आश्वि. मेषे भौमः२३।४६

२ पं.वै. कृ. ४ वृ. इ. १५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	११	११	५	८	०
६	२०	१९	२६	६	१८	२	६
५०	४४	२१	१	७	४२	२५	४५
४२	३५	४७	५५	१९	०	५८	३५
५८	४५	३ ४/२	१३	७२	१ ४/४	३	५८
३१	४७	व.	३२	५६	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ मंदा हो घृत व गुड सक्कर में तेजी चले धूप अच्छी पड़े। प्रजा में पीड़ा होवे।

गोचर ग्रहाः

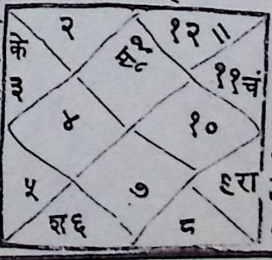

३ पं.वै. कृ. ११ वृ.इ. १६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	११	११	५	८	०
१३	२६	२०	२७	१४	१८	२	१३
४९	५	४	४१	३५	१२	३	३४
४७	५३	३७	२४	१०	४७	४२	००
५८	४५	१३/१०	१३	७३	३	३	५८
१९	३२	मा	२६	१४	५८	११	१२

×मंबुगुशु (विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्) =मंशुगुबु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः २८ स. २०११
१	बु	१८	३२	कृ	६०	०	सौ	३०	६	ब	१८	३२	३/५२	५/२६	६/३४	१४	२९	४	वृ.११।३१	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	२१	२७	कृ	०	७	शो	२९	३५	कौ	२१	२७	५५	२५	३५	१५	१	५	वृषे	जमादि लाखर ६ परशुराम जयंती
३	शु	२३	२७	रो	३	४५	अ	२८	९	ग	२३	२७	५८	२४	३६	१६	२	६	मि३५।५	भ. ५३।५२ उ. अक्षय ३
४	श	२४	१८	मृ	६	२५	सु	२५	५९	वि	२४	१८	३/३	२४	३६	१७	३	७	मिथुने	भ. २४।१८ या.
५	र	२३	५८	आ	८	२	धृ	२३	६	बा	२३	५८	५	२३	३७	१८	४	८	क.५३।२९	अश्वि. १ मेषे गुरुः १७।२१
६	चं	२२	३५	पु	८	३८	शू	१९	१०	तै	२२	३५	८	२२	३८	१९	५	९	कर्के	पातस्पर्शः ९।५६ पातमोक्षः २६।२३
७	मं	२०	३	पु	७	५३	गं	१४	१८	व	२०	३	११	२२	३८	२०	६	१०	कर्के	भ. २०।३ उ. ४८।१३ या.
८	बु	१६	२३	श्ले	६	११	वृ	८	३३	ब	१६	२३	१४	२१	३९	२१	७	११	सि. ६।११	कृति रविः ४१।५७ (सौरः ४९।४६) ÷
९	गु	११	४०	म	२/५७	५५/५३	ध्रु	१/४५	५२/१९	कौ	११	४०	१७	२१	३९	२२	८	१२	सिंहे	[÷अश्वि. मेषे बुधः १३।५७ अश्वि=
१०	शु	५	३८	उ	५४	४	ह	४५	३१	ग	५	३८	२०	२०	४०	२३	९	१३	कं.१२।५३	भ.३२।१० उ.५/४३ या.मोहिनी ११व्र.स्मा
११	शु	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मेषे शुक्रः ०।३३
१२	श	५०	४९	ह	४८	१७	ब	३६	२९	ब	२४	४६	२३	१९	४१	२४	१०	१४	कन्यायां	मोहिनी ११ व्र. वै.
१३	र	४२	२५	चि	४१	५८	सि	२६	५४	कौ	१६	३७	२६	१९	४१	२५	११	१५	तु.१५।७	वृषेऽर्कः ९।१२ (सौरः १७।३३) प्रदोषः
१४	चं	३३	५५	स्वा	३५	३४	व्य	१७	१३	ग	८	१०	२८	१८	४२	२६	१२	१६	तुलायां	भ. ३३।५५ उ. ५९।४६ या. नृ. ज.
१५	मं	२५	३७	वि	२९	३७	व	७/४९	५०/१८	ब	२५	३७	३१	१८	४२	२७	१३	१७	वृ.१६।६	यमाय कुंभदानम्

४पं.वै.शु.२वृ.इ. १६।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	११	११	५	८	०
२०	१	२४	२९	२३	१७	१	२०
२७	२५	११	१९	४	४६	४१	२०
२५	१६	२९	५२	२३	५२	२७	४४
५८	४५	४१	१३	७३	३/३७	३	५७
६	२२	२६	१९	२०	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले १३। रवौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ गतालकावस्था [ऊभी] मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.९वृ.इ. १६।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	०	०	५	८	०
२७	६	१	०	१	१७	१	२७
१३	४२	९	५६	३३	२४	१९	५
३७	४	२२	३८	२५	११	११	५८
५७	४५	६६	१२	७३	२/५८	३	५७
५४	७	१७	५९	३४	व.	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	बु	१८	१८	अ	२४	३५	शि	५१	२८	कौ	१८	१८	३/३४	५/१७	६/४३	२८	१४	१८	वृश्चिके	
२	गु	१२	१६	ज्ये	२०	५७	सि	४५	२	ग	१२	१६	३७	१७	४३	२९	१५	१९	ध.२०।५७	भ. ४०।४ उ.
३	शु	७	५२	मू	१९	२	सा	४०	११	वि	७	५२	३९	१६	४४	३०	१६	२०	धनुषि	भ.७।५२ या.भरण्यां बुधः१३।२४ च.व्र.
४	श	५	४०	पू	१९	१८	शु	३६	५४	बा	५	४०	४२	१६	४४	३१	१७	२१	म.३४।५२	भरण्यां शुक्रः ५६।३६भरण्यां भो. ७।५०
५	र	५	२४	उ	२१	३४	शु	३५	४९	तै	५	२४	४४	१५	४५	१	१८	२२	मकरे	अश्वि. २ गुरुः ४६।३९ रा. ज्येष्ठारंभ
६	चं	७	२९	श्र	२५	३७	ब्र	३५	३१	व	७	२९	४७	१५	४५	२	१९	२३	कुं.५८।२९	भ. ७।२९ उ. ३८।४९ या.
७	मं	१०	९	ध	३१	२०	ऐं	३६	३९	ब	१०	९	४९	१४	४६	३	२०	२४	कुंभे	[×५२।११ जून ६ ता. ३० वटपूजनम्
८	बु	१६	२१	श	३८	२३	वै	३८	५०	कौ	१६	२१	५२	१४	४६	४	२१	२५	कुम्भे	रोहि. रविः ३२।४६ (सौरः ४३।४१)
९	गु	२२	१०	पू	४५	४४	वि	४१	७	ग	२२	१०	५४	१३	४७	५	२२	२६	मी२८।५३	भ. ५५।२३ उ.
१०	शु	२८	३७	उ	५३	३०	प्री	४३	४४	वि	२८	३७	५६	१३	४७	६	२३	२७	मीने	भ. २८।३७ या.
११	श	३४	४५	रे	६०	०	आ	४५	५९	ब	१	४१	५८	१३	४७	७	२४	२८	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	र	४०	९	रे	०	४२	सौ	४७	४२	कौ	७	२८	३४/००	१२	४८	८	२५	२९	मे.०।४२	कृत्ति बुधः १।५९
१३	चं	४४	५५	अ	७	१९	शो	४८	३७	ग	१२	३३	२	१२	४८	९	२६	३०	मेषे	भ. ४४।५५ उ. वृषे बुधः ५२।५७ प्र.
१४	मं	४८	१	भ	१२	४०	अ	४८	३५	वि	१६	२८	३	११	४९	१०	२७	३१	वृ २८।४४	भ. १६।२८ या.
३०	बु	५०	९	कृ	१६	५६	सु	४७	३७	चं	१९	५	५	११	४९	११	२८	१	वृषे	कृत्ति शुक्रः ५६।५३ बुधास्तः पूर्वस्याम्×

६पं.ज्ये.कृ. २वृ.इ. ६/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	०	५	८	१
३	११	१०	२	१०	१७	०	३
५८	५६	२८	३१	३	५	५६	४९
३७	५३	२३	१६	४३	१७	५६	४०
५७	४४	८८	१२	७३	२/१९	३	५७
४४	५७	१४	३५	४४	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

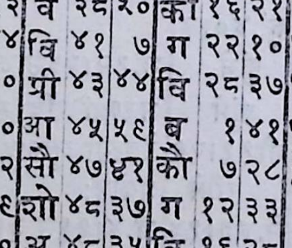

इस मास में धान्य मंदा रहे शुक्रवार का चंद्रदर्शन सोना चांदी ताम्बा रुई वस्त्रआदि पदार्थों में घट-बढ करके तेजी करें। धूप अधिक कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

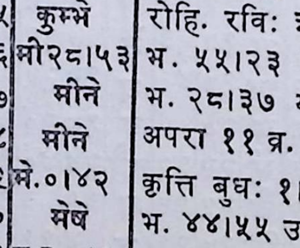

७ पं,ज्ये.कृ.९वृ.इ. १६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	०	०	५	८	१
१०	१७	२१	४	१८	१६	०	१०
४२	९	४६	३	३४	५०	३४	३१
२९	११	३७	०	८	२८	४०	५१
५७	४४	[illegible]	१२	७३	१/४६	३	५७
३५	४१	[illegible]	१६	५०	व.	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५७ स.२०११
१	गु	५०	४९	रो	१९	४७	धृ	४५	४०	किं	२०	२९	३४/७	५/११	६/४९	१२	२९	२	मि५०।४४	वक्री हस्त.२शनिः४८।५६
२	शु	५०	१९	मृ	२१	४०	शू	४२	४३	बा	२०	३५	९	१०	५०	१३	३०	३	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	श	४८	५८	आ	२२	२९	गं	३९	१	तै	१९	३८	१०	१०	५०	१४	१	४	मिथुने	रोहि.बुधः४१/२२वृषे शुक्रः३९/१२रज्जव ७
४	र	४६	३२	पु	२२	४	बृ	३४	३०	व	१७	४५	१२	१०	५०	१५	२	५	कं.७।१०	भ.१७।४५उ.४६।३२या.
५	चं	४३	२७	पु	२१	१०	ध्रु	२९	३३	ब	१४	५९	१३	९	५१	१६	३	६	कर्के	ज्येष्ठा.४वृश्चिके राहुः मृग.२वृषेकेतुः१३/५६
६	मं	३९	३९	श्ले	१९	३३	व्या	२४	५	कौ	११	३३	१५	९	५१	१७	४	७	सि. ३९/१३	अश्वि.३गुरुः४५।३५
७	बु	३५	२५	म	१७	१३	ह	१८	१	ग	७	३२	१६	९	५१	१८	५	८	सिंहे	भ.३५/२उ.मृगे रविः२७/३९(सौरः४२/३१) कृत्ति. +
८	गु	३०	२६	पू	१४	२३	व	११	२६	वि	२	५५	१७	९	५१	१९	६	९	कं.२८।३२	भ.२।५५या. [+ भौमः१४।४५
९	शु	२४	५५	उ	१०	५८	सि	४/३०	५२/२९	कौ	२४	५५	१८	८	५२	२०	७	१०	कन्यायां	[×५२।५२मार्गी शनिः४३/२५निर्जला ११व्र.
१०	श	१८	१५	ह	९	५८	व	४९	१४	ग	१८	१५	१९	८	५२	२१	८	११	तु.३४।३३	भ.४५।१९उ.मृगे बुधः४।३७गंगादशमी
११	र	१२	२३	चि	२/८	५५/४१	प	४१	५	वि	१२	२३	१९	८	५२	२२	९	१२	तुलायां	भ.१२।२३या.रोहि. शुक्रः५०/२४ बृषे भौमः ×
१२	चं		५ ४०	वि	५३	१५	शि	३३	४	बा	५	४०	२०	८	५२	२३	१०	१३	वृ.३९।२३	मिथुने बुधः५८।१६ प्रदोषः
१३	चं	५३	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷खग्रास चंद्रग्रहणम् गुर्जराणां वट =
१४	मं	५२	४६	अ	४९	१०	सि	२५	२४	ग	२५	५३	२१-	८	५२	२४	११	१४	वृश्चिके	भ.५२।४६उ. [=सावित्री व्र.
१५	बु	४७	१७	ज्ये	४५	४६	सा	१८	४	वि	२०	२	२१	८	५२	२५	१२	१५	ध.४५।४६	भ.२०/२या.मिथुनेऽर्कः२६/१३(सौरः४३।१९)÷

८ पं. ज्ये.शु.१ बृ. इ. १७/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	०	०	५	८	१
१७	२२	४	५	२७	१६	०	१७
२५	१९	५१	३१	४	४०	१२	१२
१९	२३	५०	५२	५२	३४	३४	५७
५७	४४	[illegible]	११	७३	१/४	३	५७
२७	३१	[illegible]	५२	५६	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले १५ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.८वृ.इ. १७।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	०	१	५	७	१
२४	२७	१९	६	५	१६	२९	२३
७	२५	३०	५७	३९	३५	५०	५२
१९	४८	३२	११	४७	२०	९	५३
५७	४४	[illegible]	११	७४	२/२	३	५७
२२	५	[illegible]	१६	२	व.	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	गु	४३	४	मू	४३	३७	शु	११	३५	बा	१५	१०	३४/२२	५/८	६/५२	२६	१३	१६	धनुषि	
२	शु	४०	३७	पू	४३	५	शु	६	१८	तै	११	५०	२२	८	५२	२७	१४	१७	म.५८।१९	आर्द्रा.बुधः५।१७
३	श	३९	३७	उ	४४	१	ब्र	२/२१	५७/३६	व	१०	७	२३	७	५३	२८	१५	१८	मकरे	भ.१०।७उ.३९।३७या.चतुर्थी व्र.
४	र	४०	५०	श्र	४७	१५	वै	५९	५	ब	१०	१४	२३	७	५३	२९	१६	१९	मकरे	
५	चं	४३	४६	ध	५१	५१	वि	५९	८	कौ	१२	१८	२३	७	५३	३०	१७	२०	कुं.१९।३३	
६	मं	४८	२३	श	५८	१०	प्री	६०	०	ग	१६	४	२४	७	५३	३१	१८	२१	कुंभे	भ.४८।२३ उ.
७	बु	५३	४४	पू	६०	०	प्री	०	४१	वि	२१	४	२४	७	५३	१	१९	२२	मी. ४८/२०	भ.२१/४या.आर्द्रा.रविः२५/८(सौरः४४।५२)×
८	गु	५९	५७	पू	५	३	आ	२	३६	बा	२६	५०	२४	७	५३	२	२०	२३	मीने	पुन.बुधः३७/२६मृगे शुक्र.४८/१०हस्त.३ शनिः ७८/४०
९	शु	६०	०	उ	१२	४७	सौ	५	११	तै	३३	१	२४	७	५३	३	२१	२४	मीने	बुधोदयः पश्चिमायां ४।३२
९	श	६	५	रे	२०	१०	शो	७	२६	ग	६	५	२४	७	५३	४	२२	२५	मे.२०।१०	भ.३८।५१उ.अश्वि.४गुरुः४४।१२
१०	र	११	३८	अ	२६	५९	अ	९	३८	वि	११	३८	२३	७	५३	५	२३	२६	मेषे	भ.११।३८या.रोहिण्यां भौमः४२।१३
११	चं	१६	१९	भ	३२	४१	सु	१०	५४	बा	१६	१९	२३	७	५३	६	२४	२७	वृ.४७।४४	योगिनी ११ व्र. [×रा.आषाढारंभः
१२	मं	१९	२५	कृ	३७	१	धृ	१०	५६	तै	१९	२५	२२	८	५२	७	२५	२८	वृषे	कर्के बुधः४४।३८प्रदोषः
१३	बु	२१	३	रो	३९	४३	शु	९	५३	व	२१	३	२२	८	५२	८	२६	२९	वृषे	भ.२१।३उ.५१।०या.मिथुने शुक्रः१६।५५
१४	गु	२०	५७	मृ	४०	५५	गं	७	३६	श	२०	५७	२१	८	५२	९	२७	३०	मि.१०/५९	पुष्ये बुधः३७।१
३०	शु	१९	२२	आ	४०	४३	वृ	४/४	५५/१६	ना	१९	२२	२०	८	५२	१०	२८	१	मिथुने	जौलाई ७ ता० ३१

१०पं.आ.कृ.१वृ.इ.१७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	१	५	७	२
०	२	४	८	१४	१६	२९	०
४८	२९	५६	१८	८	३४	२७	३२
३६	२८	५३	३६	२०	४८	५३	२
५७	४३	[illegible]	१०	७४	३/२	३	५६
१७	५५	[illegible]	४०	१४	मा.	११	५७

११पं.आ.कृ.८वृ.इ.१७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	०	१	५	७	२
७	७	१९	९	२२	१६	२९	७
२९	३०	३९	३५	४१	३९	५	१०
३१	५०	०	३८	२४	४७	३८	२९
५७	४३	[illegible]	९	७४	१	३	५६
१३	३७	[illegible]	५६	२०	७	११	५४

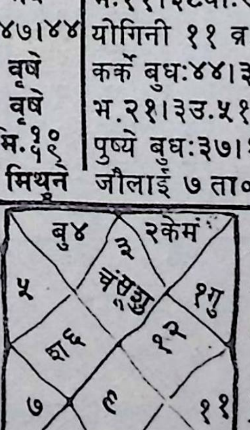

१२ पं.आ.कृ.१४वृ. इ. १६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	२	५	७	२
१४	१२	२	१०	१	१६	२८	१३
९	२९	४४	४७	१४	४९	४३	४८
१८	२४	१७	६	२८	८	२२	३४
५७	४३	[illegible]	९	७४	१	३	५६
७	५९	[illegible]	२०	२६	४०	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	अषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण ८७ स.२०११
१	श	१६	२८	पु	३९	२	व्या	५४	८	ब	१६	२८	३४/१९	५/८	५६/२	११	२९	२	क.२५।०	
२	र	१२	३२	पु	३६	५८	ह	४८	०	कौ	१२	३२	१८	८	५२	१२	३०	३	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं	७	५३	श्ले	३४	१	व	४१	१३	ग	७	५३	१७	९	५१	१३	१	४	सि. ३४।१	भ.३५।२१उ.आर्द्रा.शुक्रः४५।१ सावान ८
४	मं	२	५०	म	३०	४९	सि	३४	२८	वि	२	५०	१६	९	५१	१४	२	५	सिंहे	भ.२।५०या.
५	मं	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	बु	५२	५	पू	२७	३७	व्य	२७	३७	कौ	२४	४९	१५	९	५१	१५	३	६	क.४१।४४	पुन.रविः२३।५८ (सौरः४८।५४)
७	गु	४६	४१	उ	२४	५	व	२०	४१	ग	१९	२३	१४	९	५१	१६	४	७	कन्यायां	भ.४६।४१उ.
८	शु	४१	३१	ह	२०	३४	प	१३	३९	वि	१४	६	१३	९	५१	१७	५	८	तु. ४९/५८	भ.१४।६या.आश्ले.बुधः५९।४०
९	श	३६	७	चि	१७	२१	शि	४ ६/८	५ ३/२	बा	८	४९	११	१०	५०	१८	६	९	तुलायां	
१०	र	३०	५८	स्वा	१४	८	सा	५३	१४	तै	३	३२	१०	१०	५०	१९	७	१०	वृ. ५६/५३	भ.५८।३१उ.
११	चं	२६	५	वि	११	८	शु	४६	४७	वि	२६	५	८	१०	५०	२०	८	११	वृश्चिके	भ.२६।५या.देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	२१	३३	अ	८	२९	शु	४०	४२	बा	२१	३३	७	११	४९	२१	९	१२	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	बु	१७	४५	ज्ये	६	२९	ब्र	३५	२०	तै	१७	४५	५	११	४९	२२	१०	१३	ध.६।२९	[× व्यास पूजा गुरु १५
१४	गु	१४	३८	मू	५	१	ऐं	३०	२९	व	१४	३८	३	११	४९	२३	११	१४	धनुषि	भ.१४।३८उ.४३।४४या.वायु परीक्षा
१५	शु	१२	५०	पू	५	२	वै	२६	५४	ब	१२	५०	१	१२	४८	२४	१२	१५	म. २०/१६	पुन. शुक्रः३४।४९ मृगे भौमः४६।५ ×

१३पं.आ.शु.७वृ.इ.१६।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	२	५	७	२
२०	१७	१४	११	९	१७	२८	२०
५०	२४	४	५४	४८	३	२१	२६
२४	२२	२६	१८	२२	२५	६	२८
५७	४२	९०	८	७४	२	३	५६
७	५३	४७	३२	२६	२५	११	५०

गोचर ग्रहाः

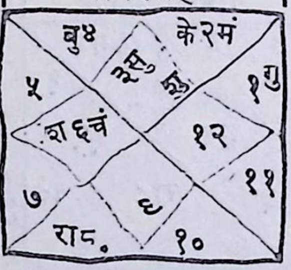

इस मास में वृष का मंगल सम्पूर्ण धान्य गेहूं जो मूंग मोठ चना आदि रुई कपास वस्त्र चन्दन केसर में तेजी करेगा हवा के साथ वर्षा होगी ।

गोचर ग्रहाः

१४ पं.आ.शु.१४वृ.इ. १६/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	०	२	५	७	२
२७	२२	२३	१२	१८	१७	२७	२७
३०	१६	३५	५५	२३	२२	५८	४
४३	३०	२	१	६	१	५१	३५
५७	४२	६९	७	७४	३	३	५६
११	३८	४३	३२	२६	१०	११	५५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आ. कृष्णोतिमहाराष्ट्राः
१	श	१२	२३	उ	६	१	वि	२४	१७	कौ	१२	२३	३३/५९	५/१२	६/४८	२५	१३	१६	मकरे	कर्केऽर्कः५३।२४
२	र	१३	३३	श्र	८	४५	प्री	२३	८	ग	१३	३३	५७	१३	४७	२६	१४	१७	कुं४०।५५	भ.४४/५६उ.कर्केऽर्कः सौरः ३१/३८ भरणी१गुरुः ३५/४२
३	चं	१६	१९	ध	१३	५	आ	२२	४१	वि	१६	१९	५५	१३	४७	२७	१५	१८	कुम्भे	भ.१६।१९या.चतुर्थी व्र.
४	मं	२०	२५	श	१८	३५	सौ	२३	४०	बा	२०	२५	५२	१४	४६	२८	१६	१९	कुंभे	
५	बु	२५	३३	पू	२५	९	शो	२५	१०	तै	२५	३३	५०	१४	४६	२९	१७	२०	मी.८।३१	पुष्ये रविः २३/४३ (सौपः ५२/१९) मघा.सिंहे.बुधः×
६	गु	३१	४१	उ	३२	३१	अ	२७	२५	व	३१	४१	४८	१४	४६	३०	१८	२१	मीने	भ.३१।४१उ. [× ०।११ नाग ५
७	शु	३७	५४	रे	३९	५६	सु	२९	५१	कि	४	४७	४५	१५	४५	३१	१९	२२	मे. ३९/५६	भ.४।४७या.
८	श	४३	४४	अ	४७	२०	धृ	३२	१९	बा	१०	४९	४३	१५	४५	१	२०	२३	मेषे	कर्के शुक्रः४२।५० भा. श्रावणारंभः
९	र	४८	४६	भ	५३	४१	शू	३४	२	त	१६	१४	४०	१६	४४	२	२१	२४	मेषे	शुक्रास्तः पूर्वस्यां ५८।१२
१०	चं	५२	१७	कृ	५८	४१	गं	३४	४६	व	२०	३१	३८	१६	४४	३	२२	२५	वृ.९।५६	भ.३०/३१उ.५२/१७या. मिथुने भौमः ३७।१९
११	मं	५४	१४	रो	६०	०	वृ	३४	२३	ब	२३	१६	३५	१७	४३	४	२३	२६	वृषे	पुष्ये शुक्रः२७।४० कामिका ११ व्र.
१२	बु	५४	१९	रो	२	१५	ध्रु	३२	३५	कौ	२४	१६	३३	१७	४३	५	२४	२७	मि. ३/३०	
१३	गु	५२	२५	मृ	३	४४	व्या	२९	१५	ग	२२	२२	३०	१८	४२	६	२५	२८	मिथुने	भ.५२।२५उ.प्रदोषः
१४	शु	४८	४१	आ	३	२९	ह	२४	२७	वि	२०	३९	२७	१९	४१	७	२६	२९	क४७।०	भ.२०।३९या.
३०	श	४३	३५	पु	३१	५६/४५	व	१८	२७	च	१६	८	२४	१९	४१	८	२७	३०	कर्के	हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.६वृ.इ.१६।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	०	२	५	७	३
४	२७	०	१३	२६	१७	२७	३
११	५	५८	४८	५८	४५	३६	४३
२८	३८	३७	३२	१९	१८	३५	२
५७	४२	४६	६	७४	३	३	५६
१५	२३	२	२६	३२	४२	११	५८

गोचर ग्रहाः

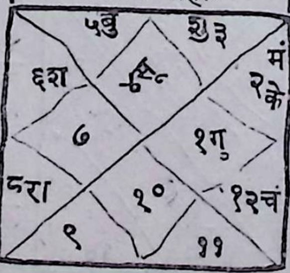

श्रावण कृष्णे १ शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

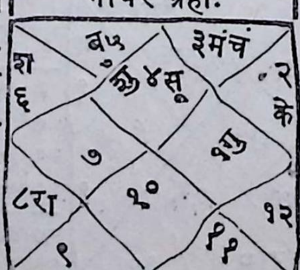

१६पं.श्रा.कृ.१३वृ.इ. १६/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	३	५	७	३
१०	१	५	१४	५	१८	२७	१०
५२	५१	४३	३५	३५	१२	१४	२२
३०	३६	३४	६	१७	११	२०	१९
५७	४१	१७	५	७४	४	३	५७
२०	४६	५२	३२	३२	२१	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:११६सन्२०११
१	र	३७	१९	श्ले	५३	५०	सि	११	२६	ब	१०	२७	३३/२२	२०(५)	४०(६)	९	२८	३१	सिं. ५३/५०	[+८ ता० ३१ सिंघारा
२	चं	३०	२८	म	४८	५९	व्य	३२(३)	५१/४९	कौ	३	५३	१९	२०	४०	१०	२९	१	सिंहे	वक्री.बुध:१३।२४चंद्र दर्शनम् अगस्त +
३	मं	२३	२७	पू	४३	५५	प	४६	४७	ग	२३	२७	१६	२१	३९	११	१	२	कं.५७।४२	भ.४९।५५उ. रमजान ६ तीज
४	बु	१६	२३	उ	३९	४	शि	३८	२६	वि	१६	२३	१३	२१	३९	१२	२	३	कन्यायां	भ.१६।२३या.आश्ले. रवि:१९।४३ ×
५	गु	९	४४	ह	३४	३५	सि	३०	३४	बा	९	४४	१०	२२	३८	१३	३	४	कन्यायां	आर्द्रा.भौम:२४।२६ नाग पंचमी
६	शु	३	३५	चि	३०	३५	सा	२३	५	तै	३	३५	७	२३	३७	१४	४	५	तु.२।३५	भ.५८।१उ. [×(सौर:५३।६)वरद ४
७	शु	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	श	५२	१४	स्वा	२७	२१	शु	१५	५२	वि	२५	३८	४	२३	३७	१५	५	६	तुलायां	भ.२५।३८या.आश्ले.शुक्र:१४।५८
९	र	४९	६	वि	२४	४७	शु	९	३५	बा	२१	१०	०	२४	३६	१६	६	७	वृ.१०।२६	
१०	चं	४६	०	अ	२२	५८	ब्र	४६(२)	५४/४८	तै	१७	३३	३२/५७	२५	३५	१७	७	८	वृश्चिके	ज्येष्ठा.३राहु:मृग.१केतु:३।४४
११	मं	४३	३२	ज्ये	२२	१	वै	५४	८	व	१४	४६	५४	२५	३५	१८	८	९	ध. २२/६	भ.१४।४६उ.४३।३२या.बुधास्त: ÷
१२	बु	४१	५५	मू	२१	५४	वि	५०	१९	ब	१२	५७	५०	२६	३४	१९	९	१०	धनुषि	[÷ पश्चिमायां३५।२१पवित्रा११व्र.
१३	गु	४१	३९	पू	२२	५२	प्री	४७	३०	कौ	११	४७	४७	२७	३३	२०	१०	११	म.३८।२१	प्रदोष:
१४	शु	४२	१०	उ	२४	४९	आ	४५	२०	ग	११	५४	४४	२७	३३	२१	११	१२	मकरे	भ.४२।१०उ.
१५	श	४४	१०	श्र	२७	४७	सौ	४४	३१	वि	१३	१०	४०	२८	३२	२२	१२	१३	मकरे	भ.१३/१०या.श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम् भद्रो

१७पं.श्रा.शु.५वृ.इ.१६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	३	५	७	३
१७	६	७	१५	१४	१८	२६	१७
३४	३४	४	१३	१२	४३	५२	२
१२	२३	४१	२६	३६	१६	४	७
५७	४१	१३/४७	४	७४	४	३	५७
२५	२५	व.	२६	३२	५०	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनि अशुभ हैं चांदी में घटा बढी चले रस धातु धान्य में तेजी रहें प्रजा मे रोग शोक व्यापे शुक्र का अस्त वर्षा कारक है।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.१३वृ.इ.१६/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	०	३	५	७	३
२४	११	४	१५	२२	१९	२६	२३
१६	१५	२३	४३	५०	१७	२९	४३
३७	११	१३	३४	५६	५६	४८	१४
५७	४१	४५/४०	३	७४	५	३	५७
३३	७	व.	१९	३८	१४	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	४७	२२	ध	३२	१८	शो	४४	१२	बा	१५	४६	३२/३७	२९(५)	३१(६)	२३	१३	१४	कुं. ०/२	[÷ आश्ले.बुध:५३।३
२	चं	५१	४५	श	३७	४७	अ	४४	५६	तै	१९	३३	३३	२९	३१	२४	१४	१५	कुंभे	[+ मघा.सिंहे शुक्र:३।३०चतुर्थी व्र.
३	मं	५६	४३	पू	४४	१०	सु	४६	१९	व	२४	१४	३०	३०	३०	२५	१५	१६	मी२७।३४	भ.२४।१४उ.५६।४३या. वक्री कर्के ÷
४	बु	६०	०	उ	५१	१३	धृ	४८	२६	ब	२९	४३	२६	२९	३१	२६	१६	१७	मीने	मघा.सिंहेऽर्क:१३।४५(सौर:४९।३१) +
४	गु	२	४२	रे	५८	४९	शू	५०	४९	बा	२	४२	२२	३२	२८	२७	१७	१८	मे.५८।४९	
५	शु	९	१	अ	६०	०	गं	५३	१८	तै	९	१	१९	३२	२८	२८	१८	१९	मेषे	हस्त.४शनि:१।३४चंद्रषष्ठी
६	श	१४	४९	अ	६	२८	वृ	५५	३३	व	१४	४९	१५	३३	२७	२९	१९	२०	मेषे	भ.१४।४९उ.४७।४८या.
७	र	२०	४७	भ	१३	३४	ध्रु	५७	१०	ब	२०	४७	१२	३४	२६	३०	२०	२१	वृ.३०।२	जन्माष्टमी व्र. स्मा.
८	चं	२५	७	कृ	१९	२८	व्या	५७	४४	कौ	२५	७	८	३४	२६	३१	२१	२२	वृषे	जन्माष्मी व्र.वै.
९	मं	२७	५५	रो	२४	१०	ह	५६	५८	ग	२७	५५	४	३५	२५	१	२२	२३	मि. ५५/३५	भ.५८।२०उ.भा.भाद्रपदारंभ:गोगा ९
१०	बु	२८	४६	मृ	२७	२	व	५४	४३	वि	२८	४६	१	३६	२४	२	२३	२४	मिथुने	भ.२८।४६या.पुन.भौम:४१।५०
११	गु	२७	३५	आ	२७	४८	सि	५०	४९	बा	२७	३५	३३/५७	३७	२३	३	२४	२५	मिथुनें	बुधोदय:पूर्वस्यां२०।४४ अजा११व्र.
१२	शु	२४	२६	पु	२६	४२	व्य	४५	२२	तै	२४	२६	५३	३७	२३	४	२५	२६	क.११।५९	वत्स द्वादशी प्रदोष:
१३	श	१९	२२	पु	२३	४८	व	३८	२२	व	१९	२२	४९	३८	२२	५	२६	२७	कर्के	भ.१९।२२उ.४५।५८या मार्गी बुध: =
१४	र	१२	३४	श्ले	१९	१	प	३०	३	श	१२	३४	४६	३९	२१	६	२७	२८	सि.१९।१	[= २९।५०पूफा.शुक्र:४८।१६
३०	चं	४	४६	म	१३	१२	शि	२०	५७	ना	४	४६	४२	४०	२०	७	२८	२९	सिंहें	कुशा ग्रहणी पिठोरी३०मन्वादि:

१९पं.भा.कृ.४वृ.इ.१६।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	०	४	५	७	४
०	१५	२८	१६	१	१९	२६	०
५९	४९	४३	४	३०	५५	७	२५
२३	५५	५५	३७	११	४१	३३	२७
५७	४०	५५/२	१	७४	५	३	५७
४०	४६	व.	५५	३८	४१	११	३४

गोचर ग्रहाः

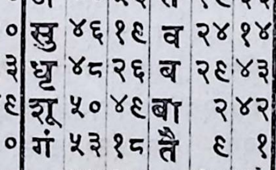

भाद्रपद कृष्णे ४ बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

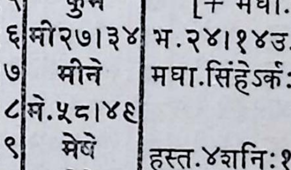

२०पं०भा.कृ.११वृ.इ.१५/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	०	४	५	७	४
७	२०	२४	१६	१०	२०	२५	७
४४	२२	५०	१७	१०	३६	४५	८
२०	५५	५६	६	२३	४३	१७	५६
५७	४०	३२/३६	०	७४	६	३	५७
४९	२६	व.	४६	३८	२	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४६ स.२०११
१	चं	५१	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४७	१९	पू	६/३४	५३/१७	सि	११	१०	बा	२१	४४	३१/३८	५/४०	६/२०	८	२९	३०	कं.१९।५३	वक्री गुरुः २९।५५ चंद्रदर्शनम्
३	बु	३८	५०	ह	५३	२०	सा	१/२०	५०/१४	तै	१३	४	३४	४१	१९	९	१	३१	कन्यायां	पूफा. रविः २ ३/१ (सौरः ४०/२२) सब्बाल १०+
४	गु	३०	५३	चि	४७	३१	शु	४२	६	व	४	५२	३०	४२	१८	१०	२	१	तु.२०।२८	भ. ५४/२ उ. ५३०/३ या. सितम्बर ९ ता. ३० ×
५	शु	२३	४८	स्वा	४२	३८	ब्र	३३	३२	बा	२३	४८	२६	४३	१७	११	३	२	तुलायां	ऋषि पंचमी [× गणेश ४
६	श	१७	५४	वि	३८	५९	ऐं	२६	१	तै	१७	५४	२२	४४	१६	१२	४	३	वृ.२४।५४	[+ हरितालिका ३
७	र	१३	९	अ	३६	३३	वै	१९	२५	व	१३	९	१८	४४	१६	१३	५	४	वृश्चिके	भ. १३।९ उ. ४१।३५ या
८	चं	१०	१	ज्ये	३५	२९	वि	१४	१	व	१०	१	१५	४५	१५	१४	६	५	ध.३५।२९	सिंहे मघा. बुधः ३४।१०
९	मं	८	५	मू	३५	४४	प्री	९	२२	कौ	८	५	११	४४	१४	१५	७	६	धनुषि	
१०	बु	७	२२	पू	३७	१७	आ	६	१	ग	७	२२	७	४७	१३	१६	८	७	म.५२।५८	भ.३७।४४ उ. उफा. शुक्रः ३३।२५
११	गु	८	७	उ	३९	५९	सौ	३	३९	वि	८	७	३	४७	१३	१७	९	८	मकरे	भ. ८।७ या. जलझूलनी ११ व्र. ÷
१२	शु	९	४३	श्र	४३	५३	शो	२	१७	बा	९	४३	३०/५९	४८	१२	१८	१०	९	मकरे	कर्के भौमः १९।४३ प्रदोषः
१३	श	१२	५३	ध	४८	४७	अ	१	५८	तै	१२	५३	५५	४९	११	१९	११	१०	कुं.१६।१९	कन्यायां शक्रः १४।२६ [÷वामन जयंती
१४	र	१६	४७	श	५४	२३	सु	२	३	व	१६	४७	५१	५०	१०	२०	१२	११	कुम्भे	भ. १६।४७ उ. ४९।१४ या. अनंत १४
१५	चं	२१	४१	पू	६०	०	धृ	२	४७	ब	२१	४१	४७	५१	९	२१	१३	१२	मि. ४२/५२	महालयारंभः कुमारिणां संध्या. पूजनारंभः

२१पं.भा.शु.४वृ.इ.१५।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	०	४	५	७	४
१४	२४	२६	१६	१८	२१	२५	१२
३०	५१	४४	१९	५०	१९	२३	५४
०	४७	२	५२	४९	४८	२	८
५८	४०	४८/१४	३/०	७४	६	३	५७
१	२	मा	वं	३२	२४	११	२७

गोचर ग्रहाः

इस मास की कृष्णा पक्ष की तिथि वृद्धि शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय गेहूं बाजरा चांवल सोना चांदी शक्कर गुड में तेजी करेंगी ।

गोचर ग्रहाः

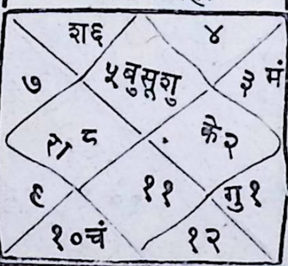

२२पं. भा.शु. ११वृ.इ. १५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	०	४	५	७	४
२१	२९	४	१६	२७	२२	२५	२०
१७	१७	९	१२	३२	५	०	४०
२	३८	२५	४	२०	२०	४६	४८
५८	३	९२	५/१	७४	६	३	५८
१३	३७	४४	व	३२	३८	११	१२

तिं.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रः कृष्णेति महा.
१	मं	२७	४	पू	१	१	शू	४	२७	कौ	२७	४	३०/४३	५/५१	६/९	२२	१४	१३	मीने	उफा. रविः ४७/४९ पूफा. बुधः ४०/४७ बुधास्तः A
२	बु	३३	१४	उ	८	४	गं	६	२३	तै	०	९	३९	५२	८	२३	१५	१४	मीने	उफा. रविः सौरः २५/२ पुष्पे भौमः ४६/३५
३	गु	३९	३५	रे	१५	३५	वृ	७	४४	व	६	२४	३५	५३	७	२४	१६	१५	मे१५।३५	भ. ६।२४ उ. ३९।३५ या.
४	शु	४५	३८	अ	२३	१५	ध्रु	११	१०	ब	१२	३५	३१	५४	६	२५	१७	१६	मेषे	चतुर्थी व्रतम् [A पूर्वस्यां ५६।३०
५	श	५१	२९	भ	३०	४१	व्या	१३	३४	कौ	१८	३३	२७	५५	५	२६	१८	१७	वृ.४७।२०	कन्यायामर्कः १३।७ (सौरः ५०।१३)
६	र	५६	२६	कृ	३७	१६	ह	१५	३०	ग	२४	५७	२२	५६	४	२७	१९	१८	वृषे	भ. ५६।२६ उ. हस्ते शुक्रः १७।१५
७	चं	६०	०	रो	४२	५८	व	१६	४६	वि	२८	१७	१८	५६	४	२८	२०	१९	वृषे	भ. २८।१७ या. चित्रा. १ शनि १०।५९
७	मं	०	८	मृ	४७	१६	सि	१७	१	ब	०	८	१४	५७	३	२९	२१	२०	मि.१५।७	उफा. बुधः ४९।४१
८	बु	२	१०	आ	४९	५०	व्य	१६	८	कौ	२	१०	९	५८	२	३०	२२	२१	मिथुने	मातृ ९ (सौभाग्यवतीनां श्राद्धं)
९	गु	२	२२	पु	५०	१४	व	१३	३७	ग	२	२२	५	५९	१	३१	२३	२२	क. ३५।८	भ. ३१।२९ उ. कन्यायां बुधः ३७।५
१०	शु	०	३६	पु	४८	५७	प	९	४०	वि	०	३६	३०/००	६/००	६/००	१	२४	२३	कर्के	भ. ३/६० या.भा.आश्विनारंभः इं. ११व्र.स्मा.
११	शु	५६	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+शस्त्रादिहतानांश्राद्धं
१२	श	५०	५०	श्ले	४५	२१	शि	४/४	५२/४५	कौ	२३	५६	२९/५६	१	५/५९	२	२५	२४	सिं४५।२१	इंदिरा ११ व्र. वै.
१३	र	४३	३२	म	४०	१७	सा	४८	७	ग	१७	११	५२	२	५८	३	२६	२५	सिंहे	भ. ४३।३२ उ. प्रदोषः
१४	चं	३४	४६	पू	३३	५२	शु	२८	२६	वि	९	८	४८	२	५८	४	२७	२६	क.४७।२	भ. ९।८ या. अस्तं शनेः ३८।१ +
३०	मं	२५	११	उ	२६	३१	शु	२७	५९	ना	२५	११	४४	३	५७	५	२८	२७	कन्यायां	हस्तेरविः२६।१६ (सौरः ४/२३) सर्वपितृ ३०

२३पं. आ.कृ.३वृ.इ.१५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	०	५	५	७	४
२८	३	१६	१५	६	२२	२४	२७
५	३८	११	५४	१४	५२	३८	२९
२४	४६	५६	४०	६	५५	३०	९
५८	३९	९/०	३/११	७४	६	३	५८
२६	५	९/२	व	३२	५५	११	२९

गोचर ग्रहाः

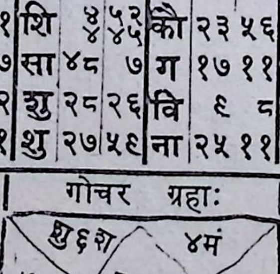

आश्विन कृष्णे ४ शनौ कन्यायांमर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ गतालकावस्था ऊभी मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

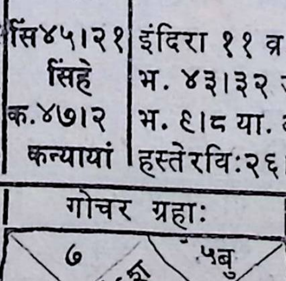

२४पं.आ.कृ.९वृ.इ.१५।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	०	५	५	७	५
४	७	२९	१५	१४	२३	२४	४
५५	५५	१९	२८	५५	४१	१६	१९
१६	१९	१९	३७	३०	४२	१५	१४
५८	३८	९/९	२ ४/२	७४	७	३	५८
३८	२७	९/४४	व	२६	४	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१७५स.२०११
१	बु	१५	२१	ह	१८	४७	ब्र	१७	१३	ब	१५	२१	२९/४०	६/४	५/५६	६	२९	२८	तु४५।०	हस्ते बुधः६।८नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	गु	५	५४	चि	११	१३	ऐं	६/२२	४९/३९	कौ	५	५४	३६	५	५५	७	३०	२९	तुलायां	चित्रा.शुक्रः०।३७ चंद्र दर्शनम्
३	गु	५१	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	शु	४९	१६	स्वा	४/१५	५४/१४	वि	४६	७	व	२३	१०	३२	६	५४	८	१	३०	वृ.४४।५५	भ.२३।१०उ.४९।१९या.जिल्काद ११
५	श	४३	३	अ	५३	५२	प्री	३७	४९	ब	१६	११	२८	६	५४	९	२	१	वृश्चिके	शुक्रोदयः पश्चिमायां३/४ १/८ अक्टूबर१०ता.३१
६	र	३८	३९	ज्ये	५१	२९	आ	३०	५१	कौ	१०	५१	२३	७	५३	१०	३	२	घ. ५१/२९	[+ज्येष्ठा२राहुःरोहि.४केतुः५/६ प्रदोष
७	चं	३५	४८	मू	५०	३८	सौ	२५	३	ग	७	१३	१९	८	५२	११	४	३	धनुषि	भ.३५।४८उ.
८	मं	३४	५६	पू	५१	२५	शो	२०	४९	वि	५	२२	१५	९	५१	१२	५	४	धनुषि	भ.५।२२या.तुलायां शुक्रः२१।४९
९	बु	३५	४४	उ	५४	८	अ	१७	५४	बा	५	२०	११	१०	५०	१३	६	५	म.७।५	चित्रा.बुधः४१।५६
१०	गु	३७	५८	श्र	५८	११	सु	१६	१८	तै	६	५१	७	११	४९	१४	७	६	मकरे	
११	शु	४१	४७	ध	६०	०	धृ	१५	५६	व	९	५२	३	११	४९	१५	८	७	कुं.३०।४९	भ.९।५२उ.४१।४७या.पापां कुशा११व्र.
१२	श	४६	२८	ध	३	२८	शू	१६	३७	ब	१४	८	२६/५९	१२	४८	१६	९	८	कुंभे	आश्ले.भौमः५४।५१
१३	र	५१	५९	श	९	३१	गं	१७	४९	कौ	१९	१३	५५	१३	४७	१७	१०	९	मी५९।४४	तुलायां बुधः३१।४स्वात्यांशुक्रः४४।३३+
१४	चं	५७	४६	पू	१६	२९	वृ	१९	४०	ग	२४	५२	५१	१४	४६	१८	११	१०	मीने	भ.५७।४६उ.चित्रा.रविः५८।१८
१५	मं	६०	०	उ	२३	४१	ध्रु	२१	२८	वि	३०	५८	४७	१५	४५	१९	१२	११	मीने	भ.३०।५८या.चित्रा.रविःसौरः३३।१७=
१५	बु	४	५	रे	३१	५	व्या	२३	५१	व	४	५	४३	१५	४५	२०	१३	१२	मे.३१।५	[=शरद् पूर्णिमा कोजागरी व्र.का.स्ना.प्रा.

२५ गं.आ.शु.२वृ.इ. १५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	०	५	५	७	५
११	१२	१२	१४	२३	२४	२३	११
४६	७	५	५४	३७	३१	५३	११
५२	४१	४९	७	५९	३७	५९	१४
५८	३७	०	३०/५	७४	७	३	५९
५३	५२	२६	व.	२६	१४	११	०

गोचर ग्रहाः

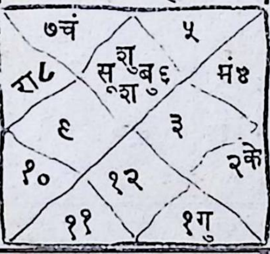

कन्याराशि गते शुक्रे सर्व सस्यं विनिश्यति, तत्र धान्य महर्घाणि शालिश्चैव विशेषतः इस मास धातु धान्य रस सभी तेज हो सुदि में धातु मंदी हो ।

गोचर ग्रहाः

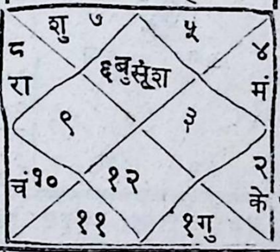

२६पं.आ.शु.१०वृ.इ. १४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	०	६	५	७	५
१८	१६	२४	१४	२	२५	२३	१८
४०	१५	१७	११	२०	२२	३१	५
८	७	३८	२८	१३	२६	४४	१
५९	३७	०	२४/६	७४	७	३	५९
९	२५	४५	व	२२	२०	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः स. २०६८ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	शरदृतू रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	गु	१०	२३	अ	३८	३५	ह	२६	११	कौ	१०	२३	२८/३९	९/६	५/४४	२१	१४	१३	मेषे	स्वात्यां बुधः४६।२वक्री आश्वि-४गुरुः३/३ ३/४
२	शु	१६	२८	भ	४५	५६	व	२८	२०	ग	१६	२८	३५	१७	४३	२२	१५	१४	मेषे	भ.४९।१७उ.
३	श	२२	६	कृ	५२	३८	सि	३०	१३	वि	२२	६	३१	१८	४२	२३	१६	१५	वृ. ३/२७	भ.२२।६या.चतुर्थी व्रतम्
४	र	२६	५३	रो	५८	३५	व्य	३१	२९	बा	२६	५३	२७	१९	४१	२४	१७	१६	वृषे	चित्रा.२शनिः५०।११
५	चं	३०	५३	मृ	६०	०	व	३२	८	तै	३०	५३	२३	१९	४१	२५	१८	१७	मि. ३/१३	तुलायामर्कः४२।७
६	मं	३३	३६	मृ	३	३२	प	३१	५६	ग	२	१४	२०	२०	४०	२६	१९	१८	मिथुने	भ.३/३ ६/३उ.तुलार्कः सौरः१६।१ बुधोदवः×
७	बु	३४	५३	आ	७	११	शि	३०	३६	वि	४	१४	१६	२१	३९	२७	२०	१९	क.५३।४४	भ.४।१४या. [×पश्चिमायां१५।१८
८	गु	३४	४०	पु	९	१४	सि	२७	५५	बा	४	४६	१२	२२	३८	२८	२१	२०	कर्के	विशा.शुक्रः२७।३९
९	शु	३२	१३	पु	९	४०	सा	२३	४९	तै	३	२६	८	२२	३८	२९	२२	२१	कर्के	
१०	श	२८	१०	श्ले	८	२४	शु	१८	२६	व	०	११	४	२३	३७	३०	२३	२२	सिं.८।२४	भ.०।११उ.२८।१०या.
११	र	२२	२७	म	५	१४	शु	११	२३	बा	२२	२७	०	२४	३६	१	२४	२३	सिंहे	भा.कार्तिकारंभः रमा११व्र.
१२	चं	१५	८	पू	२२/०	५३/४३	ब्र	३/४	५०/४०	तै	१५	८	२७/५६	२५	३५	२	२५	२४	कं.१३।४८	स्वात्यां रविः२४।९(सौरः५७।४)विशा.=
१३	मं	६	३४	ह	४७	०	वै	४३	२२	व	६	३४	५३	२५	३५	३	२६	२५	कन्यायां	भ.६।३४उ.३२।०या.रुप१४
१४	मं	५०	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=बुधः१७।५३प्रदोषःधन १३
३०	बु	४७	२०	चि	३९	५	वि	३२	३१	च	२२	२३	४९	२६	३४	४	२७	२६	तु.१३।२	महालक्ष्मी पूजनम्

२७का. कृ. १ वृ. इ. १४/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	०	६	५	७	५
२५	२०	५	१३	११	२६	२३	२५
३५	१८	४७	२२	२	१३	९	०
२	०	३८	१६	२८	२६	२८	४३
५९	३६	०	१४/७	७४	७	३	५९
२१	३१	५०	व.	२०	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे ५ चद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

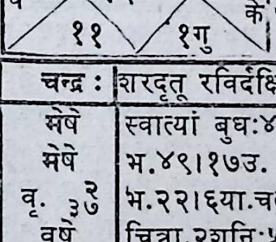

२८पं.का.कृ.८वृ.इ.१४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	०	६	५	७	६
२	२४	१६	१२	१९	२७	२२	१
३१	१४	४३	१८	४३	४	४७	५८
२६	१७	१९	४१	५२	५९	१२	९
५९	३५	९५	४/६	७४	२/०	३	५९
३४	५६	४३	व.	१३	व.	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण: २०४ स.२०११
१	गु	३७	२९	स्वा	३१	२२	प्री	२१	३४	किं	१२	२५	३७/४५	२६/७	५/३३	५	२८	२७	तुलायां	अन्नकूट गोवर्धन पूजा [A च.गुरु: ४५/४२
२	शु	२८	३२	वि	२३	५८	आ	१०	३३	बा	२	५७	४१	२८	३२	६	२९	२८	वृ.१०।४९	वृश्चिके शुक्र: ३०।१४ चंद्रदर्शनम् V
३	श	२०	४४	अ	१७	४४	सौ	३०/७	५/१	ग	२०	४४	३७	२९	३१	७	१	२९	वृश्चिके	भ. ४७।४२ उ. वृश्चिके बुध: १०।३६+
४	र	१४	४०	ज्ये	१३	३	अ	४३	५१	वि	१४	४०	३४	२९	३१	८	२	३०	ध.१५।३	भ. १४।४० या. [+जिल्हेज १२
५	चं	१०	२३	मू	१०	२१	सु	३७	५२	बा	१०	२३	३०	३०	३०	९	३	३१	धनुषि	अनु. बुध: ४३।३१ अनु शुक्र: ८।२०=
६	मं	८	१	पू	९	२२	धृ	३३	४०	तै	८	१	२७	३१	२९	१०	४	१	म.२४।४१	नवम्बर ११ ता. ३० [Vभ्रातृ २ यम २
७	बु	८	०	उ	१०	३८	शू	३०	५४	व	८	०	२३	३१	२९	११	५	२	मकरे	भ. ८।० उ. ३८।५५ या. उदयं शने: ९/१४
८	गु	९	५०	श्र	१३	४४	गं	२९	३८	ब	९	५०	१९	३२	२८	१२	६	३	कु.४५।४३	गोपाष्टमी [=मघा. सिंहे भौमे: ५।३२
९	शु	१३	३३	ध	१७	४१	वृ	३०	१	कौ	१३	३३	१६	३३	२७	१३	७	४	कुम्भे	कुष्मांड ९ अक्षय ९ [÷का. स्ना. पू.
१०	श	१८	२९	श	२४	४७	ध्रु	३०	५३	ग	१८	२९	१२	३४	२६	१४	८	५	कुम्भे	भ. ५१।२७ उ. [Dशुक्र: ५५/१९ मन्वादि:÷
११	र	२४	२५	पू	३१	५४	व्या	३१	४९	वि	२४	२५	९	३४	२६	१५	९	६	मी.१५।७	भ. २४।२५ या. विशा. रवि: ४४।३५×
१२	चं	३०	३६	उ	३९	१३	ह	३४	५६	बा	३०	३६	५	३५	२५	१६	१०	७	मीने	विशा. रवि: सौर: ५/४५ वक्री अश्विनी३A
१३	मं	३७	१५	रे	४६	५५	व	३७	१८	कौ	३	५५	२	३६	२४	१७	११	८	मे.४६।५५	प्रदोष: [×प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१४	बु	४३	२९	अ	५४	१०	सि	३९	२९	ग	१०	२१	५६/५८	३६	२४	१८	१२	९	मेषे	भ. ४३।२९ उ. वैकुंठ १४
१५	गु	४९	१९	भ	६०	०	व्य	४१	३३	वि	१६	२४	५५	३७	२३	१९	१३	१०	मेषे	भ. ३६/२४ या. ज्येष्ठा. बुध: ५५/१४ ज्येष्ठा D

२९ पं.का.शु.१ वृ.इ. १४/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	०	६	५	७	६
९	२८	२७	११	२८	२७	२२	८
२९	४	७	३२	२६	५५	२४	५७
४२	३७	५५	५६	२८	५५	५७	२९
५९	३५	८८	५ ७/२	७४	७	३	६०
४७	८	५२	व.	२	१४	११	२

३० पं.का.शु.८ वृ.इ. १४/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	०	७	५	७	६
१६	१	६	१०	७	२८	२२	१५
२९	४७	४४	३६	९	४६	२	५८
१८	४९	३८	४	४	५	४१	३३
६०	३४	८१	५ ७/२	७३	७	३	६०
४	१७	२८	व	५६	८	११	१८

३१ पं.का. शु.१५ वृ.इ. १४/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	०	७	५	७	६
२३	५	१५	९	१५	२९	२१	२३
३०	२३	५२	४१	५०	३५	४०	१
५०	२८	३४	२०	३१	२०	२६	७
६०	३३	६९	३ ७/३	७३	६	३	६०
१७	१३	५	व	५०	५६	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महारा
१	शु	५४	२९	भ.	१	१०	ब	४३	११	बा	२१	५३	२६/५२	६/३८	५/२२	२०	१४	११	वृ.१७।४६	
२	श	५८	५६	कृ	७	३३	प्र	४४	१	तै	२६	४४	४९	३८	२२	२१	१५	१२	वृषे	
३	र	६०	०	रो	१३	१०	शि	४४	१०	व	३०	४०	४५	३९	२१	२२	१६	१३	मि४५।३४	भ. ३०।४० उ. चित्रा. ३ शनि: ४४।५८
३	चं	२	२२	मृ	१७	५८	सि	४३	५२	बि	२	२२	४२	४०	२०	२३	१७	१४	मिथुने	भ. २।२२ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	४	४०	आ	२१	४३	सा	४२	३४	बा	४	४०	३९	४०	२०	२४	१८	१५	मिथुने	पातस्पर्श: ४६।२८
५	बु	५	५९	पु	२४	१४	शु	४०	२८	तै	५	५९	३६	३९	२१	२५	१९	१६	कं.८।३६	वृश्चिकेऽर्क: ४०।४० पातमोक्ष: ८।१२
६	गु	६	६	पु	२५	३६	शु	३७	१०	व	६	६	३३	३९	२१	२६	२०	१७	कर्के	भ.६।६उ. ३५/२९ या. वृश्चिकेऽर्क: सौर: ४/४९
७	शु	४	५२	श्ले	२५	३८	ब्र	३१	५९	ब	४	५२	३०	४२	१८	२७	२१	१८	सिं२५।३८	
८	श	२	१५	म	२४	१४	ऐं	२७	२५	कौ	२	१५	२७	४३	१७	२८	२२	१९	सिंहे	अनु. रवि: ५९।०
९	श	५६	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	र	५३	१	पू	२१	३०	वै	२०	५४	व	२५	३९	२५	४३	१७	२९	२३	२०	क.३५।३०	भ. ३५/२९ उ. ५३/१ या. अनु. रवि: सौर; ३५/३३
११	चं	४६	१३	उ	१७	३२	वि	१३	२८	व	१९	३७	२२	४४	१६	३०	२४	२१	कन्यायां	मूले धनषि शुक्र: ३५।१५ उत्पत्ति ११व्र.
१२	मं	३८	२७	ह	१२	१५	प्री	४/६	५०/२५	कौ	१२	२०	१९	४४	१६	१	२५	२२	तु.३९।६	भा. मार्गशीर्षारंभ:
१३	बु	३०	४	चि	५/५७	५३/८	सौ	४५	१०	ग	४	१६	१७	४५	१५	२	२६	२३	.तुलायां	भ. ३०।४ उ. ५५।३३ या. वक्री बुध-+
१४	गु	२१	२	त्रि	५२	२	शो	३४	४६	श	२१	२	१४	४५	१५	३	२७	२४	वृ.३८।४८	[+ ५२।२४ प्रदोष:
३०	शु	१२	२१	अ	४५	१८	अ	२४	३४	ना	१२	२१	१२	४६	१४	४	२८	२५	वृश्चिके	

३२ पं.मा.कृ. ६ वृ.इ. १३/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	७	६	७	७
०	८	२२	८	२४	०	२१	०
३३	४८	७	४९	३२	२२	१८	५
२९	४३	२३	५५	३८	४८	१०	११
६०	३२	४६	६/४९	७३	६	३	६०
३०	१३	२३	व.	४७	३८	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे ५ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्ट, वा. ३ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी)मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

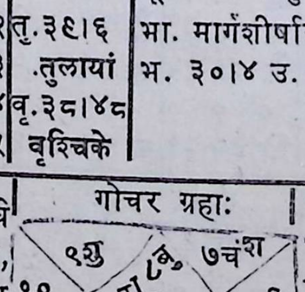

३३ पं.का. कृ.१४ वृ. इ: १३/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
६	१२	२६	८	३	१	२०	७
३७	३	८	४	१४	८	५५	१०
२६	४३	५६	५	२०	१०	५४	४४
६०	३०	२/२९	६/४	७३	६	३	६०
४२	५४	व.	व.	३८	२६	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततुंरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३४स.२०११
१	शु	४	१	ज्ये	३९	३६	सु	१४	४२	ब	४	१	२६/९	६/४६	५/१४	५	२९	२६	घ.३९।३६	पूफा.भौम:४१।४३ चंद्र दर्शनम्
२	श	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	र	५१	३९	मू	३५	११	धृ	५/५९	५२/३९	तै	२४	२०	७	४७	१३	६	१	२७	धनुषि	मोहोरम १ सन् १४३३ हि.पातस्पर्शः ÷
४	चं	४८	४	पू	३२	३१	गं	५२	१९	व	१९	५२	५	४७	१३	७	२	२८	म.४७।२२	भ.[illegible]उ.४८।४या.बुधास्तःपश्चिमायां ४७/२४
५	मं	४६	५३	उ	३१	५८	वृ	४८	२	ब	१७	२८	२	४८	१२	८	३	२९	मकरे	[÷ १२।४२ पातमोक्षः५५।३४
६	बु	४७	२८	श्र	३३	३२	शु	४५	२६	कौ	१७	१०	०	४८	१२	९	४	३०	मकरे	चंपा ६
७	गु	५०	२३	ध	३७	१	व्या	४४	४७	ग	१८	५५	२५/८	४८	१२	१०	५	१	कु.५।१६	भ.५०।२३उ. दिसम्बर १२ ता. ३१
८	शु	५४	५५	श	४२	२३	ह	४४	४१	वि	२२	३८	५६	४९	११	११	६	२	कुम्भे	भ.२२।३८या.पूषा.शुक्रः२२।६
९	श	६०	०	पू	४८	५९	व	४६	११	बा	२७	४६	५४	४९	११	१२	७	३	मी.३२/२०	ज्येष्ठा.रविः९।७ (सौरः३३।२७)
९	र	०	३८	उ	५६	१६	सि	४८	५	कौ	०	३८	५३	४९	११	१३	८	४	मीने	
१०	चं	६	५३	रे	६०	०	व्य	५०	२८	ग	६	५३	५१	५०	१०	१४	९	५	मीने	भ.४०।१५उ.वक्री अनु.बुधः१८।२७
११	मं	१३	३८	रे	४	४	व	५२	४१	वि	१३	३८	४९	५०	१०	१५	१०	६	मे.४।४	भ.१३।३८या.मोक्षदा ११ व्र.गीता जयंती
१२	बु	१९	५९	अ	११	३८	प	५४	४८	बा	१९	५९	४८	५०	१०	१६	११	७	मेषे	प्रदोषः
१३	गु	२५	४४	भ	१८	३४	शि	५६	४७	तै	२५	४४	४६	५१	९	१७	१२	८	वृ.३५/७	[+ खग्रास चंद्रग्रहणम् दत्तजयंती
१४	शु	३०	३४	कृ	२४	४६	सि	५६	४९	व	३०	३४	४५	५१	९	१८	१३	९	वृषे	भ.३०।३४उ.
१५	श	३४	१०	रो	२९	४५	सा	५६	४०	वि	२	३२	४४	५१	९	१९	१४	१०	वृषे	भ.२।२२या. बुधोदयः पूर्वस्यां ६।४१ +

३४पं.मा.शु.७वृ.इ.१३।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
१४	१५	२१	७	११	१	२०	१४
५२	८	४६	२५	५५	५१	३३	१७
४०	३१	२६	२६	५५	२२	३९	३०
६०	२९	८५/३४	५४/३	७३	६	३	६१
५०	११	व.	व.	२६	४	११	३

गोचर ग्रहाः

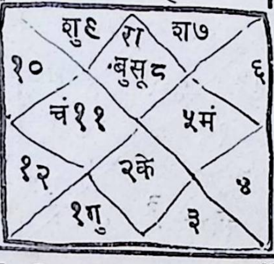

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गन्ना सक्कर गुड़ चांदी सोना मंदा होकर तेज होंगे प्रजा में अशान्ति फैले।

गोचर ग्रहाः

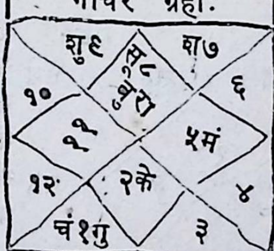

३५पं.मा.शु.१३वृ.इ.१३/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
२१	१८	१३	६	२०	२	२०	२१
४८	०	३	५५	३६	३२	११	२५
४०	१४	५४	४८	४	६	२३	१२
६०	२७	७४/१२	३/४१	७२	५	३	६१
५६	२६	व.	व.	१७	४०	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमततूं रविर्दक्षिणेमार्गशीर्षकृष्णेति महा.
१	र	३६	५२	मृ	३३	५४	शु	५५	३६	बा	५	३१	२५/४३	६/५१	५/९	२०	१५	११	मि.१/४९	ज्येष्ठा.१राहुःरोहि.३केतुः४७।४५
२	चं	३८	२०	आ	३६	४७	शु	५३	४०	तै	७	३६	४२	५२	८	२१	१६	१२	मिथुने	
३	मं	३८	३७	पु	३८	३५	ब्र	५०	५०	व	८	२९	४१	५२	८	२२	१७	१३	क.२३/८	भ.८।२९उ.३८।३७या.उपा.शुक्रः४।५९*
४	बु	३७	५८	पु	३९	४९	ऐं	४७	२२	ब	८	१८	४०	५२	८	२३	१८	१४	कर्के	मार्गी.बुधः१४।२३ चतुर्थी व्र.
५	गु	३६	२८	श्ले	३९	५३	वै	४३	८	कौ	७	१२	३९	५२	८	२४	१९	१५	सिं.३९/५३	मकरे शुक्रः४९।९
६	शु	३४	१	म	३८	५०	वि	३८	३	ग	५	१३	३९	५२	८	२५	२०	१६	सिंहे	भ.३४।१उ.मूले धनुष्यर्कः१६/२२ (सौरः३७/१५)
७	श	३०	४३	पू	३७	५	प्री	३२	२०	वि	२	२२	३८	५२	८	२६	२१	१७	क.५१।३२	भ.२।२२या.चित्रा.४शनिः१२।२
८	र	२६	३९	उ	३४	५५	आ	२६	०	कौ	२६	३९	३८	५२	८	२७	२२	१८	कन्यायां	[* वक्री अश्वि.२गुरुः२१।४९
९	चं	२१	५६	ह	३१	७	सौ	१८	५५	ग	२१	५६	३७	५३	७	२८	२३	१९	तु.५९।१	भ.४८।५२उ.
१०	मं	१५	४८	चि	२६	५६	शो	११	८	वि	१५	४८	३७	५३	७	२९	२४	२०	तुलायां	भ.१५।४८या.
११	बु	९	२१	स्वा	२२	४	अ	२/४६	५१/१३	बा	९	२१	३६	५३	७	३०	२५	२१	तुलायां	सफला ११ व्र.
१२	गु	२	१३	वि	१६	३७	धृ	४५	०	तै	२	१३	३६	५३	७	१	२६	२२	वृ.२।५९	भ.५५।७उ.भा.पौषारंभःप्रदोषः
१३	गु	५२	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१४	शु	४७	२८	अ	११	१५	शू	३५	५९	वि	२१	१८	३६	५३	७	२	२७	२३	वृश्चिके	भ.२१।१८या.श्रवणे शुक्रः५६।२१
३०	श	४१	२६	ज्ये	५	५८	गं	२७	२८	च	१४	३६	३६	५३	७	३	२८	२४	ध५।५८	ज्येष्ठा.बुधः४९।२९

३६ पं.पौ.कृ.५वृ.इ.१३/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	०	८	६	७	७
२८	२०	९	६	२९	३	१९	२८
५५	३४	४७	३५	१५	९	४९	३३
३७	५२	४२	३५	५८	४३	८	५९
६१	२५	१२/२	२/२३	७३	५	३	६१
०	४	मा	व.	६	११	११	१९

गोचर ग्रहाः

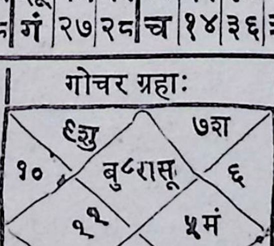

पौष कृष्णे ६ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रगलभावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

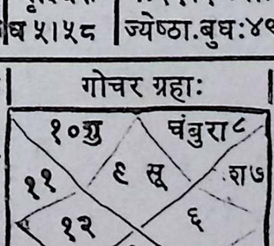

३७ पं.पौ.कृ.१३वृ.इ.१२/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	०	९	६	७	८
६	२२	१४	६	७	३	१९	५
३	५२	१७	२४	५४	४३	२६	४३
१४	५	४६	४७	२२	४१	५२	२१
६१	२२	५४	५/५०	७२	४/७	३	६१
४	२८	२९	व.	५०	व	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः२६३सन् २०११
१	र	३५	५७	पू	४ १/३	५६/३८	वृ	१९	४५	किं	८	४१	३५/३७	६/५३	५/७	४	२९	२५	धनुषि	
२	चं	३२	०	उ	५५	५३	ध्रु	१३	३	बा	२	५७	३७	५३	७	५	३०	२६	म.१२।४४	मार्गी गुरुः४४।२८ चंद्र दर्शनम्
३	मं	२९	५७	श्र	५७	७	व्या	७	३८	तै	०	५९	३७	५३	७	६	१	२७	मकरे	भ.५९।५०उ. सफर २
४	बु	२९	४३	ध	५९	१३	ह	३	३८	वि	२९	४३	३८	५२	८	७	२	२८	कुं.२८।१०	भ.२९।४३या.
५	गु	३१	४८	श	६०	०	व	१	२८	ब	०	४६	३८	५२	८	८	३	२९	कुंभे	पूषा.रविः२१।२२(सौरः३८।५५)
६	शु	३५	२८	श	३	१८	सि	०	५०	कौ	३	३८	३९	५२	८	९	४	३०	मी. ५२/४४	
७	श	४०	४०	पू	९	१३	व्य	२	८	ग	८	४	४०	५२	८	१०	५	३१	मीने	भ.४०।४०उ.
८	र	४६	४४	उ	१५	४२	व	२	४७	वि	१३	४२	४१	५२	८	११	६	१	मीने	भ.१३।४२या. जनवरी १ ता. ३१
९	चं	५३	२५	रे	२३	१३	प	४	४३	बा	२०	५	४२	५२	८	१२	७	२	मे.२३।१३	
१०	मं	५९	४७	अ	३०	४८	शि	७	१	तै	२६	३६	४३	५१	९	१३	८	३	मेषे	धनि.शुक्रः४३।३६
११	बु	६०	०	भ	३८	६	सि	९	१०	व	३२	३९	४४	५१	९	१४	९	४	वृ.५४।४१	भ.३२।३९उ.मूले धनुषि बुधः०।५८ ÷
११	गु	५	३१	कृ	४४	२८	सा	१०	४९	वि	५	३१	४५	५१	९	१५	१०	५	वृषे	भ.५।३१या. पुत्रदा ११ व्र. वै.
१२	शु	१०	१६	रो	४९	२२	शु	११	३७	बा	१०	१६	४७	५१	९	१६	११	६	वृषे	उफा.भौमः३०।३६ प्रदोषः
१३	श	१३	४४	मृ	५३	७	शु	११	१३	तै	१३	४४	४८	५०	१०	१७	१२	७	मि. २१/१५	[÷ पुत्रदा ११ व्र. स्मा.
१४	र	१५	३१	आ	५५	३१	ब्र	९	४४	व	१५	३१	५०	५०	१०	१८	१३	८	मिथुने	भ.१५।३१उ.४५।४७या.
१५	चं	१६	२	पु	५६	३२	ऐं	७	१७	ब	१६	२	५२	५०	१०	१९	१४	९	क.४१/१७	कुंभे शुक्रः१०।१४ मा. स्ना. प्रा.

३८पं.पौ.शु.५वृ.इ.१२।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	०	९	६	७	८
१३	२४	२२	६	१६	४	१९	१२
११	४७	१५	२४	३१	१३	४	५३
१३	४९	४	४७	३०	३७	३६	१३
६१	१९	७४	३०	७२	४	३	६१
६	२	२	मा	३२	१२	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चावल मक्का आदि धान्यो में मंदी होगी रुई रंग सोना तेज चांदी में घटाबढ़ी हो।

गोचर ग्रहाः

३ ९पं.पौ.शु. ११वृ.इ. १२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	०	९	६	७	८
२०	२६	१	६	२१	४	१८	२०
१९	२०	४१	३४	७	३९	४२	३
२६	२	१३	३०	५	५८	२१	१०
६१	१५	८४	१	७२	३	३	६१
६	२३	४६	४२	१२	३२	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तु रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	१५	३	पु	५६	२५	वै	२ ३/२	५५/५२	कौ	१५	३	२५/५३	६/४९	५/११	२०	१५	१०	कर्के	अश्वि.३गुरुः२६।४४
२	बु	१३	५	श्ले	५५	१७	प्री	५४	१	ग	१३	५	५५	४९	११	२१	१६	११	सिं. ५५/१७	भ.४/३ १/६उ.उषा.रविः२/६ (सौरः४०।२२)
३	गु	१०	७	म	५३	२३	आ	४८	१३	वि	१०	७	५७	४९	११	२२	१७	१२	सिंहे	भ.१०।७ या.चतुर्थी व्र.
४	शु	६	२९	पू	५१	७	सौ	४१	५२	बा	६	२९	५९	४८	१२	२३	१८	१३	सिंहे	पूषा.बुधः१२।०
५	श	२	४४	उ	४८	२९	शो	३५	१९	तै	२	२४	२६/१	४८	१२	२४	१९	१४	क. २५/७	भ.१८।६उ.मकरेऽर्कः४२।३१(सौरः +
६	श	५५	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[+५५।४९)शते शुक्रः४४।२
७	र	५३	२५	ह	४५	३७	अ	२८	३१	वि	२५	४६	४	४७	१३	२५	२०	१५	कन्यायां	भ.२५।४६या.
८	चं	४८	३०	चि	४२	२०	सु	२१	३२	बा	२०	५८	६	४७	१३	२६	२१	१६	तु.१३।५८	
९	मं	४३	३०	स्वा	३८	५२	धृ	१४	१९	तै	१६	०	८	४६	१४	२७	२२	१७	तुलायां	बुधास्तःपूर्वस्यां ४८।५६
१०	बु	३८	१	वि	३५	४	शू	५ ६/३	५२/३४	व	१०	४५	११	४६	१४	२८	२३	१८	वृ. २१।१	भ.१०।४५उ. ३८।१या. पातस्पर्शः =
११	गु	३२	३६	अ	३१	२३	वृ	५२	२	ब	५	१८	१३	४५	१५	२९	२४	१९	वृश्चिके	षटतिला ११ व्र.
१२	शु	२७	१६	ज्ये	२७	५७	ध्रु	४४	४६	तै	२७	१६	१६	४५	१५	३०	२५	२०	ध.२७।५७	[= १०।३४पातमोक्षः४२।२३
१३	श	२२	२६	मू	२४	५२	व्या	३७	५८	व	२२	२६	१९	४४	१६	१	२६	२१	धनुषि	भ.२२।२६उ.५०।१७या.अभि.प्र.रविः ×
१४	र	१८	८	पू	२२	२५	ह	३१	४२	श	१८	८	२१	४४	१६	२	२७	२२	म.३७।१	[×१५।१(सौरः२७/१०)उषा.बुधः४९/२६ प्रदोषः
३०	चं	१४	५६	उ	२०	४९	व	२६	२८	ना	१४	५६	२४	४३	१७	३	२८	२३	मकरे	

४०पं.मा.कृ. ३वृ.इ. १२/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	०	१०	६	७	८
२७	२७	११	६	३	५	१८	२७
२७	२२	४९	५४	३८	१	२०	१३
२२	२४	१	२२	३१	२३	५	२
६१	१०	९१	३	७१	२	३	६१
६	३८	५३	१३	५४	४९	११	२४

गोचर ग्रहाः

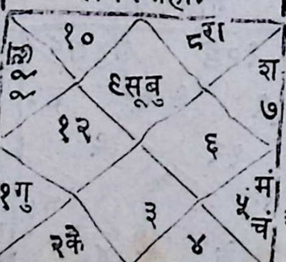

माघ कृष्णे ५ शनौ मकरेऽर्कःप्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

४१प.मा·कृ.११वृ.इ.५२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	८	०	१०	६	७	९
४	२७	२२	७	१२	५	१७	४
३५	५४	२५	२३	८	१८	५७	२२
१३	५८	४१	३५	१०	११	५०	३१
६१	४	९७	४	७१	२	३	६१
३	५५	१६	२४	२९	८	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०६८ शाकः१९३३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण २९३स. २०१२
१	मं	१३	५	श्र	२१	१	सि	२२	२८	ब	१३	५	२६/२७	६/४३	५/१७	४	२९	२४	कुं.५१।४७	श्रवणे रविः ३१/३८ (सौरः ४/३६) मकरे ×
२	बु	१२	४७	ध	२२	३४	व्य	१९	३५	कौ	१२	४७	२९	४२	१८	५	१	२५	कुंभे	अभि. वि. रविः ३/५३ (सौरः ३/३५) पूभा*
३	गु	१४	२८	श	२५	४८	व	१८	२६	ग	१४	२८	३२	४२	१८	६	२	२६	कुम्भे	भ. ४६।५ उ. [*शुक्रः ४/४० रविलावल
४	शु	१७	४३	पू	३०	३१	ध्रु	१७	४३	वि	१७	४३	३५	४१	१९	७	३	२७	मी. ५४/२०	भ. १७।४३ या.
५	श	२२	२४	उ	३६	५३	शि	१८	४०	बा	२२	२४	३८	४०	२०	८	४	२८	मीने	वसंत ५
६	र	२८	४	रे	४३	५३	सि	२०	१७	तै	२८	४	४१	४०	२०	९	५	२९	मे.४३।५३	[× बुधः ६।३५ वक्री भौमः २।५ A
७	चं	३४	३८	अ	५१	२६	सा	२२	३२	ग	१	२२	४५	३९	२१	१०	६	३०	मेषे	भ. ३/४८उ.श्रवणे बुधः ५/४७ रथ ७ भानु७
८	मं	४१	३	भ	५८	४९	शु	२४	४७	वि	७	५०	४८	३८	२२	११	७	३१	मेषे	भ. ७।५० या भीष्माष्टमी
९	बु	४६	५९	कृ	६०	०	शु	२६	४८	बा	१४	१	५१	३८	२२	१२	८	१	वृ.१५।३४	फर्वरी २९ [A चंद्रदर्शनम्
१०	गु	५२	३	कृ	५	४९	ब्र	२८	५	तै	१९	३१	५४	३७	२३	१३	९	२	वृषे	[= मा. स्ना. पूर्तिः
११	शु	५५	३७	रो	११	३१	ऐं	२८	१७	व	२३	५०	५८	३६	२४	१४	१०	३	मि४३।३५	भ.२/५०उ.३/५७या. मीने शुक्रः५/६ जया११व्र.
१२	श	५७	२८	मृ	१५	४०	वै	२७	१४	ब	२६	२२	२/१	३६	२४	१५	११	४	मिथुने	[+ (सौरः ४८।५६) धनि. बुधः ५०।२८
१३	र	५७	३१	आ	१८	७	वि	२४	५०	कौ	२७	२९	५	३५	२५	१६	१२	५	मिथुने	उभा. शुक्रः ५३।४ प्रदोषः
१४	चं	५५	४१	पु	१८	५४	प्री	२१	१	ग	२६	३६	८	३४	२६	१७	१३	६	क. ३।४२	भ. ५५।४१ उ. धनी. रविः ३९।५६ +
१५	मं	५२	२६	पु	१७	५५	आ	१५	५०	वि	२४	३	१२	३४	२६	१८	१४	७	कर्के	भ. २४।३ या. वक्री पूफा. भौमः ४६/५५=

४२ पं.मा. शु.३वृ. इ. १२/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	०	१०	६	७	९
११	२७	३	८	२०	५	१७	११
४२	५४	२४	१	३४	२९	३५	३२
४०	४३	१	५५	१६	२०	३४	२२
६०	२/१३	५/०	५	७१	१	३	६१
५९	व.	५/४६	३६	५	२६	११	१३

गोचर ग्रहाः

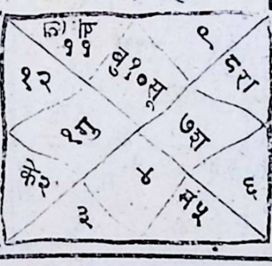

इस मास में धातु रस तेज हो धान्य मंदा हो कुम्भ राशौ स्थिते शुक्रे सुभीक्षं प्रचुरं जलम् । भवत्यत्र न संदेहो लोका- सर्वे निरामयाः ॥

गोचर ग्रहाः

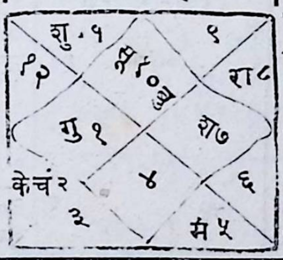

४३पं.मा.शु. १० वृ.इ. १२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	०	१०	६	७	९
१८	२७	१५	८	२८	५	१७	१८
४९	२०	११	४८	५४	२६	१२	२९
१६	३१	६	५८	०	०	१८	२७
६०	९/५०	७/०	६	७०	०	३	६१
५५	व.	९/५	३७	२८	४४	११	८

ति.	फाल्गुन कृष्ण पक्षः सं० २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति सहा.
१	बु	४७	५९	श्ले	१५	४०	सौ	९	३८	बा	२०	१२	२६/१५	६/३३	५/२	१९	१५	८	सि१५।४०	वक्री शनिः ८।१७
२	गु	४२	४१	म	१२	३०	शो	२/४७	५२/१९	तै	१५	२०	५९	३२	२८	२०	१६	९	सिंहे	
३	शु	३६	५०	पू	८	४१	सु	४७	१९	व	९	४६	२३	३१	२९	२१	१७	१०	कं.२२।३७	भ. ९/४६ उ. ३६/५० या. कुंभे बुधः ३०।१५
४	श	३०	५६	उ	४	२३	धृ	३९	२२	व	३	५३	२७	३१	२९	२२	१८	११	कन्यायां	अश्वि.४ गुरुः २६।५७ चतुर्थी व्र.
५	र	२४	५९	ह	०/११	५६/११	शू	३१	५६	तै	२४	५९	३०	३०	३०	२३	१९	१२	तु.२८।१६	अनु. ४ राहुः रोहि. २ केतुः ४१।१० ÷
६	चं	१९	२४	स्वा	५२	४०	गं	२४	३३	ब	१९	२४	३४	२९	३१	२४	२०	१३	तुलायां	भ. १९।२४ उ. ४६।४८ या कुंभेऽर्क >
७	मं	१४	११	वि	४९	२५	वृ	१६	४९	ब	१४	११	३८	२८	३२	२५	२१	१४	वृ.३५।१३	शते बुधः २१।८
८	बु	९	१३	अ	४६	२३	ध्रु	९	४६	कौ	९	१३	४१	२८	३२	२६	२२	१५	वृश्चिके	[+ पातस्पर्शः ३४.२६ पातमोक्षः ५९/२९
९	गु	४	५१	ज्ये	४४	११	व्या	४/२०	५२/४२	ग	४	४१	४४	२७	३३	२७	२३	१६	ध.४४।११	भ. ३२।४८ उ. [×१५।१२ (सौरः २२/५४)
१०	शु	०	४६	मू	४२	२५	व	५१	२७	वि	०	४६	४९	२६	३४	२८	२४	१७	धनुषि	भ.४९/२०या. रेवत्यां शुक्रः १९/५५ वि.११स्मा.
११	शु	५६	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=(सौरः ५८।१६) प्रदोष
१२	श	५४	५०	पू	४१	२०	सि	४६	२५	कौ	२६	११	५३	२५	३५	२९	२५	१८	म.५६।१५	विजया ११ व्र. वै.
१३	र	५३	०	उ	४१	०	व्य	४२	१५	ग	२२	५५	५६	२५	३५	३०	२६	१९	मकरे	भ. ५३।० उ. शने रविः ५१।२८ =
१४	चं	५२	१७	श्र	४१	४५	व	३८	४९	वि	२२	३८	२/०	२४	३६	१	२७	२०	मकरे	भ. ३२/३८ या.भा.फाल्गुनारंभः महाशिवरा
३०	मं	५२	४३	ध	४३	४१	प	३६	१४	च	२२	३०	४	२३	३७	२	२८	२१	कुं.१२।४३	पूभा. बुधः ३५।५२

४४पं. फा.कृ. २ बृ. इ. १२/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	०	११	६	७	९
२५	२६	२७	९	७	५	१६	२५
५५	१३	३९	४२	१२	३७	५१	४६
१	५५	१४	५०	२५	१९	३	१४
६०	१९/१२	०/४	७	६९	०/८	३	६०
४७	व.	५/१२	४१	२७	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

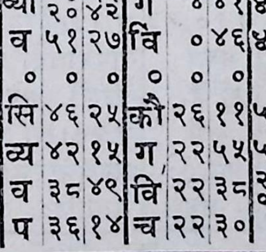

फाल्गुन कृष्णे ६ चंद्रे कुम्भेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

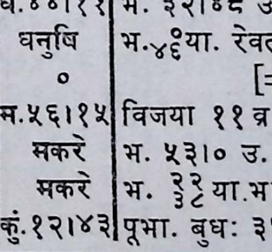

४५ पं फा कृ.९वृ.इः १३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	०	११	६	७	१०
२	२४	१०	१०	१५	५	१६	२
५९	३७	७	४४	२३	३३	२८	५८
४९	२६	५	२४	२८	३२	४७	१९
६०	२६/१	०/०	८	६८	४/०	३	६०
३७	व	५/६	४३	५६	व	११	४२

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

फार्म नं० १२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	हि.	सु.	इ.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः३२२सन्२०१२
१	बु	५४	३८	शा	४७	१	शि	३५	३	किं	२३	४१	२/८	६/२२	५/३८	३	२९	२२	कुम्भे	
२	गु	५७	५६	पू	५१	३४	सि	३४	२६	बा	२६	१७	१२	२२	३८	४	३०	२३	मी. ३५/२६	बुधोदयःपश्चिमायां ३/१ ७/२ चंद्रदर्शनम् फुल.२
३	शु	६०	०	उ	५७	२७	सा	३५	५	तै	३०	१५	१६	२१	३९	५	१	२४	मीने	रविलाखर ४
३	श	२	३४	रे	६०	०	शु	३६	२०	ग	२	३४	२०	२०	४०	६	२	२५	मीने	भ.३/१ ५/६उ.पातस्पर्शः६/५४पातमोक्षः२१।१८
४	र	७	५९	रे	४	४	शु	३८	२३	वि	७	५९	२४	१९	४१	७	३	२६	मे.४।४	भ.७।५९या.
५	चं	१४	२४	अ	११	३२	ब्र	४०	५२	बा	१४	२४	२८	१८	४२	८	४	२७	मेषे	मीने बुधः११।४९
६	मं	२०	५०	भ	१९	१०	एं	४३	७	तै	२०	५०	३२	१८	४२	९	५	२८	वृ.३६।२	अश्वि.मेषे शुक्रः५९।२७
७	बु	२७	८	कृ	२६	४०	वै	४५	४	व	२७	८	३६	१७	४३	१०	६	२९	वृषे	भ.२७/८उ.५५/३३याउभा.बुधः२६।१०
८	गु	३२	३८	रो	३३	८	वि	४६	१	ब	३२	३८	४०	१६	४४	११	७	१	वृषे	मार्च ३ ता.३१होलाष्टकम्
९	शु	३६	४१	मृ	३८	२१	प्री	४५	५२	बा	४	४०	४४	१५	४५	१२	८	२	मि.५।४४	भरणी.१गुरुः३६।४४
१०	श	३९	१७	आ	४१	४९	आ	४४	३१	तै	७	५९	४८	१४	४६	१३	९	३	मिथुने	
११	र	३९	४२	पु	४३	२७	सौ	४१	२४	व	९	२९	५२	१४	४६	१४	१०	४	क.२८।२	भ.९।२९उ.३९।४२या.पूभा.रविः७।३४+
१२	चं	३८	६	पु	४३	२	शो	३६	५४	ब	८	५४	५६	१३	४७	१५	११	५	कर्के	[+(सौरः१३।३)आमलकी११व्र.
१३	मं	३४	३८	श्ले	४०	४५	अ	३०	३९	कौ	६	२२	२९/१	१२	४८	१६	१२	६	सिं. ४०/४५	प्रदोषः
१४	बु	२९	२६	म	३६	५७	सु	२३	१९	ग	२	२	५	११	४९	१७	१३	७	सिंहे	भ.२९।२६उ.५६।६या.होलिकादहनम्
१५	गु	२२	४६	पू	३१	४९	धृ	१४	५२	ब	२२	४६	९	१०	५०	१८	१४	८	कं.४५।२२	छारेंडी

४६पं.फा.शु.२वृ.इ.१३।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	०	११	६	७	१०
१०	२२	२३	११	२३	५	१६	९
३	३९	०	५२	२७	२४	६	५६
२२	४	७	२३	२५	३६	३२	५०
६०	३२/४४	७/०	९	६८	१/३७	३	६०
२५	व.	५/३०	२३	५	व.	११	३१

४७पं.फा.शु.८वृ.इ.१३।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	०	०	६	७	१०
१७	२०	४	१३	१	५	१५	१६
५	२८	३०	५	२२	१०	४४	५९
३५	१	४७	४६	५२	३७	१६	४३
६०	३५/५४	८९	१०	६६	२/१६	३	६०
१२	व.	२०	१७	५९	व	११	२०

४८पं.फा.शु.१५वृ.इ.१४/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	०	०	६	७	१०
२४	१८	११	१४	९	४	१५	२४
६	१०	३४	२३	९	५२	२२	१
२२	५५	५९	३१	२२	३४	०	६
५९	३५/२८	४१	१०	६५	२/५२	३	६०
५८	व.	८	५६	३५	व.	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६८ शाकः १९३३												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	शु	१५	२५	उ	२६	४	शू	५/४४	५०/४०	कौ	१५	२५	२९/१३	६/९	५/५१	१९	१५	९	कंन्यायां	पातस्पर्शः४।३१पातमोक्षः१५/३४ वसंत १
२	श	७	३७	ह	२०	१	वृ	४६	४७	ग	७	३७	१७	९	५१	२०	१६	१०	तु.४७।१०	भ.३३।३१उ.५९।२६या.
३	श	५१	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	र	५२	५	चि	१४	१९	ध्रु	३७	५२	ब	२५	४९	२१	८	५२	२१	१७	११	तुलायां	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	४५	१८	स्वा	८	५३	व्या	२९	१४	कौ	१८	४१	२६	७	५३	२२	१८	१२	वृ.५०।२६	वक्री बुधः१०।२७भरण्यांशुक्रः५।२
६	मं	३९	१९	वि	४	१७	ह	२१	२३	ग	१२	१८	३०	६	५४	२३	१९	१३	वृश्चिके	भ.३९।१९उ.
७	बु	३४	१७	अ	०/४०	५७/१९	व	१४	१७	वि	६	४८	३४	५	५५	२४	२०	१४	ध ५८।०	भ.६।४८या.मीनेऽर्कः८।२७(सौरः१/२ ३/४)×
८	गु	३०	१९	मू	५६	२०	सि	८	५	बा	२	१८	३८	४	५६	२५	२१	१५	धनुषि	शीतला पूजनम्
९	शु	२७	३४	पू	५५	५५	व्य	५२/३	५५/४०	ग	२७	३४	४३	३	५७	२६	२२	१६	धनुषि	भ.५६।४१उ.
१०	श	२५	४९	उ	५६	२७	प	५४	५८	वि	२५	४९	४७	३	५७	२७	२३	१७	म.१०।१३	भ.२५।४९या.उभा.रविः३/३ ९/१(सौरः३४/०)
११	र	२४	५९	श्र	५८	११	शि	५२	२६	बा	२४	५९	५१	२	५८	२८	२४	१८	मकरे	पापमोचनी ११ व्र.
१२	चं	२५	३८	ध	६०	०	सि	५०	४१	तै	२५	३८	५५	१	५९	२९	२५	१९	कुं. २९/३४	भरणी.२गुरुः२७।३२
१३	मं	२७	१	ध	०	५७	सा	५०	२	व	२७	१	३०/००	६/००	६/००	३०	२६	२०	कुंभे	भ.२७।१उ.५८।२४ या. प्रदोषः
१४	बु	२९	४६	श	४	५७	शु	४९	५१	श	२९	४६	४	५/५९	१	१	२७	२१	मी. ५३/३८	भा.चैत्रारंभः
३०	गु	३३	४०	पू	९	५२	शु	५०	३८	च	१	४३	८	५८	२	२	२८	२२	मीने	मन्वादिः [×बुधास्तःपश्चिमायां १।५९

४९पं.चै.कृ.८वृ.इ.१४।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	०	६	७	११
१	१५	१२	१५	१६	४	१४	१
५	५५	१५	४७	४१	३०	५९	०
३५	२२	०	२	४६	२२	४५	४८
५९	३०/२१	३२/२	११	६२	३३/२	३	५९
४१	व.	व	३४	५७	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ७ बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ४ बालावस्था (बैठी)मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

५०पं.चै.कृ.३०वृ.इ.१४/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	०	६	७	११
८	१३	७	१७	२३	४	१४	७
३	४९	८	१३	५९	४	३७	५८
१८	४८	३१	४८	५३	३४	२९	४३
५९	२३/५०	५७/५	१२	६१	३/५५	३	५९
२९	व.	चं.	८	५५	व.	११	३५

CC0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection.

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

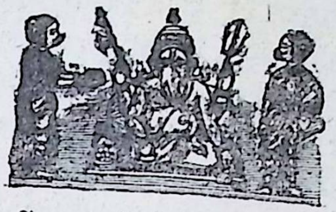

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००,द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११३, भोग्यकलिः ४२६८८७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६९, शाकः १९३४, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री शुक्रः । सस्येशः चंद्रः। धान्येशः शनिः । मेघेशो गुरुः। रसेशो भौमः । नीरसेशः रविः। फलेशो गुरुः । धनेशो रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र वार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये विष्णु-विंशतिकायां १९ विश्वावसुनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ११।२३।४५।३६ भोग्यमासादिः ०।६।१४।२४ विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विनः । मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःपर्वते । समयनिवासः कुंभकार गृहे। समय विश्वा२० समयवाहनम् दुर्दुरःस्तंभः१ तृणस्य । सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी२ बुधाष्टमी३ भानुसप्तमी २ रविदशमी १ समय मुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा १७, धान्यम् १७, तृणम् १५, शीतम्१५, तेजः ११, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम्१२९, सत्यम् ।। धर्म १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे । ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

भैरव प्रश्न

कर जोड़े भैरव खड़ा माता थारे द्वार ।
उणहतर की साल का मख से कहदो सार ।।

भवानी उत्तर

गुणहत्तर गुण आगलो होसी अन्न अपार ।
साहुकार सोदा करे रस आयो व्यापार ।।
चौमासे मघवा चढे जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोले मीठे बैन ।।
रोहिणी पर्वत में बसी धान्याधिप शनि जाण ।
पकी पकाई शाख में करसी कुछेक हाण ।।
पण भैरव भय मतकरे राजा मंत्री देख ।
धर्म कर्म जप तप किये ईश्वर राखे रेख ।।

वर्ष लग्नम् ५।२७

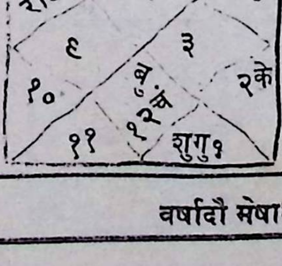

वर्षेश लग्नम् ५।२८

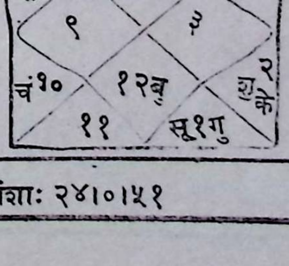

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।०।५१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजाशुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रस्यराज्ये बहुसस्य संकुलासुतीव्रवेगाः सरितोंम्बुराशिभिः । फलंतिवृक्षाः बहुगोप्रसूतिः वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता । मंत्री शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगुसुतेननु मंत्रिपदंगतेशलभमूषक रावथ-माहिषैः । भवति धान्य-समर्घ-तया भयं जनपदेषुजलं सरितोधिकम् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। सस्याधिपेशीतकरे प्रजा-सुखंमेघाः पयोमुंचतिगोपगोधुक् देवद्विजाराधन तत्परानृपा धराभवेद्धान्यधनौधपूर्णा ।। धान्येशः शनिःफलम् । दुर्भिक्षंजायते तत्रकलहं देशविग्रहं । सौराष्ट्र-देश नष्टश्च यत्रधान्याधिपः शनिः ।। मेघेशोगुरुःफलम् ।। गुरुरपि प्रियवृष्टिकरः सदाखिल विलासवती धरणीतदा । श्रुतिविचारपरानरपालका रससमृद्धियुताखिलमानवाः ।। रसेशो भौमस्तत्फलम् ।। यदिधरातनयोरसपो भवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदोन जलदो बहुवृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये त्रपुचंदनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभयावनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मन्दिरा श्रुतिविचार पराद्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविःफलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपेतदा वणिजतो बहुद्रव्य समागमः । गजतुरंगमंमेषखरोष्ट्रतो धनचयंलभतेक्रयविक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढपे नयशोभितानरवरा नरपाः कर पालिताः । गिरिषुवें नगरेषु समं सुखं शुभमतिद्विज शस्त्रवतांत्रिशाम् ।। विश्वावसुनाम संवत्सरः फलम् ।। अब्दे विश्वावसौ शश्वद्धौर रोग धरा नराः । सस्यार्धं बृष्टयोमध्या भूपाला नाति भूतयः ।। वर्षनामआश्विनः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्वं सस्यँस्याज्ज्वर रोगाकुलंजगत् । आश्विने शोभनावृष्टिः नृप सौख्य करीमता ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्तः छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः पर्वतेफलम् । पर्वते विंदुमा त्रश्च । समय निवासः कुंभकारगृहे । अनावृष्टिः प्रजापतौ । एवं संचित्य-दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।

संवत् २०६९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ८ शुक्रे उषा. ल. १२ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

आषाढमासः

शुक्ला ५ रवौ मघा ल. ऽ न्यगो. रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ शनौ रेव. ल. गो (सोग्रांग.) रे. ६ ।।।।ऽरो।।। भौमाष्टम महादोषः नेष्टं

,, १५ बुधे रोहि. ल. ४-५-६ रे. ८ ।।।ऽ। (नृपः ४८ उ.) ।ऽ।।

मार्गशिर्ष मासः

कृष्णा १ गुरौ मृगे ल. ४-५-६ रे. ८ ।।।।ऽ नृ. ४७ या ऽ।।

,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ९ ।।।।।ऽ।। भौमाष्टम महादोषः नेष्टं

,, ६ बुधे मघा. ल. ६ ऽऽ।।ऽअऽ।। आवश्यक ।

,, ८ शुक्रे उफा. ल. ४।५ रे. ७ ऽ।।।। नृ. ३६ उ. ऽऽ।।

,, ९ शनौ हस्ते ल. ऽ न्यगो (सोयोगः) रे. ७ ।।।।ऽनृ ।ऽ।ऽ दग्धा भौमाष्टम महादोषः नेष्टं

पौष मास ।

शुक्ला ५ बुधे उभा ल. ऽ न्थ गो. रे. ८ ।।।।ऽअऽ।। सप्तमस्थोभौमः कन्यऽयां चं. पू. वृश्चिके गु. श. पूज्यौपरिघश्च नेष्टम्.

,, ६ गुरौ रेव. ल. ऽ न्थ गो. (भौम ७ मस्थः) ल. ६ चं. पू. सत् रेखा ६ ।।।।। नृ. ५४ उ. ।ऽ।।

माघमासः ।

कृष्णा ३ बुधे उफा.ल. ६ रे.६।।।।।(रो. ४१ उ.)।ऽ।।

,, ४ गुरौ उफा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽरो।ऽ।। भौमाष्टम महादोषः

,, ५ गुरौ हस्ते ल. ८ (गु. श. पूज्यौ) रे. ७ ।।।।ऽरो. ४० या. ऽऽ।।

,, ५ शुक्रे हस्ते ल. गो. (भौमाष्टममहादोषः) रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

,, ६ चन्द्रे अनु. ल. ऽन्यगौ. भौमाष्टममह दोषः) रे. ६ ऽ।।ऽ।नृप ३६ उ. ऽऽ।।

,, ११ मूले ल. ८ (गु. श. सत्) रे. ८ ।ऽ।।। चौ. ३५ उ. ।ऽ।। दग्धा ४२।३४ उ.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४												दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंततूर् रविरुत्तरेऽहर्गणः ३५२स. २०१२
१	शु	३८	३२	उ	१५	४६	ब्र	५२	५	किं	६	५	३०/१२	५/५८	२/६	३	२९	२३	मीने	वक्री मघा.भौमः २९/४१ संवत्सारंभः नवरा.
२	श	४३	५७	रे	२२	२३	ऐं	५४	०	बा	११	१४	१६	५७	३	४	३०	२४	में.२२।२३	कृति. शुक्रः ४९।५१ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	५०	२२	अ	२९	४४	वै	५६	१७	तै	१७	९	२१	५६	४	५	१	२५	मेषे	जमादिलावल ५ मत्स्य जयंति गणगौरी
४	चं	५६	४४	भ	३७	२०	वि	५८	४३	व	२३	३२	२५	५५	५	६	२	२६	वृ.५४।१६	भ. २३।३२ उ. ५६।४४ या.
५	मं	६०	०	कृ	४५	१	प्री	६०	०	व	२९	५६	२९	५४	६	७	३	२७	वृषे	
५	बु	३	८	रो	५२	१३	प्री	१	११	बा	३	८	३३	५३	७	८	४	२८	वृषे	वृषे शुक्रः १४।१८
६	शु	८	५०	मृ	५८	१७	आ	३	५	तै	८	५०	३७	५३	७	९	५	२९	मि२५।१५	बुधोदयः पूर्वस्यां ४।३०
७	शु	१३	३५	आ	६०	०	सौ	३	४७	व	१३	३५	४१	५२	८	१०	६	३०	मिथुने	भ. १३/३५ उ. ४५/१६ या. रेवत्यां रविः ५७/१०
८	श	१७	२	आ	३	१३	शो	३	३२	ब	१७	२	४५	५१	९	११	७	३१	क.५०।३१	रेवत्यां रविः सौरः १।२७
९	र	१८	३४	पु	६	१६	अ	२/१	५६/४०	कौ	१८	३४	४९	५०	१०	१२	८	१	कर्के	अप्रेल ४ ता. ३० रामनवमी
१०	चं	१७	५९	पु	७	२३	धृ	५३	५३	ग	१७	५९	५३	४९	११	१३	९	२	कर्के	भ. ४६/४१ उ. वक्री चित्रा. ३ शनिः २।१
११	मं	१५	२४	श्ले	६	२९	शू	४७	२७	वि	१५	२४	५७	४९	११	१४	१०	३	सिं ६।२९	भ. १५।२४ या. कामदा ११ व्र.
१२	बु	१०	४६	म	३/७	५५/३६	गं	३९	२९	बा	१०	४६	३/१	४८	१२	२५	११	४	सिंहे	भरणी ३ गुरुः ०।५५ प्रदोषः
१३	गु	४	१८	उ	५२	४७	वृ	३०	१५	तै	४	१८	५	४७	१३	१६	१२	५	कं १२।२१	भ. ५६।२२ उ.
१४	गु	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	शु	४७	३३	ह	४५	५२	ध्रु	२०	१३	वि	२१	५७	१०	४६	१४	१७	१३	६	कन्यायां	भ. ३१/८ या. मार्गी बुधः २४/१ हनुमज्जयंती

५१पं. चै.शु. ६वृ.इ. १५/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	१	६	७	११
१४	१२	१	१८	०	३	१४	१४
५९	८	४२	४३	५९	३६	१५	५४
१०	१३	७	१६	३८	०	१४	५२
५९	१६/२	३७/४८	१२	५८	४/११	३	५८
१६	व.	व:	२६	५५	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

शुक्रस्य पंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम् । प्रजाबृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ॥ इस मास में प्रजा सुखी रहे धान्य में तेजी होकर मंदी

गोचर ग्रहाः

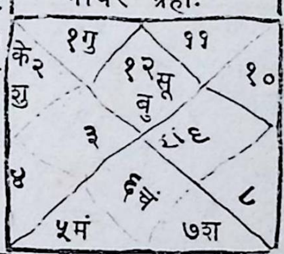

५२पं.चै.शु.१३ वृ.इ. १५/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	०	१	६	७	११
२१	१०	०	२०	७	३	१३	२१
५३	५८	७	१५	३६	५	५२	४९
३१	५२	१२	५८	११	१७	५८	३
५९	६/४२	४/२३	१२	५५	४/३४	३	५९
४	व.	व	५८	४२	व.	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६७ शाकः १९३२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूर् रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	श	३८	४	चि	३८	२२	व्या	९/५२	४०/२६	बा	१२	४८	३१/१४	५/४५	६/१५	१८	१४	७	तु.१२।७	रोहि. शुक्रः ५०।१
२	र	२८	४४	स्वा	३१	४	व	४८	५८	तै	३	२३	१८	४४	१६	१९	१५	८	तुलायां	भ. ५४।१६ उ.
३	चं	१९	४९	वि	२४	२२	सि	३९	२८	वि	१९	४९	२२	४४	१६	२०	१६	९	वृ. ११/२	भ. १९।४९ या. चतुर्थी व्र.
४	मं	११	४३	अ	१८	३२	व्य	३०	२९	बा	११	४३	२६	४३	१७	२१	१७	१०	वृश्चिके	
५	बु	५	१	ज्ये	१४	१०	व	२२	५६	तै	५	१	३०	४२	१८	२२	१८	११	घ.१४।१०	भ. ५९।३६ उ.
६	बु	५४	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु	५५	५५	मू	११	१२	प	१६	३७	वि	२७	४६	३४	४१	१९	२३	१९	१२	धनुषि	भ. २७।४६ या.
८	शु	५३	५०	पू	१०	७	शि	११	३८	बा	२४	५३	३८	४०	२०	२४	२०	१३	म.२५।१०	अश्वि. मेषेऽर्कः ३१।८ (सौरः ३६।१)×
९	श	५३	१९	उ	१०	१८	सि	७	५९	तै	२३	३४	४२	४०	२०	२५	२१	१४	मकरे	[×उभा. बुधः २७।१३ मार्गी भौमः व४/३२
१०	र	५४	१७	श्र	१२	१०	सा	५	२९	व	२३	४७	४६	३९	२१	२६	२२	१५	कुं४३।४९	भ. २३/४७ उ. ५४/१७ या. अनु. ३ रोहि. १ =
११	चं	५६	३१	ध	१५	२९	शु	४	४	ब	२५	२३	५०	३८	२२	२७	२३	१६	कुंभे	वरुथिनी ११ व्र.
१२	मं	५९	५९	श	१९	५३	शु	३	५५	कौ	२८	१५	५३	३७	२३	२८	२४	१७	कुंभे	[=केतुः ३९/५६ पातस्पर्शः १९/४३ पातमोक्षः ३३/५८
१३	बु	६०	०	पू	२५	१६	ब्र	४	२८	ग	३२	१६	५७	३७	२३	२९	२५	२८	मी ८।५५	भरणी ४ गुरुः ३१।० प्रदोषः
१३	गु	४	३३	उ	३१	३५	ऐं	५	३२	व	४	३३	३/१	३६	२४	३०	२६	१९	मीने.	भ. ४।३३ उ. ३७।१४ या.
१४	शु	९	५४	रे	३८	३४	वै	७	२८	श	९	५४	५	३५	२५	३१	२७	२०	मे.३८।३४	
३०	श	१५	३३	अ	४५	४६	वि	९	१८	ना	१५	३३	९	३४	२६	१	२८	२१	मेषे	भा. वैशाखारंभ.

१ पं.बै.कृ.८ शु.इ. ३१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	११
०	१०	३	२२	१४	२	१३	२९
०	२१	२२	१०	४५	२६	२६	५५
१	५८	१०	१२	२६	३१	५०	५५
१८	१९/०	३३/१२	१२	५०	४/०	३	५८
४४	मा	मा	२५	१८	वं.	११	४५

गोचर ग्रहाः

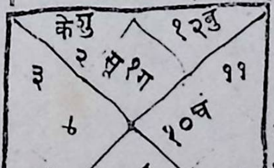

वैशाखकृष्णे ८ शुक्ले मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

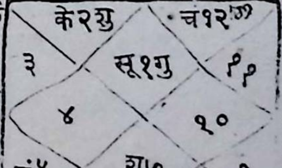

२पं.वै.कृ १४गु.इ.३१।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	०
६	१०	९	२३	२०	१	१३	६
५०	२८	२६	४६	२	५४	४	४५
४२	४४	३१	५५	४६	५२	३४	२६
५८	६	५७	१३	४४	४/०	३	५८
३१	४१	३६	२५	२०	व.	११	२१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३८२ स.२०१२
१	र	२२	५१	भ	५३	२३	प्री	११	४३	ब	२१	५१	३२/५२	५/३४	६/२६	२	२९	२२	मेषे	चंद्रदर्शनम्
२	चं	२८	७	कृ	६०	०	आ	१४	१३	कौ	२८	७	१६	३३	२७	३	१	२३	वृ.१०।१७	जमादि लाखर ६
३	मं	३४	१९	कृ	०	५९	सौ	१६	३७	तै	१	१३	२०	३२	२८	४	२	२४	वृषे	परशुराम जयंती अक्षया ३
४	बु	४०	२	रो	८	१९	शो	१८	२६	व	७	१०	२३	३१	२९	५	३	२५	मि. ४/३ १/२	भ. ७।१० उ. ४०।२ या मृगे शुक्रः ३३/५४
५	गु	४४	५८	मृ	१४	४६	अ	१९	५६	ब	१२	३०	२७	३१	२९	६	४	२६	मिथुने	रेवत्यां बुधः ३७।५०
६	शु	४८	४६	आ	२०	३२	सु	२०	४२	कौ	१६	५२	३१	३०	३०	७	५	२७	मिथुने	भरण्यां रविः ११।२४ (सौरः १७।२६)
७	श	५१	११	पु	२४	३९	धृ	२०	१६	ग	१९	५८	३४	२९	३१	८	६	२८	कं.८।३८	भ. ५।११ उ.
८	र	५१	४४	पु	२७	२९	शू	१८	२९	वि	२१	२८	३८	२८	३२	९	७	२९	कर्के	भ. २१।२८ या.
९	चं	५०	२४	श्ले	२८	३४	गं	१५	१८	बा	२१	४	४१	२८	३२	१०	८	३०	सिं२८।३४	[× ३६/३ कृति. १गुरुः ४७/२ मोहिनी ११ व्र.
१०	मं	४७	२५	म	२७	३४	वृ	१०	३४	तै	१८	५५	४५	२७	३३	११	९	१	सिंहे	मई ५ ता. ३१
११	बु	४२	२०	पू	२४	२९	ध्रु	४/१८	५२/१२	व	१४	५३	४८	२६	३४	१२	१०	२	कं ३८।२१	भ. १४।५३ उ.४२।२०या वक्री शुक्रः×
१२	गु	३५	२२	उ	१९	५७	ह	४७	२२	ब	८	५१	५२	२६	३४	१३	११	३	कन्यायां	अस्तं गुरोः ५४।० प्रदोषः
१३	शु	२७	१	ह	१३	४३	व	३७	१७	कौ	१	११	५५	२५	३५	१४	१२	४	तु.४०।७	नृसिंह जयंती
१४	श	१७	३२	चि	६/३१	५२/४	सि	२६	३१	व	१७	३२	५८	२४	३६	१५	१३	५	तुलायां	भ. ५७/३२ उ. ४२/३३ या. अश्वि. मेषे बुधः ४३/१७
१५	र	७	३४	वि	५०	३६	व्य	१५	३४	ब	७	३४	३/३२	२४	३६	१६	१४	६	वृ.३७।३६	यमाय कुंभदानम्

३पं. वै. शु. ६गु. इ.३१।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	०
१३	११	१७	२५	२४	१	१२	१३
३९	१०	४९	२४	३०	२२	४२	३३
४७	३७	३७	५४	४३	१२	१९	५१
५८	११	७७	१३	३६	४/२८	३	५८
१९	४२	३३	२६	१	व्र.	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जौ जुवार बाजरा मंदा धातु सोना चांदी गुड सक्कर चीनी में तेजी रहे प्रजा में क्लेश फैले ।

गोचर ग्रहाः

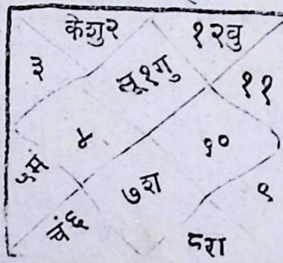

४पं.वै.शु.१३गु.इ.३१।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	११	०	१	६	७	०
२०	१२	२८	२७	२७	०	१२	२०
२७	१२	५	३	४३	५२	२०	२०
२५	१२	३८	५०	२३	१६	३	३५
५८	१६	९६	१३	२५	४/१०	३	५७
६	१६	९	३८	२	व.	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैंशाख कृष्णेति महा.
१	र	४९	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं	४७	५२	अ	४३	२९	व	[illegible]	[illegible]	तै	२२	४०	३३/५	२५/३	३६/७	१७	१५	७	वृश्चिके	
३	मं	३९	१०	ज्ये	३६	३५	शि	४४	५८	व	१३	३०	८	२२	३८	१८	१६	८	ध.३६।३५	भ. १३।३० उ. ३९।१० या.
४	बु	३१	५२	मू	३१	३७	सि	३६	५०	ब	५	३१	११	२२	३८	१९	१७	९	धनुषि	पूफा. भौमः २४।२५ चतुर्थी व्र.
५	गु	२६	२१	पू	२८	१६	सा	३०	१०	तै	२६	२१	१४	२१	३९	२०	१८	१०	म.४२।५५	कृत्ति रविः ५७।२०
६	शु	२२	४९	उ	२६	४९	शु	२५	४	व	२२	४९	१७	२१	३९	२१	१९	११	मकरे	भ. ३३/४९ उ. ५३/३ या. कृत्ति.रविःसौरः ५/१८
७	श	२१	१७	श्र	२७	२०	शु	२१	३५	ब	२१	१७	२०	२०	४०	२२	२०	१२	कुं५८।३९	
८	र	२१	४६	ध	२९	५८	ब्र	१९	३८	कौ	२१	४६	२३	१९	४१	२३	२१	१३	कुंभे	भरण्यां बुधः २४।९
९	चं	२३	५२	श	३४	१६	ऐं	१९	३	ग	२३	५२	२६	१९	४१	२४	२२	१४	कुंभे	ग. ५५/४३ उ. बृषेऽर्कः ३४/३५ (सौरः ३६/५)
१०	मं	२७	३४	पू	३९	४१	वै	१९	४९	वि	२७	३४	२८	१८	४२	२५	२३	१५	मी२३।२०	भ. २७।३४ या.
११	बु	३२	२२	उ	४६	९	वि	२०	५३	बा	३२	२२	३१	१८	४२	२६	२४	१६	मीने	कृति. बृषे गुरुः ५२।४४ बुधास्तः A
१२	गु	३८	१०	रे	५३	२८	प्री	२३	७	कौ	५	१६	३४	१७	४३	२७	२५	१७	मे.५३।२८	[A पूर्वस्यां १३।४८ अपरा. ११ व्र.
१३	शु	४४	८	अ	६०	०	आ	२५	१९	ग	११	९	३७	१७	४३	२८	२६	१८	मेषे	भ. ४४/८ उ. वक्री चित्रा. २ कन्यायां ÷
१४	श	५०	२५	अ	०	५६	सा	२७	५१	वि	१७	१७	३९	१६	४४	२९	२७	१९	मेषें	भ. १७।१७ या. [÷ शनिः ४/२५ प्रदोषः
३०	र	५६	२९	भ	८	२८	शो	३०	११	च	२३	२७	४२	१६	४४	३०	२८	२०	वृ.२५।१८	कृत्ति. बुधः ५।८ वटपूजनम्

५ पं. ज्ये. कृ. ६शु. इ. ३२/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	०	१	६	७	०
२७	१४	९	२८	२९	०	११	२७
१२	१	५३	४३	४१	२४	५७	५
३७	३०	२	२३	२४	२	४८	४९
१७	१९	०	१३	११	५ ३/२	३	५७
५४	३०	५१	३८	११	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

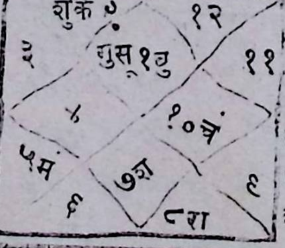

ज्येष्ठ कृष्णे ९ चंद्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

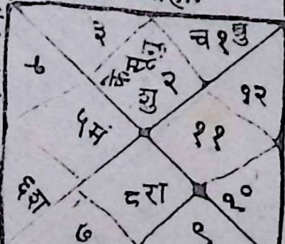

६ पं.ज्ये.कृ.१३ ग.इ. ३२/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	१	१	५	७	१
३	१५	२३	०	२९	२९	११	३
५८	५७	२९	२२	४८	५८	३५	४९
३७	३२	२८	३७	१८	२३	३२	३१
५७	२२	३४/२८	१२	५/१३	३/२९	३	५७
४४	३४	६	३८	व्र	व	११	३४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:४११ स. २०१२
१	चं	६०	०	कृ	१५	४७	अ	३२	२५	किं	२६	२५	३३/४४	५/१५	६/४५	३१	२९	२१	वृषे	वृषे वुध:४२।३७
१	मं	२	२०	रो	२२	५२	सु	३४	२७	ब	२	२०	४७	१५	४५	१	३०	२२	मि. ५६/३	चंद्र दर्शनम् भा. ज्येष्ठारंभ:
२	बु	७	३४	मृ	२६	१४	धृ	३५	४३	कौ	७	३४	४९	१४	४६	२	१	२३	मिथुने	रज्जव ७
३	गु	११	५८	आ	३४	५३	शू	३६	१४	ग	११	५८	५२	१४	४६	३	२	२४	मिथुने	भ.४३/४३उ.रोहि.रवि:४८।९ (सौर:५९।१३
४	शु	१५	३५	पु	३९	२२	गं	३६	१६	वि	१५	३५	५४	१३	४७	४	३	२५	क. २३/५	भ.१५।३५या.
५	श	१७	५८	पु	४२	५९	वृ	३५	२२	बा	१७	५८	५६	१३	४७	५	४	२६	कर्के	रोहि.बुध:२०।१०
६	र	१९	६	श्ले	४५	४	ध्रु	३३	१७	तै	१९	६	५८	१२	४८	६	५	२७	सिं. ४५/४	[+वट सावित्री व्रतम्
७	चं	१८	४३	म	४५	४४	व्या	२९	५६	व	१८	४३	३४/००	१२	४८	७	६	२८	सिंहे	भ.१८।४३उ.४७।४९या.
८	मं	१६	५६	पू	४४	४३	ह	२५	२४	व	१६	५६	२	१२	४८	८	७	२९	कं.५६।४	उदयं गुरो:२४।०
९	बु	१३	३१	उ	४२	८	व	१९	२६	कौ	१३	३१	३	११	४९	९	८	३०	कन्यायां	
१०	गु	८	२१	ह	३८	१	सि	१२	१४	ग	८	२१	५	११	४९	१०	९	३१	कन्यायां	भ.३५।२उ.कृति.३गुरु:२।१४ गंगा १०
११	शु	१	४४	चि	३२	३२	व्य	५२/३	३९/०	वि	१	४४	७	११	४९	११	१०	१	तु.५।१६	भ.१।४४या.मृगे बुध:२१।९ जून ६ ता.÷
१२	शु	५१	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×शुक्रास्त: पश्चिमायां ५१।०
१३	श	४४	४३	स्वा	२५	५४	प	४५	१९	कौ	१९	१७	९	१०	५०	१२	११	२	तुलायां	प्रदोष: [÷३० निर्जला ११ व्र.
१४	र	३५	८	वि	१८	२७	शि	३३	४१	ग	९	५५	१०	१०	५०	१३	१२	३	वृ.५।१९	भ.३५।८उ.वक्री रोहि. शुक्रास्त: ×
१५	चं	२५	१६	अ	१०	४६	सि	२३	७	वि	०	१२	१२	१०	५०	१४	१३	४	वृश्चिके	भ.०।१२या.मिथुने बुध:२९।५गुर्जराणां+

७पं.ज्ये.शु. ४श्. इ.३२।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	१	१	५	७	३
१०	१८	८	२	२७	२९	११	१०
४२	२६	१८	१	५८	३६	१३	३१
२९	६	४७	४१	३०	४०	१६	४२
५७	२५	०/३	१३	२१/५८	२/५०	३	५७
३५	११	६/४	३२	व	व.	११	२३

गोचर ग्रहा:

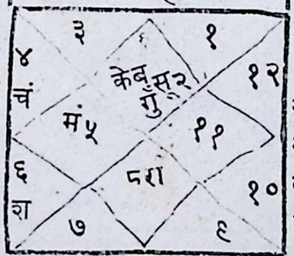

इस मास में मंगलवार का चन्द्र दर्शन गेहूं जो चना चावल गन्ना सक्कर सोना चांदी लोहा सभी पदार्थो को तेज करेगा और वर्षा होगी ।

गोचर ग्रहा:

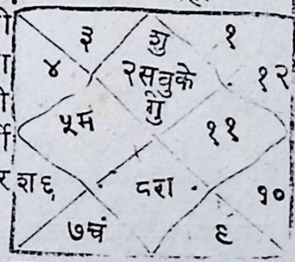

८पं.ज्ये.शु.११शु.इ.३२।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	१	१	५	७	१
१७	२१	२३	३	२४	२९	१०	१७
२५	५	४४	४०	१४	१८	५१	१२
१९	३५	२	१२	२४	४७	१	४८
५७	२७	०/२	१२	३×/२२	२/११	३	५७
२७	२५	६/४३	२६	व.	व.	११	१२

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा.
१	मं	१५	५६	ज्ये	२३/२	५३/३७	सा	१२	५६	कौ	१५	५६	३४/१३	५/९	५६/९	१५	१४	५	ध.३।२२	[×५८।३)आर्द्रा.बुध:४५।६बुधोदय:÷
२	बु	७	२९	पू	५१	५३	शु	२३/३	५१/४०	ग	७	२९	१५	९	५१	१६	१५	६	धनुषि	भ.३३।५७उ.
३/४	गु	५०/४	२५/४९	उ	४८	२७	ब्र	४८	२६	वि	०	२५	१६	९	५१	१७	१६	७	म. ६।१	भ ०।२५या.मृगे रवि:४३।२(सौर: ×
५	शु	५१	५९	श्र	४७	७	ऐं	४३	१०	कौ	२३	३७	१७	९	५१	१८	१७	८	मकरे	[÷पश्चिमायां २७।२३चतुर्थी व्र.
६	श	५१	१०	ध	४८	२	वै	३९	४६	ग	२१	३५	१८	८	५२	१९	१८	९	कुं १७।३४	भ.५१।१०उ.
७	र	५२	१७	श	५०	४४	वि	३८	१	वि	२१	४३	१९	८	५२	२०	१९	१०	कुंभे	भ.२१।४३या.
८	चं	५५	२८	पू	५५	३०	प्री	३८	२	बा	२३	५२	१९	८	५२	२१	२०	११	मी. ३९/९	
९	मं	६०	०	उ	६०	०	आ	३८	५५	त	२७	४४	२०	८	५२	२२	२१	१२	मीने	शुक्रोदय: पूर्वस्यां २४।०
९	बु	०	१	उ	१	२९	सौ	४०	४४	ग	०	१	२१	८	५२	२३	२२	१३	मीने	भ.३२।५०उ.
१०	गु	५	३९	रे	८	४९	शो	४३	०	वि	५	३९	२०	८	५२	२४	२३	१४	मे.८।४९	भ.५।३९या.मिथुनेऽर्क:४१।३६(सौर: A
११	शु	११	२५	अ	१६	१८	अ	४५	३८	बा	११	२५	२२	८	५२	२५	२४	१५	मेषे	पुन.बुध:२।२योगिनी ११ व्र.
१२	श	१८	८	भ	२४	८	सु	४८	१४	तै	१८	८	२२	८	५२	२६	२५	१६	वृ.४०।५८	प्रदोष:
१३	र	२४	१७	कृ	३१	२६	धृ	५०	१६	व	२४	१७	२३	७	५३	२७	२६	१७	वृषे	भ.२४।१७उ.५६।५९या अनु.२राहु: =
१४	चं	२९	४१	रो	३८	१४	शू	५२	६	श	२९	४१	२३	७	५३	२८	२७	१८	वृषे	[A५८।५१)उफा.भौम:३६।५४कृत्ति: B
३०	मं	३४	२५	मृ	४४	१६	गं	५३	६	च	२	३	२३	७	५३	२९	२८	१९	मि. ११/५५	[B४गुरु:३८।४९ [=कृत्ति.४केतु:३४।५८

९ पं.आ.कृ.५शु.इ. ३२/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
-१	४	२	१	१	५	७	१
२४	२३	८	५	२०	२९	१०	२३
७	५९	१२	१६	७	४	२८	५२
१९	५३	२६	४१	५२	५९	४५	४४
५७	२९	०/४	१३	३५/३८	१/३९	३	५७
२२	२३	६/११	२०	व	व.	११	५

गोचर ग्रहा:

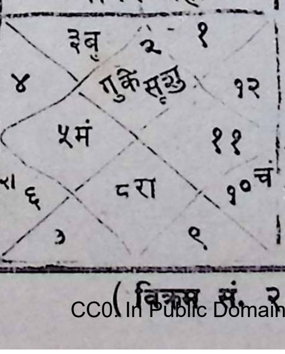

आषाढ कृष्णे १०गुरौ. मिथुनेऽर्क:प्रविष्ट: वा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहा:

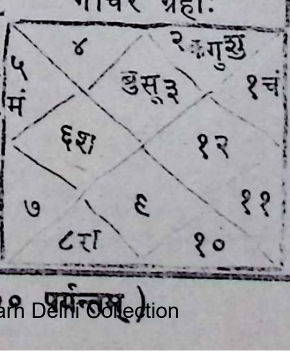

१०पं.आ.कृ.११शु.इ. ३२/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	१	१	५	७	२
०	२७	२०	६	१६	२८	१०	०
४८	८	११	५१	१७	५५	६	३२
३६	२८	५०	४७	४६	३४	३०	५३
५७	३०	०/०	१२	२६/००	५४	३	५६
१७	४५	६/७	११	व.	व.	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ४४१ स.२०१२
१	बु	३८	४	अ	४६	२१	वृ	५२	२४	किं	६	१४	३४/२४	५/७	५३/३	३०	२९	२०	मिथुने	
२	गु	४०	५०	पु	५३	२५	ध्रु	५२	५२	बा	९	२७	२४	७	५३	३१	३०	२१	कं. ३७/२४	आर्द्रा.रवि:४/३ १कर्के बुध:२७।०कन्यायां ÷
३	शु	४२	२३	पु	५६	३१	व्या	५१	२७	तै	११	३७	२४	७	५३	१	१	२२	कर्के	आर्द्रा.रवि:सौर:३/२४भा.आषाढारंभः =
४	श	४३	५९	श्ले	५८	३७	ह	४९	१६	व	१३	११	२४	७	५३	२	२	२३	सिं५८।३७	भ.१/१३/१उ.४/५३/९या.पुष्ये बुध:५४।४१
५	र	४२	२७	म	५९	४०	व	४६	२९	ब	१३	१३	२४	७	५३	३	३	२४	सिंहे	मार्गी शनि:४६।२७ [= सावान ८
६	चं	४०	५०	पू	५९	२२	सि	४२	३५	कौ	११	३८	२३	७	५३	४	४	२५	सिंहे	[÷भौम:४३।१६चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
७	मं	३८	४	उ	५८	८	व्य	३७	५९	ग	९	२७	२३	७	५३	५	५	२६	कं.१४।४	भ.३८।४उ मार्गी शुक्रः५०।४४
८	बु	३४	२०	ह	५६	६	व	३२	८	वि	६	१२	२२	८	५२	६	६	२७	कन्यायां	भ.६।१२या.
९	गु	२९	२५	चि	५२	२६	प	२५	१७	बा	१	५२	२२	८	५२	७	७	२८	तु.२४।१६	
१०	शु	२३	१५	स्वा	४७	५२	शि	१७	५०	ग	२३	१५	२१	८	५२	८	८	२९	तुलायां	भ.४९।४७उ.रोहि.१गुरु:४६।०
११	श	१६	२०	वि	४२	२२	सि	९	२९	वि	१६	२०	२०	८	५२	९	९	३०	वृ.२८।४४	भ.१६।२०या.देवशयनी ११व्र.
१२	र	८	२४	अ	३६	१६	सा	०/३४	५०/३२	बा	८	२४	१९	८	५२	१०	१०	१	वृश्चिके	जौलाई ७ ता.३१ प्रदोषः
१३	र	५१	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	चं	५१	३१	ज्ये	२९	५५	शु	४१	३०	ग	२४	४५	१८	८	५२	११	११	२	ध. २९/५५	भ.५१।३१उ.
१५	मं	४३	२३	मू	२३	३६	ब्र	३२	१५	वि	१७	२६	१७	९	५१	१२	१२	३	धनुषि	भ.३/२६या.व्यासपूजा गुरु१५वायु परीक्षा

११पं.आ.शु. ३शु.इ. ३२/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
७	०	१	८	१३	२८	९	७
२९	२६	२८	२६	५७	५१	४४	१०
३१	१७	३४	४९	४३	२२	१४	२०
५७	३२	८१	१२	१०/२२	०/१५	३	५६
१३	६	१५	३०	व.	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना आदि रुई कपास तेज हो सोना चांदी लोहा मंदा हो वर्षा अच्छी होवेगी।

गोचर ग्रहाः

१२ पं.आ.शु. १०शु. इ. ३२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
१४	३	९	९	१३	२८	९	१३
९	५८	५१	५७	३०	५१	२१	४८
५८	१६	४७	११	२९	५४	५८	२५
५७	३३	५६	१२	६/२१	०/३२	३	५६
७	१९	३६	२२	मा।	मा।	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	बु	३६	४	पू	१८	८	ऐं	२३	४०	बा	९	४३	३४/१६	५/९	६/५१	१३	१३	४	म.३२।५	
२	गु	३०	११	उ	१३	५५	वै	१५	५६	ग	३०	११	१५	९	५१	१४	१४	५	मकरे	भ.५८।३उ.पुन.रवि:३६।२१
३	शु	२५	५५	श्र	११	४	वि	९	२४	वि	२५	५५	१४	९	५१	१५	१५	६	कुं.४०।४०	भ.२५।५५या.पुन.रवि:सौर:४।२६च.व्र.
४	श	२३	५४	ध	१०	१६	प्री	४	४३	बा	२३	५४	१३	९	५१	१६	१६	७	कुंभे	
५	र	२३	३९	श	११	२४	आ	१	३९	तै	२३	३९	११	१०	५०	१७	१७	८	मी.५८/५६	आश्ले.बुध:४१।५२ नाग ५ मरुस्थले
६	चं	२५	५२	पू	१४	४५	सौ	०	१७	व	२५	५२	१०	१०	५०	१८	१८	९	मीने	भ.२५।५२उ.५७।४८या.
७	मं	२९	४३	उ	१९	५८	शो	०	२	ब	२९	४३	८	१०	५०	१९	१९	१०	मीने	हस्ते भौम:५२।१७
८	बु	३५	०	रे	२६	२८	अ	१	१२	बा	२	२२	७	११	४९	२०	२०	११	मे.३६/२८	
९	गु	४०	५५	अ	३३	३५	सु	३	१६	तै	७	५८	५	११	४९	२१	२१	१२	मेषे	वक्री बुध:५६।२२
१०	शु	४७	१६	भ	४१	१७	धृ	५	३५	व	१४	५	३	११	४९	२२	२२	१३	वृ.५८।१०	भ.१४।५उ.४७।१६या.
११	श	५३	१७	कृ	४८	४९	शू	८	१३	ब	२०	१६	१	१२	४८	२३	२३	१४	वृषे	कामिका ११ व्र.
१२	र	५८	४६	रो	५५	४८	गं	१०	२५	कौ	२६	१	३/५८	१२	४८	२४	२४	१५	वृषे	[÷पश्चिमायां५३।१८हरियाली
१३	चं	६०	०	मृ	६०	०	वृ	१२	१२	ग	३०	५८	५७	१३	४७	२५	२५	१६	मि. ३८/४८	कर्केऽर्क:८।४७(सौर:३७।१० रोहि. २ A
१३	मं	३	११	मृ	१	४९	ध्रु	१३	१३	व	३	११	५५	१३	४७	२६	२६	१७	मिथुने	भ.३।११उ.३४।४३या.
१४	बु	६	१५	आ	६	२८	व्या	१३	१०	श	६	१५	५२	१४	४६	२७	२७	१८	कं.५४।७	[A गुरु:६।४९ प्रदोषः
३०	गु	८	१	पु	१०	१	ह	१२	१२	ना	८	१	५०	१४	४६	२८	२८	१९	कर्के	पुष्ये रवि:३८।५वक्री पुष्ये बुधास्तः ÷

१३ पं.श्रा. कृ.३ शु. इ. ३२/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
२०	७	१५	११	१४	२८	८	२०
३०	२६	३८	२५	५०	५७	५९	२६
२४	४१	४९	१	२४	११	४३	१९
३७	३४	२८	१२	२१	१	३	५६
७	३४	१९	८	१	१४	११	५०

गोचर ग्रहाः

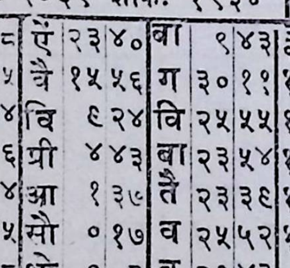

श्रावण कृष्ण १३ चंद्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

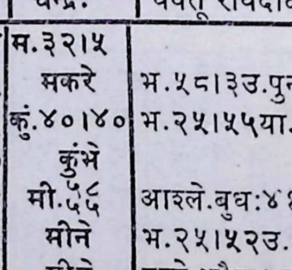

१४पं.श्रा. कृ. १० शु.इ. ३२/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	१	१	५	७	२
२७	११	१८	१२	१७	२९	८	२७
३०	३४	४	५०	४१	७	३७	४
४३	३६	१९	१३	१०	२३	२७	२६
५७	३५	२/३८	११	३३	१	३	५६
११	३१	व.	३३	४२	४९	११	५४

CC-0. In Public Domain Shashikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४७१ स. २०१२
१	शु		८ ३२	पु	१२	२०	व	१०	६	ब	८	३२	३३/४८	५/१४	६/४६	२९	२९	२०	कर्क	पुष्ये रवि:सौर:७।५१
२	श	७	५०	श्ले	१३	२०	सि	७	१०	कौ	७	५०	४५	१५	४५	३०	३०	२१	सिं. १३/२०	चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	र	६	१०	म	१३	३२	व्य	३/२७	५५/२५	ग	६	१०	४३	१५	४५	३१	१	२२	सिंहे	भ.३४।५५उ.मृगे शुक्र:५१/४६ रमजान९ तीज
४	चं	३	४०	पू	१२	४३	प	५३	५३	वि	३	४०	४०	१६	४४	१	२	२३	कं.२७।२२	भ.३।४०या.भा.श्रावणारंभ:वरद ४
५	मं	०	१९	उ	११	२०	शि	४७	२४	बा	०	१९	३८	१६	४४	२	३	२४	कन्यायां	नाग पंचमी
६	मं	५६	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५२	३	ह	९	१७	सि	४२	५४	ग	२४	१८	३५	१७	४३	३	४	२५	तु.३८।०	भ.५२।३उ.
८	गु	४७	८	चि	६	४३	सा	३५	४७	वि	१९	३५	३३	१७	४३	४	५	२६	तुलायां	भ.१९।३५या.
९	शु	४१	३२	स्वा	३/४	५६/१६	शु	२८	४९	बा	१४	२०	३०	१८	४२	५	६	२७	वृ.४५।४६	
१०	श	३५	३५	अ	५५	३७	शु	२१	२०	तै	८	३४	२७	१९	४१	६	७	२८	वृश्चिके	[×शनि:२२।० श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्
११	र	२९	१०	ज्ये	५१	१२	ब्र	१३	४३	व	२	२२	२४	१९	४१	७	८	२९	ध.५१।१२	भ.२।२२उ.२९।१०या.पवित्रा ११व.
१२	चं	२२	३०	मू	४६	४३	ऐं	५/४४	५/२२	बा	२२	३०	२२	२०	४०	८	९	३०	धनुषि	प्रदोष
१३	मं	१५	५९	पू	४२	१२	वि	५०	५	तै	१५	५९	१९	२०	४०	९	१०	३१	म.५६।१६	मिथुने शुक्र:५३।१७
१४	बु	९	५१	उ	३८	३०	प्री	४२	४६	व	९	५१	१६	२१	३९	१०	११	१	मकरे	भ.९।५१उ.३७।१८या.अगस्त८ता.३१
१५	गु	४	४४	श्र	३५	४७	आ	३६	२६	ब	४	४४	१३	२१	३९	११	१२	२	मकरे	आश्ले.रवि:३५।६ चित्रा. ३ तुलायां ×

१५पं.श्रा.शु.१शु.इ.३१।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	१	५	७	३
४	१५	१६	१४	२१	२९	८	३
११	२०	१४	१२	४३	२१	१५	४२
२८	१३	५२	१४	२३	४३	१२	५३
५७	३६	३०/३५	१०	४१	२	३	५६
१५	१९	व.	५७	२८	३२	११	५८

गोचर ग्रहाः

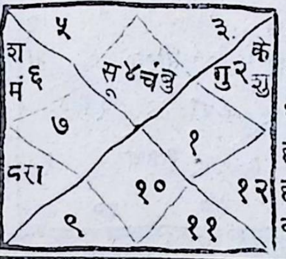

इस मास में धान्य गल्ला गुड़ सक्कर गन्ना कपास रुई धातु वदि में मंदे होकर सुदि में तेज होवे। कहीं २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

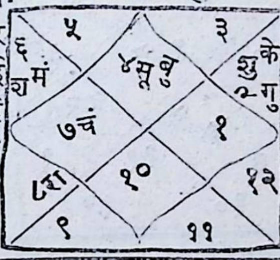

१६पं.श्रा.शु.९शु.इ.३१।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	१	५	७	३
१०	१९	१२	१५	२६	२९	७	१०
५२	२२	५९	२८	४२	४१	५२	२२
३०	५९	४६	५२	०	६	५६	१०
५७	३७	४६/८	१०	४८	३	३	५७
२०	४	व.	२०	१३	१६	११	५

ति.	प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण. कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	शु	०	३६	ध	३४	२६	सौ	३१	९	कौ	०	३६	३३/५०	५/२२	६/३८	१२	१३	३	कुं.५।७	आश्ले.रवि:सौर:८।३८चित्रा.भौम:१२/३० B
२	शु	५७	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B रोहि.३गुरु:२१।४९
३	श	५७	३८	श	३४	४४	शो	२७	१३	व	२७	५८	७	२३	३७	१३	१४	४	कुंभे	भ.२७।५८उ.५७।३८या.
४	र	५८	५९	पू	३६	५९	अ	२४	४४	ब	२८	१९	४	२३	३७	१४	१५	५	मी.२१/२६	चतुर्थी व्र.
५	चं	६०	०	उ	४०	५९	सु	२३	५३	कौ	३१	०	०	२४	३६	१५	१६	६	मीने	बुधोदय:पूर्वस्यां ०।५५
५	मं	३	२	रे	४६	३०	धृ	२३	५८	तै	३	२	३२/५७	२५	३५	१६	१७	७	मे.४६।३०	चंद्रषष्ठी
६	बु	६	५६	अ	५३	१५	शू	२५	१९	व	६	५६	५४	२५	३५	१७	१८	८	मेषे	भ.५६/९उ.३/३८या.मार्गी बुध:३/३ ८/१आर्द्रा. ÷
७	गु	१२	२०	भ	६०	०	गं	२७	१६	ब	१२	२०	५०	२६	३४	१८	१९	९	मेषे	जन्माष्टमी व्र.स्मा. [÷शुक्र:३१।५८
८	शु	१८	३६	भ	०	३७	वृ	२९	४३	कौ	१८	३६	४७	२७	३३	१९	२०	१०	वृ.१७।२५	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	श	२४	५८	कृ	७	५२	ध्रु	३२	४	ग	२४	५८	४४	२७	३३	२०	२१	११	वृषे	भ.५७।४०उ.गोगा ९
१०	र	३०	२२	रो	१५	१६	व्या	३४	९	वि	३०	२२	४०	२८	३२	२१	२२	१२	मि४८।२६	भ.३०।२२या.
११	चं	३४	४८	मृ	२१	३७	ह	३५	२७	ब	२	३५	३७	२९	३१	२२	२३	१३	मिथुने	अजा ११ व्र. [= पिठोरी ३० मन्वादि:
१२	मं	३७	५०	आ	२६	१७	व	३५	२७	कौ	६	१९	३३	२९	३१	२३	२४	१४	मिथुने	तुलायां भौम:१५।२६वत्सद्वादशी
१३	बु	३९	२५	पु	३०	१७	सि	३४	२६	ग	८	३७	३०	३०	३०	२४	२५	१५	क.१४।१३	भ.३९।२५उ.प्रदोष:
१४	गु	३९	४	पु	३२	५	व्य	३२	९	वि	९	१५	२६	३१	२९	२५	२६	१६	कर्के	भ.९।१५या.मघा.सिंहेऽर्क:२९।८
३०	शु	३७	१७	श्ले	३२	२३	व	२८	३२	चं	८	११	२२	३२	२८	२६	२७	१७	सि३२।२३	मघा.सिंहेऽर्क:सौर:५।३ कुशा ग्रहणी =

१७पं.प्र.भा.कृ.१ शु.इ.३१/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	२	६	७	३
१७	२३	८	१६	२	०	७	१७
३४	३२	२४	४१	२०	४	३०	१
१२	१०	२९	३५	२४	१९	४०	५८
५७	३७	३५/१०	९	५३	३	३	५७
२५	४३	व.	४८	११	४३	११	१२

१८पं.प्र.भा.कृ.८ शु.इ.३१/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	१	२	६	७	३
२४	२७	७	१७	८	०	७	२३
१६	४६	३९	४८	३४	३२	८	४३
३७	५५	५०	१८	५	१०	२५	५
५७	३८	१२/५४	८	५७	४	३	५७
३३	३४	मा	५०	१५	२८	११	२२

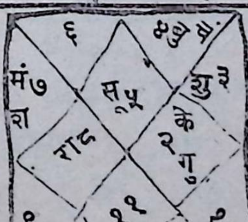

१९पं.प्र.भा कृ.३०शु इ.३१/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	१	२	६	७	४
०	२	१२	१८	१५	१७	६	०
५९	७	२६	४९	१२	३	४६	२५
५३	५५	२	१६	७	४३	९	१८
५७	३९	६९	८	६०	४	३	५७
४०	१०	०	०	२०	५५	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५००सन्२०१२
१	श	३४	१४	म	३१	३०	प	२३	५२	किं	६	४६	३२/१९	५/३२	६/२८	२७	२८	१८	सिंहे	
२	र	३०	१४	पू	२९	३५	शि	१८	१७	बा	२	१४	१५	३३	२७	२८	२९	१९	कं.४३।५०	अनु.१राहु:कृत्ति.३केतु:३५/११चंद्र दर्शनम्
३	चं	२५	२८	उ	२६	३६	सि	१२	१२	ग	२५	२८	१२	३४	२६	२९	१	२०	कन्यायां	भ.५२।५३उ.सव्वाल १०
४	मं	२०	१८	ह	२३	५	सा	०/१८	५३/५	वि	२०	१८	८	३४	२६	३०	२	२१	तु.५१।३३	भ.२०।१८या.आश्ले.बुध:२६।३३
५	बु	१४	५६	चि	२०	१	शु	५१	२८	बा	१४	५६	४	३५	२५	३१	३	२२	तुलायां	पुन.शुक्र:२५।२५
६	गु	९	३४	स्वा	१६	३९	ब्र	४४	३०	तै	९	३४	१	३६	२४	१	४	२३	वृ.५८।५६	भा.भाद्रपदारंभः
७	शु	४	६	वि	१३	४	ऐं	३६	३६	व	४	६	३५/५७	३७	२३	२	५	२४	वृश्चिके	भ.४।६उ.३१।३०या.स्वात्यां भौम:२२।१
८	शु	५४	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	श	५३	३९	अ	९	५०	वै	३०	२४	बा	२६	१६	५३	३७	२३	३	६	२५	वृश्चिके	
१०	र	४८	४१	ज्ये	६	३३	धि	२३	२६	तै	२१	१०	४९	३८	२२	४	७	२६	ध.६।३३	रोहि.४गुरु:५४।४८
११	चं	४३	५९	मू	३	३४	प्री	१६	५०	व	१६	२०	४६	३९	२१	५	८	२७	धनुषि	भ.१६।२०उ.४३।५९या.कमला११व्र.
१२	मं	३९	३८	पू	०/४८	५७/३८	आ	१०	२८	ब	११	४९	४२	४०	२०	६	९	२८	म.१५।१३	बुधास्त:पूर्वस्यां८।३३
१३	बु	३६	३	श्र	५६	४७	सौ	३/३०	५५/३४	कौ	७	५०	३८	४०	२०	७	१०	२९	मकरे	मघा.सिंहे बुध:१।३१
१४	गु	३३	१७	ध	५६	१३	अ	५४	२०	ग	४	४०	३४	४१	१९	८	११	३०	कुं.२६।३०	भ.३३।१७उ.पूफा.रवि:१८।४४ ×
१५	शु	३१	४८	श	५७	४५	सु	५०	४०	वि	२	३२	३०	४२	१८	९	१२	३१	कुंभे	भ.२।३२या. [×सौर:५५।५४)

२०पं.प्र.भा.शु.७शु.इ३१।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	३	१	२	६	७	४
७	६	२१	१९	२२	१	६	७
४४	३३	५८	४३	११	२८	२३	८
२०	५४	२६	३४	३५	४९	५४	४७
५७	३९	०	६	६२	५	३	५७
४८	४६	३८	५२	४५	२२	११	४०

गोचर ग्रहाः

प्र.भाद्रपद कृष्णे १४ गुरौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वार.४ न. ४ वन्ध्यावस्या (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

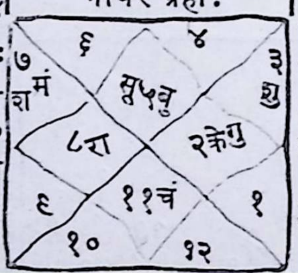

२१पं.प्र.भा.शु.१५शु.इ.३/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	१	२	६	७	४
१४	११	४	२०	२९	२	६	१३
३०	५	४७	३१	२७	१६	१	५३
०	१७	१०	१९	३२	४४	३८	५९
५८	४०	०	६	६४	५	३	५७
१	३३	६/४	२	३७	४९	११	५७

ति.	द्वि.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेप्र.भाद्रपद कृष्णेतिमहा.
१	श	३१	३६	पू	५८	५५	धृ	४८	७	बा	१	४२	३१/२६	५/४३	६/१७	१०	१३	१	मी४३।३८	कर्के शुक्र:१।१४ सितम्बर ९ ता. ३०
२	र	३३	७	उ	६०	०	शू	४६	४९	तै	२	२१	२२	४४	१६	११	१४	२	मीने	
३	चं	३५	५८	उ	२	२०	गं	४६	१७	व	४	३२	१८	४४	१६	१२	१५	३	मीने	भ.४।३२उ.३५।५८या.
४	मं	४०	२५	रे	७	१४	वृ	४७	१४	ब	८	१७	१५	४५	१५	१३	१६	४	मे.७।१४	पूफा.बुध:५९/५१पुष्ये शुक्र:१४।६ चतुर्थी व्र.
५	बु	४५	४४	अ	१३	३१	ध्रु	४८	३९	कौ	१३	४	११	४६	१४	१४	१७	५	मेषे	
६	गु	५१	५५	भ	२०	३२	व्या	५०	५३	ग	१८	४९	७	४७	१३	१५	१८	६	वृ ३७।२५	भ.५१।५५उ.
७	शु	५८	११	कृ	२८	७	ह	५३	१८	वि	२५	२	३	४७	१३	१६	१९	७	वृषे	भ.५२।२या.
८	श	६०	०	रो	३५	३१	व	५६	२८	बा	३२	६	३०/५९	४८	१२	१७	२०	८	वृषे	
८	र	४	१	मृ	४२	३१	सि	५७	२५	कौ	४	१	५५	४९	११	१८	२१	९	मि६।१	
९	चं	९	७	आ	४८	११	व्य	५८	१७	ग	९	७	५१	५०	१०	१९	२२	१०	मिथुने	भ.४०।४७उ.
१०	मं	१२	२८	पु	५२	३८	व	५७	४७	वि	१२	२८	४७	५१	९	२०	२३	११	क.३६।१८	भ.१२/२८या.उफा.बुध:५/०९चित्रा.४शनि:१४/०
११	बु	१४	३४	पु	५४	५२	प	५५	५०	बा	१४	३४	४३	५१	९	२१	२४	१२	कर्के	कमला ११ व्र.
१२	गु	१४	२३	श्ले	५५	३५	शि	५२	३०	तै	१४	२३	३९	५२	८	२२	२५	१३	सिं५५।३५	उफा.रवि:३।९(सौर:४०/३४)कन्या.बुध: ÷
१३	शु	१२	२३	म	५४	१८	सि	४७	३९	व	१२	२३	३५	५३	७	२३	२६	१४	सिंहे	भ.१२।२३उ.४०।३२या.
१४	श	८	४०	पू	५१	३४	सा	४१	३४	श	८	४०	३१	५४	६	२४	२७	१५	सिंहे	[÷ ३७।५७विशा.भौम:५४।४३
३०	र	३	२८	उ	४७	३८	शु	३४	२१	ना	३	२८	२७	५५	५	२५	२८	१६	कं.५।३५	कन्यायामर्कः:२८।३०आश्ले.शुक्र: १८।५२

२२पं.द्वि.भा.कृ.७शु.इ.३०/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१	३	६	७	४
२१	१५	१८	२१	६	२	५	२०
१७	४२	१०	१०	५७	५७	३९	४०
२	११	५५	५२	७	४३	२२	३९
५८	४०	०	४	६६	६	३	५८
१३	४८	३/२	५५	११	११	११	१२

गोचर ग्रहाः

द्वि.भाद्रपद कृष्णे ३० रवौ कन्यायामर्कः वा. ४न.५प्रव्राजिकावस्था (ऊभी)मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

२३पं.द्वि.भा.कृ.१३शु.इ.३०/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	१	३	६	७	४
२८	२०	१	२१	१४	३	५	२७
५	२४	३८	४२	३८	४१	१७	२८
२४	४३	२	२२	२४	६	७	५८
५८	४१	०	३	६७	६	३	५८
२६	७	१९	४६	३०	२६	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः
१	र	५३	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
२	चं	५०	१४	ह	४२	४४	शु	२६	१४	बा	२३	४३	३०/२२	५/५६	६/४	२६	२९	१७	कंन्यायां
३	मं	४३	११	चि	३७	४४	ब्र	१७	५६	तै	१६	४३	१८	५६	४	२७	१	१८	तु.१०।१४
४	बु	३६	१०	स्वा	३२	३८	ऐं	९	१९	व	९	४१	१४	५७	३	२८	२	१९	तुलायां
५	गु	२९	३५	वि	२७	५६	वै	४०/४४	५१/५७	ब	२	५३	९	५८	२	२९	३	२०	वृ.१४।७
६	शु	२३	३१	अ	२३	३८	प्री	४५	९	तै	२३	३१	५	५९	१	३०	४	२१	वृश्चिके
७	श	१८	०	ज्ये	२०	११	आ	३७	५१	ब	१८	०	३०/००	६/००	६/००	३१	५	२२	ध.२०।११
८	र	१२	२६	मू	१७	२	सौ	३१	२३	ब	१२	२६	२९/५६	१	५/५९	१	६	२३	धनुषि
९	चं	९	४१	पू	१५	०	शो	२५	३२	कौ	९	४१	५२	२	५८	२	७	२४	म.२९।४०
१०	मं	६	३४	उ	१३	४१	अ	२०	१४	ग	६	३४	४८	२	५८	३	८	२५	मकरे
११	बु	४	२९	श्र	१३	१७	सु	१५	५०	वि	४	२९	४४	३	५७	४	९	२६	कुं.४३।२९
१२	गु	३	१४	ध	१३	४१	धृ	१२	२	बा	३	१४	४०	४	५६	५	१०	२७	कुम्भे
१३	शु	३	१०	श	१५	२५	शू	९	६	तै	३	१०	३६	५	५५	६	११	२८	मी. २/१९
१४	श	३	५९	पू	१७	५८	गं	६	५६	व	३	५९	३२	६	५४	७	१२	२९	मीने
१५	र	६	१८	उ	२१	४९	वृ	६	९	ब	६	१८	२८	६	५४	८	१३	३०	मीने

शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः:५३०स.२०१२

कन्यायामर्कः सौरः ५।४५ चंद्रदर्शनम्
जिल्काद ११ हरितालिका ३
भ.४९/१ उ.३६/१० या. हस्ते बुधः १६/३४ गणेश ४
ऋषिपंचमी
[+जलझूलनी ११ व्र. वामन जयंती
भ. ३८।० उ. ४५।१३ या.
भा. आश्विनारंभः
[×५३/४९ बुधोदयः पश्चिमायां ३०/७ प्रदोषः
भ. ३५/३१ उ. रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
भ. ४।२९ या. हस्ते रविः ४१।३९ +
हस्ते रविः सौरः १८।१५ चित्रा. बुधः×
मघा सिंहे शुक्रः ५/१६ वृश्चिके भौमः ३१/११
भ.३/५९ या. ३५/९ या. अनंत १४ महालयारंभ
कु. संध्या. पूजनारंभः

२४पं.द्वि.भा.शु.६शु.इ. ३०/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१	३	६	७	५
४	२५	१३	२२	२२	४	४	४
५१	९	५६	४	२९	२६	५४	१९
१६	४	३१	५२	२०	२०	५१	५
५८	४१	५/०	२	६८	६	३	५८
३८	५८	०/५२	२६	३५	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

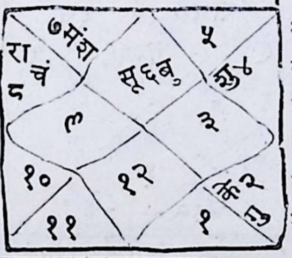

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी लोहा आदि धातु वस्त्र रूई वारदाना रस तेज हो प्रजा में महा मारीफैले सुदीमेंधान्य मंदा और वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

२५पं.द्वि.भा.शु.१३शुइ ३०/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	१	४	६	७	५
११	२९	२५	२२	०	५	४	११
४६	५९	२७	१७	२९	१३	३२	११
२२	३१	३२	१७	१०	१९	३६	५
५८	४२	९९	१	६९	६	३	५९
५३	१८	४७	५	२२	५६	११	००

ति	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
१	चं	९	४४	रे	२६	४१	ध्रु	५	४६	कौ	९	४४	२९/२३	६/७	५/३	९	१४	१	मे.२६।४१
२	मं	१४	२९	अ	३२	४६	व्या	६	२१	ग	१४	२९	१९	८	५२	१०	१५	२	मेषे
३	बु	१९	४७	भ	३९	२८	ह	७	३७	बा	१९	४७	१५	९	५१	११	१६	३	वृ.५५।५२
४	गु	२५	५३	कृ	४७	१	व	३	४६	तै	२५	५३	११	१०	५०	१२	१७	४	वृषे
५	शु	३२	१७	रो	५४	३२	सि	११	५८	कौ	३२	१७	७	११	४९	१३	१८	५	वृषे
६	श	३८	३७	मृ	६०	०	व्य	१४	२८	ग	५	२७	३	११	४९	१४	१९	६	मि. २/१ ८/९
७	र	४४	८	मृ	२	६	व	१६	३४	वि	११	२३	२६/५९	१२	४८	१५	२०	७	मिथुने
८	चं	४८	३६	आ	८	३८	प	१७	४	बा	१६	२२	५५	१३	४७	१६	२१	८	कं.५७।४२
९	मं	५१	१८	पु	१४	३	शि	१८	३६	तै	१९	५७	५१	१४	४६	१७	२२	९	कर्के
१०	बु	५२	६	पु	१७	४५	सि	१७	४४	व	२१	४२	४७	१५	४५	१८	२३	१०	कर्के
११	गु	५०	५६	श्ले	१९	३८	सा	१५	३३	ब	२१	३१	४३	१५	४५	१९	२४	११	सिं. १९/३८
१२	शु	४७	४१	म	१९	२५	शु	११	३५	कौ	१९	१९	३९	१६	४४	२०	२५	१२	सिंहे
१३	श	४२	४१	पू	१७	११	शु	६/५	५/३२	ग	१५	११	३५	१७	४३	२१	२६	१३	कं ३१।१५
१४	र	३५	५२	उ	१३	२६	ऐं	५०	४९	वि	९	१६	३१	१८	४२	२२	२७	१४	कन्यायां
३०	चं	२८	०	ह	८	५	वै	४१	२९	च	१	५६	२७	१९	४१	२३	२८	१५	तुं.३ ४।५६

शरदृतू रविर्दक्षिणे द्वि.भाद्र. कृष्णेति महा.

तुलायां बुधः१४।२०अक्टूबर १० ता.३१
भ. ४७।८ उ.
भ. १९/४७ या. अनु. भौमः १८/४४ चतुर्थी व्र.

स्वात्यां बुधः ५५।४६ वक्री गुरुः १७/४८
भ. ३८।३७ उ.
भ. ११।२३ या.
अस्तं शनेः ३०।१७
पूफा.शुक्रः ३३/१५ मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा)
भ.२१।४२ उ. ५२।६ या चित्रा. रविः÷
इंदिरा ११ व्र.
[÷१३/१४(सौरः ४८/४९) स्वाती. १ शनिः ५०/२८
भ. ४२।४१ उ. प्रदोषः
भ. ९।१६ या. शस्त्रादि हतानां श्रा.
विशा. बुधः ५।२१ सर्वं पितृ ३०

२६पं.आ.कृ.५शु.इ.३०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	१	४	६	७	५
१८	४	६	२२	८	६	४	१८
४०	५३	१६	२१	३५	२	१०	४
८	३५	८	७	४९	१०	२०	५२
५५	४२	९२	०/२	७०	७	३	५९
९	४०	४७	व.	११	८	११	१६

गोचर ग्रहाः

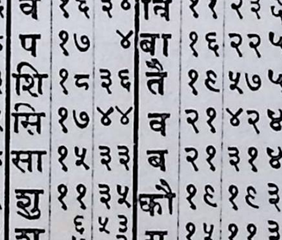

इस मास में धान्य गेहूं जो मक्का चावल बाजरा मूंग मोठ सोना चांदी मंदे हो प्रजा में सुख शान्ति व्यापे, रस पदार्थ तेज रहे।

गोचर- ग्रहाः

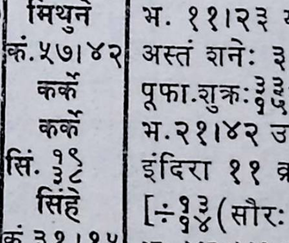

२७पं.आ.कृ.१२शु.इ. ३०/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	१	४	६	७	५
२५	९	१६	२२	१६	६	३	२५
३५	५१	२१	१५	४८	५२	४८	००
२	२९	१८	४	५०	१	४	३४
५९	४३	८९	३/१२	७०	७	३	५९
२१	८	३३	व.	५०	१४	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५६९स. २०१२
१	सं	१९	२४	चि	४ ९/८	५३/१३	वि	३१	३५	ब	१९	२४	२८/२३	६/१९	५/४१	२४	२९	१६	तुलायां	तुलायामर्कः ३७/० नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	बु	१०	४२	वि	४८	२३	प्री	२१	३१	कौ	१०	४२	२०	२०	४०	२५	३०	१७	वृ.३४।५७	तुलार्कः सौरः ३१।३३ चंद्र दर्शनम्
३	गु	२	१७	अ	४२	२	आ	११	४०	ग	२	१७	१६	२१	३९	२६	१	१८	वृश्चिके	भ.२८।२०उ.५४।२४या.जिल्हेज १२
४	गु	५२	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷विशा.४राहुः कृत्ति.२केतुः१९।३७
५	शु	४७	२९	ज्ये	३६	३५	सौ	२/७	५१/१०	ब	२०	५६	१२	२२	३८	२७	२	१९	ध.३६।३५	[×कन्यायां शुक्रः२७।४२भा.कार्तिकारंभः
६	श	४१	४३	मू	३२	१६	अ	४५	३५	कौ	१४	३६	८	२२	३८	२८	३	२०	धनुषि	उफा.शुक्रः४५।१०
७	र	३७	२२	पू	२९	९	सु	३८	४४	ग	९	३२	४	२३	३७	२९	४	२१	म.४३।४३	भ.३७।२२उ. ज्येष्ठा. भौमः५६।४० ÷
८	चं	३४	१८	उ	२७	२५	धृ	३३	५	वि	५	५०	०	२४	३६	३०	५	२२	मकरे	भ.५।५०या.
९	मं	३२	३८	श्र	२७	५	शू	२८	३१	बा	३	२८	२७/५६	२५	३५	१	६	२३	कु.५७।३२	स्वात्यां रविः३९।३२वृश्चिकेबुधः२।५३×
१०	बु	३२	२०	ध	२७	५९	गं	२४	५९	तै	२	२९	५३	२५	३५	२	७	२४	कुम्भे	स्वात्यां रविःसौरः१२।३६
११	गु	३३	२०	श	३०	१४	वृ	२२	३४	व	२	५०	४९	२६	३४	३	८	२५	कुम्भे	भ.२।५०उ.३३।२०या.पापां कुशा ११व्र.
१२	शु	३५	३५	पू	३३	३४	ध्रु	२०	४	ब	४	२८	४५	२७	३३	४	९	२६	मी. १७/४४	अनु.बुधः८।३४
१३	श	३८	४५	उ	३८	८	व्या	२०	४४	कौ	७	१०	४१	२८	३२	५	१०	२७	मीने	प्रदोषः
१४	र	४२	५२	रे	४३	३४	ह	२०	४७	ग	१०	४८	३७	२९	३१	६	११	२८	मे.४३।३४	भ.४२।५२उ. [= व्र.का.स्ना.प्रा.
१५	चं	४८	१०	अ	४९	५८	व	२१	२९	वि	१५	३१	३४	२९	३१	७	१२	२९	मेषे	भ १५।३१या. शरद पूर्णिमा कोजागरी=

२८ पं.आ.शु.५शु.इ. २९/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	१	४	६	७	६
२	१४	२५	२१	२५	७	३	१
३१	५३	३६	५८	१०	५२	२५	५८
२६	४२	३२	४८	३४	२५	४९	०
५९	४३	७४	५ २/३	७१	७	३	५९
३४	२९	१५	व.	२२	२०	११	४६

गोचर ग्रहाः

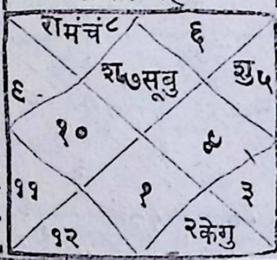

आश्विन शुक्ले १ भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

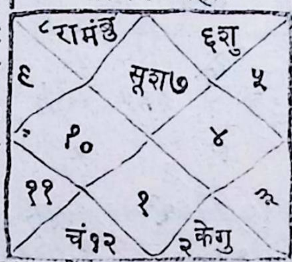

२९पं.आ.शु.१२शु.इ. २९/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	१	५	६	७	६
९	१९	३	२१	३	८	३	८
२९	५३	४०	३३	३२	३३	३	५७
४२	३८	५	२५	५६	२५	३३	२०
५९	४३	२६	४/७	७१	७	३	६०
४७	४५	४६	व	४९	२०	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः स. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणे आ.कृष्णेति महाराष्ट्राः
१	मं	५३	४२	भ	५६	४३	सि	२३	८	बा	२०	५६	३७/३०	६/३०	५/३०	८	१३	३०	मेषे	
२	बु	६०	०	कृ	६०	०	व्य	२५	५४	तै	२६	५२	२७	३१	२९	९	१४	३१	वृ.१३।३४	हस्ते.शुक्रः४५।२
२	गु	०	१	कृ	४	७	व	२७	११	ग	०	१	२३	३१	२९	१०	१५	१	वृषे	भ.३३।११उ.नवम्बर ११ ताः ३०
३	शु	६	२२	रो	११	४२	प	२९	३१	वि	६	२२	१९	३२	२८	११	१६	२	मि४५।२८	भ.६।२२या.करक चतुर्थी व्र.
४	श	१२	४४	मृ	१९	१५	शि	३१	५७	बा	१२	४४	१६	३३	२७	१२	१७	३	मिथुने	[+ रविः५९।५८वक्री.बुधः५१।६
५	र	१८	३७	आ	२६	१९	सि	३३	३७	तै	१८	३७	१२	३४	२६	१३	१८	४	मिथुने	÷३९।५५उदयंशनेः२६।५२प्रदोषः धन१३
६	चं	२३	३५	पु	३२	२४	सा	३४	५३	व	२३	३५	९	३४	२६	१४	१९	५	कं.१५।५३	भ.२३।३५ उ.५५।२५ या. विशा. +
७	मं	२७	१४	पु	३७	२२	शु	३५	४	ब	२७	१४	५	३५	२५	१५	२०	६	कर्के	विशा.रविःसौरः३०।०
८	बु	२९	१९	श्ले	४०	५२	शु	३४	०	कौ	२९	१९	.२	३६	२४	१६	२१	७	सिं४०।५२	स्वाती.२शनिः३१।२८
९	गु	२९	३२	म	४२	२५	ब्र	३१	३३	ग	२९	३२	२६/५८	३६	२४	१७	२२	८	सिंहे	भ.५८।३५उ.
१०	शु	२७	३८	पू	४१	५४	ऐं	२७	२६	वि	२७	३८	५५	३७	२३	१८	२३	९	क.५६।१८	भ.२७।३८या.मूले धनुषि भौमः०।१८
११	श	२३	५१	उ	३९	३०	वै	२१	५३	बा	२३	५१	५२	३८	२२	१९	२४	१०	कन्यायां	रमा ११ व्र.
१२	र	१८	२	ह	३५	५	वि	१४	४३	तै	१८	२	४९	३८	२२	२०	२५	११	कन्यायां	चित्रा.शुक्रः५६।५बुधास्तः पश्चिमायां ÷
१३	चं	१०	४६	चि	२९	१९	प्री	५/५५	५०/१८	व	१०	४६	४५	३९	२१	२१	२६	१२	तु.२।११	भ.१०।४६उ.३६।२४या.वक्री.रोहि. ३ ×
१४	मं	२	२	स्वा	२२	३१	सौ	४५	४१	श	२	२	४२	४०	२०	२२	२७	१३	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	मं	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[× गुरुः७।३७ रूप १४

३०पं.का.कृ.३श. इ. २९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	१	५	६	७	६
१६	२५	९	२०	१२	९	२	१५
२९	९	११	५८	०	२३	४१	५८
२८	१४	६	२३	४७	५६	१८	२४
६०	४४	२८	२ ५/०	७२	७	३	६०
४	२५	११	व.	९	२०	११	१८

गोचर ग्रहाः

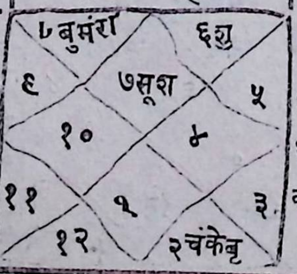

इस मास में धन का मंगल धान्य मंदा धातु तृण घृत तेज करे ।

गोचर ग्रहाः

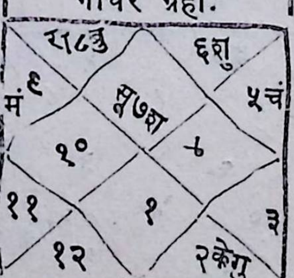

३१पं.का.कृ.१०श.इ. २९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	१	५	६	७	६
२३	०	९	२०	२०	१०	२	२३
३०	२१	४८	१६	३३	१४	१९	०
५०	३६	५४	३४	१८	१३	२	५८
६०	४४	३०/३४	६/११	७२	७	३	६०
१७	२९	व.	व.	३२	१४	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणोऽहर्गण ५८८ स.२०१२
१	बु	४२	५४	वि	१५	०	शो	३४	५२	किं	१७	४५	२६/३९	६/४०	५/२०	२३	२८	१४	वृ.१।५३	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	गु	३३	२८	अ	७/११	५२/३८	अ	२३	५०	बा	८	११	३६	४१	१९	२४	२९	१५	ध.५९।४९	वृश्चिकेऽर्कः ५६/३ चंद्रदर्शनम् भ्रातृद्वितीया यमद्वितीया
३	शु	२४	४१	मू	५३	२२	सु	१३	१९	ग	२४	४१	३३	४१	१९	२५	१	१६	धनुषि	भ. ५/६ उ. वृश्चिकेऽर्कः सौरः २४/१७ वक्री÷
४	श	१७	१२	पू	४८	१२	धृ	३/२०	५९/१९	वि	१७	१२	३०	४२	१८	२६	२	१७	धनुषि	भ. १७।१२ या. तुलायां शुक्रः ११।२८
५	र	११	१३	उ	४४	४०	गं	४७	२९	बा	११	१३	२७	४३	१७	२७	३	१८	म.२।१९	वक्री तुलायां बुधः २२।२७
६	चं	६	५८	श्र	४२	५५	वृ	४१	४०	तै	६	५८	२५	४३	१७	२८	४	१९	मकरे	अनु. रविः १४।२३ (सौरः ४१।५)
७	मं	४	२४	ध	४२	५०	ध्रु	३७	४	व	४	२४	२२	४४	१६	२९	५	२०	कुं.१२।५२	भ. ४।२४ उ. ३४।६ या गोपाष्टमी
८	बु	३	४७	श	४४	४७	व्या	३४	०	ब	३	४७	१९	४४	१६	३०	६	२१	कुंभे	[÷विशा.बुधः ३१/३८ मोहोरम१सन्१४३४हि
९	गु	४	५५	पू	४८	११	ह	३२	२१	कौ	४	५५	१७	४५	१५	१	७	२२	मी३२।२०	स्वात्यां शुक्रः ३२/३१ भा. मार्गशीर्षारंभः अ.९
१०	शु	७	२७	उ	५२	५३	व	३२	४	ग	७	२७	१४	४५	१५	२	८	२३	मीने	भ. ३२/९७ उ. बुधोदयः पूर्वस्यां ५५।५७
११	श	११	२८	रे	५८	४७	सि	३२	३७	वि	११	२८	१२	४६	१४	३	९	२४	मे.५८।४७	भ. ३१/२८ या. प्रबोधिनी ११ व्र. तुलसी वि.
१२	र	१६	१९	अ	६०	०	व्य	३३	४३	बा	१६	१९	९	४६	१४	४	१०	२५	मेषे	प्रदोषः
१३	चं	२२	२४	अ	५	२८	व	३५	३१	तै	२२	२४	७	४७	१३	५	११	२६	मेषे	पूषा. भौमः ४१।५१
१४	मं	२८	१३	भ	१२	३०	प	३७	१७	व	२८	१३	५	४७	१३	६	१२	२७	वृ. २९/३	भ. २८/१३ उ. मार्गी बुधः २४/८ वैकुंठ १४
१५	बु	३४	४०	कृ	२०	२	शि	३९	३४	वि	१	२६	२	४८	१२	७	१३	२८	वृषे	भ. १।२६ या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

३२ पं. का.शु.३शु.इ. २९/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१	५	६	७	७
०	५	३	१९	२९	११	१	०
३३	३६	४	२८	८	३	५६	५
२९	५८	१९	४१	४९	४३	४६	२
६०	४४	९/३१	७/८	७२	७	३	६०
२०	४४	व.	व.	५०	२	११	४०

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले ९ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

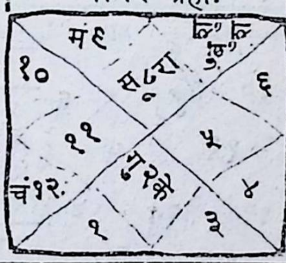

३३पं. का.शु.१०शु.इ. २८/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	१	६	६	७	७
७	१०	२५	१८	७	११	१	७
३७	५५	२४	३४	४७	५२	३४	१०
२६	८	५०	४८	४९	१२	३१	३५
६०	४५	४४/४५	७/४१	७२	६	३	६०
४२	४	वं.	व.	९	५०	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे का. कृष्णोतिमहाराष्ट्राः
१	गु	४१	३	रो	२७	३२	सि	४१	४२	बा	७	५२	२६/०	६/४८	५/१२	८	१४	२९	वृषे	
२	शु	४६	४७	मृ	३४	५४	सा	४३	५१	तै	१३	५५	२५/५८	४८	१२	९	१५	३०	मि१।१३	
३	श	५२	५१	आ	४१	५६	शु	४५	३४	व	१९	४९	५६	४९	११	१०	१६	१	मिथुने	भ. १९/४९ उ. ५२/५५ या. दिसम्बर १२ता.३१
४	र	५७	४३	पु	४७	५९	शु	४६	५०	व	२५	१७	५४	४९	११	११	१७	२	क.३१।२९	ज्येष्ठा. रविः २४/३० (सौरः ४८/५९) चतुर्थीव्र.
५	चं	६०	०	पु	५३	३४	ब्र	४७	२१	कौ	२९	४०	५३	४९	११	१२	१८	३	कर्के	विशा. शुक्रः २१।५९
५	मं	१	३८	श्ले	५७	४७	ऐं	४७	३	तै	१	३८	५१	५०	१०	१३	१९	४	सिं५७।४७	
६	बु	४	२०	म	६०	०	वै	४५	३४	व	४	२०	४९	५०	१०	१४	२०	५	सिंहे	भ. ४।२- उ. ३४।५५
७	गु	५	२९	म	०	४२	वि	४२	५३	व	५	२९	४८	५०	१०	१५	२१	६	सिंहे	वृश्चिके बुधः १०।४९
८	शु	५	७	पू	२	०	प्री	३८	४९	कौ	५	७	४६	५१	९	१६	२२	७	क.१६।५३	वक्री रोहि.२गुरुः ३३/४८ स्वाती. ३ शनिः १९/०
९	श	२	५४	उ	१/३४	५७/४२	आ	३३	२८	ग	२	५४	४५	५१	९	१७	२३	८	कन्यायां	भ. ३०।५३ उ. ५८।५२ या.
१०	श	५५	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	५३	५	चि	५५	११	सौ	२६	२९	ब	२५	५८	४४	५१	९	१८	२४	९	तु.२७।१३	अनु. बुधः ६।१२ उत्पत्ति ११ व्र. स्मा.
१२	चं	४५	५४	स्वा	४९	४०	शो	१८	१०	कौ	१९	२९	४३	५१	९	१९	२५	१०	तुलायां	उत्पत्ति ११ व्र. वै.
१३	मं	३७	२९	वि	४२	५७	अ	८/४६	९/४३	ग	११	४१	४२	५२	८	२०	२६	११	वृ.२९।३८	भ. ३७/२९ उ. वृश्चिके शुक्रः १७/२९ प्रदोषः
१४	बु	२८	५	अ	३५	२९	धृ	४७	३४	बि	२	४७	४१	५२	८	२१	२७	१२	वृश्चिके	भ. २।४७ या.
३०	गु	१८	२२	ज्ये	२८	५२	शू	३६	२६	ना	१८	२२	४०	५२	८	२२	२८	१३	ध २८।५२	उषा. भौमः ५६।६

३४पं.मा.कृ.२शु.इ.२८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	१	६	६	७	७
१४	१६	२५	१७	१६	१२	१	१४
४२	१५	१	३८	२८	३८	१२	१७
४०	२५	२६	२०	१९	४९	१५	२१
६०	४५	३५/३	७/५२	७३	६	३	६१
५०	१३	मा.	व.	२०	२२	११	३

गोचर ग्रहाः

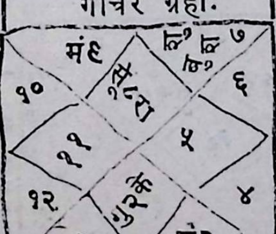

मार्गशीर्ष शुक्ले ३ शनौ धनुष्यर्कः प्रविष्ट वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

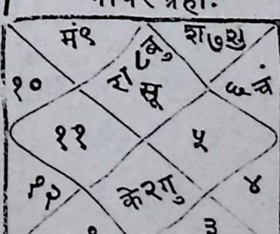

३५ पं.मा.कृ.८शु.इ. ३८/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१	६	६	७	७
२१	२१	१	१६	२५	१३	०	२१
४८	३८	२८	४०	१०	२२	५०	२५
४३	४६	४१	४१	५५	५९	०	४
६०	४५	६८	७/५२	७३	६	३	६१
५६	२७	२५	व.	३०	२०	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६१८ स.२०१२
१	शु	८	४३	मू	२०	१०	गं	२५	२७	ब	८	४३	२५/३९	६/५२	५/८	२३	२९	१४	धनुषि	अनु.शुक्र:०।१६चंद्र दर्शनम्
२	शु	५१	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श	५२	२३	पू	१३	२५	बृ	१५	२५	तै	२६	९	३९	५२	८	२४	१	१५	म२९।३२	मूले धनुष्यर्क:३१।४५(सौर:५३/४९)सफर २
४	र	४६	२३	उ	७	५३	ध्रु	६/१३	५२/८	व	१९	२३	३८	५२	८	२५	२	१६	मकरे	भ.१९।२३उ.४६।२३या.
५	चं	४२	१६	श्र	३	५८	ह	५२	१७	ब	१४	१९	३८	५२	८	२६	३	१७	कुं.३३।१	
६	मं	४०	२७	ध	२	५	व	४७	५०	कौ	११	२१	३७	५३	७	२७	४	१८	कुंभे	ज्येष्ठा.बुध:५३।०मकरे भौम: ३/९ चंपा ६
७	बु	४०	३७	श	२	२६	सि	४४	५३	ग	१०	३२	३७	५३	७	२८	५	१९	मी४९।१४	म.४०।३७उ.
८	गु	४२	४०	पू	४	४९	व्य	४३	३१	वि	११	४४	३६	५३	७	२९	६	२०	मीने	भ.११।४४या.
९	शु	४६	३६	उ	८	४९	व	४३	४९	बा	१४	४१	३६	५३	७	३०	७	२१	मीने	[×१केतु:११।१६मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१०	श	५१	३८	रे	१४	२३	प	४४	४३	तै	१९	७	३६	५३	७	१	८	२२	मे.१४।२३	भा.पौषारंभ:
११	र	५७	५३	अ	२०	५६	शि	४६	३१	व	२४	४६	३६	५३	७	२	९	२३	मेषे	भ.२४।४६उ.५७/५३या.विशा.३राहु:कृत्ति:×
१२	चं	६०	०	भ	२८	१९	सि	४८	३८	ब	३२	०	३७	५३	७	३	१०	२४	वृ.४५।१४	ज्येष्ठा.शुक्र:४३।३३
१२	मं	४	७	कृ	३५	५७	सा	५०	५६	बा	४	७	३७	५३	७	४	११	२५	वृषे	प्रदोष: [÷ बुध:४०।०दत्तजयंती
१३	बु	१०	४८	रो	४३	३६	शु	५३	७	तै	१०	४८	३७	५३	७	५	१२	२६	वृषे	बुधास्त:पूर्वस्यां३३।४९
१४	गु	१७	३	मृ	५०	४३	शु	५५	३	व	१७	३	३८	५२	८	६	१३	२७	मि. १६/१०	भ.१७।३उ.५०।१या.मूले धनुषि÷
१५	शु	२२	५९	आ	५७	३१	ब्र	५६	३२	ब	२२	५९	३८	५२	८	७	१४	२८	मिथुने	पूषा.रवि:३६।४५(सौर:५४।२७)

३६ पं.मा.शु.१ शु. इ. २८/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	१	७	६	७	७
२८	२७	१०	१५	३	१४	०.	२८
५५	४	३९	४५	५४	४	२७	३३
३७	३४	४	२९	३२	५९	४४	४७
६१	४५	८२	३६	७३	५	३	६१
०	३९	४७	व.	४३	५७	११	१९

३७पं.मा.शु.९ शु.इ. २८/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	७	१	७	६	७	८
६	२	२०	१४	१२	१४	०	५
३	३०	४३	५२	३९	४४	५	४३
१४	५४	४१	६	४०	२८	२८	१२
६१	४५	९४	५०/६	७३	५	३	६१
४	४१	११	व	५०	३२	११	२२

३८पं.मा. शु.१५शु.इ. २९

र	म	शु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	७	६	६	८
१३	७	१	१४	२१	१५	२९	१२
११	५९	१६	६	२५	२०	४३	५३
२३	३८	१६	१८	८	५६	१३	४
६१	४५	९५	६/५	७३	५	३	६१
६	५४	१०	व	५६	२	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महारा.
१	श	२८	७	पु	६०	०	ऐं	५७	२५	कौ	२८	७	२५/३९	६/५२	५/८	८	१५	२९	क४६।५०	
२	र	३२	२६	पु	३	१६	वै	५७	४२	तै	०	१६	४०	५२	८	९	१६	३०	कर्के	
३	चं	३५	४९	पु	८	२२	वि	५७	१३	व	४	७	४१	५२	८	१०	१७	३१	कर्के	भ.४।७उ.३५।४९या.श्रवणेभौम:५।२६
४	मं	३८	१	श्ले	१२	१९	प्री	५५	४०	ब	६	५५	४२	५२	८	११	१८	१	सिं१२।१९	जनवरी १ ता. ३१ सन् २०१३चतुर्थी व्र.
५	बु	३९	१०	म	१५	३१	आ	५३	३०	कौ	८	३६	४३	५१	९	१२	१९	२	सिंहे	
६	गु	३९	६	पू	१७	२८	सौ	५०	१७	ग	९	८	४४	५१	९	१३	२०	३	कं.३२।३५	भ.३९।६उ.
७	शु	३७	५०	उ	१७	५९	शो	४६	१	वि	८	२८	४५	५१	९	१४	२१	४	कन्यायां	भ.८।२८यां.मूले धनुषि शुक्र:१८।५२
८	श	३५	१४	ह	१७	२२	अ	४०	३३	बा	६	३२	४७	५१	९	१५	२२	५	तु.४६।४७	पूषा.बुध:१३।२४वक्री रोहि.१गुरु: ४४/४१
९	र	३१	१४	चि	१५	१३	सु	३४	२	तै	३	१४	४८	५०	१०	१६	२३	६	तुलायां	भ.५८।३२उ.
१०	चं	२५	५१	स्वा	११	५२	धृ	२६	२६	वि	२५	५१	५०	५०	१०	१७	२४	७	वृ.५३।३१	भ.२५।५१या.
११	मं	१९	११	वि	७	२३	शू	१७	५६	बा	१९	११	५२	५०	१०	१८	२५	८	वृश्चिके	सफला ११व्र.
१२	बु	११	३५	अ	१/२८	५३/३८	गं	८/२८	५०/८	तै	११	३५	५३	४९	११	१९	२६	९	ध. ५५/६	प्रदोष:
१३	गु	३	८	मू	४८	२	ध्रु	४८	१०	व	३	८	५५	४९	११	२०	२७	१०	धनुषि	भ.३।८उ.२८।४०या.उषा.रवि:४१।३०×
१४	गु	५१	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[× सौर:५५।५४
३०	शु	४५	३८	पू	४१	९	व्या	३७	५५	च	१९	५५	५७	४९	११	२१	२८	११	म.५४।३७	

३९ पं.पौ..क्र. ७शु. इ. २८/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	८	६	६	८
२०	१३	१२	१३	०	१५	२१	२०
१५	२९	५	२६	११	५२	२०	३
२६	४९	२४	१७	१६	५९	५७	१
६१	४६	९८	५५/४	७४	४	३	६१
६	७	३५	व.	२	३८	११	२६

गोचर ग्रहाः

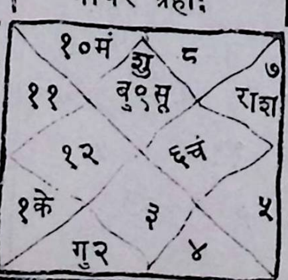

इस मास में ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं धातु सोना चांदी तेज हो शीत का प्रकोप रहे प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ. क्र.३० शु. इ:२७/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	१	८	६	६	८
२७	१९	२३	१२	८	१६	२८	२७
२७	०	१२	५५	५७	२१	५८	१२
२२	२	३६	१६	२५	४३	४२	५३
६१	४६	०/६	४३	७४	३	३	६१
६	८	५०	व.	८	५९	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्र :	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६४७सन् २०१३
१	श	३७	३०	उ	३५	२	ह	२८	५	किं	११	३४	२५/५९	६/४८	५/१२	२२	२९	१२	मकरे	
२	र	३०	४६	श्र	३०	७	व	१९	२३	बा	४	८	२६/१	४८	१२	२३	३०	१३	कुं. ५८/२२	मकरेऽर्कः५७।५४उषा.बुधः४९/४८चंद्रदर्शनम्
३	चं	२५	३२	ध	२६	३६	सि	११	४९	ग	२५	३२	४	४७	१३	२४	१	१४	कुंभे	भ.५३/३३उ.मकरेऽर्कःसौरः३१/१रविलावल ३
४	मं	२२	१५	श	२४	५८	व्य	५	२९	वि	२२	१५	६	४७	१३	२५	२	१५	कुम्भे	भ.३२/१५या.मकरेबुधः४५।३४पूषा.शुक्रः०।५
५	बु	२१	१६	पू	२५	३६	व	१/३	५७/२८	बा	२१	१६	८	४६	१४	२६	३	१६	मी१०।२६	धनि.भौमः५४।३५स्वातीः४शनिः३९।१०
६	गु	२२	२	उ	२८	५	शि	५७	४०	तै	२२	२	११	४६	१४	२७	४	१७	मीने	
७	शु	२५	७	रे	३२	३८	सि	५७	३२	व	२५	७	१३	४५	१५	२८	५	१८	मे.३२।३८	भ.२५।७उ.५७।२२या.
८	श	२९	३६	अ	३८	३५	सा	५८	५६	ब	२९	३६	१६	४५	१५	२९	६	१९	मेषे	
९	र	३५	४०	भ	४५	४६	शु	६०	०	बा	२	३८	१९	४४	१६	३०	७	२०	मेषे	अभि.प्र.रविः३०।२४(सौरः४२।४२)
१०	चं	४१	५६	कृ	५३	१६	शु	०	५४	तै	८	४८	२१	४४	१६	१	८	२१	वृ.२।३८	श्रवणे बुधः३/३भा.माघारंभःपातस्पर्शः१/५ १/५
११	मं	४८	३८	रो	६०	०	शु	३	१४	व	१५	१७	२४	४३	१७	२	९	२२	वृषे	भ.१५/१७उ.४३/३८या.पातमोक्षः१६/२३पुत्रदा ११व्र.
१२	बु	५४	५६	रो	०	५६	ब्र	५	२९	ब	२१	४७	२७	४३	१७	३	१०	२३	मि. ३४/३२	श्रयणे रविः४७।१(सौरः५८।३८)
१३	गु	६०	०	मृ	८	८	ऐं	७	३४	कौ	२७	४७	२९	४२	१८	४	११	२४	मिथुने	प्रदोषःअभि.नि.रविः३९/१६(सौरः५०/५५)
१३	शु	०	३९	आ	१४	४९	वै	८	५६	तै	०	३९	३२	४२	१८	५	१२	२५	मिथुनें	उषा.शुक्रः३५।४९कुंभे भौमः२३।४७
१४	श	५	१८	पु	२०	३०	वि	९	२८	व	५	१८	३५	४१	१९	६	१३	२६	क.४।५	भ.५।१८उ.३७।४या.
१५	र	८	५०	पु	२४	५३	प्री	९	१७	ब	८	५०	३८	४०	२०	७	१४	२७	कर्के	मा.स्ना.प्रा.

४१पं.पौ.शु.७शु.इ.२७।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	१	८	६	६	९
४	२४	४	१२	१७	१६	२८	४
३५	३१	४२	२३	४३	४६	३६	२२
१३	४८	४७	१८	३७	८	२६	२२
६१	४६	०	२५/२	७४	२	३	६१
३	९	३०/८	व.	१४	२३	११	१९

गोचर ग्रहाः

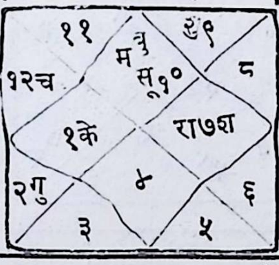

पौष शुक्ले २ रवौ मकरेऽर्कःप्रविष्टः वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. ३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

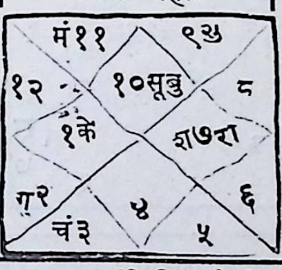

४२पं.पौ.शु. १३शु.इ. २७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	८	६	६	९
११	०	१६	१२	२६	१७	२८	११
४२	३	५१	२०	३०	५	१४	३१
४०	१४	४	४९	१८	४६	१०	१३
६०	४६	०	५६	७४	२	३	६१
५९	१३	१३	व.	२०	३६	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	चं	११	१४	श्ले	२८	१६	आ	८	८	को	११	१४	२६/४१	६/४०	५/२०	८	१५	२८	सिं. २८/१६	मकरे शुक्रः१७।१५
२	मं	१२	३५	म	३०	३५	सौ	६	१५	ग	१२	३५	४५	३९	२१	९	१६	२९	सिंहें	भ.४२।३५उ.धनि.बुधः१९।५०
३	बु	१२	३५	पू	३१	४६	शो	२/३	५६/३२	वि	१२	३५	४८	३८	२२	१०	१७	३०	कं.४६।५२	भ.१२।३५या.मार्गी गुरुः४।४९चतुर्थी व्र.
४	गु	११	४३	उ	३२	८	सु	५५	४३	बा	११	४३	५१	३८	२२	११	१८	१	कन्यायां	अस्त. भौमः२८।२२
५	शु	१०	४	ह	३१	४०	धृ	५०	४१	तै	१०	४	५४	३७	२३	१२	१९	२	कन्यायां	फर्वरी २ ता. २८
६	श	७	३१	चि	३०	२२	शू	४४	५६	व	७	३१	५८	३६	२४	१३	२०	३	तु.१।१	भ.७।३१उ.३५।५०या.कुंभेबुधः४।४९ +
७	र	४	८	स्वा	२८	६	गं	३८	३७	ब	४	८	२७/१	३६	२४	१४	२१	४	तुलायां	पातस्पर्श।१२।१२पातमोक्षः३२।४
८	र	५५	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+ शते भौमः५२।०
९	चं	५४	५३	वि	२५	४	वृ	३१	३१	तै	२७	२५	५	३५	२५	१५	२२	५	वृ.१०।५०	
१०	मं	४९	५	अ	२१	१६	ध्रु	२३	५५	व	२१	५९	८	३४	२६	१६	२३	६	वृश्चिके	भ.२१।५९उ४९।५याधनि.रविः५५।१९×
११	बु	४२	३४	ज्ये	१६	४७	व्या	१५	३८	ब	१५	५०	१२	३४	२६	१७	२४	७	ध. १६/४७	धनि.रविःसौरः४।२८षट्तिला११व्र.
१२	गु	३५	२९	मू	११	३९	ह	५७/३	५०/५	कौ	९	२	१५	३३	२७	१८	२५	८	धनुषि	[×शते बुधः५१।२७श्रवणेशुक्रः१३।१७ ÷
१३	शु	२८	२६	पू	६	१४	सि	४९	५	ग	१	५८	१९	३२	२८	१९	२६	९	म.१९।५६	भ.२८।२६उ.५४।५१या. प्रदोषः
१४	श	२१	१५	उ	१/४	५५/२१	व्य	४०	४४	श	२१	१५	२३	३१	२९	२०	२७	१०	मकरे	[÷ बुधोदयःपश्चिमायां १२।९
३०	र	१५	२	ध	५२	४०	व	३२	५९	ना	१५	२	२७	३१	२९	२१	२८	११	कुं.२४।३२	

४३पं.मा.कृ.५शु.इ. २८/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	१	९	६	६	९
१८	५	२८	१२	५	१७	२७	१८
४९	३५	५५	१९	१६	२०	५१	३९
१६	१३	१	८	१९	२४	५५	१८
६०	४६	०	२१	७४	१	३	६१
५१	१५	१४	मा	२०	५३	११	४

गोचर ग्रहाः

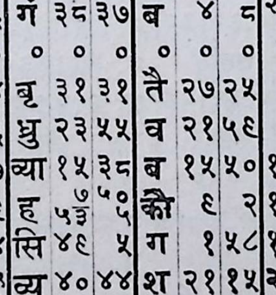

इस मास में बाजरा मूंग मोठ मक्का चना गेहूं चावल आदि धान्य रस चांदी लोहा ताम्बा वदि में मंदा होकर सुदि में तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

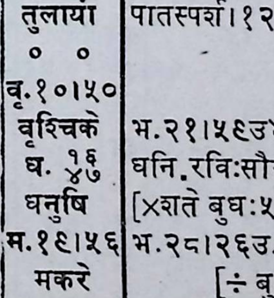

४४पं.मा.कृ.१३शु.इ. २८/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	१०	१	९	६	६	९
२५	११	११	१२	१४	१७	२७	२५
५५	६	०	२६	१	३०	२९	४६
१	५०	४३	५३	५४	२९	३९	५
६०	४६	९९	१	७४	१	३	६०
४७	१८	४	४१	२६	१३	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	श्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	चं	९	४२	श	५०	१५	प	२६	१४	ब	९	४२	३७/३०	६/३०	५/३०	२२	२९	११	कुंभे
२	मं	५	५४	पू	४९	४३	शि	२०	५६	कौ	५	५४	३४	२९	३१	२३	१	१२	मी. ३४/५१
३	बु	४	५	उ	५०	४६	सि	१७	२	ग	४	५	३८	२८	३२	२४	२	१३	मीने
४	गु	४	२	रे	५४	११	सा	१४	४८	वि	४	२	४१	२८	३२	२५	३	१४	मे५४।११
५	शु	६	१०	अ	५९	११	शु	१४	१२	बा	६	१०	४५	२७	३३	२६	४	१५	मेषे
६	श	१०	१५	भ	६०	०	शु	१४	२८	तै	१०	१५	४९	२६	३४	२७	५	१६	मेषे
७	र	१५	१४	भ	५	३५	ब्र	१६	४	व	१५	१४	५३	२५	३५	२८	६	१७	वृ. २२/२०
८	चं	२१	१२	कृ	१२	३८	ऐं	१८	२	ब	२१	१२	५६	२५	३५	२९	७	१८	वृषे
९	मं	२७	४९	रो	२०	१३	वै	२०	२५	कौ	२७	४९	२८/०	२४	३६	३०	८	१९	मि ५३/५५
१०	बु	३४	५	मृ	२७	३७	वि	२२	३३	तै	०	५७	४	२३	३७	१	९	२०	मिथुने
११	गु	३९	५२	आ	३४	२९	प्री	२४	१५	व	६	५८	८	२२	३८	२	१०	२१	मिथुने
१२	शु	४३	१७	पु	४०	१४	आ	२४	५६	ब	११	३४	१२	२२	३८	३	११	२२	क. २३।४८
१३	श	४७	२९	पु	४४	३४	सौ	२४	४६	कौ	१६	२३	१६	२१	३९	४	१२	२३	कर्के
१४	र	४९	५	श्ले	४७	२६	शो	२३	२३	ग	१८	१७	२०	२०	४०	५	१३	२४	सिं. ४७/२६
१५	चं	४९	३३	म	४८	५७	अ	२०	५०	वि	१९	१९	२४	१९	४१	६	१४	२५	सिंहे

शिशिरर्तु रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ६७७स. २०१३

चंद्रदर्शनम्
कुंभेऽर्कः ३०/३५ (सौरः ३६/२६) रविलाखर ४
भ. ३४।३ उ.
भ. ४।२ या. पूभा. बुधः ३३।१६
धनि. शुक्रः ५४/१६ शुक्रास्तः पूर्वस्यां २५/१२ ÷
[÷ वसंत ५
भ. १५/१४ उ. ४८/१३ या. भानु ७ रथ ७
भीष्माष्टमी[=२राहुः भरणी ४ केतुः ३ ५/१
शने रविः ६।५१ (सौरः १३।४८) ×
भा. फाल्गुनारंभः
भ. ५ ६/८ उ. ३९/५२ या. कुंभे शुक्रः १६/३६ जया ११व्र
[×पूभा. भौमः ४१/५२ व्रकी शनिः २६/९
वक्री बुधः प्रदोषः [+ मा. स्ना. पूर्ति
भ. ४९/५ उ. रोहिणी २ गुरुः २०/४७ विशा.=
भ. १९/५९ या. बुधास्तः पश्चिमायां ५५/४१ +

४५पं. मा.शु.५ग्रा.इ. २८/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	९	६	६	१०
२	१६	२१	१२	२२	१७	२७	२
५९	३७	७	४४	४८	३५	७	५२
४९	५९	४८	४६	४	२४	२४	८
६०	४६	७३	३	७४	०	३	६०
३७	८	३७	१	२६	२६	११	४२

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले २ भौमे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा ३ न.३ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

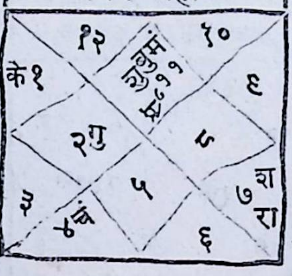

४६ पं.मा.शु.१२शु.इ. २८/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	१०	६	६	१०
१०	२२	२५	१३	१	१७	२६	९
३	७	४६	११	३३	३४	४५	५६
२२	५५	१९	४९	२२	५५	८	४१
६०	४५	१३	४	७४	०	३	६०
२५	५९	२२	२३	३२	२०	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	श्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	मं	४८	४	पू	४९	९	सु	१७	१९	बा	१८	४८	२८/२८	६/१८	५/४२	७	१५	२६	सिंहे
२	बु	४५	४६	उ	४८	२५	धृ	१२	५५	तै	१६	५५	३२	१८	४२	८	१६	२७	कं. ३।५८
३	गु	४२	३४	ह	४६	४९	शू	७	३२	व	१४	१०	३६	१७	४३	९	१७	२८	कन्यायां
४	शु	३८	४१	चि	४४	३५	गं	५२/१	५३/३५	व	१०	३७	४०	१६	४४	१०	१८	१	तु१५।४२
५	श	३४	२६	स्वा	४१	५६	ध्रु	४७	५४	कौ	६	३४	४४	१५	४५	११	१९	२	तुलायां
६	र	२९	५५	वि	३९	७	व्या	४२	८	ग	२	१०	४८	१४	४६	१२	२०	३	वृ. २४।४९
७	चं	२५	८	अ	३५	५६	ह	३५	१४	व	२५	८	५२	१४	४६	१३	२१	४	वृश्चिके
८	मं	२१	६	ज्ये	३२	३२	व	२८	३	कौ	२१	६	५६	१३	४७	१४	२२	५	ध. ३२।३२
९	बु	१४	५९	मू	२८	५८	सि	२०	३८	ग	१४	५९	२९/१	१२	४८	१५	२३	६	धनुषि
१०	गु	९	२८	पू	२५	१७	व्य	१३	१४	वि	९	२८	५	११	४९	१६	२४	७	म. ३९।२४
११	शु	४	२	उ	२१	४४	व	६/४	५२/५९	बा	४	२	९	१०	५०	१७	२५	८	मकरे
१२	शु	५४	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१३	श	५४	२	श्र	१८	२२	शि	५२	१९	ग	२६	२३	१३	९	५१	१८	२६	९	कुं. ४७।३
१४	र	४९	४१	ध	१५	४४	सि	४६	१३	वि	२१	५२	१७	९	५१	१९	२७	१०	कुंभे
३०	चं	४६	४४	श	१३	४७	सा	४१	३	च	१८	१३	२१	८	५२	२०	२८	११	मी. ५८/२४

वसंतर्तु रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

शते शुक्रः ३३।४०
भ. १४।१० उ. ४२।३४ या.
मार्च ३ ता. ३१ चतुर्थी व्र.
भ. २९।५५ उ. ५७।३२ या.
पूभा. रविः ३३/५७ (सौरः ३८/३५, वक्री ×
मीने भौमः ३४।४३
भ. ४२।१३ उ. [× शते बुधः ३०।०
भ. ९।२८ या.
उभा. भौमः ४८।३८ विजया ११ व्र.
भ. ५४।२ उ. पूभा. शुक्रः १५।३४ प्रदोषः
भ. २१।५२ या. बुधोदयः पूर्वस्यां ÷
[÷ ५७।२८ महाशिवरात्री व्र.

४७पं. फा.कृ.४शु.इ. २९।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	१	१०	६	६	१०
१७	२७	२२	१३	१०	१७	२६	१६
५	३७	५९	४७	१७	३०	२२	५९
३५	३४	३८	३८	५३	७	५२	३४
६०	४६	५९/३४	५	७४	१/७	३	६०
१२	२	व.	३४	३२	व.	११	२०

गोचर ग्रहाः

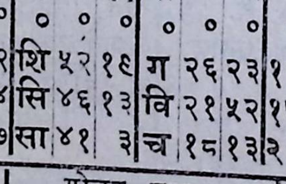

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथी वृद्धि धान्य गल्ला वस्त्र धातु रूई सन में मंदी करे सुदी में रस पदार्थ तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

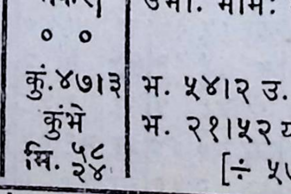

४८पं. फा.कृ.११शु.इ. २९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	१	१०	६	६	१०
२४	३	१६	१४	१९	१७	२६	२४
६	५	२	३१	२	१९	०	०
२२	१७	३५	४१	३८	५९	३७	५७
५९	४५	६/३	६	७४	४/६	३	६०
५८	५२	व.	३५	३२	व.	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः७०६ स.२०१३
१	मं	४४	५९	पू	१३	१६	शु	३७	२	किं	१५	५१	२९/२६	६/७	५/३	२१	२९	१२	मीने	
२	बु	४४	४७	उ	१४	१६	शु	३४	२४	बा	१४	५३	३०	६	५४	२२	३०	१३	मीने	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	गु	४६	३२	रे	१६	५८	ब्र	३३	२	तै	१५	४०	३४	५	५५	२३	१	१४	मे.१६।५८	मीनेऽर्कः:२३/५०(सौरः:३६/१६) जमादिलावल ५
४	शु	४९	४७	अ	२०	५३	ऐं	३२	३७	व	१८	१०	३८	४	५६	२४	२	१५	मेषे	भ.१८।१०उ.४९।४७या.
५	श	५४	३८	भ	२६	३७	वै	३३	४३	ब	२२	१३	४३	३	५७	२५	३	१६	वृ. ४३/१७	
६	र	६०	०	कृ	३३	१७	वि	३५	२५	कौ	२७	२६	४७	३	५७	२६	४	१७	वृषे	उभा.रविः:४४/५४(सौरः:४९/३२) मीने शुक्रः:१७/३०
६	चं	०	१५	रो	४०	३७	प्री	३७	३७	तै	०	१५	५१	२	५८	२७	५	१८	वृषे	
७	मं	६	३१	मृ	४८	१४	आ	३९	५६	व	६	३१	५५	१	५९	२८	६	१९	मि.१४/२५	भ.६१/३उ.३६/४३या. मार्गी बुधः:३८/२० उभा. =
८	बु	१२	५४	आ	५५	२७	सौ	४१	५५	ब	१२	५४	३/०	[illegible]	६/००	२९	७	२०	मिथुने	होलाष्टकम् [= शुक्रः५७।५
९	गु	१८	४७	पु	६०	०	शो	४३	२३	कौ	१८	४७	४	५/५९	१	३०	८	२१	क.४५।९	[÷ शनिः२०।१४ प्रदोषः
१०	शु	२३	२९	पु	१	४३	अ	४३	४६	ग	२३	२९	८	५८	२	१	९	२२	कर्के	भ.५५।१०उ.भा.चैत्रारंभः
११	श	२६	५१	पु	६	३२	सु	४२	४३	वि	२६	५१	१२	५८	२	२	१०	२३	कर्के	भ.२६।५१या. आमलकी ११ व्र.
१२	र	२८	२४	श्ले	९	५५	धृ	४०	२७	बा	२८	२४	१६	५७	३	३	११	२४	सिं.९।५५	रोहिणी.३गुरुः४१।५६वक्री स्वाती. ३ ÷
१३	चं	२८	४	म	११	२५	शू	३६	४१	तै	२८	४	२१	५६	४	४	१२	२५	सिंहे	[+ ३।१७ होलिका दहनम् भद्रोत्तरम्
१४	मं	२६	२	पू	११	९	गं	३१	३७	व	२६	२	२५	५५	५	५	१३	२६	क.२५।४४	भ.२६।२उ.५४।११या. रेवत्यां भौमः +
१५	बु	२२	२०	उ	९	३१	वृ	२५	३६	ब	२२	२०	२९	५४	६	६	१४	२७	कन्यायां	छारेंडी

४९पं.फा.शु.४शु.इ.२९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	१०	६	६	११
१	८	११	१५	२७	१७	२५	१
५	३१	५८	२२	४६	४	३८	०
३५	५४	३०	३७	५	५५	२१	३९
५९	४५	२१/०	७	७४	२/३	३	५९
४१	४२	व.	३८	३३	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

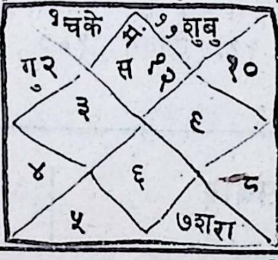

फाल्गुन शुक्ले ३ गुरौ मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३ न.४प्रौढावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

५०पं.फा.शु.१०शु.इ.३०/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	११	६	६	११
८	१३	१२	१६	६	१६	२५	७
३	५७	४६	२०	३०	४५	१६	५८
१८	१८	४४	४६	१८	३६	६	३४
५९	४५	१६/१	८	७४	३/३	३	५९
२९	४७	मा	४६	३८	व.	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६९ शाकः १९३४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु	१७	३८	ह	६	३३	ध्रु	१८	३५	कौ	१७	३८	३०/३३	५/५३	६/७	७	१५	२८	तु.३४।४२	वसंत १
२	शु	१२	१	चि	२/५१	५५/४६	व्या	११	१	ग	१२	१	३७	५३	७	८	१६	२९	तुलायां	भ.३८।५५उ.
३	श	५	४९	वि	५४	२१	ह	३/८	५२/५	वि	५	४९	४१	५२	८	९	१७	३०	वृ.४०।२५	भ.५।४९या. रेवत्यां शुक्रः:४१/२४चतुर्थी व्र.
४	श	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र	५३	३७	अ	५०	१	सि	४७	२९	कौ	२६	३४	४५	५१	९	१०	१८	३१	वृश्चिके	रेवत्यां रविः१२।३३(सौरः१६।५९)
६	चं	४७	५३	ज्ये	४६	७	व्य	३९	५६	ग	२०	४४	४९	५०	१०	११	१९	१	घ.४६।७	भ.४७।५३उ.अप्रेल ४ ता.३०
७	मं	४२	३३	मू	४२	३४	व	३२	४९	वि	१५	१३	५३	४९	११	१२	२०	२	धनुषि	भ.१५।१३या.पूभा.बुधः३।२
८	बु	३७	२३	पू	३९	२६	प	२५	४७	बा	९	५८	५७	४९	११	१३	२१	३	म.५३।५३	शीतला पूजनम्
९	गु	३२	५९	उ	३७	०	शि	१८	५६	तै	५	११	३/१	४८	१२	१४	२२	४	मकरे	
१०	शु	२८	५८	श्र	३४	५१	सि	१३	२०	व	०	२९	५	४७	१३	१५	२३	५	मकरे	भ.०।२९उ.२८।५८या.
११	श	२५	३५	ध	३३	३०	सा	७	५६	ब	२५	३५	१०	४६	१४	१६	२४	६	कु.४।१०	पापमोचनी ११ व्र.
१२	र	२२	५७	श	३२	५१	शु	३/११	५५/५१	तै	२२	५७	१४	४५	१५	१७	२५	७	कुम्भे	प्रदोषः
१३	चं	२१	११	पू	३३	१६	ब्र	५५	४१	व	२१	११	१८	४४	१६	१८	२६	८	मी.१८/१०	भ.२१।११उ.५०।५३या.
१४	मं	२०	३४	उ	३४	४५	ऐं	५३	१६	श	२०	३४	२२	४४	१६	१९	२७	९	मीने	[+ २७।३० मन्वादिः
३०	बु	२१	५	रे	३७	२६	वै	५२	१६	ना	२१	५	२६	४३	१७	२०	२८	१०	मे.३७।२६	मीने बुधः३।४४अश्वि. मेषे शुक्रः +

५१ पं.चैं.कृ. २शु.इ.३०/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	११	६	६	११
१४	१९	१७	१७	१५	१६	२४	१४
५९	१९	२२	२५	११	२२	५३	५४
१०	३७	१	२६	४२	५५	५०	४३
५९	४५	४४	९	७४	३/४४	३	५९
१६	२७	३५	३०	३८	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

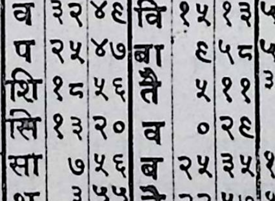

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल सक्कर गुड़ चीनी बुदि में मंदी होकर सुदि में कुछ तेज होवे, कहीं वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

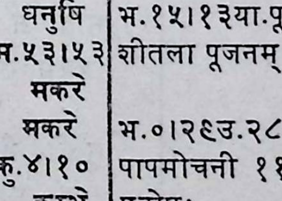

५२ पं.चैं.कृ.१०शु.इ.३०/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	१	११	६	६	११
२१	२४	२४	१८	२३	१५	२४	२१
५३	४०	२८	३५	५२	५६	३१	४८
३१	४८	४८	२८	५१	३८	३४	५४
५९	४५	६६	१०	७४	५/३	३	५९
४	१७	१८	१४	३८	व	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११४, भोग्यकलिः ४२६८८६, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७०, शाकः १९३५, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री शनिः । सस्येशो भौमः । धान्येशः रविः । मेघेशो शुक्रः । रसेशो गुरुः नीरसेशो भौमः । फलेशः शुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेश :शुक्रः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ठचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां २० पराभवनाम संवत्सरः, प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गतमासादिः ११।२७।५९।२ भोग्यमासादिः ०।२।०।५८ विश्वेदेवदैवतं युगम् । वर्षनाम कार्तिकः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे । समयनिवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ८ समयवाहनम् चातकःस्तंभः३ अन्नतृणवायूनां । सोमवत्यमाः१ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी १बुधाष्टमी२, रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १९, तिथिवृद्धिः १२ उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् ९ तृणम् ७, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०३, शनिदृष्टिः पश्चिमेसत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः

संवत् २०७० शा.१९३५ चैत्र शु·
१५ गुरौ चंद्रग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४६	४७	४८
प.	५९	५०	४१
घं.	१	१	१
मि.	१५	३५	५५

वर्ष लग्नम् ४।२

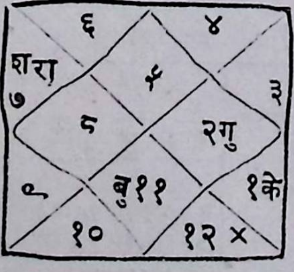

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न।
माता स कर जोड़ के पूछै भैरव लाल ।
विक्रम सत्तर साल का शीघ्र कहो सब हाल ।।
भवानी उत्तर
सुनजे भैरव चेतकर मैं समझावूं तोय ।
राजा मंत्री देखतां मध्य जमानुं होय ।।
ज्येष्ठ साढ वर्षा लगे श्रावण करसी तंग ।
बुध भार्गव के योग से आसोजां तक रंग ।।
रोहिणी बसी समुद्र में संवत् मालाकार ।
स्तंभ तीन है वर्ष में होसी बेड़ा पार ।।
संवत् विश्वा आठ है वर्षा विश्वा अंक ।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक ।।
शनि मंत्री इस वर्ष में खोटी देवें राय ।
धर्म कर्म करते रहो भगवत् करे सहाय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सि	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् ८।१९

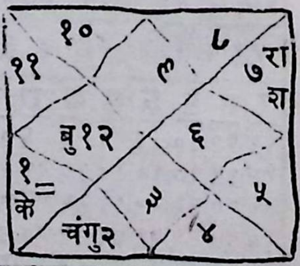

+चंमंशुसू वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५१।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१।४१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

= शुमंसू

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षेराजागुरुः फलम् ।। गुरौनृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुघाश्चधेनवः । व्रजन्तिविप्रा बहवोग्निहोत्रिणोमहोत्सत्रं सर्नजनेषुवर्धते । मंत्रिशनिफलम् ।। रवि सुते यदिमंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदाः । नजलदाः जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखंन धनंक्वचित् ।। सस्येशोभौमस्तत्फलम् प्रथम धान्यपतौ-धरणी सुतेगजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदा बहुरोगघनो जलं न सम सौख्य करस्तुषधान्यहत् ।। धान्येशोरविःफलम्।। पश्चाद्धान्याधिपेसूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि । विग्रहंभूमृताधान्यं महर्घंज्वरपीडनम् ।। मेघेशःशुक्रःफलम्।। भृगुसुतोजलदस्यपति-र्यदाज लयुता जलदा दिवि शोभनाः । धननिधान युताद्विजपालका नृपतयोजनता सुखदायकाः ।। रसेशोगुरुः फलम् ।। यदि गुरौ रसपेजन सौख्यदे कमलवंति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजनतत्परा गजसवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशो भौमस्तत्फलम् ।। नीरसेशोयदा भौम प्रवाल रक्तवासस्त्रां । रक्त चंदनताम्राणामर्हंबृद्धिर्दिने दिने।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम्।। यदिफलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुहराशयः । बहुपथा नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुतिपाठ परायणाः ।। धनेशश्चंद्रः फलम् ।। धनपतिर्मृग लांछनकोयदा रसचयात्क्रयविक्रयतोधनम् । वसन शालि युगं धनजं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। नरवरेषु विशेषपतिर्यदा भृगुसुतौ बहुसौख्य करो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखोगतवनं निकटे पिच दूरतः ।। पराभवनाम संवत्सरः फलम् ।। पराभवाब्देराज्ञां स्यात् समरं सह शत्रुभिः आमयः क्षुद्र सस्यानि प्रभूतान्यल्पबृष्टयः ।। नर्षनामः कार्तिकफलम् ।। पाप बुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मन्यन्ते राज्यं च तस्करैर्हतम् ।। मेधनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्तेजलपूरिता ।। रोहिणीनिवासः समुद्र फलम् ।। समुद्रेतुमहावृष्टिः । समयनिवासोमालाकारगृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः।। एवं संचित्यदैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्

संवत् २०७० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णा २ रवौ मूले ल. १०।११।१२ रे. ७ ।ऽ।ऽऽअ।।।
,, ६ रवौ उभा. ल. ऽन्यगो ५ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।
सप्तम भौमदोषः

आषाढ मासः।

शुक्ला ३ गुरौ मघा ल. ऽ न्यगो २ रे. १० ।।।।।।।।।
५ शनौ उफा ल. ऽ न्यगो २ रे. १० ।।।।।।।।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णा १ चन्द्रे रोहि. ल. ६ रे. ८ ।।।।ऽअऽ।।।
,, २ भौमे मृगे ल. ६ रे. ६ ।।।।।ऽ।।।
,, ७ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो. रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।
,, १० गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो. ५ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ४ शुक्र उषा ल. ऽ न्यगो. रे. ६ ।।ऽशु।ऽऽअ।।।
,, ८ भौमे उभा. ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽऽचौ।।।।

माघ मासः

कृष्णा ४ चन्द्रे उफा ल.६(गु.पू.सन्)रे.८।।।।ऽचौ।ऽ।।
५ भौमे उफा ल. गो. रे. ६ ।।।।।।ऽ।।
५ भौमे हस्ते ल. ६ (गु.७पू.) रे.८ ऽ।।।।ऽ।।।
,, ६ बुधे हस्ते ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽरोऽ।।।

कृष्णा ६ शनौ अनु. ल. ६ (गु.पू.) रे.६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।
शुक्ला ४ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽअ.ऽऽ।।
,, ५ भौमे रेवं. ल. ऽन्यगो. रे. १० ।।।।।।।।।
,, ६ शनौ रोहि. ल. गो. रे. ६ ।।।।।।।ऽ। गणिते-नक्रांतिसाम्या ऽ भावः
,, १५ शुक्रे मघा. ल. ९ गु. पू. सत्र रे. ६ ।।।।ऽऽअऽऽ।।

फाल्गुनमासः ।

कृष्णा २ चन्द्र उफा. ल. गो. रे.८ ।।।।ऽनृ४२या.ऽ।।
,, ३ भौमे हस्ते ल. गो. ६।१० रे. ८ ।।।।। (चौ. ४२ उ.) ।ऽ।ऽ दग्धा
,, ७ शनौ अनु. ल. ऽन्यगो ६ रे. ७ ऽ।।।। (मृ. ४१ उ.) ऽऽ।।
,, ६ चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽअऽऽ।।
,, १२ बुधे उषा. ल. ६ रे. ६ ।ऽऽशु।।।ऽऽ।।
शुक्ला १ रवौ उभा ल. ६।१० रे. ८ ।ऽ।।ऽरो. ३९ या ऽ।।। धनुषि. गु. पू.
,, ७ शुक्रे रोहि ल. ऽन्यगो ६ रे. ६ ।।।ऽशु।ऽ (नृ. ३८ या) ऽऽ।।

,, अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधिभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसतर्तु रविरुत्तरेऽहर्गणः:७३६ स.२०१३
१	गु	२३	५	अ	४१	२२	वि	५२	१९	व	२३	५	३१/३०	५/४२	६/१८	२१	२९	११	मेषे	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभ
२	शु	२६	१६	भ	४६	४१	प्री	५२	५०	कौ	२६	१६	३४	४१	१९	२२	१	१२	मेषे	उभा. बुधः २२।४६ अश्वि. मेषे भौमः ×
३	श	३०	५८	कृ	५२	१५	आ	५४	६	ग	३०	५८	३८	४०	२०	२३	२	१३	वृ.३।४	अश्वि. मेषेऽर्कः ४६।३० (सौरः ५१/३२) ÷
४	र	३६	२३	रो	६०	०	सौ	५५	५७	व	३	४०	४२	४०	२०	२४	३	१४	वृषे	भ. ३।४० उ. ३६।२३ या.
५	चं	४२	४२	रो	०	२६	शो	५८	२३	ब	९	२३	४६	३९	२१	२५	४	१५	मि३४।१४	[× ३१।५४ जमादि लाखर ६ सिंधारा
६	मं	४८	५५	मृ	८	२	अ	६०	०	कौ	१५	४८	५०	३८	२२	२६	५	१६	मिथुने	[÷रोहि.४गुरुः १९/१४ मत्स्य जयंती गणगोरी
७	बु	५५	७	आ	१५	३२	अ	०	५३	ग	२२	१	५३	२७	२३	२७	६	१७	मिथुने	भ. ५५।७ उ.
८	गु	६०	०	पु	२२	३८	सु	२	५२	वि	२७	४०	५७	३७	२३	२८	७	१८	क.५।५२	भ. २७।४० या.
८	शु	०	१२	पु	२८	२६	धृ	३	४	ब	०	१२	३२/१	३६	२४	२९	८	१९	कर्के	रामनवमी स्मा.
९	श	४	१०	श्ले	३२	५२	शू	४	८	कौ	४	१०	५	३५	२५	३०	९	२०	सि. ३२/५२	रामनवमी वै.
१०	र	६	२५	म	३५	२२	गं	२/४८	५७/५	ग	६	२५	९	३४	२६	१	१०	२१	सिंहे	भ. ३६।२९ उ. रवत्यां बुधः १८।५३=
११	चं	६	३४	पू	३५	५१	ध्रु	५५	२५	वि	६	३४	१२	३४	२६	२	११	२२	कं.५०।२९	भ. ६।३४ या. शुक्रोदयः पश्चिमायां +
१२	मं	४	४३	उ	३४	२३	व्या	४९	२६	बा	४	४३	१६	३३	२७	३	१२	२३	कन्यायां	प्रदोषः [+ ५९।२४ कामदा ११ व्र.
१३	बु	०	५२	ह	३१	२०	ह	४१	५९	तै	०	५२	२०	३२	२८	४	१३	२४	तु.५८।५९	भ. ५५।३० उ.
१४	बु	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=भरण्यां शुक्रः १४।० भा. वैशाखारंभः
१५	गु	४८	२५	चि	२६	३८	व	३३	४०	वि	२१	५८	२३	३१	२९	५	१४	२५	तुलायां	भ. २१।५८ या. चंद्रग्रहणम् हनुमज्जयंती

१ पं. चै.शु.३ श. इ. ४६/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	०	६	६	११
०	०	५	२०	४	१५	२४	२९
०	५६	२०	४	६	२१	५	५५
०	६	२८	५९	५४	२२	३०	७
५८	४५	८६	१०	७४	४/२२	३	५८
४४	७	१९	५८	३२	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

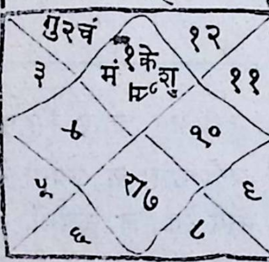

चैत्र शुक्ले ३ शनौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

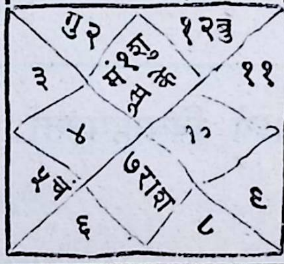

२पं.चै.शु.९ श.इ. ४६।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	०	६	६	०
६	६	१५	२१	१२	१४	२३	६
५०	११	४५	२५	४१	५०	४३	४५
४२	५६	४३	४४	८	३८	१५	१८
५८	४४	८०	११	७४	४/३८	३	५८
३१	५६	१७	३५	३२	व.	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	४०	४३	स्वा	२१	१०	सि	२४	४०	बा	१४	३४	३२/२७	५/३१	६/२९	६	१५	२६	तुलायां	
२	श	३२	४२	वि	१५	४	व्य	१५	१६	तै	६	४३	३१	३०	३०	७	१६	२७	वृ.१।३५	भ. ५/३६ उ. भरण्या रविः २६/४७ (सौरः ३२/५७)
३	र	२४	२९	अ	८	५९	व	५/३	५/००	वि	२४	२९	३५	२९	३१	८	१७	२८	वृश्चिके	भ. २४/२९ या. अश्वि. मेषे बुधः ३२।८ +
४	चं	१६	४७	ज्ये	३/७	५४/५६	शि	४८	१३	बा	१६	४७	३८	२८	३२	९	१८	२९	ध.३।७	[+ विशाखा. १ राहुः भ. ३ केतुः ५/३६ ×
५	मं	९	४७	पू	५३	४७	सि	४०	२३	तै	९	४७	४१	२८	३२	१०	१९	३०	धनुषि	भरण्यां भौमः २१।५१ मृग १ गुरुः =
६	बु	३	४०	उ	५०	३२	सा	३३	२५	व	३	४०	४५	२७	३३	११	२०	१	म.७।५९	भ. ३।४० उ. ३१।१० या. मई ५ A
७	बु	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[Aता. ३१ पातस्पर्शः २६/४९ पातमोक्षः ४४/५८
८	गु	५४	३२	श्र	४८	३०	शु	२७	१२	बा	२६	३५	४८	२६	३४	१२	२१	२	मकरे	कृत्ति. शुक्रः ६।१७ [× चतुर्थी व्र.
९	शु	५१	३६	ध	४७	३१	शु	२१	५७	तै	२३	५	५२	२६	३४	१३	२२	३	कुं.१८।१	[= १८।१३ बुधास्तः पूर्वस्यां १४।२९
१०	श	४९	५२	श	४७	३४	ब्र	१७	४४	व	२०	४४	५५	२५	३५	१४	२३	४	कुंभे	भ. २०/४४ उ. ४९/५२ या. वृषे शुक्रः ४५।१५
११	र	४९	१६	पू	४८	५०	ऐं	१४	१७	ब	१८	३४	५८	२४	३६	१५	२४	५	मी. ३३/३१	भरण्या बुधः १९।४ वरुथिनी ११ व्र.
१२	चं	४९	५५	उ	५१	१७	वै	११	५८	कौ	१८	३५	३३/२	२४	३६	१६	२५	६	मीने	
१३	मं	५१	२७	रे	५४	४३	वि	१०	२५	ग	२०	४१	५	२३	३७	१७	२६	७	मे.५४।४३	भ. ५१।२७ उ. प्रदोषः
१४	बु	५४	१०	अ	५९	११	प्री	९	५०	वि	२२	४८	८	२२	३८	१८	२७	८	मेषे	भ. २२।४८ या.
३०	गु	५७	५८	भ	६०	०	आ	९	४५	च	२६	४	११	२२	३८	१९	२८	९	वृ.२१।१६	

३पं.वै.कृ.२ श.इ.४७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	१	०	६	६	०
१३	११	२८	२२	२१	१४	२३	१३
३९	२४	३४	४९	२५	१८	२०	४३
४७	५४	५९	२६	१	५०	५९	४३
५८	४४	८०	१२	७४	४/४०	३	५८
१९	३७	५/१२	८	३२	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

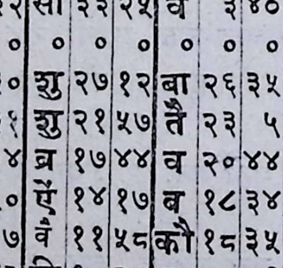

वैशाख शुक्ले ४ भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

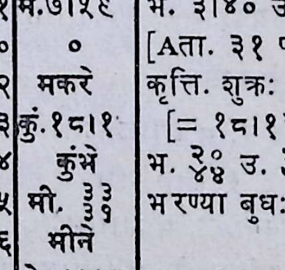

४पं.वै.कृ.१०श.इ.४७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	१	१	६	६	०
२०	१६	१२	२४	०	१३	२२	२०
२७	३६	१५	१५	२	४६	५८	२०
२५	२९	०	५४	३१	५९	४३	२७
५८	४४	८०	१२	७४	४/४०	३	५७
६	१७	५३	२६	२६	व	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ७६५ स.२०१३
१	शु	६०	०	भ	४	३८	सौ	१०	४१	किं	३०	२५	३३/५४	५/२१	६/३९	२०	२९	१०	वृषे	वक्री स्वाती. २ शनीः ४८।३७
१	श	२	५१	कृ	११	१०	शो	१२	१६	ब	२	५१	१७	२१	३९	२१	३०	११	वृषे	कृत्ति. रविः १४।२३ (सौरः ३०/४९) ÷
२	र	८	१४	रो	१८	१	अ	१४	२०	कौ	८	१४	२०	२०	४०	२२	१	१२	मि५१।४६	रोहि.शुक्रः ५३/३२ रज्जव ७ परशुराम जयंती
३	चं	१४	२८	मृ	२५	३०	सु	१६	४१	ग	१४	२८	२३	१९	४१	२३	२	१३	मिथुने	भ. ४७/३० उ. वृषि बुधः ५३/१ अक्षया ३
४	मं	२०	४६	आ	३३	१३	धृ	१८	५७	वि	२०	४६	२६	१९	४१	२४	३	१४	मिथुने	भ. ५०/४६ या. वृषेऽर्कः ३९/५८ (सौरः ४८/३६)
५	बु	२७	८	पु	४०	५४	शू	२१	३३	बा	२७	८	२८	१८	४२	२५	४	१५	क.२३।५९	मृग. २ गुरुः ५७।०
६	गु	३२	३७	पु	४७	२९	गं	२३	३२	तै	३२	३७	३१	१८	४२	२६	५	१६	कर्के	[+ कुंभदानम्
७	शु	३७	७	श्ले	५३	६	बृ	२४	३४	ग	४	५२	३४	१७	४३	२७	६	१७	सिं५३।६	भ. ३७।७ उ. रोहि. बुधः ३८।५८
८	श	४०	१३	म	५६	५९	ध्रु	२४	२९	वि	८	४०	३७	१७	४३	२८	७	१८	सिंहे	भ. ८।४० या. कृत्ति. भौमः ३२।११
९	र	४१	३२	पू	५९	१	व्या	२३	३	बा	१०	५२	३९	१६	४४	२९	८	१९	सिंहे	
१०	चं	४०	४२	उ	५९	१०	ह	१९	५७	तै	११	७	४२	१६	४४	३०	९	२०	कं.१४।३	[÷ कृत्ति. बुधः ३४/५२ चंद्रदर्शनम्
११	मं	३८	४६	ह	५७	१०	व	१५	१२	व	९	४४	४४	१५	४५	३१	१०	२१	कन्यायां	भ. ९/४४ उ. ३/४६ या. मोहिनी ११ व्र.
१२	बु	३२	५४	चि	५३	२२	सि	८	५५	व	५	५०	४७	१५	४५	१	११	२२	तु.२५।१६	बुधोदयःपश्चिमायां ५०/१ भा.ज्येष्ठारंभ. प्र.
१३	गु	२६	११	स्वा	४७	५४	व्य	१/४	५०/५३	तै	२६	११	४९	१४	४६	२	१२	२३	तुलायां	मृगे शुक्रः ४६/२० वृषे भौमः ५४ नृसिंह ज.
१४	शु	१६	५२	वि	४१	६	प	४१	५८	व	१६	५२	५२	१४	४६	३	१३	२४	वृ.२७।४८	भ. ५६/३ उ. ४२/५१ या. मृगे बुधः ३९।५
१५	श	८	४९	अ	३३	५५	शि	३१	४०	ब	८	४९	५४	१३	४७	४	१४	२५	वृश्चिके	रोहि. रविः ३३ (सौरः १४/४४) यमाय +

५पं.वै.शु.१श.इ.४७।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	१	१	६	६	०
२७	२१	२७	२५	८	१३	२२	२७
१३	४५	६	४५	३९	१५	३६	५
३७	०	५८	३२	१८	४०	२८	४१
५७	४४	७/८	१२	७४	४/२५	३	५७
५४	७	३५	५०	२६	व	११	४५

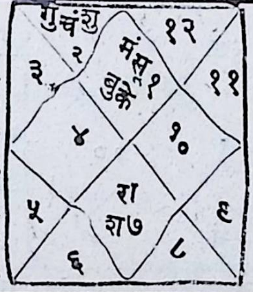

६ पं.वै.शु.८श. इ. ४७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	१	६	६	१
३	२६	१२	२७	१७	१२	२२	३
५८	५१	२४	१७	१५	४६	१४	४९
३७	१८	७	३८	७	१९	१२	२३
५७	४३	३०/४	१२	७४	४	३	५७
४४	५१	५५	१४	२६	व	११	३४

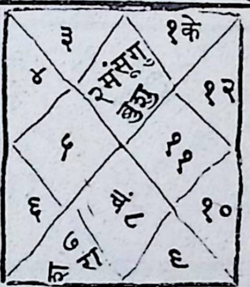

७पं.वै शु.१५श.इ.४७।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	१	१	६	६	१
१०	१	२६	२८	२५	१२	२१	१०
४२	५५	३१	५०	५०	१९	५१	३१
२९	१२	५	४९	२४	३५	५७	३४
५७	४३	३०/२	१२	७४	५/३	३	५७
३५	३१	३४	२०	२०	व	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	श	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५/१३	०	०	०	०	०	
२	र	४९	४७	ज्ये	२६	२५	सि	२१	११	तै	२४	२९	३३/५६	१२	६/४७	५	१५	२६	ध.२६।२५	
३	चं	४०	४०	मू	१९	१८	सा	१०	५४	व	१५	१३	५८	१२	४८	६	१६	२७	धनुषि	भ. १५/१३ उ. ४०/४० या. मिथुने बुधः ३७।९
४	मं	३२	२६	पू	१२	५८	शु	१/१६	५१/८	ब	६	३३	३४/००	१२	४८	७	१७	२८	म.२६।३८	चतुर्थी व्र.
५	बु	२५	४४	उ	७	३७	ब्र	४४	४६	तै	२५	४४	२	१२	४८	८	१८	२९	मकरे	मिथुने शुक्रः ९/१२ मृग. ३ गुरुः ५२।५५
६	गु	२०	१४	श्र	३	५४	ऐं	३८	३२	व	२०	१४	३	११	४९	९	१९	३०	कुं.३२।५४	भ. २०।१४ उ. ४८।२७ या.
७	शु	१६	३९	ध	१	५४	वै	३३	२८	ब	१६	३९	५	११	४९	१०	२०	३१	कुम्भे	आर्द्रा बुधः ३९।४७
८	श	१४	२६	श	१	२३	वि	२९	४७	कौ	१४	२६	७	११	४९	११	२१	१	मि. ४/७	जून ६ ता. ३०
९	र	१३	५८	पू	२	२२	प्री	२७	२९	ग	१३	५८	९	१०	५०	१२	२२	२	मीने	भ. ४४।३१ उ.
१०	चं	१५	४	उ	५	८	आ	२६	११	वि	१५	४	१०	१०	५०	१३	२३	३	मीने	भ. १५।४ या. आर्द्रा शुक्रः ३६।४८
११	मं	१७	१५	रे	८	५२	सौ	२६	२	बा	१७	१५	१२	१०	५०	१४	२४	४	मे. ८।५२	अपरा ११ व्र.
१२	बु	२०	५३	अ	१३	५६	शो	२६	५८	तै	२०	५३	१३	९	५१	१५	२५	५	मेषे	प्रदोषः
१३	गु	२५	२०	भ	१९	५०	अ	२७	४६	व	२५	२०	१५	९	५१	१६	२६	६	वृ.३६।३४	भ. ३९/२० उ. ५८/५ या रोहि. भौमः ७।४८
१४	शु	३०	४९	कृ	२६	४४	सु	२९	५१	श	३०	४९	१६	९	५१	१७	२७	७	वृषे	मृगे रविः ५८।२५
३०	श	३६	२३	रो	३३	४०	धृ	३१	५०	च	३	३६	१७	९	५१	१८	२८	८	वृषे	मृगे रविः सौरः १३।३४ वटपूजनम्

पं.८ज्ये.कृ.८श.इ.४७।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	२	२	६	६	१
१७	६	८	०	४	११	२१	१७
२५	५५	२९	२५	२५	५५	२९	१२
१९	४४	४६	५५	१२	५	४१	४०
५७	४३	९४	१३	७४	२/३/१	३	५७
२७	२१	९	३२	१३	व	११	१३

गोचर ग्रहाः

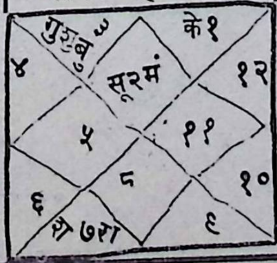

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धूप अधिक हैजे का प्रकोप हो धान्य गल्ला धातु स्वर्ण चांदी रूई रंग सुदी में तेज होगा। और वर्षा होगी।

गोचर ग्रहाः

९पं. ज्ये. कृ. ३० श.इ. ४७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	२	२	२	६	६	४
२४	११	१७	२	१२	११	२१	२३
७	५४	५९	१	५८	३४	७	५२
१९	३६	१७	५	५	२६	२५	३६
५७	४२	६८	१३	७४	४/३/२	३	५७
२२	५८	४१	३२	२	व	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १८३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः:७९५ स. २०१३
१	र	४२	३२	मृ	४१	१६	शू	३४	१९	किं	६	२८	३४/५८	५/८	५ ६/२	१९	२९	६	मि.२ ७/९	अस्तं गुरोः १६।४८
२	चं	४८	४१	आ	४६	४६	गं	३६	५१	बा	१५	३७	१९	८	५२	२०	३०	१०	मिथुने	पुन. बुधः ३३।१८ चंद्रदर्शनम्
३	मं	५४	४६	पु	५६	१६	बृ	३६	१५	तै	२१	४५	१९	८	५२	२१	१	११	कं. ३९/४२	सावान ८
४	बु	६०	०	पु	६०	०	ध्रु	४१	१४	व	२७	३६	२०	८	५२	२२	२	१२	कर्के	भ. २७।३६ उ.
४	गु	०	२३	पु	३	४	व्या	४२	४६	वि	०	२३	२१	८	५२	२३	३	१३	कर्के	भ. ०।२३ या.
५	शु	५	६	श्ले	६	१८	ह	४३	४४	बी	५	६	२१	८	५२	२४	४	१४	सिं६।१८	मिथुनेऽर्कः ५६/५९ पुन. शक्रः ३४/२७ मृग. ४ ×
६	श	८	४२	म	१४	२५	व	४३	१८	तै	८	४२	२२	८	५२	२५	५	१५	सिहे	मिथुनेऽर्कः सौरः १४।२२ [× गुरुः ३०/१७
७	र	१०	५२	पू	१७	५३	सि	४१	३८	व	१०	५२	२२	८	५२	२६	६	१६	कं.३३।२२	भ. १०।५२ उ. ४१।३ या.
८	चं	११	१३	उ	१६	४७	व्य	३८	३५	ब	११	१३	२३	७	५३	२७	७	१७	कन्यायां	[=सौरः १५/५५) कर्केशुक्रः ४६/७ भा.आषाढारंभ
९	मं	९	५२	ह	१६	४४	व	३३	५५	कौ	६	५२	२३	७	५३	२८	८	१८	तु.४८।४३	गंगादशमी
१०	बु	६	२६	चि	१७	४२	प	२७	४७	ग	६	२६	२३	७	५३	२९	९	१९	तुलायां	भ. ३३।४६ उ.
११	गु	१	१३	स्वा	१३	४८	शि	२०	७	वि	१	१३	२४	७	५३	३०	१०	२०	वृ.५४।४६	भ. १।१३ या. उिर्जला ११ व्र.
१२	गु	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	शु	४५	४१	वि	८	२५	सि	१०	११	कौ	१९	५२	२४	७	५३	३१	११	२१	वृश्चिके	आर्द्रा रविः ५५।५४ प्रदोषः
१४	श	३४	०	अ	४ १/१	५२/१७	सा	१ ०/३	५०/२२	ग	६	५१	२४	७	५३	१	१२	२२	ध. ५३/५८	भ. ३४।०उ.५६।५८ या. (आर्द्रा रविः=
१५	र	२५	५५	मू	४६	१	शु	३६	३७	ब	२५	५५	२४	७	५३	२	१३	२३	धनुषि	गुर्जराणां वट सावित्री व्र.

१०पं.ज्ये.शु. ६श इ. ४७/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	२	६	६	२
०	१६	२४	३	२१	११	२०	०
४८	४९	४६	३७	३०	१७	४५	३१
३६	५५	५	३७	२५	१३	१०	४५
५७	४२	३८	१३	७३	१ २/०	३	५६
१७	३५	१४	३८	५६	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

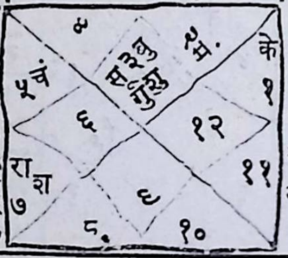

ज्येष्ठ शुक्ले ५ शुक्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४न.५युवावस्था(सूती) मु. ३० वान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

११ पं.ज्ये.शु. १४श. इ. ४७/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	३	६	६	२
७	२१	२८	५	०	११	२०	७
२९	४३	२१	१३	२	४	२२	१०
२१	३४	४७	३७	२	२६	५४	१२
५७	४२	८	१३	७३	३ ९/१	३	५६
१३	२५	२५	३८	५०	व.	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १८३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	चं	१५	४८	पू	३८	१२	ब्र	२८	४६	क।	१५	४८	३४/२४	५/७	५ ६/३	३	१४	२४	म.५१।२४	वक्री बुधः ५०।५६
२	मं	६	८	उ	३१	८	ऐं	१८	२३	ग	६	८	२३	७	५३	४	१५	२५	मकरे	भ. ३१।४८ उ. ५७.२८ या पुष्ये शुक्रः=
३	मं	५१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= २८।३९ मृगे भौमः ४।११
४	बु	५०	७	श्र	२५	११	वै	६	११	व	२३	४७	२३	७	५३	५	१६	२६	कुं.५३।१४	चतुर्थी व्र.
५	गु	४४	४०	ध	२०	५६	वि	४९/०	५३/१५	कौ	१७	२३	२२	८	५२	६	१७	२७	कुम्भे	उदयी भौमः १६।५७
६	शु	४१	८	श	१८	४०	आ	४८	५५	ग	१२	५४	२२	८	५२	७	१८	२८	कुंभे	भ. ४१।८ उ.
७	श	३६	४१	पू	१८	६	सौ	४५	२२	वि	१०	२५	२१	८	५२	८	१९	२९	मी. ३/१४	भ. १०।२५ या. आर्द्रा. १ गुरुः ५ ३/१ ×
८	र	४०	१२	उ	१६	४४	शो	४३	२६	बा	६	५३	२०	८	५२	९	२०	३०	मीने	बुधास्तः पश्चिमायां ४६।४६
९	चं	४२	२२	रे	२३	२	अ	४२	५८	तै	११	१७	१९	८	५२	१०	२१	१	मे.२ ३/२	जौलाई ७ ता. ३१ [×स्वाती ४ राहुः+
१०	मं	४६	१०	अ	२८	२	सु	४३	४७	व	१४	१६	१८	८	५२	११	२२	२	मेषे	भ. १४।१६ उ. ४६।१० या.
११	बु	५१	५	भ	३४	१५	धृ	४५	२१	ब	१८	३७	१७	६	५१	१२	२३	३	वृ. ५०।५८	उदयं गुरोः ०।० योगिनी ११ व्र.
१२	गु	५६	५१	कृ	४१	७	शू	४७	८	कौ	२३	५८	१६	६	५१	१३	२४	४	वृषे	मिथुने भौमः ५०/२० [+भरणी२ केतुः ५९/२७
१३	शु	६०	०	रो	४८	२८	गं	४६	२३	ग	२८	४९	१५	६	५१	१४	२५	५	वृषे	पुनः रविः ५५।४४ प्रदोषः
१३	श	२	४७	मृ	५६	१०	वृ	५२	०	व	२	४७	१४	६	५१	१५	२६	६	मि. २२/१९	भ. २।४७ उ. ३५।५५ या. रविः १९/५५ A
१४	र	६	२	आ	६०	०	ध्रु	५४	५६	श	६	२	१३	६	५१	१६	२७	७	मिथुने	मार्गी शनिः ४६।२४
३०	चं	१४	५९	आ	३	३३	व्या	५६	४२	ना	१४	५६	११	१०	५०	१७	२८	८	कं.५३।५६	सोमवती ३० [A आश्ले. शुक्रः २९।५३

१२ पं.आ. कृ.७ श. इ. ४७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	२	४	६	६	२
१४	२६	२८	६	८	१०	२०	१३
९	३३	२६	४९	३३	५६	०	४८
५८	४	१३	५५	५८	३८	३९	१७
५७	४२	२०/१७	१३	७३	०/४६	३	५६
७	८	व	३४	४४	व	११	५०

गोचर ग्रहाः

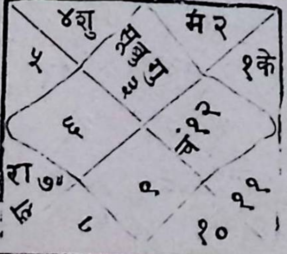

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर संरसो सोना चांदी कपासरुई मंदे होवर्षा अच्छी हो प्रजा में सुख फैले।

गोचर ग्रहाः

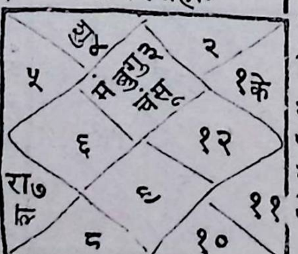

१३ पं, आ.कृ.१३श. इ. ४७/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	२	३	६	६	२
२०	१	२५	८	१७	१०	१९	२०
५०	२२	२८	२५	१	५३	३८	२६
२४	१	२३	८	४१	२	२३	११
५७	४१	३७/१३	१३	७३	०/७	३	५६
७	५८	व.	३२	२६	व	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः१९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण ८२५स.२०१३
१	मं	२०	४९	पु	१०	४४	ह	५८	३७	ब	२०	४९	३४/१०	५/१०	६/५०	१८	२९	९	कर्के	
२	बु	२५	४९	पु	१७	२७	व	६०	०	कौ	२५	४९	८	१०	५०	१९	३०	१०	कर्के	चंद्र दर्शनम् रथयात्रा
३	शु	३०	१२	श्ले	२३	१९	व	०	२	ग	३०	१२	७	११	४९	२०	१	११	सिं. २३/१९	रमजान ९
४	शु	३३	३७	म	२८	३२	सि	०	२८	व	१	५४	५	११	४९	२१	२	१२	सिंहे	भ.१।५४उ.३३।३७ या.
५	श	३५	५४	पू	३२	२६	व्य	१०/१९	५९/१०	ब	४	४५	३	११	४९	२२	३	१३	क. ४८/५	आर्द्रा. २ गुरुः४९।३८
६	र	३६	२५	उ	३५	३	प	५७	२५	कौ	६	९	१	१२	४८	२३	४	१४	कन्यायां	आर्द्रा.भौमः३३।४९
७	चं	३६	१७	ह	३६	३८	शि	५४	९	ग	६	२३	३३/५९	१२	४८	२४	५	१५	कन्यायां	भ.३६।१७उ.
८	मं	३४	२२	चि	३६	३	सि	४९	४१	वि	५	१९	५७	१३	४७	२५	६	१६	तु.६।३७	भ.५।१९या. कर्कोऽर्कः २४।१०(सौरः =
९	बु	३०	४३	स्वा	३४	३८	सा	४३	५७	बा	२	३२	५५	१३	४७	२६	७	१७	तुलायां	मघा.सिंहे शुक्रः३३।४३
१०	गु	२५	२८	वि	३१	२०	शु	३६	५३	ग	२५	२८	५२	१४	४६	२७	८	१८	वृ.१७।१०	भ.५२।८उ.बुधोदयःपूर्वस्यां५१।२७
११	शु	१८	४९	अ	२६	३७	शु	२८	३४	वि	१८	४९	५०	१४	४६	२८	९	१९	वृश्चिके	भ.१/४९या.पुष्ये रविः५३/२८देवशयनी११ व्र.
१२	श	१०	४७	ज्ये	२०	३०	ब्र	१९	२३	बा	१०	४७	४८	१४	४६	२९	१०	२०	ध.२०।३०	पुष्ये रविःसौरः२३।२२ प्रदोषः
१३	र	१	४९	मू	१३	१८	ऐं	९/१२	४९/३८	तै	१	४९	४५	१५	४५	३०	११	२१	धनुषि	भ.५२।१८उ.मार्गी.बुधः५३।४
१४	र	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=१२।४१)वक्री आर्द्रा.बुधः६।१०
१५	चं	४२	२२	पू	५/५२	५२/३१	वि	४८	४	वि	१७	२०	४३	१५	४५	३१	१२	२२	म.१९।०	भ.३६/२०या.व्यासपूजा गुरु१५वायु परीक्षा

१४ पं.आ. शु.५श. इ. ४७/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	२	३	६	६	२
२७	६	२१	९	२५	१०	१९	२७
३०	७	२०	५९	२९	५४	१६	४
४३	४८	४२	३१	२	२२	७	१८
५७	४१	३४/५२	१२	७३	४३	३	५६
११	४२	व.	२१	१७	मा	११	५४

गोचर ग्रहाः

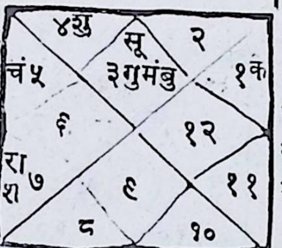

आषाढ शुक्ले ८ भौमे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न.५बालावस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

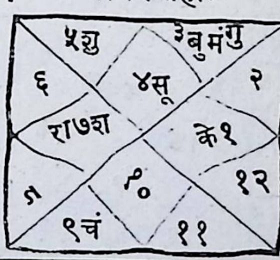

१५पं.आ.शु. १२ श.इ. ४७/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	२	४	६	६	३
४	१०	१९	११	३	११	१८	३
११	५०	६	३३	५५	०	५३	४२
२८	४९	३६	४	४१	३२	५२	४५
५७	४१	२९	१३	७३	१	३	५६
१५	२८	व.	१४	२	२२	११	५८

ति.	श्रावण कृष्ण पक्षः सं० २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	मं	३३	१	श्र	५१	४१	प्री	३७	५१	बा	७	४१	३३/४०	५/१६	६/४४	१	१३	२३	मकरे	भा श्रावणारंभः
२	बु	२४	४४	ध	४५	३५	आ	२८	२३	ग	२४	४४	३८	१६	४४	२	१४	२४	कुं.१८।३८	भ.५१।१७उ.
३	गु	१७	५०	श	४१	२१	सौ	२०	१	वि	१७	५०	३५	१७	४३	३	१५	२५	कुंभे	भ.१७/५०या.पुन.बुधः२०।११चतुर्थी व्र.
४	शु	१२	४५	पू	३८	५७	शो	१३	१८	बा	१२	४५	३३	१७	४३	४	१६	२६	मी. २४/३३	
५	श	९	४१	उ	३८	४३	अ	७	५५	तै	९	४१	३०	१८	४२	५	१७	२७	मीने	नाग ५ मरुस्थले
६	र	९	४	रे	४०	३७	सु	४	२९	व	९	४	२७	१९	४१	६	१८	२८	मे.४०।३७	भ.९।४उ.३९/३९या.पूफा.शुक्रः३७।१
७	चं	१०	८	अ	४४	२०	धृ	२	४१	ब	१०	८	२४	१९	४१	७	१९	२९	मेषे	आर्द्रा.३गुरुः३।४८
८	मं	१३	४९	भ	४९	५५	शू	२	४३	कौ	१३	४९	२२	२०	४०	८	२०	३०	मेषे	
९	बु	१८	७	कृ	५६	४१	गं	३	२२	ग	१८	७	१९	२०	४०	९	२१	३१	वृ.६।३७	भ.५१।१उ.
१०	गु	२३	५५	रो	६०	०	वृ	४	३१	वि	२३	५५	१६	२१	३९	१०	२२	१	वृषे	भ.२३।५५या.अगस्त ८ ता. ३१
११	शु	२९	५८	रो	४	१०	ध्रु	७	३५	बा	२९	५८	१३	२१	३९	११	२३	२	मि. ३७/५९	आश्ले.रविः५०।२९कामिका ११ व्र.
१२	श	३६	२८	मृ	११	४४	व्या	१०	१३	कौ	३	१३	१०	२२	३८	१२	२४	३	मिथुने	आश्ले.रविःसौरः२४।९पुन. भौमः३१।५३
१३	र	४२	२५	आ	१९	१७	ह	१२	४७	ग	९	२६	७	२३	३७	१३	२५	४	मिथुने	भ.४२।२५उ.कर्के बुधः३६।२६प्रदोषः
१४	चं	४७	५१	पु	२६	२०	व	१४	५०	वि	१५	८	४	२३	३७	१४	२६	५	क. ९/३५	भ.१५।८या.
३०	मं	५२	२४	पु	३२	४४	सि	१६	३९	च	२०	७	०	२४	३६	१५	२७	६	कर्के	पुष्ये बुधः५७।३० हरियाली

१६पं.श्रा.कृ. ५ श. इ. ४७/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	२	४	६	६	३
१०	१५	२१	१३	१२	११	१८	१०
५२	३१	३८	३	१९	११	३१	२२
३०	४८	४९	२९	३४	१०	३६	२
५७	४१	४०/२०	१२	७२	२	३	५७
२०	५	मा	५६	२६	१	११	५

गोचर ग्रहाः

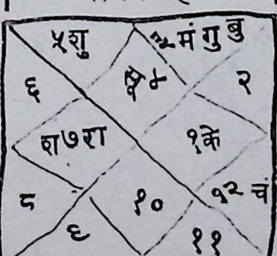

इस मास में धातु सोना चाँदी ताम्बा मंदे हो गुड सक्कर गन्ना रुई गेहूं जो चना चावल तेज हो, वर्षा कहीं अच्छी कहीं कम हो।

गोचर ग्रहाः

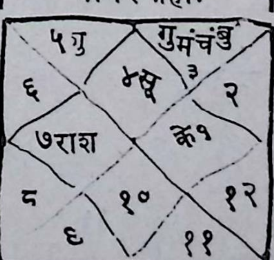

१७पं. श्रा. कृ.१२श.इः ४७/३

र	मे	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	२	४	६	६	३
१७	२०	२८	१४	२०	११	१८	१७
३४	१०	४९	३२	४३	२६	९	१
१२	१९	५९	४२	१	३८	२१	५०
५७	४०	८४	१२	७२	२	३	६०
२५	४९	४	३१	२५	४०	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	५५	५७	श्ले	३८	९	व्य	१७	३६	किं	२४	१०	३२/५७	५/२५	६/३५	१६	२८	७	सिं३८।९
२	शु	५८	३६	म	४२	४६	व	१७	५५	बा	२७	१६	५४	२५	३५	१७	२९	८	सिंहे
३	शु	६०	०	पू	४६	१४	प	१७	१९	तै	२९	१९	५०	२६	३४	१८	१	९	सिंहे
३	श	०	२	उ	४८	३७	शि	१५	५३	ग	०	२	४७	२७	३३	१९	२	१०	कं१।५०
४	र	०	३१	ह	५०	८	सि	१३	२७	वि	०	३१	४४	२७	३३	२०	३	११	कन्यायां
५	र	५९	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
६	चं	५८	११	चि	५०	३७	सा	१०	२८	कौ	२९	२	४०	२८	३२	२१	४	१२	तु.२०।२३
७	मं	५५	२२	स्वा	४९	४५	शु	६	३८	ग	२६	४६	३७	२९	३१	२२	५	१३	तुलायां
८	बु	५१	३०	वि	४८	१	शु	५३/१	५४/१७	वि	२३	२६	३३	२९	३१	२३	६	१४	वृ.३३।२७
९	गु	४६	३९	अ	४५	६	ऐं	४९	३७	बा	१९	४	३०	३०	३०	२४	७	१५	वृश्चिके
१०	शु	४०	३१	ज्ये	४२	७	वै	४२	५	तै	१४	५	२६	३१	२९	२५	८	१६	ध.४२।७
११	श	३३	३०	मू	३६	१३	वि	३३	५४	व	७	०	२२	३२	२८	२६	९	१७	धनुषि
१२	र	२५	४८	पू	३०	३२	प्री	२५	४	बा	२५	४८	१९	३२	२८	२७	१०	१८	म.४३।५८
१३	चं	१७	२६	उ	२४	१६	आ	१५	२८	तै	१७	२६	१५	३३	२७	२८	११	१९	मकरे
१४	मं	९	५	श्र	१८	०	सौ	५/५९	५०/४३	व	९	५	१२	३४	२६	२९	१२	२०	कुं४५।६
१५	बु	१	८	ध	१२	१३	अ	४८	८	ब	१	८	८	३४	२६	३०	१३	२१	कुंभे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८५४स. २०१३

उफा.शुक्र:४८।१चंद्र दर्शनम् सिंधारा
सव्वाल १० तीज
भ.३०।१६उ.
भ.०।३१या.कन्यायां शुक्र:३४/२९वरद ४
[× रक्षा बंधनम्
बुधास्त:पूर्वस्यां२१।०
भ.५५।२२उ.
भ.२३।२६या.आश्ले.बुध:२७।४९ +
[+आर्द्रा.४गुरु:१०:८३
मघा.सिंहेऽर्क:४४।३१
भ.७।०उ.३३।३०यां.मघा. सिंहेऽर्क:÷
कर्के भौम:४६।५२प्रदोष:
[÷सौर:२०।३४ पवित्रा ११ व्र.
भ.९।५उ.३५।७या.हस्ते शुक्र:०।२१
मघा.सिंहे बुध:१।३४ श्रावणी कर्म ×

१८पं.श्रा.शु.३श.इ. ४६/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	२	४	६	६	३
२४	२४	९	१५	२९	११	१७	२३
१६	४६	५३	५८	२	४६	४७	४२
३७	१	५३	३०	५३	२४	५	५७
५७	४०	८६	१२	७२	३	३	५७
३३	३८	९८	१३	२	२५	११	२२

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले १० शुक्रे सिंहेऽर्क:प्रविष्ट: वा.४न.६प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय: पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.११श.इ. ४६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	२	५	६	६	४
०	२९	२३	१७	७	१२	१७	०
५९	१९	३०	२१	२०	१०	२४	२५
५३	३४	५८	२५	३८	५९	४९	१९
५७	४०	८६	११	७१	३	३	५७
४०	२१	४६	४२	३७	५८	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	बु	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
२	गु	४९	२८	श	७	२०	सु	४०	२२	तै	२१	५०	३२/४	५/३५	६/२५	३१	१४	२२	मी४९।४०
३	शु	४४	२३	पू	३	४६	धृ	३३	५६	व	१६	५६	१	३६	२४	१	१५	२३	मीने.
४	श	४२	३३	उ	२	३	शू	२९	६	ब	१३	२८	३/५७	३७	२३	२	१६	२४	मीने
५	र	४२	३८	रे	२	२९	गं	२५	४३	कौ	१२	३५	५३	३७	२३	३	१७	२५	मे.२।२९
६	चं	४४	५८	अ	४	४६	बृ	२४	२२	ग	१३	४८	४९	३८	२२	४	१८	२६	मेषे
७	मं	४८	५८	भ	९	५	ध्रु	२३	५७	वि	१६	५८	४६	३९	२१	५	१९	२७	वृ.२५।३१
८	बु	५४	२९	कृ	१४	४८	व्या	२५	११	बा	२१	४३	४२	४०	२०	६	२०	२८	वृषे
९	गु	६०	०	रो	२१	४८	ह	२६	५९	तै	२७	२३	३८	४०	२०	७	२१	२९	मि५५।२९
९	शु	०	१९	मृ	२९	११	व	२९	२२	ग	०	१९	३४	४१	१९	८	२२	३०	मिथुने
१०	श	६	४९	आ	३६	५२	सि	३२	२	वि	६	४९	३०	४२	१८	९	२३	३१	मिथुने
११	र	१२	५०	पु	४३	५९	व्य	३४	१२	बा	१२	५०	२६	४३	१७	१०	२४	१	क.२७।१२
१२	चं	१८	२२	पु	५०	२८	व	३५	५७	तै	१८	२२	२२	४४	१६	११	२५	२	कर्के
१३	मं	२२	३६	श्ले	५५	४४	प	३६	३९	व	२२	३६	१८	४४	१६	१२	२६	३	सिं.५५/४४
१४	बु	२५	४१	म	५९	५४	शि	३६	४३	श	२५	४१	१५	४५	१५	१३	२७	४	सिंहे
३०	गु	२७	२९	पू	६०	०	सि	३५	४०	ना	२७	२९	११	४६	१४	१४	२८	५	सिंहे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेश्रावण कृष्णेति महाराष्ट्रा:

भ.१६।५६उ४४।२३या भा.भाद्रपदारंभ,
पुष्ये भौम:०।४३चतुर्थी व्र.
[Aशुक्र:२/१स्वाती.३राहु:भरणी१केतु:५२
भ.४४।५८उ.चंद्र षष्ठी
भ.१६।५८या.पूफा.बुध:३८।२३
जन्माष्टमी व्र.
गोगा ९
भ ३३।३४उ.पूफा.रवि:३४।७
भ.६।४९या.पूफा.रवि:सौर:३/५चित्रा. A
पुन.१गुरु:१/१९सितम्बर१९ता.३०अजा११व्र.
स्वाती.३शनि:३३।५८वत्सद्वादशी प्रदोष:
भ.२२।३६उ.५४।९या.उफा.बुध:४५।६
कन्यायांबुध:५२/४२कुशाग्रहणी पिठोरी ३०

२०पं.भा.कृ.४ श.इ. ४६/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	२	५	६	६	४
७	३	७	१८	१५	१२	१७	७
४४	५०	३८	४०	३६	३९	२	८
२०	४२	५३	५५	०	२५	३४	३९
५७	४०	८६	११	७१	४	३	५७
४९	१०	९८	५	११	३७	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चन्द्र दर्शन चांदी स्वर्ण लोहा ताम्बा रुई रंग सूत में तेजी करे धान्य में मंदी कहीं २ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

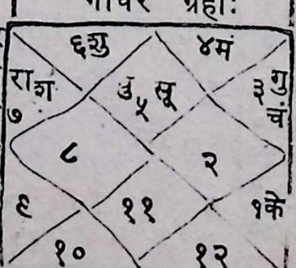

२१ पं.भा.कृ.१०श.इ. ४६/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	२	५	६	६	४
१४	८	२१	१९	२३	१३	१६	१३
३०	१९	४	५५	४८	११	४०	५३
०	२३	३०	५२	४७	६	५८	५१
५८	३९	८६	१०	७०	४	३	५७
१	४२	७४	२८	३२	५८	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः८८४ स. २०१३
१	शु	२७	४८	पू	२	३७	सा	३३	२१	व	२७	४८	३/७	५/४७	६/१३	१५	२९	६	कं.१८।२	तुलायांशुक्र:४।३४
२	श	२७	०	उ	४	१६	शु	३०	२३	कौ	२७	०	३	४७	१३	१६	३०	७	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	र	२५	१४	ह	४	४०	शु	२६	३७	ग	२५	१४	३/५९	४८	१२	१७	१	८	तु.३४।२९	भ.५३।५५उ.बुधोदय:पश्चिमायां ४/१ ३/८ ÷
४	चं	२२	३७	चि	४	१९	ब्र	२१	५६	वि	२२	३७	५५	४९	११	१८	२	९	तुलायां	भ.२२।३७या.गणेशचतुर्थी
५	मं	१९	१८	स्वा	२	५७	ऐं	१६	४३	ग	१९	१८	५१	५०	१०	१९	३	१०	वृ.४७।२४	ऋषिपंचमी [÷जिल्काद११हरितालिका३
६	बु	१५	३२	वि	२/१३	५/४२	वै	११	८	तै	१५	३२	४७	१	९	२०	४	११	वृश्चिके	हस्तेबुध:३४।७स्वात्यांशुक्र:४८।४७
७	गु	१०	६	ज्ये	५५	५८	वि	५/३	५३/२७	व	१०	६	४३	५१	९	२१	५	१२	ध.५५।५८	भ.१०।६उ.३८।७या.
८	शु	६	८	मू	५२	४०	आ	५१	२८	व	६	८	३९	५२	८	२२	६	१३	धनुषि	उफा.रवि.१८।३२(सौर:५८।५)
९	श	०	४३	पू	४८	४९	सौ	४४	१	कौ	०	४३	३५	५३	७	२३	७	१४	धनुषि	आश्ले.भौम:१।६
१०	श	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[× ११व्र.वै.वामनजयंती
११	र	४८	३५	उ	४४	३५	शो	३६	१६	व	२१	४३	३१	५४	६	२४	८	१५	म.२।४५	भ.२/४ ३/३ उ.४/३ ६/६ याजलझूलनी११व्र.स्मा.
१२	चं	४२	७	श्र	४०	५	अ	२८	२३	ब	१५	२१	२७	५५	५	२५	९	१६	मकरे	कन्यायामर्क:४३।५३जलझूलनी ×
१३	मं	३५	४९	ध	३५	४३	सु	२०	२५	कौ	८	५८	२२	५६	४	२६	१०	१७	कुं ७।५३	कन्यार्क:सौर:२१।१६प्रदोष:
१४	बु	३०	४	श	३१	३७	धृ	१३	४४	ग	२	५६	१८	५६	२	२७	११	१८	कुम्भे	भ.३०।४उ.५७।३१या.अनंत१४
१५	गु	२४	५८	पू	२८	३८	शू	५/०	५३/३८	ब	२४	५८	१४	५७	३	२८	१२	१९	मी. ३/५४	महालयारंभ:कु.संध्या.पूजानारंभ:

२२पं.भा.शु.२श.इ.४६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	२	६	६	६	४
२१	१२	३	२१	१	१३	१६	२०
१७	४५	३१	६	५८	४६	१८	४०
२	३२	१९	२२	३०	१२	३	३१
५८	३९	०/६	९	६९	५	३	५८
१३	२२	२/०	४५	५३	२६	११	१२

गोचर ग्रहाः

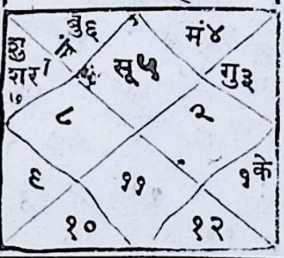

भाद्रपदशुक्ले१२चंद्रे कन्यायामर्क:प्रविष्ट: वा.४न.५गतालका- वस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

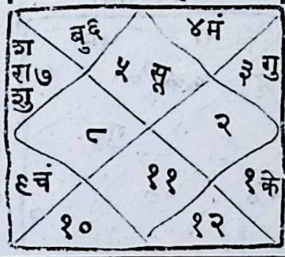

२३पं:भा.शु.९श.इ.४६।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	२	६	६	६	४
२८	१७	१४	२२	१०	१४	१५	२७
५	९	५८	११	४	२४	५५	२८
२४	२२	५	४९	५	५४	४७	५०
५८	३९	९२	९	६९	५	३	५८
२६	१२	८	१	२	५०	११	२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	शु	२१	१०	उ	२६	४१	वृ	५३	३७	कौ	२१	१०	३/०९	५/५८	६/२	२९	१३	२०	मीनें	चित्राबुध:१५।२२
२	श	१९	२०	रे	२६	१७	ध्रु	४९	३८	ग	१९	२०	५	५९	१	३०	१४	२१	मि.२६।१७	भ.४९।५उ.
३	र	१८	५१	अ	२७	३८	व्या	४७	११	वि	१८	५१	३०/००	६/००	६/००	३१	१५	२२	मेषे	भ.१८।५१या.चतुर्थीव्र.
४	चं	२०	३१	भ	३०	५५	ह	४६	९	बा	२०	३१	२९/५६	६/१	५/५९	१	१६	२३	वृ.४७।४	विशा.शुक्र:२६।९पुन.२गुरु:५५।१७+
५	मं	२३	५६	कृ	३५	३२	व	४६	२८	तै	२३	५६	५२	२	५८	२	१७	२४	वृषे	तुलायांबुध:४४।२९[+भा.आश्विनारंभ:
६	बु	२८	५६	रो	४१	५४	सि	४७	२६	व	२८	५६	४८	२	५८	३	१८	२५	वृषे	भ.२८।५६उ.
७	गु	३४	३३	मृ	४८	५३	व्य	४९	१६	वि	१	४४	४४	३	५७	४	१९	२६	मि१५।२३	भ.१।४४या.हस्तेरवि:५७।२
८	शु	४०	५७	आ	५६	२८	व	५१	४२	बा	७	४५	४०	४	५५	५	२०	२७	मिथुने	हस्तेरवि:सौर:३३।४६
९	श	४७	९	पु	६०	०	प	५३	५९	तै	१४	३	३६	५	५५	६	२१	२८	क.४७।४	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	र	५२	५०	पु	३	५५	शि	५५	५८	व	१९	५९	३२	६	५४	७	२२	२९	कर्के	भ १९/५९ उ. ५२/५० या.स्वात्यांबुध: ५३/१६
११	चं	५७	१७	पु	१०	४३	सि	५७	१३	ब	२५	४	२८	६	५४	८	२३	३०	कर्के	इंदिरा११व्र.
१२	मं	६०	०	श्ले	१६	१९	सा	५७	८	कौ	२८	४८	२३	७	५३	९	२४	१	सिं१६।१९	अक्टूबर१०ता३१
१२	बु	०	२०	म	२०	४२	शु	५६	०	तै	०	२०	१९	८	५२	१०	२५	२	सिंहे	बृश्चिकेशुक्र:१८।३२प्रदोष:
१३	गु	१	४७	पू	२३	९	शु	५३	३३	व	१	४७	१५	९	५१	११	२६	३	कं.३८।२३	भ.१।४७उ.३/३ १/७ या.शस्त्रादिहतानांश्रा.
१४	शु	१	२६	उ	२४	६	ब्र	४९	५९	श	१	२६	११	१०	५०	१२	२७	४	कन्यायां	सर्वपितृ ३०
३०	शु	५८	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

२४पं.आ.कृ.२श.इ.४५।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	२	६	६	६	५
४	२१	२५	२३	१८	१५	१५	४
५१	३०	३४	१०	६	५	३३	१८
१६	४	४१	३४	७	५६	३१	५७
५८	३८	८९	८	६८	६	३	५८
३८	५१	११	१०	१३	१५	११	४५

ग्रोचर ग्रहाः

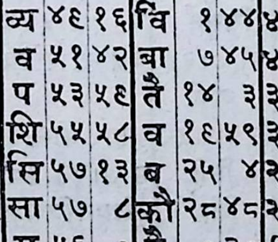

इस मासमें गेहूं, जो, चना,मटर,बाजरामंदे हों,धातु,सोना,चांदी, लोहा,तांबा,गुड़, शक्कर,गन्ना,रुई तेज हो फल श्रेष्टहोवे।

ग्रोचर ग्रहाः

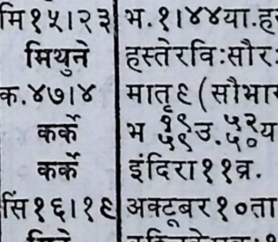

२५पं.आ.कृ.९श.इ. ४५/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	२	६	६	६	५
११	२५	५	२४	२६	१५	१५	११
४६	४८	१५	२	२	४९	११	१०
५२	४०	५४	५६	५३	१९	१६	५७
५८	३८	७८	७	६७	६	३	५९
५३	२८	२१	१	८	३१	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतुंरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६१३सन्२०१३
१	श	५६	२७	ह	२३	४७	ऐं	४५	१६	किं	२८	१४	२९/७	६/११	५/४९	१३	२८	५	तु.५२।५७	अनु,शुक्र:१५।२८मघा.सिंहेभौम:४५/१२×
२	र	५२	२६	चि	२२	७	वै	३९	३५	बा	२४	२६	३	११	४९	१४	२९	६	तुलायां	स्वाति४शनि ३४।४३ चंद्रदर्शनम्
३	चं	४७	३८	स्वा	१९	३६	वि	३३	७	तै	२०	२	२/५९	१२	४८	१५	१	७	तुलायां	जिल्हेज१२ [×नवरात्रारंभ:मातामह:श्रा.
४	मं	४२	२७	वि	१६	२७	प्री	२६	५	व	१५	२	५५	१३	४७	१६	२	८	वृ.२।१४	भ.१५।२उ ४२।२७या.
५	बु	३७	११	अ	१३	१	आ	१९	५६	ब	९	४९	५१	१४	४६	१७	३	९	वृश्चिके	
६	गु	३१	४६	ज्ये	९	३२	सौ	११	५२	कौ	४	३१	४७	१५	४५	१८	४	१०	ध.९।३२	चित्रा.रवि२९।४
७	शु	२६	२५	मू	६	२	शो	४/४६	५२/५०	व	२६	२५	४३	१५	४५	१९	५	११	धनुषि	भ . २६।२५उ.५३।५६या.चित्रा.रवि:+
८	श	२१	२६	पू	२/३९	५६/४१	सु	५०	३६	ब	२१	२६	३९	१६	४४	२०	६	१२	म.१६।४९	[+सौर:४।२०विशा.बुध:५१।१६
९	र	१६	२२	श्र	५६	२४	धृ	४३	३६	कौ	१६	२२	३५	१७	४३	२१	७	१३	मकरे	
१०	चं	१२	३४	ध	५३	३७	शू	३७	५८	ग	१२	३४	३१	१८	४२	२२	८	१४	कुं.२५।०	भ.३९।५२उ.
११	मं	७	१०	श	५१	७	गं	३०	२८	वि	७	१०	२७	१९	४१	२३	९	१५	कुम्भे	भ.७।१०या.पापांकुशा११व्र.
१२	बु	३	९	पू	४९	२२	वृ	२४	२८	बा	३	९	२३	१९	४१	२४	१०	१६	मी३४।४८	प्रदोष: [–व्र.का.स्ना.प्रा.
१३	बु	५६	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[...(सौर:४७।४)ज्येष्ठाशुक्र:२३।३८
१४	गु	५७	२०	उ	४८	१४	ध्रु	१९	५	ग	२८	३४	२०	२०	४०	२५	११	१७	मीने	भ.५७।२०उ.तुलायांमर्क:१२।५३...
१५	शु	५६	१०	रे	४८	२१	व्या	१४	१९	वि	२६	४५	१६	२१	३९	२६	१२	१८	मे.४८।२१	भ.२६।४५या.शरद्पूर्णिमा कोजागरी–

२६पं.आ.शु.१श.इ ४५/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	७	६	६	५
१८	०	१३	२४	३	१६	१४	१८
४०	४	४९	४८	५३	३४	४९	४
८	२३	८	२२	१०	३०	०	४४
५९	३८	८४	६	६५	६	३	५९
९	१७	५	८	४७	४४	११	१६

गोचर ग्रहाः

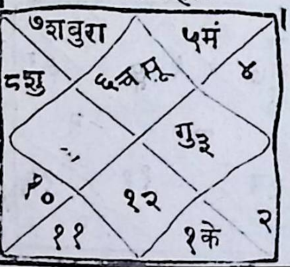

आश्विनशुक्ले१४गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४प्रौढावस्था (बैंठी) मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदय:पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु.८श.इ.४५।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	२	७	६	६	५
२५	४	२०	२५	११	१७	१४	२५
३५	१७	३९	२५	३५	२१	२६	००
२	४२	०	५२	२८	४०	४५	२६
५९	३७	४३	४	६४	७	३	५९
२१	४७	८	५९	१९	२	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेतिमहा.
१	श	५६	१८	अ	४९	३९	ह	१०	३५	बा	२६	१४	२८/१२	६/२२	५/३८	२७	१३	१९	मेषे	
२	र	५८	६	भ	५२	३७	व	७	५७	तै	२७	१२	८	२२	३८	२८	१४	२०	मेषे	वक्रीबुध:३१।०अस्तंशनै:२९।३४
३	चं	६०	०	कृ	५६	५८	सि	६	३६	व	२९	४२	४	२३	३७	२९	१५	२१	वृ.८।४२	भ.२९।४२उ.
३	मं	१	१९	रो	६०	०	व्य	६	०	वि	१	१९	०	२४	३६	३०	१६	२२	वृषे	भ.१।१९या.चतुर्थीव्र.
४	बु	६	४	रो	२	४५	व	६	४४	बा	६	४	२७/५६	२५	३५	१	१७	२३	मि३६।०	स्वात्यांरवि: ५४।५५भा.कार्तिकारंभ:
५	गु	११	२९	मृ	९	१६	प	७	८	तै	११	२९	५३	२५	३५	२	१८	२४	मिथुनें	स्वात्यांरवि:सौर:२८।७
६	शु	१७	५५	आ	१६	४१	शि	१०	१६	व	१७	५५	४९	२६	३४	३	१९	२५	मिथुनें	भ . १७।५५उ.५१।६या.
७	श	२४	१७	पु	२४	१७	[illegible]	१२	३२	ब	२४	१७	४५	२७	३३	४	२०	२६	क.७।२३	वुधास्त:पश्चिमायाम्४१।३०
८	र	३०	१५	पु	३१	३३	सा	१४	५१	कौ	३०	१५	४१	२८	३२	५	२१	२७	कर्के	
९	चं	३५	१३	श्ले	३७	५७	शु	१६	४९	तै	२	४४	३७	२९	३१	६	२२	२८	सिं३७।५७	पूफा . भौम:३५।४४ [=१७।४५
१०	मं	३८	५२	म	४२	५४	शु	१७	११	व	७	२	३४	२९	३१	७	२३	२९	सिंहे	भ.७।२उ.३८।५२या.वक्रीस्वात्यांबुध:=
११	बु	४०	४५	पू	४६	११	ब्र	१६	४४	ब	९	१९	३०	३०	३०	८	२४	३०	सिंहे	मूलेधनुषिशुक्र:१६।१४रमा११व्र.
१२	गु	४०	३८	उ	४७	४३	ऐं	१४	४६	कौ	१०	४१	२७	३१	२९	९	२५	३१	कं.१।३४	
१३	शु	३८	३५	ह	४७	२२	वै	११	२०	ग	९	३७	२३	३१	२९	१०	२६	१	कन्यायां	भ.३८।३५उ.नवं.११ता.३०प्रदोष: धन१३
१४	श	३४	४४	चि	४५	१६	वि	६	३०	वि	६	४०	१९	३२	२८	११	२७	२	तु.१६।१९	भ.६।४०या.स्वाती२राहु:अश्वि.४केतु:÷
३०	र	२९	३६	स्वा	४१	४८	प्री	०/१७	५९/४०	च	२	१०	१६	३३	२७	१२	२८	३	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम् [÷४४।१रूप१४

२८पं.का.कृ.१श.इ. ४५/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	७	६	६	६
२	८	२४	२५	१९	१८	१४	१
३१	२७	२१	५५	७	१०	४	५७
२६	११	४३	१	३७	५	२९	५२
५९	३७	६	३	६२	७	३	५९
२४	१७	५३	४९	३०	८	११	४६

२९पं.का.कृ.७श.इ.४५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	७	६	६	६
९	१२	२२	२६	२६	१८	१३	८
२९	३३	२२	१५	२८	५९	४२	५७
४२	४०	३७	५४	५	३८	१३	१२
५९	३६	५६/५	२	६०	७	३	६०
४७	२७	व	२६	१४	८	११	२

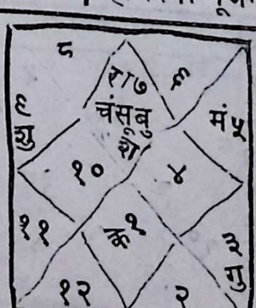

३०पं.का.कृ.१४श.इ.४४/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	८	६	६	६
१६	१६	१४	२६	३	१९	१३	१५
२९	३५	२२	२६	३३	४९	१९	५८
२८	१३	४१	२४	३२	५५	५८	१६
६०	३६	९४/१	१	५७	७	३	६०
४	१९	व	३	२१	२२	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः९४३ सन् २०१३
१	चं	२३	१६	वि	३७	१०	सौ	४४	४४	ब	२३	१६	२७/१२	६/३४	५/२६	१३	२९	४	वृ.२३।२०	विशाखा१शनिः २९ अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	मं	१६	२२	अ	३१	५४	शो	३६	४	कौ	१६	२२	९	३४	२६	१४	३०	५	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २ यम २
३	बु	९	२०	ज्ये	२६	५३	अ	२७	२२	ग	९	२०	५	३५	२५	१५	१	६	ध.२६।५३	भ. ३५/५१ उ. विशा. रविः १५/२१(सौरः ४५/३१)÷
४	गु	२	२२	मू	२१	५०	सु	१८	३६	वि	२	२२	२	३६	२४	१६	२	७	धनुषि	भ. २।२२ या.
५	गु	५३	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ मोहोरम १ सन् १४३५ हि.
६	शु	४९	५५	पू	१७	१०	धृ	१०	२२	कौ	२२	५३	२६/५८	३६	२४	१७	३	८	म.३१।१८	बुधोदयः पूर्वस्यां १३।५६
७	श	४४	३९	उ	१३	१०	शू	१/३८	५३/३०	ग	१७	१७	५५	३७	२३	१८	४	९	मकरे	भ. ४४।३९ उ. वक्री गुरुः २।४७
८	र	४०	१३	श्र	९	५५	वृ	४८	३८	वि	१२	२६	५२	३८	२२	१९	५	१०	कुं ३८।४०	भ. १२।२६ या गोपाष्टमी
९	चं	३६	४०	ध	७	२५	ध्रु	४२	४१	बा	८	२६	४९	३८	२२	२०	६	११	कुंभे	मार्गी बुधः १।२९ कुष्मांड ९ अक्षय ९
१०	मं	३३	५९	श	५	५०	व्या	३७	१६	तै	५	१९	४५	३९	२१	२१	७	१२	मी. ५९/२५	
११	बु	३२	७	पू	५	१७	ह	३२	४७	व	३	३	४२	४०	२०	२२	८	१३	मीने	भ. ३।३ उ. ३२।७ या. पूषा. शुक्रः ७/५४=
१२	गु	३१	७	उ	५	१९	व	२८	५६	व	१	३७	३९	४०	२०	२३	९	१४	मीने	[= प्रवोधिनी ११ व्र. तुलसी विवाहः
१३	शु	३१	२१	रे	६	३५	सि	२६	३	कौ	०	१४	३६	४१	१९	२४	१०	१५	मे.६।३५	प्रदोषः [+ वैकुंठ १४
१४	श	३२	३२	अ	८	४४	व्य	२३	७	ग	१	५६	३३	४१	१९	२५	११	१६	मेषे	भ. ३२/३२ उ. बृश्चिकेऽर्कः १/२६ (सौरः ३९/४८)+
१५	र	३५	७	भ	१२	०	व	२२	५५	वि	२	५०	३०	४२	१८	२६	१२	१७	वृ.२८।८	भ. २।५० या. मन्वादिः का. स्ना. पू.

३१पं.का.शु.७श.इ. ४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	२	८	६	६	६
२३	२०	८	२६	१०	२०	१२	२३
३०	३४	४१	२८	१८	४०	५७	०
५०	१२	१३	५२	३६	३०	४२	५०
६०	३५	१२/७	७/०	५३	७	३	६०
१७	५२	व.	व.	३५	२०	११	३०

गोचर ग्रहाः

कार्तिकशुक्ले १४ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४प्रगलभावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

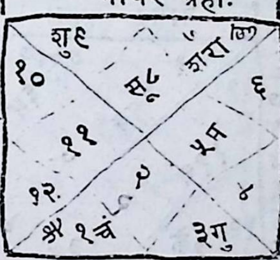

३२पं.का.शु.१४श.इ. ४४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	६	८	६	६	७
०	२४	११	२६	१६	२१	१२	०
३३	२९	१२	१९	३६	३०	३५	४
२९	२	०	३०	०	३६	२७	५४
६०	३५	५४/१४	१/४०	४९	७	३	६०
२०	१८	मा	व.	२	१४	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	चं	३८	४६	कृ	१६	३१	प	२२	३१	बा	६	५६	२६/२७	६/४३	५/१७	२७	१३	१९	वृषे	
२	मं	४३	५५	रो	२२	१६	शि	२३	३	तै	११	२०	२५	४३	१७	२८	१४	१९	मि. ५५/२८	अनु. रविः २९।४६ (सौरः ५६।३६)
३	बु	४९	१४	मृ	२८	४१	सि	२४	१६	व	१६	३५	२२	४४	१६	२९	१५	२०	मिथुने	भ. १६/३५ उ. ४९/१४ या. उफा. भौमः २७/१०
४	गु	५५	४०	आ	३५	२९	सा	२६	९	ब	२२	२७	१९	४४	१६	३०	१६	२१	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	शु	६०	०	पु	४३	२८	शु	२८	२०	कौ	२८	५१	१७	४५	१५	१	१७	२२	क. २६/२८	उदयं शनेः २४/५२ भा. मार्गशीरंभ
५	श	२	२	पु	५१	९	शु	३०	४६	तै	२	२	१४	४५	१५	२	१८	२३	कर्के	
६	र	९	३२	श्ले	५८	१०	ब्र	३२	५५	ब	९	३२	१२	४६	१४	३	१९	२४	सिं. ५८/१०	भ. ९/३२ उ. ४१/५२ या. विशा. बुधः१६।५७
७	चं	१४	११	म	६०	०	ऐं	३४	१७	ब	१४	११	९	४६	१४	४	२०	२५	सिंहे	
८	मं	१८	३६	म	४	३	वै	३४	४८	कौ	१८	३६	७	४७	१३	५	२१	२६	सिंहे	कन्यायां भौमः ४२।१८
९	बु	२१	२६	पू	८	४६	वि	३३	५९	ग	२१	२६	५	४७	१३	६	२२	२७	कं.२४।२६	भ. ५१।४९ उ.
१०	गु	२२	१३	उ	११	२९	प्री	३१	४३	वि	२२	१३	२	४८	१२	७	२३	२८	कन्यायां	भ. २२।१३ या.
११	शु	२०	५७	ह	१२	२५	आ	२७	४३	बा	२०	५७	०	४८	१२	८	२४	२९	तु.४१।४६	उषा. शुक्रः ३८।४० उत्पत्ति ११ व्र.
१२	श	१७	४६	चि	११	८	सौ	२२	१०	तै	१७	४६	२५/५८	४८	१२	९	२५	३०	०	प्रदोषः
१३	र	१२	३८	स्वा	८	९	शो	१५	७	व	१२	३८	५६	४९	११	१०	२६	१	तुलायां	भ. १२/३८ उ. ३९/१४ या. बृश्चिके बुधः ७/५९÷
१४	चं	५	५०	वि	३/२२	५३/५८	अ	६/३७	५०/४७	श	५	५०	५४	४९	११	११	२७	२	वृ.४९।३४	ज्येष्ठा. रविः ४९/५३ विशाखा. २ शनिः २१/४७
३०	चं	५२	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	वृश्चिके	दिसम्बर १२ ता. ३१

३३पं.मा.कृ.५श.इ ४२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	२	८	६	६	७
७	२८	१९	२६	२२	२२	१२	७
३७	१७	१६	१	१९	२०	१३	१०
२६	२०	४८	५	२६	२	११	२७
६०	३४	७९	३/८	४३	७	३	६०
४२	३७	२८	व	६	८	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास में बुध का चन्द्रदर्शन चांदी रूई सोना सण तिल घृत मंदे करें रस गुड सक्कर तेज हो प्रजा में शान्ति रहे ।

गोचर ग्रहाः

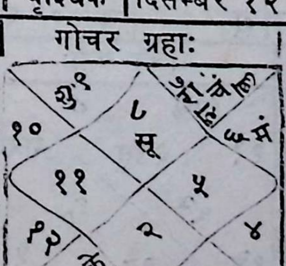

३४पं.मा.कृ.१२श.इ. ४४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	२	८	६	६	७
१४	५	२२	२५	२७	२३	११	१४
४२	१	३४	३३	१८	८	५०	१७
४०	३४	३२	३६	३६	३८	५५	१३
६०	३३	८९	१/३	३५	७	३	६१
५०	५३	१५	व.	२२	२	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:६७२ स.२०१३
१	मं	४६	२५	ज्ये	४६	३५	धृ	४७	१६	किं	२३	४४	२५/५३	६/४९	५/११	१२	२८	३	घ.४६।३५	ज्येष्ठा.रवि:सौर:४।३०अनु.बुध:३/७
२	बु	४०	३६	मू	४३	४७	शू	३७	५	बा	१५	२	५१	५०	१०	१३	२९	४	धनुषि	मकरेशुक्र:४४।४६चंद्रदर्शनम्
३	गु	३२	१६	पू	३७	१३	गं	२७	४	तै	६	२७	४९	५०	१०	१४	१	५	म.५०।४४	भ.५/४७उ.बुधास्त:पूर्वस्यां२९/१४सफर२
४	शु	२४	३८	उ	३१	२०	वृ	१७	१७	वि	२४	३८	४८	५०	१०	१५	२	६	मकरे	भ.२४।३८या.
५	श	१७	४४	श्र	२६	२०	ध्रु	८	१७	बा	१७	४४	४६	५१	९	१६	३	७	कुं.५४।३०	
६	र	१२	१४	ध	२२	४०	व्या	२६	५३	तै	१२	१४	४५	५१	९	१७	४	८	कुंभे	चंपा६
७	चं	७	५६	श	२०	८	व	४७	४४	व	७	५६	४४	५१	९	१८	५	९	कुंभे	भ.७।५६उ.३६।७या.
८	मं	५	१६	पू	१९	११	सि	४३	४	ब	५	१६	४३	५१	९	१९	६	१०	मी४।२६	
९	बु	३	५२	उ	१९	२७	व्य	३९	२६	कौ	३	५२	४२	५२	८	२०	७	११	मीने	
१०	गु	३	४२	रे	२१	१४	व	३६	५८	ग	३	४२	४१	५२	८	२१	८	१२	मे.२१।१४	भ.३४।२३उ.ज्येष्ठा.बुध:७।४६
११	शु	५	४	अ	२४	२८	प	३५	१९	वि	५	४	४०	५२	८	२२	९	१३	मेषे	भ.५।४या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	श	७	१४	भ	२८	३०	शि	३४	५८	बा	७	१४	३९	५२	८	२३	१०	१४	वृ.४४।४४	प्रदोष: [+हस्तेभौम:१४।२४दत्तजयंती
१३	र	१०	५६	कृ	३३	२८	सि	३५	२	तै	१०	५६	३९	५२	८	२४	११	१५	वृषे	मूलेधनुष्यर्क:४७।८
१४	चं	१५	१६	रो	३९	१८	सा	३५	३९	व	१५	१६	३८	५२	८	२५	१२	१६	वृषे	भ.१५/१६उ.४६या.मूलेंधनुष्यर्क:सौर:६/०+
१५	मं	२०	४८	मृ	४६	२	शु	३७	१२	व	२०	४८	३८	५२	८	२६	१३	१७	मि. १२/४०	

३५पं. मा.शु.५श.इ.४/५ ३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	२	९	६	६	७
२१	५	१०	२४	१	२३	११	२१
४८	४०	३	५७	१५	५५	२८	२४
४३	८	३६	०	४७	४८	४०	५६
६०	३२	९४	५/२६	२५	६	३	६१
५९	५८	१७	व.	२३	४४	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष क्लें१३रवौ धनुष्यर्क:प्रविष्ट:वा.२ न.३प्रगलभावस्था (बैठी)मु.४५वान्या-दि भावें समर्घता शु-क्रोदय:पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

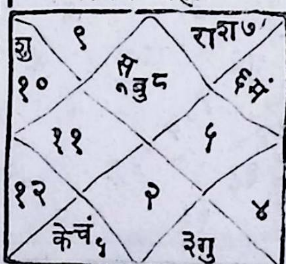

३६पं.मा.शु.१२श.इ.४/४ ३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	२	९	६	६	७
२८	९	२०	२४	३	२४	११	२८
५५	११	५२	१३	५६	४०	६	३३
३७	२८	५९	४८	२	४८	२४	३९
६१	३२	९७	६/२४	१२	६	३	६१
०	१	१९	व.	३५	२९	११	१०

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु	२६	२७	आ	५३	८	शु	३९	०	कौ	२६	२७	२५/३७	६/५३	५/७	२७	१४	१८	मिथुने	
२	गु	३२	५८	पु	६०	०	ब्र	४१	१०	ग	३२	५८	३७	५३	७	२८	१५	१९	क.४३।५०	
३	शु	३९	२२	पु	०	४४	ऐं	४३	२५	व	६	१०	३६	५३	७	२९	१६	२०	कर्के	[+३७।३६वक्रीशुक्र:३३।१३
४	श	४५	४७	पु	८	२५	वै	४५	४६	ब	१२	३४	३६	५३	७	३०	१७	२१	कर्के	भ.६।१०उ.३९।२२या.मूलेधनुषिबुध:+
५	र	५१	४१	श्ले	१५	४२	वि	४७	२०	कौ	१८	४४	३६	५३	७	१	१८	२२	सिं१५।४२	चतुर्थी व्र.
६	चं	५६	३३	म	२२	१५	प्री	४८	३९	ग	२४	७	३६	५३	७	२	१९	२३	सिंहे	वक्री पुन १गुरु:१७।४०भा.पौषारंभ:
७	मं	६०	०	पू	२७	५०	आ	४८	४८	वि	२८	२६	३७	५३	७	३	२०	२४	कं४३।५२	भ.५६।३३उ.
७	बु	०	२०	उ	३१	५८	सौ	४७	५३	ब	०	२०	३७	५३	७	४	२१	२५	कन्यायां	भ.२८।२६या.
८	गु	२	१६	ह	३४	३४	शो	४६	१३	कौ	२	१६	३७	५३	७	५	२२	२६	कंन्यायां	
९	शु	२	२६	चि	३५	८	अ	४१	१४	ग	२	२६	३८	५२	८	६	२३	२७	तु.४।५१	
१०	श	०	३६	स्वा	३३	४३	सु	३५	४१	वि	०	३६	३९	५२	८	७	२४	२८	तुलायां	भ.३१।३१उ.
११	श	५६	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	भ.०।३६या.पूषा.रवि:५२।८पूषाबुध:×
१२	र	५०	५३	वि	३०	२२	धृ	२७	३०	कौ	२३	४६	४०	५२	८	८	२५	२९	वृ.१६।१२	[×५७।१६सफला११व्र.स्मा.
१३	चं	४३	३४	अ	२५	५	शू	१९	४७	ग	१७	१३	४१	५२	८	९	२६	३०	वृश्चिके	पूषा.रवि:सौर:६।५८सफला११व्र.वै.
१४	मं	३४	४८	ज्ये	१८	४५	गं	१०/२९	४९/५	वि	९	११	४१	५२	८	१०	२७	३१	घ.१८।४५	भ.४३।३४उ.प्रदोष:
३०	बु	२५	२३	मू	११	२२	ध्रु	४८	३०	च	०	६	४२	५२	८	११	२८	१	धनुषि	भ,९।११या,

जनवरी१ता०३१सन्२०१४

३७पं.पौ.कृ.४श.इ:४/३ ३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	२	९	६	६	८
६	१२	१	२३	४	२५	१०	५
३	३३	४९	२४	५२	२४	४४	४३
१४	४३	१९	७	४०	२५	९	४
६१	३०	९९	६/१५	३/२	६	३	६१
४	५५	२३	व.	व.	१४	११	२२

गोचर ग्रहाः

इसमासमें चांदी स्वर्ण मंदे रहें,सरसों तिल अलसी गुड़ तेजी करें शकुन :–पौषसुदी १४ दिना विजली का घन-घोर। शुभवर्षाआषाढ में बोलें दादुरमोर।।

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ..कृ. १०श. इ. ४/२ ३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	२	९	६	६	८
१३	१५	१२	२२	३	२६	१०	१२
११	४५	५६	२९	५७	४	२१	५२
१३	११	३८	५६	१८	५९	५३	५६
६१	२९	०/१	४८	३/२	५	३	६१
६	३४	२८	व.	व.	५०	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१००२स,२०१४
१	गु	१५	३४	पु	३/३८	५२/२२	व्या	३७	३३	ब	१५	३४	२५/४३	६/५१	२/९	१२	२६	२	म.१६।४३	चंद्रदर्शनम्
२	शु	६	२२	श्र	४८	५२	ह	२६	५६	कौ	६	२२	४४	५१	९	१३	१	३	मकरे	रविलावल३ [×अश्वि.३केतु:३६।८
३	शु	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷८।४०स्वाति१राहु:×
४	श	५०	१५	ध	४२	५८	व	१६	५३	व	२३	५७	४५	५१	९	१४	२	४	कु. १५/५५	भ.५३/३उ.५५/५या.विशाखा३वृश्चिकेशनिः÷
५	र	४४	२०	श	३८	४०	सि	८	३२	ब	१७	१७	४७	५१	९	१५	३	५	कुंभे	
६	चं	४०	१३	पू	३६	४	व्य	०/४४	५४/३	कौ	१२	१३	४८	५०	१०	१६	४	६	मी२१।४३	उषा.बुधः८।१८वक्रीधनूषिशुक्रः५०।१८
७	मं	३७	५३	उ	३५	१३	प	५०	४	ग	९	३	५०	५०	१०	१७	५	७	मीने	भ.३७।५३उ.
८	बु	३७	२५	रे	३६	१२	शि	४७	७	वि	७	३८	५२	५०	१०	१८	६	८	मे.३६।१२	भ.७।३८या.मकरेबुधः५।५९
९	गु	३८	४६	अ	३८	५३	सि	४५	२२	बा	८	५	५३	४९	११	१९	७	९	मेषे	॰
१०	शु	४१	३१	भ	४३	२	सा	४४	४९	तै	१०	८	५५	४९	११	२०	८	१०	वृ.५९।२२	उषारविः५३/६शुक्रास्तःपश्चिमायां०।३६
११	श	४५	४५	कृ	४८	२३	शु	४५	२०	व	१३	३८	५७	४९	११	२१	९	११	वृषे	भ.१३/७उ.४५/५या.उषा.रविःसौरः११।२५–
१२	र	५०	४७	रो	५४	४९	शु	४६	१९	ब	१८	१६	५९	४८	१२	२२	१०	१२	वृषे	वक्रीपूषा.शुक्रः१५।२ [–पुत्रदा११व्र.
१३	चं	५६	५३	मृ	६०	०	ब्र	४८	१०	कौ	२३	५०	२६/१	४८	१२	२३	११	१३	मि. २९/८	प्रदोषः [=शुक्रोदयःपूर्वस्यां३/६मा.स्ना.प्रा.
१४	मं	६०	०	मृ	२	८	ऐं	५०	१	ग	२९	४९	४	४७	१३	२४	१२	१४	मिथुने	मकरेऽर्कः१३/७(सौरः५३/२)श्रवणेबुधः५/६
१५	बु	२	४४	आ	९	९	वै	५२	१६	व	२	४४	६	४७	१३	२५	१३	१५	क.५९।५२	भ.२।४४उ.३६।२या.
१५	गु	९	१९	पु	१६	४६	वि	५४	२८	ब	९	१९	८	४६	१४	२६	१४	१६	कर्के	चित्राभौमः४४/३४वक्रीआर्द्रा४गुरुः३६/८१=

३९पं.पौ.शु.४श.इ. ४३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	२	९	६	६	८
२०	१८	२४	२१	१	२६	९	२०
१९	४९	१५	३३	६	४३	५९	२
२६	२६	४०	३६	४७	८	३७	५३
६१	२८	०/०	७/५२	३१/३४	५	३	६१
६	००	५८	व.	व.	२५	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौषशुक्ले१४भौमे मकरेऽर्कःप्रविष्टःवा. ३न.३प्रौढावस्था (बैठी मु.१५वान्यादि भावेंमहर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.११श.इ. ४/३२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	२	८	६	६	८
२७	२१	५	२०	२६	२७	९	२७
२७	४०	५१	३६	५८	१७	३७	१२
२२	३४	५८	५०	४१	४६	२२	४५
६१	२६	०/०	७/५२	३६/३१	४	३	६१
६	१	१३	व.	व.	५६	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	१५	३९	पु	२४	४	प्री	५६	३१	कौ	१५	३९	२६/११	६/४६	५/१४	२७	१५	१७	कर्के	
२	श	२१	५२	श्ले	३१	३५	आ	५८	१०	ग	२१	५२	१३	४५	१५	२८	१६	१८	सिं. ३१/३५	भ.५४।३९उ.बुधोदयःपश्चिमायां४१।२२
३	र	२७	२६	म	३७	५२	सौ	५९	२८	वि	२७	२६	१६	४५	१५	२९	१७	१९	सिंहे	भ.२७।२६या.चतुर्थीव्र.
४	चं	३२	८	पू	४३	४७	शो	५९	५८	बा	२२	८	१९	४४	१६	३०	१८	२०	कं.५९।५९	अभि.प्र.रविः४५।४७(सौरः५८।१३)
५	मं	३६	०	उ	४८	३३	अ	५९	४१	कौ	४	३४	२१	४४	१६	१	१९	२१	कन्यायां	भा.माघारंभः
६	बु	३८	३३	ह	५२	७	सु	५८	१५	ग	७	१६	२४	४३	१७	२	२०	२२	कन्यायां	भ.३८।३३उ.धनि.बुधः३।५३
७	गु	३९	३८	चि	५४	१०	धृ	५५	४०	वि	९	५	२७	४३	१७	३	२१	२३	तु.२३।८	भ.६।५या.
८	शु	३९	११	स्वा	५४	२९	शू	५१	४१	बा	९	२२	२९	४२	१८	४	२२	२४	तुलायां	श्रवणेरविः३/५४(सौरः१४/९,अभि.नि.=
९	श	३६	५३	वि	५३	११	गं	४६	७	तै	८	२	३२	४२	१८	५	२३	२५	वृ.३८।३१	अभि.नि.रविःसौरः४/६ [=रविः५४/३४
१०	र	३२	४१	अ	५०	४	बृ	३९	१६	व	४	४७	३५	४१	१९	६	२४	२६	वृश्चिके	भ.४/७उ.३/२या. कुंभेबुधः३/२पातस्पर्शः८
११	चं	२६	५३	ज्ये	४५	२०	ध्रु	३१	२	बा	२६	५३	३८	४०	२०	७	२५	२७	ध. ४५/२०	पातमोक्षः१५।३४षट्तिला११व्र.
१२	मं	१९	३४	मू	३९	१२	व्या	२१	४७	तै	१९	३४	४१	४०	२०	८	२६	२८	धनुषि	प्रदोषः
१३	बु	११	७	पू	३२	४	ह	११	३५	व	११	७	४५	३९	२१	९	२७	२९	म.४५।८	भ.११।७उ.३६।२३या.
१४	गु	१	३८	उ	२४	२२	व	०/४३	४८/५७	श	१	३८	४८	३८	२२	१०	२८	३०	मकरे	
३०	गु	५०	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

४१पं.मा.कृ.२श.इ.४३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	२	८	६	६	९
४	२४	१७	१९	२२	२७	९	४
३५	१७	३६	४१	५७	४८	१५	२२
१३	२	२९	४९	४०	२२	६	१४
६१	२३	०/०	२७	३०/३२	४	३	६१
३	४६	२२	व.	व.	२६	११	१९

गोचर ग्रहाः

इस मासयें धातु सोना चांदी रुई वस्त्र बाजरा मूंग मोठ रस गुड़ श- क्कर चीनी वदी में मंदी होकर सुदी में तेज हों।

गोचर ग्रहाः

४२पं.मा.कृ.९श.इ. ४३/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	२	८	६	६	९
११	२६	२८	१८	२०	२८	८	११
४२	२	४५	५१	१४	१५	५२	३५
४०	३८	४	७	३५	७	५१	५
६०	२०	८८	४/३२	१५/१	३	३	६१
५९	५६	५२	व.	व.	४५	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	शु	४२	२३	श्र	१६	३१	व्य	३८	४५	किं	१७	११	२६/५१	६/३८	५/२२	११	२९	३१	कुं.४३।५१
२	श	३३	३८	ध	११	१२	व	२८	३५	बा	८	१	५४	३७	२३	१२	३०	१	कुंभे
३	र	२६	१०	श	३/८	५५/१८	प	१९	२६	ग	२६	१०	५८	३६	२४	१३	१	२	मी. ४४/३७
४	चं	२०	२३	उ	५५	४२	शि	११	२६	वि	२०	२३	२७/३	३६	२४	१४	२	३	मीने
५	मं	१६	२४	रे	५४	४७	सि	५	१७	बा	१६	२४	५	३५	२५	१५	३	४	मे.५४।४७
६	बु	१४	३२	अ	५६	२	सा	५ ३/०	५६/५७	तै	१४	३२	८	३४	२६	१६	४	५	मेषे
७	गु	१४	५५	भ	५९	१३	शु	५६	२४	व	१४	५५	१२	३४	२६	१७	५	६	मेषे
८	शु	१७	३	कृ	६०	०	ब्र	५६	४३	ब	१७	३	१५	३३	२७	१८	६	७	वृ.१५।२८
९	श	२१	२	कृ	४	१२	ऐं	५७	२८	कौ	२१	२	१९	३२	२८	१९	७	८	वृषे
१०	र	२६	११	रो	१०	३०	वै	५९	१७	ग	२६	११	२३	३१	२९	२०	८	९	मि४४।७
११	चं	३२	३३	मृ	१७	४४	वि	६०	०	वि	३२	३३	२७	३१	२९	२१	९	१०	मिथुने
१२	मं	३८	४२	आ	२५	८	वि	१	२७	ब	५	३७	३०	३०	३०	२२	१०	११	मिथुने
१३	बु	४५	१७	पु	३२	५२	प्री	३	४७	कौ	११	५९	३४	२९	३१	२३	११	१२	क.१५।५६
१४	गु	५१	२२	पु	४०	१०	आ	६	२५	ग	१८	२०	३८	२८	३२	२४	१२	१३	कर्के
१५	शु	५७	१९	श्ले	४७	९	सौ	८	१	वि	२४	२०	४१	२८	३२	२५	१३	१४	सिं४७।९

शिशिरर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण १०३१स.२०१४

[+चंद्र दर्शनम् फरवरी २ ता. २८
शते बुधः१२।४१मार्गी शुक्रः१२।४९ +
भ.५३।१६उ.रविलाखर ४
भ.२०।२३या.
वसंत ५
[A१०।४२(सौरः१९।५५)पातस्पर्शः D
भ.१४।५५उ.४५।५९या. धनि.रविः A
वक्री बुधः ९/३ ६ तुलायांभौमः १७/८ भीष्माष्टमी
बुधास्तःपश्चिमायां ४१।४१
भ.५९।२२उ.
भ.३२।३३या.जया११व्र.
[D ३/९ ८/० पातमोक्षः५१।५७भानु७रथ ७
कुंभेऽर्कः ४५/५८(सौरः ५३/५७) वक्री.धनि.बुधः ×
भ.५१।२२उ. [×५९।२४ प्रदोषः
भ.२४।२०या.मा.स्ना.पूर्ति.

४३पं. मा.शु.५श.इ. ४३/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	१०	२	८	६	६	९
१८	२८	७	१८	१९	२८	८	१८
४९	३९	८	५	२२	३७	३०	३९
१६	४७	३८	४६	१९	५५	३५	१०
६०	१८	५५	५	०/२८	३	३	६१
५५	२	४६	५०	व.	१०	११	४

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले १३ बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

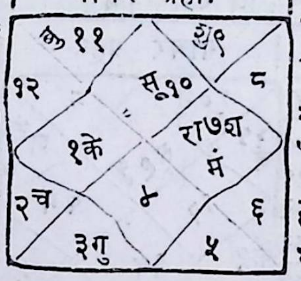

४४ पं.मा.शु.९श.इ. ४३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	१०	२	८	६	६	९
२५	०	८	१७	२०	२८	८	२५
५५	२०	५२	२७	४२	५५	८	४५
१	१७	१९	३६	४	४४	१९	५९
६०	१४	२१/२३	४/३७	१४/४९	२	३	६
४७	४	व.	व.	मा	२२	११	५०

५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	६०	०	म	५३	२१	शो	९	३४	बा	२९	४७	२७/४५	६/२७	५/३३	२६	१४	१५	सिंहे
१	र	२	१६	पू	५८	४७	अ	१०	२२	कौ	२	१६	४९	२६	३४	२७	१५	१६	सिंहे
२	चं	६	२५	उ	६०	०	सु	१०	३४	ग	६	२५	५३	२५	३५	२८	१६	१७	कं.१४।५४
३	मं	९	३३	उ	३	१७	धृ	१०	३	वि	९	३३	५६	२५	३५	२९	१७	१८	कन्यायां
४	बु	११	३७	ह	६	४४	शू	८	४१	बा	११	३७	२८/००	२४	३६	३०	१८	१९	तु.३७।५३
५	गु	१२	३०	चि	९	२	गं	६	२९	तै	१२	३०	४	२३	३७	१	१९	२०	तुलायां
६	शु	१२	२१	स्वा	१०	१७	वृ	२ ३/०	५५/४६	ब	१२	२१	८	२२	३८	२	२०	२१	वृ.५५।०
७	श	१०	५८	वि	९	५५	व्या	५३	४२	ब	१०	५८	१२	२२	३८	३	२१	२२	वृश्चिके
८	र	८	३	अ	८	५६	ह	४७	१६	कौ	८	३	१६	२१	३९	४	२२	२३	वृश्चिके
९	चं	३	५८	ज्ये	६	१३	व	३९	५५	ग	३	५८	२०	२०	४०	५	२३	२४	ध.६।१३
१०	चं	५४	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	मं	५१	४६	मू	२/१०	५४/५०	सि	३१	३२	ब	२५	६	२४	१९	४१	६	२४	२५	धनुषि
१२	बु	४३	५६	उ	५०	५३	व्य	२२	२९	कौ	१७	५१	२८	१८	४२	७	२५	२६	म.१०।२८
१३	गु	३५	३७	श्र	४४	१४	व	१२	२९	ग	१०	१६	३२	१८	४२	८	२६	२७	मकरे
१४	शु	२६	४१	ध	३७	१४	प	२/६	४९/५८	वि	१	९	३६	१७	४३	९	२७	२८	कुं.१०।४४
३०	श	१८	४	श	३०	४१	सि	४२	१९	ना	१८	४	४०	१६	४४	१०	२८	१	कुम्भे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

भ.३७ ५९उ.
भ.९।३३या.वक्री मकरेबुधः ५ ६/७ चतुर्थी व्र
शते रविः २२/१४(सौरः २९/५९)पातस्पर्शः ५०/१०
भा.फाल्गुनारंभःपातमोक्षः७।४
भ. ३१/२१उ. ४१/४०या.उषा.शुक्रः ३३/३६ वक्रीआर्द्रा >
बुधोदयःपूर्वस्यां९।३६
[×३ गुरुः११।४७
भ.३१।१२उ.५८।२७या.
विजया ११ व्र.स्मा.
मकरेशुक्रः १७/४३ वक्री भौमः ४६/३५ विजया ११ व्र
भ. ३५/३७ उ.प्रदोषःमहाशिवरात्री व्र.स्मा.
भ.१।९या.महाशिवरात्री व्र.वै.
मार्गी बुधः४४।१७मार्च ३ता.३१

४५ पं.फा.कृ. १श. इ. ४३/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	२	८	६	६	१०
२	१	३	१६	२३	२९	७	२
५९	३४	६	५६	२५	८	४६	५२
४९	४८	०	२०	१	३८	४	०
६०	९	५८/४	३/३१	२७	१/३५	३	६०
३७	८	व.	व.	२४	व.	११	४२

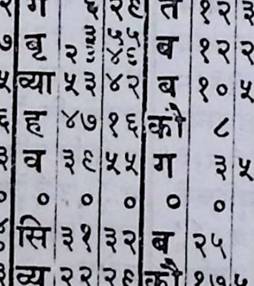

४६पं.फा.कृ. ७ श. इ. ४४/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	२	८	६	६	१०
१०	२	२६	१६	२७	२९	७	९
३	२०	१	३६	३०	१६	२३	५६
२२	५३	१९	४३	४	४१	४८	३३
६०	३	४७/२२	२/८	३७	१	३	६०
२५	४६	व	व	१८	००	११	३१

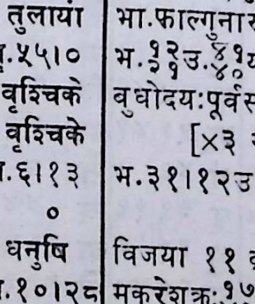

४७पं.फा. कृ.३०श.इ. ४४/२९

र	म	शु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	२	९	६	६	१०
१७	२	२४	१६	२	२९	७	१६
५	३८	१५	२५	३५	२०	१	५९
३५	४९	३२	१९	१०	१७	३३	२६
६०	४६/२	०/१	३०/७	४५	०	३	६०
१२	व	मा	व	२	१२	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूँरविरुत्तरेऽहर्गण १०६१ स.२०१४
१	र	१०	०	पू	२४	५९	सा	३३	३१	ब	१०	०	२८/४४	६/१५	५/४५	११	२९	२	मी११।२५	चंद्र दर्शनम्
२	चं	३	१६	उ	२०	४९	शु	२६	१	कौ	३	१६	४८	१४	४६	१२	१	३	मीने	वक्री शनिः५०।२६जमादिलावल५पात-×
३	चं	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×स्पर्शः२७।१पातमोक्षः४/४ ६/३ फुलरिया २
४	मं	५४	४८	रे	१८	१२	शु	१९	४६	व	२६	२६	५२	१४	४६	१३	२	४	मे.१८।१२	भ.३/२ ६/६उ.५/४ ४/८या.पूभा.रविः३/२ ८/०(सौरः +
५	बु	५३	५०	अ	१७	४२	ब्र	१५	२८	ब	२४	१९	५६	१३	४७	१४	३	५	मेषे	[+४४।६)मार्गी गुरुः५३।५७
६	गु	५४	५१	भ	१९	१६	ऐं	१२	४९	कौ	२४	२०	२९/१	१२	४८	२५	४	६	वृ. ३५/११	
७	शु	५७	५२	कृ	२२	५६	वै	१२	४	ग	२६	२१	५	११	४९	१६	५	७	वृषे	भ.५७।५२उ.
८	श	६०	०	रो	२८	१२	वि	११	५४	वि	३०	११	९	१०	५०	१७	६	८	वृषे	भ.३/१ ९/१या.चित्रा.४राहुः अश्वि.२केतुः =
८	र	२	३०	मृ	३४	५६	प्री	१३	२३	ब	२	३०	१३	९	५१	१८	७	९	मि१।३४	[= ३१।५ होलाष्टकम्
९	चं	८	३३	आ	४२	१३	आ	१५	२०	कौ	८	३३	१७	९	५१	१९	८	१०	मिथुने	श्रवणे शुक्रः४०।२५
१०	मं	१४	२८	पु	४९	५८	सौ	१७	३७	ग	१४	२८	२१	८	५२	२०	९	११	क.३३।१	भ.४७।५२उ.
११	बु	२१	१७	पु	५७	३१	शो	१९	५४	वि	२१	१७	२६	७	५३	२१	१०	१२	कर्के	भ.२/१ ३/७या.कुंभे बुधः३।१२आमलकी ११ व्र.
१२	गु	२७	२०	श्ले	६०	०	अ	२२	३	बा	२७	२०	३०	६	५४	२२	११	१३	कर्के	
१३	शु	३२	५७	श्ले	४	२७	सु	२३	४३	कौ	०	८	३४	५	५५	२३	१२	१४	सिं४।२७	मीनेऽर्कः३९।१३(सौरः४/२ ४/७)प्रदोषः
१४	श	३७	१७	म	१०	३७	धृ	२४	१४	ग	५	७	३८	४	५६	२४	१३	१५	सिंहे	भ.३७।१७उ.
१५	र	४०	३८	पू	१५	२१	शू	२४	२	वि	८	५८	४३	३	५७	२५	१४	१६	क.३१।२१	भ.८।५८या.होलिका दहनम्

४८ पं. फा.शु.८शु.इ. ४४/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	२	९	६	६	१०
२४	२	२७	१६	८	२९	६	२४
६	२१	२२	२४	२२	१८	३९	०
२२	१८	५५	०	३७	७	१७	४९
५९	९/३७	३४	०/४५	५०	०/२८	३	६०
५८	व.	१०	मा	३१	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले १३ शुक्रे मीमेऽर्कःप्रविष्टः वा.३न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४९पं. फा.शु.१४श.इ. ४५/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	२	९	३	६	११
१	१	३	१६	१४	२९	६	१
५	३२	३४	३२	४४	११	१७	०
३५	३८	५९	२५	३८	४९	१	३१
५९	१६/५७	५८	१	५५	१/२०	३	५९
४०	व.	८	५६	३	व.	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७० शाकः १९३५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूँरविरुत्तरे फा. कृष्णोतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४२	४९	उ	१९	२०	गं	२३	५	बा	११	४३	२९/४७	६/३	५/५७	२६	१५	१७	कन्यायां	वसंत १ छारेंडी
२	मं	४३	५०	ह	२२	५	बृ	२१	७	तै	१३	१९	५१	२	५८	२७	१६	१८	तु ५२।५३	उभा.रविः१/० ९/७(सौरः५।३)शते बुधः५/२ ६/२
३	बु	४३	२८	चि	२३	४२	ध्रु	१८	१४	व	१३	३८	५५	१	५९	२८	१७	१९	तुलायां	भ.१/३ ३/८उ.४/२ ३/८या.आर्द्रा.४गुरुः५१।१७
४	गु	४२	२५	स्वा	२४	१९	व्या	१४	५०	ब	१२	५६	३०/००	६/००	६/००	२९	१८	२०	तुलायां	चतुर्थी व्र.
५	शु	४०	३१	वि	२४	२०	ह	१०	३४	कौ	११	२८	४	५/५९	१	३०	१९	२१	वृ.६।२०	
६	श	३७	३६	अ	२३	७	व	५	३४	ग	९	३	८	५८	२	१	२०	२२	वृश्चिके	भ.३७।३६ज.भा.चैत्रारंभः
७	र	३४	८	ज्ये	२०	१३	सि	०/५५	५२/५०	वि	५	५२	१२	५८	२	२	२१	२३	ध २०।१३	भ.५।५२या.वक्री कन्यायां भौमः७।०
८	चं	२९	४०	मू	१८	४३	व	४६	४६	बा	१	५४	१६	५७	३	३	२२	२४	धनुषि	धनि.शुक्रः३८।४शीतला पूजनम्
९	मं	२४	२४	पू	१५	१५	प	३९	१६	ग	२४	२४	२१	५६	४	४	२३	२५	म.२९।१२	भ.५१।२८उ.
१०	बु	१८	३२	उ	११	४	शि	३१	१०	वि	१८	३२	२५	५५	५	५	२४	२६	मकरे	भ.१८।३२या.
११	गु	११	५९	श्र	६	२३	सि	२२	३९	बा	११	५९	२९	५४	६	६	२५	२७	कुं.३३।४७	पापमोचनी ११ व्र.
१२	शु	४	५३	ध	११/५	५४/४४	सा	१३	५३	तै	४	५३	३३	५३	७	७	२६	२८	कुंभे	भ.५७।३६उ.पूभा.बुधः४१।२०प्रदोषः
१३	शु	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	श	५०	३२	पू	५०	५०	शु	५/११	५९/३८	वि	२४	४	३७	५३	७	८	२७	२९	मी३७।७	भ.२४।४
३०	र	४४	२०	उ	४६	४६	ब्र	४९	१७	च	१७	२६	४१	५२	८	९	२८	३०	मीने	मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.६श.इ.४५।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	१०	२	९	६	६	११
८	०	११	१६	२१	२९	५	७
३	८	४९	४९	३०	०	५४	५८
१८	३५	३७	५५	७	०	४६	२६
५९	२३/५३	७५	३	५८	१/५८	३	५९
२९	व.	३५	२५	३२	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

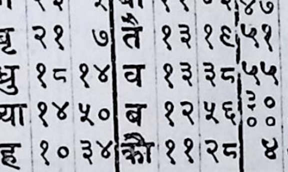

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गुड सक्कर चीनी गल्ला वस्त्र में मंदी करे सुदि में रस कस तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

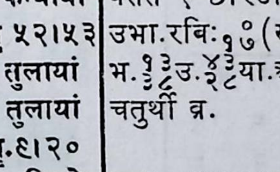

५१ पं.चै.कृ.१४श.इ. ४५/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	२	९	६	६	११
१४	२८	२१	१७	२८	२८	५	१४
५९	१६	३६	१५	३५	४४	३२	५४
१०	५५	५४	४७	३१	२४	३०	३५
५९	२९/४६	९०	४	६१	२/३५	३	५९
१६	व.	१२	३५	१३	व.	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११५, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् ८६४०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११५, भोग्यकलिः ४२६८८५, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७१, शाकः १९३६, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री चंद्रः । सस्येशो बुधः। धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः। रसेशः शुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेश शनिः । धनेशो भौमः । दुर्गेश :शनिः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां २ किलकनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।२।१२।२९ भोग्यमासादिः ११।२७।४७।३१ चंद्रदैवतं युगम् । वर्षनाम मार्गशीर्षः । मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासोः वाणक् गृहे। समय विश्वा१२ समयवाहनम् मृगः। स्तंभाः३ अन्नजलतृणानां : सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी१ भानुसप्तमी३ रविदशमी २ समय मुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १४ तिथिवृद्धिः ७ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ८४, वर्षाविश्विा १५, धान्यम् ९, तृणम् ७, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम्१०९, सत्यम् ।। धर्म १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे । ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछे हर साल ।
इकहत्तर की साल का मात सुनावो हाल ।

भवानी उत्तर

इकहत्तर इकलोतियो ना सारे इकसार ।
आपस में जनता लड़े घटे मही का भार ।।
राजा मंत्री योग से घर घर मंगलाचार ।
नारि खिलावें डीकरा गायां दूध अपार ।।
वर्षा लगे सुहावणी श्रावण भादों मास ।
अन्न जल की कमती नहीं उत्तम नीपजे घास ।।
समय निवासो वैश्यघर तेजडियों का जोर ।
ईश भजन सम जगत में ना ऊंचा कुछ और ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ७।२८

वर्षेश लग्नम् ०।१५

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२।३१

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणांफलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजाचन्द्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरंचधान्यं । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरानराणाम् ।। मंत्री चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनि मंत्रि गते बहुसस्यवत्यपिधरा रमते सुख मंडिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो बुधस्तत्फलम् ।। जलधरा जलराशिमुचोभृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणः स्तुति पाठकरः सदा प्रथमसस्यपतौ सति बोधने । धान्येशोभौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्म-धान्येशे ग्रीष्म-धान्य महर्घकम् ।। शालीक्षुघृत तैलादि महर्घाणि भवंति च । मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपेतदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यवचनेक्षु नीवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुखसुभिक्ष-सुमोदवती धरा धरणीपाहत पापगण प्रिया ।। नीरसेशो बुधस्तत्फलम् ।। चित्रवस्त्रादिकञ्चैव शंखचंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधोयदि ।। फलेशः शनिः फलम् ।। यदि शनिः फलपः फलहाभवेज्जनित पुष्प गणास्तरवः सदा । हिमभयं नरतस्करजंतदा जनपदा जनरासिसमाकुलाः ।। धनेशो भौमः फलम् ।। असम मौल्य करो धरणी सुतः शरदि तापकरस्तुष धान्यहृत् । सहसिमासि भवद्विगुणं तदानरपतिर्जन शोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम् ।। रवि सुते गढ़पालिनि विग्रहै : सकल देश गत्ताश्चलिता जनाः विविधवैरि विशेषित नागराः कृपि वनं लभते भुवि कश्चनः ।। कीलक नामसंवत्सरः फलम् ।। कीलकाब्देत्वीति भीतिः प्रजा क्षोभ नृपावहौ । तथापिवर्धते लोकाः सम धान्यार्घ वृष्टिभिः ।। वर्षनाग मार्गशीर्षः फलम् ।। कार्पासादिमहर्घंस्यात् गोधूमाषतिलादिकम् । मेघोवर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। रोहिणी निवासः संधौफलम् ।। खंड वृष्टि श्च संधिषु ।। मेघनामपुष्करस्तत्फलम् । पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। समयनिवासोवणिक् गृहे फलम् ।। वाणिक् गृहे शुभंनास्ति ।। एवं संचिन्त्यदैवज्ञैः कथनीयम् शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

कृष्णा ८ शुक्रे अनु. ल. गो. (सौग्रांगः) रे.७।ऽ।।ऽनृऽ।।।

,, ४ शनौ मूले ल. १० रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

,, ७ चन्द्रे उषा. ल. गो. (सोग्रांगः) व ९ (घ ४३।११ उ) गु. पू. सत्

शुक्ला २ गुरौ. रोहि. ल. १० रे. ८ ।।।।ऽरो.ऽ।।

,, ८ बुधे मघा. ल. ९ (घ. ४४।७ उ) गु. पू. सत् रे.८।।।।।ऽ।ऽ।गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ९ गुरौ मघा. ल. गो. (सोग्रांगः) ल. ९ (गु. पू. सत्) रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ। ग. क्रांति-साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ गुरौ. अनु. ल. ९।१० (धनुषि गु. पू.)

,, ४ रवौ उषा ल. १० रे. ६ ।।ऽबुऽ।ऽऽ।। पादतोवेधाभावः

,, ११ शनौ रेव. ल. ऽन्यगो १० रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।।

शुक्ला ८ शुक्रे उफा ल.गो.१०रे.८ऽ।।।।(नृ४२उ)ऽ।।

आषाढमासः

कृष्णा ८ शुक्रे रेव ल. १०।२ (मकरे गु. पू.) रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।।

,, ९ शनौ रेव. ल. ऽन्यगो रे. ७।।।ऽऽचौ।ऽ।।

शुक्ला ४ भौमे मघा ल. २ रे. ७ ।।।।ऽचौ.ऽऽ।।

,, ७ शुक्रे उफा ल. ऽन्यगो १० रे. ७।ऽ।।।ऽऽ।। मकरे गु. पू. घ. ३८।५३ या.

,, ७ शुक्रे हस्ते ल. २ (घ. ५५।४९ या) रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।

,, १० चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. १० रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।।। मकरे गु. पूज्यः

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला १५ शनौ मृगे ल. ५ घ. ४१।३१ उ. रे. ६ ।ऽ।।ऽ।।ऽमृअ।ऽ।।

पौष मासः

कृष्णा १ रवौ मृगे ल. गो. ५ घ. ४०।३८ या. रे. ७ ।ऽ।।ऽमृ।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ६ भौमे. ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) रे. ८ ऽऽ।।।।।।।

चैत्र मासः

कृष्णा ३ चन्द्र स्वात्यां ल. गो. (भौ. ८ महादोषः ल. १० गु. पू. सत् रे. ६ ।।।।ऽचौ।ऽऽऽ दग्धा गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, ४ भौमे स्वात्यां ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽ। गो. भौमाष्टम महादोषः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गण:१०६०स.२०१४ रेवत्यां रवि:३७/५६(सौर:३२/३०)कुंभे शुक्र: ÷
१	चं	३९	२	रे	४३	३५	ऐं	४२	४२	किं	११	४१	३०/४५	५/५१	६/९	१०	२९	३१	मे.४३।३५	चंद्र दर्शनम् अप्रेल ४ ता.३० सिंधारा
२	मं	३५	२०	अ	४२	८	वै	३७	२६	बा	७	११	४९	५०	१०	११	३०	१	मेषे	जमादिलाखर ६ मत्स्यजयंती गणगौरी
३	बु	३३	३६	भ	४२	३७	वि	३३	३७	तै	४	१९	५३	४९	११	१२	१	२	वृ.५८।११	भ.३।३४उ.३३।३३या.
४	गु	३३	३३	कृ	४४	५४	प्री	३१	२२	व	३	३४	५७	४९	११	१३	२	३	वृषे	मीने बुध:१२।८
५	शु	३५	४४	रो	४९	३	आ	३०	४४	ब	४	३७	३/१	४८	१२	१४	३	४	वृषे	[÷८।३६संवत्सरारंभः नवरात्रा.
६	श	३९	२८	मृ	५४	४६	सौ	३१	५	कौ	७	३५	५	४७	१३	१५	४	५	मि. २१/५४	भ.४४/५०उ.उभा.बुध:७।४५शतेशुक्र:२७।५५
७	र	४४	५०	आ	६०	?	शो	३२	५४	ग	१२	९	८	४६	१४	१६	५	६	मिथुने	भ.१७।४४या.
८	चं	५०	३९	आ	१	४०	अ	३५	२	बि	१७	४४	१२	४६	१५	१७	६	७	कं.५२।१४	रामनवमी
९	मं	५७	२	पु	९	५	सु	३७	२४	बा	२३	५०	१६	४५	१५	१८	७	८	कर्के	[×बुधास्त:पूर्वस्यां३६।४५
१०	बु	६०	०	पु	१६	३८	धृ	३९	४५	तै	३०	५	१९	४४	१६	२९	८	९	कर्के	
१०	गु	३	७	श्ले	२३	५३	शू	४१	२६	ग	३	७	२३	४३	१७	२०	९	१०	सिं. २३/५३	भ.३५।५४उ.
११	शु	८	४१	म	३०	५	गं	४२	१७	वि	८	४१	२६	४३	१७	२१	१०	११	सिंहे	भ.८।४१या.कामदा११व्रतम्
१२	श	१२	५२	पू	३४	४९	वृ	४२	५	बा	१२	५२	३०	४२	१८	२२	११	१२	कं ५०।४३	प्रदोष:
१३	र	१५	४४	उ	३८	२६	ध्रु	४०	४५	तै	१५	४४	३४	४१	१९	२३	१२	१३	कन्यायां	रेवत्यां बुध:३९।९वक्रीहस्ते भौम:३३/७×
१४	चं	१६	५८	ह	४०	४४	व्या	३८	२४	व	१६	५८	३८	४०	२०	२४	१३	१४	कंन्यायां	भ.१६/५८उ.४६/५७या.अश्वि.मेषेऽर्क:१।५३ A
१५	मं	१६	५५	चि	४१	३३	ह	३४	५२	ब	१६	५५	४२	४०	२०	२५	१४	१५	तुं.११।८	हनुमज्जयंती [Λ(सौर:७।४)

५२पं. चै.शु.६श.इ. ४६।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	२	१०	६	६	११
२१	२६	२	१७	५	२८	५	२१
१२	१	४२	५०	५५	२२	१०	४८
३१	१६	४०	५६	४८	५३	१५	४६
५९	३१/५०	[illegible]	५	६३	३/१५	३	५९
४	व.	[illegible]/४५	४४	२३	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले १४ चंद्रे मेषेऽर्क:प्रविष्ट: वा. ४ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय: पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु.१४चं.इ. ५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	११	२	१०	६	६	११
०	२३	१७	१८	१४	२७	४	२९
०	४	२२	४१	४७	५५	४४	५५
०	३४	३१	२४	४२	१	१०	००
५८	३०/३६	[illegible]	७	६५	५/३२	३	५८
४४	व.	[illegible]/५२	५०	१७	व.	११	४५

ति	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंततू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	१५	१८	स्वा	४१	१०	व	३०	२६	कौ	१५	१८	३१/४६	५/३९	६/२१	२६	१५	१६	तुलायां	
२	गु	१२	४३	वि	३९	४३	सि	२५	१४	ग	१२	४३	५०	३८	२२	२७	१६	१७	वृ.२५।५	भ.४०।५९उ.
३	शु	९	१५	अ	३७	३४	व्य	१९	२९	वि	९	१५	५३	३७	२३	२८	१७	१८	वृश्चिके	भ.९।१५या.पूभा.शुक्र:४७।५१चतुर्थी व्र.
४	श	४	५६	ज्ये	३५	२	व	१३	४	बा	४	५६	५७	३७	२३	२९	१८	१९	ध.३५।२	
५	र	०	३२	मू	३२	१३	प	६/४०	५३/१३	तै	०	३२	३२/१	३६	२४	३०	१९	२०	धनुषि	भ.५५।४३उ.अश्वि.मेषे बुध:२८।४६
६	र	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	चं	५०	४५	पू	२९	१०	सि	५३	१	वि	२३	१४	५	३५	२५	१	२०	२१	म.४३।२१	भ.२३।१४या.भा.वैशाखारंभ:
८	मं	४५	३५	उ	२५	५४	सा	४५	५४	बा	१८	६	९	३४	२६	२	२१	२२	मकरे	
९	बु	४०	१६	श्र	२२	२५	शु	३८	४६	तै	१२	५२	१२	३४	२६	३	२२	२३	कुं.५०।३९	
१०	गु	३४	४७	ध	१८	५३	शु	३१	३२	ब	७	३१	१६	३३	२७	४	२३	२४	कुम्भे	भ.७।३१उ.३४।४७पुन.१गुरु:३०।१६
११	शु	२९	१९	श	१५	२८	ब्र	२४	२८	ब	१	५९	२०	३२	२८	५	२४	२५	मी. ५७/४९	वरुथिनी११व्र.
१२	श	२४	०	पू	११	५४	ऐं	१७	३२	तै	२४	०	२३	३१	२९	६	२५	२६	मीने	भरण्यां बुध:३९।४२ प्रत्रोष:
१३	र	१९	११	उ	८	५९	वै	१०	५९	व	१९	११	२७	३१	२९	७	२६	२७	मीने	भ.११/१९उ.४७/६या.भरण्यार वि:४२/१० (सौर: =
१४	चं	१५	१	रे	६	४४	वि	५	१०	श	१५	१	३१	३०	३०	८	२७	२८	मे.६।४४	[= ४८।२९)मीने शुक्र:४६।४०
३०	मं	१३	२	अ	५	३०	प्री	१४/०	५६/७	ना	१३	२	३४	२९	३१	९	२८	२९	मेषे	

२पं.वै.कृ.७चं.इ.२।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	२	१०	६	६	०
६	२०	१	१९	२२	२७	४	६
५०	३८	८	३२	२९	२८	२१	४५
४२	२४	१३	१७	१७	१	५४	११
५८	२६/१	[illegible]	७	६६	४/१०	३	५८
३१	व.	[illegible]/४४	५९	४३	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठआदि सोना चांदी लोहा गुड सक्कर वस्त्र रुई वारदाना मदे हो ।

गोचर ग्रहाः

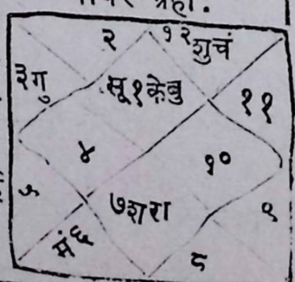

३पं.वै.कृ.१४चं.इ. २।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	२	११	६	६	०
१३	१८	१६	२०	०	२६	३	१३
३९	२५	५	२९	१७	५८	५९	३३
४७	१२	२८	३८	५३	३७	३९	३६
५८	१९/४६	[illegible]	८	६७	४/२८	३	५८
१९	व.	[illegible]/४	५०	५४	व.	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ११२०स.२०१४
१	बु	१०	२७	भ	५	४८	सौ	५२	४५	ब	१०	२७	३२/८	५/२८	६/३२	१०	२९	३०	वृ.२१।१६	उभा. षुक्रः ४३।२१ चंद्रदर्शनम्
२	गु	१०	२२	कृ	७	३८	शो	५२	३१	कौ	१०	२२	४१	२८	३२	११	१	१	वृषे	मई ५ ता.३१ रज्जव ७ परशुरामजयंती
३	शु	१२	२	रो	१०	५६	अ	५२	६	ग	१२	२	४५	२७	३३	१२	२	२	मि४३।२०	भ. ४३।४० उ. कृत्ति. बुधः ५८।१६ ×
४	श	१५	१८	मृ	१५	४४	सु	५३	७	वि	१५	१८	४८	२६	३४	१३	३	३	मिथुने	भ. १५।१८या. [×वक्री विशा.२ शनिः÷
५	र	२०	१३	आ	२२	१४	धृ	५५	५	बा	२०	१३	५२	२६	३४	१४	४	४	मिथुने	बृषे बुधः ३५।४८ पातस्पर्शः ५६।११
६	चं	२५	३८	पु	२६	११	शू	५७	२६	तै	२५	३८	५५	२५	३५	१५	५	५	क.१२।२३	पातमोक्षः २६।२३ [÷२७।६ अक्षया ३
७	मं	३१	५३	पु	३६	४५	गं	५९	५२	व	३१	५३	५८	२४	३६	१६	६	६	कर्के	भ. ३१।५३ उ.
८	बु	३८	८	श्ले	४४	७	वृ	६०	०	वि	५	०	३/२	२४	३६	१७	७	७	सिं. ४४/७	भ. ५।० या. बुधोदयः पश्चिमायां २३/५३
९	गु	४३	४९	म	५१	१	वृ	२	४	बा	१०	५८	५	२३	३७	१८	८	८	सिंहे	[+अश्वि. १ केतुः ३१।८ मोहिनी ११व्र
१०	शु	४८	१७	पू	५६	३५	ध्रु	३	२९	तै	१६	३	८	२२	३८	१९	९	९	सिंहे	रोहि. बुधः ३६।०
११	श	५१	१६	उ	६०	०	व्या	३	५४	व	१९	४६	११	२२	३८	२०	१०	१०	कं.१२।३५	भ. १९/४६ उ. ५१/१६ या. चित्रा. ३ राहुः +
१२	र	५२	२५	उ	०	३६	ह	३	३	ब	२१	५०	१४	२१	३९	२१	११	११	कन्यायां	कृति. रविः २८।६ (सौरः ३६।२१)
१३	चं	५१	५५	ह	३	५	व	५३/०	५६/२५	कौ	२२	१०	१७	२१	३९	२२	१२	१२	तु.३३।१५	रेवत्यां शुक्रः २६।३५ प्रदोषः
१४	मं	४९	२६	चि	३	२५	व्य	५२	१२	ग	२०	१०	२०	२०	४०	२३	१३	१३	तुलायां	भ. ४९।२६ उ. नृसिंह जयंती
१५	बु	४५	३६	स्वा	७ २/१	५७/३५	प	४६	१३	वि	१७	३१	२३	१९	४१	२४	१४	१४	वृ.४५।३२	भ. १७/३१ या. वृषेऽर्कः ५५/४१ यमायकुंभदा

४पं.बै.शु.६चं.इ. २।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	२	११	६	६	०
२०	१६	०	२१	८	२६	३	२०
२७	४२	५५	३२	१२	२७	३७	२०
२५	४	५	४६	३२	५४	२३	२१
५८	१३	२७/२	९	६८	४/४०	३	५७
६	१९	५/२	४०	५१	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

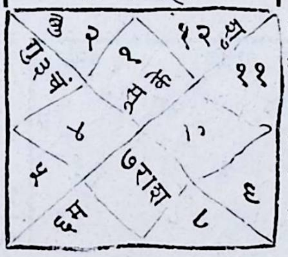

वैशाख शुक्ले १५बुधे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

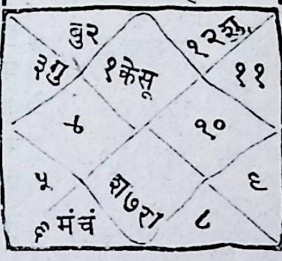

५पं.बै.शु.१३चं.इ.२।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	२	११	६	६	०
२७	१५	१४	२२	१६	२५	३	२७
१३	३८	२५	४१	१२	५६	१५	५
३७	१३	३४	२०	२९	२	८	३५
५७	५/२१	४/०	१०	६९	४/४०	३	५७
५४	व.	५/२९	२३	३८	व.	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेबैशाखकृष्णेति महा.
१	गु	४०	३०	अ	५६	३५	प	३९	१६	बा	१३	३	३३/२	५/१९	६/४१	२५	१५	१५	वृश्चिके	बृषेऽर्कः सौरः ४।८ पुन. २ गुरुः ५७।१२
२	शु	३४	३५	ज्ये	५२	७	शि	३१	३८	तै	७	३२	२८	१८	४२	२६	१६	१६	ध.५२।७	
३	श	२८	१३	मू	४७	५६	सि	२३	४६	व	१	२४	३१	१८	४२	२७	१७	१७	धनुषि	भ. १।२४ उ. २६/१३ या. मृगे बुधः ३५/२६ ÷
४	र	२१	४७	पू	४३	३७	सा	१६	१	बा	२१	४७	३४	१७	४३	२८	१८	१८	म.५७।३६	[÷ मार्गी भौमः ५३।४४ चतुर्थी व्रत
५	चं	१५	२८	उ	३९	३२	शु	८	१६	तै	१५	२८	३७	१७	४३	२९	१९	१९	मकरे	
६	मं	९	२८	श्र	३५	३४	शु	३०/७	५२/५५	व	९	२८	३९	१६	४४	३०	२०	२०	मकरे	भ. ९।२८ उ. ३६।४३ या.
७	बु	३	५८	ध	३२	१९	ऐं	४६	३७	ब	३	५८	४२	१६	४४	३१	२१	२१	कुं. ३।५६	
८	बु	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	गु	५४	२०	श	२९	३५	वै	४०	१७	तै	२६	४५	४४	१५	४५	१	२२	२२	कुंभे	मिथूने बुधः २१।१६ भा. ज्येष्ठारंभः
१०	शु	५०	१६	पू	२७	१४	वि	३४	४०	व	२२	१७	४७	१५	४५	२	२३	२३	मी. ३१/३८	भ. २२/१७ उ. ५०/१६या. आश्नि. मेषे शुक्रः ४९
११	श	४६	५७	उ	२५	३८	प्री	२८	५८	ब	१८	३६	४९	१४	४६	३	२४	२४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	र	४४	११	रे	२५	२	आ	२४	२०	कौ	१५	४०	५२	१४	४६	४	२५	२५	मे.२५।२	रोहि. रविः १८।५५ (सौरः ३०।१६)
१३	चं	४२	३८	अ	२४	३१	सौ	२०	२७	ग	१३	२४	५४	१३	४७	५	२६	२६	मेषे	भ. ४२।३८ उ. प्रदोषः
१४	मं	४२	६	भ	२५	४१	शो	१७	२८	वि	१२	२२	५६	१३	४७	६	२७	२७	बृ ४१।१३	भ. १२।२२ या.
३०	बु	४२	४६	कृ	२७	५०	अ	१५	१७	च	१२	२६	५८	१२	४८	७	२८	२८	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ. ५च.इ. ३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	२	११	६	६	१
३	१५	२५	२३	२४	२५	२	३
५८	६	२२	५४	१५	२४	५२	४९
२७	०	३४	४	५८	४३	५२	२८
५७	१/५	८३	११	७०	४/३५	३	५७
४४	मा	५८	०	२३	व	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसों मंदे होगे धातु सोना चांदी ताम्बा वस्त्र गुड़ सक्कर तेज हो।

गोचर ग्रहाः

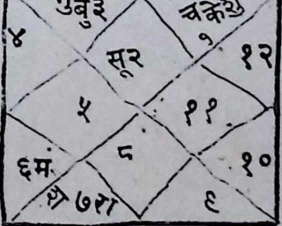

७पं.ज्ये.कृ.१३चं.इ.३।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	२	०	६	६	१
१०	१५	३	२५	२	२४	२	१०
४२	१८	२१	१२	२३	५४	३०	३१
२९	१४	०	२२	३८	१४	३७	२९
५७	६	५१	११	७१	४	३	५७
३५	५३	१६	३७	३	२०	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ	शुक्लपक्षः		सं. २०७१			शाकः	१९३६					दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽह्र्गणः ११४९स.२०१४
१	शु	४४	४६	रो	३१	१४	सु	१४	२३	किं	१३	४६	३४/००	५/१२	६/४८	८	२८	२९	वृषे	आर्द्रा. वुधः ५५।५७
२	शु	४८	८	मृ	३५	५०	धृ	१३	५९	बा	१६	३०	२	१२	४८	९	२९	३०	मि ३।३२	चंद्र दर्शनम्
३	श	५२	५४	आ	४१	५५	शू	१४	५६	तै	२०	३१	३	११	४९	१०	१	३१	मिथुने	सावान ८
४	र	५८	९	पु	४८	३४	गं	१६	१६	व	२५	३१	५	११	४९	११	२	१	क. ३१।५५	भ. ३५/३१ उ. ५८।१९ या. पुन. ३ गुरुः ÷
५	चं	६०	०	पु	५६	८	वृ	१८	२७	ब	३१	१६	७	११	४९	१२	३	२	कर्के	[÷ ३६।१८ जून ६ ता. ३०
५	मं	४	२४	श्ले	६०	०	ध्रु	२१	१०	बा	४	२४	९	१०	५०	१३	४	३	कर्के	
६	बु	१०	३४	श्ले	३	३९	व्या	२३	३९	तै	१०	३४	१०	१०	५०	१४	५	४	सिं ३।३९	भरण्यां शुक्रः २२।७
७	गु	१६	३५	म	११	२	ह	२५	४४	व	१६	३५	१२	१०	५०	१५	६	५	सिंहे	भ. १६/३५ उ. ४९/४ या. वक्री वुधः ५४।२१
८	शु	२१	३२	पू	१७	२६	व	२६	५१	ब	२१	३२	१३	९	५१	१६	७	६	कं. ३३।४३	
९	श	२५	१४	उ	२२	३६	सि	२७	०	कौ	२५	१४	१५	९	५१	१७	८	७	कन्यायां	
१०	र	२७	४	ह	२६	१	व्य	२५	३९	ग	२७	४	१६	९	५१	१८	९	८	तु. ५६।४७	भ. ५७।४ उ. मृगे रविः १३।४८ ×
११	चं	२७	५	चि	२७	३३	व	२२	४५	वि	२७	५	१७	९	५१	१९	१०	९	तुलायां	भ. २७।५ या. निर्जला ११ व्र.
१२	मं	२४	४७	स्वा	२७	७	प	१८	२२	बा	२४	२७	१८	८	५२	२०	११	१०	तुलायां	वुधास्तः पश्चिमायां २७।१२ प्रदोषः
१३	बु	२०	४९	वि	२४	३८	शि	१२	२५	तै	२०	४९	१९	८	५२	२१	१२	११	वृ. १०।१६	[×(सौरः २९।६) गंगादशमी
१४	गु	१४	५८	अ	२०	३८	सि	४/५९	५/५४	व	१४	५८	१९	८	५२	२२	१३	१२	वृश्चिके	भ. १४।५८ उ. ४१।२४ या.
१५	शु	७	५०	ज्ये	१५	१७	शु	४०	५४	व	७	५०	२०	८	५२	२३	१४	१३	ध. १५।१७	गुर्जराणां वट सावित्री व्रतम्

८पं.ज्ये.शु. ४चं.इ.३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	२	०	६	६	१
१७	१६	७	२६	१०	२४	२	१७
२५	५	५४	३२	३४	२५	८	१२
१९	१०	२५	४२	३०	२३	२१	३९
५७	११	१६	१२	७१	४/४	३	५७
२२	५८	५२	८	२९	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

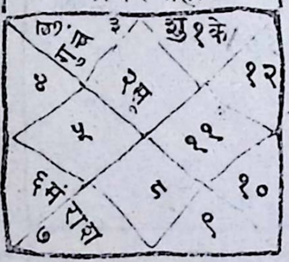

कृष्ण पक्ष में तिथी घटे शुक्ल पक्ष बढ जाय। एक चीज की क्या कहे सभी चीज बढ जाय।। इस मास में वातु तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

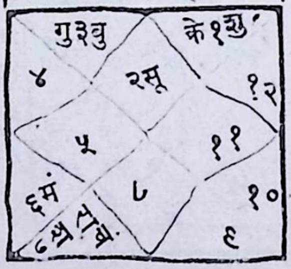

९ पं.ज्ये.शु. ११चं.इ. ३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	२	२	०	६	६	१
२४	१७	८	२७	१८	२३	१	२३
७	२३	४६	५६	४८	५८	४६	५२
१९	५३	५५	२	१४	५५	५	३१
५७	१६	३३/४७	१२	७१	४३	३	५७
२२	१७	व	२६	५०	व	११	५

ति.	आषाढ	कृष्णपक्षः		सं. २०७१			शाकः	१९३६					दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	शु	५२	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	५२	३९	मू	९	२४	शु	३८	३२	तै	२६	१७	३४/१	५/८	६/५२	२४	१५	१४	धनुषि	
३	र	४३	१०	पू	३/१७	५/५३	ब्र	२९	११	व	१७	५९	२१	८	५२	२५	१६	१५	म. १६।४६	भ. १७।५९ उ. ४३।१० या मिथुनेऽर्कः A
४	चं	३५	२७	श्र	५१	३६	ऐं	२०	०	ब	९	२६	२२	८	५२	२६	१७	१६	मकरे	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	२८	२०	ध	४६	५६	वै	११	२७	कौ	१	४४	२२	८	५२	२७	१८	१७	कुं. १९।१६	[A१२।२२ (सौरः २९।५४) वक्री =
६	बु	२२	५	श	४३	२	वि	३/२८	५/३	व	२२	५	२३	७	५३	२८	१९	१८	कुंभे	भ. २२।५ उ. ४९।३४ या. वृषे शुक्रः×
७	गु	१७	२	पू	४०	१७	आ	५०	१५	ब	१७	२	२३	७	५३	२९	२०	१९	मी २५।५८	[× २९।१० पुन ४ कर्के गुरुः ५८।१८
८	शु	१२	५८	उ	३८	५४	सौ	४५	५	कौ	१२	५८	२३	७	५३	३०	२१	२०	मीने	[=मृगे वुधः १८।० कृति. शुक्रः ४३।६
९	श	१०	१६	रे	३८	३५	शो	४०	५४	ग	१०	१६	२४	७	५३	३१	२२	२१	मे. ३८।३५	भ. ३९।२० उ. वक्री विशा. १ शनिः ३/२८
१०	र	८	२४	अ	३९	१२	अ	३७	३४	वि	८	२४	२४	७	५३	१	२३	२२	मेषे	भ. ८।२४ या. आर्द्रा रविः ११।२७ +
११	चं	७	५०	भ	४१	११	सु	३५	१७	बा	७	५०	२४	७	५३	२	२४	२३	वृ ५६।५५	योगिनी ११ व्र.
१२	मं	८	४०	कृ	४४	५	धृ	३३	५१	तै	८	४०	२४	७	५३	३	२५	२४	वृषे	प्रदोषः [+(सौरः ३१/२७) भा. आषाढारंभ
१३	बु	१०	१८	रो	४८	११	शू	३३	३१	व	१०	१८	२४	७	५३	४	२६	२५	वृषे	भ. १०।१८ उ. ४१:४६ या.
१४	गु	१३	१३	मृ	५३	१९	गं	३३	२६	श	१३	१३	२३	७	५३	५	२७	२६	मि. ३१/५५	रोहि. शुक्रः ५९।४३
३०	शु	१७	२	आ	५९	२२	वृ	३४	२३	ना	१७	२	२३	७	५३	६	२८	२७	मिथुने	

१० पं. आ.कृ.४चं.इ.३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	२	०	६	६	२
०	१९	६	२९	२७	२३	१	०
४८	१२	१६	२२	४	२६	२३	३१
३६	४	२६	३०	१२	०	५०	४०
५७	२०	३१/५७	१२	७२	१३	३	५६
१७	२२	व	५१	१६	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

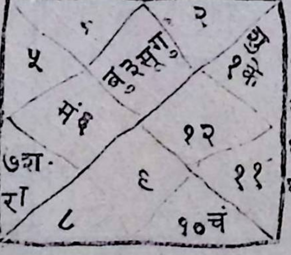

आषाढ कृष्णे ३ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. ६ प्रगलभावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

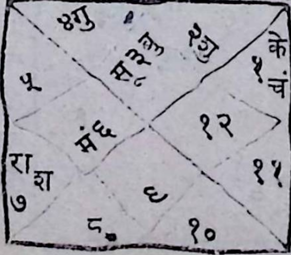

११पं.आ.कृ.११च.इ. ३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	१	६	६	२
७	२१	२	०	५	२३	१	७
२९	२४	५०	५१	२२	१६	१	१०
३१	३६	१७	२२	१९	५	३४	७
५७	२३	३३/४३	१२	७२	१/५७	३	५६
१२	२२	व	१४	३७	,	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	अषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः११७९स.२०१४
१	श	२२	५	पु	६०	०	ध्रु	३६	०	ब	२२	५	३४/२२	५/८	६/५२	७	२९	२८	क ४९।३७	चित्रा.भौमः३३।३१
२	र	२७	२६	पु	६	२	व्या	३८	१०	कौ	२७	२६	२२	८	५२	८	३०	२९	कर्के	बुधोदयःपूर्वस्यां३२/३९चँद्रदर्शनं रथयात्रा
३	चं	३२	३९	पु	१३	३१	ह	४०	३०	तै	०	२	२१	८	५२	९	१	३०	कर्के	रमजान९ ०
४	मं	३९	५२	श्ले	२०	४८	व	४२	५३	व	६	१६	२०	८	५२	१०	२	१	सिं२०।४८	भ ६।१६उ.३९।५२या.जौलाई७ता.३१
५	बु	४६	९	म	२८	४१	सि	४५	४०	ब	१३	१	१९	८	५२	११	३	२	सिंहे	मार्गीबुधः५६।३८
६	गु	५१	२३	पू	३५	४३	व्य	४७	४१	कौ	१८	४६	१८	८	५२	१२	४	३	कं.५२।१५	
७	शु	५५	४९	उ	४१	५३	व	४८	४३	ग	२३	३६	१७	९	५१	१३	५	४	कन्यायां	भ ५५।४९उ.पुण्य.१गुरुः३३।५२
८	श	५८	१७	ह	४६	४४	शि	४८	३७	वि	२७	३	१६	९	५१	१४	६	५	कन्यायां	भ २७।३या.
९	र	५९	४४	चि	४९	४४	सि	४७	१७	बा	२९	१	१५	९	५१	१५	७	६	तु.१८।१४	पुन.रविः१०।७(सौरः३५।२९
१०	चं	५८	४३	स्वा	५०	४५	सा	४४	१७	तै	२९	१३	१४	९	५१	१६	८	७	तुलायां	
११	मं	५५	४१	वि	४९	४४	शु	३९	४४	व	२७	११	१३	९	५१	१७	९	८	वृ.३४।५९	भ.२७/१उ.५५/४१या.मृगेशुक्रः४/२देवशयनी=
१२	बु	५०	३६	अ	४६	५१	शु	३३	३२	ब	२३	८	११	१०	५०	१८	१०	९	वृश्चिके	देवशयनी११व्र.वैं. [=११व्र.स्मा.
१३	गु	४३	३४	ज्ये	४२	२	शु	२५	५०	कौ	१७	५	१०	१०	५०	१९	११	१०	ध. ४३/२	प्रदोषः
१४	शु	३६	१०	मू	३५	५२	ब्र	१६	४४	ग	९	५२	८	१०	५०	२०	१२	११	धनुषि	भ.३६।१०उ. [×मीनेकेतुः३/४व्यासपूज
१५	श	२६	२	पू	२८	५१	ऐं	६/५५	४९/२८	वि	१	६	७	११	४९	२१	१३	१२	म.४१।५७	भ.६/१या.चित्रा२कन्यायांकेतुःरेवती४×

१२पं.आ.शु.३चं.इ.३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	१	६	६	२
१४	२३	०	२	१२	२३	०	१२
९	५८	२१	२१	४२	०	३९	५८
५८	३७	२५	३६	५४	७	१२	१२
५७	२५	१४/५५	१२	७२	१/५४	३	५६
७	५२	व	२०	५६	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

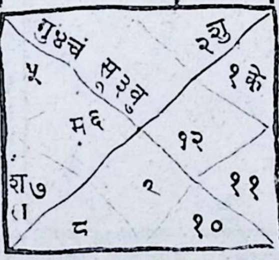

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला गुड़ शक्कर धातु सोना चांदी वस्त्र रुई तेज हो प्रजा में रोग व्यापें।

गोचर ग्रहाः

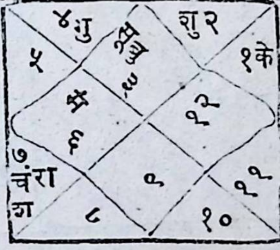

१३पं.आ.शु.१०चं.इ.२/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	३	१	६	६	२
२०	२६	१	३	२२	२२	०	२०
५०	५१	१६	५३	५	४८	१७	२६
२४	५४	५९	३८	१७	११	३	६
५७	२८	३१/११	१३	७३	१/२१	३	५६
७	७	मा	३२	१४	व	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः स. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेंति महाराष्ट्राः
१	र	१६	२४	उ	२१	१४	वि	४५	५६	कौ	१६	२४	३४/५	५/१५	६/४९	२२	१४	१३	मकरे	वृषेशुक्रः३।४तुलायांभौमः५।९बुधस्तः+
२	चं	६	४९	श्र	१३	४४	प्री	३५	३०	ग	६	४९	३	११	४९	२३	१५	१४	कुं.४०।२३	भ.३२।१३उ.५७।३८या.आर्द्रा.बुध ०।१२
३	चं	५०	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+पूर्वस्यां५।६अस्तंगुरौः४।८
४	मं	४९	३७	ध	७	३	आ	२५	४७	व	२४	८	१	१२	४८	२४	१६	१५	कुम्भे	चतुर्थीव्रतम्
५	बु	४२	३८	श	१/१७	५५/३७	सौ	१६	५१	कौ	१६	७	३२/५९	१२	४८	२५	१७	१६	मी. ५२/५५	कर्केऽर्कः३९।३३नाग५मरुस्थले
६	गु	३७	२२	उ	५३	५१	शो	९	२२	ग	१०	०	५७	१३	४७	२६	१८	१७	मीने	भ.३७।२२उ कर्केऽर्कःसौरः८।१३
७	शु	३३	४६	रे	५२	२९	अ	२/५३	५४/५६	वि	५	३४	५५	१३	४७	२७	१९	१८	मे.५२।४५	भ.५।३४या.
८	श	३१	४७	अ	५२	४५	धृ	५४	७	बा	२	४६	५२	१४	४६	२८	२०	१९	मेषे	आर्द्रा शुक्रः९।१५पुष्ये २गुरुः३६।३२
९	र	३१	२३	भ	५४	३४	शू	५१	५०	तै	१	३५	५०	१४	४६	२९	२१	२०	मेषे	पुण्येरविः६।१(सौरः३।६४)मार्गीशनिः३।१६
१०	चं	३२	४०	कृ	५७	५०	गं	५०	२८	व	२	१	४८	१४	४६	३०	२२	२१	वृ.१०।२५	भ २।१उ. ३२।४०या
११	मं	३५	१	रो	६०	०	वृ	५०	२१	ब	३	५०	४५	१५	४५	३१	२३	२२	वृषे	कामिका११व्र
१२	बु	३८	४६	रो	२	३३	ध्रु	५१	५	कौ	६	५३	४३	१५	४५	१	२४	२३	मि.३/५१	पुन बुधः३६।२४भा श्रावणारंभः
१३	गु	४२	१७	मृ	८	९	व्या	५२	१६	ग	१०	३१	४०	१६	४४	२	२५	२४	मिथुने	भ.४२।१७उ.प्रदोषः
१४	शु	४८	४७	आ	१४	४४	ह	५४	१३	वि	१५	३२	३८	१६	४४	३	२६	२५	मिथुने	भ १५।३२या.
३०	श	५४	३१	पु	२१	४३	व	५६	१६	च	२१	३८	३५	१७	४३	४	२७	२६	क. ४।५८	हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.२चं. इ. २/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	३	२	६	५	२
२७	०	६	५	०	२२	२९	२७
३०	४	४२	२६	२९	४१	५४	४
४२	४४	१८	१०	४२	३१	४७	१२
५७	२९	५२	१३	७३	६/३१	३	५६
११	४६	२	३२	२२	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

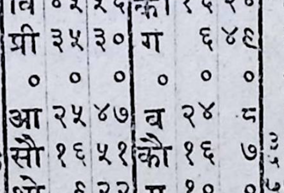

श्रावणकृष्णे५बुधेऽर्क प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था सूती) मु. ३०धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

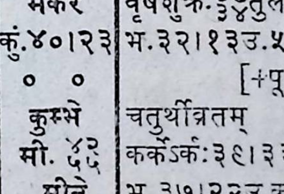

३१पं.का.कृ.१०.इ. २९/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	२	२	६	५	३
४	३	१५	६	८	२२	२९	३
११	२७	२०	५९	५५	३९	३२	४२
२८	०	१७	३५	५३	२५	३२	४०
५७	३१	९७	१३	७३	२	३	५६
१५	५८	२३	३८	३७	सा	११	५८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः१९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	६०	०	पु	२९	२	सि	५८	४१	किं	२७	३४	३३/३३	५/१७	६/४३	५	२८	२७	कर्के
१	चं	०	३७	श्ले	३०	३४	व्य	६०	०	ब	०	३७	३०	१८	४२	६	२९	२८	सिं३७।३४
२	मं	६	५०	म	४४	१	व्य	१	११	कौ	६	५०	२७	१९	४१	७	१	२९	सिंहे
३	बु	१२	५३	पू	५१	१४	व	३	५०	ग	१२	५३	२४	१९	४१	८	२	३०	सिंहे
४	गु	१८	२१	उ	५७	३५	प	५	४५	वि	१८	२१	२२	२०	४०	९	३	३१	क.७।४९
५	शु	२२	५७	ह	६०	०	शि	७	१२	बा	२२	५७	१९	२०	४०	१०	४	१	कन्यायां
६	श	२६	२१	ह	३	२०	सि	८	१	तै	२६	२१	१६	२१	३९	११	५	२	तु.३५।२५
७	र	२८	२६	चि	७	३१	सौ	७	४१	व	२८	२६	१३	२१	३९	१२	६	३	तुलायां
८	चं	२८	४४	स्वा	१०	११	शु	६	४	ब	२८	४४	१०	२२	३८	१३	७	४	वृ.५५।५२
९	मं	२७	१५	वि	११	६	शु	३/८	५५/२५	कौ	२७	१५	७	२३	३७	१४	८	५	वृश्चिके
१०	बु	२३	४६	अ	१०	१०	ऐं	५२	३४	ग	२३	४६	४	२३	३७	१५	९	६	वृश्चिके
११	गु	१८	१५	ज्ये	७	११	वै	४४	५४	वि	१८	१५	०	२४	३६	१६	१०	७	ध.७।११
१२	शु	११	८	मू	२/२१	५४/५३	वि	३६	८	बा	११	८	३३/६७	२५	३५	१७	११	८	धनुषि
१३/१४	श	२/५०	४४/१३	उ	४९	४	प्री	२६	६	तै	२	४४	५४	२५	३५	१८	१२	९	म.९।३३
१५	र	४२	५५	श्र	४१	१४	आ	१५	३१	वि	१७	५६	५०	२६	३४	१९	१३	१०	मकरे

वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण१२०८स.२०१४

स्वात्यांभौम:२०।५९
चंद्रदर्शनम्
कर्केबुध:२।३३सव्वाल१०सिंधारा
भ.४३/३७उ.पुष्येबुध:४३/१५पुन.शुक्र:१/२२तीज
भ.१८।२१या.वरद४
अगस्त८ता.३१नागपंचमी
भ.२८।२६उ.५८।३५या.आश्लेरवि:५/१७÷
[÷(सौर:३९/४१)पुष्ये३गुरु: ३९/२०
भ.५१/०उ.आश्ले.बुध:६/५०उदयंगुरौ:३८/४८
भ.११/१८या.कर्केशुक्र:३५/१८पवित्रा११व्र
प्रदोष:
भ.५२।५७उ. [+रक्षाबंधनम्भद्रोत्तरम्
भ.१७।५६या.पुष्येशुक्र:९/३०श्रावणीकर्म +

१६पं.श्रा.शु. १चं. इ.२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	२	३	२	६	५	३
१०	७	२८	८	१७	२२	२९	१०
५२	३	३	३१	२४	४१	१०	२१
३०	२९	५४	५९	४	५६	१६	५७
५७	३३	[illegible]	१३	७३	०	३	५७
२०	४३	[illegible]	३८	४७	५३	११	५

गोचर ग्रहाः

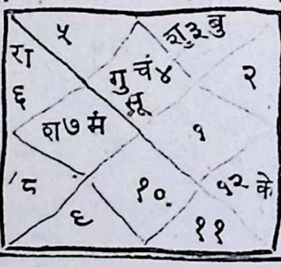

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना मटर धातु सोना चांदी तांबा तेज हो कहीं २ वर्षा बहुत अच्छी होगी ।

गोचर ग्रहाः

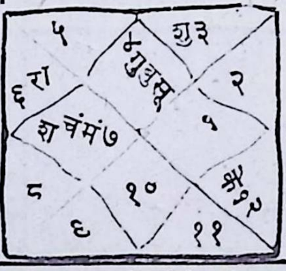

१७पं. श्रा. शु.८चं.इ: २।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	३	२	६	५	३
१७	१०	१२	१०	२५	२२	२८	१७
३४	५३	२०	५	५४	४९	४८	१
१२	४२	३५	१३	७	१६	०	४५
५७	३५	[illegible]	१३	७३	१	३	५७
२५	१४	[illegible]	३३	५०	३२	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः
१	चं	३२	४६	ध	३३	१८	सौ	४/३०	४९/६	वा	७	३८	३२/४७	५/२७	६/३३	२०	१४	११	कु.७।१६
२	मं	२३	२०	श	२५	३१	अ	४३	२	ग	२३	२०	४४	२७	३३	२१	१५	१२	कुम्भे
३	बु	१४	३६	पू	१९	४	सु	३३	४१	वि	१४	३६	४०	२८	३२	२२	१६	१३	मी. ५/४१
४	गु	७	२८	उ	१४	९	धृ	२५	२५	बा	७	२८	३७	२९	३१	२३	१७	१४	मीने
५	शु	२	१६	रे	१०	५०	शू	१८	३२	तै	२	१६	३३	२९	३१	२४	१८	१५	मे.१०।५०
६	शु	५६	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
७	श	५६	३४	अ	९	२०	गं	१३	२०	वि	२७	४२	३०	३०	३०	२५	१९	१६	मेषे
८	र	५८	२२	भ	१०	३	वृ	९	४१	बा	२७	२८	२६	३१	२९	२६	२०	१७	वृ.२५।४०
९	चं	६०	०	कृ	१२	३२	ध्रु	७	३७	तै	२९	३३	२२	३२	२८	२७	२१	१८	वृषे
९	मं	०	४४	रो	१६	५९	व्या	७	५	ग	०	४४	१९	३२	२८	२८	२२	१९	मि४९।४२
१०	बु	४	४२	मृ	१२	२६	ह	७	४६	बि	४	४२	१५	३३	२७	२९	२३	२०	मिथुने
११	गु	९	४३	आ	२८	५८	व	८	५८	बा	९	४३	१२	३४	२६	३०	२४	२१	मिथुने
१२	शु	१५	४५	पु	३६	२३	सि	११	५	तै	१५	४५	८	३४	२६	३१	२५	२२	क.१९।३२
१३	श	२१	४७	पु	४३	४४	व्य	१३	१४	व	२१	४७	४	३५	२५	१	२६	२३	कर्के
१४	र	२७	५८	श्ले	५१	२२	व	१५	५३	श	२७	५८	१	३६	२४	२	२७	२४	सिं. ५१/२२
३०	चं	३४	४	म	५८	४६	प	१८	२१	च	१	१	३१/५७	३७	२३	३	२८	२५	सिंहे

वर्षर्तू रविरुत्तरे श्रावण कृष्णेति महा.

भ.४८।५८उ.मघा.सिंहेबुध:३७।२४
भ.१४।३६या.चतुर्थीव्रतम्
भ.५८।५०उ.चंद्रषष्ठी
भ.२७।४२या.मघा.सिंहेऽर्क:५९।५४
मघा.सिंहेऽर्क:सौर:३/६जन्माष्टमीव्रतम्
पुष्ये.४गुरु:५९/१५विशा.२शनि:५/३६गोगा९
भ.३३/४३उ.पूफा.बुध:३३/३१विशा.भौम:३६/५५
भ.४।४२या.बुधोदय:पश्चिमायां१८।०
आश्ले शुक्र:०।४४अजा११व्र.
वत्सद्वादशीप्रदोष:
भ.२१।४७उ.५४।५३या.भा.भाद्रपदारंभ:
कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादि:सोमवती

१८पं.भा.कृ.१चं.इ.२।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	३	३	६	५	३
२४	१४	२६	११	४	२३	२८	२३
१६	५०	४८	३७	२५	०	२५	४२
२७	३१	३६	३४	५	४७	४५	५२
५७	३६	[illegible]	१३	७४	२	३	५७
३३	१६	[illegible]	३२	०	११	११	२२

१९पं.भा.कृ.९चं.इ. २।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	३	३	६	५	४
०	१८	१०	१३	१२	२३	२८	०
५९	५९	२६	९	५९	१७	३	२५
५३	३५	१०	१७	२०	२०	२९	५
५७	३७	[illegible]	१३	७४	२	३	५७
४०	१७	[illegible]	२०	८	५०	११	३४

२०पं.भा कृ.३०चं.इ.१/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	३	१	६	५	४
७	२३	२२	१४	२१	२३	२७	७
४४	१६	५२	३९	३४	३९	४१	८
२०	३०	१२	२२	२६	३६	१४	३३
५७	३८	[illegible]	१३	७४	३	३	५७
४९	६	[illegible]	१४	१४	३२	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः स० २०७१ शाकः १९३६												दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:१२३८स.२०१४
१	मं	३९	४६	पू	६०	०	शि	२०	३१	किं	६	५५	३१/५३	५/३७	२ ६/३	४	२९	२६	सिंहे	
२	बु	४४	४९	पू	५	५१	सि	२२	२०	बा	१२	१७	४९	३८	२२	५	३०	२७	कं.२२।२२	उफा.बुध:१२।११ चंद्र दर्शनम्
३	गु	४९	१७	उ	११	५६	सा	२३	३८	तै	१७	३	४६	३९	२१	६	१	२८	कन्यायां	जिलकाद ११ हरितालिका ३
४	शु	५२	१६	ह	१७	३४	शु	२४	११	व	२०	४६	४२	४०	२०	७	२	२९	तु४९।४२	भ.२०/४६उ.५२/१६या.कन्यायांबुध:३१/३९गणेश ४
५	श	५४	२५	चि	२१	५०	शु	२३	५४	ब	२३	२०	३८	४०	२०	८	३	३०	तुलायां	पूफा.रवि.४९।३०ऋषि पंचमी
६	र	५५	१७	स्वा	२५	१७	ब्र	२२	५८	कौ	२४	५०	३४	४१	१९	९	४	३१	तुलायां	पूफा.रवि:सौर:३६/५७मघा. सिंहे शुक्र:५२।०
७	चं	५४	५६	वि	२७	१०	ऐं	२१	१	ग	२५	७	३०	४२	१८	१०	५	१	वृ.११।४१	भ.५४।५६उ.सितम्बर ९ ता.३०
८	मं	५२	४५	अ	२७	४४	वै	१७	३८	वि	२३	२१	२६	४३	१७	११	६	२	वृश्चिके	भ.२३।२१या.
९	बु	४९	५	ज्ये	२६	४२	वि	१३	११	ना	२०	५५	२२	४४	१६	१२	७	३	ध.२६।४२	आश्ले.१गुरु:३२।२३
१०	गु	४३	५०	मू	२४	१०	प्री	७	१४	तै	१६	२८	१८	४४	१६	१३	८	४	धनुषि	हस्ते बुध:४९।२८वृश्चिकेभौम:४१।१
११	शु	३७	१४	पू	२०	७	आ	१९	५१/५२	व	१०	३३	१५	४५	१५	१४	९	५	म.३३।४४	भ.५०।३३उ.३७।१४या.जलझूलनी११व्र.
१२	श	२९	२०	उ	१४	४९	शो	४२	५५	ब	३	१८	११	४६	१४	१५	१०	६	मकरे	वामनजयंती प्रदोष:
१३	र	२०	२०	श्र	८	२०	अ	३२	५२	तै	२०	२०	७	४७	१३	१६	११	७	कुं.३४।४०	
१४	चं	१०	४५	ध	१/१	५३/२३	सु	२२	१८	व	१०	४५	३	४७	१३	१७	१२	८	कुंभे	भ.१०/४५उ.३५/५७या.अनंत१४महालयारंभ:
१५	मं	१	८	पू	४६	६	धृ	११	३७	ब	१	८	३०/५९	४८	१२	१८	१३	९	मि.३२/५६	अनु.भौम:४१।१२

२१पं.भा.शु.७ चं.इ.५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	३	४	६	६	४
१४	२७	४	१६	०	२४	२७	१३
३०	४२	१४	७	१२	३	१८	५३
०	०	३१	४१	११	२५	५८	४५
५८	३८	९५	१२	७४	४/८	३	५७
१	५	२०	५३	२०	व.	११	५७

गोचर ग्रहा:

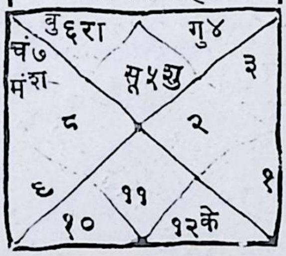

भाद्रपद कृष्णे ७ शनौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५कुमार्यवस्था (बैठी मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहा:

२२ पं.भा.शु १४श.इ.४१/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	३	४	६	५	४
२१	२	१४	१७	८	२४	२६	२०
१७	१३	३६	३३	५०	३२	५६	४०
२	४४	१८	४०	३१	२८	४२	२५
५८	४०	८६	१२	७४	४	३	५८
१३	१	१४	२८	२६	४२	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा:
१	मं	५०	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४३	५५	उ	३९	४८	शू	३१/३	५०/२२	तै	१७	५९	३०/५५	४५/९	६/११	१९	१४	१०	मीने	
३	गु	३७	१५	रे	३४	४६	बृ	४३	४९	व	१०	३६	५१	५०	१०	२०	१५	११	मे३४।४६	भ.१०।३६उ.३७।१५या.पूफा.शुक्र:३८/५५
४	शु	३२	२८	अ	३१	२०	ध्रु	३६	३३	ब	४	५२	४७	५१	९	२१	१६	१२	मेषे	चतुर्थी व्रतम्
५	श	२९	४०	भ	३०	१०	व्या	३१	५	कौ	१	३	४३	५१	९	२२	१७	१३	वृ.४५/२४	उफा.रवि:३३/५५चित्रा.१राहु:रेवती.३ +
६	र	२९	१९	कृ	३१	८	ह	२७	३१	ब	२९	१९	३९	५२	८	२३	१८	१४	वृषे	भ.२९/१९उ.उफा.रवि:सौर:११/३७चित्रा. ÷
७	चं	३०	४६	रो	३४	७	व	२५	२७	वि	०	२	३५	५३	७	२४	१९	१५	वृषे	भ.०।२या. [+केतु:१६।५६
८	मं	३४	२०	मृ	३८	५४	सि	२५	१९	बा	२	३३	३१	५४	६	२५	२०	१६	मि ६/३०	कन्यायामर्क:५९।१६ [÷बुध:४४।२१
९	बु	३९	८	आ	५४	५५	व्य	२६	१	तै	६	४३	२७	५५	५	२६	२१	१७	मिथुने	कन्यार्क:सौर:३६/४८मातृ९(सौभाग्यवतीनां=
१०	गु	४५	१०	पु	५२	१३	व	२७	४३	व	१२	९	२२	५६	४	२७	२२	१८	क.३५।२३	भ.१२।९उ.४५।१०या. [= श्राद्ध)
११	शु	५२	२३	पु	५९	४३	प	३०	१	व	१८	४७	१८	५६	४	२८	२३	१९	कर्के	इंदिरा ११ब.
१२	श	५८	४९	श्ले	६०	०	शि	३२	२४	कौ	२५	३६	१४	५७	३	२९	२४	२०	कर्के	तुलायां बुध:३७/२३आश्ले.२गुरु.३६।४५
१३	र	६०	०	श्ले	७	३०	सि	३४	५७	ग	३१	५२	९	५८	२	३०	२५	२१	सिं. ७/३०	प्रदोष:
१३	चं	४	५४	म	१४	४७	सा	३७	१	व	४	५४	५	५९	१	३१	२६	२२	सिंहें	भ.४।५४उ.३७/३७या.उफा.शुक्र:२२।५५ *
१४	मं	१०	१९	पू	२१	३७	शु	३८	४५	श	१०	१९	३०/००	६/००	६/००	१	२७	२३	कं.३८।३	भा.आश्विनारंभ:सर्वपितृ३०
३०	बु	१४	५१	उ	२७	२०	शु	३९	३३	ना	१४	५१	२९/५६	१	५/५९	२	२८	२४	कन्यायां	[*शस्त्रादि हतानां श्राद्धं

२३पं.आ.कृ.७चं.इ. ३१/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	३	४	६	५	४
२८	६	२३	१८	१७	२५	२६	२७
५	५१	४०	५६	३१	४	३४	२८
२४	५४	१२	२४	८	५९	२७	४२
५८	४०	७०	१२	७४	५	३	५८
२६	४०	३४	८	२६	४	११	२९

गोचर ग्रहा:

आश्विनकृष्णे ८ भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु.१५धान्यादि भावेमहर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहा:

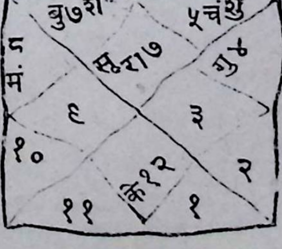

२४पं.आ.कृ.१३चं.इ. २१/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	४	६	५	५
४	११	१	२०	२६	२५	२६	४
५५	३६	२३	१६	१३	४०	१२	१८
१६	४	२०	२३	१६	५५	११	५०
५८	४१	५३	११	७४	५	३	४८
३८	१२	१२	३७	२७	३२	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविरुत्तरेऽहर्गण:१२६८ स.२०१४
१	गु	१८	२६	ह	३२	२२	ब्र	३९	४०	ब	१८	२६	२९/५२	६/२	५/५८	३	२८	२५	कन्यायां	कन्यायांशुक्रः४/५नवरावारंभ:मातामह श्रा.
२	शु	२०	४७	चि	३६	१०	ऐं	३८	५७	कौ	२०	४७	४८	२	५८	४	२९	२६	तु.४।१६	चंद्र दर्शनम्
३	श	२२	१४	स्वा	३९	४	वै	३७	३१	ग	२२	१४	४४	३	५७	५	१	२७	तुलायां	भ.५२/२६उ.हस्तेरविः१३/२५(सौर:४९।१८) ×
४	र	२२	३९	वि	४०	१५	वि	३५	२	बि	२२	३९	४०	४	५६	६	२	२८	वृ.२५।२४	भ.२२।३९या.स्वात्यांबुध:४३।२९
५	चं	२२	२	अ	४१	४०	प्री	३१	५७	बा	२२	२	३६	५	५५	७	३	२९	वृश्चिके	ज्येष्ठा.भौम:२२।४८ [×जिल्हेज १२
६	मं	२०	२०	ज्ये	४१	३४	आ	२८	२	तै	२०	३०	३२	६	५४	८	४	३०	ध.४१।३४	
७	बु	१७	२३	मू	४०	१३	सौ	२३	८	ग	१७	२३	२८	६	५४	९	५	१	धनुषि	भ.१७।२३उ.४५।३३या.
८	गु	१३	४३	पू	३७	५६	शो	१७	१९	ब	१३	४३	२३	७	५३	१०	६	२	म.५२।३	विशा.३शनि:२०।४८अक्टूबर२१ता.२१
९	शु	८	५२	उ	३४	२६	अ	१०	४४	कौ	८	५२	१९	८	५२	११	७	३	मकरे	वक्रीबुध:१४।५१हस्तेशुक्र:३।२६
१०	श	२	५३	श्र	३०	८	सु	१३/१	५१/४६	ग	२	५३	१५	९	५१	१२	८	४	कु.५७।२७	भ ३९/२७उ.५६/१९या.शुक्रास्त:पूर्वस्यां१४।२४÷
११	श	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ पापांकुशा११व्र.स्मार्ताः
१२	र	४७.	२३	ध	२४	४६	शू	४६	१७	ब	२१	४२	११	१०	५०	१३	९	५	कुम्भे	पापां कुशा११व्र वै.
१३	चं	३९	१९	श	१८	५४	गं	३६	४९	कौ	१३	२०	७	११	४९	१४	१०	६	मी.५९/३	प्रदोषः
१४	मं	३१	८	पू	१२	४०	वृ	२७	१२	ग	५	१३	३	११	४९	१५	११	७	मीने	भ.३१/२८उ.५७/१८या.शरद्१५स्मा.कोजागरीव्र.
१५	बु	२३	२८	उ	६	४०	ध्रु	१७	५३	ब	२३	२८	५८/५९	१२	४८	१६	१२	८	मीने	शरद्१५वै.

२५पं.आ.शु.५चं.इ.१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	५	६	५	५
११	१६	६	२१	४	२६	२५	११
४६	२५	४७	३२	५६	२०	४९	१०
५२	१	४६	३५	६	६	५६	४९
५८	४१	२६	१०	७४	५	३	५९
५३	४२	१५	५९	३२	५९	११	००

गोचर ग्रहाः

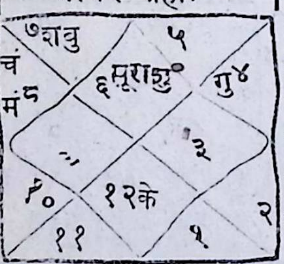

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठचना रस गन्ना गुड़ सक्कर चीनी धातु सोना चाँदी घृत में तेजी हो ।

गोचर ग्रहाः

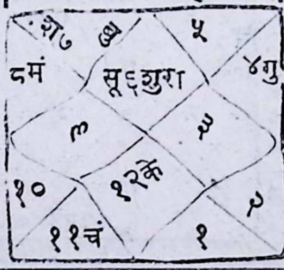

२६पं.आ.शु. १३चं.इ. १।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	५	६	५	५
१८	२१	८	२२	१३	२७	२५	१८
४०	२०	१९	४३	४०	१	२७	४
८	२४	२६	३४	४१	२३	४०	३६
५९	४२	१७/११	१०	७४	६	३	५९
९	१६	व.	१४	३२	२०	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	गु	१६	४०	रे	१/२०	५५/५४	व्या	९	१३	कौ	१६	४०	२८/५५	६/१३	५/४७	१७	१३	९	मे.१।२०	आश्ले.३गुरु:४७।५४
२	शु	११	१९	भ	५४	३६	ह	१/२४	५३/२३	ग	११	१९	५१	१४	४६	१८	१४	१०	मेषे	भ.३९/२७उ.वक्रीचित्रा.बुध:४३/२१बुधास्त: +
३	श	७	३५	कृ	५३	५३	सि	४९	५२	वि	७	३५	४७	१५	४५	१९	१५	११	वृ. २९/५	भ.३५/४या.चित्रा.रवि:४४/२७ करक चतुर्थी व्र.
४	र	६	११	रो	५५	१६	व्य	४६	३०	बा	६	११	४३	१५	४५	२०	१६	१२	वृषे	चित्रा.रवि:सौर:१९।५२
५	चं	६	३६	मृ	५८	५१	व	४४	५९	तै	६	३६	३९	१६	४४	२१	१७	१३	मि. २७/४	चित्रा.शुक्र:४४।४१[+पश्चिमायां५२।४१
६	मं	९	१३	आ	६०	०	प	४४	३०	व	९	१३	३५	१७	४३	२२	१८	१४	मिथुने	भ.९।१३उ.४१।१९या.
७	बु	१३	२५	आ	३	५५	शि	४५	१९	ब	१३	२५	३१	१८	४२	२३	१९	१५	क.५४।८	वक्री कन्यायां बुध:५९।४१
८	गु	१९	१०	पु	१०	३६	सि	४७	१६	कौ	१९	१०	२७	१९	४१	२४	२०	१६	कर्के	[÷मूले धनुषि भौम:३।३७
९	शु	२५	१९	पु	१७	३९	सा	४९	२५	ग	२५	१९	२३	१९	४१	२५	२१	१७	कर्के	भ.५८।३४उ.तुलायामर्क:२८।१६
१०	श	३१	४९	श्ले	२५	२३	शु	५१	५९	वि	३१	३९	२०	२०	४०	२६	२२	१८	सिं. २३/३	भ.३१।३९या.तुलार्क:सौर:२।३६ ÷
११	र	३७	५५	म	३२	५४	शु	५४	१	ब	४	५३	१६	२१	३९	२७	२३	१९	सिंहे	तुलायां शुक्र:३।३१रमा११व्र.
१२	चं	४३	२८	पू	३९	३७	ब्र	५५	४२	कौ	१०	४२	१२	२२	३८	२८	२४	२०	क.५६।६	[×पूर्वस्यां५१।५३ रूप१४
१३	मं	४७	४६	उ	४५	३३	ऐं	५६	२९	ग	१५	३६	८	२२	३८	२९	२५	२१	कन्यायां	भ.४७।४६उ.प्रदोष:धन१३
१४	बु	५०	४६	ह	५०	१०	वै	५६	१४	वि	१९	१५	४	२३	३७	३०	२६	२२	कन्यायां	भ.१९।१५या.वक्रीहस्तेबुध:२४/३बुधोदय.×
३०	गु	५२	२२	चि	५३	२६	वि	५५	४	च	२१	३४	०	२४	३६	१	२७	२३	तु.२१।४८	भा.कार्तिकारंभ:महालक्ष्मी पूजनम्

२७ पं.का.कृ.५ चं.इ.५४/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	३	५	६	५	५
२५	२६	३	२३	२२	२७	२५	२५
३५	२०	४५	३०	२५	४४	५	००
२	१०	५४	५६	३७	५३	२४	१८
५९	४२	७५/५७	९	७४	६	३	५९
२१	४८	व.	३७	३५	२२	११	३१

गोचर ग्रहाः

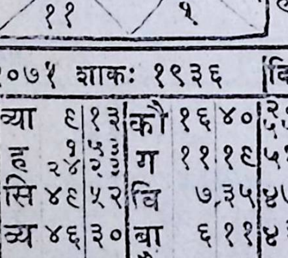

कार्तिक कृष्ण ९ शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

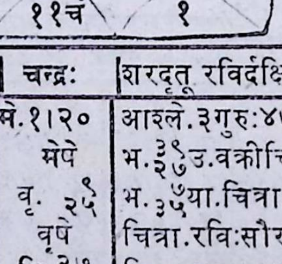

२८ पं.का.कृ. १२चं.इ.४४/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	३	६	६	५	६
२	१	२५	२४	१	२८	२४	१
३१	२४	५२	५१	११	३०	४३	५७
२६	४३	४१	४०	१०	२५	९	४३
५९	४२	७४/५	८	७४	६	३	५९
३४	२४	व.	४६	३८	५०	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	शु	५२	४४	स्वा	५५	२८	प्री	५२	४६	किं	२२	३२	२७/५६	२५/६	३५/५	२	२८	२४	तुलायां
२	श	५१	४७	वि	५६	२७	आ	४९	३५	बा	२२	१५	५३	२५	३५	३	२९	२५	वृ.४१।१२
३	र	५०	५	अ	५६	१०	सौ	४५	३८	तै	२०	५६	४९	२६	३४	४	१	२६	वृश्चिके
४	चं	४७	२९	ज्ये	५५	२५	शो	४०	४६	व	१८	४७	४५	२७	३३	५	२	२७	व ५५।२५
५	मं	४४	२	मू	५३	४३	अ	३५	२६	ब	१५	४६	४१	२८	३२	६	३	२८	धनुषि
६	बु	४०	१७	पू	५१	३५	सु	२९	४७	कौ	१२	१०	३७	२९	३१	७	४	२९	धनुषि
७	गु	३५	५५	उ	४८	५७	धृ	२३	३२	ग	८	६	३४	२९	३१	८	५	३०	म.५।५६
८	शु	३०	१०	श्र	४५	५३	शू	१६	४६	वि	३	३२	३०	३०	३०	९	६	३१	मकरे
९	श	२५	४८	ध	४२	१७	गं	९	४३	कौ	२५	४८	२७	३१	२९	१०	७	१	कुं.१४।५
१०	र	२०	४	श	३८	१९	वृ	२/०	५३/१३	ग	२०	४	२३	३१	२९	११	८	२	कुंभे
११	चं	१४	४	पू	३४	२	व्या	४६	३४	वि	१४	४	१९	३२	२८	१२	९	३	मी. २०/९
१२	मं	७	५२	उ	२९	३९	ह	३८	३४	बा	७	५२	१६	३३	२७	१३	१०	४	मीने
१३	बु	१	४९	रे	२५	३१	व	३०	५२	तै	१	४९	१२	३४	२६	१४	११	५	मे.२५।३१
१४	बु	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	शु	५१	३५	अ	२२	१	सि	२३	३७	वि	२३	५६	९	३४	२६	१५	१२	६	मेषे

शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२९७स.२०१४

स्वात्यां रविः ११/१८ (सौरः ४३/३९) स्वात्यां ÷
मार्गी बुधः ३६।१६ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ २
मोहोरम १ सन् १४३६ हि.
भ. १८।४७ उ. ४७।२६ या.
चित्रा. बुधः २६।३३
[÷ शुक्रः ४५/५३ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा
भ. ३५।५५ उ.[=११ व्र. तुलसी विवाह
भ. ३।३२ या गोपाष्टमी
अस्तं शनेः २६।१९ अक्षय ९ ×
भ. ४७/४ उ. विशा. ४ वृश्चिके गुरुः ३६/५
भ. १४/४ या.आश्ले. ४गुरुः ४६/२३ प्रबोधिनी=
तुलायां बुधः५७/२७ विशा. शुक्रः २०/५ प्रदोषः
भ. ५६/१४ उ. पूषा. भौमः ३६/९ वैंकुंठ १४
[×नवम्बर ११ ता. ३०
भ.२३/५६या.वि.रविः३०/४४मन्वादिः का.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.४ चं.इ. ०।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	३	६	६	५	६
९	६	२२	२५	९	२९	२४	८
२९	३२	५४	४७	२७	१८	२०	५७
४२	१७	३२	१७	२९	०	५३	३
५९	४३	१७/४६	७	७४	७	३	६०
४७	४४	मा।	४९	३८	२	११	२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा काष्ठ घृत कपास तृण घास चोपाये पशु तेज हो धान्य में तेजी अच्छी रहे।

गोचर ग्रहाः

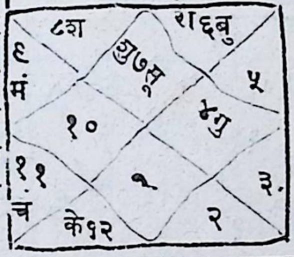

३०पं.मा.शु.११चं.इ.०।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	३	६	७	५	६
१६	११	२७	२६	१८	०	२३	१५
२९	४५	४२	३४	४५	६	५८	५८
२८	२२	४	५२	१८	२९	३८	७
६०	४३	७०	६	७४	७	३	६०
४	५६	४३	४१	३८	१४	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	शु	४८	१६	भ	१९	२६	व्य	१७	५	बा	१९	५५	२७/५	३५/६	२५/५	१६	१३	७	वृ.३४।११
२	श	४६	४४	कृ	१८	२६	व	११	४७	तै	१७	३०	२	३६	२४	१७	१४	८	वृषे
३	र	४६	४३	रो	१८	५६	प	७	३५	व	१६	४७	२६/५८	३६	२४	१८	१५	९	मि५०।७
४	चं	४८	४६	मृ	२१	२६	शि	५	२	ब	१७	४४	५५	३७	२३	१९	१६	१०	मिथुने
५	मं	५२	२१	आ	२५	२६	सि	३	३५	कौ	२०	३२	५२	३८	२२	२०	१७	११	मिथुने
६	बु	५७	३५	पु	३१	१२	सा	३	३८	ग	२४	५८	४९	३८	२२	२१	१८	१२	क.१६।४६
७	गु	६०	०	पु	३७	५९	शु	४	५४	वि	३०	३४	४५	३९	२१	२२	१९	१३	कर्के
७	शु	३	३४	श्ले	४५	२३	शु	६	३१	ब	३	३४	४२	४०	२०	२३	२०	१४	सि. ४५/३
८	श	१०	०	म	५२	२८	ब्र	८	५८	कौ	१०	०	३९	४०	२०	२४	२१	१५	सिंहे
९	र	१६	१९	पू	६०	०	ऐं	१२	६	ग	१६	१९	३६	४१	१९	२५	२२	१६	सिंहे
१०	चं	२१	५६	पू	०	९	वै	१३	७	वि	२१	५६	३३	४१	१९	२६	२३	१७	कं.१६।४३
११	मं	२६	२८	उ	६	२५	वि	१४	२	बा	२६	२८	३०	४२	१८	२७	२४	१८	कन्यायां
१२	बु	२९	२६	ह	११	९	प्री	१४	१	तै	२९	२६	२७	४३	१७	२८	२५	१९	तु.४२।५५
१३	गु	३०	४७	चि	१४	४१	आ	१२	५५	ग	०	४	२५	४३	१७	२९	२६	२०	तुलायां
१४	शु	३०	२१	स्वा	१६	२३	सौ	१०	२२	वि	०	३४	२२	४४	१६	३०	२७	२१	तुलायां
३०	श	२८	२२	वि	१६	२५	शो	६	३५	ना	२८	२२	१९	४४	१६	१	२८	२२	वृ. १।२५

हेमंततूं रविदक्षिणेकार्तिककृष्णेति महा.

विशा. रविः सौरः १।३
बुधास्तः पूर्वस्याम् २७।२४
भ. १६/४४ उ. ४६/४३ या. स्वात्यां बुधः ४३/१७
चतुर्थी व्रतम्
भ. ५७/३५ उ. वृश्चिके शुक्रः ०।१७
भ. ३०।३४ या.
अनु. शुक्रः ३६।५७
हस्तः ४ राहु। रेवती. २ केतुः ८।४५
भ. ४९/७ उ. वृश्चिकेर्कः २६/४९ (सौरः ५५/२०)
भ. २१।५६ या.
विशा. बुधः ३।२४ उत्पत्ति ११ व्र.
अनु. रविः ४५।१६
भ. ३०/४७ उ. अनु. रविः सौरः १२।८ प्र.
भ. ०।३४ या.
उषा. भौमः ३९।५१ रा. मार्गशीर्षारंभः

३१पं.मा.कृ.४ चं.इ. ०।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	३	६	७	५	६
२३	१७	७	२७	२७	०	२३	२३
३०	१	४	१५	३०	५५	३६	०
५०	८	३७	४३	४७	५५	२२	४०
६०	४४	८७	५	७४	७	३	६०
१७	२२	२८	४४	३२	२०	११	३०

गोचर ग्रहाः

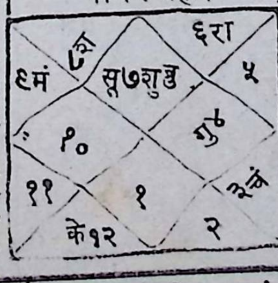

मार्गशीर्ष कृष्णे ९रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु. ३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

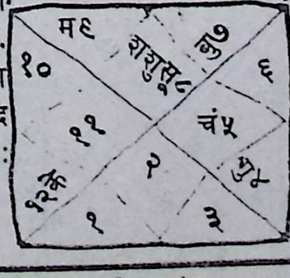

३२पं.मा.कृ.९र.इ. ५९।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	३	७	७	५	७
०	२२	१८	२७	६	१	२३	०
२३	२०	२२	४८	१७	४५	१४	४
२९	१३	२६	४७	३८	४७	६	४४
६०	४४	९२	४	७४	७	३	६०
३०	२८	१६	३२	३२	२०	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१३२७ स.२०१४
१	र	२५	१५	अ	१५	२३	अ	३/४	५४/१५	व	२५	१५	२६/१७	६/४५	५/१५	२	२९	२३	वृश्चिके	चंद्रदर्शन संभव:
२	चं	२१	५	ज्ये	१३	१५	धृ	४९	२०	कौ	२१	५	१४	४५	१५	३	१	२४	ध.१३।१५	वृश्चिकेबुध:१६।२२सफर २
३	मं	१६	१७	मू	१०	१२	शू	४२	१०	ग	१६	१७	१२	४६	१४	४	२	२५	धनुषि	भ.४३।४२उ.ज्येष्ठा.शुक्र:१५।५८
४	बु	११	८	पू	६	३९	गं	३४	५२	वि	११	८	९	४६	१४	५	३	२६	म.२०।४६	भ.११/२या.अनु.बुध:१९/०शुक्रोदय:÷
५	गु	५	५२	उ	३/९	५६/२७	वृ	२७	४०	बा	५	५२	७	४७	१३	६	४	२७	मकरे	मकरेभौम:७।३१ [÷पश्चिमे २/१ २/२
६	शु	०	३९	ध	५६	१३	ध्रु	२०	२६	तै	०	३९	५	४७	१३	७	५	२८	कुं.२७।५४	भ.५५।२१उ.चंपा६
७	शु	५४	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
८	श	५०	२९	श	५२	५१	व्या	१३	१	वि	२२	५६	२	४८	१२	८	६	२९	कुम्भे	भ.२२।५५या.
९	र	४५	४१	पू	४९	३७	ह	६/१	५२/५२	बा	१८	५	०	४८	१२	९	७	३०	मी. ३५/२५	अनु.१शनि:१३।५५ [−व्र.गीताजयंती
१०	चं	४०	५८	उ	४६	४४	सि	५२	१३	तै	१३	१९	२५/५८	४८	१२	१०	८	१	मीने	दिसम्बर१२ता.३१ [+मोक्षदा११−
११	मं	३६	५०	रे	४४	१२	व्य	४५	४६	व	८	५४	५६	४९	११	११	९	२	मे.४४।१२	भ.८।५४उ.३६।५०या.ज्येष्ठारवि:५/१ ५/६ +
१२	बु	३३	१	अ	४२	१२	व	३९	४३	ब	४	५६	५४	४९	११	१२	१०	३	मेषे	ज्येष्ठा.रवि:सौर:२०।०२
१३	गु	२९	५९	भ	४०	४६	प	३४	१६	कौ	१	३०	५३	४९	११	१३	११	४	वृ.५५।४१	प्रदोष:
१४	शु	२७	५१	कृ	४०	३०	शि	२९	३१	व	२७	५१	५१	५०	१०	१४	१२	५	वृषे	भ.३/५ ७/१उ.५/३ ७/९या.ज्येष्ठा.बुध:३/३ २मूले×
१५	श	२७	७	रो	४१	३१	सि	२५	४७	ब	२७	७	४९	५०	१०	१५	१३	६	वृषे	दत्तजयंती [×धनुषिशुक्र:५/५ ०/५उदयंशने ७/३ ५

३३पं.मा.शु.५र.इ. ५९/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	३	७	७	५	७
७	२७	२९	२८	१५	२	२२	७
३७	३९	३२	१२	५	३६	५१	१०
२६	४३	५३	४७	१८	४	५१	१७
६०	४४	९७	१३	७४	७	३	६०
४२	५१	५१	२०	३२	२०	११	५३

गोचर ग्रहाः

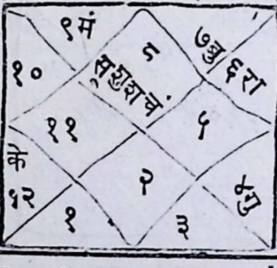

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं चांवल धातु सोना चांदी तांबा लोहा तेज हो।

गोचर ग्रहाः

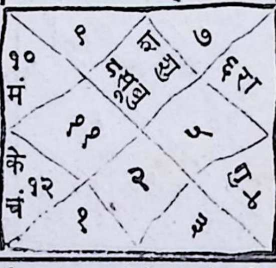

३४पं.मा.शु. ९र.इ. ५९/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	३	७	७	५	७
१४	३	१०	२८	२३	३	२२	१४
४२	२	३६	२७	५१	२५	२९	१७
४०	२१	२५	५८	५८	३०	३५	३
६०	४४	९९	१	७४	७	३	६१
५०	००	२	५०	२६	१४	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	र	२७	३७	मृ	४३	३८	सा	२३	३	कौ	२७	३७	२५/४८	६/५०	५/१०	१६	१४	७	मि१२।३४	
२	चं	२९	४६	आ	४७	१४	शु	२१	४६	ग	२९	४६	४६	५१	९	१७	१५	८	मिथुने	
३	मं	३३	११	पु	५२	२२	शु	२०	५९	व	१	२९	४५	५१	९	१८	१६	९	क.३६।५	भ.१।२९उ.३३।११या.
४	बु	३८	१०	पु	५८	४५	ब्र	२१	३८	व	५	४०	४४	५१	९	१९	१७	१०	कर्के	श्रवणेभौम:३।१८चतुर्थीव्र.
५	गु	४३	३६	श्ले	६०	०	ऐं	२३	२	कौ	११	५३	४३	५१	९	२०	१८	११	कर्के	वक्रीगुरु:७।६
६	शु	५०	२२	श्ले	५	३८	वै	२५	३	ग	१६	५९	४२	५२	८	२१	१९	१२	सिं५।३८	भ.५०।२१उ.
७	श	५६	५३	म	१३	२०	वि	२७	१५	वि	२३	३७	४१	५२	८	२२	२०	१३	सिंहे	भ.२३।३७या.मूलेधनुषिबुध:२२।५७
८	र	६०	०	पू	२१	४	प्री	२९	२९	बा	२९	३७	४०	५२	८	२३	२१	१४	कं.३७।४८	
८	चं	२	५६	उ	२८	१	आ	३१	८	कौ	२	५६	३९	५२	८	२४	२२	१५	कन्यायाँ	
९	मं	८	१	ह	३३	३५	सौ	३१	४३	ग	८	१	३९	५२	८	२५	२३	१६	कन्यायां	भ.३/४ ५/४उ.मूले धनुष्यऽर्क:२/३ १ (सौर:२/५ ३/२)=
१०	बु	११	२८	चि	३७	४४	शो	३१	१७	वि	११	२८	३८	५२	८	२६	२४	१७	तु.५।३९	भ.११।२८या. [=पूषा.शुक्र:३/३ ०/७
११	गु	१३	११	स्वा	४०	५	अ	२९	१९	बा	१३	११	३८	५२	८	२७	२५	१८	तुलायां	सफला११व्र.
१२	शु	१२	५७	वि	४१	३२	सु	२५	५७	तै	१२	५७	३७	५३	७	२८	२६	१९	वृ.२६।११	प्रदोष:
१३	श	१०	५४	अ	३९	१५	धृ	२०	५७	व	१०	५४	३७	५३	७	२९	२७	२०	वृश्चिके	भ.१०।५४उ.३८।५५या.
१४	र	६	५५	ज्ये	३९	१८	शू	१४	३४	श	६	५५	३६	५३	७	३०	२८	२१	ध.३६।१८	पूषायांबुध:४२।३२
३०	चं	१	३९	मू	३२	५४	गं	७/८	५५/३८	ना	१	३९	३६	५३	७	१	२९	२२	धनुषि	भा.पौषारंभ:

३५पं. पौ.कृ. १ र.इ. ५९/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	३	८	७	५	७
२१	८	२१	२८	२	४	२२	२१
४८	२६	३७	३३	३९	१४	७	२४
९३	४९	३७	५०	१८	३८	२०	४५
६०	४५	९९	०	७४	७	३	६१
५६	६	५२	३८	२६	८	११	११

३६पं.पौ.कृ.८र.इ.५९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	३	८	७	५	७
२८	१२	२	२८	११	५	२१	२८
५५	५२	३९	३०	२६	२	४५	३३
३७	२४	४७	११	३१	३१	४	२८
६१	४५	९९	०/४७	७४	६	३	६१
०	१४	४०	व.	२६	५६	११	१९

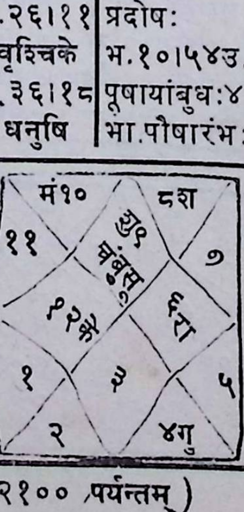

३७पं.पौ.कृ.१४र.इ.५८/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	३	८	७	५	८
६	१९	१२	२८	२०	५	२१	५
३	१९	४७	१६	१३	४८	२२	४२
१४	३४	१७	५२	४८	५८	४८	५३
६१	४५	९९	२/१८	७४	६	३	६१
४	२२	२५	व	२०	४४	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १३५७स,२०१४
१	चं	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४८	१६	पू	२७	१०	ध्रु	५०	९	बा	२१	४६	३५/३६	५६/३	५/७	२	३०	२३	म.४०।५२	चंद्र दर्शनम्
३	बु	४१	२२	उ	२१	५९	व्या	४१	१७	तै	१४	४९	३६	५३	७	३	१	२४	मकरे	रविलावल ३
४	गु	३४	२०	श्र	१६	३४	ह	३२	२६	व	७	५१	३७	५३	७	४	२	२५	कुं. ४४/८	भ.७।५१उ.३४।२०या.
५	शु	२७	५३	ध	११	४२	व	२३	५५	ब	१	७	३७	५३	७	५	३	२६	कुंभे	
६	श	२१	५२	श	७	४९	सि	१६	८	तै	२१	५२	३७	५३	७	६	४	२७	मी४९।४०	उषा.शुक्रः५।५६धनि.भौमः२।३
७	र	१६	४६	पू	३	३६	व्य	८	३०	व	१६	४६	३८	५२	८	७	५	२८	मीने	भ.१६।४६उ.४४।४०या.
८	चं	१२	३३	उ	४४/०	५६/२	व	५२/१	५३/५८	ब	१२	३३	३८	५२	८	८	६	२९	मे.५८।४६	पूषा.रविः७।३१(सौरः३५/३०)मकरेशुक्रः४७/३६
९	मं	९	६	अ	५७	४४	शि	५०	२९	कौ	९	६	३९	५२	८	९	७	३०	मेषे	उषा.बुधः०।२७अनु.२शनिः १५/२बुधोदयः÷
१०	बु	६	३२	भ	५७	३१	सि	४६	२	ग	६	३२	४०	५२	८	१०	८	३१	मेषे	भ.३५।४५उ. [÷पश्चिमे५६।१९
११	गु	४	५८	कृ	५८	१५	सा	४२	७	वि	४	५८	४१	५२	८	११	९	१	वृ.१२।४१	भ.४।५८या.मकरेबुधः३।२६जनवरी १=
१२	शु	४	१३	रो	६०	०	शु	३९	१३	बा	४	१३	४२	५२	८	१२	१०	२	वृषे	प्रदोषः
१३	श	४	४९	रो	०	८	शु	३७	२	तै	४	४९	४३	५१	९	१३	११	३	मि. ३२/३४	[= ता.३१सन्२०१५पुत्रदा११व्र.
१४	र	६	१२	मृ	२	५९	ब्र	३७	११	व	६	१२	४४	५१	९	१४	१२	४	मिथुने	भ.६।१२उ.३७।३८या.कुंभेभौमः३८।२२
१५	चं	९	४	आ	६	५२	ऐं	३५	४५	व	९	४	४५	५१	९	१५	१३	५	क.५५।३९	मा.स्ना.प्रा.

३८ पं.पौ.शु.७र.इ. ५८/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	३	८	७	५	८
१३	२४	२४	२७	२८	६	२१	१३
११	४८	५९	२३	५९	३२	०	५२
१३	१८	४९	५६	४९	५३	३३	४५
६१	४५	९७	३/८	७४	६	३	६१
६	२३	३४	व.	१८	२६	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौष कृष्णे ९ भौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

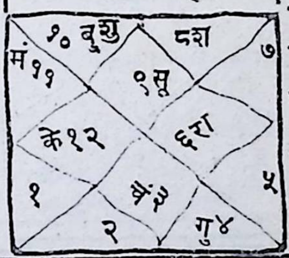

३९ पं.पौ.शु.१४र.इ. ५८/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	३	९	७	५	८
२०	०	६	२७	७	७	२०	२०
१९	१५	३	२२	४६	१४	३८	२
२६	२५	४	५२	७	४६	१७	४२
६१	४५	९२	४/५०	७४	६	३	६१
६	२२	११	व.	१२	३	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	१२	५७	पु	११	५५	वै	३६	१४	को	१२	५७	२५/४७	६/१	५/१	१६	१४	६	कर्के	श्रवणे शुक्रः४७।१
२	बु	१८	४	पु	१८	१२	वि	३७	२६	ग	१८	४	४८	५०	१०	१७	१५	७	कर्के	भ.५०।५०उ.श्रवणेबुधः३२।४७
३	गु	२३	३७	श्ले	२५	११	प्री	३९	१३	वि	२३	३७	५०	५०	१०	१८	१६	८	सिं. २५/११	भ.२३।३७या.चतुर्थी व्रतम्
४	शु	३०	१३	म	३२	४१	आ	४१	३१	बा	३०	१३	५२	५०	१०	१९	१७	९	सिंहे	
५	श	३६	४३	पू	४०	८	सौ	४३	५९	कौ	३	२८	५३	४९	११	२०	१८	१०	कं.५७।२	
६	र	४३	१०	उ	४७	४६	शो	४५	५७	ग	९	५८	५५	४९	११	२१	१९	११	कन्यायां	भ.४३/१०उ.उषा.रविः१३/१६ (सौरः२६।५७)
७	चं	४८	४६	ह	५४	१८	अ	४७	२१	वि	१५	५८	५७	४९	११	२२	२०	१२	कन्यायां	भ.१५/५८या.वक्रीअश्ले.३गुरुः३६।११
८	मं	५३	२	चि	५९	४०	सु	४७	५०	बा	२०	५५	५९	४८	१२	२३	२१	१३	तु.२६।५७	शते भौमः१२।९
९	बु	५५	४४	स्वा	६०	०	धृ	४६	४	तै	२४	२३	२६/१	४८	१२	२४	२२	१४	तुलायां	मकरेऽर्कः२८।४० (सौरः४२।२४)
१०	गु	५६	२२	स्वा	३	२६	शू	४४	४६	व	२६	३४	४	४७	१३	२५	२३	१५	वृ.४९।४६	भ.२६।३४उ.५६।२२या.
११	शु	५५	५	वि	५	१३	गं	४०	५२	ब	२५	४४	६	४७	१३	२६	२४	१६	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.स्मा.
१२	श	५१	४४	अ	४	५६	वृ	३५	२२	कौ	२३	२५	८	४६	१४	२७	२५	१७	वृश्चिके	धनि.शुक्रः५६/२२हस्त.३राहुःरेवती१केतुः =
१३	र	४६	२४	ज्ये	३९/२	५६/३	ध्रु	२८	२०	ग	१९	४	११	४६	१४	२८	२६	१८	ध. ३९/२	भ.४६।२४उ.प्रदोषः
१४	चं	३९	२४	पू	५३	१२	व्या	१९	१४	वि	१२	५४	१३	४५	१५	२९	२७	१९	धनुषि	भ.१२।५४या.[=१।१२षट्तिला११व्र.वै.
३०	मं	३१	२९	उ	४६	५२	ह	१०	२३	च	५	२६	१६	४५	१५	३०	२८	२०	म.६।३७	धनि.बुधः३०।१०

४० पं.मा.कृ.६र.इ. ५८/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	९	३	९	७	५	८
२७	५	१६	२६	१६	७	२०	२७
२७	४४	५	४३	३२	५४	१६	१२
२२	३१	१७	४६	२४	२२	२	३४
६१	४५	७६	६/२	७४	५	३	६१
६	२०	५१	व.	२	३९	११	२४

गोचर ग्रहाः

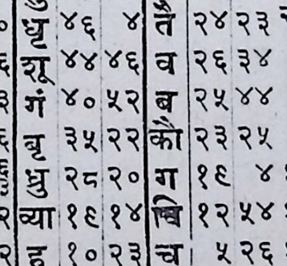

माघकृष्णे९बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

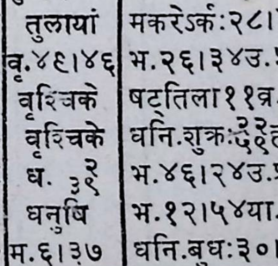

४१ पं.मा.कृ. १३र.इ. ५८/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	९	७	५	९
४	११	२२	२५	२५	८	१९	४
३५	१२	२९	५७	१७	३०	५३	२२
१३	३२	५३	३६	५६	४७	४६	३
६१	४५	३२	६/४९	७३	५	३	६१
३	२३	५२	व.	५६	१०	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १३८६स.२०१५
१	बु	२२	५९	श्र	३९	५७	व	०/३५	४९/३८	ब	२२	५९	२६/१९	६/४४	५/१६	१	२९	२१	मकरे	अभि. प्र. रविः ३।१० (सौरः १३।४५) ÷
२	गु	१४	१०	ध	३३	८	व्य	४०	६	कौ	१४	१०	२१	४४	१६	२	१	२२	कुं ५।१२	कुंभे शुक्रः ४२।५९ रविलाखर ४
३	शु	५	४३	श	२६	४०	व	३०	१६	ग	५	४३	२४	४३	१७	३	२	२३	कुम्भे	भ. ३१/५५ उ. ५८/७ या. वक्री श्रवणे बुधः ३६/३७
४	शु	५२	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷वक्रीबुधः ३०/४८ चंद्रदर्शनम् भा.माघारंभः
५	श	५१	१०	पू	२१	४	प	२१	१०	ब	२४	३५	२७	४३	१७	४	३	२४	मी. ७/२८	श्रवणे रविः १७।४७ (सौरः २९।४१)×
६	र	४५	४०	उ	१६	३९	शि	१३	११	कौ	१८	२५	२९	४२	१८	५	४	२५	मीने	अभि. नि. रविः १०।२ (सौरः २१।५८)
७	चं	४१	३२	रे	१३	४३	सि	६	७	ग	१३	३६	३२	४२	१८	६	५	२६	मे.१३।४३	भ. ४१।३२ उ. भानु ७ रथ ७
८	मं	३८	५१	अ	११	५६	सा	०/१३	५५/२२	वि	१०	११	३५	४१	१९	७	६	२७	मेषे	भ. १०।११ या. भीष्माष्टमी
९	बु	३७	३४	भ	११	४६	शु	५१	५७	ग्रा	८	१८	३८	४०	२०	८	७	२८	वृ. २७।११	शते शुक्रः ७।३२
१०	गु	३७	३७	कृ	१२	४५	ब्र	४९	२९	तै	७	८	४१	४०	२०	९	८	२९	वृषे	पातस्पर्शः १५।५८
११	शु	३९	११	रो	१५	१६	ऐं	४७	५९	व	८	२४	४५	३९	२१	१०	९	३०	मि४६।५८	भ. ८।२४ उ. ३९/११ या. पूभा. भौमः १३/४३ +
१२	श	४१	३६	मृ	१८	४०	वै	४७	३७	व	१०	२४	४८	३८	२२	११	१०	३१	मिथुने	[×बुधास्तः पश्चिमायां ७/४ वसंत ५
१३	र	४५	३०	आ	२३	२७	वि	४७	४२	कौ	१३	३३	५१	३८	२२	१२	११	१	मिथुने	फरवरी [+ पातमोक्षः ५८/९ जया. ११ व्र.
१४	चं	४९	५१	पु	२९	७	प्री	४८	२३	ग	१७	३६	५४	३७	२३	१३	१२	२	क.१२।४१	भ. ४९।५१ उ.
१५	मं	५५	२९	पु	३५	३३	आ	४९	५७	वि	२२	४०	५८	३६	२४	१४	१३	३	कर्के	भ. २२।५० या. मा. स्ना. पूर्तिः

४२पं.मा.शु.६र.इ.५८।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	१०	७	५	९
११	१६	२१	२५	४	९	१९	११
४२	२९	२	६	१	३	३१	३०
४०	४७	४९	२५	३०	२५	३०	५४
६०	४५	५७/५५	६/३४	७३	४	३	६१
५९	१६	व	व	५०	४६	११	१२

गोचर ग्रहाः

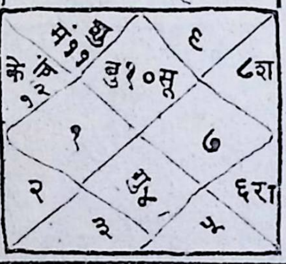

इस मास में धान्य गल्ला धातु लोहा ताम्बा चांदी रस गुड सक्कर वदी में तेज होकर सुदी में मंदे हो जावेंगे ।

गोचर ग्रहाः

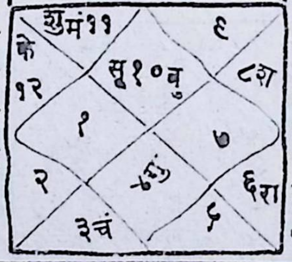

४३पं.मा.शु.१३र.इ. ५८/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	१०	७	५	९
१८	२२	१३	२४	१२	९	१९	१८
४९	६	१४	११	४३	३२	९	३९
१६	३२	२	४६	१६	१७	१५	००
६०	४५	८१/४९	७/५२	७३	४	३	६१
५३	९	व	व	४९	११	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु	६०	०	श्ले	४२	२३	सौ	५१	५०	बा	२८	२५	२७/१	६/३६	५/२४	१५	१४	४	सिं४२।२३	वक्री उषा बुधः २१।१०
१	गु	१	२०	म	४९	५३	शो	५३	५९	कौ	१	२०	५	३५	२५	१६	१५	५	सिंहे	बुधोदयः पूर्वस्यां ५।५०
२	शु	७	४८	पू	५७	२८	अ	५६	१६	ग	७	४८	८	३४	२६	१७	१६	६	सिंहे	भ. ४०।५८ उ.धनि.रविः २६/५ (सौरः ३५/३१)
३	श	१४	९	उ	६०	०	सु	५८	३६	वि	१४	९	१२	३४	२६	१८	१७	७	कं.१४।१९	भ. १४/९ या. पूभा. शुक्रः ५३/२२ चतुर्थी व्र.
४	र	२०	२९	उ	४	५५	धृ	६०	०	बा	२०	२९	१५	३३	२७	१९	१८	८	कन्यायां	वक्री आश्ले. २ गुरुः २८।१६
५	चं	२६	१३	ह	११	५६	धृ	०	१८	तै	२६	१३	१९	३२	२८	२०	१९	९	तु.४५।१	अनु. ३ शनिः ३८।३९
६	मं	३१	४	चि	१८	७	शू	१	३२	व	३१	४	२३	३१	२९	२१	२०	१०	तुलायां	भ. ३१।४ उ.
७	बु	३४	२८	स्वा	२२	५५	गं	१	४४	वि	२	४६	२७	३१	२९	२२	२१	११	तुलायां	भ. ४२/६ या. पातस्पर्शः २६/१७ पातमोक्षः ४८/५०
८	गु	३६	२१	वि	२६	२३	वृ	०/४६	५७/३६	बा	५	२५	३०	३०	३०	२३	२२	१२	वृ.१०।३१	मार्गी बुधः ५९।२३ मीने भौमः १६।१७
९	शु	३६	१८	अ	२७	५२	व्या	५४	२९	तै	६	२२	३४	२९	३१	२४	२३	१३	वृश्चिके	कुम्भेऽर्कः १।३१ (सौरः ९।२?)
१०	श	३४	१२	ज्ये	२७	२५	ह	४९	१	व	५	१५	३८	२८	३२	२५	२४	१४	ध.२७।२५	भ. ५।१५ उ. ३४।१२ या.
११	र	३०	३५	मू	२४	०	व	४१	५३	ब	२	२३	४१	२८	३२	२६	२५	१५	धनुषि	मीने शुक्रः ५४।१७ विजया ११ व्र.
१२	चं	२४	३२	पू	२०	३७	सि	३३	२२	तै	२४	३२	४५	२७	३३	२७	२६	१६	म.३४।११	उभा. भौमः ३१।४० प्रदोषः
१३	मं	१७	३७	उ	१४	५५	व्य	२३	४०	व	१७	३७	४९	२६	३४	२८	२७	१७	मकरे	भ. १७/३७ उ. ४२/४५ या. महाशिवरात्री व्र.
१४	बु	७	५२	श्र	९	५७	व	१३	७	श	७	५२	५३	२५	३५	२९	२८	१८	कुं. ३४/५	श्रवणे बुधः ५४/२५ उभा. शुक्रः ३८।४
३०	बु	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

४४पं.फा.कृ.४र.इ.५९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	३	१०	७	५	९
२५	२७	७	२३	२१	९	१८	२५
५५	३१	३४	१५	२५	५७	४६	४५
१	३७	१	५८	३०	४०	५९	४७
६०	४५	२५/४७	६/५२	७३	३	३	६०
४७	३	व	व	३८	३२	११	५५

ग्रोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्णे ९ शुक्रे कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न.३युवावस्था(सूती) धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

ग्रोचर ग्रहाः

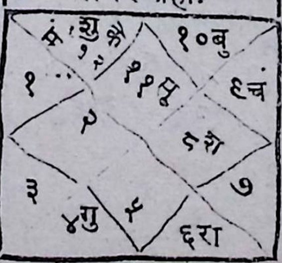

४५पं.फा.कृ.११र.इ. ५९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
२	२	८	२२	०	१०	१८	२
५९	५५	२६	२०	५	११	२४	५१
४९	४४	५६	५६	१७	१४	४४	५०
६०	४४	१९	७/४१	७३	२	३	६०
३७	५६	१९	व	२६	४९	११	४२

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गण १४१५ स.२०१५
१	शु	४८	३९	ध्र	०/१३	५२/११	प	९	४९/२	किं	२३	३०	२७/५६	६/२५	५/३५	३०	२९	१९	कुंभे	शते रविः ३७।३७ (सौरः ४४।५१)
२	शु	३९	१०	पू	४०	३	सि	४०	५८	बा	१३	५४	२८/००	२४	३६	१	३०	२०	मी३१।५३	चंद्रदर्शनम् भा. फाल्गुनारंभः फुलरिया२
३	श	३०	३१	उ	३८	२७	सा	३०	३१	तै	४	५०	४	२३	३७	२	१	२१	मीने	भ. ५६।४६ उ. जमादिलावल ५
४	र	२३	२	रे	३३	१३	शु	२१	३१	वि	२३	२	८	२२	३८	३	२	२२	मे.३३।१३	भ. २३।२ या.
५	चं	१७	९	अ	२९	३८	शु	१४	१४	बा	१७	९	१२	२२	३८	४	३	२३	मेषे	
६	मं	१३	१	भ	२७	५३	ब्र	८	१२	तै	१३	१	१६	२१	३९	५	४	२४	वृ. ४३/५४	[× (सौरः ५९।३८) धनि. बुधः ६।४६
७	बु	१०	४५	कृ	२७	५८	ऐं	३	३५	व	१०	४५	२०	२०	४०	६	५	२५	वृषे	भ. १०।४५ उ. ४०।३४ या.
८	गु	१०	२२	रो	२९	५०	वै	०/२९	५६/२६	ब	१०	२२	२४	१९	४१	७	६	२६	वृषे	होलाष्टक
९	शु	११	५२	मृ	३३	२०	प्री	५८	२१	कौ	११	५२	२८	१८	४२	८	७	२७	मि१।३५	
१०	श	१४	४४	आ	३८	१९	आ	५८	५६	ग	१४	४४	३२	१८	४२	९	८	२८	मिथुने	भ. ४६।५२ उ.
११	र	१९	०	पु	४४	२५	सौ	६०	०	वि	१९	०	३६	१७	४३	१०	९	१	क.२७।४४	भ. १९।० यां. रेवत्यां शुक्रः २९।४७ =
१२	चं	२४	४	पु	५१	५	सौ	०	५	बा	२४	४	४०	१६	४४	११	१०	२	कर्के	[= मार्च ३ ता.३१ अमल ११
१३	मं	३०	८	श्ले	५८	१४	शो	१	५४	तै	३०	८	४४	१५	४५	१२	११	३	सिं५८।१४	प्रदोषः
१४	बु	३६	४	म	६०	०	अ	३	५३	ग	३	६	४८	१४	४६	१३	१२	४	सिंहे	भ. ३६।४ उ. पूभा. रविः ५३।४३ ×
१५	गु	४२	२६	म	५	४१	सु	६	७	वि	९	१५	५२	१४	४६	१४	१३	५	सिंहे	भ. ९/१३ या. रेवत्यां भौमः ५/९ ३/५ होलिका द.

४६ पं. फा.शु.४र.इ. ५९/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
१०	८	१३	२१	८	१०	१८	९
३	१९	२३	२८	४१	३५	२	५६
२२	१२	३१	३०	१७	६	२८	२३
६०	४४	४९	८	७३	२	३	६०
२५	४७	४९	व.	१७	७	११	३२

गोचर ग्रहाः

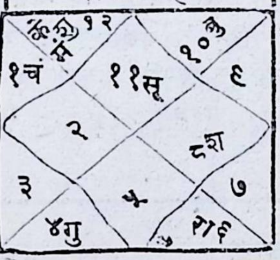

इस मास में धान्य गल्ला मंदे हो चांदी सोने वस्त्र में घटा वढी चले रस तेज हो प्रजा में सुख चैन रहे।

गोचर ग्रहाः

४७पं. फा.शु.११र.इ. ५९/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
१७	१३	२०	२०	१७	१०	१७	१६
५	३९	५१	४०	१६	४५	४०	५९
३५	४३	२१	४४	३४	५८	१२	१७
६०	४४	६८	६/१७	७३	१	३	६०
१२	३८	३८	व.	४	२६	११	२०

लि.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७१ शाकः १९३६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे फा. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	शु	४८	४६	पू	१३	१०	धृ	८	२९	बा	१५	३६	२८/५६	६/१३	५/४७	१५	१४	६	क.३०।२	वसंत १ छारेंडी
२	श	५४	४५	उ	२०	३८	शू	१०	३५	तै	२१	४५	२९/१	१२	४८	१६	१५	७	कन्यांया	
३	र	६०	०	ह	२७	२२	गं	१२	२०	व	२७	२५	५	११	४९	१७	१६	८	कन्यायां	भ. ३७/२ उ. वक्री आश्ले. १ गुरुः ५१/५९ ×
३	चं	०	६	चि	३३	२०	वृ	१३	३३	वि	०	६	९	१०	५०	१८	१७	९	तु ०।२१	भ. ०।६ या. कुंभे बुधः ४।५ चतुर्थी व्र.
४	मं	४	३९	स्वा	३८	४३	ध्रु	१४	५	बा	४	३९	१३	९	५१	१९	१८	१०	तुलायां	[× पातस्पर्शः ०।५५ पातमोक्षः १७।५
५	बु	८	१३	वि	४२	५२	व्या	१३	४९	तै	८	१३	१७	९	५१	२०	१९	११	वृ.२६।५०	
६	गु	१०	२९	अ	४५	४४	ह	१२	२७	व	१०	२९	२१	८	५२	२१	२०	१२	वृश्चिके	भ. १९/२९ उ. ४९/५९ या. अश्वि. मेषे शुक्र- २७/५
७	शु	११	२३	ज्ये	४६	५८	व	९	५४	ब	११	२३	२६	७	५३	२२	२१	१३	ध ४६।५८	शते बुध ४६।२९ शीतला पूजनम्
८	श	१०	३८	मू	४६	२५	सि	६	२	कौ	१०	३८	३०	६	५४	२३	२२	१४	धनुषि	मीनेऽर्के; ५४।३६ (सौरः ५९।५९)
९	र	८	२	पू	४४	१६	व्य	५९/०	५३/१७	ग	८	२	३४	५	५५	२४	२३	१५	म.५८।१७	भ. ३५।५० उ. वक्री शनिः ४।४०
१०	चं	३	३८	उ	४०	१९	प	४६	१	वि	३	३८	३८	४	५६	२५	२४	१६	मकरे	भ. ३।३८ या. पापमोचनी ११व्र.स्मा.०
११	चं	५४	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	मं	५१	२३	श्र	३४	५४	शि	३६	५६	कौ	२४	३३	४३	३	५७	२६	२५	१७	मकरे	पापमोचनी ११ व्र. वै.
१३	बु	४१	४३	ध	२८	१३	सि	२६	५१	ग	१६	३३	४७	३	५७	२७	२६	१८	कुं.१।३४	भ. ४१/४३ उ.उषा.रवि. १५/४० (सौर. ३०/३५)प्र.
१४	शु	३२	४	श	२०	४१	सा	१६	७	वि	६	५३	५१	२	५८	२८	२७	१९	मी५९।२१	भ. ६।५३ या.
३०	शु	२२	१८	पू	१२	५५	शु	५/१०	४९/५	ना	२२	१८	५५	१	५९	२९	२८	२०	मीने	हस्त२राहु. उभा. ४ केतु. ५७।२ मन्वादि

४८पं.चै.कृ.२चं.इ.०।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	३	११	७	५	१०
२४	१८	२९	१९	२५	१०	१७	२४
६	५८	५४	३९	४८	५२	१७	०
२२	४१	३२	१३	४७	१९	५७	४०
५९	४४	८३	५/६०	७२	०/४६	३	६०
५८	३१	२६	व.	५०	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ८ शनौ मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा.२ न.४प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे

गोचर ग्रहाः

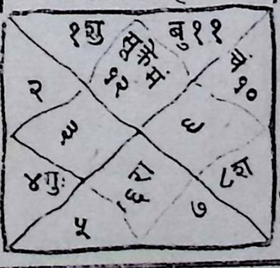

४९पं.चै.कृ.१०चं.इ.०।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	३	०	७	५	११
१	२४	१०	१९	४	१०	१६	१
५	१६	११	२४	१८	५३	५५	०
३५	५	४६	२९	११	५३	४१	२२
५९	४४	९४	०	७२	०/६	३	५९
४१	१६	५०	४६	३१	व.	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११६, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११६, भोग्यकलिः४२६८८४, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७२, शाकः १९३७, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः। मंत्री भौमः। सस्येशो गुरुः। धान्येशो बुधः। मेघेशश्चंद्रः। रसेशः शनिः नीरसेशो गुरुः। फलेशश्चंद्रः। धनेशो गुरुः। दुर्गेशश्चंद्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये विष्णुविंशतिकायां ३ सौम्यनाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषाऽर्कसमये गतमासादिः ०।६।२५।५५ भोग्यमासादिः ११।२३।३४।५ चंद्र दैवतं युगम्। वर्षनाम माधः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समय विश्वा १८ समयवाहनम् महिषः। स्तंभौ २ जलतृणयोः। सोमवत्यमाः३ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी३, रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १८, तिथिवृद्धिः १२ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ६३ वर्षाविश्वा ७ धान्यम् १५ तृणम् ७, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०७, शनिदृष्टिः पश्चिमे सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः

संवत् २०७२ चैत्र शु. १५ शनौ खग्रास ग्रस्तोदय चंद्रग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घं.	२३	२६	२७	२८	३२
प.	१४	५५	३९	२३	४
घं.	३	५	५	५	७
मि.	४५	१३	३१	४८	१७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ३।२६

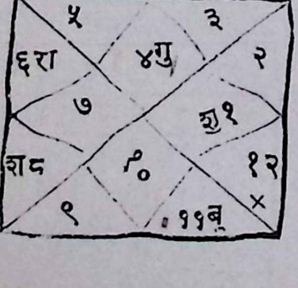

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न।

श्री जगदंबे ईश्वरी बहत्तर में ह्रषाय ।
संवत् का फल प्रेम से कहो मोय समझाय ।।

भवानी उत्तर

बहत्तर बाजावाजसी चहुं दिशि लड़े नरेश ।
राजा मंत्री योग से जनता देश विदेश ।।
निशानाथ मेघेश है रोहिणी सिंधु निवास ।
फूले फले बंसुधरा पूरण हो सब आस ।।
आषाढा वर्षा लगे श्रावण सुंदर योग ।
भादवा सुदी आसोज में कुजगुरु योग कुयोग ।।
फल सवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ।।

नोट-भाद्रपद शुक्ला १५ चंद्रवार को प्रातःपश्चिमप्रदेशों मेंग्रस्तास्त चंद्रग्रहण होगा । जिसका स्पर्श रेल्वे ६।४० मोक्ष १०।१पर है ।

फाल्गुन कृष्णा ३० बुधवार को स्वल्पग्रास ग्रस्तोदय सूर्यग्रहण कुछ प्रदेशों में होगा । जिसका स्पर्श रेल्वे५।४० मोक्ष६।३८ पर है जहां यह ग्रहण दृश्य होवे वहां ही इसकी मानने की आवश्यकता है ।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ३।१५

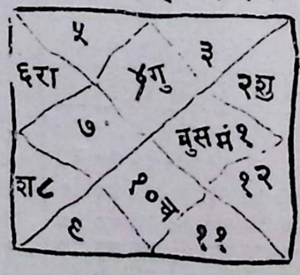

+चंमंकेमू वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५३।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।३।२१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनि फलम् ।। शनैश्चरे भूमिपतौ सक्कज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीडयतेजनः । युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमंति लोका क्षुधिताश्चदेशान् ।। मंत्री भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिपदं गतोभवति दस्यु गदादिज वेदना । जनपदेषुजयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विज कर्म च ।। सस्येषो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जल धरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै।। धान्येशो बुधस्तत्फलम्।। बुधेधान्याधिपे मेघा जलं मुंचंतिवैभृशम् । सैंधवेलाट देशे च माधवोल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनितोयदपेयदि गोमहिष्यजजवरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ।। रसेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रस संक्षयो न जलदा गददाश्चपयोधराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्र हा जनपदेषु नरान्नरसैर्युताः ।। नीरसेशोगुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीतवस्तूनि पीतवस्त्रादिकं चयत् । नीरसेशो यदाजीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् यदिविधुः फलपोद्रुमराशयः फलयुतव्रतिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखावर भोग समन्विता नृपत्तयो नयनाटनतत्पराः ।। धनेशोगुरुः फलम् ।। सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविमानवाः । समसुखाः क्रय विक्रय जीविनो नृपतयो जन पालन तत्पराः ।। दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नर वरावर वर्णित विग्रहाः ।। सौम्यनाम संवत्सरः फलम् ।। सौम्याब्देनिखिला लोका बहु सस्यार्घं बृष्टिभिः । विवैरिणो धराधीशा विप्राश्चाध्वर तत्पराः । वर्षनाम माघः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्व याम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघ वर्षे धान्यमहर्घता ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतु महाबृष्टिः ।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम् ।। मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्।।

संवत् २०७२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाखमासः

शुक्ला ३ भौमे रोहि.ल. १०।११ रे.७ऽमं।ऽशु।ऽ।।।।। मकरे गुरुः पू.

,, ४ बुधे मृगे ल.११रे.७।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ६ चंद्रे मघा.रे.७ल.गो (भौम७मेऽर्च्यः) ११चं. पूज्यः गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, १०भौमेमघा ल.गो.(भौमः७पू.)रे.७।।।।ऽनृऽ।ऽ।

,, ११ बुधे उफा,ल.११ (चं.७पू.) रे.७।।।।ऽऽ।ऽ। गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, १२ गुरौ उफा.ल.ऽन्यगो. (भौ.७मेर्च्यः) ल.१० गु.पू.सत्

ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णा ३ गुरौ मूले ल.११ रे.७।।।ऽऽनृ।ऽ।। गोधूल्यां भौमाष्टम महादोषः ।

,, ५ शनौ उषा. ल.११ रे.६ऽऽ।।।ऽचौ.।।।ऽदग्धा

शुक्ला १ भौमे मृगे ल. ११।१ रे.८।।।।ऽनृऽ।।।

,, ६ रवौ मघा.ल.१(घ.५०।२२उ.)रे.।।।।।।ऽ।ऽ

,, १२ शनौ स्वात्यां ल.१ (चं.७पू.) रे.८ऽऽ।ऽचं.।।। (चौ.४५उ.)।।।।

प्रथम आषाढ मासः ।

कृष्णा १ बुधे मूले ल. १ रे. ६ ।ऽ।।।।।।।

,, ३ शुक्रे उषा.ल.१रे.६ऽ।।।ऽअ।ऽ।ऽ दग्धा आव. गणितेन क्रांतिसाम्याऽभावः

,, १० गुरौ रेवत्यां ल. १ (घ. ५३।५४ उ.) रे.७।।।।ऽऽरो।ऽ।।

कार्तिकादि मासेषु सिंहस्थ गुरुदोषः ।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तु रविरुत्तरेऽहर्गण: १४४५ सन् २०१५
१	श	१२	४०	उ	५/३३	५३/१३	ब्र	४४	८	ब	१२	४०	३०/००	५/००	६/०	३०	२९	२१	मे.५८।३८	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः ÷
२	र	३	५१	अ	५३	३	ऐं	३५	२	कौ	३	५१	४	५९	१	१	१	२२	मेषे	पूभा.बुधः ४/३ रा.चैत्रारंभः जमादिलाखर +
३	र	५२	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷सिंधारा [+६मत्स्यजयंती गणगौरी
४	चं	५०	३४	भ	४९	१३	वै	२७	५	ब	२३	२९	८	५८	२	२	२	२३	मेषे	भ.२३।२९उ.५०।३४या.भरण्यांशुक्रः =
५	मं	४६	३९	कृ	४७	२२	वि	२०	५२	ब	१८	३६	१२	५८	२	३	३	२४	वृ.३।४६	[=३०।३९अश्वि.मेषे भौमः ३९।४५
६	बु	४४	५०	रो	४७	४१	प्री	१६	२२	कौ	१५	४३	१६	५७	३	४	४	२५	वृषे	
७	गु	४५	१७	मृ	५०	३	आ	१३	३३	ग	१५	३	२१	५६	४	५	५	२६	मि.५९/२	भ.४९।१७उ.
८	शु	४७	३२	आ	५४	७	सौ	१२	४	वि	१६	२५	२५	५५	५	६	६	२७	मिथुने	भ.३/२५या.मीनेबुधः ५४/१२ बुधास्तः पूर्वस्यां ४७/१९
९	श	५१	२६	पु	५९	१८	शो	१२	२८	बा	१९	२९	२९	५४	६	७	७	२८	क. ४३/०	रामनवमी
१०	र	५६	३३	पु	६०	०	अ	१३	१७	तै	२४	०	३३	५३	७	८	८	२९	कर्के	उभा.बुधः ३९।५६
११	चं	६०	०	पु	५	५४	सु	१५	५	व	२९	३७	३७	५३	७	९	९	३०	कर्के	भ.२९।३७उ.कामदा ११व्र.स्मा.
११	मं	२	४७	श्ले	१३	५३	धृ	१७	२५	वि	२	४७	४१	५२	८	१०	१०	३१	सिं. ५३/३	भ.२।४७या.रेवत्यांरविः ४३।१९ (सौरः ×
१२	बु	८	५९	म	२१	२६	शू	१९	५०	बा	८	५९	४५	५१	९	११	११	१	सिंहे	अप्रेल ४ता. ३०प्रदोषः
१३	गु	१५	२४	पू	२८	५५	गं	२२	१२	तै	१५	२४	४९	५०	१०	१२	१२	२	कं.४५।४२	[×४८।२) कामदा ११व्र.वै.
१४	शु	२१	२३	उ	३६	४	वृ	२४	११	व	२१	२३	५३	४९	११	१३	१३	३	कन्यायां	भ.२१।२३उ.५४।९या.कृति.शुक्रः ४३।१
१५	श	२६	५५	ह	४२	३९	ध्रु	२५	४९	ब	२६	५५	५७	४९	११	१४	१४	४	कन्यायां	ग्रस्तोदितखग्रासचंद्रग्रहणम् हनुमज्जयंती

५० पं.चै.शु.४चं.इ. ४९/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	३	०	७	५	११
८	२९	२१	१८	१२	१०	१६	७
३	३१	३४	५८	४४	५०	३३	५८
१८	३०	२३	३४	१०	२०	२६	५७
५९	४२	३०/०	५ ३/२	७२	०/४७	३	५९
२९	५५	४८/४१	व.	४	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

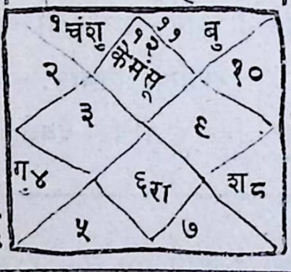

इस मास में बाजरा मूंग मोठ आदि धान्य सोना चांदी लोहा वस्त्र रुई कपास बदि में मंदे होकर सुदि में तेज हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

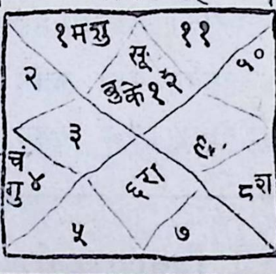

५१पं.चै.शु.११चं.इ. १/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	३	०	७	५	११
१४	४	४	१८	२१	१०	१६	१४
५९	४३	१	४०	५	४२	११	५४
१०	५५	२३	५९	५६	११	१०	२७
५९	४३	८/०	१/२९	७१	१/३४	३	५९
१६	५०	८/४	व.	४४	व	११	१८

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तु रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र	३१	४१	चि	४८	१५	व्या	२६	४३	कौ	३१	४१	३९/१	५/४८	६/१३	१५	१५	५	तु.१५।२७	रेवत्यांबुधः ४१।३८मार्गीगुरुः ४३।२६
२	चं	३५	३४	स्वा	५३	१४	ह	२७	२	तै	३	३७	५	४९	१३	१६	१६	६	तुलायां	वृषेशुक्रः ३०।५२
३	मं	३८	२१	वि	५७	१४	व	२६	३४	व	६	५७	१०	४६	१४	१७	१७	७	वृ.४१।१४	भ.६।५७उ.३८।२१या.
४	बु	४०	२८	अ	६०	०	सि	२५	१६	व	९	२४	१४	४५	१५	१८	१८	८	वृश्चिके	चतुर्थी व्रतम्
५	गु	४०	३९	अ	०	१	व्य	२३	५	कौ	१०	३२	१८	४४	१६	१९	१९	९	वृश्चिके	ग्रस्त, भौमः ५९।३
६	शु	४०	११	ज्ये	१	४५	व	२०	५	ग	१०	२५	२२	४४	१६	२०	२०	१०	ध.१।२७	भ.४०।११उ.भरण्यांभौमः ३७।५८
७	श	३८	२७	मू	१	१६	प	१५	५३	वि	९	१९	२६	४३	१७	२१	२१	११	धनुषि	भ.९।१९या.
८	र	३५	२३	पू	१/२३	५६/४	शि	१०	३८	बा	६	५५	३०	४२	१८	२२	२२	१२	म.१५।५४	अश्वि.मेषेबुधः ३।६
९	चं	३१	१	श्र	५६	६	सि	४/२५	५२/४९	तै	३	६	३४	४१	१९	२३	२३	१३	मकरे	भ.५८।१३उ.
१०	मं	२५	२५	ध	५१	३८	शु	४९	१०	वि	२५	२५	३८	४०	२०	२४	२४	१४	कुं २३।५२	भ.३/२५या.अश्वि.मेषेऽर्कः १७/१६ सौरः ३२/३५)
११	बु	१८	३८	श	४५	५७	शु	३९	५१	बा	१८	३८	४२	४०	२०	२५	२५	१५	कुंभे	रोहि.शुक्रः १३।१३वरुथिनी ११व्र.
१२	गु	१०	४६	पू	३९	३८	ब्र	३०	१२	तै	१०	४६	४६	३९	२१	२६	२६	१६	मी. २६/५३	प्रदोषः
१३	शु	२	१०	उ	३२	४८	ऐं	२०	४	व	२	१०	५०	३८	२२	२७	२७	१७	मीने	भ.२/१०उ.३७/३९या वक्रीअनु.२शनि १२।२८
१४	शु	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	श	४४	२८	रे	२६	१०	वै	९	१३	च	१८	४७	५३	३७	२३	२८	२८	१८	मे.२६।१८	भरण्यां बुधः १८।८

५२पं.वै.कृ.२चं.इ १।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	३	०	७	५	११
२१	९	१७	१८	२९	१०	१५	२१
५३	५४	२०	३३	२४	२८	४८	४८
३१	२९	१०	४	३२	५९	५४	३८
५९	४३	८/५	०/४	७१	२/१६	३	५९
४	४०	८/१७	मा	१७	व.	११	१४

गोचर ग्रहाः

बैशाख कृष्णे १० भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे।

गोचर ग्रहाः

१पं.वै.कृ.१०मं.इ. १/६ ७/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	३	१	७	५	११
०	१५	४	१८	८	१०	१५	२९
०	५८	३९	३४	५४	८	२२	५४
०	१२	२२	८	११	३१	४६	५२
५८	४३	८/५	१	७०	२/५५	३	५८
४४	१५	८/१९	२२	३५	व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततुंरविरुत्तरेऽहर्गणः१४७४सन्२०१५
१	र	३६	२७	अ	१९	४८	वि	३०/५	५१/२५	किं	१०	२८	३१/५७	५/३७	६/२३	२९	२९	१९	मेषे	
२	चं	२९	३६	भ	१४	५८	आ	४४	३२	बा	३	५	३२/१	३६	२४	३०	३०	२०	वृ.२९।८	चंद्रदर्शनम् परशु रामजयंती
३	मं	२४	३६	कृ	११	३८	सौ	३८	१७	ग	२४	२६	५	३५	२५	१	१	२१	वृषे	भ.५/३ ६/१उ.बुधोदयःपश्चिमायां५६/३५भा. =
४	बु	२१	२७	रो	१०	५	शो	३५	४६	वि	२१	२७	९	३४	२६	२	२	२२	मि४०।२४	भ.२१।२७या.
५	गु	२०	२२	मृ	१०	४४	अ	३१	१५	बा	२०	२२	१२	३४	२६	३	३	२३	मिथुने	[=वैशाखारंभ:रज्जव७अक्षय३
६	शु	२१	२९	आ	१३	१९	सु	३०	३१	तै	२१	२९	१६	३३	२७	४	४	२४	मिथुने	
७	श	२४	३४	पु	१७	५१	धृ	३०	३५	व	२४	३४	२०	३२	२८	५	५	२५	क.१।४३	भ.२४/३४उ.५६/५१या.कृति.बुधः९।३१
८	र	२९	८	पु	२३	४६	शू	३१	५८	ब	२९	८	२३	३१	२९	६	६	२६	कर्के	मृगेशुक्रः३६/५१पातस्पर्शः७।३३पातमोक्षः३०/१४
९	चं	३५	२	श्ले	३१	७	गं	३४	९	बा	२	५	२७	३१	२९	७	७	२७	सिं. ३१/६	भरण्यांरविः५७/३३बृषेबुधः६।९
१०	मं	४१	१३	म	३८	२५	वृ	३६	३३	तै	८	३८	३१	३०	३०	८	८	२८	सिंहे	भरण्यां रविःसौरः४। ०
११	बु	४७	३८	पू	४६	३	ध्रु	३९	२	व	१४	२६	३४	२९	३१	९	९	२९	सिंहे	भ.३४/२६उ.४७/३८या.कृत्तिःभौमः५।१मोहिनी ÷
१२	गु	५३	२६	उ	५३	२४	व्या	४१	७	ब	२०	३३	३८	२८	३२	१०	१०	३०	कं२।५३	[÷ ११ व्र.
१३	शु	५८	५३	ह	५९	५०	ह	४२	४९	कौ	२६	१०	४१	२८	३२	११	११	१	कन्यायां	मई ५ ता.३१ प्रदोषः
१४	श	६०	०	चि	६०	०	व	४२	३०	ग	३०	५२	४५	२७	३३	१२	१२	२	तु.३२।३०	मिथुनेशुक्रः३६।१२नृसिंहजयंती
१४	र	२	५०	चि	५	१०	सि	४२	२७	व	२	५०	४८	२६	३४	१३	१३	३	तुलायां	भ.२।५०उ.३४।२१या.वृषेभौमः ४४।४४
१५	चं	५	५२	स्वा	९	३५	व्य	४२	२७	ब	५	५२	५२	२६	३४	१४	१४	४	वृ.५६।५८	रोहिण्यांबुधः१।५८यमाय कुंभ दानम्

२पं.वै.शु.३मं.इ १७/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	३	१	७	५	०
६	२१	१९	१८	१७	९	१५	६
५०	२	१२	४५	१२	४६	०	४५
४२	५६	१४	५८	२२	४४	३१	३
३८	४३	६/७	२	६९	३/३५	३	५८
३१	५	६/५०	४७	५२	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

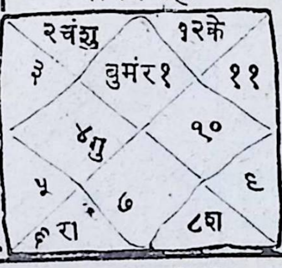

भूमि पुत्रो यदा मेषे सुभिक्षं सर्वधान्यकर्म्। प्रवालानि महर्घाणि क्रोधावांस्तुभवेन्नृप ॥ इस मास में धान्य मंदे हो धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.शु.१०मं.इ.१७।५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	२	१	७	५	०
१३	२६	१	१९	२५	९	१४	१२
३९	६	५४	६	१२	२१	३८	३३
४७	०	४०	३२	२३	४०	१५	२८
५८	४२	६/०	४	६८	५६/३	३	५८
१९	५६	९/०	१	५४	व.	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	श्र.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	७	३६	वि	१२	४१	व	४०	३२	कौ	७	३६	३२/५५	५/२५	६/३५	१५	१५	५	वृश्चिके	
२	बु	८	१५	अ	१४	३५	प	३७	४३	ग	८	१५	५८	२४	३६	१६	१६	६	वृश्चिके	भ.३७।५९उ.
३	गु	७	४४	ज्ये	१५	४३	शि	३४	१६	वि	७	४४	३/३	२४	३६	१७	१७	७	ध.१५।४३	भ.७।४४या.चतुर्थी व्रतम्
४	शु	६	१७	मू	१५	५५	सि	३०	२	बा	६	१७	५	२३	३७	१८	१८	८	धनुषि	आर्द्रा.शुक्रः२७।१५पातस्पर्शः३४।१२
५	श	४	४	पू	१५	१२	सा	२४	५९	तै	४	४	८	२२	३८	१९	१९	९	म.२९।४८	गातमोक्षः२४।७
६	र	०	५२	उ	१३	३८	शु	१९	३६	व	०	५२	११	२२	३८	२०	२०	१०	मकरे	भ.०।५२उ.२९।०या.आश्ले.२गुरुः ५९/५०
७	र	५६	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	चं	५२	३६	श्र	११	१९	शु	१२	३७	बा	२४	५२	१४	२१	३९	२१	२१	११	कुं३९।५०	कृत्ति.रविः४३।२९(सौरः५१।२२)
९	मं	४७	१३	ध	८	२२	ब्र	३६/७	५२/४२	तै	१९	५४	१७	२१	३९	२२	२२	१२	कुंभे	
१०	बु	४१	१७	श	४	३५	वै	५१	२५	व	१४	१४	२०	२०	४०	२३	२३	१३	मी४६।१९	भ.१४।१४उ.४१।१७या.
११	गु	३४	३१	पू	१०/७	५५/२	वि	४३	०	ब	७	५४	२३	१९	४१	२४	२४	१४	मीने	अपरा ११ व्र.
१२	शु	२७	१९	रे	५०	१३	प्री	३४	३०	कौ	०	५५	२६	१९	४१	२५	२५	१५	मे.५०।१३	बृषेऽर्कः१०।४४(सौरः१९।३९)प्रदोषः
१३	श	२०	८	अ	४५	१०	आ	२५	५६	व	२०	८	२८	१८	४२	२६	२६	१६	मेषे	भ.२०।८उ.४६।४२या.
१४	र	१३	१५	भ	४०	४०	सौ	१७	४९	श	१३	१५	३१	१८	४२	२७	२७	१७	वृ.५४।४६	रोहिण्यांभौमः५३।१२
३०	चं	७	११	कृ	३७	४	शो	१०	२४	ना	७	११	३४	१७	४३	२८	२८	१८	वृषे	वक्री बुधः४५।८वटपूजनम्

४पं.ज्ये.कृ.१मं.इः १६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	२	७	५	०
२०	१	११	१९	३	८	१४	२०
२७	६	२७	३५	५	५४	१५	२०
२५	२५	११	१३	२८	०	५९	१३
५८	४२	६८	४	६८	१४/३	३	५७
६	४१	४५	५६	२	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

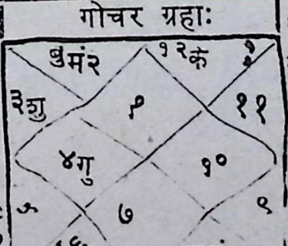

ज्येष्ठ कृष्णे१२ शुक्रे वृषेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४ न.५युवावस्था(सूती) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

५पं.ज्ये.कृ. ९ मं.इ. १९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	३	२	७	५	०
२७	६	१७	२०	१०	८	१३	२७
१३	४	१६	१२	४८	२४	२३	०५
३७	१९	५९	२२	४	१८	४४	२७
५७	४२	२७	६	६६	३/४	३	५७
१४	३१	४२	१७	४९	व	११	४४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:१५०४स.२०१५
१	मं	२	८	रो	३४	३६	अ	३/५३	५४/५३	ब	२	८	३३/३७	५/१७	६/४३	२९	२९	१६	वृषे	चंद्रदर्शनम्
२	मं	५२	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	बु	५६	१७	मृ	३४	१४	धृ	५४	५२	तै	२७	७	२९	१६	४४	३०	१	२०	मि. ४/२९	पुन.शुक्र:४९।४०सावान८
४	गु	५६	२८	आ	३५	३२	शू	५२	४२	व	२६	२२	४२	१६	४४	३१	२	२१	मिथुने	भ.२६/२२उ.५६/२८या.बुधास्त:पश्चिमायां१८/१०
५	शु	५८	४०	पु	३८	५५	गं	५२	१३	ब	२७	३५	४४	१५	४५	१	३	२२	क.२३।४	हस्त.१राहू:उभा३केतु:५४/३१ भा.=
६	श	६०	०	पु	४३	५०	वृ	५२	४०	कौ	३०	२९	४७	१५	४५	२	४	२३	कर्के	[=ज्येष्ठारंभः
६	र	२	१६	श्ले	५०	२२	ध्रु	५४	२८	तै	२	१६	४९	१४	४६	३	५	२४	सिं५०।२२	
७	चं	७	४०	म	५७	२२	व्या	५६	३४	व	७	४०	५२	१४	४६	४	६	२५	सिंहे	भ.७।४०उ.४०।३७या.रोहि.रवि:+
८	मं	१३	३४	पू	६०	०	ह	५९	७	ब	१३	३४	५४	१३	४७	५	७	२६	सिंहे	[+३४ १८(सौर:४५।४७
९	बु	१९	५२	पू	५	७	व	६०	०	कौ	१९	५२	५६	१३	४७	६	८	२७	कं.२१।५५	
१०	गु	२५	४६	उ	१२	२०	व	१	२९	ग	२५	४६	५८	१२	४८	७	९	२८	कन्यायां	म.५८।२३उ.गंगादशमी
११	शु	३१	०	ह	१९	१४	सि	३	२२	त्रि	३१	०	३४/००	१२	४८	८	१०	२९	तु.५१।५६	भ.३१।०या.निर्जला११व्र.
१२	श	३५	०	चि	२४	३८	व्य	४	१७	ब	३	०	२	१२	४८	९	११	३०	तुलायां	कर्केशुक्र:३८।७
१३	र	३७	३२	स्वा	२८	५२	व	४	१०	कौ	६	१६	३	११	४९	१०	१२	३१	तुलायां	प्रदोष: [÷सावित्रीव्रतम्
१४	चं	३७	३८	वि	३१	३३	प	२	५३	ग	७	३५	५	११	४९	११	१३	१	वृ.१५।५३	भ.३७।३८उ.जून६ता.३०
१५	मं	३७	५५	अ	३२	५८	शि	०/३५	५६/४१	त्रि	७	४७	७	११	४९	१२	१४	२	वृश्चिके	भ.७/४७या.पुष्येशुक्र:५४/३गुर्जराणां वटः÷

६पं.ज्ये.शु.१मं.इ. १८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	२	७	५	१
३	११	१८	२०	१८	७	१३	३
५८	०	५८	५६	२०	५३	३१	४९
३७	७	३७	३१	४२	४२	२८	१०
५७	४२	२/३	७	६५	४/०	३	५७
४४	२०	व.	१४	१७	व.	११	३४

७पं.ज्ये.शु.८मं.इ.१८।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	२	७	५	१
१०	१५	१७	२१	२५	७	१३	१०
४२	५३	५	४७	४१	२२	९	२१
२९	३१	४६	१३	२०	२६	१३	३१
५७	४२	२८/५६	८	६३	४/०	३	५७
३५	७	व	२२	३२	व	११	२३

८पं.ज्य.शु.१५मं.इ. १५/३५

र	म	शु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	३	७	५	१
१७	२०	१३	२२	२	६	१२	१७
२५	४४	३३	३४	४३	५१	४६	१२
१९	५३	११	१०	४८	३२	५७	२७
५७	४१	३१/१०	९	६१	३/४	३	५७
२७	५६	व	७	१५	व	११	१३

ति.	प्र.आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	बु	३६	८	ज्ये	३२	५७	सा	५२	४४	बा	७	२	३४/९	५/१०	६/५०	१३	१५	३	ध.३२।५७	
२	गु	३३	१४	मू	३१	४८	शु	४७	२३	तै	४	४०	१०	१०	५०	१४	१६	४	धनुषि	वक्रीअनु.१शनि:५०।७
३	शु	२९	२०	पू	२९	५३	शु	४१	३७	व	३	१८	१२	१०	५०	१५	१७	५	म.४४।४६	भ ३।१८उ.२९।२०या.चतुर्थीव्रतम्
४	श	२४	५५	उ	२७	२५	ब्र	३५	१७	बा	२४	५५	१३	९	५१	१६	१८	६	मकरे	मृगेभौम:६।३४
५	र	२०	११	श्र	२४	३५	ऐं	२८	४०	तै	२०	११	१५	९	५१	१७	१९	७	कुं.५३।५	
६	चं	१५	१४	ध	२१	३६	वै	२२	७	व	१५	१४	१६	९	५१	१८	२०	८	कुंभे	भ.१/५४उ.४/४३या.मृगेरवि:३९/११(सौर:४३/४७)×
७	मं	१०	१२	श	१८	१७	वि	१५	२१	ब	१०	१२	१७	९	५१	१९	२१	९	कुंभे	बुधोदय:पूर्वस्यां७।४४
८	बु	४	५२	पू	१४	५८	प्री	८	२०	कौ	४	५२	१८	८	५२	२०	२२	१०	मी०।४७	[×आश्ले.३गुरु:३७/४९
९	बु	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	गु	५३	५४	उ	११	२७	आ	२/१७	५१/४४	व	२६	४१	१९	८	५२	२१	२३	११	मीन	भ.२६।४१उ.५३।५४या.
११	शु	४८	३३	रे	७	४४	शो	४७	१५	ब	२१	१३	१९	८	५२	२२	२४	१२	मे.७।४४	योगिनी११व्र.
१२	श	४२	१७	अ	४	२६	अ	४०	३१	कौ	१५	४९	२०	८	५२	२३	२५	१३	मेषे	मार्गीबुध:४२५७
१३	र	३८	३५	भ	१/२३	५७/४६	सु	३४	१५	ग	१०	५५	२१	८	५२	२४	२६	१४	वृ.१५।५०	भ.३८।३५उ.
१४	चं	३४	२८	रो	५७	२८	धृ	२८	३४	वि	६	३१	२१	८	५२	२५	२७	१५	वृषे	भ.६।३१या.मिथुनेऽर्कः२७।४५(सौर:–
३०	मं	३१	३४	मृ	५७	६	शू	२२	२८	च	३	१	२२	८	५२	२६	२८	१६	मि२७।१७	[–४५।२५)मिथुनेभौम:४८।५०

९पं. प्र.आ.कृ.७मं.इ. १८/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	३	३	७	५	१
२४	२५	१०	२३	९	६	१२	२३
७	३३	५३	२६	२८	२१	२४	५२
१९	४७	४६	४१	५	५८	४१	२३
५७	४१	१७/२८	९	५८	१४/६	३	५७
२२	४६	व	५०	२३	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

प्र.आषाढकृष्णे १४चंद्रे मिथुनेऽर्क:प्रविष्ट:वा. ४ न. ५ वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१०पं. प्र.आ.कृ.३०मं.इ.१८/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	३	७	५	२
०	०	११	२४	१५	५	१२	०
४८	२०	७	५४	४८	५३	२	३१
३६	३८	५२	२९	४०	५३	२६	३२
५७	४१	१०/१७	१०	५४	३/५८	३	५६
१७	३७	मा	३३	३३	व.	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १५३३स.२०१५
१	बु	३०	६	आ	५८	३	गं	१९	४१	किं	०	५०	३४/२२	५६/८	५२	२७	२९	१७	मिथुने	आश्ले.शुक्रः१५।३
२	गु	३०	५	पु	६०	०	वृ	१७	११	बा	०	५	२२	८	५२	२८	३०	१८	क.४५।४	चंद्रदर्शनम्
३	शु	३२	४	पु	०	४५	ध्रु	१६	८	तै	१	५	२२	७	५३	२९	१	१९	कर्के	रमजान९
४	श	३५	१७	पु	५	४	व्या	१५	४१	व	३	४०	२३	७	५३	३०	२	२०	कर्के	भ.३।४०उ.३५।१७या. -
५	र	४०	२०	श्ले	१०	४४	ह	१६	४८	व	७	४८	२३	७	५३	३१	३	२१	सिं१०।४४	
६	चं	४५	४४	म	१७	३१	व	१८	४३	कौ	१३	२	२४	७	५३	१	४	२२	सिंहे	आर्द्रा.रविः३६/४० (सौरः४६/५८)भा.आषाढारंभः
७	मं	५१	४८	पू	२४	५३	सि	२१	३	ग	१८	४६	२४	७	५३	२	५	२३	कं४१।४५	भ.५५।४८उ.
८	बु	५७	५८	उ	३२	२१	व्य	२३	३२	वि	२४	५३	२४	७	५३	३	६	२४	कन्यायां	भ २४।५३या.
९	गु	६०	०	ह	३९	३३	व	२५	४७	बा	३०	४३	२४	७	५३	४	७	२५	कंन्यायां	आर्द्रा.भौमः३५।१६
९	शु	३	२९	चि	४५	४१	प	२७	२०	कौ	३	२९	२३	७	५३	५	८	२६	तु.१२।३७	आश्ले.४गुरुः१८।३७
१०	श	७	५०	स्वा	५०	३४	शि	२७	५२	ग	७	५०	२३	७	५३	६	९	२७	तुलायां	भ.३९।१२उ.
११	र	१०	३५	वि	५२	४७	सि	२७	१	वि	१०	३५	२२	८	५२	७	१०	२८	वृ.३७।५९	भ.१०।३५या.कमला११व्र.
१२	चं	११	३०	अ	५५	६	सा	२५	२	बा	११	३०	२२	८	५२	८	११	२९	वृश्चिके	
१३	मं	१०	३५	ज्ये	५४	४२	शु	२१	२०	तै	१०	३५	२१	८	५२	९	१२	३०	ध.५४।४२	मृगेबुधः४५।५८
१४	बु	६	५८	मू	५२	५०	शु	१६	२३	व	६	५८	२०	८	५२	१०	१३	१	धनुषि	भ.६।५८उ.३४।५१या.जुलाई७ता.३१
१५	गु	२	४४	पू	४९	३५	ब्र	१०	२३	ब	२	४४	१९	८	५२	११	१४	२	धनुषि	

११पं.प्र.आ.शु.७मं.इ. ५८/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	३	७	५	२
७	५	१५	२६	२१	५	११	७
२९	५	६	६	३८	२८	४०	०९
३१	३५	४०	२९	३५	३७	१०	५९
५७	४१	४५	११	४९	३/४०	३	५६
१३	२६	२८	१०	४३	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

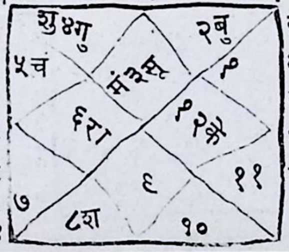

कृश्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्ल पक्ष की वृद्धि इसमासमें धान्य धातु कुछ मंदा करेगी रस तेजी होंगे ।

गोचर ग्रहाः

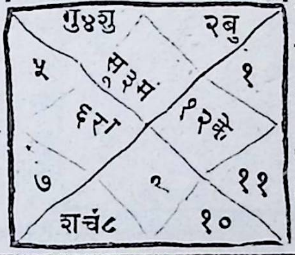

१२पं.प्र.आ.शु.१३मं.इ. १८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	३	३	७	५	२
१४	९	२२	२७	२६	५	११	१२
९	४८	४३	२२	५०	६	१७	४८
५८	०	२६	१२	४२	१४	५५	१४
५७	४१	७९	११	४३	३/१	३	५६
७	१६	११	४७	३४	व	११	५०

त.	द्वि.आषाढकृष्णपक्षः सं० २०७२ शाकः१९३७												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे प्र.आषाढकृष्णेति महा.
१	गु	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	५२	१७	उ	४५	३२	ऐं	३/३२	५२/२१	तै	२४	५२	३४/१८	५६/८	५२	१२	१५	३	म.३।३४	
३	श	४५	५०	श्र	४१	१०	वि	४७	५९	व	१९	३	१७	९	५१	१३	१६	४	मकरे	भ.१९।३उ.४५।५०या.
४	र	३९	८	ध	३६	४१	प्री	४०	४	ब	१२	२८	१६	९	५१	१४	१७	५	कुं.८।५५	मिथुनेबुधः२५।४७मघा.सिंहेशुक्रः=
५	चं	३२	३९	श	३२	१६	आ	३२	११	कौ	५	५४	१५	९	५१	१५	१८	६	कुंभे	पुन.रविः२५।३०(सौरः५१।०)
६	मं	२६	१४	पू	२८	९	सौ	२४	३६	व	२६	१४	१४	९	५१	१६	१९	७	मी१४।११	भ २६।१४उ.५३।४०या.
७	बु	२१	६	उ	२४	२९	शो	१७	२८	ब	२१	६	१३	९	५१	१७	२०	८	मीने	[=१४।२३चतुर्थीव्रतम्
८	गु	१६	२	रे	२१	२६	अ	१०	३६	कौ	१६	२	११	१०	५०	१८	२१	९	मे.२१।२६	आर्द्रा.बुधः१०।४५
९	शु	११	२९	अ	१८	५५	सु	४/१९	५४/१०	ग	११	२९	१०	१०	५०	१९	२२	१०	मेषे	भ.३९।३१उ.
१०	श	७	३४	भ	१७	३	शू	५२	१७	वि	७	३४	८	१०	५०	२०	२३	११	वृ.३१।४४	भ.७।३४या.
११	र	४	२०	कृ	१५	४८	गं	४८	३३	बा	४	२०	७	११	४९	२१	२४	१२	वृषे	बुधास्तःपूर्वस्यां२९।४२कमला११व्र.
१२	चं	२	२	रो	१५	२३	वृ	४४	४२	तै	२	२	५	११	४९	२२	२५	१३	मि. ४५/३	
१३	मं	०	२४	मृ	१५	५३	ध्रु	४१	३७	व	०	२४	३	११	४९	२३	२६	१४	मिथुने	भ.०/२४उ.३०/१३या.मघा.१सिंहेगुरुः०।७
१४	बु	०	२	आ	१७	४८	व्या	३९	२३	श	०	२	१	१२	४८	२४	२७	१५	मिथुने	पुन.भौमः३४।४८
३०	गु	०	३५	पु	२०	४९	ह	३८	३८	ना	०	३५	३३/५९	१२	४८	२५	२८	१६	क.५।४	कर्केऽर्कः५४।५६पुन.बुधः३।१६

१३पं.द्वि.आ.कृ.६मं. इ. १८/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	३	४	७	५	२
२०	१४	३	२८	१	४	१०	२०
५०	२९	२०	४१	१२	४७	५५	२५
२४	१७	१०	४६	४०	२४	३९	५८
५७	४०	[illegible]	१२	३५	२/२०	३	५६
७	४७	[illegible]	१४	१०	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

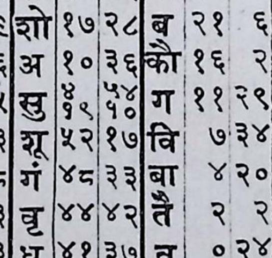

द्वि. आषाढ कृष्णे ३० गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ बालावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि-भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

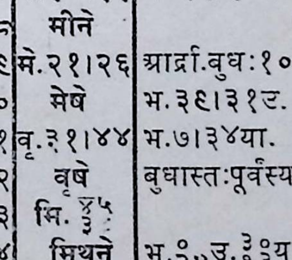

१४पं.द्विआ.कृ.१३मं.इ. १५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	४	७	५	२
२७	१९	१६	०	४	४	१०	२७
३०	८	२७	३	३०	३२	३३	५
४३	६	१४	४७	३२	३५	२३	५
५७	४०	[illegible]	१२	२४	१/४६	३	५६
७	४०	[illegible]	३२	१७	व.	११	५४

(विक्रम सं. २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः१९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण१५६३स.२०१५
१	शु	३	१	पु	२५	४	व	३८	१६	ब	३	१	३३/५७	५/१३	६/४७	२६	२९	१७	कर्के	कर्केऽर्कः सौरः २३।४४
२	श	६	३०	श्ले	३०	२६	सि	३९	४	कौ	६	३०	५५	१३	४७	२७	३०	१८	सि३०।२६	चंद्रदर्शनम् रथयात्राः
३	र	११	२५	म	३६	५५	व्य	४०	३२	ग	११	२४	५२	१४	४६	२८	१	१९	सिंहे	भ. ४४।३ उ. सव्वाल १०
४	चं	१६	४२	पू	४४	७	व	४२	४०	वि	१६	४२	५०	१४	४६	२९	२	२०	सिंहे	भ. १६।४२ या. पुष्ये रविः २४।१४ ×
५	मं	२२	५४	उ	५१	४२	प	४५	१६	बा	२२	५४	४८	१४	४६	३०	३	२१	कं.१।१	[× सौरः ५४।२५) कर्के बुधः ४२।५५
६	बु	२९	९	ह	५९	८	शि	४७	५०	तै	२९	९	४५	१५	४५	३१	४	२२	कन्यायां	पुष्ये बुधः १८।२
७	गु	३५	८	चि	६०	०	सि	४९	५३	ग	२	८	४३	१५	४५	१	५	२३	तु.३२।३६	भ. ३५।८ उ. भा. श्रवणारंभः
८	शु	३९	५७	चि	६	४	सा	५१	१४	वि	७	३२	४०	१६	४४	२	६	२४	तुलायां	भ. ३२/७ या. उफा. ४ राहुः उभा २केतुः ५६/७
९	श	४३	२६	स्वा	११	५०	शु	५१	३१	बा	११	४२	३८	१६	४४	३	७	२५	तुलायां	वक्री शुक्रः ४५।२३
१०	र	४५	८	वि	१६	१७	शु	५०	१८	तै	१४	१७	३५	१७	४३	४	८	२६	वृ.०।१०	
११	चं	४४	५५	अ	१९	७	ब्र	४७	३६	व	१५	२	३३	१७	४३	५	९	२७	वृश्चिके	भ. १५।२ उ. ५४/५ या. देवशयनी ११ व्र.
१२	मं	४२	२८	ज्ये	१९	५	ऐं	४३	१८	ब	१३	४२	३०	१८	४२	६	१०	२८	ध. १९/७	आश्ले. बुधः ३७।३५
१३	बु	३८	१७	मू	१७	३२	वै	३७	२४	कौ	१०	२३	२७	१९	४१	७	११	२९	धनुषि	प्रदोषः
१४	गु	३२	१७	पू	१४	१९	वि	३०	१३	ग	५	१७	२४	१९	४१	८	१२	३०	म.२८।५	भ. ३१/७ उ. ३/६ या. कर्के भौमः ५६/७ वायु परीक्षा
१५	शु	२४	५६	उ	९	२५	प्री	२१	४६	व	२४	५६	२२	२०	४०	९	१३	३१	मकरे	मघा. २ गुरुः १३।२ व्यास पूजा गुरु१५

१५पं द्वि आ.शु.५मं.इः १८/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	४	४	७	५	३
४	२३	१	१	६	४	१०	३
११	४५	१३	२८	२३	२२	११	४२
२८	०	५९	२३	२४	३०	८	३२
५७	४०	७४/९	१२	१०	११/१	३	५६
१५	२९		५६	२४	व	११	५८

गोचर ग्रहाः

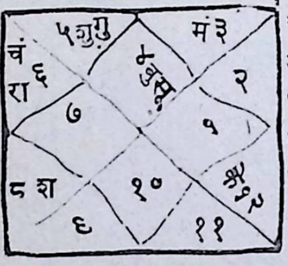

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला धातु रस रूई कपास बारदाना गल्ले में तेजी हो प्रजा में रोग फैले।

गोचर ग्रहाः

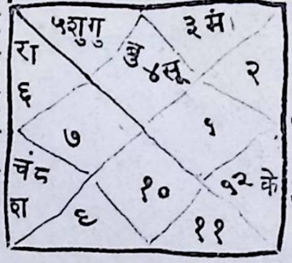

१६पं.द्वि.आ.शु.१२मं.इ ५६/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	४	४	७	५	३
१०	२८	१५	२	६	४	९	१०
५२	२०	५९	५४	३३	१६	४८	२१
३०	३८	५६	३७	११	४८	५२	४९
५७	४०	७४/२	१२	५/६	२/२	३	५७
२०	१७	२५	१४	व.	व	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे द्वि.आषाढकृष्णेति महा.
१	श	१६	५२	श्र	३/८	५३/५०	आ	१२	४५	कौ	५	५२	३३/१९	५/२०	४०	१०	१४	१	कुं.३०।३२	मार्गी शनिः ३।१ अगस्त ८ ता. ३१
२	र	८	३२	श	५१	६	सौ	३/२५	५१/२५	ग	८	३२	१६	२१	३९	११	१५	२	कुंभे	भ. ३४।२१ उ.
३	चं	०	११	पू	४५	१२	अ	४४	३५	वि	०	११	५३	२१	३९	१२	१६	३	मी. ३१/४१	भ. ०।११ या. आश्ले. रविः २१।१५ =
४	चं	५२	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=(सौरः ५५।१२) चतुर्थी व्रतम्
५	मं	४५	१७	उ	४०	१	सु	३५	५४	कौ	१८	४९	१०	२२	३८	१३	१७	४	मीने	सिंहे मघायां बुधः २८।२४ पुष्ये भौमः+
६	बु	३८	५५	रे	३५	३५	धृ	२७	५३	ग	१२	६	७	२३	३७	१४	१८	५	मे. ३५/५	भ. ३८।५५ उ. बुधोदयः पश्चिमायां २५/११
७	गु	३३	५६	अ	३२	२५	शू	२०	४९	वि	६	२५	४	२३	३७	१५	१९	६	मेषे	भ. ६।२५ या. [+४६/२९ नाग ५ मरुस्थले
८	शु	३०	४	भ	३०	१९	गं	१४	३५	बा	२	४२	०	२४	३६	१६	२०	७	मेषे	शुक्रास्तः पश्चिमायां ३१।१२
९	श	२७	२६	कृ	२९	२४	वृ	९	२६	ग	२७	२६	३२/५७	२५	३५	१७	२१	८	वृ.४५।१५	भ. ५६।३५ उ.
१०	र	२५	४५	रो	२९	३५	ध्रु	५	१६	वि	२५	४५	५४	२५	३५	१८	२२	९	वृषे	भ. २५।४५ या.
११	चं	२५	२६	मृ	३१	३	व्या	४९/१	५७/४०	बा	२५	२६	५०	२६	३४	१९	२३	१०	मि. १९/०	कामिका ११ व्र.
१२	मं	२६	२७	आ	३३	४६	व	५८	४	तै	२६	२७	४७	२७	३३	२०	२४	११	मिथुने	उदयं भौमः ५०।५५ प्रदोषः
१३	बु	२८	२५	पु	३७	१३	सि	५७	४६	व	२८	२५	४४	२७	३३	२१	२५	१२	कं. २१/२१	भ. ३८/५ उ. ५९/५६ या. पूफा. बुधः २।४६
१४	गु	३१	२६	पु	४१	५०	व्य	५७	३८	श	३१	२६	४०	२८	३२	२२	२६	१३	कर्के	वक्री कर्के आश्ले. शुक्रः ३५।३५
३०	शु	३५	३०	श्ले	४७	३९	व	५८	३४	च	३	२८	३७	२९	३१	२३	२७	१४	सिं४७।३८	अस्तं गुरोः ३६।० हरियाली

१७ पं.श्रा.कृ.५मं.इ. १७/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	४	४	७	५	३
१७	२	२९	४	४	४	९	१७
३४	५४	३९	२४	४८	१५	२६	१
१२	७	५०	७	४०	५४	३७	३७
५७	४०	७३/१	१२	२२/१४	१९/०	३	५७
२५	१३	१७	२६	वं	मा	११	१२

गोचर ग्रहाः

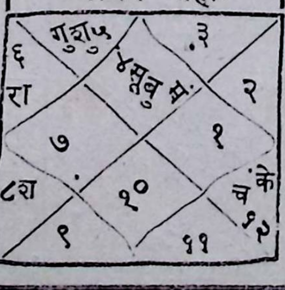

इस मास में ५ शनिवार है धान्य गल्ला धातु रस रुई कपास बारदाना गल्ले में तेजी हो प्रजा में रोग फैले

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.कृ.१२मं.इ. १७/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	४	४	७	५	३
२४	७	१२	५	१	४	९	२३
१६	२६	२	५३	१८	२०	४	४२
३७	१७	४२	४९	३२	२	२१	४४
५७	४०	७०/१	१३	३४/१०	१	३	५७
३३	२	७	३२	व.	४	११	२२

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा	सु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १५९२स.२०१५
१	श	४०	३४	म	५४	१८	प	६०	०	किं	८	२	३३/३३	५/२९	६/३१	२४	२८	१५	सिंहे	मघा. ३ गुरुः ०।५६
२	र	४६	१४	पू	६०	०	प	०	१७	बा	१३	२४	३०	३०	३०	२५	२९	१६	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	५२	२१	पू	१	१९	शि	२	२२	तै	११	१७	२६	३१	२९	२६	१	१७	कं १८।२९	मघा. सिंहेऽर्कः १५।१७ (सौरः ५१/३७)=
४	मं	५८	४५	उ	८	५९	सि	४	५०	व	२५	३३	२२	३२	२८	२७	२	१८	कन्यायां	भ. २५।३३ उ. ५८।४५ या. वरद ४
५	बु	६०	०	ह	१६	३३	सा	७	४	ब	३१	५१	१९	३२	२८	२८	३	१९	तुं.५०।१७	नाग पंचमी
५	गु	४	५८	चि	२४	२	शु	९	४१	बा	४	५८	१५	३३	२७	२९	४	२०	तुलायां	उफा. बुधः ३४।३०
६	शु	१०	१६	स्वा	३०	२६	शु	११	४९	तै	१०	१६	१२	३४	२६	३०	५	२१	तुलायां	[=जिल्काद ११ तीज
७	श	१४	३२	वि	३५	५९	ब्र	१२	४९	ब	१४	३२	८	३४	२६	३१	६	२२	वृ.१९।३४	भ. १४।३२ उ. ४५।४७ या. कन्यायां ×
८	र	१७	१	अ	३९	५९	ऐं	१२	४१	ब	१७	१	४	३५	२५	१	७	२३	वृश्चिके	भा. भाद्रपदारंभः
९	चं	१८	१६	ज्ये	४२	४	वै	११	२३	कौ	१८	१६	१	३६	२४	२	८	२४	ध.४२।४	[×बुधः ५३/४६ शुक्रोदयः पूर्वस्यां १८।०
१०	मं	१७	७	मू	४२	४	त्रि	८	३२	ग	१७	७	३१/५७	३७	२३	३	९	२५	धनुषि	भ. ४५।३३ उ. आश्ले. भौमः ३८।५६
११	बु	१३	५९	पू	४०	२	प्री	४/५	५३/४६	वि	१३	५९	५३	३७	२३	४	१०	२६	म.५४।३	भ. १३।५९ या. पवित्रा ११ व्र.
१२	गु	८	४९	उ	३६	८	सौ	५०	२	बा	८	४९	४९	३८	२२	५	११	२७	मकरे	प्रदोषः
१३	शु	१	४५	श्र	३०	३०	शो	४१	१	तै	१	४५	४६	३९	२१	६	१२	२८	कुं.५७।१३	भ. ५३।२३ उ.
१४	शु	५१	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+भद्रोत्तरे
१५	र	४४	१८	ध	२३	२५	अ	३१	६	वि	१८	५०	४२	४०	२०	७	१३	२९	कुम्भे	भ. १८/५० या. श्रावणी कर्म रक्षाबंधनम् +

१९पं.श्रा.शु.४मं.इ.१७।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	४	३	७	५	४
०	१५	२३	७	२६	४	८	०
५९	५६	११	२४	५८	२८	४२	२४
१३	४२	३१	४०	२६	३३	५	५७
५७	३९	९१	१३	३५/३८	१	३	५७
४०	४६	१९	३८	व	३७	११	३४

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले ३ रवौ: सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.५ युवावस्था [सूती] मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रास्तः पश्चिमायाँ

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१० मं.इ.१७/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	३	७	५	४
७	१६	३	८	२३	४	८	७
४४	२५	५	५६	३	४१	१९	८
२०	४८	३५	१०	५४	२८	५०	२५
५७	३९	७७	१३	२३/२३	२	३	५७
४९	२९	३३	३८	व.	२२	११	४५

ति	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चंद्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	३४	३१	श	१६	२५	सु	२०	३६	बा	९	२५	३१/३८	५/४०	९/२०	८	१४	३०	मी. ५५/४४	हस्ते बुधः ३६/३६ मघा. ४ गुरुः १४।४३
२	चं	२५	८	पू	८	५१	धृ	१०/३	४९/१७	ग	२५	८	३४	४१	१९	९	१५	३१	मीने	भ. ५०/३३ उ. पूफा. रविः ५४/३ (सौरः ४२/२८)
३	मं	१५	५९	उ	१/३८	५३/२९	गं	४९	३७	वि	१५	५९	३०	४२	१८	१०	१६	१	मं.५५।७	भ.१५/५९ या. सितम्बर ९ ता.३० चतुर्थी व्र.
४	बु	७	४५	अ	५०	५	वृ	४०	३७	बा	७	४५	२६	४३	१७	११	१७	२	मेषे	
५	गु	१	९	भ	४६	२	ध्रु	३२	४७	तै	१	९	२२	४४	१६	१२	१८	३	मेषे	भ. ५५।५६ उ. चन्द्र षष्ठी
६	गु	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	शु	५२	३१	कृ	४४	०	व्या	२६	१९	बि	२४	१३	१८	४४	१६	१३	१९	४	वृ.१।२	भ. २४।१३ या.
८	श	५०	४९	रो	४३	३५	ह	२१	१४	बा	२१	५२	१५	४५	१५	१४	२०	५	वृषे	मार्गी शुक्रः ४९।५६ जन्माष्टमी व्र.
९	र	५०	३५	मृ	४४	३९	व	१७	२०	तै	२०	४२	११	४६	१४	१५	२१	६	मि. १४/८	गोगा ९
१०	चं	५२	७	आ	४६	२३	सि	१४	५३	व	२१	२१	७	४७	१३	१६	२२	७	मिथुने	भ. २१।२१ उ. ५२।५७ या.
११	मं	५४	४९	पु	५१	३६	व्य	१३	३०	ब	२३	२८	३	४७	१३	१७	२३	८	क.३५।१८	उदयं गुरोः ४०।४८ अजा. ११ व्र.
१२	बु	५८	४८	पु	५६	४२	व	१३	२०	कौ	२६	४९	३०/५९	४८	१२	१८	२४	९	कर्के	वत्स द्वादशी
१३	गु	६०	०	श्ले	६०	०	प	१४	५	ग	३१	१०	५५	४९	११	२९	२५	१०	कर्के	प्रदोषः
१३	शु	३	३२	श्ले	२	४७	शि	१५	११	व	३	३२	५१	५०	१०	२०	२६	११	सिं. ३/४७	भ. ३।३२ उ. ३६।२७ या.
१४	श	९	२२	म	९	३७	सि	१७	६	श	९	१२	४७	५१	९	२१	२७	१२	सिंहे	[A मन्वादिः
३०	र	१५	१३	पू	१६	४८	सा	१९	४	ना	१५	१३	४३	५१	९	२२	२८	१३	कं.३३।५१	उफा.रविः ४९/१८ कुशाग्रहणी पिठोरी३०A

२१पं.भा.कृ.३मं.इ.१७।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	३	७	५	४
१४	२०	११	१०	२०	४	७	१३
३०	५३	३१	२७	४२	५९	५७	५३
०	३५	५९	५०	११	६	३४	३७
५८	३९	६०	१३	१०/५१	३	३	५७
१	२९	५४	३८	व.	६	११	५७

गोचर ग्रहाः

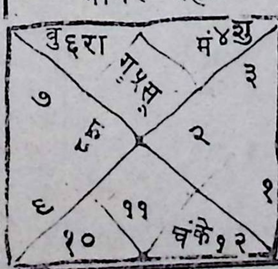

इस मास में धान्य गेहूं जो चना चावल मूंग मोठ सोना चांदी लोहा वस्त्र रूई गुड शक्कर तेज। गुरु मंगल के योग से सुदी में वर्षा कम हो।

गोचर ग्रहाः

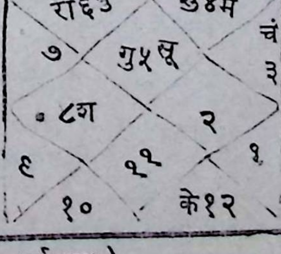

२२पं.भा.कृ.११मं.इ १७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	३	७	५	४
२१	२५	१८	११	२०	५	७	२०
१७	१९	३	५९	१५	२१	३५	४०
२	३७	१८	१०	३२	२२	१९	१७
५८	३९	३९	१३	५/५१	३	३	५८
१३	११	२	३२	मा	४१	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्ष. सं० २०७२ शाकः १९३७												दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:१६२२स.२०१५
१	चं	२१	२०	उ	२५	१	शु	२१	२८	ब	२१	२०	३०/९	५/२	६/८	२३	२९	१४	कन्यायां	उफा.रवि:सौर २७।८पूफा.१गुरुः २४।३८
२	मं	२७	४३	ह	३२	४	शु	२२	५५	कौ	२७	४३	३५	५३	७	२४	३०	१५	कन्यायां	मघा.सिंहेभौम:३९।५१चंद्रदर्शनम्
३	बु	३३	४९	चि	३९	२८	ब्र	२६	४६	तै	०	४६	३१	५४	६	२५	१	१६	तु.५।४६	वक्रीबुध:४२।४१जिल्हेज१२हरितालिका३
४	गु	३९	१७	स्वा	४६	१४	ऐं	२८	११	व	६	३३	२७	५५	५	२६	२	१७	तुलायां	भ.६।३३उ.३९/१७या.कन्यायामर्कः:१४।३९+
५	शु	४३	४७	वि	५२	१७	वै	२९	३७	ब	११	२८	२२	५६	४	२७	३	१८	वृ.३५।४६	ऋषि पंचमी
६	श	४७	११	अ	५६	५७	वि	३०	२६	कौ	१५	२८	१८	५६	४	२८	४	१९	वृश्चिके	[+(सौर:५२।१९)गणेश चतुर्थी
७	र	४९	१०	ज्ये	६०	०	प्री	३०	४	ग	१८	७	१४	५७	३	२९	५	२०	वृश्चिके	भ.४९।१०उ.
८	चं	४९	२५	ज्ये	०	३१	आ	२८	२५	वि	१९	१७	९	५८	२	३०	६	२१	घ.०।३१	भ.१९।१७या
९	मं	४७	४८	मू	२	२५	सौ	२५	२३	बा	१८	३६	५	५९	१	३१	७	२२	धनुषि	[×अनु.२शनि:१२/३९अनंत१४महालयारंभ:
१०	बु	४४	१९	पू	२	२५	शो	२०	५३	तै	१६	३	३०/०	६/०	६/०	१	८	२३	म.१६।५५	भा.आश्विनारंभ:रामदेवजी का मेला
११	गु	३८	५०	उ	२६/०	५६/११	अ	१४	५०	व	११	३४	२९/५६	६/१	५९/५	२	९	२४	मकरे	भ.११।३४उ.३८।५०या.बुधास्त:पश्चि-=
१२	शु	३१	५०	ध	५१	१४	सु	७/१०	५१/१२	ब	५	५०	५२	२	५८	३	१०	२५	कु.२३।५६	उफा.३राहु:उभा.१केतु:४०।०वामनजयंती
१३	श	२३	२१	श	४४	२४	शू	४८	२८	तै	२३	२१	४८	२	५८	४	११	२६	कुम्भे	प्रदोष: [=मायां२३।११जलझूलनी११व्र.
१४	र	१३	४६	पू	३६	५९	गं	३७	४७	व	१३	४६	४४	३	५७	५	१२	२७	मी.२३/५०	भ.१३।४६उ.३८।५२या.हस्तेरवि: २७/४८ ×
१५	चं		३	५७	उ	२८	४९	वृ	२६	४८	ब	३	५७	४०	४	५६	६	१३	२८	मीने	हस्तेरवि:सौर:४।४९

२३पं. भा.शु.२मं.इ. १६/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	४	३	७	५	४
२८	२९	२१	१३	२१	५	७	२७
५	४५	४३	२९	३९	४७	१२	२८
२४	४	५२	२८	७	१३	३	३५
५८	३९	५	१३	२०	४	३	५८
२६	[illegible]	५८	२६	२०	२०	११	२९

गोचर ग्रहाः

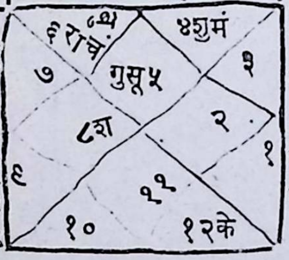

भाद्रपद शुक्ले ४ गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न. ४ बृद्धावस्था (बैठी मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

२४पं.भा.शु.९म.इ. १६/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	४	३	७	५	५
४	४	२०	१४	२४	६	६	४
५५	८	५०	५८	३६	१७	५०	१८
१६	२८	२	३०	५८	१०	४७	४२
५८	३८	२३/१५	१३	३१	४	३	५८
३८	५४	व.	२०	५८	५०	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्राः
१	चं	४९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४४	३४	रे	२१	१	ध्रु	१५	४५	तै	१९	१४	२९/३८	६/५	५/५५	७	१४	२९	मे.२१।१	
३	बु	३६	१०	अ	१३	४९	व्या	५/५	५०/२९	व	१०	१९	३२	६	५४	८	१५	३०	मेषे	भ.१०/५९उ.३६/१०या.पूफा.२गुरु:२०।५८
४	गु	२९	७	भ	८	०	व	४७	७	व	२	४१	२८	६	५४	९	१६	१	वृ. २३/५६	मघा.सिंहेशुक्र:१।४१अक्टूबर१०ता.३१+
५	शु	२४	१०	कृ	३	४७	सि	४०	२	तै	२४	१०	२३	७	५३	१०	१७	२	वृषे	[+ चतुर्थी व्रतम्
६	श	२१	४	रो	१	५०	व्य	३४	३५	व	२१	४	१९	८	५२	११	१८	३	मि.३१/१९	भ.२१।४उ.३१/८या.वक्रीउफा..बुध:३४/४५
७	र	२०	५	मृ	१	४	व	३०	५१	ब	२०	५	१५	९	५२	१२	१९	४	मिथुने	
८	चं	२१	१३	आ	२	४०	प	२८	१९	कौ	२१	१३	११	१०	५०	१३	२०	५	क.५०।१६	
९	मं	२३	५०	पु	६	८	शि	२७	५८	ग	२३	५०	७	११	४९	१४	२१	६	कर्के	भ.५५/५६उ.मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	बु	२८	३	पु	११	१२	सि	२८	२९	वि	२८	३	३	११	४९	१५	२२	७	कर्के	भ.२८।३या.पूफा.भौम:०।५६
११	गु	३३	१४	श्ले	१७	२९	सा	२९	३८	ब	०	३४	२८/५९	१२	४८	१६	२३	८	सिं. १७/२९	बुधोदय:पूर्वस्या१।३८इंदिरा११व्र.
१२	शु	३९	२५	म	२४	४०	शु	३१	५४	कौ	६	२५	५५	१३	४७	१७	२४	९	सिंहे	मार्गी बुध:४६।२४
१३	श	४५	४६	पू	३१	५५	शु	३३	५६	ग	१२	३५	५१	१४	४६	१८	२५	१०	क.४८।५०	भ.४५/४६उ.चित्रा.रवि:५९।५०प्रदोष:
१४	र	५१	५८	उ	३९	३५	ब्र	३६	२५	वि	१८	५२	४७	१५	४५	१९	२६	११	कन्यायां	भ.५१/५८या.चित्रा.रवि:सौर:३५/२३शस्त्रादि ×
३०	चं	५८	६	ह	४७	४	ऐं	३८	४३	च	२५	२	४३	१५	४५	२०	२७	१२	कन्यायां	सर्व पितृ ३० [× हतानां श्रा.

२५पं.आ.कृ.२मं.इ.१६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	४	३	७	५	५
११	८	१४	१६	२८	६	६	११
४६	३०	२९	२५	४८	५०	२८	१०
५२	५६	३५	५५	३६	५३	३२	४१
५८	३८	६३/२३	१३	४०	५	३	५९
५३	४७	व.	८	४७	१६	११	००

गोचर ग्रहाः

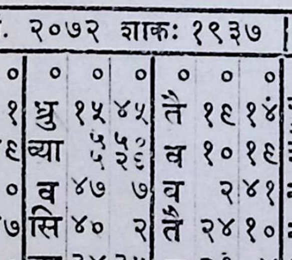

आश्विन शुक्ले ४शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ बालावस्था (बैठी)मु१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदय पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

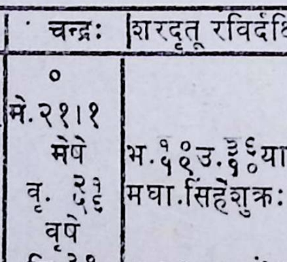

२६पं.आ.कृ.९मं.इ.१६।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	४	४	७	५	५
१८	१२	८	१७	३	७	६	१८
४०	५१	३	५१	५७	२७	६	४
८	७	७	३६	५४	२९	१६	२८
५९	३८	४३/२२	१२	४७	५	३	५९
९	५९	व.	४३	३५	४४	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविरुत्तरेऽहर्गणः१६५१ स.२०१५
१	मं	६०	०	चि	५४	१४	वै	४०	४५	किं	३०	५८	३/९	१/६	५/४४	२१	२८	१३	तु.२०।३६	नवरात्रारंभ:मातामहश्राद्धम्
१	बु	३	५१	स्वा	६०	०	वि	४२	३८	ब	३	५१	३५	१७	४३	२२	२९	१४	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	५५	स्वा	०	५७	प्री	४३	४४	कौ	८	५५	३१	१८	४२	२३	१	१५	वृ.५०।१८	हस्ते बुध:५८।८मोहोरम१सन्१४३७ हि.
३	शु	१३	१०	वि	६	४५	आ	४४	१०	ग	१३	१०	२७	१९	४१	२४	२	१६	वृश्चिके	भ.४४।४५उ.
४	श	१६	२०	अ	११	३२	सौ	४३	३८	वि	१६	२०	२३	१९	४१	२५	३	१७	वृश्चिके	भ.१६/२०या.तुलायामर्क:४३/३९पूफा.शुक्र.१३/१७ +
५	र	१८	३०	ज्ये	१५	२८	शो	४२	४५	बा	१८	३०	२०	२०	४०	२६	४	१८	ध.१५।२८	तुलार्क:सौर:१८।७
६	चं	१९	२१	मू	१८	४	अ	४०	४०	तै	१९	२१	१६	२१	३९	२७	५	१९	धनुषि	[+पूफा.३गुरु:२३।१४
७	मं	१८	४५	पू	१९	२१	सु	३७	१३	व	१८	४५	१२	२२	३८	२८	६	२०	म.३४।१९	भ.१८।४५उ.४७।४६या.
८	बु	१६	४७	उ	१९	१५	धृ	३२	४५	ब	१६	४७	८	२२	३८	२९	७	२१	मकरे	
९	गु	१३	२	श्र	१७	२२	शू	२६	५२	कौ	१३	२	४	२३	३७	३०	८	२२	कुं.४५।४३	
१०	शु	८	२	ध	१४	३	गं	१९	५०	ग	८	२	०	२४	३६	१	९	२३	कुम्भे	भ.३४।४५उ.भा.कार्तिकारंभः
११	श	१	२८	श	९	२२	वृ	११	४३	वि	१	२८	२/५ ६/६	२५	३५	२	१०	२४	मी४९।५८	भ.१।२८या.स्वात्यांरवि:२५।४१(सौर: ÷
१२	श	५२	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷ ५९।१०)पापां कुशा११व्र.
१३	र	४४	५८	पू	३/३०	५३/७	ध्रु	३२/५	४९/५२	कौ	१९	१९	५३	२५	३५	३	११	२५	मीने	चित्रा.बुध:३८।१९प्रदोष:
१४	चं	३५	३४	रे	४९	६	ह	४१	४९	ग	१०	१६	४९	२६	३४	४	१२	२६	मे.४९।६	भ.३५/३४उ.कोजागरी व्रतम्शरद्पूर्णिमास्मा.
१५	मं	२६	१	अ	४१	४१	व	३१	६	वि	०	४७	४५	२७	३३	५	१३	२७	मेषे	भ.४७/०या.का.स्ना.प्रा.शरद्पूर्णिमा वै.

२७पं.आ.शु.१मं.इ.१६।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	४	४	७	५	५
२५	१७	८	१९	९	८	५	२५
३५	१२	२	१४	४८	७	४४	००
२	४	३५	३८	११	५	१	१०
५९	३८	४३/२९	१२	५२	६	३	५९
२१	२२	मा	२०	३४	·६	११	२१

२८पं.आ.शु.७मं.इ. १६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	४	४	७	५	६
२	२१	१५	२०	१६	८	५	१
३१	३०	११	३४	१२	४९	२१	५७
५६	२२	४६	२३	५०	८	४५	३'१
५९	३८	८३	११	५६	६	३	५९
३४	१४	५३	५६	४२	२६	११	४४

२९पं.आ शु.१५मं.इ.१५/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	४	४	७	५	६
९	२५	२५	२१	२३	९	४	८
२९	४०	५८	५०	४	३३	५९	५६
४२	३४	२६	५३	३४	०	२९	५५
५९	३७	९७	११	५९	६	३	६०
४७	५०	२२	१७	५५	३८	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	बु	१७	१२	भ	३४	५०	सि	२०	५०	कौ	१७	१२	२७/४१	६/२८	५/३२	६	१४	२८	वृ.४८।२३	उफा.भौम:५०।११बुधास्त.पूर्वस्यां५।११
२	गु	९	२१	कृ	२९	०	व्य	११	९	ग	९	२१	३७	२९	३१	७	१५	२९	·वृषे	भ.३६।८उ.तुलायांबुध:४४।४८
३	शु	२	५५	रो	२४	५६	व	३/३	५३/४	वि	२	५५	३४	२९	३१	८	१६	३०	मि५३।४७	भ.२।५५या.उफा.शुक्र:४६/५९करकचतुर्थी व्र.
४	शु	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	श	५५	५८	मृ	२२	३९	शि	४९	५५	कौ	२७	७	३०	३०	३०	९	१७	३१	मिथुनें	अनु.३शनि:३०।१०
६	र	५५	४९	आ	२२	३२	सि	४६	१३	ग	२५	५३	२७	३१	२९	१०	१८	१	मिथुनें	भ.५५।४९उ नवम्बर११ता.३०
७	चं	५७	४१	पु	२४	३१	सा	४४	१	वि	२६	४५	२३	३१	२९	११	१९	२	क.९।१	भ.२६।४५या.स्वात्यांबुध:४१।५३
८	मं	६०	०	पु	२८	२७	शु	४२	४६	बा	२९	३४	१९	३२	२८	१२	२०	३	कर्के	कन्यायां शुक्र: १।२५कन्यायांभौम: १२/४६
८	बु	१	२७	श्ले	३४	१	शु	४४	११	कौ	१	२७	१६	३३	२७	१३	२१	४	सिं३४।१	पूफा.४गुरु:५०।३०
९	गु	६	५	म	४१	४९	ब्र	४५	१३	ग	६	५	१२	३४	२६	१४	२२	५	सिंहे	भ.३९।२५उ.
१०	शु	१२	४६	पू	४८	७	ऐं	४७	५८	वि	१२	४६	९	३४	२६	१५	२३	६	सिंहे	भ.१२।४६या.विशा.रवि:४६।७
११	श	१९	६	उ	५५	५२	वै	५०	२५	बा	१९	६	५	३५	२५	१६	२४	७	कं.५।३	विशा.रवि:सौर:१६।३४रमा११व्र.
१२	र	२५	४२	ह	६०	०	वि	५२	५२	तै	२५	४२	२	३६	२४	१७	२५	८	कन्यायां	
१३	चं	३१	५३	ह	३	२२	प्री	५४	४४	व	३१	५२	२६/५८	३६	२४	१८	२६	९	तु.३६।५३	भ.३१।५२उ.प्रदोष:धन१३
१४	मं	३७	२५	चि	१०	२५	आ	५६	२१	वि	४	३९	५५	३७	२३	१९	२७	१०	तुलायां	भ.४।३९या.विशा.बुध:४६।३२रुप१४
३०	बु	४२	९	स्वा	१६	४६	सौ	५७	५	च	९	४७	५२	३८	२२	२०	२८	११	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

३० पं.का.कृ. ८ मं. इ. १५/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	४	५	७	५	६
१६	०	७	२३	०	१०	४	१५
२९	१	३६	३	१४	१९	३७	५७
२८	५२	४७	११	५३	८	१४	५९
६०	३७	१०/०	१०	६२	६	३	६०
४	३६	०/३५	३९	११	५६	११	१८

गोचर ग्रहाः

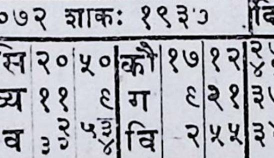

इस मास में धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा रस तेज होवे धान्य बाजरा मूंग मोठ बदि में तेज होकर सुदि में मन्दे हो।

गोचर ग्रहाः

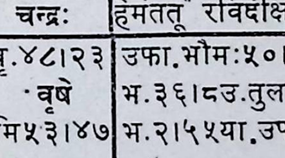

३१ पं.का.कृ. १४मं.इ. ३५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	४	५	७	५	६
२३	४	१९	२४	७	११	४	२३
३०	१५	·७	१०	४३	७	१४	००
५०	२९	४८	३०	४४	८	५८	३२
६०	३७	०/१०	९	६४	७	३	६०
१७	२२	५/०	५४	१३	८	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	४५	२५	वि	२१	५९	शो	५६	५८	किं	१३	४७	२६/४९	६/३८	५/२२	२१	२९	१२	वृ.५।४१
२	शु	४७	४३	अ	२६	३४	अ	५६	११	बा	१६	३४	४५	३९	२१	२२	३०	१३	वृश्चिके
३	श	४६	१३	ज्ये	२६	५४	सु	५४	३४	तै	१८	२८	४२	४०	२०	२३	१	१४	ध.२९।५४
४	र	४६	३५	मू	३२	७	धृ	५१	५९	व	१९	२४	३९	४०	२०	२४	२	१५	धनुषि
५	चं	४८	५२	पू	३३	२७	शू	४८	४६	ब	१९	१४	३६	४१	१९	२५	३	१६	म.४८।३२
६	मं	४७	८	उ	३३	२८	गं	४४	४३	कौ	१८	०	३३	४१	१९	२६	४	१७	मकरे
७	बु	४४	१५	श्र	३२	४८	वृ	३९	४५	ग	१५	४१	३०	४२	१८	२७	५	१८	मकरे
८	गु	४०	२८	ध	३०	५७	ध्रु	३३	५८	वि	१२	२२	२७	४३	१७	२८	६	१९	कुं.११५२
९	शु	३५	४८	श	२८	४	व्या	२७	१६	बा	८	८	२५	४३	१७	२९	७	२०	कुंभे
१०	श	२९	५९	पू	२४	१९	ह	१९	४५	तै	२	५३	२२	४४	१६	३०	८	२१	मी१०।१६
११	र	२३	२३	उ	१९	३०	व	११	२६	वि	२३	२३	१९	४४	१६	१	९	२२	मीने
१२	चं	१५	४९	रे	१३	५२	सि	३/३४	५/३६	बा	१५	४९	१७	४५	१५	२	१०	२३	मे.१३।५२
१३	मं	७	५२	अ	७	५२	व	४३	४३	तै	७	५२	१४	४५	१५	३	११	२४	मेषें
१४	बु	०	१	भ	२/१७	५३/५७	प	३४	२०	व	०	१	१२	४६	१४	४	१२	२५	वृ.१५।४६
१५	बु	५२	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१६८१स.२०१५

हस्तेशुक्रः२२।५२अन्नकूट गोवर्धन पूजा
ग्रस्तंशनेः१२।०चंद्रदर्शनम् भातृ२यम२
सफर२
भ.१९।२४उ.४९।३५या.
वृश्चिकेऽर्कः४२।१२
वृश्चिकेऽर्कःसौरः१०।५१वृश्चि.बुधः११७
भ.४४।१५उ. [=गोपाष्टमी
भ.३/१२या.अनु.बुधः६/५हस्ते.भौमः४५/४३=
अनु.रविः०।३२(सौरः२९।३९)अक्षय९
भ.५६।४१उ.
भ.३/२३या.भा.मार्गशीर्षारंभः प्रवोधिनी×
प्रदोषः [×११व्र.तुलसीविवाहः
चित्रा.शुक्रः१४।४२वैकुंठ१४
भ.०/१उ.३/६या.मन्वादिःका.स्ना.पू.

३२गं.का.शु.६मं.इ.१५।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	४	५	७	५	७
०	८	०	२५	१५	११	३	०
३३	२७	२३	१२	२५	५५	५२	५
२९	१४	३८	२९	४४	४१	४३	३६
६०	३७	०/०१	९	६५	७	३	६०
३०	१	९	१०	४६	१४	११	४०

गोचर ग्रहाः

कार्तिक शुक्ले ५ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः वा.३न.४ कुमारावस्थो (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

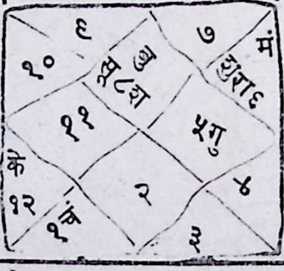

३३पं.का.शु.१३मं.इ.१५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	४	५	७	५	७
७	१२	११	२६	२३	१२	३	७
३७	३७	२७	८	२०	४४	३०	१०
२६	२६	२२	३१	२८	४२	२७	९
६०	३६	९९	८	६७	७	३	६०
४२	४०	२३	२१	८	२०	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः
१	गु	४६	१०	रो	५१	३३	शि	२५	४३	बा	१९	२२	२६/९	६/४६	५/१४	५	१३	२६	वृषे
२	शु	४१	४	मृ	४८	१२	सि	१७	४७	तै	१३	३७	७	४७	१३	६	१४	२७	मि१९।५२
३	श	३७	५२	आ	४६	४०	सा	११	९	व	९	२८	५	४७	१३	७	१५	२८	मिथुने
४	र	३६	३७	पु	४७	१५	शु	५	५९	ब	७	१४	२	४८	१२	८	१६	२९	क.३२।७
५	चं	३७	२१	पु	४९	३४	शु	२	२६	कौ	६	५६	०	४८	१२	९	१७	३०	कर्के
६	मं	४०	१०	श्ले	५३	५२	ब्र	०	४६	ग	८	४६	२५/५८	४८	१२	१०	१८	१	सिं. ५/५३
७	बु	४४	३९	म	५९	४४	ऐं	०	५	वि	१२	२६	५६	४९	११	११	१९	२	सिंहे
८	गु	५०	५८	पू	६०	०	वै	०	५४	बा	१७	५०	५४	४९	११	१२	२०	३	सिंहे
९	शु	५६	४९	पू	६	४९	वि	२	४०	तै	२३	४४	५३	४९	११	१३	२१	४	क. २/४१
१०	श	६०	०	उ	१४	१८	प्री	४	४९	ब	३०	६	५१	५०	१०	१४	२२	५	कन्यायां
१०	र	३	२८	ह	२१	५५	आ	७	१३	वि	३	२८	४९	५०	१०	१५	२३	६	तु.५५।३२
११	चं	९	३८	चि	२९	५	सौ	९	१५	बा	९	३८	४८	५०	१०	१६	२४	७	तुलायां
१२	मं	१५	१३	स्वा	३५	३५	शो	१०	५१	तै	१५	१३	४६	५१	९	१७	२५	८	तुलायां
१३	बु	१९	२९	वि	४०	४०	अ	११	३५	व	१९	२९	४५	५१	९	१८	२६	९	वृ.२४।२४
१४	गु	२२	१४	अ	४४	३२	सु	११	१७	श	२२	१४	४४	५१	९	१९	२७	१०	वृश्चिके
३०	शु	२३	५८	ज्ये	४७	४	धृ	९	५८	ना	२३	५८	४३	५१	९	२०	२८	११	ध.४७।४

हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.

[=३/२/५
ज्येष्ठा.बुधः२/५३उफा.२राहुःपूभा.४केतुः=
भ.३/२८उ.३/२७या.उफा.१गुरुः४/४३
अनु.४शनिः१५।४४चंतुर्थीव्रतम्
तुलायांशुक्रः१।२३
भ.४०।१०उ.दिसम्बर१२ता.३१
भ.१२।२६या.
ज्येष्ठा.रविः१०।३९(सौरः३५।३३)

भ.३०।६उ.स्वात्यांशुक्रः४३।६
भ.३।२८या. मूले धनुषि बुधः११।३६
उत्पत्ति११व्र.
प्रदोषः
भ.१९।२९उ.५०।५२या.
बुधोदयःपश्चिमायां२९।१७

३४पं.मा.कृ.६मं.इ.१४।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	४	६	७	५	७
१४	१६	२२	२६	१	१३	३	१४
४२	४४	२३	५७	२३	३४	८	१६
४०	२८	४९	५८	३८	३४	११	५५
६०	३६	९७	७	६८	७	३	६१
५०	१८	३८	८	१४	२०	११	३

गोचर ग्रहाः

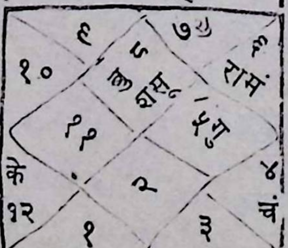

इस मास में धान्य धातु तेज हो रस मंदे होकर तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

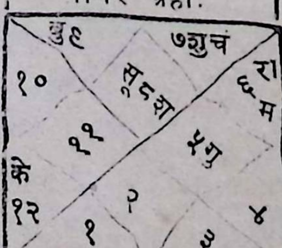

३५पं.मा कृ.१२मं.इ. १४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	४	६	७	५	७
२१	२०	३	२७	९	१४	२	२१
४८	४८	१५	४०	३४	२४	४५	२४
४३	३२	३६	३७	३४	७	५६	३७
६०	३५	९५	६	६९	७	३	६१
५६	५०	१९	११	५	२०	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७११सं.२०१५
१	श	२४	१३	मू	४८	२५	शू	७	३८	व	२४	१३	२५/४२	५६	५/८	२१	२६	१२	धनुषि	चित्रा. भौमः ४१।५६ चंद्रदर्शनम्
२	र	२३	१६	पू	४८	४३	गं	४	१५	कौ	२३	१६	४१	५२	८	२२	१	१३	धनुषि	रविलावल ३
३	चं	२१	३१	उ	४८	१६	वृ	०/११	५४/५७	ग	२१	३१	४०	५२	८	२३	२	१४	म.३।३६	भ. ५०।१० उ. पूषा. बुधः ४८।२१
४	मं	१८	४६	श्र	४६	४६	व्या	४६	३८	वि	१८	४६	३९	५२	८	२४	३	१५	मकरे	भ. १८।४६ या.
५	बु	१५	१६	ध	४४	५६	ह	४३	५१	बा	१५	१६	३९	५२	८	२५	४	१६	कुं.१५।५२	मूलेधनुष्यर्कः १७/५४(सौरः ३९/३३) उदयं शनेः ४९/६३
६	गु	११	२६	श	४२	२२	व	३७	३२	तै	११	२६	३८	५२	८	२६	५	१७	कुंभे	विशा. शुक्रः ४।१५ चंपा ६
७	शु	७	११	पू	३६	३०	सि	३०	४८	व	७	११	३८	५२	८	२७	६	१८	मी. २५/१३	भ. ७।११ उ. ३४।४८ या.
८	श	२	२५	उ	३६	३१	व्य	२३	४०	ब	२	२५	३७	५३	७	२८	७	१९	मीने	
९	श	५४	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	र	५१	३६	रे	३२	३४	व	१६	११	तै	२४	३२	३७	५३	७	२९	८	२०	मे.३२।३४	
११	चं	४५	४८	अ	२८	२०	प	८	२१	व	१८	४४	३६	५३	७	३०	९	२१	मेषे	भ. १८/४४ उ. ४/... या.मोक्षदा ११व्र.गीताजयंती
१२	मं	३६	५१	भ	२४	३	शि	०/२३	५९/१०	ब	१२	५०	३६	५३	७	१	१०	२२	वृ.३८।१	भा. षौषारंभः
१३	बु	३३	५६	कृ	१६	५५	सा	४४	५०	कौ	६	५५	३६	५३	७	२	११	२३	वृषे	उषा बुधः ५६।५६ प्रदोषः
१४	गु	२८	४२	रो	१६	१४	शु	३७	३८	ग	१	२३	३६	५३	७	३	१२	२४	मि. ४४/४४	भ. ३८/४२ उ. ५६/३३ या. तुलायां भौमः १२/४१
१५	शु	२४	२४	मृ	१३	१४	शु	३१	११	ब	२४	२४	३७	५३	७	४	१३	२५	मिथुनें	वृश्चिके शुक्रः २५।४० दत्तजयंती

३६ पं.मा.शु.४मं.इ. १४/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	४	६	७	५	७
२८	२४	१४	२८	१७	१५	२	२८
५५	५०	०	१५	५२	१३	२३	३३
३७	४२	४	१८	८	१	४०	२०
६१	३५	९१	५	६९	७	३	६१
०	४०	५३	१	५५	१४	११	१९

गोचर ग्रहाः

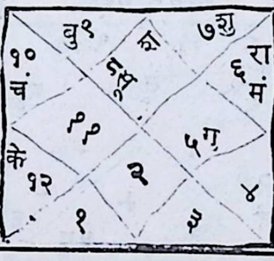

मार्गशीर्ष शुक्ले ५ बुधे धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा.३न३गताल कास्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याँ ।

गोचर ग्रहाः

३७पं.मा.शु.१२मं.इ. १४/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	४	६	७	५	८
६	२८	२४	२८	२६	१६	२	५
३	५०	१७	४२	१५	१	१	४२
१४	३१	१७	७	०	१६	२५	४५
६१	३५	८२	३	७०	७	३	६१
३	४२	९	४७	३४	२	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग कृष्णेति महा.
१	श	२१	२०	आ	११	२५	ब्र	२७	४०	कौ	२१	२०	२५/३७	६/५३	५/७	५	१४	२६	क.५६।३८	मकरे बुधः १६।२६
२	र	२०	१	पु	११	४०	ऐं	२१	२६	ग	२०	१	३७	५३	७	६	१५	२७	कर्के	भ. ५०।६ उ.
३	चं	२०	१२	पु	१३	२	वै	१८	४७	वि	२०	१२	३८	५२	८	७	१६	२८	कर्के	भ. २०।१२ या अनु. शुक्रः ५।१७ +
४	मं	२२	३२	श्ले	१५	५७	वि	१७	४१	बा	२२	३२	३८	५२	८	८	१७	२९	सिं. १५/५७	पूषा. रविः २२।५४ (सौरः ४१।१)
५	बु	२६	२१	म	२१	८	प्री	१७	२६	तै	२६	२१	३९	५२	८	९	१८	३०	सिंहे	[+ज्येष्ठा. १ शनिः ०।४५ चतुर्थी व्र.
६	गु	३१	४६	पू	२७	३१	आ	१८	३८	ब	३१	४६	४०	५२	८	१०	१९	३१	कं.४४।१९	भ. ३१।४६ उ.
७	शु	३७	५४	उ	३४	४१	सौ	२०	१४	वि	४	५०	४१	५२	८	११	२०	१	कन्यायां	भ. ५ ४/० या. जनवरी १ ता.३१सन्२०१६
८	श	४४	२२	ह	४२	२२	शो	२२	२६	बा	११	८	४२	५२	८	१२	२१	२	कन्यायां	
९	र	५०	४४	चि	४९	३५	अ	२४	३५	तै	१७	३२	४३	५१	९	१३	२२	३	तु.१५।५६	
१०	चं	५६	२०	स्वा	५६	२८	सु	२६	२६	व	२३	३२	४४	५१	९	१४	२३	४	तुलायां	भ. २३।३२ उ. ५६।२० या.
११	मं	६०	०	वि	६०	०	धृ	२७	३६	ब	२८	३२	४५	५१	९	१५	२४	५	वृ.४५।३५	वक्री बुधः ३/२६ स्वात्यां भौमः १४।५०÷
११	बु	०	४३	वि	१	५८	शू	२७	३०	बा	०	४३	४७	५१	९	१६	२५	६	वृश्चिके	सफला ११ व्र. वै.
१२	गु	३	३६	अ	६	२	गं	२६	१८	तै	३	३६	४८	५०	१०	१७	२६	७	वृश्चिके	प्रदोषः [÷ सफला ११ व्र. स्मा.
१३	शु	४	४७	ज्ये	८	२६	वृ	२३	४४	व	४	४७	५०	५०	१०	१८	२७	८	ध. २/६	भ. ४।४७ उ. ३४/३० या. ज्येष्ठा. शुक्रः =
१४	श	४	१३	मू	९	२५	ध्रु	१९	५४	श	४	१३	५२	५०	१०	१९	२८	९	धनुषि	[=४।३७ बुधास्तः पश्चिमायां ५३।५२
३०	र	२	११	पू	८	४१	व्या	१४	५३	ना	२	११	५३	४९	११	२०	२९	१०	म.२३।१३	वक्री गुरुः ५१।१७

३८पं.पौ.कृ.४मं.इ. १४/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	४	७	७	५	८
१३	२	२	२८	४	१६	१	१२
११	४५	५८	५९	४१	४८	३९	५२
१३	४७	८	५६	४६	२२	९	३७
६१	३४	६१	२	७१	६	३	६१
६	२१	९	२३	१०	५०	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला गुड शक्कर धातु तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले शीत अधिक पड़े।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ. ११मं.इ. १४/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	४	७	७	५	८
२०	६	६	२९	१३	१७	१	२०
१९	३९	५३	७	१३	३३	१६	२
२६	३६	१०	४८	१	२२	५३	३४
६१	३२	५	०	७१	६	३	६१
६	५७	१२	५७	३५	३२	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१७४१स.२०१६
१	र	५६	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं	५४	१७	उ	६	५१	ह	८	५९	बा	२६	३४	२५/५५	६/४९	५/११	२१	३०	११	मकरे	उषा. रविः ३७/३९ (सौरः ४३/२८) चंद्रदर्शनम्
३	मं	४९	४१	श्र	४	७	व	२/२०	५२/४७	तै	२१	५९	५७	४९	११	२२	१	१२	कुं.३२।२४	रविलाखर ४
४	बु	४४	२२	ध	०/४१	५६/३२	व्य	४७	३६	व	१७	१	५९	४८	१२	२३	२	१३	कुम्भे	भ. १७/१ उ. ४४/२२ या. वक्री धनुषि बुधः ५५/३१
५	गु	३९	२	पू	५३	३९	व	४०	१९	ब	११	४२	२/१	४८	१२	२४	३	१४	मी ३९।३१	यकरेऽर्कः ४४।३ (सौरः ५७।५५)
६	शु	३३	५०	उ	५०	३	प	३३	५	कौ	६	२७	४	४७	१३	२५	४	१५	मीने	वक्री पूषा. बुधः ४४।४३
७	श	२८	४५	रे	४६	३८	शि	२५	४४	ग	१	१७	६	४७	१३	२६	५	१६	मे.४६।३८	भ. २८।४५ उ. ५६।१५ या.
८	र	२३	४४	अ	४३	२५	सि	१८	३५	ब	२३	४४	८	४६	१४	२७	६	१७	मेषे	
९	चं	१८	५९	भ	४०	२१	सा	१२	३०	कौ	१८	५९	११	४६	१४	२८	७	१८	वृ.५४।४३	मूले धनुषि शुक्रः ५६।३
१०	मं	१४	३३	कृ	३७	४७	शु	४/४८	५३/३५	ग	१४	३३	१३	४५	१५	२९	८	१९	वृषे	भ. ४२।२६ उ.
११	बु	१०	२०	रो	३५	३७	ब्र	५२	२८	वि	१०	२०	१६	४५	१५	३०	९	२०	वृषे	भ. १९/२०या.बुधोदयःपूर्वस्यां ५९/०पुत्रदा ११व्र
१२	गु	६	४७	मृ	३४	७	ऐं	४७	४	बा	६	४७	१९	४४	१६	१	१०	२१	मि४।५२	अभि. प्र. रविः १८।३३ (सौरः २९/१६) ÷
१३	शु	३	५६	आ	३३	१७	वै	४२	२३	तै	३	५६	२१	४४	१६	२	११	२२	मिथुने	[÷ भा. माघारंभः प्रदोषः
१४	श	२	८	पु	३३	३७	वि	३८	३८	व	२	८	२४	४३	१७	३	१२	२३	क.१८।३२	भ. २।८ उ. ३१।५० या.
१५	र	१	३१	पु	३५	९	प्री	३५	५५	ब	१	३१	२७	४३	१७	४	१३	२४	कर्के	श्रवणे रविः ३३/१० [सौरः ४५/१२] मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पो.शु.३मं.इ.१४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	९	४	७	७	५	८
२७	१०	२	२९	२१	१८	०	२७
२७	२७	२३	६	४५	१६	५४	१२
२२	४७	६	११	०	२६	३८	२६
६१	३३	८४/४०	१०/४	७२	६	३	६१
६	७	व	व	०	२०	११	२४

गोंचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ५ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वार न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोंचर ग्रहाः

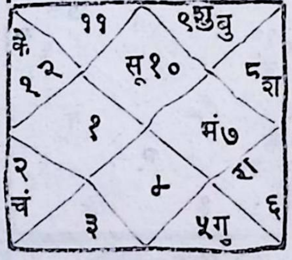

४१पं.पौ.शु.१०मं.इ.१४।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	४	८	७	५	९
४	१४	२३	२८	०	१८	०	४
३५	१०	५८	५६	२१	५६	३२	२१
१३	३७	३७	५३	४०	१३	२२	५५
६१	३२	६९/११	१/५३	७२	५	३	६१
३	११	व	व	१९	५२	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूं रविरुत्तरे पौषकृष्णेति महा.
१	चं	२	१०	श्ले	३८	२०	आ	३४	४०	कौ	२	१०	३६/२९	६/४२	५/१८	५	१४	२५	सिं३८।२०	अभि.नि.रविः २५।२५ [सौरः ३७/२९]
२	मं	४	३५	म	४२	५३	सौ	३३	४७	ग	४	३५	३२	४२	१८	६	१५	२६	सिंहे	भ. ३६।२० उ. मार्गी बुधः ३२।४४
३	बु	८	५	पू	४८	४४	शो	३४	३४	वि	-८	५	३५	४१	१९	७	१६	२७	सिंहे	भ. ८।५ या चतुर्थी व्रतम्
४	गु	१३	१९	उ	५५	२१	अ	३५	५२	बा	१३	१९	३८	४०	२०	८	१७	२८	कं.५।२३	
५	शु	१९	४	ह	६०	०	सु	३७	५२	तै	१९	४	४१	४०	२०	९	१८	२९	कन्यायां	पूषा. शुक्रः ४४।५ उफा. १ सिंहे राहुः×
६	श	२५	३१	ह	२	४९	धृ	४०	८	व	२५	३१	४५	३९	२१	१०	१९	३०	तु.३६।३६	भ. ३५/२१ उ. ५८/४६ या. विशा. भौमः ४१/३९
७	र	३२	१	चि	१०	२३	शू	४२	२३	ब	३२	१	४८	३८	२२	११	२०	३१	तुलायां	ज्येष्ठा. २ शनिः ७।२
८	चं	३८	२	स्वा	१७	४७	गं	४४	४	बा	५	१	५१	३८	२२	१२	२१	१	तुलायां	फरव्री २ ता. २९
९	मं	४२	५७	वि	२३	५८	वृ	४४	३५	तै	१०	२९	५४	३७	२३	१३	२२	२	वृ.७।२५	[×पूभा. ३ कुंभे केतुः २४।४८
१०	बु	४६	११	अ	२८	५४	ध्रु	४४	२०	व	१४	३४	५८	३६	२४	१४	२३	३	वृश्चिके	भ. १४।३४ उ. ४६।११ या.
११	गु	४७	४८	ज्ये	३२	१०	व्या	४२	२३	ब	१६	५९	२/१	३६	२४	१५	२४	४	ध.३२।१०	षट्तिला ११ व्र.
१२	शु	४७	२३	मू	३३	२८	ह	३९	२	कौ	१७	३५	५	३५	२५	१६	२५	५	धनुषि	उषा. बुधः २५।३१
१३	श	४५	६	पू	३२	५९	व	३४	४	ग	१६	१४	८	३४	२६	१७	२६	६	म.४७।२४	भ. ४५।६ उ. धनि. रविः ४१।२८ =
१४	र	४०	५८	उ	३०	४०	सि	२७	५१	वि	१३	२	१२	३४	२६	१८	२७	७	मकरे	भ. १३।२ या. [=(सौरः ५१।२) प्रदोषः
३०	चं	३५	३०	श्र	२७	१	व्य	२०	२३	च	८	१४	१५	३३	२७	१९	२८	८	कुं.५४।३८	मकरे बुधः २७।४९

४२पं.मा.कृ.२मं.इ.१४।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	४	८	७	५	९
११	१७	२०	२८	८	१९	०	११
४२	४६	४३	३६	५८	३५	१०	३०
४०	८	५५	४७	५	२८	७	४६
६०	३१	१/४७	३/१८	७२	५	३	६१
५९	१४	व	व	३८	२९	११	१३

ग्रोचर ग्रहाः

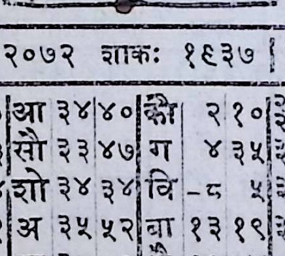

इस मास में बाजरा मूंग मोठ जुवार मक्का रस तेज हो चांदी रुई सोना वारदाना तिलहन घृत मंदे हों।

ग्रोचर ग्रहाः

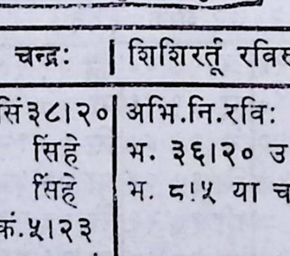

४३पं.मा.कृ.९मं.इ.१४/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	४	८	७	४	९
१८	२१	२३	२८	१७	२०	२९	१८
४९	१६	५३	८	३५	१०	४७	३८
१६	१६	१०	३१	२८	३४	५१	५२
६०	२९	३८	२५/४	७२	४	३	६१
५५	५९	३३	व	५६	५९	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१७७०स.२०१६
१	मं	२८	४९	ध	२२	१६	व	११	५६	किं	२	९	२७/१९	६/३२	५/२८	२०	२९	९	कुंभे	उभा.शुक्रः३५।४७
२	बु	२१	४६	श	१७	४	प	३/१३	५९/१	कौ	२१	४६	२३	३१	२९	२१	३०	१०	मी. ५८।२	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	१४	३६	पू	११	४२	सि	४५	२२	ग	१४	३६	२७	३१	२९	२२	१	११	मीने	भ.४१।७उ.जमादिलावल५
४	शु	७	३८	उ	६	२२	सा	३६	४६	वि	७	३८	३०	३०	३०	२३	२	१२	मीने	भ.७।३८या.मकरेशुक्रः१९।३९
५	श	१	३	रे	१/४९	५५/५८	शु	२८	५५	बा	१	३	३४	२९	३१	२४	३	१३	मे.१।४९	कुंभेऽर्कः१६।४४(सौरः५०।०)वसंत५
६	श	५४	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	र	४९	५६	भ	५४	२४	शु	२१	२४	ग	२२	२९	३८	२८	३२	२५	४	१४	मेषे	भ.४९।५६उ.भानु७रथ७
८	चं	४५	३९	कृ	५१	५९	ब्र	१४	४१	वि	१७	४८	४१	२८	३२	२६	५	१५	वृ.८।४७	भ.१७।४८या.भीष्माष्टमी
९	मं	४२	११	रो	५०	२२	ऐं	८	४२	बा	१३	५६	४५	२७	३३	२७	६	१६	वृषे	
१०	बु	४०	२	मृ	४९	५२	वै	३/१७	५५/३४	तै	११	७	४९	२६	३४	२८	७	१७	मि२०।७	श्रवणेबुधः४।३५वक्रीपूफा.४गुरुः४५।१६
११	गु	३८	१६	आ	५०	१०	प्री	५५	३	व	९	९	५३	२५	३५	२९	८	१८	मिथुने	भ.९।९उ.३८।१६या.जया११व्र.
१२	शु	३७	४७	पु	५१	३५	आ	५२	२४	ब	८	१	५६	२५	३५	३०	९	१९	क.३६।१४	शतेरविः५३।०
१३	श	३८	२४	पु	५३	५८	सौ	५०	१८	कौ	८	५	२८/००	२४	३६	१	१०	२०	कर्के	शतेरविःसौरः९/२श्रवणेशुक्रः२२/२९बृश्चिके–
१४	र	३९	५६	श्ले	५७	४०	शो	४९	२८	ग	९	१०	४	२३	३७	२	११	२१	सिं५७।४०	भ.३/५९उ.[–भौमः५५/०भा.फाल्गुन प्रदोषः
१५	चं	४२	४९	म	६०	०	अ	४९	१	वि	११	२२	८	२२	३८	३	१२	२२	सिंहे	भ.११।२२मा.स्ना.पूर्तिः

४४पं.मा.शु.१मं.इ. १४/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	४	८	७	४	९
२५	२४	०	२७	२६	२०	२९	२५
५५	४०	२७	३२	१३	४१	२५	४५
१	१९	४०	५३	५५	२८	३५	३९
६०	२८	५९	३८/५	७३	४	३	६०
४७	४४	४१	व.	१४	३१	११	५५

गोचर ग्रहाः

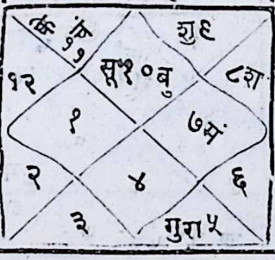

माघ शुक्ले ५ शनौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊभी मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

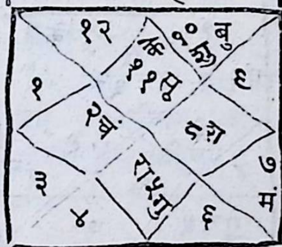

४५पं.मा.शु. ९मं.इ. १४/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	४	९	७	४	१०
२	२७	८	२६	४	२१	२९	२
५९	५४	५५	४९	५२	९	३	५१
४९	५४	३७	५२	५५	७	२०	४२
६०	२७	७७	६/३२	७३	३	३	६०
३७	७	२२	व.	२०	५५	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तू रंविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं	४६	५१	म	२	१७	सु	४९	४०	बा	१४	५०	२६/१२	६/२२	५/३८	४	१३	२३	सिंहे	
२	बु	५२	११	पू	८	१	धृ	५१	५८	तै	१९	३२	१६	२१	३९	५	१४	२४	कं.२४।३७	
३	गु	५७	५०	उ	१४	३८	शू	५२	४४	व	२५	१	२०	२०	४०	६	१५	२५	कन्यायां	भ.२५।१उ ५७।५०या.
४	शु	६०	०	ह	२१	५०	गं	५५	१	ब	३०	५९	२४	१९	४१	७	१६	२६	तु.५५।४०	धनि बुधः३३।४३चतुर्थीव्रतम्
४	श	४	९	चि	२९	३१	वृ	५७	२५	बा	४	९	२८	१८	४२	८	१७	२७	तुलायां	
५	र	१०	३८	स्वा	३७	१०	ध्रु	५९	५१	तै	१०	३८	३२	१८	४२	९	१८	२८	तुलायां	अनु.भौमः५३।४९
६	चं	१६	५३	वि	४४	१०	व्या	६०	०	व	१६	५३	३६	१७	४३	१०	१९	२९	वृ.२७।२५	भ.१६।५३उ.४९।३५या.
७	मं	२२	१७	अ	५०	२	व्या	१	१०	ब	२२	१७	४०	१६	४४	११	२०	१	वृश्चिके	कुंभेबुधः४६।१८मार्च३ता.३१
८	बु	२६	२७	ज्ये	५४	४०	ह	१	४१	कौ	२६	२७	४४	१५	४५	१२	२१	२	ध.५४।४०	धनि.शुक्रः१२।६
९	गु	२८	५५	मू	५७	२२	व	१/४	५७/५२	ग	२८	५५	४८	१४	४६	१३	२२	३	धनुषि	भ.५९।७उ.
१०	शु	२९	१९	पू	५८	२	व्य	५५	९	वि	२९	१९	५२	१४	४६	१४	२३	४	धनुषि	भ,२९।१९या.पूभा.रविः९।६ (सौरः ९/५)
११	श	२७	४२	उ	५६	४३	व	४९	४७	बा	२७	४२	५६	१३	४७	१५	२४	५	म.१२।४३	शते.बुधः५८।५४विजया११व्र.
१२	र	२४	५	श्र	५३	३३	प	४२	४६	तै	२४	५	२९/१	१२	४८	१६	२५	६	मकरे	प्रदोषः [=महाशिवरात्री व्र.स्मा.
१३	चं	१८	३८	ध	४८	४०	शि	३४	४९	ब	१८	३८	५	११	४९	१७	२६	७	कुं.२१।५	भ.१८।३८उ.४४।५९या.कुंभेशुक्रः३/३ ४/०=
१४	मं	११	२०	श	४२	३६	सि	२५	१०	श	११	२०	९	१०	५०	१८	२७	८	कुंभे	बुधास्तःपूर्वस्यां४७।४१महाशिवरात्रीव्र.३ै
३०	बु	३	२०	पू	३५	४६	सा	१५	७	ना	३	२०	१३	९	५१	१९	२८	९	मी२२।२९	ग्रस्तोदितंसूर्यग्रहणम्

४६पं. फा.कृ. १मं.इ. १४/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	९	९	७	४	१०
१०	०	१८	२६	१३	२१	२८	९
३	५८	३२	१	३१	३२	४१	५६
२२	८	२०	३०	१९	३८	४	१५
६०	२४	८६	७/२१	७३	३	३	६०
२५	५६	४९	व.	३२	२०	११	३१

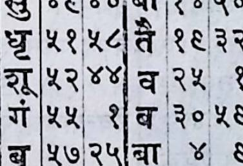

४७पं.फा.कृ.७मं.इ.१५।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	५	४	९	७	४	१०
१७	३	२९	२५	२२	२१	२८	१६
५	५०	९	८	१०	५१	१८	५९
३५	७५	७२	५६	५	३६	४९	९
६०	२२	९७	५/२	७३	२	३	६०
१२	४२	४०	व.	४४	३३	११	२०

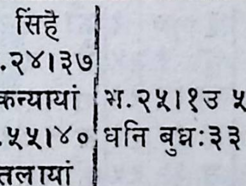

४८पं.फा.कृ.१४मं.इ. ३५/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	४	१०	७	४	१०
२४	६	१०	२४	०	२२	२७	२४
६	३०	४१	१४	५०	६	५६	०
२२	०	३८	५६	२८	०	३३	३२
५९	२०	७७/०	७/५२	७३	१	३	६०
५८	११	७	व	५०	४८	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततुर् रविरुत्तरेऽहर्गणः १८८०स.२०१६
१	बु	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	४५	२८	उ	२८	४६	शु	४/५२	४९/५१	बा	१६	२६	२९/१७	६/९	५/५९	२०	२९	१०	मीने	चंद्र दर्शनम् फुलरिया २
३	शु	३६	५७	रे	२२	४	ब्र	४४	५१	तै	११	१३	२१	८	५२	२१	१	११	मे२२।४	जमादिलाखर ६
४	श	२९	५	अ	१५	५८	ऐं	३५	४०	व	३	१	२६	७	५३	२२	२	१२	मेषे	भ.३।१उ.२९।५या.शते शुक्र:५७।५९
५	र	२२	१३	भ	१०	५०	वै	२७	५१	बा	२२	१३	३०	६	५४	२३	३	१३	वृ.२४/५८	पूमा.बुध:३५।३६
६	चं	१६	४४	कृ	७	१९	वि	२०	३८	तै	१६	४४	३४	५	५५	२४	४	१४	वृषे	मीनेऽर्क:९।५९(सौर:१५।३०)
७	मं	१२	३०	रो	४	४६	प्री	१४	४९	व	१२	३०	३८	४	५६	२५	५	१५	मि ३४/२०	भ.१२/३०उ:४१/१२या.वक्रीपूफा.३गुरु:२२।५८
८	बु	९	५३	मृ	३	५२	आ	१०	१३	ब	९	५३	४३	३	५७	२६	६	१६	मिथुने	होलाष्टकम्
९	गु	८	३८	आ	४	१७	सौ	६	३८	कौ	८	३८	४७	३	५७	२७	७	१७	क.५०।२९	उभा.रवि:३१।३(सौर:३६।६)
१०	शु	८	४५	पु	६	९	शो	४	१६	ग	८	४५	५१	२	५८	२८	८	१८	कर्के	भ.३९।३२उ.मीने बुध:५७।६
११	श	१०	१९	पु	९	१७	अ	२	५१	वि	१०	१९	५५	१	५९	२९	९	१९	कर्के	भ.१०।१९या.आमलकी ११व्र.
१२	र	१२	४४	श्ले	१३	३४	सु	२	३१	बा	१२	४४	३०/००	६/००	६/००	३०	१०	२०	सिं.५३/३४	उभा.बुध:३८।२७प्रदोष:
१३	चं	१६	३२	म	१८	४६	धृ	२	४७	तै	१६	३२	४	५/५९	१	१	११	२१	सिंहे	भा.चैत्रारंभ:
१४	मं	२१	२	पू	२४	४९	शू	२	३५	व	२१	२	८	५८	२	२	१२	२२	कं.४१।२९	भ.२१/२उ.५३/५१या.होलिकादहनं भद्रोत्तरम्
१५	बु	२६	३९	उ	३१	३१	गं	५	१७	ब	२६	३९	१२	५८	२	३	१३	२३	कन्यायां	पूभा.शुक्र:४६।१ छारेंडी

४९पं.फा.शु.७मं.इ. १५।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	४	१०	७	४	११
१	८	२३	२३	९	२२	२७	१
५	५२	८	२०	२९	१४	३४	०
३५	८	५६	५६	५३	५६	१७	१४
५९	१७	३७/८	५/२	७३	१	३	५९
४१	११	५	व.	५६	११	११	४९

गोचर ग्रहाः

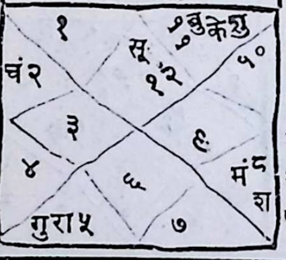

फाल्गुन शुक्ले ६ चंद्रे मीनेऽर्क.प्रविष्ट:वा.३ न.४युवावस्था(सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

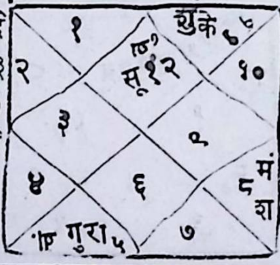

५०पं.फा.शु.१४मं.इ. १/५ ६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	४	१०	७	४	११
८	१०	६	२२	१८	२२	२७	७
३	५५	३२	२८	९	१९	१२	५८
१८	१	५६	४४	११	३०	२	८
५९	१३	[illegible]	२/३	७४	०	३	५९
२९	२	२५	व.	२	२५	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७२ शाकः १९३७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूर् रविरुत्तरेफाल्गुन कृष्णेति महा·
१	गु	३२	२३	ह	३८	४४	वृ	७	१	कौ	३२	२३	३०/१६	५५/५७	६/३	४	१४	२४	कन्यायां	वसंत १
२	शु	३८	४६	चि	४६	१४	ध्रु	९	२५	तै	५	३५	२१	५६	४	५	१५	२५	तु१२।२९	वक्री शनि:२९।३६
३	श	४५	७	स्वा	५३	४७	व्या	११	५१	व	११	५६	२५	५५	५	६	१६	२६	तुलायां	भ.११।५६उ.४५।७या.
४	र	५१	१३	वि	६०	०	ह	१४	११	ब	१८	१०	२९	५४	६	७	१७	२७	वृ.४४।२१	रेवत्यांबुध:२१।२०चतुर्थी व्रतम्
५	चं	५६	४०	वि	१	१२	व	१५	५५	कौ	२३	५४	३३	५३	७	८	१८	२८	वृश्चिके	
६	मं	६०	०	अ	७	३७	सि	१७	१७	ग	२८	५७	३७	५३	७	९	१९	२९	वृश्चिके	
६	बु	१	१४	ज्ये	१३	१८	व्य	१७	३१	व	१	१४	४१	५२	८	१०	२०	३०	ध.१३।१८	भ.९/१४उ.५/५ ३/३या.रेवत्यांरवि:५८।४२
७	गु	४	२९	मू	१७	२३	व	१६	४९	ब	४	२९	४५	५१	९	११	२१	३१	धनुषि	रेवत्यांरवि:सौर:३/३मीने शुक्र:५१।५१
८	शु	६	६	पू	१९	४०	प	१४	३१	कौ	६	६	४९	५०	१०	१२	२२	१	म.३४।४७	पूफा.४राहु:पूभा.२केतु:३/३ ०/८अप्रेल४ता. ÷
९	श	४	४२	उ	२०	११	शि	१०	४९	ग	४	४२	५३	४९	११	१३	२३	२	मकरे	भ.३/३ ३/३उ.अश्वि.मेषेबुध:४५।८
१०	र	२	२५	श्र	१८	४८	सि	५/३०	५२/३६	वि	२	२५	५७	४९	११	१४	२४	३	कुं.४७।२	भ.२/२५या.उभा.शुक्र:३/३ ०/४पापमोचनी ११ ×
११	र	५५	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[÷ ३०शीतला पूजनम् [× व्र. स्मा.
१२	चं	५३	१	ध	१५	१६	शु	५०	३६	कौ	२८	५	३/१	४८	१२	१५	२५	४	कुंभे	पापमोचनी ११व्र.वै.
१३	मं	४५	१	श	१०	३	शु	४०	३५	ग	१९	१	५	४७	१३	१६	२६	५	मी.५०/१३	भ.४५/१उ.बुधोदय:पश्चिमायां१/५ ३/१प्रदोप:
१४	बु	३६	५	पू	३/३५	५२/३५	ब्र	३०	१०	वि	१०	३३	१०	४६	१४	१७	२७	६	मीने	भ.१०।३३या.
३०	गु	२६	२६	रे	४८	२०	ऐं	१९	२९	च	१	१६	१४	४५	१५	१८	२८	७	मे.४८।२०	मन्वादि:

५१पं.चै.कृ. ६मं. इ. १/३ ६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	११	४	१०	७	४	११
१४	१२	२०	२१	२६	२२	२६	१४
५९	२६	४३	४०	४८	१८	४९	५४
१०	२५	१६	११	७	५०	४६	१९
५९	९	[illegible]	६/३७	७४	२/२	३	५९
१६	११	५२	व.	८	व	११	१८

गोचर ग्रहाः

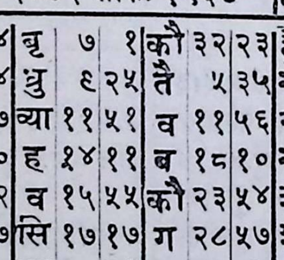

इस मास में बदि में धान्य जो गेहूं बाजरा चावल मूंग मोठ मंदे हो सुदि में धान्य धातु वस्त्र तेज होजावेंगे ।

गोचर ग्रहाः

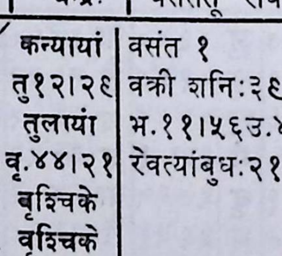

५२पं.चै.कृ.१३मं.इ.१/५ ६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	०	४	११	७	४	११
२१	१३	४	२०	५	२२	२६	२१
५३	५०	३०	५६	२६	१३	२७	४८
३१	३८	४२	३१	३५	४८	३१	३०
५९	४	[illegible]	५/४६	७४	१/५	३	५९
४	२३	५६	व.	१४	व.	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

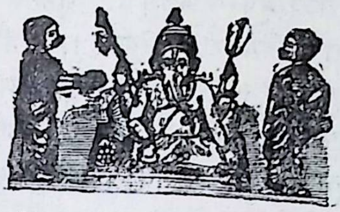

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११७, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११७, भोग्यकलिः ४२६८८३, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७३, शाकः १९३८, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री बुधः । सस्येशो शनिः। धान्येशो गुरुः । मेघेशो भौमः। रसेशो रविः। नीरसेशो भृगुः। फलेशो भौमः । धनेशः शुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां ४ साधारणनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।१०।३९।२२ भोग्यमासादिः ११।१९।२०।३८ चंद्रदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासःपर्वत । समयनिवासः कुंभकार गृहे। समय विश्वा ५ समयवाहनम् दुर्दुरः। स्तंभाः३ अन्नतृणवायूनां । सोमवत्यमाः१ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी१ भानुसप्तमी१ रविदशमी १समय मुहूर्ताः ४१५ समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा १३, धान्यम् १५, तृणम् ७, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम्११३, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे । ग्रहणाभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ अरजी करूं पद पूजूं में तोय ।
तेहत्तर की साल को भेद बतादे मोय ।।

भवानी उत्तर

तीना मास तिहोतरो संचय करो सब कोय ।
दूणा तिगुणा चोगुणा इसड़ा दमड़ा होय ।।
राजा मंत्री मित्र है भार्गव बुध संयोग ।
राज प्रजा मैत्री रहे दुनिया भोगे भोग ।।
श्रावण भादव मास में बुध गुरु भृगु संचार ।
आकाशां मघवा चढे वरषे मूसलधार ।।
पण रोहिणी पर्वतबसी भौम भये मेघेश ।
पकी पकाई साख में करसी विघ्न फलेश ।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धर ध्यान ।
"बंशीधर" भगवान का भजन करे कल्याण ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्ष लग्नम् ४।२९

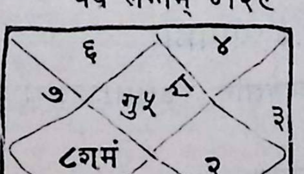

सं. २०७३ माघ शुक्ला १४ शुक्रवार को अर्द्धरात्रि पश्चात् रेल्वे घं. ६ मिं.१७ के समय चंद्र बिंब पर मालिन्यता आयेगी । यह ग्रहण स्वल्पग्रास होने से अनादेश्य है ।

वर्षेश लग्नम् ६।६

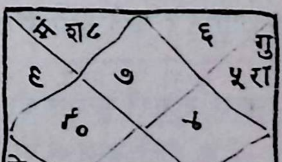

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।४।२१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुला स्वतीव्रवेगाः सरितोंबु राशिभिः । फलंतिबृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री बुधस्तत्फलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रिसमागते स्वपतिना कुरुते मदनक्रियाम् । बहुधनं बहुवारि समन्वितं यव मसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शनिः फलम् ।। रविसुते यदि धान्यपतौ जनो नृपतिभिः परिपीड़ित विग्रहः । गद भयं तुषधान्य हरं सदादुरित वादविवादयुता नराः ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ यान्ति यवगोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्रह्मवादिनः ।। मेघेशोभौमस्तत्फलम् ।। अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुतिविचार विहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरंजलमल्पकं क्वचिदपि प्रचुरं बहुतापदम् ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भोगरताल्प पयोधरा । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुखरसंचभुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। कर्पूरागरुगन्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्धवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेत् सुबहु पुण्य फलान्वित मेदिनी । गतभयानृतदेशजनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकलाभुवि मानवाः । समसुखाः क्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो गढ़नायकतांगतो विविध दुःख वियोग समन्वितः जनपदेषुजनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। साधारणनाम संवत्सरः फलम् साधारणाब्दे बृष्टचर्कं भयं साधारणं मतम् । मध्यसंपद्धराधीशाः प्रजाःस्युः स्वस्थचेतसः ।। वर्षनाम फाल्गुनः फलम् ।। सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नबृष्टिः स्यात् ।। रोहिणीनिवासः पर्वते फलम् ।। पर्वतेबिन्दु मात्रश्च ।। समयनिवासो कुंभकार गृहे फलम् ।। अनावृष्टिः प्रजापतौ । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १० शनौ मघा. ल. गो. ९ रे. ६ ।ऽ।।ऽ (अ घ. ३६या)।ऽऽ। धनुषिव्यये शनिः

,, १२ चन्द्रे उफा. ल. ६ (व्ययेशनिः) रे.६ ऽसू।।शुऽके।।ऽ। पादतो वेधाऽभावः

,, १३ भौमे उफा. ल. ऽन्यगो ६ (व्ययेशनिः) रे६ ऽसू।।ऽशुऽकेऽचौ।।।। पादतो वेधाऽभावः

,, १४ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो ६ (श.पू.सत्) रे. ८ ।।।।ऽचो४२याऽ।।

,, १५ शुक्ले स्वात्यां ल. ६ (श.पू.सत् रे. ७ ।।।ऽसू।(रो.घ.४४उ.)ऽऽ।।

वैशाख मासः ।

कृष्णा ७ शुक्रे उषा. ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽचंऽ।।ऽचौ।।।

मार्गशीर्ष मासः ।

कृष्णा ११ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो ७ रे. ६ ।।ऽबृ।।ऽ (रो.घ.५२या)ऽऽ।।

शुक्ला २ गुरौ मूले.ल.६।७रे.६ऽ।ऽबु।।ऽ चौ४७या)ऽ।।

,, ६ गुरौ उभा.ल.गो.रे.९।।।।ऽ नृप.४१या)।।।

,, १० शुक्रे रेव. ल. ६ (चंद्रपू.सत्) रे ६।ऽ।।। (चौरः३६उ ऽऽ।ऽ

,, १३ चन्द्रे रोहि. ल. ६ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ४ चन्द्रे उफा. ल. ७-६ रे. ७ ।।।ऽऽअ.।ऽ।। (धनुषि व्यये शनिः)

,, ५ भौमे उफा. ल. गो. रे.८ ।।।ऽ।ऽ।।भौमाष्टम महादोषः

,, ५ भौमे हस्ते ल. ७ (घ.४४।४१उ, श.पू.सत् रे८ऽ।।।।नृ५५उ.ऽ।।

,, १० रवौ अनु.ल.७-६(धन.श.पू.सत्) रे. ६ ।ऽ।।ऽरो.४६याऽऽ।।

शुक्ला ६ रवौ रोहि. ल. ८ रे.७ ।।।।ऽनृ३७या.।ऽऽ।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शनौ अनु. ल.१०(व्ययेशनिः,रे.७ऽ।।।ऽचौ।ऽ।।

,, १२ गुरौ उषा. ल. ८ रे ६ ।ऽ।।ऽअऽऽ।।

शुक्ला २ भौमे उषा. ल.८ रे.७ ऽऽ।।।।ऽ।।

,, ६ शनौ रोहि.ल.१०(व्ययेशनिः,रे७।।।।ऽअऽऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ चन्द्रे हस्ते ल. १० (व्यये शनिः) रे ६ ।ऽ।ऽबु.ऽऽअ।।।। बुधस्य पादतो वेधाऽभावः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततुंरविरुत्तरेऽह्र्गणः१८२९सन्२०१६
१	शु	१६	२७	अ	४०	३८	वै	८/३०	४९/२३	घ	१६	२७	३/१ ५/८	४ ५/४	१ ६/६	१९	२९	८	मेषे	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभःनवरात्रारंभः =
२	श	६	४७	भ	३३	३२	प्री	४७	४६	कौ	६	४७	२२	४४	१६	२०	१	९	वृ.४७।१	रज्जव ७मत्स्य जयंती गणगौरी
३	श	५०	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= सिंधारा
४	र	५०	४१	कृ	२७	२९	आ	३८	५३	व	२३	५३	२६	४३	१७	२१	२	१०	वृषे	भ.५ ३/३उ.४ ५/१या.भरण्यांबुधः४/६ ५/५वक्रीपूफा.÷
५	चं	४४	३९	रो	२३	१०	सौ	३१	३१	ब	१७	४१	३०	४२	१८	२२	३	११	मि५१।४६	वक्री भौमः२७।३
६	मं	४०	३३	मृ	२०	२८	शो	२५	३५	कौ	१२	३६	३४	४१	१९	२३	४	१२	मिथुने	[÷ २ गुरुः५२।१२
७	बु	३८	१५	आ	१९	४६	अ	२१	५६	ग	९	२४	३८	४०	२०	२४	५	१३	मिथुने	भ.३/१ ९/५उ.अश्वि.मेषेऽर्कः३/३ २/९ (सौरः३८।७)
८	गु	३८	१	पु	२०	५३	सु	१७	४९	वि	८	८	४२	४०	२०	२५	६	१४	क.५।३६	भ.८।८या.रेवत्यां शुक्रः२२।२६
९	शु	३९	२२	पु	२३	४७	धृ	१६	१७	बा	८	४१	४६	३९	२१	२६	७	१५	कर्के	रामनवमी
१०	श	४२	१२	श्ले	२८	०	शू	१५	५२	तै	१०	४७	५०	३८	२२	२७	८	१६	सिं. २८/०	
११	र	४६	२७	म	३३	२८	गं	१६	३६	व	१४	१९	५३	३७	२३	२८	९	१७	सिंहे	भ.१४।१९उ.४६।२७यां.कामदा११व्र.
१२	चं	५१	२८	पू	३९	४९	वृ	१७	४६	ब	१८	५८	५७	३७	२३	२९	१०	१८	क५६।३७	
१३	मं	५७	३४	उ	४७	२	ध्रु	१९	५०	कौ	२४	३१	३ २/१	३६	२४	३०	११	१९	कन्यायां	प्रदोषः
१४	बु	६०	०	ह	५४	१७	व्या	२१	५२	ग	३०	३२	५	३५	२५	३१	१२	२०	कन्यायां	कृत्ति.बुधः४५।३९
१४	गु	३	३१	चि	६०	०	ह	२४	११	व	३	३१	९	३४	२६	१	१३	२१	तु२८।१	भ.३।३१उ.३६।३७या.भा.वैशाखारंभः
१५	शु	९	४२	चि	१	४५	व	२६	२७	ब	९	४२	१२	३४	२६	२	१४	२२	तुलायां	हनुमज्जयंती

१पं चै.शु.७बु.इ ३/३ २/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	११	७	४	११
०	१४	१८	२०	१५	२२	२६	२९
०	४०	४९	११	३८	२	१	५४
०	३७	३०	३८	२०	१७	२२	४३
५८	५ १/२	८८	२ ४/१	७४	४ १/१	३	५८
४४	व.	१०	व.	२०	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

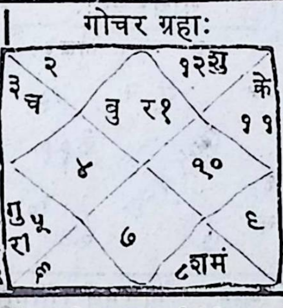

चैत्र शुक्ला ७ बुधे मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा ३ न. ४ प्रगलभावस्था (बैठी)मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२पं.चै.शु.१४बु.इ. ३२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	११	७	४	०
६	१४	२६	१९	२४	२१	२५	६
५०	३३	२९	४३	१६	४८	३९	४४
४२	३८	५३	५५	१९	४७	७	५४
५८	४ ६/१	४७	१ ३/७	७४	१ २/६	३	५८
३१	व.	३२	व.	२६	व.	११	२९

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श	१५	४७	स्वा	९	१३	सि	२८	४७	कौ	१५	४७	३/१ २/६	३ ५/३	२ ६/७	३	१५	२३	वृ.५६।३२	
२	र	२१	४०	वि	१६	१९	व्य	३०	३३	ग	२१	४०	२०	३२	२८	४	१६	२४	वृश्चिके	भ.५४।७उ.
३	चं	२६	३५	अ	२२	४६	ब	३१	५३	वि	२६	३५	२३	३१	२९	५	१७	२५	वृश्चिके	भ.३/३ ६/५या.अश्वि.मेषेशुक्रः१/४ २/६चतुर्थी व्र.
४	मं	३०	४९	ज्ये	२८	२९	प	३२	२६	बा	३०	४९	२७	३१	२९	६	१८	२६	ध.२८।२९	
५	बु	३४	७	मू	३३	०	शि	३२	२६	कौ	२	२८	३१	३०	३०	७	१९	२७	धनुषि	भरण्यांरविः१/५ २/६ (सौरः १/३ ९/२)वक्रीबुधः३/१ २/१
६	गु	३६	१३	पू	३६	२९	सि	३१	११	ग	५	१०	३४	२९	३१	८	२०	२८	म.५१।५८	भ.३६।१३उ.
७	शु	३६	४४	उ	३८	२३	सा	२८	४६	वि	६	२९	३८	२८	३२	९	२१	२९	मकरे	भ.६।२९या.
८	श	३५	४४	श्र	३८	४३	शु	२५	५३	बा	६	१४	४१	२८	३२	१०	२२	३०	मकरे	बुधास्तःपूर्वस्यां२०।२६
९	र	३३	१	ध	३६	४८	शु	२०	०	तै	४	२३	४५	२७	३३	११	२३	१	कुं७।४६	मई ५ ता.३१
१०	चं	२८	१६	श	३४	१४	ब्र	१३	२३	व	०	४१	४८	२६	३४	१२	२४	२	कुंभे	भ.०।४१उ.२८।१६या.
११	मं	२२	९	पू	२९	२८	ऐं	३/४०	५०/५६	बा	२२	९	५२	२६	३४	१३	२५	३	मी१५।४०	शुक्रास्तःपूर्वस्यां९।०वरुथिनी११व्र.
१२	बु	१३	३२	उ	२३	२०	वि	४६	४४	तै	१३	३२	५५	२५	३५	१४	२६	४	मीने	प्रदोषः
१३	गु	५	४१	रे	१६	२३	प्री	३६	२	व	५	४१	५८	२४	३६	१५	२७	५	मे.१६।२३	भ.५।४१उ.३०।५०या.
१४	गु	५०	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	शु	४६	७	अ	८	४३	आ	२५	२१	च	२१	२	३ ३/३	२४	३६	१६	२८	६	मेषे	भरण्यांशुक्रः०।१९मार्गीगुरुः४३।५८

३पं. वै.कृ.५बु.इः ३/१ ३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	०	७	४	०
१३	१४	२९	१९	२	२१	२५	१३
३९	१३	३२	२३	५४	२८	१६	३३
४७	३०	३५	३५	१४	१	५१	१९
५८	११/२९	०/७	९/५६	७४	३/८	३	५८
१९	व.	व.	व.	२९	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

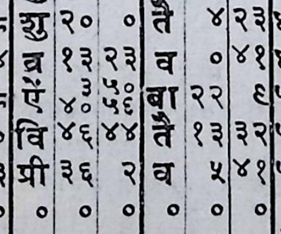

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य धातु रस तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

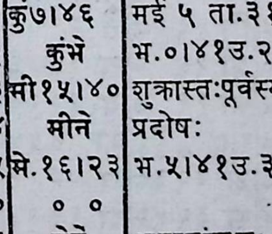

४पं.वै.कृ. १२ बु.इ. ३/२ ३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	०	७	४	०
२०	१३	२८	१९	११	२१	२४	२०
२७	४	३	१२	३२	६	५४	२०
२५	८	१८	५०	१३	१८	३६	४
५८	१६/४६	२९/२	०/२३	७४	३/४६	३	५७
६	व.	व.	व.	२६	व.	११	२७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१८५८स.२०१६
१	श	३६	२४	भ	१/१	५२/४४	सौ	१४	३१	किं	११	१५	३ ३/५	५/३	६/३ ७	१७	२९	७	वृ.१४।११	वक्रीभरण्यांबुध:२५।३९
२	र	२७	३२	रो	४७	३१	शो	४/२६	५०/५६	बा	१	५८	८	२२	३८	१८	३०	८	वृषे	चंद्रदर्शनम् परशुराम जयंती
३	चं	१९	५९	मृ	४२	५७	सु	४७	२७	ग	१९	५९	११	२२	३८	१९	१	९	मि१५।१४	भ.४७।६उ.सावान८अक्षया३
४	मं	१४	१२	आ	३९	५८	धृ	४१	१०	वि	१४	१२	१४	२१	३९	२०	२	१०	मिथुने	भ.१४।१२या.कृत्ति:रवि:५८।५२
५	बु	१०	१४	पु	३९	४	शू	३६	५०	बा	१०	१४	१७	२१	३९	२१	३	११	क.२४।१७	कृत्ति:रवि:सौर:७।२४
६	गु	८	३६	पु	४०	२६	गं	३३	५३	तै	८	३६	२०	२०	४०	२२	४	१२	कर्के	
७	शु	८	५९	श्ले	४३	४१	वृ	३२	२८	व	८	५९	२३	१९	४१	२३	५	१३	सिं४३।४१	भ.८।५९उ.४०।६या.
८	श	११	१२	म	४८	५१	ध्रु	३२	५०	ब	११	१२	२६	१९	४१	२४	६	१४	सिंहे	वृषेऽर्क:२६।७(सौर:३५।११)
९	र	१५	१४	पू	५५	४	व्या	३३	४४	कौ	१५	१४	२८	१८	४२	२५	७	१५	सिंहे	
१०	चं	२०	२०	उ	६०	०	ह	३५	४७	ग	२०	२०	३१	१८	४२	२६	८	१६	कं.११।५३	भ.५३।२४उ.कृत्ति.शुक्र:५२।२०
११	मं	२६	२९	उ	२	२१	व	३८	१३	वि	२६	२९	३४	१७	४३	२७	९	१७	कन्यायां	भ.२६।२९या.मोहिनी११व्र.
१२	बु	३२	३४	ह	९	४६	सि	४०	४१	बा	३२	३४	३७	१७	४३	२८	१०	१८	तु.४३।५	बुधोदय:पश्चिमायां४०।४३
१३	गु	३८	४९	चि	१७	२४	व्य	४३	१	कौ	५	४१	३९	१६	४४	२९	११	१९	तुलायां	वृषेशुक्र:३३।२१प्रदोष:
१४	शु	४४	३२	स्वा	२४	३७	व	४५	५	ग	११	४०	४२	१६	४४	३०	१२	२०	तुलायां	भ.४४।३२उ.नृसिंहजयंती [–कुंभदानम्
१५	श	४९	५८	वि	३१	२९	प	४६	४८	वि	१७	१५	४४	१५	४५	३१	१३	२१	वृ.१४।४६	भ.१७/१५या.वक्रीज्येष्ठा.१शनि:२२/९ यमाय–

५पं, वै.शु.५बु.इ.३३।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	७	०	४	०	७	४	०
२७	११	२४	१९	२०	२०	२४	२७
१३	१९	१३	१०	८	४०	३२	५
३७	५	४८	५९	४६	१९	२०	१८
५७	२०/१४	३४/३७	०/५१	७४	४/३	३	५७
४४	व.	व	मा	३२	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

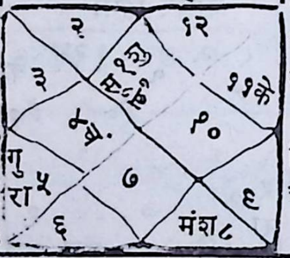

वैशाख शुक्ले ८ शनौ वृषेऽर्कः प्रविटः वा.४ न. ४ कुमारावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावें समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

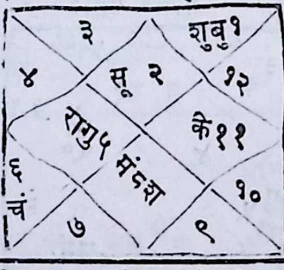

६पं.वै.श.१२बु.इ. ३३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	०	४	०	७	४	१
२	९	२१	१९	२८	२०	२४	३
५८	६	७	१८	४६	१२	१०	४९
३७	४३	४८	१४	१	४	४	१
५७	२१/२६	२३/२६	२	७४	४/१८	३	५७
४४	व.	व	३	३२	व	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	र	५४	२१	अ	३७	५७	शि	४७	४६	बा	२२	९	३३/४७	५/१५	६/४५	१	१४	२२	वृश्चिके	भा.ज्येष्ठारंभः
२	च	५७	५३	ज्ये	४२	४५	सि	४८	५	तै	२६	७	४९	१५	४६	२	१५	२३	ध.४२।४५	
३	मं	६०	०	मू	४७	४	सा	४७	४६	व	२९	८	५२	१४	४६	३	१६	२४	धनुषि	भ.२९।८उ.रोहि.रवि:४/४ १/१मार्गीबुध:३ २/२
३	बु	०	२५	पू	५०	२१	शु	४६	३१	वि	०	२५	५४	१३	४७	४	१७	२५	धनुषि	भ.०।२५या.रोहि.रवि:सौर:१।१९चतु.व्र.
४	गु	१	५०	उ	५२	३४	शु	४४	२१	बा	१	५०	५६	१३	४७	५	१८	२६	म.५।५४	
५	शु	२	१७	श्र	५३	३४	ब्र	४१	२०	तै	२	१७	५८	१२	४८	६	१९	२७	मकरे	रोहि.शुक्र:४०।५९
६	श	१	२५	ध	५३	२२	ऐं	३७	२०	व	१	२५	३४/००	१२	४८	७	२०	२८	कुं.२३।२८	भ.१।२५उ.३०।३०या.
७	श	५८	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	र	५६	१२	श	५१	५०	वै	३२	१५	बा	२७	५३	२	१२	४८	८	२१	२९	कुम्भे	
९	चं	५१	४१	पू	४९	१३	वि	२६	२८	तै	२३	५६	३	११	४९	९	२२	३०	मी३४।५२	
१०	मं	४५	५०	उ	४५	२०	प्री	१९	२	व	१८	४६	५	११	४९	१०	२३	३१	मीने	भ.१८।४६उ.४५।५०या.
११	बु	३८	५६	रे	४०	१२	आ	११	७	ब	१२	२३	७	११	४९	११	२४	१	मे.४०।१२	पूफा.३गुरु:५१/३जून६ता.३०अपरा११व्र.
१२	गु	३०	५३	अ	३४	८	सौ	२/७	५०/३१	कौ	४	५५	९	१०	५०	१२	२५	२	मेषे	प्रदोष: [=राहु:पूभा.१केतु-१८।३४
१३	शु	२२	१८	भ	२७	३७	अ	४२	३८	व	२२	१८	१०	१०	५०	१३	२६	३	वृ.४०।५३	भ.२२।१८उ.४७।४६या.पूफा.३=
१४	श	१३	१४	कृ	२०	४४	सु	३२	५२	श	१३	१४	१२	१०	५०	१४	२७	४	वृषे	वक्री.विशा.भौम:४५।४४
३०	र	४	३६	रो	१४	२२	धृ	२३	१९	ना	४	३६	१३	९	५१	१५	२८	५	मि४१।३६	कृत्ति.बुध:१५।५८वटपूजनम्

७पं. ज्ये.कृ.३बु.इ. ३३।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	०	४	१	७	४	१
१०	६	२०	१९	७	१९	२३	१०
४२	४३	४५	३३	२२	४१	४७	३१
२९	५	७	४३	८	५६	४९	१२
५७	२०/४६	३/४९	३	७४	४/३४	३	५७
३५	व	मा	२७	३२	व.	११	२३

गोचर ग्रहाः

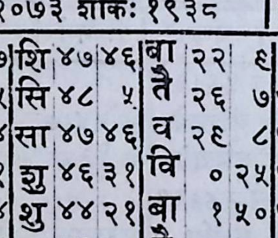

इस मास में धान्य गल्ला रस वस्त्र रुई रंग में वदि में मन्दी होकर सुदि में तेजी हो कहीं २ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

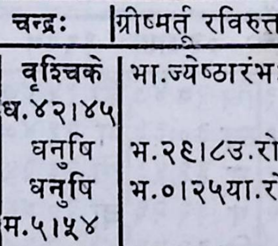

८पं.ज्ये.कृ.११बु.इ.३३।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	०	४	१	७	४	१
१७	४	२३	१९	१५	१९	२३	१७
२५	१३	४८	५७	५८	११	२५	१२
१९	४८	५०	२५	४१	३१	३३	१८
५७	१६/५०	३४	४	७४	४/४०	३	५७
२७	व.	५	३५	३८	व.	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण१८८८स.२०१६
१	र	५१	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं	४९	५२	मृ	८	५१	शू	१४	४६	बा	२३	१३	३४/१५	५/९	६/५१	१६	२९	६	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	मं	४४	५३	आ	४	४१	गं	७	१८	तै	१७	२२	१६	९	५१	१७	१	७	क.४७।४६	मृगेरविः४४।३४मृगेशुक्रः३४रमजान९
४	बु	४१	४७	पु	२	७	बृ	१/३	५५/४२	व	१३	२०	१७	९	५१	१८	२	८	कर्के	भ.१३।२०उ.४१।४७या.मृगेरविः×
५	गु	४०	५०	पु	१	४६	व्या	५४	१६	ब	११	१९	१८	८	५२	१९	३	९	कर्के	[×सौरः०।९बृषेबुधः२१।६
६	शु	४१	५३	श्ले	३	२५	ह	५३	२९	कौ	११	२१	१९	८	५२	२०	४	१०	सि३।२५	
७	श	४५	८	म	७	४	व	५३	२९	ग	१३	३०	१९	८	५२	२१	५	११	सिहे	भ.४५।८उ.
८	र	४९	४१	पू	१२	२५	सि	५५	५	वि	१७	२४	२०	८	५२	२२	६	१२	कं.२९।५	भ.१७।२४या.
९	चं	५५	३५	उ	१९	७	व्य	५७	१५	बा	२२	३८	२१	८	५२	२३	७	१३	कन्यायां	मिथुनेशुक्रः०।३५
१०	मं	६०	०	ह	२६	३६	व	५९	३५	तै	२८	३८	२१	८	५२	२४	८	१४	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः४३।८गंगादशमी
१०	बु	१	४२	चि	३४	१७	प	६०	०	ग	१	४२	२२	८	५२	२५	९	१५	तु.०।२६	भ.३४।४९उ.मिथुनेऽर्कःसौरः०।५७+
११	गु	७	५६	स्वा	४१	३६	प	२	०	वि	७	५६	२२	८	५२	२६	१०	१६	तुलायां	भ ७।५६या.निर्जला११व्र.
१२	शु	१२	३९	वि	४८	२९	शि	४	२०	बा	१३	३९	२३	७	५३	२७	११	१७	वृ.३१।४६	प्रदोषः [+रोहि.बुवः५२।३८
१३	श	१८	४७	अ	५४	२२	सि	६	२	तै	१८	४७	२३	७	५३	२८	१२	१८	वृश्चिके	आर्द्राशुक्रः२२।९वक्रीतुलायांभौमः७।२५
१४	र	२२	४१	ज्ये	५९	२	सा	६	५२	व	२२	४१	२३	७	५३	२९	१३	१९	ध.५९।२	भ.२२।४१उ.५४।१या.
१५	चं	२५	२१	मू	६०	०	शु	६	४०	ब	२५	२१	२४	७	५३	३०	१४	२०	धनुषि	गुर्जराणां वट सावित्री व्रतम्

९पं.ज्ये.शु.४बु.इ.३३।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	७	१	४	१	७	४	१
२४	२	०	२०	२४	१८	२३	२३
७	१४	१३	२९	३४	३९	३	५२
१९	५३	५५	५६	३४	५४	१८	१४
५७	१२/३८	६४	५	७४	४/४०	३	५७
२२	व.	४९	४३	३८	व	११	५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले १०भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढ़ावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

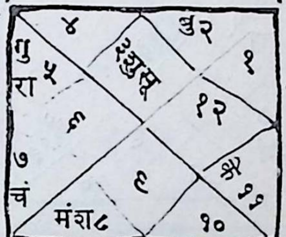

१०पं.ज्ये.शु.१०बु.इ.३/५ ३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	१	४	२	७	४	२
०	०	९	२१	३	१८	२२	०
४८	३९	३१	९	१०	९	४१	३१
३६	५८	३०	२५	४८	४३	२	२३
५७	७/५०	९१	६	७४	४/२८	३	५६
१७	व.	३५	३९	३८	व	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	मं	२६	५१	मू	२	४६	शु	५	४४	कौ	२६	५१	३४/२४	५/७	६/५३	३१	१५	२१	धनुषि	आर्द्रारविः४२।३
२	बु	२७	११	पू	५	१६	ब्र	३	५६	ग	२७	११	२४	७	५३	१	१६	२२	म.२०।३६	भ.५६/५०उ.आर्द्रारविःसौरः३/३०भा.=
३	गु	२६	२९	उ	६	३८	ऐं	१/२	५६/४१	वि	२६	२९	२४	७	५३	२	१७	२३	मकरे	भ.२६।२९या.मृगेबुधः४१।२४चतुर्थीव्र.
४	शु	२४	४४	अ	७	०	वि	५३	३२	बा	२४	४४	२४	७	५३	३	१८	२४	कुं.३६।५१	[=आषाढारंभः
५	श	२२	२१	ध	६	४३	प्री	४८	३५	तै	२२	२१	२३	७	५३	४	१९	२५	कुंभे	मार्गीभौमः१५।४६
६	र	१८	५७	श	५	२३	आ	४२	५५	व	१८	५७	२३	७	५३	५	२०	२६	मी४८।५९	भ.१८।५७उ.४७।०या.बुधास्तः÷
७	चं	१५	३	पू	३/१	५६/२५	सौ	३६	५६	ब	१५	३	२२	८	५२	६	२१	२७	मीने	मिथुनेबुवः९।९ [÷पूर्वस्यां४।४०
८	मं	१०	२२	रे	५६	३२	शो	३०	३९	कौ	१०	२२	२२	८	५२	७	२२	२८	मे.५६।३२	
९	बु	४	५८	अ	५२	३०	अ	२२	५७	ग	४	५८	२१	८	५२	८	२३	२९	मेषे	भ.३१।५४ट.५८।५०या.पुन.शुक्रः१५/१५
१०	बु	५३	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	गु	५२	५	भ	४८	५०	सु	१५	९	ब	२५	२८	२०	८	५२	९	२४	३०	मेषे	आर्द्राबुधः२१।१६योगिनी११व्र.स्मा.
१२	शु	४४	५६	कृ	४३	४७	धृ	६/५४	५१/४५	कौ	१८	३१	१९	८	५२	१०	२५	१	वृ. २।३४	जुलाई७ता.३१योगिनी११व्र.वै.
१३	श	३७	५०	रो	३८	३८	गं	५०	१५	ग	११	२३	१८	८	५२	११	२६	२	वृषे	भ.३७।५०उ. प्रदोषः
१४	र	३०	५३	मृ	३३	५४	बृ	४२	५	वि	४	२२	१७	९	५१	१२	२७	३	मि६।१६	भ.४।२२या.पूफा.४गुरुः४४।२२
३०	चं	२४	४५	आ	२९	५४	ध्रु	३४	४४	ना	२४	४५	१६	९	५१	१३	२८	४	मिथुने	

११पं.आ.कृ.२बु.इ.३३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	१	४	२	७	४	२
७	२९	२१	२१	११	१७	२२	७
२९	४१	१२	५५	४६	४०	१८	९
३१	१०	२५	२३	३४	४८	४६	५०
५७	२/०	[illegible]	७	७४	४/१०	३	५६
१३	व.	२०	४१	३२	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

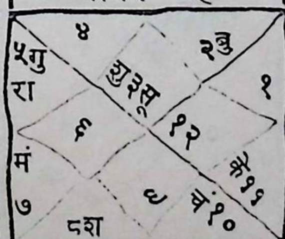

इस मास में गेहूं रुई अलसी सूत कपास में तेजी हो चांदी सोना तिलहन सण वारदाना मंदे हों वर्षा अच्छी हो ।

गोचर ग्रहाः

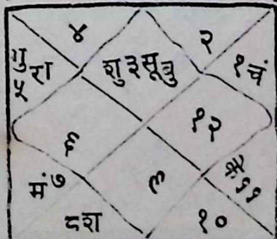

१२पं.आ.कृ.९बु.इ.३३।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	४	२	७	४	२
१४	२९	५	२२	२०	१७	२१	१३
९	२३	१	४८	२३	१३	५६	४७
५८	३८	१६	०	६	४८	३१	५५
५७	३/१३	[illegible]	८	७४	३/५२	३	५६
७	मा	५५	४१	३२	व.	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९१७स.२०१६
१	मं	१९	३५	पु	२६	५६	व्या	२८	१६	ब	१९	३५	३४/५५	५/९	६/५१	१४	२९	५	क.१२।४१	पुन.रवि:४०।५३ [–चंद्रदर्शनम्‌रथयात्रा
२	बु	१६	१५	पु	२५	३९	ह	२३	१६	कौ	१६	१५	१४	९	५१	१५	३०	६	कर्के	पुन.रवि:सौर:६।३२पुन.बुध:२९।५१–
३	गु	१४	३७	श्ले	२६	१३	व	१९	२७	ग	१४	३७	१३	९	५१	१६	१	७	सिं२६।१३	भ४४।४६उ.ककशुक:२२।२६सव्वाल१०
४	शु	१४	५५	म	२८	२८	सि	१७	१४	वि	१४	५५	११	१०	५०	१७	२	८	सिंहे	भ.१४।५५या.वृश्चिकेशुक्र:३२।५
५	श	१७	७	पू	३२	५२	व्य	१६	४२	बा	१७	७	१०	१०	५०	१८	३	९	कं.४९।१९	वक्रीअनु.४शनि:८।१२
६	र	२१	२	उ	३८	४१	व	१७	४	तै	२१	२	८	१०	५०	१९	४	१०	कन्यायां	पुष्येशुक्र:३/२ ७ शुक्रोदय:पश्चिमायां३/४ १/८
७	चं	२६	२३	ह	४५	२९	प	१९	१९	व	२६	२३	७	११	४९	२०	५	११	कंन्यायां	भ.२६।२३उ.५९।२४या.कर्केबुध:५।५८
८	मं	३२	२४	चि	५३	०	शि	२१	२	ब	३२	२४	५	११	४९	२१	६	१२	तु.१९।१४	पुष्येबुध:४३।२४
९	बु	३८	३१	स्वा	६०	०	सि	२३	३०	बा	५	२७	३	११	४९	२२	७	१३	तुलायां	
१०	गु	४४	२०	स्वा	०	२४	सा	२५	५१	तै	११	२५	१	१२	४८	२३	८	१४	वृ.५०।५२	
११	शु	४९	३५	वि	७	४१	शु	२७	४८	व	१६	५७	३३/५९	१२	४८	२४	९	१५	वृश्चिके	भ.१६।५७उ.४९।३५या. देवशयनी११व्र.
१२	श	५३	११	अ	१३	४८	शु	२८	५३	ब	२१	२३	५७	१३	४७	२५	१०	१६	वृश्चिके	कर्केऽर्क:१०।१९(सौर:३९।१६)
१३	र	५५	४१	ज्ये	१८	३४	ब्र	२८	५१	कौ	२४	२६	५५	१३	४७	२६	११	१७	ध.१८।३४	प्रदोष:[=बुध:२९।१व्यासपूजावायुपरीक्षा
१४	चं	५६	२०	मू	२२	१	ऐं	२७	३६	ग	२६	१	५२	१४	४६	२७	१२	१८	धनुषि	भ.५६।२०उ.बुधोदय:पश्चिमायां५६।२८
१५	मं	५५	४०	पू	२३	५८	वै	२५	५	वि	२५	५९	५०	१४	४६	२८	१३	१९	म.३९।५	भ.२५।५९या.पुष्येरवि:३९।३७ आश्ले =

१३पं.आ.शु.२बु.इ. ३३/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	४	२	७	४	२
२०	२९	२०	२३	२८	१६	२१	२०
५०	४४	८	४६	५९	४८	३४	२५
२४	४६	२०	४८	३१	५८	१५	४९
५७	८	१०/४०	९	७४	३/२१	३	५६
७	१९		२९	३२	व	११	५०

गोचर ग्रहाः

आषाढशुक्ले १२शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.५ न.४बालावस्था बैठी मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

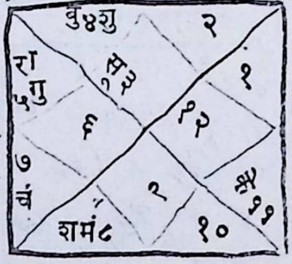

१४पं.आ.शु.९ बु.इ. ३३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	७	३	४	३	७	४	२
२७	०	५	२४	७	१६	२१	२७
३०	४३	३	५०	३५	२८	१२	२
४३	५५	४	१३	१०	५	०	५६
५७	१२	३/४०	१०	७४	२/५०	३	५६
११	२३		१२	२६	व	११	५४

त.	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	बु	५३	३५	उ	२४	२७	वि	२१	३८	बा	२४	३७	३३/४८	५/१४	६/४६	२९	१४	२०	मकरे	पुष्येरवि:सौर:९।५७आश्ले.शुक्र:५६।९
२	गु	५०	३४	श्र	२३	३८	प्री	१७	१०	तै	२२	४	४५	१५	४५	३०	१५	२१	कुं.५२।५३	
३	शु	४६	३७	ध	२२	१०	आं	११	५०	व	१८	३५	४३	१५	४५	३१	१६	२२	कुंभे	भ.१८।३५उ.४६।३७या.
४	श	४१	५२	श	१९	४०	सौ	६/१	५३/३८	ब	१४	१४	४०	१६	४४	१	१७	२३	कुम्भे	भा.श्रावणारंभः चतुर्थी व्रतम्
५	र	३७	७	पू	१६	५५	अ	५३	८	कौ	९	२९	३८	१६	४४	२	१८	२४	मी२।३६	अनु.भौम:३६।२३उफा.१गुरु:४/२ ७/३नाग५
६	चं	३२	५	उ	१३	५२	सु	४६	१९	ग	४	३६	३५	१७	४३	३	१९	२५	मीने	भ.३२।५उ.५९।३२या.
७	मं	२६	५८	रे	१०	४१	धृ	३९	४२	ब	२६	५८	३३	१७	४३	४	२०	२६	मे.१०।४१	
८	बु	२१	४४	अ	७	२५	शू	३२	३४	कौ	२१	४४	३०	१८	४२	५	२१	२७	मेषे	मघा.सिंहेबुध:१३।५५
९	गु	१६	१४	भ	४	६	गं	२५	३२	ग	१६	१४	२७	१९	४१	६	२२	२८	वृ.१८।११	भ.४३।२७उ.
१०	शु	१०	४०	कृ	०/२६	५६/४३	वृ	१८	३३	वि	१०	४०	२४	१९	४१	७	२३	२९	वृषे	भ.१०।४०या.
११	श	५	१९	मृ	५३	५६	ध्रु	११	४१	बा	५	१९	२२	२०	४०	८	२४	३०	मि२५।३२	कामिका११व्र.
१२	र	०	१०	आ	५१	१७	व्या	४/५९	५३/४८	तै	०	१०	१९	२०	४०	९	२५	३१	मिथुने	भ.५५।४२उ.मघा.सिंहेशुक्र:४/३ ७/६प्रदोष:
१३	र	५५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	चं	५१	४४	पु	४९	१७	व	५३	२	वि	२३	४३	१६	२१	३९	१०	२६	१	क.३४।४७	भ.२३।४३या.अगस्त८ता.३१
३०	मं	४९	१६	पु	४८	२५	सि	४८	७	च	२०	२९	१३	२१	३९	११	२७	२	कर्के	आश्ले.रवि:३६।३८हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.१बु.इ. ३३/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	३	४	३	७	४	३
४	२	१८	२५	१६	१६	२०	३
११	१७	४२	५८	११	१०	४९	४२
२८	६	०	४४	५३	४१	४४	२३
५७	१६	३/४०	१०	७४	२/१६	३	५६
१५	४७		५५	२६	व.	११	५८

गोचर ग्रहाः

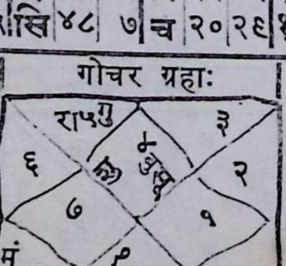

श्रावणशुक्ले १३ भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५प्रौढावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

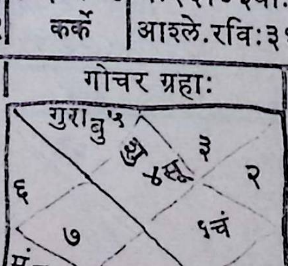

१६पं. श्रा.कृ.८बु.इ. ३३/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	४	३	७	४	३
१०	४	०	२७	२४	१५	२०	१०
५२	२१	२९	१२	४८	५७	२७	२१
३०	०	१७	४	२५	२२	२८	४०
५७	२०	९०	११	७४	३/८	३	५७
२०	४१	३३	२६	२०	व.	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१९४६ स.२०१६
१	बु	४७	४६	श्ले	४८	५२	व्य	४४	२८	किं	१८	३२	३३/१०	५/२२	६/३८	१२	२८	३	सिं४८।५२	आश्ले.रवि:सौर:१०।४४
२	गु	४८	५	म	५०	४८	व	४१	५५	बा	१७	५७	७	२३	३७	१३	२९	४	सिंहे	पूफा.बुध:४१।०चंद्र दर्शनम् सिंधारा
३	शु	५०	११	पू	५४	१८	प	४०	४६	तै	१९	८	४	२३	३७	१४	१	५	सिंहे	पूफा.२राहु:शत.४केतु:३/३ १/१जिल्काद ÷
४	श	५३	३९	उ	५६	१७	शि	४०	२२	व	२१	५५	०	२४	३६	१५	२	६	कं१०।३२	भ.२१।५५उ.५३।३९या.वरद ४
५	र	५८	४३	ह	६०	०	सि	४१	३१	ब	२६	११	३३/५७	२५	३५	१६	३	७	कन्यायां	नाग पंचमी [÷११तीज
६	चं	६०	०	ह	५	४१	सा	४३	२४	कौ	३१	३०	५४	२५	३५	१७	४	८	तु.३९।१२	
६	मं	४	१७	चि	१२	४३	शु	४५	४५	तै	४	१७	५०	२६	३४	१८	५	९	तुलायां	
७	बु	१०	२८	स्वा	२०	१९	शु	४८	२	व	१०	२८	४७	२७	३३	१९	६	१०	तुलायां	भ.१०।२८उ.४३।३४या.
८	गु	१६	४०	वि	२७	४४	ब्र	५०	२४	ब	१६	४०	४४	२७	३३	२०	७	११	वृ.१०।५३	पूफा.शुक्र:३७/२उफा.२कन्यायांगुरु: ३१।२६
९	शु	२२	१०	अ	३४	३३	ऐं	५१	५७	कौ	२२	१०	४०	२८	३२	२१	८	१२	वृश्चिके	मार्गी शनि:३३।३
१०	श	२६	१६	ज्ये	३९	५६	वै	५२	२९	ग	२६	१६	३७	२९	३१	२२	९	१३	ध.३९।५६	भ.५७।३७उ.
११	र	२८	५८	मू	४४	५	वि	५१	३८	वि	२८	५८	३३	२९	३१	२३	१०	१४	धनुषि	भ.२८।५८या.पवित्रा११व्र.
१२	चं	२९	४३	पू	४६	१४	प्री	४९	३५	बा	२९	४३	३०	३०	३०	२४	११	१५	धनुषि	उफा.बुध:२८।३ प्रदोष:
१३	मं	२८	४३	उ	४६	४१	आ	४६	०	तै	२८	४३	२६	३१	२९	२५	१२	१६	म.१।२१	मघा.सिंहेऽर्क:३०।४०
१४	बु	२५	५३	श्र	४५	२५	सौ	४०	५७	व	२५	५३	२२	३२	२८	२६	१३	१७	मकरे	भ.२५/५३उ.५३/४५या.मघा.सिंहेऽर्क:सौर:७।९
१५	गु	२१	३७	ध	४२	४०	शो	३४	४६	ब	२१	३७	१९	३२	२८	२७	१४	१८	कुं.१४।२	श्रावणी कर्म रक्षा बन्धनम्

१७पं.श्रा.शु.१बु.इ.३३।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	४	४	७	४	३
१७	६	११	२८	२	१५	२०	१७
३४	५०	४२	२८	२४	४८	५	१
१२	६	३६	३७	५४	११	१३	२८
५७	२३	८६	१२	७४	५३	३	५७
२५	४२	१३	३	१४	व.	११	१२

१८पं.श्रा.शु.७बु.इ. ३३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	७	४	४	४	७	४	३
१४	९	२०	२९	१२	१५	१९	२३
१६	४१	१९	४८	०	४३	४२	४२
३७	५६	१४	०	३२	४८	५७	३१
५७	२६	६८	१२	७४	१४	३	५७
३३	२०	३९	२०	८	व.	११	२२

१९पं.श्रा.शु.१४बु.इ.३२/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	५	४	७	४	४
०	१२	२८	१	२०	१५	१९	०
५९	५६	२७	१०	३६	४४	२०	२४
५३	२०	१८	२३	३१	२०	४२	४८
५७	२८	५१	१२	७४	३५	३	५७
४०	४३	३४	४७	२	मा	११	३

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	१६	१२	श	३८	५३	अ	२७	५०	कौ	१६	१२	३२/१५	५/३३	२६/७	२८	१५	१६	कुम्भे	कन्यायांबुध:२०।४६
२	श	९	५८	पू	३४	२३	सु	२०	६	ग	९	५८	१२	३४	२६	२९	१६	२०	मी१९।५६	भ.३६।४०उ.
३	र	३	२१	उ	२९	५६	धृ	१२	९	वि	३	२१	८	३४	२६	३०	१७	२१	मीने	भ:३।२१या.चतुर्थी व्र.
४	र	५३	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	चं	५०	१८	रे	२५	१४	शू	४/५	५३/३	कौ	२३	२९	४	३५	२५	३१	१८	२२	मे.२५।१४	उफा.शुक्र:२९।५६
६	मं	४४	१०	अ	२१	२६	वृ	४८	२३	ग	१७	१४	१	३६	२४	१	१९	२३	मेषे	भ.४४।१०उ.भा.भाद्रपदारंभ:चन्द्रषष्ठी
७	बु	३८	४४	भ	१७	१०	ध्रु	४१	११	वि	११	२७	३१/५७	३७	२३	२	२०	२४	वृ.३१।१८	भ.३१/२७या.ज्येष्ठा.भोम:५६/३जन्माष्टमी =
८	गु	३३	३८	कृ	१३	४३	व्या	३४	१३	बा	६	११	५३	३७	२३	३	२१	२५	वृषे	कन्यायांशुक्र:१६/५६जन्माष्टमी व्र वै.
९	शु	२९	१४	रो	१०	५७	ह	२७	५९	तै	१	२६	४९	३८	२२	४	२२	२६	मि३८।५६	भ.५७।२२उ. गोगा ९ [=व्र.स्मा.
१०	श	२५	२९	मृ	८	५५	व	२२	५	वि	२५	२९	४६	३९	२१	५	२३	२७	मिथुने	भ.२५।२९यां.उफा.३गुरु:५५।३८
११	र	२२	२९	आ	७	३४	सि	१६	५३	बा	२२	२९	४२	४०	२०	६	२४	२८	क.५१।५८	अजा११व्र.
१२	चं	२०	१६	पु	६	४६	व्य	१२	७	तै	२०	१६	३८	४०	२०	७	२५	२९	कर्के	वक्रीबुध:५२।५२वत्सद्वादशी प्रदोष:
१३	मं	१९	५	पु	६	४९	व	८	१९	व	१९	५	३४	४१	१९	८	२६	३०	कर्के	भ.१९/५उ.४९/०या.पूफा.रवि:३०/१६ (सौर:५८/०)
१४	बु	१८	५५	श्ले	८	१२	प	५	११	श	१८	५५	३०	४२	१८	९	२७	३१	सिं८।१२	[÷ ३० मन्वादि:
३०	गु	१९	५९	म	१०	३२	शि	४	२	ना	१९	५९	२६	४३	१७	१०	२८	१	सिंहे	सितम्बर९ता.३०कुशाग्रहणी पिठोरी ÷

२० पं.भा.कृ.७बु.इ.३२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	४	७	४	४
७	१६	३	२	२९	१५	१८	७
४४	२६	३०	३५	११	४९	५८	८
२०	३८	३२	३५	१७	८	२६	१६
५७	३०	२२	१३	७३	१	३	५७
४९	४०	२३	८	५५	१६	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला रस गुड़ शक्कर चीनी सोना चांदी वस्त्र बदि में मंदे होकर सुदि में तेज होंगे। वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

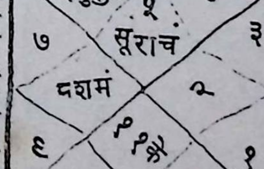

२१ पं.भा.कृ.१४बु.इ.३२/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	५	७	४	४
१४	२०	३	४	७	१५	१८	१३
३०	११	४९	२	४६	५८	३६	५३
०	४२	५९	३१	१९	५५	१०	२८
५८	३२	५६	१३	७३	१	३	५७
१	५५	व.	२०	५०	५३	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १९७६स.२०१६
१	शु	२२	२८	पू	१४	१९	सि	२	१४	व	२२	२८	३३/२२	५/४४	६/१६	११	२९	२	कं.३०।३०	हस्तेशुक्र:२१।४
२	श	२६	९	उ	१९	२	सा	१	४७	कौ	२६	९	१८	४४	१६	१२	३०	३	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	र	३१	१३	ह	२५	१२	शु	२	३३	ग	३१	१३	१५	४५	१५	१३	१	४	तु.५८।३४	जिल्हेज१२हरितालिका ३
४	चं	३६	५५	चि	३१	५६	शु	४	२	व	४	४	११	४६	१४	१४	२	५	तुलायां	भ.४।४उ ३६।५५या.गणेशचतुर्थी
५	मं	४३	७	स्वा	३९	३५	ब्र	६	३	ब	१०	१	७	४७	१३	१५	३	६	तुलायां	बुधास्त:पश्चिमायां१५।५३ऋषिपंचमी
६	बु	४९	२३	वि	४७	१०	ऐं	८	४१	कौ	१६	१५	३	४७	१३	१६	४	७	वृ.३०।१६	
७	गु	५५	१६	अ	५४	३४	वै	११	१०	ग	२२	२०	३०/५९	४८	१२	१७	५	८	वृश्चिके	भ.५५।१६उ.
८	शु	६०	०	ज्ये	६०	०	वि	१३	५१	वि	२७	४१	५५	४९	११	१८	६	९	वृश्चिके	भ.२७।४१या.वक्रीसिंहेबुध:२८।५३
८	श	०	७	ज्ये	०	५६	प्री	१४	३५	ब	०	७	५१	५०	१०	१९	७	१०	ध.०।५६	[+वक्रीपूफा.बुध:४।२३चित्रा.शुक्र. ३५/३३ ÷
९	र	३	३६	मू	६	३	आ	१५	४६	कौ	३	३६	४७	५१	९	२०	८	११	धनुषि	[÷उफा.४गुरु:१६जलझूलनी ११व्र. *
१०	चं	५	१९	पू	९	२१	सौ	१३	३३	ग	५	१९	४३	५१	९	२१	९	१२	म.२४।४०	भ.३५।१०उ.अस्तंगुरो:४९।१२
११	मं	५	०	उ	१०	३९	शो	१०	५०	वि	५	०	३९	५२	८	२२	१०	१३	मकरे	भ.५।०या.उफा.रवि:४।४१ (सौर:४/२) +
१२	बु	२	२९	श्र	१०	११	अ	६	३३	बा	२	२९	३५	५३	७	२३	११	१४	कु.३८।५८	प्रदोष: [* वामन जयंती
१३	बु	५५	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=१शनि.५५।२४महालयरंभ:
१४	गु	५२	१२	ध	७	४६	सु	३४	५२/३९	ग	२५	११	३१	५४	६	२४	१२	१५	कुम्भे	भ.५२।१२उ.अनंत १४
१५	शु	४४	४९	श	३६	५४/३४	शू	४४	४९	वि	१८	३१	२७	५५	५	२५	१३	१६	मी.४४/३५	भ.३६/१या.कन्यायामर्क:३०।२ज्येष्ठा =

२२पं. भा.शु.६बु.इ. ३२/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	५	५	७	४	४
२१	२४	१	५	१६	१६	१८	२०
१७	१०	५०	३०	२०	१३	१३	४०
२	५	६	५८	३८	१२	५५	८
५८	३४	५६/६९	१३	७३	२	३	५८
१३	२०	वं.	२८	३८	२४	११	१२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ल १५
शुक्रे कन्यायामर्क:
प्रविष्ट: वा. ४ न. ५
बालावस्था (बैठी)
मु, ३० धान्यादिभावे
समता शुक्रोदय:
पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

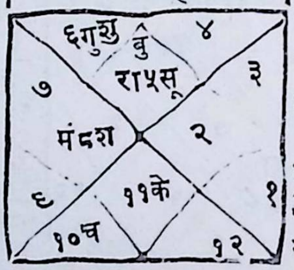

२३पं.भा.शु.१२बु.इ. ३२/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	५	५	७	४	४
२८	२८	२४	७	२४	१६	१७	२७
५	२१	५८	०	५३	३२	५१	२८
२४	२९	५	३२	५६	१३	३९	२६
५८	३५	६९/३३	१३	७३	३	३	५८
२६	४३	व.	३२	२६	२०	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्र. कृष्णेतिमहाराष्ट्रा:
१	श	३६	४७	उ	५२	६	गं	३५	४५	बा	१०	४८	३०/२२	५/५६	६/४	२६	१४	१७	मीने	कन्यार्क:सौर:७।५१मूलेधनुषिभौम: १८/४८
२	र	२८	२७	रे	४६	१	बृ	२६	१०	तै	२	३७	१८	५६	४	२७	१५	१८	मे.४६।१	भ.५४।१६उ.तुलायांशुक्र:४३।११
३	चं	२०	६	अ	३९	२८	ध्रु	१६	३१	वि	२०	६	१४	५७	३	२८	१६	१९	मेषे	भ.२०।६या.चतुर्थीव्र.
४	मं	१२	११	भ	३३	४८	व्या	७/१	५०/५१	बा	१२	११	९	५८	२	२९	१७	२०	वृ. ४७/३४	बुधोदय:पूर्वस्यां४२।३७
५	बु	५	१०	कृ	२८	५०	व	५०	३	तै	५	१०	५	५९	१	३०	१८	२१	वृषे	भ.५९।६उ.
६	बु	५३	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु	५४	१३	रो	२४	५८	सि	४२	४७	वि	२६	४०	३०/००	६/००	६/००	३१	१९	२२	मि.५३/४२	भ.२६।४०या.मार्गीबुध:२३।३
८	शु	५०	३२	मृ	२२	२६	व्य	३६	२६	बा	२२	२२	२९/५६	६/१	५/५९	१	२०	२३	मिथुने	भा.आश्विनारंभ:
९	श	४८	७	आ	२०	५८	व	३१	७	तै	१९	१९	५२	२	५८	२	२१	२४	मिथुने	स्वात्यांशुक्र:५४/०४मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.
१०	र	४६	५०	पु	२०	४६	प	२६	५२	व	१७	२८	४८	२	५८	३	२२	२५	क.५।४९	भ.१७।२८उ.४६।५०या.
११	चं	४६	४८	पु	२१	२९	शि	२३	३०	ब	१६	४९	४४	३	५७	४	२३	२६	कर्के	हस्तेरवि:४३।११इंदिरा११व्र.
१२	मं	४८	०	श्ले	२३	४३	सि	२१	४	कौ	१७	२४	४०	४	५६	५	२४	२७	सिं. २३/४३	हस्तेरवि:सौर:२०।२१
१३	बु	५०	१४	म	२६	४९	सा	१९	३५	ग	१९	७	३६	५	५५	६	२५	२८	सिंहे	भ.५०/१४उ.हस्त.१गुरु:२१।५८प्रदोष:
१४	गु	५३	३८	पू	३१	१०	शु	१९	९	वि	२१	५६	३२	६	५४	७	२६	२९	क.४७।३१	भ.२१।५६या.शस्त्रादि हतानां श्रा.
३०	शु	५८	०	उ	३६	३३	शु	१९	३	च	२५	४९	२८	६	५४	८	२७	३०	कन्यायां	सर्वपितृ३०

२४पं.आ.कृ.५बु.इ.३२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	४	५	६	७	४	५
४	२	२०	८	३	१६	१७	४
५५	४२	५९	३१	२६	५५	२९	१८
१६	४०	४२	८	१३	३४	२४	३३
५८	३६	४६/४१	१३	७३	३	३	५८
३८	४२	व.	३८	१४	५४	११	४५

गोचर ग्रहाः

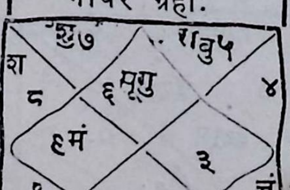

इस मास में ५ शनि
वार ५ रविवार
अशुभ हैं धातु सोना
चांदी लोहा रस धान्य
गल्ला तेज हो प्रजा
में दुःख फैले।

गोचर ग्रहाः

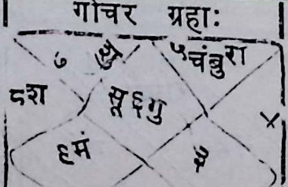

२५पं.आ.कृ.१३बु.इ.३२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	४	५	६	७	४	५
११	७	२३	१०	११	१७	१७	११
४६	३३	५४	२	५८	२२	७	१०
५२	१२	११	१७	५५	१	८	३२
५८	३७	६३/५५	१३	७३	४	३	५९
५३	५०	मा	३८	२	२४	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुर्रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२००५स.२०१६
१	श	६०	०	ह	४२	५०	ब्र	२०	०	किं	३०	४०	२९/२३	६/७	५/५३	९	२८	१	कन्यायां	उफा.बुध:७।४०अक्टूबर१०ता.३१ +
१	र	३	२०	चि	४९	३२	ऐं	२१	३३	ब	३	२०	१९	८	५२	१०	२९	२	तु.१६।११	चंद्रदर्शनम्[+नवरात्रारंभ मातामह श्रा.
२	चं	६	८	स्वा	५७	२	वै	२३	३४	कौ	६	८	१५	९	५१	११	१	३	तुलायां	कन्यायांबुध:३/४९मोहोरम१सन्१४३८ हि.
३	मं	१५	३०	वि	६०	०	वि	२६	१	ग	१५	३०	११	१०	५०	१२	२	४	वृ.४७।४३	भ.४८।४२उ.
४	बु	२१	५५	वि	४	३६	प्री	२८	१७	वि	२१	५५	७	११	४९	१३	३	५	वृश्चिके	भ.५५या.विशा.शुक्र:७।०
५	गु	२८	११	अ	१२	१३	आ	३०	४३	बा	२८	११	३	११	४९	१४	४	६	बृश्चिके	[÷पूर्वस्यां२८।४४उदयं गुरौ:३।०
६	शु	३३	२६	ज्ये	१९	१७	सौ	३२	३९	कौ	०	४९	२८/५९	१२	४८	१५	५	७	ध.१९।१७	पूषा.भौम:४९पूफा.१राहु:शत.३केतु:३५
७	श	३७	४६	मू	२५	२२	शो	३३	४३	ग	५	३६	५५	१३	४७	१६	६	८	धनुषि	भ.३७।४६उ.
८	र	४०	३१	पू	३०	५	अ	३३	३७	त्रि	९	८	५१	१४	४६	१७	७	९	म.४५।४९	भ.९।८या.हस्ते.बुध:४३।४१बुधास्त: ÷
९	चं	४१	२९	उ	३२	५९	सु	३२	१५	ना	११	०	४७	१५	४५	१८	८	१०	मकरे	चित्रा.रवि:१५।१३(सौर:५०।५५)
१०	मं	४०	२६	श्र	३४	६	धृ	२९	१३	तै	१०	५८	४३	१५	४५	१९	९	११	मकरे	[×१६।४३शरद्पूर्णिमास्मा. कोजागरी व्र.
११	बु	३७	१४	ध	३३	७	शू	२४	४०	व	८	५०	३९	१६	४४	२०	१०	१२	कुं३।३७	भ.८।५०उ.३७।१४या.पापांकुशा११व्र.
१२	गु	३१	५८	श	३०	११	गं	१८	३४	ब	४	३६	३५	१७	४३	२१	११	१३	कुंभे	बृश्चिके शुक्र:२०।३६हस्त.२गुरु:४८।५३
१३	शु	२५	१	पू	२५	२८	बृ	१०	५१	तै	२५	१	३१	१८	४२	२२	१२	१४	मी११।३९	प्रदोष:
१४	श	१६	४९	उ	१९	१७	ध्रु	५/४४	४९/५३	व	१६	४९	२७	१९	४१	२३	१३	१५	मीने	भ.१६।४९उ.४२।१२या.अनु.शुक्र: ×
१५	र	७	३५	रे	१२	८	ह	४१	८	ब	७	३५	२३	१९	४१	२४	१४	१६	मे.१२।८	तुलायामर्क:५९शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२६पं.आ.शु.४बु.इ.३१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	६	७	४	५
१८	११	२	११	२०	१७	१६	१८
४०	५०	५५	३२	३०	५३	४४	४
८	४२	५९	४२	११	१७	५२	१९
५९	३८	९४	१३	७२	४	३	५९
९	५८	४७	३६	४९	५६	११	१६

गोचर ग्रहाः

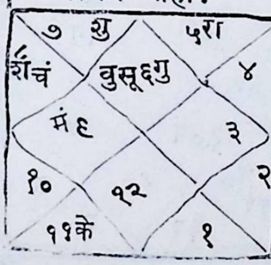

आश्विनशुक्ले१५रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु.११बु.इ.३१/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	५	६	७	४	५
२५	१६	१४	१३	२९	१८	१६	२५
३५	३४	५१	२	०	२७	२२	००
२	३७	४	३१	३६	३२	३७	१
५९	३९	३०/०	१३	७२	५	३	५९
२१	३७	५८	३२	२९	२६	११	३१

ति.	कार्तिककृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुर्रविदक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.
१	र	५०	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	चं	४८	३५	अ	४/३८	५२/१९	व	३०	२३	तै	२३	१६	२८/२०	६/२०	५/४९	२५	१५	१७	मेषे	तुलार्क:सौर:३३।३९चित्रा.बुध:३२।१२
३	मं	३९	३५	कृ	५०	६	सि	१९	४४	व	१४	५	१६	२१	३९	२६	१६	१८	बृ १०।१४	भ.१४।५उ.३९।३५या.
४	बु	३१	३५	रो	४४	८	व्य	९	३५	ब	५	३५	१२	२२	३८	२७	१७	१९	वृषे	करक चतुर्थी व्र.
५	गु	२५	४	मृ	३९	२२	व	२८/०	५१/५८	तै	२५	४	८	२२	३८	२८	१८	२०	मि११।४५	
६	शु	२०	१०	आ	३६	२६	शि	४६	४२	व	२०	१०	४	२३	३७	२९	१९	२१	मिथुने	भ.२०।१०उ.४८।३६या.तुलायांबुध: १७/२८
७	श	१७	१	पु	३५	१७	सि	४०	२५	ब	१७	१	०	२४	३६	३०	२०	२२	क.२०।३५	
८	र	१५	२९	पु	३५	३३	सा	३६	२९	कौ	१५	२९	२७/५६	२५	३५	१	२१	२३	कर्के	स्वात्यांरवि:४१।४भा.कार्तिकारंभ:
९	चं	१५	४४	श्ले	३७	४०	शु	३४	१९	ग	१५	४४	५३	२५	३५	२	२२	२४	सिं. ३७/४०	भ.४६।३४उ.स्वात्यांरवि:सौर:१४।४२
१०	मं	१७	२५	म	४१	६	शु	३२	२६	वि	१७	२५	४९	२६	३४	३	२३	२५	सिंहे	भ.१७।२५या.स्वात्यांबुध:१८।४
११	बु	२०	१६	पू	४५	५२	ब्र	३२	१६	बा	२०	१६	४५	२७	३३	४	२४	२६	सिंहे	उषा.भौम:५७।२२मा११व्र.
१२	गु	२४	४४	उ	५१	४०	ऐं	३२	५०	तै	२४	४४	४१	२८	३२	५	२५	२७	क.२।१९	ज्येष्ठा.शुक्र:६।३४
१३	शु	३०	४९	ह	५८	२०	वै	३३	५५	व	३०	४९	३७	२९	३१	६	२६	२८	कन्यायां	भ.३/४९उ ज्येष्ठा २शनि.५०/१२प्रदोष:धन१३
१४	श	३५	३८	चि	६०	०	वि	३५	४७	वि	३	१३	३४	२९	३१	७	२७	२९	तु.३१।५०	भ.३।१३या.हस्त.३गुरु:३५।५६रुप१४
३०	र	४१	५२	चि	५	२०	प्री	३७	४१	च	८	४५	३०	३०	३०	८	२८	३०	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.४बु.इ.३१।३०

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	५	५	७	७	४	६
२	२१	२६	१४	७	१९	१६	१
३१	२६	५५	३१	३०	५	०	५७
२६	१०	३७	३७	४	२०	२१	२६
५९	४०	३०/०	१३	७२	५	३	५९
३४	३१	२६	२०	५	५०	११	४६

गोचर ग्रहाः

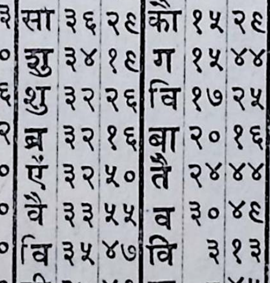

सोमवाराः यदा पञ्च चान्द्रमासे भवन्तिहि। धनधान्यंसमृद्धिःस्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम् ।। इस मास में धान्य मंदे हो धातु तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

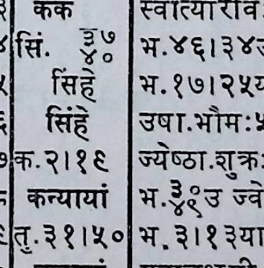

२९पं.का.कृ.११बु.इ.३१/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	५	७	७	४	६
९	२६	८	१५	१५	१९	१५	८
२९	२२	४६	५९	५७	४५	३८	५६
४२	३४	३४	१७	५०	३२	६	४६
५९	४०	३०/०	१३	७१	६	३	६०
४७	४१	३३	१४	४६	१५	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं०२०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०३५स.२०१६
१	चं	४८	४	स्वा	१२	५४	आ	४०	३	किं	१४	५८	२७/२७	३६/३१	२५/२९	९	२९	३१	तुलायां	मकरेभौमः३८/२१अन्नकूटगोवर्द्धनपूजा
२	मं	५४	३१	वि	२०	२५	सौ	४२	१९	बा	२१	१७	२३	३१	२९	१०	३०	१	वृ.३।३२	चंद्रदर्शनम्नवम्बर११ता.३०भातृ२ यम२
३	बु	६०	०	अ	२८	८	शो	४४	४०	तै	२७	३६	१९	३२	२८	११	१	२	वृश्चिके	विशा.बुधः२४।५सफर२
३	गु	०	४१	ज्ये	३५	३	अ	४६	२२	ग	०	४१	१६	३३	२७	१२	२	३	ध.३५।३	भ.३३।२४उ.
४	शु	६	७	मू	४१	२०	सु	४७	३४	वि	६	७	१२	३४	२६	१३	३	४	धनुषि	भ.६।७या.
५	श	१०	४९	पू	४६	५४	धृ	४८	१९	बा	१०	४९	९	३४	२६	१४	४	५	धनुषि	
६	र	१४	५	उ	५१	३	शू	४७	२२	तै	१४	५	५	३५	२५	१५	५	६	म.२।५६	विशा.रविः१।३०(सौरः३२।६)
७	चं	१६	७	श्र	५३	३५	गं	४६	१७	व	१६	७	२	३६	२४	१६	६	७	मकरे	भ.१६/७उ.४६/१४या.मूलेधनुषिशुक्रः६।५४
८	मं	१६	२२	ध	५४	३५	वृ	४३	१३	ब	१६	२२	२६/५८	३६	२४	१७	७	८	कुं.२४।५	बृश्चिकेबुधः४४।१६गोपाष्टमी
९	बु	१४	५२	श	५३	३४	ध्रु	३८	३७	कौ	१४	५२	५५	३७	२३	१८	८	९	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	गु	११	२५	पू	५०	४१	व्या	३२	३१	ग	११	२५	५२	३८	२२	२९	९	१०	मी.३६/२९	भ.३८।४२उ.अनु.बुधः४५।५४
११	शु	५	५९	उ	४६	१	ह	२४	५८	वि	५	५९	४९	३८	२२	२०	१०	११	मीने	भ.५।५९या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
१२	शु	५३	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मीने	
१३	श	५०	३८	रे	४०	५	व	१६	९	कौ	२४	५०	४५	३९	२१	२१	११	१२	मे.४०।५	प्रदोषः
१४	र	४१	१५	अ	३२	५६	सि	६/८	४९/१७	ग	१५	५६	४२	४०	२०	२२	१२	१३	मेषे	भ.४१।१५उ.वैकुंठ १४
१५	चं	३१	२४	भ	२५	१	व	४४	२१	वि	६	१९	३९	४०	२०	२३	१३	१४	वृ.३८।१	भ.६/१९या.श्रवणेभौमः१/९ ३/४मन्वादिःका.स्ना

३०पं.का.शु.३बु.इ.३१।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	५	७	७	४	६
१६	१	२०	१७	२४	२०	१५	१५
२९	२२	११	२५	२४	२८	१५	५७
२८	५५	१३	१२	५८	२६	५०	५०
६०	४०	०/०	१२	७१	६	३	६०
४	३१	०/१६	५०	२२	३२	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ सोमवार श्रेष्ट हैं प्रजा में सुख शान्ति रहे धातु रस सुदी में तेज हो जावेंगे ।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.शु.९बु.इ.५६/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	५	८	७	४	६
२३	६	१	१८	२	२१	१५	२३
३०	२७	१६	४८	५०	१२	५३	०
५०	५८	४४	५८	१०	५८	३४	२३
६०	४१	९८	१२	७०	६	३	६०
१७	४१	३९	२३	५३	४४	११	३०

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	हेमंततू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	मं	२१	३३	कृ	१७	२	प	३३	१४	कौ	२१	३३	३६/३६	४/४१	५/५९	२४	१४	१५	वृषे	वृश्चिकेऽर्क५७।३५हस्त.४गुरुः४६।४४
२	बु	१२	१८	रो	९	३७	शि	२२	२२	ग	१२	१८	३३	४१	१९	२५	१५	१६	मि.३६/२९	भ.३८।९उ.वृश्चिकेऽर्कःसौरः२६।२३
३	गु	४	०	मृ	३/८	५४/४३	सि	१२	३८	वि	४	०	३०	४२	१८	२६	१६	१७	मिथुने	भ.४।०या.चतुर्थी व्र.
४	गु	५३	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+ज्येष्ठा.बुधः२/४ ३/४बुधोदयःपश्चिमायां४१/२
५	शु	५२	३३	पु	५४	३८	सा	९/४	५२/४५	कौ	२४	५५	२७	४३	१७	२७	१७	१८	क.४०।२६	पूषा.शुक्रः२०।१
६	श	४९	४५	पु	५३	१५	शु	५१	२१	ग	२१	९	२५	४३	१७	२८	१८	१९	कर्के	भ.४५/४९उ अनु.रविः५५/५५(सौरः४३।११)+
७	र	४९	७	श्ले	५४	१	ब्र	४७	१६	बि	१९	२६	२२	४४	१६	२९	१९	२०	सिं.५४/१	भ.१९।२६या.
८	चं	५०	१३	म	५६	४३	ऐं	४५	२	बा	१९	४०	१९	४४	१६	३०	२०	२१	सिंहे	
९	मं	५३	१६	पू	६०	०	वै	४४	२	तै	२१	४४	१७	४५	१५	१	२१	२२	सिंहे	भा.मार्गशीर्षारंभः
१०	बु	५७	४६	पू	०	५८	वि	४४	४२	व	२५	३१	१४	४५	१५	२	२२	२३	कं १७।२४	भ.२५।३१उ.५७।४६या.अस्तंशनेः४/२ १/७
११	गु	६०	०	उ	६	४३	प्री	४५	४३	ब	३०	३१	१२	४६	१४	३	२३	२४	कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.स्मा.
११	शु	३	१६	ह	१३	२३	आ	४७	३५	बा	३	१६	९	४६	१४	४	२४	२५	तुं.४७।६	उत्पत्ति११व्र.वै.
१२	श	९	३७	चि	२०	४९	सौ	४९	४८	तै	९	३७	७	४७	१३	५	२५	२६	तुलायां	प्रदोषः
१३	र	१६	४	स्वा	२८	२६	शो	५२	८	व	१६	४	५	४७	१३	६	२६	२७	तुलायां	भ.१६।४उ.४९।१६या.
१४	चं	२२	२७	वि	३६	१	अ	५४	२२	श	२२	२७	२	४८	१२	७	२७	२८	वृ.१९।८	मूलेधनुषिबुधः३/३ ०/८ज्येष्ठा.३शनिः१७।३८
३०	मं	२८	४८	अ	४३	१९	सु	५६	२३	ना	२८	४८	०	४८	१२	८	२८	२९	वृश्चिके	उषा.शुक्रः३३।१७

३२पं.मा.कृ.२बु.इ.३०।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	५	८	७	४	७
०	११	१२	२०	११	२१	१४	०
३३	३५	४	८	१२	५९	३१	४
२९	५६	५२	५३	०	२८	१९	२७
६०	४१	९५	१२	७०	८	३	६०
३०	५२	२५	७	१६	२	११	४०

गोचर ग्रहाः

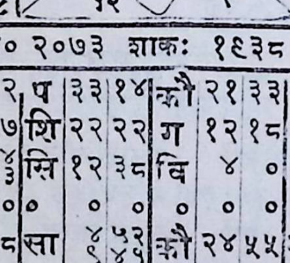

मार्गशीर्षकृष्णे१ भौमे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

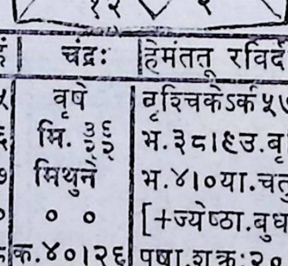

३३पं.मा.कृ.१०बु.इ ३०/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	५	८	७	४	७
७	१६	२२	२१	१९	२२	१४	७
३७	४५	३७	२६	३१	४७	-९	१०
२६	३२	४४	६	४८	१३	३	०
६०	४२	९१	११	६९	७	३	६०
४२	१६	३८	२८	३४	८	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२०६५सन्२०१६
१	बु	३४	३१	ज्ये	५०	११	धृ	५७	५९	किं	१	४०	२५/५८	६/४८	५/१२	९	२९	३०	व.५०।११	
२	गु	३९	२९	मू	५६	१३	शू	५९	०	बा	७	०	५६	४९	११	१०	३०	१	धनुषि	चन्द्रदर्शनम् दिसम्बर१२ता.३१
३	शु	४३	५०	पू	६०	०	गं	५९	२३	तै	११	३९	५४	४९	११	११	१	२	धनुषि	ज्येष्ठा.रवि-२६/३(सौरः५१/५)मकरेशुक्रः×
४	श	४६	५८	पू	१	३१	वृ	५८	४६	व	१५	२४	५३	४९	११	१२	२	३	म.१७।३५	भ.१५।२४उ.४६।५८या
५	र	४९	१	उ	५	४८	ध्रु	५७	४४	ब	१७	५९	५१	५०	१०	१३	३	४	मकरे	चित्रा.१गुरुः४५।३३
६	चं	४९	५१	श्र	९	१	व्या	५५	३४	कौ	१९	२६	४९	५०	१०	१४	४	५	कुं.४०।०	चंपा६ [×३७/३२धनि.भौरः३६/४२रविलावल३
७	मं	४९	१९	ध	१०	५९	ह	५२	११	ग	१९	३५	४८	५०	१०	१५	५	६	कुंभे	भ.४९।१९उ.
८	बु	४७	१७	श	११	३६	व	४७	३५	वि	१८	१८	४६	५१	९	१६	६	७	मी५५।४८	भ.१८।१८या.
९	गु	४३	३९	पू	१०	३२	सि	४२	४८	बा	१५	२८	४५	५१	९	१७	७	८	मीने	पूषा.बुध.३७/३४मघा.४राहुःशत २केतुः५५/३३
१०	शु	३८	४६	उ	८	०	व्य	३४	४९	तै	११	१३	४४	५१	९	१८	८	९	मीने	[+५५।५मोक्षदा११व्र गीताजयंती
११	श	३२	९	रे	४/४	५४/३८	व	२६	३५	व	५	२८	४३	५१	९	१९	९	१०	मे.४।४	भ.५।२८उ.३२।९या.श्रवणेशुक्रः+
१२	र	२४	२९	भ	५२	१९	प	१७	२६	बा	२४	२९	४२	५२	८	२०	१०	११	मेषे	कुंभेभौमः५।१५प्रदोषः
१३	चं	१५	५०	कृ	४५	१६	शि	७/१८	४९/३१	तै	१५	५०	४१	५२	८	२१	११	१२	वृ.५।३३	
१४	मं	६	३९	रो	३७	५४	सा	४६	५६	व	६	३९	४०	५२	८	२२	१२	१३	वृषे	भ.६।३९उ.३२।०या.दत्तजयंती
१५	मं	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३४पं.मा.शु.१बु.इ.३०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	५	८	७	४	७
१४	२१	२	२२	२७	२३	१३	१४
४२	५७	४९	३९	४५	३६	४६	१६
४०	५८	१९	३२	२९	४	४८	४६
६०	४२	८४	१०	६८	७	३	६१
५०	१७	५४	५५	५१	१६	११	३

गोचर ग्रहाः

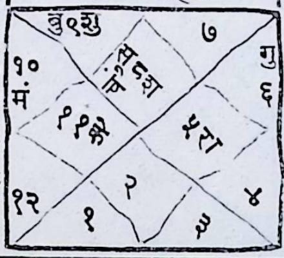

इस मास में चांदी सोना मंदे हो रुई धान्य बाजरा मूंग मोठ मक्का चांवल मंदे होकर सुदि में तेज हो जावेंगे ।

गोचर ग्रहाः

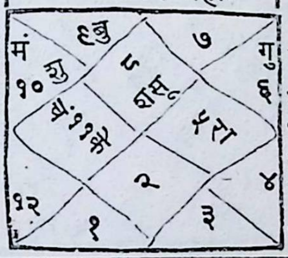

३५पं.मा.शु.८बु.इ.३०/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	५	९	७	४	७
२१	२७	१२	२३	५	२४	१३	२१
४८	१०	१०	४७	५५	२१	२४	२४
४३	१९	३०	५३	५२	२६	३२	२८
६०	४२	७२	१०	६७	७	३	६१
५६	२८	४६	१०	५८	२०	११	१

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूंरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु	४८	३७	मृ	३०	५२	शु	३५	४३	बा	२२	५९	३५/३९	६/५२	५/८	२३	१३	१४	मि३।५३	
२	गु	४०	५९	आ	२४	३७	शु	२६	०	तै	१४	४८	३९	५२	८	२४	१४	१५	मिथुने	मूलेधनुष्यर्कः३३।१७(सौरः५४।५५)
३	शु	३४	५१	पु	१९	४१	ब्र	१७	१४	व	७	५५	३८	५२	८	२५	१५	१६	क.५।५५	भ.७।५५उ.३४।५१या.
४	श	३०	२५	पु	१६	१७	ऐं	१०	३	ब	२	३८	३८	५२	८	२६	१६	१७	कर्के	चतुर्थी व्रतम्
५	र	२८	२३	श्ले	१५	१	वै	४	१६	तै	२८	२३	३७	५३	७	२७	१७	१८	सिं१५।१	वक्रीबुधः
६	चं	२८	२६	म	१६	१४	वि	०/२३	५७/४२	व	२८	२६	३७	५३	७	२८	१८	१९	सिंहे	भ.२८।२६उ.५१।३१या.
७	मं	३०	३५	पू	१९	११	आ	५७	४१	ब	३०	३५	३६	५३	७	२९	१९	२०	क.३५।२२	शतेभौमः४।३१
८	बु	३४	३७	उ	२३	५५	सौ	५८	२	बा	२	३६	३६	५३	७	३०	२०	२१	कन्यायां	
९	गु	३९	५०	ह	२९	४३	शो	५९	४०	तै	७	१४	३६	५३	७	१	२१	२२	कन्यायां	धनि.शुक्रः४७।२१बुधास्तःपश्चिमायां=
१०	शु	४६	१४	चि	३७	२०	अ	६०	०	व	१३	२	३६	५३	७	२	२२	२३	तु ३।३१	भ.१३।२उ.४६।१४या.
११	श	५२	४१	स्वा	४४	५९	अ	१	४९	ब	१९	२७	३७	५३	७	३	२३	२४	तुलायां	सफला११व्र.
१२	र	५९	१७	वि	५२	४१	सु	४	१	कौ	२५	५९	३७	५३	७	४	२४	२५	वृ.३५।४६	[=२९।२४भा.पौषारंभः
१३	चं	६०	०	अ	६०	०	धृ	६	२२	ग	३२	२६	३७	५३	७	५	२५	२६	वृश्चिके	ज्येष्ठा.४शनिः३८।५१प्रदोषः
१३	मं	५	३५	अ	०	५	शू	८	१२	व	५	३५	३८	५२	८	६	२६	२७	वृश्चिके	भ.५।३५उ.३८।१६या.उदयंशनेः२।३९
१४	बु	१०	५६	ज्ये	६	४३	गं	९	५२	श	१०	५६	३८	५२	८	७	२७	२८	व.६।४३	पूषा.रविः३८।१७(सौरः५६।३३) वक्री=
३०	गु	१५	२२	मू	१२	२९	वृ	१०	३९	ना	१५	२२	३९	५२	८	८	२८	२९	धनुषि	[=मूलेबुधःकुंभेशुक्रः४७/०चित्रा२गुरुः२८/३९

३६पं.पौ.कृ.१बु.इ.२९।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	८	५	९	२	४	७
२८	२	१९	२४	१३	२५	१३	२८
५५	२५	१५	५१	५९	१४	२	३३
३७	८	४७	४	१७	५६	१६	११
६१	४२	४३	९	६६	७	३	६१
०	३३	४१	२४	५०	२०	११	१९

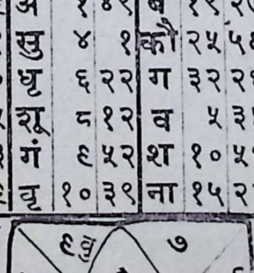

३७पं.पौ.कृ.८बु.इ.२९।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	५	९	७	४	८
६	७	२०	२५	२१	२६	१२	५
३	४०	२९	४८	५५	४	४०	४२
१४	५५	४९	५४	१६	१९	२	३६
६१	४२	२६/१	८	६५	७	३	६१
४	५३	व	३२	३१	१४	११	२२

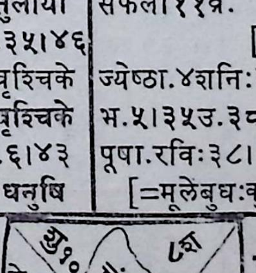

३८पं.पौ.कृ.१४बु.इ.२९/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	५	९	७	४	८
१३	१२	१३	२६	२९	२६	१२	१२
११	५७	४०	४०	४१	५३	१७	५२
१३	४०	५	८	२८	१०	४५	२८
६१	४२	१७/५०	७	६३	७	३	६१
६	५८	व	१२	५९	८	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण२०९५ स.२०१६
१	शु	१८	५१	पू	१७	१०	ध्रु	१०	२३	ब	१८	५१	२५/४०	६/५२	५	९	२९	३०	म.३३।४	चन्द्रदर्शनम्
२	श	२१	५	उ	२०	४९	व्या	९	३५	कौ	२१	५	४१	५२	८	१०	१	३१	मकरे	रविलाखर४
३	र	२२	२७	श्र	२३	३४	ह	७	५०	ग	२२	२७	४२	५२	८	११	२	१	कुं.५४।२६	भ.५२।३६उ.जनवरी१ता.३१सन्२०१७
४	चं	२२	४५	ध	२५	१८	व	५	२	वि	२२	४५	४३	५१	९	१२	३	२	कुंभे	भ.२२।४५या.
५	मं	२१	५२	श	२५	५०	सि	१/४६	५६/१	बा	२१	५२	४४	५१	९	१३	४	३	कुंभे	शते:शुक्र:५५/३० बुधोदय:पूर्वस्यां३८।४६
६	बु	२०	४	पू	२५	३३	व	५२	४४	तै	२०	४	४५	५१	९	१४	५	४	मी१०।२४	
७	गु	१७	११	उ	२४	८	प	४६	५४	व	१७	११	४७	५१	९	१५	६	५	मीने	भ.१७।११उ.४५।२१या.
८	शु	१३	३१	रे	२१	४६	शि	३९	५०	ब	१३	३१	४८	५०	१०	१६	७	६	मे.२१।४६	पूभा.भौम:५९।३१
९	श	८	३८	अ	१८	२२	सि	३२	५२	कौ	८	३८	५०	५०	१०	१७	८	७	मेषे	
१०	र	२	५५	भ	१४	१२	सा	२४	३१	ग	२	५५	५२	५०	१०	१८	९	८	वृ.२७।५५	भ.२९।३६उ.५६।१७या.पुत्रदा११व्रस्मा.
११	र	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	चं	४८	५३	कृ	९	५	शु	१६	८	ब	२२	३५	५३	४९	११	१९	१०	९	वृषे	मार्गीबुध:१०।३२पुत्रदा११व्र.वै.
१३	मं	४१	४	रो	३/२३	५३/५४	शु	६/३१	५०/३१	कौ	१४	५८	५५	४९	११	२०	११	१०	मि३०।२०	उषा.रवि:४३।२(सौर:५८।०)प्रदोष:
१४	बु	३३	२२	आ	५१	३७	ऐं	४७	३३	ग	७	१३	५७	४९	११	२१	१२	११	मिथुने	भ.३३।२२उ.५९।४३या.
१५	गु	२६	३	पु	४६	३७	वै	३९	३२	ब	२६	३	५९	४८	१२	२२	१३	१२	क.३२।५२	मा.स्ना प्रा.

३९पं. पौ.शु.६बु.इ. २९/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	५	१०	७	४	८
२०	१८	५	२७	७	२७	११	२०
१९	१२	५१	२४	१५	४०	५०	२
२९	४३	३२	०	१४	५२	३०	२५
६१	४२	४२/४१	६	६२	६	३	६१
६	५५	त्रं.	२४	८	५८	११	२६

गोचर ग्रहाः

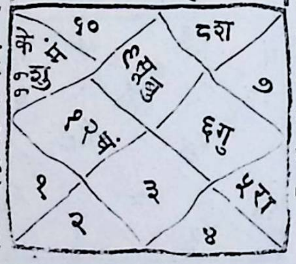

पौष कृष्णे २ गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा३ न.४प्रौढावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

Aशुकेमं

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.१४बु.इ.२९/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	५	१०	७	४	८
२७	२३	५	२८	१४	२८	११	२७
२७	२९	१९	०	३४	२६	३३	१२
२२	२	२६	४७	१६	५३	१४	१७
६१	४२	२१/१०	५	५९	६	३	६१
६	५८	मा	११	४८	४०	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	१९	५६	पु	४२	३१	वि	३०	५९	कौ	१९	५६	२६/१	६/४८	५/१२	२३	१४	१३	कर्के	मकरेंऽर्क:५९।२६
२	श	१५	४	श्ले	४०	११	प्री	२४	२१	ग	१५	४	४	४७	१३	२४	१५	१४	सिं४०।११	भ.४३।३२उ.मकरेऽर्क :सौर:१३।२७
३	र	१२	१	म	३९	४५	आ	१९	१०	वि	१२	१	६	४७	१३	२५	१६	१५	सिंहे	भ.१२।१या.चतुर्थी व्रतम्
४	चं	१०	५५	पू	४१	६	सौ	१५	३६	बा	१०	५५	८	४६	१४	२६	१७	१६	कं.५६।५९	पूभा.शुक्र:४९।२९
५	मं	११	५८	उ	४४	४१	शो	१३	५०	तै	११	५८	११	४६	१४	२७	१८	१७	कन्यायां	[=(श्रवणेरवि:सौर:१/४४)उभा.भौम:३४/२६
६	बु	१५	६	ह	४९	५२	अ	१३	८	व	१५	६	१३	४५	१५	२८	१९	१८	कन्यायां	भ.१५।६उ.४७।२४या.
७	गु	१९	४२	चि	५६	३२	सु	१३	४९	ब	१९	४२	१६	४५	१५	२९	२०	१९	तु.२३।१२	[×मीने भौम: २९।९
८	शु	२५	४२	स्वा	६०	०	धृ	१५	३४	कौ	२५	४२	१९	४४	१६	३०	२१	२०	तुलायां	अभि.प्र.रवि:३३।५६(सौर:४४।४८)×
९	श	३२	२	स्वा	३	४३	शू	१७	४३	ग	३२	२	२१	४४	१६	१	२२	२१	वृ.५४।२९	पूभा.बुध:४५।२४भा.माघारंभ:
१०	र	३८	३२	वि	११	२४	गं	२०	७	व	५	१७	२४	४३	१७	२	२३	२२	वृश्चिके	भ.५।१७उ.३८।३२या.
११	चं	४४	४९	अ	१८	५०	वृ	२२	१५	ब	११	४०	२७	४३	१७	३	२४	२३	वृश्चिके	श्रवणेरवि:४८।३३षट्तिला११व्र.
१२	मं	५०	५	ज्ये	२५	३३	ध्रु	२३	४४	कौ	१७	२६	२९	४२	१८	४	२५	२४	ध.२५।३३	अभि.नि.रवि:४०।४८(सौर:५२।१)=
१३	बु	५४	११	मू	३१	१६	व्या	२४	१७	ग	२२	८	३२	४२	१८	५	२६	२५	धनुषि	भ.५४।११उ.प्रदोष:
१४	गु	५६	५७	पू	३५	५५	ह	२४	२	वि	२५	३४	३५	४१	१९	६	२७	२६	म.५१।४२	भ.२५।३४या.मूल.१धनुषिशनि:२२।४२
३०	शु	५८	२०	उ	३९	२	व	२२	४७	च	२७	३८	३८	४०	२०	७	२८	२७	मकरे	मीनेशुक्र:३३।२९

४१पं.मा.कृ.६बु.इ.२९।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	५	१०	७	४	९
४	२८	१०	२८	२१	२९	११	४
३५	४४	२५	२९	३४	१०	१०	२१
१३	१३	५२	६	२६	५९	५८	४३
६१	४३	५३	४	५६	६	३	६१
३	०	१९	०	४१	२६	११	१९

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे १ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः; वा.२ न.३प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धा-न्यादि भावे महर्घता शुक्रोदय: पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

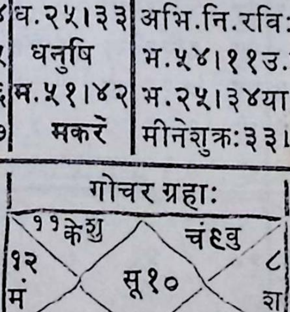

४२पं.मा.कृ.१३बु.इ.२९/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	५	१०	७	४	९
११	३	१८	२८	२८	२९	१०	११
४२	५९	१९	४९	११	५३	४८	३०
४०	६	८	५	६	३१	४३	३७
६०	४२	७२	२	५२	६	३	६१
५९	३६	६	३८	४२	११	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽह्र्गणः२१२४ स.२०/१७
१	श	५८	२३	श्र	४०	४७	सि	२०	२४	किं	२७	२२	२६/४१	६/४०	५/२०	८	२९	२८	मकरे	
२	र	५७	१६	ध	४१	१९	व्य	१६	५८	बा	२७	४९	४५	३९	२१	९	३०	२९	कुं.११।३	चंद्र दर्शनम्
३	चं	५५	१६	श	४१	५	व	१२	४९	तै	२६	१६	४८	३८	२२	१०	१	३०	कुंभे	जमादि लावल ५
४	मं	५२	२६	पू	३९	५५	प	७	४६	व	२३	५१	५१	३८	२२	११	२	३१	मी२५।१३	भ.२३।५१उ.५२।२६या.उषा बुधः ५४/१८=
५	बु	४८	५१	उ	३८	४	शि	२/१०	५४/११	ब	२०	३८	५४	३७	२३	१२	३	१	मीने	फरवरी२ ता.२८ वसंत५ [=उ.भा.शु २०/१७
६	गु	४४	५६	रे	३५	५३	सा	५०	४	कौ	१६	५३	५८	३६	२४	१३	४	२	मे.३५।५३	
७	शु	४०	३५	अ	३३	१२	शु	४३	१९	ग	१२	४६	२७/१	३६	२४	१४	५	३	मेषें	भ.४०।३५उ.मकरे.बुधः ३६/२४ रथभानु७
८	श	३५	४५	भ	३०	१	शु	३६	१३	वि	८	१०	५	३५	२५	१५	६	४	वृ.४४।८	भ. ८।१० या. भीष्माष्टमी
९	र	३०	३८	कृ	२६	२९	ब्र	२८	४७	बा	३	१२	८	३४	२६	१६	७	५	वृषे	धनि. रवि. ५६/५१ पातस्पर्शः १४/४३ पा.मो. ३८/२०
१०	चं	२४	५९	रो	२२	३५	ऐं	२१	८	ग	२४	५९	१२	३४	२६	१७	८	६	मि. ५०/३०	भ. ५२।४ उ धनि. रवि. सौरः ६।३४
११	मं	१९	९	मृ	१८	२५	वै	१३	१६	वि	१९	९	१५	३३	२७	१८	९	७	मिथुने	भ. १९।९ या जया ११ व्र.
१२	बु	१३	११	आ	१४	१९	वि	५/२६	५२/२७	बा	१३	११	१९	३२	२८	१९	१०	८	क. ५६/२७	वक्री. गुरुः ५१।५४ प्रदोषः
१३	गु	७	२८	पु	१०	२९	आ	५०	४०	तै	७	२८	२३	३१	२९	२०	११	९	कर्के	मघा. ३ राहुः शत. १ केतु. ४८।५८
१४	शु	२	२५	पु	७	११	सौ	४४	१४	व	२	२५	२७	३१	२९	२१	१२	१०	कर्के	भ. २।२५ उ.३०।१७ या. श्रवणे बुधः=
१५	शु	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=७।२४ मा. स्ना. पूर्ति.

४३पं.मा.शु.५बु.इ.२९।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	५	११	८	४	९
१८	९	२७	२८	४	०	१०	१८
४९	११	२९	५९	१५	३३	२६	३८
१६	२०	२	२८	२९	२५	२७	४३
६०	४२	८३	१	४७	५	३	६१
५५	४१	१४	१३	५३	४७	११	४

गोचर ग्रहाः

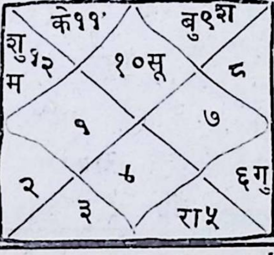

इस मास में धान्य बाजरा मूग मोठ चना मक्का घृत तेल सोना चांदी आदि धातुयें मन्दी हो शीत प्रकोप अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

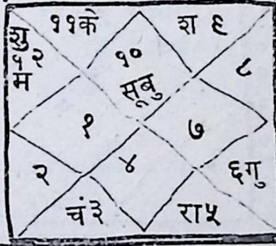

४४पं.मा.शु.१२बु. इ. २९/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	५	११	८	४	९
२५	१४	७	२९	९	१	१०	२५
५५	२२	३३	०	३७	९	४	४५
१	४१	३२	५४	२०	३२	१२	३०
६०	५२	९०	०	४१	५	३	६०
४७	४०	२	५	१७	१८	११	५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	शिशिरर्तूरवि रुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	५५	२०	श्ले	४	५२	शो	३८	५२	बा	२६	४४	२७/३०	६/३०	५/३०	२२	१३	११	सिं. ५४/२	रेवत्यां भौमः ४२।५४
२	र	५४	७	म	४	१७	अ	३४	४९	तै	२४	४३	३४	२९	३१	२३	१४	१२	सिंहे	कुंभेऽर्कः ३२।७ (सौरः ४०।३२)
३	चं	५४	३७	पू	४	५३	सु	३२	११	व	२४	२२	३८	२८	३२	२४	१५	१३	क. २०/३१	भ. २४।२२ उ. ५४।३७ या.
४	मं	५७	०	उ	७	२६	धृ	३०	०	ब	२५	४९	४१	२८	३२	२५	१६	१४	कन्यायां	चतुर्थी व्रतम्
५	बु	६०	०	ह	११	४६	शू	३०	४३	कौ	२८	५५	४५	२७	३३	२६	१७	१५	तु.४४।४०	
५	गु	०	५१	चि	१७	३४	गं	३१	५७	तै	०	५१	४९	२६	३४	२७	१८	१६	तुलायां	
६	शु	६	१८	स्वा	२४	१४	वृ	३३	२४	व	६	१८	५३	२५	३५	२८	१९	१७	तुलायां	भ. ६/१८ उ.३९/२२ या बुधा.पू. ५४/१८पातस्पर्शः×
७	श	१२	२६	वि	३१	४३	ध्रु	३५	४४	ब	१२	२६	५६	२५	३५	२९	२०	१८	वृ.१४।५०	धनि. बु. २६।५२ [× २५/६ पातमोक्षः ४४/३४
८	र	१८	५६	अ	३९	१३	व्या	३८	३	कौ	१८	५६	२८/००	२४	३६	३०	२१	१९	वृश्चिके	शते. रवि. ८।२३ (सौरः१५।५४)
९	चं	२५	१४	ज्ये	४६	२३	ह	३९	५६	ग	२५	१४	४	२३	३७	१	२२	२०	ध.४६।२३	भ. ५७/५६ उ. रे. शुक्रः ३८।५६ भा.फा.
१०	मं	३०	३८	मू	५२	३१	व	४१	५	वि	३०	३८	८	२२	३८	२	२३	२१	धनुषि	भ. ३०।३८ या.
११	बु	३४	४६	पू	५७	१४	सि	४१	२	ब	२	४२	१२	२२	३८	३	२४	२२	धनुषि	कुंभे. बुधः ३०।६विजया ११ व्र.
१२	गु	३७	२७	उ	६०	०	व्य	३९	५५	कौ	६	६	१६	२१	३९	४	२५	२३	म.१३।४	
१३	शु	३८	२५	उ	०	३३	व	३७	२४	ग	७	५६	२०	२०	४०	५	२६	२४	मकरे	भ. ३६/२५ उ. प्रदोषःमहाशिवरात्री व्र.स्मा.
१४	श	३७	३४	श्र	२	२	प	३३	३८	वि	७	५९	२४	१९	४१	६	२७	२५	कु.३१।५९	भ. ७।५९ या महाशिवरात्री व्र. वै.
३०	र	३५	१४	ध	१	५६	शि	२८	३८	च	६	२४	२८	१८	४२	७	२८	२६	कुम्भे	शते. बुध २७।२२

४५पं.फा.कृ.५बु.इ.३०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	५	११	८	४	१०
२	१९	१८	२८	१४	१	९	२
५९	३२	२४	५३	४	४३	४१	५१
४९	१३	३६	४२	१	१६	५६	३३
६०	४२	०/०	१/३०	३२	४	३	६०
३७	४०	९/१४	व.	४२	४९	११	४२

गोचर ग्रहाः

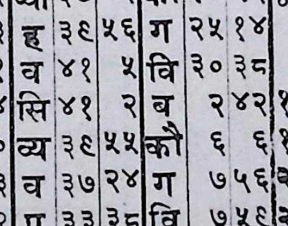

फाल्गुन कृष्णे २ रवौ कुँभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्या दिभावे समता शुक्रो- दय पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

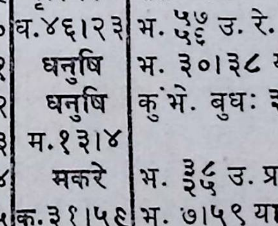

४६पं.फा.कृ.११बु.इ. ३०/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	५	११	८	४	१०
१०	२४	०	२८	१७	२	९	९
३	४०	०	३६	१९	१२	१९	५६
२२	४१	११	११	३०	५४	४०	६
६०	४२	७/०	२	२१	४	३	६०
२५	३५	९/१४	५६	१७	२०	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:२१५४स.२०१७
१	चं	३१	४०	श	०/४८	५७/२२	सि	२३	४४	किं	३	२७	२८/३२	६/१८	५/४२	८	२९	२७	मी. ४३/४९	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
२	मं	२७	८	उ	५४	५५	सा	१६	१	कौ	२७	८	३६	१७	४३	९	३०	२८	मीने	भ.४९/१४उ.अश्वि.मेषेभौम:४८।९मार्च ३ ÷
३	बु	२१	५५	रे	५१	१४	शु	९	११	ग	२१	५५	४०	१६	४४	१०	१	१	मे.५१।१४	भ.१६/३४या.पातस्पर्श:२६/५पातमोक्ष:२०।१४
४	गु	१६	३४	अ	४७	३७	शु	१/८	५२/४६	वि	१६	३४	४४	१५	४५	११	२	२	मेषे	[÷ ता.३१जमादिलाखर ६
५	शु	११	१	भ	४३	५०	ऐं	४६	४४	बा	११	१	४८	१४	४६	१२	३	३	वृ.५७।५६	पूभा.रवि:२४/३९(सौर:३०/४१)वक्रीशुक्र:२७/१८
६	श	५	३५	कृ	४०	१७	वै	३९	२३	तै	५	३५	५२	१४	४६	१३	४	४	वृषे	भ.१९/०उ.२७/५५या.पूफा.बुध:३९/३८होलाष्टकम्
७	र	०	१९	रो	३६	५७	वि	३२	१४	व	०	१९	५६	१३	४७	१४	५	५	वृषे	
८	र	५५	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
९	चं	५०	३४	मृ	३३	५३	प्री	२५	१३	बा	२३	२	२९	१२	४८	१५	६	६	मि५।२५	
१०	मं	४६	०	आ	३१	४	आ	१८	२७	तै	१८	१७	५	११	४९	१६	७	७	मिथुने	
११	बु	४१	५३	पु	२८	३८	सौ	१२	२४	व	१३	५६	९	१०	५०	१७	८	८	क.१३।४५	भ.१३।५६उ.४१।५३या.आमलकी११व्र.
१२	गु	३८	३२	पु	२६	५३	शो	६	३६	ब	१०	१२	१३	९	५१	१८	९	९	कर्के	
१३	शु	३५	३७	श्ले	२५	४१	अ	१/९	५५/२७	कौ	७	४	१७	९	५१	१९	१०	१०	सि. २५/४१	मीनेबुध:४९।१५प्रदोष:
१४	श	३३	५६	म	२५	४३	धृ	५३	८	ग	४	४७	२१	८	५२	२०	११	११	सिंहे	भ.३३।५६उ.
१५	र	३३	२३	पू	२६	५५	शू	५०	२६	वि	३	४०	२६	७	५३	२१	१२	१२	कं.४२।३१	भ.४३/०या.उभा.बुध:३८/४५होलिकादहनम्

४७पं.फा.शु.३बु.इ. ३०।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	५	११	८	४	१०
१७	२९	१२	२८	१९	२	८	१६
५	४७	२२	११	१	३८	५७	५९
३५	३५	५	३८	४१	२२	२५	००
६०	४२	१९/८	४/८	७	३	३	६०
१२	२४	९/२	व.	२	३९	११	२०

गोचर ग्रहाः

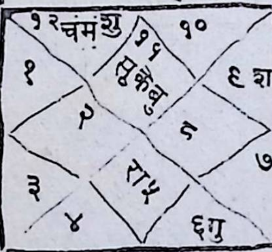

इस मास में धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड़ शक्कर गन्ना वस्त्र बाजरा मूंग मोठ तेज हो प्रजा में महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

४८पं.फा.शु.११बु.इ. ३०/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	५	११	८	४	१०
२४	४	२५	२७	१८	३	८	२४
६	५१	३२	३८	४९	०	३५	०
२२	४३	४६	२	२६	१८	९	२३
५९	३२	९/८	५/२३	९/४१	३	३	६०
५८	१०	९/५४	व.	व.	०	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७३ शाकः १९३८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेफाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं	३४	११	उ	२९	२०	गं	४९	२३	बा	३	४७	२९/३०	६/६	५/५४	२२	१३	१३	कन्यायां	वसंत १ छारेंडी
२	मं	३६	४६	ह	३३	१७	वृ	४८	४१	तै	५	२८	३४	५	५५	२३	१४	१४	कन्यायां	मीनेऽर्क:२५/२(सौर:३१/२)पातस्पर्श:११/२३ ×
३	बु	४०	१९	चि	३८	३५	ध्रु	४९	२५	व	८	३२	३८	४	५६	२४	१५	१५	तु.५१५६	भ.३८/२उ.४०/१९या.वक्रीउभा.शुक्र:१७।५
४	गु	४५	२६	स्वा	४४	२८	व्या	५०	४८	ब	१२	५३	४३	३	५७	२५	१६	१६	तुलायां	मूल.२शनि:३७।४८चतुर्थी व्र.
५	शु	५१	१६	वि	५२	४	ह	५२	५०	कौ	१८	२१	४७	३	५७	२६	१७	१७	वृ.३५।१०	उभा.रवि:४६।२६(सौर:५१।३८)
६	श	५७	३७	अ	५९	३५	व	५५	१४	ग	२४	२६	५१	२	५८	२७	१८	१८	वृश्चिके	भ.५७।३७उ.वक्रीचित्रा.१गुरु:२८।१४
७	र	६०	०	ज्ये	६०	०	सि	५७	३४	वि	३०	४९	५५	१	५९	२८	१९	१९	वृश्चिके	भ.३०/४१या.रेवत्यांबुध:१६/१४बुधोदय: =
७	चं	४	१	ज्ये	७	३	व्य	५९	१९	ब	४	१	३०/००	६/००	६/००	२९	२०	२०	ध ७।३	भरण्यांभौम:१५।३८शीतलापूजनम्
८	मं	९	४६	मू	१३	५८	व	५९	४९	कौ	९	४६	४	५/५९	१	३०	२१	२१	धनुषि	[×पातमोक्ष:२६।२५ [=पश्चिमायां ३९/२६
९	बु	१४	१८	पू	१९	२६	प	५९	५१	ग	१४	१८	८	५८	२	१	२२	२२	म.३५।२९	भ.४५।५३उ.भा.चैत्रारंभ:
१०	गु	१७	२९	उ	२३	४१	शि	५८	४	वि	१७	२९	१२	५८	२	२	२३	२३	मकरे	भ.३२/७०या.शुक्रास्त:पश्चिमायां४९।४८
११	शु	१८	३९	श्र	२५	५२	सि	५४	४३	बा	१८	३९	१६	५७	३	३	२४	२४	कुं.५५।५९	पापमोचनी११व्र.
१२	श	१७	५७	ध	२६	७	सा	४९	५३	तै	१७	५७	२१	५६	४	४	२५	२५	कुंभे	प्रदोष:
१३	र	१५	२६	श	२४	४२	शु	४३	४३	व	१५	२६	२५	५५	५	५	२६	२६	कुंभे	भ.१५/२६उ.४३/१२या.अश्वि.मेषेबुध:१३।४९
१४	चं	१०	५८	पू	२१	४०	शु	३६	२३	श	१०	५८	२९	५४	६	६	२७	२७	मी. ७/२६	शुक्रोदय:पूर्वस्यां३९।३६
३०	मं	५	९	उ	१७	८	ब्र	२८	१	ना	५	९	३३	५३	७	७	२८	२८	मीने	मन्वादि:नवरात्रारंभ:

४९पं.चै.कृ. ३बु. इ. ३१/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	५	११	८	४	११
१	९	९	२६	१६	३	८	१
५	५४	१९	५८	३३	१७	१२	०
३५	५०	१६	४१	५८	२८	५४	५
५९	४१	७/५	६/२०	३५/३८	२	३	५९
४१	९	२१	व.	व.	१७	११	४९

गोचर ग्रहाः

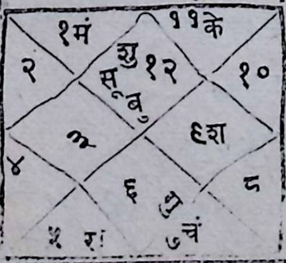

चैत्र कृष्णे २ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

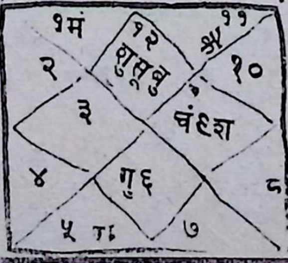

५०पं.चै.कृ.९बु.इ.३१/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	५	११	८	४	११
८	१४	२३	२६	१२	३	७	७
३	५४	२१	११	४२	२०	५०	५८
१८	५४	३२	५६	७	२९	३८	००
५९	४१	९/०	७/३१	३५/२०	१	३	५९
२९	५३	३५	व.	व.	[illegible]	११	३२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११८, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणभ् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५११८, भोग्यकलिः ४२६८८२, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७४, शाकः १९३९, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री गुरुः । सस्येशो रविः । धान्येशः शुक्रः । मेघेशोबुधः। रसेशो भौमः नीरसेशो रविः । फलेशोबुधः । धनेशः शनिः । दुर्गेशोबुधः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ५ विरोधकृन्नाम संवत्सरः प्रवर्तते तस्यमेषार्कसमये गतमासादिः ०।१४।५२।४८ भोग्यमासादिः ११।१५।७।१२ चंद्रदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम चैत्रः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःतटे । समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० समयवाहनम् सिंचायुःस्तंभा ३ अन्न-जलतृणानां । सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी२ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी१, रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३९५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६, तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् ७ तृणम् १३, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०३, शनिदृष्टिः पश्चिमे सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहणं २ चंद्रमसः

सं.२०७४ शा. १९३९ श्रा. शु.१५
चंद्रे चंद्र ग्रहणम् ।

		स्प.	म.	मो.
उज्जै.	घ.	४०	४३	४५
	प.	५०	२१	५२
ग्रेनिच टा.	घं.	१०	११	१२
	मि.	४७	४७	४८

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ०।२४

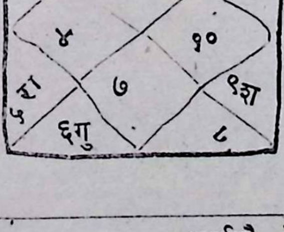

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ भैरव भणे सुणो अंबिका माय ।
चोहत्तर की साल का सांचा भेद बताय ।।

भवानी उत्तर

चोहतरिये चकवाससी होय अन्न को काल ।
मही न मांट विलोयसी दहीन मांगे बाल ।।
श्रावण अरु आषाढ में रवि आगे कुजराय ।
पवन चक्र जग में चले बिन वर्षा तरसाय ।।
छोटा मोटा मानवी धबरायें इस साल ।
व्यापारां घटबढ धणी होसी माला माल ।
वर्षा विश्वा पांच है रोहिणी तट निरधार ।
संवत् मध्यम होयसी ना सारे इकसार ।।

संवत् २०७४ शा. १९३९ माघ शु.
१५ बुधे खग्रास चंद्र ग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
उ.म.	घ.	२७	२९	३१	३३	३५
	प.	१२	४९	२६	३	४०
ग्रे.टा.	घं.	५	६	७	७	८
	मि.	२०	२१	१	४०	४३

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ८।२८

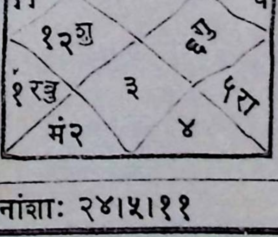

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५५।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।५।११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमे नृपे वन्हिभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च ।। दुखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयौमुंचति वारिवाहाः ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविध धान्य युता खलु मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुर गुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशो रविः फलम्।। सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्व धान्यं समर्घ बहवौपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढयाः स्वल्पं च सस्यं वहुभूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्या समर्घतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधस्तत्फलम् ।। अमृत रश्मि सुते यदि वारिपे बहुजलं तुषधान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसोविविध सौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशो भौमस्तत्फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रसराशियुता जनताशुभा । नरपतिर्विषमो जनता पदो न बहुवृष्टिकरो जलदोभुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्येत्रपु चंदनयोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घ बृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपे फल मुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमं कमलैर्युतं जनपदा जन सौख्य मुदान्विताः । धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणी पतयः सदा । अधनिका वणिजः कृषि जीविनो द्विजवरा परिपीड़ित मानसाः ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम् ।। विषय साम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगतेनु विशेशतः । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ।। विरोधकृन्नरुम संवत्सरः फलम् ।। विरोध कृद्वत्सरेतु परस्पर विरोधिनः । सर्वेजना नृपाश्चैव मध्य सस्यार्घ बृष्टयः ।। वर्षनाम चैत्रस्तत्फलम् ।। सस्यानि घृत कार्पासि तैलादि सुख संचयः । चैत्र वर्षे भवेद्वृद्धिः नृप सौख्य फलप्रदा । मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जलपूरिता । रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे बृष्टिः सुशोभना । समयनिवासो रजकगृहे फलम्।। रजके बृष्टि रुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाखमासः

कृष्णा ७ भौमे उषा ल. १० श.पू.ल. १२ गु.पू. रे ६ ऽ।।।ऽनृऽऽ।।

,, ८ बुधे उषा ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) रे७ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ३ शनौ मृगे ल.१२(गु.७पूज्यः)रे.६।।।।ऽचौ।।।

,, ११ शनौ उफा ल.१०श.पू.सत् रे.८ ।।।।ऽनृऽ।।

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ९ शुक्रे शनौ हस्ते ल. गो (भौमाऽष्टमः) ल.१० व्यये शनिः रे.६ ।।।।।ऽ।।

,, ११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (भौमाष्टमः)

,, १३ बुधे अनु ल. १०।१२ रे.७।।।ऽऽनृ३९या ।ऽ।।

मकरलग्नंघ.४२।८उपरांत शनिपूजनातसत्

आषाढ मासः

कृष्णा ९ रवौ रेव ल. १-२-१० रे. ८ ।।।ऽ।।ऽ।।

मकरे श. पूज्यः

शुक्ला ६ रवौ स्वात्यां ल. १ (चन्द्रोऽर्च्यः) रे८।।।।।
(रो.४८उ.)।ऽ।।

,, १० चन्द्रे स्वात्यां ल.गो.१०रे८।।।।ऽ।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ५ गुरौ उषा ल. ऽन्यगो ७ रे ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।

,, १५ रवौ रोहि. ल. ५-६ ।।।ऽऽरोऽऽ।।

पौष मासः

कृष्णा १ चन्द्रे मृगे ल. ५-६ रे ७ ।ऽ।ऽ।।ऽ।।

,, ८ रवौ उफा ल. ६ रे ७ ।।।।।ऽचौऽऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ शुक्र उफा ल. ७ (घ.३७।उ) रे.८
।।।।ऽऽरो-४०या ।।।।

,, २ शनौ उफा ल. गो. रे. ९ ।।।ऽ।।।।।

,, ७ गुरौ अनु ल. ऽन्यगो रे ८ ऽऽ।।।।।।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततुंरविरुत्तरेऽहर्गणः२१८४सन्२०१७
१	मं	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	५०	५८	रे	१२	१	ऐं	१९	२०	बा	२४	३५	३०/७	५/५३	६/७	८	२९	२९	मे.१२।१	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	४३	२६	अ	६	२३	वै	१०	१९	तै	१७	१२	४१	५२	८	९	१	३०	मेषे	रज्जव ७ मत्स्य जयंती गणगेरी
४	शु	३६	२५	भ	३/०	५४/४७	वि	१/१९	५०/२५	व	९	५५	४५	५१	९	१०	२	३१	वृ.१४।४१	भ.९।५५उ.३६।२५या.रेवत्यां रविः×
५	श	२९	३५	रो	५१	२२	आ	४४	५९	ब	३	०	४९	५०	१०	११	३	१	वृषे	अप्रेल४ता.३०
६	र	२३	३१	मृ	४७	३०	सौ	३७	२५	तै	२३	३१	५३	४९	११	१२	४	२	मि१९।२६	[×१४।५(सौरः१९।५)
७	चं	१८	४०	आ	४४	४२	शो	३०	४१	व	१८	४०	५७	४९	११	१३	५	३	मिथुने	भ.१८।४०उ.४६।१८या.
८	मं	१३	५५	पु	४२	४९	अ	२४	५०	ब	१३	५५	३/१	४८	१२	१४	६	४	क.२८।१७	रामनवमी स्मा.
९	बु	१०	२७	पु	४१	४४	सु	१९	३५	कौ	१०	२७	५	४७	१३	१५	७	५	कर्के	रामनवमी वै.
१०	गु	८	२	श्ले	४१	४६	धृ	१५	२२	ग	८	२	१०	४६	१४	१६	८	६	सिं४१।४६	भ.३७।१८उ.वक्रीशनिः३४।४९.
११	शु	६	३५	म	४२	४५	शू	११	४४	वि	६	३५	१४	४५	१५	१७	९	७	सिंहे	भ.६।३५या.वक्रीबुधः५३/५७कामदा११व्र.
१२	श	५	५९	पू	४४	५०	गं	९	८	बा	५	५९	१८	४४	१६	१८	१०	८	सिंहे	कृत्ति.भौमः१०।५८ प्रदोषः
१३	र	६	४०	उ	४७	५५	बृ	७	२	तै	६	४०	२२	४४	१६	१९	११	९	कं.०।३६	वक्रीपूभा.शुक्रः१४।३०
१४	चं	८	२४	ह	५२	१	ध्रु	६	२६	व	८	२४	२६	४३	१७	२०	१२	१०	कन्यायां	भ.८।२४उ.३९।५३या.
१५	मं	११	२२	चि	५७	१४	व्या	६	३	ब	११	२२	३०	४२	१८	२१	१३	११	तु.२४।३७	बुधास्तःपश्चिमायाँ४६।२५ हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.२बु.इ.३१/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	५	११	८	४	११
१४	१९	३	२५	८	३	७	१४
५९	५३	३४	२१	१७	३६	२८	५४
१०	२४	५५	११	२	५४	२२	१०
५९	४१	८०	७/४३	३४/२५	०	३	५९
१६	४९	४७	व.	व.	५७	११	१८

गोचर ग्रहाः

भूमिपुत्रो यदा मेषे-
सुभिक्षं सर्वधान्यकम्।
प्रवलानि महर्घाणि
क्रोधवांस्तु भवेन्नृप ।।
इस मास में धान्य
मंदा होकर सुदि में
कुछ तेज हो

गोचर ग्रहाः

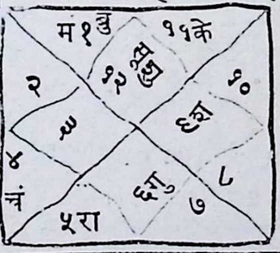

५२पं.चै.शु.९बु.इ.३२।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	५	११	८	४	११
२१	२४	९	२४	४	३	७	२१
५३	५९	४४	२८	४४	३९	६	४८
३१	३७	३१	२६	५२	४७	७	२१
५९	४१	१४	७/५२	२२/५५	०	३	५९
४	४४	३२	व.	व.	७	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	१५	२६	स्वा	६०	०	ह	६	४८	कौ	१५	२६	३१/३४	५/४१	६/१९	२२	१४	१२	तुलायां	वृषे भौमः ५४।५
२	गु	२०	३५	स्वा	३	४१	व	८	१५	ग	२०	३५	३८	४०	२०	२३	१५	१३	वृ.५३।५५	भ.५३।२४उ.अश्वि.मेषेऽर्कः४८।१=
३	शु	२६	१३	वि	१०	४०	सि	१०	१३	वि	२६	१३	४२	४०	२०	२४	१६	१४	वृश्चिके	भ.२६।१३या.वक्रीहस्त.४गुरुः९।१२–
४	श	३२	२७	अ	१८	८	व्य	१२	३८	बा	३२	२७	४६	३९	२१	२५	१७	१५	वृश्चिके	मार्गीशुक्रः२०।२० [–चतुर्थीव्रतम्
५	र	३८	४५	ज्ये	२५	५०	व	१४	५३	कौ	५	३६	५०	३८	२२	२६	१८	१६	ध.२५।५०	[=(सौरः५३/३८)मघा.२राहुःधनि४केतुः४७/४२
६	चं	४४	५२	मू	३३	१५	प	१७	२०	ग	११	४९	५३	३७	२३	२७	१९	१७	धनुषि	भ.४४।५२उ.
७	मं	४९	५४	पू	३९	४८	शि	१८	५४	वि	१७	१८	५७	३७	२३	२८	२०	१८	म.५५।५९	भ.१७।१८या.
८	बु	५३	५२	उ	४४	५८	सि	१९	३९	बा	२१	५३	३/१	३६	२४	२९	२१	१९	मकरे	
९	गु	५६	१	श्र	४८	३७	सा	१८	५८	तै	२४	५६	५	३५	२५	३०	२२	२०	मकरे	उभा.शुक्रः५६।३०
१०	शु	५६	१०	ध	५०	१९	शु	१७	११	व	२६	५	९	३४	२६	१	२३	२१	कुं.१९।२८	भ.२६।५उ.५६।१०या.भा.वैशाखारंभः
११	श	५४	१८	श	४९	५९	शु	१३	२७	ब	२५	१४	१२	३४	२६	२	२४	२२	कुम्भे	वरुथिनी११व्र.स्मा.
१२	र	५०	२३	पू	४७	३७	ब्र	८	१२	कौ	२२	२१	१६	३३	२७	३	२५	२३	मी३३।१३	वरुथिनी११व्र.वै.
१३	चं	४४	३४	उ	४३	३२	ऐं	१/३०	५१/४३	ग	१७	२८	२०	३२	२८	४	२६	२४	मीने	भ.४४।३४उ. प्रदोषः
१४	मं	३७	२	रे	३७	५८	वि	४४	८	वि	१०	४८	२३	३१	२९	५	२७	२५	मे.३७।५८	भ.१०।४८या.
३०	बु	२८	४४	अ	३१	२७	प्री	३४	७	च	२	५३	२७	३१	२९	६	२८	२६	मेषे	वक्री मूल.१शनिः५२।२०

१पं.वै.कृ.२बृ.इः ४८/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	११
०	०	१०	२३	२	२	६	२९
०	३७	३	२२	४९	३७	३९	५४
०	१९	७	४८	५५	४१	५९	३५
५८	४१	२६/३३	७/५२	३/३१	०/४०	३	५८
४४	२९	व.	व.	व.	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे २ गुरौ
मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३
न. ४ प्रगलभावस्था
(बैठी)मु.४५ धान्यादि
भावे समर्घता शुक्रो-
दयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२पं. वै.कृ. ९ बृ.इ. ४८/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
६	५	५	२२	३	३	६	६
५०	२९	५२	३०	२१	३०	१७	४४
४२	६	२३	२१	४३	११	४३	४६
५८	४१	४१/३१	७/२९	१२/२९	१/२८	३	५८
३१	१९	व.	व.	मा	व.	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः	सं. २०७४	शाकः १९३९										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२२१३स.२०१७
१	गु	१९	३५	भ	२४	२१	आ	२३	५८	ब	१९	३५	३२/३१	५/३०	६/३०	७	२९	२७	वृ.३७।३५	भरण्यांरविः२८/१९(सौरः३५/३)रोहि.भौमः+
२	शु	१०	२९	कृ	१७	२०	सौ	१३	५०	कौ	१०	२९	३४	२९	३१	८	१	२८	वृषे	बुधोदयःपूर्वस्यां३६/३०सावानन्दपरशुरामजयं.
३	श	१	४६	रो	१०	४५	शो	३/५९	५०/४९	ग	१	४६	३८	२८	३२	९	२	२९	मि ३७/५९	भ.२६।५०उ.५३।४०या.अक्षया ३ [+ २०।८चंद्रदर्शनम्
४	श	५१	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	र	४६	४६	मृ	५	१४	सु	४६	४७	व	२०	१३	४१	२८	३२	१०	३	३०	मिथुने	
६	चं	४१	३	आ	०/३८	५६/४९	धृ	३९	५०	कौ	१३	५४	४५	२७	३३	११	४	१	क.४३।१५	मई ५ ता. ३१
७	मं	३६	५१	पु	५५	४७	शू	३३	५७	ग	८	५७	४८	२६	३४	१२	५	२	कर्के	भ.३६।५१उ.
८	बु	३४	१२	श्ले	५५	३१	गं	२९	२२	वि	५	३१	५२	२६	३४	१३	६	३	सि.५५/३१	भ.५।३१या.
९	गु	३२	५३	म	५७	२	वृ	२५	५६	बा	३	३२	५५	२५	३५	१४	७	४	सिंहे	
१०	शु	३३	८	पू	५९	२२	ध्रु	२३	३१	तै	३	०	५८	२४	३६	१५	८	५	सिंहे	मार्गीबुधः४१।५५
११	श	३४	४०	उ	६०	०	व्या	२२	१८	व	३	५४	३/२	२४	३६	१६	९	६	कं.१५।१७	भ.३।५४उ.३४।४०या.मोहिनी११व्र.
१२	र	३७	१३	उ	३	१	ह	२२	५	ब	५	५६	५	२३	३७	१७	१०	७	कन्यायां	
१३	चं	४१	५	ह	७	३६	व	२२	२७	कौ	९	९	८	२२	३८	१८	११	८	तु.४०।३४	प्रदोषः
१४	मं	४५	३७	चि	१३	३३	सि	२३	२८	ग	१३	२१	११	२२	३८	१९	१२	९	तुलायां	भ.४५।३७उ.नृसिंह जयंती
१५	बु	५१	४	स्वा	२०	१२	व्य	२५	१४	वि	१८	२०	१४	२१	३९	२०	१३	१०	तुलायां	भ.१८।२०या.यमायकुंभदानम्

३पं. वै.शु. १वृ.इ. ४८/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
१३	१०	१	२१	५	२	५	१३
३९	१९	४५	४१	३४	१८	५५	३३
४७	३४	५४	३५	४१	०	२७	११
५८	४१	३०/२८	६/४६	२५	२/८	३/२	५८
१९	१५	व.	व.	५८	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य जो गेहूं चना मटर सरसों बाजरा में मंदी होकर तेजी हो धातुओं में मंदी रस में तेजी चले।

गोचर ग्रहाः

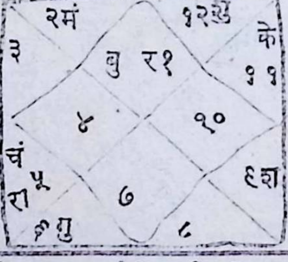

४पं.वै.शु. ९वृ.इ.४८/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
२०	१५	०	२०	९	३	५	२०
२७	७	३१	५७	१४	१	३३	१९
२५	४४	५५	४०	६	१९	१२	५६
५८	४१	३/४९	६/०	३६	२/४१	३	५७
६	५	व.	व.	९	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः	सं. २०७४	शाकः १९३९										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	५६	५२	वि	२७	२	व	२७	१२	बा	२३	५८	३३/१७	५/२१	६/३०	२१	१४	११	वृ.१०।१९	कृत्ति.रविः१४।१५(सौरः२२।५५)
२	शु	६०	०	अ	३४	३१	प	२९	४१	तै	२९	५६	२०	२०	४०	२२	१५	१२	वृश्चिके	
२	श	३	१	ज्ये	४१	५९	शि	३२	४	ग	३	१	२३	१९	४१	२३	१६	१३	ध.४१।५९	भ.३६।७उ.
३	र	९	१४	मू	४९	२८	सि	३४	३३	वि	९	१४	२६	१९	४१	२४	१७	१४	धनुषि	भ.१४/९या.वृषेऽर्कः४१/३०सौरः५०/४२)चतुर्थी व्र.
४	चं	१५	९	पू	५६	३१	सा	३६	२३	बा	१५	९	२८	१८	४२	२५	१८	१५	धनुषि	रेवत्यांशुक्रः४९/४६वक्रीहस्त.३गुरुः५९।२९
५	मं	२०	२२	उ	६०	०	शु	३७	४५	तै	२०	२२	३१	१८	४२	२६	१९	१६	म.१३।१	
६	बु	२४	४९	उ	२	३२	शु	३८	१४	व	२४	४९	३४	१७	४३	२७	२०	१७	मकरे	भ.२४।४९उ.५६।१५या.मृगेभौमः५४/२०
७	गु	२७	४१	श्र	७	२४	ब्र	३७	३१	ब	२७	४१	३७	१७	४३	२८	२१	१८	कुं.३९।३	
८	शु	२८	५८	ध	१०	४४	ऐं	३५	२९	कौ	२८	५८	३९	१६	४४	२९	२२	१९	कुंभे	
९	श	२८	२६	श	१२	११	वै	३२	१	ग	२८	२६	४२	१६	४४	३०	२३	२०	मी.५६/४८	भ.५७।५उ.
१०	र	२५	४४	पू	११	५३	वि	२७	४१	वि	२५	४४	४४	१५	४५	३१	२४	२१	मीने	भ.२५।४४या.
११	चं	२२	१३	उ	९	२	प्री	१९	५५	बा	२२	१३	४७	१५	४५	१	२५	२२	मीने	भा.ज्येष्ठारंभःअपरा११व्र.
१२	मं	१४	३९	रे	४/४१	५४/११	आ	१२	४५	तै	१४	३९	४९	१४	४६	२	२६	२३	मे.४।४१	भरण्यांबुधः२७।२०प्रदोषः
१३	बु	६	४४	भ	५१	५५	सौ	३/२३	४४/९	व	६	४४	५२	१४	४६	३	२७	२४	मेषे	भ.६।४४उ.३२।५या.
१४	बु	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३०	गु	४७	४१	कृ	४४	८	अ	४१	१६	च	२२	३३	५४	१३	४७	४	२८	२५	वृ.४।५८	रोहि.रविः५।४(सौरः१६/५०)वटपूजनम्

५पं. ज्ये.कृ. १वृ.इ.४९/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	५	११	८	४	०
२७	१९	२	२०	१३	२	५	२७
१३	५३	४६	२०	२७	४१	१०	५
५५	३१	१९	२	४६	२०	५६	१०
५७	४१	२६/२२	४/५२	४४	३/२१	३	५७
५५	१	मा	व.	१०	व.	११	४५

६पं.ज्ये.कृ.७वृ.इ.४९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	५	११	८	४	१
३	२४	८	१९	१९	२	४	३
५८	३७	१४	४९	९	१७	४८	४८
३७	४८	५६	३०	३२	२०	४१	५३
५७	४०	५३	४/३	५०	५/३२	३	५७
४४	४३	३७	व.	१	व.	११	३४

७पं.ज्ये.कृ.३०वृ.इ.४९/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	५	११	८	४	१
१०	२९	१६	१९	२५	१	४	१०
४२	२०	२७	२६	८	५१	२६	३१
२९	२४	२९	३१	२८	२५	२५	४
५७	४०	७९	२/२८	५४	४/९	३	५७
३५	३७	१६	व	४०	व.	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२२४२स.२०१७
१	शु	३७	४०	रो	३६	१३	सु	३०	२५	किं	१२	४०	३३/५६	५/१३	६/४७	५	२९	२६	वृषे	मिथुनेभौमः४७।४५
२	श	२७	४९	मृ	२८	४७	धृ	१९	५५	बा	२	४४	५८	१२	४८	६	३०	२७	मि२।३०	चंद्र दर्शनम्
३	र	१९	३	आ	२२	१०	शू	९	५६	ग	१९	३	३४/००	१२	४८	७	१	२८	मिथुने	भ.४५।१७उ.रमजान ९
४	चं	११	३१	पु	१६	४३	गं	५२	५२/३६	वि	११	३१	२	१२	४८	८	२	२९	क.३।४	भ.११।३१या.
५	सं	५	३१	पु	१३	११	ध्रु	४७	३६	बा	५	३१	३	११	४९	९	३	३०	कर्के	
६	बु	१	२३	श्ले	११	३३	व्या	४२	५५	तै	१	२३	५	११	४९	१०	४	३१	सिं११।३३	भ.५९/६उ.अश्विमेषेशुक्रः१३/१९अस्तोभौमः३२/५५
७	बु	५७	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	सिंहे	
८	गु	५८	५०	म	११	२८	ह	३९	४६	वि	२८	५८	७	११	४९	११	५	१	सिंहे	भ.५८/२६या.कृत्ति.बुधः३९/२जूनद्दता.३१
९	शु	६०	०	पू	१३	३३	व	३८	१०	बा	२९	३४	९	१०	५०	१२	६	२	कं.२९।२४	
९	श	०	१९	उ	१६	५८	सि	३७	५६	कौ	०	१९	१०	१०	५०	१३	७	३	कन्यायां	वृषेबुधः३८।३२
१०	र	३	१३	ह	२१	५९	व्य	३८	४०	ग	३	१३	१२	१०	५०	१४	८	४	तु.५५।१	भ.३५।२१उ.गंगादशमी
११	चं	७	२९	चि	२८	२	व	३९	३६	वि	७	२९	१३	९	५१	१५	९	५	तुलायां	भ.२९/७या.आर्द्रा.भौमः५०/४०निर्जला११व्र.
१२	मं	१२	३२	स्वा	३४	५९	प	४१	१३	बा	१२	३२	१५	९	५१	१६	१०	६	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	१८	२७	वि	४२	८	शि	४४	१७	तै	१८	२७	१६	९	५१	१७	११	७	वृ.२५।२१	मृगेरविः५९।५७मार्गीगुरुः६।३२
१४	गु	२४	२६	अ	४९	४१	सि	४६	३८	व	२४	२६	१७	९	५१	१८	१२	८	वृश्चिके	भ.२४/३६उ.५७/२६या.मृगेरविः(सौरः१५।४०)
१५	शु	३०	२७	ज्ये	५७	९	सा	४९	७	ब	३०	२७	१८	८	५२	१९	१३	९	ध.५७।९	रोहि.बुधः६।३०गुजराणांवटसावित्री व्र.

८पं, ज्ये.शु.८बृ.इ.४९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	५	०	८	४	१
१७	४	२६	१९	१	१	४	१७
२५	१	५७	१२	३३	२२	४	१२
१९	२३	१४	१८	२९	५५	९	१८
५७	४०	०/०	१/७	५८	४/२७	३	५७
१७	३३	०/२५	व	२५	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णे ३ रवौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ नः४बालावस्था (बैंठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

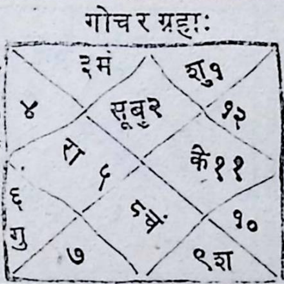

९पं.ज्ये.शु.१४वृ.इ.४९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	५	०	८	४	१
२४	८	९	१९	८	०	३	२३
७	४०	२६	७	२१	५२	४१	५२
१९	१६	२८	२६	२९	३७	५४	६
५७	४०	७/०	२/०	६१	४/०	३	५७
२२	२३	५/२	मा	७	व	११	

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	३६	३०	मू	६०	०	शु	५१	२१	बा	३	२८	३४/१९	५/८	६/५२	२०	१४	१०	धनुषि	बुधास्तःपूर्वस्यां३०।१२-
२	र	४२	४	मू	४	२०	शु	५३	१५	तै	९	१७	१९	८	५२	२१	१५	११	धनुषि	
३	चं	४६	५३	पू	१०	३	ब्र	५४	३२	व	१४	२८	२०	८	५२	२२	१६	१२	म.२६।४७	भ.१४।२८उ.४६।५३या.
४	मं	५१	१	उ	१६	५९	ऐं	५५	२६	ब	१८	५७	२१	८	५२	२३	१७	१३	मकरे	भरण्यांशुक्रः५१।१४चतुर्थीव्र.
५	बु	५४	५	श्र	२३	१३	वै	५५	१७	कौ	२२	३३	२१	८	५२	२४	१८	१४	कुं.५४।४६	मिथुनेऽर्कः५८।३१
६	गु	५५	४९	ध	२६	२०	वि	५३	४१	ग	२४	५७	२२	८	५२	२५	१९	१५	कुंभे	भ.५५/४९मिथुनेऽर्कःसौरः१६/२८मृगेबुधः३८/४४ =
७	शु	५६	१०	श	२८	५६	प्री	५१	४८	वि	२५	५९	२२	८	५२	२६	२०	१६	कुंभे	भ.२५।५९या.
८	श	५४	५२	पू	३०	४	आ	४८	११	बा	२५	३१	२३	७	५३	२७	२१	१७	मी१४।४७	[= मघा.१राहुःधनि.३केतुः४२।२५
९	र	५१	५६	उ	२९	३५	सौ	४३	१०	तै	२३	२४	२३	७	५३	२८	२२	१८	मीने	मिथुनेबुधः४६।१०
१०	चं	४७	१	रे	२७	८	शो	३६	४७	व	१९	२८	२३	७	५३	२९	२३	१९	मे.२७।८	भ.१९।२८उ.४७।१या.
११	मं	४०	४६	अ	२३	२२	अ	२९	५	ब	१३	५३	२४	७	५३	३०	२४	२०	मेषे	वक्रीज्ये.४वृश्चिके.शनिः४/१ ६/३योगिनी११व्र.
१२	बु	३२	५९	भ	१७	५८	सु	२०	२०	कौ	६	५२	२४	७	५३	३१	२५	२१	वृ.३१।१९	आर्द्रा.रविः५/२ ७/६आर्द्रा.बुधः४३।१२प्रदोषः
१३	गु	२४	९	कृ	११	२४	धृ	१०/३२	४९/१४	व	२४	९	२४	७	५३	१	२६	२२	वृषे	भ.२४/९उ.४९/१४या.आर्द्रा.रविःसौरः१८।१ A
१४	शु	१४	१९	रो	३/५९	५२/२२	गं	४९	२५	श	१४	१९	२४	७	५३	२	२७	२३	मि३०।१०	[A भा. आषाढारंभः
३०	श	४	२२	आ	४८	४१	बृ	३८	३७	ना	४	२२	२४	७	५३	३	२८	२४	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.६वृ.इ.४९।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	५	०	८	४	२
०	१३	२३	१९	१५	-०	३	०
४८	१७	४२	१०	२४	२१	१९	३१
३६	१७	२९	४४	४०	३६	३८	१५
५७	४०	०/८	१	६३	४/०	३	५६
१७	१७	०/१७	२६	२०	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

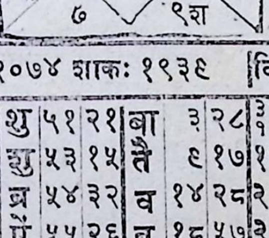

आषाढ कृष्णे ५ बुधे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

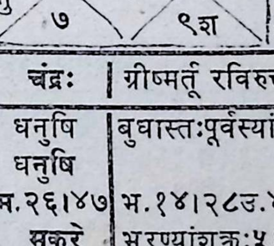

११पं.आ.कृ.१३वृ.इ.४९/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	५	०	७	४	२
७	१७	९	१९	२२	२९	२	७
२९	५४	२	२२	४३	५०	५७	९
३१	७	६	४८	१	३५	२३	४२
५७	४०	०/८	२	६५	४/०	३	५६
१२	१०	०/१	४९	४	व.	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽर्हगण:२२७२सं.२०१७
१	श	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	४५	५०	पु	४१	११	ध्रु	२८	५८	बा	२०	१५	३४/३	५/७	६/५३	४	२६	२५	क.२८।३४	पुन.भौम:५७।१६ चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं	३८	१४	पु	३६	१६	व्या	१६	२८	तै	१२	२	२३	७	५३	५	१	२६	कर्के	कृत्तिशुक्र:२७।४६सव्वाल१०
४	मं	३२	३८	श्ले	३२	३२	ह	११	३१	व	५	२६	२२	८	५२	६	२	२७	सिं३२।३२	भ.५।२६उ.३२।३८या.पुन.बुध:५२।४४
५	बु	२८	४४	म	३०	३८	व	६	१६	ब	०	४१	२२	८	५२	७	३	२८	सिंहे	
६	गु	२७	५	पू	३०	५६	सि	५/०	५७/२	तै	२७	५	२१	८	५२	८	४	२९	कं.४६।३५	वृषेशुक्र:३७।५८
७	शु	२७	३०	उ	३३	२५	व	५६	२६	व	२७	३०	२०	८	५२	९	५	३०	कन्यायां	भ.२७।३०उ.५८।४२या.
८	श	२६	५५	ह	३७	२६	प	५६	५८	ब	२९	५५	१९	८	५२	१०	६	१	कन्यायां	जुलाई७ता.३१
९	र	३४	१	चि	४३	१६	शि	५७	४८	बा	२	५८	१८	८	५२	११	७	२	तु.१०।२१	कर्केबुध:४५।६बुधोदय:पश्चिमायां४२/४५
१०	चं	३६	६	स्वा	५०	७	सि	५६	५०	तै	६	३५	१७	९	५१	१२	८	३	तुलायां	[÷हस्त.४गुरु:३५/६६देवशयनी११व्र.
११	मं	४५	२०	वि	५७	३२	सा	६०	०	व	१२	१४	१६	९	५१	१३	९	४	वृ.४०।४१	भ.१२।१४उ.४५।२०या. पुष्येबुध:३३/४६÷
१२	बु	५१	१६	अ	६०	०	सा	२	१३	ब	१८	१६	१५	९	५१	१४	१०	५	वृश्चिके	पुन.रवि:५८।१६
१३	गु	५७	३२	अ	५	७	शु	४	५०	कौ	२४	२५	१४	९	५१	१५	११	६	वृश्चिके	पुन.रवि:सौर:२२।३प्रदोष:
१४	शु	६०	०	ज्ये	१२	३३	शु	७	१६	ग	३०	२४	१३	९	५१	१६	१२	७	ध.१२।३३	
१४	श	३	१६	मू	१९	२८	ब्र	९	२०	व	३	१६	११	१०	५०	१७	१३	८	धनुषि	भ.३१/६उ.३५/५१या.रोहि.शुक्र:४४/४०वायुपरीक्षा
१५	र	८	२६	पू	२५	५९	ऐं	११	९	ब	८	२६	१०	१०	५०	१८	१४	९	म.४२।२२	व्यासपूजागुरु१५

१२पं.आ.शु.६वृ.इ. ४९/१३

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	५	१	७	४	२
१४	२२	२३	१९	०	२९	२	१३
९	२८	५९	४३	१२	१९	३५	४७
५८	५९	२	२३	२९	४६	७	४७
५७	३९	३८/०	४	६६	२४/२	३	५६
७	५९	०	१	३४	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

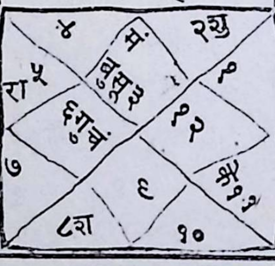

इस मास में ५ शनिवार,५रविवार अशुभ हैं प्रजा में रोग शोक फैलें जो गेहूं बाजरा मूंग मोठ चांवल तेज हो धातु मंदे होकर तेज हों।

गोचर ग्रहाः

१३पं.आ.शु.१३वृ.इ. ४९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	५	१	७	४	२
२०	२७	७	२०	७	२८	२	२०
५०	४	२८	१२	४९	५२	१२	२५
२४	२६	४४	०	३०	८	५१	४१
५७	४०	४२/०	५	६७	४/५	३	५६
७	४	०	८	४७	व.	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	१२	३६	उ	३१	२८	वै	१२	७	कौ	१२	३६	३४/८	५/१०	६/५०	१९	१५	१०	मकरे	
२	मं	१६	५	श्र	३६	११	वि	१२	२६	ग	१६	५	७	११	४९	२०	१६	११	मकरे	भ.४७/१३उ.आश्ले.बुध:५२/३५कर्केभौम:२६/०
३	बु	१८	२२	ध	३९	५४	प्री	११	५८	वि	१८	२२	५	११	४९	२१	१७	१२	कुं.८।२	भ.१८।२२या.चतुर्थी व्रतम्
४	गु	१९	३८	श	४२	२६	आ	१०	४३	बा	१९	३८	३	११	४९	२२	१८	१३	कुम्भे	
५	शु	१९	४९	पू	४३	५७	सौ	८	३४	तै	१९	४९	१	१२	४८	२३	१९	१४	मी२८।३४	नाग५मरुस्थले
६	श	१८	५४	उ	४४	४३	शो	५	३३	व	१८	५४	३३/५९	१२	४८	२४	२०	१५	मीनें	भ.१८।५४उ.४७।४९या.
७	र	१६	४४	रे	४३	४४	अ	१/३३	५५/२	प	१६	४४	५७	१३	४७	२५	२१	१६	मे.४३।४४	कर्केऽर्क:२५।४२(सौर:५४।४७)×
८	चं	१३	१५	अ	४१	३७	धृ	५०	३६	कौ	१३	१५	५५	१३	४७	२६	२२	१७	मेषे	[×पुष्येभौम:२६।३०
९	मं	८	४३	भ	३८	१८	शू	४३	३४	ग	८	४३	५२	१४	४६	२७	२३	१८	वृ.५२।११	भ.३५।४४उ.
१०	बु	२	४४	कृ	३३	५०	गं	३५	३५	वि	२	४४	५०	१४	४६	२८	२४	१९	वृषे	भ.२/४४या.पुष्येरवि:५५/०कामिका११व्र.स्मा.
११	बु	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+११व्र.वै.
१२	गु	४७	४८	रो	२८	२४	वृ	२६	४४	कौ	२१	४९	४८	१४	४६	२९	२५	२०	मि५५।१३	पुष्येरवि:सौर:२५/२८मृगेशुक्र:३९/०कामिका+
१३	शु	३९	१३	मृ	२२	२	ध्रु	१७	२४	ग	१३	३०	४५	१५	४५	३०	२६	२१	मिथुने	भ.३९।१३उ.मघा.सिंहेबुध:७।११प्रदोष:
१४	श	३०	१६	आ	१५	१९	व्या	७/२	५०/५३	वि	४	४६	४३	१५	४५	३१	२७	२२	क.५५।२६	भ.४।४६या.
३०	र	२१	४४	पु	८	४८	व	४८	३३	ना	२१	४४	४०	१६	४४	१	२८	२३	कर्के	भा.श्रावणारंभ:हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.४वृ.इ. ४८/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	५	१	७	४	२
२७	१	१९	२०	१५	२८	१	२७
३०	३५	२१	४८	३७	२६	५०	३
४३	१०	३२	१४	३७	१७	३६	४८
५७	३९	८३	६	६८	३/५०	३	५६
११	३६	१६	१५	५०	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

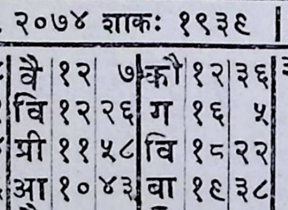

श्रावण कृष्णे ७ रवौ कर्केऽर्क:प्रविष्ट:वा.५ न. ५ कुमारावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय:पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

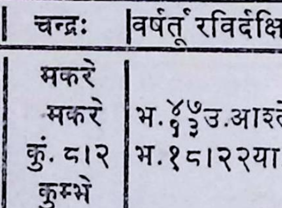

१५पं.श्रा.कृ.१२वृ.इ. ४८/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	५	१	७	४	३
४	६	२९	२१	२३	२८	१	३
११	६	३६	३३	३१	२	२८	४२
२८	३२	०	०	२६	५३	२०	१५
५७	३९	७८	७	६९	३/१७	३	५६
१५	५६	३२	११	३८	व.	११	५८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२३०१स.२०१७
१	चं	१३	४६	पु	२/५१	५५/७	सि	३९	४१	ब	१३	४६	३३/३८	५/५६	६/४४	२	२९	२४	सि५७।५८	
२	मं	७	१८	म	५४	३७	व्य	३२	१६	कौ	७	१८	३५	१७	४३	३	३०	२५	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु	२	२६	पू	५३	१३	व	२६	७	ग	२	२६	३३	१७	४३	४	१	२६	सिंहे	भ.३०।५८उ.५९।३१या.मिथुने शुक्रः=
४	बु	५७	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=३१।२४जिल्काद११तीजवरद४
५	गु	५८	४४	उ	५४	२	प	२१	३१	ब	२९	७	३०	१८	४२	५	२	२७	कं.८।२५	नागपंचमी
६	शु	६०	०	ह	५६	३७	शि	१८	३८	कौ	२९	२२	२७	१९	४१	६	३	२८	कन्यायां	
६	श	०	१	चि	६०	०	सि	१८	१४	तै	०	१	२४	१९	४१	७	४	२९	तु.२८।५६	
७	र	३	२२	चि	१	१६	सा	१८	१०	व	३	२२	२२	२०	४०	८	५	३०	तुलायां	भ.३।२२उ.३५।४१या.
८	चं	८	१	स्वा	७	१३	शु	१९	३५	ब	८	१	१९	२०	४०	९	६	३१	वृ.५७।४०	
९	मं	१३	५६	वि	१४	२९	शु	२१	१५	कौ	१३	५६	१६	२१	३९	१०	७	१	वृश्चिके	आर्द्राशुक्र:२०।२४अगस्तदता.३१
१०	बु	२०	०	अ	२१	५६	ब्र	२४	२९	ग	२०	०	१३	२१	३९	११	८	२	वृश्चिके	भ.५३।९उ.आश्ले:रवि:५२/१ पूफा.बुध:३४/१
११	गु	२६	१८	ज्ये	२९	३०	ऐं	२६	४५	वि	२६	१८	१०	२२	३८	१२	९	३	ध.२९।३०	भ.२६/८या.आश्ले.रवि:सौर:२/६पवित्रा–
१२	शु	३२	१	मू	३६	३७	वै	२९	३१	बा	३२	१	७	२३	३७	१३	१०	४	धनुषि	चित्रा.१गुरु:४।१२ [–११ व्र.
१३	श	३७	२३	पू	४३	७	वि	३०	६	कौ	४	४२	४	२३	३७	१४	११	५	म.५९।२३	प्रदोषः [*रक्षाबंधनम् भद्रोत्तरम्
१४	र	४०	४०	उ	४८	१३	प्री	३०	४४	ग	९	१	०	२४	३६	१५	१२	६	मकरे	भ.४०।४०उ.आश्ले.भौम:८।२४
१५	चं	४३	२२	श्र	५२	२३	आ	३०	५५	वि	१२	१	३२/५७	२५	३५	१६	१३	७	मकरे	भ.१२।१या.चंद्रग्रहणम् श्रावणीकर्म*

१६पं.श्रा.शु.५वृ.इ.४८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	२	७	४	३
१०	१०	८	२२	१	२७	१	१०
५२	३७	०	२१	३०	४२	६	२१
३०	३७	०	५०	४०	५४	५	३२
३७	३९	५७	८	७०	२/३८	३	५७
२०	४६	५४	१९	३२	वं	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मासमें मंगल का चंद्र दर्शन धातु सोना चांदी लोहा गेहूं जौ चना मटर अलसी वस्त्र रुई गुड़ शक्कर में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

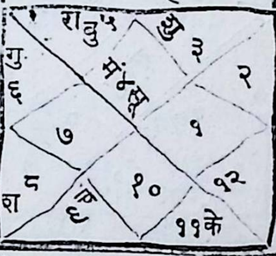

१७पं.श्रा.शु.११वृ.इ.४८/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	२	७	४	३
१७	१५	१४	२२	९	२७	०	१७
३४	७	५	१७	३५	२५	४३	१
१२	१९	६	३८	३८	४४	४९	२०
५७	३९	३२	९	७१	२/५	३	५७
२५	४६	८	५	५	व	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	मं	४४	४०	ध	५५	२०	सौ	२९	४०	बा	१४	१	३२/५४	५/२५	६/३५	१७	१४	८	कुं.२३।५२	
२	बु	४४	५१	श	५६	३८	शो	२७	४२	तै	१४	४५	५०	२६	३४	१८	१५	९	कुंभे	
३	गु	४३	५७	पू	५६	५३	अ	२४	४५	व	१४	२४	४७	२७	३३	१९	१६	१०	मी४४।५	भ.१४।२४उ.४३।५७या.
४	शु	४२	७	उ	५७	५०	सु	२१	५०	ब	१३	२	४४	२७	३३	२०	१७	११	मीने	वक्रीबुध:११।५१चतुर्थी व्र.
५	श	३९	३५	रे	५६	४९	धृ	१७	३५	कौ	१०	५१	४०	२८	३२	२१	१८	१२	मे.५६।४९	पुन.शुक्र:४१।१८चंद्रषष्ठी
६	र	३६	४	अ	५५	११	शू	१२	३७	ग	७	४९	३७	२९	३१	२२	१९	१३	मेषे	भ.३६।४उ.
७	चं	३३	१०	भ	५३	७	गं	७	४	वि	४	३७	३३	२९	३१	२३	२०	१४	मेषे	भ.४।३७या.जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	मं	२७	२८	कृ	५०	५	वृ	१/२	५३/१८	बा	०	१९	३०	३०	३०	२४	२१	१५	वृ.७।२०	जन्माष्टमी व्र.वै. [+मकरेकेतु:३५।४
९	बु	२२	५	रो	४६	२३	व्या	४७	७	ग	२२	५	२६	३१	२९	२५	२२	१६	वृषे	भ.४९।५उ.मघा.सिंहेऽर्क:४६।३गोगा९
१०	गु	१६	४	मृ	४२	६	ह	३९	२७	वि	१६	४	२२	३२	२८	२६	२३	१७	मि१४।१४	भ.१६।४या.मघा.सिंहेऽर्क:सौर:२२।४०×
११	शु	९	१८	आ	३७	१७	व	३१	३५	बा	९	१८	१९	३२	२८	२७	२४	१८	मिथुने	अजा.११व्र. [×आश्ले४कर्केराहु:वनि.२+
१२	श	२	२०	पु	३२	२०	सि	२२	४३	तै	२	२०	१५	३३	२७	२८	२५	१९	क.१८।३५	भ.५५।२५उ.बुधास्त:पश्चिमायां÷
१३	श	५३	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷३७।२४वत्सद्वादशी प्रदोष:
१४	र	४८	३४	पु	२७	२२	व्य	१४	३०	वि	२१	५९	१२	३४	२६	२९	२६	२०	कर्के	भ.२१/५९या.
३०	चं	४२	४४	श्ले	२३	११	व	६/३३	५२/३७	च	१५	३९	८	३४	२६	३०	२७	२१	सिं२३।११	कर्केशुक्र:८।४५कुशाग्रहणीपिठोरी३०

१८पं.भा.कृ.३वृ.इ.४८।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	५	२	७	४	३
२४	१९	१७	२४	१७	२७	०	२३
१६	३६	१८	१९	४५	१४	२१	४२
३७	४०	४३	१२	२५	३५	३३	२७
५७	३९	२	९	७१	१/२६	३	५७
३३	३६	२	४९	३२	वं	११	२२

गोचर ग्रहाः

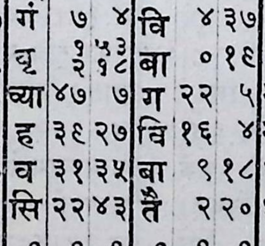

भाद्रपद कृष्णे ९ बुधे सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

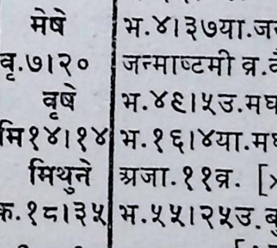

१९पं.भा.कृ.१०वृ.इ.४८/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	५	२	७	३	४
०	२४	१६	२५	२५	२७	२९	०
५९	५	३०	२६	५९	७	५९	२४
५३	३८	४३	६	२८	१६	१८	४०
५७	३९	३४/२५	१०	७१	३०	३	५७
४०	२९	व	३२	५९	व.	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३३० स.२०१७
१	मं	३७	५३	म	१९	३४	शि	५२	३६	किं	१०	१८	३२/४	५/३५	६/२५	३१	२८	२२	सिंहे	वक्रीमघायांबुधः५८।१५
२	बु	३४	३५	पू	१७	४१	सि	४७	३०	बा	६	१४	१	३४	२४	१	२९	२३	कं.३२।३७	चंद्रदर्शनम् भा. भाद्रपदारंभः
३	गु	३३	१८	उ	१७	२८	सा	४३	४३	तै	३	५६	३१/५७	३७	२३	२	१	२४	कन्यायां	पुष्येशुक्रः०।२०जिल्हेज१२हरितालिका३
४	शु	३३	५२	ह	१९	१	शु	४१	२६	व	३	३५	५३	३७	२३	३	२	२५	तु.५०।४१	भ.३/५उ.५३/३या.चित्रा.२गुरुः३/१०मार्गी+
५	श	३६	२०	चि	२२	२२	शु	४०	४०	ब	५	६	४९	३८	२२	४	३	२६	तुलायां	मघा.सिंहेभौमः५९।३४ऋषिपंचमी
६	र	४०	२८	स्वा	२७	१९	ब्र	४१	१२	कौ	८	२४	४६	३९	२१	५	४	२७	तुलायां	[+शनिः३/४गणेशचतुर्थी
७	चं	४५	५३	वि	३४	८	ऐं	४२	५९	ग	१३	१०	४२	४०	२०	६	५	२८	वृ.१७।२६	भ.४५।५३उ. [÷अनंत१४महालयारंभः
८	मं	५१	५६	अ	४०	५६	वै	४४	५८	वि	१८	५४	३८	४०	२०	७	६	२९	वृश्चिके	भ.१८।५४या.
९	बु	५८	११	ज्ये	४८	३०	सि	४७	१४	बा	२५	३	३४	४१	१९	८	७	३०	ध.४८।३०	पूफा.रविः३५।३९
१०	गु	६०	०	मू	५५	५२	ध्रु	४९	४०	तै	३१	१०	३०	४२	१८	९	८	३१	धनुषि	पूफा.रविःसौरः१३।३१
१०	शु	४	१०	पू	६०	०	आ	५१	३५	ग	४	१०	२६	४३	१७	१०	९	१	धनुषि	भ.३६।४२उ.सितम्बर९ता.३०
११	श	९	१४	पू	२	३४	सौ	५२	३४	वि	९	१४	२२	४४	१६	११	१०	२	म.१८।५६	भ.९।१४या.जलझूलनी११व्र.वामनजयंती
१२	र	१२	५०	उ	८	४	शो	५२	२६	बा	१२	५०	१८	४४	१६	१२	११	३	मकरे	वुधोदयःपूर्वस्यां१३।०प्रदोषः
१३	चं	१५	११	श्र	१२	५	अ	५०	३७	तै	१५	११	१५	४५	१५	१३	१२	४	कुं.४३।१९	आश्ले.शुक्रः६।३७
१४	मं	१५	४१	ध	१४	३३	सु	४८	४०	व	१५	४१	११	४६	१४	१४	१३	५	कुंभे	भ.१५।४१उ.४५।२०या.मार्गीबुधः३/१ ९/५÷
१५	बु	१४	५९	श	१५	४४	धृ	४५	६	ब	१४	५९	७	४७	१३	१५	१४	६	कुंभे	कु.संध्या.पूजनारंभः

२०पं.भा.शु.३वृ.इ.४८।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	५	३	७	३	४
७	२८	११	२६	४	२७	२९	७
४४	३३	२९	३७	१७	४	३७	८
२०	२९	३१	१२	३५	४४	२	८
५७	३९	६०/२१	११	७२	०/२	३	५७
४९	२९	व.	९	२०	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

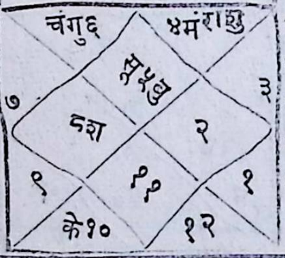

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष तिथि वृद्धि धातु सोना चांदी धान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ में मंदी करे

गोचर ग्रहाः

२१पं.भा.शु.१०वृ.इ.४७/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	७	३	४
१४	२	५	२७	१२	२७	२९	१३
३०	५९	४३	५२	३९	६	१४	५३
०	३८	२६	१६	२२	२९	४७	२०
५८	३९	४६/५०	११	७२	४१	३	५७
१	२९	वं	४६	४१	मा	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०७४ शाकः१९३९												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	गु	१२	४८	पू	१५	३१	शू	४०	३४	कौ	१२	४८	३१/३	५/४७	६/१३	१६	१५	७	मी०।३४	[×भौमः१३/२प्रदोषः
२	शु	९	३७	उ	१४	१०	गं	३५	७	ग	९	३७	३०/५९	४८	१२	१७	१६	८	मीने	भ.३७।३०उ.
३	श	५	२३	रे	१२	५	वृ	२९	६	वि	५	२३	५५	४९	११	१८	१७	९	मे.१२।५	भ.५।२३या. चतुर्थी व्रतम्
४	र	०	३९	अ	९	२३	ध्रु	२२	३९	बा	०	३९	५१	५०	१०	१९	१८	१०	मेषे	[=११व्र.
५	र	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	चं	५०	५८	भ	६	२०	व्या	१५	५६	ग	२३	२८	४७	५१	९	२०	१९	११	वृ.२०।३२	भ.५०।५८उ.
७	मं	४५	५५	कृ	३/७	५६/४३	ह	९	७	वि	१८	२६	४३	५१	९	२१	२०	१२	वृषे	भ.१८।२६या.चित्रा.३तुलायांगुरुः८।४९
८	बु	४०	४३	मृ	५६	४०	व	२/१२	५२/५८	बा	१३	१९	३९	५२	८	२२	२१	१३	मि२८।१४	उफा.रविः२०।४(सौरः५८।११)
९	गु	३५	२४	आ	५३	१४	व्य	४८	१०	तै	८	३	३५	५३	७	२३	२२	१४	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	शु	३०	०	पु	४९	४९	व	४१	०	व	२	४२	३१	५४	६	२४	२३	१५	क.३४।५५	भ.२।४२उ.३०।०या.मघा.सिंहेशुक्रः५/९
११	श	२४	५४	पु	४६	३८	प	३४	४१	बा	२४	५४	२७	५५	५	२५	२४	१६	कर्के	कन्यायामर्कः३/२ ५/५पूफा.बुधः५/२ ९/५इंदिरा=
१२	र	१९	५८	श्ले	४३	५०	शि	२७	३१	तै	१९	५८	२२	५६	४	२६	२५	१७	सि४३।५०	कन्यार्कःसौरः२/२ ३/२पूफा.भौमः२/१ ६उदयो×
१३	चं	१५	४८	म	४१	४७	सि	२१	१९	व	१५	४८	१८	५६	४	२७	२६	१८	सिंहे	भ.१५।४८उ.४३।५७या.
१४	मं	१२	७	पू	४०	११	सा	१५	३४	श	१२	७	१४	५७	३	२८	२७	१९	कं.५५।१०	सर्वपितृ३०
३०	बु	९	४८	उ	४०	५	शु	१०	३८	ना	९	४८	९	५८	२	२९	२८	२०	कन्यायां	मातामह श्रा.

२२पं.आ.कृ.१वृ.इ.४७/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	५	३	७	३	४
२१	७	४	२९	२१	२७	२८	२०
१७	२५	५४	११	४	१३	५२	४०
२	५५	३२	१७	१६	८	३१	४०
५८	३९	२२/२९	१२	७२	१	३	५८
१२	१२	मा	१४	५६	२९	११	१२

गोचर ग्रहाः

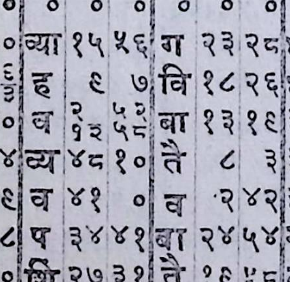

आश्विन कृष्णा ११ कन्यार्कःप्रविष्टः वा.४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

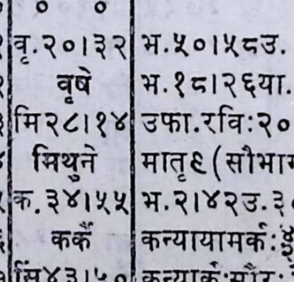

२३पं. आ.कृ.९वृ.इ.४७/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	६	३	७	३	४
२८	११	१०	०	२९	२७	२८	२७
५	५२	२५	३३	३२	२३	३०	२७
२४	२६	३५	११	४६	५६	१५	१८
५८	३९	७९	१२	७३	२	३	५८
२६	२	२८	३२	१४	७	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३६०स.२०१७
१	गु	८	५०	ह	४१	१६	शु	६	५७	व	८	५०	३०/५	५/५९	६/१	३०	२९	२१	कन्यायां	चंद्रदर्शनम् नवरात्रारंभः
२	शु	९	२२	चि	४४	१९	ब्र	४	१६	कौ	९	२२	३०/००	६/०	६/००	३१	१	२२	तु.१२।४७	मोहोरम१सन्१४३९हि.
३	श	११	४६	स्वा	४८	४२	ऐं	३	११	ग	११	४६	२९/५६	१	५/५९	१	२	२३	तुलायां	भ.४/४ ३/० उ.बुधास्तःपूर्वस्यां ०/३ ४ भा.×
४	र	१५	३५	वि	५४	३१	वै	२	३४	वि	१५	३५	५२	२	५८	२	३	२४	वृ.३८।४	भ.१५।३५या. [×आश्विनारंभः
५	चं	२०	४६	अ	६०	०	वि	३	३५	बा	२०	४६	४८	२	५२	३	४	२५	वृश्चिके	उफा.बुधः४।२८ [÷पूफा.शुक्रः५।३४
६	मं	२६	३३	अ	१	७	प्री	५	२०	तै	२६	३३	४४	३	५७	४	५	२६	वृश्चिके	हस्तेरविः५८।३४कन्यायांबुधः४६।५८÷
७	बु	३२	५१	ज्ये	८	४३	आ	७	४२	व	३२	५१	४०	४	५६	५	६	२७	ध.८।४३	भ.३२।५१उ.हस्तेरविःसौरः३५।५२
८	गु	३९	६	मू	१६	१०	सौ	१०	४	वि	५	५८	३६	५	५५	६	७	२८	धनुषि	भ.५।५८या.चित्रा.४गुरुः२५।१५
९	शु	४४	३६	पू	२३	२३	शो	१२	८	बा	११	५१	३२	६	५४	७	८	२९	म.३९।५४	
१०	श	४८	४१	उ	२९	२९	अ	१३	४४	तै	१६	३८	२८	६	५४	८	९	३०	मकरे	
११	र	५१	३०	श्र	३४	२६	सु	१४	८	व	२०	५	२३	७	५३	९	१०	१	मकरे	भ.२०/५उ.५३/१०या.अक्टूबर१०ता.३१A
१२	चं	५२	८	ध	३७	१४	धृ	१३	२०	ब	२१	४९	१९	८	५२	१०	११	२	कुं.५।५०	हस्तेबुधः१५।४ [Aपापांकुशा११व्र.
१३	मं	५१	५	श	३८	२६	शू	११	११	कौ	२१	३६	१५	९	५१	११	१२	३	कुंभे	प्रदोषः
१४	बु	४८	११	पू	३७	५२	गं	७	३१	ग	१९	३८	११	१०	५०	१२	१३	४	मी२३।०	भ.४८।११उ. [Dका.स्ना.प्रा.
१५	गु	४३	५०	उ	३५	४४	वृ	२/३	५३/५९	वि	१६	०	७	११	४९	१३	१४	५	मीने	भ.१६।०या.शरदपूर्णिमाकोजागरीव्र.D

२४पं.आ.शु.१वृ.इ.४७।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	६	४	७	३	५
४	१६	२१	१	८	२७	२८	४
५५	१८	१	५७	४	३९	८	१८
१६	४३	१	५०	५	२२	०	२५
५८	३८	७/०	१२	७३	२	३	५८
३८	५५	९/६	५८	२६	४८	११	४५

२५पं.आ.शु.८वृ.इ.४७।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	४	७	३	५
११	२०	३	३	१६	२८	२७	११
४६	४४	४०	२४	३८	०	४५	१०
५२	२	१२	५४	३५	२२	४४	२४
५८	३८	७/०	१३	७३	३	३	५९
५३	५१	९/४३	१७	३८	३२	११	००

२६पं.आ.शु.१५वृ.इ.४७/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	४	७	३	५
१८	२५	१९	४	२१	२८	२७	१८
४०	९	२०	५३	१५	२५	२३	४
८	४३	२४	४६	३६	१२	२९	११
५९	३८	७/०	१३	७३	४	३	५९
९	३४	५/०	२६	५०	८	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.
१	शु	३८	२०	रे	३२	२९	व्या	४९	१०	बा	११	५	२९/३	६/११	५/४९	१४	१५	६	मे.२२।२९	उफा.शुक्रः५५।४८
२	श	३१	५८	अ	२८	१७	ह	४१	४	तै	५	९	२८/५९	१२	४८	१५	१६	७	मेषे	भ.५८।४५उ.
३	र	२५	३१	भ	२३	३७	व	३२	५८	वि	२५	३१	५५	१३	४७	१६	१७	८	वृ.३७।२६	भ.३२/५१या.उफा.भौमः७/४०करकचतुर्थीव्र.
४	चं	१८	४५	कृ	१८	५४	सि	२४	२५	बा	१८	४५	५१	१४	४६	१७	१८	९	वृषे	चित्राबुधः५१।०कन्यायांशुक्रः३६।५
५	मं	१२	३१	रो	१४	२३	व्य	१६	३२	तै	१२	३१	४७	१५	४५	१८	१९	१०	मि४२।३७	चित्रा.रविः३०।३६
६	बु	६	३७	मृ	१०	५१	व	८	५०	व	६	३७	४३	१५	४५	१९	२०	११	मिथुने	भ.६।३७उ.३/५ ३/३या.चित्रारविःसौरः३/२ ६
७	गु	१	१०	आ	६	३६	प	२/६	५२/२३	ब	१	१०	३९	१६	४४	२०	२१	१२	क.४९।२१	
८	गु	५५	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=स्वाती१गुरुः५९।१८अस्तंगुरौः२१।३६
९	शु	५२	५	पु	३	३६	सि	४८	५	तै	२४	११	३५	१७	४३	२१	२२	१३	कर्के	तुलायांबुधः४०।३कन्यायांभौमः२६।५३=
१०	श	४८	३६	पु	१/१३	५८/१६	सा	४२	७	व	२०	२०	३१	१८	४२	२२	२३	१४	सिं५९।२९	भ.२०।२०उ.४८।३६या.
११	र	४५	५३	म	५८	३४	शु	३६	५२	ब	१७	१४	२७	१९	४१	२३	२४	१५	सिंहे	रमा११व्र. [+धन.१३
१२	चं	४३	५६	पू	५८	२०	शु	३२	१३	कौ	१४	५४	२३	१९	४१	२४	२५	१६	सिंहे	[–स्वात्यांबुधः५५/४९हस्तेशुक्रः३९/५४प्रदोषः+
१३	मं	४३	६	उ	५९	१३	ब्र	२८	१७	ग	१३	२९	२०	२०	४०	२५	२६	१७	कं.१३।३४	भ.४/६ ३/३उ.तुलायामर्कः१४/२५(सौरः४९/१०)–
१४	बु	४३	१२	ह	६०	०	ऐं	२५	११	वि	१३	९	१६	२१	३९	२६	२७	१८	कन्यायां	भ.१३।९या.रूप१४
३०	गु	४४	४१	ह	१	५	वै	२२	५८	च	१३	५६	१२	२२	३८	२७	२८	१९	तु.३२।३८	आश्लेषराहुःधनि१केतुः२७/५महालक्ष्मीपूज.

२७पं.का.कृ.७वृ.इ.४७/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	६	५	७	३	५
२५	२९	२८	६	३	२८	२७	२४
३५	३४	२७	२३	५५	५३	१	५९
२	२३	२५	४२	८	४६	१३	५३
५९	३८	७/०	१३	७३	४	३	५९
२१	३४	९/४७	३२	५३	४२	११	३१

गोचर ग्रहाः

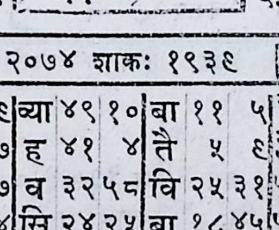

कार्तिक कृष्णे १३भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा४न.५प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

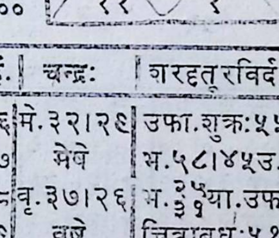

२८पं.का.कृ.३०वृ.इ.४६/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	५	७	३	६
२	३	९	७	१२	२९	२६	१
३१	५९	४७	५४	३६	२५	३८	५७
२६	४९	२४	५८	४०	५५	५७	१८
५९	३८	७/०	१३	७४	५	३	५९
३४	२२	९/५	३८	२	५	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं०२०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतूंरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२३६९स.२०१७
१	शु	४७	२८	चि	४	१३	वि	२१	५८	किं	१६	४	२८ ८	६ २२	५ ३८	२८	२९	२०	तुलायां	अन्नकूट गोवर्द्धनपूजा
२	श	५१	३०	स्वा	८	४०	प्री	२१	२९	बा	१९	२९	४	२३	३७	२९	३०	२१	वृ.५७।५६	चंद्रदर्शनम् भातृ २यमर
३	र	५६	४६	वि	१४	२१	आ	२२	८	तै	२४	८	०	२४	३६	३०	१	२२	वृश्चिके	सफर२
४	चं	६०	०	अ	२०	४४	सौ	२३	२६	व	२९	४१	३७ ५६	२५	३५	१	२	२३	वृश्चिके	भ.२९ ४१उ.स्वात्यांरवि:३६ १६भा.कार्तिकारंभः
४	मं	२	३७	ज्ये	२८	२	शो	२५	२४	वि	२	३७	५३	२५	३५	२	३	२४	ध.२८।२	भ.२।३७या.स्वात्यांरवि:सौर: ३०।१३
५	बु	८	५७	मू	३५	४४	अ	२७	४९	बा	८	५७	४९	२६	३४	३	४	२५	धनुषि	[+बुधोदय:पश्चिमायां४।३०अक्षय९
६	गु	१५	२८	पू	४३	१९	सु	३०	१२	तै	१५	२८	४५	२७	३३	४	५	२६	धनुषि	विशा.बुध:७।४७मूल.१धनुषिशनि:३७ १३
७	शु	२१	२८	उ	५०	१४	धृ	३२	१९	व	२१	२८	४१	२८	३२	५	६	२७	म.०।२	भ.२१।२८उ.५३।५३या.
८	श	२६	१९	श्र	५५	५२	शू	३३	२८	ब	२६	१९	३७	२९	३१	६	७	२८	मकरे	चित्रा.शुक्र:२३।५५गोपाष्टमी
९	र	२९	५२	ध	६०	०	गं	३३	४३	कौ	२९	५२	३४	२९	३१	७	८	२९	कुं.२८।२	हस्तेभौम:१४।४८स्वातौ२गुरु:१२।१३ +
१०	चं	३१	२६	ध	०	१३	वृ	३२	२५	तै	०	३९	३०	३०	३०	८	९	३०	कुंभे	[× तुलसी विवाह
११	मं	३१	७	श	२	३२	ध्रु	२९	४५	व	१	१६	२७	३१	२९	९	१०	३१	मी.४७ ४८	भ.१।१६उ.३१।७या.प्रबोधिनी ११व्र. ×
१२	बु	२८	३५	पू	२	५३	व्या	२५	२३	बा	२८	३५	२३	३१	२९	१०	११	१	मीने	वृश्चिकेबुध:४५ ३६नवम्बर११ता.३०प्रदोष:
१३	गु	२४	१६	उ	१ २५	५६ ४०	ह	१९	२५	तै	२४	१६	१९	३२	२८	११	१२	२	मे.५८।४	तुलायांशुक्र:४३।१वैकुंठ१४
१४	शु	१८	११	अ	५३	४	व	१२	१	व	१८	११	१६	३३	२७	१२	१३	३	मेषे	भ.१८।११उ.४४।३०यां.अनु. बुध:५५।४
१५	श	१०	४८	भ	४७	११	सि	३ ३१	५० ४१	ब	१०	४८	१२	३४	२६	१३	१४	४	मेषे	मन्वादि:क..स्ना.पू.

२९पं.का.शु.६वृ.इ.४६।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	६	५	८	३	६
९	८	२१	९	२१	०	२६	८
२९	२४	३	२६	१९	१	१६	५६
४२	५०	११	५६	५२	४८	४२	२८
५९	३८	९७	१३	७४	५	३	६०
४७	३३	२७	३८	८	३३	११	२

गोचर ग्रहाः

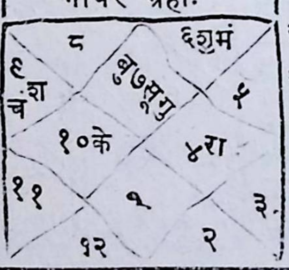

इसमास में धान्य गेहूं जो मक्का बाजरा मूंग मोठ सोना चांदी गुड सक्कर में मंदी होकर तेजी हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

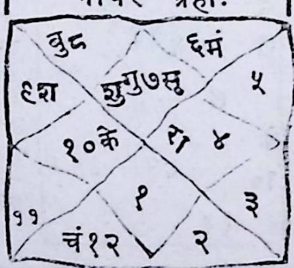

३०पं.का.शु.१३ वृ.इ.४६ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	६	६	८	३	६
१६	१२	१	१०	०	०	२५	१३
२९	४९	३४	५८	४	४०	५४	५७
२८	८	५	३७	१९	३४	२६	४२
६०	३८	९२	१३	७४	६	३	६०
४	३७	४१	३८	१४	२	११	१८

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	हिमंततूं रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	र	२	५५	कृ	४७	५०	व	४४	२९	कौ	२	५५	२७ ९	६ ३४	५ २६	१४	१५	५	वृ.०।३५	
२	र	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	चं	४६	१६	रो	३४	१८	प	३४	३६	व	२०	२१	५	३५	२५	१५	१६	६	वृषे	भ.३९ १६उ.४६ १६या.विशा.रवि ५३ १६ (सौर:४७ ३०
४	मं	३८	२९	मृ	२८	७	शि	२४	५९	ब	१२	२२	२	३६	२४	१६	१७	७	मि. १ ३	चतुर्थी व्र.
५	बु	३१	३७	आ	२२	४७	सि	१६	४	कौ	५	३	५६ ८	३६	२४	१७	१८	८	मिथुने	स्वात्यांशुक्र:०।३९उदयंगुरो:२१।०
६	गु	२५	४४	पु	१८	२३	सा	७	४०	व	२५	४४	५५	३७	२३	१८	१९	९	क.४।२९	भ.२५।४४उ ५३।२५या.
७	शु	२१	५	पु	१५	१२	शु	५५ ०	३३ ३३	ब	२१	५	५२	३८	२२	१९	२०	१०	कर्के	
८	श	१७	३८	श्ले	१३	२८	ब्र	४८	१६	कौ	१७	३८	४९	३८	२२	२०	२१	११	सिं१३।२८	
९	र	१५	३३	म	१२	२२	ऐं	४३	५४	ग	१५	३३	४५	३९	२१	२१	२२	१२	सिंहे	भ.४५।२उ.
१०	चं	१४	३१	पू	१२	५७	वै	४०	२४	वि	१४	३१	४२	४०	२०	२२	२३	१३	कं २८।२०	भ.१४।३१या.ज्येष्ठा.बुध:५।१३
११	मं	१४	४३	उ	१४	२९	वि	३७	५९	बा	१४	४३	३९	४०	२०	२३	२४	१४	कन्यायां	स्वाती.३गुरु:२३।८उत्पत्ति११व्र.
१२	बु	१६	१३	ह	१७	२	प्री	३६	२५	तै	१६	१३	३६	३९	२१	२४	२५	१५	तुं.४९।१०	प्रदोष:
१३	गु	१८	४५	चि	२१	१९	आ	३६	०	व	१८	४५	३३	३९	२१	२५	२६	१६	तुलायां	भ.१८ ४५उ ३५ ०या.वृश्चिकेऽर्कः:५८ १६ (सौर:६४
१४	शु	२२	२५	स्वा	२६	०	सौ	३५	४९	श	२२	२५	३०	४०	२०	२६	२७	१७	तुलायां	
३०	श	२७	३	वि	३२	५२	शो	३६	१६	ना	२७	३	२७	४१	१९	२७	२८	१८	वृ.१६।१०	विशा.शुक्र:४५।५७

३१पं.मा.कृ.६वृ.इ.४६।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	६	६	८	३	६
२३	१७	११	१२	८	१	२५	२२
२०	१४	५०	३०	५०	२१	२२	०
५०	३१	३१	०	५३	११	११	३५
६०	३८	८६	१३	७४	६	३	६०
३७	३१	५	३२	२०	२०	११	३०

गोचर ग्रहाः

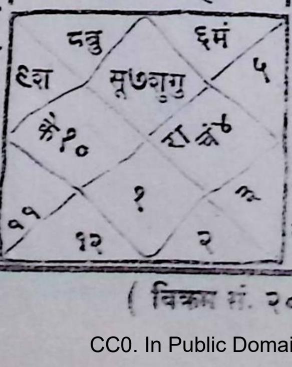

मार्गशीर्षकृष्णे१३गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३प्रगलभावस्था (वैठी)मु.३० वान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

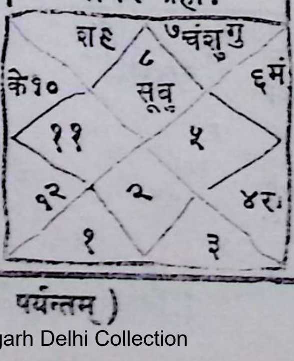

३२पं.मा.कृ.१३वृ.इ ४६ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	८	३	७
०	२१	२१	१२	१७	२	२५	०
३३	३९	२१	५९	३७	४	९	४
२९	१८	४०	४६	२६	५५	५५	१९
६०	३८	७६	१२	७४	६	३	६०
३०	२२	३१	२६	२२	३५	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं.२०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणोऽहर्गणः२४१९सन्२०१७
१	र	३२	३७	अ	३८	३५	अ	३७	४५	ब	३२	३७	२६/२५	६/४३	५/१७	२८	२९	१९	वृश्चिके	अनु.रविः ३१/१८(सौरः ५/४६/२)चित्रा.भौमः ३३/३४
२	चं	३८	४१	ज्ये	४५	४९	सु	३९	३५	बा	५	३९	२२	४४	१६	२९	३०	२०	ध.४५।४९	चंद्रदर्शनम्
३	मं	४५	८	सू	५३	२३	धृ	४१	५९	तै	११	५४	१९	४४	१६	३०	१	२१	धनुषि	रविलावल३
४	बु	५१	४२	पू	६०	०	शू	४४	४	व	१८	२५	१७	४५	१५	१	२	२२	धनुषि	भ.१८।२५उ.५४/४२या.भा.मार्गशीर्षारंभः
५	गु	५८	३	पू	१	४	गं	४६	२४	ब	२४	५२	१४	४५	१५	२	३	२३	म.१७।४३	
६	शु	६०	०	उ	८	२७	वृ	४८	२९	कौ	३०	४४	१२	४६	१४	३	४	२४	मकरे	मूलेधनुषिबुधः८।३८चंपा६
६	श	३	२५	श्र	१४	५५	ध्रु	४९	३४	तै	३	२५	९	४६	१४	४	५	२५	कुं.४७।११	
७	र	७	४६	ध	१९	२८	व्या	४९	४०	व	७	४६	७	४७	१३	५	६	२६	कुंभे	भ.४७/६उ.३९/६या.वृश्चिकेशुक्रः३९।४
८	चं	१०	२६	श	२४	१४	ह	४८	१३	ब	१०	२६	५	४७	१३	६	७	२७	कुंभे	
९	मं	११	२३	पू	२६	२०	व	४४	१६	कौ	११	२३	२	४८	१२	७	८	२८	मी१०।५०	मूल.२शनिः१९।३८
१०	बु	१०	१७	उ	२६	२७	सि	४०	५२	ग	१०	१७	०	४८	१२	८	९	२९	मीने	भ.३४/४उ.अनु.शुक्रः १४/२७स्वाती.४गुरुः ३१/१७
११	गु	७	११	रे	२४	२४	व्य	३४	३७	वि	७	११	५८/२५	४८	१२	९	१०	३०	मे.२४।२४	भ.११/७या.तुलायांभौमः २/३मोक्षदा११व्र.=
१२	शु	१	४९	अ	२०	२९	व	२६	५९	बा	१	४९	५६	४९	११	१०	११	१	मेषे	दिसम्बर१२ता.३१प्रदोषः[=गीताजयंती
१३	शु	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
१४	श	४६	४३	भ	१४	५७	प	१७	५२	ग	२०	४७	५४	४९	११	११	१२	२	वृ.२८।२६	भ.४३/३उ.ज्येष्ठारविः ४१/२६वक्रीबुधः ३७/३३
१५	र	३७	३०	कृ	८	५२	शि	५५/७	४९/२२	वि	१२	६	५३	४९	११	१२	१३	३	वृषे	भ.१/६या.ज्येष्ठा.रविःसौरः ३/६दत्तजयंती

३३पं.मा.शु.५वृ.इ.४५।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	६	६	८	३	७
७	२६	२९	१५	२६	२	२४	७
३७	३	३७	२८	२५	५०	४७	९
२६	४७	२६	४८	८	३५	३९	५२
६०	३८	५९	१३	७४	६	३	६०
४२	२०	२९	१४	२६	५३	११	५३

गोचर ग्रहाः

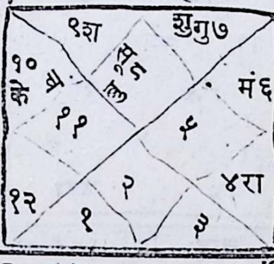

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गेहू जो चना मटर धातु सोना चांदी तेज हो प्रजा में अशान्ति रहे।

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.शु.११वृ.इ.४५/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	७	८	३	७
१४	०	४	१६	५	३	२४	१४
४२	२७	४८	५६	१२	३७	२५	१६
४०	२९	२२	२	१२	१२	२४	३८
६०	३८	२१	१२	७४	७	३	६१
५०	६	४९	५६	२६	४	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	चं	२७	५९	रो	०/७	५३/४७	सा	४६	२२	बा	२	४४	२५/५१	६/५०	५/१०	१३	१४	४	मि२६।३१	
२	मं	१८	४१	आ	४५	४२	शु	३५	३६	ग	१८	४१	४९	५०	१०	१४	१५	५	मिथुने	भ.४४।१४उ.अस्तंशनेः५।१९
३	बु	९	४७	पु	३९	१०	शु	२५	२६	वि	९	४७	४८	५०	१०	१५	१६	६	क.२५।४८	भ ९।४७या.बुधास्तःपश्चिमायां +
४	गु	२	१	पु	३३	५१	ब्र	१६	१	बा	२	१	४६	५१	९	१६	१७	७	कर्के	[+ ५६।२५ चतुर्थी व्र.
५	गु	५३	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
६	शु	५०	५१	श्ले	३०	२	ऐं	७	४६	ग	२३	१६	४५	५१	९	१७	१८	८	सिं३०।२	भ.५०।५१उ.
७	श	४८	०	म	२७	५८	वै	५०/०	५४/३१	वि	१९	२५	४४	५१	९	१८	१९	९	सिंहे	भ १९।२५या.ज्येष्ठा.शुक्रः५५।५८
८	र	४६	४६	पू	२७	२६	प्री	५१	१३	बा	१७	२३	४३	५१	९	१९	२०	१०	क.४२।४५	वक्रीज्येष्ठा वृश्चिकेबुधः ५५/०स्वात्यां ÷
९	चं	४७	१४	उ	२८	४०	आ	४८	२२	तै	१७	०	४२	५२	८	२०	२१	११	कन्याया	[÷ भौमः ३७।३८
१०	मं	४९	१३	ह	३१	४०	सौ	४६	४८	व	१८	१३	४१	५२	८	२१	२२	१२	कन्यायां	भ.१८।१३उ.४९।१३या.
११	बु	५२	२४	चि	३६	१	शो	४६	२	ब	२०	४८	४०	५२	८	२२	२३	१३	तु ३।५०	सफला११व्र.
१२	गु	५७	०	स्वा	४१	१९	अ	४७	३	कौ	२४	४२	३९	५२	८	२३	२४	१४	तुलायां	[=सौरः १०।२६विशा.१गुरुः८।२७
१३	शु	६०	०	वि	४७	३१	सु	४८	२३	ग	२९	३८	३९	५२	८	२४	२५	१५	वृ.३०।५८	मूलेधनुष्यर्कः४८।४०प्रदोषः
१३	श	२	१७	अ	५४	३९	धृ	४९	५३	व	२	१७	३८	५२	८	२५	२६	१६	वृश्चिके	भ.२।१७उ.३५।१७या.मूळे धनुष्यर्कः =
१४	र	८	१७	ज्ये	६०	०	शू	५१	४६	श	८	१७	३८	५२	८	२६	२७	१७	वृश्चिके	शुक्रास्तःपूर्वस्यां१२।३६
३०	चं	१४	३७	ज्ये	१	५०	गं	५४	१०	ना	१४	३७	३७	५३	७	२७	२८	१८	ध.१।५०	बुधोदयःपूर्वस्यां२९।५५

३५पं.पौ.कृ.५वृ.इ.४५।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	६	७	८	३	७
२१	४	३	१८	१४	४	२४	२१
४८	५१	९	२१	१	२५	३	२४
४३	१८	४७	१८	३७	२३	८	२०
६०	३७	६०/५	१२	७४	७	३	६१
५६	५३	व.	३१	३२	१४	११	११

गोचर ग्रहाः

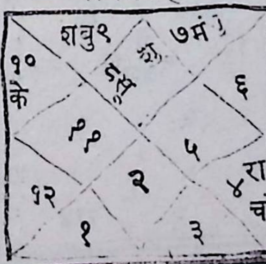

पौषकृष्णे १३शुक्रेधनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२न.४प्रगलभावस्था.बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

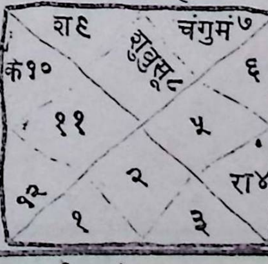

३६पं.पौ.कृ.१२वृ.इ.४५/१६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	६	७	८	३	७
२८	९	२४	१९	२२	५	२३	२८
५५	१४	५२	४३	५०	१४	४०	३३
३७	३१	१२	८	५६	२५	५३	३
६१	३७	१४/५०	१२	७४	७	३	६१
०	५०	व	१०	३२	२०	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणोऽहर्गणः२४४९स.२०१७
१	मं	२१	२	मू	९	२५	वृ	५६	१४	ब	२१	३५/३७	५६/५३	५/७	२८	२९	१९	धनुषि	चंद्रदर्शन संभव:
२	बु	२७	२९	पू	१६	५९	ध्रु	५८	२७	कौ	२७ २९	३६	५३	७	२९	१	२०	म.३३।५०	मूलेधनुषिशुक्र:२५।१५रविलाखर४
३	गु	३३	४०	उ	२४	२५	व्या	६०	०	तै	० ३४	३६	५३	७	३०	२	२१	मकरें	
४	शु	३८	४५	श्र	३१	५	व्या	०	१०	व	६ १२	३६	५३	७	१	३	२२	मकरे	भ.६।१२उ.३८।४५या.भा.पौषारंभ:
५	श	४३	४६	ध	३६	५८	ह	१	२०	ब	११ १५	३६	५३	७	२	४	२३	कुं.४।१	मार्गी बुध:३८।२२
६	र	४७	१	श	४१	४८	व	२	२	कौ	१५ २३	३७	५३	७	३	५	२४	कुंभे	
७	चं	४८	५५	पू	४५	७	सि	१/३९	५८/१६	ग	१७ ५८	३७	५३	७	४	६	२५	मी२९।१७	भ.४८।५५उ.
८	मं	४९	११	उ	४६	५९	व	५६	४४	वि	१९ ३	३७	५३	७	५	७	२६	मीने	भ.१९।३या.मूल.३शनि:५४।४७
९	बु	४७	३६	रे	४६	५३	प	५२	१७	बा	१८ २३	३८	५२	८	६	८	२७	मे.४६।५३	
१०	गु	४४	२	अ	४५	२	शि	४६	१७	तै	१५ ४९	३८	५२	८	७	९	२८	मेषे	पूषा.रवि:५३।४०
११	शु	३८	३७	भ	४१	११	सि	३७	४५	व	११ २०	३९	५२	८	८	१०	२९	वृ.५५।२२	भ.११।२०उ.३८।३७या.पूषा.रवि: ×
१२	श	३१	४४	कृ	३३	५२	सा	२९	५४	ब	५ १०	४०	५२	८	९	११	३०	वृषे	[× सौर:१२।४पुत्र दा११व्र.
१३	र	२३	१५	रो	२९	५	शु	१९	०	तै	२३ १५	४१	५२	८	१०	१२	३१	मि५५।१७	पूषा.शुक्र:३।५७विशा.भौम:५६/५१प्रदोष:
१४	चं	१४	०	मृ	२१	२९	शु	२८/९	४९/४१	व	१४ ०	४२	५२	८	११	१३	१	मिथुने	भ.१४।०उ.३९।६या.जनवरी१ता.३१
१५	मं	४	१३	आ	१३	३७	ऐं	४६	४५	ब	४ १३	४३	५१	९	१२	१४	२	क.५२।४७	मा.स्ना.प्रा.

३७पं. पौ.शु.३वृ.इ. ४५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	६	८	८	३	८
६	१३	१८	२१	१	६	२३	५
३	३८	५४	२	३९	३	१८	४२
१४	१३	४३	६	१४	५८	३७	२८
६१	३७	१४/५६	११	७४	७	३	६१
४	४५	व.	३६	३२	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

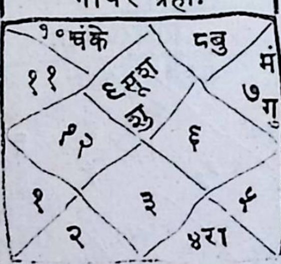

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन बाजरा मूंग मोठ सोना चांदी लोहा आदि धातुओं में तेजी करे शीत का प्रकोप अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

३८पं. पौ.शु.१०वृ.इ. ४४/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	६	८	८	३	८
१३	१८	२१	२२	१०	६	२२	१२
११	१	२	१७	२७	५३	५६	५२
१३	१	३८	३१	७	२८	२१	२०
६१	३७	४०/२७	१०	७४	७	३	६१
६	२०	मा	५६	३८	२०	११	२

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इ.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	०	०	००	
२	बु	४५	१३	पु	५/५१	५२/५०	वै	३६	७	तै	१९ ५३	२५/४४	६/५१	५/९	१३	१५	३	कर्के	विशा.२गुरु:५९।३०
३	गु	३७	८	श्ले	५२	४९	वि	२६	४	व	११ १०	४५	५१	९	१४	१६	४	सिं५२।४९	भ.११।१०उ.३७।८या.आश्ल.२राहु: =
४	शु	३०	३३	म	४८	३७	प्री	१७	३७	ब	३ ५०	४७	५१	९	१५	१७	५	सिंहे	चतुर्थी व्र. [=श्रवण.४केतु१९।३
५	श	२५	५६	पू	४६	२०	आ.	१०	७	तै	२५ ५६	४८	५०	१०	१६	१८	६	सिंहे	मूलेधनुषिबुध:३९।३८
६	र	२३	२१	उ	४६	१	सौ	४	२९	व	२३ २१	५०	५०	१०	१७	१९	७	कं.१।१५	भ.२३।२१उ.५३।७या.उदयंशने:२४/१७
७	चं	२२	५३	ह	४७	४६	शो	०/२२	५७/४०	ब	२२ ५३	५२	५०	१०	१८	२०	८	कन्यायां	
८	मं	२४	१९	चि	५२	७	सु	५७	७	कौ	२४ १९	५३	४९	११	१९	२१	९	तु.१९।५६	
९	बु	२७	२९	स्वा	५६	२४	धृ	५७	३२	ग.	२७ २९	५५	४९	११	२०	२२	१०	तुलायां	भ.५९/५०उ.उपा.रवि:२८/२५उपा.शुक्र:३७/२१
१०	गु	३२	१२	वि	६०	०	शू	५८	२९	वि	३२ १२	५७	४९	११	२१	२३	११	वृ.४६।१०	भ.३२।१२या.उपा.रवि:सौर:१३।३१
११	शु	३७	४३	वि	२	४५	गं	६०	०	व	४ ५७	५९	४८	१२	२२	२४	१२	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	श	४४	१३	अ	१०	२८	गं	०	२३	कौ	१० ५८	२/१	४८	१२	२३	२५	१३	वृश्चिके	मकरेंशुक्र:१८।८
१३	र	५०	४६	ज्ये	१७	३१	वृ	२	३१	ग	१७ २९	४	४७	१३	२४	२६	१४	ध.१७।३१	भ.५०/४६उ.मकरेऽर्क:१५/४९(सौर:२८/५८) प्रदोष:
१४	चं	५७	११	मू	२५	११	ध्रु	४	५३	वि	२३ ५८	६	४७	१३	२५	२७	१५	धनुषि	भ.२३।५८या.
३०	मं	६०	०	पू	३२	३६	व्या	७	१९	च	३० १९	८	४६	१४	२६	२८	१६	म.४९।२३	पूषा.बुध:३८।४६बृश्चिकेभौम: ५७।३५
३०	बु	३	२७	उ	३९	४३	ह	९	२	ना	३ २७	११	४६	१४	२७	२९	१७	मकरे	

३९पं.मा.कृ.३वृ.इ.४४।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	६	८	८	३	८
२०	२२	२७	२३	१९	७	२२	२०
१९	२२	५३	२७	१५	४२	३४	२
२६	४१	४६	४७	४३	२२	६	१७
६१	३७	६६	१०	७४	७	३	६१
६	११	०	१७	३८	१४	११	२६

गोचर ग्रहाः

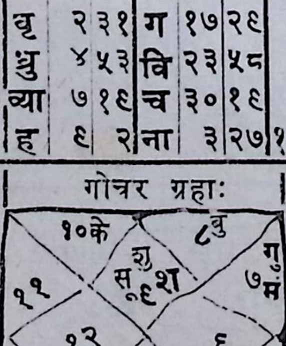

माघ कृष्णे १३ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः; वा.३ न.२प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

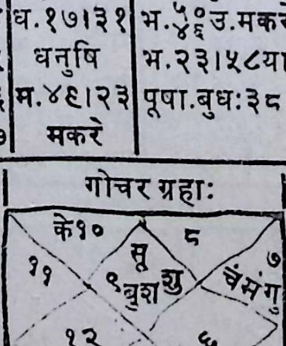

४०पं.मा.कृ.१०वृ.इ.४४/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	६	८	८	३	८
२७	२६	६	२४	२८	८	२२	२७
२७	४२	४२	३३	३	३०	११	१२
२२	५४	३६	३२	५८	४०	५०	९
६१	३६	७९	९	७४	७	३	६१
६	४४	३४	३१	३८	४	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण२४७९स.२०१८
१	गु	९	६	श्र	४६	११	व	१०	३४	ब	६	६	२६ १३	६ ४५	५ १५	२८	३०	१८	मकरे	चंद्रदर्शनम्[÷श्रवणेशुक्रः १३ ५९ भा.माघारंभः
२	शु	१४	३	ध	५१	५६	सि	११	३५	कौ	१४	३	१६	४५	१५	२९	१	१९	कुं.१९।३	जमादिलावल५
३	श	१८	११	श	५६	३६	व्य	११	५८	ग	१८	११	१९	४४	१६	३०	२	२०	कुम्भे	भ.४९।४३उ.अभि.प्र.रविः४९।१९
४	र	२१	१५	पू	६०	०	व	११	१८	वि	२१	१५	२१	४४	१६	१	३	२१	मी४४।२३	भ.२१ ५५या.अभि.प्र.रविःसौरः ०१ ९÷
५	चं	२३	५	पू	०	१८	प	१०	११	बा	२३	५	२४	४३	१७	२	४	२२	मीने	अनु.भौमः२ १२वसंत५ [Aरथ७
६	मं	२३	५०	उ	२	४६	शि	८	२	तै	२३	५०	२७	४३	१७	३	५	२३	मीने	=(सौरः१७ ९५)अभि.नि.रविः५१ ६१भानु७A
७	बु	२३	१६	रे	३	५६	सि	४ ४०	५५ १७	व	२३	१६	२९	४२	१८	४	६	२४	मे.३।५६	भ.२१ ३६उ.५ २९या.श्रवणे रविः३ ५६=
८	गु	२१	२	अ	३	४३	शु	५४	१३	ब	२१	२	३२	४२	१८	५	७	२५	मेषे	अभि.नि.रविःसौरः७ ३२उषा.बुवः३ ५६ २*
९	शु	१७	२०	भ	१ ५२	५६ ५२	शु	४७	२८	कौ	१७	२०	३५	४१	१९	६	८	२६	वृ.१६।५	[*मूल.४शनिः१ २६ ८भौमाष्टमी
१०	श	१२	११	रो	५४	१०	ब्र	३९	२२	ग	१२	११	३८	४०	२०	७	९	२७	वृषे	भ.३ ५८ ७उ मकरेबुधः४ २३ ७विशाखा.३ –
११	र	५	४३	मृ	४८	२४	ऐं	३०	१३	वि	५	४३	४१	४०	२०	८	१०	२८	मि२१।१७	भ.५ ४३या.बुवास्तःपूर्वस्यां५ ३५ ६जया११व्र.
१२	र	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–गुरुः२ ३१ ७
१३	चं	४९	२२	आ	४१	२४	वै	२०	२०	कौ	२३	४१	४५	३९	२१	९	११	२९	मिथुने	प्रदोषः
१४	मं	४०	१३	पु	३४	११	वि	५२	४ ९ ५१	ग	१४	४७	४८	३८	२२	१०	१२	३०	क.२०।५९	भ.४०।१३उ.[ᔕ चंद्रग्रहणम्मा.स्ना.पूर्ति
१५	बु	३१	१	पु	२६	५५	आ	४८	४७	वि	५	३७	५१	३८	२२	११	१३	३१	कर्के	भ.५ ३७या.धनि.शुक्रः५ ३० २खग्रास ᔕ

४१पं मा.शु.१वृ.इ.४४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	६	९	८	३	९
४	१	१६	२५	६	९	२१	४
३५	३	२६	३३	५२	१७	४९	२१
१३	४७	१०	४७	२३	१७	३५	३८
६१	३६	८८	८	७४	६	३	६१
३	३७	३७	४०	३८	५२	११	१९

गोचर ग्रहाः

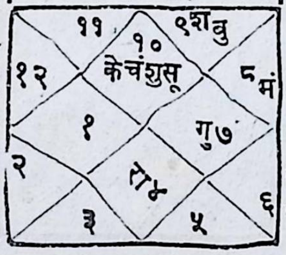

इस मास में धान्य जौ बाजरा मूंग मोठ चना आदि तेज हो रस गुड़ शक्कर चीनी सोना चांदी लोहा आदि धातु मंदी हो

गोचर ग्रहाः

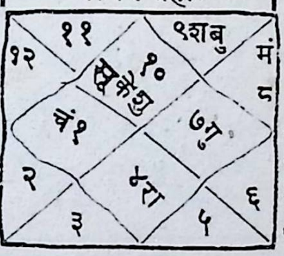

४२पं.मा.शु.८वृ.इ. ४४ ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	६	९	८	३	९
११	५	२६	२६	१५	१०	२१	११
४२	२३	५२	२७	४०	३	२७	३०
४०	५३	४४	३२	२६	७	१९	२९
६०	३६	९५	७	७४	६	३	६१
५९	२८	३४	३६	३२	३५	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु	२२	२२	श्ले	२१	३	सौ	३९	३१	कौ	२२	२२	२६ ५४	६ ३ ७	५ २ ३	१२	१४	१	सिं२१।३	फरवरी२ता.२८
२	शु	१४	४८	म	१४	३७	शो	३०	२८	ग	१४	४८	५८	३६	२४	१३	१५	२	सिंहे	भ.४१।५०उ.
३	श	८	५१	पू	१०	३३	अ	२३	२	वि	८	५१	२७ १	३६	२४	१४	१६	३	कं.२४।५८	भ.८।५१या.श्रवणेबुध.१।४१ शुक्रोदयः×
४	र	४	३४	उ	८	१४	सु	१७	२८	बा	४	३४	५	३५	२५	१५	१७	४	कन्यायां	[×पश्चिमायां१।४८चतुर्थी व्र.
५	चं	२	४०	ह	८	९	धृ	१३	२६	तै	२	४०	८	३४	२६	१६	१८	५	तु.३८।३८	
६	मं	२	५३	चि	९	८	शू	११	११	व	२	५३	१२	३४	२६	१७	१९	६	तुलायां	भ.२।५३उ.३३।५८या.धनि.रविः१३ १४+
७	बु	५	३	स्वा	१४	७	गं	१०	०	ब	५	३	१५	३३	२७	१८	२०	७	तुलायां	[+(सौरः२ २५)कुंभेशुक्रः८।२८
८	गु	९	१३	वि	१९	५२	वृ	११	४	कौ	९	१३	१९	३२	२८	१९	२१	८	वृ.३।२६	पातस्पर्शः१७।३२पातमोक्षः३९।२
९	शु	१४	३२	अ	२६	४४	ध्रु	१२	३४	ग	१४	३२	२३	३१	२९	२०	२२	९	वृश्चिके	भ.४७।४२उ.
१०	श	२०	५२	ज्ये	३४	८	व्या	१४	४६	वि	२०	५२	२७	३१	२९	२१	२३	१०	ध.३४।८	भ.२०।५२या.धनि.बुधः५७।५१
११	र	२७	२९	मू	४१	५३	ह	१६	५९	बा	२७	२९	३१	३०	३०	२२	२४	११	धनुषि	शतेशुक्रः३०।२४विजया११व्र.
१२	चं	३३	५९	पू	४९	२८	व	१९	२४	कौ	०	४४	३४	२९	३१	२३	२५	१२	धनुषि	कुंभेऽर्कः४७।३०(सौरः५६।३)
१३	मं	४०	६	उ	५६	३१	सि	२१	२३	ग	७	२	३८	२८	३२	२४	२६	१३	म.६।१४	भ.४०।६उ.ज्येष्ठा.भौमः२०।५१प्रदोषः
१४	बु	४५	२४	श्र	६०	०	व्य	२३	०	वि	१२	४५	४१	२८	३२	२५	२७	१४	मकरे	भ.१ ४२ ५या.कुंभेबुधः५ ३१ महाशिवरात्री व्र.
३०	गु	४९	३८	श्र	२	४३	व	२४	३७	च	१७	३१	४५	२७	३३	२६	२८	१५	कु.३५।१४	

४३पं.फा.कृ.१वृ.इ.४५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	६	९	८	३	९
१८	९	७	२७	२४	१०	२१	१८
४९	४१	५०	१४	२७	४७	५	३८
१६	३५	३८	१७	४०	६	३	३५
६०	३५	०	६	७४	६	३	६१
५५	४९	१४	३३	३२	२०	११	४

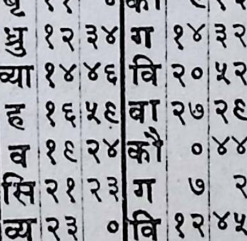

४४पं.फा.कृ.८वृ.इ.४५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	६	१०	८	३	९
२५	१३	१९	२७	३	११	२०	२५
५५	५९	२६	५३	१४	२७	४२	४५
१	२	६	३८	९२	०	४८	२२
६०	३५	०	५	७४	६	३	६०
४७	३०	४६	२६	३३	०	११	५५

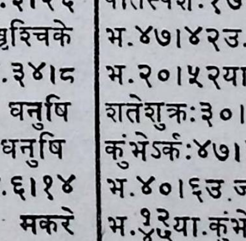

४५पं.फा.कृ.३०वृ.इ.४५ २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	६	१०	८	३	१०
२	१८	१	२८	११	१२	२०	२
५९	१४	४०	२५	५९	५	२०	५१
४९	२४	१६	१९	३५	२४	३२	२५
६०	३५	[illegible]	४	७४	५	३	६०
३७	२	२३	१४	२६	३२	११	४३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः स० २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२५०९स.२०१८
१	शु	५२	४९	ध	७	४७	प	२३	३७	किं	२१	१३	२७/४९	६/२६	५/३४	२७	२९	१६	कुंभे	
२	श	५४	५४	श	१२	११	शि	२२	३८	बा	२३	५१	५३	२५	३५	२८	३०	१७	मी५९।१९	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	र	५५	५४	पू	१५	२	सि	२०	५५	तै	२५	२४	५६	२५	३५	२९	१	१८	मीने	शतेबुधः२६।५२जमादिलाखर६
४	चं	५६	१	उ	१७	८	सा	१८	५	व	२५	५७	२८/००	२४	३६	३०	२	१९	मीने	भ.२५/५७उ.५६/१या.शतेरविः३/४ ३/६ ×
५	मं	५५	०	रे	१८	५	शु	१५	४३	ब	२५	३०	४	२३	३७	१	३	२०	मे.१८।५	भा.फाल्गुनारंभः [×(सौरः३१/२५)
६	बु	५२	५७	अ	१८	१३	शु	१०	४५	कौ	२३	५८	८	२२	३८	२	४	२१	मेषे	पातस्पर्शः३१।१२पातमोक्षः४६।०
७	गु	४९	५२	भ	१७	१३	ब्र	५/४१	५४/१७	ग	२१	२४	१२	२२	३८	३	५	२२	वृ. ३१।४५	भ.४९।५२उ.पूभा.शुक्रः८।५८आश्ले.१×
८	शु	४६	४	कृ	१५	२१	वै	५४	२३	वि	१७	५८	१६	२१	३९	४	६	२३	वृषे	भ.१७।५८या.होलाष्टकम्
९	श	४१	११	रो	१२	३५	वि	४६	७	बा	१३	३७	२०	२०	४०	५	७	२४	मि४०।४०	[×राहुःश्रवण.३केतुः१३।१८
१०	र	३५	२२	मृ	८	४६	प्री	३८	०	तै	८	१६	२४	१९	४१	६	८	२५	मिथुने	पूभा.बुधः३८।४७
११	चं	२८	३९	आ	४/०	५४/४१	आ	२९	१९	व	२	०	२८	१८	४२	७	९	२६	क.४५।१	भ.२।०उ.२८।३९उ.आमलकी११व्र.
१२	मं	२१	१६	पु	५२	५५	सौ	२०	१६	बा	२१	१६	३२	१८	४२	८	१०	२७	कर्के	प्रदोषः
१३	बु	१३	३०	श्ले	४७	८	शो	१०	४७	तै	१३	३०	३६	१७	४३	९	११	२८	सिं४७।८	
१४	गु	५	४७	म	४१	३४	अ	१/४१	५१/३९	व	५	४७	४०	१६	४४	१०	१२	१	सिंहे	भ.५।४७उ.३२।८या.मार्च३ता.३१+
१५	गु	५२	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+होलिकादहनं भद्रोत्तरम्

४६पं.फा.शु.७वृ.इ. ४५/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	६	१०	८	३	१०
१०	२२	१५	२८	२०	१२	१९	९
३	२७	३२	४७	४५	४०	५८	५५
२२	४०	१०	४९	४७	५५	१७	५८
६०	३४	[illegible]	३	७४	५	३	६०
२५	२७	३/७	२	२६	२	११	३१

गोचर ग्रहाः

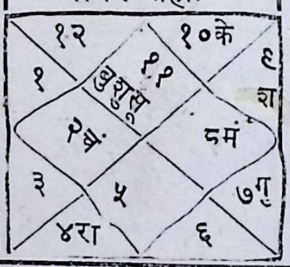

फाल्गुन कृष्णे १२ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ प्रौढावस्था(बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

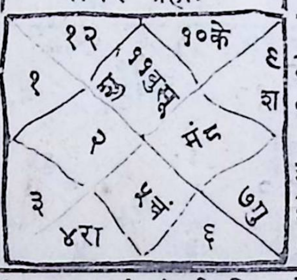

४७पं.फा.शु.१४वृ.इ. ४५/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	६	१०	८	३	१०
१७	२६	२७	२९	२९	१३	१९	१६
५	३६	४९	२	३०	१३	३६	५८
३५	५०	५	१०	०	१	१	५२
६०	३३	[illegible]	१	७४	४	३	६०
१२	४८	[illegible]	३२	२६	३९	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७४ शाकः १९३९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेतिमहा.
१	शु	५२	२७	पू	३७	१	धृ	४५	१४	बा	२५	२८	२८/४४	६/१५	५/४५	११	१३	२	कं.५१।१३	मीनेबुधः५५/४७मीनेशुक्रः१०/८वसंत१छारेंडी
२	श	४७	४१	उ	३३	५०	शू	३८	४१	तै	२०	४	४८	१४	४६	१२	१४	३	कन्यायां	पूपा.१शनिः१६।३
३	र	४४	४१	ह	३२	२६	गं	३३	२६	व	१६	११	५२	१४	४६	१३	१५	४	कन्यायां	भ.१६/११उ.४४/५१या.पूभा.रविः३९/५२ +
४	चं	४३	४२	चि	३२	५७	वृ	३०	२	व	१४	११	५६	१३	४७	१४	१६	५	तु.२।४१	पातस्पर्शः१३/२३पातमोक्षः२६/५३ चतुर्थी व्र.
५	मं	४४	५२	स्वा	३५	३५	ध्रु	२८	८	कौ	१४	४७	२९/५	१२	४८	१५	१७	६	तुलायां	[+(सौरः४६/१३)उभा.बुधः४३/३४A
६	बु	४८	१	वि	३९	५४	व्या	२७	२७	ग	१६	२६	५	११	४९	१६	१८	७	वृ.२३।४९	भ.४८।१उ.मूले धनुषि भौमः२५।२२
७	गु	५२	३९	अ	४४	५७	ह	२८	१०	वि	२०	२०	९	१०	५०	१७	१९	८	वृश्चिके	भ.२०।२०या.
८	शु	५८	३३	ज्ये	५२	५५	व	३०	१०	बा	२५	३६	१३	९	५१	१८	२०	९	ध.५२।५५	शीतला पूजनम्
९	श	६०	०	मू	६०	०	सि	३२	१	तै	३१	४३	१७	९	५१	१९	२१	१०	धनुषि	वक्री गुरुः३०।८
९	र	४	५३	मू	०	२२	व्य	३४	३०	ग	४	५३	२१	८	५२	२०	२२	११	धनुषि	भ.३८।७उ.
१०	चं	११	२१	पू	८	७	व	३६	३४	वि	११	२१	२६	७	५३	२१	२३	१२	म.२४।५३	भ.११।२१या.
११	मं	१७	२६	उ	१५	१३	प	३८	१४	बा	१७	२६	३०	६	५४	२२	२४	१३	मकरे	रेवत्यांबुधः७।३०पापमोचनी११व्र.
१२	बु	२२	३३	श्र	२१	२६	शि	३९	८	तै	२२	३३	३४	५	५५	२३	२५	१४	कुं.५३।५७	मीनेऽर्कः४०।४५(सौरः४६/३३)प्रदोषः
१३	गु	२६	२१	ध	२६	२८	सि	३८	४५	व	२६	२१	३८	४	५६	२४	२६	१५	कुम्भे	भ.२६/२१उ.५७/३८या.रेवत्यांशुक्रः३४/३९
१४	शु	२८	४८	श	३०	२२	सा	३७	३१	श	२८	४८	४३	३	५७	२५	२७	१६	कुम्भे	[Aउभा.शुक्रः५१/२१बुधोदयःपश्चिमायां२९/३
३०	श	२९	५४	पू	३२	४१	शु	[illegible]	५	ना	२९	५४	४७	३	५७	२६	२८	१७	मी१७।८	मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.७वृ.इ.४६।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	११	६	११	८	३	१०
२४	०	१०	२९	८	१३	१९	२४
६	४४	१९	६	१३	५१	१३	०
२२	५३	५	४०	१२	५३	४५	१५
५९	३३	९८	०	७४	४	३	६०
५८	१७	१७	२३	२०	४	११	६

गोचर ग्रहाः

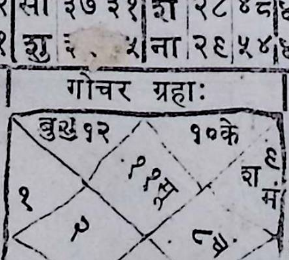

चैत्र कृष्णे १२ बुधे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४प्रौढावस्था(बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

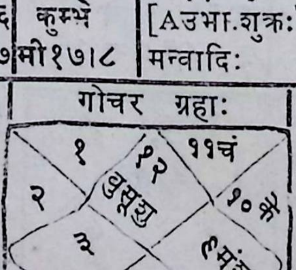

४९पं.चै.कृ.१३वृ.इ. ४६/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	११	८	३	११
१	४	१९	२९	१६	१४	१८	०
५	४९	२८	३	५४	५	५१	५३
३५	४४	१२	७	४७	३१	३०	५७
५९	३२	६३	१/०	७४	३	३	५९
४१	२५	२६	व.	१६	२८	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११९, भोग्यकलिः ४२६८८१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७५, शाकः १९४०, अथास्मिन् वर्षे राजा रविः। मंत्री शनिः। सस्येशश्चंद्रः। धान्येशो रविः। मेघेशः शुक्रः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो गुरुः। धनेशश्चंद्रः। दुर्गेशशुक्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ६ परिधाविनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।१९।६।१४ भोग्यमासादिः ११।१०।५३।४६अग्निदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम वैशाखः। मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसंधौ। समयनिवासोः वणिक् गृहे। समय विश्वा २० ससयवाहनम् अश्वः। स्तंभौ२ वायुतृणयोः। सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी३ भानुसप्तमी ३रविदशमी २समय मुहूर्तांः ३६० समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः २० तिथिवृद्धिः १४ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा ९३, वर्षाविश्वा ११, धान्यम् ७, तृणम् १३, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०९, सत्यम्।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःपश्चिमे। ग्रहण १ चंद्रमसः।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	१४	५	२	२	११	२

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	५	२४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् ५।४

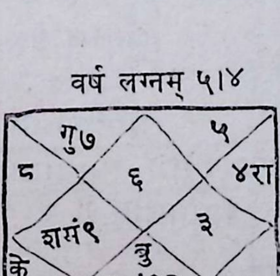

भैरव भवानी सम्वाद

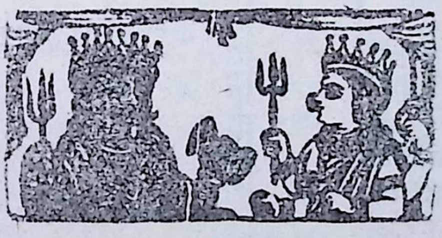

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ विनती करूं जगदंबा के द्वार।
पछेतर की साल में करदे बेडापार।।

भवानी उत्तर

राजा रवि मंत्री शनि पिता पुत्र संयोग।
युद्ध उपद्रव अग्निभय जग में बाढे रोग।।
समयनिवासो वणिक्घर बढे घणा व्यापार।
खंड वृष्टि हो भूमि पर ना सारे इकसार।।
पण भैरव भय मतकरे फलपति है सुरराज।
दैत्यगुरु मेघेश से सुधरे जग का काज।।
सौम्यग्रहों के कबज में हुये सात अधिकार।
जगदीश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार।।

सं.२०७५ शा. १९४०आषाढ शु. १५ शुक्रे खग्रास चंद्रग्रहणम्

		स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
मं	घ.	४३	४६	४८	५०	५३
उं	प.	३९	२४	३२	४०	२५
स्टा.	घ.	११	१	१	२	३
	मि.	५५	१	५२	४३	४९

वर्षेश लग्नम् ०।२६

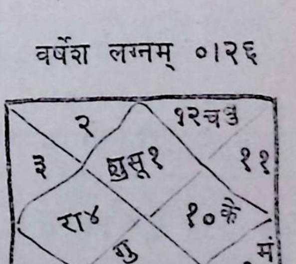

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५६।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।६।१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्चमेघाः स्वल्पं पयो गोषुजनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्प वृक्षाश्चौराग्नि बाधा निर्धनं नृपाणां ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदा । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित्।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम्।। सस्याधिपे शीत करे प्रजा सुखं मेघाः पयो मुंचति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधन तत्परा नृपा धरा भवेद्धान्य धनौघपूर्णा । धान्येशो रविः फलं ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदानहि । विग्रहे भू भृतां धान्यं महर्घं ज्वर पीड़नम् । मेघेशः शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलयुता जलदा दिवि शोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधस्तत्फलम् ।। रसपतौ द्विजराज सुते मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहुजलाखिलदेश सुरक्षिताः ।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शुक्ल वर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससां । अर्घ बृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे । फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गर्तभया वनराशि महाद्रुमाः। यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुति विचार परा द्विज पूर्वकाः ।। धनेशश्चंद्रः फलम् ।। धनपति मृग लांछन को यदा रस-चयात्क्रयविक्रयतो घनम् । वसनशालि युगं धनजं बहु द्रविण तेल घृतं नृप सौख्यकम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् ।। नर वैरषुविशेष पतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेह समःसुखो गत वनं निकटेपि च दूरतः।। परिधावि नाम संवत्सरः फलम् ।। भूपाहवो महारोगो मध्य सस्यार्घ बृष्टयः । दुःखिनो जन्तवः सर्वे वत्सरे परिधाविनि ।। वर्षनाम वैशाखः फलम् ।। अर्घं विविध भावेन जायते द्रविण प्रदम् । नीरुजा निर्भया लोका वैशाखे जन पूजिताः ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंद बृष्टिश्च । रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खंड बृष्टिश्चसंधिषु ।। समय निवासो वणिक् गृहे । वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।

संवत् २०७५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः ।

शुक्ला ३ बुधे रोहि ल. ११ रे. ६ ।।।।ऽनृ।।।
„ ४ गुरौ मृगे ल. ११ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
„ ५ शुक्रे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽचौऽऽ।।
„ १५ रवौ स्वात्यां ल. ११ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

प्रथम ज्येष्ठ मासः ।

कृष्णा ११ शुक्रे उभा ल.११ रे.७ ।।।।ऽरो.४८या ऽऽ।।

द्वि. ज्येष्ठ मासः ।

शुक्ला ७ भौमे उषा ल. १ (गु.७मे.पूज्यः) रे. ८ ।।।ऽवृ।ऽ।।
„ ८ बुधे हस्ते ल. १ (घ्र.५२।३७ उपरांत) रे.८ ।ऽ।।।ऽ।।
„ ९ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो (सोग्रांगःश.) रे. ७ ।ऽ।।ऽचौऽ।।
„ १० शुक्रे स्वात्यां ल. १ (गु.चन्द्रौ७मे.पूर्ज्यां) रे८ ।।ऽवृ।।।ऽ।।
„ १३ चन्द्रे अनु ले. ऽन्यगो (सोग्रांगःश.) रे. ७ ऽऽऽचं।।।।।।

आषाढ मासः ।

कृष्णा १ शुक्रे उषा ल. १ (गु.पू.सत्) रे. ८ ।।।।ऽनृ।।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याभावः
„ ८ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगःश) १-२ रे७ ।।।।ऽअ.।ऽ।ऽ

पौष मासः ।

शुक्ला ११ गुरौ रोहि. ल. (चं.पू.सत्) रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ दग्धा गणितेन क्रां. साम्याऽभावः

माघ मासः ।

कृष्णा १ भौमे मघा ल. ७-८ रे. ९ ।।।।ऽरो।।।।
„ ५ शुक्रे हस्ते ल. गो (सोग्रांगः ७-८ रे. ७ ।।।।ऽअऽऽ।।
„ ७ रवौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ८ रे. ६ ऽ।।।ऽनृऽऽ।।
„ ९ भौमे अनु ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ७ रे. ७ ।।।।ऽचौऽऽ।।
शुक्ला ३शुक्रे उभा ल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.१०।।।।।।।।।।
„ ५ रवौ रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ऽऽ।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः ।

कृष्णा २ गुरौ उफा ल. गो. रे. ८ ।।।ऽऽ।।।
शुक्ला २ शुक्रे रेव. ल.१० (श.पू.सत्) रे.८ ऽ।।।।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततुंरविरुत्तरेऽह्र्गणः२५३९सन्२०१८
१	र	२९	४०	उ	३३	४१	शु	३१	५२	ब	२९	४०	२९/५१	६	५८	२७	२६	१८	मीने	संवत्सरारंभःनवरात्रारंभः
१	चं	२८	१२	रे	३३	४५	ब्र	२७	४६	कौ	२८	१२	५५	१	५९	२८	३०	१९	मे.३३।४५	चंद्रदर्शनम् सिंवारा
२	मं	२५	५३	अ	३२	५५	ऐं	२२	४७	ग	२५	५३	३०/००	६/०	६/०	२९	१	२०	मेषे	भ.५४/२३उ.रज्जव७मत्स्यजयंतीगणगौरी
३	बु	२२	५३	भ	३१	२६	वै	१७	१४	वि	२२	५३	३०/४	५९	६/१	३०	२	२१	बृ.४५।५३	भ.२२।५३या.
४	गु	१८	५६	कृ	२६	७	वि	११	२०	बा	१८	५६	८	५८	२	१	३	२२	वृषे	वक्रीबुधः४२।६भा.चैत्रारंभः
५	शु	१४	५३	रो	२५	३२	प्री	५/९	५३/५५	तै	१४	५३	१२	५८	२	२	४	२३	मि५४।३३	
६	श	१०	१९	मृ	२३	३५	सौ	५१	३२	व	१०	१९	१६	५७	३	३	५	२४	मिथुने	भ.११/१९उ.३७/५९या.बुधास्तःपश्चिमायां३६/२८
७	र	५	२३	आ	२०	५	शो	४४	८	ब	५	२३	२१	५६	४	४	६	२५	मिथुने	रामनवमी स्मा.
८	चं	०	५	पु	१६	२७	अ	३६	३८	कौ	०	५	२५	५५	५	५	७	२६	क.२।२२	अश्वि.मेषेशुक्रः२१।५१रामनवमी वै.
९	चं	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	मं	४८	२३	पु	१२	२६	सु	२८	५६	व	२१	२१	२९	५४	६	६	८	२७	कर्के	भ.२१/२१उ.४६/२३या.कामदा११व्र.स्मा.
११	बु	४२	२६	श्ले	८	१०	धृ	२१	१८	ब	१५	२५	३३	५३	७	७	९	२८	सिं.८।१०	कामदा११व्र.वै.
१२	गु	३६	४०	म	४	२९	शू	१३	५०	कौ	९	३३	३७	५३	७	८	१०	२९	सिंहे	प्रदोषः
१३/१४	शु	३१	४३	पू	०/५८	५७/१८	गं	६	४४	ग	४	११	४१	५२	८	९	११	३०	कं.१५।१७	भ.३१/४३उ.५९/३या.पूषा.भौमः५३।३७
१५	श	२७	३४	ह	५६	५०	बृ	०/१५	५४/५०	ब	२७	३४	४५	५१	९	१०	१२	३१	कन्यायां	हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.५बृ.इ ४६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	११	८	३	११
८	८	२२	२८	२५	१४	१८	७
३	५०	५२	४९	३४	२५	२९	५७
१८	४९	१२	२२	१९	१	१४	५२
५९	३१	४४	३२	७४	२	३	५९
२९	२३	व.	व.	८	४३	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में रुई रंग स्वर्ण तेज रहेंगे चांदी में घटावढी चले धान्य वाजरा मूंग मोठ चावल गेहं मंदेहोकर तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

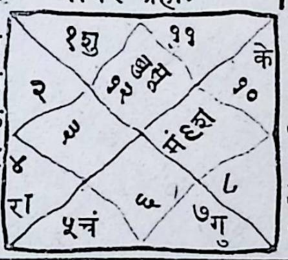

५१पं.चै.शु.१३बृ.इ. ४७/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	०	८	३	११
१४	१२	२०	२८	४	१४	१८	१४
५९	२६	१०	२७	१३	४०	६	५४
१०	३४	१२	२९	२०	२६	५९	२
५९	३०	४२	४३	७४	२	३	५९
१६	६	व.	व.	२	२	११	८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	वसंततूंरविरुत्तरे चैत्र कृष्णेंति महा.
१	र	२४	४७	चि	५६	५५	व्या	५१	११	कौ	२४	४७	३०/४९	५/५०	६/१०	११	१३	१	तु.२६।५२	अप्रेल४ता.३१
२	चं	२३	४४	स्वा	५८	३४	ह	४८	५८	ग	२३	४४	५३	४९	११	१२	१४	२	तुलायां	भ.५३।५६उ.
३	मं	२४	९	वि	६०	०	व	४७	३५	वि	२४	९	५७	४९	११	१३	१५	३	वृ.४६।४	भ.२४/९या.वक्रीउभा.बुधः२४/९चतुर्थी व्र.
४	बु	२६	३८	वि	१	५५	सि	४७	२५	बा	२६	३८	३/१	४८	१२	१४	१६	४	वृश्चिके	
५	गु	३०	३२	अ	६	५८	व्य	४८	३७	तै	३०	३२	४	४७	१३	१५	१७	५	वृश्चिके	
६	शु	३५	५६	ज्ये	१३	२७	व	५०	२०	ग	३	१४	८	४६	१४	१६	१८	६	ध.१३।२७	भ.३५।५६उ.भरण्यांशुक्रः१३।२१
७	श	४२	२	म	२०	३२	प	५२	५२	वि	८	५९	१२	४६	१४	१७	१९	७	धनुषि	भ.८।५९या.
८	र	४८	१४	पू	२८	५	शि	५४	४३	बा	१५	८	१६	४५	१५	१८	२०	८	म.४४।५६	बुधोदयःपूर्वस्यां४३।३८
९	चं	५४	२६	उ	३५	२६	सि	५७	८	तै	२१	२०	१९	४४	१६	१९	२१	९	मकरे	
१०	मं	५९	४१	श्र	४२	१७	सौ	५८	३९	व	२७	४	२३	४३	१७	२०	२२	१०	मकरे	भ.२७।४उ.५९।४१या.
११	बु	६०	०	ध	४७	३७	शु	५८	२३	ब	३१	३३	२७	४३	१७	२१	२३	११	कु.१४।५७	वरुथिनी११व्र.स्मा.
११	गु	३	२५	श	५१	३२	शु	५७	२२	बा	३	२५	३०	४२	१८	२२	२४	१२	कुम्भे	वरुथिनी११व्र.वै.
१२	शु	५	४८	पू	५३	४८	ब्र	५४	५९	तै	५	४८	३४	४१	१९	२३	२५	१३	मी. ३८/१४	प्रदोषः
१३	श	६	२४	उ	५४	३८	ऐं	५१	१४	व	६	२४	३८	४०	२०	२४	२६	१४	मीने	भ.६।२४उ.३५।५०या.अश्वि.मेषेऽर्कः ×
१४	र	५	१६	रे	५३	४१	वै	४६	१५	श	५	१६	४२	४०	२०	२५	२७	१५	मे.५३।४१	मार्गीबुधः४८।३३
३०	चं	२	३८	अ	५१	४२	वि	४०	२३	ना	२	३८	४६	३९	२१	२६	२८	१६	मेषे	[× ३।२४(सौरः९।१०)

५२पं. वै.कृ.५बृ.इः ४७/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	६	०	८	३	११
२१	१६	१४	२७	१२	१४	१७	२१
५३	३५	५०	५७	४९	५०	४४	४८
३१	४२	१३	१८	२३	४९	४३	१३
५९	२८	४६/१	५/०	७३	१	३	५९
४	४२	व.	व.	५६	२२	११	४

गोचर ग्रहाः

वैशाखकृष्णे १३ शनौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु ४५ धान्यादि भावेसमर्घंताशुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

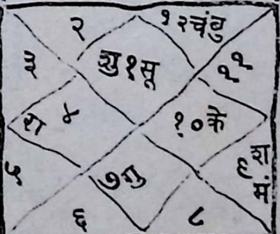

१पं. वै.कृ.१३श.इ. ३/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	६	०	८	३	११
०	२०	११	२७	२२	१४	१७	२९
०	५९	२	१०	५७	१८	१८	५४
०	२	४६	४१	५८	१६	२५	२६
५८	२६	७/४	६/८	७३	०	३	५८
४४	४६	व.	व.	५०	३२	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततू रविरुत्तरेऽहर्गण:२५६९स.२०१८
१	चं	५६	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	५३	४९	भ	४७	४३	प्री	३३	५३	बा	२६	१६	३१/५०	५/३८	६/१२	२७	२९	१७	मेषे	कृत्ति.शुक्र:३।५०चंद्रदर्शनम्
३	बु	४८	१५	कृ	४५	४	आ	२६	४१	तै	२१	२	५३	३७	२३	२८	१	१८	वृ २।३	सावान ८परशुरामजयंतीअक्षया३
४	गु	४२	४०	रो	४१	१०	सौ	१९	६	व	१५	२८	५७	३७	२३	२९	२	१९	वृषे	भ.१५/२८उ.४२/४०या.वृषेशुक्र:४९/२१वक्रीविशा. ÷
५	शु	३६	५५	मृ	३७	२८	शो	११	४६	ब	९	४७	३/१	३६	२४	३०	३	२०	मि९।१९	[÷२गुरु:१०।२७वक्रीशनि:१६।११
६	श	३१	१७	आ	३३	४६	अ	४/३३	५२/३९	कौ	४	१०	५	३५	२५	१	४	२१	मिथुने	भा.वैशाखारंभः
७	र	२५	६	पु	३०	२०	धृ	५०	१४	व	२५	६	९	३४	२६	२	५	२२	क.१६।११	भ.२५।६उ.५२।५४या.
८	चं	२०	४१	पु	२७	१	शू	४३	१९	ब	२०	४१	१२	३४	२६	३	६	२३	कर्के	
९	मं	१५	५४	श्ले	२४	५	गं	३६	५०	कौ	१५	५४	१६	३३	२७	४	७	२४	सिं. २४/५	उषा.भौम:५१।२२
१०	बु	११	१६	म	२१	३५	वृ	३०	४४	ग	११	१६	२०	३२	२८	५	८	२५	सिंहे	भ.३९।१४उ.
११	गु	७	१३	पू	१९	४१	ध्रु	२५	३	वि	७	१३	२३	३१	२९	६	९	२६	क.३४।१७	भ.१३/५या.पुष्ये.४राहु:श्रवण२केतु:१२।८=
१२	शु	३	४३	उ	१८	७	व्या	२०	३	वा	३	४३	२७	३१	२९	७	१०	२७	कन्यायां	भरण्यांरवि:४३/४२(सौर:३०/३५)रेवत्यांबुधः +
१३	श	१	३	ह	१७	२९	ह	१५	३७	तै	१	३	३१	३०	३०	८	११	२८	तु.४७।५४	भ.५९।२०उ.रोहि शुक्र:५/४९नृसिंहजयंती
१४	श	५८	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= मोहिनी११व्र.[+५३।२१प्रदोषः
१५	र	५८	५३	चि	१८	१९	व	१२	१०	वि	२९	७	३४	२९	३१	९	१२	२९	तुलायां	भ.२९।७या.यमायकुंभदानम्

२पं.वै.शु.६श.इ.३।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	६	१	८	३	०
६	२४	१२	२६	१	१४	१६	६
५०	३२	११	२६	३१	५८	५९	५४
४२	२०	५६	४२	१६	२४	१९	३७
५८	२५	३७/७	६/३	७२	१/१	३	५८
३१	४३	मा	व.	४३	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

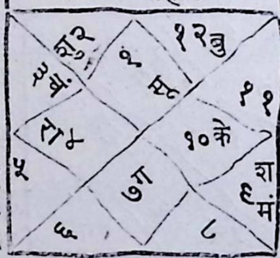

यत्र मासे खेर्वाराः जायते पंच सन्ततम् । दुर्भिक्षं छत्र भङ्गश्च तथास्तेच महद्भयम्।। इस मास में धातु धान्य में तेजी हो प्रजा में दुःख फैले ।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.शु.१३श.इ.. ३/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	६	१	८	३	०
१३	२७	१६	२५	१०	१४	१६	१३
३९	५६	४८	३७	२	५४	३४	३३
४७	२०	४	३४	३८	२५	४	२
५८	२३	४५	४/०	७३	५/६	३	५८
१९	४७	३५	व.	२८	व.	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	चं	५९	४९	स्वा	२०	७	सि	९	४१	बा	२९	२१	३२/३८	५/२८	६/३२	१०	१३	३०	तुलायां	
२	मं	६०	०	वि	२३	१९	व्य	८	३७	तै	३१	५	४१	२८	३२	११	१४	१	वृ.७।३१	मकरेभौम:४२।१२मई५ता.३१
२	बु	२	२३	अ	२७	५०	व	८	२	ग	२	२३	४५	२७	३३	१२	१५	२	वृश्चिके	भ.३४।१०उ.
३	गु	५	५८	ज्ये	३४	३०	प	८	५६	वि	५	५८	४८	२६	३४	१३	१६	३	ध.३४।३०	भ.५।५८या.चतुर्थी व्र.
४	शु	१०	५८	मू	४०	३४	शि	१०	२६	बा	१०	५८	५२	२६	३४	१४	१७	४	धनुषि	
५	श	१६	४४	पू	४८	७	सि	१२	३३	तै	१६	४४	५५	२५	३५	१५	१८	५	धनुषि	
६	र	२२	५५	उ	५५	३४	सा	१४	५६	व	२२	५५	५८	२४	३६	१६	१९	६	म.४।५८	भ.२२।५५उ.५६।६या.
७	चं	२९	१७	श्र	६०	०	शु	१७	३०	ब	२९	१७	३/३	२४	३६	१७	२०	७	मकरे	
८	मं	३४	५०	श्र	२	५२	शु	१९	२०	बा	२	४	५	२३	३७	१८	२१	८	कुं३६।२	
९	बु	३९	७	ध	९	१३	ब्र	२०	८	तै	६	५९	८	२२	३८	१९	२२	९	कुंभे	अश्वि.मेषेबुध:४०।२१मृगेशुक्र:४।५६
१०	गु	४१	५१	श	१३	५९	ऐं	२०	१	व	१०	२९	११	२२	३८	२०	२३	१०	कुंभे	भ.१०।२९उ.४१।५१या.
११	शु	४२	४९	पू	१७	११	वै	१८	२५	ब	१२	२०	१४	२१	३९	२१	२४	११	मी१।२३	कृत्ति.रवि:३९/३८(सौर:३८/३७,अपरा११व्र.
१२	श	४१	४९	उ	१८	१५	वि	१५	१४	कौ	१२	१९	१७	२१	३९	२२	२५	१२	मीने	
१३	र	३८	५०	रे	१७	३६	प्री	१०	३४	ग	१०	१९	२०	२०	४०	२३	२६	१३	मे.१७।३६	भ.३८।५०उ.प्रदोषः
१४	चं	३४	७	अ	१६	८	आ	४/२९	५२/३८	वि	६	२८	२३	१९	४१	२४	२७	१४	मेषे	भ.२८/६या.बृषेऽर्क:५६/३१मिथुनेशुक्र:३३/३१
३०	मं	२८	५	भ	११	१७	शो	४८	५२	च	१	६	२६	१९	४१	२५	२८	१५	वृ.२५।२	बृषेऽर्कःसौर:६।१४वटपूजनम्

४पं.प्र.ज्ये.कृ.५श.इ.४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	६	१	८	३	०
२०	१	२४	२४	१८	१४	१६	२०
२७	९	४	४४	३१	४४	११	२९
२५	१४	३४	५३	२३	५३	४८	४७
५८	२०	६८	५६/२	७३	४/२	३	५७
६	३४	२८	व.	१८	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

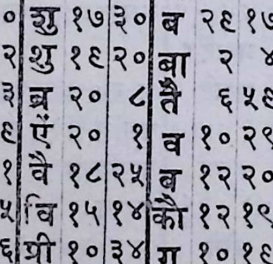

प्रथम ज्येष्ठ कृष्णे ३० भौमे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.४सुतार्थिन्यवस्था (सूती) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

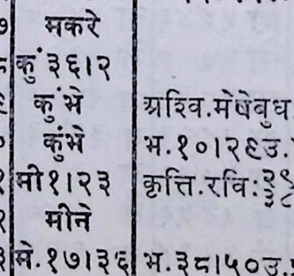

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१२श.इ. २४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	६	१	८	३	०
२७	४	३	२३	२६	१४	१५	२७
१३	७	३२	२१	५८	३१	४९	५
३७	५	४९	४३	२६	१६	३३	१
५७	१९	८८	५६/२	७३	१६/२	३	५७
५४	१४	१२	व.		२व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:२५९७स.२०१८
१	बु	२०	५३	कृ	६	२०	अ	४०	७	ब	२०	५३	३३/२८	५/१८	६/४२	२६	२९	१६	वृषे	वक्रीविशा.१गुरु:१५।५०चंद्रदर्शनम्
२	गु	१३	२३	रो	५६	५४/१९	सु	३१	७	कौ	१३	२३	३१	१८	४२	२५	१	१७	मि२८।६	रमजान ९
३	शु	५	४१	आ	४९	५५	धृ	२२	१४	ग	५	४१	३४	१७	४३	२८	२	१८	मिथुने	भ.३२।१उ.५८।२१या.भरण्यांबुध:१९/४२
४	शु	५२	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	श	५१	२५	पु	४५	१	शू	१३	३८	ब	२४	५२	३७	१७	४३	२९	३	१९	क.३१।१४	
६	र	४५	७	पु	४०	३९	गं	४७/५	५२/३३	का	१८	१६	३९	१६	४४	३०	४	२०	कर्के	आर्द्रा.शुक्र.७।४६
७	चं	३९	४५	श्ले	३७	२१	ध्रु	५१	३७	ग	१२	२६	४२	१६	४४	३१	५	२१	सिं३७।२१	भ.३९।४५उ.
८	मं	३५	२१	म	३४	५६	व्या	४५	५०	वि	७	३३	४४	१५	४५	१	६	२२	सिंहे	भ.७।३३या.भा.ज्येष्ठारंभः
९	बु	३१	५८	पू	३३	३५	ह	४०	४१	बा	३	३९	४७	१५	४५	२	७	२३	कं.४८।२९	
१०	गु	२९	२६	उ	३३	११	व	३६	२६	तै	०	४२	४९	१४	४६	३	८	२४	कन्यायां	भ.५८।४४उ.
११	शु	२८	२	ह	३३	४२	सि	३२	५६	वि	२८	२	५२	१४	४६	४	९	२५	कन्यायां	भ.२६या.रोहि.रवि:३०(सौर:३२)कृत्ति=
१२	श	२७	३७	चि	३५	१२	व्य	३०	३१	बा	२७	३७	५४	१३	४७	५	१०	२६	तु.४।२७	[=बुध:२७/१६बुधास्त:पूर्वस्यां५२/३८कमला११व्र.
१३	र	२८	२६	स्वा	३७	४६	व	२८	४१	तै	२८	२६	५६	१३	४७	६	११	२७	तुलायां	वृषेबुध:६।४७
१४	चं	३०	१७	वि	४१	४१	प	२८	६	व	३०	१७	५८	१२	४८	७	१२	२८	वृ.२५।४२	भ.३०।१७उ.
१५	मं	३३	१४	अ	४६	२२	शि	२७	५०	वि	१	४६	३४/००	१२	४८	८	१३	२९	वृश्चिके	भ.१।४६या.श्रवणेभौम:४७।३६

६पं.प्र.ज्ये.शु.५श.इ.४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	६	२	८	३	१
३	६	१४	२२	५	१४	१५	३
५८	४१	५३	५८	२३	१२	२७	४८
३७	२	१३	२६	२	२३	१७	४४
५७	१६	७/०	४०/७	७२	५५/२	३	५७
४४	२६	९/१६	व	४७	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु सोना चांदी रुई वारदाना मंदा हो धान्य गेहं जो चना मटर बाजरा गुड शक्कर तेज होवे ।

गोचर ग्रहाः

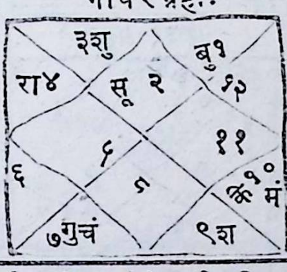

७पं.प्र.ज्ये.श१२श.इ.४।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	०	६	२	८	३	१
१०	९	२७	२२	१३	१३	१५	१०
३२	८	५५	८	४४	५२	५	३०
२९	१७	५	१०	४०	१	१	५५
५७	१३	०/८	७/८	७२	३/३४	२	५७
३५	५५	३५	व.	२५	व	११	२३

ति.	द्वि. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र. ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	बु	३७	१६	ज्ये	५२	२३	सि	२८	४५	बा	५	१२	३४/२	५/१२	६/४८	९	१४	३०	ध.५२।२३	
२	गु	४२	२५	मू	५८	५२	सा	३०	१४	तै	९	५०	३	११	४९	१०	१५	३१	धनुषि	रोहि.बुध:५५।२७पुन.शुक्र:२१।४९
३	शु	४७	५९	पू	६०	०	शु	३२	१२	व	१५	१२	५	११	४९	११	१६	१	धनुषि	भ.१५।१२उ.४७।५९या.जून६ता.३०
४	श	५४	४	पू	६	२०	शु	३४	४१	ब	२१	२	७	११	४९	१२	१७	२	म.२३।१२	चतुर्थीव्र.
५	र	६०	०	उ	१३	४८	ब्र	३७	१३	कौ	२७	१५	९	१०	५०	१३	१८	३	मकरे	वक्रीमूल.४शनि:५६।३३
५	चं	०	२६	श्र	२१	२६	ऐं	३९	४०	तै	०	२६	१०	१०	५०	१४	१९	४	कुं.५४।५९	
६	मं	६	१८	ध	२८	३१	वै	४१	२२	व	६	१८	१२	१०	५०	१५	२०	५	कुम्भे	भ.६।१८उ.३८।४३या.
७	बु	११	७	श	३४	११	वि	४२	८	ब	११	७	१३	९	५१	१६	२१	६	कुम्भे	मृगेबुध:५७।४
८	गु	१४	४९	पू	३८	४४	प्री	४१	४७	कौ	१४	४९	१५	९	५१	१७	२२	७	मी२२।३५	
९	शु	१६	४०	उ	४१	२५	आ	३९	५४	ग	१६	४०	१६	९	५१	१८	२३	८	मीने	भ.४६।४०उ.मृगेरवि:१५।२०(सौरः +
१०	श	१६	४०	रे	४२	३	सौ	३६	२५	वि	१६	४०	१७	९	५१	१९	२४	९	मे.४२।३	भ.१६।४०या.
११	र	१४	१८	अ	४०	३८	शो	३१	११	बा	१४	१८	१८	८	५२	२०	२५	१०	मेषे	मिथुनेबुध:३।३१कमला११व्र.
१२	चं	१०	१५	भ	३७	२०	अ	२४	३८	तै	१०	१५	१९	८	५२	२१	२६	११	वृ.५।१४	पुष्येशुक्र:३६।५६
१३	मं	४	४	कृ	३२	१७	सु	१६	२६	व	४	४	१९	८	५२	२२	२७	१२	वृषे	भ.४।४उ.३०।१७या.
१४	मं	५२	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+३१।१२)कर्केशुक्र:४९।२६
३०	बु	४७	५६	रो	२६	१०	धृ	७/५	५/९	च	२२	१३	२०	८	५२	२३	२८	१३	मि५२।४३	आर्द्रा.बुध:५।२४

८पं. द्वि.ज्येकृ.४श.इ.४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	६	२	८	३	१
१७	११	१२	२१	२२	१३	१४	१७
२५	६	२७	२२	३	२७	४२	१२
३९	५८	४७	२३	३२	१८	४६	१
५७	११	८/४२	६/२०	७२	३/५५	३	५७
२७	१९	७/१	व.	२	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

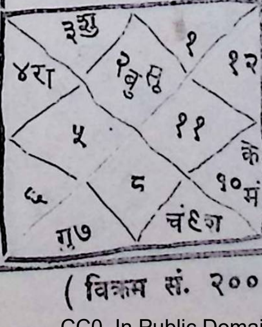

इस मास में धान्य गल्ला गेहूं जो चना आदि मंदा रहे धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड़ सक्कर चीनी तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.१०श.इ.४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	६	३	८	३	१
२४	१२	२७	२०	०	१३	१४	२३
७	३७	३३	४२	१८	०	२०	५१
१९	३७	५३	०	२५	११	३०	५७
५७	८	४२	५/२५	७१	४/१०	३	५७
२२	३	४३	व.	३५	व.	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २६२६ स.२०१८
१	गु	३८	४३	मृ	१९	१६	गं	४७	१७	किं	१३	१९	३४/२१	५/८	६/५२	२४	२९	१४	मिथुने	
२	शु	२९	२९	आ	१२	१२	वृ	३७	१३	बा	४	५	२१	८	५२	२५	३०	१५	क.५२।२	मिथुनेऽर्कः१३।५४(सौरः ३२/०) चंद्रदर्शनम्
३	श	२०	३३	पु	५/१९	५३/३८	ध्रु	२७	२५	ग	२०	३३	२२	८	५२	२६	१	१६	कर्के	भ. ४६।३० उ. सव्वाल १०
४	र	१२	२८	श्ले	५३	५३	व्या	१८	२	वि	१२	२८	२२	८	५२	२७	२	१७	सिं५३।५३	भ.३२/२८या.वक्रीस्वाती.४गुरुः५९/३१=
५	चं	५	२५	म	४९	५५	ह	९	५८	बा	५	२५	२३	७	५३	२८	३	१८	सिंहे	[=बुधोदयःपश्चिमायां५।३
६	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	मं	५५	२८	पू	४७	३३	व	२/५९	५४/१४	ग	२७	३५	२३	७	५३	२९	४	१९	सिंहे	भ.५५।२८ उ. पुन. बुधः ४६।२८
८	बु	५२	५६	उ	४६	३७	व्य	५२	३७	वि	२४	१२	२३	७	५३	३०	५	२०	कं.१।५०	भ. २४।१२ या.
९	गु	५१	४१	ह	४७	१	व	४९	१३	बा	२२	१९	२४	७	५३	३१	६	२१	कन्यायां	[×भ.आषाढारंभःगंगादशमी
१०	शु	५१	५३	चि	४९	४	प	४६	५४	तै	२१	४७	२४	७	५३	१	७	२२	तु.१८।२	आर्द्रारविः१२।४९(सौरः३३।०)×
११	श	५३	३५	स्वा	५२	२१	शि	४५	४४	व	२२	४४	२४	७	५३	२	८	२३	तुलायां	भ.२२।४४उ.५३।३५या.आश्लेशुक्रः+
१२	र	५६	१६	वि	५६	४४	सि	४५	३९	ब	२४	५५	२४	७	५३	३	९	२४	वृ.४०।३८	[+८।१निर्जला११व्र.
१३	चं	६०	०	अ	६०	०	सा	४६	४	कौ	२८	१४	२४	७	५३	४	१०	२५	वृश्चिके	कर्के बुधः २१।९ प्रदोषः
१३	मं	०	१२	अ	२	८	शु	४७	४	तै	०	१२	२३	७	५३	५	११	२६	वृश्चिके	[÷केतुः६।१०गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
१४	बु	४	४९	ज्ये	८	२४	शु	४८	५७	व	४	४९	२३	७	५३	६	१२	२७	ध.८।२४	भ.४।४९उ.३७।३२या. पुष्येबुधः२५।५६
१५	गु	१०	१४	मू	१५	९	ब्र	५०	५९	ब	१०	१४	२२	८	५२	७	१३	२८	धनुषि	वक्रीभौमः३९।५४पुष्य३राहुःश्रव.१÷

१०गं.द्वि.ज्ये.शु.५श.इ.४।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	२	६	३	८	३	२
०	१३	१२	२०	८	१२	१३	०
४८	३९	४३	८	२९	३१	५८	३१
३६	५८	४८	६	२०	१२	१५	६
५७	४	७२	१४/४	७१	४/३१	३	५६
१७	४७	४४	व.	७	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

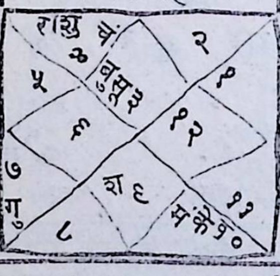

द्वि.ज्येष्ठशुक्ले २शुक्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.६ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

११पं.द्वि.ज्ये.शु.११श.इ.४।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	२	६	३	८	३	२
७	१४	२५	१९	१६	१२	१३	७
२९	१०	५५	४२	३६	१	३५	९
३१	२६	१९	१८	४	८	५९	३३
५७	१	७/०	१३/२	७०	४/४०	३	५६
१३	३५	५/३४	व.	२७	व.	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	शु	१५	५८	पू	२२	२८	ऐं	५३	२४	कौ	१५	५८	३४/२२	५/८	६/५२	८	१४	२९	म.३९।२०	
२	श	२२	२	उ	२९	५५	वै	५५	५१	ग	२२	२	२१	८	५२	९	१५	३०	मकरे	भ. ५५।७ उ.
३	र	२८	१३	श्र	३७	२६	वि	५८	१७	वि	२८	१३	२०	८	५२	१०	१६	१	मकरे	भ.२८।१३या.जुलाई७ता.३१ चतुर्थी व्र
४	चं	३४	४	ध	४४	३५	प्री	६०	०	ब	१	८	१९	८	५२	११	१७	२	कुं.११।१	
५	मं	३९	३	श	५०	५७	प्री	०	२०	कौ	६	३३	१८	८	५२	१२	१८	३	कुंभे	
६	बु	४३	२१	पू	५६	२९	आ	१	४४	ग	११	१२	१७	९	५१	१३	१९	४	मी४०।६	भ.४३।२१उ.मघा.सिंहेशुक्रः५२।२०
७	गु	४५	५८	उ	६०	०	सौ	२	१९	वि	१४	४०	१६	९	५१	१४	२०	५	मीने	भ. १४।४० या.
८	शु	४७	८	उ	०	४१	शो	१/४०	५७/५७	बा	१६	३३	१५	९	५१	१५	२१	६	मीने	पुन.रविः११।३९(सौरः३७।३५)
९	श	४६	२०	रे	३	६	सु	५६	७	तै	१६	४४	१४	९	५१	१६	२२	७	मे.३।६	आश्ले.बुधः ४।२३
१०	र	४३	२९	अ	२	१४	धृ	५१	६	व	१४	५५	१३	९	५१	१७	२३	८	मेषे	भ.१४।५५उ.४३।२९ या.
११	चं	३८	४७	भ	१/४९	५६/३१	शू	४४	२८	ब	११	८	११	१०	५०	१८	२४	९	वृ.१५।५७	मार्गी गुरुः ५।१९ योगिनी ११ व्र.
१२	मं	३२	४	रो	५३	४	गं	३६	२२	कौ	५	२५	१०	१०	५०	१९	२५	१०	वृषे	प्रदोषः
१३	बु	२४	४	मृ	४६	३५	वृ	२७	४	व	२४	४	८	१०	५०	२०	२६	११	मि१९।४९	भ. २४।४ उ. ४९।२५ या.
१४	गु	१४	४६	आ	३९	१०	ध्रु	१६	५३	श	१४	४६	७	११	४९	२१	२७	१२	मिथुने	
३०	शु	४	५३	पु	३१	१४	व्या	६/८	४९/२	ना	४	५३	५	११	४९	२२	२८	१३	क.१८।१३	

१२पं.आ.कृ.२श.इ.४।३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	६	३	८	३	२
१४	१४	७	१९	२४	११	१३	१३
९	७	१६	२४	३६	३०	१३	४७
५८	१	१९	११	२९	४०	४३	३८
५७	२४/०	८९	५/१३	६९	४/४०	३	५६
७	व.	२२	व.	३८	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

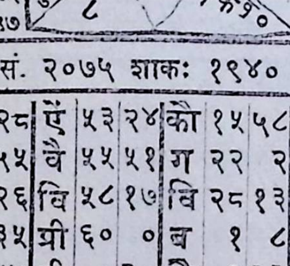

इस मास में चांदी सोना रुई रंग सूत तेज होकर सुदी में मंदी हो वर्षा अच्छी हो प्रजा में विग्रह पैदा हो।

गोचर ग्रहाः

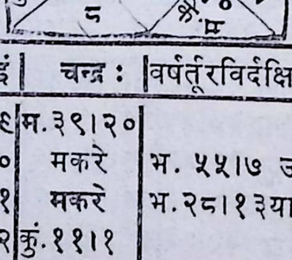

१३पं.आ.कृ.९श.इ.४।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	६	४	८	३	२
२०	१३	१६	१९	२	१०	१२	२०
५०	३३	४०	१५	३१	५९	५१	२५
२४	३२	८	३२	३७	२८	२८	३२
५७	२/३७	६८	२/०१	६८	४/३४	३	५६
७	व.	१८	व.	५०	व.	११	५०

–मंकेचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२६५६स.२०१८
१	शु	४६	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४५	२	पु	२३	१४	व	४४	५३	बा	१६	५६	३४/३	५/११	६/४९	२३	२६	१४	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	र	३६	१४	श्ले	१६	२३	सि	३४	३४	तै	१०	३८	१	१२	४८	२४	१	१५	सिं१६।२३	जिल्काद ११
४	चं	२८	३७	म	१०	३१	व्य	२५	३४	व	२	२५	३३/५९	१२	४८	२५	२	१६	सिंहे	भ.३/५उ.३/६या.कर्केऽर्कः ४/५ पूफा.शुक्रः ४२/३०
५	मं	२२	४७	पू	५	५६	व	१८	१०	बा	२२	४७	५७	१३	४७	२६	३	१७	कं.२०।१५	कर्केऽर्कः सौरः १०।१६
६	बु	१८	४७	उ	३	१८	प	१२	३	तै	१८	४७	५५	१३	४७	२७	४	१८	कन्यायां	
७	गु	१६	३७	ह	२	२२	शि	७	२५	व	१६	३७	५२	१४	४६	२८	५	१९	तु.३२।५८	भ. १६।३७ उ ४६।३३ या.
८	शु	१६	२६	चि	३	३४	सि	४	१४	ब	१६	२६	५०	१४	४६	२९	६	२०	तुलायां	पुष्ये रविः १०।२३ (सौरः४१।०)
९	श	१८	५	स्वा	६	१६	सा	२	४२	कौ	१८	५	४८	१४	४६	३०	७	२१	वृ.५३।३६	वक्री मूल. ३ शनिः ३४।६
१०	र	२१	८	वि	१०	४१	शु	२	१६	ग	२१	८	४५	१५	४५	३१	८	२२	वृश्चिके	भ. ५३।२१ उ.
११	चं	२५	३५	अ	१६	२३	शु	३	४	वि	२५	३५	४३	१५	४५	१	९	२३	वृश्चिके	भ.३/५या.भा.श्रावणारंभःदेवशयनी ११व्र.
१२	मं	३०	४१	ज्ये	२२	५५	ब्र	४	२६	बा	३०	४१	४०	१६	४४	२	१०	२४	ध.२२।५५	वक्री बुधः ६।४२
१३	बु	३६	४०	मू	३०	६	ऐं	६	३१	कौ	३	४०	३८	१६	४४	३	११	२५	धनुषि	प्रदोषः [+व्यासपूजा-वायुपरीक्षा
१४	गु	४२	३६	पू	३७	२६	वै	८	४०	ग	६	३८	३५	१७	४३	४	१२	२६	म.५४।२२	भ.४२।३६उ.वक्रीउषा.भौमः२७।२२
१५	शु	४८	३५	उ	४५	०	वि	११	४	वि	१५	३५	३३	१७	४३	५	१३	२७	मकरे	भ.१५।३५या. खग्रास चन्द्रग्रहणम्+

१४पं.आ.शु.२श.इ. ४/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	९	३	६	४	८	३	२
२७	१२	२३	१९	१०	१०	१२	२७
३०	२५	४८	१५	२१	२९	२९	३
४७	५३	५८	४	२२	५३	१२	३९
५७	४/१०	४३	५२/०	६७	१४/६	३	५६
११	व.	३८	मा	४६	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

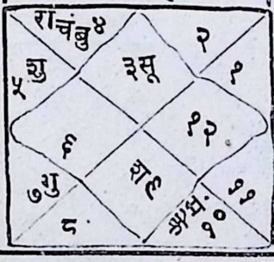

आषाढ शुक्ले ४चन्द्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ वृद्धावस्था (ज्ञैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

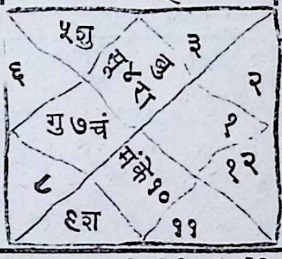

१५पं.आ.शु. ९श.इ. १४/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	४	८	३	३
४	११	२८	१९	१८	१०	१२	३
११	१८	१०	२४	२	१	६	४२
२८	१८	५५	२५	४६	५९	५७	६
५७	३४/६	१४	२	६६	५३/१	३	५६
१५	व.	७	२	३१	व	११	५८

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श	५४	४०	श्र	५२	१७	प्री	१३	३४	बा	२१	३७	३३/३०	५/१८	६/४२	६	१४	२८	मकरे	
२	र	६०	०	ध	५६	१३	आ	१५	४९	तै	२७	२५	२७	१६	४१	७	१५	२९	कुं.२५।४४	उफा. शुक्रः ५।४
२	चं	०	१०	श	६०	०	सौ	१७	४१	ग	०	१०	२४	१६	४१	८	१६	३०	कुम्भे	भ. ३२।३० उ.
३	मं	४	५१	श	५	२९	शो	१८	५६	वि	४	५१	२२	२०	४०	९	१७	३१	मी५४।४३	भ. ४।५१ या. चतुर्थी व्र.
४	बु	८	४४	पू	११	७	अ	१६	४५	बा	८	४४	१९	२०	४०	१०	१८	१	मीने	कन्यायां शुक्रः १७।१३ बुधास्तः=
५	गु	११	३७	उ	१५	३२	सु	१६	३५	तै	११	३७	१६	२१	३६	११	१९	२	मीने	विशा. १ गुरुः ३०।४ नाग ५ मरुस्थले
६	शु	१३	१७	रे	१८	५३	धृ	१८	२६	व	१३	१७	१३	२१	३६	१२	२०	३	मे.१८।५३	भ.१३।१७उ.४३।२३या.आश्ले.रविः×
७	श	१३	२८	अ	२०	४४	शू	१६	१०	ब	१३	२८	१०	२२	३८	१३	२१	४	मेषे	[×७।२४(सौरः४१।४७)
८	र	१२	५	भ	२०	५८	गं	१२	३३	कौ	१२	५	७	२३	३७	१४	२२	५	वृ.३५।३७	[=पश्चिमायां२८।३५अगस्त८ता.३१
९	चं	६	३	कृ	१६	३४	वृ	७	४६	ग	६	३	४	२३	३७	१५	२३	६	वृषे	भ. ३६।३४ उ.
१०	मं	४	६	रो	१६	२३	ध्रु	१/१९	५२/२८	वि	४	६	०	२४	३६	१६	२४	७	मि४४।७	भ. ४।६ या. कामिका ११ व्र. स्मा.
११	मं	५३	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	बु	५०	०	मृ	११	५२	ह	४५	३	कौ	२३	५३	३/५७	२५	३५	१७	२५	८	मिथुने	कामिका ११ व्र. वै.
१३	गु	४१	५	आ	५/५३	५३/८	व	३५	२०	ग	१५	३२	५४	२५	३५	१८	२६	९	क.४५।४४	भ. ४१।५ उ. प्रदोषः
१४	शु	३१	२३	पु	५१	१५	सि	२४	५०	वि	६	१४	५०	२६	३४	१९	२७	१०	कर्के	भ. ६।१४ या.
३०	श	२१	३०	श्ले	४३	३०	व्य	१४	११	ना	२१	३०	४७	२७	३३	२०	२८	११	सिं४३।३०	हस्ते शुक्रः ०।११ हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.१श.इ.४।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	४	८	३	३
१०	९	२९	१९	२५	९	११	१०
५२	५३	६	४१	३३	३६	४४	२१
३०	१७	१४	४६	५८	२९	४१	२२
५७	४/१०	५७/५१	३	६४	४३/४	३	५७
२०	व.	व.	२६	५८	व	११	५

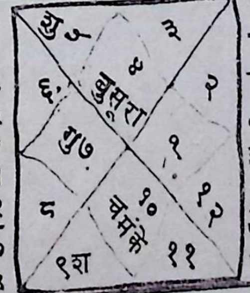

१७पं.श्रा.कृ.७श.इ.३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	५	८	३	३
१७	८	२६	२०	२	९	११	१७
३४	३३	१०	७	५५	१४	२२	१
१२	४७	१	८	४६	३५	२५	११
५७	२/५०	४४/३६	४	६३	३/५	३	५७
२५	व	व.	३४	१५	व.	११	१२

१८पं.श्रा.कृ.३०श.इ.३/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	९	३	६	५	८	३	१
२४	७	२०	२०	१०	८	११	२३
१६	२०	४७	४१	३	५५	०	४२
३७	१०	२	२४	४०	४८	१०	१८
५७	१/२९	५०/३७	५	६०	२/२६	३	५७
३३	व	व.	४१	५५	व	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२६८५सं.२०१८
१	र	११	५८	म	३६	१३	व	३/२९	४९/५५	ब	११	५८	३२/४४	५/२७	६/३३	२१	२९	१२	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
२	चं	३	९	पू	३०	११	शि	४४	११	कौ	३	९	४०	२८	३२	२२	१	१३	क.४४।४	जिल्हेज १२ तीज
३	चं	५२	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	मं	५०	१७	उ	२५	४३	सि	३६	१४	व	२३	३	३७	२९	३१	२३	२	१४	कन्यायां	भ.२/३३उ.५०।१७या.मार्गीभौमः२/८६वरद४
५	बु	४६	३६	ह	२२	५४	सा	२९	४५	ब	१८	२६	३३	२९	३१	२४	३	१५	तु.५२।३०	नाग पंचमी
६	गु	४५	८	चि	२२	७	शु	२५	१०	कौ	१५	५२	३०	३०	३०	२५	४	१६	तुलायां	[+(सौरः३/१ ६/२)बुधोदयःपूर्वस्यां३५।४७
७	शु	४५	५१	स्वा	२४	११	शु	२२	१६	ग	१५	२९	२६	३१	२९	२६	५	१७	तुलायां	भ.४५।५१उ.मघासिंहेऽर्कः१।२६+
८	श	४८	२५	वि	२६	४९	ब्र	२०	५६	वि	१७	८	२२	३२	२८	२७	६	१८	वृ.११।१०	भ. १७।८ या.
९	र	५२	४४	अ	३१	५०	ऐं	२१	२	बा	२०	३३	१९	३२	२८	२८	७	१९	वृश्चिके	मार्गी बुधः ३९।४
१०	चं	५७	५८	ज्ये	३७	५६	वै	२१	५६	तै	२५	२१	१५	३३	२७	२९	८	२०	ध.३७।५६	
११	मं	६०	०	मू	४५	२२	वि	२३	५२	व	३१	४	१२	३४	२६	३०	९	२१	धनुषि	भ. ३१।४ उ. पवित्रा ११ व्र. स्मा.
११	बु	४	१०	पू	५२	५०	प्री	२६	१०	वि	४	१०	८	३४	२६	३१	१०	२२	धनुषि	भ. ४।१० या. पवित्रा ११ व्र. वै.
१२	गु	१०	२३	उ	६०	०	आ	२८	४८	बा	१०	२३	४	३५	२५	१	११	२३	म.९।४४	भा. भाद्रपदारंभः प्रदोषः
१३	शु	१६	२६	उ	०	२५	सौ	३१	९	तै	१६	२६	१	३६	२४	२	१२	२४	मकरे	चित्रा. शुक्रः ४९।१३
१४	श	२२	१४	श्र	७	४१	शो	३३	२०	व	२२	१४	३/५७	३७	२३	३	१३	२५	कुं.४१।५	भ. २२।१४ उ. ५४।४८ या.
१५	र	२७	२२	ध	१४	२८	अ	३४	५५	ब	२७	२२	५३	३७	२३	४	१४	२६	कुंभे	श्रावणी कर्म रक्षाबन्धनम्

१९पं.श्रा.शु.८श.इ.३/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	३	६	५	८	३	४
०	६	१७	२१	१६	८	१०	०
५९	३३	२६	२२	५५	४१	३७	२४
५३	५४	२४	४१	५५	५२	५४	३१
५७	१/३४	१४/२६	६	५८	१/४७	३	५७
५०	मा	व.	३८	८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

श्रावण शुक्ले ७ शुक्रे सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न. ५ प्रौढावस्था (वैठी)मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

×केसंचं

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१४श.इ.३/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	३	६	५	८	३	४
७	६	१९	२२	२३	८	१०	७
४४	१२	४३	१०	३२	३०	१५	७
२०	४७	२३	१६	५६	१४	३९	५९
५७	५	४९/९	७	५४	१/१४	३	५७
४९	१	मा	४०	२५	व.	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं	३१	२८	श	२०	२३	सु	३५	४९	कौ	३१	२८	३१/४९	५/३८	६/२२	५	१५	२७	कुम्भे	[=२गुरुः४८।२३जन्माष्टमीव्र.स्मा.
२	मं	३४	४९	पू	२५	२५	धृ	३६	४	तै	३	८	४६	३९	२१	६	१६	२८	मी९।१०	[×उषा.४केतुः५८।३८चतुर्थीव्र.
३	बु	३७	१	उ	२९	३२	शू	३५	३५	व	५	५५	४२	४०	२०	७	१७	२९	मीने	भ.५।५५उ.३७।१या.पुष्य२राहुः×
४	गु	३८	९	रे	३२	३१	गं	३४	१२	ब	७	३५	३८	४०	२०	८	१८	३०	मे.३२।३१	पूफा.रविः५।१५
५	शु	३८	१५	अ	३४	३३	वृ	३२	२	कौ	८	१२	३४	४१	१९	९	१९	३१	मेषे	पूफा.रविःसौरः२९।३चन्द्रषष्ठी
६	श	३७	१७	भ	३५	२९	ध्रु	२८	५९	ग	७	४६	३०	४२	१८	१०	२०	१	वृ.५०।२५	भ.३/१ ७/७उ.तुलायांशुक्रः३/५ ६/१सितम्बर९ता३०
७	र	३५	८	कृ	३५	१४	व्या	२४	५५	वि	६	१२	२६	४३	१७	११	२१	२	वृषे	भ.६।१२या.मघासिंहेबुधः४/५ ०/६विशा.=
८	चं	३१	३७	रो	३३	४६	ह	१९	५२	बा	३	२२	२२	४४	१६	१२	२२	३	वृषे	जन्माष्टमी व्र. वै.
९	मं	२७	२	मृ	३१	४	व	१३	४६	ग	२७	२	१८	४४	१६	१३	२३	४	मि२।२५	भ.५४/३उ.मार्गीशनिः४/३ ८/४गोगा९
१०	बु	२१	५	आ	२७	१३	सि	६/५२	५२/११	वि	२१	५	१५	४५	१५	१४	२४	५	मिथुने	भ.२१।५या.
११	गु	१४	१८	पु	२२	१६	व	५०	८	बा	१४	१८	११	४६	१४	१५	२५	६	क.८।१२	बुधास्तःपूर्वस्यां४९।३३अजा११व्र.
१२	शु	६	२१	पु	१६	२५	प	४०	५५	तै	६	२१	७	४७	१३	१६	२६	७	कर्के	भ.५७।५३उ.वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	शु	५१	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	श	४९	७	श्ले	९	५९	शि	३०	५८	वि	२३	३०	३	४७	१३	१७	२७	८	सिं९।५९	भ.२३।३०या.
३०	र	४०	४१	म	३/२०	५३/४१	सि	२१	२०	च	१४	५४	३०/५९	४८	१२	१८	२८	९	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी ३० मन्वादिः

२१पं.भा.कृ.६श.इ.३/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	३	६	५	८	३	४
१४	६	२७	२३	२९	८	९	१३
३०	२१	३०	४	३२	२४	५३	५३
०	३६	४०	४८	१२	३२	२३	११
५८	७	९२	८	४९	२/०	३	५७
१	४७	२७	४१	४६	च.	११	५७

गोचर ग्रहाः

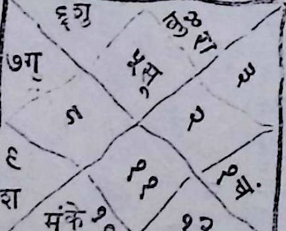

इस मास में मकर का मंगल धान्य मंदे हों घृत.तेल रस धातु तेज हो प्रजा में सुख शान्ति व्यापे ।

गोचर ग्रहाः

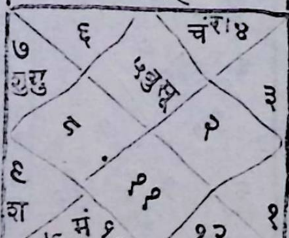

२२पं.भा.कृ.१४श.इ.३/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	६	६	८	३	४
२१	७	९	२४	५	८	९	२०
१७	९	२१	५	३	२३	३१	३९
२	०	३६	३१	३२	१३	७	५१
५८	१०	०/९	९	४३	०/१९	३	५८
१२	५५	४९	३०	५२	मा	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७१४स.२०१८
१	चं	३३	४	उ	५१	४१	सा	११	४९	किं	६	५३	३०/५५	५/४९	६/९१	१९	२९	१०	कं.१०।४१	पूफा.बुधः१२।१७स्वात्यांशुक्रः१५।९
२	मं	२६	४९	ह	४७	३६	शु	२/८	५३/३२	कौ	२६	४९	५१	५०	१०	२०	३०	११	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	बु	२२	११	चि	४५	१०	ब्र	४९	२६	ग	२२	११	४७	५१	९	२१	१	१२	तु.१६।२३	भ.५०/५४उ.मोहोरम१सन्१४४०हि. =
४	गु	१९	३८	स्वा	४५	०	ऐं	४४	४४	वि	१९	३८	४३	५१	९	२२	२	१३	तुलायां	भ.१/३ ९/८या.उफा.रविः३/२ ५/७गणेशचतुर्थी
५	शु	१९	८	वि	४६	४०	वै	४२	१	बा	१९	८	३९	५२	८	२३	३	१४	वृ.३१।१५	उफा.रविःसौरः१३।४३ऋषिपंचमी
६	श	२०	४३	अ	५०	३३	वि	४१	८	तै	२०	४३	३५	५३	७	२४	४	१५	वृश्चिके	[= हरितालिका३
७	र	२४	१६	ज्ये	५६	३	प्री	४०	५९	व	२४	१६	३१	५४	६	२५	५	१६	ध ५६।३	भ.२४।१६उ.५७।१३या.
८	चं	२९	११	मू	६०	०	आ	४२	१९	ब	२९	११	२७	५५	५	२६	६	१७	धनुषि	कन्यायामर्कः४८/० (सौरः३/५ ६/४)उफा.बुधः३ ६/३
९	मं	३५	१३	मू	२	५०	सौ	४४	२५	बा	२	११	२२	५६	४	२७	७	१८	धनुषि	कन्यायांबुधः५५।३९
१०	बु	४१	२७	पू	१०	४	शो	४६	५०	तै	८	२०	१८	५६	४	२८	८	१९	म.२६।५९	रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	गु	४६	४१	उ	१७	४४	अ	४९	१३	व	१४	४	१४	५७	३	२९	९	२०	मकरे	भ.१४/४उ.४६/४१या.जलझूलनी११व्र.
१२	शु	५३	३१	श्र	२५	५	सु	५१	१७	ब	२०	६	९	५८	२	३०	१०	२१	कुं.५८।३१	श्रवणभौमः२६।३३वामनजयंती
१३	श	५८	२९	ध	३१	५९	धृ	५३	०	कौ	२५	५९	५	५९	१	३१	११	२२	कुंभे	प्रदोषः
१४	र	६०	०	श	३७	४६	शू	५३	४२	ग	३०	१४	३०/००	६/००	६/००	१	१२	२३	कुंभे	विशा.३गुरुः४/५ ०/६भा.आश्विनारंभःअनं.१४
१४	चं	२	०	पू	४२	१७	गं	५३	२८	व	३	०	२९/५६	१	५/५९	२	१३	२४	मी. २६/९	भ.२/०उ.३/२ ३/२या.हस्तेबुधः१/१ ९/८महालयारंभः
१५	मं		४	४३	उ	४५	४१	बृ	५२	१३	ब	४	४३	५२	२	५८	३	१४	२५	मीने	कु.संध्यापूजनारंभः

२३पं.भा.शु.६श.इ. ३।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	९	४	६	६	८	३	४
२८	८	२२	२५	९	८	९	२७
५	२५	४२	११	३८	२७	८	२८
२४	१६	२२	३१	५३	२५	५२	९
५८	१४	०/१	१०	३५	१	३	५८
२६	१	३७	१४	५९	२	११	२९

गोचर ग्रहाः

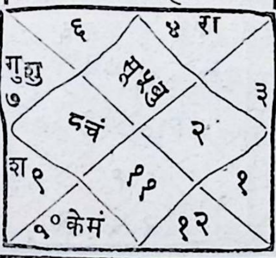

भाद्रपद शुक्ले ८ चंद्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ बालावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावेसमता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

२४पं.भा.शु.१३श.इ.२।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	६	६	८	३	५
४	१०	५	२६	१३	८	८	४
५५	१०	४७	२२	३५	३५	४६	१८
१६	१९	६	८	४६	३५	३६	१९
५८	१७	०/१	१०	२५	१	३	५८
३८	२	१४	५६	५२	३६	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः१९४०												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	बु	५	५३	रे	४७	५६	ध्रु	५०	१३	कौ	५	५३	२९/४८	६/२	५/५८	४	१५	२६	मे.४७।५६	
२	गु	६	४	अ	४९	८	व्या	४७	१३	ग	६	४	४४	३	५७	५	१६	२७	मेषे	भ.३/३ ५/४उ.हस्तेरविः१/५ ३/७(सौरः५१।२४)
३	शु	५	४	भ	४९	१४	ह	४३	३१	वि	५	४	४०	४	५६	६	१७	२८	मेषे	भ.५।४या.चतुर्थी व्र.
४	श	३	७	कृ	४८	४९	व	३९	७	बा	३	७	३६	५	५५	७	१८	२९	वृ.४।८	
५	र	०	३५	रो	४७	२३	सि	३४	४	तै	०	३५	३२	६	५४	८	१९	३०	वृषे	भ.५७।१५उ.
६	र	५६	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	
७	चं	५३	१४	मृ	४५	२३	व्य	२८	२०	वि	२५	१६	२८	६	५४	०	२०	१	मि१६।२३	भ.२५।१५या.चित्रा.बुधः५९।४३ ×
८	मं	४८	३९	आ	४२	४४	व	२२	१०	बा	२०	५६	२३	७	५३	१०	२१	२	मिथुने	[× अक्टूबर १०ता.३१
९	बु	४३	२०	पु	३९	२४	प	१५	१९	तै	१५	५९	११	८	५२	११	२२	३	क.२५।१४	मातृ९(सोभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	गु	३७	२४	पु	३५	२८	शि	८	१३	व	१०	२२	१५	९	५१	१२	२३	४	कर्के	भ.१/२ २/०उ.३/२ ७/४या.वक्रीशुक्रः५१।१५
११	शु	३०	५७	श्ले	३१	३	सि	३/२	५१/३६	ब	४	१०	११	१०	५०	१३	२४	५	सि. ३१/३	इंदिरा११व्र.
१२	श	२३	३१	म	२६	९	शु	४३	५५	तै	२३	३१	७	११	४९	१४	२५	६	सिंहे	तुलायांबुधः१२।९प्रदोषः
१३	र	१७	२६	पू	२१	२१	शु	३५	३४	व	१७	२६	३	११	४९	१५	२६	७	कं.३५।११	भ.१/२ ७/९उ.४/९या.शस्त्रादिहतानां श्रा.
१४	चं	१०	५२	उ	१६	४२	ब्र	२७	३२	श	१०	५२	२६/५९	१२	४८	१६	२७	८	कन्यायां	बुधोदयःपश्चिमायां४/५ ७/१सर्वपितृ३०
३०	मं	५	१९	ह	१३	२	ऐं	२०	१२	ना	५	१९	५५	१३	४७	१७	२८	९	तु.४१।४०	मातामहश्रा.

२५ पं.आ.कृ. ४श. इ. २/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	६	६	८	३	५
११	१२	१८	२७	१६	८	८	११
४६	२५	६	३७	३	४८	२४	१०
५२	४८	५०	४८	३२	३२	२१	१५
५८	२९	०/७	११	१२	२	३	५९
५३	५४	११	२९	४७	२२	११	०

गोचर ग्रहाः

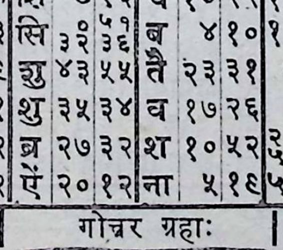

इस मास में चांदी रुईसोना सन तिलहन धान्य मंदे होवे घृत में तेजी होवे कही २ कुछ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

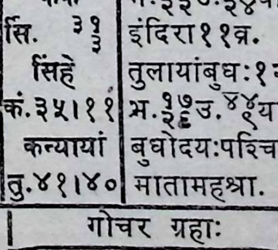

२६पं.आ.कृ.१२श.इ.२/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	५	६	६	८	३	५
१८	१५	२९	२८	१६	९	८	१८
४०	३	४३	५७	५२	५	२	४
८	७	५२	०	३७	४२	५	२
५९	२२	०/१	१२	३/३	३	३	५९
९	७	२२	७	[illegible]	८	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणऽहर्गण:२७४४सन्२०१८
१	बु	०	४७	चि	१०	१७	वै	१३	३३	ब	०	४७	२६/५१	६/१४	५/४६	१८	२९	१०	तुलायां	चित्रा.रवि:४५।५९स्वात्यांबुध:३/४ १/७ =
२	बु	५७	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= चंद्रदर्शनम् नवरात्रारंभ:
३	गु	५६	५३	स्वा	९	१०	वि	८	२८	तै	२७	२५	४७	१५	४५	१९	१	११	वृ.५४।४०	चित्रा.रवि:सौर:२१।५८विशा.४ ×
४	शु	५७	४७	वि	९	५०	प्री	४	३४	व	२७	२०	४३	१५	४५	२०	२	१२	वृश्चिके	भ.२७।२०उ.५७।४७या.
५	श	६०	०	अ	१२	२९	आ	२	८	ब	२९	११	३९	१६	४४	२१	३	१३	वृश्चिके	[×वृश्चिकेगुरु:२९।१६सफर२
५	र	०	३६	ज्ये	१६	५०	सौ	१	२०	बा	०	३६	३५	१७	४३	२२	४	१४	ध.१६।५०	[+ कार्तिकारंभ:कोजागरीव्र.
६	चं	५	३	मू	२२	४४	शो	१	३८	तै	५	३	३१	१८	४२	२३	५	१५	धनुषि	[÷४५।४५)शरद्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.
७	मं	१०	३९	पू	२९	३८	अ	३	११	व	१०	३९	२७	१९	४१	२४	६	१६	म.४६।३०	भ.१०।३९उ.४३।४७या.
८	बु	१६	५५	उ	३७	७	सु	५	५	ब	१६	५५	२३	१९	४१	२५	७	१७	मकरे	तुलायांमर्क:२९।४८
९	गु	२३	१३	श्र	४४	४०	धृ	७	२७	कौ	२३	१३	२०	२०	४०	२६	८	१८	मकरे	तुलार्क:सौर:४।४२शुक्रास्तपश्चिमायां:५९/२४
१०	शु	२९	१६	ध	५१	४६	शू	९	४२	ग	२९	१६	१६	२१	३९	२७	९	१९	कुं.१८।१३	विशा.बुध:१७।५७
११	श	३४	१९	श	५७	५५	गं	११	३५	व	१	४७	१२	२२	३८	२८	१०	२०	कुम्भे	भ.१।४७उ.३४।१९या.पापांकुशा११व्र.
१२	र	३७	५५	पू	६०	०	वृ	१२	२३	ब	६	७	८	२२	३८	२९	११	२१	मी४६।२०	मूल.४शनि:२८।२९
१३	चं	४०	१९	पू	२	२८	ध्रु	१२	१७	कौ	९	७	४	२३	३७	३०	१२	२२	मीने	प्रदोष:
१४	मं	४०	४५	उ	५	२	व्या	१०	५०	ग	१०	३२	०	२४	३६	१	१३	२३	मीने	भ.४०।४५उ.धनि.भौम:३५।२४भा. +
१५	बु	३९	५८	रे	७	२४	ह	८	१४	वि	१०	२१	२७/५६	२५	३५	२	१४	२४	मे.७।२५	भ.१०।२१या.स्वात्यांरवि:१/५ १/०(सौर: ÷

२७पं.आ.शु.५श.इ.२।२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	७	६	८	३	५
२५	१८	१०	०	१५	९	७	२४
३५	४	४०	१९	४७	२७	२९	५९
२	२३	१६	१२	१०	५४	४९	४४
५९	२४	९५	१२	१९/५१	३	३	५९
२१	३८	४२	२२	व.	४३	११	३१

गोचर ग्रहा:

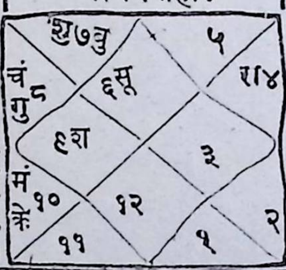

आश्विन शुक्ले८ बुध तुलायामर्क: प्रविष्ट: वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ४५ धान्या दिभावे समर्घता ॰ शुक्रोदय: पश्चिमायां

गोचर ग्रहा:

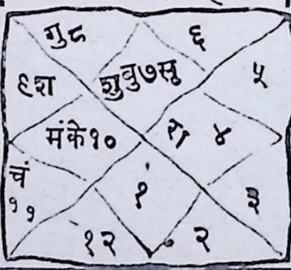

२८पं.आ.शु.११शइ.२।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	७	६	८	३	६
२	२१	२१	१	१२	९	७	१
३१	२४	५	४१	५२	५३	१७	५७
२६	१४	६	४	१२	४२	३४	९
५९	२६	८८	१२	३१/४५	४	३	५९
३४	३१	११	५०	व.	२३	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	गु	३७	३७	अ	७	४६	व	४/३५	५५/१०	बा	८	४७	२७/५३	६/२५	५/३५	३	१५	२५	मेषे	
२	शु	३४	२४	भ	६	४९	व्य	५४	५	तै	६	०	४९	२६	३४	४	१६	२६	वृ.२१।२१	वृश्चिकेबुध:२६।३७
३	श	३०	१६	कृ	४	५६	व	४८	१२	व	२	२०	४५	२७	३३	५	१७	२७	वृषे	भ.२।२०उ.३०।१६या.अनु.१गुरु: =
४	र	२५	३७	रो	२/२	५७/१	प	४१	२८	बा	२५	३७	४१	२८	३२	६	१८	२८	मि३०।५२	अनु.बुध:५६।४८
५	चं	२०	५१	आ	५६	१६	शि	३४	३७	तै	२०	५१	३७	२९	३१	७	१९	२९	मिथुने	[= ३२।४करकचतुर्थी व्र.
६	मं	१५	५१	पु	५२	५६	सि	२७	३७	व	१५	५१	३४	२९	३१	८	२०	३०	क.३८।४६	भ.१५/५१उ.४३/२१या.वक्रीचित्रा.शुक्र:२४।५
७	बु	१०	५०	पु	४९	३४	सा	२०	३४	ब	१०	५०	३०	३०	३०	९	२१	३१	कर्के	पुष्य.१राहु:उषा.३केतु:५०।५३
८	गु	५	४७	श्ले	४६	१८	शु	१३	२३	कौ	५	४७	२७	३१	२९	१०	२२	१	सिं४६।१८	नवम्बर११ता.३०
९	शु	०	३७	म	४२	५६	शु	६/२०	५२/४६	ग	०	३७	२३	३१	२९	११	२३	२	सिंहे	भ.२७/४६उ.५६/३३या.शुक्रोदय:पूर्वस्यां७।१२
१०	शु	५४	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	श	५०	३५	पू	३९	५१	ऐं	५२	१९	ब	२३	३२	१९	३२	२८	१२	२४	३	कं.५४।५	रमा११व्र.स्मा.
१२	र	४६	२	उ	३६	४९	वै	४५	३०	कौ	१८	१९	१६	३३	२७	१३	२५	४	कन्यायां	रमा११व्र.वै.
१३	चं	४२	४	ह	३४	२३	वि	३९	१५	ग	१४	३	१२	३४	२६	१४	२६	५	कन्यायां	भ.४२/४उ.कुंभेभौम:३/३ ४/९प्रदोष:धन१३
१४	मं	३८	४४	चि	३२	४६	प्री	३३	३४	वि	१०	२४	९	३४	२६	१५	२७	६	तु.३।३४	भ.३/२ ०/४या.विशा.रवि:३/१ २/६(सौर:५९)रुप१४
३०	बु	३६	५०	स्वा	३२	१	आ	२८	३८	च	७	४७	५	३५	२५	१६	२८	७	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.३श.इ.२।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	७	६	८	३	६
९	२४	०	३	८	१०	६	८
२९	५७	४७	१३	४२	२३	१५	५६
४२	०	१३	२३	४०	४२	१८	२९
५९	२८	७९	१३	३६/२६	४	३	६०
४७	७	५४	१४	व.	५२	११	२

गोचर ग्रहा:

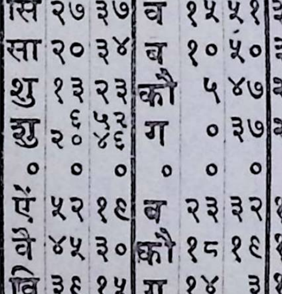

इस मासमें कृष्णपक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गेहं जो चना रस गुड सक्कर में मंदी करें और सुदि में तेज हो।

गोचर ग्रहा:

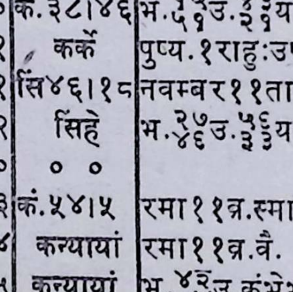

३०पं.का.कृ.११श.इ.१।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	७	७	६	८	३	६
१६	२८	९	४	४	१०	६	१५
२९	४९	३२	४३	४३	५७	३३	५७
२८	१	२	२३	५	०	३	३३
६०	२९	६६	१३	३०/२०	५	३	६०
४	५०	४६	२०	व	२०	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिकशुक्लपक्षः सं०२०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा	सु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूँ रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७७३स.२०१८
१	गु	३६	१४	वि	३२	४५	सौ	२४	५८	किं	६	३२	२७/२	३६	२४	१७	२९	८	वृ.१७।३४	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	शु	३७	११	अ	३४	५५	शो	२२	२६	बा	६	४२	२६/५८	३६	२४	१८	३०	९	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	श	३९	५२	ज्ये	३८	४०	अ	२०	५६	तै	८	३१	५५	३७	२३	१९	१	१०	ध.३८।४०	ज्येष्ठा.बुध:१६।४४रविलावल३
४	र	४३	५७	मू	४३	४७	सु	२०	२२	व	११	५५	५२	३८	२२	२०	२	११	धनुषि	भ:११।५५उ.४३।५७या.
५	चं	४९	२३	पू	५०	१६	धृ	२१	६	ब	१६	४०	४९	३८	२२	२१	३	१२	धनुषि	अनु.२गुरु:३६।३
६	मं	५५	२९	उ	५७	३६	शू	२२	४६	कौ	२२	२६	४५	३९	२१	२२	४	१३	स.७।५	[×२०।४५शतेभौम:२८।४७
७	बु	६०	०	श्र	६०	०	गं	२५	४	ग	२८	३९	४२	४०	२०	२३	५	१४	मकरे	अस्तंगुरो:०।३६
७	गु	१	४९	श्र	५	९	वृ	२७	१७	व	१	४९	३९	४०	२०	२४	६	१५	कुं.३८।५२	भ.१।४९उ.३५।२या.गोपाष्टमी
८	शु	८	१४	ध	१२	३४	ध्रु	२९	२३	ब	८	१४	३६	४१	१९	२५	७	१६	कुंभे	बृश्चिकेऽर्क:२८।२१ (सौर:५७/२६)वक्रीबुध:×
९	श	१३	४३	श	१९	१७	व्या	३०	५२	कौ	१३	४३	३३	४१	१९	२६	८	१७	कुंभे	मार्गीशुक्र:१६।१८कुष्मांड९अक्षय९
१०	र	१७	४३	पू	२४	३७	ह	३१	११	ग	१७	४३	३०	४२	१८	२७	९	१८	मी०८।१७	भ.४९।४उ. [A११व्र:तुलसी विवाह
११	चं	२०	२६	उ	२८	३४	व	३०	२१	वि	२०	२६	२७	४३	१७	२८	१०	१९	मीने	भ.२०।२६या.अनु.रवि:४६/२१प्रबोधिनी A
१२	मं	२१	८	रे	३०	४४	सि	२८	७	बा	२१	८	२५	४३	१७	२९	११	२०	मे.३०।४४	अनु.रवि:सौर:१४।१४प्रदोष:
१३	बु	२०	४	अ	३०	५९	व्य	२४	२१	तै	२०	४	२२	४४	१६	३०	१२	२१	मेषे	बुधास्त:पश्चिमायां४२।५६वैकुंठ१४
१४	गु	१७	२	भ	२९	३२	व	१९	१०	व	१७	२	१९	४४	१६	१	१३	२२	वृ.४३।४८	भ.१७/२उ.४४/४७या.वक्री.अनु.बुध:५२/२४भा. ÷
१५	शु	१२	३२	कृ	२६	३८	प	१२	४७	ब	१२	३२	१७	४५	१५	२	१४	२३	वृषे	मन्वादि:का.स्ना.पु. [÷मार्गशीर्षारंभ:

३१पं.का.शु.३श.इ.१।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	७	७	६	८	३	६
२३	२	१६	६	१	११	६	२३
३०	४८	२८	५	५८	३३	१०	००
५०	३६	५९	११	२६	३२	४७	६
६०	३१	४४	१३	१६/४१	५	३	६०
१७	२९	१२	३२	व.	४९	११	३०

गोचर ग्रहाः

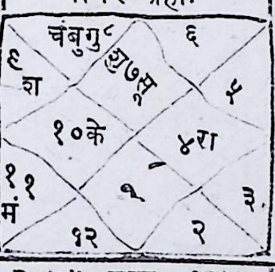

कार्तिक शुक्ले ८ शुक्रे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

३२पं.का.शु.९श.इ.१।२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
०	६	१९	७	१	१२	५	०
३३	५७	२६	४७	१०	१२	४८	४
२९	४७	३५	४९	१	५०	३१	१०
६०	३२	३/४४	१३	३०/२	६	३	६०
३०	३९	व.	३५	व.	१२	११	४०

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूँ रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	श	७	५	रो	२२	४१	शि	५/२९	५३/५	कौ	७	५	२६/१४	६/४५	५/१५	३	१५	२४	मि५०।२३	
२	र	०	४९	मृ	१८	५	सा	४९	११	ग	०	४९	१२	४६	१४	४	१६	२५	मिथुने	भ.२७।३१उ.५४।१४या.
३	र	५३	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	चं	४७	३५	आ	१३	१५	शु	४०	४९	ब	२०	५४	९	४६	१४	५	१७	२६	क.५४।४४	अनु.३गुरु:४९।५७चतुर्थीव्र.
५	मं	४१	१९	पु	८	३३	शु	३२	३४	कौ	१४	२७	७	४७	१३	६	१८	२७	कर्के	
६	बु	३५	३०	पु	४	३	ब्र	२४	३१	ग	८	२५	५	४७	१३	७	१९	२८	कर्के	भ.३५।३०उ.पूषा.१शनि:७।११
७	गु	३०	१६	श्ले	०/१९	५६/३२	ऐं	१६	५४	वि	२	५३	२	४८	१२	८	२०	२९	सिं०।१९	भ.२।५३या.
८	शु	२५	३७	पू	५४	४	वै	९	४६	कौ	२५	३७	०	४८	१२	९	२१	३०	सिंहे	[×४/३४बुधोदय:पूर्वस्यां१/५४/३उत्पत्ति ११व्र.
९	श	२१	३१	उ	५२	७	वि	३/२१	५३/५६	ग	२१	३१	२५/५८	४८	१२	१०	२२	१	कं.८।३४	भ.४९।५७उ.दिसम्बर१२ता.३१
१०	र	१८	२३	ह	५०	५०	आ	५१	५६	वि	१८	२३	५६	४९	११	११	२३	२	कन्यायां	भ.१८।२३या.ज्येष्ठा.रवि:५६।४८
११	चं	१५	५१	चि	५०	१९	सौ	४७	१६	बा	१५	५१	५४	४९	११	१२	२४	३	तु.२०।३४	ज्येष्ठा.रवि:सौर:२२।८वक्री.विशा.बुध:×
१२	मं	१४	१३	स्वा	५०	४७	शो	४३	२०	तै	१४	१३	५३	४९	११	१३	२५	४	तुलायां	स्वात्यांशुक्र:३३।३४प्रदोषः
१३	बु	१३	४५	वि	५२	२६	अ	४०	१०	व	१३	४५	५१	५०	१०	१४	२६	५	वृ.३७।२	भ.१३।४५उ.४३।५७या.
१४	गु	१४	८	अ	५५	८	सु	३७	५६	श	१४	८	४९	५०	१०	१५	२७	६	वृश्चिके	मार्गीबुध:५६।१६
३०	शु	१६	०	ज्ये	५८	५४	धृ	३६	५८	ना	१६	०	४८	५०	१०	१६	२८	७	ध.५८।५४	पूभा.भौम:४९।३९

३३पं.मा.कृ.१श.इ.१।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
७	११	१५	९	२	१२	५	७
२७	१४	३	२१	१८	५५	२६	९
२६	२०	२२	४०	५०	१९	१६	४३
६०	३३	८/१ ४/३	१/३ ३/८	१/३ ४/४	६	३	६०
४२	४७	व.	व.	मा	२६	११	५३

गोचर ग्रहाः

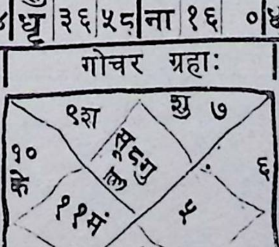

मार्गशीर्षकृष्णे ९ रवौ धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

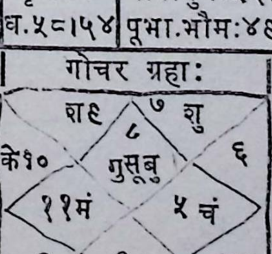

३४पं.मा.कृ.९श.इ १।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
१४	१५	६	१०	५	१३	५	१४
४२	३८	३०	५५	३	३९	४	१६
४०	६	४७	१९	४३	२२	०	२९
६०	३४	६८/२०	१३	२७	६	३	६१
५०	३०	व.	३८	११	४१	११	३

(विक्रम सं. २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:२८०३स.२०१८
१	श	१९	२	मू	६०	०	शू	३६	३१	ब	१९	२	२५/४६	६/५१	५/९	१७	२९	८	धनुषि	अनु.बुध:५८।४१ चंद्र दर्शन संभवः
२	र	२३	१९	मू	३	५३	गं	३७	५	कौ	२३	१९	४५	५१	९	१८	१	९	धनुषि	उदयं गुरौ २२।४८ रविलाखर ४
३	चं	२८	४९	पू	१०	१४	वृ	३८	३१	ग	२८	४९	४४	५१	९	१९	२	१०	म.२६।५६	
४	मं	३४	५२	उ	१७	२	ध्रु	४०	१२	व	१	५०	४३	५१	९	२०	३	११	मकरे	भ.१।५०उ.३४।५२या.अनु.४गुरु:५३/२६
५	बु	४१	२३	श्र	२४	३७	व्या	४२	३६	ब	८	७	४२	५२	८	२१	४	१२	कुं.५८।२८	
६	गु	४७	५८	ध	३२	१८	ह	४४	५४	कौ	१४	५०	४१	५२	८	२२	५	१३	कुंभे	चंपा६
७	शु	५३	५८	श	३९	५३	व	४६	४९	ग	२०	५८	४०	५२	८	२३	६	१४	कुंभे	भ.५३।५८उ.
८	श	५८	४७	पू	४६	१३	सि	४८	७	वि	२६	२२	३९	५२	८	२४	७	१५	मी२९।३८	भ.२६।२२या.
९	र	६०	०	उ	५१	१४	व्य	४८	१५	बा	३०	३४	३९	५२	८	२५	८	१६	मीने	मूलेंधनुष्यर्क:४।३ (सौर:२५।५८) +
९	चं	२	२२	रे	५४	२९	व	४६	५९	कौ	२	२२	३८	५२	८	२६	९	१७	मे.५४।२९	[+अस्तंशने:२७।७
१०	मं	३	५३	अ	५५	५२	प	४४	१९	ग	३	५३	३८	५२	८	२७	१०	१८	मेषे	भ.३३।४०उ.
११	बु	३	२७	भ	५५	१२	शि	३९	५६	वि	३	२७	३७	५३	७	२८	११	१९	मेषे	भ.३।२७या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	गु	०	५४	कृ	५२	३६	सि	३३	५२	बा	०	५४	३७	५३	७	२९	१२	२०	वृ.९।३३	प्रदोष:
१३	गु	५५	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷भा.पौषारंभ:दत्तजयंती
१४	शु	५०	१८	रो	४८	२६	सा	२६	२९	ग	२३	२३	३६	५३	७	३०	१३	२१	वृषे	भ.५०।१८उ.विशा.शुक्र:५५।१२
१५	श	४३	३	मृ	४२	५०	शु	१७	४७	वि	१६	४०	३६	५३	७	१	१४	२२	मि१५।३८	भ.१६।४०या.ज्येष्ठा.बुध:३७।२२÷

३५पं.मा.शु.१श.इ.०।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
२१	२०	३	१२	९	१४	४	२१
४८	६	८	२९	८	२५	४१	२४
४३	३६	२	२	२४	३४	४५	११
६०	३५	१२/२५	१३	३६	६	३	६१
५६	२०	मा	३२	५२	५८	११	११

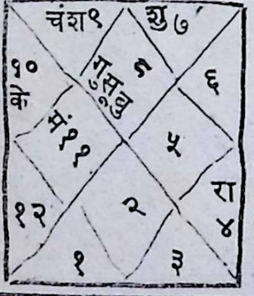

३६पं.मा.शु.८श.इ.०।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	७	६	८	३	७
२८	२४	७	१४	१४	१५	४	२८
५५	३९	३८	१	१२	१३	१९	३२
३७	३६	२८	५५	११	१२	२९	५४
६१	३५	५६	१३	४४	७	३	६१
०	५४	३५	२६	३६	८	११	१९

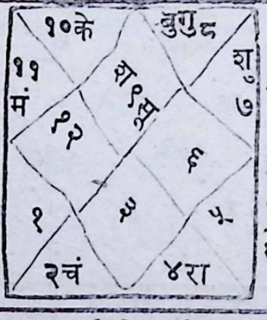

३७पं.मा.शु.१५श.इ.३/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	७	६	८	३	८
६	२९	१५	१५	२०	१६	३	५
३	१६	५३	३३	४	१	५७	४२
१४	१६	१८	३२	२६	५५	१३	१९
६१	३६	७६	१३	५०	७	३	६१
४	४१	३	२०	१३	१४	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	र	३४	५४	आ	३६	३४	शु	८/२९	५०/८	बा	८	५८	२५/३६	६/५३	५/७	२	१५	२३	मिथुने	मीनेभौम:१२।२
२	चं	२६	३५	पु	३०	१	ऐं	४८	४०	तै	०	४४	३६	५३	७	३	१६	२४	क.१६।३९	भ.५२।२५उ.
३	मं	१८	१५	पु	२३	३४	वै	३८	५५	वि	१८	१५	३७	५३	७	४	१७	२५	कर्के	भ.१८।१५या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु	९	३३	श्ले	१७	४६	वि	२९	४०	वा	९	३३	३७	५३	७	५	१८	२६	सिं१७।४६	[=पूभा.२शनि:२७।२१
५/६	गु	३/५४	३९/२०	म	१२	५१	प्री	२१	१०	तै	३	३९	३७	५३	७	६	१९	२७	सिंहे	भ.५७।५९उ.ज्येष्ठा.१गुरु:१२।१७=
७	शु	५३	२५	पू	८	५७	आ	१३	३९	वि	२५	४२	३८	५२	८	७	२०	२८	कं.२३।१७	भ.२५।४२या.उभा.भौम:३।२०
८	श	५०	१४	उ	६	१७	सौ	७	५	बा	२१	४९	३८	५२	८	८	२१	२९	कन्यायां	पूषा.रवि:९।३(सौर:२७।३६)
९	र	४८	१४	ह	४	५६	शो	१/३५	५५/३१	तै	१९	१४	३९	५२	८	९	२२	३०	तु.३४।५३	[×जनवरी१ता.३१सन्२०१९सफला११
१०	चं	४७	३१	चि	४	५१	शू	५३	३५	व	१७	५२	४०	५२	८	१०	२३	३१	तुलायां	भ.१७।५२उ.४७।३१या.
११	मं	४७	५८	स्वा	५	५३	धृ	५१	०	ब	१७	४४	४१	५२	८	११	२४	१	वृ.५२।३९	मूलेंधनुषिबुध:४/९ वृश्चिकेशुक्र:३/३ १/७×
१२	बु	४९	३४	वि	८	१४	शू	४९	३६	कौ	१८	४६	४२	५२	८	१२	२५	२	वृश्चिके	पुन.४राहु:उपा.२केतु:४२।४१
१३	गु	५२	३५	अ	११	३८	गं	४९	१०	ग	२१	४	४३	५१	९	१३	२६	३	वृश्चिके	भ.५२।३५उ. प्रदोष:
१४	शु	५६	१९	ज्ये	१६	१३	वृ	४९	१	वि	२४	२७	४४	५१	९	१४	२७	४	ध.१६।१३	भ.२४।२७या.अनु.शुक्र:५७।२७
३०	श	६०	०	मू	२१	३७	ध्रु	४९	५०	च	२८	४९	४५	५१	९	१५	२८	५	धनुषि	
३०	र	१	१९	पू	२८	२	व्या	५१	१७	ना	१	१९	४७	५१	९	१६	२९	६	म.४४।५०	

३८पं.पौ.कृ.८श.इ.२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	७	७	६	८	३	८
१३	३	२५	१७	२६	१६	३	१२
११	५५	३०	३	३०	५१	३४	५२
१३	१९	२९	३२	२२	२२	५८	११
६१	३७	८५	१३	५४	७	३	६१
६	१०	४८	४	४३	२०	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में सूत चांदी सोना रुई तेज रहे रस में घटा बढ़ी चले प्रजा में विग्रह पैदा हों शुभ कार्य अधिक हो

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.३०श.इ.१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	७	७	८	३	८
२०	८	५	१८	३	१७	२	२०
१९	३६	४५	३१	२२	४०	१२	२
२६	२२	४	३७	४४	४४	४२	८
६१	३७	९२	१२	५८	७	३	६१
६	४०	३९	३६	१८	२०	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२८३३स.२०१९
१	चं	६	५२	उ	३५	१६	ह	५३	१०	ब	६	५२	२५/४८	६/५०	५/१०	१७	३०	७	मकरे	बुधास्तः पूर्वस्यां५९।४४चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१३	७	श्र	४२	२६	व	५५	२९	कौ	१३	७	५८	५०	१०	१८	१	८	मकरे	जमादिलावल५
३	बु	१९	४०	ध	५०	१०	सि	५७	३८	ग	१९	४०	५२	५०	१०	१९	२	९	कुं.१६।१८	भ.५२।५८उ.
४	गु	२६	१६	श	५७	४१	व्य	५९	५२	वि	२६	१६	५३	४९	११	२०	३	१०	कुम्भे	भ.२६।१६या.पूषा.बुधः७।०
५	शु	३२	३२	पू	६०	०	व	६०	०	बा	३२	३२	५५	४९	११	२१	४	११	मी४७।५६	उषा.रविः१३।४८(सौरः२९।३)
६	श	३७	४४	पू	४	४१	व	१	४९	कौ	५	८	५७	४९	११	२२	५	१२	मीने	ज्येष्ठा.२गुरुः१६।४४
७	र	४२	७	उ	१०	४१	प	२	४६	ग	९	५५	५९	४८	१२	२३	६	१३	मीने	भ.४२।७उ.
८	चं	४४	४८	रे	१५	२६	शि	२	३५	वि	१३	२८	२६/१	४८	१२	२४	७	१४	मि.१५।२६	भ.१३/२८या.मकरेऽर्कः३१/१२ सौरः४४/३०
९	मं	४५	३८	अ	१८	३१	सि	२/१९	५५/५९	बा	१५	१३	४	४७	१३	२५	८	१५	मेषे	[=पातस्पर्शः२५।१०
१०	बु	४४	२२	भ	१९	२९	शु	५३	५३	तै	१५	०	६	४७	१३	२६	९	१६	वृ.३४।१४	रेवत्यांभौमः४६।४५ [×पुत्रदा११व्र.
११	गु	४१	१	कृ	१८	३२	शु	४७	४३	व	१२	४१	८	४६	१४	२७	१०	१७	वृषे	भ.१२।४१उ.४१।१या.ज्येष्ठा.शुक्रः३७/७×
१२	शु	३५	४१	रो	१५	२८	ब्र	३९	५७	ब	८	२१	११	४६	१४	२८	११	१८	मि४३।०	उषा.बुधः३२।२२उदयंशनेः४१।५०=
१३	श	२८	४१	मृ	१०	३३	ऐं	३०	५३	कौ	२	११	१३	४५	१५	२९	१२	१९	मिथुने	पातमोक्षः१६।१४प्रदोषः [+मास्ना.प्रा.
१४	र	२०	१९	आ	४/२३	५२/५५	वै	२०	४२	व	२०	१९	१६	४५	१५	३०	१३	२०	क.४४।४	भ.२०।१९उ.४५।४४या.मकरेबुधः३३/०८
१५	चं	११	९	पु	४९	३४	वि	१०/१०	४९/९	ब	११	९	१९	४४	१६	१	१४	२१	कर्के	अभि.प्र.रविः४/४२सौरः१५/५१भा.माघारंभः+

४०पं.पौ.शु. ६श.इ. ०/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	७	७	८	३	८
२७	१३	१६	१९	१०	१८	२	२७
२७	१९	२३	५६	३७	३०	५०	१२
२२	१६	४९	३८	३४	४	२७	०
६१	३७	९७	१२	६१	७	३	६१
६	४१	२३	१५	००	१६	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ८ चन्द्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वार२ न.३बालावस्था वैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याँ ।

गोचर ग्रहाः

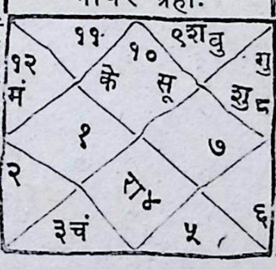

४१पं.पौ.शु.१३श.इ.०/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	८	७	७	८	३	९
४	१८	२७	२१	१८	१९	२	४
३५	२	२६	१८	७	१८	२८	२१
१३	४६	५३	५०	३४	४३	११	२९
६१	३८	०	११	६३	७	३	६१
३	४	२	४७	१४	८	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	१	३१	श्ले	४१	५८	आ	४८	२३	कौ	१	३१	२६/२१	६/४४	५/१६	२	१५	२२	सिं४१।५८	
२	मं	५०	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aशनिः५/३१
३	बु	४३	२३	म	३४	५४	सौ	३८	७	व	१७	४८	२४	४३	१७	३	१६	२३	सिंहे	भ.१७।४८उ.४३।२३या.
४	गु	३५	३८	पू	२८	५०	शो	२८	४०	ब	९	३१	२७	४३	१७	४	१७	२४	क.४२।४०	श्रवणेरविः११/१९(सौरः३२/४७)चतुर्थी व्रतम्
५	शु	२९	१८	उ	२४	११	अ	२०	११	कौ	२	२८	२९	४२	१८	५	१८	२५	कन्यायां	अभि.नि.रविः११/३४(सौरः२३/४)पूषा.३A
६	श	२४	४०	ह	२१	१२	सु	१३	२२	व	२४	४०	३२	४२	१८	६	१९	२६	तु.५०।३४	भ.२४/४०उ.५३/१७या.श्रवणेबुधः३६।१८
७	र	२१	५३	चि	२०	१	धृ	७	४३	व	२१	५३	३५	४१	१९	७	२०	२७	तुलायां	
८	चं	२०	४७	स्वा	२०	२६	शू	३	३७	कौ	२०	४७	३८	४०	२०	८	२१	२८	तुलायां	[Hपातस्पर्शः१।५०पातमोक्षः२४।४०
९	मं	२१	२२	वि	२२	३८	गं	०/५९	५८/११	ग	२१	२२	४१	४०	२०	९	२२	२९	वृ.७।५	भ.५२।२४उ.मूलेधनुषिशुक्रः३७।४७
१०	बु	२३	२६	अ	२६	८	ध्रु	५८	६	वि	२३	२६	४५	३९	२१	१०	२३	३०	वृश्चिके	भ.२३।२६या.ज्येष्ठां.३गुरुः१।२०H
११	गु	२६	५७	ज्ये	३१	४	व्या	५९	४४	बा	२६	५७	४८	३८	२२	११	२४	३१	ध.३१।४	षट्तिला११व्र.
१२	शु	३१	३२	मू	३७	३	ह	६०	०	तै	३१	३२	५१	३८	२२	१२	२५	१	धनुषि	फरवरी२ता.२८
१३	श	३७	२	पू	४३	५६	ह	०	४६	ग	४	१७	५४	३७	२३	१३	२६	२	धनुषि	भ.३७।२उ. प्रदोषः
१४	र	४३	२	उ	५०	५६	व	२	३५	वि	१०	२	५८	३७	२३	१४	२७	३	म.०।४१	भ.१०।२या.धनि.बुधः१९।३०
३०	चं	४९	२६	श्र	५८	३५	सि	४	२८	च	१६	१४	२७/१	३६	२४	१५	२८	४	मकरे	

४२पं.मा.कृ.६श.इ.०।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	७	७	८	३	९
११	२२	८	२२	२५	२०	२	११
४२	४६	५७	३७	५१	६	५	३०
४०	४८	४७	१२	४०	२५	५५	२०
६०	३८	०	११	६४	७	३	६१
५९	२६	३३	८	५४	२	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य वाजरा मूंग मोठ मक्का चांवल गेहूं तेज हो धातु चांदी सोना रुई तिलहन सन मंदे हो ।

गोचर ग्रहाः

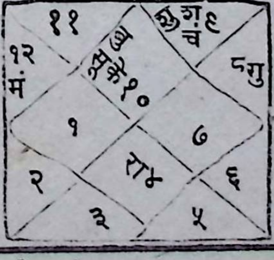

४३पं.मा.कृ.१३श.इ.२०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	७	८	८	३	९
१८	२७	२०	२३	३	२०	१	१८
४९	३१	५८	५१	४४	५२	४३	३८
१६	१६	५	१४	६	५५	४०	२६
६०	३८	०	१०	६६	६	३	६१
५५	४०	३७	२८	२२	४४	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण२८६३स.२०१९
१	मं	५५	५०	ध	६०	०	व्य	६	४८	किं	२२	३८	२७/५	६/३५	५/२५	१६	२९	५	कुं.३२।२०	अश्वि.मेषेभौम:३१।२६
२	बु	६०	०	ध	६	४	व	९	५	बा	२९	१	८	३४	२६	१७	३०	६	कुंभे	धनि.रवि:३/७(सौर:३/७)कुँभेबुध:५५/८=
२	गु	२	१२	श	१३	३७	प	११	१४	कौ	२	१२	१२	३४	२६	१८	१	७	कुंभे	जमादिलाखर६ [=चंद्रदर्शनम्
३	शु	८	१६	पू	२०	३१	शि	१३	४	ग	८	१६	१५	३३	२७	१९	२	८	मी३।४७	भ.४०।५२उ.
४	श	१३	२९	उ	२७	४९	सि	१४	७	वि	१३	२९	१९	३२	२८	२०	३	९	मीने	भ.१३।२९या.
५	र	१८	३	रे	३२	२१	सा	१४	४६	बा	१८	३	२३	३१	२९	२१	४	१०	मे.३२।२१	शतेबुध:३/१७पूषा.शुक्र:२४/३वसंत५
६	चं	२१	५	अ	३६	२३	शु	१४	२०	तै	२१	५	२७	३१	२९	२२	५	११	मेषें	[×पातमोक्ष:५९/१७भानु७रथ७
७	मं	२२	५४	भ	३८	५२	शु	१२	४१	व	२२	५४	३०	३०	३०	२३	६	१२	वृ.५४।५	भ.२२/५४उ.५२/५८या.पातस्पर्श:३५/३५×
८	बु	२३	२	कृ	३९	४५	ब्र	९	४४	ब	२३	२	३४	२९	३१	२४	७	१३	वृषे	कुँभेऽर्क:२/५३(सौर:३३/३५)भीमाष्टमी
९	गु	२१	७	रो	३८	५२	ऐं	५/२६	५४/४	कौ	२१	७	३८	२८	३२	२५	८	१४	वृषे	
१०	शु	१७	२९	मृ	३५	५६	वि	५२	५	ग	१७	२९	४१	२८	३२	२६	९	१५	मि७।२३	भ.४४/४५उ.बुधोदय:पश्चिमायां५२/९
११	श	१२	२	आ	३१	१७	प्री	४३	२५	वि	१२	२	४५	२७	३३	२७	१०	१६	मिथुने	भ.१२।२या.जया११व्र.
१२	र	४	५५	पु	२५	२६	आ	३३	३१	बा	४	५५	४९	२६	३४	२८	११	१७	क.११।५३	प्रदोषः
१३	र	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+सौर:४६।५७)मा.स्ना.पूर्ति:
१४	चं	४६	५५	पु	१८	१६	सौ	२२	४७	ग	२१	३९	५३	२५	३५	२९	१२	१८	कर्के	भ.४६।५५उ.पूभा.बुध:१३।४५
१५	मं	३७	१०	श्ले	१०	२१	शो	११	४३	वि	१२	२	५६	२५	३५	३०	१३	१९	सिं१०।२१	भ.१२।२या.शतेरवि:३९।९+

४४पं.मा.शु.४श.इ.०।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	७	८	८	३	९
२५	२	३	२५	११	२१	१	२५
५५	१४	४७	०	४५	३७	२१	४५
१	५३	५३	५०	५४	२३	२४	१३
६०	३८	४/०	९	३७	६	३	६०
४७	४२	७/१	४३	३४	२९	११	५५

गोचर ग्रहाः

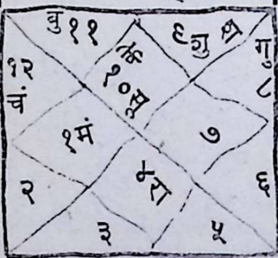

माघ शुक्ले ८ बुधे कुँभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

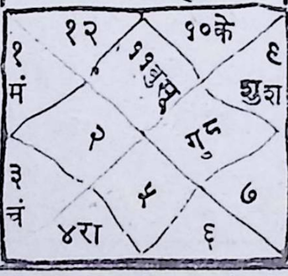

४५पं.मा.शु.११श.इ.०/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	७	८	८	३	१०
२	६	१६	२६	१९	२२	०	२
५९	५८	६	४	५२	२०	५९	५१
४९	४६	१८	५५	१९	१०	९	१६
६०	३८	५/०	८	६८	६	३	६०
३७	५७	८/२७	५३	३६	१४	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु	२७	२०	म	२/२०	५२/३४	अ	०/४६	४९/८	बा	२	१४	२८/००	६/२४	५/३६	१	१४	२०	सिहे	ज्येष्ठा.४गुरु:१०।२६भा.फाल्गुनारंभ:
२	गु	१८	१०	उ	४८	२२	धृ	३९	५८	ग	१८	१०	४	२३	३७	२	१५	२१	कं.८।१६	भ.४४।४उ.उषा.शुक्र:४७।८
३	शु	९	५९	ह	४३	६	शू	३१	१५	वि	९	५९	८	२२	३८	३	१६	२२	कन्यायां	भ.९।५९या.चतुर्थी व्र.
४/५	श	३/५५	३४/२४	चि	३९	५०	गं	२३	५५	बा	३	३४	१२	२२	३८	४	१७	२३	तु.११।२८	[÷शुक्र:४१/२पातस्पर्श:७२/३पातमोक्ष:३०/२९
६	र	५६	२६	स्वा	३८	२३	वृ	१८	१०	ग	२७	४२	१६	२१	३९	५	१८	२४	तुलायां	भ.५६/२६उ.मीनेबुध:४४।४५मकरे÷
७	चं	५६	२	वि	३९	५६	ध्रु	१४	१	वि	२६	१४	२०	२०	४०	६	१९	२५	वृ.२४।३३	भ.२६।१४या.भरण्यांभौम:३१।१३
८	मं	५७	३५	अ	४२	४	व्या	११	४४	बा	२६	४९	२४	१९	४१	७	२०	२६	वृश्चिके	पूषा.४शनि:२६।४५
९	बु	६०	०	ज्ये	४६	३१	ह	१०	३६	तै	२९	१२	२८	१८	४२	८	२१	२७	ध.४६।३१	[−श्रवणेशुक्र:८।११महाशिवरात्रीव्र.वै.
९	गु	०	५०	मू	५२	१८	व	११	१२	ग	०	५०	३२	१८	४२	९	२२	२८	धनुषि	भ.३३।१२उ.उभा.बुध:११।२३
१०	शु	५	३४	पू	५९	१२	सि	१२	१३	वि	५	३४	३६	१७	४३	१०	२३	१	धनुषि	भ.५।३४या.मार्च३ता.३१
११	श	१०	११	उ	६०	०	व्य	१४	८	बा	१०	११	४०	१६	४४	११	२४	२	म.१६।३	विजया११व्र.
१२	र	१७	३४	उ	६	३२	व	१६	२३	तै	१७	३४	४४	१५	४५	१२	२५	३	मकरे	प्रदोष: [Eमहाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१३	चं	२४	२	श्र	१४	१०	प	१८	४९	व	२४	२	४८	१४	४६	१३	२६	४	कु.४७।५५	भ.२४।२उ.५७।११या.पूभा.रवि:३५/१५E
१४	मं	३०	१९	ध	२१	४१	शि	२१	४	श	३०	१९	५२	१४	४६	१४	२७	५	कुम्भे	पूभा.रवि:सौर:२।४४वक्रीबुध:४४।५६−
३०	बु	३६	२९	श	२८	५९	सि	२३	७	च	३	२४	५६	१३	४७	१५	२८	६	कुम्भे	पुन.३राहु:उषा.१केतु:३७।४७

४६पं.फा.कृ.४श.इ.१।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	७	८	८	३	१०
१०	११	२७	२७	२८	२३	०	९
३	४२	२८	२	५	०	३६	५५
२२	२५	३४	४२	२४	०	५३	४९
६०	३८	८७	७	६९	५	३	६०
२५	५९	२५	५९	२०	५०	११	३१

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चांवल गेहूं जौ मंदे हों धातु सोना चांदी रस गुड़ शक्कर तेज होवे

गोचर ग्रहाः

४७पं.फा.कृ.११श.इ.१/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	७	९	८	३	१०
१७	१६	४	२७	६	२[illegible]	०	१६
५	२५	३२	५३	२१	३७	१४	५८
३५	५	५३	४२	३२	४४	३७	४३
६०	३९	३९	६	७०	५	३	६०
१२	२	४६	४८	९	२६	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:२८९२स.२०१९
१	गु	४१	५८	पू	३५	४४	सा	२४	४३	किं	९	१३	२९/१	६/१२	५/४८	१६	२९	७	मी१९।३	बुधास्त:पश्चिमायां३६।२१
२	शु	४६	३६	उ	४१	३८	शु	२५	५०	बा	१४	१७	५	११	४९	१७	३०	८	मीने	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	श	५०	३५	रे	४६	५१	शु	२६	११	तै	१८	३६	९	१०	५०	१८	१	९	मे.४६।५१	रज्जव७पातस्पर्श:३८/२०पातमोक्ष:५१/४१
४	र	५३	२५	अ	५०	५४	ब्र	२५	३५	व	२२	०	१३	९	५१	१९	२	१०	मेषे	भ.२०।०उ.५३।२५या.
५	चं	५५	५	भ	५३	५६	ऐं	२४	२४	ब	२४	१४	१७	९	५१	२०	३	११	मेषे	वक्रीपूभा.बुध:३८।१
६	मं	५५	२८	कृ	५५	४७	वै	२२	२०	कौ	२५	१६	२१	८	५२	२१	४	१२	वृ.९।२३	
७	बु	५४	३५	रो	५६	१७	वि	१९	६	ग	२५	१	२६	७	५३	२२	५	१३	वृषे	भ.५४।३५उ.
८	गु	५२	१०	मृ	५५	१०	प्री	१४	४१	वि	२३	२२	३०	६	५४	२३	६	१४	मि२५।४४	भ.२३।२२या.मीनेऽर्क:५१/२८होलाष्टकम्
९	शु	४८	२६	आ	५२	५०	आ	८	५८	बा	२०	१२	३४	५	५५	२४	७	१५	मिथुने	मीनेऽर्क:सौर:३/५वक्रीकुंभेबुध:१०।२
१०	श	४३	६	पु	४८	५०	सौ	२/८	५३/५	तै	१५	४६	३८	४	५६	२५	८	१६	क.३४।५०	धनि.शुक्र:१७।६ [+आमलकी ११व्र.
११	र	३६	२४	पु	४३	३५	अ	४५	२३	व	९	४५	४३	३	५७	२६	९	१७	कर्के	भ.९/४५उ.३६/२४या.कृत्तिभौम:२१।१४+
१२	चं	२८	३५	श्ले	३७	१३	सु	३५	३४	व	२	२९	४७	३	५७	२७	१०	१८	सिं३७।१३	उभा.रवि:१७।१२(सौर:३३/४१) प्रदोष:
१३	मं	१९	४९	म	३०	२३	धृ	२५	१९	तै	१९	४९	५१	२	५८	२८	११	१९	सिंहे	[×होलिकादहनम् भद्रोत्तरम्
१४	बु	१०	३२	पू	२३	२	शू	१४	३५	व	१०	३२	५५	१	५९	२९	१२	२०	कं.३६।१७	भ.१०।३२उ.३५।५८या.×
१५	गु	१	२३	उ	१६	२	गं	४/२५	५०/२६	ब	१	२३	३०/००	६/०	६/०	३०	१३	२१	कन्यायां	कुँभेशुक्र:५१।१९ छारेंडी वसंत १

४८पं.फा.शु.३श.इ. १/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	११	७	९	८	२	१०
२४	२१	४	२८	१४	२४	२९	२४
६	६	५१	३८	४०	१२	५२	०
२३	५०	१८	६	१९	०	२२	६
५९	३३	३५/२	५	७०	४	३	६०
५८	११	व.	५४	४६	५६	५१	६

गोचर ग्रहाः

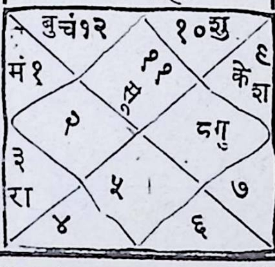

फाल्गुन शुक्ले ८गुरौ मीनेऽर्क:प्रविष्ट: वा. २ न४कुमारावस्था(बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

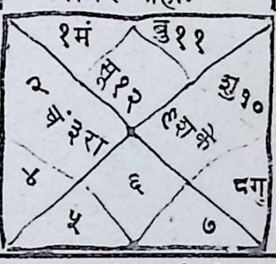

४९पं.फा.शु.१०श.इ. १/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	७	९	८	२	११
१	२५	२९	२९	२३	२४	२९	०
५	४८	७	१४	२	४२	३०	५९
३५	७	५	२९	२	३२	६	४८
५९	३९	६१/७	४	७१	४	३	५९
४१	१७	व.	४३	१६	२९	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७५ शाकः १९४०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु	५१	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=भा. चैत्रारंभ:
२	शु	४५	१६	ह	९	४७	ध्रु	४६	८	तै	१८	५७	३०/४	५/५९	६/१	१	१४	२२	तु.३७।१९	वृषेभौम:१६।३०बुधोदय:पूर्वस्यां७।३ ३=
३	श	३९	११	चि	४	५०	व्या	३८	५३	व	१२	१३	८	५८	२	२	१५	२३	तुलायां	भ.१२।१३उ.३९।११या.
४	र	३५	२	स्वा	१	४३	ह	३३	५	ब	७	७	१२	५८	२	३	१६	२४	वृ.४५।५३	चतुर्थी व्रतम्
५	चं	३३	१३	वि	०	३७	व	२९	१३	कौ	४	७	१६	५७	३	४	१७	२५	वृश्चिके	
६	मं	३३	१९	अ	१	४३	सि	२६	५२	ग	३	१६	२१	५६	४	५	१८	२६	वृश्चिके	भ.३३।१९उ.
७	बु	३५	४४	ज्ये	४	४०	व्य	२६	२९	वि	४	३१	२५	५५	५	६	१९	२७	ध.४।४०	भ.४।३१या.शतेशुक्र:२४।५४
८	गु	३९	४३	मू	९	३१	व	२६	५३	बा	७	४३	२९	५४	६	७	२०	२८	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	शु	४५	३	पू	१५	४६	प	२८	२९	तै	१२	२३	३३	५३	७	८	२१	२९	म.३२।३५	मूल.१धनुषिगुरु:५।३
१०	श	५१	१८	उ	२३	२	शि	३०	३९	व	१८	१०	३७	५३	७	९	२२	३०	मकरे	भ.१८।१०उ.५१।१८या.मार्गीबुध:५।९
११	र	५७	५२	श्र	३०	३८	सि	३३	१	ब	२४	३५	४१	५२	८	१०	२३	३१	मकरे	रेवत्यांरवि:४४/५१(सौर:५०/८ पापमोचनी×
१२	चं	६०	०	ध	३८	११	सा	३५	३३	कौ	३०	५९	४५	५१	९	११	२४	१	कुं.४।२५	अप्रेल४ता.३० [×११व्र.
१२	मं	४	६	श	४५	३१	शु	३७	३५	तै	४	६	४९	५०	१०	१२	२५	२	कुम्भे	प्रदोष:
१३	बु	१०	८	पू	५२	११	शु	३९	१३	व	१०	८	५३	४९	११	१३	२६	३	मी३५।३१	भ:१०।८उ.४२।३७या.
१४	गु	१५	५	उ	५७	४२	ब्र	३९	५६	श	१५	५	५७	४९	११	१४	२७	४	मीने	
३०	शु	१८	५८	रे	६०	०	ऐं	४०	५	ना	१८	५८	३१/१	४८	१२	१५	२८	५	मीने	मन्वादि:

५०पं.चै.कृ.३श.इ.२।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	७	१०	८	२	११
८	०	२३	२९	१	२५	२९	७
६	३०	३३	४२	२४	९	७	५७
१८	७	२९	१८	५८	१५	५१	४३
५९	३९	३६/२	३	७१	३	३	५९
२९	२५	व.	३२	४७	४९	११	३५

गोचर ग्रहाः

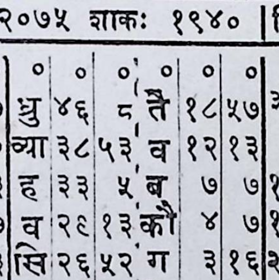

इस मास में ५ शुक्रवार शुभ हैं वदि में धान्य जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ धातु रस मंदे होकर सुदि में अच्छे तेज हों।

गोचर ग्रहाः

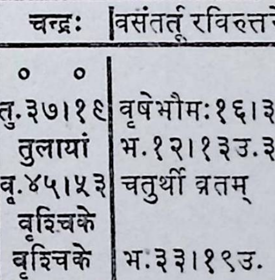

५१पं.चै.कृ.१०श.इ.२/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	८	१०	८	२	११
१४	५	२१	०	९	२५	२८	१४
५९	७	५५	२	४९	३२	४५	५३
१०	४१	१	२	२६	२	३५	५३
५९	३९	०/११	२	७२	३	३	५९
१६	१८	व.	७	२	१४	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२०, भोग्यकलिः४२६८८०, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७६, शाकः १९४१, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः। मंत्री रविः। सस्येशो भौमः। धान्येशश्चंद्रः। मेघेशःशनिः। रसेशो गुरुः नीरसेशो भौमः। फलेशःशनिः। धनेशो भौमः। दुर्गेशःशनिः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ७ प्रमादीनाम संवत्सरःप्रवर्ततेतस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः०।२३।१९।४०।४८भोग्यमासादिः११।६।४०।१९।१२अग्निदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम ज्येष्ठः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःतटे। समयनिवासो रजकगृहे। समय विश्वा ८ समयवाहनम् महिषः। स्तंभाः ३ जलतृणावायुनाम्। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी१, रविदशमी२ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १७, तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् ७ तृणम् १३, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११५, शनिदृष्टिः पश्चिमे सत्यं॥ धर्म १॥ पापं १८ ग्रहण २ चंद्रसूर्ययोः।

सं.२०७६ शा. १९४१ पौष कृ.३०
गुरौ सूर्य ग्रहणम्।

	स्प.	म.	मो.
घ.	८	९	१०
प.	१९	५१	५४
घं.	४	८	११
मि.	४१	३१	८

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् ३।१८

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

छिंतर में जगदंबिके सदा लगावु ध्यान।
कैसा फल संवत् लहे कैसा निपजे धान॥

भवानी उत्तर

छयंतर वर्षा विषम हो वर्षे झीणा नीर।
कहींक वर्षा प्रलय सम कहींक छूटे धीर।
शनि राजा इण वर्ष में मंत्रि वासरनाथ।
देश विदेशां जग भ्रमे जनता खप्पर हाथ॥
संवत् वासो रजकधर मेघाधिप शनि जाण।
फलपति अरु दुर्गेश से करसा होसी हाण॥
टीडी मूषा कातरा करैं उपद्रव जोर।
चौपायां में रोग हो जग में मांचे शोर॥
शर्मा ज्योतिष से कहे देख ग्रहों का चार।
आखिर सब जाने वही जो है जगदाधार॥

संवत् २०७६ शा.१९४१आषा. शु.
१५ भौमे चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घ.	१	२	४
मि.	३१	५९	२७
घं.	४७	५१	५४
प.	४१	२०	५९

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् ३।२३

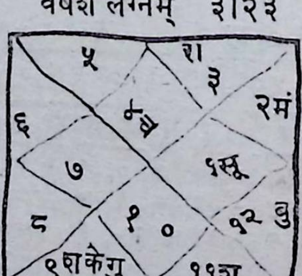

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५७।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।६।५१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा शनिस्तत्फलम् । शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जले प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् । मंत्री रविस्तत्फलम् । नृप भयं गदतोऽपिहि तस्करा प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयंहि समर्घतमं सदा रवि रमात्यपदंहि समागतः । सस्येशो भौमस्तत्फलम् । प्रथम धान्यपतौ धरणी सुते गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग धनोजलं न सम सौख्य करं तुष धान्य हृत् । धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम् । धान्याधिक्यं गोषु दुग्धं प्रभूतं,पुत्रैः पौत्रैर्लोक वृन्तं समेतम् । मेघत्राता भूरि वर्षति पाथश्चंद्रश्चेत् स्यादग्र धान्याधिनाथः । मेघेशः शनिः फलम् । रविसुते जलदस्य पतौ भवेद्विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि ताप करो नृपति सदां विविध रोगरता जनता मता । रसेशो गुरुः फलम् । यदि गुरुर्रसपो जन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजन तत्परा, गज सुवाजि रथोष्ट्र युता नृपाः । नीरसेशो भौमस्तत्फलम् । नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससां । रक्त चंदन ताम्राणांमर्घ वृद्धिर्दिने दिने । फलेशः शनिः फलम् । यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प जनस्य द्रुमः सदा । हिम भयंकर तस्कर जन्तुभिः जनपदो गद राशि महाकुलः । धनेशो भौमस्तत्फलम् । असम मौल्य करो धरणी सुतः शरदि ताप करस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्द्विगुणं तदा नरपति र्जन शोक विधायकः । दुर्गेशः शनिः फलम् । रविसुते गढ़ पालिनि विग्रहैः सकल देश गताश्चलिता जनाः विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि । प्रमादीनाम संवत्सरः फलम् । प्रमादी वत्सरे तत्र मध्य सस्यार्घ वृष्टयः प्रजाः कथं चिज्जीवंति समात्सर्याः क्षितीश्वराः । वर्षनाम ज्येष्ठः फलम् । ज्येष्ठाब्दे वर्म मार्गस्थाः पीड्यन्ते सत्क्रिया पराः । न चवर्षति वै दैवो भवेत्सस्य विनाशनम् । मेघनाम द्रोणः फलम् । द्रोणे वर्षति सर्वदा । रोहिणी निवासस्तटेफलम् । तटेवृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजक गृहे फलम् । रजकस्य शुभं नास्ति । एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।

संवत् २०७६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ बुधे हस्ते ल. १०-१२ (मीनेचं७मेऽर्च्यः) रे७ ।।।ऽबुऽ।ऽ।।। बुधस्य पादतो वेधाऽभावः

,, १५शुक्रे स्वात्यांल. १०-११ (मकरे.श.पू.) रे६ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः

शुक्ला २ चन्द्रे रोहि ल. १०-११-१२ रे.९ ।।।।।ऽ।।।

,, ८ रवौ मघा. ल. गो.११ (चं७पू) रे.८ ।।।।।।ऽ।।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १० भौमे उफा. ल. ऽन्यगो रे. ७ ।ऽ।।ऽअ।ऽ।।

,,११बुधे हस्ते ल.ऽन्यगो१० (मकरे.श.पू.) रे.६।।।।।ऽ।।।

,, १४ शुक्रे स्वात्यां ल.१० (श.पू.) रे.६ ऽऽ।।।ऽअऽ।।।

,,१५शनौ अनु ल.११-१२ (घ.४६-२०उ) रे.७।।।ऽ।ऽऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ रवौ अनु. ल. ११-१२ रे. ६ ।।।ऽऽनृऽऽ।।

,, ९ भौमे उभा ल. १०-११ (मकरे.श.पू.) रे. ९ ।।।।।नृ४३उ.।ऽ।।

,, १० बुधे रेव ल. १०-११ (मकरे.श.पू.) रे. ६ ऽ।।।ऽ(नृ.४४या) ऽऽ।।

,, ११ गुरौ रेव ल. ऽन्यगो (भौमाद्महादोषः) रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ६ शनौ मघा ल. ११-१ रें. ६ ।ऽ।।।।।।।

कुंभे चन्द्रोऽर्च्यः

,, ८ चन्द्रे उफा ल. १०-१२ रे.६।।।।।।ऽ।। मीनचं.पू.

,, १३ शनौ अनु ल. ११-१२ रे. ६ ।।।।।ऽ।।।

आषाढ मासः

कृष्णा ७ चन्द्रे उभा ल. २ (गु.पू.) रे ७ ।।।।ऽरो।ऽ।ऽ

,, ८ भौमे उभा ल. ११ रे ८ ।।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा

शुक्ला ५ रवौ उफा ल. ११-२ रे १० ।।।।।।।।।

कुंभे चन्द्रोऽर्च्यः । वृषे गु.पू.

,, ६ चन्द्रे हस्ते ल. १२-२ रे ७ ।।।।।ऽनृऽऽ।।

मीने चं७पू. । वृषे गु७पू.

,, ९ बुधे स्वात्यां ल. ११ रे ८ ऽ।।।।चौ३९उऽ।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ७ भौमे मघा ल. ४-६ रे ७ ।।।।।ऽअ४३याऽऽ।।

,, ८ बुधे मघा ल. ऽन्यगो रे ८ ।।।।।ऽऽ।।

,, १० शुक्रे हस्ते ल. ऽन्यगो ५ रे८ ।।।।।चौ४१उऽऽ।।

शुक्ला २ गुरौ मूले ल. ५-६ रे ८ ।।ऽबृऽ।।।ऽ।।

,, १४ बुधे रोहि ल. ५-६ (घ.४१-५२उ) रे७।।।ऽ।ऽऽ।।

,, १५ गुरौ मृगे ल. ५ रे ६ ।ऽ।।ऽऽरो।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ५ बुधे उफा ल. गो. रे ६ ।।।।।।ऽ।।

,, ६ गुरौ हस्ते ल. ७ रे ७ ऽ।।।ऽ (मृ.पं.४५या) ऽ।।.

,, ९ शनौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो रे६ ऽ।ऽगु।।नृ४१उऽऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

,, ११ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो रे ७ ।ऽ।।।ऽऽ।।

शुक्ला ४ बुधे उभा ल. ऽन्यगो रे ८ ।।।।।ऽऽ।।

,, ५ गुरौ रेव ल. ऽन्यगो रे ६ ।।।।ऽ।।।

शुक्ला १० भौमे रोहि. ल. गो. रे ८ ।।।।।।ऽऽ।।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ८ रवौ अनु ल. ऽन्यगो रे ९ ।।।।।।ऽ।।

शुक्ला २ भौमे उभा ल. ८ रे ८ ।ऽ।।।।।

,, ३ बुधे रेव ल. ८ रे ७ ।।ऽगु।।ऽनृ।।ऽ दग्धा

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूर्रविरुत्तरेऽहर्गण:२९२३स.२०१९
१	श	२२	१	रे	२	१६	वै	३९	१	व	२२	१	३१/५	५/४७	६/१३	१६	२९	६	मे.२।१६	रोहि.भौम:३५/१४चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभ:=
२	र	२३	४६	अ	४	४४	वि	३७	२०	कौ	२३	४६	१०	४६	१४	१७	१	७	मेषे	पूभा.शुक्र:३०।७सावान८सिंधारा
३	चं	२४	२२	भ	८	६	प्री	३४	४१	ग	२४	२२	१४	४५	१५	१८	२	८	वृ.२३।२८	भ.५४।१५उ. मत्स्यजयंती गणगौरी
४	मं	२४	८	कृ	९	३२	आ	३१	२५	वि	२४	८	१८	४४	१६	१९	३	९	वृषे	भ.२४।८या. [=नवरात्रारंभ:
५	बु	२२	४६	रो	१०	४	सौ	२७	३१	बा	२२	४६	२२	४४	१६	२०	४	१०	मि३९।४७	
६	गु	२०	३१	मृ	९	२९	शो	२२	३२	तै	२०	३१	२६	४३	१७	२१	५	११	मिथुने	मीनेबुध:५२।१४वक्रीगुरु:११।७
७	शु	१७	२०	आ	७	५९	अ	१६	५४	व	१७	२०	३०	४२	१८	२२	६	१२	क.५१।१३	भ.१७।२०उ.४५।१७या.
८	श	१३	१३	पु	५	३७	सु	१०	२६	व	१३	१३	३४	४१	१९	२३	७	१३	कर्के	रामनवमी स्मा. [×रामनवमी वै.
९	र	८	४	पु	२/२३	५५/५६	धृ	३/१६	५२/५	कौ	८	४	३८	४०	२०	२४	८	१४	सिं५८।१९	अश्वि.मेषेऽर्क:१८।४७(सौर:२४/४१)×
१०	चं	२	४	म	५३	२५	गं	४६	५१	ग	२	४	४२	४०	२०	२५	९	१५	सिंहे	भ.२६/४१उ.५५/१८या.उभा.बुध:१२/४१ मीनेशुक्र:+
११	चं	५३	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+३६/५६कामदा११व्र.स्मा.
१२	मं	४७	४८	पू	४७	५१	वृ	३८	०	ब	२१	३३	४६	३९	२१	२६	१०	१६	सिंहे	पातस्पर्श:१२/२९पातमोक्ष:३४/३८कामदा÷
१३	बु	३९	५०	उ	४१	५५	ध्रु	२८	४२	कौ	१३	४९	५०	३८	२२	२७	११	१७	कं.१।२२	प्रदोष: [÷११व्र.वै.
१४	गु	३२	९	ह	३६	२९	व्या	१९	४२	ग	५	५९	५३	३७	२३	२८	१२	१८	कन्यायां	भ.३२/९उ.५/३८या.उभा.शुक्र:३४/२
१५	शु	२५	५	चि	३१	२७	ह	११	१४	वि	२५	५	५७	३७	२३	२९	१३	१९	तु.३।५८	हनुमज्जयंती

५२पं. चै.शु.१श.इ. ३।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	८	१०	८	२	११
२१	९	२५	०	१८	२५	२८	२१
५३	४५	११	१२	१४	४९	२३	४८
३१	२५	२४	४७	५३	५९	१९	४
५९	३९	३१/२	०	७२	२	३	५९
४	२३	मा	५२	२५	२८	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ९ रवौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावें महर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु. ९र.इ.१८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	१०	८	२	११
०	१५	२	०	२८	२६	२७	२९
०	११	२६	१३	१३	७	५७	५४
०	५६	१३	४४	१	८	१५	१८
५८	३९	५९	४०/२	७२	१	३	५८
४४	२५	५२	व	४९	२५	११	४५

ति.	वैशाख,कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूर् रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श	१८	५८	स्वा	२७	४१	व	३/३७	५३/२४	कौ	१८	५८	३२/१	५/३६	६/२४	३०	१४	२०	तुलायां	
२	र	१४	२२	वि	२५	७	व्य	५१	५५	ग	१४	२२	५	३५	२५	१	१५	२१	वृ.१०।४६	भ.४२।५४उ.भा.वैशाखारंभ:
३	चं	११	२७	अ	२४	५८	व	४८	२७	वि	११	२७	९	३४	२६	२	१६	२२	वृश्चिके	भ.११।२७या.चतुर्थी व्र.
४	मं	१०	२२	ज्ये	२६	३४	प	४६	४६	बा	१०	२२	१२	३४	२६	३	१७	२३	ध.२६।३४	वक्रीज्येष्ठा.४वृश्चिकेगुरु:१७।१०
५	बु	११	४४	मू	३०	१३	शि	४६	७	तै	११	४४	१६	३३	२७	४	१८	२४	धनुषि	
६	गु	१४	४७	पू	३५	१३	सि	४६	५७	व	१४	४७	२०	३२	२८	५	१९	२५	म.५१।५३	भ.१४/४७उ.४७/९या.रेवत्यांबुध:३५/३९
७	शु	१९	३०	उ	४१	५४	सा	४८	४३	ब	१९	३०	२३	३१	२९	६	२०	२६	मकरे	मृगे भौम: ४५।२२
८	श	२५	१६	श्र	४९	१	शु	५१	०	कौ	२५	१६	२७	३१	२९	७	२१	२७	मकरे	भरण्यांरवि:५९।५
९	र	३१	३६	ध	५६	४७	शु	५३	३३	ग	३१	३६	३१	३०	३०	८	२२	२८	कुं.२२।५३	भरण्यांरवि:सौर:६।६
१०	चं	३७	४३	श	६०	०	ब्र	५५	४९	व	४	४०	३४	२९	३१	९	२३	२९	कुंभे	भ.४/४०उ.३७/४३या.रेवत्यांशुक्र:३३/२९
११	मं	४३	३१	श	४	७	ऐं	५७	२८	ब	१०	३७	३८	२८	३२	१०	२४	३०	मी५४।१२	वरूथिनी११व्र.
१२	बु	४८	२८	पू	१०	५४	वै	५८	२८	कौ	१५	५९	४१	२८	३२	११	२५	१	मीने	वक्रीशनि:७।२१मई५ता.३१
१३	गु	५१	५५	उ	१६	२१	वि	५८	१०	ग	२०	११	४५	२७	३३	१२	२६	२	मीने	भ.५१।५५उ. प्रदोष:
१४	शु	५४	१६	रे	२०	४२	प्री	५७	२	वि	२३	५	४८	२६	३४	१३	२७	३	मे.२०।४२	भ.२३।५या.अश्वि.मेषेबुध:३४।३२
३०	श	५४	५२	अ	२३	३४	आ	५४	४०	च	२४	३५	५२	२६	३४	१४	२८	४	मेषे	

२पं.वै.कृ.२र.इ.१९।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	८	११	८	२	०
६	१९	१०	०	६	२६	२७	६
५०	४७	५९	४	४०	१५	३४	४४
४२	५६	६	१६	५९	०	५९	२९
५८	३९	७८	२०/२	७३	१	३	५८
३१	२५	४७	व.	२	१	११	२९

गोचर ग्रहाः

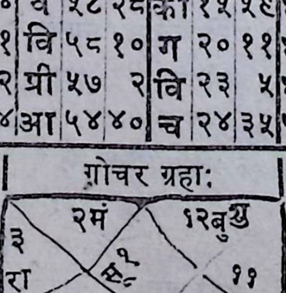

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं प्रजा में महामारी फैले धान्य धातु रस तेज होवे धूप तेज होवे अग्नि का प्रकोप होवे

गोचर ग्रहाः

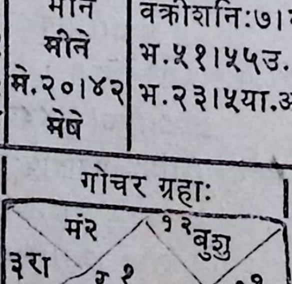

३पं.वै.कृ.९र.इ.१९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	७	११	८	२	०
१३	२४	२१	२९	१५	२६	२७	१३
३९	२१	१९	४५	९	१८	१२	३२
४७	४३	१६	५८	२९	३०	४४	५४
५८	३९	९६	३/१	७३	०	३	५८
१९	२४	२८	व.	१६	१६	११	१२

CC0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरेऽहर्गण:२९५१स.२०१९
१	र	५४	११	भ	२५	१२	सौ	५१	१९	किं	२४	३१	३२/५५	५/२५	६/३५	१५	२९	५	वृ.४०।१८	[+पूषा.४केतु:४५।४५
२	चं	५२	२३	कृ	२५	३५	शो	४७	१२	बा	२२	१७	५८	२४	३६	१६	३०	६	वृषे	मिथुनेभौम:५७।२२ चंद्रदर्शनम्
३	मं	४९	४९	रो	२४	५५	अ	४२	२०	तै	२१	६	३३/२	२४	३६	१७	१	७	मि५४।१४	रमजान९ परशुरामजयंती अक्षय३
४	बु	४६	२३	मृ	२३	३४	सु	३९	४०	व	१८	६	५	२३	३७	१८	२	८	मिथुने	भ.१८।६उ.४६।२३या.पुन.२राहु:+
५	गु	४२	२२	आ	२१	३८	धृ	३०	५१	ब	१४	२३	८	२२	३८	१९	३	९	मिथुने	[÷३५।३२बुधास्त:पूर्वस्यां९।५३
६	शु	३७	५६	पु	१९	१३	शू	२४	४७	कौ	१०	९	११	२२	३८	२०	४	१०	क.४।४९	भरण्यांबुध:४४।४२अश्वि.मेषेशुक्र:÷
७	श	३३	९	पु	१६	२२	गं	१८	१०	ग	५	३२	१४	२१	३९	२१	५	११	कर्के	भ.३३।९उ.कृत्ति.रवि:४५/१(सौर:५३/८)–
८	र	२८	२	श्ले	१३	१४	वृ	११	१५	वि	०	६	१७	२१	३९	२२	६	१२	सिं१३।१४	भ.६/१या. [–पातस्पर्श:३४/३५पातमोक्ष:५३/३३
९	चं	२२	३२	म	९	३७	ध्रु	४/२	५२/४१	कौ	२२	३२	२०	२०	४०	२३	७	१३	सिंहे	[D(सौर:२१।४५) मोहिनी ११ व्र.
१०	मं	१६	५२	पू	५	४३	ह	४९	११	ग	१६	५२	२३	१९	४१	२४	८	१४	कं.१६।४४	भ.४३।५५उ.
११	बु	१०	५८	उ	१/४६	५६/१४	व	४१	४६	वि	१०	५८	२६	१६	४१	२५	९	१५	कन्यायां	भ.१०।५८या.वृषेऽर्क:१२।१६D
१२	गु	४	५३	चि	५४	२९	सि	३४	२४	बा	४	५३	२८	१८	४२	२६	१०	१६	तु.२६।२६	प्रदोष: [*यमायकुम्भदानम्
१३	गु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aआर्द्राभौम:१८।३१नृसिंहजयंती
१४	शु	५४	१४	स्वा	५१	२६	व्य	२७	३७	ग	२७	४७	३१	१८	४२	२७	११	१७	तुलायां	भ.५४।१४उ.कृत्ति.बुध:१३।५A
१५	श	५०	१७	वि	४९	२०	व	२१	३३	वि	२२	१६	३४	१७	४३	२८	१२	१८	वृ.३४।५२	भ.२२।१६या.वृषेबुध:४४।२१*

४पं.वै.शु.१र.इ.१९।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	७	११	८	२	०
२०	२८	३	२९	२३	२६	२६	२०
२७	५५	१३	१९	३८	१७	५०	१९
२५	४८	८	१९	५३	६	२८	३९
५८	३९	००/७८	४/३४	७३	२४°	३	५७
६	२३	°	व	२६	व.	११	५७

गोचर ग्रहा:

वैशाख शुक्ले ११बुधे वृषेऽर्क:प्रविष्ट: वा.४ न.४बालावस्था(बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता: शुक्रोदय: पूर्वस्यां

गोचर ग्रहा:

५पं.वै.शु.८र.इ.१९/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	७	०	८	२	०
२७	३	१६	२८	२	२६	२६	२७
१३	२७	३४	४५	८	११	२८	४
३७	४३	५२	०	२४	२०	१२	५३
५७	३९	७८	४२	७३	१६	३	५७
५४	२२	°	व.	३८	व.	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	र	४७	३०	अ	४८	४०	प	१६	२३	बा	१८	५४	३३/३७	५/१७	६/४३	२९	१३	१९	वृश्चिके	
२	चं	४६	२२	ज्ये	४९	२४	शि	१२	२८	तै	१६	५६	३९	१६	४४	३०	१४	२०	घ.४९।२४	
३	मं	४७	९	मू	५२	८	सि	९	५५	व	१६	४६	४२	१६	४४	३१	१५	२१	धनुषि	भ.१६।४६उ.४७।९या.भरण्यांशुक्र:३०/११
४	बु	४९	३५	पू	५६	२९	सा	८	५८	ब	१८	२२	४४	१५	४५	१	१६	२२	धनुषि	भा.ज्येष्ठारंभ: चतुर्थी व्र.
५	गु	५३	३२	उ	६०	०	शु	८	४७	कौ	२१	३४	४७	१५	४५	२	१७	२३	म.१२।५८	रोहि.बुध:११।३१पातस्पर्श:३३।४२
६	शु	५८	४७	उ	२	२३	शु	१०	७	ग	२६	१०	४९	१४	४६	३	१८	२४	मकरे	भ.५८।४७उ.पातमोक्ष:२०।२
७	श	६०	०	श्र	९	५	ब्र	११	५३	वि	३१	५०	५२	१४	४६	४	१९	२५	कुं.४२।५२	भ.३/५ १/०या.रोहि.रवि:३५/५०(सौर:४७/५३)
७	र	४	५३	ध	१६	३९	ऐं	१४	२२	ब	४	५३	५४	१३	४७	५	२०	२६	कुम्भे	
८	चं	१०	५९	श	२४	८	वै	१५	५८	कौ	१०	५९	५६	१३	४७	६	२१	२७	कुंभे	
९	मं	१६	५०	पू	३१	१०	वि	१८	५३	ग	१६	५०	५८	१२	४८	७	२२	२८	मी१४।२४	भ.४९।२२उ.
१०	बु	२१	५५	उ	३७	१३	प्री	२०	२१	वि	२१	५५	३४/००	१२	४८	८	२३	२९	मीने	भ.२१।५५या.मृगेबुध:२८।५०
११	गु	२५	२९	रे	४१	४८	आ	२०	२१	बा	२५	२९	२	१२	४८	९	२४	३०	मे.४१।४८	अपरा ११ व्र.
१२	शु	२७	३८	अ	४४	५२	सौ	१९	२६	तै	२७	३८	३	११	४९	१०	२५	३१	मेषे	वक्रीज्येष्ठा.३गुरु:३०।४२ प्रदोष:
१३	श	२७	४६	भ	४६	१४	शो	१७	११	व	२७	४६	५	११	४९	११	२६	१	मेषे	भ.२७/४६उ.५७/४या.मिथुनेबुध:४२/१८कृत्ति.=
१४	र	२६	२१	कृ	४५	५९	अ	१३	३२	श	२६	२१	७	११	४९	१२	२७	२	वृ.१।११	[=शुक्र:३०/२३बुधोदय:पश्चिमायां३१/४३×
३०	चं	२३	२६	रो	४४	१४	सु	८	४०	ना	२३	२६	९	१०	५०	१३	२८	३	वृषे	वटपूजनम् [×जून६ता.३१

६पं.ज्ये.कृ.१र.इ.१९।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	७	०	८	२	१
३	७	१	२८	१०	२६	२६	३
५८	५९	१६	३	३९	०	५	४८
३७	३१	१६	२५	४२	४	५७	३६
५७	३९	८०/२०	६/३२	७३	१/४९	३	५७
४४	१८	°	व.	५०	व.	११	३४

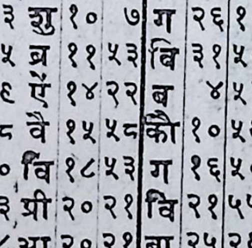

७पं.ज्ये.कृ.७र.इ.२०।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	७	०	८	२	१
१०	१२	१६	२७	१९	२५	२५	१०
४२	३०	३९	१६	९	४४	४३	३०
२९	४३	४०	१६	५८	५६	४१	४७
५७	३९	७८	७१	७३	२८	३	५७
३५	१८	°	व.	५४	व.	११	२३

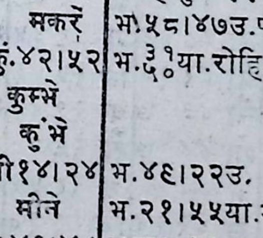

८पं.ज्ये.कृ.१४र.इ.२०/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	७	०	८	२	१
१७	१७	१	२६	२७	२५	२५	१७
२५	०	१४	२५	४१	२६	२१	११
१९	१	४६	४३	२०	६	२६	५३
५७	३९	७८	७०	७४	३/७	३	५७
२२	१५	°	व.	२	व	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२९८१स.२०१९
१	मं	१९	५	मृ	४१	४०	धृ	३/८	५३/२९	ब	१९	५	३४/१०	५/१०	६/५०	१४	२९	४	मि१२।५७	चंद्रदर्शनम्
२	बु	१४	४	आ	३८	४	गं	४८	५५	कौ	१४	४	१२	१०	५०	१५	१	५	मिथुने	आर्द्रा.बुधः४/३२ वृषेशुक्रः१/३सव्वाल१०
३	गु	८	१७	पु	३४	११	वृ	४१	२३	ग	८	१७	१३	९	५१	१६	२	६	क.२०।१०	भ.३५।२०उ.
४	शु	२	२४	पु	३०	१४	ध्रु	३३	५९	वि	२	२४	१५	९	५१	१७	३	७	कर्के	भ.२।२४या.पुन.भौमः४।१९
५	शु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	श	५०	४२	श्ले	२६	२४	व्या	२६	४६	कौ	२३	३४	१६	९	५१	१८	४	८	सि२६।२४	मृगेरविः३०।४३(सौरः४६।४३)
७	र	४५	५	म	२२	४१	ह	१९	३५	ग	१७	५४	१७	९	५१	१९	५	९	सिंहे	भ.४५।५उ.
८	चं	३९	५३	पू	१९	२२	व	१२	३३	वि	१२	२९	१८	८	५२	२०	६	१०	कं.३३।३६	भ.१२।२९या.
९	मं	३५	०	उ	१६	२०	सि	५/४४	५३/३८	बा	७	२६	१९	८	५२	२१	७	११	कन्यायां	[×रोहि.शुक्रः२९।४७गंगादशमी
१०	बु	३०	२५	ह	१३	३७	व	५३	२६	तै	२	४२	१९	८	५२	२२	८	१२	तु.४२।३२	भ.५८।२७उ.पुन.बुधः५९।१२×
११	गु	२६	२९	चि	११	२६	प	४७	५६	वि	२६	२९	२०	८	५२	२३	९	१३	तुलायां	भ.२६।२९या.निर्जला११व्र.
१२	शु	२३	३	स्वा	९	५०	शि	४३	०	बा	२३	३	२१	८	५२	२४	१०	१४	वृ.५४।१३	प्रदोषः
१३	श	२०	२५	वि	९	१	सि	३८	४७	तै	२०	२५	२१	८	५२	२५	११	१५	वृश्चिके	मिथुनेऽर्कः२९।१७(सौरः४७।३१)
१४	र	१८	५१	अ	९	१४	सा	३५	२३	व	१८	५१	२२	८	५२	२६	१२	१६	वृश्चिके	भ.१८।५१उ.४८।३८या.
१५	चं	१८	२४	ज्ये	१०	३८	शु	३३	२	ब	१८	२४	२२	८	५२	२७	१३	१७	ध.१०।३८	गुर्जराणां वट सावित्री व्र.

९पं,ज्ये.शु.७र.इ.२०।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	७	१	८	२	१
२४	२१	१३	२५	६	२५	२४	३०
७	२९	५६	३२	१३	४	५९	५१
१९	६	३५	४२	८	५	१०	४९
५७	३९	४/०	७/५२	७४	३/४	३	५७
२२	२२	३८	व.	८	व	११	५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठशुक्ले १३ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५प्रौढावस्था (वैठी) मु. ३० वान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

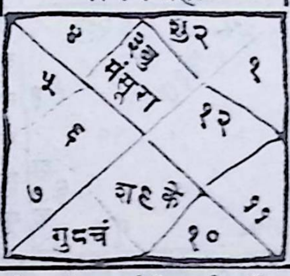

१०पं.ज्ये.शु.१४र.इ.२०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	७	१	८	२	२
०	२५	२४	२४	१४	२४	२४	०
४८	५७	२५	३८	४५	३८	३६	३०
३६	२५	५९	२४	०	२८	५४	५८
५७	३९	८०	५/६	७४	६	३	५६
१७	११	२०	व.	१४	व.	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	मं	१९	३६	मू	१३	११	शु	३१	५८	कौ	१९	३६	३४/३३	५/७	६/५३	२८	१४	१८	धनुषि	
२	बु	२२	१०	पू	१७	१०	ब्र	३१	३१	ग	२२	१०	२३	७	५३	२९	१५	१९	म.३३।३१	भ.५४।१उ.
३	गु	२५	५२	उ	२२	३५	ऐं	३२	१९	वि	२५	५२	२३	७	५३	३०	१६	२०	मकरे	भ.२५।५२या.कर्केबुधः१२।२०चतुर्थीव्र.
४	शु	३०	५३	श्र	२९	४	वै	३३	५८	बा	३०	५३	२४	७	५३	३१	१७	२१	मकरे	[=कर्केभौमः४०।२८भा.आषाढ़ारंभः
५	श	३६	४३	ध	३६	१३	वि	३४	४४	कौ	३	४८	२४	७	५३	१	१८	२२	कुं.२।३८	आर्द्रा.रविः२८।१२(सौरः४९।४)=
६	र	४२	४७	श	४३	४१	प्री	३८	३४	ग	९	४५	२४	७	५३	२	१९	२३	कुम्भे	भ.४२।४७उ.मृगेशुक्रः२१।२२
७	चं	४८	५६	पू	५१	१०	आ	४१	१०	वि	१५	५१	२४	७	५३	३	२०	२४	मी३४।१८	भ.१५।५१या.पुष्येबुधः८।३८
८	मं	५४	२४	उ	५७	५९	सौ	४३	७	बा	२१	४०	२४	७	५३	४	२१	२५	मीने	
९	बु	५८	३२	रे	६०	०	शो	४४	७	तै	२६	२८	२३	७	५३	५	२२	२६	मीने	वक्रीज्येष्ठा.२गुरुः४४।५७
१०	गु	६०	०	रे	३	२५	अ	४३	५८	व	२९	५१	२३	७	५३	६	२३	२७	मे.३।२५	भ.२९।५१उ.पुष्येभौमः५७।२७
१०	शु	१	१०	अ	७	२९	सु	४२	२४	वि	१	१०	२२	८	५२	७	२४	२८	मेषे	भ.१।१०या.मिथुनेशुक्रः५०।२५
११	श	१	४९	भ	९	३५	धृ	३९	११	बा	१	४९	२२	८	५२	८	२५	२९	वृ.२४।३८	योगिनी११व्र.
१२	र	०	३१	कृ	९	४६	शू	३४	४१	तै	०	३१	२१	८	५२	९	२६	३०	वृषे	भ.५७।२३उ. प्रदोषः
१३	र	५६	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	चं	५२	१२	रो	८	११	गं	२८	४०	वि	२४	४७	२०	८	५२	१०	२७	१	मि३६।३६	भ.२४।४७या.जुलाई७ता.३१
३०	मं	४६	४	मृ	५	२	वृ	२१	२३	च	१९	८	१९	८	५२	११	२८	२	मिथुने	

११पं.आ.कृ.६र.इ.२०।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	१	८	२	२
७	०	२	२३	२३	२४	२४	७
२९	२५	३८	४५	१८	१०	१४	९
३१	५६	५३	४७	२२	४१	३९	२५
५७	३९	५०	३/३	७४	१/६	३	५६
१३	१८	४७	व.	२०	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

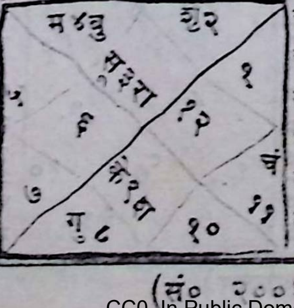

इस मास में गुड़ शक्कर तेज हो धान्य गेहूं जौ चना मटर धातु सोना चांदी मंदा हो कहीं-कहीं वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.कृ.१२र.इ.१९/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	२	८	२	२
१४	४	८	२२	१	२३	२३	१३
९	५३	१	५७	५१	४०	५२	४७
५८	१०	१९	७	७	५९	२३	३०
५७	३९	२४	५/६०	७४	३४/४	३	५६
७	१३	११	व.	२६	व.	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिणेऽहर्गण:३०१०स.२०१९
१	बु	३८	३७	आ	०/१६	५४/३४	धु	१३	१३	किं	१२	२०	३४/१८	५/८	५ ६/२	१२	२९	३	क.४१।११	
२	गु	३०	५७	पु	४९	७	व्या	४/२५	५ १/२	बा	४	४७	१७	९	५१	१३	३०	४	कर्के	आर्द्रा.शुक्र:१७/४६चंद्रदर्शनम्रथयात्रा
३	शु	२३	८	श्ले	४३	२७	व	४६	२८	ग	२३	८	१६	९	५१	१४	१	५	सिं४३।२७	भ.४९/१९उ.वक्रीबुध:५४/५४वक्रीपूषा.३शनि: ×
४	श	१५	३१	म	३८	११	सि	३७	४०	वि	१५	३१	१५	९	५१	१५	२	६	सिहे	भ.३५/३१या.पुन.रवि:२७।२ (सौर:५३।६)
५	र	८	३५	पू	३३	३४	व्य	२९	४७	बा	.८	३५	१४	९	५१	१६	३	७	कं४७।३५	[×२०।४४जिल्काद११
६	चं	२	२०	उ	२९	३९	व	२२	१८	तै	२	२०	१३	९	५१	१७	४	८	कन्यायां	भ.५७।१उ.
७	चं	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A ग्रहणम् व्यासपूजा वायु परीक्षा
८	मं	५२	३४	ह	२६	४५	प	१५	३८	वि	२४	४८	११	१०	५०	१८	५	९	तुं.५५।५०	भ.२४।४८या.
९	बु	४९	१६	चि	२४	५५	शि	९	४९	बा	२०	५५	१०	१०	५०	१९	६	१०	तुलायां	पुन.१राहु:पूषा.३केतु:३०।५३
१०	गु	४७	७	स्वा	२३	५८	सि	४	४६	तै	१८	११	८	१०	५०	२०	७	११	तुलायां	[= ५२।३७देवशयनी११व्र.
११	शु	४५	३८	वि	२४	९	सा	०/३७	५६/३०	व	१६	२३	७	११	४९	२१	८	१२	वृ.९।७	भ.१६।२३उ.४५।३८या.अस्तो भौमः =
१२	श	४५	२०	अ	२५	१५	शु	५४	४३	ब	१५	२९	५	११	४९	२२	९	१३	वृश्चिके	बुधास्त:पश्चिमायां४।५२
१३	र	४६	७	ज्ये	२७	२८	ब्र	५२	५४	कौ	१५	४३	३	११	४९	२३	१०	१४	ध.२७।२८	प्रदोश।
१४	चं	४८	१४	मू	३०	५७	ऐं	५२	२४	ग	१७	१०	१	१२	४८	२४	११	१५	धनुषि	भ.४८।१४उ.पुन.शुक्र:८।२
१५	मं	५१	२०	पू	३५	१९	वै	५२	२०	विं	१९	४७	३३/५९	१२	४८	२५	१२	१६	म.५१।४०	भ १९।४७या कर्कोऽर्क:५६।२८चंद्र A

१३पं.आ.शु.५र.इ.१९।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	२	८	२	२
२०	९	१०	२२	१०	२३	२३	२०
५०	१९	६	१४	२५	१०	३०	२५
२४	५२	२५	१३	५५	४४	८	२४
५७	३९	६/७	६/८	७४	४/४०	३	५६
७	५	व	व.	२६	व	११	५०

गोचर ग्रहाः

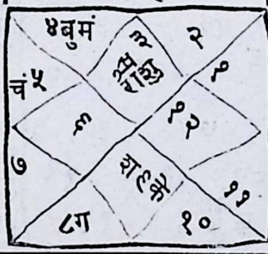

आषाढशुक्ले१५ भौमे कर्कोर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

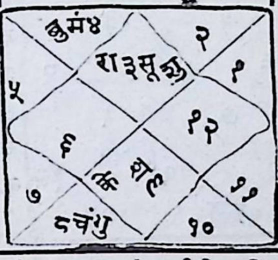

१४पं.आ.शु.१३र.इ.१९/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	७	२	८	२	२
२७	१२	८	२१	१९	२२	२३	२७
३०	४६	३८	३४	०	४०	७	३
४३	३७	२८	५९	४	३७	५२	३१
५७	३९	३२/४६	५/४	७४	४/४०	३	५६
११	१२	व	व.	२९	व.	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा
१	बु	५५	३३	उ	४०	४३	वि	५३	१४	बा	२३	२६	३३/५७	१ ३/३	४ ६/७	२६	१३	१७	मकरे	कर्कोऽर्क:सौर:२५।५०
२	गु	६०	०	श्र	४७	१३	प्री	५४	४३	तै	२८	३८	५५	१३	४७	२७	१४	१८	मकरे	आश्लेषा.भौम:५७।९
२	शु	०	४३	ध	५४	८	आ	५६	४४	ग	०	४३	५२	१४	४६	२८	१५	१९	कुं.२०।४०	भ.३३।३७उ.
३	श	६	३१	श	६०	०	सौ	५९	१०	वि	६	३१	५०	१४	४६	२९	१६	२०	कुंभे	भ.६।३१या.पुष्येरवि:२५।४६(सौर: +
४	र	१२	३१	श	१	४१	शो	६०	०	बा	१२	३१	४८	१४	४६	३०	१७	२१	मी.५२/२२	[+५६।३१)चतुर्थीव्र.
५	चं	१८	४६	पू	९	१५	शो	१	३८	तै	१८	४६	४५	१५	४५	३१	१८	२२	मीने	शुक्रास्त:पूर्वस्यां३३।३६नाग५मरुस्थले
६	मं	२४	३६	उ	१६	४०	अ	४	१३	व	२४	३६	४३	१५	४५	१	१९	२३	मीने	भ.२४।३६उ.५६।५८वक्रीपुन.बुध:७।३×
७	बु	२९	२०	रे	२३	७	सु	५	५४	ब	२९	२०	४०	१६	४४	२	२०	२४	में.२३।७	[×कर्कशुक्र:१५/२४भा श्रावणारंभ:
८	गु	३२	५४	अ	२८	१६	धृ	६	५०	बा	१	७	३८	१६	४४	३	२१	२५	मेषे	
९	शु	३४	३९	भ	३१	४८	शू	६	२६	तै	३	४६	३५	१७	४३	४	२२	२६	वृ.४७।१४	पुष्येशुक्र:०।२
१०	श	३४	२४	कृ	३३	३१	गं	४	४०	व	४	३१	३३	१७	४३	५	२३	२७	वृषे	भ.४।३१उ.३४।२४या.
११	र	३१	५८	रो	३३	९	बृ	१/१	५४/५३	ब	३	४१	३०	१८	४२	६	२४	२८	वृषे	कामिका११व्र.
१२	चं	२७	३९	मृ	३०	४४	व्या	४९	३१	तै	२७	३९	२७	१९	४१	७	२५	२९	मि.५ १/६	वक्रीमिथुनेबुध:९।४७प्रदोष:
१३	मं	२१	२९	आ	२६	२०	ह	४१	३२	व	२१	२९	२४	१९	४१	८	२६	३०	मिथुने	भ.२१/२९उ.४७/३६या.बुधोदय:पूर्वस्यां४।४२
१४	बु	१३	४२	पु	२०	४४	व	३२	१९	श	१३	४२	२२	२०	४०	९	२७	३१	क.७।८	
३०	गु	४	५८	पु	१४	८	सि	२२	३२	ना	४	५८	१९	२०	४०	१०	२८	१	कर्के	मार्गीबुध:५३/१७अगस्तदता.३१हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.४र.इ.१९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	७	२	८	२	३
४	१८	४	२१	२७	२२	२२	३
११	१३	२८	४	३६	१०	४५	४१
२८	५	८	५	११	३४	३६	५८
५७	३९	३६/३	३/५७	७४	४/२१	३	५६
१५	१२	व	व.	३२	व.	११	५९

गोचर ग्रहाः

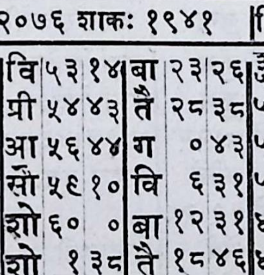

श्रावण पहली पंचमी वर्षे करे निहाल। पवन चले तो अति बुरी पड़े हलाहल काल ॥ लेखक–बंशीधर शर्मा सिमारला

गोचर ग्रहाः

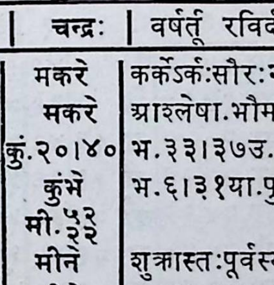

१६पं. श्रा.कृ.११र.इ.१९/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	७	३	८	२	३
१०	२२	०	२०	६	२१	२२	१०
५२	३९	२४	४१	१३	४०	२३	२१
३०	०	४०	५३	१२	१२	२१	१५
५७	३९	२१/२५	२/४३	७४	४	३	५७
२०	१९	व.	व	३२	१०	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गण:३०४०सन्२०१९
१	गु	५०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
२	शु	४६	१६	श्ले	६/५२	५३/०	व्य	१२	१३	बा	२०	५७	३३/१६	५/२१	६/३९	११	२९	२	सिं६।५२	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	श	३७	२८	पू	५३	१३	व	२/४	५०/३	तै	११	५२	१३	२१	३९	१२	१	३	सिंहे	ग्राश्ले.रविः३३/४७(सौर:५७/१८)कर्केबुध: +
४	र	२९	२२	उ	४७	१३	शि	४२	४३	व	३	२५	१०	२२	३८	१३	२	४	क.६।४३	भ.३।२५उ.२९।२२या.वरद४
५	चं	२२	२०	ह	४२	३३	सि	३४	३२	बा	२२	२०	७	२३	३७	१४	३	५	कन्यायां	ग्राश्ले.शुक्र:४७।२७नागपंचमी
६	मं	१६	४०	चि	३९	३२	सा	२७	३१	तै	१६	४०	४	२३	३७	१५	४	६	तु ११।२	[+१७।३७जिल्हेज१२तीज
७	बु	१२	३८	स्वा	३७	५५	शु	२१	३३	व	१२	३८	०	२४	३६	१६	५	७	तुलायां	भ.१२।३८उ.४१।२१या.
८	गु	१०	९	वि	३७	४६	शु	१६	५०	ब	१०	९	३२/५७	२५	३५	१७	६	८	वृ.२२।४८	मघा.सिंहेभौम:५८।३९
९	शु	९	६	अ	३९	२	ब्र	१३	३१	कौ	९	६	५४	२५	३५	१८	७	९	वृश्चिके	पुष्येबुध:३४।२
१०	श	९	३१	ज्ये	४१	५०	ऐं	११	१	ग	९	३१	५०	२६	३४	२९	८	१०	ध.४१।५०	भ.४०।२४उ.मार्गीगुरु:४२।४०
११	र	११	१८	मू	४५	३६	वै	९	५६	वि	११	१८	४७	२७	३३	२०	९	११	धनुषि	भ.११।१८या.पवित्रा११व्र.
१२	चं	१४	२१	पू	५०	३७	वि	९	५०	बा	१४	२१	४४	२७	३३	२१	१०	१२	धनुषि	प्रदोष:
१३	मं	१८	२२	उ	५६	२९	प्री	१०	१७	तै	१८	२२	४०	२८	३२	२२	११	१३	म.७।५	
१४	बु	२३	६	श्र	६०	०	आ	११	१७	व	२३	६	३७	२९	३१	२३	१२	१४	मकरे	भ.२३।६उ.५५।५५या.
१५	गु	२८	४४	श्र	३	१२	सौ	१३	९	ब	२८	४४	३३	२९	३१	२४	१३	१५	कुं.३६।४४	श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्

१७पं श्रा.शु.४र.इ ५९/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	७	३	८	२	३
१७	२७	०	२०	१४	२१	२२	१७
३४	५	१६	२७	५०	१३	१	१
१२	६	८	५८	२४	८	५	३
५७	३९	१५/४१	१/२४	७४	३/५४	३	५७
२५	९	मा	व.	३८	च.	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास मेंकृष्ण पक्ष की तिथि बृद्धि व शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय धान्य गेहूं जो चना धातु रस में तेजी करेगी।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.११र.इ. १९/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	७	३	८	२	३
२४	१	५	२०	२३	२०	२१	२३
१६	३१	२३	२३	२८	४८	३८	४२
३७	४८	१३	६	४८	२५	५०	१०
५७	३९	७०	०/८	७४	३/३२	३	५७
३३	९	१९	मा	३८	व.	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	३४	३८	ध	१०	१६	शो	१५	८	बा	१	४१	३२/३०	५/३०	६/३०	२५	१४	१६	कुंभे	मघा.सिंहेशुक्र:३६।०
२	श	४०	४०	श	१७	४३	अ	१७	३८	तै	७	३९	२६	३१	२९	२६	१५	१७	कुंभे	मघा.सिंहेऽर्कः१६।३९(सौर:५३।४३)
३	र	४६	५२	पू	२५	१४	सु	२०	२	व	१३	४६	२२	३२	२८	२७	१६	१८	मी८।२२	भ.१३।४६उ.४६।५२या.
४	चं	५१	४०	उ	३२	३८	धृ	२२	२६	ब	१९	१६	१९	३२	२८	२८	१७	१९	मीने	ग्राश्ले.बुध:२८।१चतुर्थीव्र.
५	मं	५७	४१	रे	३९	२६	शू	२४	२२	कौ	२४	४०	१५	३३	२७	२९	१८	२०	मे.३९।२६	
६	बु	६०	०	अ	४५	१८	गं	२५	५०	ग	२९	४५	१२	३४	२६	३०	१९	२१	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	गु	१	४९	भ	५०	१	वृ	२६	१९	व	१	४९	८	३४	२६	३१	२०	२२	मेषे	भ.४९/१उ.३/१ ३/१या.बुधास्त:पूर्वस्यां१७।१९
७	शु	[illegible]	३३	कृ	५३	१७	ध्रु	२५	३७	ब	४	३३	४	३५	२५	१	२१	२३	वृ.५।५०	भा.भाद्रपदारंभ:जन्माष्टमीस्मा.
८	श	५	२९	रो	५४	३७	व्या	२३	४४	कौ	५	२९	१	३६	२४	२	२२	२४	वृषे	जन्माष्टमीवै.
९	र	३	३६	मृ	५४	५	ह	२०	१६	ग	३	३६	३१/५७	३७	२३	३	२३	२५	मि२४।२१	भ.३२।३८उ.गोगा९
१०	चं	१	४१	आ	५१	४०	व	१५	१८	वि	१	४१	५३	३७	२३	४	२४	२६	मिथुने	भ.१।४१या.मघा.सिंहेबुध:२३।२९ ÷
११	चं	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[÷ अजा.११व्र.स्मा.
१२	मं	५०	१०	पु	४७	१८	सि	८	३७	कौ	२३	२६	४९	३८	२२	५	२५	२७	क.३३।२३	पूफा.शुक्र:३/०अजा११व्र.वै.वत्सद्वादशी
१३	बु	४२	७	पु	४१	३१	व्य	२८/०	५६/०	ग	१६	१८	४६	३९	२१	६	२६	२८	कर्के	भ.४२।७उ.प्रदोष:
१४	गु	३२	४७	श्ले	३४	२०	प	४१	११	वि	७	२७	४२	४०	२०	७	२७	२९	सिं३४।२०	भ.७।२७या.पूफा.भौम:५७।३४
३०	शु	२२	५८	म	२६	३४	शि	३०	१८	ना	२२	५८	३८	४०	२०	८	२८	३०	सिंहे	वक्रीपूषा.२शनि:९/८कुशाग्रहणीपिठोरी३०

१९ पं. भा.कृ.३र.इः ५९/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	७	४	८	२	४
०	५	१५	२०	२	२०	२१	०
५९	५८	०	२७	८	२७	१६	२४
५३	८	५८	२६	१०	१२	३४	२३
५७	२९	७/०	१	७४	५/३	३	५७
४०	१६	०/४३	१०	३८	व.	११	३२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदकृष्णे २ शनौ सिंहेऽर्कःप्रविष्ट. वा.५ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी)मु १५ वान्यादि भावे महर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२०पं.भा.कृ.९र.इ. ५९/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	७	४	८	२	४
७	१०	२७	२०	१०	२०	२०	७
४४	२५	५४	४०	४८	९	३४	७
२०	१९	२५	२६	४४	४७	१८	५१
५७	३९	७/०	२	७४	२/१६	३	५७
४९	१६	०/३६	३०	३७	व.	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३०६९सं.२०१९
१	श	१२	५३	पू	१८	४०	सि	१९	१८	ब	१२	५३	३१/३४	५/४१	६/१९	९	२९	३१	कं.३१।४८	पूफा.रविः६।२५(सौरः४४/३४)चंद्रदर्शनम्
२	र	३	२२	उ	११	१४	सा	८/४४	४९/४९	कौ	३	२२	३०	४२	१८	१०	१	१	कन्यायां	सितम्बर९ता.३०मोहोरम१सन्१४४१ +
३	र	५१	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+हि. हरितालिका ३
४	चं	४७	११	ह	४/३१	५४/४३	शु	४९	२४	व	२०	५४	२६	४३	१७	११	२	२	तु.३१।५२	भ.२९/५८उ.४७/११या.पूफा.बुधः५/२८गणेश चतुर्थी
५	मं	४१	२९	स्वा	५५	३४	ब्र	४१	३९	ब	१४	२०	२२	४४	१६	१२	३	३	तुलायां	ऋषि पंचमी
६	बु	३७	३४	वि	५३	५५	ऐं	३५	३५	कौ	९	३२	१८	४४	१६	१३	४	४	वृ.३९।१९	[÷कन्यायांशुक्रः४६।४४जलझूलनी११व्र.
७	गु	३५	४९	अ	५३	५४	वै	३०	४३	ग	६	४२	१५	४५	१५	१४	५	५	वृश्चिके	भ.३५।४९उ.
८	शु	३५	४६	ज्ये	५६	२	वि	२७	२८	वि	५	४७	११	४६	१४	१५	६	६	ध.५६।२	भ.५।४७या.
९	श	३७	३४	मू	५९	४३	प्री	२५	४७	बा	६	४०	७	४७	१३	१६	७	७	धनुषि	उफा.शुक्रः५।४४
१०	र	४०	५४	पू	६०	०	आ	२५	२४	तै	९	१४	३	४७	१३	१७	८	८	धनुषि	रामदेवजी का मेला नवलदुर्गे
११	चं	४५	१०	पू	४	५४	सौ	२६	११	व	१३	२	३०/५९	४८	१२	१८	९	९	म.२१।२८	भ.१३।२उ.४५।१०या.उफा.बुधः४।४७÷
१२	मं	५१	१	उ	११	८	शो	२७	२५	ब	१८	५	५५	४९	११	१९	१०	१०	मकरे	कन्यायांबुधः५०।४७वामनजयंती
१३	बु	५६	५९	श्र	१८	११	अ	२९	३१	कौ	२४	०	५१	५०	१०	२०	११	११	कुं.५१।४१	आर्द्रा.४राहुःपूषा.२केतु२२।५९प्रदोषः
१४	गु	६०	०	ध	२५	१३	सु	३१	३५	ग	३०	३	४७	५१	९	२१	१२	१२	कुंभे	अनंत१४
१४	शु	३	८	श	३२	४४	धृ	३३	५३	व	३	८	४३	५१	९	२२	१३	१३	कुंभे	भ.३/८उ.३६/८या.उफा.रविः५०/५०महालयारंभः
१५	श	९	८	पू	४०	१४	शू	३६	१५	ब	९	८	३९	५२	८	२३	१४	१४	मी२३।२२	उफा.रविः२९।१४कु.संध्या.पूजनारंभः

२१पं.भा.शु.२२र.इ. १८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	७	४	८	२	४
१४	१४	११	२१	१९	१९	२०	१३
३०	५२	४९	२	२८	५६	३२	५३
०	२३	१	५३	५९	२४	३	३
५८	३९	७/०	३	७४	४०/१	३	५७
१	१६	९/१४	५०	३२	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

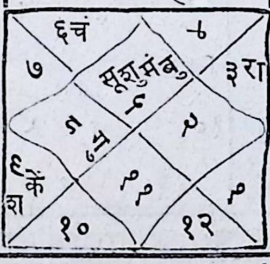

इस मास में धान्य गेहूं जो चना बाजरा धातु सोना चांदी रस कस कृष्ण पक्ष में कुछ मंदे होकर शुक्ल पक्ष में तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.शु.१०र.इ. १८/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	७	४	८	२	४
२१	१९	२५	२१	२८	१९	२०	२०
१७	२०	३३	३३	१०	४६	९	३९
२	३१	१६	२९	३०	५९	४७	४३
५८	३९	७/०	४	७४	०/५५	३	५८
१३	१६	९/२	५९	३२	व.	११	१३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	र	१५	१२	उ	४७	३१	गं	३८	२८	कौ	१५	१२	३०/३५	५/५३	६/७	२४	१५	१५	मीने	
२	चं	२०	४७	रे	५४	३	वृ	४०	१५	ग	२०	४७	३१	५४	६	२५	१६	१६	मे.५४।३	भ.५३।७उ.हस्तेबुध३५।३५
३	मं	२५	२८	अ	६०	०	ध्रु	४१	२९	वि	२५	२८	२७	५५	५	२६	१७	१७	मेषे	भ.२५।२८या.कन्यायामर्कः१/१६(सौरः ×
४	बु	२९	२०	अ	०	२	व्या	४२	७	बा	२९	२०	२२	५६	४	२७	१८	१८	मेषे	[×५४/२५)हस्तेशुक्रः५०/१५मार्गीशनिः३२/४०चतु.व्र
५	गु	३२	११	भ	४	५४	ह	४१	५०	कौ	०	४६	१८	५६	४	२८	१९	१९	वृ.२०।५२	उफा.भौमः४९।१५.
६	शु	३३	४४	कृ	८	४६	व	४०	४३	ग	२	५८	१४	५७	३	२९	२०	२०	वृषे	भ.३३/४४उ.बुधोदयःपश्चिमायां२४।१
७	श	३३	५६	रो	११	२४	सि	३८	१७	वि	३	५०	९	५८	२	३०	२१	२१	मि४१।५३	भ.३।५०या.
८	र	३२	२९	मृ	१२	२३	व्य	३४	४१	बा	३	१३	५	५९	१	३१	२२	२२	मिथुने	
९	चं	२९	२८	आ	११	५३	व	२९	५६	तै	०	५८	३०/००	६/००	६/००	१	२३	२३	क.५५।८	भ.५५/६८उ.भा.आश्विनारंभःमातृ९
१०	मं	२४	२९	पु	९	३४	प	२३	३५	वि	२४	२९	२९/५६	१	५/५९	२	२४	२४	कर्के	भ.२४/२९या.चित्रा.बुधः४४/३२कन्यायां भौमः५४/५
११	बु	१८	१४	पु	५	४६	शि	१५	५८	बा	१८	१४	५२	२	५८	३	२५	२५	कर्के	ज्येष्ठा.३गुरुः३०।४३इंदिरा११व्र.
१२	गु	१०	२८	श्ले	०/२९	५३/३३	सि	७/१४	५०/१९	तै	१०	२८	४८	२	५८	४	२६	२६	सिं०।२९	प्रदोषः
१३	शु	१	४६	पू	४६	४२	शु	४७	५	व	१	४६	४४	३	५७	५	२७	२७	कं.५९।४७	भ.१।४६उ.२६।५९या.हस्तेरविः२९/२० =
१४	शु	५०	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	श	४२	३०	उ	३९	४	शु	३६	२६	च	१७	२१	४०	४	५६	६	२८	२८	कन्यायां	हस्तेरविःसौर५६/५चि.शुक्रः३३/२०सर्वपितृ३०

२३ पं.आ.कृ.१र.इ. १८/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	७	५	८	२	४
२८	२३	७	२२	६	१९	१९	२७
५	४८	४२	११	५१	४३	४७	२८
२४	२९	५०	३८	४०	५	३२	१
५८	३९	७/०	६	७४	१/६०	३	५८
२६	१६	९/४०	८	२६	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

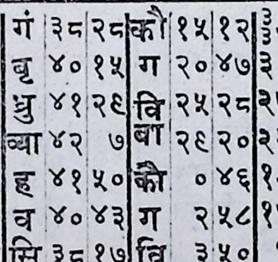

आश्विन कृष्णे३ भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न. ५ बृद्धावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रास्तः पूर्वे ।

गोचर ग्रहाः

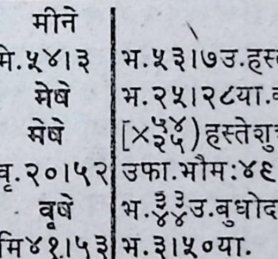

२४पं.आ.कृ.८र.इ. १८/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	८	२	५
४	२८	१९	२२	१५	१९	१९	४
५५	१७	१५	५७	३३	४३	२५	१८
१६	४६	७	३६	३९	४१	१६	८
५८	३९	०/०	६	७४	०/३४	३	५८
३८	२२	२/७	५९	२६	मा	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:३०९८स.२०१९
१	र	३३	७	ह	३१	३८	ब्र	२५	३४	किं	७	४८	२९/३६	६/५	५/५५	७	२९	२९	तु.५८।१६	तुलायांबुध:१०।२९शुक्रोदय:पश्चिमायां+
२	चं	२४	३२	चि	२४	५४	ऐं	१५	२४	कौ	२४	३२	३२	६	५४	८	३०	३०	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	मं	१७	२७	स्वा	१९	२६	वै	६/५	५१/५५	ग	१७	२७	२८	६	५४	९	१	१	तुलायां	भ.४४।४७उ.अक्टूबर१०ता.३१सफर२
४	बु	१२	७	वि	१५	३९	प्री	५१	२०	वि	१२	७	२३	७	५३	१०	२	२	वृ.१।३६	भ.१२।७या.
५	गु	८	५०	अ	१३	४६	आ	४६	४३	बा	८	५०	१९	८	५२	११	३	३	वृश्चिके	स्वात्यांबुध:४२।५९तुलायांशुक्र:५४।४३
६	शु	७	३७	ज्ये	१४	१५	सौ	४३	३५	तै	७	३७	१५	९	५१	१२	४	४	ध.१४।१५	[+१८।३६नवरात्रारंभ:मातामह श्रा.
७	श	८	३०	मू	१६	३४	शो	४१	५८	व	८	३०	११	१०	५०	१३	५	५	धनुषि	भ.८।३०उ.३९।५८या.
८	र	११	२५	पू	२०	५८	अ	४२	११	ब	११	२५	७	११	४९	१४	६	६	म.३७।८	[÷शरद्पूर्णिमाकोजागरीव्र.का.स्ना.प्रा.
९	चं	१५	५५	उ	२५	३७	सु	४२	५१	कौ	१५	५५	३	११	४९	१५	७	७	मकरे	पूषा.३शनि:१९।३२
१०	मं	२१	२५	श्र	३३	३८	धृ	४४	३७	ग	२१	२५	२८/५९	१२	४८	१६	८	८	मकरे	भ.५४।३६उ.
११	बु	२७	४७	ध	४०	५५	शू	४६	५६	त्रि	२७	४७	५५	१३	४७	१७	९	९	कुं.७।१७	भ.३।४७या.स्वात्यांशुक्र:३।३५पापांकुशा११व्र.
१२	गु	३३	११	श	४८	४३	गं	४९	२४	ब	०	२६	५१	१४	४६	१८	१०	१०	कुंभे	हस्तेभौम:३५।३५
१३	शु	३९	५७	पू	५६	४	वृ	५१	४१	कौ	६	३४	४७	१५	४५	१९	११	११	मी३९।१३	चित्रा.रवि:१।२२(सौर:३७।२९)प्रदोष
१४	श	४६	९	उ	६०	०	ध्रु	५३	४९	ग	१३	३	४३	१५	४५	२०	१२	१२	मीने	भ,४६।९उ.
१५	र	५१	१९	उ	३	८	व्या	५५	१३	त्रि	१८	४४	३९	१६	४४	२१	१३	१३	मीने	भ.१८।४४या.विशा.बुध:४८।१७ ÷

२५पं.आ.शु १र.इ.१८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	५	८	२	५
११	२	०	२३	२४	१९	१९	११
४६	४६	११	५०	१५	४८	३	१०
५२	३०	४९	२४	३६	३२	०	७
५८	३९	९२	८	७४	१	३	५९
५३	१९	२५	८	२६	१६	११	०

२६पं.आ.शु.८र.इ.१७।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	६	८	२	५
१८	७	१०	२४	२	१९	१८	१८
४०	१६	१५	४९	५७	५८	४०	३
८	१२	७	३४	२९	१	४५	५४
५९	३९	८३	९	७४	१	३	५९
९	१९	१६	००	२०	५६	११	१६

२७पं.आ.शु.१५र.इ.१७।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	७	६	८	२	५
२५	११	१९	२५	११	२०	१८	२४
३५	४६	२३	५५	३९	१२	१८	५९
२	२६	१७	१२	५०	४३	२९	३६
५९	३९	७२	९	७४	२	३	५९
२१	२२	१६	४६	१४	३७	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	चं	५५	२६	रे	९	२८	ह	५६	१	बा	२३	२२	२८/३५	६/१७	५/४३	२२	१४	१४	मे.९।२८	
२	मं	५८	४६	अ	१४	५३	व	५६	२३	तै	२७	६	३१	१८	४२	२३	१५	१५	मेषे	
३	बु	६०	०	भ	१८	४४	सि	५५	३३	व	२९	५१	२७	१९	४१	२४	१६	१६	वृ.३४।४८	भ.२९।५१उ.
३	गु	०	५६	कृ	२२	५८	व्य	५४	२९	वि	०	५६	२३	१९	४१	२५	१७	१७	वृषे	भ.०।५६या.तुलायामर्क:४५।११ज्येष्ठा÷
४	शु	१	५८	रो	२५	२२	व	५१	४४	बा	१	५८	२०	२०	४०	२६	१८	१८	मि५६।५	तुलार्क:सौर:२०।१३
५	श	२	६	मृ	२६	४७	प	४८	३३	तै	२	६	१६	२१	३९	२७	१९	१९	मिथुने	[÷४गुरु:४६।१करकचतुर्थी व्र.
६	र	१	२	आ	२७	१०	शि	४४	२३	व	१	२	१२	२२	३८	२८	२०	२०	मिथुने	भ.१।२उ.२९।५७या.विशा.शुक्र:१।५६
७	र	५७	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	चं	५५	२९	पु	२६	११	सि	३९	१८	बा	२७	१०	८	२२	३८	२९	२१	२१	क.११।२६	[= २५।५१भा.कार्तिकारंभ:
९	मं	५०	५७	पु	२४	४	सा	३३	१९	तै	२३	१३	४	२३	३७	३०	२२	२२	कर्के	उदयो भौम:३७।५५
१०	बु	४५	९	श्ले	२०	५३	शु	२६	१३	व	१८	३	०	२४	३६	१	२३	२३	सिं२०।५३	भ.१८।३उ.४५।९या. बृश्चिके बुध: =
११	गु	३८	२७	म	१६	२६	शु	१८	२६	ब	११	४८	२७/५६	२५	३५	२	२४	२४	सिंहे	स्वात्यांरवि:२७।१३रमा११व्र.
१२	शु	३०	४४	पू	११	४	ब्र	९	३९	कौ	४	३५	५३	२५	३५	३	२५	२५	कं.२४।३१	स्वात्यांरवि:सौर:१।१६प्रदोष:धन१३
१३	श	२२	२९	उ	५३/४	५३/३८	ऐं	१३/०	५०/११	व	२२	२६	४९	२६	३४	४	२६	२६	कन्यायां	भ.२२।२९उ.४७।११या.रुप१४
१४	र	१३	५२	चि	५२	५	वि	४०	३९	श	१२	५२	४५	२७	३३	५	२७	२७	तु.२५।१८	महालक्ष्मी पूजनम्
३०	चं	५	४४	स्वा	४६	१४	प्री	३१	४	ना	५	४४	४१	२८	३२	६	२८	२८	तुलायां	बृश्चिकेशुक्र:३।३१अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२८पं.का.कृ.६र.इ.१७।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	७	६	८	२	६
२	१६	२७	२७	२०	२०	१७	१
३१	१८	६	६	२१	३१	५६	५७
२६	४०	२९	११	४	४८	१४	१
५९	३९	५५	१०	७४	३	३	५९
३४	२२	१९	२९	८	२३	११	४६

गोंचर ग्रहाः

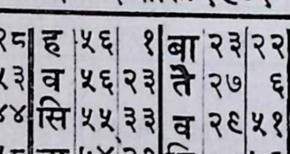

कार्तिक कृष्णे ३ गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी)मु.४५धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोंचर ग्रहाः

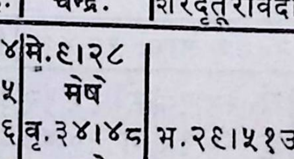

२९पं.का.कृ.१४र.इ.१७।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	७	६	८	२	६
९	२०	२	२८	२९	२०	१७	८
२९	५१	३२	२१	३	५५	३३	५६
४२	०	५६	४०	२२	४८	५८	२१
५९	३९	१५	११	७४	३	३	६०
४७	२५	४१	८	२	५८	११	२

CC0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection.

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं०२०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१२८स.२०१९
१	चं	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=चंद्रदर्शनम् भातृ२ यम २
२	मं	५२	२५	वि	४१	३४	आ	२२	२२	वा	२५	२७	३७	२९	३१	७	२९	२९	वृ.२७।४४	वक्रीबुध:३९मूल.१धनुषिगुरु:५१=
३	बु	४८	७	अ	३८	१६	सौ	१४	४७	तै	२०	१६	३४	२९	३१	८	१	३०	वृश्चिके	अनु.शुक्र:४५।२५रविलावल३
४	गु	४५	५३	ज्ये	३७	४	शो	८	३२	व	१६	५९	३०	३०	३०	९	२	३१	ध.३७।४	भ.३६उ.४५या.चित्रा.भौम:६८
५	शु	४५	३६	मू	३७	५८	अ	३	३४	ब	१५	४४	२७	३१	२९	१०	३	१	धनुषि	नवम्बर११ता.३०
६	श	४७	३५	पू	४०	५०	सु	३९	५९	कौ	१६	३५	२३	३१	२९	११	४	२	म.५७।०	[×वक्रीतुलायांबुध:३५।१६
७	र	५१	२२	उ	४५	२७	शू	५९	२२	ग	१९	२८	१९	३२	२८	१२	५	३	मकरे	भ.५१।२२उ.
८	चं	५६	३४	श्र	५१	३४	गं	६०	०	वि	२३	२५	१६	३३	२७	१३	६	४	मकरे	भ.२३।२५या.गोपाष्टमी
९	मं	६०	०	ध	५८	४५	गं	०	३२	वा	२९	३८	१२	३४	२६	१४	७	५	कुं.२५।१०	बुधास्त:पश्चिमायां३७कुष्मांड९अक्षय९
९	बु	२	४३	श	६०	०	वृ	२	२६	कौ	२	४३	०	३४	२६	१५	८	६	कुंभे	विशा.रवि:४७।३९
१०	गु	९	१६	श	६	२०	ध्रु	४	५०	ग	९	१६	५	३५	२५	१६	९	७	मी५६।५४	भ.४३उ.विशा.रवि:सौर:१८।४०×
११	शु	१५	३२	पू	१३	४५	व्या	७	१४	वि	१५	३२	२	३६	२४	१७	१०	८	मीने	भ.३२या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह:
१२	श	२१	२१	उ	२०	५३	ह	९	१४	बा	२१	२१	२६५८	३६	२४	१८	११	९	मीने	प्रदोष:
१३	र	२६	२५	रे	२७	१८	व	१०	३९	तै	२६	२५	५५	३७	२३	१९	१२	१०	मे.२७।१८	ज्येष्ठा.शुक्र:४७तुलायांभौम:१९
१४	चं	३०	२	अ	३२	१९	सि	११	१८	व	३०	२	५२	३८	२२	२०	१३	११	मेषे	भ.३०।२उ. वैकुंठ१४
१५	मं	३२	३३	भ	३६	२२	व्य	१०	५३	नि	१	१७	४९	३८	२२	२१	१४	१२	वृ.५२।२	भ.१।१७या.मन्वादि: का.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.७र.इ.१७।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	७	७	८	२	६
१६	२५	२	२९	७	२१	१७	१५
२९	२३	१	४१	४५	२३	११	५७
२८	५६	५१	२८	१८	४९	४२	२५
६०	३९	३०	११	७३	४	३	६०
४	२१	व.	४७	५६	३८	११	१८

गोचर ग्रहाः

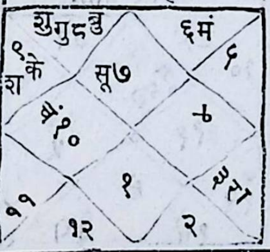

इस मास में धान्य गेहूं बाजरा मूंग मोठ आदि और रस कस वदि में मंदे होकर सुदि में तेज हो जावे

गोचर ग्रहाः

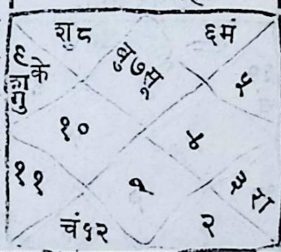

३१पं.का.शु.१३र.इ.१७।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	८	७	८	२	६
२३	२९	२५	१	१६	२१	१६	२२
३०	५८	३९	५	२६	५४	४९	५९
५०	४१	२५	१०	५३	३२	२७	५८
६०	३९	३६	१२	७३	५	३	६०
१७	२९	वं.	१४	५०	१	११	३०

ति	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	बु	३३	४९	कृ	३९	४	व	९	३४	बा	३	११	२६४५	३९	२५	२२	१५	१३	वृषे	आर्द्रा.३राहु:पूभा.१केतु:१५।११
२	गु	३३	५१	रो	४०	५०	प	७	२४	तै	३	५०	४२	४०	२०	२३	१६	१४	वृषे	[+पूर्वस्यां१।१३पातस्पर्श:४६।५
३	शु	३२	५१	मृ	४१	२५	शि	४	१७	व	३	२१	३९	४०	२०	२४	१७	१५	मि११।१३	भ.३१उ.५१या.वक्रीस्वात्यांबुध:४५
४	श	३०	५५	आ	४१	७	सि	०८	५५	ब	१	५३	३६	४१	१९	२५	१८	१६	मिथुने	वृश्चिकेऽर्क:४३।४४ चतुर्थी व्र.
५	र	२८	१५	पु	३९	५६	शु	५०	३८	तै	२८	१५	३३	४१	१९	२६	१९	१७	क.२४।१३	वृश्चिकेऽर्क:सौर:१२।५०
६	चं	२४	५५	पु	३८	१६	शु	४४	५०	व	२४	५५	३०	४२	१८	२७	२०	१८	कर्के	भ.२४।५५उ.५२।५९या.बुधोदय:+
७	मं	२१	२	श्ले	३५	५२	ब्र	३८	४५	ब	२१	२	२७	४३	१७	२८	२१	१९	सिं३५।५२	पातमोक्ष:६।२० [÷भौम:२९
८	बु	१६	२०	म	३३	१	ऐं	३१	५०	कौ	१६	२०	२५	४३	१७	२९	२२	२०	सिंहे	अनु.रवि:२।४(सौर:२९)स्वात्यां÷
९	गु	१०	५८	पू	२९	२५	वै	२४	३०	ग	१०	५८	२२	४४	१६	३०	२३	२१	कं.४३।२१	भ.३४उ.मार्गीबुध:मूले.धनुषिशुक्र:−
१०	शु	४	३०	उ	२५	८	वि	१६	४३	वि	४	३०	१९	४४	१६	१	२४	२२	कन्यायां	भ.४३०या.भा.मार्गशीर्षारंभ:उत्पत्ति११A
११	शु	५४	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[−९।१६मूल.२गुरु:३।०
१२	श	५२	३७	ह	२०	२९	प्री	८	३३	कौ	२५	५५	१७	४५	१५	२	२५	२३	तु.४८।८	उत्पत्ति११व्र.वै. [Aव्र.स्मा.
१३	र	४६	११	चि	१५	४८	आ	१२	४५	ग	१८	२४	१४	४५	१५	३	२६	२४	तुलायां	भ.४६।११उ. प्रदोष:
१४	चं	४०	१	स्वा	११	८	शो	४३	५३	वि	१२	६	१२	४६	१४	४	२७	२५	वृ.५३।३	भ.१२।६या.
३०	मं	३४	३८	वि	७	१	अ	३६	२६	च	७	१९	९	४६	१४	५	२८	२६	वृश्चिके	विशा.बुध:५।४३पूषा.४शनि:१६।७

३२पं.मा.कृ.५र.इ.१६।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	८	७	८	२	७
०	४	१८	२	२५	२२	१६	०
३३	३३	५१	३२	८	२९	२७	४
२९	४७	२९	२	३५	५६	११	२
६०	३९	४५	१२	७३	५	३	६०
३०	२२	व.	३४	४४	३०	११	४०

गोचर ग्रहाः

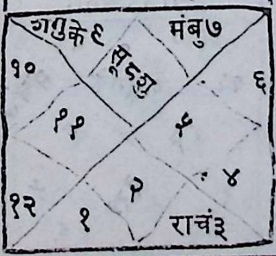

मार्गशीर्षकृष्णे ४शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न४गतालकास्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

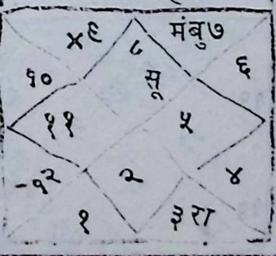

३३पं.मा.कृ.१३र.इ.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	८	८	८	२	७
७	९	१८	४	३	२३	१६	७
३७	१०	१७	२	४९	८	४	९
२६	३०	३१	२	३७	१७	५६	३५
६०	३९	३६	१३	७३	५	३	६०
४२	२५	मा	१	३२	५३	११	५३

 ×केशगुशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३१५७स.२०१९
१	बु	३०	३४	अ	३	५७	सु	२९	५०	किं	२	३६	२६/७	६/४७	५/१३	६	२९	२७	वृश्चिके	
२	गु	२७	५७	ज्ये	२	५	धृ	२४	३३	कौ	२७	५७	५	४७	१३	७	३०	२८	ध.२।५	चंद्रदर्शनम्
३	शु	२७	१६	मू	२	५	शू	२०	३४	ग	२७	१६	२	४८	१२	८	१	२९	धनुषि	भ.५७।५३उ.रविलाखर४
४	श	२८	३०	पू	३	४९	गं	१८	२७	वि	२८	३०	०	४८	१२	९	२	३०	म.१९।४४	भ.२८।३०या.पातस्पर्शः३४।५८
५	र	३१	३६	उ	७	२९	वृ	१७	८	ब	०	३	२५/५८	४८	१२	१०	३	१	मकरे	पूषा.शुक्रः५६/४२दिसम्बर१२ता.३१=
६	चं	३६	१५	श्र	१२	२२	ध्रु	१७	२१	कौ	३	५५	५६	४९	११	११	४	२	कुं.४५।३९	चंपा६ [=पातमोक्षः२१।१६
७	मं	४२	१	ध	१८	५६	व्या	१८	५२	ग	९	८	५४	४९	११	१२	५	३	कुम्भे	भ.४२।१उ.ज्येष्ठा.रविः१२।११×
८	बु	४८	२६	श	२६	३	ह	२०	३५	वि	१५	१३	५३	४९	११	१३	६	४	कुम्भे	भ.१५।१३या. [×(सौरः३७/३९)
९	गु	५४	५१	पू	३३	४४	व	२२	५८	बा	२१	३८	५१	५०	१०	१४	७	५	मी१६।५०	वृश्चिकेबुधः१२।४१
१०	शु	६०	०	उ	४१	२	सि	२५	८	तै	२७	५२	४९	५०	१०	१५	८	६	मीने	मूल.३गुरुः१२।१
१०	श	०	५२	रे	४७	४७	व्य	२६	५०	ग	०	५२	४८	५०	१०	१६	९	७	मे.४७।४७	भ.३३।२७उ.अनु.बुधः३४।१
११	र	६	३	अ	५३	६	व	२७	३८	वि	६	३	४६	५१	९	१७	१०	८	मेषे	भ.६।३या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	चं	९	३८	भ	५७	१	प	२७	२८	बा	९	३८	४५	५१	९	१८	११	९	मेषे	प्रदोषः
१३	मं	११	५०	कृ	५९	२०	शि	२६	०	तै	११	५०	४४	५१	९	१९	१२	१०	वृ.१२।३६	विशा.भौमः३८।२८
१४	बु	१२	२१	रो	६०	०	सि	२३	१२	व	१२	२१	४३	५१	९	२०	१३	११	वृषे	भ.१२।२१उ.४१।५२या.दत्तजयंती
१५	गु	११	२२	रो	१/३	५९/२८	सा	१९	२८	ब	११	२२	४२	५२	८	२१	१४	१२	मि२९।५७	उषा.शुक्रः४१।२५

३४पं.मा.शु.५र.इ.१६।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	८	८	८	२	७
१४	१३	२४	५	१२	२३	१५	१४
४२	४८	५५	३४	३०	४८	४२	१६
४०	१४	३४	५	४७	५०	४०	२१
६०	३९	७०	१३	७३	६	३	६१
५०	२५	३२	२०	२०	२०	११	३

गोचर ग्रहाः

=केशुगुश ×शशुगुके।

इस मास में धातु सोना चांदी लोहा धान्य वाजरा मूंग मोठ चना मक्कामंदा रहे प्रजा में सुख शांति रहेगी।

गोचर ग्रहाः

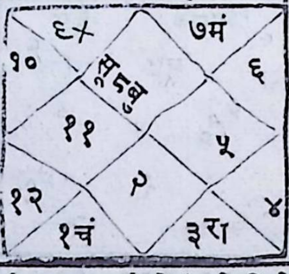

३५पं.मा.शु.११र.इ.१६/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	८	८	२	७
२१	१८	४	७	२१	२४	१५	२१
४८	२६	१९	७	११	३१	२०	२४
४३	२४	४४	५२	२०	५५	२४	३
६०	३९	८४	१३	७३	६	३	६१
५६	२९	५४	२६	१४	३२	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु	९	१	आ	५८	१३	शु	१४	३८	कौ	९	१	२५/४१	६/५२	५/८	२२	१५	१३	मिथुने	
२	श	५	४०	पु	५६	८	शु	८	५०	ग	५	४०	४०	५२	८	२३	१६	१४	क.४१।४०	भ.३३।३६उ.
३	र	१	३२	पु	५३	७	ब्र	३/३१	५३/५३	वि	१	३२	३९	५२	८	२४	१७	१५	कर्के	भ.१।३२या.मकरेशुक्रः२३।३७चतुर्थी व्र.
४	र	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+ज्येष्ठा.बुधः३६/३७अस्तंगुरोः४५/३९
५	चं	५२	१	श्ले	४९	५९	वै	४९	४१	कौ	२४	२४	३९	५२	८	२५	१८	१६	सिं५०।०	मूलेधनुष्यर्कः१९।२६ (सौरः४१।२९)+
६	मं	४७	२	म	४६	४४	वि	४१	३५	ग	१९	५३	३८	५२	८	२६	१९	१७	सिंहें	भ.४७।२उ.बुधास्तःपूर्वस्यां५०।१५
७	बु	४२	४	पू	४३	२०	प्री	३४	३४	वि	१४	५४	३८	५२	८	२७	२०	१८	कं.५७।३०	भ.१४।५४या.
८	गु	३७	१०	उ	४०	२	आ	२७	२२	बा	९	३७	३७	५३	७	२८	२१	१९	कन्यायां	
९	शु	३२	८	ह	३६	४७	सौ	२०	११	तै	४	३९	३७	५३	७	२९	२२	२०	कन्यायां	भ.५९।४०उ.मूल.४गुरुः४८।४५
१०	श	२७	१३	चि	३३	३२	शो	१२	५१	वि	२७	१३	३६	५३	७	३०	२३	२१	तु.५।९	भ.२७।१३या.
११	र	२२	२५	स्वा	३०	३३	अ	६/१	५३/१७	बा	२२	२५	३६	५३	७	१	२४	२२	तुलायां	भा.पौषारंभः सफला११व्र.
१२	चं	१८	१०	वि	२७	५४	धृ	५३	८	तै	१८	१०	३६	५३	७	२	२५	२३	वृ.१३।३४	श्रवणेशुक्रः३१।४६ प्रदोषः
१३	मं	१४	२५	अ	२५	५८	शू	४७	२२	व	१४	२५	३६	५३	७	३	२६	२४	वृश्चिके	भ.१४।२५उ ४२।५६या.
१४	बु	११	२६	ज्ये	२४	४७	गं	४२	२२	श	११	२६	३७	५३	७	४	२७	२५	ध.२४।४७	मूलेधनुषिबुधः१५/४४वृश्चिकेभौमः३७/४२
३०	शु	९	४६	मू	२५	७	वृ	३८	३६	ना	९	४६	३७	५३	७	५	२८	२६	धनुषि	सूर्यग्रहणम्

३६पं.पौ.कृ.३र.इ.१६/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	८	८	८	२	७
२८	२३	१४	८	२९	२५	१४	२८
५५	६	३६	४३	५०	१६	५८	३२
३७	२५	५८	२३	४६	५२	९	४६
६१	३९	९१	१३	७२	६	३	६१
०	२२	३६	३२	५७	५०	११	१९

गोचर ग्रहाः

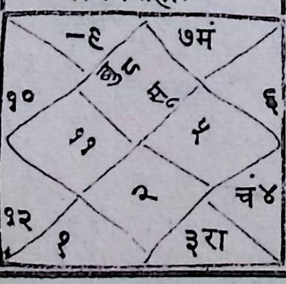

–केगुशशु

पौष कृष्णे ५ चंद्रे धनुष्यऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३गतालकाव-स्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.११र.इ.१५/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	८	९	८	२	८
६	२७	२५	१०	८	२६	१४	५
३	४६	१३	१९	२७	३	३५	४२
१४	४८	४१	४८	५८	५४	५३	१३
६१	३९	९५	१३	७२	७	३	६१
४	३६	३१	३८	४५	२	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३१८७स.२०१६
१	शु	९	२५	पू	२६	२९	ध्रु	३५	५४	ब	९	२५	२५/३७	६/५३	५/७	६	२९	२७	म.४२।१७	उषा.१शनि:३३/३४अस्तंशने:४७/५९चंद्रदर्शनम्
२	श	१०	३६	उ	२९	४०	व्या	३४	४३	कौ	१०	३६	३८	५२	८	७	१	२८	मकरे	जमादिलावल५
३	र	१३	३५	श्र	३४	६	ह	३४	९	ग	१३	३५	३८	५२	८	८	२	२९	मकरे	भ.४५/४५उ.पूषा.रवि:३४/२९(सौर:४३/७)
४	चं	१७	५६	ध	४०	१०	व	३४	४७	वि	१७	५६	३९	५२	८	९	३	३०	कुं.७।८	भ.१७।५६या.अनु.भौम:३३।६
५	मं	२३	२५	श	४६	५१	सि	३६	२५	बा	२३	२५	४०	५२	८	१०	४	३१	कुम्भे	
६	बु	२९	४७	पू	५४	२५	व्य	३८	३८	तै	२९	४७	४१	५२	८	११	५	१	मी३७।३२	जनवरी१ता.३१सन्२०२०
७	गु	३६	७	उ	६०	०	व	४०	४९	ग	२	५७	४२	५२	८	१२	६	२	मीने	भ.३६।७उ.पूषा.बुध:५९।४६
८	शु	४२	२८	उ	२	२	प	४२	४६	वि	९	१७	४३	५१	९	१३	७	३	मीने	भ.९।१७या.धनि.शुक्र:१९।५५
९	श	४८	५८	र	९	७	शि	४४	२०	बा	१५	४३	४४	५१	९	१४	८	४	मे.९।७	पूषा.१गुरु:१५।१७
१०	र	५१	५८	अ	१५	१४	सि	४४	४४	तै	२०	२८	४५	५१	९	१५	९	५	मेषे	
११	चं	५४	३४	भ	१९	५२	सा	४३	४८	व	२३	१६	४७	५१	९	१६	१०	६	वृ.३४।३५	भ.२३।१६उ.५४।३४या.पुत्रदा११व्र.
१२	मं	५५	५	कृ	२२	४५	शु	४१	३४	ब	२४	४९	४८	५०	१०	१७	११	७	वृषे	
१३	बु	५३	४४	रो	२३	५३	शु	३७	४९	कौ	२४	२५	५०	५०	१०	१८	१२	८	मि५३।३४	कुंभेशुक्र:४६।३३ प्रदोष:
१४	गु	५०	४२	मृ	२३	१४	ब्र	३२	३५	ग	२२	१३	५२	५०	१०	१९	१३	९	मिथुने	भ.५०।४२उ.
१५	शु	४६	४	आ	२०	५४	ऐं	२६	१३	वि	१८	२३	५३	४९	११	२०	१४	१०	मिथुने	भ.१८।२३या. मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु.३र.इ.१५/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	९	८	२	८
१२	२	६	११	१७	२६	१४	१२
११	२८	४	५६	४	५२	१३	३२
१३	५५	१९	४६	४१	१९	३८	३
६१	३९	९८	१३	७२	७	३	६१
६	३८	३५	३८	२७	१४	११	२६

गोचर ग्रहाः

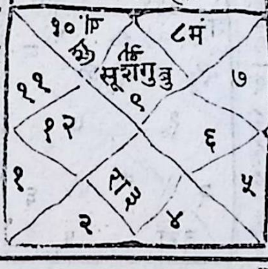

इस मास में धान्य धातु तेज रहे रस गुड़ शक्कर चीनी वस्त्र वारदाना मंदा हो शीत अधिक हो ।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.शु.१०र.इ.१५/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	९	८	२	८
२०	७	१७	१३	२५	२७	१३	२०
१९	११	८	३३	३८	४१	५१	२
२६	२४	५३	४३	५९	१३	२२	०
६१	३९	०	१३	७२	७	३	६१
६	३७	४	३८	३	२०	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	श	४०	२७	पु	१७	१९	वै	१८	५६	बा	१३	१५	२५/५५	६/४९	५/११	२१	१५	११	क.३।१३	उषा.रवि:२९/११(सौर:४४/३४)उषा.बुध:३/३=
२	र	३४	५	पु	१२	४८	व	१०	३८	तै	७	१६	५७	४९	११	२२	१६	१२	कर्के	मकरेबुध:५८।० [=उदयंगुरो:४२/३६
३	चं	२७	२८	श्ले	७	५६	प्री	२/१२	५१/३१	व	०	४७	५९	४८	१२	२३	१७	१३	सिं७।५६	भ.०।४७उ.२७।२८या. चतुर्थीव्र.
४	मं	२०	४८	म	३/१	५५/३३	सौ	४५	२२	बा	२०	४८	२६/१	४८	१२	२४	१८	१४	सिंहे	मकरेऽर्क:४५।३५शतेशुक्र:१६।५१
५	बु	१४	३२	उ	५४	१८	शो	३७	४	तै	१४	३२	४	४७	१३	२५	१९	१५	कं.१२।२९	मकरेऽर्क:सौर:०/१आर्द्रा.२राहु:मूल.४×
६	गु	८	४२	ह	५०	४३	अ	२९	४४	व	८	४२	६	४७	१३	२६	२०	१६	कन्यायां	भ.८।४२उ.३६।५या. [×केतु:७/८
७	शु	३	२८	चि	४७	३८	सु	२२	२८	ब	३	२८	८	४६	१४	२५	२१	१७	तु.१९।१०	[+बुध:५/४५ज्येष्ठा.भौम:१५/५३
८	शु	५५	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷भा.माघारंभ:पातमोक्ष:३।४९
९	श	५५	०	स्वा	४५	१०	धृ	१५	५२	तै	२७	१	११	४६	१४	२८	२२	१८	तुलायां	पूषा.२गुरु:५५।०
१०	र	५१	५६	वि	४३	४३	शू	९	४८	व	२३	२८	१३	४५	१५	२९	२३	१९	वृ.२९।५	भ.२३।२८उ.५१।५६या.श्रवणे+
११	चं	४९	३२	अ	४३	५	गं	४/२९	५५/२०	ब	२०	४४	१६	४५	१५	३०	२४	२०	वृश्चिके	पातस्पर्श:४०।२६षट्तिला११व्र.
१२	मं	४८	८	ज्ये	४३	१	ध्रु	५५	५७	कौ	१८	५०	१९	४४	१६	१	२५	२१	ध.४३।१	अभि.प्र.रवि:२०।५(सौर:३१।२२)÷
१३	बु	४७	४९	मू	४४	११	व्या	५२	५२	ग	१७	५८	२१	४४	१६	२	२६	२२	धनुषि	भ.४७।४९उ. प्रदोष:
१४	गु	४८	३०	पू	४६	१३	ह	५१	४१	वि	१८	१०	२४	४३	१७	३	२७	२३	धनुषि	भ.१८।१०या. [-उषा.२मकरेशनि:५४/२९
३०	शु	५०	३१	उ	४९	३९	व	४९	४७	च	१९	३१	२७	४३	१७	४	२८	२४	म.२।५	श्रवणेरवि:३४।४२(सौर:४८।१८)-

४०पं.मा.कृ.२र.इ.१५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	८	१०	८	२	८
२७	११	२८	१५	४	२८	१३	२७
२७	५६	४६	१०	१०	३०	२९	११
२२	१३	५५	५	१	४३	६	५२
६१	३९	०	१३	७१	७	३	६१
६	४६	३१	३२	४५	२०	११	२४

गोचर ग्रहाः

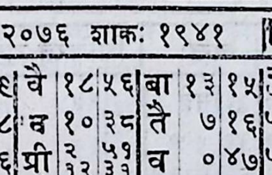

माघ कृष्णे ४ भौमे मकरेऽर्कःप्रविष्टःवार न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

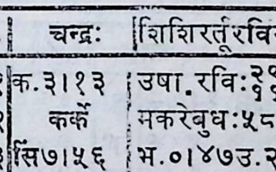

४१पं.मा.कृ.११.इ.१५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	८	१०	८	२	९
४	१६	१०	१६	१२	२९	१३	४
२५	४०	१७	४४	३८	२०	६	२१
१२	१२	६	१६	१७	४२	५१	२१
६१	३९	०	१३	७१	७	३	६१
३	४४	१७	२०	२०	२०	११	१९

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण३२१६स.२०२०
१	श	५३	४८	श्र	५४	२२	सि	४६	१३	किं	२२	१०	२६/२९	६/४२	५/१८	५	२९	२५	मकरे	अभि.नि.रवि:५६/३७(सौर:३९/५८)पूभा.शु.२२/०
२	र	५८	११	ध	६०	०	व्य	४९	४८	बा	२५	५९	३२	४२	१८	६	३०	२६	कुं.२७।१६	धनि.बुध:५१।५चंद्रदर्शनम्
३	चं	६०	०	ध	०	१०	व	५१	१४	तै	३०	५८	३५	४१	१९	७	१	२७	कुंभे	जमादिलाखर६
३	मं	३	४६	श	६	४०	प	५३	०	ग	३	४६	३८	४०	२०	८	२	२८	मी५७।५	भ.३६।५३उ.
४	बु	१०	०	पू	१३	५३	शि	५५	२३	वि	१०	०	४१	४०	२०	९	३	२९	मीने	भ.१०।०या.बुधोदय:पश्चिमायां३६।२७
५	गु	१६	२५	उ	२१	३८	सि	५७	४६	बा	१६	२५	४५	३९	२१	१०	४	३०	मीने	कुंभेबुध:३५।४०वसंत५
६	शु	२२	५३	रे	२८	५१	सा	६०	०	तै	२२	५३	४८	३८	२२	११	५	३१	मे.२८।५१	[×फर्वरी२ता.२९भानु७रथ७
७	श	२८	५३	अ	३६	७	सा	०	४८	व	२८	५३	५१	३८	२२	१२	६	१	मेषे	भ.२८।५३उ.उदयंशने:१९।१२ ×
८	र	३३	४६	भ	४१	५०	शु	१	४	वि	१	१९	५४	३७	२३	१३	७	२	वृ.५७।५४	भ.१।१९या.मीनेशुक्र:४६।२०पूषा.३ +
९	चं	३६	५९	कृ	४६	७	शु	१	१३	बा	५	२२	५८	३६	२४	१४	८	३	वृषे	शतेबुध:५२।४०पातस्पर्श:११।३१ =
१०	मं	३८	२२	रो	४८	२६	ब्र	०/१	५७/२२	तै	७	४०	२७/१	३६	२४	१५	९	४	वृषे	[=पातमोक्ष:२८।४७[+गुरु:५७/०भीष्मा.
११	बु	३७	४६	मृ	४८	३८	वै	५३	४	व	८	४	५	३५	२५	१६	१०	५	मि१८।३२	भ.८/४उ.३७/४६या.उभा.शुक्र:३७/२९जया११व्र.
१२	गु	३५	३	आ	४६	५८	वि	४७	८	ब	६	२४	८	३४	२६	१७	११	६	मिथुनें	धनि.रवि:४३।०(सौर:५३।८)
१३	शु	३०	२३	पु	४३	२८	प्री	३९	४६	कौ	२	४३	१२	३४	२६	१८	१२	७	क.२९।२०	मूलेधनुषिभौम:४३।२३प्रदोष:
१४	श	२४	१	पु	३८	२४	आ	३१	५	व	२४	१	१५	३३	२७	१९	१३	८	कर्के	भ.२४।१उ.५०।१६या.
१५	र	१६	३१	श्ले	३२	२५	सौ	२१	४४	ब	१६	३१	१९	३२	२८	२०	१४	९	सिं३२।२५	मा स्ना.पूर्ति:

४२पं.मा.शु.२र.इ.१५।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	८	१०	९	२	९
११	२१	२२	१८	२१	०	१२	११
४२	२५	१८	१८	३	९	४४	३०
४०	३४	२९	३४	१४	४७	३५	१२
६०	३९	३/०	१३	७०	७	३	६१
५९	४१	०/७	१४	५०	१४	११	१२

४३पं.मा.शु.८र.इ.१५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	८	१०	९	२	९
१८	२६	४	१९	२९	०	१२	१८
४९	१२	९	५१	२३	५८	२२	३८
१६	३६	११	११	५६	३४	२०	१८
६०	३९	९३	१२	७०	७	३	६१
५५	३५	२३	५०	१२	८	११	४

४४पं.मा.शु.१५र.इ.५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	८	११	९	२	९
२५	१	१४	२१	७	१	१२	२५
५५	०	७	२१	३८	४५	०	४५
१	४६	५५	४	४९	५०	४	५
६०	३९	७२	१२	६९	६	३	६०
४७	२८	२४	२२	२९	५६	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	सु	इं	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति सहा.
१	चं	८	२३	म	२५	५३	शो	११	५२	कौ	८	२३	२७/२३	६/३१	५/२९	२१	१५	१०	सिंहे	
२	चं	५१	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	मं	५१	३७	पू	१९	१३	अ	५०/१	५७/०	व	२५	४४	२७	३१	२९	२२	१६	११	कं.३२।३९	भ.२५।४४उ.५१।३७या.
४	बु	४३	४६	उ	१२	५९	धृ	४२	४५	ब	१७	४१	३०	३०	३०	२३	१७	१२	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	गु	३६	५०	ह	७	४१	शू	३४	८	कौ	१०	१८	३४	२९	३१	२४	१८	१३	तु.३५।२७	कुंभेऽर्कः१८।१६(सौर:२७।६)
६	शु	३१	१०	चि	३	१३	गं	२६	३४	ग	४	०	३८	२८	३२	२५	१९	१४	तुलायां	भ.३१।१०उ.५८।५४या.
७	श	२६	३८	स्वा	३०/१	५७/१५	बृ	२०	१	ब	२६	३८	४१	२८	३२	२६	२०	१५	वृ.४२।५७	
८	र	२२	२८	अ	५७	८	ध्रु	१४	२८	कौ	२२	२८	४५	२७	३३	२७	२१	१६	वृश्चिके	
९	चं	२१	२६	ज्ये	५७	३६	व्या	९	५९	ग	२१	२६	४९	२६	३४	२८	२२	१७	ध.५७।३६	भ.५/१७उ.वक्रीबुध:१४/४९रेवत्यांशुक्र:२।२७
१०	मं	२०	४९	मू	५९	२७	ह	६	३०	वि	२०	४९	५३	२५	३५	२९	२३	१८	धनुषि	भ.२०।४९या.पूषा.४गुरु:५७।५६
११	बु	२१	३४	पू	६०	०	व	४	५	बा	२१	३४	५६	२५	३५	३०	२४	१९	धनुषि	शतेरवि:३४/३२बुधा.पश्चि.३०/१विजया११व्र.
१२	गु	२३	१६	पू	२	२७	सि	२	४३	तै	२३	१६	५८/०	२४	३६	१	२५	२०	म.१८।२८	शतेरवि:सौर२।२८भा.फाल्गुनारंभ:प्रदोष
१३	शु	२६	१८	उ	६	२९	व्य	२	२०	व	२६	१८	४	२३	३७	२	२६	२१	मकरे	भ.२६।१८उ.५८/१७या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	श	३०	१६	श्र	११	४०	व	२	१७	श	३०	१६	८	२२	३८	३	२७	२२	कु.४४।३९	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	र	३५	१०	ध	१७	३९	प	३	६	च	२	४३	१२	२२	३८	४	२८	२३	कुम्भे	उषा.३शनि:५५।५१

४५पं फा कृ.८र.इ.१६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	११	९	२	१०
२	५	१८	२२	१५	२	११	२
५९	४८	४२	४७	४६	३१	३७	५१
४९	५०	१४	२०	५९	५५	४८	८
६०	३९	१०	१२	६८	६	३	६०
३७	२१	२३	७	४४	३८	११	४२

गोचर ग्रहाः

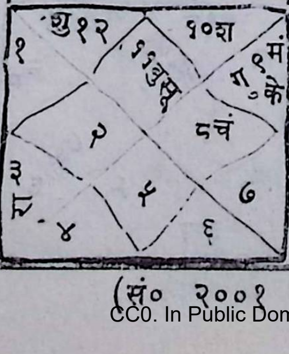

फाल्गुनकृष्णे ५ गुरौ कुँभेऽर्क:प्रविष्ट: वा.३ न.४युवावस्था(सूती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय: पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.कृ.३०र.इ.१६/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	११	९	२	१०
१०	१०	१५	२४	२३	३	११	९
३	३४	३५	१०	४९	१५	१५	५५
२२	५५	४६	३०	१९	४७	३३	४१
६०	३९	६३/५८	११	६७	६	३	६०
२५	१२	व.	२८	४३	२५	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७६ शाकः १९४१												दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरेऽहर्गणः३२४६स.२०२०
१	चं	४०	४३	श	२४	२०	शि	४	४४	किं	७	५६	२८/१६	६/२१	५/३९	५	२९	२४	कुंभे	
२	मं	४६	२९	पू	३१	३२	सि	६	३३	बा	१३	३६	२०	२०	४०	६	३०	२५	मी. १४/४४	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
३	बु	५३	२५	उ	३९	९	सा	८	५३	तै	१९	५७	२४	१९	४१	७	१	२६	मीने	रज्जव ७
४	गु	५९	५६	रे	४६	५५	शु	११	१०	व	२६	१०	२८	१८	४२	८	२	२७	मे.४६।५५	भ.२६।१०उ.५९।५६या.पूपा.भौमः१९/३
५	शु	६०	०	अ	५४	१४	शु	१३	२०	ब	३३	२	३२	१८	४२	९	३	२८	मेषे	अश्वि.मेषेशुक्रः४४।५४पातस्पर्शः२३।९+
५.	श	६	९	भ	६०	०	ब्र	१५	२८	बा	६	९	३६	१७	४३	१०	४	२९	मेषे	[+ पातमोक्षः३६।३४
६	र	११	१९	भ	०	३७	ऐं	१६	३०	तै	११	१९	४०	१६	४४	११	५	१	वृ.१६।५०	मार्च३ता.३१
७	चं	१५	१९	कृ	६	७	वै	१६	२९	व	१५	१९	४४	१५	४५	१२	६	२	वृषे	भ.१५/१९उ.४६/३या.वक्रीधनि.बुधः५०।५८
८	मं	१७	५१	रो	९	५२	वि	१५	९	ब	१७	५१	४८	१४	४६	१३	७	३	मि४०।३२	बुधोदयःपूर्वस्यां२०।१६होलाष्टकम्
९	बु	१८	१९	मृ	११	१३	प्री	१२	२३	कौ	१८	१९	५२	१४	४६	१४	८	४	मिथुने	पूभा.रविः१०।३८(सौरः१७।१५)
१०	गु	१६	४९	आ	११	५१	आ	८	१	ग	१६	४९	५६	१३	४७	१५	९	५	क.५५।२६	भ.४५।१उ.
११	शु	१३	१४	पु	९	५७	सौ	२/४	५३/२	वि	१३	१४	२९/१	१२	४८	१६	१०	६	कर्के	भ.१३।१४या.आमलकी११व्र.
१२	श	७	४२	पु	५	४९	अ	४५	२६	बा	७	४२	५	११	४९	१७	११	७	कर्के	उषा.१गुरुः४७।५८प्रदोषः
१३	र	०	३२	श्ले	१/३	५३/४	सु	३५	३०	तै	०	३२	९	१०	५०	१८	१२	८	सिं.०।१३	भ.५२।०उ.
१४	र	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	चं	४२	४०	पू	४५	४४	धृ	२४	५४	वि	१७	१९	१३	९	५१	१९	१३	९	क.५८।४९	भ.१७।१९या.होलिकादहनम्

४७प.फा.शु.६र.इ.१६/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	०	९	२	१०
१७	१५	८	२५	१	३	१०	१६
५	२७	१८	३०	४१	५७	५३	५८
३५	३२	०	७	४९	४०	१७	३५
६०	३३	६२/३३	१०	६६	६	३	६०
१२	३४	वं.	५५	३२	२	११	२०

गोचर ग्रहाः

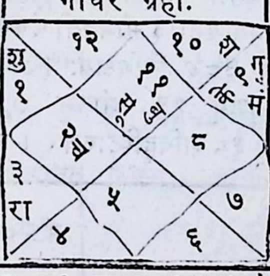

सोमवाराः यदा पञ्च चान्द्रमासे भवन्तिहि धनधान्यंसमृद्धिःस्यात् सुखं सर्वत्र सुन्दरम्। इस मास में बदि में मंदी व सुदि में तेजी चले।

गोचर ग्रहाः

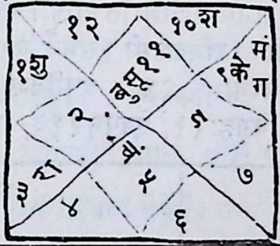

४८पं.फा.शु.१३र.इ.१७/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	८	०	९	२	१०
२४	२०	५	२६	९	४	१०	२३
६	१७	१९	४४	२४	३७	३१	५९
२२	४२	५	५६	५४	१२	२	५८
५९	३९	१/८	१०	६५	५	३	६०
५८	२०	व.	११	१	४०	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७६ शाकः १९४१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	मं	३२	५७	उ	३८	२	शू	१३	५८	बा	७	४८	२९/१७	६/९	५/५१	२०	१४	१०	कन्यायां	वसंत १छारेंडी
२	बु	२३	२६	ह	३०	४०	गं	३/६	४९/३८	ग	२३	२६	२१	८	५२	२१	१५	११	तु.५७।३२	भ.४८।५८उ.मार्गीबुधः४०।३५भरण्यां=
३	गु	१४	३१	चि	२४	२५	ध्रु	४३	२३	वि	१४	३१	२६	७	५३	२२	१६	१२	तुलायां	भ.१४।३१याचतुर्थी व्र.
४	शु	६	४३	स्वा	१८	३५	व्या	३४	५९	बा	६	४३	३०	६	५४	२३	१७	१३	तुलायां	[=शुक्र५५।२९पातस्पर्शः३५/१७पातमोक्षः४५/२८
५	श	०	२६	वि	१५	१	ह	२८	३	तै	०	२६	३४	५	५५	२४	१८	१४	वृ.०।५५	भ.५५/१उ.मीनेऽर्कः११।३१(सौरः१७/३६)
६	श	५५	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	र	५२	५९	अ	१२	४५	व	२२	२८	वि	२४	२५	३८	४	५६	२५	१९	१५	वृश्चिके	भ.२४।२५या.
८	चं	५१	५६	ज्ये	१२	२३	सि	१८	२२	बा	२२	२८	४३	३	५७	२६	२०	१६	ध.१२।२३	शीतलापूजनम्
९	मं	५२	३२	मू	१३	४४	व्य	१५	४०	तै	२२	१३	४७	३	५७	२७	२१	१७	धनुषि	उभा.रविः३२/३६(सौरः३/१२)उषा.भौमः३७/३५
१०	बु	५४	३६	पू	१६	४७	व	१४	४	व	२३	३४	५१	२	५८	२८	२२	१८	म.३२।५३	भ.२३।३४उ.५४।३६या.शतेबुधः४९/३४ ×
११	गु	५८	७	उ	२१	१०	प	१४	१	व	२६	२२	५५	१	५९	२९	२३	१९	मकरे	पापमोचनी ११व्र.
१२	शु	६०	०	श्र	२६	३६	शि	१४	३२	कौ	३०	२८	३०/००	००	६/००	३०	२४	२०	कुं.५९।३५	[×आर्द्रा.१राहुःमूल.३केतुः२।३६
१२	श	२	४९	ध	३२	३५	सि	१५	४६	तै	२	४९	३०/४	५९	६/१	१	२५	२१	कुंभे	भा.चैत्रारंभःप्रदोषः
१३	र	८	१६	श	४०	५	सा	१७	४५	व	८	१६	८	५८	२	२	२६	२२	कुंभे	भ.८।१६उ.४१।१२या.मकरेभौमः२/९६
१४	चं	१४	७	पू	४७	२०	शु	१९	४६	श	१४	७	१२	५८	२	३	२७	२३	मी३०।३०	
३०	मं	२०	३२	उ	५४	५५	शु	२२	७	ना	२०	३२	१६	५७	३	४	२८	२४	मीने	कृत्ति शुक्रः४८।५६मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.७र.इ.१७।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	८	०	९	२	११
१	२५	५	२७	१६	५	१०	०
५	८	३१	५४	५३	१३	८	५९
३५	३५	४८	२५	६	३७	४६	४०
५९	३९	१९/१७	९	६३	५	३	५९
४१	७	मा	२६	२०	११	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ५ शनौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न.३प्रौढावस्था.बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

५०पं.चै.कृ.१३र.इ.१७/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	८	०	९	२	११
८	२९	१०	२८	२४	५	९	७
३	५९	२३	५८	५	४६	४६	५७
१८	३८	४२	५५	२०	३४	३०	३५
५९	३८	४६	८	३१	४	३	५९
२९	५४	५९	३६	२	४९	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२१, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२१, भोग्यकलिः ४२६८७९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७७, शाकः १९४२, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री चंद्रः । सस्येशोगुरुः। धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः। रसेशः शनिः। नीरसेशोगुरुः। फलेशो रविः। धनेशोबुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां ८ आनंदनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ०।२७।३३।७।१२ भोग्यमासादिः ११।२।२६।५२।४८अग्निदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम आषाढः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःसंधौ। समयनिवासोःवणिक् गृहे। समय विश्वा १९ समयवाहनम् सिचाणुः। स्तंभौ२ जलतृणयोः। सोमवत्यमाः३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी२ भानुसप्तमी १रविदशमी १समय मुहूर्ताः ३९५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपतिविश्वा ९६, वर्षाविश्वा ९, धान्यम् १३, तृणम् १३, शीतम् ७, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११३, सत्यम् ।। धर्म १।।, पापं १८ शनिदृष्टिःरुत्तरे । ग्रहण १ सूर्यस्यः।

भैरव भवानी सम्वाद

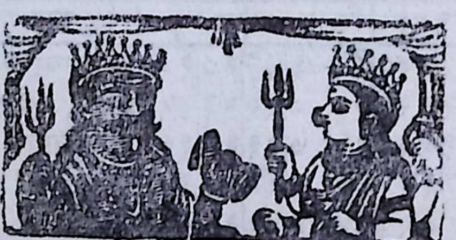

भैरव प्रश्न

सतंतर की साल में अंबा के दरवार ।
फल पूछों जगदंबिका जिमि पूछां हरवार ।।

भवानी उत्तर

सतंतर सत राखसी मध्यम वर्षे नीर ।
निबला सबला मानवी सबको बंधसी धीर ।।
सस्याधिप सुर पूज्य है नीरसेश पद पाय ।
उगती खेती देख कर कृषक घणां हर्षाय ।।
समय निवासो वणिक् घर रोहिणी संधिनिवास ।
अन्न की कुछ कमती रहे होय घणेरा घास ।।
राजा बुध मंत्री शशी जग की करसी सार ।
घर २ बजे बधावणां घर २ मंगल चार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	५	१४	२	११	१४	२
ख.	५	११	११	८	२	११

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	१४	५	८	११	११	८
ख.	११	५	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ३।२०

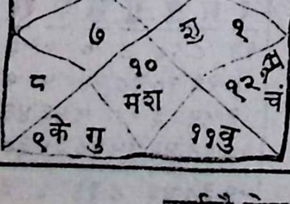

सं.२०७७ शा. १९४२आषाढ कृ. ३० रवौ सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घ.	१०	११	१
मि.	१६	५७	४३
घ.	९	१३	१८
प.	३२	४५	१०

वर्षेश लग्नम् ६।१३

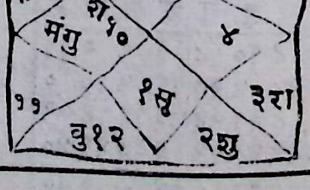

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५८।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।७।४१

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे २ तूर्य विवाह मंगलं । प्रकुर्वते दान दयांजनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलं ॥ मंत्री चंद्रस्तत्फलम् ॥ शशिनि मंत्रि गते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारिधरा बहु वर्षिणो जनपदा सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराज पुरोहितें सकल सौख्यकरः श्रुति पूर्वकाः । जलधरा जलदा बहुसम्पदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्म धान्यशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंतिहि ।। मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यव चणेक्षुनीवार सुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अज गवां गज वाजि खरोष्ट्रहाः जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ।। नीरसेशो गुरुः फलम् ।। हरिद्रा पीत वस्तूनि पीत वस्त्रादिकं च यत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशः रविः फलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहुजलं जलदो भुवि मुञ्चति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधस्तत्फलम् ।। द्रविणपो हिम रश्मि सुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा द्विजवरा जप यज्ञसुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशोरविःफलं ।। नय विशेष करस्तरणिस्तदा गत भया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। आनंद नाम संवत्सरः फलम् ।। आनंदाब्दे खिला लोकाः सर्वानन्द चेतसः । राजानः सुखिनः सर्वे बहु सस्यार्घ वृष्टिभिः ।। वर्षनामआषाढःफलम् ।। आषाढाब्दे तु राजानः सर्वदा कलहोत्सुकाः । क्वचिदीतिः क्वचिद्भीतिः क्वचिद्वृद्धिः जलं क्वचित् । मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खण्ड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति । एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ८ शुक्रे मघा ल. ११ (चं.पू.) रे.६ ।।।ऽऽरोऽ।ऽ।

गणितेन क्रांति साम्याभावः

,, ९ शनौ मघा ल. गो. रे. ७ ।।।ऽ।ऽ।ऽ।

गणितेन क्रांति साम्याभावः

,, ११ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो १२ (मी.चं.पू.) रे. ७

ऽऽ।।।ऽअ।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० रवौ उषा ल. ऽन्यगो १ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ११ चन्द्रे रेव. ल. ऽन्यगो १ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ७ शुक्रे मघा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शनौ उभा ल. १ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ९ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ७

।।।।-।ऽ।ऽ दग्धा

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ३२७६ स.२०२०
१	बु	२६	४३	रे	६०	०	ब्र	२४	२०	ब	२६	४३	३०/२१	५/५६	६/४	५	२६	२५	मीने	चंद्रदर्शनम्संवत्सरारंभःनवरात्रारंभः
२	गु	३३	१	रे	२	२२	ऐं	२६	४१	कौ	३३	१	२५	५५	५	६	१	२६	मे.२।२२	सावानन्दसिधारा
३	शु	३८	४९	अ	९	४३	वै	२८	३७	तै	५	५५	२९	५४	६	७	२	२७	मेषे	मत्स्यजयंती गणगौरी
४	श	४३	५२	भ	१६	१३	वि	२९	४०	व	११	२०	३३	५३	७	८	३	२८	वृ.३२।४१	भ ५१/२०उ.४/५३या.वृषेशुक्रः१७।४७
५	र	४८	३	कृ	२२	७	प्री	३०	२९	ब	१५	५८	३७	५३	७	९	४	२९	वृषे	उषा.मकरेगुरुः४०।५६
६	चं	५०	५९	रो	२६	४४	आ	३०	८	कौ	१९	३१	४१	५२	८	१०	५	३०	मि५८।२५	
७	मं	५२	२७	मृ	३०	५	सौ	२८	४१	ग	२१	४३	४५	५१	९	११	६	३१	मिथुने	भ.५२।१७उ.रेवत्यांरविः०।१४(सौरः ÷
८	बु	५२	१७	आ	३१	४२	शो	२५	५०	वि	२२	२२	४९	५०	१०	१२	७	१	मिथुने	भ.२२।२२या.अप्रेल ४ता.३०
९	गु	५०	१०	पु	३१	४०	अ	२१	३७	बा	२१	१३	५३	४९	११	१३	८	२	क.१६।४१	रामनवमी
१०	शु	४६	१५	पु	२९	४२	सु	१५	५०	तै	१८	१२	५७	४९	११	१४	९	३	कर्के	[÷५।३९)पूभा.बुधः१६।६
११	श	४०	३३	श्ले	२५	५५	धृ	८	३५	व	१३	२४	३/१	४८	१२	१५	१०	४	सिं२५।५५	भ.१३।२४उ ४०।३३या.कामदा११व्र.
१२	र	३३	१४	म	२०	३६	शू	०/४	५०/३०	ब	६	४७	५	४७	१३	१६	११	५	सिंहे	श्रवणेभौमः४/४७उषा.४शनिः४०।५०प्रदोष
१३	चं	२४	३८	पू	१३	५९	वृ	४०	४	तै	२४	३८	१०	४६	१४	१७	१२	६	क.२७।७	
१४	मं	१५	२	उ	६/२९	५१/५९	ध्रु	२९	५	व	१५	२	१४	४५	१५	१८	१३	७	कन्यायां	भ.१५।२उ.४०।१या.मीनेबुधः३१।४६
१५	बु	४	५९	चि	५०	३८	व्या	१८	५	व	४	५९	१८	४४	१६	१९	१४	८	तु.२४।३३	रोहि.शुक्रः८।३८हनुमज्जयंती

५१ गं.चै.शु.५र.इ.१/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	८	१	९	२	११
१४	४	१७	२९	०	६	९	१४
४९	५०	४३	५७	५८	१५	२४	५३
१०	४९	४८	७	३०	२२	१५	४५
५९	३८	६९	७	५८	४	३	५९
१६	५५	१४	३४	१३	१४	११	१८

गोचर ग्रहाः

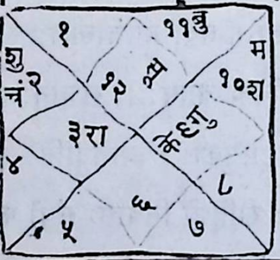

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल धातु चांदी सोना रुई तिल सन वारदाना मंदा हो रसकस तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

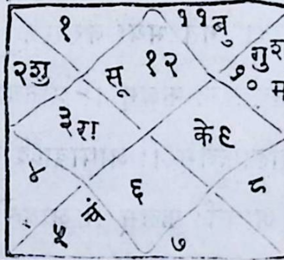

५२पं.चै.शु१२र.इ.१८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	९	१	९	२	११
२१	९	२६	०	७	६	९	२१
५३	४०	५२	४८	२५	४१	१	४७
३१	५९	४८	१४	४८	२०	५९	५६
५९	३८	८४	६	५४	३	३	५९
५	५०	१३	३२	२१	३४	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	५०	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु	४५	५०	स्वा	४३	२६	ह	७/१४	५०/९	तै	२०	२५	३१/२२	५/४४	६/१६	२०	१५	९	तुलायां	उभा.बुधः५७।४
३	शु	३७	४१	वि	३७	३६	सि	४८	४३	व	११	४६	२६	४३	१७	२१	१६	१०	वृ.२४।४	भ.११।४६उ.३७।४१या.
४	श	३१	११	अ	३३	२७	व्य	४१	३५	ब	४	२६	३०	४२	१८	२२	१७	११	वृश्चिके	चतुर्थी व्र.
५	र	२६	२८	ज्ये	३१	७	व	३५	३८	तै	२६	२८	३४	४१	१९	२३	१८	१२	ध.३१।७	
६	चं	२४	१	मू	३०	५५	प	३१	२८	व	२४	१	३८	४०	२०	२४	१९	१३	धनुषि	भ.२४।१उ.५३।५२या.अश्वि.मेषेऽर्कः ×
७	मं	२३	४३	पू	३२	४९	शि	२९	७	ब	२३	४३	४२	४०	२०	२५	२०	१४	म.४८।४४	[×३४।१०(सौरः४०।१३)
८	बु	२५	११	उ	३६	२८	सि	२८	८	कौ	२५	११	४६	३९	२१	२६	२१	१५	मकरे	
९	गु	२८	२६	श्र	४१	४०	सा	२८	४५	ग	२८	२६	५०	३८	२२	२७	२२	१६	मकरे	
१०	शु	३३	५	ध	४७	५५	शु	२९	४९	व	०	४३	५३	३७	२३	२८	२३	१७	कु.१४।४७	भ.०।४३उ.३३।५या.रेवत्यांबुधः४८।४९
११	श	३८	४६	श	५५	१६	शु	३१	५५	ब	५	५५	५७	३७	२३	२९	२४	१८	कुम्भे	वरुथिनी ११व्र.
१२	र	४४	५२	पू	६०	०	ब्र	३४	१३	कौ	११	४९	३/२	३६	२४	३०	२५	१९	मी.५/४७	
१३	चं	५१	२३	पू	२	३७	ऐं	३६	४८	ग	१८	७	५	३५	२५	३१	२६	२०	मीने,	भ.५१।२३उ.प्रदोषः
१४	मं	५७	२९	उ	१०	२३	वै	३९	९	वि	२४	२६	९	३४	२६	१	२७	२१	मीने	भ.२४।२६या.भा.वैशाखारंभः
३०	बु	६०	०	रे	१७	४६	वि	४१	१४	च	३०	२९	१२	३४	२६	२	२८	२२	मे.१७।४६	बुधास्तःपूर्वस्यां४६।३४
३०	गु	३	३०	अ	२४	४६	प्री	४२	५०	ना	३	३०	१६	३३	२७	२	२९	२३	मेषे	

१पं.वै.कृ.६चं.इ.३४।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	१	९	२	११
०	१५	९	१	१४	७	८	२९
०	२४	३६	४०	१९	७	३५	५४
०	०	३६	१२	४८	४४	५१	९
५८	३८	[illegible]	५	४८	२	३	५८
४४	२९	[illegible]	१३	३२	४७	११	४५

गोचर ग्रहाः

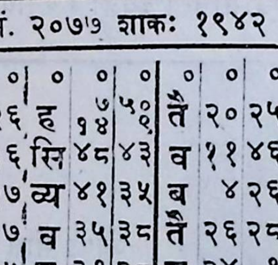

वैशाखकृष्णे६चन्द्रेमेषे ऽर्कःप्रविष्टःवा.३न.५ वृद्धाऽवस्था (बैठी) मु. ३०धान्यादिभावे समताशुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

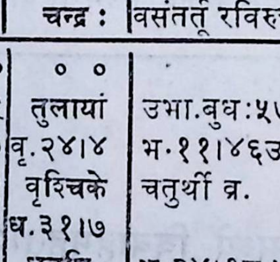

२पं.वै.कृ.१३चं.इ.३४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	११	९	१	९	२	०
६	२०	२१	२	१९	७	८	६
५०	१४	५१	१४	२२	२४	१३	४४
४२	३५	७	४२	५९	४	३६	२०
५८	३८	[illegible]	४	४१	२	३	५८
३१	१९	४४	५	४३	४	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३३०६स.२०२०
१	शु	८	४३	भ	३१	३	आ	४३	५६	व	८	४३	३२/२०	५/३२	६/२८	४	३०	२४	वृ.४७/२५	अश्वि.मेषेबुध:५६।२७अनि.भौम: ×
२	श	१३	६	कृ	३६	३१	सौ	४४	३१	कौ	१३	६	२३	३१	२९	५	१	२५	वृषे	रमजान ९ परशुरामजयंती
३	र	१६	४१	रो	४१	१	शो	४४	०	ग	१६	४१	२७	३१	२९	६	२	२६	वृषे	भ.४७।५८उ.अक्षया३
४	चं	१९	१६	मृ	४४	२६	अ	४२	५६	वि	१९	१६	३१	३०	३०	७	३	२७	मि१२।४३	भ.१९।१८या.भरण्यांरवि:१४।२८ ÷
५	मं	२०	२९	आ	४६	४९	सु	४०	५७	बा	२०	२९	३४	२९	३१	८	४	२८	मिथुने	[÷(सौर:२१।३८)मृगेशुक्र:१४।४८
६	बु	२०	४६	पु	४७	५०	धृ	३७	४९	तै	२०	४६	३८	२८	३२	९	५	२९	क.३२।३५	[× ५१।२१चंद्रदर्शनम्
७	गु	१९	२९	पु	४७	३५	शू	३३	२७	व	१९	२९	४१	२८	३२	१०	६	३०	. कर्के	भ.१९।२९उ.४८।१३या.
८	शु	१६	५७	श्ले	४५	४२	गं	२७	५७	ब	१६	५७	४५	२७	३३	११	७	१	सि. ४५/४२	भरण्यांबुध:३३।६मई५ता.३१
९	श	१२	४६	म	४२	३५	वृ	२१	२०	कौ	१२	४६	४८	२६	३४	१२	८	२	सिंहे	पातस्पर्श:५।२९पातमोक्ष:१९।१४
१०	र	७	२२	पू	३८	३	ध्रु	१३	३८	ग	७	२२	५२	२६	३४	१३	९	३	कं.५१।३८	भ.३३।५४उ.
११	चं	०	२७	उ	३२	१६	व्या	४/५५	५/२५	वि	०	२७	५५	२५	३५	१४	१०	४	कन्यायां	भ.०।२७या.कुंभेभौम:४१/५१ मोहिनी११व्र.
१२	चं	५१	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	मं	४३	३५	ह	२५	३८	व	४५	११	कौ	१८	०	५८	२४	३६	१५	११	५	तु.५२।३२	प्रदोष:
१४	बु	३४	१७	चि	१८	२६	सि	३४	४१	ग	८	५६	३/२	२४	३६	१६	१२	६	तुलायां	भ.३४।१७उ.५९।५१या.नृसिंहजयंती
१५	गु	२५	६	स्वा	११	१९	व्य	२४	४०	व	२५	६	५	२३	३७	१७	१३	७	वृ.५१।२२	कृत्ति.बुध:३८।२४यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.४चं इ. ३४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	९	१	९	२	०
१३	२५	५	२	२३	७	७	१३
२९	३	२२	४१	३०	३४	५१	२२
४७	११	३१	१३	५४	५२	२०	४५
५८	३७	२८	२	३२	१	३	५८
१९	५४	३८	५७	४९	२८	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला आदि मंदे होवे धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रुई वस्त्र घृत तेल तेज होवेंगे ।

गोचर ग्रहाः

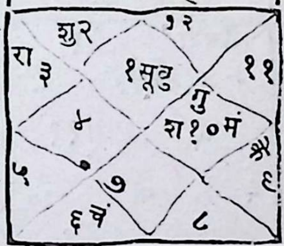

४पं.वै.शु.११चं.इ.३४।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	९	१	९	२	०
२०	२९	१९	२	२६	७	७	२०
२७	५०	४८	५८	२८	४१	२९	१९
२५	४२	१८	५२	५९	३५	५	३०
५८	३७	२८	१	२१	०	३	५७
६	२९	७	३१	५६	४८	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	शु	१६	३१	वि	४/४३	५३/२५	व	१५	४	कौ	१६	३१	३/३८	५/२२	६/३८	१८	१४	८	वृश्चिके	
२	श	८	५७	ज्ये	५५	१०	प	६/३१	५२/५०	ग	८	५७	११	२२	३८	१९	१५	९	ध.५५।१०	भ.३५।५३उ.बृषेबुध:६।५
३	र	२	४९	मू	५२	५६	सि	५३	३८	वि	२	४९	१४	२१	३९	२०	१६	१०	धनुषि	भ.२।४९या.चतुर्थीव्र.
४	र	५५	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	चं	५६	५५	पू	५२	५०	सा	४९	४५	कौ	२७	४९	१७	२१	३९	२१	१७	११	धनुषि	कृत्ति.रवि:२४/० (सौर:३०/९) वक्रीशनि:५१/२
६	मं	५७	१०	उ	५४	५१	शु	४७	२७	ग	२७	२	२०	२०	४०	२२	१८	१२	म.८।२०	भ.५७।१०उ.
७	बु	५९	३२	श्र	५८	५६	शु	४७	०	वि	२८	२१	२३	१९	४१	२३	१९	१३	मकरे	भ.३/२८या.रोहि.बुध:४/३ ६/२ वक्रीगुरु:३३।४४
८	गु	६०	०	ध	६०	०	ब्र	४७	२५	बा	३१	३४	२६	१९	४१	२४	२०	१४	कुं.३१।५१	बृषेऽर्क:३/३ ७/९ (सौर:३/१ ७/७) वक्रीशुक्र:३।५९×
८	शु	३	३७	ध	४	४६	ऐं	४९	७	कौ	३	३७	२८	१८	४२	२५	२१	१५	कुम्भे	बुधोदय:पश्चिमायां५४।१४
९	श	८	५६	श	११	४७	वै	५१	१७	ग	८	५६	३१	१८	४२	२६	२२	१६	कुंभे	भ.४१।५८उ. [×शतेभौम:५९।२८
१०	र	१५	०	पू	१९	२	वि	५३	५०	वि	१५	०	३४	१७	४३	२७	२३	१७	मी. २/१४	भ.१५।०या.
११	चं	२१	८	उ	२६	४७	प्री	५१	२८	बा	२१	८	३७	१७	४३	२८	२४	१८	मीने	अपरा११व्र.
१२	मं	२७	३२	रे	३४	७	आ	५८	२९	तै	२७	३२	३९	१६	४४	२९	२५	१९	मे.३४।७	प्रदोष:
१३	बु	३३	१३	अ	४१	१	सौ	६०	०	ग	०	२३	४२	१६	४४	३०	२६	२०	मेषे	भ.३/१ ३/३उ.मृगेबुध:३/४ ४/१मृग.४राहु:मूल.२ =
१४	गु	३८	३	भ	४७	२	सौ	०	१३	वि	५	३८	४४	१५	४५	३१	२७	२१	मेषे	भ.५।३८या. [=केतु:१।३
३०	शु	४१	४३	कृ	५२	४	शो	१	४	च	९	५३	४७	१५	४५	१	२८	२२	वृ.३।५३	भा.ज्येष्ठारंभ:वटपूजनम्

५ पं.ज्ये.कृ. ५चं. इ. ३५/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	९	१	९	२	०
२७	४	५	३	२७	७	७	२७
१३	३४	१८	६	४०	४३	६	४
३७	४८	४७	५४	२६	४४	४९	४४
५७	३६	२८	०	६	४	३	५७
५४	४६	१९	२४	५	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

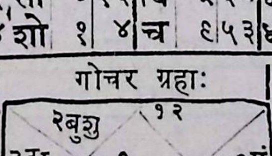

ज्येष्ठ कृष्ण ८ गुरो वृषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

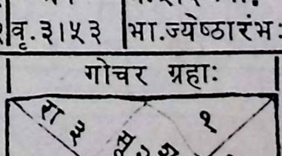

६पं.ज्ये.कृ.११चं.इ. ३५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	९	१	९	२	१
३	९	१९	३	२७	७	६	३
५८	१७	३१	६	८	४०	४४	४८
३७	३१	३५	३२	२०	५९	३३	२७
५७	३६	२८	१	११५	४०	३	५७
४४	४४	४३	व.	व.	व.	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३५स.२०२०
१	श	४४	१६	रो	५५	५३	अ	१	८	किं	१२	५९	३३/४९	५/१४	६/४६	२	२९	२३	वृषे	
२	र	४५	४७	मृ	५८	४७	सु	२ ०/१	५८/१६	बा	१४	५९	५२	१४	४६	३	३०	२४	मि२७।२०	रोहि.रवि:५३/१३मिथुनेबुध:४१/३० चंद्रदर्शनम्
३	चं	४६	१०	आ	६०	०	शू	५६	२९	तै	१५	५८	५४	१३	४७	४	१	२५	मिथुने	रोहि.रवि:३।२५सव्वाल१०
४	मं	४५	३७	आ	०	३४	गं	५२	४४	व	१५	५३	५६	१३	४७	५	२	२६	क.४६।१३	भ.१५।५३उ.४५।३७या.
५	बु	४३	५९	पु	१	२५	वृ	४८	५३	ब	१४	४८	५८	१२	४८	६	३	२७	कर्के	
६	गु	४१	२३	पु	१	२२	ध्रु	४४	०	कौ	१२	४१	३४/००	१२	४८	७	४	२८	कर्के	आर्द्रा.बुध:५६/३६वक्रीरोहि.शुक्र:१३।५३
७	शु	३७	५९	श्ले	१ ०/३	५७/५६	व्या	३८	२३	ग	९	४१	२	१२	४८	८	५	२९	सिं०।१३	भ.३७।५९उ.
८	श	३३	४३	पू	५५	२५	ह	३२	४	वि	५	५१	३	११	४९	९	६	३०	सिंहे	भ.५।५१या.
९	र	२८	२४	उ	५१	३९	व	२५	२	बा	१	४	५	११	४९	१०	७	३१	कं.९।२८	
१०	चं	२२	१९	ह	४७	९	सि	१७	१९	ग	२२	१९	७	११	४९	११	८	१	कन्यायां	भ.४८/५०उ.शुक्रास्त:पश्चिमायां४५/३६जून६ =
११	मं	१५	२२	चि	४१	५२	व्य	९	१	वि	१५	२२	९	१०	५०	१२	९	२	तु.१४।३१	भ.१५।२२या.निर्जला ११व्र.
१२	बु	७	५२	स्वा	३६	१०	व	१ ०	५२/२	बा	७	५२	१०	१०	५०	१३	१०	३	तुलायां	प्रदोष: [= ता.३० गंगादशमी
१३	गु	०	५	वि	३०	२४	शि	४२	१९	तै	०	५	१२	१०	५०	१४	११	४	वृ.१६।५०	भ.५२।२२उ.पूभा.भौम:३।१४
१४	गु	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	शु	४५	१४	अ	२५	२	सि	३३	५८	वि	१८	४७	१३	९	५१	१५	१२	५	वृश्चिके	भ.१८।४७या.गुर्जराणावटसावित्री व्र.

७पं.ज्ये.शु.३चं.इ.३५।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	१	९	२	१
१०	१३	१	२	२४	७	६	१०
४२	५६	२४	५६	३०	३३	२२	३०
२९	५६	४३	२८	५८	४०	१८	३८
५७	३६	९४	२/२४	२६/५२	१/२८	३	५७
३४	५	१	व.	व.	व	११	२३

गोचर ग्रहाः

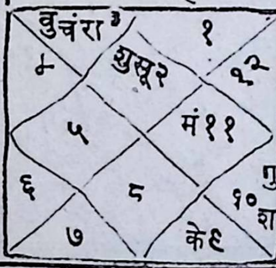

५ शुक्रवार इस मास में श्रेष्ट है धान्य गल्ला आदि में मंदी होवे प्रजा में सुख शान्ति रहे वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

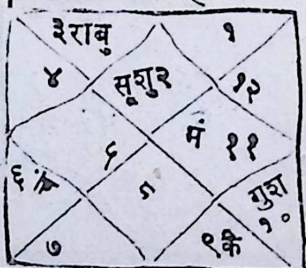

८पं.ज्ये.शु१०चं.इ.३५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	१	९	२	१
१७	१८	१०	२	२०	७	६	१७
२५	३२	४६	३७	५२	२१	०	११
१९	४२	१	१९	४८	४०	२	४४
५७	३५	६६	३/३८	३५/५१	२/७	३	५७
२७	२७	१५	व.	व.	व.	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	३८	५६	ज्ये	२०	४९	सा	२६	२३	बा	१२	६	३४/१५	५/९	६/५१	१६	१३	६	ध.२०।४६	
२	र	३४	२७	मू	१७	४३	शु	१९	५३	तै	६	४३	१६	९	५१	१७	१४	७	धनुषि	मृगेरवि:४६।६
३	चं	३१	४४	पू	१६	३२	शु	१४	५४	व	३	५	१७	९	५१	१८	१५	८	म.३१।४१	भ.३/२उ.३१/४४या.मृगेरवि:सौर,१३/५चतुर्थीव्र.
४	मं	३०	५२	उ	१७	९	ब्र	११	३२	ब	१	१८	१८	८	५२	१९	१६	९	मकरे	
५	बु	३२	१०	श्र	१९	४५	ऐं	९	४१	कौ	१	३१	१९	८	५२	२०	१७	१०	कु.५१।५८	शुक्रोदय:पूर्वस्यां८।२४
६	गु	३५	२४	ध	२४	१२	वै	९	९	ग	३	४७	१९	८	५२	२१	१८	११	कुम्भे	भ.३५।२४उ.
७	शु	४०	१०	श	३०	२०	वि	९	५६	वि	७	४७	२०	८	५२	२२	१९	१२	कुम्भे	भ.७।४७या.पुन.बुध:०।४१
८	श	४५	५०	पू	३७	२०	प्री	११	५३	बा	१२	५९	२१	८	५२	२३	२०	१३	मी२०।३५	
९	र	५२	६	उ	४५	०	आ	१४	८	तै	१८	५८	२१	८	५२	२४	२१	१४	मीने	मिथुनेऽर्क:४४।४०
१०	चं	५८	६	रे	५२	२८	सौ	१६	४७	व	२५	६	२२	८	५२	२५	२२	१५	मे.५२।२८	भ.२५/६उ.५६/६या.मिथुनेऽर्क:सौर:३।३
११	मं	६०	०	अ	५९	३१	शो	१९	३	ब	३०	५७	२२	८	५२	२६	२३	१६	मेषे	वक्रीबुध:१४/४६योगिनी११व्र.स्मा.
११	बु	३	४८	भ	६०	०	अ	२०	४९	बा	३	४८	२३	७	५३	२७	२४	१७	मेषे	वक्रीउषा.३शनि:१२/३४योगिनी११व्र.वै.
१२	गु	८	३०	भ	५	३५	सु	२१	४६	तै	८	३०	२३	७	५३	२८	२५	१८	वृ.२१।४६	प्रदोष:
१३	शु	११	४३	कृ	१०	१६	धृ	२१	३५	व	११	४३	२३	७	५३	२९	२६	१९	वृषे	भ.११/४३उ.४२/४२या.मीनेभौम:२०।५०
१४	श	१३	४०	रो	१४	०	शू	२०	३१	श	१३	४०	२४	७	५३	३०	२७	२०	मि४५।३	×बुधास्त:पश्चिमायां५९।४९सूर्यग्रहणम्
३०	र	१४	९	मृ	१६	६	गं	१८	८	ना	१४	९	२४	७	५३	३१	२८	२१	मिथुने	आर्द्रा.रवि:४३।३५वक्रीआर्द्रा.बुध:४८/३५ ×

९पं.आ.कृ.३चं.इ.३५।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	२	९	१	९	२	१
२४	२३	१७	२	१६	७	५	२३
७	३	१०	९	२८	५	३७	५१
१९	२५	१२	५८	४८	२४	४७	४०
५७	३४	३४	४/४४	३१/२२	२/४०	३	५७
२२	४१	२८	व.	व.	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

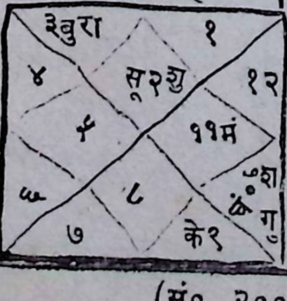

आषाढ कृष्णे ९ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

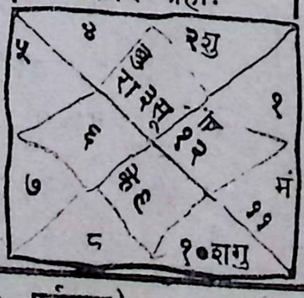

१०पं.आ.कृ.१०चं.इ.३५/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	९	१	९	२	२
०	२७	२०	१	१३	६	५	०
४८	२८	१०	३४	३	४५	१५	३०
३६	३४	५	५५	७	२२	३१	४९
५७	३३	२	५/५५	२१/१३	३/११	३	५६
१७	५२	४९	व.	व.	व.	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः३३६५स.२०२०
१	चं	१३	११	आ	१६	५५	बृ	१४	५२	ब	१३	११	३४/२४	५/७	६/५३	१	२९	२२	मिथुने	आर्द्रा.रविःसौरः४।३६चंद्रदर्शनम् =
२	मं	११	७	पु	१६	४१	ध्रु	१०	४३	कौ	११	७	२४	७	५३	२	१	२३	क.१।४४	जिल्काद११रथयात्रा
३	बु	८	१२	पु	१५	४०	व्या	५	५१	ग	८	१२	२४	७	५३	३	२	२४	कर्के	भ.३६।२३उ.मार्गीशुक्रः३४।१६
४	गु	४	३४	श्ले	१३	४०	ह	१४/०	५४/७	वि	४	३४	२३	७	५३	४	३	२५	सिं१३।४०	भ.४।३४या.उभा.भौमः२४।२७
५	शु	०	२२	म	११	१६	सि	४८	११	बा	०	२२	२३	७	५३	५	४	२६	सिंहे	[= भा. आषाढारंभः
६	शु	५५	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	श	५०	५४	पू	८	३५	व्य	४१	३४	ग	२३	२०	२२	८	५२	६	५	२७	कं.२२।५०	भ.५०।५४उ.
८	र	४५	४०	उ	५	३७	व	३४	४७	वि	१८	१७	२२	८	५२	७	६	२८	कन्यायां	भ.१८।१७या.
९	चं	४०	१०	ह	२/१७	५६/२९	प	२७	४०	बा	१२	५५	२१	८	५२	८	७	२९	तु.३०।३१	
१०	मं	३४	१८	स्वा	५४	४७	शि	२०	२६	तै	७	१४	२०	८	५२	९	८	३०	तुलायां	वक्रीउषा.१धनुषि गुरुः१३।२६
११	बु	२८	२९	वि	५०	५०	सि	१३	०	व	१	२३	१९	८	५२	१०	९	१	वृ.३६।४९	भ.१।२३उ.२८।२९या.जौलाई७ता.३१+
१२	गु	२२	३७	अ	४७	९	सा	४/०	५/५३	बा	२२	३७	१८	८	५२	११	१०	२	वृश्चिके	प्रदोषः [+देवशयनी११व्र.
१३	शु	१७	३	ज्ये	४३	५६	शु	५१	५४	तै	१७	३	१७	९	५१	१२	११	३	ध.४३।५६	
१४	श	१२	४	मू	४१	१९	ब्र	४५	४१	व	१२	४	१६	९	५१	१३	१२	४	धनुषि	भ.१२।४उ.४०।६या.वायुपरीक्षा
१५	र	८	८	पू	४०	९	ऐं	४०	४४	ब	८	८	१५	९	५१	१४	१३	५	म.५५।४३	पुन.रविः४२।२५व्यासपूजागुरु१५

११पं.आ.शु.१चं.इ.३५।२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	९	१	९	२	२
७	१	१९	०	११	६	४	७
२९	४७	४१	५२	२१	२१	५३	९
३१	२	२८	२६	५८	२९	१५	१६
५७	३३	२३/४४	६/४०	४/३५	३/५१	३	५६
१३	०	व	व.	व.	९	११	५४

गोचर ग्रहाः

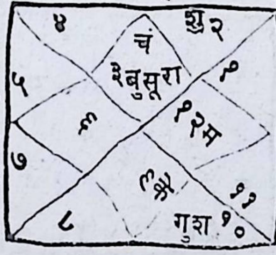

इस मास में कृष्णपक्ष में तिथि वृद्धि व शुक्ल पक्ष में तिथि क्षय धान्य गल्ला धातु वस्त्र रुई सूत में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.शु.९चं.इ.३५/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	९	१	९	२	२
१४	५	१६	०	११	५	४	१२
९	५७	२९	४	३०	५५	३१	४७
५८	३२	१७	४१	३६	२६	०	२१
५७	३१	३५/४४	२७/३	११/३७	४/६	३	५६
७	४४	व	व.	मा	व.	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा
१	चं	५	४३	उ	४०	२६	वै	३६	५५	कौ	५	४३	३४/१४	५/९	६/५१	१५	१४	६	मकरे	पुन.रविःसौरः८।३८
२	मं	४	४४	श्र	४२	१३	वि	३४	२५	ग	४	४४	१३	९	५१	१६	१५	७	मकरे	भ.३५।८उ.
३	बु	५	३३	ध	४५	३७	प्री	३३	२४	विं	५	३३	११	१०	५०	१७	१६	८	कुं.१३।५५	भ.५।३३या.चतुर्थी व्र.
४	गु	८	४	श	५०	४९	आ	३३	२२	बा	८	४	१०	१०	५०	१८	१७	९	कुम्भे	बुधोदयःपूर्वस्यां५३।०
५	शु	१२	१६	पू	५७	२०	सौ	३४	४०	तै	१२	१६	८	१०	५०	१९	१८	१०	मी४०।४३	नाग५मरुस्थले
६	श	१७	३०	उ	६०	०	शो	३६	२८	व	१७	३०	७	११	४९	२०	१९	११	मीने	भ.१७।३०उ.५०।३४या.
७	र	२३	३८	उ	४	२७	अ	३८	५५	ब	२३	३८	५	११	४९	२१	२०	१२	मीनें	
८	चं	२९	४४	रे	१२	५	सु	४१	१८	कौ	२९	४४	३	११	४९	२२	२१	१३	मे.१२।५	
९	मं	३५	३१	अ	१९	१८	धृ	४३	२९	तै	२	३७	१	१२	४८	२३	२२	१४	मेषे	मार्गीबुधः२।५४
१०	बु	४०	२३	भ	२६	७	शू	४४	५०	व	७	५७	३३/५९	१२	४८	२४	२३	१५	वृ.४२।२५	भ.७।५७उ.४०।२३या.
११	गु	४३	४६	कृ	३१	२१	गं	४५	४	ब	१२	४	५७	१३	४७	२५	२४	१६	वृषे	कर्केऽर्कः५१/११ (सौरः४२/१२)कामिका११व्र.
१२	शु	४५	४२	रो	३५	८	वृ	४४	११	कौ	१४	४४	५५	१३	४७	२६	२५	१७	वृषे	
१३	श	४५	४९	मृ	३७	१९	ध्रु	४१	५६	ग	१५	४६	५२	१४	४६	२७	२६	१८	मि६।१३	भ.४५/४९उ.रेवत्यांभौमः५६।४३प्रदोषः
१४	र	४४	२	आ	३७	४६	व्या	३८	१६	वि	१४	५६	५०	१४	४६	२८	२७	१९	मिथुने	भ.१४।५६या.पुष्येरविः४१।९
३०	चं	४०	५५	पु	३६	४२	ह	३३	२३	च	१२	२८	४८	१४	४६	२९	२८	२०	कं.२१।५८	पुष्येरविःसौरः१२।३हरियाली

१३पं.श्रा.कृ.१चं.इ.३५।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	८	१	९	२	२
२०	९	१२	२९	१३	५	४	२०
५०	५७	२९	१३	२४	२७	८	२५
२४	४०	३६	५	३६	४	४४	१५
५७	३०	३०/३८	५२/७	२५	४/२२	३	५६
७	४१	व.	व.	१९	व.	११	५०

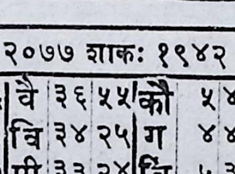

१४पं.श्रा.कृ.८चं.इ.३५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	८	१	९	२	२
२७	१३	११	२८	१६	४	३	२७
३०	२५	१५	१९	४०	५४	४६	३
४३	१४	०	१२	४१	४९	२९	२२
५७	२९	३/१	७/५२	३५	४/०	३	५६
११	२५	व.	व.	५०	व.	११	५४

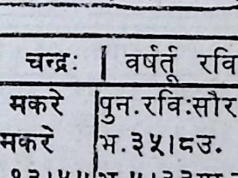

१५पं.श्रा.कृ.३०चं.इ.३५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	२	८	१	९	२	३
४	१७	१४	२७	२१	४	३	३
११	२५	१७	२५	३	२५	२४	४१
२८	१६	३५	१९	२५	४१	१३	४९
५७	२७	४४/२९	७/५२	४४	४/०	३	५६
१५	३८	मा	व.	०	व	११	५९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि. उ.अ.			भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३३९४सन् २०२०
१	मं	३६	२४	पु	३४	१४	व	२७	२१	किं	८	३९	३३/४५	५/१५	६/४५	३०	२९	२१	कर्के	मृग.३राहु:मूल.१केतु:५४।२९
२	बु	३१	८	श्ले	३०	५६	सि	२०	४६	बा	३	४६	४३	१५	४५	३१	३०	२२	सि३०।५६	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	२५	१६	म	२७	९	व्य	१३	२९	ग	२५	१६	४०	१६	४४	१	१	२३	सिंहे	भ.५/१ २/५ उ.मृगेशुक्र:भा:श्रावणारंभः +
४	शु	१९	१४	पू	२३	१०	व	५/५४	५२/२८	वि	१९	१४	३८	१६	४४	२	२	२४	क.३७।१०	भ.१९।१४या.वरद४
५	श	१३	२२	उ	१९	१०	शि	५१	३१	बा	१३	२२	३५	१७	४३	३	३	२५	कन्यायां	नागपंचमी [+जिल्हेज१२तीज
६	र	७	२१	ह	१५	२०	सि	४३	५०	तै	७	२१	३३	१७	४३	४	४	२६	तु ४३।३७	पुन.बुध:१/१ ९/६ वक्रीपूपा.४गुरु:४०।२६
७	चं	१	५०	चि	११	५३	सा	३६	४९	व	१	५०	३०	१८	४२	५	५	२७	तुलायां	भ.१।५०उ.२९।१२या.
८	चं	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
९	मं	५१	४९	स्वा	८	२९	शु	३०	१	बा	२४	११	२७	१९	४१	६	६	२८	वृ.५१।२४	
१०	बु	४७	२२	वि	५	४३	शु	२३	४७	तै	१९	४१	२४	१९	४१	७	७	२९	वृश्चिके	
११	गु	४३	२८	अ	३	२३	ब्र	१७	५२	व	१५	२६	२२	२०	४०	८	८	३०	वृश्चिके	भ १/२ ५/३ उ.४/३ ३/८ या.पवित्रा११व्र.
१२	शु	४०	१०	ज्ये	१	४२	ऐं	१२	१९	ब	११	४९	१९	२०	४०	९	९	३१	ध.१।४२	[=बुध:४/५ ८/० श्रावणीकर्मरक्षाबन्धनम् भद्रो.
१३	श	३७	४३	मू	०	३२	वै	७	२५	कौ	८	५६	१६	२१	३९	१०	१०	१	धनुषि	मिथुनेशुक्र:८ ३/३ अगस्तदता.३१प्रदोप:
१४	र	३६	२६	पू	०	८	वि	१८/३	५६/३७	ग	७	५	१३	२१	३९	११	११	२	म.१५।२३	भ.३/२ ६/६ उ.आश्ले.रवि:३/१ ८/० कर्केबुध:०।५७
१५	चं	३६	१६	उ	१	११	आ	५७	३५	वि	६	२१	१०	२२	३८	१२	१२	३	मकरे	भ ६।२१या.आश्ले.रवि सौर:१/५ २/० पुष्ये =

१६पं श्रा.शु.७चं.इ ३४/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	२	८	१	९	२	३
१०	२०	२१	२६	२६	३	३	१०
२२	४४	४७	३३	१६	५४	१	२१
३०	४९	४९	११	५९	२९	५७	६
५७	२५	८५	५/३१	४९	४/८०	३	५७
२०	४२	३५	व.	५९	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

श्रावणकृष्णे ११ गुरौ कर्केऽर्कःप्रविष्ट. वा.५ न.५बालावस्था(बैठी) मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.१५चं.इ. ३४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	८	२	९	२	३
१७	२३	२	२५	२	३	२	१७
३४	४५	५३	४४	८	२३	२९	०
१२	२२	४२	१३	२४	५६	४२	५४
५७	२३	५/८	६/४८	५४	४/२३	३	५७
२२	२८	५/९	व.	४२	व.	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि. उ. अ.			हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	मं	३७	२८	श्र	३	७	सौ	५६	३५	वा	६	५२	३३/७	५/२९	६/३७	१३	१३	४	कुं.३४।४८	वक्रीउषा.२शनि:२८।३३
२	बु	४०	१७	ध	६	२९	शो	५६	१३	तै	९	२२	४	२३	३७	१४	१४	५	कुंभे	बुधास्त:पूर्वस्यां२६।५६
३	गु	४४	१३	श	११	७	अ	५६	५९	व	१२	१४	०	२४	३६	१५	१५	६	कुंभे	भ.१२।१४उ.४४।१३या.
४	शु	४९	१६	पू	१७	१५	सु	५८	३७	ब	१६	४४	३३/५७	२५	३५	१६	१६	७	मी०।४३	चतुर्थीव्र.
५	श	५५	१२	उ	२४	७	धृ	६०	०	कौ	२२	१४	५४	२५	३५	१७	१७	८	मीने	आर्द्रा.शुक्र:४१।१३
६	र	६०	०	रे	३१	३६	धृ	०	४१	ग	२८	१८	५०	२६	३४	१८	१८	९	मे.३१।३६	चन्द्रषष्ठी
६	चं	१	२४	अ	३९	१२	शू	३	१२	व	१	२४	४७	२७	३३	२९	१९	१०	मेषे	भ.२/१ ४/१ उ.३/३ ४/० या.आश्ले.बुध:३२।५१
७	मं	७	३५	भ	४६	२१	गं	५	३७	ब	७	३५	४४	२७	३३	२०	२०	११	मेषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	बु	१३	०	कृ	५२	२९	वृ	७	३९	कौ	१३	०	४०	२८	३२	२१	२१	१२	वृ.२।५३	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	गु	१६	५५	रो	५७	१२	ध्रु	८	३५	ग	१६	५५	३७	२९	३१	२२	२२	१३	वृषे	भ.४८।१२उ.गोगा९
१०	शु	१९	२९	मृ	६०	०	व्या	८	२९	वि	१९	२९	३३	२९	३१	२३	२३	१४	मि२८।४७	भ.१९।२९या.
११	श	२०	६	मृ	०	२३	ह	७	१	बा	२०	६	३०	३०	३०	२४	२४	१५	मिथुने	अजा११व्र.
१२	र	१८	३८	आ	१	३४	व	५८/३	५५/२८	तै	१८	३८	२६	३१	२९	२५	२५	१६	क.४५।५८	मघा.सिंहेऽर्कः३/१ ३/२ वत्सद्वादशीप्रदोष:
१३	चं	१५	१७	पु	०/४६	५७/२६	व्य	५३	२०	व	१५	१७	२२	३२	२८	२६	२६	१७	कर्के	भ.१५।१७उ.४२।४३या.मघा.सिंहेऽर्क: ×
१४	मं	१०	८	श्ले	५४	६	व	४५	५८	श	१०	८	१९	३२	२८	२७	२७	१८	सि५४।६	[×सौर:९:१५मघा.सिंहेबुध:५।४५
३०	बु	३	४१	म	४९	०	प	३७	३५	ना	३	४१	१५	३३	२७	२८	२८	१९	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादि:

१८पं.भा.कृ.६चं.इः ३४/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	८	२	९	२	३
२४	२६	१६	२५	८	२	२	२३
१६	२६	३६	०	३०	५५	१७	४२
३७	१३	३२	२०	२२	२३	२६	१
५७	२१	७/२८	६/५	५८	४	३	५७
३३	५	८	व.	२५	८	११	२२

गोचर ग्रहाः

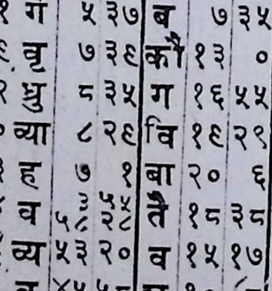

भाद्रपदकृष्णे१२ रवौ सिंहेऽर्कःप्रविष्ट:वा. ४ न. ५ प्रौढाऽवस्था (बैठी मु४५धान्यादि भावेसमघंताशुक्रोदय: पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

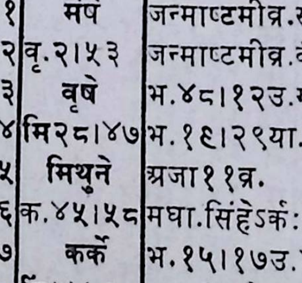

१९पं.भा.कृ.१३चं.इ. ३४/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	८	२	९	२	४
०	२८	०	२४	१५	२	१	०
५९	४२	५७	२३	१५	२९	५५	२४
५३	११	४०	१३	५४	२०	११	१४
५७	१७	०/२८	४/५१	६१	३/५२	३	५७
४०	५९	४३	व.	१२	व.	११	३४

CC0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:३४२४सं.२०२०
१	बु	५२	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=अश्वि.मेषेभौम:४०।१२गणेश च.
२	गु	४८	२६	पू	४३	१०	शि	२८	४७	बा	२२	२१	३२/५२	५/३४	६/२६	२९	२९	२०	क.५६।४१	चंद्रदर्शनम्
३	शु	४०	३५	उ	३७	१७	सि	१९	४६	तै	१४	३१	८	३४	२६	३०	१	२१	कन्यायां	मोहोरम१सन्१४४२हि.हरितालिका३
४	श	३३	५	ह	३१	४१	सा	१०	३२	व	६	५०	४	३५	२५	३१	२	२२	तु.५९।१२	भ.६।५०उ.३३।५या.पुन.शुक्र:२१।५=
५	र	२६	२	चि	२६	४३	शु	१/४५	५२/२	बा	२६	२	१	३६	२४	१	३	२३	तुलायां	पूफा.बुध:५२'२३भा.भाद्रपदारंभ:×
६	चं	१९	५०	स्वा	२२	२९	ब्र	४६	९	तै	१९	५०	३१/५७	३७	२३	२	४	२४	तुलायां	[×ऋषिपंचमी
७	मं	१४	३८	वि	१९	२	ऐं	३९	१५	व	१४	३८	५३	३७	२३	३	५	२५	वृ.४।५४	भ.१४।३८उ.४२।३२या.
८	बु	१०	२६	अ	१६	४६	वै	३३	२५	ब	१०	२६	४९	३८	२२	४	६	२६	वृश्चिके	[+कर्कशुक्र:५१/९५बुधोदय:पश्चिमायां५६/४
९	गु	७	१६	ज्ये	१५	२०	वि	२८	२१	कौ	७	१६	४६	३९	२१	५	७	२७	ध.१५।२०	[÷अनंत१४महालयारंभ:
१०	शु	४	५९	मू	१५	२	प्री	२४	५	ग	४	५९	४२	४०	२०	६	८	२८	धनुषि	भ.३४।२७उ.
११	श	३	५६	पू	१५	३६	आ	२०	३७	वि	३	५६	३८	४०	२०	७	९	२९	म.३१।६	भ.३/५६या.जलझूलनी११व्र.वामनजयंती
१२	र	४	५	उ	१७	३६	सौ	१८	१०	बा	४	५	३४	४१	१९	८	१०	३०	मकरे	पूर्फा.रवि:२१।४८ प्रदोष:
१३	चं	५	७	श्र	२०	२२	शो	१६	३१	तै	५	७	३०	४२	१८	९	११	३१	कुं.५२।२२	पूफा.रवि:सौर:०।६उफा.बुध:१६।७+
१४	मं	७	२३	ध	२४	२३	अ	१६	७	व	७	२३	२६	४३	१७	१०	१२	१	कुंभे	भ.७/२३उ.३९/०या.सितम्बर९ता.३०÷
१५	बु	१०	४५	श	२९	२६	सु	१५	४५	ब	१०	४५	२२	४४	१६	११	१३	२	कुंभे	कन्यायांबुध:८।२कु.संध्या.पूजनारंभ:

२०पं.भा.शु.६चं.इ. ३४/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	८	२	९	२	४
७	०	१४	२३	२२	२	१	७
४४	२८	३६	५३	२०	४	३२	७
२०	४४	५५	४२	४९	५९	५५	४२
३७	१५	०/८	३/५२	६३	३/२०	३	५७
४९	७	१५	व.	२७	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

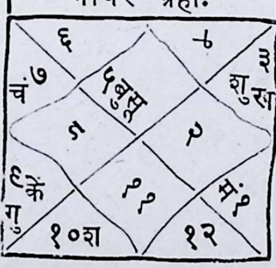

इस मास में वदि में धान्य गल्ला तेज होकर सुदि में गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ धातु मंदे होवें रस-कस गुड़ तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२१पं.भा.शु.१३चं.इ. ३४/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	८	२	९	२	४
१४	१	२७	२३	२९	१	१	१३
३०	४३	११	३२	४१	४५	१०	५२
०	२६	५६	५३	२४	११	३९	५४
५८	११	०/९	३/३७	६५	२/४१	३	५७
१	२६	०/२३	८	७	व.	११	५७

ति.	प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	गु	१५	१३	पू	३५	३२	धृ	१६	४१	कौ	१५	१३	३१/१८	५/४४	६/१६	१२	१४	३	मी१९।१	पुष्येशुक्र:५५।३३
२	शु	२०	२८	उ	४२	३	शू	१८	१५	ग	२०	२८	१५	४५	१५	१३	१५	४	मीने	भ.५३।२८उ.
३	श	२६	२९	रे	४९	३०	गं	२०	११	वि	२६	२९	११	४६	१४	१४	१६	५	मे.४९।३०	भ.२६।२९या. चतुर्थी व्र.
४	र	३२	३८	अ	५७	४	बृ	२२	३४	बा	३२	३८	७	४७	१३	१५	१७	६	मेषे	
५	चं	३८	५२	भ	६०	०	ध्रु	२५	१७	कौ	५	४५	३	४७	१३	१६	१८	७	मेषे	[Dवक्रीपूषा.३गुरु:१२।२९
६	मं	४४	४३	भ	४	३७	व्या	२७	२५	ग	११	४७	३०/५९	४८	१२	१७	१९	८	वृ.२१।२३	भ.४४।४३उ.हस्तेबुध:१८।४०D
७	बु	४९	२६	कृ	११	४१	ह	२९	६	वि	१७	४	५५	४९	११	१८	२०	९	वृषे	भ.१७।४या.
८	गु	५२	५८	रो	१७	३२	व	२९	५०	बा	२१	१२	५१	५०	१०	१९	२१	१०	मि४६।११	[Hपूपा.४गुरु:३६।४४सर्वपितृ३०
९	शु	५४	४०	मृ	२०	५१	सि	२९	३४	तै	२३	४६	४७	५१	९	२०	२२	११	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीना.श्रा.)
१०	श	५४	१८	आ	२४	२५	व्य	२७	५१	वं	२४	२९	४३	५१	९	२१	२३	१२	मिथुने	भ.२४।२९उ.५४।१८या.
११	र	५१	५३	पु	२४	४८	व	२४	२५	ब	२३	३५	३९	५२	८	२२	२४	१३	क.८।४३	उफा.रवि:६/१३(सौर:४४/४६)इंदिरा११व्र.
१२	चं	४७	२९	पु	२३	४१	प	१९	१७	कौ	१९	४१	३५	५३	७	२३	२५	१४	कर्के	[Aशुक्र:२।३८शस्त्रादि हतानांश्रा.
१३	मं	४१	१६	श्ले	२०	२२	शि	१२	४८	ग	१४	२२	३१	५४	६	२४	२६	१५	सिं२०।२२	भ.४/१६उ.मार्गीगुरु:४५/६८ प्रदोषः
१४	बु	३३	३१	म	१५	१२	सिं	४/३५	५०/५४	वि	७	२३	२७	५५	५	२५	२७	१६	सिंहे	भ.७।२३या.कन्यार्क:३१।३४आश्ले.A
३०	गु	२४	४९	पू	९	३	शु	४५	२६	ना	२४	४९	२२	५६	४	२६	२८	१७	कं.२२।१४	कन्यार्क:सौर:९।५७चित्रा.बुध:२/३ ६/३H

२२पं.प्र.आ.कृ.५चं.इ. ३३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	५	८	३	९	२	४
२१	२	८	२३	७	१	०	२०
१७	२४	४६	२०	१५	२८	४८	३९
२	४०	५९	४९	४	८	२४	३४
५८	८	९८	१/१७	६६	२/७	३	५८
१२	८	२	व.	३९	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

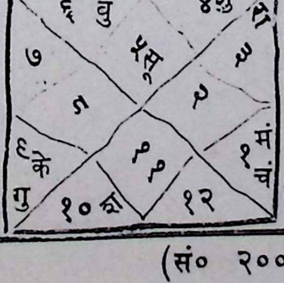

प्र. आश्विन कृष्णे १४ बुधे कन्यार्कः प्रविष्टः वा.४न.५वंध्याऽवस्था (ऊभी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

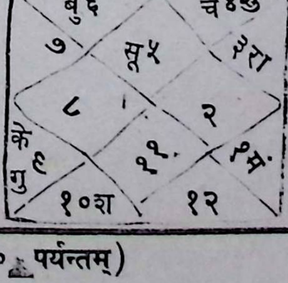

२३पं.प्र.आ.कृ.१२चं.इ. ३३/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	५	८	३	९	२	४
२८	२	१९	२३	१४	१	०	२७
५	२६	११	१८	५९	१६	२६	२७
२४	३८	१०	२५	३१	४४	८	५२
५८	४	८९	९/१६	६७	१/२८	३	५८
२६	९	९	व.	५३	व.	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४५३सन्२०२०
१	शु	१५	३१	उ	२/५	५२/४८	शु	३५	७	ब	१५	३१	३०/१८	५/५६	६/४	२७	२९	१८	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
२	श	६	१०	चि	४७	४९	ब्र	२४	५१	कौ	६	१०	१४	५७	३	२८	१	१९	तु.२१।१९	सफर२
३	श	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	र	४९	२९	स्वा	४१	२३	ऐं	१४	४४	व	२३	२८	९	५८	२	२९	२	२०	तुलायां	भ.२३।२८उ.४६।२६या.वक्रीभौम:४९/५०
५	चं	४१	३५	वि	३६	५	वै	५/२	५१/५०	ब	१५	३२	५	५९	१	३०	३	२१	वृ.२२।२५	
६	मं	३७	१२	अ	३२	१४	प्री	४९	३५	कौ	९	२३	३०/००	६/००	६/००	३१	४	२२	वृश्चिके	तुलायांबुध:१६/४२ मृग.२राहु:ज्येष्ठा.४=
७	बु	३३	१५	ज्ये	२९	४३	आ	४३	२६	ग	५	१३	२९/५६	६/५	५/५९	१	५	२३	ध.२९।४३	भ.३३।१५उ.भा.आश्विनारंभः
८	गु	३०	५६	मू	२८	५३	सौ	३८	४२	वि	२	५	५२	२	५८	२	६	२४	धनुषि	भ.२।५या. [=केतु:४६/५१
९	शु	३०	८	पू	२९	२८	शो	३५	५	बा	०	३२	४८	२	५८	३	७	२५	म.४४।५९	
१०	श	३०	५८	उ	३१	३२	अ	३२	४९	तै	०	३३	४४	३	५७	४	८	२६	मकरे	हस्तेरवि:४४।४३
११	र	३२	५९	श्र	३४	५८	सु	३१	३१	व	१	५८	४०	४	५६	५	९	२७	मकरे	भ.५८उ.३२/५९या.हस्तेरवि:सौर:२/१ ३/७×
१२	चं	३६	१३	ध	३९	३९	धृ	३१	२२	ब	४	३६	३६	५	५५	६	१०	२८	कुं.७।१९	मार्गीशनि:४६।४१
१३	मं	४०	३१	श	४५	१४	शू	३१	४७	कौ	८	२२	३२	६	५४	७	११	२९	कुम्भे	[×स्वात्यांबुध:४/६ सिंहेमघा.शुक्र:३/३ ९/१+
१४	बु	४५	४०	पू	५१	३७	गं	३२	४०	ग	१३	५	२८	६	५४	८	१२	३०	मी३५।१	भ.४५।४०उ. [+कमला११व्र.
१५	गु	५१	१७	उ	५८	२९	बृ	३४	२५	वि	१८	२९	२३	७	५३	९	१३	१	मीने	भ.१८।२९या. अक्टूबर१०ता.३१

२४पं.प्र.आ.शु.५चं.इ.३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	५	८	३	९	२	५
४	१	२९	२३	२२	१	०	४
५५	५३	४	२५	५३	९	३	१७
१६	२	३०	८	२	२२	५३	५९
५८	०	७७	१/१८	६८	०/३८	३	५८
३८	२०	१९	मा	२२	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

इल मास में धान्य गेहूं जौ चना मटर सरसों अलसी मटर आदि मंदे हो धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२५पं.प्र.आ.शु.१२चं.इ.३/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	०	६	८	४	९	१	५
११	०	७	२३	०	१	२९	११
४६	४६	२७	४१	५१	६	४१	९
५२	५	२५	१७	७	४६	३७	५८
५८	३/२	६२	२	६९	०/२	३	५९
५३	व	३८	४०	४०	व.	११	०

ति.	द्वि.आश्विनकृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेप्र.आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	शु	१७	२६	रे	६०	०	धु	३६	२८	बा	२४	२२	२९/१९	६/८	५/५२	१०	१४	२	मीने	
२	श	६०	०	रे	५	४९	व्या	३८	४४	तै	३०	३१	१५	९	५१	११	१५	३	मे.५।४९	
२	र	३	३७	अ	१३	१७	ह	४१	१३	ग	३	३७	११	१०	५०	१२	१६	४	मेषे	ग.३६।४६उ.
३	चं	९	५५	भ	२०	५३	व	४३	३३	वि	९	५५	७	११	४९	१३	१७	५	वृ.३७।४०	भ.६।५५या.चतुर्थी व्र.
४	मं	१५	४७	कृ	२८	०	सि	४५	२२	बा	१५	४७	३	११	४९	१४	१८	६	वृषे	
५	बु	२०	४४	रो	३४	१४	व्य	४६	३५	तै	२०	४४	२८/५९	१२	४८	१५	१९	७	वृषे	
६	गु	२४	५२	मृ	३९	४१	व	४७	१	व	२४	५२	५५	१३	४७	१६	२०	८	मि६।५८	भ.२४।५२उ.५६।१५या.
७	शु	२७	३८	आ	४३	३७	प	४६	२३	ब	२७	३८	५१	१४	४६	१७	२१	९	मिथुने	पूफा.शुक्र:१२।२
८	श	२८	३१	पु	४५	५४	शि	४४	२६	कौ	२८	३१	४७	१५	४५	१८	२२	१०	क.३०।२०	चित्रा.रवि:१६।४५(सौर:५३।१)
९	र	२७	३८	पु	४६	२६	सि	४०	५५	ग	२७	३८	४३	१५	४५	१९	२३	११	कर्के	भ.५६।६उ.
१०	चं	२४	४१	श्ले	४४	४८	सा	३५	५४	वि	२४	४१	३९	१६	४४	२०	२४	१२	सिं४४।४८	भ.२४।४१या.
११	मं	१९	५६	म	४१	२१	शु	२९	२१	बा	१९	५६	३५	१७	४३	२१	२५	१३	सिंहे	वक्रीबुध:१।४५कमला११व्र.
१२	बु	१३	१९	पू	३६	२४	शु	२१	१६	तै	१३	१९	३१	१८	४२	२२	२६	१४	कं.४९।४७	
१३	गु	५	२२	उ	२९	५८	ब्र	१२	१	व	५	२२	२७	१९	४१	२३	२७	१५	कन्यायां	भ.५।२२उ.३०।४३या.
१४	गु	५०	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	शु	४६	१९	ह	२२	२८	ऐं	१/४०	४९/१९	च	२१	११	२३	१९	४१	२४	२८	१६	तु.४८।३१	

२६पं.द्वि.आ.कृ.३चं.इ. ३/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	८	४	९	१	५
१८	२९	१४	२४	९	१	२९	१८
४०	८	७	६	३	९	११	३
८	६	१२	४०	११	०	२१	४५
५९	४/५९	४०	३	७०	०/०	३	५९
९	व.	२५	५९	२६	मा	११	१६

गोचर ग्रहाः

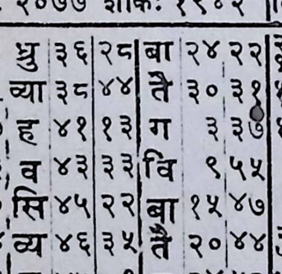

इस मास में धान्य गल्ला गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी गुड सक्कर आदि तेज हो।

गोचर ग्रहाः

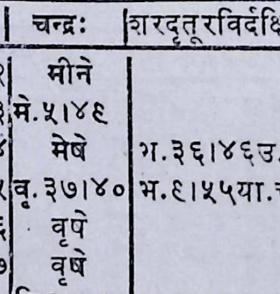

२७पं.द्वि.आ.कृ.१०चं.इ.३/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	११	६	८	४	९	१	५
२५	२७	१७	२४	१७	१	२८	२४
३५	१५	३५	४०	१८	१६	५७	५९
२	५४	४६	४१	१८	१	६	२७
५९	७/२०	४	५	७१	१	३	५९
२१	व	१४	७	५	३०	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः:३४८२स.२०२०
१	श	३६	२६	चि	१४	३५	वि	३९	४७	किं	११	२२	२८/२०	६/२०	५/४०	२५	२९	१७	तुलायां	तुलायामर्कः:०।३४(सौर:३५।४५)=
२	र	२६	५२	स्वा	६/४४	५२/४६	प्री	२८	५८	बा	१	३८	१६	२१	३९	२६	३०	१८	वृ ४६।१९	चन्द्रदर्शनम् [=नवरात्रारंभ:मातामहश्रा.
३	चं	१८	२३	अ	५३	३७	आ	१८	३७	ग	१८	२३	१२	२२	३८	२७	१	१९	वृश्चिके	भ.४४।३९उ.बुधास्त:पश्चिमायां३१।७×
४	मं	११	१६	ज्ये	४९	०	सौ	९	२१	वि	११	१६	८	२२	३८	२८	२	२०	ध.४९।०	भ.११।१६या.उफा.शुक्र:२४।२०
५	बु	५	४६	मू	४६	२५	शो	१/२८	५३/४०	बा	५	४६	४	२३	३७	२९	३	२१	धनुषि	[×रविलावल३
६	गु	२	७	पू	४५	२९	सु	५०	११	तै	२	७	०	२४	३६	३०	४	२२	धनुषि	[+कन्यायाँशुक्र:८।४९भा.कार्तिकारंभ:
७	शु	०	३३	उ	४६	३४	धृ	४६	४३	ब	०	३३	२७/५६	२५	३५	१	५	२३	म.०।४६	भ.०।३३उ.३०।४४या.स्वात्यांरवि:४/३ २/६+
८	श	०	५५	श्र	४९	४०	शू	४४	५६	ब	०	५५	५३	२५	३५	२	६	२४	मकरे	स्वात्यांरवि:सौर:१६।४८
९	र	३	१	ध	५४	१०	गं	४४	२२	कौ	३	१	४९	२६	३४	३	७	२५	कुं.२१।५५	
१०	चं	६	३२	श	५९	५३	वृ	४५	३	ग	६	३२	४५	२७	३३	४	८	२६	कुंभे	भ.३८।५९उ. [÷पापांकुशा११व्र.
११	मं	११	२६	पू	६०	०	ध्रु	४६	१४	वि	११	२६	४१	२८	३२	५	९	२७	मी४९।५०	भ.११।२६या.वक्री चित्रा.बुध:११।५१÷
१२	बु	१७	९	पू	६	२९	व्या	४८	१९	बा	१७	९	३७	२९	३१	६	१०	२८	मीने	प्रदोष:
१३	गु	२३	१३	उ	१३	४५	ह	५०	१५	तै	२३	१३	३४	२९	३१	७	११	२९	मीने	[Dशरद् पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.
१४	शु	२९	३७	रे	२१	१०	व	५२	३१	व	२९	३७	३०	३०	३०	८	१२	३०	मे.२१।१०	भ.३/३ ९/७उ.उषा.१गुरु:२/३ कोजागरी व्र.
१५	श	३५	५१	अ	२८	४१	सि	५४	४७	वि	२	४४	२७	३१	२९	९	१३	३१	मेषे	भ.२।४४या.हस्तेशुक्र:२५।६D

२८पं.द्वि.आ.शु.३चं.इ.३३/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	४	९	१	६
२	२५	१५	२५	२५	१	२८	१
३१	२०	२७	२२	३८	२७	३४	५६
२६	१०	४३	३४	४९	२२	५०	५२
५९	७/४४	५८/१	१	७१	२	३	५९
३४	व.	व.	१५	३२	११	११	४६

गोचर ग्रहाः

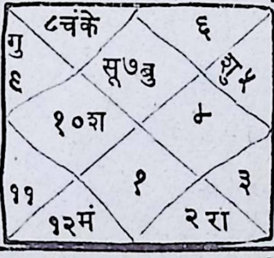

द्वि.आश्विन शुक्ले १ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय:पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

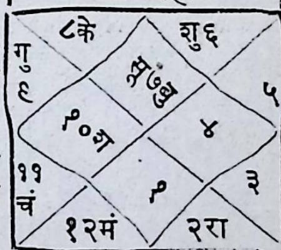

२९पं.द्वि.आ.शु.१०चइ.३/५ २/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	५	९	१	६
९	२३	७	२६	४	१	२८	८
२९	३५	३९	१२	४	४४	१२	५६
४२	४९	५०	३२	३४	१३	३५	१२
५९	६/५४	११/५९	७	७१	२	३	६०
४७	व.	व.	१३	५८	५१	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेद्वि.आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	र	४१	५२	भ	३६	१	व्य	५६	५५	बा	८	५२	२७/२३	६/३१	५/२९	१०	१४	१	वृ.५२।४९	बुधोदय:पूर्वस्यां२२।९ नवम्बर११ता.३०
२	चं	४७	३२	कृ	४३	१३	व	५८	३४	तै	१४	४२	१९	३२	२८	११	१५	२	वृषे	
३	मं	५२	१४	रो	४९	११	प	५९	३७	व	१९	५३	१६	३३	२७	१२	१६	३	वृषे	भ.१९।५३उ.५२।१४या.मार्गीबुध:५/०/१
४	बु	५६	१०	मृ	५४	३५	शि	५९	१४	ब	२४	१२	१२	३४	२६	१३	१७	४	मि२१।५३	करक चतुर्थी व्रतम्
५	गु	५८	५९	आ	५८	५८	सि	५९	५१	कौ	२७	३५	९	३४	२६	१४	१८	५	मिथुने	
६	शु	६०	०	पु	६०	०	सा	५८	३२	ग	२९	४७	५	३५	२५	१५	१९	६	क.४६।१९	विशा.रवि:३।२(सौर:३४।१२)
६	श	०	३४	पु	२	५	शु	५६	९	व	०	३४	२	३६	२४	१६	२०	७	कर्के	भ.०।३४उ.३०।३९या.
७	र	०	४३	पु	३	५४	शु	५२	२७	ब	०	४३	२६/५८	३६	२४	१७	२१	८	कर्के	
८	र	५८	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	चं	५६	१७	श्ले	४	८	ब्र	४७	३१	तै	२७	४७	५५	३७	२३	१८	२२	९	सिं४।८	
१०	मं	५१	२६	म	३/३८	५६/५८	ऐं	४१	८	व	२३	५१	५२	३८	२२	१९	२३	१०	सिंहे	भ.२३।५१उ.५१।२६या.
११	बु	४५	१७	उ	५५	११	वै	३३	३७	ब	१८	२१	४९	३८	२२	२०	२४	११	कं.१३।३०	स्वात्यांबुध:५/१ ६/२चित्राशुक्र:३/४ २/८रमा११व्र.
१२	गु	३७	३४	ह	४९	२०	वि	२४	५१	कौ	११	२५	४५	३९	२१	२१	२५	१२	कन्यायां	धन१३
१३	शु	२९	१	चि	४२	३२	प्री	१५	११	ग	३	१७	४२	४०	२०	२२	२६	१३	तु.१५।५६	भ.२/१ ९उ.५/१ ४/९या.मार्गीभौम:५/३ ५/१प्रदोष:+
१४	श	१९	३७	स्वा	३५	३	आ	४/३६	४९/२०	श	१९	३७	३९	४०	२०	२३	२७	१४	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम् [+रूप१४
३०	र	१०	५	वि	२७	२५	शो	४३	५	ना	१०	५	३६	४१	१९	२४	२८	१५	वृ.१४।२०	वृश्चिकेऽर्कः:५९।७ अन्नकूट गोवर्द्धन पूजा

३०पं.का.कृ.२चं.इ.३२।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	५	९	१	६
१६	२२	२	२७	१२	२	२७	१५
२९	१५	४	९	३३	४	५०	५७
२८	२५	८	२९	४३	५५	१९	१६
६०	५/१३	१२/३३	८	७२	३	३	६०
४	व.	व.	२४	१८	३२	११	१८

गोचर ग्रहाः

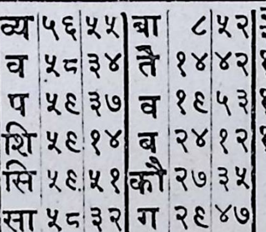

कार्तिककृष्णे ३०रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.२न.४ बालावस्था (वैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

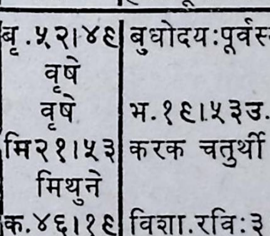

३१पं.का.कृ.९चं.इ.३/२ २/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	११	६	८	५	९	१	६
२३	२१	४	२८	२१	२	२७	२२
३०	२३	२४	१२	६	३०	२८	५९
५०	४९	५९	२२	२२	४७	३	४९
६०	३/६	५५/३५	९	७२	४	३	६०
१७	व.	मा	११	३८	१३	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूर्रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५१२स२०१२
१	चं	०	५३	अ	२०	२०	अ	३२	४३	ब	०	५३	२६/३३	६/४१	५/१९	२५	२९	१६	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कःसौरः२८।२९तुला.शुक्रः×
२	चं	५१	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×४६।३०चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	मं	४५	४३	ज्ये	१४	१६	सु	२३	१६	तै	१९	९	३०	४२	१८	२६	१	१७	ध.१४।१६	रविलाखर४ [+उषा.३शनिः११।५७
४	बु	४०	३६	मू	९	३६	धृ	१५	७	व	१३	१०	२७	४३	१७	२७	२	१८	धनुषि	भ.१३।१०उ.४०।३६या.
५	गु	३७	३९	पू	६	५५	शू	८	१६	ब	९	७	२५	४३	१७	२८	३	१९	स.२१।४६	अनु.रविः१७।२७(सौरः४५।१७)
६	शु	३६	५०	उ	६	१६	गं	३	२२	कौ	७	१४	२२	४४	१६	२९	४	२०	मकरे	उषा.२मकरे.गुरुः६।४८
७	श	३७	५४	श्र	७	८	बृ	०/३	५८/१५	ग	७	२५	१९	४४	१६	३०	५	२१	कुं.३९।२८	भ.३७।५४उ.विशा.बुधः३१।१४+
८	र	४१	३	ध	११	१२	व्या	५८	२५	वि	९	२८	१७	४५	१५	१	६	२२	कुंभे	भ.९।२८या.स्वात्यांशुक्रः८।४९भा.मा-÷
९	चं	४५	४७	श	१६	७	ह	५९	२	बा	१३	२५	१४	४५	१५	२	७	२३	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९ [÷शीर्षारंभःगोपाष्टमी
१०	मं	५१	४१	पू	२२	२९	व	६०	०	तै	१८	४४	१२	४६	१४	३	८	२४	मी५।५४	मृग.१राहुःज्येष्ठा.३केतुः३८।२७
११	बु	५७	५७	उ	२९	५५	व	०	४७	व	२४	४९	९	४६	१४	४	९	२५	मीने	भ.३४/४९उ.५७/५७या.प्रबोधिनी११व्र.A
१२	गु	६०	०	रे	३७	२३	सि	२	५७	ब	३१	१७	७	४७	१३	५	१०	२६	मे.३७।२३	बुधास्तःपूर्वस्यां३२।११
१२	शु	४	३८	अ	४५	४	व्य	५	२१	बा	४	३८	५	४७	१३	६	११	२७	मेषे	प्रदोषः [Aतुलसी विवाहः
१३	श	१०	५५	भ	५२	२५	व	७	३३	तै	१०	५५	२	४८	१२	७	१२	२८	मेषे	वृश्चिकेबुधः३।५१वैकुंठ१४
१४	र	१६	४९	कृ	५९	३	प	९	२९	व	१६	४९	०	४८	१२	८	१३	२९	वृ.९।१४	भ.१६।४१उ.४९।२४या.
१५	चं	२१	५९	रो	६०	०	शि	१०	५३	व	२१	५९	२५/५८	४८	१२	९	१४	३०	वृषे	अनु.बुधः८।१२मन्वादिःका.स्ना.पूर्तिः

३२पं.का.शु १चं.इ.३२।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	६	८	५	९	१	७
०	२१	१२	२९	२९	२	२७	०
३३	१८	४४	२१	४२	५९	५	३
२९	५४	६	४३	२९	५३	४८	५३
६०	१/५	८१	९	७२	४	३	६०
३०	मा	४१	५५	५६	४७	११	४०

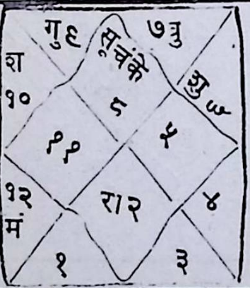

३३पं.का.शु.९चं.इ.३२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	६	९	६	९	१	७
७	२१	२३	०	८	३	२६	७
३७	४७	४	३६	२२	३२	४३	९
२६	३१	३०	२९	१२	६	३२	२६
६०	५	९१	१०	७३	५	३	६०
४२	२२	३९	४०	१४	११	११	५३

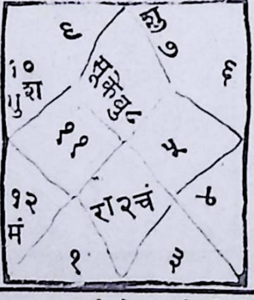

३४पं.का.शु.१५चं.इ.३१/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	९	६	९	१	७
१४	२२	३	१	१७	४	२६	१४
४२	५४	५६	५६	३	९	२१	१६
४०	६	६	३५	४७	१४	१७	१२
६०	९	९५	११	७३	५	३	६१
५०	२	४४	१८	२०	४०	११	३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूर्रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	मं	२६	२	रो	४	४९	सि	११	३५	कौ	२६	२	२५/५६	६/४९	५/११	१०	१५	१	मि३७।१४	दिसम्बर१२ता.३१
२	बु	२९	१६	मृ	९	३८	सा	११	३४	ग	२९	१६	५४	४९	११	११	१६	२	मिथुने	ज्येष्ठा.रविः२७।३४(सौरः५३।११)=
३	गु	३१	२७	आ	१३	३३	शु	१०	४७	व	०	२२	५३	४९	११	१२	१७	३	मिथुने	भ.०।२२उ.३१।२७या. चतुर्थी व्रतम्
४	शु	३२	२५	पु	१६	२१	शु	९	११	व	१	५६	५१	५०	१०	१३	१८	४	क.०।३९	[=विशा.शुक्रः५६।०
५	श	३२	२८	पु	१८	१०	ब्र	६	४९	कौ	२	२६	४९	५०	१०	१४	१९	५	कर्के	
६	र	३१	२५	श्ले	१९	४	ऐं	३/२९	५५/५०	ग	१	५६	४८	५०	१०	१५	२०	६	सिं१९।४	भ.३१।२५उ.
७	चं	२९	१७	म	१८	५०	वि	५४	५	वि	०	२१	४६	५१	९	१६	२१	७	सिंहे	भ.०।२१या.उषा.३गुरुः२७।३१
८	मं	२५	५५	पू	१७	१७	प्री	४८	१	कौ	२५	५५	४५	५१	९	१७	२२	८	कं.३१।३६	ज्येष्ठा.बुधः३७।४४
९	बु	२१	२८	उ	१४	३५	अ	४१	१	ग	२१	२८	४४	५१	९	१८	२३	९	कन्यायां	भ.४८।३४उ.
१०	गु	१५	४०	ह	१०	४७	सौ	३३	१३	वि	१५	४०	४३	५१	९	१९	२४	१०	तु.३८।२३	भ.१५।४०या.वृश्चिकेशुक्रः५८।१६
११	शु	९	५	चि	५	५९	शो	२४	२५	बा	९	५	४२	५२	८	२०	२५	११	तुलायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	श	१	३१	स्वा	०/१	५४/७	अ	१५	९	तै	१	३१	४१	५२	८	२१	२६	१२	बृ.४०।३६	भ.५३।२७उ. प्रदोषः
१३	श	५१	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	र	४५	१३	अ	४७	४८	सु	५/१५	५०/१२	वि	१९	२०	४०	५२	८	२२	२७	१३	वृश्चिके	भ.१९।२०या.अनु.शुक्रः३३।५८
३०	चं	३७	१६	ज्ये	४१	४२	शू	४५	५२	च	११	१४	३९	५२	८	२३	२८	१४	ध.४१।४२	

३५पं.मा.कृ.७चं.इ.३१।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	९	६	९	१	७
२१	२४	१४	३	२५	४	२५	२१
४८	२९	५१	२०	४६	४८	५९	२३
४३	६	५८	४९	४१	५०	१	५४
६०	१२	९८	११	७३	६	३	६१
५६	५९	२	५७	३३	४	११	११

गोचर ग्रहाः

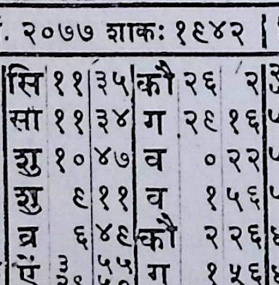

इस मास म कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्लपक्ष की तिथि वृद्धि धान्य बाजरा मूंग मोठ गल्ला धातु रसकस तेज हो।

गोचर ग्रहाः

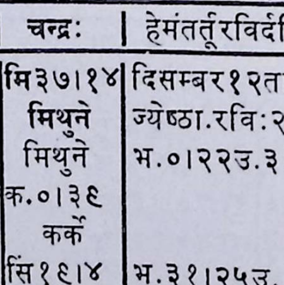

३६पं.मा.कृ.३०चं.इ.३१/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	९	७	९	१	७
२८	२६	२५	४	४	५	२५	२८
५५	३२	५४	४८	३०	३०	३६	३२
३७	३५	३६	३२	३६	४३	४५	३७
६१	१६	९९	१२	७३	६	३	६१
०	३६	२२	२०	४४	२६	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५४१स.२०२०
१	मं	३०	९	मू	३६	३०	गं	३७	२	किं	३	४३	३५/३९	५६/५२	५/८	२४	२९	१५	धनुषि	मूलेधनुष्यर्कः३४।४९(सौरः५७।१)
२	बु	२४	२२	पू	३२	३६	वृ	२९	२५	कौ	२४	२२	३८	५२	८	२५	३०	१६	म.४७।१	मूलेधनुषिबुधः५९।४६चंद्रदर्शनम्
३	गु	२०	१४	उ	३०	१५	धु	२३	०	ग	२०	१४	३८	५२	८	२६	१	१७	मकरे	भ.४९।२०उ.जमादिलावल५
४	शु	१८	२६	श्र	३०	११	व्या	१८	६	वि	१८	२६	३७	५३	७	२७	२	१८	मकरे	भ.१८।२६या.
५	श	१८	२९	ध	३२	८	ह	१४	५६	बा	१८	२९	३७	५३	७	२८	३	१९	कुं.१।१०	
६	र	२०	३६	श	३५	५६	व	१३	४४	तै	२०	३६	३६	५३	७	२९	४	२०	कुम्भे	चंपा६
७	चं	२४	३७	पू	४१	२२	सि	१३	२६	व	२४	३७	३६	५३	७	३०	५	२१	मी२५।१	भ.२४।३७उ.५७।२१या.
८	मं	३०	४	उ	४८	१०	व्य	१३	४९	ब	३०	४	३६	५३	७	१	६	२२	मीने	भा.पौषारंभः
९	बु	३६	१५	रे	५५	२८	व	१६	२६	बा	३	१०	३६	५३	७	२	७	२३	मे.५५।२८	उषा.४गुरुः८।२८
१०	गु	४२	५४	अ	६०	०	प	१८	३८	तै	९	३४	३७	५३	७	३	८	२४	मेषे	ज्येष्ठाशुक्रः१/७अश्वि.मेषेभोमः३६।२२
११	शु	४९	१७	अ	३	१०	शि	२०	५५	व	१६	५	३७	५३	७	४	९	२५	मेषे	भ.१६।५उ.४९।१७या.पूषा.बुधः४/४० ×
१२	श	५५	८	भ	१०	३४	सि	२२	५०	व	२२	१३	३७	५३	७	५	१०	२६	वृ.२७।१६	[×उषा.४शनिः३/३ ५/१मोक्षदा११व्र.गीताजयं.
१३	र	६०	०	कृ	१७	२०	सा	२४	१९	कौ	२७	४८	३८	५२	८	६	११	२७	वृषे	प्रदोषः
१३	चं	०	२८	रो	२३	१	शु	२४	५७	तै	०	२८	३८	५२	८	७	१२	२८	मि५५।१३	पूषा.रविः३९।४९(सौरः५८।३९)
१४	मं	३	३७	मृ	२७	२६	शु	२४	२७	व	३	३७	३९	५२	८	८	१३	२९	मिथुने	भ.३।३७उ.३४।४९या.दत्तजयंती
१५	बु	६	१	आ	३०	३७	ब्र	२३	११	ब	६	१	४०	५२	८	९	१४	३०	मिथुने	

३७पं.मा.शु.५चं.इ.३१।१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	९	७	९	१	८
६	२८	६	६	१३	६	२५	५
३	५८	५३	१९	१६	१४	१४	४२
१४	४४	१३	१९	१	२४	३०	२
६१	१९	०	१२	७३	६	३	६१
४	५१	४१	४६	५०	३८	११	२२

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले१ भौमे धनुष्यऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

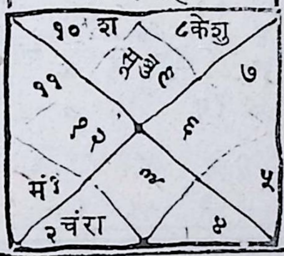

३८पं.मा.शु.१३चं.इ.३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	७	९	१	८
१३	१	१८	७	२२	७	२४	१२
११	४५	७	५३	१	०	५२	५१
१३	११	१	१७	४१	२९	१४	५४
६१	२२	०	१३	७२	६	३	६१
६	२०	२	८	५६	५६	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	गु	७	४	पु	३२	३७	ऐं	२१	१	कौ	७	४	२५/४१	५६/५२	५/८	१०	१५	३१	क.१७।७	
२	शु	७	४	पु	३३	३३	वै	१७	४०	ग	७	४	४२	५२	८	११	१६	१	कर्के	भ.३/२ ६/७उ.जनवरी१ता.३१सन्२०२१
३	श	५	५३	श्ले	३३	४१	वि	१३	३४	वि	५	५३	४३	५१	९	१२	१७	२	सिं३३।४१	भ.५।५३या.उषा.बुधः४८।२१चतुर्थीव्र.
४	र	३	४९	म	३२	५०	प्री	९	२	बा	३	४९	४४	५१	९	१३	१८	३	सिंहे	मूलेधनुषिशुक्रः५२।१३
५	चं	१	४	पू	३१	२१	आ	४२/३	५४/११	तै	१	४	४५	५१	९	१४	१९	४	कं.४५।४७	भ.५७।४२उ.मकरेबुधः४७।५१
६	चं	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	मं	५३	५०	उ	२९	७	शो	५१	३५	वि	२५	४६	४७	५१	९	१५	२०	५	कन्यायां	भ.२५।४६या.
८	बु	४६	६	ह	२६	२९	अ	४४	३४	बा	२१	२८	४८	५०	१०	१६	२१	६	तु.५४।५०	श्रवण.१गुरुः५०।५
९	गु	४४	४	चि	२३	११	सु	३७	२७	तै	१६	३५	५०	५०	१०	१७	२२	७	तुलायां	अस्तंशने:१६।२१
१०	शु	३८	२४	स्वा	१९	१९	धृ	२९	४०	व	११	१४	५२	५०	१०	१८	२३	८	तुलायां	भ.११।१४उ.३८।२४या.
११	श	३२	१०	वि	१५	८	शू	२१	३७	ब	५	१७	५३	४९	११	१९	२४	९	वृ.१।११	सफला११व्र.
१२	र	२५	४७	अ	१०	२२	गं	१३	१८	तै	२५	४७	५५	४९	११	२०	२५	१०	वृश्चिके	उषा.रविः४४।३४श्रवणेबुधः५३।४८ A
१३	चं	१९	२६	ज्ये	५	४०	वृ	५/१	५२/३	व	१९	२६	५७	४९	११	२१	२६	११	ध.५।४०	भ.१/२ ९/६उ.४/३ ६/४या.उषा.रविःसौरः०।६
१४	मं	१३	४२	मू	२९/१	५६/४२	व्या	४९	३२	श	१३	४२	५९	४८	१२	२२	२७	१२	धनुषि	[Aबुधोदयःपश्चिमायां३६।३६प्रदोषः
३०	बु	८	२३	उ	५५	४०	ह	४३	४	ना	८	२३	२६/१	४८	१२	२३	२८	१३	म.१२।३३	

३९पं.पौ.कृ.५चं.इ.३१/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	९	८	९	१	८
२०	४	२९	९	०	७	२४	२०
१९	४६	३१	२९	४७	४८	२९	१
२६	१९	४८	६	५३	७	५९	५१
६१	२४	०	१३	७४	७	३	६१
६	२०	३५	२०	२	८	११	२६

गोचर ग्रहाः

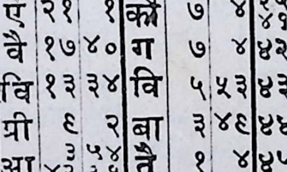

भूमि पुत्रो यदा मेषे सुभिक्षंसर्वधान्यकम् । प्रवालानि महर्घाणि क्रोधवन्तो भवेन्नृपाः । इस मास में धान्य में मंदी रहे ।

गोचर ग्रहाः

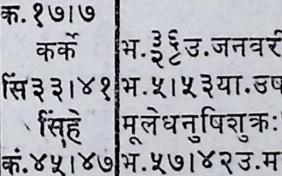

४०पं.पौ.कृ.१३चं.इ.३१/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	९	९	८	९	१	८
२७	८	११	११	९	८	२४	२७
२७	१	०	६	३४	३६	७	११
२२	३०	३६	३२	३४	१४	४३	४३
६१	२६	९७	१३	७४	७	३	६१
६	२०	४५	३१	८	१४	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३५७१स.२०२१
१	गु	४	२६	श्र	५४	४६	व	३७	४६	ब	४	२६	२६/४	६/४७	५/१३	२४	२९	१४	मकरे	मकरेऽर्कः०।५८(सौरः१५।३३)पूषा D
२	शु	२	१५	ध	५५	३२	सि	३३	४८	कौ	२	१५	६	४७	१३	२५	१	१५	कुं.२५।१०	जमादिलाखर६ [Dशुक्रः३३/६चंद्रदर्शनम्
३	श	१	४८	श	५८	२२	व्य	३१	७	ग	१	४८	८	४६	१४	२६	२	१६	कुम्भे	भ.३२।३०उ.
४	र	३	१२	पू	६०	०	व	३०	५	वि	३	१२	११	४६	१४	२७	३	१७	मी४६।४१	भ.३।१२या.
५	चं	६	२६	पू	२	४७	प	३०	२०	बा	६	२६	१३	४५	१५	२८	४	१८	मीने	+(सौरः५४/७)श्रव.रविःसौरः५०/३पुत्र.११व्र
६	मं	११	१४	उ	८	४२	शि	३१	४४	तै	११	१४	१६	४५	१५	२९	५	१९	मीने	धनिबुधः३७/४अस्तंगुरोः७।४८
७	बु	१७	२	रे	१५	३४	सि	३३	३२	व	१७	२	१९	४४	१६	३०	६	२०	मे.१५।३४	भ.१७/२उ.५०/१६या.अभि.प्र.रविः३५।२८ ÷
८	गु	२३	२९	अ	२३	११	सा	३५	५०	ब	२३	२९	२१	४४	१६	१	७	२१	मेषे	श्रवण२गुरुः५।५१भा.माघारंभः
९	शु	२९	५५	भ	३०	४४	शु	३८	५	कौ	२९	५५	२४	४३	१७	२	८	२२	वृ.४७।३०	भरण्यांभौमः५।१४[÷(सौरः४६।५४)
१०	श	३६	२	कृ	३७	४८	शु	३९	४४	तै	२	५८	२७	४३	१७	३	९	२३	वृषे	श्रवणेरविः५०।५श्रवण.१शनिः१७।३१
११	र	४०	५६	रो	४३	४३	ब्र	४०	३५	व	८	२९	२९	४२	१८	४	१०	२४	वृषे	भ.२९/८उ.४०/१६या.अभि.नि.रविः४२।२० +
१२	चं	४४	२३	मृ	४८	२१	ऐं	४०	२१	ब	१२	४०	३२	४२	१८	५	११	२५	मि१६।२	कुंभेबुधः१६।४९उषा.शुक्रः६।३
१३	मं	४६	२६	आ	५१	३२	वै	३८	५२	कौ	१५	२५	३५	४१	१९	६	१२	२६	मिथुने	रोहिणी.४राहुःज्येष्ठा.२केतुः३/२०प्रदोषः
१४	बु	४६	४७	पु	५२	५९	वि	३६	११	ग	१६	३७	३८	४०	२०	७	१३	२७	क३७।३७	भ.४६।४७उ.मकरेशुक्रः५०।२१
१५	गु	४५	२६	पु	५३	१	प्री	३२	१६	वि	१६	४	४१	४०	२०	८	१४	२८	कर्के	भ.१६।४या.मा.स्ना.प्रा.

४१पं.पौ.शु.५चं.इ.३०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	८	९	१	९
४	११	२१	१२	१८	९	२३	४
३५	२८	५८	४५	२०	२६	४५	२१
१३	१	२३	४	४६	२०	२७	१२
६१	२८	८६	१३	७४	७	३	६१
३	११	४६	३२	१४	२०	११	१९

गोचर ग्रहाः

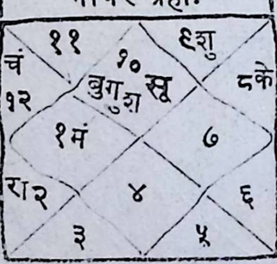

पौष शुक्ले १ गुरौ मकरेऽर्कःप्रविष्टःवा३न. ४ बालाऽवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादिभावें समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

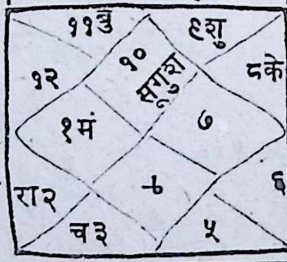

४२पं.पौ.शु.१२चं.इ.३/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	८	९	१	९
११	१५	०	१४	२७	१०	२३	११
४२	१	१३	२४	७	१६	२३	३०
४०	५५	१	४३	२३	१९	१२	३
६०	२९	५५	१३	७४	७	३	६१
५९	४३	१	३८	२०	२०	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	४३	३	श्ले	५१	५९	आ	२७	२४	बा	१४	१४	२६/४५	६/३९	५/२१	९	१५	२९	सिं५१।५९	
२	श	३९	२५	म	४६	४५	सौ	२१	३४	तै	११	१४	४८	३८	२२	१०	१६	३०	सिंहे	वक्रीबुधः२६।३८
३	र	३५	४	पू	४६	५६	शो	१५	१३	व	७	१४	५१	३८	२२	११	१७	३१	सिंहे	भ.७।१४उ.३५।४या.
४	चं	३०	१७	उ	४३	४७	अ	८	२३	ब	२	४०	५४	३७	२३	१२	१८	१	कं.११९	बुधास्तःपश्चिमायां३३।४५फर्वरी २ *
५	मं	२५	२२	ह	४०	३८	सु	१/१८	५२/३१	तै	२५	२२	५८	३६	२४	१३	१९	२	कन्यायां	[* ता.२८चतुर्थी व्र.
६	बु	२०	१७	चि	३७	११	शू	४७	०	व	२०	१७	२७/१	३६	२४	१४	२०	३	तु.८।५५	भ.२०।१७उ.४७।४७या.
७	गु	१५	१६	स्वा	३३	४०	गं	३९	४६	ब	१५	१६	५	३५	२५	१५	२१	४	तुलायां	श्रवणेशुक्रः४८।२९श्रवण.३गुरुः१०।२
८	शु	१०	२५	वि	३०	२६	वृ	३२	४१	कौ	१०	२५	८	३४	२६	१६	२२	५	वृ.१६।१५	वनि.रविः२६वक्रीमकरेबुधः२९।२२
९	श	५	२०	अ	२७	१३	ध्रु	२५	३१	ग	५	२०	१२	३४	२६	१७	२३	६	वृश्चिके	भ.३२।५३उ.धनि रविःसौरः८।४०
१०	र	०	२७	ज्ये	२४	१६	व्या	१८	४७	वि	०	२७	१५	३३	२७	१८	२४	७	ध.२४।१६	भ.०।२७या.पट्तिला११व्र.स्मा.
११	र	५५	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	चं	५१	३३	मू	२१	२७	ह	१३	४	कौ	२३	४१	१९	३२	२८	१९	२५	८	धनुषि	पट्तिला११व्र.वै.
१३	मं	४८	२	पू	१९	१६	व	५/५९	५/२३	ग	१९	४७	२३	३१	२९	२०	२६	९	म.३३।५४	भ.४८।२उ.उदयंशनेः३८।५०प्रदोषः
१४	बु	४५	३५	उ	१७	४९	व्य	५५	३१	वि	१६	४८	२७	३१	२९	२१	२७	१०	मकरे	भ.१६।४८या.वक्रीश्रवणेबुधः२२।३८
३०	गु	४३	४९	श्र	१७	२४	व	५१	४७	च	१४	४२	३०	३०	३०	२२	२८	११	कुं.४७।५८	

४३पं.मा.कृ.४चं.इ.३१।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	१०	९	९	९	१	९
१८	१८	१	१६	५	११	२३	१८
४९	४५	५२	३	५५	६	०	३८
१६	२९	५५	५४	१२	४	५६	९
६०	३१	२३/११	१३	७४	७	३	६१
५५	५	व.	३८	२६	२०	११	४

गोचर ग्रहाः

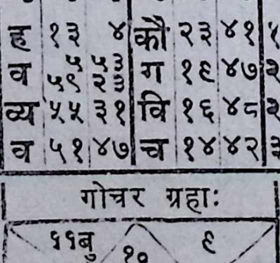

इस मास में शनिवार का चन्द्र दर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत तेंज हो धान्य व गल्ला मंदा होवे ।

गोचर ग्रहाः

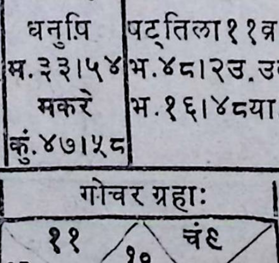

४४पं.मा.कृ.१२चं.इ.३१/९९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	९	९	९	१	९
२५	२२	२५	१७	१४	११	२२	२५
५५	३४	३१	४३	३९	५५	३८	४४
१	१६	५८	३२	२९	१९	४१	५६
६०	३१	६१/५०	१३	७४	७	३	६०
४७	५८	व.	२२	२६	१२	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३६००स.२०२१
१	शु	४३	३१	ध	१८	३२	प	४९	८	किं	१३	४०	३७/३४	२९	३५	२३	२९	१२	कुंभे	कुंभेऽर्कः३३।४९(सौरः४२।३८)
२	श	४४	५४	श	२०	५२	शि	४७	५७	बा	१४	१३	३८	२८	३२	२४	३०	१३	कुंभे	चंद्रदर्शनम्शुक्रास्तःपूर्वस्यां३३।०
३	र	४८	०	पू	२४	४७	सि	४७	२३	तै	१६	२७	४१	२८	३२	२५	१	१४	मी८।४८	बुधोदयःपूर्वस्यां४५।१६रज्जव७
४	चं	५२	२५	उ	३०	७	सा	४७	५८	व	२०	१३	४५	२७	३३	२६	२	१५	मीने	भ.२१/१३उ.५२/२५या.धनि.शुक्रः२९/२कृत्ति. =
५	मं	५७	५२	रे	३६	३९	शु	४९	१	ब	२५	८	४९	२६	३४	२७	३	१६	मे.३६।३९	उदयंगुरोः१५।०वसंत५
६	बु	६०	०	अ	४३	४९	शु	५१	५४	कौ	३१	१	५३	२५	३५	२८	४	१७	मेषे	[=भौमः५४।२९
६	गु	४	१०	भ	५१	२९	ब्र	५४	१०	तै	४	१०	५६	२५	३५	२९	५	१८	मेषे	श्रवण४गुरुः१७।०
७	शु	१०	४५	कृ	५८	५६	ऐं	५६	१९	व	१०	४५	२०/०	२४	३६	३०	६	१९	वृ.८।२०	भ.१/४०उ.४३/५२या.शतेरविः५९/५(सौरः१/० ×
८	श	१६	५८	रो	६०	०	वै	५७	५०	व	१६	५८	४	२३	३७	१	७	२०	वृषे	कुंभेशुक्रः४९/१६श्रवण.२शनिः५२/२६भा. ÷
९	र	२२	१६	रो	५	३३	वि	५८	१०	कौ	२२	१६	८	२२	३८	२	८	२१	मि. ३८/१०	बृषेभौमः५५/४९ [×भानु७रथ७
१०	चं	२६	२	मृ	१०	४६	प्री	५७	२८	ग	२६	२	१२	२२	३८	३	९	२२	मिथुने	भ ५७।१२उ.मार्गीबुधः८।४६
११	मं	२८	२२	आ	१४	३८	आ	५५	२२	वि	२८	२२	१६	२१	३९	४	१०	२३	मिथुने	भ.२८।२२या.जया११व्र.
१२	बु	२८	४६	पु	१६	३६	सौ	५१	३७	बा	२८	४६	२०	२०	४०	५	११	२४	क.१७	प्रदोषः
१३	गु	२७	७	पु	१६	३८	शो	४७	२४	तै	२७	७	२४	१९	४१	६	१२	२५	कर्के	[÷फाल्गुनारंभःभीष्माष्टमी
१४	शु	२३	४५	श्ले	१४	५९	अ	४०	८	व	२३	४५	२८	१८	४२	७	१३	२६	सिं१४।५९	भ.२३/४५उ.५१/१९या.शतेशुक्रः६।२
१५	श	१८	५२	म	१२	९	सु	३२	४३	ब	१८	५२	३२	१८	४२	८	१४	२७	सिंहे	मा.स्ना.पूर्तिः

४५पं.मा.शु.४चं.इ.३१।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	९	९	९	१	१०
२	२६	१८	१९	२३	१२	२२	२
५९	२७	३६	२२	२४	४४	१६	३०
४९	३६	१८	४४	२२	३५	२१	५९
६०	३२	४०/४०	१३	७४	७	३	६०
३७	५२	व्र.	३१	२६	२	११	४२

गोचर ग्रहाः

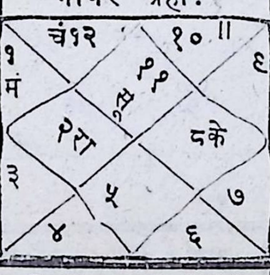

=बुशुगश

माघ शुक्ले १ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी)मु.१५ धान्यादि भावेमहर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४६पं.मा.शु.१०चं.इ.३१/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	९	१०	९	१	१०
१०	०	१७	२१	२	१३	२१	९
३	२५	२	०	११	३१	५४	५५
२२	४८	४९	३६	२	१९	९	३२
६०	३३	४६/२	१३	७४	६	३	६०
२५	३८	मा	२०	३२	५०	११	२१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महाराष्ट्रा
१	र	१२	५९	पू	७	५०	धृ	२४	३५	कौ	१२	५९	३८/३६	६/१७	५/४३	९	१५	२८	कं२१।३८	
२	चं	६	२५	उ	३/४	५४/५३	शू	१६	२	ग	६	२५	४०	१६	४४	१०	१६	१	कन्यायां	भ.३३/०उ.५९/३४या.मार्च३ता.३१
३	चं	५३	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं	५२	४३	चि	५३	६	गं	७/३४	५५/३१	ब	२६	८	४४	१५	४५	११	१७	२	तुं.२५।३१	चतुर्थीव्र.
५	बु	४६	२०	स्वा	४८	२३	ध्रु	५१	२	कौ	१९	३१	४८	१४	४६	१२	१८	३	तुलायां	
६	शु	४०	२५	वि	४४	३१	व्या	४३	१९	ग	१३	२२	५२	१४	४६	१३	१९	४	वृ.३०।२८	भ.४०/२५उ.पूभा.रविः२६/१(सौरः३२/४७) ×
७	शु	३५	७	अ	४१	१	ह	३६	१०	वि	७	४६	५६	१३	४७	१४	२०	५	वृश्चिके	भ.७।४६या.
८	श	३०	३४	ज्ये	३८	२१	व	२९	३९	बा	२	५०	२९/१	१२	४८	१५	२१	६	ध.३८।२१	[×धनि.बुधः५७/१३धनि.१गुरुः४९।३६
९	र	२६	३२	मू	३६	२४	सि	२३	४७	ग	२६	३२	५	११	४९	१६	२२	७	धनुषि	भ.५५।१उ.
१०	चं	२३	३०	पू	३५	२०	व्य	१८	३२	वि	२३	३०	९	१०	५०	१७	२३	८	म.५०।१६	भ.२३।३०या.पूभा.शुक्रः४७।५६
११	मं	२१	१५	उ	३५	१	व	१४	०	बा	२१	१५	१३	९	५१	१८	२४	९	मकरे	विजया११व्र.
१२	बु	१९	५२	श्र	३५	४०	प	१०	७	तै	१९	५२	१७	९	५१	१९	२५	१०	मकरे	प्रदोषः
१३	गु	१९	५३	ध	३७	३८	शि	७	१३	व	१९	५३	२१	८	५२	२०	२६	११	कुं.६।३९	भ.१९/५३उ.५०/१९या.कुंभेबुधः३७/३९रोहि. =
१४	शु	२०	२९	श	४०	३२	सि	५	७	श	२०	२९	२६	७	५३	२१	२७	१२	कुंभे	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	श	२२	३३	पू	४४	३२	सा	४	१३	ना	२२	३३	३०	६	५४	२२	२८	१३	मी.३२/३६	[=भौमः४।४३महाशिवरात्रीव्र.स्मा.

४७पं.फा.कृ.२चं. इ. ३२/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	९	१०	९	१	१०
१७	४	२०	२२	१०	१४	२१	१६
५	२६	२८	३६	५५	१६	३१	५८
३५	४६	४४	५०	५९	३४	५४	२६
६०	३४	३७	१३	७४	६	३	६०
१२	१९	३२	८	२२	३२	११	२०

गोचर ग्रहाः

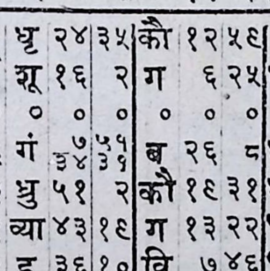

इस मास में धान्य जो गेहूं बाजरा मूंग मोठ चन्दन केसर वस्त्र कपास आदि सब पदार्थ तेज होंगे ।

गोचर ग्रहाः

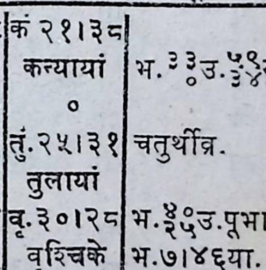

४८पं. फा.कृ.१०चं.इ.३२/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	९	१०	९	१	१०
२४	८	२६	२४	१९	१४	२१	२३
६	३१	५४	११	४०	५९	९	५९
२२	३०	५८	२४	४४	५६	३८	४९
५९	३४	५९	१२	७४	६	३	६०
५८	५२	५६	४७	३२	२०	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण३६३०स.२०२१
१	र	२५	५५	उ	४६	५५	शु	३	५१	व	२५	५५	२९/३४	६/५	५/५५	२३	२६	१४	मीने	मीनेऽर्कः:२६/५४(सौरः:३३/८)चंद्रदर्शन संभवः
२	चं	३०	२१	रे	५६	१९	शु	४	२९	कौ	३०	२१	३८	४	५६	२४	१	१५	मे.५६।१९	सावान८फुलरिया२
३	मं	३५	५०	अ	६०	०	व्र	६	०	तै	३	५	४३	३	५७	२५	२	१६	मेषे	शतेबुध:३७।२७मीनेशुक्र:५०।०
४	बु	४२	५	आ	३	१२	ऐं	७	५३	व	८	५८	४७	३	५७	२६	३	१७	मेषे	भ.५८/.. उ.४३/५या.उभा रवि:४७/५८=
५	गु	४८	२९	भ	१०	३८	वै	१०	१७	ब	१५	१७	५१	२	५८	२७	४	१८	वृ.२७।२०	[=(सौर:५३/४४)
६	शु	५४	५०	कृ	१७	२६	वि	१२	४९	कौ	२१	४०	५५	१	५६	२८	५	१९	वृषे	उभा.शुक्र:३०।२७धनि.२गुरु:५४।४९
७	श	६०	०	रो	२५	४४	प्री	१४	५६	ग	२७	४३	३०/००	६/००	६/००	२९	६	२०	मि५८।५२	
७	र	०	३५	मृ	३२	१	आ	१६	१४	व	०	३५	४	५/५९	१	३०	७	२१	मिथुने	भ.०।३५उ.३२।५०या.
८	चं	५	४	आ	३६	५८	सौ	१६	३५	ब	५	४	८	५८	२	१	८	२२	मिथुने	भा.चैत्रारंभ: होलाष्टकम्
९	मं	८	९	पु	४०	१३	शो	१५	२९	कौ	८	९	१२	५८	२	२	९	२३	क.२४।२४	
१०	बु	९	१६	पु	४१	३१	अ	१३	१	ग	९	१६	१६	५७	३	३	१०	२४	कर्कं	भ.३८।४८उ. [×आमलकी११व्र.
११	गु	८	२०	श्ले	४०	४०	सु	८	४५	वि	८	२०	२१	५६	४	४	११	२५	सि४०।४०	भ.८।२०या.पूभा.बुध:४९।५७×
१२	शु	५	२०	म	३८	१	धृ	३/४	५२/४०	बा	५	२०	२५	५५	५	५	१२	२६	सिंहे	श्रवण.३शनि:३०।१६ प्रदोष:
१३	श	०	२६	पू	३३	३७	गं	४७	१६	तै	०	२६	२९	५४	६	६	१३	२७	कं.४७।२७	भ.५३।४७उ.
१४/१५	र	५३/४६	२/१	उ	२७	५६	वृ	३७	५९	वि	१९	५४	३३	५३	७	७	१४	२८	कन्यायां	भ.१९।५४या. होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.२चं.इ. ३२/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	९	१०	९	१	११
१	१२	५	२५	२८	१५	२०	०
५	३८	१७	४२	२३	४०	४७	५९
३५	१७	२	३४	५६	५२	२३	३१
५९	३५	७६	१२	७४	५	३	५९
४१	१९	५६	२०	३८	५३	११	४९

गोचर ग्रहाः

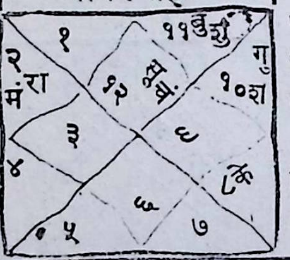

फाल्गुन शुक्ले१ रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रास्तः

गोचर ग्रहाः

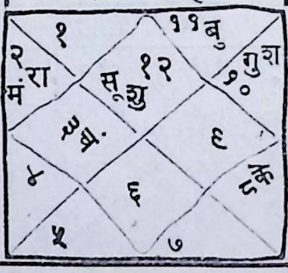

५०पं.फा.शु८चं.इ.३३।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	९	११	९	१	११
८	१६	१५	२७	७	१६	२०	७
३	४७	७	११	७	१९	२५	५७
१८	५६	२३	४२	१२	२६	७	२९
५९	३५	९०	१२	७३	५	३	५९
१६	४४	३४	१	३८	२१	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७७ शाकः १९४२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं	३७	३५	ह	२१	३३	ध्रु	२८	४	बा	११	४८	३०/३७	५/५३	६/७	८	१५	२९	तु.४८।१०	वसंत१छारेंडी [+राहु:ज्येष्ठा१केतु:२/५०
२	मं	३८	४९	चि	१४	४६	व्या	१७	५९	तै	३	१२	४१	५२	८	९	१६	३०	तुलायां	भ.३/५४उ.रेवत्यांशुक्र:१४।०रोहि.३-
३	बु	२०	२२	स्वा	८	१०	ह	८/१३	५०/४३	वि	२०	२२	५५	५१	९	१०	१७	३१	वृ.४८।४१	भ.२/०या.रेवत्यांरवि:१३/५७(सौर:२१/११)÷
४	शु	१२	२९	वि	२/११	५४/५४	सि	५०	१९	बा	१२	२९	४९	५०	१०	११	१८	१	वृश्चिके	अप्रेल४ता.३० [÷मीनेबुध:४/६३चतुर्थी व्र.
५	शु	५	२७	ज्ये	५३	५	व्य	४१	४४	तै	५	२७	५३	४९	११	१२	१९	२	ध.५३।५	भ.५/४९०उ.उभा.बुध:४/५३मृगेभौम:३/३९-
६	शु	५४	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-शीतलापूजनम्
७	श	५५	१	मू	५०	२८	व	३५	५	वि	२७	२०	५७	४९	११	१३	२०	३	धनुषि	भ.२७।२०या.
८	र	५१	४६	मू	४९	४	प	३०	४०	बा	२३	२३	३१/१	४८	१२	१४	२१	४	धनुषि	
९	चं	५०	४	उ	४९	०	शि	२६	२०	तै	२०	५५	५	४७	१३	१५	२२	५	म.४।३	धनि.३कुंभेगुरु:४/६बुधास्त:पूर्वस्यां५५/६
१०	मं	४९	१४	श्र	५०	१४	सि	२२	५७	व	१९	३८	१०	४६	१४	१६	२३	६	मकरे	भ.१९।३८उ.४९।१४या.
११	बु	४९	५६	ध	५२	५०	सा	२०	४८	ब	१६	३५	१४	४५	१५	१७	२४	७	कुं.२१।३२	पापमोचनी११व्र.
१२	गु	५१	४०	श	५६	२५	शु	१९	२१	कौ	२०	४८	१८	४४	१६	१८	२५	८	कुंभे	
१३	शु	५४	४७	पू	६०	०	शु	१९	७	ग	२३	१३	२२	४४	१६	१९	२६	९	मी४५।१	भ.५४/४७उ.रेवत्यांबुध:५३/५ प्रदोष:
१४	श	५८	४४	पू	१	१३	ब्र	१९	१२	वि	२६	४५	२६	४३	१७	२०	२७	१०	मीने	भ.२६।४५या.अश्वि.मेषेशुक्र:०।२७
३०	र	६०	३	उ	६	४०	ऐं	२०	१०	च	३१	३७	३०	४२	१८	२१	२८	११	मीने	मन्वादि:
३०	चं	३	३०	रे	१३	२०	वै	२१	४९	ना	३	३०	३४	४१	१९	२२	२९	१२	मे.१३।२०	

५१पं.चै.कृ.१चं.इ. ३३।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	९	११	९	१	११
१४	२०	२६	२८	१५	१६	२०	१४
५९	५७	१०	३६	४९	५५	२	५३
१०	३२	५९	५०	२४	१९	५१	३६
५९	३६	७०	११	७४	५	३	५९
१६	४	९५	२३	३८	२	११	१८

गोचर ग्रहाः

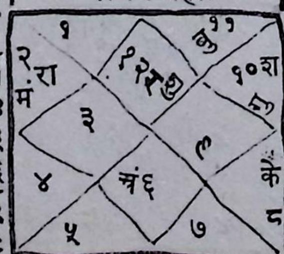

इस मास में धान्य गल्ला रुई कपड़ा अलसी चांदी सोना मंदा होकर तेज हो बालकों को पीड़ा रहे

गोचर ग्रहाः

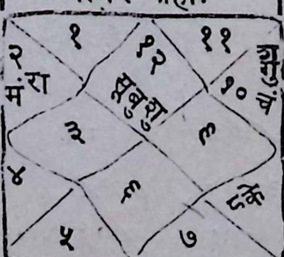

५२पं.चै कृ.९चं.इ. ३३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	९	११	९	१	११
२१	२५	८	२९	२४	१७	१९	२१
५३	९	३४	५८	३०	२६	४०	४७
३१	५०	३६	८	१२	२५	३६	४७
५९	३६	७८	१०	७४	४	३	५९
४	२३	९९	५१	३८	३८	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२२, भोग्यकलिः४२६८७८, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०७८, शाकः १९४३, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री भौमः । सस्येशः शुक्रः । धान्येशोबुधः । मेघेशश्चंद्रः। रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः । दुर्गेशश्चंद्रः । एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां ९ राक्षसनाम संवत्सरःप्रवर्तते।तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः१।१।४६।३३।३६भोग्यमासादिः१०।२८।१३।२६।२४अग्निदैवतं युगं।तत्रवर्षनाम श्रावणः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् महिषः। स्तंभाः २ अन्नवाय्त्रोः। सोमवत्यमानास्तिः सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी२, रविदशमी२ समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः १८, त्रिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति, विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा१५ धान्यम् १३ तृणम् १३, शीतम् ७ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११९, शनिदृष्टिरुत्तरे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहणाऽभावः ।

भैरव भवानी संवाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछा हर साल ।
अठंतर की साल का कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

सुन हो भैरव लाडला मैं समझावु तोय ।
राजा मंत्री देखतां घणां उपद्रव होय ।।
ताप तिजारा, नहरुवा जग में होय अपार ।
अग्नि चौर भय रोग से पीड़ित हो संसार ।।
आषाढां वर्षा लगे श्रावण मध्यम जाण ।
भादों रविकुज योग से होसी खैंचा ताण ।।
पण भैरव भय मतकरे फलपति है द्विजराज ।
धान्याधिप के योग से होय सिद्ध सब काज ।।

वर्ष लग्नम् ०।२३

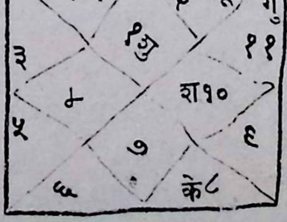

वर्षेश लग्नम् ९।७

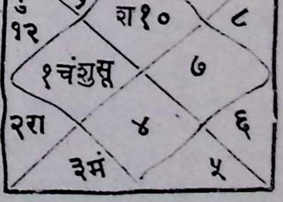

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।५९।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।८।३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाविकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् । भौमे नृपे वन्हि भयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहश्च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुंचति वारिवाहः ।। मंत्री भौमः फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशः शुक्रस्तत्फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघोजलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धन प्रियंगु वृक्षेषु पुष्याणि सुख प्रदानि ।। धान्येशो बुधस्तत्फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलं ।। शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भाग रताल्प पयोधराः । वसन तैल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां अर्घवृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चंद्रस्तत्फलं ।। यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः । द्विज मुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलं ।। सुमनसां च गुरु द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रः फलं ।। गढ़पतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनः नर वरा वर वर्णित विग्रहाः ।। राक्षसनाम संवत्सरः फलं ।। स्व स्व कार्ये रताः सर्वे मध्य सस्यार्घ वृष्टयः । राक्षसाब्दे खिला लोका राक्षसा इव निष्क्रियाः ।। वर्षनाम श्रावणः फलं ।। श्रावणाब्दे धरा भाति त्रिदश स्पर्द्धि मानवैः । धरा पुष्प फलैर्युक्ता परिपूर्णा ध्वरादिभिः ।। मेघनाम संवर्तः फलं ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवास स्तटे फलं ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समय निवासो रजक गृहे ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८।।।।ऽअऽ।।
,, १४ चन्द्रे स्वात्यां ल. ११ (श.पू.सत्) रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ शुक्रे मूलें. ल. गो. ११-१२ रे. ९ ।।।।।।ऽ।। (ल.११श.पू.सत्)
,, ६ रवौ उषा ल. ११-१२ रे.८ ऽऽ।।।।।।। (कुंभ व्ययेऽर्की)
,, ११ शुक्रे उभा ल. ११ (व्ययेऽर्की) रे. ७ ऽऽ।।।।ऽ।।
शुक्ला ९ शुक्रे उफा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः भोमाष्टमश्च) ल. १२ चं.पू.सत्
,, १० शनौ हस्ते ल. गो. (सोग्रांगः भौमाष्टम-म.दो.) रे. ९ ।।।।।ऽ।।
,, १३ चन्द्रे स्वात्यां ल. ११ (घ.४८-५३या.व्ययेऽर्की) रे. ७ ।ऽ।ऽ।।ऽ।।। पादतो वेधाऽभावः
,, १५ बुधे अनु ल. ११-१२ रे. ८ ।।।।ऽ।ऽ।। (कुंभे व्ययेऽर्की)

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० शुक्रे ल. १ (घ.५४-१४उ.) रे.७ ।।।।ऽअऽऽ।।
,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः)रे.७।।।।ऽऽऽ।।
शुक्ला १० रवौ स्वात्यां ल.गो. (भौमाष्टमः) ल.११ रे८ ।।।ऽबृ।।ऽ।।। पादतो वेधाऽभावः
,, १५ गुरौ मूले ल. १२-१ रे. ७ ।।।ऽशु।।।ऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा ६ बुधे उभा ल. १ रे. ८ ।।।।ऽचौ।ऽ।।
,, ७ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो (भौमाष्टमः) ल. १ (घ.५०-८या) रे. ७ ।।।।ऽचौ।ऽ।ऽ दग्धा
,, ८ शुक्रे रेवल.ऽन्यगो(भौमाष्टमः)ल.१रे.८।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ५ गुरौ उफा ल. १२ चं.पू.सत् रे.८ ऽ।।।ऽअ।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ शनौ रोहि ल. ५-६ रे. ७ ।।।ऽऽनृ।ऽ।। सिंहे ७ मे गुरु पूज्यः
,, २ रवौ मृगे ल. ५-६ रे. ९ ।।।।।ऽ।।
सिंहे ७ स्थो गुरु पूज्यः
,, ९ रवौ उफा ल. ६ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।
,, ११ भौमे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽऽ।
,, १२ बुधे स्वात्यां ल.५(गु.७पूज्यः)रे८ ।।।।ऽचौऽ।।
शुक्ला ८ शनौ उभा ल.६ (चं.७पू) रे. १० ।।।।।।।।।
,, १० चन्द्रे रेव ल. गो. (सोग्रांगः७मेभौमश्च) ल. ६ (घ.४६-४०या चं.पू.सत्)

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ उफा ल. गो. ७ रे. ८ ।।।।ऽरो।ऽ।।
,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।।
शुक्ला ५ शनौ रेव ल.ऽन्यगो६ (चं.७पू) रे.९।।।।ऽनृ।।।
,, ९ गुरौ रोहि. ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ शुक्रे उफा ल. ६-७ रे. ९ ।।।।।।चौ४४उ.ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽह्र्गणः ३६६० स.२०२१
१	सं	९	६	अ	२०	१४	वि	२३	४४	व	९	६	३१/३८	५/४०	६/२०	२३	३०	१३	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कः४९/३८(सौरः५५/४४) मिथुने=
२	बु	१५	२०	भ	२७	५४	प्री	२६	१६	कौ	१५	२०	४२	४०	२०	२४	१	१४	वृ.४४।४७	रमजान९सिंधारा
३	गु	२१	४६	कृ	३५	२८	आ	२८	३६	ग	२१	४६	४६	३९	२१	२५	२	१५	वृषे	भ.५४।५६उ.मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	शु	२८	६	रो	४३	८	सौ	३०	५०	वि	२८	६	५०	३८	२२	२६	३	१६	वृषे	भ.२८।६या.अश्वि.मेषेबुधः३८।४४
५	श	३३	५५	मृ	४९	५८	शो	३३	१	व	१	१	५३	३७	२३	२७	४	१७	मि१६।३३	[=भौमः३९/४९ चंद्रदर्शनम्संवत्सरारंभः×
६	र	३८	५०	आ	५५	५२	अ	३४	६	कौ	६	२३	५७	३७	२३	२८	५	१८	मिथुने	[×नवरात्रारंभः
७	चं	४२	३३	पु	६०	०	सु	३४	२०	ग	१०	४१	३२/१	३६	२४	२९	६	१९	क.४४।२१	भ.४२।३३उ. [+शुक्रोदयःपश्चिमायां३४/४८
८	मं	४४	५०	पु	०	३०	धृ	३३	१६	त्रि	१३	४१	५	३५	२५	३०	७	२०	कर्के	भ.१३।४१या.भरण्यांशुक्रः४६।१४+
९	बु	४५	५	पु	३	२१	शू	३०	३५	बा	१४	५७	९	३४	२६	१	८	२१	कर्के	भा.वैशाखारंभः रामनवमी
१०	गु	४३	२२	श्ले	४	२३	गं	२६	२२	तै	१४	१३	१२	३४	२६	२	९	२२	सिं४।२३	भरण्यांबुधः५५।५२
११	शु	३९	२६	म	३	२२	वृ	२०	२९	व	११	२४	१६	३३	२७	३	१०	२३	सिंहे	भ.११।२४उ.३९।२६या.कामदा११व्र.
१२	श	३३	३७	पू	०/१६	५५/१०	ध्रु	१३	१०	ब	६	३२	२०	३२	२८	४	११	२४	कं.१४।४	आर्द्रा.भौमः४३/११धनि.४गुरुः४५/१९ प्रदोषः
१३	र	२६	२	ह	४९	१०	व्या	४/१७	५०/१०	तै	२६	२	२३	३१	२९	५	१२	२५	कन्यायां	
१४	चं	१७	२९	चि	४१	५३	व	४३	५१	व	१७	२९	२७	३१	२९	६	१३	२६	तु.१५।३१	भ.१७।२९उ.४२।३७या.
१५	मं	७	४४	स्वा	३४	३	सि	३३	१०	ब	७	४४	३१	३०	३०	७	१४	२७	तुलायां	भरण्यांरविः२९/५१(सौरः३७/९)हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.१मं.इ.४९।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	१०	०	९	१	११
०	०	२४	१	४	१७	१९	२९
०	१०	१७	३०	४४	१	१४	५४
०	५२	३८	१४	३८	२३	३१	१
५८	३६	९८	९	७४	३	३	५८
४४	४६	२५	५५	२२	३३	११	४५

२पं.चै.शु.८मं.इ.४९।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	०	९	१	०
६	४	८	२	१३	१८	१८	६
५०	२१	५४	४०	२४	२५	५२	४४
४२	३६	१४	५५	२५	१	१६	१२
५८	३६	९८	९	७४	३	३	५८
३१	५९	२८	१५	३२	२०	११	२९

३पं.चै.शु.१५मं.इ.५०/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१०	०	९	१	०
१३	८	२३	३	२२	१८	१८	१३
३९	३५	४८	४६	२	४४	३०	३२
४७	३५	१८	५	४६	२४	०	३७
५८	३७	९८	८	७४	२	३	५८
१९	६	१३	२८	३२	३४	११	११

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं	५०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४८	२७	वि	२६	१४	व्य	२२	२०	तै	२३	११	३२/३४	५/२९	६/३१	८	१५	२८	वृ.१३।११	
३	गु	३९	१६	अ	१९	८	व	१२	४	व	१३	५२	३८	२८	३२	९	१६	२९	वृश्चिके	भ.५१/३२उ.३१/९६या.कृत्ति.बुधः१४/२५
४	शु	३१	२४	ज्ये	१२	५८	प	३/३६	५१/२७	ब	५	२०	४१	२८	३२	१०	१७	३०	ध.१२।५८	वृषेबुधः५२/३६बुधोदयःपश्चिमायां४०/३१÷
५	श	२४	५६	मू	८	२०	सि	४७	१८	तै	२४	५६	४५	२७	३३	११	१८	१	धनुषि	कृत्ति.शुक्रः३७।० मई५ता.३१
६	र	२०	२१	पू	५	१९	सा	४१	४२	व	२०	२१	४८	२६	३४	१२	१९	२	म.२०।२	भ.२०।२१उ.४८।५३या.
७	चं	१७	२४	उ	४	१०	शु	३७	३४	ब	१७	२४	५२	२६	३४	१३	२०	३	मकरे	[÷चतुर्थी व्र.
८	मं	१६	२३	श्र	४	३३	शु	३५	५	कौ	१६	२३	५५	२५	३५	१४	२१	४	कुं.३५।३९	वृषेशुक्रः१८।१३पातस्पर्शः५६।५०
९	बु	१७	१८	ध	६	४६	ब्र	३३	३४	ग	१७	१०	५८	२४	३६	१५	२२	५	कुंभे	भ.४८।११उ.पातमोक्षः१०।४६
१०	गु	१९	१३	श	१०	२८	ऐं	३३	३१	वि	१९	१३	३/३२	२४	३६	१६	२३	६	मी५९।२०	भ.१९।१३या.रोहि.बुधः१८।२९
११	शु	२२	४७	पू	१५	३६	वै	३४	१४	बा	२२	४७	५	२३	३७	१७	२४	७	मीने	वरुथिनी११व्र.
१२	श	२७	२१	उ	२१	३७	वि	३५	३१	तै	२७	२१	८	२२	३८	१८	२५	८	मीने	प्रदोषः
१३	र	३२	४६	रे	२८	३५	प्री	३७	२	ग	०	३	११	२२	३८	१९	२६	९	मे.२८।३५	भ.३२।४६उ.
१४	चं	३८	३०	अ	३५	४१	आ	३८	५३	त्रि	५	३८	१४	२१	३९	२०	२७	१०	मेषे	भ.५।३८या.
३०	मं	४४	५२	भ	४३	१३	सौ	४२	११	च	११	४१	१७	२१	३९	२१	२८	११	मेषे	कृत्ति.रविः१५।४७(सौरः२५।१)

४पं.वै कृ.८मं.इ.५०।२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१०	१	९	१	०
२०	१२	७	४	०	१८	१८	२०
२७	५१	२०	४५	३९	५८	७	१९
२५	१८	४६	२५	५०	४८	४४	२२
५८	३७	४०	७	७४	१	३	५७
६	३१	२३	२२	२६	५३	११	५७

गोचर ग्रहाः

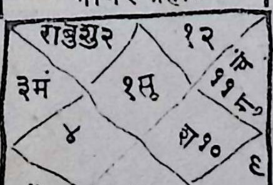

चैत्र शुक्ले १ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः

गोचर ग्रहाः

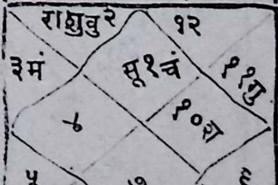

५पं.वै.कृ.३०मं.इ.५०/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	१	१०	१	९	१	०
२७	१७	१८	५	९	१९	१७	२७
१३	७	१२	३७	१६	९	४५	४
३७	२४	३६	४१	२६	०	२९	३६
५७	३७	८३	६	७४	१	३	५७
५४	३२	१	२६	२६	१६	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३६८९स.२०२१
१	बु	५०	५६	कृ	५०	४४	शो	४४	३६	किं	१७	५६	३३/२०	५/२०	६/४०	२२	२६	१२	वृ.०।३	रोहि.शुक्र:३५।३६
२	गु	५७	३	रो	५८	४	अ	४७	४	बा	२४	१	२३	१६	४१	२३	३०	१३	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	शु	६०	०	मृ	६०	०	सु	४८	५६	तै	२६	५३	२६	१६	४१	२४	१	१४	मि३१।३१	वृषेऽर्क:४३।२(सौर:५२।४८)=
३	श	२	४३	मृ	४	५८	धृ	५०	१	ग	२	४३	२८	१८	४२	२५	२	१५	मिथुने	भ.३५।५उ.मृगेबुध:३७।७
४	र	७	२७	आ	११	११	शू	५०	४६	वि	७	२७	३१	१८	४२	२६	३	१६	मिथुने	भ.७।२७या.पुन.भौम:३६।२१
५	चं	११	२३	पु	१६	२७	गं	५०	४२	बा	११	२३	३४	१७	४३	२७	४	१७	क.०।८	[=सव्वाल१०परशुरामजयंतीअक्षय३
६	मं	१४	३	पु	२०	२८	वृ	४६	१७	तै	१४	३	३७	१७	४३	२८	५	१८	कर्के	पातस्पर्श:५१।५
७	बु	१५	१४	श्ले	२२	५६	ध्रु	४६	४१	व	१५	१४	३९	१६	४४	२९	६	१९	सिं२२।५६	भ.१५।१४उ.४४।५५या.पातमोक्ष:८/१५
८	गु	१४	३५	म	२३	३८	व्या	४२	३३	ब	१४	३५	४२	१६	४४	३०	७	२०	सिंहे	
९	शु	१२	१६	पू	२२	३८	ह	३६	५६	कौ	१२	१६	४४	१५	४५	३१	८	२१	कं.३६।५४	शत.१गुरु:५८।१
१०	श	८	८	उ	१६	४४	व	२६	५७	ग	८	८	४७	१५	४५	१	९	२२	कन्यायां	भ.३५।११उ.भा.ज्येष्ठारंभ:
११	र	२	१५	ह	१५	८	सि	२१	४३	वि	२	१५	४९	१४	४६	२	१०	२३	तु.४२।११	भ.२।१५या.मृगेशुक्र:१६।४वक्रीशनि:×
१२	र	५२	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×४२।१३मोहिनी११व्र.
१३	चं	४५	५०	चि	६	१४	व्य	१२	३	कौ	२०	१७	५२	१४	४६	३	११	२४	तुलायां	प्रदोष: [+नृसिंहजयंती
१४	मं	३६	१०	स्वा	२/६	५२/८	व	१/५४	४९/२	ग	११	०	५४	१३	४७	४	१२	२५	वृ.४१।१३	भ.३६।१०उ.रोहि.रवि:६/३६(सौर:१/५६)+
१५	बु	२६	१५	अ	४६	२०	शि	४०	२	वि	१	१३	५६	१३	४७	५	१३	२६	वृश्चिके	भ.१/३या.मिथुनेबुध:३/४ ६/०यमाय कुंभदानम्

६पं.वै.शु.६मं.इ.५०।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१०	१	९	१	१
३	२१	२५	६	१७	१९	१७	३
५८	२४	५२	२३	५२	१४	२३	४८
३७	३६	१६	२४	३७	१३	१३	१९
५७	३७	४७	५	७४	०	३	५७
४४	५०	१२	१९	२०	३४	११	३४

गोचर ग्रहाः

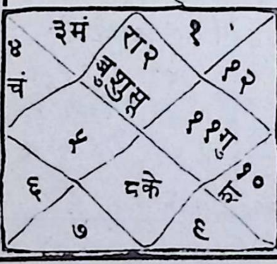

वैशाख शुक्ले ३ शुक्रे वृषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावें समता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

७पं.वै.शु.१४मं.इ. ५०/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१०	१	९	१	१
१०	२५	२९	७	२६	१९	१७	१०
४२	४१	५१	१	२७	१४	०	३०
२९	२९	१८	१	४३	५३	५८	३०
५७	३७	११	४	७४	१५	३	५७
३५	५०	२३	११	१४	व.	११	२३

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	१६	०	ज्ये	३८	५०	सि	२६	२०	कौ	१६	०	३३/५८	५/१२	६/४८	६	१४	२७	ध.३८।५०	[÷३५।४६मिथुनेशुक्र:४२।२२
२	शु	६	५१	मू	३२	११	सा	१६	३५	ग	६	५१	३४/०	१२	४८	७	१५	२८	धनुषि	भ.३२।४५उ.५८।३६या.वक्रीबुध:÷
३/४	श	५१/५२	४८/१३	पू	२६	५८	शु	१०	४३	ब	२५	२६	२	१२	४८	८	१६	२६	म.४१।९	चतुर्थी व्र.
५	र	४७	३२	उ	२३	४३	शु	३/२४	५४/१३	कौ	१९	५२	३	११	४६	९	१७	३०	मकरे	पातस्पर्श:४३।४८
६	चं	४५	६	श्र	२२	१८	ऐं	५३	३७	ग	१६	१६	५	११	४६	१०	१८	३१	कुं.५२।४३	भ.४५।६उ.पातमोक्ष:३।५०
७	मं	४४	४३	ध	२३	६	वै	५१	१२	वि	१४	५४	७	११	४६	११	१६	१	कुंभे	भ.५१/५४या.कर्केभौम:५/३ रोहि.२राहु:–
८	बु	४६	१५	श	२५	५३	वि	५०	१७	बा	१५	२६	९	१०	५०	१२	२०	२	कुंभे	वक्रीवृषेबुध:०।१६
९	गु	४६	३७	पू	३०	१७	प्री	५०	५६	तै	१७	५६	१०	१०	५०	१३	२१	३	मी१४।११	आर्द्राशुक्र:१०।२६
१०	शु	५४	१४	उ	३६	८	आ	५२	७	व	२१	५६	१२	१०	५०	१४	२२	४	मीने	भ.२१।५६उ.५४।१४या.
११	श	५६	५०	रे	४३	११	सौ	५४	१४	ब	२७	२	१३	६	५१	१५	२३	५	मे.४३।११	अपरा११व्र. [–अनु.४केतु:२/२ ६/५D
१२	र	६०	०	अ	५०	२८	शो	५६	३६	कौ	३२	५३	१५	६	५१	१६	२४	६	मेषे	[Dबुधास्त:पश्चिमायां३/४ २/०जून६ता.३०
१२	चं	५	५६	भ	५८	१४	अ	५६	१४	तै	५	५६	१६	६	५१	१७	२५	७	मेषे	पुष्येभौम:२३।२६ प्रदोष:
१३	मं	१२	२६	कृ	६०	०	सु	६०	०	व	१२	२६	१७	६	५१	१८	२६	८	वृ.१५।७	भ.१२।२६उ.४५।२७या.मृगेरवि:१/३९H
१४	बु	१८	२८	कृ	५	४४	सु	१	३५	श	१८	२८	१८	८	५२	१९	२७	९	वृषे	[Hसौर:१७।४६
३०	गु	२४	१२	रो	१२	५८	धृ	३	४६	ना	२४	१२	१९	८	५२	२०	२८	१०	मि४६।१३	वटपूजनम्

८पं.ज्ये.कृ.७मं.इ.५०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	१०	२	९	१	१
१७	२९	०	७	५	१९	१६	१७
२५	५८	२	२९	१	११	३८	११
१९	३७	४६	२४	३७	६	४२	३६
५७	३८	१७/३५	३	७४	५४	३	५७
२७	२	वं.	५	८	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

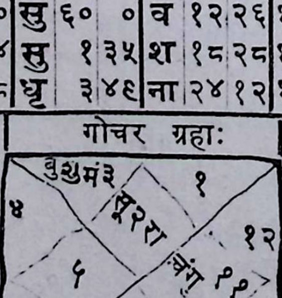

इस मास में धातु सोना चांदी ताम्बा रुई वस्त्र कपास धान्य गल्ला गेहूं जौ मटर अलसी सरसों आदि तेज रहें।

गोचर ग्रहाः

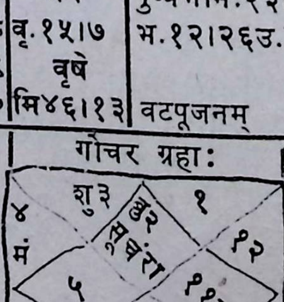

९पं.ज्ये.कृ.१३मं.इ. ५०/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	१०	२	९	१	१
२४	४	२७	७	१३	१९	१६	२३
७	१६	२०	५०	३४	२	१६	५१
१९	३७	४९	२४	३७	२	२६	३२
५७	३८	३२/५	१	७४	१/३९	३	५७
२२	५२	व.	४०	२	व.	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः३७१९स.२०२१
१	शु	२९	१३	मृ	१९	२७	शू	५	३४	ब	२९	१३	३४/५९	८	५६/५३	२१	२९	११	मिथुने	चंद्रदर्शनम् [×सावित्री व्र.
२	श	३३	२०	आ	२५	११	गं	६	४१	बा	१	१६	२०	८	५२	२२	१	१२	मिथुने	जिल्काद ११
३	र	३६	४०	पु	३०	१४	वृ	७	१८	तै	५	०	२१	८	५२	२३	२	१३	क.१३।५९	
४	चं	३९	०	पु	३४	१०	ध्रु	६	४७	व	७	५०	२१	८	५२	२४	३	१४	कर्के	भ.७।५०उ.३९।०या.पुन.शुक्रः८।६
५	मं	४०	६	श्ले	३७	७	व्या	५	३९	ब	९	३३	२२	८	५२	२५	४	१५	सिं३७।७	मिथुनेऽर्कः०।३ (सौरः१८।३४)
६	बु	४०	१	म	३८	४६	ह	३	५०	कौ	१०	३	२२	८	५२	२६	५	१६	सिंहे	वक्रीग्रोहि.बुधः४८।४४
७	गु	३८	३१	पू	३९	१३	व	०/४०	५५/४८	ग	९	१६	२३	७	५३	२७	६	१७	कं.५३।५५	भ.३८।३१उ.
८	शु	३५	४३	उ	३८	२	व्य	५१	४	वि	७	७	२३	७	५३	२८	७	१८	कन्यायां	भ.७।७या.वक्रीगुरुः४३।१०
९	श	३१	२७	ह	३५	२८	व	४४	४०	बा	३	३५	२३	७	५३	२९	८	१९	कन्यायां	
१०	र	२५	५४	चि	३१	३५	प	३७	१०	ग	२५	५४	२४	७	५३	३०	९	२०	तु.३।३१	भ.५/३ २/०उ.बुधोदयःपूर्वस्यां३/२ ७/५गंगादशमी
११	चं	१९	६	स्वा	२६	२९	शि	२८	२५	वि	१९	६	२४	७	५३	३१	१०	२१	तुलायां	भ.१/६या.आर्द्रारविः५/६ ८/८निर्जला११व्र.
१२	मं	१०	४५	वि	२०	२२	सि	१८	५९	बा	१०	४५	२४	७	५३	१	११	२२	वृ.५।५४	आर्द्रारविःसौरः२/०कर्कशुक्रः२०।३ +
१३	बु	१	५८	अ	१३	३१	सा	८/५९	४/३९	तै	१	५८	२४	७	५३	२	१२	२३	वृश्चिके	भ.५/३ २/३उ.पातस्पर्शः२/०पातमोक्षः४/२ ४/६
१४	बु	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+भा.आषाढारंभः प्रदोषः
१५	गु	४३	२२	ज्ये	६/१३	५३/८	शु	४८	४३	वि	१७	५७	२४	७	५३	३	१३	२४	व.६।१३	भ.३/५ ७/०या.मार्गीबुधः३/५ ८/०गुर्जराणां वट×

१०पं.ज्ये.शु.५मं.इ.५०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	२	९	१	२
०	८	२३	८	२२	१८	१५	०
४८	३४	४८	१	६	४९	५४	३०
३६	५२	२९	८	३२	१६	१२	४१
५७	३८	२९/१७	०	७३	२/२६	३	५६
१७	१२	व.	३२	५५	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठा शुक्ले ५ भौमे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५ न. ५ बालाऽवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

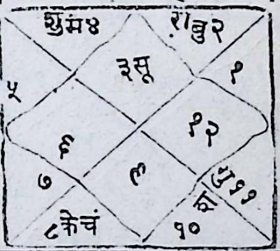

११पं.ज्ये.शु.१२मं.इ.५०/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	३	९	१	२
७	१२	२१	८	०	१८	१५	७
२९	५४	५१	३	३७	३१	३१	९
३१	७	११	७	५२	१२	५५	८
५७	३	१/२	६/४	७३	२/५०	३	५४
१२	१९	व.	व.	५०	व.	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	शु	३४	४४	पू	५३	७	ब्र	३९	१६	बा	९	३	३४/२३	५/७	६/५३	४	१४	२५	धनुषि	पुष्येशुक्रः२।३४
२	श	२७	१५	उ	४८	२०	ऐं	३०	४०	तै	०	५९	२३	७	५३	५	१५	२६	म.६।५५	भ.५४।१९उ.
३	र	२१	२३	श्र	४५	१२	वै	२३	२५	वि	२१	२३	२२	८	५२	६	१६	२७	मकरे	भ.२१।२३या.चतुर्थीव्र.
४	चं	१७	२०	ध	४४	६	वि	१७	४३	बा	१७	२०	२२	८	५२	७	१७	२८	कुं.१४।३९	आश्ले.भौमः५६।४६
५	मं	१५	३८	श	४५	२०	प्री	१३	४३	तै	१५	३८	२१	८	५२	८	१८	२९	कुम्भे	मृगेबुधः४।२९
६	बु	१५	५५	पू	४८	२८	आ	११	२३	व	१५	५५	२०	८	५२	९	१९	३०	मी३२।४१	भ.१५।५५उ.४७।११या.
७	गु	१८	२७	उ	५३	८	सौ	११	०	ब	१८	२७	१९	८	५२	१०	२०	१	मीने	जौलाई७ता.३१
८	शु	२२	३१	रे	५९	२७	शो	११	३४	कौ	२२	३१	१८	८	५२	११	२१	२	मे.५९।२७	
९	श	२७	५६	अ	६०	०	अ	१३	१६	ग	२७	५६	१७	९	५१	१२	२२	३	मेषे	
१०	र	३३	५३	अ	६	४६	सु	१५	२६	व	०	५४	१६	९	५१	१३	२३	४	मेषे	भ.०।५४उ.३३।५३या.
११	चं	४०	१६	भ	१४	२०	धृ	१८	१	ब	७	३	१५	९	५१	१४	२४	५	वृ.३१।१६	पुन.रविः५७।४८योगिनी११व्र.
१२	मं	४६	२८	कृ	२२	५	शू	२०	३३	कौ	१३	२२	१४	९	५१	१५	२५	६	वृषे	पुन.रविःसौरः२४।९आश्ले.शुक्रः४।१८
१३	बु	५१	५८	रो	२९	१३	गं	२२	८	ग	१९	१३	१३	९	५१	१६	२६	७	वृषे	भ.५१।५८उ मिथुनेबुधः१९।५५प्रदोषः
१४	गु	५६	३५	मृ	३५	४०	वृ	२४	३०	वि	२४	१६	११	१०	५०	१७	२७	८	मि२।२७	भ.२४।१६या.
३०	शु	५९	५९	आ	४०	५७	ध्रु	२५	१५	च	२८	१७	१०	१०	५०	१८	२८	९	मिथुने	

१२पं.आ.कृ.५म.इ.५०।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	३	९	१	२
१४	१७	२२	७	९	१८	१५	१३
९	१४	४०	५५	८	३०	९	४७
५८	३५	५	८	६	१९	४०	१३
५७	३८	२६/३	२/११	७३	३/२९	३	५६
७	२६	मा	व.	३८	व.	११	५०

गोचर ग्रहाः

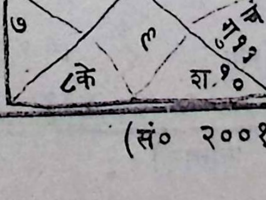

इस मास में धान्य गल्ला मंदा होवेसोना चांदी लोहा ताम्बा आदि धातु तेज हो कहीं २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

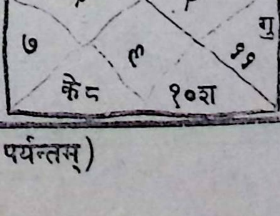

१३पं.आ.कृ.१२मं.इ.५०/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१०	३	९	१	२
२०	२१	२९	७	१७	१७	१४	२०
५०	३४	२८	३८	३६	४४	४७	२५
२४	८	५	२०	४३	५६	२४	७
५७	३८	६५	३/२१	७३	३/५	३	५६
७	३३	२५	व.	२५	व.	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः३७४८स.२०२१
१	श	६०	०	पु	४५	२१	व्या	२५	२२	किं	३१	१०	३४/८	५/१०	६/५०	१९	२९	१०	क.२९।१५	
१	र	२	२२	पु	४८	३७	ह	२४	३५	ब	२	२२	७	११	४९	२०	३०	११	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	चं	३	४०	श्ले	५०	५०	व	२२	५२	कौ	३	४०	५	११	४९	२१	१	१२	सिं५०।५०	आर्द्राबुधः३१/५५जिल्हेज१२रथयात्रा
३	मं	३	४५	म	५१	११	सि	२०	१०	ग	३	४५	३	११	४९	२२	२	१३	सिंहें	भ.३३।२५उ.
४	बु	३	६	पू	५२	११	व्य	१६	४७	वि	३	६	१	१२	४८	२३	३	१४	सिंहे	भ.३।६या.
५	गु	१	१७	उ	५१	४०	व	१२	५४	बा	१	१७	५३/९	१२	४८	२४	४	१५	कं.७।३	[=पुन.बुधः१४/५७मघा.सिंहेभौमः२४।१×
६	गु	५७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×वक्रीधनि.४गुरुः२८/५१देवशयनी११व्र.
७	शु	५४	५५	ह	५०	७	प	८	७	ग	२६	४४	५७	१३	४७	२५	५	१६	कन्यायां	भ.५४/५५उ.कर्केऽर्कः२७/१४(सौरः५६।५३)
८	श	५०	३५	चि	४७	४७	शि	२/३६	५३/४९	वि	२२	४५	५५	१३	४७	२६	६	१७	तु.१८।५७	भ.२२।४५या.मघा.सिंहेशुक्रः३।५१
९	र	४५	१७	स्वा	४४	२७	सा	४९	२३	बा	१७	५६	५२	१४	४६	२७	७	१८	तुलायां	
१०	चं	३९	७	वि	३९	१९	शु	४१	४२	तै	१२	१२	५०	१४	४६	२८	८	१९	वृ.२५।३६	पुष्येरविः५६।३२
११	मं	३२	१९	अं	३५	३१	शु	३३	३३	व	५	४३	४८	१४	४६	२९	९	२०	वृश्चिके	भ.५/४३उ.३३/१९या.पुष्येरविःसौरः२७।३४=
१२	बु	२४	४४	ज्ये	२९	५९	ब्र	२४	४७	बा	२४	४४	४५	१५	४५	३०	१०	२१	ध.२९।५९	बुधास्तःपूर्वस्यां१।५५प्रदोषः
१३	गु	१७	८	मू	२४	२३	ऐं	१५	५१	तै	१७	८	४३	१५	४५	३१	११	२२	धनुषि	वक्रीश्रवण.२शनिः४५।१
१४	शु	९	२५	पू	१९	१	वै	७/४	५१/४१	व	९	२५	४०	१६	४४	१	१२	२३	म.३२।५०	भ.९/२५उ३५/५२या.भा.श्रावणारंभःवायुपरी.
१५	श	२	३१	उ	१४	१७	प्री	५१	१३	ब	२	३१	३८	१६	४४	२	१३	२४	मकरे	व्यासपूजागुरु१५

१४पं.आ.शु.३मं.इ.५०।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१०	३	९	१	२
२७	२५	८	७	२६	१७	१४	२७
३०	५५	४७	१२	४	१७	२५	३
४३	५	५३	१८	१	४६	८	१४
५७	३८	९७	४/३०	७३	४/१०	३	५६
१३	३३	३७	व.	१४	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ७ शुक्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

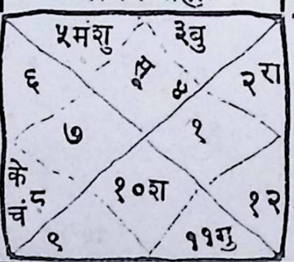

१५पं.आ.शु.११मं.इ.५०/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	१०	४	९	१	३
४	०	२१	६	४	१६	१४	३
११	१७	३	३७	२९	४८	२	४१
२८	२	४०	५९	२८	३६	५३	४१
५७	३८	९/०	५/३७	७२	४/२८	३	५६
१५	४६	५/०	व.	५६	व.	११	५९

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	५२	११	श्र	१०	३७	आ	४४	४७	तै	२४	२२	३३/५	५/१७	६/४३	२	१४	२५	कुं.३९।३०	कर्केबुधः१३।५६
३	चं	४९	२९	ध	८	२३	सौ	३८	४०	व	२०	५०	३३	१७	४३	४	१५	२६	कुम्भे	भ.२०।५०उ.४९।२९या.पुष्येबुधः५०/४९
४	मं	४८	५०	श	८	२१	शो	३६	१७	ब	१९	१०	३०	१८	४२	५	१६	२७	मी५४।३१	चतुर्थीव्र.
५	बु	५०	२३	पू	९	५४	अ	३४	३३	कौ	१९	३६	२७	१९	४१	६	१७	२८	मीने	पूफाशुक्रः१२।३९नाग५
६	गु	५३	४१	उ	१३	२९	सु	३३	५९	ग	२२	२	२४	१९	४१	७	१८	२९	मीने	भ.५३।४१उ.
७	शु	५८	२६	रे	१८	१८	धृ	३४	४४	वि	२६	३	२२	२०	४०	८	१९	३०	मे.१८।१८	भ.२६।३या.
८	श	६०	०	अ	२५	२६	शू	३६	३८	बा	३१	२३	१९	२०	४०	९	२०	३१	मेषे	[÷१राहुःअनु.३केतुः१९।१९
८	र	४	२०	भ	३२	४५	गं	३८	५१	कौ	४	२०	१६	२१	३९	१०	२१	१	वृ.४९।३९	अगस्त८ता.३१
९	चं	१०	३१	कृ	४०	२२	वृ	४१	२८	ग	१०	३१	१३	२१	३९	११	२२	२	वृषे	भ.४३/३६उ.आश्ले.रविः५३/३३आश्ले.बुधः९/२७
१०	मं	१६	४१	रो	४७	३८	ध्रु	४३	४४	वि	१६	४१	१०	२२	३८	१२	२३	३	वृषे	भ.१६।४१या.आश्ले.रविःसौरः२८/२१रो.÷
११	बु	२२	१२	मृ	५४	१६	व्या	४५	३४	बा	२२	१२	७	२३	३७	१३	२४	४	मि२०।५७	कामिका११व्र.
१२	गु	२६	४२	आ	५९	४३	ह	४६	२७	तै	२६	४२	४	२३	३७	१४	२५	५	मिथुने	प्रदोषः
१३	शु	२९	५५	पु	६०	०	व	४६	१६	व	२९	५५	०	२४	३६	१५	२६	६	क.४७।४२	भ.२९।५५उ.
१४	श	३१	३५	पु	३	४२	सि	४५	११	वि	०	४५	३२/५७	२५	३५	१६	२७	७	कर्के	भ.०।४५या.
३०	र	३१	५५	पु	६	३४	व्य	४२	४८	च	१	४५	५४	२५	३५	१७	२८	८	कर्के	मघा.सिंहेबुधः४८/२३उफा.शुक्रः२५/१९हरिया.

१६पं.श्रा.कृ.४मं.इ.५०/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	४	९	१	३
१०	४	५	५	१२	१६	१३	१०
५२	३९	२३	५६	५२	१८	४०	२०
३०	४	१३	२०	५२	७	३७	५८
५७	३८	२०/७९	६/२७	७२	४	३	५७
२०	४७	२६	व.	३७	४०	११	५

गोचर ग्रहाः

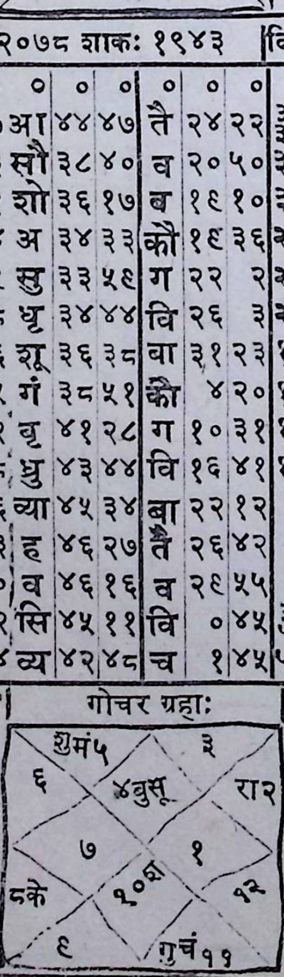

इस मास में ५ रविवार श्रेष्ठ नहीं है धान्य धातु रस तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले कहीं २ वर्षा होवे ।

गोचर ग्रहाः

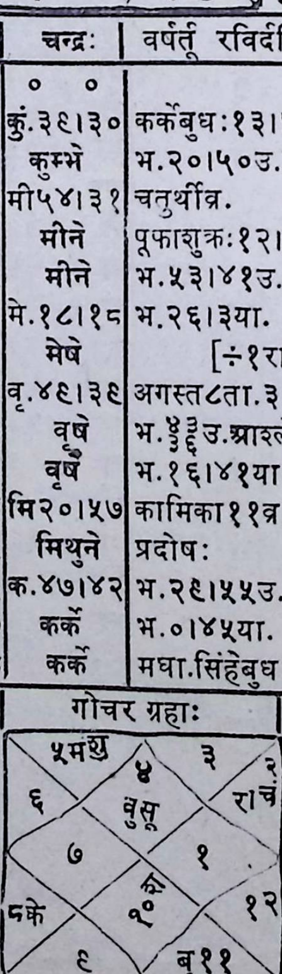

१७पं.श्रा.कृ.१०मं.इ.५०/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	१०	४	९	१	३
१७	९	२०	५	२१	१५	१३	१७
३४	३	७	८	१४	४६	१८	०
१२	०	१	५३	२४	२६	२२	४६
५७	३८	२०/७९	५/१७	७२	४	३	५७
२५	४७	११	व.	१६	४०	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३७७८सन् २०२१
१	चं	३०	४२	श्ले	७	५२	व	३९	२४	किं	१	२०	३२/५०	२६ (५)	३४ (६)	१८	२९	९	सिं.७।५२	चंद्रदर्शनम्
२	मं	२८	३५	म	८	१	प	३५	१०	कौ	२८	३५	४७	२७	३३	१९	१	१०	सिंहे	पूफा.भौमः ३४/६९ मोहोरम१सन् १४४३ ×
३	बु	२५	३१	पू	७	१३	शि	३०	७	ग	२५	३१	४४	२७	३३	२०	२	११	क.२१।४७	भ.५३/३८उ.कन्यायांशुक्रः१२।१०तीज
४	गु	२१	४५	उ	५	२८	सि	२४	२२	वि	२१	४५	४०	२८	३२	२१	३	१२	कन्यायां	भ.२४/१५या.वरद४ [×हि. सिंधारा
५	शु	१७	२५	ह	३	१४	सौ	१८	२३	बा	१७	२५	३७	२९	३१	२२	४	१३	तु.३१।५८	नागपंचमी
६	श	१२	४९	चि	०/४१	५७/१३	शु	१२	२१	तै	१२	४९	३३	२९	३१	२३	५	१४	तुलायां	बुधोदयःपश्चिमायां४८।१७
७	र	७	५५	वि	५४	४३	शु	५/४४	५३/१२	व	७	५५	३०	३०	३०	२४	६	१५	वृ.४०।३१	भ.७।५५उ.३५।१८या.
८	चं	२	४०	अ	५१	१४	ऐं	५१	४३	ब	२	४०	२६	३१	२९	२५	७	१६	वृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्कः४७।३५पूफा.बुधः४।१४
९	चं	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=गुरुः६।५३पवित्रा११व्र.
१०	मं	५१	३४	ज्ये	४७	३५	वै	४४	२९	तै	२४	२६	२२	३२	२८	२६	८	१७	ध.४७।३५	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः २४/९६ अस्तोभौमः२६।२
११	बु	४५	४९	मू	४३	४४	वि	३६	५६	व	१८	४१	१९	३२	२८	२७	९	१८	धनुषि	भ.१८।४१उ.४५।४९या.वक्रीधनि.३ =
१२	गु	४०	१	पू	४०	११	प्री	२९	४६	ब	१२	५५	१५	३३	२७	२८	१०	१९	म.५४।१७	हस्तेशुक्रः३८।२१
१३	शु	३४	४७	उ	३६	३४	आ	२२	४४	कौ	७	२४	१२	३४	२६	२९	११	२०	मकरे	प्रदोषः
१४	श	३०	१	श्र	३३	५१	सौ	१६	६	ग	२	२४	८	३४	२६	३०	१२	२१	मकरे	भ.३०।१उ.५८।१३या.
१५	र	२६	२५	ध	३१	५८	शो	९	५६	ब	२६	२५	४	३५	२५	३१	१३	२२	कुं.२।५५	श्रावणीकर्मरक्षाबन्धनम्

१८पं.श्रा.शु.२मं.इ. ४९/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१०	४	९	१	३
२४	१३	३	४	२९	१५	१२	२३
१६	२७	५४	१७	३३	१५	५६	४१
३७	१८	४३	२४	२२	५४	६	५३
५७	३९	५/९	४६	७१	३४	३	५७
३३	५	४९	व.	५५	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

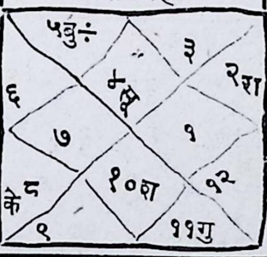

श्रावण शुक्ले ८ चन्द्रे सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ गतालकावस्था ऊभी मु. ३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदयः पश्चिमायां ।
÷चमंशु

गोचर ग्रहाः

१९पं.श्रा.शु.१०मं.इ. ४९/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१०	५	९	१	४
०	१७	१६	३	७	१४	१२	०
५९	५२	२७	२२	५०	४५	३३	२४
५३	३४	४	३८	४२	३६	५०	६
५७	३९	८०	५२	७१	४/१८	३	५७
४०	१२	३९	व.	२८	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं	२३	५९	श	३१	३८	अ	४	५७	कौ	२३	५९	३२/५१	३५/३	२६/०	१	१४	२३	कुंभे	भा.भाद्रपदारंभः
२	मं	२३	२०	पू	३२	४०	सु	१/११	५७/३१	ग	२३	२०	३१/५७	३७	२३	२	१५	२४	मी१७।२४	भ.५३।५४उ.उफा.बुधः०।४४
३	बु	२४	२८	उ	३५	३६	शू	५७	२९	वि	२४	२८	५३	३७	२३	३	१६	२५	मीने	भ.२४।२८या.चतुर्थीव्र.
४	गु	२७	१७	रे	४०	२	गं	५८	२४	बा	२७	१७	४९	३८	२२	४	१७	२६	मे.४०।२	कन्यायांबुध६।८
५	शु	३१	३७	अ	४५	५७	वृ	५८	४१	तै	३१	३७	४६	३९	२१	५	१८	२७	मेषे	चंद्रषष्ठी [×उफा.भौमः ४९/२ गोगा९
६	श	३६	५६	भ	५२	४३	ध्रु	६०	०	ग	४	१६	४२	४०	२०	६	१९	२८	मेषे	भ.३६।५६उ.
७	र	४३	८	कृ	६०	०	ध्रु	०	२३	वि	१०	२	३८	४०	२०	७	२०	२९	वृ.९।३२	भ.१०।२या.
८	चं	४९	२८	कृ	०	३	व्या	२	४०	बा	१६	१८	३४	४१	१९	८	२१	३०	वृषे	पूफा.रविः३७।११जन्माष्टमी व्र.
९	मं	५५	१४	रो	७	३१	ह	४	८	तै	२२	४१	३०	४२	१८	९	२२	३१	मि४१।५	पूफा.रविःसौरः १५/३७ चित्रा.शुक्रः१।३९ ×
१०	बु	६०	०	मृ	१४	४०	व	७	१७	व	२७	४०	२६	४३	१७	१०	२३	१	मिथुने	भ.२७।४०उ.सितम्बर९ता.३०
१०	गु	०	५	आ	२०	३४	सि	८	३७	वि	०	५	२२	४४	१६	११	२४	२	मिथुने	भ.०।५या.हस्तेबुधः२।४०
११	शु	३	२५	पु	२५	९	व्य	८	४९	बा	३	२५	१८	४४	१६	१२	२५	३	क.९।०	अजा११व्र.
१२	श	५	११	पु	२८	५	व	७	५६	तै	५	११	१५	४५	१५	१३	२६	४	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	र	५	१४	श्ले	२९	१८	प	५	४१	व	५	१४	११	४६	१४	१४	२७	५	सिं२९।१८	भ.५/१४उ.३४/१६या.तुलायांशुक्रः४५।२+
१४	चं	३	१७	म	२८	४४	शि	५/६	५५/१	श	३	१७	७	४७	१३	१५	२८	६	सिंहे	[+कन्यायांभौमः ५३/५६
३०	मं	०	४	पू	२६	५८	सा	५०	५०	ना	०	४	३	४७	१३	१६	२९	७	कं.४१।१४	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.२मं.इ.४६।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	१०	५	९	१	४
७	२२	२७	२	१६	१४	१२	७
४४	१८	५८	२८	४	१७	११	७
२०	५४	१	३०	४१	१७	२५	३४
५७	३९	९५	५२	७१	४३	३	५७
४९	१२	४१	व.	२	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

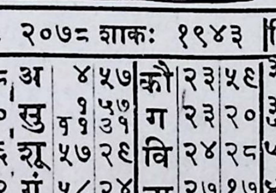

गोचर ग्रहाः

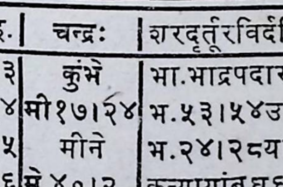

२१पं.भा.कृ.९मं.इ. ४९/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१०	५	९	१	४
१४	२६	८	१	२४	१३	११	१३
३०	४६	१८	३४	१६	५१	४९	५२
०	१९	४	५२	५	२९	१९	४६
५८	३९	८३	३७	७०	४३	३	५७
१	२९	३५	व.	२१	व.	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८०८सं.२०२१
१	मं	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	५०	०	उ	२४	१	शु	४४	६	बा	२२	४१	३०/५९	५/४८	६/१२	१७	३०	८	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	गु	४४	५	ह	२०	१७	शु	३६	४१	तै	१७	२	५५	४६	११	१८	१	९	तु.४८।१७	सफर२हरितालिका३
४	शु	३८	६	चि	१६	१८	ब्र	२८	५५	व	११	५	५१	५०	१०	१९	२	१०	तुलायां	भ.१/५उ.३/६या.वक्रीश्रवण१शनिः +
५	श	३२	३	स्वा	१२	९	ऐं	२१	१८	ब	५	४	४७	५१	९	२०	३	११	वृ.५४।१०	स्वात्यांशुक्रः३०।२९ऋषिपंचमी
६	र	२६	१६	वि	८	१०	वै	१३	५९	तै	२६	१६	४३	५१	९	२१	४	१२	वृश्चिके	चित्रा.बुध५७।९
७	चं	२०	५८	अ	४	२५	वि	६/३७	५२/५०	व	२०	५८	३९	५२	८	२२	५	१३	वृश्चिके	भ.२०/५८उ.४/१९या.उफा.रविः२१।३६
८	मं	१५	४०	ज्ये	१/३	५७/१	आ	५२	३२	ब	१५	४०	३५	५३	७	२३	६	१४	ध.१।३	उफा.रविःसौरः१०/७वक्रीधनि.२मकरेA
९	बु	११	७	पू	५५	२९	सौ	४६	७	कौ	११	७	३१	५४	६	२४	७	१५	धनुषि	[Aगुरुः४५।३९[+४३।३६गणेशचतुर्थी
१०	गु	६	४८	उ	५३	२८	शो	४०	१०	ग	६	४८	२७	५५	५	२५	८	१६	म.९।५९	भ ३५।०उ.कन्यायामर्कः४६।५७
११	शु	३	१३	श्र	५२	१२	अ	३४	३७	वि	३	१३	२२	५६	४	२६	९	१७	मकरे	भ.३।१३या.कन्याऽर्कःसौरः२५।२८ ×
१२	श	०	९	ध	५१	३०	सु	२९	५३	बा	०	९	१८	५६	४	२७	१०	१८	कुं.२१।५१	प्रदोषः [×जलझूलनी११व्र.वामनजयंती
१३	श	५६	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	र	५७	५	श	५१	५५	धृ	२५	४३	ग	२७	३	१४	५७	३	२८	११	१९	कुंभे	भ.५७।५उ.अनंत१४
१५	चं	५७	३	पू	५३	२४	शू	२२	१५	वि	२७	४	९	५८	२	२९	१२	२०	मी३८।२	भ.२७।४या.मरालयारंभः

२२पं.भा.शु.१मं.इ.४९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	१०	६	९	१	४
२१	१	१७	०	२	१३	११	२०
१७	१६	२३	४४	२४	२९	२७	३९
२	८	२५	४२	११	६	४	२६
५८	३९	६९	६/५८	६९	३/८	३	५८
१३	२९	४	व.	३५	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदशुक्ले१० गुरौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ वृद्धाऽवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

२३पं.भा.शु.८मं.इ.४९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	९	६	९	१	४
२८	५	२४	२९	१०	१३	११	२७
५	४५	५४	५९	२७	९	४	२७
२४	५८	२२	३८	५८	५८	४८	४४
५८	३९	५०	६/११	६८	२/२९	३	५८
२६	३९	३२	व	५०	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	मं	५८	४५	उ	५६	२०	गं	१९	५३	बा.	२७	५४	३०/५८	५/५९	६/५	३०	१३	२१	मीने	तुलायांबुधः३७।४१हस्तेभौमः२२।४१
२	बु	६०	०	रे	६०	०	बृ	१८	५६	तै	३०	१५	३०/००	६/००	६/००	३१	१४	२२	मीने	
२	शु	१	४६	रे	०	३६	ध्रु	१८	२७	ग	१	४६	२९/५६	१	५/५९	१	१५	२३	मे.०।३६	भ.६३/५३उ.विशाशुक्र१३/१२भा.आश्विनारंभः
३	शु	६	१	अ	६	१२	व्या	१९	६	वि	६	१	५२	२	५८	२	१६	२४	मेषे	भ.६।१या.चतुर्थीव्र.
४	श	११	१२	भ	१२	३१	ह	२०	३८	बा	११	१२	४८	२	५८	३	१७	२५	वृ.२९।२१	वक्रीबुधः३७।४८
५	र	१७	१९	कृ	१९	५२	व	२२	३९	तै	१७	१९	४४	३	५७	४	१८	२६	वृषे	
६	चं	२३	४४	रो	२७	३१	सि	२५	७	व	२३	४४	४०	४	५६	५	१९	२७	वृषे	भ.२३।४४उ.५६।५०या हस्तेरविः +
७	मं	२९	५५	मृ	३४	५५	व्य	२७	३२	ब	२९	५५	३६	५	५५	६	२०	२८	मि१।१३	[+ ०।६(सौरः३७।५८)
८	बु	३५	२३	आ	४१	४४	व	२९	२५	बा	२	३९	३२	६	५४	७	२१	२९	मिथुने	[=अनु.२केतुः३१/२२शस्त्रादिहतानांश्रा.
९	गु	३९	२२	पु	४७	३	प	३०	२५	तै	७	२३	२८	६	५४	८	२२	३०	क.३०।४३	मातृ९(सोभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	शु	४१	५०	पु	५१	६	शि	३०	१७	व	१०	३६	२३	७	५३	९	२३	१	कर्के	भ.१०/३६उ.४१/५०या.अक्टूबर१०ता.३१
११	श	४२	२४	श्ले	५३	१०	सि	२८	४२	ब	१२	७	१९	८	५२	१०	२४	२	सिं५३।१०	वृश्चिकेशुक्रः५।६इंदिरा११व्र.
१२	र	४०	५५	म	५३	१०	सा	२५	३४	कौ	११	३९	१५	९	५१	११	२५	३	सिंहे	वक्रीकन्यायांबुधः१५/६बुधास्तःपश्चि. ३/६
१३	चं	३७	८	पू	५१	२९	शु	२०	५९	ग	९	१	११	१०	५०	१२	२६	४	सिंहे	भ.३७।८उ.प्रदोषः
१४	मं	३२	१७	उ	४७	५८	शु	१४	५४	वि	४	४३	७	११	४९	१३	२७	५	कं.५।३६	भ.४।४३या.अनु.शुक्रः३/७९कृत्ति४राहुः=
३०	बु	२५	५२	ह	४३	१४	ब्र	७/२५	५१/३२	ना	२५	५२	३	११	४९	१४	२८	६	कन्यायां	सर्वपितृ३०

२४पं.आ.कृ.१मं.इ.४९।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	९	६	९	१	५
४	१०	०	२९	१८	१२	१०	४
५५	१७	४	२१	२८	५४	४२	१७
१६	२८	१६	४	१२	३२	३२	५१
५८	३९	२२	५/११	३७	१/४९	३	५८
३८	४९	३२	व.	५२	व.	११	४५

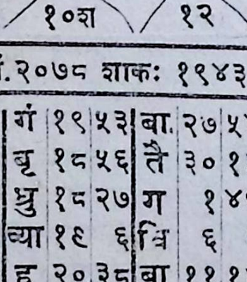

२५पं.आ.कृ.७मं.इ.४८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	९	६	९	१	५
११	१४	१	२८	२६	१२	१०	११
४६	५१	२९	५०	२१	४३	२०	९
५२	२५	१४	२४	५४	३७	१७	५०
५८	३९	१८/४९	४/२	६९	१/५५	३	५९
५३	४७	व.	व.	४२	व.	११	०

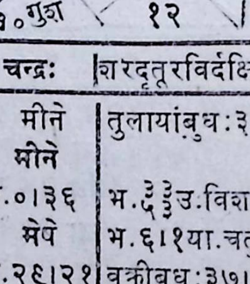

२६पं.आ.कृ.१४मं.इ.४८/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	९	७	९	१	५
१८	१९	२६	२८	४	१२	९	१८
४०	२६	४८	२९	९	३७	५८	३
९	२४	२२	२	२२	४८	१	३७
५९	३९	७४/५०	२/३५	६७	०/२३	३	५९
९	५६	व.	व.	१६		११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८३७स.२०२१
१	गु	१८	२५	चि	३७	३९	वै	४९	५५	ब	१८	२५	२८ ५९	६ १२	५ ४८	१५	२९	७	तु.१०।२६	नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	शु	१०	४४	स्वा	३१	४९	वि	४०	४०	कौ	१०	४४	५५	१३	४७	१६	३०	८	तुलायां	वक्रीहस्तेबुधः३५।४९ चंद्रदर्शनम्
३	श	२	४३	वि	२५	५१	प्री	३१	२८	ग	२	४३	५१	१४	४६	१७	१	९	वृ.१२।२०	भ.२८।५८उ.५५।१४या.मार्गीशनिः=
४	श	५२	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=५०।४ रविलावल३
५	र	४८	२६	अ	२०	२७	आ	२२	१६	ब	२१	५०	४७	१५	४५	१८	२	१०	वृश्चिके	चित्रा.रविः३२।८
६	चं	४२	१६	ज्ये	१५	४४	सौ	१४	८	कौ	१५	२१	४३	१५	४५	१९	३	११	ध.१५।४४	चित्रा.रविःसौरः ६ ३ २ चित्रा.भौमः ४ ३ ३
७	मं	३७	२०	मृ	११	४९	शो	६ २५	५३ ११	ग	९	४८	२९	१६	४४	२०	४	१२	धनुषि	भ.३७।२०उ.
८	बु	३३	१३	पू	९	५	सु	५३	२९	वि	५	१६	३५	१७	४३	२१	५	१३	म.२३।३८	भ.५।१६या.
९	गु	३०	२५	उ	७	१४	धृ	४८	२२	बा	१	४९	३१	१८	४२	२२	६	१४	मकरे	[×ज्येष्ठा.शुक्रः१६।४८
१०	शु	२८	३०	श्र	६	३१	शू	४४	१	ग	२८	३०	२७	१९	४१	२३	७	१५	कु.३६।४१	भ.५८।५उ.बुधोदयःपूर्वस्यां४७।१२
११	श	२७	४०	ध	६	५१	गं	४०	२९	वि	२७	४०	२३	१९	४१	२४	८	१६	कुम्भे	भ.२७।४०या.पापांकुशा११व्र.
१२	र	२८	७	श	८	१३	वृ	३८	२	बा	२८	७	२०	२०	४०	२५	९	१७	मी५५।५	तुलायामर्कः१५।५७(सौरः५१।१६)×
१३	चं	२९	२६	पू	१०	४३	ध्रु	३६	१६	तै	२९	२६	१६	२१	३९	२६	१०	१८	मीने	मार्गीबुधः२५।३८ प्रदोषः
१४	मं	३१	५९	उ	१४	३४	व्या	३५	४०	ग	०	४३	१२	२२	३८	२७	११	१९	मीने	भ.३ ५ १ ९उ.मार्गीगुरुः १ २ ४ ५ कोजागरी व्र.
१५	बु	३५	४०	रे	१८	४६	ह	३५	२२	वि	३	४९	८	२२	३८	२८	१२	२०	मे.१८।४६	भ.३।४९या.शरदपूर्णिमा का.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.७मं.इ.४८ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	९	७	९	१	५
२५	२४	१९	२८	११	१२	९	२४
३५	३	७	१७	४८	३६	३५	५९
२	४७	१९	४२	१८	३६	४६	१९
५९	४०	७२ २८	१ २५	६३	० १७	३	५९
२१	६	व.	व.	४३	मा।	११	३१

गोचर ग्रहाः

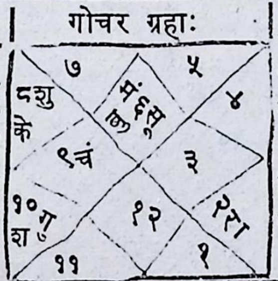

आश्विनशुक्ले१२रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

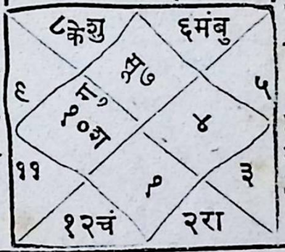

२८पं.आ.शु.१४मं.इ.४८ २४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	९	७	९	१	६
२	२८	१६	२८	१९	१२	९	१
३१	४२	१३	१४	१६	४०	१३	५६
२६	०	४८	२	१	४८	३०	४४
५९	४०	१७ ४७	० ८	६१	१	३	५९
३४	१६	मा	मा	४५	४	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	गु	४०	२४	अ	२४	२६	व	३६	१७	बा	८	२	२८ ४	६ २३	५ ३७	२९	१३	२१	मेषे	तुलायां भौमः ४४।३७
२	शु	४५	५४	भ	३०	५५	सि	३७	३४	तै	१३	९	०	२४	३६	३०	१४	२२	वृ.४७।४१	[+५७।५९ भा.कार्तिकारंभः
३	श	५२	४	कृ	३८	३	व्य	३९	३०	व	१८	५९	२७ ५६	२५	३५	१	१५	२३	वृषे	भ.१८।५९उ.५२।४या.स्वात्यांरविः+
४	र	५८	३०	रो	४५	३२	व	४१	४७	ब	२५	१७	५३	२५	३५	२	१६	२४	वृषे	स्वात्यांरविःसौरः३२।१९करक चतुर्थीव्र.
५	चं	६०	०	मृ	५३	७	प	४४	१२	कौ	३१	४०	४९	२६	३४	३	१७	२५	मि१९।१९	
५	मं	४	५०	आ	६०	०	शि	४६	३०	तै	४	५०	४५	२७	३३	४	१८	२६	मिथुने	
६	बु	१०	४१	आ	०	३४	सि	४८	१०	व	१०	४१	४१	२८	३२	५	१९	२७	क.५०।१६	भ.१०।४१उ.४३।६या.
७	गु	१५	३०	पु	६	५०	सा	४८	३२	ब	१५	३०	३७	२९	३१	६	२०	२८	कर्के	चित्रा बुधः३६।४७
८	शु	१९	४	पु	१२	८	शु	४८	२९	कौ	१९	४	३४	२९	३१	७	२१	२९	कर्के	
९	श	२०	४१	श्ले	१५	३४	शु	४६	४९	ग	२०	४१	३०	३०	३०	८	२२	३०	सिं१५।३४	भ.५०।२९उ.मूलेंधनुषिशुक्रः२०।२
१०	र	२०	१७	म	१७	११	ब्र	४३	१८	वि	२०	१७	२७	३१	२९	९	२३	३१	सिंहे	भ.२०।१७या.स्वात्यांभौमः४३।९
११	चं	१७	५५	पू	१६	५२	ऐं	३८	७	बा	१७	५५	२३	३१	२९	१०	२४	१	कं.३१।१४	नवम्बर११ता.३०रमा११व्र.
१२	मं	१३	२६	उ	१४	२०	वै	३१	३३	तै	१३	२६	१९	३२	२८	११	२५	२	कन्यायां	तुलायांबुधः११।२६प्रदोषःधन१३
१३	बु	७	१३	ह	१०	४	वि	२३	२३	व	७	१३	१६	३३	२७	१२	२६	३	तु.३७।१२	भ.७।१३उ.३३।२१या.रूप१४
१४	बु	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	गु	५०	५६	चि	४ २०	५३ १५	प्री	१४	९	च	२५	१३	१२	३४	२६	१३	२७	४	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२९पं.का.कृ.५मं.इ.४८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	९	७	९	१	६
९	३	२१	२८	२६	१२	८	८
२९	२२	९	२१	३०	४९	५१	५६
४२	१२	४०	१८	३६	१२	१४	५
५९	४०	७२	१	५९	१	३	६०
४७	२६	२	१३	१९	३८	११	२

गोचर ग्रहाः

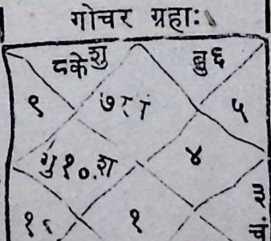

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ तेज हो धातु सोना चांदी रसकस कपास रुई मंदी हो ।

गोचर ग्रहाः

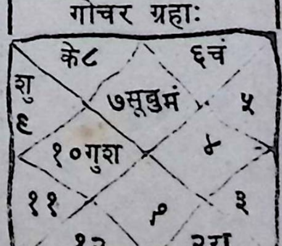

३०पं.का.कृ.१२मं.इ.४६ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	८	९	१	६
१६	८	०	२८	३	१३	८	१५
२९	४	५५	३७	२८	२	२८	५७
२८	१६	३७	४१	५२	५३	५९	८
६०	४०	५१	२	५६	२	३	६०
४	२९	७	३५	४	२५	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८६६स.२०२१
१	शु	४१	३३	वि	५०	३२	आ	४/४	४९/२३	किं	१६	१४	२७/९	६/३४	५/२६	१४	२८	५	वृ.३७।१८	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	श	३२	२०	अ	४३	२	शो	४२	५८	बा	६	५६	५	३५	२५	१५	२९	६	वृश्चिके	विशा.रवि:१८/२५(सौर:४९/४३)स्वात्यांबुध:=
३	र	२३	४६	ज्ये	३६	१७	अ	३२	४९	ग	२३	४६	२	३६	२४	१६	१	७	ध.३६।१७	भ.४९/४७उ.बुधास्त:पूर्वस्यां१५/२६रविलाखर४
४	चं	१५	४९	मू	३०	१५	सु	२३	३	वि	१५	४९	२६/५८	३६	२४	१७	२	८	धनुषि	भ.१५।४९या.
५	मं	९	१९	पू	२५	३५	धृ	१४	२७	बा	९	१९	५५	३७	२३	१८	३	९	म.३९।४९	श्रवण.२शनि:३२।२६
६	बु	४	२	उ	२२	२९	शू	७	२	तै	४	२	५२	३८	२२	१९	४	१०	मकरे	[=२७/४७ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
७	गु	०	२६	श्र	२०	५३	गं	०/५५	५५/१	व	०	२६	४९	३८	२२	२०	५	११	कुं.५०।५२	भ.०।२६उ.२९।२३या. गोपाष्टमी
८	गु	५७	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	शु	५७	५५	ध	२०	५२	ध्रु	५२	९	बा	२८	८	४५	३९	२१	२१	६	१२	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	श	५८	५६	श	२२	२२	व्या	४९	४३	तै	२८	२६	४२	४०	२०	२२	७	१३	कुंभे	पूषा.शुक्र:१०।४९
११	र	६०	०	पू	२५	२०	ह	४८	१५	व	३०	६	३९	४०	२०	२३	८	१४	मी९।३५	भ.३/९उ.विशा.बुध:४३/३२प्रबोधिनी११व्र.×
११	चं	१	१६	उ	२९	२८	व	४८	२	वि	१	१६	३६	४१	१९	२४	९	१५	मीने	भ.१।१६या. [×तुलसीविवाह:
१२	मं	४	४७	रे	३४	३७	सि	४८	२७	बा	४	४७	३३	४१	१९	२५	१०	१६	मे.३४।३७	वृश्चिकेऽर्कः१४।३०(सौर:४४/०)प्रदोष:
१३	बु	९	१९	अ	४०	३१	व्य	४९	२४	तै	९	१९	३०	४२	१८	२६	११	१७	मेषे	वैकुँठ१४
१४	गु	१४	४१	भ	४७	२१	व	५१	६	व	१४	४१	२७	४३	१७	२७	१२	१८	मेषे	भ.१४।४१उ.४७।३५या.
१५	शु	२०	२८	कृ	५४	३७	प	५३	१	ब	२०	२८	२५	४३	१७	२८	१३	१९	वृ.४।१०	अनु.रवि:३२।५०मन्वादि: का.स्नापू.

३१पं.का.शु.५मं.इ.४७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	९	८	९	१	६
२३	१२	१२	२९	१०	१३	८	२३
२०	४७	६	२	४	२०	६	५९
५०	१३	१८	५०	१	४९	४३	४१
६०	४०	९७	३	५१	३	३	६०
१७	२०	५२	५७	५८	११	११	३०

गोचर ग्रहाः

कार्तिकशुक्ले१२भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदय:पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

३२पं.का.शु.१२मं.इ.४३/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	६	९	८	९	१	७
०	१७	२२	२९	१६	१३	७	०
२२	३२	२५	२९	१०	४३	४४	२
२९	३१	१६	५८	८	५५	२८	४५
६०	४०	९९	५	४७	३	३	६०
३०	३३	१५	५	५	४७	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श	२६	५५	रो	६०	०	शि	५५	१०	कौ	२६	५५	२६/२२	६/४४	५/१६	२९	१४	२०	वृषे	अनु.रवि:सौर:०/४८वृश्चिकेबुध:५९/११+
२	र	३३	१९	रो	२	५	सि	५७	२७	तै	०	७	१९	४४	१६	३०	१५	२१	मि३५।३५	[+विशा.भौम:२/२८धनि.३कुंभेगुरु:७/१८
३	चं	३९	९	मृ	९	५	सा	५९	३६	व	६	१४	१७	४५	१५	१	१६	२२	मिथुने	भ.६/१४उ.३/९या.अनु.बुध:५४/५८÷
४	मं	४५	२८	आ	१७	२	शु	६०	०	ब	१२	१८	१४	४५	१५	२	१७	२३	मिथुने	चतुर्थी व्र. [÷भा.मार्गशीर्षारंभः
५	बु	५०	३६	पु	२३	४४	शु	१	२६	कौ	१८	२	१२	४६	१४	३	१८	२४	क.७।४	
६	गु	५४	४२	पु	२९	४०	शु	२	४१	ग	२२	३९	९	४६	१४	४	१९	२५	कर्के	भ.५४।४२उ.
७	शु	५७	२१	श्ले	३४	७	ब्र	३	५	वि	२६	१	७	४७	१३	५	२०	२६	सिं३४।७	भ.२६।१या.
८	श	५८	१७	म	३७	१४	ऐं	२	२५	बा	२७	४९	५	४७	१३	६	२१	२७	सिंहे	
९	र	५७	२४	पू	३८	१३	वै	१/१४	५५/३७	तै	२७	५१	२	४८	१२	७	२२	२८	कं.५३।१३	
१०	चं	५४	२८	उ	३८	१४	प्री	५१	४४	व	२५	५६	०	४८	१२	८	२३	२९	कंन्यायां	भ.२५/५६उ.५४/२८या.उदयोभौम:४/४८
११	मं	४९	४२	ह	३५	४५	आ	४५	१३	ब	२२	५	२५/५८	४८	१२	९	२४	३०	कन्यायां	ज्येष्ठा.बुध:१०।२८उत्पत्ति११व्र.
१२	बु	४३	९	चि	३१	२२	सौ	३७	४	कौ	१६	२५	५६	४९	११	१०	२५	१	तु.३।३४	उषा.शुक्र:२९।५०दिसम्बर१२ता.३१
१३	गु	३५	१३	स्वा	२५	२९	शो	२७	४४	ग	९	११	५४	४९	११	११	२६	२	तुलायां	भ.३५।१३उ.ज्येष्ठारवि:४२।५७ प्रदोष:
१४	शु	२५	५९	वि	१८	३५	अ	१७	३१	वि	०	३५	५३	४९	११	१२	२७	३	वृ.५।१	भ.०।३५या.ज्येष्ठा.रवि:सौर:८।४२
३०	श	१६	१४	अ	१०	५२	सु	६/४०	४८/४८	ना	१६	१४	५१	५०	१०	१३	२८	४	वृश्चिके	वृश्चिकेभौम:५१।३७

३३पं.मा.कृ.४मं.इ.४७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१०	८	९	१	७
७	२२	४	०	२९	१४	७	७
३७	१९	३५	२२	३८	१०	२२	९
२६	५२	४९	५९	१३	४१	१२	१८
६०	४०	५८	६	४०	४	३	६०
४२	५३	१७	१४	५५	२८	११	५३

गोचर ग्रहाः

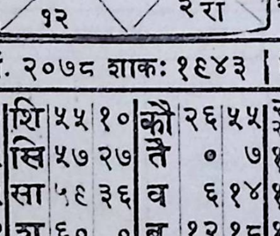

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना जौ गेहूं मक्का धातु सोना चांदी लोहा रसकस गुड़ शक्कर तेज हो प्रजा में दुख फैले।

गोचर ग्रहाः

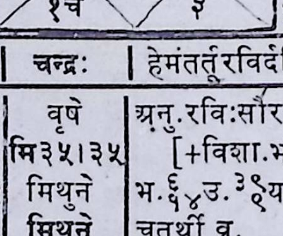

३४पं.मा.कृ.११मं.इ.४७/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१०	८	९	१	७
१४	२७	१५	१	२६	१४	६	१४
४२	८	३९	१५	१७	४१	५९	१६
४०	४९	१४	४	१३	२८	५६	४
६०	४१	९९	७	३२	४	३	६१
५०	०	४९	१३	४	५६	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८९६स.२०२१
१	र	६	२९	ज्ये	२/५२	५२/३६	शू	४४	३२	ब	६	२९	२५/४९	६/५०	५/१०	१४	२९	५	ध.२।५२	चन्द्रदर्शनम्
२	र	५०	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	चं	४८	४९	पू	४८	४०	गं	३४	६	तै	२२	५७	४८	५०	१०	१५	१	६	धनुषि	जमादिलावल५
४	मं	४१	४६	उ	४३	२६	बृ	२४	४३	व	१५	१७	४६	५१	९	१६	२	७	म.२।२१	भ.१५/७उ.४१/६या.कृत्ति.३राहुःअनु.१=
५	बु	३६	३७	श्र	३९	४४	ध्रु	१६	३२	ब	९	११	४५	५१	९	१७	३	८	मकरे	मकरेशुक्रः२१।२७ [=केतुः३।२०
६	गु	३३	१२	ध	३८	०	व्या	१०	४	कौ	४	५४	४४	५१	९	१८	४	९	कुं.८।५२	मूलेधनुषिबुधः४८/३०अनु.भौमः४३/२८
७	शु	३१	५३	श	३८	५	ह	४	५५	ग	२	३२	४३	५१	९	१९	५	१०	कुंभे	भ.३१।५३उ.
८	श	३२	३१	पू	४०	२२	व	०/२९	५८/५६	वि	२	११	४२	५२	८	२०	६	११	मी२४।४८	भ.२।११या.
९	र	३४	५२	उ	४४	६	व्य	५८	४४	बा	३	४१	४१	५२	८	२१	७	१२	मीने	
१०	चं	३८	४४	रे	४९	४०	व	५९	२२	तै	६	४८	४०	५२	८	२२	८	१३	मे.४९।४०	
११	मं	४३	४९	अ	५५	४८	प	६०	०	व	११	१७	३९	५२	८	२३	९	१४	मेषे	भ.११।१७उ.४३।४९या.मोक्षदा११व्र.
१२	बु	४९	३७	भ	६०	०	प	०	२५	ब	१६	४३	३९	५२	८	२४	१०	१५	मेषे	मूले.धनुष्यर्कः५०।१२ [×५०/२९ प्रदोषः
१३	गु	५५	४९	भ	३	५	शि	२	२६	कौ	२२	४३	३८	५२	८	२५	११	१६	वृ.१९।५२	मूलेधनुष्यर्कःसौरः१२।३२वनि.४गुरुः×
१४	शु	६०	०	कृ	१०	१२	सि	४	२२	ग	२९	८	३८	५२	८	२६	१२	१७	वृषे	[+वक्रीशुक्रः१५।२दत्तजयंती
१४	श	२	२६	रो	१७	५२	सा	६	३९	व	२	२६	३७	५३	७	२७	१३	१८	मि५१।३१	भ २।२६उ.३५।३६या.पूषा.बुधः१३/५८+
१५	र	८	४६	मृ	२५	११	शु	८	४९	ब	८	४६	३७	५३	७	२८	१४	१९	मिथुनें	

३५पं.मा.शु.४मं.इ.४७।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	१०	८	९	१	७
२१	२	२६	२	२९	१५	६	२१
४८	०	३९	१३	४७	१६	३७	२२
४३	११	४०	५९	५६	१६	४१	४६
६०	४१	९८	८	२१	५	३	६१
५६	७	५६	२५	१	२६	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले१२बुधे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवार न. ३ गतालकावस्था (ऊभी)मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

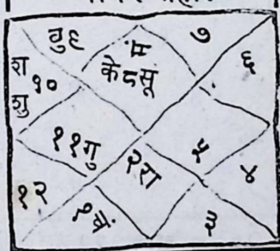

३६पं.मा.शु.११मं.इ.४६/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	१०	९	९	१	७
२८	६	७	३	१	१५	६	२८
५५	५२	४०	१९	५७	५४	१५	३२
३७	४४	१९	४१	१८	१८	२५	२९
६१	४१	९८	९	७	५	३	६१
०	११	२	१३	३२	५०	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	चं	१४	५३	आ	३२	३२	शु	१०	४०	कौ	१४	५३	२५/३६	६/५३	५/७	२९	१५	२०	मिथुने	
२	मं	२०	२६	पु	३८	५४	ब्र	१२	११	ग	२०	२६	३६	५३	७	३०	१६	२१	क.२२।१९	भ.५२।४७उ.
३	बु	२५	९	पु	४४	४२	ऐं	१३	२२	वि	२५	९	३६	५३	७	१	१७	२२	कर्के	भ.२५/९या.श्रवण.३शनिः३५/२५बुधोदयः÷
४	गु	२९	१	श्ले	४९	३१	वै	१३	४५	बा	२९	१	३६	५३	७	२	१८	२३	सिं४९।३१	[÷पश्चिमायां२४/२७भा.पौषारंभः–
५	शु	३१	४४	म	५३	१३	वि	१३	२२	कौ	०	२२	३७	५३	७	३	१९	२४	सिंहे	[–चतुर्थी व्र.
६	श	३३	१६	पू	५५	३७	प्री	१२	५	ग	२	२९	३७	५३	७	४	२०	२५	सिंहे	भ.३३।१६उ. [Eमकरेबुधः५।४१
७	र	३३	२३	उ	५६	४२	आ	९	३५	वि	३	१९	३७	५३	७	५	२१	२६	कं.१०।५३	भ.३।१९या.उषा.बुधः५२।१०
८	चं	३१	५२	ह	५६	८	सौ	५	५२	बा	२	३७	३८	५२	८	६	२२	२७	कन्यायां	[+ज्येष्ठा.भौमः३९।२०
९	मं	२८	४७	चि	५३	५०	शो	०/५९	५३/३९	तै	०	१९	३८	५२	८	७	२३	२८	तु.२४।५९	भ.५६।२५उ.पूषा.रविः५५।१२+
१०	बु	२४	३	स्वा	५०	६	सु	४७	१८	वि	२४	३	३९	५२	८	८	२४	२९	तुलायां	भ.२४।३या.पूषा.रविःसौरः१४।१०E
११	गु	१७	५३	वि	४४	५८	धृ	३८	३१	बा	१७	५३	४०	५२	८	९	२५	३०	बृ.३१।१५	वक्रीधनुषिशुक्रः४।३सफला११व्र.
१२	शु	१०	१४	अ	३८	३०	शू	२८	५५	तै	१०	१४	४१	५२	८	१०	२६	३१	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	श	१	३७	ज्ये	३१	१९	गं	१८	२६	व	१	३७	४२	५२	८	११	२७	१	ध.३१।१९	भ.१/३७उ.२७/०या.जनवरी१ता.३१सन्२०/२२
१४	श	५०	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	र	४२	४७	मू	२३	४६	बृ	७/३९	४९/५८	च	१७	३५	४३	५१	९	१२	२८	२	धनुषि	शत.१गुरुः३।१४

३७पं.पौ.कृ.२मं.इ.४६/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	९	९	१	८
६	११	१८	४	२	१६	५	५
३	४७	४१	३१	११	३४	५३	४१
१४	५३	४६	२६	२०	५६	१०	५४
६१	४१	९५	९	८/२६	६	३	६१
४	१९	९	५६	व.	१४	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धातु धान्य गल्ला गुड़ शक्कर कृष्णपक्ष में मंदा होकर शुक्लपक्ष में तेज हो जावेंगे।

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.९मं.इ.४६/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१०	९	९	१	८
१३	१४	२९	५	०	१७	५	१२
११	४५	३१	४८	३०	१८	३०	५१
१३	०	१६	४७	४७	२२	५४	४६
६१	४१	८९	१०	२३/४९	६	३	६१
६	२५	५३	४३	व.	३१	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं.२०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:३९२५स.२०२२
१	चं	३३	४६	पू	१६	२४	व्या	४६	२६	किं	८	१८	२५/४४	६/५१	५/९	१३	२९	३	म.२९।४३	
२	मं	२५	४१	उ	९	४१	ह	३७	१	कौ	२५	४१	४५	५१	९	१४	३०	४	मकरे	चंद्रदर्शनम्
३	बु	१९	५	श्र	४	२०	व	२८	४०	ग	१९	५	४७	५१	९	१५	१	५	कुं.३२।३१	भ४६/३८उ.वक्रीपूषाशुक्रः ३१/८जमादिलाखर६
४	गु	१४	११	ध	०/४१	५६/१६	सि	२१	३७	वि	१४	११	४८	५०	१०	१६	२	६	कुंभे	भ.१४।११या.
५	शु	११	१५	पू	५९	५८	व्य	१६	४१	बा	११	१५	५०	५०	१०	१७	३	७	मी४४।२०	शुक्रास्त.पश्चिमायां३७।१२
६	श	१०	४१	उ	६०	०	व	१३	२३	तै	१०	४१	५२	५०	१०	१८	४	८	मीने	
७	र	१२	२	उ	१	४९	प	११	२७	व	१२	२	५३	४९	११	१९	५	९	मीने	भ.१२।२उ.४३।४३या.
८	चं	१५	२४	रे	६	२	शि	११	२८	ब	१५	२४	५५	४९	११	२०	६	१०	मे.६।२	
९	मं	२०	२२	अ	१२	१८	सि	११	५८	कौ	२०	२२	५७	४९	११	२१	७	११	मेषे	उषा.रविः०।५७ सौरः१५।३७
१०	बु	२६	११	भ	१८	५९	सा	१३	४०	ग	२६	११	५९	४८	१२	२२	८	१२	वृ.३५।५२	भ.५९।२४उ.श्रवणेबुध १९।२३
११	गु	३२	३७	कृ	२६	३१	शु	१५	५१	वि	३२	३७	२६/१	४८	१२	२३	९	१३	वृषे	भ.३२/३७या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां५३/२४पुत्रदा११व्र.
१२	शु	३९	२०	रो	३४	२३	शु	१८	११	ब	५	५८	४	४७	१३	२४	१०	१४	वृषे	मकरेऽर्कः२१/२१ सौरः३१/४)वक्रीबुधः१७/९
१३	श	४५	४३	मृ	४१	४६	ब्र	२०	२६	कौ	१२	३१	६	४७	१३	२५	११	१५	मि८।४	प्रदोषः [=मा.स्ना.प्रा.
१४	र	५१	३२	आ	४८	४६	ऐं	२२	२२	ग	१८	३७	८	४६	१४	२६	१२	१६	मिथुने	भ ५१।३२उ.मूलेधनुषिभौमः१४।५०
१५	चं	५६	३३	पु	५४	५८	वै	२३	३८	वि	२४	२	११	४६	१४	२७	१३	१७	क.३८।२५	भ.२४।२या. बुधास्तःपश्चिमायां४।१९=

३९पं.पौ.शु.२मं.इ. ४६/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	१०	८	९	१	८
२०	२१	९	७	२७	१८	५	२०
१९	४३	१९	१०	५	३	८	१
२६	२३	८	५५	५६	३२	३८	४३
६१	४१	७४	११	३४/३२	६	३	६१
६	४०	२३	२०	व.	४४	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले १२ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी, मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.९मं.इ. ४६/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	१०	८	९	१	८
२७	२६	१५	८	२२	१८	४	२७
२७	४३	३५	३७	५२	५०	४६	११
२२	३४	२	२६	२३	३८	२३	३५
६१	४१	३२	११	३५/३२	७	३	६१
६	५०	२६	५९	व	२	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	६०	०	पु	६०	०	वि	२४	१५	बा	२८	३४	२६/१३	६/४५	५/१५	२८	१४	१८	कर्के	शत.२गुरुः८।४४अस्तंशनेः५०।४२
१	बु	०	३४	पु	०	९	प्री	२४	१९	कौ	०	३४	१६	४५	१५	२९	१५	१९	कर्के	[×भा.माघारंभः चतुर्थी व्र.
२	गु	३	४४	श्ले	४	२८	आ	२३	२७	ग	३	४४	१९	४४	१६	३०	१६	२०	सिं४।२८	भ.३४।४०उ.अभि.प्र.रविः५०।५१
३	शु	५	३६	म	७	५०	सौ	२१	४९	वि	५	३६	२१	४४	१६	१	१७	२१	सिंहे	भ.५।३६या.अभि.प्र.रविःसौरः२।२५×
४	श	६	२९	पू	१०	९	शो	१९	२२	बा	६	२९	२४	४३	१७	२	१८	२२	कं.२५।२७	श्रवण.४शनिः०।२९
५	र	६	२३	उ	११	२२	अ	१६	४	तै	६	२३	२७	४३	१७	३	१९	२३	कन्यायां	वक्रीउषा.बुधः७।१
६	चं	५	४१	ह	११	३२	सु	११	५०	व	५	४१	२९	४२	१८	४	२०	२४	तु.४१।०	भ.५/४१उ.३४/१५या.श्रवणेरविः५/२८+
७	मं	२	४९	चि	१०	२८	धृ	६	४१	ब	२	४९	३२	४२	१८	५	२१	२५	तुलायां	अभि.नि रविःसौरः९।३८
८	मं	५६	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+(सौरः३९/२१)अभि.नि.रविः२५/४३
९	बु	५४	५४	स्वा	८	२६	शू	०/३२	५३/१३	तै	२७	११	३५	४१	१९	६	२२	२६	वृ.५१।५	
१०	गु	४९	७	वि	५	१८	वृ	४५	५३	व	२२	१	३८	४०	२०	७	२३	२७	वृश्चिके	भ.२२।१उ.४९।७या.
११	शु	४२	२७	अ	०/५८	५४/४१	ध्रु	३७	६	ब	१५	४७	४१	४०	२०	८	२४	२८	ध.५५।३९	षट्तिला११व्र.
१२	श	३४	५९	मू	४९	४१	व्या	२७	५३	कौ	८	४३	४५	३९	२१	९	२५	२९	धनुषि	बुधोदयःपूर्वस्यां१।२७
१३	र	२६	५६	पू	४३	३२	ह	१७	१६	ग	०	५८	४८	३८	२२	१०	२६	३०	म.५६।५९	भ.२६/५६उ.५२/५२या.मार्गीशुक्रः२५/३४ प्रदोषः
१४	चं	१८	४७	उ	३७	१७	व	३/३४	५०/३१	श	१८	४७	५१	३८	२२	११	२७	३१	मकरे	
३०	मं	१०	५५	श्र	३१	३२	व्य	५०	११	ना	१०	५५	५४	३७	२३	१२	२८	१	कुं.५८।२१	फर्वरी२ता.२८

४१पं.मा.कृ १मं.इ.४६।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
४	१	१४	१०	१९	१९	४	४
३५	४६	१२	७	११	३९	२४	२१
१३	१६	५४	४४	२८	११	७	४
६१	४२	५७/५५	१२	२६/२९	६	३	६१
३	५	व.	२०	व	२६	११	१९

४२पं.मा.कृ.७मं.इ.४६।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
११	६	६	११	१७	२०	४	११
४२	४९	१२	४०	१०	२८	१	२९
४०	५५	४७	५२	२३	४४	५२	५५
६०	४२/१०	८५	१२	११/१०	७	३	६१
५९	व	३२	४७	व.	१७	११	१२

४३पं.मा.कृ.३०मं.इ.४६/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
१८	११	०	१३	१७	२१	३	१८
४९	५५	२८	१६	४	१८	३९	३८
१६	३७	१२	५५	५९	४७	३६	१
६०	४२	३४/४०	१३	५/१७	७	३	६१
५५	१४	व.	८	मा	२०	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाक: १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:३९५५स.२०२२
१	बु	४	०	ध	२५	१०	व	४२	३४	ब	४	०	२६/५८	६/३६	५/२४	१३	२९	२	कुंभे	शत.३गुरु:०।३७ चंद्रदर्शनम्
२	बु	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	गु	५४	२८	श	२३	५७	प	३६	१६	तै	२६	२६	२७/१	३६	२४	१४	१	३	कुम्भे	पूषा.भौम:४६।२५रज्जव७
४	शु	५२	४७	पू	२२	५३	शि	३१	१०	व	२३	३७	५	३५	२५	१५	२	४	मी८।९	भ.२३।३७उ.५२।४७या.
५	श	५२	५४	उ	२३	४५	सि	२७	५९	ब	२२	५०	८	३४	२६	१६	३	५	मीने	मार्गीबुध:२२।४०वसंत५
६	र	५५	१७	रे	२६	४०	सा	२६	५७	कौ	२४	५	१२	३४	२६	१७	४	६	मे.२६।४०	धनि.रवि:१३।४६(सौर:२४।११)
७	चं	५९	२६	अ	३१	२५	शु	२६	२९	ग	२७	२१	१५	३३	२७	१८	५	७	मेषे	भ.५९/२६उ.कृत्ति.२राहु:विशा.४केतु:५९/२६=
८	मं	६०	०	भ	३७	४३	शु	२७	३१	वि	३२	८	१९	३२	२८	१९	६	८	वृ.५४।३१	भ.३२या.पातमोक्ष:१३/१२भीष्माष्टमी
८	बु	४	५२	कृ	४४	५५	ब्र	२९	२६	ब	४	५२	२३	३१	२९	२०	७	९	वृषे	[=पातस्पर्श:५९/४२भानु७रथ७
९	गु	१०	५८	रो	५२	३०	ऐं	३१	३४	कौ	१०	३५	२७	३१	२९	२१	८	१०	वृषे	
१०	शु	१७	४२	मृ	६०	०	वै	३३	५३	ग	१७	४२	३०	३०	३०	२२	९	११	मि२६।१७	भ.५०।५५उ.
११	श	२४	८	मृ	०	४	वि	३५	५२	वि	२४	८	३४	२९	३१	२३	१०	१२	मिथुने	भ.२४।८या.कुंभेऽर्क:४९।२ (सौर:५६/९)×
१२	र	२९	४३	आ	७	६	प्री	३७	२८	बा	२९	४३	३८	२८	३२	२४	११	१३	क.५६।५२	[×जया११व्र.
१३	चं	३४	३२	पु	१३	२८	आ	३८	४	कौ	२	७	४१	२८	३२	२५	१२	१४	कर्के	प्रदोष:
१४	मं	३७	५५	पु	१८	१८	सौ	३७	३६	ग	६	१३	४५	२७	३३	२६	१३	१५	कर्के	भ.३७।५५उ.
१५	बु	४०	४	श्ले	२२	८	शो	३६	१९	वि	८	५९	४९	२६	३४	२७	१४	१६	सिं२२।८	भ.६०या.शात.४गुरु:१३/१२ मा.स्ना.पू.

४५पं.मा.शु.८मं.इ.४६।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१०	८	९	१	९
२५	१७	२	१४	१८	२२	३	२३
५५	३	८	५४	५२	९	१७	४४
१	४	५३	२९	४८	४	२०	४८
६०	४२	२३/२६	१३	१९	७	३	६०
४७	३२	मा	२०	४४	२०	११	५५

गोचर ग्रहा:

माघ शुक्लें ११ शनौ कुंभेऽर्क: प्रविष्ट:वा.२ न. ३ बालावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादि भावेमहर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहा:

४५पं.मा.शु.१४मं.इ.४६/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१०	८	९	१	१०
२	२२	६	१६	२२	२२	२	२
५९	१२	४५	३४	१२	५९	५५	५०
४९	७	३२	५	२२	१०	५	५१
६०	४२	५१	१३	३१	७	३	६०
४७	४२	५८	३१	२३	१४	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं० २०७८ शाक: १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु	४०	४९	म	२४	४१	अ	३३	५९	बा	१०	२६	२७/५३	६/२५	५/३५	२८	१५	१७	सिंहे	[+(सौर:३३।३१)श्रवणेबुध:३१।२८÷
२	शु	४०	२८	पू	२५	५३	सु	३०	४३	तै	१०	३८	५६	२५	३५	२९	१६	१८	कं.४०।५९	[÷धनि.१शनि:३९।४४
३	श	३९	१४	उ	२६	१६	धृ	२६	४६	व	९	५१	२८/००	२४	३६	३०	१७	१९	कन्यायां	भ.५९/१उ.३९/१४या.शते.रवि:२५/१८+
४	र	३७	५	ह	२५	५५	शू	२२	८	ब	८	१०	४	२३	३७	१	१८	२०	तु.५५।१३	भा.फाल्गुनारंभ: चतुर्थी व्रतम्
५	चं	३३	५५	चि	२४	३१	गं	१६	४३	कौ	५	३०	८	२२	३८	२	१९	२१	तुलायां	उषा.भौम:४८।३०उदयंशने:२३।४
६	मं	३०	२७	स्वा	२२	३३	वृ	१०	५१	ग	२	११	१२	२२	३८	३	२०	२२	तुलायां	भ.३०/२७उ.५८/२४या.उषा.शुक्र:४४/५०
७	बु	२६	२०	वि	२०	७	ध्रु	५/३६	५२/१२	ब	२६	२०	१६	२१	३९	४	२१	२३	वृ.५।१४	
८	गु	२१	३७	अ	१७	५	ह	५०	४०	कौ	२१	३७	२०	२०	४०	५	२२	२४	वृश्चिके	अस्तंगुरो:१९।४८
९	शु	१६	१९	ज्ये	१३	२८	व	४३	०	ग	१६	१९	२४	१९	४१	६	२३	२५	ध.१३।२८	भ.४३।२८उ.
१०	श	१०	३८	मू	९	३२	सि	३५	६	वि	१०	३८	२८	१८	४२	७	२४	२६	धनुषि	भ.१०।३८या.मकरेभौम:११।५१
११	र	४	२५	पू	५	३	व्य	२६	५२	बा	४	२५	३२	१८	४२	८	२५	२७	म.१८।५६	मकरेशुक्र:१०।६विजया११व्र.
१२	र	५३	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[—मार्च३ता.३१ महाशिवरात्रीव्र.
१३	चं	५१	५०	उ	०/३४	५५/३६	व	१८	४३	ग	२४	५८	३६	१७	४३	९	२६	२८	मकरे	भ.५१।५०उ. प्रदोष:
१४	मं	४५	५९	ध	५२	१६	प	११	०	वि	१८	५५	४०	१६	४४	१०	२७	१	कुं.२४।१३	भ.१८।५५या.धनि.बुध:२९।४—
३०	बु	४०	५८	श	४९	२२	शि	३/४०	५३/३०	च	१३	२८	४४	१५	४५	११	२८	२	कुम्भे	पूभा.१गुरु:३।५३

४६पं.फा.कृ.६मं.इ.४७/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१०	८	९	१	१०
१०	२७	१४	१८	२६	२३	२	९
३	२१	२३	१४	४१	४८	३२	५५
२२	५०	४९	३५	३५	४०	४९	२४
६०	४२	७१	१३	४०	७	३	६०
२५	४६	५	३२	१७	८	११	३१

गोचर ग्रहा:

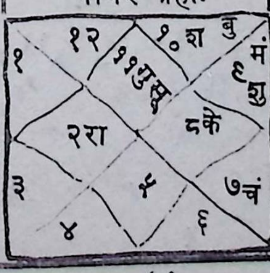

इस मास में शुक्ल-पक्ष की तिथि वृद्धि धान्यों में मंदी करे गुड़ शक्कर सोना चांदी में कुछ तेजीहो

गोचर ग्रहा:

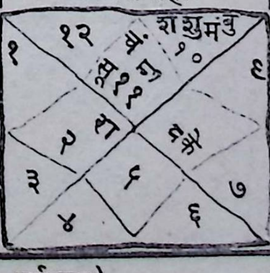

४७पं. फा.कृ.१४मं.इ.४७/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	१०	९	९	१	१०
१७	२	२३	१९	२	२४	२	१६
५	३३	४६	५६	३	३७	१०	५८
३५	४२	१	१७	४३	१	३४	१८
६०	४२	८४	१३	४७	६	३	६०
१२	४६	४५	३८	१०	५८	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गण३९८४स.२०२२
१	गु	३७	६	पू	४७	४९	सा	५१	५८	किं	९	२	२८/४८	६/१४	५/४६	१२	२९	३	मी३३।१२	[=फुलरिया २
२	शु	३४	५६	उ	४७	५२	शु	४७	५४	बा	६	१	५२	१४	४६	१३	३०	४	मीने	पूभा.रवि:४१/२४(सौर:४९/१८) चंद्रदर्शनम्=
३	श	३४	३१	रे	४९	३८	शु	४५	३१	तै	४	४३	५६	१३	४७	१४	१	५	मे.४६।३८	सावान८
४	र	३६	११	अ	५३	१६	ब्र	४४	३२	ब	५	२१	२९/१	१२	४८	१५	२	६	मेषे	भ.५।२१उ.३६।११या. कुंभेबुध:२२।३३
५	चं	३९	२९	भ	५८	२९	ऐं	४४	४४	ब	७	५०	५	११	४९	१६	३	७	मेषे	
६	मं	४४	२०	कृ	६०	०	वै	४६	१५	कौ	११	५५	९	१०	५०	१७	४	८	बृ.१५।१०	
७	बु	४९	५९	कृ	५	१०	वि	४८	२	ग	१७	१०	१३	९	५१	१८	५	९	वृष	भ.४९।५९उ.
८	गु	५६	२७	रो	१२	१९	आ	५०	२२	वि	२३	१३	१७	९	५१	१९	६	१०	मि४६।६	भ.२३।१३या.शतेबुध:३५/५५होलाष्टकम्
९	शु	६०	०	मृ	१९	५३	प्री	५२	३४	बा	२९	३८	२१	८	५२	२०	७	११	मिथुने	श्रवणेशुक्र:०/८२श्रवणेभौम:५३।४१
९	श	२	४९	आ	२७	१६	सौ	५४	१६	कौ	२	४९	२६	७	५३	२१	८	१२	मिथुने	
१०	र	८	३६	पु	३३	५७	शो	५५	१४	ग	८	३६	३०	६	५४	२२	९	१३	क.१७।१७	भ.४०।५९उ. [×आमलकी११व्र.
११	चं	१३	२२	पु	३९	३	अ	५५	८	वि	१३	२२	३४	५	५५	२३	१०	१४	कर्के	भ.१/२ ३/२या.मीनेऽर्क:४२/१७(सौर:४९/३९)×
१२	मं	१६	३८	श्ले	४३	२०	सु	५३	४५	बा	१६	३८	३८	४	५६	२४	११	१५	सिं४३।२०	पूभा.२गुरु:५३।६ प्रदोष:
१३	बु	१८	२१	म	४५	११	धृ	५१	८	तै	१८	२१	४३	३	५७	२५	१२	१६	सिंहे	[+पूभा.बुध:३६।१९ छारेंडी
१४	गु	१८	२०	पू	४५	४७	शू	४७	१४	व	१८	२०	४७	३	५७	२६	१३	१७	सिंहे	भ.१८/२०उ.३७/३४या. होलिका दहनम्
१५	शु	१६	४७	उ	४५	४	गं	४२	२२	व	१६	४७	५१	२	५८	२७	१४	१८	कं.०।३६	उभा.रवि:३।२१(सौर:९।१५)+

४८पं.फा.शु.६मं.इ. ४७/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१०	९	९	१	१०
२४	७	३	२१	८	२५	१	२३
८	४६	४९	३७	४	२३	४८	५९
२२	४१	३७	१९	१६	५३	१८	४१
५९	४३	९४	१३	५२	६	३	६०
५८	२	५१	३८	११	३५	११	६

गोचर ग्रहाः

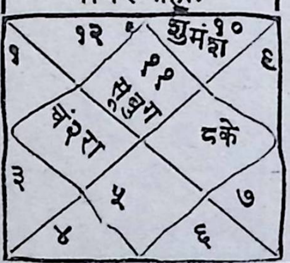

फाल्गुन शुक्ले ११चंद्रे मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३ न. ४ बालावस्था (वैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

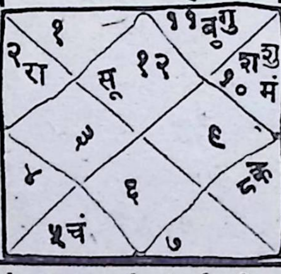

४९पं.फा.शु१२मं.इ. ४६/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	१०	९	९	१	११
१	१२	१५	२३	१४	२६	१	०
५	५९	८	१८	३५	८	२९	५९
३५	३५	२४	५४	३८	५६	२	२३
५९	४३	३०/०	१३	५६	६	३	५९
४१	३	९/५	३२	२१	२६	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०७८ शाकः १९४३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श	१३	५७	ह	४३	२०	बृ	३६	३९	कौ	१३	५७	२९/५५	६/१	५/५९	२८	१५	१९	कन्यायां	वसंत१
२	र	१०	६	चि	४०	३८	ध्रु	३०	१९	ग	१०	६	३०/००	६/००	६/००	२९	१६	२०	तु.१२।०	भ.३७।४७उ.धनि.२शनि:४८।१०
३	चं	५	२९	स्वा	३७	२५	व्या	२३	२७	वि	५	२९	४	५/५९	१	३०	१७	२१	तुलायां	भ.५।२९या.बुधास्त:पूर्वस्यां३/४४चतुर्थी व्र.
४	मं	०	२३	वि	३४	१७	ह	१६	२०	बा	०	२३	८	५८	२	१	१८	२२	वृ.२०।४	भा.चैत्रारंभ:
५	मं	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷कुंभेशुक्र:२।१५ ൭ अप्रेल४ता.३०
६	बु	५०	२	अ	३०	४४	व	९	१५	ग	२२	३१	१२	५८	२	२	१९	२३	वृश्चिके	भ.५०।२उ.
७	गु	४४	४४	ज्ये	२७	२३	सि	२/७	५२/५५	वि	१७	२३	१६	५७	३	३	२०	२४	ध.२७।२३	भ.३/२ ७/३या.मीनेबुध:१०/१ धनि.शुक्र:३९/२१
८	शु	३९	४७	मू	२४	४	व	४८	०	बा	१२	१६	२१	५६	४	४	२१	२५	धनुषि	उभा.बुध:५६।३७शीतलापूजनम्
९	श	३४	४०	पू	२०	४७	प	४०	५९	तै	७	१३	२५	५५	५	५	२२	२६	म.३५।१	उदयंगुरो:०।०
१०	र	२९	४७	उ	१७	४०	शि	३४	१७	व	२	१३	२९	५४	६	६	२३	२७	मकरे	भ.२।१३उ.२९।४७या.
११	चं	२५	५	श्र	१४	५०	सि	२७	४४	बा	२५	५	३३	५३	७	७	२४	२८	कुं.४३।३९	पापमोचनी११व्र.
१२	मं	२०	५४	ध	१२	२८	सा	२१	५०	तै	२०	३२	३७	५३	७	८	२५	२९	कुंभे	धनि.भौम:३४/५१पूभा.३गुरु:५३/२० प्रदोष:
१३	बु	१७	२२	श	१०	४०	शु	१६	१६	व	१७	२२	४१	५२	८	९	२६	३०	मी५५।२	भ.१७।२२उ.४६।१या.
१४	गु	१४	४०	पू	९	४९	शु	११	३५	श	१४	४०	४५	५१	९	१०	२७	३१	मीने	रेवत्यांरवि:३१।०(सौर:३६।४२)÷
३०	शु	१३	१४	उ	१०	१	ब्र	७	५९	ना	१३	१४	४९	५०	१०	११	२८	१	मीने	रेवत्यांबुध:३६।५६ मन्वादि: ൭

५०पं.चै.कृ.४मं.इ. ४८।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	१०	९	९	१	११
८	१८	२७	२४	२१	२६	१	७
३	१५	२७	५९	२९	५२	३	५७
१८	१८	०	१७	४२	२०	४७	१८
५९	४३	०/९	१३	५९	६	३	५९
२९	५	३/५	३२	३६	१४	११	३५

गोचर ग्रहाः

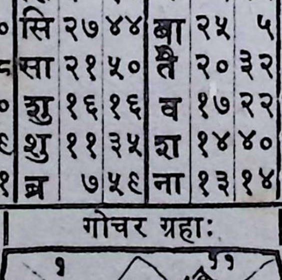

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य रसकस सोना चांदी घृत रुई कपास बारदाना तेज हो प्रजामें महामारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

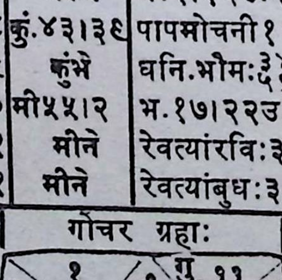

५१पं.चै.कृ.१२मं.इ. ४८/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१०	९	९	१	११
१४	२३	१०	२६	२८	२७	०	१४
५९	३०	४६	३९	४१	३२	४१	५३
१०	४	८	०	१८	३५	३१	२८
५९	४३	०/९	१३	६२	५	३	५९
१६	१३	५/०	२०	३	५०	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

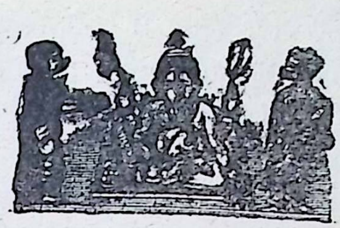

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२३, भोग्यकलिः ४२६८७७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०७९, शाकः १९४४, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः। मंत्री गुरुः। सस्येशःशनिः। धान्येशः शुक्रः। मेघेशो बुधः। रसेशश्चंद्रः। नीरसेशः शनिः। फलेशो भौमः। धनेशःशनिः। दुर्गेशो बुधः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां १० नलनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १।६।०।०।० भोग्यमासादिः १०।२४।०।०।०अग्निदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम भाद्रपदः।मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासोःमालाकार गृहे। समय विश्वा ५ समयवाहनम् महिषः। स्तंभौ३ अन्नजलतृणानाम्।सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी१ भानुसप्तमी ३ रविदशमी २समय मुहूर्तांः ३४५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ९३, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् ५, तृणम् ५, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः११, ऐक्यम्१०१, सत्यम्।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे। ग्रहण २ चंद्रसूर्ययोः।

सं.२०७९ कार्तिक कृष्णा ३० भौमे ग्रस्तास्त सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो
घं.	४	५	६
मि.	२४	२७	२५
घं.	२४	२७	२९
प.	५३	३१	५५

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	१४	८	५	५	१४	५

वर्ष लग्नम् २।१७

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता से कर जोड कर पूछे भैरव लाल।
कैसें बीते जगत में उनियासी की साल।।

भवानी उत्तर

गुण हीनो गुणियासियो निबला वर्षे नीर।
परदेशां के अन्न से बंधे जगत में धीर।।
शनि राजा मंत्री गुरु भलो न यांको संग।
इनकी खैंचाताण में दुनिया होसी तंग।।
फलप भौम सस्येश शनि संवत् विश्वा बाण।
पकी पकाई साख में कर्षा होसी हाण।।
स्तंभ तीन है वर्ष के रोहिणी सिंधु निवास।
संवत् मालाकार घर यह संवत् की त्रास।।
संवतसर का फल कहा शर्मा ज्योतिष देख।
ईश भजन सबसे बडा इसमे मीन न मेष।।

सं.२०७९ कार्तिक शुभ १५भौमे ग्रस्तोदित खग्रास चंद्रग्रहणम्।

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	२	३	४	५	६
प.	३७	४६	२७	८	१७
घं.	२०	२३	२५	२६	२९
प.	२५	१८	०	४२	३४

लाभखर्चं कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	घ.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् १।७

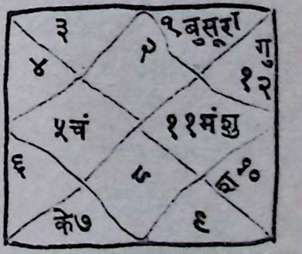

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।०।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।९।११

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनि: फलम् ।। शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूत रोगैः परिपीडयते जन: । युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमंति लोका: क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री गुरु: फलम् ।। विविध धान्ययुता खलु-मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जन पालन तत्परा: सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ॥ सस्येश: शनि: फलं ॥ रविसुते यदि धान्यपतौ जना नृपतिभि: परिपीड़ित विग्रहा: । गदभयं तुष धान्य हरं सदा दुरित वादविवादयुता नराः ।। धान्येश: शुक्र: फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्यं समर्घतां यांति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुध: फलम् ।। अमृत रश्मि सुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशश्चंद्र: फलं ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियां । जल धरा बहुवारि विधायका रसवती घन धान्यवती मही।। नीरसेश: शनि: फलम् ।। अप:पिण्डाडादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तुनां । अर्घं वृद्धि: प्रजायेत मन्दे नीरस नायके ।। फलेशो भौम: फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहु पुण्य फलान्वित पादापाः । गद भयान्वित देशजनास्तदा नृपतयो बहु विग्रह कारका: ।। धनेश: शनि: फलम् । द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणी पतय: सदा । अधनतां वणिजां कृषि ज़ीविनो द्विजवराः परपीड़न मानसा: ।। दुर्गेशो बुधस्तत्फलम् ।। विषम साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्र जनेषु विशेषतां । शशि सुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्यवतां न भयं क्वचित् ।। नलनाम संवत्सर: फलं ।। नलाब्दे मध्य सस्यार्घ वृष्टिभि: प्रवरा धरा । नृप संक्षोभ संजाता भूरि तस्कर भीतय: ।। वर्षनाम भाद्रपद: फलम् ।। अब्दे भाद्रपदे वृष्टि: क्षेमारोग्यं क्वचित् क्वचित् । सर्व सस्य समृद्धि: स्यान्नाशमेति परं फलम् ।। मेघनाम पुष्करस्तत्फलं ।। पुष्करे मंद वृष्टि: स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलं ।। समुद्रे तु महावृष्टि: ।। समयनिवासो माली गृहे फलं ।। मालिनः प्रचुरा वृष्टिः। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०७९ मध्ये विवाहमुहूर्ता:

चैत्र मास:

शुक्ला १३ गुरौ उफा ल. ८-९ रे ८ ऽ।।ऽ।।।।

वैशाख मास:

कृष्णा ३ भौमे अनु ल.गो.(सोग्रांगः)ल.९रे६।ऽ।ऽबुऽ।ऽ।।।
,, ४ बुधे मूले ल. १२ रे. ७ ।।।।ऽचौऽऽ।।
,, ५ गुरौ मूले ल. गो. (सोग्रांगः) ल. ८
,, ६ शुक्रे उभा ल. ८-१२ रे. ८ ऽ।।।ऽरो।।।।
शुक्ला २ चन्द्रे रोहि ल. १०-१२ रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।
(मीने व्ययेर्की)
,, ११ गुरौ हस्ते ल. ९-१० (घ.५२या) रे. ७
।।।ऽनृऽ।ऽ।।। पादद्वेधाभाव:

ज्येष्ठ मास:

कृष्णा ३ बुधे मूले ल. १० रे ८ ।।।।।ऽ।ऽ दग्धादोष:
,, ५ शुक्रे उषा ल. गो ९ रे ७ ।।।।।ऽऽऽ।
,, ११ गुरौ रेव ल. ऽन्यगो ९ रे ७ ।।।।ऽऽऽ।।
शुक्ला १ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो रे ९ ।।।।ऽचौ।।।।
,, ६ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो ९ रे ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ८ बुधे उफा ल. गो ९-१० रे ९ ।।।।।।ऽ।।
,, १२ शनौ स्वात्यां ल.ऽन्यगो ९-१० रे८।।।।ऽरोऽ।।।
,, १५ भौमे मूले ल. १० रे ६ ।।।ऽऽअऽऽ।।

आषाढ मास:

शुक्ला ४ रवौ मघा ल. ऽन्यगो २ रे ६ ऽ।।।ऽरोऽऽ।।
,, ९ शुक्रे स्वात्यां ल. गो. रे ८ ।।।।ऽनृऽ।।।

मार्गशीर्ष मास:

शुक्ला ९ शुक्रे उभा ल. गो. (सौग्रांगः) ल. ६
(गु.चं.पू.) रे ६ ।ऽबृ।।ऽऽ।ऽ दग्धा
,, १५ गुरौ मृगे ल. ६ (गु.पू.सत्) रे ६ ।ऽ।।ऽऽनृ।ऽ।।

पौष मास:

शुक्ले ४ बुधे उभा ल. ९ रे ६ ।।ऽनृ।।ऽअऽऽ।।
,, ५ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो रे ७ ।।ऽबृ।।ऽऽ।।
,, ५ गुरौ रेव ल. ९ रे १० ।।।।।।।।।
,, ६ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो रे ९ ।।।।ऽनृ।।।।

फाल्गुन मास:

कृष्णा १ चन्द्रे मघा ल. ९ रे ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ४ गुरौ उफा ल. गो. रे. ७ ।।।ऽऽरोऽ।।।
,, ११ गुरौ मूले ल. ऽन्यगो रे ७ ।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।
शुक्ला ३ बुधे रेव ल. १० (घ.५५-४१उ) रे ९
।।।।।।।।ऽ दग्धा

चैत्र मास:

कृष्णा १ बुधे हस्ते ल.१०(घ.५४-५६उ)रे९ ।ऽ।।।।।।।
,, २ गुरौ हस्ते ल. गो. ९ रे ८ ।ऽ।।ऽचौ।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभि:

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ४०१४स.२०२२
१	श	१३	५	रे	११	५६	ऐं	५	३१	ब	१३	५	३० ५३	५ ४९	६ ११	१२	२९	२	मे.११।५६	चन्द्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	र	१४	३७	अ	१४	१३	वै	४	१७	कौ	१४	३७	५७	४९	११	१३	१	३	मेषे	रमजान ९ सिंधारा
३	चं	१७	४१	भ	१९	४९	वि	३	५८	ग	१७	४१	३१	४८	१२	१४	२	४	वृ.३६।१९	भ.४९।५७उ.मत्स्यजयंती गणगौरी
४	मं	२२	१३	कृ	२५	५०	प्री	४	३९	वि	२२	१३	५	४७	१३	१५	३	५	वृषे	भ.२२।१३या.
५	बु	२७	३२	रो	३२	३७	आ	६	१७	बा	२७	३२	८	४६	१४	१६	-४	६	वृषे	शतेशुक्रः२०।४३
६	गु	३३	४८	मृ	४०	१४	सौ	८	४५	कौ	०	४०	१२	४६	१४	१७	५	७	मि६।२६	कुंभेभौमः३१।३१
७	शु	४०	८	आ	४७	१८	शो	१०	५५	ग	६	५८	१६	४५	१५	१८	६	८	मिथुने	भ.४०।८उ.अश्वि.मेषेबुधः१४।२
८	श	४६	१	पु	५४	५६	अ	१३	१७	वि	१३	४	१९	४४	१६	१९	७	९	क.३८।२	भ.१३।४या. [=पातमोक्षः५९।२३
९	र	५१	१३	पु	६०	०	सु	१५	५	बा	१८	३७	२३	४३	१७	२०	८	१०	कर्के	रामनवमी [×भरण्यांबुधः ४३/६ प्रदोषः
१०	चं	५४	५०	पु	०	५२	धृ	१५	३१	तै	२३	१	२६	४३	१७	२१	९	११	कर्के	कृत्ति.१राहुःविशा.३केतुः५६।२७
११	मं	५६	५२	श्ले	५	२८	शू	१४	५२	व	२५	५०	३०	४२	१८	२२	१०	१२	सिं५।२८	भ.२५।५०उ.५६।५२या. कामदा११व्र.
१२	बु	५६	४१	म	८	१०	गं	१२	४७	ब	२६	४०	३४	४१	१९	२३	११	१३	सिंहे	पूभा.४मीनेगुरुः३/१४ पातस्पर्शः४/३८=
१३	गु	५४	५१	पू	९	११	वृ	९	११	कौ	२५	४७	३८	४०	२०	२४	१२	१४	कं.२४।०	अश्वि.मेषेऽर्कः४।५७(सौरः११।१६)×
१४	शु	५१	१०	उ	८	२४	ध्रु	४ १३	५३ ३८	ग	२३	०	४२	४०	२०	२५	१३	१५	कन्यायां	भ.५१/१०उ.बुधोदयःपश्चिमायां०।५५
१५	श	४५	५९	ह	५	५९	ह	५०	३२	वि	१८	३४	४६	३९	२१	२६	१४	१६	तु.३४।८	भ.३१/३८या.शते.भौमः२४/१४हनुमज्जयंती

५२पं.चै.शु.४मं.इ.४९।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१०	१०	९	१	११
२१	२८	२५	२८	६	२८	०	२१
५३	४६	१	१६	६	१०	१९	४७
३१	१२	४४	४४	११	२३	१६	३९
५९	४३	३७	१३	६३	५	३	५९
४	१६	३२	१३	५९	२४	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले १३ गुरौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु.१३दृ.इ. ८४/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१०	९	०	११
०	४	१२	०	१५	२८	२९	२९
०	५९	५	१०	२	५२	५३	५३
०	४२	२६	४४	४६	४८	३१	५२
५८	४३	२७	१२	६५	४	३	५८
४५	१२	१३	४७	४७	५०	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र	३९	४३	चि	२ १६	५५ १६	व	४२	२९	बा	१२	५०	३१ ५०	५ ३८	६ २२	२७	१५	१७	तुलायां	
२	चं	३२	५३	वि	५२	३३	सि	३३	५८	तै	६	१७	५३	३७	२३	२८	१६	१८	वृ.३८।४८	भ.५९।१७उ.पूभा.शुक्रः३५।२८
३	मं	२५	४२	अ	४७	१९	व्य	२५	२५	वि	२५	४२	५७	३७	२३	२९	१७	१९	वृश्चिके	भ.२५।४२या. चतुर्थी व्रतम्
४	बु	१८	४०	ज्ये	४२	२६	व	१७	११	बा	१८	४०	३२ १	३६	२४	३०	१८	२०	ध.४२।२६	
५	गु	१२	३	मू	३८	९	प	८	५३	तै	१२	३	५	३५	२५	१	१९	२१	धनुषि	भा.वैशाखारंभः
६	शु	६	५	पू	३४	२०	शि	१ १४	५२ ४	व	६	५	९	३४	२६	२	२०	२२	म.४८।३४	भ.६/५उ.३३/१६या.कृत्ति.बुधः३४/३६
७	श	०	२९	उ	३१	१८	सा	४७	४६	व	०	२९	१२	३४	२६	३	२१	२३	मकरे	
८	श	५५	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	र	५१	५९	श्र	२८	५९	शु	४१	४९	तै	२३	५९	१६	३३	२७	४	२२	२४	कुं.५८।१६	वृषेबुधः१४।४०
१०	चं	४८	५२	ध	२७	३३	शु	३६	४६	व	२०	२५	२०	३२	२८	५	२३	२५	कुंभे	भ.२०।२५उ.४८।५२या.
११	मं	४६	४५	श	२७	०	ब्र	३२	२१	ब	१७	४८	२३	३१	२९	६	२४	२६	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	बु	४५	१८	पू	२६	५९	ऐं	२८	५६	कौ	१६	१	२७	३१	२९	७	२५	२७	मी१२।०	भरण्यांरविः४५/१४(सौरः५२/४१)मीनेशुक्रः३०/५३
१३	गु	४५	१५	उ	२८	२६	वै	२५	५७	ग	१५	१८	३१	३०	३०	८	२६	२८	मीने	भ.४५/१५उ.उभा.१गुरुः३७/५५ प्रदोषः
१४	शु	४५	४९	रे	३०	४७	वि	२४	२६	वि	१५	३२	३४	२९	३१	९	२७	२९	मे.३०।४७	भ.१५।३२या.
३०	श	४८	१२	अ	३४	२९	प्री	२३	२०	च	१७	०	३८	२८	३२	१०	२८	३०	मेषे	उभा.शुक्रः२६/५४धनि.३कुंभेशनिः५०/५४

२पं वै कृ.५वृ.इ. ५।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	११	१०	९	०	०
६	१०	२४	१	२२	२९	२९	६
५०	१५	४३	४३	४७	२३	३०	४४
४२	३२	५५	५५	३५	२०	५५	३
५८	४३	०	१२	६७	४	३	५८
३१	११	९५	२०	१०	२२	११	२९

गोचर ग्रहाः

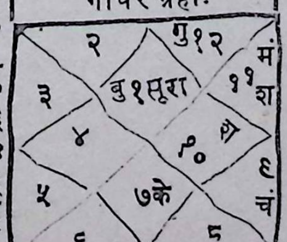

इस मास में धातु सोना चाँदी रुई रंग धान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ तेज हो रसकस कुछ मंदे हो।

गोचर ग्रहाः

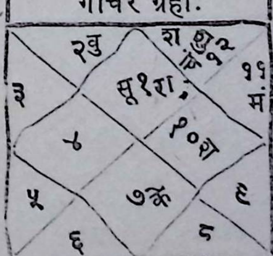

३पं.वै.कृ.१३वृ.इ. ५/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	११	९	०	०
१३	१५	४	३	०	२९	२९	१३
३९	३१	१५	१३	३९	४९	८	३२
४७	३०	३२	३०	२२	४८	४०	२८
५८	४३	६६	१२	६८	३	३	५८
१९	१३	४०	२	१४	४२	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४०४३स.२०२२
१	र	५१	३१	भ	३९	१३	आ	२२	४९	किं	१९	५२	३२/४१	५/२८	६/३२	११	२९	१	वृ.५५।४३	मई५ता.३१
२	चं	५५	५६	कृ	४५	१३	सौ	२३	५५	बा	२३	४४	४५	२७	३३	१२	३०	२	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	मं	६०	०	रो	५१	४३	शो	२५	२५	तै	२८	३९	४८	२६	३४	१३	१	३	वृषे	संव्वाल१०परशुरामजयंतीअक्षया३
३	बु		१ २२	मृ	५९	१३	अ	२७	२५	ग	१	२२	५२	२६	३४	१४	२	४	मि२५।२८	भ.३४।२५उ.पूभा.भौमः०।३७
४	शु		७ २८	आ	६०	०	सु	२९	४९	वि	७	२८	५५	२५	३५	१५	३	५	मिथुने	भ.७।२८या.
५	शु	१३	५३	आ	६	५४	धृ	३२	२७	बा	१३	५३	५८	२४	३६	१६	४	६	क.५७।३०	रोहि.बुधः१८।४७
६	श	२०	५	पु	१४	२२	शू	३४	४०	तै	२०	५	३/३२	२४	३६	१७	५	७	कर्के	[=बुधास्तःपश्चिमायां५२/३६मोहिनी११व्र.
७	र	२५	३५	पु	२१	११	गं	३६	५	व	२५	३५	५	२३	३७	१८	६	८	कर्के	भ.२५।३५उ.५७।४३या.
८	चं	२९	५१	श्ले	२६	५०	वृ	३६	४०	ब	२९	५१	८	२२	३८	२९	७	९	सि२६।५०	वक्रीबुधः२/९पातस्पर्शः३/१ ४/२पातमोक्षः४/८ ७
९	मं	३२	२९	म	३१	१	ध्रु	३५	४७	बा	१	११	११	२२	३८	२०	८	१०	सिहे	[+८।२०उभा.२गुरुः२०।२३
१०	बु	३३	२२	पू	३३	११	व्या	३३	२२	तै	२	५५	१४	२१	३९	२१	९	११	कं.४८।१६	कृत्ति.रविः३१।१०(सौरः४०।५३)
११	गु	३२	११	उ	३३	२८	ह	२९	१९	व	२	४६	१७	२१	३९	२२	१०	१२	कन्यायां	भ.२।४६उ.३२।११या.रेवत्यांशुक्रः२ ७/६=
१२	शु	२८	४७	ह	३१	३१	व	२३	४०	ब	०	२९	२०	२०	४०	२३	११	१३	तु.५९।१२	प्रदोषः
१३	श	२३	४०	चि	२६	५४	सि	१६	३२	तै	२३	४०	२३	१९	४१	२४	१२	१४	तुलायां	बृषेऽर्कः५/२ ६/५वक्रीकृत्तिबुधः१/४ ७/६नृसिंह जयंती
१४	र	१६	४५	स्वा	२२	४४	व्य	८/०	५०/०	व	१६	४५	२६	१९	४१	२५	१३	१५	तुलायां	भ.१६।४५उ.४२।४५याःवृषेऽर्कःसौरः +
१५	चं		८ ४४	वि	१६	३३	प	४८	५९	ब	८	४४	२८	१८	४२	२६	१४	१६	वृ.३।६	यमायकुंभदानम्

४पं.वै.शु.४वृ.इ ५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	११	१०	०	०
२०	२०	९	४	८	०	२८	२०
२७	४७	३२	५१	३६	१२	४६	१९
२५	१०	२	१३	०	३६	२४	१३
५८	४३	२२	१५	६९	३	३	५७
६	२८	५८	२६	४	८	११	५७

गोचर ग्रहाः

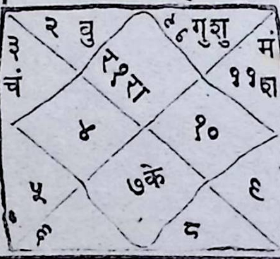

वैशाखशुक्ला१३ शनौ वृषेऽर्कः प्रविष्ट. वा.३ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.११वृ.इ. ५/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	१	११	११	१०	०	०
२७	२६	१०	६	१६	०	२८	२७
१३	२	३०	४	३८	३०	२४	४
३७	२४	२२	३७	१३	३६	९	२७
५७	४३	१३/४१	१०	६९	२	३	५७
५४	२१	व.	५५	५५	२३	११	४५

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	चं	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	५१	९	अ	१०	२	शि	३८	५५	तै	२५	३४	३३/३१	५/१८	६/४२	२७	१५	१७	वृश्चिके	मीनेभौमः२०।१४
३	बु	४२	२९	ज्ये	१३/११	५३/३५	सि	२९	८	व	१६	४९	३४	१७	४३	२८	१६	१८	ध.३।११	भ.१६।४९उ.४२।२९या.
४	गु	३४	२१	पू	५१		सा	२०	२	ब	८	२५	३७	१७	४३	२९	१७	१९	धनुषि	चतुर्थी व्र.
५	शु	२७	१२	उ	४६	२८	शु	११	१०	कौ	०	४६	३९	१६	४४	३०	१८	२०	म.४।५२	[×पातस्पर्शः४०।१५पातमोक्षः५४।५५
६	श	२१	१६	श्र	४३	२	शु	३/३७	५३/२९	व	२१	१६	४२	१६	४४	३१	१९	२१	मकरे	भ.२१।१६उ.४८।५९या.उभा.भौम.५/२ ६/६×
७	र	१६	४१	ध	४०	५७	ऐं	५१	४६	ब	१६	४१	४४	१५	४५	१	२०	२२	कु.१२।०	भा.ज्येष्ठारंभः
८	चं	१३	२५	श	४०	२२	वै	४७	२७	कौ	१३	२५	४७	१५	४५	२	२१	२३	कुम्भे	अश्वि.मेषेशुक्रः४०।४२
९	मं	११	२९	पू	४०	५५	वि	४४	५	ग	११	२९	४९	१४	४६	३	२२	२४	मी२५।४७	भ.४१।१०उ.
१०	बु	१०	५२	उ	४२	५८	प्री	४१	५८	वि	१०	५२	५२	१४	४६	४	२३	२५	मीने	भ.१/५ ०/२या.रोहि.रविः२/५ १/९ (सौरः३४।२८)
११	गु	११	३९	रे	४६	७	आ	४०	४३	बा	११	३९	५४	१३	४७	५	२४	२६	मे.४६।७	अपरा११व्र.
१२	शु	१३	२५	अ	५०	२३	सौ	४०	३७	तै	१३	२५	५६	१३	४७	६	२५	२७	मेषें	प्रदोषः
१३	श	१६	३६	भ	५५	३८	शो	४०	४५	व	१६	३६	५८	१२	४८	७	२६	२८	मेषे	भ.१६।३६उ.४८।३४या.
१४	र	२०	३२	कृ	६०	०	अ	४१	५१	श	२०	३२	३४/००	१२	४८	८	२७	२९	वृ.१२।१०	
३०	चं	२५	३८	कृ	१	४३	सु	४३	३२	ना	२५	३८	२	१२	४८	९	२८	३०	वृषे	वटपूजनम्

६पं. ज्ये.कृ.४वृ.इः ६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	११	१०	०	१
३	१	८	७	२९	०	२८	३
५८	१६	८	२३	४३	४४	१	४८
३७	५	२२	६	१९	२०	५३	१०
५७	४३	३२/१२	१०	७०	१	३	५७
४४	८	व.	१२	३५	३८	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर अलसी धातु सोना चांदी रसकस तेंज रहे कहीं २ अच्छी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

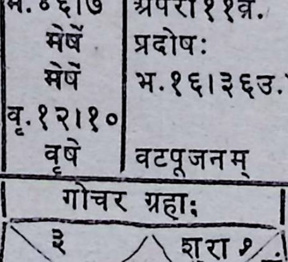

७पं.ज्ये.कृ.११वृ.इ.६।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	०	१०	०	१
१०	६	४	८	२	०	२७	१०
४२	२८	२०	३६	५२	५३	३९	३०
२९	४१	१३	४७	२३	६	३७	२१
५७	४२	३०/४०	९	७१	१	३	५७
३५	५३	व.	२९	६	५	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४०७३स.२०२२
१	मं	३०	५३	रो	८	३१	धृ	४५	४४	ब	३०	५३	३४/३	५/११	४६	१०	२९	३१	मि४२।११	बुधोदयःपूर्वस्यां१०।५४चंद्रदर्शनम्
२	बु	३७	४	मृ	१५	५१	शू	४८	१७	बा	३	५८	५	११	४९	११	१	१	मिथुने	जून६ता.३०जिलकाद११
३	गु	४३	२२	आ	२३	२७	गं	५०	४०	तै	१०	१३	७	११	४९	१२	२	२	मिथुने	
४	शु	४९	३२	पु	३१	०	वृ	५२	५६	व	१६	२७	९	१०	५०	१३	३	३	क.१४।७	भ.३६/२७उ.४९/३२या.भरण्यांशुक्रः५९/४८उभा.३ +
५	श	५५	१६	पु	३८	१९	ध्रु	५५	११	ब	२२	२४	१२	१०	५०	१४	४	४	कर्के	[+ गुरुः४७।२२
६	र	६०	०	श्ले	४४	३५	व्या	५६	२८	कौ	२७	३८	१३	९	५१	१५	५	५	सिं४४।३५	मार्गीबुधः२५।५४वक्रीशनिः२६।१५
६	चं	०	५	म	५०	२	ह	५६	४७	तै	०	५	१५	९	५१	१६	६	६	सिंहे	
७	मं	३	३१	पू	५३	४४	व	५५	४७	व	३	३१	१६	९	५१	१७	७	७	सिंहे	भ.३।३१उ.३४।२७या.
८	बु	५	२२	उ	५५	३५	सि	५३	१५	ब	५	२२	१७	९	५१	१८	८	८	कं.६।११	मृगेरविः१६/५२ (सौरः३३/१८)रेवत्यांभौमः५९/५८
९	गु	५	२४	ह	५५	३५	व्य	४९	३३	कौ	५	२४	१८	८	५२	१९	९	९	कन्यायां	गंगादशमी
१०	शु	३	१९	चि	५३	३८	व	४३	३२	ग	३	१९	१९	८	५२	२०	१०	१०	तु.२४।३६	भ.३१/२०उ.५९/२०या.निर्जला११व्र.स्मा.
११	शु	५६	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	श	५३	११	स्वा	४९	३४	प	३६	१३	ब	२६	१६	१९	८	५२	२१	११	११	तुलायां	निर्जला११व्र.वै.
१३	र	४५	३७	वि	४३	४५	शि	२७	२२	कौ	१९	२४	२०	८	५२	२२	१२	१२	वृ.३०।१२	प्रदोषः
१४	चं	३६	३९	अ	३६	४९	सि	१७	४८	ग	११	८	२१	८	५२	२३	१३	१३	वृश्चिके	भ.३६/३९उ.भरणी४राहुःविशा.२केतुः५१/१९
१५	मं	२६	५६	ज्ये	२९	१२	सा	७/२३	४९/१७	बि	१	४७	२१	८	५२	२४	१४	१४	ध.२९।१२	भ.१/४७या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८पं,ज्ये.शु.३वृ.इ.६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	०	१०	०	१
१७	११	२	९	११	०	२७	१७
२५	३७	९	४५	४	५७	१७	११
१९	५	४३	२२	२६	४०	२२	२७
५७	४२	१३/५	८	७१	०	३	५७
२७	५१	व्र.	४१	३८	२०	११	१३

गोचर ग्रहाः

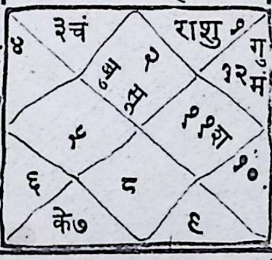

यदा दैत्य गुरुर्मेषे
सर्वधान्य महर्घता ।
महिषी पशु पिडाच
मेघ वर्षा भविष्यति।।
इस मास में मेष का
शुक्र तेजी करेगा ।

गोचर ग्रहाः

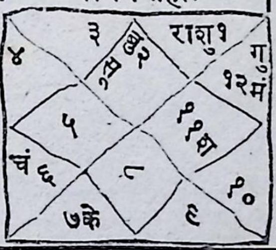

९पं.ज्ये.शु९वृ.इ.६।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	११	०	१०	०	१
२४	१६	३	१०	१९	०	२६	२३
७	४४	२७	४८	१८	५६	५५	५१
१९	२८	५४	०	४७	५३	६	२३
५७	४२	१४/२५	७	७२	२/२	३	५७
२२	३६	मा	४२	२	व्र.	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	बु	१६	५३	मू	२१	३७	शु	४५	५२	कौ	१६	५३	३४/२१	५/८	६/५२	२५	१५	१५	धनुषि	मिथुनेऽर्कः१५/२६(सौरः३४/६)कृत्तिशुक्रः२०/१५
२/३	गु	७/५०	१३/५३	पू	१४	५	ब्र	३५	३०	ग	७	१३	२२	८	५२	२६	१६	१६	म.२७।२३	भ.३२।३९उ.५८।६या.
४	शु	५०	११	उ	७	१७	ऐं	२६	२	ब	२४	८	२२	८	५२	२७	१७	१७	मकरे	पातस्पर्शः३१/२०पातमोक्षः४०/७चतुर्थी व्र.
५	श	४३	४३	श्र	१/५२	५५/५८	वै	१७	३९	कौ	१६	५७	२३	७	५३	२८	१८	१८	कुं.२९।५१	रोहि.बुधः५५।५३बृषेशुक्रः५।५८
६	र	३९	८	श	५५	४०	वि	१०	४३	ग	११	२६	२३	७	५३	२९	१९	१९	कुम्भे	भ.३९।८उ.
७	चं	३६	१८	पू	५५	२०	प्री	५	४	वि	७	४३	२३	७	५३	३०	२०	२०	मी४०।२५	भ.७।४३या
८	मं	३५	१५	उ	५६	५१	आ	१/०	५७/१९	बा	५	४६	२४	७	५३	३१	२१	२१	मीने	
९	बु	३६	२	रे	५९	५८	शो	५६	५६	तै	५	३८	२४	७	५३	१	२२	२२	मे.५९।५८	आर्द्रा.रविः१४/२३ (सौरः३५/३९)भा.आषाढारंभ
१०	गु	३८	१०	अ	६०	०	अ	५७	१	व	७	६	२४	७	५३	२	२३	२३	मेषे	भ.७।६उ.३८।१०या.
११	शु	४१	४९	अ	४	२३	सु	५७	४८	ब	९	५९	२४	७	५३	३	२४	२४	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	श	४६	३०	भ	१०	०	धृ	५९	९	कौ	१४	१०	२४	७	५३	४	२५	२५	वृ.२६।३५	
१३	र	५१	५९	कृ	१६	२०	शू	६०	०	ग	१९	१४	२३	७	५३	५	२६	२६	वृषे	भ.५१।५९उ.रोहि.शुक्रः२८।११प्रदोषः
१४	चं	५७	४३	रो	२३	३१	शू	१	१४	वि	२४	५२	२३	७	५३	६	२७	२७	मि५७।११	भ.२४।५२या.अश्वि.मेषेभौमः२६।४८
३०	मं	६०	०	मृ	३०	५१	गं	३	२२	च	३०	४९	२२	८	५२	७	२८	२८	मिथुने	मृगेबुधः२५।२८
३०	बु	३	५५	आ	३८	२९	बृ	५	५५	ना	३	५५	२२	८	५२	८	२९	२९	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.गु.२इ.६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	११	०	१०	०	२
०	२१	७	११	२७	०	२६	०
४८	४९	३९	४३	३५	५१	३२	३०
३६	४१	३२	३०	३१	२२	५१	३२
५७	४२	४९	६	७२	१/०	३	५६
१७	१७	४१	५३	२५	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

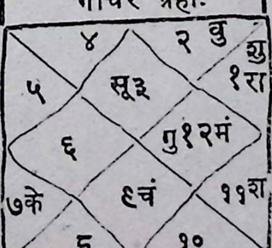

आषाढ कृष्णे १ बुधे
मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा.
५न.५ गतालकावस्था
(ऊभी)मु.३० धान्या
दिभावेसमताशुक्रोदय
पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

११पं.आ.कृ.१०वृ.इ.६।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	११	१	१०	०	२
७	२६	१५	१२	५	०	२६	७
२९	५०	३५	३२	५५	४१	१०	८
३१	३५	२	३१	२३	२५	३५	५९
५७	४१	८१	५	७२	४/६	३	५६
१३	५९	१४	४८	४०	व.	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिणेऽहर्गणः ४१०३स.२०२२
१	गु	१०	४	पु	४५	५८	ध्रु	८	१९	ब	१०	४	३४/२१	५/८	६/५२	९	३०	३०	कं.२९।५	चंद्रदर्शनम्
२	शु	१६	१	पु	५३	१४	व्या	१०	४४	कौ	१६	१	२०	८	५२	१०	१	१	कर्के	उभा.४गुरुः २७/४ जौलाई७ता. ३१जिल्हेज =
३	श	२१	३१	श्ले	५९	२८	ह	१२	४४	ग	२१	३१	१९	८	५२	११	२	२	सिं५९।२८	भ.५३।५१उ. मिथुनेबुधः१०।१५
४	र	२६	१२	म	६०	०	व	१३	५६	वि	२६	१२	१८	८	५२	१२	३	३	सिंहे	भ.२६।१२या. [=१२रथयात्रा
५	चं	२९	५३	म	५	१०	सि	१४	४९	बा	२९	५३	१७	९	५१	१३	४	४	सिंहे	
६	मं	३२	१७	पू	९	४७	व्य	१४	४७	कौ	१	५	१६	९	५१	१४	५	५	क.२५।३५	आर्द्राबुधः ४/४ ३/३ बुधास्तःपूर्वस्यां३५।४१
७	बु	३३	९	उ	१२	५८	व	१३	२५	ग	२	४३	१५	९	५१	१५	६	६	कन्यायां	भ. ३/९ ३उ पुन.रविः १/१ ३/१ (सौरः ३९/४१)
८	गु	३२	३२	ह	१४	३७	प	१०	४३	वि	२	५०	१४	९	५१	१६	७	७	तु ४४।२९	भ.२।५०या. मृगेशुक्रः३८।५२
९	शु	२९	५९	चि	१४	२३	शि	९	४४	बा	१	१९	१३	९	५१	१७	८	८	तुलायां	
१०	श	२५	४४	स्वा	१२	२३	सि	१/३	५३/७	ग	२५	४४	११	१०	५०	१८	९	९	वृ.५४।३७	भ. ५/४ २/१ उ.वक्रीधनि. २मकरेशनि ५०।२२
११	र	१९	३८	वि	८	४१	शु	४६	१३	वि	१९	३८	१०	१०	५०	१९	१०	१०	वृश्चिके	भ.१९।३८या.देवशयनी११व्र.
१२	चं	१२	०	अ	३/०	५३/२२	शु	३६	४७	बा	१२	०	८	१०	५०	२०	११	११	ध.५६।५२	प्रदोषः
१३	मं	३	६	मू	४९	२२	ब्र	२६	३५	तै	३	६	७	११	४९	२१	१२	१२	धनुषि	भ.५३।२२उ.पुन.बुधः२१।४७
१४	मं	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[×पूजा वायु परीक्षा
१५	बु	४३	१९	पू	४१	३२	ऐं	१५	४४	वि	१८	२०	५	११	४९	२२	१३	१३	म.५४।३२	भ.१८।१०या.मिथुनेशुक्रः१३।३२व्यास×

१२पं.आ.शु.१वृ.इ.६।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	११	१	१०	०	२
१४	१	२६	१३	१४	०	२५	१३
९	५०	१९	१३	१६	२७	४८	४७
५८	३१	८	४१	३७	४	१९	४
५७	४१	७/०	४	७३	२/२	३	५७
७	३७	४६	४१	१	व	११	७

गोचर ग्रहाः

इस मासमें गुड़शक्कर गन्ना चीनी वस्त्र तेज हो धान्य–गल्ले में कुछ मंदी चले प्रजा में विरोध फैलें कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

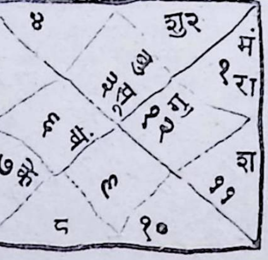

१३पं.श्रा.शु.८वृ.इ. ६।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	११	१	१०	०	२
२०	६	९	१३	२२	०	२५	२०
५०	४५	२५	४६	३९	८	२६	२४
२४	४७	५५	३४	५४	१३	४	५८
५७	४०	७/०	३	७३	००	३	५६
७	५७	२५	३५	१६	व.	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	गु	३३	२०	उ	३३	३३	वै	५४/३	४९/३	बा	८	१९	३४/३	५/१५	६/४९	२३	१४	१४	मकरे	
२	शु	२४	७	श्र	२६	३५	प्री	४४	१७	ग	२४	७	१	१२	४८	२४	१५	१५	कुं.५३।४०	भ.५०।४उ.
३	श	१६	१	ध	२०	४६	आ	३५	३५	वि	१६	१	३३/५९	१२	४८	२५	१६	१६	कुंभे	भ. १६/१ या.कर्केऽर्कः ४३/३७ भरण्यांभौमः =
४	र	९	३४	श	१६	३६	सौ	२८	११	बा	९	३४	५७	१३	४७	२६	१७	१७	मी५९।४७	कर्केऽर्कःसौरः १/२ २/५ कर्केबुधः४।३७
५	चं	५	७	पू	१४	११	शो	२२	२१	तै	५	७	५५	१३	४७	२७	१८	१८	मीने	पुष्येबुधः १५/३ आर्द्राशुक्रः४६।१३नाग ५
६	मं	२	४४	उ	१३	५०	अ	१८	८	व	२	४४	५२	१४	४६	२८	१९	१९	मीने	भ.२।४४उ.३२।३९या.
७	बु	२	३३	रे	१५	४९	सु	१५	४५	ब	२	३३	५०	१४	४६	२९	२०	२०	मे.१५।४९	पुष्येरविः११।५५(सौरः४३।६)
८	गु	४	९	अ	१९	२०	धृ	१४	४४	कौ	४	९	४८	१४	४६	३०	२१	२१	मेषे	[=४१।५चतुर्थी व्र.
९	शु	७	३८	भ	२४	३९	शू	१५	२३	ग	७	३८	४५	१५	४५	३१	२२	२२	वृ.४१।१३	भ.३९।५४उ.
१०	श	१२	१०	कृ	३०	५६	गं	१६	२९	वि	१२	१०	४३	१५	४५	१	२३	२३	वृषे	भ.१२।१०या.भा.श्रावणारंभः
११	र	१८	१०	रो	३८	२५	वृ	१८	४०	बा	१८	१०	४०	१६	४४	२	२४	२४	वृषे	आश्ले.बुधः४७।४९कामिका११व्र.
१२	चं	२४	१३	मृ	४५	५२	ध्रु	२१	४	तै	२४	१३	३८	१६	४४	३	२५	२५	मि१२।८	प्रदोषः
१३	मं	३०	३७	आ	५३	३६	व्या	२३	४२	व	३०	३७	३५	१७	४३	४	२६	२६	मिथुने	भ.३०।३७उ.
१४	बु	३६	४०	पु	६०	०	ह	२६	४	वि	३	३८	३३	१७	४३	५	२७	२७	क.४४।२	भ.३।३८या.वक्रीगुरुः२०।२३
३०	गु	४२	१९	पु	०	५०	व	२८	१६	च	९	२९	३०	१८	४२	६	२८	२८	कर्के.	बुधोदयःपश्चिमायां५५।५१हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.१वृ.इ.५।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	११	२	९	०	२
२७	११	२३	१४	१	२९	२५	२७
३०	३५	४०	११	४	४६	३	३
४३	२०	५२	२	१२	५	४८	५
५७	४०	७/२	२	७३	३/३	३	५६
११	२८	१७	०	२६	व.	११	५४

१५पं.श्रा.कृ.८वृ.इ.५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	११	२	९	०	३
४	१६	९	१४	९	२९	२४	३
११	२०	११	२६	३१	२०	४१	४१
२८	१७	५३	६	१९	४६	३३	३२
५७	३९	३७/०	०	७३	३/५८	३	५६
१५	४६	४०	५८	४०	व.	११	५९

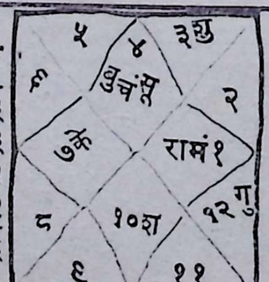

१६पं.श्रा.कृ.३०वृ.इ.५।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	३	११	२	९	०	३
१०	२०	२३	१४	१७	२८	२४	१०
५२	५८	३	३२	५९	५२	१९	२०
३०	३७	२५	३१	३१	३७	१७	४९
५७	३९	५/१	०/७	७३	१/४	३	५७
२०	१४	४८	व.	५०	व.	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१३२सन्२०२२
१	शु	४७	९	पु	८	५	सि	२९	५९	किं	१४	४४	३३/२७	५/१९	६/४१	७	२९	२९	कर्के	पुन.शुक्र:४३।३२
२	श	५१	२६	श्ले	१३	५२	व्य	३१	८	बा	१९	१७	२४	१९	४१	८	३०	३०	सिं१३।५२	चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	र	५४	३१	म	१९	१३	व	३१	४०	तै	२२	५८	२२	२०	४०	९	१	३१	सिंहे	मघा.सिंहेबुध:५३/१०मोहोरम१सन्१४४४=
४	चं	५६	३१	पू	२३	३२	प	३१	८	व	२५	३१	१९	२०	४०	१०	२	१	कं.३९।२३	भ.३५/३१उ.५६/३१या.अगस्त८ता.३१वरद४
५	मं	५७	२८	उ	२६	५३	शि	३०	१	ब	२६	५९	१६	२१	३९	११	३	२	कन्यायां	नागपंचमी [=हि.तीज
६	बु	५७	११	ह	२९	६	सि	२८	१०	कौ	२७	१९	१३	२१	३९	१२	४	३	तु.५९।३४	आश्ले.रवि:८।५६(सौर:४३।५३)
७	गु	५५	४३	चि	३०	२	सा	२४	५९	ग	२६	२७	१०	२२	३८	१३	५	४	तुलायां	भ.५५।४३उ.
८	शु	५२	४५	स्वा	२९	३१	शु	२०	५३	वि	२४	१४	७	२३	३७	१४	६	५	तुलायां	भ.२४।१४या.कृत्ति.भौम:५७।१४
९	श	४८	२६	वि	२७	४६	शु	१५	२७	बा	२०	३५	४	२३	३७	१५	७	६	वृ.१३।१२	कर्केशुक्र:५५।४९
१०	र	४२	४३	अ	२४	३५	ब्र	९	४	तै	१५	३४	०	२४	३६	१६	८	७	वृश्चिके	
११	चं	३५	४५	ज्ये	२०	७	ऐं	३८	५९/३१	व	९	१४	३२/५७	२५	३५	१७	९	८	ध.२०।७	भ.९/१४उ.३५/४५या.पूफा.बुध:४/४६पवित्रा११व्र
१२	मं	२७	४२	मू	१४	२८	वि	४३	४६	ब	१	४३	५४	२५	३५	१८	१०	९	धनुषि	पुष्येशुक्र:४२।३९प्रदोष:
१३	बु	१८	५८	पू	८	१	प्री	३३	४९	तै	१८	५८	५०	२६	३४	१९	११	१०	म.२१।१५	
१४	गु	९	४०	उ	५७/०	५५/१२	आ	२३	२४	व	९	४०	४७	२७	३३	२०	१२	११	मकरे	भ.९।४०उ.३५।९या.वृषेभौम:१७।७
१५	शु	०	३७	ध	४७	१७	सौ	१३	२८	ब	०	३७	४४	२७	३३	२१	१३	१२	कु.२०।३२	श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्

१७पं.श्रा.शु.७वृ.इ.२९/५

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	११	२	९	०	३
१७	२५	५	१४	२६	२८	२२	१७
३४	२८	३५	२८	३०	२२	५७	०
१२	३४	१०	३४	७	४१	१	३७
५७	३८	२०/०	१/३३	७३	४/३४	३	५७
२५	२१	५/३४	व.	५६	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

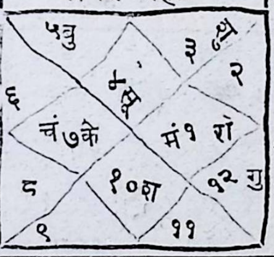

श्रावण कृष्णऐ ३ शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ६ बालावस्था (बैठी) मु. १५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदय पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

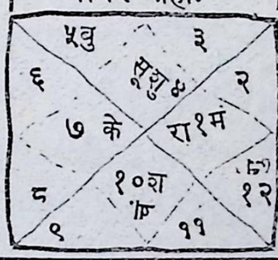

१८पं.श्रा.शु.१४वृ.इ.२०/५

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	५	११	३	९	०	३
२४	२९	१६	१४	५	२७	२२	२२
१६	५२	४८	१५	२	५१	३४	४१
३७	३४	१४	२९	२	४०	४६	४४
५७	३७	९१	५२	७४	४/४०	३	५७
३३	२०	३८	व.	२	व.	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४४	४९	श	४१	५३	शो	४/४	५१/१९	तै	१८	२७	३२/४०	५/२८	६/३२	२२	१४	१३	कुम्भे	
३	र	३९	११	पू	३८	८	सु	४८	७	व	१२	०	३७	२९	३१	२३	१५	१४	मी२४।१४	भ.१२।०उ.३९।११या.चतुर्थीव्र.
४	चं	३५	२२	उ	३५	५१	धृ	४२	२३	ब	७	१६	३३	२९	३१	२४	१६	१५	मीने	भरणी३राहु:विशा.१केतु:४३।४९
५	मं	३३	५१	रे	३६	२	शू	३८	२३	कौ	४	३७	३०	३०	३०	२५	१७	१६	मे.३६।२	चंद्रषष्ठी
६	बु	३४	२०	अ	३८	७	गं	३५	५५	ग	४	५	२६	३१	२९	२६	१८	१७	मेषे	भ.३४/२०उ.मघा.सिंहेऽर्कः५२/८(सौर:४१/१८)
७	गु	३७	५	भ	४२	१७	वृ	३५	२२	वि	५	४३	२२	३२	२८	२७	१९	१८	वृ.५८।४३	भ.४३/५या.उफा.बुध:४८/४जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	शु	४१	१७	कृ	४८	०	ध्रु	३५	४४	बा	९	११	१९	३२	२८	२८	२०	१९	वृषे	जन्माष्टमी व्र.वै.
९	श	४६	४७	रो	५४	५२	व्या	३७	२५	तै	१४	२	१५	३३	२७	२९	२१	२०	वृषे	कन्यायांबुध:४१/७आश्ले.शुक्र:३३/७गोगा ९
१०	र	५२	५८	मृ	६०	०	ह	३९	३२	व	१९	५२	१२	३४	२६	३०	२२	२१	मि२८।२९	भ.१९।५२उ.५२।५८या.
११	चं	५९	२३	मृ	२	८	व	४२	२	ब	२६	१०	८	३४	२६	३१	२३	२२	मिथुने	अजा११व्र. [Hपिठोरी३०
१२	मं	६०	०	आ	९	५३	सि	४४	३४	कौ	३२	२७	४	३५	२५	१	२४	२३	मिथुने	भा.भाद्रपदारंभ:वत्सद्वादशी
१२	बु	५	३१	पु	१७	१७	व्य	४६	४७	तै	५	३१	१	३६	२४	२	२५	२४	क.०।२६	प्रदोष:
१३	गु	११	०	पु	२४	१६	व	४८	२८	व	११	०	३१/५७	३७	२३	३	२६	२५	कर्के	भ.११।०उ.४३।१४या.वक्रीउभा.३गुरु:+
१४	शु	१५	२८	श्ले	३०	७	प	४९	१०	श	१५	२८	५३	३७	२३	४	२७	२६	सिं.३०।७	[+२१।२२
३०	श	१८	५५	म	३४	५१	शि	४९	१०	ना	१८	५५	४९	३८	२२	५	२८	२७	सिंहे	वक्रीधनि.१शनि:६।४६ कुशाग्रहणी H

१९पं.भा.कृ.७वृ इ.५।११

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	११	३	९	०	४
०	४	२६	१३	१२	२७	२३	०
५९	६	४०	५३	३६	२०	१२	२३
५३	१८	३०	२०	११	४२	३०	५७
५७	३६	७६	४/४	७४	४/४०	३	५७
४०	११	४६	व.	८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

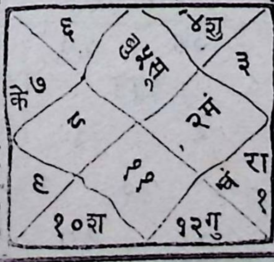

भाद्रपद कृष्णे ६बुध सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न. १ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

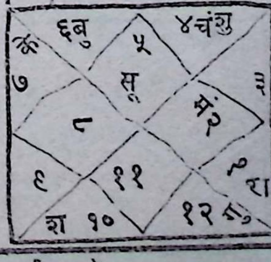

२०पं.भा.कृ.१३वृ.इ.५।१

र	सं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	३	९	०	४
७	८	५	१३	२२	२६	२२	७
४४	१०	०	२१	११	४९	५०	७
२०	४४	०	२१	२८	१६	१५	२५
५७	३४	५८	५/१२	७४	४/३४	३	५७
४९	५८	५२	व.	१६	व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१६२सं.२०२२
१	र	२१	१०	पू	३८	३४	सि	४८	१७	ब	२१	१०	३१/४६	५/३९	६/२५	६	२९	२८	कं.५४।१३	रोहि.भौम:१२।३१चंद्रदर्शनम्
२	चं	२२	१३	उ	४१	११	सा	४६	३०	कौ	२२	१३	४२	४०	२०	७	१	२९	कन्यायां	हस्तेबुध:५०।३५सफर२
३	मं	२२	२०	ह	४२	३७	शु	४३	५०	ग	२२	२०	३८	४०	२०	८	२	३०	कन्यायां	भ.५१/०उ.पूफा.रवि:५/३ ३/४हरितालिका३
४	बु	२१	२०	चि	४३	१४	शु	४०	१८	वि	२१	२०	३४	४१	१९	९	३	३१	तु.१२।५५	भ.२१।२०या.पूफा.रवि:सौर:३१।९ +
५	गु	१९	३८	स्वा	४२	५८	ब्र	३६	१९	बा	१९	३८	३०	४२	१८	१०	४	१	तुलायां	सितम्बर९ता.३०ऋषिपंचमी
६	शु	१६	४९	वि	४१	४९	ऐं	३१	२२	तै	१६	४९	२६	४३	१७	११	५	२	वृ.२७।६	[+मघा.सिंहेशुक्र:२५।७गणेशचतुर्थी
७	श	१३	१०	अ	३९	५८	वै	२५	५१	व	१३	१०	२२	४४	१६	१२	६	३	वृश्चिके	भ.१३।१०उ.४०।५८या.
८	र	८	४६	ज्ये	३७	४	वि	१९	३२	ब	८	४६	१८	४४	१६	१३	७	४	ध.३७।४	
९	चं	३	२८	मू	३३	२६	प्री	१२	४०	कौ	३	२८	१५	४५	१५	१४	८	५	धनुषि	
१०	चं	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	मं	५०	४४	पू	२८	५६	आ	५/०	५१/५०	व	२४	७	११	४६	१४	१५	९	६	म.४२।४७	भ.२४/७उ.५०/४४या.जलझूलनी११व्र.स्मा.
१२	बु	४३	१९	उ	२३	५२	शो	४८	१२	ब	१७	२	७	४७	१३	१६	१०	७	मकरे	जलझूलनी११व्र.वै.वामनजयंती
१३	गु	३५	५२	श्र	१८	२०	अ	३९	१७	कौ	९	३४	३	४७	१३	१७	११	८	कुं.४५।३६	वक्रीबुध:३४।१प्रदोप:
१४	शु	२७	४७	ध	१२	५३	सु	३०	२८	ग	१	४६	३०/५९	४८	१२	१८	१२	९	कुंभे	भ.२७।४७उ.५४।४५या.अनंत१४
१५	श	२१	४२	श	७	५०	धृ	२२	१३	ब	२१	४२	५५	४९	११	१९	१३	१०	मी४९।४६	महालयारंभ:कु.संध्यापूजनारंभ:

२१पं.भा.शु.५वृ.इ.५४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	९	०	४
१४	१२	११	१२	०	२६	२२	१३
३०	३	१९	४२	४९	१९	२७	५२
०	३२	५९	७	१६	५५	५९	३७
५८	३३	३५	६/११	७४	४/१३	३	५८
१	४०	४४	व.	२०	व.	११	१

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धातु सोना चांदी गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ अलसी तेज हो प्रजा में महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.शु.१३वृ.इ.४४/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	९	०	४
२१	१५	१४	११	९	२५	२२	२०
१७	४२	४२	५६	२८	५१	५	३९
२	४०	०	२०	१६	४	४३	१७
५८	३१	३	६/५७	७४	३/५८	३	५८
१३	४९	७	व	२६	व.	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	र	१६	४	पू	३	४४	शू	१४	४०	कौ	१६	४	३०/५१	५/५०	६/१०	२०	१४	११	मीने	पूफा.शुक्र:११।३२
२	चं	१२	४	उ	०/४६	५८/५५	गं	८	१३	ग	१२	४	४७	५१	९	२१	१५	१२	मे.५९।४१	भ.४०।५४उ.
३	मं	९	४४	अ	६०	०	धृ	३/२२	५६/१	वि	९	४४	४३	५१	९	२२	१६	१३	मेषे	भ.४३/४या.उफा.रवि:३६।५९चतुर्थीव्र.
४	बु	९	१४	अ	०	२६	व्या	५७	३४	बा	९	१४	३९	५२	८	२३	१७	१४	मेषे	उफारवि:सौर:१५।४९
५	गु	११	६	भ	३	१७	ह	५६	४५	तै	११	६	३५	५३	७	२४	१८	१५	वृ.१९।२५	[×पश्चिमायां४१।३९
६	शु	१४	३६	कृ	७	५२	व	५७	२८	व	१४	३६	३१	५४	६	२५	१९	१६	वृषे	भ.१४।३६उ.४७।१०या. बुधास्त: ×
७	श	१९	४३	रो	१३	५९	सि	५९	१४	ब	१९	४३	२७	५५	५	२६	२०	१७	मि४७।३१	कन्यायामर्क:२।२०(सौर.४१।०)
८	र	२५	२९	मृ	२१	४	व्य	६०	०	कौ	२५	२९	२२	५६	४	२७	२१	१८	मिथुने	[Aभा.आश्विनारंभ:प्रदोप:
९	चं	३१	५६	आ	२८	२८	व्य	१	२६	ग	३१	५६	१८	५६	४	२८	२२	१९	मिथुने	वक्रीउफा.बुध:५९।२४मातृ९
१०	मं	३८	९	पु	३६	५	व	३	५५	व	५	२	१४	५७	३	२९	२३	२०	क.१९।११	भ.५।२उ.३८।९या.
११	बु	४३	३३	पु	४३	१०	प	९	१०	ब	१०	५१	९	५८	२	३०	२४	२१	कर्के	उफा.शुक्र:५५।३०इंदिरा११व्र.
१२	गु	४८	११	श्ले	४९	७	शि	७	५५	कौ	१५	५२	५	५९	१	३१	२५	२२	सिं४९।७	[+भौम:३३।४३शस्त्रादिहताना श्रा.
१३	शु	५१	१९	म	५३	४८	सि	८	४७	ग	१९	४५	३०/००	६/००	६/००	१	२६	२३	सिंहे	भ.५१।१९उवक्रीउभा.२गुरु:२८।३४A
१४	श	५२	५३	पू	५७	१२	सा	८	३७	वि	२२	६	२६/५६	१	५/५९	२	२७	२४	सिंहे	भ.२२।९या.कन्यायांशुक्र:३/६ ६/१मृगे +
३०	र	५३	१०	उ	५९	४	शु	७	१६	च	२३	१	५२	२	५८	३	२८	२५	क.१२।४०	सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.५वृ.इ.४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	५	११	४	९	०	४
२८	१९	१३	११	१८	२५	२१	२७
५५		४७	५	९	२५	४३	२७
२४	३१	१३	२८	११	५२	२८	३५
५८	२९	४१/३६	७/३७	७४	३/३७	३	५८
२६	५९	व.	व	२६	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

आश्विनकृष्णे ७ शनौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्धताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

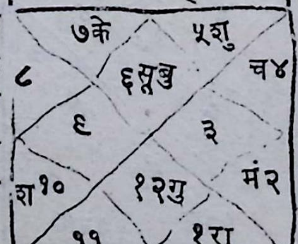

२४पं.आ.कृ.१२वृ.इ.२५/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	४	९	०	५
४	२२	७	१०	२६	२५	२१	४
५५	११	२०	११	५१	४	२१	१७
१६	२०	१३	२	४	३४	१२	४२
५८	२७	७६/४१	५/७२	७४	२/५१	३	५८
३८	३२	व.	व	३२	व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४१९१स.२०२२
१	चं	५१	५०	ह	५९	३७	शु	४	४८	किं	२२	२६	२९/४८	६/३	५/५८	४	२६	२६	कन्यायां	नवरात्रारंभ:मातामहश्रा.
२	मं	४९	३२	चि	५९	१३	ब्र	१/०	५५/४४	बा	२०	४१	४४	३	५७	५	३०	२७	तु.२९।५०	हस्तेरविः३५/२९(सौरः५३/३०)चंद्रदर्शनम्
३	बु	४६	३२	स्वा	५७	५३	वै	५१	४८	तै	१८	२	४०	४	५६	६	१	२८	तुलायां	रविलावल३
४	गु	४२	४२	वि	५५	४५	वि	४५	५६	व	१४	३७	३६	५	५५	७	२	२९	वृ.४१।१७	भ.१४।३७उ.४२।४२या.
५	शु	३८	२५	अ	५३	१७	प्री	३९	४८	ब	१०	३३	३२	६	५४	८	३	३०	वृश्चिके	बुधोदय:पूर्वस्यां२९।४५
६	श	३३	४७	ज्ये	५०	३३	आ	३३	२७	कौ	६	५	२८	६	५४	९	४	१	ध.५०।३३	शुक्रास्त:पूर्वस्यां२६/४अक्टूबर१०ता.३१
७	र	२८	५९	मू	४७	२७	सौ	२६	४६	ग	१	२३	२३	७	५३	१०	५	२	धनुषि	भ.२८।५९उ.५६।२७या.मार्गीबुधः ×
८	चं	२३	५४	पू	४४	४	शो	१९	५०	ब	२३	५४	१९	८	५२	११	६	३	म.५८।१०	[×३१।३५हस्तेशुक्रः३५।३४
९	मं	१८	३९	उ	४०	३१	अ	१२	४४	कौ	१८	३९	१५	९	५१	१२	७	४	मकरे	
१०	बु	१३	६	श्र	३६	४७	सु	५/३१	५२/३२	ग	१३	६	११	१०	५०	१३	८	५	मकरे	भ.४०।१९उ.
११	गु	७	३३	ध	३३	९	शू	५०	४०	वि	७	३३	७	११	४९	१४	९	६	कुं.४।५८	भ.७।३३या.पापांकुशा११व्र.
१२	शु	२	६	श	२९	३८	गं	४३	४१	बा	२	६	३	११	४९	१५	१०	७	कुंभे	प्रदोषः
१३	शु	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=व्र. का. स्ना प्रा.
१४	श	५२	३६	पू	२६	३८	बृ	३७	२	ग	२४	४७	२६/५९	१२	४८	१६	११	८	मी१२।२५	भ.५२।३६उ.
१५	र	४९	१६	उ	२४	२३	ध्रु	३०	५५	वि	२०	५६	५५	१३	४७	१७	१२	९	मीने	भ.२०।५६या.शरदपूर्णिमाकोजागरी=

२५पं.आ.शु.४वृ.इ.१।४/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	५	९	०	५
११	२४	१	९	५	२४	२०	११
४६	५८	१०	१४	३४	४५	५८	९
५२	३०	३८	३८	२६	२९	५७	४१
५८	३४	४२/४	७/५२	७४	२/१७	३	५९
५३	३२	व.	व.	३२	व.	११	००

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला धातु सोना चांदी चंदन रुई कपास वारदाना केसर वस्त्र सभी पदार्थ तेज होगें ।

गोचर ग्रहाः

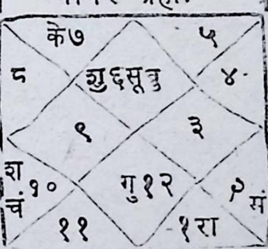

२६पं.आ.शु.११वृ.इ.४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	५	९	०	५
१८	२७	१	८	१४	२४	२०	१८
४०	१६	१५	१९	१९	३१	३६	२
८	५८	३२	४१	५	२३	४१	२८
५९	२२	४३/१०	७/४४	७४	१/४३	३	५९
९	२२	मा	१.	३२	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	चं	४७	१९	रे	२३	२५	व्या	२५	४८	बा	१८	१७	२८/५१	६/१४	५/४६	१८	१३	१०	मे.२३।२५	चित्रा.रविः४७।३१ [÷प्रदोष:धन१३
२	मं	४६	५९	अ	२३	५३	ह	२१	१९	तै	१७	९	४७	१५	४५	१९	१४	११	मेषे	चित्रा.रविःसौर:२४।४
३	बु	४८	२४	भ	२५	५३	व	१९	२३	व	१७	४१	४३	१५	४५	२०	१५	१२	वृ.४१।१४	भ.१७।४१उ.४८।२४या.
४	गु	५१	२३	कृ	२९	४०	सि	१८	५	ब	१९	५३	३९	१६	४४	२१	१६	१३	वृषे	चित्रा.शुक्र:१६।५७करकचतुर्थीव्र.
५	शु	५६	१२	रो	३५	०	व्य	१७	५५	कौ	२३	४७	३५	१७	४३	२२	१७	१४	वृषे	हस्तेबुध:९।५० [×महालक्ष्मीपूजनम्
६	श	६०	०	मृ	४१	२८	व	१९	४	ग	२८	५८	३१	१८	४२	२३	१८	१५	मि८।१४	मिथुनेभौम:४६।४१
६	र	१	४४	आ	४८	४१	प	२०	४०	व	१	४४	२७	१९	४१	२४	१९	१६	मिथुने	भ.१।४४उ.३४।५६या.
७	चं	८	७	पु	५६	४१	शि	२२	५८	ब	८	७	२३	१९	४१	२५	२०	१७	क.३९।४१	तुलायामर्कः३१/२०भरणी२राहु:स्वाती +
८	मं	१४	३१	पु	६०	०	सि	२५	१४	कौ	१४	३१	२०	२०	४०	२६	२१	१८	कर्के	तुलार्क:सौर:६/४८तुलायांशुक्रः३५।५२
९	बु	२०	२१	पु	३	३७	सा	२७	२३	ग	२०	२१	१६	२१	३९	२७	२२	१९	कर्के	भ.५२।४५उ. [+४केतु:३६।८
१०	गु	२५	१०	श्ले	१०	१४	शु	२८	३४	वि	२५	१०	१२	२२	३८	२८	२३	२०	सिं१०।१४	भ.२५/१०या.वक्रीउभा.१गुरुः७/२४बुधास्तः=
११	शु	२८	३५	म	१५	२२	शु	२८	४६	बा	२८	३५	८	२२	३८	२९	२४	२१	सिंहे	रमा११व्र. [=पूर्वस्यां१५।०
१२	श	३०	१६	पू	१९	८	ब्र	२७	४७	तै	३०	१६	४	२३	३७	३०	२५	२२	कं.३४।३७	चित्रा.बुध:२५/५२मार्गीशनि:२३।४७
१३	र	३०	७	उ	२१	६	ऐं	२५	१७	ग	०	११	०	२४	३६	१	२६	२३	कंन्यायां	भ.३०/७उ.५९/१०या.स्वात्यांशुक्र:५४।१६ ÷
१४	चं	२८	१२	ह	२१	२३	वै	२१	३२	श	२८	१२	२७/५६	२५	३५	२	२७	२४	तु५०।४४	स्वात्यांरविः१३/३२(सौरः४७/५१रुप१४ ×
३०	मं	२४	४८	चि	२०	६	वि	१६	२८	ना	२४	४८	५३	२५	३५	३	२८	२५	तुलायां	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजासूर्यग्रहणम्

२७पं.का.कृ.४वृ.इ.३।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	११	५	९	०	५
२५	२९	८	७	२३	२४	२०	२४
३५	११	२५	२७	३	२१	१४	५९
२	३८	५५	४३	५०	४३	२५	१०
५९	१७	८५	१६/३	७४	५०/७	३	५९
२१	५२	४१	व.	३८	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

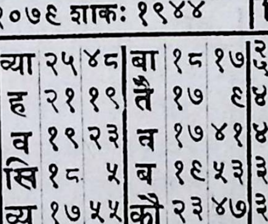

कार्तिक कृष्णे ७ चंद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रास्त:पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

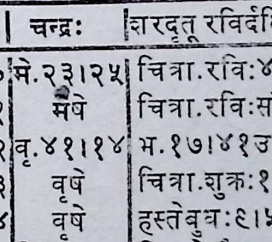

२८पं.का.कृ.१०वृ.इ.४३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	५	११	६	९	०	६
२	०	१९	६	१	२४	१९	१
३१	३४	२३	४०	४९	१७	५२	५६
२६	४८	५६	२३	१९	३५	१०	३५
५९	१३	९९	२६/३	७४	१६/०	३	५९
३४	१५	४१	व.	३८	व.	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:४२२१स.२०२२
१	बु	२०	१४	स्वा	१७	२८	प्री	१०	१४	ब	२०	१४	२७/४९	६/२६	५/३४	४	२९	२६	वृ.५९।४९	तुलायांबुध:१८।२१
२	गु	१४	४४	वि	१३	५५	आ	३/२४	५२/२५	कौ	१४	४४	४५	२७	३३	५	३०	२७	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	शु	८	५५	अ	९	५८	शो	४७	५३	ग	८	५५	४१	२८	३२	६	१	२८	वृश्चिके	भ.३५।५५उ.रविलाखर४
४	श	२	५५	ज्ये	५	४१	अ	४०	१	वि	२	५५	३७	२९	३१	७	२	२९	ध.५।४१	भ.२।५५या.
५	श	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×५।१५विशा.बुध:२६।४३
६	र	५१	१७	मू	३१	५६/५	सु	३२	२५	कौ	२४	५	३४	२९	३१	८	३	३०	धनुषि	स्वात्यांबुध:१३।१९
७	चं	४६	१	उ	५४	८	धृ	२४	५२	ग	१८	३८	३०	३०	३०	९	४	३१	म.११।४४	भ.४६।१उ. [+का.स्ना.पू.
८	मं	४०	५४	श्र	५०	४९	शू	१७	४५	वि	१३	२७	२७	३१	२९	१०	५	१	मकरे	भ.१/२ ३/७या.नवम्बर११ता.३०गोपाष्टमी
९	बु	३६	२२	ध	४८	११	गं	१०	४३	बा	८	३८	२३	३१	२९	११	६	२	कुं.१९।३०	कुष्मांड९अक्षय९
१०	गु	३२	३७	श	४६	४	वृ	४/१६	५४/०	तै	४	२९	१९	३२	२८	१२	७	३	कुंभे	विशा.शुक्र:३३।४५
११	शु	२९	१४	पू	४४	२५	व्या	५२	३६	व	०	५५	१६	३३	२७	१३	८	४	मी२९।५०	भ.५०/५उ.२९/१४या.प्रबोधिनी११व्र.तुल.वि.
१२	श	२६	३२	उ	४३	३५	ह	४७	४४	बा	२६	३२	१२	३४	२६	१४	९	५	मीने	वक्रीभौम:५४।३०प्रदोष:
१३	र	२४	४३	रे	४३	२८	व	४३	३५	तै	२४	४३	९	३४	२६	१५	१०	६	मे.४३।२८	विशा.रवि:३३।४८वैकुंठ१४
१४	चं	२४	५	अ	४४	४०	सि	४०	१०	व	२४	५	५	३५	२५	१६	११	७	मेषे	भ.२४/५उ.५४/१८या.विशा.रवि:सौर: ×
१५	मं	२४	३१	भ	४७	१	व्य	३७	४७	ब	२४	३१	२	३६	२४	१७	१२	८	मेषे	ग्रस्तोदितखग्रासचंद्रग्रहणम्मन्वादिः +

२९पं.का.शु.२वृ.इ. ३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	६	९	०	६
९	१	१	५	१०	२४	१९	८
२९	१४	१७	५९	३५	१८	२९	५५
४२	१३	२	६	३१	४	५४	५५
५९	८	०/०	५/२६	७४	०/३२	३	६०
४७	२४	८	व.	३८	मा	११	२

गोंचर ग्रहा:

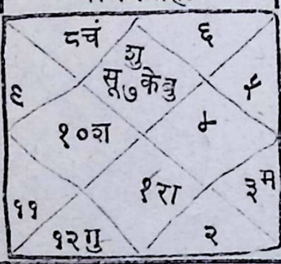

इस मास में मिथुन का मंगल धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं धातु सोना चांदी वस्त्र रुई तेज हो कही २ कुछ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

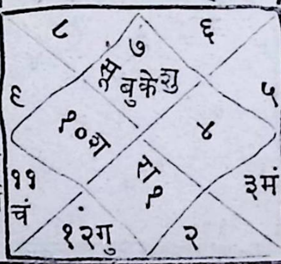

३०पं.का.शु.१०वृ.इ.२/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	६	९	०	६
१६	१	१२	५	१९	२४	१९	१५
२९	१५	०	२५	२२	२३	७	५६
२८	५८	४	२३	१६	२०	३९	५९
६०	२	०/०	१५/४	४७	१	३	६०
४	५८	५७	व.	३८	१७	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	बु	२६	३०	कृ	५०	३५	व	३६	३५	कौ	२६	३०	२६/५८	६/३६	५/२४	१८	१३	९	वृ.२।५४	
२	गु	२९	४६	रो	५५	२०	प	३६	३	ग	२९	४६	५५	३७	२३	१९	१४	१०	वृषे	[×३२।४०वक्रीवृषेभौम:५३।३२
३	शु	३४	२३	मृ	६०	०	शि	३६	४३	व	२	४	५२	३८	२२	२०	१५	११	मि२८।२९	भ.२।४उ.३४।२३या.वृश्चिकेशुक्र: ×
४	श	३९	४५	मृ	१	३९	सि	३८	८	ब	७	४	४९	३८	२२	२१	१६	१२	मिथुने	चतुर्थीव्र.
५	र	४६	११	आ	८	३७	सा	४०	०	कौ	१२	५८	४५	३९	२१	२२	१७	१३	क.५९।२०	वृश्चिकेबुध:२३।४
६	चं	५२	४१	पु	१६	१५	शु	४२	२४	ग	१९	२६	४२	४०	२०	२३	१८	१४	कर्के	भ.५२।४१उ.अनु.शुक्र:९।४६
७	मं	५९	२	पु	२३	४९	शु	४४	४१	वि	२४	५१	३९	४०	२०	२४	१९	१५	कर्के	भ.२४।५१या.अनु.बुध:४१।४८
८	बु	६०	०	श्ले	३१	४	ब्र	४६	३२	बा	३१	४३	३६	४१	१९	२५	२०	१६	सिं३१।४	वृश्चिकेऽर्क:२९।५३ (सौर:५९।३२)
८	गु	४	२३	म	३७	७	ऐं	४७	२६	कौ	४	२३	३३	४१	१९	२६	२१	१७	सिंहे	
९	शु	८	२५	पू	४१	५५	वै	४७	११	ग	८	२५	३०	४२	१८	२७	२२	१८	कं.५७।४०	भ.३९।३८उ.
१०	श	१०	५२	उ	४४	५४	वि	४५	४४	वि	१०	५२	२७	४३	१७	२८	२३	१९	कन्यायां	भ.१०।५२या.अनु.रवि:४८।१३
११	र	११	१७	ह	४५	५८	प्री	४२	३१	बा	११	१७	२५	४३	१७	२९	२४	२०	कन्यायां	अनु.रवि:सौर:१६।२०उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	९	५२	चि	४५	५	आ	३७	४७	तै	९	५२	२२	४४	१६	३०	२५	२१	तु.१५।३१	प्रदोष:
१३	मं	६	१९	स्वा	४२	२३	सौ	३१	३७	व	६	१९	१९	४४	१६	१	२६	२२	तुलायां	भ.९/१६उ.३/४ ३/३या.भा.मार्गशीर्षारंभ:
१४	बु	१	७	वि	३८	८	शो	२४	१	श	१	७	१७	४५	१५	२	२७	२३	वृ.२४/११	
३०	बु	५३	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	

३१पं.मा.कृ.२वृ.इ.३।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	११	६	९	०	६
२३	०	२४	५	२८	२४	१८	२२
२०	३३	२३	०	८	३३	४५	५९
५०	२५	३१	५४	५३	४३	२३	३२
६०	१४/१	०/०	१३/११	७४	१	३	६०
१७	व.	२	व.	३२	५८	११	३०

गोचर ग्रहा:

मार्गशीर्ष कृष्णे८ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादि भावेंमहर्घंताशुक्रास्त:पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

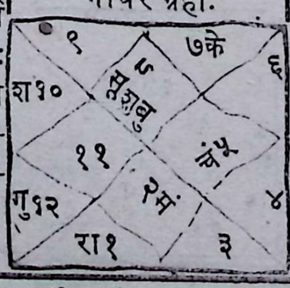

३२पं.मा.कृ.८वृ.इ.३।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	११	७	९	०	७
०	२९	५	४	६	२४	१८	०
३३	९	२९	५५	५५	४९	२२	३
२९	२२	३५	४३	१२	१	७	३६
६०	४९	९९	४६/१	७४	२	३	६०
२०	व.	२६	व.	३२	३८	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:४२५०स.२०२२
१	गु	४७	११	अ	३२	५०	अ	१३	३३	किं	२०	४९	२६/१४	६/४५	५/५५	३	२८	२४	वृश्चिके	ज्येष्ठा.बुध:१२।४२ज्येष्ठा.शुक्र:४९।३=
२	शु	३९	२०	ज्ये	२६	५३	सु	६/२९	०/३६	बा	१३	१६	१२	४६	१४	४	२९	२५	धं.२६।५३	मार्गीगुरु:१८।३७ चंद्रदर्शनम्
३	श	३१	३३	मू	२०	५४	शू	४७	३५	तै	५	२६	९	४६	१४	५	१	२६	धनुषि	भ.४५।३उ.जमादिलावल५
४	र	२४	४०	पू	१५	७	गं	३८	२०	वि	२४	४०	७	४७	१३	६	२	२७	म.२८।५१	भ.२४।४०या
५	चं	१७	३४	उ	१०	४	वृ	२९	५५	बा	१७	३४	५	४७	१३	७	३	२८	मकरे	[=शुक्रोदय:पश्चिमायां४७।२४
६	मं	११	३२	श्र	५	४०	ध्रु	२१	५९	तै	११	३२	२	४८	१२	८	४	२९	कुं.३४।०	चंपा६
७	बु	६	४१	ध	२/२०	५७/३८	व्या	१५	५८	व	६	४१	०	४८	१२	९	५	३०	कुंभे	भ.६।४१उ.३४।४७या.
८	गु	२	५२	पू	५८	४४	ह	८	४७	ब	२	५२	२५/५८	४८	१२	१०	६	१	मी४४।३	दिसम्बर१२ता.३१
९	शु	०	९	उ	५८	२९	व	३/३२	५५/३९	कौ	०	९	५६	४९	११	११	७	२	मीने	ज्येष्ठा.रवि:५/२०मूलेधनुषिबुध:५/४७×
१०	शु	५८	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	० ०	[×बुधोदय:पश्चिमायां१/२९
११	श	५८	१	रे	५९	२४	व्य	५५	३५	व	२८	१७	५४	४९	११	१२	८	३	मे.५९।२४	भ.२८/१७उ.५८/१या.ज्येष्ठा.रवि:सौर:२४/१४+
१२	र	५८	४६	अ	६०	०	व	५३	२	ब	२८	२३	५३	४९	११	१३	९	४	मेषे	वक्रीरोहि.भौम:१८।१३मोक्षदा११व्र.वै.
१३	चं	६०	०	अ	१	३१	प	५१	१७	कौ	२९	३४	५१	५०	१०	१४	१०	५	मेषे	मूलेधनुषिशुक्र:२३।४८ प्रदोषः
१३	मं	०	२२	भ	४	४०	शि	५०	४४	तै	०	२२	४९	५०	१०	१५	११	६	वृ.२०।४४	[+मोक्षदा११व्र.स्मा.
१४	बु	३	१६	कृ	८	५६	सि	५०	२५	व	३	१६	४८	५०	१०	१६	१२	७	वृषे	भ.३।१६उ.३५।१२या. दत्तजयंती
१५	गु	७	८	रो	१४	४	सा	५१	७	ब	७	८	४६	५१	९	१७	१३	८	मि४७।१२	

३३पं.मा.शु.१वृ.इ.२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	११	७	९	०	७
७	२७	१६	४	१५	२५	१८	७
३७	४	२३	४०	४२	८	०	९
२६	५२	५३	३०	३२	५३	५२	९
६०	१६/९	९७	०/१३	७४	३	३	६०
४२	व.	७	व.	३२	२६	११	५३

३४पं.मा.शु.८वृ.इ.२।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	११	७	९	०	७
१४	२४	२७	४	२४	२१	१७	१४
४२	३४	९	४६	२९	३३	३८	१५
४०	४८	४०	१२	५३	३६	३६	५५
६०	२५/३५	९४	०/५९	७४	४	३	६१
५०	वं.	२७	मा	२६	१	११	३

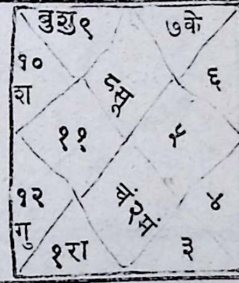

३५पं.मा.शु.१५वृ.इ.२/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	११	८	९	०	७
२१	२१	७	५	३	२६	१७	२१
४८	५५	४३	०	१६	२	१६	२३
४३	२३	३०	२५	४४	३१	२१	३७
६०	२२/३१	८९	२	७४	४	३	६१
५६	वं.	५३	२२	२६	३८	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु	१२	१६	मृ	२०	२०	शु	५२	३३	कौ	१२	१६	२५/४५	६/५१	५/९	१८	१४	९	मिथुने	
२	श	१७	५०	आ	२६	५७	शु	५४	२०	ग	१७	५०	४४	५१	९	१९	१५	१०	मिथुने	भ.५१।२उ.
३	र	२४	१५	पु	३४	३०	ब्र	५६	३३	वि	२४	१५	४३	५१	९	२०	१६	११	क.१७।३७	ग.२४।१५या.पूपा.बुध:४/४५ चतुर्थी व्र.
४	चं	३०	४१	पु	४२	५	ऐं	५८	४८	बा	३०	४१	४२	५२	८	२१	१७	१२	कर्के	
५	मं	३६	१२	श्ले	४९	४३	वै	६०	०	कौ	३	२६	४१	५२	८	२२	१८	१३	सिं४९।४३	
६	बु	४३	६	म	५६	४७	वै	०	५९	ग	९	३९	४०	५२	८	२३	१९	१४	सिंहे	भ.४३।६उ.
७	गु	४७	५७	पू	६०	०	वि	२	३४	वि	१५	३१	३९	५२	८	२४	२०	१५	सिंहे	भ.१५।३१या.
८	शु	५१	२४	पू	२	३२	प्री	३	२०	बा	१९	४०	३९	५२	८	२५	२१	१६	कं.१८।३७	मूलेधनुष्यर्कः५/३५(सौरः२८/४.पूपा.शुक्र:÷
९	श	५३	४	उ	६	५२	आ	३	५७	तै	२२	१४	३८	५२	८	२६	२२	१७	कन्यायां	[÷३/२६धनि.२शनि:५/३४
१०	र	५२	३२	ह	९	२६	सौ	२/१६	५६/२९	व	२२	४७	३८	५२	८	२७	२३	१८	तु.३९।४२	भ.२२।४७उ.५२।३२या.
११	चं	५०	०	चि	९	५८	अ	५३	४५	ब	२१	१६	३७	५३	७	२८	२४	१९	तुलायां	भरणी.१राहु:स्वाति.३केतु:२७।४८−
१२	मं	४५	४०	स्वा	८	२९	सु	४७	८	कौ	१७	५०	३७	५३	७	२९	२५	२०	बृ.५१।१	[−सफला११व्र.
१३	बु	३९	१८	वि	५	११	धृ	३८	५७	ग	१२	२९	३६	५३	७	३०	२६	२१	वृश्चिके	भ.३९।१८उ. प्रदोषः
१४	गु	३१	२९	अ	०/४	५३/४५	शू	२९	३८	वि	५	२६	३६	५३	७	१	२७	२२	ध.५३।४४	भ ५/२६या.उषा.बुध:३/३७ भा.पौषारंभः
३०	शु	२२	५३	मू	४६	४०	गं	१९	३४	ना	२२	५३	३६	५३	७	२	२८	२३	धनुषि	

३६पं.पौ.कृ.७वृ.इ.२/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	८	११	८	९	०	७
२८	१९	१७	५	१२	२६	१६	२८
५५	२१	४६	२६	४	३४	५४	३२
३७	७	२६	१३	१	४१	५	२०
६१	२२/५८	८०	३	७४	५	३	६१
०	व.	५४	४६	२६	२	११	१९

गोचर ग्रहाः

पौष कृष्णा ८ शुक्रे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा३ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३७पं.पौ.कृ.१४वृ.इ.२/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	८	९	०	८
६	१७	२६	६	२०	२७	१६	५
३	१७	४	०	५०	११	३१	४१
१४	१७	५५	४७	४२	६	४९	४५
६१	१९/४२	५९	४	७४	५	३	६१
४	व.	१०	५८	२२	२२	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	१३	३३	पू	३९	१४	वृ	८/४९	४९/२७	ब	१३	३३	२५/३६	६/५३	५/७	३	२९	२४	म.५२।२५
२	र	४	२९	उ	३२	१	व्या	४७	५१	कौ	४	२९	३७	५३	७	४	३०	२५	मकरे
३	र	५१	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
४	चं	४८	६	श्र	२५	३९	ह	३६	५०	व	२२	०	३७	५३	७	५	१	२६	कुं.५२।५८
५	मं	४१	४०	ध	२०	१६	व	२८	२	ब	१४	५३	३७	५३	७	६	२	२७	कुंभे
६	बु	३६	२८	श	१६	१४	सि	२०	३६	कौ	९	४	३८	५२	८	७	३	२८	मी५९।२९
७	गु	३३	१०	पू	१३	५३	व्य	१४	१४	ग	४	४९	३८	५२	८	८	४	२९	मीने
८	शु	३१	१७	उ	१३	६	व	९	१४	वि	२	१३	३९	५२	८	९	५	३०	मीने
९	श	३१	०	रे	१३	४१	प	५	२८	बा	१	८	४०	५२	८	१०	६	३१	मे.१३।४१
१०	र	३२	२२	अ	१६	५	शि	३	५५	तै	१	४१	४१	५२	८	११	७	१	मेषे
११	चं	३४	४७	भ	१९	३५	सि	१	२५	व	३	३५	४२	५२	८	१२	८	२	वृ.३५।४८
१२	मं	५८	३४	कृ	२४	२६	सा	१	१३	ब	६	४०	४३	५१	९	१३	९	३	वृषे
१३	बु	४३	११	रो	३०	११	शु	१	३९	कौ	१०	५३	४४	५१	९	१४	१०	४	वृषे
१४	गु	४८	५५	मृ	३६	४८	शु	२	२९	ग	१६	२	४५	५१	९	१५	११	५	मि३।२९
१५	शु	५४	४२	आ	४३	३९	ब्र	४	११	वि	२१	४८	४७	५१	९	१६	१२	६	मिथुने

शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४२८०स.२०२२

[=वक्रीबुधः२३।२मकरेशुक्रः१९।३५
चंद्रदर्शनम्
[×जमादिलाखर६
भ.२२।०उ.४८।६या.उषा.शुक्रः ३९/१७×
मकरेबुधः९।४०
उभा.२गुरुः२३।१
भ.३९/१०उ पूषा.रविः १९/३५(सौरः २९/४२ =
भ.२।१३या.
[+जनवरी१ता.३१सन्२०२३
बुधास्तःपश्चिमायां५२।१४+
भ.३।३५उ.३४।४७या.वक्री धनुषिबुधः÷
[÷३।४६पुत्रदा११व्र.
वक्री पूषा.बुधः२४।२४ प्रदोषः
भ.४८।५५उ.
भ.३१/४८या.श्रवणेशुक्रः ३९/१ मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु.७वृ.इ.५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	९	११	८	९	०	८
१३	१३	०	६	२९	२७	१६	१२
११	३३	८	४३	३८	५०	९	५१
१३	७	५३	५९	६	३५	३४	३७
६१	१४/४७	४	६	७४	५	३	६१
६	व.	४५	९	१४	५८	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी वस्त्र रुई तेज हो शीत का प्रकोप अधिक रहे।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.शु.१४वृ.इ.४८/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	९	९	०	८
२०	१४	२५	७	८	२८	१५	२०
१९	३३	४६	३५	२४	३२	४७	१
२६	७	४८	१७	०	२४	१८	३४
६१	६/५	६५/२०	६	७४	६	३	६१
६	व.	व.	४	८	२०	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	६०	०	पु	५१	८	ऐं	६	४	बा	२७	५६	२५/४८	६/५०	५/१०	१७	१३	७	क.३४।१६
१	र	१	१०	पु	५८	३६	वै	८	११	कौ	१	१०	५०	५०	१०	१८	१४	८	कर्के
२	चं	७	४३	श्ले	६०	०	वि	१०	३१	ग	७	४३	५२	५०	१०	१९	१५	९	कर्के
३	मं	१३	५८	श्ले	६	७	प्री	१२	४०	वि	१३	५८	५३	४९	११	२०	१६	१०	सिं६।७
४	बु	१७	४९	म	१३	९	आ	१४	२५	बा	१७	४९	५५	४९	११	२१	१७	११	सिंहे
५	गु	२४	५१	पू	१९	२४	सौ	१५	२६	तै	२४	५१	५७	४९	११	२२	१८	१२	कं.३५।४३
६	शु	२८	५०	उ	२४	४०	शो	१५	४८	व	२८	५०	५९	४८	१२	२३	१९	१३	कन्यायां
७	श	३१	२८	ह	२८	४०	अ	१५	११	वि	०	९	२/६	४८	१२	२४	२०	१४	तु.५९।५०
८	र	३२	१६	चि	३१	१	सु	१३	१३	बा	१	५२	४	४७	१३	२५	२१	१५	तुलायां
९	चं	३१	१२	स्वा	३१	२८	धृ	१०	४६	तै	१	४४	६	४७	१३	२६	२२	१६	तुलायां
१०	मं	२८	१९	वि	२९	५७	शू	४/४८	५/२३	वि	२८	१९	८	४६	१४	२७	२३	१७	वृ.१५।२०
११	बु	२३	२३	अ	२६	२८	वृ	५०	८	बा	२३	२३	११	४६	१४	२८	२४	१८	वृश्चिके
१२	गु	१६	४३	ज्ये	२१	२२	ध्रु	४१	०	तै	१६	४३	१३	४५	१५	२९	२५	१९	ध.२१।२२
१३	शु	८	४५	मू	१५	३	व्या	३०	४२	व	८	४५	१६	४५	१५	३०	२६	२०	धनुषि
१४	शु	५०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
३०	श	४९	५३	पू	७/३५	५२/५	ह	१९	५३	च	२४	४४	१९	४४	१६	१	२७	२१	म.२०।३६

शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णोति महा.

भ.४०।५०उ.
भ.१३।५८या. चतुर्थी व्र.
उषा.रविः१५।२०(सौरः३१।९)
भ.२८।५०उ.बुधोदयःपूर्वस्यां१६।६
भ.९या.मकरेऽर्कः ३१/४४ सौरः ४६/३९)–
[–मार्गीभौमः५४।५१
भ.५९।४५उ.धनि.शुक्रः११।३१
भ.२८।१९या.
धनि.३कुंभेशनिः३१।४८षट्तिला११व्र.
मार्गीबुधः६।४६प्रदोषः
भ.८।४५उ.३४।१०या.
[+उभा.३गुरुः२०।३८भा.माघारंभः
अभि.प्र.रविः६।१४(सौरः१७।५७+

४०पं.मा.कृ.५वृ.इ.११४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१	८	११	९	९	०	८
२७	१४	१७	८	१७	२९	१५	२७
२७	१२	१०	३३	९	१६	२५	११
२२	५४	३७	५०	५४	४१	३	२६
६१	३३/२४	४०/८	८	७४	६	३	६१
६	व	व.१६	२	३४	११	२४	

गोचर ग्रहाः

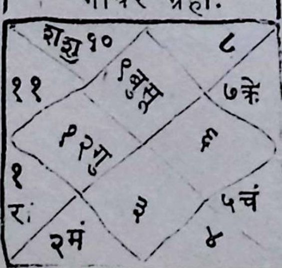

माघ कृष्णे ७ शनौ मकरेऽर्कःप्रविष्टःवार न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४१पं.मा.कृ.१२वृ.इ.५/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	९	१०	०	९
४	१४	१३	९	२५	०	१५	४
३५	२९	४८	३८	३४	२	२	२०
१३	२८	११	१६	११	२५	४७	५५
६१	३/२४	१/८	९	७२	६	३	६१
३	मा	व.	६	५६	५१	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३०९स.२०२३
१	र	४०	७	श्र	५१	५१	व	८/४३	४९/१	किं	१५	०	२६/२१	६/४४	५/१६	२	२८	२२	मकरे	कुंभेशुक्रः२१।१३
२	चं	३०	४८	ध	४४	४०	व्य	४७	१४	बा	५	२८	२४	४३	१७	३	२९	२३	कुं.१८।१५	चन्द्रदर्शनम् [=(सौरः ३६/४३ ।रज्जव७
३	मं	२२	२८	श	३८	३५	ह	३७	४९	ग	२२	२८	२७	४३	१७	४	१	२४	कुम्भे	भ.४९।१उ.श्रवणेरविः२०।५१=
४	बु	१५	३४	पू	३४	४	प	२९	२५	वि	१५	३४	२९	४२	१८	५	२	२५	मी२०।११	भ.१५।३४या.अभि.नि.रविः१३।१०×
५	गु	१०	२९	उ	३१	२८	शि	२२	५८	बा	१०	२९	३२	४२	१८	६	३	२६	मीने	वसंत५ ×(सौरः२५।१०)
६	शु	७	१२	रे	३०	३४	सि	१७	४२	तै	७	१२	३५	४१	१९	७	४	२७	मे.३०।३४	शते.शुक्रः४१।११
७	श	६	१	अ	३१	४९	सा	१४	५	व	६	१	३८	४०	२०	८	५	२८	मेषे	भ.६।१उ.३६।२६या.भानु७रथ७
८	र	६	५१	भ	३४	५२	शु	१२	६	ब	६	५१	४१	४०	२०	९	६	२९	वृ.५१।१	पातस्पर्शः१/२ ५/३पातमोक्षः३/५ ६/३भीष्माष्टमी
९	चं	९	१३	कृ	३९	२७	शु	११	३१	कौ	९	१३	४५	३९	२१	१०	७	३०	वृषे	अस्तंशनेः३८।२५
१०	मं	१३	२०	रो	४५	२५	ब्र	१२	२	ग	१३	२०	४८	३८	२२	११	८	३१	वृषे	भ.४५।५३उ.
११	बु	१८	२६	मृ	५२	९	ऐं	१३	७	वि	१८	२६	५१	३८	२२	१२	९	१	मि१८।४७	भ ३/२ ९/६या.फर्वरी२ता.२८जया११व्र.
१२	गु	२४	३०	आ	५९	३५	वै	१५	४	बा	२४	३०	५४	३७	२३	१३	१०	२	मिथुने	
१३	शु	३०	४१	पु	६०	०	वि	१७	४	तै	३०	४१	५८	३६	२४	१४	११	३	क.५०।११	प्रदोषः
१४	श	३७	१०	पु	७	४	प्री	१९	२२	ग	३	५५	२७/१	३६	२४	१५	१२	४	कर्के	भ.३७।१०उ.उषा.बुधः३१।५३
१५	र	४३	२८	पु	१४	२६	आ	२१	२९	वि	१०	१९	५	३५	२५	१६	१३	५	कर्के	भ.१०।१९या. मा.स्ना.पूर्तिः

४२पं.मा.शु.५वृ.इ. १/४.७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	१०	१०	०	९
११	१५	१७	१०	४	०	१४	११
४२	२०	१२	५०	३७	५१	४०	२९
४०	२०	४७	३८	४१	२५	३१	४६
६०	८	४१/८	९	७३	७	३	६१
५९	३८	मा	५१	५०	२	११	१३

गोचर ग्रहाः

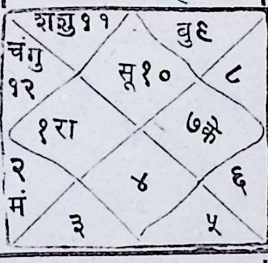

इस मास में ५ रविवार ५ शनिवार अशुभ है धान्य गल्ला रसकस धातु वस्त्र घृत में तेजी हो प्रजा में दुःख फैले।

गोचर ग्रहाः

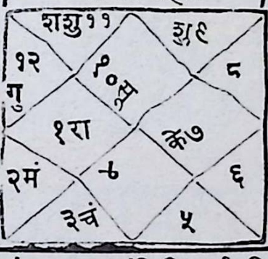

४३पं.मा.शु.१२वृ.इ. ७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	११	१०	१०	०	९
१८	१६	२४	१२	१३	१	१४	१८
४९	४०	१	७	२०	४०	१८	३७
१६	३०	५	३४	१७	५२	१६	५२
६०	१२	६३	१०	७३	७	३	६१
५५	४८	३'१	३५	४४	१४	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	चं	४९	३५	श्ले	२१	४३	सौ	२३	३४	बा	१६	३१	२७/८	६/३४	५/२६	१७	१४	६	सिं२१।४३	वनि.रविः२९।९(सौरः३९।४३)
२	मं	५४	५६	म	२८	२६	शो	२५	१३	तै	२२	१५	१२	३४	२६	१८	१५	७	सिंहे	मकरेबुधः१।५०पूभा.शुक्रः२३।३१
३	बु	५९	३१	पू	३४	२३	अ	२६	५	व	२७	१३	१५	३३	२७	१९	१६	८	कं.५०।४५	भ.२७/१३उ.५९/३१या.उभा.४गुरुः१२।१४
४	गु	६०	०	उ	३९	५०	सु	२६	२८	ब	३१	२२	१९	३२	२८	२०	१७	९	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
४	शु	३	१४	ह	४४	७	धृ	२६	८	बा	३	१४	२३	३१	२९	२१	१८	१०	कन्यायां	[+२९।५८वनि.४शनिः५३।११
५	श	५	४४	चि	४७	६	शू	२४	४५	तै	५	४४	२७	३१	२९	२२	१९	११	तु.१५।३७	[÷९।५८पातमोक्षः२१।२७
६	र	७	७	स्वा	४८	५०	गं	२२	१८	व	७	७	३०	३०	३०	२३	२०	१२	तुलायां	भ.७।७उ.३७।३या.पातस्पर्शः÷
७	चं	६	५९	वि	४९	१६	वृ	१८	४३	ब	६	५९	३४	२९	३१	२४	२१	१३	वृ.३४।१०	कुंभेऽर्कः४।२५(सौरः१३।४१)
८	मं	५	३४	अ	४७	४३	ध्रु	१४	४	कौ	५	३४	३८	२८	३२	२५	२२	१४	वृश्चिके	श्रवणेबुधः२८।४७
९	बु	२	९	ज्ये	४४	४३	व्या	७	५०	ग	२	९	४१	२८	३२	२६	२३	१५	ध.४४।४३	भ.२९।४१उ.५७।१३या.मीनेशुक्रः+
१०	बु	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–प्रदोषः महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
११	शु	५०	५२	मू	४०	१५	ह	०/२३	५१/२४	ब	२४	२	४५	२७	३३	२७	२४	१६	धनुषि	विजया११व्र.स्मा. [Dभा.फाल्गुनारंभः
१२	शु	४३	१४	पू	३४	२९	सि	४२	१६	कौ	१७	३	४९	२६	३४	२८	२५	१७	म.४७।४७	विजया११व्र.वै. [Aमहाशिवरात्रीव्र.वै.
१३	श	३४	३५	उ	२७	४०	व्य	३१	५६	ग	८	५४	५३	२५	३५	२९	२६	१८	मकरे	भ.३४।३५उभा.शुक्रः१३।३६–
१४	र	२५	२७	श्र	२०	२२	व	२१	११	वि	०	१	५६	२५	३५	३०	२७	१९	कुं.४६।३३	भ.०/१या.शते.रविः४०/४१(सौरः४९/३)A
३०	चं	१५	५५	ध	१२	४५	प	१०	२९	ना	१५	५५	२८/००	२४	३६	१	२८	२०	कुंभे	अश्वि.४राहुःस्वाती.२केतुः२२।३D

४४ पं.फा.कृ.४वृ.इ. २/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	११	१०	१०	०	९
२५	१८	२	१३	२२	२	१३	२५
५५	२५	३६	२९	०	३१	५६	४४
१	८	३६	२०	५०	१६	०	३९
६०	१७	७८	११	७३	७	३	६०
४७	५	८	१४	३३	२०	११	५५

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्णे७ चन्द्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

४५पं.फा.कृ.११वृ.इ. २/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	११	११	१०	०	१०
२	२०	१२	१४	०	३	१३	२
५९	३४	१८	५५	३९	२१	३३	५०
४९	४४	४३	३०	३२	४७	४५	४२
६०	१९	८८	११	७३	७	३	६०
३७	३६	५९	५३	२०	२०	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गण:४३३९स.२०२३
१	मं	६	४९	श	५/४४	५४/१	शि	१६	५०/२७	ब	६	४९	२८/४	६/२३	५/३७	२	२९	२१	मी४६।१५	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
२	मं	५१	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	बु	५२	१२	उ	५५	४३	सा	४२	२३	तै	२५	२९	८	२२	३८	३	१	२२	मीने	सावान ८
४	गु	४७	२३	रे	५२	१९	शु	३५	२३	व	१९	४७	१२	२२	३८	४	२	२३	मे.५२।१९	भ.१९/४७उ.४७/२३या.धनि.बुध:३८/३९मृगे भौम:=
५	शु	४४	३७	अ	५१	४७	शु	३०	२०	ब	१५	५९	१६	२१	३९	५	३	२४	मेषे	रेवती.१गुरु:१३।१२पातमोक्ष:९।४६
६	श	४४	७	भ	५३	२०	ब्र	२७	०	कौ	१४	२२	२०	२०	४०	६	४	२५	मेषे	[=३७/५४पातस्पर्श:५९/२९
७	र	४५	२९	कृ	५६	५१	ऐं	२४	५	ग	१४	४८	२४	१९	४१	७	५	२६	वृ.९।१३	भ ४५।२९उ.
८	चं	४८	५८	रो	६०	०	वै	२५	४	वि	१७	१३	२८	१८	४२	८	६	२७	वृषे	भ.१/१ ७/३या.कुंभेबुध:३४/४९ होलाष्टकम्
९	मं	५३	४६	रो	२	२	वि	२५	३५	बा	२१	२२	३२	१८	४२	९	७	२८	मि३५।११	[×४३।२० मार्च३ता.३१
१०	बु	५९	५०	मृ	८	२०	प्री	२७	२८	तै	२६	४८	३६	१७	४३	१०	८	१	मिथुने	रेवत्यांशुक्र:४।४२बुधास्त:पूर्वस्यां×
११	गु	६०	०	आ	१५	४७	आ	२९	३४	व	३३	०	४०	१६	४४	११	९	२	मिथुने	भ.३३।०उ.आमलकी११व्र.स्मा.
११	शु	६	१०	पु	२३	१७	सौ	३१	५९	वि	६	१०	४४	१५	४५	१२	१०	३	क.६।२५	भ.६/१०या.शतेबुध:२२/१८आमलकी११व्र.वै.
१२	श	१२	४७	पु	३०	५६	शो	३४	१९	बा	१२	४७	४८	१४	४६	१३	११	४	कर्के	पूभा.रवि:५६।४७ प्रदोष:
१३	र	१८	५५	श्ले	३८	४	अ	३६	१५	तै	१८	५५	५२	१४	४६	१४	१२	५	सिं३८।४	पूभा.रवि:सौर:३।५०उदयंशने:२३।५५
१४	चं	२४	३५	म	४४	५१	सु	३७	३८	व	२४	३५	५६	१३	४७	१५	१३	६	सिंहे	भ.२४।३५उ.५६।५९या.
१५	मं	२९	२२	पू	५०	१९	धृ	३८	२४	ब	२९	२२	०/१	१२	४८	१६	१४	७	सिंहे	होलिकादहनम्

४६पं.फा.शु.४वृ इ.२।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	९	११	११	१०	०	१०
१०	२२	२२	१६	९	४	१३	९
३	५९	५३	२३	१६	१२	११	५५
२२	२	४६	३०	२६	३६	२९	१५
६०	२२	९७	१२	७३	७	३	६०
२५	४४	५३	१९	१४	२०	११	२१

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धातु गल्ला धान रसकस रुईसभी पदार्थों में तेजी करे।

गोचर ग्रहाः

४७पं.फा.शु.११वृ.इ.३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	११	११	१०	०	१०
१७	२५	४	१७	१७	५	१२	१६
५	४२	२०	५८	५०	३	४९	५८
३२	१८	२०	२६	४२	४	१३	९
६०	२५	९/०	१२	७२	७	३	६०
१२	१६	५/३०	४०	५६	१४	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०७९ शाकः १९४४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	बु	३३	११	उ	५४	५६	शू	३८	२६	बा	१	१७	२९/५	६/११	५/४९	१७	१५	८	कं.६।२८	वसंत१छारेंडी
२	गु	३६	३	ह	५८	०	गं	३७	३२	तै	४	३७	९	१०	५०	१८	१६	९	कन्यायां	
३	शु	३७	४१	चि	६०	०	वृ	३५	५३	व	६	५२	१३	९	५१	१९	१७	१०	तु.२९।४०	भ.६।५२उ.३७।४१या.पूभा.बुध:५१।१६
४	श	३८	२२	चि	१	२१	ध्रु	३३	२६	ब	८	१	१७	९	५१	२०	१८	११	तुलायां	रेवती.२गुरु:१।५३ चतुर्थी व्र.
५	र	३७	५२	स्वा	२	५४	व्या	३०	१३	कौ	८	७	२१	८	५२	२१	१९	१२	वृ.४८।२८	अश्विं मेषेशुक्र:३।१०मिथुनभौम:१/२ १/८
६	चं	३६	२९	वि	३	३९	ह	२६	१	ग	७	११	२६	७	५३	२२	२०	१३	वृश्चिके	भ.३६।२९उ. [+शीतलापूजनम्
७	मं	३३	५६	अ	३	८	व	२०	५९	वि	५	१३	३०	६	५४	२३	२१	१४	वृश्चिके	भ.५।१३या.मीनेऽर्क:५७।४०
८	बु	३०	२१	ज्ये	१/३६	५७/३२	सि	१५	३	बा	२	८	३४	५	५५	२४	२२	१५	ध.१।३६	मीनेऽर्क:सौर:४।११शत.१शनि:५६।१+
९	गु	२५	३५	मू	५५	२१	व्य	८	१३	ग	२५	३५	३८	४	५६	२५	२३	१६	धनुषि	भ.५२।४१उ.मीनेबुध:८।४७
१०	शु	१९	४८	उ	५०	४७	व	०/३५	५५/२९	वि	१९	४८	४३	३	५७	२६	२४	१७	म.९।१३	भ.१९।४८या.उभा.बुध:५१।१
११	श	१३	१	श्र	४५	३	शि	४३	२	बा	१३	१	४७	३	५७	२७	२५	१८	मकरे	उभा.रवि:१८।४०(सौर:२४।२७)÷
१२	र	५	३४	ध	३९	०	सि	३३	२९	तै	५	३४	५१	२	५८	२८	२६	१९	कुं.१२।१	भ.५७।१७उ. प्रदोष:
१३	र	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷पापमोचनी११व्र.
१४	चं	४९	१०	श	३२	४४	सा	२३	५५	वि	२३	१३	५५	१	५९	२९	२७	२०	कुंभे	भ.२३।१३या.
३०	मं	४१	२१	पू	२६	५३	शु	१४	२५	च	१५	१३	३०/००	६/००	६/००	३०	२८	२१	मी१३।२१	मन्वादि:

४८पं.चै.कृ.२वृ.इ.३/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	११	११	१०	०	१०
२४	२८	१६	१९	२६	५	१२	२३
६	३५	३८	३४	२१	५२	२६	५९
२२	१०	२९	५	५८	४१	५८	३२
५९	२७	९/८	१३	७२	७	३	६०
५८	२	५२	६	४१	८	११	६

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ७ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.२न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

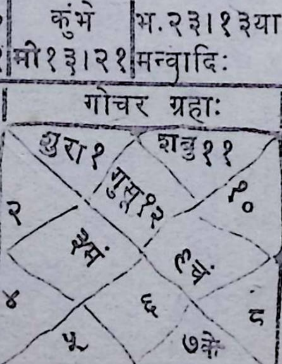

४९पं.चै.कृ.९वृ.इ.३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	११	०	१०	०	११
१	१	२९	२१	४	६	१२	०
५	४१	४९	११	४९	४०	४	५९
३५	२८	४१	२०	५९	५२	४२	४६
५९	२८	९/०	१३	७२	६	३	५९
४१	३७	५/२१	२०	२२	५६	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२४, भोग्यकलिः४२६८७६, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८०, शाकः १९४५, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः । मंत्री भृगुः । सस्येशो रविः । धान्येशःशनिः । मेघेशो गुरुः । रसेशो भौमः । नीरसेशो रविः । फलेशो गुरुः । धनेशो रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्रविंशतिकायां११पिंगलनाम संवत्सरः प्रवर्तते।तस्यमेषार्कसमयेगतमासादिः ११।०।१३।२६।२४ भोग्यमासादिः १०।१९।४६।३३।३६ नासत्यदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम आश्विनः । मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे । समय विश्वा १० समयवाहनम् सिंचाणुः । स्तंभः १ तृणस्यः। सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी ३, रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३६५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १८, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ६६ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् ५ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १०७, शनिदृष्टिरुत्तरे। सत्यं।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १चंद्रमसः।

संवत् २०८० आश्विन शु. १५
शनिवासरे चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४७	४८	४९
प.	२	२९	५६
घं.	१	१	२
मि.	१६	५१	२५

नोट– वैशाख शुक्ला १५ शुक्रवार को रात्रि में रेल्वे घं. ११ मि. ४ के समय चंद्रबिंब पर मालिन्यता दृष्टिगोचर होगी।

वर्ष लग्नम् ७।६

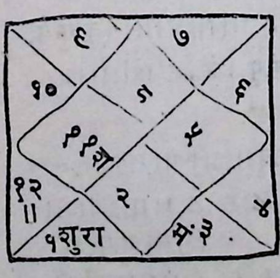

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जय जय जगदंबिके करिये कोटि सहाय ।
अस्सी संवत्सर तणों पूरो भद बताय ।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे मुख से वचन उचार ।
इस अस्सी की साल में सुख पावे संसार ।।
बुध राजा मंत्री भृगु इनका उत्तम योग ।
आपस में मैत्री रहे दुनियां भोगे भोग ।।
सागरतट रोहिणी बसी संवत रजक निवास ।
देवगुरु मेघेश हैं वर्षा करे प्रकाश ।।
दोनों श्रावण वर्ष कर भादों करसी तंग ।
कहींक उत्तर देश में मचै भूमि पर जंग ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ४।२

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।९।५१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलं ।। मंत्री शुक्रः फलम् ।। भृगु सुते ननु मंत्रि पदं गते शलभ मूषकरावथ माहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशो रविः फलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः युद्धे नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्ये बहु भूरुहाश्च ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। निर्धना क्षितिभुजो रणादराः सस्यमल्पमति रोगिणो जनाः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदा कणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशो गुरुः फलम् ।। गुरुरपि प्रिय वृष्टि करः सदाखिल विलासवती धरणीतदा श्रुति विचार परा नरपालका रस समृद्धि युताखिलमानवाः ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रस राशि युता जनता शुभा । नरपति विषमो जनतापदो न जलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चंदनयोरपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुति विचार पराः द्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागतः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धन चयं लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढ़पे नयशोभिता नर वरा नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शास्त्रवतो निशम् ।। पिंगलनाम संवत्सरः फलम् ।। पिंगलाब्दे ब्रवीति भीतिर्मध्य सस्यार्घ वृष्टयः । राजानो विक्रमा क्रांताः भुंजंते शत्रु मेदिनीम् ।। वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। अब्देत्वाश्वयुजे त्यर्थं सुखिनः सर्व जन्तवः । मध्यमं पूर्व सस्यं स्यात् । परिपूर्णा विपच्यते ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटे वृष्टिः सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलम् ।। रजके वृष्टि रुत्तमा ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ५ बुधे उषा. ल. गो. (सोग्रांगः) ल. १२ रे. ७ ।ऽ।।ऽ।।।।ऽ दग्धा

,, ११ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो (सोग्रांग.) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला २ रवौ मृगे ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) १२ रे. ८ ।।।।।ऽचौऽ।।

,, ६ चन्द्रे उफा ल. गो. १२ (मीनेशनिचन्द्रौपूज्यौ) रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।

,, १० भौमे हस्ते ल. गो. रे. ६ ।।।।।।ऽऽ।।

,, १४ शनौ अनु ल. १२ रे. ८ ।।ऽबु।।ऽ।।

बुधस्य पादवेधाऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा १ चन्द्रे मूले ल. गो. रे. ८ ।ऽ।।ऽअ।।।।

,, ३ भौमे उषा ल. १२ श पू. रे.८ ।।।।।।ऽ।ऽदग्धा

,, ८ रवौ उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ६ चन्द्रे रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ४ गुरौ मघा ल. २ (घ.५४-४उ) रे.८।।।।।ऽऽ।।

,, ५ शुक्रे मघा ल. २ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १५ चन्द्रे रोहि.ल.४(घ.३८।२३उ) रे.७।।।ऽ।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ भौमे मृगे ल.४-७ (तुला.गु.पू.) रे.८।।।।ऽअऽ।।।

शुक्ला ३ शुक्रे उषा ल. ४ (चं.पू.) ७ (गु.पू.) रे. ६ ।।।।।ऽअ।।।।

पौष मासः

शुक्ला ६ भौमे उभा ल. ८ रे. ६ ।।।।।ऽ।।।

,, १० शनौ रोहि. ल. ८ (घ.५१-२०उ.) रे. ७ ऽ।।।।ऽचौ।।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ४ भौमे हस्ते ल. ७ (गु.पू.) रे. ८

,, ५ बुधे हस्ते ल. गो. ७ (घ.४३-१३या) रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। तुलायां गुरुः पूज्यः

,, ६ रवौ अनु ल. ऽन्यगो७(तु.गु.पू.)रे.७।।ऽवृ।।ऽऽ।।

,, ११ भौमे मूले ल. ७-८ रे. ७ ।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा

शुक्ला ३ चन्द्रे उभा ल.७-८रे.६ ।।।।ऽआ।।।। (तु.गु.पू. वि.वे. ,, ९ रवौ मृगे ल. ९ (चं.पू.) रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा६शनौ अनु.ल.७रे.७ ।।ऽवृ।।ऽऽ।। पादाद्वधाऽभावः

,, ८चन्द्रे मूलें ल. ऽन्यगो ७-८ रे. ८ ।।।।ऽआऽ।। (तुला.गु.पू.)

,, १०बुध उषा ल. ऽन्यगो ८-६ रे. ८ ।।।।ऽनृ।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽह्र्गणः ४३६८स.२०२३
१	बु	३४	२८	उ	२१	४७	शु	५/४८	५२/२७	किं	७	५४	३०/४	५९/५	६/५	१	२९	२२	मीने	भा.चैत्रारंभ:संवत्सरारंभ:नवरात्रारंभ:
२	गु	२८	४७	रे	१८	४	ऐं	५१	५५	बा	१	३७	८	५८	२	२	३०	२३	मे.१८।४	भरण्यांशुक्र:७।२३ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु	२५	२	अ	१५	५०	वै	४६	५५	ग	२५	२	१२	५८	२	३	१	२४	मेषे	भ.५/१ ४/३उ.रेवत्यांबुध:३/४ ०/६रमजान६=
४	श	२३	२५	भ	१५	५१	वि	४३	४६	वि	२३	२५	१६	५७	३	४	२	२५	वृ.३१।२०	भ.२३।२५या.रेवती.३गुरु:१५।३३
५	र	२३	३७	कृ	१७	४७	प्री	४२	४७	बा	२३	३७	२१	५६	४	५	३	२६	वृषे	आर्द्रा.भौम:५०।५५
६	चं	२५	५६	रो	२१	४३	आ	४२	२२	तै	२५	५६	२५	५५	५	६	४	२७	मि५४।२४	[=मत्स्यजयंतीगणगोरी
७	मं	२६	५६	मृ	२७	६	सौ	४३	२८	व	२६	५६	२९	५४	६	७	५	२८	मिथुनें	भ.२६।५६उ.
८	बु	३४	३४	आ	३३	५६	शो	४५	३१	वि	२	१७	३३	५३	७	८	६	२९	मिथुने	भ.२।१७या. [×बुध:३/३ ५/७
९	गु	४१	३२	पु	४१	१६	अ	४७	४१	बा	८	३	३७	५३	७	९	७	३०	क.२४।२६	बुधोदय:पश्चिमायां२०।७रामनवमी
१०	शु	४८	१०	पु	४६	१	सु	५०	५	तै	१४	५१	४१	५२	८	१०	८	३१	कर्के	रेवत्यांरवि:४/२ ६/३ (सौर:५/१ २/४)अश्वि.मेषे×
११	श	५४	१७	श्ले	५६	२३	धृ	५२	८	व	२१	१३	४५	५१	९	११	९	१	सिं५६।२३	भ.२/१ १/३उ.५/१ ४/७या.अप्रेल४ता.३०+
१२	र	५६	५३	म	६०	०	शू	५३	४३	ब	२७	५	४९	५०	१०	१२	१०	२	सिंहे	अस्तंगुरो:३७।४८ [+कामदा११व्र.
१३	चं	६०	०	म	२	५५	गं	५४	३०	कौ	३३	४	५३	४९	११	१३	११	३	सिंहे	कृत्ति.शुक्र:२०।४६ प्रदोष:
१३	मं	४	१४	पू	८	२४	वृ	५४	४	त	४	१४	५७	४९	११	१४	१२	४	कं.२४।३०	
१४	बु	७	२३	उ	१२	४७	ध्रु	५२	५०	व	७	२३	३/१	४८	१२	१५	१३	५	कन्यायां	भ.७।२३उ.३८।१८या.
१५	गु	६	१३	ह	१५	४०	व्या	५०	३५	ब	६	१३	५	४७	१३	१६	१४	६	तु.४४।३४	वृषेशुक्र:६।३१ हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.२वृ.इ.३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	११	०	१०	०	११
८	४	१३	२२	१३	७	११	७
३	५७	४६	५०	१५	२८	४२	५७
१८	२५	८	३१	४७	१	२७	९
५९	३०	७४	१३	७२	६	३	५९
२९	३	७३	२६	१	३८	११	३५

५१पं.चै.श.९वृ.इ.४।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	११	०	१०	०	११
१४	८	२७	२४	२१	८	११	१४
५९	१९	४४	३०	३७	१२	२०	५३
१०	५९	४६	१४	२६	५४	११	१९
५९	३१	७४	१२	७१	६	३	५९
१६	२	३८	३२	३५	२५	११	१८

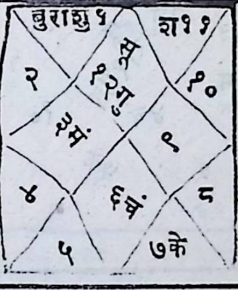

५२पं.चै.शु.१५वृ.इ.४/३ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	०	११	०	१०	०	११
२१	११	९	२६	२९	८	१०	२१
५३	५०	५१	११	५४	५५	५७	४७
३१	३५	५४	३१	७	२२	५५	३०
५९	३२	९३	१३	७१	६	३	५९
४	९	३६	३८	८	२	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	६	४३	चि	१७	२६	ह	४७	२०	कौ	६	४३	३/१ ५/८	८/४६	६/१४	१७	१५	७	तुलायां	[÷रेवती.४गुरु:६।५४
२	श	९	७	स्वा	१८	७	व	४३	२३	ग	६	७	१४	४५	१५	१८	१६	८	तुलायां	भ.३८।११उ.भरण्यांबुध:७।१६÷
३	र	७	१६	वि	१७	५५	सि	३८	४८	वि	७	१६	१८	४४	१६	१९	१७	९	वृ.२।५८	भ.७।१६या. चतुर्थी व्र.
४	चं	४	३५	अ	१६	५६	व्य	३३	३१	बा	४	३५	२२	४४	१६	२०	१८	१०	वृश्चिके	
५	मं	२	२६	ज्ये	१५	१२	व	२७	४०	तै	२	२६	२६	४३	१७	२१	१९	११	ध.१५।१२	भ.५७।४३उ.
६	मं	५५	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	बु	५३	२६	मू	१३	५	प	२१	३२	वि	२५	३४	३०	४२	१८	२२	२०	१२	धनुषि	भ.२५।३४या.
८	गु	४८	३१	पू	६	६	शि	१४	४८	बा	२०	५८	३४	४१	१९	२३	२१	१३	म.२३।३७	[−रोहि.शुक्र:४२।२
९	शु	४३	६	उ	७	१	सि	७	५०	तै	१६	५१	३८	४०	२०	२४	२२	१४	मकरे	अश्वि.मेषेऽर्क:२०।१८(सौर:२६।४७)−
१०	श	३७	२०	श्र	३/१७	५५/५५	सा	०/१७	५२/१२	व	१०	१४	४२	४०	२०	२५	२३	१५	कुं.३१।१३	भ.१०।१४उ.३७।२०या.
११	र	३०	५८	श	५४	४४	शु	४४	२४	ब	४	६	४६	३९	२१	२६	२४	१६	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	चं	२४	३५	पू	५०	१६	ब्र	३६	३५	तै	२४	३५	५०	३८	२२	२७	२५	१७	मी३६।२६	शत.२शनि:०।५८ प्रदोष:
१३	मं	१८	१८	उ	४६	१३	ऐं	२८	४८	व	१८	१८	५३	३७	२३	२८	२६	१८	मीने	भ.१८।१८उ ४५।२३या.
१४	बु	१२	२८	रे	४२	५२	वै	२१	३८	श	१२	२८	५७	३७	२३	२९	२७	१९	मे.४२।५२	
३०	गु	७	२८	अ	४०	४१	वि	१५	२८	ना	७	२८	३/१ २/१	३६	२४	३०	२८	२०	मेषे	वक्रीबुध:३०।२

१पं वै कृ.६शु.इ.२०।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	११	१	१०	०	११
०	१६	१९	२८	९	९	१०	२९
०	५	५	११	३४	४५	३१	५३
०	४६	२	६	१	११	४७	४४
५८	३२	४४	१३	७०	५	३	५८
४४	५८	९	३८	२२	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ९ शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ प्रौढावस्था बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

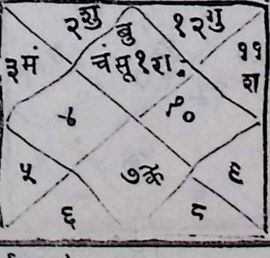

२पं.वै.कृ.१शु.इ. ३/३ ०/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	११	१	१०	०	०
६	१९	२१	२९	१७	१०	१०	६
५०	४८	३१	५२	३८	२१	९	४३
४२	३६	५५	१	४२	२२	३२	५५
५८	३३	६/२	१३	६९	५	३	५८
३१	४४	व.	३६	३४	६	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूर्रविरुत्तरेऽहर्गणः४३९८स.२०२३
१	शु	३	४२	भ	३९	५५	प्री	१०	२२	व	३	४२	३२ ५	५ ३५	६ २५	१	२९	२१	वृ.५५।९	पुन.भौमः४ ४९ अश्वि.१मेषेगुरुः५ ४५ चन्द्र=
२	श	१	४३	कृ	४०	५०	आ	६	२३	कौ	१	४३	९	३४	२६	२	१	२२	वृषे	बुधास्त.पश्चि.५ ३४ ७सव्वाल१० परशुराम×
३	र	१	२१	रो	४३	४३	सौ	४	१	ग	१	२१	१२	३४	२६	३	२	२३	वृषे	भ.३२।१०उ अक्षया३ [×जयंती
४	चं	३	०	मृ	४८	२०	शो	३	२	वि	३	०	१६	३३	२७	४	३	२४	मि१६।१	भ.३ ०या.अश्वि.३राहुःस्वाती.१केतुः
५	मं	६	१६	आ	५४	२७	अ	३	२३	बा	६	१६	२०	३२	२८	५	४	२५	मिथुने	[=दर्शनम् भा.वैशाखारंभः
६	बु	११	१४	पु	६०	०	सु	४	५२	तै	११	१४	२३	३१	२९	६	५	२६	क.४४।३२	मृगेशुक्रः२०।५७
७	गु	१६	४९	पु	१	१४	धृ	६	४६	व	१६	४९	२७	३१	२९	७	६	२७	कर्के	भ.१६।४९उ.५०।११या.
८	शु	२३	३२	पु	८	४४	शू	९	१७	ब	२३	३२	३१	३०	३०	८	७	२८	कर्के	भरण्यांरविः०।३७(सौरः८।१२)
९	श	२९	१८	श्ले	१६	१२	गं	११	३५	कौ	२९	१८	३४	२९	३१	९	८	२९	सिं१६।१२	[+मोहिनी११व्र.
१०	र	३४	५६	म	२३	७	वृ	१३	३१	तै	२	७	३८	२८	३२	१०	९	३०	सिंहे	उदयंगुरोः५२।४८
११	चं	३९	२०	पू	२८	५९	ध्रु	१४	३४	व	७	८	४१	२८	३२	११	१०	१	कं.४५।६	भ.७।८उ.३९।२०या.मई५ता.३१+
१२	मं	४२	१९	उ	३३	२७	व्या	१४	३५	ब	१०	४९	४५	२७	३३	१२	११	२	कन्यायां	मिथुनेशुक्रः१७।४९
१३	बु	४३	३९	ह	३६	२४	ह	१३	१६	कौ	१२	५९	४८	२६	३४	१३	१२	३	कन्यायां	प्रदोषः [÷यमायकुंभदानम्
१४	गु	४३	१६	चि	३७	३९	व	१०	४२	ग	१३	२७	५२	२६	३४	१४	१३	४	तु.७।१	भ.४३।१६उ.नृसिंहजयंती
१५	शु	४१	२०	स्वा	३७	३४	सि	६	५१	वि	१२	१८	५५	२५	३५	१५	१४	५	तुलायां	भ.१२।१८या.अश्वि.२गुरुः५७।१८÷

३पं.वै.शु.८शु.इ २० ५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	०	१	१०	०	०
१३	२३	१९	१	२५	१०	९	१३
२९	३६	१८	३२	३६	५४	४७	३२
४७	४	४०	२४	२९	३२	१६	२०
५८	३४	३४ १९	१३	६८	४	३	५८
१९	१९	व.	३२	४६	४४	११	१२

गोचर ग्रहाः

शुक्रस्य पंचवारांःस्युः यत्रमासे निरन्तम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ॥ इसमासमेंधातुमें तेजी धान्य में मन्दी हो ।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.१५शु.इ. २१ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	०	२	१०	०	०
२०	२७	१५	३	३	११	९	२०
२७	२६	७	११	२६	२४	२५	१९
२५	३१	८	५६	३५	२९	०	५
५८	३४	३५ ४७	१३	६७	४	३	५७
६	४४	व.	२२	३८	११	११	५७

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	श	३८	८	वि	३६	३	व्य	२ ७	५४ ९	बा	९	८	३२ ५८	५ २४	६ ३६	१६	१५	६	वृ.२१।२६	
२	र	३४	५	अ	३३	४५	प	४९	५८	तै	६	६	३३	२४	३६	१७	१६	७	वृश्चिके	वक्रीअश्वि.बुधः२१।०
३	चं	२८	१	ज्ये	३०	३९	शि	४३	९	व	१	३	५	२३	३७	१८	१७	८	ध.३०।३९	भ.१ ३उ.२८ १या.आर्द्राशुक्रः१ ३२ ९ चतुर्थीव्र.
४	मं	२३	४६	मू	२७	१९	सि	३६	७	बा	२३	४६	८	२२	३८	१९	१८	९	धनुषि	
५	बु	१८	२२	पू	२३	४९	सा	२९	४	तै	१८	२२	११	२२	३८	२०	१९	१०	म.३७।५८	कर्केभौमः४ ३९ बुधोदयःपूर्वस्यां५९ १४
६	गु	१२	५९	उ	२०	२६	शु	२१	३५	व	१२	५९	१४	२१	३९	२१	२०	११	मकरे	भ.१ ५२ ९उ.४ १० ७या.कृत्ति.रविः४ ३६ ३–
७	शु	७	३४	श्र	१६	५५	शु	१४	५१	ब	७	३४	१७	२१	३९	२२	२१	१२	कुं.४५।१६	पातस्पर्शः३७।५९पातमोक्षः४९।५८
८	श	२	२७	ध	१३	३८	ब्र	७	५५	कौ	२	२७	२०	२०	४०	२३	२२	१३	कुंभे	[–(सौरः५ ६ ४)
९	श	५४	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	र	५२	१६	श	१०	२८	ऐं	० ५१	५३ २९	व	२४	४४	२३	१९	४१	२४	२३	१४	मी५३।१४	भ.२४।४४उ.५२।१६या.
११	चं	४७	३५	पू	७	२९	वि	४८	८	ब	१९	५६	२६	१९	४१	२५	२४	१५	मीने	वृषेऽर्कः१ ३ ४८(सौरः२ ३ ५ १)पुष्येभौमः४ ४ १ ६A
१२	मं	४३	२८	उ	५	७	प्री	४२	१९	कौ	१५	३१	२८	१८	४२	२६	२५	१६	मीने	[Aअपरा११व्र.
१३	बु	३९	५९	रे	३	५	आ	३६	५८	ग	११	४३	३१	१८	४२	२७	२६	१७	मे.३।५	भ.३९।५९उ.मार्गीबुधः३५।३४प्रदोषः
१४	गु	३७	२१	अ	१	४५	सौ	३२	२९	वि	८	४०	३४	१७	४३	२८	२७	१८	मेषे	भ.८।४०या.
३०	शु	३६	४	भ	१	४७	शो	२९	४	च	६	१२	३७	१७	४३	२९	२८	१९	वृ.१७।२	वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.७शु.इ. २१ १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	०	२	१०	०	०
२७	१	१२	४	११	११	९	२७
१३	२०	१६	५०	६	५०	२	४
३७	२८	३४	२	३६	५३	४५	२०
५७	३५	२७ ४२	१२	६६	३	३	५७
५४	२०	व.	१४	२२	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

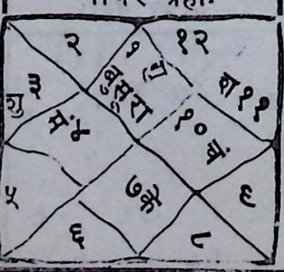

ज्येष्ठकृष्णे ११ चन्द्रे वृषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ बालावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

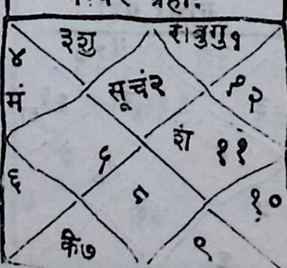

६पं.ज्ये.कृ.३०शु.इ. २१ २६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	०	२	१०	०	१
३	५	१२	६	१८	१२	८	३
५८	१६	३०	२५	३५	१२	४०	४८
३७	४८	५८	२९	२	२९	२९	३
५७	३५	१ ३०	१२	६४	२	३	५७
४४	३४	मा	५६	४६	५३	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:४४२७स.२०२३
१	श	३५	५४	कृ	२	५०	अ	२६	३४	किं	५	५९	३३/३९	५/१६	६/४४	३०	२९	२०	वृषे	पुन.शुक्रः४०।९अश्वि.३गुरु २८।४७
२	र	३७	२९	रो	५	२१	सु	२५	३०	बा	६	४१	४२	१६	४४	३१	३०	२१	मि३७।२४	चंद्रदर्शनम्
३	चं	४०	३४	मृ	९	२७	धृ	२५	१४	तै	९	१	४४	१५	४५	१	१	२२	मिथुने	भरण्यांबुधः१/१ भा.ज्येष्टारंभ.=
४	मं	४४	४२	आ	१४	५५	शू	२६	२	व	१२	३८	४७	१५	४५	२	२	२३	मिथुने	भ.१२।३८उ.४४।४२या. [=जिल्काद११
५	बु	५०	२३	पु	२१	२३	गं	२७	४४	ब	१७	३२	४९	१४	४६	३	३	२४	क.४।४६	[×पातस्पर्शः४५।२५
६	गु	५६	३९	पु	२८	४४	वृ	३०	१६	कौ	२३	३१	५२	१४	४६	४	४	२५	कर्के	रोहि.रविः३७।२२(सौरः४९।५९)×
७	शु	६०	०	श्ले	३६	१३	ध्रु	३२	४४	ग	२९	४४	५४	१३	४७	५	५	२६	सिं३६।१३	पातमोक्षः१।५८
७	श	२	५०	म	४३	३९	व्या	३५	५	व	२	५०	५६	१३	४७	६	६	२७	सिंहे	भ.२।५०उ.३५।४४या.
८	र	८	३८	पू	५०	१२	ह	३६	४८	ब	८	३८	५८	१२	४८	७	७	२८	सिंहें	
९	चं	१३	२८	उ	५५	२२	व	३७	२५	कौ	१३	२८	३४/००	१२	४८	८	८	२९	कं.६।२९	[+गंगादशमी
१०	मं	१६	५२	ह	५९	१०	सि	३६	५२	ग	१६	५२	२	१२	४८	९	९	३०	कन्यायां	भ.४७।४६उ.कर्केशुक्रः३५।३६+
११	बु	१८	४०	चि	६०	०	व्य	३४	५६	वि	१८	४०	३	११	४९	१०	१०	३१	तु.३०।५	भ.१८।४०या.निर्जला११व्र.
१२	गु	१८	१२	चि	१	१	व	३१	२६	बा	१८	१२	५	११	४९	११	११	१	तुलायां	जून६ता.३० प्रदोषः
१३	शु	१६	२	स्वा	०/५१	५८/१५	प	२६	२९	तै	१६	२	७	११	४९	१२	१२	२	वृ.४४।३२	पुष्येशुक्रः५४।१९
१४	श	११	५५	अ	५५	५८	शि	२०	१३	व	११	५५	९	१०	५०	१३	१३	३	वृश्चिके	भ.११।५५उ.३९।१५या.
१५	र	६	३४	ज्ये	५१	२६	सि	१३	४४	ब	६	३४	१०	१०	५०	१४	१४	४	ध.५१।२६	अश्वि.४गुरुः४५/४९गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

७पं,ज्ये.शु.७शु.इ.२१।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	०	२	१०	०	१
१०	९	१५	८	२५	१२	८	१०
४२	१६	५६	०	४९	२९	१८	२०
२९	१२	२४	१४	४४	४२	१४	१४
५७	३६	३७	१२	६२	२	३	५७
३५	६	२९	३२	५२	१४	११	२३

गोचर ग्रहाः

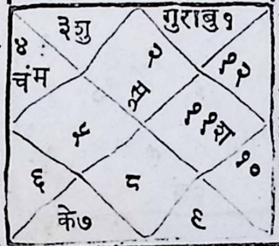

इस मास में कृष्णपक्ष में धातु धान्य रस में मंदी चले सुदि में तेजी होवे प्रजा में रोग शोक फैले।

गोचर ग्रहाः

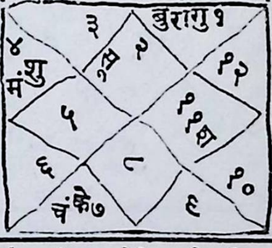

८पं.ज्ये.शु.१३शु.इ.३१/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	०	३	१०	०	१
१७	१३	२२	९	२	१२	७	१७
२५	१७	५९	३०	४७	४२	५५	११
१९	१०	५३	३६	६	१४	५८	१९
५७	३६	६८	१२	६०	१	३	५७
२७	२५	२४	१४	२३	३२	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	चं	०	२	मू	४६	१३	सा	४/५६	५१/३१	कौ	०	२	३४/१२	५/१०	६/५०	१५	१५	५	धनुषि	कृत्ति.बुधः३४।४२
२	चं	५२	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	मं	४५	३२	पू	४१	१	शु	४७	५०	व	१९	११	१३	९	५१	१६	१६	६	म.५४।४४	भ.१९।११उ.४५।३२या.
४	बु	३८	१८	उ	३५	५५	ब्र	३९	२७	ब	११	५५	१५	९	५१	१७	१७	७	मकरे	वृषेबुधः४४/१० पातस्पर्शः५१।५५चतुर्थी व्र.
५	गु	३२	३४	श्र	३१	८	ऐं	३१	१७	कौ	५	२६	१६	९	५१	१८	१८	८	कुं.५९।५	मृगेरविः३२/१५(सौरः४९/४९ अश्वि.भौमः९/५२÷
६	शु	२५	१९	ध	२७	२	वै	२३	४२	व	२५	१९	१७	९	५१	१९	१९	९	कुंभे	भ.२५।१९उ.५२।३३या.
७	श	१९	४७	श	२३	३४	वि	१६	३४	ब	१९	४७	१८	८	५२	२०	२०	१०	कुंभे	[÷पातमोक्षः७/२५
८	र	१५	७	पू	२१	१	प्री	१०	१२	कौ	१५	७	१९	८	५२	२१	२१	११	मी६।३९	
९	चं	११	१३	उ	१८	५९	आ	४/२६	५४/२	ग	११	१३	१९	८	५२	२२	२२	१२	मीने	भ.३९।४३उ.
१०	मं	८	१३	रे	१८	१	शो	५५	१४	वि	८	१३	२०	८	५२	२३	२३	१३	मं.१८।१	भ.८।१३या.
११	बु	६	५	अ	१७	५७	अ	५१	४३	बा	६	५	२१	८	५२	२४	२४	१४	मेषे	रोहि.बुधः६।०योगिनी११व्र.
१२	गु	४	४९	भ	१९	४	सु	४९	०	तै	४	४९	२१	८	५२	२५	२५	१५	वृ.३४।३५	मिथुनेऽर्कः३९/४९ (सौरः४९/३०) प्रदोषः
१३	शु	४	४७	कृ	२१	९	धृ	४७	११	व	४	४७	२२	८	५२	२६	२६	१६	वृषे	भ.४।४७उ.३५।१०या.
१४	श	५	३२	रो	२४	९	शू	४६	३२	श	५	३२	२२	८	५२	२७	२७	१७	मि५६।१७	आश्ले.शुक्रः३४/५१वक्रीशनि ४५/३७
३०	र	७	५६	मृ	२८	२६	गं	४६	१५	ना	७	५६	२३	७	५३	२८	२८	१८	मिथुने	

९पं.आ.कृ.६शु.इ.२१।३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	०	३	१०	०	१
२४	१७	२	१०	९	१२	७	२२
७	२२	२९	५८	२४	५०	३३	५१
१९	५	२	५९	१४	१३	४२	१६
५७	३६	९२	११	५७	०	३	५७
२२	५१	१२	४३	१४	५६	११	५

गोचर ग्रहाः

आशाढ़कृष्णे १२गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१०पं.आ.कृ.१३शु.इ.३१/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	३	१०	०	२
०	२१	१४	१२	१५	१२	७	०
४८	२९	१४	२३	३५	५३	११	३०
३६	२	३५	२	१७	२८	२७	२५
५७	३७	६८	११	५३	०	३	५६
१७	८	३८	७	१	७	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४४५७स.२०२३
१	चं	११	१७	आ	३३	४१	वृ	४७	१४	व	११	१७	३३/३४	५/७	५३/६	२९	२९	१९	मिथुने	[×दर्शनम् रथयात्रा
२	मं	१६	१	पु	४०	११	ध्रु	४८	४७	कौ	१६	१	२३	७	५३	३०	३०	२०	क.२३।३४	बुधास्तःपूर्वस्यां१६।२७ चंद्र×
३	बु	२१	१६	पु	४७	५	व्या	५०	५२	ग	२१	१६	२४	७	५३	३१	१	२१	कर्के	भ.५४।२२उ.मृबुधः७।४४भरणी१गुरुः÷
४	गु	२७	२८	श्ले	५४	४३	ह	५३	१७	वि	२७	२८	२४	७	५३	१	२	२२	सिं५४।४३	भ.२७।२८या.आर्द्रा.रविः२९।४४ A
५	शु	३३	३३	म	६०	०	व	५६	१	ब	०	३०	२४	७	५३	२	३	२३	सिंहे	[A(सौरः५१।१०)भा.आषाढारंभः
६	श	३९	४७	म	२	३१	सि	५८	२०	कौ	६	४०	२४	७	५३	३	४	२४	सिंहे	मिथुनेबुधः१९।२७
७	र	४५	०	पू	९	४७	व्य	५९	५३	ग	१२	२३	२४	७	५३	४	५	२५	कं.२६।१७	भ.४५।०उ. [÷७।५२जिल्हज१२
८	चं	४९	१३	उ	१५	४९	व	६०	०	वि	१७	६	२३	७	५३	५	६	२६	कन्यायां	भ.१७।६या.अश्वि.२राहुःचित्रा.४केतुः+
९	मं	५१	४३	ह	२०	४६	व	२८/०	५९/१२	बा	२०	२८	२३	७	५३	६	७	२७	तु.५२।१८	आर्द्रा.बुधः२०।५२
१०	बु	५२	१९	चि	२३	५०	शि	५७	१७	तै	२२	१	२२	८	५२	७	८	२८	तुलायां	[+१४।४०
११	गु	५०	५३	स्वा	२५	१२	सि	५३	२४	व	२१	३६	२२	८	५२	८	९	२९	तुलायां	भ.३/१६उ.५०/३या.देवशयनी११व्र.
१२	शु	४७	१२	वि	२४	१९	सा	४८	१	व	१९	२	२१	८	५२	९	१०	३०	वृ.९।३२	मघा.सिंहेभौमः३९।१४
१३	श	४१	४९	अ	२१	२३	शु	४०	४९	कौ	१४	३०	२०	८	५२	१०	११	१	वृश्चिके	जुलाई७ता.३१प्रदोषः
१४	र	३४	४४	ज्ये	१६	५६	शु	३२	२९	ग	८	१६	१९	८	५२	११	१२	२	ध.१६।५६	भ.३४।४४उ वायुपरीक्षा
१५	चं	२६	२८	मू	११	४	ब्र	२३	२३	वि	०	३६	१८	८	५२	१२	१३	३	धनुषि	भ.३/६या.पुन.बुधः३४।१६व्यासपूजा

११पं.आ.शु.५शु.इ. ३१/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	०	३	१०	०	२
७	२५	२७	१३	२१	१२	६	७
२९	३८	५९	४३	१२	५१	४९	८
२१	१७	१२	२६	५४	३६	११	५२
५७	३७	६/८	१०	४७	२८/०	३	५६
१२	१६	९/११	३१	५८	व	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मास में वदी में धान्य गेहूं जो चना मटर अलसी वातु रसकस में मंदी सुदि में तेज हों कहीं २ कुछ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

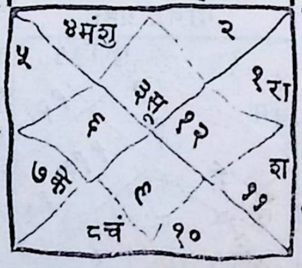

१२पं.आ.शु.१२शु.इ. ३१/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	०	३	१०	०	२
१४	२९	१३	१४	२६	१२	६	१३
९	४८	६	५९	९	४५	२६	४६
३८	५०	५८	१०	११	३२	५६	५७
५७	३७	६/८	९	४०	१/१	३	५६
७	४७	३/२	४९	५१	व.	११	५०

ति.	प्र. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	मं	१७	३८	पू	४/३१	५३/१०	ऐं	१३	२५	कौ	१७	३८	३४/१७	५/९	६/५१	१३	१४	४	म.१७।४८	
२	बु	८	४१	श्र	५०	५५	वै	३/२	५३/३	ग	८	४१	१६	९	५१	१४	१५	५	मकरे	भ.३४।६उ.५९।४६या.
३	बु	५१	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	गु	५१	४५	ध	४४	४४	प्री	४४	१४	ब	२५	४६	१५	९	५१	१५	१६	६	कुं.१७।४९	पुन.रविः३/४(सौरः५/२)चतुर्थीव्र.
५	शु	४४	२८	श	३९	२४	आ	३५	२४	कौ	१८	३६	१४	९	५१	१६	१७	७	कुंभे	मघा.सिंहेशुक्रः१।४नाग५
६	श	३८	३८	पू	३५	२३	सौ	२७	५०	ग	११	३२	१३	९	५१	१७	१८	८	मी२१।२३	भ.३८।३८उ.कर्केबुधः१३।१६
७	र	३३	५४	उ	३२	४२	शो	२१	१४	वि	६	१६	११	१०	५०	१८	१९	९	मीने	भ.६।१६या.पुष्येबुधः४९।६
८	चं	३०	५०	रे	३१	३१	अ	१५	५१	बा	२	२२	१०	१०	५०	१९	२०	१०	मे.३१।३१	भरणी.२गुरुः३९।३०
९	मं	२९	१	अ	३१	२५	सु	११	३०	ग	२९	१	८	१०	५०	२०	२१	११	मेषे	भ.५८।४६उ.
१०	बु	२८	३२	भ	३२	४६	धृ	८	८	वि	२८	३२	७	११	४९	२१	२२	१२	वृ.४८।२८	भ.३/२या.बुधोदयःपश्चिमायां४६।४
११	गु	२९	२८	कृ	३५	३३	शू	६	४	बा	२९	२८	५	११	४९	२२	२३	१३	वृषे	कामिका११व्र.
१२	शु	३१	२१	रो	३९	२०	गं	४	४९	कौ	०	२४	३	११	४९	२३	२४	१४	वृषे	[×बुधः४८।२०
१३	श	३४	४०	मृ	४४	१४	वृ	४	४८	ग	३	०	१	१२	४८	२४	२५	१५	मि११।४७	भ.३४।४०उ.प्रदोषः
१४	र	३८	४०	आ	४९	५९	ध्रु	४	५५	वि	६	४०	३३/५९	१२	४८	२५	२६	१६	मिथुने	भ.६।४०या.कर्कोऽर्कः५८।०आश्ले. ×
३०	चं	४३	५६	पु	५६	३८	व्या	६	१६	च	११	१८	५७	१३	४७	२६	२७	१७	क.३९।५८	कर्कोऽर्कःसौरः२७।५६हरियाळी

१३पं.प्र.श्रा.कृ.५शु.इ. २१/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	०	४	१०	०	२
२०	४	२८	१६	०	१२	६	२०
५०	९	११	९	११	३४	४	२४
२४	५२	४६	५४	०	१६	४०	५०
५७	३८	६/८	९	३२	५/१	३	५६
७	१	९/१३	७	२८	व	११	५०

गोचर ग्रहाः

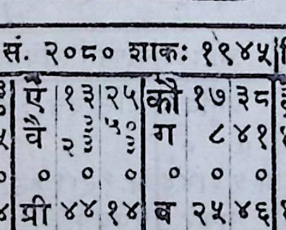

प्र. श्रावण कृष्णे १४ रवौ कर्कोऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदय पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

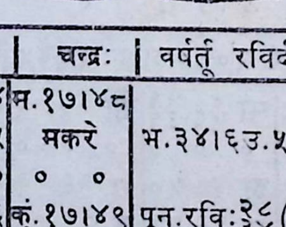

१४पं.प्र.श्रा.कृ.१२शु.इ. २५/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	०	४	१०	०	२
२७	८	१२	१७	३	२२	५	२७
२०	१९	१	१४	३	१८	४२	२
४३	८	५	१७	७	४३	२४	५८
५७	३८	३०/८	८	१९	३/०	३	५६
११	२३	८	२३	५९	व	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविदक्षिणेऽहर्गण४४८६स.२०२३
१	मं	४९	१२	पु	६०	०	ह	८	१	किं	१६	३४	३३/५५	५/१३	६/४७	२७	२८	१८	कर्के	
२	बु	५५	२६	पु	३	४०	व	१०	७	बा	२२	१९	५२	१४	४६	२८	२९	१९	कर्के	चंद्रदर्शनम्
३	गु	६०	०	श्ले	११	१८	सि	१२	४०	तै	२८	३३	५०	१४	४६	२९	१	२०	सिं११।१८	पुष्येरविः २७/१८ (सौरः ५/३६) मोहोरम१सन् +
३	शु	१	४०	म	१८	४५	व्य	१४	८	ग	१	४०	४८	१४	४६	३०	२	२१	सिंह	भ.३४।४७उ. [+१४४५हि.
४	श	७	५५	पू	२६	१५	व	१७	२३	वि	७	५५	४५	१५	४५	३१	३	२२	कं.४२।५८	भ.७।५५या.पूफा.भौमः३३।५५
५	र	१३	२२	उ	३३	६	प	१९	३६	बा	१३	२२	४३	१५	४५	१	४	२३	कन्यायां	वक्रीशुक्रः३५।१०भा.श्रावणारंभः
६	चं	१८	६	ह	३८	५९	शि	२१	१	तै	१८	६	४०	१६	४४	२	५	२४	कन्यायां	मघा.सिंहेबुधः४१।४०
७	मं	२१	२६	चि	४३	३०	सि	२१	१६	व	२१	२६	३८	१६	४४	३	६	२५	तु.११।१४	भ.२१।२६उ.५२।१९या.
८	बु	२३	१२	स्वा	४६	२१	सा	२०	१७	ब	२३	१२	३५	१७	४३	४	७	२६	तुलायां	
९	गु	२३	२	वि	४७	१७	शु	१७	५३	कौ	२३	२	३३	१७	४३	५	८	२७	वृ.३२।४	
१०	शु	२०	५३	अ	४६	८	शु	१३	५२	ग	२०	५३	३०	१८	४२	६	९	२८	वृश्चिके	भ.४८।४८उ.
११	श	१६	४३	ज्ये	४३	१०	ब्र	८	१९	वि	१६	४३	२७	१९	४१	७	१०	२९	ध.४३।१०	भ.१६।४३या.कमला११व्र.
१२	र	१०	२८	मू	३८	५	ऐं	१/१०	५/२३	बा	१०	२८	२४	१९	४१	८	११	३०	धनुषि	
१३	चं	३	२६	पू	३१	५३	वि	४२	५३	तै	३	२६	२२	२०	४०	९	१२	३१	म.४५।२	भ.५३।२२उ.
१४	चं	४९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	मं	४३	५३	उ	२४	३०	प्री	३२	२०	वि	१८	३८	१९	२०	४०	१०	१३	१	मकरे	भ.१८।३८या.अगस्तदता.३१

१५पं.प्र.श्रा.शु.३शु.इ. २१/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	०	४	१०	०	३
४	१२	२४	१८	४	११	५	३
११	३३	२७	१२	२१	५९	२०	४१
२८	१४	२	५८	४७	२	९	२५
५७	३८	९/०	७	५	३/९	३	५६
१५	३३	९/४३	१४	५९	व	११	५९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चावल आदि सोना चांदी तिल वारदाना रुई मंदी हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

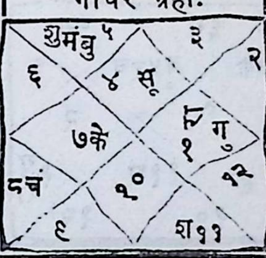

१६पं.प्र.श्रा.शु१०शु.इ.२०/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	०	४	१०	०	३
१०	१६	५	१९	३	११	४	१०
५२	५२	९	४	५२	३६	५७	२०
३०	२३	२२	४१	४८	२२	५३	४२
५७	३८	८२	६	११/४४	४३/४	३	५७
२०	५८	१३	२१	व	व	११	५

ति.	द्वि.श्रावणकृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेप्र.श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	३३	४९	श्र	१६	४२	आ	२१	३९	बा	८	५१	३३/१६	५/२१	६/३९	११	१४	२	कुं.४२।४८	
२	गु	२४	१३	ध	८	५५	सौ	१०	४८	ग	२४	१३	१३	२१	३९	१२	१५	३	कुम्भे	भ.४९।३७उ.आश्ले.रविः२४।१९ =
३	शु	१५	२	श	१/२२	५४/०	शो	०/२३	५०/२६	वि	१५	२	१०	२२	३८	१३	१६	४	मी४१।५२	भ.१५।२या.चतुर्थीव्र.
४	श	७	७	उ	५०	४०	सु	४२	१६	बा	७	७	७	२३	३७	१४	१७	५	मीने	शुक्रास्तःपश्चिमायां३३।०
५	र	०	४७	रे	४७	३७	धृ	३५	१४	तै	०	४७	४	२३	३७	१५	१८	६	मे.४७।३७	भ.५६।२१उ.भरणी.३गुरुः१४।४८
६	र	५५	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=(सौरः५९।२४)पूफा.बुधः२६।१३
७	चं	५३	४०	अ	४६	२२	शू	२९	३५	वि	२५	०	०	२४	३६	१६	१९	७	मेषे	भ.२५।०या.वक्रीआश्ले.कर्केशुक्रः२६।२४
८	मं	५२	५३	भ	४६	५४	गं	२५	२०	बा	२३	१६	३२/५७	२५	३५	१७	२०	८	मेषे	
९	बु	५३	५०	कृ	४९	१८	वृ	२२	३९	तै	२३	२१	५४	२५	३५	१८	२१	९	वृ.२।३०	
१०	गु	५६	२	रो	५३	२	ध्रु	२१	१६	व	२४	५६	५०	२६	३४	१९	२२	१०	वृषे	भ.२४।५६उ.५६।२या.
११	शु	५९	५९	मृ	५८	१६	व्या	२१	८	ब	२८	१	४७	२७	३३	२०	२३	११	मि२५।३९	कमला११व्र.स्मा.
१२	श	६०	०	आ	६०	०	ह	२१	५९	कौ	३२	२२	४४	२७	३३	२१	२४	१२	मिथुने	उफा.भौमः५८।४६कमला११व्र.वै.
१२	र	४	४४	आ	४	१९	व	२३	२०	तै	४	४४	४०	२८	३२	२२	२५	१३	क.५३।५४	
१३	चं	१०	३६	पु	११	२५	सि	२५	३०	व	१०	३६	३७	२९	३१	२३	२६	१४	कर्के	भ.१०।३६उ.४३।२५या.
१४	मं	१६	१३	पु	१८	३९	व्य	२७	३२	श	१६	१३	३३	२९	३१	२४	२७	१५	कर्के	
३०	बु	२२	३७	श्ले	२६	१९	व	३०	७	ना	२२	३७	३०	३०	३०	२५	२८	१६	सि२६।१९	

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.३शु.इ.२०/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	०	४	१०	०	३
१७	२१	१४	१९	१	११	४	१७
३४	१३	२१	४९	२३	९	३५	००
१२	१२	५८	५९	२	५०	३८	३०
५७	३८	६८	५	२६/५१	४	३	५७
२५	५८	३	१४	व	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

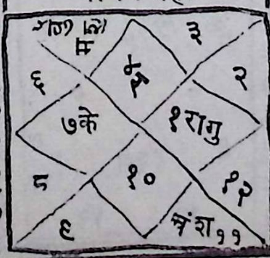

इस मास में शुक्र का चन्द्रदर्शन धातु चांदी सोना रुई में घटबढ करें रसकस तेज हो धान्य मंदा हो वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

१८पं.द्वि.श्राकृ.११शु.इ.२०/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	०	३	१०	०	३
२५	२५	२१	२०	२७	१०	४	२३
१६	३६	३९	२६	३४	४०	१३	४१
३७	७	७	४२	३०	४४	२२	३७
५७	३९	४५	४	३५/५३	४/१७	३	५७
३३	५	५५	८	व	व	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः१९४५												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५१६स.२०२३
१	गु	२८	३४	म	३४	४०	प	३२	२५	व	२८	३४	३२/२६	३ ५/१	२ ६/९	२६	२९	१७	सिंहे	मघा.सिंहेऽर्कः१८।२१(सौरः५५।४९)
२	शु	३४	३४	पू	४१	५६	शि	३४	५३	बा	१	३४	२२	३२	२८	२७	३०	१८	कं.५८।२६	कन्यायांभौमः१९।१०चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	श	३९	५४	उ	४७	५७	सि	३६	४५	तै	७	१४	१९	३२	२८	२८	१	१९	कन्यायां	उफा.बुधः१०।४४सफर२तीज
४	र	४४	३५	ह	५३	५७	सा	३७	५६	व	१२	१४	१५	३३	२७	२९	२	२०	कन्यायां	भ.१२/९४उ.४४/३५या.वक्री.शत.१शनिः३२/५० +
५	चं	४८	१९	चि	५८	५३	शु	३८	४५	ब	१६	२७	१२	३४	२६	३०	३	२१	तु.२६।२५	वक्रीबुधः५७।३नागपंचमी
६	मं	५०	३५	स्वा	६०	०	शु	३८	३८	कौ	१९	२७	८	३४	२६	३१	४	२२	तुलायां	[+शुक्रोदयःपूर्वस्यां३।३६वरद४
७	बु	५१	२८	स्वा	२	५०	ब्र	३७	१४	ग	२१	१	४	३५	२५	१	५	२३	वृ.४९।३४	भ.५१।२८उ.भा.भाद्रपदारंभः
८	गु	५०	३६	वि	५	८	ऐं	३४	३९	वि	२१	३	१	३६	२४	२	६	२४	वृश्चिके	भ.२१।३या. [÷रक्षाबंधनम्
९	शु	४८	५	अ	५	५५	वै	३०	४४	बा	१९	२२	३१/५७	३७	२३	३	७	२५	वृश्चिके	
१०	श	४३	४२	ज्ये	४	५२	वि	२५	२२	तै	१५	५३	५३	३७	२३	४	८	२६	ध.४।५२	
११	र	३७	३४	मू	२/४	५५/३३	प्री	१८	२३	व	१०	३८	४९	३८	२२	५	९	२७	धनुषि	भ.५०/३८उ.३७।३४या.पवित्रा११व्र.
१२	चं	२९	५८	उ	५१	४१	आ	१०	१४	ब	३	४६	४६	३९	२१	६	१०	२८	म.११।८	वक्रीपूफा.बुधः५३/३९अश्वि.१राहुःचित्रा.३ ×
१३	मं	२१	१०	श्र	४४	३७	सौ	५९	४९/४८	तै	२१	१०	४२	४०	२०	७	११	२९	मकरे	[×केतुः७।११प्रदोषः
१४	बु	११	२८	ध	३६	४९	अ	३९	५५	व	११	२८	३८	४०	२०	८	१२	३०	कुं.१०।४३	भ.११/२८उ.३६/२७या.बुधास्तःपश्चिमायां३७/९
१५	गु	१	२५	श	२८	५८	सु	२९	५	ब	१	२५	३४	४१	१९	९	१३	३१	कुम्भे	पूफा.रविः५७(सौरः४६/४०)श्रावणीकर्म ÷

१९पं.द्वि.श्रा.शु.२शु.इ.३०/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	०	३	१०	०	४
०	०	२६	२०	२३	१०	३	०
५९	०	२५	५४	१५	१०	१	२३
५३	५४	१६	१८	३८	१	६	५०
५७	३९	१७	३	३१/५७	४/३४	३	५७
४०	१४	३७	१	व	व	११	३४

गोचर ग्रहाः

द्वि.श्रावणशुक्ले१गुरौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न.४ बालावस्था (बैठी)मु. ३०धान्यादिभावेंसमताशुक्रास्त पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

२०पं.द्वि.श्रा.शु.९शु.इ.२०/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	०	३	१०	०	४
७	४	२७	२१	१९	९	३	७
४४	२८	३८	१३	४५	३८	२८	७
२०	५	४६	१	२२	३८	५१	१८
५७	३९	३१/२	१	२२/२	४/४०	३	५७
४९	३२	व	३५	व	व.	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेद्वि.श्रावणकृष्णेति महा.
१	गु	५०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	४२	३१	पू	२१	२२	धृ	१८	१३	तै	१७	४	३१/३०	५/४२	६/१८	१०	१४	१	मी८।१६	सितम्बर९ता.३०
३	श	३४	३३	उ	१४	४४	शू	२८/२	५१/११	व	८	३२	२६	४३	१७	११	१५	२	मीने	भ.३९/२उ.३४/३३या.हस्तेभौमः५५/५०चतुर्थीव्र.
४	र	२८	२०	रे	९	४०	वृ	५१	५३	ब	१	२६	२२	४४	१६	१२	१६	३	मे.९।४०	मार्गीशुक्रः२५।५वक्रीगुरुः४७।१५
५	चं	२४	२	अ	६	२८	ध्रु	४५	५९	तै	२४	२	१८	४४	१६	१३	१७	४	मेषे	चंद्रषष्ठी
६	मं	२२	०	भ	५	४	व्या	४१	३३	व	२२	०	१५	४५	१५	१४	१८	५	वृ.२०।१७	भ.२२।०उ.५२।२या.
७	बु	२२	४	कृ	५	५६	ह	३९	८	ब	२२	४	११	४६	१४	१५	१९	६	वृषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	गु	२३	५२	रो	८	३८	व	३८	०	कौ	२३	५२	७	४७	१३	१६	२०	७	मि४०।५८	जन्माष्टमीव्र.वैं.
९	शु	२७	३१	मृ	१३	१९	सि	३८	३४	ग	२७	३१	३	४७	१३	१७	२१	८	मिथुने	भ.५९।५७उ.गोगा९
१०	श	३२	२४	आ	१९	१८	व्य	३९	३५	वि	३२	२४	३०/५९	४८	१२	१८	२२	९	मिथुने	भ.३२।२४या.
११	र	३८	३२	पु	२६	१९	व	४१	४७	ब	५	२८	५५	४९	११	१९	२३	१०	क.९।३४	अजा११व्र.
१२	चं	४४	३४	पु	३३	३५	प	४४	५	कौ	११	३२	५१	५०	१०	२०	२४	११	कर्के	वत्सद्वादशी
१३	मं	५१	११	श्ले	४१	२०	शि	४६	३६	ग	१७	५२	४७	५१	९	२१	२५	१२	सिं४१।२०	भ.५१।११उ.प्रदोषः
१४	बु	५७	६	म	४८	५२	सि	४८	५३	वि	२४	८	४३	५१	९	२२	२६	१३	सिंहे	भ.२४।८या.उफा.रविः५२।२२
३०	गु	६०	०	पू	५६	१४	सा	५१	३	च	२९	५८	३९	५२	८	२३	२७	१४	सिंहे	उफा.रविःसौरः३१।२०
३०	शु	२	५०	उ	६०	०	शु	५२	४५	ना	२	५०	३५	५३	७	२४	२८	१५	क.१२।४९	बुधोदयःपूर्वस्यां१/६७कुशाग्रहणीपिठोरी३०

२१पं.भा.कृ.२शु.इ.२०/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	०	३	१०	०	४
१४	८	२४	२१	१८	९	३	१३
३०	५९	१४	२२	१	६	६	५२
०	५३	२४	१९	३४	४	३५	३०
५८	३९	५६/२२	०	४/४०	४/४०	३	५७
१	३७	व	२८	व	व.	११	५७

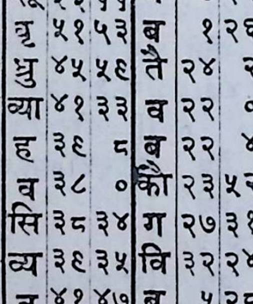

२२पं.भा.कृ.९शु.इ.२०।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	०	३	१०	०	४
२१	१३	१७	२१	१८	८	२	२०
१७	२८	३८	२२	१३	३६	४४	३९
२	१९	६	२६	२६	७	२१	१०
५८	३९/४१	३७	५०/२	११/२	२८/४	३	५८
१३	व	१	व	मा	व.	११	१३

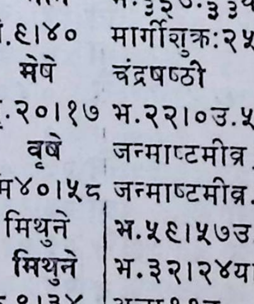

२३पं.भा.कृ.३०शु.इ.१९/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	०	३	१०	०	४
२८	१८	१५	२१	२०	८	२	२७
५	१	१	१२	८	६	२२	२७
२४	५२	१२	२२	२४	४३	४	२७
५८	४०	२५/७	१८/२	२४	१०/४	३	५८
२६	६	व	व.	४१	व.	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५४६सं.२०२३
१	श	७	४१	उ	२	३५	शु	५३	४५	ब	७	४१	३०/५१	५४	६/०	२५	२९	१६	कन्यायां	मार्गीबुधः३।४९
२	र	११	४६	ह	८	१३	ब्र	५४	८	कौ	११	४६	२७	५५	५	२६	३०	१७	तु.४०।३८	कन्यायामर्कः१/४ ७/३ (सौरः५/३ ६/१)चंद्रदर्शनम्
३	चं	१४	५८	चि	१३	३	ऐं	५३	३६	ग	१४	५८	२२	५६	४	२७	१	१८	तुलायां	भ.४/५ ५/९उ.रविलावल३हरितालिका३
४	मं	१७	१	स्वा	१६	४४	वै	५२	१९	वि	१७	१	१८	५६	४	२८	२	१९	तुलायां	भ.१७।१या.गणेशचतुर्थी
५	बु	१८	१४	वि	१९	२४	वि	५०	१७	बा	१८	१४	१४	५७	३	२९	३	२०	वृ.३।४४	ऋषिपंचमी
६	गु	१७	२८	अ	२१	१	प्री	४७	८	तै	१७	२८	९	५८	२	३०	४	२१	वृश्चिके	
७	शु	१५	५५	ज्ये	२१	११	आ	४२	५५	ब	१५	५५	५	५९	१	३१	५	२२	ध.२१।११	भ.१५।५५उ.४४।२८या.
८	श	१३	१	मू	२०	६	सौ	३७	३४	ब	१३	१	३०/००	६/०	६/०	१	६	२३	धनुषि	चित्रा.भौमः२२।५७भा.आश्विनारंभः
९	र	८	३७	पू	१७	२८	शो	३१	९	कौ	८	३७	२९/५६	१	५९	२	७	२४	म.३१।३४	अस्तोभौमः३९।६
१०	चं	३	८	उ	१३	५२	अ	२३	३७	ग	३	८	५२	२	५८	३	८	२५	मकरे	भ.३/४ ९/२उ.५/१ ६/६या.जलझूलनी११व्र.स्मा.
११	चं	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	मं	४८	१४	श्र	८	४७	सु	१५	९	ब	२२	१५	४८	२	५८	४	९	२६	कुं.३५।४७	जलझूलनी११व्र.वै.वामनजयंती
१३	बु	३९	५०	ध	२/४९	५३/१५	धृ	५/४७	५०/१२	कौ	१४	२	४४	३	५७	५	१०	२७	कुंभे	हस्तेरविः३०।५२प्रदोषः
१४	गु	३०	३१	पू	४८	५६	गं	४५	३८	ग	५	१०	४०	४	५६	६	११	२८	मी३५।४३	भ.३/३ ०/१उ.५/६या.हस्तेरविःसौरः९/१अनंत१४
१५	शु	२१	४१	उ	४२	१५	बृ	३५	३२	ब	२१	४१	३६	५	५५	७	१२	२९	मीने	उफा.बुधः३७।४७महालयारंभः

२४पं.भा.शु.७शु.इ. ६/४ ९/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	०	३	१०	०	५
४	२२	१७	२०	२३	७	१	४
५५	३७	२	५२	३२	३७	५९	१७
१६	३४	५३	४१	४२	५९	४८	३४
५८	४०	६३/३८	३/३६	३५	५३/२	३	५८
३८	१८	भा।	व.	२१	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

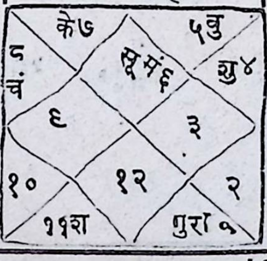

भाद्रपदशुक्ले २ रवौ कन्यायामऽर्कःप्रविष्टः वा.४न. ५ युवावस्था (सूती)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२५पं.भा.शु.१५शु.इ. १/४ ९/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	०	३	१०	०	५
११	२७	२६	२०	२८	७	१	११
४६	१५	७	२३	८	१२	३७	९
५२	५०	४४	३८	२४	४७	३३	३२
५८	४०	७/०	४/४१	४४	३/२६	३	५९
५३	२३	९/५२	व	१०	व.	११	००

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं.२०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	श	१३	२४	रे	३६	१४	ध्रु	२६	०	कौ	१३	२४	२९/३२	६	५/५४	८	१३	३०	मे.३६।१४	[×सिंहेशुक्रः५१।१७अक्टूबर१०ता.३१
२	र	६	३१	अ	३१	२९	व्या	१७	२०	ग	६	३१	२८	६	५४	९	१४	१	मेषे	भ.३३।४८उ.कन्यायांबुधः३०।४मघा. ×
३	चं	१	५	भ	२८	२९	ह	९	५३	वि	१	५	२३	७	५३	१०	१५	२	मेषे	भ.१।५या.चतुर्थी व्र.
४	चं	५६	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=५५।४०बुधास्तःपूर्वस्यां८।०
५	मं	५६	२६	कृ	२७	३२	व	३/५६	५५/५०	कौ	२७	०	१९	८	५२	११	१६	३	वृ.४३।१५	तुलायांभौमः२६।२७वक्रीभरणी२गुरुः =
६	बु	५७	१२	रो	२८	४४	व्य	५७	२०	ग	२५	४९	१५	९	५१	१२	१७	४	वृष	भ.५७।१२उ.
७	गु	६०	०	मृ	३१	५५	व	५६	३८	वि	२८	४०	११	१०	५०	१३	१८	५	मि०।२०	भ.२८।४०या.
७	शु	०	७	आ	३६	४७	प	५६	५२	ब	०	७	७	११	४९	१४	१९	६	मिथुने	
८	श	४	३७	पु	४३	१३	शि	५८	१९	कौ	४	३७	३	११	४९	१५	२०	७	क.२६।३६	हस्तेबुधः२/५ १/५मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	र	१०	३४	पु	५०	२६	सि	६०	०	ग	१०	३४	२८/५९	१२	४८	१६	२१	८	कर्के	भ.४३।३५उ.
१०	चं	१६	३७	श्ले	५८	८	सि	०	२३	वि	१६	३७	५५	१३	४७	१७	२२	९	सिं५८।८	भ.१६।३७या.
११	मं	२३	१३	म	६०	०	सा	२	५२	बा	२३	१३	५१	१४	४६	१८	२३	१०	सिंहे	वक्रीधनि४शनिः४७।३०इंदिरा११व्र.
१२	बु	२९	२०	म	५	४०	शु	५	६	तै	२९	२०	४७	१५	४५	१९	२४	११	सिंहे	चित्रारविः३।५४(सौरः३९।३५)
१३	गु	३४	५५	पू	१२	५४	शु	७	२२	ग	२	७	४३	१५	४५	२०	२५	१२	कं.२९।२९	भ.३४।५५उ.प्रदोषः
१४	शु	३९	१७	उ	१९	१७	ब्र	८	५८	वि	७	६	३९	१६	४४	२१	२६	१३	कन्यायां	भ.७/६या.स्वात्यांभौमः२/१ १/९शस्त्रादिहता.श्रा
३०	श	४२	४६	ह	२४	२३	ऐं	९	४१	च	११	१०	३५	१७	४३	२२	२७	१४	तु.५६।३७	चित्राबुधः५२।०सर्वपितृ३०

२६पं.आ.कृ.७शु.इ.१९।३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	०	४	१०	०	५
१८	१	८	१९	३	६	१	१८
४०	५६	९	४६	३२	५१	१५	२
८	१७	१४	१	१३	५८	१७	२०
५९	४०	७/०	५/५०	५०	२/४६	३	५९
९	१९	९/५२	व.	२४	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

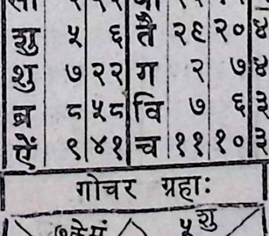

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धातु धान्य में तेजी होवे प्रजा में शोक और व्याधि फैले रसकस में कुछ मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

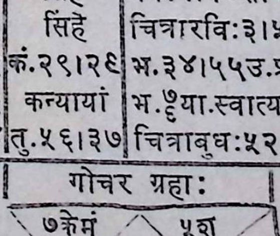

२७पं.आ.कृ.१४शु.इ. १/१ ९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	०	४	१०	०	५
२५	६	२०	१९	९	६	०	२४
३५	३८	३५	०	३५	३४	५३	५९
२	३८	२	५०	३१	२६	२	२
५९	४१	७/०	६/४०	५४	२/१२	३	५९
२१	०	९/२२	व	१०	व.	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												बि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽर्हगणः:४५७५स.२०२३
१	र	४५	१	चि	२८	५२	वै	९	३१	किं	१३	५३	२८/३१	६/१८	५/४२	२३	२८	१५	तुलायां	नवरात्रारंभ:मातामहश्रा.
२	चं	४६	८	स्वा	३१	५३	वि	८	३१	बा	१५	३४	२७	१९	४१	२४	२६	१६	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	मं	४६	४	वि	३३	४९	प्री	६	२९	तै	१६	६	२३	१९	४१	२५	१	१७	वृ.१८।२०	तुलायामर्कः:४/३६पूफा.शुक्र:२/६ ३/३रविलाखर४
४	बु	४५	७	अ	३४	४३	आ	३/४०	५६/१९	व	१५	३५	२०	२०	४०	२६	२	१८	वृश्चिके	भ.३/३५उ.४/५७या.तुलार्कः:सौर:२/१ २/९तुलायां ×
५	गु	४३	१९	ज्ये	३४	५६	शो	५५	५२	ब	१४	१३	१६	२१	३९	२७	३	१९	ध.३४।५६	[×बुध:५४।८
६	शु	४०	२६	मू	३४	०	अ	५०	५३	कौ	११	५२	१२	२२	३८	२८	४	२०	धनुषि	
७	श	३६	५८	पू	३२	२५	सु	४५	१३	ग	८	४२	८	२२	३८	२९	५	२१	म.४६।४८	भ.३६।५८उ.
८	र	३२	३४	उ	२९	५८	धृ	३८	५४	वि	४	४६	४	२३	३७	३०	६	२२	मकरे	भ.४।४६या.स्वात्यांबुध:४९।३७
९	चं	२७	२९	श्र	२६	४४	शू	३१	४९	बा	०	१	०	२४	३६	१	७	२३	कुं.५४।४१	भा.कार्तिकारंभ:
१०	मं	२१	३२	ध	२२	३८	गं	२४	१६	ग	२१	३२	२७/५६	२५	३५	२	८	२४	कुम्भे	भ.४८।१६उ.स्वात्यांरवि:२८।४५
११	बु	१५	१	श	१७	५६	वृ	१६	८	वि	१५	१	५३	२५	३५	३	९	२५	मी५९।१	भ.१५।१या.स्वात्यांरवि:सौर:३।२२ ÷
१२	गु	७	४७	पू	१२	३८	ध्रु	७/२१	५१/१३	बा	७	४७	४९	२६	३४	४	१०	२६	मीने	प्रदोष: [÷पापांकुशा११व्र.
१३	शु	०	३३	उ	७	२०	ह	४९	५०	तै	०	३३	४५	२७	३३	५	११	२७	मीने	भ.५३।२१उ.
१४	शु	५२	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[= का.स्ना.प्रा.
१५	श	४७	५	रे	२/१३	५५/२६	व	४१	२६	वि	२०	१३	४१	२८	३२	६	१२	२८	मे.२।१३	भ.२०।१३या.शरद्पूर्णिमाकोजागरीव्र.=

२८पं.आ.शु.६शु.इ.१९।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	९	०	४	१०	०	६
२	११	२	१८	१६	६	०	१
२१	२३	२४	१०	९	२०	३०	५६
२६	१७	२५	५२	१८	४६	४६	२७
५९	४१	०/०	७/२४	५७	३/१२	३	५९
३४	१०	५५	व	५८	व	११	४६

गोचर ग्रहा:

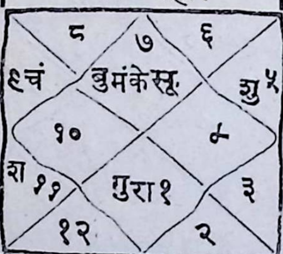

आश्विनशुक्लें ३ भौमे तुलायामऽर्कः प्रविष्टः वा.३न४प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावें समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहा:

२९पं.आ.शु.१३शु.इ.१/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	०	४	१०	०	६
९	१६	१४	१७	२३	६	०	८
२९	११	१०	१६	७	१३	८	५५
४२	२४	४८	२६	५५	३०	३०	४७
५९	४१	०/०	५/७२	६०	०/४५	३	६०
४७	२०	५९	व.	४४	व.	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	र	४१	४०	भ	५४	१२	सि	३३	४४	बा	१४	२२	२७/३८	६/२९	५/३१	७	१३	२९	मेषे	रेवती४मीनेचराहु:चित्रा२कन्यायांकेतु:५९/११
२	चं	३७	५६	कृ	५२	१४	व्य	२७	१०	तै	९	४८	३४	२९	३१	८	१४	३०	वृ.८।४३	उफा.शुक्र:४८।२९
३	मं	३६	४	रो	५२	२३	व	२१	५८	व	६	५९	३०	३०	३०	९	१५	३१	वृषे	भ.५/६९उ.३/४६या.विशा.बुध:२/५वक्री ×
४	बु	३५	४९	मृ	५४	१२	प	१८	१८	ब	५	५६	२७	३१	२९	१०	१६	१	मिर३।१७	विशा.भौम:४/३ ९/१नवम्बर११ता.३०करक+
५	गु	३७	५९	आ	५७	४७	शि	१६	१४	कौ	६	५३	२३	३१	२९	११	१७	२	मिथुने	कन्यायांशुक्र:५५।५० [+चतुर्थीव्र.
६	शु	४१	४७	पु	६०	०	सि	१५	२५	ग	९	५३	१९	३२	२८	१२	१८	३	क.४६।४७	भ.४१।४७उ.मार्गीशनि:५८।२४
७	श	४७	१४	पु	३	७	सा	१५	५९	वि	१४	३१	१६	३३	२७	१३	१९	४	कर्के	भ.१४।३१या. [×भरणी१गरु:४४।१२
८	र	५३	७	पु	९	५५	शु	१७	२८	बा	२०	१०	१२	३४	२६	१४	२०	५	कर्के	
९	चं	५९	४१	श्ले	१७	११	शु	१९	३४	तै	२६	२३	९	३४	२६	१५	२१	६	सिं१७।११	विशा.रवि:४९।११वृश्चिकेबुध:१०।२४
१०	मं	६०	०	म	२४	४६	ब्र	२२	२	व	३२	४६	५	३५	२५	१६	२२	७	सिंहे	भ.३२।४६उ.विशा.रवि:सौर:२०।४६
१०	बु	५	५२	पू	३२	१	ऐं	२४	१३	वि	५	५२	२	३६	२४	१७	२३	८	कं.४८।४०	भ.५।५२या.अनु.बुध:३३।४८
११	गु	११	३५	उ	३८	३८	वै	२५	५१	बा	११	३५	२६/५८	३६	२४	१८	२४	९	कन्यायाँ	बुधोदय:पश्चिमायां३३।५८रमा११व्र.
१२	शु	१६	४	ह	४३	५६	वि	२६	३२	तै	१६	४	५५	३७	२३	१९	२५	१०	कन्यायां	प्रदोष:धन१३
१३	श	१९	१६	चि	४७	५६	प्री	२६	२०	व	१९	१६	५२	३८	२३	२०	२६	११	तु.१५।५६	भ.१९।१६उ.५०।२या.रुप१४
१४	र	२०	४७	स्वा	५०	३१	आ	२४	५३	श	२०	४७	४९	३८	२२	२१	२७	१२	तुलायां	हस्तेशुक्र:११।३७महालक्ष्मीपूजनम्
३०	चं	२१	०	वि	५१	४४	सौ	२२	२२	ना	२१	०	४५	३९	२१	२२	२८	१३	वृ.३६।२६	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

३०पं.का.कृ.६शु.इ.१८/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	०	५	१०	११	६
१६	२१	२५	१६	०	६	२९	१५
२९	१	१७	१९	२४	१०	४६	५६
२८	५५	५३	४४	७	३४	१५	५१
६०	४१	९८	५/७२	६३	०/५	३	६०
४	३७	३८	व	४	व.	११	१८

गोचर ग्रहा:

कन्याराशि गते शुक्रे सर्वसस्यं विनश्यति, तत्र धान्य महर्घाणि शालिश्चैव विशेषतः इस मास में धान्य में तेजी रहेगी।

गोचर ग्रहा:

३१पं. का.कृ.१२शु.इ.३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	०	५	१०	११	६
२३	२५	६	१५	७	६	२९	२२
३०	५१	५	२३	५७	१२	२३	५९
५०	१९	१७	१०	५४	४७	५९	२४
६०	४१	०.४	५/७२	६४	०/४८	३	६०
१७	४६	३८	व.	४९	मा	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूर्रविर्दक्षिणेऽहर्गणः:४६०५स.२०२३
१	मं	१९	४३	अ	५१	४४	शो	१८	३०	व	१९	४३	२६/४२	६/४०	५/२०	२३	२९	१४	वृश्चिके	
२	बु	१७	२१	ज्ये	५०	३८	अ	१४	१०	कौ	१७	१३	३९	४०	२०	२४	३०	१५	ध.५०।३८	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	गु	१४	११	मू	४८	५२	सु	८	५२	ग	१४	११	३६	४१	१९	२५	१	१६	धनुषि	भ.४/१ २/४उ.वृश्चिकेऽर्क ४/१ ५/६ वृश्चिकेभौमः =
४	शु	१०	१८	पू	४६	२२	धृ	२/४७	५३/३९	वि	१०	१८	३३	४१	१९	२६	२	१७	धनुषि	भ.१/१ ०/८या.वृश्चिकेऽर्कः सौरः १५/३ ज्येष्ठा ×
५	श	६	७	उ	४३	४०	गं	५०	५	त्रा	६	७	३०	४२	१८	२७	३	१८	म.१।११	[×बुधः२३।४५[=७।४०जमादिलावल ५
६	र	१	२६	श्र	४०	३४	वृ	४३	१५	तै	१	२६	२७	४३	१७	२८	४	१९	मकरे	भ.५६।४५उ.
७	र	५५	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[÷अनु.भौमः४७।१२गोपाष्टमी
८	चं	५१	४७	ध	३७	३२	ध्रु	३६	१३	वि	२४	१६	२५	४३	१७	२९	५	२०	कुं.९।३	भं.२४।१६या.अनु.रविः३।३६(सौर३/५ १/१÷
९	मं	४७	४०	श	३४	४	व्या	२८	५८	बा	१९	४०	२२	४४	१६	३०	६	२१	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	बु	४१	१४	पू	३०	३४	ह	२१	३७	तै	१४	२६	१९	४४	१६	१	७	२२	मी१६।२७	भा.मार्गशीर्षारंभः
११	गु	३५	५५	उ	२६	५२	व	१४	१०	व	८	३४	१७	४५	१५	२	८	२३	मीने	भ.८।३४उ.३५।५५या.चित्राशुक्रः५९/१५ +
१२	शु	३०	४३	रे	२३	२२	सि	६/५०	५३/१	ब	३	१९	१४	४५	१५	३	९	२४	मे.२३।२२	[+प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
१३	श	२६	४	अ	२०	१८	व	५३	११	तै	२६	४	१२	४६	१४	४	१०	२५	मेषे	प्रदोषःवैकुंठ१४
१४	र	२१	५१	भ	१७	४७	प	४७	२	व	२१	५१	९	४६	१४	५	११	२६	वृ.३२।२१	भ.२/५ १/१उ.५/२ ०/५या.मूलेधनुषिबुधः४८।२
१५	चं	१८	५८	कृ	१६	४	शि	४१	५९	ब	१८	५८	७	४७	१३	६	१२	२७	वृषे	वक्रीअश्वि.४गुरुः१/१ ०/५मन्वादिःका.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.४शु.इ. १/२ ६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	०	५	१०	११	७
०	०	१६	१४	१५	६	२९	०
३३	५०	३१	२८	४०	२०	१	३
२९	२०	४८	४६	४१	१३	४४	२८
६०	४२	९१	२ ६/२	६६	१	३	६०
३०	७	१६	व.	१९	२९	११	४०

गोचर ग्रहाः

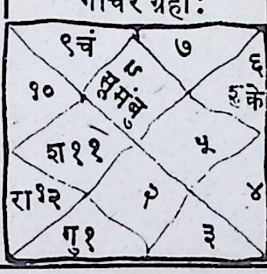

कार्तिक शुक्ले ३ गुरौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ बृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

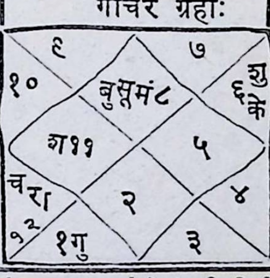

३३पं.का.शु.१२शु.इ. ५ ८/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	०	५	१०	११	७
७	५	२६	१३	२३	६	२८	७
३७	४८	२२	३८	४१	३१	३९	९
२६	४	३८	५३	१७	४८	२८	१
६०	४२	८३	३ ६/५	६७	२	३	६०
४२	१६	०	व.	३३	१०	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूर्रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	मं	१७	१६	रो	१६	८	सि	३७	५५	कौ	१७	१६	२६/५	६/४७	५/१३	७	१३	२८	मि४६।४४	शतभिषा.१शनिः१९।२१
२	बु	१७	२०	मृ	१७	२२	सा	३५	२१	ग	१७	२०	२	४८	१२	८	१४	२९	मिथुने	भ.४८।१३उ.तुलायांशुक्रः४४।४३
३	गु	१९	६	आ	२०	२५	शु	३४	३	वि	१९	६	०	४८	१२	९	१५	३०	मिथुने	भ.१९।६या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२२	२५	पु	२४	५१	शु	३३	४३	बा	२२	२५	२५/५८	४८	१२	१०	१६	१	क.८।४४	दिसम्बर१२ता.३१
५	श	२७	२९	पु	३०	५९	ब्र	३४	३९	तै	२७	२९	५६	४९	११	११	१७	२	कर्के	पातस्पर्शः२७।०पातमोक्षः४४।१
६	र	३३	१	श्ले	३७	४३	ऐं	३६	११	ग	०	१५	५४	४९	११	१२	१८	३	सि३७।४३	भ.३ ३/१उ.ज्येष्ठारविः१/४ ३/३(सौरः३९।४५)
७	चं	३९	३२	म	४५	२२	वै	३८	४	वि	६	१६	५३	४९	११	१३	१९	४	सिंहे	भ.६।१६या.
८	मं	४६	२	पू	५२	४४	वि	४०	४०	बा	१२	४७	५१	५०	१०	१४	२०	५	सिंहे	स्वात्यांशुक्रः२४।५७
९	बु	५१	५३	उ	५९	५५	प्री	४२	३९	तै	१८	५७	४९	५०	१०	१५	२१	६	क.९।३१	
१०	गु	५६	४८	ह	६०	०	आ	४३	५६	व	२४	२०	४८	५०	१०	१६	२२	७	कन्यायां	भ.२४।२०उ.५६।४८या.
११	शु	६०	०	ह	५	४६	सौ	४३	५९	ब	२८	२६	४६	५१	९	१७	२३	८	तु ३८।१	उत्पत्ति११व्र.स्मा.
११	श	०	५	चि	१०	१६	शो	४२	५५	बा	०	५	४५	५१	९	१८	२४	९	तुलायां	ज्येष्ठाभौमः२७।२०उत्पत्ति११व्र.वै.
१२	र	१	४८	स्वा	१३	०	अ	४०	३१	तै	१	४८	४४	५१	९	१९	२५	१०	वृ.५८।४६	पूषा.बुधः३१।३७प्रदोषः
१३	चं	१	३९	वि	१४	२	सु	३६	३५	व	१	३९	४३	५१	९	२०	२६	११	वृश्चिके	भ.१।३९उ.३०।३८या.
१४	चं	५७	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	मं	५६	१३	अ	१३	२५	धृ	३१	२५	च	२७	५५	४२	५२	८	२१	२७	१२	वृश्चिके	

३४पं.मा.कृ.४शु.इ.१७।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	६	१०	११	७
१४	१०	५	१२	९	६	२८	१४
४२	४७	४०	५४	४६	४८	१७	१५
४०	४९	३७	४०	३७	२९	१२	४७
६०	४२	७०	४ ५/२	६८	२	३	६१
५०	२६	१९	व.	३७	५१	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य चावल बाजरा मूंग मोठ चना मक्का तेज हो चांदी स्वर्ण लोहा आदि धातुयें मंदी होवे ।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.कृ.११शु.इ.१७/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	६	१०	११	७
२१	१५	१२	१२	९	७	२७	२१
४८	५०	३३	१८	५९	१०	५४	२३
४३	२४	७	४३	४६	१९	५७	२९
६०	४२	३८	३ ४/०	६९	३	३	६१
५६	४६	५	व.	२२	३२	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:४६३४स.२०२३
१	बु	५१	३३	ज्ये	११	१९	शू	२५	७	किं	२३	५३	२५/४१	६/५२	५/८	२२	२८	१३	ध.११।१९	वक्रीबुध:१३।५१
२	गु	४६	१	मू	८	१६	गं	१७	५९	बा	१८	४७	५०	५२	८	२३	२९	१४	धनुषि	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	४०	६	पू	४	२६	वृ	१०	१७	तै	१३	४	३९	५२	८	२४	१	१५	म.१८।३८	जमादिलाखर ६
४	श	३४	६	उ	०/१	५५/४२	ध्रु	२/१३	५१/५८	व	७	६	३९	५२	८	२५	२	१६	मकरे	भ.७/६उ.३४/६या.मूलेधनुष्यर्कः२०/५८=
५	र	२८	११	ध	५१	४७	ह	४६	३१	ब	१	८	३८	५२	८	२६	३	१७	कु.२३।५०	वक्रीमूलेबुध:२।५८
६	चं	२२	२८	श	४७	५३	व	३८	५३	तै	२२	२८	३८	५२	८	२७	४	१८	कुम्भे	चंपा६
७	मं	१७	२०	पू	४४	३२	सि	३१	३२	व	१७	२०	३७	५३	७	२८	५	१९	मी३०।२२	भ.१७।२०उ.४४।५६या.
८	बु	१२	३१	उ	४१	३५	व्य	२४	२७	ब	१२	३१	३७	५३	७	२९	६	२०	मीने	[=(सौर:४/३ ३/५)विशा.शुक्र:४/४ ३/३बुधास्त:×
९	गु	८	१०	रे	३९	१३	व	१७	५७	कौ	८	१०	३६	५३	७	३०	७	२१	मे.३९।१३	[×पश्चिमायां४/१ ५/१पातस्पर्श:१/२ ६/३+
१०	शु	४	२०	अ	३७	२२	प	११	५०	ग	४	२०	३६	५३	७	१	८	२२	मेषे	भ.३२।५२उ.भा.पौषारंभ:
११	श	१	२५	भ	३६	१६	शि	६	२३	वि	१	२५	३६	५३	७	२	९	२३	वृ.५०।५५	भ.१।२५या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	श	५७	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+पातमोक्ष:३२।३२
१३	र	५७	१७	कृ	३४	५०	सि	१/२६	५५/५२	कौ	२८	४	३६	५३	७	३	१०	२४	वृषे	प्रदोष:
१४	चं	५६	५६	रो	३६	३२	शु	५३	५५	ग	२७	८	३७	५३	७	४	११	२५	वृषे	भ.५६।५६उ.वृश्चिकेशुक्र:३।५२
१५	मं	५७	४०	मृ	३८	१६	शु	५१	२३	वि	२७	१८	३७	५३	७	५	१२	२६	मि७।२४	भ.२७।१८या. दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.३शु.इ१७।३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	०	६	१०	११	७
२८	२०	१३	११	१८	७	२७	२८
५५	५५	४७	५१	१९	३५	३२	३२
३७	१	५६	३६	१२	२	४१	१२
६१	४२	१५/५४	३/२५	७०	४	३	६१
०	५०	व.	व	१५	१४	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले ४शनौ धनुष्यऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ वृद्धाऽवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

३७पं.मा.शु.१०शु.इ.१७/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	०	६	१०	११	८
६	२६	७	११	२६	८	२७	५
३	२	१	३३	४३	६	१०	४१
१४	२	८	४३	३४	५४	२६	३७
६१	४३	१५/२३	२/१	७०	४/९	३	६१
४	१	व.	व.	५८	व.	११	३२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु	५९	५२	आ	४१	३०	ब्र	५०	२०	बा	२८	४६	२५/३७	६/५३	५/७	६	१३	२७	मिथुने	अनु.शुक्र:४/४ २/६मूलेधनुषिभौम:३/ ८/४
२	गु	६०	०	पु	४५	५७	ऐं	४९	४४	तै	३१	४०	३८	५२	८	७	१४	२८	क.२९।५०	वक्रीज्येष्ठा.वृश्चिकेबुध:५/४ ३/१बुधोदय:÷
२	शु	३	२८	पु	५१	३१	वै	५०	२०	ग	३	२८	३८	५२	८	८	१५	२९	कर्के	भ.३/५ ५/४उ.पूभा.रवि:२/५ ५/८(सौर:४/१ ५/३)
३	श	८	२१	श्ले	५७	५९	वि	५१	४२	वि	८	२१	३९	५२	८	९	१६	३०	सि५८।०	भ.८।२१या. चतुर्थी व्र.
४	र	१३	४८	म	६०	०	प्री	५३	४०	बा	१३	४८	४०	५२	८	१०	१७	३१	सिंहे	मार्गीगुरु:३/१ ७/५रेवती.३राहु:चित्रा.१–
५	चं	२०	१८	म	५	३१	आ	५५	५०	तै	२०	१८	४१	५२	८	११	१८	१	सिंहे	जनवरी१ता.३१सन्२०२४ [–केतु:५/१ १/१
६	मं	२६	५०	पू	१३	४	सौ	५८	४	व	२६	५०	४२	५२	८	१२	१९	२	कं.३०।२	भ.२/५ ६/०उ.५/५ ९/०या.मार्गीबुध:५/ २/४
७	बु	३३	८	उ	२०	५८	शो	६०	०	ब	३३	८	४३	५१	९	१३	२०	३	कन्यायां	
८	गु	३८	२९	ह	२७	१९	शो	०	१	बा	५	४९	४४	५१	९	१४	२१	४	कन्यायां	[÷पूर्वस्यां४/ १/२
९	शु	४२	३१	चि	३२	४१	अ	१	१	तै	१०	३०	४५	५१	९	१५	२२	५	तु.०।१	
१०	श	४४	५६	स्वा	३६	३७	सु	०/४५	५८/२५	व	१३	४३	४७	५१	९	१६	२३	६	तुलायां	भ.१३।४३उ.४४।५६या.
११	र	४५	१६	वि	३८	३२	शू	५५	५६	ब	१५	६	४८	५०	१०	१७	२४	७	वृ.२३।१८	ज्येष्ठा.शुक्र:४४।२१सफला११ .
१२	चं	४३	३३	अ	३८	३४	गं	५१	२१	कौ	१४	२४	५०	५०	१०	१८	२५	८	वृश्चिके	मूलेधनुषिबुध:५६।४८
१३	मं	४०	१	ज्ये	३६	४४	वृ	४५	६	ग	११	४७	५२	५०	१०	१९	२६	९	ध.३६।४४	भ.४०।१उ. प्रदोष:
१४	बु	३४	३९	मू	३३	१०	ध्रु	३७	३२	वि	७	२०	५३	४९	११	२०	२७	१०	धनुषि	भ.७।२०या.
३०	गु	२७	५२	पू	२८	१०	व्या	२८	५६	च	१	१६	५५	४९	११	२१	२८	११	म.४१।२६	उषा.रवि:३०।४३(सौर:४६।४०)

३८पं.पौ.कृ. २शु. इ. १७/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	०	७	१०	११	८
१३	१	२९	११	५	८	२६	१२
११	१०	८	२५	१२	४१	४८	५१
१३	५२	२	५२	१८	१७	१०	२९
६१	४३	४३/३४	०/२६	७१	५	३	६१
६	११	व.	व्र.	१९	१३	११	२६

गोचर ग्रहाः

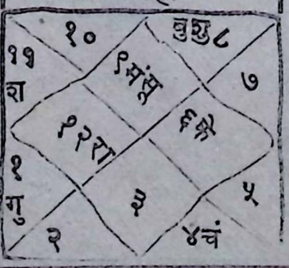

इस मास में धान्य गल्ला चांदी सोना रुई वारदाना सूत तेज हो शीत का प्रभाव कष्टदायक हो

गोचर ग्रहाः

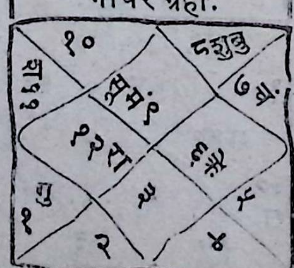

३९पं.पौ.कृ.९शु.इ. १७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	०	७	१०	११	८
२०	६	२८	११	१३	९	२६	२०
१९	२३	३५	२८	४४	१८	२५	३
२६	६	४९	३७	२	५८	५४	२६
६१	४३	२३/०	०/५२	७१	५	३	६१
६	३५	मा	मा	४४	४२	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४६६४स.२०२४
१	शु	२०	१७	उ	२२	४८	ह	१९	४४	ब	२०	१७	२५/५७	६/४९	५/११	२२	२९	१२	मकरे	शतभिषा.२शनिः२०।६
२	श	१२	४०	श्र	१६	२२	व	१०	१०	कौ	१२	४०	५९	४८	१२	२३	३०	१३	कुं.४३।२५	चंद्रदर्शनम्
३	र	४	५१	ध	१०	२९	सि	०/४६	५०/२९	ग	४	५१	२६/१	४८	१२	२४	१	१४	कुम्भे	भ.३१/११उ.५७/३१या.मकरेऽर्कः४७/७=
४	र	५२	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=पूषा.भौमः३६/१३रञ्जव७
५	चं	५०	४३	श	४	५५	ब	४१	४४	ब	२४	७	४	४७	१३	२५	२	१५	मी४६।५६	मकरेऽर्कःसौरः२।७
६	मं	४४	४४	पू	०/९	५६/७	प	३४	५६	कौ	१७	४४	६	४७	१३	२६	३	१६	मीने	उदयोभौमः४८।३८
७	बु	४०	३	रे	५३	१७	शि	२७	४०	ग	१२	२३	८	४६	१४	२७	४	१७	मे.५३।१७	भ.४०।३उ.
८	गु	३६	१७	अ	५१	३२	सि	२१	२२	वि	८	१०	११	४६	१४	२८	५	१८	मेषे	भ.८।१०या.मूलेधनुषिशुक्रः३७।२६
९	शु	३३	५४	भ	५०	५४	सा	१६	१	बा	५	५	१३	४५	१५	२९	६	१९	मेषे	पातस्पर्शः४२।२३पातमोक्षः५६।१
१०	श	३२	१७	कृ	५१	२०	शु	११	४३	तै	३	५	१६	४५	१५	३०	७	२०	वृ.६।१	पूषा.बुधः२५।२६
११	र	३१	५८	रो	५२	५३	शु	८	१३	व	२	८	१९	४४	१६	१	८	२१	वृषे	भ.२/८उ.३१/५८या.अभि.प्र.रविः३१/३७×
१२	चं	३२	५५	मृ	५५	४३	ब्र	५	३८	व	२	२६	२१	४४	१६	२	९	२२	मि२४।१८	[×(सौरः३३/२८)भा.माघारंभः पुत्रदा११व्र.
१३	मं	३४	४६	आ	५९	२५	ऐं	३	५८	कौ	३	५१	२४	४३	१७	३	१०	२३	मिथुने	प्रदोषः [+मा.स्ना.प्रा.
१४	बु	३७	५२	पु	६०	०	वै	३	२५	ग	६	१९	२७	४३	१७	४	११	२४	क.४८।५	भ.३७/५२उ.श्रवणेरविः३६/१४(सौरः५०/२४)
१५	गु	४१	५०	पु	४	१९	वि	२	५८	वि	९	५१	२९	४२	१८	५	१२	२५	कर्के	भ.९/५१या.अभि.नि.रविः२६/२९(सौरः४०/४१)+

४०पं.पौ.शु.१शु.इ. १७/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	०	७	१०	११	८
२७	११	३	११	२२	९	२६	२७
२७	३७	२८	४१	१८	५९	३	११
२२	५	१२	६	११	४२	३९	१८
६१	४३	५५	२	७२	६	३	६१
६	४६	४२	१०	४	५	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ३ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु.१५क्षात्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

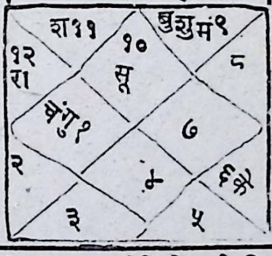

४१पं.पौ.शु.९शु.इ. १७/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	८	१०	११	९
४	१६	११	१२	०	१०	२५	४
३५	५२	५६	३	५३	४३	४१	२०
१३	३७	२४	४०	५७	८	२३	४७
६१	४३	७३	३	७२	६	३	६१
३	५०	२४	३५	२८	२६	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	४७	८	पु	१०	१०	प्री	३	४५	बा	१४	२९	२६/३२	६/४२	५/१८	६	१३	२६	कर्के	
२	श	५२	४७	श्ले	१६	४३	आ	५	१३	तै	१९	५८	३५	४१	१९	७	१४	२७	सि१६।४३	
३	र	५९	७	म	२३	५१	सौ	६	५९	व	२५	५७	३८	४०	२०	८	१५	२८	सिहे	भ.२५।५७उ.५९।७या.
४	चं	६०	०	पू	३१	२८	शो	९	१०	ब	३२	२२	४१	४०	२०	९	१६	२९	कं.४८।२१	पूषा.शुक्रः२५।२८ चतुर्थी व्र.
४	मं	५	३८	उ	३९	२	अ	११	३६	बा	५	३८	४५	३९	२१	१०	१७	३०	कन्यायां	उषा.बुधः१३।०
५	बु	१२	७	ह	४६	१३	सु	१३	४५	तै	१२	७	४८	३८	२२	११	१८	३१	कन्यायां	[÷उषा.भौमः११/१८फर्वरी२ता.२९
६	गु	१७	५३	चि	५२	३५	धृ	१५	२६	व	१७	५३	५१	३८	२२	१२	१९	१	तु.१९।२४	भ.१७/५३उ.५०/१७या.मकरेबुधः३२/३२÷
७	शु	२२	४०	स्वा	५७	४४	शू	१६	१२	ब	२२	४०	५४	३७	२३	१३	२०	२	तुलायां	भरणी.१गुरुः५४/४३पातस्पर्शः३५/६–
८	श	२५	५७	वि	६०	०	गं	१५	५१	कौ	२५	५७	५८	३६	२४	१४	२१	३	वृ.४५।२६	[–पातमोक्षः४७/१७
९	र	२७	२५	वि	१	१९	बृ	१४	४	ग	२७	२५	२७/१	३६	२४	१५	२२	४	वृश्चिके	भ.५७/७उ.
१०	चं	२६	५०	अ	२	४७	ध्रु	१०	४१	वि	२६	५०	५	३५	२५	१६	२३	५	वृश्चिके	भ.२६।५०या.मकरेभौमः४२।२३
११	मं	२४	२	ज्ये	२/२२	५७/३३	व्या	५/४४	५३/२८	बा	२४	२	८	३४	२६	१७	२४	६	ध.२।२२	वनि.रविः४४/३२(सौरः५५/१४) षट्तिला११व्र.
१२	बु	१९	३२	पू	५५	३१	व	५१	६	तै	१९	३२	१२	३४	२६	१८	२५	७	धनुषि	श्रवणेबुधः५६।५३ प्रदोषः
१३	गु	१३	१	उ	४९	३८	सि	४१	४९	व	१३	१	१५	३३	२७	१९	२६	८	म.९।३	भ.१३।१उ.४९।५या.
१४	शु	५	८	श्र	४२	४६	व्य	३१	४२	श	५	८	१९	३२	२८	२०	२७	९	मकरे	उषा.शुक्रः१०।३०
३०	शु	५१	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

४२पं.मा.कृ.२शु.इ.१७।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	०	८	१०	११	९
११	२२	२१	१२	९	२१	२५	११
४२	१०	२६	३५	३१	२८	१९	२९
४०	८	२४	२८	३४	३४	८	३८
६०	४४	८४	४	७२	६	३	६१
२९	११	३१	४७	४७	३७	११	१३

४३पं.मा.कृ.७शु.इ.१७।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	०	८	१०	११	९
१८	२७	१	१३	१८	२२	२४	१८
४९	२८	२४	१६	९	१६	५६	३७
१६	४१	३२	१६	२२	५	५२	४४
६०	४४	९२	५	७२	६	३	६१
५५	१६	३८	५९	५९	५६	११	४

४४पं.मा.कृ.१४शु.इ.१७/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	०	८	१०	११	९
२५	२	१२	१४	२६	१३	२४	२५
५५	४९	१३	४	४८	५	३४	४४
१	५२	४१	५	२९	२४	३६	३१
६०	४४	९९	६	७३	७	३	६०
४७	३६	३४	५३	१४	८	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः .	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:४६९३स.२०२३
१	श	४६	५६	ध	३५	२४	व	२१	२	किं	२१	३४	२७/२३	६/३१	५/२९	२१	२८	१०	कुं.९।७	बुधास्त:पूर्वस्यां२१।२४
२	र	३७	४५	श	२८	७	प	१०	२६	बा	१२	२०	२७	३१	२९	२२	२९	११	कुम्भे	मकरेशुक्र:५४/२२शत.३शनि:२०/२५अस्तं शनेः=
३	चं	२९	१३	पू	२१	१७	शि	०/१	५०/५	तै	३	२९	३०	३०	३०	२३	१	१२	मी८।०	भ.५५।१६उ.सावान८ [=४३/१६चंद्रदर्शनम्
४	मं	२१	२०	उ	१५	२१	सा	४१	१९	वि	२१	२०	३४	२९	३१	२४	२	१३	मीने	भ.३१/२०या.कुंभेऽर्कः११/४८(सौरः२९/१२)
५	बु	१४	५१	रे	१०	३७	शु	३३	४३	बा	१४	५१	३८	२८	३२	२५	३	१४	मे.१०।३७	पातस्पर्श:३५।२०पातमोक्ष:४५/२३ वसंत५
६	गु	१०	४५	अ	७	२३	शु	२७	२०	तै	१०	४५	४१	२८	३२	२६	४	१५	मेषे	
७	शु	६	२७	भ	५	४४	ब्र	२२	११	व	६	२७	४५	२७	३३	२७	५	१६	वृ.२०।२९	भ.६/२७उ.३५/३२या.धनि.बुधः४/५७भानु७×
८	श	४	३७	कृ	४	४७	ऐं	१८	२६	व	४	३७	४९	२६	३४	२८	६	१७	वृषे	[×रथ७भीष्माष्टमी
९	र	४	२६	रो	७	२५	वै	१५	५३	कौ	४	२६	५३	२५	३५	२९	७	१८	मि३८।५८	श्रवणेभौम.४२।१६
१०	चं	५	५६	मृ	१०	३२	वि	१४	२६	ग	५	५६	५६	२५	३५	३०	८	१९	मिथुने	भ.३७/१४उ.शतेरवि:५६/४श्रवणेशुक्र:५६/९
११	मं	८	३१	आ	१४	४८	प्री	१४	२०	वि	८	३१	२८/०	२४	३६	१	९	२०	मिथुने	भ.६/३१या.शतेरवि:सौर:४/३४कुंभेबुध:५/१+
१२	बु	१२	२५	पु	२०	५	आ	१४	४७	बा	१२	२५	४	२३	३७	२	१०	२१	क.३।४६	प्रदोष:
१३	गु	१७	७	पु	२६	१०	सौ	१५	४१	तै	१७	७	८	२२	३८	३	११	२२	कर्के	[+भा.फाल्गुनारंभ:जया११व्र.
१४	शु	२२	५३	श्ले	३३	१२	शो	१७	२५	व	२२	५३	१२	२२	३८	४	१२	२३	सिं३३।१२	भ.२२।५३उ.५५।४६या.शते बुध:४२।३
१५	श	२८	३८	म	४०	१३	अ	१९	२३	ब	२८	३८	१६	२१	३९	५	१३	२४	सिंहे	मा.स्ना.प्रा.

४५पं.मा.शु.७शु.इ. १७/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	०	९	१०	११	१०
२	८	२३	१५	५	१३	२४	२
५९	१२	४२	१	२७	५५	१२	५०
४९	१८	२२	२३	५०	५५	२१	३४
६०	४४	५/०	८	७३	७	३	६०
३७	४१	९/२३	४	२३	१४	११	४२

गोचर ग्रहाः

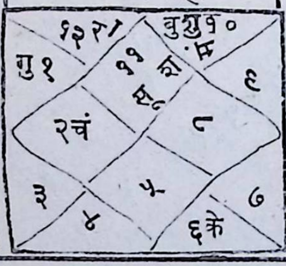

माघ शुक्ले ४ भौमे कुंभेऽर्कःप्रविष्ट. वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

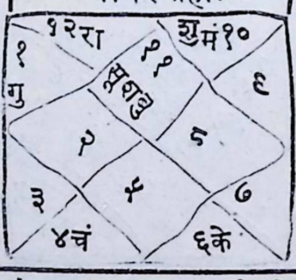

४६पं.मा.शु.१४शु.इ.५१/६७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	०	९	१०	११	१०
१०	१३	५	१६	१४	१४	२३	९
३	३६	५५	४	७	४६	५०	५५
२२	११	३४	८	८	४०	५	७
६०	४४	०/०	८	७३	७	३	६०
२५	५२	३/५	५७	२९	२०	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	३५	४	पू	४७	५०	सु	२१	३७	बा	१	५१	३८/२०	६/२०	५/४०	६	१४	२५	सिंहे	
२	चं	४१	२६	उ	५५	११	धृ	२३	४९	तै	८	१४	२४	१९	४१	७	१५	२६	कं.४।४०	भरणी.२गुरु:५३।३५
३	मं	४७	५३	ह	६०	०	शू	२६	७	व	१४	४०	२८	१८	४२	८	१६	२७	कन्यायां	भ.१४।४०उ.४७।५३या.
४	बु	५३	१७	ह	२	३८	गं	२७	५६	ब	२०	३५	३२	१८	४२	९	१७	२८	तु.३५।५०	पातस्पर्श:१०।५६पातमोक्ष:२२/४चतुर्थी व्र.
५	गु	५८	१४	चि	९	१२	वृ	२९	१०	कौ	२५	४५	३६	१७	४३	१०	१८	२९	तुलायां	[÷मार्च ३ता.३१
६	शु	६०	०	स्वा	१५	५	ध्रु	२९	३५	ग	३०	५	४०	१६	४४	११	१९	१	तुलायां	पूभा.बुध:५५।२४धनि.शुक्र:४५।६÷
६	श	१	५६	वि	१९	३७	व्या	२८	५३	व	१	५६	४४	१५	४५	१२	२०	२	वृ.३।२९	भ.१।५६उ.३३।९या.
७	र	४	२२	अ	२२	३७	ह	२६	५९	ब	४	२२	४८	१४	४६	१३	२१	३	वृश्चिके	रेवती.२राहु:हस्त.४केतु:४५।५३
८	चं	४	४८	ज्ये	२३	५३	व	२३	४७	कौ	४	४८	५२	१४	४६	१४	२२	४	ध.२३।५३	पूभा.रवि:१२।१०(सौर:१९।२१)
९	मं	३	३९	मू	२३	२३	सि	१८	५३	ग	३	३९	५६	१३	४७	१५	२३	५	धनुषि	भ.३२।४उ. [–विजया११व्र.स्मा.
१०	बु	०	३०	पू	२०	५४	व्य	१२	३४	वि	०	३०	२९/१	१२	४८	१६	२४	६	म.३४।४९	भ.०।३०या.धनि.भौम:५३।२६–
११	बु	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aविजया११व्र.वै.
१२	गु	४८	३८	उ	१६	३२	व	४/३४	५९/५८	कौ	२२	१	५	११	४९	१७	२५	७	मकरे	मीनेबुध:४।११कुंभेशुक्र:८।२४A
१३	शु	४०	२५	श्र	१०	४६	शि	४५	२६	ग	१४	३१	९	१०	५०	१८	२६	८	कुं.३७।१४	भ.४०।२५उ.उभा.बुध:४७।२८प्रदोष:D
१४	श	३१	०	ध	३/४४	५२/१४	सि	३४	३८	वि	५	४३	१३	९	५१	१९	२७	९	कुंभे	भ.५/४३या.शत४शनि:४७/४४महाशिवरात्रीव्रतं
३०	र	२१	१४	पू	४८	१०	सा	२३	२५	ना	२१	१४	१७	९	५१	२०	२८	१०	मी३५।७	[Dमहाशिवरात्रीव्र.स्मा

४७ पं.फा.कृ.६शु.इ. १८/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	०	९	१०	११	१०
१७	१८	१८	१७	२२	१५	२३	१६
५	५८	४८	१३	४६	३७	२७	५८
३५	५९	४३	१२	५९	५९	५०	१
६०	४४	५/०	९	७३	७	३	६०
१२	५१	९/४	४४	४४	२०	११	२०

गोचर ग्रहाः

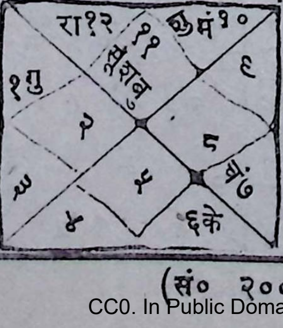

इस मास में गेहूं बाजरा मूंग मोठ चना मक्का तिलहन अलसी मटर सोना चांदी तेज हो रसकस में घटा-बढी रहे।

गोचर ग्रहाः

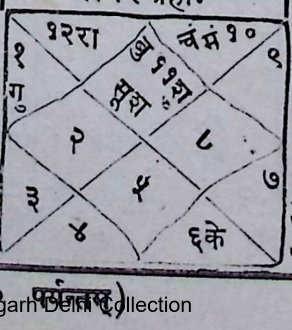

४८पं.फा.कृ.१३शु.इ.१८/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	०	१०	१०	११	१०
२४	२४	२	१८	१	१६	२३	२३
६	२४	२४	२७	२६	२९	५	५९
२२	०	०	५०	२०	६	३४	२४
५९	४५	७/०	१०	७३	७	३	६०
५८	७	०/१०	२९	५०	२०	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुर्रविरुत्तरेऽहर्गणः४७२३स.२०२४
१	चं	११	२५	उ	४०	३२	शु	१२	३१	ब	११	२५	२९/२१	६/८	५/५२	२१	२६	११	मीने	चंद्रदर्शनम्
२	मं	२	४	रे	३३	५४	शु	२/५	५०/३५	कौ	२	४	२६	७	५३	२२	१	१२	मे.३३।५४	शतेशुक्रः३१।५७रमजान९फुलरिया२
३	मं	५१	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	बु	४६	५१	अ	२८	३२	ऐं	४४	१५	व	२०	२६	३०	६	५४	२३	२	१३	मेषे	भ.२०/२८उ.४६/५१या.बुधोदयःपश्चिमायां३९/४१
५	गु	४१	४६	भ	२५	९	वै	३७	४१	ब	१४	१८	३४	५	५५	२४	३	१४	वृ.३९।२४	मीनेऽर्कः१३।३(सौरः१९।४२)
६	शु	३८	२८	कृ	२३	२१	वि	३२	२९	कौ	१०	७	३८	४	५६	२५	४	१५	वृषे	रेवत्यांबुधः५२।५३कुंभेभौमः३२।१०
७	श	३७	२०	रो	२३	२८	प्री	२८	५७	ग	७	५४	४३	३	५७	२६	५	१६	मि५४।३६	भ.३२/७०उ.भरणी.३गुरुः२८/७३उदयंशनेः४२/३९
८	र	३८	१३	मृ	२५	४४	आ	२६	५६	वि	७	४६	४७	३	५७	२७	६	१७	मिथुने	भ.७४/६या.उभा.रविः३४/७(सौरः४९/१८)=
९	चं	४०	३४	आ	२९	३८	सौ	२६	२०	बा	९	२३	५१	२	५८	२८	७	१८	मिथुने	[=होलाष्टकम्
१०	मं	४४	४०	पु	३४	५९	शो	२७	३	तै	१२	३७	५५	१	५९	२९	८	१९	क.१८।३९	
११	बु	४९	४९	पु	४१	१३	अ	२८	८	व	१७	१४	३०/००	६/०	६/०	३०	९	२०	कर्के	भ.१७/१४उ.४९/४९या.आमलकी११व्र.
१२	गु	५५	५०	श्ले	४८	२८	सु	३०	१२	ब	२२	४९	४	५/५९	१	१	१०	२१	सि४८।२८	भा.चैत्रारंभः
१३	शु	६०	०	म	५५	५२	धृ	३२	१६	कौ	२८	५३	८	५८	२	२	११	२२	सिंहे	प्रदोषः
१३	श	१	५६	पू	६०	०	शू	३४	३८	तै	१	५६	१२	५८	२	३	१२	२३	सिंहे	पूभा.शुक्रः१९।३४
१४	र	८	१९	पू	३	२३	गं	३६	४६	व	८	१९	१६	५७	३	४	१३	२४	कं.२०।१२	भ.८/१९उ४२/१२या.शतेभौमः९/३४होलिकादहनं
१५	चं	१४	२५	उ	१०	३९	वृ	३८	५८	ब	१४	२५	२१	५६	४	५	१४	२५	कन्यायां	अश्वि.मेषेबुधः४।५४छारेंडी

४९पं.फा.शु.६शु.इ.१८।५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	०	१०	१०	११	११
१	२९	१५	१९	१०	१७	२२	०
५	४९	३९	४७	५	१९	४३	५९
३५	५९	२५	१३	४२	३४	१८	६
५९	४५	७०/०	११	७३	७	३	५९
४१	१२	८/५५	७	५६	१३	११	४९

गोचर ग्रहाः

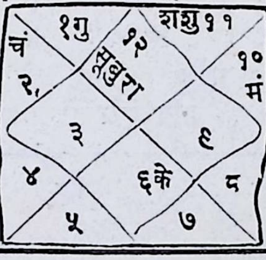

फाल्गुन शुक्ले ५ गुरौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न., ३ बालावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

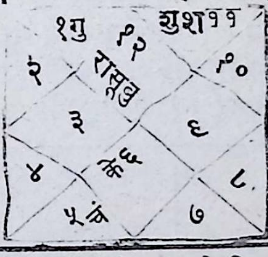

५०पं.फा.शु.१३शु.इ.१९/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	०	१०	१०	११	११
८	५	२६	२१	१८	१८	२२	७
३	१६	२६	१०	४५	९	२१	५७
१८	१६	५३	५२	४०	३२	३	१
५९	४५	७७	११	७४	७	३	५९
२९	३२	११	४५	२	२	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८० शाकः १९४५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुर्रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	मं	२०	२१	ह	१७	४५	ध्रु	४०	३५	कौ	२०	२१	३०/२५	५/५५	६/५	६	१५	२६	तु.५०।५५	वसंत१
२	बु	२५	३२	चि	२४	४	व्या	४१	४०	ग	२५	३२	२९	५४	६	७	१६	२७	तुलायां	भ.५७।३९उ.
३	गु	२९	४६	स्वा	२९	४४	ह	४२	७	वि	२९	४६	३३	५३	७	८	१७	२८	तुलायां	भ.२९।४६या. चतुर्थी व्रतम्
४	शु	३३	९	वि	३४	२३	व	४१	५०	ब	१	२७	३७	५३	७	९	१८	२९	वृ.१८।१४	
५	श	३५	२६	अ	३७	५४	सि	४०	२९	कौ	४	१८	४१	५२	८	१०	१९	३०	वृश्चिके	[×मीनेशुक्रः२५।१
६	र	३६	३१	ज्ये	४०	१६	व्य	३८	१४	ग	५	५८	४५	५१	९	११	२०	३१	ध.४०।१६	भ.३३/६१उ.रेवत्यांरविः१/४६(सौरः७/४५)×
७	चं	३६	१३	मू	४१	१४	व	३४	४३	वि	६	२२	४९	५०	१०	१२	२१	१	धनुषि	भ.६/२२या.वक्रीबुधः४५/८५भरणी.४गुरुः४५/५+
८	मं	३४	२२	पू	४०	३८	प	३०	२	बा	५	१७	५३	४९	११	१३	२२	२	म.५५।२	[+अप्रेल४ता.३० शीतलापूजनम्
९	बु	३०	५१	उ	३८	१३	शि	२४	७	तै	२	३७	५७	४९	११	१४	२३	३	मकरे	भ.५८/१७उ.उभा.शुक्रः७/४१बुधास्तःपश्चि-÷
१०	गु	२५	४३	श्र	३४	३५	सि	१६	५४	वि	२५	४३	३१/१	४८	१२	१५	२४	४	मकरे	भ.२५।४३या. [÷मायां३९/५६
११	शु	१९	१५	ध	२९	२६	सा	८/२५	५०/४५	बा	१९	१५	५	४७	१३	१६	२५	५	कुं.२।१	पापमोचनी११व्र.
१२	श	११	२३	श	२३	१२	शु	४८	५६	तै	११	२३	१०	४६	१४	१७	२६	६	कुम्भे	प्रदोषः
१३	र	२	३६	पू	१६	१	ब्र	३८	२९	व	२	३६	१४	४५	१५	१८	२७	७	मी२।४९	भ.२/३६उ.२७/५३या.पूभा.१शनिः३८/१७
१४	र	५०	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	चं	४३	३६	उ	८	३५	ऐं	२७	४९	च	१८	२३	१८	४४	१६	१९	२८	८	मीने	मन्वादिः

५१पं. चै.कृ.४शु.इ. १९/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	०	१०	१०	११	११
१४	१०	२	२२	२७	१८	२१	१४
५९	४२	२२	३८	२५	५८	५८	५३
१०	२५	२६	६	१	१२	४७	११
५९	४५	२७	१२	७४	६	३	५९
१६	२९	१३	१४	८	५०	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चांवल आदि रसकस मंदे हो प्रजा में आनंद फैले सर्वत्र शान्ति रहे ।

गोचर ग्रहाः

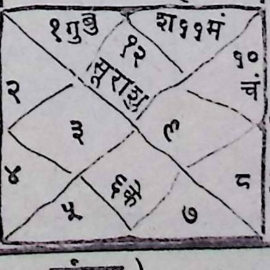

५२पं.चै.कृ.११शु.इ. १९/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	०	०	११	१०	११	११
२१	१६	२	२४	६	१९	२१	२१
५३	८	२८	८	३	४४	३६	४७
३१	२०	८	१०	४०	५६	३२	२२
५९	४५	३/१९	१२	७४	६	३	५९
४	३५	व.	३२	१६	३२	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

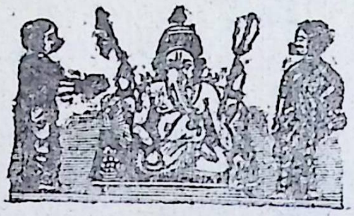

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२५, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२५, भोग्यकलिः ४२६८७५, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८१, शाकः १९४६, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः । मंत्री शनिः । सस्येशोभौमः। धान्येशो रविः । मेघेशः शुक्रः। रसेशोगुरुः। नीरसेशो भौमः। फलेशः शुक्रः। धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १२ कालनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १।१४।२६।५३।४८ भोग्यमासादिः १०।१५।३३।६।१२नासत्यदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम आश्विनः।मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासोःरजक गृहे। समय विश्वा८। समयवाहनम् वृषभः। स्तंभाः३अन्नजलवायूनाम्।सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी३ भानुसप्तमी२ रविदशमी३ समय मुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा १०८, वर्षाविश्वा ५, धान्यम् ११, तृणम् ५, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम्१०५, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणाऽभावोभारते ।

भैरव भवानी सम्वाद

भाद्रपद शुक्ला १४ भौमवार को अर्द्ध रात्रि पश्चात् पश्चिम प्रदेशों में ग्रस्तास्त चंद्र ग्रहण होगा जिसका स्पर्श रेल्वे घं. ७ मि.३७ और मोक्ष रेल्वे घं. ८ मि. ५७ पर होगा। भारत में यह ग्रहण नहीं होगा। जहां दृश्य नहीं होवे वहां इसके स्नान दानादिकी आवश्यकता नहीं है ।

भैरव प्रश्न

भैरव- माता से कहे मेरा यही सवाल ।
इक्यासी संवत् तणों कहदे मैया हाल ।।

भवानी उत्तर

इक्यासी की साल में मैं समझावु तोय ।
अन होणी होवे नहीं होणी हो सो होय ।।
राजा कुज मंत्री शनि इनकी खोटी चाल ।
युद्ध उपद्रव जगत में मांचे घणां बवाल ।
दिवानाथ धान्येश हैं संवत् विश्वा आठ ।
कहीं धान्य का नाश हो कहींक होसी ठाठ ।।
सागर तट रोहिणी बसी स्तंभ लगे है तीन ।
अन्न जल की कमती नही इसमें मेष न मीन ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	२	८	५	२	१४	५

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् ७।२९

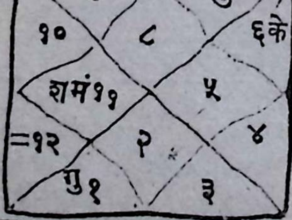

वर्षेश लग्नम् ६।२१

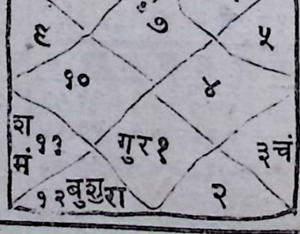

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।२।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१०।४१

=सुबुराचंशु

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाविकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमे नृपेवन्हिभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणी पार्थिवा विनय संरहिता बहुदुःखदा । न जलदा जलदा जनतपादा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमस्तत्फलम् ।। प्रथम धान्यपतौ धरणी सुते गज तुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनो जलं न सम सौख्यकरं तुष धान्य हृत् ।। धान्येशो रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वर पीड़नम् ।। मेघेशो शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निधान युताः द्विज पालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो गुरुः फलम् ।। रसपतौ द्विजराज सुते मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिताः बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशो भौमः फलम् ।। नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससां । रक्त चंदन ताम्राणांमर्घ वृद्धि र्दिनेदिने ।। फलेशः शुक्रः फलम् ।। यदि फलस्य पतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार मही रुह राशयः । बहु फला नरनाथ सुभोगदा द्विजवरा श्रुति पाठ परायणाः ।। धनेशश्चंद्रः फलम् ।। धनपति मृग लांछनको यदा रसचया क्रय विक्रयतो धनम् । वसन शालि सुगंध रसं बहु द्रविणं तैल घृतं नृप सौख्यदम् ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् ।। नगरदेश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखो नग वने निकटे पिच दूरतः ।। कालनाम संवत्सरः फलम् ।। वत्सरे कालयुक्ताख्ये सुखिनः सर्व जन्तवः । सन्त्यथापि च सस्यानि प्रचुराणि तथा गदाः ।। वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। अब्दे त्वाश्विनेत्यर्थं सुखिनः सर्व जन्तवः । मध्यमं पूर्वं सस्यं स्यात् परिपूर्णा विपच्यते ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी नित्रासस्तटे फलं ।। तटे वृष्टि सुशोभना ।। समयनिवासो रजकगृहे फलं ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १० गुरौ मघा ल. गो. ८-९ रे. ६
।ऽ।।ऽनृ४३या।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १५ भौमे स्वात्यां ल. ६ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला ५ गुरौ उफा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।ऽ।।।।।
,, ६ चन्द्रे स्वात्यां ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽअऽ।।।

माघ मासः

कृष्णा ७ भौमे स्वात्यां ल. ८ (गु.पू.सत्) रे. ८
।।।।।।ऽऽ।।
,, ८ बुधे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ७
।।।।।ऽरोऽऽ।।

फाल्गुन मासेः

कृष्णा ७ गुरौ अनु. ल. ऽन्यगो १० रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ६ बुधे रोहि. ल. १० रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूर्रविरुत्तरेऽहर्गणः ४७५२स.२०२४
१	मं	३४	३१	रे	९/१०	५३/३४	वै	१७	३६	किं	९	३	३१/२२	५/४४	६/१६	२०	२९	९	मे.१।१०	वक्रीमीनेरेवत्यांबुधः४८।३७=
२	बु	२६	२८	भ	४९	२८	वि	८	५/३१	बा	०	२९	२६	४३	१७	२१	३०	१०	मेषे	पूषा.भौमः१३।५५ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	गु	१९	५७	कृ	४५	४७	आ	५२	५६	ग	१९	५७	३०	४२	१८	२२	१	११	बृ.३।३३	भ ४७/३०उ.सव्वाल१०मत्स्यजयंती गणगौरी
४	शु	१५	४	रो	४४	२	सौ	४७	५१	वि	१५	४	३४	४१	१९	२३	२	१२	वृषे	भ१५।४या.[=संवत्सरारंभःनवरात्रारंभः
५	श	१२	१९	मृ	४४	४०	शो	४४	३४	बा	१२	१९	३८	४०	२०	२४	३	१३	मि१४।२१	अश्वि.मेषेऽर्कः३५/४१(सौरः४२/१९)×
६	र	११	५६	आ	४७	७	अ	४२	४१	तै	११	५६	४२	४०	२०	२५	४	१४	मिथुने	[×रेवत्यांशुक्रः५५।२४
७	चं	१३	१८	पु	५१	३८	सु	४२	४३	व	१३	१८	४६	३९	२१	२६	५	१५	क.३५।३०	भ.१३।१८उ.४५।२या.
८	मं	१६	४६	पु	५७	२८	धृ	४३	२२	ब	१६	४६	५०	३८	२२	२७	६	१६	कर्के	कृत्ति.१गुरुः५६।६
९	बु	२१	३८	श्ले	६०	०	शू	४५	८	कौ	२१	३८	५३	३७	२३	२८	७	१७	कर्के	रामनवमी
१०	गु	२७	३३	श्ले	४	३५	गं	४७	२४	ग	२७	३३	५७	३७	२३	२९	८	१८	सिं४।३५	[+पातमोक्षः२३/४ कामदा११व्र.
११	शु	३३	४९	म	११	५७	वृ	४९	५९	व	०	४१	३/१	३६	२४	३०	९	१९	सिंहे	भ.०/४१उ.३३/४९या.पातस्पर्शः११/२६+
१२	श	४०	१०	पू	१९	४४	ध्रु	५२	२१	ब	६	५९	५	३५	२५	३१	१०	२०	कं.३६।३४	बुधोदयःपूर्वस्यां३।५१
१३	र	४६	११	उ	२७	२	व्या	५४	२५	कौ	१३	१०	९	३४	२६	१	११	२१	कन्यायां	भा.वैशाखारंभः प्रदोषः
१४	चं	५१	३७	ह	३३	५०	ह	५५	४७	ग	१८	५४	१२	३४	२६	२	१२	२२	कन्यायां	भ.५१।३७उ.
१५	मं	५६	७	चि	३९	५८	व	५६	४४	वि	२३	५२	१६	३३	२७	३	१३	२३	तु.६।५४	भ.२३/५२या.मीनेभौमः१५/५१हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.५श.इ. ३५/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	०	११	१०	११	११
०	२२	२७	२५	१६	२०	२१	२९
०	३३	७	५६	१५	३९	१०	५३
०	४	५२	२८	३२	२९	२७	३७
५८	४५	४५/२९	१३	७४	६	३	५८
४४	३१	व	२	२१	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

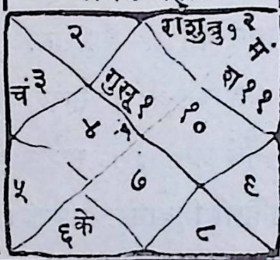

चैत्र शुक्ले ५ शनौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

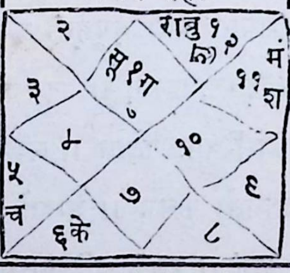

२पं.चै.शु१२श.इ. ३५/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	०	११	१०	११	०
६	२७	२३	२७	२४	२१	२०	६
५०	५८	४	३१	५३	२१	४८	४३
४६	३४	१	३०	५३	२९	१२	४८
५८	४५	३८/५८	१३	७४	५	३	५८
३१	३७	व	२०	२६	५२	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	५९	३६	स्वा	४५	५	सि	५६	४४	बा	२७	५३	३२/२०	५/३२	६/२८	४	१४	२४	तुलायां	अश्वि.मेषेशुक्रः४५।१७
२	गु	६०	०	वि	४९	१	व्य	५५	५५	तै	३०	५३	२३	३१	२९	५	१५	२५	वृ.३३।२	
२	शु	२	७	अ	५२	११	व	५४	२१	ग	२	७	२७	३१	२९	६	१६	२६	वृश्चिके	भ.३२।४९उ.
३	श	३	३२	ज्ये	५४	१०	प	५२	६	वि	३	३२	३१	३०	३०	७	१७	२७	ध.५४।१०	भ.३३/२या.भरण्यांरविः१५/५१(सौरः२३/४४)÷
४	र	३	४५	मू	५५	७	शि	४८	४४	बा	३	४५	३४	२९	३१	८	१८	२८	धनुषि	[÷मार्गीबुधः३०/५०उभा.भौमः३३/३६–
५	चं	३	९	पू	५५	१३	सि	४४	४०	तै	३	९	३८	२८	३२	९	१९	२९	धनुषि	[–चतुर्थी व्र.
६	मं	१	२६	उ	५४	५	सा	३९	४६	व	१	२६	४१	२८	३२	१०	२०	३०	म.९।५६	भ.९/२६उ.३/०या.शुक्रास्तःपूर्वस्यां१२।०
७	मं	५७	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	बु	५४	४६	श्र	५१	५८	शु	३४	५	बा	२६	४०	४५	२७	३३	११	२१	१	मकरे	कृत्ति.२वृषेगुरुः११।७मई५ता.३१
९	गु	४९	५२	ध	४८	५४	शु	२७	२३	तै	२२	१९	४८	२६	३४	१२	२२	२	कुं.२०।२६	
१०	शु	४३	४६	श	४४	४०	ब्र	१९	५०	व	१६	४९	५२	२६	३४	१३	२३	३	कुंभे	भ.१६।४९उ.४३।४६या.
११	श	३६	४८	पू	३९	३०	ऐं	११	३२	ब	१०	१७	५५	२५	३५	१४	२४	४	मी२५।४८	वरुथिनी११व्र.
१२	र	२९	१२	उ	३३	४४	वै	२/४१	५०/३०	कौ	३	०	५८	२४	३६	१५	२५	५	मीने	भरण्यांशुक्रः३३/२४रेवती.१राहुःहस्त.३+
१३	चं	२१	८	रे	२७	४०	प्री	४३	५५	व	२१	८	३३/२	२४	३६	१६	२६	६	मे.२७।४०	भ.२१।८उ.४६।५७या.
१४	मं	१२	४७	अ	२१	३५	आ	३४	३७	श	१२	४७	५	२३	३७	१७	२७	७	मेषे	[+केतुः४५/३५ प्रदोषः
३०	बु	४	५९	भ	१६	२	सौ	२६	८	ना	४	५९	८	२२	३८	१८	२८	८	वृ.२९।५४	

३पं.वै कृ.३श.इ. ३६।१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	०	०	१०	११	०
१३	३	२३	२९	३	२२	२०	१३
३९	२२	३५	८	३२	१	२५	३२
५०	१	३१	२०	६	१२	५६	१३
५८	४५	०/३६	१३	७४	५	३	५८
१९	३१	मा	२६	२६	३१	११	१२

गोचर ग्रहाः

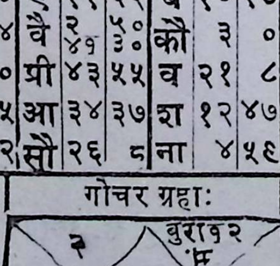

इस मास में धान्य तेज हो गुड़ शक्कर धातु रंग वस्त्र रुई क्रपास मंदे हों कहीं२ वर्षा हो।

*मंराचंबु

गोचर ग्रहाः

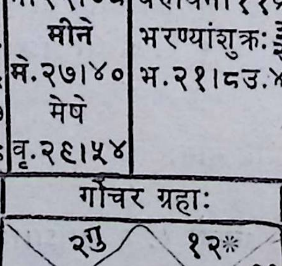

४पं.वै.कृ.११श.इ. ३६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	१	०	१०	११	०
२०	८	२५	०	१२	२२	२०	२०
२७	४५	३	४६	९	३७	३	१८
२९	४	४०	१९	१८	४८	४०	५९
५८	४५	३०	१३	७४	५	३	५७
६	२५	१	३२	३२	२	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः
१	बु	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
२	गु	५२	३३	कृ	११	३०	शो	१८	३८	बा	२५	२०	३३/११	५/२२	६/३८	१९	२९	९	वृषे
३	शु	४८	४६	रो	८	४४	अ	१२	२०	तै	२०	४१	१४	२१	३६	२०	१	१०	मि३८।१०
४	श	४७	१६	मृ	७	३६	सु	७	३३	व	१८	२	१७	२१	३९	२१	२	११	मिथुने
५	र	४७	३२	आ	८	३४	धृ	४	१७	ब	१७	२४	२०	२०	४०	२२	३	१२	क.५५।४६
६	चं	४९	५४	पु	११	३४	शू	३	१७	कौ	१८	४३	२३	१९	४१	२३	४	१३	कर्के
७	मं	५३	५८	पु	१६	२३	गं	२	५७	ग	२१	५६	२६	१९	४१	२४	५	१४	कर्के
८	बु	५९	३२	श्ले	२२	४७	वृ	४	१०	वि	२६	४५	२८	१८	४२	२५	६	१५	सिं२२।४७
९	गु	६०	०	म	२९	५१	ध्रु	६	२	बा	३२	३१	३१	१८	४२	२६	७	१६	सिंहे
९	शु	५	३०	पू	३७	२९	व्या	८	२९	कौ	५	३०	३४	१७	४३	२७	८	१७	कं.५४।२२
१०	श	११	५२	उ	४४	५९	ह	११	०	ग	११	५२	३७	१७	४३	२८	९	१८	कन्यायां
११	र	१७	४६	ह	५१	५८	व	१३	११	वि	१७	४६	३९	१६	४४	२९	१०	१९	कन्यायां
१२	चं	२३	५	चि	५७	५२	सि	१४	५१	बा	२३	५	४२	१६	४४	३०	११	२०	तु.२४।५५
१३	मं	२७	१०	स्वा	६०	०	व्य	१५	३२	तै	२७	१०	४४	१५	४५	३१	१२	२१	तुलायां
१४	बु	३०	४	स्वा	२	४२	व	१५	१८	व	३०	४	४७	१५	४५	१	१३	२२	वृ.५०।२३
१५	गु	३१	३१	वि	६	१७	प	१४	३	वि	०	४७	४९	१४	४६	२	१४	२३	वृश्चिके

ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः:४७८२स.२०२४

[=परशुरामजयंती अक्षया३
चंद्रदर्शनम् अस्तं गुरौः १८।०
अश्वि.मेषेबुधः३५।४०जिल्काद११=
भ.१८।२उ.४७।१६या.कृत्ति.रविः×
[×१।५०(सौरः११।३६)
पूभा.२शनिः३९।४१
भ.५३/५८उ.वृषेऽर्कः२९/५(सौरः३९/२९)+
भ.२६।४५या कृत्ति.३गुरुः२०।४१
कृत्ति.शुक्रः२५।३
[+रेवत्यांभौमः५९।५७
भ.४४।४६उ.
भ.१७/४६या.वृषेशुक्रः६।२मोहिनी११व्र.
प्रदोषः
भरण्यांबुधः३२।१०नृसिंहजयंती
भ.३०।४उ.भा.ज्येष्ठारंभः
भ.०।४७या.यमायकुंभदानम्

५पं वै.शु ४श इ ३६/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	१	०	१०	११	०
२७	१४	०	२	२०	२३	१९	२७
१३	६	५७	२५	४६	१०	४१	४
३७	४३	३६	५	२६	३०	२५	१३
५७	४५	५६	१३	७४	४	३	५७
५४	१९	३९	३८	३२	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

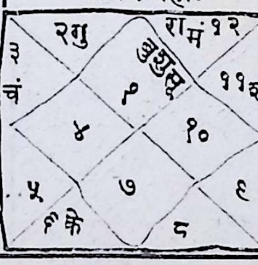

वैशाख शुक्ला ७भौमे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी,मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

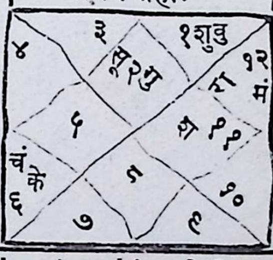

६पं.वै.शु.१०श.इ. ३६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	०	१०	११	१
३	१९	९	४	२९	२३	१९	३
५८	२६	२५	४	२३	४०	१९	४७
४४	५३	५	३४	४२	८	९	५७
५७	४५	८०	१३	७४	४	३	५७
४४	१४	२४	३८	३२	२	११	३४

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः
१	शु	३१	४१	अ	८	३२	शि	११	५२	बा	१	३६	३३/५२	५/१४	६/४६	३	१५	२४	वृश्चिके
२	श	३०	४२	ज्ये	९	३९	सि	८	३८	तै	१	११	५४	१३	४७	४	१६	२५	ध.९।३९
३	र	२८	४४	मू	९	४६	सा	४	४५	वि	२८	४४	५६	१३	४७	५	१७	२६	धनुषि
४	चं	२५	५२	पू	९	१	शु	०/१४	५४/३८	बा	२५	५२	५८	१२	४८	६	१८	२७	म.२३।५३
५	मं	२२	१७	उ	८	३०	ब्र	४९	५	तै	२२	१७	३४/०	१२	४८	७	१९	२८	मकरे
६	बु	१८	२५	श्र	५	२८	ऐं	४२	५७	व	१८	२५	२	१२	४८	८	२०	२९	कुं.३४।१०
७	गु	१३	५६	ध	२/५१	५६/५९	वै	३६	२१	ब	१३	५६	३	११	४९	९	२१	३०	कुंभे
८	शु	८	५१	पू	५६	१६	वि	२९	२८	कौ	८	५१	५	११	४९	१०	२२	३१	मी४२।९
९	श	३	२०	उ	५२	२१	प्री	२२	२	ग	३	२०	७	११	४९	११	२३	१	मीने
१०	श	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
११	र	५१	५	रे	४८	१	आ	१४	२६	ब	२४	१२	९	१०	५०	१२	२४	२	मे.४८।१
१२	चं	४४	४१	अ	४३	४४	सौ	६/३५	५२/१७	कौ	१७	५३	१०	१०	५०	१३	२५	३	मेषे
१३	मं	३८	२०	भ	३९	२१	अ	५१	२०	ग	११	३०	१२	१०	५०	१४	२६	४	वृ.५३।२८
१४	बु	३२	३६	कृ	३५	४७	सु	४४	२१	वि	५	२८	१३	९	५१	१५	२७	५	वृषे
३०	गु	२७	३४	रो	३२	५८	धृ	३८	९	च	०	५	१५	९	५१	१६	२८	६	वृषे

ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.

रोहि.रविः५२।२७
भ.५९।४३उ.रोहि.रविःसौरः५।३१
भ.२८।४४या. चतुर्थी व्र.
रोहि.शुक्रः१३।३९
[÷३७।५कृत्ति.४गुरुः३६/४४
भ.१८।२५उ.४६।१०या.कृत्ति.बुधः÷
[-भौमः३६।२ जूनदता.३०
वृषेबुधः१९।५९
भ.३०।२०उ.५७।२०या.अश्वि.मेषे-
[+१७।२४अपरा११व्र.वै.
अपरा११व्र.स्मा.
बुधास्तःपूर्वस्यां३४।२२उदयंगुरौः+
भ.३८।२०उ. प्रदोषः
भ.५।२८या.रोहि.बुधः२५।४०
वटपूजनम्

७पं. ज्ये.कृ. २श.इ. ३६/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	०	१	१	१०	११	१
१०	२४	२०	५	८	२४	१८	१०
४२	४५	१	४३	०	५	५६	३०
४०	३२	१६	५२	०	२०	५४	८
५७	४४	०/०	१३	७४	३	३	५७
३५	५६	[illegible]	३८	३६	२९	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं चना चांवल मक्का मंदा हो रस-कस गुड़ शक्कर में तेजी हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.कृ.९श.इ. ३७/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	१	१०	११	१
१७	०	२	७	१६	२४	१८	१७
२५	०	२९	२२	३५	२७	३४	११
२६	४३	४२	५५	५६	२५	३८	१४
५७	४४	[illegible]	१३	७४	३	३	५७
२७	५०	[illegible]	३२	३८	४४	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:४८११स.२०२४
१	शु	२४	०	मृ	३१	४०	शू	३२	८	ब	२४	०	३४/१६	५/९	६/१	१७	२९	७	मि२।१९	मृगेरविः४७।२०मृगेशुक्रः ६/८ चन्द्रदर्शनम्
२	श	२२	७	आ	३१	५९	गं	२९	१७	कौ	२२	७	१७	९	५१	१८	१	८	मिथुने	मृगेरविःसौरः४।२१जिल्हेज १२
३	र	२१	५७	पु	३३	५४	वृ	२७	१	ग	२१	५१	१८	८	५२	१९	२	९	क.१७।२५	भ.५२।४२उ.
४	चं	२३	३४	पु	३७	३६	ध्रु	२६	२	वि	२३	३४	१९	८	५२	२०	३	१०	-कर्के	भ.२३।३४या.
५	मं	२६	५८	श्ले	४२	५३	व्या	२६	२०	बा	२६	५८	१९	८	५२	२१	४	११	सिं४२।५३	मृगेबुधः४१।५६
६	बु	३१	५५	म	४९	२८	ह	२८	६	तै	३१	५५	२०	८	५२	२२	५	१२	सिंहे	मिथुनेशुक्रः३३।५रोहिणी१गुरुः५४।२४
७	गु	३७	३१	पू	५६	४४	व	३०	१	ग	४	४३	२१	८	५२	२३	६	१३	सिंहे	भ.३७।३१उ.
८	शु	४३	४३	उ	६०	०	सि	३२	३०	वि	१०	३७	२१	८	५२	२४	७	१४	कं.१३।३९	भ.१/३ ०/७या.मिथुनेऽर्कः ४५/५४ मिथुनेबुधः ४०/२३
९	श	४९	४१	उ	४	२३	व्य	३४	५६	बा	१६	४२	२२	८	५२	२५	८	१५	कन्यायां	मिथुनेऽर्कःसौरः५।१९
१०	र	५५	१४	ह	११	४३	व	३६	५२	तै	२२	२७	२२	८	५२	२६	९	१६	तु.४४।५८	गंगादशमी
११	चं	५९	२८	चि	१८	१३	प	३८	१	व	२७	२१	२३	७	५३	२७	१०	१७	तुलायां	भ.२७/२१उ.५९/२८या आर्द्राबुधः ४७/२४ आर्द्राशुक्रः=
१२	मं	६०	०	स्वा	२३	११	शि	३८	१	ब	३०	४६	२३	७	५३	२८	११	१८	तुलायां	[=५४/४४ निर्जला११व्र.
१२	बु	२	५	वि	२६	५४	सि	३६	४९	बा	२	५	२३	७	५३	२९	१२	१९	वृ.१०।५८	भरण्यांभौमः३६।२ प्रदोषः
१३	गु	३	१२	अ	२८	५४	सा	३४	१६	तै	३	१२	२४	७	५३	३०	१३	२०	वृश्चिके	[×गुर्जराणांवटसावित्री व्र.
१४	शु	२	३४	ज्ये	२९	२१	शु	३०	२९	व	२	३४	२४	७	५३	३१	१४	२१	ध.२९।२१	भ.२।३४उ.३१।२७या.आर्द्रा.रविः ४४/४९
१५	श	०	२०	मू	२८	२८	शु	२५	४४	ब	०	२०	२४	७	५३	१	१५	२२	धनुषि	आर्द्रा.रविःसौरः६।४२भा.आषाढारंभः×

९पं.ज्ये.शु.२श.इ.३७।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	१	१	१०	११	१
२४	५	१६	८	२५	२४	१८	२३
७	१४	४७	५९	१२	४३	१२	५१
३०	१०	१	४९	१८	१	२२	१०
५७	४४	[illegible]	१३	७४	२	३	५७
२२	३३	[illegible]	२६	३८	६	११	५

गोचर ग्रहाः

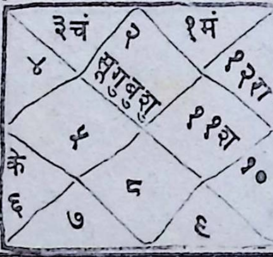

ज्येष्ठ शुक्ले ८ शुक्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

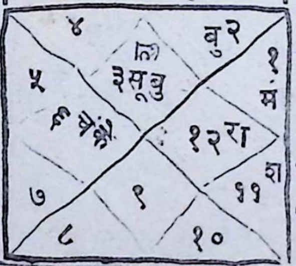

१०पं.ज्ये.शु.९श.इ.३७/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	२	१०	११	२
०	१०	१	१०	३	२४	१७	०
४८	२४	५९	३६	४८	५९	५०	३०
४७	५४	५६	८	४३	२९	७	१९
५७	४४	[illegible]	१३	७४	१	३	५६
१७	२२	[illegible]	२०	३७	२७	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	५६	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	५२	३३	पू	२६	२२	ब्र	१९	५८	तै	२४	४३	३४/२४	५/७	६/५३	२	१६	२३	म.४०।४०	पुन.बुधः५८।६
३	चं	४७	१६	उ	२३	३३	ऐं	१३	४३	व	१९	५४	२४	७	५३	३	१७	२४	मकरे	भ.१९।५४उ.४७।१६या.
४	मं	४१	५१	श्र	२०	२	वै	६/४७	५२/५५	ब	१४	३३	२३	७	५३	४	१८	२५	कुं.४८।१७	बुधोदयःपश्चिमायां ३४/४३ चतुर्थी व्र.
५	बु	३६	१७	ध	१६	३२	प्री	५२	२९	कौ	९	४	२३	७	५३	५	१९	२६	कुम्भे	
६	गु	३०	४७	श	१३	१	आ	४५	२५	ग	३	३२	२२	८	५२	६	२०	२७	मी५५।१८	भ.३०/४७उ.५८/०या.रोहिणी.२गुरुः ४६/५९
७	शु	२५	१२	पू	९	२४	सौ	३८	२४	ब	२५	१२	२२	८	५२	७	२१	२८	मीने	पुन.शुक्रः४७।४०
८	श	१९	५६	उ	६	६	शो	३१	२९	कौ	१९	५६	२१	८	५२	८	२२	२९	मीने	कर्केबुधः१४।३वक्रीशनिः२०।२५
९	र	१४	५२	रे	२/४५	५७/१	अ	२४	४०	ग	१४	५२	२०	८	५२	९	२३	३०	मे.२।४५	भ.४२।१९उ.
१०	चं	९	४६	भ	५७	१०	सु	१८	१३	वि	९	४६	१९	८	५२	१०	२४	१	मेषे	भ.९/४६या.पुष्येबुधः ०/४४ जुलाई७ता.३१
११	मं	५	१५	कृ	५४	५८	धृ	१२	२	बा	५	१५	१८	८	५२	११	२५	२	वृ.११।३७	योगिनी११व्र.
१२	बु	१	१२	रो	५३	३२	शू	६	१९	तै	१	१२	१७	९	५१	१२	२६	३	वृषे	भ.५७।५०उ. प्रदोषः
१३	बु	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	गु	५५	१७	मृ	५२	४८	गं	१/१३	५५/३२	वि	२६	३३	१६	९	५१	१३	२७	४	मि२३।१०	भ.२६।३३या.
३०	शु	५४	१४	आ	५३	३२	ध्रु	५३	२१	च	२४	४५	१५	९	५१	१४	२८	५	मिथुने	पुन.रविः४३।३९

११पं.आ.कृ.१श.इ.३५/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	१	२	१०	११	२
७	१५	१७	१२	१२	२५	१७	७
२९	३२	१२	१०	२४	१	२७	८
४२	४९	४३	३४	३२	५९	५१	४६
५७	४४	[illegible]	१३	७४	०	३	५६
१३	३	[illegible]	७	३२	४९	११	५४

गोचर ग्रहाः

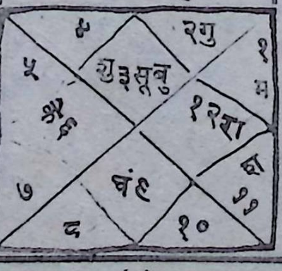

आषाढशुक्ले १०भौमे कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न.५प्रौढावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

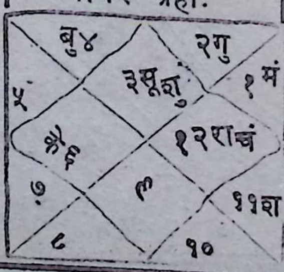

१२पं.आ.कृ.८श.इ.३६/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	१	२	१०	११	२
१४	२०	०	१३	२१	२५	१७	१३
१०	३७	४२	४३	१	४	५	४६
८	४४	४७	२६	१२	३४	३६	५१
५७	४३	[illegible]	१२	७४	[illegible]	३	५६
७	४२	[illegible]	४३	३२	[illegible]	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८४०स.२०२४
१	श	५४	१३	पु	५५	२०	व्या	५०	४९	किं	२४	१३	३३/५४	९	५१	१५	२९	६	क.३९।५३	पुन.रवि:सौर:¹⁰₄कर्केशुक्र:५५।२६
२	र	५५	५९	पु	५८	४३	ह	४९	५२	बा	२५	६	१३	९	५१	१६	३०	७	कर्के	उभा.४राहु:हस्त.२केतु:³⁹चंद्रदर्शनम्H
३	चं	५९	९	श्ले	६०	०	व	४९	४७	तै	२७	३४	११	१०	५०	१७	१	८	कर्के	कृत्ति.भौम:१³मोहोरम१सन्१९४६हि.
४	मं	६०	०	श्ले	३	२६	सि	५०	३६	व	३१	३१	१०	१०	५०	१८	२	९	सिं.३।२६	भ.³¹उ.⁶⁰या.आश्ले.बुध:६।३पुष्ये ×
४	बु	३	५३	म	९	३९	व्य	५२	१४	वि	३	५३	८	१०	५०	१९	३	१०	सिंहे	[Hशुक्रोदय:पश्चिमायां³¹रथयात्रा
५	गु	९	१४	पू	१६	३४	व	५४	१९	बा	९	१४	७	११	४९	२०	४	११	क.३३।२८	[×शुक्र:३६।४१
६	शु	१५	२२	उ	२४	९	प	५७	१६	तै	१५	२२	५	११	४९	२१	५	१२	कन्यायां	बृषेभौम:४३।१५
७	श	२१	२९	ह	३१	३६	शि	५९	२६	व	२१	२९	३	११	४९	२२	६	१३	कन्यायां	भ.²⁹उ.⁵⁴या.रोहिणी३गुरु:३५।३९
८	र	२७	१६	चि	३८	४०	सि	६०	०	ब	२७	१६	१	१२	४८	२३	७	१४	तु५।८	[Aपातमोक्ष:२६।२५
९	चं	३१	५९	स्वा	४४	४३	सि	१	१२	कौ	३१	५९	३/५९	१२	४८	२४	८	१५	तुलायां	[+आश्ले.शुक्र:२८।५७वायुपरीक्षा
१०	मं	३५	१३	वि	४९	११	सा	१	५८	तै	३	३६	५७	१३	४७	२५	९	१६	वृ.३३।४	कर्केऽर्क:१३।५(सौर:⁴³₈,पातस्पर्श:⁵⁰₇A
११	बु	३६	४३	अ	५१	५४	शु	३९	५६	व	५	५८	५५	१३	४७	२६	१०	१७	बृश्चिके	भ.५।५८उ.३६।४३या.देवशयनी११व्र.
१२	गु	३६	११	ज्ये	५२	४८	ब्र	५६	२०	व	६	२७	५२	१४	४६	२७	११	१८	ध.५२।४८	प्रदोष:
१३	शु	३३	४५	मू	५१	४२	ऐं	५१	२१	कौ	४	५८	५०	१४	४६	२८	१२	१९	धनुषि	पुष्येरवि:४२।२४मघा.सिंहेबुध:२६।८
१४	श	२९	३१	पू	४९	१	वै	४५	९	ग	१	३८	४८	१४	४६	२९	१३	२०	धनुषि	भ.²⁹₃₁उ.⁵⁶₄₀या.पुष्येरवि:(सौर१४।९)+
१५	र	२३	५९	उ	४५	१	वि	३७	५३	ब	२३	५९	४५	१५	४५	३०	१४	२१	म.३।१	व्यासपूजागुरु१५

१३पं.आ.शु १श.इ.³⁶₄₉

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	१	२	१०	११	२
२०	२५	१२	१५	२९	२५	१९	२०
५०	३९	३९	१३	३६	२	४३	२४
३५	४	३२	८	५४	१०	२०	४५
५७	४३	९६	१२	७४	३/७	३	५६
७	१९	४१	२०	२६	व.	११	५०

१४पं.आ.शु.७श.इ.३६।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	१	३	१०	११	२
२७	०	२२	१६	८	२४	१६	२७
३०	३८	५१	४०	१३	५४	२१	२
५४	२०	७	१२	५२	४७	४	५२
५७	४२	७७	१२	७४	२६/१	३	५६
११	५५	२५	०	२६	व.	११	५४

१५ पं.आ.शु.१४श.इ.³⁶₁

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	३	१०	११	३
४	५	१	१८	१६	२४	१५	३
११	३१	५	३	४९	४२	५८	४१
३८	५५	४६	३६	२२	४०	४९	१९
५७	४२	५६	११	७४	२/४	३	५९
१५	३६	४	२३	२६	व.	११	५६

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	१७	१०	श्र	४०	१	प्री	२९	४१	कौ	१७	१०	३३/४३	१५	४५	३१	१५	२२	मकरे	
२	मं	९	५९	ध	३४	४०	आ	२१	७	ग	९	५९	४०	१६	४४	१	१६	२३	कुं.७।२१	भ.३६।१५उ.भा.श्रावणारंभ:
३	बु	२	३२	श	२९	२९	सौ	१२	३२	वि	२	३२	३८	१६	४४	२	१७	२४	कुंभे	भ.२।३२या.चतुर्थीव्र.
४	बु	५२	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
५	गु	४८	१४	पू	२४	२६	शो	५८/३	४१/५	कौ	२१	४२	३५	१७	४३	३	१८	२५	मी१०।४२	नाग५मरुस्थले
६	शु	४२	७	उ	१९	५५	सु	४८	४	ग	१५	१०	३३	१७	४३	४	१९	२६	मीने	भ.४२।७उ.
७	श	३६	३९	रे	१६	१०	धृ	४०	५१	वि	९	२३	३०	१८	४२	५	२०	२७	मे.१६।१०	भ.९।२३या.रोहि.भौम:५।५५
८	र	३१	५४	अ	१२	५२	शू	३४	२९	बा	४	१६	२७	१९	४१	६	२१	२८	मेषे	
९	चं	२८	६	भ	१०	४२	गं	२८	४७	ग	२८	६	२४	१९	४१	७	२२	२९	वृ.२५।२१	भ.५६।३७उ.
१०	मं	२५	८	कृ	९	१८	वृ	२३	४१	वि	२५	८	२२	२०	४०	८	२३	३०	वृषे	भ.²⁵₇या.रोहिणी४गुरु:५७।६
११	बु	२३	१०	रो	९	१	ध्रु	१९	३२	बा	२३	१०	१९	२०	४०	९	२४	३१	मि३९।११	मघा.सिंहेशुक्र:२०।२७कामिका११व्र.
१२	गु	२२	६	मृ	९	२१	व्या	१६	२	तै	२२	६	१६	२१	३९	१०	२५	१	मिथुने	अगस्तदता.३१प्रदोष:
१३	शु	२२	१९	आ	११	१	ह	१३	२१	व	२२	१९	१३	२१	३९	११	२६	२	कं.५७।५८	भ.²²₁₉उ.⁵²₅₁या.आश्ले.रवि:३९।२४
१४	श	२३	२३	पु	१३	३७	व	११	३८	श	२३	२३	१०	२२	३८	१२	२७	३	कर्के	आश्ले.रवि:सौर:१४।५६वक्रीबुध:७।२६
३०	र	२५	५२	पु	१७	२८	सि	११	५	ना	२५	५२	७	२३	३७	१३	२८	४	कर्के	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.७श.इ. ³⁶₂₂

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	३	१०	११	३
१०	१०	६	१९	२५	२४	१५	१०
५२	२१	५७	२३	२५	२६	३६	२०
४१	२५	३६	३५	३४	१७	३३	३६
५७	४२	२९	१०	७४	२/३७	३	५७
२०	१२	२६	५३	२०	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

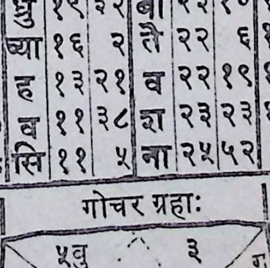

इस मास में बदि में धान्य चावल गेहूं जो बाजरा आदि सोना चांदी लोहा रुई वस्त्र में मंदी होकर सुदि में तेज होंगे।

गोचर ग्रहाः

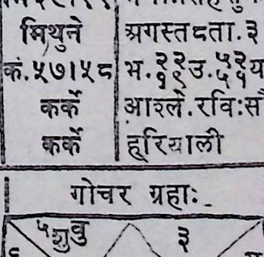

१७पं.श्रा.कृ.१४श.इ.³⁶₅₄

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	४	१०	११	३
१७	१५	९	२०	४	२४	१५	१७
३४	५	४५	३८	२	५	१४	०
२३	३१	३२	३६	१३	३८	१८	२४
५७	४१	१०/२	१०	७४	१६	३	५७
२५	१५	व.	११	१४	व	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८७०सन्२०२४
१	चं	२९	२७	श्ले	२२	१७	व्य	१०	५६	ब	२९	२७	३३ ४	५ २३	६ ३७	१४	२९	५	सिं२२।१७	
२	मं	३४	१३	म	२८	२५	व	११	५१	बा	१	५०	०	२४	३६	१५	३०	६	सिंहे	चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	बु	३९	३८	पू	३५	१०	प	१३	२२	तै	६	५५	३२ ५७	२५	३५	१६	१	७	कं.५२।०	सफर२तीज
४	गु	४५	५३	उ	४२	२८	शि	१५	३०	व	१२	४५	५४	२५	३५	१७	२	८	कन्यायां	भ.१२।४५उ.४५।५३या.वरद४
५	शु	५२	४	ह	५०	८	सि	१७	५२	ब	१८	५८	५०	२६	३४	१८	३	९	कन्यायां	नागपंचमी
६	श	५८	१३	चि	५७	४९	सौ	२०	३०	कौ	२५	८	४७	२७	३३	१९	४	१०	तु.२३।५८	
७	र	६०	०	स्वा	६०	०	शु	२२	४९	ग	३०	५१	४४	२७	३३	२०	५	११	तुलायां	पूफाशुक्रः१०।२७बुधास्तःपश्चिमायां२९ ५
७	चं	३	२९	स्वा	४	२७	शु	२४	१९	व	३	२९	४०	२८	३२	२१	६	१२	वृ.५३।३८	भ.३।२९उ.३५।३३या.
८	मं	७	३७	वि	१०	२	ब्र	२४	५५	ब	७	३७	३७	२९	३१	२२	७	१३	वृश्चिके	
९	बु	९	५८	अ	१४	२	ए	२४	८	कौ	९	५८	३३	२९	३१	२३	८	१४	वृश्चिके	
१०	गु	१०	२९	ज्ये	१६	२०	वै	२१	५८	ग	१०	२९	३०	३०	३०	२४	९	१५	ध.१६।२०	भ.३९।४१उ.
११	शु	८	५४	मू	१६	२३	वि	१८	४	वि	८	५४	२६	३१	२९	२५	१०	१६	धनुषि	भ.८।५४या.मघासिंहेऽर्कः३३।२६मृगे +
१२	श	५	८	पू	१४	३५	प्री	१२	३१	बा	५	८	२२	३२	२८	२६	११	१७	म.३०।५६	मघासिंहेऽर्कःसौरः११।२१प्रदोषः
१३	श	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[+भौमः१४।१वक्रीपूभा१शनि१७।५९=
१४	र	५२	२०	उ	१०	५४	आ	२९ ५	३८ ५१	ग	२५	५८	१९	३२	२८	२७	१२	१८	मकरे	भ.५२।२०उ. [=पवित्रा११व्र.
१५	चं	४४	९	श्र	३४ ५	४० ५३	शो	४७	४६	वि	१८	१४	१५	३३	२७	२८	१३	१९	कु.३२।२४	भ.१८।१४या.श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्

१८पं.श्रा.शु.६श.इ. ३६ ५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	१	४	१०	११	३
२४	१९	८	२१	१२	२३	१४	२३
१६	४६	३८	४९	३७	४१	५२	४१
४४	५२	२०	५	३४	३८	२	३१
५७	४०	३४ ५	९	७४	४३ १	३	५७
३३	४१	व	२८	४	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

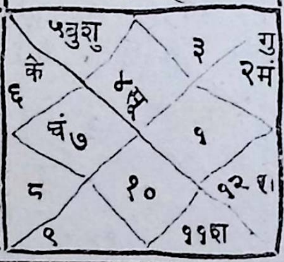

श्रावण शुक्ले१२शनौ. सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न.५ गतालकावस्था (ऊभी)मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

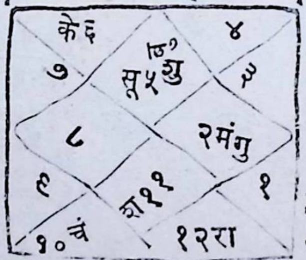

१९पं.श्रा.शु.१२श.इ. ३६ ५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	१	४	१०	११	४
१	२४	३	२२	२१	२३	१४	०
०	१९	४०	५४	१३	१४	२९	२३
४	५२	३०	३२	१९	४३	४६	४४
५७	४०	५७ ३८	८	७३	४ ४	३	५७
४०	११	व.	४०	५६	व.	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	मं	३५	१७	श	५२	१९	अ	३७	५२	बा	९	४८	३२ १	५ ३४	६ २६	२९	१४	२०	कुंभे	मृग१गुरुः३२।१५
२	बु	२६	१३	पू	४५	२२	सु	२७	४९	तै	०	४५	८	३४	२६	३०	१५	२१	मी३२।६	भ.५१।४७उ.[+४६।३७जन्माष्टमीव्र.
३	गु	१७	२१	उ	३८	४९	धृ	१७	४४	वि	१७	२१	४	३५	२५	३१	१६	२२	मीने	भ.१७।२१या.वक्रीआश्ले.कर्केबुधः४७ १ ×
४	शु	९	१५	रे	३३	२	शू	२८ १	५७ ३	बा	९	१५	१	३६	२४	१	१७	२३	मे.३३।२	भा.भाद्रपदारंभः[×उफाशुक्रः२५ ३चतु.व्र.
५ ६	श	५४ २	१४ ४	अ	२८	२२	वृ	५१	४५	तै	२	४	३१ ५७	३७	२३	२	१८	२४	मेषे	भ.५६।१८उ.कन्यायांशुक्रः४५ ७चन्द्रषष्ठी
७	र	५१	४६	भ	२४	५८	ध्रु	४४	५६	वि	२४	२	५३	३७	२३	३	१९	२५	वृ.४२।३१	भ.२४।२या.
८	चं	४८	४९	कृ	२२	५१	व्या	३९	२७	बा	२०	१७	४९	३८	२२	४	२०	२६	वृषे	मिथुनेभौमः२४।१६बुधोदयःपूर्वस्यां +
९	मं	४७	१२	रो	२२	२०	ह	३५	१०	तै	१८	०	४६	३९	२१	५	२१	२७	मि५२।४०	गोगा९
१०	बु	४६	५५	मृ	२३	१	व	३१	४३	व	१७	३	४२	४०	२०	६	२२	२८	मिथुने	भ.१७।३उ.४६।५५या.मार्गीबुधः५६ १
११	गु	४८	६	आ	२५	१०	सि	२९	३४	ब	१७	३०	३८	४०	२०	७	२३	२९	मिथुने	अजा११व्र.
१२	शु	५०	२०	पु	२८	२७	व्य	२८	२२	कौ	१९	१३	३४	४१	१९	८	२४	३०	क.१२।३८	पूफा.रविः२३।१०वत्सद्वादशी
१३	श	५३	५६	पु	३२	५८	व	२८	१९	ग	२२	८	३०	४२	१८	९	२५	३१	कर्के	भ.५६ ३उ.पूफा.रविःसौरः२।१२प्रदोषः
१४	र	५८	७	श्ले	३८	२४	प	२८	३१	वि	२६	१	२६	४३	१७	१०	२६	१	सिं३८।२४	भ.२६।१या.हस्तेशुक्रः४५ ७सितम्बरता.३०
३०	चं	६०	०	म	४४	३६	शि	२९	४३	च	३०	४८	२२	४४	१६	११	२७	२	सिंहे	
३०	मं	३	२९	पू	५१	३२	सि	३१	२३	ना	३	२९	१८	४४	१६	१२	२८	३	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः

२०पं.भा.कृ.५श.इ.३५।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	१	४	१०	११	४
७	२८	२८	२३	२९	२२	१४	७
४४	३८	१९	५३	४७	४३	७	७
२८	२५	२३	२८	२८	३६	३१	११
५७	३९	४६ ४६	७	७३	२४ २२	३	५७
४९	३५	व.	३९	५०	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

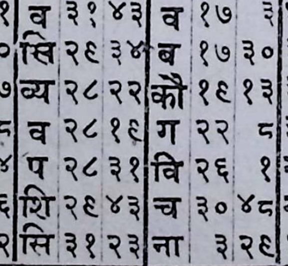

इस मास में धान्य चावल गेहं जोबाजरा मूंग मोठ तेज होवे धातु सोना चांदी लोहा गुड़ सक्कर वस्त्र मंदे होगें ।

गोचर ग्रहाः

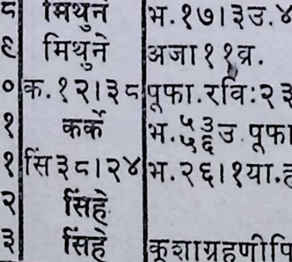

२१पं.भा.कृ.१३श.इ. ३६ ३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	१	५	१०	११	४
१४	३	२७	२४	८	२२	१३	१३
३०	१०	५१	४१	२१	१४	४५	५२
४	३७	७	१४	४७	३८	१५	२३
५८	३८	२४ २६	६	७३	४ ४०	३	५७
१	५६	मा	३८	४४	व.	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः१९४६												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४९००स.२०२४
१	बु	९	२	उ	५८	५६	सा	३३	३४	ब	९	२	३३/१५	५/४५	६/१५	१२	२९	४	कं.८।२३	[×३ हरितालिका ३
२	गु	१५	१६	ह	६०	०	शु	३५	५८	कौ	१५	१६	११	४६	१४	१४	३०	५	कन्यायां	मघा सिंहेबुध:४०।५चंद्रदर्शनम्
३	शु	२१	४१	ह	६	३६	शु	३८	२४	ग	२१	४१	७	४७	१३	१५	१	६	तु.४०।२३	भ.५४/६उ.आर्द्रा.भौम:२२।९रविलावल×
४	श	२७	५२	चि	१४	१०	ब्र	४०	३७	वि	२७	५२	३	४७	१३	१६	२	७	तुलायां	भ.२७।५२या.गणेशचतुर्थी
५	र	३३	२३	स्वा	२१	२५	ऐं	४२	४१	ब	०	३७	३०/५९	४८	१२	१८	३	८	तुलायां	उभा३राहु:हस्त१केतु:३२।२ऋषिपंचमी
६	चं	३७	५९	वि	२७	३८	वै	४४	७	कौ	५	६१	५५	४९	११	१८	४	९	वृ.११।५	[+अनंत१४महालयारंभः
७	मं	४१	१६	अ	३२	५६	वि	४४	२३	ग	९	३७	५१	५०	१०	१९	५	१०	वृश्चिके	भ.४१।१६उ. [=जलझूलनी११व्र.
८	बु	४३	२	ज्ये	३६	४१	प्री	४३	२१	वि	१२	९	४७	५१	९	२०	६	११	ध.३६।४१	भ.१२।९या.
९	गु	४२	५३	मू	३८	२५	आ	४०	५६	बा	१२	५७	४३	५१	९	२१	७	१२	धनुषि	चित्राशुक्र:५०।१५
१०	शु	४०	४१	पू	३८	१७	सौ	३७	१	तै	११	४७	३९	५२	८	२२	८	१३	म.५२।४९	उफा.रवि:७।३५(सौर:४६।५२)
११	श	३६	२६	उ	३६	२३	शो	३१	२५	व	८	३३	३५	५३	७	२३	९	१४	मकरे	भ.८।३३उ.३/६या.पूफा.बुध:६।२५ =
१२	र	३०	११	श्र	३२	१९	अ	२४	१५	ब	३	१८	३१	५४	६	२४	१०	१५	कुं.५९।३०	बुधास्त:पूर्वस्यां४/६वामनजयंतीप्रदोषः
१३	चं	२२	३७	ध	२६	४१	सु	१५	३२	तै	२२	३७	२७	५५	५	२५	११	१६	कुंभे	कन्यायामर्कः३२।५६
१४	मं	१३	३३	श	१९	५३	धृ	५/५६	४९/२६	व	१३	३३	२२	५६	४	२६	१२	१७	मी५९।६	भ.१३।३३उ.३/९या.कन्यार्कःसौर:१/३+
१५	बु	३	४६	पू	१२	१०	गं	४४	३५	ब	३	४६	१८	५६	४	२७	१३	१८	मीने	तुलायांशुक्र:१७।३३

२२पं.भा.शु.४श.इ.३५।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	५	१०	११	४
२१	७	२	२५	१६	२१	१३	२०
१७	२६	३३	३०	५४	४२	२३	३९
६	२४	०	११	३१	२९	००	३
५८	३७	७९	५	७३	४/०	३	५८
१३	५८	३३	४१	६४	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

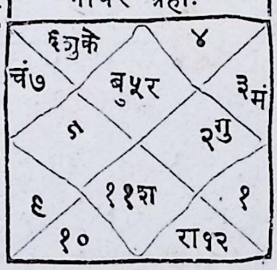

भाद्रपदशुक्ले१३ चंद्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.३न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घताशुक्रोदयः पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

२३पं.भा.शु.११श.इ.३५/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	१	५	१०	११	४
२८	११	१४	२६	२५	२१	१३	२७
५	३५	१०	७	२८	१०	०	२७
२८	२८	३०	३८	५६	१९	४४	२०
५८	३७	२०/०	४	७२	४/०	३	५८
२६	७	४७	३३	२०	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्रपद कृष्णेति महा.
१	बु	५०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु	४४	११	उ	४/१४	५२/२३	वृ	३३	३७	तै	१८	५९	३०/१४	५/५७	६/३	२८	१४	१९	मे.५६।३७	
३	शु	३५	१०	अ	४९	५३	ध्रु	२३	६	व	९	४०	९	५८	२	२९	१५	२०	मेषे	भ.९।४०उ.३५।१०या.चतुर्थीव्र.
४	श	२७	२३	भ	४४	२२	व्या	१३	१४	व	१	१६	५	५९	१	३०	१६	२१	वृ.५८।२१	उभा.बुध:१२।२७
५	र	२१	१४	कृ	४०	१९	ह	४/६	५२/३८	तै	२१	१४	३०/००	६/०	६/००	३१	१७	२२	वृषे	मृग२गुरु:४७।२८
६	चं	१६	५९	रो	३८	१४	सि	५१	३७	व	१६	५९	२९/५६	१	५/५९	१	१८	२३	वृषे	भ.१६।५९उ.४५।४६या.कन्यायांबुध: +
७	मं	१४	३४	मृ	३७	५३	व्य	४७	११	ब	१४	३४	५२	२	५८	२	१९	२४	मि८।३	[+११।२२स्वात्यांशुक्र:४/१ ५/६भा.आश्वि.रं
८	बु	१३	५३	आ	३९	२२	व	४४	२६	कौ	१३	५३	४८	२	५८	३	२०	२५	मिथुने	
९	गु	१५	१६	पु	४२	४०	प	४२	५९	ग	१५	१६	४४	३	५७	४	२१	२६	क.२६।५०	भ.४६।३४उ.हस्तेरवि:४६।९मातृ९
१०	शु	१७	५१	पु	४७	१४	शि	४२	४२	वि	१७	५१	४०	४	५६	५	२२	२७	कर्के	भ.१७।५१या.हस्तेरवि:सौर:२४।३३
११	श	२१	५९	श्ले	५२	५८	सि	४३	३१	बा	२१	५९	३६	५	५५	६	२३	२८	सिं५२।५८	हस्तेबुध:४५।२८इंदिरा११व्र.
१२	र	२७	१	म	५९	३७	सा	४४	४५	तै	२७	१	३२	६	५४	७	२४	२९	सिंहे	पुन.भौम:४०।५०
१३	चं	३३	१	पू	६०	०	शु	४६	४९	ग	०	१	२८	६	५४	८	२५	३०	सिंहे	भ.३ ३/१उ.वक्रीशत४शनि:४८।५४प्रदोषः
१४	मं	३८	५२	पू	६	५०	शु	४८	४९	वि	५	५६	२३	७	५३	९	२६	१	कं.२३।४२	भ.५ ५/६या.अक्टूबर१०ता.३१शस्त्रादि- ÷
३०	बु	४५	२०	उ	१४	१७	ब्र	५१	२२	च	१२	६	१९	८	५२	१०	२७	२	कंन्यायां	सर्वपितृ३० [÷हतानांश्रा.

२४पं.आ.कृ.४श.इ. ३५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	४	१	६	१०	११	५
४	१५	२७	२६	४	२०	१२	४
५५	३३	२	३५	१	३८	३८	१७
१९	२२	२	५३	१२	३८	५८	२७
५८	३५	[illegible]	३	७३	२४/३	३	५८
३८	५२	०	२५	१४	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

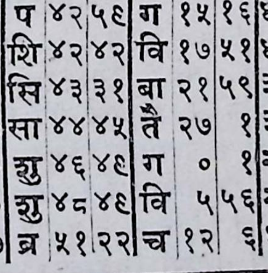

इस मास में धान्य गेहूं जो मक्काबाजरा मूंग मोठ चावल गुड़ शक्कर वस्त्र रुई तेज होगें ।

गोचर ग्रहाः

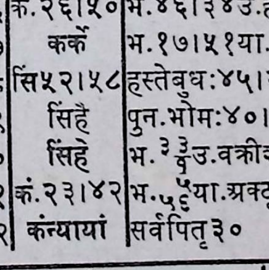

२५पं.आ.कृ.११श.इ. ३५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१	६	१०	११	५
११	१९	९	२६	१२	२०	१२	११
४६	२२	४०	५५	३२	९	१६	९
५२	५	५९	३७	२८	११	१३	२५
५८	३४	०/४	१	७२	४/७	३	५९
५३	२५	३/३	५८	५६	व.	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४९२९स.२०२४
१	गु	५१	३१	ह	२१	५१	ऐं	५३	४०	किं	१८	२५	२९ ५५	६ ६	५ ५१	११	२८	३	तु.५५।३३	नवरात्रारंभ:मातामहश्रा.
२	शु	५७	३२	चि	२९	१५	वै	५५	५६	बा	२४	३१	११	१०	५०	१२	२९	४	तुलायां	विशा.शुक्र:४२।३७चंद्रदर्शनम्
३	श	६०	०	स्वा	३६	२३	वि	५७	४७	तै	३०	१५	७	११	४९	१३	१	५	तुलायां	रविलाखर४
३	र	२	५९	वि	४२	४०	प्री	५८	४९	ग	२	५९	३	११	४९	१४	२	६	वृ.२९।६	भ.३५।१८उ.चित्रा.बुध:१०।४५
४	चं	७	३७	अ	४८	१३	आ	५९	२३	वि	७	३७	२५ ५९	१२	४८	१५	३	७	वृश्चिके	भ.७।३७या.
५	मं	११	१०	ज्ये	५२	४४	सौ	५९	१७	बा	११	१०	५५	१३	४७	१६	४	८	ध.५२।४४	
६	बु	१३	३१	मू	५५	४४	शो	५७	४९	तै	१३	३१	५१	१४	४६	१७	५	९	धनुषि	वक्रीगुरु:५४।४२
७	गु	१४	१८	पू	५७	२२	अ	५५	१३	व	१४	१८	४७	१५	४५	१८	६	१०	धनुषि	भ.१४।१८उ.४३।५६या.चित्रा.रवि:÷
८	शु	१३	३५	उ	५७	१५	सु	५१	२२	ब	१३	३५	४३	१५	४५	१९	७	११	म.१२।१८	[÷१५।१७(सौर:५५ ७)तुला.बुध:५५।११
९	श	११	०	श्र	५५	१४	धृ	४५	४९	कौ	११	०	३९	१६	४४	२०	८	१२	मकरे	वृश्चिकेशुक्र:५६।५४
१०	र	६	३३	ध	५१	४१	शू	३९	१	ग	६	३३	३५	१७	४३	२१	९	१३	कुं.२३।२७	भ.३३।३७उ.
११	चं	०	४१	श	४६	३३	गं	३०	४६	वि	०	४१	३१	१८	४२	२२	१०	१४	कुंभे	भ.०।४१या.स्वात्यांबुध:१०।३८ पापां ×
१२	चं	५२	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×कुशा११व्र.[=प्रा.शरद्पूर्णिमा
१३	मं	४४	२९	पू	४०	४	वृ	२१	३१	कौ	१८	४९	२७	१९	४१	२३	११	१५	मी२६।४१	अनु.शुक्र:४२।४८प्रदोष:
१४	बु	३४	४७	उ	३२	३४	ध्रु	११	१४	ग	९	३८	२३	१९	४१	२४	१२	१६	मीने	भ.३४।४७उ.५९।५०या.कोजागरीव्र.
१५	शु	२४	५३	रे	२४	४१	व्या	२ १	४९ ७	ब	२४	५३	२०	२०	४०	२५	१३	१७	मे २४।४१	तुलायामर्क:२।३ (सौर:३७ ५१)का.स्ना.=

२९पं.आ.शु.३श.इ. ३४ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	१	६	१०	११	५
१८	२३	२२	२७	२१	१९	११	१८
४०	१	१६	६	३	४२	५३	३
५	५	२६	११	१८	४	५७	१२
५९	३३	७ ०	०	७२	३ ५८	३	५९
९	१८	९ १९	४९	४०	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले१५गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न४ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

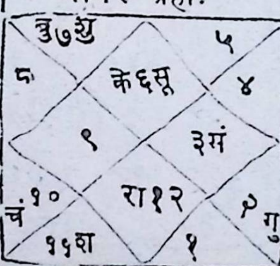

२७पं.आ.शु.९श.इ. ३४ १२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	१	६	१०	११	५
२५	२६	३	२७	२९	१९	११	२४
३४	२७	५६	६	३२	१७	३१	५८
५९	७	१०	४३	३८	३५	४२	५४
५९	३१	० ०	३० ०	७२	३ १७	३	५९
२१	५०	५६	१.	२०	व.	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	शु	१५	१४	अ	१६	५०	व	३८	३४	कौ	१५	१४	२८ १९	६ २१	५ ३९	२६	१४	१८	मेषे	
२ ३	श	६ ५२	१९ २३	भ	९	४९	सि	२८	२५	ग	६	१८	१२	२२	३८	२७	१५	१९	वृ.२३।२३	भ.३२।३०उ.५८।४१या.
४	र	५२	४०	कृ	४ ४	५५ ४३	व्य	१९	२५	ब	२५	४०	८	२२	३८	२८	१६	२०	वृषे	कर्कभौम:१५।८बुधोदय:पश्चिमायां३२
५	चं	४८	४३	मृ	५७	३२	व	११	४६	कौ	२०	४१	४	२३	३७	२९	१७	२१	मि२८।४०	करकचतुर्थीव्र.
६	मं	४६	५२	आ	५७	१४	प	५	३२	ग	१७	४७	०	२४	३६	३०	१८	२२	मिथुने	भ.४६।५२उ.विशा.बुध:३८।२
७	बु	४७	१७	पु	५९	१३	शि	१ ५	५७ २१	वि	१७	५	२७ ५६	२५	३५	१	१९	२३	क.४३।४३	भ.१७।५या.स्वात्यांरवि:४ ६भा.का.रंभ:
८	गु	४९	२२	पु	६०	०	सा	५७	१३	बा	१८	१९	५३	२५	३५	२	२०	२४	कर्के	स्वात्यांरवि:सौर:१८।५४
९	शु	५३	२२	पु	२	५५	शु	५७	४१	तै	२१	२२	४९	२६	३४	३	२१	२५	कर्के	वक्रीमृग.१गुरु:४९।०
१०	श	५८	३१	श्ले	८	११	शु	५८	२७	व	२५	५६	४५	२७	३३	४	२२	२६	सिं८।११	भ.२५ ५६उ.५८।३१या.ज्येष्ठाशुक्र:४३।५८
११	र	६०	०	म	१४	४१	ब्र	६०	०	ब	३१	४०	४१	२८	३२	५	२३	२७	सिंहे	रमा११व्र.स्मा.
११	चं	४	५०	पू	२२	१३	ब्र	०	२९	बा	४	५०	३७	२९	३१	६	२४	२८	कं.३९।५	पुष्येभौम:१०।१६रमा११व्र.वै.
१२	मं	११	४	उ	२९	४१	ऐं	२	४७	तै	११	४	३४	२९	३१	७	२५	२९	कन्यायां	वृश्चिकेबुध:२५।२६प्रदोष:
१३	बु	१७	३८	ह	३७	१९	वै	५	१०	व	१७	३८	३०	३०	३०	८	२६	३०	कन्यायां	भ.१७।३८उ.५०।४४या.धन१३
१४	गु	२३	४९	चि	४४	४६	वि	७	२८	श	२३	४९	२७	३१	२९	९	२७	३१	तु.११।२	अनु.बुध:५१।४६रूप१४
३०	शु	२९	३२	स्वा	५१	१६	प्री	९	३२	ना	२९	३२	२३	३१	२९	१०	२८	१	तुलायां	नवम्बर११ता.३०महालक्ष्मीपूजनम्

२८पं.का.कृ.२श.इ.३४।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	१	७	१०	११	६
२	२९	१५	२६	८	१८	११	१
३१	३९	२	५७	१	५६	९	५६
२३	४०	२८	०	४१	५६	२६	१८
५९	३०	९७	३ १	७२	२ ३७	३	५९
२४	३	१७	व.	२	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

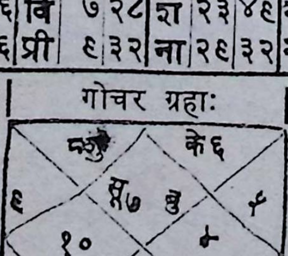

इस मास में धान्य गल्ला में मंदी होवे चांदी स्वर्ण तेज हो रुई में घटा बढी चले प्रजा में सुख शान्ति फैलें ।

गोचर ग्रहाः

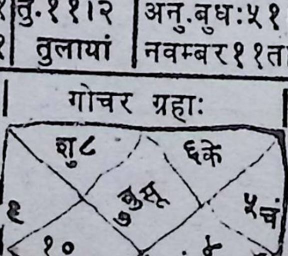

२९पं.का.कृ.१०श.इ. ३४ ३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	१	७	१०	११	६
९	२	२५	२१	१६	१८	१०	८
२९	३५	३८	३७	२८	४०	४७	५५
३८	४९	३५	२६	४१	४१	१०	३८
५९	२७	९१	२ ३	७१	२ १	३	६०
४७	४१	४६	व.	३७	व.	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९५९स.२०२४
१	श	३४	२५	वि	५७	३१	आ	११	७	किं	१	५७	२७/१९	६/३२	५/२८	११	२९	२	वृ.४०।५७	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	र	३८	२९	अ	६०	०	सौ	११	५६	बा	६	२७	१६	३३	२७	१२	३०	३	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्भातृ२यमर२
३	चं	४१	३७	अ	२	४६	शो	१२	१२	तै	१०	३	१२	३४	२६	१३	१	४	वृश्चिके	जमादिलावल५
४	मं	४३	३९	ज्ये	६	५६	अ	११	२९	व	१२	३८	९	३४	२६	१४	२	५	ध.६।५६	भ.१२।३८उ.४३।३९या.
५	बु	४४	२४	मू	१०	६	सु	१०	७	ब	१४	१	५	३५	२५	१५	३	६	धनुषि	विशा.रविः४।३६(सौरः३६।१५)+
६	गु	४४	११	पू	१२	७	धृ	७	५९	कौ	१४	१७	२	३६	२४	१६	४	७	म.२७।१९	[+मूलेधनुषिशुक्रः४५।२६
७	शु	४२	३७	उ	१२	५५	शू	४	४७	ग	१३	२४	२६/५८	३६	२४	१७	५	८	मकरे	भ.४२।३७उ.
८	श	३९	३७	श्र	१२	३२	गं	२८	५४/३२	वि	११	७	५५	३७	२३	१८	६	९	कुं.४१।३५	भ.११।७या.गोपाष्टमी
९	र	३५	३१	ध	१०	३८	ध्रु	४८	३७	बा	७	३४	५२	३८	२२	१९	७	१०	कुम्भे	ज्येष्ठाबुधः५०।४३उभा.२राहुःउफा.४÷
१०	चं	२९	५८	श	७	३२	व्या	४१	५	तै	२	५९	४९	३८	२२	२०	८	११	मी४९।१६	भ.५६।४०उ. [÷केतुः२३।५५अक्षय९
११	मं	२३	२३	पू	३/१०	५४/३४	ह	३२	३७	वि	२३	२३	४५	३९	२१	२१	९	१२	मीने	भ.२३/२३या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१२	बु	१५	२६	रे	५१	३६	व	२३	१५	बा	१५	२६	४२	४०	२०	२२	१०	१३	मे.५१।३६	प्रदोषः
१३	गु	६	५८	अ	४४	४३	सि	१३	२३	तै	६	५८	३९	४०	२०	२३	११	१४	मेषे	भ.५८/६उ.मार्गीशनिः४६।४वैकुंठ१४
१४	गु	५१	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	शु	५०	८	भ	३७	४४	व्य	५९/२	४९/५५	वि	२४	७	३६	४१	१९	२४	१२	१५	वृ.५१।१०	भ.२४।७या.मन्वादिःका.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.१श.इ.३४/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	१	७	१०	११	६
१६	५	५	२६	२४	१८	१०	१५
२९	१३	४४	८	५४	२८	२४	५६
२०	१२	४६	३८	५८	५५	५५	४२
६०	२५	८४	२८/४	७१	२२/१	३	६०
४	१०	४९	व.	१३	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

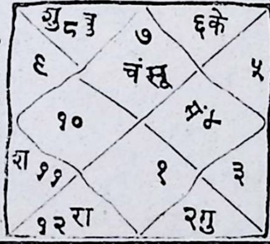

इस मास में ५ शुक्रवार श्रेष्ठ हैं धनधान्य में बृद्धि होवे चांदी स्वर्ण लोहा तेज हो प्रजा सुखी हो।

गोचर ग्रहाः

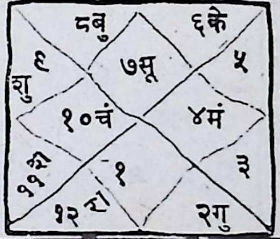

३१पं.का.शु.८श.इ.३३/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	७	१	८	१०	११	६
२३	७	१५	२५	३	१८	१०	२२
३०	२५	४	३१	१८	२२	२	५९
४०	३५	४१	३७	३२	२३	२९	१४
६०	२२	७४	३५/९	७०	२९	३	६०
१७	२२	३१	व.	४१	व.	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श	४१	२६	कृ	३१	२५	प	४३	१९	बा	१५	४७	२६/३३	६/४१	५/१९	२५	१३	१६	वृषे	बृश्चिकेऽर्कः०।४०(सौरः३०।३५)
२	र	३४	४४	रो	२६	२	शि	३४	२८	तै	८	५	३०	४२	१८	२६	१४	१७	मि५४।८	
३	चं	२९	३७	मृ	२२	१४	सि	२७	०	व	२	१०	२७	४३	१७	२७	१५	१८	मिथुने	भ.२/१०उ.३/३७या.पूषा.शुक्रः९/१चतुर्थीव्र.
४	मं	२६	२६	आ	२०	११	सा	२०	५७	बा	२६	२६	२५	४३	१७	२८	१६	१९	मिथुने	अनु.रविः१९।०(सौरः४७।२३)
५	बु	२५	३२	पु	२०	२७	शु	१६	३९	तै	२५	३२	२२	४४	१६	२९	१७	२०	क.५।२३	
६	गु	२६	४०	पु	२२	३७	शु	१३	५२	व	२६	४०	१९	४४	१६	३०	१८	२१	कर्के	भ.२६।४०उ.५८।१८या.पातस्पर्शः ×
७	शु	२९	५६	श्ले	२६	५३	ब्र	१३	६	ब	२९	५६	१७	४५	१५	१	१९	२२	सिं२६।५३	भा.मार्गशीर्षारंभः
८	श	३४	३९	म	३२	३२	ऐं	१३	१४	बा	२	१७	१४	४५	१५	२	२०	२३	सिंहे	[×३४।३२पातमोक्षः४९।७
९	र	४०	४२	पू	३९	३७	वै	१४	३९	तै	७	४०	१२	४६	१४	३	२१	२४	क.५६।२७	
१०	चं	४६	५९	उ	४६	५९	वि	१६	३८	व	१३	५०	९	४६	१४	४	२२	२५	कन्यायां	भ.१३/५०उ.४६/५९या.वक्रीबुधः२२।५२
११	मं	५२	४५	ह	५४	४५	प्री	१८	४९	ब	१९	५२	७	४७	१३	५	२३	२६	कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	बु	५९	५३	चि	६०	०	आ	२१	१४	कौ	२६	१९	५	४७	१३	६	२४	२७	तु.२८।२७	
१३	गु	६०	०	चि	२	९	सौ	२३	१८	ग	३२	४६	२	४८	१२	७	२५	२८	तुलायां	वक्रीरोहि.४गुरुः९।२६प्रदोषः
१३	शु	५	३९	स्वा	८	५८	शो	२४	४६	व	५	३९	०	४८	१२	८	२६	२९	वृ.५८/१५	भ.५।३९उ.३७।४९या.उषा.शुक्रः +
१४	श	९	५९	वि	१४	४०	अ	२५	२०	श	९	५९	२५/५८	४८	१२	९	२७	३०	वृश्चिके	[+१४।४८बुधास्तःपश्चिमायां५६।३२
३०	र	१३	२३	अ	१९	१८	सु	२५	१	ना	१३	२३	५६	४९	११	१०	२८	१	वृश्चिके	दिसम्बर१२ता.३१

३२पं.मा.कृ.१श.इ.३३।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	८	१०	११	७
०	९	२३	२४	११	१८	९	०
३३	२०	६	४७	३९	२०	४०	३
२२	६	३२	६	१४	३८	२४	१८
६०	१८	५७	३२/६	७०	१०/०	३	६०
३०	५१	१०	व.	४	मा	११	४०

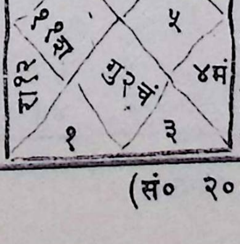

३३पं.मा.कृ.८श.इ.३३।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	८	१०	११	७
७	१०	२८	२३	१९	१८	९	७
३७	४०	६	५६	५६	२४	१८	८
१६	३०	३२	१०	३१	११	८	५१
६०	१४	२०	७/२०	६९	८	३	६०
४२	३०	१६	व.	१६	५९	११	५३

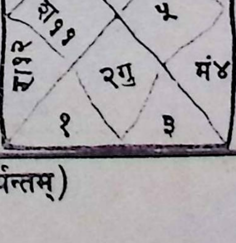

३४पं.मा.कृ.१४श.इ.३३/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	८	१०	११	७
१४	११	२६	२३	२८	१८	८	१४
४२	२७	३०	१	९	३२	५२	१५
२९	५०	५०	८	४३	३५	५२	३७
६०	९	५७/३५	५२/६	३८/६	१	३	६१
५०	१७	व.	व.	३२	३४	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९८९स.२०२४
१	चं	१५	२९	ज्ये	२२	४५	धृ	२३	५१	ब	१५	२९	२५/५४	६/४९	५/११	११	२९	२	ध.२२।४५	ज्येष्ठारविः २९/११ (सौरः ५/१७ मकरेशुक्रः ९/५२
२	मं	१६	३५	मू	२५	१४	शू	२१	४९	कौ	१६	३१	५३	४९	११	१२	३०	३	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	बु	१६	२३	पू	२६	३४	गं	१८	५३	ग	१६	२३	५१	५०	१०	१३	१	४	म.४१।४०	भ.४५।५४उ.जमादिलाखर६
४	गु	१५	२५	उ	२६	५५	वृ	१५	४	वि	१५	२५	४९	५०	१०	१४	२	५	मकरे	भ.१५।२५या.
५	शु	१३	३३	श्र	२६	३४	ध्रु	१०	४७	बा	१३	३३	४८	५०	१०	१५	३	६	कुं.५५।५६	
६	श	१०	४०	ध	२५	१८	व्या	५	४७	तै	१०	४०	४६	५१	९	१६	४	७	कुंभे	चंपा६
७	र	७	१२	श	२३	१३	ह	०/२	५३/३५	व	७	१२	४४	५१	९	१७	५	८	कुम्भे	भ.७/१२उ.३५/६या.वक्रीअनु.बुधः४३।५०
८	चं	३	१	पू	२०	२५	सि	४६	२९	ब	३	१	४३	५१	९	१८	६	९	मी६।७	
९	चं	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	मं	५२	७	उ	१६	४७	व्य	३८	५३	तै	२५	०	४२	५२	८	१९	७	१०	मीने	श्रवणेशुक्रः५१।१३
११	बु	४५	३९	रे	१२	२५	व	३०	४५	व	१८	५३	४१	५२	८	२०	८	११	मे.१२।२५	भ.१८।५३उ.४५।३९या.बुधोदयः +
१२	गु	३८	४२	अ	७	२८	प	२२	७	ब	१२	१०	४०	५२	८	२१	९	१२	मेषे	[+पूर्वस्यां३८।२५मोक्षदा११व्र.गीताजयं
१३	शु	३१	४०	भ	२/१६	५४/५३	शि	१३	९	कौ	५	११	३९	५२	८	२२	१०	१३	वृ.१५।५७	प्रदोषः
१४	श	२४	४३	रो	५२	२५	सि	४/२२	५१/४०	व	२४	४३	३९	५२	८	२३	११	१४	वृषे	भ.२४।४३उ ५१।३९या.दत्तजयंती
१५	र	१८	३५	मृ	४८	३७	शु	४८	२६	ब	१८	३५	३९	५२	८	२४	१२	१५	मि२०।३१	मूलेधनुष्यर्कः ३/२६ (सौरः ५९/७ वक्रीभौमः २९/३३

३५पं.मा.शु.६श.इ३३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	९	१०	११	७
२१	११	१८	२२	६	१८	८	२१
४८	३९	१७	४	१७	४६	३३	२३
३२	१४	३८	१२	३	१	४७	१८
६०	२	१४/५६	७/५२	६७	२	३	६१
५६	४१	व.	व	३२	२२	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षकृष्णे१ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

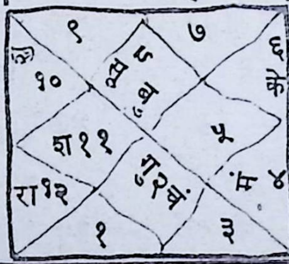

३६पं.मा.शु.१४श.इ.३२/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	१	९	१०	११	७
२८	११	१२	२१	१४	१९	८	२८
५५	९	१४	७	१८	२	११	३२
२६	४३	३५	२३	११	१९	२१	१
६१	१	१४/४२	५७/२	६६	३	३	६१
०	५५	व.	व.	२३	९	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	चं	१३	३३	आ	४५	४६	शु	४१	४८	कौ	१३	३३	२५/३८	६/५२	५/८	२५	१३	१६	मिथुने	मार्गीबुधः२०।४४
२	मं	१०	४	पु	४४	४७	ब्र	३६	२८	ग	१०	४	३८	५२	८	२६	१४	१७	क.३०।२	भ.३९।१६उ.
३	बु	८	२८	पु	४५	४०	ऐं	३२	४३	वि	८	२८	३७	५३	७	२७	१५	१८	कर्के	भ.८।२८या.चतुर्थीव्र.
४	गु	८	४४	श्ले	४८	४०	वै	३०	३३	बा	८	४४	३७	५३	७	२८	१६	१९	सि४८।४०	
५	शु	११	६	म	५३	२४	वि	२९	३४	तै	११	६	३६	५३	७	२९	१७	२०	सिंहे	
६	श	१५	४	पू	५९	३१	प्री	२९	५८	व	१५	४	३६	५३	७	३०	१८	२१	सिंहे	भ.१५।४उ.४७।५३या.
७	र	२०	४३	उ	६०	०	आ	३१	३७	ब	२०	४३	३६	५३	७	१	१९	२२	कं.१६।१३	वनि.शुक्रः३७।३२भा.पौषारंभः
८	चं	२६	४९	उ	६	२९	सौ	३३	३२	कौ	२६	४९	३६	५३	७	२	२०	२३	कन्यायां	वक्रीरोहि.३गुरुः१३।१७
९	मं	३३	२६	ह	१४	८	शो	३५	५३	तै	०	७	३७	५३	७	३	२१	२४	तु.४७।५१	ज्येष्ठायांबुधः३१।३९
१०	बु	३९	४०	चि	२१	३३	अ	३८	२	व	६	३३	३७	५३	७	४	२२	२५	तुलायां	भ.६।३३उ.३९।४०या.
११	गु	४५	२१	स्वा	२८	४५	सु	३९	३७	ब	१२	३०	३७	५३	७	५	२३	२६	तुलायां	सफला११व्र.
१२	शु	४९	४०	वि	३४	३४	धृ	४०	१९	कौ	१७	३०	३८	५२	८	६	२४	२७	वृ.१८।७	
१३	श	५२	४७	अ	३९	७	शू	४०	५	ग	२१	१३	३८	५२	८	७	२५	२८	वृश्चिके	भ.५२/४७उ.पूषा.रविः४१/२९कुंभेशुक्रः३/३६प्रदोष
१४	र	५४	१०	ज्ये	४२	१८	गं	३८	३३	वि	२३	२८	३९	५२	८	८	२६	२९	ध ४२।१८	भ.३३/२८या.पूषा.रविःसौरः४५/०पूभा१ ×
३०	चं	५४	११	मू	४४	३	वृ	३५	५४	च	२४	१०	४०	५२	८	९	२७	३०	धनुषि	[×शनिः३१।५७

३७पं.पौ.कृ.६श.इ.३२।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	१	९	१०	११	८
६	१०	१४	२०	२२	१९	७	५
२	१	३३	१२	९	२७	४९	४१
०	८	३८	२२	५४	५८	६	२६
६१	१२/१८	४२/३४	७/२३	६४	३	३	६१
४	व्र.	मा.	व.	५८	४४	११	२२

गोचर ग्रहाः

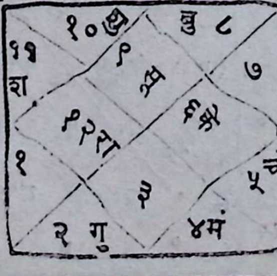

मार्गशीर्ष शुक्ले १५ रवौधनुष्यर्कः प्रविष्टः वा.२न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावें समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

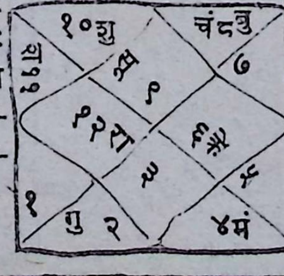

३८पं.पौ.कृ.१३श.इ.३२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	१	९	१०	११	८
१३	८	२१	१९	२९	१९	७	१२
१०	१४	२७	२२	५३	५५	२६	५१
५९	४६	३६	१६	४२	३७	५०	१८
६१	१३/४३	६८	६/३५	६३	४	३	६१
६	व.	२८	च.	२३	२६	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०१८स.२०२४
१	मं	५२	४७	पू	४४	२४	ध्रु	३२	८	किं	२३	२९	२५/४१	५६	५/८	१०	२८	३१	म.५९।१४	
२	बु	५०	२७	उ	४३	४४	व्या	२७	३२	बा	२१	३७	४२	५२	८	११	२९	१	मकरे	चंद्रदर्शनम्जनवरी१ता.३१सन्२०२५
३	गु	४७	७	श्र	४२	७	ह	२२	७	तै	१८	४७	४३	५१	९	१२	१	२	मकरे	रज्जव७
४	शु	४३	८	ध	३९	४९	व	१५	५७	व	१५	७	४४	५१	९	१३	२	३	कुं.१०।५८	भ.१५।७उ.४३।८या शतेशुक्रः५१।५
५	श	३८	५१	श	३७	८	सि	९	३६	ब	१०	५९	४५	५१	९	१४	३	४	कुम्भे	मूलेधनुषिबुधः११।५६
६	र	३४	१४	पू	३४	१२	व्य	१३/२	५२/५४	कौ	६	३२	४७	५१	९	१५	४	५	मी१९।५६	
७	चं	२९	३४	उ	३१	५	प	४८	५९	ग	१	५४	४८	५०	१०	१६	५	६	मीने	भ.२९।३४उ.५७।२या.
८	मं	२४	३१	रे	२७	४९	शि	४१	५०	ब	२४	३१	५०	५०	१०	१७	६	७	मे.२७।४९	
९	बु	१९	२८	अ	२४	२[illegible]	[illegible]	३४	२५	कौ	१९	२८	५२	५०	१०	१८	७	८	मेषे	
१०	गु	१४	१४	भ	२०	५५	सा	२७	२	ग	१४	१४	५३	४९	११	१९	८	९	वृ.३५।३	भ.४२।६उ.
११	शु	९	५९	कृ	१७	२५	शु	१९	४८	वि	९	५९	५५	४९	११	२०	९	१०	वृषे	भ.५९या.उषा.रविः४६/१५पुत्रदा११व्र.
१२	श	३	५८	रो	१४	१	शु	१२	४९	बा	३	५८	५७	४९	११	२१	१०	११	मि४२।३९	उषा.रविःसौरः२।१२प्रदोषः
१३	श	५५	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×राहुःउभा.३केतुः१६।११
१४	र	५५	३४	मृ	११	१७	ब्र	६	१३	ग	२७	३०	५९	४८	१२	२२	११	१२	मिथुने	भ.५५।३४उ.वक्रीपुन.भौमः२।४६ ×
१५	चं	५२	५३	आ	९	२५	ऐं	०/५	५५/०	वि	२४	१३	२६/१	४८	१२	२३	१२	१३	क.५३।५३	भ.२४/१३या.पूषा.बुधः३३/३८मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.५श.इ. ३२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१	१०	१०	११	८
२०	६	०	१८	७	२०	७	२०
१९	२	२७	३९	२२	२७	४	१
५	५०	५०	३०	२६	३६	३४	१५
६१	२६/४३	८१	५/४१	६१	४	३	६१
६	व	३	व	१७	५५	११	२६

गोचर ग्रहाः

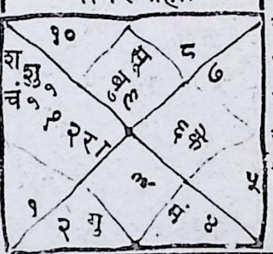

इस मास में वदि में धान्य गल्ला धातु रस तेज होवे सुदि में चाँदी सोना रुई सण तिल मंदे होंवेगें।

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.१२श.इ. ३२/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	८	१	१०	१०	११	८
२७	३	१०	१८	१४	२१	६	२७
२७	३५	२०	०	३५	३	४२	११
७	५३	२०	५८	४२	११	१९	७
६१	३१/२१	८९	४/२१	५८	५	३	६१
६	व	०	व	४१	२५	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	५१	३४	पु	८	४२	वि	५१	७	बा	२२	१३	२६/४	४६/७	५/१३	२४	१३	१४	कर्के	मकरेऽर्कः२।२९(सौरः१७।३९)
२	बु	५१	५०	पु	९	३१	प्री	४८	२९	तै	२१	४२	६	४७	१३	२५	१४	१५	कर्के	
३	गु	५३	५२	श्ले	११	३८	आ	४६	५९	व	२२	५१	८	४६	१४	२६	१५	१६	सिं११।३८	भ.२२/५१उ.५३/५२या.पूभा.शुक्रः५७।३८
४	शु	५७	१४	म	१५	३५	सौ	४६	४०	ब	२५	३३	११	४६	१४	२७	१६	१७	सिंह	चतुर्थीव्र.
५	श	६०	०	पू	२०	५३	शो	४७	४०	कौ	२९	५१	१३	४५	१५	२८	१७	१८	कं.३७।३३	
५	र	२	२८	उ	२७	३४	अ	४९	११	तै	२	२८	१६	४५	१५	२९	१८	१९	कन्यायां	×वक्रीमिथुनेभौमः३९/२बुधास्तःपूर्वस्यां५७/१२
६	चं	८	१८	ह	३४	५२	सु	५१	२३	व	८	१८	१९	४४	१६	३०	१९	२०	कन्यायां	भ.१८/८उ.४९/३१या.अभि.प्र.रविः३७।५ A
७	मं	१४	४३	चि	४२	२२	धृ	५३	३७	ब	१४	४३	२१	४४	१६	१	२०	२१	तु.८।३७	भा.माघारंभः [A(सौरः४९।०)×
८	बु	२१	१०	स्वा	४९	४०	शू	५५	४१	कौ	२१	१०	२४	४३	१७	२	२१	२२	तुलायां	उषा.बुधः३१/२७पातस्पर्शः४३/५०पातमोक्षः५५/५९
९	गु	२७	७	वि	५६	१०	गं	५६	५२	ग	२७	७	२७	४३	१७	३	२२	२३	वृ.३९।३२	भ.५१।२६उ.श्रवणे रविः५१।४२
१०	शु	३१	४६	अ	६०	०	वृ	५६	५९	वि	३१	४६	२९	४२	१८	४	२३	२४	वृश्चिके	भ.३४/१६या.श्रवणेरविःसौरः५/५६अभि.नि.=
११	श	३४	५९	अ	१	१७	ध्रु	५५	५१	ब	३	२२	३२	४२	१८	५	२४	२५	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	र	३६	२३	ज्ये	५	१	व्या	५३	२८	कौ	५	४१	३५	४१	१९	६	२५	२६	ध.५।१	[=रविः४३/५७(सौरः५६/१३मकरेबुधः३०।३७
१३	चं	३६	४	मू	६	४९	ह	४९	३३	ग	६	१३	३८	४०	२०	७	२६	२७	धनुषि	भ.३६।४उ.प्रदोषः
१४	मं	३३	४७	पू	६	५५	व	४५	२४	वि	४	५५	४१	४०	२०	८	२७	२८	म.२१।३२	भ.४।५५या.मीनेशुक्रः१।०
३०	बु	३०	१५	उ	५	२३	सि	३८	३	च	२	१	४५	३९	२१	९	२८	२९	मकरे	

४१ .मा.कृ.५श.इ. ३२/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	१	१०	१०	११	९
४	१	२०	१७	२१	२१	६	४
३४	६	४६	३२	२७	४२	२०	२०
४९	४७	१२	४२	३६	२२	३	३६
६१	३१/५५	९५	३/२३	५५	५	३	६१
३	व	२९	व्र.	२५	५०	११	१९

गोचर ग्रहाः

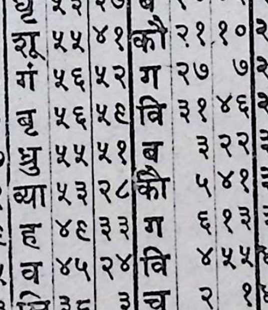

माघ कृष्णे १ भौमे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्या दिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

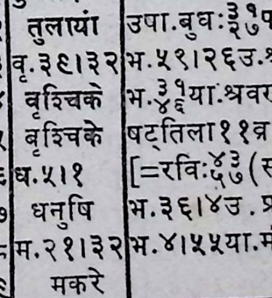

४२पं.मा.कृ.११श.इ. ३२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	१	१०	१०	११	९
११	२८	१	१७	२७	२२	५	११
४२	४७	४३	१२	५३	२४	५७	२९
२९	४२	५५	५४	४९	२२	४८	२७
६०	२९/४३	०/०	१/५८	५१	६	३	६१
५९	व.	४२	व	१	१४	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:५०४८स.२०२५
१	गु	२५	१८	श्र	३/४९	५५/६	व्य	३१	७	व	२५	१८	२६/४८	६/३८	५/२२	१०	२९	३०	कुं.३१।२२	श्रवणेबुध:४२।२९
२	शु	१९	३६	श	५४	३९	व	२३	७	कौ	१९	३६	५१	३८	२२	११	३०	३१	कुंभे	उभा.शुक्र:५९।२० चंद्रदर्शनम्
३	श	१३	३८	पू	५०	७	प	१५	५	ग	१३	३८	५४	३७	२३	१२	१	१	मी३६।१५	भ.४०।३५उ.फर्वरी२ता.२८सावान८
४	र	७	३३	उ	४६	०	शि	६/५४	५७/१३	वि	७	३३	५८	३६	२४	१३	२	२	मीने	भ.७।३३या.
५	चं	१	३२	रे	४१	५३	सा	५१	२४	बा	१	३२	२७/१	३६	२४	१४	३	३	मे.४१।५३	मार्गीगुरु:३९/४६पूभा.२शनि:५३/५१वसंत५
६	चं	५४	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=भानु७रथ७
७	मं	५०	३४	अ	३८	२१	शु	४४	९	ग	२३	१०	५	३५	२५	१५	४	४	मेषे	भ:५०/३४उ.पातस्पर्श:२२/३७पातमोक्ष:३३/१७=
८	बु	४५	४४	भ	३५	४	शु	३७	४	वि	१८	९	८	३४	२६	१६	५	५	वृ.४९।२६	भ.१८।९या. भीष्माष्टमी
९	गु	४१	२६	कृ	३२	३१	ब्र	३०	३८	बा	१३	३५	१२	३४	२६	१७	६	६	वृषे	धनि.रवि:०/० (सौर:१०/४६)
१०	शु	३७	५०	रो	३०	२२	ऐं	२४	३५	तै	९	३८	१५	३३	२७	१८	७	७	मि५९।४०	धनि.बुध:२९।२३
११	श	३४	५०	मृ	२८	५९	वै	१९	९	व	६	२०	१९	३२	२८	१९	८	८	मिथुने	भ.६।२०उ.३४।५०या.जया११व्र.
१२	र	३२	२२	आ	२८	२०	वि	१४	१९	ब	३	३६	२३	३१	२९	२०	९	९	मिथुने	[×(सौर:४४/४४)मा.स्ना.पूर्ति:
१३	चं	३१	६	पु	२८	४२	प्री	१०	७	कौ	१	४४	२७	३१	२९	२१	१०	१०	क.१३।३६	प्रदोष:
१४	मं	३०	५८	पु	३०	४	आ	६	४९	ग	१	२	३०	३०	३०	२२	११	११	कर्के	भ.३०।५८उ.कुंभेबुध:९।३८
१५	बु	३१	४८	श्ले	३२	४७	सौ	४	२३	वि	१	२३	३४	२९	३१	२३	१२	१२	सिं३२।४७	भ.१।२३या.कुंभेऽर्क:३५।१६×

४३पं.मा.शु.३श.इ. ३२/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	९	११	१०	११	९
१८	२९	१३	१७	३	२३	५	१८
४९	४८	११	३	४५	९	३५	३७
१	११	४९	४३	२५	४	३२	३४
६०	२४/१३	४०/०	०/२३	४५	६	३	६१
५५	च.	२७	व.	४'१	२९	११	४

गोचर ग्रहाः

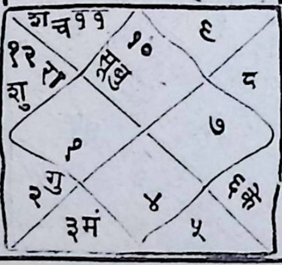

माघ शुक्ले १५ बुधे कुंभेऽर्कःप्रविष्टःवा.२ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

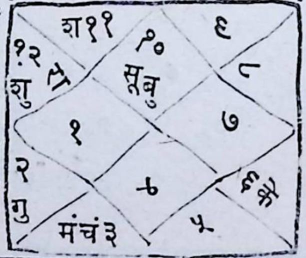

४४पं.मा.शु.११श.इ.३२/५०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	१	११	१०	११	९
२५	२५	२५	१७	८	२३	५	२५
५४	१३	१५	४	५०	५५	१३	४४
५०	४८	१४	५५	२८	३४	१६	२१
६०	१६/४१	४/०	०/५३	२८	६	३	६०
४७	व.	५८	मा	२४	४५	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु	३४	१४	म	३६	३२	शो	३	३०	ना	३	१	३७/३८	६/२८	५/३२	२४	१३	१३	सिंहे	
२	शु	३७	५०	पू	४१	२९	अ	२	४९	तै	६	२	४१	२८	३२	२५	१४	१४	कं.५८।५	शते.बुध:५०।१०
३	श	४२	५३	उ	४७	५३	सु	३	३२	व	१०	२१	४५	२७	३३	२६	१५	१५	कन्यायां	भ.१०।२१उ.४२।५३या.
४	र	४८	२३	ह	५४	५४	धृ	४	५७	ब	१५	३८	४९	२६	३४	२७	१६	१६	कन्यायां	चतुर्थी व्र.
५	चं	५४	४६	चि	६०	०	शू	६	४९	कौ	२१	३४	५३	२५	३५	२८	१७	१७	तु.२८।४१	पातस्पर्श:२७।५पातमोक्ष.३८।३५
६	मं	६०	०	चि	२	२८	गं	९	२	ग	२८	३	५६	२५	३५	२९	१८	१८	तुलायां	
६	बु	१	२०	स्वा	१०	०	वृ	११	२२	व	१	२०	२८/०	२४	३६	३०	१९	१९	तुलायां	भ.१/२०उ.३४/२८या.शते.रवि:११/३९ (सौर:२०/६)
७	गु	७	३७	वि	१७	१६	ध्रु	१३	२५	ब	७	३७	४	२३	३७	१	२०	२०	वृ.०।२७	भा.फाल्गुनारंभ:
८	शु	१२	४६	अ	२३	१८	व्या	१४	२०	कौ	१२	४६	८	२२	३८	२	२१	२१	वृश्चिके	
९	श	१६	३७	ज्ये	२७	५४	ह	१४	१३	ग	१६	३७	१२	२२	३८	३	२२	२२	ध.२७।५४	भ.४७।३८उ.पूभा बुध:३।२०
१०	र	१८	४०	मू	३०	५०	व	१२	४७	वि	१८	४०	१६	२१	३९	४	२३	२३	धनुषि	भ.१८।४०या.अस्तंशने:७।५९
११	चं	१८	४७	पू	३१	४७	सि	९	४४	बा	१८	४७	२०	२०	४०	५	२४	२४	म.४६।२९	मार्गीभौम:४२।२२विजया११व्र.
१२	मं	१६	४९	उ	३०	३७	व्य	५/७	५३/५६	तै	१६	४९	२४	१९	४१	६	२५	२५	मकरे	बुधोदय:पश्चिमायां८।३ प्रदोष:
१३	बु	१३	८	श्र	२७	५१	प	५१	३३	व	१३	८	२८	१८	४२	७	२६	२६	कुं.५५।४३	भ.१३।८उ.४०/१८या.महाशिवरात्री व्र.स्मा.
१४	गु	७	२९	ध	२३	३४	शि	४२	५६	श	७	२९	३२	१८	४२	८	२७	२७	कुंभे	मीनेबुध:३३/५८ महाशिवरात्री व्र.वै.
३०	शु	०	३४	श	१८	४	सि	३३	४०	ना	०	३४	३६	१७	४३	९	२८	२८	मी५८।३५	

४५ पं.फा.कृ.३श.इ. ३३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	१	११	१०	११	१०
२	२४	७	१७	१२	२४	४	२
५९	११	५९	१५	५५	४४	५१	५०
४२	१३	४२	३६	३५	१७	१	२४
६०	१/१६	८/८	२	२८	७	३	६०
३७	व	२८	१३	५७	२०	११	४२

गोचर ग्रहाः

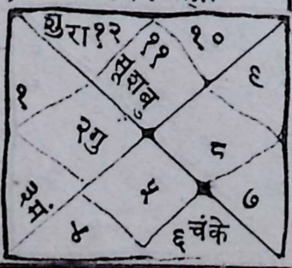

इस मास में वदि में धान्य धातु तेज हो सुदि में धान्य गल्ला गुड़ शक्कर तेल घृत मंदा हो।

गोचर ग्रहाः

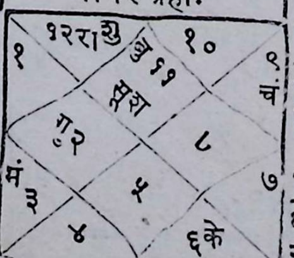

४६पं.फा.कृ.९श.इ. ३३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	१	११	१०	११	१०
१०	२३	२०	१७	१५	२५	४	९
३	४५	५५	३६	४१	३४	२८	५४
१४	०	८	२९	४९	१	४५	५७
६०	१/५०	०/८	३	१६	७	३	६०
२५	व.	२१	३७	३८	८	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५०७८स.२०२५
१	शु	५२	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४४	५३	पू	१२	६	सा	२४	८	बा	१८	५३	२८/४०	६/१६	५/४४	१०	२९	१	मीने	[=फुलरिया२
३	र	३७	२	उ	५/५०	५४/२	शु	१४	३९	तै	१०	५७	४४	१५	४५	११	१	२	मे.५९।५२	उभा.बुधः३६/३४चंद्रदर्शनम्मार्च३ता.३१=
४	चं	२९	२६	अ	५४	३६	शु	५/८	५१/२८	व	३	१४	४८	१४	४६	१२	२	३	मेषे	वक्रीशुक्रः६।३३रमजान९
५	मं	२२	३३	भ	५०	१	ऐं	४८	३५	बा	२२	३३	५२	१४	४६	१३	३	४	मेषे	भ.३/१४उ.२९/२६या.पूभा ३शनिः३७/५४
६	बु	१७	१९	कृ	४६	३२	वै	४१	३१	तै	१७	१९	५६	१३	४७	१४	४	५	वृ.४।९	पूभा.रविः२७।३४(सौरः३४।५३)
७	गु	११	४४	रो	४४	२२	वि	३५	१६	व	११	४४	२९/१	१२	४८	१५	५	६	वृषे	
८	शु	८	४	मृ	४३	११	प्री	२९	५७	ब	८	४	५	११	४९	१६	६	७	मि१३।४६	भ.११।४४उ.३९।५४या.
९	श	५	३०	आ	४३	८	आ	२५	४०	कौ	५	३०	९	१०	५०	१७	७	८	मिथुने	होलाष्टकम्
१०	र	४	२	पु	४४	१०	सौ	२२	१३	ग	४	२	१३	९	५१	१८	८	९	क.२८।५३	
११	चं	३	४९	पु	४६	३८	शो	१९	४४	वि	३	४९	१७	९	५१	१९	९	१०	कर्के	भ.३३।५५उ.
१२	मं	४	४९	श्ले	४९	५७	अ	१८	१३	बा	४	४९	२१	८	५२	२०	१०	११	सिं४९।५७	भ.३।४९या.आमलकी११व्र.
१३	बु	६	४८	म	५४	२२	सु	१७	४३	तै	६	४८	२६	७	५३	२१	११	१२	सिंहे	प्रदोषः
१४	गु	९	५९	पू	५९	३७	धृ	१७	२६	व	९	५९	३०	६	५४	२२	१२	१३	सिहे	[×वक्रीबुधः३७।११छारेंडी
१५	शु	१४	१	उ	६०	०	शू	१८	२९	ब	१४	१	३४	५	५५	२३	१३	१४	कं.१६।१५	भ.५/५९उ.४२/०या.होलिकादहनम् भद्रोत्तरम् मीनेऽर्कः२८।२४(सौरः३५।१४)×

४७पं.फा.शु.२श इ.३३।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	१	११	१०	११	१०
१७	२३	३	१८	१६	२६	४	१६
५	५१	१५	५	३५	२५	६	५७
२८	५०	११	५६	३६	१	३०	५२
६०	४/८	९७	४	१	७	३	६०
१२	मा	५३	४८	२०	१४	११	२०

गोचर ग्रहाः

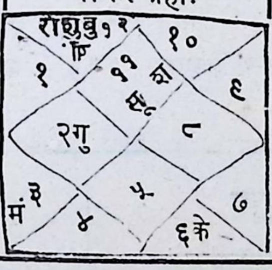

फाल्गुनशुक्ले १५शुक्र मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न. ३ कुमारावस्था (बैठी)मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४८पं.फा.शु.९श.इ.३/५ ३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	११	१	११	१०	११	१०
२४	२४	१२	१८	१५	२७	३	२३
६	३०	२०	४४	५०	१६	४४	५९
१४	७	५३	१०	३८	४४	१४	१५
५९	९	६२	५	१५/४०	७	३	६०
५८	४८	३१	५९	व.	२०	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८१ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श	१९	१६	उ	६	११	गं	१९	४९	कौ	१९	१६	२९/३८	६/४	५/५६	२४	१४	१५	कन्यायां	वसंत१ [+बुधास्तःपश्चिमायां ४/३ ४/६
२	र	२५	१	ह	१२	५३	बृ	२१	४६	ग	२५	१	४३	३	५७	२५	१५	१६	तु.४६।३०	भ.५/८उ.पूभा.४राहुःउफा. २केतुः १/३ १/०+
३	चं	३१	१६	चि	२०	२३	ध्रु	२४	१	वि	३१	१६	४७	३	५७	२६	१६	१७	तुलायां	भ.३/१ १/६या.उभा.रविः४/२ ९/८(सौरः५/५ ५/०)÷
४	मं	३७	३८	स्वा	२८	१	व्या	२६	२६	ब	४	२७	५१	२	५८	२७	१७	१८	तुलायां	[÷चतुर्थी व्र.
५	बु	४३	५५	वि	३५	३२	ह	२८	४५	कौ	१०	४७	५५	१	५९	२८	१८	१९	वृ.१८।३९	रोहिणी४गुरुः३४।५२
६	शु	४९	२९	अ	४२	१९	व	३०	२८	ग	१६	४२	३०/००	६/००	६/०	२९	१९	२०	वृश्चिके	भ.४९।२९उ.
७	शु	५३	५८	ज्ये	४८	५	सि	३१	१६	वि	२१	४३	४	५/५९	१	३०	२०	२१	ध.४८।५	भ.२/४ १/३या.शुक्रास्तःपश्चिमायां ३/१ ४/२–
८	श	५६	५६	मू	५२	२०	व्य	३१	२	बा	२५	२७	८	५८	२	१	२१	२२	धनुषि	भा.चैत्रारंभः [–शीतलापूजनम्
९	र	५८	१३	पू	५४	५२	व	२९	३०	तै	२७	३४	१२	५८	२	२	२२	२३	धनुषि	[A११व्र.स्मा.
१०	चं	५७	१७	उ	५५	२३	प	२६	१६	व	२७	४५	१६	५७	३	३	२३	२४	म.१०।०	भ.२७।४५उ.५७।१७या.
११	मं	५४	२५	श्र	५३	५२	शि	२१	३१	ब	२५	५१	२१	५६	४	४	२४	२५	मकरे	शुक्रोदयःपूर्वस्यां२१।३६ पापमोचनीA
१२	बु	४९	३२	ध	५०	२४	सि	१५	५	कौ	२१	५८	२५	५५	५	५	२५	२६	कुं.२२।८	पापमोचनी११व्र.वै.
१३	गु	४२	४५	श	४५	१३	सा	७	५०/४७	ग	१६	८	२९	५४	६	६	२६	२७	कुंभे	भ.४२।४५उ. प्रदोषः
१४	शु	३४	३५	पू	३८	४६	शु	४८	३	वि	८	४०	३३	५३	७	७	२७	२८	मी२४।५३	भ.८।४०या.
३०	श	२५	४०	उ	३१	३८	ब्र	३७	२३	च	०	७	३७	५३	७	८	२८	२९	मीने	उदयंशनेः४३।५७

४९पं.चै.कृ १श.इ.३/१ ४/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	१	११	१०	११	११
१	२५	१५	१९	१२	२८	३	०
५	४१	२७	३०	५५	८	२१	५८
३१	१०	०	४०	४८	५३	५८	५७
५९	१४	९/५०	६	२९/५७	७	३	५९
४१	३२	व.	५२	व.	२०	११	४९

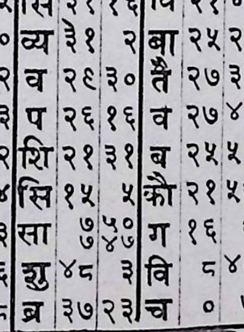

५०पं. चै.कृ.८श.इ.३४।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	१	११	१०	११	११
८	२७	१२	२०	८	२९	२	७
३	१३	८	२४	४५	०	५९	५६
१८	२६	६	४	४	२९	४३	५२
५२	१७	५२/३९	८	३६/२७	७	३	५९
२९	५५	व.	२	व.	१४	११	३५

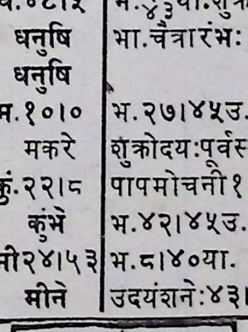

५१पं.चै.कृ.३०श.इ.३/५ ४/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	१	११	१०	११	११
१४	२९	६	२१	४	२९	२	१४
५९	१०	१२	२४	२८	५१	३७	५३
१०	५२	३६	४	३०	२२	२७	३
५९	२१	४६/३३	८	३१/१४	७	३	५९
१६	१	व.	५३	व.	८	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२६, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२६, भोग्यकलिः ४२६८७४, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८२, शाकः १९४७, अथास्मिन् वर्षे राजा रविः । मंत्री रविः । सस्येशः बुधः । धान्येशःचंद्रः । मेघेशः रविः। रसेशः शुक्रः । नीरसेशः बुधः । फलेशः शनिः । धनेशः भौमः।दुर्गेशःशनिः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां १३सिद्धार्थनाम संवत्सरः प्रवर्तते।तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः १।१८।४०।२०।१२ भोग्यमासादिः १०।११।१९।३९।४८ नासत्यदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम कार्तिकः । मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःसंधौ । समयनिवासो वणिकगृहे। समय विश्वा १२ समयवाहनमश्वः । स्तंभाः ३ जलतृणवायूनां।सोमवत्यमानास्ति सोमवती पंचमी१ अंगारकी चतुर्थी१भानुसप्तमी२बुधाष्टमीनास्ति रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १५, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा ११ धान्यम् ११ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १११, शनिदृष्टिरुत्तरे। सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहणे २चंद्रमसः: ।

सं.२०८२ भाद्रपद शु. १५ रवौ खग्रास चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	९	१०	११	१२	१
मि.	५५	५७	४०	२३	२५
घ.	३८	४१	४३	४४	४७
प.	४०	१६	३	५०	२६

फाल्गुन शु. १५ भौमे खग्रास ग्रस्तोदयं च चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	३	५	६
मि.	१५	१	४७

वर्ष लग्नम् ४।१९

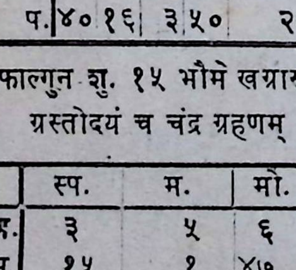

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे नम्र हो अंबा के दरबार ।
बैंयासी की साल में करके कहो बिचार ।।

भवानी उत्तर

माता कहे पुकार के सुन हो भैरव लाल ।
बैयासी की साल में मध्यम निपजे माल ।।
रविराजा इण वर्ष में आप भये परधान ।
अन्न विदेशां आयसी वर्षा की हो हाण ।।
समय निवासो वैश्यघर दिनमणी है मेघेश ।
जौ गेंहं संचय करो होसी लाभ विशेष ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
शर्मा कहे विचार के भजन करो करतार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	१४	५	२	२	११	२

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	५	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् ९।१८

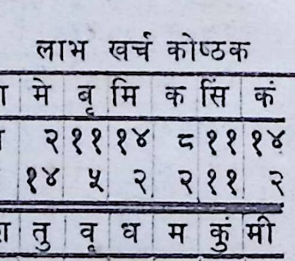

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।३।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।११।३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाविकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा रविः फलम् ।। सूर्ये नृपे स्वल्प फलाश्चमेघाः स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्प वृक्षाश्चौराग्नि बाधा निधनं नृपाणाम् ।। मंत्रि रविः फलम् ।। नृप भयं गदतोपिहितस्करात्प्रचुर धान्य धनादि महीतले रसचयं हि समर्धतमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ।। सस्येशः बुधः फलम् ।। जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुखसमृद्धि युतं निरुपद्रवं । द्विजगणाः स्तुति पाठकराः सदा प्रथम सस्यपतौ सतिबोधने ।। धान्येशश्चंद्रस्तत्फलं- चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमा सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरं तदा बहुः ।। मेघेशः रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशःशुक्रःफलं ।। यजन याजनकोत्सवउत्सुका जनपदा जल तोषित मानसाः । सुख सुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहत पापगण प्रियाः नीरसेशः बुधस्तत्फलम् ।। चित्र वस्त्रादिकञ्चैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधोयदि ।। फलेशः शनिः फलम् ।। यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिमभयं वर तस्कर् जन्तुभिः जनपदो गद राशि महाकुलः ।। धनेशो भौमः फलम् ।। असम मौल्य करो धरणी सुतः शरदि तापकरस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम् ।। रविसुते गढ़ पालिनि विग्रहैः सकल देश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। सिद्धार्थ नाम संवत्सरः फलम् ।। सिद्धार्थ वत्सरे भूयो ज्ञान वैराग्य युक् प्रजाः । सकला वसुधा भाति बहु हुसस्यार्घ वृष्टिभिः ।। वर्षनाम कार्तिकः फलं ।। स्यात्पीड़ा कार्तिके वर्षे वन्हि गावोपजीविनां । शस्त्राग्नेश्च भयं वृद्धिः पुष्पको शुंभजीविनां ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता । रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खण्ड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा १ चन्द्रे स्वात्यां ल.८ (गु.पू.सत्) रे.८।।।।।ऽऽ।।
,, ३ बुधे अनु ल. ११ रे. ७ ।ऽ।।ऽअऽ।।
शुक्ला २ भौमे रोहि ल. ८ (गु.चं.पूज्यौ) ल. ११ रे.८ ।।।।ऽचौऽ।।।
,, ३ बुधे मृगे ल.८ (गु.चं.पूज्यौ) रे.१० ।।।।।।।।।
,, ८ चन्द्रे मघा ल. गो. ८-११ रे. ७ ऽ।।।।ऽ।ऽ।
(वृश्चिकेगु.पू.)कुंभेचं.पू. गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १ भौमे अनु ल. ११ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ५ शनौ उषा ल. गो. रे. ६ ।।ऽबृ।ऽऽऽ।।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः पादाद्वेधाऽभावः
शुक्ला ६ रवौ मघा ल. १-(श.पू.) रे. ६ ऽ।।।ऽरोऽऽ।।
,, ७ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।
,, १२ शनौ स्वात्यां ल. १ (चं.श.पूज्यौ) रे. ६ ऽ।।ऽऽनृ।।।ऽ घ. ४३ या परिघार्धम्

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १२ रवौ हस्ते ल. ४ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

शुक्ला २ शनौ मूले ल. ७ रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽचौऽ।।।
पादतो वेधाऽभावः
,, ५ भौमे उषा ल. ऽन्यगो ४ रे. ६ ।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।
गोधूल्यां सप्तमे भौमः । कर्के चन्द्रः ७ पूज्यः ।
,, १० रवौ उभा ल. गो. ४ रे. ७ ।।।।।ऽऽ।ऽ
गोधूल्यां सप्तमे भौमः
,, १४ गुरौ रोहि ल. ४ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ बुधे उफा ल. ७-६ (घ.४२-५उ) रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।। (धनुषि गु.७मे.पूज्यः)
,, ४ गुरौ उफा ल. गो. (सप्तमस्थो भौमः) रे. ७ ऽ।।।ऽ।ऽ।।
,, ८ भौमे अनु ल. ऽन्यगो ७ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा ६ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो (सप्तमे भौमः) रे. ७ ऽऽ।।ऽचौ।।।।
,, ८ बुधे मूले ल. १० रे. ७ ।।ऽबृ।ऽरो।ऽ।।
पादतो वेधाऽभावः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ५१०७स.२०२५
१	र	१६	११	रे	२४	११	ए	२६	४६	ब	१६	११	३०/४१	५/५२	६/८	९	२९	३०	मे.२४।११	कर्कभौमः ५५/१५ पूभा ४मीनेशनिः ४७/३५ चन्द्र=
२	चं	६	४९	अ	१६	५२	वै	१६	२४	कौ	६	४९	४५	५१	९	१०	१	३१	मेषे	रेवत्यांरविः १७/३ (सौरः २३/१७) बुधोदयः×
३	चं	५१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=दर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः A
४	मं	४९	५९	भ	१०	१४	वि	६/२५	५५/२	व	२३	५९	४९	५०	१०	११	२	१	वृ.२३।५२	भ.२३/५९ उ.४९/५९ या.अप्रेल४ता.३०
५	बु	४३	२६	कृ	४	४६	आ	५०	१	ब	१६	४२	५३	४९	११	१२	३	२	वृषे	[×पूर्वस्यां ५७/१९ वक्रीपूभा.शुक्रः ४६/३३+
६	गु	३८	१८	रो	०/४३	५७/३७	सौ	४३	३०	कौ	१०	५२	५७	४९	११	१३	४	३	मि२९।३१	[+सव्वाल१०मत्स्यज.गणगौरी
७	शु	३४	५८	आ	५७	३३	शो	३८	३१	ग	६	३८	३/१	४८	१२	१४	५	४	मिथुने	भ.३४/५८ उ.वक्रीपूभा.बुधः ३५/१७
८	श	३३	८	पु	५८	१९	अ	३४	४७	वि	४	३	५	४७	१३	१५	६	५	क.४३।५	भ.४।३या. [Aसिंधारा
९	र	३३	२	पु	६०	०	सु	३२	२५	बा	३	५	१०	४६	१४	१६	७	६	कर्के	रामनवमी
१०	चं	३४	३०	पु	०	४०	धृ	३१	१०	तै	३	४६	१४	४५	१५	१७	८	७	कर्के	
११	मं	३७	७	श्ले	४	२५	शू	३१	४	व	५	४८	१८	४४	१६	१८	९	८	सिं४।२५	भ.५/४८ उ.३७ या.मार्गीबुधः ४६/८÷
१२	बु	४१	३	म	९	२१	गं	३१	४१	ब	९	५	२२	४४	१६	१९	१०	९	सिहे	[÷कामदा११व्र.
१३	गु	४५	४१	पू	१५	१३	वृ	३२	३८	कौ	१३	२२	२६	४३	१७	२०	११	१०	कं.३१।५४	उभा.बुधः २०/४ मृग.१गुरुः ४४/६४ प्रदोषः
१४	शु	५१	२५	उ	२१	५५	ध्रु	३४	२८	ग	१८	३३	३०	४२	१८	२१	१२	११	कन्यायां	भ.५१।२५उ.पुष्येभौमः२३।२
१५	श	५७	८	ह	२८	४८	व्या	३६	३१	वि	२४	१६	३४	४१	१९	२२	१३	१२	कन्यायां	भ.२४/१६ या.मार्गीशुक्रः ३०/६ हनुमज्जयंती

५२गं.चै.शु.८श.इ. ३५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	१	११	११	११	११
२१	१	३	२२	१	०	२	२१
५३	२८	२	३०	३०	४१	१५	४७
३१	२३	२०	०	४	२४	१२	१४
५९	२३	१७/३४	९	१७/३४	७	३	५९
४	४१	व	४२	व.	२	११	४

गोचर ग्रहाः

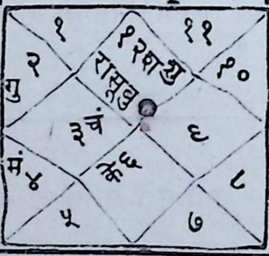

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला धातु गुड़ शक्कर रुई वस्त्र तेज हो प्रजा में बिमारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

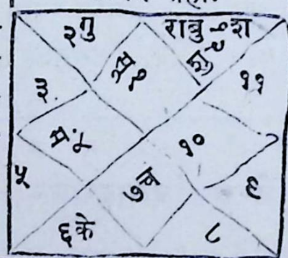

१ पं.वै.कृ१र.इ. ५१/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	११
०	४	४	२३	०	१	१	२९
०	२९	३४	५२	२४	३९	४९	५३
०	२	८	४८	२२	५४	७	२९
५८	२६	३१/५	१०	२/१९	६	३	५८
४४	११	मा	३२	मा	४३	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र	६०	०	चि	३६	१७	ह	३८	५०	बा	३०	१४	३१/३८	५/४०	६/२०	२३	१४	१३	तु.२।३२	अश्वि.मेषेऽर्कः५१।४(सौरः५७।५०)
१	चं	३	२०	स्वा	४३	५७	व	४१	१०	कौ	३	२०	४२	४०	२०	२४	१५	१४	तुलायां	
२	मं	९	३९	वि	५१	२२	सि	४३	३०	ग	९	३९	४६	३९	२१	२५	१६	१५	वृ.३४।२६	भ.४२।४१उ.
३	बु	१५	४२	अ	५८	१६	व्य	४५	२३	वि	१५	४२	५०	३८	२२	२६	१७	१६	वृश्चिके	भ.१५।४२या. चतुर्थी व्र.
४	गु	२१	५	ज्ये	६०	०	व	४६	३९	बा	२१	५	५३	३७	२३	२७	१८	१७	वृश्चिके	
५	शु	२५	४१	ज्ये	४	३३	प	४७	११	तै	२५	४१	५७	३७	२३	२८	१९	१८	ध ४।३३	
६	श	२९	७	मू	९	४०	शि	४६	४०	व	२९	७	३२/१	३६	२४	२९	२०	१९	धनुषि	भ.२९।७उ.
७	र	३१	१५	पू	१३	२८	सि	४४	५६	वि	०	११	५	३५	२५	३०	२१	२०	म.२९।२	भ.०।११या.
८	चं	३१	२८	उ	१५	४३	सा	४१	५२	बा	१	२१	९	३४	२६	१	२२	२१	मकरे	भा.वैशाखारंभः
९	मं	३०	४	श्र	१५	५८	शु	३७	५	तै	०	४६	१२	३४	२६	२	२३	२२	कुं.४५।१५	भ.५८।१८उ.
१०	बु	२६	३३	ध	१४	३२	शु	३०	५८	वि	२६	३३	१६	३३	२७	३	२४	२३	कुंभे	भ.२६।३३या.
११	गु	२१	९	श	११	स	ब्र	२३	११	बा	२१	९	२०	३२	२८	४	२५	२४	मी५२।२०	वरुथिनी११व्र.
१२	शु	१४	१४	पू	६/५	५३/३२	ऐं	१४	१७	तै	१४	१४	२३	३१	२९	५	२६	२५	मीने	उभा.शुक्रः५२।४९ प्रदोषः
१३	श	५	५४	रे	५२	१६	वे	४/२३	४०/२१	व	५	५४	२७	३१	२९	६	२७	२६	मे.५२।१२	भ ५।५४उ.३१।७या.
१४	श	५०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–रेवत्यांबुधः३०।०
३०	र	४६	२६	अ	४४	१०	प्री	४२	४६	च	२१	२३	३१	३०	३०	७	२८	२७	मेषे	भरण्यांरविः३१।१७(सौरः३९।१५)–

२पं.वै कृ.७र.इ.५१।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	०
६	७	९	२५	१	२	१	६
५०	१७	३२	९	३४	२६	२६	४३
४६	४६	२०	४०	४१	२८	५१	४०
५८	२८	४८	११	१७	६	३	५८
३१	१	१२	१०	३४	२८	११	२९

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे १ रवौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. १५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.कृ.३०र.इ. ५१/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	०
१३	१०	१७	२६	४	३	१	१३
३९	१९	५	३०	१८	११	४	३२
५०	५५	१०	१८	३६	१३	३६	५
५८	२९	६९	११	२९	६	३	५८
१९	२८	४८	४७	४५	१४	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५१३६स.२०२५
१	चं	३६	२५	भ	३६	२१	आ	३१	५०	किं	११	२५	३२/३४	५/२९	६/३१	८	२९	२८	वृ.४९।३२	मृग.२गुरु:४१।२उभा.१शनि:१६।१२
२	मं	२६	५१	कृ	२९	५	सौ	२१	२८	बा	१	३८	३८	२८	३२	९	३०	२९	वृषे	चंद्रदर्शनम् परशुरामजयंती
३	बु	१८	२८	रो	२३	१९	शो	१२	२	ग	१८	२८	४१	२८	३२	१०	१	३०	मि५०।५०	भ.४५।१उ.जिल्काद११अक्षया३
४	गु	११	३४	मृ	१८	२२	अ	३/४०	५३/२५	वि	११	३४	४५	२७	३३	११	२	१	मिथुने	भ.११।३४या.मई५ता.३१
५	शु	६	२७	आ	१५	४२	धृ	५१	५९	बा	६	२७	४८	२६	३४	१२	३	२	मिथुने	
६	श	३	१०	पु	१४	५३	शू	४८	२१	तै	३	१०	५२	२६	३४	१३	४	३	क.०।५	
७	र	१	५८	पु	१६	११	गं	४६	२३	व	१	५८	५५	२५	३५	१४	५	४	कर्के	भ.१।५८उ.३२।२४या.
८	चं	२	५०	श्ले	१९	१७	वृ	४५	५३	ब	२	५०	५८	२४	३६	१५	६	५	सिं१९।१७	पातस्पर्श:१०।१०पातमोक्ष:२२।१३
९	मं	५	२६	म	२३	५९	ध्रु	४६	३८	कौ	५	२६	३/३	२४	३६	१६	७	६	सिंहे	[=(सौर:२७) आश्ले.भौम:३६/४
१०	बु	९	३१	पू	३०	१	व्या	४७	५६	ग	९	३१	५	२३	३७	१७	८	७	कं.४६।४३	भ.४२।१उ.अश्वि.मेषेबुध:४।५५
११	गु	१४	३१	उ	३६	४९	ह	५०	२	वि	१४	३१	८	२२	३८	१८	९	८	कन्यायां	भ.१४।३१या.मोहिनी११व्र.
१२	शु	२०	३१	ह	४४	११	व	५२	१७	बा	२०	३१	११	२२	३८	१९	१०	९	कन्यायां	प्रदोष:
१३	श	२६	३३	चि	५१	४८	सि	५४	४३	तै	२६	३३	१४	२१	३९	२०	११	१०	तु.१८।०	नृसिंहजयंती
१४	र	३२	४४	स्वा	५९	३	व्य	५७	१	व	३२	३४	१७	२१	३९	२१	१२	११	तुलायां	भ.३२/४४उ.५५/४३या.कृत्ति.रवि:१७/१३=
१५	चं	३८	४१	वि	६०	०	व	५९	१२	वि	५	४२	२०	२०	४०	२२	१३	१२	वृ.४९।२६	यमाय कुंभदानम्

४पं.वै.शु.७र.इ ५१/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	१	११	११	११	०
२०	१३	२६	२७	८	३	०	२०
२७	३०	४१	५४	१७	५३	४२	१८
२९	५०	६	३४	१७	३१	२०	५१
५८	३०	८९	१२	३९	५	३	५७
६	४१	७१	१४	९	५०	११	५७

गोचर ग्रहाः

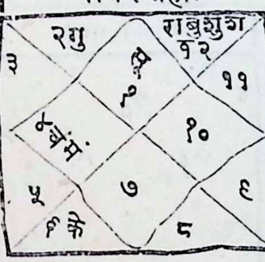

.इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन घातु गल्ला धान रस में तेजी करेगा कहीं २ अच्छी वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

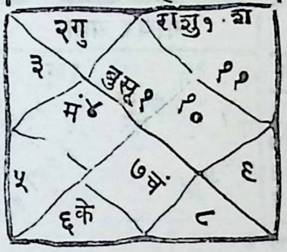

५पं.वै.शु.१४र.इ. ५/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	१	११	११	११	०
२७	१६	८	२९	१३	४	०	२७
१३	४८	२	२२	१२	३३	२०	४
३७	२८	३५	८	५०	२९	५	५
५७	३१	७/०	१२	४६	७	३	५७
५४	४६	९/५	३२	२३	२६	११	४५

ति	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	४४	१९	वि	६	१४	प	६०	०	बा	११	३०	३३/२३	५/१९	६/४१	२३	१४	१३	वृश्चिके	[^मृग.३मिथुनेगुरु ५३/२०
२	बु	४९	२१	अ	१२	५८	प	०	५८	तै	१६	५०	२६	१९	४१	२४	१५	१४	वृश्चिके	वृषेऽर्क:४४/२८(सौर:५०/०) भरण्यांबुध:५१/३५×
३	गु	५३	२३	ज्ये	१८	४४	शि	२	२	ब	२१	२२	२८	१८	४२	२५	१६	१५	ध.१८।४४	भ.२१।२२उ.५३।२३या.
४	शु	५५	२३	मू	२३	४९	सि	२	२८	ब	२४	२३	३१	१८	४२	२६	१७	१६	धनुषि	रेवत्यांशुक्र:२२।७ चतुर्थी व्र.
५	श	५८	२१	पू	२८	६	सा	२	१०	कौ	२६	५२	३४	१७	४३	२७	१८	१७	म.४३।५०	[+सिंहेकेतु:१/१३बुधास्त:पूर्वस्यां५०/३१
६	र	५९	१३	उ	३०	५८	शु	१/६	५६/४७	ग	२८	४७	३७	१७	४३	२८	१९	१८	मकरे	भ.५९/१३उ.पूभा.३कुंभेराहु:उफा.१+
७	चं	५८	३५	श्र	३२	३४	ब्र	५५	३३	वि	२८	५४	३९	१६	४४	२९	२०	१९	मकरे	भ.२८/५४या.पातस्पर्श:९/१६पातमोक्ष:२३/५
८	मं	५६	२२	ध	३२	४३	ऐं	५०	५४	बा	२७	२८	४२	१६	४४	३०	२१	२०	कुं.२।३८	
९	बु	५२	३७	श	३१	१०	वै	४५	४	तै	२४	२९	४४	१५	४५	३१	२२	२१	कुंभे	कृत्ति.बुध:४२।१३
१०	गु	४७	२६	पू	२८	१०	वि	३८	२	व	२०	१	४७	१५	४५	१	२३	२२	मी१३।५५	भ.२०।१उ.४७।२६या.भा.ज्येष्ठारंभ:
११	शु	४०	४६	उ	२३	४७	प्री	२९	५१	ब	१४	६	४९	१४	४६	२	२४	२३	मीने	वृषेबुध:१९।१३अपरा११व्र.
१२	श	३२	४६	रे	१८	४	आ	२०	४०	कौ	६	४६	५२	१४	४६	३	२५	२४	मे.१८।४	प्रदोष:
१३	र	२३	५३	अ	११	२६	सौ	१०	४९	व	२३	५३	५४	१३	४७	४	२६	२५	मेषे	भ.२३।५३उ.४९।२०या.रोहि रवि:÷
१४	चं	१४	२२	भ	४/५	५२/३३	शो	०/२२	४९/२९	श	१४	२२	५६	१३	४७	५	२७	२६	वृ.१७।१३	[÷७।५०(सौर:२१/२)
३०	मं	४	४१	रो	४९	४३	सु	३९	४४	ना	४	४१	५८	१२	४८	६	२८	२७	वृषे	वटपूजनम्

६पं. ज्ये.कृ. ६र.इ. ५२/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	०	२	११	११	१०	१
३	२०	२१	०	१८	५	२९	३
५८	१५	०	५१	४९	९	५७	४७
४४	२९	२९	४३	१२	४०	४९	४९
५७	३२	८/५	१२	५१	४	३	५७
४४	५२	४९	५६	३९	५४	११	३४

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णे २ बुधे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

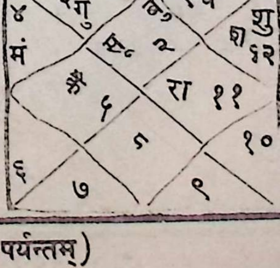

७पं.ज्ये.कृ.१३र.इ.५२/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	२	११	११	१०	१
१०	२३	५	२	२४	५	२९	१०
४२	५०	२५	२३	५८	४२	३५	३०
४०	२०	५२	५३	२६	२९	३३	०
५७	३३	७/८	१३	५६	४	३	५७
३५	३६	५/०	१५	१	३५	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५१६६स.२०२५
१	सं	५०	५२	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=१९।३४मृग.४गुरु:५।५४
२	बु	४७	३१	मृ	४३	३८	धृ	३०	१७	बा	२१	३२	३४/००	५/१२	६/४८	७	२९	२८	मि१६।४०	रोहि.बुध:०।५१ चंद्रदर्शनम्
३	गु	४०	४४	आ	३९	७	शू	२२	४	तै	१४	७	२	१२	४८	८	१	२९	मिथुने	जिल्हेज१२
४	शु	३६	११	पु	३६	२६	गं	१५	४	व	८	२७	३	११	४९	९	२	३०	क.२२।६	भ.८।२७उ.३६।११या.अश्वि.मेषे शुक्रः=
५	श	३३	३५	पु	३५	५२	वृ	१०	१	ब	४	५३	५	११	४९	१०	३	३१	कर्के	पातस्पर्शः१३।१पातमोक्षः२७।६
६	र	३३	५	श्ले	३७	३०	ध्रु	६	४५	कौ	३	२०	७	११	४९	११	४	१	सिं३७।३०	जून६ता.३०
७	चं	३४	४०	म	४०	५९	व्या	४	५४	ग	३	५२	९	१०	५०	१२	५	२	सिंहे	भ.३४।४०उ.
८	मं	३८	१२	पू	४६	५	ह	४	५५	वि	६	२६	१०	१०	५०	१३	६	३	सिंहे	भ.६।२६या.मृगेबुध:२।४३
९	बु	४२	५२	उ	५२	२८	व	५	३६	बा	१०	३२	१२	१०	५०	१४	७	४	कं.२।४१	[×मघा.सिंहेभौम:४/७निर्जला११व्र.
१०	गु	४८	५६	ह	५९	५२	सि	७	२६	तै	१५	५४	१३	९	५१	१५	८	५	कन्यायां	गंगादशमी
११	शु	५५	३	चि	६०	०	व्य	९	५१	व	२१	५९	१५	९	५१	१६	९	६	तु.३३।४२	भ.२१/५९उ.५५/३या.मिथुनेबुध:२।५१×
१२	श	६०	०	चि	७	३२	व	१२	२५	ब	२८	९	१६	९	५१	१७	१०	७	तुलायां	[+बुधोदय:पश्चिमायां५८।०
१२	र	१	१६	स्वा	१५	८	प	१४	५६	बा	१	१६	१७	९	५१	१८	११	८	तुलायां	मृगेरविः२।४३(सौरः१/५२) प्रदोषः
१३	चं	७	३	वि	२२	१७	शि	१७	४	तै	७	३	१८	८	५२	१९	१२	९	वृ.५।३०	आर्द्रा.बुध:३५/५०उभा.२शनि:४८।३३+
१४	मं	१२	२१	अ	२८	४३	सि	१८	३६	व	१२	२१	१९	८	५२	२०	१३	१०	वृश्चिके	भ.१२।२१उ.४४।२९या.
१५	बु	१६	३७	ज्ये	३४	५	सा	१९	२५	ब	१६	३७	१९	८	५२	२१	१४	११	ध.३४।५	गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८पं,ज्ये.शु.६र.इ. ५२/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	२	०	११	१०	१
१७	२७	२०	३	१	६	२९	१७
२५	३१	४९	५७	३१	११	१३	११
२६	३०	२६	१८	५२	३८	१८	६
५७	३४	[illegible]	१३	५९	६	३	५७
२७	२६	२६	२६	२३	५६	११	१२

गोचर ग्रहाः

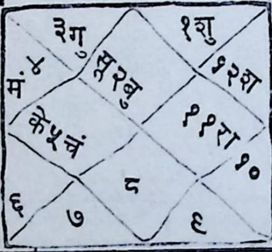

इस मास में धातु सोना चांदी लोहा गुड़ शक्कर रसकस मंदे हो धान्य व गल्ला कुछ तेज हो कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.१२र.इ. ५२/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	२	०	११	१०	१
२४	१	५	५	८	६	२८	२३
७	१७	४६	३१	२६	३६	५१	५१
३०	१७	१६	४४	४६	५०	२	२
५७	३५	[illegible]	१३	६१	३	३	५७
२२	३१	३२	३२	५७	२३	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	गु	१९	५५	मू	३८	३१	शु	१९	३०	कौ	१९	५५	३४/२०	५/८	६/५२	२२	१५	१२	धनुषि	[-आर्द्रा.१गुरु:५२।४१
२	शु	२२	५	पू	५१	५५	शु	१८	४९	ग	२२	५	२१	८	५२	२३	१६	१३	म.५७।३३	भ.५२।३७उ.भरण्यांशुक्र:४५।२-
३	श	२३	१०	उ	४४	२८	ब्र	१७	१४	वि	२३	१०	२१	८	५२	२४	१७	१४	मकरे	भ.२३/१०या.अस्तंगुरोः२१/० चतुर्थी व्र.
४	र	२३	१३	श्र	४६	७	ऐं	१४	५३	बा	२३	१३	२२	८	५२	२५	१८	१५	मकरे	मिथुनेऽर्कः१।१७(सौरः२०।४०)
५	चं	२२	१६	ध	४६	३०	वै	११	३८	तै	२२	१६	२२	८	५२	२६	१९	१६	कुं.१६।१८	पुन.बुध:२३।१६
६	मं	२०	२१	श	४५	५९	वि	७	३५	व	२०	२१	२३	७	५३	२७	२०	१७	कुम्भे	भ.२०।२१उ.४८।४८या.
७	बु	१७	१५	पू	४४	११	प्री	२/४३	५४/१४	ब	१७	१५	२३	७	५३	२८	२१	१८	मी२९।३८	
८	गु	१३	१९	उ	४१	३५	सौ	५०	२९	कौ	१३	१९	२३	७	५३	२९	२२	१९	मीने	
९	शु	८	२३	रे	३७	५२	शो	४३	८	ग	८	२३	२४	७	५३	३०	२३	२०	मे.३७।५२	भ.३५।१८उ.
१०	श	२	१३	अ	३३	१६	अ	३४	५६	वि	२	१३	२४	७	५३	३१	२४	२१	मेषे	भ.२।१३या.योगिनी११व्र.स्मा.
११	श	५३	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aकर्केबुध:३५/४९भा.आषाढारंभ:D
१२	र	४७	२९	भ	२७	४९	सु	२६	१७	कौ	२१	२२	२४	७	५३	१	२५	२२	वृ.४१।१९	आर्द्रा.रविः०।१२(सौरः२२।१३)A
१३	चं	३९	१४	कृ	२१	४८	धृ	१६	५९	ग	१३	२१	२४	७	५३	२	२६	२३	वृषे	भ.३९।१४उ. प्रदोषः
१४	मं	३१	१	रो	१५	५२	शू	७/५०	५०/५०	वि	५	७	२४	७	५३	३	२७	२४	मि४२।५८	भ.५।७या.पुष्येबुध:५०।२८
३०	बु	२३	१९	मृ	१०	४	वृ	५०	११	ना	२३	१९	२३	७	५३	४	२८	२५	मिथुने	[Dयोगिनी११व्र.वै.

१०पं.आ.कृ.४र.इ. ५२/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	२	०	१०	१०	२
०	५	१९	७	१५	६	२८	०
४८	७	४	७	३५	५७	२८	३०
४७	५५	१६	१२	४६	४७	४७	११
५७	३५	[illegible]	१३	६३	२	३	५६
१७	१४	१७	३८	५८	३८	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ़ कृष्णे ४ रवौ मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

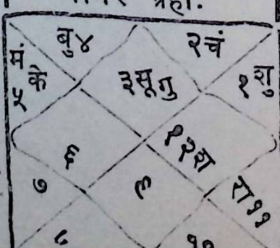

११पं.आ.कृ.१२र.इ. ५२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	०	११	१०	२
७	९	०	८	२२	७	२८	७
२९	२	२४	४३	५७	१४	६	८
४२	६	३२	३६	५४	२	३१	३८
५७	३६	८९	१३	६५	२	३	५६
१३	८	७	३८	३६	०	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:५१९५स.२०२५
१	गु	१६	३५	आ	५	११	ध्रु	४२	४३	ब	१६	३५	३४/२३	५/७	६/५३	५	२९	२६	क.४७।२७	कृत्ति.शुक्र:१५।३० चन्द्रदर्शनम्
२	शु	११	११	पु	३/२	५८/०	व्या	३६	२८	कौ	११	११	२२	८	५२	६	१	२७	कर्के	मोहोरम१सन्१४४७हि.रथयात्रा
३	श	७	३१	श्ले	५९	३७	ह	३१	४०	ग	७	३१	२२	८	५२	७	२	२८	सिं५९।३७	भ.३६।४६उ.आर्द्रां.२गुरु:२६।४४
४	र	६	१	म	६०	०	व	२८	२८	वि	६	१	२१	८	५२	८	३	२९	सिंहे	भ.६।१या.वृषेशुक्र:३४।३०
५	चं	६	२८	म	१	३८	सि	२७	२५	बा	६	२८	२०	८	५२	९	४	३०	सिंहे	पूफा.भौम:२२।६
६	मं	८	५६	पू	५	३३	व्य	२७	८	तै	८	५६	१९	८	५२	१०	५	१	क.२१।५३	जुलाई७ता.३१
७	बु	१३	२	उ	१०	५५	व	२८	१७	व	१३	२	१८	८	५२	११	६	२	कन्यायां	भ.१३।२उ.४५।५०या.
८	गु	१८	३८	ह	१७	५०	प	३०	१७	ब	१८	३८	१७	९	५१	१२	७	३	तु.५१।३१	
९	शु	२४	३५	चि	२५	१३	शि	३२	४६	कौ	२४	३५	१६	९	५१	१३	८	४	तुलायां	[=सौर:२६।१५देवशयनी११व्र.
१०	श	३०	४४	स्वा	३२	५३	सि	३५	१२	ग	३०	४४	१५	९	५१	१४	९	५	तुलायां	पुन.रवि:५९।२
११	र	३६	४३	वि	४०	५	सा	३७	२५	व	३	४३	१४	९	५१	१५	१०	६	वृ.२३।३८	भ.३।४३उ.३६।४३या.पुन.रवि:=
१२	चं	४१	४८	अ	४६	४०	शु	३९	८	ब	९	१५	१३	९	५१	१६	११	७	वृश्चिके	आश्ले.बुध:४।२७उदयंगुरो:५६।२४
१३	मं	४५	४८	ज्ये	५२	२	शु	३९	५४	कौ	१३	४८	११	१०	५०	१७	१२	८	ध.५२।२	रोहि.शुक्र:२६।५० प्रदोष:
१४	बु	४८	२६	मू	५६	०	ब्र	३९	४५	ग	१७	७	१०	१०	५०	१८	१३	९	धनुषि	भ.४८।२६उ.
१५	गु	४९	३६	पू	५८	४७	ऐं	३८	२५	वि	१९	१	८	१०	५०	१९	१४	१०	धनुषि	भ१९।१या.व्यासपूजावायुपरीक्षागुरु:१५

१२पं.आ.शु.४र.इ. ५२/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	१	११	१०	२
१४	१३	९	१०	०	७	२७	१३
१०	१	४०	१९	३१	२६	४४	४६
८	५१	५	२६	१	२४	१५	४३
५७	३६	६६	१३	६७	१	३	५६
७	३२	२२	३८	२	२२	११	५०

गोचर ग्रहाः

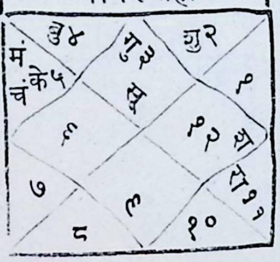

इस मास में गहूं जो चना मटरबाजरा सरसों आदि में मंदी हो वर्षा अच्छी हो रुई तेज हो।

गोचर ग्रहाः

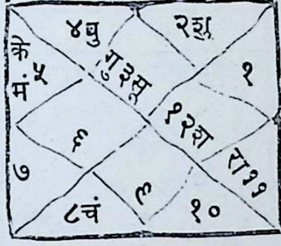

१३पं.श्रा.शु.११र.इ. ५२/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	१	११	१०	२
२०	१७	१६	११	८	७	२७	२०
५०	५	३१	५४	१२	३२	२२	२४
३५	४९	४१	५८	२९	२	०	३७
५७	३७	४०	१३	६८	०	३	५६
७	८	४५	३२	१०	४३	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
																				[×वक्रीबुध:१३।४२
१	शु	४९	३४	उ	६०	०	वै	३६	१७	बा	१९	३५	३४/७	५/१	६/४९	२०	१५	११	म.१४।११	वक्रीशनि:४६।९
२	श	४८	२२	उ	०	२५	वि	३३	२	तै	१८	५८	५	११	४९	२१	१६	१२	मकरे	भ.१७/१६उ.४६/१०या.आर्द्रां.३गुरु:१०।९
३	र	४६	१०	श्र	०	५३	प्री	२९	०	व	१७	१६	३	११	४९	२२	१७	१३	कुं.३०।३५	चतुर्थी व्र.
४	चं	४३	१०	ध	०/१७	५८/४८	आ	२४	२३	ब	१४	४०	१	१२	४८	२३	१८	१४	कुंभे	नाग५मरुस्थले
५	मं	३९	१९	पू	५७	२१	सौ	१९	३	कौ	११	१४	३३/५९	१२	४८	२४	१९	१५	मी४२।४७	भ.३५/५९उ.कर्केऽर्क:३९/२८(सौर:५९/५९)×
६	बु	३५	१९	उ	५४	५९	शो	१३	१६	ग	७	१९	५७	१३	४७	२५	२०	१६	मीने	भ.३।१या. [+केतु:४।२८
७	गु	३०	४४	रे	५२	१०	अ	७	११	वि	३	१	५५	१३	४७	२६	२१	१७	मे.५२।१०	[–मृगेशुक्र:२०/३पूभा.२राहु:पूफा.४+
८	शु	२५	४०	अ	४८	५२	सु	०/३५	५३/११	कौ	२५	४०	५२	१४	४६	२७	२२	१८	मेषे	भ.४७।११उ.पुष्येरवि:५७।४६
९	श	२०	११	भ	४५	११	शू	४६	२३	ग	२०	११	५२	१४	४६	२८	२३	१९	वृ.५९।१६	भ.१४।१०या.पुष्येरवि:सौर:२९।४०–
१०	र	१४	१०	कृ	४१	३२	गं	३८	५१	वि	१४	१०	४८	१४	४६	२९	२४	२०	वृषे	कामिका११व्र.
११	चं	७	५५	रो	३६	४४	वृ	३१	४	बा	७	५५	४५	१५	४५	३०	२५	२१	वृषे	भ.५५/२८उ.उफा.भौम:५३/३८ प्रदोष:
१२	मं	१	३४	मृ	३२	३६	ध्रु	२४	१	तै	१	३४	४३	१५	४५	३१	२६	२२	मि४।४०	[Hभा.श्रावणारंभ:
१३	मं	५३	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	भ.२२।३९या.बुधास्त:पश्चिमायां४५/९H
१४	बु	४९	५०	आ	२८	४३	व्या	१५	५७	वि	२२	३९	४०	१६	४४	१	२७	२३	मिथुने	हरियाली
३०	गु	४५	८	पु	२५	४०	ह	९	४	च	१७	२९	३८	१६	४४	२	२८	२४	कं.११।२६	

१४पं.श्रा.कृ.३र.इ. ५२/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	२	१	११	१०	२
२७	२१	२०	१३	१६	७	२६	२७
३०	१२	२८	२९	०	३३	५९	२
५४	४	३७	३१	५४	५४	४४	४४
५७	३८	१०	१३	६९	०/८	३	५६
११	१	२५	२८	२	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

श्रावण कृष्णे ६ बुधे कर्के ऽर्क:प्रविष्ट:वा.४ न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भात्रे समर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.१०र.इ. ५१/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	२	१	११	१०	३
४	२५	२०	१५	२३	७	२६	३
११	२३	५६	३	५७	३०	३७	४१
३८	२	२	४	७	४७	२९	११
५७	३७	२०/३८	१३	६९	४/६	३	५६
१५	५६	व.	२०	५६	वं.	११	५९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तुरविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५२२४सन् २०२५
१	शु	४१	३१	पु	२३	३४	व	२/४७	५५/१०	किं	१३	२३	३३/३५	५/१७	६/४३	३	२९	२५	कर्के	
२	श	३९	५४	श्ले	२३	१०	व्य	५४	५	बा	१०	४६	३३	१७	४३	४	३०	२६	सिं२३।१०	मिथुनेशुक्रः १०/५५ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	३९	५६	म	२४	१९	व	५१	५१	तै	९	५५	३०	१८	४२	५	१	२७	सिंहे	सफर२ तीज
४	चं	४१	५२	पू	२७	७	प	५०	४८	व	१०	५४	२७	१९	४१	६	२	२८	कं.४३।१६	भ.१०/५४उ.४१/५२या.कन्यायांभौमः २५/५४=
५	मं	४५	१९	उ	३१	४४	शि	५१	६	ब	१३	३५	२४	१९	४१	७	३	२९	कन्यायां	वक्रीपुष्येबुधः २२।३६नागपंचमी
६	बु	५०	१९	ह	३७	५६	सि	५२	४७	कौ	१७	४९	२२	२०	४०	८	४	३०	कन्यायां	[=आर्द्रा.४गुरुः १४/२६वरद४
७	गु	५६	४	चि	४४	४६	सौ	५४	३६	ग	२३	११	१९	२०	४०	९	५	३१	तु.११।२१	भ.५६।४उ.आर्द्राशुक्रः ५९।७
८	शु	६०	०	स्वा	५२	२५	शु	५७	८	वि	२९	८	१६	२१	३९	१०	६	१	तुलायां	भ.२९।८या.अगस्त८ता.३१
८	श	२	१२	वि	५९	४७	शु	५९	३१	ब	२	१२	१३	२१	३९	११	७	२	वृ.४२।५७	आश्ले रविः ५४।४७
९	र	८	१३	अ	६०	०	ब्र	६०	०	कौ	८	१३	१०	२२	३८	१२	८	३	वृश्चिके	आश्ले रविः सौरः ३०।२७
१०	चं	१३	३५	अ	६	४८	ब्र	१	३७	ग	१३	३५	७	२३	३७	१३	९	४	वृश्चिके	भ.४५।३८.
११	मं	१७	४१	ज्ये	१२	३२	ऐं	२	४५	वि	१७	४१	४	२३	३७	१४	१०	५	ध.१२।३२	भ.१७।४१या.पवित्रा११व्र.
१२	बु	२०	१९	मू	१६	५२	वै	२	४४	बा	२०	१९	०	२४	३६	१५	११	६	धनुषि	प्रदोषः
१३	गु	२१	५	पू	१९	३५	वि	१/३४	५७/२९	तै	२१	५	३२/५७	२५	३५	१६	१२	७	म.३४।५१	
१४	शु	२०	१९	उ	२०	४०	आ	५५	१५	व	२०	१९	५४	२५	३५	१७	१३	८	मकरे	भ.२०।१९उ.४९।८या.
१५	श	१७	५७	श्र	२०	१३	सौ	५०	२०	ब	१७	५७	५०	२६	३४	१८	१४	९	कु.४९।२५	बुधोदयः पूर्वस्यां ४०/३५ श्रावणीकर्म रक्षाबंधन

१६पं.श्रा.शु.३र.इ. ५१/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	२	२	११	१०	३
१०	२९	१७	१६	१	७	२६	१०
५२	३८	४६	३५	५८	२२	१५	२०
४१	१०	५	२	२६	४४	१३	२८
५७	३८	४३/४३	१३	७०	१/३१	३	५७
२०	२२	व	८	३८	व.	११	५

गोचर ग्रहाः

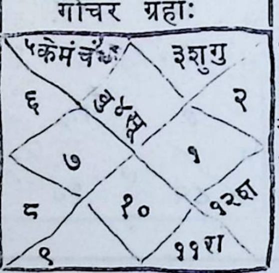

इस मास में सोना चांदी लोहा ताम्बा गुड़ सक्कर चीनी रुई वस्त्र तेज होवे धान्य में कुछ मंदी होगी।

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.शु.९र.इ. ५१/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	२	२	११	१०	३
१७	३	१३	१८	१०	७	२५	१७
३४	५६	२४	५	४	९	५२	०
२३	२०	१८	१०	४८	५०	५७	१६
५७	२८	४५/३५	१२	७१	२/१०	३	५७
२५	४६	व.	४९	१४	व.	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	१४	१६	ध	१८	३७	शो	४४	२९	कौ	१४	१६	३३/४७	५/२७	६/३३	१९	१५	१०	कुंभे	
२	चं	९	४६	श	१६	०	अ	३७	५८	ग	९	४६	४४	२७	३३	२०	१६	११	मी५८।१६	भ.३७।५उ.
३	मं	४	२५	पू	१२	२१	सु	३१	०	वि	४	२५	४०	२८	३२	२१	१७	१२	मीने	भ.४/२५या.मार्गीबुधः ५६/११पुन.शुक्रः ९८/३६×
४	मं.	५४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+जन्मा.व्र.स्मा. [×चतुर्थी.व्र
५	बु	५३	१७	उ	९	४	धृ	२३	४७	कौ	२६	६	३७	२९	३१	२२	१८	१३	मीने	हस्तेभौमः २९।३३पुन.१गुरुः १।५६
६	गु	४८	१४	रे	५	२६	शू	१६	३६	ग	२०	४५	३३	२९	३१	२३	१९	१४	मे.५।२६	भ.४८।१४उ.चंद्रषष्ठी
७	शु	४२	२५	अ	१/५९	५६/२५	गं	९	३२	वि	१५	१९	३०	३०	३०	२४	२०	१५	मेषे	भ.१५।१९या.वक्रीउभा.१शनिः ५९/०+
८	श	३७	१	कृ	५५	१३	वृ	२/२६	५३/६	बा	९	४३	२६	३१	२९	२५	२१	१६	वृ.१२।३६	मघा.सिंहेऽर्कः ४८/४९ जन्माष्टमी व्र.वै.
९	र	३१	५६	रो	५२	१४	व्या	४८	३८	तै	४	२८	२२	३२	२८	२६	२२	१७	वृषे	भ.५९/३४उ.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः २६/५२गोगा९
१०	चं	२७	११	मृ	४९	२५	ह	४२	१३	वि	२७	११	१९	३२	२८	२७	२३	१८	मि२०।५०	भ.२७।११या.
११	मं	२२	४१	आ	४६	५६	व	३६	१	बा	२२	४१	१५	३३	२७	२८	२४	१९	मिथुने	अजा११व्र. [÷कुशाग्रहणीपिठोरी३०
१२	बु	१८	५०	पु	४५	११	सि	३०	२४	तै	१८	५०	१२	३४	२६	२९	२५	२०	क.३०।३७	कर्केशुक्रः ४३।३२वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	गु	१५	४२	पु	४४	१२	व्य	२५	१४	व	१५	४२	८	३४	२६	३०	२६	२१	कर्के	भ.१५।४२उ.४४।३५या.
१४	शु	१३	२९	श्ले	४४	२४	व	२०	४६	श	१३	२९	४	३५	२५	३१	२७	२२	सिं४४।२४	आश्ले.बुधः १९।५४
३०	श	१२	३५	म	४५	३८	प	१७	२८	ना	१२	३५	१	३६	२४	१	२८	२३	सिंहे	पुष्येशुक्रः ३७/१५ भा.भाद्रपदारंभः÷

१८पं.भा.कृ.१र.इ. ५१/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	२	२	११	१०	३
२५	८	९	१९	१८	६	२५	२३
१६	१६	५७	३३	१५	५२	३०	४१
४४	५५	५४	११	५८	५८	४२	२३
५७	३९	९/११	१२	७१	४/३	३	५७
३३	१०	व.	२०	३८	व.	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ८शनौ सिंहेऽर्कःप्रविष्ट.वा.४ न. ४ युवावस्था सूती) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

१९पं.भा.कृ.९र.इ. ५१/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	२	२	११	१०	४
१	१२	१२	२०	२६	६	२५	०
०	४१	३९	५७	३०	३१	८	२३
४	४९	५४	११	५०	३०	२६	३६
५७	३९	५०/२५	१२	७२	३/२२	३	५७
४०	२९	मा	७	२	घ.	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः१९४७												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२५४स.२०२५
१	र	१२	५७	पू	४८	२५	शि	१५	२	ब	१२	५७	३१/५७	५/३७	६/२३	२	२९	२४	सिंहे	
२	चं	१४	५६	उ	५२	४१	सि	१४	७	कौ	१४	५६	५३	३७	२३	३	३०	२५	कं.४।२९	चंद्रदर्शनम्
३	मं	१८	१७	ह	५८	२२	सा	१३	४०	ग	१८	१७	४९	३८	२२	४	१	२६	कन्यायां	भ.५/४ ०/६उ.रविलावल३हरितालिका३
४	बु	२३	१६	चि	६०	०	शु	१४	३२	वि	२३	१६	४६	३९	२१	५	२	२७	तु.३१।३३	भ.२३।१६या.गणेशचतुर्थी
५	गु	२८	४४	चि	४	४४	शु	१६	७	बा	२८	४४	४२	४०	२०	६	३	२८	तुलायां	ऋषिपंचमी
६	शु	३४	५४	स्वा	१२	९	ब्र	१८	३६	कौ	१	४९	३८	४०	२०	७	४	२९	तुलायां	[×३/१ १/४पुन२गुरुः२/१ ०/७बुधास्तःपूर्वस्यां४/३ ५/५
७	श	४१	३	वि	१९	४१	ऐं	२१	२	ग	७	५८	३४	४१	१९	८	५	३०	वृ.२।४८	भ.४ १/३उ.पूफा.रविः३/३ ८/३मघा.सिंहेबुधः×
८	र	४६	५६	अ	२७	२	वै	२३	१८	वि	१३	५९	३०	४२	१८	९	६	३१	वृश्चिके	भ १३।५९या.पूफा.रविःसौरः१७।४३
९	चं	५१	३९	ज्ये	३३	४०	वि	२५	११	बा	१९	१७	२६	४३	१७	१०	७	१	ध.३३।४०	सितम्बर६ता.३०
१०	मं	५४	४७	मू	३८	४७	प्री	२५	५३	तै	२३	१३	२२	४४	१६	११	८	२	धनुषि	रामदेवजीकामेलानवलदुर्गे
११	बु	५६	९	पू	४२	२८	आ	२५	२४	व	२५	२८	१८	४४	१६	१२	९	३	म.५७।५४	भ.२/२ ५/८उ.५ ६/९या.आश्लें.शुक्रः४/४ १/७चित्रा.+
१२	गु	५५	२८	उ	४४	११	सौ	२३	२८	ब	२५	४८	१५	४५	१५	१३	१०	४	मकरे	वामनजयंती[+भौमः२ १/५जलभूलनी११व्र
१३	शु	५२	५७	श्र	४३	५८	शो	२०	२	कौ	२४	१२	११	४६	१४	१४	११	५	मकरे	प्रदोषः
१४	श	४८	३७	ध	४२	१	अ	१५	०	ग	२०	४७	७	४७	१३	१५	१२	६	कुं.१३।०	भ.४/३ ८/५उ.पूफा.बुधः२६।३५अनंत१४
१५	र	४२	५५	श	३८	३१	सु	८	४४	वि	१५	४६	३	४७	१३	१६	१३	७	कुंभे	भ.१/४ ५/६या.खग्रासचंद्रग्रहणम्महालयारंभः

२०पं.भा.शु.१र.इ.५११९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	३	२	३	११	१०	४
७	१७	२०	२२	४	६	२४	७
४४	९	३५	१८	४९	६	४६	७
२८	७	१७	२९	१६	३२	११	३
५७	३९	९३	११	७२	५ ३/२	३	५७
४९	५१	२०	३०	२९	व	११	४५

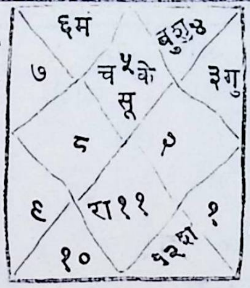

२१पं.भा.श.८र.इ.५११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	२	३	११	१०	४
१४	२१	२	२३	१३	५	२४	१३
३०	३९	२९	३६	१२	३८	२३	५२
४	४७	२	३२	४३	५६	५५	१५
५८	४०	८/०	१०	७२	१ ४/०	३	३७
१	८	५	५६	५०	व	११	५७

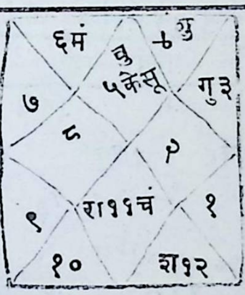

२२पं.भा.शु.१५र.इ.५०/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	२	३	११	१०	४
२१	२६	१६	२४	२१	५	२४	२०
१७	१३	२	४९	३८	८	१	३८
६	५५	२	३४	४२	४६	३९	५५
५८	४०	८/५	१०	७३	२ ४/५	३	५८
१३	२५	१९	१६	५	व	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेभाद्रपद कृष्णेति महा.
१	चं	३६	२	पू	३३	५३	धृ	१/२३	५१/४५	बा	९	२८	३०/५९	५/४८	६/१२	१७	१४	८	मी२०।३	
२	मं	२८	४९	उ	२९	१	गं	४४	२९	तै	२	२५	५५	४९	११	१८	१५	९	मीने	भ.५४।७उ.
३	बु	२१	२५	रे	२३	१९	वृ	३५	४०	वि	२१	२५	५१	५०	१०	१९	१६	१०	मे.२३।१९	भ.२१।२५या.चतुर्थीव्र.
४	गु	१४	२	अ	१७	५५	ध्रु	२६	५९	बा	१४	२	४७	५१	९	२०	१७	११	मेषे	
५	शु	७	२२	भ	१२	५६	व्या	१८	३४	तै	७	२२	४३	५१	९	२१	१८	१२	वृ.२६।५२	[=बुधः२४।२०तुला.भौमः३५।४७
६	श	१	११	कृ	८	४०	ह	१०	५०	व	१	११	३९	५२	८	२२	१९	१३	वृष	भ.१।११उ.२/२ ८/६या.उफा.रविः२/५ २/८उफा.=
७	श	५४	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	र	५१	२२	रो	५	१७	व	२६/३	५३/३७	बा	२३	३१	३५	५३	७	२३	२०	१४	मि३४।०	उफा.रविःसौरः२ २/३मघा.सिंहेशुक्रः४४/२४
९	चं	४७	३८	मृ	२	४४	व्य	५१	१२	तै	१९	३०	३१	५४	६	२४	२१	१५	मिथुने	कन्यायांबुधः११।५मातृ९
१०	मं	४४	५९	आ	०	५५	व	४६	५	व	१६	१८	२७	५५	५	२५	२२	१६	क.४५।२३	भ.१/१ ६/८उ.४/५ ४/९या.कन्यायामर्कः४८।१९
११	बु	४३	१४	पु	०	१२	प	४१	४९	ब	१४	६	२२	५६	४	२६	२३	१७	कर्के	कन्यार्कःसौरः२७।३४इंदिरा११व्र.
१२	गु	४२	२६	पु	०	१४	शि	३९	२२	कौ	१२	५०	१८	५६	४	२७	२४	१८	कर्के	[×पूफा.३केतुः५/३ ६/१शस्त्रादिहतानांश्रा.
१३	शु	४२	५९	श्ले	१	२४	सि	३५	४१	ग	१२	४२	१४	५७	३	२८	२५	१९	सि१।२४	भ.४/५ २/९उ.पुन.३गुरुः२५।३प्रदोषः
१४	श	४४	१७	म	४	७	सा	३३	४६	वि	१३	३८	९	५८	२	२९	२६	२०	सिंहे	भ.१३।३८या.हस्तेबुधः४ ७/९पूभा.१राहुः×
३०	र	४७	१०	पू	७	२	शु	३३	१५	च	१५	४३	५	५९	१	३०	२७	२१	कं.२३।९	सर्वपितृ३०

२३पं.आ.कृ.८र.इ.५०/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	२	४	११	१०	४
२८	०	२९	२५	०	४	२३	२७
५	५०	२१	५८	७	३६	३९	२७
२८	४९	५०	५	४४	५८	५४	१२
५८	४०	[illegible]	९	७३	४ ४/०	३	५८
२६	४२	[illegible]		२०	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

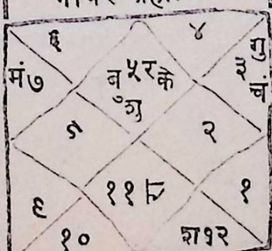

आश्विन कृष्णे १० भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा. ४ न.५ बालावस्था(बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्धताशुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

२४पं.आ.कृ.३०र.इ.५०/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	२	४	११	१०	५
४	५	११	२७	८	४	२३	४
५५	२१	५३	१	३९	४	१७	१७
१९	१	३५	५	३६	१६	८	१९
५८	४१	७/०	८	७३	४	३	५८
३८	९	९	४३	३०	४०	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५२८३स.२०२५
१	चं	५०	५०	उ	११	३१	शु	३३	८	किं	१९	०	३० ००	६ ०	६ ०	३१	२८	२२	कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
२	मं	५५	५९	ह	१७	७	ब्र	३३	५८	बा	२३	२४	२९ ५६	१	५९	१	२९	२३	तु.५०।२१	स्वात्यांभौमः ३१/८ चंद्रदर्शनम् भा.आश्विना
३	बु	६०	०	चि	२३	३६	ऐं	३५	२३	तै	२८	४९	५२	२	५८	२	१	२४	तुलायां	रविलाखर४
३	गु	१	४०	स्वा	३०	४१	वै	३७	१९	ग	१	५०	४८	२	५८	३	२	२५	तुलायां	भ.३४।४६उ.पूफा.शुक्रः४९।३०
४	शु	७	५२	वि	३८	१६	वि	३९	३९	वि	७	५२	४४	३	५७	४	३	२६	वृ.२१।२२	भ.७।५२या.
५	श	१४	१४	अ	४६	०	प्री	४२	२२	बा	१४	१४	४०	४	५६	५	४	२७	वृश्चिके	हस्तेरविः१।३२(सौरः४०।१४)
६	र	२०	२६	ज्ये	५३	२०	आ	४४	३८	तै	२०	२६	३६	५	५५	६	५	२८	ध.५३।२०	चित्राबुधः३९।२९
७	चं	२४	४७	मू	५९	२०	सौ	४६	७	व	२४	४७	३२	६	५४	७	६	२९	धनुषि	भ.२४।४७उ.५७।१९या.
८	मं	२९	५१	पू	६०	०	शो	४६	३९	ब	२९	५१	२८	६	५४	८	७	३०	धनुषि	बुधोदयःपश्चिमायां२७।२२
९	बु	३२	१६	पू	४	१५	अ	४५	५२	बा	१	३	२३	७	५३	९	८	१	म.२०।१३	वक्रीपूभा४शनिः २२/५५ अक्टूबर१०ता.३१
१०	गु	३२	४०	उ	७	२६	सु	४३	३३	तै	२	२८	१९	८	५२	१०	९	२	मकरे	तुलायांबुधः५४।०
११	शु	३१	७	श्र	८	२५	धृ	३९	३७	व	१	५३	१५	९	५१	११	१०	३	कुं.३८।०	न.५३/३उ.३१/७या.पापांकुशा११व्र.
१२	श	२७	१९	ध	७	३६	शू	३४	९	बा	२७	१९	११	१०	५०	१२	११	४	कुंभे	प्रदोषः [=का.स्ना.प्रा.
१३	र	२१	४३	श	४	४६	गं	२७	८	तै	२१	४३	७	११	४९	१३	१२	५	मी४६।१३	[÷शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
१४	चं	१४	२५	पू	२ ०	५४ १०	वृ	१८	३७	व	१४	२५	३	११	४९	१४	१३	६	मीने	भ.१४।२५उ.४०।२०या.उफाशुक्रः ३०/७ ÷
१५	मं	६	१४	रे	४७	२६	ध्रु	९ ११	४९ ५६	व	६	१४	२८ ५९	१२	४८	१५	१४	७	मे.४७।२६	स्वात्यांबुधः५।४८शरद्पूर्णिमा वै. =

२५पं.आ.शु.६र.इ. ५०/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	२	४	११	१०	५
११	१०	२३	२७	१७	३	२२	११
४६	१४	३८	५७	१४	३१	५४	९
५२	३८	३१	४०	३८	४४	५३	१७
५८	४१	९ ०	७	७३	४ ३७	३	५९
५३	१९	५ ३०	४४	४४	च.	११	०

गोचर ग्रहाः

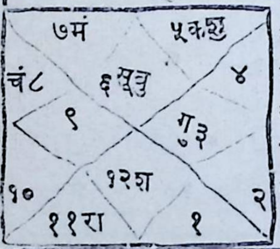

इस मास में मंगल का चंद्र गेहूं जो चना मटर सरसो धातु सोना चांदी लोहा रसकस को तेज करेगा।

गोचर ग्रहाः

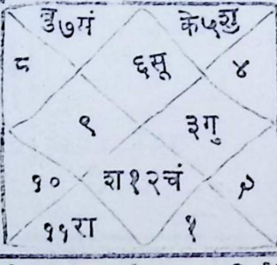

२६पं.आ.शु.१३र.इ. ५०/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	२	४	११	१०	५
१८	१५	४	२८	२५	३	२२	१८
४०	१	४०	४७	५१	०	३२	३
५	१	१	२	५०	४	३७	४
५९	४१	९५	६	७३	४ २२	३	५९
९	३६	१९	४०	५०	च.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	मं	५१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४८	२४	अ	४०	२७	ह	४८	५२	तै	२२	५४	२८ ५५	१ ६/३	४ ५/७	१६	१५	८	मेषे	
३	गु	३९	४३	म	३३	५५	व	३८	४०	व	१४	३	५१	१४	४६	१७	१६	९	वृ.४७।०	भ.१४/३उ.३९/४३या.कन्यायांशुक्रः११।४६
४	शु	३१	३७	कृ	२७	१४	सि	२९	१०	ब	५	४०	४७	१५	४५	१८	१७	१०	वृषे	चित्रा.रविः३३।३७करकचतुर्थीव्र.
५	श	२४	३४	रो	२१	४८	व्य	२०	६	तै	२४	३४	४३	१५	४५	१९	१८	११	मि४९।४८	चित्रा.रविःसौरः१०।३८
६	र	१९	५	मृ	१७	४८	व	१२	१३	व	१९	५	३९	१६	४४	२०	१९	१२	मिथुने	भ.१९।५उ.४६।५६या.
७	चं	१४	४७	आ	१५	९	प	१८	५४ २५	ब	१४	४७	३५	१७	४३	२१	२०	१३	क.५९।१६	विशा.भौमः३।४६
८	मं	१२	५	पु	१३	५८	सि	५५	११	कौ	१२	५	३१	१८	४२	२२	२१	१४	कर्के	[÷हस्तेशुक्रः१३।१५रमा११व्र.
९	बु	१०	४१	पु	१४	८	सा	५१	४०	ग	१०	४१	२७	१९	४१	२३	२२	१५	कर्के	भ.४०।४०उ.
१०	गु	१०	४०	श्ले	१५	४१	शु	४९	२३	वि	१०	४०	२३	१९	४१	२४	२३	१६	सिं१५।४१	भ.१०।४०या.विशा.बुधः१७।३३
११	शु	१२	१७	म	१८	३६	शु	४८	७	बा	१२	१७	२०	२०	४०	२५	२४	१७	सिंहे	तुलायामर्कः१७।२६(सौरः५३।२२)÷
१२	श	१४	४३	पू	२२	३२	ब्र	४८	२	तै	१४	४३	१६	२१	३९	२६	२५	१८	कं.३८।४८	पुन.४कर्केगुरुः५७।२५प्रदोषः
१३	र	१८	३२	उ	२७	३७	ऐं	४८	५	व	१८	३२	१२	२२	३८	२७	२६	१९	कन्यायाँ	भ.१८।३२उ.५०।४६या.धन१३
१४	चं	२३	१	ह	३३	२७	वै	४९	१३	श	२३	१	८	२२	३८	२८	२७	२०	कन्यायां	रूप१४
३०	मं	२८	४१	चि	४०	१८	वि	५१	४३	ना	२८	४१	४	२३	३७	२९	२८	२१	तु.६।५२	महालक्ष्मीपूजनम्

२७पं.का.कृ.६र.इ.५०।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	२	५	११	१०	५
२५	१९	१५	२९	४	२	२२	२४
३४	५०	१	२९	३१	३०	१०	५८
५९	२८	३७	२४	२६	१८	२१	४६
५९	४१	८७	५	७३	४ ४	३	५९
२१	४७	२४	४३	५६	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

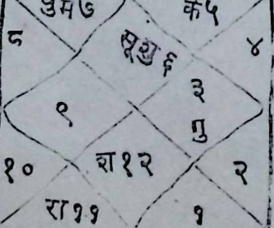

कार्तिककृष्णे११ शुक्रे तुलायामर्कःप्रविष्टः 'वा.४ न.४ गतालकावस्था(ऊभी)मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

२८पं.का.कृ.१३र.इ. ४९/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	३	५	११	१०	६
२	२४	२५	०	१३	२	२१	१
३१	४३	३७	३	१३	३	४८	५६
२३	१०	२६	५८	१९	१४	६	१०
५९	४२	७८	४	७४	३ ४६	३	५२
३४	२	२३	३२	२	व.	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:५३१३सं.२०२५
१	बु	३४	१९	स्वा	४७	२३	प्री	५२	४९	किं	१	३०	२८/०	६/२४	३६	३०	२९	२२	तुलायां	अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा
२	गु	४०	५०	वि	५४	५८	आ	५५	१४	बा	७	३४	२७/५६	२५	३५	१	३०	२३	वृ.३८।४	स्यात्यांरविः५९/२९बृश्चिकेबुधः५०/४४चंद्र×
३	शु	४७	१८	अ	६०	०	सौ	५७	३८	तै	१४	४	५३	२५	३५	२	१	२४	वृश्चिके	स्वात्यांरविःसौरः३/१४जमादिलावल५
४	श	५३	३८	अ	२	३५	शो	५९	४४	व	२०	२८	४९	२६	३४	३	२	२५	वृश्चिके	भ.२०।४८उ.५३।३८या.
५	र	५९	१३	ज्ये	९	५८	अ	६०	०	ब	२६	२५	४५	२७	३३	४	३	२६	ध.९।५८	अनु.बुधः५६।४४
६	चं	६०	०	मू	१६	४२	अ	१	४५	कौ	३१	३३	४१	२८	३२	५	४	२७	धनुषि	चित्रा.शुक्रः५६।३४वृश्चिकेभौमः१९।२६
६	मं	३	५४	पू	२२	३५	सु	२	५९	तै	३	५४	३७	२९	३१	६	५	२८	म.३८।४१	[×दर्शनम्भा.कार्तिकारंभःभातृ२यम२
७	बु	७	१५	उ	२७	०	धृ	३	१६	व	७	१५	३४	२९	३१	७	६	२९	मकरे	भ.७।१५उ.३८।५या.
८	गु	८	५५	श्र	२९	५०	शू	२/१६	५७/२९	ब	८	५५	३०	३०	३०	८	७	३०	मकरे	गोपाष्टमी
९	शु	८	४३	ध	३०	४१	वृ	५५	४५	कौ	८	४३	२७	३१	२९	९	८	३१	कुं.०।२१	कुष्मांड९अक्षय९
१०	श	६	३२	श	२९	४२	ध्रु	५०	८	ग	६	३२	२३	३१	२९	१०	९	१	कुम्भे	भ.३/१४उ.अनु.भौमः१/१६नवम्बर११ता.३०
११	र	२	१६	पू	२६	३४	व्या	४२	५६	वि	२	१६	१९	३२	२८	११	१०	२	मी१२।२१	भ.२।१६या.तुलायांशुक्रः१५।४१प्रबो-÷
१२	र	५३	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷धिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१३	चं	४८	२२	उ	२१	४३	ह	३४	२२	कौ	२२	१२	१६	३३	२७	१२	११	३	मीने	प्रदोषः
१४	मं	३९	३३	रे	१५	१९	ब	२४	३६	ग	१३	५७	१२	३४	२६	१३	१२	४	मे.१५।१९	भ.३९।३३उ.बैकुंठ१४
१५	बु	२९	५२	अ	८	२	सि	१३	५१	वि	४	४२	९	३४	२६	१४	१३	५	मेषे	भ.४।४२या.मन्वादिःका.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.५र.इ. ४९/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	३	५	११	१०	६
९	२९	३	०	२१	१	२१	८
२९	३९	१२	३०	५७	३९	२५	५५
३८	०	२५	१८	२५	५८	५०	३०
५९	४२	६४	३	७४	३/८	३	६०
४७	२८	३०	२२	८	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

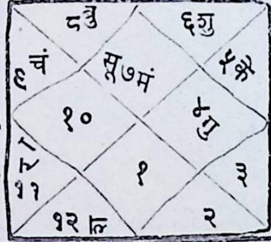

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर धातु सोना चांदी रुई वस्त्र मंदे होवे गुड़ शक्कर चीनी तेज हो

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.शु.११र.इ.४९/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	३	६	११	१०	६
१६	४	९	०	०	१	२१	१५
२९	३७	५५	४६	४१	१९	३	५६
२०	१६	५	२६	५६	५५	३२	३४
६०	४२	४१	१	७४	२/२८	३	६०
४	४९	४५	५३	१६	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	गु	२०	२	भ	०/१३	५२/८	व्य	२/१	४९/५९	कौ	२०	२	२७/५	६/३५	५/२५	१५	१४	६	वृ.१३।१५	विशा.रविः५९/५९ (सौरः५१/४९ अस्तोभौमः४९/३१
२	शु	१०	२७	रो	४५	२	प	४१	१९	ग	१०	२७	२	३६	२४	१६	१५	७	वृषे	भ.३६।२उ.स्वात्यांशुक्रः३३।४१
३	श	१	३८	मृ	३८	५०	शि	३१	२०	वि	१	३८	२६/५८	३६	२४	१७	१६	८	मि११।५६	भ.१।३८या.चतुर्थीव्र.
४	श	५२	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	र	४८	१४	आ	३४	४	सि	२२	३१	कौ	२१	१३	५५	३७	२३	१८	१७	९	मिथुने	वक्रीबुधः३।४६
६	चं	४४	१७	पु	३०	५९	सा	१५	४	ग	१६	१५	५२	३८	२२	१९	१८	१०	क.१६।४५	भ.४४।१७उ.
७	मं	४२	६	पु	२९	४६	शु	९	१	वि	१३	११	४९	३८	२२	२०	१९	११	कर्के	भ.१३।११या.
८	बु	४१	५५	श्ले	३०	२२	शु	४	३२	बा	१२	०	४५	३९	२१	२१	२०	१२	सिं३०।२२	
९	गु	४३	२१	म	३३	५	ब्र	१/३०	५८/२८	तै	१२	३८	४२	४०	२०	२२	२१	१३	सिंहे	वक्रीगुरुः५७।२५
१०	शु	४६	१९	पू	३६	५८	वै	५८	३६	व	१४	५०	३९	४०	२०	२३	२२	१४	कं.५३।१९	भ.१४/५०उ.४६/१९या.बुधास्तःपश्चिमायां४३/२४
११	श	५०	४०	उ	४२	२३	वि	६०	०	ब	१८	२९	३६	४१	१९	२४	२३	१५	कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	र	५५	४९	ह	४८	२८	वि	०	१९	कौ	२३	१४	३३	४१	१९	२५	२४	१६	कन्यायां	बृश्चिकेऽर्कः१६।३ (सौरः४६।६)
१३	चं	६०	०	चि	५५	४१	प्री	१	२८	ग	२८	५७	३०	४२	१८	२६	२५	१७	तु.२२।५	प्रदोषः
१३	मं	२	५	स्वा	६०	०	आ	३	२९	व	२	५	२७	४३	१७	२७	२६	१८	तुलायां	भ.२/५उ.३५/२या.विशा.शुक्रः१३।४१
१४	बु	८	१९	स्वा	२	५३	सौ	५	२८	श	८	१९	२५	४३	१७	२८	२७	१९	वृ.५३।४४	अनु.रविः३४।२३ज्येष्ठा.भौमः२९।५३
३०	गु	१४	४४	वि	१०	४१	शो	७	५०	ना	१४	४४	२२	४४	१६	२९	२८	२०	बृश्चिके	अनु.रविःसौरः२।५४

३१पं.मा.कृ.५र.इ.४९।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	७	३	६	११	१०	६
२३	९	१२	०	९	१	२०	२२
३०	३९	४४	५४	२८	४	४१	५९
४०	७	४२	०	५	१२	१९	६
६०	४३	५/५	०	७४	९/४७	३	६०
१७	५	व.	४१	२०	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

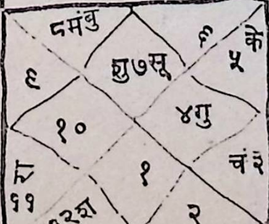

मार्गशीर्ष कृष्णे १२ रवौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊभी मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

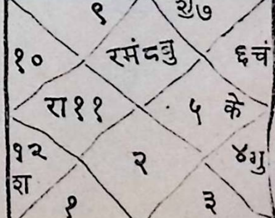

३२पं.मा.कृ.१२र.इ. ४९/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	३	६	११	१०	७
०	१४	८	०	१८	०	२०	०
३३	४३	२५	५१	१५	५३	१९	३
२२	४१	१६	२५	७	३१	३	१०
६०	४३	६ ३/११	०/४२	७४	१/१३	३	६०
३०	२५	व.	व	२६	व.	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चंद्रः	हिमंततूंरविर्दक्षिणेऽहर्गण:५३४३स.२०२५
१	शु	२१	२	अ	१८	२	अ	१०	१	ब	२१	२	२६/१९	६/४४	५/१६	३०	२९	२१	वृश्चिके	वक्रीविशा.बुधः६।२६
२	श	२७	५	ज्ये	२५	२२	सु	१२	१४	कौ	२७	५	१७	४५	१५	१	३०	२२	ध.२५।२२	शतभिषा.४राहु:पूफा.२केतु:४८।३६×
३	र	३२	३१	मू	३२	१	धृ	१३	५५	ग	३२	३१	१६	४५	१५	२	१	२३	धनुषि	वक्रीतुलायांबुध:४६।२५जमादिलाखर ६
४	चं	३७	१०	पू	३७	५७	शू	१४	५०	व	४	५०	१२	४६	१४	३	२	२४	म.५४।११	भ.४।५०उ.३७।१०या.
५	मं	४०	४५	उ	४२	५४	गं	१५	२५	ब	८	५७	९	४६	१४	४	३	२५	मकरे	[×चंद्रदर्शनम्भा.मार्गशीर्षारंभ:
६	बु	४३	१	श्र	४६	३८	वृ	१५	१७	कौ	११	५३	७	४७	१३	५	४	२६	मकरे	वृश्चिकेशुक्र:३१/४५बुधोदय:पूर्वस्यां४/६ +
७	गु	४३	५५	ध	४८	५५	ध्रु	१३	४४	ग	१३	२८	५	४७	१३	६	५	२७	कुं.१७।४७	भ.४३।५५उ.मार्गीशनि:१८।५५
८	शु	४३	९	श	४९	४२	व्या	११	२	वि	१३	३२	२	४८	१२	७	६	२८	कुंभे	भ.१३।३२या.अनु.शुक्र:४६।४५
९	श	४०	३३	पू	४८	४५	ह	७	८	बा	११	५१	०	४८	१२	८	७	२९	मी३३।१४	मार्गीबुध:४६।१३ [Δ५०।३९दत्तजयंती
१०	र	३६	१४	उ	४५	५५	व	१/३७	५३/५	तै	८	२३	२५/५८	४८	१२	९	८	३०	मीने	[+पातस्पर्श:५६।३२पातमोक्ष:११।३८
११	चं	३०	१८	रे	४१	३१	व्य	४६	३५	व	३	१६	५६	४९	११	१०	९	१	मे ४१।३१	भ.३/१६उ.३/१८या.दिसम्बर१२ता.३१ =
१२	मं	२२	४९	अ	३५	३७	व	३७	१८	बा	२२	४९	५४	४९	११	११	१०	२	मेषे	ज्येष्ठा.रवि:४४।३४प्रदोष:
१३	बु	१४	८	भ	२८	३६	प	२७	२	तै	१४	८	५३	४९	११	१२	११	३	वृ.४१।४२	ज्येष्ठा.रवि सौर:१०।४८
१४	गु	४	४५	कृ	२१	०	शि	१६	१०	व	४	४५	५१	५०	१०	१३	१२	४	वृषे	भ.४/४५उ.२९/५१या.वक्रीपुन.३मिथुनेगुरु: A
१५	गु	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मोक्षदा११व्र.गीताजयंती

३३पं.मा.शु.३र.इ.४८।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	३	६	११	१०	७
७	१९	२९	०	२७	०	१९	७
३७	५०	५६	३८	२	४७	५६	८
१६	५३	४९	५३	४९	४९	४८	४३
६०	४२	७६/२८	३ २/२	७४	२०/२	३	६०
४२	३९	व.	व	२६	व	११	५३

गोचर ग्रहाः

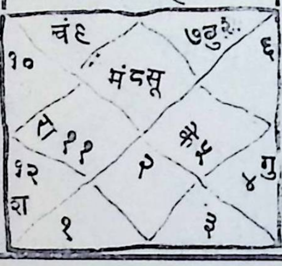

इस मास में बदि में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो चावल गुड़ सक्कर मंदे हो सुदि में धान्यरसकस तेज हो जावे।

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.शु.१०र.इ.४६/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	३	७	११	१०	७
१४	२५	२६	०	५	०	१९	१४
४२	१	२८	१६	५१	४७	३४	१२
२९	४१	५२	५२	१८	१०	३२	२९
६०	४३	१३/२२	३ ३/५	७४	२०/२	३	६१
५०	५१	मा	व.	२६	मा	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः स० २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंततुर्रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु	४५	२५	रो	१३	३	सि	५/६	१९/२	बा	२०	११	२५/४९	६/५०	५/१०	१४	१३	५	मि३९।२५	
२	श	३६	५०	मृ	५/४७	५३/२२	शु	४३	५९	तै	११	७	४८	५०	१०	१५	१४	६	मिथुने	वृश्चिकेबुध:४४।२
३	र	२९	२०	पु	५४	७	शु	३४	४७	व	३	५	४६	५१	९	१६	१५	७	क.४०।२२	भ.३/२उ.२५/२०या.मूलेधनुषिभौम:३०।१७=
४	चं	२३	३९	पु	५०	५५	ब्र	२६	५६	बा	२३	३९	४५	५१	९	१७	१६	८	कर्के	[=चतुर्थीव्र.
५	मं	१९	५०	श्ले	४९	३४	ऐं	२०	४१	तै	१९	५०	४४	५१	९	१८	१७	९	सि४९।३४	ज्येष्ठाशुक्र:२५।५२
६	बु	१८	१८	म	५०	२९	वै	१६	२	व	१८	१८	४३	५१	९	१९	१८	१०	सिंहे	भ.१८/१८उ.४८/४०या.अनु.बुध:८।४५
७	गु	१९	१	पू	५३	११	वि	१३	१६	ब	१९	१	४२	५२	८	२०	१९	११	सिंहे	
८	शु	२१	२८	उ	५७	५८	प्री	११	४८	कौ	२१	२८	४१	५२	५	२१	२०	१२	कं.९।२३	
९	श	२५	४०	ह	६०	०	आ	११	२३	ग	२५	४०	४०	५२	८	२२	२१	१३	कंन्यायां	भ.५८।२०उ.
१०	र	३०	५९	ह	४	११	सौ	१२	४९	वि	३०	५९	३९	५२	८	२३	२२	१४	तु.३७।४६	भ.३०।५९या.
११	चं	३७	२५	चि	११	२२	शो	१४	५०	ब	४	१२	३९	५२	८	२४	२३	१५	तुलायां	मूलेधनुष्यर्क:५१/५०शुक्रास्त:पूर्वस्यां३।०×
१२	मं	४३	५३	स्वा	१८	४६	अ	१६	५९	कौ	१०	३९	३८	५२	८	२५	२४	१६	तुलायां	मूलेधनुष्यर्क:सौर:१४।३८
१३	बु	५०	२६	वि	२६	२९	सु	१९	२३	ग	१७	९	३८	५२	८	२६	२५	१७	वृ.९।३३	भ.५०।२६उ.प्रदोष: [×सफला११व्र.
१४	गु	५६	३५	अ	३३	५८	धृ	२१	३५	वि	२३	३०	३७	५३	७	२७	२६	१८	वृश्चिके	भ.२३।३०या.
३०	शु	६०	०	ज्ये	४१	४	शू	२३	३९	च	२९	३३	३७	५३	७	२८	२७	१९	ध.४१।४	ज्येष्ठाबुध:५६/५३मूलेधनुषिशुक्र:५८।२७
३०	श	२	३१	मू	४७	३१	गं	२४	५७	ना	२	३१	३६	५३	७	२९	२८	२०	धनुषि	

३५पं.पौ.कृ.३र.इ.४६/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	७	११	१०	७
२१	०	१	२९	१४	०	१९	२१
४८	१४	३	४६	३९	५२	१२	२३
३२	१३	०	१	४	१२	१७	१०
६०	४४	५८	४ ४/३	७४	१	३	६१
५६	१	३७	व	३२	९	११	११

गोचर ग्रहाः

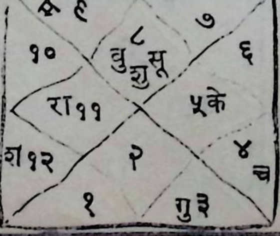

पौष कृष्णे ११ चंद्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टःवा. २न२ गतालकावस्था (ऊभी)मु.१५धान्यादि भावे महर्घता शुक्रा-स्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

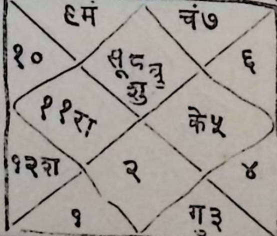

३६पं.पौ.कृ.१०र.इ.४६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	२	७	११	१०	७
२८	५	९	२०	२३	१	१८	२८
५२	२९	३०	७	५७	२	५०	३१
२६	२८	५४	१२	५४	२०	१	५३
६१	४४	७८	५/५५	७४	१	३	६१
०	२२	१	व.	३२	४४	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५३७३स.२०२५
१	र	७	१५	पू	५२	५२	वृ	२५	४५	ब	४	१५	२५/३६	५ ६/३	५/७	३०	२९	२१	धनुषि	
२	चं	११	१४	उ	५७	३७	ध्रु	२६	३५	कौ	११	१४	३६	५३	७	१	३०	२२	म.६।३	चंद्रदर्शनम्भा.पौषारंभः
३	मं	१४	२२	अ	६०	०	व्या	२५	१८	ग	१४	२२	३६	५३	७	२	१	२३	मकरे	भ.४५।१७उ.रज्जव७
४	बु	१६	१३	अ	१	४	ह	२३	३७	वि	१६	१३	३७	५३	७	३	२	२४	कुं.३२।२२	भ.१६।१३या.
५	गु	१७	४	ध	३	४०	व	२१	२४	बा	१७	४	३७	५३	७	४	३	२५	कुम्भे	पूषा.भौम:१३।१६
६	शु	१६	३५	श	५	०	सि	१८	१५	तै	१६	३५	३७	५३	७	५	४	२६	मी५०।१४	[+बुधास्त:पूर्वस्यां४४।०
७	श	१५	२	पू	५	१९	व्य	१३	५३	व	१५	२	३८	५२	८	६	५	२७	मीने	भ.१५।२उ.४३।३१या.
८	र	१२	०	उ	४	४	व	८	३२	ब	१२	०	३८	५२	८	७	६	२८	मीने	पूषा.रवि:५६।५२
९	चं	७	५०	रे	४१/१	५६/१७	प	२/५	५२/३५	कौ	७	५०	३९	५२	८	८	७	२९	मे.१।४१	पूषा.रवि:सौर:१/६मूलेधनुषिबुध:३/६ +
१०	मं	२	२५	भ	५३	०	सि	४६	१७	ग	२	२५	४०	५२	८	९	८	३०	मेषे	भ.२८।५३उ.५५।४७या.पूषा.शुक्रः ÷
११	मं	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷३६।३४पुत्रदा११व्र.स्मा.
१२	बु	४८	५	कृ	४७	४	सा	३६	५४	ब	२१	५६	४१	५२	८	१०	९	३१	वृ.६।३१	पुत्रदा११व्र.वै.
१३	गु	३९	४१	रो	४०	३७	शु	२६	५९	कौ	१३	५३	४२	५२	८	११	१०	१	वृषे	जंनवरी१ता.३१सन्२०२६प्रदोषः
१४	शु	३०	५०	मृ	३३	४६	शु	१६	३७	ग	५	१५	४३	५१	९	१२	११	२	मि७।११	भ.३०।५०उ.५६।३७या.
१५	श	२२	२५	आ	२७	८	ब्र	६/३७	५०/२५	ब	२२	२५	४४	५१	९	१३	१२	३	मिथुने	मा.स्ना.प्रा.

३७पं.पौ.शु.१र.इ. ४८/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	२	८	११	१०	८
६	१०	१९	२८	२	१	१८	५
३	४६	१८	२१	१६	१७	२७	४१
०	५५	५८	७	१२	२	४५	१८
६१	४४	८७	४६/४	७४	२	३	६१
४	४७	१७	व	३२	३१	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला रुई वस्त्र रस-कस तथा धातु सोना चांदी में तेजी होवे शीत का प्रकोप प्रजा को दुःख दें।

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ.शु.८र.इ. ४६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	७	२	८	११	१०	८
१३	१६	२९	२७	११	१	१८	१२
१०	६	४०	२९	४	३७	५	५१
५९	५०	१६	१०	५९	१९	३०	१०
६१	३४	९४	३ ७/०	७४	३	३	६१
६	५७	२	व	३८	१९	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	र	५१	३४	पु	२१	१६	वै	४८	११	कौ	१४	३४	२५/४५	५ ६/१	५/९	१४	१३	४	क.७।४४	वक्रीपुन.२गुरु:४।१७
२	चं	८	८	पु	१६	३६	वि	४०	३७	ग	८	८	४७	५१	९	१५	१४	५	कर्के	भ.३५।४०उ.
३	मं	३	११	श्ले	१३	३५	प्री	३४	२०	वि	३	११	४८	५०	१०	१६	१५	६	सि१३।३५	भ.३।११या.पूषा.बुध:३७।२०चतुर्थीव्र.
४	बु	०	१३	म	१२	४९	आ	२९	५५	बा	०	१३	५०	५०	१०	१७	१६	७	सिंहे	
५	बु	५९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	गु	६०	०	पू	१४	११	सौ	२७	८	ग	३०	१४	५२	५०	१०	१८	१७	८	कं.३०।०	
६	शु	०	५५	उ	१७	२६	शो	२६	२०	व	०	५५	५३	४९	११	१९	१८	९	कन्यायां	भ.०।५५उ.३२।३७या.
७	श	४	१९	ह	२२	३२	अ	२६	२१	ब	४	१९	५५	४९	११	२०	१९	१०	तु.५५।४५	उषा.शुक्र: ९।५२
८	र	९	१२	चि	२८	५८	सु	२७	३१	कौ	९	१२	५७	४९	११	२१	२०	११	तुलायां	उषा.रवि: ३ १/८(सौर: १/४ ७/३)उषा.भौमः ३ २/०
९	चं	१५	३०	स्वा	३६	११	धृ	२९	३३	ग	१५	३०	५९	४८	१२	२२	२१	१२	तुलायां	भ.४८।४०उ.मकरेशुक्र:५०।५३
१०	मं	२१	५०	वि	४३	५५	शू	३१	५३	वि	२१	५०	२ ६/५	४८	१२	२३	२२	१३	वृ.२७।०	भ.२१।५०या.
११	बु	२८	३१	अ	५१	३३	गं	३४	११	बा	२८	३१	४	४७	१३	२४	२३	१४	वृश्चिके	मकरेऽर्क:१८।२२(सौर:३३।१०)उषा.=
१२	गु	३४	३६	ज्ये	५८	३९	वृ	३६	७	कौ	१	३३	६	४७	१३	२५	२४	१५	ध.५८।३९	मकरेभौम:४७।५९
१३	शु	४०	१७	मू	६०	०	ध्रु	३७	४०	ग	७	२६	८	४६	१४	२६	२५	१६	धनुषि	भ.४०।१७उ.प्रदोषः
१४	श	४४	३७	मू	४	५६	व्या	३८	७	वि	१२	२७	११	४६	१४	२७	२६	१७	धनुषि	भ.१२।२७या.मकरेबुध:११।३४
३०	र	४७	४७	पू	१०	१	ह	३७	४८	च	१६	१२	१३	४५	१५	२८	२७	१८	म.२६।११	[=बुध:५३।२८षट्तिला११व्र.

३९पं.मा.कृ.१र.इ. ४७/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	२	८	११	१०	८
२०	२१	१०	२६	१९	२	१७	२०
१९	२८	२१	३४	५३	२	४३	१
५	४४	५५	१९	३१	१०	१४	७
६१	४५	९७	५ ७/२	७४	३	३	६१
६	७	४०	व.	३८	५४	११	२६

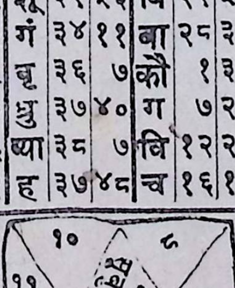

४०पं.मा.कृ.८र.इ.४७।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	२	८	११	१०	८
२७	२६	२१	२५	२८	२	१७	२७
२७	५२	२२	३७	४१	३१	२०	१०
७	१	२३	४४	५६	१९	५९	५९
६१	४५	७/०	५ ७/२	७४	४	३	६१
६	१७	०/२२	व.	३८	३५	११	२४

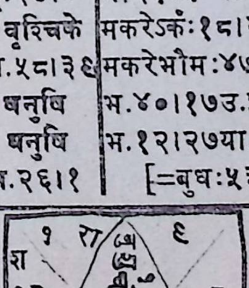

४१पं.मा.कृ.३०र.इ. ४७/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	२	९	११	१०	९
४	२	२	२४	७	३	१६	४
३४	१६	४६	४२	२९	४	५८	२०
५९	१६	४४	१४	४२	२३	४३	२८
६१	४५	७/०	४६	७४	४	३	६१
३	२७	५३	व.	३८	५९	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः५४०२स.२०२६
१	चं	४६	४६	उ	१४	१	व	३६	३२	किं	१८	४६	२६ १६	६ ४५	५ १५	२९	२८	१९	मकरे	[×५५।५४भा.माघारंभ:सावान८
२	मं	५०	३४	श्र	१६	५६	सि	३४	२७	बा	२०	१०	१९	४४	१६	३०	२९	२०	कु.४७।४७	अभि.प्र.रवि:५२/२८श्रवणेशुक्र:४६/४२चंद्रदर्शनं
३	बु	५०	२५	ध	१८	३८	व्य	३१	३४	तै	२०	२९	२१	४४	१६	१	१	२१	कुम्भे	अभि.प्र.रवि:सौर:४।३१उभा.१शनि:×
४	गु	४९	११	श	१९	२७	व	२७	३१	व	१९	४८	२४	४३	१७	२	२	२२	कुंभे	भ.१९/४८उ.४९/११या.श्रवणेबुध:५२।३०
५	शु	४७	१४	पू	१९	२२	प	२३	१६	ब	१८	१२	२७	४३	१७	३	३	२३	मी४।२३	वसंत५ [=५९/२०शत.३राहु:पूभा.१केतु:४१/०
६	श	४४	१२	उ	१८	२२	शि	१८	१३	कौ	१५	४३	२९	४२	१८	४	४	२४	मीने	श्रवणेरवि:७/५(सौर:३१/३७)अभि.नि.रवि:=
७	र	४०	४१	रे	१६	३२	सि	१२	३१	ग	१२	२६	३२	४२	१८	५	५	२५	मे.१६।३२	भ.४०/४१उ.अभि.नि.रवि:सौर:११/४४भानु७ ÷
८	चं	३६	२१	अ	१३	३२	सा	६ २	५२ ५६	वि	८	३१	३५	४१	१९	६	६	२६	मेषे	भ.८।३१या.भीष्माष्टमी [÷रथ७
९	मं	३०	२०	भ	१०	५२	शु	५१	२६	चा	३	२०	३८	४०	२०	७	७	२७	वृ.२४।५३	
१०	बु	२५	२९	कृ	६	५७	ब्र	४३	२३	ग	२५	२९	४१	४०	२०	८	८	२८	वृषे	भ.५२।१७उ.श्रवणेभौम:७।२७
११	गु	१९	६	रो	३० २	५० ५४	ऐं	३४	४७	वि	१९	६	४५	३९	२१	९	९	२९	मि२९।५५	भ.१९/६या.वक्रीपुन.१गुरु:३६/१४जया११व्र.
१२	शु	१२	३	आ	५२	१०	वै	२६	७	बा	१२	३	४८	३८	२२	१०	१०	३०	मिथुने	धनि:बुध५३।१८प्रदोष:
१३	श	५	१७	पु	४७	१४	वि	१७	२६	तै	५	१७	५१	३८	२२	११	११	३१	क.३३।२८	भ.५८।२५उ.धनि.शुक्र:२२।४० –
१४	श	५३	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[– शुक्रोदय:पश्चिमायां३७।१२
१५	र	५२	२९	पु	४२	५९	प्री	९	७	वि	२५	२७	५४	३७	२३	१२	१२	१	कर्के	भ.३५/३७या.फर्वरी२ता.२८मा.स्ना.पूर्तिः

४२पं.मा.शु.७र.इ. ४७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	२	९	११	१०	९
११	७	१४	२३	१६	३	१६	११
४२	४३	३६	४८	१७	४१	३६	२९
२९	३०	५८	४३	५३	२०	२७	१९
६०	४५	७०	७/१२	७४	१	३	६१
५९	३७	८	व.	३२	२८	११	१३

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ११ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० वान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.शु.१५र.इ. ४६/३

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	२	९	११	१०	९
१८	१३	२६	२२	२५	४	१६	१८
४९	११	५२	५९	५	२१	१४	३७
१	४२	१९	४२	३१	५८	१२	२६
६०	४५	७९	६/२१	७४	५	३	६१
५५	५७	९	व.	३२	५२	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	चं	४७	३५	श्ले	३९	४५	आ	३ ५	५३ १७	बा	२०	२	२६ ५८	३६	२४	१३	१३	२	सि३९।४५	
२	मं	४४	२३	म	३७	५५	शो	४९	३५	तै	१५	५९	२५ १	३६	२४	१४	१४	३	सिंहे	कुंभेबुध:२९।२९
३	बु	४२	५४	पू	३८	९	अ	४५	४९	व	१३	३८	५	३५	२५	१५	१५	४	कं.५३।३८	भ.१३।३८उ.४२।५४या.
४	गु	४३	१९	उ	४०	७	सु	४३	४५	ब	१३	६	८	३४	२६	१६	१६	५	कन्यायां	कुंभेशुक्र:४१।१२चतुर्थीव्र.
५	शु	४५	४२	ह	४३	५२	धृ	४२	४४	कौ	१४	३०	१२	३४	२६	१७	१७	६	कन्यायां	धनि.रवि:१५।२३(सौर:२६।१७)
६	श	४९	५५	चि	४९	१४	शू	४३	१०	ग	१७	४८	१५	३३	२७	१८	१८	७	तु.१६।३३	भ.४९।५५उ.शतेबुध:१८।२०पातस्पर्श×
७	र	५५	३७	स्वा	५६	७	गं	४४	४१	वि	२२	४६	१९	३२	२८	१९	१९	८	तुलायां	भ.२२।४६या.बुधोदय:पश्चिमायां२०।०
८	चं	६०	०	वि	६०	०	वृ	४६	३९	बा	२८	४०	२३	३१	२९	२०	२०	९	वृ.४६।३५	[×३८।४३पातमोक्ष:५०।५०
८	मं	१	४३	वि	३	२५	ध्रु	४९	१	कौ	१	४३	२७	३१	२९	२१	२१	१०	वृश्चिके	
९	बु	८	१७	अ	११	२५	व्या	५१	५	ग	८	१७	३०	३०	३०	२२	२२	११	वृश्चिके	भ.४१।२३उ.शतेशुक्र:३।१२
१०	गु	१४	२९	ज्ये	१८	१३	ह	५२	४७	वि	१४	२९	३४	२९	३१	२३	२३	१२	ध.१८।१३	भ.१४।२९या.कुंभेऽर्क:५०।३९
११	शु	१९	५९	मू	२४	५३	व	५३	३४	बा	१९	५९	३८	२८	३२	२४	२४	१३	धनुषि	कुंभेऽर्क:सौर:०।१५विजया११व्र.
१२	श	२४	१०	पू	२९	१	सि	५३	१४	तै	२४	१०	४१	२८	३२	२५	२५	१४	म.४५।१४	धनि.भौम:४२।९प्रदोष:
१३	र	२६	५९	उ	३३	५५	व्य	५१	४४	व	२६	५९	४५	२७	३३	२६	२६	१५	मकरे	भ.२६।५९उ.५७।३६या.पूभा.बुध:=
१४	चं	२८	१२	श्र	३६	१७	व	४९	११	श	२८	१२	४९	२६	३४	२७	२७	१६	मकरे	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	मं	२७	५६	ध	३७	१६	प	४५	२४	ना	२७	५६	५३	२५	३५	२८	२८	१७	कुं.६।४६	[=३०।०महाशिवरात्रीव्र.स्मा.

४४ पं.फा.कृ.७र.इ. ४८/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	१०	२	१०	११	१०	९
२५	१८	९	२२	३	५	१५	२५
५४	४०	१४	१७	५२	४	५१	४४
५०	४४	५३	१०	१९	५५	५६	१२
६०	४६	७०	५/२४	७४	६	३	६०
४७	२	१३	व.	३२	२०	११	५५

गोचर ग्रहाः

फाल्गुनकृष्ण१० गुरौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

४५पं.फा.कृ.१३र.इ. ४८/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	२	१०	११	१०	१०
२	२४	२०	२१	१२	५	१५	२
५९	१०	२६	४१	३८	५०	२९	५०
४२	५२	३५	४२	१०	४९	४१	१६
६०	४६	८९	४/९	७४	६	३	६०
३७	२	२९	व.	२९	३२	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५४३२स.२०२६
१	बु	२६	१४	श	३६	५४	शि	४०	४८	व	२६	१४	२७/५६	२६/५	३५/५	२९	२९	१८	कुंभे	चंद्रदर्शनसंभवः
२	गु	२३	४०	पू	३५	२७	सि	३५	१९	कौ	२३	४०	२८/०	२४	३६	३०	१	१९	मी२०।४९	शतेरविः५/३६(सौरः३५/३७)रमजान९+
३	शु	२०	११	उ	३३	३१	सा	२९	१३	ग	२०	११	४	२३	३७	१	२	२०	मीने	भ.४८।४उ.भा.फाल्गुनारंभः
४	श	१५	५८	रे	३०	४९	शु	२२	३५	वि	१५	५८	८	२२	३८	२	३	२१	मे.३०।४९	भ.१५।५८या.पूभा.शुक्रः४१।४० =
५	र	११	३२	अ	२८	४	शु	१६	७	बा	११	३२	१२	२२	३८	३	४	२२	मेषे	[=पातस्पर्शः३।५३पातमोक्षः१३।३८
६	चं	६	५०	भ	२४	५५	ब्र	९	१३	तै	६	५०	१६	२१	३९	४	५	२३	वृ.३९।६	कुंभेभौमः३/२०उभा.२शनिः२।१२
७	मं	१	५६	कृ	२१	३८	ऐं	२/१६	५३/५	व	१	५६	२०	२०	४०	५	६	२४	वृषे	भ.१।५६उ.२८।५९या.होलाष्टकम्
८	मं	५५	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[+फुलरियार२
९	बु	५१	४१	रो	१८	१५	वि	४७	४५	बा	२४	२०	२४	१९	४१	६	७	२५	मि४६।२८	
१०	गु	४६	२८	मृ	१४	४१	प्री	४०	३१	तै	१९	४	२८	१८	४२	७	८	२६	मिथुने	वक्रीबुधः१५।१३
११	शु	४१	२२	आ	११	२२	आ	३३	२०	व	१३	५५	३२	१८	४२	८	९	२७	क.५३।५१	भ.५/१५उ.४१।२२या.आमलकी११व्र.
१२	श	३६	२०	पु	८	१	सौ	२६	३१	व	८	५१	३६	१७	४३	९	१०	२८	कर्के	बुधास्तःपश्चिमायां१०।४४
१३	र	३१	५७	पु	५	८	शो	२०	३	कौ	४	८	४०	१६	४४	१०	११	१	कर्के	मीनेशुक्रः४/९मार्च३ता.३१प्रदोषः
१४	चं	२८	११	श्ले	२	५५	अ	१४	३	व	२८	११	४४	१५	४५	११	१२	२	सि२।५५	भ.२८/१५उ.५६/५४या.होलिकादहनम्भद्रोत्तरम्
१५	मं	२५	३७	म	१	३५	सु	९	२	ब	२५	३७	४८	१४	४६	१२	१३	३	सिंहे	शतेभौमः३४/२०छारेंड़ीग्रस्तोदयंचंद्रग्रहणम्

४६पं.फा.शु.५र इ.४८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	२	१०	११	१०	१०
१०	२९	२७	२१	२१	६	१५	९
३	४१	२६	१५	२३	३८	७	५४
१४	२	३५	२५	१०	२८	२५	४९
६०	४६	३९	५२/९	७४	६	३	६०
२५	१२	१	व्र.	२६	४९	११	३१

गोचर ग्रहाः

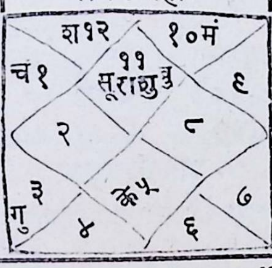

इस मास में धान्यमंदे
रस तेंज होवे ।
मकरे च स्थिते भौमे
घृत तेल महर्घता ।
सुभिक्षं तत्रधान्यानां
लोकाना दुःख पीडनं

गोचर ग्रहाः

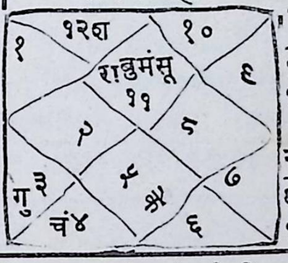

४७पं.फा.शु.१३र.इ.४९/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	२	११	११	१०	१०
१७	५	२७	२०	०	७	१४	१६
५	१२	२०	५७	७	२८	४५	५७
२८	०	४९	५४	१६	८	९	४४
६०	४६	४०/२०	३१/२	७४	७	३	६०
१२	११	व.	व.	२६	२	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८२ शाकः १९४७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तूरविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	बु	२४	१८	पू	१	३९	धृ	५	८	कौ	२४	१८	२८/५२	६/१४	५/४६	१३	१४	४	क.१६।५४	पूफा.रविः४२/५७(सौरः५०/२४)उभा.शुक्रः ×
२	गु	२४	४३	उ	२	४०	शू	२	४०	ग	२४	४३	५६	१३	४७	१४	१५	५	कन्यायां	भ.५५।४६उ. [×२४।२२वसंत१
३	शु	२६	४८	ह	६	२२	गं	१	२३	वि	२६	४८	२९/१	१२	४८	१५	१६	६	तु.३८।३८	भ.२६।४८या.चतुर्थीव्र.
४	श	३०	२०	चि	१०	५३	वृ	१	६	बा	३०	२०	५	११	४९	१६	१७	७	तुलायां	अस्तंशने:५५।४७
५	र	३५	२९	स्वा	१७	५	ध्रु	२	२	कौ	२	५४	९	१०	५०	१७	१८	८	तुलायां	मार्गीगुरुः५५।२४
६	चं	४१	१८	वि	२३	५८	व्या	३	३९	ग	८	२३	१३	९	५१	१८	१९	९	वृ.७।१५	भ.४१।१८उ.वक्रीशतेबुधः५३।३१
७	मं	४७	४१	अ	३१	३२	ह	५	४९	वि	१४	२९	१७	९	५१	१९	२०	१०	वृश्चिके	भ.१४।२९या.
८	बु	५४	१	ज्ये	३९	१	व	८	२	बा	२०	५१	२१	८	५२	२०	२१	११	ध.३९।१	शीतलापूजनम्
९	गु	५९	४८	मू	४७	१	सि	१०	१३	तै	२६	५४	२६	७	५३	२१	२२	१२	धनुषि	[+बुधोदयःपूर्वस्यां५६।५७
१०	शु	६०	०	पू	५१	५०	व्य	११	२५	व	३२	०	३०	६	५४	२२	२३	१३	धनुषि	भ.३२।०उ.
१०	श	४	१३	उ	५६	१६	व	११	४३	वि	४	१३	३४	५	५५	२३	२४	१४	म.७।५६	भ.४।१३या.मीनेऽर्कः४/३७(सौरः५०।४५+
११	र	७	१५	श्र	५८	५९	प	१०	४६	बा	७	१५	३८	४	५६	२४	२५	१५	मकरे	रेवत्यांशुक्रः७।४७पापमोचनी११व्र.
१२	चं	८	२१	ध	५९	४९	शि	८	२५	तै	८	२१	४३	३	५७	२५	२६	१६	कुं.२९।२४	प्रदोषः
१३	मं	७	३८	श	५९	३	सि	४/४१	५४/५५	व	७	३८	४७	३	५७	२६	२७	१७	कुम्भे	भ.७।३८उ.३६।२५या.
१४	बु	५	१२	पू	५६	४१	शु	५३	१४	श	५	१२	५१	२	५८	२७	२८	१८	मी४२।१७	उभा.रविः४।५१(सौरः१२।२१)
३०	गु	१	२०	उ	५३	१६	शु	४६	७	ना	१	२०	५५	१	५९	२८	२९	१९	मीने	मन्वादिःनवरात्रारंभः

४८पं.चै.कृ.५र.इ.४९/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	२	११	११	१०	१०
२४	१०	२१	२०	८	८	१४	२३
६	४२	११	५०	५०	१९	२२	५९
१४	४९	१८	१७	६	८	५४	७
५९	४६	६६/३८	०/१	७४	७	३	६०
५८	१८	व.	व.	२०	१०	११	६

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे १० शनौ
मीनेऽर्कः प्रविष्टः
वा.३न.३कुमार्यवस्था
(बैठी)मु.४५धान्या-
दि भावे समर्घता
शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

४९पं.चै.कृ.११र.इ.४९/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	२	११	११	१०	११
१	१४	१४	२०	१७	९	१४	०
५	१३	३९	५२	३१	१०	०	५८
३१	१२	२२	१९	४८	४१	३८	४९
५९	४६	३८/२४	१/८	७४	७	३	५९
४१	१८	व.	मा.	१४	२०	११	५९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२७, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१२७, भोग्यकलिः ४२६८७३, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८३, शाकः १९४८, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री भौमः । सस्येशः गुरुः । धान्येशः बुधः । मेघेशः चंद्रः । रसेशः शनिः । नीरसेशः गुरुः । फलेशः रविः । धनेशः गुरुः । दुर्गेशः चंद्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १४ रौद्रनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः १।२२।५३।४६।३६ भोग्यमासादिः १०।७।६।१३।२४नासत्यदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम पौषः।मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो:मालाकार गृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् दर्दुरः । स्तंभः१ जलस्य । सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी × भानुसप्तमी२ रविदशमी१ समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा १७, धान्यम् ११, तृणम् ५, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम्११७, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिरुत्तरे । ग्रहणाऽभावः ।

भैरव भवानी सम्वाद

माघ शुक्ला १४ शनिवार को अर्द्ध रात्रि पश्चात् रेल्वे घं. ४ मि. ४५ के समय चंद्रबिंब पर मालिन्यता आवेगी । यह ग्रहण अल्पग्रास होने से अनादेश्य है। स्पष्ट दृष्टिगोचर नहीं होगा।

भैरव प्रश्न

माता के दरबार में पूछै भैरवलाल ।
तीयासी की साल का कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे हाल सुनो चितलाय ।
तियासी की साल का कहुं भेद समझाय ।।
राष्ट्रपति अरु धनपति सस्याधिप गुरु जान ।
जग में सुख संपत्ति रहे बढै मान सन्मान ।।
रोहिणी वासो जलधि में संवत मालाकार ।
वर्षा विश्वा सप्तदश वर्षे मूसलधार ।।
मंत्री पद कुज को मिला इनका क्रूर स्वभाव ।
यह सुख से नहीं रहन दे बिच २ देखे दाव ।।
अधिक लिया इस वर्ष में सौम्य ग्रहां अधिकार ।
बंशीधर शर्मा कहे उत्तम इनका सार ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	५	१४	११	११	५	११

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्ष लग्नम् ११।१५

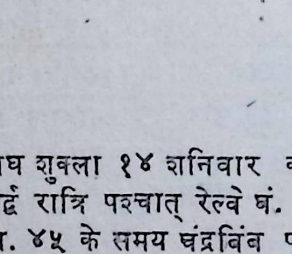

वर्षेश लग्नम् १।१६

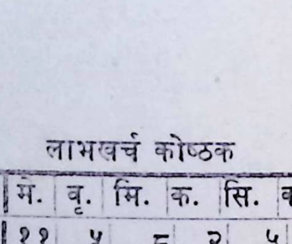

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।४।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१२।२१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुस्तत्फलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुघाश्च धेनव: ।। यजंति विप्रा बहवोग्नि हौत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री भौम: फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना । जनपदेषु जयं सुख संचयं न बहु गोषु पयो द्विज कर्म च ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराज पुरोहिते सकल सौख्यकर: श्रुतिपूर्वका: ।। जलधरा जलदा बहु सस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनिवै ।। धान्येशो बुधे: फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् ।। सैंधवे लाट देशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती धनधान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेश: शनि: फलम् ।। रविसुते रसपे रस संक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधरा: अजगवां गज वाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युता: ।। नीरसेशो गुरु: फलम् ।। हरिद्रापीत वस्तूनां पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदा जीव: सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशो रवि: फलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषिता । बहु जलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रवि: ।। धनेशो गुरु: फलम् ।। सुमनसां च गुरु र्द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परा सुख भाजना: । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवा: ।। दुर्गेशश्चंद्र: फलम् ।। गढ़पतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजा: । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा बर वर्णित विग्रहाः ।। रौद्रनाम संवत्सर: फलम् ।। रौद्रेब्दे नृप संभूत क्षोभ क्लेश समन्वितो सततं त्वखिला लोका: मध्य सस्यार्घ वृष्टयः ।। वर्षनाम पौष: फलम् ।। पौषेब्दे सुखिनः सर्वे गुरु पूजारता जनाः । क्षेत्रं सुभिक्षमारोग्यं वृष्टि कृषक सम्मता ।। मेघनाम पुष्कर: फलम् ।। पुष्करे मंद बृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे ।। समुद्रेतु महा बृष्टिः ।। समयनिवासो मालि गृहे । मालिन: प्रचुरावृष्टिः ।। एवं संचिन्त्य दैवज्ञै: कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ५ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ८ ऽ।।।।ऽऽ।।

प्र. ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ भौमे मूले ल. गो. १० रे. ७ ।।।ऽबृ।ऽअ।ऽ।।
पादतोवेधाऽभावः

द्वि. ज्येष्ठ मासः

शुक्ला ८ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।ऽचौ।ऽ।।
,, १५ चन्द्रे मुले ल. १ (व्ययेशनिः) रे. ७
ऽ।।।ऽबृ।ऽनृ।ऽ।। पादतोवेधाऽभाव:

आषाढ मासः

कृष्णा ६ चन्द्रे उभा. ल. १ (व्ययेऽर्की) रे. ७
ऽ।।।ऽअऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ३ चन्द्रे उफा ल. ८ रे. ८ ।।।।ऽअ।ऽ।।
,, ५ भौमे उफा ल. गो. रे. ६ ।।।।।।ऽ।।
,, ६ रवौ अनु. ल. ऽन्यगो रे. ६ ऽ।।।ऽरोऽऽ।।
शुक्ला १० भौमे मृगे ल. गो. (सोग्रांगः) ७ रे. ८
।ऽ।।।।ऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शनौ अनु. ल. ऽन्यगो (सोग्रांग:) ७ रे. ७
ऽ।।।।ऽऽ।।
,, ६ चन्द्रे मूले ल. ७-८ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ६ रवौ रोहि ल. ऽन्यगो रे. ६ ऽ।।।।ऽअऽऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५४६२स.२०२६
१	गु	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मीनेभौम:२३/४४हनुमज्जयंती
२	शु	५०	६	रे	४६	५	ब्र	३८	२३	बा	२३	३	३०/००	६/००	६/०	२९	३०	२०	मे.४९।५	पूभा.भौम:३६।१६ चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	श	४३	४७	अ	४४	४१	ऐं	३०	१०	तै	१६	५६	४	५/५९	१	३०	१	२१	मेषे	मार्गीबुध:५१/२२सव्वाल१०मत्स्यजयंती×
४	र	३७	२६	भ	४०	३२	वै	२२	०	व	१०	३६	८	५८	२	१	२	२२	बृ.५४।२२	भ.१०/३६उ.३७/२६या.उभा.३शनि:२७/२२भा.+
५	चं	३१	२०	कृ	३५	५४	वि	१४	१७	ब	४	२३	१२	५८	२	२	३	२३	वृषे	[×गणगौरी [+चैत्रारंभ:
६	मं	२५	२७	रो	३२	१	प्री	६/३८	५२/४२	तै	२५	२७	१६	५७	३	३	४	२४	वृषे	[−५३।३०उदयोभौम:५१।३६
७	बु	२०	१	मृ	२८	३४	सौ	५२	१९	व	२०	१	२१	५६	४	४	५	२५	मि०।१७	भ.२०।१उ.४७।३४या.अश्वि.मेषे शुक्र:−
८	गु	१५	८	आ	२५	३१	शो	४५	५४	ब	१५	८	२५	५५	५	५	६	२६	मिथुने	रामनवमी स्मा.
९	शु	१०	५१	पु	२३	१७	अ	४०	०	कौ	१०	५१	२९	५४	६	६	७	२७	क.८।५१	रामनवमी वै.
१०	श	७	७	पु	२१	४०	सु	३४	४५	ग	७	७	३३	५३	७	७	८	२८	कर्के	भ.३५/३८उ.शत.२राहु:मघा.४केतु:३७।६
११	र	४	९	श्ले	२०	४३	धृ	२९	५९	वि	४	९	३७	५३	७	८	९	२९	सिं२०।४३	भ.४।९या.कामदा११व्र.
१२	चं	१	४८	म	२०	३१	शू	२६	२	बा	१	४८	४१	५२	८	९	१०	३०	सिंहे	प्रदोष:
१३	मं	०	३९	पू	२१	२९	गं	२२	५२	तै	०	३९	४५	५१	९	१०	११	३१	कं.३६।५८	रेवत्यांरवि:३२।२६(सौर:३८।४८)
१४	बु	०	२६	उ	२३	२७	वृ	२०	३८	व	०	२६	४९	५०	१०	११	१२	१	कन्यायां	अप्रेल४ता.३०
१५	गु	१	२७	ह	२६	५०	ध्रु	१९	४१	ब	१	२७	५३	४९	११	१२	१३	२	तु.५९।८	भ.०।२६उ.३०।२७या.पूभा.बुध:२५/५०=

५०पं.चै.शु.४र.इ. ५०/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	२	११	११	१०	११
८	२१	१४	२१	२६	१०	१३	७
३	४३	४०	२	११	२	३८	५६
१८	१२	२३	५३	३५	४६	२३	४४
५९	४६	६	२	७४	७	३	५९
२९	१८	११	३०	८	२०	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी सोना रुई घटवढ लेकर तेज होजावे धान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ कुछ मंदे होंगे ।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.शु.११र.इ. ५०/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	२	०	११	१०	११
१४	२७	१७	२१	४	१०	१३	१४
५९	१२	५६	२३	४९	५५	१६	५२
१०	४	१३	३१	५५	१	७	५५
५९	४६	३४	३	७४	७	३	५९
१६	१३	२८	५३	२	२०	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	३	५०	चि	३१	२६	व्या	१९	१४	कौ	३	५०	३०/५७	५/४९	६/११	१३	१४	३	तुलायां	
२	श	७	३०	स्वा	३७	१४	ह	२०	०	ग	७	३०	३/११	४८	१२	१४	१५	४	तुलायां	भ.४०।२उ.
३	र	१२	३५	वि	४३	३८	व	२१	२६	वि	१२	३५	५	४७	१३	१५	१६	५	वृ.२७।२	भ.१२/३५या.भरण्यांशुक्र:४२/५१ चतुर्थी व्र.
४	चं	१८	५	अ	५१	१३	सि	२३	३०	बा	१८	५	८	४६	१४	१६	१७	६	वृश्चिके	उभा.भौम:४३।२३
५	मं	२४	२०	ज्ये	५७	५८	व्य	२५	५६	तै	२४	२०	१२	४६	१४	१७	१८	७	ध.५७।५८	
६	बु	३१	५	मू	६०	०	व	२८	२३	व	३१	५	१६	४५	१५	१८	१९	८	धनुषि	भ.३१।५उ.
७	गु	३६	४४	मू	६	१२	प	३०	२३	वि	३	५४	१९	४४	१६	१९	२०	९	धनुषि	भ.३।५४या.
८	शु	४१	४०	पू	१२	५३	शि	३१	२४	बा	९	१२	२३	४३	१७	२०	२१	१०	म.२९।१४	मीनेबुध:५६।१
९	श	४५	१४	उ	१८	१७	सि	३१	३५	तै	१३	२७	२६	४३	१७	२१	२२	११	मकरे	
१०	र	४७	६	श्र	२१	५९	सा	३०	१७	व	१६	१०	३०	४२	१८	२२	२३	१२	कुं.५२।५७	भ.१६।१०उ.४७।६या.
११	चं	४६	४९	ध	२३	५५	शु	२७	११	ब	१६	५७	३४	४१	१९	२३	२४	१३	कुम्भे	उभा.बुध:२६।१६वरुथिनी११व्र.
१२	मं	४४	३३	श	२३	४१	शु	२२	४६	कौ	१५	४१	३८	४०	२०	२४	२५	१४	कुंभे	अश्वि.मेषेऽर्क:६।२७(सौर:१३।२२)
१३	बु	४०	३०	पू	२१	५३	ब्र	१६	५४	ग	१२	३१	४२	४०	२०	२५	२६	१५	मी७।२०	भ.४०।३०उ. प्रदोष:
१४	गु	३४	३८	उ	१८	१५	ऐं	९	२३	वि	७	३४	४६	३९	२१	२६	२७	१६	मीने	भ.७।३४या.कृत्ति.शुक्र:३७।५६
३०	शु	२७	२३	रे	१३	९	वै	५०	५९	च	१	०	५०	३८	२२	२७	२८	१७	मे.१३।९	

५२पं वै कृ.३र.इ. ५०/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	२	०	११	१०	११
२१	२	२४	२१	१३	११	१२	२१
५३	३९	९	५३	२६	४७	५३	४७
३१	३२	२५	०	१०	१३	५१	६
५९	४६	५८	५	७३	७	३	५९
४	१३	२३	२	५५	१४	११	४

गोचर ग्रहाः

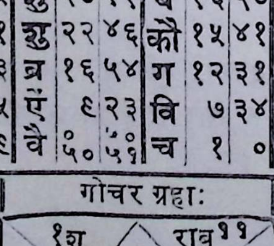

वैशाख कृष्णे १२ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

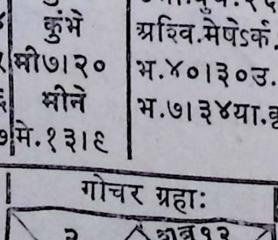

१पं.वै.कृ.१२मं.इ. ६/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	२	०	११	१०	११
०	९	४	२२	२३	१२	१२	२९
०	४	१३	३५	३३	४९	२७	५३
०	४१	३७	३५	४०	१	४३	२०
५८	४५	८०	६	७३	७	३	५८
४४	५८	३	२०	४८	८	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः:५४९१स.२०२६
१	श	१९	२३	अ	७	१४	प्री	४२	१४	ब	१९	२३	३१/५३	५/३७	६/२३	२८	२९	१८	मेषे	उभा.४शनिः:१८।३९ चंद्रदर्शनम्
२	र	११	४	भ	१/४	५३/५२	आ	३२	४३	कौ	११	४	५७	३७	२३	२९	१	१९	वृ.१४।३२	वृषेशुक्रः:२३/२२जिल्काद११परशुरामजयंती
३	चं	३	४	रो	४९	४	सौ	२३	६	ग	३	४	३२/१	३६	२४	३०	२	२०	वृषे	भ.२९/१०उ.५५/१७या.पुन.२गुरुः:५२/३२अक्षया३
४	चं	५२	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	मं	४८	१६	मृ	४४	५	शो	१४	३४	ब	२१	४६	५	३५	२५	१	३	२१	मि१६।३५	भा.वैशाखारंभः
६	बु	४२	७	आ	४०	२	अ	६/३९	५२/५४	कौ	१५	११	९	३४	२६	२	४	२२	मिथुने	रेवत्यांबुधः२३।४५
७	गु	३७	१७	पु	३७	७	धृ	५३	२०	ग	९	४२	१२	३४	२६	३	५	२३	क.२२।५१	भ.३७।१७उ.रेवत्यांभौमः५७।१४
८	शु	३३	३१	पु	३५	१७	शू	४८	४	वि	५	२४	१६	३३	२७	४	६	२४	कर्के	भ.५।२४या.
९	श	३०	५९	श्ले	३४	५२	गं	४३	५७	बा	२	१५	२०	३२	२८	५	७	२५	सिं३४।५२	
१०	र	२९	३५	म	३५	२३	वृ	४०	४१	तै	०	१७	२३	३१	२९	६	८	२६	सिंहे	भ.५९।३०उ.
११	चं	२९	२५	पू	३७	१४	ध्रु	३८	२१	वि	२९	२५	२७	३१	२९	७	९	२७	कं.५२।५५	भ.२९/२५या.भरण्यांरविः:४६/३७(सौरः:५४/४७)=
१२	मं	३०	२६	उ	४०	०	व्या	३६	५६	बा	३०	२६	३१	३०	३०	८	१०	२८	कन्यायां	[=रोहि.शुक्रः:३६/२२मोहिनी११व्र.
१३	बु	३२	२४	ह	४४	३	ह	३६	४०	कौ	१	२५	३४	२९	३१	९	११	२९	कन्यायां	प्रदोषः
१४	गु	३५	३६	चि	४९	१	व	३६	२९	ग	४	०	३८	२८	३२	१०	१२	३०	तु.१६।३२	भ.३५/३६उ.अश्वि.मेषेबुधः:४/९नृसिंहजयंती
१५	शु	३९	४५	स्वा	५४	५७	सि	३७	३५	वि	७	४०	४१	२८	३२	११	१३	१	तुलायां	भ.७/४०या.मई५ता.३१यमायकुंभदानम्

२पं. वै.शु.५मं.इ.६।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	२	१	११	१०	०
६	१४	१४	२३	२	१३	१२	६
५०	२९	३६	२१	६	३९	५	४३
४८	२०	१४	४३	४७	२५	२८	३१
५८	४५	९६	७	७३	६	३	५८
३१	५८	३२	१७	३८	५६	११	२९

गोचर ग्रहाः

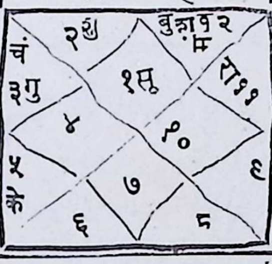

इस मास में शनि का चन्द्रदर्शन चांदीसोना रुई रंग सूतमें अच्छी तेजी करेगा रसकस कुछ मंदे हों।

गोचर ग्रहाः

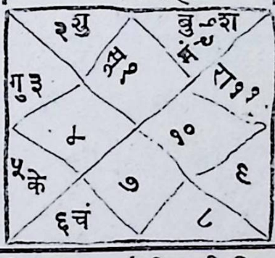

३पं.वै.शु.१२मं.इ.७/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	२	१	११	१०	०
१३	१९	२६	२४	१०	१२	११	१३
३९	५३	२७	१४	३७	२८	४३	३१
५०	२८	११	४६	३०	१	१२	५६
५८	४५	८/०	८	७३	६	३	५८
१९	४३	०/११	२६	२४	३८	११	१२

ति.	प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	श	४४	५८	वि	६०	०	व्य	३९	५	बा	१२	२१	३२/४५	५/२७	६/३३	१२	१४	२	वृ.४४।५६	बुधास्तःपूर्वस्यां५९।५५
२	र	५०	३१	वि	१	३५	व	४१	५	तै	१८	१४	४८	२६	३४	१३	१५	३	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्
३	चं	५६	३५	अ	८	४९	प	४३	२८	व	२३	३३	५२	२६	३४	१४	१६	४	वृश्चिके	भ.२३।३३उ.५६।३५या.
४	मं	६०	०	ज्ये	१६	२५	शि	४५	५५	ब	२९	४३	५५	२५	३५	१५	१७	५	ध.१६।२५	चतुर्थी व्रतम्
४	बु	२	५१	मू	२४	२	सि	४८	१९	बा	२	५१	५८	२४	३६	१६	१८	६	धनुषि	भरण्यांबुधः५५।१०
५	गु	९	५	पू	३१	१३	सा	५०	११	तै	९	५	३३/२	२४	३६	१७	१९	७	म.४७।४७	
६	शु	१४	२०	उ	३७	२७	शु	५१	७	व	१४	२०	५	२३	३७	१८	२०	८	मकरे	भ.१४/२०उ.४६/२८या.मृगेशुक्रः:३४/५४
७	श	१८	३६	श्र	४२	३२	शु	५१	२	ब	१८	३६	८	२२	३८	१९	२१	९	मकरे	
८	र	२१	१८	ध	४५	५५	ब्र	४९	३७	कौ	२१	१८	११	२२	३८	२०	२२	१०	कुं.१४।१३	[×अश्वि.मेषेभौमः:२१/२६
९	चं	२२	१३	श	४७	१७	ऐं	४६	३१	ग	२२	१३	१४	२१	३९	२१	२३	११	कुंभे	भ.५१/४५उ.कृत्ति.रविः:३२/३६(सौरः:४२/३९)×
१०	मं	२१	२	पू	४६	४६	वै	४१	५६	वि	२१	२	१७	२१	३९	२२	२४	१२	मी३१।५४	भ.२१।२या.
११	बु	१७	५३	उ	४४	१३	वि	३५	४०	बा	१७	५३	२०	२०	४०	२३	२५	१३	मीने	कृत्ति.बुधः१३।५६अपरा११व्र.
१२	गु	१२	४६	रे	३९	५१	प्री	२७	४९	तै	१२	४६	२३	१९	४१	२४	२६	१४	मे.३९।५१	वृषेऽर्कः:५९/५१वृषेबुधः:४७/२०मिथुनेशुक्रः:८/४२+
१३	शु	५	४६	अ	३४	१	आ	१८	४८	व	५	४६	२६	१९	४१	२५	२७	१५	मेषे	भ.५/४६उ.३१/३३या.वृषेऽर्कःसौरः:१०।३२
१४	शु	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+पुन.३गुरुः:१६/५७ प्रदोषः
३०	श	४८	३९	भ	२७	११	सौ	९/०	४९/२३	च	२३	०	२८	१८	४२	२६	२८	१६	वृ.४०।१९	वटपूजनम्

४पं.प्र.ज्ये.कृ.४मं.इ.७।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	२	१	११	१०	०
२०	२५	९	२५	१९	१५	११	२०
२७	१५	४१	१३	६	१५	२०	१८
२९	४०	४२	५५	३२	४	५६	४२
५८	४९	१८	९	७३	६	३	५७
६	३३	२१	१६	१४	२६	११	५७

गोचर ग्रहाः

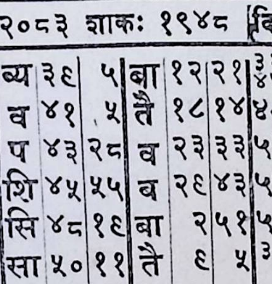

प्र.ज्येष्ठकृष्णे १२गुरौ वृषेऽर्कः:प्रविष्टः वा.३ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

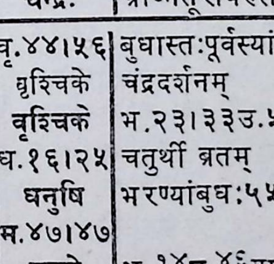

५पं.प्र.ज्ये.कृ.१०मं.इ.७/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	२	१	११	१०	०
२७	०	२४	२६	२७	१६	१०	२७
१३	३४	१७	१८	३२	०	५८	३
३७	४४	३८	४०	३५	४	४१	५६
५७	४५	२८	९	७२	६	३	५७
५४	१८	२८	५३	५६	१३	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५५२०स.२०२६
१	र	३८	३५	कृ	१९	४१	अ	४७	५२	किं	१३	३७	३३/३१	५/१८	६/४२	२७	२९	१७	वृषे	
२	चं	२९	१	रो	१२	१६	सु	३७	२८	बा	३	४८	३४	१७	४३	२८	३०	१८	मि३८।४५	रेवती.१शनिः३१।३२ चन्द्रदर्शनम्
३	मं	१९	५९	मृ	५/१५	५३/४२	धृ	२७	४०	ग	१९	५९	३७	१७	४३	२९	१	१९	मिथुने	भ.४५/५६उ.रोहिण्यांबुधः१९/४५आर्द्रा.शुक्रः=
४	बु	११	५३	पु	५४	१४	शू	१८	३४	वि	११	५३	३९	१६	४४	३०	२	२०	क.४०।२३	भ.११।५३या.
५	गु	५	१५	पु	५०	४९	गं	१०	२	बा	५	१५	४२	१६	४४	३१	३	२१	कर्के	[=४३/३९जिलहेज१२
६	शु	०	६	श्ले	४९	१४	वृ	४/३	५५/३७	तै	०	६	४४	१५	४५	१	४	२२	सि४९।१४	भ.५६।४४उ.भा.ज्येष्ठारंभः
७	शु	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	श	५४	५३	म	४९	१७	व्या	५६	२	वि	२५	४८	४७	१५	४५	२	५	२३	सिंहे	भ.२५।४८या.
९	र	५४	५२	पू	५०	५३	ह	५३	३५	बा	२४	५२	४९	१४	४६	३	६	२४	सिंहे	[×४५/३७बुधोदयःपश्चिमायां३/७
१०	चं	५६	१८	उ	५४	८	व	५२	२२	तै	२५	३५	५२	१४	४६	४	७	२५	कं.६।४२	रोहि.रविः२३/५३(सौरः३६/२४)मृगेबुधः×
११	मं	५९	४	ह	५८	३०	सि	५२	२२	व	२७	४१	५४	१३	४७	५	८	२६	कन्यायां	भ.२७/४१उ.५९/४या. कमला११व्र.स्मा.
१२	बु	६०	०	चि	६०	०	व्य	५३	४	ब	३१	०	५६	१३	४७	६	९	२७	तु.३१।१५	कमला११व्र.वे.
१२	गु	२	५६	चि	४	१	व	५४	१२	बा	२	५६	५८	१२	४८	७	१०	२८	तुलायां	
१३	शु	७	३८	स्वा	१०	१४	प	५६	१४	तै	७	३८	३४/००	१२	४८	८	११	२९	तुलायां	मिथुनेबुधः२।८भरण्यांभौमः४।५१
१४	श	१३	२२	वि	१७	११	शि	५८	१९	व	१३	२२	२	१२	४८	९	१२	३०	वृ.०।२७	भ.१३/२२उ.४६/१३या.पुन.शुक्रः५८/५४शत.२+
१५	र	१९	५	अ	२४	२७	सि	६०	०	ब	१९	५	३	११	४९	१०	१३	३१	वृश्चिके	[+राहुःमघा.३केतुः३५/६

६पं.प्र.ज्ये.शु.३मं.इ. ७/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	२	२	११	१०	१
३	५	९	२७	५	१६	१०	३
५८	५१	३४	२८	२६	४२	३६	४७
४४	३२	१६	३०	२०	३२	२५	४०
५७	४५	७/७	१०	७२	५	३	५७
४४	१८	५५	३६	३८	५०	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य धातु गल्ला रस घृत तेल वस्त्र रुई तेज हो प्रजा में महामारी फैले वर्षा अच्छीहो।

गोचर ग्रहाः

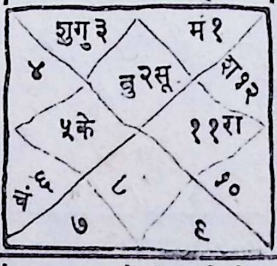

७पं.प्र.ज्ये.शु.११मं.इ. ७/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	२	२	११	१०	१
१०	११	२४	२८	१४	१७	१०	१०
४२	६	१३	४२	१६	२२	१४	२९
४०	५०	५५	३२	४४	१२	१०	५१
५७	४५	७/७	११	७२	५	३	५७
३५	६	५६	१३	१९	२५	११	२३

ति.	द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तुरविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	चं	२५	५	ज्ये	३१	५८	सि	०	४०	कौ	२५	५	३४/५	५/११	६/४९	११	१४	१	ध.३१।५८	आर्द्रा.बुधः५६।५६जून६ता.३०
२	मं	३१	१७	मू	३९	२५	सा	३	९	ग	३१	१७	७	११	४९	१२	१५	२	धनुषि	पुन.४कर्के गुरुः५।१९
३	बु	३७	८	पू	४६	४०	शु	५	३१	व	४	१२	९	१०	५०	१३	१६	३	धनुषि	भ.४।१२उ.३७।८या.
४	गु	४२	२१	उ	५३	१	शु	७	२६	व	९	४४	१०	१०	५०	१४	१७	४	म.३।१५	चतुर्थी व्र.
५	शु	४६	४०	श्र	५८	४४	ब्र	८	५०	कौ	१४	३०	१२	१०	५०	१५	१८	५	मकरे	
६	श	४९	५६	ध	६०	०	ऐं	९	२३	ग	१८	१८	१३	९	५१	१६	१९	६	कुं.३०।५५	भ.४९।५६उ.
७	र	५१	४१	ध	३	५	वै	८	५९	वि	२०	४८	१५	९	५१	१७	२०	७	कुंभे	भ.२०।४८या.
८	चं	५१	४६	श	६	८	वि	७	२४	वा	२१	४३	१६	९	५१	१८	२१	८	मी५२।५	मृगेरविः१९/६(सौरः३५/२४)कर्के शुक्रः२५/१५
९	मं	५०	४	पू	७	२४	प्री	४/२३	५५/२४	तै	२०	५५	१७	९	५१	१९	२२	९	मीने	
१०	बु	४६	२९	उ	६	५०	सौ	५३	४५	व	१८	१६	१८	८	५२	२०	२३	१०	मीने	भ.१८।१६उ.४६।२९या.
११	गु	४०	३९	रे	४	२०	शो	४६	१०	ब	१३	३४	१९	८	५२	२१	२४	११	मे.४।२०	पुन.बुधः४/५पुष्येशुक्रः१३/१४कमला११व्र.
१२	शु	३३	४०	अ	०/६	५४/५	अ	३७	२६	कौ	७	९	१९	८	५२	२२	२५	१२	मेषे	
१३	श	२५	३५	कृ	४७	१२	सु	२७	४४	व	२५	३५	२०	८	५२	२३	२६	१३	वृ.७।२६	भ.२५।३५उ.५०।३३या.
१४	र	१५	३२	रो	३९	३०	धृ	१७	११	श	१५	३२	२१	८	५२	२४	२७	१४	वृषे	
३०	चं	५	३०	मृ	३१	४४	शू	६/१	४९/१०	ना	५	३०	२१	८	५२	२५	२८	१५	मि५।३७	मिथुनेऽर्कः१६।४०(सौरः३६।१२)

८पं.द्वि.ज्ये.कृ.२मं.इ. ७/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	३	२	११	१०	१
१७	१६	६	०	२२	१७	९	१७
२५	१८	५८	०	३४	५८	५१	१०
२६	५८	३४	२९	२६	१९	५४	५७
५७	४४	७/०	११	७१	४	३	५७
२७	५२	४८	५०	५४	५५	११	१२

गोचर ग्रहाः

द्वि.ज्येष्ठकृष्णे३०चंद्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५न५प्रव्राजिकावस्था (ऊभी)मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

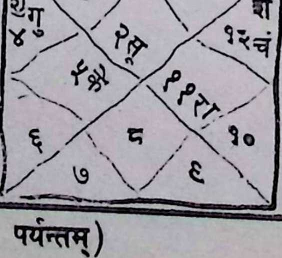

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.९मं.इ. ७/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	२	३	३	११	१०	१
२४	२१	१७	१	०	१८	९	२३
७	२८	२१	२१	५०	३१	२९	५०
३०	५९	११	४३	३८	३४	३८	५३
५७	४४	८१	१२	७१	४	३	५७
२२	४०	५६	१५	२६	३१	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:५५५०स.२०२६
१	चं	४६	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४५	४६	आ	२४	३	वृ	४५	१	बा	२०	३१	३४/३२	५/८	६/५२	२६	२९	१६	मिथुने	कृत्ति.भौम:१४।१५ चंद्रदर्शनम्
३	बु	३७	३१	पु	१७	२५	ध्रु	३५	३८	तै	११	४०	२२	८	५२	२७	१	१७	क.४।६	मोहोरम१सन्१४४८हि.
४	गु	३०	३२	पु	११	५४	व्या	२७	१०	व	४	१	२३	७	५३	२८	२	१८	कर्के	भ.४।१उ.३०।३२या पुष्य.१गुरु:५१/२१
५	शु	२५	२८	श्ले	८	१७	हृ	२०	३३	बा	२५	२८	२३	७	५३	२९	३	१९	सिं८।१७	
६	श	२२	१४	म	६	३३	व	१५	२६	तै	२२	१४	२३	७	५३	३०	४	२०	सिहे	वृषेभौम:५१।१
७	र	२१	१३	पू	६	४३	सि	११	४४	व	२१	१३	२४	७	५३	३१	५	२१	कं.२२।१९	भ.२१।१३उ.५१।३६या.
८	चं	२२	०	उ	९	७	व्य	९	५२	ब	२२	०	२४	७	५३	१	६	२२	कन्यायां	आर्द्रा.रवि:१५/५३(सौर:३७/४५) कर्के बुध:२३/२१=
९	मं	२४	३७	ह	१३	४	व	८	४८	कौ	२४	३७	२४	७	५३	२	७	२३	तु.४५।४५	[=आश्ले.शुक्र:४९/३०भा.आषाढारंभ:
१०	बु	२८	४५	चि	१८	२६	प	१०	५	ग	२८	४५	२४	७	५३	३	८	२४	तुलायां	गंगादशमी
११	गु	३३	५१	स्वा	२४	४३	शि	११	३०	व	१	१८	२४	७	५३	४	९	२५	तुलायां	भ.१/१८उ.५३/३१या.पातस्पर्श:४६/१७निर्ज.११व्र.
१२	शु	३६	४६	वि	३२	५	सि	१३	३४	ब	६	५०	२३	७	५३	५	१०	२६	बृ.१५।१५	पातमोक्ष:६।२०
१३	श	४५	५३	अ	३६	२८	सा	१५	५२	कौ	१२	५१	२३	७	५३	६	११	२७	वृश्चिके	वक्रीबुध:४८।३९ प्रदोष:
१४	र	५१	५२	ज्ये	४७	४६	शु	१८	२२	ग	१८	५२	२२	८	५२	७	१२	२८	ध.४७।४६	भ.५१।५२उ.
१५	चं	५७	४६	मू	५५	७	शु	२०	४२	वि	२४	४९	२२	८	५२	८	१३	२९	धनुषि	भ.२४।४९या. गुर्जराणां वटसावित्रीव्र.

१०पं.द्वि.ज्ये.शु.२मं.इ.७/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	२	३	३	११	१०	२
०	२६	२५	२	८	१९	९	०
४८	३५	१९	४५	५८	०	७	३०
४७	१३	३०	४७	८	२२	२३	२
५७	४४	५०	१२	७०	३	३	५६
१७	१६	४२	३३	५३	५२	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चंद्रदर्शन गेहूं जौ चना मटर सरसों बाजरा मूंग मोठ धातु गुड़ शक्कर चीनी में तेजी करे।

गोचर ग्रहाः

११पं.द्वि.ज्ये.शु.९मं.इ.७/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	३	३	११	१०	२
७	१	०	४	१७	१९	८	७
२९	३९	१५	१२	१	२५	४५	८
४२	२९	४	४७	१९	२३	७	२९
५७	४३	२०	१२	७०	३	३	५६
१३	४०	२३	५८	१३	२०	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	मं	६०	०	पू	६०	०	ब्र	२२	५०	बा	३१	१	३४/२१	५/८	६/५२	९	१४	३०	धनुषि	
१	बु	४	१७	पू	२	१०	ऐं	२४	३७	कौ	४	१७	२०	८	५२	१०	१५	१	म.१८।४०	जुलाई७ता.३१
२	गु	८	२	उ	८	१०	वै	२५	४७	ग	८	२	१९	८	५२	११	१६	२	मकरे	भ.३६।५८उ.
३	शु	११	५४	श्र	१२	४७	वि	२६	२१	वि	११	५४	१८	८	५२	१२	१७	३	कुं.४५।३	भ.११।५४या. चतुर्थी व्र.
४	श	१४	४१	ध	१७	१६	प्री	२६	७	बा	१४	४१	१७	९	५१	१३	१८	४	कुंभे	मघा.सिंहेशुक्र:३४/२रोहि.भौम:५०/३०पुष्य.२+
५	र	१६	३२	श	२०	५०	आ	२४	५६	तै	१६	३२	१६	९	५१	१४	१९	५	कुम्भे	रेवती.२शनि:५०।५२
६	चं	१७	२	पू	२२	५९	सौ	२२	४७	व	१७	२	१५	९	५१	१५	२०	६	मी७।२७	भ.१७/२उ.४६/४०या.पुन.रवि:१४/२५(सौर:४१/४७)×
७	मं	१६	१७	उ	२३	४६	शो	१९	२९	ब	१६	१७	१४	९	५१	१६	२१	७	मीने	[×वक्रीमिथुनेबुध:५३/२७
८	बु	१४	२	रे	२३	२	अ	१५	१	कौ	१४	२	१३	९	५१	१७	२२	८	मे.२३।२	[+गुरु:४२/०बुधास्त:पश्चिमायां:२९/४
९	गु	१०	४	अ	२०	५०	सु	९	१३	ग	१०	४	११	१०	५०	१८	२३	९	मेषे	भ.३७।२५उ.
१०	शु	४	४५	भ	१७	७	धृ	२/१९	५२/१	वि	४	४५	१०	१०	५०	१९	२४	१०	वृ.३०।५१	भ.४।४५या.योगिनी११व्र.स्मा.
११	शु	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	श	४९	५८	कृ	१२	४	गं	४५	१७	कौ	२३	५५	८	१०	५०	२०	२५	११	वृषे	योगिनी११व्र.वै.
१३	र	४१	३	रो	५/५४	५२/५६	वृ	३५	२२	ग	१५	३०	७	११	४९	२१	२६	१२	मि३२।२२	भ.४१।३उ. प्रदोष:
१४	चं	३१	३६	आ	५१	२९	ध्रु	२५	१	वि	६	१९	५	११	४९	२२	२७	१३	मिथुने	भ.६।१९या.
३०	मं	२१	५९	पु	४४	१३	व्या	१४	२९	ना	२१	५९	३	११	४९	२३	२८	१४	क.३१।२	

१२पं.आ.कृ.१मं.इ.७।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	३	३	११	१०	२
१४	६	१	५	२५	१९	८	१३
१०	४०	४६	४२	१	४६	२२	४६
८	८	५९	४	४८	१२	५२	३४
५७	४३	१०/५	१३	६९	२	३	५६
७	३४	व	१७	२०	३५	११	५०

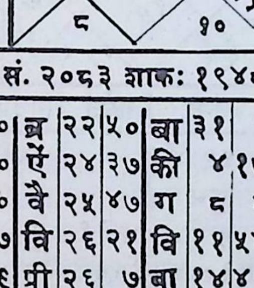

१३पं.आ.कृ.७मं.इ.७।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	३	४	११	१०	२
२०	११	२९	७	२	२०	८	२०
५०	३८	५२	१२	५५	२	०	२४
३५	५६	१२	३६	२३	२८	३६	२८
५७	४३/१८	२३	१३	६८	१	३	५६
७	व	७	२६	३२	५६	११	५०

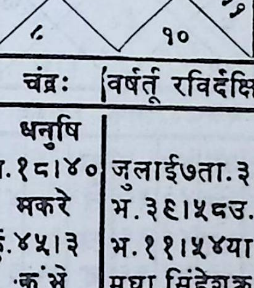

१४पं.आं.कृ.३०मं इ.७/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	३	४	११	१०	२
२७	१६	२५	८	१०	२०	७	२७
३०	३२	४७	४४	४१	१३	३८	२
५४	३८	१३	४	२४	२६	२०	३५
५७	४३	३९/२३	१३	६७	१	३	५६
११	१	व	३२	२५	१८	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ५५७९स.२०२६
१	बु	१२	५५	पु	३७	५०	ह	४/२९	५/३६	ब	१२	५५	३४	५/१२	६/४८	२४	२९	१५	कर्के	चन्द्रदर्शनम्
२	गु	४	५७	श्ले	३२	४०	सि	४७	५७	कौ	४	५७	५९/३३	१२	४८	२५	१	१६	सिं ३२।४०	कर्केऽर्कः ४/५ ३/१ पूफा.शुक्रः २/३ ८/४ सफर२रथयात्रा
३	गु	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	शु	५३	४९	म	२९	७	व्य	३९	५८	व	२६	११	५७	१३	४७	२६	२	१७	सिंहे	भ.२/१ ६/१ उ.५/४ ३/२ या.कर्केऽर्कः सौरः १४।३१
५	श	५१	२३	पू	२७	२०	व	३४	४७	ब	२२	३६	५५	१३	४७	२७	३	१८	कं.४२।३०	अस्तंगुरोः २२।१२
६	र	५१	२	उ	२८	२	प	३१	२८	कौ	२१	१२	५२	१४	४६	२८	४	१९	कन्यायां	पुष्य.३गुरुः ५३।२१
७	चं	५२	४१	ह	३०	२३	शि	२९	३४	ग	२१	५१	५०	१४	४६	२९	५	२०	कन्यायां	भ.५/४ २/१ उ.पुष्येरविः १/३ (सौरः ४/९ ५/२)
८	मं	५६	१६	चि	३४	५६	सि	२९	२९	वि	२४	२८	४८	१४	४६	३०	६	२१	तु.२।४०	भ ३/२ ४/८ या.बुधोदयः पूर्वस्या५७।३७
९	बु	६०	०	स्वा	४०	५०	सा	३०	१७	बा	२८	४३	४५	१५	४५	३१	७	२२	तुलायां	
९	गु	१	११	वि	४७	५६	शु	३१	५९	कौ	१	११	४३	१५	४५	१	८	२३	वृ.३१।१०	मृगेभौमः ५१।३०भा.श्रावणारंभः
१०	शु	७	१४	अ	५५	१६	शु	३४	१८	ग	७	१४	४०	१६	४४	२	९	२४	वृश्चिके	भ.४०।२०उ.मार्गीबुधः ४६।२८
११	श	१३	२७	ज्ये	६०	०	ब्र	३६	५६	वि	१३	२७	३८	१६	४४	३	१०	२५	वृश्चिके	भ.१३।२७या देवशयनी११व्र.
१२	र	१९	३२	ज्ये	३	३	ऐं	३९	२६	बा	१९	३२	३५	१७	४३	४	११	२६	ध.३।३	प्रदोषः
१३	चं	२५	२१	मू	१०	१९	वै	४१	३६	तै	२५	२१	३३	१७	४३	५	१२	२७	धनुषि	वक्रीशनिः ७।८
१४	मं	३०	२८	पू	१७	११	वि	४२	५९	व	३०	२८	३०	१८	४२	६	१३	२८	म.३३।३७	भ.३०।२८उ.उफा.शुक्रः ५५।५१
१५	बु	३४	३७	उ	२२	५६	प्री	४३	५४	वि	२	३२	२७	१९	४१	७	१४	२९	मकरे	भ.३/२ या.व्यासपूजावायुपरीक्षागुरु१५

१५पं.आ.शु.८मं.इ. ७/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	३	४	११	१०	३
४	२१	२२	१०	१८	२०	७	३
११	२४	१९	१६	१९	१९	१६	४१
३८	११	२३	४८	२६	४४	५	२
५७	४२	२४/१८	१३	६६	८	३	५६
१५	१९	व.	३८	०	३९	११	५९

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले २ गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

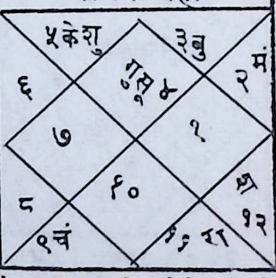

१६पं.आ.शु.१४म.इ. ७/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	३	४	११	१०	३
१०	२६	२२	११	२५	२०	६	१०
५२	१०	४९	५०	४७	२१	५३	२०
४१	४१	१९	२	४२	१४	४९	१९
५७	४२	२१/११	१३	६४	०/११	३	५७
२०	२	मा	३८	२५	व.	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः स. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	गु	३७	४१	श्र	२७	५१	आ	४४	४	बा	६	९	३३/२४	५/१९	६/४१	८	१५	३०	कुं.५९।४७	[=धनि.४राहुःमघा.२केतुः २/३ ८/४×
२	शु	३९	४२	ध	३१	४४	सौ	४३	१२	तै	८	४१	२२	२०	४०	९	१६	३१	कुंभे	[×अगस्त८ता.३१
३	श	४०	३४	श	३४	३४	शो	४१	३६	व	१०	८	१९	२०	४०	१०	१७	१	कुंभे	भ १/८ ०/... उ.४/३ ०/४ या.कन्यायांशुक्रः ९/४ ...=
४	र	४०	२९	पू	३६	२२	अ	३९	१६	ब	१०	३१	१६	२१	३९	११	१८	२	मी२०।५५	मिथुनेभौमः ४५।५९ चतुर्थी व्र.
५	चं	३९	२३	उ	३७	१६	सु	३५	५९	कौ	९	५६	१३	२१	३९	१२	१९	३	मीने	आश्ले.रविः ९/६ २/० (सौरः ४/५ ३/२) पुष्य.४+
६	मं	३७	२८	रे	३७	७	धृ	३१	५२	ग	८	२५	१०	२२	३८	१३	२०	४	मे.३७।७	भ.३७।२८उ.
७	बु	३४	१४	अ	३५	४८	शू	२७	१	वि	५	५१	७	२३	३७	१४	२१	५	मेषे	भ.५।५१या.मिथुनेबुधः ३१।१५
८	गु	३०	१०	भ	३३	४३	गं	२१	२०	बा	२	३७	४	२३	३७	१५	२२	६	वृ.४७।५६	[+गुरुः ५२।२०नाग५
९	शु	२५	५	कृ	३०	३५	वृ	१४	५५	ग	२५	५	०	२४	३६	१६	२३	७	वृषे	भ.५२।३उ.
१०	श	१९	२	रो	२६	२६	ध्रु	७/३२	५१/५२	वि	१९	२	३/५७	२५	३५	१७	२४	८	मि५३।५६	भ.१९।२या.पुष्येबुधः २२।४९
११	र	१२	७	मृ	२१	२६	ह	५०	४६	बा	१२	७	५४	२५	३४	१८	२५	९	मिथुने	कामिका११व्र.
१२	चं	४	२३	आ	१५	५०	व	४१	३२	तै	४	२३	५०	२६	३४	१९	२६	१०	क.५६।२४	भ.५६।१७उ.हस्तेशुक्रः ३/३ ८/८ प्रदोषः
१३	चं	५१	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	मं	४८	१६	पु	९	५५	सि	३२	२२	वि	२२	१६	४७	२७	३३	२०	२७	११	कर्के	भ.२२।१६या.उदयंगुरोः २१।०
३०	बु	४०	४६	पु	३/५६	५४/४१	व्य	२३	१८	च	१४	३१	४४	२७	३३	२१	२८	१२	सिं५८।३७	आर्द्रा.भौमः ३८।५१ हरियाली

१७पं.श्रा.कृ.६मं.इ. ७/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	३	५	११	१०	३
१७	०	२८	१३	३	२०	६	१७
३४	५६	१८	२३	४	१८	३१	०
२३	२०	५०	२०	४१	०	३४	७
५७	४१	७०	१३	६२	५०/०	३	५७
२५	४३	५२	३८	३१	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

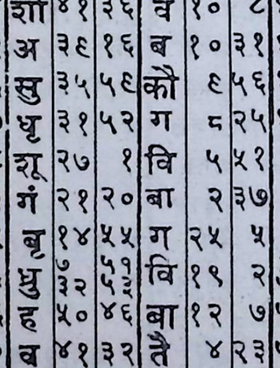

इस मास में जौ गेहूं चना मटर सरसों मंदी हो सोना चांदी आदि धातु गुड़ शक्कर चीनी तेज हो

गोचर ग्रहाः

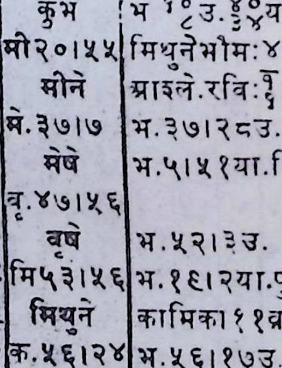

१८पं.श्रा.कृ.१४मं.इ. ६/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	३	५	११	१०	३
२४	५	८	१४	१०	२०	६	२३
१६	३६	३	५५	७	९	९	४१
४४	३६	४०	४१	५८	४३	१८	१४
५७	४१	७०/०	१३	६०	३५/१	३	५७
३३	२१	५/४६	३२	७	व.	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६०८सन्२०२६
१	गु	३४	९	म	५४	२६	व	१४	५२	किं	७	२७	३२/४०	५/२८	६/३२	२२	२९	१३	सिंहे	[=५७/१५रविलावल३तीज
२	शु	२८	५७	पू	५१	४९	प	७	२५	बा	१	३३	३७	२९	३१	२३	३०	१४	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	श	२५	४३	उ	५०	५२	शि	९/८	५५/१४	ग	२५	४३	३३	२९	३१	२४	१	१५	क.६।२१	भ.५४/३६उ.आश्ले.बुधः५०/२६बुधास्तःपूर्वस्यां=
४	र	२३	१९	ह	५१	५०	सा	५२	५६	वि	२३	१९	३०	३०	३०	२५	२	१६	कन्यायां	भ.२/१९या.वक्रीरेवती.१शनिः३६/५६वरद४
५	चं	२४	५६	चि	५४	५९	शु	५१	५०	बा	२४	५६	२६	३१	२९	२६	३	१७	तु.२३।२५	मघा.सिंहेऽर्कः४।१२(सौरः४२।२४)
६	मं	२७	३८	स्वा	५९	५२	शु	५१	२५	तै	२७	३८	२२	३२	२८	२७	४	१८	तुलायां	
७	बु	३१	५८	वि	६०	०	ब्र	५२	३२	व	३१	५८	१९	३२	२८	२८	५	१९	वृ.४९।४१	भ.३१।५८उ.आश्ले.१गुरुः११।५०
८	गु	३७	४०	वि	६	१७	ऐं	५३	३१	वि	४	४९	१५	३३	२७	२९	६	२०	वृश्चिके	भ.४।४९या.
९	शु	४३	४२	अ	१३	१२	वै	५६	५५	बा	१०	४१	१२	३४	२६	३०	७	२१	वृश्चिके	
१०	श	४९	५४	ज्ये	२०	५२	वि	५९	२१	तै	१६	४८	८	३४	२६	३१	८	२२	ध.२०।५२	मघा.सिंहेबुधः३३।१९
११	र	५५	४७	मू	२८	१८	प्री	६०	०	व	२२	५०	४	३५	२५	१	९	२३	धनुषि	भ.२२/५०उ.५५/४७या.भा.भाद्रपदारंभः×
१२	चं	६०	०	पू	३५	१७	प्री	१	५०	ब	२८	१८	१	३६	२४	२	१०	२४	म.४६।१५	[×पवित्रा११व्र.
१२	मं	०	५०	उ	४१	९	आ	३	१९	बा	०	५०	३१/५७	३७	२३	३	११	२५	मकरे	चित्रा.शुक्रः१२।३७ प्रदोषः
१३	बु	४	४०	श्र	४५	५१	सौ	४	१	तै	४	४०	५३	३७	२३	४	१२	२६	मकरे	
१४	गु	७	१०	ध	४९	१८	शो	३	३९	व	७	१०	४९	३८	२२	५	१३	२७	कु.१७।३५	भ.७।१०उ.३७।४४या.
१५	शु	८	१८	श	५१	१९	अ	२	१८	ब	८	१८	४६	३९	२१	६	१४	२८	कुंभे	श्रावणीकर्म रक्षावंधनम्

१९पं.श्रा.शु.६मं.इ. ६/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	३	३	५	११	१०	४
१	१०	२०	१६	१६	१९	५	०
०	१३	५८	२७	५१	५६	४७	२३
४	३४	३०	२५	५४	१७	२	२७
५७	४०	८/७	१३	५६	२/१४	३	५७
४०	४६	८/४	२६	५८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

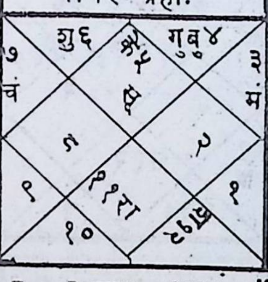

श्रावण शुक्ले१५चन्द्रे सिंहेऽर्कं प्रविष्टःवा.५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१२मं.इ. ६/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	३	५	११	१०	४
७	१४	५	१७	२३	१९	५	७
४४	४५	१	५८	१४	३८	२४	६
२८	२९	११	१२	३८	३५	४७	५४
५७	४०	८/०	१३	५२	२/४७	३	५७
४९	१८	५/४	२०	५२	व.	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरद्दतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श	८	६	पू	५२	५	सु	०/१०	५६/३५	कौ	८	६	३१/४२	५/४०	६/२०	७	१५	२९	मी३८।५४	पूफा.बुधः१६।२१
२	र	६	४९	उ	५१	५४	शू	५२	३६	ग	६	४९	२८	४०	२०	८	१६	३०	मीने	भ.३५।३८उ.पूफा.रविः५३।५६
३	चं	४	२८	रे	५०	५०	गं	४७	५९	वि	४	२८	३४	४१	१९	९	१७	३१	मे.५०।५०	भ.४६/२८या.पूफा.रविःसौरः३३/१५ चतुर्थी व्र.
४	मं	१	३१	अ	४९	९	वृ	४२	३४	बा	१	३१	३०	४२	१८	१०	१८	१	मेषे	सितम्बर१९ता.३० [÷जन्माष्टमीव्र.स्मा.
५	मं	५६	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+पुन.भौमः१५।४चन्द्रषष्ठी
६	बु	५३	३१	भ	४६	५६	ध्रु	३६	३५	ग	२५	३३	२६	४३	१७	११	१९	२	मेषे	भ.५३।३१उ.तुलायांशुक्रः११।४७+
७	गु	४८	५३	कृ	४४	२९	व्या	३०	२२	वि	२१	१२	२२	४४	१६	१२	२०	३	वृ.१।२०	भ.२१।१२या.आश्ले.२गुरुः३६।२०÷
८	शु	४४	१६	रो	४१	२२	ह	२३	४६	बा	१६	३४	१८	४४	१६	१३	२१	४	वृषे	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	श	३८	२८	मृ	३७	५०	व	१६	५०	तै	११	२२	१५	४५	१५	१४	२२	५	मि९।३६	उफा.बुधः२७।४०गोगा९
१०	र	३२	३९	आ	३४	०	सि	९	३३	व	५	३३	११	४६	१४	१५	२३	६	मिथुने	भ.५।३३उ.३२।३९या.
११	चं	२६	२९	पु	२९	५३	व्य	२/३	५२/१८	बा	२६	२९	७	४७	१३	१६	२४	७	क.१५।५५	कन्यायांबुधः१९।५५अजा११व्र.
१२	मं	२०	१९	पु	२५	४४	प	४६	३८	तै	२०	१९	३	४७	१३	१७	२५	८	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	बु	१४	२३	श्ले	२१	३१	शि	३९	११	व	१४	२३	३/५९	४८	१२	१८	२६	९	सिं२१।३१	भ.१४।२३उ.४१।४४या.
१४	गु	९	६	म	१८	२०	सि	३२	२३	श	९	६	५५	४९	११	१९	२७	१०	सिंहे	
३०	शु	४	२५	पू	१५	५०	सा	२६	८	ना	४	३५	५१	५०	१०	२०	२८	११	कं.३०।३२	स्वात्यांशुक्रः३३/२६कुशाग्रहणीपिठोरी३०

२१पं.भा.कृ.४मं.इ. ६/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	३	५	११	१०	४
१४	१९	१८	१९	२९	१९	५	१३
३०	१४	४५	२७	७	१७	२	५२
४	२४	३६	११	४४	९	३१	६
५८	३९	२/९	१३	४७	३/२६	३	५७
१	५५	५/३	८	५८	व.	११	५७

गोचर ग्रहाः

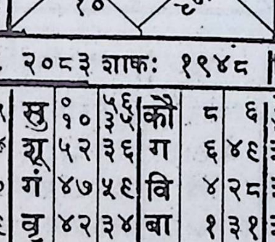

इस मास में धान्य गल्ला कुछ मंदा हो गुड़ शक्कर सोना चांदी वस्त्र तेज हो प्रजा में रोग-शोक फैले ।

गोचर ग्रहाः

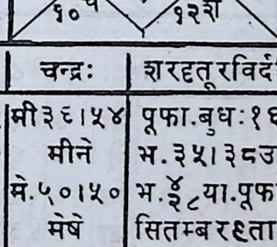

२२पं.भा.कृ.१२मं.इ. ६/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	३	६	११	१०	४
२१	२३	१	२०	४	१८	४	२०
१७	३८	२६	५४	२४	५१	४०	३८
६	३५	२८	२९	४०	२५	१६	४६
५८	३९	०/४	१२	४१	३/५	३	५८
१३	१२	२३	४५	२२	व.	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः संo २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५६३८स.२०२६
१	श	१	३५	उ	१४	३७	शु	२१	१२	ब	१	३५	३०/४७	५/५१	६/९	२१	२९	१२	कन्यायां	बुधोदयः पश्चिमायां ८।४६
२	र	०	५	ह	१५	७	शु	१७	१३	कौ	०	५	४३	५१	६	२२	३०	१३	तु.४६।१३	उफा.रविः ३८/२१ हस्तेबुधः ११/५८ चंद्रदर्शनम्
३	चं	०	३८	चि	१७	२०	ब्र	१४	५०	ग	०	१८	३९	५२	८	२३	१	१४	तुलायां	भ. ३१/२८ उ.उफा.रविःसौरः १७/५५ रविलाखर=
४	मं	२	३८	स्वा	२१	८	ऐं	१३	४९	वि	२	३८	३५	५३	७	२४	२	१५	तुलायां	भ.२।३८या.ऋषिपंचमी
५	बु	६	१९	वि	२६	४३	वै	१३	५२	बा	६	१९	३१	५४	६	२५	३	१६	वृ.१०।१९	[=४ हरितालिका३ गणेश चतुर्थी
६	गु	११	३०	अ	३३	२२	वि	१५	३४	तै	११	३०	२७	५५	५	२६	४	१७	वृश्चिके	कन्यायामर्कः३।४२(सौरः४३।६)
७	शु	१७	२२	ज्ये	४०	३७	प्री	१७	२२	व	१७	२२	२२	५६	४	२७	५	१८	ध ४०।३७	भ.१७।२२उ.५०।२९या.कर्के भौमः १५/४०
८	श	२३	३७	मू	४८	११	आ	१९	५३	व	२३	३७	१८	५६	४	२८	६	१९	धनुषि	
९	र	२९	४६	पू	५५	२४	सौ	२२	८	कौ	२९	४६	१४	५७	३	२९	७	२०	धनुषि	आश्ले.३गुरुः२५।३१
१०	चं	३५	६	उ	६०	०	शो	२३	५९	तै	२	४३	९	५८	२	३०	८	२१	म.१२।०	चित्रा.बुधः३५।४७
११	मं	३९	१०	उ	१	४९	अ	२५	५	व	६	४७	५	५९	१	३१	९	२२	मकरे	भ.६/४७ उ ३९/१०या.जलझूलनी११व्र.
१२	बु	४१	३७	श्र	६	४४	सु	२५	५	ब	१०	२३	३०/००	६/००	६/००	१	१०	२३	कुं.३८।३३	पुष्ये भौमः ५२/३६ भा.आश्विनारंभः×
१३	गु	४२	२५	ध	१०	२१	धृ	२३	५२	कौ	१२	१	२९/५६	१	५९	२	११	२४	कुंभे	प्रदोषः [×वामनजयंती
१४	शु	४१	३१	श	१२	१४	शू	२१	१८	ग	११	५८	५२	२	५८	३	१२	२५	मी५७।२१	भ.४१।३१उ.अनंत१४
१५	श	३९	२	पू	१२	२३	गं	१७	१९	वि	१०	१६	४८	२	५८	४	१३	२६	मीने	भ.९०/१६या.तुलायांबुधः १७/४२ महालयारंभः

२३पं.भा.शु.४मं.इ. ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	३	६	११	१०	४
२८	२७	१३	२२	८	१८	४	२७
५	५७	११	१९	५०	२२	१८	२७
२८	५०	५३	१२	१०	५५	०	३
५८	३८	०/०	१२	३२	४/१०	३	५८
२६	४०	५२	२०	५०	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ६ गुरौ कन्यायांमर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युवावस्था (सूती)मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२४पं.भा.श.११मं.इ. ५/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	३	६	११	१०	५
४	२	२४	२३	१२	१७	३	४
५५	१२	६	४०	१०	५२	५५	१७
१९	०	२२	५	२३	५	४४	१०
५८	३८	९२	१२	२१	४/२८	३	५
३८	१५	१६	०	३३	व.	११	४

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेभाद्रपद कृष्णेति महा. ५
१	र	३५	२३	उ	११	२०	वृ	१२	२२	बा	७	१२	२९/४४	६/३	५/५७	५	१४	२७	मीने	हस्तेरवि.१६।५५(सौरः५५।३६)
२	च	३०	५६	रे	९	१	ध्रु	६/२६	५३/२२	तै	४	९	४०	४	५६	६	१५	२८	मे.९।१	भ.५८।१३उ.
३	मं	२५	२९	अ	५	४८	ह	५२	३९	वि	२५	२९	३६	५	५५	७	१६	२९	मेषे	भ.२५।२९या. चतुर्थी व्र.
४	बु	१९	५३	भ	२/१७	५६/१५	व	४५	२०	बा	१९	५३	३२	६	५४	८	१७	३०	वृ.१६।२१	स्वात्यांबुधः५७।४७
५	गु	१४	१९	रो	५४	५४	सि	३७	५१	तै	१४	१९	२८	६	५४	९	१८	१	वृषे	अक्टूबर१०ता.३१
६	शु	८	५१	मृ	५१	११	व्य	३०	४०	व	८	५१	२३	७	५३	१०	१९	२	मि२३।२	भ.८/५१उ.३६/९या.वक्रीशुक्रः २५/५०
७	श	३	३२	आ	४७	५०	व	२३	२६	ब	३	३२	१९	८	५२	११	२०	३	मिथुने	धनि.३राहुःमघा.१केतुः२०।६
८	श	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	र	५३	३१	पु	४४	४३	प	१६	२७	त	२५	५८	१५	९	५१	१२	२१	४	क.३०।३०	मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	चं	४८	५३	पु	४१	४६	शि	९	३७	व	२१	१२	११	१०	५०	१३	२२	५	कर्के	भ.२१।१२उ.४८।५३या.
११	मं	४४	३८	श्ले	३९	२५	सि	३/१०	५३/४	ब	१६	४५	७	११	४९	१४	२३	६	सि३९।२५	इंदिरा११व्र.
१२	बु	४१	१०	म	३७	१९	शु	५१	७	कौ	१२	५४	३	११	४९	१५	२४	७	सिहे	वक्रीउभा.४शनिः३४।२२
१३	गु	३८	१८	पू	३६	७	शु	४६	०	ग	९	४४	२८/५९	१२	४८	१६	२५	८	कं.५१।३	भ.३९/२८उ.आश्ले ४गुरुः ३९/२६ प्रदोषः
१४	शु	३६	२४	उ	३५	५०	ब्र	४१	३४	वि	७	२१	५५	१३	४७	१७	२६	९	कन्यायां	भ.७।२१या.शस्त्रादिहतानां श्रा.
३०	श	३५	४८	ह	३६	४८	ऐं	३८	११	च	६	६	५१	१४	४६	१८	२७	१०	कन्यायां	चित्रा.रवि.४८।०सर्वपितृ३०

२५पं.आ.कृ.३मं.इ. ८/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	३	६	११	१०	५
११	६	४	२४	१४	१७	३	११
४६	२०	७	५८	५	२०	३३	९
५२	४९	५५	१२	५६	६	२९	८
५८	३७	८२	११	७	४/४०	३	५९
५३	३४	२२	२२	४१	व	११	००

गोचर ग्रहाः

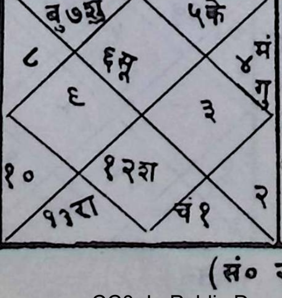

इस मास में गन्ना गुड़ शक्कर अनाज रुई तेज हो पशु पीडित व रोग ग्रस्त हों प्रजा में विग्रह उत्पन्न हो।

गोचर ग्रहाः

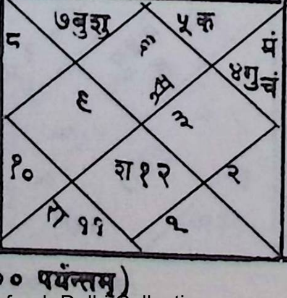

२६पं.आ.कृ ११मं.इ. ५/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	३	६	११	१०	५
१८	१०	१३	२६	१४	१६	३	१८
४०	२४	९	१२	१४	४६	११	२
५	४	५४	१४	३१	२६	१३	५५
५९	३६	७०	१०	८/२७	४/४०	३	५९
९	४९	११	५०	व.	व.	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:५६६७स.२०२६
१	र	३६	२५	चि	३८	५४	वै	३५	४१	किं	६	६	२८/४७	६/१५	५/४५	१९	२८	११	तु.७।५१	चित्रा.रवि:सौर:२६/१० नवरात्रारंभ:मा.श्रा
२	चं	३८	५३	स्वा	४२	२२	वि	३४	४३	बा	७	३९	४३	१५	४५	२०	२९	१२	तुलायां	विशा.बुध:१२।५६चंद्रदर्शनम्
३	मं	४२	२९	वि	४७	१४	प्री	३४	१३	तै	१०	४१	३९	१६	४४	२१	१	१३	वृ ३१।१	जमादिलावल५
४	बु	४७	३९	अ	५३	५२	आ	३४	५९	व	१५	४	३५	१७	४३	२२	२	१४	वृश्चिके	भ.१५।४उ.४७।३९या.
५	गु	५३	२८	ज्ये	६०	०	सौ	३६	२६	ब	२०	३३	३१	१८	४२	२३	३	१५	वृश्चिके	
६	शु	५९	४४	ज्ये		० ४१	शो	३८	४७	कौ	२६	३६	२७	१९	४१	२४	४	१६	ध.०।४१	शुक्रास्त:पश्चिमायां२१।३६
७	श	६०	०	मू	८	१६	अ	४१	१३	ग	३२	५५	२३	१९	४१	२५	५	१७	धनुषि	तुलायामर्क:३२।०आश्ले.भौम.३१।४६
७	र	६	६	पू	१५	४७	सु	४३	२३	व	६	६	२०	२०	४०	२६	६	१८	म.३२।३३	भ.६।६उ.३९/०या.तुलार्क:सौर:८।५४
८	चं	११	५५	उ	२२	५२	धृ	४५	५	ब	११	५५	१६	२१	३९	२७	७	१९	मकरे	[÷भा.कार्तिकारंभ:प्रदोष:
९	मं	१६	३३	श्र	२८	४३	शू	४५	४४	कौ	१६	३३	१२	२२	३८	२८	८	२०	मकरे	[×स्मा:कोजागरीव्र.
१०	बु	१९	४७	ध	३३	११	गं	४५	१६	ग	१९	४७	८	२२	३८	२९	९	२१	कुं.०।५७	भ.५०।२३उ.
११	गु	२०	५९	श	३५	५०	वृ	४३	१७	वि	२०	५९	४	२३	३७	३०	१०	२२	कुंभे	भ.२०।५९या.पापांकुशा११व्र.
१२	शु	२०	२५	पू	३६	३०	ध्रु	३९	५२	बा	२०	२५	०	२४	३६	१	११	२३	मी२१।२०	वक्रीबुध:५ ३वक्रीचित्रा.शुक्र:४५।३६÷
१३	श	१७	५१	उ	३५	१५	व्या	३४	४७	तै	१७	५१	२६/५६	२५	३५	२	१२	२४	मीने	स्वात्यांरवि:१४।५२(सौर:४९।५७)
१४	र	१३	२८	रे	३२	३१	ह	२८	२४	व	१३	२८	५३	२५	३५	३	१३	२५	मे.३२।३१	भ.१३।२८उ.४०।३७या.शरद्पूर्णिमा ×
१५	चं	७	४७	अ	२८	१७	व	२०	५३	व	७	४७	४९	२६	३४	४	१४	२६	मेषे	शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२७प.आ.शु.३मं.इ.५/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	६	३	६	११	१०	५
२५	१४	२०	२७	१२	१६	२	२५
३४	२०	४५	२२	२५	१४	४८	५८
५९	२	५८	८	५	२	५८	३७
५९	३५	५२	१०	२४	४/३४	३	५९
२१	५३	३०	४	३	व.	११	३१

गोचर ग्रहा:

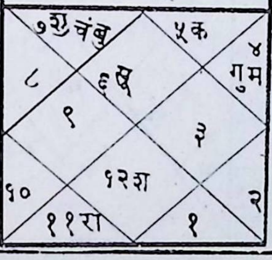

आश्विनशुक्ले ७ शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहा:

२८पं.आ.शु.९मं.इ.१५/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	३	६	११	१०	६
२	१८	२५	२८	८	१५	२	१
३१	९	५४	२६	५५	४२	२६	५६
२३	३६	०	१३	५५	१८	४२	१
५९	३५	२३	९	३४/४१	१४/६	३	५९
३४	१	२३	२२	व.	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेतिमहा.
१	मं	०	५२	भ	२३	११	सि	१२	२९	कौ	०	५२	२७/४५	६/२७	५/३३	५	१५	२७	वृ.३६।४७	
२	मं	५२	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	बु	४६	१२	कृ	१७	३३	व्य	३/४२	५०/५५	व	१९	५७	४१	२८	३२	६	१६	२८	वृषे	भ.१९।५७उ.४६।१२या.
४	गु	३९	३	रो	१२	८	प	४५	५३	ब	१२	३७	३७	२९	३१	७	१७	२९	मि३९।३३	बुधास्त:पश्चिमायां३४/२२करकचतुर्थीव्र.
५	शु	३२	१६	मृ	६	५८	शि	३७	१३	कौ	५	३९	३४	२९	३१	८	१८	३०	मिथुने	शुक्रोदय:पूर्वस्यां५०।२४
६	श	२६	२०	आ	२/२६	५६/६	सि	२९	१४	व	२६	२०	३०	३०	३०	९	१९	३१	क.४१।१२	भ.२६/०उ.१३/४२या.मघा.१सिंहेगुरु:३५।०
७	र	२१	५	पु	५५	२५	सा	२१	४६	ब	२१	५	२७	३१	२९	१०	२०	१	कर्के	नवम्बर११ता.३०
८	चं	१६	४७	श्ले	५३	१९	शु	१५	७	कौ	१६	४७	२३	३१	२९	११	२१	२	सि५३।१९	वक्रीस्वात्यांबुध:५०।५५
९	मं	१३	२३	म	५२	७	शु	९	१३	ग	१३	२३	१९	३२	२८	१२	२२	३	सिंहे	भ.४२।१३उ.
१०	बु	११	२	पू	५१	५२	ब्र	२/५५	५/४३	वि	११	२	१६	३३	२७	१३	२३	४	सिंहे	भ.११।२या.
११	गु	६	३५	उ	५२	३१	वै	५६	७	बा	९	३५	१२	३४	२६	१४	२४	५	कं.७।२	वक्रीकन्यायांशुक्र:२३।७रमा११व्र.
१२	शु	९	९	ह	५४	२५	वि	५३	३०	तै	९	९	०	३४	२६	१५	२५	६	कन्यायां	त्रिशा.रवि:३५।२२प्रदोष:धन१३
१३	श	९	५५	चि	५७	१९	प्री	५१	३९	व	९	५५	५	३५	२५	१६	२६	७	तु.२५।५२	भ.५५/२उ.४०/७या.वि.रवि:सौर:२७/१रुप १४
१४	र	११	३९	स्वा	६०	०	आ	५१	१	श	११	३९	२	३६	२४	१७	२७	८	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	चं	१४	४६	स्वा	१	२१	सौ	५०	४४	ना	१४	४६	२६/५८	३६	२४	१८	२८	९	वृ.५०।५	अन्नकूटगोवर्द्धनपूजा

२९पं.का.कृ.१मं.इ.५।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	३	६	११	१०	६
९	२१	२६	२९	४	१५	२	८
२९	५०	१६	२५	४२	१२	४	५५
३८	२०	५	१	७	२९	२६	२१
५९	३४	३१/१५	८	३५/२६	३/५८	३	६०
४७	१	व	३१	व	व.	११	२

गोचर ग्रहा:

कार्तिक शुक्ले ७ चंद्रे बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे ममता शुक्रोदय पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहा:

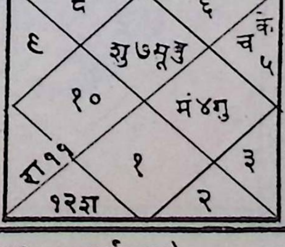

३०पं.का.कृ.९मं.इ.५६/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	४	६	११	१०	६
१६	२५	१९	०	१	१४	१	१५
२९	२१	३७	१८	०	४५	४२	५५
२०	४	४४	३२	११	३२	११	२५
६०	३२	९५/१८	७	२६/१८	३/४२	३	६०
४	५२	व	२५	व	व.	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:५६९७सं.२०२६
१	मं	१८	५३	वि	६	२०	शो	५१	३२	ब	१८	५३	२६/५५	६/३७	५/२३	१९	२९	१०	वृश्चिके	
२	बु	२४	१०	अ	१२	३०	अ	५२	५८	कौ	२४	१०	५२	३८	२२	२०	३०	११	वृश्चिके	बुधोदय:पूर्वस्यां९चंद्रदर्शनम् भातृ२ यम२
३	गु	३०	६	ज्ये	१९	२१	सु	५४	४४	ग	३०	६	४९	३८	२२	२१	१	१२	ध.१९।२१	मघा.सिंहेभौम:३३/४०जमादिलाखर६
४	शु	३६	३१	मू	२६	३९	धृ	५६	५९	व	३	१८	४५	३९	२१	२२	२	१३	धनुषि	भ.१३/८उ.३६/१या.मार्गीबुध:५७।५४
५	श	४३	२	पू	३४	३९	शू	५९	२५	ब	९	४६	४२	४०	२०	२३	३	१४	ध.५१।३४	मार्गीशुक्र:४९।३४
६	र	४९	१६	उ	४२	१९	गं	६०	०	कौ	१६	९	३९	४०	२०	२४	४	१५	मकरे	
७	चं	५४	३६	श्र	४८	५७	गं	१	४१	ग	२१	५६	३६	४१	१९	२५	५	१६	मकरे	भ.५४/६उ.बृश्चिकेऽर्कः:३१।२६
८	मं	५८	४१	ध	५४	३३	वृ	३	५	वि	२६	३८	३३	४१	१९	२६	६	१७	कुं.२१।४५	भ.२६/३या बृश्चिकेऽर्कः:सौर:१/३८गोपाष्टमी
९	बु	६०	०	श	५८	३४	धु	२	२९	बा	२९	५०	३०	४२	१८	२७	७	१८	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
९	गु	०	५९	पू	६०	०	व्या	२	४८	कौ	०	५९	२७	४३	१७	२८	८	१९	मी४५।७	अनु.रवि:४९।४६
१०	शु	१	२८	पू	०	३८	ह	०/३५	५६/२	ग	१	२८	२५	४३	१७	२९	९	२०	मीने	भ.३/४ ०/२उ.५/५ ९/६या.अनु.रवि:सौर:३/१ ८/६÷
११	शु	५८	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷प्रबोधिनी११व्र.स्मा.तुलसीविवाह
१२	श	५६	५	उ	०/५०	५८/१	सि	५१	३	ब	२८	०	२२	४४	१६	३०	१०	२१	मे.५८।५१	प्रबोधिनी११व्र.वै.
१३	र	५०	३२	अ	५५	२	व्य	४३	४७	कौ	२३	१८	१९	४४	१६	१	११	२२	मेषे	तुलायांशुक्र:२/३०भा.मार्गशीर्षारंभ:प्रदोष:
१४	चं	४३	१३	भ	४९	३८	व	३५	२२	ग	१६	५२	१७	४५	१५	२	१२	२३	मेषे	भ.४३।१३उ.वैकुंठ१४
१५	मं	३५	५	कृ	४३	११	प	२५	५०	वि	९	९	१४	४५	१५	३	१३	२४	वृ.३।१	भ.९/१या.मन्वादि:का.स्ना.पू.

३१पं.का.शु.१मं.इ.४।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	४	५	११	१०	६
२	२८	१२	१	२८	१४	१	२२
३०	४१	२१	२	५६	२२	१९	५८
४०	५१	४०	३५	२४	१६	५५	५७
६०	३१	५६/२९	६	११/५१	२	३	६०
१७	२९	व.	२५	व.	३	११	३०

३२प.का.शु.८म.इ.४।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	५	११	१०	७
०	१	११	१	२८	१४	०	०
३३	५१	४२	४०	५०	२	५७	३
२२	१३	०	२३	२०	४२	४०	१
६०	२९	३७/१०	५	५/१३	२/२०	३	६०
३०	५१	मा	१३	मा	व.	११	४०

३३प.का.शु.१५म.इ.५।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	६	११	१०	७
७	४	१८	२	०	१३	०	७
३७	४८	२१	९	३६	४७	३५	८
१६	४	०	३६	०	३१	२४	३४
६०	२८	७३	४	१७	१/४६	३	६०
४२	१	३	२	४४	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	बु	२६	१३	रो	३६	१३	शि	१५	५०	बा	०	३९	२६/१२	६/४६	५/१४	४	१४	२५	वृषे	विशा.बुध:२५।३७
२	गु	१७	१९	मृ	२९	७	सि	२२/५	४९/३६	ग	१७	१९	९	४६	१४	५	१५	२६	मि२।४०	भ.४२।५८उ.
३	शु	८	३७	आ	२२	२३	शु	४५	१०	वि	८	३७	७	४७	१३	६	१६	२७	मिथुने	भ.८।३७या.चतुर्थीव्र.
४/५	श	५०/३	१८/३	पु	१६	३६	शु	३६	१	बा	०	३८	५	४७	१३	७	१७	२८	क.३।३	
६	र	४८	२८	पु	११	५२	ब्र	२७	४८	ग	२१	१०	२	४८	१२	८	१८	२९	कर्के	भ.४८।२८उ.
७	चं	४४	२४	श्ले	८	२३	ऐं	२०	४३	वि	१६	२६	०	४८	१२	९	१९	३०	सिं८।२३	भ.१६।२६या.
८	मं	४१	५९	म	६	२५	वै	१४	५९	बा	१३	११	२५/५८	४८	१२	१०	२०	१	सिंहे	दिसम्बर१२ता.३१
९	बु	४०	५३	पू	६	१	वि	१०	१९	तै	११	२६	५६	४९	११	११	२१	२	कं.२१।१२	ज्येष्ठा.रवि:५९/५७बृश्चिकेबुध:२८।३
१०	गु	४१	१५	उ	६	४६	प्री	६	४९	व	११	४	५४	४९	११	१२	२२	३	कन्यायां	भ.११/४उ.४/१५या.ज्येष्ठा.रवि:सौर:३६/२०
११	शु	४२	५५	ह	९	४	आ	४	२८	ब	१२	५	५३	४९	११	१३	२३	४	तु.४०।४७	अनु.बुध:४६।३६उत्पत्ति११व्र.
१२	श	४५	३९	चि	१२	३०	सौ	३	१०	कौ	१४	१६	५१	५०	१०	१४	२४	५	तुलायां	स्वात्यांशुक्र:३५/१७धनि.२मकरेराहु:आश्ले=
१३	र	४९	५०	स्वा	१७	१९	शो	२	५८	ग	१७	४४	४९	५०	१०	१५	२५	६	तुलायां	भ.४९।५०उ.प्रदोष:
१४	चं	५४	३४	वि	२३	०	अ	३	७	वि	२२	१२	४८	५०	१०	१६	२६	७	वृ.६।३५	भ.२२।१२या.
३०	मं	६०	०	अ	२९	३१	सु	४	९	च	२७	२८	४६	५१	९	१७	२७	८	वृश्चिके	[=४कर्केकेतु:१२।४
३०	बु	०	२२	ज्ये	३६	२२	धृ	५	२६	ना	०	२२	४५	५१	९	१८	२८	९	ध.३६।२२	बुधास्त:पूर्वस्यां४३।३९

३४पं.मा.कृ.८मं.इ.४।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	४	६	११	१०	७
१४	७	२७	२	३	१३	०	१४
४२	२७	५८	२९	५०	३७	१३	१५
२९	५४	४८	४९	३५	३०	८	२०
६०	२६	८६	२	३१	१/८०	३	६१
५०	३	३७	४५	०	व	११	३

गोचर ग्रहाः

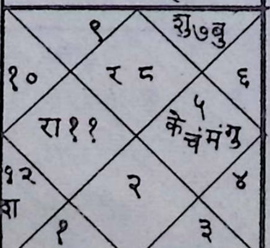

इस मास के कृष्ण पक्ष में धातु धान्य गल्ला गुड शक्कर वस्त्र रुई बारदाना मंदे होकर सुदि में तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

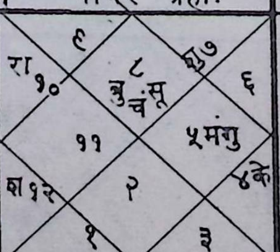

३५पं.मा.कृ.३०मं.इ.५।३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	६	११	९	७
२१	९	८	२	८	१३	२९	२१
४८	४९	२७	४०	१८	३३	५०	२३
३२	४४	१४	४४	५०	१	५३	१
६०	२३	९३	१	३९	०/१८	३	६१
५६	१८	५	१८	५४	व.	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हिमंततू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५७२७न.२०२६
१	गु	६	२५	मू	४३	५१	शू	७	३२	ब	६	२५	२५/४४	६/५१	९	१९	२९	१०	धनुषि	मार्गीशनिः२६।४२
२	शु	१३	५३	पू	५१	२०	गं	६	५७	कौ	११	५३	४३	५१	६	२०	३०	११	घनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	श	१६	२६	उ	५८	५८	वृ	१२	१६	ग	१६	२६	४२	५२	८	२१	१	१२	म.८।१४	भ.५२।४०उ रज्जव७
४	र	२५	५०	अ	६०	०	ध्रु	१४	१४	वि	२५	५०	४१	५२	८	२२	२	१३	मकरे	भ.२५।५०या.ज्येष्ठाबुधः२६।३६
५	चं	३१	२६	अ	६	८	व्या	१६	५	बा	३१	२६	४०	५२	८	२३	३	१४	कुं.३६।२१	
६	मं	३६	८	ध	१२	३३	ह	१७	१६	कौ	३	४७	३९	५२	८	२४	४	१५	कुम्भे	वक्रीगुरुः५१।५०चंपा६
७	बु	३६	२२	श	१७	४१	व	१७	३१	ग	७	४५	३९	५२	८	२५	५	१६	कुम्भे	भ.३/२ १/२ उ.मूलेधनुष्यर्कः७।१२(सौरः ३/१ ०/०)
८	गु	४१	२	पू	२१	२०	सि	१६	३२	वि	१०	१२	३८	५२	८	२६	६	१७	मी५।२५	भ.१०।१२या.
९	शु	४०	४६	उ	२३	८	व्य	१४	२	बा	१०	५५	३८	५२	८	२७	७	१८	मीने	
१०	श	३८	२६	रे	२३	५	व	१०	६	तै	९	३९	३७	५३	७	२८	८	१९	मे.२३।५	
११	र	३४	२८	अ	२१	१	प	४/३२	५२/४२	व	६	२८	३७	५३	७	२९	९	२०	मेषे	भ.६/२८उ.३/३४या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	चं	२८	८	भ	१७	१	सि	४८	४२	ब	१	१८	३६	५३	७	३०	१०	२१	वृ.३०।३६	पूफा.भौमः४०।९प्रदोपः
१३	मं	२०	२८	कृ	११	२०	सा	३८	५५	तै	२०	२८	३६	५३	७	१	११	२२	वृषे	मूलेधनुषिबुधः१/३विशा.शुक्रः२/०भा.÷
१४	बु	११	३७	रो	४/३१	५२/२२	शु	२८	१७	व	११	३७	३६	५३	७	२	१२	२३	मि३०।४२	भ.१/३ १/७उ.३/४ ६/७या.दत्तजयंती
१५	गु	१	५७	आ	४८	५३	शु	१७	२२	ब	१	५७	३६	५३	७	३	१३	२४	मिथुने	[÷पौषारंभः

३६पं.मा.शु.६मं.इ.३।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	४	६	११	९	७
२८	११	१९	२	१३	१३	२९	२८
५५	४९	११	४२	४१	२३	२८	३१
२६	५२	२	१८	२	५०	३७	४४
६१	२०	९६	०	४६	३३	३	६१
०	२२	१८	११	४९	मा	११	१९

गोचर ग्रहाः

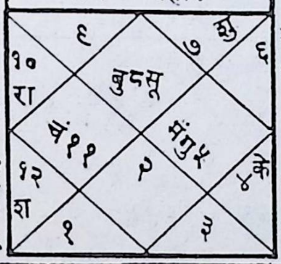

मार्गशीर्षशुक्ले७ बुधे धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा. ३न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

३७पं.मा.शु.१३.मंइ.३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	६	११	९	८
६	१३	०	२	१९	१३	२९	५
३	२६	३	३४	४५	३९	६	४१
०	२८	५०	४१	४७	४७	२२	९
६१	१६	९८	२५/१	५१	१	३	६१
४	३५	३४	व.	५२	१७	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः स० २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेतिमहा.
१	गु	५०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	४२	४४	पु	४१	११	ब्र	६/७	४९/१६	तै	१७	२६	२५/३७	६/५३	५/७	४	१४	२५	क.२८।७	
३	श	३४	४	पु	३४	३०	वै	४५	१६	व	८	२४	३७	५३	७	५	१५	२६	कर्के	भ.८।२४उ.३४।४या.
४	र	२६	३८	श्ले	२८	५६	वि	३६	१६	ब	०	२१	३७	५३	७	६	१६	२७	सिं२८।५६	चतुर्थीव्र.
५	चं	२०	५३	म	२४	५५	प्री	२८	४४	तै	२०	५३	३८	५२	८	७	१७	२८	सिंह	[×(सौरः३१।४७)
६	मं	१७	९	पू	२२	३६	आ	२२	३८	व	१७	९	३८	५२	८	८	१८	२९	कं.३७।३३	भ.१७।९उ.४६।७या.पूषा.रविः५/१ २/५ ×
७	बु	१५	५	उ	२२	१४	सौ	१७	५६	ब	१५	५	३९	५२	८	९	१९	३०	कन्यायां	पूषा.बुधः२३।२
८	गु	१५	७	ह	२३	५३	शो	१४	५४	कौ	१५	७	४०	५२	८	१०	२०	३१	तु.५५।३७	[=जनवरी१ता.३१सन्२०२७
९	शु	१६	५०	चि	२७	२१	अ	१३	११	ग	१६	५०	४१	५२	८	११	२१	१	तुलायां	भ.४८।२३उ.वृश्चिकेशुक्रः३८।२१ =
१०	श	१९	५६	स्वा	३२	१	सु	१२	४०	वि	१९	५६	४२	५२	८	१२	२२	२	तुलायां	भ.१९।५६या
११	र	२४	३१	वि	३७	५९	धृ	१३	३३	बा	२४	३१	४३	५१	९	१३	२३	३	वृ.२१।३०	सफला११व्र.
१२	चं	२९	५२	अ	४४	४९	शू	१४	४०	तै	२९	५२	४४	५१	९	१४	२४	४	वृश्चिके	
१३	मं	३६	१२	ज्ये	५२	६	गं	१६	३६	ग	३	२	४५	५१	९	१५	२५	५	ध.५२।६	भ.३६।१२उ.अनु.शुक्रः०।२९प्रदोषः
१४	बु	४२	३१	मू	५९	३०	वृ	१८	३१	वि	९	२१	४७	५१	९	१६	२६	६	धनुषि	भ.९।२१या.
३०	गु	४८	५७	पू	६०	०	ध्रु	२०	५६	च	१५	४४	४८	५०	१०	१७	२७	७	घनुषि	उषा.बुधः३४।२६

३८पं.पौ.कृ.६मं.इ. २४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	६	११	९	८
१३	१४	११	२	२६	१३	२८	१२
१०	३४	६	१७	२१	५१	४४	५१
५९	५	४३	१३	३२	०	६	१
६१	१२	०/०	५०/२	५६	१	३	६१
६	८	२५/०	व	५	५८	११	२६

गोचर ग्रहाः

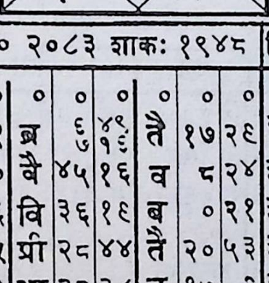

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना मक्का जो गेहूं चावल धातु रसकस गुड़ सक्कर आदि तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

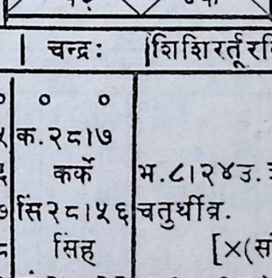

३९पं.पौ.कृ.१३मं.इ.५९/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	४	७	११	९	८
२०	१५	२२	१	३	१४	२८	२०
१९	९	३३	५१	२२	७	२१	००
५	२२	२	०	४८	१९	५०	५८
६१	६	०/०	४/७	५९	२	३	६१
६	१७	५८	व.	२२	४०	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५७५६स.२०२७
१	शु	५५	२२	पू	७	१०	व्या	२३	५	किं	२२	६	२५/५०	६/५०	५/१०	१८	२८	८	म.२४।१	
२	श	६०	०	उ	१४	३५	ह	२५	१६	बा	२८	२२	५२	५०	१०	१९	२९	९	मकरे	मकरेबुधः४४।४८चंद्रदर्शनम्
२	र	१	२३	श्र	२१	३१	व	२६	५४	कौ	१	२३	५३	४९	११	२०	१	१०	कुं.५४।३५	सावान ८
३	चं	६	४०	ध	२७	४०	सि	२७	५३	ग	६	४०	५५	४९	११	२१	२	११	कुंभे	भ.३९/०उ.उषा.रविः१५/१(सौरः३३/१५)=
४	मं	११	१८	श	३३	२३	व्य	२८	८	वि	११	१८	५७	४९	११	२२	३	१२	कुंभे	भ.११।१८या. [=वक्रीभौमः२३।५५
५	बु	१४	४८	पू	३७	३२	व	२७	५८	बा	१४	४८	५९	४८	१२	२३	४	१३	मी२१।३०	
६	गु	१६	५९	उ	४०	४०	प	२६	३२	तै	१६	५९	२६/१	४८	१२	२४	५	१४	मीने	मकरेऽर्कः३३।२५(सौरः४८।४२)
७	शु	१७	४६	रे	४२	१०	शि	२३	५२	व	१७	४६	४	४७	१३	२५	६	१५	मे.४२।१०	भ.१७/४६उ.४७/१या.श्रवणेबुधः३९।१
८	श	१६	४७	अ	४२	५	सि	१९	५०	ब	१६	४७	६	४७	१३	२६	७	१६	मेषे	
९	र	१४	२२	भ	४०	७	सा	१४	३०	कौ	१४	२२	८	४६	१४	२७	८	१७	वृ.५४।१३	ज्येष्ठाशुक्र २९।५८
१०	चं	९	५२	कृ	३६	३१	शु	७/३९	५१/५५	ग	९	५२	११	४६	१४	२८	९	१८	वृषे	भ.३६।५५उ.
११	मं	३	५८	रो	३१	१७	ब्र	५०	२३	वि	३	५८	१३	४५	१५	२९	१०	१९	मि५८।११	भ.३।५८या पुत्रदा११व्र.
१२	मं	५२	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×२०।३)बुधोदयःपश्चिमायां४३।३१
१३	बु	४७	४८	मृ	२५	५	ऐं	४०	१२	कौ	२२	६	१६	४५	१५	३०	११	२०	मिथुने	प्रदोषः
१४	गु	३८	१८	आ	१७	३५	वै	२९	२३	ग	१३	३	१९	४४	१६	१	१२	२१	क.५६।४४	भ.३८।१८उ.अभि.प्र.रविः५७/१(सौरः ×
१५	शु	२८	३५	पु	९	४७	वि	१८	२४	वि	३	२६	२१	४४	१६	२	१३	२२	कर्के	भ.३।२६या.मा.स्ना.प्रा.

४०पं पौ.शु.४मं इ ३/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	४	७	११	९	८
२७	१५	३	१	१०	१४	२७	२७
२७	१२	५७	१५	४३	२८	५९	१०
७	०	११	५४	३०	३०	३५	५०
६	३९	७/०	२३	६१	३	३	६१
६१	व	४६	व.	५३	२७	११	२४

गोचर ग्रहाः

पौष शुक्ले ६ गुरौ मकरेऽर्कः प्रविष्टःवा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी)मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

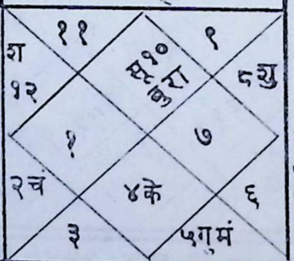

४१पं.पौ.शु.११मं.इ. ३/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	४	७	११	९	९
४	१४	१५	०	१८	१४	२७	४
३५	३७	४६	३४	१९	५४	३७	२०
५९	१	१९	२३	१६	३२	१९	१५
६१	६/१	८/०	१९/६	६३	४	३	६१
३	व	९/४४	व	५१	२	११	१९

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	श	१९	११	पु	२/४	३/१	प्री	७/१९	४९/५२	कौ	१९	११	२६/२४	५/४३	६/१७	३	१४	२३	सिं५५।५	धनि.बुधः३१।१९
२	र	१०	३५	म	४९	१३	सौ	४७	५५	ग	१०	३५	२७	४३	१७	४	१५	२४	सिंहे	भ.३६/५२उ.श्रवणेरविः३२/८ सौरः३६/५९)×
३	चं	३	१०	पू	४५	२	शो	३९	५९	वि	३	१०	२९	४२	१८	५	१६	२५	कं.५९।२७	भ.३।१०या.अभि.नि.रविः१४।४३ A
४	चं	५४	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×वक्रीकर्कआश्ले.४गुरुः९।०
५	मं	५४	४	उ	४२	४४	अ	३३	३३	कौ	२५	५३	३२	४२	१८	६	१७	२६	कन्यायां	[A(सौरः२७।१६)चतुर्थीव्र.
६	बु	५२	४३	ह	४२	४०	सु	२८	५५	ग	२३	२३	३५	४१	१९	७	१८	२७	कन्यायां	भ.५४/३३उ.कुंभेबुधः४३/३०वक्रीमघायांभौम२/१५
७	गु	५३	२५	चि	४४	४६	धृ	२५	५७	वि	२३	४	३८	४०	२०	८	१९	२८	तु.१३।४३	भ.२३।४या.पातस्पर्शः५९।११
८	शु	५५	५९	स्वा	४८	३२	शू	२४	३०	बा	२४	४२	४१	४०	२०	९	२०	२९	तुलायां	मूलेधनुषिशुक्रः३६/२९पातमोक्षः१२।४२
९	श	६०	०	वि	५३	५३	गं	२४	४९	तै	२८	१२	४५	३९	२१	१०	२१	३०	वृ.३७।३३	
९	र	०	२६	अ	६०	०	वृ	२५	३७	ग	०	२६	४८	३८	२२	११	२२	३१	वृश्चिके	भ.३३।७उ.
१०	चं	५	४९	अ	०	२८	ध्रु	२७	३६	वि	५	४९	५१	३८	२२	१२	२३	१	वृश्चिके	भ.५/४९या.शतेबुधः३९/४फर्वरी२ता.२८
११	मं	१२	१६	ज्ये	७	५८	व्या	२९	४२	बा	१२	१६	५४	३७	२३	१३	२४	२	ध.७।५८	षट्तिला११व्र.
१२	बु	१८	४३	मू	१५	३२	ह	३२	९	तै	१८	४३	५८	३६	२४	१४	२५	३	धनुषि	प्रदोषः
१३	गु	२५	२०	पू	२३	१३	व	३४	२३	व	२५	२०	२७/१	३६	२४	१५	२६	४	म.४०।२	भ.२५।२०उ.५८।२४या.
१४	शु	३१	२८	उ	३०	२९	सि	३६	२७	श	३१	२८	५	३५	२५	१६	२७	५	मकरे	[+१राहुःआश्ले.३केतुः५।१०
३०	श	३७	५	श्र	३७	११	व्य	३७	५०	च	४	१६	८	३४	२६	१७	२८	६	मकरे	धनि.रविः३०।४६(सौरः४१/४९)धनि.+

४२पं. मा.कृ. ५मं.इ. ३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	९	३	७	११	९	९
११	१३	२७	२९	२६	१५	२७	११
४२	३५	२१	४६	७	२५	१५	२९
२९	५६	४	१९	११	१२	४	१०
६०	१६/१३	९५	१७/५	६५	४	३	६१
५९	व	१०	व	२६	३८	११	१३

गोचर ग्रहाः

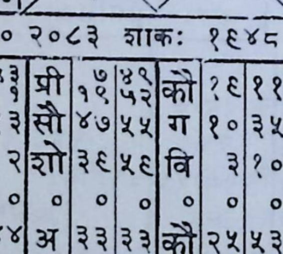

इस मास में धान्य धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रस गुड़ सक्कर चीनी नमक तेल घृत गन्ना तेज होवें प्रजा पिड़ित हो

गोचर ग्रहाः

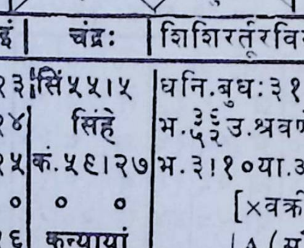

४३पं.मा.कृ.११मं.इ. ३/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	३	८	११	९	९
१८	११	७	२८	४	१५	२६	१८
४९	५२	१०	५३	३	५९	५२	३७
१	८	३०	३५	४	५३	४८	१७
६०	२४/१९	७१	४४/७	६६	५	३	६१
५५	व	२६	व	५०	२	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं.२०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:५७८६स.२०२७
१	र	४१	३८	ध	४२	५५	व	३८	३६	किं	९	२१	२७ १२	६ ३४	५ २६	१८	२९	७	कुं.१०।३	
२	चं	४५	३२	श	४८	२३	प	३८	४३	बा	१३	३५	१५	३३	२७	१९	३०	८	कुंभे	चंद्रदर्शनम्
३	मं	४८	२३	पू	५२	१	शि	३७	५८	तै	१६	५७	१९	३२	२८	२०	१	९	मी३६।७	वक्रीबुध: ५४ ३२ रेवती१शनि: ३२ ५६ रमजान९
४	बु	५०	५	उ	५५	१	सि	३६	२३	व	१९	१४	२३	३१	२९	२१	२	१०	मीने	भ. ९ ५४ उ. ५० या.पूषा.शुक्र:८।४१
५	गु	५०	४९	रे	५६	५०	सा	३४	४	ब	२०	२७	२७	३१	२९	२२	३	११	मे.५६।५०	वसंत ५
६	शु	५०	९	अ	५७	३५	शु	३०	५६	कौ	२०	२९	३०	३०	३०	२३	४	१२	मेषे	बुधास्त:पश्चिमायां२९।३१
७	श	४८	२६	भ	५७	१४	शु	२७	३५	ग	१९	१७	३४	२९	३१	२४	५	१३	मेषे	भ. ४२ ६६ उ.कुंभेऽर्क:५।४४(सौर: १५ ८७) ×
८	र	४५	१८	कृ	५५	२१	ब्र	२१	१७	वि	१६	५७	३८	२८	३२	२५	६	१४	वृ.११।४६	भ.१६।१७या.भीष्माष्टमी
९	चं	४१	७	रो	५२	२३	ऐं	१४	५९	बा	१३	१२	४१	२८	३२	२६	७	१५	वृषे	[×भानु७रथ७
१०	मं	३५	२७	मृ	४८	७	वै	६ ४०	५२ ४९	तै	८	१७	४५	२७	३३	२७	८	१६	मि२०।१५	
११	बु	२८	४६	आ	४२	४३	प्री	५०	१०	व	२	६	४९	२६	३४	२८	९	१७	मिथुने	भ. ३ ६ उ. ३ ४६ या.वक्रीधनि.बुध: २ ५ ९ ३ जया११
१२	गु	२०	५४	पु	३६	३७	आ	४०	२७	बा	२०	५४	५३	२५	३५	२९	१०	१८	क.२३।५४	वक्रीआश्ले.३गुरु:५८।२२प्रदोष:
१३	शु	१२	३४	पु	२९	५०	सौ	३०	१४	तै	१२	३४	५६	२५	३५	३०	११	१९	कर्के	शतेरवि:४२।१५(सौर:५१।९)
१४	श	३	५१	श्ले	२२	५८	शो	२०	१७	व	३	५१	२ ०	२४	३६	१	१२	२०	सिं२२।५८	भ. ५ ३ १ उ.२९।८या.भा.फाल्गुनारंभ: =
१५	श	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मा.स्ना.पूर्ति.

४४पं.मा.शु.३मं.इ. ३ ६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	४	१०	३	८	११	९	९
२५	९	११	२७	१२	१६	२६	२५
५४	५०	४०	५८	६	३८	३०	४४
५०	४९	४४	४४	१८	१३	३२	४
६०	३१ ५२	९	७ ५२	६७	१	३	६०
४७	व	२८	व.	५८	३२	११	५५

गोचर ग्रहाः

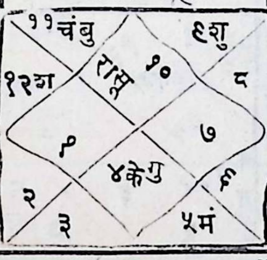

माघशुक्ले७शनौकुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४५पं.मा.शु.१०मं.इ. ५ ३ ०							
र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	३	८	११	९	१०
२	७	८	२७	२०	१७	२६	२
५९	४१	१८	२	१६	१९	८	५०
४२	२४	२२	५३	५५	३४	१७	००
६०	३५ ४२	६८ ३५	७ ५२	६८	५	३	६०
३७	व	व	व	५२	५९	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	४७	४०	म	१६	५०	अ	१०	४०	बा	२०	३	२८ ४	६ २३	५ ३७	२	१३	२१	सिंहे	उषा.शुक्र:२८।१६
२	चं	४१	२२	पू	११	४४	सु	१ ५५	५२ २५	तै	१४	३१	८	२२	३८	३	१४	२२	कं.२५।४७	
३	मं	३६	३१	उ	७	५५	शू	४८	१०	व	८	५६	१२	२२	३८	४	१५	२३	कंन्यायां	भ. ५८ ६६ उ. ३३ ६१ या.वक्रीमकरेबुध:४४।१६
४	बु	३३	४२	ह	५	५६	गं	४३	४४	ब	५	६	१६	२१	३९	५	१६	२४	तु.३६।६	मकरेशुक्र: ३० ३६ बुधोदय:पूर्वस्यां ४९ ४८ चतु.व्र
५	गु	३३	१	चि	६	१६	वृ	४०	५५	कौ	३	२१	२०	२०	४०	६	१७	२५	तुलायां	
६	शु	३४	३२	स्वा	८	३१	ध्रु	४०	५	ग	३	४६	२४	१९	४१	७	१८	२६	वृ.५६।४५	भ.३४।३२उ.
७	श	३८	५	वि	१२	५०	व्या	३९	५८	वि	६	१८	२८	१८	४२	८	१९	२७	वृश्चिके	भ.६।१८या.
८	र	४२	५८	अ	१८	३२	ह	४१	२३	बा	११	३१	३२	१८	४२	९	२०	२८	वृश्चिके	
९	चं	४९	५	ज्ये	२५	३६	ब	४३	२७	तै	१६	१	३६	१७	४३	१०	२१	१	ध.२५।३६	मार्च३ता.३१
१०	मं	५५	२८	मू	३२	५९	सि	४५	४२	व	२२	१६	४०	१६	४४	११	२२	२	धनुषि	भ.२२।१६उ.५५।२८या.
११	बु	६०	०	पू	४०	४९	व्य	४८	८	ब	२८	४३	४४	१५	४५	१२	२३	३	म.५७।३६	विजया११व्र.
११	गु	१	५९	उ	४७	५८	ब	५०	७	बा	१	५९	४८	१४	४६	१३	२४	४	मकरे	पूभा.रवि:५८।१९श्रवणेशुक्र:४७।२३
१२	शु	७	५९	श्र	५४	५२	प	५१	४३	तै	७	५९	५२	१४	४६	१४	२५	५	मकरे	पूभा.रवि:सौर: ५ ५ ६ मार्गीबुध: ५ ० ४ प्रदोष:
१३	श	१३	२३	ध	६०	०	शि	५२	१३	व	१३	२३	५६	१३	४७	१५	२६	६	कुं.२७।३६	भ. ६ २ ३ ३ उ. ४ २ ५ ३ या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	र	१७	२३	ध	०	२०	सि	५२	४	श	१७	२३	२ ९ १	१२	४८	१६	२७	७	कुंभे	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	चं	२०	२८	श	४	४९	सा	५०	४७	ना	२०	२८	५	११	४९	१७	२८	८	मी५२।१३	

४६ पं.फा.कृ.७मं.इ. ४ ५							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	१०	३	८	११	९	१०
१०	५	०	२६	२८	१८	२५	९
३	२५	४३	९	३१	४	४६	५४
१५	३७	८	४	१२	८	१	४०
६०	३५ ४३	६४ २४	७ ३१	६९	६	३	६०
२५	व	व.	व.	३८	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

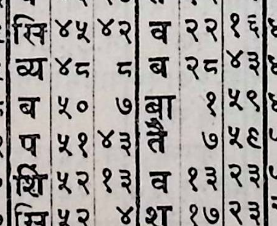

इस मास में धान्य गल्ला मंदा रहे धातु सोना चांदी रसकस चीनी गुड वारदाना कपास आदि तेज होवें ।

गोचर ग्रहाः

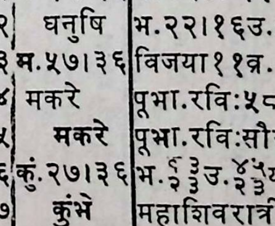

४७पं.फा.कृ.१०मं.इ. ४ २ ३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	९	३	९	११	९	१०
१७	३	२६	२५	६	१८	२५	१६
५	१२	४९	१८	४८	५०	२३	५७
२८	५४	३४	२५	५०	२१	४६	२५
६०	३१ ५७	१६ ३९	६ ४६	७०	६	३	६०
१२	व	व	व.	२२	३२	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

वसंततर्तु रविरुत्तरेऽहर्गण:५८१६स.२०२७

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	
१	मं	२२	५	पू	८	१	शु	४८	४४	ब	२२	५	२९/९	६/१०	५/५०	१८	२६	९	मीने	चंद्रदर्शनम्पातस्पर्शः२९/५७पातमोक्षः४०/१०
२	बु	२२	४०	उ	१०	१४	शु	४५	४५	कौ	२२	४०	१३	६	५१	१९	१	१०	मीने	सव्वाल१०फुलरिया२
३	गु	२२	१७	रे	११	१८	ब्र	४१	४६	ग	२२	१७	१७	६	५१	२०	२	११	मे ११।१८	भ.५१/२८उ.वक्रीकर्केआश्ले.भौम:४१।२१
४	शु	२०	४०	अ	११	३१	ऐं	३७	२५	वि	२०	४०	२१	८	५२	२१	३	१२	मेषे	भ.२०।४०या.रेवती.२शनि:८।४
५	श	१८	३१	भ	११	१	वै	३२	२५	बा	१८	३१	२६	७	५३	२२	४	१३	वृ.२५।३८	कुंभेबुध:२२।४६
६	र	१५	१७	कृ	९	३१	वि	२६	४०	तै	१५	१७	३०	६	५४	२३	५	१४	वृषे	मीनेऽर्क:५६।१०
७	चं	११	३५	रो	७	२४	प्री	२०	२३	व	११	३५	३४	५	५५	२४	६	१५	मि३६।१	भ.११/३५उ.३९/३२या.मीनेऽर्कःसौर:१६/धनि.÷
८	मं	७	३०	मृ	४	३८	आ	१३	२९	ब	७	३०	३८	४	५६	२५	७	१६	मिथुने	होलाष्टकम् [÷शुक्र:५५।१०
९	बु	१	५२	आ	१/१४	५५/४४	सौ	६/५	५२/११	कौ	१	५२	४३	३	५७	२६	८	१७	क.४३।२	[×(सौर:२७/५३)आमलकी११व्र.स्मा.
१०	बु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+अस्तंशने:८होलिकादहनम्भद्रोत्तरम्
११	गु	४६	३१	पु	५२	१	अ	४६	४०	व	२२	४७	४७	३	५७	२७	९	१८	कर्के	भ.२२।४७उ.४६।३१या.उभा.रवि:२०/१४×
१२	शु	४२	३१	श्ले	४७	२	सु	४१	११	ब	१६	१	५१	२	५८	२८	१०	१९	सिं४७।२	शतेबुध:५१।३७आमलकी११व्र.वै.
१३	श	३५	३८	म	४२	४	धृ	३२	४३	कौ	९	४	५५	१	५९	२९	११	२०	सिंहे	प्रदोष:
१४	र	२८	५१	पू	३७	२९	शू	२४	२२	ग	२	१४	३०/००	६/००	०/६	३०	१२	२१	कं.५१।३४	भ.२८।५१उ.५५।५५या.कुंभेशुक्र:३६/५६+
१५	चं	२२	५८	उ	३३	४८	गं	१७	१	ब	२२	५८	४	५/५९	१	१	१३	२२	कन्यायां	भा.चैत्रारंभ:छारेंडी

४८पं.फा.शु.१मं.इ.४।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	९	३	९	११	९	१०
२४	१	२८	२४	१५	१९	२५	२३
६	५	२१	३२	८	३९	१	५८
१४	५३	२५	४६	३८	७	३०	५८
५९	२५	२२/५५	६/०	७०	६	३	६०
५८	१४	मा	व.	५९	५०	११	६

गोचर ग्रहाः

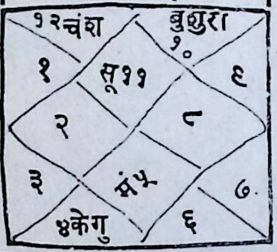

फालगुनशुक्ले ६ रवौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.२ न. ३ प्रगलभावस्था (वैंठी)मु.४५ धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

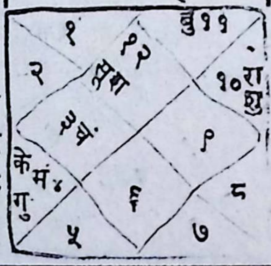

४९ पं.फा.शु.८ मं.इ.५।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	३	९	११	९	११
१	२९	३	२३	२३	२०	२४	०
५	२६	३१	५३	३१	२९	३९	५८
३१	३१	५२	२४	३४	३१	१४	४०
५९	१८/२०	४९	४/४९	७१	७	३	५९
४१	व.	४९	व.	२५	२	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८३ शाकः १९४८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तु रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	मं	१९	८	ह	३१	१६	वृ	१०	३३	कौ	१९	८	३०/८	५/५८	६/२	२	१४	२३	कन्यायां	वक्रीआश्ले.२गुरु:५०।३१वसंत१
२	बु	१४	५९	चि	३०	२९	ध्रु	५	२०	ग	१४	५९	१२	५८	२	३	१५	२४	तु.०।५२	भ.४४।१७उ.
३	गु	१३	३४	स्वा	३१	३१	व्या	३०/१	५९/५७	वि	१३	३४	१६	५७	३	४	१६	२५	तुलायां	भ.१३।३४या.चतुर्थीव्र.
४	शु	१४	७	वि	३४	३३	व	५८	३२	बा	१४	७	२१	५६	४	५	१७	२६	वृ.१८।४७	
५	श	१६	३५	अ	३९	१५	सि	५८	५७	तै	१६	३५	२५	५५	५	६	१८	२७	वृश्चिके	शतेशुक्र:२।६
६	र	२०	४६	ज्ये	४५	३२	व्य	६०	०	व	२०	४६	२९	५४	६	७	१९	२८	ध.४५।३२	भ.२०।४६उ.५३।३१या.
७	चं	२६	१७	मू	५२	२१	व्य	०	३५	ब	२६	१७	३३	५३	७	८	२०	२९	धनुषि	पूभा.बुध:५३/५३धनि.शुक्र:५५/२९शीतलापूजन
८	मं	३२	२५	पू	६०	०	व	२	४१	कौ	३२	२५	३७	५३	७	९	२१	३०	धनुषि	
९	बु	३८	४७	पू	०	३	प	५	६	तै	५	३६	३१	५२	८	१०	२२	३१	म.१६।५३	रेवत्यांरवि:४७/४९(सौर:२०/३४मार्गीभौम:४८/३०
१०	गु	४४	५०	उ	७	२५	शि	७	१३	व	११	४८	४५	५१	९	११	२३	१	मकरे	भ.५१/४८उ.४४।५०या.अप्रेल४ता.३०
११	शु	५०	६	श्र	१४	२६	सि	९	४	ब	१७	२८	४९	५०	१०	१२	२४	२	कुं.४७।२०	पापमोचनी११व्र.
१२	श	५३	५९	ध	२०	१४	सा	९	५३	कौ	२३	२	५३	४९	११	१३	२५	३	कुंभे	
१३	र	५६	३६	श	२४	४३	शु	९	४३	ग	२५	१७	५७	४९	११	१४	२६	४	कुम्भे	भ.५६।३६उ.प्रदोष:
१४	चं	५७	२२	पू	२७	४२	शु	८	२१	वि	२६	५९	३/१	४८	१२	१५	२७	५	मी११।५७	भ.२६।५९या.मीनेबुध:३१।३
३०	मं	५६	५१	उ	२९	८	ब्र	५	४२	च	२७	६	५	४७	१३	१६	२८	६	मीने	मन्वादि:

५०पं.चै.कृ.१मं.इ.२ ५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	३	१०	११	९	११
८	२८	११	२३	१	२१	२४	७
३	१७	३	२२	५५	२१	१६	५६
१८	३१	२९	४४	३०	११	५९	३५
५९	९/१८	६९	३/३८	७१	७	३	५९
२९	व	२०	व.	५०	१४	११	३५

५१पं.चै.कृ.८मं.इ.५।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	३	१०	११	९	११
१४	२७	२०	२२	१०	२२	२३	१४
५९	३८	१८	५९	२०	१३	५४	५२
१०	२	१८	४६	४९	१९	४३	४६
५९	३/१३	८५	२/२१	७२	७	३	५९
१६	व	२५	व.	९	२०	११	१८

५२पं.चै.कृ.३०मं.इ. ६।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	३	१०	११	९	११
२१	२७	०	२२	१८	२३	२३	२१
५३	३६	५७	४५	४७	६	३२	४६
३१	४७	२५	५८	१७	७	२८	५७
५९	अ४/४४	३८	५/३	७२	७	३	५९
४	मा	२३	व.	३२	२०	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२८, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२८, भोग्यकलिः४२६८७२, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८४, शाकः १९४९, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः। मंत्री बुधः। सस्येशः शुक्रः। धान्येशो गुरुः। मेघेशो भौमः। रसेशो रविः। नीरसेशः शुक्रः। फलेशो भौमः। धनेशः शुक्रः। दुर्गेशो भौमः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां १५ दुर्मतिनाम संवत्सरः प्रवर्तते। तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः १।२७।७।१३।० भोग्यमासादिः १०।२।५२।४७।० नासत्यदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम माघः। मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःसंधौ। समयनिवासो वणिक्गृहे। समय विश्वा १८ समयवाहनर्म्सिचाणुः। स्तंभः १ जलस्य। सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी ३ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः १७, तिथिवृद्धिः१२ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् १७ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११५, शनिदृष्टिरुत्तरे। सत्यं।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ सूर्यस्य।

सं. २०८४ श्रावण कृ. ३० चंद्रे
सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	३	४	५
मि.	५४	४५	६
इ.	२३	२५	२६
प.	३८	४६	३७

वर्ष लग्नम् १०।२७

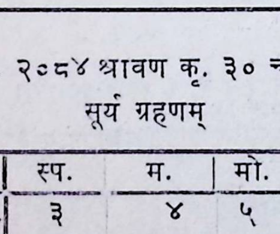

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न
मात भवानी अंबिके भैंरव पूछे तोय।
चौरासी संवत् तणों हाल सुनादे मोय।।
भवानी उत्तर
सुन हो भैंरव लाडला चौरासी का हाल।
वर्षा होसी सांतरी जनता मालामाल।।
राजा मंत्री बुध भये इनकी सुंदर चाल।
व्यापारां घट बढ चलें चतुर कमावे माल।।
अट्ठारह विश्वा समय वर्षा विश्वा अंक।
सब ही को सुख होयसी क्या राजा क्या रंक।।
भूमि सुत मेघेश हैं फलपति उनको जाण।
पकी पकाई साख में करसी खैंचा ताण।।
"बनवारी" जगदीश का कर बंशीधर जाप।
धर्म कर्म करते रहो मिटै सभी संताप।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ४।९

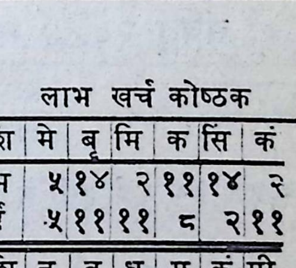

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।५।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१३।१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह संगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री बुधः फलम् ।। शशिसुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहु वारि समन्वितं यव मसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रः फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धनप्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख-प्रदानि ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूम शालयः । पच्यन्ते सर्व देशेषु यज्वानो ब्राह्मणादयः ।। मेघेशो भौमः फलम् ।। अवनिजे जलदस्य पतौ भुवि श्रुति विचारविहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदं ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरस भाग रताल्पपयोघरा। वसनतैल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशो शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहु पुष्प फलान्वित पादपाः । गदभयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रः फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला ननु मानवाः । समसुखाः क्रय विक्रय जीविनो नृपतयो जन पालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमः फलम् ।। अवनिजो गढ़ नायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रय विक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। दुर्मतिनाम संवत्सरः फलम् ।। दुर्मत्यब्दे खिला लोकाः भूपाः दुर्मतयः सदा । तथापि सुखिनः सर्वे संग्रामाः सन्ति चेदपि ।। वर्षनाम माघः फलम् ।। माघे संपत्करोब्दः स्यात् सर्वभूतहितोदयः सम्यग्वर्षति पर्जन्यः सुभिक्षं च प्रजायते ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खण्ड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १४ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो ८ रे. ७ ।।ऽशुऽ।ऽ।।
पादतो वेधाऽभावः
,, १५ भौमे स्वात्यां ल. ११ (घ.५३-४०उ.) रे. ६ ।।।।ऽऽचौऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा १ बुधे स्वात्यां ल. ८ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।
,, ५ रवौ मूले ल.८ (घ.३८-०उ.) रे.८ ।।।।।ऽऽ।।
,, १२ चन्द्रे उभा. ल. ८ रे. ६ ।।।।।ऽ।।
शुक्ला १३ भौमे स्वात्यां ल. १ (चं.श.पूज्यौ) रे. ७ ।ऽ।।ऽ।ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा २ शनौ मूले ल. १ (श.पू.) रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।।।
,, ४ चन्द्रे उषा. ल. १ (श.पू.) रे. ७ ।।ऽबु।।ऽऽ।।
दग्धा पादाद्वेधाऽभावः
,, ६ रवौ उभा. ल. ऽन्यगो रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ८ शुक्रे उफा. ल. ऽन्यगो १२ रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।।
(मीने.चं.पू.)

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ६ भौमे उभा. ल. गो. रे. ८ ।।।ऽऽ।।।।
(भौमशुक्रावष्टमस्थौ)
शुक्ला १५ चन्द्रे मृगे ल. ५-७ रे. ६ ।ऽ।ऽशुऽ।।ऽ।।
पादाद्वेधाऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ६ चन्द्रे हस्ते ल. ८-६ रे.७ ऽ।।।ऽऽ।।।(घ.५०उ.)
शुक्ला ४ चन्द्रे उभा. ल. ८-६ रे. ६ ।।।ऽ।ऽऽ।।
,, १५ गुरौ मघा. ल. ८-९ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ८ गुरौ अनु ल. ६ रे. ७ ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।
शुक्ला २ रवौ उभा. ल. ८-९ रे. ६ ऽऽ।।ऽ।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:५८४५स.२०२७
१	बु	५४	५४	रे	२९	१७	ऐं	३/१	५५/२८	किं	२५	५२	३/१०	४६/५	१४/६	१७	२९	७	मे.२९।१७	उभा.बुधः ३३/३ पूभा.शुक्रः १९/२ रेवती.३ ÷
२	गु	५१	५०	अ	२८	१९	वि	५२	५	बा	२३	२२	१४	४५	१५	१८	३०	८	मेषे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु	४८	१	भ	२६	३२	प्री	४५	५७	तै	१९	५५	१८	४४	१६	१९	१	९	वृ.४०।५२	जिल्काद ११ मत्स्यजयंतीगणगौर
४	श	४३	३१	कृ	२३	५२	आ	३९	२६	व	१५	४६	२२	४४	१६	२०	२	१०	वृषे	भ.९५/४६ उ.४३/३१ या.श्रवण.४राहु:आश्ले.२=
५	र	३८	५६	रो	२१	८	सौ	३२	५९	ब	११	१३	२६	४३	१७	२१	३	११	मि४९।३९	मार्गीगुरु:१३।४२ [=केतु:५।२३
६	चं	३३	५८	मृ	१८	१०	शो	२६	६	कौ	६	२७	३०	४२	१८	२२	४	१२	मिथुने	[÷शनि:५९/३९ संवत्सरारंभ:नवरात्रारंभ:
७	मं	२८	४९	आ	१४	५०	अ	१९	४	ग	१	२३	३४	४१	१९	२३	५	१३	क.५७।२०	भ.२८।४९उ.५६।१५या.
८	बु	२३	४२	पु	११	३०	सु	१२	९	ब	२३	४२	३८	४०	२०	२४	६	१४	कर्के	अश्वि.मेषेऽर्क:२१/५० (सौर:२८।५३)
९	गु	१८	२९	पु	८	११	धृ	५/२	५२/४२	कौ	१८	२९	४२	४०	२०	२५	७	१५	कर्के	रेवत्यांबुध:१९/१० मीनेशुक्र.३४/२१ रामनवमी
१०	शु	१३	७	श्ले	४	५१	गं	५०	४४	ग	१३	७	४६	३९	२१	२६	८	१६	सिं४।५१	भ.४०/३८ उ.बुधास्त:पूर्वस्यां२६।४५
११	श	७	४९	म	३१/२७	५७/०	धृ	४४	८	वि	७	४९	५०	३८	२२	२७	९	१७	सिंहे	भ.७।४९या.कामदा११व्र.
१२	र	२	३३	उ	५६	०	ध्रु	३७	५०	बा	२	३३	५३	३७	२३	२८	१०	१८	कं.१२।५०	उभा.शक्र:९।३९प्रदोष:
१३	र	५५	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	चं	५४	४४	ह	५४	८	व्या	३१	४	ग	२६	३२	५७	३७	२३	२९	११	१९	कन्यायां	भ.५४।४४उ.
१५	मं	५२	१७	चि	५३	४०	ह	२७	५	वि	२३	३०	३/१	३६	२४	३०	१२	२०	तु.२३।५४	भ.२३।३०या.हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.८बु.इ. २१/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	३	१०	११	९	११
०	२८	१५	२२	२८	२४	२३	२९
०	१७	९	४०	४६	९	६	५३
०	४२	५०	१९	५	३६	२७	१२
५८	११	६०	४३	७२	७	३	५८
४४	२	३९	मा	५२	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

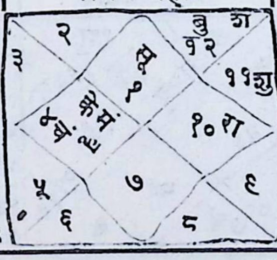

चैत्र शुक्ले = बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ बालावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रो-दयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

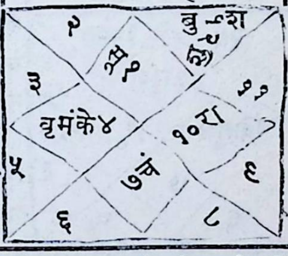

२पं.चै.शु.१बु.इ. २२/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	३	११	११	९	०
६	२९	२८	२२	७	२५	२२	६
५०	२५	३२	४७	१४	२	४४	४३
४६	५	५६	२	४२	३१	४	२३
५८	१५	६०	१	७३	७	३	५८
३१	४६	१६	५३	११	१४	११	२१

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	५१	८	स्वा	५४	३१	व	२३	३०	बा	२१	४७	३२/५	३५/५	२५/६	१	१३	२१	तुलायां	भा.वैशाखारंभः
२	गु	५१	३६	वि	५६	५५	सि	२०	५८	तै	२१	२२	९	३४	२६	२	१४	२२	वृ.४१।१९	अश्वि.मेषेबुध:५।९
३	शु	५३	४८	अ	६०	०	व्य	१९	४४	व	२२	४२	१२	३४	२६	३	१५	२३	वृश्चिके	भ.२२/४२ उ.५३/४८ या.मघा.सिंहेभौम: ३४।५७
४	श	५७	१६	अ	०	५८	व	१९	३३	ब	२५	३२	१६	३३	२७	४	१६	२४	वृश्चिके	चतुर्थी व्र.
५	र	६०	०	ज्ये	६	३१	प	२०	३७	कौ	२९	४८	२०	३२	२८	५	१७	२५	ध.६।३१	उदयं:शनि:८।१२
५	चं	२	२०	मू	१२	५९	शि	२२	२०	तै	२	२०	२३	३१	२९	६	१८	२६	धनुषि	
६	मं	८	७	पू	१९	२१	सि	२४	३८	व	८	७	२७	३१	२९	७	१९	२७	म.३६।२८	भ.८।७उ.४१।१३या.
७	बु	१४	२०	उ	२७	५०	सा	२७	४	ब	१४	२०	३१	३०	३०	८	२०	२८	मकरे	भरण्यांरवि:२।० (सौर:१०।१८) =
८	गु	२०	३७	श्र	३५	११	शु	२९	१८	कौ	२०	३७	३४	२९	३१	९	२१	२९	मकरे	रेवत्यांशुक्र:८।४३
९	शु	२५	५६	ध	४१	३६	शु	३०	४०	ग	२५	५६	३८	२८	३२	१०	२२	३०	कुं.८।२४	भ.५८।२उ. [=भरण्यांबुध:२९।३३
१०	श	३०	८	श	४६	३०	ब्र	३१	४	वि	३०	८	४१	२८	३२	११	२३	१	कुंभे	भ ३०।८या.मई५ता.३१
११	र	३२	५७	पू	५०	७	ऐं	३०	१२	ब	१	३२	४५	२७	३३	१२	२४	२	मी३४।१३	वरुथिनी११व्र.
१२	चं	३३	४१	उ	५१	४५	वै	२८	३	कौ	३	१९	४८	२६	३४	१३	२५	३	मीने	आश्ले.३गुरु:५९।३५प्रदोष:
१३	मं	३२	४२	रे	५१	३७	वि	२४	१७	ग	३	११	५२	२६	३४	१४	२६	४	मे.५१।३७	भ.३२।४२उ.कृत्ति.बुध:३८।३५
१४	बु	२९	५२	अ	५०	१	प्री	१९	१३	वि	१	१७	५५	२५	३५	१५	२७	५	मेषे	भ.१।१७या.
३०	गु	२५	३३	भ	४६	५७	आ	१२	५५	ना	२५	३३	५८	२४	३६	१६	२८	६	मेषे	बृषेबुध:१४/४५ रेवती४शनि:४।५३

३पं वै कृ.७बु.इ. २२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	३	११	११	९	०
१३	१	१३	२३	१५	२५	२२	१३
३९	०	४	२	४३	५४	२१	३१
५०	४	४८	२८	२३	१०	४९	४८
५८	१९	६०	३	७३	७	३	५८
१९	६	३८	२०	२०	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

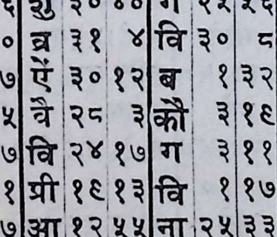

सोना चांदी रुई सूत बारदाना रेशम रंग में घट बढ चल करके तेजी का रुख बने रसकस अच्छी तेजी पकड़े ।

गोचर ग्रहाः

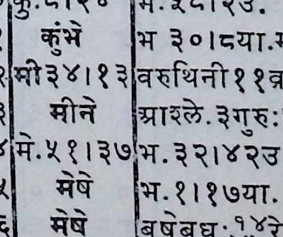

४पं.वै.कृ.१४बु.इ. २२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	०	३	११	११	९	०
२०	२	२८	२३	२४	२६	२१	२०
२७	५७	११	२६	१३	४४	५९	१८
२९	५८	३५	१३	२६	५३	३२	३४
५८	२१	६०	४	७३	६	३	५७
६	५९	४६	२९	३२	५६	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५८७५स.२०२७
१	शु	२०	९	कृ	४२	५६	सौ	५/५५	५२/१७	ब	२०	९	३३/२	५/२४	६/३६	१७	२६	७	वृ.०।५७	चन्द्रदर्शनम्
२	श	१३	५२	रो	३८	३६	अ	५०	५	कौ	१३	५२	५	२३	३७	१८	१	८	वृषे	जिल्हेज१२परशुरामजयंती
३	र	७	२२	मृ	३३	५३	सु	४१	५२	ग	७	२२	८	२२	३८	१९	२	९	मि६।१५	भ.३४।०उ.अक्षया३
४	चं	०	३७	आ	२९	२२	धृ	३४	११	वि	०	३७	११	२२	३८	२०	३	१०	मिथुने	भ.०/३७या.अश्वि.मेषेशुक्रः ९/१७=
५	चं	५३	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=बुधोदयःपश्चिमायां३।५८
६	मं	४८	१५	पु	२५	१६	शू	२६	३०	कौ	२१	१७	१४	२१	३९	२१	४	११	क.११।१८	कृत्ति.रविः ४८/०(सौरः ५८/१०)रोहि.बुधः ६/५७
७	बु	४२	४५	पु	२१	३२	गं	१९	१५	ग	१५	३०	१७	२१	३९	२२	५	१२	कर्के	भ.४२।४५उ.
८	गु	३७	४९	श्ले	१८	११	वृ	१२	२२	वि	१०	१७	२०	२०	४०	२३	६	१३	सिं१८।११	भ.१०।१७या.
९	शु	३३	२६	म	१५	३९	ध्रु	५	५६	बा	५	३७	२३	१९	४१	२४	७	१४	सिंहे	
१०	श	२९	४४	पू	१३	४३	व्या	०/१०	५४/५६	तै	१	३५	२६	१९	४१	२५	८	१५	कं.२८।२६	भ.५८/१९उ.वृषेऽर्कः १५/१४(सौरः २६/३)
११	र	२६	४९	उ	१२	३६	व	५०	२५	वि	२६	४९	२८	१८	४२	२६	९	१६	कन्यायां	भ.२६।४९या.मोहिनी११व्र.
१२	चं	२४	३३	ह	१२	८	सि	४६	४०	बा	२४	३३	३१	१८	४२	२७	१०	१७	तु.४२।२२	प्रदोषः
१३	मं	२३	२१	चि	१२	४१	व्य	४३	४०	तै	२३	२१	३४	१७	४३	२८	११	१८	तुलायां	मृगेबुधः४४।८नृसिंहजयंती
१४	बु	२३	२२	स्वा	१४	२२	व	४१	३३	व	२३	२२	३७	१७	४३	२९	१२	१९	तुलायां	भ.२३।२२उ.५३।५२या.
१५	गु	२४	२३	वि	१७	१	प	४०	४३	ब	२४	२३	३९	१६	४४	३०	१३	२०	वृ.१।२१	यमायकुंभदानम्

५पं.वै.शु.७बु.इ.२२।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	४	१	३	०	११	९	०
२७	५	१२	२३	२	२७	२१	२७
१३	१६	२५	५८	४४	३४	३७	३
३७	१२	१	२६	६	१	१७	४८
५७	२४	३०	५	७३	६	३	५७
५४	४४	४१	३८	४४	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले१०शनौ वृषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समघंता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

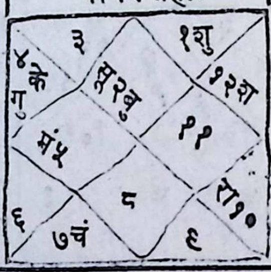

६पं.वै.शु.१४बु.इ. २२/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	३	०	११	९	१
३	७	२४	२४	११	२८	२१	३
५८	५०	२०	३८	१४	२१	१५	४७
४४	४२	१७	१०	५३	११	२	३२
५७	२६	९३	६	७३	६	३	५७
४४	५९	३५	३७	५०	२६	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	शु	२६	५०	अ	२०	५९	शि	४०	२०	कौ	२६	५०	३३/४२	६/१६	५/४४	३१	१४	२१	वृश्चिके	भरण्यांशुक्रः४।३८
२	श	३०	३२	ज्ये	२६	११	सि	४१	८	ग	३०	३२	४४	१५	४५	१	१५	२२	ध.२६।११	मिथुनेबुधः५८।३६भा.ज्येष्ठारंभः
३	र	३५	२९	मू	३२	२९	सा	४२	४१	व	३	०	४८	१५	४५	२	१६	२३	धनुषि	भ.३।०उ.३५।२९या. चतुर्थी व्र.
४	चं	४०	५३	पू	३९	३४	शु	४४	५८	व	८	११	४९	१४	४६	३	१७	२४	म.५६।२७	[×पातस्पर्शः २४/४ पातमोक्षः ४१/३८
५	मं	४७	३	उ	४७	४	शु	४७	२४	कौ	१३	५८	५२	१४	४६	४	१८	२५	मकरे	रोहि.रविः३८।३६(सौरः५२।५)×
६	बु	५३	२३	श्र	५४	४४	ब्र	४९	५७	ग	२०	१३	५४	१३	४७	५	१९	२६	मकरे	भ.५३।२३उ.
७	गु	५९	१३	ध	६०	०	ऐं	५२	६	वि	२६	१८	५६	१३	४७	६	२०	२७	कुं.२८।१८	भ.२६।१८या.
८	शु	६०	०	ध	१	५३	वै	५३	१९	बा	३१	३४	५८	१२	४८	७	२१	२८	कुम्भे	
८	श	३	५५	श	७	५०	वि	५३	२४	कौ	३	५५	३४/००	१२	४८	८	२२	२९	मी५६।१९	आर्द्रा.बुधः१५।४६
९	र	७	१९	पू	१२	२९	प्री	५२	७	ग	७	१९	२	१२	४८	९	२३	३०	मीने	भ.३८।५उ.
१०	चं	८	५१	उ	१५	८	आ	४९	२५	वि	८	५१	३	११	४९	१०	२४	३१	मीने	भ.८।५१या.
११	मं	८	१९	रे	१५	५८	सौ	४५	७	बा	१	१९	५	११	४९	११	२५	१	मे.१५।५८	कृत्ति.शुक्रः ४/१६ पूफा.भौमः ३५/४९ जून६+
१२	बु	५	४६	अ	१४	५७	शो	३९	१५	तै	५	४६	७	११	४९	१२	२६	२	मेषे	प्रदोषः [+ता.३०अपरा११व्र.
१३	गु	१	१९	भ	११	५१	अ	३१	५३	व	१	१९	९	१०	५०	१३	२७	३	वृ.२५।४४	भ.१/९उ.२८/१४या.वृषेशुक्रः४६।२१
१४	गु	५३	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	शु	४७	४४	कृ	७	२३	सु	२३	२५	च	२१	२६	१०	१०	५०	१४	२८	४	वृषे	अश्वि.१मेषेशनिः१३।२१वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.६बु.इ.२३।४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	३	०	११	९	१
१०	१०	३	२५	१९	२९	२०	१०
४२	३८	२९	२४	४१	६	५२	२९
४०	४६	१३	०	१	२२	४६	४३
५७	२८	६६	७	७३	६	३	५७
३५	४५	१७	३८	५६	१०	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में सोना चांदी रुई तेज हो धान्य गेहूं जौ चना मटर अलसी आदि मंदे हों कहीं २ थोड़ी वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

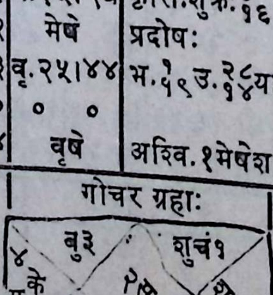

८पं.ज्ये.कृ.१२बु.इ. २३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	३	०	११	९	१
१७	१३	९	२६	२८	२९	२०	१७
२५	४३	२७	१७	१७	४९	३०	१०
२६	५५	५४	१०	२०	१९	३१	४९
५७	३०	३१	८	७४	५	३	५७
२७	१९	११	३८	२	४९	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः ५९०४स.२०२७
१	श	३९	३१	रो	१/४२	५३/४३	धृ	१४	१७	किं	१३	३७	३४/१२	५/१०	६/५०	१५	२९	५	मि२८।३३	आश्ले.४गुरुः१।५०
२	र	३०	५९	आ	४९	१	शू	४/४७	५०/३४	बा	५	१५	१३	९	५१	१६	३०	६	मिथुने	चंद्रदर्शनम्
३	चं	२२	४१	पु	४२	२३	वृ	४५	४६	ग	२२	४१	१५	९	५१	१७	१	७	क.२९।३	भ.४८।४५उ.मोहोरम१सन्१४४९हि.
४	मं	१४	४९	पु	३७	२६	ध्रु	३७	१०	वि	१४	४९	१६	९	५१	१८	२	८	कर्के	भ.१/४९या.मृगेरविः ३/० (सौरः ५/५९)=
५	बु	७	४४	श्ले	३२	५३	व्या	२९	११	बा	७	४४	१७	९	५१	१९	३	९	सिं३२।५३	[=वक्रीबुधः ५८/४५
६	गु	१	३५	म	२९	२६	ह	२२	८	तै	१	३५	१८	८	५२	२०	४	१०	सिंहे	भ.५६।३६उ.
७	गु	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×राहुःआश्ले.१केतुः ५८/४०
८	शु	५२	४८	पू	२७	४	व	१५	५३	वि	२४	४२	१९	८	५२	२१	५	११	कं.४१।४७	भ.२४/४२या.रोहि.शुक्रः ५७/१०श्रवण.३×
९	श	५०	२३	उ	२५	५७	सि	१०	४७	बा	२१	३५	१९	८	५२	२२	६	१२	कन्यायां	[+निर्जला११व्र.
१०	र	४९	५	ह	२५	५९	व्य	६	४१	तै	१९	४४	२०	८	५२	२३	७	१३	तु.५६।३८	गंगादशमी
११	चं	४८	५६	चि	२७	१८	व	३	२९	व	१९	०	२१	८	५२	२४	८	१४	तुलायां	भ.१९/०उ.५४/६९या.बुधास्तःपश्चिमायां ११/४८+
१२	मं	४९	५९	स्वा	२९	५८	प	१/११	५८/४१	ब	१९	२७	२१	८	५२	२५	९	१५	तुलायां	मिथुनेऽर्कः३२।२१ (सौरः५१।४३)
१३	बु	५२	७	वि	३३	३१	सि	५९	४६	कौ	२१	३	२२	८	५२	२६	१०	१६	वृ.१७।३८	प्रदोषः
१४	गु	५५	२६	अ	३८	०	सा	५९	३७	ग	२३	४६	२२	८	५२	२७	११	१७	वृश्चिके	भ.५५।२६उ.
१५	शु	५९	३०	ज्ये	४३	२२	शु	६०	०	वि	२७	२८	२३	७	५३	२८	१२	१८	ध.४३।२२	भ.२७।२८या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

९पं.ज्ये.शु.५बु.इ. २३/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	२	३	१	०	९	१
२४	१६	११	२७	६	०	२०	२३
७	५७	५१	१६	४९	२९	८	५०
३०	४७	१४	३७	४४	६	१५	४५
५७	३१	२/२६	९	७४	५	३	५७
२२	२५	व.	२८	८	५२	११	५

गोचर ग्रहाः

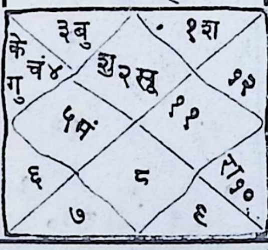

ज्येष्ठ शुक्ले १२भौमे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्धता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

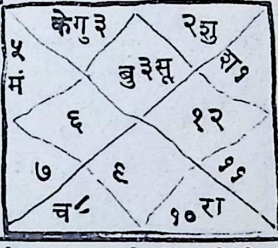

१०पं.ज्ये.शु.१३बु.इ. २३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	३	१	०	९	२
०	२०	१०	२८	१५	१	१९	०
४८	२२	४६	२०	२१	६	४५	२९
४७	१२	३०	४९	५०	१४	५९	५४
५७	३३	२५/५१	१०	७४	४	३	५६
१७	५६	व.	१०	१८	५६	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	६०	०	मू	४९	४८	शु	०	४७	बा	३२	८	३४/२३	५/७	६/५३	२९	१३	१९	धनुषि	
१	र	४	४६	पू	५६	४७	शु	२	२०	कौ	४	४६	२३	७	५३	३०	१४	२०	धनुषि	पातस्पर्शः५२।३८
२	चं	१०	२६	उ	६०	०	ब्र	४	२७	ग	१०	२६	२४	७	५३	३१	१५	२१	म.१३।४०	भ.४३।२७उ.पातमोक्षः१५।४६
३	मं	१६	२८	उ	४	१९	ऐं	६	५०	वि	१६	२८	२४	७	५३	१	१६	२२	मकरे	भ.१६/२८या.आर्द्रा.रविः ३१/०(सौरः ५३/१६)÷
४	बु	२२	३६	श्र	११	४९	वै	९	२२	बा	२२	३६	२४	७	५३	२	१७	२३	कुं.४५।३५	[÷मृगेशुक्रः ५५/७भा.आषाढारंभः–
५	गु	२८	३६	ध	१९	२१	वि	११	४७	तै	२८	३६	२४	७	५३	३	१८	२४	कुंभे	वक्रीमृगेबुधः४१।१८ [–चतुर्थीव्र.
६	शु	३३	४५	श	२६	४	प्री	१३	४६	ग	१	१०	२४	७	५३	४	१९	२५	कुंभे	भ.३३।४५उ.
७	श	३७	५६	पू	३१	४२	आ	१४	५२	वि	५	५०	२३	७	५३	५	२०	२६	मी१५।१८	भ.५।५०या.मघा.१सिंहेगुरुः९।८
८	र	४०	२०	उ	३५	५३	सौ	१४	५०	बा	९	८	२३	७	५३	६	२१	२७	मीने	
९	चं	४१	५	रे	३८	१६	शो	१३	३२	तै	१०	४२	२२	८	५२	७	२२	२८	मे.३८।१६	मिथुनेशुक्रः२३।२०उफा.भौमः४५।४२
१०	मं	३९	४२	अ	३८	४८	अ	१०	२९	व	१०	२३	२२	८	५२	८	२३	२९	मेषे	भ.१०।२३उ.३९।४२या.
११	बु	३६	१७	भ	३७	१३	सु	५/५८	५३/५४	ब	७	५९	२१	८	५२	९	२४	३०	वृ.५१।२१	योगिनी११व्र.
१२	गु	३०	५१	कृ	३३	४६	शू	५२	१०	कौ	३	३४	२०	८	५२	१०	२५	१	वृषे	जुलाई७ता.३१ प्रदोषः
१३	शु	२३	४१	रो	२८	३३	गं	४३	१०	व	२३	४१	१९	८	५२	११	२६	२	मि५५।१५	भ.२३/४९उ.४९/२७या.बुधोदयःपूर्वस्यां ३७/३२
१४	श	१५	१४	मृ	२१	५६	वृ	३३	२३	श	१५	१४	१८	८	५२	१२	२७	३	मिथुने	आर्द्रा.शुक्रः४५।४६
३०	र	५	४९	आ	१४	४०	ध्रु	२२	५७	ना	५	४९	१७	९	५१	१३	२८	४	क.५३।५७	कन्यायांभौमः५९।८

११पं.आ.कृ.४बु.इ. २३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	३	१	०	९	२
७	२३	७	२९	२३	१	१९	७
२९	५४	२३	२९	५४	३९	२३	८
४२	४०	४६	५३	४०	१४	२४	२१
५७	३४	३३/३५	१०	७४	४	३	५६
१३	०	व.	५३	२१	२९	११	५४

गोचर ग्रहाः

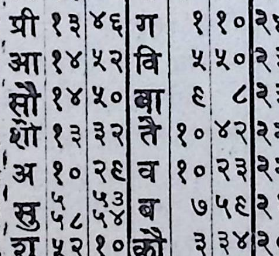

इस मास में गेहूं जौ चना मटर बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा गुड़ शक्कर रुई तेज हो प्रजा पीड़ित हो।

गोचर ग्रहाः

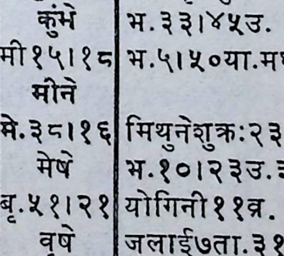

१२पं.आ.कृ.११ बु.इ. २३/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	०	९	२
१४	२७	३	०	२	२	१९	१३
१०	३६	५९	४३	२८	८	१	४६
८	२२	५६	१२	३०	१७	२८	२६
५७	२४	२४/४३	११	७४	३	३	५६
७	४५	व.	२४	२६	५०	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५९३४स.२०२७
१	र	५०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं	४६	२४	पु	७/२	५२/४०	व्या	१२	२१	बा	२१	१४	३४/१६	५/९	६/५१	१४	२९	५	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	मं	३७	२४	श्ले	५२	५९	ह	१/५५	५०/८	तै	११	५४	१५	९	५१	१५	१	६	सिं५२।५९	पुन.रविः२९/४८(सौरः५७/१८)मार्गीबुधः९/२१=
४	बु	२९	१९	म	४७	१९	सि	४२	५१	व	३	२१	१४	९	५१	१६	२	७	सिंहे	भ.३।२१उ.२९।१९या. [=सफर२
५	गु	२२	४५	पू	४३	१७	व्य	३५	१३	बा	२२	४५	१३	९	५१	१७	३	८	क.५७।४१	
६	शु	१७	३४	उ	४०	५२	व	२८	५२	तै	१७	३४	११	१०	५०	१८	४	९	कन्यायां	
७	श	१४	१४	ह	४०	७	प	२३	५५	व	१४	१४	१०	१०	५०	१९	५	१०	कन्यायां	भ.१४।१४उ.४३।२४या.
८	र	१२	३४	चि	४०	५२	शि	२०	१०	ब	१२	३४	८	१०	५०	२०	६	११	तु.१०।३०	
९	चं	१२	३८	स्वा	४३	२६	सि	१७	४७	कौ	१२	३८	७	११	४९	२१	७	१२	तुलायां	[×मघा.२गुरुः१९/४३देवशयनी ११व्र.
१०	मं	१४	१५	वि	४७	१२	सा	१६	३४	ग	१४	१५	५	११	४९	२२	८	१३	वृ.३१।१६	भ.४५।४०उ.
११	बु	१७	४	अ	५२	१८	शु	१६	३३	वि	१७	४	३	११	४९	२३	९	१४	वृश्चिके	भ.७/४या.आर्द्रा.बुधः०/४५पुन.शुक्रः४९/२६×
१२	गु	२१	५	ज्ये	५८	२६	शु	१७	१९	बा	२१	५	१	१२	४८	२४	१०	१५	ध.५८।२६	प्रदोष:
१३	शु	२५	५९	मू	६०	०	ब्र	१८	२५	तै	२५	५९	३३/५९	१२	४८	२५	११	१६	धनुषि	कर्केऽर्कः५९।१४
१४	श	३१	३४	मू	५	२०	ऐं	२०	३४	व	३१	३४	५७	१३	४७	२६	१२	१७	धनुषि	भ.३१।३४उ.कर्केऽर्कःसौरः३०।२
१५	र	३७	२५	पू	१२	१९	वै	२२	४०	वि	४	२९	५५	१३	४७	२७	१३	१८	म.२९।११	भ.४।२९या.व्यासपूजा वायुपरीक्षा

१३पं.श्रा.शु.४बु.इ. २२/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	४	२	०	९	२
२०	१	३	२	११	२	१८	२०
५०	२५	१९	०	३	३२	३९	२४
३५	१२	३४	१४	१८	३२	१३	२०
५७	३५	५/१५	१२	७४	३	३	५६
७	३३	मा	१	२६	१८	११	५०

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले १३शुक्रे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी, मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

१४पं.श्रा.शु.११बु.इ. २२/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	४	२	०	९	२
२७	५	६	३	१९	२	१८	२७
३०	२०	५७	२०	३८	५४	१६	२
५४	२०	२९	३८	६	३६	५७	२७
५७	३६	४७	१२	७४	२	३	५६
११	१४	३४	२०	३२	३४	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	४३	२८	उ	१९	४७	वि	२५	९	बा	१०	२६	३३/५२	५/५४	६/४६	२८	१४	१९	मकरे	
२	मं	४९	३४	श्र	२७	१४	प्री	२७	३१	तै	१६	३१	५०	१४	४६	२९	१५	२०	मकरे	पुष्येरविः२८।३२शुक्रास्तः पूर्वस्यां१५।०
३	बु	५५	१७	ध	३४	३७	आ	२९	५४	व	२२	२५	४८	१४	४६	३०	१६	२१	कुं.०।५५	भ.२२/२५उ.५५/१७या.पुष्येरविःसौरः०/४३
४	गु	६०	०	श	४१	१६	सौ	३१	४७	ब	२७	४७	४५	१५	४५	३१	१७	२२	कुम्भे	कर्के शुक्रः४७/४४हस्तेभीमः२४/३ चतुर्थी व्र.
४	शु	०	१८	पू	४७	२१	शो	३३	१३	बा	०	१८	४३	१५	४५	१	१८	२३	मी३०।५०	भा.श्रावणारंभः
५	श	४	४२	उ	५२	२५	अ	३३	४७	तै	४	४२	४०	१६	४४	२	१९	२४	मीने	नाग५ मरुस्थले
६	र	७	४०	रे	५६	११	सु	३३	२३	व	७	४०	३८	१६	४४	३	२०	२५	मे.५६।११	भ.७/४०उ.३/३या.पुन.बुधः१/२०
७	चं	९	२६	अ	५८	१५	धृ	३१	५३	ब	९	२६	३५	१७	४३	४	२१	२६	मेषे	पुष्येशुक्रः३२।३१
८	मं	९	१७	भ	५८	३४	शू	२८	५५	कौ	९	१७	३३	१७	४३	५	२२	२७	मेषे	अश्वि.२शनिः१।११
९	बु	७	३०	कृ	५७	५	गं	२४	२६	ग	७	३०	३०	१८	४२	६	२३	२८	वृ.१३।१२	भ.३५।३४उ.
१०	गु	३	३९	रो	५३	३६	वृ	१८	३१	वि	३	३९	२७	१९	४१	७	२४	२९	वृषे	भ.३।३९या.कामिका११व्र.स्मा.
११	गु	५४	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+बुधास्तः पूर्वस्यां३/३३कामिका११व्र.वै.
१२	शु	५०	४४	मृ	४८	३२	ध्रु	११	१	कौ	२४	१९	२४	१९	४१	८	२५	३०	मि२१।४	कर्के बुधः३४।२२मघा.३गुरुः४२।१४
१३	श	४२	३	आ	४२	१३	व्या	२/२२	५०/१६	ग	१६	२३	२२	२०	४०	९	२६	३१	मिथुने	भ.४२।३उ. प्रदोषः
१४	र	३२	२७	पु	३४	४५	व	४२	९	वि	७	१५	१९	२०	४०	१०	२७	१	क.२१।३७	भ.७/१५या.पुष्येबुधः१५/२४अगस्तदता.३१
३०	चं	२२	२७	पु	२६	५०	सि	३१	१२	ना	२२	२७	१६	२१	३९	११	२८	२	कर्के	हरियाली सूर्यग्रहणम्

१५पं.श्रा.कृ.३बु.इ.२२।४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	२	०	९	३
४	९	१४	४	२८	३	१७	३
११	२२	४३	४३	१४	१०	५४	४०
३८	८	३७	३७	२८	२६	४१	५४
५७	३७	८६	१२	७४	१	३	५६
१५	१	२५	४४	३२	५३	११	५९

गोचर ग्रहाः

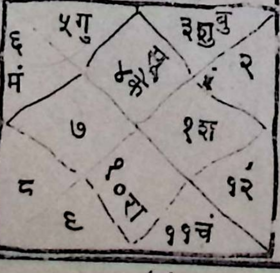

इस मास में चांदी रुई सोना सण तिल वारदाना मंदे हो धान्य गल्ला घृत रसकस में कुछ तेजी आवेगी।

गोचर ग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.९बु.इ. ३२/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	२	४	२	०	९	३
१०	१३	२५	६	६	३	१७	१०
५२	२८	५४	९	५१	२१	३२	२०
४१	५९	१८	२५	११	४३	२६	११
५७	३७	[illegible]	१३	७४	१	३	५७
२०	५३	[illegible]	८	३२	१६	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षंतूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:५९६३सन्२०२७
१	मं	१२	१८	श्ले	१८	२५	व्य	२०	२३	व	१२	१८	३/१ ३/३	५/२१	६/:९	१२	२९	३	सिं१८।२५	आश्ले.रवि:२५।३३सिंवारा
२	बु	२	५६	म	११	४९	व	९	५५	कौ	२	५६	१०	२२	३८	१३	३०	४	सिंहे	आश्ले.रवि:सौर:१।३०चंद्रदर्शनम् तीज
३	बु	५१	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=रविलाखर३वरद४
४	गु	४७	४२	पू	५	३५	प	०/२५	५३/१४	व	२१	९	७	२३	३७	१४	१	५	कं.१९।२५	भ.२१/९ उ.४७/४२या.आश्ले.शुक्र:१९/४६=
५	शु	४२	४४	उ	०/५७	५७/२२	सि	४५	१०	ब	१५	१३	४	२३	३७	१५	२	६	कन्यायां	नागपंचमी
६	श	३९	४४	चि	५७	३४	सा	४०	२	कौ	११	१४	०	२४	३६	१६	३	७	तु.२७।५६	आश्ले.बुध:५०।१२
७	र	३८	५३	स्वा	५८	५०	शु	३६	१७	ग	९	१८	३२/५७	२५	३५	१७	४	८	तुलायां	भ.३८।५३उ.
८	चं	३९	५५	वि	६०	०	शु	३४	२२	वि	९	२४	५४	२५	३५	१८	५	९	वृ.४६।७	भ.९।२४या.वक्रीशनि:३३।२
९	मं	४२	४५	वि	१	५३	ब्र	३३	३८	बा	११	२०	५०	२६	३४	१९	६	१०	वृश्चिके	[+श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्
१०	बु	४७	१	अ	६	४४	ऐं	३४	२१	तै	१४	५३	४७	२७	३३	२०	७	११	वृश्चिके	[×पुष्य.४केतु:५१।२७
११	गु	५२	१६	ज्ये	१२	४८	वै	३५	४०	व	१९	३८	४४	२७	३३	२१	८	१२	ध.१२।४८	भ.१९।३८उ.५२।१६या. पवित्रा११व्र.
१२	शु	५८	१४	मू	१९	४५	वि	३७	४७	ब	२५	१५	४०	२८	३२	२२	९	१३	धनुषि	चित्रा.भौम:२७।५२श्रवण.२राहु:×
१३	श	६०	०	पू	२७	४	प्री	४०	३	कौ	३१	१८	३६	२९	३१	२३	१०	१४	म.४४।११	मघा.सिंहेबुध:१२।४१ प्रदोष:
१३	र	४	२२	उ	३४	५३	आ	४२	३७	तै	४	२२	३३	२९	३१	२४	११	१५	मकरे	मघा.४गुरु:४३।३१
१४	चं	१०	३२	श्र	४२	१८	सौ	४४	४७	व	१०	३२	३०	३०	३०	२५	१२	१६	मकरे	भ.३१/३६उ.४/२ ३/७गा.मघा.सिंहेशुक्र:८/२ ३
१५	मं	१६	२३	ध	४९	२२	शो	४७	५	ब	१६	२३	२६	३१	२९	२६	१३	१७	कु.१५।५०	मघा.सिंहेऽर्क:१९।३५(सौर:५७/५५)+

१७पं.श्रा.शु.२बु.इ. २२/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	४	३	०	९	३
१७	१७	९	७	१५	३	१७	१६
३४	४१	३८	३६	२८	२८	१०	५९
२३	१०	५३	४०	३७	३०	१०	५९
५७	३८	८/८	१३	५६	०	३	५७
२५	१९	३/५	२०	३८	३७	११	१२

गोचर ग्रहाः

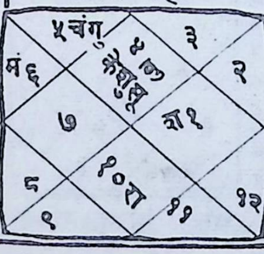

श्रावणशुक्ले १५भौमे सिंहेऽर्क:प्रविष्ट.वा.५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रास्त पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

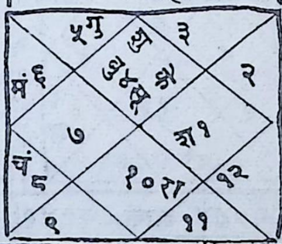

१८पं.श्रा.शु.१०बु.इ. २२/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	४	२	०	९	३
२४	२१	२४	९	२४	३	१६	२३
१६	५८	१२	५	७	२९	४७	४१
४४	४१	४०	३१	५	१०	५५	६
५७	३८	८/८	१३	७४	०/१ ३	३	५७
४०	५०	१/६	२६	३८	व.	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षंतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	२१	४५	श	५५	५३	अ	४८	५४	कौ	२१	४५	३२/२२	५/३२	६/२८	२७	१४	१८	कुंभे	[÷भा.भाद्रपदारंभ:
२	गु	२६	२८	पू	६०	०	सु	४९	५२	ग	२६	२८	१९	३२	२८	२८	१५	१९	मी४५।१०	भ.५८।२२उ.अस्तंगुरो:८।२४
३	शु	३०	१७	पू	१	३६	धृ	५०	१२	वि	३०	१७	१५	३३	२७	२९	१६	२०	मीने	भ.३०।१७या. चतुर्थी.व्र.
४	श	३३	१	उ	६	३८	शू	५०	०	ब	१	३९	१२	३४	२६	३०	१७	२१	मीने	पूफा.बुध:४।५५
५	र	३४	४०	रे	१०	२५	गं	४८	४९	कौ	३	५०	८	३४	२६	३१	१८	२२	मे.१०।२५	चन्द्रषष्ठी
६	चं	३५	१७	अ	१३	९	वृ	४६	३२	ग	४	५८	४	३५	२५	१	१९	२३	मेषे	भ.३५।१७उ.वक्री अश्वि.१शनि:१२।१÷
७	मं	३४	१९	भ	१४	३८	ध्रु	४३	२०	वि	४	४९	१	३६	२४	२	२०	२४	वृ.२९।३८	भ.४/८ ९या.तुलायांभौम:७/२६ जन्मा.व्र.स्मा.
८	बु	३१	५०	कृ	१४	४०	व्या	३८	५२	बा	३	४	३१/५७	३७	२३	३	२१	२५	वृषे	बुधोदय:पश्चिमायां१३/४५जन्माष्टमी व्र.वै.
९	गु	२७	५२	रो	१३	१४	ह	३३	१४	ग	२७	५२	५३	३७	२३	४	२२	२६	मि४१।४३	भ.५५।१५उ.पूफा.शुक्र:५३।७गोगा९
१०	शु	२२	३७	मृ	१०	१२	व	२६	१८	वि	२२	३७	४९	३८	२२	५	२३	२७	मिथुने	भ.२२।३७या.
११	श	१५	४४	आ	६	१	सि	१८	१५	बा	१५	४४	४६	३९	२१	६	२४	२८	क.४६।४७	उफा.बुध:३४।४७अजा.११व्र.
१२	र	७	५३	पु	०/२२	५३/१७	व्य	९/५९	५०/५	तै	७	५३	४२	४०	२०	७	२५	२९	कर्के	भ.५९।३उ.वत्सद्वादशी प्रदोष:
१३	र	५१	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-गुरु:२/८ कुशाग्रहणी
१४	चं	४९	३२	श्ले	४६	२९	प	४९	१२	वि	२४	१७	३८	४०	२०	८	२६	३०	सिं४६।२९	भ.२४।१७या.कन्यायांबुध:४८।०
३०	मं	४०	१८	म	३९	१५	शि	३८	४१	च	१४	५५	३४	४१	१९	९	२७	३१	सिंहे	पूफा.रवि:०/१९ (सौर:४८/४६)पूफा.१-

१९पं.भा.कृ.१बु.इ. २२/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	४	४	०	९	४
१	२६	८	१०	२	३	१६	०
०	२१	५	३५	४६	२५	२५	२३
४	५४	१३	४६	१९	३४	३९	१९
५७	३९	५/५	१३	७४	५ ०/२	३	५७
४०	२२	५/९	३२	३८	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

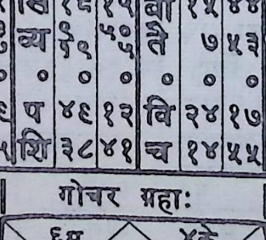

इस मास में गुरुवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोना लोहा ताम्बा मंदे हों रुई कपास वारदाना धान्य तेज हों।

गोचर ग्रहाः

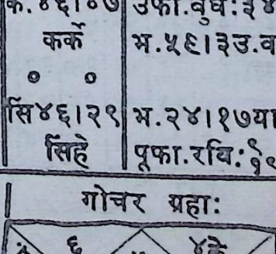

२०पं.भा.कृ.८बु.इ. २१/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	४	०	९	४
७	०	२०	१२	११	३	१६	७
४४	४९	५१	६	२६	१६	३	६
२८	२३	२२	४०	४२	३०	२३	४६
५७	३९	०/०	१३	७४	३/१ ७	३	५७
४९	४७	८/२८	३८	२२	व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४६												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:५९९२स.२०२७
१	बु	३१	२४	पू	३२	१८	सि	२८	३७	किं	५	५१	३१/३०	५/४२	६/१८	१०	२८	१	कं.४५।४६	सितम्बर९ता.३०
२	गु	२३	४०	उ	२६	२२	सा	१९	१२	कौ	२३	४०	२६	४३	१७	११	२९	२	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	शु	१७	२२	ह	२२	०	शु	१०	४७	ग	१७	२२	२२	४४	१६	१२	१	३	तु.५०।४०	भ.४५/७उ.स्वात्यांभौम:२०/४रविलाखर४=
४	श	१२	५२	चि	१९	२०	शु	३/४३	५४/४५	वि	१२	५२	१८	४४	१६	१३	२	४	तुलायां	भ.५/५ ३/२या.केचिन्मतेगणेश४ऋषिपंचमी
५	र	१०	४०	स्वा	१८	४९	ऐं	५४	५८	बा	१०	४०	१५	४५	१५	१४	३	५	तुलायां	[=हरितालिका३
६	चं	१०	३५	वि	२०	२९	वै	५२	५६	तै	१०	३५	११	४६	१४	१५	४	६	वृ.५।४	हस्तेबुध:१३।२६उफा.शुक्र:३८।१८
७	मं	१२	३०	अ	२४	२	वि	५२	५२	व	१२	३०	७	४७	१३	१६	५	७	वृश्चिके	भ.१२।३०उ.४४।२५या.
८	बु	१६	१९	ज्ये	२९	१९	प्री	५३	३१	ब	१६	१९	३	४७	१३	१७	६	८	ध.२९।१९	[×गुरु:२१/७महालयारंभ:
९	गु	२१	२३	मू	३५	५९	आ	५५	१२	कौ	२१	२३	३०/५९	४८	१२	१८	७	९	धनुषि	कन्यायांशुक्र:१९।१८
१०	शु	२७	३२	पू	४३	१९	सौ	५७	३४	ग	२७	३२	५५	४९	११	१९	८	१०	धनुषि	रामदेवजी का मेला नवल दुर्गे
११	श	३३	४५	उ	५०	५६	शो	५९	५७	व	०	३८	५१	५०	१०	२०	९	११	म.०।१३	भ.०/३ ८उ.३/४ ३/५या.जलझूलनी११व्र.
१२	र	४०	५	श्र	५८	२१	अ	६०	०	ब	६	५५	४७	५१	९	२१	१०	१२	मकरे	वामनजयंती
१३	चं	४६	०	ध	६०	०	अ	२	३१	कौ	१३	२	४३	५१	९	२२	११	१३	कुं.३१।५२	उफा.रवि:५/३ ३/४उदयंगुरो:२/५ २/३ प्रदोष:
१४	मं	५१	२	ध	५	२४	सु	४	२३	ग	१८	३१	३९	५२	८	२३	१२	१४	कुंभे	भ.५१/२उ.उफा.रवि:सौर:३/२ ३/६अनंत१४
१५	बु	५५	४	श	११	५६	धृ	५	४७	वि	२३	३	३५	५३	७	२४	१३	१५	कुम्भे	भ.२ ३/३या.चित्रा.बुध:४/५ ४/२पूफा.२×

२१पं.भा.शु.१बु.इ. २१/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	४	०	९	४
१४	५	२	१३	२०	३	१५	१३
३०	२०	३४	३८	७	२	४१	५१
४	३५	८	६	१२	३५	८	५८
५८	४०	९८	१३	७४	२/१६	३	५७
१	१७	३७	३८	३२	व.	११	५७

२२पं.भा.शु.८बु.इ. २९/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	४	४	०	९	४
२१	९	१३	१५	२८	२	१५	२०
१७	५७	८	९	४८	४४	१८	३८
६	१४	३८	२९	२२	१७	५२	३८
५८	४०	८८	१३	७४	२/५०	३	५८
१३	४४	१७	३८	३२	व.	११	१२

२३पं.भा.शु.१५बु.इ. ३१/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	५	५	०	९	४
२८	१४	२२	१६	७	२	१४	२७
५	३७	५०	४०	२९	२२	५६	२६
२८	१२	२४	५	३८	५	३७	५५
५८	४१	७५	१३	७५	३/१८	३	५८
२६	२३	५८	३२	२६	व.	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	गु	५८	१०	पू	१७	२	शू	६	३८	बा	२६	३७	३०/३१	५/५४	६/६	२५	१४	१६	मी०।४६	[+हस्तेशुक्र.२/४ २/२
२	शु	६०	०	उ	२१	३४	ग	६	३३	तै	२९	१०	२७	५५	५	२६	१५	१७	मीने	कन्यायांमर्क:१९।५(सौर:५८।३७)+
२	श	०	११	रे	२४	४४	बृ	५	४१	ग	०	११	२२	५६	४	२७	१६	१८	मे.२४।४४	भ.३०।३२उ.
३	र	०	५३	अ	२६	५९	ध्रु	३	५३	वि	०	५३	१८	५६	४	२८	१७	१९	मेषे	भ.०।५३या. चतुर्थी व्रतम्
४	चं	०	४६	भ	२८	११	व्या	१/३२	५६/३३	बा	०	४६	१४	५७	३	२९	१८	२०	वृ.४३।१८	[÷सौर:११/७चित्रा.शुक्र:६/२ ३
५	चं	५८	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[−शुक्रोदय:पश्चिमायां४/४ ८प्रदोष:
६	मं	५७	२९	कृ	२८	४०	स	५३	५६	ग	२८	३३	९	५८	२	३०	१९	२१	वृषे	भ.१७।२९उ.तुलायांबुध:१२।३७
७	बु	५४	१९	रो	२७	४७	सि	४८	५९	वि	२५	५४	५	५९	१	३१	२०	२२	मि५६।५५	भ.२५।५४या.
८	गु	५०	२२	मृ	२६	४	व्य	४३	१६	बा	२२	२०	३०/००	६/००	६/००	१	२१	२३	मिथुने	विशा भौम:१६।४२भा.आश्विनारंभ:
९	शु	४५	१६	आ	२३	२६	व	३६	४५	तै	१७	४९	२९/५६	१	५/५९	२	२२	२४	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	श	३९	२५	पु	१९	४९	प	२९	२३	व	१२	२०	५२	२	५८	३	२३	२५	क.५।४३	भ.१२।२०उ.३९।२५या.
११	र	३२	२८	पु	१५	२३	शि	२१	२०	ब	५	५६	४८	२	५८	४	२४	२६	कर्के	इंदिरा११व्र.
१२	चं	२५	१	श्ले	१०	६	सि	१२	४१	तै	२५	१	४४	३	५७	५	२५	२७	सि१०।६	हस्तेरवि:३/१ २/८स्वात्यांबुध:५/१ ६/६−
१३	मं	१७	११	म	४/१६	५४/१०	सा	३/३५	५०/५०	व	१७	११	४०	४	५६	६	२६	२८	सिंहे	भ.१७।११उ.४३।१६या.हस्तेरवि:÷
१४	बु	९	२२	उ	५२	५७	शु	४५	१९	श	९	२२	३६	५	५५	७	२७	२९	कं.१२।४	सर्वपितृ३०
३०	गु	२	४	ह	४८	१३	ब्र	३६	४६	ना	२	४	३२	६	५४	८	२८	३०	कन्यायां	मातामहश्रा.नवरात्रारंभ:

२४पं.आ.कृ.७बु.इ. २९/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	५	०	९	५
४	१९	१	१८	१६	१	१४	४
५५	२१	८	९	१०	५५	२३	१७
१९	२९	४२	४०	५५	४१	२१	२
५८	४१	६०	१३	७४	३/५२	३	५८
३८	४४	०	२६	२६	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

आश्विन कृष्णे २शुक्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युवावस्था (सूती) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्त:पूर्तस्यां

गोचर ग्रहाः

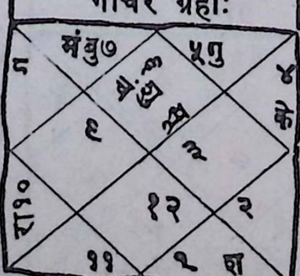

२५पं.आ.कृ.१४बु.इ. २१/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	५	०	९	५
११	२४	७	१९	२४	१	१४	११
४६	१०	३३	३७	५२	२६	१२	९
५२	३४	४९	५५	४८	३८	५	०
५८	४२	३८	१३	७४	४/१०	३	५९
५२	२	१	१४	२६	व.	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं.२०८४ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०२२स.२०२७
१	गु	५३	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=ता.३१
२	शु	५०	५३	चि	४४	३९	ऐं	२९	१३	बा	२३	२१	२९/२८	६/६	५/५४	९	२६	१	तु.१६।२६	पूफा.३गुरुः९/२० चन्द्रदर्शनम् अक्टूबर१०=
३	श	४७	५६	स्वा	४२	५४	वै	२२	५३	तै	१९	२४	२३	७	५३	१०	१	२	तुलायां	जमादिलावल५
४	र	४६	४७	वि	४३	३	वि	१७	५८	व	१७	२१	१९	८	५२	११	२	३	वृ.२८।१	भ.१७/२१उ.४६/४७या.तुलायांशुक्रः२७/५९
५	चं	४७	५२	अ	४५	१९	प्री	१४	३१	व	१७	१९	१५	९	५१	१२	३	४	वृश्चिके	[×श्रवण.१राहुःपुष्य.३केतुः४३/२८+
६	मं	५०	५०	ज्ये	४९	१५	आ	१३	१५	कौ	१९	२१	११	१०	५०	१३	४	५	ध.४९।१५	[+शरद्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.
७	बु	५५	२३	मू	५४	४९	सौ	१२	५२	ग	२३	६	७	११	४९	१४	५	६	धनुषि	भ.५५।२३उ.वक्रीबुधः३३।१६
८	गु	६०	०	पू	६०	०	शो	१३	४६	वि	२८	१६	३	११	४९	१५	६	७	धनुषि	भ.२८।१६या.वृश्चिकेभौमः४२।८
८	शु	१	१०	पू	१	४८	अ	१५	३५	ब	१	१०	२८/५९	१२	४८	१६	७	८	म.१८।३९	स्वात्यांशुक्रः५०।५२
९	श	७	२४	उ	९	११	सु	१७	५३	कौ	७	२४	५५	१३	४७	१७	८	९	मकरे	[÷(सौरः४१/४१)पापांकुशा११व्र.
१०	र	१३	४४	श्र	१६	४५	धृ	२०	१४	ग	१३	४४	५१	१४	४६	१८	९	१०	कुं.५०।२२	भ.४६।४३उ.
११	चं	१९	४३	ध	२३	५९	शू	२२	२४	वि	१९	४३	४७	१५	४५	१९	१०	११	कुंभे	भ.१९।४३या.चित्रा.रविः४।२३÷
१२	मं	२४	४७	श	३०	२९	गं	२३	५६	बा	२४	४७	४३	१५	४५	२०	११	१२	कुंभे	अनु.भौमः२६।३३ प्रदोषः
१३	बु	२८	३६	पू	३५	३७	वृ	२४	३७	तै	२८	३६	३९	१६	४४	२१	१२	१३	मी१९।२०	बुधास्तःपश्चिमायां२०।३२
१४	गु	३१	६	उ	३९	३७	ध्रु	२४	१६	व	३१	६	३५	१७	४३	२२	१३	१४	मीने	भ.३१।६उ.कोजागरीव्र.
१५	शु	३२	५	रे	४२	२४	व्या	२२	४९	वि	१	३५	३१	१८	४२	२३	१४	१५	मे.४२।२४	भ.१।३५या.वक्रीचित्रा.बुधः२४/२६×

२६पं.आ.शु.७बु.इ.२१/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	६	०	९	५
१८	२९	१०	२१	३	०	१३	१८
४०	२	४७	४	३४	५१	४९	२
५	२८	४६	२६	२३	३४	१०	४७
५९	४२	१/४०	१२	७४	४/२८	३	५९
९	२५	व.	५६	२०	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

इस मास मे धान्य गेहूं जौ चावल मूग मोठ बाजरा आदि मंदे हों चांदी सोना रुई बारदाना घटबढ़ लेकर तेज हो।

गोचर ग्रहाः

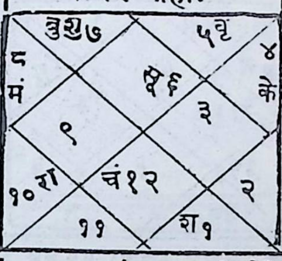

२७पं.आ.शु.१३बु.इ.२/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	६	४	६	०	९	५
२५	३	८	२२	१२	०	१३	२४
३४	५८	३४	२९	१६	२२	२७	२८
५९	४८	२३	२०	४१	४८	३४	२९
५९	४२	५५/३२	१२	७४	४/४०	३	५९
२१	५२	व.	३२	१४	व.	११	३

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४६												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	श	३१	५६	अ	४३	४२	ह	२०	२५	बा	२	०	२८/२७	६/५९	५/४१	२४	१५	१६	मेषे	
२	र	३०	३२	भ	४३	४८	व	१६	५२	तै	१	१४	२३	१९	४१	२५	१६	१७	वृ.५८।३८	भ.५९/५४उ.तुलायामर्कः४८/१२पूफा.४गुरुः५३/५७
३	चं	२८	१७	कृ	४३	८	सि	१२	३२	वि	२८	१७	२०	२०	४०	२६	१७	१८	वृषे	भ.२८/१७या.तुलार्कःसौरः२४/२८वक्री मीने–
४	मं	२५	०	रो	४१	४०	व्य	७	४२	बा	२५	०	१६	२१	३९	२७	१८	१९	वृषे	विशा.शुक्रः४।०
५	बु	२१	१३	मृ	३९	३५	व	३/६	५३/५८	तै	२१	१३	१२	२२	३८	२८	१९	२०	मि१०।३७	वक्रीकन्यायांबुधः५६।५४
६	गु	१७	५	आ	३७	१२	सि	४९	२६	व	१७	५	८	२२	३८	२९	२०	२१	मिथुने	भ.१७।५उ.४४।५१या.
७	शु	१२	३७	पु	३४	२०	सि	४३	४	ब	१२	३७	४	२३	३७	३०	२१	२२	क.२०।३	[–रेवती.४शनिः२/०करकचतुर्थी व्र.
८	श	७	४६	पु	३१	७	सा	३५	५८	कौ	७	४६	०	२४	३६	१	२२	२३	कर्के	भा.कार्तिकारंभः
९	र	२	२६	श्ले	२७	२३	शु	२९	४२	ग	२	२६	२७/५६	२५	३५	२	२३	२४	सि२७।२३	भ.३९/३४उ.५६/४३या.स्वात्यांरविः३०/१५
१०	र	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	चं	५०	५०	म	२४	३२	शु	२१	७	ब	२३	४६	५३	२५	३५	३	२४	२५	सिंहे	स्वात्यांरविःसौरः५/२८रमा११व्र.स्मा.
१२	मं	४५	०	पू	१९	२०	ब्र	१३	२०	कौ	१७	५५	४९	२६	३४	४	२५	२६	कं.३३।२१	बुधोदयःपूर्वस्यां३१/२७रमा११व्र.वै.
१३	बु	३९	१९	उ	१५	२३	ऐं	५/४३	५२/४२	ग	१२	१०	४५	२७	३३	५	२६	२७	कन्यायां	भ.३९/१९उ.वृश्चिकेशुक्रः३६/५३प्रदोषःधन१३
१४	गु	३४	२१	ह	११	४९	वि	५१	२३	वि	६	५०	४१	२८	३२	६	२७	२८	तु.४०।२४	भ.६/५०या.मार्गीबुधः४३/२८रूप१४
३०	शु	३०	८	चि	८	५९	प्री	४६	११	च	२	१४	३७	२९	३१	७	२८	२९	तुलायां	महालक्ष्मी पूजनम्

२८पं.का.कृ.५बु.इ.३०/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	४	६	११	९	६
२	८	०	२३	२०	२९	१३	१
३१	५८	५४	४९	५८	४९	५	५५
२३	१६	१८	५५	१	५	१९	५३
५९	४३	६९/६७	१२	७४	४/४०	३	५९
३४	७	व	१४	७	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

कार्तिक कृष्णे २ रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा३न५प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

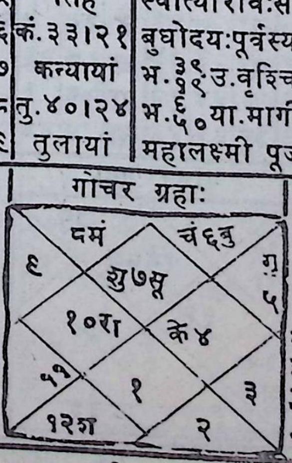

२९पं.का.कृ.१३बु.इ.२०/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	४	६	११	९	६
९	१४	२५	२५	२९	२९	१२	८
२९	१	२९	८	३९	१६	४३	५५
३८	४४	३१	२८	४७	१२	३	१३
५९	४३	१४/१	११	७४	४/३४	३	६०
४७	४४	व	४०	१	व.	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततुं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०५१सं.२०२७
१	श	२७	२६	स्वा	७	५	आ	४०	५	ब	२७	२६	२७/३४	६/२९	५/३१	८	२९	३०	वृ.५२।४	अनु.शुक्रः१ ९/२ज्येष्ठा.भौमः५/४ ८/९ अन्नकूटं=
२	र	२६	१८	वि	७	३	सौ	३६	६	कौ	२६	१८	३०	३०	३०	९	३०	३१	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रात२यम२
३	चं	२६	५४	अ	८	२२	शो	३३	४०	ग	२६	५४	२७	३१	२९	१०	१	१	वृश्चिके	भ.५/९ ८/०उ.नवम्बर११ता.३०जमादि-×
४	मं	२९	२५	ज्ये	११	२९	अ	३२	२९	वि	२९	२५	२३	३१	२९	११	२	२	ध.११।२९	भ.२९।२५या. [×लाखर६
५	बु	३३	२८	मू	१६	४	सु	३२	३०	ब	१	२६	१९	३२	२८	१२	३	३	धनुषि	[=गोवर्द्धनपूजा
६	गु	३८	५५	पू	२२	२३	धृ	३३	५९	कौ	६	११	१६	३३	२७	१३	४	४	म.३९।६	उफा.१गुरुः५०।६
७	शु	४५	१	उ	२९	१४	शू	३५	३४	ग	११	५८	१२	३४	२६	१४	५	५	मकरे	भ.४५।१उ.तुलायांबुधः४४।५२
८	श	५१	२१	श्र	३६	५३	गं	३७	५५	वि	१८	११	९	३४	२६	१५	६	६	मकरे	भ.१/१ ८/१या.विशा.रविः५/४ ०/५गोपाष्टमी
९	र	५७	३९	ध	४४	११	वृ	४०	११	बा	२४	३०	५	३५	२५	१६	७	७	कुं.१०।३२	विशा.रविःसौरः२ ।५१अक्षय९
१०	चं	६०	०	श	५१	१२	ध्रु	४२	३	तै	२९	५०	२	३६	२४	१७	८	८	कुंभे	[+प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
१०	मं	२	२	पू	५६	५३	व्या	४३	५	ग	२	२	२६/५८	३६	२४	१८	९	९	मी४०।२८	भ.३४।३उ.
११	बु	७	४	उ	६०	०	ह	४२	५६	वि	७	४	५५	३७	२३	१९	१०	१०	मीने	भ.७/४या.स्वात्यांबुधः४/५ १/१ज्येष्ठा.शुक्रः१/४ ०/०+
१२	गु	९	३२	उ	०	४४	व	४१	४६	बा	९	३२	५२	३८	२२	२०	११	११	मीने	प्रदोषः
१३	शु	१०	१८	रे	३	४३	सि	३९	२	तै	१०	१८	४९	३८	२२	२१	१२	१२	मे.३।४३	वैकुंठ१४
१४	श	९	२३	अ	४	४४	व्य	३४	५९	व	९	२३	४५	३९	२१	२२	१३	१३	मेषे	भ.९।२३उ.३८।६या.
१५	र	६	५०	भ	४	१३	व	२९	४७	ब	६	५०	४२	४०	२०	२३	१४	१४	वृ.१८।४७	मन्वादिः का.स्ना.पू.

३०गं.का.शु.५बु.इ. ३/५ ०/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	४	७	११	९	६
१६	१९	२७	२६	८	२८	१२	१५
२९	७	४२	२३	२३	४४	२०	५६
२०	५२	५०	३१	१४	२८	४७	१७
६०	४४	५६/५६	११	७३	४/१६	३	६०
४	०	मा	१	५४	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

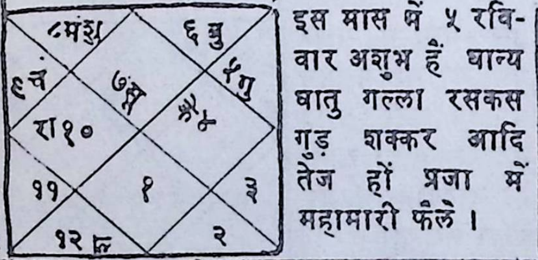

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य धातु गल्ला रसकस गुड़ शक्कर आदि तेज हों प्रजा में महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.शु.११बु.इ. २/० ०/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	४	७	११	९	६
२३	२४	६	२७	१७	२८	११	२२
३०	१८	९	३३	२	१४	५८	५८
४०	४	२९	१८	४२	३१	३२	४९
६०	४४	८४	१०	७३	५८	३	६०
१७	११	१५	२२	५०	व.	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततुं रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	चं	३	११	कृ	२/२८	५७	प	२३	४३	कौ	३	११	३६/३९	६/४०	५/२०	२४	१५	१५	वृषे	
२	चं	५५	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[ऽचतुर्थीव्र.
३	मं	५३	४	मृ	५६	१	शि	१५	५५	व	२५	४६	३६	४१	१९	२५	१६	१६	मि२७।४८	भ.३/४ ५/६उ.५ ३/४या.वृश्चिकेऽर्कः४/४ ६/९
४	बु	४७	३३	आ	५२	२३	सि	९	३५	व	२०	१८	३३	४१	१९	२६	१७	१७	मिथुने	वृश्चिकेऽर्कःसौरः१ ७/९मूलेधनुषिभौमः५ ८/०;
५	गु	४१	५४	पु	४८	२८	सा	२/४	५२/३	कौ	१४	४३	३०	४२	१८	२७	१८	१८	क.३४।२७	बुधास्तःपूर्वस्यां४६।१४
६	शु	३६	३७	पु	४४	४६	शु	४७	१४	ग	९	१५	२७	४३	१७	२८	१९	१९	कर्के	भ.३६।३७उ.विशा.बुधः२४।१७
७	श	३१	२६	श्ले	४१	३८	ब्र	३९	४८	वि	४	१	२५	४३	१७	२९	२०	२०	सि४१।३८	भ.४/१या.अनु.रविः५/९(सौरः३/५ ३/७)मूले÷
८	र	२६	२१	म	३८	०	ऐं	३२	३४	कौ	२६	२१	२२	४४	१६	३०	२१	२१	सिंहे	[÷धनुषिशुक्रः४/५ ८/३
९	चं	२१	४०	पू	३४	५८	वै	२५	२६	ग	२१	४०	१९	४४	१६	१	२२	२२	कं.४९।१९	भ.४९।९उ.भा.मार्गशीर्षारंभः
१०	मं	१७	१८	उ	३२	२१	वि	१९	५	वि	१७	१८	१७	४५	१५	२	२३	२३	कन्यायां	भ.१७।१८या.
११	बु	१३	२२	ह	३०	१७	प्री	१२	५३	बा	१३	२२	१४	४५	१५	३	२४	२४	तु.५९।३४	उत्पत्ति११व्र.
१२	गु	१०	५	चि	२८	५०	आ	७	१३	तै	१०	५	१२	४६	१४	४	२५	२५	तुलायां	वृश्चिकेबुधः४१।५३ प्रदोषः
१३	शु	७	२९	स्वा	२८	४	सौ	१/२	५५/३३	व	७	२९	९	४६	१४	५	२६	२६	तुलायां	भ.७/२९ उ.३/४ ६/५या.उफा.२कन्यायांगुरुः४/५ ७/८
१४	श	६	१	वि	२८	२६	अ	५४	१२	श	६	१	७	४७	१३	६	२७	२७	वृ.१३।२०	अनु.बुधः५८।२
३०	र	५	४४	अ	३०	३	सु	५१	४०	ना	५	४४	५	४७	१३	७	२८	२८	वृश्चिके	

३२पं.मा.कृ.४बु.इ. १/५ ९/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	४	७	११	९	७
०	२९	१६	२८	२५	२७	११	०
३३	३१	४५	३८	४४	४८	३६	२
२२	४८	१४	४९	१०	४	१६	५३
६०	४४	९३	९	७३	३/७८	३	६०
३०	२६	३७	३७	४१	व	११	४०

गोचर ग्रहाः

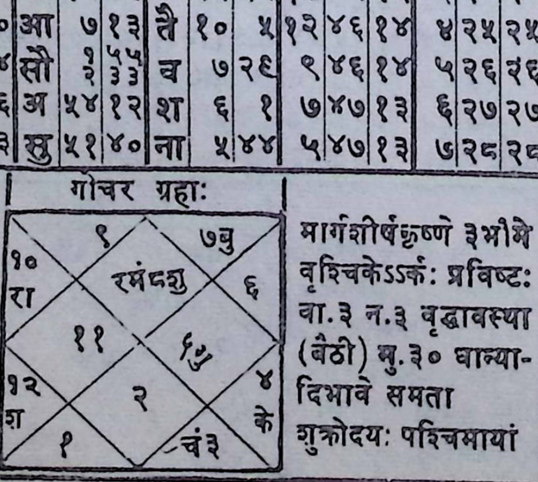

मार्गशीर्षकृष्णे ३भौमे वृश्चिकेऽऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

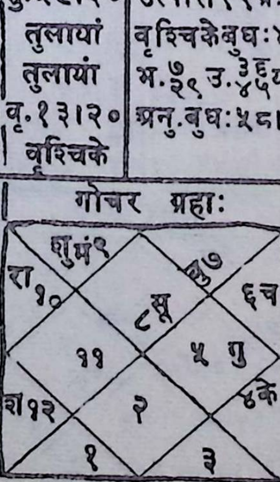

३३पं.मा.कृ.११बु.इ. १/४ ९/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	६	४	८	११	९	७
७	४	२७	२९	४	२७	११	७
३७	४६	४७	३८	२४	२४	१४	८
१६	१९	२४	२०	५४	५०	१	२६
६०	४४	९६	८	७३	५६/३	३	६०
४२	३७	४७	४६	२९	व.	११	५३

CC0. In Public Domain. Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६०८१स.२०२७
१	चं	६	४४	ज्ये	३३	८	धृ	५०	३४	ब	६	४४	२६ २	६ ४८	५ १२	८	२९	२९	व.३३।८	
२	मं	९	३१	मू	३७	३०	शू	४९	५८	कौ	९	३१	०	४८	१२	९	३०	३०	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	बु	१३	२८	पू	४३	१९	गं	५०	४२	ग	१३	२८	२५ ५८	४८	१२	१०	१	१	म.५९।५७	भ.४६।७उ.पूषा.शुक्र:३१।२०दिसम्बर+
४	गु	१८	४६	उ	४९	५३	वृ	५२	१	वि	१८	४६	५६	४९	११	११	२	२	मकरे	भ.१८।४६या.पातमोक्ष:१३।३१
५	शु	२४	४४	श्र	५७	१७	ध्रु	५४	१८	बा	२४	४४	५४	४९	११	१२	३	३	मकरे	ज्येष्ठा.रवि:१५।२०(सौर:४१।५१)
६	श	३१	६	ध	६०	०	व्या	५६	३८	तै	३१	६	५३	४९	११	१३	४	४	कुं.३१।३	चंपा ६
७	र	३७	४०	ध	४	५०	ह	५८	४२	ग	४	२३	५१	५०	१०	१४	५	५	कुम्भे	भ.३७।४०उ.पूषा.भौम:३२।७
८	चं	४३	३२	श	१२	११	व	६०	०	वि	१०	३६	४९	५०	१०	१५	६	६	कुंभे	भ.१०।३६या.ज्येष्ठाबुध:२४।२
९	मं	४८	१३	पू	१८	४५	व	०	२५	बा	१५	५२	४८	५०	१०	१६	७	७	मी२।७	[+१२ता.३१रज्जव७पातस्पर्श:५२।३१
१०	बु	५१	२०	उ	२३	५८	सि	१	६	तै	१९	४६	४६	५१	९	१७	८	८	मीने	
११	गु	५२	३२	रे	२७	३२	व्य	३१	५७ ५९	व	२१	५६	४५	५१	९	१८	९	९	मे.२७।३२	भ २१।५६उ.५२।३२या.मोक्षदा११ ×
१२	शु	५१	४४	अ	२९	४	प	५५	१	ब	२२	८	४४	५१	९	१९	१०	१०	मेषे	[×व्र.गीताजयंती
१३	श	४९	९	भ	२८	४६	शि	४९	५७	कौ	२०	२६	४३	५१	९	२०	११	११	वृ.४३।१३	प्रदोषः
१४	र	४४	५०	कृ	२६	३४	सि	४३	२६	ग	१६	५९	४२	५१	९	२१	१२	१२	वृषे	भ.४४।५०उ.उषा.शुक्र:१४।२५
१५	चं	३८	५८	रो	२२	५९	सा	३५	४६	वि	११	५४	४१	५१	९	२२	१३	१३	मि५०।३७	भ.११।५४या.दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.३बु.इ.१९।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	५	८	११	९	७
१४	१०	८	०	१२	२७	१०	१४
४२	४	५०	३१	५	५	५१	१५
२९	३०	१०	५२	३१	३५	४५	१२
६०	४५	९८	७	७३	१६ २	३	६१
५०	२	२०	४७	२०	व	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्र दर्शन धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रस गुड सक्कर चीनी धान्य गल्ला में तेंजी करे।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.शु.१०.बुइ.२९।७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	५	८	११	९	७
२१	१५	१९	१	२१	२६	१०	२१
४८	२६	५१	१७	४५	५१	२९	२२
३२	०	७	४९	२२	२९	२९	५३
६०	४५	९९	६	७३	४ १	३	६१
५६	१४	३०	४०	१२	व	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेतिमहा.
१	मं	३२	४	मृ	१८	१४	शु	२७	१४	बा	५	३१	२५ ४०	५ ६ २	५ ८	२३	१४	१४	मिथुने	मूलेघनुषिबुध:४७।२३मकरेशुक्र:५९।२
२	बु	२४	५६	आ	१२	५५	शु	१८	१७	ग	२४	५६	३९	५२	८	२४	१५	१५	क.५३।४३	भ.५१।८उ.पातस्पर्श३४।५पातमोक्ष५३।२
३	गु	१७	२१	पु	७	१९	ब्र	९	९	वि	१७	२१	३९	५२	८	२५	१६	१६	कर्क	भ.३।१या.मूलेघनुष्यर्क:३२।३५(सौर:४५।४१)+
४	शु	१०	१४	पु	५० १	५४ ५६	ऐं	० ०	५१ १४	बा	१०	१४	३८	५२	८	२६	१७	१७	सि५६।४६	वक्रीरेवती३शनि:३३।७उषा.४राहु:पुष्य.=
५	श	३	३५	म	५२	२५	वि	४३	२२	तै	३	३५	३८	५२	८	२७	१८	१८	सिंहे	भ.५७।३९उ. [+चतुर्थीव्र.
६	श	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=२केतु:३५।१७
७	र	५२	३८	पू	४९	४	प्री	३५	४१	वि	२५	८	३७	५३	७	२८	१९	१९	सिंहे	भ.२५।८या.
८	चं	४८	३१	उ	४६	२९	आ	२८	५१	बा	२०	३४	३७	५३	७	२९	२०	२०	कं.३।२५	
९	मं	४५	१७	ह	४४	४७	सौ	२२	५९	तै	१६	५४	३६	५३	७	३०	२१	२१	कन्यायां	
१०	बु	४३	८	चि	४४	४	शो	१७	४१	व	१४	१३	३६	५३	७	१	२२	२२	तु.१४।२५	भ.५१।४३उ.४३।८या.उषा:भौम:५६।३भा.पीषा.
११	गु	४१	५३	स्वा	४४	२२	अ	१३	२३	ब	१२	३०	३६	५३	७	२	२३	२३	तुलायां	पूषा.बुध:७।२०श्रवणेशुक्र:७।८मार्गी ×
१२	शु	४१	४२	वि	४५	४५	सु	९	४६	कौ	११	४७	३६	५३	७	३	२४	२४	वृ.३०।२४	[×शनि.सफला११व्र.
१३	श	४२	४६	अ	४८	१४	धृ	७	८	ग	१२	१४	३७	५३	७	४	२५	२५	वृश्चिके	प्रदोष:
१४	र	४४	४९	ज्ये	५१	५२	शू	५	१४	वि	१३	४७	३७	५३	७	५	२६	२६	ध.५१।५२	भ.४२।४६उ.
३०	चं	४८	१५	मू	५६	३४	गं	४	३२	च	१६	३२	३७	५३	७	६	२७	२७	धनुषि	भ.१३।४७या.मकरेभौम:६।५३

३६पं.पौ.कृ.२बु.इ. १९।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	५	९	११	९	७
२८	२०	०	१	०	२६	१०	२८
५५	४८	५२	५७	२४	४२	७	३१
२६	४३	४४	४	२२	०	१४	३६
६१	४५	९९	५	७२	५ २	३	६१
०	२८	५०	४०	५४	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

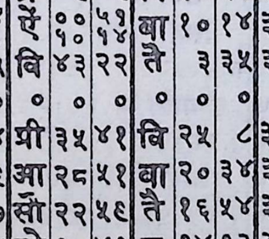

पौषकृष्णे३ गुरौ धनुष्यर्कः प्रविष्टःवा ३न. ४बालावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

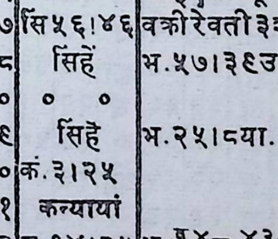

३७पं.पौ.कृ.१०बु.इ.५।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	५	९	११	९	८
६	२६	१२	२	९	२६	९	५
३	१३	०	२८	१	३८	४४	४१
०	५५	२५	३७	४१	२०	५८	१
६१	४५	९९	४	७२	१ ०	३	६१
४	५०	२०	२६	३६	व	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः:६११०स.२०२७
१	मं	५२	३१	पू	६०	०	बृ	४	१४	कि	२०	२३	२५/३८	५६/५२	५/८	७	२८	२८	धनुषि	
२	बु	५८	१	पू	२	२०	ध्रु	५	२	बा	२५	१६	३८	५२	८	८	२६	२९	म.१८।५८	पूषा.रवि:३७/८(सौर:४७/१९)रेवती.४शनि:×
३	गु	६०	०	उ	८	५३	व्या	६	२२	तै	३०	५९	३९	५२	८	९	१	३०	मकरे	सावान८ [×२७।२१चंद्रदर्शनम्
३	शु	३	५८	श्र	१६	७	ह	८	१६	ग	३	५८	४०	५२	८	१०	२	३१	कु.४९।५४	भ.३७।१५उ.उषा.बुध:२३।२२
४	श	१०	३२	ध	२३	४१	व	१०	३१	वि	१०	३२	४१	५२	८	११	३	१	कुंभे	भ.१०/३२या.जनवरी१ता.३१सन्२०२८
५	र	१७	११	श	३१	२६	सि	१२	४९	बा	१७	११	४२	५२	८	१२	४	२	कुंभे	मकरेबुध:२९।१९धनि.शुक्र:५६।४३
६	चं	२३	२५	पू	३८	३८	व्य	१५	३	तै	२३	२५	४३	५१	९	१३	५	३	मि२१।५०	बुधोदय:पश्चिमायां१५।३७
७	मं	२८	४१	उ	४४	४३	व	१६	२५	व	२८	४१	४४	५१	९	१४	६	४	मीने	भ.२८।४१उ.अस्तोभौम:४४।६
८	बु	३२	४३	रे	४९	३९	प	१६	५४	वि	०	४२	४५	५१	९	१५	७	५	मे.४९।३९	भ.०।४२या.
९	गु	३४	५८	अ	५२	४४	शि	१६	११	बा	३	५०	४७	५१	९	१६	८	६	मेषे	
०	शु	३५	१९	भ	५३	४६	सि	१३	५५	तै	५	८	४८	५०	१०	१७	९	७	मेषे	[÷शुक्र:३९/०२श्रवणेभौम:५०/३२पुत्रदा११व्र.
११	श	३३	२७	कृ	५२	४५	सा	९	५९	व	४	२३	५०	५०	१०	१८	१०	८	वृ.८।३१	भ.२४/३उ.३३/२७या.श्रवणेबुध:४६।१कुंभे ÷
१२	र	२९	४१	रो	४९	५९	शु	४/२५	५२/५४	ब	१	३४	५२	५०	१०	१९	११	९	वृषे	
१३	चं	२३	५८	मृ	४५	५	ब्र	४८	५४	तै	२३	५८	५३	४९	११	२०	१२	१०	मि१७।३२	प्रदोष:
१४	मं	१६	३५	आ	३९	१०	ऐं	३९	२१	व	१६	३५	५५	४९	११	२१	१३	११	मिथुने	भ.१६/३५उ.४२/३०या.उषा.रवि:३२/२४(सौर:४/४६
१५	बु	८	२५	पु	३२	२१	वै	२९	५	ब	८	२५	५७	४९	११	२२	१४	१२	क.१९।३	मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.श.२बु.इ.१८।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	५	९	११	९	८
१३	१	२३	२	१७	२६	९	१२
१०	४०	१४	५१	३६	३९	२२	५०
५९	५२	३१	४	५८	५४	४३	५३
६१	४५	९८	३	७२	४२	३	६१
६	५३	५८	१३	१८	मा	११	२६

३९पं.पौ.शु.८बु.इ.१८।४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	५	९	११	९	८
२०	७	४	३	२६	२६	९	२०
१९	१०	२९	४	१०	४७	०	००
५	१९	४७	५९	२३	२	२७	५०
६१	४५	९५	१	७२	१	३	६१
६	५५	३४	४२	०	२३	११	२६

४०पं.पौ.शु.१५बु.इ.१/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	९	५	१०	११	९	८
२७	१२	१५	३	४	२६	८	२७
२७	३९	९	९	४०	५८	३८	१०
७	४७	४०	४	४८	५९	११	४५
६१	४६	८४	०	७१	२	३	६१
६	८	४१	२९	३६	५	११	२९

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	बु	५१	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	गु	५०	३८	पु	२५	८	वि	१८	३३	तै	२५	४	२५/५९	६/४९	५/१२	२३	१५	१३	कर्के	शतेशुक्र:५७।५१
३	शु	४१	५९	श्ले	१८	१५	प्री	९/११	४९/७	व	१६	१८	२६/५	३८	१२	२४	१६	१४	सिं१८।१५	भ.१६/१८उ.५४/५९या.मकरेऽर्कः:४/४८वक्रीगुरु:३/५
४	श	३४	०	म	११	५९	सौ	४९	१	ब	७	५९	४	४७	१३	२५	१७	१५	सिंहे	मकरेऽर्कः:सौर:४।१३चतुर्थीव्र.
५	र	२७	१७	पू	६	२६	शो	४०	४०	कौ	०	३८	६	४७	१३	२६	१८	१६	कं.२०।२५	[=३४।३४)भा.माघारंभ:
६	चं	२२	१	उ	२ २/३	५७/१९	अ	३३	३२	व	२२	१	८	४६	१४	२७	१९	१७	कन्यायां	भ.२२।१उ.५०।०या.
७	मं	१७	५८	चि	५८	२३	सु	२७	३९	ब	१७	५८	११	४६	१४	२८	२०	१८	तु.२९।११	[×(सौर:५२।३०)वक्रीबुध:१३।३९
८	बु	१५	४४	स्वा	५८	३९	धृ	२२	५२	कौ	१५	४४	१३	४५	१५	२९	२१	१९	तुलायां	धनि.बुध:१/६पातस्पर्श:३९/४७पातमोक्ष:५५/२८
९	गु	१४	४१	वि	६०	०	शू	१९	२३	ग	१४	४१	१६	४५	१५	३०	२२	२०	वृ.४४।५६	भ.४४।५९उ.
१०	शु	१५	१६	वि	०	२२	गं	१६	५९	वि	१५	१६	१९	४४	१६	१	२३	२१	वृश्चिके	भ.१५/१६या.अभि.प्र.रवि:२३।१४(सौर:=
११	श	१७	८	अ	३	३१	वृ	१५	४३	बा	१७	८	२१	४४	१६	२	२४	२२	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	र	२०	७	ज्ये	७	३६	ध्रु	१५	३५	तै	२०	७	२४	४३	१७	३	२५	२३	ध ७।३६	प्रदोष:
१३	चं	२४	२७	मू	१२	५०	व्या	१५	४४	व	२४	२७	२७	४३	१७	४	२६	२४	धनुषि	भ.२४/३७उ.५६/५५या.श्रवणेरवि:३७।५१ ×
१४	मं	२९	२४	पू	१८	५३	ह	१६	४६	श	२९	२४	२९	४२	१८	५	२७	२५	म.३५।३७	अभि.नि.रवि:३०।६(सौर:४२।४७)+
३०	बु	३५	८	उ	२५	५०	व	१८	२०	च	२	१६	३२	४२	१८	६	२८	२६	मकरे	[+पूभा.शुक्र:१।४धनि.भौम:५०।२१

४१पं. मा.कृ. ८बु.इ. ३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	१०	११	९	९
४	१८	२३	३	१३	२७	८	४
३४	१०	२२	४	८	१६	१५	२०
५९	५५	१६	२६	२४	४१	५६	११
६१	४६	५२	५०	७१	२	३	६१
३	१८	४०	व	११	४६	११	२९

गोचर ग्रहाः

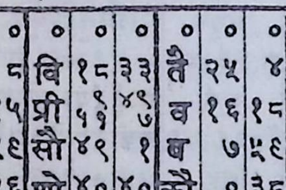

माघ कृष्णे ३ शुक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ बालावस्था (बैठी)मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

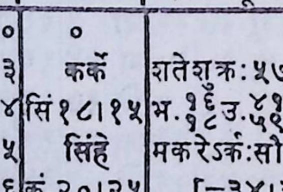

४२पं.मा.कृ.३०बु.इ.१८/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	१०	११	९	९
११	२३	२५	२	२१	२७	७	११
४२	४१	५८	५०	३१	३९	५३	२९
२९	५३	८	६	३४	०	४०	२
६०	४६	२२/४५	२/२८	७०	३	३	६१
५९	२०	व.	व	४७	३२	११	१३

=म राचंगु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६१४०स.२०२८
१	गु	४१	१७	श्र	३२	५९	सि	२०	१०	किं	८	१२	२६/३५	४६/४१	१९/५	७	२९	२७	मकरे	बुधास्त:पश्चिमायां१२।५३
२	शु	४७	४३	ध	४०	३८	व्य	२२	३७	बा	१४	३०	३८	४०	२०	८	३०	२८	कु.६।४९	चंद्रदर्शनम्
३	श	५४	२५	श	४८	११	व	२४	५२	तै	२१	४	४१	४०	२०	९	१	२९	कुंभे	रमजान६
४	र	६०	०	पू	५५	४२	प	२६	५५	व	२७	३३	४५	३९	२१	१०	२	३०	मी३८।४९	भ.२७।३३उ.वक्रीश्रवणेबुध:६।०
५	चं	०	४१	उ	६०	०	शि	२८	४३	वि	०	४१	४८	३८	२२	११	३	३१	मीने	भ.०।४१या.
५	मं	६	१७	उ	२	१४	सि	३०	३	बा	६	१७	५१	३८	२२	१२	४	१	मीने	फर्वरीरता.२९वसंत५
६	बु	१०	४२	रे	७	५८	सा	३०	२०	तै	१०	४२	५४	३७	२३	१३	५	२	मे.७।५८	मीनेशुक्र:२६।४९
७	गु	१३	४६	अ	१२	२३	शु	२९	१४	व	१३	४६	५८	३६	२४	१४	६	३	मेषे	भ.१३।४६उ.४४।३२या.कुंभेभौम:४
८	शु	१५	१९	भ	१५	१३	शु	२६	५५	ब	१५	१९	२७/१	३६	२४	१५	७	४	वृ.३०।२६	भीष्माष्टमी
९	श	१३	५८	कृ	१६	५	ब्र	२२	५९	कौ	१३	५८	५	३५	२५	१६	८	५	वृषे	उभा.शुक्र:१८।१०
१०	र	१२	३४	रो	१४	५६	ऐं	१७	३४	ग	१२	३४	८	३४	२६	१७	९	६	मि४३।२६	भ.१२/०उ.धनि.रवि:४६ (सौर:५७।२०)
११	चं	८	१०	मृ	११	५६	वै	१०	२५	वि	८	१०	१२	३४	२६	१८	१०	७	मिथुने	भ.८।१०या.जया११व्र.
१२	मं	१	४०	आ	६	५८	वि	५८/१	५०/१९	बा	१	४०	१५	३३	२७	१९	११	८	क.४७।१८	बुधोदय:पूर्वस्यां२७।७प्रदोष: [×१६।३२भानु७रथ७
१३	मं	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	बु	४५	१	पु	४४	५२/४१	आ	४१	३७	ग	१९	३१	१९	३२	२८	२०	१२	९	कर्के	भ.४५।१उ.
१५	गु	३५	२२	श्लो	४५	३२	सौ	३०	३७	वि	१०	११	२३	३१	२९	२१	१३	१०	सिं४५।३२	भ.१०।११या.मा.स्ना.पूर्ति:

४३पं,मा.शु.६बु.इ.१८।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	५	१०	११	९	९
१८	२९	१८	२	२९	२८	७	१८
४९	१५	४५	२७	५०	५	३१	३७
१	२४	४७	२२	४६	५३	२५	९
६०	४६	६५/२०	४/३६	७०	४	३	६१
५५	२२	व.	व	७०	८	११	४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का ज्वार में मंदी होवे रसकस सोना चांदी रुई तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

४४पं.मा.श.१४बु.इ.५९/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	५	११	११	९	९
२५	४	११	१	८	२८	७	२५
५४	४६	२०	५५	४	३७	९	४३
५०	१	२०	१९	१६	२३	९	५६
६०	४६	४९/३१	५९/४	६९	४	३	६०
४७	२२	व	व	१०	४४	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	शु	२५	३६	म	३७	४१	शो	१९	२९	चा	०	२९	२७/२७	६/३१	५/२९	२२	१४	११	सिंहे	शतेभौम:४६।२९
२	श	१६	८	पू	३०	१३	अ	८/३	४९/५६	ग	१६	८	३०	३०	३०	२३	१५	१२	कं.४३।४१	भ.४१।४७उ.
३	र	७	२६	उ	२४	६	धृ	४९	४०	वि	७	२६	३४	२९	३१	२४	१६	१३	कन्यायां	भ.२६/७या.कुंभेऽर्कः:३१/२५ सौरः:३१/१८)चतु.व्र.
४	चं	०	५	ह	१९	१३	शू	४१	५५	चा	०	५	३८	२८	३२	२५	१७	१४	तु.४७।४५	
५	चं	५४	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	मं	५०	४०	चि	१६	१६	गं	३५	४३	ग	२२	३१	४२	२८	३२	२६	१८	१५	तुलायां	भ.५०।४०उ.मार्गीबुध:३३।३४
७	बु	४८	३८	स्वा	१५	५	वृ	३१	२	वि	१९	३९	४५	२७	३३	२७	१९	१६	तुलायां	भ.१९।३९या.रेवत्यांशुक्र:४६।२१
८	गु	४८	४४	वि	१५	४०	ध्रु	२७	५३	चा	१८	४१	४९	२६	३४	२८	२०	१७	वृ.०।३१	
९	शु	५०	३३	अ	१८	१८	व्या	२६	१०	तै	१९	३८	५३	२५	३५	२९	२१	१८	वृश्चिके	उषा.३राहु:पुष्य.१केतु:२८।५७
१०	श	५३	४९	ज्ये	२२	२२	ह	२५	४२	व	२२	११	५६	२५	३५	३०	२२	१९	ध.२२।२२	भ.२२।११उ.५३।४९या.शतेरवि:५७/३८
११	र	५८	३१	मू	२७	४३	व	२६	३४	ब	२६	१०	२८/०	२४	३६	१	२३	२०	धनुषि	शतेरवि:सौर:४६/०भा.फाल्गुनारंभः = [=विजया११व्र.
१२	चं	६०	०	पू	३४	५	सि	२७	४७	कौ	३१	१३	४	२३	३७	२	२४	२१	म.५०।५४	
१२	मं	३	५६	उ	४१	१९	व्य	२९	४७	तै	३	५६	८	२२	३८	३	२५	२२	मकरे	प्रदोष:
१३	बु	१०	९	श्र	४८	४१	व	३१	४७	व	१०	९	१२	२२	३८	४	२६	२३	मकरे	भ.१९/०उ.४६/३या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	गु	१६	२३	ध	५६	१३	प	३४	१२	श	१६	२३	१६	२१	३९	५	२७	२४	कुं.२२।२७	अश्वि.१मेषेशनि:५१/०महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	शु	२२	४९	श	६०	०	शि	३६	२०	ना	२२	४९	२०	२०	४०	६	२८	२५	कुम्भे	

४५पं फा.कृ.७बु.इ ५९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	५	११	११	९	१०
२	१०	९	१	१६	२९	६	२
५९	१७	५३	१७	९	१२	४६	४९
४२	२	५६	२८	४	१४	५३	५९
६०	४६	५/५५	६/७	६८	५	३	६०
३७	२२	मा	व.	२५	७	११	४२

गोचर ग्रहाः

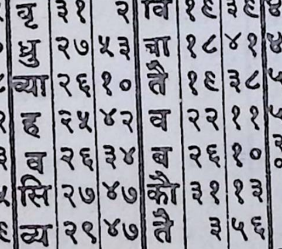

फाल्गुन कृष्ण ३ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ बालावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

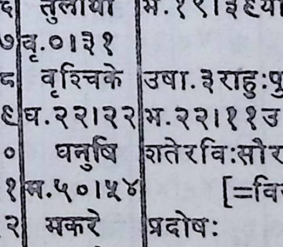

४६पं.फा.शु.१३बु.इ. ३९/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	५	११	११	९	१०
१०	१५	१२	०	२४	२९	६	९
३	४९	२४	३१	१०	५१	२४	५४
१४	३७	२५	५५	२६	२९	३८	३२
६०	४६	४०	५/६३	६७	५	३	६०
२५	२७	१५	व	२२	३२	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

तिं.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८४ शाक: १९४९												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गण६१७०स.२०२८
१	श	२९	१०	श	३	४५	स्लि	३८	३३	ब	२९	१०	२८/२४	६/१९	५/४१	७	२९	२६	मी५४।७	
२	र	३५	४	पू	१०	५४	सा	४०	२३	बा	२	७	२८	१८	४२	८	३०	२७	मीने	यक्रीउफा.१सिंहेगुरु:५७/४५चंद्रदर्शनम् ÷
३	चं	४०	९	उ	१७	३४	शु	४१	१४	तै	७	३६	३२	१८	४२	९	१	२८	मीने	अश्वि.मेषेशुक्र:३८/३७पूभा.भौम:३५/१८ –
४	मं	४४	३३	रे	२३	१८	शु	४१	४४	व	१२	२१	३६	१७	४३	१०	२	२९	मे.२३।१८	भ.१२।२१उ.४४।३३या.
५	बु	४७	४४	अ	२८	८	ब्र	४१	३४	ब	१६	८	४०	१६	४४	११	३	१	मेषे	मार्च३ता.३१
६	गु	४९	४६	भ	३१	४७	ऐं	४०	८	कौ	१८	४५	४४	१५	४५	१२	४	२	वृ.४७।२०	[–सव्वाल१०पातस्पर्शः:६।८पातमोक्ष१७/५४
७	शु	५०	१४	कृ	३४	०	वै	३७	३१	ग	२०	०	४८	१४	४६	१३	५	३	वृषे	भ.५०।१४उ.[÷फुलरिया२
८	श	४९	९	रो	३४	४३	वि	३३	४५	वि	१९	४१	५२	१४	४६	१४	६	४	वृषे	भ.१९।४१या.पूभा.रवि:१३।४२सौर:+
९	र	४६	२२	मृ	३३	३२	प्री	२८	२८	बा	१७	४५	५६	१३	४७	१५	७	५	मि४।७	[+२१।२७धनि.बुध:१५।२६होलाष्टकं
१०	चं	४१	४३	आ	३०	४४	आ	२१	५२	तै	१४	२	२९/१	१२	४८	१६	८	६	मिथुने	
११	मं	३५	४२	पु	२६	२६	सौ	१३	५५	व	८	४२	५	११	४९	१७	९	७	क.१२।३०	भ.८।४२उ.३५।४२या.आमलकी११व्र.
१२	बु	२७	५५	पु	२०	३७	शो	४७/४	५०/४	ब	१	४८	९	१०	५०	१८	१०	८	कर्के	प्रदोष:
१३	गु	१९	२०	श्ले	१३	४७	सु	४४	२	तै	१९	२०	१३	९	५१	१९	११	९	सि१३।४७	कुंभेबुध:१४।१४
१४	शु	९	४९	म	६/६	५२/१६	धृ	३३	४	व	९	४९	१७	९	५१	२०	१२	१०	सिंहे	भ.९।४९उ.३४।५३या.होलिकादहनं ×
१५	शु	५०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×भद्रोत्तरे

४७पं.फा.शु.५बु.इ. ५९/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	४	०	०	९	१०
१७	२१	२०	२९	१	०	६	१६
५	२०	१८	४१	५९	३३	२	५७
२८	३५	५८	५६	३८	५४	२२	२७
६०	४६	६१	३८/७	६६	६	३	६०
१२	१७	५०	व	१	२	११	२०

गोचरग्रहाः

शुक्रस्यपंचवाराः स्युः यत्र मासे निरन्तरम्। प्रजा वृद्धिःसुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते। इस मास का फल मंदी कारक है प्रजा चैन से रहे।

गोचर ग्रहाः

४८पं.फा.शु.१२बु.इ. २०/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	४	०	०	९	१०
२४	२६	२८	२८	९	१	५	२३
६	४९	४९	४८	३८	१८	४०	५८
१४	५५	२३	२९	३१	४३	७	५०
५९	४६	७८	५ ६/२	६४	६	३	६०
५८	१७	१५	व.	२९	२१	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८४ शाकः १९४९												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श	५०	३१	उ	५०	५६	शू	२२	१२	बा	२५	१४	२९/२१	६/८	५५/२	२१	१३	११	क.१३।०	भरण्यांशुक्र:४७।२९वसंत१छारेंडी
२	र	४१	५५	ह	४४	२८	गं	१२	४	तै	१६	१३	२६	७	५३	२२	१४	१२	कन्यायां	
३	चं	३४	३१	चि	३९	२९	वृ	५५/२	५४/२	व	८	१३	३०	६	५४	२३	१५	१३	तु ११।५८	भ.१३/१उ.३४/३१या.मीनेभौम:१९/४२चतुर्थीव्र.
४	मं	२८	५९	स्वा	३६	२६	व्या	४८	३३	ब	१	४५	३४	५	५५	२४	१६	१४	तुलायां	मीनेऽर्क:३४/३२(सौर:२१/४८)शतेबुध:०।१५
५	बु	२५	२३	वि	३५	४	ह	४३	५३	तै	२५	२३	३८	४	५६	२५	१७	१५	वृ.२१।२५	
६	गु	२४	१०	अ	३६	४	व	४०	५९	व	२४	१०	४३	३	५७	२६	१८	१६	वृश्चिके	भ.२४/१०उ.५४/३२या.उभा.भौम:३९।५५
७	शु	२४	५५	ज्ये	३८	५९	सि	३९	३४	ब	२४	५५	४७	३	५७	२७	१९	१७	ध.३८।५९	उभा.रवि:३५/३९(सौर:४३/२४)शीतलापूजनम्
८	श	२७	२८	मू	४३	४१	व्य	३९	४९	कौ	२७	२८	५१	२	५८	२८	२०	१८	धनुषि	
९	र	३१	५८	पू	४९	४६	व	४०	३८	ग	३१	५८	५५	१	५९	२९	२१	१९	धनुषि	
१०	चं	३७	१६	उ	५६	५८	प	४२	३८	व	४	३७	३/००	६/००	६/००	३०	२२	२०	म.६।३४	भ.४।३७उ.३७।१६या.
११	मं	४३	३५	श्र	६०	०	शि	४४	५२	ब	१०	२५	४	५/५९	१	१	२३	२१	मकरे	भा.चैत्रारंभ:पापमोचनी११व्र.
१२	बु	५०	१	श्र	४	२३	सि	४७	२८	कौ	१६	४८	८	५८	२	२	२४	२२	कुं.३८।१५	पूभा.बुध:३१।१०
१३	गु	५६	२४	ध	१२	८	सा	४९	४२	ग	२३	१२	१२	५८	२	३	२५	२३	कुम्भे	भ.५६।२४उ.प्रदोष:
१४	शु	६०	०	श	१९	२७	शु	५१	४३	वि	२९	२५	१६	५७	३	४	२६	२४	कुंभे	भ.२९/२५या.कृत्ति.शुक्र:५१/१वक्रीपूफा.४ A
१५	श	२	२६	पू	२६	३५	शु	५३	१६	श	२	२६	२१	५६	४	५	२७	२५	मी९।४८	अश्वि.२शनि:५१।८
३०	र	७	५५	उ	३२	४४	ब्र	५४	४	ना	७	५५	२५	५५	५	६	२८	२६	मीने	मन्वादि: [Aगुरु:५९।७

४९पं.चै.कृ.५बु.इ. २०/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	०	०	९	११
१	२	८	२७	१७	२	१	०
५	१८	४१	५४	२	६	१७	५८
३१	५४	४६	७	१०	११	५१	३१
५९	४६	९१	५ ६/२	६२	६	३	५९
४१	७	८	व.	३६	३७	११	४९

गोचर ग्रहाः

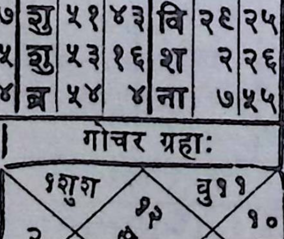

चैत्र कृष्णे ४ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

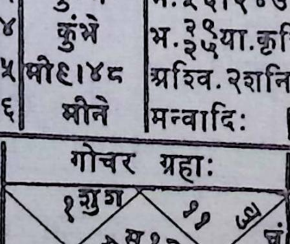

५०पं.चै कृ.१२बु.इ. २०/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	१०	४	०	०	९	११
८	७	१९	२७	२४	२	४	७
३	४५	४२	०	९	५५	५५	५६
१८	४३	२२	१४	३८	५२	३५	२७
५९	४५	०/८	४/०	६०	६	३	५९
२९	५७	४/३	व.	११	५३	११	३५

CC0. In Public Domain. Ramkant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंदूरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१२९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१२९, भोग्यकलिः४२६८७१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८५, शाकः १९५०, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री गुरुः । सस्येशः रविः । धान्येशः शुक्रः । मेघेशः बुधः। रसेशः भौमः । नीरसेशः रविः । फलेशः बुधः । धनेशः शनिः।दुर्गेशः बुधः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां१६ दुंदुभिनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः २।१।२०।३९।२४ भोग्यमासादिः ९।२८।३९।२०।३६ भगदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम फाल्गुनः।मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे।समयविश्वा १० समयवाहनम्मृगः । स्तंभौः २ जलतृणयोः ।सोमवत्यमाः २ सोमवनी पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी २ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३१५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १५, तिथिवृद्धिः९ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् १७ तृणम् ५, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२१, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण २ चंद्रमसः ।

सं. २०८५ आषाढ शु. १५ गुरौ
चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	१०	१२	१
मि.	४८	३	१७
इ.	४०	४३	४७
प.	५३	५९	५

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

वर्ष लग्नम् १।१२

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछै मात से जिमि पूछा हर बार ।
पच्यासी की साल का कहदो मैया सार ।।

भवानी उत्तर

.ाजा शशि मंत्री गुरु यह है सुंदर योग ।
बजै दुंदुभि चैन की जनता भोगे भोग ।।
सागर में रोहिणी बसी चंद्रपुत्र मेघेश ।
दुःख मिटे सुख ऊपजे वर्षा होय विशेष ।।
आषाढ़ां वर्षा लगे जग में हो सुख चैन ।
मोर पपीहा मस्त हो बोलें मीठे बैन ।।
सौम्यग्रहां इस वर्ष में लिया अधिक अधिकार ।
घर घर मंगल होयसी सुख पावे संसार ।।
फल संवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
परमेश्वर के भजन से होसी बेड़ा पार ।।

सं.२०८५ पौष शु. १५ रवौ
खग्रास चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	८	९	१०	१०	१२
मि.	३४	४१	१९	५६	३
घ.	३५	३८	३९	४१	४४
प.	१७	५	३९	१३	१

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् ६।२९

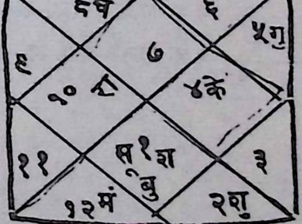

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।६।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१४।२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रस्तत्फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यं सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुरतोपधनामुदिताभवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशः रविःफलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्या स्वल्पं च सस्यं बहु भूरुहाश्च ।। धान्येशः शुक्रः फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशो बुधः फलम् ।। अमृत रश्मिसुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विज वरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणी तदा ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रस राशि युता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनता पदो न जलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चंदनपो रपि । रत्न माणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलेशो बुधः फलम् ।। यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचस्तदा । बहु तृणं कुसुमैः कमलैर्युतं जनपदो जनसौख्य मुदान्वितः ।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजे विरलं धनं गद रता धरणी पतयः तदा । अधनिका वणिजः कृषि जीविनो द्विजवराः परपीडिन मानसाः ।। दुर्गेशः बुधः फलम् ।। विषम साम्य सुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषताम् । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्य गतां न भयं क्वचित् ।। दुंदुभिनाम संवत्सरः फलम् ।। सर्व सस्य युता धात्री पालिता धरणीधरैः । पूर्वदेश विनाशः स्यात् तत्र दुंदुभि वत्सरे ।। वर्षनाम फाल्गुनः फलम् ।। फाल्गुनाब्दे घोर भीतिः स्त्रीणां दुर्भगता भृशम् । क्वचिद्वृष्टिः क्वचित् सस्यं क्वचिद्धीरीतयः क्वचित् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्नवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतुमहावृष्टिः ।। समय निवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ७ ।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा.
शुक्ला ३ गुरौ रोहि. ल. ११ गु.पू.सत् रे. ७
।।ऽशु।।ऽनृऽ।।।
,, ११ शुक्रे उफा. ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) रे. ९
।।।।।।ऽ।।।
,, १२ शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽसूऽ।।।ऽनृ।।।।
(नक्षत्रांतः)

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ५ भौमे उषा. ल. ऽन्यगो रे. ६ ।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।
,, १४ शुक्रे रोहि. ल. ४-६ रे. ७ ।।।।ऽऽचौ५२या।ऽ।।
,, १५ शनौ मृगे ल. ४-६ (घ३५-३३उ) रे. ७
।ऽ।।ऽ।(रोगपं.घ५१उ)।ऽ।।

पौष मासः

कृष्णां १ रवौ मृगे ल. गो. रे. ६ ।ऽ।।ऽऽरो।ऽ।।
,, ९ रवौ हस्ते ल.ऽन्यगो ४ रे.७ ऽ।।।।ऽचो४२या।ऽ।।
(दग्धा३२-५०उ.)
,, ११ भौमे स्वात्यां ल. ४-५ रे.७ ।।।ऽऽरो४१या।ऽ।।

माघ मासः

शुक्ला ६ रवौ रेव ल. ऽन्यगो ८ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, १० गुरौ रोहि. ल. गो. ८ (बृ.चं.७पू.) रे. ७
।।।।।ऽअ.५२था।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ।।।ऽक्षु।।ऽ।ऽ
(दग्धा२७-११उ) पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ४ शुक्रे उफा. ल. ८ (घ.४८-३४या) रे. ८
।।।।।ऽअ।ऽ।।
,, ९ बुधे अनु. ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूर्रविरुत्तरेऽहर्गण:६२००स.२०२८
१	चं	१२	११	रे	३८	७	ऐं	५४	२२	ब	१२	११	३०/२९	५५/५४	६	७	२६	२७	मे.३८।७	चंद्रदर्शनम्संवत्सरारंभ:नवरात्रारंभ:
२	मं	१५	४५	अ	४२	२६	वै	५३	४३	कौ	१५	४५	३३	५३	७	८	१	२८	मेषे	मीनेबुध:३२/२०बृषेशुक्र:२३/५४जिल्काद११सिं.
३	बु	१८	१६	भ	४५	५१	वि	५२	८	ग	१८	१६	३७	५३	७	९	२	२९	मेषे	भ.४८/५९उ.बुधास्त:पूर्वस्यां३२/२९मंत्स्य ×
४	गु	१६	४२	कृ	४८	११	प्री	४६	४६	वि	१६	४२	४१	५२	८	१०	३	३०	वृ.१।२६	भ.१६।४२या.उभा.बुध:६।५६
५	शु	२०	४	रो	४६	२८	आ	४६	५०	बा	२०	४	४५	५१	९	११	४	३१	वृषे	रेवत्यांरवि:३।१२(सौर:६।५१)
६	श	१६	१७	मृ	४६	३२	सौ	४२	३५	तै	१६	१७	४९	५०	१०	१२	५	१	मि१६।३०	अप्रेल४ता.३०
७	र	१७	१३	आ	४८	१६	शो	३७	२१	व	१७	१३	५३	४६	११	१३	६	२	मिथुने	भ.११/१३उ.४५/३४या.रेवत्यांभौम:५२/४२अस्तं H
८	चं	१३	५५	पु	४५	४७	अ	३१	६	ब	१३	५५	५७	४६	११	१४	७	३	क.३०।५४	रामनवमीस्मा.[×जयंती गणगौरी
९	मं	६	२७	पु	४२	१३	सु	२३	५६	कौ	६	२७	३/१	४८	१२	१५	८	४	कर्के	रामनवमीवै. [Hशने:४५।४७
१०	बु	३	३९	श्ले	३७	२२	धृ	१५	५०	ग	३	३९	५	४७	१३	१६	६	५	सिं३७।२२	भ.३०।१६उ.५५/६४या.कामदा११व्र.स्मा.
११	बु	५३	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	गु	४८	५५	म	३१	२५	शू	४६/९	५३/९	ब	२२	५४	१०	४६	१४	१७	१०	६	सिंहे	रेवत्यांबुध:११।१५कामदा११व्र.वै.
१३	शु	४०	२८	पू	२५	१४	वृ	४७	२६	कौ	१४	४१	१४	४५	१५	१८	११	७	कं.३८।३१	प्रदोष:
१४	श	३१	३५	उ	१८	२४	ध्रु	३७	२६	ग	६	१	१८	४४	१६	१९	१२	८	कन्यायां	भ.३३/१५उ.५२/७२या.रोहि.शुक्र:३२।४१
१५	र	२३	८	ह	११	५८	व्या	२८	६	ब	२३	८	२२	४४	१६	२०	१३	६	तु.३६।१७	हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.३बु.इ. २१/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	४	१	०	९	११
१४	१३	१	२६	०	३	४	१४
५९	१०	४९	९	५४	४६	३३	५२
१०	४८	१६	१८	२२	५५	२७	३८
५९	४५	८/८	७/८	५७	७	३	५९
१६	४७	३१	व	१	४	११	१८

गोचर ग्रहाः

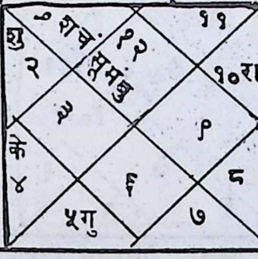

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल धातु सोना चांदी लोहा रुई कपास वारदाना तेज हो रसकस में मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

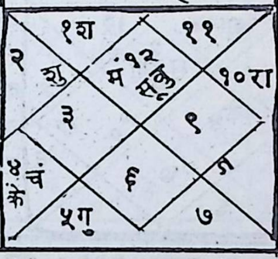

५२पं.चै.शु.१०बु.इ. ३१/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	४	१	०	९	११
२१	१८	१५	२५	७	४	४	२१
५३	३५	१	२२	११	३९	११	४६
३१	२	८	२६	४९	११	४	४९
५९	४५	८/८	१६/७	५२	७	३	५९
४	४७	६	व	४६	१४	११	

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूर् रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	चं	१५	२३	चि	६	१५	ह	१६	२३	कौ	१५	२३	३१/२६	५/४३	१६/७	२१	१४	१०	तुलायां	
२	मं	६	११	स्वा	४८/१	५७/१०	व	११	५४	ग	६	११	३०	४२	१८	२२	१५	११	वृ.४४।४१	भ.३६।४३उ.
३	बु	४	१६	अ	५८	११	सि	५	३६	वि	४	१६	३४	४१	१९	२३	१६	१२	वृश्चिके	भ.९४/६याअश्वि.मेषेबुध:४२।१८चतुर्थीव्र.
४	गु	१	३४	ज्ये	५९	३२	व्य	२२/१	५७/१३	बा	१	३४	३८	४०	२०	२४	१७	१३	ध.५६।३२	अश्वि.मेषेऽर्क:३७।१२(सौर:४४।२५)
५	शु	१	१	मू	६०	०	प	५७	४१	तै	१	१	४२	४०	२०	२५	१८	१४	धनुषि	
६	श	२	३२	मू	२	५८	शि	५७	४५	व	२	३२	४६	३६	२१	२६	१९	१५	धनुषि	भ.२।३२उ.३४।२०या.
७	र	६	८	पू	७	५८	सि	५६	१४	ब	६	८	५०	३८	२२	२७	२०	१६	म.२४।३७	
८	चं	१०	५३	उ	१४	३३	सा	६०	०	कौ	१०	५३	५३	३७	२३	२८	२१	१७	मकरे	
९	मं	१६	२३	श्र	२१	४९	सा	१	१३	ग	१६	२३	५७	३७	२३	२९	२२	१८	कुं.५५।४०	भ.४९।४६उ.भरण्यांबुध:५८।५
१०	बु	२३	१०	ध	२६	३०	शु	३	३७	वि	२३	१०	३/१	३६	२४	३०	२३	१९	कुंभे	भ.२३।१०या.
११	गु	२६	२८	श	३६	५८	शु	६	११	बा	२६	२८	५	३५	२५	३१	२४	२०	कुंभे	अश्वि.मेषेभौम:१९/२५वरूथिनी११व्र.
१२	शु	३५	२५	पू	४४	७	ब्र	८	१६	कौ	२	२६	९	३४	२६	१	२५	२१	मी२७।२०	अश्वि.३शनि:४८/०उषा.२राहु:पुन.४ =
१३	श	४०	३१	उ	५०	११	ऐं	६	५६	ग	७	५८	१२	३४	२६	२	२६	२२	मीने	भ.४०।३१उ.प्रदोष:
१४	र	४४	२०	रे	५४	५८	वै	१०	३१	वि	१२	२५	१६	३३	२७	३	२७	२३	मे.५४।५८	भ.१२/२५या.बुधोदय:पश्चिमायां३७।०
३०	चं	४६	५६	अ	५८	५६	वि	१०	२३	च	१५	३८	२०	३२	२८	४	२८	२४	मेषे	[=केतु:२७।४२भा.वैशाखारंभ:

१पं.वै.कृ.४वृ.इ. ३७/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	५	१	०	९	११
०	२४	१	२४	१३	५	३	२९
०	५४	५४	३४	५१	४२	४४	५३
०	२२	१८	४१	१८	४०	५६	३
५८	४५	२०/८	५/६	४६	७	३	५८
४४	३७	५८	व	२८	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ४ गुरौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यादि भावेमहर्घताशुक्रोदयः पश्चिमाया।

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.कृ.११वृ.इ. ३७/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	४	१	०	९	०
६	०	१६	२४	१८	९	३	६
५०	१३	४१	१	३७	३६	२२	४३
४६	३४	३५	४८	१	११	४०	१४
५८	४५	८/८	५/६	३८	७	३	५८
३१	१२	४४	व.	५५	२०	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६२२९स.२०२८
१	मं	४८	२	भ	६०	०	प्री	६	१५	किं	१७	२९	३२/२३	५/३१	६/२९	५	२९	२५	मेषे	कृत्ति.बुधः३८।३०
२	बु	४८	२९	भ	१	२९	आ	७	११	बा	१८	१५	२७	३१	२९	६	३०	२६	वृ.१६।५०	चंद्रदर्शनम्
३	गु	४७	३८	कृ	२	५५	सौ	४	१७	तै	१८	३	३१	३०	३०	७	१	२७	वृषे	भरण्यांरविः(९/२ ७/३)(सौरः(२/५ ५/०)) वृषेबुधः ×
४	शु	४५	५४	रो	३	२७	शो	२०/०	५५/४३	व	१६	४६	३४	२९	३१	८	२	२८	मि३३।१६	भ.१६।४६उ.४५।५४या.
५	श	४३	२०	मृ	३	६	सु	५१	९	ब	१४	३७	३८	२८	३२	९	३	२९	मिथुने	मृगेशुक्रः३६।३५
६	र	३९	५२	आ	१	५९	धृ	४५	३२	कौ	११	३६	४१	२८	३२	१०	४	३०	क.४५।३५	[×(४/७)जिल्हेज१२परशुरामजयंतीअक्ष.३
७	चं	३६	२	पु	०/७	५७/२९	शू	३९	१५	ग	७	५७	४५	२७	३३	११	५	१	कर्के	भ.३६।२उ.मई५ता.३१
८	मं	३१	१४	श्ले	५४	४५	गं	३२	३४	वि	३	३८	४८	२६	३४	१२	६	२	सि५४।४५	भ.३।३८या.
९	बु	२५	५४	म	५०	८	वृ	२५	११	कौ	२५	५४	५२	२६	३४	१३	७	३	सिंह	रोहि बुधः३८।५२
१०	गु	१९	५१	पू	४६	२	ध्रु	१७	२६	ग	१९	५१	५५	२५	३५	१४	८	४	कं.५९।४८	भ.४६।३४उ.
११	शु	१३	१८	उ	४१	८	व्या	९	१३	वि	१३	१८	५८	२४	३६	१५	९	५	कन्यायां	भ.१३।१८या.मोहिनी११व्र.
१२	श	६	१८	ह	३६	१५	ह	५ ०/३	५५/४६	बा	६	१८	३ ३/२	२४	३६	१६	१०	६	कन्यायां	प्रदोषः
१३	श	५३	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+शनेः५।०यमायकुंभदानम्
१४	र	५२	३२	चि	३१	२३	सि	४४	३१	य	२५	५७	५	२३	३७	१७	११	७	तु.३।४९	भ.(५/३ २/२)उ.वक्रीपूफा.३गुरुः(३/४ ८/७)नृसिंहजयंती
१५	चं	४६	४१	स्वा	२७	१६	व्य	३७	१६	वि	१९	३६	८	२२	३८	१८	१२	८	तुलायां	भ.१९।३६या.भरण्यांभौमः४।४३उदयं+

३पं.वै.शु.३वृ.इ.३७।४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	४	१	०	९	०
१३	५	०	२३	२२	७	३	१३
२९	३०	१५	३७	२२	२९	०	३१
५०	३६	४	१९	२६	२८	२५	३९
५८	४५	८/०	४ २/१	२९	७	३	५८
१९	२	१२	व	५	२०	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी स्वर्ण सण तिल वारदाना लोहा मंदा हो घृत तेल नमक आदि रसकस तेज होवे ।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.१०वृ.इ. (३/५ ७/९)

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	४	१	०	९	०
२०	१०	११	२३	२४	८	२	२०
२७	४५	१	२२	४४	२२	३८	१८
२९	४३	३०	४६	४६	५९	९	२५
५८	४४	६२	१/१५	१६	७	३	५७
६	५२	२५	व	१६	१४	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैंशाख कृष्णेति महा.
१	मं	४१	५८	वि	२४	१३	व	३०	५४	वा	१४	२०	३३/११	५/२२	६/३८	१९	१३	९	वृ.९।५९	मार्गीगुरुः२०।३४
२	बु	३८	५१	अ	२२	४७	प	२५	४०	तै	१०	२४	१४	२१	३९	२०	१४	१०	वृश्चिके	
३	गु	३७	३४	ज्ये	२२	५६	शि	२२	२७	व	८	१२	१७	२१	३९	२१	१५	११	ध.२२।५६	भ.(१ ६/२)उ.(३/३ ७/४)या.कृत्ति.रविः(२ ३/२)(सौरः=
४	शु	३८	२	मू	२४	५२	सि	२०	९	व	७	४८	२०	२०	४०	२२	१६	१२	धनुषि	[=(१/४ ३/२)) वक्रीशुक्रः४८।२०चतुर्थीव्र.
५	श	४०	३८	पू	२८	४९	सा	१९	१३	कौ	९	२०	२३	१९	४१	२३	१७	१३	म.४५।१२	
६	र	४४	४९	उ	३४	२१	शु	१९	३९	ग	१२	४३	२६	१९	४१	२४	१८	१४	मकरे	भ.(४/४ ४/९)उ.वृषेऽर्कः(३/३ ०/७)(सौरः(४/३ १/५))
७	चं	५०	१९	श्र	४१	१२	शु	२१	२२	वि	१७	३४	२८	१८	४२	२५	१९	१५	मकरे	भ.१७।३४या.
८	मं	५६	२४	ध	४८	३३	ब्र	२३	२५	बा	२३	२१	३१	१८	४२	२६	२०	१६	कुं.१४।५२	
९	बु	६०	०	श	५६	४	ऐं	२५	५९	तै	२९	३०	३४	१७	४३	२७	२१	१७	कुम्भे	अश्वि.४शनिः४०।१२
९	गु	२	३६	पू	६०	०	वै	२८	१३	ग	२	३६	३७	१७	४३	२८	२२	१८	मी४६।३२	भ.३५।३५उ.
१०	शु	८	३४	पू	३	२२	वि	३०	९	वि	८	३४	३९	१६	४४	२९	२३	१९	मीने	भ.८।३४या.पूफा.४गुरुः४६।३५
११	श	१३	३२	उ	९	४७	प्री	३०	५८	बा	१३	३२	४२	१६	४४	३०	२४	२०	मीने	वक्रीबुधः१।५अपरा११व्र.
१२	र	१७	४	रे	१४	४४	आ	३०	५७	तै	१७	४	४४	१५	४५	३१	२५	२१	मे.१४।४४	वक्रीरोहि शुक्रः५६।५प्रदोषः
१३	चं	१९	२०	अ	१८	२८	सा	२९	३९	व	१९	२०	४७	१५	४५	१	२६	२२	मेषे	भ.(१/२ ९/०)उ.४९।३३या.भा.ज्येष्ठारंभः
१४	मं	१९	४६	भ	२०	३५	शो	२७	८	श	१९	४६	४९	१४	४६	२	२७	२३	वृ.३५।४४	बुधास्तःपश्चिमायां४५।५९
३०	बु	१८	५३	कृ	२१	११	अ	२३	२९	ना	१८	५३	५२	१४	४६	३	२८	२४	वृषे	रोहि.रविः५४।०वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.३वृ.इ.३८।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	१	४	१	०	९	०
२७	१५	१८	२३	२५	९	२	२७
१३	५८	२०	१६	२७	१५	१५	३
३७	२३	४९	५५	४	११	५४	३९
५७	४४	४३	१०/७	०	७	३	५७
५४	२१	३७	मा	२५	८	११	४५

गोचर ग्रहाः

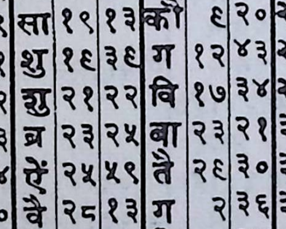

ज्येष्ठकृष्णे ६ रवौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

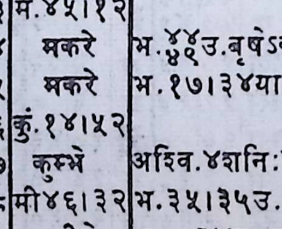

६पं.ज्ये.कृ.९वृ.इ.(३/२ ८/०)

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	४	१	०	९	१
३	२१	२१	२३	२४	१०	१	३
५८	८	४३	१८	१५	६	५३	४७
४४	३५	३४	२९	२९	४३	३८	२३
५७	४४	५	१	१६/५०	६	३	५७
४४	१६	३०	२०	व	५६	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६२५९स.२०२८
१	गु	१६	३६	रो	२०	३८	सु	१८	५५	ब	१६	३६	३३/५४	५/१३	६/४७	४	२९	२५	मि४९।५१	रोहि.रवि:सौर:७।३७चन्द्रदर्शनम्
२	शु	१३	११	मृ	१९	४	धृ	१३	३५	कौ	१३	११	५६	१३	४७	५	१	२६	मिथुने	कृत्ति.भौम:३/२८मोहोरम१सन्१४५०हि
३	श	९	११	आ	१६	४१	शू	७	३५	ग	९	११	५८	१२	४८	६	२	२७	क.५९।३६	भ.३६।४८उ.
४	र	४	२६	पु	१३	५४	गं	०/५४	५३/३२	वि	४	२६	३४/००	१२	४८	७	३	२८	कर्के	भ.४।२६या.
५	र	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×पश्चिमायां३९।०
६	चं	५४	२५	पु	१०	५१	ध्रु	४७	३६	कौ	२६	५८	२	१२	४८	८	४	२९	कर्के	[÷गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
७	मं	४९	११	श्ले	७	३१	व्या	४०	४६	ग	२१	४८	३	११	४९	९	५	३०	सिं७।३१	भ.४९।११उ.बृषेभौम:४८।५२शुक्रास्त×
८	बु	४३	५५	म	४	३५	ह	३३	४६	वि	१६	३३	५	११	४९	१०	६	३१	सिंहे	भ.१६।३३या.
९	गु	३८	३४	पू	०/५५	६/३३	व	२६	४९	बा	११	१५	७	११	४९	११	७	१	कं.१५।३	जून६ता.३०
१०	शु	३३	७	ह	५४	१०	सि	१९	४३	तै	५	५०	९	१०	५०	१२	८	२	कन्यायां	गंगादशमी
११	श	२८	०	चि	५०	५९	व्य	१२	५२	व	०	३३	१०	१०	५०	१३	९	३	तु.२२।३५	भ.०।३३उ.२८।०या.निर्जला११व्र.
१२	र	२२	५३	स्वा	४८	१९	व	६	२३	बा	२२	५३	१२	१०	५०	१४	१०	४	तुलायां	प्रदोष:
१३	चं	१८	३९	वि	४६	२१	प	०/१०	५४/२४	तै	१८	३९	१३	९	५१	१५	११	५	वृ.३१।५०	उदयोभौम:२५।८
१४	मं	१४	५५	अ	४५	११	सि	४९	४६	व	१४	५५	१५	९	५१	१६	१२	६	वृश्चिके	भ.१४।५५उ.४३।४३या.
१५	बु	१२	३१	ज्ये	४५	३४	सा	४६	१७	ब	१२	३१	१६	९	५१	१७	१३	७	व.४५।३४	मृगेरवि:४८।५२शुक्रोदय:पूर्वस्यां५/०/१ ÷

७पं.ज्ये.शु.१वृ.इ. ३/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	४	१	०	९	१
१०	२६	२१	२३	२१	१०	१	१०
४२	१५	१२	२८	१२	५६	३१	२९
४०	४३	४	१६	२२	४२	२२	३४
५७	४४	२२/२५	२	३०/५५	६	३	५७
३५	६	व.	४७	व	३८	११	२३

गोचर ग्रहाः

भूमि पुत्रो यदा मेषे
सुभिक्षंसर्वधान्यकम्।
प्रबलानि महर्घाणि
क्रोधवंतो भवेन्नृपाः।
इस मास में सोना
चांदी गंदे होवे ।

गोचर ग्रहाः

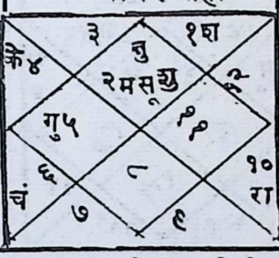

८पं.ज्ये.शु.९वृ.इ. ३/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	४	१	०	९	१
१७	१	१८	२३	१७	११	१	१७
२५	२०	५	४७	१	४४	९	१०
२६	१७	४९	२४	१	१७	७	४०
५७	४२	३२/२६	३	३६/३०	६	३	५७
२७	५६	व.	५९	व	२६	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	गु	११	३९	मू	४७	१७	शु	४३	४६	कौ	११	३९	३४/१७	५/०	६/५१	१८	१४	८	धनुषि	मृगेरवि:सौर:६।२७
२	शु	१२	५	पू	५०	३४	शु	४२	३८	ग	१२	५	१८	८	५२	१९	१५	९	धनुषि	भ.४३।१३उ.
३	श	१४	२१	उ	५५	१३	ब्र	४२	३२	वि	१४	२१	१९	८	५२	२०	१६	१०	म.६।४४	भ.१४।२१या.चतुर्थीव्र.
४	र	१७	५५	श्र	६०	०	ऐं	४३	३९	बा	१७	५५	१९	८	५२	२१	१७	११	मकरे	बुधोदय:पूर्वस्यां१६।२६
५	चं	२३	१	श्र	१	२०	वै	४५	२५	तै	२३	१	२०	८	५२	२२	१८	१२	कुं.३५।५	
६	मं	२८	५०	ध	८	५०	वि	४७	४६	व	२८	५०	२१	८	५२	२३	१९	१३	कुंभे	भ.२८।५०उ.रोहि.भौम:४५।४०
७	बु	३४	५८	श	१५	५८	प्री	५०	१३	वि	१	५४	२१	८	५२	२४	२०	१४	कुम्भे	भ.१।५४या.मिथुनेऽर्क:४७।४८
८	गु	४१	८	पू	२३	२९	आ	५२	२९	बा	८	३	२२	८	५२	२५	२१	१५	मी६।३६	मिथुनेऽर्क:सौर:१५/७वक्रीकृति.शुक्र:३/१६
९	शु	४६	२४	उ	३०	२६	सौ	५४	१	तै	१३	४६	२२	८	५२	२६	२२	१६	मीने	मार्गीबुध:१।२९भरणी१शनि:४८।०
१०	श	५०	१४	रे	३६	१०	शो	५४	३२	व	१८	१९	२३	७	५३	२७	२३	१७	मे.३६।१०	भ.१८।१९उ.५०।१४या.
११	र	५२	४०	अ	४०	२५	अ	५३	४७	ब	२१	२७	२३	७	५३	२८	२४	१८	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	चं	५३	१४	भ	४२	५०	सु	५१	३७	कौ	२२	५७	२३	७	५३	२९	२५	१९	वृ.५८।२	[=भा.आषाढारंभ:
१३	मं	५१	५८	कृ	४३	३८	धृ	४७	५९	ग	२२	३६	२४	७	५३	३०	२६	२०	वृषे	भ.५१।५८उ.प्रदोष:
१४	बु	४८	४९	रो	४२	४०	शू	४२	५९	वि	२०	२३	२४	७	५३	३१	२७	२१	वृषे	भ.२०।२३या.आर्द्रा.रवि:४६।२१
३०	गु	४४	१६	मृ	४०	३	गं	३६	४३	च	१६	३२	२४	७	५३	१	२८	२२	मि११।२१	आर्द्रा.रवि:सौर:८।४८मार्गीशुक्र:४/१=

९पं.आ.कृ.१वृ.इ. ३/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	४	१	०	९	१
२४	६	१४	२४	१२	१२	०	२३
७	२२	४६	१५	५४	२९	४६	५०
३०	१६	१६	०	२२	४९	५१	३६
५७	४३	२५/४६	५	३०/९	६	३	५७
२२	२०	व	५.	व.	१०	११	५

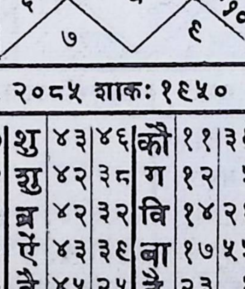

१०पं.आ.कृ.८वृ.इ.३८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	४	१	०	९	२
०	११	१३	२४	९	१३	०	०
४८	२१	३४	५०	५९	१३	३४	२९
४७	११	५२	१३	५६	१६	३६	४५
५७	४३	३/१७	६	१५/५५	५	३	५६
१७	१०	व	१३	व.	४९	११	५७

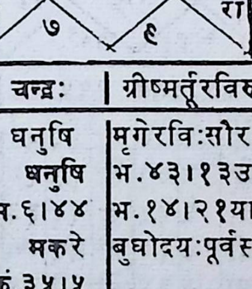

११पं.आ.कृ.३०वृ.इ. ३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	४	१	०	९	२
७	१४	१५	२५	८	१३	०	७
२९	१७	५८	३०	५६	५३	२	८
४२	४९	५२	२५	६	३१	२०	१२
५७	४२	३१/५६	७	१/१०	५	३	५६
१३	५४	मा	२	मा	२३	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६२८८स.२०२८
१	शु	३८	३५	आ	३६	२८	वृ	२६	४१	किं	११	२५	३४/२४	५/७	६/५३	२	२९	२३	मिथुने	उषा.१धनुषिराहुःपुन.३मिथुनेकेतुः३२/२१
२	श	३१	५६	पु	३२	७	ध्रु	२१	५२	बा	५	१७	२४	७	५३	३	३०	२४	क.१८।१२	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	र	२५	२५	पु	२७	२०	व्या	१३	५०	ग	२५	२५	२३	७	५३	४	१	२५	कर्के	भ.५२।०उ.सफर२
४	चं	१८	३४	श्ले	२२	३२	ह	५/३५	५२/५	वि	१८	३४	२३	७	५३	५	२	२६	सिं२२।३२	भ.१८।३४या.
५	मं	१२	१६	म	१८	७	सि	५०	२	बा	१२	१६	२२	८	५२	६	३	२७	सिंहे	
६	बु	५	५९	पू	१४	५	व्य	४२	४६	तै	५	५९	२२	८	५२	७	४	२८	कं.२८।१४	
७	गु	०	२३	उ	१०	४०	व	३५	५३	व	०	२३	२१	८	५२	८	५	२९	कन्यायां	भ.०।२३उ.२७।५३या.
८	गु	५५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	शु	५१	०	ह	७	१	प	२९	३४	बा	२३	१२	२०	८	५२	९	६	३०	तु.३६।१६	मृगेबुधः३७।५रोहि.शुक्रः३८।२२
१०	श	४७	२३	चि	५	३१	शि	२३	५३	तै	१९	११	१९	८	५२	१०	७	१	तुलायां	जुलाई७ता.३१
११	र	४४	३२	स्वा	३	५३	सि	१८	५०	व	१५	५७	१८	८	५२	११	८	२	वृ.४८।५३	भ.१५/५७उ.४४/३२या.मृगेभौमः३६/५२उफा.१=
१२	चं	४२	२४	वि	३	१३	सा	१४	२२	ब	१३	२८	१७	९	५१	१२	९	३	वृश्चिके	[=गुरुः११/५३देवशयन्येकादशी
१३	मं	४१	२२	अ	३	१७	शु	१०	४२	कौ	११	५३	१६	९	५१	१३	१०	४	वृश्चिके	प्रदोषः [×वायुपरीक्षा चन्द्रग्रहणम्
१४	बु	४१	२१	ज्ये	४	३१	शु	७	४९	ग	११	२१	१५	९	५१	१४	११	५	ध.४।३१	भ.४१/२१उ.पुन.रविः४५/११मिथुनेबुधः३३/४१
१५	गु	४२	४०	मू	६	४३	ब्र	५	४३	वि	१२	०	१४	९	५१	१५	१२	६	धनुषि	भ.१२/०या.पुन.रविःसौरः१२/५०व्यासपूजा×

१२पं.श्रा.शु.७वृ.इ. ३६/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	४	१	०	८	२
१४	२१	२२	२९	९	१४	२९	१३
१०	११	१३	१९	४३	३०	४०	४६
८	३१	४१	१२	३७	३६	४	१७
५७	४२	६७	८	१६	४	३	५६
७	४३	४८	१०	३९	५६	११	५०

गोचर ग्रहाः

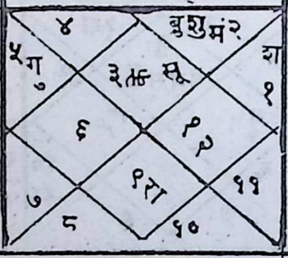

आषाढ कृष्णे ७ बुधे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१३पं.श्रा.शु.१५वृ.इ. ३८/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	४	१	०	८	२
२०	२६	१	२७	१२	१५	२९	२०
५०	२	४५	१३	१९	४	१७	२४
३५	५३	२२	५२	४४	४१	४९	११
५७	४२	९७	८	२९	४	३	५६
७	१७	५०	५९	१०	२९	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	शु	४५	१९	पू	१०	१७	ऐं	५	४	बा	१३	५९	३४/५३	५/९	६/५१	१६	१३	७	म.२६।२६	
२	श	४९	६	उ	१४	५३	वै	४	४१	तै	१७	१२	११	१०	५०	१७	१४	८	मकरे	
३	र	५४	१	श्र	२०	४९	वि	५	३५	व	२१	३३	१०	१०	५०	१८	१५	९	कुं.५४।१	भ.२१।३३उ.५४।१या.आर्द्रा बुधः३९।०
४	चं	५९	३५	ध	२७	२९	प्री	७	११	ब	२६	४८	८	१०	५०	१९	१६	१०	कुम्भे	चतुर्थी व्र.
५	मं	६०	०	श	३५	०	आ	९	१९	कौ	३२	३९	७	११	४९	२०	१७	११	कुम्भे	नाग५मरुस्थले
५	बु	५	४३	पू	४२	४०	सौ	११	४७	तै	५	४३	४	११	४९	२१	१८	१२	मी२५।४५	मिथुनेभौमः२५।१७
६	गु	१२	५	उ	४९	५६	शो	१४	२१	व	१२	५	३	११	४९	२२	१९	१३	मीने	भ.१२।५उ.४४।५६या.
७	शु	१७	४८	रे	५६	३४	अ	१६	२४	ब	१७	४८	१	१२	४८	२३	२०	१४	मे.५६।३४	बुधास्तःपूर्वस्यां६।४
८	श	२२	१६	अ	६०	०	सु	१७	४२	कौ	२२	१६	३३/५९	१२	४८	२४	२१	१५	मेषे	[+पुन.बुधः४०।३८
९	र	२५	३५	अ	२	२	धृ	१८	३	ग	२५	३५	५७	१३	४७	२५	२२	१६	मेषे	भ.५६/१३उ.कर्केऽर्कः१४/३७(सौरः४५/३४)+
१०	चं	२६	५१	भ	५	३५	शू	१६	५६	वि	२६	५१	५५	१३	४७	२६	२३	१७	वृ.२१।४	भ.२६।५१या.
११	मं	२६	१३	कृ	७	३१	गं	१४	१६	बा	२६	१३	५२	१४	४६	२७	२४	१८	वृषे	कामिका११व्र. *चंमंबुके
१२	बुं	२३	२३	रो	७	१०	वृ	९	५५	तै	२३	२३	५०	१४	४६	२८	२५	१९	मि३६।६	पुष्येरविः४३।५५ प्रदोषः
१३	गु	१८	५२	मृ	५	३	ध्रु	४/८	५२/३९	व	१८	५२	४८	१४	४६	२९	२६	२०	मिथुने	भ.१८/५२उ.४५/४५या.पुष्येरविःसौरः४६/१५
१४	शु	१२	३८	आ	१/१६	५४/३९	ह	४८	२३	श	१२	३८	४५	१५	४५	३०	२७	२१	क.४२।१५	कर्के बुधः२३।५८
३०	श	४	५५	पु	४९	४९	व	३९	१२	ना	४	५५	४३	१५	४५	३१	२८	२२	कर्के	पुष्येबुधः५९/०आर्द्रा.भौमः९/३६हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.६वृ.इ.३८।१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	४	१	०	८	२
२७	०	१४	२८	१५	१५	२८	२७
३०	५१	२	१४	४८	३४	५५	२
५४	७	५३	३१	२५	५	३३	१८
५७	४२	[illegible]	९	३८	३	३	५६
११	५	२६	४४	४९	५०	११	५४

गोचर ग्रहाः

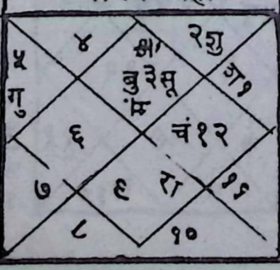

श्रावण कृष्णे ९ रवौ कर्केऽर्कःप्रविष्टःवा.५ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

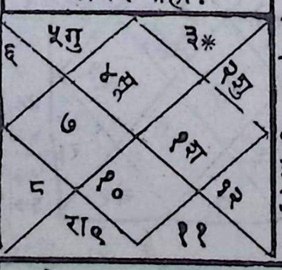

१५पं.श्रा.कृ.१३वृ.इ. ३६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	४	१	०	८	३
४	५	२८	२९	२०	१५	२८	३
११	३६	२४	२०	२९	५९	३३	४०
३८	२५	११	२८	५२	३८	१८	४५
५७	४१	[illegible]	१०	४६	१	३	५६
१५	४०	१०	२७	१४	१६	११	५९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	सु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३१८८स.२०२८
१	श	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=रविलावल३तीज
२	र	४७	५५	श्ले	४३	२५	सि	२९	३६	बा	२२	१६	३३/४०	५/५६	६/४४	१	२९	२३	सि४३।२५	चंद्रदर्शनम् भा. श्रावणारंभःसिंघारा
३	चं	३९	३६	म	३७	५	व्य	२०	४	तै	१३	४५	३८	१६	४४	२	१	२४	सिंहे	मृगेशुक्रः$\frac{3}{5}\frac{8}{8}$उफा.२कन्यायांगुरुः$\frac{5}{9}\frac{8}{8}$=
४	मं	३१	३६	पू	३१	५	व	१०	२९	व	५	३६	३५	१७	४३	३	२	२५	क.४४।५९	भ.५।३६उ.३१।३६या.बरद४
५	बु	२४	३४	उ	२६	२	प	१/३५	५२/११	बा	२४	३४	३३	१७	४३	४	३	२६	कन्यायां	नागपंचमी
६	गु	१८	२५	ह	२१	५५	सि	४६	२९	तै	१८	२५	३०	१८	४२	५	४	२७	तु.५०।२१	[+श्रावणीकर्म रक्षाबन्धनम्
७	शु	१३	३२	चि	१८	४७	सा	४०	१६	व	१३	३२	२७	१९	४१	६	५	२८	तुलायां	भ.१३।३२उ.४१।४०या.
८	श	९	४७	स्वा	१७	८	शु	३५	८	ब	९	४७	२४	१९	४१	७	६	२९	तुलायां	आश्ले.बुधः१५।४२
९	र	७	३१	वि	१६	४७	शु	३१	१	कौ	७	३१	२२	२०	४०	८	७	३०	वृ.१।५२	[×अगस्त्य८ता.३१पवित्रा११ध्न.
१०	चं	६	१७	अ	१७	२८	ब्र	२७	५१	ग	६	१७	१९	२०	४०	९	८	३१	वृश्चिके	भ.३६।४८उ.
११	मं	६	१९	ज्ये	१९	२९	ऐं	२५	३३	वि	६	१९	१६	२१	३९	१०	९	१	ध.१९।२९	भ.६।१९या.मिथुनेशुक्रः३०।८×
१२	बु	७	३५	मू	२२	३१	वै	२४	१६	बा	७	३५	१३	२१	३९	११	१०	२	धनुषि	आश्ले.रविः४१।०
१३	गु	९	५६	पू	२६	४३	वि	२४	९	तै	९	५६	१०	२२	३८	१२	११	३	म.४३।०	आश्ले.रविःसौरः१७।२ प्रदोषः
१४	शु	१३	२२	उ	३१	५२	प्री	२४	१०	व	१३	२२	७	२३	३७	१३	१२	४	मकरे	भ.१३।२२उ.४५।३३या.
१५	श	१७	४३	श्र	३७	५७	आ	२५	१२	व	१७	४३	४	२३	३७	१४	१३	५	मकरे	मघा.सिंहेबुधः$\frac{0}{9}\frac{}{8}$भरणी.२शनिः$\frac{5}{8}\frac{2}{8}$+

१६पं.श्रा.शु.६वृ.इ. $\frac{3}{5}\frac{7}{3}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	५	१	०	८	३
१०	१०	१३	०	२५	१६	२८	१०
५२	१९	१८	३०	५७	२१	११	२०
४१	३४	३२	११	२५	०	२	२
५७	४१	[illegible]	११	५१	२	३	५७
२०	२८	$\frac{3}{3}\frac{}{8}$	४	३७	३४	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जौ चांवल मूंग मोठ बाजरा आदि व लाल वस्तुएं धातुएं तेज हों कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

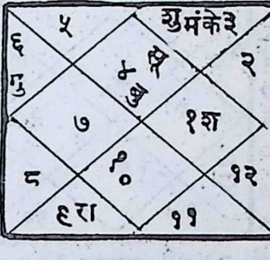

१७पं.श्रा.शु.१३वृ.इ. $\frac{3}{8}\frac{7}{5}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	५	२	०	८	३
१७	१४	२७	१	१	१६	२७	१६
३४	५९	१९	४५	५९	३७	४८	५९
२३	४२	३४	१४	२	१	४६	५०
५७	४१	[illegible]	११	५५	१	३	५७
२५	१३	$\frac{8}{3}$	४१	५८	५३	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मृ.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति मह्ना.
१	र	२२	५५	ध	४४	३७	सौ	२६	५३	कौ	२२	५५	३३/०	५/२४	६/३६	१५	१४	६	कु.११।१७	बुधोदयःपश्चिमायां५४।५०
२	चं	२८	४४	श	५१	५७	शो	२८	५८	ग	२८	४४	३२/५७	२५	३५	१६	१५	७	कुंभे	
३	मं	३४	४९	पू	५९	३१	अ	३१	२०	व	१	४६	५४	२५	३५	१७	१६	८	मी४२।४४	भ.१।४६उ.३४।४९या.आर्द्रा.शुक्रः$\frac{8}{0}$
४	बु	४१	२	उ	६०	०	सु	३३	५२	ब	७	५५	५०	२६	३४	१८	१७	९	मीने	चतुर्थी व्र.
५	गु	४७	२	उ	७	७	धृ	३६	९	कौ	१४	२	४७	२७	३३	१९	१८	१०	मीने	
६	शु	५२	२	रे	१४	१६	शू	३८	४	ग	१९	३२	४४	२७	३३	२०	१९	११	मे.१४।१६	भ.५२।२उ.पुन.भौमः१०।४१ चन्द्रषष्ठी
७	श	५६	४	अ	२०	२३	गं	३९	१०	वि	२४	३	४०	२८	३२	२१	२०	१२	मेषे	भ.$^{२}\frac{8}{3}$या.पूफा.बुधः$\frac{2}{8}\frac{5}{0}$उफा.३गुरुः$\frac{3}{9}$
८	र	५८	२९	भ	२५	२२	वृ	३९	८	बा	२७	१६	३७	२९	३१	२२	२१	१३	वृ.४१।१४	जन्माष्टमी व्र.
९	चं	५९	७	कृ	२८	५०	ध्रु	३७	५५	तै	२८	४८	३३	२९	३१	२३	२२	१४	वृषे	गोगा९
१०	मं	५७	३८	रो	३०	१५	व्या	३४	५८	व	२८	२२	३०	३०	३०	२४	२३	१५	वृषे	भ.२८।२२उ.५७।३८या.
११	बु	५४	५	मृ	२९	४८	ह	३०	३५	ब	२५	५१	२६	३१	२९	२५	२४	१६	मि०।२	मघा.सिंहेऽर्कः३५।०भ्रजा११व्र.स्मा.
१२	गु	४८	३२	आ	२७	१२	व	२४	२८	कौ	२१	१८	२२	३२	२८	२६	२५	१७	मिथुने	मघा.सिंहेऽर्कःसौर $\frac{व}{2}\frac{3}{7}$अजा११व्र.वै.-
१३	शु	४१	२३	पु	२२	४१	सि	१६	४९	ग	१४	५७	१९	३२	२८	२७	२६	१८	क.८।४९	भ.४१।२३उ. प्रदोषः
१४	श	३२	५५	पु	१६	४५	व्य	७/५१	५०/१३	वि	७	९	१५	३३	२७	२८	२७	१९	कर्के	भ.७।९या. [-वत्सद्वादशी
३०	र	२३	२८	श्ले	९	४४	प	४७	३१	ना	२३	२८	१२	३४	२६	२९	२८	२०	सि९।४४	उफा.बुधः$\frac{8}{7}\frac{6}{}$कुशाग्रहणीपिठोरी३०

१८पं.भा.कृ.५वृ.इ. $\frac{3}{3}\frac{7}{6}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	५	२	०	८	३
२४	१९	१०	३	८	१६	२७	२३
१६	३७	६	२	२९	४८	२६	४०
४४	२६	४	३८	३८	२२	३१	५७
५७	४०	[illegible]	१२	५९	१	३	५७
३३	५६	[illegible]	१२	२८	१६	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदकृष्णे ११ बुधे सिंहेऽर्कः प्रविष्टःवा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

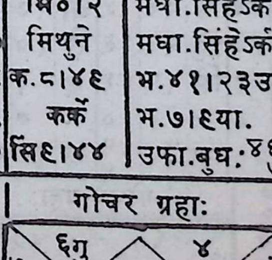

१९पं.भा.कृ.१२वृ.इ. $\frac{3}{2}\frac{7}{7}$

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	५	२	०	८	४
१	२४	२१	४	१५	१६	२७	०
०	१२	३८	२३	२२	५४	४	२३
४	११	२४	६	१९	४३	१५	१०
५७	४०	९५	१२	६२	०	३	५७
४०	४०	५५	३१	२	३६	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं.२०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३४७स.२०२८
१	चं	१३	४०	म	२/१०	५२/२०	शि	३६	५३	ब	१३	४०	३२/८	५/३४	६/६	३०	२९	२१	सिहे	[=चन्द्रदर्शनम् हरितालिका३
२	मं	४	५	उ	४७	२८	सि	२६	२०	कौ	४	५	५	३५	२५	३१	३०	२२	कं.७।४४	पुन.शुक्रः१४।४८वक्रीशनिः३९।४१=
३	मं	५१	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×भाद्रपदारंभः रविलाखर४गणेशचतु.
४	बु	४७	५	ह	४१	१४	सा	१६	१६	व	२१	६	५	३६	२४	१	१	२३	कन्यायां	भ.२१/६उ.४७/५या.कन्यायांबुधः१/३ ५/२भा.×
५	गु	४०	३१	चि	३६	१९	शु	७/४	५२/१६	ब	१३	४८	३१/५७	३७	२३	२	२	२४	तु.८।४६	ऋषिपंचमी
६	शु	३५	३०	स्वा	३३	०	ब्र	५२	४४	कौ	८	०	५३	३७	२३	३	३	२५	तुलायां	पूभा.४राहुःपुन.२केतुः१५।०
७	श	३२	२६	वि	३१	२६	ऐं	४७	३८	ग	३	५८	४९	३८	२२	४	४	२६	वृ.१६।३३	भ.३२।२६उ.कर्कभौमः३१।७
८	र	३०	५६	अ	३१	२८	वै	४३	४७	वि	१	४१	४६	३९	२१	५	५	२७	वृश्चिके	भ.१।४१या.
९	चं	३१	१४	ज्ये	३३	१४	वि	४१	२५	बा	१	५	४२	४०	२०	६	६	२८	ध ३३।१४	[+हस्तेबुधः४/१ ३/४जलझूलनी११व्र.
१०	मं	३२	५६	मू	३६	२८	प्री	४०	७	तै	२	५	३८	४०	२०	७	७	२९	धनुषि	उफा.४गुरुः८।४१
११	बु	३६	९	पू	४१	४	आ	४०	७	व	४	३२	३४	४१	१९	८	८	३०	म.५७।२९	भ.४/३२उ.३६/९या.पूफा.रविः३४/२३+
१२	गु	४०	२५	उ	४६	४३	सौ	४०	५१	व	८	१७	३०	४२	१८	९	९	३१	मकरे	पूफा.रविःसौरः४/८ककशुक्रः३/५ ९/०पुष्ये÷
१३	शु	४५	२५	श्र	५३	११	शो	४२	०	कौ	१२	५५	२६	४३	१७	१०	१०	१	मकरे	सितंबर९ता.३०प्रदोषः
१४	श	५१	६	ध	६०	०	अ	४४	२	ग	१८	१५	२२	४४	१६	११	११	२	कुं.२६।४१	भ.५१/६उ.अनंत१४ [÷भौमः४/३ ५/९वामनजयं
१५	र	५७	६	ध	०	११	सु	४६	६	वि	२४	६	१८	४४	१६	१२	१२	३	कुंभे	भ.२४/६या.पुष्येशुक्रः४/३ ४/२महालयारंभः

२०पं.भा.शु.५वृ.इ. ३७/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	५	२	०	८	४
७	२८	१	५	२२	१६	२६	७
४४	४३	५९	४७	३२	५५	४२	६
२८	३७	१३	२	६	५२	८	३७
५७	४०	८३	१२	६४	१४	३	३७
४९	१२	२५	५६	३	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

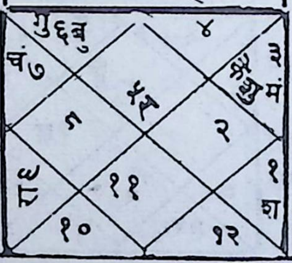

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गल्ला सोना चांदी वस्त्र रुई वारदाना घृत तेज हो प्रजा दुःखी हो।

गोचर ग्रहाः

२१पं.भा.शु.१२वृ.इ. ३७/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	२	०	८	४
१४	३	११	७	२९	१६	२६	१३
३०	१३	०	१२	५७	५२	१९	५१
४	१	३६	४७	७	८	४४	४९
५८	३९	६७	१३	६५	५/३	३	५७
१	५३	२७	१४	४१	व.	११	१७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	चं	६०	०	श	७	३१	धृ	४८	३१	बा	३०	१०	३१/५५	५/४५	६/१५	१३	१३	४	मी५८।६	
१	मं	३	१४	पू	१४	५८	शू	५०	५४	कौ	३	१४	११	४६	१४	१४	१४	५	मीने	
२	बु	९	२९	उ	२२	२६	गं	५३	७	ग	९	२९	७	४७	१३	१५	१५	६	मीने	भ.४२।२१उ.
३	गु	१५	१३	रे	२९	३२	वृ	५४	५७	वि	१५	१३	३	४७	१३	१६	१६	७	मे.२९।३२	भ.१५।१३या. चतुर्थी व्र.
४	शु	२०	८	अ	३५	५५	ध्रु	५६	२०	बा	२०	८	३०/५९	४८	१२	१७	१७	८	मेषे	
५	श	२४	२३	भ	४१	३३	व्या	५६	५५	तै	२४	२३	५५	४६	११	१८	१८	९	वृ.५७।३८	वक्रीभरणी.१शनिः१९।१५
६	र	२७	२७	कृ	४५	५५	ह	५६	२७	व	२७	२७	५१	५०	१०	१९	१९	१०	वृषे	भ २७।२७उ.५८।१४या.
७	चं	२९	१	रो	४८	४४	व	५४	४३	ब	२९	१	४७	५१	९	२०	२०	११	वृषे	
८	मं	२८	५९	मृ	४९	५६	सि	५१	५१	कौ	२८	५९	४३	५१	९	२१	२१	१२	मि१९।२०	[–हस्त.१गुरुः५६।८मातृ९
९	बु	२७	३	आ	४८	२६	व्य	४७	२८	ग	२७	३	३९	५२	८	२२	२२	१३	मिथुने	भ.५५/६उ.उफा.रविः९/७(सौरः४/५ ६/८)–
१०	गु	२३	१४	पु	४६	५६	व	४१	२६	वि	२३	१४	३५	५३	७	२३	२३	१४	क.३२।३४	भ.२३।१४या.चित्रा.बुधः४६।४९
११	शु	१७	३६	पु	४२	४४	प	३४	५	बा	१७	३६	३१	५४	६	२४	२४	१५	कर्के	आश्ले.शुक्रः४५।३२ इंदिरा११व्र.
१२	श	१०	२३	श्ले	३६	५४	शि	२५	१९	तै	१०	२३	२७	५५	५	२५	२५	१६	सि३६।५४	कन्यायामर्कः३४।२८ प्रदोषः
१३	र	१	५२	म	३०	३	सि	१५	४१	ब	१	५२	२२	५६	४	२६	२६	१७	सिहे	भ.१/५२उ.२७/७या.कन्यार्कःसौरः५४/९÷
१४	र	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷अस्तंगुरोः३/९ ३/२सस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	चं	४२	२१	पू	२२	२०	सा	५/१२	४९/०	च	१७	२१	१८	५६	४	२७	२७	१८	कं.३५।२२	वक्रीबुधः३।६सर्वपितृ३०

२२पं.आ.कृ.३वृ.इ. ३७/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	३	०	८	४
२१	७	१८	८	७	१६	२५	२०
१७	३८	२०	४०	३४	४२	५७	३८
६	५३	४२	१९	१	४७	२८	२९
५८	३९	४७	१३	६७	१/३८	३	५८
१३	३१	४१	२३	६	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

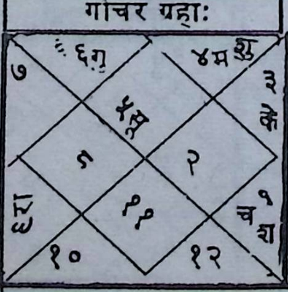

आश्विनकृष्णे१२शनौ कन्यायांमर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ प्रौढ़ावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

२३पं.आ.कृ.१०वृ.इ. ३७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	५	५	३	०	८	४
२८	१२	२३	१०	१५	१६	२५	२७
५	१	१६	९	२१	२८	३५	२६
२८	३७	३४	११	५४	४१	१३	४६
५८	३९	२०	१३	६८	२/१६	३	५८
२६	७	४०	३२	१४	व.	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १८५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६३७६स.२०२८
१	मं	३२	२०	उ	१४	२८	शु	४३	९	किं	७	२०	३०/१४	५/५७	६/३	२८	२८	१९	कन्यायां	नवरात्रारंभः मातामह श्रा.
२	बु	२३	२	ह	६	५२	ब्र	२२	३५	कौ	२३	२	९	५८	२	२९	२६	२०	तु.३३।२७	चंद्रदर्शनम्
३	गु	१४	५६	चि	०/२	५४/४४	ऐं	२३	७	ग	१४	५६	५	५९	१	३०	१	२१	तुलायां	भ.४१।३६उ.जमादिलावल५
४	शु	८	१६	वि	५०	५७	वै	१४	२७	वि	८	१६	३०/००	६/०	६/००	३१	२	२२	वृ.३६।५४	भ.८।१६या.आश्ले.भौमः४।५४
५	श	३	३३	अ	४९	२०	वि	७	२८	बा	३	३३	२९/५६	१	५/५९	१	३	२३	वृश्चिके	भा.आश्विनारंभः
६	र	०	४५	ज्ये	४९	३६	प्री	२/८	५६/३	तै	०	४५	५२	२	५८	२	४	२४	ध.४९।३६	वक्रीहस्तेबुधः२०।५२
७	चं	०	५	मू	५१	५६	सौ	५६	५	व	०	५	४८	२	५८	३	५	२५	धनुषि	भ.०।५उ.३०।४७या.
८	मं	१	२९	पू	५५	५७	शो	५५	२२	ब	१	२९	४४	३	५७	४	६	२६	धनुषि	हस्तेरविः४७/४१बुधास्तःपश्चिमायां१८/१
९	बु	४	३०	उ	६०	०	अ	५५	५९	कौ	४	३०	४०	४	५६	५	७	२७	म.१२।२१	हस्तेरविःसौरः३६/३मघा.सिंहेशुक्रः२६/५७
१०	गु	९	९	उ	१	३०	सु	५७	१५	ग	९	९	३६	५	५५	६	८	२८	मकरे	भ.४१।५०उ.
११	शु	१४	३२	श्र	८	२	धृ	५९	१६	वि	१४	३२	३२	६	५४	७	९	२९	कुं.४१।४४	भ.१४/३२या.हस्त.२गुरुः९/४२ पापांकुशा११व्र.
१२	श	२०	४२	ध	१५	२६	शू	६०	०	बा	२०	४२	२८	६	५४	८	१०	३०	कुंभे	प्रदोषः
१३	र	२७	२	श	२२	५२	शू	१	३२	तै	२७	२	२३	७	५३	९	११	१	कुंभे	अक्टूबर१०ता.३१
१४	चं	३३	१३	पू	३०	२५	गं	३	५२	ग	०	७	१९	८	५२	१०	१२	२	मी१२।३२	भ.३३।१३उ.कोजागरी व्र.
१५	मं	३९	१४	उ	३७	३९	वृ	६	८	वि	६	१३	१५	९	५१	११	१३	३	मीने	भ.६।१३या.शरद्पूर्णिमा का.स्ना.प्रा.

२४पं.आ.शु.३वृ. इ. ३६/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	३	०	८	५
४	१६	२४	११	२३	१६	२५	४
५५	२१	१८	३९	५६	१०	१२	१६
१९	४७	५०	१४	४४	१६	५७	५३
५८	३८	२१/२५	१३	६९	२/५१	३	५८
३८	४४	व.	३८	५	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

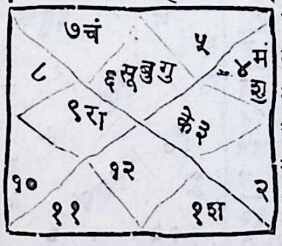

इस मास में जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ आदि धान्य व सोना चांदी मंदे हों घृत तेल गुड़ शक्कर चीनी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

२५पं.आ.शु.१०वृ.इ.३६/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	४	०	८	५
११	२१	१९	१३	१	१५	२४	११
४६	२८	४३	१०	२१	४७	५०	८
५२	१०	७	१२	११	३५	४२	५१
५८	३८	७३/३२	१३	६९	१३	३	५९
५३	१९	व.	३८	५८	व.	११	००

तिं.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद्दतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	बु	४४	४०	रे	४४	३१	ध्रु	८	१३	बा	११	५७	२९/११	६/१०	५/५०	१२	१४	४	मे.४४।३१	
२	गु	४९	१७	अ	५०	३३	व्या	९	५२	तै	१६	५८	७	११	४९	१३	१५	५	मेषे	
३	शु	५३	५	भ	५५	५०	ह	१०	५२	व	२१	११	३	११	४९	१४	१६	६	मेषे	भ.२१।११उ.५३।५या.
४	श	५५	४७	कृ	६०	०	व	११	८	ब	२४	२६	५९/५९	१२	४८	१५	१७	७	वृ.११।५६	वक्रीउफा.बुधः३२।३०करकचतुर्थीव्र.
५	र	५७	२८	कृ	०	१३	सि	१०	४३	कौ	२६	३२	५५	१३	४७	१६	१८	८	वृषे	पूफा.शुक्रः५०।३१बुधोदयःपूर्वस्यां४०/२७
६	चं	५७	४९	रो	३	२९	व्य	९	२२	ग	२७	३८	५१	१४	४६	१७	१९	९	मि३४।२७	भ.५७।४९उ.
७	मं	५६	५६	मृ	५	२६	व	७	४	वि	२७	२२	४७	१५	४५	१८	२०	१०	मिथुने	भ.२७/२या.चित्रा.रविः१९/४६ (सौरः५७/१३)
८	बु	५४	३६	आ	६	१३	प	३/४५	५४/३७	बा	२५	४६	४३	१५	४५	१९	२१	११	क.४९।५७	मार्गीबुधः१९।४७
९	गु	५०	४०	पु	५	३२	सि	५३	३१	तै	२२	३८	३९	१६	४४	२०	२२	१२	कर्के	[–हस्त.३गुरुः४९/४१रमा११व्र.
१०	शु	४५	२६	पु	३/१९	५६/२९	सा	४६	४५	व	१८	३	३५	१७	४३	२१	२३	१३	सिं५९।४८	भ.१८/३उ.४५/२६या.उदयंगुरोः३१/४८
११	श	३८	४८	म	५४	५२	शु	३८	४५	ब	१२	७	३१	१८	४२	२२	२४	१४	सिंहे	हस्तेबुधः५०/५४मघा.सिंहेभौमः३०/३४–
१२	र	३०	५५	पू	४८	५०	शु	२९	५५	कौ	४	५१	२७	१९	४१	२३	२५	१५	सिंहे	प्रदोषः धन१३
१३	चं	२२	१५	उ	४१	५८	ब्र	१९	५९	व	२२	१५	२३	१९	४१	२४	२६	१६	कं.२।७	भ.२२।१५उ.४७।४२या.रूप१४
१४	मं	१३	१०	ह	३४	४२	ऐं	९/३१	४९/३१	श	१३	१०	२०	२०	४०	२५	२७	१७	कन्यायां	तुलायामर्कः३/३५ (सौरः३९/५७)दीपमालिका
३०	बु	३	५३	चि	२७	३८	वि	४८	५८	ना	३	५३	१६	२१	३९	२६	२८	१८	तु.१।१०	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा

२६पं.का.कृ.२वृ.इ. ३६/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	४	०	८	५
१८	२९	१२	१४	९	१५	२४	१८
४०	५१	१४	४१	३१	२१	२८	२
५	४३	९	२	२६	७	२६	३८
५९	३७	६९/१८	१३	७०	३/५२	३	५९
९	५९	व	३८	३९	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

कार्तिककृष्णे १४भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५वन्ध्यावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

२७पं.का.कृ.९वृ.इ. ३६/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	५	४	०	८	५
२५	२९	९	१६	१७	१४	२४	२५
३४	१	३०	११	४७	५१	६	५८
५९	१९	३२	४२	५६	२२	१०	२०
५९	३७	१५/२५	१३	७१	४/१०	३	५९
२१	१९	मा	३२	१४	व.	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४०६सं.२०२८
१	बु	५१	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–बुधास्त:पूर्वस्यां८/५० प्रदोष:
२	गु	४७	४१	स्वा	२१	१९	प्री	३९	१७	बा	२१	२५	२६/१२	६/२२	५/३८	२७	२९	१९	तुलायां	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२ यम२
३	शु	४१	४४	वि	१६	४	आ	३०	५०	तै	१४	४२	८	२२	३८	२८	१	२०	बृ.२।३३	उफा.शुक्र:१।१५ जमादिलाखर६
४	श	३७	३७	अ	१२	३३	सौ	२३	४२	व	९	४०	४	२३	३७	२९	२	२१	वृश्चिके	भ.९।४०उ.३७।३७या.
५	र	३५	४१	ज्ये	१०	५८	शो	१८	८	ब	६	३९	०	२४	३६	३०	३	२२	ध.१०।५८	कन्यायांशुक्र:४८।३९
६	चं	३५	५६	मू	१२	४३	अ	१४	२९	कौ	५	४८	२७/५६	२५	३५	१	४	२३	धनुषि	स्वात्यांरवि:४५।३८भा.कार्तिकारंभ:
७	मं	३८	८	पू	१४	१७	सु	१२	२२	ग	७	२	५३	२५	३५	२	५	२४	म.३०।२५	भ.३८।८उ.स्वात्यांरवि:सौर:२१।०
८	बु	४२	१५	उ	१८	४७	धृ	१२	५	वि	१०	११	४९	२६	३४	३	६	२५	मकरे	भ.१/९ ०/१या.चित्रा.बुध:५७/१३गोपाष्टमी
९	गु	४७	१५	श्र	२४	४०	शू	१२	३६	बा	१४	४५	४५	२७	३३	४	७	२६	कुं.५८।१५	कुष्मांड९अक्षय९
१०	शु	५२	५३	ध	३१	५१	गं	१४	३४	तै	२०	४	४१	२८	३२	५	८	२७	कुंभे	पूषा.३राहु:पुन.१केतु:६।५८
११	श	६०	०	श	३९	१५	वृ	१६	२२	व	२६	३४	३७	२९	३१	६	९	२८	कुंभे	भ.३६/३४उ.देवप्रबोधिन्येकादशी तुलसीवि.
११	र	०	१५	पू	४६	५८	ध्रु	१८	४६	वि	०	१५	३४	२९	३१	७	१०	२९	मी३०।२	भ.०/१५या. [×नवम्बर११ता.३०
१२	चं	६	३५	उ	५४	१६	व्या	२१	५	बा	६	३५	३०	३०	३०	८	११	३०	मीने	तुलायांबुध:१४/९०हस्त.४गुरु:४३/२४–
१३	मं	१२	३८	रे	६०	०	ह	२३	४	तै	१२	३८	२७	३१	२९	९	१२	३१	मीने	हस्तेशुक्र:१।४४वैकुंठ१४
१४	बु	१७	४३	रे	१	८	व	२४	२९	व	१७	४३	२३	३१	२९	१०	१३	१	मे.१।८	भ.९/४ ७/३उ.४९/४२या.वक्रीअश्विनी४शनि:०/३२×
१५	गु	२१	४१	अ	६	४५	सि	२४	५९	ब	२१	४१	१९	३२	२८	११	१४	२	मेषे	मन्वादि: का.स्ना.पू.

२८पं.का.शु.२वृ.इ. ३/६३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	४	०	८	६
२	३	१४	१७	२६	१४	२३	१
३१	५	२४	४१	९	१९	४३	५५
२३	५३	३६	३८	५४	४१	५५	४४
५९	३६	७२	१३	७१	४/३१	३	५९
३४	५३	५०	२६	४१	व.	११	४६

२९पं.का.शु.९वृ.इ. ३५/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	५	५	५	०	८	६
९	७	२४	१९	४	१३	२३	८
२९	६	२०	१०	३६	४६	२१	५५
३८	४०	१०	१२	१४	१९	३९	४
५९	३६	९३	१३	७२	४/४०	३	६०
४७	१६	२४	२०	२	व.	११	२

३०पं.का.शु.१५वृ.इ. ३५/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	५	५	०	८	६
१६	११	५	२०	१३	१३	२२	१५
२९	३	४४	३७	५	१२	५९	५६
२०	१८	५६	३७	५६	३६	२४	८
६०	३५	९९	१३	७२	४/४०	३	६०
४	५६	२४	६	२८	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	शु	२४	५०	भ	११	३१	व्य	२४	५५	कौ	२४	५०	२७/१६	६/३३	५/२७	१२	१५	३	वृ.२७।२६	स्वात्यांबुध:८।५५
२	श	२६	४७	कृ	१५	१०	व	२३	५१	ग	२६	४७	१२	३४	२६	१३	१६	४	वृषे	भ.५७।८उ.
३	र	२७	३०	रो	१७	५२	प	२१	५५	वि	२७	३०	९	३४	२६	१४	१७	५	मि४८।३८	भ.२७।३०या. चतुर्थी व्र.
४	चं	२७	१३	मृ	१९	२५	शि	१९	२२	बा	२७	१३	५	३५	२५	१५	१८	६	मिथुने	विशा.रवि:६/८(सौर:३८/२४)पूफा.भौम:५५/३
५	मं	२६	३	आ	२०	८	सि	१५	४९	तै	२६	३	२	३६	२४	१६	१९	७	मिथुने	
६	बु	२४	१	पु	१९	५२	सा	११	३१	व	२४	१	२६/५८	३६	२४	१७	२०	८	क.४।५६	भ.२४।१उ.५२।२८या.
७	गु	२०	५६	पु	१८	४०	शु	६	२४	व	२०	५६	५५	३७	२३	१८	२१	९	कर्के	
८	शु	१६	५९	श्ले	१६	३१	शु	०/३४	५३/३६	कौ	१६	५९	५२	३८	२२	१९	२२	१०	सिं१६।३१	चित्रा.शुक्र:५७।४३
९	श	१२	१०	म	१३	२०	ऐं	४६	४७	ग	१२	१०	४९	३८	२२	२०	२३	११	सिंहे	भ.३९।११उ.विशा.बुध:११।२९
१०	र	६	११	पू	९	२५	वै	३८	३७	वि	६	११	४५	३९	२१	२१	२४	१२	कं.२३।१५	भ.६।११या.उत्पत्ति११व्र.स्मा.
११	र	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+शुक्र: २/३चित्रा.१गुरु:९३/५८
१२	चं	५२	१९	उ	४/४४	५४/२६	वि	२९	५९	कौ	२५	५६	४२	४०	२०	२२	२५	१३	कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.वै.
१३	मं	४४	४२	चि	५३	२१	प्री	२०	५६	ग	१८	३०	३९	४०	२०	२३	२६	१४	तु.२६।१६	भ.४४।४२उ. प्रदोष:
१४	बु	३७	७	स्वा	४७	४८	आ	११	३९	वि	१०	५४	३६	४१	१९	२४	२७	१५	तुलायां	भ.१०।५४या.
३०	गु	३०	१	वि	४२	४१	सौ	२/३२	५९/२९	च	३	३४	३३	४१	१९	२५	२८	१६	वृ.२८।५८	वृश्चिकेऽर्कः२/१२(सौर:३२/४१)तुलायां+

३१पं.मा.कृ.७वृ.इ. ३५/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	५	५	०	८	६
२३	१४	१७	२२	२१	१२	२२	२२
३०	५३	१९	२	४०	३९	३७	५८
४०	४६	४१	६	१६	७	८	४०
६०	३५	०/०	१२	७२	३/४४	३	६०
१७	४	११	३८	४७	व	११	३०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षकृष्णे३०गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४अतिवन्ध्यावस्था(सूती) मु.३० धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

३२पं.मा.कृ.३०वृ.इ.३५/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	६	५	६	०	८	७
०	१८	२८	२३	०	१२	२२	०
३३	३८	३४	२४	१७	७	१४	२
२२	४९	२३	२२	२०	१२	५२	४४
६०	३४	०/०	१२	७३	१४/३	३	६०
३०	२६	३७	१८	२	व.	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६४३५स.२०२८
१	शु	२३	५९	अ	३८	३८	अ	४६	२३	ब	२३	५९	२६/३०	६/४२	५/१८	२६	२९	१७	वृश्चिके	वृश्चिकेबुधः२६।१९
२	श	१९	२८	ज्ये	३६	४	सु	३९	५५	कौ	१९	२८	२७	४३	१७	२७	३०	१८	ध.३६।४	चंद्रदर्शनम्
३	र	१६	५२	मू	३५	२०	धृ	३४	५६	ग	१६	५२	२५	४३	१७	२८	१	१९	धनुषि	भ.४६/६७उ.अनु.रविः३०/३२ (सौरः४९/२९)=
४	चं	१६	२	पू	३६	२४	शू	३१	१७	वि	१६	२	२२	४४	१६	२९	२	२०	म.५२।१३	भ.१६।२या.पातस्पर्शः५१।५
५	मं	१७	२५	उ	३९	४१	गं	२९	४३	बा	१७	२५	१९	४४	१६	३०	३	२१	मकरे	स्वात्यांशुक्रः४२।३१पातमोक्षः९।४०
६	बु	२०	३८	श्र	४४	३८	वृ	२९	१४	तै	२०	३८	१७	४५	१५	१	४	२२	मकरे	भा.मार्गशीर्षारंभःचंपा६
७	गु	२५	२६	ध	५१	७	ध्रु	३०	२	व	२५	२६	१४	४५	१५	२	५	२३	कुं.१७।५२	भ.२५।२६उ.५८।२५या.
८	शु	३१	२३	श	५८	४	व्या	३१	५०	ब	३१	२३	१२	४६	१४	३	६	२४	कुम्भे	[=अनु.बुधः३५/५रज्जव७
९	श	३७	४९	पू	६०	०	ह	३३	५८	बा	४	३६	९	४६	१४	४	७	२५	मी४८।५४	
१०	र	४४	१७	पू	५	५०	व	३६	२१	तै	११	३	७	४७	१३	५	८	२६	मीने	
११	चं	५०	२५	उ	१३	१४	सि	३८	२६	व	१७	२१	५	४७	१३	६	९	२७	मीने	भ.९७/२१उ.५०/२५या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	मं	५५	२६	रे	२०	६	व्य	३९	५१	ब	२३	२५	२	४८	१२	७	१०	२८	मे.२०।६	ज्येष्ठा.बुधः७।४६
१३	बु	५९	१०	अ	२६	२	व	४०	३०	कौ	२७	१८	०	४८	१२	८	११	२९	मेषे	प्रदोषः [+दत्तजयंती
१४	गु	६०	०	भ	३०	३१	प	३९	५७	ग	३०	२५	२५/५८	४८	१२	९	१२	३०	वृ.४६।१८	[×शुक्रः२९उफा.भौमः७/१४
१५	शु	१	४०	कृ	३३	३९	शि	३८	२२	ब	१	४०	५६	४९	११	१०	१३	१	वृषे	भ.१/४०उ.३२/८या.दिसंबर१२ता.३१+
१५	श	२	३७	रो	३५	३३	सि	३५	५०	ब	२	३७	५४	४९	११	११	१४	२	वृषे	ज्येष्ठा.रविः३०/४३ (सौरः५७/२३) विशा.×

३३पं.मा.शु.७वृ.इ.३५।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	५	६	०	८	७
७	२२	९	२४	८	११	२१	७
३७	१७	४०	४३	५७	३७	५२	८
१६	५६	२६	४१	२५	१२	३७	१७
६०	३३	९९	११	७३	५६/३	३	६०
४२	३२	४४	५०	१६	व	११	५३

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चंद्रदर्शन तेजीकारक है चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.शु.१४वृ.इ.३४/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	५	६	०	८	७
१४	२५	२०	२५	१७	११	२१	१४
४२	५०	४०	५८	३८	१०	३०	१५
२९	१०	१९	५५	५३	४४	२१	३
६०	३२	९८	११	७३	३/३	३	६१
५०	२२	२	११	२६	व	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेतिमहा.
१	र	२	२०	मृ	३६	७	सा	३२	१२	कौ	२	२०	२५/५३	६/४९	५/११	१२	१५	३	मि५।५०	
२	चं	०	४९	आ	३५	४१	शु	२७	४९	ग	०	४९	५१	५०	१०	१३	१६	४	मिथुने	भ.२९/४उ.५९/१८या.चित्रा.२गुरुः४४/१०÷
३	चं	५७	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷पातस्पर्शः३३/८पातमोक्षः५६/४१
४	मं	५५	११	पु	३४	२७	शु	२३	९	व	२६	४४	४९	५०	१०	१४	१७	५	क.१९।४६	चतुर्थी व्र.
५	बु	५१	२६	पु	३२	४१	ब्र	१७	४	कौ	२३	१८	४८	५०	१०	१५	१८	६	कर्के	मूलेधनुषिबुधः३५।४३
६	गु	४७	२१	श्ले	३०	१९	ऐं	१०	५०	ग	१९	२३	४६	५१	९	१६	१९	७	सिं३०।१९	भ.४७।२१उ.
७	शु	४२	५७	म	२७	४४	वै	४/२८	३/११	वि	१५	९	४५	५१	९	१७	२०	८	सिंहे	भ.१५।९या.
८	श	३८	३	पू	२४	३६	प्री	५०	३९	बा	१०	३०	४४	५१	९	१८	२१	९	क.३८।४८	कन्यायांभौमः६।३६
९	र	३२	५०	उ	२१	८	आ	४३	१५	तै	५	२६	४३	५१	९	१९	२२	१०	कन्यायां	वृश्चिकेशुक्रः३२।१६
१०	चं	२७	१९	ह	१७	२१	सौ	३५	३९	व	०	४	४२	५२	८	२०	२३	११	तु.४५।२४	भ.०।४उ.२७।१९या.
११	मं	२१	४०	चि	१३	२७	शो	२७	५४	बा	२१	४०	४१	५२	८	२१	२४	१२	तुलायां	सफला११व्र.
१२	बु	१६	२	स्वा	९	३५	अ	२०	१४	तै	१६	२	४०	५२	८	२२	२५	१३	वृ.५१।५२	अनु.शुक्रः७/५४बुधोदयःपश्चि.३८/३१ प्रदोषः
१३	गु	१०	४०	वि	५	५८	सु	१२	५३	व	१०	४०	३९	५२	८	२३	२६	१४	वृश्चिके	भ.१०।४०उ.३८।१८या.
१४	शु	५	५७	अ	२	४८	धृ	५/५२	५३/५०	श	५	५७	३९	५२	८	२४	२७	१५	वृश्चिके	मूलेधनुष्यर्कः३७।५८पूषा.बुधः८।३८
३०	श	२	४	ज्ये	०/२८	५९/४	गं	५४	३२	ना	२	४	३८	५२	८	२५	२८	१६	ध.०।२८	मूलेधनुष्यर्कःसौरः१।१३

३५पं.पौ.कृ.६वृ.इ. ३४/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	५	६	०	८	७
२१	२९	१	२७	२६	१०	२१	२१
४८	११	३५	९	२२	४७	८	२२
३२	५३	२४	५४	१	५३	६	४४
६०	३१	९७	१०	७३	५२/१	३	६१
५६	२४	८	३२	३८	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

पौष कृष्णे १४ शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा. २न. ३सुतार्थिन्यवस्था (सूती) मु. १५धान्यादिभावें महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

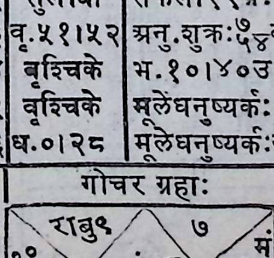

३६पं.पौ.कृ.१३वृ.इ. ३४/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	५	७	०	८	७
२८	२	१२	२८	५	१०	२०	२८
५५	२४	२६	१६	६	२९	४५	३१
२६	०	१७	३४	२९	३१	५०	२७
६१	३०	९४	९	७२	१६/२	३	६१
०	४	१६	४६	४९	व	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	हेमतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः:६४६५स.२०२८
१	श	५७	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	५८	४६	पू	६०	०	वृ	५०	३७	बा	२९	१०	३५/३८	६/५२	५/८	२६	२९	१७	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	चं	५९	४७	पू	०	१६	ध्रु	४८	२	तै	२९	१६	३७	५३	७	२७	१	१८	म.१५।५०	सावान ८
४	मं	६०	०	उ	२	३२	व्या	४६	३८	व	३१	७	३७	५३	७	२८	२	१९	मकरे	भ.३१।७उ.
५	बु	२	२७	श्र	६	४१	ह	४६	३६	वि	२	२७	३६	५३	७	२९	३	२०	कुं.३९।२६	भ.२।२७या.
५	गु	६	४५	ध	१२	१५	व	४८	४	बा	६	४५	३६	५३	७	३०	४	२१	कुम्भे	
६	शु	१२	२०	श	१८	५०	सि	४९	४०	तै	१२	२०	३६	५३	७	१	५	२२	कुंभे	भा.पौषारंभः
७	श	१८	३६	पू	२६	११	व्य	५१	५५	व	१८	३६	३६	५३	७	२	६	२३	मी९।२१	भ.१/३ ६उ.५/५ १/०या.ज्येष्ठा.शुक्र:५०।४०
८	र	२५	५	उ	३३	४३	व	५४	१२	ब	२५	५	३७	५३	७	३	७	२४	मीने	उषा.बुध:३।८
९	चं	३१	१८	रे	४१	२	प	५५	५९	कौ	३१	१८	३७	५३	७	४	८	२५	मे.४१।२	[+तुलायांगुरु:१।१८पुत्रदा११व्र.
१०	मं	३६	४६	अ	४७	२६	शि	५६	५५	तै	४	२	३७	५३	७	५	९	२६	मेषे	मकरेबुध:२५।२७
११	बु	४०	४०	भ	५२	१८	सि	५६	४६	व	८	४३	३८	५२	८	६	१०	२७	मेषे	भ.८।४३उ.४०।४०या.चित्रा.३+
१२	गु	४३	७	कृ	५५	४४	सा	५५	२६	ब	११	५३	३८	५२	८	७	११	२८	वृ.८।९	पूषा.रदि:४३/१पूषा.२राहु:आर्द्रा४केतु:५/८
१३	शु	४३	४७	रो	५७	२६	शु	५२	४७	कौ	१३	२७	३९	५२	८	८	१२	२९	वृषे	पूषा.रवि:सौर:२।५१प्रदोष:
१४	श	४२	३८	मृ	५७	२३	शु	४८	३७	ग	१३	१२	४०	५२	८	९	१३	३०	मि२७।२५	भ.४२।३८उ.
१५	र	४०	१	आ	५५	५६	ब्र	४३	२८	वि	११	१९	४१	५२	८	१०	१४	३१	मिथुने	भ.१/१ १/९या.मा.स्ना.प्रा चंद्रग्रहणम्

३७पं.पौ.शु.५वृ.इ. ३४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	५	७	०	८	८
६	५	२३	२९	१३	१०	२०	५
३	२५	२	१७	५२	१५	२३	४०
०	५२	१०	३८	१२	२९	३४	५२
६१	२८	८७	८	७३	३१/८	३	६१
४	१९	४९	५९	५०	व	११	२२

गोचरग्रहाः

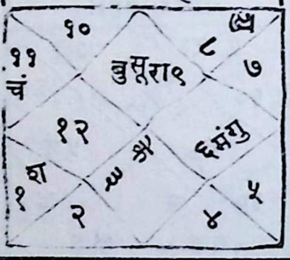

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गेहूं जो चना मटर आदि तेज होवे प्रजा में बिमारी फैले शीत प्रकोप हो।

गोचर ग्रहाः

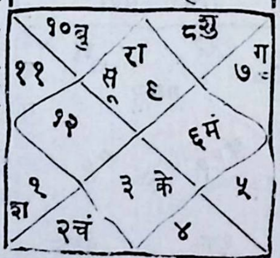

३८पं.पौ.शु.१२वृ.इ. ३४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	७	०	८	८
१३	८	२	०	२२	१०	२०	१२
१०	१५	३५	१२	३७	६	१	५०
५९	४०	२०	२९	५२	५८	१९	४४
६१	२६	७२	८	७३	४८	३	६१
६	२६	२५	४	५६	व.	११	२६

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेतिमहा.
१	चं	३६	१०	पु	५३	४२	ऐं	३८	३१	बा	८	५	५५/४२	६/५२	५/८	११	१५	१	क.३९।१०	जनवरी१ता.३१सन्२०२९
२	मं	३१	२६	पु	५०	१३	वै	३२	२३	तै	३	४८	४३	५१	९	१२	१६	२	कर्के	भ.५८।४०उ.हस्तेभौम:२।३५
३	बु	२५	५४	श्ले	४६	२५	वि	२२	५२	वि	२५	५४	४४	५१	९	१३	१७	३	सिं४६।२५	भ.२५/५४या.मूलेधनुषिशुक्रः२५/१०चतुर्थीव्र.
४	गु	२०	१९	म	४२	२५	प्री	१५	२०	बा	२०	१९	४५	५१	९	१४	१८	४	सिंहे	
५	शु	१४	४३	पू	३८	३७	आ	७	३५	तै	१४	४३	४७	५१	९	१५	१९	५	कं.५२।४३	मार्गीशनि:२८।३१
६	श	९	२०	उ	३५	१	सौ	०/७	५२/२९	व	९	२०	४८	५०	१०	१६	२०	६	कन्यायां	भ.९।२०उ.३६।४१या.
७	र	४	२	ह	३१	३३	अ	४५	३१	ब	४	२	५०	५०	१०	१७	२१	७	कन्यायां	वक्रीबुध:२।३५
८	र	५५	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	चं	५५	२	चि	२८	२७	सु	३८	३०	तै	२७	५	५२	५०	१०	१८	२२	८	तु.०।१	[÷०।२षट्तिला११व्र.
१०	मं	५०	१७	स्वा	२५	४८	धृ	३२	५	व	२२	३९	५३	४९	११	१९	२३	९	तुलायां	भ.२२।३९उ.५०।१७या.
११	बु	४६	३८	वि	२३	२८	शू	२५	४४	ब	१८	२७	५५	४९	११	२०	२४	१०	वृ.९।३	उषा.रवि:४५।४७बुधास्त:पश्चिमायां ÷
१२	गु	४३	२८	अ	२१	४३	गं	१९	५६	कौ	१५	३	५७	४९	११	२१	२५	११	वृश्चिके	उषा.रवि:सौर:४।१८
१३	शु	४१	१३	ज्ये	२०	४६	बृ	१४	५३	ग	१२	२०	५९	४८	१२	२२	२६	१२	ध.२०।४६	भ.४१।१३उ.प्रदोषः
१४	श	४०	५	मू	२०	५०	ध्रु	१०	२८	वि	१०	३९	२६/१	४८	१२	२३	२७	१३	धनुषि	भ.१०।३९या.पूषा.शुक्र:१७।५०
३०	र	३९	५५	पू	२२	२	व्या	७	५	च	१०	०	४	४७	१३	२४	२८	१४	म.३७।३८	मकरेऽर्कु:४।११ (सौर:१९।४५)

३९पं. मा.कृ. ४वृ.इ. ३४/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	८	०	८	८
२०	१०	८	१	१	१०	१९	२०
१९	५१	४५	०	२५	३	३९	००
५	४	२६	३६	१	४३	३	४१
६१	२४	३१	६	७४	०/८	३	६१
६	१३	३५	५०	२	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ३० रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ३ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

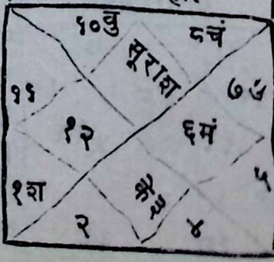

४०पं.मा.कृ.१२वृ.इ. ३४/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	९	६	८	०	८	८
२७	१३	७	१	१०	१०	१९	२७
२७	८	२१	४१	११	५	१६	३०
७	१०	०	३८	३५	५६	४८	३३
६१	२१	५७/४४	५	७४	४७	३	६१
६	३०	व.	५५	१४	मा	११	२४

=मंराचंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	ई.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:६४६४स.२०२१
१	चं	४१	१६	उ	२४	२७	ह	४	३२	किं	१०	३५	२६/६	६/४७	५/१३	२५	२९	१५	मकरे	[×(सौर:५/१६)उषा.शुक्र:४२।१५
२	मं	४४	९	श्र	२८	५	व	३	२९	बा	१२	४२	८	४६	१४	२६	३०	१६	मकरे	चंद्रदर्शनम्
३	बु	४८	१३	ध	३३	११	सि	२	५३	तै	१६	११	११	४६	१४	२७	१	१७	कुं.०।३८	रमजान६
४	गु	५३	३८	श	३९	३४	व्य	३	३८	व	२०	५५	१३	४५	१५	२८	२	१८	कुम्भे	भ.२०/५५उ.५३/३८या.वक्रीधनुषिबुध:३/३३
५	शु	५९	४६	पू	४६	४०	व	४	५५	ब	२६	४२	१६	४५	१५	२९	३	१९	मी२९।५४	वसंत५
६	श	६०	०	उ	५४	१९	प	७	१४	कौ	३३	१	१९	४४	१६	३०	४	२०	मीने	अभि.प्र.रवि:३/३८(सौर:५१/६)वक्रीपूषा.+
६	र	६	१६	रे	६०	०	शि	९	३२	तै	६	१६	२१	४४	१६	१	५	२१	मीने	बुधोदय:पूर्वस्यां४०।३४भा.माघारंभ:
७	चं	१२	४४	रे	१	५२	सि	११	४१	व	१२	४४	२४	४३	१७	२	६	२२	मे १।५२	भ.१२/४४उ.४५/३९या.भानु७रथ७
८	मं	१८	३४	अ	८	५४	सा	१३	२२	ब	१८	३४	२७	४३	१७	३	७	२३	मेषे	श्रवणेरवि:५३/१४पातस्पर्श:१३/७पातमोक्ष:=
९	बु	२३	४	भ	१४	३९	शु	१४	१	कौ	२३	४	२९	४२	१८	४	८	२४	वृ.३०।४५	श्रवणेरवि:सौर:६अभि.नि.रवि:४५/२९ ×
१०	गु	२६	८	कृ	१९	२	शु	१३	३१	ग	२६	८	३२	४२	१८	५	९	२५	वृषे	भ.५६।४०उ. [+बुध:२१।१५
११	शु	२७	११	रो	२१	३०	ब्र	११	३०	वि	२७	११	३५	४१	१९	६	१०	२६	मि५१।५३	भ.२७।११या.जया११व्र.[=३३/२०भीष्मा.
१२	श	२६	१५	मृ	२२	१६	ऐं	८	१	बा	२६	१५	३८	४०	२०	७	११	२७	मिथुने	मकरे शुक्र:२३।४२प्रदोष:
१३	र	२३	२५	आ	२०	५६	वै	३/०	५३/२८	तै	२३	२५	४१	४०	२०	८	१२	२८	मिथुने	मार्गी बुध५३।२७
१४	चं	१८	४६	पु	१८	५२	प्री	४८	५३	व	१८	४६	४५	३९	२१	९	१३	२९	क.४।२३	भ.१८।४६उ.४५।४६या.
१५	मं	१२	४७	पु	१३	३५	आ	४०	३८	ब	१२	४७	४८	३८	२२	१०	१४	३०	कर्के	मा.स्ना.पूर्ति:

४१पं,मा.शु.४वृ.इ.३४।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	६	८	०	८	९
४	१५	२९	२	१८	१०	१८	४
३४	५	१५	१५	५७	१३	५४	२०
५९	५३	४७	११	३२	५२	३२	२
६१	१८	८७/९	४	७४	१	३	६१
३	१६	व.	४२	२०	२८	११	१९

गोचर ग्रहाः

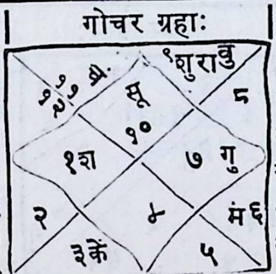

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथिक्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि बदि में धातु धान्य गल्ला रस में मंदी कर सुदि में तेजी करें।

गोचर ग्रहाः

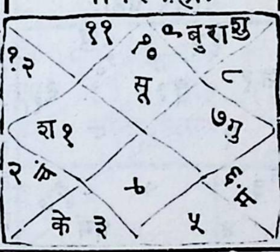

४२पं.मा.शु.१०वृ.इ.३४/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	६	८	०	८	९
११	१६	२३	२	२७	१०	१८	११
४२	४०	२९	३९	४४	२१	३२	२८
२९	३४	५३	४३	१०	३१	१६	५३
६०	२४	२३/५०	३	७४	२	३	६१
५९	२६	वं	२९	२०	९	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	ई.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु	५	४९	श्ले	८	१३	सौ	३१	२०	कौ	५	४९	२६/५१	६/३८	५/२२	११	१५	३१	सिं८।१३	
२	बु	५२	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	गु	५०	५०	म	३०/२	५४/२२	शो	२२	२	व	२४	३७	५४	३७	२३	१२	१६	१	सिंहे	भ.३४/३७उ.५०/५०या.फर्वरी२ता.२८
४	शु	४३	३५	उ	५१	३४	अ	१३	५	ब	१७	७	५८	३६	२४	१३	१७	२	कं.१०।३३	चतुर्थी व्र.
५	श	३६	५५	ह	४६	४६	सु	४३/७	५३/१३	कौ	१०	१५	२७/१	३६	२४	१४	१८	३	कन्यायां	[÷शुक्र:२२/५०पातस्पर्श:३१/५पातमोक्ष:४३/५०
६	र	३०	५७	चि	४२	४६	शू	४८	२१	ग	३	५६	५	३५	२५	१५	१९	४	तु.१४।४६	भ.३०/५७उ.५८/२८या.उषा.बुध:३९/५५श्रवणे ÷
७	चं	२५	५९	स्वा	३९	४०	गं	४१	४०	ब	२५	५९	८	३४	२६	१६	२०	५	तुलायां	[=महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
८	मं	२१	४८	वि	३७	४०	वृ	३५	३६	कौ	२१	४८	१२	३४	२६	१७	२१	६	वृ.२३।१०	धनि.रवि:१।३२(सौर:१२।५२)
९	बु	१८	५०	अ	३६	३७	ध्रु	३०	२३	ग	१८	५०	१५	३३	२७	१८	२२	७	वृश्चिके	भ.४७।४४उ.
१०	गु	१६	३८	ज्ये	३६	३६	व्या	२६	३	वि	१६	३८	१९	३२	२८	१९	२३	८	ध.३६।३६	भ.१६।३८या.मकरेबुध:२४।१६
११	शु	१५	३४	मू	३७	२३	ह	२२	२७	बा	१५	३४	२३	३१	२९	२०	२४	९	धनुषि	विजया११व्र.
१२	श	१५	३८	पू	३९	३७	व	१९	५६	तै	१५	३८	२७	३१	२९	२१	२५	१०	म.५५।२४	प्रदोष:
१३	र	१६	४६	उ	४२	४७	सि	१८	२	व	१६	४६	३०	३०	३०	२२	२६	११	मकरे	भ.१६/४६उ.४७/५५या.शुक्रास्त:पूर्वस्यां३९/० =
१४	चं	१९	५	श्र	४६	५९	व्य	१७	२८	श	१९	५	३४	२९	३१	२३	२७	१२	मकरे	कुंभेऽर्क:३६/४८(सौर:४६/५०)वक्रीभौम: +
३०	मं	२२	२६	ध	५२	१०	व	१७	१६	ना	२२	२६	३८	२८	३२	२४	२८	१३	कुं.१९।३५	[+वक्रीगुरु:१६/५६महाशिवरात्रीव्र.वै.

४३पं फा.कृ.३वृ.इ. ३४/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	६	९	०	८	९
१८	१७	२४	२	६	१०	१८	१८
४९	४७	३८	५५	३०	४४	१०	३७
१	४९	५३	१२	४७	४९	१	०
६०	९	२६	१	७४	२	३	६१
५५	३१	२२	५९	२६	५०	११	४

गोचर ग्रहाः

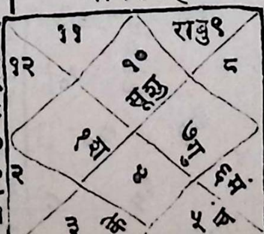

फाल्गुन कृष्णे १४ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२न.३ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

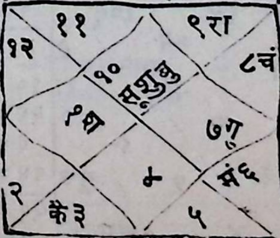

४४पं.फा.कृ.१०वृ.इ. ३४/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	६	.९	०	८	९
२५	१८	०	३	१५	११	१७	२५
५४	२६	१०	२	१७	७	४७	४३
५०	१३	४४	५६	२	५२	४५	४७
६०	३	५२	०	७४	३	३	६०
४७	३९	५६	४५	२६	३२	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६५२४स.२०२९
१	बु	२६	५८	श	५८	३२	प	१८	६	ब	२६	५८	२७/४१	६/२८	५/३२	२५	२९	१४	कुंभे	धनि.शुक्रः५९/४६ चंद्रदर्शनम्
२	गु	३२	२२	पू	६०	०	शि	१९	२९	कौ	३२	२२	४५	२७	३३	२६	१	१५	मी४८।४८	सव्वाल१०फुलरिया२
३	शु	३८	३०	पू	५	३४	सि	२१	२५	तै	५	२६	४९	२६	३४	२७	२	१६	मीने	
४	श	४४	५८	उ	१३	१	सा	२३	३४	व	११	४४	५३	२५	३५	२८	३	१७	मीने	भ.११/४४उ.४४/५८या.श्रवणेबुधः१४/२५
५	र	५१	३७	रे	२०	४१	शु	२५	५४	ब	१८	१७	५६	२५	३५	२९	४	१८	मे.२०।४१	
६	चं	५७	४६	अ	२८	१६	शु	२८	१९	कौ	२४	४१	२/०	२४	३६	३०	५	१९	मेषे	शतेरविः१३।१ (सौरः२२/१२)
७	मं	६०	०	भ	३४	५५	व्र	२९	५२	ग	३०	१४	४	२३	३७	१	६	२०	बृ.५१।१८	कुंभेशुक्रः१९।२१भा.फाल्गुनारंभः
७	बु	२	४३	कृ	४०	२५	ऐं	३०	२३	व	२	४३	८	२२	३८	२	७	२१	वृषे	भ.२।४३उ.३४।४२या.
८	गु	६	४२	रो	४४	१६	वै	२९	३८	ब	६	४२	१२	२२	३८	३	८	२२	वृषे	होलाष्टकम्
९	शु	८	४५	मृ	४६	२३	वि	२७	२५	कौ	८	४५	१६	२१	३९	४	९	२३	मि१५।२८	
१०	श	८	५२	आ	४६	२२	प्री	२३	४४	ग	८	५२	२०	२०	४०	५	१०	२४	मिथुने	भ.३७।५०उ.
११	र	६	४८	पु	४४	२९	आ	१८	१७	वि	६	४८	२४	१९	४१	६	११	२५	क.२९।५७	भ,४८/६या.शतेशुक्रः४१/१९आमलकी११व्र.
१२	चं	२	४३	पु	४०	३१	सौ	११	१४	बा	२	४३	२८	१८	४२	७	१२	२६	कर्के	धनि.बुधः५६।२४प्रदोषः
१३	चं	५४	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	मं	४९	१९	श्ले	३५	७	शो	२/५०	५०/३३	ग	२३	४	३२	१८	४२	८	१३	२७	सि.३५/७	भ.४९।१९उ.
१५	बु	४०	४९	म	२८	३४	सु	४३	१६	वि	१५	४	३६	१७	४३	९	१४	२८	सिंहे	भ.१५।४या.होलिकादहनम्

४५पं.फा.शु.२वृ इ.३४।३५.

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	९	०	८	१०
२	१८	८	३	२४	११	१७	२
५९	३४	०	०	३	३५	२५	४६
४२	४८	५४	५८	११	५६	३०	५०
६०	३०/२	७१	४०/०	७४	४	३	६०
३७	व.	३५	व.	२६	१३	११	४२

गोचर ग्रहाः

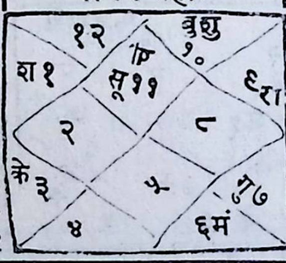

इस मास में बाजरा मूंगमोठ ज्वारगुंवार चना तेज हो चांदी सोना रुई सण वार-दाना तिलहन मंदे होवे।

गोचर ग्रहाः

४६ पं.फा.शु.८वृ.इ.३४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	१०	०	८	१०
१०	१८	१७	२	२	१२	१७	९
३	९	१४	५१	४८	८	३	५४
१४	५०	२८	०	१८	६	१४	२३
६०	१०/८	८४	२	७४	४	३	६०
२५	व.	१६	१०	३२	४७	११	३

ति.	प्र. चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८५ शाकः १९५०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	शु	३१	४७	पू	२१	२६	धृ	३२	४४	बा	६	१८	२८/४०	६/१६	५/४४	१०	१५	१	क.३४।३८	पूषा.१राहुःआर्द्रा.३केतुः५३/२१मार्च३ता.D
२	शु	३२	४५	उ	१४	१४	शू	२२	१७	ग	२२	४५	४४	१५	४५	११	१६	२	कन्यायां	भ.४८।२१उ. [D३१वसंत१छारेंडी
३	श	१३	५८	ह	७	२५	गं	१२	२०	वि	१३	५८	४८	१४	४६	१२	१७	३	तु.३४।२४	भ.१३/५८या.कुंभेबुधः९।२९चतुर्थीव्र.
४/५	र	५५/३	५७/१०	चि	२१/३	५४/५०	बृ	५२/९	५१/४१	बा	५	५७	५२	१४	४६	१३	१८	४	तुलायां	पूभा.रविः२९।५ (सौरः३६।५९)
६	चं	५३	४४	वि	५२	४१	व्या	४७	२९	ग	२६	२५	५६	१३	४७	१४	१९	५	वृ.३८।३४	भ.५३।४४उ.
७	मं	४९	५५	अ	५१	१	ह	४१	४१	वि	२१	४९	२९/१	१२	४८	१५	२०	६	वृश्चिके	भ.२१।४९या.
८	बु	४७	२८	ज्ये	५०	३५	व	३६	५५	बा	१८	४१	५	११	४९	१६	२१	७	ध.५०।३५	शतेबुधः३२/५०भरणी१शनिः५४/६शीतलापूज.
९	गु	४६	४०	मू	५१	३०	सि	३३	२६	तै	१७	४	९	१०	५०	१७	२२	८	धनुषि	पूभा.शुक्रः२०।५८
१०	शु	४७	१६	पू	५३	५७	व्य	३१	४	व	१६	५८	१३	९	५१	१८	२३	९	धनुषि	भ.१६।५८उ.४७।१६या.
११	श	४९	५	उ	५७	३४	व	२९	५२	ब	१८	१०	१७	९	५१	१९	२४	१०	म.९।५०	पापमोचनी११व्र.
१२	र	५२	२०	श्र	६०	०	प	२९	५२	कौ	२०	४२	२१	८	५२	२०	२५	११	मकरे	बुधास्तःपूर्वस्यां४९।१
१३	चं	५६	३४	श्र	२	३७	शि	२९	५९	ग	२४	२७	२६	७	५३	२१	२६	१२	कुं.३५।३२	भ.५६।३४उ.प्रदोषः
१४	मं	६०	०	ध	८	२८	सि	३१	१०	वि	२९	७	३०	६	५४	२२	२७	१३	कुंभे	भ.२९।७या.
१४	बु	१	४०	श	१५	१३	सा	३२	५६	श	१	४०	३४	५	५५	२३	२८	१४	कुम्भे	मीनेऽर्कः२९।५६ (सौरः३७।२०)
३०	गु	७	२०	पू	२१	४१	शु	३४	४७	ना	७	२०	३८	४	५६	२४	२९	१५	मी५।४	पूभा.बुधः५।४८मन्वादिः

४७पं.चै.कृ.१वृ.इ.३५।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	६	१०	०	८	१०
१७	१७	२७	२	११	१२	१६	१६
५	१२	३०	२८	३३	४४	४०	५७
२८	०	५३	५२	४०	१३	५८	१८
६०	१६/१७	९४	३/३४	७४	५	३	६०
१२	व.	५०	व	२२	१०	११	२०

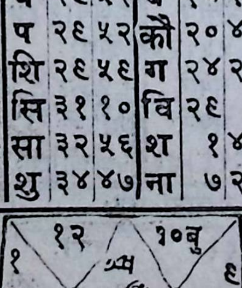

४८पं.चै.कृ.९वृ.इ.३५।२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	६	१०	०	८	१०
२४	१५	८	१	२०	१३	१६	२३
६	४२	४५	५९	१८	२३	१८	५८
१४	२९	२५	५६	०	५३	४३	४१
५९	२५/९	७७/०	४/४०	७४	५	३	६०
५८	व	३/७	व	३२	३८	११	६

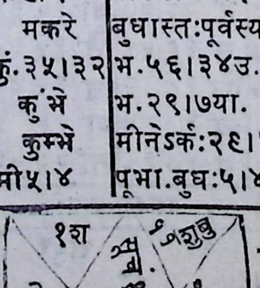

४९पं.चै.कृ.३०वृ.इ.३५/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	१०	६	१०	०	८	११
१	१३	२०	१	२९	१४	१५	०
५	४९	५५	२३	१	७	५६	५८
३१	१२	४४	४२	५२	८	२७	२३
५९	३१/२१	७७/०	५२/५	७४	६	३	५९
४१	व	३/२	व	३८	२	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३०, भोग्यकलिः ४२६८७०, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८६, शाकः १९५१, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री शुक्रः। सस्येशश्चंद्रः । धान्येशः शनिः । मेघेशः शुक्रः । रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो गुरुः। धनेशोः रविः । दुर्गेशो गुरुः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १७रुधिरोद्गारीनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः २।५।३४।५।४८ भोग्यमासादिः ९।२४।२५।५४।१२ भगदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम चैत्रः।मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासोः वैश्य गृहे । समय विश्वा २० समयवाहनम् दर्दुरः। स्तंभः१ अन्नस्य । सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी × भानुसप्तमी १ रविदशमी२ समय मुहूर्ताः ४३५ समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् ९, तृणम् ११, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम्१११, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिपूर्वे । ग्रहण २ चंद्रमसः ।

संवत्२०८६ज्ये.शु.१४ चंद्रवासरे
अर्द्धरात्रि पश्चिम पश्चाद् प्रदेशे
ग्रस्तास्तं चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	७	८	८	९	१०
मि.	३	३	५३	४३	४४

भारत में यह ग्रहण नहीं होगा

सं.२०८६ मार्ग. शुक्ला १५ गुरौ
खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	२	३	४	४	६
मि.	२५	४३	१३	४३	१३

वर्ष लग्नम् ०।२९

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

नम् भाव भैरव खड़ा चरण नवाये शीश ।
छियासी का फल कहो मुख से विश्वा बीस ।।

भवानी उत्तर

भैरव से माता कहे छियासी का सार ।
सौम्यग्रहां इस वर्ष में लिये आठ अधिकार ।।
कविराजा इण वर्ष में राखे जग का मान ।
वर्षा मध्यम होयसी घणा नीपजे धान ।।
वर्षा ऋतु आरंभ में गुरु मंगल का योग ।
पवन चक्र जग में चलें बढै जगत में रोग ।।
पण भैरवं भय मतकरे संवत् विश्वाबीस ।
स्तंभ एक है अन्न का भली करे जगदीश ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११
रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ९।२९

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१४।५२

+शुबुसूचंश

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाविकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम् ।। शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुलां स्वतीव्रवेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री शुक्रः फलम ।। भृगुसुते ननु मंत्रि पदं गते शलभ मूषकरावथमाहिषैः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशः चंद्रः फलम् ।। सस्याधिपे शीतकरे प्रजा सुखं मेघाः पयो मुँचति गोपयोधुक् । देवद्विजाराधन तत्परा नृपाः धरा भवेद्धान्य धनौघ पूर्णा ।। धान्येशः शनिः फलम् ।। निर्धना क्षितिभुजो रणादराः सस्यमल्प मतिः रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्यद्द्रादा कणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशः शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धन निधान युता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधः फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभ धान्य घृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिलदेश सुरक्षिता ।। नीरसेशश्चंद्रःफलम् ।। शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गत भया वनराशि महाद्रुमाः यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुति विचार परा द्विज पूर्वकाः ।। धनेशो रविः फलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धन चयं लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढ़पे नय शोभिता नरवरा नरपाः कर पालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शास्त्रवतो निशम् ।। रुधिरोद्गारीनाम संवत्सरः फलम् ।। आहवे निहिता सर्वे भूपा रोगैस्तथा जनाः । यथा कथंचिज्जीवन्ति रुधिरोद्गारिवत्सरे ।। वर्षनाम चैत्रः फलम् ।। चैत्राब्दे भभुजः स्वच्छाः स्त्रीषु चाल्प प्रजाभवेत् । अल्प वृष्टिः स्वल्प धान्यं प्रजानां व्याधितो भयम् ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी नित्रासः संधौ फलम् ।। खंड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

द्वि. चैत्र मासः

शुक्ला ९ चन्द्रे मघा ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।।।ऽऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १३ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो १० रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

,, १५ शनौ स्वात्यां ल. १० रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा ४ भौमे मूले ल. १० रे. ७ ऽ।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ११ बुधे उभा ल. १० रे. ६ ऽऽ।।ऽ।।ऽ।।

शुक्ला २ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो १० रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

,, ८ चन्द्रे मघा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।ऽचौ।ऽ।।

,, १० बुधे हस्ते ल. गो. १० रे. ८ ।।।।ऽरो।ऽ।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उभा ल. गो. रे. ७ ।।।ऽशु।।ऽऽ।

पादाद्वेधाऽभावः गणितेन क्रांति साम्याऽभावश्च

,, ९ भौमे उभा ल. ऽन्यगो रे.६ ।।।ऽबुऽऽअ३९या।ऽ।।

पादतो वेधाऽभावः

शुक्ला ५ रवौ मघा ल.ऽन्यगो(सोग्रांगः)रे.८ ।ऽ।।।ऽअ।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा १ बुधे उषा ल. गो. रे. ९ ।।।ऽबु।।नृ३८उ।।।।

,, ८ बुधे रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ ऽ।।।ऽ।ऽऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ शुक्रे उभा ल. ६ रे. ९ ।ऽ।।।।।।।

,, १५ बुधे रोहि ल. ५-६ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ९ शुक्र उफा ल. ऽन्यगो ५ (गोधूल्यां भौमाष्टम महादोषः) रे. ८ ।।।।।।ऽ।ऽ दग्धा

,, १० शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) ल. ५ रे. ६ ऽ।।।ऽचौऽऽ।।

शुक्ला ८ गरौ उभा ल. गो. रे. १० ।।।।।।।।। (व्य.घ.२७-६उ.)

माघ मासः

कृष्णा २ चन्द्रे मघा ल. ६-९ रे. ९ ।।।।ऽ।।।।।

,, ४ बुधे उफा ल. ६-९ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

,, १२ बुधे मूले ल. ६ रे. ६ ।।।ऽ।ऽऽ।ऽ दग्धा

शुक्ला ४ बुधे उभा ल.६-९(घ.३७-१९उ)रे.९ऽ।।।।।।।।

,, १४ रवौ मघा ल.९ रे.६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।।पादाद्वेधाऽभावः

,, १५चंद्रे मघा ल.६रे.६।।।ऽबुऽ।ऽऽ।। पादतोवेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ भौमे उफा ल. ९ रे. ८ ।।।।ऽऽचौ४८या।।।।

,, २बुधेउफाल.गो.(भौमाष्टममहादोषः)रे.९।।।।ऽ।।।।

,, ६ भौमे मूले ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) वा.ल.१०(घ.५४-४८या.)रे.६।।।।ऽऽनृ५५याऽऽ।।

शुक्ला २ बुधे रेव ल. ९-१० रे. ९ ।।।।।।नृ४५याऽ।।।

,, ६रवौरोहि.ल.१०रे.६।।।ऽशु।ऽचौऽऽ।।पादाद्वेधाभावः

,, ७ चन्द्रे रोहि ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) रे.६ ।।।ऽशु।ऽचौघ.४४याऽऽ।।पादतोवेधाऽभावः

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तूरविरुत्तरे६५५४स.२०२९
१	शु	१३	२३	उ	२९	३५	शु	३७	१५	ब	१३	२३	२९/४३	६/३	५/५७	२५	३०	१६	मीने	मीनेशुक्रः२२।३१चंद्रदर्शनम्
२	श	१९	४३	रे	३७	१०	ब्र	३९	३८	कौ	१९	४३	४७	३	५७	२६	१	१७	मे.३७।१०	उभा.रविः ५१/० (सौरः ५६/६) जिल्काद११
३	र	२६	१७	अ	४४	२९	ऐं	४१	४२	ग	२६	१७	५१	२	५८	२७	२	१८	मेषे	भ.५९।२०उ.
४	चं	३२	२२	भ	५१	४३	वै	४३	३७	वि	३२	२२	५५	१	५९	२८	३	१९	मेषे	भ.३२।२२या.उभा.शुक्रः३।६
५	मं	३७	३३	कृ	५७	५६	वि	४५	१	ब	४	५७	३०/००	०/०० ६	६/०	२९	४	२०	वृ.८।१६	मीनेबुधः३२।२३
६	बु	४२	१	रो	६०	०	प्री	४५	२५	कौ	९	४७	४	५/५९	१	३०	५	२१	वृषे	
७	गु	४४	४८	रो	२	५९	आ	४४	३२	ग	१३	२४	८	५८	२	१	६	२२	मि३४।४४	भ.४४/८उ.उभा.बुधः२४/८भा.चैत्रारंभः
८	शु	४५	४	मृ	६	२८	सौ	४२	१६	वि	१४	५६	१२	५८	२	२	७	२३	मिथुने	भ.१४।५६या.
९	श	४५	२८	आ	८	१९	शो	३८	३१	बा	१५	१६	१६	५७	३	३	८	२४	क.५३।११	
१०	र	४२	४०	पु	८	८	अ	३३	११	तै	१४	४	२१	५६	४	४	९	२५	कर्के	
११	चं	३८	१०	पु	५	७	सु	२६	१३	व	१०	२५	२५	५५	५	५	१०	२६	कर्के	भ.१०/२५उ.३८/१०या.कमला११व्र.
१२	मं	३१	३१	श्ले	२/१	५४/२३	धृ	१७	५९	ब	४	५०	२९	५४	६	६	११	२७	सिं२।१	
१३	बु	२३	३१	पू	४९	३३	शू	८/२५	४९/३२	तै	२३	३१	३३	५३	७	७	१२	२८	सिंहे	रेवत्यांबुधः५४/३वक्रीचित्रा२कन्यायां ×
१४	गु	१४	१९	उ	४१	५०	वृ	४७	३	व	१४	१९	३७	५३	७	८	१३	२९	क.२।३७	भ.१४/१९उ.३९/२३या.रेवत्यांशुक्र.४६।३६
१५	शु	४	२८	ह	३३	५०	ध्रु	३५	५६	ब	४	२८	४१	५२	८	९	१४	३०	कन्यायां	[×गुरुः३८।५४

५०पं.प्र.चै.शु.७वृ.इ. ३६/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	६	११	०	८	११
८	११	४	०	७	१४	१५	७
३	३५	३	४०	४५	५२	३४	५६
१८	५६	५४	४१	०	३४	१२	१८
५९	३३/३०	८९	६/२ ४	७४	६	३	५९
२९	व	१५	व	३८	२३	११	३५

गोचर ग्रहाः

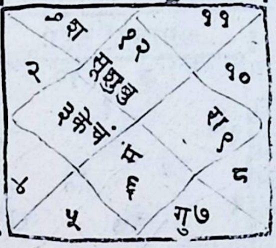

प्र.चैत्र कृष्ण १४ बुधे मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न.४ अतिवन्ध्यावस्था (सूती))मु.४५धान्यादिभावे समता शुक्रास्तःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

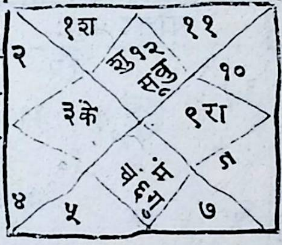

५१पं.प्र.चै.शु.१४वृ.इ. ३६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	११	५	११	०	८	११
१४	९	१८	२९	१६	१५	१५	१४
५९	१०	९	५२	२७	३९	११	५२
१०	४८	४०	५२	२५	५८	५६	२९
५९	३३/९	८८	२६/७	७४	६	३	५९
१६	व	३२	व	३८	३८	११	१८

ति.	द्वि चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे प्र.चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	५०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४५	२	चि	२६	१३	व्या	२५	७	तै	१९	४७	३०/४५	५/५१	६/९	१०	१५	३१	तु.०।२	रेवत्यांरविः१३/८(सौरः२५।२३)
३	र	३६	१४	स्वा	१९	१६	ह	१५	१	व	१०	३८	४९	५०	१०	११	१६	१	वृ.५९।५७	भ.१३/८उ.१६/३४या.अप्रेल४ता.३०चतुर्थीव्र.
४	चं	२८	४६	वि	१३	३१	व	६/१	५२/२२	ब	२	३०	५३	४९	११	१२	१७	२	वृश्चिके	
५	मं	२३	९	अ	९	३२	व्य	५२	८	त	२३	९	५७	४९	११	१३	१८	३	वृश्चिके	
६	बु	१९	१९	ज्ये	७	२७	व	४७	३१	व	१९	१९	३/१	४८	१२	१४	१९	४	ध.७।२७	भ.१९/१९उ.४८/१या.अश्वि.मेषेबुधः२०।५१
७	गु	१७	१७	मू	७	७	प	४४	२२	ब	१७	१७	५	४७	१३	१५	२०	५	धनुषि	
८	शु	१७	३४	पू	८	४९	शि	४२	५१	कौ	१७	३४	१०	४६	१४	१६	२१	६	म.२४।३७	
९	श	१९	१६	उ	१२	४	सि	४२	३४	ग	१९	१६	१४	४५	१५	१७	२२	७	मकरे	भ.५५/३उ.भरणी२शनिः३२/१बुधोदयः ÷
१०	र	२२	३१	श्र	१६	५८	सा	४३	२२	वि	२२	३१	१८	४४	१६	१८	२३	८	कुं.५०।०	भ.२२।३१या. [÷पश्चिमायां५९।७
११	चं	२७	१०	ध	२३	३	शु	४४	१९	बा	२७	१०	२२	४४	१६	१९	२४	९	कुम्भे	अश्वि.मेषेशुक्रः३०।१८कमला११व्र.
१२	मं	३२	३८	श	२९	५८	शु	४६	४६	तै	३२	३८	२६	४३	१७	२०	२५	१०	कुंभे	[Aउफा.भौमः७।२६
१३	बु	३८	५१	पू	३७	१५	ब्र	४८	४६	ग	५	२४	३०	४२	१८	२१	२६	११	मी२०।२६	भ.३८।५१उ.भरन्यांबुधः१६।४३वक्रीA
१४	गु	४५	१	उ	४४	४५	ऐं	५१	२०	वि	११	५६	३४	४१	१९	२२	२७	१२	मीने	भ.११।५६या.
३०	शु	५१	१०	रे	५२	२५	वै	५३	४१	च	१८	५	३८	४०	२०	२३	२८	१३	मे.५२।२५	अश्वि.मेषेऽर्कः५२।३५(सौरः५९।५६)

५२पं.द्वि. चैकृ.७वृ.इ. ३६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	५	०	५	११	०	८	११
२१	६	२	२९	२५	१६	१४	२१
५३	४८	३०	०	९	३०	४९	४६
३१	११	५४	४७	५०	१४	४०	४०
५९	२८/४०	८९	५ ७/२	७४	६	३	५९
४	व	१२	व	३५	५५	११	४

गोचर ग्रहाः

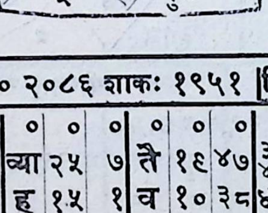

द्वि.चैत्रकृष्णे ३० शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टःवा.३ न. ४प्रवाजिकावस्था (ऊभी)मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

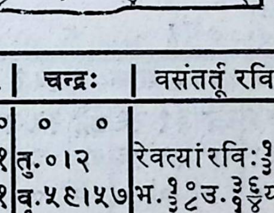

१पं.द्वि.चै.कृ.३०शु.इ. ५२/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१०	५	०	०	८	११
०	४	१७	२७	५	१७	१४	२९
०	१४	३८	५९	२२	३२	२३	५२
०	१७	१०	१३	१९	६	३२	५५
५८	२१/२८	८८	५ ७/२	७४	७	३	५८
४४	व	२३	वे.	३२	८	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि. चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तु रविरुत्तरेऽह्र्गणः६५८३स.२०२९
१	श	५७	२३	अ	५९	४९	वि	५५	५१	किं	२४	३७	३१/४२	५/४०	६/२०	२४	२९	१४	मेषे	नवरात्रारंभः
२	र	६०	०	भ	६०	०	प्री	५७	३८	बा	३०	१२	४६	३९	२१	२५	३०	१५	मेषे	चंद्रदर्शनम्
२	चं	३	२	भ	६	४०	आ	५८	४२	कौ	३	२	५०	३८	२२	२६	१	१६	वृ.२३।१०	अस्तंशने:४९/३८जिल्हेज१२मत्स्यजयंती×
३	मं	७	४७	कृ	१२	४०	सौ	५९	१३	ग	७	४७	५३	३७	२३	२७	२	१७	वृषे	भ.३९।५२उ.गणगौरी [×सिंधारा
४	बु	११	५७	रो	१८	२	शो	५९	९	वि	११	५७	५७	३७	२३	२८	३	१८	मि५०।८	भ.११/५७या.शुक्रोदय:पश्चिमायां१८।३६
५	गु	१४	५२	मृ	२२	१४	अ	५७	५२	बा	१४	५२	३२/१	३६	२४	२९	४	१९	मिथुने	
६	शु	१६	३५	आ	२५	५	सु	५५	२८	तै	१६	३५	५	३५	२५	३०	५	२०	मिथुने	कृत्ति.बुध:४२।३भरण्यांशुक्र:१५।५६
७	श	१६	५१	पु	२६	३२	धृ	५१	४६	व	१६	५१	९	३४	२६	१	६	२१	क.११।१०	भ.१६/५१उ.४६/७या.भा.वैशाखारंभः
८	र	१५	२३	पु	२६	१७	शू	४६	४४	ब	१५	२३	१२	३४	२६	२	७	२२	कर्के	पातस्पर्श:४८।२४रामनवमीस्मा.
९	चं	१२	२५	श्ले	२४	२३	गं	४०	९	कौ	१२	२५	१७	३३	२७	३	८	२३	सिं२४।२३	वृषेबुध:४/२६पातमोक्ष:०/३४रामनवमीवै.
१०	मं	७	३२	म	२०	५१	वृ	३२	२६	ग	७	३२	२०	३२	२८	४	९	२४	सिंहे	भ.३४/२३उ.वक्रीचित्रा.१गुरु:१६।५४
११	बु	१	१३	पू	१५	४८	ध्रु	२३	३०	वि	१	१३	२३	३१	२९	५	१०	२५	कं.२९।११	भ.१।१३या.कामदा११व्र.
१२	बु	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+३२।४६(सौर:४१।२१)
१३	गु	४४	३२	उ	९	२१	व्या	१३	४२	कौ	१८	५५	२७	३१	२९	६	११	२६	कन्यायां	प्रदोषः
१४	शु	३४	५२	ह	२/७	५२/१०	ह	३/८	४९/१५	ग	९	४२	३१	३०	३०	७	१२	२७	तु.२८।१२	भ.३४।५२उ.५९।५६या.भरण्यांरविः+
१५	श	२५	१	स्वा	४६	३४	सि	४१	३८	व	२५	१	३४	२९	३१	८	१३	२८	तुलायां	हनुमज्जयंती

२पं.द्वि.चै.शु.६शु.इ. ५२/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	५	०	०	८	०
६	२	२६	२७	१४	१८	१५	६
५०	३३	५१	६	२	२४	१	४३
४६	५०	३६	२५	६	४०	१७	६
५८	३/३२	६४	४/६	७४	७	३	५८
३१	व	२२	व	३२	१४	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य चावलगेहूं जो बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी वारदाना वस्त्र तेज हो पशु पीडित हो प्रजा दुःखी हो।

गोचर ग्रहाः

३पं.द्वि.चै.शु.१४शु.इ. ५३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	५	०	०	८	०
१३	१	१	२६	२२	१९	१३	१३
३९	२८	४५	१५	४०	१८	३९	३१
५०	५	५०	१४	८	४०	१	३१
५८	३/६०	१८	१४/७	७४	७	३	५८
१९	व	२२	व	२६	२०	११	१२

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे द्वि. चैत्र कृष्णेति महा.
१	र	१५	२९	वि	३९	४४	व्य	३१	२९	कौ	१५	२९	३२/३८	५/२८	६/३२	९	१४	२९	वृ.२६।२७	
२	चं	६	४३	अ	३३	५१	व	२२	१६	ग	६	४३	४१	२८	३२	१०	१५	३०	वृश्चिके	भ.३३।६उ.५९।२९या.
३	चं	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	मं	५३	४९	ज्ये	२९	३७	प	१४	२३	ब	२६	३९	४५	२७	३३	११	१६	१	ध.२९।३७	वक्रीबुध:१५/४७कृत्ति.शुक्र:२/२८मई५ता. ÷
५	बु	५०	१९	मू	२७	२२	शि	८	२	कौ	२२	४	४८	२६	३४	१२	१७	२	धनुषि	[÷३१चतुर्थीव्र.
६	गु	४८	५७	पू	२७	१५	सि	३	२०	ग	१९	३८	५२	२६	३४	१३	१८	३	म.४२।४७	भ.४५/८७उ.वृषेशुक्र:५/०भरणी३शनि:१०/४९=
७	शु	४९	४१	उ	२९	२३	सा	०/२८	५८/४०	वि	१९	१९	५५	२५	३५	१४	१९	४	मकरे	भ.१९।१९या.मार्गीभौम; १।२७
८	श	५२	२९	श्र	३३	१२	शु	५९	२६	बा	२१	५	५८	२४	३६	१५	२०	५	मकरे	[=मूल४राहु:आर्द्रा२केतु:५/२६बुवास्तः +
९	र	५६	४८	ध	३८	३६	ब्र	६०	०	तै	२४	३८	३३/२	२४	३६	१६	२१	६	कुं.५।५४	[+पश्चिमायां४६।२७
१०	चं	६०	०	श	४५	१४	ब्र	०	२६	व	२९	२९	५	२३	३७	१७	२२	७	कुंभे	भ.२९।२९उ.
१०	मं	२	११	पू	५२	४९	ऐं	२	२५	वि	२	११	८	२२	३८	१८	२३	८	मी३५।५५	भ.२।११या.
११	बु	८	२५	उ	६०	०	वै	४	४०	बा	८	२५	११	२२	३८	१९	२४	९	मीने	वरुथिनी११व्र.
१२	गु	१४	४९	उ	०	२०	वि	७	२३	तै	१४	४९	१४	२१	३९	२०	२५	१०	मीने	वक्रीमेषेबुध:८।१५प्रदोषः
१३	शु	२०	५७	रे	८	१	प्री	९	४४	व	२०	५७	१७	२१	३९	२१	२६	११	मे.८।१	भ.२०/५७उ.५३/०या.कृत्ति.रवि:१८।४५ –
१४	श	२६	४३	अ	१५	४	आ	११	५८	श	२६	४३	२०	२०	४०	२२	२७	१२	मेषे	[–(सौर:२९।१३)रोहि.शुक्र:५८।०
३०	र	३१	२३	भ	२१	४४	सौ	१३	३७	च	३१	२३	२३	१९	४१	२३	२८	१३	वृ.३८।७	

४पं.वै.कृ.७शु.इ. ५३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	१	५	१	०	८	०
२०	१	२	२५	१	२०	१३	२०
२७	०	०	२८	१७	१२	१६	१८
२९	१८	३२	५	३५	३२	४५	१७
५८	५०/५५	१९/५२	२५/६	७४	७	३	५७
६	मा	व	व	२६	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चंद्रदर्शन तेंजी कारक हैं, धान्य गल्ला धातु रसकस वस्त्र कपास वारदाना घृत में तेजी करे।

गोचर ग्रहाः

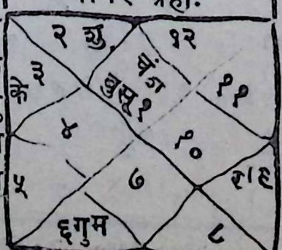

५पं.वै.कृ.१३शु.इ. ५३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	५	०	५	१	०	८	०
२७	१	२८	२४	९	२१	१२	२७
१३	९	५८	४६	५४	५	५४	३
३७	४	८	२६	३२	३५	३०	३१
५७	६	३५/५	५/३१	७४	७	३	५७
५४	५८	व	व	२६	२०	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	बैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६६१३स.२०२९
१	चं	३५	५९	कृ	२७	१६	शो	१४	२२	किं	३	४१	३३/२६	५/१९	६/४५	२४	२९	१४	वृषे	बृषेऽर्कः४६।० (सौर:५७।६)
२	मं	३९	१६	रो	३२	१९	अ	१४	३१	बा	७	३७	२८	१८	४२	२५	३०	१५	वृषे	वक्रीभरण्यांबुध:५१।२५चंद्रदर्शनम्
३	बु	४१	३१	मृ	३६	९	सु	१४	१	तै	१०	२८	३१	१८	४२	२६	१	१६	मि४।१४	मोहोरम१सन्१४५१हि.परशुराम ×
४	गु	४२	३९	आ	३८	५०	धृ	१२	२७	व	१२	५	३४	१७	४३	२७	२	१७	मिथुने	भ.१२।५उ.४२।३९या.
५	शु	४२	४३	पु	३९	३२	शू	१०	२०	ब	१२	४१	३७	१७	४३	२८	३	१८	क.२४।२२	[×जयंतीअक्षया३
६	श	४१	३२	पु	४१	७	गं	७	२२	कौ	१२	७	३९	१६	४४	२९	४	१९	कर्के	
७	र	३९	१५	श्ले	४०	२२	बृ	३/१६	५४/४६	ग	१०	२३	४२	१६	४४	३०	५	२०	सि४०।२२	भ.३९।१५उ.
८	चं	३५	४२	म	३८	३३	व्या	५२	३	वि	७	२८	४४	१५	४५	३१	६	२१	सिंहे	भ.२८/७या.बुधोदय:पूर्वस्यां४७।५६
९	मं	३१	२	पू	३५	३१	ह	४५	३	बा	३	२२	४७	१५	४५	१	७	२२	कं.४९।२९	मृगेशुक्र:५/१३उदयंशने:२९।५भा.ज्ये.रंभः
१०	बु	२४	५६	उ	३१	२३	व	३७	१०	ग	२४	५६	४९	१४	४६	२	८	२३	कन्यायां	भ.५१।३१उ.
११	गु	१८	६	ह	२६	४	सि	२८	१७	वि	१८	६	५२	१४	४६	३	९	२४	तु.५३।४	श.१८।६या.मोहिनी११व्र.
१२	शु	१०	७	चि	२०	४	व्य	१९	६	बा	१०	७	५४	१३	४७	४	१०	२५	तुलायां	रोहि.रवि:९।२२(सौर:२३।८)प्रदोषः
१३	श	१	३५	स्वा	१३	२३	व	९/१५	५९/९	तै	१	३५	५६	१३	४७	५	११	२६	वृ.५३।२९	भ.५२।४९उ.नृसिंहजयंती
१४	श	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–यमायकुंभदानम्
१५	र	४४	१४	वि	६	५१	शि	५०	१३	वि	१८	३१	५८	१२	४८	६	१२	२७	वृश्चिके	भ.१८।३१या.मार्गीबुध:४८।५९–

६पं.वै.शु.५शु.इ.५३।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	५	१	०	८	१
३	१	२५	२४	१८	२२	१२	३
५८	५२	११	११	२९	०	३२	४७
४४	१९	३८	४९	२४	०	१४	१५
५७	११	२९/५	४/२२	७४	७	३	५७
४४	४३	व	व	२०	१४	११	३४

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले १ चंद्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेंसमर्घता शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

७पं.वै.शु.१२शु.इ.५३/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	५	१	०	८	१
१०	३	२३	२३	२७	२२	१२	१०
४२	८	३१	४४	४	५२	९	२९
४०	२०	१९	२	४१	२६	५९	२६
५७	१६	८/७	१३/३	७४	७	३	५७
३५	१०	व.	व	१४	८	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	चं	३६	३७	अ	४९	५४/५३	सि	४१	२९	बा	१०	२५	३४/००	५/१२	६/४८	७	१३	२८	ध.५५।४२	मिथुनेशुक्र:१५।३१
२	मं	३०	२०	मू	५१	५६	सा	३४	२	तै	३	२८	२	१२	४८	८	१४	२९	धनुषि	भ.५७/५६उ.भरणी४शनि:२२।४५
३	बु	२५	३२	पू	५०	१२	शु	२७	५३	वि	२५	३२	३	११	४९	९	१५	३०	धनुषि	भ.२५/३२या.पातस्पर्श:५७/९पातशोक्ष:३३/२९=
४	गु	२२	५५	उ	५०	३५	शु	२३	३८	बा	२२	५५	५	११	४९	१०	१६	३१	म.५।१८	[=चतुर्थीव्र.
५	शु	२२	१७	श्र	५२	५६	ब्र	२०	५१	तै	२२	१७	७	११	४६	११	१७	१	मकरे	जून६ता.३०
६	श	२३	५८	ध	५७	११	ऐं	२०	६	व	२३	५८	९	१०	५०	१२	१८	२	कु.२५।३	भ.२३/५८उ.५५/४१या.आर्द्रा.शुक्र:४३।४७
७	र	२७	२५	श	६०	०	वै	२०	८	ब	२७	२५	१०	१०	५०	१३	१९	३	कुंभे	
८	चं	३२	१७	श	२	५२	वि	२१	३५	कौ	३२	१७	१२	१०	५०	१४	२०	४	मी५३।१०	वक्रीहस्त.४गुरु:१३।४
९	मं	३८	२०	पू	९	५६	प्री	२३	४४	तै	५	१८	१३	९	५१	१५	२१	५	मीने	
१०	बु	४४	३०	उ	१७	१९	आ	२६	८	व	११	२५	१५	९	५१	१६	२२	६	मीने	भ.३१/२५उ.४४/३०या.कृत्ति.बुध:१०।५३
११	गु	५०	४०	रे	२५	५	सौ	२८	४४	ब	१७	३५	१६	९	५१	१७	२३	७	मे.२५।५	अपरा११व्र.
१२	शु	५६	२४	अ	३२	१३	शो	३०	५३	कौ	२३	३२	१७	९	५१	१८	२४	८	मेषे	मृगेरवि:४/१५(सौर:२९/५८)बृषेबुध:३८।३०
१३	श	६०	०	भ	३८	५६	अ	३२	३९	ग	२८	५०	१८	८	५२	१९	२५	९	वृ.५५।१९	प्रदोषः
१३	र	१	१६	कृ	४४	२७	सु	३३	२२	व	१	१६	१९	८	५२	२०	२६	१०	वृषे	भ.१।१६उ.३२।५८या.
१४	चं	४	४०	रो	४८	४०	धृ	३३	१६	श	४	४०	१९	८	५२	२१	२७	११	वृषे	मार्गीगुरु:३७।३३
३०	मं	६	११	मृ	५१	३५	शू	३२	८	ना	६	११	२०	८	५२	२२	२८	१२	मि२०।७	वटपूजनम्

८पं.ज्ये.कृ.५शु.इ.५३।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	०	५	२	०	८	१
१७	४	२५	२३	५	२३	११	१७
२५	५१	७	२४	३८	४४	४७	१०
२६	३२	५९	२६	२४	२४	४२	३२
५७	२०	२१/२१	१/५९	७४	६	३	५७
२७	१४	मा	व	६	५६	११	५३

गोचर ग्रहाः

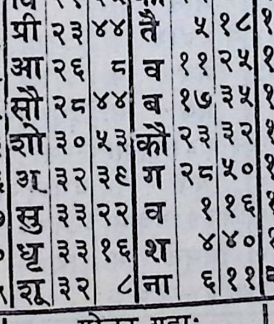

कृष्ण पक्ष में तिथि बढे शुक्लपक्षघटजाय एक चीज की क्याकहें सभीचीज घट जाय।। इस मास में तेजी रहेगी ।

गोचर ग्रहाः

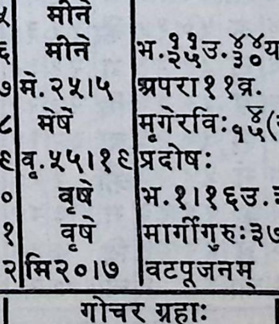

९पं.ज्ये.कृ.१२शु.इ.५३/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	५	१	५	२	०	८	१
२४	६	०	२३	१४	२४	११	२३
७	५९	१३	१३	११	३४	२५	५०
३०	२८	४४	५५	२४	५	२७	२८
५७	२३	५३	३०/०	७३	६	३	५७
२२	११	२७	व	५६	३८	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६६४३स.२०२९
१	बु	८	१२	आ	५३	३३	गं	३०	१०	ब	८	१२	३४/२१	५/८	६/५२	२३	२९	१३	मिथुने	पुन.शुक्र:४१।४०चंद्रदर्शनम्
२	शु	८	८	पु	५४	३६	बृ	२७	९	कौ	८	८	२१	८	५२	२४	१	१४	क.३९।२०	सफर२
३	शु	७	७	पु	५४	३२	ध्रु	२३	२२	ग	७	७	२२	८	५२	२५	२	१५	कर्के	भ.३६/५उ.मिथुनेऽर्क:३।७(सौर:२२।४६)
४	श	५	४	श्ले	५३	४०	व्या	१८	५६	वि	५	४	२२	८	५२	२६	३	१६	सिं५३।४०	भ.५।४या.
५	र	२	१३	म	५२	८	ह	१४	२	बा	२	१३	२३	७	५३	२७	४	१७	सिंहे	रोहि.बुध:१।२२हस्तेभौम:९।८
६	र	५६	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	चं	५४	२९	पू	४९	४३	व	८	२९	ग	२६	३६	२३	७	५३	२८	५	१८	सिंहे	भ.५४।२९उ.
८	मं	४९	३७	उ	४६	५६	सि	२/१८	५३/१९	वि	२२	३	२३	७	५३	२९	६	१९	कं.४।१	भ.२२।३या.
९	बु	४४	८	ह	४३	२३	व	४८	२५	बा	१६	५२	२४	७	५३	३०	७	२०	कन्यायां	[×(सौर:३४/१९)भा.आषाढारंभ:नि.११व्र.
१०	गु	३८	५	चि	३९	१५	प	४०	५१	तै	११	६	२४	७	५३	३१	८	२१	तु.११।२०	कर्कशुक्र:५४।२गंगादशमी
११	शु	३१	२९	स्वा	३४	४४	शि	३२	४२	व	४	४७	२४	७	५३	१	९	२२	तुलायां	भ.४।४७उ.३१।२९या.आर्द्रा.रवि:१/४४×
१२	श	२४	२७	वि	२९	५०	सि	२४	३१	बा	२४	२७	२४	७	५३	२	१०	२३	वृ.१६।४	चित्रा.१गुरु:१६।४८प्रदोष:
१३	र	१७	१५	अ	२५	१	सा	१६	१९	तै	१७	१५	२४	७	५३	३	११	२४	वृश्चिके	पुष्येशुक्र:३६।४७
१४	चं	१०	५५	ज्ये	२०	३५	शु	८	२६	व	१०	५५	२३	७	५३	४	१२	२५	ध.२०।३५	भ.१/५५उ.३८।१या.मृगेबुध:९।१४
१५	मं	५	८	मू	१७	३	शु	१/१७	५३/३८	ब	५	८	२३	७	५३	५	१३	२६	धनुषि	गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

१०पं.ज्ये.शु.३शु.इ. ३३/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	५	२	०	८	२
०	९	८	२३	२२	२५	११	०
४८	२७	२७	१२	४२	२२	३	२९
४७	४०	२९	११	४३	५२	१२	३७
५७	२५	८२	४०७	७३	६	३	५६
१७	४७	१७	मा	५०	२६	११	५७

गोचर ग्रहा:

ज्येष्ठ शुक्ले ३ शुक्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय: पश्चिमायां

गोचर ग्रहा:

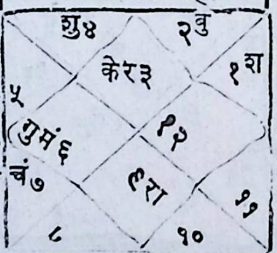

११पं.ज्ये.शु.११शु.इ. ५३/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	१	५	३	०	८	२
७	१२	१९	२३	१	२६	१०	७
२९	१३	१९	१९	१३	९	४०	८
४२	५९	५	१६	३०	०	५६	४
५७	२८	१६	१	७३	६	३	५६
१३	१	४६	५५	४४	११	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षतर्तूरविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	बु	०	३७	पू	१४	४५	ऐं	४९	४९	कौ	०	३७	३४/२९	५/८	६/५	६	१४	२७	म.२९।३६	कृत्ति.१शनि:४६।७
२	बु	५६	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधास्त:पूर्वस्यां४५।२३
३	गु	५६	१६	उ	१४	११	वै	४६	९	व	२६	५६	२२	८	५२	७	१५	२८	मकरे	भ.३६/५६उ.५६।१६या.मिथुनेबुध४२।५५×
४	शु	५७	४	श्र	१५	१७	वि	४४	१४	ब	२६	४०	२१	८	५२	८	१६	२९	कुं.४६।५४	चतुर्थीव्र.
५	श	५९	३८	ध	१८	३१	प्री	४३	१८	कौ	२८	१६	२०	८	५२	९	१७	३०	कुम्भे	
६	र	६०	०	श	२३	१७	आ	४३	४६	ग	३१	४९	१९	८	५२	१०	१८	१	कुंभे	आर्द्रा.बुध:५८।४७जौलाई७ता.३१
६	चं	४	१	पू	२९	३१	सौ	४५	२४	व	४	१	१८	८	५२	११	१९	२	मी१२।५७	भ.४।१उ.३६।४५या.
७	मं	९	२८	उ	३६	२५	शो	४७	४०	ब	९	२८	१७	९	५१	१२	२०	३	मीने	
८	बु	१५	३८	रे	४४	४	अ	५०	१५	कौ	१५	३८	१६	९	५१	१३	२१	४	मे.४४।४	[=राहु:आर्द्रा.१केतु:४६।११
९	गु	२१	३९	अ	५१	२९	सु	५२	३१	ग	२१	३९	१५	९	५१	१४	२२	५	मेषे	भ.५४।३०उ.आश्ले.शुक्र:३८।५०मूल३=
१०	शु	२७	२१	भ	५८	२८	धृ	५४	३३	वि	२७	२१	१४	९	५१	१५	२३	६	मेषे	भ.२७/१या.पुन.रवि:३०/४(सौर:२८।२१)
११	श	३२	१५	कृ	६०	०	शू	५५	२६	बा	३२	१५	१३	९	५१	१६	२४	७	वृ.१४।५१	पातस्पर्श:[illegible]पातमोक्ष:[illegible]योगिनी११व्र.
१२	र	३५	३८	कृ	३	५८	गं	५५	२३	कौ	३	५६	११	१०	५०	१७	२५	८	वृषे	पुन.बुध:१२।१४
१३	चं	३७	४६	रो	८	२२	बृ	५४	१३	ग	६	४२	१०	१०	५०	१८	२६	९	मि३९।४३	भ.३७।४६उ.प्रदोष:
१४	मं	३७	५३	मृ	११	४	ध्रु	५१	४१	वि	७	५०	८	१०	५०	१९	२७	१०	मिथुने	भ.७।५०या.
३०	बु	३६	५०	आ	१२	२३	व्या	४८	१	च	७	२१	७	११	४९	२०	२८	११	क.५७।१६	

१२पं.आ.कृ.४शु.इ.५३।४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	५	३	०	८	२
१४	१५	२	२३	९	२६	१०	१३
१०	१७	२४	३४	४३	५२	१८	४६
८	२०	४३	४८	१२	२९	४१	९
५७	२९	८२/३२	३	७३	५	३	५६
७	५३		२०	३२	५२	११	५०

गोचर ग्रहा:

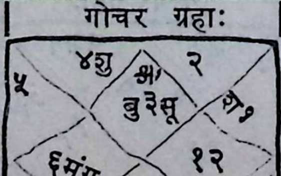

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी मंदे हो धातु सोना .चांदी गन्ना गुड़ सक्कर नमक तेज हो ।

गोचर ग्रहा:

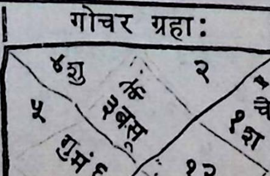

१३पं.आ.कृ.१०शु.इ. ५३/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	२	५	३	०	८	२
२०	१८	१७	२३	१८	२७	९	२०
५०	३४	१३	५८	११	३३	५६	२४
३५	२६	२०	२३	२१	४०	२५	३
५७	३१	८२	४	७३	५	३	५६
७	३४	२२	२८	२०	२४	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ़ शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:६६७२स.२०२९
१	शु	३४	१६	पु	१२	१४	ह	४३	२१	किं	५	३३	३४/५	५/१	६/४९	२१	२९	१२	कर्के	कर्केबुध:४६।७
२	शु	३०	४२	पु	११	३	व्र	३७	५३	बा	२	२९	३	११	४९	२२	३०	१३	कर्के	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	२६	२७	श्ले	८	४९	सि	३१	४८	ग	२६	२७	१	१२	४८	२३	१	१४	सिं८।४९	भ.५/५ ३/९उ.पुष्येबुध:२/१ २/०रविलावल३
४	र	२१	३१	म	६	९	व्य	२५	६	वि	२१	३१	३३/५९	१२	४८	२४	२	१५	सिंहे	भ.२१।३१या.
५	चं	१६	३४	पू	३	११	व	१८	३९	बा	१६	३४	५७	१३	४७	२५	३	१६	कं.१७।२४	कर्केऽर्क:३/०मघा.सिंहेशुक्र:३/८चित्रा.=
६	मं	११	९	उ	०/१	५६/३९	प	११	५६	तै	११	९	५५	१३	४७	२६	४	१७	कंन्यायां	कर्केऽर्क:सौर:१।५ [=भौम:१ २/३
७	बु	५	५७	चि	५३	२४	शि	४/५७	५२/५९	व	५	५७	५२	१४	४६	२७	५	१८	तु.२५।२	भ.५।५७उ.३३।१९या.
८	गु	०	४१	स्वा	५०	०	सा	५१	०	ब	०	४१	५०	१४	४६	२८	६	१९	तुलायां	पुष्येरवि:५९।१८
९	गु	५४	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	शु	५०	४	वि	४६	३८	शु	४३	५६	तै	२२	४२	४८	१४	४६	२९	७	२०	वृ.३२।२९	पुष्येरवि:सौर:३१।४६
११	श	४४	४८	अ	४३	२२	शु	३७	१७	व	१७	२६	४५	१५	४५	३०	८	२१	वृश्चिके	भ.१/२६ ७/८उ.४/४ ४/८या.आश्ले.बुध:१/१ २बुधोदय:×
१२	र	४०	१	ज्ये	४०	३३	ब्र	३०	४७	ब	१२	२४	४३	१५	४५	३१	९	२२	ध.४०।३३	[×पश्चिमायां४/५देवशयनी११व्र.
१३	चं	३५	४९	मू	३८	१६	ऐं	२४	४३	कौ	७	५५	४०	१६	४४	१	१०	२३	धनुषि	भा.श्रावणारंभ: प्रदोष:
१४	मं	३२	२६	पू	३६	५१	वै	१९	१२	ग	४	७	३८	१६	४४	२	११	२४	म.५१।३३	भ.३२।२६ उ. वायुपरीक्षा
१५	बु	३०	११	उ	३५	४०	वि	१४	२९	वि	१	१८	३५	१७	४३	३	१२	२५	मकरे	भ.१।१८या.व्यासपूजा गुरु१५

१४पं.आ.शु.२शु.इ. ५/३ ३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	५	३	५	३	०	८	२
२७	२२	२	२४	२६	२८	९	२७
३०	३	२०	३०	३८	१०	३४	२
५४	५४	२४	१८	२	५५	९	१०
५७	३२	३०/८	५	७३	४	३	५६
११	५८	५६	३६	११	५६	११	५४

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले ५ चंद्रे
कर्केऽर्क:प्रविष्ट:वा.४
न. ५ गतालकावस्था
(ऊभी) मु.४५धान्या
दिभावे समर्घता
शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१५पं.आ.शु.१०शु.इ. ५/२ ३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	४	०	८	३
४	२५	१६	२५	५	२८	९	३
११	४४	२४	९	२	४५	११	४०
३८	१३	४७	२५	४६	३२	५४	३७
५७	३४	९/०	६	७२	४	३	५६
१५	९	९/१३	३४	५०	२५	११	५९

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	गु	२९	२२	श्र	३७	३५	प्री	१०	५४	कौ	२९	२२	३३/३३	५/९ ७	६/४ ३	४	१३	२६	मकरे	[–चतुर्थी. व्र.
२	शु	३०	१०	ध	४०	१३	आ	८	३०	ग	३०	१०	३०	१८	४२	५	१४	२७	कुं.८।५४	पूफा.शुक्र:४८।४०
३	श	३२	३२	श	४४	२६	सा	७	२६	व	१	२१	२७	१९	४१	६	१५	२८	कुंभ	भ.३/२ ५/१उ.३/३ २/२या.मघा.सिंहेबुध:२/५ ४/४–
४	र	३६	१८	पू	५०	०	शो	७	१६	ब	४	२५	२४	१९	४१	७	१६	२९	मी३३।३६	तुलायांभौम:३५।५७
५	चं	४१	२८	उ	५६	३१	अ	८	२४	कौ	८	५३	२२	२०	४०	८	१७	३०	मीने	नाग५मरुस्थले
६	मं	४७	२३	रे	६०	०	सु	१०	७	ग	१४	२५	१९	२०	४०	९	१८	३१	मीने	भ.४७।२३उ.
७	बु	५३	२६	रे	३	५९	धृ	१२	२७	वि	२०	२४	१६	२१	३९	१०	१९	१	मे.३।५९	भ.२०।२४या.अगस्त८ता.३१
८	गु	५९	३०	अ	११	२९	शू	१५	३	बा	२६	२८	१३	२१	३९	११	२०	२	मेषे	आश्ले.रवि:५६।१९चित्रा.२गुरु:५६।९
९	शु	६०	०	भ	१८	४६	गं	१७	११	तै	३२	८	१०	२२	३८	१२	२१	३	वृ.३५।२१	आश्ले.रवि:सौर:३२।३३
९	श	४	४६	कृ	२५	५	वृ	१८	४८	ग	४	४६	७	२३	३७	१३	२२	४	वृषे	भ.३६।३६उ.
१०	र	८	२६	रो	३०	२	ध्रु	१९	१६	वि	८	२६	४	२३	३७	१४	२३	५	वृषे	भ.८।२६या.पूफा.बुध:५०।१४
११	चं	१०	४८	मृ	३३	२७	व्या	१८	२१	बा	१०	४८	०	२४	३६	१५	२४	६	मि१।४५	कामिका११व्र.
१२	मं	११	५	आ	३४	५६	ह	१६	२५	तै	११	५	३२/५७	२५	३५	१६	२५	७	मिथुने	प्रदोष:
१३	बु	९	४३	पु	३४	४१	ब	१२	४९	व	९	४३	५४	२५	३५	१७	२६	८	क.१९।४५	भ.९।४३उ.३८।६या.उफा.शुक्र:२।७
१४	गु	६	२९	पु	३२	५४	सि	७	४६	श	६	२९	५०	२६	३४	१८	२७	९	कर्के	स्वात्यांभौम:१४।३३कृत्ति.२शनि:३/४ ४/७
३०	शु	२	५	श्ले	२९	३४	व्य	१/३४	५२/४२	ना	२	५	४७	२७	३३	१९	२८	१०	सिं२९।३४	कन्यायांशुक्र:४९।१९हरियाली

१६पं.श्रा.कृ २शु.इ. ५/१ ३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	४	०	८	३
१०	२९	२९	२५	१३	२९	८	१०
५२	३४	४	५५	२५	१५	४९	१९
४१	३७	२६	१९	३४	२५	३८	५४
५७	३५	५/०	७	७२	३	३	५७
२०	४१	९/२५	३६	३२	५२	११	५

१७पं.श्रा.कृ.९शु.इ.५३।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	५	४	०	८	३
१७	३	१०	२६	२१	२९	८	१६
३४	३४	२१	४८	४६	५१	२७	५९
२३	५	४	११	३४	३१	२३	४२
५७	३६	९१	८	७२	३	३	५७
२५	४१	४१	३७	७	२०	११	१२

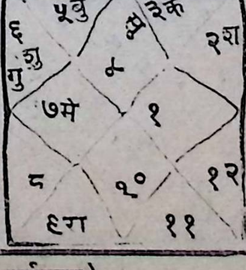

१८पं.श्रा.कृ.३०शु.इ.५/५ २/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	५	५	१	८	३
२४	७	२०	२७	०	०	८	२३
१६	४१	१२	४६	४	३	५	४०
४४	२८	४	५५	२३	२२	७	४९
५७	३७	७५	९	७१	२	३	५७
३३	२८	५३	२६	४६	३५	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१											दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणोऽहर्गणः६७०२सन्२०२९
१	शु	५३	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४६	१३	म	२५	२०	प	४६	२३	बा	२२	३८	३२/४४	५/२७	६/३३	२०	२९	११	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	र	४२	२९	पू	२०	३४	शि	३८	१६	तै	१५	५१	४०	२८	३२	२१	१	१२	कं.३४।२३	रविलाखर४तीज
४	चं	३५	३५	उ	१५	४९	सि	२९	५४	व	९	२	३७	२९	३१	२२	२	१३	कन्यायां	भ.९।२उ.३५।३५या.वरद४
५	मं	२९	१०	ह	११	११	सा	२१	५३	ब	२	२२	३३	२९	३१	२३	३	१४	तु.३९।०	नागपंचमी
६	बु	२३	२	चि	६	५०	शु	१४	१६	तै	२३	२	३०	३०	३०	२४	४	१५	तुलायां	[=उफा.बुधः ३/३ ५
७	गु	१७	२९	स्वा	३/३	५६/५५	शु	६/५२	५३/५	व	१७	२९	२६	३१	२९	२५	५	१६	वृ.४५।४४	भ.१७/२९उ.४५/३या.मघा.सिंहेऽर्कः५०/२१=
८	शु	१२	३७	अ	५७	२५	ऐं	५३	३६	ब	१२	३७	२२	३२	२८	२६	६	१७	वृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः२८।५७
९	श	७	१७	ज्ये	५५	३३	वै	४७	४९	कौ	७	१७	१९	३२	२८	२७	७	१८	ध.५५।३३	[×हस्तेशुक्रः१६।४४
१०	र	४	५३	मू	५४	३२	वि	४२	४९	ग	४	५३	१५	३३	२७	२८	८	१९	धनुषि	भ.३३।३२उ.कन्यायांबुधः३२।४२×
११	चं	२	११	पू	५४	१२	प्री	३८	२०	वि	२	११	१२	३४	२६	२९	९	२०	धनुषि	भ.२।११या. पवित्रा११व्र.
१२	मं	०	२१	उ	५४	५९	आ	३४	४२	बा	०	२१	८	३४	२६	३०	१०	२१	म.९।२४	प्रदोषः
१३	मं	५९	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	बु	५९	४६	श्र	५६	५६	सौ	३१	४३	ग	२९	४०	४	३५	२५	३१	११	२२	मकरे	भ.५९।४६उ.
१५	गु	६०	०	ध	५९	५३	शो	२९	४०	वि	३०	३२	१	३६	२४	१	१२	२३	कुं.२८।२५	भ.३०।३२या.भा.भाद्रपदारंभः
१५	शु	१	१८	श	६०	०	अ	२९	०	ब	१	१८	३१/५७	३७	२३	२	१३	२४	कुंभे	चित्रा.३गुरुः५३/५७श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्

१९पं.श्रा.शु.८शु.इ. ५२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	४	५	५	१	८	४
१	११	२८	२८	८	०	७	०
०	५७	२४	५०	२०	२०	४२	२३
४	१४	२९	३५	१७	६	५१	२
५७	३८	५७	१०	७१	१	३	५७
४०	१५	२३	९	१९	५६	११	३४

गोचर ग्रहाः

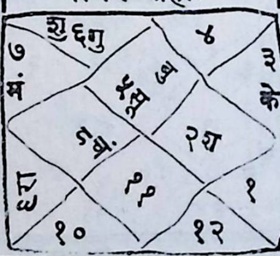

श्रावण शुक्ले ७ गुरौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न५बालावस्था(बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

२०पं.श्रा.शु.१५शु.इ. ५२/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	५	५	१	८	४
७	१६	४	२९	१६	०	७	७
४४	१९	२९	५९	३३	३१	२०	६
२८	४१	५६	४६	२९	४१	२६	२९
५७	३९	३२	१०	७०	१	३	५७
४९	८	५३	५२	४७	१७	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१											दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श	४	९	श	४	४	सु	२८	४१	कौ	४	९	३१/५३	५/३७	६/२३	३	१४	२५	मी५३।१०	[−मृग४केतुः३/३ ८/४ प्रदोषः
२	र	८	९	पू	९	३२	धृ	२९	२६	ग	८	९	४९	३८	२२	४	१५	२६	मीने	भ.४०।४४उ.
३	चं	१३	१९	उ	१५	४७	शू	३१	७	वि	१३	१९	४६	३९	२१	५	१६	२७	मीने	भ.१३।१९या. चतुर्थी व्र.
४	मं	१९	५	रे	२२	५४	गं	३३	१३	बा	१९	५	४२	४०	२०	६	१७	२८	मे.२२।५४	[÷बुधः५७/९जन्माष्टमी व्र.स्मा.
५	बु	२५	१३	अ	३०	३२	वृ	३५	३४	तै	२५	१३	३८	४०	२०	७	१८	२९	मेषे	चंद्रषष्ठी [+४१/३२विशा.भौमः४०/५०
६	गु	३१	३१	भ	३७	५८	ध्रु	३८	४	व	३१	३१	३४	४१	१९	८	१९	३०	वृ.५४।४५	भ.३१/३१उ.पूफा.रविः४०/५ चित्रा.शुक्रः+
७	शु	३७	२२	कृ	४५	५	व्या	४०	११	वि	४	२६	३०	४२	१८	९	२०	३१	वृषे	भ.४।२६या.पूफा.रविःसौरः१९/४९वक्री÷
८	श	४१	५१	रो	५१	१	ह	४१	३२	बा	९	३६	२६	४३	१७	१०	२१	१	वृषे	सितम्बर९ता.३०जन्माष्टमी व्र.वै.
९	र	४५	३	मृ	५५	३८	व	४१	४९	तै	१३	२७	२२	४४	१६	११	२२	२	मि२३।२०	गोगा९
१०	चं	४६	८	आ	५८	२५	सि	४०	३७	व	१५	३५	१८	४४	१६	१२	२३	३	मिथुने	भ.१५।३५उ.४६।८या.
११	मं	४५	२६	पु	५९	६	व्य	३७	५२	ब	१५	४७	१५	४५	१५	१३	२४	४	क.४३।५६	अजा११व्र.
१२	बु	४२	४१	पु	५७	५०	व	३३	४१	कौ	१४	३	११	४६	१४	१४	२५	५	कर्के	तुलायांशुक्रः४२।२३वत्सद्वादशी
१३	गु	३७	५८	श्ले	५४	५४	प	२७	५२	ग	१०	१९	७	४७	१३	१५	२६	६	सिं५४।५४	भ.३७/५८उ.वक्रीशनिः५/१९मूल.२राहुः−
१४	शु	३१	२८	म	५०	४	शि	२०	३४	वि	४	४३	३	४७	१३	१६	२७	७	सिंहे	भ.४।४३या.
३०	श	२३	५१	पू	४४	२५	सि	१२	०	ना	२३	५१	३०/५९	४८	१२	१७	२८	८	कं.५७।४८	कुशाग्रहणी पिठोरी३०मन्वादिः

२१पं.भा.कृ.७शु.इ. ५२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	५	१	८	४
१४	२०	७	१	२४	०	६	१३
३०	४७	३९	१२	४३	३८	५८	५१
४	४२	१६	५४	१	२४	२०	४१
५८	३९	०	११	७०	०	३	५७
१	५५	२८	२३	९	३८	११	५७

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं गेहूं जौ चना चांवल बाजरा सोनाचांदीलोहा गुड़ शक्करचीनी तेज हो प्रजा में रोग हो

गोचर ग्रहाः

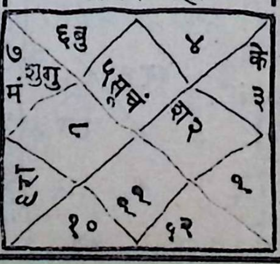

२२पं.भा.कृ.१४शु.इ. ५२/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	६	६	१	८	४
२१	२५	६	२	२	०	६	२०
१७	२२	१२	३०	४९	३९	३६	३८
६	१६	३२	७	३०	५०	५	३१
५८	४०	४१/५१	१२	६९	१/३	३	५८
१३	२६	व.	१	१७	व.	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७३१स.२०२९
१	र	१५	२९	उ	३७	५९	सा	२/४३	५०/२४	ब	१५	२९	३०/५५	५३/४९	६/१५	१८	२९	९	कन्यायां	बुधास्तःपश्चिमायां१।३०
२	चं	६	४८	ह	३१	२३	शु	४३	१६	कौ	६	४८	५१	५०	१०	१९	३०	१०	तु.५८।१३	चंद्रदर्शनम् हरितालिका३
३	चं	५१	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=जमादिलावल५गणेशचतुर्थी
४	मं	५०	३९	चि	२५	३	ब्र	३३	४०	व	२४	३३	४७	५१	९	२०	१	११	तुलायां	भ.२४/३३उ.५०/३९या.स्वात्यांशुक्रः१४/२६=
५	बु	४३	४१	स्वा	१९	२९	ऐं	२४	४२	ब	१७	१०	४३	५१	९	२१	२	१२	तुलायां	चित्रा.४गुरुः२५।१४ऋषिपंचमी
६	गु	३७	३८	वि	१५	१६	वै	१६	३३	कौ	१०	३९	३९	५२	८	२२	३	१३	वृ.१।१९	उफा.रविः२४।३०
७	शु	३२	५६	अ	११	१६	वि	९	१५	ग	५	१७	३५	५३	७	२३	४	१४	वृश्चिके	भ.३२/५६उ.उफा.रविःसौरः४/२९वक्री सिंहे×
८	श	२९	२६	ज्ये	९	६	प्री	२/४५	५४/४८	वि	१	११	३१	५४	६	२४	५	१५	ध.९।६	भ.१/११या. [×बुधः५५/३वृश्चिके भौमः४६/५८
९	र	२७	२०	मू	८	०	सौ	५३	१९	कौ	२७	२०	२७	५५	५	२५	६	१६	धनुषि	कन्यायायामर्कः४९/५१ [+पूफा.बुधः३५/९
१०	चं	२६	२५	पू	८	१५	शो	५०	२	ग	२६	२५	२२	५६	४	२६	७	१७	म.२३।३८	भ.५६/३७उ.कन्यार्कःसौरः२९/४०वक्री+
११	मं	२६	४९	उ	९	४६	अ	४७	५०	वि	२६	४९	१८	५६	४	२७	८	१८	मकरे	भ.१६।४९या.जलझूलनी११व्र.
१२	बु	२८	९	श्र	१२	२८	सु	४६	२७	बा	२८	९	१४	५७	३	२८	९	१९	कुं.४४।२१	अनु.भौमः४३।२४वामनजयंती
१३	गु	३०	५७	ध	१६	१४	धृ	४६	१९	तै	३०	५७	९	५८	२	२९	१०	२०	कुंभे	प्रदोषः
१४	शु	३४	३१	श	२०	५६	शू	४६	१५	ग	२	४४	५	५९	१	३०	११	२१	कुंभे	भ.३४।३१उ.अनंत१४
१५	श	३८	५५	पू	२६	३२	गं	४७	१५	वि	६	४३	३०/००	६/०	६/०	३१	१२	२२	मी१०।८	भ.६/४३या.विशा.शुक्रः५४/५७महालयारंभः

२३पं.भा.शु.७शु.इ. ५२/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	५	६	६	१	८	४
२८	०	०	३	१०	०	६	२७
५	३	३	५०	५१	३६	१३	२६
२८	४०	२९	१३	३२	२५	४९	३८
५८	४१	७४/२	१२	६८	०/५२	३	५८
२६	१६	व.	२०	३२	व.	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ९रवौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ युंवावस्था (सूती)मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

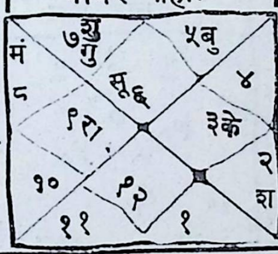

२४पं.भा.श.१४शु.इ. ५२/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	६	६	१	८	५
४	४	२४	५	१८	०	५	४
५५	४९	९	१३	४९	२७	५१	१६
१९	३४	३६	१६	१६	११	३३	४५
५८	४१	३९/१३	१२	६७	१/३८	३	५८
३८	४६	व	४७	२९	व.	११	४

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	र	४४	३३	उ	३३	११	बृ	४८	५५	बा	११	४४	२९/५६	६/१	५/५९	१	१३	२३	मीने	बुधोदयःपूर्वस्यां १४/३०भा.आश्विनारंभः
२	चं	५०	३८	रे	४०	७	धु	५०	५४	तै	१७	३५	५२	२	५८	२	१४	२४	मे.४०।७	
३	मं	५६	४३	अ	४७	३५	व्या	५३	८	व	२३	४०	४८	२	५८	३	१५	२५	मेषे	भ.२३/४०उ.५६/४३या.मार्गीबुधः१२/५८
४	बु	६०	०	भ	५५	११	ह	५५	३७	ब	२९	५२	४४	३	५७	४	१६	२६	मेषे	चतुर्थी व्र.
४	गु	३	२	कृ	६०	०	व	५८	१	बा	३	२	४०	४	५६	५	१७	२७	वृ.१२।४	हस्तेरविः३।४(सौरः४२।१०)
५	शु	९	७	कृ	२	४१	सि	५९	५२	तै	९	७	३६	५	५५	६	१८	२८	वृषे	स्वाती.१गुरुः५६।१३
६	श	१४	७	रो	९	१६	व्य	६०	०	व	१४	७	३२	६	५४	७	१९	२९	मि४२।८	भ.१४।७उ.४६।११या.
७	र	१८	१६	मृ	१४	५९	व्य	०	४३	ब	१८	१६	२८	६	५४	८	२०	३०	मिथुने	[÷अक्टूबर१०ता.३१
८	चं	२०	३५	आ	१९	११	व	०/४५	५८/४४	कौ	२०	३५	२३	७	५३	९	२१	१	मिथुने	उफा.बुधः५७/५२वृश्चिकेशुक्रः५३/४३÷
९	मं	२१	१०	पु	२१	३७	शि	५६	२८	ग	२१	१०	१९	८	५२	१०	२२	२	क.६।११	भ.५०।२५उ.मातृ९
१०	बु	१९	४०	पु	२१	५५	सि	५२	१	वि	१९	४०	१५	९	५१	११	२३	३	कर्के	भ.१९।४०या.
११	गु	१६	४	श्ले	२०	२१	सौ	४६	४	बा	१६	४	११	१०	५०	१२	२४	४	सिं२०।२१	कन्यायांबुधः४४/४अनुशुक्रः५२/१८वक्रीकृत्ति१–
१२	शु	१०	३६	म	१६	४५	शु	३८	२६	तै	१०	३६	७	११	४९	१३	२५	५	सिंहे	प्रदोषः [–मेषेशनिः६/१०इंदिरा११व्र.
१३	श	३	२६	पू	११	२९	शु	२९	२६	व	३	२६	३	११	४९	१४	२६	६	कं.२४।५२	भ.३/२६उ.२९/१०या.शस्त्रादिहतानां श्रा.
१४	श	५१	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	र	४५	३४	उ	५/५	५२/३४	ब्र	१९	२१	च	२०	१६	२८/५९	१२	४८	१५	२७	७	कन्यायां	सर्वपितृ३०

२५पं.आ.कृ.५शु.इ. ५१/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	४	६	६	१	८	५
११	९	२४	६	२६	०	५	११
४६	४०	२७	३९	४०	१३	२९	८
५२	३७	२९	४	२६	१	१८	४३
५८	४२	४२/४६	१३	६६	२/१६	३	५९
५३	७	मा	८	१५	व	११	०

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धान्यगल्ला सोना चांदी रुई कपास गुड़ शक्कर चीनी में तेजी करे ।

गोचर ग्रहाः

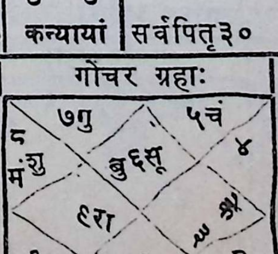

२६पं.आ.कृ.१२शु.इ. ५१/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	७	०	८	५
१८	१४	१	८	४	२९	५	१८
४०	३६	३८	६	२४	५४	७	२
५	२५	६	५४	१४	५९	२	३०
५९	४२	८६	१३	६४	२/५१	३	५९
९	३३	५५	२२	४७	व.	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:६७६०स.२०२९
१	चं	३५	५२	च्चि	५०	२	ऐं	८/४४	४९/१७	किं	१०	४३	२८/५५	६/१३	५/४७	१६	२८	८	तु.२३।५०	ज्येष्ठा.भौमः ४६/३ नवरात्रारंभःमातामहश्रा
२	मं	२६	२२	स्वा	४२	३७	वि	४७	२६	बा	१	७	५१	१४	४६	१७	२६	९	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	बु	१७	३१	वि	३५	५२	प्री	३७	१६	ग	१७	३१	४७	१५	४५	१८	१	१०	वृ.२२।३३	भ.४३/८ उ.चित्रा.रविः ३५/९ जमादिलाखर६
४	गु	९	४५	अ	३०	७	आ	२७	४८	वि	९	४५	४३	१५	४५	१९	२	११	वृश्चिके	भ.९/४५ या.चित्रा.रविःसौरः ९३/४४ हस्तेबुध १२/०
५	शु	३	२१	ज्ये	२६	०	सौ	१९	४९	बा	३	२१	३९	१६	४४	२०	३	१२	ध.२६।०	बुधास्तःपूर्वस्यां३२।५६
६	शु	५५	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	श	५५	४३	मू	२३	४०	शो	१३	१५	ग	२७	८	३५	१७	४३	२१	४	१३	धनुषि	भ.५५।४ः उ.
८	र	५४	३४	पू	२२	५६	अ	७	४६	वि	२५	८	३१	१८	४२	२२	५	१४	म.३८।१९	भ.२५।८या.स्वाती.२गुरुः३६।४५
९	चं	५५	७	उ	२३	५०	सु	३	४९	बा	२४	५०	२७	१९	४१	२३	६	१५	मकरे	[=ज्येष्ठा.शुक्रः १/१ २अस्तंगुरोः ५०/२४×
१०	मं	५७	६	श्र	२६	३१	धृ	१/१६	५८/३७	तै	२६	६	२३	१९	४१	२४	७	१६	कुं.५८।३३	[×पापांकुशा११व्र.स्मा.
११	बु	६०	०	ध	३०	३४	गं	५९	५१	व	२८	५०	२०	२०	४०	२५	८	१७	कुम्भे	भ.२८/५० उ.तुलायामर्कः १८/५९ (सौरः ५५/२८)=
११	गु	०	३५	श	३५	४७	वृ	६०	०	वि	०	३५	१६	२१	३९	२६	९	१८	कुंभे	भ.०/३५ या.चित्रा.बुधः ५५/४६ पापां.११व्र.वै.
१२	शु	५	२	पू	४१	५१	वृ	०	३१	बा	५	२	१२	२२	३८	२७	१०	१९	मी२५।२०	प्रदोषः
१३	श	१०	२२	उ	४८	४४	ध्रु	१	३४	तै	१०	२२	८	२२	३८	२८	११	२०	मीने	
१४	र	१६	१४	रे	५५	५४	व्या	३	२८	ब	१६	१४	४	२३	३७	२९	१२	२१	मे.५५।५४	भ१६/१४ उ.४९/२४ या.शरद्पूर्णिमास्मा कोजा.व्र.
१५	चं	२२	३४	अ	६०	०	ह	५	२५	ब	२२	३४	०	२४	३६	३०	१३	२२	मेषे	तुलायांबुधः ४६/४७ शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.५शु.इ. ५९/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	६	७	०	८	५
२५	१९	१२	९	११	२९	४	२४
३४	३६	४८	३६	५९	३१	४४	५८
५९	५४	०	२२	३५	३४	४७	१२
५९	४३	७/०	१३	६३	३/३१	३	५९
२१	१०	०/११	२९	२	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले ११बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा४न४प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२८पं.आ.शु.१२शु.इ. ५९/२६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	६	७	०	८	६
२	२४	२४	११	१९	२९	४	१
३१	४१	५६	७	२१	४	२२	५५
२३	३८	२७	१	३२	५२	३१	३६
५९	४३	७/०	१३	६०	३/५३	३	५९
३४	३०	५८	२२	५२	व.	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	मं	२८	४१	अ	३	३१	ब	७	४४	कौ	२८	४१	२७/५६	६/२५	५/३५	१	१४	२३	मेषे	भा.कार्तिकारंभः
२	बु	३५	२	भ	१०	५०	सि	१०	७	तै	१	५१	५३	२५	३५	२	१५	२४	वृ.२७।४०	स्वात्यांरविः१।१ (सौरः३६।३१)
३	गु	४०	४७	कृ	१८	८	व्य	१२	११	व	७	५४	४९	२६	३४	३	१६	२५	वृषे	भ.७।५४उ.४०।४७या.
४	शु	४५	४७	रो	२४	४८	व	१३	५८	ब	१३	१७	४५	२७	३३	४	१७	२६	मि५७।४८	स्वात्यांबुधः४५।२९करक चतुर्थी व्र.
५	श	५०	६	मृ	३०	४९	प	१५	१४	कौ	१७	५६	४१	२८	३२	५	१८	२७	मिथुने	मूलेधनुषिभौमः५।५१
६	र	५३	६	आ	३५	४६	शि	१५	३९	ग	२१	३६	३७	२९	३१	६	१९	२८	मिथुने	भ.५३।६उ.
७	चं	५४	४३	पु	३९	२१	सि	१५	११	वि	२३	५४	३४	२९	३१	७	२०	२९	क.३३।२७	भ.२३।५४या.स्वाती.३गुरुः५३।१
८	मं	५४	४१	पु	४१	२४	सा	१३	३२	बा	२४	४२	३०	३०	३०	८	२१	३०	कर्के	मूलेधनुषिशुक्रः११।४
९	बु	५२	४४	श्ले	४१	४४	शु	१०	३२	तै	२३	४३	२७	३१	२९	९	२२	३१	सिं४१।४४	[+अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
१०	गु	४८	५५	म	४०	१७	शु	६	५	व	२०	४९	२३	३१	२९	१०	२३	१	सिंहे	भ.२०।४९उ.४५/५५या.नवंबर११ता.३०
११	शु	४३	१६	पू	३६	५६	ब्र	०/५	५२/३४	ब	१६	५	१९	३२	२८	११	२४	२	कं.५०।४०	रमा११व्र.
१२	श	३६	११	उ	३१	५२	वै	४४	२	कौ	९	४३	१६	३३	२७	१२	२५	३	कन्यायां	विशा.बुधः५०।५घन१३
१३	र	२७	४६	ह	२५	३५	वि	३४	१३	ग	१	५८	१२	३४	२६	१३	२६	४	तु.५१।५५	भ.२७।४६उ.५२।३या. प्रदोषः रूप१४
१४	चं	१८	२०	चि	१८	१४	प्री	२३	३८	श	१८	२०	९	३४	२६	१४	२७	५	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	मं	८	३०	स्वा	१०	२६	आ	१२	३५	ना	८	३०	५	३५	२५	१५	२८	६	वृ.४९।३०	विशा.रविः२१।३१ (सौरः५/५ ३/५)+

२९पं.का.कृ.४शु.इ. ५९/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	६	७	०	८	६
९	२९	६	१२	२६	२८	४	८
२९	४९	४९	३८	३०	३४	०	५४
३८	१९	५५	४२	११	३७	१५	५६
५९	४३	७/०	१३	५८	४/१०	३	६०
४७	५४	०/१६	३८	७	व.	११	२

गोचर ग्रहाः

इस मास में काष्ट घास घृत कपासधातु सोना चांदी लोहा पशु तेज हों धान्यों में मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

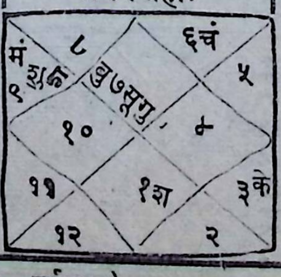

३०पं.का.कृ.११शु.इ. ५९/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	८	०	८	६
१६	५	१८	१४	३	२८	३	१५
२९	०	१९	१०	२०	२	३८	५६
३०	४३	५९	१६	३८	२८	०	०
६०	४४	७/०	१३	५४	४/३२	३	६०
४	१६	०/४१	३८	४३	व.	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूर्रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६७९०सं.२०२९
१	मं	५०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४६	३६	वि	२/३१	५२/४६	सौ	१/३४	४९/२२	बा	२४	१०	२७/२	६/३६	५/२४	१६	२६	७	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
३	गु	४१	३९	ज्ये	४६	१०	अ	४१	११	तै	१५	३७	२६/५८	३६	२४	१७	१	८	ध.४६।१०	मूल१राहुःमृग.३केतुः२६।२७रज्जव७
४	शु	३५	१७	मू	४४	४१	सु	३२	१६	व	८	२८	५५	३७	२३	१८	२	९	धनुषि	भ.८।२८उ.३५।१७यां.
५	श	३०	५१	पू	४२	५	धृ	२५	१६	ब	३	४	५२	३८	२२	१९	३	१०	म.५६।५२	वृश्चिकेबुधः८।२४ [-गोपाष्टमी
६	र	२८	२३	उ	४१	१४	शू	१९	४३	तै	२८	२३	४९	३८	२२	२०	४	११	मकरे	
७	चं	२८	३	श्र	४२	४४	गं	१५	४१	व	२८	३	४५	३९	२१	२१	५	१२	मकरे	भ.२९/३उ.५८/५१या.उदयंगुरोः५०/२४
८	मं	२६	४०	ध	४५	५४	वृ	१३	१८	ब	२६	४०	४२	४०	२०	२२	६	१३	कुं.१४।१९	अनु.बुधः९/१४पूषाशुक्रः४४/८पूषा.भौमः५९/५४—
९	बु	३३	१	श	५०	५७	ध्रु	१२	३०	बा	१	२०	३९	४०	२०	२३	७	१४	कुंभे	स्वाती.४गुरुः२१।३७अक्षय९
१०	गु	३७	४७	पू	५७	६	व्या	१२	५९	तै	५	२४	३६	४१	१९	२४	८	१५	मी४०।३४	[×(सौरः४८/५३)प्रबोधिनी११व्र.+
११	शु	४३	२८	उ	६०	०	ह	१४	८	व	१०	३७	३३	४१	१९	२५	९	१६	मीने	भ.१०/३७उ.४३/२८या.वृश्चिकेऽऽर्कः१७/३५×
१२	श	४६	४५	उ	४	१६	व	१६	२	ब	१६	३६	३०	४२	१८	२६	१०	१७	मीने	[+तुलसीविवाहः
१३	र	५६	१९	रे	११	३०	सि	१८	९	कौ	२३	२	२७	४३	१७	२७	११	१८	मे.११।३०	प्रदोषः [÷वक्रीभरणी.४शनिः१।२२
१४	चं	६०	०	अ	१९	११	व्य	२०	३५	ग	२९	२७	२५	४३	१७	२८	१२	१९	मेषे	अनु.रविः३५।५५वैकुंठ१४
१४	मं	२	३६	भ	२६	४१	व	२२	३९	व	२	३६	२२	४४	१६	२९	१३	२०	वृ.४३।२५	भ.२/३६उ.३५/३७या.अनु.रविःसौरः५/०÷
१५	बु	८	३९	कृ	३३	३५	प	२४	३४	ब	८	३९	१९	४४	१६	३०	१४	२१	वृषे	ज्येष्ठाबुधः०/२९मन्वादिःका.स्ना.पू.

३१पं.का.शु.४शु इ.५०।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	६	८	०	८	६
२३	१०	२९	१५	९	२७	३	२२
३०	१५	३०	४२	४५	२८	१५	५८
४०	३६	५८	२९	३२	५२	४४	३२
६०	१३	९९	१३	५०	४/४०	३	६०
१७	३२	१९	३२	१८	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

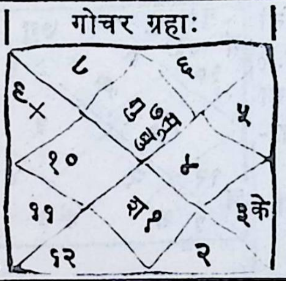

×शुमंराचं
कार्तिकशुक्ल ११शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावे समर्घता
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३२पं.का.शु.११शु.इ.५०/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	८	०	८	७
०	१५	१०	१७	१५	२६	२	०
३३	३३	२४	१३	३९	५४	५३	२
२२	४०	५८	३७	५०	५०	२९	२६
६०	४४	९६	१३	४४	४/४०	३	६
३०	५२	३६	३२	५९	व.	११	४

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं.२०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूर्रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	गु	१४	५	रो	४०	१०	शि	२६	१०	कौ	१४	५	२६/१७	६/४५	५/१५	१	१५	२२	वृषे	भा.मार्गशीर्षारंभः
२	शु	१८	४४	मृ	४५	३५	सि	२६	५८	ग	१८	४४	१४	४५	१५	२	१६	२३	मि१२।५२	भ.५०।३७उ.बुधोदयःपश्चिमायां०।८
३	श	२२	३०	आ	५०	२६	सा	२७	१२	वि	२२	३०	१२	४६	१४	३	१७	२४	मिथुने	भ.२२।३०या. चतुर्थी.व्र.
४	र	२५	१२	पु	५४	७	शु	२६	४५	बा	२५	१२	९	४६	१४	४	१८	२५	क.३८।१२	
५	चं	२६	४९	पु	५६	४८	शु	२५	१८	तै	२६	४९	७	४७	१३	५	१९	२६	कर्के	
६	मं	२७	१९	श्ले	५८	८	ब्र	२२	५४	व	२७	१९	५	४७	१३	६	२०	२७	सिं५८।८	भ.२७।१९उ.५६।५०या.
७	बु	२६	२०	म	५८	११	ऐं	१९	३५	ब	२६	२०	२	४८	१२	७	२१	२८	सिंहें	
८	गु	२३	५९	पू	५६	४१	वै	१५	०	कौ	२३	५९	०	४८	१२	८	२२	२९	सिंहे	मूलेधनुषिबुधः४९/२३विशा.१गुरुः५३/५३
९	शु	२०	८	उ	५३	४६	वि	९	१४	ग	२०	८	२५/५८	४८	१२	९	२३	३०	कं.१०।५७	भ.४७।२८उ.
१०	श	१४	५९	ह	४६	३५	प्री	२/५०	५२/६	वि	१४	५९	५६	४९	११	१०	२४	१	कन्यायां	भ.१४/५९या.उषा.भौमः१९/२६दिसंबर१२ता३१
११	र	८	१४	चि	४४	७	सौ	४५	१८	बा	८	१४	५४	४९	११	११	२५	२	तु.१६।५१	ज्येष्ठा.रविः४६।६ उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	०	४१	स्वा	३७	४१	शो	३५	२६	तै	०	४१	५३	४६	११	१२	२६	३	तुलायां	भ.५२/८उ.ज्येष्ठा रवि.सौरः१३/५४ प्रदोषः
१३	चं	५१	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	मं	४३	४	वि	३०	३३	अ	२५	११	वि	१७	३६	५१	५०	१०	१३	२७	४	वृ.१७।२०	भ.१७।३६या.उषा.शुक्रः५।२९
३०	बु	३४	७	अ	२३	२२	सु	१४	३४	च	८	३५	४९	५०	१०	१४	२८	५	वृश्चिके	मकरेभौमः३५।२०

३३पं.मा.कृ.२शु.इ.५०/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	६	८	०	८	७
७	२०	२१	१८	२०	२६	२	७
३७	५४	४	४३	५०	२१	३६	८
१६	१४	४४	४८	२०	११	१३	९
६०	४५	९३	१३	३७	४/३	३	६०
४२	०	२८	२०	३४	व	११	५३

गोचर ग्रहाः

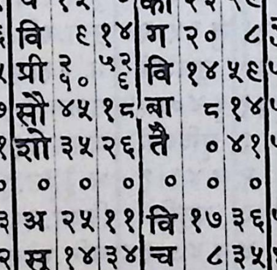

इस मास में वदि में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का मंदा हो सुदि में चांदी सोना रुई घटबढ लेकर तेज हो।

गोचर ग्रहाः

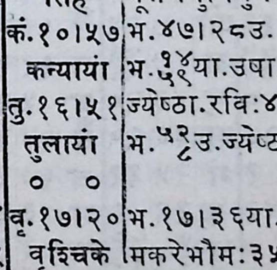

३४पं.मा.कृ.९शु.इ.५०/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	६	८	०	८	७
१४	२६	१	२०	२५	२५	२	१४
४२	१७	२९	१२	७	४८	८	३४
२९	५८	१३	२२	१२	४३	५७	५५
६०	४५	८७	१३	२८	१/४०	३	६१
५०	१७	५९	१०	३१	व.	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः६८१९स.२०२९
१	गु	२५	३८	ज्ये	१६	४८	धृ	४ २०	५ ३०	ब	२५	३८	२५ ४८	६ ५०	५ १०	१५	२९	६	ध.१६।४८	
२	शु	१८	१८	मू	१०	४६	गं	४६	११	कौ	१८	१८	४६	५१	९	१६	३०	७	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
३	श	१२	४१	पू	६	३८	वृ	३८	५६	ग	१२	४१	४५	५१	९	१७	१	८	म.२०।५७	भ.४०।४६उ.सावान२
४	र	८	५२	उ	३	५५	ध्रु	३३	१०	वि	८	५२	४४	५१	९	१८	२	९	मकरे	भ.८।५२या.पूषा.बुधः१५।३०
५	चं	७	१५	श्र	४	३५	व्या	२९	२६	बा	७	१५	४३	५१	९	१९	३	१०	कुं.३५।२१	
६	मं	७	३५	ध	६	६	ह	२७	८	तै	७	३५	४२	५२	८	२०	४	११	कुंभे	चंपा६
७	बु	१०	१६	श	९	५४	व	२६	५३	ब	१०	१६	४१	५२	८	२१	५	१२	मी५८।२३	भ.१०।१६उ.४२।२५या.
८	गु	१४	३४	पू	१४	३२	सि	२७	६	व	१४	३४	४०	५२	८	२२	६	१३	मीने	
९	शु	२०	४	उ	२१	८	व्य	२८	३५	कौ	२०	४	३९	५२	८	२३	७	१४	मीने	वक्रीशुक्रः७।५०
१०	श	२६	२६	रे	२८	३१	व	३०	४६	ग	२६	२६	३९	५२	८	२४	८	१५	मे.२८।३१	भ.५९।४६उ.मूलेधनुष्यर्कः५३।२१
११	र	३३	७	अ	३६	५	प	३३	५	वि	३३	७	३८	५२	८	२५	९	१६	मेषे	भ.३ ३/७या.मूलेधनुष्यर्कःसौरः९/४ ६/४विशा.=
१२	चं	३९	२५	भ	४३	४३	शि	३५	२४	ब	६	१६	३८	५२	८	२६	१०	१७	मेषे	[=२गुरुः१/२ २/४मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१३	मं	४५	२३	कृ	५०	१८	सि	३७	१५	कौ	१२	२४	३७	५३	७	२७	११	१८	वृ.०।२२	श्रवणेभौमः२२।५४ प्रदोषः
१४	बु	५०	३४	रो	५६	५२	सा	३८	३३	ग	१७	५८	३७	५३	७	२८	१२	१९	वृषे	भ.५०।३४उ.
१५	गु	५४	२९	मृ	६०	०	शु	३९	०	वि	२२	३१	३६	५३	७	२९	१३	२०	मि२९।२७	भ.२/३ २/१या.दत्तजयंती खग्रास चंद्रग्रहणम्

३५पं.मा.शु.२शु.इ.५०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	६	८	०	८	७
२३	१	११	२१	२८	२५	१	२१
४८	४२	२९	३९	८	१८	४६	२२
३२	१८	१०	०	२४	३२	४२	३६
६०	४५	७७	१२	१६	५ ३/३	३	६१
५६	३४	४८	४८	२१	व	११	११

गोचर ग्रहाः

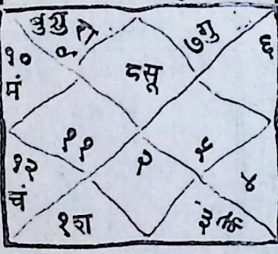

मार्गशीर्षशुक्ले१०शनौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

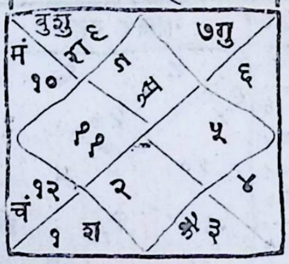

३६पं.मा.शु.९शु.इ. ४९/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	८	६	८	०	८	७
२८	७	१९	२३	२९	२४	१	२८
५५	९	३२	३	३९	५१	२४	३१
२६	२४	२८	१४	४	१४	२६	१९
६१	४५	५७	१२	१/४१	३/३०	३	६१
०	४०	१३	२०	व.	व	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु	५७	३१	मृ	२	१	शु	३८	४९	बा	२६	०	२५ ३९	६ ५३	५ ७	३०	१४	२१	मिथुने	
२	श	५९	२३	आ	६	१३	ब्र	३७	३८	तै	२८	२७	३६	५३	७	१	१५	२२	क.५२।२६	वक्रीबुधः९।५२भा.पौषारंभः
३	र	५९	५६	पु	९	१०	ऐं	३५	४०	व	२९	३९	३६	५३	७	२	१६	२३	कर्के	भ.२९।३९उ.५९।५६या.
४	चं	५९	४४	पु	११	१०	वै	३२	५६	ब	२९	५०	३७	५३	७	३	१७	२४	कर्के	चतुर्थी व्रतम्
५	मं	५८	२७	श्ले	१२	२०	वि	२९	२२	कौ	२९	५	३७	५३	७	४	१८	२५	सिं१२।२०	बुधोदयःपश्चिमायां३१।१
६	बु	५६	१७	म	१२	२८	प्री	२५	०	ग	२७	२२	३७	५३	७	५	१९	२६	सिंहे	भ.५६।१७उ.
७	गु	५३	१४	पू	११	४०	आ	१९	४७	वि	२४	४५	३८	५२	८	६	२०	२७	कं.२६।१४	स.२४।४५या.
८	शु	४९	१६	उ	९	५४	सौ	१४	०	बा	२१	१५	३८	५२	८	७	२१	२८	कन्यायां	पूषा.रविः५८।२१
९	श	४४	२३	ह	७	१६	शो	७	२५	तै	१६	४९	३९	५२	८	८	२२	२९	तु.३५।२८	पूषा.रविःसौरः३/२ ३/२वक्रीपूषा.शुक्रः१/१ २/८
१०	र	३८	४०	चि	३/४०	५५/३८	अ	०/८	५१/५६	व	११	३१	४०	५२	८	९	२३	३०	तुलायां	भ.११।३१उ.३८।४०या.
११	चं	३२	४	वि	५४	८	धृ	४३	२८	ब	५	२२	४१	५२	८	१०	२४	३१	वृ.४०।२५	सफला११व्र.
१२	मं	२४	३५	अ	४८	३७	शू	३४	२५	तै	२४	३५	४२	५२	८	११	२५	१	वृश्चिके	जनवरी१ता.३१सन्२०३० प्रदोषः
१३	बु	१७	२६	ज्ये	४३	१	गं	२५	११	व	१७	२६	४३	५१	९	१२	२६	२	ध.४३।१	भ.१/२ ७/६उ.४/४ ३/२या.वक्रीमूलेबुधः२९।१७
१४	गु	९	५८	म	३७	४२	वृ	१६	९	श	९	५८	४४	५१	९	१३	२७	३	धनुषि	विशा.३गुरुः२२।५८
३०	शु	३	११	पू	३३	८	ध्रु	७/३५	५/२ ३/३	ना	३	११	४५	५१	९	१४	२८	४	म.४७।१८	धनि.भौमः२८।१२

३७पं.पौ.कृ.१शु.इ. ४९/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	८	८
६	१२	२३	२४	२९	२४	१	५
३	३७	२४	२४	१२	२८	२	५०
०	३७	७	१४	५४	४१	११	४४
६१	४५	४	११	१४/२८	२/४१	३	६१
४	४४	३२	५९	व.	व	११	२२

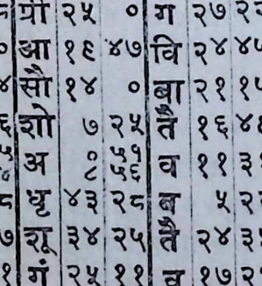

३८पं.पौ.कृ ८शु.इ.४९।३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	८	८
१३	१८	१७	२५	२६	२४	०	१२
१०	६	५१	४२	५०	१०	३९	५०
५९	३६	४७	४	४०	१६	५५	३६
६१	४५	८९	११	२८/३१	२/१३	३	६१
६	४७	४७	१९	व	व	११	२६

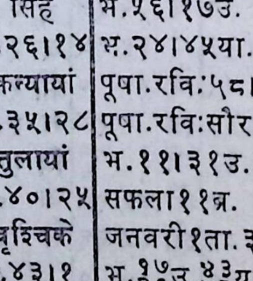

३९पं.पौ.कृ.३०शु इ.४९/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	८	८
२०	२३	१०	२६	२२	२३	०	२०
१९	३६	३०	५५	५९	५६	१७	००
५	१४	४७	२४	५३	२०	३९	३३
६१	४५	७२/२६	१०	३६/१०	१/३२	३	६१
६	५०	व	४१	व	व	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६८४९स.२०३०
१	शु	५४	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	५३	७	उ	२९	४९	ह	५३	२२	बा	२५	१५	२५/४७	६/५१	५/९	१५	२९	५	मकरे	चन्द्रदर्शनम् शुक्रास्तःपश्चिमायां१२।०
३	र	५०	३३	श्र	२८	१५	व	४८	२४	तै	२१	५०	४८	५०	१०	१६	१	६	कुं.५८।२७	बुधोदयःपूर्वस्यां१५।३५रमजान९
४	चं	५०	४	ध	२८	४०	सि	४४	४२	व	२०	१८	५०	५०	१०	१७	२	७	कुम्भे	भ.२०।१८उ.५०।४या.
५	मं	५१	४४	श	३०	५२	व्य	४३	५	ब	२०	५४	५२	५०	१०	१८	३	८	कुम्भे	
६	बु	५५	१०	पू	३४	५८	व	४२	३५	कौ	२३	२७	५३	४९	११	१९	४	९	मी१८।५६	[=केतुः२२।४३
७	गु	६०	०	उ	४०	३५	प	४३	२३	ग	२७	३९	५५	४९	११	२०	५	१०	मीने	ज्येष्ठा.४वृश्चिकेंराहुःमृग.२वृषे=
७	शु	०	८	रे	४७	३३	शि	४४	५४	व	०	८	५७	४९	११	२१	६	११	मे.४७।३३	भ.०/८उ.३/८या.उषा.रविः३/१०(सौरः१९/४९)×
८	श	६	९	अ	५४	५८	सि	४७	०	ब	६	९	५९	४८	१२	२२	७	१२	मेषे	[×मार्गीबुधः३९/४६शुक्रोदयःपूर्वस्यां३८/२४
९	र	१२	४९	भ	६०	०	सा	४९	१६	कौ	१२	४९	२६/१	४८	१२	२३	८	१३	मेषे	कुँभेभौमः०।२०
१०	चं	१९	८	भ	२	४३	शु	५१	१७	ग	१९	८	४	४७	१३	२४	९	१४	वृ.१९।३२	भ.५२/१०उ.मकरेऽर्कः३९/५४(सौरः३५/१६)
११	मं	२५	१३	कृ	९	५८	शु	५२	५०	वि	२५	१३	६	४७	१३	२५	१०	१५	वृषे	भ.२५।१३या. पुत्रदा११व्र.
१२	बु	३०	६	रो	१६	२६	ब्र	५३	२९	बा	३०	६	८	४६	१४	२६	११	१६	मि४८।५५	
१३	गु	३३	५०	मृ	२१	२५	ऐं	५२	५२	कौ	१	५८	११	४६	१४	२७	१२	१७	मिथुने	प्रदोषः
१४	शु	३६	७	आ	२५	१४	वै	५१	१४	ग	४	५८	१३	४५	१५	२८	१३	१८	मिथुनें	भ.३६।७उ.
१५	श	३६	५५	पु	२७	३७	वि	४८	४३	वि	६	३१	१६	४५	१५	२९	१४	१९	क.१२।१	भ.६/३१या.मार्गीशनिः३/३०मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.७शु.इ. ४९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	६	८	०	७	८
२७	२९	७	२८	१८	२३	२९	२७
२७	५	०	४	४८	४८	५५	१०
७	३८	५४	१२	४३	११	२४	२५
६१	४३	१/५३	९	३३/१०	०/३९	३	६१
६	५५	मा	५४	व.	व	११	२४

गोचरग्रहाः

पौष शुक्ले १० चंद्रे मकरेऽर्कःप्रविष्ट.वा३ न. ३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.१४शु.इ.४९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	६	८	०	७	९
४	४	१०	२९	१५	२३	२९	४
३४	३५	३१	७	३९	४५	३३	१९
५९	३२	४४	१२	३२	१८	८	५४
६१	४५	४३	९	२१/१४	०/४	३	६१
३	४६	५३	२	व.	व.	११	१९

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	र	३६	१९	पु	२८	५०	प्री	४५	६	बा	५	३७	२६/१९	६/४४	५/१६	३०	१५	२०	कर्के	अभि.प्र.रविः५४।० [+भा माघारंभः
२	चं	३४	४९	श्ले	२८	४४	आ	४०	३८	तै	५	३४	२१	४४	१६	१	१६	२१	सिं२८।४४	अभि.प्र.रविःसौरः६/५शतेभौमः३२/२०+
३	मं	३२	५	म	२७	४७	सौ	३५	२५	व	३	२७	२४	४३	१७	२	१७	२२	सिंहे	भ.३/२७उ.३२/५या.पूषा.बुधः३९/७ चतुर्थीव्र.
४	बु	२८	४७	पू	२६	११	शो	२९	४४	ब	०	२६	२७	४३	१७	३	१८	२३	कं.४०।३५	
५	गु	२४	५५	उ	२३	४७	अ	२३	२७	तै	२४	५५	२९	४२	१८	४	१९	२४	कन्यायां	श्रवणेरविः८।३७(सौरः२३।३३)
६	शु	२०	४६	ह	२१	१५	सु	१६	५७	व	२०	४६	३२	४२	१८	५	२०	२५	तु.४९।४८	भ.२०/४६उ.४८/३९या.अभि.नि.रविः०/५२(सौरःऽ
७	श	१६	१६	चि	१८	२१	धृ	१०	७	ब	१६	१६	३५	४१	१९	६	२१	२६	तुलायां	[ऽ६३/५० विशा.४वृश्चिकेगुरुः९४/१४
८	र	११	२५	स्वा	१५	४	शू	३/३	५२/४२	कौ	११	२५	३८	४०	२०	७	२२	२७	वृ.५७।२९	
९	चं	६	११	वि	११	३८	वृ	४८	१०	ग	६	११	४१	४०	२०	८	२३	२८	वृश्चिके	भ.३३।२८उ.मार्गीशुक्रः७।४
१०	मं	०	४५	अ	७	३९	ध्रु	४०	३३	वि	०	४५	४५	३९	२१	९	२४	२९	वृश्चिके	भ.०।४५या. षट्तिला११व्र.स्मा.
११	मं	५४	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	बु	४९	३०	ज्ये	३	४७	व्या	३३	१	कौ	२२	१८	४८	३८	२२	१०	२५	३०	ध.३।४७	षट्तिला११व्र.वै.
१३	गु	४४	१९	मू	०/७	५६/४३	ह	२५	४४	ग	१६	५४	५१	३८	२२	११	२६	३१	धनुषि	भ.४४।१९उ. प्रदोषः
१४	शु	३९	४०	उ	५४	१०	व	१८	४९	वि	११	५९	५४	३७	२३	१२	२७	१	म.११।१०	भ.११।५९या.फर्वरीरता.२८
३०	श	३६	७	श्र	५२	४२	सि	१२	४३	च	७	५३	५८	३६	२४	१३	२८	२	मकरे	उषा.बुधः४।५२

४२पं.मा.कृ.६शु.इ. ४९/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	८	०	७	९
११	१०	१७	०	१४	२३	२९	११
४२	६	३६	४	१९	४८	१०	२८
२९	१५	६	५५	५९	२९	५३	४५
६०	४५	६१	८	५/११	०/५०	३	६१
५९	४९	४१	२०	व	मा	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास की वदिकी तिथि क्षय व सुदिकी तिथि वृद्धि धान्य गल्ला रसकस वस्त्र वारदाना में मंदी करेगी धातु तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.कृ.१४शु.इ.४९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	७	८	०	७	९
१८	१५	२६	०	५४	२३	२८	३८
४९	३६	१९	५५	५७	५६	४८	३६
१	७	५९	५५	२२	५६	३७	५२
६०	४५	७९	७	१०/३८	१	३	६१
५५	३९	१	७	मा	३२	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६८७८स.२०३०
१	र	३३	५०	ध	५२	४२	व्य	७	३४	किं	४	५८	२७/१	६/३	२४	१४	२९	३	कु.२२।४२	
२	चं	३३	७	श	५४	१६	व	३	४०	बा	३	२८	५	३५	२५	१५	३०	४	कुंभे	मकरेबुधः३६/४५चंद्रदर्शनम्
३	मं	३४	२२	पू	५७	२६	प	१/१२	५८/३८	तै	३	१४	८	३४	२६	१६	१	५	मी४१।३९	सव्वाल१०
४	बु	३७	१९	उ	६०	०	सि	५९	४३	व	५	५०	१२	३४	२६	१७	२	६	मीने	भ.५०/५उ.३९/१या.धनि.रविः१६/५५(सौरः३८/३३
५	गु	४१	३८	उ	२	११	सा	६०	०	व	९	२८	१५	३३	२७	१८	३	७	मीने	पूभा.भौमः२५।४३वसंत५
६	शु	४७	१३	रे	८	३४	सा	१	१०	कौ	१४	२५	१९	३२	२८	१९	४	८	मे.८।३४	पातस्पर्शः२२।३९पातमोक्षः३८।५२
७	श	५३	३५	अ	१५	४३	शु	२	४१	ग	२०	२४	२३	३१	२९	२०	५	९	मेषे	भ.५३।३५उ.भानु७रथ ७
८	र	५९	५९	भ	२३	१०	शु	४	५९	वि	२६	४७	२७	३१	२९	२१	६	१०	वृ.४०।१	भ.२६।४७या.भीष्माष्टमी
९	चं	६०	०	कृ	३०	३६	ब्र	७	११	बा	३३	३	३०	३०	३०	२२	७	११	वृषे	श्रवणेबुधः२७।३४
९	मं	६	७	रो	३७	३१	ऐं	९	४	कौ	६	७	३४	२९	३१	२३	८	१२	वृषे	कुंभेऽर्कः५२।११
१०	बु	११	२२	मृ	४३	१४	वै	१०	९	ग	११	२२	३८	२८	३२	२४	९	१३	मि१०।२२	भ.४३।१५उ.कुंभेऽर्कःसौरः२।२१
११	गु	१५	७	आ	४७	१७	वि	१०	३	वि	१५	७	४१	२८	३२	२५	१०	१४	मिथुने	भ.१५।७या.जया११व्र.
१२	शु	१७	२२	पु	४९	४४	प्री	८	५२	बा	१७	२२	४५	२७	३३	२६	११	१५	क.३३।५७	प्रदोषः
१३	श	१७	४५	पु	५०	३७	आ	६	७	तै	१७	४५	४९	२६	३४	२७	१२	१६	कर्के	
१४	र	१६	२२	श्ले	४९	४२	सौ	२/१	५४/४९	व	१६	२२	५३	२५	३५	२८	१३	१७	सिं४९।४२	भ.१६।२२उ.४४।५७या.
१५	चं	१३	३३	म	४७	३७	अ	५०	३३	ब	१३	३३	[illegible]६	२५	३५	२९	१४	१८	सिंहे	मा.स्ना.पूर्तिः

४४पं,मा.शु.६शु.इ.४९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	७	८	०	७	९
२५	२१	६	१	१७	२४	२८	२५
१४	३	५	४०	२१	१०	२६	४३
५०	४७	२४	५	०	१९	२१	३९
६०	४५	८९	६	२४	२	३	६०
४७	३३	११	५०	९	१२	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ९ भौमे कुंभेऽर्कं प्रविष्टः वा.२ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

४५पं.मा.शु.१२शु.इ.४९/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१२	१०	९	७	८	०	७	१०
२	२६	१६	२	२१	२४	२८	२
५९	३१	३९	१६	४	२९	४	४९
४२	१२	११	१९	१९	३८	६	४२
६०	४५	१७	५	३४	२	३	६०
३७	२३	४०	०	५५	५२	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं	९	२०	पू	४४	३७	सु	४३	३७	कौ	९	२०	२८/०	६/४	५/३६	३०	१५	१९	क.५८।४१	शतेरविः२८।२४(सौरः३७।४३)
२	बु	४	३०	उ	४०	५२	धृ	३६	८	ग	४	३०	४	२३	३७	१	१६	२०	कन्यायां	भ.३१/४०उ.५८/४९या.धनि.बुधः७/८मीनेभौम+
३	बु	५४	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+१३।३४भा.फाल्गुनारंभः
४	गु	५२	५९	ह	३६	४८	शू	२८	३१	ब	२५	५४	८	२२	३८	२	१७	२१	कन्यायां	बुधास्त.पूर्वस्यां३०।१चतुर्थीव्र.
५	शु	४७	१४	चि	३३	१४	गं	२०	३७	कौ	२०	६	१२	२२	३८	३	१८	२२	तु.५।१	
६	श	४१	४६	स्वा	२९	२	वृ	१३	१३	ग	१४	३०	१६	२१	३९	४	१९	२३	तुलायां	भ.४१/४६उ.कुंभेबुधः५/२०उषा.शुक्रः४९/२०
७	र	३६	२७	वि	२५	२४	धु	५/५०	५२/४९	वि	६	६	२०	२०	४०	५	२०	२४	वृ.११।१८	भ.६।६या.उभा.भौमः३७।२८
८	चं	३१	२९	अ	२२	८	ह	५१	४०	बा	३	५८	२४	१९	४१	६	२१	२५	वृश्चिके	
९	मं	२६	५७	ज्ये	१९	८	व	४५	१६	ग	२६	५७	२८	१८	४२	७	२२	२६	ध.१९।८	भ.५४।४८उ.
१०	बु	२२	४०	मू	१६	४७	सि	३९	१३	वि	२२	४०	३२	१८	४२	८	२३	२७	धनुषि	भ.२२/४०या.शतेबुधः५५।५मकरेशुक्रः५३/८
११	गु	१९	१	पू	१४	५२	व्य	३३	३२	बा	१९	१	३६	१७	४३	९	२४	२८	म.२९।३४	विजया११व्र.
१२	शु	१५	५८	उ	१३	४१	व	२८	३९	तै	१५	५८	४०	१६	४४	१०	२५	१	मकरे	माचं३ता.३१प्रदोषः
१३	श	१३	४९	श्र	१३	८	प	२४	१७	व	१३	४९	४४	१५	४५	११	२६	२	कुं.४३।२७	भ,१३/४९उ.४३/१५या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	र	१२	४१	ध	१३	४७	शि	२१	४	श	१२	४१	४८	१४	४६	१२	२७	३	कुंभे	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	चं	१२	३९	श	१५	३३	सि	१८	४०	ना	१२	३९	५२	१४	४६	१३	२८	४	कुम्भे	पूभा.रविः४४/२८(सौरः५२।३०)

४६पं फा.कृ.५शु.इ ५०/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	९	७	८	०	७	१०
१०	१	२८	२	२५	२४	२७	९
३	५८	१	४४	५७	५२	४०	५४
१४	४४	४४	२८	४०	३७	५०	१५
६०	४५	३/०	३	४२	३	३	६०
२५	२८	९/११	४७	५८	३४	११	३१

गोचर ग्रहाः

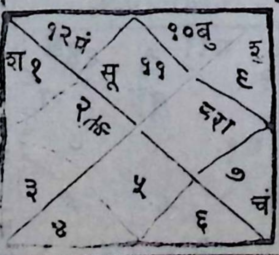

इस मास में वान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं जो मेंकुछ मंदी हो धातु सोना चांदी रसकस वस्त्र कपास तेज हो।

गोचर ग्रहाः

४७पं.फा.कृ.१२शु.इ. ५०/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	७	९	०	७	१०
१७	७	१०	३	१	२५	२७	१६
५	२१	१०	४	३६	२०	१९	५७
२८	२२	५२	३०	११	५६	३५	१०
६०	४५	०/०	२	४९	४	३	६०
१२	१७	४३	२३	१०	१९	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गण६९०८स.२० ३०
१	मं	१४	७	पू	१८	५२	सा	१७	३५	ब	१४	७	२८/५६	१/३	४७/५	१४	२९	५	मी ३।२	चंद्रदर्शनम्पातस्पर्शः ४/६ पातमोक्षः ५३/५९
२	बु	१७	६	उ	२३	२२	शु	१७	११	कौ	१७	६	२९/१	१२	४८	१५	१	६	मीने	जिल्काद ११ फुलरिया २
३	गु	२१	१७	रे	२९	१५	शु	१७	५७	ग	२१	१७	५	११	४६	१६	२	७	मे.२९।१५	भ.५३।५८उ.पूभा.बुधः१३।१२
४	शु	२६	३९	अ	३५	५०	ब्र	१९	१४	वि	२६	३९	९	१०	५०	१७	३	८	मेषे	भ.२६।३९या.
५	श	३२	४९	भ	४३	२१	ऐं	२१	३२	बा	३२	४९	१३	९	५१	१८	४	९	मेषे	×वक्रीगुरुः ४/६ ज्येष्ठा३राहुःमृग१केतुः ५७/५२
६	र	३९	१०	कृ	५०	५३	वै	२३	५५	कौ	५	५९	१७	९	५१	१९	५	१०	वृ.०।१४	
७	चं	४५	२८	रो	५८	२३	वि	२६	१०	ग	१२	१९	२१	८	५२	२०	६	११	वृषे	भ.४५।२८उ.श्रवणेशुक्रः४।५
८	मं	५१	१२	मृ	६०	०	प्री	२७	५३	वि	१८	२०	२६	७	५३	२१	७	१२	मि३१।३५	भ.१/२०या.मीनेबुधः२२।३४होलाष्टकम्
९	बु	५५	३२	मृ	४	४८	आ	२८	४१	बा	२३	२२	३०	६	५४	२२	८	१३	मिथुने	रेवत्यांभौमः५३।१४
१०	गु	५८	१४	आ	९	५५	सौ	२८	२०	तै	२६	५३	३४	५	५५	२३	९	१४	क.५७।३१	मीनेऽर्कः ४५/२० (सौरः ५३/५५) उभा बुधः४।०×
११	शु	५९	७	पु	१३	२५	शो	२६	२७	व	२८	४०	३८	४	५६	२४	१०	१५	कर्के	भ.२/४०उ.५९/७या.आमलकी११व्र.स्मा.
१२	श	५७	५०	पु	१४	५८	अ	२३	७	ब	२८	२८	४३	३	५७	२५	११	१६	कर्के	अस्तोभौमः२।७आमलकी११व्र.वै.
१३	र	५४	५०	श्ले	१४	३१	सु	१८	७	कौ	२६	२०	४७	३	५७	२६	१२	१७	सिं१४।३१	कृत्ति१शनिः४५।३४प्रदोषः
१४	चं	४९	५२	म	१२	१८	धृ	११	४६	ग	२२	२४	५१	२	५८	२७	१३	१८	सिंह	भ.४९/८उ.उभा.रविः ६/२३ (सौरः १४/२७)
१५	मं	४३	३१	पू	८	२६	शू	४/१०	५१/३२	वि	१६	४१	५५	१	५९	२८	१४	१९	कं.२२।११	भ.९/४१ ६या.होलिकादहनम्

४८पं.फा.शु.४शु.इ. ५०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	७	९	०	७	१०
२४	१२	२३	३	७	२५	२६	२३
६	४६	८	१४	४९	५३	५७	५८
१४	४१	३८	५३	२३	२४	१९	३३
५९	४५	७/८	१	५८	४	३	६०
५८	१२	५६	०	४९	४९	११	६

गोचर ग्रहाः

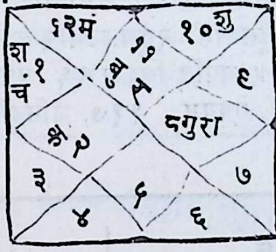

फालगुनशुक्ले१० गुरौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी)मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

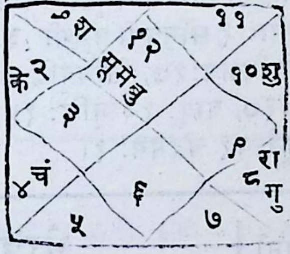

४९पं.फा.शु.११शु.इ. ५१/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	७	९	०	७	११
१	१८	६	३	१४	२६	२६	०
५	८	५१	१६	३०	३०	३५	५८
३१	१३	१८	२३	५०	७	३	१५
५९	४४	७/८	१/१	५७	५	३	५९
४१	५३	१/१८	व.	३८	११	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८६ शाकः १९५१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	बु	३६	१७	उ	२८/३	५४/२२	बृ	४६	३९	बा	९	५४	३०/०	६/०	६/०	२९	१५	२०	कन्यायां	रेवत्यांबुधः ४/३४ वसंत१छारेडी
२	गु	२८	४१	चि	५१	५९	धृ	३७	२५	तै	२	२९	४	५९/५	१	३०	१६	२१	तु २४।५५	भ.५४।४५उ.
३	शु	२०	५०	स्वा	४६	१९	व्या	२८	१७	वि	२०	५०	८	५८	२	१	१७	२२	तुलायां	भ.५/२०या.भा.चैत्रारंभःचतुर्थीव्र.
४	श	१३	२७	वि	४१	१०	ह	१९	२४	बा	१३	२७	१२	५८	२	२	१८	२३	वृ.२७।२७	बुधोदयःपश्चिमायां१८।०
५	र	६	३७	अ	३६	४६	व	११	१७	तै	६	३७	१६	५७	३	३	१९	२४	वृश्चिके	धनिशुक्रः३८।१७
६	चं	०	३४	ज्ये	३३	३१	सि	३/५	५३/१९	व	०	३४	२१	५६	४	४	२०	२५	ध.३३।३१	भ.०।३४उ.२८।३या शीतलापूजनम्
७	चं	५४	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	मं	५१	२२	मू	३०	३१	व	५०	५७	बा	२३	२७	२५	५५	५	५	२१	२६	धनुषि	
९	बु	४८	१४	पू	२८	५२	प	४५	५३	तै	१९	४८	२९	५४	६	६	२२	२७	म.४३।४६	[=अश्वि.मेषेभौमः३२।१६प्रदोषः
१०	गु	४५	५९	उ	२८	२६	शि	४१	४१	व	१७	६	३३	५३	७	७	२३	२८	मकरे	भ.१७/६उ.४५/५९या.अश्वि.मेषेबुधः७।२०
११	शु	४५	२	श्र	२८	५५	सि	३८	६	ब	१५	३०	३७	५३	७	८	२४	२९	कु.५९।४२	पापमोचनी११व्र.
१२	श	४५	१२	ध	३०	२९	सा	३५	४२	कौ	१५	७	४१	५२	८	९	२५	३०	कुंभे	कुंभेशुक्रः५९।३२
१३	र	४६	२२	श	३३	११	शु	३४	५	ग	१५	४७	४५	५१	९	१०	२६	३१	कुंभे	भ.४६/२२उ.रवत्यांरविः ३४/० (सौरः ४०/५४)=
१४	चं	४८	४१	पू	३६	५९	शु	३३	३४	वि	१७	३१	४९	५०	१०	११	२७	१	मी२१।२	भ.१७।३१या.अप्रेल४ता.३०
३०	मं	५२	१४	उ	४१	४९	ब्र	३३	३४	च	२०	२७	५३	४९	११	१२	२८	२	मीने	मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.३शु.इ. ५१/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	७	९	०	७	११
८	२३	२०	३	२१	२७	२६	७
३	२७	३९	८	३२	१०	१२	५६
१८	५०	३६	३५	२४	१६	४८	१०
५९	४४	७/८	१/४४	६०	५	३	५९
२९	४७	९/१५	व.	२८	३९	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो बाजरा मूंग मोठ चावल धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा मंदा हो वस्त्र रुई वारदाना तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.कृ.११शु.इ. ५१/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	७	९	०	७	११
१४	२८	२	२	२८	२७	२५	१४
५९	४५	४३	५१	४९	५३	५०	५२
१०	३६	१	२५	१२	४९	३२	२१
५९	४४	९३	३/१०	६२	६	३	५९
१६	२६	३४	व.	४७	२	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३१, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००,द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३१,भोग्यकलिः४२६८६९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८७, शाकः १९५२, अथास्मिन् वर्षे राजा बुधः। मंत्री रविः। सस्येशो भौमः। धान्येशः चंद्रः। मेघेशः शनिः। रसेशो गुरुः। नीरसेशो भौमः। फलेशः शनिः । धनेशो भौमः।दुर्गेशःशनिः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां१८रक्ताक्षनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः २।९।४७।३२।१२ भोग्यमासादिः ९।२०।१२।२७।४८ भगदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम वैशाखः।मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे।समयविश्वा ८ समयवाहनम्सिंचाणुः । स्तंभाः३ जलतृण वायूनाम् ।सोमवत्यमाः १ सोमवनी पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी१ भानुसप्तमी २बुधाष्टमी२ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः१७, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा १०५ खपति विश्वा ९६ वर्षाविश्वा १३ धान्यम् ९ तृणम् ११, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११७, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ।। धर्म ५।। पापं १८ ग्रहण २सूर्यस्य१ चंद्रमसः १।

सं. २०८७ ज्येष्ठ कृ. ३० शनौ

सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	१०	११	१२
मि.	१९	२५	४०
घ.	९	१२	१५
प.	४०	२५	३४

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं
लाभ	५	१४	२	११	१४	२
खर्च	५	११	११	८	२	११

वर्ष लग्नम् ९।१८

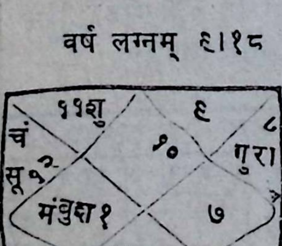

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी भैरव आया द्वार ।
सत्यासी की साल का कहदो फल विस्तार ।।

भवानी उत्तर

सत्यासी सत छोडसी करसी धुवांधार ।
सत्ताधिप विग्रह करें जनता कष्ट अपार ।।
बुधजी राजा बापड़ा चले न इनका जोर ।
मंत्री रवि दुर्गेश शनि करैं और की ओर ।।
वर्षा विश्वा विश्व हैं रोहिणी सागर मांय ।
जल तृण की कमती नहीं अन्न भरोसा नांय ।।
शर्मा कहे विचार के संवत् के ग्रहचार ।
करणहार ईश्वर धणी उनकी शक्ति अपार ।।

सं. २०८७ ज्ये. शु. १५ चंद्र

चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो
घं.	१०	१२	१
मि.	५१	५	१९
घ.	४१	४४	४७
प.	१	६	११

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	१४	५	८	११	११	८
खर्च	११	५	११	५	५	११

वर्षेश लग्नम् १।२५

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।८।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१५।४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा बुधस्तत्फलम् ।। बुधस्य राज्ये सजलं महीतलं गृहे गृहे तूर्य विवाह मंगलम् । प्रकुर्वते दान दयां जनोपि स्वस्थं सुभिक्षं धन धान्य संकुलम् ।। मंत्री रविः फलम् ।। नृप भयं गदतोपिहि तस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ।। सस्येशः भौमः फलम् ।। प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग धनोजलं न समसौख्य करं तुष धान्य हृत् ॥ धान्येशश्चंद्रः फलम् ॥ चंद्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषुक्षीरंतदा बहुः ॥ मेघेशःशनिःफलम् ।। रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरल वृष्टिरतीव वसुन्धरा । सनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग रता जनता मता ।। रसेशो गुरुः फलम् ।। यदि गुरु रसपो जन सौख्यदः कमलवन्ति सरांसि तृणानि च । जनपदा द्विज पूजन तत्परा गज सुवाजिरथोष्ट्रयुता नृपाः ।। नीरसेशोभौमःफलम् ।। नीरसेशो यदा भौमःप्रवाल रक्तवाससां । रक्तचंदनताम्राणा मर्घ वृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शनिः फलम् ।। यदि शनिः फलपः फलहा भवेज्जनित पुष्प गणस्य द्रुम सदा । हिम भयंकर तस्कर जन्तुभिर्जनपदो गद राशि महा कुलः ।। धनेशो भौमः फलम् ।। असम मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताप करस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः ।। दुर्गेशः शनिः फलम् ।। रविसुते गढ़ पालिनि विग्रहैः सकलदेश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ।। रक्ताक्षनाम संवत्सरः फलम् रक्ताक्षि वत्सरे सस्य वृद्धिर्वृष्टिरनुत्तमा । प्रेक्षन्ते सर्वदान्योन्यं राजानो रक्तलोचनाः । वर्षनाम वैशाखः फलम् ।। वैशाखेऽब्देतु राजानो धर्म मार्ग रताः क्षितौ क्षेमं सुभिक्षमारोग्यं द्विजाश्चाध्वर तत्पराः ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंदवृष्टिश्च ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतुमहावृष्टिः ।। समय निवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशभम् ।।

संवत् २०८७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ भौमे हस्ते ल. ६-१० रे. ८ ।।।।ऽअऽ।।।

,, १५ गुरौ स्वात्यां ल. ६-१०-११ रे.६।।।।ऽऽनृऽऽ।।

वैशाख मासः

शुक्ला २ शनौ रोहि ल. १०-११ रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।।

,, ८ शनौ मघा ल. ९-११ (कुं.७चं.पू.) रे. ७ ऽ।।।ऽरो।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ भौमे हस्ते ल. ६-१० रे. ८ ।।।।ऽअऽ।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा १० रवौ उभा ल. ११-१ रे. ७ ऽ।।।ऽअ।ऽ।। (घ.४४-३५ उ.)

,, ११ चन्द्रे रेव ल. ६-१०-११ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।। दग्धा घ.४६-११उ.

शुक्ला १ रवौ मृगे ल. ११ रे. ८ ।।।ऽऽरो४५या।।।।

,, ६ शुक्रे मघा ल. ६-११ (कुं.चं.७पू.) ल.१ रे.६ ऽ।।।ऽनृऽऽ।।

,, ८ रवौ ल. ६-१० रे. ८ ।।।।ऽचौ।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा ७ शनौ उभा ल. ऽन्यगो १०-११-१ रे. ६ ऽ।।।ऽचौ३७या।ऽ।ऽदग्धा

,, ८ रवौ रेव ल.१०-११-१ रे.८ ।।।।।रो४०उऽऽ।।

शुक्ला ५ शनौ उफा ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) ल. ११ (नं.पू.) रे. ६ ।।।।ऽअ।।।

,, ७ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो(७मेभौमः)रे.८।।।।।ऽऽ।

,, ६ भौमे स्वात्यां ल.११-१(मेषेचं.पू.)रे९।।।।।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ६ शुक्रे स्वात्यां ल.ऽन्यगो६-६रे.७।।।।अ३१याऽऽ।।

शुक्ला ५ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽनृऽ।।।

,, ६ भौमे रेव ल. ऽन्यगो रे. १० ।।।।।।।।।

,, १० शनौ रोहि ल. गो. रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ शनौ मघा ल. गो. ६ रे. ६ ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

,, ३ चन्द्रे उफा ल. ६ रे. ८ ।।।ऽ।ऽ।।।

,, १० चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो रे. ७ ।ऽ।।ऽनृ।ऽ।।

शुक्ला ३ चन्द्रे रेव ल. ६-१० रे.८ ।।।।ऽआ।।ऽ दग्धा

चैत्र मासः

कृष्णा १ चन्द्रे हस्ते ल. गो. ६-१० रे. ७ ।ऽ।ऽबु।।।।।

,, ३ बुधे स्वात्यां ल. गो. १० (घ.५३उ) रे. ६ ।।।ऽ।।ऽऽऽ गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६९३७स.२०३०
१	बु	५६	४१	रे	४७	४३	ऐं	३४	२०	किं	२४	२७	३०/५७	५/४९	६/११	१३	२९	३	मे.४७।४३	संवत्सरारंभ:नवरात्रारंभ:
२	गु	६०	०	अ	५४	१९	वै	३५	४९	बा	२९	२१	३/११	४८	१२	१४	३०	४	मेषे	चंद्रदर्शनम्सिंधारा
२	शु	२	२	भ	६०	०	वि	३७	५५	कौ	२	२	५	४७	१३	१५	१	५	मेषे	जिल्हेज१२मत्स्यजयंतीसिंधारा
३	श	८	१२	भ	१	४३	प्री	४०	१०	ग	८	१२	८	४६	१४	१६	२	६	वृ.१८।३६	भ.४१।२१उ.शतेशुक्र:१२।३२गणगौरी
४	र	१४	३१	कृ	९	१६	आ	४२	४०	वि	१४	३१	१२	४६	१४	१७	३	७	वृषे	भ.१४।३१या.
५	चं	२०	५४	रो	१६	५६	सौ	४५	१३	बा	२०	५४	१६	४५	१५	१८	४	८	मि५०।३३	भरण्यांबुध:५१।२७
६	मं	२६	४४	मृ	२४	१०	शो	४६	४६	तै	२६	४४	१९	४४	१६	१९	५	९	मिथुने	
७	बु	३१	४०	आ	३०	६	अ	४७	२६	व	३१	४०	२३	४३	१७	२०	६	१०	मिथुने	भ.३१।४०उ.
८	गु	३५	१५	पु	३४	५४	सु	४६	५२	वि	३	२७	२६	४३	१७	२१	७	११	क.१८।४२	भ.३।२७या.
९	शु	३७	११	पु	३७	५५	धृ	४४	४३	बा	६	१३	३०	४२	१८	२२	८	१२	कर्के	वक्रीबुध:४८।१५रामनवमी
१०	श	३६	४९	श्ले	३८	५३	शू	४१	११	तै	७	०	३४	४१	१९	२३	९	१३	सिं३८।५३	[=बुधास्त:पश्चिमायां३६/३४कामदा११व्र.
११	र	३५	२९	म	३८	५	गं	३५	५७	व	६	९	३८	४०	२०	२४	१०	१४	सिंहे	भ.६/९उ.३५/२९या.अश्वि.मेषेऽर्कः५७/८सौर३५/२८=
१२	चं	३१	०	पू	३५	८	वृ	२९	९	ब	३	१४	४२	४०	२०	२५	११	१५	कं.४८।५६	वक्रीअश्विन्यांबुध:१६।२७प्रदोष:
१३	मं	२४	१५	उ	३०	१९	ध्रु	२०	४९	तै	२४	१५	४६	३९	२१	२६	१२	१६	कन्यायां	
१४	बु	१६	८	ह	२४	१३	व्या	११	२३	व	१६	८	५०	३८	२२	२७	१३	१७	तु.५०।४६	भ.१९/८उ.४१/४८या.कृत्ति२वृषेशनि: ४१।१७
१५	गु	७	२९	चि	१७	१९	ह	९/२६	४९/२६	ब	७	२९	५३	३७	२३	२८	१४	१८	तुलायां	पूभा.शुक्र:३१/२७भरण्यांभौम:२५/११हनुमज्जयं.

५२पं.चै.शु.२२र.इ. ५२/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	०	७	१०	०	७	११
२१	४	१०	२	६	२८	२५	२१
५३	०	४७	२८	१८	३९	२८	४६
३१	१८	२	५	७	३६	१७	३२
५९	४४	५१	४/१४	६४	६	३	५९
४	१९	१३	व्र	३५	२३	११	४

गोचर ग्रहाः

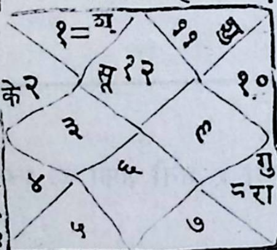

=बुचंम

चैत्र शुक्ले ११ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्ट:वा.३ न. ३ बृद्धावस्था (बैंठी मु.३०धान्यादि भावेसमता शुक्रोदय: पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु.११र.इ. ५७/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१०	०	७	११
०	१०	१३	१	१५	२९	२५	२९
०	७	३३	४८	२८	३६	२	५२
०	५५	४३	५४	५९	२५	३०	४६
५८	४४	१२/१	३५/७	६६	९	३	५८
४४	१	व	व	२०	३८	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	गु	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	४८	५८	स्वा	८	५४	सि	४०	२७	तै	२३	३४	३१/५७	५/३७	६/२३	२९	१५	१९	बृ.४९।१४	
३	श	४०	१	वि	२/४१	५३/३	व्य	३०	३७	व	१४	२९	३२/१	३६	२४	३०	१६	२०	वृश्चिके	भ.१४।२९उ.४०।१या.
४	र	३१	४९	ज्ये	५०	३९	व	२१	१६	ब	५	५५	५	३५	२५	१	१७	२१	ध.५०।३९	भा.वैशाखारंभ:चतुर्थीव्र.
५	चं	२४	५७	मू	४६	३३	प	१२	४९	तै	२४	५७	९	३४	२६	२	१८	२२	धनुषि	
६	मं	१९	३०	पू	४३	३८	शि	५/४४	५४/७	व	१९	३०	१२	३४	२६	३	१९	२३	म.५८।२०	भ.१९।३०उ.४७।३३या.
७	बु	१५	३७	उ	४२	२७	सा	५६	९	ब	१५	३७	१६	३३	२७	४	२०	२४	मकरे	[×मीने शुक्र:१५।२२
८	गु	१३	५	श्र	४२	४५	शु	५१	४८	कौ	१३	५	२०	३२	२८	५	२१	२५	मकरे	[÷वक्री विशा.३गुरु:५७।४४
९	शु	१२	१६	ध	४४	३२	शु	४९	३३	ग	१२	१६	२३	३१	२९	६	२२	२६	कुं.१३।३८	भ.४२।३६उ.
१०	श	१२	५६	श	४७	४३	ब्र	४८	३१	वि	१२	५६	२७	३१	२९	७	२३	२७	कुम्भे	भ.१२/५६या.भरन्यांरवि:४/९(सौर:५६/५३) ×
११	र	१४	५०	पू	५२	२	ऐं	४८	३२	बा	१४	५०	३१	३०	३०	८	२४	२८	मी३५।५७	वरुथिनी११व्र.
१२	चं	१८	१	उ	५७	२५	वै	४८	५१	तै	१८	१	३४	२९	३१	९	२५	२९	मीने	प्रदोष:
१३	मं	२२	१६	रे	६०	०	वि	५०	१०	व	२२	१६	३८	२८	३२	१०	२६	३०	मीने	भ.२२/१६उ.५४/४९या.उभा.शुक्र:९।३५ ÷
१४	बु	२७	२२	रे	३	४६	प्री	५२	६	श	२७	२२	४१	२८	३२	११	२७	१	मे.३।४६	अस्तंशने:१५।४७मई५ता.३१
३०	गु	३२	५८	अ	१०	३८	आ	५४	६	च	०	१०	४५	२७	३३	१२	२८	२	मेषे	बुधोदय:पूर्वस्यां१८।१३

२पं.वै.कृ.४र.इ. ८/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	१०	१	७	०
६	१५	१०	१	२३	०	२४	६
५०	१९	३९	७	७	२७	४०	४२
४६	८	१४	३४	४४	४	१५	५७
५८	४३	३८/१८	६/२१	६७	६	३	५८
३१	५१	व	व	३३	५६	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में वदि में धान्य गल्ला चांदी स्वर्ण लोहा ताम्बा सूत रंग कपास बारदाना मंदा हो सुदि में तेज होवेगें।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.कृ.११र.इ. ३ ८/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	७	११	१	७	०
१३	२०	६	०	१	१	२४	१३
३९	२६	७	२०	१	१९	१७	३१
५०	२७	५२	३८	३४	३४	५९	२२
५८	४३	३६/२६	७/११	६८	७	३	५८
१९	३१	व	व	३७	८	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः:२७ स.२०३०
१	शु	३८	५९	भ	१७	५३	सौ	५६	३७	किं	५	५८	३२/४८	५/२६	६/३४	१३	२९	३	वृ.३४।४६	
२	श	४५	१०	कृ	२५	२६	शो	५८	५९	बा	१२	४	५२	२६	३४	१४	३०	४	वृषे	चंद्रदर्शनम्
३	र	५१	२८	रो	३३	०	अ	६०	०	तै	१८	१९	५५	२५	३५	१५	१	५	वृषे	मोहोरम्१सन्१४५२हि.परशुराम =
४	चं	५७	२३	मृ	४०	२०	अ	१	१८	व	२४	२५	५८	२४	३६	१६	२	६	मि६।४०	भ.२४/२५उ.२७/२३या.कृत्ति.भौम:४४।३
५	मं	६०	०	आ	४६	४९	सु	३	१२	ब	२९	५४	३/३२	२४	३६	१७	३	७	मिथुने	[=जयंतीअक्षया३
५	बु	२	२६	पु	५२	३८	धृ	४	३९	बा	२	२६	५	२३	३७	१८	४	८	क.३६।११	मार्गीबुध:४२।४७पातस्पर्श:४४।१
६	गु	६	२४	पु	५६	५६	शू	५	५	तै	६	२४	८	२२	३८	१९	५	९	कर्के	पातमोक्ष:३।४
७	शु	९	८	श्ले	५९	२९	गं	४	२३	व	९	८	११	२२	३८	२०	६	१०	सिं५९।२९	भ.९।८उ.३९।३१या.
८	श	९	५५	म	६०	०	बृ	२/१७	५६/२३	ब	९	५५	१४	२१	३९	२१	७	११	सिंहे	कृत्ति.रवि:३४/८(सौर:४४/४५ रेवत्यां ×
९	र	९	२७	म	०/२३	५८/४७	व्या	५३	३९	कौ	९	२७	१७	२१	३९	२२	८	१२	सिंहे	[×शुक्र:४८/५६ बृषेभौम:२२।३८
१०	चं	६	५	उ	५६	०	ह	४६	४९	ग	६	५	२०	२०	४०	२३	९	१३	कं.१३।२२	भ.३३।४०उ.कृत्ति.३शनि:५५।३५
११	मं	१	१४	ह	५१	१०	व	३८	३५	वि	१	१४	२३	१९	४१	२४	१०	१४	कन्यायां	भ.१।१४या.मोहिनी११व्र.
१२	मं	५३	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[A२३।१४नृसिंहजयंती
१३	बु	४६	१८	चि	४५	१	सि	२९	२१	कौ	२०	२१	२६	१९	४१	२५	११	१५	तु.१८।५	बृषेऽर्क:२१/३(सौर:१२।३८,प्रदोष:
१४	गु	३६	५६	स्वा	३७	३७	व्य	१८	५९	ग	११	३७	२८	१८	४२	२६	१२	१६	तुलायां	भ.३६/५६उ.ज्येष्ठा.२राहु:रोहि.४केतु: A
१५	शु	२६	५७	वि	२९	४१	व	६/३	४९/०	वि	१	५६	३१	१८	४२	२७	१३	१७	वृ.१६।४०	भ.१।५६या.यमायकुंभदानम्

४पं.वै.शु.३र.इ.८।४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	६	११	१	७	०
२०	२५	४	२९	९	२	२३	२०
२७	३१	०	३०	०	१२	५५	१८
२९	१	०	०	२	१४	४३	८
५८	४३	१४/५४	७/४१	६९	७	३	५७
६	२६	व	व	३४	१४	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले १३ बुधे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न.५ गतालकावस्था (ऊभी)मु.३०धान्यादिभावें समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

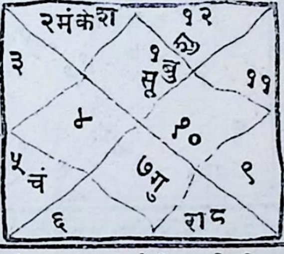

५पं.वै.शु.९र.इ. ८।५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	६	११	१	७	०
२७	०	४	२८	१७	३	२३	२७
१३	३२	२४	३७	४	६	३२	३
३७	२५	१४	३४	१२	५८	२८	२२
५७	४२	१४/२२	७/५२	७०	७	३	५७
५४	१७	मा	व	११	२०	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे वैंशाख कृष्णेति महा.
१	श	१६	४८	अ	२१	५०	शि	४६	२६	बा	१६	४८	३३/३४	५/१७	६/४३	२८	१४	१८	वृश्चिके	
२/३	र	७/५१	८/१०	ज्ये	१४	२२	सि	३६	१९	तै	७	८	३७	१७	४३	२९	१५	१९	ध.१४।२२	भ.३२।४३उ.५८।१८या.
४	चं	५०	४४	मू	७	५८	सा	२७	१५	ब	२४	३१	३९	१६	४४	३०	१६	२०	धनुषि	पातस्पर्श:३६/२८पातमोक्ष:५०/१८चतुर्थीव्र.
५	मं	४५	२	पू	३	५	शु	१९	३२	कौ	१७	५३	४२	१६	४४	३१	१७	२१	म.१७।१९	
६	बु	४१	११	उ	०/१	५८/४२	शु	१३	२४	ग	१३	६	४४	१५	४५	१	१८	२२	मकरे	भ.४१।११उ.भा.ज्येष्ठारंभ:
७	गु	३९	२१	ध	५९	२२	ब्र	८	४१	वि	१०	१६	४७	१५	४५	२	१९	२३	कु.२९।२	भ.१०।१६या.अश्वि.मेषेशुक्र:२०।४३
८	शु	३९	२५	श	६०	०	ऐं	५	३८	बा	९	२३	४९	१४	४६	३	२०	२४	कुंभे	भरन्यांबुध:२।१
९	श	४१	१९	श	२	४	वै	४	७	तै	१०	२२	५२	१४	४६	४	२१	२५	मी५०।१२	रोहि.रवि:२४/४५ सौर:३८/४०)रोहि.भौम३५/३२
१०	र	४४	३५	पू	६	१५	वि	३	५४	व	१२	५७	५४	१३	४७	५	२२	२६	मीने	भ.१२।५७उ.४४।३५या.
११	चं	४९	११	उ	११	४६	प्री	४	५१	ब	१६	५३	५६	१३	४७	६	२३	२७	मीने	वक्रीविशा.२गुरु:४३।५३अपरा११व्र.
१२	मं	५४	४४	रे	१८	११	आ	६	१०	कौ	२१	५७	५८	१२	४८	७	२४	२८	मे.१८।११	
१३	बु	६०	०	अ	२५	३१	सौ	८	२२	ग	२७	४४	३४/००	१२	४८	८	२५	२९	मेषे	प्रदोष:
१३	गु	०	४४	भ	३२	४९	शो	१०	२९	व	०	४४	२	१२	४८	९	२६	३०	वृ.४९।४२	भ.०।४४उ.३३।४९या.
१४	शु	६	५४	कृ	४०	१९	अ	१३	९	श	६	५४	३	११	४९	१०	२७	३१	वृषे	
३०	श	१२	५७	रो	४७	४७	सु	१५	२८	ना	१२	५७	५	११	४९	११	२८	१	वृषे	जूनदृता.३०सूर्यग्रहणम्वटपूजनं

६पं.ज्ये.कृ.२र.इ.९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	६	११	१	७	१
३	५	८	२७	२५	४	२३	३
५८	३३	३७	४२	१०	०	११	४७
४४	३२	३७	२९	५२	५०	१२	६
५७	४३	४२	७/५२	७०	७	३	५७
४४	७	२९	व	४९	२०	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ शनिवार अशुभ हैं गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी धातु सोना चांदी रुई वस्त्र तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले ।

गोचर ग्रहाः

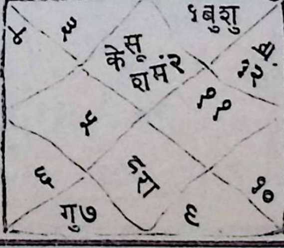

७पं.ज्ये.कृ.१०र.इ.९।१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	६	०	१	७	१
१०	१०	१५	२६	३	४	२२	१०
४२	३१	४८	५१	२१	५४	४८	२९
४०	१	२५	५४	३२	५४	५७	१७
५१	४२	७०	८/३२	७१	७	३	५७
३५	३७	१	व	२१	२०	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५७स.२०३०
१	र	१८	५६	मृ	५५	०	धृ	१७	४७	ब	१८	५६	३४/७	५/११	६/४९	१२	२९	२	मि२१।२३	कृत्ति.बुध:५५।३२चंद्रदर्शनम्
२	चं	२४	२०	आ	६०	०	शू	१९	४१	कौ	२४	२०	९	१०	५०	१३	१	३	मिथुने	भरण्यांशुक्रः३७।१६सफर२
३	मं	२९	१	आ	१	२१	गं	२०	४६	ग	२९	१	१०	१०	५०	१४	२	४	क.५०।३०	
४	बु	३२	५०	पु	६	५३	वृ	२१	१९	व	०	५५	१२	१०	५०	१५	३	५	कर्के	भ.०।५५उ.३२।५०या.बृषेबुध:४।३९
५	गु	३५	३३	पु	११	३२	ध्रु	२१	११	ब	४	११	१३	९	५१	१६	४	६	कर्के	उदयंशने:१२।१२
६	शु	३६	५३	श्ले	१५	६	व्या	२०	८	कौ	६	१३	१५	९	५१	१७	५	७	सिं१५।६	[×कृत्ति.४शनि:५०।५६
७	श	३६	५४	म	१७	१३	ह	१७	४३	ग	६	५३	१६	९	५१	१८	६	८	सिंहे	भ.३६/५४उ.मृगेरवि:१९।३८(सौर:३७/३०)×
८	र	३५	१९	पू	१७	४९	व	१४	६	वि	६	६	१७	९	५१	१९	७	९	कं.३२।३२	भ.६।६या.
९	चं	३२	१	उ	१६	४३	सि	९	१७	बा	३	४०	१८	८	५२	२०	८	१०	कन्यायां	रोहि.बुध:३६।२१
१०	मं	२६	५८	ह	१३	५६	व्य	२/५८	५३/२३	ग	२६	५८	१९	८	५२	२१	९	११	तु.४१।४८	भ.५३।४५उ.गंगादशमी
११	बु	२०	३१	चि	९	४०	प	४६	३४	वि	२०	३१	१९	८	५२	२२	१०	१२	तुलायां	भ.२०।३१या.निर्जला११व्र.
१२	गु	१२	३३	स्वा	३/४९	५३/१२	शि	३७	१	बा	१२	३३	२०	८	५२	२३	११	१३	वृ.४३।४३	मृगेभौम:३३/३४बुधास्त:पूर्वस्यां३२/३१प्रदोष:
१३	शु	४	७	अ	४९	४१	सि	२६	३५	तै	४	७	२१	८	५२	२४	१२	१४	वृश्चिके	भ.५३।५४उ.कृत्ति.शुक्र:५६।२८
१४	शु	४९	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[=३१/९८) गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.चंद्रग्रह.
१५	श	४३	५९	ज्ये	४१	५८	सा	१५	५६	वि	१८	५६	२१	८	५२	२५	१३	१५	ध.४१।५८	भ.१५/६६याचंद्रग्रहणम्मिथुनेऽर्कः११/६६सौर=

८पं.ज्ये.शु.१र.इ.९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	१	०	१	७	१
१७	१५	२५	२६	११	५	२२	१७
२५	२५	२८	३	३४	४९	२६	१०
२६	४१	३०	११	४४	४१	४१	२३
५७	४२	९२	६/४९	७१	७	३	५७
२८	२६	४५	व	४७	१४	११	१३

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले१५ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ वृद्धावस्था (वैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

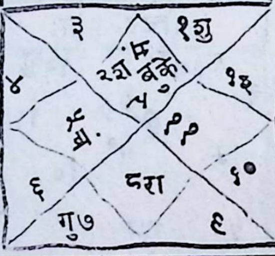

९पं.ज्ये.शु.८र.इ.९।१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	६	०	१	७	१
२४	२०	७	२५	१९	६	२२	२३
७	१८	१६	१९	५०	४२	४	५०
३०	३२	५५	१२	२	११	२५	१९
५७	४२	९/८	६६	७२	७	३	५७
२२	१६	१९/२४	१	७	८	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	र	३४	२८	मू	३४	३८	शु	५/५	५०/१	बा	९	१३	३४/२२	५/८	६/५२	२६	१४	१६	धनुषि	
२	चं	२५	५०	पू	२८	१२	ब्र	४५	५७	तै	०	९	२२	८	५२	२७	१५	१७	म.४१।५५	भ.५२/९उ.मृगेबुध:१७/०वृषेशु :४१।५४
३	मं	१८	२८	उ	२३	५	ऐं	३८	२	वि	१८	२८	२३	७	५३	२८	१६	१८	मकरे	भ.१८।२८या.चतुर्थीव्र.
४	बु	१२	५६	श्र	१९	५४	वै	३१	३६	बा	१२	५६	२३	७	५३	२९	१७	१९	कुं.४९।१५	
५	गु	९	२८	ध	१८	३५	वि	२६	५५	तै	९	२८	२३	७	५३	३०	१८	२०	कुम्भे	मिथुनेबुध:१४।११
६	शु	८	१९	श	१९	४३	प्री	२४	१	व	८	१९	२४	७	५३	३१	१९	२१	कुंभे	भ.८।१९उ.३८।४१या.
७	श	९	३	पू	२२	३६	आ	२२	२७	व	९	३	२४	७	५३	१	२०	२२	मी९।५३	आर्द्रा.रवि:१७/७(सौर:३१/५१भा.आपा.रंभ
८	र	११	४५	उ	२७	२८	सौ	२२	५५	कौ	११	४५	२४	७	५३	२	२१	२३	मीने	आर्द्रा.बुध:२०।४४मिथुनेभौम:१३।१
९	चं	१६	११	रे	३३	३१	शो	२४	०	ग	१६	११	२४	७	५३	३	२२	२४	मे.३३।३१	भ.४८।५५उ.
१०	मं	२१	३९	अ	४०	४६	अ	२६	३	वि	२१	३९	२४	७	५३	४	२३	२५	मेषे	भ.२१।३९या.
११	बु	२७	४३	भ	४८	७	सु	२८	२५	बा	२७	४३	२३	७	५३	५	२४	२६	मेषे	रोहि.शुक्र:३।३१योगिनी११व्र.
१२	गु	३४	१०	कृ	५५	५२	धृ	३१	२	कौ	०	५६	२३	७	५३	६	२५	२७	वृ.५।३	
१३	शु	४०	१५	रो	६०	०	शू	३३	३२	ग	७	१२	२२	८	५२	७	२६	२८	वृषे	भ.४०।१५उ.प्रदोष:
१४	श	४५	५२	रो	३	१६	गं	३५	४०	वि	१३	३	२२	८	५२	८	२७	२९	मि३६।४४	भ.१३।३या.पुन.बुध:३२।६
३०	र	५०	५३	मृ	१०	१२	वृ	३७	२४	च	१८	२२	२१	८	५२	९	२८	३०	मिथुने	

१०पं.आ.कृ.१र.इ.९।१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	६	०	१	७	२
०	२५	२०	२४	२८	७	२१	०
४८	९	५८	४१	८	३४	४२	२९
४७	१८	२६	२०	२	३७	१०	२८
५७	४२	[illegible]	५/१	७२	६	३	५६
१७	७	२७	व	३२	५६	११	५७

११पं.आ.कृ.८र.इ.९।१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	६	१	१	७	२
७	२९	३	२४	६	८	२१	७
२९	५७	५५	१०	२८	२५	१९	७
४२	२२	२२	५२	२६	५	५४	५५
५७	४१	[illegible]	५/३	७२	६	३	५६
१३	५०	३४	व	५०	२८	११	५४

१२पं.आ.कृ.३०र.इ.९/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	६	१	१	७	२
१४	४	२१	२३	१४	९	२०	१३
१०	४३	१७	४८	५०	१३	५७	४६
८	८	२७	७	१७	५२	३९	०
५७	४१	[illegible]	४/२/०	७३	६	३	५६
७	३०	२३	व	१०	२६	११	५०

=मंशकेबु

(सं० २००१ समारभ्यं २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः८६स.२०३०
१	चं	५४	४३	आ	१६	१५	ध्रु	३८	९	किं	२२	४८	३४/२०	५/८	६/५२	१०	२९	१	मिथुने	जौलाई७ता.३१
२	मं	५७	४३	पु	२१	२३	व्या	३८	३०	बा	२६	१८	१९	८	५२	११	३०	२	क.५।६	आर्द्रा.भौम:५/८चंद्रदर्शनश्नम्रथयात्रा
३	बु	५९	४९	पु	२५	३१	ह	३७	५९	तै	२८	४६	१८	८	५२	१२	१	३	कर्के	रविलावल३
४	गु	६०	०	श्ले	२८	४०	व्र	३६	२६	व	३०	१५	१७	९	५१	१३	२	४	सिं२८।४०	भ.३/१ ०/५उ.कर्केबुध:२६।३१
४	शु	०	४१	म	३०	४७	सि	३४	७	वि	०	४१	१६	९	५१	१४	३	५	सिंहे	भ.४/१ ०/१या.बुधोदय:पश्चिमायां४०।१९
५	श	०	२९	पू	३१	५६	व्य	३१	१३	बा	०	२९	१५	९	५१	१५	४	६	कं.४६।५३	पुन.रवि:१/५ ५/७(सौर:४/५ ३/३)पुष्येबुध:८।१६
६	श	५८	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	र	५६	४१	उ	३१	४४	व	२७	७	ग	२७	५५	१४	९	५१	१६	५	७	कंन्यायां	भ.५/४ ६/१उ.मृगेशुक्र:१/४ ७/४रोहि.१शनि:५/३ ३/८
८	चं	५३	७	ह	३०	२५	प	२२	१	वि	२४	५४	१३	९	५१	१७	६	८	तु.५९।११	भ.२४।५४या.
९	मं	४८	१६	चि	२७	५८	शि	१६	८	बा	२०	४१	११	१०	५०	१८	७	९	तुलायां	
१०	बु	४२	१०	स्वा	२४	२९	सि	९	१३	तै	१५	१३	१०	१०	५०	१९	८	१०	तुलायां	
११	गु	३५	१७	वि	१९	४३	सा	३/२	५/१ १/५	व	८	४३	८	१०	५०	२०	९	११	वृ.५।५४	भ.४/८ ३/३उ.३/१ ५/७या.देवशयनी११व्र.
१२	शु	२७	१२	अ	१४	३	शु	४३	३१	ब	१	१४	७	११	४९	२१	१०	१२	वृश्चिके	मिथुनेशुक्र:४७।५१प्रदोष:
१३	श	१८	४२	ज्ये	७	४६	ब्र	३३	४४	त	१८	४२	५	११	४९	२२	११	१३	ध.७।४६	आश्ले.बुध:३२।११मार्गीगुरु:१४।९
१४	र	१०	२	मू	१/७ ९	५/३ ३/९	ऐं	२४	२	व	१०	२	३	११	४९	२३	१२	१४	धनुषि	भ.१०।२उ.३५।४८या.वायुपरीक्षा
१५	चं	१	३४	उ	४९	२०	वै	१४	५०	ब	१	३४	१	१२	४८	२४	१३	१५	म.८।३२	व्यासपूजागुरु१५

१३पं.आ.शु.७र.इ. ९।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	६	१	१	७	२
२०	९	५	२३	२३	१०	२०	२०
५०	२६	१७	३३	१३	०	३५	२३
३५	५६	२४	२५	५२	३२	२३	५४
५७	४१	९/५	१/२०	७३	६	३	५६
७	२०	४७	व	२०	१४	११	५०

गोचर ग्रहाः

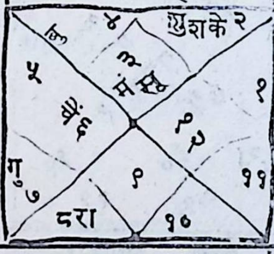

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु धान्य गल्ला रसकस गुड़ सक्कर तेल तिलहन घृत में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

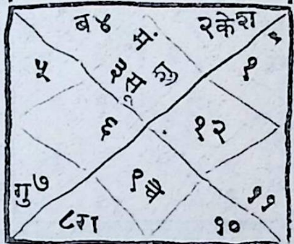

१४पं.आ.शु१४र.इ.८।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	६	२	१	७	२
२७	१४	१७	२३	१	१०	२०	२७
३०	८	४२	२८	३९	४४	१२	२
५४	१७	२२	१२	२२	५३	७	१
५७	४१	०/९	०/१२	७३	५	३	५६
११	४	५०	भा	३२	५०	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	चं	५२	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×३केतु:१६।४०चतुर्थीव्र.
२	मं	४७	५२	श्र	४५	८	वि	९/६ ६	५/३ २/५	तै	२१	०	३३/५९	५/१ ७	६/४८	२५	१४	१६	मकरे	कर्केऽर्क:४५।२३
३	बु	४३	१४	ध	४२	१८	आ	५२	५०	व	१५	३३	५७	१३	४७	२६	१५	१७	कुं.१३।४३	भ.१/३ ५/३उ.४/१ ३/४या.कर्केऽर्क:सौर:१६।३७
४	गु	४०	४७	श	४१	४४	सौ	४८	२४	ब	१२	०	५५	१३	४७	२७	१६	१८	कुंभ	आर्द्रा.शुक्र:२/३ ०/५ज्येष्ठा.१राहु:रोहि. ×
५	शु	४०	२३	पू	४३	१	शो	४५	३०	कौ	१०	३५	५२	१४	४६	२८	१७	१९	मी२७।४२	नाग५मरुस्थले
६	श	४२	१०	उ	४६	२०	अ	४४	४२	ग	११	१६	५०	१४	४६	२९	१८	२०	मीने	भ.४/१ २/०उ.पुष्येरवि:१/४ ४/१ (सौर:४७।१८)
७	र	४५	४५	रे	५१	२९	सु	४४	४२	वि	१३	५७	४८	१४	४६	३०	१९	२१	मे.५१।२९	भ.१३।५७या.
८	चं	५०	५०	अ	५८	२	धृ	४६	१०	बा	१८	१७	४५	१५	४५	३१	२०	२२	मेषे	मघा.सिंहेबुध:१/१पुन.भौम:५४।३३
९	मं	५६	३९	भ	६०	०	शू	४८	३९	तै	२३	४४	४३	१५	४५	१	२१	२३	मेषे	भा.श्रावणारंभ:
१०	बु	६०	०	भ	५	१५	गं	५०	४३	व	२९	५०	४०	१६	४४	२	२२	२४	वृ.२२।११	भ.२९।५०उ.
१०	गु	३	१	कृ	१३	१	वृ	५३	१६	वि	३	१	३८	१६	४४	३	२३	२५	वृषे	भ.३।१या.
११	शु	९	२	रो	२०	२७	ध्रु	५५	३०	बा	९	२	३५	१७	४३	४	२४	२६	मि५३।५३	उदयोभौम:३०।२२कामिका११व्र.
१२	श	१४	४३	मृ	२७	२०	व्या	५७	८	तै	१४	४३	३३	१७	४३	५	२५	२७	मिथुने	प्रदोष:
१३	र	१९	२६	आ	३३	२२	ह	५७	५३	व	१९	२६	३०	१८	४२	६	२६	२८	मिथुने	भ.१९।२६उ.५१।५या.
१४	चं	२२	४५	पु	३८	५	व	५७	४४	श	२२	४५	२७	१९	४१	७	२७	२९	क.२१।५७	पुन.शुक्र:१७।१८
३०	मं	२४	५९	पु	४१	४६	सि	५६	३८	ना	२४	५९	२४	१९	४१	८	२८	३०	कर्के	हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.७र.इ.८।४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	६	२	१	७	३
४	१८	२८	२३	१०	११	१९	३
११	४७	३१	३०	६	२६	५०	४०
३८	५६	५२	४७	४३	४६	५२	२८
५७	४०	८४	१	७३	५	३	५६
१५	५३	५९	१३	४४	२६	११	५९

गोचर ग्रहाः

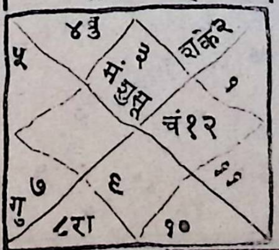

श्रावणकृष्णे २ भौमे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ६ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

१६पं.श्रा.कृ.१३र.इ.८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	६	२	१	७	३
१०	२३	७	२३	१८	१२	१९	१०
५२	२५	३९	४३	३५	४	२८	१९
४१	२६	०	१९	३१	१९	३६	४५
५७	४०	६६	२	७३	४	३	५७
२०	४०	५६	३३	५०	५६	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:११६सन्२०३०
१	बु	२५	५२	श्ले	४४	६	व्य	५४	३५	ब	२५	५२	३३/२२	२ ५/०	४ ६/०	९	२९	३१	सिं४४।६	
२	गु	२५	३१	म	४५	१७	व	५१	३५	कौ	२५	३१	१९	२०	४०	१०	३०	१	सिंहे	चंद्रदर्शनम्अगस्त८ता.३१सिंधारा
३	शु	२४	१८	पू	४५	३५	प	४७	४४	ग	२४	१८	१६	२१	३९	११	१	२	सिंहे	भ.५/१ ३/१उ.पूफा.बुध:१ १/७रविलाखर४तीज
४	श	२२	५	उ	४५	५	शि	४३	१४	वि	२२	५	१३	२१	३९	१२	२	३	कं.०।२८	भ.२ २/५या.आश्ले.रवि १/४ १/२(सौर:४ ६/५)×
५	र	१९	१०	ह	४३	४९	सि	३८	१६	बा	१९	१०	१०	२२	३८	१३	३	४	कन्यायां	नागपंचमी [×वरद४
६	चं	१५	३१	चि	४१	४४	सा	३२	४२	तै	१५	३१	७	२३	३७	१४	४	५	तु.१२।४६	
७	मं	११	४०	स्वा	३९	१५	शु	२६	३४	व	११	४०	४	२३	३७	१५	५	६	तुलायां	भ.१/४ ५/०उ.३/५ ८/८या.कर्केशुक्र:३/३ ९/५कर्केभौम:=
८	बु	६	१६	वि	३५	५६	शु	१९	५८	ब	६	१६	०	२४	३६	१६	६	७	वृ.२१।४६	[=३९।२८
९	गु	०	५५	अ	३२	७	ब्र	१२	४४	कौ	०	५५	३२/५७	२५	३५	१७	७	८	वृश्चिके	
१०	गु	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷पवित्रा११व्र.स्मा.
११	शु	४८	१७	ज्ये	२७	४७	ऐं	५/८	५२/५	व	२१	३६	५४	२५	३५	१८	८	९	ध.२७।४७	भ.३/३ १/६उ.४/१ ८/७या.पुष्येशुक्र:१५।४३ ÷
१२	श	४१	२९	मू	२३	११	वि	४८	५४	ब	१४	५३	५०	२६	३४	१९	९	१०	धनुषि	पवित्रा११व्र.वै.
१३	र	३४	४२	पू	१८	२३	प्री	४०	४६	कौ	८	५	४७	२७	३३	२०	१०	११	म.३२।१३	प्रदोषः
१४	चं	२८	२२	उ	१३	४४	आ	३३	२	ग	१	३२	४४	२७	३३	२१	११	१२	मकरे	भ.३/२ ८/२उ.५/३ ५/१या.पुष्येभौम:१६।४
१५	मं	२२	३९	श्र	९	४९	सौ	२५	४६	ब	२२	३९	४०	२८	३२	२२	१२	१३	कुं.३८।२८	रोहि२शनि:४६।३श्रावणीकर्मरक्षाबंध.

१७पं.श्रा.शु.५र.इ.८।३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	६	२	१	७	३
१७	२८	१४	२४	२७	१२	१९	१६
३४	१	४५	४	६	३९	६	५९
२३	३७	७	१	११	११	२१	३३
५७	४०	४३	३	७३	४	३	५७
२५	२६	३०	५३	५६	३४	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चावल गेहूं जो चना मटर रस-कस सक्कर चीनी घृत में तेजी रहे सोना चांदी मंदा हो।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.१३रइ.८।२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	६	३	१	७	३
२४	२	१९	२४	५	१३	१८	२२
१६	३४	१२	३२	३९	९	४४	४०
४४	४१	०	५३	०	४३	५	४०
५७	४०	१४	५	७४	३	३	५७
३३	१०	३३	१	२	५५	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षंतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	१८	२०	ध	७	८	शो	१९	३४	कौ	१८	२०	३२/३७	२ ५/९	३ ०/१	२३	१३	१४	कुंभे	वक्रीबुध:४।४३
२	गु	१५	४५	श	५	४६	अ	१४	२४	ग	१५	४५	३३	२९	३१	२४	१४	१५	मी५१।२	भ.४५।१२उ.
३	शु	१४	४०	पू	६	८	सु	१०	४०	वि	१४	४०	३०	३०	३०	२५	१५	१६	मीने	भ.१४।४०या.चतुर्थीव्र.
४	श	१५	३३	उ	८	१९	धृ	८	४७	बा	१५	३३	२६	३१	२९	२६	१६	१७	मीने	मघा.सिंहेऽर्क:५।४४(सौर:४४।३०)
५	र	१८	२५	रे	१२	२६	शू	७	५३	तै	१८	२५	२२	३२	२८	२७	१७	१८	मे.१२।२६	चन्द्रषष्ठी
६	चं	२२	५७	अ	१८	४	गं	८	८	व	२२	५७	१९	३२	२८	२८	१८	१९	मेषे	भ.२२।५७उ.५५।४२या.
७	मं	२८	२८	भ	२४	४७	वृ	९	४९	ब	२८	२८	१५	३३	२७	२९	१९	२०	वृ.४१।३६	आश्ले.शुक्र:७।१जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	बु	३४	४०	कृ	३२	४	ध्रु	१२	०	बा	१	३४	१२	३४	२६	३०	२०	२१	वृषे	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	गु	४०	५१	रो	३९	३८	व्या	१४	२९	तै	७	४५	८	३४	२६	३१	२१	२२	वृषे	गोगा९
१०	शु	४६	३७	मृ	४६	५२	ह	१६	४२	व	१३	४४	४	३५	२५	१	२२	२३	मि१३।१५	भ.१/४ ३/४उ.४/३ ६/७या.बुधास्त:पश्चिमायां =
११	श	५१	१८	आ	५३	७	व	१८	४१	ब	१८	५७	१	३६	२४	२	२३	२४	मिथुने	अजा११व्र. [=१ ०/२भा.भाद्रपदारंभः
१२	र	५४	३४	पु	५८	२	सि	१९	३५	कौ	२२	५६	३१/५७	३७	२३	३	२४	२५	क.४१।४८	वत्सद्वादशी
१३	चं	५६	२८	पु	६०	०	व्य	१९	३५	ग	२५	३१	५३	३७	२३	४	२५	२६	कर्के	भ.५६।२८उ.प्रदोष:
१४	मं	५६	४५	पु	१	३७	व	१८	११	वि	२६	३६	४९	३८	२२	५	२६	२७	कर्के	भ.२६।३६या.
३०	बु	५५	१६	श्ले	३	३७	प	१५	३७	च	२६	२	४६	३९	२१	६	२७	२८	सि३।३७	वक्रीमघायांबुध:५/३ ६/०कुशाग्रहणीपि. ३०

१९पं.भा.कृ.५र.इ.८।१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	३	१	७	४
१	७	२०	२५	१४	१३	१८	०
०	६	३	९	१३	३६	२१	२२
४	१८	४३	३२	१	७	४९	५३
५७	३९	२०/६	६	७४	३	३	५७
४०	५९	व	९	१४	२३	११	३४

गोचर ग्रहाः

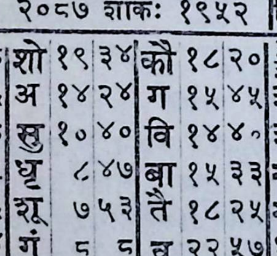

भाद्रपदकृष्णे ४ शनौ सिंहेऽर्क:प्रविष्ट:वा.५ न. ४ कुमार्यवस्था (वैठी मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

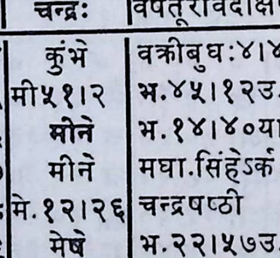

२०पं.भा.कृ.१२र.इ. ८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	३	१	७	४
७	११	१६	२५	२२	१३	१७	७
४४	३५	४३	५३	४९	५८	५९	६
२८	४२	५२	५६	१९	२६	३४	२०
५७	३९	५५	६	७४	२	३	५७
४९	४२	व.	५९	२०	३८	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः	सं० २०८७	शाकः १९५२										दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १४५स.२०३०
१	गु	५२	४३	म	३	५८	शि	११	५५	किं	२४	१	३१/४२	५/४०	६/२०	७	२८	२९	सिंहे	[=चंद्रदर्शनम्
२	शु	४८	५८	पू	३	८	सि	७	१०	बा	२०	५०	३८	४०	२०	८	२९	३०	कं.१७।४२	पूफा.रवि:२५/८मघा.सिंहेशुक्र:५/४ ७/२=
३	श	४४	४०	उ	१/२३	५७/२३	सा	१/४०	५३/५६	तै	१६	४९	३४	४१	१९	९	१	३१	कन्यायां	पूफा.रवि:सौर:३/२ ५/१विशा.३गुरु:३/४ ३/४×
४	र	३९	४७	चि	५५	४०	शु	४८	३७	व	१२	१३	२०	४२	१८	१०	२	१	तु.२७।३	भ.१/१ ३/३उ.३/४ ९/३या.सितंबर९ता.३०गणे.चतु.
५	चं	३४	४०	स्वा	५२	२८	ब्र	४१	३४	ब	७	१३	२६	४३	१७	११	३	२	तुलायां	आश्ले.भौम:२।३८ऋषिपंचमी
६	मं	२९	१७	वि	४९	७	ऐं	३४	२७	कौ	१	५८	२२	४४	१६	१२	४	३	वृ.३४।५७	[×जमादिलावल५हरितालिका३
७	बु	२४	७	अ	४५	४५	वै	२८	७	व	२४	७	१८	४४	१६	१३	५	४	वृश्चिके	भ.२४।७उ.५१।३०या.
८	गु	१८	५३	ज्ये	४२	२२	वि	२१	७	ब	१८	५३	१५	४५	१५	१४	६	५	ध.४२।२२	
९	शु	१३	३८	मू	३८	५९	प्री	१४	२	कौ	१३	३८	११	४६	१४	१५	७	६	धनुषि	बुधोदय:पूर्वस्यां५२।४३
१०	श	८	३४	पू	३५	५४	आ	७	२	ग	८	३४	७	४७	१३	१६	८	७	म.५०।१०	भ.३६।४उ.
११	र	३	३४	उ	३३	०	सौ	०/१९	५३/३५	वि	३	३४	३	४७	१३	१७	९	८	मकरे	भ.३/४या.मार्गीबुध:३/१ ६/९जलझूलनी११व्र+
१२	र	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+वामनजयंती
१३	चं	५४	५८	श्र	३०	३३	अ	४७	५५	कौ	२६	५७	३०/५९	४८	१२	१८	१०	९	कुं.५९।४०	प्रदोष:
१४	मं	५१	४९	ध	२८	४७	सु	४२	२०	ग	२३	२३	५५	४९	११	१९	११	१०	कुंभे	भ.५१।४९उ.पूफा.शुक्र:४/४ ३/४अनंत१४
१५	बु	५०	१	श	२८	१	धृ	३७	३२	वि	२०	५५	५१	५०	१०	२०	१२	११	कुंभे	भ.२०।५५या. महालयारंभ:

२१पं.भा.शु.४र.इ. ७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	४	१	७	४
१४	१६	१०	२६	१	१४	१७	१३
३०	४	९	५४	२७	१५	३७	५१
४	१	५८	३८	७	२५	१८	३२
५८	३९	५९/३४	८	७४	१	३	५७
१	२५	व.	८	२६	५९	११	५७

गोचर ग्रहाः

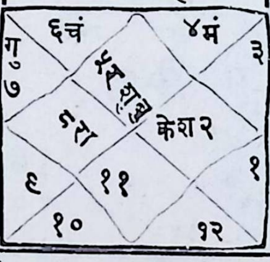

इस मास में धातु सोनाचांदी रुईकपास वस्त्र धान्य गल्ला रसकस गुड़ शक्कर चीनी नमकआदि तेज हो कहीं२कुछ वर्षाहो

गोचर ग्रहाः

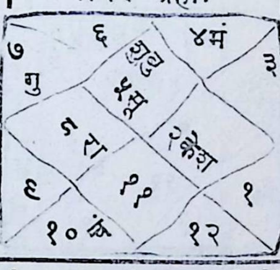

२२पं.भा.श.११र.इ. ७/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	४	१	७	४
२१	२०	६	२७	१०	१४	१७	२०
१७	३०	५८	४१	६	२७	१५	३८
६	२९	३०	३१	१४	१८	३	१२
५८	३९	४/३७	८	७४	१	३	५८
१३	२५	व	५९	२६	१९	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः	सं. २०८७	शाकः १९५२										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	गु	४९	२९	पू	२८	३२	शू	३४	१	बा	१९	४५	३०/४७	५/५१	६/९	२१	१३	१२	मी१३।२४	
२	शु	५०	२९	उ	३०	३२	गं	३१	३१	तै	१९	५९	४३	५१	९	२२	१४	१३	मीने	उफा.रवि: ९।५३
३	श	५३	७	रे	३३	५९	वृ	३०	२५	व	२१	४८	३९	५२	८	२३	१५	१४	मे.३३।५९	भ.९/४ १/८उ.५/ ३/७या.उफा.रवि:सौर:२/ ९/१
४	र	५७	१५	अ	३८	५३	ध्रु	३०	११	ब	२५	११	३५	५३	७	२४	१६	१५	मेषे	चतुर्थी व्र. [÷इंदिरा११व्र.
५	चं	६०	०	भ	४५	१३	व्या	३१	११	कौ	२९	५४	३१	५४	६	२५	१७	१६	मेषे	
५	मं	२	३४	कृ	५२	१०	ह	३२	५२	तै	२	३४	२७	५५	५	२६	१८	१७	वृ.१।५७	कन्यायामर्क:५।१४(सौर:४५।१२)
६	बु	८	३७	रो	५९	४४	व	३५	१०	व	८	३७	२२	५६	४	२७	१९	१८	वृषे	भ.८।३७उ ४१।४५या. पूफा.बुध:४।५७
७	गु	१४	५३	मृ	६०	०	सि	३७	३७	ब	१४	५३	१८	५६	४	२८	२०	१९	मि३३।२५	अनु.४राहु:रोहि.२केतु:८।४२
८	शु	२१	१	मृ	७	५	व्य	३९	४३	कौ	२१	१	१४	५७	३	२९	२१	२०	मिथुने	वक्रीशनि:३६।५२
९	श	२६	१३	आ	१४	११	व	४१	१२	ग	२६	१३	९	५८	२	३०	२२	२१	मिथुने	भ.५८।२उ.उफा.शुक्र:२७।३४मातृ९
१०	र	२९	५२	पु	१९	४२	प	४१	४०	वि	२९	५२	५	५९	१	३१	२३	२२	क.३।१८	भ २/५ ९/३या.विशा.४वृश्चिकेगुरु:४/२ ७/३
११	चं	३२	६	पु	२४	५	शि	४०	५८	ब	०	५९	३०/००	६/००	६/०	१	२४	२३	कर्के	मघा.सिंहेभौम:१/४ ४/३भा.आश्विनारंभ:÷
१२	मं	३२	२९	श्ले	२६	१९	सि	३८	४९	कौ	२	१७	२९/५६	६/१	५/५९	२	२५	२४	सिं२६।१९	कन्यायांशुक्र:८।५२
१३	बु	३०	५६	म	२६	५५	सौ	३५	७	ग	१	४२	५२	२	५८	३	२६	२५	सिंहे	भ३/५ ०/६उ.५/१ ९/४या.बुधास्त:पूर्वस्यां४/५ ७/८प्रदोष:
१४	गु	२७	३३	पू	२५	४४	शु	३०	०	श	२७	३३	४८	२	५८	४	२७	२६	क.४०।४	उफा.बुध:२६।१५शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	शु	२२	३५	उ	२३	३	शु	२३	३६	ना	२२	३५	४४	३	५७	५	२८	२७	कन्यायां	हस्तेरवि:१/२ ८/७(सौर:५/४ ७/२)सर्वपितृ३०

२३ पं.आ.कृ.४र.इ. ७/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	६	४	१	७	४
२८	२४	१०	२८	१८	१४	१६	२७
५	५४	१२	४४	४६	३४	५२	२६
२८	२९	५८	३१	५५	३४	४७	२९
५८	३९	६३/१७	९	७४	०	३	५८
२६	८	मा	४४	२६	४०	११	२९

गोचर ग्रहाः

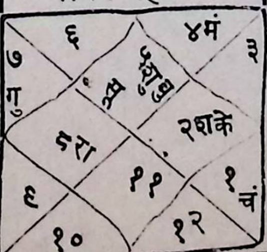

आश्विन कृष्णे ५भौमे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

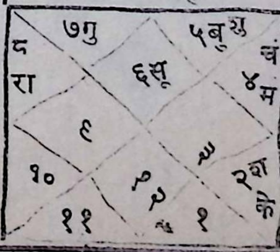

२४पं.आ.कृ.१०र.इ. ७/२७

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	६	४	१	७	५
४	२९	१९	२९	२७	१४	१६	४
५५	१६	१७	५३	२९	३६	३०	१६
१९	४८	५३	२	१०	१८	३१	३६
५८	३८	९७	१०	७४	०/११	३	५८
३८	५०	४६	२८	३२	व.	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः १७५स.२०३०
१	श	१६	४९	ह	१६	६	ब्र	१६	२६	ब	१६	४६	२९/४०	६/४	५/५६	६	२९	२८	तु.४६।४६	कन्यायांबुधः१७/३४नवरात्रारंभः मातामह श्रा
२	र	१०	१३	चि	१४	२६	ऐं	८	१७	कौ	१०	१३	३६	५	५५	७	३०	२९	तुलायां	चंद्रदर्शनम् शुक्रास्तःपूर्वस्यां ३६।०
३	चं	३	२९	स्वा	९	३९	वै	०/१	५३/२४	ग	३	२९	३२	६	५४	८	१	३०	वृ.५०।५८	भ.३०।२उ.५६।३६या.जमादिलाखर६
४	चं	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	मं	५०	१६	वि	४	४४	प्री	४३	१४	ब	२३	२६	२८	६	५४	९	२	१	वृश्चिके	अक्टूबर१०ता.३१
६	बु	४४	१६	अ	०/११	५५/५२	आ	३५	२९	कौ	१७	१६	२३	७	५३	१०	३	२	ध.५६।३	हस्तेशुक्रः१०।२७
७	गु	३८	५०	मू	५२	३०	सौ	२७	५९	ग	११	३३	१९	८	५२	११	४	३	धनुषि	भ.३८।५०उ.हस्तेबुधः४७।३१
८	शु	३४	११	पू	४९	३६	शो	२०	५४	वि	६	३०	१५	९	५१	१२	५	४	धनुषि	भ.६।५०या.
९	श	३०	५	उ	४७	३२	अ	१४	३६	बा	२	८	११	१०	५०	१३	६	५	म.४।५	
१०	र	२६	५५	श्र	४६	१७	सु	८	३८	ग	२६	५५	७	११	४९	१४	७	६	मकरे	भ.५५।४१उ.
११	चं	२४	२६	ध	४५	४४	धृ	३/२७	५५/३२	वि	२४	२६	३	११	४९	१५	८	७	कुं.१६।०	भ.२४।२६या.पापांकुशा ११व्र.
१२	मं	२२	४९	श	४५	५६	गं	५५	२०	बा	२२	४९	२८/५९	१२	४८	१६	९	८	कुंभे	प्रदोषः [×शरदपूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.
१३	बु	२२	२८	पू	४७	२८	वृ	५२	२८	तै	२२	२८	५५	१३	४७	१७	१०	९	मी३२।५	[=शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
१४	गु	२२	५६	उ	५०	१	ध्रु	५०	१६	व	२२	५६	५१	१४	४६	१८	११	१०	मीने	भ.२२/५६उ.५३/५२या.चित्रा.रविः५०/३५=
१५	शु	२४	४८	रे	५३	४०	व्या	४९	३५	ब	२४	४८	४७	१५	४५	१९	१२	११	मे.५३।४०	चित्रा.रविःसौरः२८/१६अनु.१गुरुः९/४×

२५पं.आ.शु.२२र.इ. ७/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	१	७	५
११	३	१	१	६	१४	१६	११
४६	३८	२९	५	५२	३३	८	८
५२	४९	२४	३५	३२	११	१६	३४
५८	३८	७/०	११	७४	०/५१	३	५९
५३	५३	५/४८	६	३२	व.	११	००

गोचर ग्रहाः

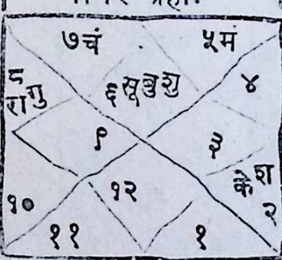

कृष्णपक्ष में तिथि बढें शुक्लपक्ष घट जाय। एक चीजकी क्या कहें सभीचीज घट जाय।। इस मास में तेजी-कारक योग हैं।

गोचर ग्रहाः

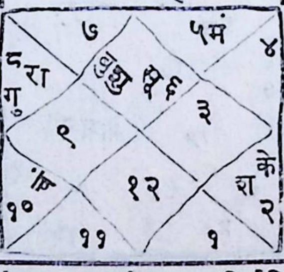

२६पं.आ.शु.१०र.इ. ७/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	१	७	५
१८	७	१४	२	१४	१४	१५	१८
४०	५७	११	२२	५६	२४	४६	२
५	४३	१७	५९	४६	१८	०	२१
५९	३८	७/०	११	७४	१/३७	३	५९
९	२६	५/८	४४	३२	व.	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	श	२७	५३	अ	५८	३०	ह	४९	१३	कौ	२७	५३	२८/४३	६/१५	५/४५	२०	१३	१२	मेषे	चित्रा.बुधः२१।१८चित्रा.शुक्रः४९।२१
२	र	३२	२०	भ	६०	०	व	४९	५६	तै	०	६	३९	१६	४४	२१	१४	१३	मेषे	
३	चं	३७	३६	भ	४	४१	सि	५१	२२	व	४	५८	३५	१७	४३	२२	१५	१४	वृ.२१।२२	भ.४/५८उ.३७/३६या.पूफा.भौमः४९/११
४	मं	४३	४१	कृ	११	२६	व्य	५३	२७	ब	१०	३८	३१	१८	४२	२३	१६	१५	वृषे	तुलायांबुधः७।५२करक चतुर्थी व्र.
५	बु	४९	५९	रो	१८	५६	व	५५	४४	कौ	१६	५०	२७	१९	४१	२४	१७	१६	मि५२।४५	
६	गु	५६	२४	मृ	२६	३४	प	५८	१२	ग	२३	११	२३	१९	४१	२५	१८	१७	मिथुने	भ.५६।२४उ.तुलायामर्कः३४।२१
७	शु	६०	०	आ	३४	१	शि	६०	०	वि	२९	१७	२०	२०	४०	२६	१९	१८	मिथुने	भ.२९/१७या.तुलार्कःसौरः११/०तुलायांशुक्रः९/१८
७	श	२	११	पु	४०	२४	शि	०	१४	ब	२	११	१६	२१	३९	२७	२०	१९	क.२३।४८	स्वात्यांबुधः१५।६
८	र	६	४३	पु	४५	४९	सि	१	२८	कौ	६	४३	१२	२२	३८	२८	२१	२०	कर्के	
९	चं	९	५४	श्ले	४९	२६	सा	१	३९	ग	९	५४	८	२२	३८	२९	२२	२१	सिं४९।२६	भ.४०।२९उ.
१०	मं	११	४	म	५१	१०	शु	०/३१	५७/१५	वि	११	४	४	२३	३७	३०	२३	२२	सिंहे	भ.११।४या.
११	बु	१०	१८	पू	५०	५२	ब्र	५३	२०	बा	१०	१८	०	२४	३६	१	२४	२३	सिंहे	स्वात्यांशुक्र२९/५५भा.कार्तिकारंभः रमा ११व्र
१२	गु	७	२६	उ	४८	३५	ऐं	४७	३२	तै	७	२६	२७/५६	२५	३५	२	२५	२४	कं.५।१८	स्वात्यांरविः१६/२४(सौरः५३/३)प्रदोषःघन१३
१३	शु	२	४४	ह	४४	४४	वै	४०	१०	व	२	४४	५३	२५	३५	३	२६	२५	कन्यायां	भ.२।४४उ.२९।२८या.रूप१४
१४	शु	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	श	४८	४१	चि	३९	१७	वि	३१	३८	च	२२	२६	४९	२६	३४	४	२७	२६	तु.१२।०	महालक्ष्मीपूजनम्

२७पं.का.कृ.२२र.इ. ६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	७	५	१	७	५
२५	१२	२६	३	२३	१४	१५	२४
३४	१४	२६	४३	४१	१०	२३	५८
५९	५६	३५	५५	५६	८	४५	३
५९	३८	५/०	१२	७४	२/१६	३	५९
२१	१२	५/६	१४	३८	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

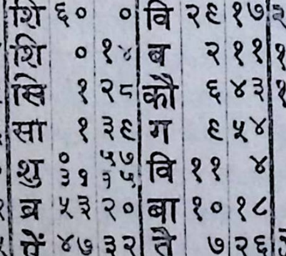

कार्तिक कृष्णे ६ गुरौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा३न४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

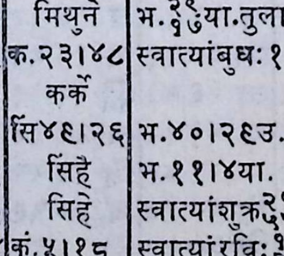

२८पं.का.कृ.८र.इ. ६/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	६	१	७	६
२	१६	८	५	२	१३	१५	१
३१	३०	७	७	२७	५१	१	५५
२३	१८	५९	४८	२२	३२	२९	२७
५९	३७	७/०	१२	७४	२/५०	३	५९
३४	४७	५/४	३२	३८	व.	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः २०४स.२०३०
१	र	४०	१९	स्वा	३३	८	प्री	२२	९	किं	१४	३०	२७/४५	६/२७	५/३३	५	२८	२७	तुलायां	विशा.बुधः ३/३ १/१ अनु.२गुरुः ३/३ २/२ अन्नकूटं=
२	चं	३१	४४	वि	२६	२२	आ	१२	२५	बा	६	१	४१	२८	३२	६	२९	२८	वृ.१३।३	चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२ [=गोवर्द्धन पूजा
३	मं	२३	३२	अ	२०	२	सौ	३/०	५०/९	ग	२२	३२	३७	२९	३१	७	१	२९	वृश्चिके	भ. ४/३ ९/७ उ.वक्रीरोहि.१शनिः ३/३ १/९ रज्जव७
४	बु	१५	४३	ज्ये	१३	४७	अ	४३	२२	वि	१५	४३	३४	२९	३१	८	२	३०	ध.१३।४७	भ.१५।४३या.
५	गु	८	५२	मू	८	४३	सु	३४	५८	बा	८	५२	३०	३०	३०	९	३	३१	धनुषि	
६	शु	३	२	पू	४	३७	धृ	२७	३७	तै	३	२	२७	३१	२९	१०	४	१	म.१८।५३	भ.५८।२८उ.नवंबर११ता.३०
७	शु	५५	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	श	५५	१८	उ	१	३९	शू	२१	२	वि	२६	५३	२३	३१	२९	११	५	२	मकरे	भ. २/५ ६/३ या.बुधोदयःपश्चिमायां ३/१ गोपाष्टमी
९	र	५३	२३	श्र	०/५	५९/४०	गं	१५	३९	बा	२४	२०	१९	३२	२८	१२	६	३	कुं.२९।५२	वृश्चिकेबुधः ३/३ ३ विशा.शुक्रः ६/२ ६ अक्षय९
१०	चं	५२	४६	श	६०	०	वृ	११	१६	तै	२३	४	१६	३३	२७	१३	७	४	कुंभे	[×उफा.भौमः ५/१ ५/८ प्रबोधिनी११व्र.+
११	मं	५३	३०	श	०	३२	ध्रु	७	५८	व	२३	८	१२	३४	२६	१४	८	५	मी४७।१०	भ. २ ३/८ उ. ५ ३/३ ० या.अनु.बुधः १/४ ०/४ ×
१२	बु	५५	१२	पू	२	४१	व्या	५	३७	व	२४	२१	९	३४	२६	१५	९	६	मीने	विशा.रविः३६।५४ [+तुलसीविवाहः
१३	गु	५८	१३	उ	५	५६	ह	४	१४	कौ	२६	४२	५	३५	२५	१६	१०	७	मीने	विशा.रविःसौरः९।२७ प्रदोषः
१४	शु	६०	०	रे	१०	२८	व	४	४	ग	३०	११	२	३६	२४	१७	११	८	मे.१०।२८	वैकुँठ१४
१४	श	२	१०	अ	१५	४३	सि	३	५३	व	२	१०	२६/२८	३६	२४	१८	१२	९	मेषे	भ.२।१०उ.३४।३७या.
१५	र	७	५	भ	२२	४	व्य	४	५०	ब	७	५	५५	३७	२३	१९	१३	१०	वृ.३८।४३	मन्वादिःका.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.१र.इ. ६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	७	६	१	७	६
९	२०	१९	६	११	१३	१४	८
२९	४३	१९	३४	१३	२८	३९	५४
३८	१२	५	२६	५२	३०	१३	४७
५९	३७	९८	१२	७४	३/३१	३	६०
४७	३३	३८	५७	३८	व.	११	२

३०पं.का.शु.९र.इ. ६/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	७	६	१	७	६
१६	२४	०	८	२०	१३	१४	१५
२९	५३	४	३	०	१	१६	५५
२०	६	३४	४७	१	३०	५८	५१
६०	३७	९४	१३	७४	५/३	३	६०
४	१६	२१	१७	३२	व.	११	१८

३१पं.का.शु.१५र.इ. ६/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	७	६	१	७	६
२३	२९	१०	९	२८	१२	१३	२२
३०	२	२७	३५	४६	३१	५४	५८
४०	३८	१८	१३	३७	१२	४२	२३
६०	३६	८९	१३	७४	४/१०	३	६०
१७	५५	०	२६	३२	व.	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	चं	१२	३७	कृ	२८	४१	व	६	३०	कौ	१२	३७	२६/५२	६/३८	५/२२	२०	१४	११	वृषे	वृश्चिकेशुक्रः ५/१ ९ कन्यायांभौमः ३/१ ९/९ ÷
२	मं	१८	५८	रो	३६	८	प	८	१३	ग	१८	५८	४९	३८	२२	२१	१५	१२	वृषे	भ.५२।८उ. [÷अनु.३गुरुः ५/१ ६/२
३	बु	२५	१९	मृ	४३	५८	शि	१०	२४	वि	२५	१९	४५	३९	२१	२२	१६	१३	मि१०।३	भ.२५।१९या:अनु.शुक्रः ४/४ १/४ चतुर्थी व्र.
४	गु	३१	४४	आ	५१	३२	सि	१२	४४	बा	३१	४४	४२	४०	२०	२३	१७	१४	मिथुने	ज्येष्ठा.बुधः२४।२२
५	शु	३७	४६	पु	५८	३२	सा	१५	४	कौ	४	४५	३९	४०	२०	२४	१८	१५	क.४१।४७	
६	श	४२	५५	पु	६०	०	शु	१६	५०	ग	१०	२०	३६	४१	१९	२५	१९	१६	कर्के	भ.४२।५५उ.वृश्चिकेऽर्कः३२।५७
७	र	४६	५२	पु	४	४५	शु	१७	४३	वि	१४	५३	३३	४१	१९	२६	२०	१७	कर्के	भ.१४।५३या.वृश्चिकेऽर्कःसौरः३।४४
८	चं	४९	२०	श्ले	९	३८	ब्र	१७	३७	बा	१८	६	३०	४२	१८	२७	२१	१८	सिं९।३८	अस्तंगुरोः४३।१२
९	मं	४९	४७	म	१३	५८	ऐं	१६	१६	तै	१९	३३	२७	४३	१७	२८	२२	१९	सिंहे	अनु.रविः५१।१७
१०	बु	४८	२३	पू	१४	२१	वै	१३	२४	व	१९	५	२५	४३	१७	२९	२३	२०	कं.२९।१२	भ. १ ९/५ उ. ४/२ ८/३ या.अनु.रविःसौरः २/३ ०/२
११	गु	४४	४४	उ	१३	४६	वि	८	५३	ब	१६	३३	२२	४४	१६	३०	२४	२१	कन्यायां	अनु.३राहुःरोहि.१केतुः ०/४ ७ उत्पत्ति११व्र.
१२	शु	३९	१३	ह	११	१६	प्री	२/४७	५२/१८	कौ	११	५८	१९	४४	१६	१	२५	२२	तु.३९।०	भा.मार्गशीर्षारंभः
१३	श	३२	५	चि	६	४४	सौ	४६	०	ग	५	३९	१७	४५	१५	२	२६	२३	तुलायां	भ. ३ २/५ उ. ५ ७/५ १ या.शुक्रोदयःपश्चिमायां १/४ ८ −
१४	र	२३	३७	स्वा	०/४४	५३/५	शो	३६	८	श	२३	३७	१४	४५	१५	३	२७	२४	वृ.४०।३३	मूलेधनुषिबुधः ४ ८/२ ज्येष्ठा.शुक्रः २/५ १/०
३०	चं	१४	१८	अ	४६	१०	अ	२५	२९	ना	१४	१८	१२	४६	१४	४	२८	२५	वृश्चिके	[−प्रदोषः

३२पं.मा.कृ.७र.इ. ६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	७	७	१	७	७
०	३	२०	११	७	११	१३	०
३३	८	१७	७	३३	५८	३२	२
२२	२४	५३	४१	४७	४१	२७	२७
६०	३६	८१	१३	७४	४/३३	३	६०
३०	२३	४	३२	३२	व	११	४०

गोचर ग्रहाः

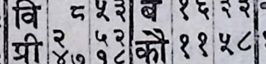

मार्गशीर्षकृष्णे ६शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा३न३प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

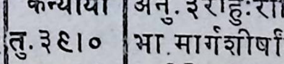

३३पं.मा.कृ.१४र.इ. ५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	७	७	१	७	७
७	७	२९	१२	१६	११	१३	७
३७	१०	१२	४१	२०	२४	१०	८
१६	३४	४	६	६	५०	११	०
६०	३५	६८	१३	७४	४/०	३	६०
४२	५४	८	३८	२९	व.	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२३४स.२०३०
१	मं	४	४८	ज्ये	३८	३१	सु	१४	३२	ब	४	४८	२६/९	६/४६	५/१४	५	२९	२६	ध.३८।३१	अनु.४गुरु:५७।१ चंद्रदर्शनम्
२	मं	५०	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	बु	४६	४३	मू	३१	२३	धृ	३/४४	४९/३७	तै	२१	४	७	४७	१३	६	१	२७	धनुषि	सावान८
४	गु	३९	६	पू	२५	७	गं	४३	५२	व	१२	५४	५	४७	१३	७	२	२८	म.३८।५२	भ.१२।५४उ.३९।६या.
५	शु	३२	५६	उ	२०	९	वृ	३५	३२	ब	६	१	२	४८	१२	८	३	२९	मकरे	हस्तेभौम:७।५९
६	श	२८	२७	श्र	१६	४६	ध्रु	२८	४६	कौ	०	४१	०	४८	१२	९	४	३०	कुं.४५।५८	चंपा६
७	र	२५	४३	ध	१५	१०	व्या	२३	१७	व	२५	४३	२५/५८	४८	१२	१०	५	१	कुंभे	भ.२५/४३उ.५५।१५या.दिसंबर१२ता.३१
८	चं	२४	४७	श	१५	१२	ह	१९	११	व	२४	४७	५६	४९	११	११	६	२	कुंभे	
९	मं	२५	३८	पू	१७	९	व	१६	३३	कौ	२५	३८	५४	४९	११	१२	७	३	मी१।४०	ज्येष्ठा.रवि:१।२९(सौर:२७।२६)
१०	बु	२७	५६	उ	२०	३०	सि	१४	५५	ग	२७	५६	५३	४९	११	१३	८	४	मीने	भ.५९/४६उ.मूलेधनुषिशुक्र:५६/४२
११	गु	३१	३७	रे	२५	१७	व्य	१४	४७	वि	३१	३७	५१	५०	१०	१४	९	५	मे.२५।१७	भ.३१/३७या.वक्रीबुध:३९/४५मोक्षदा११व्र.=
१२	शु	३६	२०	अ	३१	१७	व.	१५	२६	ब	३	५८	४९	५०	१०	१५	१०	६	मेषे	[=गीताजयंती [×दत्तजयंती
१३	श	४१	५३	भ	३७	५०	प	१६	२८	कौ	९	६	४८	५०	१०	१६	११	७	वृ.५४।५१	प्रदोष:
१४	र	४७	५३	कृ	४४	५३	शि	१८	२६	ग	१४	५३	४६	५१	९	१७	१२	८	वृषे	भ.४७।५३उ.
१५	चं	५४	२१	रो	५२	२२	सि	२०	२०	वि	२१	७	४५	५१	९	१८	१३	९	वृषे	भ.२१/७या.बुधास्त:पश्चिमायां४१/३९×

३४ पं.मा.शु.७र.इ. ५/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	७	१	७	७
१४	११	५	१४	२५	१०	१२	१४
४२	९	५२	११	७	५०	४७	१४
२९	३२	४८	१८	८	३१	५५	४६
६०	३५	३९	१३	७४	४/४०	३	६१
५०	२८	४५	३८	२६	व.	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु बाजरा मूंग मोठ चना चांवल रसकस गुड़ शक्कर चीनी में तेजी करेगा प्रजा में शान्ति रहे ।

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.शु.१४र.इ.५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	८	१	७	७
२१	१५	७	१५	३	१०	१२	२१
४८	५	५	४९	५४	१६	२५	२२
३२	४६	५६	४४	७	३७	४०	२७
६०	३५	२५/३८	१३	७४	४/३२	३	६१
५६	१	व.	३८	२६	व.	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	मं	६०	०	मृ	५९	४६	सा	२२	३८	बा	२७	३१	२५/४४	६/५१	५/९	१९	१४	१०	मि२६।४	
१	बु	०	४२	आ	६०	०	शु	२४	४५	कौ	०	४२	४३	५१	९	२०	१५	११	मिथुने	ज्येष्ठा.१गुरु:५/१ १/१वक्रीकृत्ति.४शनि:४५/२१
२	गु	७	१०	आ	७	६	शु	२६	४४	ग	७	१०	४२	५२	८	२१	१६	१२	क.५७।२३	भ.४०।०उ.
३	शु	१२	४९	पु	१४	९	ब्र	२८	२५	वि	१२	४९	४१	५२	८	२२	१७	१३	कर्के	भ.१२।४९या. चतुर्थी व्र.
४	श	१७	५५	पु	२०	३८	ऐं	२९	३०	बा	१७	५५	४०	५२	८	२३	१८	१४	कर्के	उदयंगुरो:१।४८
५	र	२२	२	श्ले	२६	८	वै	२९	५२	तै	२२	२	३९	५२	८	२४	१९	१५	सिं२६।८	वक्रीज्येष्ठा.वृश्चिकेबुध:१८/५पूषाशुक्र:३६/२६
६	चं	२५	१४	म	३०	२३	वि	२९	२०	व	२५	१४	३९	५२	८	२५	२०	१६	सिंहे	भ.२५/१४उ.५५/७या.मूलेधनुष्यर्क:८/४४+
७	मं	२६	४०	पू	३३	१०	प्री	२७	४३	ब	२६	४०	३८	५२	८	२६	२१	१७	कं.४८।२७	[+(सौर:३२/१६)
८	बु	२६	३७	उ	३४	१९	आ	२४	४६	कौ	२६	३७	३८	५२	८	२७	२२	१८	कन्यायां	
९	गु	२४	३३	ह	३२	४९	सौ	२०	१६	ग	२४	३३	३७	५३	७	२८	२३	१९	कन्यायां	भ.५२।३९उ.
१०	शु	२०	४६	चि	३१	२२	शो	१४	१९	वि	२०	४६	३७	५३	७	२९	२४	२०	तु.२।३६	भ.२०।४६या.
११	श	१५	१६	स्वा	२७	९	अ	६/५०	५१/२४	बा	१५	१६	३६	५३	७	३०	२५	२१	तुलायां	बुधोदय:पूर्वस्यां४४।४९सफला११व्र.
१२	र	८	९	वि	२१	२८	धृ	४८	२६	तै	८	९	३६	५३	७	१	२६	२२	वृ.७।५३	भ.५९।४३उ.भा.पौषारंभ: प्रदोष:
१३	र	५१	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	चं	५०	२२	अ	१४	३७	शू	३७	५८	वि	२५	२	३६	५३	७	२	२७	२३	वृश्चिके	भ.२५।२या.चित्रा.भौम:८।४
३०	मं	४०	४४	ज्ये	६/५	५२/१०	गं	२६	५७	च	१५	३३	३६	५३	७	३	२८	२४	ध.६।५५	

३६पं.पौ.कृ.५र.इ.५/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	८	७	८	१	७	७
२८	१८	०	१७	१२	९	१२	२८
५५	५६	२१	२३	४१	४४	३	३१
२६	३५	०	४६	१७	१३	२४	१०
६१	३४	९७/५२	१३	७४	४/१०	३	६१
०	१६	व.	३२	२३	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

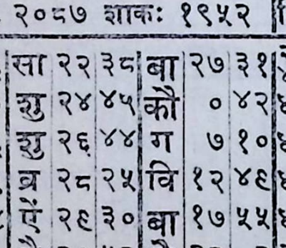

पौष कृष्णे ६ चन्द्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टः वा३न३प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

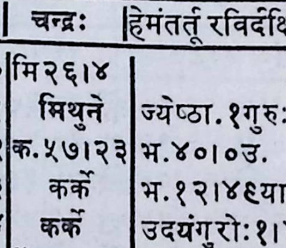

३७पं.पौ.कृ.१२र.इ. ५/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	७	८	१	७	८
६	२२	२२	१८	२१	९	११	५
३	४४	२७	५६	२८	१३	४१	४०
०	४२	१८	२०	५	५५	९	३५
६१	३३	४४/४३	१३	७४	३/५२	३	६१
४	३७	व.	२५	२०	व.	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२६३स.२०३०
१	बु	३०	५८	पू	५१	२५	बृ	१५	४९	किं	५	५१	२५/३७	६/५३	५/७	४	२९	२५	धनुषि	उषा.शुक्रः११।२८ [–चंद्रदर्शनम्
२	गु	२२	१	उ	४४	५६	ध्रु	५/१	१०/९	कौ	२२	१	३७	५३	७	५	३०	२६	म.४।४८	मार्गीबुधः३४।४६ज्येष्ठा.२गुरु।५९/१५–
३	शु	१४	१७	श्र	३९	२८	ह	४६	१४	ग	१४	१७	३७	५३	७	६	१	२७	मकरे	भ.४१।१०उ.रमजान९
४	श	८	४	ध	३५	४७	व	३८	५५	वि	८	४	३८	५२	८	७	२	२८	कुं.७।३८	भ.८।४या.मकरेशुक्रः५२।५६
५	र	३	४७	श	३४	३	सि	३३	१९	बा	३	४७	३८	५२	८	८	३	२९	कुम्भे	पूषा.रविः१३।४७ (सौरः३३।५४)
६	चं	१	२९	पू	३४	३०	व्य	२९	१३	तै	१	२९	३९	५२	८	९	४	३०	मी१९।२३	
७	मं	१	२७	उ	३६	४७	व	२६	५४	व	१	२७	४०	५२	८	१०	५	३१	मीने	भ.१।२७उ.३२।२२या.
८	बु	३	१७	रे	४१	०	प	२५	५०	ब	३	१७	४१	५२	८	११	६	१	मे.४१।०	जनवरी१ता.३१सन्२०३१
९	गु	६	४६	अ	४६	३५	शि	२६	११	कौ	६	४६	४२	५२	८	१२	७	२	मेषे	
१०	शु	११	४३	भ	५३	१९	सि	२७	१९	ग	११	४३	४३	५१	९	१३	८	३	मेषे	भ.४४।४४उ.
११	श	१७	३७	कृ	६०	०	सा	२९	१४	वि	१७	३७	४४	५१	९	१४	९	४	वृ.१०।१०	भ.१/३ ५/७या.तुलायांभौमः५/२ ७/६पुत्रदा११व्र.
१२	र	२३	५५	कृ	०	४२	शु	३१	२०	बा	२३	५५	४५	५१	९	१५	१०	५	वृषे	श्रवणेशुक्रः५२।५५
१३	चं	३०	३८	रो	८	१	शु	३३	३७	तै	३०	३८	४७	५१	९	१६	११	६	मि४१।५०	प्रदोषः
१४	मं	३६	५२	मृ	१५	४०	ब्र	३५	४६	ग	३	४५	४८	५०	१०	१७	१२	७	मिथुने	भ.३६।५२उ.मूलेधनुषिबुधः४१।५७
१५	बु	४३	२४	आ	२२	५५	ऐं	३७	३८	वि	१०	८	५०	५०	१०	१८	१३	८	मिथुने	भ.१०।८या.मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु.५र.इ. ४/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	७	९	१	७	८
१३	२६	२१	२०	०	८	११	१२
१०	२७	५३	२७	१४	४७	१८	५०
५९	१८	६	४३	४९	२	५३	२७
६१	३२	२४/५३	१३	७४	२ ३/८	३	६१
६	५०	मा	१४	१४	व्र	११	२६

गोचरग्रहाः

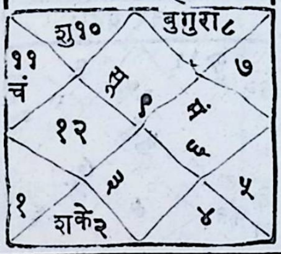

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का सोना चांदी रुई मंदी होवे रसकस गुड़ शक्कर चीनी नमक तेज हो।

गोचर ग्रहाः

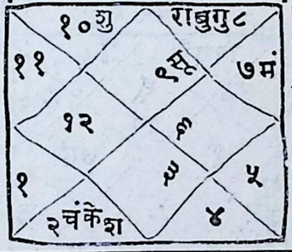

३९पं.पौ.शु.१२र.इ.४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	७	९	१	७	०
२०	०	२७	२१	९	८	१०	२०
१९	३	२७	५७	०	२४	५६	४
५	५८	२५	२२	३६	२५	३७	२८
६१	३२	५८	१२	७४	४७/२	३	६१
६	६	१६	५४	७	व.	११	२६

ति	माघ कृष्णपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.३
१	गु	४८	१९	पु	२९	४३	वै	३९	६	बा	१५	५१	२५/५२	६/५०	५/१०	१९	१४	९	क.१३।१	
२	शु	५२	५२	पु	३५	३५	वि	३९	५३	तै	२०	३५	५३	४९	११	२०	१५	१०	कर्के	[=(सौरः३५/२१)ज्येष्ठा.३गुरुः४०/५०
३	श	५६	३०	श्ले	४०	४८	प्री	३९	५९	व	२४	४१	५५	४९	११	२१	१६	११	सिं४०।४८	भ.२४/४१उ.५६/३०या.उषा.रविः१/३ ८/३
४	र	५९	८	म	४४	५२	आ	३९	२८	ब	२७	४९	५७	४९	११	२२	१७	१२	सिंहे	चतुर्थी व्र.
५	चं	६०	०	पू	४८	१२	सौ	३७	५७	कौ	२९	५१	५९	४८	१२	२३	१८	१३	सिंहे	
५	मं	०	३४	उ	५०	११	शो	३५	३१	तै	०	३४	२ ६/१	४८	१२	२४	१९	१४	कं.३।४२	मकरेऽर्कः३४।५७ (सौरः५०।४८)
६	बु	०	५८	ह	५०	५२	अ	३२	११	व	०	५८	४	४७	१३	२५	२०	१५	कन्यायां	भ.०।५८उ.३०।२७या.
७	बु	५८	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	धनि.शुक्रः३०।३
८	गु	५७	२८	चि	५०	८	सु	२७	४०	बा	२८	४२	६	४७	१३	२६	२१	१६	तु.२०।३०	
९	शु	५३	३८	स्वा	४७	५०	धृ	२१	५६	तै	२५	३३	८	४६	१४	२७	२२	१७	तुलायां	पूषा.बुधः५१।२०
१०	श	४८	२५	वि	४४	१६	शू	१५	०	व	२१	१	११	४६	१४	२८	२३	१८	वृ.३०।१०	भ.२१/१उ.४८/२५या.स्वात्यांभौमः३७/६×
११	र	४१	४६	अ	३९	२४	गं	७/१०	५ ९/५	ब	१५	५	१३	४५	१५	२९	२४	१९	वृश्चिके	पातमोक्षः११।३२ षट्तिला११व्र.
१२	चं	३४	८	ज्ये	३३	३४	ध्रु	४८	३०	कौ	७	५७	१६	४५	१५	३०	२५	२०	ध.३३।३४	[×पातस्पर्शः२९/३२
१३	मं	२५	४०	मू	२६	५२	व्या	३८	१९	व	२५	४०	१९	४४	१६	१	२६	२१	धनुषि	भ.२५/४०उ.५९/८या.अभि.प्र.रविः९/२३ सौरः८
१४	बु	१६	३६	पू	१९	४०	ह	२७	४७	श	१६	३६	२१	४४	१६	२	२७	२२	म.३२।५५	अनु.राहुः कृत्ति.४केतुः५३।३०
३०	गु	७	५१	उ	१२	४२	व	१७	४०	ना	७	५१	२४	४३	१७	३	२८	२३	मकरे	[८२२/९)कुंभेशुक्रः५४/४५भा.माघारंभः प्रदोष

४०पं.मा.कृ.४र.इ. ४/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	७	९	१	७	८
२७	३	५	२३	१७	८	१०	२७
२७	३१	४०	२४	४६	५	३४	१०
७	३४	४१	५८	१२	५६	२२	१६
६१	३०	७४	१२	७४	२/१२	३	६१
६	५६	५०	२६	१	व.	११	२४

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ५ भौमे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न.३ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४१पं.मा.कृ.११र.इ.४/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र.
९	६	८	७	९	१	७	९
४	६	१५	२४	२६	७	१०	४
३४	५३	४	४८	३०	५२	१२	३९
५९	१०	२६	५८	३६	१२	६	४५
६१	२९	८५	१२	७३	१/३१	३	६१
३	३७	२०	८	५५	व.	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२९३स.२०३१
१	शु	०	३२	श्र	६	२८	सि	८/०	५१/२५	ब	०	३२	२६/२७	६/४३	५/१७	४	२९	२४	कुं.३४।०	श्रवणेरविः २४/० (सौरः ३९/५) चंद्रदर्शनम्
२	शु	५१	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श	४६	५०	ध	९/३२	५६/३३	व	५२	१	तै	१९	३३	२९	४२	१८	५	१	२५	कुंभे	अभि.नि.रविः ९६/५ (सौरः ३९/३) सव्वाल१०
४	र	४३	७	पू	५६	३०	प	४६	१३	व	१४	५८	३२	४२	१८	६	२	२६	मी४१।५४	भ.५४/८ उ.४३ या.उषा.बुधः ५७/३
५	चं	४१	४६	उ	५७	२१	शि	४२	२२	ब	१२	२६	३५	४१	१९	७	३	२७	मीने	शतेशुक्रः ३४/२ वसंत५
६	मं	४२	१७	रे	५९	५७	सि	४०	७	कौ	१२	१	३८	४०	२०	८	४	२८	मे.५९।५७	ज्येष्ठा.४गुरुः४०।४८
७	बु	४४	५५	अ	६०	०	सा	३८	४३	ग	१३	३६	४१	४०	२०	९	५	२९	मेषे	भ.४४/८ उ.मकरेबुधः ३६/६ भानु७रथ७
८	गु	४९	२३	अ	४	३४	शु	३९	५८	वि	१७	९	४५	३९	२१	१०	६	३०	मेषे	भ.९/९ या.पातस्पर्शः २३/४ पातमोक्षः ४४/५–
९	शु	५४	५९	भ	१०	२९	शु	४१	३२	बा	२२	११	४८	३८	२२	११	७	३१	वृ.२७।१८	[–भीष्माष्टमी
१०	श	६०	०	कृ	१७	४५	ब्र	४३	३४	तै	२८	१२	५१	३८	२२	१२	८	१	वृषे	बुधास्तःपूर्वस्यां३७।२१फर्वरी२ता.२८
१०	र	१	२५	रो	२५	१७	ऐं	४५	५४	ग	१	२५	५४	३७	२३	१३	९	२	मि५९।९	भ.३४।४४उ.मार्गीशनिः२०।४८
११	चं	८	३	मृ	३३	१	वै	४८	१६	वि	८	३	५८	३६	२४	१४	१०	३	मिथुने	भ.८।३या.जया११व्र.
१२	मं	१४	२५	आ	४०	९	वि	५०	१०	बा	१४	२५	२७/१	३६	२४	१५	११	४	मिथुने	श्रवणेबुधः३४।३७ प्रदोषः
१३	बु	२०	१७	पु	४६	५२	प्री	५१	२९	तै	२०	१७	५	३५	२५	१६	१२	५	क.३०।११	[=(सौरः ८३/५ पूभा.शुक्रः ५७/४०
१४	गु	२५	१४	पु	५२	२६	आ	५१	५५	व	२५	१४	८	३४	२६	१७	१३	६	कर्के	भ.३५/४ उ.५७/६ या.धनि.रविः ३२/१८=
१५	शु	२८	५८	श्ले	५७	०	सौ	५१	४१	ब	२८	५८	१२	३४	२६	१८	१४	७	सि५७।०	मा.स्ना.पूर्तिः

४२पं,मा.शु.४र.इ.४।४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	८	७	१०	१	७	९
११	१०	२५	२६	५	७	९	११
४२	६	१७	१०	१३	४४	४९	२८
२९	३२	३८	१	४८	१०	५१	३६
६०	२८	९३	११	७३	०/४१	३	६१
५९	२८	७	३२	५०	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

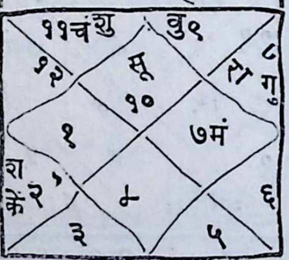

इस मास में अलसी गेहूं रुई कपास सूत मूंगफली में तेजी हो धान्य व गल्ला सस्ता हो शीत अविक पड़े।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.शु.१०र.इ.४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	७	१०	१	७	९
१८	१३	६	२७	१३	७	९	१८
४९	७	४	२७	५५	४१	२७	३६
१	४८	२६	२९	५५	३१	३५	४३
६०	२६	९४	१०	७३	०/२	३	६१
५५	२३	२६	५६	४३	व.	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	३१	४२	म	६०	०	शो	५०	२९	बा	०	२०	२७/१५	६/३३	५/२७	१९	१५	८	सिंहे	
२	र	३३	२५	म	०	२८	अ	४८	२५	तै	२	३३	१९	३२	२८	२०	१६	९	सिंहे	
३	चं	३३	५०	पू	३	२	सु	४५	३९	व	३	३७	२३	३१	२९	२१	१७	१०	कं.१८।२२	भ.३।३७उ.३३।५०या.
४	मं	३३	२१	उ	४	२२	धृ	४२	०	ब	३	३५	२७	३१	२९	२२	१८	११	कन्यायां	चतुर्थीव्र.
५	बु	३१	५५	ह	४	५०	शू	३७	४२	कौ	२	३८	३०	३०	३०	२३	१९	१२	तु.३४।४१	धनि.बुधः२८।४
६	गु	२९	३१	चि	४	३२	गं	३२	३१	ग	०	४३	३४	२९	३१	२४	२०	१३	तुलायां	भ.३९/३ उ.५७/५ या.कुंभेऽर्कः ७/३४ (सौरः ३७/३)
७	शु	२६	१९	स्वा	३	१३	बृ	२६	४९	ब	२६	१९	३८	२८	३२	२५	२१	१४	बृ.४६।३३	
८	श	२२	२०	वि	०/५९	५६/४९	धु	२०	१६	कौ	२२	२०	४१	२८	३२	२६	२२	१५	वृश्चिके	मीनेशुक्रः:४।२३
९	र	१७	१५	ज्ये	५३	५९	व्या	१३	६	ग	१७	१५	४५	२७	३३	२७	२३	१६	ध.५३।५९	भ.४४।२३उ.कुंभेबुधः१७।२३
१०	चं	११	३१	मू	४९	२१	ह	५/३	५१/३५	वि	११	३१	४९	२६	३४	२८	२४	१७	धनुषि	भ.१९/३ या.उभा.शुक्रः ४८/१ मूल.१गुरुः ४५/३७
११	मं	४	५४	पू	४३	५८	सि	४७	३६	बा	४	५४	५३	२५	३५	२९	२५	१८	म.५७।३४	विजया११व्र.
१२	मं	५२	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	बु	५०	२३	उ	३८	२३	व्य	३८	३७	ग	२४	५	५६	२५	३५	३०	२६	१९	मकरे	भ.५९/३ उ.शतेरविः ४३/४५ (सौरः ५३/१५) प्रदोषः
१४	गु	४२	५९	श्र	३२	५४	व	२९	४७	वि	१६	४१	२८/००	२४	३६	१	२७	२०	मकरे	भ.४९/५ या.शतेबुधः ४/५३ विशा.भौमः १/३२×
३०	शु	३६	२२	ध	२८	३	प	२१	१७	च	९	४०	४	२३	३७	२	२८	२१	कुं.०।२८	[×भा.फाल्गुनारंभः महाशिवरात्रीव्र.

४४पं.फा.कृ.२र.इ.५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	७	१०	१	७	९
२५	१५	१७	२८	२२	७	९	२५
५४	५९	२८	३९	३६	४४	५	४३
५०	३८	२६	५०	७	४९	१९	३०
६०	२४	११/०	१०	७३	०/५१	३	६०
४७	२५	९/५६	१३	३०	मा	११	५५

गोचर ग्रहाः

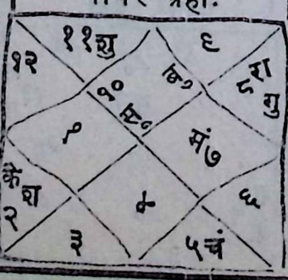

फाल्गुन कृष्णे ६ गुरौ कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४५पं.फा.कृ.९र.इ.५/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	९	७	११	१	७	१०
२	१८	२९	२९	१	७	८	२
५९	३७	३८	४७	१४	५३	४३	४९
४२	३७	२	३१	३१	२८	४	३३
६०	२१	९/०	७	७३	१	३	६०
३७	४४	९/२७	२८	२०	३१	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गण३२२स.२०३१
१	श	३०	३७	श	२४	१४	शि	१३	३४	किं	३	२९	२८ ८	६ २२	५ ३८	३	२९	२२	कुम्भे	
२	र	२६	२४	पू	२१	४१	सि	७	५	कौ	२६	२४	१२	२२	३८	४	३०	२३	मी७।१९	चन्द्रदर्शनम् फुलरिया२
३	चं	२४	१०	उ	२१	७	सा	२ १६	५६ १२	ग	२४	१०	१६	२१	३९	५	१	२४	मीने	भ.५३ ५६उ.पातस्पर्श:३३ ४८पातमोक्ष:४७ ३०–
४	मं	२३	४३	रे	२२	१९	शु	५६	४९	वि	२३	४३	२०	२०	४०	६	२	२५	मे.२२।१९	भ.२३।४३या. [–जिल्काद११
५	बु	२५	२४	अ	२५	४०	ब्र	५६	१९	बा	२५	२४	२४	१९	४१	७	३	२६	मेषे	
६	गु	२८	५३	भ	३०	५०	ऐं	५७	२	तै	२८	५३	२८	१८	४२	८	४	२७	वृ.४७।२७	पूभा.बुध:१०।५५
७	शु	३३	५६	कृ	३७	१७	वै	५८	४६	ग	१	२४	३२	१८	४२	९	५	२८	वृषे	भ.३३।५६उ.रेवत्यांशुक्र:४०।१६
८	श	३९	५६	रो	४४	२०	वि	६०	०	वि	६	५६	३६	१७	४३	१०	६	१	वृषे	भ.६।५६या.मार्च३ता.३१ होलाष्टकम्
९	र	४६	२७	मृ	५२	१	वि	०	५५	बा	१३	११	४०	१६	४४	११	७	२	मि१८।११	
१०	चं	५२	४९	आ	५९	२३	प्री	३	१६	तै	१९	३८	४४	१५	४५	१२	८	३	मिथुने	[=मीनेबुध:२४ ७१आमलकी११व्र.
११	मं	५८	४१	पु	६०	०	आ	५	२३	व	२५	४५	४८	१४	४६	१३	९	४	क.४९।३५	भ.२५ ४५उ.५८ ४१या.पूभारवि:५९ ५१=
१२	बु	६०	०	पु	६	१९	सौ	६	५४	ब	३१	१	५२	१४	४६	१४	१०	५	कर्के	पूभा.रवि:सौर:८।२
१२	गु	३	२१	पु	११	५५	शो	७	४३	बा	३	२१	५६	१३	४७	१५	११	६	कर्के	उभा.बुध:७।३९ प्रदोष:
१३	शु	६	४६	श्ले	१६	१४	अ	७	७	तै	६	४६	२९ १	१२	४८	१६	१२	७	सिं१६।१४	बुधोदय:पश्चिमायां९।३७
१४	श	८	४७	म	१९	१२	सु	५	३९	व	८	४७	५	११	४९	१७	१३	८	सिंहे	भ.८ ४७उ.३९ १या.होलिकादहनम्भद्रोत्तरम्
१५	र	९	१६	पू	२०	५२	धृ	३ २	५६ १८	ब	९	१६	९	१०	५०	१८	१४	९	कं.३५।५६	पातस्पर्श:५८।२२छारेंडी

४६ पं.फा.शु.२२र.इ. ५ ३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	८	११	१	७	१०
१०	२०	१२	०	९	८	८	९
३	५८	२०	४९	५०	७	२०	५५
१४	३०	४२	४८	३८	२३	४८	६
६०	१९	[illegible]	८	७३	२	३	६०
२५	१	[illegible]	३७	११	१३	११	३१

४७पं.फा.शु ९र.इ.५।५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	१०	८	११	१	७	१०
१७	२३	२५	१	१८	८	७	१६
५	०	३१	४६	२४	२६	५८	५७
२८	३६	२६	१	०	१३	३३	१
६०	१५	[illegible]	७	७२	२	३	६०
१२	१७	[illegible]	३४	५२	५३	११	२०

४८पं.फा.शु.१५र.इ.६ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	६	११	८	११	१	७	१०
२४	२४	८	२	२६	८	७	२३
६	४१	३६	३४	५५	४९	३६	५८
१४	२०	७	५९	८	५५	१७	२३
५९	११	[illegible]	६	७२	३	३	६०
५८	९	[illegible]	३१	३२	३४	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८७ शाकः १९५२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं	८	२३	उ	२१	७	गं	५४	५२	कौ	८	२३	२९ १३	६ ९	५ ५१	१९	१५	१०	कन्यायां	अश्वि.मेषेशुक्र:४९ ३०पातमोक्ष:१० ५१ वसंत१
२	मं	६	३६	ह	२०	२८	वृ	४९	४१	ग	६	३६	१७	९	५१	२०	१६	११	तु.४८।८	भ.३५।५उ.
३	बु	३	३४	चि	१९	१०	ध्रु	४४	०	वि	३	३४	२१	८	५२	२१	१७	१२	तुलायां	भ.३।३४या. चतुर्थी व्र.
४	गु	०	३	स्वा	१७	७	व्या	३७	४०	बा	०	३	२६	७	५३	२२	१८	१३	तुलायां	
५	गु	५५	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	शु	५१	३५	वि	१४	३५	ह	३१	१२	ग	२३	४६	३०	६	५४	२३	१९	१४	वृ.०।१३	भ.५१ ३५उ.रेवत्यांबुध:७ १शीतलापूजनम्
७	श	४६	५५	अ	१२	१	व	२४	२६	वि	१९	१५	३४	५	५५	२४	२०	१५	वृश्चिके	भ.४९ १५या.मीनेऽर्क:० ४४(सौर:६ २३)
८	र	४१	५७	ज्ये	८	५३	सि	१७	२७	बा	१४	२६	३८	४	५६	२५	२१	१६	ध.८।५३	मूल.२गुरु:४४।३
९	चं	३६	४९	मू	५	२९	व्य	१०	१३	तै	९	२३	४३	३	५७	२६	२२	१७	धनुषि	
१०	मं	३१	१०	पू	१ ४५	५६ १०	व	२ ५०	५२ २९	व	३	५९	४७	३	५७	२७	२३	१८	म.१५।४७	भ.३ ५९उ.३१ १०या.उभा.रवि:२१ ४८+
११	बु	२४	३२	श्र	५४	७	शि	४७	५६	बा	२४	३२	५१	२	५८	२८	२४	१९	मकरे	पापमोचनी११व्र. [+(सौर:३ ०)
१२	गु	१९	५७	ध	५०	४०	सि	४०	५०	तै	१९	५७	५५	१	५९	२९	२५	२०	कुं.२२।२४	प्रदोष:
१३	शु	१४	५२	श	४७	५०	सा	३४	१	व	१४	५२	३० ००	६ ०	६ ०	३०	२६	२१	कुंभे	भ.१४।५२उ.४२।३०या.
१४	श	१०	८	पू	४५	४४	शु	२८	९	श	१०	८	४	५ ५९	१	१	२७	२२	मी३२।१	भरण्यांशुक्र:४४।२६भा.चैत्रारंभ:
३०	र	६	४२	उ	४५	१	शु	२३	११	ना	६	४२	८	५८	२	२	२८	२३	मीने	मन्वादि;

४९पं.चै.कृ.८र.इ.६ ३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	०	१	७	११
१	२५	१९	३	५	९	७	०
५	५६	१८	१६	२२	१८	१४	५८
३१	३१	२९	३७	३४	३६	१	६
५९	५	७९	५	७२	४	३	५९
४१	५२	३३	२५	१२	१४	११	४९

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ७ शनौ
मीनेऽर्क:प्रविष्ट.वां३
न.३वृद्धावस्था(बैठी)
धान्यादिभावे समता
शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

५०पं.चै.कृ.३०र.इ.६ ५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	०	१	७	११
८	२६	२५	३	१३	९	६	७
३	४४	०	५०	४६	५१	५१	५६
१८	३१	७	२६	५५	२२	४६	१
५९	०	२३	४	७१	४	३	५९
२९	५९	२८	१४	५२	४८	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

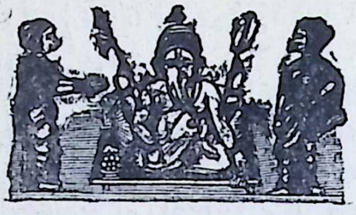

सिद्धिः
शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३२, भोग्यकलिः ४२६८६८, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०८८, शाकः १९५३, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः । मंत्री चंद्रः । सस्येशःगुरुः। धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशः शुक्रः। नीरसेशो बुधः। फलेशः रविः । घनेशः बुधः । दुर्गेशः रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १९ क्रोधनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः २।१४।०।५८।३६ भोग्यमासादिः ९।१५।५९।१।२४ भगदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम ज्येष्ठः।मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः पर्वते । समयनिवासोकुंभकार गृहे । समय विश्वा १८ समयवाहनम् मृगः । स्तंभः १ जलस्य । सोमवत्यमा ३ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २रविदशमी२ समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ९ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ८४, वर्षाविग्वा ५, धान्यम् १५, तृणम् ११, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम्११५, सत्यम् ।। धर्मं १।।, पापं १८ शनिदृष्टिपूर्वे । ग्रहण १ सूर्यस्यः ।

सं.२०८८ ज्येष्ठ कृष्णा ३० बुधे
सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	११	१	२
मि.	३०	८	३५
घ.	१२	१६	२०
प.	३८	४२	२०

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

माता के दरबार में भैरव तणों सवाल ।
अठ्यासी की साल का कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

आठों कूंट अठ्यासियो वर्षा होसी खंड ।
भादव कुज गुरु योग से चालें पवन प्रचंड ।।
निशानाथ राजा भये मंत्री पद को पाय ।
सस्याधिप सुरपूज्य है जग की करें सहाय ।।
पर्वत पर रोहिणी बसी स्तंभ लगा है एक ।
कुंभकार घर समय है ईश्वर राखे टेक ।।
वर्षा ऋतु के मध्य में जगत् मचावे शोर ।
व्यापारां घटबढ घणी तेजड़ियों का जोर ।।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
"बनवारी" जगदीश का भजन जगत् में सार ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८
रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् १।१

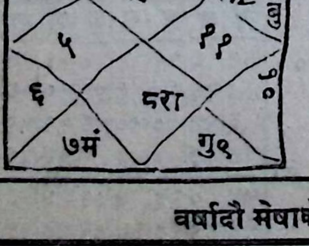

वर्षेश लग्नम् ४।६

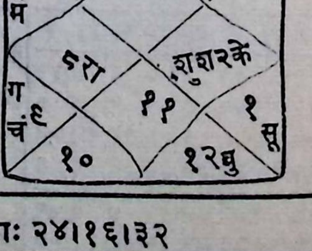

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१६।३२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः फलम् ।। चंद्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरंच धान्यं । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ।। मंत्री चंद्रः फलम् ।। शशिनि मंत्रिगते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियतिवारि धरा बहुवर्षिणो जनपदा सुख राशि सुशोभिता ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराजपुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहु सस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौमस्तत्फलं ।। भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमतेजनता रसम् । यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुख चयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशः शुक्रः फलम् ।। यजन याजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जल तोषित मानसाः । सुख सुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहतं पाप गण प्रियाः ।। नीरसेशो बुधः फलम् ।। चित्र वस्त्रादिकंचैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घं वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविः फलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहु जलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधः फलम् ।। द्रविणपो हिम रश्मिसुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा । द्विज वरा जप यज्ञ सुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशः रविः फलम् ।। नय विशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्व पथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। क्रोध नाम संवत्सरः फलम् ।। क्रोधाब्दे मध्य वृष्टिः स्यात् पूर्वदेशे च वृष्टयः । सम्पूर्णमितरत् सर्वे भूपाः क्रोध परायणाः ।। वर्षनाम ज्येष्ठः फलम् ।। ज्येष्ठाब्दे धर्म मार्गस्थाः पीडचन्ते सत्क्रिया पराः । न च वर्षति वै देवो भवेत्सस्य विनाशनम् ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ।। पर्वते विंदु मात्रश्च ।। समयनिवासः कुंभकार गृहे ।। अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ७ चन्द्रे उषा ल. ११ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ४ शुक्रे मृगे ल.११ (घ५३-३१उ) रे.७।।।।ऽअऽऽ।।
,, ६ गुरौ मघा ल. गो. (सोग्रांगः) ११ (चं.७पू) रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ११शनौ उफा ल.ऽन्यगो (सपापांगः) रे.९।।।ऽबु।।।।।
,, १२ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो (सपापः) रे.८ऽऽ।।।।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ शुक्रे मूले ल. ११ रे. ८ ।।।।ऽचो।ऽ।।
,, ५ रवौ उषा ल. ११ रे. ७ ।।।।ऽऽऽ।ऽ
,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांग.) ११
शुक्ला ७ बुधे मघा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ११चं.पू.सत्
,, ९ शुक्रे उफा ल. ऽन्यगो रें. ६ ।।।।।ऽ।।
,, १० शनौ हस्तें ल. गो. रे. ८ ।।।।ऽचौ।ऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा १ शुक्रे मूले ल. गो. रे. ८ ।ऽऽबृ।।।।।।
,, ४ रवौ उषा ल. गो. रे. ७ ।।।।।।ऽऽऽ दग्धा
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ८ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो रे.७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ५ बुधे मघा ल. ऽन्यगो रे. ९ ।ऽ।।।।।।।

कार्तिक मासः

शुक्ला १५ शुक्रे रोहि ल. ६ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ शनौ रोहि ल. ५ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।
,, ८ रवौ उफा ल. ६ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।
,, ६ चन्द्रे उफा ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।
,, ६ चन्द्रे हस्तें ल. ५ (घ.४०-३५उ) रे. ७ ।।।।ऽ।ऽ।ऽ दग्धा
,, १० भौमे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽनृ।ऽ।ऽ
,, ११ बुधे स्वात्यां ल. ६ रे. ७ ।।ऽशु।।ऽचौ।ऽ।।
,, १२ गुरौ स्वत्यां ल. ५ (घ.३६-३७या) रे. ८ ।।ऽशु।।।ऽ।।

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ उफा ल. गो. ६ रे. ८ ।।।।ऽ।।ऽ।।
,, ५ रवौ हस्ते ल. गो. ६ रे.७ ।।।।।ऽरो३२याऽऽ।।
,, ६ गुरौ मृगे ल. १० रे. ६ ।ऽ।ऽबृ।ऽचौ।ऽ।।
पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ८ शुक्रे मूले ल. १० रे. ८ ऽ।।।।।ऽ।।
,, १० रवौ उषा ल. ६ रे. ८ ।।ऽबृ।।।ऽ।।
शुक्ला २ शनौ रेव ल. ९ (घ.४६।२२या) रे. ८ ।।।।ऽअऽ।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततू रविरुत्तरेऽहर्गण:३५२स.२०३१
१	चं	४	३२	रे	४५	४९	ब्र	१९	१९	ब	४	३२	३०/१२	५/५८	६/२	३	२९	२४	मे.४५।५९	वक्रीभौम:९६/७रोहिणी१शनि:५४/४९चंद्र +
२	मं	३	५२	अ	४८	२२	ऐं	१६	४६	कौ	३	५२	१६	५७	३	४	१	२५	मेषे	जिल्हेज१२सिंधारामत्स्यजयंती
३	बु	५	१०	भ	५२	२४	वै	१५	३७	ग	५	१०	२१	५६	४	५	२	२६	मेषे	भ.३६/३७उ.अनु.१राहु:कृत्ति.३केतु:४८/४१ ×
४	गु	८	५	कृ	५८	८	वि	१५	३२	वि	८	५	२५	५५	५	६	३	२७	वृ.८।५०	भ.८।५या. [×गणगौरी
५	शु	१२	३१	रो	६०	०	प्री	१७	०	बा	१२	३१	२९	५४	६	७	४	२८	वृषे	बुधास्त:पश्चिमायां१।१८
६	श	१७	५८	रो	४	४६	आ	१८	४४	तै	१७	५८	३३	५३	७	८	५	२९	मि३८।३१	[+दर्शनम्संवत्सरारंभ: नवरात्रारंभ
७	र	२४	१७	मृ	१२	१७	सौ	२१	५	व	२४	१७	३७	५३	७	९	६	३०	मिथुने	भ.२४।१७उ.५७।२७या.
८	चं	३०	३७	आ	१९	४६	शो	२३	१९	ब	३०	३७	४१	५२	८	१०	७	३१	मिथुने	रेवत्यांरवि:४९।२१(सौर:५६।२६)
९	मं	३६	३५	पु	२६	५६	अ	२५	१८	बा	३	३६	४५	५१	९	११	८	१	क.१०।१९	अप्रेल४ता.३०रामनवमी
१०	बु	४१	३२	पु	३३	१३	सु	२६	३१	तै	९	३	४९	५०	१०	१२	९	२	कर्के	कृत्ति.शुक्र:५८।५२
११	गु	४५	१	श्ले	३७	५८	धृ	२६	२९	व	१३	१६	५३	४९	११	१३	१०	३	सि३७।५८	भ.१३/१६उ.४५/१या.कामदा११व्र.
१२	शु	४६	४९	म	४१	१९	शू	२५	१६	ब	१५	५५	५७	४९	११	१४	११	४	सिंहे	
१३	श	४७	०	पू	४२	४९	गं	२२	४४	कौ	१६	५४	३/१	४८	१२	१५	१२	५	कं.५७।४५	बृषेशुक्र:४८।३प्रदोष:
१४	र	४५	१७	उ	४२	३४	वृ	१८	४८	ग	१६	८	५	४७	१३	१६	१३	६	कन्यायां	भ.४५।१७उ.
१५	चं	४२	७	ह	४१	१	ध्रु	१३	३२	वि	१३	४२	१०	४६	१४	१७	१४	७	कन्यायां	भ.१३।४२या.हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.७र.इ. ७/९५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	०	१	७	११
१४	२७	२४	४	२२	१०	६	१४
५९	०	४७	१५	६	२८	२९	५२
१७	४०	१०	५३	५८	८	३०	१२
५९	४/५९	३२/१२	३	७१	५	३	५९
१६	व	व	४	२६	१०	११	१८

गोचर ग्रहाः

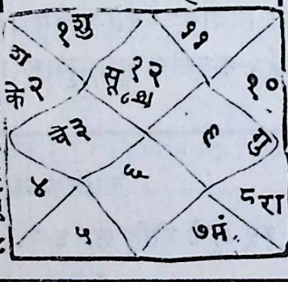

इस मास में धान्य गल्ला रसकस मंदे हो शुक्ल पक्षमें स्वर्ण चांदी रुई रंग गेहूं जो चना मटर सरसों तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

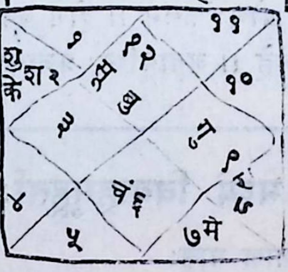

५२पं.चै.शु.१४र.इ. ७/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	६	११	८	१	१	७	११
२१	२६	१९	४	०	११	६	२१
५३	४१	०	३२	२३	८	७	४६
३१	६	२	२०	६	२४	१५	२३
५९	११/५२	४९/७	१	७०	५	३	५९
४	व	व	३५	५६	३२	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं	३७	३६	चि	३८	१७	व्या	७	२८	बा	९	५१	३४/१४	५/४५	६/१५	१८	१५	८	तु.१०।१९	
२	बु	३२	१८	स्वा	३४	४०	ह	३४/०	५२/३५	तै	३	५७	१८	४४	१६	१९	१६	९	तुलायां	भ.५९/२१उ.वक्रीउभा.बुध:५८।३९
३	गु	२६	२४	वि	३०	३६	सि	४५	३१	वि	२६	२४	२२	४४	१६	२०	१७	१०	वृ.१६।३७	भ.२६।२४या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२०	२४	अ	२६	३३	व्य	३७	४३	बा	२०	२४	२६	४३	१७	२१	१८	११	वृश्चिके	
५	श	१४	२१	ज्ये	२२	२७	व	३०	११	तै	१४	२१	३०	४२	१८	२२	१९	१२	ध.२२।२७	बुधोदय:पूर्वस्यां३७।५३
६	र	८	३६	मू	१८	४०	प	२२	४६	व	८	३६	३४	४१	१९	२३	२०	१३	धनुषि	भ.८।३६उ.३५।५९या.
७	चं	३	२२	पू	१५	२०	शि	१५	४६	ब	३	२२	३८	४०	२०	२४	२१	१४	म.२९।३५	अश्वि.मेषेऽर्क:२३/२१(सौर:३१/०)रोहि. =
८	चं	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=शुक्र:२२।५६
९	मं	५३	३५	उ	१२	१९	सि	८	५४	तै	२५	५२	४२	४०	२०	२५	२२	१५	मकरे	वक्रीगुरु:५८।२१
१०	बु	४९	११	श्र	९	४२	सा	३ २/०	५४/६	व	२१	२३	४६	३९	२१	२६	२३	१६	कुं.३८।३७	भ.२१।२३उ.४९।११या.
११	गु	४५	३४	ध	७	३२	शु	५१	८	ब	१७	२२	५०	३८	२२	२७	२४	१७	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	शु	४२	३२	श	६	१	ब्र	४६	१७	कौ	१४	३	५३	३७	२३	२८	२५	१८	मी५०।२६	
१३	श	४०	२७	पू	५	१४	ऐं	४२	७	ग	११	२९	५७	३७	२३	२९	२६	१९	मीने	भ.४०।२७उ.प्रदोष:
१४	र	३९	२८	उ	५	२६	वै	३९	३	वि	९	५७	३ २/१	३६	२४	३०	२७	२०	मीने	भ.९।५७या.मार्गीबुध:१२।४४
३०	चं	३९	३०	रे	६	५२	वि	३६	४६	च	९	२९	५	३५	२५	१	२८	२१	मे.६।५२	भा.वैशाखारंभ:

१पं.वै.कृ.७चं.इ. २३/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	१	१	७	११
०	२५	१४	४	१०	११	५	२९
०	३०	३१	४१	०	५९	४१	५२
०	०	१	५६	३२	५६	७	३८
५८	१८/२०	२६/२	०	७०	६	३	५८
४४	व	व	११	९	७	११	४५

गोचर ग्रहाः

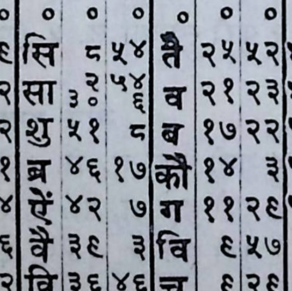

वैशाख कृष्णे ७ चंद्रे मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.४५धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रोदय:पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

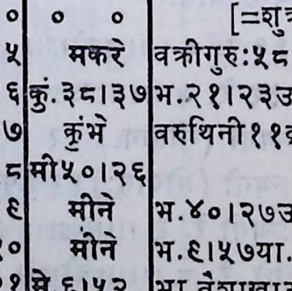

२पं.वै.कृ.३०चं.इ. २३/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	१	१	७	०
६	२३	१४	४	१८	१२	५	६
५०	५१	१२	३९	४	४६	१८	४२
४६	२९	२५	०	५५	२३	५१	४९
५८	२३/२	१५/७	१/५	६९	६	३	५८
३१	व	मा	व	१६	२६	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३८१सं.२०३१
१	मं	४०	५९	अ	९	२५	प्री	३५	४८	किं	१०	१४	३२/९	५/३४	६/२६	२	२९	२२	मेषे	
२	बु	४३	५९	भ	१३	२०	आ	३५	२८	बा	१२	२९	१२	३४	२६	३	३०	२३	वृ.३९।३९	चंद्रदर्शनम्
३	गु	४८	१७	कृ	१८	३७	सौ	३६	२३	तै	१६	८	१६	३३	२७	४	१	२४	वृषे	मोहोरम१सन्१४५३हि.परशुराम ×
४	शु	५३	३१	रो	२४	५६	शो	३७	४८	व	२०	५४	२०	३२	२८	५	२	२५	मि५८।३३	भ.२०।५४उ.५३।३१या.
५	श	५९	३९	मृ	३२	११	अ	४०	७	ब	२६	३५	२३	३१	२९	६	३	२६	मिथुने	रेवत्यांबुधः५७/३५मृगेशुक्रः३/४४रोहिणी.२ H
६	र	६०	०	आ	३९	३८	सु	४३	४०	कौ	३२	५०	२७	३१	२९	७	४	२७	मिथुने	[Hशनिः७।३५ [×जयंतीअक्षया३
६	चं	६	१	पु	४७	८	धृ	४५	२	तै	६	१	३१	३०	३०	८	५	२८	क.३०।१५	भरण्यांरविः३।३२(सौरः१२।२४)
७	मं	१२	५	पु	५४	१७	शू	४६	५५	व	१२	५	३४	२९	३१	९	६	२९	कर्के	भ.१२/५उ.४४/४७या.पातस्पर्शः१३/४४पातमो.३२/४१
८	बु	१७	२९	श्ले	५९	४९	गं	४७	४८	ब	१७	२९	३८	२८	३२	१०	७	३०	सि५९।४९	
९	गु	२१	२२	म	६०	०	वृ	४७	३७	कौ	२१	२२	४१	२८	३२	११	८	१	सिंहे	मिथुनेशुक्रः५४/२२मई५ ता.३१
१०	शु	२३	५८	म	४	१६	ध्रु	४५	५५	ग	२३	५८	४५	२७	३३	१२	९	२	सिंहे	भ.५४।१३उ.
११	श	२४	२९	पू	६	३९	व्या	४२	४१	वि	२४	२९	४८	२६	३४	१३	१०	३	कं.२१।४५	भ.३४/२९या.वक्रीस्वात्यांभौमः३/१८मोहि.११
१२	र	२२	५३	उ	७	४	ह	३७	५२	बा	२२	५३	५२	२६	३४	१४	११	४	कन्यायां	प्रदोषः
१३	चं	१९	२३	ह	५	४३	व	३१	३६	तै	१९	२३	५५	२५	३५	१५	१२	५	तु.३४।७	नृसिंहजयंती
१४	मं	१४	५	चि	२/३१	५५/२७	सि	२४	१	व	१४	५	५८	२४	३६	१६	१३	६	तुलायां	भ.१४।५उ.४०।५०या.
१५	बु	७	३५	वि	५२	२८	व्य	१५	३६	ब	७	३५	३ ३/२	२४	३६	१७	१४	७	वृ.३८।५०	आर्द्रा.शुक्रः५/२८यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.६चं.इ.२३।५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	१	१	७	०
१३	२१	१७	४	२५	१३	४	१३
३९	४२	२९	२५	५९	३५	५६	३१
५०	२९	३१	५२	५६	६	३६	१४
५८	२५/४४	३४	२/३६	६८	६	३	५८
१९	व	२५	व	२७	३८	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठ चना चांदी स्वर्ण रुई मंदी हो ।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.१३चं.इ.२४।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	११	८	२	१	७	०
२०	१९	२३	४	३	१४	४	२०
२७	१४	४५	४	४६	२६	३४	१८
२९	३१	७	१९	४८	१०	२०	०
५८	२५/४७	५९	५ ३/२	६७	६	३	५७
६	व	२९	व	१७	५६	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेवैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	०	२	अ	४६	३७	व	६/३७	५०/४८	कौ	०	२	३/३५	५/२३	६/३७	१८	१५	८	वृश्चिके	
२	गु	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	शु	४४	१०	ज्ये	४०	४१	शि	४८	१६	व	१८	१३	८	२२	३८	१९	१६	९	ध.४०।४१	भ.१८।१३उ.४४।१०या.
४	श	३६	३१	मू	३५	११	सि	३९	२९	ब	१०	२०	११	२२	३८	२०	१७	१०	धनुषि	अश्वि.मेषेबुधः३७।२६चतुर्थीव्र.
५	र	२९	३५	पू	३०	११	सा	३१	१२	कौ	३	३	१४	२१	३९	२१	१८	११	म.४४।९	कृत्ति.रविः४३/९पातस्पर्शः१४/३०पातमोक्ष३६/१३
६	चं	२३	२३	उ	२६	२	शु	२३	३७	व	२३	२३	१७	२१	३९	२२	१९	१२	मकरे	भ.२३/२३उ.५०/४८या.कृत्ति.रविःसौरः०।१६
७	मं	१८	१३	श्र	२२	५८	शु	१६	५८	ब	१८	१३	२०	२०	४०	२३	२०	१३	कुं.५१।५७	
८	बु	१३	५८	ध	२०	५६	ब्र	१०	५८	कौ	१३	५८	२३	१९	४१	२४	२१	१४	कुंभे	[×वक्रीमूल१गुरुः२६।८
९	गु	१०	५५	श	२०	६	ऐं	५	५९	ग	१०	५५	२६	१९	४१	२५	२२	१५	कुंभे	भ.३९।५३उ.बृषेऽर्कः१६/४६(सौरः२९) ×
१०	शु	८	५२	पू	२०	९	वै	१/५६	५६/३७	वि	८	५२	२८	१८	४२	२६	२३	१६	मी४।५१	भ.८।५२या.अस्तंशनेः३।४
११	श	७	५०	उ	२१	१६	प्री	५६	१९	बा	७	५०	३१	१८	४२	२७	२४	१७	मीने	अपरा११व्र.
१२	र	८	८	रे	२३	३५	आ	५४	४६	तै	८	८	३४	१७	४३	२८	२५	१८	मे.२३।३५	प्रदोषः
१३	चं	९	१७	अ	२६	३४	सौ	५४	२२	व	९	१७	३७	१७	४३	२९	२६	१९	मेषे	भ.९।१७उ.४०/२९या.भरण्यांबुधः३२।१०
१४	मं	११	३५	भ	३१	१३	शो	५४	२६	श	११	३५	३९	१६	४४	३०	२७	२०	वृ.४७।३३	पुन.शुक्रः३२।३५
३०	बु	१५	३	कृ	३६	३३	अ	५५	२३	ना	१५	३	४२	१६	४४	३१	२८	२१	वृषे	सूर्यग्रहणम्वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.६चं.इ.२४/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	६	०	८	२	१	७	०
२७	१६	२	३	११	१५	४	२७
१३	४१	२५	३५	२३	१८	१२	३
३७	१३	५२	६	६	४०	५	१४
५७	२३/३५	८१	५ ४/९	६५	७	३	५७
५४	व.	५२	व	४९	८	११	४५

गोचर ग्रहाः

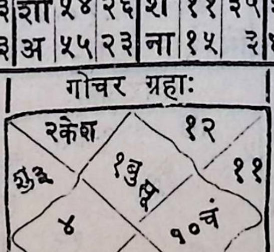

ज्येष्ठ कृष्णे ९ गुरौ बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा४न.४प्रगलभावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

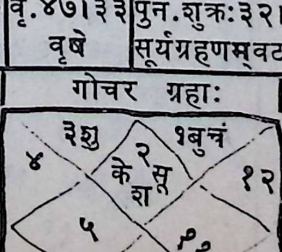

६पं.ज्ये.कृ.१३चं.इ.२४/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	२	१	७	१
३	१४	१३	२	१८	१६	३	३
५८	१९	७	५८	४७	११	४९	४६
४४	२६	८	१	१०	४२	४९	५८
५७	१९/७	०/०	६/५	६४	७	३	५७
४४	व	३१	व	१०	१४	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:४११स.२०३१
१	गु	१९	३५	रो	४३	२	सु	५७	३	ब	१९	३५	३३/४४	१५	६/४५	१	२९	२२	वृषे	रोहिणी३शनि:५०।५४चंद्रदर्शनम् =
२	शु	२४	५६	मृ	४९	५४	धृ	५९	९	कौ	२४	५६	४७	१५	४५	२	१	२३	मि१६।२८	सफर२ [=भा.ज्येष्ठारंभः
३	श	३०	५९	आ	५७	२८	शू	६०	०	ग	३०	५९	४९	१४	४६	३	२	२४	मिथुने	[+(सौर:५४।११)
४	र	३७	२१	पु	६०	०	शू	१	३२	व	४	१०	५२	१४	४६	४	३	२५	क.४८।१२	भ.४।१०उ.३७।२१या.रोहि.रवि:४/९ +
५	चं	४३	२८	पु	५	७	गं	४	४	ब	१०	२४	५४	१३	४७	५	४	२६	कर्के	कृत्ति.बुध:५८।३८
६	मं	४९	१४	पु	१२	४५	बृ	६	३७	कौ	१६	२१	५६	१३	४७	६	५	२७	कर्के	[÷कृत्ति.२केतु:४/५ ६/३बुधास्त:पूर्वस्यां३/२ ६/१
७	बु	५३	४७	श्ले	१९	२२	ध्रु	८	१९	ग	२१	३०	५८	१२	४८	७	६	२८	सिं. १/२ ९/२	भ.५/४ ३/७उ.बृषेबुध:४/५ १/८विशा.४राहु: ÷
८	गु	५७	७	म	२४	४७	व्या	९	४	वि	२५	२७	३४/०	१२	४८	८	७	२९	सिंहे	भ.२५।२७या.
९	शु	५८	४५	पू	२८	३४	ह	८	४२	बा	२७	५६	२	१२	४८	९	८	३०	क.४४।४	कर्केशुक्र:३४।१६
१०	श	५८	११	उ	३०	३४	व	६	४६	तै	२८	२८	३	११	४९	१०	९	३१	कन्यायां	गंगादशमी
११	र	५५	३८	ह	३०	३४	सि	३/२६	५४/४७	व	२६	५४	५	११	४९	११	१०	१	तु.५९।३०	भ.२/५ ६/४उ.५/३ ५/८या.जून६ता.३०निर्जला ×
१२	चं	५०	५५	चि	२८	२६	व	५१	३१	ब	२३	१६	७	११	४९	१२	११	२	तुलायां	रोहि.बुध:३/२ ४/३पुष्येशुक्र५ ६/७निर्जला११व्र.वै
१३	मं	४४	२७	स्वा	२४	२९	प	४३	१७	कौ	१७	४१	९	१०	५०	१३	१२	३	तुलायां	प्रदोषः [×११व्र.स्मा.
१४	बु	३६	३१	वि	१८	५५	शि	३४	१	ग	१०	२९	१०	१०	५०	१४	१३	४	वृ.५।१९	भ.३६।३१उ.
१५	गु	२७	३९	अ	१२	१०	सि	२४	०	वि	२	५	१२	१०	५०	१५	१४	५	वृश्चिके	भ.२।५या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

७पं.ज्ये.शु.५चं.इ.२४।३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	०	८	२	१	७	१
१०	१२	२५	२	२५	१७	३	१०
४२	२४	३४	१४	५७	६	२७	२९
४०	२८	५	२८	४	७	३३	९
५७	१२/५२	[illegible]	६/४९	६२	७	३	५७
३५	व	[illegible]	व	६	२०	११	२३

गोंचर ग्रहाः

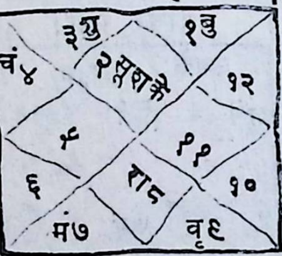

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी लोहा ताम्बा रसकस गुड़ सक्कर चीनी वस्त्र रुई कपास वारदाना आदि सर्व पदार्थ मंदा रहे।

गोंचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.शु.१२चं.इ. २४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	८	३	१	७	१
१७	११	९	१	२	१८	३	१७
२५	२	३९	२६	४८	०	५	१०
२६	६	२२	२	५०	[illegible]	१८	१५
५७	५/१ ६	[illegible]	३/२ ७	५९	७	३	५७
२७	व	२५	व	२७	२०	११	१३

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः स० २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येंष्ठ . कृष्णेति महा.
१	शु	१८	६	ज्ये	४/५२	५२/४३	सा	१३	३८	कौ	१८	६	३४/१३	५/९	६/५९	१६	१५	६	व.४।५२	
२	श	८	३८	पू	५०	३७	शु	३/१४	५०/८	ग	८	३८	१५	९	५१	१७	१६	७	धनुषि	भ.३४।९उ.५९।४०या.
३	श	५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मृगेबुध:३९।५२चतुर्थीव्र.
४	र	५१	२९	उ	४४	२८	ब्र	४३	५४	ब	२५	३४	१६	९	५१	१८	१७	८	म.४।५	मृगेरवि:३५।१(सौर:५३।१) =
५	चं	४४	२६	श्र	३९	३६	ऐं	३५	३२	कौ	१७	५७	१७	९	५१	१९	१८	९	मकरे	
६	मं	३८	५७	ध	३६	०	वै	२८	१६	ग	११	४१	१८	८	५२	२०	१९	१०	कुं.७।४८	भ.३८।५७उ.मार्गीभौम:२१।४
७	बु	३४	५९	श	३३	५९	वि	२२	२५	वि	६	५८	१९	८	५२	२१	२०	११	कुम्भे	भ.६।५८या.मिथुनेबुध:४६।३
८	गु	३२	४०	पू	३३	३१	प्री	१७	५२	बा	३	४९	१९	८	५२	२२	२१	१२	मी१८।३८	
९	शु	३१	५३	उ	३४	३७	आ	१४	३२	तै	२	१६	२०	८	५२	२३	२२	१३	मीने	वक्रीज्येष्ठा४बृश्चिकेगुरु:५७।५८
१०	श	३२	३८	रे	३७	२५	सौ	१२	१९	व	२	१५	२१	८	५२	२४	२३	१४	मे.३७।२५	भ.१/५ २उ.३/३ २/८या.आर्द्रा.बुध:४४।५८
११	र	३४	३७	अ	४१	१२	शो	११	२०	ब	३	३७	२१	८	५२	२५	२४	१५	मेषे	मिथुनेऽर्क:३/३ ३/५(सौर:५/४ ३/९)योगिनी११ व्र.
१२	चं	३७	४९	भ	४६	१४	अ	११	२९	कौ	६	१३	२२	८	५२	२६	२५	१६	मेषे	
१३	मं	४२	१४	कृ	५२	५	सु	११	५२	ग	१०	१	२३	७	५३	२७	२६	१७	बृ.२।४२	भ.४/१ २/४उ.रोहिणी४शनि:५/४ ४/८प्रदोषः
१४	बु	४७	९	रो	५८	४६	धृ	१३	१०	वि	१४	४१	२३	७	५३	२८	२७	१८	वृषे	भ.१४।४१या.आश्लें.शुक्र:०।३५
३०	गु	५२	४६	मृ	६०	०	शू	१५	८	च	१९	५७	२३	७	५३	२९	२८	१९	मि३२।३	बुधोदय:पश्चिमायां४२।५०

९पं.आ.कृ.५चं. इ. २४/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	६	१	८	३	१	७	१
२४	१०	२४	०	९	१८	२	२३
७	१९	५६	३४	१६	५४	४३	५०
३०	२३	१७	१६	५२	४७	२	११
५७	४/९ ०	[illegible]	५/२ ७	५५	७	३	५७
२२	व	५४	व	५६	२०	११	५

गोचर ग्रहाः

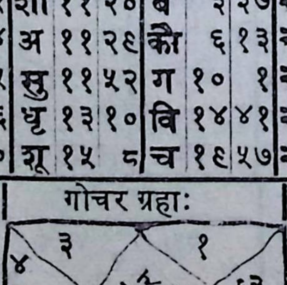

आषाढकृष्णे ११ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

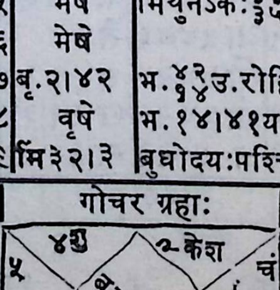

१०पं.आ.कृ.१२च.इ. २४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	७	३	१	७	२
०	१०	१०	२९	१५	१९	२	०
४८	१७	६	४०	१७	४९	२०	२९
४७	२०	५०	४२	५३	८	४७	२०
५७	५/१६	[illegible]	५/२ ७	५१	७	३	५६
१७	मा	२९	व.	२२	१४	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४४०स.२०३१
१	शु	५८	५३	मृ	५	२०	गं	१७	१६	कं	२५	४६	३४/२३	५/७	५ ६/३	३०	२९	२०	मिथुने	
२	श	६०	०	आ	१३	२२	बृ	१९	४७	बा	३१	५८	२४	७	५३	३१	३०	२१	मिथुने	पुन.बुधः१९/५उदयंशनेः३६/२३चंद्रदर्शनम् =
२	र	५	४	पु	२०	५२	ध्रु	२२	१९	कौ	५	४	२४	७	५३	१	१	२२	क.३।५९	आर्द्रा.रविः३२/२०(सौरः५५/२२) रविलावल३+
३	चं	११	६	पु	२८	२४	व्या	२४	३६	ग	११	६	२४	७	५३	२	२	२३	कर्के	भ.४३।५६उ. [+भा.आषाढारंभः
४	मं	१६	४७	श्ले	३५	२०	ह	२६	३२	वि	१६	४७	२४	७	५३	३	३	२४	सिं३५।२०	भ.१६।४७या. [=रथयात्रा
५	बु	२१	३७	म	४१	२९	व	२८	८	बा	२१	३७	२४	७	५३	४	४	२५	सिंहे	
६	गु	२५	३०	पू	४६	२०	सि	२८	४४	तै	२५	३०	२३	७	५३	५	५	२६	सिंहे	कर्केबुधः३६।४४
७	शु	२८	१	उ	४९	५१	व्य	२७	५९	व	२८	१	२३	७	५३	६	६	२७	कं.२।१३	भ.२८।१उ.५८।२१या.
८	श	२८	४०	ह	५१	२९	व	२५	५४	ब	२७	४०	२२	८	५२	७	७	२८	कन्यायां	पुष्येबुधः४९।२
९	र	२७	३४	चि	५१	२८	प	२२	३६	कौ	२७	३४	२२	८	५२	८	८	२९	तु.२१।२८	
१०	चं	२४	१९	स्वा	४९	१४	शि	१७	३५	ग	२४	१९	२१	८	५२	९	९	३०	तुलायां	भ.५१।४७उ.
११	मं	१९	१६	वि	४५	१२	सि	१०	५३	वि	१९	१६	२०	८	५२	१०	१०	१	वृ.३१।१३	भ.१/१६या. जुलाई७ता.३१देवशयनी११व्र
१२	बु	१२	१९	अ	३९	३५	सा	४३	५०/९	बा	१२	१९	१९	८	५२	११	११	२	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	गु	४	७	ज्ये	३२	४१	शु	४३	२४	तै	४	७	१८	८	५२	१२	१२	३	ध.३२।४१	भ.५४।३३उ.
१४	शु	५०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	शु	४४	३१	मू	२४	५५	ब्र	३२	३८	वि	१९	३२	१७	९	५१	१३	१३	४	धनुषि	भ.१३/३२या.व्यासपूजावायुपरीक्षा गुरु१५

११पं.आ.शु.३च.इ. २४/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	२	७	३	१	७	२
७	१०	२३	२८	२०	२०	१	७
२९	५३	५७	४७	४२	४२	५८	७
४२	५४	७	२४	३६	४०	३१	४७
५७	९	३४	५ ७/२	४५	७	३	५६
१३	११	२०	व	४९	८	११	५४

गोचर ग्रहाः

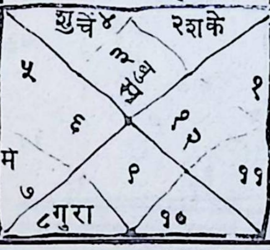

इस मास में शनि का चन्द्र दर्शन तेजी कारक है धातु सोना चांदी लोहा गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी रुई तेज रहे

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.शु.१०च.इ. २४/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	७	३	१	७	२
१४	१२	५	२७	२५	२१	१	१३
१०	६	५३	५६	२२	३५	३६	४५
८	३२	२४	२	५२	६	१५	५२
५७	१४	९६	२१/७	३८	६	३	५६
७	३२	२२	व	४	५६	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दिं.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श	३४	२१	पू	१६	५५	ऐं	२१	४१	बा	९	२६	३४/१६	५/९	५ ६/१	१४	१४	५	म.२९।५८	
२	र	२४	५	उ	९	७	वै	१०	५६	ग	२४	५	१५	९	५१	१५	१५	६	मकरे	भ.४९/५५उ.पुन.रविः३१/२०(सौरः५९/२४)
३	चं	१५	४५	श्र	१ २/२	५ ३/६	वि	४४	५ १/२	वि	१५	४५	१४	९	५१	१६	१६	७	कुं.२८।४५	भ.१५/४५या.आश्ले.बुधः५४/४२चतुर्थीव्र.
४	मं	८	१५	श	५२	२३	आ	४३	५९	बा	८	१५	१३	९	५१	१७	१७	८	कुंभे	
५	बु	२	४०	पू	५०	१६	सौ	३७	५०	तै	२	४०	११	१०	५०	१८	१८	९	मी३५।४८	भ.५८/५१उ मघा.सिंहेशुक्रः३८/३नाग५
६	बु	५६	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु	५७	१०	उ	४९	५५	शो	३३	५	वि	२८	०	१०	१०	५०	१९	१९	१०	मीने	भ.२८।०या.
८	शु	५७	२३	रे	५१	४२	अ	२९	५६	बा	२७	१६	८	१०	५०	२०	२०	११	मे ५१।४२	
९	श	५९	१७	अ	५५	३	सु	२८	२२	तै	२८	२०	७	११	४९	२१	२१	१२	मेषे	वक्रीज्येष्ठा.३गुरुः८।४५
१०	र	६०	०	भ	६०	०	धृ	२८	७	व	३१	२	५	११	४९	२२	२२	१३	मेषे	भ.३१।२उ.
१०	चं	२	४८	भ	०	३	शू	२९	१	वि	२	४८	३	११	४९	२३	२३	१४	वृ.१६।३७	भ.२।४८या.
११	मं	७	२६	कृ	६	२०	गं	३०	१९	बा	७	२६	१	१२	४८	२४	२४	१५	वृषे	मृग१शनिः५।२१कामिका११व्र.
१२	बु	१३	०	रो	१३	२०	बृ	३२	४१	तै	१३	०	३३/५९	१२	४८	२५	२५	१६	मि४७।०	प्रदोषः
१३	गु	१८	५७	मृ	२०	३८	ध्रु	३४	५५	व	१८	५७	५७	१३	४७	२६	२६	१७	मिथुने	भ.१८।५७उ.५२।७या.कर्केऽर्कः ÷
१४	शु	२५	१७	आ	२८	१४	व्या	३७	२८	श	२५	१७	५५	१३	४७	२७	२७	१८	मिथुने	[÷०।४६(सौरः३२।८)
३०	श	३१	१९	पु	३५	३८	ह	३९	५३	ना	३१	१९	५२	१४	४६	२८	२८	१९	क.१८।४७	हरियाली

१३पं.श्रा.कृ.३च.इ.२४।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	७	३	१	७	२
२०	१३	१६	२७	२९	२२	१	२०
५०	५०	१	९	१	२६	१४	२३
३५	४२	२६	०	४१	१७	०	४६
५७	१८	७६	३७/६	२८	६	३	५६
७	२०	३६	व	११	४१	११	५०

गोचर ग्रहाः

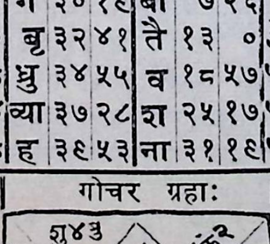

श्रावणकृष्णे १३ गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

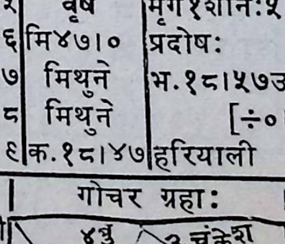

१४पं.श्रा.कृ.१०च.इ.२४/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	६	३	७	४	१	७	२
२७	१६	२४	२६	१	२३	०	२७
३०	२	५	२६	२३	१५	५१	१
५४	६	२८	५६	२८	३६	४४	५३
५७	२२	५३	४७/५	१५	६	३	५६
११	२९	२७	व	१४	२६	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणोऽहर्गण.४७०सन्२०३१
१	र	३७	८	पु	४३	१	व	४२	१०	किं	४	१३	३३/५०	५/१४	६/४६	२९	२९	२०	कर्के	पुष्येरवि:३०।४२
२	चं	४२	२५	श्ले	४९	४०	सि	४४	६	बा	९	४६	४८	१४	४६	३०	३०	२१	सिं४९।४०	पुष्येरवि:सौर:४९/२वक्रीशुक्र:१/३ २/५चंद्र ÷
३	मं	४६	५७	म	५५	३४	व्य	४५	१०	तै	१४	४१	४५	१५	४५	३१	१	२२	सिंहे	मघा.सिंहेबुध:१/३ ६/३रविलाखर४तीज
४	बु	५०	३९	पू	६०	०	व	४५	४०	व	१८	४८	४३	१५	४५	१	२	२३	सिंहे	श्र.१/४ ८/८उ.५/३ ०/९या.भा.श्रावणारंभ:वरद४
५	गु	५३	१४	पू	०	४३	प	४५	३४	ब	२१	५६	४०	१६	४४	२	३	२४	कं.१६।४४	विशा.भौम:३७।१७नागपंचमी
६	शु	५४	२५	उ	४	४८	शि	४४	३२	कौ	२३	४९	३८	१६	४४	३	४	२५	कन्यायां	[÷दर्शनम्सिंधारा
७	श	५४	१७	ह	७	३३	सि	४२	१०	ग	२४	२१	३५	१७	४३	४	५	२६	तु.३८।१३	भ.५४।१७उ.
८	र	५२	२८	चि	८	५३	सा	३८	३७	वि	२३	२२	३३	१७	४३	५	६	२७	तुलायां	भ.२३।२२या.वक्रीबुध:१५।५७
९	चं	४९	६	स्वा	८	३९	शु	३३	४०	बा	२०	४७	३०	१८	४२	६	७	२८	वृ.५२।७	[×कृत्ति.१मेषेंकेतु:४०।३पवित्रा११व्र.
१०	मं	४४	१	वि	६	३६	शु	२७	२४	तै	१६	३३	२७	१९	४१	७	८	२९	वृश्चिके	[=श्रावणीकर्मरक्षाबंधनस्
११	बु	३७	३२	अ	३/३	५४/२६	ब्र	२०	२	व	१०	४६	२४	१९	४१	८	९	३०	ध.५७।२९	भ.१/४ ०/९उ.३/३ ७/२या.विशा.३तुलायांचराहु: ×
१२	गु	२९	३०	मू	५१	४९	ऐं	११	२३	ब	३	३१	२२	२०	४०	९	१०	३१	धनुषि	वक्रीआश्ले.कर्कँशुक्र:४८।२६प्रदोष:
१३	शु	२०	३१	पू	४४	३४	वै	१/५५	४९/३९	तै	२०	३१	१९	२०	४०	१०	११	१	म.५७।४०	अगस्तदता.३१
१४	श	१०	५३	उ	३७	०	प्री	४०	४७	व	१०	५३	१६	२१	३९	११	१२	२	मकरे	भ.१०।५३उ.३५।५५या.
१५	र	०	५७	श्र	२९	२९	आ	३०	१२	ब	०	५७	१३	२१	३९	१२	१३	३	कुं.५५।५९	आश्ले.रवि:२८/५शुक्रास्त:पश्चिमायां३६/६=

१५प.श्रा.शु.२चं.इ.२४।११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	७	४	१	७	३
४	१८	२९	२५	२	२४	०	३
११	३८	३७	५१	८	२	२९	४०
३८	२८	१६	१८	२८	३८	२९	२०
५७	२५	२६	४/४०	०/२६	६	३	५६
१२	२०	१	व	व	१४	११	५९

गोचर ग्रहाः

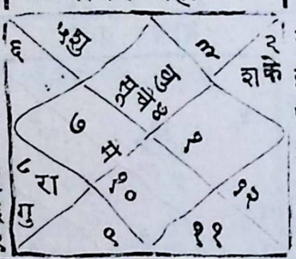

इस मास में ५ शनिवार५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में महामारी फैलें धातु धान्य रसकस गुड़ नमक रुई वस्त्र वारदाना तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

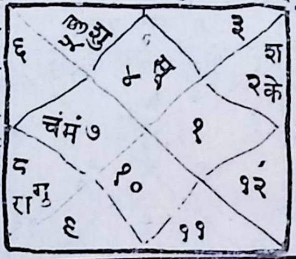

१६पं.श्रा.शु.९चं.इ.२४।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	७	४	१	७	३
१०	२१	१	२५	०	२४	०	१०
५२	३४	५९	२३	५९	४७	७	१९
४१	१	४६	१३	१०	४६	१३	२७
५७	२७	५/२	३/३६	१६/२२	५	३	५७
२०	४१	व	व	व	५०	११	५

ति.	प्र.भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	५०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुध:१७।१८चतुर्थीव्र.
२	चं	४२	५६	ध	२२	२८	सौ	२०	०	तै	१७	१२	३३/१०	५/२२	६/३८	१३	१४	४	कुंभे	आश्ले.रवि:सौर:३/३ ६बुधास्त:पश्चिमे.२/१ २/९
३	मं	३५	४७	श	१६	३३	शो	१०	४८	व	९	२१	७	२३	३७	१४	१५	५	मी५८।३१	भ.९।२१उ.३५।४७या.वक्रीकर्के आश्ले×
४	बु	३०	२२	पू	१२	३१	अ	२/५०	५३/३६	ब	३	४	४	२३	३७	१५	१६	६	मीने	[Aशुक्रोदय:पूर्वस्यां५१।३६
५	गु	२७	६	उ	१०	१५	धृ	५१	३८	तै	२७	६	०	२४	३६	१६	१७	७	मीने	चंद्रषष्ठी
६	शु	२६	११	रे	१०	११	शू	४८	३९	व	२६	११	३/५ २/७	२५	३५	१७	१८	८	मे.१०।११	भ.२६।११उ.५६।३६या.
७	श	२७	२	अ	१२	१३	गं	४७	११	व	२७	२	५४	२५	३५	१८	१९	९	मेषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	र	३०	२	भ	१६	१०	वृ	४७	२६	कौ	३०	२	५०	२६	३४	१९	२०	१०	वृ.३२।३४	जन्माष्टमीव्र.वैं.
९	चं	३४	३४	कृ	२१	४६	ध्रु	४८	१६	तै	२	१८	४७	२७	३३	२०	२१	११	वृषे	गोगा९
१०	मं	४०	८	रो	२८	२१	व्या	५०	१७	व	७	२१	४४	२७	३३	२१	२२	१२	वृषे	भ.७।२१उ.४०।८या.
११	बु	४६	१३	मृ	३५	५६	ह	५२	४३	ब	१३	१०	४०	२८	३२	२२	२३	१३	मि२।९	अजा११व्र.
१२	गु	५२	४२	आ	४३	३८	व	५५	१९	कौ	१९	२७	३७	२९	३१	२३	२४	१४	मिथुने	बृश्चिकेभौम:३१।२९वत्सद्वादशी
१३	शु	५८	५८	पु	५१	१६	सि	५७	५१	ग	२५	५०	३३	२९	३१	२४	२५	१५	क.३४।२२	भ.५८।५८उ.प्रदोष:
१४	श	६०	०	पु	५८	२२	व्य	६०	०	वि	३१	४०	३०	३०	३०	२५	२६	१६	कर्के	भ.३१।४०या.मार्गीगुरु:७।६
१४	र	४	२३	श्ले	६०	०	व्य	०	२	श	४	२३	२६	३१	२९	२६	२७	१७	कर्कें	मघा.सिंहेंऽर्क:२१।७मृग२शनि:३/४ ९/७ A
३०	चं	९	१६	श्ले	४	१५	व	१	३५	ना	९	१६	२२	३२	२८	२७	२८	१८	सिं४।१५	मघा.सिंहेंऽर्क:सौर:०/०कुशाग्रहणीपिठो३०

१७प.प्र.भा.कृ.२च.इ.५/२ ६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	४	७	३	१	६	३
१७	२४	०	२५	२७	२५	२९	१६
३४	४९	३१	३	१७	३०	४४	५९
२३	१२	५९	२५	११	०	५७	२५
५७	२०	३५/५५	२/२०	३१/१०	५	३	५७
२५	१	व	व	व	२६	११	१२

१८प.प्र.भा.कृ.९च.इ.२/४ ६/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	६	३	७	२	१	६	३
२४	२८	२५	२४	२३	२६	२९	२३
१६	१९	३६	५१	४७	८	२२	४०
४४	४४	४	०	१३	२४	४२	३२
५७	३१	५२/४७	०/५४	३३/२९	४	३	५७
३३	५०	व	व	व	५९	११	२२

१९पं.प्र.भा.कृ.३०च.इ.२/३ ६/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	७	३	१	६	४
१	२	२०	२४	१९	२६	२९	०
०	५	४५	५१	३७	४३	०	२२
४	२०	५८	७	२६	२२	२६	४५
५७	३३	३५/४	२६	३०/१२	४	३	५७
४०	२५	व	मा	व	३८	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः:५००स.२०३१
१	मं	१३	५	म	१०	१५	प	२	२६	व	१३	५	३२/१९	५/३२	६/२८	२८	२९	१९	सिहे	
२	बु	१६	०	पू	१४	५९	शि	२	३२	कौ	१६	०	१५	३३	२७	२९	३०	२०	कं.३०।५१	अनु.भौम:३७/४०बुधोदय:पूर्वस्यां५/५६चंद्रदर्श·
३	गु	१७	५८	उ	१८	२७	सि	१	५२	ग	१७	५८	१२	३४	२६	३०	१	२१	कन्यायां	भ.४८।२२उ.जमादिलावल५
४	शु	१८	४६	ह	२१	१	सा	०/१६	५७/४६	वि	१८	४६	८	३४	२६	३१	२	२२	तु.५१।४६	भ.१८।४६या.मार्गीबुध:२५।५५
५	श	१८	२६	चि	२२	३२	शु	५५	१	बा	१८	२६	४	३५	२५	१	३	२३	तुलायां	भा.भाद्रपदारंभ:
६	र	१७	०	स्वा	२३	७	ब्र	५०	५६	तै	१७	०	१	३६	२४	२	४	२४	तुलायां	
७	चं	१४	२३	वि	२२	१३	ऐं	४५	४९	व	१४	२३	३१/५७	३७	२३	३	५	२५	बृ.७।२७	भ.१४/२३उ.४३/३२या.वक्रीपुष्येशुक्र:२२।४२
८	मं	१०	४२	अ	२१	२१	वै	३९	५५	ब	१०	४२	५३	३७	२३	४	६	२६	वृश्चिके	
९	बु	६	१	ज्ये	१७	२४	वि	३२	५६	कौ	६	१	४९	३८	२२	५	७	२७	ध.१७।२४	
१०	बु	५३	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	गु	५३	२	मू	१३	१९	प्री	२५	१४	ब	२६	३०	४६	३९	२१	६	८	२८	धनुषि	भ.३६/३०उ.५३/२या.कमला११व्र.स्मा.
१२	शु	४५	८	पू	८	६	आ	१६	४२	ब	१९	५	४२	४०	२०	७	९	२९	म.२१।३६	कमला११व्र.वै.
१३	श	३६	४४	उ	२/६	५३/३५	सौ	७/३३	५०/१४	कौ	१०	५६	३८	४०	२०	८	१०	३०	मकरे	[÷१०।५१(सौर:५०।५२)
१४	र	२८	१४	ध	४९	२०	अ	४८	८	ग	२	२९	३४	४१	१९	९	११	३१	कुं.२२।३०	भ.२८।१४उ. ५४।७या.पूफा.रवि:÷
१५	चं	२०	१	श	४३	१७	सु	३८	५०	ब	२०	१	३०	४२	१८	१०	१२	१	कुम्भे	मार्गीशुक्र:३।४९सितम्बर९ता.३०

२०पं.प्र.भा.शु.७च.इ.३/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	७	३	१	६	४
७	६	२०	२४	१६	२७	२८	७
४४	२	४५	५८	३९	१४	३८	६
२८	५६	३६	२६	५०	३१	११	३२
५७	३५	२५/२	३	१६/८	३	३	५७
४९	५	४मा	३५	व	५९	११	४५

गोचर ग्रहा:

प्रथम भाद्रपद कृष्णे १४ रवौ सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न. ५ अतिवन्ध्यावस्था (सूती) मु. १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहा:

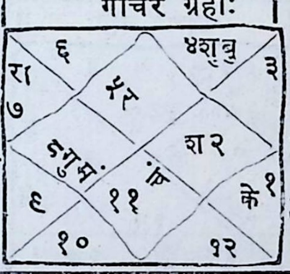

२१पं.प्र.भा.शु.१५च.इ.२३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	३	७	३	१	६	४
१४	१०	२६	२५	१५	२७	२८	१३
३०	१२	३८	१५	३१	४१	१५	५१
४	१८	१७	११	१६	१०	५५	२४
५८	३६	८०	३	०/४७	३	३	५७
१	२१	२८	१	सा	२६	११	५७

ति.	द्वि.भाद्रपदकृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेप्र.भाद्र. कृष्णेति महा.
१	मं	१२	४२	पू	३८	३१	धृ	३०	१७	कौ	१२	४२	३१/२६	५/४३	६/१७	११	१३	२	मी१४।४२	
२	बु	६	४०	उ	३४	५३	शू	२२	४८	ग	६	४०	२२	४४	१६	१२	१४	३	मीने	भ.३४।३०उ.मघा.सिंहेबुध:५३।४१
३	गु	२	२०	रे	३३	२०	गं	१६	३३	वि	२	२०	१८	४४	१६	१३	१५	४	मे.३३।२०	भ.२।२०या.चतुर्थीव्र.
४	शु	०	१०	अ	३३	४६	वृ	१२	११	बा	०	१०	१५	४५	१५	१४	१६	५	मेषे	
५	श	०	२	भ	३६	१४	ध्रु	९	१२	तै	०	२	११	४६	१४	१५	१७	६	वृ.५२।१८	
६	र	२	५	कृ	४०	३२	व्या	८	१८	व	२	५	७	४७	१३	१६	१८	७	वृषे	भ.२।५उ.३३।५८या.
७	चं	५	५२	रो	४६	१५	ह	८	८	ब	५	५२	३	४७	१३	१७	१९	८	वृषे	
८	मं	११	४	मृ	५३	२६	व	९	२९	कौ	११	४	३०/५९	४८	१२	१८	२०	९	मि१९।५०	आश्ले.शुक्र:३३।३७बुधास्त:पूर्वस्यां३६/४७
९	बु	१६	५८	आ	६०	०	सि	११	३०	ग	१६	५८	५५	४९	११	१९	२१	१०	मिथुने	भ.५०।१४उ.
१०	गु	२३	३१	आ	०	५२	व्य	१३	५६	वि	२३	३१	५१	५०	१०	२०	२२	११	क.५१।३८	भ.२३/३१या.पूफा.बुध:४७/३४ज्येष्ठा.भौम:५०/४६
११	शु	२९	४६	पु	८	३४	व	१६	२३	बा	२९	४६	४७	५१	९	२१	२३	१२	कर्के	कमला११व्र.
१२	श	३५	१४	पु	१५	३९	प	१८	३१	कौ	२	३०	४३	५१	९	२२	२४	१३	कर्के	उफा.रवि:५५।१६
१३	र	३९	५८	श्ले	२२	२३	शि	२०	८	ग	७	३६	३९	५२	८	२३	२५	१४	सिं२२।२३	भ.३९/५८उ.उफा.रवि:सौर:३५।३१
१४	चं	४३	१२	म	२७	३२	सि	२०	४३	वि	११	३५	३५	५३	७	२४	२६	१५	सिंहें	भ.११।३५या.
३०	मं	४५	२५	पू	३१	४३	सा	२०	३२	च	१४	१८	३१	५४	६	२५	२७	१६	कं.४७।२७	

२२पं.द्विभा.कृ.७च.इ.२३।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	७	३	१	६	४
२१	१४	७	२५	१६	२८	२७	२०
१७	३०	१८	४०	२५	३	५३	३८
६	११	१९	१२	४४	३६	३९	४
५८	३७	७/०	४	१६	२	३	५८
१३	३१	५/११	१०	८	४१	११	१२

गोचर ग्रहा:

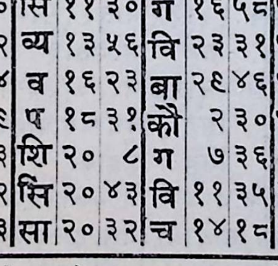

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी मदे हो । रसकस गुड़ सक्कर चीनी नमक गन्ना रुई वस्त्र कपास वारदाना तेज हो ।

गोचर ग्रहा:

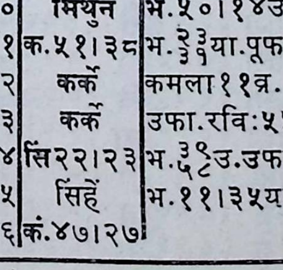

२३पं.द्वि.भा.कृ१४च.इ.२३/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	७	४	७	३	१	६	४
२८	१८	२०	२६	१८	२८	२७	२७
५	५७	२१	१३	५५	२१	३१	२६
२८	११	२५	२६	५	२२	२४	२१
५८	३८	[illegible]	५	२८	२	३	५८
२६	२८	४१	१८	३९	२	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३											दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:५२९स.२०३१
१	बु	४६	१३	उ	३४	३८	शु	१९	१९	किं	१५	४९	३०/२७	५५	६/५	२६	२८	१७	कन्यायां	कन्यायामर्क:२०।३६
२	गु	४५	४६	ह	३६	१७	शु	१७	९	बा	१५	५९	२२	५६	४	२७	२९	१८	कन्यायां	कन्यार्क:सौर:०/४ ३/३उफा.बुध:४४/३५चंद्रदर्शनं
३	शु	४४	३२	चि	३६	५२	ब्र	१३	५९	तै	१५	९	१८	५६	४	२८	१	१९	तु.६।३५	जमादिलाखर६हरितालिका३
४	श	४२	१०	स्वा	३६	३७	ऐं	१०	११	व	१३	२१	१४	५७	३	२९	२	२०	तुलायां	भ.१३/२१उ.४२/१०या.कन्यायांबुध:२८/५७ज्येष्ठा=
५	र	३९	१०	वि	३५	४०	वै	५	२३	ब	१०	४०	९	५८	२	३०	३	२१	वृ.२०।५४	ऋषिपंचमी
६	चं	३५	३०	अ	३३	५३	वि	०/१६	५४/२३	कौ	७	२०	५	५९	१	३१	४	२२	वृश्चिके	[=४गुरु:०।४९गणेशचतुर्थी
७	मं	३१	२२	ज्ये	३१	३८	आ	४८	३१	ग	३	३१	३०/००	६/०	६/०५	१	५	२३	ध.३१।३८	भ.३१/२२उ.५८/५५या.भा.आश्विनारंभ:
८	बु	२६	२९	मू	२८	४४	सौ	४१	४३	ब	२६	२९	२९/५६	१	५९	२	६	२४	धनुषि	
९	गु	२१	७	पू	२५	२०	शो	३४	३२	कौ	२१	७	५२	२	५८	३	७	२५	म.३९।१८	
१०	शु	१५	११	उ	२१	१३	अ	२७	१	ग	१५	११	४८	२	५८	४	८	२६	मकरे	भ.४२।०उ.हस्तेबुध:०।१८
११	श	८	४९	श्र	१६	४३	सु	१८	५७	वि	८	४९	४४	३	५७	५	९	२७	कुं.४४।२४	भ.८९/४या.हस्तेरवि:३३/५०जलझूलनी११ +
१२	र	२	११	ध	१२	५	धृ	१०	५०	बा	२	११	४०	४	५६	६	१०	२८	कुंभे	हस्तेरवि:सौर:१३।१३प्रदोष:
१३	र	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+ व्र.वामनजयंती
१४	चं	४९	३८	श	७	३५	शू	२/३७	५०/१५	ग	२२	३८	३६	५	५५	७	११	२९	मी४९।२७	भ.४९।३८उ.अनंत१४
१५	मं	४४	१९	पू	३	२४	बृ	४७	३२	वि	१६	५८	३२	६	५४	८	१२	३०	मीने	भ.९६/५८या.महालयारंभ:कु.संध्यापूजनारंभ

२४पं.द्वि.भा.शु.६च.इ. २२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	७	३	१	६	५
४	२३	३	२६	२२	२८	२७	४
५५	३२	३२	५५	५२	३३	९	१६
१९	१०	२	१६	५४	२९	८	२८
५८	३९	०/८	६	३८	१	३	५८
३८	२०	९/४३	२७	१६	२२	११	४५

गोचर ग्रहाः

द्वि.भाद्रपदशुक्ले१बुधे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४बालावस्था (बैठी) मु.४५धान्या-दिभावे समर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२५पं.द्विभा.श.१४च.इ.२२/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	७	५	७	३	१	६	५
११	२८	१६	२७	२७	२८	२६	११
४६	१५	३	४३	३४	४१	४६	८
५२	३६	७	२६	२३	२	५३	२६
५८	४०	७/०	७	४५	०	३	५९
५३	१	०/३८	२५	४६	४३	११	००

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	बु	४०	१६	उ	०/७	५७/५३	ध्रु	४१	२०	बा	१२	१७	२९/२८	६/६	५/५४	९	१३	१	मे.५८।०	मूलेधनुषिभौम:५९/२५विशा.२राहु:भर÷
२	गु	३७	५६	अ	५८	४०	व्या	३६	४	तै	९	६	२३	७	५३	१०	१४	२	मेषे	[÷४केतु:३२।२७अक्टूबर१०ता.३१
३	शु	३७	१०	भ	५९	२	ह	३२	१७	व	७	३३	१९	८	५२	११	१५	३	मेषे	भ.७/३३उ.३७/१०या.चित्राबुध:४३।४०
४	श	३८	३१	कृ	६०	०	व	३०	१६	ब	७	५०	१५	९	५१	१२	१६	४	वृ.१५।१	चतुर्थीव्र.
५	र	४१	३८	कृ	२	२०	सि	२९	१४	कौ	१०	४	११	१०	५०	१३	१७	५	वृषे	वक्रीशनि:३।१८
६	चं	४६	२२	रो	६	५९	व्य	२९	२८	ग	१३	३०	७	११	४९	१४	१८	६	मि४०।११	भ.४६।२२उ.
७	मं	५१	५८	मृ	१३	२४	व	३०	५६	वि	१९	१०	३	११	४९	१५	१९	७	मिथुने	भ.१९/१०या.तुलायांबुध:३७।१२
८	बु	५८	२३	आ	२०	२६	प	३२	५९	बा	२५	१०	२८/५९	१२	४८	१६	२०	८	मिथुने	[=४३।४७)स्वात्यांबुध:५५।९
९	गु	६०	०	पु	२८	७	शि	३५	२१	तै	३१	३२	५५	१३	४७	१७	२१	९	क.११।१२	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	शु	४	४१	पु	३५	२७	सि	३७	४०	ग	४	४१	५१	१४	४६	१८	२२	१०	कर्के	भ.३७।३२उ.
१०	श	१०	२३	श्ले	४२	१७	सा	३९	३२	वि	१०	२३	४७	१५	४५	१९	२३	११	सिं४२।१७	भ.१०।२३या.चित्रा.रवि:५।५५(सौर:=
११	र	१५	१३	म	४७	४९	शु	४०	१९	बा	१५	१३	४३	१५	४५	२०	२४	१२	सिंह	बुधोदय:पश्चिमायां४०।२६इंदिरा११व्र.
१२	चं	१८	२५	पू	५२	४	शु	४०	११	तै	१८	२५	३९	१६	४४	२१	२५	१३	सिंहे	प्रदोष:
१३	मं	२०	१९	उ	५४	४३	ब्र	३८	४७	व	२०	१९	३५	१७	४३	२२	२६	१४	क.७।४४	भ.२०।१९उ.५०।२२या.
१४	बु	२०	२६	ह	५५	५०	ऐं	३६	११	श	२०	२६	३१	१८	४२	२३	२७	१५	कन्यायां	मूल.१धनुषिगुरु:१९/१४शस्त्रादिहतानांश्रा
३०	गु	१९	२	चि	५५	३१	वै	३२	१४	ना	१९	२	२७	१९	४१	२४	२८	१६	तु.२५।४१	सर्वपितृ३०

२६पं.आ.कृ.६च.इ. २२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	७	४	१	६	५
१८	३	२७	२८	३	२८	२६	१८
४०	४	५२	३९	१२	४२	२४	२
५	५९	५	५८	२२	५४	३७	१३
५९	४०	९/०	८	५१	१/०	३	५९
९	५२	४/५	३१	८	व.	११	१६

गोचर ग्रहाः

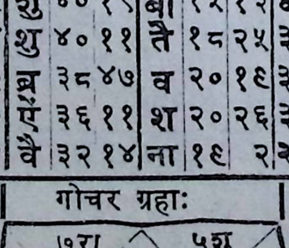

इस मास में गेहूं जो चना मटर सरसों अलसी धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा गुड सक्कर चीनी रुई वस्त्र तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

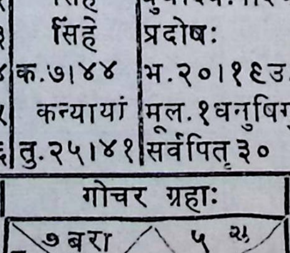

२७पं.आ.कृ.१२च.इ.२२/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	७	४	१	६	५
२५	८	९	२९	९	२८	२६	२४
३४	०	१	४१	२६	३९	२	५७
५९	१	३४	५६	३५	३६	२१	५५
५९	४१	९७	९	५५	४/०	३	५९
४१	३३	२३	२०	३८	व.	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः५५९स.२०३१
१	शु	१६	२०	स्वा	५४	५	वि	२७	२०	ब	१६	२०	२८/२३	६/१९	५/४१	२५	२९	१७	तुलायां	तुलायामर्कः४९/४४पूफा.शुक्रः३/३–
२	श	१२	३४	वि	५१	४७	प्री	२१	३७	कौ	१२	३४	२०	२०	४०	२६	३०	१८	वृ.३७।२१	तुलार्कःसौरः२६।३१चद्रदर्शनम्
३	र	८	१०	अ	४८	४७	आ	१५	२२	ग	८	१०	१६	२१	३९	२७	१	१९	वृश्चिके	भ.३५।४२उ.रज्जव७
४	चं	३	१५	ज्ये	४५	३५	सौ	८	२०	वि	३	१५	१२	२२	३८	२८	२	२०	ध.४५।३५	भ.३/१५या.विशा.बुधः३/१ ७/३पूफा.भौमः५/०
५	चं	५५	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
६	मं	५३	०	मू	४२	१०	शो	१/२४	५३/७	कौ	२५	३८	८	२२	३८	२९	३	२१	धनुषि	
७	बु	४७	५१	पू	३८	४४	सु	४७	२१	ग	२०	२५	४	२३	३७	३०	४	२२	म.५२।५४	भ.४७।५१उ. [×कोजागरी व्र.
८	गु	४२	५१	उ	३५	२५	धृ	४०	९	वि	१५	२१	०	२४	३६	१	५	२३	मकरे	भ.१५।२१या.भा.कार्तिकारंभः
९	शु	३७	४३	श्र	३२	७	शू	३३	७	बा	१०	१७	२७/५६	२५	३५	२	६	२४	मकरे	स्वात्यांरविः३१।४७
१०	श	३२	४९	ध	२८	५३	गं	२६	५	तै	५	१६	५३	२५	३५	३	७	२५	कुं.०।३०	स्वात्यांरविःसौरः७।३४
११	र	२८	८	श	२५	५५	वृ	१९	१७	व	०	२८	४९	२६	३४	४	८	२६	कुम्भे	भ.०।२८उ.२८।८या.पापांकुशा११व्र.
१२	चं	२३	५०	पू	२३	२५	ध्रु	१२	५१	बा	२३	५०	४५	२७	३३	५	९	२७	मी९।२	वृश्चिकेबुधः३८।५४ प्रदोषः
१३	मं	२०	१३	उ	२१	२४	व्या	६	५०	तै	२०	१३	४१	२८	३२	६	१०	२८	मीने	[=शरद्पूर्णिमा वै. का.स्ना.प्रा
१४	बु	१७	२३	रे	२०	९	ह	५/१९	५५/१३	व	१७	२३	३७	२९	३१	७	११	२९	मे.२०।९	भ.१/२ ७/३उ.४/३ ६/६या. शरद्पूर्णिमा स्मा.×
१५	गु	१५	५०	अ	२०	८	सि	५२	४७	ब	१५	५०	३४	२९	३१	८	१२	३०	मेषे	अनु.बुधः२।४९उफा.शुक्रः४२।४०=

२८पं.आ.शु.४चं.इ.२/९ २/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	४	१	६	६
२	१३	१९	०	१६	२८	२५	१
३१	०	३७	४९	८	३०	४०	५५
२३	३६	१२	[illegible]	६	४०	६	१९
५९	६१	९१	१०	५८	१/३५	३	५९
३४	५६	३	१	४८	व.	११	४६

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ले १शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोक्षयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

२९पं.आ.शु.१२चं.इ.२ २/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	६	८	४	१	६	६
९	१८	२९	२	२३	२८	२५	८
२९	४	३६	२	१३	१६	१७	५४
३८	८	३२	२०	४८	२३	५०	३९
५९	४२	८३	१०	६१	२/१६	३	६०
४७	३३	२३	४८	३९	व.	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंततू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	शु	१५	३७	भ	२१	२२	व्य	५०	२३	कौ	१५	३७	२७/३०	६/३०	५/३०	९	१३	३१	वृ.३७।६	
२	श	१७	१	कृ	२४	१७	व	४९	७	ग	१७	१	२७	३१	२९	१०	१४	१	वृषे	भ.४८।३०उ.नवम्बर११ता.३०
३	र	१९	५९	रो	२८	४४	प	४८	४४	वि	१९	५९	२३	३१	२९	११	१५	२	वृषे	भ.१/५९या.कन्यायांशुक्रः४/९करकचतुर्थीव्र.
४	चं	२४	२२	मृ	३४	२८	शि	४९	४२	बा	२४	२२	१९	३२	२८	१२	१६	३	मि१।३६	मूल.२गुरुः२१।५५
५	मं	२९	४८	आ	४०	५५	सि	५१	७	तै	२९	४८	१६	३३	२७	१३	१७	४	मिथुने	
६	बु	३६	१३	पु	४८	२५	सा	५३	२३	ग	३	०	१२	३४	२६	१४	१८	५	क.३१।३२	भ.३६।१३उ.
७	गु	४२	३८	पु	५५	५५	शु	५५	४४	वि	९	२५	९	३४	२६	१५	१९	६	कर्के	भ.९।२५या.विशा.रविः५२।१७
८	शु	४८	४१	श्ले	६०	०	शु	५७	४८	बा	१५	३९	५	३५	२५	१६	२०	७	कर्के	विशा.रविःसौरः२४।५८ उफा.भौमः५९/३९
९	श	५४	१	श्ले	३	१२	ब्र	५९	२२	तै	२१	२१	२	३६	२४	१७	२१	८	सिं३।१२	
१०	र	५७	४४	म	९	३३	ऐं	५९	३७	व	२५	५२	२६/५८	३६	२४	१८	२२	९	सिंहे	भ.२५।५२उ.५७।४४या.
११	चं	६०	०	पू	१४	२४	वै	५८	५३	ब	२८	५३	५५	३७	२३	१९	२३	१०	कं.३०।१३	ज्येष्ठा.बुधः२४।२२रमा११व्र.स्मा.
११	मं	०	२९	उ	१७	४१	वि	५६	३८	बा	०	२	५२	३८	२२	२०	२४	११	कन्यायां	हस्तेशुक्रः५९।०रमा११व्र.वै.
१२	बु	०	१९	ह	१९	६	प्री	५२	५०	तै	०	१९	४९	३८	२२	२१	२५	१२	तु.४८।५८	भ.५/४ ८/३उ.मकरेभौमः३/५ ७/२प्रदोषः धन१३
१३	बु	५८	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	गु	५५	१६	चि	१८	५१	आ	४७	३८	वि	२६	५९	४५	३९	२१	२२	२६	१३	तुलायां	भ.२६।५९या.रूप१४
३०	शु	५०	२६	स्वा	१६	५१	सौ	४१	७	च	२२	५१	४२	४०	२०	२३	२७	१४	वृ.५९।२३	महालक्ष्मीपूजनम्

३०पं.का.कृ.४चं.इ.२१/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	८	५	१	६	६
१६	२३	८	३	०	२७	२४	१५
२९	११	४८	१९	३५	५७	५५	५५
२०	३५	७	५९	४६	४३	३५	४३
६०	४२	७२	११	६३	२/५०	३	६०
४	५०	५०	२२	४३	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

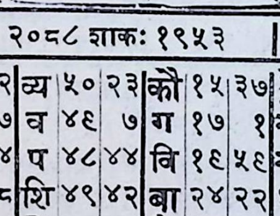

इस मास में धान्य गल्ला धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा रुई वारदाना कपास वदि में मंदे होकर सुदि में तेजी होंवे ।

गोचर ग्रहाः

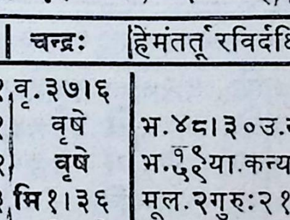

३१पं.का.कृ.११चं.इ.२१/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	८	७	८	५	१	६	६
२३	२८	१६	४	८	२७	२४	२२
३०	२२	३७	४१	१३	२४	३३	५८
४०	१	३०	५३	१९	४१	१९	१५
६०	४३	५४	१२	६५	३/३१	३	६०
१७	६	४८	०	२०	व.	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:५८८स.२०३१
१	श	४४	२५	वि	१३	३३	शो	३३	४७	किं	१७	२५	३६/३९	६/४०	५/२०	२४	२८	१५	वृश्चिके	अन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
२	र	३७	५०	अ	६	२	अ	२५	४०	बा	११	७	३६	४१	१९	२५	२९	१६	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्क:४८/२० चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
३	चं	३१	७	ज्ये	४/८	५५/२	सु	१७	२	तै	४	२८	३३	४१	१९	२६	१	१७	ध.४।८	भ.५६/४३उ.वृश्चिकेऽर्क:सौर:१९/६५सावान८
४	मं	२४	१९	पू	५४	१६	धृ	८/५९	५१/३३	वि	२४	१९	३०	४२	१८	२७	२	१८	धनुषि	भ २४।१९या.
५	बु	१७	५३	उ	४९	५२	गं	५२	१	ना	१७	५३	२७	४३	१७	२८	३	१९	म.८।१०	वक्रीबुध:४।७
६	गु	१२	७	श्र	४६	४	वृ	४४	२०	तै	१२	७	२५	४३	१७	२९	४	२०	मकरे	अनु.रवि:६/४०(सौर:३६/३) मूल ३गुरु:१/१९
७	शु	६	४८	ध	४२	४७	ध्रु	३७	७	व	६	४८	२२	४४	१६	३०	५	२१	कुं.१४।२६	भ.६।४८उ.३४।३३या.गोपाष्टमी
८	श	२	१९	श	४०	२०	व्या	३०	३८	ब	२	१९	१९	४४	१६	१	६	२२	कुंभे	भा.मार्गशीर्षारंभ:कुष्मांड९अक्षय९
९	श	५६	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–बुधास्त:पश्चिमायां५८।०
१०	र	५५	३४	पू	३८	४१	ह	२४	४०	तै	२६	५९	१७	४५	१५	२	७	२३	मी२४।६	चित्रा.शुक्र:४३/२६वक्रीमृग.१शनि:४२।९–
११	चं	५३	२८	उ	३७	५०	व	१९	३१	व	२४	३१	१४	४५	१५	३	८	२४	मीने	भ २४/३१उ.५३/२८या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीवि.
१२	मं	५२	४	रे	३७	४६	सि	१५	०	व	२२	४६	१२	४६	१४	४	९	२५	मे.३७।४६	श्रवणेभौम:५२।५१
१३	बु	५२	१४	अ	३८	४८	व्य	११	१९	कौ	२२	९	९	४६	१४	५	१०	२६	मेषे	प्रदोष:
१४	गु	५२	५२	भ	४०	५२	व	८	१७	ग	२२	३३	७	४७	१३	६	११	२७	वृ.५६।४१	भ.५३/५२उ.वक्रीअनु.बुध:४४/५५वैकुंठ१४
१५	शु	५५	९	कृ	४४	९	प	६	१४	वि	२४	०	५	४७	१३	७	१२	२८	वृषे	भ.२४।०या.मन्वादि:मा.स्ना.पूर्ति:

३२पं.का.शु.३च.इ. २१/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	५	१	६	७
०	३	२१	६	१६	२७	२४	०
३३	३६	२५	७	२	७	११	२
२२	११	५२	८	५६	४१	३	१९
६०	४३	१८	१२	६६	३/५३	३	६०
३०	२३	१८	२०	४७	व.	११	४०

गोचर ग्रहाः

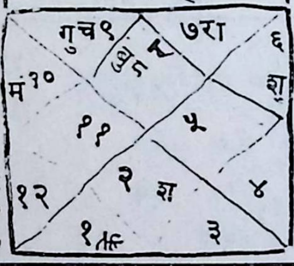

कार्तिक शुक्लै २ रवौ वृश्चिकेऽर्क: प्रविष्ट: वा.३ न.४ युंवावस्था (सूती)मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय: पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

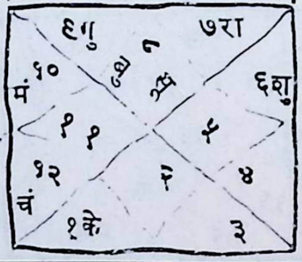

३३पं.का.शु.११च.इ. २५/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	५	१	६	७
७	८	१९	७	२४	२६	२३	७
३७	५३	५१	३५	२	३७	४८	७
१६	१७	५८	३५	४६	१६	४८	५२
६०	४३	५६/३२	१२	६७	४/१०	३	६०
४२	४०	व.	४८	५८	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श	५८	३७	रो	४८	३७	शि	५	२७	बा	२६	५३	२६/२	६/४८	५/१२	८	१३	२९	वृषे	तुलायांशुक्र:२७।१
२	र	६०	०	मृ	५४	१६	सि	४	५५	तै	३०	५५	०	४८	१२	९	१४	३०	मि२१।२६	[=रा .भर.३केतु:२४।८
२	चं	३	१४	आ	६०	०	सा	५	३२	ग	३	१४	२५/५८	४८	१२	१०	१५	१	मिथुने	भ.३५।५४उ.दिसंबर१२ता.३१
३	मं	८	३४	आ	०	४०	शु	६	५४	वि	८	३४	५६	४९	११	११	१६	२	क.५१।१	भ.८।३४या. चतुर्थी व्र.
४	बु	१४	५२	पु	७	४८	शु	८	५५	बा	१४	५२	५४	४९	११	१२	१७	३	कर्के	ज्येष्ठा.रवि:१६/५२(सौर:४३/७)विशा.१=
५	गु	२१	२४	पु	१५	२४	ब्र	११	११	तै	२१	२४	५३	४९	११	१३	१८	४	कर्के	स्वात्यांशुक्र:५४।८
६	शु	२७	४९	श्ले	२३	४	ऐं	१३	३०	व	२७	४९	५१	५०	१०	१४	१९	५	सि२३।४	भ.२७।४९उ.मूल.४गुरु:२१।२४×
७	श	३३	४१	म	३०	६	वै	१५	३१	वि	०	४५	४९	५०	१०	१५	२०	६	सिंहे	भ.०।४५या.
८	र	३८	१५	पू	३६	१	वि	१६	४०	बा	५	५८	४८	५०	१०	१६	२१	७	कं.५२।१०	[×बुधोदय:पूर्वस्यां४९/१८
९	चं	४१	२०	उ	४०	३५	प्री	१६	५३	तै	९	४७	४६	५१	९	१७	२२	८	कन्यायां	
१०	मं	४२	२७	ह	४३	१३	आ	१५	३८	व	११	५३	४५	५१	९	१८	२३	९	कन्यायां	भ.११।५३उ.४२।२७या.
११	बु	४१	३७	चि	४३	५५	सौ	१२	५६	ब	१२	२	४४	५१	९	१९	२४	१०	तु.१३।३४	मार्गीबुध:५।३९ उत्पत्ति११व्र.
१२	गु	३८	४४	स्वा	४२	३७	शो	८	३४	कौ	१०	१०	४३	५१	९	२०	२५	११	तुलायां	
१३	शु	३४	१	वि	३९	२७	अ	२/४३	५२/३३	ग	६	२२	४२	५२	८	२१	२६	१२	वृ.२५।१५	भ.३४।१उ. प्रदोष:
१४	श	२७	२६	अ	३४	३७	धृ	४६	३५	वि	०	४३	४१	५२	८	२२	२७	१३	वृश्चिके	भ.०।४३या.धनि.भौम:१३।६
३०	र	१९	५८	ज्ये	२८	५४	शू	३७	२	ना	१९	५८	४०	५२	८	२३	२८	१४	ध.२८।५४	

३४प मा कृ.२च.इ. ४१/०

र	मं	बु	गु	शु	ग	रा	र
७	९	७	८	९	१	६	७
१४	१४	११	९	२	२६	२३	१४
४२	११	४३	९	१०	४	२६	१४
२९	३८	३४	४७	५२	१९	३२	३८
६०	४३	१५/२०	१३	६८	४/३४	३	६१
३०	५६	व.	९	५३	व	११	३

गोचर ग्रहाः

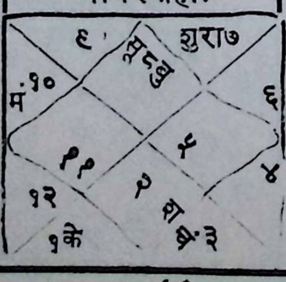

इस मास में ५ शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में रोग शोक फैले धातु धान्य गल्ला रसकस में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

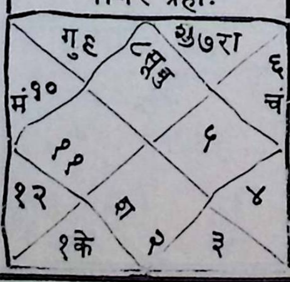

३५पं.मा.कृ.९चं.इ. २०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	९	१	६	७
२१	१९	५	१०	१०	२५	२३	२१
४८	३१	३९	३९	२६	३०	४	२२
३२	२३	५८	५८	१०	७	१७	१९
६०	४३	१४/५६	१३	६९	४/४०	३	६१
५६	५२	व.	२२	४०	व.	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६१८स.२०३१
१	चं	११	३७	मू	२२	२१	गं	२७	७	ब	११	३७	२५/३९	६/५७	५/८	२४	२९	१५	धनुषि	चंद्रदर्शनम्
२	मं	३	५	पू	१५	३८	बृ	१७	८	कौ	३	५	३९	५२	८	२५	१	१६	म.२९।२	मूलेधनुष्यर्कः २४/७ (सौरः ४/४७) विशा.–
३	मं	५१	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–शुक्रः २३/४ रमजान९
४	बु	४७	५	उ	९	१३	ध्रु	७/८	५०/३३	व	२०	५४	३८	५२	८	२६	२	१७	मकरे	भ.२०।५४उ.४७।५या.
५	गु	४०	१४	श्र	३/२३	५५/१४	ह	४९	११	ब	१३	३९	३८	५२	८	२७	३	१८	कुं.३१।०	
६	शु	३४	४०	श	५५	१३	व	४१	३८	कौ	७	२७	३७	५३	७	२८	४	१९	कुम्भे	चंपा६
७	श	३०	१३	पू	५२	५५	सि	३४	५२	ग	२	२६	३७	५३	७	२९	५	२०	मी३८।२९	भ.३/१ ०/३उ.५/४ ८/५या.पूषा.१गुरुः०।४२
८	र	२७	१६	उ	५१	५६	व्य	२९	२२	ब	२७	१६	३६	५३	७	३०	६	२१	मीने	कुँभेभौमः५८।३अस्तंगुरौ३८।२४
९	चं	२५	३७	रे	५२	१५	व	२४	५९	कौ	२५	३७	३६	५३	७	१	७	२२	मे.५२।१५	भा.पौषारंभः
१०	मं	२५	८	अ	५३	५४	प	२१	३५	ग	२५	८	३६	५३	७	२	८	२३	मेषे	भ.५५।४०उ.ज्येष्ठा.बुधः४४।१०
११	बु	२६	११	भ	५६	४८	शि	१९	१६	वि	२६	११	३६	५३	७	३	९	२४	मेषे	भ२/१ ६/१या.वृश्चिकेशुक्रः४/३ ५/८मोक्षदा११व्र=
१२	गु	२८	२	कृ	६०	०	सि	१७	४९	वा	२८	२	३७	५३	७	४	१०	२५	वृ.१२।५०	[=गीताजयंती
१३	शु	३१	२५	कृ	०	५६	सा	१७	३६	तै	३१	२५	३७	५३	७	५	११	२६	वृषे	प्रदोषः
१४	श	३५	३८	रो	५	५३	शु	१७	२७	ग	३	३१	३७	५३	७	६	१२	२७	मि३८।४६	भ.३/३ ५/८उ.अनु.शुक्रः२०।१८
१५	र	४०	३९	मृ	११	३९	शु	१८	२२	वि	८	८	३८	५२	८	७	१३	२८	मिथुने	भ.८।८या.दत्तजयंती

३६ पं.मा.शु.१चं.इ. २०/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	७	८	६	१	६	७
२८	२४	७	१२	१८	२४	२२	२८
५५	५३	४५	१५	४६	५५	४२	३१
२६	१३	१८	१८	४१	३०	१	२
६१	४३	४४/५३	१३	७०	४/४०	३	६१
०	५२	मा	३२	२५	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

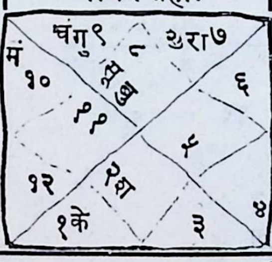

मार्गशीर्षशुक्ले २भौमे धनुष्यर्कःप्रविष्टः वा ३ न.४ युवावस्था (सूती) मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

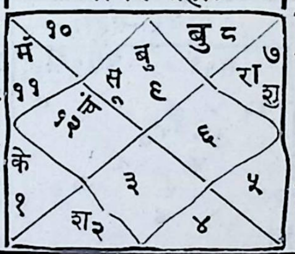

३७पं.मा.शु.९चं.इ. २०/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	६	१	६	८
६	०	१५	१३	२७	२४	२२	५
३	१६	१	५१	१२	२१	१९	४०
०	८	२३	२९	४७	२२	४५	२७
६१	४४	७०	१३	७१	४/३१	३	६१
४	५	४१	३२	४	व.	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा.
१	चं	४६	२३	आ	१८	२०	ब्र	१९	५२	बा	१३	३१	२५/३८	६/५२	५/८	८	१४	२९	मिथुने	पूषा.रविः२९।१०(सौरः४९।२५)
२	मं	५२	५०	पु	२५	२४	ऐं	२१	४४	तै	१९	३६	३९	५२	८	९	१५	३०	क.८।३८	शतेभौमः४३।३३
३	बु	५९	१९	पु	३२	५४	वै	२३	५६	व	२६	४	४०	५२	८	१०	१६	३१	कर्के	भ.२६।४उ.५९।१९या.
४	गु	६०	०	श्ले	४०	२६	वि	२६	१६	ब	३२	३०	४१	५२	८	११	१७	१	सिं४०।२६	जनवरी१ता.३१सन्२०३२चतुर्थीव्र.
४	शु	५	४१	म	४७	५६	प्री	२८	२२	बा	५	४१	४२	५२	८	१२	१८	२	सिंहे	मूलेधनुषिबुधः३१।२०
५	श	११	४४	पू	५४	२९	आ	३०	२	तै	११	४४	४३	५१	९	१३	१९	३	सिंहे	पूषा.२गुरुः२७।५५
६	र	१६	५२	उ	६०	०	सौ	३०	५६	व	१६	५२	४४	५१	९	१४	२०	४	क.१०।५३	भ.९/५ ६/२उ.४/५ ८/०या.वक्रीरोहि.४शनिः५५/३९
७	चं	२०	४७	उ	०	४	शो	३०	५५	ब	२०	४७	४५	५१	९	१५	२१	५	कन्यायां	
८	मं	२३	२	ह	४	१३	अ	२९	३५	कौ	२३	२	४७	५१	९	१६	२२	६	तु.३५।२२	
९	बु	२३	३१	चि	६	३२	सु	२६	४२	ग	२३	३१	४८	५०	१०	१७	२३	७	तुलायां	भ.५२।४३उ.ज्येष्ठा.शुक्रः२०।४८
१०	गु	२१	५५	स्वा	६	५५	धृ	२२	७	वि	२१	५५	५०	५०	१०	१८	२४	८	वृ.५०।४६	भ.२१।५५या.
११	शु	१८	१३	वि	५	२३	शू	१६	१०	बा	१८	१३	५२	५०	१०	१९	२५	९	वृश्चिके	सफला११व्र.
१२	श	१२	३९	अ	१/४९	५४/४६	गं	८/३२	५१/३	तै	१२	३९	५३	४९	११	२०	२६	१०	ध.५६।३५	प्रदोषः
१३	र	५	२८	मू	५०	०	ध्रु	४९	३७	व	५	२८	५५	४९	११	२१	२७	११	धनुषि	भ.५/२८उ.३/१ ३/३या.उषा.रविः३/५ ३/६×
१४	र	५१	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×(सौरः५०/२)पूषा.बुधः२७/४२+
३०	चं	४७	३५	पू	४२	३५	व्या	३८	४९	च	२२	१६	५७	४९	११	२२	२८	१२	म.५५।४०	[+बुधास्तःपूर्वस्यां५१/३९

३८ पं.पौ.कृ.१चं.इ. २०/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	७	८	७	१	६	८
१३	५	२४	१५	५	२३	२१	१२
१०	३८	१३	२८	४२	४८	५७	५०
५९	५३	४१	५५	५८	४३	३०	१९
६१	४४	८०	१३	७१	४/१०	३	६१
६	३	५२	३८	२९	व.	११	२६

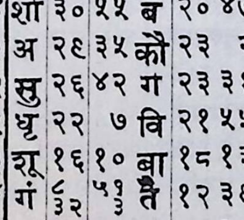

३९पं.पौ.कृ.७चं.इ. २०/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	८	७	१	६	८
२०	११	४	१७	१४	२३	२१	२०
१९	०	१४	५	१५	१८	३५	०
५	५०	१३	३१	३२	२५	१४	१६
६१	४४	९०	१३	७१	५३/२	३	६१
६	४	१९	३८	५३	व.	११	२६

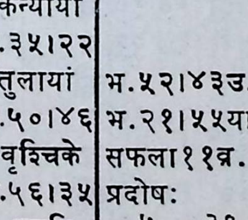

४०पं.पौ.कृ.३०चं.इ. २०/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	८	७	१	६	८
२७	१६	१४	१८	२२	२२	२१	२७
२७	२३	४३	४२	५०	५१	१२	१०
७	२	४४	४७	१३	१८	५९	८
६१	४४	९५	१३	७२	३/२८	३	६१
६	१६	४४	३२	१३	व.	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः६४७ स.२०३२
१	मं	३७	५९	उ	३४	५५	ह	२७	५२	किं	१२	४७	२५/५९	६/४८	५/५२	२३	२९	१३	मकरे	
२	बु	२८	४५	श्र	२७	३२	व	१७	१	बा	३	२२	२६/१	४८	१२	२४	३०	१४	कुं.५४।५	मकरेऽर्कः:५०।२० चन्द्रदर्शनम्
३	गु	२०	२	ध	२०	३७	सि	६/४१	५०/१४	ग	२०	२	४	४७	१३	२५	१	१५	कुंभे	भ.४/१ ६/६ उ.मकरेऽर्कः;सौरः ६/१ ९ सव्वाल१०
४	शु	१२	३१	श	१४	५९	व	४८	३१	वि	१२	३१	६	४७	१३	२६	२	१६	कुंभे	भ.१/३ २/१ या.पूभा.भौमः५/५ ६/२ उदयंगुरोः४/२ ४/४
५	श	६	२६	पू	१०	४७	प	४१	३५	बा	६	२६	८	४६	१४	२७	३	१७	मी५६।४८	पूषा.३गुरु;५४।६
६	र	२	१०	उ	८	२३	शि	३५	५८	तै	२	१०	११	४६	१४	२८	४	१८	मीने	भ.५९।३२उ.मूलेधनुषिशुक्रः८।११
७	र	५७	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	चं	५८	४७	र	७	४१	सि	३१	४७	वि	२९	९	१३	४५	१५	२९	५	१९	मे.७।४१	भ.२९।९या.उषा.बुधः५७।२३
९	मं	५९	४७	अ	८	४२	सा	२९	७	बा	२९	४७	१६	४५	१५	३०	६	२०	मेषे	[–मकरेबुधः५/३ ७/२ भा माघारंभः
१०	बु	६०	०	भ	११	३१	शु	२७	३३	तै	३०	५७	१९	४४	१६	१	७	२१	वृ.२७।३४	अभि.प्र.रविः२४।४६(सौरः३७।४०)–
१०	गु	२	८	कृ	१५	४३	शु	२७	२६	ग	२	८	२१	४४	१६	२	८	२२	वृषे	भ.३४।९उ.
११	शु	६	१०	रो	२१	३	ब्र	२८	२	वि	६	१०	२४	४३	१७	३	९	२३	मि५४।८	भ.६।१०या.पुत्रदा११व्र.
१२	श	११	२	मृ	२७	१४	ऐं	२९	७	बा	११	२	२७	४३	१७	४	१०	२४	मिथुने	श्रवणेरविः३/२ ९/३(सौरः५/३ ४/६) प्रदोषः
१३	र	१६	४२	आ	३४	१४	वै	३०	५७	तै	१६	४२	२९	४२	१८	५	११	२५	मिथुनें	अभि.नि.रविः३१।३८(सौरः४४।५३)
१४	चं	२२	४०	पु	४१	३६	वि	३२	५२	व	२२	४०	३२	४२	१८	६	१२	२६	क.२४।४६	भ.२२।४०उ.५५।५७या.
१५	मं	२९	१४	पु	४९	५	प्री	३५	१०	ब	२९	१४	३५	४१	१९	७	१३	२७	कर्के	मा.स्ना.प्रा.

४१प.पौ.शु.८चं.इ. २०/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	८	८	८	१	६	९
४	२१	२५	२०	१	२२	२०	४
३४	४४	३८	१९	२७	२८	५०	१९
५९	२	२	१६	०	५२	४३	३७
६१	४४	९९	१३	७२	२/४६	३	६१
३	१०	५२	२६	३२	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

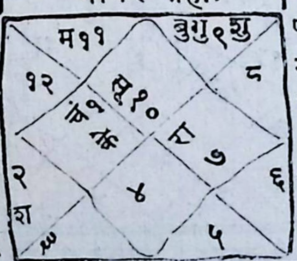

पौष शुक्ले २ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्ट. वा. २ न. ३ युवावस्था (सूती।मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

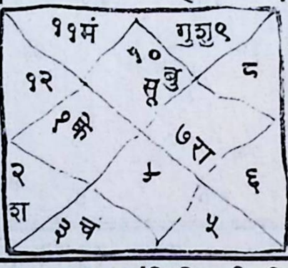

४२पं.पौ.शु.१४चं.इ. २०/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१०	९	८	८	१	६	९
११	२७	७	२१	१०	२२	२०	११
४२	५	१	५४	५	१०	२८	२८
२९	१३	५	३२	१३	२६	२७	२८
६०	४३	०	१३	७२	१/२७	३	६१
५९	५८	५२	२०	५०	व	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	बु	३५	३७	श्ले	५६	२५	आ	३७	१८	बा	२	२५	२६/३८	६/४०	५/२०	८	१४	२८	सि५६।२५	श्रवणेबुधः३।२३
२	गु	४१	५१	म	६०	०	सौ	३९	२३	तै	८	४४	४१	४०	२०	९	१५	२९	सिंहे	पूषा.शुक्रः०।३९
३	शु	४७	३५	म	३	४३	शो	४१	५	व	१४	४३	४५	३९	२१	१०	१६	३०	सिंहे	भ.१/४ ४/३ उ.३/३ ७/५ या.मीनेमौमः३/६
४	श	५२	२९	पू	१०	२१	अ	४२	८	ब	२०	२	४८	३८	२२	११	१७	३१	कं.२६।४८	चतुर्थी व्र.
५	र	५६	३७	उ	१६	१०	सु	४२	३३	कौ	२४	३३	५१	३८	२२	१२	१८	१	कन्यायां	पूषा.४गुरुः४३।४३फर्वरीरता.२९
६	चं	५९	२६	ह	२१	०	धृ	४२	१	ग	२८	१	५४	३७	२३	१३	१९	२	तु.५२।४७	भ.५९।२६उ.
७	मं	६०	०	चि	२४	३५	शू	४०	१८	वि	३०	६	५८	३६	२४	१४	२०	३	तुलायां	भ.३०।६या.उभा.भौमः४०।४८
७	बु	०	४७	स्वा	२६	३२	गं	३७	३१	व	०	४७	२७/१	३६	२४	१५	२१	४	तुलायां	धनि.बुधः४/२ ८/५ स्वाती४राहुःभर.२ केतुः१/१ ७/२
८/९	गु	०/५७	३७/४६	वि	२६	५०	वृ	३३	४	कौ	०	३६	५	३५	२५	१६	२२	५	वृ.११।४५	
१०	शु	५४	३०	अ	२५	१६	ध्रु	२७	१४	व	२६	२६	८	३४	२६	१७	२३	६	वृश्चिके	भ.२/२ ६/६ उ.५/३ ४/० या.धनि.रविः४/४ ७/१(सौरः५/२ ९/६
११	श	४८	४७	ज्ये	२१	५८	व्या	१९	५९	ब	२१	३८	१२	३४	२६	१८	२४	७	ध.२१।५८	षट्तिला११व्र.
१२	र	४१	३५	मू	१६	५६	ह	११	२३	कौ	१५	११	१५	३३	२७	१९	२५	८	धनुषि	कुंभेबुधः३७।२उषा.शुक्रः४५।१७
१३	चं	३३	५	पू	१०	४०	व	१/४०	४९/३९	ग	७	२०	१९	३२	२८	२०	२६	९	म.२३।५४	भ.३३।५उ.५८।२३या. प्रदोषः
१४	मं	२३	४१	उ	३/३७	५२/५५	व्य	४०	१७	श	२३	४१	२३	३१	२९	२१	२७	१०	मकरे	
३०	बु	१४	५	ध	४७	५८	व	२९	१८	ना	१४	५	२७	३१	२९	२२	२८	११	कुँ.२१।५०	मकरेशुक्रः२८।५६

४३पं.मा.कृ.६चं.इ. २०/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	८	८	१	६	९
१८	२	१८	२२	१८	२१	२०	१८
४९	२४	५४	२८	४३	५७	६	३६
१	२५	१४	१	५७	०	१२	३५
६०	४३	०	१३	७३	३/०	३	६१
५५	५६	४१	८	८	वं	११	४

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य वाजरा मूंगमोठ चना मटर सरसों अलसी रसकस गुड़ शक्कर चीनी तेज हो सोना चांदी मंदा हो ।

गोचर ग्रहाः

४४पं.मा.कृ.१३चं.इ. २०/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	८	८	१	६	९
२५	७	१	२४	२७	२१	१९	२५
५४	४३	१८	५९	२३	४९	४३	४३
५०	५	५८	४९	२	१	५६	२२
६०	४३	०	१२	७३	०/४	३	६०
४५	५०	०/२	४१	२०	वं	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः६७७स.२०३२
१	गु	४	२०	श	४०	४७	प	१८	२५	ब	४	२०	२७/३०	६/३०	५/३०	२२	२९	१२	कुम्भे	शतेबुधः१६।४७ चंद्रदर्शनम्
२	गु	५१	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	शु	४७	४१	पू	३४	४३	शि	८/३२	५१/७	तै	२१	३३	३४	२९	३१	२४	१	१३	मी२१।१४	कुंभेऽर्कः२२।५७ सौरः३/२ ३/४) जिल्काद११
४	श	४१	३८	उ	३०	७	सा	५२	१४	व	१४	३९	३८	२८	३२	२५	२	१४	मीने	भ.१४।३९उ.४१।३०या.
५	र	३७	२८	रे	२७	२८	शु	४६	३२	ब	९	३३	४१	२८	३२	२६	३	१५	मे.२७।२८	वसंत५
६	चं	३५	११	अ	२६	५४	शु	४२	२५	कौ	६	१९	४५	२७	३३	२७	४	१६	मेषे	मार्गीशनिः३६।३५
७	मं	३५	११	भ	२८	१६	ब्र	३९	५२	ग	५	११	४९	२६	३४	२८	५	१७	वृ.४४।४	भ.३/१ ५/१उ.उषा.१गुरुः१/१ ५/३भानु७रथ७
८	बु	३७	२	कृ	३१	२९	ऐं	३८	५३	वि	६	६	५३	२५	३५	२९	६	१८	वृषे	भ.६/६या.बुधोदयःपश्चि.५/५ ९/०भीष्माष्टमी
९	गु	३९	५०	रो	३६	२८	वै	३९	२०	बा	८	२६	५६	२५	३५	३०	७	१९	वृषे	शतेरवि.५९पूभा.बुधः३/२ ७/५श्रवणेशुक्रः३/४ ४/३
१०	शु	४५	४८	मृ	४२	४७	वि	४०	२९	तै	१२	४९	२८/०	२४	३६	१	८	२०	मि९।३७	शतेरविःसौरः८।४६भा.फाल्गुनारंभः
११	श	५१	४९	आ	४९	५५	प्री	४२	२५	व	१८	४८	४	२३	३७	२	९	२१	मिथुने	भ.१/४ ८/८उ.५/४ १/९या.रेवत्यांभौमः१/१ ०/९–
१२	र	५७	५९	पु	५७	१९	आ	४४	३१	ब	२४	५४	८	२२	३८	३	१०	२२	क.४०।२८	[–जया११व्र.
१३	चं	६०	०	पु	६०	०	सौ	४६	५५	कौ	३१	१८	१२	२२	३८	४	११	२३	कर्के	प्रदोषः
१३	मं	४	३७	पु	४	५८	शो	४९	१३	तै	४	३७	१६	२१	३९	५	१२	२४	कर्के	
१४	बु	१०	५५	श्ले	१२	१४	अ	५०	५४	व	१०	५५	२०	२०	४०	६	१३	२५	सिं१२।१४	भ.९/५ ०/५उ.४/५ ३/०या.मीनेबुधः४/५ ०/५
१५	गु	१६	४५	म	१९	१७	सु	५२	३४	ब	१६	४५	२४	१९	४१	७	१४	२६	सिंहे	मा.स्ना.पू.

४५पं.मा.शु.६च.इ. २०/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	८	९	१	६	१०
२	१२	१४	२६	६	२१	१९	२
५९	५९	४	२८	२	४६	२१	४९
४२	२	३७	४८	३५	४४	४१	२५
६०	४३	०/४	१२	७३	०/२	३	६०
३७	३८	९/२५	२०	२६	व.	११	४२

गोचर ग्रहाः

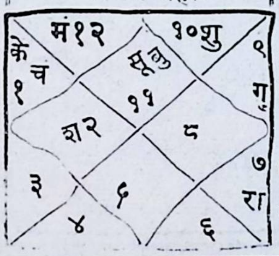

माघ शुक्ले ३ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

४६पं.मा.शु.१३च.इ. २/५ ०/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	१०	८	९	१	६	१०
१०	१८	२६	२७	१४	२१	१८	९
३	१४	१४	५४	४२	५०	१९	५३
१४	५३	३५	२५	४	१०	२५	५८
६०	४३	९६	११	७३	०/५१	३	६०
२५	३४	३९	५२	३८	मा	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	शु	२१	५५	पू	२५	२९	धृ	५३	२६	कौ	२१	५५	२८/२८	६/१८	५/४२	८	१५	२७	कं.४१।५४	
२	श	२६	१९	उ	३१	८	शू	५३	३१	ग	२६	१९	३२	१८	४२	९	१६	२८	कन्यायां	भ.५८।१उ.उभाबुधः२८।३०
३	र	२९	४३	ह	३५	३६	गं	५२	५९	वि	२९	४३	३६	१७	४३	१०	१७	२९	कन्यायां	भ.२९।४३या. चतुर्थीव्र.
४	चं	३२	१	चि	३९	१०	वृ	५१	२९	ब	०	२२	४०	१६	४४	११	१८	१	तु.७।२३	धनि.शुक्रः१९।२६मार्च३ता.३१
५	मं	३३	२०	स्वा	४१	३४	ध्रु	४९	७	कौ	२	४१	४४	१५	४५	१२	१९	२	तुलायां	
६	बु	३३	२७	वि	४२	५०	व्या	४५	४८	ग	३	२३	४८	१४	४६	१३	२०	३	वृ.२७।३१	भ.३३।२७उ.
७	गु	३२	१०	अ	४२	४६	ह	४१	२२	वि	२	४८	५२	१४	४६	१४	२१	४	वृश्चिके	भ.२/४ ८या.पूभा.रविः५/१ ५/४(सौरः३/३ ३/३
८	शु	२९	२९	ज्ये	४१	१३	व	३५	५०	बा	०	४९	५६	१३	४७	१५	२२	५	ध.४१।१३	उषा.२मकरेगुरुः ः।१८
९	श	२५	२३	मू	३८	२२	सि	२९	८	ग	२५	२३	२९/१	१२	४८	१६	२३	६	धनुषि	भ.५२।४५उ.कुंभेशुक्रः४१।४८
१०	र	२०	७	पू	३४	१६	व्य	२१	२५	वि	२०	७	५	११	४९	१७	२४	७	म.४७।५५	भ.२०।७या.वक्रीबुधः३२।२१
११	चं	१३	१६	उ	२८	५०	व	१२	३१	बा	१३	१६	९	१०	५०	१८	२५	८	मकरे	विजया११व्र.
१२	मं	५	२९	श्र	२२	३३	प	३/१	४९/५२	तै	५	२९	१३	९	५१	१९	२६	९	कुं.४९।५	भ.५७/८उ.बुधास्तःपश्चिमायां१/२ ३/२प्रदोषः
१३	मं	५१	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	बु	४७	५६	ध	१५	३७	सि	४२	२६	वि	२२	३२	१७	९	५१	२०	२७	१०	कुंभे	भ.२/३ २/२या.अश्वि.मेषेभौमः१/९ ४=
३०	गु	३९	११	श	८	३५	सा	३२	२३	च	१३	३३	२१	८	५२	२१	२८	११	मी४८।४०	[=महाशिवरात्री व्र.

४७पं.फा.कृ.४च.इ २१/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	८	९	१	६	१०
१७	२३	५	२९	२३	२१	१८	१६
५	२७	१५	१६	२२	५८	३७	५६
२८	११	४	४८	१६	५२	९	५३
६०	४३	६१	११	७३	१	३	६०
१२	२९	१३	१४	५०	३१	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत वारदाना आदि अच्छे तेज हों रसकस में मंदी रहै।

गोचर ग्रहाः

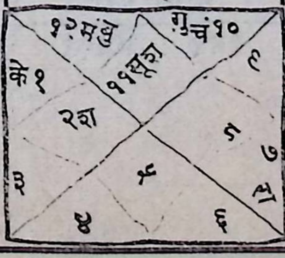

४८पं.फा.कृ.११चं.इ. २/३ १/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	११	११	९	१०	१	६	१०
२४	२८	८	०	२	२२	१८	२३
६	३८	४	३५	२	१२	१४	५८
१४	५३	५९	२	१७	४०	५४	१६
५९	४३	९	१०	७३	२	३	६०
५८	१३	व.	३६	५१	१२	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गण७०६स.२०३२
१	शु	३०	५२	पू	३/२	५४/१८	शु	२२	४९	किं	५	१	२९/२६	६/७	५/५३	२२	२९	१२	मीने	शतेशुक्रः ५/४३ पातस्पर्शः ५/७ पातमोक्षः १७/२४
२	श	२३	४०	रे	५२	२२	शु	१४	२१	कौ	२३	४०	३०	६	५४	२३	३०	१३	मे.५२।२२	चद्रदर्शनम् फुलरिया२
३	र	१८	२०	अ	४९	३८	ब्र	७	३	ग	१८	२०	३४	५	५५	२४	१	१४	मेषे	भ.४६/२९उ.मीनेऽर्कः १६/७(सौरः ३३/५४)–
४	चं	१४	३८	भ	४९	२०	ऐं	१/११	५६/७	वि	१४	३८	३८	४	५६	२५	२	१५	मेषे	भ.१४।३८या. [–जिल्हेज१२
५	मं	१३	२३	कृ	५१	७	वि	५५	१०	बा	१३	२३	४३	३	५७	२६	३	१६	वृ.४।४७	वक्रीपूभा.बुधः१७।११
६	बु	१३	५६	रो	५४	५१	प्री	५४	३७	तै	१३	५६	४७	३	५७	२७	४	१७	वृषे	उभा.रविः ३७।११(सौरः४५।३०)
७	गु	१६	४३	मृ	६०	०	आ	५४	५८	व	१६	४३	५१	२	५८	२८	५	१८	मि२७।३१	भ.१६।४३उ.४८।५५या.
८	शु	२१	७	मृ	०	११	सौ	५६	३५	ब	२१	७	५५	१	५९	२९	६	१९	मिथुने	वक्रीकुंभेबुधः५६।२६होलाष्टकम्
९	श	२६	४६	आ	६	५५	शो	५८	४५	कौ	२६	४६	३०/००	६/०	६/०	३०	७	२०	क.५७।२५	[=आमलकी११व्र.
१०	र	३२	५०	पु	१४	१५	अ	६०	०	ग	३२	५०	४	५९	१	१	८	२१	कर्के	भा.चैत्रारंभः
११	चं	३९	३२	पु	२१	५३	अ	१	५०	व	६	११	८	५८	२	२	९	२२	कर्के	भ.६।११उ.३९।३२या.पूभा.शुक्र ५२/५४=
१२	मं	४५	४६	श्ले	२९	२६	सु	३	३०	ब	१२	३९	१२	५८	२	३	१०	२३	सिं२९।२६	बुधोदयःपूर्वस्यां५८।२५
१३	बु	५१	२२	म	३५	५९	धृ	५	२९	कौ	१८	३४	१६	५७	३	४	११	२४	सिंहे	उषा.३गुरुः५५।३८ प्रदोषः
१४	गु	५६	५	पू	४२	२९	शू	६	४८	ग	२३	४३	२१	५६	४	५	१२	२५	कं.५८।४२	भ.५६।५उ.
१५	शु	५९	३३	उ	४७	२३	गं	७	२३	वि	२७	४९	२५	५५	५	६	१३	२६	कन्यायां	भ.२७।४९या.होलिकादहनम्

४९प.फा.शु.४च.इ.२१।५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	११	९	१०	१	६	११
१	३	४	१	१०	२२	१७	०
५	४७	१३	४८	४१	३१	५२	५७
३१	६	३७	२९	५३	३४	३८	५८
५९	४२	५८/१३	९	७३	२	३	५९
४१	५८	व	५२	५८	५२	११	४९

गोचर ग्रहाः

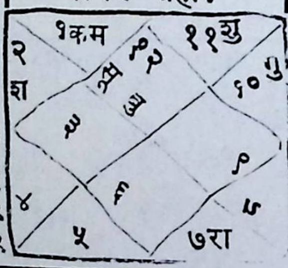

फाल्गुन शुक्ले ३ रवौ मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा.३ न. ४ प्रौढावस्था (वैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

५०पं.फा.शु.११चं.इ. २२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	९	१०	१	६	११
८	८	२७	२	१९	२२	१७	७
३	३४	५८	५६	२२	५५	३०	५५
५८	७	३७	४२	१२	१९	२३	५३
५९	४२	४९/५६	९	७४	३	३	५९
२९	४७	व	७	४	३२	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८८ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श	६०	०	ह	५१	२५	बृ	७	१४	बा	३०	४७	३०/२९	५/५४	६/६	७	१४	२७	कन्यायां	वसंत१छारेंडी
१	र	२	२	चि	५४	११	ध्रु	६	६	कौ	२	२	३३	५३	७	८	१५	२८	तु.२२।४८	भरण्यांभौमः२७। ७मृग.१शनिः ३४/४६
२	चं	३	१७	स्वा	५५	५७	व्या	४	११	ग	३	१७	३७	५३	७	९	१६	२९	तुलायां	भ.३३।२१उ.
३	मं	३	२५	वि	५६	४६	ह	५/१९	५६/२४	वि	३	२५	४१	५२	८	१०	१७	३०	वृ.४१।३४	भ.३।२५या.मीनेशुक्रः५८।२८चतुर्थी व्र.
४	बु	२	३७	अ	५६	४१	सि	५३	२६	बा	२	३७	४५	५१	९	११	१८	३१	वृश्चिके	रेवत्यांरविः४।४३ (सौरः११।५७)
५	गु	०	५९	ज्ये	५५	४२	व्य	४८	२८	तै	०	५९	४९	५०	१०	१२	१९	१	ध.५५।४२	भ.५४/२२उ.मार्गीबुधः ३१/४६ अप्रेल४ता.३०
६	गु	५७	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	शु	५४	५४	मू	५३	५३	व	४२	४५	वि	२६	३८	५३	४९	११	१३	२०	२	धनुषि	भ.२६/३८या.उभाशुक्रः ४०/४७ शीतलापूजनम्
८	श	५०	४१	पू	५१	१५	प	३६	२२	बा	२२	४७	५७	४९	११	१४	२१	३	धनुषि	
९	र	४५	२८	उ	४७	४८	शि	२९	१३	तै	१८	४	३/१	४८	१२	१५	२२	४	म.५।२३	
१०	चं	३९	२९	श्र	४३	२५	सि	२१	२६	व	१२	२८	५	४७	१३	१६	२३	५	मकरे	भ.१२।२८उ.३९।२९या.
११	मं	३२	५४	ध	३८	२४	सा	१३	११	ब	६	११	१०	४६	१४	१७	२४	६	कुं.१०।५५	पापमोचनी११व्र.
१२	बु	२५	३३	श	३२	५८	शु	४/३२	५१/१०	तै	२५	३३	१४	४५	१५	१८	२५	७	कुंभे	स्वाती.३राहुःभर.१केतु. १३।१४प्रदोषः
१३	गु	१८	१०	पू	२७	३९	ब्र	४६	४९	व	१८	१०	१८	४४	१६	१९	२६	८	मी१३।५९	भ.१८।१०उ.४४।२५या.
१४	शु	१०	४१	उ	२२	२६	ऐं	३८	३४	श	१०	४१	२२	४४	१६	२०	२७	९	मीने	
३०	श	४	७	रे	१८	६	वै	३०	५९	ना	४	७	२६	४३	१७	२१	२८	१०	मे.१८।६	मन्वादिःनवरात्रारंभः

५१प.चै.कृ.२च.इ. २२/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	९	१०	१	६	११
१४	१३	२५	३	२८	२३	१७	१४
५९	५९	०	५९	१	२४	८	५२
१०	१०	४०	६	२६	४	७	४
५९	४२	१४/१३	८	७४	४	३	५९
१६	४३	व	२०	१४	१३	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मटर सरसों अलसी आदि कुछ मंदे हों प्रजा में शोक फैलेधातुरसकसतेजहों

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.१०चं.इ. २२/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	९	११	१	६	११
२१	१९	२६	४	६	२३	१४	२१
५३	१	२४	५५	४०	५७	४५	४६
३१	१६	४०	१६	५५	०	५१	१५
५९	४२	१९/७	७	७४	४	३	५९
४	३२	मा	१०	२०	४६	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३३, भोग्यकलिः४२६८६७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०८९, शाकः १९५४, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री भौमः । सस्येशःशुक्रः । धान्येशो बुधः । मेघेशश्चंद्रः। रसेशो रविः । नीरसेशः शुक्रः । फलेशश्चंद्रः । धनेशो गुरुः।दुर्गेशश्चंद्रः।एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येरुद्रविंशतिकायां २० क्षय नाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः २।१८।१४।२५।० भोग्यमासादिः ९।११।४५।३५।० भगदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम आषाढ़ः।मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समयविश्वा १८ समयवाहनमश्वः । स्तंभौ २ अन्न वाय्वोः । सोमवत्यमाः २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी ३ बुधाष्टमी२ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३९० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः१८, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा ९३ वर्षाविश्वा११ धान्यम् १५ तृणम् ११, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२१, शनिदृष्टि पूर्वस्यां । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण ३सूर्यस्य१ चंद्रमसः २।

सं. २०८९ कार्तिक कृ. ३० बुधे

सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घं.	९	९	१०
मि.	४९	५७	२२
घ.	८	८	९
प.	२५	४५	४७

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	५
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्ष लग्नम् ०।२८

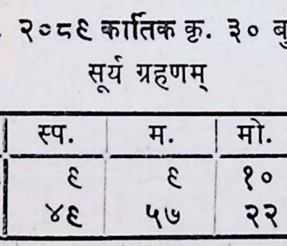

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

नम् भाव भैरव खड़ा चरण नवावे शीश ।
फल निवासी साल का कहदो विश्वा बीस ।।

भवानी उत्तर

निवासी की साल में होसी नाणां नाश ।
खाली थैली जग भ्रमे दुनिया रहे उदास ।।
शनि राजा इस वर्ष में मंत्री होसी भौम ।
नीच वर्ण उन्नत रहे गिरसी ऊंची कौम ।।
रोहिणी वास समुद्र में निशानाथ मेघेश ।
चिंता जग की मेटसी पद पाकर दुर्गेश ।।
अष्टादश विश्वा समय स्तंभ वर्ष में दोय ।
ईश भजन बिन जगत् में सुख नहीं पाया कोय।।

सं. २०८९ चैत्र शु. १५ रवौ

चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	६	८	८	९	१०
मि.	५९	१२	४३	१५	२८
घं.	३१	३४	३५	३६	४०
प.	१९	२३	४१	५९	३

आश्विन शु.१५ चं.खग्रासचं.ग्रहण

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	१०	१२	१२	१	२
मि.	५९	१२	३८	४	१७
घं.	४१	४४	४५	४६	४९
प.	२१	२३	२८	३३	३५

वर्षेश लग्नम् ७।७

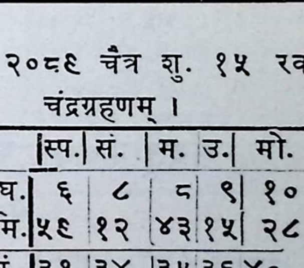

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१०।० केतकीमतेन वेंधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१७।२३

(सं० २००१ समारस्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम् ।। शनैश्चरै भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीडचते जनाः । युद्धं नृपाणां गद तस्काद्यैर्भ्रमंति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री भौमः फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिज वेदना जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकर्म च ।। सस्येशः शुक्रः फलम् ॥ शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जल वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धनप्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशो बुधः फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघा जलं मुंचंति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशश्चंद्रः फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशो रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणी तदा विरसभाग रताल्प पयोधरा । वसन तेल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागगरु न्धानां हेम मौक्तिक वाससां । अर्घवृद्धि. प्रजायेत नीरसेशो भृगुर्यदि ।। फलेशश्चंद्रः फलम् ।। यदि विधुः फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलिभिः कुसुमैर्युताः द्विज मुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः ।। धनेशो गुरुः फलम् ।। सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिज वृत्ति परासुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुवि मानवाः ।। दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। गढ़पतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः । बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ।। क्षयनाम संवत्सरः फलम् ।। कर्पासगन्ध तैलेक्षु मधु सस्य विनाशनम् । क्षीयमाणाश्चापि नरा जीवन्ति क्षय वत्सरे ।। वर्षनाम आषाढः फलम् ।। आषाढाब्देतु राजानः सर्वदा कलहोत्सुकाः क्वचिदीतिः क्वचिद्भीतिः क्वचिद्वृद्धिः जलं क्वचित् ।। मेघनाम आवर्तः फलम् ।। आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतु महावृष्टिः ।। समय निवासो मालि गृहे । मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०८९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ४ भौमे रोहि ल. ११-१२ रे. ६ ऽ।।।।।।।।

,, ६ चन्द्रे मघा ल. ११ (चं.७पू.) रे. ६ ।ऽ।।।चो।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १० भौमे मघा ल. ६ रे. ६ ।ऽ।।।ऽचो।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

शुक्ला ३ शनौ मघा ल. २ रे. ६ ।।।।ऽ।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ गुरौ रोहि ल. ५ रे. ८ ।।।।ऽअऽ।।।

,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ८ ।।।ऽवृ।।ऽ।।।

,, ७ बुधे मघा ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।ऽरो।ऽ।।

,, १० शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ८ शुक्रे उभा ल. गो. रे. ८ ऽ।।।।ऽचो।।।।

माघ मासः

कृष्णा २ चन्द्रे मघा ल. ८ (घ.५०-२२उ) रे. ६ ।।।ऽवृ।।।।।। पादतो वेधाऽभावः

,, ३ भौमे मघा ल. ८ रे. ८ ।।ऽवृ।ऽनृ।।।।। पादतो वेधाऽभावः

,, ५ गुरौ उफा ल. गो. ८ रे. ८ ।।।।ऽचौ।ऽ।।

फाल्गुन मासः

शुक्ला ७ चन्द्रे रोहि ल. ऽन्यगो रे. ७ ।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः
१	श	५४	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
२	र	५४	१९	अ	१४	५५	वि	२४	३७	बा	२६	२२	३१/३०	५/४२	६/१८	२२	२९	११	मेषे
३	चं	५२	५	भ	१३	२६	प्री	१९	४३	तै	२३	१२	३४	४१	१९	२३	१	१२	वृ.२८।३६
४	मं	५१	४१	कृ	१४	७	आ	१६	१०	व	२१	५३	३८	४०	२०	२४	२	१३	वृषे
५	बु	५३	३४	रो	१६	२८	सौ	१४	३१	ब	२२	३७	४२	४०	२०	२५	३	१४	मि४८।३५
६	गु	५७	०	मृ	२०	४१	शो	१४	१	कौ	२५	१७	४६	३९	२१	२६	४	१५	मिथुने
७	शु	६०	०	आ	२६	२४	अ	१४	५३	ग	२९	३०	५०	३८	२२	२७	५	१६	मिथुने
७	श	२	१	पु	३३	१७	सु	१६	३८	व	२	१	५३	३७	२३	२८	६	१७	क.१६।३४
८	र	७	४७	पु	४०	४७	धृ	१८	५५	ब	७	४७	५७	३७	२३	२९	७	१८	कर्के
९	चं	१४	१६	श्ले	४८	२२	शू	२१	२०	कौ	१४	१६	३२/१	३६	२४	३०	८	१९	सि४८।२२
१०	मं	२०	२९	म	५५	२८	गं	२३	३१	ग	२०	२९	५	३५	२५	३१	९	२०	सिंहे
११	बु	२५	५९	पू	६०	०	वृ	२५	८	वि	२५	५९	९	३४	२६	१	१०	२१	सिंहे
१२	गु	३०	२९	पू	१	५२	ध्रु	२५	५२	बा	३०	२९	१२	३४	२६	२	११	२२	कं.१८।४
१३	शु	३३	४०	उ	६	३९	व्या	२५	३१	कौ	२	४	१६	३३	२७	३	१२	२३	कन्यायां
१४	श	३५	१७	ह	१०	२६	ह	२४	२	ग	४	२८	२०	३२	२८	४	१३	२४	तु.४१।२७
१५	र	३५	२८	चि	१२	२९	व	२१	३३	वि	५	२२	२३	३१	२९	५	१४	२५	तुलायां

वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ७३६स.२०३२

चंद्रदर्शनम् सिंघारा [-गणगौरी
मोहोरम१सन्१४५४हि.मत्स्यजयंती-
भ.२१/५३उ.५१/४१या.अश्वि.मेषेऽर्कः ३८/४४=
उभा.बुधः ४४।३८
[=सौरः ४६/३९ रेवत्यांशुक्रः ३६/२
कृत्ति.भौम ४।४५
भ.२।१उ.३४।५४या.
पातस्पर्शः ५३।१०रामनवमीस्मा.
पातमोक्षः ११।११रामनवमीवै.
भ.५३।१४उ.बृषेभौमः ४९।१५
भ.२६/०या.उषा.४गुरुः ४८/५×
[×भा.वैशाखारंभः कामदा११व्र.
प्रदोषः [+रेवत्यांबुधः ३२/१ हनुमज्जयंती
भ.३५।१७उ.अश्वि.मेषेशुक्रः २१।१
भ.५।२२या.खग्रासचन्द्रग्रहणम्+

१पं.चै.शु.४म.इ. ३८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	९	११	१	६	११
०	२४	२	५	१६	२४	१६	२९
०	५७	२३	५३	५२	४०	१९	५२
०	३०	४६	१७	५२	१	४६	२९
५८	४२	५१	६	७५	५	३	५८
४४	७	१२	५	२६	१५	११	४५

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले ४ भौमे मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेंसर्घमता शुक्रोशुक्रोदयः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

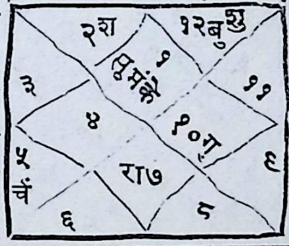

२पं.चै.शु.१०मं.इ. ३८/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	११	९	११	१	६	०
६	२९	१०	६	२५	२५	१५	६
५०	५२	९	३४	३१	२१	५७	४२
४६	४८	४७	१९	१६	०	३२	४०
५८	४२	७२	४	७४	५	३	५८
३१	२	११	५६	२६	४३	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	चं	३४	१३	स्वा	१३	२०	स	१७	५८	बा	४	५०	३२/२७	५/३१	६/२९	६	१५	२६	वृ.५८।२६
२	मं	३२	१	वि	१३	१	व्य	१३	३३	तै	३	७	३१	३०	३०	७	१६	२७	वृश्चिके
३	बु	२८	४९	अ	११	४९	व	८	२२	व	०	२५	३४	२९	३१	८	१७	२८	वृश्चिके
४	गु	२४	५५	ज्ये	९	४७	प	२/४०	५३/४५	बा	२४	५५	३८	२८	३२	९	१८	२९	ध.९।४७
५	शु	२०	३२	मू	७	२९	सि	५०	१	तै	२०	३२	४१	२८	३२	१०	१९	३०	धनुषि
६	श	१५	५९	पू	४	४०	सा	४३	१९	व	१५	५९	४५	२७	३३	११	२०	१	म.२०।५६
७	र	११	४	उ	१/४३	५६/३८	शु	३६	३३	ब	११	४	४८	२६	३४	१२	२१	२	मकरे
८	चं	५	५१	ध	५४	५१	शु	२९	२१	कौ	५	५१	५२	२६	३४	१३	२२	३	कु.२६।२१
९	मं	०	३१	श	५१	४	ब्र	२२	१	ग	०	३१	५५	२५	३५	१४	२३	४	कुंभे
१०	मं	५४	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
११	बु	४९	८	पू	४७	२८	ऐं	१४	४०	ब	२२	५९	५८	२४	३६	१५	२४	५	मी३३।२२
१२	गु	४३	३८	उ	४३	५६	वै	७	३२	कौ	१६	२३	३३/२	२४	३६	१६	२५	६	मीने
१३	शु	३८	२९	रे	४०	५२	वि	०/३७	५३/१९	ग	११	३	५	२३	३७	१७	२६	७	मे.४०।५२
१४	श	३३	५९	अ	३८	२९	आ	४८	६	वि	६	१४	८	२२	३८	१८	२७	८	मेषे
३०	र	३०	२९	भ	३७	१०	सौ	४३	२२	च	२	१४	११	२२	३८	१९	२८	९	वृ.५२।१३

वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.

शुक्रास्तः पूर्वस्यां १६।१२
भरण्यांरविः १८।५५ (सौरः २७।५६)
भ.०।२५उ.२८।४९या.चतुर्थी व्र.
भ.१५।५९उ.४३।३१या.मई५ता.३१
मृग.२शनिः ५४।५७
अश्वि.मेषेबुध ५७।४५
भ.२७।४१उ.५४।५०या.
[÷वरुथिनी११व्र.स्मा.
भरण्यांशुक्र.६।३रोहि.भौमः ६।२३
वरुथिनी११व्र.वै.
भ.३८।२९उ. प्रदोषः
भ.६।१४या.

३पं.वै.कृ.२म.इ. ३५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	९	०	१	६	०
१३	४	१९	७	४	२६	१५	१३
३९	४८	५१	७	९	४	३५	३१
५०	०	५४	२३	२२	५५	१५	५
५८	४१	९०	३	७४	६	३	५८
१९	५२	३३	४८	२६	४	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंगमोठआदि कुछ मंदे हों गुड शक्कर चीनी नमक गन्ना धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा वस्त्र रुई आदि तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

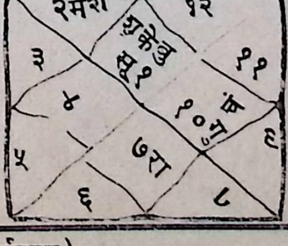

४पं.वै.कृ.९मं.इ. ३९/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	९	०	१	६	०
२०	९	१	७	१२	२६	१५	२०
२७	४१	१३	३१	४७	५१	१२	१७
२९	१७	३०	१२	२	११	५९	५९
५८	४१	९/०	२	७४	६	३	५७
६	४८	३/५	२८	३२	२५	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः७६५सं.२०३२
१	चं	२८	२२	कृ	३७	२२	शो	३९	३९	ब	२८	२२	३३/१४	५/१	३६/९	२०	२९	१०	वृषे	चद्रदर्शनसंभवः [÷भौमः३८/५६
२	मं	२७	४७	रो	३९	४	अ	३७	२०	कौ	२७	४७	१७	२१	३९	२१	१	११	वृषे	कृत्ति.रविः५६/४(सौरः५८/४)भरण्यांबुधः=
३	बु	२९	१३	मृ	४२	२०	सु	३६	१५	ग	२९	१३	२०	२०	४०	२२	२	१२	मि१०।४२	अस्तोभौमः४८।३०अक्षया३
४	गु	३२	१३	आ	४७	१६	धृ	३६	४	व	०	४३	२३	१९	४१	२३	३	१३	मिथुने	भ.४०/३उ.३२।१३या.
५	शु	३६	४२	पु	५३	४७	शू	३७	४१	ब	४	२७	२६	१९	४१	२४	४	१४	क.३७।९	बृषेऽर्क३२।९(सौरः४३।४१)
६	श	४२	५	पु	६०	०	गं	३९	२२	कौ	९	२३	२८	१८	४२	२५	५	१५	कर्के	कृत्तिशुक्रः५७।५७
७	र	४८	१९	पु	०	४५	बृ	४१	४७	ग	१५	१२	३१	१८	४२	२६	६	१६	कर्के	भ४८/१९उ.[=१५/५०बुधास्तःपूर्वस्यां४५/५५×
८	चं	५४	३०	श्ले	८	१८	ध्रु	४४	१४	वि	२१	२४	३४	१७	४३	२७	७	१७	सि८।१८	भ.२१।१४या.कृत्ति.बुधः५०।१४
९	मं	६०	०	म	१६	४०	व्या	४६	२१	बा	२७	२१	३७	१७	४३	२८	८	१८	सिंहे	बृषेशुक्रः३८।५६वक्रीगुरुः५८।३२
९	बु	०	१३	पू	२२	३५	ह	४७	३७	कौ	०	१३	३९	१६	४४	२९	९	१९	कं.३८।५६	बृषेबुधः१४।३२
१०	गु	४	५६	उ	२७	५९	व	४७	४०	ग	४	५६	४२	१६	४४	३०	१०	२०	कन्यायां	भ.३६।३३उ. [×सफर२परशुरामजयंती
११	शु	८	११	ह	३२	१	सि	४६	३९	वि	८	११	४४	१५	४५	३१	११	२१	कन्यायां	भ.८।११या.मोहिनी११व्र.
१२	श	९	४३	चि	३४	१९	व्य	४४	१३	बा	९	४३	४७	१५	४५	१	१२	२२	तु.३।१०	भा.ज्येष्ठारंभःप्रदोषः
१३	र	९	२९	स्वा	३४	५८	व	४०	१७	तै	९	२९	४९	१४	४६	२	१३	२३	तुलायां	रोहि.बुधः५४।५२नृसिंहजयंती
१४	चं	७	१९	वि	३३	४७	प	३५	१२	व	७	१९	५२	१४	४६	३	१४	२४	वृ.१९।५	भ.७/१९उ.३५/३३या.रोहि.रविः५५/३९मृगे÷
१५	मं	२	४७	अ	३१	२८	शि	२९	६	ब	३	४७	५४	१३	४७	४	१५	२५	वृश्चिके	रोहि.रविःसौरः४३/१यमायकुंभदानम्

५पं.वै.शु.२मं.इ.३९।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	९	०	१	६	०
२७	१४	१४	७	२१	२७	१४	२७
१३	३२	७	४६	२४	३९	५०	३
३७	२४	१९	१९	७	४३	४४	५
५७	४१	७/०	१	७४	६	३	५७
५४	३१	६/४९	७	३२	३८	११	४५

गोचर ग्रहाः

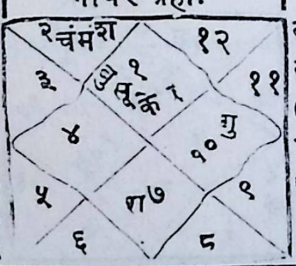

वैशाख शुक्ले ५ शुक्रे बृषेऽर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

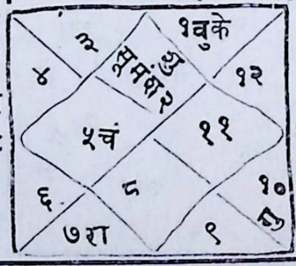

६पं.वै.शु.९मं.इ.३९।५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	०	९	१	१	६	१
३	१९	२८	७	०	२८	१४	३
५८	२१	२५	५१	१	३०	२८	४६
४४	२९	१६	३२	८	४३	२८	४९
५७	४१	७/०	०	७४	६	३	५७
४४	२४	५/१४	४	३२	५६	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं.२०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेवैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	५५	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	५३	३२	ज्ये	२८	११	सि	२२	११	तै	२६	१७	३३/५६	५/१३	६/४७	५	१६	२६	ध.२८।११	रोहि.शुक्रः४६।३
३	गु	४७	२०	मू	२४	१३	सा	१४	३९	व	२०	२६	५८	१२	४८	६	१७	२७	धनुषि	भ २०।२६उ.४७।२०या.
४	शु	४१	६	पू	१९	५७	शु	५/६	५२/१५	ब	१४	१३	३४/०	१२	४८	७	१८	२८	म.३३।५२	चतुर्थीव्र.
५	श	३४	५४	उ	१५	३८	ब्र	५१	४६	कौ	८	०	२	१२	४८	८	१९	२९	मकरे	
६	र	२९	५	श्र	११	४२	ऐं	४४	२८	ग	१	५९	३	११	४९	९	२०	३०	कुं.३९।५३	भ.२९/५उ.५६/२०या.मृगेबुधः१/९मृग३मिथुने÷
७	चं	२३	३४	ध	८	४	वै	३७	२९	ब	२३	३४	५	११	४९	१०	२१	३१	कुंभे	[÷शनिः३/१ ६/१अस्तंशनेः६।०
८	मं	१८	१८	श	४	४९	वि	३०	३२	कौ	१८	१८	७	११	४९	११	२२	१	मी४७।३९	जूनदृता.३०
९	बु	१३	३७	पू	१/५६	५७/४७	प्री	२४	२३	ग	१३	३७	९	१०	५०	१२	२३	२	मीने	भ.४/२ ५/८उ.मिथुनेबुधः१६।१९
१०	गु	९	१९	रे	५७	४७	आ	१८	३६	वि	९	१९	१०	१०	५०	१३	२४	३	मे.५७।४७	भ.०/१९या.मिथुनेभौमः५६/६बुधोदयः=
११	शु	५	४०	अ	५६	४६	सौ	१३	११	बा	५	४०	१२	१०	५०	१४	२५	४	मेषे	अपरा११व्र. [=पश्चिमायां३/२ १/५
१२	श	२	५०	भ	५६	३०	शो	८	३६	तै	२	५०	१३	९	५१	१५	२६	५	मेषे	आर्द्रा.बुधः३८।२४प्रदोषः
१३	र	०	४०	कृ	५७	३१	अ	४	२९	व	०	४०	१५	९	५१	१६	२७	६	वृ.११।४५	भ.४०/०उ.३/१ ०/१या.मृगेशुक्रः३९।१०
१४	र	५९	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	चं	५९	५६	रो	५९	२५	सु	१/३४	५७/५१	च	२९	४९	१६	९	५१	१७	२८	७	वृषे	मृगेरविः५०।२४वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.१मं.इ.३९/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	९	१	१	६	१
१०	२४	१३	७	८	२९	१४	१०
४२	८	४४	८	३७	२३	६	२९
४०	४९	३१	१४	४८	१०	१३	०
५७	४१	७/८	१/२६	७४	७	३	५७
३५	१४	९/१०	व	३८	४	११	२३

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ शुक्ले ६ चंद्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.कृ.८मं.इ.४ ०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	९	१	२	६	१
१७	२८	२८	७	१७	०	१३	१७
२५	५३	४५	३५	१३	१६	४३	१०
२६	३१	४०	३१	५५	३०	५७	६
५७	४१	७/८	४/२६	७४	७	३	५७
२७	१०	९/५८	व	३८	१४	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः७९४स.२०३२
१	मं	६०	०	मृ	६०	०	शू	५८	३५	किं	३०	४५	३४/१७	५/९	५ ६/१	१८	२९	८	मि३१।१२	मृगेरवि सौरः८।३३
१	बु	१	३४	मृ	२	५९	गं	५८	१८	ब	१	३४	१८	८	५२	१९	३०	९	मिथुने	स्वाती२राहुःअश्वि.४केतुः ११/४८ चंद्रदर्शनम्
२	गु	४	३८	आ	७	३०	वृ	५९	१९	कौ	४	३८	१९	८	५२	२०	१	१०	क.५७।१	रविलात्वल३
३	शु	८	५९	पु	१३	३१	ध्रु	६०	०	ग	८	५९	१९	८	५२	२१	२	११	कर्के	भ.४१।३५उ.
४	श	१४	१०	पु	२०	८	ध्रु	०	४८	वि	१४	१०	२०	८	५२	२२	३	१२	कर्के	भ.१४।१०या.मिथुनेशुक्रः०।४४
५	र	२०	१७	श्ले	२७	३९	व्या	३	१६	बा	२०	१७	२१	८	५२	२३	४	१३	सिं२७।३९	पुन.बुधः१८।६आर्द्रा.भौमः१६।२९
६	चं	२६	३०	म	३५	२३	ह	५	५०	तै	२६	३०	२१	८	५२	२४	५	१४	सिंहे	मिथुनेऽर्कः४८।५८
७	मं	३२	३२	पू	४२	४७	व	८	१७	व	३२	३२	२२	८	५२	२५	६	१५	कं.५९।२३	भ.३/३ ३/२उ.मिथुनेऽर्कःसौरः६।२१
८	बु	३७	४०	उ	४९	११	सि	१०	१२	वि	५	६	२२	८	५२	२६	७	१६	कंन्यायां	भ.५।६या.वक्रीउषा.३गुरुः२८।१७
९	गु	४१	३३	ह	५४	११	व्य	११	१३	बा	९	३६	२३	७	५३	२७	८	१७	कन्यायां	आर्द्राशुक्रः१४।३
१०	शु	४३	४९	चि	५७	२५	व	११	२	तै	१२	४१	२३	७	५३	२८	९	१८	तु.२५।४८	गंगादशमी [=भा.आषाढारंभः
११	श	४४	४	स्वा	५८	४७	प	९	२२	व	१३	५६	२३	७	५३	२९	१०	१९	तुलायां	भ.५/१ ६/३उ.४४।४या.निर्जला११व्र.
१२	र	४२	११	वि	५८	१६	शि	६	१६	ब	१३	७	२४	७	५३	३०	११	२०	वृ.४३।२४	कर्के बुधः१२।२४
१३	चं	३८	३५	अ	५५	४७	सि	३८/१	४३/५३	कौ	१०	२३	२४	७	५३	३१	१२	२१	वृश्चिके	आर्द्रारविः४७।५३प्रदोषः
१४	मं	३२	५८	ज्ये	५१	५३	शु	४७	५२	ग	५	४७	२४	७	५३	१	१३	२२	ध.५१।५३	भ.३/५ २/८उ.५/३ ९/१या.आर्द्रारविःसौर १/८ ०/४ =
१५	बु	२६	५	मू	४६	४४	शु	३९	२९	ब	२६	५	२४	७	५३	२	१४	२३	धनुषि	पुष्येबुधः ५/३ ९/८ गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

९ पं.ज्ये.शु.१मं.इ. ४०/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	२	९	१	२	६	१
२४	३	१२	७	२५	१	१३	२३
७	३६	९	१४	५०	१०	२१	५०
३०	२५	५४	१७	२३	२६	४१	२
५७	४१	८/०	५१/३	७४	७	३	५७
२२	०	५९/८	व	३८	२०	११	५

१०पं.ज्ये.शु ७मं.इ.४८।३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	२	९	२	२	६	२
०	८	२३	६	४	२	१२	०
५८	१७	२८	४४	२६	४	५९	२९
४७	४२	५२	६	३४	४८	२६	११
५७	४०	८८	५/६	७४	७	३	५६
१७	५०	१७	व	३२	२०	११	५७

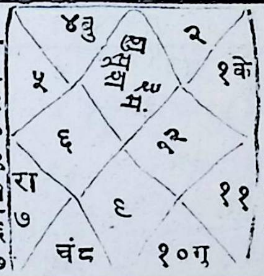

११पं.ज्ये.शु.१४मं.इ. ४०/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	२	२	६	२
७	१२	२	६	१३	२	१२	७
२९	५६	३७	६	२	५९	३७	७
४२	५६	४८	२२	३५	१७	१०	३८
५७	४०	६४	६	७४	७	३	५६
१३	३६	९	८	३२	२०	११	५४

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणे ज्येष्ठ. कृष्णेति महा.
१	गु	१८	२६	पू	४०	५२	ब्र	३०	३४	कौ	१८	२६	३४/२४	५/७	५ ७/३	३	१५	२४	म.५४।२०	
२	शु	१०	२१	उ	३४	४६	ऐं	२१	१६	ग	१०	२१	२३	७	५३	४	१६	२५	मकरे	भ.३६।१५उ.मृग४शनिः२९।३०
३	श	२	८	श्र	२८	५९	वै	१२	५	वि	२	८	२३	७	५३	५	१७	२६	कुं.५६।४६	भ.२।८या.चतुर्थीव्र.
४	श	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	र	४७	२२	ध	२३	३२	वि	३/१२	५१/४६	कौ	२०	५३	२२	८	५२	६	१८	२७	कुंभ	
६	चं	४१	५	श	१८	५६	आ	४७	१५	ग	१४	१३	२२	८	५२	७	१९	२८	कुंभे	भ.४१।५उ.पुन.शुक्रः२०।४३
७	मं	३५	५२	पू	१५	२१	सौ	४०	३६	वि	८	२८	२१	८	५२	८	२०	२९	मी१।१५	भ.८।२८या.
८	बु	३१	३८	उ	१२	४४	शो	३४	३८	ग्रा	३	४५	२०	८	५२	९	२१	३०	मीने	
९	गु	२८	३९	रे	११	१७	अ	२९	४६	तै	०	८	१९	८	५२	१०	२२	१	मे.११।१७	भ.५७।४१उ.जुलाई७ता.३१
१०	शु	२६	४२	अ	१०	५३	सु	२५	४३	वि	२६	४२	१८	८	५२	११	२३	२	मेषे	भ.२६।४२या.
११	श	२५	४६	भ	११	३२	धृ	२२	३०	बा	२५	४६	१७	९	५१	१२	२४	३	वृ.२६।५६	पुन.भौमः२४।२५योगिनी११व्र.
१२	र	२६	८	कृ	१३	१८	शू	२०	१७	तै	२६	८	१६	९	५१	१३	२५	४	वृषे	प्रदोषः
१३	चं	२७	२६	रो	१६	५	गं	१८	५१	व	२७	२६	१५	९	५१	१४	२६	५	मि४८।९	भ.२/७ ६उ.५/४ ८/१या.पुन.रविः४/४ ६/३उदयंशने:×
१४	मं	२९	५६	मृ	२०	१३	वृ	१८	३३	श	२९	५६	१४	९	५१	१५	२७	६	मिथुने	पुन.रवि :सौरः१४।५६कर्केशुक्रः२७।५८
३०	बु	३३	३२	आ	२५	१२	ध्रु	१८	३८	च	१	४४	१३	९	५१	१६	२८	७	मिथुने	[×२५।६शुक्रौदयःपश्चिमायां१०।१२

१२पं.आ.कृ.७मं. इ.३९/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	२	२	६	२
१४	१७	९	५	२१	३	१२	१३
१८	३५	७	२२	३८	५४	१४	४५
८	१७	८	३०	२४	२२	५५	४३
५७	४०	२६	५/६	७४	७	३	५६
७	२६	८	व	३२	१४	११	५०

गोचर ग्रहाः

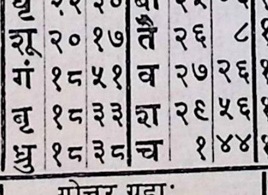

इस मासमें धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी चांदी सोना रुई आदि तेज होवे वर्षा अच्छी होवे रसकस में अच्छी तेजी आवे ।

गोचर ग्रहाः

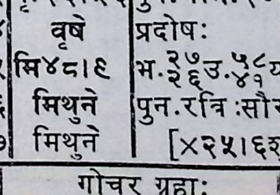

१३पं.आ.कृ.१४मं.इ. ३९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	३	२	६	२
२०	२२	१२	४	०	४	११	२०
५०	११	३५	३३	१४	४८	५२	२३
३५	४२	४९	२९	४६	१८	३९	३७
५७	४०	६	३४/७	७४	७	३	५६
७	२६	२६	व.	२६	८	११	५०

÷शवुमंच

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढशुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:८२४स.२०३२
१	गु	३८	१७	पु	३१	९	व्या	१९	३६	किं	५	५४	३४/११	५/१०	६/५०	१७	२९	८	क.१४।४०	वक्रीबुध:८।२९
२	शु	४३	२७	पु	३७	५०	ह	२१	२०	बा	१०	५२	१०	१०	५०	१८	३०	९	कर्के	पुष्येशुक्र:९।१२चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	श	४९	३८	श्ले	४५	१६	व्र	२३	३१	तै	१६	३२	८	१०	५०	१९	१	१०	सिं४५।१६	रविलाखर४
४	र	५५	५३	म	५२	५२	सि	२५	४७	व	२२	४५	७	११	४९	२०	२	११	सिंहे	भ.२२।४५उ.५५।५३या.
५	चं	६०	०	पू	६०	०	व्य	२८	२६	ब	२८	५९	५	११	४९	२१	३	१२	सिंहे	
५	मं	२	५	पू	०	२८	व	३१	३	बा	२	५	३	११	४९	२२	४	१३	कं.१७।१३	
६	बु	७	४०	उ	७	२७	प	३२	४१	तै	७	४०	१	१२	४८	२३	५	१४	कन्यायां	
७	गु	१२	११	ह	१३	३७	शि	३३	३१	व	१२	११	३३/५९	१२	४८	२४	६	१५	तु.४६।१	भ.१/१ २/५उ.४/४ ३/८या.बुधास्त:पश्चिमायां १/५ १/६
८	शु	१५	२५	चि	१८	२५	सि	३३	१४	ब	१५	२५	५७	१३	४७	२५	७	१६	तुलायां	कर्केऽर्क: १६/९ (सौर: ४७/४० वक्रीउषा२गुरु: २२/-१
९	श	१६	४३	स्वा	२१	१९	सा	३१	२६	कौ	१६	४३	५५	१३	४७	२६	८	१७	तुलायां	
१०	र	१६	१	वि	२२	१७	शु	२८	८	ग	१६	१	५२	१४	४६	२७	९	१८	वृ.७।३	भ.४४।३६उ.कर्केभौम:३९।६
११	चं	१३	१२	अ	२१	१३	शु	२३	०	वि	१३	१२	५०	१४	४६	२८	१०	१९	वृश्चिके	भ.१/१ ३/२या.पुष्येरवि:४/२ ५/७देवशयनी ११व्र.
१२	मं	८	२६	ज्ये	१८	५	ब्र	१६	२६	बा	८	२६	४८	१४	४६	२९	११	२०	ध.१८।५	पुष्येरवि:सौर: १/२ ८/५आश्ले.शुक्र:५ १/८प्रदोष
१३	बु	१	४८	मू	१३	११	ऐं	८/१	५०/४४	तै	१	४८	४५	१५	४५	३०	१२	२१	धनुषि	भ.५:।४०उ.आर्द्रा.१शनि:४६।१५
१४	बु	५१	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	गु	४४	४१	पू	७/१	५२/५६	वि	४८	५९	वि	१९	१०	४३	१५	४५	३१	१३	२२	म.२०।१५	भ.१/१ ९/०या.व्यासपूजावायुपरीक्षागुरु:१५

१४पं.आ.शु.५मं.इ. ३९/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	३	९	३	२	६	२
२७	२६	१२	३	८	५	११	२७
३०	४७	३३	४१	५०	४०	३०	१
५४	२	५४	१७	४२	५९	२३	४४
५७	४०	२२/५०	७/५२	७४	७	३	५६
११	१६	व	व	२६	१	११	५४

गोचरग्रहाः

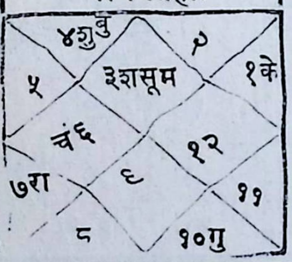

आषाढ शुक्ले ८ शुक्रे कर्केऽर्क:प्रविष्ट:वा५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा.शु.१२मं.इ. ३९/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	३	२	६	३
४	१	९	२	१७	६	११	३
११	२०	१२	४७	२९	३२	८	४०
३८	३१	०	६	३८	३१	८	११
५७	४०	४१/२९	७/५२	७४	६	३	५६
१५	६	व	व	२५	४४	११	५९

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	शु	३५	५	श्र	५२	३८	प्री	३८	३६	बा	९	५३	३३/४०	५/१६	६/४४	१	१४	२३	मकरे	पुष्येभौम:३८।२१भा.श्रावणारंभ:
२	श	२५	३९	ध	४५	११	आ	२८	४	तै	०	२२	३८	१६	४४	२	१५	२४	कुं.१८।५४	भ.५१।५उ.
३	र	१६	३२	श	३८	४०	सौ	१८	४	वि	१६	३२	३५	१७	४३	३	१६	२५	कुंभे	भ.१६।३२या.चतुर्थीव्र.
४	चं	८	२०	पू	३२	५६	शो	८	३५	बा	८	२०	३३	१७	४३	४	१७	२६	मी१९।२२	
५/६	मं	१/५४	२६/३२	उ	२८	३९	अ	०/१०	२/३९	तै	१	२६	३०	१८	४२	५	१८	२७	मीने	भ.५५।५८उ.नाग५मरुस्थले
७	बु	५२	८	रे	२५	४३	धृ	४७	०	वि	२४	३	२७	१९	४१	६	१९	२८	मे.२५।४३	भ.२४।३या.
८	गु	४९	५७	अ	२४	२९	शू	४२	१८	बा	२१	२	२४	१९	४१	७	२०	२९	मेषे	वक्रीपुन.बुध:५।४७
९	शु	४९	१३	भ	२४	४९	गं	३८	४९	तै	१९	३५	२२	२०	४०	८	२१	३०	वृ.४०।१६	मघा.सिंहेशुक्र:५०।३२
१०	श	५०	११	कृ	२६	४८	बृ	३६	३९	व	१९	४२	१९	२०	४०	९	२२	३१	वृषे	भ.१९।४२उ.५०।११या.
११	र	५२	१३	रो	३०	१६	ध्रु	३५	३९	ब	२१	१२	१६	२१	३९	१०	२३	१	वृषे	बुधोदय:पूर्वस्यां ३/४ ०/३ अगस्तदता.३१ =
१२	चं	५५	४२	मृ	३४	४५	व्या	३५	४५	कौ	२३	५७	१३	२१	३९	११	२४	२	मि२।३०	आश्ले.रवि:४२।२८ [=कामिका११व्र.
१३	मं	६०	०	आ	४०	१५	ह	३६	२०	ग	२७	५४	१०	२२	३८	१२	२५	३	मिथुने	आश्ले.रवि:सौर:१९।८प्रदोष:
१३	बु	०	६	पु	४६	३९	ब	३७	४१	व	०	६	७	२३	३७	१३	२६	४	क.३०।३	भ.०।६उ.३२।४४या.मार्गीबुध:६।१३
१४	गु	५	२२	पु	५३	३८	सि	३९	३८	श	५	२२	४	२३	३७	१४	२७	५	कर्के	
३०	शु	१०	५६	श्ले	६०	०	व्य	४१	४४	ना	१०	५६	०	२४	३६	१५	२८	६	कर्के	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.५मं.इ. ३९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	३	२	६	३
१०	५	४	१	२६	७	१०	१०
५२	५३	१८	५३	३	२२	४५	१९
४१	१७	२५	२४	१४	५	५२	२८
५७	४०	३९/२१	७/५०	७४	६	३	३७
२०	६	व.	व	२०	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मास में वदि में धान्य गेहूं जो चना चावल बाजरा धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा मंदा होकर सुदि में तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

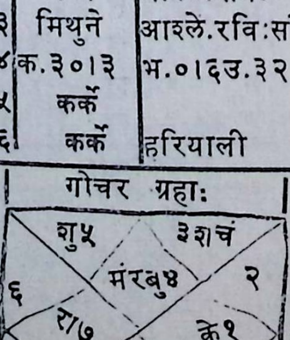

१७पं.श्रा.कृ.१३मं.इ. ३९/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	४	२	६	३
१७	१०	२	१	४	८	१०	१६
३४	२४	२३	१	३८	९	२३	५९
२३	४०	४९	३४	४२	४०	३७	१६
५७	३९	३/३१	७/२०	७४	६	३	५७
२५	४९	व.	ब	११	१७	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽह्र्गण:८५४सन्२०३२
१	श	१७	३७	श्ले	१	२	व	४४	१२	ब	१७	३७	३२/५७	२५/५	३५/६	१६	२६	७	सि१।१२	
२	र	२३	२०	म	८	२६	प	४६	४७	कौ	२३	२०	५४	२५	३५	१७	३०	८	सिंहे	चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	२९	२१	पू	१६	४	शि	४९	५	ग	२९	२१	५०	२६	३४	१८	१	९	क.३२।५१	जमादिलावल५तीज
४	मं	३५	३	उ	२३	१२	सि	५०	४९	व	४	१२	४७	२७	३३	१९	२	१०	कन्यायां	भ.१४/२उ.३५/३या.पूफा.शुक्र:४३।४६वरद४
५	बु	३९	५५	ह	२९	४७	सा	५२	१६	ब	७	२९	४४	२७	३३	२०	३	११	कन्यायां	स्वाती१राहुःअश्वि.३केतु:३५/४नागपंचमी
६	गु	४३	४०	चि	३५	१६	शु	५२	५९	कौ	११	४८	४०	२८	३२	२१	४	१२	तु.२।३१	वक्रीधनुषिउषा.१गुरु:५०।४२
७	शु	४५	५७	स्वा	३९	२८	शु	५२	२३	ग	१४	४९	३७	२९	३१	२२	५	१३	तुलायां	भ.४५।५७उ.आश्ले.भौम:१८।४१
८	श	४६	३१	वि	४२	११	ब्र	५०	२०	वि	१६	१४	३३	२९	३१	२३	६	१४	वृ.२७।३०	भ.१६।१४या.
९	र	४५	१४	अ	४३	१	ऐं	४७	१	बा	१५	५२	३०	३०	३०	२४	७	१५	वृश्चिके	[+१५।३३पवित्रा११व्र.
१०	चं	४२	२	ज्ये	४१	५७	वै	४२	२	तै	१३	३८	२६	३१	२९	२५	८	१६	ध.४१।५७	मघा.सिंहेऽर्क:३६।३०
११	मं	३६	५५	मू	३८	४३	वि	३५	२९	व	९	२८	२२	३२	२८	२६	९	१७	धनुषि	भ.९।२८उ.३६/५या.मघा.सिंहेऽर्क:सौर: +
१२	बु	२९	५५	पू	३३	५५	प्री	२७	२८	ब	३	२५	१९	३२	२८	२७	१०	१८	म.४७।२०	प्रदोष: [×कर्मरक्षाबंधनम्
१३	गु	२१	३५	उ	२७	३४	आ	१८	१६	तै	२१	३५	१५	३३	२७	२८	११	१९	मकरे	आश्ले.बुध:३५।१५
१४	शु	१२	७	श्र	२०	११	सौ	६/३	४९/५९	व	१२	७	१२	३४	२६	२९	१२	२०	कुं.४६।१२	भ.१२।७उ.३७।५या.
१५	श	२	४	ध	१२	१३	अ	४६	१६	ब	२	४	८	३४	२६	३०	१३	२१	कुम्भे	उफा.शुक्र:५०/३४आर्द्रा२शनि:२९/२०श्रावणी ×

१८पं.श्रा.शु.४मं.इ.३९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	९	४	२	६	३
२४	१४	५	०	१३	८	१०	२३
१६	५४	३३	१४	१४	५४	१	४०
४४	३२	७	२४	१७	५०	२१	२३
५७	३९	५२/१४	६/३४	७४	५	३	५७
२३	३९	मा	व	२	५०	११	२२

गोचर ग्रहाः

श्रावणशुक्ले १० चंद्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

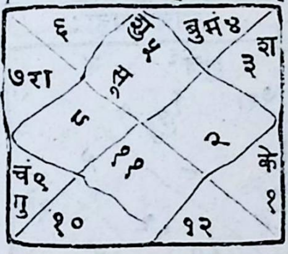

१९पं.श्रा.शु.११मं.इ.५६/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	८	४	२	६	४
१	१९	१३	२९	२१	९	९	०
०	२३	३७	३२	४९	३७	३९	२२
४	१७	५५	४२	२३	१९	५	२६
५७	३९	९३	५/४५	७२	५	३	५७
४०	३९	५८	व	५६	३०	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	श	४९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	४२	२१	श	४/१९	५२/२९	सु	३५	२२	तै	१७	८	३२/४	५/३५	६/२५	२१	१४	२२	मी४३।४१	[×भा.भाद्रपदारंभःचतुर्थीव्र.
३	चं	३३	३३	उ	५०	२७	धृ	२५	६	व	७	५७	१	३६	२४	१	१५	२३	मीने	भ.७।५७उ.३/३या.बुधास्त:पूर्वस्यां४५/६ ×
४	मं	२६	१३	रे	४५	३५	शू	१६	१	बा	२६	१३	३१/५७	३७	२३	२	१६	२४	मे.४५।३५	कन्यायांशुक्र:१९।३३
५	बु	२०	४१	अ	४२	२५	गं	८	५	तै	२०	४१	५३	३७	२३	३	१७	२५	मेषे	चंद्रषष्ठी
६	गु	१७	१०	भ	४१	१३	वृ	१/४४	५५/१२	व	१७	१०	४९	३८	२२	४	१८	२६	बृ.५६।२५	भ.१७/१०उ.४६/२३या.मघा.सिंहेबुध:५९।४४
७	शु	१५	३७	कृ	४२	१	व्या	५३	४४	ब	१५	३७	४६	३९	२१	५	१९	२७	वृषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	श	१६	४	रो	४४	४४	ह	५१	५५	कौ	१६	४	४२	४०	२०	६	२०	२८	वृषे	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	र	१८	११	मृ	४८	५५	व	५१	४०	ग	१८	११	३८	४०	२०	७	२१	२९	मि१६।५०	भ.५०।३उ.गोगा९ [+भौम:१६।३२
१०	चं	२१	५५	आ	५४	२८	सि	५२	३६	वि	२१	५६	३४	४१	१९	८	२२	३०	मिथुने	भ.२१।५६या.पूफा.रवि:२६।१४
११	मं	२६	४७	पु	६०	०	व्य	५३	५०	बा	२६	४७	३०	४२	१८	९	२३	३१	क.४४।२३	पूफा.रवि:सौर:६।२४अजा११व्र.
१२	बु	३२	३९	पु	१	१	व	५६	९	तै	३२	३९	२६	४३	१७	१०	२४	१	कर्के	हस्तेशुक्र:२९/३३सितम्बर९ता३०वत्सद्वादशी
१३	गु	३८	३७	पु	८	२३	प	५८	२०	ग	५	३८	२२	४४	१६	११	२५	२	कर्के	भ.३८/३७उ.पूफा.बुध:४२।२९प्रदोष:
१४	शु	४४	५८	श्ले	१५	५०	शि	६०	०	वि	११	४७	१८	४४	१६	१२	२६	३	सिं१५।५०	भ.११/४७या.मघा.सिंहेभौम:१२/२५उदयो +
३०	श	५१	४	म	२३	२६	शि	०	५५	च	१८	१	१५	४५	१५	१३	२७	४	सिंहे	कुशाग्रहणी पिठोरी३०मन्वादि:

२०पं.भा.कृ.४मं.इ. ३९/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	३	८	५	२	६	४
७	२३	२५	२८	०	१०	९	७
४४	५०	३३	५७	२३	१६	१६	६
२८	५६	४३	२२	४२	३४	५०	३
५७	३९	[illegible]	४/३१	७३	५	३	५७
४९	२२	[illegible]	व	५०	२	११	४५

गोचर ग्रहाः

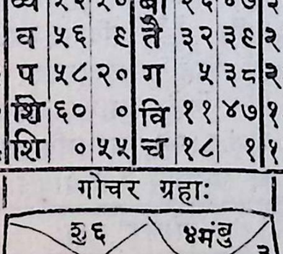

इस मास में धान्य गल्ला धातु रसकस वस्त्र रुई वारदाना कपास तेज होवे प्रजा में रोग शोक और अशान्ति रहे ।

गोचर ग्रहाः

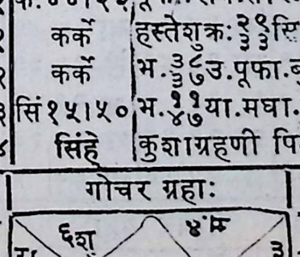

२१पं.भा.कृ.११मं.इ.३८/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	८	५	३	६	४
१४	१८	९	२८	८	१०	८	१३
३०	१९	१८	३०	५७	५२	५४	५१
४	८	२२	२२	२९	१९	३४	१५
५८	३९	[illegible]	३/३४	७३	४	३	५७
१	२२	८	व.	४४	३८	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः:८९३स.२०३२
१	र	५६	५७	पू	३०	४६	सिं	३	१४	किं	२४	०	३१ ११	५ ४६	६ १४	१४	२८	५	क.४७।३५	
२	चं	६०	०	उ	३७	५४	सा	५	२०	बा	२९	३४	७	४७	१३	१५	२९	६	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
२	मं	२	११	ह	४४	७	शु	७	१०	कौ	२	११	३	४७	१३	१६	१	७	कन्यायां	जमादिलाखर६
३	बु	६	४१	चि	४९	४०	शु	८	१८	ग	६	४१	३० ५९	४८	१२	१७	२	८	तु.१६।५४	भ.३/३ ८/०उ.हरितालिका३गणेश४
४	गु	१०	१८	स्वा	५४	८	ब्र	८	४४	वि	१०	१८	५५	४९	११	१८	३	९	तुलायां	भ.१/१ ८या.उफा.बुधः२/१ ८ऋषिपंचमी
५	शु	१३	४४	वि	५७	३४	ऐं	८	२८	बा	१३	४४	५१	५०	१०	१९	४	१०	वृ.४१।४३	
६	श	१३	५८	अ	५९	२९	वै	७	२२	तै	१३	५८	४७	५१	९	२०	५	११	वृश्चिके	कन्यायांबुधः५।८
७	र	१३	४०	ज्ये	५९	५९	वि	४	५८	व	१३	४०	४३	५१	९	२१	६	१२	व.५९।५९	भ.१/४ ३/०उ.४/४ २/९या.चित्रा.शुक्रः२४।४६
८	चं	११	५८	मू	५८	५८	प्री	१ २६	५५ ९	ब	११	५८	३९	५२	८	२२	७	१३	धनुषि	उफा.रविः१०।३९(सौरः५१।४)
९	मं	८	३५	पू	५६	१२	सौ	५०	४	कौ	८	३५	३५	५३	७	२३	८	१४	धनुषि	[×वै.वामनजयंती
१०	बु	३	३३	उ	५२	६	शो	४२	५५	ग	३	३३	३१	५४	६	२४	९	१५	म.१०।१०	भ.३/१ ०/७उ.५७/१या.जलझूलनी११व्र.स्मा.
११	बु	५३	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=तुलायांशुक्रः५२।३प्रदोषः
१२	गु	४९	४	श्र	४६	३२	अ	३४	१५	ब	२३	२	२७	५५	५	२५	१०	१६	मकरे	कन्यायामर्कः३६।०जलझूलनी व्र.×
१३	शु	४०	१०	ध	३९	४१	सु	२४	४७	कौ	१४	३७	२२	५६	४	२६	११	१७	कुं.१३।६	कन्यार्कःसौरः१६।१५हस्तेबुधः१।१५=
१४	श	३०	४३	श	३२	२३	धृ	१४	२५	ग	५	२६	१८	५६	४	२७	१२	१८	कुम्भे	भ.३/४ ०/३उ.५५/५०या.मार्गीगुरुः५/१ २/७अनंत१४
१५	र	२०	५७	पू	२४	४६	शू	३ ४४	४९ १८	ब	२०	५७	१४	५७	३	२८	१३	१९	मी११।४०	महालयारंभःकु.संध्या.पूजनारंभः

२२पं.भा.शु.२मं.इ.३/३ ८/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	८	५	२	६	४
२१	२	२२	२८	१७	११	८	२०
१७	४५	५३	११	३२	२४	३२	३७
६	३६	२०	५१	२	७	१९	५५
५८	५७	३१९	१६	७३	४	३	५८
१३	५	५५	व	३१	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपदशुक्ले१२ गुरौ

कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावें समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

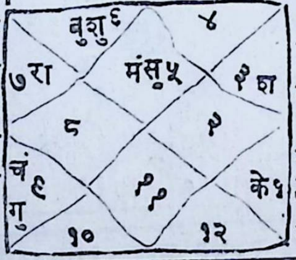

२३पं.भा.शु.९मं.इ.३/२ ८/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	८	५	२	६	४
२८	७	५	२८	२६	११	८	२७
५	१०	३७	२	३	५१	१०	२६
२८	४८	१९	२०	१८	११	३	१२
५८	३९	७०	४९	७३	३	३	५८
२६	२	४८	व	२०	३०	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृर्तूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	चं	११	३७	उ	१७	२३	बृ	४२	४६	कौ	११	३७	३० ९	५ ८	६ २	२९	१४	२०	मीने	
२/३	मं	५ ३/३	२२/०	रे	११	४	ध्रु	३३	२६	ग	३	२२	५	५९	१	३०	१५	२१	मे.११।४	भ.२९।५२उ.५६।२२
४	बु	५१	१८	अ	६	९	व्या	२५	२५	ब	२३	४९	३० ००	६ ०	६ ००	३१	१६	२२	मेषे	बुधोदयःपश्चिमायां१२।२३चतुर्थीव्र.
५	गु	४८	१३	भ	२	५८	ह	१८	५०	कौ	१९	४५	२९ ५६	१	५९	१	१७	२३	बृ.१७।३९	स्वात्यांशुक्रः१९।४४भा.आश्विनारंभः
६	शु	४७	३१	कृ	१	४४	व	१३	५२	ग	१७	५२	५२	२	५८	२	१८	२४	वृषे	भ.४७।३१उ.पूफा.भौमः१८।१५
७	श	४८	४३	रो	२	४९	सि	१०	४३	वि	१८	७	४८	२	५८	३	१९	२५	मि३४।२०	भ.१८।७या.चित्राबुधः१८।४२
८	र	५२	१	मृ	५	५२	व्य	९	५	बा	२०	२२	४४	३	५७	४	२०	२६	मिथुने	हस्तेरविः४९।१३
९	चं	५६	४२	आ	१०	४१	व	९	१६	तै	२४	२१	४०	४	५६	५	२१	२७	मिथुने	हस्तेरविःसौर३/४ ८/५मातृ९सौभाग्यवती.श्रा.
१०	मं	६०	०	पु	१६	५०	प	१०	३	व	२९	३८	३६	५	५५	६	२२	२८	क.०।१८	भ.२९।३८उ.
१०	बु	२	३५	पु	२४	२	शि	११	५२	वि	२	३५	३२	६	५४	७	२३	२९	कर्के	भ.३/३ २/५या.तुलायांबुधः३१।१२
११	गु	८	४७	श्ले	३१	३८	सि	१४	२०	बा	८	४७	२८	६	५४	८	२४	३०	सिं.३/३ १/८	इंदिरा११व्र.
१२	शु	१५	२५	म	३९	१९	सा	१६	४९	तै	१५	२५	२३	७	५३	९	२५	१	सिंहे	अक्टूम्बर१०ता.३१प्रदोषः
१३	श	२१	४१	पू	४६	४०	शु	१९	८	व	२१	४१	१९	८	५२	१०	२६	२	सिंहे	भ.२१।४१उ.५४।२७या.
१४	र	२७	१३	उ	५३	३०	शु	२१	१२	श	२७	१३	१५	९	५१	११	२७	३	कं.३।२२	शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	चं	३२	५	ह	५९	२५	ब्र	२२	५०	ना	३२	५	११	१०	५०	१२	२८	४	कन्यायां	स्वात्यांबुधः४/३ ८विशा.शुक्र१/२ ८/५सर्वपितृ३०

२४पं.आ.कृ.२मं.इ.३८।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	८	६	२	६	५
४	११	१७	२८	४	१२	७	४
५५	३६	३०	२	३५	१३	४७	१६
१९	४	२५	२८	६	५५	४७	१९
५८	३८	९०	३२	७३	२	३	५८
३८	५८	१५	मा	९	४४	११	४५

गोचर ग्रहाः

इस मास में चाँदी रुई स्वर्ण सण तिल बाजरा गेहूं जो चना आदि मंदे होवे रस कस गुड़ सक्कर घृत वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

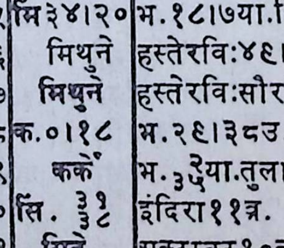

२५पं.आ.कृ१०मं.इ.३८/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	५	८	६	२	६	५
११	१५	२८	२८	१३	१२	७	११
४६	५९	३१	१२	६	३२	२५	८
५२	५६	५३	१९	४	३१	३२	१७
५८	३८	९५	१	७२	२	३	५९
५३	४०	३	४१	५०	५	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १८५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः६१३स.२०३२
१	मं	३५	५५	चि	६०	०	ऐं	२३	३२	किं	४	०	२९/७	६/१	५/४९	१३	२९	५	तु.३१।५५	नवरात्रारंभः मातामहश्रा.
२	बु	३८	५०	चि	४	२५	वै	२३	३६	बा	७	२२	३	११	४९	१४	३०	६	तुलायां	चंद्रदर्शनम्
३	गु	४०	३७	स्वा	८	२२	वि	२२	४४	तै	९	४३	२८/५९	१२	४८	१५	१	७	वृ.५५।३८	रज्जव७
४	शु	४१	२२	वि	११	२३	प्री	२१	४	व	१०	५९	५५	१३	४७	१६	२	८	वृश्चिके	भ.१०।५९उ.४१।२२या.
५	श	४०	५८	अ	१३	१९	आ	१८	३४	ब	११	१०	५१	१४	४६	१७	३	९	वृश्चिके	[×राहुःअश्वि.२केतुः५६।५५
६	र	३९	३१	ज्ये	१४	१५	सौ	१५	२७	कौ	१०	१४	४७	१५	४५	१८	४	१०	ध.१४।१५	चित्रा.रविः२१।८(सौरः५९।१९)
७	चं	३६	५५	मू	१४	८	शो	११	१६	ग	८	१३	४३	१५	४५	१९	५	११	धनुषि	भ.३६।५५उ.
८	मं	३३	१९	पू	१२	४२	अ	६	९	वि	५	७	३९	१६	४४	२०	६	१२	म.२७।६	भ.५।७या.बृश्चिकेशुक्रः ३३/२२ चित्रा.४ ×
९	बु	२८	३९	उ	१०	१९	सु	१२/०	५३/८	बा	०	५९	३५	१७	४३	२१	७	१३	मकरे	विशा.बुधः४९।४६
१०	गु	२२	४३	श्र	६	४९	शू	४५	३८	ग	२२	४३	३१	१८	४२	२२	८	१४	कुं.३४।३५	भ.४९।२२उ.
११	शु	१६	१	ध	२/१	५४/२६	गं	३६	५२	वि	१६	१	२७	१९	४१	२३	९	१५	कुम्भे	भ.१६/५या.अनु.शुक्रः ३९/३६ उभा.भौमः ३२/४ =
१२	श	८	१७	पू	५०	४०	वृ	२७	४२	बा	८	१७	२३	१९	४१	२४	१०	१६	मी३७।१२	प्रदोषः [=पापांकुशा११व्र.
१३	र	०	२	उ	४४	१८	ध्रु	१८	२	तै	०	२	२०	२०	४०	२५	११	१७	मीने	भ.५९/४९ उ.तुलायामर्कः ५/७(सौरः४२।३)
१४	र	५१	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Dशरदूपूर्णिमाका.स्ना.प्रा.कोजागरीव्र.
१५	चं	४३	४९	रे	३८	८	व्या	२६/३	५०/३८	वि	१७	५३	१६	२१	३९	२६	१२	१८	मे.३८।८	भ.१७/५३या.खग्रासचंद्रग्रहणवक्रीशनिः ३९/५६D

२६पं.आ.शु.१मं.इ. ३७/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	८	६	२	६	५
१८	२०	८	२८	२१	१२	७	१८
४०	२४	५६	३१	२६	४५	३	२
५	२२	४६	३७	७	११	१६	४
५९	३८	८७	३	७२	१	३	५९
९	३५	१०	८	३२	२५	११	१६

गोचर ग्रहाः

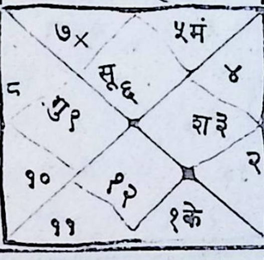

×राचबुश

आश्विनशुक्ले१३रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

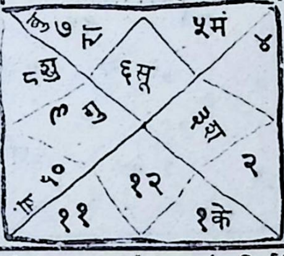

२७पं.आ.शु.८ मं.इ. ३७/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	८	७	२	६	५
२५	२४	१८	२९	०	१२	६	२४
३४	४८	२७	०	५	५३	४१	५७
५९	०	५८	०	१७	१३	१	४६
५९	३८	७६	४	७२	०	३	५९
२१	३३	४१	१९	११	४४	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १८५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	मं	३६	४६	अ	३२	४८	व	५०	१९	बा	१०	१७	२६/१२	६/२२	५/३८	२७	१३	१९	मेषे	
२	बु	३१	७	भ	२८	३९	सि	४२	४९	तै	३	५६	८	२२	३८	२८	१४	२०	वृ.४३।०	भ.५९।६उ.कन्यायांभौमः५५।५५
३	गु	२७	६	कृ	२६	२	व्य	३६	३१	वि	२७	६	४	२३	३७	२९	१५	२१	वृषे	भ.२७।६या.करकचतुर्थीव्र.
४	शु	२५	१५	रो	२५	२२	व	३१	४९	बा	२५	१५	०	२४	३६	३०	१६	२२	मि५६।४	बृश्चिकेबुधः३७।४२
५	श	२५	२३	मृ	२६	४६	प	२८	४१	तै	२५	२३	२७/५६	२५	३५	१	१७	२३	मिथुने	स्वात्यांरविः ४७/१० उषा२मकरेगुरुः १६/५३ ×
६	र	२७	४२	आ	३०	२०	शि	२७	४१	व	२७	४२	५३	२५	३५	२	१८	२४	मिथुने	भ.२७/४२उ.५९/४६या.स्वात्यांरविःसौरः२३।६
७	चं	३१	४९	पु	३५	३८	सि	२७	२२	ब	३१	४९	४९	२६	३४	३	१९	२५	क.१९।१८	[×भा.कार्तिकारंभः
८	मं	३७	१९	पु	४२	१७	सा	२८	३७	बा	४	३४	४५	२७	३३	४	२०	२६	कर्के	अनु.बुधः३५।४०ज्येष्ठाशुक्रः२१।१९
९	बु	४३	२५	श्ले	४९	२३	शु	३०	३५	तै	१०	२२	४१	२८	३२	५	२१	२७	सि४९।२३	
१०	गु	५०	४	म	५७	७	शु	३२	५२	व	१६	४४	३७	२९	३१	६	२२	२८	सिंहे	भ.१६।४४उ.५०।४या.
११	शु	५६	१८	पू	६०	०	ब्र	३५	१८	ब	२३	११	३४	२९	३१	७	२३	२९	सिंहे	रमा११व्र.
१२	श	६०	०	पू	४	३४	ऐं	३७	१९	कौ	२९	८	३०	३०	३०	८	२४	३०	कं.२१।१८	[=नवम्बर११ता.३०रुप१४
१२	र	१	५९	उ	११	२९	वै	३८	४९	तै	१	५९	२७	३१	२९	९	२५	३१	कन्यायां	प्रदोषःघन१३
१३	चं	६	४०	ह	१७	२२	वि	३९	२६	व	६	४०	२३	३१	२९	१०	२६	१	तु.४९।४३	भ.४६/० उ.३८/१६या.वक्रीबुधः३६।५०=
१४	मं	९	५३	चि	२२	४	प्री	३९	२	श	९	५३	१९	३२	२८	११	२७	२	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	बु	११	५९	स्वा	२५	२३	आ	३७	४३	ना	११	५९	१६	३३	२७	१२	२८	३	तुलायां	सूर्यग्रहणम् अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

२८पं.का.कृ १मं.इ. ३७/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	७	२	६	६
२	२९	२६	२९	८	१२	६	१
३१	९	५२	३६	३२	५५	१८	५५
२३	४३	२६	५०	१३	३०	४५	१०
५९	३८	६२	५	७१	०/७	३	५९
३४	२६	२९	२८	५०	व	११	४६

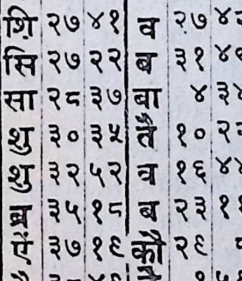

२९पं.का.कृ.८मं.इ. ३७/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	७	२	६	६
९	३	३	०	१६	१२	५	८
२९	३२	२१	२१	५९	१२	५६	५४
३८	६	७	५०	१०	२३	२९	३०
५९	३८	३८	६	७१	४७/०	३	६०
४७	१९	४९	३२	२८	व	११	२

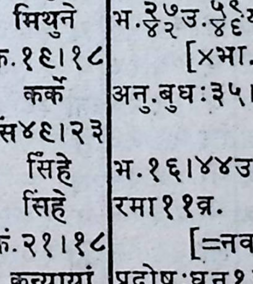

३०पं.का.कृ.१४मं.इ. ३७/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	७	२	६	६
१६	७	६	१	२५	१२	५	१५
२९	५३	१	१४	२४	४३	३४	५१
२०	२०	२३	१७	४०	४४	१४	३४
६०	३८	६१/३	७	७१	३४/१	३	६०
४	१२	व	३५	४	व	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः९४३स.२०३२
१	गु	१२	४५	वि	२७	३२	सौ	३५	२२	ब	१२	४५	२७/१२	३४/६	२५/६	१३	२९	४	वृ.१२।०	चंद्रदर्शनसंभवः
२	शु	१२	१९	अ	२८	३६	शो	३२	०	कौ	१२	१९	९	३४	२६	१४	१	५	वृश्चिके	हस्तेभौमः ५/३७सावान८भातृ२यम२
३	श	१०	५०	ज्ये	२८	३७	अ	२८	१	ग	१०	५०	५	३५	२५	१५	२	६	व.२८।३७	भ.३९/४२उ.विशा.रविः ४७/०(सौरः ४०/३० ×
४	र	८	३४	मू	२७	५३	सु	२३	८	वि	८	३४	२	३६	२४	१६	३	७	धनुषि	भ.८।३४या.बुधास्तःपश्चिमायां३६।५२
५	चं	५	३२	पू	२६	२०	धृ	१७	५०	बा	५	३२	२६/५८	३६	२४	१७	४	८	म.४०।४९	वक्रोविशा.बुधः२८।४
६	मं	२	१	उ	२४	१६	शू	१२	६	तै	२	१	५५	३७	२३	१८	५	९	मकरे	भ.५७।४८उ.
७	सं	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×मूलेंधनुषिशुक्रः२३।५४
८	बु	५३	७	श्र	२१	४३	गं	५/४४	३/१०	वि	२५	२७	५२	३८	२२	१९	६	१०	कुं.५०।८	भ.२५/२७या.वक्रीतुलायांबुधः५/२६गोपाष्टमी
९	गु	४७	५१	ध	१८	३४	ध्रु	५१	४४	बा	२०	२९	४९	३८	२२	२०	७	११	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	शु	४२	१०	श	१४	५३	व्या	४४	८	तै	१५	०	४५	३९	२१	२१	८	१२	मी५६।५६	[H(सौरः ३४/४७) उषा.३गरुः३५।२६
११	श	३६	१	पू	१०	५३	ह	३६	५	व	९	५	४२	४०	२०	२२	९	१३	मीने	भ ९/२उ. ३६/१या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीवि.
१२	र	२९	३७	उ	६	१९	व	२७	५८	ब	२	४९	३९	४०	२०	२३	१०	१४	मीने	प्रदोषः
१३	चं	२३	२१	रे	४६/५	५५/४४	सि	१९	४९	तै	२३	२१	३६	४१	१९	२४	११	१५	मे.१।४६	वैकुंठ१४
१४	मं	१७	३०	भ	५३	५१	व्य	१२	१	व	१७	३०	३३	४१	१९	२५	१२	१६	मेषे	भ१७।३०उ.४५।०या.वृश्चिकेऽर्कः ४/३H
१५	बु	१२	२९	कृ	५१	८	व	४/४१	५३/३७	ब	१२	२९	३०	४२	१८	२६	१३	१७	वृ.८।१०	पूषा.शुक्रः ४/३०मन्वादिःका.स्ना.पू.

३१पं.का.शु.६मं.इ. ३७/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	७	९	८	२	६	६
१३	१२	१	२	३	१२	५	२२
३०	१३	४५	१३	४६	२९	११	५८
४०	५९	४७	४८	४८	४२	५८	६
६०	३८	८१/५९	८	७०	२/१४	३	६०
१७	२	व	३७	२८	व.	११	३०

गोचर ग्रहाः

कार्तिकशुक्ले१४भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा३न४प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

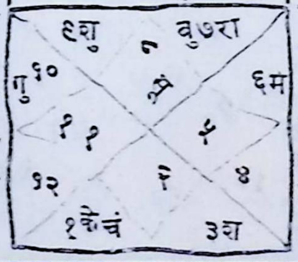

३२पं.का.शु.१४सं.इ. ३६/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	९	८	२	६	७
०	१६	२३	३	१२	१२	४	०
२३	२३	२२	२०	५	१०	४९	२
२२	३२	३४	१३	५६	५२	४३	१०
६०	३७	७७/११	९	६९	२/४१	३	६०
३०	४९	व.	२८	४६	व.	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा॰
१	गु	८	४४	रो	५०	७	शि	५३	६	कौ	८	४४	२६/२७	४३/६	५/१७	२७	१४	१८	वृषे	
२	शु	६	५०	मृ	५०	४१	सि	४६	७	ग	६	५०	२५	४३	१७	२८	१५	१९	मि२०।२४	भ.३६/७उ.अनु.रविः २३/३ (सौरः ५७/३६ वक्री=
३	श	६	२५	आ	५२	५८	सा	४६	५६	वि	६	२५	२२	४४	१६	२९	१६	२०	मिथुने	भ.६।२५या.चतुर्थीव्र.
४	र	८	४	पु	५७	१२	शु	४५	४६	बा	८	४	१९	४४	१६	३०	१७	२१	क.४१।८	[=स्वात्यांबुधः १६/४४बुधोदय.पूर्वस्यां८।५०
५	चं	११	२२	पु	६०	०	शु	४५	५६	तै	११	२२	१७	४५	१५	१	१८	२२	कर्के	मार्गीबुधः३४।२९भा.मार्गशीर्षारंभः
६	मं	१६	३०	पु	२	५७	ब्र	४७	२४	व	१६	३०	१४	४५	१५	२	१९	२३	कर्के	भ.१६।३०उ.४९।३९या.
७	बु	२२	४८	श्ले	९	४१	ऐं	४६	१७	ब	२२	४८	१२	४६	१४	३	२०	२४	सिं९।४१	विशा.बुधः२०।२
८	गु	२८	४९	म	१७	१०	वै	५१	३५	कौ	२८	४९	९	४६	१४	४	२१	२५	सिंहे	
९	शु	३५	१४	पू	२४	३२	वि	५३	५०	तै	२	१	७	४७	१३	५	२२	२६	कं.४१।२१	
१०	श	४१	३	उ	३१	४६	प्री	५५	३२	व	८	८	५	४७	१३	६	२३	२७	कन्यायां	भ.८।८उ.४१।३या चित्रा.भौमः३९।२८
११	र	४५	४६	ह	३८	५	आ	५६	१६	ब	१३	२४	२	४८	१२	७	२४	२८	कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	४९	६	चि	४२	४१	सौ	५६	२	कौ	१७	२६	०	४८	१२	८	२५	२९	तु.१०।२७	उषा.शुक्रः०।२३
१३	मं	५०	५५	स्वा	४६	२२	शो	५४	४०	ग	२०	०	५८/५९	४८	१२	९	२६	३०	तुलायां	भ.५०।५५उ.प्रदोषः
१४	बु	५०	५०	वि	४७	५८	अ	५१	५०	वि	२०	५२	५६	४९	११	१०	२७	१	वृ.३२।३४	भ.२६/५२या.मकरेशुक्रः ५३/२१दिसं.१२ता.३१
३०	गु	४९	२५	अ	४८	११	सु	४७	५२	च	२०	७	५४	४९	११	११	२८	२	वृश्चिके	ज्येष्ठा.रविः३२।१५

३३पं.मा.कृ.६मं.इ. ३६/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	९	८	२	६	७
७	२०	१९	५	२०	११	४	७
३७	५२	५०	२१	२१	४७	२७	७
१६	३४	१७	२७	५०	४९	२७	४३
६०	३७	१३/२५	१०	६८	३	३	६०
४२	४६	मा	१२	५८	वं	११	५२

गोचर ग्रहाः

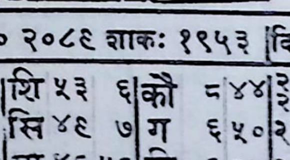

इस मास में शनिवार का चंद्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी करेगा धान्य व गल्ले में कुछ मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

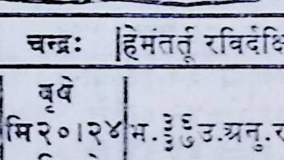

३४पं.मा.कृ.१३सं.इ. ३६/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	९	८	२	६	७
१४	२५	२४	५	२८	११	४	१४
४२	१०	२६	४८	३२	२०	५	१४
२९	३७	५३	२२	२४	३८	११	२९
६०	३७	६१	१०	६८	३/५३	३	६१
५०	२१	१६	५६	१०	व.	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:६७२स.२०३२
१	शु	४६	३४	ज्ये	४७	१०	धृ	४२	४७	किं	१७	५६	२५/५३	६/४९	५/११	१२	२६	३	ध.४७।१०	ज्येष्ठा.रवि:सौर:५६।२३
२	श	४२	४८	मू	४५	१३	शू	३७	१	बा	१४	४१	५१	५०	१०	१३	३०	४	धनुषि	उषा.४गुरु:५८।३० चंद्रदर्शनम्
३	र	३८	१७	पू	४२	२०	गं	३०	३७	तै	१०	३२	४९	५०	१०	१४	१	५	म.५६।३४	वृश्चिकेबुध:१६।४१ रमजान६
४	चं	३३	२२	उ	३६	१४	बृ	२३	२२	व	५	४९	४८	५०	१०	१५	२	६	मकरे	भ.५।४६उ.३३।२२या.
५	मं	२८	२०	श्र	३५	४६	ध्रु	१६	१४	ब	०	५१	४६	५१	६	१६	३	७	मकरे	अनु.बुध:४५।४७
६	बु	२२	१६	ध	३२	१६	व्या	६	१७	तै	२३	१६	४५	५१	६	१७	४	८	कुं.४।४	तुलायांभौम:२८।१८ चंपा६
७	गु	१८	८	श	२८	५३	ह	५/५८	५२/४६	व	१८	८	४४	५१	६	१८	५	९	कुंभे	भ.१८।८उ.४५।४०या.
८	शु	१३	१२	पू	२५	३८	सि	४७	३८	ब	१३	१२	४३	५१	६	१९	६	१०	मी११।२७	श्रवणेशुक्र:३६।५१ [=गीताजयंती
९	श	८	१७	उ	२२	१७	व्य	४०	३२	कौ	८	१७	४२	५२	८	२०	७	११	मीने	
१०	र	३	३४	रे	१९	२३	व	३३	५०	ग	३	३४	४१	५२	८	२१	८	१२	मे.१६।२३	भ३/२ १/१उ.५९/६या.मोक्षदा११व्र.स्मा.=
११	र	५५	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–ज्येष्ठा.बुध:५९/५६दत्तजयंती
१२	चं	५५	२	अ	१६	५४	प	२७	११	ब	२७	५	४०	५२	८	२२	९	१३	मेषे	मोक्षदा११ .वै.
१३	मं	५१	४६	भ	१४	४१	शि	२१	११	कौ	२३	२५	३९	५२	८	२३	१०	१४	वृ.२६।१७	चित्रा.३राहु.अश्वि.१केतु:४/३ ६/३प्रदोष:
१४	बु	४६	११	कृ	१३	७	सि	१५	३५	ग	२०	३०	३९	५२	८	२४	११	१५	वृषे	भ.४६।११मूलेधनुष्यर्क:३९।३०
१५	गु	४७	५६	रो	१२	४१	सा	१०	५२	वि	१८	३५	३८	५२	८	२५	१२	१६	मि४३।५	भ.१८।३५या.मूलेधनुष्यर्क:सौर:३/१ ९–

३५पं.मा.शु.५मं.इ. ३६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	७	९	९	२	६	७
२१	२९	३	७	६	१०	३	२१
४८	२७	७	१०	३७	५०	४२	२२
३२	३२	८	१६	४८	६	५६	१०
६०	३७	८०	११	६७	४/१०	३	६१
५६	२३	२९	३१	९	व.	११	११

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्वशुक्ले १४बुधे धन ष्यर्कः प्रविष्टः वार२न३ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.शु.१३मं.इ. ३५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	९	९	२	६	७
२८	३	१३	८	१४	१०	३	२८
५५	४४	७	३५	३६	१७	२०	३०
२६	४९	१९	५३	४७	१७	४०	५३
६१	३६	८८	१२	६५	४/३४	३	६१
१	५९	३९	८	५०	व.	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	शु	४८	१	मृ	१३	३०	शु	७	६	बा	१८	०	३५/३८	६/५२	५/८	२६	१३	१७	मिथुने	
२	श	४६	५२	आ	१५	३२	शु	४	४३	तै	१८	५६	३७	५३	७	२७	१४	१८	मिथुने	वक्रीआर्द्रा.१शनि:२३।४
३	र	५३	१	पु	१९	१३	ब्र	३	२६	व	२१	२६	३७	५३	७	२८	१५	१९	क.३।१८	भ.२१।२६उ.५३।१या. स्वात्यांभौम:२५/२४
४	चं	५७	४१	पु	२४	२०	ऐं	२	५५	व	२५	२१	३६	५३	७	२९	१६	२०	कर्के	बुधास्त:पूर्वस्यां ३/३ ६/१ चतुर्थी व्र.
५	मं	६०	०	श्ले	३०	४०	वै	३	४६	कौ	३०	२८	३६	५३	७	३०	१७	२१	सि३०।४०	श्रवण.१गुरु:१२।३८
५	बु	३	१६	म	३७	४२	वि	५	८	तै	३	१६	३६	५३	७	१	१८	२२	सिंहे	धनि.शुक्र:२६।४६भा.पौषारंभ:
६	गु	६	४६	पू	४५	२२	प्री	७	२३	व	६	४६	३६	५३	७	२	१९	२३	सिंहे	भ.६।४६उ.४३।३या.
७	शु	१६	२०	उ	५२	४५	आ	६	३७	ब	१६	२०	३७	५३	७	३	२०	२४	कं.२।१३	
८	श	२२	२१	ह	५६	३८	सौ	११	४४	कौ	२२	२१	३७	५३	७	४	२१	२५	कन्यायां	मूलेधनुषिबुध:५५।१६
९	र	२७	४०	चि	६०	०	शो	१३	६	ग	२७	४०	३७	५३	७	५	२२	२६	तु.३२।२३	भ.५९।३२उ.
१०	चं	३१	३५	चि	५	८	अ	१३	२७	वि	३१	२५	३८	५२	८	६	२३	२७	तुलायां	भ.३१।२५या
११	मं	३३	३०	स्वा	६	२३	सु	१२	४१	ब	२	२७	३८	५२	८	७	२४	२८	वृ.५६।४	पूषा.रवि:४/३ ४/३कुंभेशुक्र:३/५ १/३सफला११व्र.
१२	बु	३३	३८	वि	११	३८	धृ	१०	२६	कौ	२	३४	३९	५२	८	८	२५	२९	वृश्चिके	पूषा.रवि:सौर:४।५७
१३	गु	३१	५८	अ	१२	८	शू	६	४२	ग	२	४८	४०	५२	८	९	२६	३०	वृश्चिके	भ.३१।५८उ. प्रदोष:
१४	शु	२८	२२	ज्ये	१०	४७	गं	१/२८	५३/३०	वि	०	१०	४१	५२	८	१०	२७	३१	ध.१०।४७	भ.०।१०या.
३०	श	२३	२८	मू	७	५०	ध्रु	४७	३५	ना	२३	२८	४२	५२	८	११	२८	१	धनुषि	जनवरी१ता.३१सन्२०३३

३७पं पौ.कृ.५मं.इ ३५/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	७	९	९	२	६	८
६	७	२३	१०	२२	९	२	५
३	५९	३६	४	२५	४३	५८	४०
०	३८	०	४८	१६	८	२५	१८
६१	३६	९४	१२	६४	४/४०	३	६१
४	३८	२१	२५	२५	व	११	२२

गोचर ग्रहाः

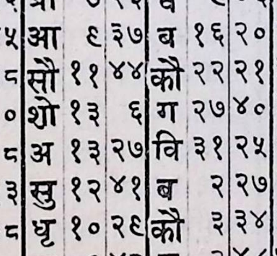

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्लपक्ष की तिथि क्षय धातु सोनाचांदी लोहा ताम्बा गुड शक्कर वस्त्र तेजीकरे

गोचर ग्रहाः

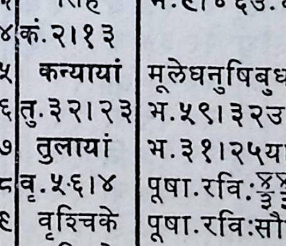

३८पं.पौ.कृ.११मं.इ. ३५/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	१०	२	६	८
१२	१२	४	११	०	९	२	१२
१०	११	२०	३७	३	८	३६	५०
५९	३१	३५	१६	५८	३१	९	१०
६१	३६	९७	१२	६२	४/४०	३	६१
६	२२	३०	५२	४०	व.	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १८५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १००२स२०३३
१	र	१७	२३	पू	३/५०	५५/७	व्या	३९	६	व	१७	२३	२५/४३	६/५१	५/९	२	२९	२	म.१७।२७	चन्द्रदर्शनम् पूषा.बुधः३/६ शतेशुक्रः४/५ सव्वाल १०
२	चं	१०	३८	श्र	५३	५७	ह	३०	२५	कौ	१०	३८	४४	५१	९	१३	१	३	मकरे	भ.३०।२६उ.५७।३या.
३	मं	३	५०	ध	४८	५२	व	२१	४३	ग	३	५०	४५	५१	९	१४	२	४	कुं.२१।२५	
४	मं	५३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	बु	५०	४३	श	४४	७	सि	१३	९	ब	२३	५३	४७	५१	९	१५	३	५	कुंभे	श्रवण.२गुरुः१०।३१
६	गु	४४	५०	पू	३९	५८	व्य	४/५५	५२/२०	कौ	१७	४६	४८	५०	१०	१६	४	६	मी२६।०	
७	शु	३९	३५	उ	३६	१८	प	४९	५३	ग	११	१२	५०	५०	१०	१७	५	७	मीने	भ.३९।३५उ.
८	श	३५	१७	रे	३३	३४	शि	४३	२५	वि	७	२६	५२	५०	१०	१८	६	८	मे.३३।३४	भ.७।२६या.
९	र	३१	३७	अ	३१	३२	सि	३७	२९	बा	३	२७	५३	४९	११	१९	७	९	मेषे	[–उषा.बुधः३/६ पुत्रदा११व्र.
१०	चं	२८	४७	भ	३०	२३	सा	३२	१६	तै	०	१२	५५	४९	११	२०	८	१०	वृ.४५।८	भ.५९/१ उ.उषा.रवि.४९/६ विशा.भौमः३९/५
११	मं	२६	५६	कृ	३०	२	शु	२७	४३	वि	२६	५६	५७	४९	११	२१	९	११	वृषे	भ.२६।५६या.उषा.रविःसौरः६।२४–
१२	बु	२४	५०	रो	३०	४६	शु	२४	०	बा	२४	५०	५९	४८	१२	२२	१०	१२	वृषे	प्रदोषः
१३	गु	२५	५९	मृ	३२	३५	ब्र	२१	५	तै	२५	५९	२/१	४८	१२	२३	११	१३	मि१।४१	मकरेबुधः३३।३९
१४	शु	२६	५९	आ	३५	१७	ऐं	१९	६	व	२६	५९	४	४७	१३	२४	१२	१४	मिथुने	भ.३६/९ उ.५/९या.मकरेऽर्कः५/४३ (सौरः२१/५१)
१५	श	२९	२८	पु	३९	१०	वै	१८	१४	ब	२९	२८	६	४७	१३	२५	१३	१५	क.२३।१२	मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ शु.३मं.इ. ३५/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	१०	२	६	८
२०	१६	१५	१३	७	८	२	२०
१९	२३	१९	१२	२७	३४	१३	०
५	२८	४४	१८	११	१६	५२	७
६१	३६	५८/०	१३	६०	×/३१	३	६१
६	१	१/५८	१४	२५	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

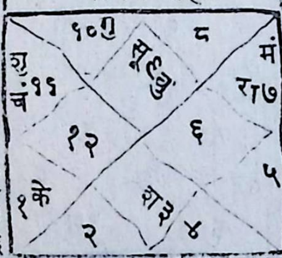

पौष शुक्ले १४ शुक्रे मकरेऽर्कःप्रविष्ट.वा३ न. ४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समघंता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.११मं.इ. ३५/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	९	१०	२	६	८
२७	२०	२६	१४	१४	८	१	२७
२७	३३	३८	४९	३३	१	५१	९
७	२२	२	८	५४	४४	३८	५९
६१	३५	७४/०	१३	५७	४/१०	३	६१
६	३९	३/७	२२	३८	चं	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १८५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	र	३३	७	पु	४४	७	वि	१७	५०	बा	१	१७	२६/८	६/४६	५/१४	२६	१४	१६	कर्के	
२	चं	३८	१	श्ले	५०	२२	प्री	१८	२८	तै	५	३४	११	४६	१४	२७	१५	१७	सि५०।२२	पूभा.शुक्रः९।४
३	मं	४३	३१	म	५७	१०	आ	१९	४५	व	१०	४६	१३	४५	१५	२८	१६	१८	सिंहे	भ.१०।४६उ.४३।३१या.
४	बु	४९	४९	पू	६०	०	सौ	२१	४९	ब	१६	४०	१६	४५	१५	२९	१७	१९	सिंहे	श्रवणेबुधः३/८ श्रवण.३गुरुः३/९ चतुर्थीव्र.
५	गु	५६	२३	पू	४	४६	शो	२३	५९	कौ	२३	११	१९	४४	१६	३०	१८	२०	कं.२१।४१	अभि.प्र.रविः४०।९(सौरः५३।१२)
६	शु	६०	०	उ	१२	२५	अ	२६	१९	ग	२९	३६	२१	४४	१६	१	१९	२१	कन्यायां	भा.माघारंभः
६	श	२	४९	ह	१९	५०	सु	२८	१७	व	२	४९	२४	४३	१७	२	२०	२२	तु.५३।५	भ.२।४९उ.३५।४०या.
७	र	८	३२	चि	२६	१९	धृ	२९	३०	ब	८	३२	२७	४३	१७	३	२१	२३	तुलायां	श्रवणेरविः५४।४६ [=ग्रस्तंगुरोः३५/६
८	चं	१३	६	स्वा	३१	३२	शू	२९	५०	कौ	१३	६	२९	४२	१८	४	२२	२४	तुलायां	श्रवणेरविःसौरः९/६ अभि.नि.रविः४७/१=
९	मं	१६	१	वि	३५	६	गं	२८	३९	ग	१६	१	३२	४२	१८	५	२३	२५	वृ.१९।१३	भ.४३/९ उ.अभि.नि.रविःसौरः०।२५
१०	बु	१७	०	अ	३६	५३	वृ	२५	५३	वि	१७	०	३५	४१	१९	६	२४	२६	वृश्चिके	भ.१७।०या.
११	गु	१५	५९	ज्ये	३६	३२	ध्रु	२१	३७	बा	१५	५९	३८	४०	२०	७	२५	२७	ध.३६।३२	धनि.बुधः१/६ वृश्चिकेभौमः४६/९×
१२	शु	१२	५२	मू	३४	१०	व्या	१५	४४	तै	१२	५२	४१	४०	२०	८	२६	२८	धनुषि	मीनेशुक्रः३४।२३ प्रदोषः
१३	श	८	१	पू	३०	४	ह	६/३	५१/१६	व	८	१	४५	३९	२१	९	२७	२९	म.४३।४२	भ.८।१३उ.३४।४०या.
१४	र	१	१८	उ	२४	३४	सि	५०	१२	श	१	१८	४८	३८	२२	१०	२८	३०	मकरे	[×षट्तिला ११व्र.
३०	र	५२	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

४१पं.मा.कृ.३मं.इ. ३५/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	९	१०	२	६	९
४	२४	८	१६	२१	७	१	४
२४	४१	१८	२७	१७	३१	२९	१९
५९	१७	३२	७	४२	१९	२२	२८
६१	३४	७४/०	१३	५३	३/५२	३	६१
३	५८	१	२२	५५	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन तेजीकारक है धान्य बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं चांवल सोना चांदी में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

४२पं.मा.कृ.९मं.इ. ३५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	६	९	९	१०	२	६	९
११	२८	२०	१८	२७	७	१	११
४२	४८	२०	६	३२	४	७	२८
२९	४	१०	३६	५६	५	७	१९
६०	३४	७५/०	१३	४९	३/२७	३	६१
५९	३६	९/५	३८	२१	व	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:१०३१स.२०३३
१	चं	४५	७	श्र	१७	४६	व्य	४०	१७	किं	१९	२०	२६/५१	६/३८	५/२२	११	२९	३१	कुं.४४।३५	कुँभेबुध:९९/४९ बुधोदय:पश्चिमायां ४७/३६
२	मं	३६	३२	ध	११	२४	व	३०	११	बा	१०	४९	५४	३७	२३	१२	३०	१	कुम्भे	उभा.शुक्र:४८/४३ वक्रीमृग.४शनि:२/५०—
३	बु	२८	१३	श	४/४९	५३/४७	प	२०	१०	तै	२	२२	५८	३६	२४	१३	१	२	मी४५।९	भ.५४/२३ उ.अनु.भौम:२४/२२ श्रवण४गुरु:३४/६=
४	गु	२०	३३	उ	५३	२३	शि	१०	३९	वि	२०	३३	२७/१	३६	२४	१४	२	३	मीने	भ.२०।३३या. [=जिल्काद११
५	शु	१३	४०	रे	४९	१	सि	५/५१	५२/३९	बा	१३	४०	५	३५	२५	१५	३	४	मे.४९।१	शतेबुध:९।४३ वसंत५
६	श	८	४	अ	४६	७	शु	४७	३५	तै	८	४	८	३४	२६	१६	४	५	मेषे	[-चंद्रदर्शनम्फर्वरी२ता.२८
७	र	३	४१	भ	४४	३०	शु	४२	१	व	३	४१	१२	३४	२६	१७	५	६	वृ.५९।२७	भ.३/४१ उ.३२/१३ या.धनि.रवि:३/४ (सौर:×
८	चं	०	४६	कृ	४४	१९	ब्र	३७	३६	ब	०	४६	१५	३३	२७	१८	६	७	वृषे	[×९४/५८) भानु७रथ७भीष्माष्टमी
९	चं	५८	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	मं	५८	५९	रो	४५	२२	ऐं	३४	१६	तै	२९	५	१९	३२	२८	१९	७	८	वृषे	
११	बु	६०	०	मृ	४७	४९	वै	३२	०	व	२९	३२	२३	३१	२९	२०	८	९	मि१६।३५	भ.२९।३२उ. जया११व्र.स्मा.
११	गु	०	६	आ	५१	१३	वि	३०	२९	वि	०	६	२७	३१	२९	२१	९	१०	मिथुने	भ.०।६या. जया११व्र.वै.
१२	शु	२	८	पु	५६	५	प्री	३०	२०	बा	२	८	३०	३०	३०	२२	१०	११	क.३९।५२	प्रदोष·
१३	श	५	३८	पु	६०	०	आ	३०	१५	तै	५	३८	३४	२९	३१	२३	११	१२	कर्के	कुँभेऽर्क:३०।२०(सौर:४८।५६)
१४	र	९	४८	पु	१	३१	सौ	३१	१९	व	९	४८	३८	२८	३२	२४	१२	१३	कर्के	भ.९।४८उ.४२।३०या.
१५	चं	१५	१३	श्ले	७	५८	शो	३२	५०	ब	१५	१३	४१	२८	३२	२५	१३	१४	सि७।५८	मा.स्ना.पूर्तिः

४३पं,मा.शु.२मं.इ. ३५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	९	११	२	६	९
१८	२	२	१९	३	६	०	१८
४९	५०	२१	४६	१८	४१	४४	३६
१	४२	४	४४	३७	३१	५१	२६
६०	३४	०/०	१३	४३	२/४६	३	६१
५५	२	५/३	३८	२०	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

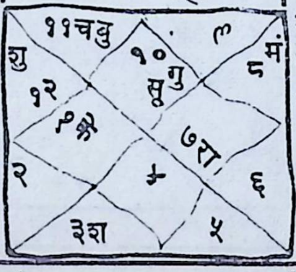

माघ शुक्ले १३ शनौ कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.२ न. २ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

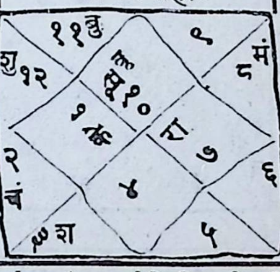

४४पं.मा.शु.१०मं.इ.३५/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	१०	९	११	२	६	९
२५	६	१३	२१	७	६	०	२५
५४	५०	२८	२६	५६	२२	२२	४३
५०	३१	१६	४९	४२	३५	५९	१३
६०	३३	८५	१३	३५	२/११	३	६०
४७	२४	१६	३८	२०	व	११	५५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	मं	२०	४६	म	१४	४४	अ	३४	४४	कौ	२०	४६	२७/४५	६/२७	५/३३	२६	१४	१५	सिंहे	पूभा.बुध:१/१३ चित्रा.२राहु:रेव.४केतु:४२/२४
२	बु	२७	१५	पू	२२	११	सु	३६	५६	ग	२७	१५	४९	२६	३४	२७	१५	१६	कं.३९।४	धनि.१गुरु:३७।९
३	गु	३३	३७	उ	२९	४४	धृ	३९	११	व	०	२६	५३	२५	३४	२८	१६	१७	कन्यायां	भ.०।२६उ.३३।३७या.
४	शु	३९	५६	ह	३७	२३	शू	४१	२४	ब	६	४६	५६	२५	३५	२९	१७	१८	कन्यायां	वक्रीबुध:५४।२ चतुर्थी व्र.
५	श	४५	५५	चि	४४	१७	गं	४३	११	कौ	१२	५५	२८/००	२४	३६	३०	१८	१९	तु.१०।५०	शतेरवि:१४।३१(सौर:२४।१८
६	र	५०	५४	स्वा	५०	२५	वृ	४४	१०	ग	१८	२५	४	२३	३७	१	१९	२०	तुलायां	भ.५०/५४ उ.बुधास्त:पश्चिमायां ५१/५३+
७	चं	५४	३८	वि	५५	११	ध्रु	४४	१८	वि	२२	४६	८	२२	३८	२	२०	२१	वृ.३९।०	भ.२२।४६या.उदयंगुरो:४८।०
८	मं	५६	४३	अ	५८	२७	व्या	४२	५८	बा	२५	४०	१२	२२	३८	३	२१	२२	वृश्चिके	वक्रीशतेबुध:४०।१७
९	बु	५६	५५	ज्ये	५९	५०	ह	४०	१०	तै	२६	४९	१६	२१	३९	४	२२	२३	ध.५९।५०	[+भा.फाल्गुनारंभ:
१०	गु	५५	२	मू	५९	११	व	३५	५०	व	२५	५८	२०	२०	४०	५	२३	२४	धनुषि	भ.२५।५८उ.५५।२या.
११	शु	५१	१५	पू	५६	३१	सि	२९	५६	ब	२३	८	२४	१९	४१	६	२४	२५	धनुषि	विजया११व्र. [÷महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१२	श	४५	२५	उ	५२	३	व्य	२२	२९	कौ	१८	२०	२८	१८	४२	७	२५	२६	म.१०।२४	ज्येष्ठा.भौम. १२।५०
१३	र	३८	५	श्र	४६	११	व	१३	३४	ग	११	४५	३२	१८	४२	८	२६	२७	मकरे	भ.३८।५उ.वक्रीशुक्र:३६।४८ प्रदोष:÷
१४	चं	२९	२३	ध	३९	७	प	३/४३	४९/१८	वि	३	४४	३६	१७	४३	९	२७	२८	कुं.१२।३९	भ.३।४४या.महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	मं	१९	५९	श	३१	२९	सि	४२	७	ना	१९	५९	४०	१६	४४	१०	२८	१	कुंभे	मार्गीशनि:५८।४६ मार्च३ता.३१

४५पं.फा.कृ.१मं.इ. ३६/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	६	१०
२	१०	२०	२३	११	६	०	२
५९	४४	२२	६	३१	९	०	४९
४२	४६	२३	४	१९	२९	२०	१६
६०	३२	३८	१३	२४	१/३१	३	६०
३५	३७	२९	३२	४९	व.	११	४२

४६पं.फा.कृ.८मं.इ. ३६/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	५	१०
१०	१४	२०	२४	१३	६	२९	९
३	३६	२	४५	५०	१	३८	५३
१४	१८	४९	१४	३१	१६	४	४९
६०	३१	४३/११	१३	११	४०/१	३	६०
२५	२८	व	२६	२६	व.	११	३१

४७पं.फा.कृ.३०मं.इ.३६/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	५	१०
१७	१८	१३	२६	१४	५	२९	१६
५	२३	३१	२२	१५	५८	१५	५६
२८	१३	२३	४४	२९	१९	४९	४४
६०	३०	७०/४०	१३	४/३४	०/३	३	६०
१२	२३	व	२०	व	व.	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गण१०६१स.२०३३
१	बु	१०	१६	पू	२३	४२	सा	३१	१२	ब	१०	१६	२८/४४	६/१५	५/४५	११	२९	२	मी१०।३९	धति.२गुरुः५४।२२ चंद्रदर्शनम्
२/३	गु	०/५१	५०/११	उ	१६	२६	शु	२०	५०	कौ	०	५०	४८	१४	४६	१२	१	३	मीने	जिल्हेज१२फुलरिया२
४	शु	४४	२८	रे	१०	५	शु	११	२	व	१८	१४	५२	१४	४६	१३	२	४	मे.१०।१५	भ.१९/१४उ.४४/२८या.पूभारविः३०/३७(सौरः३९/५
५	श	३८	२५	अ	५	३	ब्र	२/४२	५३/५	ब	११	२६	५६	१३	४७	१४	३	५	मेषे	
६	र	३४	६	भ	१	३७	वै	५०	८	कौ	६	१५	२९/१	१२	४८	१५	४	६	वृ.१६।१३	बुधोदयःपूर्वस्यां३१।७
७	चं	३१	२९	कृ	०	१	वि	४५	५३	ग	२	४७	५	११	४९	१६	५	७	वृषे	भ.३१।२९उ.
८	मं	३०	५०	रो	०	८	प्री	४३	२०	वि	१	९	९	१०	५०	१७	६	८	मि३१।९	भ.१।९या. होलाष्टकम्
९	बु	३१	५९	मृ	२	१०	आ	४१	४६	बा	१	२४	१३	९	५१	१८	७	९	मिथुने	
१०	गु	३४	२२	आ	५	३७	सौ	४१	३५	तै	३	१०	१७	९	५१	१९	८	१०	क.५४।२३	
११	शु	३८	२०	पु	१०	३८	शो	४२	१७	व	६	२१	२१	८	५२	२०	९	११	कर्के	भ.६।२१उ.३८।२०या.आमलकी११व्र.
१२	श	४३	१०	पु	१६	३९	अ	४३	२२	ब	१०	४५	२६	७	५३	२१	१०	१२	कर्के	[–मार्गीबुधः३२/५२
१३	र	४९	४	श्ले	२३	२५	सु	४५	२८	कौ	१६	७	३०	६	५४	२२	११	१३	सिं२३।२५	प्रदोषः
१४	चं	५४	५३	म	३०	२९	धृ	४७	२६	ग	२१	५८	३४	५	५५	२३	१२	१४	सिंहे	भ.५४/५३उ.मीनेऽर्कः३१/३०(सौरः३९/२६)–
१५	मं	६०	०	पू	३७	५८	शू	४९	४२	वि	२८	५	३८	४	५६	२४	१३	१५	कं.५४।५१	भ.२८।५या.होलिकादहनम्
१५	बु	१	१८	उ	४५	३१	गं	५२	५	ब	१	१८	४३	३	५७	२५	१४	१६	कन्यायां	छारेंडी

४८पं.फा.शु.८मं.इ. ३६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	१०	९	११	२	५	१०
२४	२२	७	२७	१२	६	२८	२३
६	४	४७	५८	३८	१	५३	५८
१४	४४	२०	३४	२	३४	३३	७
५९	२९	३४/५१	१३	२१/७	०/५४	३	६०
५८	२०	व	२	व.	मा	११	६

गोचर ग्रहाः

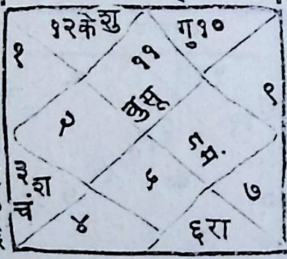

फालगुनशुक्ले १४चन्द्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० घान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४९पं.फा.शु.१५मं.इ. ३७/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	९	११	२	५	११
१	२५	७	२९	९	६	२८	०
५	३८	११	३३	९	१०	३१	५७
३१	१३	४६	८	३६	८	१७	४९
५९	२७	६/१९	१२	३३/३५	१	३	५९
४१	५५	मा	२६	व	३०	११	४९

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०८९ शाकः १९५४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु	७	३७	ह	५२	५५	वृ	५४	८	कौ	७	३७	२९/४७	६/३	५/५७	२६	१५	१७	कन्यायां	उभा.रविः५३/३४धनि.३कुँभेगुरुः४५/५३=
२	शु	१३	४४	चि	५९	४७	ध्रु	५५	४९	ग	१३	४४	५१	२	५८	२७	१६	१८	तु.२६।२१	भ.४६।२७उ.उभा.रविःसौरः१।२
३	श	१९	१०	स्वा	६०	०	व्या	५७	२	वि	१९	१०	५५	१	५९	२८	१७	१९	तुलायां	भ.१९/१०या.शुक्रास्तःपश्चिमायां१६/१२×
४	र	२३	५४	स्वा	५	४९	ह	५७	३२	बा	२३	५४	३०/००	६/०	६/०	२९	१८	२०	वृ.५४।५६	[=वसंत१ [×चतुर्थी व्र.
५	चं	२७	४६	वि	११	१९	व	५७	२	तै	२७	४६	४	५/५९	१	३०	१९	२१	वृश्चिके	
६	मं	३०	२०	अ	१५	२४	सि	५५	३१	व	३०	२०	८	५८	२	१	२०	२२	वृश्चिके	भ.३०।२०उ.भा.चैत्रारंभ;
७	बु	३१	२३	ज्ये	१८	३	व्य	५२	४३	वि	०	५१	१२	५८	२	२	२१	२३	ध.१८।३	भ.०।५१या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां१।१२
८	गु	३०	५१	मू	१९	११	व	४९	४७	बा	१	७	१६	५७	३	३	२२	२४	धनुषि	मूलेधनुषिभौमः४४।५७शीतलापूजनम्
९	शु	२८	३१	पू	१८	३१	प	४२	४६	ग	२८	३१	२१	५६	४	४	२३	२५	म.३२।५६	भ.५६।२६उ.वक्रीपूभा.शुक्रः२।१०
१०	श	२४	२२	उ	१६	१०	शि	३५	३८	वि	२४	२२	२५	५५	५	५	२४	२६	मकरे	भ.२४:२२या.
११	र	१८	२६	श्र	११	५८	सि	२७	१९	बा	१८	२६	२९	५४	६	६	२५	२७	कुं.३९।१०	पापमोचनी११व्र.
१२	चं	११	६	ध	६/२२	५३/११	सा	१८	३२	तै	११	६	३३	५३	७	७	२६	२८	कुंभे	आर्द्रा१शनिः४६।५० प्रदोषः
१३	मं	२	२८	पू	५१	५२	शु	७/३१	४९/६	व	२	२८	३७	५३	७	८	२७	२९	मी३८।४७	भ.२।२८उ.२७।४१या.
१४	मं	५०	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	बु	४३	३	उ	४४	७	ब्र	४५	३२	च	१७	५८	४१	५२	८	९	२८	३०	मीने	मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.६मं.इ. ३७/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	७	१०	१०	११	२	५	११
८	२९	१०	१	४	६	२८	७
३	४	४९	३	४६	२३	९	५५
१८	३४	४४	४०	३०	४२	२	४४
५९	२६	३७	१२	३५/५५	१	३	५९
२९	८	२३	१६	व	४९	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में सूत चांदी सोना रुई लोहा वस्त्र बारदाना तेजहो धान्य कुछ मंदा हो शासनाधिकारियों में विरोध हो।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.कृ.१३मं.इ. ३८/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	११	२	५	११
१४	२	१७	२	०	६	२७	१४
५९	२०	१८	३१	५०	४२	४६	५१
१०	५३	३६	५५	५६	२५	४६	५५
५९	२४	६०	११	२७/१३	२	३	५९
१६	७	१४	५०	व	५०	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३४, भोग्यकलिः ४२६८६६, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९०, शाकः १९५५, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः । मंत्री बुधः । सस्येशःशनिः। धान्येशो गुरुः । मेघेशो बुधः । रसेशश्चंद्रः। नीरसेशःशनिः । फलेशो भौमः। धनेशःशुक्रः । दुर्गेशो भौमः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये रुद्र-विंशतिकायां १ प्रभवनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः २।२२।२७।५१।२४ भोग्यमासादिः ९।७।३२।८।३६ विष्णुदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम श्रावणः।मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासः संधौ । समयनिवासोवणिक् गृहे । समय विश्वा ५ समयवाहनम् चातकः । स्तंभः १ जलस्य । सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी १ रविदशमी ३ समय मुहूर्ताः ३५५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ८७ खपतिविश्वा ११४, वर्षाविश्वा १७, धान्यम् १५, तृणम् ११, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२७, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिपूर्वे । २ग्रहण सूर्यस्यः १ चंद्रमसः१।

सं.२०९० चैत्र कृष्णा ३० चंद्रे
सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४	५	६
मि.	१६	२३	२२
घ.	२४	२७	२९
प.	३३	१९	४८

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	११	५	८	२	५	८
ख.	५	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ७।२१

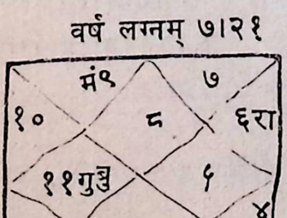

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

हाथ जोड़ कर श्री भैरव ने जगदंबा से प्रश्न किया ।
पूरा हाल कहो मैया कैसा निपजे संवत नबिया ।।

भवानी उत्तर

सुन भैरव नब्बे तणों भेद बताऊं तोय ।
वर्षा होसी निर्वली खंड जमानों होय ।।
सत्रह विश्वा वृष्टि है संवत् विश्वा पांच ।
भर चौमासे बीच में वर्षा होसी खांच ।।
संवत् वासो वणिक् घर तेजड़ियों को आस ।
फलाधीश धरणी तनय फल का करसी नाश ।।
पण भैरव भय मत करे अमर पूज्य का राज ।
परदेशां की मदत से सारें जग का काज ।।

स.२०९० चैत्र शु. १५ गुरौ
खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	१०	१२	१२	१	२
मि.	५३	२	४१	११	३०
घं.	४१	४४	४५	४६	५०
प.	४	२२	३६	५०	८

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	५	११	१४	२	२	१४
ख.	१४	५	११	८	८	११

वर्षेश लग्नम् १०।११

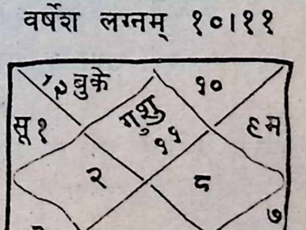

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।११।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१८।१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम् ।। गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुघाश्च धेनवः। यजन्ति विप्रा बहवोग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ।। मंत्री बुधः फलम् ।। शशिसुते शुभ मंत्रि समागते स्वपतिना रमते मदन क्रियाम् । बहु धनं बहु वारि समन्वितं यवमसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शनिः फलम् ।। रविसुते यदि धान्यपतौ जना नृपतिभिः परिपीडित विग्रहाः । गद भयं तुष धान्य हरं सदा दुरित वादविवादयुता नराः ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूमशालयः पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्राहमणादयः ।। मेघेशो बुधः फलम् ।। अमृत रश्मिसुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियां । जलधरा बहु वारि विधायका रसवती धन धान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। पयः पिण्डादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तूनां । अर्घं वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरस नायके ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहु पुष्प फलान्वित पादपाः । गद भयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रः फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः सम घना सकला ननु मानवाः । समसुखा क्रयविक्रय जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमः फलम् ।। अवनिजो गढ नायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। प्रभव नाम संवत्सरः फलम् ।। निरीतिः सकलोदेशः सस्य निष्पत्ति रुन्नता । स्वस्थिता भूभुजः सर्वे प्रभवे सुखिनो जनाः ।। वर्षनाम श्रावणः फलम् ।। श्रावणाब्दे धरा भाति त्रिदश स्पर्द्धि मानवैः । धरा पुष्प फलैर्युक्ता परिपूर्णा ध्वरादिभिः।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खंड वृष्टिश्च संधिषु ।। समयनिवासो वणिक् गृहे फलम् ।। वणिक् गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

कृष्णा ७ गुरौ उषा ल. ८-११ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।
शुक्ला २ शनौ रोहि ल. ११ रे. ९ ।।।।।ऽ।।
„ ३ रवौ रोहि ल. ८ (चं.७पू.) रे.८ ।।।।ऽरोऽ।।
„ ३ रवौ मृगे ल. ११ रे. ९ ।।।।ऽरो।।।
„ ६ शनौ मघा ल, गो. ८-११ रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ।
कुंभे चं७मे पूज्यः गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
„ ११ भौमे हस्ते ल. ८ रे. ६ ऽऽ।ऽशुऽ।।।।
पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ भौमे मूले ल. गो. रे. ७ ।।।।ऽअ५४याऽ।।ऽ
दग्धा
„ ४ बुधे उषा ल. ११-१ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
„ ५ गुरौ उषा ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽनृऽऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
शुक्ला १ रवौ मृगे ल. ऽन्यगो १ रे. १० ।।।।।।।।।
„ १२ गुरौ स्वात्यां ल. ११ रे. ७ ।। ऽबृऽ।ऽ।।
पादतो वेधाऽभावः
„ १४ शनौ अनु ल. ११ रे. ८ ।।।।ऽरोऽ।।

आषाढ मासः

„ ८ चन्द्रे उभा ल. ११ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला ४ गुरौ मघा ल. १ (घ.५१-२७उ.) रे. ७
।।।।ऽचौऽऽ।।
„ ५ शुक्रे मघा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ७
।।।।ऽचौऽऽ।।
„ ९ बुधे स्वात्यां ल. ११ रे. ७ ।।ऽबृ।ऽग्रऽ।।
पादतो वेधाऽभावः

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १० बुधे उफा ल. ५-७ (सिं.गु.७पू.) रे. ७
।ऽ।।।ऽऽ।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा ७ शुक्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽऽ।ऽबृ।।।।।
पादतो वेधाऽभावः
„ ६ रवौ अनु ल. ७ रे. ७ ऽ।।।ऽग्र।ऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१०९०स.२०३३
१	गु	३३	१९	रे	३६	२९	ऐं	३४	५३	किं	८	११	३०/४५	५/५१	६/९	१०	२९	३१	मे.३६।२९	रेवत्यांरविः२०/७(सौरः३७/२९)–
२	शु	२४	२०	अ	२९	४८	वै	२५	४	कौ	२४	२०	४९	५०	१०	११	३०	१	मेषे	चंद्रदर्शनम्अप्रेल४ता.३०सिंधारा
३	श	१६	३६	भ	२४	२३	वि	१६	१३	ग	१६	३६	५३	४९	११	१२	१	२	वृ.३८।२९	भ.४३/३२उ.धनि.४गुरुः२३/२१ मोहोरम१सन्=
४	र	१०	२८	कृ	२०	४६	प्री	८	४३	वि	१०	२८	५७	४९	११	१३	२	३	वृषे	भ.१०।२८या.
५	चं	६	१६	रो	१९	४	आ	३/४	५५/५१	बा	६	१६	३/१	४८	१२	१४	३	४	मि४९।१६	[=१४५५हि.मत्स्यजयंती गणगौरी
६	मं	४	१०	मृ	१९	२९	शो	५६	३२	तै	४	१०	५	४७	१३	१५	४	५	मिथुने	[–संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
७	बु	४	११	आ	२२	०	अ	५५	३९	व	४	११	१०	४६	१४	१६	५	६	मिथुने	भ.४।११उ.३५।७या
८	गु	६	३	पु	२६	४	सु	५६	१०	ब	६	३	१४	४५	१५	१७	६	७	क.१०।३	रामनवमीस्मा.
९	शु	९	४०	पु	३१	४६	धृ	५७	२३	कौ	९	४०	१८	४४	१६	१८	७	८	कर्के	मीनेबुधः३१।३५रामनवमीवै.
१०	श	१४	३४	श्ले	३८	३४	शू	५९	२०	ग	१४	३४	२२	४४	१६	१९	८	९	सि३८।३४	भ.४७।३६उ.
११	र	२०	३८	म	४५	५०	गं	६०	०	वि	२०	३८	२६	४३	१७	२०	९	१०	सिंहे	भ.२०।३८या.कामदा११व्र.
१२	चं	२६	४४	पू	५३	२९	गं	१	३६	बा	२६	४४	३०	४२	१८	२१	१०	११	सिंहे	उभा.बुधः२।१५मार्गीशुक्रः५।५७
१३	मं	३३	१३	उ	६०	०	वृ	४	५	तै	३३	१३	३४	४१	१९	२२	११	१२	कं.१०।२०	प्रदोषः [×मेषेऽर्कः सौरः२/१हनुमज्जयंती
१४	बु	३९	१४	उ	०	५५	ध्रु	६	१७	ग	६	१३	३८	४०	२०	२३	१२	१३	कन्यायां	भ.३९।१४उ.अश्वि मेषेऽर्कः५४।८
१५	गु	४४	५८	ह	८	१४	व्या	८	१६	वि	१२	६	४२	४०	२०	२४	१३	१४	तु.४१।३७	भ.१/२या. खग्रास चन्द्रग्रहणम् अश्वि.×

५२पं.चै.शु.६मं.इ. ३८/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	१०	१०	२	५	११
२१	५	२५	३	२८	७	२७	२१
५३	२९	४९	५६	२८	६	२४	४६
३१	६	२६	२४	४८	७	३१	६
५९	२१	८१	११	११/५०	३	३	५९
४	५५	४७	१२	व.	३२	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले १४ बुधे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

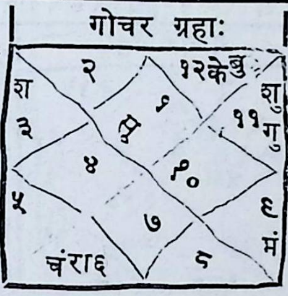

१पं.चै.शु.१४बु.इ. ५४/६

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	१०	२	५	११
०	८	७	५	२८	७	२६	२९
०	४७	५६	३२	११	३८	५८	५२
०	५३	२०	१७	५३	५३	२६	२१
५८	५९	९६	१०	५/४	४	३	५८
४४	१	२९	२८	म.	१७	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	४९	५३	चि	१५	०	ह	९	५६	बा	१७	२६	३५/४६	५/३९	६/२१	२५	१४	१५	तुलायां	
२	श	५३	५९	स्वा	२०	४२	व	१०	४२	तै	२१	५६	५०	३८	२२	२६	१५	१६	तुलायां	
३	र	५७	८	वि	२५	४१	सि	१०	५६	व	२५	३३	५३	३७	२३	२७	१६	१७	वृ.९।२६	भ.२५।३३उ.५७।८या.
४	चं	५९	३	अ	२९	४१	व्य	१०	३३	ब	२८	५	५७	३७	२३	२८	१७	१८	वृश्चिके	चतुर्थीव्र.
५	मं	५९	४०	ज्ये	३२	३१	व	९	७	कौ	२९	३१	३/१	३६	२४	२९	१८	१९	ध ३२।३१	रेवत्यांबुध१/५२/०चित्रा.१राहुःरेव.३केतुः४३/५
६	बु	५९	४७	मू	३४	१९	प	६	५२	ग	२९	५३	५	३५	२५	३०	१९	२०	धनुषि	भ.५९/४७उ.मीनेशुक्रः५९/१४शत.१गुरुः६/२७
७	गु	५८	१७	पू	३४	५९	शि	३	३८	वि	२९	२	९	३४	२६	१	२०	२१	म.४९।४५	भ.२९।२या. भा.वैशाखारंभः
८	शु	५५	२५	उ	३४	४	सि	०/२०	५३/२७	बा	२७	५१	१२	३४	२६	२	२१	२२	मकरे	
९	श	५१	७	श्र	३१	५६	शु	४७	२०	तै	२३	१६	१६	३३	२७	३	२२	२३	मकरे	
१०	र	४५	३५	ध	२८	२३	शु	३९	४९	व	१८	३१	२०	३२	२८	४	२३	२४	कु.०।१०	भ.१८/२१उ.४५/३५या. [+वरुथिनी११व्र.
११	चं	३८	३५	श	२३	३९	ब्र	३१	११	ब	१२	४०	२३	३१	२९	५	२४	२५	कुंभे	आर्द्रा.२शनिः४५/५८बुधास्त पूर्वस्यां४७/६+
१२	मं	३०	४५	पू	१७	४४	ऐं	२१	४७	कौ	४	४०	२७	३१	२९	६	२५	२६	मी४।१३	अश्वि.मेषेबुधः२९/०पूषा.भौमः४६/४प्रदोषः
१३	बु	२२	१०	उ	११	११	वै	११	५२	व	२२	१०	३१	३०	३०	७	२६	२७	मीने	भ.२२/१०उ.४८/३२या.भरण्यांरविः३४/१८÷
१४	गु	१२	५५	रे	४/२	५३/८	वि	१/३८	५०/६	श	१२	५५	३४	२९	३१	८	२७	२८	मे.४।२	उभा.शुक्रः१०।७ [÷(सौरः४३/२७)
३०	शु	४	५	भ	५१	१०	आ	४२	२०	ना	४	५	३८	२८	३२	९	२८	२९	मेषे	

२ पं.वै.कृ.६बु.इ. ५४/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	११	१०	१०	२	५	०
६	११	१९	६	२९	८	२६	६
५०	१८	४४	४७	५८	१२	३६	४२
४६	४	१७	४६	१२	०	१०	३२
५८	१५	०/०	९	२२	४	३	५८
३१	५१	५/६	४४	२	५०	११	२९

गोचर ग्रहाः

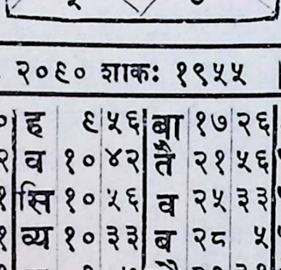

इस मास में शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी करेगा धूप का प्रकोप अधिक रहेगा।

गोचर ग्रहाः

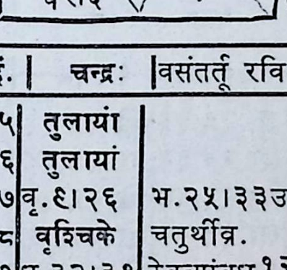

३पं.वै.कृ.१३बु.इ. ५४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	११	२	५	०
१३	१३	२	७	३	८	२६	१३
३९	३३	५१	५७	११	४९	१३	३०
५०	५४	४३	४०	२४	१२	५५	५७
५८	१२	०/१	९	३३	५	३	५८
१९	२२	१५	०	२३	१२	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख	शुक्लपक्षः सं. २०९०	शाकः १९५५										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:११२०सं.२०३३
१	शु	५१	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४८	४३	कृ	४६	३७	सौ	३३	४८	बा	२२	१३	३२/४१	५/२८	६/३२	१०	२९	३०	वृ.५।२	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४३	१७	रो	४२	५३	शो	२६	३६	तै	१६	०	४५	२७	३३	११	१	१	वृषे	सफर२मई५ता.३१परशुरामजयंती—
४	चं	३९	४१	मृ	४१	२३	अ	२०	५२	व	११	२९	४८	२६	३४	१२	२	२	मि१२।८	भ.११।२९उ.३९।४१या. [—अक्षया३
५	मं	३८	२३	आ	४२	१२	सु	१६	५६	ब	९	२	५२	२६	३४	१३	३	३	मिथुने	भरण्यांबुध:४।०
६	बु	३८	५६	पु	४४	५८	धृ	१४	४६	कौ	८	३९	५५	२५	३५	१४	४	४	क.२९।१७	पातस्पर्श:१३।३२पातमोक्ष:४३।१७
७	गु	४१	४४	पु	४९	३२	शू	१४	२०	ग	१०	२०	५८	२४	३६	१५	५	५	कर्के	भ.४१।४४उ.
८	शु	४६	५	श्ले	५५	३४	गं	१४	४७	वि	१३	५४	३ ३/२	२४	३६	१६	६	६	सि५५।३४	भ.१३।५४या.
९	श	५१	५२	म	६०	०	वृ	१६	२६	बा	१८	५८	५	२३	३७	१७	७	७	सिंहे	
१०	र	५७	५२	म	२	५०	ध्रु	१८	३४	तै	२४	५२	८	२२	३८	१८	८	८	सिंहे	
११	चं	६०	०	पू	१०	५	व्या	२१	८	व	३१	३	११	२२	३८	१९	९	९	कं.२७।०	भ.३ ९/३उ.कृत्ति.बुध:७/५ २मोहिनी११व्र स्मा
११	मं	४	१४	उ	१७	४६	ह	२३	३७	वि	४	१४	१४	२१	३९	२०	१०	१०	कन्यायां	भ.४/१ ४या.वृषेबुध:४/३ २/३ मोहिनी११व्र.वै.
१२	बु	१०	१६	ह	२५	६	व	२५	३८	बा	१०	१६	१७	२१	३९	२१	११	११	तु.५८।२०	कृत्ति.रवि:२०।१७(सौर:३/१ १/९)प्रदोष:
१३	गु	१५	४३	चि	३१	३५	सि	२७	८	तै	१५	४३	२०	२०	४०	२२	१२	१२	तुलायां	शत.२गुरु:१७।१९नृसिंहजयंती
१४	शु	२०	५	स्वा	३६	५८	व्य	२७	५०	व	२०	५	२३	१९	४१	२३	१३	१३	तुलायां	भ.२०।५उ.५१।४३या.
१५	श	२३	२२	वि	४१	२४	व	२७	४०	ब	२३	२२	२६	१९	४१	२४	१४	१४	वृ.२५।१८	वृषेऽर्कः:४/३ ७/२(सौर:५/१ ९/२) यमायकुंभदानम

४पं.वै.शु.६बु.इ. ५४/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	०	१०	११	२	५	०
२०	१५	१७	९	७	९	२५	२०
२७	२४	१४	०	३१	२९	५१	१७
२९	५४	५६	५८	४१	३५	३९	४३
५८	९	[illegible]	८	४१	५	३	५७
६	२	[illegible]	६	३३	४०	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाख शुक्ले१५शनौ बृषेऽर्क:प्रविष्ट: वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय: पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.१२बु.इ. ५५/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	८	१	१०	११	२	५	०
२७	१६	२	९	१२	१०	२५	२७
१३	४७	३२	५८	४६	१३	२९	२
३७	५३	५६	३४	५२	१९	२४	५७
५७	५	[illegible]	७	४८	६	३	५७
५४	०	३८	२	२६	२	११	४५

ति.	ज्येष्ठ	कृष्णपक्षः सं. २०९०	शाकः १९५५										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	र	२५	३१	अ	४४	४३	प	२६	३३	कौ	२५	३१	३३/२८	५/१८	६/४२	२५	१५	१५	वृश्चिके	रोहि.बुध:१८।२५
२	चं	२६	३४	ज्ये	४६	५२	शि	२४	३९	ग	२६	३४	३१	१८	४२	२६	१६	१६	ध.४६।५२	भ.५६।२७उ.रेवत्यांशुक्र:४९।०
३	मं	२६	२०	मू	४८	७	सि	२१	४७	वि	२६	२०	३४	१७	४३	२७	१७	१७	धनुषि	भ.२६।२०या. चतुर्थी व्र.
४	बु	२५	९	पू	४८	२५	सा	१८	२०	बा	२५	९	३७	१७	४३	२८	१८	१८	धनुषि	बुधोदय:पश्चिमायां३२।३६
५	गु	२३	१५	उ	४७	५२	शु	१४	६	तै	२३	१५	३९	१६	४४	२९	१९	१९	म.३।१७	
६	शु	२०	२१	श्र	४६	१६	शु	९	५	व	२०	२१	४२	१६	४४	३०	२०	२०	मकरे	भ.२०।२१उ.४८।३०या.
७	श	१६	३८	ध	४३	५६	ब्र	३/२७	५३/४२	ब	१६	३८	४४	१५	४५	३१	२१	२१	कुं.१५।६	मृगेबुध:५९।५२वक्रीभौम:४०।५
८	र	१२	८	श	४०	५५	वै	५०	१७	कौ	१२	८	४७	१५	४५	१	२२	२२	कुंभे	भा.ज्येष्ठारंभ:
९	चं	६	५१	पू	३६	५६	वि	४२	३९	ग	६	५१	४९	१४	४६	२	२३	२३	मी२२।५६	भ.३३।४६उ.
१०	मं	०	४२	उ	३२	२८	प्री	३४	५२	वि	०	४२	५२	१४	४६	३	२४	२४	मीने	भ.०।४२या.अपरा११व्र.स्मा.
११	मं	५३	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=५६/४० अपरा११व्र.वै.
१२	बु	४६	३५	रे	२७	१३	आ	२५	५८	कौ	२०	१५	५४	१३	४७	४	२५	२५	मे.२७।१३	रोहि.रवि:१/५ ०/५(सौर:२/१ ५/४)मिथुनेबुध:=
१३	गु	३९	१६	अ	२१	५२	सौ	१७	२२	ग	१२	५५	५६	१३	४७	५	२६	२६	मेषे	भा.३९।१६उ. प्रदोष:
१४	शु	३१	५०	भ	१६	४०	शो	८	३८	वि	५	३३	५८	१२	४८	६	२७	२७	वृ.३०।३१	भा.५।३३या.
३०	श	२५	२०	कृ	१२	३	अ	०/३५	५२/३४	ना	२५	२०	३४/००	१२	४८	७	२८	२८	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.४बु.इ. ५५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	११	२	५	१
३	१७	१७	१०	१८	१०	२५	३
५८	३८	१२	४९	३२	५९	७	४६
४४	५६	४	४८	६	२४	८	४१
५७	१	[illegible]	६	५३	६	३	५७
४४	२४	३४	११	१७	२१	११	३४

गोचर ग्रहाः

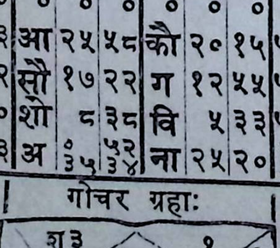

इस मास में ५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में रोग शोक फैले धान्य गेहूं जौ चना मटर सरसों अलसी धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

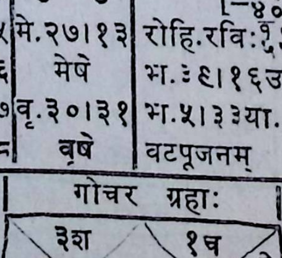

७पं.ज्ये.कृ.१२बु.इ.५५/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	१	१०	११	२	५	१
१०	१८	२९	११	२४	११	२४	१०
४२	०	५७	३३	४६	४७	४४	२८
४०	१८	४३	०	८	५३	५२	५२
५७	१ २/०	[illegible]	५	५७	६	३	५७
३५	व	३३	४	१८	३६	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०९० शाक: १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:११४९स.२०३३
१	र	१९	४२	रो	८	१२	धृ	४६	४७	ब	१९	४२	३४/२	५/१२	६/४८	८	२९	२९	मि३७।०	चंद्रदर्शनम्
२	चं	१५	३९	मृ	५	४६	शू	४१	५९	कौ	१५	३९	३	११	४९	९	१	३०	मिथुने	आर्द्रा.बुध:६।१५रविलात्रल३
३	मं	१३	३३	आ	५	२८	गं	३८	२३	ग	१३	३३	५	११	४९	१०	२	३१	क.५१।३१	भ.४३।२२उ.अश्वि.मेषेशुक्र:२२।३६
४	बु	१३	११	पु	६	५२	वृ	३६	४८	वि	१३	११	७	११	४९	११	३	१	कर्के	भ.१३।११या.जनदता.३०
५	गु	१५	२	पु	१०	१७	ध्रु	३६	२२	बा	१५	२	९	१०	५०	१२	४	२	कर्के	
६	शु	१८	३१	श्ले	१५	१३	व्या	३७	१४	तै	१८	३१	१०	१०	५०	१३	५	३	सि१५।१३	
७	श	२३	३७	म	२१	४२	ह	३९	६	व	२३	३७	१२	१०	५०	१४	६	४	सिंहे	भ.२३।३७उ.५६।२७या.
८	र	२९	१७	पू	२८	४६	व	४१	२६	ब	२९	१७	१३	९	५१	१५	७	५	कं.४५।४१	
९	चं	३५	३४	उ	३६	२५	सि	४३	५२	बा	२	२५	१५	९	५१	१६	८	६	कन्यायां	
१०	मं	४१	३५	ह	४३	५०	व्य	४६	९	तै	८	३४	१६	९	५१	१७	९	७	कन्यायां	आर्द्रा.३शनि:२५।०गंगादशमी
११	बु	४७	८	चि	५०	३८	व	४७	५२	व	१४	२१	१७	९	५१	१८	१०	८	तु.१७।१४	भ.३४/२१उ.४७/८या.मृगेरवि:५/४७(सौर:२४/४)ऽ
१२	गु	५१	१४	स्वा	५६	६	प	४८	४८	ब	१९	११	१८	८	५२	१९	११	९	तुलायां	[ऽनिर्जला११व्र.
१३	शु	५४	१४	वि	६०	०	शि	४८	२८	कौ	२२	४४	१९	८	५२	२०	१२	१०	वृ.४४।१९	प्रदोषः
१४	श	५५	३१	वि	०	२३	सि	४६	५८	ग	२४	५२	१९	८	५२	२१	१३	११	वृश्चिके	भ.५५।३१उ.पुन.बुध:३४।४२
१५	र	५५	२५	अ	३	१०	सा	४४	३४	वि	२५	२७	२०	८	५२	२२	१४	१२	वृश्चिके	भ.२५।२७या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८ पं.ज्ये.शु.४बृ.इ. ५५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१०	०	२	५	१
१७	१७	१०	१२	१	१२	२४	१७
२५	४२	१८	७	३३	३८	२२	९
३६	२२	०	४४	१८	१७	३७	५८
५७	५/२	७७	३	६०	६	३	५७
२७	व.	१९	५७	१९	५१	११	१३

गोचर ग्रहाः

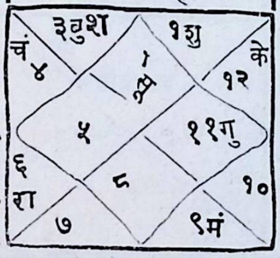

इस मास के कृष्णपक्ष में कुछ मंदी रहे शुक्ल पक्ष में धातु धान्य गल्ला रसकस गुड शक्कर घृत तेज हो।

गोचर ग्रहाः

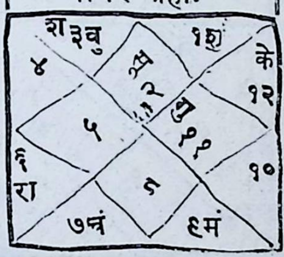

९ पं.ज्ये.शु.११बृ.इ.५५/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	८	२	१०	०	२	५	१
२४	१६	१७	१२	८	१३	२४	२३
७	५१	५४	३४	३३	३०	०	४९
३०	५	३२	२३	४३	३६	२१	५४
५७	६/३	४७	२	६२	७	३	५७
२२	व.	१६	४०	४२	२	११	५

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः स० २०९० शाक: १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ. कृष्णेति महा.
१	चं	५३	५८	ज्ये	४	२६	शु	४०	५९	बा	२४	४१	३४/२१	५/८	६/५२	२३	१५	१३	ध.४।२६	भरण्यांशुक्र:३८।१६
२	मं	५१	२५	मू	४	३८	शु	३६	३१	तै	२२	४१	२१	८	५२	२४	१६	१४	धनुषि	अस्तंशने:१३।३८
३	बु	४७	५५	पू	३	४९	ब्र	३१	१९	व	१९	४०	२२	८	५२	२५	१७	१५	म.१८।२४	भ.१९/४०उ.४७/५५या.मिथुनेऽर्क:४/२९(सौर:२४/५२)
४	गु	४३	४५	उ	२/८	५७/४१	ऐं	२५	३८	ब	१५	५०	२२	८	५२	२६	१८	१६	मकरे	चतुर्थीव्र.
५	शु	३९	१४	ध	५७	१२	वै	१९	२४	कौ	११	२९	२३	७	५३	२७	१९	१७	कुं.२८।३०	
६	श	३४	२६	श	५४	१४	वि	१२	५७	ग	६	५०	२३	७	५३	२८	२०	१८	कुंभे	भ.३४।२६उ.
७	र	२९	२८	पू	५०	४३	प्री	६/१८	५३/१३	वि	१	५७	२३	७	५३	२९	२१	१९	मी३६।३६	भ.१।५७या.वक्रीबुध:३६।४०
८	चं	२४	८	उ	४७	२९	सौ	५२	२९	कौ	२४	८	२४	७	५३	३०	२२	२०	मीने	
९	मं	१८	४८	रे	४३	५८	शो	४५	१५	ग	१८	४८	२४	७	५३	३१	२३	२१	मे.४३।५८	भ.४५/५३उ.हस्त.४राहु:रेव.२केतु:३६/५३
१०	बु	१२	५८	अ	४०	२४	अ	३८	६	वि	१२	५८	२४	७	५३	१	२४	२२	मेषे	भ.१२/५८या.आर्द्रारवि:३/१६ (सौर:२६/२५)-
११	गु	७	२१	भ	३६	४५	सु	३०	५९	बा	७	२१	२४	७	५३	२	२५	२३	वृ.५०।५७	योगिनी११व्र. [-भा.आषाढारंभ:
१२	शु	१	५२	कृ	३३	३२	धृ	२४	१८	तै	१	५२	२४	७	५३	३	२६	२४	वृषे	भ.५६/५२उ.वक्रीगुरु:२७/४० प्रदोषः
१३	शु	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=बुधास्त:पश्चिमायां१६।४०
१४	श	५२	२०	रो	३०	५०	शू	१७	४९	वि	२४	३६	२३	७	५३	४	२७	२५	मि५९।५३	भ.२४।३६या.वक्रीमूलेभौम:३६।४०=
३०	र	४९	७	मृ	२८	५७	गं	१२	३	च	१९	३३	२३	७	५३	५	२८	२६	मिथुने	कृत्ति.शुक्र:२।३६

१०पं.आ.कृ.३बु.इ.५५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	०	२	५	२
९	१५	२२	१२	१५	१४	२३	०
४८	३०	१९	५१	४७	२३	३८	२९
४७	३६	५५	५८	३५	५३	६	३
५७	११/७	१५	१	६४	७	३	५६
१७	व	३०	२०	३४	१४	११	५७

गोचर ग्रहाः

आषाढ़ कृष्णे ३ बुधे मिथुनेऽर्क:प्रविष्ट:वा. ५ न.५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.४५धान्या-दिभावेंसर्धमता शुक्रोदय:पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

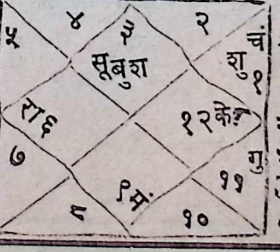

११पं.आ.कृ.१०बु.इ.५५/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	०	२	५	२
७	१३	२३	१३	२३	१५	२३	७
२९	४९	१७	०	१३	१७	१५	७
४२	३७	१३	५४	४१	४६	५०	४०
५७	११/१	१३/५५	०	६६	७	३	५६
१३	व.	व.	२०	७	२०	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं०. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः११७८स.२०३३
१	चं	४७	१०	आ	२८	३५	बृ	७	२२	कि	१८	८	३४/२२	५/८	६/५२	६	२९	२७	मिथुने	
२	मं	४७	४०	पु	२९	२४	ध्रु	३	३३	बा	१७	२५	२२	८	५२	७	३०	२८	क.१४।१२	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु	४८	१३	पु	३२	११	व्या	१	२१	तै	१७	५६	२१	८	५२	८	१	२९	कर्के	बृषेशुक्र:१०।४५रविलाखर४
४	गु	५१	२	श्ले	३६	२४	ह	०	१७	व	१९	३७	२०	८	५२	९	२	३०	सिं३६।२४	भ १९।३७उ.५१।२या.
५	शु	५५	५७	म	४२	१३	व	०	७	ब	२३	२९	१९	८	५२	१०	३	१	सिंहे	वक्रीआर्द्राबुध:४/४जुलाई७ता.३१
६	श	६०	०	पू	४८	४९	सि	१	४७	कौ	२८	३६	१८	८	५२	११	४	२	सिंहे	
६	र	१	१४	उ	५६	४४	व्य	३	४१	तै	१	१४	१७	९	५१	१२	५	३	कं.५।४८	आर्द्रा४शनि:१४।३६
७	चं	७	२१	ह	६०	०	व	६	११	व	७	२१	१६	९	५१	१३	६	४	कन्यायां	भ.७।२१उ.४०।२४या.
८	मं	१३	२८	ह	३	५०	प	८	३४	ब	१३	२८	१५	९	५१	१४	७	५	तु.३७।२५	
९	बु	१९	८	चि	११	१	शि	१०	४३	कौ	१९	८	१४	९	५१	१५	८	६	तुलायां	पुन.रवि:२।६(सौर:३०।२७)
१०	गु	२३	४१	स्वा	१७	७	सि	१२	४	ग	२३	४१	१३	९	५१	१६	९	७	तुलायां	भ.५५।१४उ.
११	शु	२६	४६	वि	२१	४३	सा	१२	११	वि	२६	४६	११	१०	५०	१७	१०	८	वृ.५।३४	भ.२६/४६यारोहि.शुक्र:१/३ ०/२देवशयनी११व्र.
१२	श	२८	१०	अ	२४	५५	शु	११	१०	बा	२८	१०	१०	१०	५०	१८	११	९	वृश्चिके	प्रदोष:
१३	र	२७	३५	ज्ये	२६	२१	शु	८	४१	तै	२७	३५	८	१०	५०	१९	१२	१०	ध.२६।२१	
१४	चं	२५	१६	मू	२५	५५	ब्र	४/५६	५४/५०	व	२५	१६	७	११	४९	२०	१३	११	धनुषि	भ.२५।१६उ.५३।२१या.वायुपरीक्षा
१५	मं	२१	२६	पू	२४	५	वै	५३	४२	ब	२१	२६	५	११	४९	२१	१४	१२	म.३८।२०	व्यासपूजागुरु१५

१२पं.श्रा.शु.३बु.इ. ५५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	१	२	५	२
१४	११	२०	१२	०	१६	२२	१३
१०	५५	५९	०	५०	१२	५३	४५
८	३४	५३	४३	६	४	३४	३५
३७	१/४३	३२/५९	१/११	६७	७	३	५६
७	व	व	व	२८	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

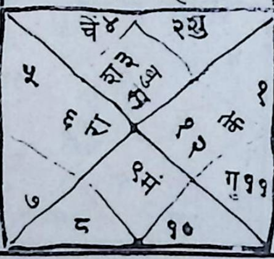

इस मास में कृष्ण पक्ष में धातु सोना चांदी लोहा धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी मंदा होकर सुदि में तेज हो कहीं २ वर्षा होवे

गोचर ग्रहाः

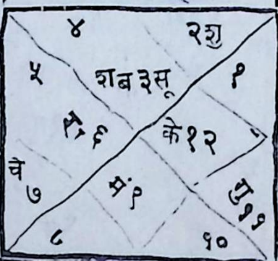

१३पं.श्रा.शु.९बु.इ. ५५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	१	२	५	२
२०	१०	१७	१२	८	१७	२२	२०
५०	७	०	४९	३३	६	३१	२३
३५	१	१२	५९	५८	५८	१८	२९
५७	८/७	३६/११	२/२९	६८	७	३	५६
७	व	व	व	३३	२०	११	५०

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविरुत्तरे आषाढ कृष्णेति महा.
१	बु	१६	३२	उ	२१	३	वि	४६	३८	कौ	१६	३२	३४/३	५/११	६/४९	२२	१५	१३	मकरे	बुधोदय:पूर्वस्यां३८।१६
२	गु	१०	४७	श्र	१७	८	प्री	३९	३	ग	१०	४७	१	१२	४८	२३	१६	१४	कुं.४५।४	भ.३७।३५उ.
३	शु	४	२३	ध	१३	०	आ	३१	२५	वि	४	२३	३३/५९	१२	४८	२४	१७	१५	कुंभे	भ.४।२३या.चतुर्थीव्र.
४	शु	५३	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	श	५१	४३	श	८	४६	सौ	२३	३६	कौ	२४	४३	५७	१३	४७	२५	१८	१६	मी५०।३९	कर्केऽर्क:३/३ ५/२मार्गीबुध:३५।१७नाग५
६	र	४५	५२	पू	४	३७	शो	१६	८	ग	१८	४७	५५	१३	४७	२६	१९	१७	मीने	भ.४५।५२उ.कर्केऽर्क:सौर:३।११
७	चं	४०	२०	उ	०/४३	५६/२८	अ	८	४४	वि	१३	६	५२	१४	४६	२७	२०	१८	मे ५७।११	भ.१३।६या.
८	मं	३५	३	अ	५४	१०	सु	१/४३	५३/६	बा	७	४१	५०	१४	४६	२८	२१	१९	मेषे	[=मृगेशुक्र:५०/०उदग्रंशने:३५।१४
९	बु	३०	२८	भ	५१	३५	शू	४८	४०	तै	२	४५	४८	१४	४६	२९	२२	२०	मेषे	भ.५८/२४उ.पुष्येरवि:०।५०(सौर:३३/५२)=
१०	गु	२६	२०	कृ	४९	२९	गं	४२	५५	वि	२६	२०	४५	१५	४५	३०	२३	२१	वृ.६।३	भ.२६।२०या.
११	शु	२२	४६	रो	४८	८	बृ	३७	३४	बा	२२	४६	४३	१५	४५	३१	२४	२२	वृषे	कामिका११व्र.
१२	श	२०	१	मृ	४७	२९	ध्रु	३२	५५	तै	२०	१	४०	१६	४४	१	२५	२३	मि१७।४८	भा.श्रावणारंभ:प्रदोष:
१३	र	१८	११	आ	४७	५९	व्या	२९	४	व	१८	११	३८	१६	४४	२	२६	२४	मिथुने	भ.१/९ ६/१उ.४७।४७या.मार्गीभौम:१४।४०
१४	चं	१७	२३	पु	४९	४१	ह	२६	११	श	१७	२३	३५	१७	४३	३	२७	२५	क.३४।१५	मिथुनेशुक्र:५१।५
३०	मं	१७	४६	पु	५२	२७	व	२४	१	ना	१७	४६	३३	१७	४३	४	२८	२६	कर्के	पुन.बुध:५४।१२हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.१व.इ.५५।४।

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	८	२	१०	१	२	५	२
२७	८	१४	१२	१६	१८	२२	२७
२०	३३	१०	३०	२५	१	९	१
५४	३६	२३	७	२३	२६	३	३६
५७	५/२१	१६/४	३/४२	६९	७	३	५६
११	व	व	व	२०	१४	११	५४

गाचर ग्रहाः

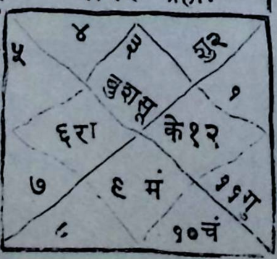

श्रावण कृष्णे ५ शनौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१५पं.श्रा.कृ.९ब.इ.५४/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	१०	१	२	५	३
४	७	१५	१२	२४	१८	२१	३
११	२९	२०	२	२३	५५	४६	४०
३८	३४	२८	४९	१७	१२	४८	३
५७	१/४७	५६/३	४/४१	७०	७	३	५६
११	व	मा	व	११	८	११	५९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२०८स.२०३३
१	बु	१९	३६	श्ले	५६	४०	सि	२३	४	ब	१९	३६	३३/३०	५/१८	६/४२	५	२९	२७	सि५६।४०	
२	गु	२२	४६	म	६०	०	व्य	२२	४९	कौ	२२	४६	२७	१९	४१	६	३०	२८	सिंह	चद्रदर्शनम्सिंधारा
३	शु	२७	२	म	१	५८	व	२३	५९	ग	२७	२	२४	१९	४१	७	१	२९	सिंहे	भ.५९/५०उ.पुन.१शनि:३/९जमादिलावल+
४	श	३२	३८	पू	८	२८	प	२५	३१	वि	३२	३८	२२	२०	४०	८	२	३०	क.२५।१४	भ.३२।३८या.वरद४ [-५तीज
५	र	३८	४१	उ	१५	३४	शि	२७	५०	ब	५	३९	१९	२०	४०	९	३	३१	कन्यायां	आर्द्राशुक्र:२९।५४नागपचमी
६	चं	४४	५२	ह	२३	१३	सि	३०	२९	कौ	११	४६	१६	२१	३९	१०	४	१	तु.५६।५८	अगस्त८ता.३१
७	मं	५०	५२	चि	३०	४३	सा	३२	५५	ग	१७	५२	,३	२१	३९	११	५	२	तुलायां	भ.५०।५२उ.आश्ले.रवि:५७।५१
८	बु	५५	५६	स्वा	३७	४३	शु	३४	५२	वि	२३	२४	१०	२२	३८	१२	६	३	तुलायां	भ.२३।२४या.आश्ले.रवि:सौर: ÷
९	गु	५९	४४	वि	४३	१९	शु	३५	५३	बा	२७	५०	७	२३	३७	१३	७	४	वृ.२६।५५	[÷३४।३९कर्केबुध:१७।५२
१०	शु	६०	०	अ	४७	३१	ब्र	३५	४६	तै	३०	४८	४	२३	३७	१४	८	५	वृश्चिके	पुष्येबुध:१२।५१
१०	श	१	५२	ज्ये	४९	५२	ऐं	३४	१४	ग	१	५२	०	२४	३६	१५	९	६	ध.४९।५२	भ.३१।५४उ.
११	र	१	५५	मू	५०	१३	वै	३१	९	वि	१	५५	३२/५७	२५	३५	१६	१०	७	धनुषि	भ.१।५५या.पवित्रा११व्र.
१२	र	५८	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=कर्म रक्षाबंधनमभद्रोतरम्
१३	चं	५६	१	पू	४८	४१	वि	२६	३२	कौ	२७	५८	५४	२५	३५	१७	११	८	धनुषि	बुधास्त:पूर्वस्यां१७।३२प्रदोष:
१४	मं	५०	२४	उ	४५	३२	प्री	२०	१६	ग	२३	१२	५०	२६	३४	१८	१२	९	म.२।५१	भ.५०।२४उ.
१५	बु	४३	२३	श्र	४०	४१	आ	१२	५०	वि	१६	५३	४७	२७	३३	१९	१३	१०	मकरे	भ.१६।५३या.वक्रीशत१गुरु:१/९ ६/३श्राव.=

१६पं.श्रा.शु.१बु.इ. ५४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	२	१०	२	२	५	३
१०	६	२१	११	२	१९	२१	१०
५२	५२	१२	२६	२६	४७	२४	१९
४१	५८	४७	२४	२	५३	३२	२०
५७	१/५८	७२	५/६	७०	७	३	५७
२०	मी	५	व	५०	२	११	५

१७पं.श्रा.शु ८बु.इ.५४।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	२	२	५	३
१७	६	१	१०	१०	२०	२१	१६
३५	५२	३	४३	३४	३८	२	५९
२३	१९	५८	१९	१	५३	१६	८
५७	६	३०/०	६/४२	७१	६	३	५७
२५	४	२२	व	२३	४६	११	१२

१८पं.श्रा.शु.१५बृ इ.५४/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	८	३	१०	२	२	५	३
२४	७	१३	९	१८	२१	२०	२२
१६	२९	५७	५५	४६	२९	४०	४०
४४	१७	२२	१६	२३	१३	१	१५
५७	१०	७/०	३७/२५	७१	६	३	५७
३३	४५	५७	व	५०	३२	११	२२

ति	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	गु	३५	३७	ध	३५	१	सौ	४/१४	०/५३	बा	९	३०	३२/४४	५/२७	६/३३	२०	१४	११	कु.७।५१	पुन.शुक्र:५५।१९
२	शु	२७	३४	श	२८	४७	अ	४५	५०	तै	१	३५	४०	२८	३२	२१	१५	१२	कुंभे	भ.५३।२३उ.आश्ले.बुध:१६।३२
३	श	१९	१२	पू	२२	३७	सु	३६	३३	वि	१९	१२	३७	२९	३१	२२	१६	१३	मी९।१०	भ.१९।१२या.चतुर्थीव्र.
४	र	११	३०	उ	१७	९	धृ	२७	३७	बा	११	३०	३३	२९	३१	२३	१७	१४	मीने	
५	चं	४	२९	रे	१२	१३	शू	१९	१३	तै	४	२९	३०	३०	३०	२४	१८	१५	मे.१२।१३	भ.५८।१४उ.चंद्रषष्ठी
६	चं	५३	४५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=राहु:रे.१केतु:३/२ ९/३भा.भाद्रपदारंभः
७	मं	५३	७	अ	७	५४	गं	११	२९	वि	२५	४०	२६	३१	२९	२५	१९	१६	मेषे	भ.२५।४०या.मघा.सिंहेऽर्क:५१।५३
८	बु	४९	३	भ	४	५०	बृ	४/४४	५४/२	बा	२१	५	२२	३२	२८	२६	२०	१७	वृ.१९।२०	मघा.सिंहऽर्क:सौर:३१।३जन्माष्टमीव्र.
९	गु	४६	१५	कृ	२	५०	व्या	५३	४०	तै	१७	३९	१९	३२	२८	२७	२१	१८	वृषे	मघा.सिंहेबुध:४ः।५४गोगा९
१०	शु	४४	२५	रो	१	५६	ह	४९	३६	व	१५	२०	१५	३३	२७	२८	२२	१९	मि३२।०	भ.१५।२०उ.४४।२५या.
११	श	४३	४६	मृ	२	२	व	४६	२५	ब	१४	५	१२	३४	२६	२९	२३	२०	मिथुने	कर्केशुक्र:२१।४९अजा११व्र.
१२	र	४४	२३	आ	३	२२	सि	४४	१०	कौ	१४	४	८	३४	२६	३०	२४	२१	क.५०।१९	वत्सद्वादशी
१३	चं	४५	५०	पु	५	५८	व्य	४२	४१	ग	१५	६	४	३५	२५	३१	२५	२२	कर्के	भ.४५।५०उ.प्रदोष:
१४	मं	४८	३३	पू	९	३०	व	४२	२६	वि	१७	११	१	३६	२४	१	२६	२३	कर्के	भ.१७।११या.पुष्येशुक्र:१/३ २/८हस्त.३=
३०	बु	५२	२२	श्ले	१४	४	प	४२	३७	च	२०	२७	३१/५७	३७	२३	२	२७	२४	सिं१४।४	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादि:

१९पं.भा.कृ.८बु.इ. ५४/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	३	१०	२	२	५	४
१	८	२८	९	२७	२२	२०	०
०	३८	२०	२	२	१७	१७	२२
४	२८	२	४६	३५	१७	४५	२८
५७	१४	७/०	५/२	७२	६	३	५७
४०	३१	२	व	११	२०	११	३४

गोचर ग्रहाः

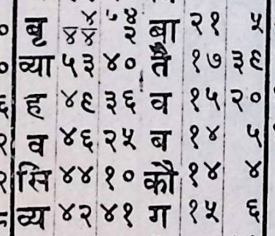

भाद्रपदकृष्णे ७ भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ बालावस्था (बैठी) मु. १५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

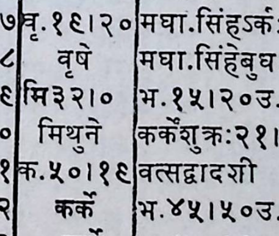

२०पं. भा.कृ.३०बु.इ.५४/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	३	२	५	४
७	१०	१२	८	५	२३	१९	७
४४	२७	१३	९	२२	२	५५	५
२८	४३	५२	१८	३०	४९	३०	५५
५७	१७	७/०	७/५२	७२	५	३	५७
४९	३०	२९	ब	३२	५५	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२३७स२०३३
१	गु	५७	२०	म	१९	३४	शि	४३	३४	किं	२४	५१	३१/५३	५/३७	६/२३	३	२८	२५	सिंहे	पूफा.बुध:२८।६
२	शु	६०	०	पू	२६	३४	सि	४५	१३	बा	३०	०	४९	३८	२२	४	२९	२६	कं.४३।१३	चंद्रदर्शनम्
२	श	२	४१	उ	३३	११	सा	४७	२०	कौ	२	४१	४६	३९	२१	५	१	२७	कन्यायां	पुन.२शनि:४८।२६जमादिलाखर६
३	र	८	५०	ह	४०	४७	शु	४९	४३	ग	८	५०	४२	४०	२०	६	२	२८	कन्यायां	भ.४१।५९उ.हरितालिका३
४	चं	१५	८	चि	४८	१८	शु	५२	२	वि	१५	८	३८	४०	२०	७	३	२९	तु.१४।३२	भ.१५।८या.गणेशचतुर्थी
५	मं	२१	२९	स्वा	५५	५२	ब्र	५४	३८	बा	२१	२९	३४	४१	१९	८	४	३०	तुलायां	पूफा.रवि:४१।३७ऋषिपंचमी
६	बु	२७	१	वि	६०	०	ऐं	५६	२५	तै	२७	१	३०	४२	१८	९	५	३१	वृ.४५।४३	पूफा.रवि:सौर:२१।५५
७	गु	३१	३५	वि	२	२८	वै	५७	१४	व	३१	३५	२६	४३	१७	१०	६	१	वृश्चिके	भ.३१/३५उ.उफा.बुध:४४/५४सितंबर९ता.३०
८	शु	३४	४१	अ	७	४४	वि	५६	५७	वि	३	८	२२	४४	१६	११	७	२	वृश्चिके	भ.३।८या.पूषा.भौम:४६।६
९	श	३५	५७	ज्ये	११	३२	प्री	५५	२	बा	५	१९	१८	४४	१६	१२	८	३	ध.११।३२	कन्यायांबुध:३४/२४आश्ले.शुक्र:१७।१७+
१०	र	३५	११	मू	१३	३२	आ	५१	४८	तै	५	३४	१५	४५	१५	१३	९	४	धनुषि	[+बुधोदय:पश्चिमायां४०।२२
११	चं	३२	१६	पू	१३	२९	सौ	४६	४७	व	३	४४	११	४६	१४	१४	१०	५	म.२७।५७	भ.३।४४उ.३२/१६या.वक्रीधनि.४गुरु:×
१२	मं	२७	२९	उ	११	२१	शो	४०	७	बा	२७	२९	७	४७	१३	१५	११	६	मकरे	वामनजयतीप्रदोष:
१३	बु	२०	४७	श्र	७	१९	अ	३२	१	तै	२०	४७	३	४७	१३	१६	१२	७	कुं.३४।२९	[×१८।४९जलझूलनी११व्र.
१४	गु	१२	३२	ध	५/३९	५३/१८	सु	२२	४१	व	१२	३२	३०/५९	४८	१२	१७	१३	८	कुंभे	भ.१२/३२उ.३८/०या.अनन्त१४महालयारभ:
१५	शु	३	२९	पू	४७	३५	धृ	१२	४०	ब	३	२९	५५	४९	११	१८	१४	९	मी३४।२६	हस्तेबुध:४०/५६क.सन्ध्यापूजनारभ:

२१पं.भा.शु.६बु.इ. ५४/३

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	४	१०	३	२	५	४
१४	१२	२५	७	१३	२३	१९	१३
३०	४१	७	१३	४६	४५	३३	११
४	१३	८	५५	८	१४	१४	७
५८	२०	०	५२/७	७२	५	३	५७
१	४६	३५	व	५०	३२	११	५७

गोचर ग्रहाः

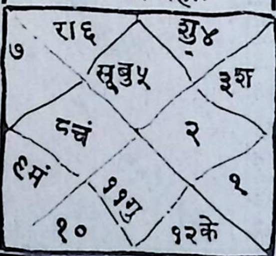

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि गुड़ सक्कर चीनी घृत में मन्दी करे सुदि में सोना चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

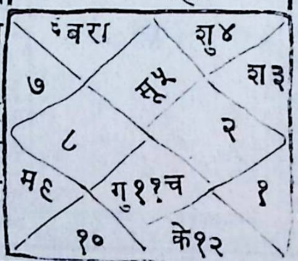

२२पं. भा.श.१३वु.इ.५३/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	१०	३	२	५	४
२१	१५	७	६	२२	१४	१९	२०
१७	२०	०	२०	१२	२४	१०	३७
६	४६	०	४२	१८	५८	५८	४७
५८	२३	०	२८/७	७३	५	३	५८
१३	१५	३२	व	१४	२	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	शु	४९	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४४	३४	उ	४०	९	शू	२/६	४९/२६	तै	१८	४४	३०/५९	५/५०	६/१०	१९	१५	१०	मीने	
३	र	३५	३५	रे	३३	१	बृ	४१	२२	व	१०	४	४७	५१	९	२०	१६	११	मे.३३।१	भ.१०।४उ.३५।३५या.चतुर्थीव्र.
४	चं	२७	२५	अ	२६	३८	ध्रु	३१	४७	ब	१	३०	४३	५१	९	२१	१७	१२	मेषे	
५	मं	२०	४३	भ	२१	४५	व्या	२३	३	तै	२०	४३	३९	५२	८	२२	१८	१३	वृ.३५।५३	उफा.रवि:२६।२
६	बु	१५	२४	कृ	१८	१६	ह	१५	३९	व	१५	२४	३५	५३	७	२३	१९	१४	वृषे	भ.१५/२४उ.४३।३८या.उफा.रवि:सौर: =
७	गु	११	५३	रो	१६	१९	व	९	३३	ब	११	५३	३१	५४	६	२४	२०	१५	मि४६।१०	[=६।३५मघा.सिंहेशुक्र:१९।४०
८	शु	९	५०	मृ	१६	०	सि	४	४४	कौ	९	५०	२७	५५	५	२५	२१	१६	मिथुने	कन्यायामर्क:५१।२३मातृ९
९	श	९	२५	आ	१७	१	व्य	१७	५७/४२	ग	९	२५	२२	५६	४	२६	२२	१७	मिथुने	भ.४०।१उ.कन्यार्क:सौर:३१।४६
१०	र	१०	३८	पु	१९	५४	प	५७	५८	वि	१०	३८	१८	५६	४	२७	२३	१८	क.४।११	भ.१०।३८या.चित्रा.बुध:२९।२२
११	चं	१२	५५	पु	२३	५६	शि	५७	५६	बा	१२	५५	१४	५७	३	२८	२४	१९	कर्के	इन्दिरा११व्र.
१२	मं	१६	४१	श्ले	२९	७	सि	५८	२२	तै	१६	४१	९	५८	२	२९	२५	२०	सि२९।७	प्रदोष:
१३	बु	२१	१५	म	३५	१	सा	५९	४१	व	२१	१५	५	५९	१	३०	२६	२१	सिंहे	भ.२१।१४उ.३४।३या.
१४	गु	२६	५२	पू	४२	०	शु	६०	०	श	२६	५२	३०/००	६/००	६/००	३१	२७	२२	क.५८।४४	शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	शु	३२	३०	उ	४८	५८	शु	१	३९	ना	३२	३०	२९/५६	१	५९	१	२८	२३	कन्यायां	तुलायांबुध:३२/४९भा.आश्विनारभ:सर्व३०

२३ पं.आ.कृ.६वु.इ. ५३/४५

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
४	८	५	१०	४	२	५	४
२८	१८	१७	५	०	२५	१८	२७
५	२२	५७	३१	४२	०	४८	२६
२८	४४	२९	१६	४०	५८	४३	४
५८	२६	१२	५/४४	७३	४	३	५८
२६	०	३२	व	२०	४०	११	२९

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले ८ शुक्रे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

२४पं.आ.कृ.१३वु.इ.५३/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	५	१०	४	२	५	५
४	२१	२७	४	९	२५	१८	४
५५	४२	५८	४७	१९	३३	२६	१६
१९	५८	१९	३८	५३	४	२७	११
५८	२८	८१	५/५९	७३	४	३	५८
३८	..५	४६	व	३२	६	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१२६७स.२०३३
१	श	३८	४७	ह	५६	३३	शु	३	४३	किं	५	३८	२९/५२	६/२	५/५८	२	२९	२४	कन्यायां	नवरात्रारंभ:मातामहश्रा.
२	र	४५	२	चि	६०	०	ब्र	६	८	बा	११	५४	४८	२	५८	३	३०	२५	तु.३०।२०	पूफा.शुक्र:१३।३५चंद्रदर्शनम्
३	चं	५१	१७	चि	४	६	ऐं	८	२८	तै	१८	१०	४४	३	५७	४	१	२६	तुलायां	रज्जव७
४	मं	५६	५८	स्वा	११	३४	वै	१०	४६	व	२४	७	४०	४	५६	५	२	२७	तुलायां	भ.२४/७उ.५६/५८या.हस्तेरवि:३४/०(सौर:४४/६)
५	बु	६०	०	वि	१८	१९	वि	१२	३५	ब	२९	२४	३६	५	५५	६	३	२८	वृ.१।३८	स्वात्यांबुध:४१।०
५	गु	१	५०	अ	२४	२६	प्री	१३	५३	बा	१	५०	३२	६	५४	७	४	२९	वृश्चिके	
६	शु	५	३५	ज्ये	२९	२०	आ	१४	२८	तै	५	३५	२८	६	५४	८	५	३०	ध.२९।२०	
७	श	७	५३	मू	३२	४१	सौ	१३	५०	व	७	५३	२३	७	५३	९	६	१	धनुषि	भ.५७/३उ.३६/९या.उपा.भौम:३०/१अक्टूबर÷
८	र	८	२५	पू	३४	२२	शो	११	४७	ब	८	२५	१९	८	५२	१०	७	२	म.४९।२१	[÷१०ता.३१
९	चं	७	१०	उ	३४	१७	अ	८	२३	कौ	७	१०	१५	९	५१	११	८	३	मकरे	
१०	मं	३	५६	श्र	३२	११	सु	२८/३	५३/३०	ग	३	५६	११	१०	५०	१२	९	४	मकरे	भ.३९/२२उ.५८/४९या.पापांकुशा११व्र.स्मा.
११	मं	५४	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
१२	बु	५१	५२	ध	२८	७	शू	४८	५६	ब	२५	२१	७	११	४९	१३	१०	५	कुं.०।९	पापांकुशा११व्र.वै.
१३	गु	४३	३८	श	२२	३५	गं	३९	४७	कौ	१७	४५	३	११	४९	१४	११	६	कुम्भे	उफा.शुक्र:२।५०प्रदोष:
१४	शु	३४	८	पू	१५	३२	वृ	२९	२६	ग	८	५३	२८/५९	१२	४८	१५	१२	७	मी२।१८	भ.३४।८उ.५९।११या.मकरेभौम:१९/१६+
१५	श	२४	१४	उ	७/५८	५९/५९	ध्रु	१८	३८	ब	२४	१४	५५	१३	४७	१६	१३	८	मे.५९।५७	कन्यायांशुक्र:४५/३२शरद१५वै.का.स्ना.प्रारं

२५पं.आ.शु.५व.इ.५३/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	१०	४	२	५	५
११	२५	६	४	१७	२६	१८	११
४६	२१	५४	११	५०	०	४	८
५२	५४	१८	२	३५	२९	१२	९
५८	२९	६८	४/५०	७३	३	३	५९
१३	५६	४३	व	४४	३२	११	०

गोचर ग्रहाः

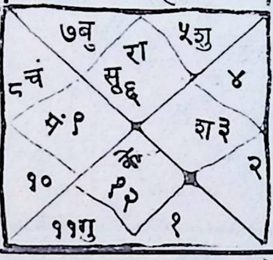

इस मासमें५शनिवार अशुभ हैं धान्य गल्ला सोना चांदी गुडचीनी तेल बारदाना वस्त्र कपास तेज हो प्रजा दुःखी हो।

गोचर ग्रहाः

२६पं.आ.शु.१२बु.इ.५३/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	८	६	१०	४	२	५	५
१८	२९	१४	३	२६	२६	१७	१८
४०	१४	१९	४२	२८	२३	४१	१
५	४२	५२	५४	१६	४९	५६	५६
५९	३१	५०	४३/१	७३	२	३	५९
९	३७	२०	व	५०	४७	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	र	१४	१६	अ	५२	१३	व्या	२८/७	४९/४	कौ	१४	१६	२६/५१	१४/६	४६/५	१७	१४	९	मेषे	
२	चं	४	४४	भ	४५	१०	व	४६	८	ग	४	४४	४७	१५	४५	१८	१५	१०	वृ.५८।४४	भ.३०/०उ.५६/१४उ.चित्रा.रवि:३६।४१
३	चं	५१	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	मं	४९	४	कृ	३९	२४	सि	३६	४९	ब	२२	३९	४३	१५	४५	१९	१६	११	वृषे	चित्रा.रदि:सौर:१४/५०पुन.३शनि:४४/३७=
५	बु	४३	५४	रो	३५	२६	व्य	२८	४६	कौ	१६	२९	३९	१६	४४	२०	१७	१२	वृषे	[=करकचतुर्थीव्र.
६	गु	४०	३५	मृ	३३	२८	व	२२	१७	ग	१२	१५	३५	१७	४३	२१	१८	१३	मि४।२७	भ.४०।३५उ.
७	शु	३९	२१	आ	३३	४	प	१७	१४	वि	९	५८	३१	१८	४२	२२	१९	१४	मिथुने	भ.५९/८या.वक्रोवनि.३गुरु:१९।५०
८	श	४०	५	पु	३४	५२	शि	१३	५०	बा	९	४३	२७	१९	४१	२३	२०	१५	क.१९।२५	वक्रीबुध:३६।१०
९	र	४२	२५	पु	३८	२२	सि	११	५४	तै	११	१५	२३	१९	४१	२४	२१	१६	कर्के	हस्तेशुक्र:४५।५०
१०	चं	४६	२८	श्ले	४३	३१	सा	११	३५	व	१४	२६	२०	२०	४०	२५	२२	१७	सिं४३।३१	भ.१४।२६उ.४६।२८या.तुलायामर्कः –
११	मं	५१	२९	म	४९	५२	शु	१२	२०	ब	१८	५८	१६	२१	३९	२६	२३	१८	सिंहे	रमा११व्र [–३०/३०(सौर:५७/३४)
१२	बु	५७	३८	पू	५६	५३	शु	१३	३३	कौ	२४	३३	१२	२२	३८	२७	२४	१९	सिंहे	[Cअन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा ·
१३	गु	६०	०	उ	६०	०	ब्र	१५	४०	ग	३०	४२	८	२२	३८	२८	२५	२०	कं.१३।४३	प्रदोष:घन१३
१३	शु	३	४७	उ	४	१४	ऐं	१७	५१	व	३	४७	४	२३	३७	२९	२६	२१	कन्यायां	भ.४३/७उ.३७।०या.रुप१४
१४	श	१०	१३	ह	११	५३	वै	२०	१४	श	१०	१३	०	२४	३६	३०	२७	२२	तु.४५।३५	बुधास्त:पश्चिमायां२३/३२महालक्ष्मीपूजनम्
३०	र	१६	२२	चि	१९	१७	वि	२२	३३	ना	१६	२२	२७/५६	२५	३५	१	२८	२३	तुलायां	श्रवणेभौम:३२।३७भा.कार्तिकारंभ:C

२७पं का.कृ.५बु इ ५३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	९	६	१०	५	२	५	५
२५	३	१९	३	५	२६	१७	२४
३४	१८	७	२३	८	४२	१९	५७
५९	३२	३७	३१	६	२५	४०	३८
५९	३३	२०	२६/२	७३	२	३	५९
२१	२	३३	व.	५६	७	११	३१

गोचर ग्रहाः

कार्तिककृष्णे १० चंद्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न,४ वृद्धावस्था (वैठी) मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

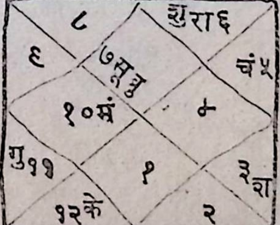

२८पं.का.कृ.१२बु.इ.५२/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	५	२	५	६
२	७	१९	३	१३	२६	१६	१
३१	३२	२६	१२	५०	५५	५७	५१
२३	५४	४६	१६	५३	३०	२५	२
५९	३३	३२/२३	१/१	७४	१	३	५९
३४	५९	व	व	२	२७	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूर्रविर्दक्षिणेऽहर्गण:१२९७स.२०३२
१	चं	२२	२५	स्वा	२६	२५	प्री	२४	३८	ब	२२	२५	२७/५३	६/२५	५/३५	२	२९	२४	तुलायां	स्वात्यांरविः २/३५ (सौरः ३/३६ मार्गीगुरुः ५०/४०
२	मं	२७	४०	वि	३३	१०	आ	२६	२०	कौ	२७	४०	४९	२६	३४	३	३०	२५	वृ.१६।२९	हस्त२राहुःउभा४केतुः २/२१ चंद्रदर्शनम् =
३	बु	३२	१५	अ	३८	५९	सौ	२७	१५	ग	३२	१५	४५	२७	३३	४	१	२६	वृश्चिके	सावान८ [=भातृ२यम२
४	गु	३५	५२	ज्ये	४३	५६	शो	२७	३२	व	४	३	४१	२८	३२	५	२	२७	ध.४३।५६	भ.४/३उ.३५/५२या.चित्रा.शुक्रः२९।१६
५	शु	३८	२१	मू	४७	५१	अ	२७	१२	ब	७	६	३७	२९	३१	६	३	२८	धनुषि	[×४८।१०नवंबर११ता.३०
६	श	३९	३२	पू	५०	३०	सु	२६	३	कौ	८	५६	३४	२९	३१	७	४	२९	धनुषि	
७	र	३९	१४	उ	५१	३९	धृ	२३	३३	ग	९	२३	३०	३०	३०	८	५	३०	म.५।४७	भ.३९।१४उ.
८	चं	३७	३१	श्र	५१	३२	शू	१९	५५	वि	८	२२	२७	३१	२९	९	६	३१	मकरे	भ.८/२२या.धनि४गुरुः४२/२२गोपाष्टमी
९	मं	३४	८	ध	४९	३२	गं	१५	७	ग	५	४९	२३	३१	२९	१०	७	१	कुं.२०।३२	वक्रीचित्रा.बुधः३६।३७तुलायांशुक्रः ×
१०	बु	२९	४	श	४६	४	वृ	८	५२	तै	१	३६	१९	३२	२८	११	८	२	कुंभे	भ.५५।५३उ.वक्रीशनिः१२।१२
११	गु	२२	४३	पू	४१	२३	ध्रु	५/२	५५/२४	वि	२२	४३	१६	३३	२७	१२	९	३	मी२७।३३	भ.२२/४३या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१२	शु	१४	५८	उ	३५	७	ह	४३	११	बा	१४	५८	१२	३४	२६	१३	१०	४	मीने	बुधोदयःपूर्वस्यां४।२०प्रदोषः
१३	श	६	१३	रे	२८	३	व	३२	४७	तै	६	१३	९	३४	२६	१४	११	५	मे.२८।३	भ.५६।५०उ.वैकुंठ१४
१४	श	५०	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–मार्गीबुधः४७/५०मन्वादिःका.स्ना.पू.
१५	र	४७	११	अ	२०	३३	सि	२२	५	वि	२२	०	५	३५	२५	१५	१२	६	मेषे	भ.२२।०या विशा.रविः२/३३ (सौरः५६/१ –

२९पं.का.शु.३बु.इ. ५२/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	५	२	५	६
९	११	१२	३	२२	२७	१६	८
२९	५७	५७	१३	३४	३	३५	५४
३८	५८	५४	४४	५०	४७	९	२२
५९	३५	८१/४०	०	७४	०	३	६०
४७	२२	व	२५ मा	१४	४७	११	२

गोचर ग्रहाः

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं जो चावल सोना चांदी लोहा वस्त्र रुई कपास बारदाना गुड सक्कर घृत तेज हो।

गोचर ग्रहाः

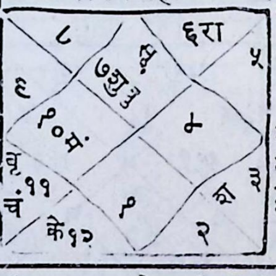

३०पं.का.शु.१०बु.इ. ५२/३५

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	६	२	५	६
१६	१६	५	३	१	२७	१६	१५
२९	३१	३८	२३	१९	६	१२	५५
२०	३०	५३	२४	४८	२२	५४	२६
६०	३५	४८/१६	१	७४	०/५	३	६०
४	५७	व.	३४	२०	व.	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमततूर् रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	चं	३८	८	भ	१२	५९	व्य	११	१३	बा	१२	४०	२७/२	६/३६	५/२४	१६	१३	७	वृ.२६।१७	स्वात्यांशुक्रः६।१४
२	मं	३०	७	कृ	६	१०	व	५/७	५०/२६	तै	४	७	२६/५८	३६	२४	१७	१४	८	वृषे	भ.५६।५०उ.
३	बु	२३	३२	रो	०/२४	५५/५८	शि	४३	१९	वि	२३	३२	५५	३७	२३	१८	१५	९	मि२८।२३	भ.२३।३२या.चतुर्थीव्र.
४	गु	१८	४२	आ	५४	८	सि	३६	४०	ग	१८	४२	५२	३८	२२	१९	१६	१०	मिथुने	
५	शु	१५	५९	पु	५४	१३	सा	३१	२९	तै	१५	५९	४९	३८	२२	२०	१७	११	क.३९।१२	
६	श	१५	४०	पु	५६	२९	शु	२८	३	व	१५	४०	४५	३९	२१	२	१८	१२	कर्के	भ.१५/४०उ.४६/२३या.स्वात्यांबुधः३०/२४
७	र	१७	६	श्ले	६०	०	शु	२६	१७	ब	१७	६	४२	४०	२०	२२	१९	१३	कर्के	धनि.भौमः२७।१६
८	चं	२०	३९	श्ले	०	२५	ब्र	२६	२९	कौ	२०	३९	३९	४०	२०	२३	२०	१४	सिं०।२५	
९	मं	२५	३५	म	६	७	ऐं	२७	२	ग	२५	३५	३६	४१	१९	२४	२१	१५	सिंहे	भ.५८।३७उ.
१०	बु	३१	४०	पू	१२	५४	वै	२८	५१	वि	३१	४०	३३	४१	१९	२५	२२	१६	कं.२९।४६	भ.३१/४०या.वृश्चिकेऽर्कः१९/६ (सौरः५०/१८)
११	गु	३७	५९	उ	२०	२३	वि	३०	५८	ब	४	४९	३०	४२	१८	२६	२३	१७	कन्यायां	विशा.शुक्रः४६।२०उत्पत्ति११व्रः
१२	शु	४४	३८	ह	२८	५	प्री	३३	२८	कौ	११	१८	२७	४३	१७	२७	२४	१८	कन्यायां	
१३	श	५०	५६	चि	३५	३७	आ	३५	४६	ग	१७	४७	२५	४३	१७	२८	२५	१९	तु.१।५१	भ.५०/५६उ.अनु.रविः३७।२६प्रदोषः
१४	र	५६	३९	स्वा	४२	५३	सौ	३७	४४	वि	२३	४७	२२	४४	१६	२९	२६	२०	तुलायां	भ.२३।४७या.अनु.रविःसौरः७।६
३०	चं	६०	०	वि	४९	७	शो	३९	१०	च	२९	४	१९	४४	१६	३०	२७	२१	वृ.३२।३३	[×भा.मार्गशीर्षारंभः
३०	मं		१ ३०	अ	५४	२५	अ	३९	४३	ना	१	३०	१७	४५	१५	१	२८	२२	वृश्चिके	विशा.बुधः४६।५२कुंभेभौमः५३।४४ ×

३१पं मा कृ.३बु.इ. ५२/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	९	६	१०	६	२	५	६
२३	२१	५	३	१०	२७	१५	२२
३०	७	०	४३	६	२	५०	५७
४०	२६	२२	१२	७	४२	३८	५८
६०	३७	३७/५०	३	७४	०/४६	३	६०
१७	१	मा	३	२६	व	११	३०

गोचर ग्रहाः

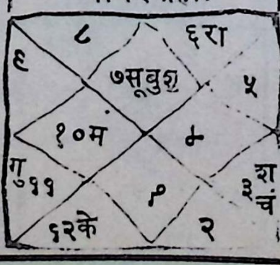

मार्गशीर्ष कृष्णे १० बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

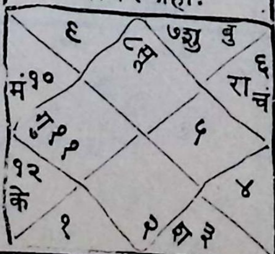

३२पं.मा.कृ.१०बु.इ. ५२/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	९	६	१०	६	२	५	७
०	२५	११	४	१८	२६	१५	०
३३	५०	४५	१२	५२	५४	२८	२
२२	२८	१८	४	४८	३६	२२	२
६०	३७	७५	४	७४	३/३	३	६०
३०	४२	१३	१४	२६	व.	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१३२७स.२०३३
१	बु	५	१३	ज्ये	५८	५७	सु	३९	४१	ब	५	१३	२३/१४	६/४५	५/१५	२	२९	२३	ध.५८।५७	चंद्रदर्शनम्
२	गु	८	९	मू	६०	०	धृ	३८	४६	कौ	८	९	१२	४६	१४	३	१	२४	धनुषि	वक्रीपुन.२शनि:१०।१८रमजान ९
३	शु	९	५८	मू	२	२१	शू	३७	०	ग	९	५८	९	४६	१४	४	२	२५	धनुषि	भ.४०।१८उ.बृश्चिकेशुक्र:४४।६
४	श	१०	३८	पू	४	३५	गं	३४	२५	वि	१०	३८	७	४७	१३	५	३	२६	म.१९।५६	भ.१०।३८या.
५	र	१०	१६	उ	६	१	बृ	३१	१६	बा	१०	१६	५	४७	१३	६	४	२७	मकरे	
६	चं	८	४७	श्र	६	२६	ध्रु	२६	५८	तै	८	४७	२	४८	१२	७	५	२८	कुं.३६।०	अनु.शुक्र:१९।४९चंपा६
७	मं	६	१६	ध	५	३४	व्या	२१	४०	व	६	१६	०	४८	१२	८	६	२९	कुम्भे	भ.१६/३उ.३२/६या.बृश्चिकेबुधः =
८	बु	२	४२	श	३	४१	ह	१५	४२	व	२	४२	२५/५८	४८	१२	९	७	३०	मी४६।२५	[=२४/१८बुधास्तःपूर्वस्यां४९।१८
९	बु	५५	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	शु	५२	१३	पू	४०	५६	व	८	४६	तै	२५	९	५६	४९	१०	१०	८	१	मीने	अनु बुध:३२।०दिसम्बर१२ता.३१
११	शु	४५	३२	रे	५१	३७	सि	१/२	५१/१८	व	१८	५२	५४	४९	११	११	९	२	मे.५१।३७	भ.१८/५२उ.४५/३२या.ज्येष्ठा.रविः४७/३८शते ÷
१२	श	३८	५	अ	४५	५४	व	४३	१२	ब	११	४८	५३	४९	११	१२	१०	३	मेषे	ज्येष्ठा.रविःसौरः१५।०
१३	र	२९	५५	भ	३९	३७	प	३३	३१	कौ	४	०	५१	५०	१०	१३	११	४	वृ.५३।५	प्रदोषः
१४	चं	२१	५२	कृ	३३	२९	शि	२३	५३	व	२१	५२	४९	५०	१०	१४	१२	५	वृषे	भ.२१।५२उ.४८।१या.दत्तजयंती
१५	मं	१४	१०	रो	२७	४७	सि	१४	२५	ब	१४	१०	४८	५०	१०	१५	१३	६	मि५५।२२	[÷भौम:४३।१८मोक्षदा११व्र.गीताजयं.

३३पं.मा.शु.१बु.इ.५१/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	६	१०	६	२	५	७
७	०	२१	४	२७	२६	१५	७
३७	३७	३५	५०	४०	४०	६	७
१६	४४	५३	६	५२	४१	७	३५
६०	३८	८८	५	७४	२/१४	३	६०
४२	१४	२३	२५	२६	व.	११	५३

गोचर ग्रहाः

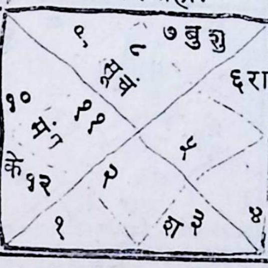

इस मास में धान्य गेह बाजरा मूंग मोठ चर्ना मक्का आदि तेज हो चांदी रुई सोना तिलहन वारदाना मंदा होवे।

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.शु.८बु.इ.५१/४५

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	७	२	५	७
१४	५	२	५	६	२६	१४	१४
४२	२८	१६	३६	२८	२१	४३	१४
२९	१	५९	५८	४४	५८	५१	२१
६०	३८	९३	६	७४	२/४९	३	६१
५०	४३	५९	३२	३२	व.	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्न् रविर्दक्षिणं मार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु	७	३३	मृ	२२	५८	सा	५/४८	५२/२३	को	७	३३	२५/४६	६/०१	५/९	१६	१४	७	मिथुने	
२	गु	२	७	आ	१९	३२	शु	५१	४३	ग	२	७	४५	५१	९	१७	१५	८	मिथुने	भ.३०/११उ.५६/२३या.ज्येष्ठाशुक्र:५८।८
३	गु	५६	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	शु	५६	५२	पु	१८	४	व्र	४७	२	ब	२७	३७	४४	५१	९	१८	१६	९	क.३।२६	शत१गुरु:१।५२चतुर्थीव्र.
५	श	५७	१७	पु	१८	४०	ऐं	४३	४८	कौ	२७	४	४३	५१	९	१९	१७	१०	कर्के	ज्येष्ठा.बुध:२।२९
६	र	५९	५२	श्ले	२१	११	वै	४२	३७	ग	२८	३४	४२	५२	८	२०	१८	११	सिं२१।११	भ.५९।५२उ.
७	चं	६०	०	म	२५	३२	वि	४२	११	वि	३२	२	४१	५२	८	२१	१९	१२	सिंहे	भ.३२।२या.शुक्रास्तःपूर्वस्यां२६।२४
७	मं	४	१२	पू	३१	४२	प्री	४३	१६	ब	४	१२	४०	५२	८	२२	२०	१३	कं.४७।२९	
८	बु	१०	१	उ	३८	५०	आ	४५	६	कौ	१०	१	३९	५२	८	२३	२१	१४	कन्यायां	
९	गु	१६	१०	ह	४६	१९	सौ	४७	१६	ग	१६	१०	३९	५२	८	२४	२२	१५	कन्यायां	भ.४९।२७उ.मूलेधनुष्यर्क:५४।५३
१०	शु	२२	४४	चि	५३	५५	शो	४९	३७	वि	२२	४४	३८	५२	८	२५	२३	१६	तु.२०।७	भ.२२।४४या.मूलेंधनुष्यर्कःसौरः१८।५०
११	श	२९	४	स्वा	६०	०	अ	५१	३३	बा	२९	४	३८	५२	८	२६	२४	१७	तुलायां	मूलेधनुषिबुध:५४।३१सफला११व्र.
१२	र	३४	४९	स्वा	१	७	सु	५३	८	कौ	१	५६	३७	५३	७	२७	२५	१८	वृ.५०।५४	
१३	चं	३९	२१	वि	७	३०	धृ	५३	३७	ग	७	५	३७	५३	७	२८	२६	१९	वृश्चिके	भ.३९/२२उ.मूले धनुषिशुक्र:३१।४प्रदोषः
१४	मं	४२	४४	अ	१२	३६	शू	५३	३	वि	११	३	३६	५३	७	२९	२७	२०	वृश्चिके	भ.११।३या.
३०	बु	४४	४०	ज्ये	१६	४०	गं	५१	३७	च	१३	४२	३६	५३	७	३०	२८	२१	ध.१६।४०	पूभा.भौम:२७।२७

३५पं.पौ.कृ १बु.इ.५१/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	७	२	५	७
२१	१०	१३	६	१५	२५	१४	२१
४८	२१	८	३१	१७	५८	२१	२२
३२	१८	४२	८	१७	४१	३६	२
६०	३९	९६	७	७४	३/०	३	६१
५६	८	५०	३४	३२	व	११	११

३६पं.पौ.कृ.८बु.इ.५१/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१०	७	१०	७	२	५	७
२८	१५	२४	७	२४	२१	१३	२८
५५	१७	३	३२	६	३१	५९	३०
२६	४९	४२	२०	७	४४	२०	४५
६१	३९	९८	८	७४	५/३	३	६१
०	३२	५३	३७	३२	व	११	१९

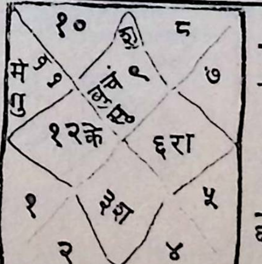

३७पं.पौ.कृ.३०बु.इ.५१/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	१०	८	२	५	८
६	२०	५	८	२	२५	१३	५
३	१५	५	४०	५४	०	३७	४०
०	४७	४६	१६	१४	५८	४	१०
६१	३९	९९	९	७४	४/१०	३	६१
४	५२	५३	२८	३६	व	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१३५६स२०३३
१	गु	४५	१९	मू	१९	१३	बृ	४९	१४	किं	१४	५९	२५/३६	६/५३	५/७	१	२९	२२	धनुषि	भा.पौषारंभः
२	शु	४४	४६	पू	२०	४५	ध्रु	४५	५०	बा	१५	२	३६	५३	७	२	३०	२३	म.३५।५३	चंद्रदर्शनम्
३	श	४३	१५	उ	२१	१६	व्या	४१	४१	तै	१४	०	३७	५३	७	३	१	२४	मकरे	सव्वाल१०
४	र	४०	५२	श्र	२०	३८	ह	३६	४३	व	१२	३	३७	५३	७	४	२	२५	कुं.५०।२	भ.१२।३उ.४०।५२या.
५	चं	३७	४८	ध	१९	२६	व	३१	१७	ब	९	२०	३७	५३	७	५	३	२६	कुम्भे	
६	मं	३४	१९	श	१७	४०	सि	२५	३२	कौ	६	३	३८	५२	८	६	४	२७	कुंभे	पूषा.बुधः१५/५३हस्त.१राहुःउभा.३ केतुः१३/२१
७	बु	२९	५९	पू	१५	४३	व्य	१९	६	ग	२	९	३८	५२	८	७	५	२८	मी१।१२	भ.२९/५९उ.५७/३९या.पूषा.रविः५९/५६
८	गु	२५	१९	उ	१२	२३	व	१२	११	ब	२५	१९	३९	५२	८	८	६	२९	मीने	पूषा.रविःसौरः३०/२८शत.२गुरुः२६/१७
९	शु	२०	११	रे	८	५२	प	४/५९	५२/२९	कौ	२०	११	४०	५२	८	९	७	३०	मे.८।५२	पूषा.शुक्रः९।७
१०	श	१४	२९	अ	५	४	सि	४९	२९	ग	१४	२९	४१	५२	८	१०	८	३१	मेषे	भ.४१।३०उ.
११	र	८	३१	भ	०/३९	५६/४४	सा	४१	१६	वि	८	३१	४२	५२	८	११	९	१	वृ.१४।५०	भ.६/३१या.जनवरी१ता.३१सन्२०३४–
१२	चं	२	१४	रो	५२	२	शु	३३	१४	बा	२	१४	४३	५१	९	१२	१०	२	वृषे	प्रदोषः [–पुत्रदा११व्र.
१३	चं	५३	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मीनेमौमः३१/२२ मा.स्ना.प्रा.
१४	मं	५०	३८	मृ	४८	८	शु	२५	२१	ग	२३	२४	४४	५१	९	१३	११	३	मि२०।५	भ.५०।३८उ.
१५	बु	४५	४७	आ	४५	२	ब्र	१८	७	वि	१८	१७	४५	५१	९	१४	१२	४	मिथुने	भ.१८।१७या.उषा.बुधः१४।५१=

३८पं.पौ.शु.७बु.इ. ५१/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	१०	८	१०	८	२	५	८
१३	२५	१६	९	११	२४	१३	१२
१०	१४	१६	५४	४२	२८	१४	५०
५९	४२	५९	०	५४	५	४९	२
६१	४०	०/०	१०	७४	४/३	३	६१
६	८	०/४	१३	३८	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

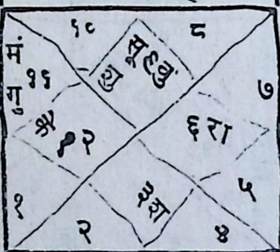

पौष कृष्णे ९ गुरौ
घनुष्यर्कःप्रविष्टः वा
२ न. ३ वृद्धावस्था
(बैठी मु.३० धान्या-
दिभावे समता
शुक्रास्तःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.शु.१५बु.इ. ५०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	१०	८	२	५	८
२०	०	२७	११	२०	२३	१२	१९
१९	१३	४०	१२	३१	५३	५२	५९
५	८	५९	५०	२६	४९	३३	५९
६१	४०	०/०	१०	७४	४/४	३	६१
६	१२	०/५	५६	३८	वं	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	गु	४२	२४	पु	४३	१३	ऐं	११	५५	बा	१४	५	२५/४७	६/५१	५/९	१५	१३	५	क.२८।४०	[×वक्रीपुन.१शनिः३६।९
२	शु	४०	४०	पु	४३	४	वै	६	३३	तै	११	३२	४८	५०	१०	१६	१४	६	कर्के	मकरेबुधः१३।२१
३	श	४०	२६	श्ले	४४	३७	वि	२	३४	व	१०	३३	५०	५०	१०	१७	१५	७	सिं४४।३७	भ.१०।३३उ.४०।२६या.
४	र	४२	२२	म	४७	५८	प्री	०/१६	५८/५६	ब	११	२४	५२	५०	१०	१८	१६	८	सिंहे	चतुर्थीव्र.
५	चं	४५	५५	पू	५२	४१	सौ	५९	१४	कौ	१४	८	५३	४९	११	१९	१७	९	सिंहे	उषा.शुक्रः४२।३२उभा.भौमः३।०
६	मं	५१	१९	उ	५९	१७	शो	६०	०	ग	१८	३७	५५	४९	११	२०	१८	१०	क.९।२०	भ.५१।१९उ.
७	बु	५७	७	ह	६०	०	शो	०	३३	वि	२४	१३	५७	४९	११	२१	१९	११	कन्यायां	भ.२४/१३या.उषा.रविः४४/२(सौरः३१/५५)×
८	गु	६०	०	ह	६	२२	अ	२	२३	बा	३०	२२	५९	४८	१२	२२	२०	१२	तु.४०।१३	श्रवणेबुधः१७।४१मकरेशुक्रः२३।१८
८	शु	३	३८	चि	१४	५	सु	४	४०	कौ	३	३८	२/६१	४८	१२	२३	२१	१३	तुलायां	बुधोदयःपश्चिमायां४१।२२
९	श	१०	४	स्वा	२१	३०	धृ	६	४७	ग	१०	४	४	४७	१३	२४	२२	१४	तुलायां	भ.४३।०उ.मकरेऽर्कः२१।६ (सौरः३७/२२)
१०	र	१५	५४	वि	२८	२१	शू	८	३१	वि	१५	५४	६	४७	१३	२५	२३	१५	वृ.११।३८	भ.१५।५४या.
११	चं	२०	२९	अ	३३	४८	गं	९	२२	बा	२०	२९	८	४६	१४	२६	२४	१६	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	मं	२३	४४	ज्ये	३७	५२	वृ	९	१४	तै	२३	४४	११	४६	१४	२७	२५	१७	ध.३७।५२	प्रदोषः [+श्रवणेशुक्रः२१।०
१३	बु	२५	२१	मू	४०	१९	ध्रु	७	४१	व	२५	२१	१३	४५	१५	२८	२६	१८	धनुषि	भ.२५।२१उ.५५।१५या.
१४	गु	२५	१०	पू	४१	११	व्या	४	५२	श	२५	१०	१६	४५	१५	२९	२७	१९	म.५६।५	शत.३गुरुः८।५५
३०	शु	२३	२८	उ	४०	४८	ह	०/४६	५७/०	ना	२३	२८	१९	४४	१६	३०	२८	२०	मकरे	अभि.प्र.रविः५५/३२धनि.बुधः३५/८४+

४०पं.मा.कृ.७बु.इ. ५०/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	१०	८	२	५	८
२७	५	९	१२	२९	२३	१२	२७
२७	१२	१५	३७	१९	१९	३०	९
७	२५	२२	१	४४	५	१८	५१
६१	४०	०/०	११	७४	४/०	३	६१
६	१०	०/८	२३	३८	व	११	२४

गोचर ग्रहाः

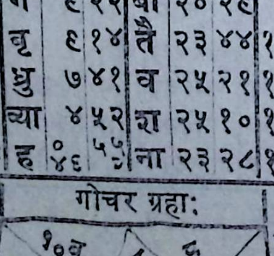

माघ कृष्णे ९ शनौ
मकरेऽर्कःप्रविष्टः वा.
३ न.२ प्रगलभावस्था
(बैठी मु.१५धान्यादि
भावेमहर्घताशुक्रास्तः
पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

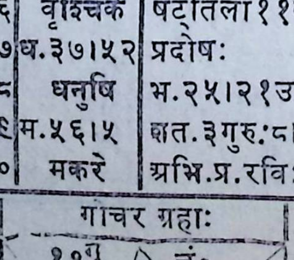

४१पं.मा.कृ.१३बु.इ. ५०/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	९	१०	९	२	५	९
४	१०	२०	१४	८	२२	१२	४
३४	१०	३७	४	८	४४	८	१९
५९	१९	३४	५२	६	५६	२	२०
६१	४०	९२	१२	७४	४/३०	३	६१
३	१९	४९	८	३२	वं	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१३८६स.२०३४
१	श	२०	२८	श्र	३९	१	सि	४६	५१	ब	२०	२८	३६/२१	६/४४	५/१६	१	२९	२१	मकरे	अभि.प्र.रवि:सौर:८।४३चंद्रदर्शनम्-
२	र	१६	३४	ध	३६	२५	व्य	४३	१७	कौ	१६	३४	२४	४३	१७	२	१	२२	कुं.७।४३	जिल्काद११ [-भा.माघारंभः
३	चं	११	५९	श	३३	१४	व	३६	४	ग	११	५९	२७	४३	१७	३	२	२३	कुंभे	भ.३९।९९उ.रेवत्यांभौम:३७।८
४	मं	७	०	पू	२९	४६	प	२८	५९	वि	७	०	२९	४२	१८	४	३	२४	मी१५।४५	भ.७/०या.श्रवणेरवि:१/९(सौर:५/३९)
५	बु	१	५०	उ	२६	१९	शि	२१	५०	बा	१	५०	३२	४२	१८	५	४	२५	मीने	अभि.नि.रवि:३/२४(सौर:१५/५६वसंत५
६	बु	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु	५१	२३	रे	२२	५०	सि	१४	२९	ग	२४	०	३५	४१	१९	६	५	२६	मे.२२।५०	भ.५१/२३उ.कुंभेबुध:४/७भानु७रथ७
८	शु	४६	३४	अ	१९	२९	सा	७	५	वि	१८	५८	३८	४०	२०	७	६	२७	मेषे	भ.१८/५८या. भीष्माष्टमी
९	श	४१	३७	भ	१६	१४	शु	०/४	५२/५२	बा	१४	५	४१	४०	२०	८	७	२८	वृ.३०।२७	
१०	र	३६	५७	कृ	१३	६	ब्र	४६	१४	तै	९	१७	४५	३९	२१	९	८	२९	वृषे	शुक्रोदय:पश्चिमायां९।३६
११	चं	३२	४०	रो	१०	२३	ऐं	३९	५३	व	४	४८	४८	३८	२२	१०	९	३०	मि३९।१२	भ.४/४८उ.३२/४०या.घनि.शुक्र:५५/४५शत.४=
१२	मं	२८	५०	मृ	८	१	वै	३३	५४	ब	०	४५	५१	३८	२२	११	१०	३१	मिथुने	प्रदोष: [=गुरु:३१/५८जया११व्र.
१३	बु	२५	३८	आ	६	१७	वि	२८	२९	तै	२५	३८	५४	३७	२३	१२	११	१	क.५०।३४	वक्रीबुध:१।४२ फर्वरीरता.२८
१४	गु	२३	१५	पु	५	२०	प्री	२३	४४	व	२३	१५	५८	३६	२४	१३	१२	२	कर्के	भ.२३।१५उ.५२।४६या.
१५	शु	२२	१७	पु	५	३६	आ	२०	९	ब	२२	१७	२७/१	३६	२४	१४	१३	३	कर्के	मा.स्ना.पूं.

४२पं,मा.शु.५बु.इ. ५०/८७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	९	२	५	९
११	१५	०	१५	१६	२२	११	११
४२	९	१५	३६	५५	१२	४५	२८
२९	३६	३२	४	५२	२९	४६	११
६०	४०	७०	१२	७४	४/१०	३	६१
५९	३२	४७	२५	३२	व.	११	१३

गोचर ग्रहाः

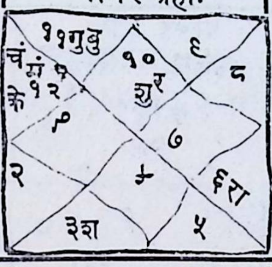

इस मास में कृष्णपक्ष कीतिथिवृद्धि व शुक्ल पक्षकी तिथिक्षय धातु धान्य बाजरा मूंगमोठ चना मक्का रस कस वारदाना तेज करे।

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.शु.१३बु.इ.५१/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	९	२	५	९
१८	२०	४	१७	२५	२१	११	१८
४९	७	४२	९	४३	४२	२३	३६
१	४८	५०	५०	१६	११	३१	१८
६०	४०	२६/९	१२	७४	३/५२	३	६१
५५	३१	व	५२	३२	व	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	२२	२९	श्ले	७	२	सौ	१७	४३	कौ	२२	२९	२७/५	६/३५	५/२५	१५	१४	४	सिं७।२	कुंभेशुक्र:१७/४५बुधास्त:पश्चिमायां१९/२०
२	र	२४	३०	म	१०	१३	शो	१६	२५	ग	२४	३०	८	३४	२६	१६	१५	५	सिंहे	भ.५६।६उ.
३	चं	२७	४३	पू	१४	४१	अ	१५	५९	वि	२७	४३	१२	३४	२६	१७	१६	६	कं.३१।९	भ.२७/४३या.घनि.रवि:१८/२७(सौर:३०/२९)×
४	मं	३२	४०	उ	२०	३२	सु	१६	५५	ब	०	११	१५	३३	२७	१८	१७	७	कन्यायां	[×चतुर्थी व्र.
५	बु	३८	१०	ह	२७	५	धृ	१८	१८	कौ	५	२५	१९	३२	२८	१९	१८	८	कन्यायां	
६	गु	४४	४१	चि	३४	३९	शू	२०	२७	ग	११	२५	२३	३१	२९	२०	१९	९	तु.०।५२	भ.४४।४१उ.वक्रीमकरेबुध:५१।२०
७	शु	५१	८	स्वा	४२	११	गं	२२	४०	वि	१७	५४	२७	३१	२९	२१	२०	१०	तुलायां	भ.१७/५४या.शतेशुक्र:३६/४पातस्पर्श:५७/१९
८	श	५७	१०	वि	४९	२८	बृ	२४	५०	बा	२४	९	३०	३०	३०	२२	२१	११	वृ.३२।३९	पातमोक्ष:२१।४६
९	र	६०	०	अ	५५	५०	ध्रु	२६	१८	तै	२९	४३	३४	२९	३१	२३	२२	१२	वृश्चिके	कुंभेऽर्क:५३।४३
९	चं	२	१७	ज्ये	६०	०	व्या	२६	३९	ग	२	१७	३८	२८	३२	२४	२३	१३	वृश्चिके	भ३८/८उ.कुंभेऽर्क:सौर:४/२७पूभा.१गुरु:५८/३२
१०	मं	५	५२	ज्ये	०	४१	ह	२५	५८	वि	५	५२	४१	२८	३२	२५	२४	१४	ध.०।४१	भ.५।५२या.
११	बु	७	५२	मू	३	४९	व	२३	५०	बा	७	५२	४५	२७	३३	२६	२५	१५	धनुषि	वक्रीश्रवणेबुध:४९/२अश्वि.मेषेभौम:५०/३०+
१२	गु	७	४५	पू	५	९	सि	२०	७	तै	७	४५	४९	२६	३४	२७	२६	१६	म.२०।१	प्रदोष: [+विजया११व्र.
१३	शु	५	४५	उ	४	३८	व्य	१४	५०	व	५	४५	५३	२५	३५	२८	२७	१७	मकरे	भ.५/४५उ.३३/५०या.बुधोदय:पूर्वस्यां२४/५०÷
१४	श	१	५५	श्र	२/२५	५६/२०	व	८	२०	श	१	५५	५६	२५	३५	२९	२८	१८	कुं.३०।३५	महाशिवरात्री व्र.वै.
३०	श	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷महाशिवरात्री व्र.स्मा.

४४पं.फा.कृ.५बु.इ. ५९/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	११	१०	१०	१०	२	५	९
२५	२५	१	१८	४	२१	११	२५
५४	४	१२	४६	२९	१५	१	४३
५०	८	४	३७	४९	७	१५	५
६०	४०	७१/५८	१३	७४	३/२७	३	६०
४७	३२	व.	१४	३१	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

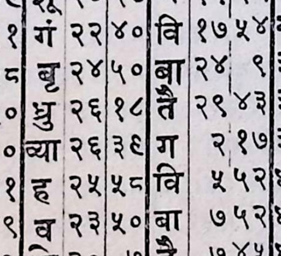

फाल्गुन कृष्णे ९ रवौ कुँभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

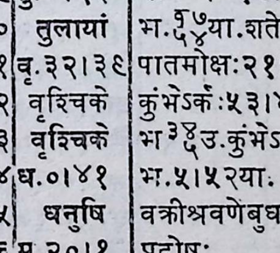

४५पं.फा.कृ.११बु.इ.५९/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	१०	२	५	१०
२	०	२३	२०	१३	२०	१०	२
५९	०	१७	२५	१५	५२	३९	४९
४२	४०	१७	१२	४३	२६	०	८
६०	४०	६६/२३	१३	७४	२/४६	३	६०
३७	२६	व.	२२	२६	व.	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०६० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण१४१५स.२०३४
१	र	५०	३२	श	५४	१०	प	०/५१	५१/४०	किं	२३	३९	२८/००	६/२४	५/३६	३०	२९	१९	कुम्भे	शतेरविः२९।५४(सौरः३६।४६)
२	चं	४३	३८	पू	४६	२	सि	४३	५३	बा	१७	५	४	२३	३७	१	३०	२०	मी३५।१९	चन्द्रदर्शनम् भा.फाल्गुनारंभः फुलरिया२
३	मं	३६	४१	उ	४३	५२	सा	३५	५	तै	१०	९	८	२२	३८	२	१	२१	मीने	पूभा.शुक्रः११।०जिल्हेज१२
४	बु	२९	४४	रे	३८	४६	शु	२६	२०	व	३	१२	१२	२२	३८	३	२	२२	मे.३८।४६	भ.३।१२उ.२९।४४या.
५	गु	२३	११	अ	३४	११	शु	१८	११	बा	२३	११	१६	२१	३९	४	३	२३	मेषे	पातस्पर्शः३।१७पातमोक्षः१८।३९
६	शु	१७	१५	भ	३०	१६	ब्र	१०	३१	तै	१७	१५	२०	२०	४०	५	४	२४	वृ.४४।२७	[+होलिकादहनम् भद्रोत्तरम्
७	श	११	५९	कृ	२७	२	ऐं	३/१३	५३/३२	व	११	५९	२४	१९	४१	६	५	२५	वृषे	भ.१५/५९उ.३९/४६या.मार्गीबुध.२०/४३
८	र	७	३४	रो	२४	३२	वि	५०	५०	ब	७	३४	२८	१८	४२	७	६	२६	मि५३।४७	होलाष्टकम्
९	चं	३	५८	मृ	२३	४	प्री	४५	४३	कौ	३	५८	३२	१८	४२	८	७	२७	मिथुने	पूभा.२गुरुः५७।१४
१०	मं	१	१७	आ	२२	३०	आ	४१	१८	ग	१	१७	३६	१७	४३	९	८	२८	मिथुने	भ.३०/२२उ.२९/२८या.उफा.४राहुः उभा.२–
११	मं	५८	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–केतुः५/४४ आमलकी११व्र.स्मा.
१२	बु	५८	२८	पु	२२	३५	सौ	३७	४६	ब	२८	५८	४०	१६	४४	१०	९	१	क.७।३४	मीनेशुक्र १६/४ अस्तंगुरोः ३७/१२ माच३ता३१=
१३	गु	५८	४३	पु	२३	५२	शो	३४	५१	कौ	२८	३५	४४	१५	४५	११	१०	२	कर्के	प्रदोषः [=आमलकी११व्र.वै.
१४	शु	५९	५३	श्ले	२६	१०	अ	३२	५४	ग	२९	१८	४८	१४	४६	१२	११	३	सि२६।१०	भ.५९।५३उ.उभाशुक्रः५७।२४
१५	श	६०	०	म	२९	३८	सु	३२	१०	वि	३१	८	५२	१४	४६	१३	१२	४	सिंहे	भ.३१/८या.पूभा.रविः४६/० (सौरः५४/३६)×
१५	र	२	२४	पू	३४	१६	धृ	३१	५३	ब	२	२४	५६	१३	४७	१४	१३	५	कं.५०।४२	छारेंडी [×धनि.बुधः५२/५+

४६पं.फा.शु.४बु.इ. ५१/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	१०	२	५	१०
१०	४	१९	२२	२२	२०	१०	९
३	५६	२८	४	०	३४	१६	५३
१४	६	२६	५९	५४	२३	४४	४१
६०	४०	१४/१०	१३	७४	२/११	३	६०
२५	२२	व	३२	२६	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

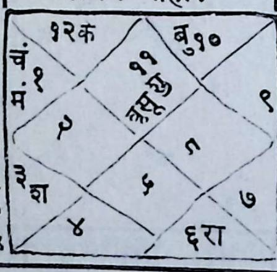

इस मासमें५शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गल्ला बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं धातु सोनाचांदी तांबा आदि तेज हों प्रजामें महामारी फैले।

गोचर ग्रहाः

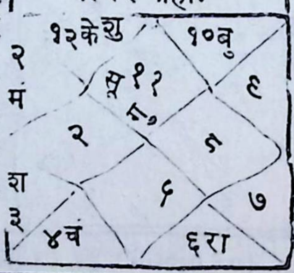

४७पं.फा.शु.१२बु.इ. ५२/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	११	२	५	१०
१७	९	२१	२३	०	२०	९	१६
५	४८	१७	४६	४४	२०	५४	५६
२८	५८	५३	५	३५	२	२८	३६
६०	४०	२५/४१	१३	७४	१/३१	३	६०
१२	२५	मा	३८	२३	व	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०६० शाकः १९५५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं	६	४	उ	४०	०	शू	३२	३३	कौ	६	४	२०/१	६/१२	५/४८	१५	१४	६	कन्यायां	भरण्यांभौमः५२।५५वसंत१
२	मं	११	१०	ह	४६	२५	गं	३३	५९	ग	११	१०	५	११	४९	१६	१५	७	कन्यायां	भ.४३।४८उ.
३	बु	१६	२७	चि	५३	४३	वृ	३६	५	वि	१६	२७	९	१०	५०	१७	१६	८	तु.२०।४	भ.१६।२७या. चतुर्थी व्र.
४	गु	२२	४९	स्वा	६०	०	ध्रु	३८	२३	बा	२२	४९	१३	९	५१	१८	१७	९	तुलायां	
५	शु	२९	१३	स्वा	१	१९	व्या	४०	४४	तै	२९	१३	१७	९	५१	१९	१८	१०	वृ.५२।३	
६	श	३५	३२	वि	८	५८	ह	४२	४४	ग	२	२२	२१	८	५२	२०	१९	११	वृश्चिके	भ.३५।३२उ.
७	र	४१	६	अ	१६	२	व	४४	२	वि	८	१९	२६	७	५३	२१	२०	१२	वृश्चिके	भ.८।१९या.कुंभेबुधः४।२४
८	चं	४५	२९	ज्ये	२१	५४	सि	४४	२०	बा	१३	१७	३०	६	५४	२२	२१	१३	ध.२१।५४	पूभा.३गुरुः४१।३६शीतलापूजनम्
९	मं	४८	८	मू	२६	२५	व्य	४३	२४	तै	१६	४८	३४	५	५५	२३	२२	१४	धनुषि	मीनेऽर्कः४६/५३ (सौरः५४/५७) रेवत्यांशुक्रः४१/२३
१०	बु	४८	५६	पू	२९	१०	व	४०	५०	व	१८	३२	३८	४	५६	२४	२३	१५	म.४४।१८	भ.१८।३२उ.४८।५६या.
११	गु	४७	३३	उ	२९	४२	प	३६	३७	ब	१८	१५	४३	३	५७	२५	२४	१६	मकरे	मार्गीशनिः२०।५०पापमोचनी११व्र.
१२	शु	४४	१६	श्र	२८	१५	शि	३०	५८	कौ	१५	५४	४७	३	५७	२६	२५	१७	कुं.५६।३८	शतेबुधः४४।१८
१३	श	३९	४	ध	२५	०	सि	२३	३८	ग	११	४०	५१	२	५८	२७	२६	१८	कुंभे	भ.३९/४उ.उभा.रविः५०/७ (सौरः१६/३३)÷
१४	र	३२	८	श	२०	५	सा	१५	३	वि	५	३६	५५	१	५९	२८	२७	१९	कुंभे	भ.५।३६या. [÷प्रदोषः
३०	चं	२४	१३	पू	१४	०	शु	५/४१	५०/०	ना	२४	१३	३०/००	६/०	६/०	२९	२८	२०	मी०।३१	सूर्यग्रहणम् मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.३बु.इ. ५२/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	१०	११	२	५	१०
२४	१४	२६	२५	९	२०	९	२३
६	४०	४५	२८	२७	११	३२	५७
१४	४१	१४	५	३२	३८	१३	५९
५९	३०	५१	१३	७४	०/४३	३	६०
५८	३२	३८	३८	२०	व	११	६

गोचर ग्रहाः

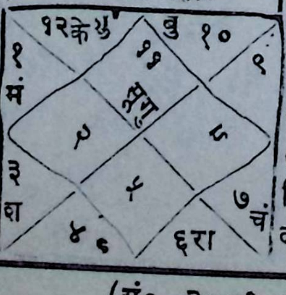

चैत्र कृष्णे ९ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४९पं.चै.कृ.१०बु.इ. ५२/४१

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	१०	११	२	५	११
१	१९	४	२७	१८	२०	९	०
५	३१	२८	९	८	८	९	५७
३१	४१	४१	४७	१३	३५	५७	४१
५९	४०	७०	१३	७४	०/४	३	५९
४१	३०	३७	३८	१४	व	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३५, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग-प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३५, भोग्यकलिः४२६८६५, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९१, शाकः १९५६, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः। मंत्री शुक्रः। सस्येशो रविः। धान्येशः शनिः। मेघेशो शुक्रः। रसेशो भौमः। नीरसेशः रविः। फलेशोगुरुः। धनेशः रविः।दुर्गेशःगुरुः।एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येव्रह्मविंशतिकायां२ विभवनाम संवत्सरः प्रवर्तते। तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः २।२६।४१।१७।४८ भोग्यमासादिः ९।३।१८।४२।१२ विष्णुदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम भाद्रपदः।मेघनामपुष्करः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे। समयविश्वा १० समयवाहन वृषभः। स्तंभः १ अन्नस्यः। सोमवत्यमाः १ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी १ रविदशमी × समयमुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८२ तिथिक्षयः१८, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ९६ खपति विश्वा १०८ वर्षाविश्वा ९ धान्यम् ७ तृणम् १७, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् ११७, शनिदृष्टि पूर्वस्यां। सत्यं।। धर्मं १।। पापं १८ ग्रहणाऽभावः।

भैरव भवानी संवाद

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	बृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	८	२	५	१४	२	५
खर्च	१४	८	५	२	१४	५

भैरव प्रश्न

जय जय जय जगदंबिके जग की करो सहाय।
एक नवति संवततणां पूरा भेद बताय।।

भवानी उत्तर

एकोंकार इकानवे सुण भैरव धर ध्यान।
मंगल राजा वर्ष में करें जगत में हानि।।
श्रावण अरु आषाढ़ में वर्षा होसी मंद।
भादव बुध भृगु योग से जग में हो आनंद।।
दश विश्वा संवत् बना स्तंभ अन्न का एक।
धान्याधिप रवि तनय है करसी विघ्न अनेक।।
रोहिणी बसी समुद्र में संवत मालाकार।
भाग सुभागी निपजसी ना सारे इकसार।।
फल संवत्सर का कहा निज गुरु का धर ध्यान।
बंशीधर का कथन है भली करै भगवान।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	२	८	११	१४	१४	११
खर्च	८	१४	५	१४	१४	५

वर्ष लग्नम् ४।५

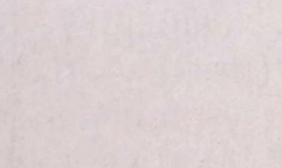

वर्षेश लग्नम् २।४

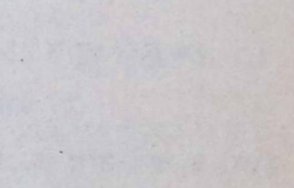

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१२।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१९।३

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

×सूकेचंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

अथाधिकारिणां फलम् ।। अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ।। भौमे नृपे वन्हि भयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुँचति वारिवाहः ।। मंत्री शुक्रः फलम् ।। भृगुसुते ननु मंत्रिपदं गते शलभ मूषक मूषक रौहिषः । भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ।। सस्येशो रविः फलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहु भूरूहाश्च ॥ धान्येशः शनिः फलम् ।। निर्धनाः क्षिति भुजो रणादराः सस्यपल्प मति रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदांकणपतिः शनैश्चरः ।। मेघेशो गुरुः फलम् ।। गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाखिलविलासवती धरणी तदा । श्रुति विचार परा नरपालका रस समृद्धि युताखिल मानवाः ।। रसेशो भौमः फलम् ।। यदि धरातनयो रसपो भवेन्न रस राशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमो जनतापदो न जलदो बहु वृष्टि करो भुवि ।। नीरसेशो रविः फलम् ।। नीरसाधिपतौ सूर्ये ताम्र चंदनगोरपि । रत्नमाणिक्य मुक्तादेरर्घ वृद्धिः प्रजायते ।। फलशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरुः फलनायकतां गतो गत भया वनराशि महाद्रुमाः । यजन याजनकोत्सव मन्दिराः श्रुतिविचार परा द्विजपूर्वकाः ।। धनेशो रविःफलम् ।। द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गज तुरंगम मेष खरोष्ट्रतः धन चयं लभते क्रय विक्रयात् ।। दुर्गेशो गुरुः फलम् ।। सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरपाः कर पालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतो निशम् ।। विभवनाम संवत्सरः फलम् ।। दण्ड नीति परा भूपाः बहु सस्यार्घ वृष्टयः । विभवाब्दे खिला लोकाः सुखिनो निरवैरिणः ।। वर्षनाम भाद्रपदः फलम् ।। अब्दे भाद्रपदे वृष्टिः क्षेमारोग्यं क्वचित् क्वचित् । सर्व सस्य समृद्धिः स्यान्नाशमेत्य परं फलम् ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंदवृष्टिःस्यात् ।। रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ।। समुद्रेतु महावृष्टिः।। समयनिवासो मालाकार गृहे फलम् ।। मालिनःप्रचुरावृष्टिः।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम्।।

संवत् २०९१ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ४ शनौ मृगे ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः)
ल. ११ (घ.५५-१२या) रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।।
,, १० गुरौ मघा ल. ११ रे. ७ ।।।।ऽनृऽ।ऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

ज्येष्ठ मासः

शुक्ला १२ चन्द्रे स्वात्यां ल. ११-१ (मेषेचं.७पू.) रे. ९
ऽ।।।।।।।।
,, १४ गुरौ ऽनु ल. ११ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

प्र. आषाढ मासः

कृष्णा ३ चन्द्रे उषा ल. १ रे. ६ ।।ऽबृऽ।।ऽ।ऽ दग्धा
पादतो वेधाऽभावः

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ बुधे रेव ल. ६ (गु.चं.७मेपूज्यौ) रे. ९
।।।।ऽच्चो।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा २ चन्द्रे मृगे ल. गो. ६ (गु.पू.सत्) रे. ८
।।।।ऽअऽ।।
शुक्ला ३ बुधे उषा ल. ६ (गु.७प) रे.१० ।।।।।।।।

पौष मासः

शुक्ला ६ चन्द्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ९ ।।।।।ऽ।।
,, ११ शनौ रोहि ल. गो. (सोग्रांग.) रे.६ ऽ।।ऽ।।ऽऽ
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ४ शनौ उफा ल. गो. (सोग्रांगः) ७-९ रे. ७
।।।ऽऽनृ।ऽ।।
,, ५ रवौ हस्ते ल. ७-९ रे ६ ।।ऽबृऽ।ऽऽ।।
पादतो वेधाऽभावः
,, ९ गुरौ अनु ल. ७-९ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।
शुक्ला १० शनौ मृगे ल. गो. (सोग्रांगः) ६-७ रे. ७
।ऽ।।।ऽनृ।ऽ।।
,, १४ बुधे मघा ल. ९ (घ.५१-२४उ.) रे. ७
।।।ऽबु।ऽरो।ऽ।। पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ शनौ उफा ल. गो. (सोग्रांगः) रें. ७
।।।ऽबृऽऽअ।।। पादतो वेधाऽभावः
,, ७ गुरौ अनु ल. ऽन्यगो (सोग्रागः) ६-७ रे. ७
ऽ।।।।ऽऽ।।
,, ११ चन्द्रे उषा. ल. ऽन्यगो (सोग्रांग·) ७-८ रे. ७
ऽ।।।ऽअ।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१४४५स.२०३४
१	मं	१५	३२	उ	७	२६	ब्र	४५	३७	ब	१५	३२	३०/४	५/५९	६/१	३०	२६	२१	मीने	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभःनवरात्रारंभः-
२	बु	६	३७	रे	०/३१	५३/२२	ऐं	३५	३४	कौ	६	३७	८	५८	२	१	१	२२	मे.०।३१	मोहोरम१सन्१४५६हि.भा.चैत्रारंभः=
३	बु	५१	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-सिंधारा [=मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	गु	५०	२१	भ	४८	१	वै	२६	५	व	२४	१४	१२	५८	२	२	२	२३	मेषे .	भ.२४।१४उ.५०।२१या.
५	शु	४३	१७	कृ	४३	९	वि	१७	१४	ब	१६	४६	१६	५७	३	३	३	२४	वृ.१।४८	
६	श	३७	४३	रो	३९	३४	प्री	९	४८	कौ	१०	३०	२१	५६	४	४	४	२५	वृषे	अश्वि.मेषेशुक्र:२९।५४
७	र	३३	१६	मृ	३७	११	आ	३/४	५४/२३	ग	५	२९	२५	५५	५	५	५	२६	मि८।२२	भ.३३।१६उ.कृत्ति.भौम.१८।३२
८	चं	३०	२४	आ	३६	१९	शो	५३	११	वि	१	५०	२९	५४	६	६	६	२७	मिथुने	भ.५/५०या.पूषाबुध:९/१०पूभा४मीनेगुरु:३३/९
९	मं	२८	४६	पु	३६	४५	अ	४९	१०	कौ	२८	४९	३३	५३	७	७	७	२८	क.२१।३९	रामनवमी
१०	बु	२८	३२	पु	३८	३४	सु	४६	५२	ग	२८	३२	३७	५३	७	८	८	२९	कर्के	भ.५९।८उ.
११	गु	२९	४४	श्ले	४१	३९	धृ	४५	३१	वि	२९	४४	४१	५२	८	९	९	३०	सिं४१।३९	भ.२९।४४या.कामदा११व्र.
१२	शु	३१	५२	म	४५	४६	शू	४६	१७	ब	०	४८	४५	५१	९	१०	१०	३१	सिंहे	रेवत्यांरवि:३५।३०वृषेभौम:९।४८
१३	श	३५	२२	पू	५०	५२	गं	४६	२५	कौ	३	३७	४९	५०	१०	११	११	१	सिंहे	अप्रेल४ता.३० प्रदोष:
१४	र	३९	३५	उ	५६	५५	वृ	४७	२६	ग	७	२८	५३	४९	११	१२	१२	२	कं.७।२३	भ.३९/३५उ.मीनेबुध:१७/३८
१५	चं	४४	५८	ह	६०	०	ध्रु	४९	५	वि	१२	१७	५७	४९	११	१३	१३	३	कन्यायां	भ १२।१७या. हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.२बु.इ. ५३/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	१०	११	२	५	११
८	२४	१३	२८	२६	२०	८	७
३	२१	४७	५०	४८	११	४७	५५
१८	७	२४	५३	७	३५	४२	३६
५९	४०	८६	१३	७४	०	३	५९
२९	३३	१०	३२	२	४९	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन बाजरा मूंग मोठ जौ गेहूं मक्का वस्त्र वारदाना गुड शक्कर सोना चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

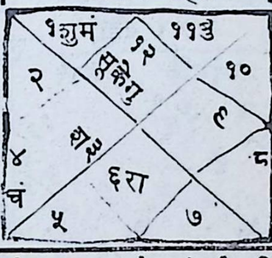

५१पं.चै.शु.१०बु.इ. ५३/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	०	१०	११	०	२	५	११
१४	२९	२४	०	५	२०	८	१४
५९	८	२६	३१	२६	१४	२५	५१
१०	२४	३१	२३	३५	५९	२६	४७
५९	४०	९७	१३	७३	१	३	५९
१६	३१	५८	२६	५६	२९	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं	५०	२९	ह	३	२३	व्या	५१	८	बा	१७	४३	३१/१	५/४८	६/१२	१४	१४	४	तु.३७।५	उभाबुध:१६।३८
२	बु	५६	४७	चि	१०	४७	ह	५३	४०	तै	२३	३८	५	४७	१३	१५	१५	५	तुलायां	भरण्यांशुक्र:१९।१९
३	गु	६०	०	स्वा	१८	१७	व	५५	४५	व	२९	५४	८	४६	१४	१६	१६	६	तुलायां	भ.२९।५४उ.
३	शु	३	२	वि	२५	५६	सि	५८	९	वि	३	२	११	४६	१४	१७	१७	७	वृ.९।११	भ.३।२या. चतुर्थी व्र.
४	श	९	१४	अ	३३	१५	व्य	६०	०	बा	९	१४	१५	४५	१५	१८	१८	८	वृश्चिके	
५	र	१४	४९	ज्ये	३९	४०	व्य	०	२	तै	१४	४९	१८	४४	१६	१९	१९	९	ध.३९।४०	बुधास्त:पूर्वस्यां१।३९
६	चं	१९	३८	मू	४५	१५	व	१	८	व	१९	३८	२२	४४	१७	२०	२०	१०	धनुषि	भ.१९/३८उ.५१/२१या.उभा.१गुरु:४४/५
७	मं	२३	५	पू	४९	१६	प	१	११	ब	२३	५	२६	४३	१८	२१	२१	११	धनुषि	रेवत्यांबुध:३७।१४
८	बु	२४	५५	उ	५१	३४	शि	०/४	५५/२२	कौ	२४	५५	३०	४२	१८	२२	२२	१२	म.४।५०	[×(सौर:१७/३४ रोहि.भौम:५३/५७
९	गु	२४	५१	श्र	५१	५५	सा	५३	१६	ग	२४	५१	३४	४१	१९	२३	२३	१३	मकरे	भ.५३।४७उ.
१०	शु	२२	४३	ध	५०	२९	शु	४७	३८	वि	२२	४२	३८	४	२०	२४	२४	१४	कुं.२१।१२	भ.२२।४२या.अश्वि.मेषेऽर्क:९।२९×
११	श	१८	३६	श	४६	४६	शु	४०	१७	बा	१८	३६	४२	४०	२०	२५	२५	१५	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	र	१२	३५	पू	४१	३४	ब्र	३१	३०	तै	१२	३५	४६	३९	२१	२६	२६	१६	मी२७।५२	कृत्ति.शुक्र:११।५५ प्रदोष:
१३	चं	५	२	उ	३५	१	ऐं	२१	४५	व	५	२	५०	३८	२२	२७	२७	१७	मीने	भ.५।२उ.३०।३३या.
१४	चं	५१	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	मं	४६	२२	रे	२७	३७	वै	११	११	च	२१	१३	५३	३७	२३	२८	२८	१८	मे.२७।३७	अश्वि.मेषेबुध:१५।३९ बृषेशुक्र:५७।४४

५२पं.वै.कृ.२बु.इ. ५३/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	११	०	२	५	११
२१	३	६	२	१४	२०	८	२१
५३	५४	१६	१०	२	३२	३	४५
३१	३६	४८	१६	२०	५६	१०	५८
५९	४०	०/९	१३	७३	२	३	५९
४	२१	०/६	२०	५०	८	११	४

गोचर ग्रहाः

गोचर ग्रहाः

१पं.वै.कृ१०शु.इ. ९/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	११	११	०	२	५	११
०	९	२१	९	२४	२०	७	२९
०	३०	४५	४	९	५४	३७	५२
०	४	४३	३७	३२	११	३	१४
५८	४०	०/८	१३	७३	२	३	५८
४४	२३	२/२	२	४४	५५	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:१४७४सं.२०३४
१	बु	३६	२६	अ	१९	३९	वि	०/२२	४९/१०	किं	११	२४	३१/५७	५/३७	६/२३	२९	२९	१९	मेषे	[–उफा. ३ राहु. उभा. १ केतु: ६/४९
२	गु	२७	२७	भ	१२	६	आ	३९	१३	बा	१	५६	३२/१	३६	२४	३०	३०	२०	वृ.२५।२१	चन्द्रदर्शनम् परशुरामजयंती
३	शु	१८	२८	कृ	५/७	५४/२०	सौ	२९	२६	ग	१८	२८	५	३५	२५	१	१	२१	वृषे	भ.४४/३७उ.सफर२भा.वैशाखारंभ:अक्षया३
४	श	१०	४७	मृ	५५	१२	शो	२०	५७	वि	१०	४७	९	३४	२६	२	२	२२	मि२७।२०	भ.१०।४७या.
५	र	४	३१	आ	५२	४१	अ	१४	५	बा	४	३१	१२	३४	२६	३	३	२३	मिथुने	
६	चं	०	११	पु	५१	५४	सु	८	३१	तै	०	११	१६	३३	२७	४	४	२४	क.३७।६	भ.५७।२८उ.भरण्यांबुध:३६।२
७	चं	५७	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	मं	५६	४२	पु	५३	२	धृ	४	१७	वि	२७	५	२०	३२	२८	५	५	२५	कर्के	भ.२/५या.उभा.२गुरु:३१/२पातस्पर्श:४४/५०
९	बु	५७	४३	श्ले	५५	५६	शू	१	४१	बा	२७	१३	२३	३१	२९	६	६	२६	सि५५।५६	पातमोक्ष:६।४३
१०	गु	६०	०	म	६०	०	गं	०	१३	तै	२८	५५	२७	३१	२९	७	७	२७	सिंहे	भरण्यांरवि:४९/४१ सौर:५८/५९ रोहिशुक्र:३०/४२
१०	शु	०	७	म	०	१०	वृ	०	१	ग	०	७	२१	३०	३०	८	८	२८	सिंहे	भ.३२।४उ.
११	श	.४	१	पू	५	३८	ध्रु	०	४७	वि	४	१	३४	२९	३१	९	९	२९	कं.२२।१४	भ.४।१या.मोहिनी११ब्र.
१२	र	८	४१	उ	१२	१	व्या	२	४	बा	८	४१	३८	२८	३२	१०	१०	३०	कन्यायां	कृत्ति.बुध:५१।२ प्रदोषः
१३	चं	१४	३०	ह	१९	५	ह	४	८	तै	१४	३०	४१	२८	३२	११	११	१	तु.५२।४१	मई५ता.:१ नृसिंहजयंती
१४	मं	२०	६	चि	२६	१७	व	६	२	व	२०	६	४५	२७	३३	१२	१२	२	तुलायां	भ.२०/६उ.५३/१५या.बृषेबुध:३/३४–
१५	बु	२६	२४	स्वा	३३	४७	सि	८	३४	ब	२६	२४	४८	२६	३४	१३	१३	३	तुलायां	बुधोदय:पश्चिमायां५९/१यमायकुंभदानम्

२पं.वै.शु.३शु इ. ९/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	१	२	५	०
६	१४	६	५	२	२१	७	६
५०	११	६	४०	४१	१८	१४	४२
४६	५३	४	५	४६	०	४७	२५
५८	४०	४८/९	१२	७३	३	३	५८
३१	१९	९/२	३७	३२	३५	११	२९

गोचर ग्रहा:

वैशाख कृष्णे १०शुक्रे मेषेऽर्क:प्रविष्ट. वा.४ न. ४ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३०धान्या-दिभावे समता शुक्रोदय:पश्चिमायां।

गोचर ग्रहा:

३पं.वै.शु.१०शु.इ. १०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	११	१	२	५	०
१३	१८	२१	७	११	२१	६	१३
३९	५३	५	१२	१२	४६	५२	३०
५०	२४	४६	३६	३२	४१	३१	५७
५८	४०	२०/८	१२	७३	४	३	५८
१९	४	३/४	१८	२०	१४	११	१२

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	३२	२४	वि	४१	१४	व्य	१०	४७	कौ	३२	२४	३२/५२	५/२६	६/३४	१४	१४	४	वृ.२४।२२	मृगेभौम:५०।३५
२	शु	३८	२५	अ	४८	२२	व	१३	७	तै	५	२४	५५	२५	३५	१५	१५	५	वृश्चिके	
३	श	४३	४४	ज्ये	५४	४९	प	१४	५६	व	११	४	५८	२४	३६	१६	१६	६	ध.५४।४९	भ.११।४उ.४३।४४या.
४	र	४८	२२	मू	६०	०	शि	१६	१७	ब	१६	३	३३/२	२४	३६	१७	१७	७	धनुषि	रोहि.बुध:३५।३४ चतुर्थी ब्र.
५	चं	५२	१	मू	०	३७	सि	१६	५५	कौ	२०	११	५	२३	३७	१८	१८	८	धनुषि	मृगेशुक्र:६।१३
६	मं	५४	२३	पू	५	१८	सा	१६	२५	ग	२३	१२	८	२२	३८	१९	१९	९	म.२१।९	भ.५४।२३उ.
७	बु	५५	१८	उ	८	४४	शु	१५	१७	वि	२४	५०	११	२२	३८	२०	२०	१०	मकरे	भ.२४।५०या.
८	गु	५४	३४	श्र	१०	३३	शु	१२	४१	बा	२४	५६	१४	२१	३९	२१	२१	११	कुं.४०।४०	कृत्ति.रवि:३५/४० सौर:४६/५१)उभा.३बुध:२९/३३
९	शु	५२	४	ध	१०	४६	ब्र	८	३८	तै	२३	१९	१७	२१	३९	२२	२२	१२	कुंभे	
१०	श	४७	४१	श	९	१०	ऐं	३/१६	५३/२१	व	१९	५२	२०	२०	४०	२३	२३	१३	मी५१।४५	भ.१९/५२उ.४७/४१या.मिथुनेशुक्र:४४/४३
११	र	४१	२३	पू	५	५६	वि	४८	११	ब	१४	३२	२३	१९	४१	२४	२४	१४	मीने	मिथुनेभौम:५३।५५ अपरा११ब्र.
१२	चं	३३	४६	उ	०/५८	५३/५५	प्री	३८	३५	कौ	७	३४	२६	१९	४१	२५	२५	१५	मे.५४।५३	बृषेऽर्क:२।५५(सौर:१४।४४)प्रदोषः
१३	मं	२५	२	अ	४७	४२	आ	२८	२९	व	२५	२	२८	१८	४२	२६	२६	१६	मेषे	भ.२५/२उ.४९/५०या.मृगेबुध:२६/४१पुन.२=
१४	बु	१४	३७	भ	३९	५४	सौ	१७	४१	श	१४	३७	३१	१८	४२	२७	२७	१७	वृ.५२।५८	
३०	गु	४	२०	कृ	३२	१०	शो	६/५१	४९/२०	ना	४	२०	३४	१७	४३	२८	२८	१८	वृषे	वटपूजनम् [=शनि:५९/४६

४पं.ज्ये.कृ.२शु.इ. १०/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	११	१	२	५	०
२०	२३	५	८	१९	२२	६	२०
२७	३२	१९	४१	४०	१९	३०	१७
२९	७	५९	५३	३०	३४	१६	३७
५८	४०	९/०	११	७३	४	३	५७
६	०	१/०	५३	११	४७	११	५७

गोचर ग्रहा:

ज्येष्ठ कृश्णे १२ चन्द्रे बृषेऽर्क:प्रविष्टः वा.४ न. ५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धा-न्यादि भावे समता शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहा:

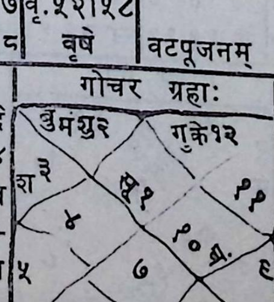

५पं.ज्ये.कृ.९शु.इ. १०/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	१	११	१	२	५	०
२७	२८	१७	१०	२८	२२	६	२७
१३	११	१३	७	५	५५	८	२
३७	१३	४४	४१	३५	५५	०	५१
५७	३९	९२	११	७२	५	३	५७
५४	५६	५७	१६	५०	८	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः१५०४स.२०३४
१	गु	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	४६	२०	रो	२४	५३	सु	४६	२९	बा	२० ५७	३३/३७	५/१७	६/४३	२९	२९	१९	मि५१।५०	चन्द्रदर्शनम् आर्द्राशुक्रः१९।४५
३	श	३८	४०	मृ	२८	४७	धृ	३७	३२	तै	१२ ३०	३९	१६	४४	३०	१	२०	मिथुने	रविलावल३
४	र	३२	३५	आ	१४	११	शू	३०	५	व	५ ३७	४२	१६	४४	३१	२	२१	क.५७।१३	भ.५।३७उ.३२।३५या.
५	चं	२८	२४	पु	११	३४	गं	२४	२७	ब	० २९	४४	१५	४५	१	३	२२	कर्के	मिथुनेबुधःभा.ज्येष्ठारंभः
६	मं	२६	१२	पु	१०	४६	वृ	२०	२३	तै	२६ १२	४७	१५	४५	२	४	२३	कर्के	
७	बु	२६	२२	श्ले	१२	२५	ध्रु	१८	३	व	२६ २२	४९	१४	४६	३	५	२४	सिं१२।२५	भ.२६।२२उ.५७।१८या.
८	गु	२८	१४	म	१५	४०	व्या	१७	२	ब	२८ १४	५२	१४	४६	४	६	२५	सिंहे	रोहि.रविः२६/९८(सौरः४६/४६)आर्द्रा.भौमः५/४७
९	शु	३१	५८	पू	२०	४४	ह	१७	३८	बा	० ६	५४	१३	४७	५	७	२६	कं.३७।१७	
१०	श	३६	५०	उ	२६	५५	व	१८	५३	तै	४ २४	५६	१३	४७	६	८	२७	कन्यायां	गंगादशमी
११	र	४२	४८	ह	३४	१७	सि	२१	३	व	९ ४९	५८	१२	४८	७	९	२८	कन्यायां	भ.९।४९उ.४०।४८या.निर्जला११व्र.
१२	चं	४८	५१	चि	४१	३३	व्य	२३	२०	ब	१५ ५०	३४/०	१२	४८	८	१०	२९	तु.७।५५	उभा.४गुरुः२६।५८
१३	मं	५५	११	स्वा	४६	१४	व	२५	५०	कौ	२२ १	२	१२	४८	९	११	३०	तुलायां	पुन.शुक्रः३५।४४ प्रदोषः
१४	बु	६०	०	वि	५६	२८	प	२८	१३	ग	२८ ५	३	११	४९	१०	१२	३१	वृ.३९।३९	वक्रीबुधः२९।४८
१४	गु	०	५९	अ	६०	०	शि	३०	१७	व	० ५९	७	११	४९	११	१३	१	वृश्चिके	भ.०।५९उ.३३।४५या.जून६ता.३०
१५	शु	६	३२	अ	३	२६	सि	३१	५७	व	६ ३२	५	११	४९	१२	१४	२	वृश्चिके	गुर्जराणां वटसावित्री व्र.

६ पं.ज्ये.शु.२शु.इ. १०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	११	२	२	५	१
३	२	२६	११	६	२३	५	३
५८	५७	८	२९	२८	३६	४५	४६
४४	४२	५३	४९	५९	०	४५	३६
५७	३९	६१	१०	७२	५	३	५७
४४	४६	४३	४१	३२	३५	११	३४

७पं.ज्ये.शु.९शु.इ. १०/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	२	२	५	१
१०	७	१	१२	१४	२४	५	१०
४२	२२	३९	४७	४९	१९	२३	३८
४०	१०	४३	२४	५	१९	२९	४७
५७	३९	२५	९	७२	६	३	५७
३५	५३	३५	५८	६	२	११	२३

८पं.ज्ये.शु.१५शु.इ.१०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	२	२	५	१
१७	११	३	१३	२३	२५	५	१७
२५	५७	२३	५९	५	५	१	९
२६	२५	३१	४९	२४	१३	१३	५३
५७	३९	६	९	७१	६	३	५७
२७	४५	व.	२०	४४	२०	११	१३

ति.	प्र.आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	११	११	ज्ये	९	३२	सा	३२	५३	कौ	११ ११	३४/९	५/१०	६/५०	१३	१५	३	ध.९।३२	
२	र	१५	६	मू	१४	४७	शु	३३	१०	ग	१५ ६	१०	१०	५०	१४	१६	४	धनुषि	भ.४६/३१उ.बुधास्तःपश्चिमायां५३/४८
३	चं	१७	५६	पू	१९	८	शु	३२	४०	वि	१७ ५६	१२	१०	५०	१५	१७	५	म.३४।५९	भ.१७।५६या. चतुर्थीव्र.
४	मं	१९	४३	उ	२२	३२	ब्र	३१	१४	बा	१९ ४३	१३	९	५१	१६	१८	६	मकरे	
५	बु	२०	११	श्र	२४	४९	ऐं	२९	०	तै	२० ११	१५	९	५१	१७	१९	७	कुं.५५।२०	
६	गु	१९	४८	ध	२५	५१	वै	२५	५२	व	१९ ४८	१६	९	५१	१८	२०	८	कुंभे	भ.१९/४८उ.४९/०या.मृगेरविः२१/९० सौरः३९/३६)*
७	शु	१८	११	श	२५	४३	वि	२१	३७	ब	१८ ११	१७	९	५१	१९	२१	९	कुंभे	[*कर्केशुक्रः५/२१
८	श	१४	५९	पू	२४	१३	प्री	१६	१४	कौ	१४ ५९	१८	८	५२	२०	२२	१०	मी६।३५	पुष्येशुक्रः३२।१६
९	र	१०	३५	उ	२१	२२	आ	९	५७	ग	१० ३५	१९	८	५२	२१	२३	११	मीने	भ.३७।४१उ.
१०	चं	४	४६	रे	१७	११	सौ	२/२८	५१/४६	वि	४ ४६	१९	८	५२	२२	२४	१२	मे.१७।११	भ.४।४६या.योगिनी११व्र.स्मा.
११	चं	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	मं	४९	४६	अ	११	४९	अ	४५	०	कौ	२३ ५०	२०	८	५२	२३	२५	१३	मेषे	वक्रीवृषेबुधः०।१९योगिनी११व्र.वै.
१३	बु	४१	१३	भ	५/३७	५२/२२	सु	३५	१७	ग	१५ २९	२१	८	५२	२४	२६	१४	वृ.१८।४३	भ.४१।१३उ.पुन.भौमः३५।४३प्रदोषः
१४	गु	३२	१	रो	५२	५	धृ	२५	१०	वि	६ ३७	२१	८	५२	२५	२७	१५	वृषे	भ.६।३७या.मिथुनेऽर्कः९९/४४(सौरः४०/२४)–
३०	शु	२३	८	मृ	४५	३८	शू	१५	१७	ना	२३ ८	२२	८	५२	२६	२८	१६	मि१८।५१	[-पुन.३शनिः४१/४१

९पं.प्र.आ.कृ.७शु.इ. १०/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	२	११	३	२	५	१
२४	१४	१	१५	१	२५	४	२३
७	३०	४६	६	१७	५३	३८	४९
३०	४७	४१	४७	४६	३८	५८	४९
५७	३९	२८/११	८	७१	६	३	५७
२२	३९	व	३२	१७	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

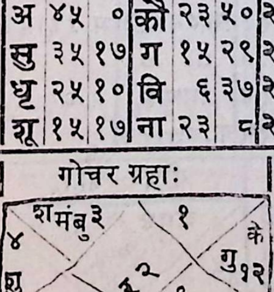

प्र. आषाढ कृष्णे १४ गुरौमिथुनेऽर्कःप्रविष्ट वा.४न.५वन्ध्यावस्था (ऊभी मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

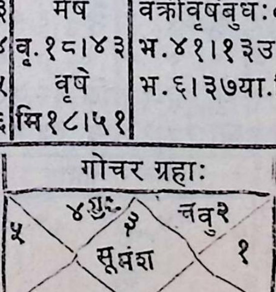

१०पं.प्र.आ.कृ.३०शु.इ.९/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	११	३	२	५	२
०	२१	२८	१६	९	२६	४	०
४८	२	१५	८	२५	४२	१६	२८
४७	४२	३६	६	४४	१९	४२	५८
५७	३९	३२/५३	७	७०	६	३	५६
१७	३५	व.	३२	४१	५०	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः१५३३स.२०३४
१	श	१४	४७	आ	४०	७	गं	५/४९	५१/३७	व	१४	४७	३४/२२	५/८	६/५२	२७	२९	१७	मिथुने	चन्द्रदर्शन संभवः
२	र	७	४७	पु	३५	५५	ध्रु	५०	१६	कौ	७	४७	२३	७	५३	२८	१	१८	क.२१।५८	रविलाखर४
३	चं	२	२०	पु	३३	२७	व्या	४४	२६	ग	२	२०	२३	७	५३	२९	२	१९	कर्के	भ.३०।३८उ.५५/६या.रेवती.१गुरुः४५/२
४	चं	५६	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	मं	५७	४६	श्ले	३३	५	ह	४०	३१	ब	२८	२१	२३	७	५३	३०	३	२०	सिं३३।२५	
६	बु	५८	२५	म	३४	५०	व	३८	२१	कौ	२८	५	२४	७	५३	३१	४	२१	सिंहे	
७	गु	६०	०	पू	३८	३८	सि	३७	४०	ग	२९	५०	२४	७	५३	१	५	२२	कं.५५।१	आर्द्रारविः१३/९(सौर ४५/५७)आश्ले.शुक्रः=
७	शु	१	१६	उ	४४	९	व्य	३८	८	व	१	१६	२४	७	५३	२	६	२३	कन्यायां	भ.९/१६उ.३३/३०या.बुधोदयःपूर्वस्यां२६/२७
८	श	५	४४	ह	५०	५१	व	३९	४६	ब	५	४४	२४	७	५३	३	७	२४	कन्यायां	[=२८/२४भा.आषाढारंभः
९	र	११	२६	चि	५८	७	प	४१	५६	कौ	११	२६	२४	७	५३	४	८	२५	तु.२४।२९	
१०	चं	१७	२२	स्वा	६०	०	शि	४४	२८	ग	१७	२२	२३	७	५३	५	९	२६	तुलायां	भ.५०।३५उ.अस्तोभौमः४७।४७
११	मं	२३	४७	स्वा	५	५२	सि	४६	५५	वि	२३	४७	२३	७	५३	६	१०	२७	वृ.५६।२७	भ.२३/४७या.मार्गीबुधः३५/३२कमला११व्र.
१२	बु	२९	३७	वि	१३	१९	सा	४९	७	बा	२९	३७	२२	८	५२	७	११	२८	वृश्चिके	
१३	गु	३४	५६	अ	२०	७	शु	५०	३९	कौ	२	१६	२२	८	५२	८	१२	२९	वृश्चिके	अस्तंशनेः२०।२०
१४	शु	३९	१	ज्ये	२६	८	शु	५१	२४	ग	६	५८	२१	८	५२	९	१३	३०	ध.२६।८	भ.३९।१उ.ककभौमः४।५२
१५	श	४२	८	मू	३०	५५	[illegible]	५१	२१	वि	१०	३४	२०	८	५२	१०	१४	१	धनुषि	भ.१०।३४या जुलाई७ता.३१

११पं.प्र.आ.शु.७शु.इ. १०/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	२	१	११	३	२	५	२
७	२५	२५	१७	१७	२७	३	७
२९	३३	१९	२	२९	३५	५४	७
४२	२९	१९	२४	२३	१३	२७	२५
५७	३९	१९/४३	६	६९	७	३	५६
१३	३५	व.	३२	५८	२	११	५४

गोचर ग्रहाः

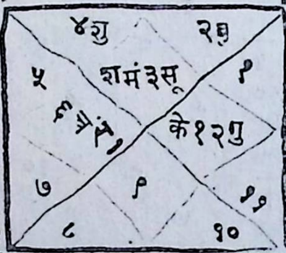

इस मास में वदि में धान्य चांदीस्वर्णलोहा रुई रंग सूत मंदाहोकर सुदि में तेज हो जावे प्रज में महामारी फैले

गोचर ग्रहाः

१२पं.प्र.आ.शु.१४श.इ. १०/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	११	३	२	५	२
१४	०	२५	१७	२५	२८	३	१३
१०	३	२३	४९	२६	२८	३२	४५
८	५०	३१	३४	१७	१२	११	३०
५७	३९	१३/३३	५	६९	७	३	५६
७	२२	मा	३१	२	९	११	५०

ति	द्वि आषाढकृष्णपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे प्र.आषाढकृष्णेति महा.
१	र	४४	१	पू	३४	४०	ऐं	५०	२२	बा	१३	५	३४/५९	५/८	६/५२	११	१५	२	म.५०।१६	
२	चं	४४	४७	उ	३७	६	वै	४८	३२	तै	१४	२४	१८	८	५२	१२	१६	३	मकरे	[—उफा.२राहुःपूभा.४केतुः३/३४
३	मं	४४	१७	श्र	३८	४१	वि	४५	५२	व	१४	३२	१७	९	५१	१३	१७	४	मकरे	भ.१३/३२उ.४४/१७या.मघा.सिंहेशुक्रः१७/२०–
४	बु	४२	५६	ध	३९	२२	प्री	४२	२०	ब	१३	३६	१६	९	५१	१४	१८	५	कुं.९।२	पुष्येभौमः१८।११ चतुर्थी व्र.
५	गु	४०	४६	श	३९	७	आ	३८	७	कौ	११	५१	१५	९	५१	१५	१९	६	कुम्भे	पुन.रविः१७।१९(सौरः४५।५९)
६	शु	३७	४३	पू	३७	५०	सौ	३३	१८	ग	९	१५	१४	९	५१	१६	२०	७	मी२३।९	भ.३७।४३उ.मिथुनेबुधः
७	श	३३	५५	उ	३५	५३	शो	२७	३८	वि	५	४९	१३	९	५१	१७	२१	८	मीने	भ.५।४९या.
८	र	२९	२८	रे	३३	१६	अ	२१	२५	बा	१	४१	११	१०	५०	१८	२२	९	मे.३३।१६	
९	चं	२३	५५	अ	२९	४४	सु	१४	४१	ग	२३	५५	१०	१०	५०	१९	२३	१०	मेषे	भ ५०।४३उ.
१०	मं	१७	३१	भ	२५	३०	धृ	७/९	५२/८	वि	१७	३१	८	१०	५०	२०	२४	११	वृ.३९।१७	भ.१७।३१या.
११	बु	११	०	कृ	२०	३७	गं	५०	४२	बा	११	०	७	११	४९	२१	२५	१२	वृषे	पुन.४कर्केशनिः३।४७कमला११व्र.
१२	गु	३	४४	रो	१५	३५	वृ	४२	५	तै	३	४४	५	११	४९	२२	२६	१३	मि४२।५३	भ.५६।२६उ.आर्द्रा.बुधः३९।५२
१३	गु	५२	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	शु	४९	८	मृ	१०	१२	ध्रु	३३	१२	वि	२२	४७	३	११	४९	२३	२७	१४	मिथुने	भ.२२।४७या.
३०	श	४२	४४	आ	५	२१	व्या	२५	१३	च	१५	५६	१	१२	४८	२४	२८	१५	क.४७।१७	

१३पं.द्वि.आ.कृ.६शु.इ. १०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	११	४	२	५	२
२०	४	२९	१८	३	२९	३	२०
५०	३४	३५	२८	१६	२१	९	२३
३५	५	१३	४१	४४	२६	५५	२४
५७	३९	५०	४	६८	७	३	५६
७	३२	४९	२५	७	१७	११	५०

गोचर ग्रहाः

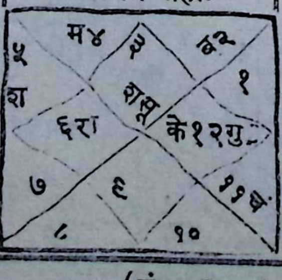

कृष्णपक्ष में तिथि घटे शुक्ल पक्ष बढ जाय। एकचीजकी क्या कहें सभीचीज बढ जाय॥ इस मास में मंदी का योग है।

गोचर ग्रहाः

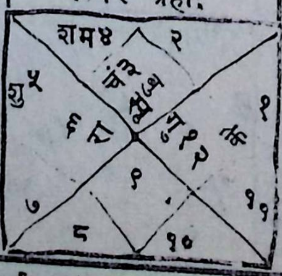

१४पं.द्वि.आ.कृ१४शु.इ. १०/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	११	४	३	५	२
२७	९	७	१८	११	०	२	२७
३०	२	३८	५९	०	१५	४७	१
५४	३५	५३	१७	४०	२९	४०	३१
५७	३९	८७	३	६६	७	३	५६
११	२९	१४	१८	५८	२०	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः१५६२स.२०३४
१	र	३७	१५	पु	१६	५७	ह	१५	५४	किं	१०	०	५९	१२	४८	२५	२९	१६	कर्के	कर्केऽर्क:४६।५५पूफा.शुक्र:१५।१७
२	चं	३३	२४	श्ले	५६	५५	व	११	३७	बा	५	१९	५७	१३	४७	२६	३०	१७	सिं५६।५५	कर्केऽर्क:सौर:९/४ ६/३ चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	मं	३१	२५	म	५७	३३	सि	६	४५	तै	२	२५	५५	१३	४७	२७	१	१८	सिंहे	जमादिलावल५
४	बु	३१	२६	पू	५९	५९	व्य	३	१६	व	१	२५	५२	१४	४६	२८	२	१९	सिंहे	भ.१।२५उ.३१।२६या.
५	गु	३३	७	उ	६०	०	व	१	३५	ब	२	१६	५०	१४	४६	२९	३	२०	कं.१६।४	पुष्येरवि:१६।१३(सौर:४९।२४)
६	शु	३७	२	उ	४	१८	प	१	४	कौ	५	५	४८	१४	४६	३०	४	२१	कन्यायां	पुन.बुध:३०।८
७	श	४२	१३	ह	१०	६	शि	१	५९	ग	९	३७	४५	१५	४५	३१	५	२२	तु.४३।३३	भ.४२।१३उ.
८	र	४७	५५	चि	१७	०	सि	३	४६	वि	१५	४	४३	१५	४५	१	६	२३	तुलायां	भ.१५।४या.बुधास्त:पूर्वस्यां४०।९ ×
९	चं	५४	१४	स्वा	२४	२८	सा	५	५९	बा	२१	४	४०	१६	४४	२	७	२४	तुलायां	[×भा.श्रावणारंभ:
१०	मं	६०	०	वि	३२	२	शु	८	३१	तै	२७	१२	३८	१६	४४	३	८	२५	बृ.१५।९	
१०	बु	०	१०	अ	३९	७	शु	१०	४७	ग	०	१०	३५	१७	४३	४	९	२६	वृश्चिके	भ.३/५ २/१ उ.कर्के बुध:५/२ २/५ आश्ले.भौम:१/४ ०/४
११	गु	५	३२	ज्ये	४५	१६	ब्र	१२	२९	वि	५	३२	३३	१७	४३	५	१०	२७	ध.४५।१६	भ.५।३२या.देवशयनी११व्र.
१२	शु	९	२८	मू	४९	५८	ऐं	१३	२६	बा	९	२८	३०	१८	४२	६	११	२८	धनुषि	पुष्येबुध:२/४ ९/७ उफा.शुक्र:४८।२०प्रदोष:
१३	श	१२	१४	पू	५३	२३	वै	१३	८	तै	१२	१४	२७	१९	४१	७	१२	२९	धनुषि	
१४	र	१३	१८	उ	५५	२१	वि	११	४४	व	१३	१८	२४	१९	४१	८	१३	३०	म.८।५२	भ.१३।१८उ.४३।११या.वायुपरीक्षा
१५	चं	१३	३	श्र	५५	५८	प्री	९	११	ब	१३	३	२२	२०	४०	९	१४	३१	मकरे	व्यासपूजागुरु१५

१५पं.द्वि.आ.शु.६शु.इ. १०/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	२	११	४	३	५	३
४	१३	१८	१९	१८	१	२	३
११	३०	५४	२१	३५	१०	२५	३९
३८	३६	२२	१८	३१	४४	१४	५८
५७	३९	[illegible]	१	६५	७	३	५६
१५	२९	१३	५४	३०	२०	११	५९

गोचर ग्रहाः

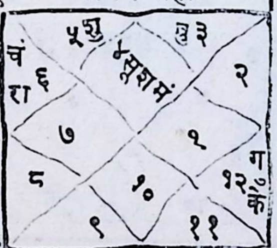

द्वि. आषाढ शुक्ले १
रवौकर्केऽर्कः प्रविष्टः
वा. ४ न. ५ कुमार्य
वस्था (बैठी; मु. ३०
धान्यादिभावे समता
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

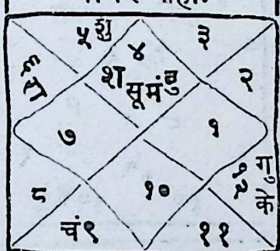

१६पं.द्वि.आ.शु१२शुइ. १०/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	११	४	३	५	३
१०	१७	२	१९	२५	२	२	१०
५२	५८	३९	३४	५९	४	३	१९
४१	१६	५०	५९	२४	४८	८	१५
५७	३९	[illegible]	०	६३	७	३	५७
२०	१९	५३	४७	४९	१६	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेद्वि.आषाढ कृष्णेतिमहा.
१	मं	११	१६	ध	५५	२६	आ	५	३४	कौ	११	१६	३९	२०	४०	१०	१५	१	कुं.२५।४२	कन्यायां शुक्र:१/७ ४/... वक्रीगुरु:१/१ ५/३ अगस्त A
२	बु	९	४०	श	५४	८	सौ	९/८	५४/४६	ग	९	४०	१६	२१	३९	११	१६	२	कुंभे	भ.३७।१८उ.
३	गु	४	५७	पू	५१	५३	अ	५०	२	वि	४	५७	१३	२१	३९	१२	१७	३	मी३७।२७	भ.५ ४/७ या.आश्ले.रवि:१/१ ३/४ (सौर:५/१ ०/१) ÷
४	शु	०	३७	उ	४९	१७	सु	४३	४४	बा	०	३७	१०	२२	३८	१३	१८	४	मीने	नागप५मरुस्थले [A८ ता.३१
५	शु	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷आश्लें.बुध:४/५ ८/१ उदयंशने:४/४ ६/५ चतुर्थीव्र.
६	श	५१	५	रे	४६	११	धृ	३७	१७	ग	२३	३५	७	२३	३७	१४	१९	५	मे.४६।११	भ.५१।५उ.
७	र	४६	३	अ	४३	१०	शू	३०	३५	वि	१८	३४	४	२३	३७	१५	२०	६	मेषे	भ.१८।३४या.
८	चं	४०	४३	भ	३९	५६	गं	२३	४४	बा	१३	२३	३३/०	२४	३६	१६	२१	७	वृ.५४।५	पुष्य.१शनि:१४।२३
९	मं	३५	२२	कृ	३६	३१	वृ	१६	४९	तै	८	२	३२/५७	२५	३५	१७	२२	८	वृषे	
१०	बु	२९	५०	रो	३२	५०	ध्रु	९	३५	व	२	३६	५४	२५	३५	१८	२३	९	वृषे	भ.२।३६उ.२९।५०या.
११	गु	२४	१५	मृ	२९	२०	व्या	२५	५२	बा	२४	१५	५०	२६	३४	१९	२४	१०	मि१।५	मघा.सिंहेबुध:२३।४३कामिका११व्र.
१२	शु	१८	५६	आ	२६	२	व	४८	३२	तै	१८	५६	४७	२७	३३	२०	२५	११	मिथुने	हस्तेशुक्र:१।३४प्रदोष:
१३	श	१४	१०	पु	२२	५८	सि	४२	११	व	१४	१०	४४	२७	३३	२१	२६	१२	क.८।४४	भ.१४।१०उ.४२।०या.
१४	र	९	५१	पु	२०	५३	व्य	३६	२६	श	९	५१	४०	२८	३२	२२	२७	१३	कर्के	
३०	चं	६	५२	श्ले	१९	५७	व	३१	४९	ना	६	५२	३७	२९	३१	२३	२८	१४	सिं१९।५७	हरियाली

१७पं.श्रा.कृ.४शु.इ.१०।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	११	५	३	५	३
१७	२२	१७	१९	३	२	१	१४
३४	२६	२३	३८	११	५८	४०	५९
२३	१०	४२	३१	१३	५	५३	३
५७	३९	[illegible]	२८	६१	७	३	५७
२५	२६	४६	व	४६	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

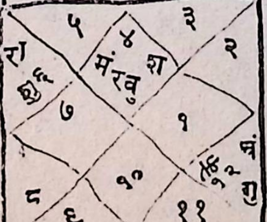

इस मास में धान्य गेहूं जोचना मटर सरसों सोना चांदी सण तिलहन मंदे हो कही २ कुछ वर्षा होवे।

गोचर ग्रहाः

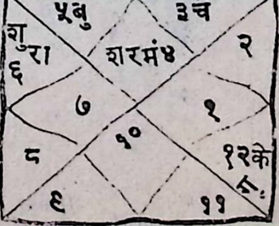

१८पं.श्रा.कृ.१२शु.इ.५ ९/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	११	५	३	५	३
२४	२६	१	१९	१०	३	१	२३
१६	५३	३०	३२	८	५१	१८	४०
४४	४९	३२	२	१०	०	३७	१०
५७	३९	[illegible]	[illegible]	५८	७	३	५७
३३	२६	४०	व	५०	२	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१५९२सन्२०३४
१	मं	५	१६	म	२०	२५	प	२८	६	ब	५	१६	३३/३३	२९/५	३५/६	२४	२९	१५	सिंहे	
२	बु	५	४	पू	२२	२५	शि	२५	५२	कौ	५	४	३०	३०	३०	२५	३०	१६	क.३८।१७	मघा.सिंहभौमः९/६चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	गु	६	४३	उ	२५	५२	सि	२४	४९	ग	६	४३	२६	३१	२९	२६	१	१७	कन्यायां	भ.३८/२०उ.मघा.सिंहेऽर्कः१६/७(सौरः४६/३५)×
४	शु	९	५७	ह	३०	४७	सा	२४	३७	वि	९	५७	२२	३२	२८	२७	२	१८	कन्यायां	भ.९।५७या.वरद४
५	श	१४	५२	चि	३७	१८	शु	२६	४	बा	१४	५२	१९	३२	२८	२८	३	१९	तु.४।२	नागपंचमी
६	र	२०	१८	स्वा	४४	१४	शु	२७	५६	तै	२०	१८	१५	३३	२७	२९	४	२०	तुलायां	[×पूफा.बुधः२९/२०बुधोदयःपश्चिमायां –
७	चं	२६	२९	वि	५१	५३	ब्र	३०	२२	व	२६	२९	१२	३४	२६	३०	५	२१	वृ.३४।५८	भ.२६।२९उ.५९।३५या.
८	मं	३२	४१	अ	५९	१५	ऐं	३२	४१	ब	३२	४१	८	३४	२६	३१	६	२२	वृश्चिके	[–३०।४७जमादिलाखर६तीज
९	बु	३८	२२	ज्ये	६०	०	वै	३४	५२	बा	५	३२	४	३५	२५	१	७	२३	वृश्चिके	भा.भाद्रपदारंभः
१०	गु	४२	४३	ज्ये	६	१	वि	३६	१६	तै	१०	३३	१	३६	२४	२	८	२४	ध.६।१	
११	शु	४५	४२	मू	११	२५	प्री	३६	३०	व	१४	१२	३१/६७	३७	२३	३	९	२५	धनुषि	भ.१४/१२उ.४५/४२या.उफा.बुधः२१/६५चित्रा. =
१२	श	४६	५८	पू	१५	१९	आ	३५	२२	ब	१६	२०	५३	३७	२३	४	१०	२६	म.३०।५२	[=शुक्रः३३।४७पवित्रा११व्र.
१३	र	४६	२३	उ	१७	३२	सौ	३२	५३	कौ	१६	४०	४९	३८	२२	५	११	२७	मकरे	कन्यायांबुधः२२।१४प्रदोषः
१४	चं	४३	५०	श्र	१७	५९	शो	२९	५	ग	१५	६	४६	३९	२१	६	१२	२८	कुं.४७।२१	भ.४३।५०उ.
१५	मं	३९	५९	ध	१६	४२	अ	२३	५१	वि	११	५५	४२	४०	२०	७	१३	२९	कुम्भे	भ.१/५१/५या.श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्भद्रो.

१९पं.श्रा.शु.४शु.इ.९।४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	११	५	३	५	४
१	१	१४	१९	१६	४	०	०
०	२०	३३	१५	४५	४२	५६	२२
४	५३	५०	५८	१	५०	२२	२३
५७	३९	०/०	१५/३	५५	६	३	५७
४०	१६	४०	व	४१	२०	११	३४

गोचर ग्रहाः

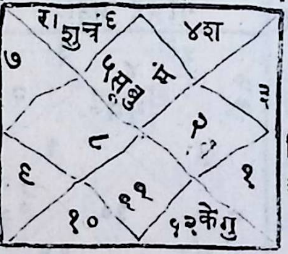

श्रावणशुक्ले १० चंद्रे। सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा.५न५प्रगल्भावस्था बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

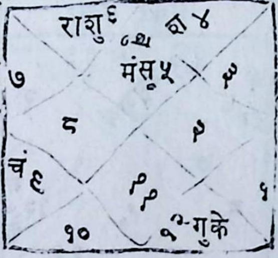

२०पं.श्रा.शु.११शु.इ.३/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	११	५	३	५	४
७	५	२६	१८	२२	५	०	७
४४	४८	२०	५१	५८	३२	३४	५
२८	४३	४२	२९	५	३८	६	४९
५७	३९	९९	१६/४	५१	६	३	५७
४९	१६	११	व	१४	३२	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	३४	५३	श	१४	४	सु	१७	३७	बा	७	२६	३५/३८	५/४०	६/२०	८	१४	३०	मी५६।२०	पूफा.रविः५७।०
२	गु	२९	१	पू	१०	२६	धृ	१०	२८	तै	१	५७	३९	४१	१९	९	१५	३१	मीने	भ.५५/५१उ.पूफा.रविःसौरः३७।२७
३	शु	२२	४२	उ	६	१४	शू	५७/२	५२/४	वि	२२	४२	३०	४२	१८	१०	१६	१	मीने	भ.२३/४२या.सितम्बर९ता.३०चतुर्थीव्र.
४	श	१६	११	रे	४९	५५/४०	बृ	४७	४	बा	१६	११	२६	४३	१७	११	१७	२	मे.१।४९	
५	र	९	५१	भ	५३	२०	ध्रु	३९	२२	तै	९	५१	२२	४४	१६	१२	१८	३	मेषे	हस्तेबुधः१/३५/१तुलायांशुक्रः१/२९/७चन्द्रषष्ठी
६	चं	३	५३	कृ	४९	३८	व्या	३१	५२	व	३	५३	१८	४४	१६	१३	१९	४	वृ.७।२५	भ.५३/३उ.३/१८या.पुष्य२शनिः१/२३/६उफा.१+
७	चं	५४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+राहुःपूभा३केतुः४४।४५
८	मं	५३	२८	रो	४६	१७	ह	२४	४८	बा	२५	५६	१५	४५	१५	१४	२०	५	वृषे	जन्माष्टमीव्र.
९	बु	४८	५३	मृ	४३	३२	व	१७	३१	तै	२१	१४	११	४६	१४	१५	२१	६	मि१४।५५	पूफा.भौमः१।२६गोगा९
१०	गु	४४	५५	आ	४१	१७	सि	११	२५	व	१६	५४	७	४७	१३	१६	२२	७	मिथुने	भ.१६।५९उ.४४।५५या.
११	शु	४१	३७	पु	३९	५८	व्य	५	३५	ब	१३	१६	३	४७	१३	१७	२३	८	क.२५।१८	अजा११व्र.
१२	श	३८	५८	पु	३८	५९	व	३०/०	५४/३	कौ	१०	१७	३०/५९	४८	१२	१८	२४	९	कर्के	वत्सद्वादशी
१३	र	३७	२९	श्ले	३८	५८	शि	५२	७	ग	८	१४	५५	४९	११	१९	२५	१०	सिं३८।५८	भ.३७।२९उ.प्रदोषः
१४	चं	३७	५	म	४०	१२	सि	४९	१४	वि	७	१७	५१	५०	१०	२०	२६	११	सिंहे	भ.७।१७या.
३०	मं	३७	५२	पू	४२	२४	सा	४७	४	च	७	२८	४७	५१	९	२१	२७	१२	कं.५८।२०	स्वात्यांशुक्रः५९/७कुशाग्रहणीपिठोरी३०

२१पं.भा.कृ.३शु.इ.२६/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	११	५	३	५	४
१४	१०	७	१८	२८	६	०	१३
३०	१५	०	१८	२८	२०	११	५१
४	५८	१८	७	१	३८	५१	१
५८	३९	८८	२६/५	४५	६	३	५७
११	१६	१५	व	१४	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

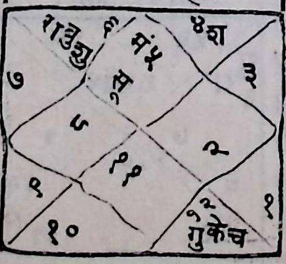

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर बाजरा धातु सोना चांदी रुई कपास वारदाना वस्त्र घृत तेल मंदे हो।

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.कृ.११शु.इ.१७/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	११	६	३	४	४
२१	१४	१६	१७	३	७	२९	२०
१७	४३	३४	३६	३८	६	४९	३७
६	३४	१६	५८	४२	२५	३५	४१
५८	३९	७५	२०/६	३८	५	३	५८
१३	१३	१९	व.	३२	५९	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१६२१स२०३४
१	बु	३९	५६	उ	४६	८	शु	४६	७	किं	८	५४	३०/४३	५१	६/९	२२	२८	१३	कन्यायां	उफा.रवि:४१।२५चित्रा.बुध:४२।५
२	गु	४३	२२	ह	५०	५४	शु	४५	४९	बा	११	३९	३९	५२	८	२३	२९	१४	कन्यायाँ	उफा.रवि:सौर:२२।७चंद्रदर्शनम्
३	शु	४८	१६	चि	५७	०	ब्र	४६	५१	तै	१५	४९	३५	५३	७	२४	१	१५	तु.२३।५७	रज्जव७हरितालिका३
४	श	५३	३८	स्वा	६०	०	ऐं	४८	८	व	२०	५७	३१	५४	६	२५	२	१६	तुलायां	भ.२०/५७उ.५३/३८या.वक्रीउभा४गुरु:३०/३७×
५	र	५९	५६	स्वा	३	४९	वै	५०	२६	व	२६	४७	२७	५५	५	२६	३	१७	वृ.५४।२७	कन्यायामर्कः:४६ (सौर:४७/१८) ऋषिपंचमी
६	चं	६०	०	वि	११	२०	वि	५३	२	कौ	३३	४	२२	५६	४	२७	४	१८	वृश्चिके	[×गणेशचतुर्थी
६	मं	६	१२	अ	१८	५५	प्री	५५	२५	तै	६	१२	१८	५६	४	२८	५	१९	वृश्चिके	
७	बु	१२	१८	ज्ये	२६	१३	आ	५७	१९	व	१२	१८	१४	५७	३	२९	६	२०	ध.२६।१३	भ.१२/१८उ.४४/५०या.तुला.बुध:३४।२८
८	गु	१७	२१	मू	३२	३४	सौ	५८	२४	ब	१७	२१	९	५८	२	३०	७	२१	धनुषि	[=अनंत१४महालयारंभः
९	शु	२१	५	पू	३७	३७	शो	५८	१५	कौ	२१	५	५	५९	१	३१	८	२२	म.५३।२६	[+कु.संध्या.पूजनारंभः
१०	श	२२	३०	उ	४०	५४	अ	५६	४४	ग	२२	३०	३०/०	६/०	६/०	१	९	२३	मकरे	भ.५२।५०उ.भा.आश्विनारंभः
११	र	२३	९	श्र	४२	१६	सु	५३	२८	वि	२३	९	२९/५६	६/०/१	५९	२	१०	२४	मकरे	भ.२३।९या.जलझूलनी११व्र.
१२	चं	२१	२	ध	४१	२९	धृ	४८	५०	बा	२१	२	५२	२	५८	३	११	२५	कुं.११।५२	वामनजयंतीप्रदोषः
१३	मं	१७	११	श	३८	५८	शू	४२	२९	तै	१७	११	४८	२	५८	४	१२	२६	कुम्भे	उफा.भौम:५८।३७
१४	बु	११	२७	पू	३४	५६	गं	३४	५७	व	११	२७	४४	३	५७	५	१३	२७	मी२०।५७	भ.११।२७उ.३७/५६या.हस्तेरवि:२०।० =
१५	गु	४	२५	उ	२९	३१	वृ	२६	२३	ब	४	२५	४०	४	५६	६	१४	२८	मीने	हस्तेरवि:सौर:५९।४८वक्रीबुध:५९/१८ +

२३पं.भा.शु.३शु.इ. ९।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	११	६	३	४	४
२८	१९	२४	१६	७	७	२९	२७
५	१०	४४	४९	४३	४९	२७	२५
२८	१२	१०	४४	१२	१६	१९	५७
५८	३९	५८	१०/७	२९	५	३	५८
२६	९	१	व	१०	३२	११	२९

गोचर ग्रहाः

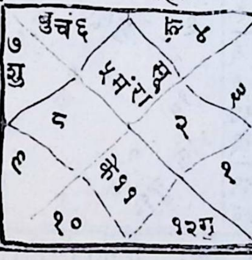

भाद्रपदशुक्ले ५ रवौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ बालावस्था (बैठी)मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२४पं. भा.श.९शु.इ.८।५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	११	६	३	४	५
४	२३	०	१५	१०	८	२९	४
५५	३७	५५	५७	३४	२८	५	१६
१९	२२	४४	३६	४४	४४	४	४
५८	३९	३५	४/७	१७	५	३	५८
३८	९	२३	व	५	४	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	गु	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×शस्त्रादिहतानांश्रा.
२	शु	४८	३४	रे	२३	३४	ध्रु	१७	१३	तै	२२	३७	२९/३६	६/५	५५	७	१५	२९	मे.२३।३४	बुधास्त:पश्चिमायां६।२९
३	श	४०	२५	अ	१७	१४	व्या	७/३९	१०/४०	व	१४	२९	३२	६	५४	८	१६	३०	मेषे	भ.१४।२९उ.४०।२५या.वक्रीशुक्र: ४।७
४	र	३२	२७	भ	११	१६	व	४९	२	ब	६	२६	२८	६	५४	९	१७	१	वृ.२४।५४	अक्टूबर१०ता.३१चतुर्थीव्र.
५	चं	२५	४१	कृ	५	४६	सि	४०	२७	तै	२५	४१	२४	७	५३	१०	१८	२	वृषे	कन्यायांभौम:६।७
६	मं	१९	३८	रो	१/८	५६/१७	व्य	३२	३१	व	१९	३८	१९	८	५२	११	१९	३	मि२९।१६	भ.१९।३८उ.४७।१०या.
७	बु	१४	४३	आ	५४	४७	व	२५	४१	ब	१४	४३	१५	९	५१	१२	२०	४	मिथुने	[=पुष्य३शनि:४८।५८
८	गु	१०	५२	पु	५३	२५	प	१९	४४	कौ	१०	५२	११	१०	५०	१३	२१	५	क.३८।४६	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	शु	८	१७	पु	५३	७	शि	१४	३४	ग	८	१७	७	११	४९	१४	२२	६	कर्के	भ.३७।२७उ.
१०	श	६	३८	श्ले	५३	५७	सि	१०	१९	वि	६	३८	३	११	४९	१५	२३	७	सिं५३।५७	भ.६।३८या.वक्रीकन्याबुध:४३।२३
११	र	६	१६	म	५६	३	सा	६	५८	बा	६	१६	२८/५९	१२	४८	१६	२४	८	सिंहे	उदयोभौम:४७।४०इंदिरा११व्र.
१२	चं	७	१४	पू	५९	७	शु	४	४४	तै	७	१४	५५	१३	४७	१७	२५	९	सिंहे	प्रदोषः
१३	मं	९	३	उ	६०	०	शु	३	१७	व	९	३	५१	१४	४६	१८	२६	१०	कं.१५।१२	भ.९।३उ.४०।३६या.चित्रा.रवि:५२/४ ×
१४	बु	१२	९	उ	३	२७	ब्र	३	०	श	१२	९	४७	१५	४५	१९	२७	११	कन्यायां	चित्रा.रवि:सौर:३०/२२वक्रीउभा.३गुरु५७/२५=
३०	गु	१६	७	ह	८	३५	ऐं	२	५७	ना	१६	७	४३	१५	४५	२०	२८	१२	तु.४१।४३	सर्वपितृ३०

२५ पं.आ.कृ.२शु.इ.८।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	६	११	६	३	४	५
११	२८	२	१५	११	९	२८	११
४६	४	५५	२	५३	४	४२	८
५२	४१	५२	१३	४९	३४	४८	१
५८	२९	०/५०	७/५२	२	४	३	५९
५३	२	व	व	१०	४३	११	०

गोचर ग्रहाः

आश्वि.शुक्ले१५भौमे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ कुमार्यवस्था(बैठी) मु. १५ धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रास्तःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

२६पं.आ.कृ.९श.इ.८।४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	११	६	३	४	५
१८	२	१	१४	११	९	२८	१८
४०	३३	३५	५	२०	३६	२०	१
५	२२	४२	५६	२४	५८	३३	४८
५९	३९	६०/३८	७/५२	१४/१८	४	३	५९
९	२	व	व	व	८	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:१६५१स.२०३४
१	शु	२१	२०	चि	१४	५२	वै	३	५८	ब	२१	२०	३६/३९	१६	४४/५	२१	२९	१३	तुलायां	वक्रोहस्तेबुध:४४/५१शुक्रास्त:पश्चिमायां ×
२	श	२६	५३	स्वा	२१	३४	वि	५	३२	कौ	२६	५३	३५	१७	४३	२२	३०	१४	तुलायां	चंद्रदर्शनम्[×४८/३६नवरात्रारंभ:माता.श्रा.
३	र	३३	२३	वि	२९	८	प्री	७	३१	तै	०	८	३१	१८	४२	२३	१	१५	वृ.१२।१५	शावान८
४	चं	३९	४८	अ	३६	३७	आ	९	४८	व	६	३५	२७	१९	४१	२४	२	१६	वृश्चिके	भ.६।३५उ.३९।४८या.
५	मं	४६	१३	ज्ये	४४	१८	सौ	१२	४	ब	१३	०	२३	१९	४१	२५	३	१७	ध.४४।१८	तुलायामर्क:३५/५३वक्रीचित्राशुक्र:३३/५१ =
६	बु	५१	४६	मू	५१	२१	शो	१४	३५	कौ	१८	५९	२०	२०	४०	२६	४	१८	धनुषि	तुलार्क,सौर:१३।६[=हस्तेभौम.४९।५६
७	गु	५६	१८	पू	५७	२६	अ	१६	२१	ग	२४	२	१६	२१	३९	२७	५	१९	धनुषि	भ.५६।१८उ.बुधोदय:पूर्वस्यां२४।३२
८	शु	५९	२०	उ	६०	०	सु	१७	२	वि	२७	४९	१२	२२	३८	२८	६	२०	म.१३।३५	भ.२७।४९या.
९	श	६०	०	उ	२	१	धृ	१६	४५	बा	३०	१	८	२२	३८	२९	७	२१	मकरे	मार्गीबुध:३८।४४
९	र	०	४३	श्र	४	४९	शू	१४	५४	कौ	०	४३	४	२३	३७	३०	८	२२	कुं.३५।१८	
१०	र	५९	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	चं	५७	५	ध	५	४७	गं	११	२९	व	२८	२९	०	२४	३६	१	९	२३	कुंभे	भ.३६/२९उ ५७/५या.भा.कार्तिकारंभ:पापां H
१२	मं	५२	१४	श	४	३७	बृ	६/२५	५३/२३	ब	२४	४०	२७/५६	२५	३५	२	१०	२४	मी४७।२७	स्वात्यांरवि:१७/५६सौर:५४/९पापांकुशा११वै.
१३	बु	४५	२७	पू	४४/१	५४/४९	व्या	५१	३८	कौ	१८	५०	५३	२५	३५	३	११	२५	मीने	प्रदोष: [Hकुशा११व्र.स्मा.
१४	गु	३७	२३	रे	५०	१८	ह	४२	१८	ग	११	२५	४९	२६	३४	४	१२	२६	मे.५०।१८	भ.३७।२३उ.कोजागरीव्र.
१५	शु	२८	२२	अ	४३	१६	व	३२	७	वि	२	५२	४५	२७	३३	५	१३	२७	मेषे	भ.५२/३या.शरदपूर्णिमाका.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.१श.इ. ३/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	११	६	३	४	५
२५	७	२४	१३	८	१०	२७	२४
३४	१	४	१०	५२	४	५८	५७
५९	४८	१६	५५	३०	४१	१७	३०
५९	३९	७३/२०	१७/४०	२८/३८	३	३	५९
२१	५	व	व	व	३२	११	३१

२८पं.आ.शु.८शु.इ. २/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	११	६	३	४	६
२	११	१८	१२	४	१०	२७	१
३१	३०	३७	१९	५८	२८	३६	५४
२३	३२	१	३४	५	१	१	५३
५९	३९	१४/५५	७/९	३६/१९	२	३	५९
३४	२	व	व	व	४९	११	४६

२९पं.आ.शु१५शु.इ.८।९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	११	६	३	४	६
९	१६	२०	११	०	१०	२७	८
२९	०	५९	३३	४७	४६	१३	५४
३८	२२	४९	२२	२४	३४	४६	१३
५९	३९	५७/४२	६/१२	३३/११	२	३	६०
४७	८	मा	व	५	८	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा
१	श	१९	५६	भ	३५	४५	सि	२१	३१	कौ	१९	५६	२७/४१	२८/६	३२/५	६	१४	२८	वृ.४८।५३	वक्रीकन्यायांशुक्र:२५/२शुक्रोदयपूर्वस्यां३९/२४
२	र	९	३४	कृ	२८	१६	व्य	१०	४७	ग	९	३४	३७	२९	३१	७	१५	२९	वृषे	भ.३५।५उ.चित्रा.बुध:३३।५५
३/४	चं	५२/०	३७/८	रो	२१	३६	व	२२/०	५०/१८	वि	०	३७	३४	२९	३१	८	१६	३०	मि४८।४५	भ.०।३७या.करकचतुर्थीव्र.
५	मं	४६	८	मृ	१५	५३	शि	४१	४७	कौ	१९	२६	३०	३०	३०	९	१७	३१	मिथुने	
६	बु	४१	१	आ	११	३३	सि	३४	१०	ग	१३	३५	२७	३१	२९	१०	१८	१	क.५४।२६	भ.४१।१उ.नवम्बर११ता.३०
७	गु	३७	४४	पु	८	४३	सा	२७	५६	बि	९	२२	२३	३१	२९	११	१९	२	कर्के	भ.१।२२या.
८	शु	३६	१	पु	७	३९	शु	२२	५९	बा	६	५२	१९	३२	२८	१२	२०	३	कर्के	तुला.बुध:२५।८
९	श	३५	५३	श्ले	७	५९	शु	१९	१८	तै	५	५७	१६	३३	२७	१३	२१	४	सिं७।५९	[+केतु:४४।४४रमा११व्र.
१०	र	३७	२०	म	१०	१०	ब्र	१६	५२	व	६	३६	१२	३४	२६	१४	२२	५	सिंहे	भ.६।३६उ.३७।२०या.
११	चं	३९	५८	पू	१३	३२	ऐं	१५	४५	ब	८	३९	९	३४	२६	१५	२३	६	कं.२९।४३	विशा.रवि:३८।२६पूफा.४राहु:पूभा.२+
१२	मं	४४	६	उ	१८	१८	वै	१५	४१	कौ	१२	२	५	३५	२५	१६	२४	७	कन्यायां	विशा.रवि:सौर:१/३ १/३स्वात्यांबुध:४८।० =
१३	बु	४८	५३	ह	२३	५९	वि	१६	११	ग	१६	२९	२	३६	२४	१७	२५	८	तु.५७।१६	भ.४८/५३उ.प्रदोष:धन१३[=चित्राभौम:३०/४९
१४	गु	५४	४१	चि	२०	३४	प्री	१७	२०	वि	२१	४७	२६/५८	३६	२४	१८	२६	९	तुलायां	भ.२१/४७या.बुधास्त:पूर्वस्यां५३/३१रुप१४
३०	शु	६०	०	स्वा	३७	३२	आ	१९	१०	च	२७	३९	५५	३७	२३	१९	२७	१०	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	श	०	३८	वि	४४	५६	सौ	२१	१४	ना	०	३८	५२	३८	२२	२०	२८	११	वृ.२८।५	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

३०पं का.कृ.८शु.इ ५८/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	५	११	५	३	४	६
१६	२०	२९	१०	२७	१०	२६	१५
२९	२९	३५	५४	३४	५९	५१	५५
२०	५६	२०	७	१	३१	३०	१७
६०	३९	८६	५/११	२१/३	१	३	६०
४	१	१४	व.	व	२८	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला में कुछ मंदी होवे रसकस गुड़ सक्कर चीनी कपास रुई वारदाना सोना चांदी आदि धातु तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.कृ.३०श.इ. ७/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	११	५	३	४	६
२३	२५	१०	१०	२६	११	२६	२२
३०	१	२२	२२	१०	७	२९	५७
४०	२६	३७	३१	१६	४१	१५	४८
६०	३८	९५	४/०	५/६	०	३	६०
१७	५४	३४	व	व	४७	११	३७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०६१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१६८९स.२०३४
१	र	७	३	अ	५२	३७	शो	२३	२५	ब	७	३	२६ ४९	६ ३८	५ २२	२१	२९	१२	वृश्चिके	मार्गीशुक्रः२२।९चंद्रदर्शनम्
२	चं	१३	२९	ज्ये	६०	०	अ	२५	४४	कौ	१३	२९	४५	३९	२१	२२	१	१३	वृश्चिके	रमजान९भातृ२यम२
३	सं	१९	५१	ज्ये	०	२५	सु	२७	५६	ग	१९	५१	४२	४०	२०	२३	२	१४	ध.०।२५	भ.५२।४२उ.
४	बु	२५	३४	मू	७	२७	धृ	२९	३७	वि	२५	३४	३९	४०	२०	२४	३	१५	धनुषि	भ.२५।३४या.
५	गु	३०	२६	पू	१३	४९	शू	३०	५२	बा	३०	२६	३६	४१	१९	२५	४	१६	म.३०।१२	बृश्चिकेऽर्कः३४ ३०विशा.बुधः९ ८वक्री ×
६	शु	३४	१	उ	१९	२२	गं	३१	२३	कौ	२	१३	३३	४१	१९	२६	५	१७	मकरे	बृश्चिकेऽर्कःसौरः५ ५०तुलायांभौमः४९ ५६=
७	श	३६	२५	श्र	२३	२६	वृ	३०	३१	ग	५	१३	३०	४२	१८	२७	६	१८	कुं.५४।४२	भ.३६।२५उ. [=वक्रीउभा२गुरुः३४।३
८	र	३६	५४	ध	२५	५८	ध्रु	२८	३२	वि	६	३९	२७	४३	१७	२८	७	१९	कुंभे	भ.३ ६या.अनु.रविः५२।५०गोपाष्टमी
९	चं	३५	४७	श	२६	४८	व्या	२५	८	बा	६	२०	२५	४३	१७	२९	८	२०	कुंभे	अनु.रविःसौरः२२।३८अक्षय९
१०	मं	३२	३४	पू	२५	४७	ह	२०	७	तै	४	१०	२२	४४	१६	३०	९	२१	मी११।२	भ.५९।५८उ. [×शनिः२७।१०
११	बु	२७	२२	उ	२२	३७	व	१३	३२	वि	२७	२२	१९	४४	१६	१	१०	२२	मीने	भ.२७ २२या.बृश्चिकेबुधः३५ ५९भा.मार्गशीर्षD
१२	गु	२०	३५	रे	१७	५२	सि	३१ ५	५३ ५०	बा	२०	३५	१७	४५	१५	२	११	२३	मे.१७।५२	प्रदोषः[Dरंभःप्रबोधिनी११व्र.तुलसीवि.
१३	शु	१२	२४	अ	११	३७	व	४६	७	तै	१२	२४	१४	४५	१५	३	१२	२४	मेषे	अनु.बुधः२६।५६वैकुंठ१४
१४	श	३	३	भ	५० ४	११ ५२	प	३५	११	व	३	३	१२	४६	१४	४	१३	२५	वृ.१७।१३	भ.३ ३उ.२८या.मन्वादिःका.स्ना.पू.
१५	श	५०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३२पं.का.शु.६शु.इ. ३३ ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	५	६	११	५	३	४	७
०	२९	२१	१०	२६	११	२६	०
३३	३२	३७	१	४५	१०	९	१
२२	२४	१	१२	१४	१२	५९	५२
६०	३९	९८	४३ २	१० ३१	० ५	३	६०
३०	४	१६	व	मा	व	११	४०

गोचर ग्रहाः

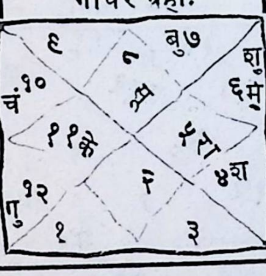

कार्तिक शुक्ले ५ गुरौ बृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ गतालकावस्था(ऊभी) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

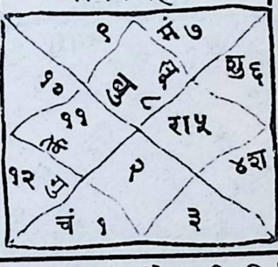

३३पं.का.शु.१३शु.इ.२० ७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	५	३	४	७
७	४	२	९	२९	११	२५	७
३७	३	४७	४८	६	७	४४	७
१६	४७	४९	२९	१८	५	४३	२५
६०	३९	९९	२० १	२३	० ४६	३	६०
४२	८	२१	व	५४	व.	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं० २०६१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	र	४३	२१	रो	४८	२२	शि	२३	५९	बा	१८	१७	२६ ९	६ ४६	५ १४	५	१४	२६	वृषे	तुला.शुक्रः२२।९
२	चं	३४	८	मृ	४०	५०	सि	१२	५६	तै	८	४५	७	४७	१३	६	१५	२७	मि१४।३६	भ.५९।५४उ.
३	मं	२५	४०	आ	३४	४०	सा	२६ २	२७ ५०	वि	२५	४०	५	४७	१३	७	१६	२८	मिथुने	भ.२५ ४०या.स्वात्यांभौमः५ ६ २चतुर्थीव्र.
४	बु	१८	३७	पु	२९	३६	शु	४४	४४	बा	१८	३७	२	४८	१२	८	१७	२९	क.१५।५२	
५	गु	१३	४८	पु	२६	२८	ब्र	३७	५९	तै	१३	४८	०	४८	१२	९	१८	३०	कर्के	मार्गीगुरुः०।४१
६	शु	१०	३५	श्ले	२५	१३	ऐं	३२	४५	व	१०	३५	२५ ५८	४८	१२	१०	१९	१	सिं२५।१३	भ.१ ३५उ.४१या.दिसम्बर१२ता.३१
७	श	९	४३	म	२६	३	वै	२९	१४	ब	९	४३	५६	४९	११	११	२०	२	सिंहे	ज्येष्ठाबुधः४८।१६
८	र	१०	४३	पू	२८	५०	वि	२७	१५	कौ	१०	४३	५४	४९	११	१२	२१	३	कं.४४।५७	ज्येष्ठा.रविः३।१(सौरः३०।३२)
९	चं	१३	३६	उ	३३	१८	प्री	२६	४३	ग	१३	३६	५३	४९	११	१३	२२	४	कन्यायां	भ.४५।३६उ.
१०	मं	१७	३७	ह	३८	५३	आ	२७	२३	वि	१७	३७	५१	५०	१०	१४	२३	५	कन्यायां	भ.१७।३७या.
११	बु	२२	५०	चि	४५	४१	सौ	२८	३७	बा	२२	५०	४९	५०	१०	१५	२४	६	तु.१२।१७	स्वात्यांशुक्रः४६।२६उत्पत्ति११व्र.
१२	गु	२९	५	स्वा	५३	८	शो	३०	४४	तै	२९	५	४८	५०	१०	१६	२५	७	तुलायां	
१३	शु	३५	२२	वि	६०	०	अ	३२	४८	ग	४	१३	४६	५१	९	१७	२६	८	वृ.४३।४५	भ.३५।२२उ.प्रदोषः
१४	श	४१	५५	वि	०	३८	सु	३५	९	वि	८	३८	४५	५१	९	१८	२७	९	वृश्चिके	भ.८।३८या.
३०	र	४८	१७	अ	८	९	धृ	३७	१६	च	१५	६	४४	५१	९	१९	२८	१०	वृश्चिके	

३४पं.मा.कृ.६शु.इ. ७।८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	६	३	४	७
१४	८	१३	९	२	१०	२५	१४
४२	३७	५२	४६	४८	५८	२२	१४
२९	५	८	३४	३६	३०	२८	११
६०	३९	९९	१५ ०	३४	३ ४	३	६१
५०	१	४३	मा	२९	व	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धातु धान्य गल्ला सोना चांदी रसकस वस्त्र बारदाना रुई कपास आदि तेज करे।

गोचर ग्रहाः

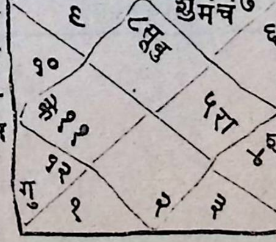

३५पं.मा.कृ.१३शु.इ. ५ ६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	११	६	३	४	७
२१	१३	२४	९	७	१०	२५	२१
४८	१०	५३	५४	३७	४४	०	२१
३२	२३	६	३२	८	२८	१२	५१
६०	३९	९९	१	४२	१४ ३	३	६१
५६	५	४	२०	३५	व.	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:१७१०स.२०३४
१	चं	५४	२०	ज्ये	१५	३१	शू	३९	१८	किं	२१	१८	२५/४३	५ ६/१	५/९	२०	२९	११	घ.१५।३१	मूलेधनुषिबुध:३०।२९
२	मं	५९	३८	मू	२२	३१	गं	४०	४७	बा	२६	५९	४२	५२	८	२१	३०	१२	धनुषि	उभा.३गुरु:१२।५६चंद्रदर्शनम्
३	बु	६०	०	पू	२८	३२	वृ	४१	४३	तै	३१	५८	४१	५२	८	२२	१	१३	म.४४।५७	सव्वाल१०
३	गु	४	१९	उ	३४	१२	ध्रु	४१	४७	ग	४	१९	४०	५२	८	२३	२	१४	मकरे	भ.३६।१उ.
४	शु	७	४४	श्र	३८	२९	व्या	४१	२६	वि	७	४४	३९	५२	८	२४	३	१५	मकरे	भ.७।४४या.
५	श	१०	१०	ध	४१	४७	ह	४०	११	बा	१०	१०	३९	५२	८	२५	४	१६	कुं.१०।८	मूलेधनुष्यर्क:१०।१६(सौर:३४।२२)
६	र	११	१२	श	४३	४३	व	३७	४३	तै	११	१२	३८	५२	८	२६	५	१७	कुम्भे	चंपा६ [=भा.पौषारंभ:मोक्षदा११व्र.वै.
७	चं	११	४	पू	४४	५	सि	३४	१	व	११	४	३८	५२	८	२७	६	१८	मी२८।५९	भ.११।४उ.४०।७या.विशा.भौम: ३६।९
८	मं	९	११	उ	४२	५९	व्य	२९	१२	ब	९	११	३७	५३	७	२८	७	१९	मीने	पूषा.बुध:५०।४८
९	बु	५	५१	रे	४०	२०	व	२२	८	कौ	५	५१	३७	५३	७	२९	८	२०	मे.४०।२०	[+स्मा.गीताजयंती
१०/११	गु	५ ०/३	५५/४०	अ	३६	१९	प	१५	२८	ग	०	५५	३६	५३	७	३०	९	२१	मेषे	भ.२७।१५उ.५४।३५या.मोक्षदा११व्र.+
१२	शु	४६	५३	भ	३०	४६	शि	५ ६/१	५०/३४	ब	२०	४४	३६	५३	७	१	१०	२२	वृ.४४।६	विशा.शुक्र:३ ८वक्रीपुष्य२शनि:५ १/३० =
१३	श	३८	१०	कृ	२४	५	सा	४७	४	कौ	१२	३१	३६	५३	७	२	११	२३	वृषे	प्रदोष:
१४	र	२८	५३	रो	१६	४९	शु	३६	१७	ग	३	३१	३६	५३	७	३	१२	२४	मि४३।१	भ.२८।५३उ.५४।१०या.
१५	चं	१९	२६	मृ	९	१४	शु	२५	३४	ब	१९	२६	३७	५३	७	४	१३	२५	मिथुने	बुधोदय:पश्चिमायां४२।३२दत्तजयंती

३६पं.मा.शु.४शु.इ. ६/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२६	८	११	६	३	४	७
२८	१७	५	१०	१३	१०	२४	२८
५५	४४	५५	१२	१४	२५	३७	३०
२९	१७	८	२२	२८	४४	५७	३४
६१	३८	९८	२	४८	३/४९	३	६१
०	५३	३२	४७	५१	व.	११	१९

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्षशुक्ले५ रवौ धनुष्यर्क:प्रविष्ट: वा. ३न.३ गतालकावस्था (ऊभी)मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रादय:पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

३७पं.मा.शु.१२शु.इ. ६/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	६	३	४	८
६	२२	१७	१०	१९	१०	२४	५
३	१७	०	३९	३१	२	१५	३९
०	५६	३२	५०	५२	३८	४१	५९
६१	३८	९७	४	५३	३/१	३	६१
४	५१	१८	२	३२	व.	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	मं	१०	३२	आ	२/८	५३/४८	ब्र	१५	१३	कौ	१०	३२	२५/३७	५ ६/३	५/७	५	१४	२६	क.४२।२९	
२	बु	२	४७	पु	५१	५	ऐं	३ ५/७	५१/४०	ग	२	४७	३७	५३	७	६	१५	२७	कर्के	भ.२९।२उ.५६।१७या.
३	बु	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	गु	५१	५५	श्ले	४७	५०	वि	५०	३१	ब	२४	६	३८	५२	८	७	१६	२८	सिं४७।५०	उषा.बुध:१४।१०चतुर्थीव्र.
५	शु	४९	१४	म	४६	४९	प्री	४५	१५	कौ	२०	३४	३८	५२	८	८	१७	२९	सिंहे	पूषा.रवि:१५।१९(सौर:३६।०)
६	श	४९	१	पू	४७	५९	आ	४१	३५	ग	१९	७	३९	५२	८	९	१८	३०	सिहे	भ.४९।१उ.मकरेबुध:२४।६
७	र	५०	४७	उ	५१	१	सौ	३९	५८	वि	१९	५४	४०	५२	८	१०	१९	३१	कं.३।४५	भ.१९।५४या.
८	चं	५५	३७	ह	५५	५८	शो	३९	४१	बा	२३	१२	४१	५२	८	११	२०	१	कन्यायां	वृश्चि.शुक्र४/३ १/४जनवरी१ता.३१स.२०३५
९	मं	६०	०	चि	६०	०	अ	४०	२३	तै	२७	४९	४२	५२	८	१२	२१	२	तु.२९।२	वृश्चिकेभौम:४९।३७
९	बु	०	२	चि	२	७	सु	४२	१०	ग	०	२	४३	५१	९	१३	२२	३	तुलायां	भ.३२।५६उ.
१०	गु	५	५१	स्वा	९	२५	धृ	४४	२०	वि	५	५१	४४	५१	९	१४	२३	४	तुलायां	भ.५।५१या.अनु.शुक्र:४०।३२
११	शु	१२	१९	वि	१७	४	शू	४६	४२	बा	१२	१९	४५	५१	९	१५	२४	५	वृ.०।९	सफला११व्र.
१२	श	१८	५९	अ	२४	४९	गं	४८	५५	तै	१८	५९	४७	५१	९	१६	२५	६	वृश्चिके	श्रवणेबुध:१४।२९प्रदोष:
१३	र	२५	१६	ज्ये	३२	२	वृ	५०	५५	ब	२५	१६	४८	५०	१०	१७	२६	७	ध.३२।२	भ.२५/१६उ.५८।६या.अनु.भौम:५९।२
१४	चं	३०	५६	मू	३८	५४	ध्रु	५२	१७	श	३०	५६	५०	५०	१०	१८	२७	८	धनुषि	पूफा.३राहु:पूभा.१केतु:३६।४४
३०	मं	३५	४८	पू	४४	४१	व्या	५२	५१	च	३	२२	५२	५०	१०	१९	२८	९	धनुषि	

३८पं.पौ.कृ.५शु.इ. ६/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	६	८	११	६	३	४	८
१३	२६	२८	११	२६	९	२३	१२
१०	५३	१	१६	१७	३५	५३	४९
५९	१०	३४	२०	१०	३१	२५	५१
६१	३८	९३	५	५७	३/५४	३	६१
६	४९	३८	१४	२४	व.	११	२६

गोचरग्रहाः

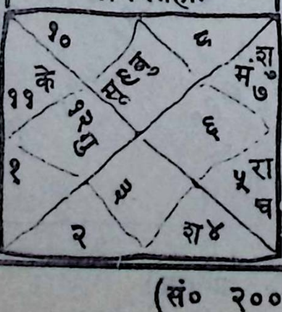

इस मास में चांदी स्वर्ण मंदे हो धान्य बाजरा मूंग मोठ वस्त्र सन वारदाना रुई कपास आदि तेज हो शीत अधिक हो।

गोचर ग्रहाः

३९पं.पौ.कृ.११शु.इ. २ ६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	११	७	३	४	८
२०	१	८	१२	३	९	२३	१९
१९	२८	२६	२	२५	४	३१	५९
५	२३	१०	३१	५५	५२	१०	५८
६१	३८	८२	६	६०	४/११	३	६१
६	४७	३८	२६	२०	व.	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं०	२०६१	शाकः	१९५६							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:१७४०स२०३५
१	बु	३९	२७	उ	४९	२४	ह	५२	४२	किं	७	३७	२५/५३	६/४९	५/११	२०	२९	१०	म.०।५२	
२	गु	४२	४	श्र	५३	१६	व	५१	४१	बा	१०	४५	५५	४९	११	२१	३०	११	मकरे	उषा.रवि:२/५० (सौर:३/२७) चंद्रदर्शनम्
३	शु	४३	४६	ध	५५	५८	सि	४९	५०	तै	१२	५५	५७	४९	११	२२	१	१२	कुं.२४।३७	जिल्कादि११
४	श	४४	१८	श	५७	५५	व्य	४७	४	व	१४	२	५९	४८	१२	२३	२	१३	कुम्भे	भ.१४।२उ.४४।१८या.
५	र	४३	५३	पू	५८	४०	व	४३	४९	ब	१४	५	२६/१	४८	१२	२४	३	१४	मी४३।२९	मकरेऽर्कः३/२६ (सौर:५२।५४).
६	चं	४२	२३	उ	५८	२६	प	३९	३२	कौ	१३	८	४	४७	१३	२५	४	१५	मीने	उभा.४गुरु:१४।४१
७	मं	३९	३५	रे	५७	२	शि	३४	२३	ग	१०	५९	६	४७	१३	२६	५	१६	मे.५७।२	भ.३९।३५उ.
८	बु	३६	५	अ	५४	४३	सि	२८	२२	वि	७	५०	८	४६	१४	२७	६	१७	मेषे	भ.५०/७या.वक्रीबुध:३/३ ज्येष्ठाशुक्र:२/५१
९	गु	३१	२९	भ	५१	७	सा	२१	२९	बां	३	४७	११	४६	१४	२८	७	१८	मेषे	
१०	शु	२५	३९	कृ	४६	३७	शु	१३	४८	ग	२५	३९	१३	४५	१५	२९	८	१९	वृ.५।०	भ.५२/१७उ.बुधास्त:पश्चिमायां३१।१८
११	श	१८	५६	रो	४१	१८	शु	५/११	५१/३	वि	१८	५६	१६	४५	१५	३०	९	२०	वृषे	भ.१८।५६या.पुत्रदा११व्र.
१२	र	११	२८	मृ	३५	२५	ऐं	४६	२८	बा	११	२८	१९	४४	१६	१	१०	२१	मि८।२२	अभि.प्र.रवि:३/५० (सौर:२/१४ भा.माघा-×
१३	चं	३	३०	आ	२९	१३	वै	३६	५८	तै	३	३०	२१	४४	१६	२	११	२२	मिथुने	भ.५५।३५उ. [×रंभ:प्रदोष:
१४	चं	५२	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	मं	४७	५२	पु	२३	१६	वि	२७	२६	वि	२१	४४	२४	४३	१७	३	१२	२३	क.९।४५	भ.२१।४४या.मा.स्ना.प्रा.

४०पं.पौ.शु.३शु.इ. ६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	९	११	७	३	४	८
२७	६	१६	१२	१०	८	२३	२७
२७	३	२७	५५	५२	३२	८	९
७	५८	११	३७	१९	१०	५४	४०
६१	३८	५२	७	६२	४/३०	३	६१
६	४१	४०	४६	३९	व	११	२४

गोचर ग्रहाः

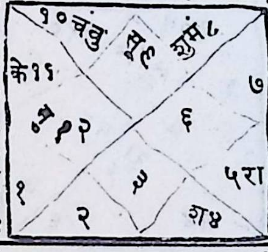

पौष शुक्ले ५ रवौ मकरेऽर्कःप्रविष्ट. वा. २ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी मु.३०धान्यादि भावेसमता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

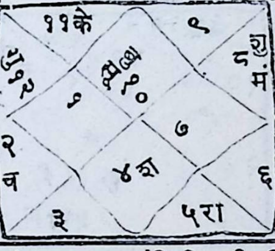

४१पं.पौ.शु.१०शु.इ. ६/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	७	३	४	९
४	१०	१८	१३	१८	७	२२	४
३४	४१	९	५६	३२	५८	४६	१९
५९	१७	४३	२०	१३	५	३९	९
६१	३८	२२/१६	८	६४	४/०	३	६१
३	३२	व	३२	२८	व	११	१९

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं.	२०६१	शाकः	१९५६							दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	बु	४१	२७	पु	१८	२	प्री	१९	१	बा	१४	४०	२६/२७	६/४३	५/१७	४	१३	२४	कर्के	श्रवणेरवि:२५।३२ (सौर:४१।११)
२	गु	३६	१६	श्ले	१४	३	आ	११	१६	तै	८	५१	२९	४२	१८	५	१४	२५	सिं१४।३	अभि.नि.रवि;१७।४७ (सौर:३१।२८)
३	शु	३२	४१	म	११	४०	सौ	४	४७	व	४	२८	३२	४२	१८	६	१५	२६	सिंहे	भ.४।२८उ.३२।४१या.
४	श	३१	२५	पू	११	१४	शो	०/१	५६/४०	ब	२	३	३५	४१	१९	७	१६	२७	क.२६।३६	वक्रीउषा.बुध:१८।१०चतुर्थीव्र.
५	र	३१	५९	उ	१२	४१	सु	५५	३१	कौ	१	४२	३८	४०	२०	८	१७	२८	कन्यायां	ज्येष्ठाभौम:१४।२४
६	चं	३४	४६	ह	१६	२३	धृ	५५	४	ग	३	२२	४१	४०	२०	९	१८	२९	तु.४९।०	भ.३/४४उ.मूलेंधनुषिशुक्र:३६।४
७	मं	३९	४	चि	२१	३६	शू	५६	१३	वि	६	५५	४५	३९	२१	१०	१९	३०	तुलायां	भ.६।५५या.
८	बु	४४	५६	स्वा	२८	१९	गं	५७	५८	ब्रा	१२	०	४८	३८	२२	११	२०	३१	तुलायां	
९	गु	५१	१३	वि	३५	२९	वृ	६०	०	तै	१८	४	५१	३८	२२	१२	२१	१	वृ.१८।४२	बुधोदय:पूर्वस्यां५/०फरवरी२ता.२८
१०	शु	५७	४९	अ	४३	१३	वृ	०	१३	व	२४	३१	५४	३७	२३	१३	२२	२	वृश्चिके	भ.२/३४उ.५/४९या.पातस्पर्श३/३६पातमोक्ष५/१७
११	श	६०	०	ज्ये	५०	४३	ध्रु	२	३४	ब	३०	५८	५८	३६	२४	१४	२३	३	ध.५०।४३	रेवती१गुरु:३/३१षट्तिला११व्र.स्मा.
११	र	४	७	मू	५७	२९	व्या	४	३२	बा	४	७	२७/१	३६	२४	१५	२४	४	धनुषि	वक्रीपुष्य१शनि:१/४६षट्तिला११व्र.वै.
१२	चं	९	४१	पू	६०	०	ह	६	५	तै	९	४१	५	३५	२५	१६	२५	५	धनुषि	प्रदोषः
१३	मं	१४	८	पू	३	१९	व	६	३१	व	१४	८	८	३४	२६	१७	२६	६	म.१९।२४	भ.१४/८उ.४५/४०या.धनि.रवि:३३।५० ÷
१३	मं																			
१४	बु	१७	११	उ	७	४१	सि	६	८	श	१७	११	१२	३४	२६	१८	२७	७	मकरे	[÷(सौर:४६।१)
३०	गु	१८	५३	श्र	१०	५३	व्य	४	३७	ना	१८	५३	१५	३३	२७	१९	२८	८	कुं.४१।४९	मार्गीबुध:३।३९

४२पं.मा.कृ.३शु.इ. ६/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	७	३	४	९
११	१५	११	१५	२६	७	२२	११
४२	१७	४६	३	२२	३	२४	२८
२९	५६	१२	३२	५६	४२	२३	०
६०	३८	४८/६	९	६५	४/०	३	६१
५९	२७	व	२३	५७	व	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि वृद्धि शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय चांदीसोना लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी करे ।

गोचर ग्रहाः

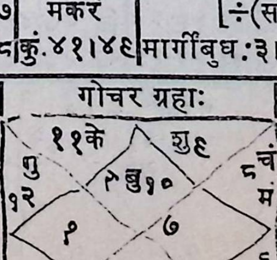

४३पं.मा.कृ.१०शु.इ. ६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	८	३	४	९
१८	१९	४	१६	४	६	२२	१८
४९	५४	५	१६	२२	४९	२	३६
१	-७	४६	१२	५२	४१	७	८
६०	३८	३८/६	१०	६७	४/१	३	६१
५५	१४	व	७	१०	व	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तुरविरुत्तरेऽहर्गणः१७७०स.२०३५
१	शु	१९	२२	ध	१२	४५	व	२/७	५६/३०	ब	१९	२२	२७/१९	६/३२	२८	२०	२९	९	कुंभे	पूणा.शुक्रः४३।० चन्द्रदर्शनम्
२	श	१८	३०	श	१३	३८	शि	५४	२६	कौ	१८	३०	२३	३१	२९	२१	१	१०	मी५८।३३	जिल्हेज१२
३	र	१६	५२	पू	१३	३१	सि	४९	२६	ग	१६	५२	२७	३१	२९	२२	२	११	मीने	भ.४५।३८उ.
४	चं	१४	२५	उ	१२	२८	सा	४३	५६	वि	१४	२५	३०	३०	३०	२३	३	१२	मीने	भ.१४।२५या.
५	मं	१०	५८	रे	१०	५६	शु	३८	१०	बा	१०	५८	३४	२९	३१	२४	४	१३	मे.१०।५६	कुंभेऽर्कः९।६(सौरः१९।५९) वसंत५
६	बु	७	१४	अ	८	५०	शु	३१	५३	तै	७	१४	३८	२८	३२	२५	५	१४	मेषे	
७	गु	३	४	भ	६	७	ब्र	२५	४	व	३	४	४१	२८	३२	२६	६	१५	वृ.२०।१९	भ.३/४उ.३/५या.भानु७रथ७भीष्माष्टमी
८	गु	५५	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	शु	५३	१	कृ	२/५५	५६/२४	ऐं	१७	५४	बा	२५	४०	४५	२७	३३	२७	७	१६	वृषे	
१०	श	४७	१९	मृ	५५	१६	वै	१०	१८	तै	२०	१०	४९	२६	३४	२८	८	१७	मि२७।१८	मूलेधनुषिभौमः२७।४७
११	र	४१	१७	आ	५०	५८	वि	२/२५	५२/२	व	१४	१८	५३	२५	३५	२९	९	१८	मिथुने	भ.१४।१८उ.४१।१७या.जया११व्र.
१२	चं	३५	१३	पु	४६	३७	आ	४६	३२	ब	८	१५	५६	२५	३५	३०	१०	१९	क.३२।४२	शतेरविः४५।१९(सौरः५५।२१)
१३	मं	२९	१०	पु	४२	३२	सौ	३८	५२	कौ	२	११	२८/०	२४	३६	१	११	२०	कर्के	श्रवणेबुधः३१/५८भा.फाल्गुनारंभः प्रदोषः
१४	बु	२३	४३	श्ले	३९	८	शो	३१	४५	व	२३	४३	४	२३	३७	२	१२	२१	सिं३९।८	भ.२/४ ३/३उ.५९/२४या.उणा.शुक्रः९/२३ रेवती २–
१५	गु	१९	४	म	३६	४२	अ	२५	२५	ब	१९	४	८	२२	३८	३	१३	२२	सिंहे	मा.स्ना.पूर्तिः [–गुरुः२/९

४४पं,मा.शु.१शु.इ. ६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	९	११	८	३	४	९
२५	२४	२	१७	१२	६	२१	२५
५४	३१	५७	३४	२९	१७	३९	४२
५०	१	६	५२	३१	१३	५२	५५
६०	३८	६/३	१०	६८	४/१०	३	६०
४७	३	मा	५३	२०	व.	११	५५

गोचर ग्रहाः

माघ शुक्ले ५ भौमे कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

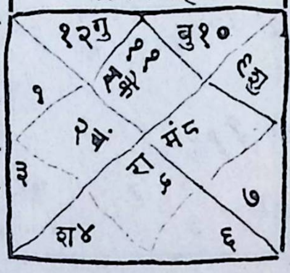

४५पं.मा.शु.९शु.इ.५ ६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	७	९	११	८	३	४	१०
२	२९	६	१८	२०	५	२१	२
५९	८	५६	५८	४१	४७	१७	४८
४२	४९	२	५	२०	२	३६	५८
६०	३७	४२	११	६९	३/५२	३	६०
३७	५८	३७	२५	६	व	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	शु	१५	४३	पू	३५	५०	सु	२०	१४	कौ	१५	४३	२६/१२	०/२२	५/३८	४	१४	२३	कं.५०।५८	
२	श	१४	१३	उ	३६	२२	धृ	१६	१७	ग	१४	१३	१६	२१	३९	५	१५	२४	कन्यायां	भ.४४।१२उ.मकरेशुक्रः०।५८
३	र	१४	११	ह	३९	२	शू	१३	५६	वि	१४	११	२०	२०	४०	६	१६	२५	कन्यायां	भ.१४।११या. चतुर्थीव्र.
४	चं	१६	१२	चि	४३	१९	गं	१३	१	बा	१६	१२	२४	१९	४१	७	१७	२६	तु.११।१०	
५	मं	१९	४९	स्वा	४९	१३	वृ	१३	३	तै	१९	४९	२८	१८	४२	८	१८	२७	तुलायां	
६	बु	२५	१	वि	५५	५०	ध्रु	१४	२५	व	२५	१	३२	१८	४२	९	१९	२८	वृ.३८।५२	भ.२५।१उ.५८।०या.
७	गु	३१	०	अ	६०	०	व्या	१६	२२	ब	३१	०	३६	१७	४३	१०	२०	१	वृश्चिके	मार्च३ता.३१
८	शु	३७	२६	अ	३	२०	ह	१८	३८	बा	४	१३	४०	१६	४४	११	२१	२	वृश्चिके	धनि.बुधः४८।२६
९	श	४३	४४	ज्ये	१०	५८	व	२०	५३	तै	१०	३५	४४	१५	४५	१२	२२	३	ध.१०।५८	
१०	र	४९	२२	मू	१८	४	सि	२२	३९	व	१६	३३	४८	१४	४६	१३	२३	४	धनुषि	भ.१/३ ६/३उ.४९/२२या.श्रवणेशुक्रः२६/५७
११	चं	५३	४५	पू	२४	११	व्य	२३	३२	ब	२१	३३	५२	१४	४६	१४	२४	५	म.४०।२०	पूभारविः९/२४(सौरः१०/८ विजया११व्र.
१२	मं	५६	४४	उ	२८	४७	व	२३	२	कौ	२५	१४	५६	१३	४७	१५	२५	६	मकरे	
१३	बु	५८	०	श्र	३२	७	प	२१	५८	ग	२७	२२	२९/१	१२	४८	१६	२६	७	मकरे	भ.५८।०उ.कुंभेबुधः३६।१२ प्रदोषः
१४	गु	५७	३२	ध	३३	३८	शि	१९	१४	वि	२७	४६	५	११	४९	१७	२७	८	कुं.२।५२	भ२७/४६या.रेवती३गुरुः२६/३महाशिवरात्रीव्र.
३०	शु	५५	३४	श	३३	३७	सि	१५	१५	च	२६	३३	९	१०	५०	१८	२८	९	कुम्भे	पूणा.भौमः३८।३८

४६पं.फा.कृ १शु.इ. ७/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	११	८	३	४	१०
१०	३	१३	२०	२८	५	२०	९
३	४६	४८	२५	५७	१९	५५	५३
१४	१६	७	८	१४	५२	२१	३०
६०	३७	६३	१२	६९	३/२६	३	६०
२५	४९	२२	४	५६	व.	११	३१

४७पं.फा.कृ.८शु.इ. ७/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	११	९	३	४	१०
१७	८	२२	२१	७	४	२०	१६
५	२३	२५	५५	१६	५७	३३	५६
२८	४२	३४	८	४१	७	५	२७
६०	३७	७८	१२	७०	३/४६	३	६०
१२	३४	५८	२०	३४	व.	११	२०

४८पं.फा.कृ.३०शु.इ.७/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	११	९	३	४	१०
२४	१२	२	२३	१५	४	२०	२३
६	०	१९	२८	३७	३८	१०	५७
१४	५०	८	५५	३०	२०	४९	५०
५९	३७	९१	१२	७१	२/११	३	६०
५८	१३	१२	५०	१०	व.	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गण१७९९स.२०३५
१	श	५२	१९	पू	३२	२१	सा	१०	१६	किं	२३	५६	२९/५३	६/९	५/५९	१९	२९	१०	मी१७।४०	[–पातमोक्षः५५/४१फुलरिया२
२	र	४८	५	उ	३०	३	शु	४/१६	५३/२४	बा	२०	१२	१७	९	५१	२०	३०	११	मीने	शतेबुधः५९/२१चन्द्रदर्शनम्पातस्पर्शः४२/१४–
३	चं	४३	७	रे	२७	४	ब्र	५०	३१	तै	१५	३६	२१	८	५२	२१	१	१२	मे.२७।४	पूफा.२राहुःशत.४केतु.३१/३९=
४	मं	३७	५३	अ	२३	३५	ऐं	४३	१०	व	१०	३०	२६	७	५३	२२	.२	१३	मेषे	भ.१०।३०उ.३७।५३या.
५	बु	३२	३५	भ	२०	५	वै	३६	७	ब	५	१४	३०	६	५४	२३	३	१४	वृ.३३।४३	[=मोहोरम१सन्१४५७हि.
६	गु	२७	२३	कृ	१६	३९	वि	२८	५३	तै	२७	२३	३४	५	५५	२४	४	१५	वृषे	मीनेऽर्कः२/१४(सौरः३१/२९)धनि.शुक्रः३३/२२
७	शु	२२	४	रो	१३	२	प्री	२१	३८	व	२२	४	३८	४	५६	२५	५	१६	मि४१।२५	भ.२२।४उ.४९।३३या.
८	श	१७	२	मृ	९	४७	आ	१४	३६	ब	१७	२	४३	३	५७	२६	६	१७	मिथुने	होलाष्टकम्
९	र	१२	११	आ	६	४१	सौ	७	३५	कौ	१२	११	४७	३	५७	२७	७	१८	क.४९।३३	उभा.रविः२३।१८(सौरः३२।५)
१०	चं	७	२१	पु	३	५०	शो	१/४	५३/३९	ग	७	२१	५१	२	५८	२८	८	१९	कर्के	भ.३५।१२उ.
११	मं	३	४	पु	१/१५	५६/१	सु	४८	५९	वि	३	४	५५	१	५९	२९	९	२०	सिं५१।२४	भ.३/४या.पूभा.बुधः९६/१०आमलकी११व्र.
१२	मं	५६	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[×बुधास्तःपूर्वस्यां५३/१५भा.चैत्रारंभः
१३	बु	५६	२	म	५८	१	धृ	४३	३८	कौ	२७	३७	३०/०	६/०	६/०	३०	१०	२१	सिंहे	कुंभेशुक्रः५:५० प्रदोष·
१४	गु	५३	४९	पू	५७	४४	शू	३९	५	ग	२४	५५	४	५/५९	६/१	१	११	२२	सिंहे	भ.५३।४९उ.रेवती.४गुरुः५४।१९×
१५	शु	५२	५७	उ	५८	४८	गं	३५	३६	वि	२३	२३	८	५८	२	२	१२	२३	कं.२३।०	भ.२३।२३या.होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.७शु.इ. ८/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	११	९	३	४	११
१	१७	१३	२५	२४	४	१९	०
५३	३	१७	५	१	२४	४८	५७
३१	१	१७	१३	२३	३२	२४	३२
५९	३६	०/०	१३	७१	३/१	३	५९
४१	५२	०/४७	१०	३४	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले ६गुरौ मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

५०पं.फा.शु.१५शु.इ. ६/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	१०	११	१०	३	४	११
८	२२	२५	२६	२	४	१९	७
३	१३	१७	४३	२७	१६	२६	५५
१८	१२	२	८	४	२३	१८	२७
५९	३६	०/०	१३	७१	०/४४	३	५९
२९	४१	०/२६	२०	५९	व.	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९१ शाकः १९५६												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	श	५३	१७	ह	६०	०	वृ	३३	८	बा	२३	७	३०/१२	५/५८	६/२	३	१३	२४	कन्यायां	वसंत१छारेंडी
२	र	५५	२१	ह	१	७	ध्रु	३१	५५	तै	२४	१९	१६	५७	३	४	१४	२५	तु.३२।५८	मीनेबुधः४२।१०
३	चं	५८	३९	चि	४	५०	व्या	३१	४४	व	२७	०	२१	५६	४	५	१५	२६	तुलायां	भ.२७।०उ.५८।३९या.शतेशुक्रः३९।१५
४	मं	६०	०	स्वा	१०	१३	ह	३२	४२	ब	३१	३	२५	५५	५	६	१६	२७	वृ.५९।५५	उभा.बुधः ६।२०चतुर्थी व्र.
४	बु	३	२८	वि	१६	२९	व	३४	१०	बा	३	२८	२९	५४	६	७	१७	२८	वृश्चिके	
५	गु	९	२	अ	२३	४१	सि	३६	२५	तै	९	२	३३	५३	७	८	१८	२९	वृश्चिके	उषा.भौमः५५।३० [+शीतलापूजनम्
६	शु	१५	१६	ज्ये	३१	१६	व्य	३८	४४	व	१५	१६	३७	५३	७	९	१९	३०	ध.३१।१६	भ.१५/१६उ.४८/३६या.मार्गीशनिः४९/११+
७	श	२१	३७	मू	३८	३७	व	४०	५४	ब	२१	३७	४१	५२	८	१०	२०	३१	धनुषि	रेवत्यांरविः५०।५३(सौरः५८।३२)
८	र	२७	३८	पू	४५	३२	प	४२	२९	कौ	२७	३८	४५	५१	९	११	२१	१	धनुषि	अप्रेल४ता.३०
९	चं	३२	२९	उ	५०	५७	शि	४३	४	तै	०	३	४९	५०	१०	१२	२२	२	म.१।५३	[÷मकरेभौमः५२/३३
१०	मं	३५	४९	श्र	५५	७	सि	४२	३१	व	४	९	५३	४९	११	१३	२३	३	मकरे	भ.४/९उ.३५/४९या.रेवत्यांबुधः३५/३५÷
११	बु	३७	२२	ध	५७	१६	सा	४०	२३	ब	६	३५	५७	४९	११	१४	२४	४	कुं.२६।११	पापमोचनी११व्र.
१२	गु	३६	५८	श	५७	२५	शु	३६	४९	कौ	७	१०	३/१	४८	१२	१५	२५	५	कुम्भे	अश्वि.१मेषेगुरुः५७।५७
१३	शु	३४	४२	पू	५५	५९	शु	३१	४३	ग	५	५०	५	४७	१३	१६	२६	६	मी४१।२१	भ.३४।४२उ.पूभा.शुक्रः४२।१९प्रदोषः
१४	श	३०	३३	उ	५२	५८	ब्र	२५	१८	वि	२	३७	१०	४६	१४	१७	२७	७	मीने	भ.२।३७या.
३०	र	२५	७	रे	४८	३५	ऐं	१७	५८	ना	२५	७	१४	४५	१५	१८	२८	८	मे.४८।३५	अस्तंगुरोः१।४८मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.६शु.इ. ८/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	८	११	११	१०	३	४	११
१४	२६	८	२८	१०	४	१९	१४
५९	४८	१८	२२	५२	१३	४	५१
१०	०	५८	३०	५५	२६	३	३९
५९	३६	०/७	१३	७२	६/०	३	५९
१६	११	४७	३२	१८	व	११	१८

गोचर ग्रहाः

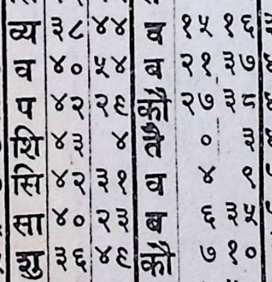

इस मासमें५शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं धान्य गल्ला धातु रसकस घृत तेल में तेजी हो प्रजा में महामारी फैले ।

गोचर ग्रहाः

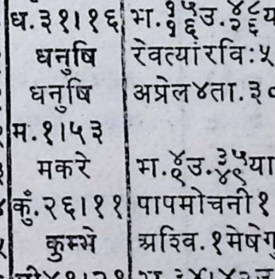

५२पं.चै.कृ.१३शु.इ. ९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	०	१०	३	४	११
२१	१	२१	०	१९	४	१८	२१
५३	२१	५६	२	१९	१६	४१	४५
३१	४०	२	३१	४८	१२	४७	५०
५९	३५	०/२८	१३	७२	०/४७	३	५९
४	५३	०/३१	३२	३७	मा	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

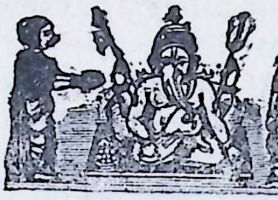

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयतिविघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३६, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३६, भोग्यकलिः ४२६८६४, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९२, शाकः १९५७, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः। मंत्री शनिः। सस्येशो भौमः। धान्येशो रविः। मेघेशः शुक्रः । रसेशो बुधः । नीरसेशश्चंद्रः । फलेशः शुक्रः । धनेशश्चंद्रः । दुर्गेशः शुक्रः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ३ शुक्लनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ३।०।५४।४०।१२ भोग्यमासादिः ८।२९।५।१९।४८ विष्णुदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम आश्विनः।मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःपर्वते समयनिवासः कुंभकार गृहे । समय विश्वा२० समयवाहनम् मृगः। स्तंभाः३ अन्न तृणवायूनां। सोमवत्यमा३ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी १ भानुसप्तमी २ रविदशमी× समय मुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १७ तिथिवृद्धिः ११ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपतिविश्वा ८४, वर्षाविश्वा १५, धान्यम् ७, तृणम् १७, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम्१२३, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिदक्षिणे। ग्रहण२ सूंर्यस्य १ चंद्रमसः१।

सं.२०९२ भाद्रपद कृष्णा ३० रवौ
ग्रस्तोदितं सूर्य ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	४	५	६
मि.	५२	४५	४१
घ.	५६	५८	०
प.	२	१४	२२

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ४।२२

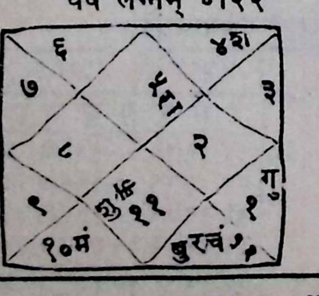

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा से पूछता भैरव मन हर्षाय ।
संवत् कैसा बाणवे होसी यह दर्शाय ।।

भवानी उत्तर

बलकर आयो बाणवे घर घर डंबर डोल ।
राज प्रजा के बीच में होसी पोलम पोल ।।
शशिराजा इस वर्ष में शीतल चाले चाल ।
ठगे ठगावे जगत का खांय मसकरा माल ।।
मंत्री रवि सुत होय कर जग में करै धमाल ।
युद्ध रोग भूकंप से जगत होय पैमाल ।।
अन्न तृण और समीर के स्तंभ लगे है तीन ।
विन पाणी अन्न नीपजे इसमें मेष न मीन ।।
पंद्रह विश्वा वृष्टि है संवत् विश्वा बीस ।
धर्म कर्म करते रहो भली करें जगदीश ।।

सं. २०९२ श्रा. शु. १५ शनौ
ग्रस्तास्त चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	५	६	७
मि.	५५	३९	२२
घ.	५८	६०	२
प.	४१	२९	१७

स.२०९२ माघ शु. १४ चंद्रे
खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	२	३	३	४	५
मि.	२	८	४४	२१	२७
घं.	४८	५१	५३	५४	५७
प.	५७	४२	१३	४४	२९

वर्षेश लग्नम् ४।२५

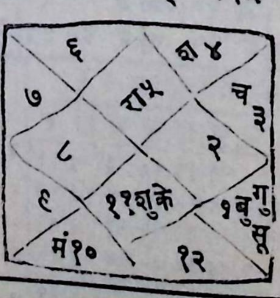

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१३।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।१९।५३

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यं । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवाः विनय संरहिता बहु दुखदाः । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमः फलम् ।। प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनो जलं न समसौख्यकरं तुष धान्य हृत् ।। धान्येशो रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीड़नम् ।। मेघेशः शुक्रः फलम् ।। भृगुसुतो जलदस्यपतिर्यदा जलमुचो जलदा दिवि शोभनाः । धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनता सुखदायकाः ।। रसेशो बुधः फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिलदेश सुरक्षिता ।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् ।। शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजत वाससाम् । अर्घं वृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।। फलेशः शुक्रः फलम् ।। यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदु कुमार महीरुह राशयः । बहु फला नरनाथ सुभोगदा द्विजवराः श्रुति पाठ परायणाः ।। धनेशो चंद्रः फलम् ।: धनपतिर्मृग लांछनको यदा रसचया क्रय विक्रयतो धनम् । वसनशालि सुगंध रसं बहु द्रविण तैल घृतं नृप सौख्यदं ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् ।। नगरदेश विशेष पतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्य करो मतः । विनय वाणिजगेह समः सुखो नग वने निकटेपि च दूरतः ।। शुक्लनाम संवत्सरः फलम ।। शुक्लाब्दे निखिला लोकाः सुखिनः स्वजनैः सह । राजानो युद्ध निरता परस्पर जयैषिणः ।। वर्षनाम आश्विनः फलम् ।। आश्विने शोभना वृष्टिर्नृप सौख्यकरी सदा । सुभिक्षं पूर्वं सस्यं स्यात् ज्वर रोगाकुलं जगत् ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ।। पर्वते बिंदुमात्रश्च ।। समय निवासः कुंभकार गृहे फलम् ।। अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९२ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला २ बुधे मृगे ल. १२ रे. ६ ।।।।ऽचौ।।।।
,, ३ गुरौ मृगे ल. ऽन्यगो रे. १० ।।।।।।।।।
,, ११ गुरौ हस्ते ल.१२(घ.५२-४३उ)रे.८।।।।ऽअऽ।।।
,, १५ भौमे अनु ल.६ रे.६।।।शुऽ।ऽ।पादाद्वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा २ गुरौ मूले ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽरो४१याऽ।।।
,, ४ शनौ उषा ल. १२-१ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, ६ गुरौ उभा ल. १ रे. ८ ।।।।ऽचौऽ।।
,, १० शुक्रे रेव ल. १ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।
,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो ६ रे. ७ ।।।।ऽरोऽऽ।
शुक्ला ५ रवौ मघा ल. १ रे. ६ ।ऽ।।।।।।।
,, ६ चन्द्रे मघा ल.ऽन्यगो ६ रे. ८ ।ऽ।।ऽचो।।।
,, ७ भौमे उफा ल. १ रें. ८ ।।।ऽ।ऽ।।
,, ६ गुरौ हस्ते ल. गो. ६ रे. ७ ।ऽ।।ऽअऽ।।।
,, ११ चन्द्रे अनु ल. ऽन्यगो १२-२ (वृषेचं.७पू.) रे.८ ।।।।ऽऽअ(घ४१या)।।।।
,, बुधे मूले ल. १ रे. ६ ।।।ऽ।ऽऽऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

आषाढ मासः

कृष्णा २ शुक्रे उषा ल.१२-१-२ रे. ७।।।ऽशु।ऽचौ५४या।।ऽ दग्धा (घ५३-७या) पादतो वेधाऽभावः
,, ७ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो १-२रे.८।।।।।ऽ।ऽदग्धा
,, ८ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो १-२ रे. ६ ऽ।।।ऽऽऽ।

शुक्ला ४ रवौ मघा ल. २ रे. १० ।।।।।।।।।
,, ६ भौमे उफा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।ऽचौ।।।
,, ७ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽचौऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ६ शुक्रे उफा ल. ७(गु.७पू.)रे.६।।।।ऽऽचौ।ऽ।ऽ
,, १० शनौ हस्ते ल.७ (गु.७पू.) रे.८।।।।ऽरो।ऽ।।
,, ११ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।ऽरो।ऽ।।
शुक्ला २ शनौ मूलें ल. ७ (गु.७पू.) रे. ६ ।।।।।ऽ।।
,, ४ भौमे उषा ल. ऽन्यगो रे.६ ।।।।ऽरो३६।।।

माघ मासः

कृष्णा ५ गुरौ उफा ल.गो. (सोग्रांगः) रे.८।।।।ऽअ।ऽ।।
,, ६ शुक्रे हस्तें ल.गो. (सोग्रांगः) रे.८ऽ।।।।ऽ।।।
,, ८ रवौ स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांग.) रे. ७ ।।।ऽशु।।ऽऽ।। पादतो वेधाऽभावः
शुक्ला ४ शुक्रे उभा ल. ६ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।
,, ५ शनौ उभा ल.ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे.८।।।।।।ऽऽ।।
,, १० गुरौ रोहि ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ७ ।।।।।ऽचौऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ बुधे उफा ल. ६ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।
,, ४ शुक्रे हस्ते ल.गो. (सोग्रांग·) रे.६।।।ऽऽशुऽअ।ऽ।।
,, ५ शनौ स्वात्यां ल. ६ रे. ६ ऽऽ।।।ऽनृ।।ऽ।
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
शुक्ला १ गुरौ उभा ल. ६ रे. ७ ।ऽ।।।ऽचौऽ।।
,, २ शुक्रे रेव ल. ६ रे. १० ।।।।।।।।।

चैत्र मासः

कृष्णा १ गुरौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ।ऽ।।।ऽअ।।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७											दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गण:१८२९स.२०३५
१	चं	१८	२५	अ	४३	३४	वै	८	४०	ब	१८	२५	३५/१८	५/४४	६/१६	१९	२९	९	मेषे	चंद्रदर्शनम् संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	मं	११	१६	भ	३८	१६	वि	०/५८	५१/१३	कौ	११	१६	२२	४४	१६	२०	१	११	वृ.५१।५५	अश्वि.मेषेबुधः २/५१ सफर२ सिंधारा–
३	बु	४	११	कृ	३२	५३	आ	४३	२६	ग	४	११	२६	४३	१७	२१	२	१०	वृषे	भ.३०।३७उ.५७।२या. गणगौरी
४	बु	५२	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–मत्स्यजयंती
५	गु	५०	२१	रो	२८	१	सौ	३५	१५	ब	२३	४१	३०	४२	१८	२२	३	१२	मि५५।५२	
६	शु	४४	७	मृ	२३	४४	शो	२७	४०	कौ	१७	१४	३४	४१	१९	२३	४	१३	मिथुने	
७	श	३८	४६	आ	२०	१३	अ	२०	२८	ग	११	२६	३८	४०	२०	२४	५	१४	मिथुने	भ.३/४६उ.अश्वि.मेषेऽर्कः २४/५२ (सौरः ३३/५)=
८	र	३४	२१	पु	१७	३०	सु	१३	५५	वि	६	३३	४२	४०	२०	२५	६	१५	क.३।११	भ.६।३३या. [=मीनेशुक्रः ५८/२२
९	चं	३०	४०	पु	१५	३८	धृ	८	२	बा	२	३१	४६	३९	२१	२६	७	१६	कर्के	भरण्यांबुधः १६।२८ रामनवमी
१०	मं	२७	५४	श्ले	१४	३०	शू	३/४	५५/४७	ग	२७	५४	५०	३८	२२	२७	८	१७	सिं१४।३०	भ.५६/२१उ.उभा.शुक्र. ४३/५५ बुधोदयः×
११	बु	२६	४	म	१४	२३	वृ	५५	२४	वि	२६	४	५३	३७	२३	२८	९	१८	सिंहे	भ.२६।४या.कामदा११व्र.
१२	गु	२५	८	पू	१५	१२	ध्रु	५२	४४	बा	२५	८	५७	३७	२३	२९	१०	१९	क.३०।४२	श्रवणेभौमः ३३/२९ अश्वि. २गुरुः ५२/२६ प्रदोषः
१३	शु	२५	३५	उ	१७	१२	व्या	५०	५६	तै	२५	३५	३ २/१	३६	२४	३०	११	२०	कन्यायां	[×पश्चिमायां ५८/५४
१४	श	२६	४४	ह	२०	५	ह	५०	१७	व	२६	४४	५	३५	२५	१	१२	२१	तु.५२।४	भ.२६।४४उ.५८।३या.भा.वैशाखारंभः
१५	र	२९	२३	चि	२४	३	व	५०	४	ब	२९	२३	९	३४	२६	२	१३	२२	तुलायां	हनुमज्जयंती

१पं.चै.शु.७श.इ. २४/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	१०	३	४	११
०	६	९	२	२९	४	१८	२९
०	४२	३४	०	१९	२४	१५	५२
०	२९	४८	३२	१६	३६	३९	६
५८	३५	०/८	१३	७२	१	३	५८
४४	२३	५	३८	५६	३२	११	४५

गोचर ग्रहाः

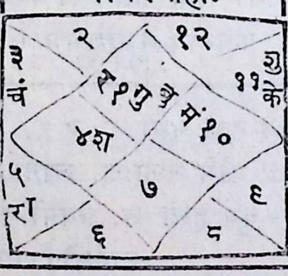

चैत्र शुक्ले ७ शनौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न. ५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेंसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

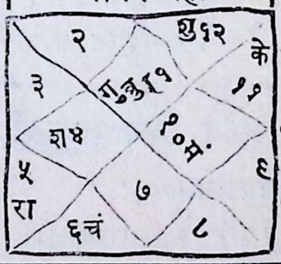

२पं.चै.शु.१४श.इ. २५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	०	११	३	४	०
६	११	२३	३	७	४	१७	६
५०	१०	७	४१	४८	३८	५३	४२
४६	५५	४४	२	२	४२	२३	१७
५८	३४	०	१३	७३	२	३	५८
२१	४१	५९	३८	१४	१४	११	२९

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	चं	३२	५८	स्वा	२९	११	सि	५०	५८	बा	१	११	३२/१२	५/३४	६/२६	३	१४	२३	तुलायां	कृत्ति.बुधः२३।७
२	मं	३८	१	वि	३५	३६	व्य	५२	२३	तै	५	२९	१६	३३	२७	४	१५	२४	वृ.१९।०	
३	बु	४३	२५	अ	४२	२९	व	५४	३०	व	१०	४३	२०	३२	२८	५	१६	२५	वृश्चिके	भ.१०।४३उ.४३।२५या.वृषेबुधः ३४/७
४	गु	४९	३२	ज्ये	५०	०	प	५६	५३	ब	१६	२८	२३	३१	२९	६	१७	२६	ध.५०।०	चतुर्थी व्र.
५	शु	५५	५२	मू	५७	३५	शि	५९	३१	कौ	२२	४२	२७	३१	२९	७	१८	२७	धनुषि	
६	श	६०	०	पू	६०	०	सि	६०	०	ग	२८	५७	३१	३०	३०	८	१९	२८	धनुषि	भरण्याँरविः ५/४ (सौरः १४/३०) रेवत्यांशुक्रः ४३/२४
६	र	२	२	पू	५	४	सि	१	३६	व	२	२	३४	२९	३१	९	२०	२९	म.२१।३८	भ.२।२उ.३४।४२या.
७	चं	७	२२	उ	११	२०	सा	३	४	ब	७	२२	३८	२८	३२	१०	२१	३०	मकरे	
८	मं	११	२२	श्र	१६	३७	शु	३	२९	कौ	११	२२	४१	२८	३२	११	२२	१	कुं.४८।२३	मई५ता.३१
९	बु	१३	४७	ध	२०	१०	शु	२	४४	ग	१३	४७	४५	२७	३३	१२	२३	२	कुंभे	भ.४४।०उ.
१०	गु	१४	११	श	२१	४३	ब्र	०/१६	५६/२	वि	१४	११	४८	२६	३४	१३	२४	३	कुंभे	भ.१४।११या.
११	शु	१२	३७	पू	२१	१९	वै	५०	३४	बा	१२	३७	५२	२६	३४	१४	२५	४	मी६।२५	रोहि.बुधः १३/३५ अश्वि.३गुरुः ४९/०+
१२	श	८	५५	उ	१८	५८	वि	४३	३८	तै	८	५५	५५	२५	३५	१५	२६	५	मीने	उदयंगुरोः ४८/३६ प्रदोषः [+वरुथिनी११व्र.
१३	र	३	२०	रे	१४	५२	प्री	३५	४	व	३	२०	५८	२४	३६	१६	२७	६	मे.१४।५२	भ.३।२०उ.२९।४१या.
१४	र	५२	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	चं	४७	५८	अ	९	१६	आ	२५	४४	च	२२	०	३ ३/२	२४	३६	१७	२८	७	मेषे	

३पं.वै.कृ.६श.इ. २५/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	११	३	४	०
१३	१५	३	५	१६	४	१७	१३
२९	३७	४८	२२	१८	५७	३१	३०
५०	२६	५०	८	०	२५	८	४२
५८	३३	८०	१३	७३	२	३	५८
१९	४९	२३	३२	२२	५३	११	१२

गोचर ग्रहाः

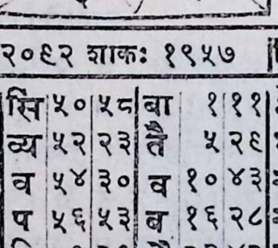

इस मास में चांदी रुई सोना सण तिल वारदाना मंदे हों धान्य बाजरा मूंग मोठ घृत गुड नमक तेज रहे प्रजा सुखीहो

गोचर ग्रहाः

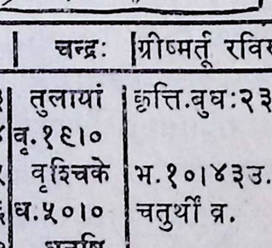

४पं.वै.कृ.१२श.इ. २५/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	११	३	४	०
२०	२०	१०	७	२४	५	१७	२०
२७	०	४८	१	४८	२०	८	१७
२९	५०	४	४८	२५	४६	५२	२९
५८	३२	३९	१३	७३	३	३	५७
६	५८	२८	३२	३५	३२	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०६२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:१८५८सं.२०३५
१	मं	३९	१०	अ	३/४३	५३/६	सौ	१५	४७	किं	१३	३४	३३/५	५/२३	६/३७	१८	२९	८	वृ.१५।५९	[-परशुरामजयंती [=अक्षया३
२	बु	३०	५	रो	४९	०	शो	५/४४	५०/२	बा	४	३७	८	२२	३८	१९	३०	९	वृषे	अश्वि.मेषेशुक्र:४३।३४चन्द्रदर्शनम्-
३	गु	२१	२२	मृ	४२	३१	सु	४६	११	ग	२१	२२	११	२२	३८	२०	१	१०	मि१५।४५	भ.४७/२२उ.धनि.भौम:३४/४९रविलावल३=
४	शु	१३	२३	आ	३६	५७	धृ	३७	२०	वि	१३	२३	१४	२१	३९	२१	२	११	मिथुने	भ.१३।२३या.कृत्ति.रवि:५१।३
५	श	६	१३	पु	३२	३५	शू	२९	५६	बा	६	१३	१७	२१	३९	२२	३	१२	क.१८।४१	कृत्ति.रवि:सौर:२।२२ वक्रीबुध:२८।२६
६	र	०	२८	पु	२९	३२	गं	२३	१२	तै	०	२८	२०	२०	४०	२३	४	१३	कर्के	भ.५६।६उ.
७	र	५५	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	चं	५३	१२	श्ले	२७	५५	वृ	१६	३७	वि	२४	३९	२३	१९	४१	२४	५	१४	सि२७।५५	भ.३४/३९या.पूफा.१राहु:शत.३केतु:३०/२०
९	मं	५१	३७	म	२७	५७	ध्रु	१३	२२	बा	२२	२५	२६	१९	४१	२५	६	१५	सिंहे	वृषेऽर्क:१८।१८(सौर:३०।१५)
१०	बु	५१	२५	पू	२९	६	व्या	१०	६	तै	२१	३१	२८	१८	४२	२६	७	१६	कं.४४।४७	बुधास्त:पश्चिमायां१९।५३
११	गु	५२	४३	उ	३१	४८	ह	८	३	व	२२	४	३१	१८	४२	२७	८	१७	कन्यायां	भ २२।४उ.५२।४३या.मोहिनी११व्र.
१२	शु	५४	५३	ह	३५	२३	व	६	५०	ब	२३	२४	३४	१७	४३	२८	९	१८	कन्यायां	अश्वि.४गुरु:५।१४
१३	श	५८	२६	चि	४०	१४	सि	७	१	कौ	२६	३४	३७	१७	४३	२९	१०	१९	तु.७।४८	प्रदोष. [×यमायकुंभदानम्
१४	र	६०	०	स्वा	४५	४५	व्य	७	८	ग	३०	२९	३९	१६	४४	३०	११	२०	तुलायां	भरण्यांशुक्र:३८।४६नृसिंहजयंती
१४	चं	२	३२	वि	५२	१९	व	८	२२	ब	२	३२	४२	१६	४४	३१	१२	२१	वृ.३५।५१	भ.२।३२उ.३५।१३या.
१५	मं	७	५३	अ	५९	६	प	१०	७	ब	७	५३	४४	१५	४५	१	१३	२२	वृश्चिके	कुँभेभौम:१२।१२भा.ज्येष्ठारंभ:×

५पं.वै.शु.५श इ. २५/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	१	०	०	३	४	०
२७	२४	१३	८	३	५	१६	२७
१३	१९	३२	४१	१९	४८	४६	२
३७	४१	४९	१७	२६	५८	३६	४३
५७	३२	०	१३	७३	४	३	५७
५४	१५	१०	२०	४४	११	११	४५

गोचर ग्रहा:

वैशाख शुक्ले ९ भौमे वृषेऽर्क: प्रविष्ट:घा.४ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहा:

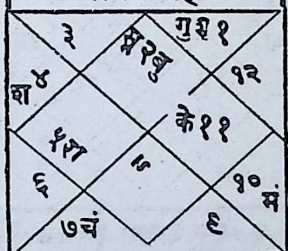

६पं.वै.शु.१३श.इ. २६/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	९	१	०	०	३	४	१
३	२८	१२	१०	११	६	१६	३
५८	३२	२०	१७	५०	२१	२४	४६
४४	५६	३८	४६	२८	३२	२१	२८
५७	३१	२७	१३	७३	४	३	५७
४४	२६	व.	१२	५०	४४	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०६२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	मा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	बु	१३	२९	ज्ये	६०	०	शि	१२	१३	कौ	१३	२९	३३/४७	५/९५	६/४५	२	१४	२३	वृश्चिके	पुष्य.२शनि:१।५४
२	गु	१८	३६	ज्ये	६	३५	सि	१४	३५	ग	१८	३६	४९	१४	४६	३	१५	२४	ध.६।३५	भ.५२।८उ.वक्रीकृत्ति.बुध:१८।४०
३	शु	२५	४१	मू	१४	४	सा	१७	८	वि	२५	४१	५२	१४	४६	४	१६	२५	धनुषि	भ.३५/४९या.रोहि.रवि:४१/४१(सौर:५६/१७)+
४	श	३१	४६	पू	२१	४३	शु	१९	२९	बा	३१	४६	५४	१३	४७	५	१७	२६	म.३८।२५	[+चतुर्थी व्र.
५	र	३७	११	उ	२८	३२	शु	२१	२३	कौ	४	२८	५६	१३	४७	६	१८	२७	मकरे	
६	चं	४१	४४	श्र	३४	२८	ब्र	२२	४१	ग	९	२७	५८	१२	४८	७	१९	२८	मकरे	भ.४१।४४उ.
७	मं	४४	५०	ध	३९	१५	ऐं	२२	५३	वि	१३	१७	३४/०	१२	४८	८	२०	२९	कुं.६।५२	भ.१३।१७या.
८	बु	४६	२६	श	४२	२३	वै	२१	५१	बा	१५	३८	२	१२	४८	९	२१	३०	कुंभे	[÷गुरु:५४/५२ जून६ता.३०
९	गु	४६	८	पू	४३	४३	वि	१९	२०	तै	१६	१७	३	११	४९	१०	२२	३१	मी२८।४३	कृत्ति.शुक्र:३७।२३
१०	शु	४३	४९	उ	४३	३	प्री	१५	२२	व	१४	५८	५	११	४९	११	२३	१	मीने	भ.१४/५८उ.४९/४९या.भरणी.१÷
११	श	३९	२२	रे	४०	२५	आ	९	४७	ब	११	३६	७	११	४९	१२	२४	२	मे.४०।२५	शतेभौम:२८।११ अपरा११व्र.
१२	र	३२	१	अ	३५	४९	सौ	३/३७	५/२३	कौ	५	४१	९	१०	५०	१३	२५	३	मेषे	वृषेशुक्र:३/२९बुधोदय:पूर्वस्यां२/६ प्रदोष:
१३	चं	२५	१६	भ	२९	५६	अ	४४	२५	व	२५	१६	१०	१०	५०	१४	२६	४	वृ.४३।८	भ.२५।१६उ.५०।४६या.
१४	मं	१६	१७	कृ	२२	४५	सु	३३	५८	श	१६	१७	१२	१०	५०	१५	२७	५	वृषे	
३०	बु	६	२८	रो	१५	३	धृ	२३	१३	ना	६	२८	१३	९	५१	१६	२८	६	मि४१।९	वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.४श.इ. २६/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	०	०	३	४	१
१०	२	८	११	२०	६	१६	१०
४२	३९	५०	५३	२१	५७	२	२८
४०	१८	३१	२४	४३	१८	१९	३९
५७	३०	७२/४३	१२	७२	५	३	५७
३५	१७	व.	५०	५९	५	११	२२

गोचर ग्रहा:

इस मास में धान्य सोना चांदी लोहा ताम्बा रसकस गुड़ शक्कर तेज हो।

गोचर ग्रहा:

८पं.ज्ये.कृ.११श.इ. २६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	०	०	३	४	१
१७	६	५	१३	२८	७	१५	१७
२५	३९	३६	२६	५४	३६	३९	९
२६	२	४४	२८	१४	३५	५०	४५
५७	२९	२१/२०	१२	७४	५	३	५७
२७	३	वें.	२३	२	२२	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः १८८८स.२०३५
१	बु	४६	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु	४६	४०	मृ	७/१५	५२/३५	शू	१२	२०	बा	२१	३३	३४/१५	५/९	६/५१	१७	२६	७	मिथुने	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	३७	४६	पु	५३	२३	गं	९/८	५०/१८	तै	१२	१३	१६	९	५१	१८	१	८	क.४०।०	मृगेरविः ३६/३३ (सौरः ५५/७) मार्गीबुधः ३८/०=
४	श	३०	१	पु	४८	२०	ध्रु	४३	४९	व	३	५३	१७	९	५१	१९	२	९	कर्के	भ.३।५३उ.३०।१या.
५	र	२३	५४	श्ले	४५	१	व्या	३६	४९	बा	२३	५४	१८	८	५२	२०	३	१०	सि४५।१	[=रविलाखर४
६	चं	१९	२८	म	४३	२३	ह	३१	१७	तै	१९	२८	१९	८	५२	२१	४	११	सिंहे	रोहि.शुक्रः३०।३६
७	मं	१६	५९	पू	४३	२८	व	२७	१	व	१६	५९	१९	८	५२	२२	५	१२	सिंहे	भ.१६:५९उ.४६।४०या.
८	बु	१६	२२	उ	४५	३४	सि	२४	३५	ब	१६	२२	२०	८	५२	२३	६	१३	कं.५८।५९	
९	गु	१७	३८	ह	४९	८	व्य	२३	१०	कौ	१७	३८	२१	८	५२	२४	७	१४	कन्यायां	[—गंगादशमी
१०	शु	२०	१३	चि	५४	१७	व	२३	६	ग	२०	१३	२१	८	५२	२५	८	१५	तु.२१।४३	भ.५/१ ३/३उ.मिथुनेऽर्कः ३५/७ (सौरः ५५/५५)—
११	श	२४	१३	स्वा	६०	०	प	२३	५९	वि	२४	१३	२२	८	५२	२६	९	१६	तुलायां	भ.२४।१३या.निर्जला११व्र.
१२	र	२८	५९	स्वा	०	१९	शि	२५	२२	बा	२८	५९	२२	८	५२	२७	१०	१७	वृ.५०।३२	भरणी.२गुरुः५२।४०प्रदोषः
१३	चं	३३	५०	वि	७	१६	सि	२७	३४	कौ	१	२५	२३	७	५३	२८	११	१८	वृश्चिके	
१४	मं	४०	३४	अ	१४	१३	सा	२९	४४	ग	७	१२	२३	७	५३	२९	१२	१९	वृश्चिके	भ.४०।३४उ.रोहि.बुधः१२।२
१५	बु	४६	४१	ज्ये	२१	४६	शु	३२	८	वि	१३	३७	२३	७	५३	३०	१३	२०	ध.२१।४६	भ.१३।१७या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

९पं.ज्ये.शु.४श.इ. ३६/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	१	०	१	३	४	१
२४	१०	५	१४	७	८	१५	२३
७	३०	१६	५५	२६	१९	१७	४९
३०	२२	१२	५९	१३	१६	३४	४१
५७	२७	२/४६	१२	७४	५	३	५७
२२	३८	मा	८	११	५९	११	५

गोचर ग्रहाः

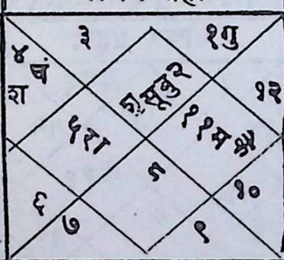

ज्येष्ठ शुक्ले १०शुक्रे मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ४ न.५ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु.११श.इ. ३६/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	०	१	३	४	२
०	१४	८	१६	१५	९	१४	०
४८	१०	१९	२३	५९	४	५५	२८
४७	१९	२६	१७	१७	३७	१८	५०
५७	२६	३६	११	७४	६	३	५६
१७	०	२३	३५	२०	२०	११	५७

ति.	आषाढ़ कृष्णपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा.
१	गु	५२	४९	मू	२९	७	शु	३४	३१	बा	१९	४४	३४/३४	५/७	६/५३	३१	१४	२१	धनुषि	[×भा.आषाढारंभः
२	शु	५८	२७	पू	३६	२५	ब्र	३६	४२	तै	२५	३६	२४	७	५३	१	१५	२२	म.५३।७	आर्द्रारविः ३४/२ (सौरः ५७/२८) मृगेशुक्रः ३७/२९×
३	श	६०	०	उ	४३	१४	ऐं	३८	३१	व	३०	५९	२४	७	५३	२	१६	२३	मकरे	भ.३०।५९उ.
३	र	३	३२	श्र	४९	१७	वै	३९	५८	वि	३	३२	२४	७	५३	३	१७	२४	मकरे	भ.३।३२या.पुष्य.३शनिः४०।१चतुर्थीव्र.
४	चं	७	५२	ध	५४	३२	वि	४०	३३	बा	७	५२	२४	७	५३	४	१८	२५	कुं.२१।५५	
५	मं	११	७	श	५८	२७	प्री	४०	२०	तै	११	७	२३	७	५३	५	१९	२६	कुंभे	
६	बु	१३	१४	पू	६०	०	आ	३८	५५	व	१३	१४	२३	७	५३	६	२०	२७	मी४५।२६	भ.१३।१४उ.४३।३२या. मिथुनेशुक्रः ५६/२
७	गु	१३	५१	पू	१	५	सौ	३६	२३	ब	१३	५१	२२	८	५२	७	२१	२८	मीने	पूभा.भौमः१९।५
८	शु	१३	१०	उ	२	८	शो	३२	२६	कौ	१३	१०	२२	८	५२	८	२२	२९	मीने	मृगेबुधः३४।५८
९	श	९	५८	रे	१/२९	५७/३२	अ	२६	५८	ग	९	५८	२१	८	५२	९	२३	३०	मे.१।२९	भ.३७।३९उ.
१०	र	५	२०	अ	५४	५५	सु	२०	१०	वि	५	२०	२०	८	५२	१०	२४	१	मेषे	भ.५/२०या.जुलाई७ता.३१योगिनी११व्र.
११	र	५३	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+आर्द्राशुक्रः ५/१ ८/९प्रदोषः
१२	चं	५१	३५	कृ	४९	१८	धृ	११	५८	कौ	२५	३५	१९	८	५२	११	२५	२	वृ.८।३१	योगिनी११व्र.वै.
१३	मं	४२	४७	रो	४२	३०	शू	२/५२	४९/५२	ग	१७	११	१८	८	५२	१२	२६	३	वृषे	भ.४२।२७उ.मिथुनेबुधः३९।२५+
१४	बु	३२	५५	मृ	३५	२	वृ	४२	१०	वि	७	५१	१७	९	५१	१३	२७	४	मि८।४६	भं.७।५१या.
३०	गु	२२	५४	आ	२७	८	ध्रु	३१	२३	ना	२२	५४	१६	९	५१	१४	२८	५	मिथुने	भरणी.३गुरुः२१।१२

११पं.आ.कृ.३श.इ. २६/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	०	१	३	४	२
७	१७	१४	१७	२४	९	१४	७
२९	३६	५९	४७	३२	५२	३३	७
४२	४७	२६	१३	४६	१६	३	१७
५७	२४	६९	१०	७४	६	३	५६
१३	११	५५	५८	२६	३२	११	५४

गोचर ग्रहाः

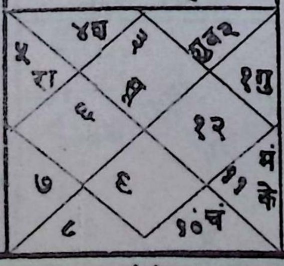

इस मासमें शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोनालोहा रुईरंगसूत धान्य गल्ला में तेजी करे रस मंदा हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

१२पं.आ.कृ.९श.इ. २६/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	१	०	२	३	४	२
१४	२०	२४	१९	३	१०	१४	१३
१०	४८	४३	५	६	४१	१०	४५
८	१६	३७	४६	७	४२	४७	२२
५७	२२	९८	१०	७४	६	३	५६
७	४६	११	२२	२६	४८	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः१९१७स.२०३५
१	शु	१२	५८	पु	१९	४४	व्या	२०	३९	व	१२	५८	३४/५५	५/९	६/५१	१५	२९	६	क.६।३५	पुन.रविः३२।४२बुधास्तःपूर्वस्यां ३८/५४
२	श	४	४	पु	१३	१	ह	१०	५६	कौ	४	४	१४	९	५१	१६	३०	७	कर्के	पुन.रविःसौरः १/३० आर्द्रा.बुधः ५४/४० =
३	श	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
४	र	५०	२२	श्ले	७	३१	व	२/२	५२/३४	व	२३	२१	१३	९	५१	१७	१	८	सि७।३१	भ.२३।२१उ५०।२२या.जमादिलावल५
५	चं	४६	१४	म	३	४९	व्य	४८	५६	ब	१८	१८	११	१०	५०	१८	२	९	सिंहे	
६	मं	४४	९	पू	२	७	व	४४	५०	कौ	१५	११	१०	१०	५०	१९	३	१०	कं.१७।१४	
७	बु	४४	२९	उ	२	३६	प	४२	२९	ग	१४	१९	८	१०	५०	२०	४	११	कन्यायां	भ.४४।२९उ.
८	गु	४६	३२	ह	५	५	शि	४१	२८	वि	१५	३०	७	११	४९	२१	५	१२	तु.३७।१४	भ.१५।३०या.
९	शु	५०	२०	चि	९	२३	सि	४२	४	बा	१८	२६	५	११	४९	२२	६	१३	तुलायां	पुन.बुधः४६।२०
१०	श	५५	१४	स्वा	१५	२	सा	४३	४	तै	२२	४७	३	११	४९	२३	७	१४	तुलायां	पुन.शुक्रः१३।१३अस्तंशनेः३०।५६
११	र	६०	०	वि	२२	७	शु	४५	१७	व	२८	१५	१	१२	४८	२४	८	१५	वृ.५।२१	भ.२८।१५उ.देवशयन्येकादशी
११	चं	१	१७	अ	२९	२४	शु	४७	३४	वि	१	१७	३३/५९	१२	४८	२५	९	१६	वृश्चिके	भ. ५/१ ७या.मघा.४राहुःशत.१केतुः २३/५७
१२	मं	७	१८	ज्ये	३७	१	ब्र	५०	१३	बा	७	१८	५७	१३	४७	२६	१०	१७	ध.३७।१	कर्केऽर्कः२।१८(सौरः३४।१४)प्रदोषः
१३	बु	१३	३४	मू	४४	३१	ऐं	५२	३८	तै	१३	३४	५५	१३	४७	२७	११	१८	धनुषि	कर्केबुधः १९/५३ शुक्रास्तःपूर्वस्यां ५६/२४
१४	गु	१९	२१	पू	५१	३५	वै	५४	४१	व	१९	२१	५२	१४	४६	२८	१२	१९	धनुषि	भ. ५९/२१ उ. ५२/३ या.पुष्येबुधः ५५/१० वायुपरीक्षा
१५	शु	२४	४५	उ	५८	४	वि	५६	१९	ब	२४	४५	५०	१४	४६	२९	१३	२०	म.८।१२	पुष्येरविः३१।३६ व्यासपूजा गुरु१५

१३पं.आ.शु.२श.ड. २९/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	०	२	३	४	२
२०	२३	७	२०	१	११	१३	२०
५०	४२	२	२०	४०	३३	४८	२३
३५	१८	१३	६	४८	०	३२	१६
५७	२०	[illegible]	९	७४	७	३	५६
७	४७	५८	४०	२६	२	११	५०

गोचर ग्रहाः

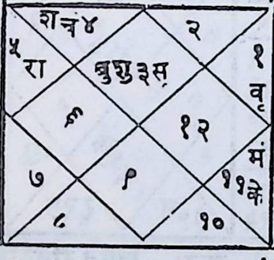

आषाढशुक्ला१२भौमे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ५ न.५ कमार्यवस्था (बैंठी)मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

१४पं.आ.शु.१०श.इ. २५/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१०	२	०	२	३	४	२
२७	२६	२१	२१	२०	१२	१३	२७
३०	१६	२३	२८	१५	२५	२६	१
५४	४४	१७	५२	४०	२६	१६	२३
५७	१८	[illegible]	८	७४	७	३	५६
११	११	२५	५३	३२	८	११	५४

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति महा.
१	श	२९	१७	श्र	६०	०	प्री	५७	९	कौ	२९	१७	३४/४८	५/१४	६/४६	३०	१४	२१	मकरे	पुष्येरविःसौरः४।५५पुष्य.४शनिः ३८/२७
२	र	३३	८	श्र	३	३२	आ	५७	२५	तै	१	१३	४५	१५	४५	३१	१५	२२	कुं.३५।५८	कर्केशुक्रः२०।२०
३	चं	३५	३८	ध	८	२५	सौ	५६	५५	व	४	२३	४३	१५	४५	१	१६	२३	कुम्भे	भ. ४/२२ उ. ३५/३८ या.भा.श्रावणारंभःचतुर्थीव्र
४	मं	३७	१२	श	१२	७	शो	५५	३६	ब	६	२५	४०	१६	४४	२	१७	२४	मी५९।११	
५	बु	३७	४१	पू	१४	५२	अ	५३	२०	कौ	७	२६	३८	१६	४४	३	१८	२५	मीने	पुष्येशुक्रः५।३४नाग५मरुस्थले
६	गु	३७	२	उ	१६	३१	सु	५०	११	ग	७	२१	३५	१७	४३	४	१९	२६	मीने	भ.३७।२उ.आश्ले.बुधः२३।४१
७	शु	३५	१०	रे	१७	५	धृ	४६	०	वि	६	६	३३	१७	४३	५	२०	२७	मे.१७।५	भ. ६/९ या.मीनेभौमः ४३/५ भरणी.४गुरुः ९/११
८	श	३१	५४	अ	१६	६	शू	४०	४३	बा	३	३२	३०	१८	४२	६	२१	२८	मेषे	
९	र	२७	२५	भ	१३	५०	गं	३४	२४	ग	२७	२५	२७	१९	४१	७	२२	२९	वृ.२७।५५	भ.५४।३२उ.
१०	चं	२१	३९	कृ	१०	१२	वृ	२७	१२	वि	२१	३९	२४	१९	४१	८	२३	३०	वृषे	भ.२१।३९या.
११	मं	१४	४४	रो	५/३८	५३/५०	ध्रु	१८	५०	बा	१४	४४	२२	२०	४०	९	२४	३१	मि३२।३३	कामिका११व्र.
१२	बु	६	४१	आ	५३	३३	व्या	९	४३	तै	६	४१	१९	२०	४०	१०	२५	१	मिथुने	भ.५८।३उ.अगस्तदता.३१प्रदोषः
१३	बु	५१	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[—बुधोदयःपश्चिमायां३७।२३
१४	गु	४८	५०	पु	४६	३७	ह	३/०	५०/३७	वि	२३	२६	१६	२१	३९	११	२६	२	क.३३।२१	भ.२३।२६या.मघासिंहेबुधः२५।४२—
३०	शु	४०	१६	पु	३९	४३	सि	४०	४८	च	१४	३३	१३	२१	३९	१२	२७	३	कर्के	आश्ले.रविः२८।३७हरियाली

१५पं.श्रा.कृ.१श.इ. ३५/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१०	३	०	२	३	४	३
४	२८	६	२२	२८	१३	१३	३
११	२६	२६	३१	५२	१८	४	३९
३८	५३	४६	५५	८	२९	०	५०
५७	१६	[illegible]	८	७४	७	३	५६
१५	१	५३	४	३२	८	११	५९

गोचर ग्रहाः

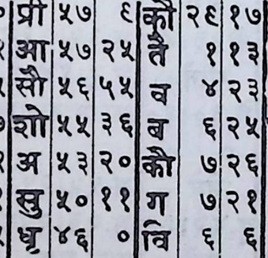

श्रावण शुक्ले१४शुक्रे सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ प्रौढावस्या (बैंठी)मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तःपूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

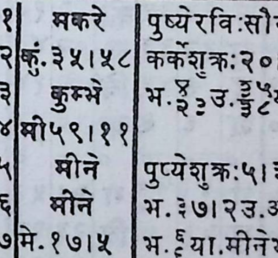

१६पं.श्रा.कृ.८श.इ. २५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	०	३	३	४	३
१०	०	२०	२३	७	१४	१२	१०
५२	९	४१	२८	२८	१२	४१	१९
४१	३६	२	५२	२५	२९	३५	७
५७	१३	[illegible]	६	७४	७	३	५७
२०	३४	४०	५८	३२	२०	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण: १९४६सन् २०३५
१	श	३२	२	श्ले	३३	५५	व्य	३१	२०	किं	६	९	३३/१०	५/२२	६/३८	१३	२८	४	सि३३।५५	आश्ले. रवि:सौर:५।४२आश्ले.शुक्र: ५२/१९
२	र	२५	८	म	२९	४	व	२२	४७	कौ	२५	८	७	२३	३७	१४	२९	५	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंघारा
३	चं	१८	५७	पू	२५	४०	प	१५	२७	ग	१८	५७	४	२३	३७	१५	१	६	कं.४०।२१	भ.४७।१८उ.जमादिलाखर६तीज
४	मं	१५	३९	उ	२४	२५	शि	९	२३	वि	१५	३९	०	२४	३६	१६	२	७	कन्यायां	भ.१५।३९या.वरद४
५	बु	१४	४०	ह	२५	१८	सि	५	१६	बा	१४	४०	३२/७	२५	३५	१७	३	८	तु ५६।४३	नागपंचमी
६	गु	१५	३४	चि	२८	८	सा	२	५०	तै	१५	३४	५४	२५	३५	१८	४	९	तुलायां	
७	शु	१८	३६	स्वा	३३	३	शु	२	१४	व	१८	३६	५०	२६	३४	१९	५	१०	तुलायां	भ.१८।३६उ.५/५०या.पूफाबुध:१३।५
८	श	२३	७	वि	३९	१९	शु	२	१३	ब	२३	७	४७	२७	३३	२०	६	११	वृ.२२।४५	
९	र	२८	५९	अ	४६	३१	ब्र	३	५१	कौ	२८	५९	४४	२७	३३	२१	७	१२	वृश्चिके	[=ग्रस्तास्त चन्द्रग्रहणम्×
१०	चं	३६	१	ज्ये	५४	३२	ऐं	५	५९	तै	४	३०	४०	२८	३२	२२	८	१३	ध.५४।३२	[×श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम्भद्रोतरम्
११	मं	४२	२५	मू	६०	०	वै	९	१६	व	९	१३	३७	२९	३१	२३	९	१४	धनुषि	भ.९।१३उ.४२।२५या.पवित्रा११व्र.
१२	बु	४८	१३	मू	१	२३	वि	११	४१	ब	१५	१९	३३	२९	३१	२४	१०	१५	धनुषि	मघा.सिंहेशुक्र:४०।४२
१३	गु	५३	३१	पू	८	२६	प्री	१३	५२	कौ	२०	५२	३०	३०	३०	२५	११	१६	म.२५।४	आश्ले.१गुरु:२९।५२ प्रदोष:
१४	शु	५७	२९	उ	१४	५७	आ	१५	२३	ग	२५	३०	२६	३१	२९	२६	१२	१७	मकरे	भ.५७।२९उ.मघा.सिंहेऽर्क:२२।३९
१५	श	६०	०	श्र	२०	११	सौ	१५	५९	वि	२८	५७	२२	३२	२८	२७	१३	१८	कु.५२।१५	भ.२८।५७या.मघा.सिंहेऽर्क:सौर:२।६=
१५	र		०	२६	ध	२४	१९	शो	१५	४८	ब	०	२६	१९	३२	२८	२८	१४	१९	कुंभे	उफा.बुध:१०।२४उदयंशने:१३।३०

१७पं.श्रा.शु.१श.इ. २५/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	४	०	३	३	४	३
१७	१	३	२४	१६	१५	१२	१६
३४	२१	३५	१८	६	७	११	५८
२३	५५	४६	४७	३२	५	२९	४५
५७	१०	०/०	६	७४	७	३	५७
२५	३९	९/१०	९	३८	२०	११	१२

१८पं.श्रा.शु ८श.इ. २५/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	४	०	३	३	४	३
२४	२	१५	२५	२४	१६	११	२३
१६	८	१५	०	४५	०	५७	४०
४४	१३	४३	४३	०	४०	१४	४२
५७	७	९६	५	७४	७	३	५७
३३	३१	११	२	३८	१९	११	२३

१९पं.श्रा.शु.१५श इ. २५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	०	४	३	४	४
१	२	२५	२५	३	१६	११	०
०	१७	३४	३४	२४	५३	३४	२२
४	१७	३०	३४	२५	४६	५८	१५
५७	४	८२	४	७४	७	३	५७
४०	४४	४८	५५	३८	१०	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षंतू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं	२	१०	श	२७	२६	अ	१४	३५	कौ	२	१०	३२/१५	५/३३	६/२७	२९	१५	२०	कुंभे	
२	मं	२	४८	पू	२९	१७	सु	१२	३३	ग	२	४८	१२	३४	२६	३०	१६	२१	मी१३।४९	भ.३२।३१उ.कन्यायांबुध:४८।१७
३	बु	२	१४	उ	३०	११	धृ	९	४५	वि	२	१४	८	३४	२६	३१	१७	२२	मीने	भ.२।१४या.चतुर्थी व्र.
४	गु	०	४४	रे	३०	१०	शू	६	९	बा	०	४४	४	३५	२५	१	१८	२३	मे.३०।१०	भा.भाद्रपदारंभ:
५	गु	५७	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	शु	५५	१५	अ	२९	२५	गं	१/४४	५५/७	ग	२६	५३	१	३६	२४	२	१९	२४	मेषे	भ.५५।१५उ.चन्द्रषष्ठी
७	श	५१	२९	भ	२७	५०	ध्रु	५१	७	वि	२३	२२	३१/५७	३७	२३	३	२०	२५	वृ.४२।१६	भ.२३।२२या.
८	र	४६	५८	कृ	२५	३४	व्या	४४	५३	बा	१९	१३	५३	३७	२३	४	२१	२६	वृषे	पूफा.शुक्र:२५।४१जन्माष्टमी व्र.
९	चं	४१	३५	रो	२२	२९	ह	३७	५९	तै	१४	१६	४९	३८	२२	५	२२	२७	मि५०।३६	गोगा९
१०	मं	३५	३४	मृ	१८	४४	व	३०	२८	व	८	३४	४६	३९	२१	६	२३	२८	मिथुने	भ.८।३४उ.३५।३४या.
११	बु	२८	४७	आ	१४	१७	सि	२२	३५	ब	२	११	४२	४०	२०	७	२४	२९	क.५५।२५	अजा११व्र.
१२	गु	२१	३८	पु	९	८	व्य	१४	५	तै	२१	३८	३८	४०	२०	८	२५	३०	कर्के	हस्तेबुध:८।२६ वत्सद्वादशी प्रदोष:
१३	शु	१४	३४	पु	३/५६	५५/४	व	५/३३	३१/३०	व	१४	३४	३४	४१	१९	९	२६	३१	सि५९।०	भ.३४/३४उ.४१/१या.पूफा.रवि.३२/२३(सौर:५२/२८
१४	श	७	२८	म	५३	३०	शि	४९	५	श	७	२८	३०	४२	१८	१०	२७	१	सिंहे	वक्रीभौम:२१।३९सितम्बर९ता.३०
३०	र	१	२०	पू	५१	९	सि	४१	४८	ना	१	२०	२६	४३	१७	११	२८	२	सिंहे	ग्रस्तोदितसूर्यग्रहणंकुशाग्रहणीपिठोरी३०

२०पं.भा.कृ.७श. इ. २४/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	०	४	३	४	४
७	१	३	२५	१२	१७	११	७
४४	५४	५९	५९	४	४६	१२	५
२८	४०	१३	५६	२३	२३	४२	४१
५७	२	६६	२	७४	७	३	५७
४९	११	११	३६	३२	२	११	४५

गोचर ग्रहाः

इसमासमें ५सोमवार श्रेष्ठ हैं धान्य गेहूंजी चना मटर सरसों बाजरा मूंग मंदे हों रुई रंग स्वर्ण तेज हों

गोचर ग्रहाः

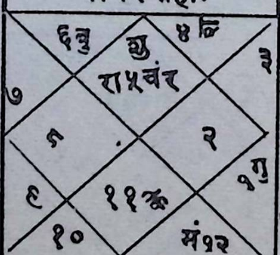

२१पं.भा.कृ.१४श.इ. २४/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	५	०	४	३	४	४
१४	१	११	२६	२०	१८	१०	१३
३०	५	४३	१६	४५	३७	५०	५०
४	३५	४१	५	११	५९	२७	५३
५८	१	४५	१	७४	६	३	५७
१व		३७	१७	३२	५०	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ	अ.	भा.	मृ.	इं.	चन्द्रः	शरदृतुरविर्दक्षिणेऽर्हर्गण:१९७६स२०३५
१	र	५४	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं	५२	२६	उ	४८	५५	सा	३५	२४	बा	२४	१५	३३/२२	५/४४	५ ६/६	१२	२९	३	कं.५।३५	चंद्रदर्शनम्
३	मं	५०	४९	ह	४८	४६	शु	३०	३२	ते	२१	३७	१८	४४	१६	१३	१	४	कन्यायां	रज्जव७र्हरितालिका
४	बु	५१	५	चि	५०	१७	शु	२७	४	व	२०	५७	१५	४५	१५	१४	२	५	तु.१९।३३	भ.५२/७०उ.५५/५या.उफा.शुक्र:३५/४२गणेश४
५	गु	५२	१९	स्वा	५३	५२	ब्र	२५	८	ब	२१	४२	११	४६	१४	१५	३	६	तुलायां	ऋषिपंचमी
६	शु	५७	२	वि	५८	५९	ऐं	२४	३४	कौ	२४	४०	७	४७	१३	१६	४	७	वृ.४२।४२	वक्रीकुंभेभौम:२४।४०
७	श	६०	०	अ	६०	०	वै	२५	२२	ग	२९	४३	३	४७	१३	१७	५	८	वृश्चिके	कन्यायांशुक्र:५१।३८
७	र	२	२४	अ	५	३५	वि	२७	९	व	२	२४	३०/५९	४८	१२	१८	६	९	वृश्चिके	भ.२।२४उ.३५।२२या.वक्रीगुरु:३३।९
८	चं	८	२०	ज्ये	१२	४३	प्री	२९	१९	ब	८	२०	५५	४९	११	१९	७	१०	ध.१२।४३	[÷शत१केतु:१६।५२महालयारंभ:
९	मं	१४	४२	मू	२०	१५	आ	३१	४८	कौ	१४	४२	५१	५०	१०	२०	८	११	धनुषि	वक्रीबुध:२१।२६
१०	बु	२०	४२	पू	२७	३४	सौ	३४	१	ग	२०	४२	४७	५१	९	२१	९	१२	म.४४।१२	भ.५३।२३उ.आश्ले:२गुरु:५८।५६
११	गु	२६	४	उ	३४	८	शो	३५	४१	वि	२६	४	४३	५१	९	२२	१०	१३	मकरे	भ.२६/४या.उफा.रवि:५३/४८जलझूलनी११व्र
१२	शु	३०	४	श्र	३९	३९	अ	३६	२९	बा	३०	४	३९	५२	८	२३	११	१४	मकरे	उफा.रवि:सौर:३७।३८वामनजयंती
१३	श	३२	४३	ध	४३	४३	सु	३६	९	कौ	१	२३	३५	५३	७	२४	१२	१५	कुं.११।४१	प्रदोष:
१४	र	३३	४३	श	४६	१३	धृ	३४	३३	ग	३	१३	३१	५४	६	२५	१३	१६	कुंभे	भ.३३/४३उ.हस्तेशुक्र:५५/३५अनंत१४
१५	चं	३३	१७	पू	४७	२७	शू	३१	५९	वि	३	३०	२७	५५	५	२६	१४	१७	मी३२।८	भ.३/३०या.कन्यायामर्क:२२/९मघा.३राहु:÷

२२पं.भा.शु.७श.इ. २४/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	०	४	३	४	४
२१	२९	१६	२६	२९	१९	१०	२०
१७	५७	२३	२३	२६	२७	२८	३७
६	५८	१०	२	१७	३२	११	३३
५८	२/२	१७	०	७५	६	३	५८
१३	व	२८	१५	२	३२	११	१३

गोचर ग्रहा:

भाद्रापदशुक्ले१५चंद्रे कन्यायाऽर्क: प्रविष्ट: वा.४ न. ४ बाला-वस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्त:पूर्वस्यां।

गोचर ग्रहा:

२३पं. भा.श.१३श.इ. २४/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१०	५	०	५	३	४	४
२८	२८	१७	२६	८	२०	१०	२७
५	२८	९	२०	७	१५	५	२५
२८	५९	३२	१०	१	२२	५६	४९
५८	३६/२	२३/५५	१७/१	७४	६	३	५८
२६	व	व	व	२६	२०	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मृ.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	मं	३१	३५	उ	४७	१९	गं	२८	१४	बा	२	२६	३०/२२	५/५६	६/४	२७	१५	१८	मीने	कन्यार्क:सौर:२।४९
२	बु	२८	४६	रे	४६	८	वृ	२३	३५	तै	०	१०	१८	५६	४	२८	१६	१९	मि.४६।८	भ.५६/५३उ.बुधास्त:पश्चिमायां५१।२१
३	गु	२५	१	अ	४४	१८	धु	१८	१५	वि	२५	१	१४	५७	३	२९	१७	२०	मेषे	भ.२५।१या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२०	४०	भ	४१	४६	व्या	१३	१९	बा	२०	४०	९	५८	२	३०	१८	२१	वृ.५६।३	
५	श	१५	५६	कृ	३८	५४	ह	५/३	५३/२५	तै	१५	५६	५	५९	१	३१	१९	२२	वृषे	शुक्रोदय:पश्चिमे१८।३६
६	र	११	८	रो	३५	४४	सि	५२	२७	व	११	८	३०/०	६/०	६/०	१	२०	२३	वृषे	भ.११/८उ.३८/३८यां.भा.आश्विनारंभ:
७	चं	६	७	मृ	३२	४१	व्य	४५	३२	ब	६	७	२९/५६	६०/६१	५/५९	२	२१	२४	मि४।१३	वक्रीउफा.बुध:३४।७
८	मं	१	५	आ	२९	१५	व	३८	२५	कौ	१	५	५२	२	५८	३	२२	२५	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	मं	५४	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	बु	५०	११	पु	२५	४६	प	३१	०	व	२२	५५	४८	२	५८	४	२३	२६	क.११।४१	भ.२२।५५उ.५०।११या.
११	गु	४४	५६	पु	२२	१०	शि	२४	५	ब	१७	३४	४४	३	५७	५	२४	२७	कर्के	हस्तेरवि:३५/२३चित्रा.शुक्र:३८/५६इंदिरा११व्र
१२	शु	३९	५२	श्ले	१८	५२	सि	१६	५९	कौ	११	२४	४०	४	५६	६	२५	२८	सि१८।५२	हस्तेरविसौर:१५।१९
१३	श	३५	२२	म	१५	४७	सा	१०	२०	ग	७	३७	३६	५	५५	७	२६	२९	सिंहे	भ.३५।२२उ.प्रदोष:
१४	र	३१	२६	पू	१३	२५	शु	५३/२	५४/१६	वि	३	२४	३२	६	५४	८	२७	३०	कं.२८।२	भ.३।२४या.शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	चं	२८	४५	उ	११	५२	ब्र	५३	२६	च	०	५	२८	६	५४	९	२८	१	कन्यायां	अक्टूबर१०ता.३१सर्वपितृ३०

२४पं.आ.कृ.५श.इ. २४/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	५	३	४	५
४	२७	१२	२६	१६	२१	९	४
५५	४	३२	६	४८	०	४३	१५
१९	५१	२८	५०	४७	४३	४०	५६
५८	५६/२	३०/६०	३८/२	७४	६	३	५८
३८	व	व	व.	२६	१	११	४५

गोचर ग्रहा:

इस मास में बुधका चन्द्रदर्शन चांदी रुई स्वर्ण तिल दारदाना कपास मंदा हो घृत गुड़ चीनी नमक तेज हो।

गोचर ग्रहा:

२५पं.आ.कृ१३श.इ. २४/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	५	३	४	५
११	२५	५	२५	२५	२१	९	११
४६	४९	१६	४४	३०	४३	२१	७
५२	५	५२	३१	२९	३७	२५	५३
५८	३७/१	५५/६६	५२/३	७४	५	३	५९
५३	व	व	व	२१	३३	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाक: १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२००५स.२०३५
१	मं	२७	२५	ह	११	४१	ऐ	४९	३७	ब	२७	२५	२९/२३	६/७	५/५२	१०	२९	२	तु.४२।१८	बुधोदय:पूर्वस्यां ५/१ १/२नवरात्रारंभ: =
२	बु	२७	४२	चि	१२	५६	वै	४७	२०	कौ	२७	४२	१९	८	५२	११	३०	३	तुलायां	तुला.शुक्र:०।२८चंद्रदर्शनम्
३	गु	२९	४५	स्वा	१५	५३	वि	४६	२०	ग	२९	४५	१५	९	५१	१२	१	४	तुलायां	सावान ८ [=मातामहश्रा.
४	शु	३३	१३	वि	२०	१६	प्री	४६	१	व	१	२९	११	१०	५०	१३	२	५	वृ.४।१०	भ.१।२९उ.३/४ ३/३या.मार्गीबुध:३।५
५	श	३८	१९	अ	२६	१३	आ	४७	२३	ब	५	४६	७	११	४९	१४	३	६	वृश्चिके	[+स्मा.कोजागरीव्र.
६	र	४३	५९	ज्ये	३२	४४	सौ	४९	२	कौ	११	९	३	११	४९	१५	४	७	ध.३२।४४	मार्गीभौम:५९।१३
७	चं	५०	१६	मू	४०	२४	शो	५१	२९	ग	१७	७	२६/५९	१२	४८	१६	५	८	धनुषि	भ.५०।१६उ.स्वात्यांशुक्र:३।२४
८	मं	५६	२२	पू	४७	५३	अ	५३	४३	वि	२३	१९	५५	१३	४७	१७	६	९	धनुषि	भ.२३।१९या.
९	बु	६०	०	उ	५५	०	सु	५५	४६	बा	२९	१९	५१	१४	४६	१८	७	१०	म.४।१०	[Cशरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.
९	गु	२	१६	श्र	६०	०	धृ	५७	०	कौ	२	१६	४७	१५	४५	१९	८	११	मकरे	चित्रा.रवि:७।२७(सौर:४५।५३)
१०	शु	६	४६	श्र	१	२९	शू	५७	१०	ग	६	४६	४३	१५	४५	२०	९	१२	कुं.३३।४०	भ.३८।१३उ.
११	श	९	४१	ध	५	५०	गं	५६	४	वि	९	४१	३९	१६	४४	२१	१०	१३	कुम्भे	भ.९।४१या.पापांकुशा११व्र.
१२	र	१०	४३	श	८	४०	वृ	५३	३४	बा	१०	४३	३५	१७	४३	२२	११	१४	मी५४।३९	प्रदोष:
१३	चं	१०	२	पू	९	५९	ध्रु	४९	३६	तै	१०	२	३१	१८	४२	२३	१२	१५	मीने	हस्तेबुध:१७।५५
१४	मं	७	३७	उ	९	३०	व्या	४४	१६	व	७	३७	२७	१९	४१	२४	१३	१६	मीने	भ.७।३७उ.३५।३६या.शरद्पूर्णिमा +
१५	बु	३	३५	रे	७	२३	ह	३७	५४	ब	३	३५	२३	१९	४१	२५	१४	१७	मे.७।२३	तुलायामर्क:५/५ १/६आश्ले.३गुरु:४९।३० C

२६पं.आ.शु.५श. इ. २४/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	६	३	४	५
१८	२४	२	२५	४	२२	८	१८
४०	११	४४	१३	१२	२२	५९	१
५	३६	२४	६	११	३४	१०	४०
५९	०/१	१५/५९	५/१	७४	५	३	५९
९	व	०.	व	६९	५	११	१६

गोचर ग्रहा:

आश्विनशुक्ले१५बुधे तुलायामर्क: प्रविष्ट: वा.३ न.४ गतालकावस्था(ऊभी)मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पश्चिमे

गोचर ग्रहा:

२७पं.आ.शु. ११श.इ. २/५ ३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१०	५	०	६	३	४	५
२५	२४	७	२४	१२	२२	८	२४
३४	२६	३८	३३	५३	५८	३६	५७
५९	६	२८	७	१०	३०	५३	२२
५९	२/२०	७४	६/७	७४	४	३	५९
२१	मा	२८	व.	८	४३	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाक: १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतु रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	बु	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु	५२	३३	अ	४	१४	व	३०	४१	तै	२५	२८	२८/२०	६/२०	५/४०	२६	१५	१८	मेषे	तुलार्क:सौर:२८।३७
३	शु	४६	१२	भ	०/७	५५/३७	सि	२२	५६	व	१९	२२	१६	२१	३९	२७	१६	१९	वृ.१४।१	भ.३/२ ९/२उ.४/१ ६/२या.विशा.शुक्र:६।५९
४	श	३९	४६	रो	५१	१७	व्य	१४	४९	ब	१२	५९	१२	२२	३८	२८	१७	२०	वृषे	करकचतुर्थीव्र.
५	र	३३	३५	मृ	४६	५२	व	४४/६	५२/१०	कौ	६	४०	८	२२	३८	२९	१८	२१	मि१९।५	[=२२।१९भा.कार्तिकारंभ:
६	चं	२७	५३	आ	४२	५१	शि	५१	८	ग	०	४४	४	२३	३७	३०	१९	२२	मिथुने	भ.२७।५३उ.५५।१०या.
७	मं	२२	२६	पु	३९	१९	सि	४३	५८	ब	२२	२६	०	२४	३६	१	२०	२३	क.२५।१२	चित्रा.बुध:५४।३६बुधास्त:पूर्वस्यां =
८	बु	१७	३२	पु	३६	१८	सा	३६	५६	कौ	१७	३२	२७/५६	२५	३५	२	२१	२४	कर्के	स्वात्यांरवि:३/१ ३/९वक्रीभरणी२गुरु:२७।२६
९	गु	१३	१६	श्ले	३३	५०	शु	३०	३९	ग	१३	१६	५३	२५	३५	३	२२	२५	सि३३।५०	भ.३९।५५उ.स्वात्यांरवि:सौर:९।४०
१०	शु	९	३४	म	३१	५८	शु	२४	४७	वि	९	३४	४९	२६	३४	४	२३	२६	सिंहे	भ.९।३४या.
११	श	६	३२	पू	३०	५५	ब्र	१९	३२	बा	६	३२	४५	२७	३३	५	२४	२७	क.४५।५०	तुलायांबुध:४/१ ६/२वृश्चिकेशुक्र१/२ ०/०रमा११व्र
१२	र	४	१६	उ	३०	३५	ऐं	१४	५२	तै	४	१६	४१	२८	३२	६	२५	२८	कन्यायां	प्रदोष:धन१३
१३	चं	३	६	ह	३१	२०	वै	१०	५६	व	३	६	३७	२९	३१	७	२६	२९	कन्यायां	भ.३/६उ.३ ३/०य:.अनु शुक्र:५२।३८रूप१४
१४	मं	२	५४	चि	३३	३	वि	७	५३	श	२	५४	३४	२९	३१	८	२७	३०	तु.२।११	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	बु	४	२	स्वा	३६	१४	प्री	५	४२	ना	४	२	३०	३०	३०	९	२८	३१	तुलायां	स्वात्यांबुध:४/५ ६/२अन्नकूटगोवर्द्धनपूजा

२८पं.का.कृ.४श इ २/४ ३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	०	६	३	४	६
२	२४	१७	२३	२१	२३	८	१
३१	२७	४४	४६	३४	३०	१४	५४
२३	४	४६	४१	४१	४०	३८	४५
५९	६	९।५	५/६१	७४	४	३	५९
३४	११	२३	व.	२	९	११	४६

गोचर ग्रहा:

इस मास में धान्य मंदे हो गुड़ सक्कर चीनी घृत तेल तेज हो सोना चांदी अच्छे मंदे हो प्रजा में शान्ति रहे।

गोचर ग्रहा:

२९पं.का.कृ.११श.इ. २/३ ३/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	५	०	७	३	४	६
९	२५	२९	२२	०	२३	७	८
२९	४	२१	५४	१६	५८	५२	५४
३८	५	४०	५०	१६	८	२२	५
५९	८	०/०	३ ७/५	७३	३	३	६०
४७	२८	२६	व	५६	३२	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२०३५स.२०३५
१	गु	६	२६	वि	४०	३७	आ	४	५०	ब	६	२६	२७/२७	६/३१	५/२९	१०	२९	१	वृ.२४।३१	चंद्रदर्शनम्नवम्बर११ता.३०
२	शु	१०	३	अ	४६	११	सौ	४	२३	कौ	१०	३	२३	३१	२६	११	१	२	वृश्चिके	रमजान९भातृ२यम२
३	श	१५	२०	ज्ये	५२	३६	शो	५	२१	ग	१५	२०	१९	३२	२८	१२	२	३	घ.५२।३६	भ.४८।९उ.
४	र	२०	५८	मू	५९	५८	अ	६	३७	वि	२०	५८	१६	३३	२७	१३	३	४	धनुषि	भ.२०।५८या.
५	चं	२७	२२	पू	६०	०	सु	८	४५	बा	२७	२२	१२	३४	२६	१४	४	५	धनुषि	
६	मं	३३	४६	पू	७	३४	धृ	११	१०	कौ	०	३५	९	३४	२६	१५	५	६	म.२४।२७	विशा.रवि:५३।४९
७	बु	४०	०	उ	१५	७	शू	१३	३४	ग	६	५४	५	३५	२५	१६	६	७	मकरे	भ.४०।०उ.विशा.रवि.सौर:२७।४
८	गु	४५	७	श्र	२२	०	गं	१५	२३	वि	१२	३३	२	३६	२४	१७	७	८	कुं.५४।४७	भ.१/३ २/३या.विशा बुध:५/५ २/४गोपाष्टमी
९	शु	४८	५२	ध	२७	३५	वृ	१६	२५	बा	१६	५९	२६/५८	३६	२४	१८	८	९	कुंभे	ज्येष्ठा.शुक्र:३५।२४अक्षय९
१०	श	५०	५२	श	३१	४९	ध्रु	१६	७	तै	१९	५२	५५	३७	२३	१९	९	१०	कुंभे	[=तुलसीविवाह
११	र	५०	५२	पू	३४	८	व्या	१४	२९	व	२०	५३	५२	३८	२२	२०	१०	११	मी१८।३३	भ.२०।५३उ.५०।५३या.प्रबोधिनी११=
१२	चं	४८	४३	उ	३४	१९	ह	११	२३	ब	१९	४८	४९	३८	२२	२१	११	१२	मीने	[×मन्वादि:का.स्ना.पू.
१३	मं	४४	४७	र	३२	४५	व	६	४०	कौ	१६	४५	४५	३९	२१	२२	१२	१३	मे.३२।४५	प्रदोष:
१४	बु	३९	७	अ	२९	२६	सि	१०/७	५२/१८	ग	११	५७	४२	४०	२०	२३	१३	१४	मेषे	भ.३९।७उ.वैकुंठ१४
१५	गु	३१	५९	भ	२३	०	व	४४	५२	वि	५	३३	३९	४०	२०	२४	१४	१५	वृ.३६।५६	भ.५।३३या.वृश्चिकेबुध:७।२८×

३०पं.का.शु.२श.इ. २३/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	०	७	३	४	६
१६	२६	११	२१	८	२४	७	१५
२९	१७	५	५९	५७	२१	३०	५५
२०	२	१०	२८	२५	१४	६	९
६०	११	०/८	४०/७	७३	२	३	६०
४	४४	८/४०	व	५०	४९	११	१८

गोचर ग्रहाः

मं के

इस मास में गुरुवार का चन्द्रदर्शन अच्छा है जो सोना चांदी आदि धातुओं को मंदी करेगा रुई वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.शु१०श.इ. २३।१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१०	६	०	७	३	४	६
२३	२७	२२	२१	१७	२४	७	२२
३०	५९	३१	२	३८	३९	७	५७
४०	३१	५९	१३	४१	४३	५१	४०
६०	१४	०/८	५/२	७३	२	३	६०
१७	५८	३	व.	४५	८	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूर्रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	शु	२४	१३	कृ	१८	४३	प	३५	४०	कौ	२४	१३	२६/३६	६/४१	५/१९	२५	१५	१६	वृषे	वृश्चिकेऽर्क४९।५३मीनेभौम:४६।३३
२	श	१६	६	रो	१२	३६	शि	२५	५०	ग	१६	९	३३	४१	१९	२६	१६	१७	मि३९।२३	भ.४२/६उ.वृश्चिकेऽर्क:सौर:३५/१अन्. +
३	र	८	४	मृ	६	१३	सि	१६	१३	वि	८	४	३०	४२	१८	२७	१७	१८	मिथुने	भ.८/४या.वक्रीभरणी२गुरु:२/३ ३/१चतुर्थीव्र.
४	चं	०	२३	आ	२०/०	५४/५१	सा	६/५०	५१/३४	बा	०	२३	२७	४३	१७	२८	१८	१९	क.४१।२८	मघा.२राहु:धनि.४केतु:८।१०
५	चं	५३	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+बुध:७।४०
६	मं	४७	३७	पु	५१	१	शु	५०	३	ग	२०	३८	२५	४३	१७	२९	१९	२०	कर्के	भ.४/३ ७उ.अनु.रवि:१/१ ६/३(सौर:३८।९×
७	बु	४२	५७	श्ले	४७	५६	ब्र	४२	५५	वि	१५	१७	२२	४४	१६	३०	२०	२१	सिं४७।५६	भ.१५।१७या.
८	गु	३९	१८	म	४५	५६	ऐं	३६	४७	बा	११	७	१९	४४	१६	१	२१	२२	सिंहे	भा.मार्गशीर्षारंभ:
९	शु	३६	५५	पू	४५	४	वै	३१	२७	तै	८	६	१७	४५	१५	२	२२	२३	सिंहे	[×मूलेधनुषिशुक्र:४०।१२
१०	श	३५	३२	उ	४५	२६	वि	२७	१६	व	६	१३	१४	४५	१५	३	२३	२४	कं.०।१०	भ.६।१३उ.३५।३२या.
११	र	३५	३२	ह	४७	२	प्री	२३	५८	ब	५	३२	१२	४६	१४	४	२४	२५	कन्यायां	ज्येष्ठाबुध:३६।४उत्पत्ति११व्र.
१२	चं	३६	४९	चि	४९	५२	आ	२१	३८	कौ	६	१०	९	४६	१४	५	२५	२६	तु.१८।२७	उभाभौम:७।२६
१३	मं	३९	३	स्वा	५३	३६	सौ	२०	११	ग	७	५६	७	४७	१३	६	२६	२७	तुलायां	भ.३९।३उ.प्रदोष:
१४	बु	४२	२३	वि	५८	२५	शो	१९	४४	वि	१०	४३	५	४७	१३	७	२७	२८	वृ.४२।१३	भ.१०।४३या.
३०	गु	४६	४३	अ	६०	०	अ	१९	४१	च	१४	३३	२	४८	१२	८	२८	२९	वृश्चिके	

३२पं.मा.कृ.२श.इ.२२।५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	०	७	३	४	७
०	०	३	२०	२६	२४	६	०
३३	१०	४५	६	१९	५२	४५	१
२२	१९	११	२९	४८	२३	३५	४४
६०	१७	९९	४/३	७३	१	३	६०
३०	१	४३	व	३८	२७	११	४०

गोचर ग्रहाः

मार्गशीर्ष कृष्णे १ शुक्रेवृश्चिकेऽर्क: प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

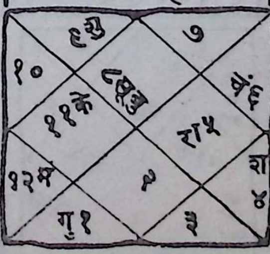

३३पं.मा.कृ.१०श.इ.२/४ २/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	०	८	३	४	७
७	२	१४	१९	५	२५	६	७
३७	४५	४०	१२	०	०	२३	७
१६	११	२३	५०	२	१८	२०	१७
६०	१९	९७	११/८	७३	०	३	६०
४२	५७	५१	व	२६	४६	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणे ऽहर्गणः २०६४स.२०३५
१	शु	५२	७	अ	४	७	सु	२०	४०	किं	१९	२५	२६/०	४८	५/१२	९	२९	३०	वृश्चिके	वक्रीशनिः२७।३
२	श	५८	०	ज्ये	१०	४१	धृ	२२	४	बा	२५	३	२५/५८	४८	१२	१०	३०	१	ध.१०।४१	पूषा.शुक्रः४९/५ चंद्रदर्शनम् दिसम्बर +
३	र	६०	०	मू	१७	५०	शू	२४	१	तै	३१	१३	५६	४९	११	११	१	२	धनुषि	सब्वाल१० [+१२ता.३१
३	चं	४	२५	पू	२५	२५	गं	२६	१६	ग	४	२५	५४	४९	११	१२	२	३	म.४२।२१	भ.३/४ ७/५ उ ज्येष्ठा.रविः१/२ ८/४ (सौरः४/६/३)
४	मं	११	४	उ	३३	७	वृ	२८	२६	वि	११	४	५३	४९	११	१३	३	४	मकरे	भ.११/४या.मूलेध नुषिबुधः३/२ ०/४
५	बु	१७	२८	श्र	४०	३४	ध्रु	३०	५३	बा	१७	२८	५१	५०	१०	१४	४	५	मकरे	बुधोदयःपश्चिमायां५/५६
६	गु	२३	५	ध	४६	५८	व्या	३२	२८	तै	२३	५	४९	५०	१०	१५	५	६	कुं.१३।४६	चंपा६
७	शु	२७	३६	श	५२	३४	ह	३३	१४	व	२७	३६	४८	५०	१०	१६	६	७	कुंभे	भ.२७।३६उ.५९।६या.
८	श	३०	४२	पू	५६	१३	व	३२	४९	ब	३०	४२	४६	५१	९	१७	७	८	मी४०।१८	[×११व्र.गीताजयंती
९	र	३१	५३	उ	५८	१०	सि	३१	२	बा	१	१७	४५	५१	९	१८	८	९	मीने	
१०	चं	३१	५	रे	५८	२	व्य	२७	३७	तै	१	२९	४४	५१	९	१९	९	१०	मे ५८।२	भ.५९।४१उ.
११	मं	२८	१७	अ	५५	४९	व	२२	३८	वि	२८	१७	४३	५१	९	२०	१०	११	मेषे	भ.२८।१७या.उषा.शुक्रः५६।८मोक्षदा×
१२	बु	२३	१९	भ	५०	४३	प	१६	०	बा	२३	१९	४२	५२	८	२१	११	१२	मेषे	प्रदोषः
१३	गु	१६	३५	कृ	४५	५३	शि	६/४३	५०/३८	तै	१६	३५	४१	५२	८	२२	१२	१३	वृ.५।१५	पूषा.बुधः५।४८
१४	शु	८	३८	रो	३९	३३	सा	४७	१	व	८	३८	४०	५२	८	२३	१३	१४	वृषे	भ.३८/९उ.३४/७या.मकरेशुक्रः३/३ ४/४ दत्तजयंती
१५	शु	५०	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३४पं.मा.शु.२श.इ. २२/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	७	०	८	३	४	७
१४	५	२५	१८	१३	२५	६	१४
४२	३८	३१	२४	४०	२	१	१४
२९	२	१२	१८	२३	४२	४	२
६०	२२	९६	६/२०	७३	७	३	६१
५०	३७	४	वं	१५	वं	११	३

गोचर ग्रहाः

इस मास में वदि में धान्य गल्ला सोना चांदी लोहा गुड़ सक्कर चीनी कपास आदि मंदे होकर सुदि में तेज हो

गोचर ग्रहाः

३५पं.मा.शु.८श.इ. २२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	०	८	३	४	७
२१	८	६	१७	२२	२४	५	२१
४८	४८	१२	४२	१९	५९	३८	२१
३२	४	४३	५०	४१	१७	४८	४३
६०	२५	९२	५/२३	७३	०/४८	३	६१
५६	६	४१	व	३	व	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तु रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	श	५०	१४	मृ	३२	१०	शु	३६	२२	बा	२४	५५	३५/३९	५६/२	५/८	२४	१४	१५	मि५।५१	
२	र	४०	५८	आ	२४	३४	शु	२५	३१	तै	१५	३६	३९	५२	८	२५	१५	१६	मिथुने	मूले धनुष्यर्कः२/३ ५/९ (सौरः४९।५३)
३	चं	३२	६	पु	१७	२३	ब्र	१५	१	व	६	३२	३८	५२	८	२६	१६	१७	क.४।११	भ.६।३२उ.३२।६या.
४	मं	२४	७	पु	१०	५४	ऐं	५/५	५०/५९	बा	२४	७	३८	५२	८	२७	१७	१८	कर्के	चतुर्थीव्र.
५	बु	१७	४९	श्ले	५	४७	वि	४८	१९	तै	१७	४९	३७	५३	७	२८	१८	१९	सिं५।४७	
६	गु	१२	५६	म	२	१७	प्री	४१	४६	व	१२	५६	३७	५३	७	२९	१९	२०	सिंहे	भ.१२।५६उ.४१।२०या.
७	शु	९	४४	पू	०	२५	आ	३६	४३	ब	९	४४	३६	५३	७	३०	२०	२१	कं.१५।२०	
८	श	८	१७	उ	०	४	सौ	३२	५८	कौ	८	१७	३६	५३	७	१	२१	२२	कन्यायां	श्रवणेशुक्रः४/३ २/९ भा.पौषारंभः
९	र	८	२६	ह	१	१९	शो	३०	२९	ग	८	२६	३६	५३	७	२	२२	२३	तु.३२।४९	भ.३/१ ९/९उ.उषा.बुधः५/२ ०/३ वक्रीभरणी१ =
१०	चं	१०	७	चि	४	१९	अ	२९	२१	वि	१०	७	३६	५३	७	३	२३	२४	तुलायां	भ.१०।७या.रेवत्यांभौमः९।१७
११	मं	१३	५	स्वा	८	३२	सु	२९	१७	बा	१३	५	३७	५३	७	४	२४	२५	वृ.५७।२७	मकरेबुधः३०।३१सफला११व्र.
१२	बु	१७	२०	वि	१३	४६	धृ	२९	३९	तै	१७	२०	३७	५३	७	५	२५	२६	वृश्चिके	प्रदोषः
१३	गु	२२	२०	अ	१९	५४	शू	३०	४४	व	२२	२०	३७	५३	७	६	२६	२७	वृश्चिके	भ.२२।२०उ.५४।५०या.
१४	शु	२७	१९	ज्ये	२६	५३	गं	३२	३७	श	२७	१९	३८	५२	८	७	२७	२८	ध.२६।५३	[=गुरुः५८।६
३०	श	३३	३१	मू	३४	११	वृ	३४	३५	च	०	२५	३८	५२	८	८	२८	२९	धनुषि	पूषा.रविः३/४ ०/२ (सौरः५१।३१)

३६पं.पौ.कृ.१श.इ. २२/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	११	८	०	९	३	४	७
२८	१२	१६	१७	०	२४	५	२८
५५	१२	३५	८	५७	५०	१६	३०
२६	४३	२८	४६	४३	२४	३३	२६
६१	२७	८६	४/८	७२	१/३५	३	६१
०	३	२	वं	५०	वं	११	१९

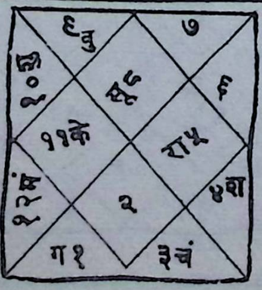

३७पं.पौ.कृ.८श.इ. २१/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	०	९	३	४	८
६	१५	२५	१६	९	२४	४	५
३	४९	५५	४४	३४	३५	५४	३९
०	४८	८	४२	५९	५६	१७	५१
६१	२८	७०	२/५६	७२	१/१६	३	६१
४	४	२५	वं	३२	वं	११	२२

३८पं.पौ.कृ.३०श.इ. २१/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	०	९	३	४	८
१३	१९	१	१६	१८	२४	४	१२
१०	३५	५७	२९	९	१७	३२	४९
५९	३१	५४	२६	५०	२	२	४३
६१	२९	३०	१/३५	७२	२/५२	३	६१
६	४३	३५	वं	९	वं	११	२७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२०९४स२०३५
१	र	३९	५८	पू	४१	४३	ध्रु	३६	५१	किं	६	४४	३५/३९	५६/२	८	९	२९	३०	म.५८।३५	
२	चं	५६	२८	उ	४९	१०	व्या	३९	४	बा	१३	१३	४०	५२	८	१०	३०	३१	मकरे	वक्रीबुधः४९।३७चंद्रदर्शनम्
३	मं	५२	५९	श्र	५६	३९	ह	४१	१९	तै	१९	४३	४१	५२	८	११	१	१	मकरे	जिल्काद११जनवरी१ता.३१सन् २०३६
४	बु	५८	४९	ध	६०	०	व	४२	४९	व	२५	५४	४२	५२	८	१२	२	२	कुं.३०।४	भ.२५/५४उ.५८/४९या.धनि.शुक्रः३३।९
५	गु	६०	०	ध	३	२९	सि	४३	५७	ब	३१	१५	४३	५१	९	१३	३	३	कुंभे	
५	शु	३	४२	श	९	२२	व्य	४४	४९	बा	३	४२	४४	५१	९	१४	४	४	मी५७।५८	बुधास्तःपश्चिमायां३६।४६
६	श	७	३०	पू	१४	१०	व	४३	४९	तै	७	३०	४५	५१	९	१५	५	५	मीने	मार्गीगुरुः७।११
७	र	९	४७	उ	१७	२८	प	४१	४६	व	९	४७	४७	५१	९	१६	६	६	मीने	भ.९।४७उ.४०।११या.
८	चं	१०	३५	रे	१९	७	शि	३८	१९	ब	१०	३५	४८	५०	१०	१७	७	७	मे.१९।७	
९	मं	९	२१	अ	१८	५६	सि	३३	१९	कौ	९	२१	५०	५०	१०	१८	८	८	मेषे	कुंभेशुक्र.७।१०
१०	बु	६	१५	भ	१७	५४	सा	२६	५२	ग	६	१५	५२	५०	१०	१९	९	९	वृ.३१।४०	भ.३३।४४उ.वक्रीपूषा.बुधः३८।५८
११	गु	१	१३	कृ	१२	५७	शु	१८	५३	वि	१	१३	५३	४९	११	२०	१०	१०	वृषे	भ.१।१३या.पुत्रदा११व्र.
१२	गु	५३	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	शु	४६	१७	रो	७	२४	शु	९/५१	४९/४४	कौ	२०	२१	५५	४९	११	२१	११	११	मि३३।५७	उषा.रविः३६।१३(सौरः५२/८)प्रदोषः
१४	श	३७	७	मृ	०/३०	५२/२३	ऐं	४८	३५	ग	११	४२	५७	४९	११	२२	१२	१२	मिथुने	भ.३७।७उ.
१५	र	२६	३१	पु	४५	१	वै	३७	२५	वि	१	४९	५९	४८	१२	२३	१३	१३	क.३२।०	भ.५१/४या.शतेशुक्रः३५/७मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु ६श.इ. २१/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	९	०	९	३	४	८
२०	२३	०	१६	२६	२३	४	१९
१९	२९	३५	२५	४१	५३	९	५९
५	२	४६	२५	५३	३८	४६	४०
६१	३१	५६/१९	०/४	७१	३/३	३	६१
६	१९	वं	मा	५१	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

पौषकृष्णे२ रवौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.३न ४प्रौढावस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

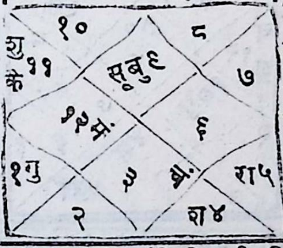

४०पं.पौ.शु.१४श.इ. २१/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	११	८	०	१०	३	४	८
२७	२९	२२	१६	५	२३	३	२७
२७	२८	२७	३०	११	२६	४७	९
७	३७	५०	१८	३५	३८	३०	३२
६१	३२	८९/५४	१	७१	३/५६	३	६१
६	०	व	११	२७	व	११	२४

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	चं	१६	४०	पु	३७	१६	वि	२६	२०	कौ	१६	४०	२६/१	६/४८	५/१२	२४	१४	१४	कर्के	मकरेऽर्कः५१/५३वक्री.आश्ले२शनिः२।५३
२	मं	७	२८	श्ले	३०	१५	प्री	१५	४३	ग	७	२८	४	४७	१३	२५	१५	१५	सिं३०।१५	भ.३३/६९उ.५९/७१या.मकरेऽर्कःसौरः८।२५ ×
३	मं	५१	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×बुधोदयःपूर्वस्यां४०।४०
४	बु	५२	२८	म	२४	३७	आ	६/८	५१/४४	ब	२५	५०	६	४७	१३	२६	१६	१६	सिंहे	अश्वि.मेषेभौमः३२।२३चतुर्थीव्र.
५	गु	४७	३६	पू	२०	३४	शो	५०	५८	कौ	२०	२	८	४६	१४	२७	१७	१७	कं.३५।२	भरणी२गुरुः१७।१
६	शु	४४	४०	उ	१८	२६	अ	४५	४५	ग	१६	८	११	४६	१४	२८	१८	१८	कन्यायां	भ.४४।४०उ.
७	श	४३	५०	ह	१८	१०	सु	४२	१	वि	१४	१५	१३	४५	१५	२९	१९	१९	तु.४९।७	भ.१४।१५या.
८	र	४५	२	चि	२०	५	धृ	३९	५७	बा	१४	२६	१६	४५	१५	३०	२०	२०	तुलायां	
९	चं	४७	५३	स्वा	२३	४१	शू	३९	२९	तै	१६	२७	१९	४४	१६	१	२१	२१	तुलायां	अभि.प्र.रविः२६/१८(सौरः३९/४६,मघा.१राहु÷
१०	मं	५२	१९	वि	२८	५६	गं	४०	४	व	२०	६	२१	४४	१६	२	२२	२२	वृ.१२।३७	भ.२०/६उ.५२/१९या.मार्गीबुधः२४।१३
११	बु	५७	४२	अ	३५	१२	वृ	४१	२०	ब	२५	०	२४	४३	१७	३	२३	२३	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	गु	६०	०	ज्ये	४२	२२	ध्रु	५३	२६	कौ	३०	५१	२७	४३	१७	४	२४	२४	ध.४२।२२	श्रवणेरविः४०/५५(सौरः५६/४२)पूभा.शुक्रः३९/२९
१२	शु	४	१	मू	४९	४१	व्या	४५	२५	तै	४	१	२९	४२	१८	५	२५	२५	धनुषि	अभि.नि.रविः३३/१०(सौरः४६/५९)प्रदोषः
१३	श	१०	२९	पू	५७	३२	ह	४७	४६	व	१०	२९	३२	४२	१८	६	२६	२६	धनुषि	भ.१०।२९उ.४३।४१या.
१४	र	१६	५२	उ	६०	०	व	४९	५९	श	१६	५२	३५	४१	१९	७	२७	२७	म.१४।२३	[÷धनि३केतुः०।४०भा.माघारंभः
३०	चं	२३	१७	उ	४	५८	सि	५१	१	ना	२३	१७	३८	४०	२०	८	२८	२८	मकरे	

४१पं.मा.कृ.७श.इ. २१/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	०	१०	३	४	९
४	१	१६	१६	१२	२२	३	४
३४	३३	२७	४५	३८	५५	२५	१९
५९	२९	४३	२२	२	५२	१५	१
६१	३३	३२/२७	२	७१	४/१४	३	६१
३	८	वं	३५	२	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

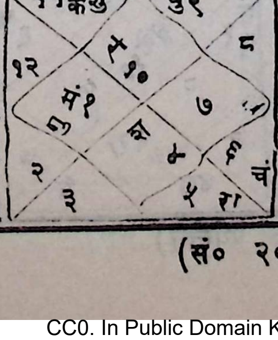

माघकृष्णे१चंद्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न. ३ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घताशुक्रोदयः पश्चिमायांम्

गोचर ग्रहाः

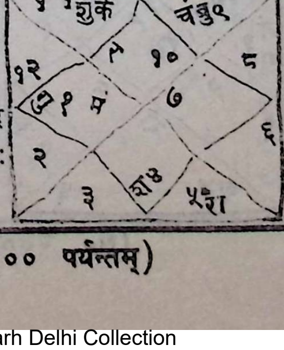

४२पं.मा.कृ.१३श.इ. २१/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	०	१०	३	४	९
११	५	१७	१७	२२	२२	३	११
४२	४२	५२	१०	०	२३	२	२७
२९	५८	३४	३४	१	१३	५९	५२
६०	३४	२९/१२	३	७०	४/३४	२	६१
५९	०	मा	५८	२६	व	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:२१२४स.२०३६
१	मं	२९	८	श्र	१२	६	व्य	५३	३५	ब	२९	८	२६/४९	६/४०	५/२०	९	२९	२९	कुं.४४।३८	
२	बु	३४	२२	ध	१७	८	व	५४	२७	बा	१	४५	४५	३९	२१	१०	३०	३०	कुम्भे	चंद्रदर्शनम्
३	गु	३८	४६	श	२४	२०	प	५४	३९	तै	६	३४	४८	३८	२२	११	१	३१	कुंभे	जिल्हेज१२
४	शु	४२	२	पू	२९	४	शि	५४	६	व	१०	२४	५१	३८	२२	१२	२	१	मी१२।५३	भ.१०/२४उ.४/२या.फरवरी२ता.२९
५	श	४४	२०	उ	३२	४७	सि	५२	४७	ब	१३	११	५४	३७	२३	१३	३	२	मीने	मीनेशुक्र:६।५३वसंत५
६	र	४५	१५	रे	३५	२८	सा	५०	२२	कौ	१४	४७	५८	३६	२४	१४	४	३	मे.३५।२८	
७	चं	४४	५०	अ	३६	२९	शु	४६	४६	ग	१५	२	२५/१	३६	२४	१५	५	४	मेषे	भ.४४/५०उ.उभा.शुक्र:५९/२भानु७रथ७
८	मं	४२	५६	भ	३६	११	शु	४१	५५	वि	१३	५३	५	३५	२५	१६	६	५	वृ.५०।४२	भ.१/५ ३/३या.उषा.बुध:३/२ ६/६भीष्माष्टमी
९	बु	३९	२१	कृ	३४	१४	ब्र	३५	४१	बा	११	८	८	३४	२६	१७	७	६	वृषे	धनि.रवि:४/१ ९/३पातस्पर्श:१/५ ८/२पातमोक्ष:४/२ ८/८
१०	गु	३४	२६	रो	३०	५२	ऐं	२८	२६	तै	६	५३	१२	३४	२६	१८	८	७	मि५८।२८	धनि.रवि.सौर:३१/२भरण्यांभौम:५३।५८
११	शु	२७	५९	मृ	२६	४	वै	१९	५४	व	१	१३	१५	३३	२७	१९	९	८	मिथुने	भ.१३/३उ.२७/५९या.मकरेंबुध:२७/०जया११व्र.
१२	श	२०	१९	आ	२०	६	वि	१०	३१	बा	२०	१९	१९	३२	२८	२०	१०	९	क.५९।५२	प्रदोष.
१३	र	११	४१	पु	१३	७	प्री	१०/७	४९/२१	तै	११	४१	२३	३१	२९	२१	११	१०	कर्के	
१४	चं	२	२१	पु	५/४०	५२/४०	सौ	३८	५४	व	२	२१	२७	३१	२९	२२	१२	११	सिं५८।२०	भ.२१/२उ.३/३ ९/६या.खग्रासचंद्रग्रहणम् H [Hमा.स्ना.पूर्ति:
१५	चं	५०	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

४३पं,मा.शु.५श.इ. २१/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	०	११	३	४	९
१८	९	२३	१७	०	२१	२	१८
४९	५६	३८	४४	१७	४९	४०	३६
१	२०	१४	५६	२४	२६	४४	०
६०	३४	५६	५	६९	४/४०	३	६१
५५	२७	३	७	४२	व.	११	४

गोचर ग्रहाः

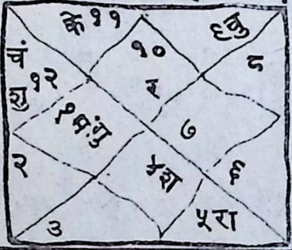

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना मक्का आदि धान्य रसकस गुड सक्कर घृत तेल रुई वारदाना सोने चांदी में मंदी रहे ।

गोचर ग्रहाः

४४पं.मा.शु.१२श.इ. २२/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	९	०	११	३	४	९
२५	१४	१	१८	८	२१	२	२५
५४	११	३९	२७	२८	१४	१८	४२
५०	३८	७	४३	५९	३५	२८	४७
६०	३५	७३	६	६८	४/४०	३	६०
४७	११	८	१७	५५	व	११	५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेतिमहा.
१	मं	४४	५	म	५१	३८	शो	२८	३५	बा	१८	३१	२७/३०	६/३०	५/३०	२३	१३	१२	सिंहे	
२	बु	३६	१७	पू	४६	४	अ	१८	५९	तै	१०	११	३४	२९	३१	२४	१४	१३	सिंहे	कुंभेऽर्क:२४।२९(सौर:३५।३०)
३	गु	२८	५८	उ	४२	५	सु	१०	४४	व	२	३७	३८	२८	३२	२५	१५	१४	कं.०।४	भ.२।३७उ.२८।५८या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२४	२३	ह	४०	५२	धृ	५/३३	५४/३९	बा	२४	२३	४१	२८	३२	२६	१६	१५	कन्यायाँ	श्रवणेबुध:४२।१६
५	श	२२	७	चि	४०	४	गं	५५	१	तै	२२	७	४५	२७	३३	२७	१७	१६	तु.१०।२८	रेवत्यांशुक्र:२९।४८
६	र	२२	१	स्वा	४२	७	वृ	५३	८	व	२२	१	४९	२६	३४	२८	१८	१७	तुलायां	भ.२२।१उ.५२।५७या.पातस्पर्श;४६।३
७	चं	२३	५३	वि	४६	१३	ध्रु	५२	५८	ब	२३	५३	५३	२५	३५	२९	१९	१८	वृ.३०।१३	पातमोक्ष:४।३
८	मं	२७	४६	अ	५१	५७	व्या	५३	२०	कौ	२७	४६	५६	२५	३५	३०	२०	१९	वृश्चिके	
९	बु	३२	४८	ज्ये	५८	५०	ह	५५	३	तै	०	१७	२८/०	२४	३६	१	२१	२०	ध.५८।५०	शतेरवि:४/२ ०/२(सौर:१/५ ०/२)भा.फाल्गुनारंभ:
१०	गु	३९	११	मू	६०	०	व	५७	१४	व	५	५९	४	२३	३७	२	२२	२१	धनुषि	भ.५९/५उ.३१/१९या.भरणी३गुरु:२३।१४
११	शु	४५	३०	मू	६	११	सि	५९	३५	ब	१२	२१	८	२२	३८	३	२३	२२	धनुषि	विजया११व्र.
१२	श	५२	७	पू	१३	५९	व्य	६०	०	कौ	१८	४८	१२	२२	३८	४	२४	२३	म.३०।५२	
१३	र	५८	१७	उ	२१	३२	व्य	१	५४	ग	२५	१२	१६	२१	३९	५	२५	२४	मकरे	भ.५८।१७उ.धनि.बुध:४१।५४प्रदोष:
१४	चं	६०	०	श्र	२८	३३	व	३	५८	वि	३१	२	२०	२०	४०	६	२६	२५	मकरे	भ.३५/२या.वक्रीश्राश्ले१शनि:३४।४४ = [=महाशिवरात्रीव्र.
१४	मं	३	४८	ध	३४	४०	प	५	२३	श	३	४८	२४	१९	४१	७	२७	२६	कु.१।३६	
३०	बु	८	२२	श	३९	५१	शि	७	४	ना	८	२२	२८	१८	४२	८	२८	२७	कुंभे	

४ ५पं.फा.कृ.५श.इ. २२/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	०	११	३	४	१०
२	१८	१०	१९	१६	२०	१	२
५९	२८	५६	१८	३१	४१	५६	४८
४२	३७	३८	२९	२६	१३	१२	५०
६०	३५	८४	७	६८	४/२८	३	६०
३७	४१	५८	१६	१	वे	११	४२

गोचर ग्रहाः

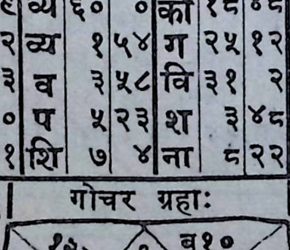

फाल्गुन कृष्णे २ बुध कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ३ प्रौढा-वस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

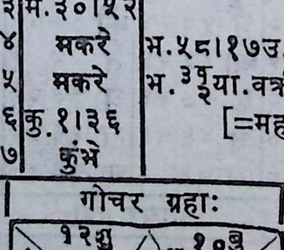

४६पं.फा.कृ१२श.इ. २२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	९	०	११	३	४	१०
१०	२२	२१	२०	२४	२०	१	९
३	४९	१४	१६	२९	९	३३	५३
१४	१	५६	४८	३१	११	५७	२३
६०	३६	९४	८	६६	४/१०	३	६०
२५	१३	३१	२७	५४	व	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण२१५४स.२०३६
१	गु	११	४७	पू	४४	१३	सि	६	४	ब	११	४७	३९/३२	१८/१	४२/५	९	२९	२८	मी२८।७	कुंभेबुधः ५७/२९ अश्वि.मेषेशुक्रः १९/८ चंद्रदर्शनं
२	शु	१४	११	उ	४७	२३	सा	५	८	कौ	१४	११	३६	१७	४३	१०	१	२९	मीने	कृत्तिभौमः ३१/२८ मोहोरम् १सन् १४५८×
३	श	१५	३५	रे	४९	२८	शु	३	२०	ग	१५	३५	४०	१६	४४	११	२	१	मे.४९।२८	भ.४५।४५उ.मार्च३ता. ३१
४	र	१५	५६	अ	५०	४५	शु	४२/०	५६/४७	वि	१५	५६	४४	१५	४५	१२	३	२	मेषे	भ.१/५ ५/८ या.पातस्पर्शः ४८ पातमोक्षः ३२/२६
५	चं	१५	१४	भ	५०	५३	ऐं	५३	२३	बा	१५	१४	४८	१४	४६	१३	४	३	मेषे	शतेबुधः ५७/२९ बुधास्तःपूर्वस्यां४३।३७
६	मं	१३	२९	कृ	४९	५६	वै	४८	१८	तै	१३	२९	५२	१४	४६	१४	५	४	वृ.५।३९	पूभा.रविः१६।४०(सौरः२५।३९)
७	बु	१०	२९	रो	४७	५९	वि	४२	२६	व	१०	२९	५६	१३	४७	१५	६	५	वृषे	भ.१०/२९ उ.३१/२६ या.वृषेभौमः५४।३५
८	गु	६	४३	मृ	४५	२	प्री	३५	४४	ब	६	४३	२९/१	१२	४८	१६	७	६	मि१६।३०	होलाष्टकम्
९	शु	१	५८	आ	४१	४	आ	२८	१७	कौ	१	५८	५	११	४९	१७	८	७	मिथुने	[×हि.फुलरियार
१०	शु	५२	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷शुक्रः३९।१७होलिकादहनम्भद्रोत्तरे.
११	श	४९	२४	पु	३६	५	सौ	१९	४८	व	२१	४६	९	१०	५०	१८	९	८	क.२२।२०	भ.२१/४६ उ.४९/२४ या.आमलकी११व्र.स्मा.
१२	र	४१	५०	पु	३०	३१	शो	११	१	व	१५	३७	१३	९	५१	१९	१०	९	कर्के	आमलकी११व्र.वैं.
१३	चं	३३	४७	श्ले	२४	३२	अ	१/२६	५०/३५	कौ	७	४८	१७	९	५१	२०	११	१०	सिं२४।३२	प्रदोषः
१४	मं	२५	५२	म	१८	३७	धृ	४२	२२	व	२५	५२	२१	८	५२	२१	१२	११	सिंहे	भ.२५/५२ उ.५/२८ या.पूभा.बुधः३/१८ भरण्यां÷
१५	बु	१८	२४	पू	१२	५६	शू	३३	४१	ब	१८	२४	२६	७	५३	२२	१३	१२	कं.२६।५०	भरणी४गुरुः४६।९छारेंडी

४७पं.फा.शु.३श.इ. २२/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	०	१०	०	०	३	४	१०
१७	२७	२	२१	२	१९	१	१६
५	१०	२५	२०	१६	३९	११	५६
२८	१९	५५	५६	५	१८	४१	१९
६०	३६	०/४	९	६३	३/५२	३	६०
१२	३२	३/७	१४	३०	व.	११	२०

गोचर ग्रहाः

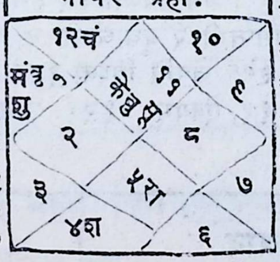

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना रुई कपास गुड़ सक्कर चीनी तेज हो सोना चांदी आदि धातु मंदे हो।

गोचर ग्रहाः

४८पं.फा.शु.११श.इ. २३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	०	०	३	४	१०
२४	१	१४	२२	९	१९	०	२३
६	३१	२७	३१	५१	१२	४९	५७
१४	१६	१४	८	११	३६	२६	४२
५९	३६	०/०	९	६३	३/२६	३	६०
५८	५२	०/३०	५६	५२	व	११	६

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९२ शाकः १९५७												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु	११	५३	उ	८	२३	गं	२६	१४	कौ	११	५३	२९/३०	६/६	५/५४	२३	१४	१३	कन्यायां	पातस्पर्शः५०।४७वसंत१
२	शु	७	४६	ह	५	१७	वृ	१९	५१	ग	७	४६	३४	५	५५	२४	१५	१४	तु.३४।३७	भ.३६/४ उ.मीनेऽर्कः१७/४१ (सौरः२६।०)+
३	श	४	२२	चि	३	५८	धु	१५	३	वि	४	२२	३८	४	५६	२५	१६	१५	तुलायां	भ.२४/२ या.चतुर्थीव्र. [+पातमोक्षः३।३४
४	र	३	७	स्वा	४	३९	व्या	११	४९	बा	३	७	४३	३	५७	२६	१७	१६	वृ.५१।३३	मीनेबुधः४२/३४
५	चं	३	५०	वि	७	११	ह	१०	४०	तै	३	५०	४७	३	५७	२७	१८	१७	वृश्चिके	उभा.रविः३८।४१(सौरः४७।३६)
६	मं	६	३५	अ	११	३९	व	१०	१३	व	६	३५	५१	२	५८	२८	१९	१८	वृश्चिके	भ.६।३५उ.३८/४९ या.उभा.बुधः२६।८
७	बु	१०	५६	ज्ये	१७	४३	सि	११	२०	ब	१०	५६	५५	१	५९	२९	२०	१९	ध.१७।४३	
८	गु	१६	५२	मू	२४	४६	व्य	१३	७	कौ	१६	५२	३०/०	६/०	६/०	३०	२१	२०	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	शु	२२	५८	पू	३१	४६	व	१५	२६	ग	२२	५८	३०/४	५९	५/६/१	१	२२	२१	म.४८।४०	भ.५६/९ उ.रोहि.भौमः५६/१ भा.चैत्रारंभः
१०	श	२९	२०	उ	३९	२२	प	१७	५०	वि	२९	२०	८	५८	२	२	२३	२२	मकरे	भ.२९/२० या.
११	र	३५	२५	श्र	४६	३१	शि	१९	५९	ब	४	२२	१२	५८	२	३	२४	२३	मकरे	आश्लेंषकर्केराहुःधनि२मकरेकेतुः५६।९÷
१२	चं	४०	५१	ध	५२	५५	सि	२१	३०	कौ	८	८	१६	५७	३	४	२५	२४	कुं.१९।४३	कृत्तिशुक्रः५४।३५ [÷पापमोचनी११व्र.
१३	मं	४५	१	श	५७	५६	सा	२२	७	ग	१२	५६	२१	५६	४	५	२६	२५	कुंभे	भ.४५।१उ.रेवत्यांबुधः७।३५प्रदोषः
१४	बु	४७	४६	पू	६०	०	शु	२१	४३	वि	१६	२३	२५	५५	५	६	२७	२६	मी४५।५४	भ.१६।२३या.
३०	गु	४९	११	पू	१	५३	शु	२०	२२	च	१८	२८	२९	५४	६	७	२८	२७	मीने	मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.३श.इ. २३/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	१०	०	०	३	४	११
१	५	२७	२३	१७	१८	०	०
५	५३	२७	४६	९	५०	२७	५७
३१	४६	१८	५५	४७	१६	१०	२४
५९	३७	०/०	१०	६१	२/४५	३	५९
४१	१	३	४१	५०	वं	११	४९

गोचर ग्रहाः

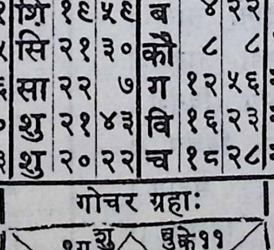

चैत्रकृष्णे२शुक्रेमीने–ऽर्कःप्रविष्टः वा.३न. ४प्रगलभावस्था(बैंठी मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

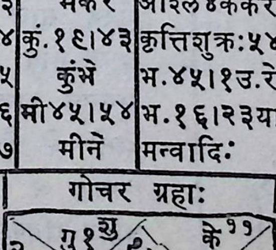

५०पं.चै.कृ.१०श.इ. २३/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	०	०	३	४	११
८	१०	११	२५	२४	१८	०	७
३	१७	११	७	१०	३१	४	५५
१८	६	५६	३४	४१	४८	५४	१९
५९	३७	०/०	११	५९	२/१	३	५९
२९	१५	०/१	१८	२५	व	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३७, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३७, भोग्यकलिः४२६८६३, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०६३, शाकः १९५८, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः । मंत्री रविः । सस्येशः बुधः । धान्येशः चंद्रः । मेघेशः शनिः । रसेशः शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशःशनिः । धनेशो भौमः।दुर्गेशःशनिः।एते दशाधिकारिणः।तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्येब्रह्मविंशतिकायां४ प्रमोदनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ३।५।८।६।३६ भोग्यमासादिः ८।२४।५१।५३।२४ विष्णुदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम कार्तिकः।मेघनामआवर्तः। रोहिणी निवासःसमुद्रे। समयनिवासो मालाकारगृहे । समयविश्वा १२ समयवाहन दुर्दुरः । स्तंभौ २ अन्नतृणयोः। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी १ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी २ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः१७, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपति विश्वा १२६ वर्षाविश्वा७ धान्यम् १३ तृणम् १७, शीतम् १३ तेजः १७, वायुः १३ वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२१, शनिदृष्टिर्दक्षिणे । सत्यं ।। धर्मं १।। पापं १८ ग्रहण१चंद्रमसः।

श्रावणशु.१५बुधवार को ग्रस्ताऽस्त चन्द्रग्रहण पश्चिम प्रदेशों में होगा । जिसका स्पर्श रेलवे ६।२४ मोक्ष १०।१७ पर है ।

सं. २०६३ माघ शु.१५ शनौ खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	५	६	७	८	९
मि.	४८	५५	२७	०	७
घं.	२८	३१	३२	३३	३६
प.	२२	१०	३१	५२	४०

वर्ष लग्नम् ८।२२

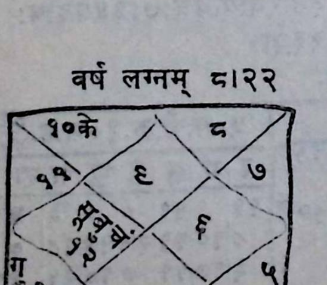

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न
आदि शक्ति सब सृष्टि में तेरी पूजा होय ।
तीन नवत्ति की साल का फल समझाद मोय ।।

भवानी उत्तर
भैरव साल तिराणवे निपजें दोनों साख ।
धान्य भाव मंदा रहे तेजी चषड़ा लाख ।।
भृगुसुत राजा वर्ष में मंत्री भये दिनेश ।
दोनों के है द्वेषता विग्रह होय विशेष ।।
श्रावण अ आषाढ में मघवा करे सहाय ।
भादव रविकुजयोग से वर्षा स्वल्प दिखाय ।।
रोहिणीवास समुद्र में स्तंभ लगे है दोय ।
परमेश्वर के भजनबिन सुख नहि पाया कोय ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	२	११	१४	८	११	१४
खर्च	८	१४	११	११	५	११
राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	११	२	५	८	८	५
खर्च	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ७।१५

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१४।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२०।४४

(सं० २००१ समारम्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहुसस्य संकुला सुतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहु गो प्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ॥ मंत्री रविः फलम् ॥ नृपभयं गदतोपिहि तस्करात् प्रचुर धान्य धनादि महीतले । रसचयं हि समर्घ तमं तदा रविरमात्य पदं हि समागतः ॥ सस्येशः बुधःफलं ॥ जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुख समृद्धि युतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुति पाठकरः सदा प्रथम सस्यपतौ सतिबोधने ॥ धान्येशश्चन्द्रः फलम् ॥ चन्द्रे धान्याधिपे जाते प्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैव गोषु क्षीरं तदा बहु ॥ मेघेशो शनिः फलम् ॥ रविसुते जलदस्यपतौ भवेद्विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध रोग रता जनता मता ॥ रसेशः शुक्रः फलम् ॥ यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुख सुभीक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहत पापगण प्रियाः ॥ नीरसेशः बुध' फलम् ॥ चित्र वस्त्रादिकंचैव शंख चन्दन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ॥ फलेशो शनिः फलम् ॥ यदि शनिः फलपः फलहा भवेत् जनित पुष्प गणस्य द्रुमः सदा । हिम भयं वर तस्कर जन्तुभीर्जनपदो गदराशि महाकुलः ॥ धनेशः भौमः फलम् ॥ असम मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि तापकरस्तुष धान्य हृत् । सहसि मासि भवेद्विगुणं तदा नरपतिर्जन शोक विधायकः ॥ दुर्गेशो शनिः फलम् ॥ रविसुते गढपालिनि विग्रहैः सकलदेश गताश्चलिता जनाः । विविध वैरि विशेषित नागराः कृषि धनं शलभैर्मुषितं भुवि ॥ प्रमोदनाम संवत्सरः फलम् ॥ प्रमोदाब्दे प्रमोदन्ते राजानो निखिला जनाः । वीतरोगा वीतभयाईति शत्रु विनाशकाः ॥ वर्षनाम कार्तिकःफलम् ॥ पाप बुद्धिरता लोका भवंति कार्तिके सदा । देवता नैव मत्न्यंते राज्यं च तस्करैर्हृतम् ॥ मेघनाम आवर्तः फलम् ॥ आवर्ते छिन्न वृष्टिःस्यात् ॥ रोहिणी निवासः समुद्रे फलम् ॥ समुद्रेतु महावृष्टिः ॥ समयनिवासो मालाकार गृहे फलम् ॥ मालिनः प्रचुरा वृष्टिः ॥ एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९३ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ९ रवौ मघा ल. गो. रे. ६ ।।।।ऽऽअऽ।ऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ भौमे उफा ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।।

,, ११ भौमे हस्ते ल. १२ (चं.७पू.) रे.७ऽऽ।।।ऽनृ।।।।

,, १२ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ भौमे उभा ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) ल. १ रे. ६ ऽ।।।ऽअऽऽ।।

,, ६ बुधे रेव. ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) ल. १ रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

शुक्ला ४ शुक्रे मघा ल. १-२ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ६ रवौ उफा ल. २ रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

,, ६ बुधे स्वात्यां ल. १ (चं.७पू.) गो. (भौमाष्टम महादोषः) रे. ९ ।।।।।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला ३ गुरौ मूले ल. ६ (व्ययेऽर्की) रे.७ ।।।ऽऽनृऽ।।।

,, ६ गुरौ उभा ल. ६ (घ.५०-५८उ) (चं.७पू.) रे. ६ ।।।।ऽअऽऽ।ऽ दग्धा

,, १० शुक्रे उभा ल.गो.६ (चं.७पू.) रे.७।।।।।ऽऽ।ऽदग्धा

,, १५ बुधे रोहि ल. ६ रे. ७ ।।।।।ऽरो५३या ऽऽ।।

माघ मासः

शुक्ला ५ बुध उभा ल. ६ (चं.७पू.) रे. ९ ।।।।।।ऽ।।।

,, ६ गुरौ उभा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ८ ।।।।ऽरोऽ।।।

,, ६ गुरौ रेव ल. ६ (घ.३६-५७उ) (चं.७पू.) रे. ८ ।।।।ऽरोऽ।।

,, ७ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ल. ६ (घ३९-५५या) रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

,, चन्द्रे रोहि ल. ८ (घ५१-१३उ) चं.गु.पूज्यौ रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ भौमे उफा ल. गो. (सोग्रांगः) ल.८ (गु.पू.) रे.८।।।।ऽअ।ऽ।।

,, ५ बुधे हस्ते ल. गो. (सोग्रांगः) रे.८ ।।।।।।ऽऽ।।

,, ७ शुक्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ल. ६ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः२१८३स.२०३६
१	शु	४९	१४	उ	४	२०	ब्र	१७	५६	किं	१९	१३	३/३ ०/३	५/३	६/७	८	२९	२८	मीने	वृषेशुक्रः ३/४ २/२ संवत्सरारंभः नवरात्रारंभः
२	श	४८	९	रे	५	४४	ऐं	१४	३४	बा	१८	४१	३७	५३	७	९	३०	२९	मे.५।४४	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा [–गणगौरी
३	र	४६	११	अ	५	५७	वै	१०	२०	तै	१७	१०	४१	५२	८	१०	१	३०	मेषे	कृत्ति.१गुरुः ४/४३ सफर२ मत्स्यजयंती–
४	चं	४३	१४	भ	५	२२	वि	५/१७	५४/२७	व	१४	४२	४५	५१	९	११	२	३१	वृ.२०।०	भ.१/४ ४/२ उ.४/१ ३/४ या. रेवत्यांरविः ६/१६=
५	मं	३९	४४	कृ	३	५१	आ	५४	७	ब	११	२९	४९	५०	१०	१२	३	१	वृषे	बुधोदयःपश्चिमायां १/२ अप्रेल४ता.३०
६	बु	३५	४७	रो	२/५	५७/२७	सौ	४७	४६	कौ	७	४५	५३	४९	११	१३	४	२	मि३०।४५	[=(सौरः १/ ४/३)अश्वि.मेषेबुध ४/४ ३/९
७	गु	३०	१७	आ	५६	३३	शो	४१	३	ग	३	२	५७	४९	११	१४	५	३	मिथुने	भ.३०।१७उ.५८।२१या.
८	शु	२६	२४	पु	५३	१०	अ	३४	२	व	२६	२४	३/१	४८	१२	१५	६	४	क.३९।१	
९	श	२१	७	पु	४९	२५	सु	२६	३५	कौ	२१	७	५	४७	१३	१६	७	५	कर्के	रामनवमी
१०	र	१५	१५	श्ले	४५	१०	धृ	१८	५८	ग	१५	१५	१०	४६	१४	१७	८	६	सिं४५।१०	भ.४२।१३उ.
११	चं	९	११	म	४०	५७	शू	११	१०	वि	९	११	१४	४५	१५	१८	९	७	सिंहे	भ.९।११या. कामदा११व्र.
१२	मं	२	५६	पू	३६	४३	गं	३/२६	५२/२४	बा	२	५६	१८	४४	१६	१९	१०	८	कं.५०।४८	भरण्यांबुधः१३।५४ प्रदोषः
१३	मं	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	बु	५१	३४	उ	३३	२	ध्रु	४८	५६	ग	२४	१५	२२	४४	१६	२०	११	९	कन्यायां	भ.५१।३४उ.रोहि.शुक्रः७।४८
१५	शु	४६	५८	ह	३०	४	व्या	४२	४१	वि	१९	१६	२६	४३	१७	२१	१२	१०	तु.५९।१३	भ.१९।१६या. हनुमज्जयंती

५१पं.चै.शु.२श.इ. २४/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	०	१	३	३	११
१४	१४	२५	२६	०	१८	३२	१४
५९	३९	२३	३१	४७	१८	४२	५१
१०	५४	५३	५५	६	१८	३९	३१
५९	३७	१/०	११	५४	१/३१	३	५९
१६	२१	६/३७	५६	५५	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

इसमासमेंशनिवारका चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सुत लाल वस्तुओं में अ-च्छी तेजी करे कहींर थोडी वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

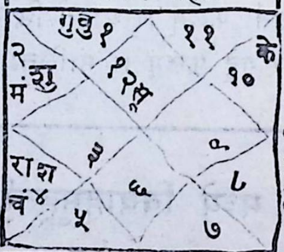

५२पं.चै.शु.९श.इ. २४/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	०	०	१	३	३	११
२१	१९	८	२७	६	१८	२९	२१
५३	३	२७	५९	५४	१०	२०	४५
३१	१४	४३	४९	७	८	२३	४२
५९	३७	१/०	१२	५१	०/४४	३	५९
४	३४	६/३१	२०	५	व.	११	४

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	४३	४६	चि	२८	२२	ह	३७	३८	बा	१५	२२	३/३ १/०	५/४ २	९/१ ७	२२	१३	११	तुलायां	
२	श	४२	९	स्वा	३८	१७	व	३३	४७	तै	१२	५७	३४	४१	१९	२३	१४	१२	तुलायां	मृगेभौमः१५।११
३	र	४२	१४	वि	३०	१४	सि	३१	४१	व	१२	११	३८	४०	२०	२४	१५	१३	वृ.१४।४५	भ.५/१ २/१ उ.४/१ ३/४ या.अश्वि.मेषेऽर्कः ४/१ ०/७×
४	चं	४४	२२	अ	३३	३५	व्य	३०	४१	ब	१३	१८	४२	४०	२०	२५	१६	१४	वृश्चिके	कृत्ति.२वृषेगुरुः ४/३ ८/७ चतुर्थीव्र.
५	मं	४७	५९	ज्ये	३८	३७	व	३०	४०	कौ	१६	१०	४६	३९	२१	२६	१७	१५	ध.३८।३७	[×(सौरः ४/३ ८/७)मार्गीशनिः २/२ ०
६	बु	५३	११	मू	४५	२	प	३२	१०	ग	२०	३५	५०	३८	२२	२७	१८	१६	धनुषि	भ.५३।११उ.
७	गु	५९	२	पू	५२	११	शि	३४	११	वि	२६	६	५३	३७	२३	२८	१९	१७	धनुषि	भ.२६।६या.
८	शु	६०	०	उ	५९	४५	सि	३६	३६	बा	३२	४०	५७	३७	२३	२९	२०	१८	म.९।४	
८	श	५	१८	श्र	६०	०	सा	३८	५५	कौ	५	१८	३ २/६	३६	२४	३०	२१	१९	मकरे	
९	र	११	३१	श्र	७	५	शु	४०	५५	ग	११	३१	५	३५	२५	३१	२२	२०	कुं.४०।२८	भ.४४।११उ.
१०	चं	१६	५२	ध	१३	५२	शु	४१	५१	वि	१६	५२	९	३४	२६	१	२३	२१	कुंभे	भ.१६।५२या. भा.वैशाखारंभः
११	मं	२१	२	श	१९	८	ब्र	४१	४७	बा	२१	२	१२	३४	२६	२	२४	२२	कुंभे	मिथुनेभौमः५५।३३ वरुथिनी११व्र.
१२	बु	२३	३४	पू	२३	१०	ऐं	४०	२९	तै	२३	३४	१६	३३	२७	३	२५	२३	मी७।१०	वक्रीबुधः४१।२४ प्रदोषः
१३	गु	२४	३८	उ	२५	२६	वै	३७	४९	व	२४	३८	२०	३२	२८	४	२६	२४	मीने	भ.२४।३८उ.५४।११या.
१४	शु	२३	४५	रे	२६	५	वि	३३	५७	श	२३	४५	२३	३१	२९	५	२७	२५	मे.२६।५	बुधास्तःपश्चिमायां२५।४९
३०	श	२१	२५	अ	२५	१७	प्री	२८	५५	ना	२१	२५	२७	३१	२९	६	२८	२६	मेषे	

१पं.वै.कृ.३र.इ. ४/१ ०/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	०	१	३	३	११
०	२४	१९	२९	१३	१८	२८	२९
०	१३	३४	४५	१७	६	५४	५१
०	३०	१९	२५	२०	७	१५	५७
५८	३७	६२	१२	४४	०/२	३	५८
४४	४४	३८	४८	१२	मा	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ३ रवौ मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न. ४ वृद्धावस्था (बैंठी) मु.३०धान्या-दि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२पं.वै.कृ.९र.इ. ४/३ ०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१	०	१	१	३	३	०
६	२८	२४	१	१७	१८	२८	६
५०	३६	०	१८	४४	९	३२	४२
४६	५४	२५	५८	२८	२२	०	८
५८	३६	१२	१३	३५	०	३	५८
३१	५६	५६	८	५३	५३	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:२२१३स.२०३६
१	र	१७	५५	भ	२३	२४	आ	२४	५	ब	१७	५५	३२/३१	५/३०	६/३०	७	२९	२७	वृ.३७।३९	भरण्यांरवि:$\frac{३}{२}$०(सौर:$\frac{३}{२}$०)चन्द्रदर्शनम्
२	चं	१३	२३	कृ	२०	२३	सौ	१६	२९	कौ	१३	२३	३४	२९	३१	८	१	२८	वृषे	रविलावल३ परशुरामजयंती
३	मं	८	८	रो	१७	५	शो	९	१९	ग	८	८	३८	२८	३२	९	२	२९	मि४५।१४	भ.$\frac{३}{२}$५उ.कृत्ति.३गुरु:$\frac{४}{५}$१/२अक्षया३
४	बु	२	३६	मृ	१३	२३	अ	३/४	५२/५४	वि	२	३६	४१	२८	३२	१०	३	३०	मिथुने	भ.२।३६या.
५	बु	५४	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	गु	५१	३३	आ	९	४७	धृ	४७	४६	कौ	२४	१७	४५	२७	३३	११	४	१	क.५२।४	मई५ता.३१
७	शु	४६	१३	पु	६	१०	शू	४०	३४	ग	१८	५३	४८	२६	३४	१२	५	२	कर्के	भ.४६।१३उ.
८	श	४०	५१	पु	२/४३	५६/४४	गं	३३	३७	वि	१३	३२	५२	२६	३४	१३	६	३	सिं५९।२७	भ.$\frac{१}{३}$३या.आर्द्रा.भौम:$\frac{३}{५}$पातस्पर्श;$\frac{१}{१}$५=
९	र	३५	५२	म	५६	२९	वृ	२६	५०	बा	८	२१	५५	२५	३५	१४	७	४	सिंहे	[=पातमोक्ष:$\frac{३}{३}$६
१०	चं	३१	८	पू	५३	५४	ध्रु	२०	१९	तै	३	३०	५८	२४	३६	१५	८	५	सिंहे	भ.५८।५८उ.
११	मं	२६	४९	उ	५१	४३	व्या	१४	१३	वि	२६	४९	३/३	२४	३६	१६	९	६	कं.८।२१	भ.२६।४९या. मोहिनी११व्र.
१२	बु	२२	५७	ह	५०	१३	ह	८	३८	बा	२२	५७	५	२३	३७	१७	१०	७	कन्यायां	प्रदोष:
१३	गु	१९	५३	चि	४९	२६	व	३/२५	५५/४३	तै	१९	५३	८	२२	३८	१८	११	८	तु.१९।५०	नृसिंहजयंती
१४	शु	१७	४६	स्वा	५०	१	व्य	५५	४४	व	१७	४६	११	२२	३८	१९	१२	९	तुलायां	भ.$\frac{१}{४}$७उ.$\frac{४}{१}$७यावक्रीशुक्र:$\frac{२}{५}$२
१५	श	१६	५२	वि	५१	४३	व	५३	२८	ब	१६	५२	१४	२१	३९	२०	१३	१०	वृ.३६।१७	यमायकूँभदानम्

३पं.वै.शु.१र.इ. ४०/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	१	३	३	०
१३	३	२३	२	२१	१८	२८	१३
३९	०	३०	५३	४	१८	९	३०
५०	१८	०	६	२६	०	४४	३३
५८	३८	२६/३	१३	२५	१	३	५८
१९	८	व.	२०	८	३२	११	१२

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्णपक्ष की तिथि वृद्धि शुक्ल पक्षकी तिथिक्षयधान्य गेहूं जौ बाजरा मूंग मोठ वस्त्र गुडशक्कर धातु में तेजी करेगी

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.९र.इ. ४/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	१	३	३	०
२०	७	१९	४	२२	१८	२७	२०
२७	२३	४६	३१	५६	३१	४७	१७
२९	१७	४८	१	३८	८	२८	२०
५८	३८	३६/२१	१३	११	२	३	५७
६	१३	व.	२८	८	१२	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	र	१७	१७	अ	५४	५१	प	५२	३०	कौ	१७	१७	३३/१७	५/२१	६/३९	२१	१४	११	वृश्चिके	कृत्ति.रवि:६।२६(सौर.१७।५४)
२	चं	१९	२६	ज्ये	५९	२२	शि	५२	११	ग	१९	२६	२०	२०	४०	२२	१५	१२	ध.५९।२२	भ.५१।५उ.
३	मं	२२	४३	मू	६०	०	सि	५३	१४	वि	२२	४३	२३	१९	४१	२३	१६	१३	धनुषि	भ.$\frac{२}{४}$३या.बुधोदय:पूर्वस्यां३ चतुर्थीव्र.
४	बु	२७	४०	मू	५	२०	सा	५४	४४	बा	२७	४०	२६	१९	४१	२४	१७	१४	धनुषि	बृषेऽर्क:$\frac{३}{४}$३ सौर:$\frac{४}{४}$५,कृत्ति.४गुरु:$\frac{०}{१}$८—
५	गु	३३	१६	पू	१२	११	शु	५७	०	कौ	०	२८	२८	१८	४२	२५	१८	१५	म.२९।४	[—अस्तंगुरो:$\frac{२}{१}$५८
६	शु	३९	१७	उ	१९	४३	शु	५९	२८	ग	६	१६	३१	१८	४२	२६	१९	१६	मकरे	भ.३९।१७उ.
७	श	४५	३४	श्र	२७	१७	ब्र	६०	०	वि	१२	२५	३४	१७	४३	२७	२०	१७	मकरे	भ.१२।२५या.
८	र	५१	१९	ध	३४	३५	ब्र	१	५२	बा	१८	२६	३७	१७	४३	२८	२१	१८	कुं.१।१	
९	चं	५५	५५	श	४०	३९	ऐं	३	३८	तै	२३	३७	३९	१६	४४	२९	२२	१९	कुंभे	मार्गीबुध:२१।६
१०	मं	५८	४९	पू	४५	२१	वै	४	१६	व	२७	२२	४२	१६	४४	३०	२३	२०	मी२९।१०	भ.२७।२२उ.५८।४९या.
११	बु	६०	०	उ	४८	२५	वि	३	३७	ब	२९	२७	४४	१५	४५	३१	२४	२१	मीने	अपरा११व्र.स्मा.
११	गु	०	५	रे	४९	३८	प्री	१/४७	५६/३२	बा	०	५	४७	१५	४५	१	२५	२२	मे.४९।३८	अपरा११व्र.वै. भा.ज्येष्ठारंभ:
१२	गु	५९	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×१केतु:$\frac{५}{४}$४वटपूजनम्
१३	शु	५६	४९	अ	४८	५५	सौ	५३	२१	ग	२८	८	४९	१४	४६	२	२६	२३	मेषे	भ.५६।४९उ. प्रदोष:
१४	श	५२	२५	भ	४६	२८	शो	४६	५८	वि	२४	३७	५२	१४	४६	३	२७	२४	मेषे	भ.$\frac{२}{३}$४या.रोहि.रवि:$\frac{५}{४}$७पुन.भौम:$\frac{५}{४}$३
३०	र	४६	४१	कृ	४२	३८	अ	३९	३५	च	१९	३३	५४	१३	४७	४	२८	२५	वृ.०।३०	रोहि.रवि:सौर:$\frac{१}{४}$९आश्ले.३राहु:वनि.×

५पं.ज्ये.कृ.१र.इ. ४१/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	१	१	३	३	०
२७	११	१६	६	२२	१८	२७	२७
१३	४५	९	८	५८	५०	२५	२
३७	५८	०	३८	५२	१०	१३	३४
५७	३८	२६/४३	१३	५/२८	२	३	५७
५४	२६	व.	३२	व.	५१	११	४५

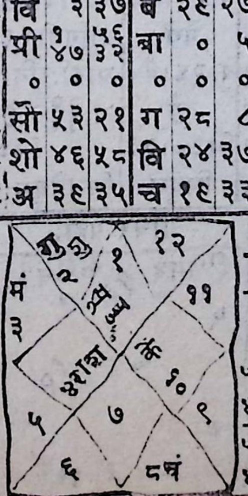

६पं.ज्ये.कृ.८र.इ. ४१/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	१	१	३	३	१
३	१६	१५	७	२१	९	२७	३
५८	८	०	३९	८	१३	२	४६
४४	३५	३६	५८	३५	२३	५७	१९
५७	३८	२/४५	१३	२२/११	३	३	५७
४४	२६	व.	३८	व.	३२	११	३४

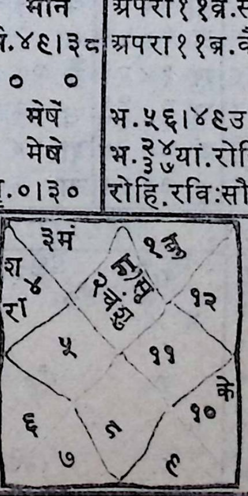

७पं.ज्ये.कृ.३०र.इ. ४१/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	१	१	३	३	१
१०	२०	१७	९	१७	१९	२६	१०
४२	३१	१५	२५	३७	४१	४०	२८
४०	२३	१४	४४	५	६	४२	३०
५७	३८	२६/२०	१३	३४/११	४	३	५७
३५	३७	मा	३८	व.	९	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२२४२स.२०३६
१	चं	३९	४३	रो	३७	४९	सु	३१	१९	किं	१३	१२	३३/५६	५३/९	६/४७	५	२९	२६	वृषे	
२	मं	३२	२१	मृ	३२	२९	धृ	२२	५०	बा	६	२	५८	१२	४८	६	३०	२७	मि५।९	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	२४	५३	आ	२७	७	शू	१३	१९	ग	२४	५३	३४/०	१२	४८	७	१	२८	मिथुने	भ.५९/१६उ.रोहि.१गुरुः९२/१७ शुक्रास्तः–
४	गु	१७	३९	पु	२१	४७	गं	५/८	५५/४८	वि	१७	३९	२	१२	४८	८	२	२९	क.८।७	भ.३७/३९या.आश्ले.२शनिः५९/०
५	शु	१०	४८	पु	१७	२	ध्रु	४९	२२	बा	१०	४८	३	११	४९	९	३	३०	कर्के	[–पश्चिमायां ३१/१८रविलाखर४
६	श	४	३१	श्ले	१३	२	व्या	४२	५	तै	४	३१	५	११	४९	१०	४	३१	सिं१३।२	भ.५९।५उ.
७	श	५४	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	र	५४	३१	म	९	४७	ह	३५	४२	वि	२६	४८	७	११	४९	११	५	१	सिंहे	भ.२६।४८या.जून६ता.३०
९	चं	५०	४९	पू	७	२३	व	२९	५८	बा	२२	४०	९	१०	५०	१२	६	२	कं.२२।२	[=१७/२४गुर्जराणां वटसावित्री व्र.
१०	मं	४८	८	उ	५	५९	सि	२४	५९	तै	१९	२८	१०	१०	५०	१३	७	३	कन्यायां	गंगादशमी
११	बु	४६	२२	ह	५	२५	व्य	२०	५४	व	१७	१५	१२	१०	५०	१४	८	४	तु.३५।३५	भ.९७/१५उ.४६/२३या.निर्जला११व्र.
१२	गु	४५	३४	चि	५	४४	व	१७	३३	ब	१५	५८	१३	९	५१	१५	९	५	तुलायां	कृत्ति.बुधः४३/०शुक्रोदयःपूर्वस्यां३२/२४
१३	शु	४५	५५	स्वा	७	१३	प	१५	४	कौ	१५	४४	१५	९	५१	१६	१०	६	वृ.५३।५३	प्रदोषः [×वक्रीकृत्ति.शुक्रः३७/२८
१४	श	४७	१३	वि	९	३९	शि	१३	१६	ग	१६	३४	१६	९	५१	१७	११	७	वृश्चिके	भ.४७/१३उ.मृगरविः५१/५६वृषेबुधः४३/१५×
१५	र	४९	५६	अ	१३	२३	सि	१२	५१	वि	१८	३४	१७	९	५१	१८	१२	८	वृश्चिके	भ.१८/३४या.मृगेरविःसौरः१०/३९उदयंगुरोः=

८पं.ज्ये.शु.८र.इ. ४१/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	१	१	३	३	१
१७	२४	२२	११	१३	२०	२६	१७
२५	५४	५०	४	१६	१२	१८	९
२६	४	३८	२३	८	५८	२६	३६
५७	३८	५७	१३	३५/३४	४	३	५७
२७	३३	०	३८	व.	४२	११	१३

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठ कृष्णे ४ बुधे वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० वान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्ये.शु.१५र.इ. ४५/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	१	१	१	३	३	१
२४	२९	१	१२	९	२०	२५	२३
७	१६	२१	४२	२७	४८	५६	४९
३०	१२	२९	६	५४	२२	१०	३२
५७	३८	८३	१३	२५/५१	५	३	५७
२२	३१	३२	३२	व.	२	११	५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा.
१	चं	५३	४०	ज्ये	१८	१२	सा	१२	४६	बा	२१	४८	३४/१८	५/८	६/५२	१९	१३	९	व.१८।१२	कर्कभौमः४८।४७
२	मं	५८	४१	मू	२४	३५	शु	१४	३८	तै	२६	१०	१९	८	५२	२०	१४	१०	धनुषि	
३	बु	६०	०	पू	३०	३७	शु	१५	३६	व	३१	२४	१९	८	५२	२१	१५	११	म.४७।२६	भ.३१।२४उ.रोहि.२गुरुः२९।४६
३	गु	४	७	उ	३७	५२	ब्र	१७	४७	वि	४	७	२०	८	५२	२२	१६	१२	मकरे	भ.४।७या. चतुर्थी व्र.
४	शु	१०	८	श्र	४५	३०	ऐं	२०	१९	बा	१०	८	२१	८	५२	२३	१७	१३	मकरे	
५	श	१६	२३	ध	५३	११	वै	२२	३२	तै	१६	२३	२१	८	५२	२४	१८	१४	कुं.१९।२१	मिथुनेऽर्कः५०।३०रोहि.बुधः२३।१८
६	र	२२	२३	श	६०	०	वि	२४	४३	व	२२	२३	२२	८	५२	२५	१९	१५	कुम्भे	भ.२२/२३उ.५४/५६या.मिथुनेऽर्कःसौरः१२/१७+
७	चं	२७	३०	श	०	८	प्री	२६	१८	ब	२७	३०	२२	८	५२	२६	२०	१६	मी४९।२८	[+पुष्येभौमः९१/४६
८	मं	३१	२१	पू	५	५५	आ	२६	५०	कौ	३१	२१	२३	७	५३	२७	२१	१७	मीने	
९	बु	३३	३३	उ	१०	२२	सौ	२६	२	तै	२	२७	२३	७	५३	२८	२२	१८	मीने	
१०	गु	३३	४३	रे	१२	४७	शो	२३	४४	व	३	३८	२३	७	५३	२९	२३	१९	मे.१२।४७	भ.३।३८उ.३३।४३या मार्गीशुक्रः५३।९
११	शु	३१	५२	अ	१३	२६	अ	१९	५४	ब	२	४७	२४	७	५३	३०	२४	२०	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	श	२७	५९	भ	११	४९	सु	१४	२६	तै	२७	५९	२४	७	५३	३१	२५	२१	वृ.२६।०	आर्द्रा.रविः४९/५६बुधास्तःपूर्वस्यां४९/३५प्रदोषः
१३	र	२२	१४	कृ	८	३१	धृ	७/२२	५९/३५	व	२२	१४	२४	७	५३	१	२६	२२	वृषे	भ.२२/१४उ.४८/२७या.आर्द्रारविःसौरः१३/०÷
१४	चं	१४	४१	रो	३/२७	५३/५२	गं	४९	३८	श	१४	४१	२४	७	५३	२	२७	२३	मि३०।२३	[÷मृगेबुधः३९/१९भा.आषाढारंभः
३०	मं	६	२२	आ	५०	३०	वृ	३९	५१	ना	६	२२	२४	७	५३	३	२८	२४	मिथुने	मिथुनेबुधः५५।१४

१०पं आ कृ.६र.इ. ४१/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	१	३	३	२
०	३	१२	१४	७	२१	२५	०
४८	३९	१९	१८	८	२७	३३	२८
४७	११	८	३६	४२	१८	५५	४१
५७	३८	७/०	१३	१०/६	५	३	५६
१७	३७	९/४०	२६	व.	३२	११	५७

गोचर ग्रहाः

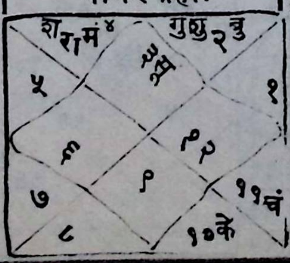

आषाढ कृष्णे ५ शनौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टःवा ४ न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां।

गोचर ग्रहाः

११पं.आ.कृ.१३र.इ. ४९/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	१	१	१	३	३	२
७	८	२३	१५	६	२२	२५	७
२९	१	२४	५३	४४	९	११	७
४२	३०	२९	५६	३८	०	३९	८
५७	३८	[illegible]	१३	६/४५	५	३	५६
१९	४४	[illegible]	१५	मा	५६	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२२७२स.२०३६
१	मं	५०	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४८	१०	पु	४३	२३	ध्रु	२९	४६	बा	२२	४२	३४/२३	५/७	६/५३	४	२९	२५	क.३०।१०	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	गु	३९	२२	पु	३६	३८	व्या	१९	४२	तै	१३	४६	२३	७	५३	५	१	२६	कर्के	रोहि.३गुरु:१०।७जमादिलावल५
४	शु	३१	१६	श्ले	३०	३७	ह	१०	६	व	५	१९	२२	८	५२	६	२	२७	सि३०।३७	भ.५।१९उ.३१।१६या.
५	श	२४	५	म	२५	४४	व	१/१४	५७/३१	बा	२४	५	२२	८	५२	७	३	२८	सिंहे	आर्द्रा.बुध:२।३
६	र	१८	२१	पू	२१	५७	व्य	४६	५६	तै	१८	२१	२१	८	५२	८	४	२९	क.३६।२३	
७	चं	१३	५७	उ	१९	४०	व	४१	२१	व	१३	५७	२०	८	५२	९	५	३०	कन्यायां	भ.१३।५७उ.४२।३१या.
८	मं	११	४	ह	१८	४१	प	३७	२०	ब	११	४	१९	८	५२	१०	६	१	तु.४८।५७	जुलाई७ता.३१
९	बु	९	३६	चि	१९	१४	शि	३४	१	कौ	९	३६	१८	८	५२	११	७	२	तुलायां	
१०	गु	९	३७	स्वा	२१	१४	सि	३१	५७	ग	९	३७	१७	९	५१	१२	८	३	तुलायां	भ.४०/१५उ.पुन.बुध:५९/५२आश्ले.३शनि:२९/५८
११	शु	१०	५४	वि	२४	३३	सा	३०	४९	वि	१०	५४	१६	९	५१	१३	९	४	वृ.८।४३	भ.१०/५४या.रोहि.शुक्र:५१/२७ देवशयनी११व्र.
१२	श	१३	५	अ	२८	५२	शु	३१	०	बा	१३	५	१५	९	५१	१४	१०	५	वृश्चिके	पुन.रत्रि:४८।५ प्रदोषः
१३	र	१६	४७	ज्ये	३४	१७	शु	३१	१८	तै	१६	४७	१४	९	५१	१५	११	६	ध.३४।१७	पुन.रवि:सौर:१७/२आश्ले.भौम:२९/३५
१४	चं	२१	२	मू	४०	२२	न	३२	३१	व	२१	२	१३	९	५१	१६	१२	७	धनुषि	भ.२१।२उ.५३।४५या. वायुपरीक्षा
१५	मं	२६	२९	पू	४७	३	ऐं	३४	१७	ब	२६	२९	११	१०	५०	१७	१३	८	धनुषि	कर्केबुध:५२।१५ व्यासपूजा गुरु१५

१२पं.आ.शु.६र.इ. ४१/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१	१	३	३	२
१४	१२	१०	१७	८	२२	२४	१३
१०	२४	११	२७	६	५३	४९	४५
८	२९	६	५४	५०	४२	२४	१३
५७	३८	०/४	१२	२१	६	३	५६
७	४४	०/२६	५७	१२	२०	११	५०

गोचर ग्रहाः

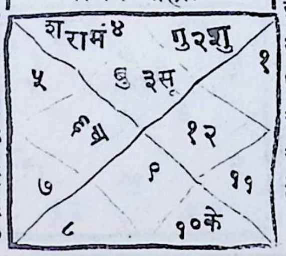

इस मासमें चांदी रुई स्वर्ण सण तिल शुक्ल पक्ष में मंदे हों घृतगुड शक्कर धान्य गेहूं जौ चांवलमक्कावारदाना तेज रहे वर्षाअच्छीहो

गोचर ग्रहाः

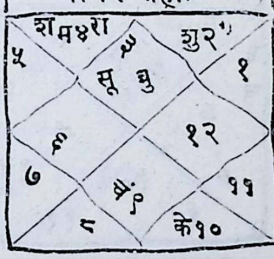

१३पं.आ.शु.१३र.इ.४१/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	१	१	३	३	२
२०	१६	२५	१८	११	२३	२४	२०
५०	४७	२५	५९	०	४०	२७	२३
३५	३५	५५	३५	७	५२	८	७
५७	३८	०/४	१२	३२	६	३	५६
७	४०	०/३८	३२	४९	३२	११	५०

ति	श्रावण कृष्णपक्षः सं० २०६३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति महा.
१	बु	३२	१	उ	५५	२३	वै	३६	३३	कौ	३२	१	३४/१०	५/१०	६/५०	१८	१४	९	म.४।८	
२	गु	३८	५	श्र	६०	०	वि	३८	५३	तै	५	३	८	१०	५०	१९	१५	१०	मकरे	पुष्येबुध:२८।३७
३	शु	४४	१८	श्र	१	४७	प्री	४१	२४	व	११	११	७	११	४९	२०	१६	११	कुं.३५।३४	भ.११/११उ.४४/१८या.रोहि.४गुरु:२३/२९
४	श	५०	१३	ध	९	२०	आ	४३	५१	ब	१७	१५	५	११	४९	२१	१७	१२	कुम्भे	चतुर्थीव्र.
५	र	५५	३२	श	१६	२९	सौ	४५	४३	कौ	२२	५२	३	११	४९	२२	१८	१३	कुम्भे	नाग५मरुस्थले
६	चं	५९	५४	पू	२२	५२	शो	४६	४९	ग	२७	४३	१	१२	४८	२३	१९	१४	मी६।१६	भ.५९/५४उ.बुधोदय:पश्चिमायां२८/५१
७	मं	६०	०	उ	२८	२७	अ	४७	८	वि	३१	२५	३३/५९	१२	४८	२४	२०	१५	मीने	भ.३१।२५या.
७	बु	२	५६	रे	३२	१९	सु	४६	१९	ब	२	५६	५७	१३	४७	२५	२१	१६	मे.३२।१९	कर्केऽर्कः:१७।४१(सौर:४९।४६)
८	गु	४	१८	अ	३४	३९	धृ	४३	५८	कौ	४	१८	५५	१३	४७	२६	२२	१७	मेषे	आश्लेबुध:२३।८
९	शु	३	४६	भ	३४	५६	शू	४०	२	ग	३	४६	५२	१४	४६	२७	२३	१८	बृ.४९।३४	भ.३२।३१उ.
१०/११	श	१/५५	१६/३७	कृ	३३	२८	गं	३४	२९	वि	१	१६	५०	१४	४६	२८	२४	१९	बृषे	भ.१/१६या.पुष्येरवि:४७/५९ कामिका११स्मा.
१२	र	५०	२०	रो	२९	४३	बृ	२७	२५	कौ	२३	३६	४८	१४	४६	२९	२५	२०	मि५७।३	पुष्येरवि:सौर:२०।२७ कामिका११व्र.वै.
१३	चं	४२	२६	मृ	२४	२३	ध्रु	१८	५६	ग	१६	२३	४५	१५	४५	३०	२६	२१	मिथुने	भ.४२।२६उ. प्रदोषः
१४	मं	३३	१७	आ	१७	३७	व्या	९/१८	४९/३४	वि	७	५१	४३	१५	४५	३१	२७	२२	क.५६।५९	भ.७।५१या.
३०	बु	२३	३२	पु	१०	६	व	४८	७	ना	२३	३२	४०	१६	४४	१	२८	२३	कर्के	भा.श्रावणारंभः हरियाली

१४पं.श्रा.कृ.५र.इ.४०/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	१	१	३	३	२
२७	२१	९	२०	१५	२४	२४	२७
३०	१०	४१	२८	२	२९	४	१
५४	४८	५३	५	२८	४२	५२	१४
५७	३८	०/४	१२	४१	६	३	५६
१२	४७	०/५८	१४	३४	५६	११	५४

गोचर ग्रहाः

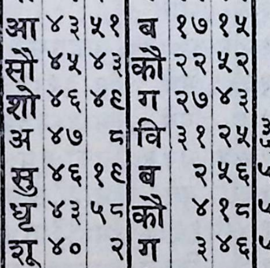

श्रावण कृष्णे ७ बुधे कर्केऽर्क प्रविष्टः वा.५ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

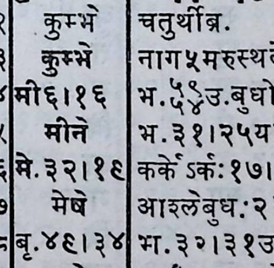

१५पं.श्रा.कृ.१२र.इ.४१/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	३	१	१	३	३	३
४	२५	२२	२१	२०	२५	२३	३
११	३४	२९	५४	०	२०	४२	३९
३८	४१	५६	७	५०	३१	३७	५१
५७	३८	०/४	११	४८	७	३	५६
१५	४७	०/४	५०	१७	२	११	५९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:२३०१सन्२०३६
१	गु	१३	२८	पु	२/३	५२/२०	सि	३७	२०	ब	१३	२८	३३/३८	५/१६	६/४४	२	२९	२४	सिं५४।४३	मृगेशुक्र:४८/३३ चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
२/३	शु	३/५१	३/६	म	४७	४३	व्य	२६	५२	कौ	३	३८	३५	१७	४३	३	१	२५	सिंहे	मघा.सिंहेबुध:१०/३७ जमादिलाखर६तीज
४	श	४७	१०	पू	४१	५०	व	१७	८	व	२०	५७	३३	१७	४३	४	२	२६	कं.५५।४७	भ.२०।५७उ.४७।१०या.वरद४
५	र	४१	४	उ	३७	३८	प	८	२५	ब	१४	७	३०	१८	४२	५	३	२७	कन्यायां	मघा.सिंहेभौम:४३।१४आश्ले.२राहु:–
६	चं	३६	४९	ह	३४	५६	शि	१/२३	५४/२५	कौ	८	५६	२७	१९	४१	६	४	२८	कन्यायां	मृग१गुरु:०।५४अस्तंशने:१०।१३
७	मं	३४	२३	चि	३४	११	सा	५१	३५	ग	५	३६	२४	१९	४१	७	५	२९	तु.४।३४	भ.३४।२३उ. [–श्रवण४केतु:४७/३२
८	बु	३३	५८	स्वा	३५	२९	शु	४८	५९	वि	४	१०	२२	२०	४०	८	६	३०	तुलायां	भ.४।१०या.
९	गु	३५	१६	वि	३८	२९	शु	४७	३३	बा	४	३७	१९	२०	४०	९	७	३१	वृ.२२।४४	आश्ले.४शनि:१३।९
१०	शु	३७	५६	अ	४२	५४	ब्र	४७	३४	तै	६	३६	१६	२१	३९	१०	८	१	वृश्चिके	मिथुनेशुक्र:४२।२६ अगस्त८ता.३१
११	श	४२	१०	ज्ये	४८	२२	ऐं	४८	२६	व	१०	३	१३	२१	३९	११	९	२	ध.४८।२२	भ१०/३उ.४२/१०या.आश्ले.रवि:४४/१पवित्रा११
१२	र	४७	५	मू	५४	५३	वै	४९	५०	ब	१४	३७	१०	२२	३८	१२	१०	३	धनुषि	आश्ले.रवि:सौर:२१/१४पूफा.बुध:२५/२६=
१३	चं	५२	५९	पू	६०	०	वि	५२	२	कौ	२०	२	७	२३	३७	१३	११	४	धनुषि	प्रदोष: [=अस्तोभौम:२/१५
१४	मं	५८	५३	पू	२	४	प्री	५४	६	ग	२५	५६	४	२३	३७	१४	१२	५	म.१८।५१	भ.५८।५३उ.
१५	बु	६०	०	उ	९	१३	आ	५६	३५	वि	३१	५४	०	२४	३६	१५	१३	६	मकरे	भ.३१/५४या.श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो.
१५	गु	४	५५	श्र	१६	४८	सौ	५९	३	ब	४	५५	३२/५७	२५	३५	१६	१४	७	कुं.५०।२८	

१६पं.श्रा.शु.५र. इ. ४०/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	३	४	१	१	३	३	३
१०	२९	३	२३	२५	२६	२३	१०
५२	५८	४९	१६	४१	१२	२०	१८
४१	३०	३७	१६	२	११	२१	५८
५७	३८	९१	११	५३	७	३	५७
२०	५५	३७	१३	१५	८	११	५

गोचर ग्रहाः

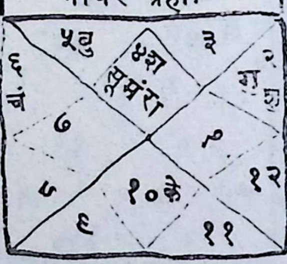

इसमासमें धातु सोना चांदी लोहा मंदे रहें गुड शक्कर चीनी रुई वारदाना तेज हो धान्य गल्ला वदी में मंदा सुदि में तेज हो कहीं-कहीं वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

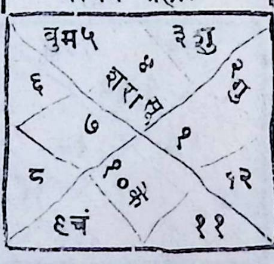

१७पं.श्रा.शु.१२र.इ.४०/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	२	३	३	३
१७	४	१३	२४	१	२७	२२	१६
३४	२२	३९	३४	५३	५	५८	५८
२३	३४	१४	५२	६	२	६	४६
५७	३९	७५	१०	५७	७	३	५७
२५	२	८	६२	२०	१४	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	११	१	ध	२४	९	शो	६०	०	कौ	११	१	३२/५४	५/२५	६/३५	१७	१५	८	कुम्भे	आर्द्राशुक्र:५१।२९
२	श	१६	४५	श	३१	१४	शो	१	१४	ग	१६	४५	५०	२६	३४	१८	१६	९	कुम्भे	भ.४९।११उ.
३	र	२१	३७	पू	३७	३३	अ	२	५६	वि	२१	३७	४७	२७	३३	१९	१७	१०	मी२०।५८	भ.२१।३७या.चतुर्थी व्र.
४	चं	२५	४७	उ	४३	१४	सु	४	११	बा	२५	४७	४४	२७	३३	२०	१८	११	मीने	
५	मं	२९	२	रे	४७	३८	धृ	४	४४	तै	२९	२	४०	२८	३२	२१	१९	१२	मे.४७।३८	चन्द्रषष्ठी [×जन्माष्टमी व्र.वै.
६	बु	३१	३	अ	५०	५८	शू	४	२७	ग	०	२	३७	२९	३१	२२	२०	१३	मेषे	भ.३१।३उ.
७	गु	३१	३०	भ	५२	५७	गं	३	२	वि	१	१६	३३	२९	३१	२३	२१	१४	मेषे	भ.१।१६या.जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	शु	३०	२९	कृ	५३	५	वृ	०/२९	५६/९	बा	०	५९	३०	३०	३०	२४	२२	१५	वृ.७।५९	उफा.बुध:५३/७मृग२गुरु:४०/२९×
९	श	२७	४१	रो	५१	३२	व्या	५१	२०	ग	२७	४१	२६	३१	२९	२५	२३	१६	वृषे	भ.५५/१५उ.मघा.सिंहेऽर्क:३८/२गोगा९
१०	र	२२	४९	मृ	४८	१७	ह	४४	४०	वि	२२	४९	२२	३२	२८	२६	२४	१७	मि१९।५५	भ.२२/४९या.मघा.सिंहेऽर्क:सौर:१७/३८+
११	चं	१६	४१	आ	४३	२६	व	३६	३०	बा	१६	४१	१९	३२	२८	२७	२५	१८	मिथुने	अजा११व्र. [+पूफा.भौम:५१/१७
१२	मं	८	५८	पु	३७	१७	सि	२७	२०	तै	८	५८	१५	३३	२७	२८	२६	१९	क.२२।५१	वत्सद्वादशी प्रदोष:
१३	बु	०	१४	पु	३०	२	व्य	१७	२०	व	०	१४	१२	३४	२६	२९	२७	२०	कर्के	भ.०।१४उ.२५।२१या.
१४	बु	५०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	गु	४०	३३	श्ले	२२	२३	व	६/४८	४९/७	च	१५	३१	८	३४	२६	३०	२८	२१	सिं२२।२३	कुशाग्रहणी पिठोरी३० मन्वादि:

१८पं.भा.कृ.३र. इ. ४०/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	४	१	२	३	३	३
२४	८	२१	२५	८	२७	२२	२३
१९	४७	४२	४८	३१	५८	३५	३९
४४	३५	२९	५०	३०	४१	५०	५३
५७	३९	५५	९	६०	७	३	५७
३३	२	५	५५	२२	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद कृष्णे ९शनौ सिंहेऽर्क:प्रविष्ट:वा.४ न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी मु.४५धान्यादि भावेसमर्घताशुक्रोदय: पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

१९पं.भा.कृ.१०र.इ. ४०/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१	२	३	३	४
१	१३	२७	२६	१५	२८	२२	०
०	१२	३३	५७	२९	५२	१३	२२
४	५८	५०	२९	५३	४८	३४	६
५७	३९	२९	९	६२	७	३	५७
४०	९	४८	१६	४७	२०	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२३३०स.२०३६
१	शु	३०	५१	म	१४	३४	शि	४५	१२	किं	५	४२	३२/४	५/३५	६/२५	३१	२९	२२	सिहे	कन्यायांबुध:३४।४८पुन.शुक्र:७।४४
२	श	२१	५५	पू	७	२८	सि	३५	२६	कौ	२१	५५	१	३६	२४	१	३०	२३	कं.२०।५८	चन्द्रदर्शनम् भा.भाद्रपदारंभ:
३	र	१४	२१	उ	१/२८	५५/२०	सा	२६	३२	ग	१४	२१	३९/५७	३७	२३	२	१	२४	कन्यायां	भ.४१/५७उ.वक्रीबुध:९/१४रज्जव७–
४	चं	९	३४	चि	५४	१५	शु	१८	४९	वि	९	३४	५३	३७	२३	३	२	२५	तु.२५।३६	भ.९/३४या.मघा.सिंहेशनि:३६/१५ऋषिपंचमी
५	मं	४	३६	स्वा	५३	३६	शु	१२	५१	बा	४	३६	४९	३८	२२	४	३	२६	तुलायां	[–हरितालिका३ गणेशचतुर्थी
६	बु	२	५५	वि	५५	१२	ब्र	८	४४	तै	२	५५	४६	३९	२१	५	४	२७	वृ.३९।४८	
७	गु	३	१९	अ	५८	३२	ऐं	६	१७	व	३	१९	४२	४०	२०	६	५	२८	वृश्चिके	भ.३।१९उ.३४।२५या.
८	शु	५	३१	ज्ये	६०	०	वै	५	५	ब	५	३१	३८	४०	२०	७	६	२९	वृश्चिके	वक्रीसिंहेबुध:५९।३६
९	श	९	३५	ज्ये	३	३३	वि	५	३८	कौ	९	३५	३४	४१	१९	८	७	३०	ध.३।३३	पूफा.रवि:३७/४६बुधास्त:पश्चिमायां३/२९
१०	र	१४	४६	मू	९	५५	प्री	६	४१	ग	१४	४६	३०	४२	१८	९	८	३१	धनुषि	भ.४७/५०उ.पूफा.रवि:सौर:९/३०कर्केशुक्र:२९
११	चं	२०	५४	पू	१७	११	आ	८	४७	वि	२०	५४	२६	४३	१७	१०	९	१	म.३४।४	भ २०/५४या.सितंबर९ता.३०जलझूलनी११
१२	मं	२६	५९	उ	२४	४२	सौ	११	७	बा	२६	५९	२२	४४	१६	११	१०	२	मकरे	उदयंशने:०।१६वामनजयंती
१३	बु	३३	१६	श्र	३१	२०	शो	१३	४१	कौ	०	७	१८	४४	१६	१२	११	३	मकरे	वक्रीपूफा.बुध:२७/४७पुष्येशुक्र:२९/३० प्रदोष:
१४	गु	३९	६	ध	३९	३५	अ	१६	३	ग	६	११	१५	४५	१५	१३	१२	४	कुं.५।२७	भ.३९।६उ.अनंत१४
१५	शु	४४	३६	श	४६	२५	सु	१८	५	वि	११	५१	११	४६	१४	१४	१३	५	कुंभे	भ११/५९यामहालयारंभ:कुसंध्या.पूजनारंभ:

२०पं.भा.शु.३र.इ. ४०/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	५	१	२	३	३	४
७	१७	०	२८	२२	२९	२१	७
४४	३९	१७	०	४४	४५	५१	५
२८	५४	४६	२५	२४	५०	१९	३२
५७	३९	२/२३	८	६४	७	३	५७
४९	१९	व.	२९	३९	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

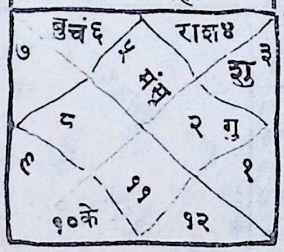

इसमासमेंधान्यगेहूंजौ चना मटरबाजरा मूंग मोठ आदि मंदे हों चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत में अच्छी तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

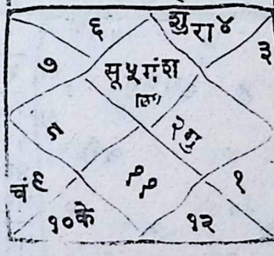

२१पं.भा.श.१०र.इ. ४०/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१	३	४	३	४
१४	२२	२८	२८	०	०	२१	१३
३०	६	४०	५७	१३	३९	२९	५०
४	५०	४८	३२	२३	७	३	४४
५८	३९	४३/१५	७	६६	७	३	५७
१	१९	व.	२४	१४	१२	११	५७

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	श	४८	५९	पू	५२	२४	धृ	१९	३७	बा	१६	४७	३१/७	५/४७	६/१३	१५	१४	६	मी३५।५४	
२	र	५२	३३	उ	५७	३८	शू	२०	२८	तै	२०	४६	३	४७	१३	१६	१५	७	मीने	उफा.भौम:४७।३०
३	चं	५५	८	रे	६०	०	गं	२०	३५	व	२३	५०	३०/५९	४८	१२	१७	१६	८	मीने	भ.२३।५०उ.५५।८या.
४	मं	५६	३४	रे	१	४३	वृ	१९	५९	ब	२५	५१	५५	४९	११	१८	१७	९	मे.१।४३	मृग३मिथुनेगुरु:४०।४१चतुर्थी व्र.
५	बु	५७	५	अ	४	५५	ध्रु	१८	३०	कौ	२६	४९	५१	५०	१०	१९	१८	१०	मेषे	[=बुधोदय:पूर्वस्यां५७।१०
६	गु	५६	२०	भ	६	५७	व्या	१६	५	ग	२६	४२	४७	५१	९	२०	१९	११	वृ.२२।११	भ.५६।२०उ.
७	शु	५४	३७	कृ	७	५५	ह	१२	५५	वि	२५	२८	४३	५१	९	२१	२०	१२	वृषे	भ.२५।२८या.
८	श	५१	१५	रो	७	३४	व	८	४९	बा	२२	५६	३९	५२	८	२२	२१	१३	मि३६।५१	उफारवि९२/११(सौर:५३/१०)कन्यायांभौम३/१६
९	र	४६	४९	मृ	६	९	सि	३/२६	५३/४१	तै	१९	२	३५	५३	७	२३	२२	१४	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	चं	४१	४	आ	३/२५	५५/५०	व	४९	४९	व	१३	५६	३१	५४	६	२४	२३	१५	क.४२।५९	भ.१३/५६उ.४१/४या.आश्ले.शुक्र:२८/२२=
११	मं	३४	१६	पु	५४	९	प	४१	३७	ब	७	४०	२७	५५	५	२५	२४	१६	कर्के	कन्यायामर्क:३७।४०इंदिरा११व्र.
१२	बु	२६	१९	श्ले	४८	१३	शि	३२	२३	कौ	०	१७	२२	५६	४	२६	२५	१७	सिं४८।१३	कन्यार्क:सौर:१८/२१मार्गीबुध:५१/३३प्रदोष:
१३	गु	१७	४९	म	४१	३२	सि	२२	५०	व	१७	४९	१८	५६	४	२७	२६	१८	सिंहे	भ.१७।४९उ.४३।२०या.
१४	शु	८	५१	पू	३४	४६	सा	१२	४९	श	८	५१	१४	५७	३	२८	२७	१९	क.४८।८	सर्वपितृ३०
३०	श	०	२१	उ	२८	१५	शु	२/५६	५०/३३	ना	०	२१	९	५८	२	२९	२८	२०	कन्यायां	नवरात्रारंभ:मातामहश्रा.

२२पं.आ.कृ.२र.इ. ४०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	४	१	३	४	३	४
२१	२६	२२	२९	७	१	२१	२०
१७	३५	३८	४७	५४	३१	६	३७
६	६	२०	२	१४	२६	४८	२४
५८	३०	६९/४२	६	६७	७	३	५८
१३	२६	व.	२७	३१	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

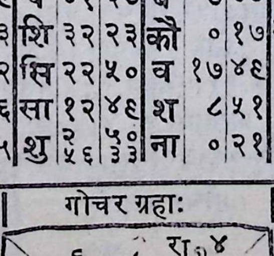

आश्विनकृष्णे११भौमे कन्यायांमर्कः प्रविष्टः वा४न५गतालकावस्था (ऊभी)मु ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

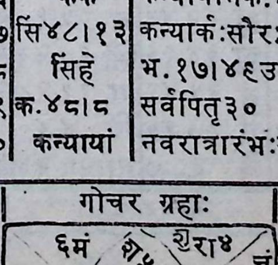

२३पं.आ.कृ.९र.इ. ३९/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	२	३	४	३	४
२८	१	१७	०	१५	२	२०	२७
५	५	६	२९	४३	२२	४४	२५
२८	६	५४	४९	३५	४४	३२	४०
५८	३९	३५/५२	५	६८	६	३	५८
२६	३६	व.	२०	३६	५०	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दिं.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:२३६०स.२०३६
१	श	५२	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	४५	५०	ह	२३	१	ब्र	४४	५८	बा	१९	७	३०/५	५/५९	६/१	३०	२९	२१	तु.५१।०	चंद्रदर्शनम्
३	चं	४०	५२	चि	१८	५७	ऐं	३७	४५	तै	१३	२१	३/००	६/०	६/०	३१	१	२२	तुलायां	सावान८
४	मं	३७	५९	स्वा	१६	३३	वै	३१	४०	व	९	२५	२९/५६	६/१	५/५९	१	२	२३	तुलायां	भ.९/२५उ.३७/५९या.मघा.२शनि:५२/४०=
५	बु	३७	८	वि	१६	२६	वि	२७	३०	ब	७	३४	५२	२	५८	२	३	२४	वृ.१।२८	[=भा.आश्विनारंभः
६	गु	३८	१८	अ	१८	१२	प्री	२५	९	कौ	७	४३	४८	२	५८	३	४	२५	वृश्चिके	[-मघा.सिंहेशुक्र:७।२०
७	शु	४१	३८	ज्ये	२२	५	आ	२४	३८	ग	९	५८	४४	३	५७	४	५	२६	ध.२२।५	भ.४१।३८उ.हस्तेरवि:५०।४६
८	श	४६	२१	मू	२७	३७	सौ	२४	५०	वि	१३	५९	४०	४	५६	५	६	२७	धनुषि	भ.१३।५९या.हस्तेरवि:सौर:३०।५१–
९	र	५२	२८	पू	३४	२६	शो	२६	१९	बा	१९	२४	३६	५	५५	६	७	२८	म.५१।१५	हस्तेभौम:२७/२६आश्ले१राहु:श्रवण.३×
१०	चं	५८	४१	उ	४१	४३	अ	२८	२७	तै	२५	३४	३२	६	५४	७	८	२९	मकरे	उफा.बुध:५५।११ [×केतु:३९/५१
११	मं	६०	०	श्र	४९	२८	सु	३०	५४	व	३१	५३	२८	६	५४	८	९	३०	मकरे	भ.३१।५३उ.पापांकुशा११व्र.स्मा.
११	बु	५	५	ध	५६	४६	धृ	३३	१६	वि	५	५	२३	७	५३	९	१०	१	कुं.२३।७	भ.५/५या.पापांकुशा११व्र.वै.+
१२	गु	११	१	श	६०	०	शू	३५	१५	बा	११	१	१९	८	५२	१०	११	२	कुंभे	कन्यायांबुध:४८।११प्रदोषः
१३	शु	१६	१८	श	३	४१	गं	३६	४१	तै	१६	१८	१५	९	५१	११	१२	३	मी५३।४	[+अक्टूम्बर१०ता.३१[÷कोजागरीव्र.
१४	श	२०	१४	पू	९	३१	बृ	३७	१६	व	२०	१४	११	१०	५०	१२	१३	४	मीने	भ.२०/१४उ.५५/४१या.शरद्पूर्णिमास्मा.÷
१५	र	२३	८	उ	१४	७	ध्रु	३६	५९	ब	२३	८	७	११	४९	१३	१४	५	मीने	शरद्पूर्णिमावै. का.स्ना.प्रा.

२४ पं.आ.शु.२र.इ. ३९/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	२	३	४	३	५
४	५	१७	१	२३	३	२०	४
५५	३५	३७	३	४१	१२	२२	१५
१९	२८	४४	४०	५६	४	१६	४७
५८	३९	४२/४४	४	६९	६	३	५८
३८	३६	मा	११	२३	३२	११	४५

२५पं.आ.शु ९र.इ. ३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	४	२	४	४	३	५
११	१०	२४	१	१	३	२०	११
४६	८	४९	२८	४८	५९	०	७
५२	२	१२	५५	०	१७	१	४४
५८	३९	८७	३	७०	६	३	५९
५३	३६	५८	२	१३	२०	११	०

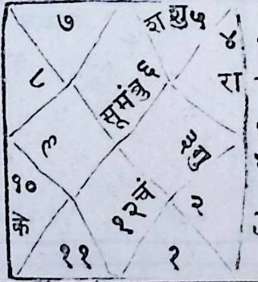

२६पं.आ.शु.१५र.इ.३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	४	४	३	५
१८	१४	४	१	९	४	१९	१८
४०	५४	५५	४५	५९	४४	३७	१
५	१४	३७	२२	४२	२०	४५	३१
५९	३९	७७/०	१	७०	६	३	५९
९	४६	३५/४	३५	५२	१	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	चं	२४	४७	रे	१७	२९	व्या	३५	४०	कौ	२४	४७	२९/३	६/११	५/४९	१४	१५	६	मे.१७।२९	बुधास्त:पूर्वस्यां३९।३१
२	मं	२५	१८	अ	१९	५९	ह	३३	२५	ग	२५	१८	२८/५९	१२	४८	१५	१६	७	मेषे	भ.५५।१उ.
३	बु	२४	४४	भ	२१	१९	व	३०	२५	वि	२४	४४	५५	१३	४७	१६	१७	८	वृ.३६।२३	भ.३८/४४या.हस्तेबुध:३५/४७पूफा.शुक्र:२८/४८D
४	गु	२३	६	कृ	२१	३४	सि	२६	४१	बा	२३	६	५१	१४	४६	१७	१८	९	वृषे	[Dकरक चतुर्थीव्र.
५	शु	२०	५४	रो	२१	१४	व्य	२३	१०	तै	२०	५४	४७	१५	४५	१८	१९	१०	मि५०।३४	चित्रा.रवि:२२।५०
६	श	१७	३९	मृ	१९	५३	व	१७	३	व	१७	३९	४३	१५	४५	१९	२०	११	मिथुने	भ.१७/३९उ.४५/४६या.चित्रा.रवि:सौर:१/३५
७	र	१३	५३	आ	१७	५६	प	११	२३	ब	१३	५३	३९	१६	४४	२०	२१	१२	मिथुने	[Aअन्नकूटं गोवर्द्धन पूजा
८	चं	९	२५	पु	१५	१६	शि	५/३	५३/४	कौ	९	२५	३५	१७	४३	२१	२२	१३	क.०।५६	[Hमहालक्ष्मीपूजनम् रूप१४
९	मं	४	१८	पु	१२	१	सा	५०	३५	ग	४	१८	३१	१८	४२	२२	२३	१४	कर्के	भ.३१/२२उ.५८/२६या.वक्रीगुरु:४७।४४
१०	मं	५४	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	बु	५१	५३	श्ले	७	५२	शु	४२	४३	ब	२५	१०	२७	१९	४१	२३	२४	१५	सि७।५२	चित्रा.बुध:२३।२६रमा११व्र.स्मा.
१२	गु	४४	५२	म	३/१०	५४/५६	शु	३४	११	कौ	१८	२२	२३	१९	४१	२४	२५	१६	सिंहे	रमा११व्र.वै. [Eप्रदोषः धन१३
१३	शु	३८	५	उ	५३	८	ब्र	२५	४३	ग	११	२८	२०	२०	४०	२५	२६	१७	कं.११।५८	भ.३८/५उ.तुलयामर्क:६/३९(सौर:४४/९)E
१४	श	३१	१५	ह	४८	२५	ऐं	१७	१५	वि	४	४०	१६	२१	३९	२६	२७	१८	कन्यायां	भ.४।४०या.चित्रा.भौम:५२।२६H
३०	र	२५	२३	चि	४४	३३	वै	९	७	ना	२५	२३	१२	२२	३८	२७	२८	१९	तु.१६।३९	तुलायांबुध:१७।२०उफा.शुक्र:३९।६A

२७पं.का.कृ.७र.इ ३९/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	२	४	४	३	५
२५	१९	१८	१	१८	५	१९	२४
३४	१५	३०	५१	१८	२६	१५	५७
५९	१८	२५	५४	१८	४६	३०	१३
५९	३९	५/०	०	७१	५	३	५९
२१	४५	५/०	२६	२३	३३	११	३१

गोचर ग्रहाः

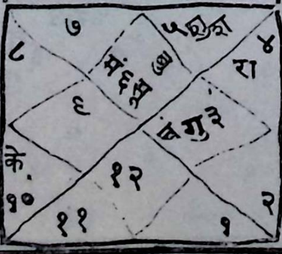

कार्तिककृष्णे १३शुक्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.५ प्रौढावस्था (बैठी)मु.४५धान्या-दिभावेंसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

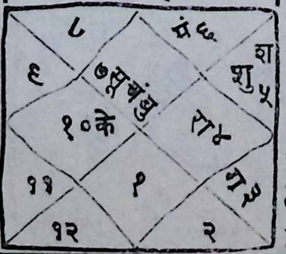

२८पं.का.कृ.३०र.इ. ३९/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	४	२	४	४	६	६
२	२३	०	१	२६	६	८	१
३१	५०	३८	४९	४०	५	५४	५४
२३	४९	२	१९	४८	१७	५	३६
५९	३९	३०/०	०/५९	७१	५	३	५९
३४	३७	८९/४९	व.	५०	५	११	४६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८												दिं.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरद् र्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:२३८९स.२०३६
१	चं	२०	२८	स्वा	४१	४३	वि	१/४७	५३/२९	ब	२०	२८	२८	६/२२	५/३८	२८	२९	२०	तुलायां	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	१७	१९	वि	४०	३७	आ	५०	१७	कौ	१७	१९	४	२३	३७	२९	१	२१	वृ.२५।५४	रमजान९भातृ२यम२
३	बु	१५	५६	अ	४१	१६	सा	४६	४३	ग	१५	५६	०	२४	३६	३०	२	२२	वृश्चिके	भ.४६/११उ.कन्यायांशुक्र:२५।२९
४	गु	१६	२६	ज्ये	४३	५०	शो	४४	४५	वि	१६	२६	२७/५६	२५	३५	१	३	२३	ध.४३।५०	भ.१६/२६या.स्वात्यांरवि:४६/४२स्वात्यांबुध:A
५	शु	१८	५५	मू	४८	२०	अ	४३	५७	बा	१८	५५	५३	२५	३५	२	४	२४	धनुषि	स्वात्यांरवि:सौर:२५।१२
६	श	२३	४	पू	५४	१६	सु	४४	४४	तै	२३	४	४९	२६	३४	३	५	२५	धनुषि	[A२१।६भा.कार्तिकारंभ:
७	र	२८	३७	उ	६०	०	धृ	४६	२३	व	२८	३७	४५	२७	३३	४	६	२६	म.१०।५९	भ.२८।३७उ.मघा.३शनि:२४।५
८	चं	३४	४७	उ	१	९	शू	४९	२६	वि	१	४२	४१	२८	३२	५	७	२७	मकरे	भ.१।४२या.गोपाष्टमी
९	मं	४१	११	श्र	८	४०	गं	५१	५१	बा	७	५९	३७	२९	३१	६	८	२८	कुं.४२।२६	तुलायांभौम:५७।४०कुष्मांड९अक्षय९
१०	बु	४७	१७	ध	१६	१२	वृ	५३	५५	तै	१४	१४	३४	२९	३१	७	९	२९	कुंभे	[×प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह:
११	गु	५२	४५	श	२३	१७	ध्रु	५५	३०	व	२०	१	३०	३०	३०	८	१०	३०	कुंभे	भ.२०।१उ.५२।४५या.हस्तेशुक्र:३७/२३×
१२	शु	५६	४०	पू	२९	२२	व्या	५६	१६	ब	२४	४२	२७	३१	२९	९	११	३१	मी१२।५१	विशा.बुध:३१।३८
१३	श	५९	१७	उ	३४	२	ह	५५	४७	कौ	२७	५८	२३	३१	२९	१०	१२	१	मीने	नवम्बर११ता.३०प्रदोष:
१४	र	६०	०	रे	३७	२७	व	५४	११	ग	२९	४५	१९	३२	२८	११	१३	२	मे.३७।२७	वैकुंठ१४
१४	चं	०	१४	अ	३९	१०	सि	५१	२७	व	०	१४	१६	३३	२७	१२	१४	३	मेषे	भ.१४/१उ.३०/०या.मन्वादि:का.स्ना.पू.
१५	चं	५९	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

२९पं.का.शु.७र.इ. ३८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	५	६	२	५	४	३	६
९	२८	१२	१	५	६	१८	८
२९	२७	१७	३६	८	४१	३०	५३
३८	३२	२४	०	३५	१०	५८	५६
५९	३९	८/०	२/२५	७२	४	३	६०
४७	५९	८/२०	व	१०	४३	११	२

गोचर ग्रहाः

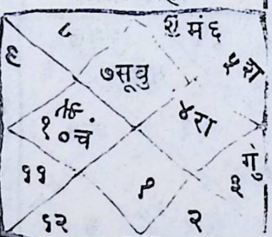

सोमवारा:यदा पञ्च
चांद्र मासेभवन्तिहि।
धनधान्यंसमृद्धिस्यात्
सुखं सर्वत्र सुन्दरम्।।
इस मास में मंदी का
योग है ।

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.शु१४र.इ. ३८/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	२	५	४	३	६
१६	३	२३	१	१३	७	१८	१५
२९	५	३१	१३	३९	१२	८	५५
२०	४९	५२	३७	१४	५०	४३	०
६०	३९	९९	३/४१	७२	४	३	६०
४	५२	२०	व.	३२	८	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दिं.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	मं	५८	१	अ	३९	३२	व्य	४७	३२	बा	२८	५४	२७/१२	६/३४	५/२६	१३	१५	४	वृ.५३।२१	
२	बु	५५	९	कृ	३८	४६	व	४२	४२	तै	२६	३५	९	३४	२६	१४	१६	५	वृषे	
३	गु	५१	२८	रो	३७	७	प	३७	१६	व	२३	१८	५	३५	२५	१५	१७	६	वृषे	भ.२३/१८उ.५१/२८या.विशा.रवि:९/३२(सौर:×
४	शु	४६	५९	मृ	३४	३६	शि	३१	२	ब	१९	१३	२	३६	२४	१६	१८	७	मि५।५१	स्वात्यांभौम:५७।१७चतुर्थीव्र.
५	श	४२	२८	आ	३१	५०	सि	२४	२६	कौ	१४	४४	२६/५८	३६	२४	१७	१९	८	मिथुने	अनु.बुध:५७।२९
६	र	३७	४२	पु	२८	५०	सा	१७	४३	ग	१०	५	५५	३७	२३	१८	२०	९	क.१४।३५	भ.३७।४२उ.
७	चं	३२	५५	पु	२५	४०	शु	१०	४३	वि	५	१८	५२	३८	२२	१९	२१	१०	कर्के	भ.५/१८या चित्रा.शुक्र:३२/५०बुधोदय: =
८	मं	२७	४९	श्ले	२२	२०	शु	३/४४	५१/५०	बा	०	२२	४९	३८	२२	२०	२२	११	सिं२२।२०	[×४२।३६)बृश्चिकेबुध:५४।४६
९	बु	२२	४३	म	१८	५८	ऐं	४८	१९	ग	२२	४३	४५	३९	२१	२१	२३	१२	सिंहे	भं.५०।५उ. [=पश्चिमायां२६।१७
१०	गु	१७	२७	पू	१५	३८	वै	४१	३	वि	१७	२७	४२	४०	२०	२२	२४	१३	कं.२९।५०	भ.१७।२७या.उदयोभौम:२३।१९
११	शु	१२	१९	उ	१२	२७	वि	३४	४	बा	१२	१९	३९	४०	२०	२३	२५	१४	कन्यायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	श	७	२८	ह	९	१०	प्री	२७	१८	तै	७	२८	३६	४१	१९	२४	२६	१५	तु.३७।५५	तुलायांशुक्र:५५।५५प्रदोष:
१३	र	३	१६	चि	६	४१	आ	२०	५३	व	३	१६	३३	४१	१९	२५	२७	१६	तुलायां	भ.३/१६उ.३/२६या.बृश्चिकेऽर्क:५/१६सौर:३६/५३
१४	र	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	चं	५७	२०	स्वा	४	४०	सौ	१५	४	च	२८	२७	३०	४२	१८	२६	२८	१७	वृ.४९।७	ज्येष्ठा.बुध:४२/११वक्रीमृग२गुरु:५।४

३१पं.मा.कृ.६र.इ.३८। ३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	२	५	४	३	६
२३	७	४	०	२२	७	१७	२२
३०	४५	२५	४२	१४	३९	४६	५७
४०	५४	५९	२५	६	५०	२७	३१
६०	३९	९६	४/५२	७२	३	३	६०
१७	३	२७	व	५०	३२	११	३०

गोचर ग्रहाः

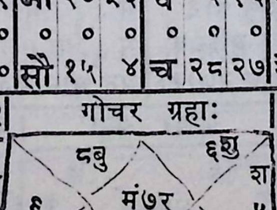

मार्गशीर्ष कृष्णे १३
रवौ बृश्चिकेऽर्क:
प्रविष्ट: वा. ३ न. ३
वृद्धावस्था (बैठी) मु.
३०धान्यादिभावे
समता शुक्रोदय:
पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

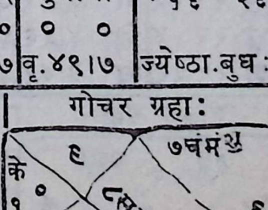

३२पं.मा.कृ.१३र.इ. ३८/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	२	६	४	३	७
०	१२	१५	०	०	८	१७	०
३३	२७	१	२	५१	२	२४	१
२२	४०	१	४२	४३	१३	१२	३५
६०	४०	९२	६/४	७३	२	३	६०
३०	१६	२२	व	११	४७	११	४०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिण ऽहर्गण: २४१८स.२०३६
१	मं	५६	१५	वि	३	५६	शो	१०	१७	किं	२६	४७	२६/२७	४३	१७	२७	२९	१८	वृश्चिके	
२	बु	५६	५०	अ	४	३७	अ	६	२५	बा	२६	३२	२५	४३	१७	२८	३०	१९	वृश्चिके	अनु.रवि. ३३/६ सौर:५३/४१)चन्द्रदर्शनम्
३	गु	५९	१२	ज्ये	६	४७	सु	४	६	तै	२८	१	२२	४४	१६	२९	१	२०	ध.६।४७	सव्वाल१०
४	शु	६०	०	मू	१०	२६	धृ	३	१३	व	३१	३	१९	४४	१६	३०	२	२१	धनुषि	भ.३१।३उ.स्वात्यांशुक्र:१७।६
४	श	२	५५	पू	१५	३२	शू	२	५०	वि	२	५५	१७	४५	१५	१	३	२२	म.३२।१०	भ.२।५५या.भा.मार्गशीर्षारंभ:
५	र	८	११	उ	२२	२	गं	४	८	बा	८	११	१४	४५	१५	२	४	२३	मकरे	
६	चं	१४	१०	श्र	२९	१६	वृ	५	५५	तै	१४	१०	१२	४६	१४	३	५	२४	मकरे	चंपा६
७	मं	२०	३४	ध	३६	४४	ध्रु	८	७	व	२०	३४	९	४६	१४	४	६	२५	कुं.३।०	भ.२०।३४उ.५३।४७या.
८	बु	२७	०	श	४४	१३	व्या	१०	२२	ब	२७	०	७	४७	१३	५	७	२६	कुम्भे	मूलेधनुषिबुध:५४।३०
९	गु	३२	४६	पू	५०	५८	ह	१२	१९	कौ	३२	४६	५	४७	१३	६	८	२७	मी३४।१७	विशा.भौम;४६।४८
१०	शु	३७	११	उ	५६	१४	व	१३	२६	तै	४	५८	२	४८	१२	७	९	२८	मीने	
११	श	४०	९	रे	६०	०	सि	१३	२८	व	८	४०	०	४८	१२	८	१०	२९	मीने	भ.४/०उ.४/९या.मोक्षदा११व्र.गीताजयं
१२	र	४१	९	रे	०	१६	व्य	१२	१२	ब	१०	३९	२५/५८	४८	१२	९	११	३०	मे.०।१६	पुष्य४राहु:श्रवण२केतु:३१।३७
१३	चं	४०	२३	अ	२	११	व	९	३५	कौ	१०	४६	५६	४९	११	१०	१२	१	मेषे	दिसम्बर१२ता.३१प्रदोष:
१४	मं	३७	५४	भ	२	२६	प	५/२५	५४/३३	ग	९	८	५४	४९	११	११	१३	२	वृ.१७।४	भ.३७/५४उ.ज्येष्ठारवि:३३/४७विशा.शुक्र३/४९
१५	बु	३३	५३	कृ	१/०	५७/१६	सि	५३	२६	वि	५	५३	५३	४९	११	१२	१४	३	वृषे	भ.५५/३या.ज्येष्ठारवि:सौर:१/३५दत्तजयं.

३३पं.मा.शु.५र.इ. ३८/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	१	६	४	३	७
७	१७	२५	२९	९	८	१७	७
३७	१०	१५	१६	३२	२०	१	७
१६	४१	५४	८	२०	१३	५६	८
६०	४०	८६	४/६	७३	२	३	६०
४२	१६	१७	व	२०	५	११	५३

गोचर ग्रहा:

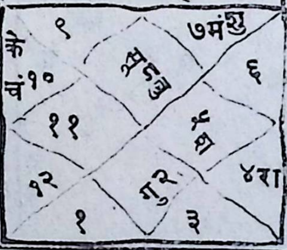

इस मास में धान्य गल्ला सोना चांदी रुई सण तिल वार-दाना कपास मंदी रहे गुड सक्कर घृत नमक चीनी तेज रहे

गोचर ग्रहा:

३४पं.मा.शु.१२र.इ. ३७/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	१	६	४	३	७
१४	२१	४	२८	१८	८	१६	१४
४२	५५	५२	२३	१४	३२	३९	१३
२९	१	१	३८	४२	४९	४०	५४
६०	४०	७६	३/७४	७३	१	३	६१
५०	२०	३४	व	३२	२५	११	३

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे मार्ग. कृष्णेति महा.
१	गु	२८	४१	मृ	५४	१९	सा	४५	५२	बा	१	८	२५/५१	६/५०	५/१०	१३	१५	४	मि२६।१७	
२	शु	२२	४५	आ	५०	१	शु	३७	५२	ग	२२	४५	४९	५०	१०	१४	१६	५	मिथुने	भ.४९।३२उ.
३	श	१६	२०	पु	४५	२९	शु	२९	३५	वि	१६	२०	४८	५०	१०	१५	१७	६	क.३१।३७	भ.१६।२०या.चतुर्थीव्र.
४	र	९	५९	पु	४०	५५	ब्र	२१	१८	ना	९	५९	४६	५१	९	१६	१८	७	कर्के	
५	चं	३	५०	श्ले	३६	४०	ऐं	१३	१९	तै	३	५०	४५	५१	९	१७	१९	८	सिं३६।४०	भ.५८।७उ.पूषा.बुध:७।०
६	चं	५४	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=बृश्चिकेभौम:२४।३८
७	मं	५२	५५	म	३२	५१	वै	५/३९	५२/३५	वि	२५	३१	४४	५१	९	१८	२०	९	सिंहे	भ.२५।३१या.
८	बु	४८	८	पू	२९	२५	प्री	५१	५४	बा	२०	३१	४३	५१	९	१९	२१	१०	कं.४३।४६	बृश्चिकेशुक्र:४।५
९	गु	४४	१	उ	२६	४७	आ	४६	३	तै	१६	४	४२	५२	८	२०	२२	११	कन्यायां	[÷सफला११व्र.
१०	शु	४०	३५	ह	२४	४५	सौ	३९	५६	व	१२	१८	४१	५२	८	२१	२३	१२	तु.५४।११	भ.१२/१८उ.४/३५या अनु.शुक्र:४१।२७ =
११	श	३७	५१	चि	२३	३७	शो	३३	४७	ब	९	१२	४०	५२	८	२२	२४	१३	तुलायां	वक्रीमृग.१गुरु:६/३वक्रीशनि:१९।४५÷
१२	र	३५	५४	स्वा	२२	५४	अ	२९	५	कौ	६	५२	३९	५२	८	२३	२५	१४	तुलायां	वक्रीबुध:५९।५६
१३	चं	३४	५६	वि	२३	१४	सु	२५	१५	ग	५	२५	३९	५२	८	२४	२६	१५	वृ.८।९	भ.३४/५६उ.मूलेधनुष्यर्क:४१।२प्रदोष:
१४	मं	३५	२	अ	२४	४८	धृ	२२	४	वि	४	५९	३८	५२	८	२५	२७	१६	वृश्चिके	भ.५९/४या.मूलेधनुष्यर्क:सौर:५।२५
३०	बु	३६	२१	ज्ये	२७	१९	शू	१९	५९	च	५	४१	३८	५२	८	२६	२८	१७	ध.२७।१९	अनु.भौम:२०।:४

३५पं.पौ.कृ.४र.इ. ३७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	८	१	६	४	३	७
२१	२६	१२	२७	२६	८	१६	२१
४८	४	५३	२७	५८	३९	१७	२१
३२	२४	१३	२२	२६	१८	२५	३४
६०	४०	५४	५/७२	७३	०	३	६१
५६	२३	५८	व.	४४	४४	११	११

गोचर ग्रहा:

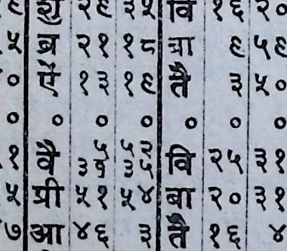

पोष कृष्णे १३ चन्द्रे धनुष्यर्क:प्रविष्ट: वा २न. ४ वृद्धावस्था (बैठी मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहा:

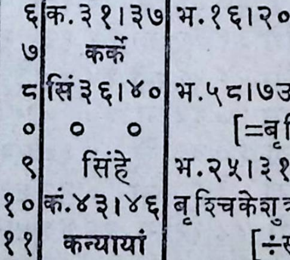

३६पं.पौ.कृ.१२र.इ. ३७/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	८	१	७	४	३	७
२८	१	१६	२६	५	८	१५	२८
५५	२९	३९	२९	४२	४१	५५	३०
२६	४९	५८	४९	५०	६	९	१७
६१	४०	४	५/७२	७३	१०/०	३	६१
०	३३	२३	व.	५०	व	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९३	शाकः १९५८											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२४४८सन् २०३६
१	गु	३९	८	मू	३०	५८	गं	१९	७	किं	७	४४	३५/३७	५६/५३	५/७	२७	२९	१८	धनुषि	
२	शु	४३	८	पू	३५	५६	वृ	१८	३२	बा	११	८	३७	५३	७	२८	३०	१९	म.५२।३१	बुधास्त;पश्चिमायां ३/४ चंद्रदर्शनम्
३	श	४८	२६	उ	४२	१६	ध्रु	१९	१७	तै	१५	४७	३६	५३	७	२९	१	२०	मकरे	जिलकाद ११
४	र	५४	२१	श्र	४९	९	व्या	२०	३८	व	२१	२३	३६	५३	७	३०	२	२१	मकरे	भ.२१।२३उ.५४।२१या.
५	चं	६०	०	ध	५६	४१	ह	२२	३९	ब	२७	३५	३६	५३	७	१	३	२२	कुं.२२।५५	वक्रीमूलेबुध·१७।१ज्येष्ठाशुक्रः३/५ ४/६÷
५	मं	०	५०	श	६०	०	व	२५	४	बा	०	५०	३६	५३	७	२	४	२३	कुम्भे	[÷भा.पौषारंभः
६	बु	७	२३	श	४	१९	सि	२७	२६	तै	७	२३	३७	५३	७	३	५	२४	मी५४।४८	
७	गु	१३	३२	पू	११	३७	व्य	२९	१३	व	१३	३२	३७	५३	७	४	६	२५	मीने	भ.१३।३२उ.४६।५या.
८	शु	१८	३७	उ	१८	०	व	३०	५	ब	१८	३७	३७	५३	७	५	७	२६	मीने	
९	श	२२	२२	रे	२२	५८	व	२९	५६	कौ	२२	२२	३८	५२	८	६	८	२७	मे.२२।५८	
१०	र	२४	१४	अ	२६	५	शि	२८	२२	ग	२४	१४	३८	५२	८	७	९	२८	मेषे	भ.५४।११उ.पूषा.रविः४६।५
११	चं	२४	९	भ	२७	२०	सि	२५	९	वि	२४	९	३९	५२	८	८	१०	२९	वृ.४२।९	भ.२४/९या.पूषा.रविःसौरः७/३पुत्रदा ११ व्र
१२	मं	२१	५८	कृ	२६	३८	सा	२०	२६	बा	२१	५८	४०	५२	८	९	११	३०	वृषे	बुधोदयःपूर्वस्यां ११।०प्रदोषः
१३	बु	१७	४९	रो	२३	५५	शु	१४	११	तै	१७	४९	४१	५२	८	१०	१२	३१	मि५१।४६	[+सन् २०३७
१४	गु	१२	७	मृ	१९	३८	शु	२९/६	५५/३	व	१२	७	४२	५२	८	११	१३	१	मिथुने	भ.१२/७उ.३/३ ८/२या.जनवरी १ता.३१ +
१५	शु	४	५८	आ	१४	१७	ऐं	४८	१२	ब	४	५८	४३	५१	९	१२	१४	२	क.५४।३८	मूलेधनुषिशुक्रः५८/४०मा.स्ना.प्रा.

३७पं.पौ.शु.४र.इ. ३७/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	७	४	३	८
६	६	१२	२५	१४	८	१५	५
३	१९	२४	३३	२९	३७	३२	३९
०	१	२५	२५	२	३०	५४	४२
६१	४०	८४/४	४६/३	७३	५०/१	३	६१
४	३८	व	व	५६	व	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास की कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल मक्का में मंदी करे सोना चांदी तेज हो

गोचर ग्रहाः

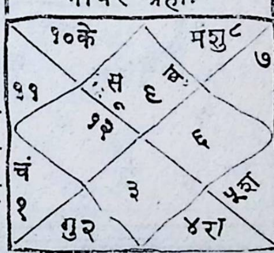

३८पं.पौ.शु.१०र.इ. ३७/९२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	७	४	३	८
१३	११	३	२४	२३	८	१५	१२
१०	९	४२	३४	१४	२७	१०	४९
५९	५४	१३	३४	५६	५८	३८	३९
६१	४०	७३/५०	७/९	७४	३१/८	३	६१
६	५२	व	व	२	व	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९३	शाकः १९५८											दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	५२	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४८	५८	पु	८	५	वै	३८	२५	तै	२३	३	२५/४४	५६/५१	५/९	१३	१५	३	कर्के	
३	र	४०	५२	पु	४०/९	५३/५१	वि	२८	४०	व	१४	५५	४५	५१	९	१४	१६	४	सिं५५।३१	भ.१४/५५उ.४०/५२या.मार्गीबुधः१६।४
४	चं	३३	१२	म	४९	५१	प्री	१९	१२	बा	७	२	४७	५१	९	१५	१७	५	सिंहे	ज्येष्ठाभौमः३१।६चतुर्थीव्र.
५	मं	२६	२५	पू	४५	८	आ	१०	१३	तै	३६	२५	४८	५०	१०	१६	१८	६	कं.५९।१३	
६	बु	२०	३४	उ	४१	२७	सौ	३/३	५२/४६	व	२०	३४	५०	५०	१०	१७	१९	७	कन्यायां	भ.२०।३४उ.४८।१६या.
७	गु	१५	५८	ह	३८	५२	अ	४८	३५	ब	१५	५८	५२	५०	१०	१८	२०	८	कन्यायां	
८	शु	१२	२५	चि	३७	३४	सु	४३	२१	कौ	१२	२५	५३	४९	११	१९	२१	९	तु.८।१३	वक्रीरोहि.४गुरुः३७।५
९	श	१०	१६	स्वा	३७	२६	धृ	३९	३	ग	१०	१६	५५	४९	११	२०	२२	१०	तुलायां	भ.३९।४५उ.उषा.रविः५१।÷६
१०	र	९	१५	वि	३८	२५	शू	३५	३७	वि	९	१५	५७	४९	११	२१	२३	११	वृ.२३।१०	भ.९।१५या.उषा.रवि.सौरः८।३०
११	चं	९	२२	अ	४०	४८	गं	३३	१८	बा	९	२२	५९	४८	१२	२२	२४	१२	वृश्चिके	षट्तिला ११व्र.
१२	मं	१०	४६	ज्ये	४४	८	वृ	३१	४९	तै	१०	४६	२६/१	४८	१२	२३	२५	१३	ध.४४।८	पूषा.शुक्रः४१।२८प्रदोषः
१३	बु	१३	१३	मू	४८	४०	ध्रु	३१	३१	व	१३	१३	४	४७	१३	२४	२६	१४	धनुषि	भ.१३।१३उ.४५।०या.मकरेऽर्कः ×
१४	गु	१६	४५	पू	५४	०	व्या	३१	३२	श	१६	४५	६	४७	१३	२५	२७	१५	धनुषि	[×७।१५(सौरः२३।५७)
३०	शु	२१	२०	उ	६०	०	ह	३२	२५	ना	२१	२०	८	४६	१४	२६	२८	१६	म.१०।३५	

३९पं.मा.कृ.३र.इ. ३७/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	८	४	३	८
२०	१६	०	२३	२	८	१४	१९
१९	३	१५	५१	५	१३	४८	५९
५	११	५४	४	४१	३४	२२	३१
६१	४१	४/१	१६/९	७४	१६/२	३	६१
६	१	मा	व	८	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे १३ बुधे मकरेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३ न. ३प्रगल्भावस्था (सूती) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

४०पं.मा.कृ.१०र.इ. ३७/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	८	१	८	४	३	८
२७	२०	३	२३	१०	७	१४	२७
२७	५७	५८	९	४६	५४	२६	९
७	३६	४४	१८	७	२५	७	२३
६१	४१	४६	२५/१	७४	५५/२	३	६१
६	२	११	व	१४	व	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	श	२६	५१	उ	०	२०	व	३३	४६	ब	२६	५१	२६/११	६/४६	५/१४	२७	२९	१७	मकरे
२	र	३२	४८	श्र	७	८	सि	३५	४३	कौ	३२	४८	१३	४५	१५	२८	३०	१८	कुं.४०।५५
३	चं	३९	१९	ध	१४	४१	व्य	३७	५८	तै	५	३	१६	४५	१५	२९	१	१९	कुंभे
४	मं	४५	५४	श	२२	१६	व	४०	८	व	१२	३६	१९	४४	१६	३०	२	२०	कुम्भे
५	बु	५२	२०	पू	२९	५९	प	४२	३७	ब	१९	७	२१	४४	१६	१	३	२१	मी१३।३
६	गु	५७	४७	उ	३६	५७	शि	४४	१७	कौ	२५	३	२४	४३	१७	२	४	२२	मीने
७	शु	६०	०	रे	४२	५५	सि	४५	१	ग	३०	३	२७	४३	१७	३	५	२३	मे.४२।५५
७	श	२	२०	अ	४७	२९	सा	४४	४०	व	२	२०	२९	४२	१८	४	६	२४	मेषे
८	र	५	११	भ	५०	१७	शु	४२	५२	ब	५	११	३२	४२	१८	५	७	२५	मेषे
९	चं	६	२२	कृ	५१	१३	शु	३९	३१	कौ	६	२२	३५	४१	१९	६	८	२६	वृ.५।३१
१०	मं	५	२२	रो	५०	६	ब्र	३४	३६	ग	५	२२	३८	४०	२०	७	९	२७	वृषे
११	बु	२	२३	मृ	४६	५४	ऐं	२७	५८	वि	२	२३	४१	४०	२०	८	१०	२८	मि१८।३०
१२	बु	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
१३	गु	५०	२८	आ	४१	५८	वै	१९	५०	कौ	२३	५१	४५	३९	२१	९	११	२९	मिथुने
१४	शु	४२	१७	पु	३५	३९	वि	१०	३५	ग	१६	४०	४८	३८	२२	१०	१२	३०	क.२२।१४
१५	श	३३	१४	पु	२८	२६	प्री	१९	४९/१०	वि	७	४५	५१	३८	२२	११	१३	३१	कर्के

शिररर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:२४७८सं.२०३७

चन्द्रदर्शनम्
जिल्हेज१२
भ.१२/३६उ.४५/५४या.अभि.प्र.रवि:४१/४१ +
भा.माघारंभ:वसंत५
[+(सौर:५५।२८,पूषा.बुध:३२।३२
श्रवणेरवि:५६।१८भानु७रथ७
भ.२/२०उ.३३/४५या.श्रवणेरवि:सौर:१२/१४=
अभि.नि.रवि:सौर:२।३१
मकरेशुक्र:५६।११
भ ३३/५२उ.पातस्पर्श:२१/१३पातमोक्ष:४९/४७
भ.२।२३या.जया११व्र.
[=अभि.नि.रवि:४६/३३उषा.शुक्र:१५/०×
प्रदोष:[×मूलेधनुषिभौम:२२/२०भीष्मा.
भ.४२/१७उ.उषा.बुध२६/४१वक्रीमघा२श.४/८
भ.७/४५या.खग्रासचन्द्रग्रहणम्मा.स्ना.पू.

४१पं.मा.शु.२२ इ. ३७/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	७	८	१	८	४	३	९
४	२५	११	२२	१९	७	१४	४
३४	५३	१०	३४	३५	३१	३	१८
५९	४२	८	४१	१७	१	५१	५२
६१	४१	६७	४/६	७४	३/६	३	६१
३	५	२८	व	२०	व	११	१९

गोचर ग्रहाः

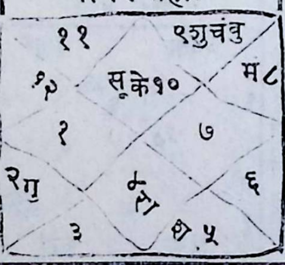

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं धान्यबाजरा मूंग मोठ चना चावल गेहूं रसकस कपास रुई रंग सोना चांदी तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

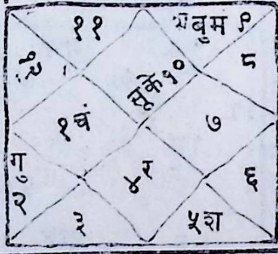

४२पं.मा.शु.८र.इ. ३७/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	१	८	४	३	९
११	०	२०	२२	२८	७	१३	११
४२	५१	५	९	२१	३	४१	२७
२९	१८	४२	४७	५४	५८	३६	४३
६०	४१	८०	५ २/०	७४	५८ ३	३	६१
५९	१०	३०	व	२६	व	११	१३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	र	२३	४५	श्ले	२०	४९	सौ	३८	४०	कौ	२३	४५	२६/५४	६/३७	५/२३	१२	१४	१	सिं२०।४९
२	चं	१४	२६	म	१३	२०	शो	२८	७	ग	१४	२६	५८	३६	२४	१३	१५	२	सिंहे
३	मं	५	४३	पू	६	३५	अ	१८	७	वि	५	४३	२७/१	३६	२४	१४	१६	३	क.२०।८
४	मं	५२	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
५	बु	५१	२५	उ	४७/०	५५/२४	सु	८	५६	कौ	२४	३६	५	३५	२५	१५	१७	४	कन्यायां
६	गु	४६	३१	चि	५३	२४	धृ	१०/१	५३/२९	ग	१८	५८	८	३४	२६	१६	१८	५	तु.२४।४७
७	शु	४३	२७	स्वा	५२	२१	गं	४९	३१	वि	१४	५९	१२	३४	२६	१७	१९	६	तुलायां
८	श	४२	२	वि	५२	५०	वृ	४५	४३	बा	१२	४४	१५	३३	२७	१८	२०	७	वृ.३७।४३
९	र	४२	४९	अ	५५	८	ध्रु	४३	१४	तै	१२	२५	१९	३२	२८	१९	२१	८	वृश्चिके
१०	चं	४४	२	ज्ये	५८	३९	व्या	४२	०	व	१३	२५	२३	३१	२९	२०	२२	९	ध.५८।३९
११	मं	४७	९	मू	६०	०	ह	४१	५८	ब	१५	३५	२७	३१	२९	२१	२३	१०	धनुषि
१२	बु	५१	३८	मू	३	३४	व	४२	२०	कौ	१९	२३	३०	३०	३०	२२	२४	११	धनुषि
१३	गु	५६	४५	पू	९	३६	सि	४३	४०	ग	२४	११	३४	२९	३१	२३	२५	१२	म.२६।१६
१४	शु	६०	०	उ	१६	१७	व्य	४५	३४	वि	२९	४३	३८	२८	३२	२४	२६	१३	मकरे
१४	श	२	४१	श्र	२३	२३	व	४७	३६	श	२	४१	४१	२८	३२	२५	२७	१४	कुं.५७।७
३०	र	८	५७	ध	३०	५०	प	४९	४७	ना	८	५७	४५	२७	३३	२६	२८	१५	कुम्भे

शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

पुष्य३राहु:श्रवण१केतु:३४/४० फरवरी =
भ.४०।५उ. [=२ता.२८
भ.५।४३या.श्रवणेशुक्र:५५/४७चतुर्थीव्र.
मकरेबुध:४५।३
भ.४६।३१उ.
भ.१४/५९या.धनि.रवि:४/३६(सौर:१७/४)+
मार्गीगुरु:५३।३९पातमोक्ष:५।३१
श्रवणेबुध:७०/९८[+पातस्पर्श:४७।५
भ.१३/२५उ.४४/२या.शुक्रास्त:पूर्वस्यां५७/३६
विजया११व्र.
[Λपूषा.भौम:१४।१४प्रदोष:
भ.५८/४५उ.कुंभेऽर्क:३९/५२(सौर:५१/२)Λ
भ.२९/४३या.बुधास्त:पूर्वस्यां१०।५८–
धनि.शुक्र:३३।५७
[–महाशिवरात्रीव्र.

४३पं.फा.कृ.१र.इ. ३७/६४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	८	१	९	४	३	९
१८	५	२९	२१	७	६	१३	१८
४९	५०	४५	५४	८	३३	१९	३५
१	६	१९	११	६	२५	२०	५१
६०	४१	८९	१/२६	७४	४/१६	३	६१
५५	८	४६	व	२६	व	११	४

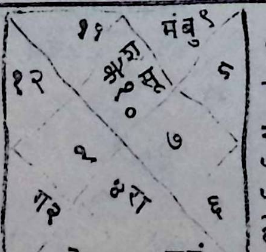

४४पं.फा.कृ.९र.इ. ३७/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	१	९	४	३	९
२५	१०	१०	२१	१५	६	१२	२५
५४	५०	२७	४८	२४	१	५७	४२
५०	३८	४३	४०	२९	१	४	३८
६०	४१	९७	०	७४	४/३४	३	६०
४७	२०	२१	१/०/१	२६	व	११	५५

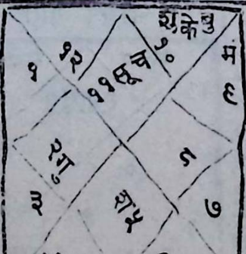

४५पं.फा.कृ.३०र.इ. ३७/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	९	१	९	४	३	१०
२	१५	२१	२१	२४	५	१२	२
५९	५१	४४	५२	३९	२७	३४	४८
४२	३६	४९	४४	७	४७	४९	४०
६०	४१	७/०	१	७४	४/४०	३	६०
३७	३४	०/३७	१५	३२	व	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण२५०८स२०३७
१	चं	१५	१३	श	३८	२९	शि	५२	२	ब	१५	१३	२७/४९	६/२६	५/३४	२७	२९	१६	कुंभे	धनि.बुध ३२।४५चंद्रदर्शनम्
२	मं	२१	४१	पू	४५	५७	सि	५४	१७	कौ	२१	४१	५३	२५	३५	२८	१	१७	मी२९।५	मोहोरम१सन्१४५९हि.फुलरिया२
३	बु	२७	५२	उ	५३	२	सा	५५	४७	ग	२७	५२	५६	२५	३५	२९	२	१८	मीने	
४	गु	३३	२४	रे	५९	१३	शु	५७	२	व	०	३८	२८/०	२४	३६	३०	३	१९	मे.५९।१३	भ.३/८उ.३/३४या.शतेरवि:१/६(सौर.+
५	शु	३८	६	अ	६०	०	शु	५७	३९	ब	५	४५	४	२३	३७	१	४	२०	मेषे	कुंभेबुध:३३।१९भा.फाल्गुनारंभः
६	श	४१	२८	अ	४	४६	ब्र	५६	५६	कौ	९	४७	८	२२	३८	२	५	२१	मेषे	[+२६।५४)कुंभेशुक्र:५१।५७
७	र	४३	३०	भ	८	४३	ऐं	५५	०	ग	१२	२९	१२	२२	३८	३	६	२२	वृ.२४।१९	भ.४३।३०उ.
८	चं	४३	४५	कृ	११	७	वै	५१	४३	वि	१३	३७	१६	२१	३९	४	७	२३	वृषे	भ.१३।३७या होलाष्टकम्
९	मं	४२	१४	रो	११	५३	वि	४६	५२	बा	१२	५९	२०	२०	४०	५	८	२४	मि४१।२०	शतेबुध:१३।३२
१०	बु	३८	४७	मृ	१०	४७	प्री	४०	३४	तै	१०	३०	२४	१९	४१	६	९	२५	मिथुने	शतेशुक्र १३।५८
११	गु	३३	२३	आ	७	४२	आ	३२	४४	व	६	५	२८	१८	४२	७	१०	२६	क.४९।२	भ.६।५उ.३३।२३या.आमलकी११व्र.
१२	शु	२६	२२	पु	२/४९	५४/२	सौ	२३	४५	बा	२६	२२	३२	१८	४२	८	११	२७	कर्के	प्रदोष:
१३	श	१७	५७	श्ले	४९	३२	शो	१३	३४	तै	१७	५७	३६	१७	४३	९	१२	२८	सिं४९।३२	
१४	र	८	३४	म	४१	२९	अ	२/४९	४८/४४	व	८	३४	४०	१६	४४	१०	१३	१	सिंहे	भ.८।३४उ.३३।३२या.मार्च३ता.=
१५	र	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=३१होलिकादहनम्भद्रोत्तरम्

४६पं.फा.शु.७र.इ.३७/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	१	१०	४	३	१०
१०	२०	३	२२	३	४	१२	९
३	५५	४६	६	२६	५३	१२	५३
१४	२६	२३	१४	६	२	३३	१४
६०	४०	८/०	२	७४	४/४०	३	६०
२१	३२	०/५४	४०	३२	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

फाल्गुनकृष्णे१३ गुरौ कुंभेऽर्क.प्रविष्टः वा. २ न. ३प्रगलभावस्था (वैठी)मु ४५धान्यादिभावेसमर्घताशुक्रोदय:पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

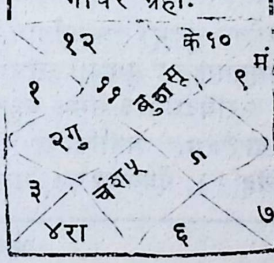

४७पं.फा.शु.१४र.इ.३८/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	८	१०	१	१०	४	३	१०
१७	२६	१६	२२	१२	४	११	१६
५	०	२५	२९	११	१९	५०	५६
२८	१४	५६	२८	२८	५२	१८	१०
६०	४१	२०/०	३	७४	४/२८	३	६०
१२	४२	११	५९	३२	व	११	२०

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९३ शाकः १९५८												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	चं	४८	५३	पू	३३	३२	धृ	४०	३१	बा	२३	४८	२८/४४	६/१५	५/४५	११	१४	२	कं.४६।४२	उषा.भौम:३५।२४वसंत१छारेंडी
२	मं	३९	३८	उ	२६	११	शू	२९	५८	तै	१४	१५	४८	१४	४६	१२	१५	३	कन्यायां	पूभा.बुध:३०।४०
३	बु	३१	१४	ह	१९	४७	गं	२०	२३	व	५	२६	५२	१४	४६	१३	१६	४	तु.४७।१५	भ.५/२६उ.३१/१४या.पूभा.रवि:३/१ २/०(सौर:×
४	गु	२४	३१	चि	१४	४३	वृ	१२	७	बा	२४	३१	५६	१३	४७	१४	१७	५	तुलायां	[×४१।११)चतुर्थीव्र.
५	शु	१९	४१	स्वा	११	३७	ध्रु	५/८	५४/५०	तै	१९	४१	२९/१	१२	४८	१५	१८	६	वृ.५५।३८	
६	श	१६	५२	वि	१०	१९	ह	५६	१४	व	१६	५२	५	११	४९	१६	१९	७	वृश्चिके	भ.१/५ ६/२उ.४/३ ६/१या.पूभा.शुक्र:५३।४५
७	र	१६	१०	अ	११	१०	व	५४	२०	ब	१६	१०	९	१०	५०	१७	२०	८	वृश्चिके	मीने बुध:३/३ ८/२मकरेभौम:४।३९
८	चं	१७	१७	ज्ये	१४	१	सि	५३	३७	कौ	१७	१७	१३	९	५१	१८	२१	९	ध.१४।१	शीतलापूजनम्
९	मं	२०	१५	मू	१८	३२	व्य	५४	१६	ग	२०	१५	१७	९	५१	१९	२२	१०	धनुषि	भ.५२।२७उ.उभा.बुध:२१।४४
१०	बु	२४	३९	पू	२४	२८	व	५५	२९	वि	२४	३९	२१	८	५२	२०	२३	११	म.४१।१२	भ.२४।३९या.
११	गु	३०	१०	उ	३१	२३	प	५७	३४	बा	३०	१०	२६	७	५३	२१	२४	१२	मकरे	मृग१गुरु:१३।५७पापमोचनी११व्र.
१२	शु	३६	२०	श्र	३८	४०	शि	५९	४८	कौ	३	१५	३०	६	५४	२२	२५	१३	मकरे	
१३	श	४२	४६	ध	४६	२३	सि	६०	०	ग	९	३३	३४	५	५५	२३	२६	१४	कुं.१२।३१	भ.४/४ २/६उ.मीनेऽर्क:३/० ३सौर:४/३ १/२प्रदोष:
१४	र	४९	३	श	५३	५८	सि	२	१५	वि	१५	५४	३८	४	५६	२४	२७	१५	कुंभे	भ.१/५ ५/४यामीनेशुक्र५/१ ५/८वक्रीमघा१श.५९/७
३०	चं	५६	१८	पू	६०	०	सा	४	३०	च	२२	४१	४३	३	५७	२५	२८	१६	मी४४।२९	बुधोदय:पश्चिमायां१३।२९मन्वादि:

४८पं.चै.कृ.७र.इ.३८/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	१	१०	४	३	१०
२४	१	२९	२३	२०	३	११	२३
६	५	५९	१	५५	४८	२८	५७
१४	६	५६	३४	३७	०	२	३३
५९	४१	०/८	५	७४	४/१	३	६०
५८	३७	०/३१	८	३६	व	११	६

गोचर ग्रहाः

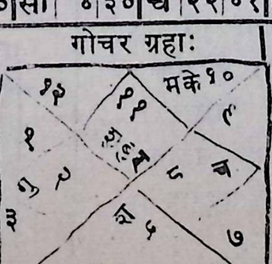

चैत्र कृष्णे १३ शनौ मीनेऽर्क:प्रविष्ट:वा.३ न. ३ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

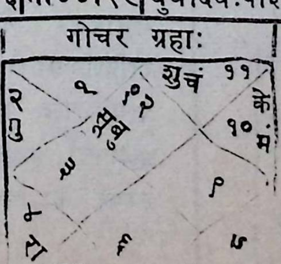

४९पं.चै.कृ.१४र.इ.३८/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१	१०	४	३	११
१	६	१३	२३	२९	३	११	०
५	११	३६	४१	३९	१८	५	५७
३१	४९	३२	२	४३	४७	४६	१५
५९	४१	०/८	६	७४	५/३	३	५९
४१	३७	५२/०	१८	३८	व	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम्।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम्।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३८, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१३८, भोग्यकलिः ४२६८६२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९४, शाकः १९५९, अथास्मिन् वर्षे राजा भौमः। मंत्री चंद्रः। सस्येशो गुरुः। धान्येशो भौमः। मेघेशश्चंद्रः। रसेशः शनिः। नीरसेशः शनिः। फलेशो रविः। धनेशो बुधः। दुर्गेशो रविः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये ब्रह्म-विंशतिकायां ५ प्रजापतिनाम संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ३।६।२१।३३।० भोग्यमासादिः ८।२०।३८।२६।० विष्णुदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम मार्गशीर्षः।मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासःसंधौ समयनिवासो वैश्य गृहे। समय विश्वा १८ समयवाहनम् बृषभः। स्तंभः१ वायोः। सोमवत्यमा १ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २ रविदशमी३ समय मुहूर्ताः ३४५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा १०८, वर्षाविश्वा १३, धान्यम् १३, तृणम् १७, शीतम् १३, तेजः १७, वायुः १३, वृद्धिः १५, क्षयः १५, विग्रहः ११, ऐक्यम् १२७, सत्यम्।। धर्म १।।,पापं १८शनिदृष्टिदक्षिणे। ग्रहणऽभावः।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	८	२	५	१४	२	५
ख.	१४	८	५	२	१४	५

वर्ष लग्नम् १०।२

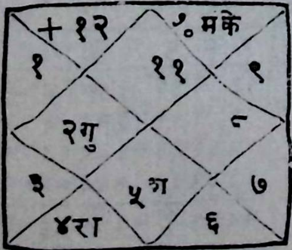

भैरव भवानी सम्बाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा का ध्यान धर भैरव करे पुकार।
आया साल चौराणवे कहिये फल विस्तार।।

भवानी उत्तर

चारों दिशा चौराणवे मांचे घणां बबाल।
चौर दस्यु अरु अग्निभय धनपति हो कंगाल।।
भूमि तनय नृप बर्ष में जग में मांचे शोर।
मेघाडंबर देखकर घणां बोल सी मोर।।
रोहिणी वासो संधि में स्तंभ लगा है एक।
वायु चले उतावली तेजी होय विशेषः।।
प्रजापती संवत् हआ करे प्रजा की सहाय।
शर्म्मा का यह कथन है भली करे यदुराय।।

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	२	८	११	१४	१४	११
ख.	८	१४	५	१४	१४	५

वर्षेश लग्नम् १०।२४

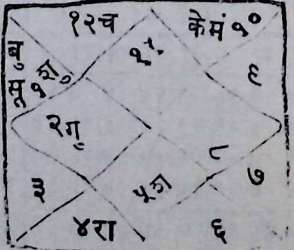

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१५।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२१।३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा भौमस्तत्फलम् ॥ भौमे नृपे वन्हि भयं जन क्षयं चौराकुलं पार्थिव विग्रहं च । दुःखं प्रजा व्याधि वियोग पीड़ा स्वल्पं पयो मुंचति वारिवाहः ।। मंत्री चन्द्रः फलम् ।। शशिनि मंत्रिगते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारि धरा बहु वर्षिणो जनपदाः सुखराशि सुशोभिताः ।। सस्येशो गुरुः फलम् ।। कणपतौ सुरराजपुरोहिते सकल सौख्यकरः श्रुतिपूर्वकाः । जलधरा जलदा बहु सस्यदा रसपयांसि बहूनि वसूनि वै ।। धान्येशो भौमस्तत्फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्य महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदि गो महिष्यजखरादिषु दुग्ध रसं तदा । फलवती घन धान्यवती धरा विविध भोगवती ननुभामिनी ।। रसेशो शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रस संक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गजवाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। अयः पिण्डादि लोहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशः रविः फलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहु जलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधः फलम् ।। द्रविणपो हिम रश्मिसुतो यदि विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा । द्विजवरा जप यज्ञसुसंयुताः कृषि विशेष विशेषित मानसाः । दुर्गेशः रविः फलम् ।। नय विशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। प्रजापति नाम संवत्सरः फलम ।। न चलन्त्यखिला लोकाः स्व स्व मार्गात् कथंचन अब्दे प्रजापतेर्नूनं बहु सस्यार्घ वृष्टयः ।। वर्षनाम मार्गशीर्षः फलम् ।। कार्पासादि महर्घं स्याद्गोधूमाषतिलादिकम् । मेघो वर्षति देवो वा मार्गशीर्षे विशेषतः ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जल पूरिता ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खंडवृष्टिश्च संधिषु ।। समय निवासः वैश्य गृहे फलम् ।। वणिग्गृहे शुभं नास्ति । ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९४ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ११ रवौ उफा ल. ९-१२ रे. ९ ।।।।।।।ऽ।
(धनुर्णिगु.पू.) गणितेन क्रांति साम्याऽभावः
,, १२ चन्द्रे हस्ते ल. ऽन्यगो ९ (गु.पू.) १२
(चं.पू.) रे. ८ ।।।।ऽनृऽ।।

कार्तिक मासः

शुक्ला ११ बुधे रेव ल. ६ (चं.७पू.) रे. ७ ऽ।।।ऽऽ।।
,, १२ गुरौ रेव ल. गो. (सोग्रांगः) ल. ६
(घ.५०-४या) रे. ८ ऽ।।।।ऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ चन्द्रे रोहि ल. ६ रे. ८ ।।।ऽ।।ऽ।।
,, ९ भौमे उफा ल. ऽन्यगो रे. ८
।।।।ऽच्चौ।ऽ।।दग्धा३३।४४उ।

पौष मासः

शुक्ला ११ रवौ रोहि ल. गो. रे. ८ ।।।।।।ऽऽदग्धा
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ५ चन्द्रे उफा ल. गो. रे. ७ ऽ।।।ऽआ।ऽ।।
,, ९ शुक्रे अनु ल. ऽन्यगो ६ (व्ययेर्की) रे. ६
।।।ऽऽचौऽऽ।।
शुक्ला ४ चन्द्रे उभा ल. ६ (चं.७पू.) रे.१० ।।।।।।।।।
,, ५ भौमे रेव ल. ऽन्यगो ६ रे. ६ ।ऽ।।।ऽरोऽऽ।।
,, ९ शनौ रोहि ल. ऽन्यगो (सोग्रांग·) रे. ६
।।।।।ऽ।।।

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ रवौ उफा ल.गो. (सोग्रांगः) रे.८ऽ।।।ऽरो।।।

अथ क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः२५३७स.२०३७
१	मं	६०	०	पू	१	१६	शु	६	३१	किं	२८	३६	२९/४७	६/३	५/७	२६	२६	१७	मीने	उभा.रविः५/४रेवत्यांबुधः१९/२संवत्स-×
१	बु	१	०	उ	८	५	शु	८	६	ब	१	०	५१	२	५८	२७	३०	१८	मीने	उभा.रविःसौरः३/८उभा.शुक्र३५/६चंद्रदर्श
२	गु	५	५२	रे	१४	१	ब्र	६	३	कौ	५	५२	५५	१	५६	२८	१	१६	मे.१४।१	सफर२सिंधारा[×सरारंभनवरात्रारंभ
३	शु	१०	२	अ	१६	१७	ऐं	६	२५	ग	१०	२	३०/०	६/०/०	६/०	२९	२	२०	मेषे	भ.४१/३५उ.श्रवणेभौमः४४/५०मत्स्यजयंती =
४	श	१३	८	भ	२३	३४	वै	८	५५	वि	१३	८	४	५५/९	१	३०	३	२१	वृ.३६।१६	भ.१३।८या. [=गणगौरी
५	र	१५	२	कृ	२६	३४	वि	७	४१	बा	१५	२	८	५८	२	१	४	२२	वृषे	भा.चैत्रारंभः
६	चं	१५	४३	रो	२८	२०	प्री	५	२२	तै	१५	४३	१२	५८	२	२	५	२३	मि५८।३५	
७	मं	१५	५	मृ	२८	५०	आ	४९/१	५५/२५	व	१५	५	१६	५७	३	३	६	२४	मिथुने	भ.१५।५उ.४४।०या.
८	बु	१२	५४	आ	२७	३२	शो	५१	१०	ब	१२	५४	२१	५६	४	४	७	२५	मिथुने	रामनवमीस्मा.
९	गु	६	११	पु	२४	५३	अ	४४	०	कौ	६	११	२५	५५	५	५	८	२६	क.१०।३३	रामनवमीवै.
१०	शु	४	५	पु	२०	४३	सु	३५	४५	ग	४	५	२९	५४	६	६	९	२७	कर्के	भ.३०/४४उ.५७/२३या अश्वि.मेषेबुधः४४/९ ÷
११	शु	५३	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷कामदा११व्र.स्मा.
१२	श	४६	२६	श्ले	१५	२२	धृ	२६	३२	ब	२३	२६	३३	५३	७	७	१०	२८	सि१५।२२	कामदा११व्र.वै.
१३	र	४०	३९	म	८	४६	शू	१६	२५	कौ	१५	४	३७	५३	७	८	११	२९	सिंहे	रेवत्यांशुक्रः१६।१६प्रदोषः
१४	चं	३१	१७	पू	३८/१	५२/३४	गं	५६/५	४९/१७	ग	५	५८	४१	५२	८	९	१२	३०	कं.१४।४७	भ.३१।१७उ.५६।३७या.
१५	मं	२१	५८	ह	४७	५	ध्रु	४५	७	ब	२१	५८	४५	५१	९	१०	१३	३१	कन्यायां	रेवत्यांरविः३१/३९ (सौरः३९/३ हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.५र.इ. ३९/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	११	१	११	४	३	११
८	११	२५	२४	८	२	१०	७
३	१९	३५	३०	२२	५२	४३	५५
१८	५५	२८	२९	५९	१६	३१	१०
५९	४१	९२	७	७४	३/२४	३	५९
२९	५६	४१	१६	३८	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मासमें बुध का चन्द्रदर्शन चांदी रुई सोना लोहा कपास वारदाना सण तिल में मंदी करे घृत चीनी आदि रस तेज रहे।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.शु.१३र.इ. ३९/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	१	११	४	३	११
१४	१६	३	२५	१७	२	१०	१४
५९	२८	२८	२५	५	३०	२१	५१
१०	१९	४८	५२	१३	२२	१५	२२
५९	४१	४९	८	७४	४०/२	३	५९
१६	५२	२	२६	३८	व.	११	१८

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	१३	२	चि	४०	५८	व्या	३५	३६	कौ	१३	२	३०/४९	५/५०	६/१०	११	१४	१	तु.१४।२	अप्रेल४ता.३०
२/३	गु	५/५३	९१/४७	स्वा	३६	६	ह	२७	१६	ग	५	११	५३	४६	११	१२	१५	२	तुलायां	भ.३२।४उ.५८।५८या.
४	शु	५४	२४	वि	३३	०	व	२०	३२	ब	२६	४१	५७	४६	११	१३	१६	३	वृ.१८।४६	चतुर्थीव्र.
५	श	५२	८	अ	३१	५०	सि	१५	१७	कौ	२३	१६	३/१	४८	१२	१४	१७	४	वृश्चिके	वक्रीबुधः३३बुधास्तःपश्चिमायां५/१०
६	र	५२	२	ज्ये	३२	३९	व्य	११	४६	ग	२२	५	५	४७	१३	१५	१८	५	ध.३२।३६	भ.५२/३उ.पुष्य.२राहुःउषा.४केतुः२१।१
७	चं	५४	१	मू	३५	३५	व	६	५२	वि	२३	१	१०	४६	१४	१६	१९	६	धनुषि	भ.२३।१या.
८	मं	५७	४६	पू	४०	२३	प	६	५५	बा	२५	५३	१४	४५	१५	१७	२०	७	म.५६।५८	मृग.२गुरुः१।५६
९	बु	६०	०	उ	४६	४३	शि	१०	३७	तै	३०	१८	१८	४४	१६	१८	२१	८	मकरे	धनि.भौमः७।५८
९	गु	२	५०	श्र	५४	२३	सि	१२	२०	ग	२	५०	२२	४४	१६	१९	२२	९	मकरे	भ.३५/५६उ.अश्वि.मेषेशुक्रः३।५३
१०	शु	६	२	ध	६०	०	सा	१४	३६	वि	६	२	२६	४३	१७	२०	२३	१०	कुं.२८।१६	भ.६।२या.
११	श	१५	२१	ध	२	१४	शु	१७	६	बा	१५	२१	३०	४२	१८	२१	२४	११	कुंभे	वरुथिनी११व्र. [+पश्चिमायां५/३ १/६
१२	र	२१	४४	श	१०	११	शु	१६	३२	तै	२१	४४	३४	४१	१९	२२	२५	१२	कुंभे	प्रदोषः
१३	चं	२७	४५	पू	१७	४६	ब्र	२१	३७	व	२७	४५	३८	४०	२०	२३	२६	१३	मी०।५५	भ.२७/४५उ.अश्वि.मेषेऽर्कः५५।३८
१४	मं	३२	५७	उ	२४	१४	ऐं	२३	७	वि	०	२१	४२	४०	२०	२४	२७	१४	मीने	भ.२०/५१या.अश्वि.मेषेऽर्कसौरः४ ८
३०	बु	३७	१३	रे	२६	४७	वै	२३	४०	च	५	५	४६	३६	२१	२५	२८	१५	मे.२६।४७	वक्रीमीनेरेव.बुधः५९/४४शुक्रोदयः +

५२पं.वै.कृ.६र.इ. ३९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	०	१	११	४	३	११
२१	२१	५	२६	२५	२	९	२१
५३	३६	५०	२७	४६	१२	५९	४५
३१	३२	१३	२५	३४	०	०	३३
५९	४१	२३/९	९	७४	१०/२	३	५९
४	५५	व	१२	३२	व	११	४

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे १३ चन्द्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ बृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

१पं.वै.कृ.१३चं.इ. ५५/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	९	०	१	०	४	३	११
०	२७	१	२७	६	१	९	२९
०	४०	२३	४५	०	५५	३२	५१
०	५९	२०	१८	१४	२३	५१	४९
५८	४१	४३/४	१०	७४	२/३१	३	५८
४४	४५	व	५	३२	व	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२५६७स.२०३७
१	गु	४०	२८	अ	३४	२८	वि	२३	३५	किं	८	५०	३१/५०	५/३८	६/२२	२६	२९	१६	मेषे	
२	शु	४२	२९	भ	३८	७	प्री	२२	४५	बा	११	२८	५३	३७	२३	२७	३०	१७	वृ.५३।४५	कुंभेभौमः१५।२५चन्द्रदर्शनम्
३	श	४३	३३	कृ	४०	४०	आ	२१	१	तै	१३	१	५७	३७	२३	२८	१	१८	वृषे	रविलावलः परशुरामजयंतीअक्षया३
४	र	४३	३७	रो	४२	९	सौ	१८	१७	व	१३	३५	३ २/१	३६	२४	२९	२	१९	वृषे	भ.१/३ ३/५उ.४/३ ३/७या.भरण्यांशुक्रः५२।३
५	चं	४२	३५	मृ	४३	२०	शो	१५	७	ब	१३	६	५	३५	२५	३०	३	२०	मि१२।४५	
६	मं	४०	३३	आ	४३	०	अ	११	२६	कौ	११	३४	९	३४	२६	१	४	२१	मिथुने	भा.वैशाखारंभः
७	बु	३७	२७	पु	४१	३८	सु	५	५२	ग	९	०	१२	३४	२६	२	५	२२	क.२६।५९	भ.३७।२७उ.
८	गु	३३	२८	पु	३८	५९	धृ	०/२	५३/२५	वि	५	२७	१६	३३	२७	३	६	२३	कर्के	भ.५/२७या.बुधोदयःपूर्वस्यां५।४३
९	शु	२८	२६	श्ले	३५	२१	गं	४६	५	बा	०	५७	२०	३२	२८	४	७	२४	सिं३५।२१	पातस्पर्शः५५।४७
१०	श	२२	२३	म	३०	४०	वृ	३७	५८	ग	२२	२३	२३	३१	२९	५	८	२५	सिंहे	भ.४८।५५उ पातमोक्षः१०।२५
११	र	१५	२८	पू	२५	११	ध्रु	२९	८	वि	१५	२८	२७	३१	२९	६	९	२६	कं.३८।३७	भ.१/२ ५/८या.शतेभौमः३/३७मृग३मिथुने=
१२	चं	८	१	उ	१८	५७	व्या	१९	५६	बा	८	१	३१	३०	३०	७	१०	२७	कन्यायां	भरण्यांरविः३/५ ५/०(सौरः४/३ ५/३)मार्गीशनि×
१३	चं	५१	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=गुरुः२/२ ९/३मोहिनी११व्र.
१४	मं	५१	५२	ह	१२	३४	ह	१०	४१	ग	२५	५३	३४	२९	३१	८	११	२८	तु.३९।४१	भ.५/५ १/२उ.नृसिंहजयंती[×५/१ ३/४प्रदोषः
१५	बु	४४	२०	चि	६	४७	व	१/३७	५१/३१	वि	१८	६	३८	२८	३२	९	१२	२९	तुलायां	भ.१८।६या.यमायकुंभदानम्

२पं.वै.शु.५चं.इ. ५५/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	१	०	४	३	०
६	२	२७	२८	१४	१	९	६
५०	४९	१६	५८	३९	४८	१०	४२
४६	५२	४१	३४	२२	११	३६	०
५८	४१	३६/४१	१०	७४	३ ०/१	३	५८
३१	३७	व.	५०	३२	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

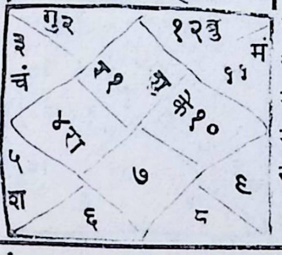

इस मास में धान्य
जो गेहूं चना बाजरा
मूंग चावल आदि
मंदे हो रसकस गुड
सक्कर चीनी गन्ना
ातु रुई तेज हो

गोचर ग्रहाः

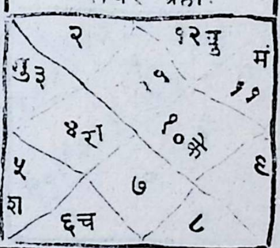

३पं.वै.शु.१२चं.इ. ५६/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	२	०	४	३	०
१३	७	२५	०	२३	१	८	१३
३९	५७	४	१६	१७	४६	४८	३०
५०	५८	५९	२६	५३	१६	२०	२५
५८	४१	१२/१७	११	७४	०/२	३	५८
१९	३३	व.	२२	२६	मा	११	१२

ति.	प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	३७	५५	स्वा	९/४४	५६/२६	व्य	४५	४४	बा	११	७	३२/४१	५/२८	६/३२	१०	१३	३०	वृ.४४।३	मार्गीबुधः२७।४२कृत्ति.शुक्रः३९।७
२	शु	३२	५०	अ	५६	४	व	३९	२३	तै	५	२२	४५	२७	३३	११	१४	१	वृश्चिके	मई५ता.३१
३	श	२९	३२	ज्ये	५६	१३	प	३४	४०	व	१	११	४८	२६	३४	१२	१५	२	ध.५६।१३	भ.१।११उ.२९।३२या.चतुर्थीव्र.
४	र	२८	७	मू	५८	१२	शि	३१	२५	ग	२८	७	५२	२६	३४	१३	१६	३	धनुषि	बृषेशुक्रः२६।४२
५	चं	२८	५६	पू	६०	०	सि	३०	२०	तै	२८	५६	५५	२५	३५	१४	१७	४	धनुषि	
६	मं	३१	४७	पू	२	७	सा	२९	५५	ग	०	२१	५८	२४	३६	१५	१८	५	म.१८।२८	भ.३१।४७उ.
७	बु	३६	१५	उ	७	२९	शु	३१	१०	वि	४	१	३ ३/२	२४	३६	१६	१९	६	मकरे	भ.४।१या.
८	गु	४१	५७	श्र	१४	१४	शु	३३	६	बा	९	६	५	२३	३७	१७	२०	७	कुं.४७।३४	
९	शु	४८	४	ध	२०	५३	ब्र	३५	२३	तै	१५	०	८	२२	३८	१८	२१	८	कुंभे	
१०	श	५४	१३	श	२८	१९	ऐं	३७	५६	व	२१	८	११	२२	३८	१९	२२	९	कुंभे	भ.२१।८उ.५४।१३या.
११	र	६०	०	पू	३५	२०	वै	४०	११	ब	२७	१२	१४	२१	३९	२०	२३	१०	मी१८।३५	अश्वि.मेषेबुधः२७।५७अपरा११व्र.
११	चं	०	११	उ	४१	४६	वि	४१	५२	बा	०	११	१७	२१	३९	२१	२४	११	मीने	कृत्ति.रवि.२/४ ६/९(सौरः३/२ ३/५)रोहि.शु.३/३ १/४
१२	मं	५	१३	रे	४६	५७	प्री	४२	३२	तै	५	१३	२०	२०	४०	२२	२५	१२	मे४६।५७	प्रदोषः
१३	बु	९	४	अ	५१	१३	आ	४२	१३	व	९	४	२३	१९	४१	२३	२६	१३	मेषे	भ.९/४उ.४/२ ०/०या.मृग४गुरुः२०।१३
१४	गु	११	३५	भ	५४	१३	सौ	४०	४५	श	११	३५	२६	१९	४१	२४	२७	१४	मेषे	बृषेऽर्कः४९।४पूभा भौमः३१।५८
३०	शु	१२	४०	कृ	५६	४२	शो	३८	२४	ना	१२	४०	२८	१८	४२	२५	२८	१५	वृ.९।५५	बृषेऽर्कःसौरः१।१८वटपूजनम्

४ पं.प्र.ज्ये.कृ.५चं.इ. ५६/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	२	१	४	३	०
२०	१३	२६	१	१	१	८	२०
२७	५	२८	३८	५५	४९	२६	१७
२९	४६	१	६	१	३०	५	१२
५८	४१	१८/४४	११	७४	०	३	५७
६	३९	मा	५९	२६	५३	११	५७

गोचर ग्रहाः

प्र.ज्येष्ठकृष्णे१४ गुरौ
बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.
४ न. ४ सुतार्थिन्य
वस्था(मृती, मु. १५
धान्यादिभावे महर्घंता
शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

५पं.प्र.ज्ये.कृ११चं.इ. ५६/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	०	२	१	४	३	०
२७	१८	१	३	१०	१	८	२७
१३	१२	९	२	३१	५७	३	२
३७	२५	५८	४९	५	५०	४९	२६
५७	४१	४६	१२	७४	१	३	५७
४४	३३	४९	२०	२६	३२	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२५९७स.२०३७
१	श	१२	२६	रो	५७	३८	अ	३५	०	ब	१२	२६	३३/३९	५८/१	६/४२	२६	२९	१६	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	र	११	२	मृ	५७	११	सु	३०	४९	कौ	११	२	३४	१७	४३	२७	१	१७	मि२७।२५	रविलाखर४
३	चं	८	४६	आ	५६	२	धृ	२५	५६	ग	८	४६	३७	१७	४३	२८	२	१८	मिथुने	भ ३७।१३उ.
४	मं	५	४०	पु	५४	२	शू	२०	३२	वि	५	४०	३९	१६	४४	२९	३	१९	क.३९।३२	भ.५।४०या
५	बु	१	४५	पु	५१	३४	गं	१४	४६	बा	१	४५	४२	१६	४४	३०	४	२०	कर्के	
६	बु	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु	५२	५२	श्ले	४८	५५	वृ	८	३०	ग	२५	१२	४४	१५	४५	३१	५	२१	सि४८।५५	भ.५२।५२उ मृगेशुक्रः२१।१२
८	शु	४७	४५	म	४५	४५	ध्रु	१/४९	५३/९	वि	२०	१८	४७	१५	४५	१	६	२२	सिंहे	भ.२०/१८या भरण्यांबुधः४६/३३ भा.ज्येष्ठारभः
९	श	४२	२२	पू	४२	८	ह	४७	४१	बा	१५	३	४९	१४	४६	२	७	२३	क.५६।९	
१०	र	३६	२३	उ	३८	११	व	४०	९	तै	९	२२	५२	१४	४६	३	८	२४	कन्यायां	
११	चं	३०	१९	ह	३४	७	सि	३२	३१	व	३	२१	५४	१३	४७	४	९	२५	कन्यायां	भ.३५/३१उ ३५/४१या.रोहि.रवि.१२/३७=
१२	मं	२४	६	चि	३०	०	व्य	२४	५८	बा	२४	६	५६	१३	४७	५	१०	२६	तु.२।३	[=(सौरः२७।२०कमला११व्र.
१३	बु	१८	११	स्वा	२६	७	व	१७	३८	तै	१८	११	५८	१२	४८	६	११	२७	तुलायां	मिथुनेशुक्रः४८।५८
१४	गु	१२	४४	वि	२२	५९	प	१०	४९	व	१२	४४	३४/०	१२	४८	७	१२	२८	वृ.५।३९	भ.५२/४४उ.४०/२७या मीने भौमः१८/४८आर्द्रा १+
१५	शु	८	११	अ	२०	३५	शि	४/४६	५५/१	ब	८	११	२	१२	४८	८	१३	२९	वृश्चिके	[गुरु ५७/१०

६पं.प्र.ज्ये.शु.३चं.इ. ५६/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	२	१	४	३	१
३	२३	८	४	१९	२	७	३
५८	१८	४०	३०	६	१०	४१	४६
४४	४	१६	११	४३	५९	३३	१०
५७	४१	७२	१७	७४	२	३	५७
४४	२३	१३	४३	२०	११	११	३४

गोचर ग्रहाः

इस मास में चांदी स्वर्ण लोहा रुई रंग सूत धान्य गेहूं जौ चना कपास गुड़ शक्कर वारदाना चीनी लाल वस्तुएं तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

७पं.प्र.ज्ये.शु.११चं.इ.५६/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१०	०	२	१	४	३	१
१०	२८	१८	६	२७	२	७	१०
४२	२२	२९	०	४१	२८	१९	२८
४०	२६	५३	३२	२०	५९	१८	२२
५७	४१	९३	१३	७४	२	३	५७
३५	१४	२८	८	१३	५०	११	२३

ति.	द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठ कृष्णेति महा.
१	श	५	१०	ज्ये	२०	१	सा	५६	०	कौ	५	१०	३४/३	५/११	६/४९	९	१४	३०	ध.२०।१	कृत्ति.बुधः५८।५५
२	र	३	३८	मू	२०	४०	शु	५३	५०	ग	३	३८	५	११	४९	१०	१५	३१	धनुषि	भ ३३।४५उ.
३	चं	३	५२	पू	२३	२८	शु	५३	०	वि	३	५२	७	११	४९	११	१६	१	म.३९।३१	भ ३/५२या वृषेबुधः४६/३३उभा.भौमः४६/३३×
४	मं	५	५६	उ	२७	४९	ब्र	५३	५	बा	५	५६	९	१०	५०	१२	१७	२	मकरे	आर्द्रा.शुक्रः१७।१६
५	बु	९	३४	श्र	३३	४५	ऐं	५४	४०	तै	९	३४	१०	१०	५०	१३	१८	३	मकरे	[×जूनदता.३० चतुर्थीव्र.
६	गु	१४	४६	ध	४०	२७	वै	५६	४४	व	१४	४६	१२	१०	५०	१४	१९	४	कुं.७।६	भ.१४।४६उ.४७।४०या.
७	शु	२०	३५	श	४७	५४	वि	५९	९	ब	२०	३५	१३	९	५१	१५	२०	५	कुम्भे	
८	श	२६	४४	पू	५५	२१	प्री	६०	०	कौ	२६	४४	१५	९	५१	१६	२१	६	मी३८।२९	बुधास्तःपूर्वस्यां२६।३५
९	र	३२	४७	उ	६०	०	प्री	१	३४	ग	३२	४७	१६	९	५१	१७	२२	७	मीने	रोहिबुध.३/३पुष्य १राहुःउपा ३केतु ३/९
१०	चं	३७	५८	उ	२	२८	आ	३	३४	व	५	२२	१७	९	५१	१८	२३	८	मीने	भ ३/२उ.३७/५८या मृगेरवि ७/१९(सौरः२६/१०)
११	मं	४१	४७	रे	८	३२	सौ	४	३७	ब	९	५२	१८	८	५२	१९	२४	९	मे.८।३२	मघा.२शनिः१७।१७कमला११व्र.
१२	बु	४४	१४	अ	१३	८	शो	४	३६	कौ	१३	०	१९	८	५२	२०	२५	१०	मेषे	
१३	गु	४४	५४	भ	१६	१३	अ	३	२६	ग	१४	३४	१९	८	५२	२१	२६	११	वृ.३१।३३	भ ४४।५४उ.
१४	शु	४३	४९	कृ	१७	३३	सु	०/५०	५६/८	वि	१४	२१	१९	८	५२	२२	२७	१२	वृषे	भ १४।२१या आर्द्रा.२गुरु ५७।२४
३०	श	४१	११	रो	१७	१४	शू	५२	७	च	१२	३०	२०	८	५२	२३	२८	१३	मि४६।३१	मृगेबुधः१९।४३पुन.शुक्रः१५।२८

८पं द्वि.ज्ये कृ.३चं.इ. ५६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	२	२	४	३	१
१७	३	०	७	६	२	६	१७
२५	२५	१९	३२	१४	५१	५७	९
२६	४४	५९	२०	५६	४३	२	२८
५७	४०	८१/१	१३	७४	३	३	५७
२७	४७	७९/४९	२०	२	३२	११	१३

गोचर ग्रहाः

इस मासमें ५शनिवार अशुभ हैं धान्य जौ चना गेहूं बाजरा चांवल गुड शक्कर रुई कपास वस्त्र गल्ला तेज हो प्रजा मे शोक फैले वर्षा होवे ।

गोचर ग्रहाः

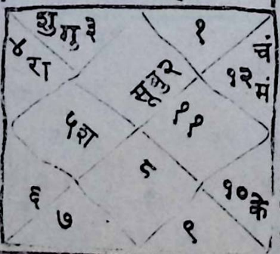

९पं.द्वि.ज्ये.कृ.१०चं.इ. ५६/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	२	२	४	३	१
२४	८	१३	९	१४	३	६	२३
७	२५	५६	५	४७	१८	३४	४९
३०	५९	५३	४६	२४	३६	४७	२४
५७	४०	३०/१२	१३	७३	४	३	५७
२२	३४	९/५७	२६	५६	८	११	५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

ति.	द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:२६२६स.२०३७
१	र	३७	२३	मृ	१५	४७	गं	४६	११	किं	९	१७	३४/२१	५/८	६/५२	२४	२९	१४	मिथुने	
२	चं	३२	३२	आ	१३	२१	वृ	३९	३८	बा	४	५७	२२	८	५२	२५	३०	१५	क.५५।५२	मिथुनेऽर्कः ५/३ (सौरः ३६/५८) चन्द्रदर्शनम्
३	मं	२७	४	पु	१०	२	ध्रु	३२	३१	ग	२७	४	२२	८	५२	२६	१	१६	कर्के	भ. ५४/१५उ.मिथुनेबुधः ३४/११जमादिलावल५.
४	बु	२१	२६	पु	६	१९	व्या	२५	५	वि	२१	२६	२३	७	५३	२७	२	१७	कर्के	भ.२१।२६या.
५	गु	१५	३७	श्ले	२/४०	५६/१२	ह	१७	५६	बा	१५	३७	२३	७	५३	२८	३	१८	सिं२।४०	
६	शु	९	५३	पू	५५	१७	व	१०	५०	तै	९	५३	२३	७	५३	२९	४	१९	सिंहे	आर्द्रा.बुधः३१।१९अस्तंगुरोः२१।३६
७	श	४	२८	उ	५१	५५	सिं	३/४२	५३/६	व	४	२८	२४	७	५३	३०	५	२०	कं.९।२६	भ. ४/२८ उ ३१/४८ या.रेवत्याभौम. ३९/४८
८	श	५४	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–भा आषाढारंभ:गंगादशमी
९	र	५४	१०	ह	४८	५३	व	५०	१	बा	२६	४०	२४	७	५३	३१	६	२१	कन्यायां	कर्केशुक्रः२८।९
१०	चं	४९	२०	चि	४६	११	प	४३	४४	तै	२१	४५	२४	७	५३	१	७	२२	तु.१७।३२	आर्द्रा.रवि ४/४८ (सौरः ३६/३१) –
११	मं	४५	२	स्वा	४३	४५	शि	३७	४०	व	१७	११	२४	७	५३	२	८	२३	तुलायां	भ.१७।११उ.४५।२या.निर्जला११व्र.
१२	बु	४१	१९	वि	४२	१	सि	३२	१४	ब	१३	१०	२४	७	५३	३	९	२४	वृ.२६।२७	पुष्येशुक्रः१०।५१
१३	गु	३८	२०	अ	४०	५५	सा	२७	७	कौ	९	४९	२३	७	५३	४	१०	२५	वृश्चिके	पुन बुधः३८।१८ प्रदोषः
१४	शु	३६	२२	ज्ये	४०	५२	शु	२२	४७	ग	७	२१	२३	७	५३	५	११	२६	ध.४०।५२	भ.३६।२२उ. [=सावित्रीव्र.
१५	श	३५	३५	मू	४२	१०	शु	१९	३४	वि	५	५८	२२	८	५२	६	१२	२७	धनुषि	भ. ५/५८ या.आर्द्रा.३गुरुः ३९/५३ गुर्जराणांवट=

१०पं.द्वि.ज्य.शु.२चं.इ. ५६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	१	२	२	४	३	२
०	१३	२९	१०	२३	३	६	०
४८	२३	०	४०	१८	४९	१२	२८
४७	३८	५८	३०	४३	४८	३१	३३
५७	४०	६/४८	१३	७३	४	३	५६
१७	२२	२९	३२	२०	४१	११	५७

गोचर ग्रहाः

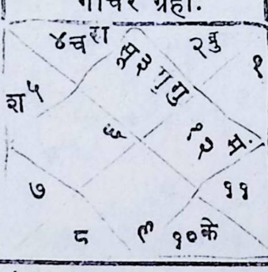

द्वि ज्येष्ठशुक्ले २चन्द्रे मिथुनेऽर्क प्रविष्टः वा. ५न.५ गतालकावस्था (ऊभी)मु १५घान्या- दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

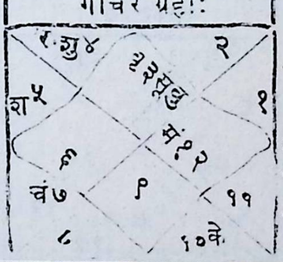

११पं.द्वि.ज्ये. १०चं.इ. ५६/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	२	३	४	३	२
७	१८	१४	१२	१	४	५	७
२९	१७	२०	१५	४९	२४	५०	७
४२	२	१३	४०	५	३६	१५	०
५७	३९	६/४८	१३	७३	५	३	५६
१३	५१	९/१९	३८	४४	२	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	र	३६	१०	पू	४४	३९	ब्र	१७	२२	बा	५	५२	३४/२२	५/८	६/५२	७	१३	२८	धनुषि	बुधोदयःपूर्वस्यां ५।१५
२	चं	३८	२८	उ	४८	४०	ऐं	१६	२४	तै	७	१९	२१	८	५२	८	१४	२९	म.०।२९	
३	मं	४१	५२	श्र	५४	४	वै	१६	११	व	१०	१०	२०	८	५२	९	१५	३०	मकरे	भ.१०।१०उ.४१।५२या.कर्कबुधः४३।५
४	बु	४६	४२	ध	६०	०	वि	१७	१६	ब	१४	१७	१९	८	५२	१०	१६	१	कुं.२७।१६	जुलाई७ता.३१ चतुर्थी व्र.
५	गु	५२	१८	ध	०	२८	प्री	१८	५४	कौ	१९	३०	१८	८	५२	११	१७	२	कुम्भे	पुष्ये बुधः२६।२४
६	शु	५८	२९	श	७	३५	आ	२१	१६	ग	२५	२३	१७	९	५१	१२	१८	३	मी५८।१६	भ.५८।२९उ.
७	श	६०	०	पू	१५	९	सौ	२३	३४	वि	३१	३३	१६	९	५१	१३	१९	४	मीने	भ.३१।३३या.
७	र	४	३८	उ	२२	३८	शो	२६	८	ब	४	३८	१५	९	५१	१४	२०	५	मीने	आश्ले.शुक्रः१३।५३
८	चं	१०	८	रे	२९	२३	अ	२७	५१	कौ	१०	८	१४	९	५१	१५	२१	६	मे.२९।३३	पुन.रविः३।२८(सौरः३२।३३
९	मं	१४	३४	अ	३४	४९	सु	२८	३८	ग	१४	३४	१३	९	५१	१६	२२	७	मेषे	भ.४६।०उ.
१०	बु	१७	२७	भ	३८	४३	धृ	२८	१३	वि	१७	२७	११	१०	५०	१७	२३	८	वृ.५४।१३	भ.१७।२७या.
११	गु	१८	२८	कृ	४०	४४	शू	२६	१९	बा	१८	२८	१०	१०	५०	१८	२४	९	वृषे	योगिनी११व्र.
१२	शु	१७	३१	रो	४०	४९	गं	२३	१	तै	१७	३१	८	१०	५०	१९	२५	१०	वृषे	आश्लें.बुधः १६/२८ अश्विमेषेभौमः ६/५५ प्रदोषः
१३	श	१४	४२	मृ	३९	१२	वृ	१८	०	व	१४	४२	७	११	४९	२०	२६	११	मि१०।०	भ.१४।४२उ.४२ २३या.
१४	र	१०	५	आ	३६	७	ध्रु	११	४०	श	१०	५	५	११	४९	२१	२७	१२	मिथुने	आर्द्रा.४गुरुः२२।६उदयंगुरोः५६।२४
३०	चं	४	२३	पु	३१	३१	व्या	४/१९	५१/३६	ना	४	२३	३	११	४९	२२	२८	१३	क.१६।४०	

१२पं.आ.कृ २चं.इ. ५६/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	२	२	३	४	३	२
१४	२३	२८	१३	१०	५	५	१३
१०	४	३०	५१	१८	३	२८	४५
८	१६	०	७	३२	१८	०	५
५७	३९	६/४८	१३	७३	५	३	५६
७	१६	८/४४	३८	२८	३२	११	५०

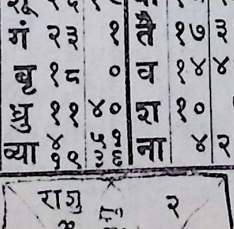

१३पं.आ.कृ.८च.इ. ५६/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	११	३	२	३	४	३	२
२०	२७	११	१५	१८	५	५	२०
५०	४७	१	२६	४५	४४	५	२२
३५	१७	८	३५	४७	४९	४४	५९
५७	३८	६/४८	१३	७३	५	३	५६
१७	३९	९/१	३८	१९	५५	११	५०

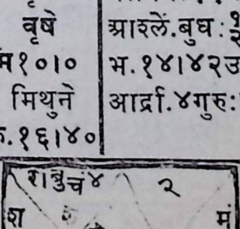

१४पं.आ.कृ.३०चं.इ. ५६/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	२	३	४	३	२
२७	२	२१	१७	२७	६	४	२७
३०	२५	५०	१	११	२८	४३	१
५४	५	४९	१९	४२	५२	२९	६
५७	३७	८४	१३	७३	६	३	५६
१२	५४	४३	३२	२	२०	११	५४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०६४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	बर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२६५६स२०३७
१	चं	५२	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४९	३५	पु	२६	१०	व	४७	१६	बा	२३	१८	३४/१	५/१२	६/४८	२३	२९	१४	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	बु	४१	५१	श्ले	२०	४३	सि	३८	३१	तै	१५	४३	३३/५९	१२	४८	२४	१	१५	सिं२०।४३	मघा.३शनिः४२।४ जमादिलाखर६
४	गु	३४	३३	म	१५	१७	व्य	२९	४०	व	८	१२	५७	१३	४७	२५	२	१६	सिंहे	भ.४/१२उ.३४/३या.कर्केऽर्कः ३३/४मघा.सिंहे–
५	शु	२७	३६	पू	१०	१५	व	२१	२०	व	१	४	५५	१३	४७	२६	३	१७	कं.२४।९	कर्केऽर्कःसौरः५।१७ [–शुक्रः१४/५२
६	श	२१	१९	उ	५	५१	प	१३	४०	तै	२१	१९	५२	१४	४६	२७	४	१८	कन्यायां	
७	र	१५	५९	ह	२/२	५७/१७	शि	६/२६	५३/३०	ब	१५	५९	५०	१४	४६	२८	५	१९	तु.३०।४०	भ.१५।५९उ.४३।४२या.
८	चं	११	२५	स्वा	५७	१७	सा	५४	१४	ब	११	२५	४८	१४	४६	२९	६	२०	तुलायां	पुष्येरविः ३/२२ (सौरः ३५/५८) मघा.सिंहे=
९	मं	८	१२	वि	५६	२३	शु	४९	१४	कौ	८	१२	४५	१५	४५	३०	७	२१	वृ.४१।३७	[=बुधः ६/३९
१०	बु	५	१४	अ	५६	२५	शु	४५	९	ग	५	१४	४३	१५	४५	३१	८	२२	वृश्चिके	भ.३४।२७उ.
११	गु	३	४०	ज्ये	५७	३६	ब्र	४१	५३	वि	३	४०	४०	१६	४४	१	९	२३	ध.५७।३६	भ.३/४०या.भा.श्रावणारंभः देवशैन्येकादशी
१२	शु	३	१	मू	५९	४६	ऐं	३९	२३	बा	३	१	३८	१६	४४	२	१०	२४	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	३	३१	पू	६०	०	वै	३७	४३	तै	३	३१	३५	१७	४३	३	११	२५	धनुषि	
१४	र	५	७	पू	२	५७	वि	३७	२०	व	५	७	३३	१७	४३	४	१२	२६	म.१९।१	भ.५।७उ.३६।३२या.वायुपरीक्षा
१५	चं	७	५७	उ	७	१३	प्री	३७	१७	ब	७	५७	३०	१८	४२	५	१३	२७	मकरे	पूफा.शुक्रः३४/४९पुन.१गुरुः१८/३१ व्यासपूजा!

१५पं.श्रा शु.८चं.इ. ५६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	४	४	३	३
४	६	०	१८	५	७	४	३
११	५६	५१	३५	३५	१५	२१	३९
३८	१६	३२	२०	५६	४३	१२	४१
५७	३७	६४	१३	७२	६	३	५६
१५	८	४०	२६	४७	३२	११	५९

गोचर ग्रहाः

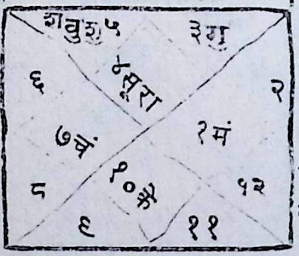

आषाढ शुक्ले ४गुरौ कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ६ वृद्धावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

१६पं.श्रा.शु.१५चं.इ. ५६/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	४	४	३	३
१०	११	७	२०	१३	८	३	१०
५२	१८	४२	८	५८	९	५८	१८
४१	४३	४७	२४	१	१२	५७	५०
५७	३५	४०	१३	७२	६	३	५७
२०	५५	३३	२०	२५	४४	११	५

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०६४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	मं	११	५२	श्र	१२	२७	आ	३८	१३	कौ	११	५२	३३/२७	५/१९	६/४१	६	१४	२८	कुं.४५।३८	
२	बु	१६	५३	ध	१८	४९	सौ	३९	५०	ग	१६	५३	२४	१९	४१	७	१५	२९	कुंभे	भ.४६।४०उ.
३	गु	२२	२६	श	२५	२५	शो	४२	०	वि	२२	२६	२२	२०	४०	८	१६	३०	कुंभे	भ.२२।२६या. चतुर्थी व्र.
४	शु	२८	२८	पू	३३	२२	अ	४४	३४	बा	२८	२८	१९	२०	४०	९	१७	३१	मी१६।२३	भरण्यांभौमः१८।५५
५	श	३४	३६	उ	४०	५५	सु	४७	१	कौ	१	३४	१६	२१	३९	१०	१८	१	मीने	अगस्तदता.३१ नाग५मरुस्थले
६	र	४०	४०	रे	४८	२२	धृ	४६	१७	ग	७	३६	१३	२१	३९	११	१९	२	मे.४८।२२	भ.४०।४०उ.आश्ले.रविः५६।२३
७	चं	४५	३७	अ	५४	३८	शू	५०	५०	वि	१३	८	१०	२२	३८	१२	२०	३	मेषे	भ.१३।८या.आश्ले.रविःसौरः३६।४५
८	मं	४९	२८	भ	५९	४५	गं	५१	२६	बा	१७	३२	७	२३	३७	१३	२१	४	मेषे	वक्रीबुधः२२।४३
९	बु	५१	२६	कृ	६०	०	वृ	५०	४६	तै	२०	२७	४	२३	३७	१४	२२	५	वृ.१५।३६	
१०	गु	५१	३२	कृ	३	१०	ध्रु	४८	३४	व	२१	२९	०	२४	३६	१५	२३	६	वृषे	भ.२१।२९उ.५१।३२या.
११	शु	४९	३१	रो	४	४४	व्या	४४	४७	ब	२०	३१	३३/५७	२५	३५	१६	२४	७	मि३४।२८	उफा.शुक्रः४०।३५ कामिका११व्र.
१२	श	४५	३१	मृ	४	१२	ह	३९	१७	कौ	१७	३१	५४	२५	३५	१७	२५	८	मिथुने	[÷अस्तंशनेः१४।५८ [+प्रदोषः
१३	र	३९	३५	आ	१/४१	५५/४२	व	३२	१३	ग	१२	३३	५०	२६	३४	१८	२६	९	क.४३।२७	भ.३/३ ९/५उ.पुन.४राहुःउषा.२केतुः १९/७+
१४	चं	३२	०	पु	५१	३८	सि	२३	५३	वि	५	४७	४७	२७	३३	१९	२७	१०	कर्के	भ.५।४७या.कन्यायांशुक्रः२८।८÷
३०	मं	२३	४०	श्ले	४५	९	व्य	१४	२६	ना	२३	४०	४४	२७	३३	२०	२८	११	सिं४५।९	पुन.२गुरुः५१।८ हरियाली

१७पं श्रा.कृ.७चं.इ. ५६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	४	४	३	३
१७	१५	११	२१	२२	८	३	१६
३४	३१	४९	३९	१७	५४	३६	५८
२३	४४	३७	१८	५६	२२	४२	३८
५७	३४	१०	१३	७२	७	३	५७
२५	५५	३१	४	२	२	११	१२

गोचर ग्रहाः

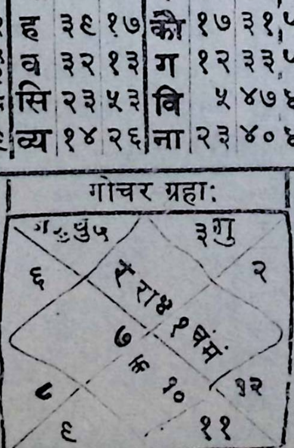

इस मास में चांदी रुई सुवर्ण सण तिल कपास वारदाना मंदे हों घृत शक्कर गुड धान्य गल्ला आदि तेज रहेंगे वर्षा होवे

गोचर ग्रहाः

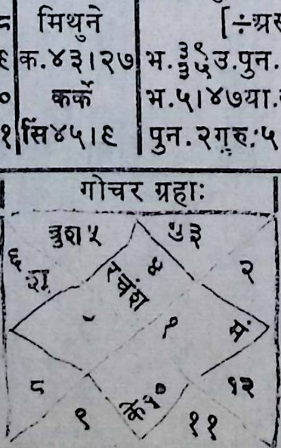

१८पं.श्रा.कृ.१४चं.इ. ५६/२

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	४	२	५	४	३	३
२४	१९	१२	२३	०	९	३	२३
१६	३६	१८	८	३३	४५	१४	३९
४४	०	३२	२४	१८	३२	२६	४५
५७	३३	२३/३	१२	७१	७	३	५७
३३	२८	व.	३८	३७	८	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२६८५सन्२०३७
१	बु	१४	२८	म	३७	५६	व	४/३७	४९/५९	ब	१४	२८	३२/४०	५/२८	६/३२	२१	२६	१२	सिंहे	मघा.४शनिः ५७/४३ चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
२	गु	५	१७	पू	३१	१	शि	४४	२०	कौ	५	१७	३७	२९	३१	२२	१	१३	कं.४४।२६	रज्जव७तीज
३	गु	५१	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	शु	४८	२५	उ	२४	४०	सि	३४	३७	व	२२	२८	३३	२९	३१	२३	२	१४	कन्यायां	भ.२२/८उ.४६/२५या.बुधास्तःपश्चिमायां४३/१-
५	श	४१	२६	ह	१९	१	सा	२५	४०	ब	१४	५५	३०	३०	३०	२४	३	१५	तु ४६।५५	नागपंचमी [-वरद४
६	र	३५	३७	चि	१४	४८	शु	१७	५७	कौ	८	३१	२६	३१	२९	२५	४	१६	तुलायां	मघा.सिंहऽर्कः५३।२५
७	चं	३१	२४	स्वा	११	४१	शु	११	७	ग	३	३०	२२	३२	२८	२६	५	१७	वृ.५५।३१	भ.३१।२४उ.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः३३।९
८	मं	२८	४४	वि	१०	७	ब्र	५	३२	वि	०	४	१९	३२	२८	२७	६	१८	वृश्चिके	भ.०।४या.हस्तेशुक्रः५६।१७
९	बु	२७	२६	अ	१०	८	ऐं	१/६	५६/४९	कौ	२७	२६	१५	३३	२७	२८	७	१९	वृश्चिके	
१०	गु	२७	३९	ज्ये	११	१२	वि	५५	५४	ग	२७	३९	१२	३४	२६	२९	८	२०	ध. ११।१२	भ.५८।२३उ.
११	शु	२९	७	मू	१४	७	प्री	५४	४३	वि	२९	७	८	३४	२६	३०	९	२१	धनुषि	भ.२९।७या. पवित्रा११व्र.
१२	श	३१	४१	पू	१७	५१	आ	५४	४९	ब	०	२४	४	३५	२५	३१	१०	२२	म.३४।५	
१३	र	३५	२३	उ	२२	४७	सौ	५५	६	कौ	३	३२	१	३६	२४	१	११	२३	मकरे	भा.भाद्रपदारंभः प्रदोषः
१४	चं	३९	५९	श्र	२८	२८	शो	५६	२३	ग	७	४१	३१/५७	३७	२३	२	१२	२४	मकरे	भ.३९।५९उ.कृत्ति.भौमः१३।३३
१५	मं	४५	२५	ध	३५	५	अ	५८	११	वि	१२	४२	५३	३७	२३	३	१३	२५	कु.१।४६	भ.१/४ २/२या.श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो

१९पं.श्रा.शु.७चं.इ. ५५/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	२	५	४	३	४
१	२३	८	२४	८	१०	२	०
०	२२	३४	३४	४८	३७	५२	२१
४	१२	१९	४४	२२	५९	११	५८
५७	३१	५२/५७	१२	७१	७	३	५७
४०	५२	व.	२०	१०	१४	११	३४

गोचर ग्रहाः

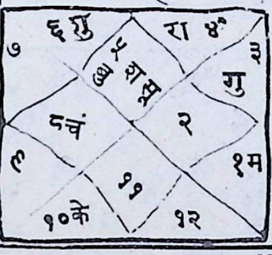

श्रावण शुक्ले ६ रवौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

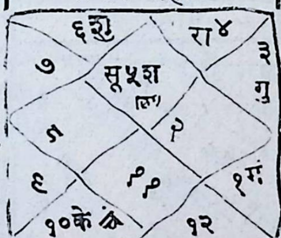

२०पं.श्रा.शु.१४चं.इ. ५५/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	०	४	२	५	४	३	४
७	२७	२	२५	१७	११	२	७
४४	१	३४	५७	१	३१	२९	५
२८	८	३४	४७	२६	१२	५५	२४
५७	३०	५४/८	११	७३	७	३	५७
४९	४	व.	५५	३२	२०	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	बु	५१	१३	श	४२	९	सु	६०	०	बा	१८	१९	३१/४९	५/३८	६/२२	४	१४	२६	कुम्भे	वक्रीकर्केआश्ले.बुधः४७।२
२	गु	५७	२२	पू	४९	४०	सु	०	१३	तै	२४	१७	४६	३९	२१	५	१५	२७	मी३२।४७	[=बुधोदयःपूर्वस्यां२०।२५
३	शु	६०	०	उ	५७	११	धृ	२	३५	व	३०	२८	४२	४०	२०	६	१६	२८	मीने	भ.३०।२८उ.पुन.३गुरुः२८।१७
३	श	३	३५	रे	६०	०	शू	५	४	वि	३	३५	३८	४०	२०	७	१७	२९	मीने	भ.३।३५या. चतुर्थीव्र.
४	र	९	२९	रे	४	३२	गं	७	२५	बा	९	२९	३४	४१	१९	८	१८	३०	मे.४।३२	पूफा.रविः ४३/९चित्रा.शुक्रः २१/५४=
५	चं	१४	४३	अ	११	१८	वृ	९	१७	तै	१४	४३	३०	४२	१८	९	१९	३१	मेषे	पूफा.रविःसौरः २४/१वृषेभौमः ७/१३चंद्रषष्ठी
६	मं	१९	१३	भ	१७	१९	ध्रु	१०	३०	व	१९	१३	२६	४३	१७	१०	२०	१	वृ.३३।२९	भ.१९/१३उ.५०/३९या सितम्बर९ता.३०
७	बु	२२	५	कृ	२२	०	व्या	१०	४३	ब	२२	५	२२	४४	१६	११	२१	२	वृषे	मार्गीबुधः५५/१९जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	गु	२३	२२	रो	२५	१०	ह	९	५५	कौ	२३	२२	१८	४४	१६	१२	२२	३	मि५५।४५	जन्माष्टमी व्र.वै.
९	शु	२२	५२	मृ	२६	२१	व	७	२३	ग	२२	५२	१५	४५	१५	१३	२३	४	मिथुने	भ.५१।३३उ. गोगा९
१०	श	२०	१५	आ	२५	४०	सि	३/३२	५४/३९	वि	२०	१५	११	४६	१४	१४	२४	५	मिथुने	भ.२०/१५या.मघासिंहेबुधः११/४३तुला.शुक्रः६/२८
११	र	१५	४६	पु	२३	२	व	५१	१	बा	१५	४६	७	४७	१३	१५	२५	६	क.८।४१	अजा११व्र.
१२	चं	९	१४	पु	१८	३५	प	४२	३७	तै	९	१४	३	४७	१३	१६	२६	७	कर्के	वत्सद्वादशी प्रदोषः
१३	मं	१	२०	श्ले	१२	३१	शि	३३	१	व	१	२०	३०/५९	४८	१२	१७	२७	८	सिं१२।३१	भ.९/२०उ.२६/४३या.पूफा.१शनिः१४/४८
१४	मं	५०	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×लोहार्गल यात्रा
३०	बु	४२	२३	म	५/२७	५२/१६	सि	२२	३५	च	१७	१५	५५	४९	११	१८	२८	९	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः×

२१पं.भा.कृ.५चं इ. ५५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	३	२	५	४	३	४
१४	०	२९	२७	२५	१२	२	१३
३०	२२	५०	१७	९	२४	७	५०
४	४८	१३	२८	४	४०	३९	३६
५८	२८	४/५६	११	६९	७	३	५७
१	१७	व.	१८	५१	२०	११	५७

गोचर ग्रहाः

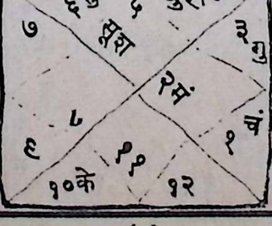

इस मासमें धान्य गेहूं जौ चना मटर मूंग मोठ रसकस गुड शक्कर चीनी गन्ना सोना चांदी लोहा वस्त्र तेज हो।

गोचर ग्रहाः

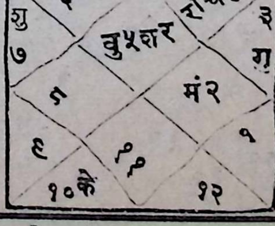

२२पं.भा.कृ.१२चं.इ. ५५/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	२	६	४	३	४
२१	३	३	२८	३	१३	१	२०
१७	२२	१९	३३	१४	१७	४५	३७
६	५९	३४	३२	१७	३८	२४	१६
५८	२५	६३/५१	१०	६८	७	३	५८
१३	५२	मा	४३	५९	२०	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												बि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः२७१४स.२०३७
१	गु	३२	२८	उ	४९	४८	सा	११	४६	किं	७	२५	३०/५१	५/५०	६/१०	१९	२९	१०	कं.१०।४४	स्वात्यांशुक्र:५४।२२
२	शु	२२	४३	ह	४२	२५	शु	०/४९	४९/२९	कौ	२२	४३	४७	५१	९	२०	३०	११	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	श	१४	७	चि	३५	४३	ब्र	४०	२८	ग	१४	७	४३	५१	९	२१	१	१२	तु.९।१४	भ.४०/२०उ.सावान८ हरितालिका३गणेश४
४	र	६	३४	स्वा	३०	५०	ऐं	३१	३४	वि	६	३४	३९	५२	८	२२	२	१३	तुलायां	भ.६/३४या.उफा.रवि:२७/३४ऋषिपंचमी
५	चं	०	५०	वि	२७	२३	वै	२४	२४	बा	०	५०	३५	५३	७	२३	३	१४	वृ.१३।१५	उफा.रवि:सौर:८।४१
६	चं	५५	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–कर्के गुरु:२५/५९उदयंशने:११/०
७	मं	५४	२६	अ	२५	४८	वि	१८	३६	ग	२५	३२	३१	५४	६	२४	४	१५	वृश्चिके	भ.५४।२६उ.पूफा.बुध:२८।१५
८	बु	५४	१८	ज्ये	२६	०	प्री	१४	१४	वि	२४	२२	२७	५५	५	२५	५	१६	ध.२६।०	भ.२४/२२या.कन्यायामर्क:५२/५५पुन.४–
९	गु	५५	५१	मू	२८	१३	आ	११	३४	बा	२५	४	२२	५६	४	२६	६	१७	धनुषि	कन्यार्क:सौर:३३।५२ [=नवलदुर्गा
१०	शु	५८	५०	पू	३१	५२	सौ	१०	४	तै	२७	२०	१८	५६	४	२७	७	१८	म.४८।१०	बुधास्त.पूर्वस्यां५६/३०रामदेवजीकामेला=
११	श	६०	०	उ	३७	५	शो	९	५७	व	३१	२	१४	५७	३	२८	८	१९	मकरे	भ.३१।२उ.जलझूलनी११व्र.स्मा.
११	र	३	१४	श्र	४३	१६	अ	१०	३६	वि	३	१४	९	५८	२	२९	९	२०	मकरे	भ.३/१४या.जलझूलनी११व्रवै.वामनजयंती
१२	चं	८	२३	ध	५०	१७	सु	१२	७	बा	८	२३	५	५९	१	३०	१०	२१	कुं.१६।४६	प्रदोष:
१३	मं	१४	२४	श	५७	२५	धृ	१४	१४	तै	१४	२४	३०/०	६/०	६/०	३१	११	२२	कुंभे	उफा.बुध:५६।४५विशा.शुक्र:४१।३
१४	बु	२०	२४	पू	६०	०	शू	१६	१६	व	२०	२४	२९/५६	६/१	५/५९	१	१२	२३	मी४८।०	भ२०/२४उ५३/३०या.भा.आश्विनारंभ:अनंत१४
१५	गु	२६	३६	पू	४	५२	गं	१८	३५	ब	२६	३६	५२	२	५८	२	१३	२४	मीने	कन्यायांबुध:४६।८ महालयारंभ:

२३पं.भा.शु.५चं.इ. ५५/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	२	६	४	३	४
२८	५	१२	२९	११	१४	१	२७
५	५९	२६	४४	१३	१०	२३	२५
२८	४९	६	५६	३४	५	८	३२
५८	२३	९८	९	६८	७	३	५८
२६	४	३	५८	८	१२	११	२९

गोचर ग्रहाः

भाद्रपद शुक्ले ८ बुधे कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२४पं.भा.श.१२चं.इ. ३५/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	४	३	६	४	३	५
४	८	२४	०	१९	१५	१	४
५५	११	४७	५०	९	१	०	१५
१९	५६	१७	४६	७	५५	५३	३९
५८	१९	०/६	९	६७	७	३	५८
३८	२२	०/४७	१९	४	२	११	४५

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												बि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपद कृष्णेति महा.
१	शु	३२	४७	उ	१२	२२	वृ	२०	५६	कौ	३२	४७	२९/४८	६/२	५/५८	३	१४	२५	मीने	
२	श	३८	२९	रे	१९	३५	ध्रु	२३	७	तै	५	३८	४४	३	५७	४	१५	२६	मे.१९।३५	
३	र	४३	१६	अ	२६	१३	व्या	२४	४४	व	११	५२	४०	४	५६	५	१६	२७	मेषे	भ.११/५२उ.४३/१६या.हस्तेरवि:६/९ (सौर:४६/२२)
४	चं	४७	४२	भ	३२	६	ह	२५	५८	ब	१५	२९	३६	५	५५	६	१७	२८	वृ.४८।२१	चतुर्थी व्र.
५	मं	५०	४९	कृ	३७	८	व	२५	२५	कौ	१९	१५	३२	६	५४	७	१८	२९	वृषे	रोहि.भौम:२६।५४
६	बु	५२	४६	रो	४१	४	सि	२५	१	ग	२१	४७	२८	६	५४	८	१९	३०	वृषे	भ.५२।४६उ.हस्तेबुध:८।३०
७	गु	५३	१७	मृ	४३	३६	व्य	२३	३४	वि	२३	१	२३	७	५३	९	२०	१	मि१२।२०	भ.२३/१या.वृश्चिकेशुक्र:४९/३८×
८	शु	५२	१०	आ	४४	३५	व	२०	५६	बा	२२	४३	१९	८	५२	१०	२१	२	मिथुने	[×अक्टूबर१०ता.३१
९	श	४९	२२	पु	४३	५६	प	१६	५९	तै	२०	४६	१५	९	५१	११	२२	३	क.२९।६	मातृ९(सौभाग्यवतीनां श्रा.)
१०	र	४४	३५	पु	४१	३४	शि	११	३५	व	१६	५८	११	१०	५०	१२	२३	४	कर्के	भ.१६/५८उ.४४/३५या.अनु.शुक्र:४२।१०
११	चं	३८	३२	श्ले	३७	३१	सि	४/५०	५९/५०	ब	११	३३	७	११	४९	१३	२४	५	सिं३७।३१	पूफा.२शनि:४३।४०इंदिरा११व्र.
१२	मं	३०	५३	म	३१	५९	शु	४७	२९	कौ	४	४२	३	११	४९	१४	२५	६	सिंहे	प्रदोष:
१३	बु	२२	१६	पू	२५	२६	शु	३७	२९	व	२२	१६	२६/५९	१२	४८	१५	२६	७	कं.३८।३४	भ.२२/१६उ.४७/२७या.चित्रा.बुध:३९।५३
१४	गु	१२	३८	उ	१७	५६	ब्र	२६	४६	श	१२	३८	५५	१३	४७	१६	२७	८	कन्यायां	सर्वपितृ३०
३०	शु	२	५०	ह	१०	१४	ऐं	१५	५५	ना	२	५०	५१	१४	४६	१७	२८	९	तु.३६।२६	नवरात्रारंभ:मातामहश्रा.

२५पं.आ.कृ.८चं.इ. ५५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	६	४	३	५
११	९	७	१	२६	१५	०	११
४६	५१	४४	५०	५७	५२	३८	७
५२	४३	४८	५६	२९	३४	३७	३६
५८	१५	०/१	८	६५	६	३	५९
५३	३५	२/३	३०	४३	५०	११	०

गोचर ग्रहाः

इस मास में शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी सोना लोहा रुई रंग सूत कपास वारदाना लाल वस्तुएं गन्ना वस्त्र तेज हो।

गोचर ग्रहाः

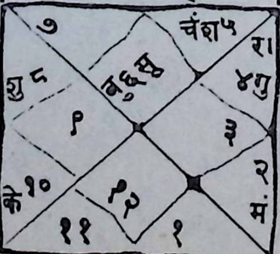

२६पं.आ.कृ.११चं.इ.५४/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	५	३	७	४	३	५
१८	१०	२०	२	४	१६	०	१८
४०	५८	१२	४५	३७	४१	१६	१
५	२३	१८	४	४४	१३	२१	२३
५९	१०	०/०	७	६४	६	३	५९
९	५८	९/२	२५	११	३२	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ:	ग्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२७४४स.२०३७
१	शु	५०	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	४४	३७	चि	२/३ ७	५३/२१	वै	६/६	४९/५	बा	१८	५३	२८/४७	६/९ ५	५/४ ५	१८	२९	१०	तुलायां	चित्रा.रवि:३८।१३चन्द्रदर्शनम्
३	र	३७	१६	वि	५०	३८	प्री	४६	१०	तै	१०	५८	४३	१५	४५	१९	१	११	वृ.३६।५८	चित्रा.रवि:सौर:९/५ ६/६तुलायांबुध:४/५ २/०–
४	चं	३१	४६	अ	४७	८	आ	३९	३४	व	४	३२	३९	१६	४४	२०	२	१२	वृश्चिके	भ.४।३२उ.३१।४६या.
५	मं	२८	७	ज्ये	४५	३२	सौ	३५	२७	बा	२८	७	३५	१७	४३	२१	३	१३	ध.४५।३२	[–पुष्य.१गुरु:४/०पुन.३राहु:उषा.१=
६	बु	२६	४२	मू	४६	२	शो	२९	११	तै	२६	४२	३१	१८	४२	२२	४	१४	धनुषि	[=केतु:३/२ ७रमजान९
७	गु	२७	२०	पू	४८	३०	अ	२६	२६	व	२७	२०	२७	१९	४१	२३	५	१५	धनुषि	भ.२/२ ७/०उ.५/३ ८/९या.स्वात्यांबुध:३६।८
८	शु	२९	५२	उ	५२	५५	सु	२५	८	ब	२९	५२	२३	१९	४१	२४	६	१६	म.४।३६	
९	श	३४	१७	श्र	५८	४०	धृ	२५	३४	बा	२	४	२०	२०	४०	२५	७	१७	मकरे	तुलायामर्क:२ ३/२(सौर५/४ ९/०)ज्येष्ठाशुक्र:९/२ ४
१०	र	३९	३२	ध	६०	०	शू	२६	३१	तै	६	५४	१६	२१	३९	२६	८	१८	कुं.३२।११	[×शरद्पूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र.
११	चं	४५	५५	ध	५	४१	गं	२८	३५	व	१२	४३	१२	२२	३८	२७	९	१९	कुंभे	भ१२।४३उ.४५।५५या पापांकुशा११व्र.
१२	मं	५२	११	श	१३	१०	वृ	३०	४१	ब	१९	३	८	२२	३८	२८	१०	२०	कुम्भे	[÷शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.
१३	बु	५८	३३	पू	२०	४६	ध्रु	३३	१९	कौ	२५	२२	४	२३	३७	२९	११	२१	मी३।५३	वक्रीभौम:२८।४३ प्रदोष:
१४	गु	६०	०	उ	२८	११	व्या	३५	३१	ग	३१	३५	०	२४	३६	३०	१२	२२	मीने	[+३/३ ८/४बुधोदय:पूर्वस्यां८/४ ५÷
१४	शु	४	३७	रे	३५	१८	ह	३७	१८	व	४	३७	२/५ ७/६	२५	३५	१	१३	२३	मे.३५।१८	भ.४।३७उ.३/९ ७/७या. भा.कार्तिकारंभ:×
१५	श	९	५८	अ	४१	३८	व	३८	५७	ब	९	५८	५३	२५	३५	२	१४	२४	मेषे	स्वात्यांरवि:४/५(सौर:४/४ ०/३) विशा.बुध:+

२७र.आ.शु.४चं.इ. ५४/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	१	६	३	७	४	२	५
२५	११	२	३	१२	१७	२९	२४
३४	२५	३	३१	८	२७	५४	५७
५९	३०	०	५२	९	५५	६	५
५९	६	४/०	६	६२	६	३	५९
२१	१८	४७	२६	२०	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

आश्विन शुक्ले९शनौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

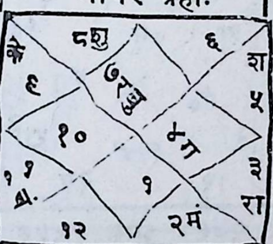

२८पं.आ.शु.११चं.इ. ५४/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	७	४	२	६
२	११	१२	४	१९	१८	२९	१
३१	८	१८	११	२५	१२	३१	५४
२३	२८	३२	४२	१६	१४	५०	२८
५९	१	९८	५	६०	५	३	५९
३४	१०	५१	१६	४	५९	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	ग्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विन कृष्णेति महा.
१	र	१४	२१	भ	४६	५९	सि	३९	३१	कौ	१४	२१	२५/४९	६/२६	५/३४	३	१५	२५	मेषे	
२	चं	१८	४	कृ	५१	३५	व्य	३९	२९	ग	१८	४	४५	२७	३३	४	१६	२६	वृ.३।८	भ.४९।१८उ.
३	मं	२०	३२	रो	५५	१६	व	३८	५१	वि	२०	३२	४१	२८	३२	५	१७	२७	वृषे	भ.२०।३२या.करक चतुर्थीव्र.
४	बु	२२	०	मृ	५७	४५	प	३७	१६	बा	२२	०	३७	२९	३१	६	१८	२८	मि२६।३१	
५	गु	२२	२९	आ	५९	१७	शि	३४	४६	तै	२२	२९	३४	२९	३१	७	१९	२९	मिथुने	वक्रीकृत्ति.भौम १८।५१
६	शु	२१	४७	पु	५९	३५	सि	३१	२८	व	२१	४७	३०	३०	३०	८	२०	३०	क.४४।३१	भ.२/४ १/७उ.५/४ ०/८या.बृश्चिकेबुध:५४/०H
७	श	१९	४९	पु	५८	३७	सा	२७	११	ब	१९	४९	२७	३१	२९	९	२१	३१	कर्के	[Hमूलेधनुषिशुक्र:२/३ ०/३
८	र	१६	३७	श्ले	५६	३४	शु	२१	४४	कौ	१६	३७	२३	३१	२९	१०	२२	१	सिं५६।३४	नवंबर११ता.३०
९	चं	१२	१४	म	५३	१२	शु	१५	२९	ग	१२	१४	१९	३२	२८	११	२३	२	सिंहे	भ.३९।२५उ.अनु.बुध:११।२१
१०	मं	६	३५	पू	४८	२९	ब्र	८	५	वि	६	३५	१६	३३	२७	१२	२४	३	सिहे	भ.६।३५या.रमा११व्र.स्मा.
११	मं	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aरूप१४महालक्षमीपूजनम्
१२	बु	५२	१२	उ	४२	५४	ऐं	०/२	५०/४२	कौ	२६	४	१२	३४	२६	१३	२५	४	कं.२।५	रमा११व्र.वै.
१३	गु	४३	४८	ह	३६	३६	वि	४१	३	ग	१८	०	९	३४	२६	१४	२६	५	कन्यायां	भ.४३।४८उ.प्रदोष:धन१३
१४	शु	३५	८	चि	२९	५८	प्री	३१	१	वि	९	२८	५	३५	२५	१५	२७	६	तु.३।१७	भ.९/२ ८या.विशा.रवि:२/३ ४/५(सौर:५८/७)A
३०	श	२६	४९	स्वा	२३	३०	आ	२१	८	च	०	५८	२	३६	२४	१६	२८	७	तुलायां	अन्नकूटंगीवर्द्धनपूजा

२९पं.का.कृ.२चं.इ ५४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	६	३	७	४	२	६
९	१०	२४	४	२६	१८	२९	८
२९	९	४	४२	२७	५३	९	५३
३८	४३	२०	५४	५०	४९	३५	४८
५९	४/२	९४	४	५७	५	३	६०
४७	व.	१०	५	४	३२	११	२

गोचर ग्रहाः

यत्रमासे रवेर्वाराः जायते पंच संन्ततम् दुर्भिक्षं छत्र भंगश्च तथास्ते च महद्भयम् इस मास में तेजी रहे प्रजा दु खी हो ।

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.कृ.९चं.इ. ५४/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	३	८	४	२	६
१६	८	४	५	३	१९	२८	१५
२९	३०	२२	४	९	३२	४७	५४
२०	५०	२६	५९	४०	१०	१९	५२
६०	१०/१	८७	२	५३	५	३	६०
४	व.	३१	५३	१७	२	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:२७७३स.२०३७
१	र	१९	८	वि	१७	३०	सौ	११	४४	ब	१९	८	२६ ५८	६ ३६	५ २४	१७	२९	८	वृ.४।०	पूफा.३शनि:३४।३०
२	चं	१२	५६	अ	१२	५०	शा	३ ७	५२ ३१	कौ	१२	५६	५५	३७	२३	१८	३०	९	वृश्चिके	चन्द्रदर्शनम् ग्रातृ२यम२
३	मं	८	२०	ज्ये	९	४३	सु	४९	३९	ग	८	२०	५२	३८	२२	१९	१	१०	ध.९।४३	भ.३७।१उ.सव्वाल१०
४	बु	५	४३	मू	८	२९	धृ	४५	१४	वि	५	४३	४९	३८	२२	२०	२	११	धनुषि	भ.५।४३या.ज्येष्ठाबुध:५२।१५
५	गु	५	१०	पू	९	३१	शू	४२	४१	बा	५	१३	४५	३९	२१	२१	३	१२	म.२५।१७	
६	शु	६	४९	उ	१२	३४	गं	४१	५६	तै	६	४९	४२	४०	२०	२२	४	१३	मकरे	पूषा.शुक्र:५७।६१
७	श	१०	२४	श्र	१७	१२	वृ	४२	२	व	१०	२४	३९	४०	२०	२३	५	१४	कुं.५०।१९	भ.१०।२४उ.४२।५२या.
८	र	१५	२१	ध	२३	२६	ध्रु	४३	२०	ब	१५	२१	३६	४१	१९	२४	६	१५	कुम्भे	गोपाष्टमी
९	चं	२१	३०	श	३०	३४	व्या	४५	२०	कौ	२१	३०	३३	४१	१९	२५	७	१६	कुंभे	वृश्चिकेऽर्क:२०।३३(सौर:५३ २४ अक्षय९
१०	मं	२७	५०	पू	३८	११	ह	४७	४५	ग	२७	५०	३०	४२	१८	२६	८	१७	मी२१।१७	[-प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
११	बु	३४	२१	उ	४५	४२	व	५०	२	व	१	५	२७	४३	१७	२७	९	१८	मीने	भ.१।५उ.३४।२१या.वक्रीगुरु:१७।४२-
१२	गु	४०	२६	रे	५३	४	सि	५१	५८	ब	७	२३	२५	४३	१७	२८	१०	१९	मे.५३।४	अनु.रवि:३८।५९
१३	शु	४५	४२	अ	५९	२२	व्य	५३	१७	कौ	१३	४	२२	४४	१६	२९	११	२०	मेषे	अनु.रवि:सौर:९।१२प्रदोष:
१४	श	४९	४०	भ	६०	०	व	५३	४४	ग	१७	४१	१९	४४	१६	३०	१२	२१	मेषे	भ.४९।४०उ.वैकुंठ१४ [=का.स्ना.पू.
१५	र	५२	३६	भ	४	२३	प	५३	१६	वि	२१	८	१७	४५	१५	१	१३	२२	वृ.२०।२४	भ.२१ ८या.भा.मार्गशीर्षारंभ:मन्वादि:=

३१पं.का.शु.२चं.इ. ५३ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	१	७	३	८	४	२	६
२३	६	१४	५	९	२०	२८	२२
३०	१९	३	१८	२२	६	२५	५७
४०	५५	५०	०	५२	८	३	२३
६०	१४ २९	७९	१	४८	४	३	६०
१७	व.	११	२५	३६	३८	११	३०

गोचर ग्रहाः

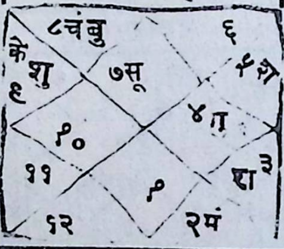

कार्तिक शुक्ले ९चन्द्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदय:पश्चिमायांम्

गोचर ग्रहाः

३२पं.का.शु९चं.इ. ५३ ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	८	४	२	७
०	३	२२	५	१५	२०	२८	०
३३	५०	४५	२१	३	३७	२	१
२२	२	३२	१८	११	५५	४८	२७
६०	१६ ५०	६५	०	४२	४	३	६०
३०	व.	३५	१९	२६	४	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	चं	५४	५	कृ	८	२६	शि	५१	५२	बा	२३	२१	२६ ५४	६ ४५	५ १५	२	१४	२३	वृषे	
२	मं	५४	४१	रो	११	१५	सि	४९	३७	तै	२४	२३	१२	४६	१४	३	१५	२४	मि४२।७	मूलेधनुषिबुध:१७।५८
३	बु	५४	१	मृ	१२	५९	सा	४६	३२	व	२४	२१	९	४६	१४	४	१६	२५	मिथुने	भ.२४।२१उ.५४।१या.
४	गु	५२	२३	आ	१३	४४	शु	४२	३७	ब	२३	१२	७	४७	१३	५	१७	२६	क.५८।३७	चतुर्थी व्र.
५	शु	५०	७	पु	१३	३५	शु	३७	५८	कौ	२१	१५	५	४७	१३	६	१८	२७	कर्के	वक्रीमेषेभौम:१५।३१
६	श	४६	५३	पु	१२	४१	ब्र	३२	४६	ग	१८	३०	२	४८	१२	७	१९	२८	कर्के	भ.४६।५३उ.वक्रीबुध:१०।१७
७	र	४३	१४	श्ले	१०	५९	ऐं	२६	५३	वि	१५	३	०	४८	१२	८	२०	२९	सिं१०।५९	भ.१५।३या.
८	चं	३८	५०	म	८	३८	वै	२०	२६	बा	११	२	२५ ५८	४८	१२	९	२१	३०	सिंहे	[×दिसंबर१२ता.३१
९	मं	३३	४४	पू	५	३३	वि	१३	३०	तै	६	१७	५६	४९	११	१०	२२	१	कं.१९।३७	वक्रीज्येष्ठा.बृश्चिकेबुध:३९।४४×
१०	बु	२७	५७	उ	१ ४७	५५ ४४	प्री	५ ५६	५२ ५	व	०	५०	५४	४९	११	११	२३	२	कन्यायां	भ.५ ५०उ.२७ ५६या.ज्येष्ठा.रवि:४९ १०+
११	गु	२१	३२	चि	५२	३९	सौ	४९	३१	बा	२१	३२	५३	४९	११	१२	२४	३	तु.२५।५	ज्येष्ठा.रवि:सौर:१७।६ उत्पत्ति११व्र.
१२	शु	१४	४८	स्वा	४७	४७	शो	४०	५८	तै	१५	४८	५१	५०	१०	१३	२५	४	तुलायां	प्रदोष;
१३	श	८	११	वि	४२	५५	अ	३२	३२	व	८	११	४९	५०	१०	१४	२६	५	बृ.२९।८	भ.८।११उ.३४।५२या.
१४	र	१	३३	अ	३८	४५	सु	२४	२५	श	१	३३	४८	५०	१०	१५	२७	६	वृश्चिके	[+बुधास्त:पश्चिमायां४६।४४
३०	र	५४	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३३पं.मा.कृ.१चं.इ. ५३ २९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	१	७	३	८	४	२	७
७	१	१९	५	१९	२१	२७	७
३७	१७	१३	१५	५५	४	४०	७
१६	२८	४४	४७	४४	८	३२	०
६०	१७ १८	३९	३ १६	३४	३	३	६०
४२	व.	५२	व.	३३	२९	११	५३

गोचर ग्रहाः

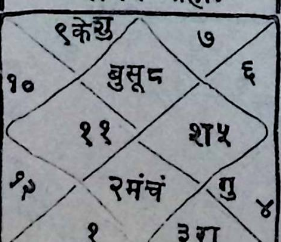

मार्गशीर्ष शुक्लें८भौमे धनुष्यर्कः प्रविष्टःवा. २न ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

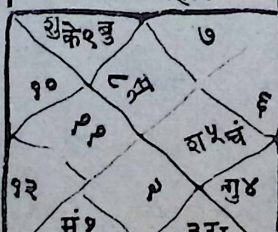

३४पं.मा.कृ.८चं.इ. ५३ १७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	८	३	८	४	२	७
१४	२९	०	४	२३	२१	२७	१४
४२	०	२५	५९	४६	२५	१८	१३
२९	१४	१९	४६	३७	५५	१७	४६
६०	१६ २८	२५ १७	२ ४०	२४	२	३	६१
५०	व.	व.	व.	१५	४३	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः२८०२स.२०३७
१	चं	५१	२५	ज्ये	३५	३०	धृ	१७	५	किं	२३	४३	२५/४६	५६/५१	५/९	१६	२८	७	ध.३५।३०	
२	मं	४८	३२	मू	३३	३४	शू	१०	३७	बा	१९	५८	४५	५१	९	१७	२९	८	धनुषि	चंद्र दर्शनम्
३	बु	४७	३१	पू	३३	३५	गं	५	३१	तै	१८	१	४४	५१	९	१८	१	९	म.४८।५९	उषाशुक्र:५५।२८जिल्काद११
४	गु	४८	२४	उ	३५	१०	बृ	१/५२	५७/५४	व	१७	५७	४३	५१	९	१९	२	१०	मकरे	भ.१/५७उ.४८/२४या.वक्रीभरण्यांभौम:४६/५
५	शु	५१	८	श्र	३८	४३	व्या	५८	४७	ब	१९	४६	४२	५२	८	२०	३	११	मकरे	[+बुधोदय:पूर्वस्यां४९।४७
६	श	५५	३४	ध	४३	५०	ह	५९	२६	कौ	२३	२१	४१	५२	८	२१	४	१२	कुं.११।१६	पुन.२राहु:पूषा.४केतु:५५।५चंपा६
७	र	६०	०	श	५०	४२	व	६०	०	ग	२८	२५	४०	५२	८	२२	५	१३	कुंभे	वक्रीशुक्र:१।५८
७	चं	१	१७	पू	५८	४६	व	०	५४	व	१	१७	३९	५२	८	२३	६	१४	मी४१।४२	भ.१।१७उ.३४/२५या.वक्रीअनु.बुध:३९/४४ +
८	मं	७	३२	उ	६०	०	सि	२	५२	ब	७	३२	३९	५२	८	२४	७	१५	मीने	मूलेधनुष्यर्क:५६।२५
९	बु	१४	२	उ	५	३३	व्य	५	१७	कौ	१४	२	३८	५२	८	२५	८	१६	मीने	मूलेधंनुष्यर्क:सौर:२०।५६
१०	गु	२०	१८	रे	१२	४९	व	७	२०	ग	२०	१८	३८	५२	८	२६	९	१७	मे.१२।४९	भ.५२।५७उ.
११	शु	२५	३६	अ	१९	३१	प	८	५५	वि	२५	३६	३७	५३	७	२७	१०	१८	मेषे	भ.२५/३६या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	श	२९	३०	भ	२४	५२	शि	९	३६	बा	२९	३०	३७	५३	७	२८	११	१९	वृ.४०।५१	मार्गीबुध:१५।४६वक्रीपूषा.शुक्र: ४७/३५
१३	र	३२	९	कृ	२८	४९	सि	९	१	कौ	०	५०	३६	५३	७	२९	१२	२०	वृषे	प्रदोष: [÷रंभ दत्तजयंती
१४	चं	३२	५३	रो	३१	१०	सा	७	२५	ग	२	३१	३६	५३	७	३०	१३	२१	वृषे	भ.३२।५३उ.वक्रीपुन.४गुरु:४३।५५
१५	मं	३२	२३	मृ	३२	१०	शु	४	२८	वि	२	३८	३६	५३	७	१	१४	२२	मि१।४०	भ.३२/८या.ज्येष्ठा.बुध:२५/२१भा.पौषा ÷

३५पं.मा.शु.१चं.इ. ५३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	३	८	४	२	७
२१	२७	२३	४	२६	२१	२६	२१
४८	१६	४७	३४	१६	४३	५६	२१
३२	३४	५३	५९	१९	५	१	२६
६०	१२/४१	१७/४१	३/५९	११	२	३	६१
५६	ब	व	व	२०	१	११	११

३६पं.मा.शु.७चं.इ. ५२/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	०	७	३	८	४	२	७
२८	२६	१५	४	२७	२१	२६	२८
५५	१०	४९	०	८	५४	३३	३०
२६	५९	५५	३६	३५	२५	४५	९
६१	८	४६/१	५/११	४/४	१	३	६१
०	४	व	व	व	२०	११	१९

३७पं.मा.शु.१४चं.इ. ५२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	३	८	४	२	८
६	२५	१५	३	२५	२२	२६	५
३	४४	११	१९	५८	०	११	३९
०	५६	२०	५	२६	४०	३०	३४
६१	३/१	२७/२८	६/१४	१९/५५	०	३	६१
४	व	[illegible]	व	व	३८	११	२२

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेमार्ग. कृष्णेति महा.
१	बु	३०	३०	आ	३१	५३	शु	०/३२	५५/५	बा	१	२६	२५/३६	५६/३	५/७	२	१५	२३	मिथुने	
२	गु	२७	३४	पु	३०	२८	ऐं	५०	१	ग	२७	३४	३७	५३	७	३	१६	२४	क.१५।४९	भ.५५।३५उ.
३	शु	२३	३७	पु	२८	१७	वै	४३	४२	वि	२३	३७	३७	५३	७	४	१७	२५	कर्के	भ.२३।३७या.चतुर्थीव्र.
४	श	१९	७	श्ले	२५	३९	वि	३६	५४	बा	१९	७	३७	५३	७	५	१८	२६	सिं२५।३९	मार्गीभौम:१०।४४वक्रीशनि:५९।३०
५	र	१४	४०	म	२२	३५	प्री	३०	३	तै	१४	४०	३८	५२	८	६	१९	२७	सिंहे	
६	चं	९	४९	पू	१९	२६	आ	२३	२	व	९	४९	३८	५२	८	७	२०	२८	कं.३३।३७	भ.९।४९उ.३७।२५या.
७	मं	५	१	उ	१६	९	सौ	१५	५७	ब	५	१	३९	५२	८	८	२१	२९	कन्यायां	पूषा.रवि:१।२८(सौर:२२।३४)
८	बु	०	१०	ह	१२	४९	शो	८	४६	कौ	०	१०	४०	५२	८	९	२२	३०	तु.४१।८	
९	बु	५४	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	गु	४९	५४	चि	९	२८	अ	१/३४	५२/४६	व	२२	२६	४१	५२	८	१०	२३	३१	तुलायां	भ.२२।२६उ.४९।५४या.
११	शु	४५	२	स्वा	६	२	धृ	४७	१४	ब	१७	२८	४२	५२	८	११	२४	१	वृ.४८।४६	जनवरी१ता ३१स.२०३८सफला११व्र
१२	श	४०	१९	वि	३	१	शू	४०	३२	कौ	१२	४०	४३	५१	९	१२	२५	२	वृश्चिके	शुक्रास्त:पश्चिमायां४७।२४
१३	र	३६	२०	अ	०/१४	५७/५०	गं	३४	१४	ग	८	१९	४४	५१	९	१३	२६	३	ध.५८।४	भ.३६/२०उ.कृत्ति.भौम:४७।५१प्रदोष:
१४	चं	३२	५४	म्र	५६	४७	बृ	२८	२९	वि	४	३७	४५	५१	९	१४	२७	४	धनुषि	भ.४।३७या.
३०	मं	३०	५०	पू	५६	५०	ध्रु	२३	४३	च	१	५२	४७	५१	९	१५	२८	५	धनुषि	मूलेधनुषिबुव:२१।५१

३८पं.पौ.कृ.६चं.इ. ५२/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	३	८	४	२	८
१३	२५	२०	२	२२	२२	२५	१२
१०	५८	५२	३१	५९	१	४९	४९
५९	१	१	५	४२	३४	१४	२६
६१	२६/२	६०	७/५	३२/१९	०/१४	३	६१
६	मा।	४४	व्र.	व	व	११	२६

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्लपक्षकी तिथि वृद्धि धातु सोना चांदी लोहा धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल में मंदी करे

गोचर ग्रहाः

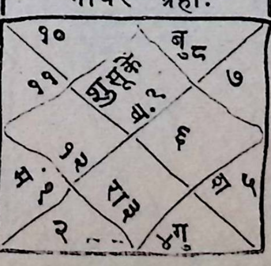

३९पं.पौ.कृ.१४चं.इ. ५२/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	७	३	८	४	२	८
२०	२६	२९	१	१८	२१	२५	१९
१९	४८	२२	३८	५१	५७	२६	५९
५	७	३७	२८	२२	२५	५९	२३
६१	७	७६	७/४०	३६/२६	५६	३	६१
६	३२	२२	व.	व	व	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः२८३२सु२०३८
१	बु	३०	७	उ	५८	६	व्या	१९	५१	किं	०	२८	२५/४८	६/५०	५/१०	१६	२९	६	म.१२।९	[=मा.स्ना प्रा.
२	गु	३०	५०	श्र	६०	०	ह	१७	२६	बा	०	२९	५०	५०	१०	१७	३०	७	मकरे	चंद्रदर्शनम्
३	शु	३३	३२	श्र	१	२३	व	१६	१५	तै	२	११	५२	५०	१०	१८	१	८	कुं.३३।३६	जिल्हेज१२
४	श	३७	३०	ध	५	४९	सि	१५	४८	व	५	३१	५३	४९	११	१९	२	९	कुंभे	भ.५/३१उ.३७/३०या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां२८/९२
५	र	४२	५५	श	११	४९	व्य	१६	५५	ब	१०	१२	५५	४९	११	२०	३	१०	कुंभे	[×पातस्पर्शः४९।२०पुत्रदा११व्र.
६	चं	४८	५८	पू	१८	३९	व	१८	३५	कौ	१५	५६	५७	४९	११	२१	४	११	मी१।५७	उषा.रविः६।५९(सौरः२४।१)
७	मं	५५	२५	उ	२६	५	प	२०	५३	ग	२२	११	५९	४८	१२	२२	५	१२	मीने	भ.५५।२५उ.
८	बु	६०	०	रे	३३	४४	शि	२२	५६	वि	२८	४०	२६/१	४८	१२	२३	६	१३	मे.३३।४४	भ.२८।४०या.
८	गु		१	५५	अ	४०	५८	सि	२५	२	व	१	५५	४	४७	१३	२४	७	१४	मेषे	मकरेऽर्कः३२/३८सौरः३९/२८पूषा.बुधः५४।४४
९	शु	७	३७	भ	४६	५९	सा	२६	११	कौ	७	३७	६	४७	१३	२५	८	१५	मेषे	वक्रीमूलेशुक्र.१०।५२
१०	श	११	४९	कृ	५१	३९	शु	२६	२२	ग	११	४९	८	४६	१४	२६	९	१६	वृ.३।९	भ.४३।२०उ.
११	र	१४	५०	रो	५४	२५	शु	२५	५	वि	१४	५०	११	४६	१४	२७	१०	१७	वृषे	भ.१४/५०या.वक्रीपुन.३मिथुनेगुरुः७।४१×
१२	चं	१५	३९	मृ	५५	३२	ब्र	२२	३२	बा	१५	३९	१३	४५	१५	२८	११	१८	मि२४।५८	पातमोक्षः२८।३प्रदोषः
१३	मं	१४	४४	आ	५४	४९	ऐं	१८	३०	तै	१४	४४	१६	४५	१५	२९	१२	१९	मिथुने	वृषेभौमः११।३९
१४	बु	११	५९	पु	५२	३९	वै	१२	५९	व	११	५९	१९	४४	१६	३०	१३	२०	क.३८।१२	भ.११/५९उ.३९/८५या.अभि.प्र.रविः५७।४
१५	गु	७	५०	पु	४९	९	वि	६/३०	५२/४२	ब	७	५०	२१	४४	१६	१	१४	२१	कर्के	अभि.प्र.रविःसौरः१०/४९भा.माघारंभः=

४०पं.पौ.शु.६चं.इ.५२/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	०	८	३	८	४	२	८
२७	२८	८	०	१४	२१	२५	२७
२७	१०	५७	४२	५५	४७	४	९
७	५	४	२५	१९	२०	४३	१५
६१	१२	८६	५ ७/२	२९/४०	४१/३	३	६१
६	६	३३	व	व	व	११	२४

गोचर ग्रहाः

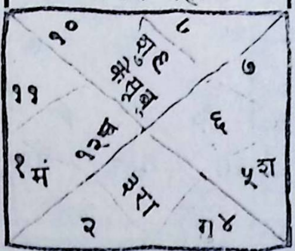

पौष शुक्ले ८ गुरौ मकरेऽर्कः वा. ३ न. ३४ मार्यवस्था (वैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

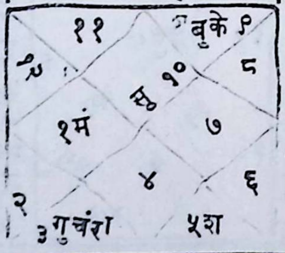

४१पं.पौ.शु.१२चं.इ.५२/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	०	८	२	८	४	२	९
४	२९	१९	२९	१२	२१	२४	४
३४	५४	१०	४६	२१	३२	४२	१८
५९	५८	२२	१६	४३	२०	२७	४९
६१	१५	९२	५ ७/२	१५/४७	१९/२	३	६१
३	४३	३२	व	व	व	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												दि. उ. अ.			भा. मु. इं.			चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	२	२८	श्ले	४४	५५	आ	५१	१	कौ	२	२८	२६/२४	६/४३	५/१७	२	१५	२२	सि४४।५५	
२	शु	५३	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श	५०	०	म	४०	१२	सौ	४२	४६	ब	२३	८	२७	४३	१७	३	१६	२३	सिंहे	भ.२३/८उ.५०/०या.उषा.बुधः५३/३७बुधास्तः÷
४	र	४३	२२	पू	३५	३०	शो	३४	३०	ब	१६	४१	२९	४२	१८	४	१७	२४	कं.४९।२३	श्रवणेरवि ११/४१ (सौरः२७/४५) चतुर्थीव्र.
५	चं	३७	२०	उ	३१	४	अ	२६	१६	कौ	१०	२१	३२	४२	१८	५	१८	२५	कन्यायां	अभि.नि.रविः५६/३ (सौरः१८/२, मकरे+
६	मं	३१	३३	ह	२६	५६	सु	१८	२१	ग	४	२६	३५	४१	१९	६	१९	२६	तु.५५।१०	भ.३१।३३उ.५८।५५या.
७	बु	२६	१६	चि	२३	२३	धृ	१०	५७	ब	२६	१६	३८	४०	२०	७	२०	२७	तुलायां	[+बुधः२७/४मार्गीशुक्रः३३।५०
८	गु	२१	३१	स्वा	२०	२४	शू	५५/३	३४/५३	कौ	२१	३१	४१	४०	२०	८	२१	२८	तुलायां	[÷पूर्वस्यां५३।४०
९	शु	१७	३१	वि	१७	५९	वृ	५१	३४	ग	१७	३१	४५	३९	२१	९	२२	२९	वृ.३।३५	भ.४५।४८उ.पातस्पर्शः४४।१७
१०	श	१४	६	अ	१६	२२	ध्रु	४६	१८	वि	१४	६	४८	३८	२२	१०	२३	३०	वृश्चिके	भ.१४।६या.पातमोक्षः३।२६
११	र	११	३२	ज्ये	१५	३०	व्या	४१	४५	बा	११	३२	५१	३८	२२	११	२४	३१	ध.१५।३०	षट्तिला११व्र.
१२	चं	९	४४	मू	१५	१९	ह	३७	४६	तै	९	४४	५४	३७	२३	१२	२५	१	धनुषि	श्रवणेबुधः६/५फरवरी२ता.२८प्रदोषः
१३	मं	९	०	पू	१६	२९	व	३४	५५	व	९	०	५८	३६	२४	१३	२६	२	म.३१।५९	भ.९/०उ.३९/८या.पूषा.शुक्रः५३।३४
१४	बु	९	१६	उ	१८	२९	सि	३२	४७	श	९	१६	२७/१	३५	२५	१४	२७	३	मकरे	
३०	गु	१०	५०	श्र	२१	४७	व्य	३१	५५	ना	१०	५०	५	३५	२५	१५	२८	४	कुं.५४।०	

४२पं.मा.कृ.५चं.इ.५२/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	८	२	८	४	२	९
११	२	२९	२८	११	२१	२४	११
४२	६	५७	५०	४६	१२	२०	२७
२९	११	३६	५३	५२	२९	१२	३५
६०	१९	९८	३७	४/०	१/०	३	६१
५९	१३	५५	व	मा	व.	११	१३

गोचरग्रहाः

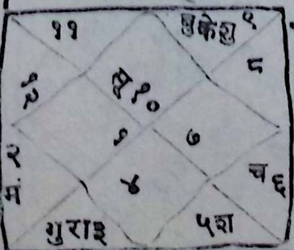

• इस मासमेंकृष्णपक्षमें धातु सोनाचांदिलोहा धान्य वाजरामूंगमोठ चना चावलरुईकपास मंदी हो सुदी में कुछ तेज हो

गोचर ग्रहाः

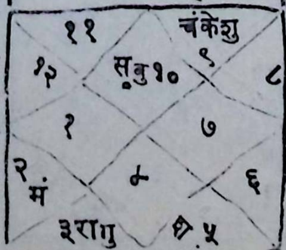

४३पं.मा.कृ.१२चं.इ.५२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	२	८	४	२	९
१८	४	१९	२७	१३	२०	२३	१८
४९	३६	१६	५८	४	४८	५७	३५
१	३२	३७	४४	५४	४७	५६	४३
६०	२१	७/०	६/५२	१५	३/४१	३	६१
५५	५५	१३	व	५१	व.	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिररर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२८६२सं.२०३८
१	शु	१३	४७	ध	२६	२२	व	३१	२८	ब	१३	४७	२७/८	६/३४	५/२६	१६	२९	५	कुंभे	चंद्रदर्शनम
२	श	१७	५२	श	३२	४	प	३२	२०	कौ	१७	५२	१२	३४	२६	१७	१	६	कुंभे	घनि. रविः २०/०(सौरः ३२/३५)मोहोरम१ ×
३	र	२३	१३	पू	३८	२८	शि	३३	३५	ग	२३	१३	१५	३३	२७	१८	२	७	मी२१।५२	भ.५६।१२उ.[×सन्१४६०हि.
४	चं	२९	११	उ	४५	५१	सि	३५	४१	वि	२९	११	१९	३२	२८	१९	३	८	मीने	भ.२९।११या.घनि.बुधः५८।२८
५	मं	३५	३५	रे	५३	३६	सा	३८	४	ब	२	२३	२३	३१	२९	२०	४	९	मे.५३।३६	वसंत५
६	बु	४२	१०	अ	६०	०	शु	४०	२५	कौ	८	५२	२७	३१	२९	२१	५	१०	मेषे	[÷४९।५७पातमोक्षः १५/४५भीष्माष्टमी
७	गु	४८	२०	अ	१	८	शु	४२	११	ग	१५	१५	३०	३०	३०	२२	६	११	मेषे	भ.४८/२०उ.पातस्पर्शः ५९/१९भानु७रथ७
८	शु	५३	१३	भ	७	५५	ब्र	४३	१६	वि	२०	४६	३४	२९	३१	२३	७	१२	वृ.२४।२१	भ.२०।४६या.कुंभेऽर्कः ५५/१५कुंभेबुधः ÷
९	श	५६	४९	कृ	१३	३९	ऐं	४३	९	बा	२५	१	३८	२८	३२	२४	८	१३	वृषे	कुंभेऽर्कःसौरः ६/३३वक्रीपूफा.२शनिः =
१०	र	५८	२८	रो	१७	५०	वै	४१	३८	तै	२७	३८	४२	२८	३२	२५	९	१४	मि४८।५५	वक्रीपुन.२गुरुः२४।५०
११	चं	५८	११	मृ	२०	१	वि	३८	३५	व	२८	१९	४५	२७	३३	२६	१०	१५	मिथुने	भ.२८/१९उ.५८/११या.रोहि.भौमः६/९जया११+
१२	मं	५५	४३	आ	२०	१४	प्री	३३	५४	ब	२६	५७	४९	२६	३४	२७	११	१६	मिथुने	शतेबुधः२५/४९जया११व्र.वै.[+व्र.स्मा.
१३	बु	५१	२८	पु	१८	३२	आ	२७	३७	कौ	२३	३५	५३	२५	३५	२८	१२	१७	क.३।५८	प्रदोषः[=५३/१पुनः१राहुःपूषा३केतुः४७/९
१४	गु	४५	२३	पु	१४	५८	सौ	१९	५६	ग	१८	२५	५६	२५	३५	२९	१३	१८	कर्के	भ.४५/२३उ [−मा.स्ना.पूर्तिः
१५	शु	३८	५	श्ले	९	५६	शो	११	७	वि	११	४४	२८/००	२४	३६	३०	१४	१९	सिं९।५६	भ.११/४४या.शतेरविः३१/२८(सौरः४१/५५)−

४४पं.मा.शु.४चं.इ. ५६/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	१	९	२	८	४	२	९
२१	७	२३	२७	१५	२०	२३	२५
५४	२१	९	१२	५९	२१	३५	४२
५०	४०	४७	१४	३५	२९	४१	३०
६०	२४	०/०	६/७	२८	९/५८	३	६०
४७	१८	५८	व	१९	व	११	५५

गोचर ग्रहाः

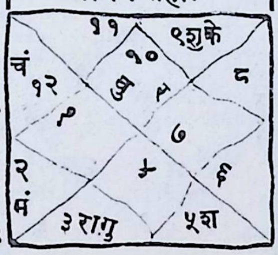

माघ शुक्ले ८ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा.२ न. ३ कुमार्यवस्था (वैठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

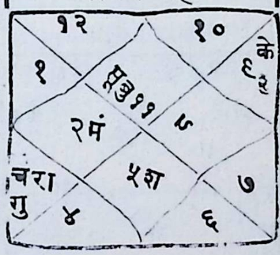

४५पं.मा.शु.११चं.इ. ५३/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	२	८	४	२	१०
२	१०	५	२६	२०	१९	२३	२
५९	२०	३९	३२	८	५१	१३	३८
४२	३५	१४	४२	४२	२९	२५	३३
६०	२६	८/०	४/५८	३७	४/१६	३	६०
३७	२१	११	व	५८	व	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	श	३०	१०	म	५ ३/८	५३/३७	अ	४ १/७	५०/१४	बा	४	७	२८/४	२ ६/३	३ ५/७	१	१५	२०	सिंहे	भा.फाल्गुनारंभः
२	र	२१	४६	उ	५१	४	धृ	४२	११	ग	२१	४६	८	२२	३८	२	१६	२१	कं.१०।५७	भ.४७।४४उ.
३	चं	१३	४१	ह	४४	५४	शू	३२	३५	वि	१३	४१	१२	२२	३८	३	१७	२२	कन्यायां	भ.१३।४१या.चतुर्थीव्र.
४	मं	५	५२	चि	३९	४१	गं	२३	४७	बा	५	५२	१६	२१	३९	४	१८	२३	तु.१२।१७	पूभा.बुधः३४।५८
५	मं	५३	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	बु	५३	५	स्वा	३५	२५	वृ	१५	२६	ग	२६	१	२०	२०	४०	५	१९	२४	तुलायां	भ.५३।५उ.उषा.शुक्रः३५।५५
७	गु	४८	२७	वि	३२	१६	ध्रु	८	१३	वि	२०	४६	२४	१९	४१	६	२०	२५	वृ.१८।३	भ.२०।४६या.
८	शु	४४	५९	अ	३०	१६	व्या	२/४	५४/४०	बा	१६	३८	२८	१८	४२	७	२१	२६	वृश्चिके	
९	श	४२	५२	ज्ये	२९	४१	व	५२	२८	तै	१३	५५	३२	१७	४३	८	२२	२७	ध.२९।४१	बुधोदयःपश्चिमायां५४।४१
१०	र	४१	५८	मू	३०	११	सि	४९	११	व	१२	२५	३६	१७	४३	९	२३	२८	धनुषि	भ १२/२५उ.४१/५८या.मीनेबुधः५९/४४मक.शु२४/४८
११	चं	४२	४	पू	३१	५२	व्य	४६	५७	ब	१२	१	४०	१६	४४	१०	२४	१	म.४७।३६	मार्च३ता.३१विजया११व्र.
१२	मं	४३	३५	उ	३४	५०	व	४५	३४	कौ	१२	५०	४४	१५	४५	११	२५	२	मकरे	
१३	बु	४६	७	श्र	३८	५१	प	४५	२३	ग	१४	५१	४८	१४	४६	१२	२६	३	मकरे	भ.४६।७उ.प्रदोषः
१४	गु	४९	४१	ध	४३	५३	शि	४५	२१	वि	१७	५४	५२	१४	४६	१३	२७	४	कुं.११।५२	भ.१७/५४या.पूभा.रविः४७/३३(सौरः५६/४२) =
३०	शु	५४	१९	श	४९	४६	सि	४६	२५	च	२२	०	५६	१३	४७	१४	२८	५	कुंभे	उभा.बुधः२७।३ [=महाशिवरात्रीव्र.

४६पं.फा.कृ.३चं.इ. ५३/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	१०	२	८	४	२	१०
१०	१३	१८	२६	२५	१९	२२	९
३	३०	४२	०	२२	१८	५१	५३
१४	१८	१८	२२	१६	५०	९	६
६०	२७	[illegible]	४६/९	४५	३४/४	३	६०
२५	५९	५०	व	२६	व	११	३१

गोचर ग्रहाः

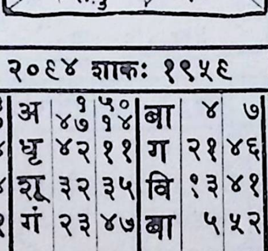

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चना मक्का जो गेहूं मंदे होवे धातु चांदी सोना आदि रुई कपास बारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

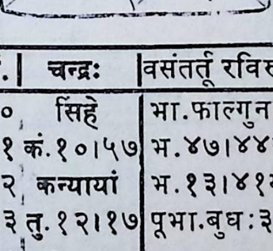

४७पं.फा.कृ.११चं.इ. ५३/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	२	९	४	२	१०
१७	१६	१	२५	१	१८	२२	१६
५	५०	३४	३९	१५	४५	२८	५६
२८	६	१२	५४	११	५०	५४	२
६०	२९	२०/०	२/२८	५०	४/०	३	६०
१२	४४	५९	व	४९	व	११	२०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः २८९१ स. २०३८
१	श	५९	४७	पू	५६	२५	सा	४७	५१	किं	२७	३	२९ ५	६ २	५ ४८	१५	२९	६	मी ३९।४५	
२	र	६०	०	उ	६०	०	शु	४९	५९	बा	३२	४८	५	११	४९	१६	३०	७	मीने	चंद्रदर्शनम् फुलरिया २
२	चं	५	४९	उ	३	३८	शु	५२	१९	कौ	५	४९	९	१०	५०	१७	१	८	मीने	सफर २
३	मं	१२	११	रे	११	३८	ब्र	५४	२९	ग	१२	११	१३	९	५१	१८	२	९	मे. ११।१८	भ. ४५ २९ उ. पातस्पर्शः २।६ पातमोक्षः ५६ ३६
४	बु	१८	४८	अ	१८	५१	ऐं	५६	४९	वि	१८	४८	१७	९	५१	१९	३	१०	मेषे	भ. १८।४८ या.
५	गु	२५	४	भ	२६	१३	वै	५८	३६	बा	२५	४	२१	८	५२	२०	४	११	वृ. ४२।५०	श्रवणेशुक्रः २७।४३
६	शु	३०	१७	कृ	३२	४१	वि	५९	२६	तै	३०	१७	२६	७	५३	२१	५	१२	वृषे	
७	श	३४	३७	रो	३८	७	प्री	५९	११	ग	२	२७	३०	६	५४	२२	६	१३	वृषे	भ. ३३ ४७ उ. रेवत्यांबुधः ३ ४७ मार्गीगुरुः ५३ ३२
८	र	३७	१०	मृ	४१	४८	आ	५७	३५	वि	५	५३	३४	५	५५	२३	७	१४	मि ९।५७	भ. ५ ५३ या. मृगेभौमः ५ ३५ होलाष्टकम्
९	चं	३८	५	आ	४३	४०	सौ	५४	१९	बा	७	३७	३८	४	५६	२४	८	१५	मिथुने	मीनेऽर्कः ४८।२३ (सौरः ५७।३)
१०	मं	३६	५४	पु	४३	३५	शो	४९	३२	तै	७	२९	४३	३	५७	२५	९	१६	क. २८।३६	
११	बु	३३	४३	पु	४१	२४	अ	४३	१०	व	५	१८	४७	३	५७	२६	१०	१७	कर्के	भ. १ ५८ उ. ३४ ३३ या. आमलकी ११ व्र.
१२	गु	२८	१९	श्ले	३७	१३	सु	३५	९	ब	१	१	५१	२	५८	२७	११	१८	सि ३७।१३	वक्रीबुधः ३ ४१ उभा. रविः २ ९ सौरः ×
१३	शु	२१	१४	म	३१	३३	धृ	२५	५२	तै	२१	१४	५५	१	५९	२८	१२	१९	सिंहे	[×१८।३९) प्रदोषः
१४	श	१२	५४	पू	२४	३६	शू	१५	४३	व	१२	५४	३० ०	६ ०	६ ०	२९	१३	२०	कं. ३७।४५	भ. ५ १२ ४ उ. ३ १ ८ ६ या. होलिकादहनम् भद्रोत्त.
१५	र	३	३८	उ	१७	१२	गं	५ ८	४९ ६	ब	३	३८	३० ४	५९	५ ६ १	३०	१४	२१	कन्यायां	बुधास्त. पश्चिमायां ३ १ ६ २ छारेंडी वसंत १

४८पं.फा.शु.२चं.इ.५३ ५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१	११	२	९	४	२	१०
२४	२०	१२	२५	७	१८	२२	२३
६	१८	१२	२२	३८	११	६	५७
१४	४०	५४	३०	१०	४२	४८	२५
५९	३०	७७	१ २	५५	४ ४०	३	६०
५८	३७	४४	व	१९	व	११	६

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले ९ चंद्रे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४ न. ५ युवा-वस्था(सूती) मु. ४५ वान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

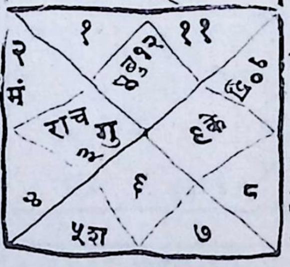

४९पं.फा.शु.९च.इ.५४ १३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	९	४	२	११
१	२३	१७	२५	१४	१७	२१	०
५	५२	४१	१८	२८	३९	४४	५७
३१	२३	३८	२९	८	१४	२३	७
५९	३१	२१	२५ ०	५८	२८ ४	३	५९
४१	४७	४६	मा	४१	व	११	४९

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९४ शाकः १९५९												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	र	५०	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं	४४	३३	ह	९	२५	ध्रु	४३	४३	तै	१९	१५	३० ८	५ ८	६ ३	१	१५	२२	तु. ३५।४८	भा. चैत्रारंभः
३	मं	३५	३५	चि	१० २	५३ ३२	व्या	३३	४०	व	१०	४	१२	५८	२	२	१६	२३	तुलायां	भ. १ ० ४ उ. ३ ५ ३ ५ या. चतुर्थीव्र.
४	बु	२७	३८	वि	५०	३१	ह	२४	३१	ब	१	३६	१६	५७	३	३	१७	२४	वृ. ३६।४९	रेवत्यांरविः ३७ २ सौरः ४५ ६ धनि. शुक्र ३५ ५१
५	गु	२१	११	अ	४६	५३	व	१६	४०	तै	२१	११	२१	५६	४	४	१८	२५	वृश्चिके	
६	शु	१६	१६	ज्ये	४४	५३	सि	१०	९	व	१६	१६	२५	५५	५	५	१९	२६	ध. ४४।५३	भ. १ ६ १ उ. ४ ४ ५ या. शीतलापूजनम्
७	श	१३	१४	मू	४४	३७	व्य	५	५	ब	१३	१४	२९	५४	६	६	२०	२७	धनुषि	मिथुनेभौमः ३८।१९
८	र	११	४७	पू	४६	३	व	२० १	५७ ३६	कौ	११	४७	३३	५३	७	७	२१	२८	धनुषि	
९	चं	१२	५	उ	४९	४	शि	५७	४४	ग	१२	५	३७	५३	७	८	२२	२९	म. १।४८	भ. ४ ३ ० उ. वक्रीपूफा. १ शनिः ३३।४३
१०	मं	१३	५३	श्र	५३	२७	सि	५७	४९	वि	१३	५३	४१	५२	८	९	२३	३०	मकरे	भ. १ ५ ३ ३ या. कुंभेशुक्रः ५२।४६
११	बु	१७	३	ध	५८	४६	सा	५८	२२	बा	१७	३	४५	५१	९	१०	२४	३१	कुं. २६।७	पापमोचनी ११ व्र.
१२	गु	२१	२८	श	६०	०	शु	५९	४२	तै	२१	२८	४९	५०	१०	११	२५	१	कुंभे	अप्रेल ४ ता. ३० प्रदोषः
१३	शु	२६	३९	श	५	२	शु	६०	०	व	२६	३९	५३	४९	११	१२	२६	२	मी ५५।२७	भ. २६।३९ उ. ५९।३२ या.
१४	श	३२	२५	पू	१२	१५	शु	१	४०	श	३२	२५	५७	४९	११	१३	२७	३	मीने	
३०	र	३८	३७	उ	१९	२७	ब्र	३	४४	च	५	३१	३ १ १	४८	१२	१४	२८	४	मीने	वक्रीउभा. बुधः ३०।१३ मन्वादिः

५०पं.चै.कृ.२चं.इ.५४ ३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१	११	२	९	४	२	११
८	२७	१६	२५	२१	१७	२१	७
३	३१	३९	२३	३६	७	२२	५५
१८	३४	४०	१३	२५	४८	७	२
५९	३२	४ ४३	१	६१	१० ४	३	५९
२९	३८	व	३५	२२	व.	११	३५

गोचर ग्रहाः

इस मासमें मंगल का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण धातु लोहा रसकस गुड़ सक्कर गन्ना कपास वारदाना गल्ला तेज करे।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.कृ.९च.इ.५४ ५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	२	९	४	२	११
१४	१	११	२५	२८	१६	२०	१४
५९	१६	७	३७	५८	३९	५९	५१
१०	१६	२३	४८	४८	०	५१	१४
५९	३३	५३ ४१	३	६२	५ ३२	३	५९
१६	३०	व	४	२९	व	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ॥१॥

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१३९, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१३९, भोग्यकलिः४२६८६१, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९५, शाकः १९६०, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः। मंत्री बुधः। सस्येशः शुक्रः। धान्येशः गुरुः। मेघेशः भौमः। रसेशः रविः। नीरसेशः शुक्रः। फलेशः भौमः। धनेशः शुक्रः। दुर्गेशः भौमः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येब्रम्हविंशतिकायां ६ अंगिरानाम संवत्सरः प्रवर्तते। तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ३।१३।३४।५९।२४भोग्यमासादिः८।१६।२५।०।२६बार्हस्पत्यदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम पौषः। मेघनाम पुष्करः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे। समयविश्वा १८ समयवाहनम् मृगः। स्तंभौ २ अन्नजलयोः। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी १ रविदशमी १ समयमुहूर्ताः ३७० समयदिनानि ३५३ तिथिक्षयः१८, तिथिवृद्धिः११ उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ८४ वर्षाविश्वा ५ धान्यम् ५ तृणम् ९, शीतम् ५ तेजः ९, वायुः ५ वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः १७, ऐक्यम् ६९, शनिदृष्टिर्दक्षिणे। सत्यं॥ धर्म १॥ पापं १८ ग्रहणऽभावः।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	२	११	८	८	२	८

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी तेरी शक्ति अपार।
कैसा रहे पच्यानवे कह दो फल विस्तार॥

भवानी उत्तर

सुण भैरव पच्यानवे निर्बल होसी साल।
दूध दही विन देश में भूखा रहसी बाल॥
पौष नाम इस बर्ष का भूमि तनय दुर्गेश।
क्षुधा रोग ज्वर से सदा पीडित हो सब देश॥
तट में जा रोहिणि बसी मेघाधिप कुज देख।
खंड वृष्टि हो भूमि पर इसमें मीन न मेष॥
सिंह राशि पर भादवे शनि रवि मंगल जोग।
बूंदन बर्षे भूमि पर धान्य मिलें नहिं थोग॥
पण भैरव भय मत करो सदा रहो गंभीर।
छै अविकारी सौम्य हैं जगत बंधावें धीर॥
शर्मा ज्यौतिष से कहे देख ग्रहां की चाल।
वैष्णव शक्ति अपार है पल में करे निहाल॥

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ७।०

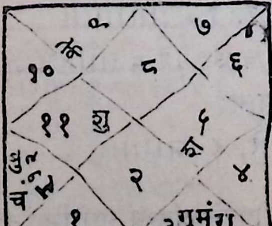

वर्षेश लग्नम् २।१२

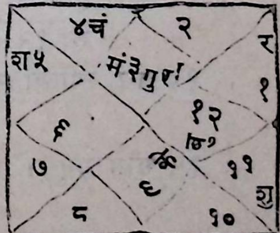

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१६।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२२।२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रस्तत्फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणाम् प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ।। मंत्री बुधस्तत्फलम् ।। शशिसुते शुभमंत्रि समागतें स्वपतिना रमते मदनक्रियां । बहु धनं बहु वारि समन्वितं यवमसूर चणान्न महर्घता ।। सस्येशः शुक्रः फलं ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धन प्रियंगु वृक्षषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ।। धान्येशो गुरुः फलम् ।। गुरौ धान्यपतौ याते यव गोधूमशालयः । पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्राम्हणादयः ।। मेघेशो भौमः फलम् ।। अवनिजे जलदस्यपतौ भुवि श्रुतिविचारविहीन धरामराः । क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम् ।। रसेशः रविः फलम् ।। रसपतौ तरणौ धरणीतदा विरसभाग रताल्प पयोधरा । वसनतैल घृत प्रिय मानवाः सुख रसं न भुनक्ति महीपतिः ।। नीरसेशः शुक्रः फलम् ।। कर्पूरागर गन्धानां हेम मौक्तिक वाससां अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशों भृगुर्यदि ।। फलेशो भौमः फलम् ।। फलपतिर्यदिभूतनयो भवेत् न बहु पुष्प फलान्वित पादपाः । गद भयान्वित देश जनास्तदा नृपतयो बहु विग्रहकारकाः ।। धनेशः शुक्रः फलम् ।। द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला ननु मानवाः । समसुखाः क्रयवि य जीविनो नृपतयो जनपालन तत्पराः ।। दुर्गेशो भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो गढ़नायकतां गतो विविध दुःख वियोग समन्वितः । जनपदेषु जनाः क्रयविक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित् ।। अंगिरानाम संवत्सरः फलम् ।। अन्नाद्यं भुज्यते शश्वज्जनैरतिथिभिः सह । अंगिराब्दे खिलालोका भूपाश्च कलहोत्सुकाः ।। वर्षनाम पौषः फलम् ।। ज्वररोग क्षुधार्ताश्च नाना जनपदाः सदा । महर्घं तु त्रयो मासा पौषे स्वास्थ्यं ततः परम् ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मन्दवृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवास्तटे फलम् ।। तटेवृष्टिः सुशोभनाः ।। समयनिवासो रजक गृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९५ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ शनौ हस्ते ल. १२ (चं.७पू.) रे. ७ ।।।ऽबुऽ।ऽ।।। पादतो वेधाऽभावः

,, १४ रवौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।ऽबुऽऽनृऽ।।। पादतो वेधाऽभावः

वैशाख मासः

कृष्णा ५ शुक्रे मूले ल. १२ रे. ७ ।।।ऽबृ।।ऽऽ।। पादतो वेधाऽभावः

शुक्ला २ गुरौ रोहि ल. १२ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।।

,, ३ शुक्रे मृगे ल. १२ रे. ६ ।।।।ऽनृ।।।।

,, ८ बुधे मघा ल. गो. रे. ८ ।।।।।।।ऽऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ शनौ हस्ते ल. गो. (भौमाष्टम महादोषः) ल. १२ (चं.७पू.) रे. ८ ।।।।।ऽ।।ऽ दग्धा

,, १३ चन्द्रे स्वात्यां ल. ऽन्यगो (भौमाष्टम महादोषः) रे. ७ ।ऽ।।।ऽअ्रऽ।।।

,, १५ भौमे अनु ल. १२ रे. ६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।। पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ शनौ उषा ल. गो. १२-१ रे. ७ ।।।।ऽ।ऽऽ।।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ६ गुरौ उभा ल. १ रे. ६ ।।।।।।ऽ।।

,, १० शुक्रे उभा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।।।नृ।ऽ।।

,, १० शुक्रे रेव ल. १ रे. ७ ।।।।ऽनृऽऽ।।

,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽनृऽऽ।।

शुक्ला ५ भौमे मघा ल. ऽन्यगो १ रे. ८ ऽऽ।।।।।।।।

,, ८ गुरौ उफा ल. ऽन्यगो १२ (चं.७पू.) रे. ६ ।।।।।।।ऽ।।

,, १३ भौमे अनु ल. १२-२ (चं.७पू.) रे.८।।।।।।ऽ।।ऽ

आषाढ मासः

कृष्णा ८ गुरौ उभा ल. १-२ रे. ६ ऽ।।।ऽरो४५या।ऽ।ऽ

,, ८ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।। (भौमाष्टम महादोषः)

शुक्ला ४ भौमे मघा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) (भौमाष्टम महादोषः) रे. ६ ।।।।।ऽअ।।।।

,, ५ बुधे उफा ल. १-२ रे. १० ।।।।।।।।।

,, ८ शनौ स्वात्यां ल.१ (चं.७पू.) रे.८ ।।।।ऽचौऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा २ शनौ हस्ते ल. गो. रे. ८ ऽऽ।।।।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः२९२१स.२०३७
१	चं	४४	५१	रे	२६	५६	ऐं	६	१२	किं	११	४४	३१/५	५/४७	६/१३	१५	२९	५	मे.२६।५६	संवत्सरारंभ:नवरात्रारंभ:
२	मं	५१	८	अ	३४	२८	वै	८	२८	बा	१८	०	१०	४६	१४	१६	३०	६	मेषे	शतेशुक्र:२।३९चंद्रदर्शनम् सिंधारा
३	बु	५७	८	भ	४१	५०	वि	१०	४८	तै	२४	८	१४	४४	१४	१७	१	७	वृ.५८।२९	रविलावल३मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	गु	६०	०	कृ	४८	२५	प्री	१२	२७	व	२९	४३	१७	४५	१५	१८	२	८	वृषे	भ.२९।४३उ.आर्द्रा.भौम:४०।५८
४	शु	२	१९	रो	५४	१७	आ	१३	५०	वि	२	१९	२१	४४	१६	१९	३	९	वृषे	भ.२।१९या.
५	श	६	४५	मृ	५८	५६	सौ	१४	२९	बा	६	४५	२४	४४	१६	२०	४	१०	मि२६।३६	बुधोदय:पूर्वस्यां६।७
६	र	९	४९	आ	६०	०	शो	१३	५२	तै	९	४९	२८	४३	१७	२१	५	११	मिथुने	
७	चं	११	३४	आ	२	१२	अ	१२	४	व	११	३४	३१	४२	१८	२२	६	१२	क.४८।२१	भ.११।३४उ.४१।३७या.
८	मं	११	४०	पु	३	४४	सु	८	५७	ब	११	४०	३५	४१	१९	२३	७	१३	कर्के	मार्गीबुध:२०।५८रामनवमीस्मा.
९	बु	९	४५	पु	३	३६	धृ	४/१२	५३/५७	कौ	९	४५	३८	४०	२०	२४	८	१४	कर्के	अश्वि.मेषेऽर्क:११/१(सौर:९९/४०)पुन३गुरु:+
१०	गु	६	२	श्ले	१/३५	५६/५	गं	५०	२५	ग	६	२	४२	४०	२०	२५	९	१५	सि१।३५	भ.३३।१३उ.[+२५।८रामयवमीवै.
११	शु	०	२५	पू	५२	१२	वृ	४२	२	वि	०	२५	४६	३९	२१	२६	१०	१६	सिंहे	भ.०।२५या.पातस्पर्श:१८।२१पातमो×
१२	शु	५२	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×३०।७कामदा११व्र.
१३	श	४४	३६	उ	४५	२५	ध्रु	३१	४५	कौ	१८	५५	५०	३८	२२	२७	११	१७	कं.५।३०	आर्द्रा४राहु:पूषा२केतु:४९।१प्रदोष;
१४	र	३५	५	ह	३७	४६	व्या	२०	५८	ग	९	५१	५३	३७	२३	२८	१२	१८	कन्यायां	भ.३५।५उ.पूभा.शुक्र:७।३१
१५	चं	२५	४	चि	२९	४७	ह	१/५६	४९/८	वि	०	४	५७	३७	२३	२९	१३	१९	तु.३।४७	भ.०।४या.हनुमज्जयंती

५२पं.चै.शु.१चं.इ. ५५/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	११	२	१०	४	२	११
२१	५	१६	२६	६	१६	२०	२१
१३	६	३५	१	३१	१३	३७	४५
३१	०	३५	५	५९	५	३६	२५
५९	३४	३०/६	४	६५	३/२१	३	५९
४	२	व.	१४	४	वे.	११	४

गोचर ग्रहाः

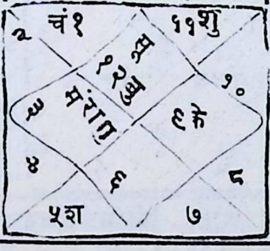

चैत्रशुक्ले९बुधे मेषे-ऽर्क प्रविष्ट:वा.३ न. ३ युवावस्था (सूती)मु.१५धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

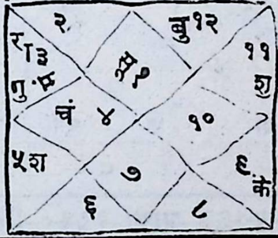

१पं.चै.शु.९बु.इ. ११/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	१०	४	२	११
०	९	६	२९	१५	१५	२०	२९
०	४१	१८	३८	३७	४६	११	५१
०	२४	२५	२४	५१	३७	३१	४०
५८	३४	९/११	५	६६	२/३४	३	५८
४४	३४	मा	३७	४७	व.	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	मं	१५	५	स्वा	२२	३	सि	४८	२९	कौ	१५	५	३२/१	५/३६	६/२४	३०	१४	२०	तुलायां	
२/३	बु	५/५१	४८/४६	वि	१४	५२	व्य	३८	४७	ग	५	४०	५	३५	२५	१	१५	२१	वृ.१।४०	भ.३१/३३उ.५७/२६या.भा.वैशाखारंभ:
४	गु	५०	३१	अ	९	१६	व	३०	३१	ब	२३	५८	९	३४	२६	२	१६	२२	वृश्चिके	चतुर्थीव्र.
५	शु	४५	४७	ज्ये	५	७	प	२३	४३	कौ	१८	९	१२	३४	२६	३	१७	२३	धा.५।७	
६	श	४२	५४	मू	३	२	शि	१८	२४	ग	१४	२०	१६	३३	२७	४	१८	२४	धनुषि	भ.४२।५४उ.
७	र	४२	१३	पू	२	४३	सि	१४	४६	वि	१२	३३	२०	३२	२८	५	१९	२५	म.१८।१३	भ.१२।१३या.
८	चं	४३	२७	उ	४	४३	सा	१२	४६	बा	१२	५०	२३	३१	२९	६	२०	२६	मकरे	मीनेशुक्र:२८।०
९	मं	४६	१९	श्र	८	१७	शु	१२	१७	तै	१४	५३	२७	३१	२९	७	२१	२७	कुं.४०।५७	भरण्यांरवि:५१।१३
१०	बु	५०	४७	ध	१३	३८	शु	१३	०	व	१८	३३	३१	३०	३०	८	२२	२८	कुम्भे	भ.१३/३३उ.५०/४७या.भरण्यांरवि:सौर:१९/९=
११	गु	५६	४	श	१९	५३	ब्र	१४	२३	ब	२३	२५	३४	२९	३१	९	२३	२९	कुम्भे	उभा.शुक्र:५१।५६वरुथिनी११व्र.
१२	शु	६०	०	पू	२७	१०	ऐं	१६	३४	कौ	२९	११	३८	२८	३२	१०	२४	३०	मी१०।२१	[=रेवत्यांबुध:१३।३
१२	श	२	१७	उ	३४	३४	वै	१८	५४	तै	२	१७	४१	२८	३२	११	२५	१	मीने	मई४ता.३१प्रदोष:
१३	र	८	३५	रे	४२	१६	वि	२१	२४	ब	८	३५	४५	२७	३३	१२	२६	२	मे.४२।१६	भ.३८/५उ.४९/४०या.पुन'भौम:२६।२२
१४	चं	१४	४४	अ	४९	३४	प्री	२३	४७	श	१४	४४	४८	२६	३४	१३	२७	३	मेषे	
३०	मं	२०	४५	भ	५६	४४	आ	२५	५४	ना	२०	४५	५२	२६	३४	१४	२८	४	मेषे	

२पं.वै.कृ.२बु.इ. ५१/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	१०	४	२	०
६	१३	१०	२७	२३	१५	१९	६
५०	३८	३	१८	२८	३०	४९	४१
४६	१७	३६	५४	८	०	१६	५१
५८	३५	३८	६	६७	१/५७	३	५८
३०	१२	२	३७	५७	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गल्ला चांदी स्वर्ण मंदे हों रुई कपास वारदाना गुड़ सक्कर चीनी नमक गन्नाघृत तल तेज रहे ।

गोचर ग्रहाः

३पं.वै.कृ.१०बु.इ. १/३ १/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	११	४	२	०
१३	१७	१६	२८	१	१५	१९	१३
३९	३७	३८	६	२४	१७	२७	३०
५०	८	२८	२५	२९	३५	०	१६
५८	३५	६२	७	६८	२/१	३	५८
१९	३३	३६	३८	५२	व	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः२९५१स.२०३८
१	बु	२६	१०	कृ	६०	०	सौ	२७	३५	व	२६	१०	३३/५५	२५	३६	१५	२९	५	वृ.१३।१८	
२	गु	३०	४६	कृ	२	५९	शो	२८	३२	कौ	३०	४६	५८	२४	३६	१६	३०	६	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
३	शु	३४	४३	रो	८	३५	अ	२८	५६	तै	२	४४	३/३	२४	३६	१७	१	७	मि४०।५१	रविलाखर४परशुरामजयंतीअक्षया३
४	श	३७	२८	मृ	१३	८	सु	२८	२५	व	६	५	५	२३	३७	१८	२	८	मिथुने	भ.६/५उ.३७/२८या.अश्वि.मेषेबुधः२६।१८
५	र	३९	५	आ	१६	५२	धृ	२७	१६	च	८	१६	८	२२	३८	१९	३	९	मिथुने	
६	चं	३९	२९	पु	१९	१४	शू	२४	६	कौ	९	१३	११	२२	३८	२०	४	१०	क.३।३८	
७	मं	३८	३५	पु	२०	१५	गं	२०	४६	ग	९	२	१४	२१	३९	२१	५	११	कर्के	भ.३३/८६उ.कृत्ति.रविः३/१ ६/२ सौरः४/५ ८/७) A
८	बु	३६	७	श्ले	१९	५३	वृ	१६	१०	वि	७	२१	१७	२१	३९	२२	६	१२	सिं१९।५३	भ.७।२१या.पातमोक्षः४।३२
९	गु	३२	७	म	१८	५०	ध्रु	१०	२५	बा	४	७	२०	२०	४०	२३	७	१३	सिंहे	[Λरेवत्यांशुक्रः२/४ ६/८पुन४कर्केगुरुः५/३ २/६×
१०	शु	२६	५१	पू	१४	३१	व्या	२८/३	५/४ ३/३	ग	२६	५१	२३	१९	४१	२४	८	१४	क.२८।१९	म५३।२४उ.[×मार्गशि.३/१ ३/४पातस्पर्श४/५ ५/५
११	श	२०	०	उ	९	४३	व	४७	१८	वि	२०	०	२६	१९	४१	२५	९	१५	कन्यायां	भ.२०।१०या.वृषेऽर्कः४।२७(सौरः१/५ ६/० +
१२	र	१२	१	ह	५३	११/३	सि	३७	१८	बा	१२	१	२८	१८	४२	२६	१०	१६	तु.३०।३४	भरण्यांबुधः२६।७प्रदोषः
१३	चं	३	७	स्वा	४९	४३	व्य	२६	५९	तै	३	७	३१	१८	४२	२७	११	१७	तुलायां	भ.५३।४२उ.नृसिंहजयंती
१४	चं	५०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+मोहिनी१व्रत.
१५	मं	४४	१४	वि	४२	३२	व	१६	३०	वि	१८	५८	३४	१७	४३	२८	१२	१८	वृ.२९।२०	भ.१८।५८या.यमायकुंभदानम्

४पं.वै.शु.१बु.इ. ११/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	२	११	४	२	०
२०	२१	२५	२९	९	१५	१९	२०
२७	३८	३०	१	२५	१०	४	१७
२९	५६	४	१२	३७	५२	४४	३
५८	३५	८३	७८	६९	०/१	३	५७
६	५३	६	४०	४०	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

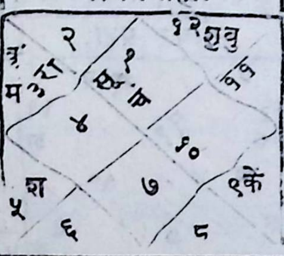

वैशाखशुक्ले ११ शनौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ४ वृद्धावस्था (वैठी) मु.४५धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्यां ।

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.८बु.इ. १२/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	०	३	११	४	२	०
२७	२५	६	०	१७	१५	१८	२७
१३	४१	१५	३	३०	८	४२	२
३७	३१	१४	४	४७	५४	२९	१७
५७	३६	०/०	९	७०	०/६	३	५७
५४	१९	४९	२९	२५	मा	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	बु	३५	२०	अ	३५	५१	प	२६/७	५०/३३	बा	९	४७	३३/३७	१५/७	४६/३	२९	१३	१९	वृश्चिके	कर्कभौमः३५।४९
२	गु	२७	२६	ज्ये	३०	११	सि	४८	४१	तै	१	२३	३९	१६	४४	३०	१४	२०	ध.३०।११	भ.५४।१८उ.
३	शु	२१	१०	मू	२६	१४	सा	४१	५३	वि	२१	१०	४२	१६	४४	३१	१५	२१	धनुषि	भ.२/१ ९/०या.बुधास्तःपूर्वस्यां३/२ ५चतुर्थीव्र.
४	श	१६	४०	पू	२४	१०	शु	३६	४१	बा	१६	४०	४४	१५	४५	१	१६	२२	म.३९।११	अश्वि.मेषेशुक्रः५/२ ६/२भा.ज्येष्ठारंभः
५	र	१४	२६	उ	२४	१५	शु	३३	१६	तै	१४	२६	४७	१५	४५	२	१७	२३	मकरे	कृत्ति.बुधः२/४ १/०पातस्पर्श२/४ ३/९पातमोक्षः५/५ २/०
६	चं	१४	२५	श्र	२६	२२	ब्र	३१	२०	व	१४	२५	४९	१४	४६	३	१८	२४	कुं.५८।३०	भ.१/२ ४/५उ.४/२ ५/५या.वृषेबुधः५६।२९
७	मं	१६	२६	ध	३०	३८	ऐं	३१	२२	ब	१६	२६	५२	१४	४६	४	१९	२५	कुम्भे	रोहि.रविः२/५ ७/०(सौरः४/५ २/२)पुष्येभौम१/४ ६/६
८	बु	२०	१३	श	३६	२२	वै	३२	६	कौ	२०	१३	५४	१३	४७	५	२०	२६	कुंभे	
९	गु	२५	१४	पू	४३	२०	वि	३४	१	ग	२५	१४	५६	१३	४७	६	२१	२७	मी२६।२१	भ.५८।१५उ.
१०	शु	३१	१७	उ	५०	४३	प्री	३६	२७	वि	३१	१७	५८	१२	४८	७	२२	२८	मीने	भ.३१।१७या.
११	श	३७	३५	रे	५८	२३	आ	३८	४९	ब	४	२६	३४/०	१२	४८	८	२३	२९	मे.५८।२३	रोहि.बुधः४१।१३अपरा११व्र.
१२	र	४३	५३	अ	६०	०	सौ	४१	२२	कौ	१०	४४	२	१२	४८	९	२४	३०	मेषे	
१३	चं	४९	४३	अ	५	४८	शो	४३	३०	ग	१६	४८	३	११	४९	१०	२५	३१	मेषे	भ.४/४ ९/३उ.पुष्य१गुरुः५१।१०प्रदोषः
१४	मं	५४	४१	भ	१२	४४	अ	४५	५	वि	२२	१२	५	११	४९	११	२६	१	वृ.२९।१५	भ.२२।१२या.जून६ता.३०
३०	बु	५८	३४	कृ	१८	५०	सु	४५	४५	च	२६	३७	७	११	४९	१२	२७	२	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ १बृ.इ. १२/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	२	०	३	११	४	२	१
३	२२	१८	१	२५	१५	१८	३
५८	४५	४०	९	३९	१२	२०	४१
४४	३६	२६	०	०	३२	१३	५
५७	३६	५/०	१०	७१	०	३	५७
४४	३८	९/४८	१२	४	५५	११	३४

७पं.ज्ये.कृ.८बु.इ. १२/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	०	४	२	१
१०	३	२	२	३	१५	१७	१०
४२	५२	३९	१९	५१	२१	५७	२८
४०	५२	४०	५५	०	४	५८	१३
५७	३६	७८	१०	७१	१	३	५७
३५	१२	२६	५५	२९	३२	११	२३

८पं.ज्ये.कृ.३०बु.इ. १२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	३	०	४	२	१
१७	८	१७	३	१२	१५	१७	१७
२५	३	५१	३५	५	३४	३५	९
२६	०	१८	२८	२४	२३	४२	१९
५७	३७	७८	११	७१	२	३	५७
२७	८	५८	२६	५६	१२	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:२९८०स.२०३८
१	शु	६०	०	रो	२३	५१	धृ	४५	४३	किं	३०	२	३४/९	५/१०	६/५०	१३	२८	३	मि५५।५४	भरण्यांशुक्रः१४।३३
१	शु	१	३१	मृ	२७	५७	शू	४४	५०	व	१	२१	१०	१०	५०	१४	२९	४	मिथुने	मृगेबुधः४५।१६चन्द्रदर्शनम्
२	श	३	२२	आ	३०	४८	गं	४३	५	कौ	३	२२	१२	१०	५०	१५	१	५	मिथुने	जमादिलावल५
३	र	४	३	पु	३२	४१	वृ	४०	२५	ग	४	३	१३	९	५१	१६	२	६	क.१७।३३	भ.३३।५५उ.
४	चं	३	४७	पु	३३	३६	ध्रु	३७	१३	वि	३	४७	१५	९	५१	१७	३	७	कर्के	भ.३।४७या.मिथुनेबुधः४२।४८
५	मं	२	२९	श्ले	३३	३७	व्या	३३	१३	बा	२	२९	१६	९	५१	१८	४	८	सिं३३।३७	मृगेरविः२२।४२(सौरः४१।४२)
६	बु	०	१४	म	३२	३२	ह	२८	१३	तै	०	१४	१७	९	५१	१९	५	९	सिंहे	भ.५६।५८उ.
७	बु	५६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	गु	५२	४७	पू	३०	३४	व	२२	३५	वि	२४	५१	१८	८	५२	२०	६	१०	क.४४।५०	भ.२४।५१या.आर्द्रां.बुधः५४।१०
९	शु	४७	३६	उ	२७	४०	सि	१६	२	बा	२०	११	१९	८	५२	२१	७	११	कन्यायां	[=गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
१०	श	४१	३१	ह	२३	४४	व्य	८	४८	तै	१४	३३	१९	८	५२	२२	८	१२	तु.५१।१९	बुधोदयःपश्चिमायां ३१/१८ गंगादशमी
११	र	३४	३४	चि	१८	५४	व	४०/३	५१/३०	व	८	२	२०	८	५२	२३	९	१३	तुलायां	भ.८।२उ. ३४/३४ या.निर्जला११व्र.
१२	चं	२६	५८	स्वा	१३	३२	शि	४३	११	ब	०	४६	२१	८	५२	२४	१०	१४	वृ.५४।१५	कृत्ति.शुक्रः३२।३७प्रदोषः
१३	मं	१८	५४	वि	७	४९	सि	३४	२	तै	१८	५४	२१	८	५२	२५	११	१५	वृश्चिके	मिथुनेऽर्कः२१।१६(सौरः४२।३०)
१४	बु	१०	५८	अ	१/५७	५४/३८	सा	२५	५	व	१०	५८	२२	८	५२	२६	१२	१६	ध.५६।३५	भ. १०/५८ उ. ३७/१० या.आश्ले.भौमः३३।६
१५	गु	३	२२	मू	५२	८	शु	१६	४१	ब	३	२२	२२	८	५२	२७	१३	१७	धनुषि	पुन.बुधः३७।२६वृषेशुक्रः१७।५२=

९पं.ज्य.शु.६बु.इ. १२।२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	३	०	४	२	१
२४	१२	३	४	२०	१५	१७	२३
७	१३	७	५४	२२	५२	१३	४९
३०	१९	१२	२९	५	१६	२६	१५
५७	३७	५८	१२	७२	२	३	५७
२२	२२	२६	२	१६	५१	११	५

गोचर ग्रहाः

ज्येंष्ठशुक्ले १३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.६ प्रौढावस्था बैंठी मु.४५ धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

१०पं.ज्ये.शु१४बु.इ. १२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	०	४	२	२
०	१६	१७	६	२८	१६	१६	०
४८	२४	१८	१६	४०	१४	५१	२८
४७	२९	२५	३७	४१	४९	११	२४
५७	३७	[illegible]	१२	७२	३	३	५६
१७	३६	५६	२०	३७	३२	११	५७

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णोतिमहा.
१	गु	५३	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	५२	५	पू	४८	५१	शु	९	१६	तै	२४	३५	३४/३	५/७	५ ६/३	२८	१४	१८	धनुषि	पुष्य.२गुरुः११।२०
३	श	४८	५४	उ	४७	४२	ब्र	३/३	५५/१६	व	२०	३०	२३	७	५३	२९	१५	१९	म.३।३४	भ. ३०/३० उ. ५८/५४ या.आर्द्रां.३राहुःपूषा.१=
४	र	४७	४०	श्र	४८	२९	वै	५५	११	ब	१८	१७	२३	७	५३	३०	१६	२०	मकरे	चतुर्थी . [=केतुः४३।२३
५	चं	४८	३५	ध	५१	७	वि	५४	०	कौ	१८	७	२४	७	५३	३१	१७	२१	कुं.१९।४८	
६	मं	५१	२८	श	५५	४४	प्री	५३	३९	ग	२०	१	२४	७	५३	१	१८	२२	कुम्भे	भ. ५१/२८ उ.आर्द्रा.रविः २०/९१ सौरः४४।३)÷
७	बु	५५	५९	पू	६०	०	आ	५४	५५	वि	२३	४३	२४	७	५३	२	१९	२३	मी४५।१५	भ.२३।४३या.कर्केबुधः४७।३५
८	गु	६०	०	पू	१	४६	सौ	५६	५०	बा	२८	४४	२४	७	५३	३	२०	२४	मीने	[÷पूफा.२शनिः ४८/३४ भा.आषाढारंभः
८	शु	१	२९	उ	८	५०	शो	५९	१७	कौ	१	२९	२४	७	५३	४	२१	२५	मीने	पुष्येबुधः५२।१४रोहि.शुक्रः३८।३५
९	श	७	४०	रे	१६	१९	अ	६०	०	ग	७	४०	२३	७	५३	५	२२	२६	मे.१६।१९	भ.४०।४४उ.
१०	र	१३	४९	अ	२३	५०	अ	१	४३	वि	१३	४९	२३	७	५३	६	२३	२७	मेषे	भ.१३।४९या.
११	चं	१९	४२	भ	३०	५६	सु	४	२	बा	१९	४२	२२	८	५२	७	२४	२८	वृ.४७।२७	योगिनी११व्र.
१२	मं	२४	३५	कृ	३७	१	धृ	५	४२	तै	२४	३५	२२	८	५२	८	२५	२९	वृषे	प्रदोषः
१३	बु	२८	४	रो	४१	५३	शू	६	२५	व	२८	४	२१	८	५२	९	२६	३०	वृषे	भ.२८।४उ.५९।१३या.
१४	गु	३०	२१	मृ	४५	३२	गं	६	८	श	३०	२१	२०	८	५२	१०	२७	१	मि१३।४३	जुलाई७ता.३१
३०	शु	३१	१०	आ	४७	४३	वृ	४	४७	च	०	५०	१९	८	५२	११	२८	२	मिथुने	

११ पं.श्रा.कृ.७बु.इ. १२/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	३	१	४	२	२
७	२०	२९	७	७	१६	१६	७
२९	३७	३	४१	१	४१	२८	६
४२	१९	१८	१०	४४	३८	५५	५१
५७	३७	९६	१२	७२	४	३	५६
१३	५०	२२	४६	५६	८	११	५४

गोचर ग्रहाः

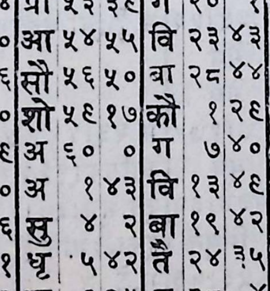

शुक्रस्यपंचवाराः स्युः यत्रमासेनिरन्तरम् । प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च सुखं तत्र प्रवर्तते ॥ इस मास में प्रजा में सुख शान्ति रहे । कहीं २ वर्षा हो ।

गोचर ग्रहाः

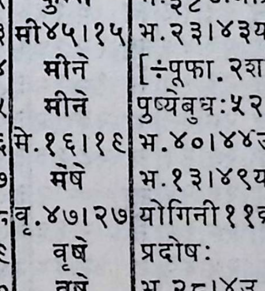

१२पं.श्रा.कृ१३बु.इ. १२/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	३	१	४	२	२
१४	२४	९	९	१५	१७	१६	१३
१०	५१	६	८	२४	१२	६	४४
८	२५	४७	४२	०	३६	४०	५६
५७	३८	७५	१३	७३	४	३	५६
७	५	२०	८	१४	४१	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:३०१०स.२०३८
१	श	३०	४०	पु	४८	३५	ध्रु	३/२	५६/३९	किं	०	५५	३४/१८	५/८	६/५८	१२	२९	३	क.३३।२२	
२	र	२९	१	पु	४८	३४	ह	५३	५५	कौ	२९	१	१७	९	५१	१३	३०	४	कर्के	चन्द्रदर्शनम् रथयात्रा
३	चं	२६	२८	श्ले	४७	३९	व	४८	५८	ग	२६	२८	१६	९	५१	१४	१	५	सिं४७।३९	भ.५४/४३उ.पुष्य.३गुरु:२२/९ जमादिलाखर६
४	मं	२२	५९	म	४५	५५	सि	४३	२३	वि	२२	५९	१५	९	५१	१५	२	६	सिंहे	भ.२२/५९या.पुन.रवि:१८/५१,सौर:४८/५१आश्ले:
५	बु	१९	८	पू	४३	४०	व्य	३७	४६	बा	१९	८	१४	९	५१	१६	३	७	कं.५८।१	[ऽबुध:५०/५४मृगेशुक्र:४९/५३
६	गु	१४	४५	उ	४१	२	व	३१	२६	तै	१४	४५	१३	९	५१	१७	४	८	कन्यायां	मघा.सिंहेभौम:३४।४६
७	शु	१०	२	ह	३७	५५	प	२४	५०	व	१०	२	११	१०	५०	१८	५	९	कन्यायां	भ.१०।२उ.३७।२७या.
८	श	४	५३	चि	३४	३५	शि	१८	१	ब	४	५३	१०	१०	५०	१९	६	१०	तु.६।१५	
९	श	५४	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१०	र	५३	२४	स्वा	३०	५४	सि	१०	४७	तै	२६	२०	८	१०	५०	२०	७	११	तुलायां	
११	चं	४७	१९	वि	२७	५५	सा	३/२३	५२/२९	व	२०	२१	७	११	४९	२१	८	१२	वृ.१३।४०	भ.२०।२१उ.४७।१९या.मिथुनेशुक्र:–
१२	मं	४१	१६	अ	२२	५०	शु	४८	१९	ब	१४	१७	५	११	४९	२२	९	१३	वृश्चिके	[–२२।३८देवशयनी११व्र.
१३	बु	३५	१७	ज्ये	१८	४९	ब्र	४१	५९	कौ	८	१६	३	११	४९	२३	१०	१४	ध.१८।४९	प्रदोष:
१४	गु	३०	१०	मू	१५	३४	ऐं	३५	१६	ग	२	४३	१	१२	४८	२४	११	१५	धनुषि	भ.३०।१०उ.५७।५८या.वायुपरीक्षा
१५	शु	२५	४७	पू	१२	४९	वै	२९	२०	व	२५	४७	३३/५९	१२	४८	२५	१२	१६	म.२७।२०	कर्केऽर्क:४८।२७व्यासपूजा गुरु१५

१३पं.आ शु ५बु.इ. ९२/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	३	३	१	४	२	२
२०	२९	१६	१०	२३	१७	१५	२०
५०	७	५७	३७	४८	४७	४४	२२
३५	२३	५८	४८	२५	१३	२४	५०
५७	३८	५०	१३	७३	५	३	५६
७	१२	४९	२०	२२	२	११	५०

गोचर ग्रहाः

आषाढ शुक्ले १५शुक्रे कर्केऽर्क:प्रविष्ट:वा४ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

१४पं.आ.शु.१३बु.इ. ११/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	३	३	२	४	२	२
२७	३	२२	१२	२	१८	१५	२७
३०	२४	८	८	१४	२५	२२	०
५४	५४	३५	२८	१०	१९	८	५७
५७	३८	२२	१३	७३	५	३	५६
१२	२९	२१	२६	३७	३२	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	श	२२	५१	उ	११	३२	वि	२४	३१	कौ	२२	५१	३३/५७	५/१३	६/४७	२६	१३	१७	मकरे	कर्केऽर्क:सौर:२०/४९आर्द्रा शुक्र:४९/३९
२	र	२१	३९	श्र	११	५१	प्री	२०	४५	ग	२१	३९	५५	१३	४७	२७	१४	१८	कुं.४२।४९	भ.५१।४८उ.
३	चं	२१	५७	ध	१३	४१	आ	१८	३८	वि	२१	५७	५२	१४	४६	२८	१५	१९	कुंभे	भ.२१/५७या.वक्रीबुध:१/२७पुष्य.४गुरु:४२/४९=
४	मं	२४	१४	श	१७	८	सौ	१७	४०	बा	२४	१४	५०	१४	४६	२९	१६	२०	कुम्भे	पुष्य.रवि:१७।४५(सौर:५१।३०)
५	बु	२८	१	पू	२२	१४	शो	१७	५४	तै	२८	१	४८	१४	४६	३०	१७	२१	मी५।५८	नाग५मरुस्थले [=चतुर्थीव्र.
६	गु	३३	१३	उ	२८	४६	अ	१९	१९	ग	०	३७	४५	१५	४५	३१	१८	२२	मीने	भ.३३।१३उ.
७	शु	३९	१७	रे	३५	५१	सु	२१	१९	वि	६	१५	४३	१५	४५	१	१९	२३	मे.३५।५१	भ.६/१५या.अस्तंगुरो:६/०भा.श्रावणारंभ:
८	श	४५	१७	अ	४३	३१	धृ	२३	४७	बा	१२	१७	४०	१६	४४	२	२०	२४	मेषे	
९	र	५१	२०	भ	५०	४९	शू	२६	१३	तै	१८	१८	३८	१६	४४	३	२१	२५	मेषे	
१०	चं	५६	२५	कृ	५६	४०	गं	२८	१२	व	२३	५२	३५	१७	४३	४	२२	२६	वृ.७।१७	भ.२३।५२उ.५६।२५या.
११	मं	६०	०	रो	६०	०	वृ	२९	२३	व	२८	१३	३३	१७	४३	५	२३	२७	वृषे	कामिका११व्र.स्मा.
११	बु	०	२	रो	२	४१	ध्रु	२९	२२	बा	०	२	३०	१८	४२	६	२४	२८	मि३४।३५	पुन.शुक्र:५०।५४कामिका११व्र.वै.
१२	गु	२	१६	मृ	६	२८	व्या	२८	१३	तै	२	१६	२७	१९	४१	७	२५	२९	मिथुने	पूफा.३शनि:४९/२६बुधास्त:पश्चिमायां१५/३६+
१३	शु	२	४४	आ	८	३१	ह	२५	४३	व	२	४४	२४	१९	४१	८	२६	३०	क.५३।५३	भ.२/४४उ.३२/५या.पूफा.भौम:८।५६
१४	श	१	२७	पु	९	१	व	२१	१२	श	१	२७	२२	२०	४०	९	२७	३१	कर्के	हरियाली [+प्रदोष:
३०	श	५७	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

१५पं.श्रा.कृ.५बु.इ. ११/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	२	४	२	३
४	७	२४	१३	१०	१९	१४	३
११	४४	२	४०	४२	६	५९	३९
३८	१०	४२	५	२५	११	५३	२४
५७	३८	६/२२	१३	७३	६	३	५६
१५	३७	व.	३२	४७	५५	११	५९

गोचर ग्रहाः

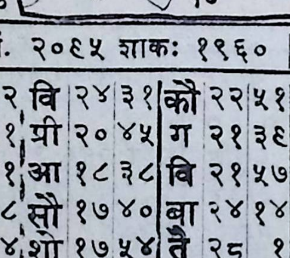

इस मास में ५शनिवार अशुभ हैं। शनिवारा: यदां पंच पाताले कंम्पते फणी ईशान देश भंगश्च वह्निदाहो महर्घता

गोचर ग्रहाः

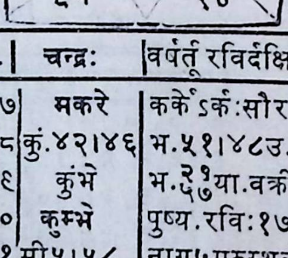

१६पं.श्रा.कृ.११बु.इ. ११/४२

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	२	४	२	३
१०	१२	२२	१५	१९	१९	१४	१०
५२	४	१३	१२	११	४९	३७	१८
४१	१	३४	१८	४६	४१	३७	४१
५७	३८	३५/५४	१३	७३	६	३	५७
२०	५४	व.	३८	५०	२०	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण३०३९स२०३८
१	र	५४	३७	पु	७	५६	सि	१६	५०	किं	२६	३७	३३/१९	५/२०	६/४०	१०	२८	१	कर्के	अगस्तदता.३१
२	चं	४९	३४	श्ले	५	४७	व्य	१०	५३	बा	२२	५	१६	२१	३९	११	२९	२	सिं५।४७	चन्द्रदर्शनम् २ सिंधारा
३	मं	४३	५८	म	२/४३	५६/२२	व	४/१४	५३/४३	तै	१६	४६	१३	२१	३९	१२	१	३	सिंहे	आश्लेरविः१४/४६(सौरः५३/१७, आश्ले. १गुरुः–
४	बु	३८	१६	उ	५५	१४	शि	४९	३२	व	११	७	१०	२२	३८	१३	२	४	कं.१३।७	भ.११।७उ.३८।१६या.वरद४
५	गु	३२	१९	ह	५१	२०	सि	४२	२०	ब	५	१७	७	२३	३७	१४	३	५	कन्यायां	वक्रीपुष्येबुध:५।४०नागपंचमी
६	शु	२६	४३	चि	४७	३८	सा	३५	१०	तै	२६	४३	४	२३	३७	१५	४	६	तु.१९।२९	कर्केशुक्र:२।५९
७	श	२१	७	स्वा	४४	२९	शु	२७	५७	व	२१	७	०	२४	३६	१६	५	७	तुलायां	भ.२१।७उ.४८।३०या.
८	र	१५	५३	वि	४०	५६	शु	२०	५७	ब	१५	५३	३२/५७	२५	३५	१७	६	८	वृ.२६।४९	पुष्येशुक्र:४९।२९
९	चं	१०	५८	अ	३८	८	ब्र	१४	१६	कौ	१०	५८	५४	२५	३५	१८	७	९	वृश्चिके	[–४९/४५रज्जव७तीज
१०	मं	६	१८	ज्ये	३५	४२	ऐं	७	५७	ग	६	१८	५०	२६	३४	१९	८	१०	ध.३५।४२	भ.३४।१५उ.
११	बु	२	११	मू	३३	४८	वै	१/५२	५४/३३	वि	२	११	४७	२७	३३	२०	९	११	धनुषि	भ.२।११या.पवित्रा११व्र.
१२	बु	५६	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=श्रावणीकर्म रक्षाबंधनम् भद्रो.
१३	गु	५५	५४	पू	३२	२५	प्री	५१	२५	कौ	२७	१५	४४	२७	३३	२१	१०	१२	म.४७।१८	बुधोदय:पूर्वस्यां२७।५७प्रदोष:
१४	शु	५४	७	उ	३१	५६	आ	४७	१३	ग	२५	०	४०	२८	३२	२२	११	१३	मकरे	भ.५४।७उ.
१५	श	५३	३९	श्र	३२	५२	सौ	४४	२	वि	२३	५३	३७	२९	३१	२३	१२	१४	मकरे	भ.२३।५३या.मार्गीबुध:३१।७=

१७पं.श्रा.शु.४बु.इ. ११/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	२	४	२	३
१७	१६	१७	१६	२७	२०	१४	१६
३४	२५	२२	४५	४२	३५	१५	५८
२३	५२	५३	१४	३६	४६	२२	२९
५७	३८	४८/४०	१३	७३	६	३	५७
२१	५४	व.	३८	५९	३२	११	१२

गोचर ग्रहाः

इसमासमें धातुसोना चांदी धान्य बाजरा मूंग मोठ गेहूं जौ चना रुईकपास वस्त्र वारदाना तेज हो।

गोचर ग्रहाः

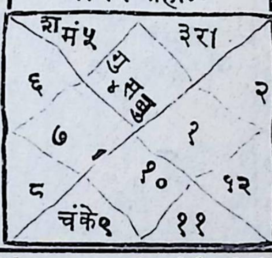

१८पं.श्रा.शु.११बु.इ. ११/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	३	३	४	२	३
२४	२०	१२	१८	६	२१	१२	२२
१६	४९	६	१८	१५	२२	५२	२९
४४	३९	५८	०	२२	४२	६	३६
५७	३९	२९/५२	१२	७४	६	३	५७
३२	१	व.	३८	८	४५	११	२२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	र	५४	३१	ध	३४	५३	शो	४१	४७	बा	२४	५	३२/३३	५/२९	६/३१	२४	१३	१५	कुं.३।५२	
२	चं	५६	५८	श	३८	१०	अ	४०	५२	तै	२५	४४	३०	३०	३०	२५	१४	१६	कुंभे	उदयंगुरो:१०।१२
३	मं	६०	०	पू	४२	४६	सु	४०	३६	व	२८	४५	२६	३१	२९	२६	१५	१७	मी२६।३७	भ.२८/४५उमघा.सिंहेऽर्कः९/४८(सौरः४८/४१)
३	बु	०	३२	उ	४८	५३	धृ	४०	३८	वि	०	३२	२२	३२	२८	२७	१६	१८	मीने	भ.०/३२या.आश्ले.२गुरुः५४/५४ चतुर्थी व्र.
४	गु	५	३३	रे	५५	४३	शू	४२	९	बा	५	३३	१९	३२	२८	२८	१७	१९	मे.५५।४३	आश्ले.शुक्र:४०।११
५	शु	११	१७	अ	६०	०	गं	४४	३२	तै	११	१७	१५	३३	२७	२९	१८	२०	मेषे	उफा.भौम:२१।३१चन्द्रषष्ठी
६	श	१७	३१	अ	३	५	वृ	४६	५७	व	१७	३१	१२	३४	२६	३०	१९	२१	मेषे	भ.१७/३१उ.५०/४५या.आर्द्रा.२राहु:मूल.४×
७	र	२३	५८	भ	१०	४२	ध्रु	४९	१६	ब	२३	५८	८	३४	२६	३१	२०	२२	वृ.२७।३०	आश्ले.बुध:५६।१९जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	चं	२९	२१	कृ	१७	५५	व्या	५१	४	कौ	२९	२१	४	३५	२५	१	२१	२३	वृषे	भा.भाद्रपदारंभ:जन्माष्टमी व्र.वै.
९	मं	३३	३४	रो	२३	५९	ह	५१	५५	तै	१	२७	१	३६	२४	२	२२	२४	मि५६।२१	गोगा९ [×केतु:३५।२७
१०	बु	३६	२०	मृ	२८	४३	व	५१	२२	व	४	५७	३१/५७	३७	२३	३	२३	२५	मिथुने	भ.४/५७उ.३६/२०या.कन्यायांभौम:४०/५९+
११	गु	३७	११	आ	३१	४३	सि	४९	२९	ब	६	४५	५३	३७	२३	४	२४	२६	मिथुने	अजा११व्र. [+अस्तंशने:३४/३
१२	शु	३६	१३	पु	३२	४४	व्य	४६	८	कौ	६	४२	४९	३८	२२	५	२५	२७	क.१६।२९	पूफा.४शनि:२७।५वत्सद्वादशी
१३	श	३३	१२	पु	३१	५५	व	४१	१४	ग	४	४२	४६	३९	२१	६	२६	२८	कर्के	भ.३३।१२उ.प्रदोष:
१४	र	२८	२६	श्ले	२९	१७	प	३४	५२	वि	०	४९	४२	४०	२०	७	२७	२९	सिं२९।१७	भ ०।४९या. [÷कुशाग्रहणी
३०	चं	२२	२४	म	२५	१२	शि	२७	२४	ना	२२	२४	३८	४०	२०	८	२८	३०	सिंहे	पूफा.रवि:५/३२मघा.सिंहेशुक्र.३/४०/६÷

१९पं.भा.कृ.३बु.इ. ११/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	३	३	४	२	४
१	२५	१२	१९	१४	२२	१३	०
०	१२	३५	५०	४९	१३	३०	२१
४	४३	३८	१०	५९	२६	५०	२९
५७	३९	२८/५७	१३	७४	७	३	५७
४०	१८	म.	३२	१४	२	११	३४

गोचर ग्रहाः

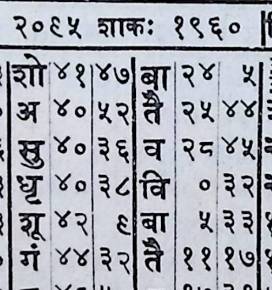

भाद्रपद कृष्णे३भौमे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ५न.५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.३० धान्य.दि भावे समता शुक्रोदय:पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

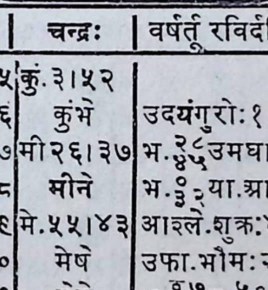

२०पं.भा.कृ.१०बु.इ. ११/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	४	३	३	३	४	२	४
७	२९	१९	२१	२३	२३	१३	७
४४	४०	४२	२१	२६	३	८	५
२८	४६	०	११	२८	५०	३५	१५
५७	३९	८१	१३	७४	७	३	५७
४९	१८	१	२६	२०	८	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३०६९स.२०३८
१	मं	१५	१३	पू	२०	८	सि	१८	५३	ब	१५	१३	३५/३४	५/४१	६/१९	९	२९	३१	कं.३३।४६	पूफा.रविःसौरः ३९/३३ मघा.सिंहेबुधः ५७/३८–
२	बु	७	४८	उ	१४	३९	सा	१०	१०	कौ	७	४८	३०	४२	१८	१०	१	१	कन्यायां	सावानदसितंवर९ता.३०
३	गु	०	५	ह	९	३	शु	५/१२	५/१	ग	०	५	२६	४३	१७	११	२	२	तु.३६।२१	भ.२६/२५ उ.५२/४५ या.बुधास्तःपूर्वस्यां३१/४९=
४	गु	५२	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=हरितालिका३ गणेशचतुर्थी
५	शु	४५	५२	चि	३/३८	५५/१०	ब्र	४३	४०	ब	१९	१८	२२	४४	१६	१२	३	३	तुलायां	आश्ले.३गुरुः२१।५७ऋषिपंचमी
६	श	३९	३८	वि	५४	४१	ऐं	३५	५९	कौ	१२	४५	१८	४४	१६	१३	४	४	वृ.४२।१८	[-चन्द्रदर्शनम्
७	र	३४	२०	अ	५१	२२	वै	२८	३४	ग	६	५९	१५	४५	१५	१४	५	५	वृश्चिके	भ.३४।२०उ.
८	चं	२९	५९	ज्ये	४९	४	वि	२१	५८	वि	२	९	११	४६	१४	१५	६	६	ध.४९।४	भ.२।९या.
९	मं	२६	३७	मू	४७	४६	प्री	१६	१५	कौ	२६	३७	७	४७	१३	१६	७	७	धनुषि	
१०	बु	२३	२७	पू	४७	२८	आ	११	११	ग	२३	२७	३	४७	१३	१७	८	८	धनुषि	भ.५३।६उ.पूफा.बुधः२।८
११	गु	२२	४६	उ	४८	६	सौ	७	१०	वि	२२	४६	३०/५९	४८	१२	१८	९	९	म.२।३७	भ.२६/४६ या.अस्तोभौमः२५/३१ जलझूलनी११
१२	शु	२२	२७	श्र	४९	४७	शो	३	४८	बा	२२	२७	५५	४९	११	१९	१०	१०	मकरे	पूफा.शुक्र.१६/४८ हस्तेभौमः११/१८ प्रदोषः×
१३	श	२३	१६	ध	५२	२५	अ	५/२६	५८/१	तै	२३	१६	५१	५०	१०	२०	११	११	कुं.२१।६	[×वामनजयंती [+पूजनारंभः
१४	र	२५	११	श	५६	२१	धृ	६०	०	व	२५	११	४७	५१	९	२१	१२	१२	कुंभे	भ.२५।११उ.५६।४४या.अनंत१४
१५	चं	२८	१८	पू	६०	०	धृ	०	१८	व	२८	१८	४३	५१	९	२२	१३	१३	मी४५।९	उफा.रविः४२/५७ महालयारंभःकु.संध्या.+

२१पं.भा.शु.२बु.इ. १०/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	४	४	२	४
१४	४	०	२२	२	२३	१२	१३
३०	९	२३	५१	४	५२	४६	५०
४	२५	४९	७	१८	४४	१९	२७
५८	३९	[illegible]	१३	७४	७	३	५७
१	३५	[illegible]	१४	२६	१४	११	५७

गोचर ग्रहाः

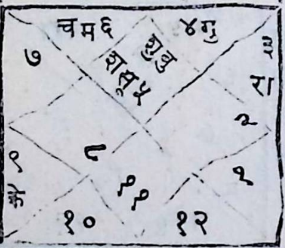

इस मास में धान्य गल्ला गेहूं जौ चना मटर बाजरा आदि मंदे हों रसकस गुड़ शक्कर घृत तेल तेज हो कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

२२पं.भा.शु.१०बु.इ. १०/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	४	४	२	४
२१	८	१३	२४	१०	२४	१२	२०
१७	४०	३६	१९	४३	२८	२४	३७
६	८	४०	२६	४४	१४	४	७
५८	३९	[illegible]	१२	७४	७	३	५८
१३	४३	[illegible]	५७	२६	२०	११	१२

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	मं	३२	२३	पू	१	२५	शू	०	४	बा	०	२०	३९/०	५२	६/८	२३	१४	१४	मीने	उफा.रविःसौरः २४/१३ उफा.बुधः ५८/५४
२	बु	३७	४०	उ	७	२५	गं	०	५८	तै	५	१	३५	५३	७	२४	१५	१५	मीने	
३	गु	४३	२०	रे	१३	५७	वृ	२	३७	व	१०	३०	३१	५४	६	२५	१६	१६	मे.१३।५७	भ.१०/३० उ.४३/२० या.कन्यायांबुधः४४/३३
४	शु	४१	३६	अ	२१	२६	ध्रु	४	४३	व	१६	२८	२७	५५	५	२६	१७	१७	मेषे	कन्यायामर्कः६/१८(सौरः४९/२३) चतुर्थी व्र.
५	श	५६	०	भ	२८	५८	व्या	७	८	कौ	२२	४८	२२	५६	४	२७	१८	१८	वृ.४५।५२	
६	र	६०	०	कृ	३६	३४	ह	९	२९	ग	२८	५९	१८	५६	४	२८	१९	१९	वृषे	आश्ले.४गुरुः५०।१९
६	चं	१	५९	रो	४३	२९	व	११	४३	व	१	५९	१४	५७	३	२९	२०	२०	वृषे	भ.१।५९उ.३४।२९या.
७	मं	६	५९	मृ	४९	१५	सि	१३	७	ब	६	५९	९	५८	२	३०	२१	२१	मि१६।२२	उफा.शुक्रः०।२९
८	बु	१०	४०	आ	५३	३३	व्य	१३	४३	कौ	१०	४०	५	५९	१	३१	२२	२२	मिथुने	हस्तेबुधः३७/२७ मातृ९ सौभाग्यवतीनांश्रा.
९	गु	१२	४२	पु	५५	५८	व	१२	५८	ग	१२	४२	३०/०	६/०	६/०	१	२३	२३	क.४०।२२	भ.४२/४१ उ.कन्यायांशुक्रः४१/२८ उफा.१शनि.÷
१०	शु	१२	४०	पु	५६	२८	प	१०	४३	वि	१२	४०	२९/५६	६/१	५/५९	२	२४	२४	कर्के	भ.१२।४०या.
११	श	१०	३०	श्ले	५४	५२	शि	६	५८	बा	१०	३०	५२	२	५८	३	२५	२५	सिं५४।५२	इंदिरा११व्र.
१२	र	६	३२	म	५१	३१	सि	१/२०	५२/५८	तै	६	३२	४८	२	५८	४	२६	२६	सिंहे	प्रदोषः [÷३/५६ भा.आश्विनारंभः
१३	चं	०	३४	पू	४६	२८	शु	४५	५८	व	०	३४	४४	३	५७	५	२७	२७	कं.५९।५४	भ.०/३४ उ.२६/४८ या.हस्तेरविः२१/३२ शुक्रास्तःA
१४	चं	५२	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aपूर्वस्यां१९/१२ शस्त्रादिहतानांश्रा.
३०	मं	४४	३६	उ	४०	११	शु	३६	३७	च	१८	४८	४०	४	५६	६	२८	२८	कन्यायां	हस्तेरविःसौरः१।५४सर्वपितृ३०

२३पं आ कृ.२बु.इ. १०/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	३	४	४	२	४
२८	१३	२७	२५	१९	२५	१२	२७
५	१२	२	४५	२५	४१	१	२५
२८	०	१७	२५	१	१७	४८	२३
५८	३९	[illegible]	१२	७४	७	३	५८
२६	५२	[illegible]	३२	२७	२०	११	२९

गोचर ग्रहाः

आश्विन कृष्णे४शुक्रे कन्यायामर्कःप्रविष्ट. वा.४न.४बालावस्था (बैठी मु.३०धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२४पं.आ.कृ.८बु.इ. १०/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	३	४	४	२	५
४	१७	९	२७	२८	२६	११	४
५५	४६	४७	८	६	३३	३९	१५
१९	५	२४	३५	५८	२९	३२	३०
५८	३९	४/०	१२	७४	७	३	५८
३८	५५	५/३	१४	३२	१९	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.अ.		भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:३०९८सन्२०३८
१	बु	३५	३०	ह	३३	१६	ब्र	२६	३४	किं	१०	३	२९/३६	६/५	५/५५	७	२९	२९	तु.५९।५४	उदयं शने:५४/५५नवरात्रारंभ:मातामहश्रा.
२	गु	२६	२७	चि	२६	३२	ऐं	१६	१७	बा	०	५८	३२	६	५४	८	३०	३०	तुलायां	चित्रा.बुध:५/४२चित्रा.भौम:३५/५१चंद्रदर्शनम्
३	शु	१७	४१	स्वा	१९	४३	वै	६/०	५०/१३	ग	१७	४१	२८	६	५४	९	१	१	तुलायां	भ.४३/४३उ.हस्तेशुक्र:४२/४३रमजान९-
४	श	९	४६	वि	१३	२८	प्री	४७	२	वि	९	४६	२३	७	५३	१०	२	२	वृ.०१२	भ.९।४६या. [-अक्टूबर१०ता.३१
५/६	र	२/५४	५३/२६	अ	८	२१	आ	३९	८	बा	२	५३	१९	८	५२	११	३	३	वृश्चिके	[=बुधोदय:पश्चिमायां८।३४
७	चं	५३	१४	ज्ये	४	३५	सौ	३२	२०	ग	२५	१६	१५	९	५१	१२	४	४	ध.४।३५	भ.५३।१४उ.तुलायांबुध:२०।४३=
८	मं	५०	५२	मू	२	१०	शो	२६	३२	वि	२२	३	११	१०	५०	१३	५	५	धनुषि	भ.२२।३या.
९	बु	४९	४८	पू	१	२०	अ	२२	५	बा	२०	२०	७	११	४९	१४	६	६	म.१६।२७	[×पापांकुशा११व्र.
१०	गु	५०	१४	उ	१	४७	सु	१८	४२	तै	२०	१	३	११	४९	१५	७	७	मकरे	मघा.१सिंहेगुरु:१८।३३
११	शु	५२	३	श्र	३	५५	धृ	१६	३५	व	२१	८	२६/५९	१२	४८	१६	८	८	कुं.३५।३२	भ.२१।८उ.५२।=या.स्वात्यांबुध:२५/२९×
१२	श	५४	५४	ध	७	१०	शू	१५	२६	ब	२३	२८	५५	१३	४७	१७	९	९	कुंभे	[+शरदपूर्णिमास्मा.कोजागरीव्र
१३	र	५९	१	श	११	३१	गं	१५	२८	कौ	२६	५७	५१	१४	४६	१८	१०	१०	कुंभे	चित्रा.रवि:५३/३६तुलायांभौम:४१/१४प्रदोष:
१४	चं	६०	०	पू	१७	०	वृ	१५	४५	ग	३१	२५	४७	१५	४५	१९	११	११	मी०।३८	चित्रा.रवि:सौर:३२।२८
१४	मं	३	४९	उ	२३	१६	ध्रु	१६	५६	व	३	४९	४३	१५	४५	२०	१२	१२	मीने	भ.३/४९उ.३३/३६या.चित्रा.शुक्र:२१/४९+
१५	बु	९	२३	रे	३०	४	व्या	१८	२३	ब	९	२३	३९	१६	४४	२१	१३	१३	मे.३०।४	शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२५पं.आ.शु.१बु.इ. १०/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	५	३	५	४	२	५
११	२२	२१	२८	६	२७	११	११
४६	२२	४४	२९	५०	२५	१७	७
५२	३४	२८	४२	४६	१६	१७	२७
५८	४०	९०	११	७४	७	३	५९
५३	१९	३८	४६	३२	९	११	०

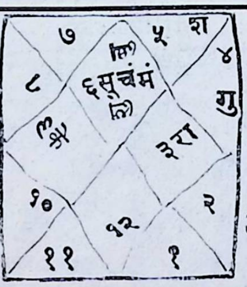

२६पं.आ.शु.९बु.इ. १०/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	५	६	३	५	४	२	५
१८	२७	२	२९	१५	२८	१०	१८
४०	०	५८	४५	३४	१६	५५	१
५	२२	५९	१४	४८	३७	१	१४
५९	४०	९८	११	७४	७	३	५९
९	२९	४	८	३६	२	११	१६

२७पं.आ.शु.१३बु.इ. १०/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	४	५	४	२	५
२५	१	१३	०	२४	२९	१०	२४
३४	४०	३४	५७	१९	६	३२	५६
५९	४१	४८	१४	५९	३२	४६	१६
५९	४०	९०	१०	७४	६	३	५९
२१	३६	४१	३०	३८	४९	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेमार्ग. कृष्णेति महा.
१	गु	१५	२०	अ	३७	५३	ह	२०	२८	कौ	१५	२०	२८/३५	६/१७	५/४३	२२	१४	१४	मेषे	
२	शु	२१	४१	भ	४५	२४	व	२२	५०	ग	२१	४१	३१	१८	४२	२३	१५	१५	मेषे	भ.५४।५२उ. [Eभा.कार्तिकारंभ:
३	श	२८	४	कृ	५३	३	सि	२५	५	वि	२८	४	२७	१९	४१	२४	१६	१६	वृ.२।१९	भ.२८।४या. करक चतुर्थी व्र.
४	र	३४	२	रो	६०	०	व्य	२७	२२	ब	१	३	२३	१९	४१	२५	१७	१७	वृषे	तुलायामर्क:३७/२८विशा.बुध:३७/३१÷
५	चं	३९	१८	रो	०	१०	व	२९	९	कौ	६	४०	२०	२०	४०	२६	१८	१८	मि३३।१९	तुलार्क:सौर:१५।२२
६	मं	४३	४६	मृ	६	२७	प	३०	२१	ग	११	३२	१६	२१	३९	२७	१९	१९	मिथुने	भ.४३।४६उ. [÷तुलायां शुक्र:४०/४०
७	बु	४६	४१	आ	११	४९	शि	३०	२९	वि	१५	१३	१२	२२	३८	२८	२०	२०	मिथुने	भ.१५।१३या.स्वात्यांभौम:३४।३९
८	गु	४८	२	पु	१५	४३	सि	२९	२८	बा	१७	२१	८	२२	३८	२९	२१	२१	क.०।३०	उफा.२कन्यायांशनि:०।३२
९	शु	४७	२३	पु	१७	५५	सा	२७	९	तै	१७	४२	४	२३	३७	३०	२२	२२	कर्के	[Dआर्द्रा १राहु:मूल.३केतु:२/३ २/२E
१०	श	४४	४८	श्ले	१८	१३	शु	२३	१०	व	१६	५	०	२४	३६	१	२३	२३	सि१८।१३	भ.१६/५उ.४४/४८या.स्वात्यांशुक्र::२/१४D
११	र	४०	१७	म	१६	३२	शु	१९	४५	ब	१२	३२	२७/५६	२५	३५	२	२४	२४	सिंहे	स्वात्यांरवि:१९/२८(सौर:५६/१५)रमा११व्र.
१२	चं	३३	४९	पू	१२	५६	ब्र	१०	३९	कौ	७	३	५३	२५	३५	३	२५	२५	कं.२६।३७	वृश्चिकेबुध:१।१६घन१३
१३	मं	२६	२	उ	७	३८	ऐं	२/१०	५०/२७	व	२६	२	४९	२६	३४	४	२६	२६	कन्यायां	भ.२६/२उ.५१/३०या.रूप१४प्रदोष:
१४	बु	१६	५७	ह	१/५	५२/२७	वि	४२	२	श	१६	५७	४५	२७	३३	५	२७	२७	तु.२७।१८	अनु.बुध:४१।१०महालक्ष्मीपूजनम्
३०	गु	७	१९	स्वा	४५	३५	प्री	३१	५	ना	७	१९	४१	२८	३२	६	२८	२८	तुलायां	मघा.२गुरु:३६।१४अन्नकूटं गोवर्द्धनपूजा

२८पं.का.कृ.७बु इ. ९/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	४	६	४	२	६
२	६	२३	२	३	२९	१०	१
३१	२३	२९	४	५	५४	१०	५४
२३	१०	२४	५२	३५	२९	३०	१९
५९	४०	८२	९	७४	६	३	५९
३४	४६	२८	४६	३८	३२	११	४६

गोचर ग्रहाः

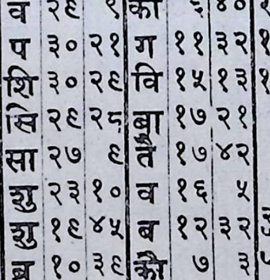

कार्तिक कृष्णे ४रवौ तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३न ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घत शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

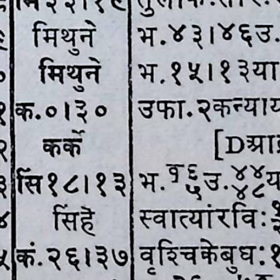

२९पं.का.कृ.१४बु.इ. ९/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	६	५	२	६
९	११	२	३	११	०	९	८
२९	७	३२	७	५२	४०	४८	५३
३८	५९	३८	१	१	३४	१४	३९
५९	४०	७१	९	७४	६	३	६०
४०	५६	१३	०	३८	२०	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१२८स.२०३८
१	गु	५०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	शु	४७	५५	वि	३७	५५	आ	१९	१७	बा	२२	४७	२७/३७	६/२९	५/३१	७	२९	२९	वृ.२४।५०	चन्द्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
३	श	३९	२२	अ	३०	५३	सौ	९/२३	५०/२	तै	१३	३८	३४	२९	३१	८	१	३०	वृश्चिके	सव्वाल१०
४	र	३२	२	ज्ये	२५	४	अ	५०	१९	व	५	४२	३०	३०	३०	९	२	३१	ध.२५।४	भ.५।४२उ.३२।२या.
५	चं	२६	२०	मू	२०	४७	सु	४३	०	बा	२६	२०	२७	३१	२९	१०	३	१	धनुषि	नवम्बर११ता.३०
६	मं	२२	३८	पू	१८	१७	धृ	३७	२	तै	२२	३८	२३	३१	२९	११	४	२	म.३३।६	विशा.शुक्रः३९।४
७	बु	२०	४२	उ	१७	३२	शू	३२	२९	व	२०	४२	१९	३२	२८	१२	५	३	मकरे	भ.२०।४२उ.५०।४८या
८	गु	२०	५५	श्र	१८	५२	गं	२९	२५	ब	२०	५५	१६	३३	२७	१३	६	४	कुं.५०।२४	गोपाष्टमी
९	शु	२२	४१	ध	२१	५६	वृ	२७	४९	कौ	२२	४१	१२	३४	२६	१४	७	५	कुम्भे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	श	२६	०	श	२६	२५	ध्रु	२७	३९	ग	२६	०	९	३४	२६	१५	८	६	कुम्भे	भ.५८।२०उ.विशा.रविः३८।४८
११	र	३०	४१	पू	३२	७	व्या	२८	२३	वि	३०	४१	५	३५	२५	१६	९	७	मी१५।४१	भ.३०/४१या विशा रविःसौरः१३/३९–
१२	चं	३६	४	उ	३८	४०	ह	२९	३८	ब	३	२२	२	३६	२४	१७	१०	८	मीने	[–प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१३	मं	४२	१९	रे	४५	५८	व	३१	४३	कौ	९	११	२६/५८	३६	२४	१८	११	९	मे.४५।५८	विशा.भौमः५।३६प्रदोषः
१४	बु	४८	३१	अ	५३	१९	सि	३३	४२	ग	१५	२५	५५	३७	२३	१९	१२	१०	मेषे	भ.४८।३१उ बृश्चिकेशुक्रः३/३ ६/२वैकुंठ१४
१५	गु	५४	५०	भ	६०	०	व्य	३५	५८	वि	२२	४१	५२	३८	२२	२०	१३	११	मेषे	भ२/४ ३/१यावक्रीबुधः४/१ ०/९मन्वादिः का.स्ना.पू

३०प.का.शु.७बु.इ. ९/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	६	५	२	६
१६	१५	१०	४	२०	१	९	१५
२९	५५	८	२	३७	२४	२५	५४
२०	३०	६	४२	४८	४	५९	४३
६०	४१	५२	८	७४	५	३	६०
४	१६	१७	७	३२	५४	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ गेहूं जौ चना कुछ मंदे हों गुडशक्कर चीनी नमक धातु वारदाना वस्त्र रुई तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

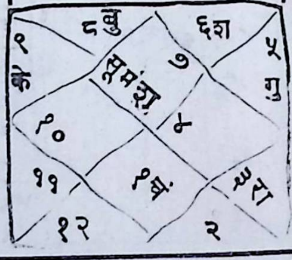

३१पं.का.शु१४बु.इ.९/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	७	४	६	५	२	६
२३	२०	१४	४	२९	२	९	२२
३०	४३	४५	५२	२६	४	३	५७
४०	५९	४३	१६	१०	५२	४३	१४
६०	४१	१६	६	७४	५	३	६०
१७	२६	३५	५५	३२	३१	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	शु	६०	०	भ	०	५१	व	३८	७	बा	२७	५९	२६/४९	५/३८	५/२२	२१	१४	१२	वृ.१७।४०	
१	श	१	९	कृ	८	७	प	४०	५	कौ	१	९	४५	३९	२१	२२	१५	१३	बृषे	अनु.शुक्रः१७।३२
२	र	६	५७	रो	१५	२८	शि	४१	४५	ग	६	५७	४२	४०	२०	२३	१६	१४	मि४८।३१	भ.३९।५४उ.
३	चं	१२	५१	मृ	२१	३४	सि	४२	४७	वि	१२	५१	३९	४०	२०	२४	१७	१५	मिथुने	भ.१२।५१या.चतुर्थीव्र.
४	मं	१६	३	आ	२७	७	सा	४३	६	बा	१६	३	३६	४१	१९	२५	१८	१६	मिथुने	बृश्चिकेऽर्कः३/२ ६बुधास्तः पश्चिमायां५/४ ८
५	बु	१९	१०	पु	३१	२८	शु	४२	३५	तै	१९	१०	३३	४१	१९	२६	१९	१७	क.१५।२३	बृश्चिकेऽर्कःसौरः७।५६
६	गु	२१	८	पु	३४	३९	शु	४१	५	व	२१	८	३०	४२	१८	२७	२०	१८	कर्के	भ.२१।८उ.५१।२३या.
७	शु	२१	३८	श्ले	३६	२६	ब्र	३८	२८	ब	२१	३८	२७	४३	१७	२८	२१	१९	सि३६।२६	अनु.रविः५४।२२
८	श	२०	२८	म	३६	३७	ऐं	३४	२९	कौ	२०	२८	२५	४३	१७	२९	२२	२०	सिंहे	अनु.रविःसौरः२४।४४
९	र	१७	४५	पू	३५	६	वै	२९	७	ग	१७	४५	२२	४४	१६	३०	२३	२१	क.४९।१७	भ ४५।२५उ.शुक्रोदयः पश्चिमायां५/१ ९/२
१०	चं	१३	४	उ	३१	४८	वि	२२	२३	वि	१३	४	१९	४४	१६	१	२४	२२	कन्यायां	भ.१३।४या भा मार्गशीर्षारंभः
११	मं	७	०	ह	२७	६	प्री	१४	२२	बा	७	०	१७	४५	१५	२	२५	२३	तु.५४।४	ज्येष्ठाशुक्र.५/२ ४/६वृश्चिकेभौमः२/१ ६/२=
१२	मं	५२	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=उत्पत्ति११व्र.
१३	बु	५०	५२	चि	२१	२	आ	५/२२	४९/५६	ग	२५	९	१४	४५	१५	३	२६	२४	तुलायां	भ.५०।५२उ प्रदोषः
१४	गु	४१	२८	स्वा	१४	५५	शो	४४	३५	वि	१६	१०	१२	४६	१४	४	२७	२५	वृं.५३।३०	भ ७/१ ६/०या.वक्रीविशा.बुधः१/१ ७/४उफा.३×
३०	शु	३१	४९	वि	६/२२	५२/१४	अ	३३	४१	च	६	३८	९	४६	१४	५	२८	२६	वृश्चिके	[×शनिः१।६

३२पं.मा.कृ.५बु.इ. ९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	६	७	४	७	५	२	७
०	२५	१३	५	८	२	८	०
३३	३५	१२	३३	११	४२	४१	१
२२	३१	७	५८	१७	३६	२८	१८
६०	४१	५५/११	६	७४	५	३	६०
३०	३७	व.	१	३२	२	११	४०

गोचर ग्रहाः

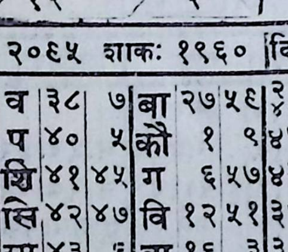

मार्गशीर्षकृष्णे४भौमे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४ गतालकावस्था (ऊभी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घताशुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

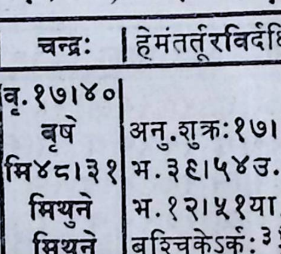

३३ पं.मा.कृ.१३बु.इ. ८/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	७	५	२	७
७	०	५	६	१६	३	८	७
३७	२९	९	८	५७	१५	१९	६
१६	१३	४	१३	५४	५८	१२	५१
६०	४१	१५/४३	४	७४	४	३	६०
४२	४०	व.	४९	२६	३८	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३१५७स.२०३८
१	श	२२	३५	ज्ये	५१	४०	सु	२२	४६	ब	२२	३५	२६/७	६/४७	५/१३	६	२९	२७	ध.५१।४०	
२	र	१४	२	मू	४५	४०	धृ	१२	४६	कौ	१४	२	५	४७	१३	७	३०	२८	धनुषि	अनु.भौमः९।४० चन्द्रदर्शनम्
३	चं	६	५६	पू	४१	११	शू	३/३४	५२/०	ग	६	५६	२	४८	१२	८	१	२९	म.५५।३०	भ.३४/१८उ.बुधोदयःपूर्वस्यां२/४६ जिल्कादं११
४	मं	१	४०	उ	३८	२८	वृ	४९	१९	वि	१	४०	०	४८	१२	९	२	३०	मकरे	भ.१।४०या.
५	मं	५६	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	बु	५७	१०	श्र	३८	०	ध्रु	४४	४६	कौ	२७	४२	२५/५८	४८	१२	१०	३	१	मकरे	दिसम्बर१२ता.३१चंपा६
७	गु	५८	७	ध	३९	३६	व्या	४१	५८	ग	२७	३८	५६	४९	११	११	४	२	कुं.८।४८	भ.५९/८उ.मार्गीगुरुः५६/९मघा.३गुरुः४९/२
८	शु	६०	०	श	४३	४	ह	४०	३४	वि	२९	३०	५४	४९	११	१२	५	३	कुंभे	भ.३९/०या.ज्येष्ठा.रविः४/३३ (सौरः३२/३८)
८	श	०	५३	पू	४८	१२	व	४०	५१	ब	०	५३	५३	४९	११	१३	६	४	मी३१।५५	मूलेधनुषिशुक्रः३४।१०
९	र	५	३०	उ	५४	३१	सि	४१	४०	कौ	५	३०	५१	५०	१०	१४	७	५	मीने	
१०	चं	१०	५९	रे	६०	०	व्य	४३	४२	ग	१०	५९	४९	५०	१०	१५	८	६	मीने	भ.४४।१५उ.
११	मं	१७	३०	रे	२	३	व	४१	४७	वि	१७	३०	४८	५०	१०	१६	९	७	मे.२।३	भ.१७।३०या मोक्षदा११व्र. गीताजयंती
१२	बु	२३	५६	अ	९	५४	प	४८	१४	बा	२३	५६	४६	५१	९	१७	१०	८	मेषे	
१३	गु	३०	२५	भ	१७	८	शि	५०	२५	तै	३०	२५	४५	५१	९	१८	११	९	वृ.३३।५६	प्रदोषः
१४	शु	३६	२८	कृ	२४	१९	सि	५२	९	ग	३	२६	४४	५१	९	१९	१२	१०	वृषे	भ.३६।२८उ.
१५	श	४१	५५	रो	३१	४	सा	५३	३१	वि	९	११	४३	५१	९	२०	१३	११	वृषे	भ.९।११या.अनु.बुधः०।२९दत्तजयंती

३४पं.मा.शु.६बु.इ. ८/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	४	७	५	२	७
१४	५	२९	६	२५	३	७	१४
४२	२५	०	३३	४५	४६	५१	१३
२९	२३	३६	५४	४	२	५६	३७
६०	४२	१६/१९	३	७४	३	३	६१
५०	५०	व.	३७	२६	५८	११	३

गोचर ग्रहाः

इसमासमें धान्य बाजरा मूंग मोठ सोना चांदीलोहाटीन तांबा आदि धातु कृष्णपक्ष में मंदे होकर शुक्ल पक्ष में तेज हों।

गोचर ग्रहाः

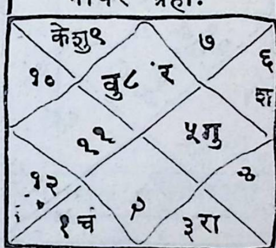

३५पं.मा.शु.१२बु.इ. ९/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	८	५	२	७
२१	१०	१	६	४	४	७	२१
४८	२३	७	५०	३२	११	३४	२१
३२	९	५९	४९	२	३५	४१	१७
६०	४२	४६/५२	२	७४	३	३	६१
५६	०	मा	१०	२६	२३	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.
१	र	४६	१८	मृ	३६	५०	शु	५४	५	बा	१४	६	२५/४२	६/५२	५/८	२१	१४	१२	मि३।५७	
२	चं	४९	५५	आ	४१	५२	शु	५३	५८	तै	१८	६	४१	५२	८	२२	१५	१३	मिथुने	
३	मं	५२	२३	पु	४६	५	ब्र	५३	६	व	२१	९	४०	५२	८	२३	१६	१४	क.३०।२	भ.२१।९उ.५२।२३या.
४	बु	५३	४७	पु	४९	४	ऐं	५१	२९	ब	२३	५	३९	५२	८	२४	१७	१५	कर्के	पूभा.शुक्रः९।१५चतुर्थीव्र.
५	गु	५४	५	श्ले	५१	५०	वै	४८	५३	कौ	२४	५६	३९	५२	८	२५	१८	१६	सिं५१।५०	मूलेधनुष्यर्कः११/४८ (सौरः३६/२८)–
६	शु	५३	२२	म	५१	२९	वि	४१	३४	ग	२३	४३	३८	५२	८	२६	१९	१७	सिंहे	भ.५३।२२उ.
७	श	५१	३४	पू	५१	२९	प्री	४१	१४	वि	२२	२८	३८	५२	८	२७	२०	१८	सिंहे	भ.२२।२८या.
८	र	४८	१३	उ	४९	५०	आ	३५	५५	बा	१९	५३	३७	५३	७	२८	२१	१९	कं.६।४	[–ज्येष्ठा.भौम.५७/३९
९	चं	४३	५९	ह	४७	१०	सौ	२९	२८	तै	१६	६	३७	५३	७	२९	२२	२०	कन्यायां	वक्रीगुरुः५।२५
१०	मं	३८	१५	चि	४३	१०	शो	२२	८	व	११	७	३६	५३	७	३०	२३	२१	तु.१५।१०	स.११।७उ.३८।१५या. ज्येष्ठा.बुधः१२/७
११	बु	३१	४१	स्वा	३८	१०	अ	१४	५२	ब	४	५८	३६	५३	७	१	२४	२२	तुलायां	भा.पौषारंभःसफला११व्र.
१२	गु	२४	४	वि	३२	१३	सु	४/४३	५८/२८	तै	२४	४	३६	५३	७	२	२५	२३	वृ.१८।४२	प्रदोषः
१३	शु	१५	५०	अ	२७	२	शू	४५	८	व	१५	५०	३६	५३	७	३	२६	२४	वृश्चिके	भ.१५।५०उ.४१।३६या.
१४	श	७	२२	ज्ये	१९	१६	गं	३५	१४	श	७	२२	३७	५३	७	४	२७	२५	ध.१९।१६	उषा.शुक्रः५०/१मृग४राहुःमूल.२केतुः१९/४५
३०	श	५१	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	

३६पं.पौ.कृ.४बु.इ. ८/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	४	८	५	२	७
२८	१५	८	६	१३	४	७	२८
५५	२३	३४	५८	१८	३२	१२	३०
२६	२०	२३	१२	४७	१३	२५	०
६१	४२	७२	०	७४	२	३	६१
०	४	३५	५२	२०	३६	११	१९

गोचर ग्रहाः

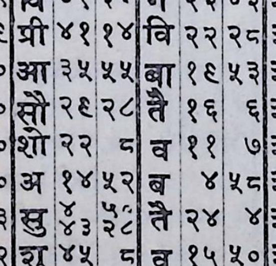

पौष कृष्णे ५ गुरौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा. ३न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

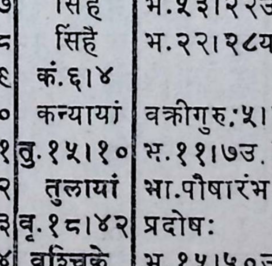

३७पं.पौ.कृ.११बु.इ. ८/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	८	५	२	८
५	२०	१७	६	२२	४	६	५
३	२६	५८	५५	५	४७	५१	३९
०	१०	१६	४१	२४	४९	१०	२५
६१	४२	८३	२८/०	७४	१	३	६१
४	१४	५१	व.	१५	५३	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९५शाक: १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३१८६स२०३८
१	र	५१	४९	मू	१३	६	वृ	२५	४०	कं	२५	३०	३५/३७	५६/५३	५/७	५	२८	२६	धनुषि	उदयोभौम:४७।३३
२	चं	४५	४७	पू	७	५२	ध्रु	१७	१	बा	१८	४८	३७	५३	७	६	२९	२७	म.२१।३९	चंद्रदर्शनम्
३	मं	४१	१९	उ	३	०	व्या	९	३३	तै	१३	३३	३८	५२	८	७	१	२८	मकरे	मकरेशुक्र:२६।११जिल्हेज१२
४	बु	३९	६	श्र	१	४३	ह	३/२४	५५/३६	व	१०	१२	३८	५२	८	८	२	२९	कुं.३१।४२	भ.१०/१२उ.३/६या.पूषा.रवि:५६/५१(सौर:३/६
५	गु	३८	४६	ध	१	४१	सि	५६	२८	ब	८	५६	३९	५२	८	९	३	३०	कुंभे	मूलेधनुषिबुध:२१।२१
६	शु	४०	३८	श	३	३३	व्य	५५	३९	कौ	९	४२	४०	५२	८	१०	४	३१	मी५१।३५	वक्रीमघा.२गुरु:९।५५
७	श	४४	२५	पू	७	३५	व	५५	३२	ग	१२	३१	४१	५२	८	११	५	१	मीने	भ.४४/२५उ.जनवरी१ता.१सन्२०३९
८	र	४९	३३	उ	१३	१०	प	५६	५५	वि	१६	५९	४२	५२	८	१२	६	२	मीने	भ.१६/५९या.बुधास्त:पूर्वस्यां४८।७
९	चं	५५	४६	रे	१९	५९	शि	५८	५३	बा	२२	३९	४३	५१	९	१३	७	३	मे १९।५९	
१०	मं	६०	०	अ	२७	२०	सि	६०	०	तै	२९	०	४४	५१	९	१४	८	४	मेषे	मूलेधनुषिभौम:१५।२०
१०	बु	२	१५	भ	३५	२	सि	०	१०	ग	२	१५	४५	५१	९	१५	९	५	वृ.५१।५२	भ.३५।३०उ.श्रवणेशुक्र:९।४२
११	गु	८	४५	कृ	४२	२३	सा	२	२६	वि	८	४५	४७	५१	९	१६	१०	६	वृषे	भ.८।४५या.पुत्रदा११व्र.
१२	शु	१४	५०	रो	४९	१०	शु	४	८	बा	१४	५०	४८	५०	१०	१७	११	७	वृषे	पूषा.बुध.५७।१६प्रदोष:
१३	श	२०	०	मृ	५४	५५	शु	५	२८	तै	२०	०	५०	५०	१०	१८	१२	८	मि२२।२	
१४	र	२३	४८	आ	५९	२३	ब्र	५	५१	व	२३	४८	५२	५०	१०	१९	१३	९	मिथुने	भ.२३/४८उ.५५/१३या.वक्रीशनि:४।१
१५	चं	२६	३८	पु	६०	०	ऐं	५	१८	ब	२६	३८	५३	४९	११	२०	१४	१०	क.४६।५३	मा.स्ना.प्रा.

३८पं.पौ.शु.४बु.इ. ५८/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	७	७	४	९	५	२	८
१३	२५	२८	६	०	४	६	१२
१०	३०	८	४४	५१	५८	२७	४९
५९	२५	२	१०	३६	२६	५४	१७
६१	४२	९१	२/३	७४	१	३	६१
६	२९	३३	व	९	१३	११	२६

गोचर ग्रहाः

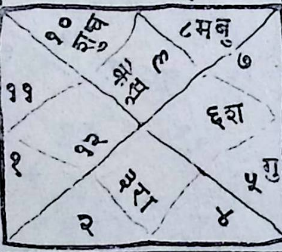

इस मास में बाजरा मूंग मोठ गुंवार मक्का गेहूं जो चना मटर आदि धान्य सोना चांदी लोहा ताम्बा आदि धातुयें तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३९प.पौ.शु.१०बु.इ. ५३/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	४	९	५	२	८
२०	०	८	६	९	५	६	१९
१९	३७	४०	२३	३७	३	५	५९
५	३०	२०	६	२०	५८	३८	१९
६१	४२	९६	२/८	७४	०	३	६१
६	४९	३	व	२	२६	११	२६

ति.	माघ कृष्णपक्षः स० २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	मं	२८	३	पु	२	४३	वै	३	५५	कौ	२८	३	२५/५५	४६/५	५/११	२१	१५	११	कर्के	उषा.रवि:२२।२२(सौर:३९।३३)
२	बु	२८	२८	पु	४	५०	वि	२/३२	५६/४५	ग	२८	२८	५७	४९	११	२२	१६	१२	कर्के	भ.५८।२उ.
३	गु	२७	३७	श्ले	५	५३	आ	५५	२२	वि	२७	३७	५९	४७	१२	२३	१७	१३	सिं५।५३	भ.२७।३७या.चतुर्थी व्र.
४	शु	२५	५३	म	६	८	सौ	५०	३८	बा	२५	५३	२६/१	४८	१२	२४	१८	१४	सिंहे	मकरेऽर्कः३७।५१(सौर:५५।०)
५	श	२३	३४	पू	५	३५	शो	४५	२१	तै	२३	३४	४	४७	१३	२५	१९	१५	कं.२०।१३	
६	र	२०	२१	उ	४	८	अ	३९	३१	व	२०	२१	६	४७	१३	२६	२०	१६	कन्यायां	भ.२०/२१उ.४८/३०याउषा.बुध:५९/१धनिशु.२५/४
७	चं	१६	३८	ह	२/५	५७/२२	सु	३३	४	ब	१६	३८	८	४६	१४	२७	२१	१७	तु.२९।४६	
८	मं	१२	८	स्वा	५६	२	धृ	२६	२	कौ	१२	८	११	४६	१४	२८	२२	१८	तुलायां	मकरेबुध:३७।२८
९	बु	६	५८	वि	५२	२	शू	१८	३२	ग	६	५८	१३	४५	१५	२९	२३	१९	वृ.३८।२	भ.३४।५उ.
१०	गु	१	१३	अ	४७	३८	गं	१०	४२	वि	१	१३	१६	४५	१५	३०	२४	२०	वृश्चिके	भ.१।१३या.षट्तिला११व्र.स्मा.
११	गु	५३	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[x२९/२भा.माघारंभ:षट्तिला११व्र.वै.
१२	शु	४८	२०	ज्ये	४२	४४	वृ	२/१९	५०/३६	कौ	२१	३७	१९	४४	१६	१	२५	२१	ध.४२।४४	अभि.प्र.रवि:५२/२७(सौर:२६/२१,कुंभेशुक्र:x
१३	श	४१	४४	मू	३७	५२	व्या	४५	३०	ग	१५	२	२१	४४	१६	२	२६	२२	धनुषि	भ.४५/४४उ.पूषा.भौम:२५/७प्रदोष:
१४	र	३५	२४	पू	३३	२६	ह	३७	२९	वि	८	३४	२४	४३	१७	३	२७	२३	मे.४७।३१	भ.८।३४या.
३०	चं	३०	१	उ	२९	४७	व	३०	११	च	२	४२	२७	४३	१७	४	२८	२४	मकरे	श्रवणेरवि:२७/४सौर:४३/१७श्रवणेबुध:३९/३७

४०पं.मा.कृ.२बु.इ. ५७/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	४	९	५	२	८
२७	५	१९	५	१८	५	५	२७
२७	४५	३५	५३	२२	३	४३	९
७	५४	२०	२४	४४	३२	२३	६
६१	४२	९९	४/३५	७३	०/२१	३	६१
६	५४	१५	व	५६	व.	११	२४

गोचरग्रहाः

माघ कृष्णे ४ शक्रे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २न.३ गतालकावस्था (ऊभी)मु ३०धान्या-दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचरं ग्रहाः

४१पं.मा.कृ.९बु.इ. ४९/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	९	५	२	९
४	१०	०	५	२७	४	५	४
३४	५७	५२	१५	६	५८	२१	१८
५९	१४	८	४३	१४	८	७	३५
६१	४३	३०/[illegible]	४८/५	७३	१/८	३	६१
३	१४	[illegible]	व	५०	व.	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिररर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३२१६सं.२०३९
१	मं	२५	३९	श्र	२७	१२	सि	२३	३५	ब	२५	३९	२६/२९	४६/४२	५/१८	५	२९	२५	कुं.५६।४८	अभि.नि.रविः१९/१९(सौरः३३/३४)
२	बु	२२	५६	ध	२६	२४	व्य	१८	२९	कौ	२२	५६	३२	४२	१८	६	३०	२६	·कुम्भे	शतेशुक्रः४८।१७चंद्रदर्शनम्
३	गु	२२	५	श	२७	८	व	१४	५२	ग	२२	५	३५	४१	१९	७	१	२७	कुंभे	भ.५२/३५उ.मोहोरम१सन्१४६१हि.
४	शु	२३	४	पू	२९	५३	प	१२	४१	वि	२३	४	३८	४०	२०	८	२	२८	मी१४।१२	भ.२३।४या.
५	श	२६	५	उ	३४	२४	शि	११	४७	ग	२६	५	४१	४०	२०	९	३	२९	मीने	वसंत५
६	र	३०	३४	रे	४०	२५	सि	१२	२८	तै	३०	३४	४५	३९	२१	१०	४	३०	मे.४०।२५	
७	चं	३६	२०	अ	४७	१८	सा	१३	५८	ग	३	२७	४८	३८	२२	११	५	३१	मेषे	भ.३६।२०उ.भानु७रथ७
८	मं	४२	४३	भ	५४	५२	शु	१५	५५	वि	९	३१	५१	३८	२२	१२	६	१	मेषे	भ.९।३१या.धनि.बुधः१९।०फरवरी =
९	बु	४९	९	कृ	६०	०	शु	१८	१५	बा	१५	५६	५४	३७	२३	१३	७	२	वृ.११।१५	[=२ता.२८भीष्माष्टमी
१०	गु	५५	२३	कृ	२	२५	ब्र	२०	१४	तै	२२	१६	५८	३६	२४	१४	८	३	वृषे	
११	शु	६०	०	रो	९	२६	ऐं	२१	४७	व	२७	५७	२७/१	३६	२४	१५	९	४	मि४२।२४	भ.२७/५७उ.वक्रीमघा.१गुरुः५८/१९जया११व्र.
११	श	०	३१	मृ	१५	२३	वै	२२	३४	वि	०	३१	५	३५	२५	१६	१०	५	मिथुने	भ.०।३१या.कुंभेबुधः२।३
१२	र	४	१४	आ	१९	५६	वि	२२	८	बा	४	१४	८	३४	२६	१७	११	६	मिथुने	धनि.रविः३५/२२(सौरः४८/७)पूभा.शुक्रः ÷
१३	चं	६	४२	पु	२३	५	प्री	२०	२७	तै	६	४२	१२	३४	२६	१८	१२	७	क.७।१८	[÷३१।३१प्रदोषः
१४	मं	७	१२	पु	२४	३७	आ	१७	३२	व	७	१२	१५	३३	२७	१९	१३	८	कर्के	भ.७।१२उ.३६/५२या.शतेबुधः४६।४८
१५	बु	६	३२	श्ले	२४	५३	सौ	१३	३४	ब	६	३२	१९	३३	२८	२०	१४	९	सिं२४।५३	उषा.भौमः७।५९मा.स्ना.पूर्तिः

४२ पं.मा.शु.२बु.इ. ७/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	१०	५	२	९
११	१६	१२	४	५	४	४	११
४२	९	३६	३०	४९	४७	५८	२७
२९	५८	७	५०	४८	२८	५२	२६
६०	४३	७/०	०/१६	७३	४६/१	३	६१
५९	१९	९/८	व	४६	व	११	१३

४३प.मा.शु ९बु.इ. ८/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	४	१०	५	२	९
१८	२१	२४	३	१४	४	४	१८
४९	२४	४७	४१	३१	३१	३६	३५
१	०	५३	६	२६	४१	३६	३४
६०	४३	७/०	२५/७	७३	५/२	३	६१
५५	३४	९/३६	व	३८	व	११	४

४४पं.मा.शु.१५बु.इ. ८/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	१०	४	१०	५	२	९
२५	२६	७	२	२३	४	४	२५
५४	४०	१७	४७	११	११	१४	४२
५०	८	५३	१०	३८	२०	२०	२१
६०	४३	७/०	५/२ ७	७३	३/७	३	६
४७	५५	९/२४	व	२६	व	११	५

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	गु	४	१७	म	२३	५०	शो	८	३८	कौ	४	१७	२७/२३	६/३१	५/२९	२१	१५	१०	सिंहे	
२	शु	१	५	पू	२१	५३	अ	२/५७	५३/३५	ग	१	५	२७	३१	२९	२२	१६	११	कं.३६।१५	भ.२९/७उ.५/८या.बुधोदयःपश्चिमायां१५/४१
३	शु	५६	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	श	५२	२९	उ	१९	२०	धृ	४९	४४	ब	२४	४८	३०	३०	३०	२३	१७	१२	कन्यायां	चतुर्थीव्र.
५	र	४७	४५	ह	१६	२८	शू	४२	५६	कौ	२०	७	३४	२९	३१	२४	१८	१३	तु.४४।५४	कुंभेऽर्कः१३/०८(सौरः२/२५)मकरेभौमः३/०९
६	चं	४२	५२	चि	१३	२०	गं	३५	५२	ग	१५	१८	३८	२८	३२	२५	१९	१४	तुलायां	भ.४२।५२उ.मीनेशुक्रः४०।१९
७	मं	३८	१	स्वा	९	५८	वृ	२८	५१	वि	१०	२६	४१	२८	३२	२६	२०	१५	वृ.५२।२८	भ.१०।२६या.
८	बु	३२	५५	वि	६	३८	ध्रु	२१	३७	बा	५	२८	४५	२७	३३	२७	२१	१६	वृश्चिके	पूभा.बुध ३६।५७
९	गु	२७	४७	अ	३	२५	व्या	१४	२६	तै	०	२१	४९	२६	३४	२८	२२	१७	वृश्चिके	भ.५५।१६उ.उभा.शुक्रः२४।११
१०	शु	२२	४५	ज्ये	०/३	५६/५३	ह	७	१४	वि	२२	४५	५३	२५	३५	२९	२३	१८	ध.०।३	भ.२२।४५या.
११	श	१७	५२	पू	५३	५०	व	५०/१८	५३/२५	बा	१७	५२	५६	२५	३५	३०	२४	१९	धनुषि	शतेरविः४६/५१(सौरः५७/२७)विजया११व्र.
१२	र	१३	२०	उ	५१	३०	व्य	४७	३०	तै	१३	२०	२/०	२४	३६	१	२५	२०	म.८।१५	भा.फाल्गुनारंभःप्रदोषः
१३	चं	९	२६	श्र	४९	५३	व	४१	५३	व	९	२६	४	२३	३७	२	२६	२१	मकरे	भ.९/२६उ.३७/४७या.महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
१४	मं	६	८	ध	४९	२२	प	३७	३	श	६	८	८	२२	३८	३	२७	२२	कुं.१९।३७	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	बु	४	१५	श	५०	११	शि	३३	३१	ना	४	१५	१२	२२	३८	४	२८	२३	कुम्भे	वक्रीउफा.२शनिः६।४१

४५पं.फा.कृ.८बु.इ. ८।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	११	५	२	१०
२	१	१९	१	१	३	३	२
५९	५७	१४	५१	४८	४७	५२	४८
४२	४०	१७	५८	५८	३५	५	२४
६०	४४	९५	५२/७	७३	४६/३	३	६०
३७	०	४	व	१४	व	११	४२

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन कृष्णे ५ रवौ कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३न.३ गतालकावस्था (ऊभी)मु.३०धान्यादिभांवे समता शुक्रोदयःपश्चिमायाम् ।

गोचर ग्रहाः

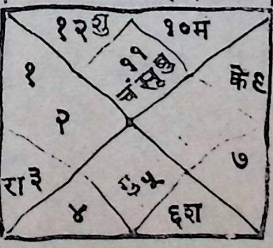

४६पं.फा.कृ३०बु.इ.८।३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	४	११	५	२	१०
१०	७	२८	०	१०	३	३	९
३	१७	१०	५७	२४	१९	२९	५२
१४	१०	४८	१८	५८	५२	४९	५७
६०	४४	६०	४९/७	७३	४/४	३	६०
२५	११	२४	व	२	व	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३२४६स.२०३९
१	गु	३	३८	पू	५२	३१	सि	३१	४	ब	३	३८	२८/१६	६/२१	५/३९	५	२९	२४	मी३६।५६	मीनेबुधः५६।५१चंद्रदर्शनम्
२	शु	४	३७	उ	५६	२२	सा	२९	५७	कौ	४	३७	२०	२०	४०	६	१	२५	मीने	सफर२फुलरिया२
३	श	७	१८	रे	६०	०	शु	२९	३१	ग	७	१८	२४	१९	४१	७	२	२६	मीने	भ.३९/२०उ.श्रवणेभौम३६/५१मृग३राहुःमूल÷
४	र	११	२२	रे	१	४६	शु	३०	४१	वि	११	२२	२८	१८	४२	८	३	२७	मे.१।४६	भ.११।२२या.[÷१केतुः१३।४१
५	चं	१६	४६	अ	८	१६	ब्र	३२	२५	बा	१६	४६	३२	१८	४२	९	४	२८	मेषे	रेवत्यांशुक्रः१५।२२
६	मं	२२	५२	भ	१५	३१	ऐं	३४	४६	तै	२२	५२	३६	१७	४३	१०	५	१	वृ.३२।२४	वक्रीबुधः२।२६मार्च३ता.३१
७	बु	२९	१३	कृ	२३	५	वै	३६	५६	व	२९	१३	४०	१६	४४	११	६	२	वृषे	भ.२९/५३उ.वक्रीकर्केआश्ले.४गुरुः४६/३९ =
८	गु	३५	३८	रो	३०	२६	वि	३८	५९	वि	२	२५	४४	१५	४५	१२	७	३	वृषे	भ.२।२५या.होलाष्टकम्
९	शु	४१	७	मृ	३६	४	प्री	४०	२०	बा	८	२२	४८	१४	४६	१३	८	४	मि३।१५	[=बुधास्तःपश्चिमायां४४।४६
१०	श	४५	१	आ	४२	२०	आ	४०	२७	तै	१३	४	५२	१४	४६	१४	९	५	मिथुने	पूभा.रविः२।५६(सौरः१२।१४)
११	र	४७	४३	पु	४६	११	सौ	३९	२८	व	१६	२२	५६	१३	४७	१५	१०	६	क.३०।१३	भ.१६/२२उ.४७/४३या.वक्रीकुंभेबुधः४६।१६+
१२	चं	४८	१९	पु	४८	५	शो	३७	१	ब	१८	१	२९/१	१२	४८	१६	११	७	कर्के	[+आमलकी११व्र.
१३	मं	४७	१३	श्ले	४८	०	अ	३३	२	कौ	१७	४६	५	११	४९	१७	१२	८	सि४८।०	प्रदोषः
१४	बु	४४	७	म	४६	२८	सु	२७	३७	ग	१५	४०	९	१०	५०	१८	१३	९	सिंहे	भ.४४।७उ.
१५	गु	३९	३६	पू	४३	३३	धृ	२१	८	वि	११	५१	१३	९	५१	१९	१४	१०	कं.५७।३१	भ.११।५१या.होलिकादहनम्

४७पं.फा.शु.७बु.इ. ८/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	११	४	११	५	२	१०
१७	१२	०	०	१८	२	३	१६
५	३६	४८	४	५७	४९	७	५५
२८	२९	११	३४	१०	३०	३४	५३
६०	४४	११/२२	७/१६	७२	४/२१	३	६०
२	१६	व	व	४९	व	११	२०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ जो चना मक्का सभी धान्य मंदे होवे घृत तेल सक्कर तेज हो प्रजा सुखी रहे।

गोचर ग्रहाः

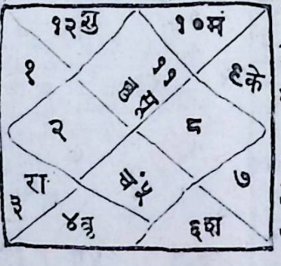

४८पं.फा.शु.१४बु.इ. ९/१६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	१०	३	११	५	२	१०
२४	१७	२६	२९	२७	२	२	२३
६	५७	२७	१५	२८	१७	४५	५७
१४	३६	२२	४३	८	१०	१८	१६
५९	४४	६३/२१	६/२५	७२	४/३८	३	६०
५८	२२	व	ब	२९	व	११	६

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९५ शाकः १९६०												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	शु	३४	७	ठ	३९	२५	शू	१३	४३	बा	६	५१	२५/१७	६/९	५/५९	२०	१५	११	कन्यायां	अश्वि.मेषेशुक्रः१५।०वसंत१छारेंडी
२	श	२७	३९	ह	३४	४९	गं	५/३१	५१/४५	तै	०	५३	२१	८	५२	२१	१६	१२	कन्यायां	भ.५४/२१उ.पातस्पर्शः३५/५३पातमोक्षः४५/२२
३	र	२१	४	चि	३०	४	ध्रु	४८	५५	वि	२१	४	२६	७	५३	२२	१७	१३	तु.२।२६	भ २१।४या.चतुर्थीव्र.
४	चं	१४	१९	स्वा	२५	१६	व्या	४०	४६	बा	१४	१९	३०	६	५४	२३	१८	१४	तुलायां	
५	मं	८	१	वि	२१	४	ह	३२	५३	तै	८	१	३४	५	५५	२४	१९	१५	वृ.७।७	मीनेऽर्कः३।४८(सौर·१२।३५)
६	बु	२	७	अ	१७	११	व	२५	२६	व	२	७	३८	४	५६	२५	२०	१६	वृश्चिके	भ.२/७उ.२९/३०या.वक्रीशतेबुधः५।२९=
७	बु	५४	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=घनि.भौमः१०।२६
८	गु	५२	७	ज्ये	१३	४३	सि	१८	२५	बा	२४	३०	४३	३	५७	२६	२१	१७	ध.१३।४३	बुधोदयःपूर्वस्यां११।२शीतलापूजनम्
९	शु	४७	५५	मू	११	२	व्य	१२	५	तै	२०	१	४७	३	५७	२७	२२	१८	धनुषि	उभा.रविः२४।५० सौरः३४।११)
१०	श	४४	३६	पू	९	१०	व	६	१८	व	१६	१५	५१	२	५८	२८	२३	१९	म.२३।५३	भ.१६।१५उ.४४।३६या.
११	र	४२	२	उ	८	२	प	९/११	५५/२६	ब	१३	१९	५५	१	५९	२९	२४	२०	मकरे	पापमोचनी११व्र.
१२	चं	४०	१७	श्र	७	३४	सि	५२	५३	कौ	११	१०	३०/०	६/०	६/०	३०	२५	२१	कुं.३७।५३	
१३	मं	३९	३८	ध	८	१३	सा	५०	७	ग	९	५७	३०/४	५/५९	६/१	१	२६	२२	कुंभे	भ.३९/३८उ.भरण्यांशुक्रः२१/४६भा.चैत्रारंभ×
१४	बु	३९	५९	श	९	४८	शु	४७	७	वि	९	४८	८	५८	२	२	२७	२३	मी५६।५०	भ.९।४८या. [×प्रदोषः
३०	गु	४१	४०	पू	१२	३१	शु	४७	२२	च	१०	५०	१२	५८	२	३	२८	२४	मीने	मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.६बु.इ. ९/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	३	०	५	२	११
१	२३	१९	२८	५	१	२	०
५	१९	५७	३३	५४	४४	२३	५६
३१	२३	१४	४	२९	६	२	५८
५९	४४	५०/२५	५/२९	७२	४/४०	३	५९
४१	३८	व	ब	३	व.	११	४९

गोचर ग्रहाः

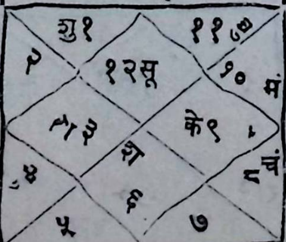

चैत्र कृष्णे ५ भौमे मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न. ४ युवावस्था (मूती) मु. ४५ धान्यादिभावेषुसमर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

५०पं.चै.कृ.१४बु.इ. ९/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	९	१०	३	०	५	२	११
८	२८	१७	२७	१४	१	२	७
३	४२	१०	५७	१७	१०	०	५४
१८	५८	२६	१८	३५	४४	४७	५३
५९	४४	१०/५९	४/१९	७१	४/४०	३	५९
२९	४३	व	व	४३	व	११	३५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४०, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१४०, भोग्यकलिः ४२६८६० अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९६, शाकः १९६१, अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः। मंत्री गुरुः। सस्येशः रविः। धान्येशः शुक्रः। मेघेशः बुधः। रसेशश्चंद्रः । नीरसेशः शनिः। फलेशः बुधः। धनेशः शनिः। दुर्गेशः बुधः। एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ७ श्रीमुख संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ३।१७।४८।२४।४८ भोग्यमासादिः ८।१२।११।३५।१२ बार्हस्पत्यदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम माघः।मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासःसंधौ समयनिवासो वैश्य गृहे। समय विश्वा१० समयवाहनम् दुर्दुरः। स्तंभः१ तृणस्य । सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी × अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी ३ भानुसप्तमी २ रविदशमी× समय मुहूर्ताः ४०५ समयदिनानि ३८४ तिथिक्षयः १८ तिथिवृद्धिः १२ उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा ११, धान्यम् ५, तृणम् ९, शीतम् ५, तेजः ९, वायुः ५, वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः१७, ऐक्यम्७५, सत्यम्।। धर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहण२चंद्रमसः।

सं. २०९६ ज्ये. शु. १५ चंद्रे चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	१०	१२	१
मि.	५४	२४	५४
घ.	४१	४४	४८
प.	७	५२	३७

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	१४
ख.	८	१४	११	११	५	११

वर्ष लग्नम् ७।९

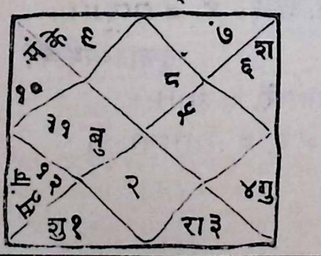

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा तेरे चरण पूजत हैं सब कोय ।
भैरव पूछे छ्यानवे संवत् कैसा होय ।।

भवानी उत्तर

छहों मासा छयानवे सुख पावे संसार ।
वर्षा ऋतु आरंभ में वर्षे मूसलधार ।।
दशाधिकारी देखतां जग में हो आनंद ।
ज्ञानवंत सुख ऊपजे दुख पावे मतिमंद ।।
भृगु राजा इस वर्ष में सुरगुरु भये प्रधान ।
वर्षा होसी सांतरी मध्यम नीपजे धान ।।
व्यापारां घटबढ घणी होसी मालामाल ।
चतुर कमावे चोगुणा मूर्ख हो बेहाल ।।
देख नभश्चर चार को कहा वर्ष निरधार ।
धर्म कर्म करते रहो यही जगत में सार ।।

सं.२०९६ कार्तिक शु. १५ बुधे चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	८	१०	१२
मि.	३९	२४	९
घ.	३५	३९	५
प.	२९	५२	१४

लाभ खर्च कोष्ठक

रा.	तु.	बृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	११	२	५	८	८	५
खं.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ५।३

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१७।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२३।१४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रस्तत्फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहु सस्य संकुला सुतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री गुरुः फलम् ।। विविध धान्ययुता खलु मेदिनी प्रचुर तोय घना मुदिता भवेत् । नृपतयो जनपालन तत्पराः सुरगुरौ ननु मंत्रि समागते ।। सस्येशो रविःफलम् ।। सस्याधिनाथे तरणौहि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवौपि चौराः । युद्धं नृपा ां जलदाः जलाढ्या स्वल्पं च सस्यं बहु भूतहाश्च ।। धान्येशो शुक्रः फलम् ।। भृगौ पश्चिम धान्येशे पश्चाद्धान्यं न पच्यते । सस्यं समर्घतां याति स्वल्पं क्षीरं गवामपि ।। मेघेशः बुधः फलम् ।। अमृत रश्मिसुते यदि वारिपे बहु जलं तुष धान्य रसादिकम् । द्विजवरा यजनोत्सुक चेतसो विविध सौख्ययुता धरणीतदा ।। रसेशः चन्द्रः फलम् ।। यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम् । जलधरा बहु वारि विधायका रसवती धनधान्यवती मही ।। नीरसेशः शनिः फलम् ।। अयः पिण्डादि लोहानां कृष्ण वस्त्रादि वस्तुनां । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके ।। फलेशः बुधस्तत्फलम् ।। यदि बुधे फलपे फलमुत्तमं जलधरा जलराशि मुचो भृशं । बहु तृणं कुसुमैः कमलैर्युतं जनपदो जनसौख्य मुदान्वितः ।। धनेशः शनिः फलम् ।। द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अधनतां वणिजां कृषि जीविनो द्विजवराः परपीडन मानसाः ।। दुर्गेशः बुधः फलम् ।। विषम साम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राष्ट्रजनेषु विशेषताम् । शशिसुते यदि कोटक पालके पथिषु द्रव्य युतां न भयं क्वचित् ।। श्रीमुखनाम संवत्सरः फलम् ।। श्रीमुखाब्दे खिला धात्री बहु सस्यार्घ संयुता । अध्वरे निरता विप्रा वीतरोगा विवैरिणः ।। वर्षनाम माघः फलम् ।। सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमं पश्चिमे तथा । उत्तरे रौरवं माघे वर्षे धान्य महर्घता ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासः संधौ फलम् ।। खंडवृष्टिश्च संधिषु ।। समय निवासः वैश्य गृहे फलम् ।। वणिग्गृहे शुभं नास्ति ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९६ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ३ भौमे रोहि ल. १२ रे. ६ ।।।।ऽअ।।।।
,, १२ गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽऽ।।ऽ।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ बुधे मूले ल. गो. रे. ७ ऽ।।ऽ।।ऽ।।
शुक्ला ६ रवौ मघा ल. १ रे. ७ ।।।।।ऽनृ५२याऽऽ।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ गुरौ मृगे ल. ४-५ रे. ६ ।।।।।।चौ४२उऽ।।
,, २ शुक्रे मृगे ल. गो. रे. ८ ।।।।।ऽचौऽ।।।
,, ६ बुधे मघा ल. ७ (व्ययेऽर्कौ) रे. ७ ऽऽ।।।।ऽ।।।
,, ११ चन्द्रे स्वात्यां ल. ४-५ रे. ७ ।।ऽशु।।ऽरो।ऽ।।

पौष मासः

शुक्ला ७ शुक्रे रेव ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।ऽबृऽ।।ऽ।।
पादतो वेंधाऽभावः

पौष मासः

शक्ला १२ बुधे मृगे ल. ७ रे. ६ ।।।।।।अऽ।ऽऽ दग्धा
गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ३ बुधे उफा ल. ७ रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।
,, ४ गुरौ उफा ल. गो. रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।
,, १० बुधे मूले ल. ७ (व्ययेऽर्कौ) घ.४१-१०उ. रे. ८ ।ऽ।।।।।ऽ।।
शुक्ला ६ भौमे मृगे ल. ऽन्यगो रे. ८ ।।।।।ऽरोऽ।।
,, १५ चन्द्रे मघा ल. ७ रे. ८ ।।।ऽशु।।।ऽ।।
पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ बुधे उफा ल. गो. ७-१० रे. ८ ऽ।ऽबृ।।।।।।
तुला. व्ययेऽर्कौ
,, ६ बुधे मूले ल. ऽन्यगो रे. ८ ऽ।।।।।।ऽ।।
,, १० गुरौ उषा ल. १० रे. ८ ।।।।।ऽचौ।ऽ।।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः३२७५स.२०३९
१	शु	४४	३६	उ	१६	३५	ब्र	४६	५६	किं	१३	८	३०/१६	५७	३	४	२९	२५	मीने	संवत्सरारभः नवरात्रारभः
२	श	४८	४६	रे	२१	३५	ऐं	४७	५६	बा	१६	४१	२१	५६	४	५	३०	२६	मे.२१।३५	चंद्रदर्शनम्सिंधारा
३	र	५४	५	अ	२७	५९	वै	४९	२८	तै	२१	२५	२५	५५	५	६	१	२७	मेषे	रविलादल३मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	चं	५९	५६	भ	३४	५२	वि	५१	२३	व	२७	०	२९	५४	६	७	२	२८	वृ.५१।४७	भ.२७।०उ.५९।५६या.
५	मं	६०	०	कृ	४२	३२	प्री	५३	५५	ब	३३	६	३३	५३	७	८	३	२९	वृषे	
५	बु	६	१७	रो	५०	६	आ	५६	२१	बा	६	१७	३७	५३	७	९	४	३०	वृषे	
६	गु	१२	४३	मृ	५७	२०	सौ	५८	२०	तै	१२	४३	४१	५२	८	१०	५	३१	मि२३।४३	रेवत्यांरविः५२।२५
७	शु	१८	४०	आ	६०	०	शो	५९	२७	व	१८	४०	४५	५१	९	११	६	१	मिथुने	भ.१८/४०उ.५८/०या.रेवत्यांरविःसौरः३०/८ =
८	श	२३	१७	आ	३	३८	अ	५९	३७	ब	२३	१७	४९	५०	१०	१२	७	२	क.५२।२२	कृत्ति.शुक्रः३५।७शतेभौमः३७।३५
९	र	२६	४३	पु	८	३७	सु	५७	५९	कौ	२६	४३	५३	४९	११	१३	८	३	कर्के	राममवमी
१०	चं	२८	१	पु	११	४५	धृ	५५	१४	ग	२८	१	५७	४९	११	१४	९	४	कर्के	भ.५७।४५उ.
११	मं	२७	२९	श्ले	१२	४७	शू	५०	४०	वि	२७	२९	३/१	४८	१२	१५	१०	५	सि१२।४७	भ.२/३९या.बृषेशुक्रः२७/६कामदा११व्र.
१२	बु	२४	४२	म	११	५५	गं	४४	३०	बा	२४	४२	५	४७	१३	१६	११	६	सिंहे	प्रदोषः
१३	गु	२०	७	पू	९	१०	बृ	३६	५८	तै	२०	७	१०	४६	१४	१७	१२	७	कं.२३।२	[=पूभा.बुधः५०/११अप्रेल४ता.३०
१४	शु	१३	५२	उ	३७/४	५४/२३	ध्रु	२८	२२	व	१३	५२	१४	४५	१५	१८	१३	८	कन्यायां	भ.१३/५२उ.४०/२या.वक्रीउफा.१सिंहे +
१५	श	६	१२	चि	५२	३८	व्या	१९	५	ब	६	१२	१८	४४	१६	१९	१४	९	तु.२५।४९	हनुमज्जयंती [+शनिः३।२१

५१पं.चै.शु.५बु.इ. ९०/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	३	०	५	२	११
१४	४	१८	२७	२२	०	१	१४
५९	५	५९	२९	३६	३८	३८	५१
१०	१७	२०	३१	४०	१०	३१	५
५९	४४	२३/४६	१३/४	७१	४/२२	३	५९
१६	४७	मा	व.	१७	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

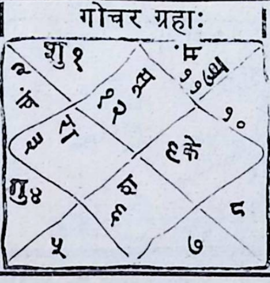

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि धान्य गल्ला में मंदी करे धातु वस्त्र तेज रहें।

गोचर ग्रहाः

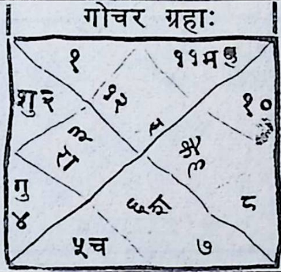

५२पं.चै.शु.१२बु.इ. ६०/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	३	१	५	२	११
२१	९	२४	२७	०	०	१	२१
५३	२८	९	९	५१	७	१६	४५
३१	५९	२५	४०	१८	४४	१६	१६
५९	४४	४९	५ १/२	७०	४/७	३	५९
४	१०	२९	व	४३	व.	११	

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०६६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श	५१	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	४९	२३	स्वा	४६	७	ह	९/१३	५०/१२	तै	२३	३८	३१/२२	५/४४	६/१६	२०	१५	१०	तुलायां	
३	चं	४०	५४	वि	३९	४८	सि	४९	५५	व	१५	८	२६	४३	१७	२१	१६	११	वृ.२६।२३	भ.१५/८उ.४०/५४या.मीनेबुधः४१/५५
४	मं	३३	१	अ	३५	८	व्य	४०	५२	ब	७	५७	३०	४२	१८	२२	१७	१२	वृश्चिके	चतुर्थीव्र.
५	बु	२५	५४	ज्ये	२९	१३	व	३२	३६	तै	२५	५४	३४	४१	१९	२३	१८	१३	ध.२९।१ :	
६	गु	२०	१	मू	२५	३	प	२५	३१	व	२०	१	३८	४०	२०	२४	१९	१४	धनुषि	भ.२०/१उ.४७/३८या.अश्वि.मेषेऽर्कः२६/३३ =
७	शु	१५	१५	पू	२३	१	शि	१९	१४	ब	१५	१५	४२	४०	२०	२५	२०	१५	म.३७।५१	=(सौरः३५/११) उभा.बुधः२६/७ ोहि. +
८	श	११	५१	उ	२१	४१	सि	१३	५८	कौ	११	५१	४६	३९	२१	२६	२१	१६	मकरे	+शुक्रः३/२९मार्गीगुरुः३२/४५
९	र	९	३८	श्र	२१	४२	सा	९	५३	ग	९	३८	५०	३८	२२	२७	२२	१७	कुं.५२।१३	भ.३९।९उ.
१०	चं	८	४०	ध	२२	४४	शु	६	४४	वि	८	४०	५३	३७	२३	२८	२३	१८	कुम्भे	भ.८।४०या.
११	मं	८	५३	श	२५	२१	शु	४	३२	बा	८	५३	५७	३७	२३	२९	२४	१९	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	बु	१०	२५	पू	२८	५८	व्र	३	१८	तै	१०	२५	३२/१	३६	२४	३०	२५	२०	मी१३।४	पूभा.भौमः८।५७प्रदोषः
१३	गु	१३	८	उ	३३	३५	ऐं	३	१४	व	१३	८	५	३५	२५	१	२६	२१	मीने	भ.१३/८उ.४४/५५या.भा.वैशाखारंभः
१४	शु	१६	४१	रे	३९	१	वै	३	२८	श	१६	४१	९	३४	२६	२	२७	२२	मे.३९।१	
३०	श	२१	२१	अ	४५	३२	वि	४	२९	ना	२१	२१	१२	३४	२६	३	२८	२३	मेषे	रेवत्यांबुधः३३।८

१पं.वै.कृ.६बृ.इ. २६/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	३	१	४	२	११
०	१५	३	२६	१०	२९	०	२९
०	५०	२०	५९	२६	३३	५०	५१
०	२४	२०	५६	४९	४०	७	३२
५८	४४	७४	०/१	६९	३/४६	३	५८
४४	५२	१२	व	५२	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

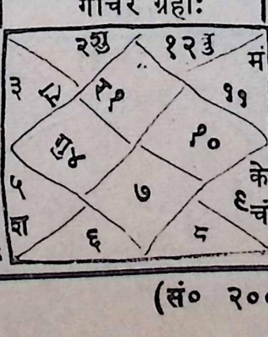

वैशाख कृष्णे ६ गुरौ मेषेऽर्कःप्रविष्टः वा.३ न.५वृद्धावस्था(बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समताशुक्रोदयः पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

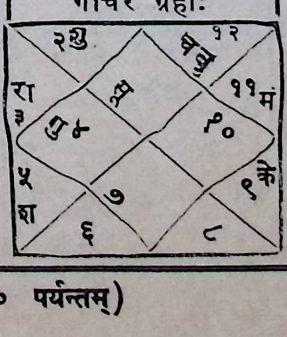

२पं.वै.कृ.१३बु.इ. २६/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	३	१	४	२	०
६	२१	१२	२७	१८	२९	०	६
५०	१३	७	०	२८	९	२७	४१
४६	२६	२३	२९	१६	५०	५२	४३
५८	४५	०	१	६८	३/१०	३	५८
३१	५	५३	मा	५८	व	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

तिं.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततुर्रौवैरुत्तरेऽहर्गणः३३०५स.२०३९
१	र	२६	४६	भ	५२	२१	प्री	६	५	ब	२६	४६	३२/१६	५/३३	६/२७	४	२९	२४	मेषे	चंद्रदर्शनसभवः
२	चं	३२	४४	कृ	५९	५२	आ	८	१०	कौ	३२	४४	२०	३२	२८	५	१	२५	बृ.९।१४	मृगेशुक्रः४६।५०रविलाखर४
३	मं	३८	५७	रो	६०	०	सौ	१०	४०	तै	५	५०	२३	३१	२९	६	२	२६	बृषे	परशुरामजयंतीअक्षया३
४	बु	४५	१४	रो	७	२८	शो	१२	५८	व	१२	५	२७	३१	२९	७	३	२७	मि४१।१३	भ.१२।५उ.४५।१४या.
५	गु	५१	२५	मृ	१४	५८	अ	१५	३०	ब	१८	२०	३१	३०	३०	८	४	२८	मिथुने	भरण्यांरविः६।३६(सौरः१६।३६)
६	शु	५६	२३	आ	२१	४६	सु	१७	१९	कौ	२३	५४	३४	२९	३१	९	५	२९	मिथुने	
७	श	६०	०	पु	२७	३५	धृ	१८	२६	ग	२८	२६	३८	२८	३२	१०	६	३०	क.११।८	मृग-राहुःज्येष्ठा४केतुः१२।३०
७	र	०	२९	पु	३२	१०	शू	१८	१५	व	०	२९	४१	२८	३२	११	७	१	कर्के	भ.२९/०उ.३/९ १/१या.अश्वि.मेषेबुधः३५/४१×
८	चं	१	५३	श्ले	३४	५८	गं	१६	४९	ब	१	५३	४५	२७	३३	१२	८	२	सिं३४।५८	मीनेभौमः४९।४८पातस्पर्शः५८।३८
९	मं	३	२६	म	३५	४०	बृ	१३	४२	कौ	३	२६	४८	२६	३४	१३	९	३	सिंहे	पातमोक्षः१२।४३
१०	बु	१	५६	पू	३४	३८	ध्रु	९	७	ग	१	५६	५२	२६	३४	१४	१०	४	क.४८।५२	भ.३/९०उ.५/१६या.मोहिनी११व्र.स्मा.
११	बु	५६	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×मिथुनेशुक्रः३९।३१मई५ता.३१
१२	गु	५२	३८	उ	३१	३२	व्या	२/४७	५२/१५	ब	२५	२६	५५	२५	३५	१५	११	५	कन्यायां	बुधास्तःपूर्वस्यां३/३ ५/३मोहिनी११व्र.वै.
१३	शु	४५	२२	ह	२६	२५	व	४५	५७	कौ	१९	०	५८	२४	३६	१६	१२	६	तु.५३।१९	उभा.भौमः५५।२६प्रदोषः
१४	श	३६	४७	चि	२०	१३	सि	३५	५५	ग	११	४	३३/२	२४	३६	१७	१३	७	तुलायां	भ.३६/४७उ.आर्द्राशुक्रः३५/५३नृसिंहजयंती
१५	र	२७	२०	स्वा	१२	५५	व्य	२५	२२	वि	२	३	५	२३	३७	१८	१४	८	वृ.५२।९	भ.२/३या.भरण्यांबुधः३२/३१यमायकुंभदानं

३पं.वै.शु.५बृ.इ. २९/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	१०	११	३	१	४	२	०
१३	२६	२४	२७	२६	२८	०	१३
३९	३५	२८	९	२१	४९	५	३०
५०	५३	५२	२९	३६	८	३६	८
५८	४४	५/०	२	६८	३२/१	३	५८
१९	५५	१६	२६	३	व	११	१२

गोचर ग्रहाः

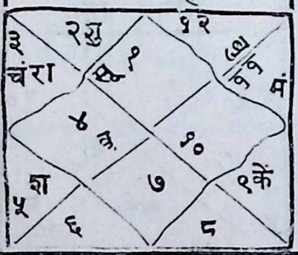

इस मास में धान्य गल्ला गुड़ सक्कर चीनी गन्ना रुई कपास बारदानावस्त्र तेज हो प्रजा में बीमारी फैले।

गाचर ग्रहाः

४पं.वै.शु.१२वृ.इ.२७/१०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	३	२	४	१	०
२०	१	७	२७	४	२८	२९	२०
२७	४७	१६	२८	५	३३	४३	१६
२९	११	१९	८	२८	०	२१	५५
५८	४४	७/०	३	६६	५/१	३	५७
६	५८	५/०	४८	५०	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाख कृष्णेति महा
१	चं	१७	२९	वि	५/१४	५३/२३	व	१४	२८	कौ	१७	२९	३३/८	५/२२	६/३८	१९	१५	९	वृश्चिके	
२	मं	७	५२	ज्ये	५०	३७	प	४/१	४९/५७	ग	७	५२	११	२०	३८	२०	१६	१०	ध.५०।३७	भ.३३।१८उ.५८।४४या.
३	मं	५०	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	बु	५०	४५	मू	४४	३८	सि	४४	५३	ब	२४	४५	१४	२१	३९	२१	१७	११	धनुषि	कृत्ति.रविः५२।३५चतुर्थीव्र.
५	गु	४४	७	पू	३९	५९	सा	३७	१	कौ	१७	२६	१७	२१	३९	२२	१८	१२	म.५४।१५	कृत्ति.रविःसौरः४।२८
६	शु	३९	१९	उ	३७	४	शु	३०	३०	ग	११	४३	२०	२०	४०	२३	१९	१३	मकरे	भ.३९।१९उ.
७	श	३६	१५	श्र	३५	५९	शु	२५	२२	वि	७	४७	२३	१९	४१	२४	२०	१४	मकरे	भ.४७या.कृत्ति.बुधः५५/५७पातस्पर्शः४२/३१ =
८	र	३४	५४	ध	३६	४७	ब्र	२१	४०	बा	५	३५	२६	१९	४१	२५	२१	१५	कुं.६।२३	बृषेऽर्कः१९।५०(सौरः३२।२१)
९	चं	३५	१३	श	३९	६	ऐं	१९	२१	तै	५	३	२८	१८	४२	२६	२२	१६	कुंभे	बृषेबुधः२०।३४
१०	मं	३७	०	पू	४२	४१	वै	१८	११	व	६	६	३१	१८	४२	२७	२३	१७	मी२६।४७	भ.६।६उ.३७।०या.
११	बु	४०	१६	उ	४७	५१	वि	१८	२६	ब	८	३८	३४	१७	४३	२८	२४	१८	मीने	अपरा११व्र.
१२	गु	४४	३३	रे	५३	५०	प्री	१९	५	कौ	१२	३५	३७	१७	४३	२९	२५	१९	मे.५३।५०	[=पातमोक्षः५९।२६
१३	शु	४९	३७	अ	६०	०	आ	२०	२६	ग	१७	५	३९	१६	४४	३०	२६	२०	मेषे	भ.४९/३७उ.पुन.शुक्रः३५/३०प्रदोषः
१४	श	५५	२६	अ	०	३७	सौ	२२	३२	वि	२२	३१	४२	१६	४४	३१	२७	२१	मेषे	भ.२२।३१या.रोहि.बुधः१।४०
३०	र	६०	०	भ	७	३७	शो	२४	४८	च	२९	१	४४	१५	४५	१	२८	२२	बृ.२४।३३	भा.ज्येष्ठारंभः
३०	चं	२	३७	कृ	१५	१८	अ	२७	२२	ना	२	३७	४७	१५	४५	२	२९	२३	वृषे	वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.५बृ.इ. २७/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	३	२	४	१	०
२७	७	२१	२७	११	२८	२९	२७
१३	१६	२६	५४	३८	२१	२१	२
३७	४८	३१	८	२४	१४	५	९
५७	४४	७/८	४	६५	१/१८	३	५७
५४	४८	३/५	५६	१७	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

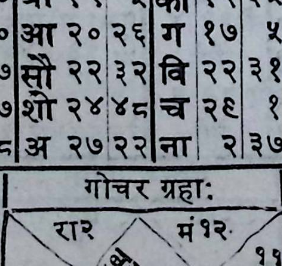

ज्येष्ठ कृष्णे ८ रवौ वृषेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न.४ गतालकावस्था (ऊभी मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

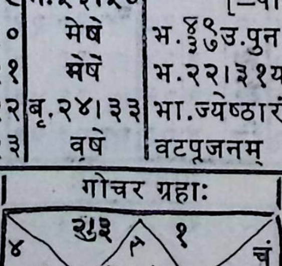

६पं.ज्ये.कृ.१२बृ.इ.२७/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	३	२	४	१	१
३	१२	६	२८	१८	२८	२८	३
५८	३६	३९	२९	५८	१५	५८	४५
४४	४	४	३१	३४	०	४९	५४
५७	४४	७/८	६	६३	३/३०	३	५७
४४	३७	७/४	५	३४	व.	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः ३३३५स.२०३९
१	मं	७	३८	रो	२२	४६	सु	२९	४४	ब	७	३८	३३/४९	५/१४	६/४६	३	३०	२४	मि५६।२८	रेवत्यांभौमः४७/४८मार्गीशनिः३५/३७चंद्रदर्शनं
२	बु	१३	४३	मृ	३०	११	धृ	३२	५	कौ	१३	४३	५२	१४	४६	४	१	२५	मिथुने	रोहि.रविः४३/१३सौरः५६/२३जमादिलावल ५
३	गु	१९	३५	आ	३७	१०	शू	३३	५२	ग	१९	३५	५४	१३	४७	५	२	२६	मिथुने	भ.५२।२उ.
४	शु	२४	३०	पु	४३	२१	गं	३५	११	वि	२४	३०	५६	१३	४७	६	३	२७	क.२६।४८	भ.२४।३०या.मृगेबुधः१३।४२
५	श	२८	४७	पु	४८	३५	वृ	३५	५५	बा	२८	४७	५८	१२	४८	७	४	२८	कर्के	बुधोदयःपश्चिमायां१५/५४पातस्पर्शः३३/४५ =
६	र	३१	३२	श्ले	५२	३४	ध्रु	३५	२९	कौ	०	१०	३४/०	१२	४८	८	५	२९	सि५२।३४	[=पातमोक्षः५८।२७
७	चं	३३	१	म	५४	४५	व्या	३३	४५	ग	२	१६	२	१२	४८	९	६	३०	सिंहे	भ.३३/१उ.मिथुनेबुधः३६/१७ककशुक्रः३५/५०
८	मं	३२	५५	पू	५५	२५	ह	३०	४१	वि	२	५८	३	११	४९	१०	७	३१	सिंहे	भ.२।५८या.
९	बु	३०	४०	उ	५४	२५	व्र	२६	१३	बा	१	४७	५	११	४९	११	८	१	क.१०।१०	जून६ता.३०
१०	गु	२६	४५	ह	५१	१७	सि	२०	१७	ग	२६	४५	७	११	४९	१२	९	२	कन्यायां	भ.५३/५०उ.मघा.१सिंहेगुरुः२१/५२गंगादशमी
११	शु	२०	५५	चि	४६	३१	व्य	१२	४५	वि	२०	५५	९	१०	५०	१३	१०	३	तु.१८।५४	भ.२०/५५या.आर्द्रा.बुधः१६/६पुष्ये शुक्रः१९/१५÷
१२	श	१३	३४	स्वा	४०	२६	व	४/६	५०/१३	बा	१३	३४	१०	१०	५०	१४	११	४	तुलायां	प्रदोषः [÷निर्जला११व्र.
१३	र	४	४९	वि	३३	१	शि	४३	४६	तै	४	४९	१२	१०	५०	१५	१२	५	वृ.१९।५२	भ.५५।२उ.
१४	र	५०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aवटसावित्रीव्र.
१५	चं	४४	५८	अ	२५	७	सि	३२	४३	वि	२०	०	१३	९	५१	१६	१३	६	वृश्चिके	भ.२०/०या.चंद्रग्रहणम् गुर्जराणांA

७पं.ज्य.शु.३बृ.इ. २७।३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	३	२	४	१	१
१०	१७	२१	२९	२६	२८	२८	१०
४२	५४	४३	११	२	१३	३६	२८
४०	४	२३	५३	२८	८	३९	५
५७	४४	३४/८	६	६१	०/१२	३	५७
३५	३१	९/४१	५५	१६	मा	११	२३

गोचर ग्रहाः

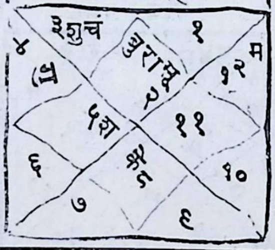

इस मास में मंगलका चन्द्रदर्शन धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा टीन धान्य गल्ला रसकस वस्त्र आदि में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्ये.शु१०बृ.इ.२७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	४	३	४	१	१
१७	२३	५	०	२	२८	२८	१७
२५	९	११	०	४७	१७	१४	९
३६	५०	५६	४७	२०	२	१८	११
५७	४४	०/०	८	५८	०	३	५७
२७	२१	०/११	३	२५	५७	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णोतिमहा.
१	मं	३४	५२	ज्ये	१७	१३	सा	२१	४९	बा	९	५५	३४/१५	५/९	५६/१	१७	१४	७	ध.१७।१३	
२	बु	२५	२८	मू	९	४४	शु	११	१९	तै	०	१०	१६	९	५१	१८	१५	८	धनुषि	भ.५१/१५उ.मृगेरविः३६/५(सौरः५७।३)
३	गु	१७	१	पू	३/१८	५४/५५	शु	१/४७	५१/४२	वि	१७	१	१७	९	५१	१९	१६	९	म.१७।२	भ.१७।१या.चतुर्थीव्र.
४	शु	१०	२०	श्र	५५	९	ऐं	४६	३६	बा	१०	२०	१८	८	५२	२०	१७	१०	मकरे	
५	श	५	२८	ध	५३	५२	वै	४१	१७	तै	५	२८	१९	८	५२	२१	१८	११	कुं.२४।३१	पुन.बुधः५९/४१अश्वि.मेषेभौमः३९।९
६	र	२	४३	श	५४	५१	वि	३७	३८	व	२	४३	१९	८	५२	२२	१९	१२	कुम्भे	भ.२।४३उ.३२।२३या.
७	चं	२	४	पू	५७	४२	प्री	३५	४३	ब	२	४	२०	८	५२	२३	२०	१३	मी४१।५९	
८	मं	३	२२	उ	६०	०	आ	३५	१३	कौ	३	२२	२१	८	५२	२४	२१	१४	मीने	
९	बु	६	२०	उ	२	२०	सौ	३६	१	ग	६	२०	२१	८	५२	२५	२२	१५	मीने	भ.३८/३५उ.मिथुनेऽर्कः३६/३९(सौरः५८/१)
१०	गु	१०	५०	रे	८	१७	शो	३७	२५	वि	१०	५०	२२	८	५२	२६	२३	१६	मे.८।१७	भ.१०।५०या.
११	शु	१६	४	अ	१५	१३	अ	३९	४२	बा	१६	४	२२	८	५२	२७	२४	१७	मेषे	योगिनी११व्र.
१२	श	२२	१७	भ	२२	३९	सु	४२	२	तै	२२	१७	२३	७	५३	२८	२५	१८	वृ.३९।३१	आश्ले.शुक्रः३२।०प्रदोषः
१३	र	२८	२६	कृ	३०	८	धृ	४४	३६	व	२८	२६	२३	७	५३	२९	२६	१९	वृषे	भ.२८।२६उ.
१४	चं	३४	३५	रो	३७	४२	शू	४७	३	वि	१	३१	२३	७	५३	३०	२७	२०	वृषे	भ.१।३१या.कर्कबुधः२९।३०
३०	मं	४०	२९	मृ	४४	५४	गं	४९	१४	च	७	३२	२४	७	५३	३१	२८	२१	मि११।१८	

९पं.आ.कृ.३बृ.इ. २७/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	२	४	३	४	१	१
२४	२८	१६	०	९	२८	२७	२३
७	२३	२९	५५	७	२५	५२	४९
३०	१३	२४	४४	१	२३	३	७
५७	४४	८७	८	४४	१	३	५७
२२	११	५०	५५	३३	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

आषाढ कृष्णे ९ बुधे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा४न५प्रगल्भावस्था (बैंठी)मु.३० धान्यादिभावेसमताशुक्रोदय पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

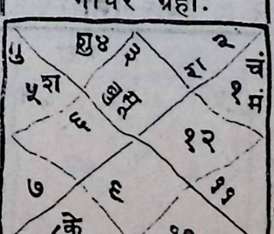

१०पं.आ.कृ१०बृ.इ. २७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०[illegible]	२	४	३	४	१	२
०	३	२५	१	१४	२८	२७	०
४८	३४	२४	५६	५७	३८	२९	२८
४७	५	४	३५	०	४६	४७	१६
५७	४३	६०	९	४९	२	३	५६
१७	४९	२२	४१	४३	१४	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ	शुक्लपक्षः	सं० २०९६	शाकः	१९६१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	बर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:३३६४स.२०३९
१	बु	४५	४३	आ	५१	३४	बृ	५०	५०	किं	१३	६	३४/२४	५/७	६/५३	१	२९	२२	मिथुने	आर्द्रा.रवि:३५/५४ सौर:५९/३४;भा.आषा. =
२	गु	५०	४	पु	५७	२२	ध्रु	५१	५२	बा	१७	५३	२४	७	५३	२	३०	२३	क.४०।५५	चंद्रदर्शनम् रथयात्रा [=ढारँभः
३	शु	५३	४९	पु	६०	०	व्या	५२	२१	तै	२१	५६	२४	७	५३	३	१	२४	कर्के	जमादिलाखर६
४	श	५६	२०	पु	२	३१	ह	५१	५१	व	२५	४	२४	७	५३	४	२	२५	कर्के	भ.२५/४उ.२६/०या.मघा.२गुरु:७।१४
५	र	५७	५१	श्ले	६	३१	व	५०	४६	ब	२७	५	२३	७	५३	५	३	२६	सिं६।३१	पुष्येबुध:४६।४
६	चं	५७	५७	म	९	१६	सि	४८	३७	कौ	२७	५४	२३	७	५३	६	४	२७	सिंहे	
७	मं	५६	५०	पू	१०	५९	व्य	४५	१५	ग	२७	२३	२२	८	५२	७	५	२८	कं.२६।६	भ.५६।५०उ.
८	बु	५४	१०	उ	११	२७	व	४०	४९	वि	२५	३०	२२	८	५२	८	६	२९	कन्यायां	भ.३५/३०या.भरण्यांभौम:५२।२६
९	गु	५०	४	ह	१०	११	प	३५	६	बा	२२	७	२१	८	५२	९	७	३०	तु.३८।५१	वक्रीबुध:५८।३२
१०	शु	४४	३५	चि	७	३०	शि	२८	१९	तै	१७	२०	२०	८	५२	१०	८	१	तुलायां	जुलाई७ता.३१
११	श	३७	३६	स्वा	३/२५	५४/३३	सि	२०	२०	व	११	५	१९	८	५२	११	९	२	वृ.४४।२०	भ.९/५उ.३७/६या.मृग१राहुज्येष्ठा३केतु+
१२	र	२९	३४	अ	५१	४०	सा	११	३०	ब	३	३५	१८	८	५२	१२	१०	३	वृश्चिके	प्रदोष; [+६।४६देवशयनी११व्र.
१३	चं	२०	३८	ज्ये	४४	४०	शु	९/४०	४९/४७	तै	२०	३८	१७	९	५१	१३	११	४	ध.४४।४०	
१४	सं	११	१०	मू	३७	१२	ब्र	४१	०	व	११	१०	१६	९	५१	१४	१२	५	धनुषि	भ.९/१०उ.३६/६या.वायुरीक्षा
१५	बु	१	४३	पू	३०	२०	ऐं	३०	५९	ब	१	४३	१५	९	५१	१५	१३	६	म.४३।४७	पुन.रवि:३४।१४व्यासपूजागुरु१५

११पं.श्रा.शु.२बृ.इ. २७/३९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	४	१	२
७	८	१	३	२०	२८	२७	७
२९	४०	३४	२	७	५६	७	६
४२	४४	३७	४६	५२	३५	३१	४३
५७	४३	३१	१०	४३	२	३	५६
१३	३१	५२	२३	२२	५५	११	५४

गोचर ग्रहाः

इस मासमें धान्य मंदे होवें। वर्षा अच्छी हो भूमिपुत्रो यदा मेषे सुभिक्षसर्वधान्यकम्। प्रवलानि महर्धाणि कोधावास्तुभवेंन्नृप॥

गोचर ग्रहाः

१२पं.श्रा.शु.९बृ.इ. २७/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	४	१	२
१४	१३	४	४	२४	२९	२६	१३
१०	४५	३२	१२	२८	१८	४५	४४
८	१८	२	४०	५	४३	१६	४८
५७	४३	१	११	३५	३	३	५
७	१७	५६	१	५	३२	११	५

ति.	श्रावण	कृष्णपक्षः	सं. २०९६	शाकः	१९६१								दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	बु	५१	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु	४५	१४	उ	२४	९	वै	२१	३७	तै	१९	३	३४/१४	५/९	६/५१	१६	१४	७	मकरे	पुन.रवि:सौर:३/६बुधास्त:पश्चिमे३४/२२
३	शु	३९	०	श्र	१९	१९	वि	१३	२०	व	१२	७	१३	९	५१	१७	१५	८	कुं.४७।४७	भ.१२।७उ.३९।०या.चतुर्थी .
४	श	३४	३९	ध	१६	१४	प्री	६	३१	ब	६	५०	११	१०	५०	१८	१६	९	कुम्भे	
५	र	३२	३१	श	१५	२०	आ	१/२०	५६/२७	कौ	३	३५	१०	१०	५०	१९	१७	१०	कुंभे	वक्रीपुन.बुध:५९/५उफा२कन्यायांशनि: +
६	चं	३२	३७	पू	१६	३८	शो	५५	४९	ग	२	३४	८	१०	५०	२०	१८	११	मी१।१९	भ.३२।३७उ.
७	मं	३४	४६	उ	१९	५३	अ	५५	४५	वि	३	४१	७	११	४९	२१	१९	१२	मीने	भ.३।४१या. [+५५।४८नाग५
८	बु	३८	४०	रे	२४	५०	सु	५६	२६	बा	६	४३	५	११	४९	२२	२०	१३	मे.२४।५०	मघा३गुरु:५७।२७
९	गु	४३	४७	अ	३१	१	धृ	५८	२२	तै	११	१३	३	११	४९	२३	२१	१४	मेषे	
१०	शु	४९	४९	भ	३८	३०	शू	६०	०	व	१६	४८	१	१२	४८	२४	२२	१५	वृ.५५।२३	भ.१६/४८उ.४९/४९या.वक्रीमिथुनेबुध:९।२
११	श	५६	१०	कृ	४६	४	शू	०	४०	ब	२३	०	३३/५९	१२	४८	२५	२३	१६	वृषे	कामिका११व्र.
१२	र	६०	०	रो	५३	४३	गं	३	१७	कौ	२९	११	५७	१३	४७	२६	२४	१७	वृषे	कर्केऽर्क:४।५०(सौर:३६।२०)
१२	चं	२	१३	मृ	६०	०	बृ	५	४७	तै	२	१३	५५	१३	४७	२८	२५	१८	मि२७।२२	वक्रीशुक्र:४७/१९कृत्ति.भौम:४२।६प्रदोषः
१३	सं	८	४	मृ	१	१	ध्रु	८	२	व	८	४	५२	१४	४६	२८	२६	१९	मिथुने	भ.८।४उ.४०।२७या.
१४	बु	१२	५०	आ	७	२९	व्या	९	३७	श	१२	५०	५०	१४	४६	२९	२७	२०	क.५६।३१	पुष्येरवि:३३।८
३०	गु	१६	३६	पु	१२	५२	ह	१०	२०	ना	१६	३६	४८	१५	४५	३०	२८	२१	कर्के	पुष्येरवि:सौर:७।१हरियाली

१३पं.श्रा.कृ.२बृ.इ. २७/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	४	१	२
२०	१८	३	५	२७	२९	२६	२०
५०	४६	५९	२७	४२	४५	२३	२२
३५	१८	५६	२२	३२	३२	०	४२
५७	४३	२४/१८	११	२४	४	३	५६
७	४७	व	३७	९	१०	११	५०

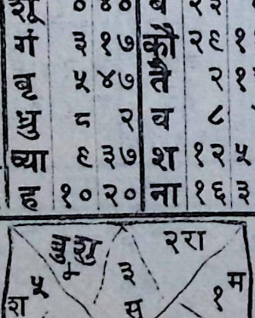

१४पं.श्रा.कृ.९बृ.इ. २७/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	३	४	३	५	१	२
२७	२३	०	६	२९	०	२६	२७
३०	४४	२७	४६	३३	१६	०	०
५४	२	४३	३	१४	२३	४५	४९
५७	४२	३९/५४	१२	१०	४	३	५६
१२	१९	व	८	१०	४३	११	५४

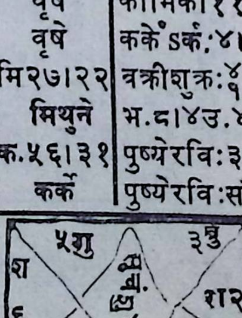

१५पं.श्रा.कृ.३०बृ.इ. २७/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	०	२	४	३	५	१	३
४	२८	२६	८	२९	०	२५	३
११	३५	१०	६	३९	५०	३८	३९
३८	१३	४८	४३	५८	३१	२९	१६
५७	४१	३३/४४	१२	६/१५	५	३	५६
१५	५२	व	२७	व	५	११	५९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण३३९४स२०३९
१	शु	१९	२९	पु	१७	१६	व	१०	८	ब	१९	२९	३३/४५	५/१५	६/४५	३१	२९	२२	कर्के	चन्द्रदर्शनम् [–सिंधारा
२	श	२१	१	श्ले	२०	४०	सि	९	१९	कौ	२१	१	४३	१५	४५	१	१	२३	सिं२०।४०	वृषेभौम:२/४ ८/३रज्जव७भा.श्रावणारंभः–
३	र	२१	३५	म	२२	५९	व्य	७	३२	ग	२१	३५	४०	१६	४४	२	२	२४	सिंहे	भ.५१।२२उ.तीज
४	चं	२१	१०	पू	२४	२२	व	४	५३	वि	२१	१०	३८	१६	४४	३	३	२५	कं.३९।२८	भ.२१।१०या.बुधोदय:पूर्वस्यां५/६वरद४
५	मं	१९	४०	उ	२४	४४	प	१/३१	५६/१	बा	१९	४०	३५	१७	४३	४	४	२६	कन्यायां	नागपंचमी
६	बु	१७	१२	ह	२४	६	सि	५२	२७	तै	१७	१२	३३	१७	४३	५	५	२७	तु.५३।१९	
७	गु	१३	५३	चि	२२	३२	सा	४६	४३	व	१३	५३	३०	१८	४२	६	६	२८	तुलायां	भ.१३।५३उ.४१।४५या.मार्गीबुध:२।६
८	शु	९	३८	स्वा	२०	४	शु	४०	२०	ब	९	३८	२७	१९	४१	७	७	२९	तुलायां	मघा.४गुरु:४४।४०
९	श	४	२३	वि	१६	३७	शु	३३	१४	कौ	४	२३	२४	१९	४१	८	८	३०	वृ.२।२९	
१०	श	५३	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	र	५१	२०	अ	१२	२१	ब्र	२५	१८	व	२४	४७	२२	२०	४०	९	९	३१	वृश्चिके	भ.२/४ ४/७उ.५/२ १/०या.पवित्रा११व्र.स्मा.
१२	चं	४३	४४	ज्ये	७	२३	ऐं	१६	४६	ब	१७	३२	१९	२०	४०	१०	१०	१	ध.७।२३	शुक्रास्त:पश्चिमायां३/१ ७/२अगस्त८ता.३१=
१३	मं	३५	४६	मू	१/३७	५४/१२	वै	७/५२	५०/५०	कौ	९	४५	१६	२१	३९	११	११	२	धनुषि	प्रदोषः [=पवित्रा११व्र.वै.
१४	बु	२७	५२	उ	५०	२२	प्री	४९	५३	ग	१	४९	१३	२१	३९	१२	१२	३	म.९।२७	भ.२/५ ७/२उ.५/१ ४/८या.आश्ले.रवि:३/९
१५	गु	२०	४४	श्र	४५	३०	आ	४१	३२	व	२०	४४	१०	२२	३८	१३	१३	४	मकरे	आश्लेरविसौर:७/४८श्रावणीकर्मरक्षाबंधनं

१६पं.श्रा.शु.७वृ.इ. २७/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	४	३	५	१	३
१०	३	२४	९	२७	१	२५	१०
५२	२२	४६	३०	५१	२८	१६	१८
४१	२३	५२	२९	४३	८	१३	३३
५७	४१	२/८	१२	३३/३९	५	३	५७
२०	२०	मा	५२	व.	३२	११	५

गोचर ग्रहाः

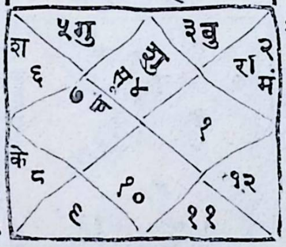

श्रावण कृष्णे१२रबौ कर्केऽर्क:प्रविष्टः वा. ५न.५गतालकावस्था (ऊभी)मु ४५धान्या-दिभावेंसमर्घताशुक्रो-दयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

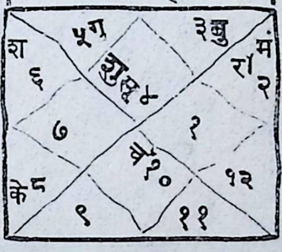

१७पं.श्रा.शु.१५वृ.इ. २६/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	४	३	५	१	३
१७	८	२८	१०	२४	२	२४	१६
३४	४	२३	५६	२१	८	५३	५८
२३	४८	३१	३८	५०	५३	५८	२१
५७	४०	४४	१३	३४/१७	५	३	५७
२५	४९	१४	१४	व.	५७	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	१४	२५	ध	४१	४१	सौ	३४	१०	कौ	१४	२५	३३/७	५/२३	६/३७	१४	१४	५	कुं.१३।३६	[×शुक्रोदय:पूर्वस्यां३/३ ९/६अजा११ ·
२	श	९	४७	श	३९	२९	शो	२७	५६	ग	९	४७	४	२३	३७	१५	१५	६	कुंभे	भ.३८।१४उ.कर्के बुध:३७।४८
३	र	६	४१	पू	३९	२३	अ	२३	१२	वि	६	४१	०	२४	३६	१६	१६	७	मी२४।२५	भ.६/४ १या.रोहि.भौम:१/१ ६/७चतुर्थी व्र.
४	चं	५	३५	उ	४१	१०	सु	१९	५९	बा	५	३५	३२/५७	२५	३५	१७	१७	८	मीने	[+आश्ले.बुध:२/५ ४/३वक्रीपुष्येशुक्र:१/३ ३/५÷
५	मं	६	५०	रे	४४	४९	धृ	१८	४१	तै	६	५०	५४	२५	३५	१८	१८	९	मे.४४।४९	पुष्येबुध:२०।२८चन्द्रषष्ठी
६	बु	९	५१	अ	५०	७	शू	१८	१८	व	९	५१	५०	२६	३४	१९	१९	१०	मेषे	भ.९।५१उ.४२।१०या.
७	गु	१४	२९	भ	५६	५१	गं	१९	२२	ब	१४	२९	४७	२७	३३	२०	२०	११	मेषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	शु	२०	१४	कृ	६०	०	वृ	२१	२३	कौ	२०	१४	४४	२७	३३	२१	२१	१२	वृ.१३।४०	जन्माष्टमीव्र.वै.
९	श	२६	३२	कृ	४	८	ध्रु	२३	४०	ग	२६	३२	४०	२८	३२	२२	२२	१३	वृषे	भ.५९।३२उ.गोगा९
१०	र	३२	३२	रो	११	४१	व्या	२६	११	वि	३२	३२	३७	२९	३१	२३	२३	१४	मि४५।२६	भ.३२।३२या.
११	चं	३८	२०	मृ	१९	१०	ह	२८	२६	ब	५	२६	३३	२९	३१	२४	२४	१५	मिथुने	पूफा.१गुरु:५/४ ६/२उफा.३शनि:४/१ ३/०×
१२	मं	४३	१०	आ	२५	५०	व	३०	८	कौ	१०	४५	३०	३०	३०	२५	२५	१६	मिथुने	वत्सद्वादशी[÷बुधास्त:पूर्वस्यां४ ७/०प्रदोष
१३	बु	४६	३१	पु	३१	१९	सि	३०	५५	ग	१४	५०	२६	३१	२९	२६	२६	१७	क.१४।५७	भ.४६।३१उ.मघा.सिंहेऽर्क:२४।११+
१४	गु	४८	४४	पु	३५	३२	व्य	३०	३१	वि	१७	३७	२२	३२	२८	२७	२७	१८	कर्के	भ.१७।३७या.मघा.सिंहेऽर्कःसौर:४।१२
३०	शु	४९	२६	श्ले	३८	१७	व	२९	१०	च	१९	५	१९	३२	२८	२८	२८	१९	सिं३८।१७	कुशाग्रहणी पिठोरी३० मन्वादिः

१८पं.भा.कृ.७वृ.इ. २६/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	११	३	४	३	५	१	३
२४	१२	६	१२	२०	२	२४	२३
१६	४१	३९	२४	१	५२	३१	३९
४४	३५	२५	३२	१२	८	४२	२८
५७	४०	१४	१३	३५/३४	६	३	५७
३३	१०	४३	२०	व.	२०	११	२२

गोचर ग्रहाः

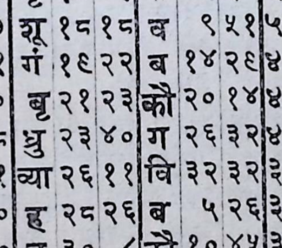

भाद्रपद कृष्ण१३बुधे सिंहेऽर्क:प्रविष्टः वा. ४न.४ प्रगल्भावस्था (बैठी)मु.४५धान्या-दिभावेंसमर्घताशुक्रो-दयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

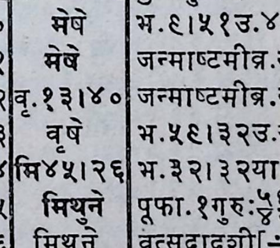

१९पं.भा.कृ.१४वृ.इ. २६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	३	४	३	५	१	४
१	१७	१८	१३	१६	३	२४	०
०	११	३७	५३	८	३७	९	२१
४	४९	१६	४९	१७	४८	२७	४१
५७	३९	[illegible]	१३	२६/३	६	३	५७
४०	३०	५६	३२	व.	३२	११	३४

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०६६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४२३स.२०३९
१	श	४८	४६	म	३६	४४	प	२६	४०	किं	१६	६	३२/१५	५/३३	६/२७	२९	२९	२०	सिंहे	
२	र	४६	५७	पू	३६	५६	शि	२३	११	बा	१७	५१	१२	३४	२६	३०	३०	२१	कं.५४।४६	चन्द्रदर्शनम्
३	चं	४४	१६	उ	३६	१७	सि	१८	५५	तै	१५	३७	८	३४	२६	३१	१	२२	कन्यायां	सावान८हरितालिका३
४	मं	४०	५०	ह	३७	४७	सा	१३	५१	व	१२	३३	४	३५	२५	१	२	२३	कन्यायां	भ.१२/३३उ.४/५०या.अस्तंगुरोः३८/१२–
५	बु	३६	४६	चि	३५	४३	शु	८	१३	ब	८	५३	१	३६	२४	२	३	२४	तु.६।४५	मघा.सिंहेबुधः१०।०ऋषिपंचमी
६	गु	३२	१७	स्वा	३३	२०	शु	२/२४	५३/४८	कौ	४	३१	३१/५७	३७	२३	३	४	२५	तुलायां	[–भा.भाद्रपदारंभः गणेशचतुर्थी
७	शु	२७	३१	वि	३०	२२	ऐं	४९	२४	व	२७	३१	५३	३७	२३	४	५	२६	वृ.१६।७	भ.२७।३१उ.५४।५६या.
८	श	२२	२३	अ	२७	१५	वै	४२	३८	ब	२२	२३	४९	३८	२२	५	६	२७	वृश्चिके	[=केतुः५९।०महालयारंभः
९	र	१६	५५	ज्ये	२३	३९	वि	३५	२६	कौ	१६	५५	४६	३९	२१	६	७	२८	ध.२३।३९	मृगेभौमः८।३२
१०	चं	११	११	मू	१९	५३	प्री	२८	०	ग	११	११	४२	४०	२०	७	८	२९	धनुषि	भ.३८।१४उ.मार्गीशुक्रः४७।२२
११	मं	५	१७	पू	१५	४३	आ	२०	२६	वि	५	१७	३८	४०	२०	८	९	३०	म.२९।४६	भ.५/१७या.पूफा.बुधः५२/२५जलझूलनी११व्र×
१२	मं	५३	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×वामनजयंती [+२१/३ प्रदोषः
१३	बु	५३	४५	उ	११	५६	सौ	१३	१	कौ	२६	२९	३४	४१	१९	९	१०	३१	मकरे	पूफा.रविः१३/५५(सौरः३५/४)पूफा.२गुरुः+
१४	गु	४८	३९	श्र	८	१८	शो	५/५१	५३/१५	ग	२१	१२	३०	४२	१८	१०	११	१	कुं.३६।५१	भ.४८।३९उ.सितंबर९ता.३०अनंत१४
१५	शु	४४	३४	ध	५	२३	सु	५३	८	वि	१६	४१	२६	४३	१७	११	१२	२	कुंभे	भ.१६।४१या.रोहि.४राहुःज्येष्ठा.२×

२०पं.भा शु.६वृ.इ. २६/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	११	४	४	३	५	१	४
७	२१	२	१५	१३	४	२३	७
४४	३६	३१	२३	४७	२५	४७	५
२८	७	१९	४२	१०	१६	११	७
५७	३८	०/८	१३	१/२९	६	३	५७
४९	३५	०/४४	३२	व.	४८	११	४५

गोचर ग्रहाः

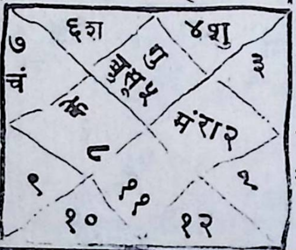

इस मास में धान्य गल्ला चन्दन केसर कपास ई वस्त्र वारदाना गुड शक्कर गन्ना घृत तेल तेजहो

गोचर ग्रहाः

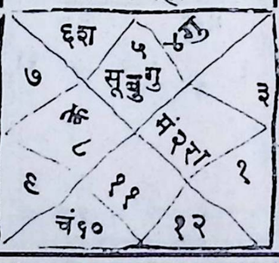

२१पं.भा.शु.१४वृ.इ. २६/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	४	३	५	१	४
१४	२५	१६	१६	१३	५	२३	१३
३०	५२	२१	५४	२३	१४	२४	२०
४	८	११	५०	३८	३१	५५	१९
५८	३७	०/५८	१३	६/१८	७	३	५७
१	३७	०/२२	३८	मा	२	११	५७

ति.	प्र.आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०६६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	श	४१	५८	श	३	२४	धृ	४८	१०	बा	१३	२१	३१/२२	५/४४	६/१६	१२	१३	३	मी४८।४	
२	र	४०	५४	पू	२	५७	शू	४४	२९	तै	११	२६	१८	४४	१६	१३	१४	४	मीने	
३	चं	४१	४४	उ	३	५४	गं	४२	१६	व	११	१९	१५	४५	१५	१४	१५	५	मीने	भ.११।१९उ.४१।४४या.
४	मं	४४	१३	रे	६	४९	वृ	४१	१६	ब	१२	५८	११	४६	१४	१५	१६	६	मे.६।४९	उफा.बुधः५९।३८चतुर्थीव्र.
५	बु	४८	१३	अ	११	१९	ध्रु	४१	२२	कौ	१६	१३	७	४७	१३	१६	१७	७	मेषे	[÷मिथुनेभौमः३८/३५अस्तंशनेः१२/५
६	गु	५३	३४	भ	१७	२२	व्या	४२	४९	ग	२०	५३	३	४७	१३	१७	१८	८	वृ.३४।२	भ.५३/३४उ.कन्यायांबुधः४८/३५÷
७	शु	५९	३९	कृ	२४	१	ह	४४	४४	वि	२६	३६	३०/५९	४८	१२	१८	१९	९	वृषे	भ.२६।३६या.
८	श	६०	०	रो	३१	३८	व	४७	१०	बा	३२	४४	५५	४९	११	१९	२०	१०	वृषे	[A१९/५५उफा.४शनिः१२/३३
८	र	५	५०	मृ	३९	२	सि	४९	३२	कौ	५	५०	५१	५०	१०	२०	२१	११	मि५।२०	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	चं	११	४६	आ	४६	४	व्य	५१	२९	ग	११	४६	४७	५१	९	२१	२२	१२	मिथुने	भ.४४।२३उ.
१०	मं	१७	०	पु	५१	५९	व	५२	२८	वि	१७	०	४३	५१	९	२२	२३	१३	क.३५।३०	भ.१७/०या.उफा.रविः५८/२०आश्ले.शुक्रःA
११	बु	२०	३५	पु	५६	३७	प	५२	२९	बा	२०	३५	३९	५२	८	२३	२४	१४	कर्के	उफा.रविःसौरः३९/४४हस्तेबुधः३८/४१इदि.११
१२	गु	२२	४४	श्ले	५९	३१	शि	५१	१६	तै	२२	४४	३५	५३	७	२४	२५	१५	सिं५९।३१	पूफा.३गुरुः३९/४४बुधोदयःपश्चिमायां४/४४D
१३	शु	२३	७	म	६०	०	सि	४८	३७	व	२३	७	३१	५४	६	२५	२६	१६	सिंहे	भ.२३।७उ.५२।२४या. [Dप्रदोषः
१४	श	२१	४१	म	०	३८	सा	४४	३५	श	२१	४१	२७	५०	५	२६	२७	१७	सिंहे	कन्यायामर्कः२३/४१शस्त्रादिहतानां श्रा.
३०	र	१८	५४	पू	०/१८	५८/१०	शु	३९	३७	ना	१८	५४	२२	५६	४	२७	२८	१८	कं.१४।५०	कन्यार्कसौरः४/५५उदयंगुरोः०/०सर्वपितृ३०

२२पं प्र.आ कृ.६वृ.इ.२६/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	१	४	४	३	५	१	४
२१	२९	२९	१८	४४	६	२३	२०
१७	५८	१८	२५	४७	५	२	३६
६	३८	५०	३०	१७	४	४०	५९
५८	३६	०/०	१३	२०	७	३	५८
१३	४०	०/७	३८	४७	८	११	१२

गोचर ग्रहाः

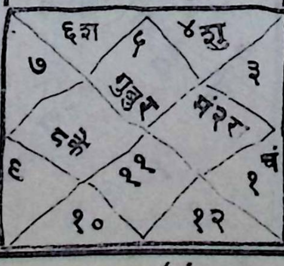

प्र.आश्विन कृष्णे१४ शनौ कन्यायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ अतिवंध्यावस्था (सूती)मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

२३पं.प्र आ.कृ.१२वृ.इ.२६/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	४	३	५	१	४
२८	३	११	१९	१७	६	२२	२७
५	५५	२१	५६	४८	५६	४०	२५
२८	३७	१८	५३	०	१०	२४	१५
५८	३५	०/०	१३	३२	७	३	५८
२६	१८	०/२	३२	२१	१६	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४५३स.२०३९
१	चं	१४	३७	ह	५५	५०	शु	३३	२८	ब	१४	३७	३०/१८	५/५६	६/४	२८	२६	१९	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
२	मं	९	४०	चि	५३	१६	ब्र	२६	४५	कौ	९	४०	१४	५७	३	२९	१	२०	तु.२४।३	आर्द्रा.भौमः३४।४७रमजान९
३	बु	४	०	स्वा	४८	१८	ऐं	१९	२३	ग	४	०	९	५८	२	३०	२	२१	तुलायां	भ.३१।६उ.५८।१२या.
४	बु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	गु	५२	२३	वि	४४	२६	वै	११	४३	ब	२५	१७	५	५९	१	३१	३	२२	वृ.३०।२६	चित्रा.बुधः५७।६
६	शु	४६	४३	अ	४०	४०	वि	४/२०	५३/४७	कौ	१९	३१	३०/०	६/०	६/०	१	४	२३	वृश्चिके	भा.आश्विनारंभः
७	श	४१	२०	ज्ये	३६	५९	आ	४९	४३	ग	१४	०	२९/५६	६/१	५/५९	२	५	२४	ध.३६।५९	भ.४१।२०उ.
८	र	३६	१०	मू	३३	४१	सौ	४२	३८	वि	८	४५	५२	२	५८	३	६	२५	धनुषि	भ.८।४५या.
९	चं	३१	२३	पू	३०	३९	शो	३५	४७	बा	३	४६	४८	२	५८	४	७	२६	म.४५।०	
१०	मं	२६	५५	उ	२८	१	अ	२९	३४	ग	२६	५५	४४	३	५७	५	८	२७	मकरे	भ.५५/४उ.हस्तेरविः३६/५२तुलायांबुधः३०/३२
११	बु	२३	८	श्र	२५	४९	सु	२३	३४	वि	२३	८	४०	४	५६	६	९	२८	कुं.५५।७	भ.२३/८या.हस्तेरविःसौर१७/२५कमला११व्र.
१२	गु	१९	५०	ध	२४	२४	धृ	१७	५६	बा	१९	५०	३६	५	५५	७	१०	२९	कुम्भे	
१३	शु	१७	२४	श	२३	३६	शू	१३	३	तै	१७	२४	३२	६	५४	८	११	३०	कुम्भे	[–अक्टूबर१०ता.३१
१४	श	१५	५९	पू	२३	५०	गं	८	४६	व	१५	५९	२८	६	५४	९	१२	१	मीं८।४६	भ.३५/५९उ.४५/५१या.पूफा.४गुरुः१३/५०–
१५	र	१५	४३	उ	२५	१३	वृ	५	२७	ब	१५	४३	२३	७	५३	१०	१३	२	मीने	स्वात्यांबुधः६।४९

२४रं.प्र.आ.शु.५वृ.इ. २५/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	४	३	५	१	५
४	७	२२	२१	२१	७	२२	४
५५	४२	३०	२६	५७	४७	१८	१५
१९	२९	१४	५६	३६	४९	९	२२
५८	३३	९५	१३	४१	७	३	५८
३८	४५	३५	३२	७	२०	११	३५

गोचर ग्रहाः

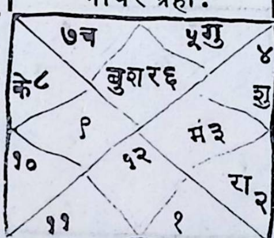

इसमासमें ५शनिवार व५रविवार अशुभ हैं धान्यगल्लाधातुसोना चांदीरुईवस्त्ररसकस तेज हो प्रजामें दुःख फैले ।

गोचर ग्रहाः

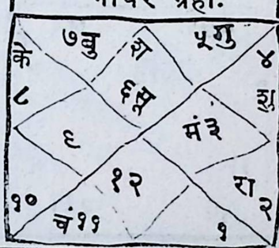

२५पं.प्र.आ.शु.१२वृ.इ.२५/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	४	३	५	१	५
११	११	२	२२	२७	८	२१	११
४६	१६	४६	५५	५	४०	५५	७
५२	२३	४८	५९	१०	२३	५३	१९
५८	३२	८६	१३	४७	७	३	५९
५३	१२	५२	२०	५२	२०	११	०

ति.	द्वि.आश्विनकृष्णपक्षः सं. २०९६शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेप्र.आश्विनकृष्णेति महा.
१	चं	१७	४	रे	२८	३	ध्रु	३	१२	कौ	१७	४	२९/१९	६/८	५/५२	११	१४	३	मे.२८।३	मघा.सिंहेशुक्र.५।०
२	मं	१९	४७	अ	३२	१३	व्या	२	१०	ग	१९	४७	५	९	५१	१२	१५	४	मेषे	भ.५२।१३उ.
३	बु	२४	४०	भ	३७	४७	ह	१	५२	वि	२४	४०	११	१०	५०	१३	१६	५	वृ.५४।२३	भ.२४।४०या.चतुर्थी व्र.
४	गु	२८	५२	कृ	४४	१३	ब	२	५२	बा	२८	५२	७	११	४९	१४	१७	६	वृषे	
५	शु	३४	५३	रो	५१	२७	सि	४	१९	कौ	१	५२	३	११	४९	१५	१८	७	वृषे	
६	श	४१	८	मृ	५९	५	व्य	६	३४	ग	८	०	२८/५९	१२	४८	१६	१९	८	मि२५।१६	भ.४१।८उ.
७	र	४७	२४	आ	६०	०	व	८	५८	वि	१४	१६	५५	१३	४७	१७	२०	९	मिथुने	भ.१४।१६या.
८	चं	५३	५	आ	६	३५	प	११	१७	बा	२०	१४	५१	१४	४६	१८	२१	१०	क.५६।३७	हस्त.१शनिः६।३७
९	मं	५७	२१	पु	१३	१७	शि	१२	५७	तै	२५	१३	४७	१५	४५	१९	२२	११	कर्के	चित्रा.रविः८।५९ सौरः४७।५९)
१०	बु	६०	०	पु	१८	३७	सि	१३	३७	व	२८	४५	४३	१५	४५	२०	२३	१२	कर्के	भ.२८।४५उ.विशा.बुधः५३।५२
१०	गु	०	९	श्ले	२२	२६	सा	१३	८	वि	०	९	३९	१६	४४	२१	२४	१३	सिं२२।३६	भ.०।९या.उदयंशनेः१२।१०
११	शु	०	५८	म	२४	२४	शु	११	१७	बा	०	५८	३५	१७	४३	२२	२५	१४	सिंहे	कमला११व्र.
१२	शु	५८	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=उफा.१गुरुः४७।३२
१३	श	५६	५९	पू	२४	३६	शु	७	५२	ग	२८	५६	३१	१८	४२	२३	२६	१५	कं.३९।९	भ.५६।५९उ.
१४	र	५२	७	उ	२२	४८	ब्र	२/४९	५३/३१	वि	२४	३३	२७	१९	४१	२४	२७	१६	कन्यायां	भ.२४।३३या.
३०	चं	४५	५९	ह	१९	२५	वै	४८	४१	च	१९	३	२३	१९	४१	२५	२८	१७	तु.४७।५	तुलायामर्कः५२/४८पूफा.शुक्रः३४/३१=

२६पं द्वि.आ.कृ ४वृ.इ ३५/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	४	४	५	१	५
१८	१४	१२	२४	२	९	२१	१८
४४	३४	१७	३२	५५	३२	३३	१
५	५७	२८	३१	४४	१३	३७	६
५९	२०	७५	१३	५२	७	३	५९
९	२८	२३	११	४८	१४	११	१६

गोचर ग्रहाः

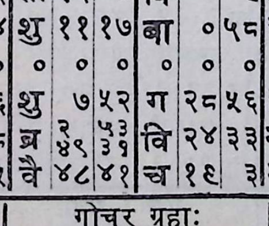

द्वि.आश्विनकृष्णे३० चन्द्रे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४ प्रव्राजिकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

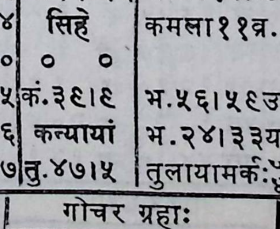

२७पं.द्वि.आकृ.१०वृ.इ.२५/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	६	४	४	५	१	५
२५	१७	२०	२५	९	१०	२१	२४
३४	३८	३१	४९	२०	२३	११	५६
५९	४९	४८	५	४९	२८	२२	४८
५९	२८	६०	१२	५६	७	३	५९
२१	२५	३०	५०	५५	८	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.आश्विनशुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३४८२स.२०३९
१	मं	३८	४९	चि	१४	४४	वि	४०	१३	किं	१२	२४	२८/२०	६/२०	५/४०	२६	२९	१८	तुलायां	तुलार्कःसौरः३/४०नवरात्रारंभः–
२	बु	३१	१८	स्वा	९	१६	प्री	३१	२०	बा	५	३	१६	२१	३९	२७	३०	१९	वृ.५०।२	पुन.भौमः३२।५२चंद्रदर्शनम्
३	गु	२३	३७	वि	३/३८	५४/१८	आ	२२	५	ग	२३	३७	१२	२२	३८	२८	१	२०	वृश्चिके	भ.५०।०उ.सव्वाल१०
४	शु	१६	२३	ज्ये	५२	४०	सौ	१२	५८	वि	१६	२३	८	२२	३८	२९	२	२१	ध.५२।४०	भ.१६।२३या.
५	श	९	३७	मू	४८	११	शो	४/१८	५२/३	बा	९	३७	४	२३	३७	३०	३	२२	धनुषि	[–मातामहश्रा.
६	र	३	३८	पू	४४	२०	सु	४८	५०	तै	३	३८	०	२४	३६	१	४	२३	म.५८।४०	भ.५८।३०उ.भा.कार्तिकारंभः
७	र	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
८	चं	५४	१९	उ	४१	४०	धृ	४२	८	वि	२६	२५	२७/५६	२५	३५	२	५	२४	मकरे	भ.२६।२५या.स्वात्यांरविः३४।५१
९	मं	५१	१३	श्र	३९	४९	शू	३६	१५	बा	२२	४६	५३	२५	३५	३	६	२५	मकरे	स्वात्यांरविःसौरः११।४६
१०	बु	४८	५९	ध	३९	०	गं	३१	८	तै	२०	६	४९	२६	३४	४	७	२६	कुं.९।२५	वक्रीबुधः८।१४
११	गु	४८	१	श	३९	१०	वृ	२५	५८	व	१८	३१	४५	२७	३३	५	८	२७	कुंभे	भ.१/३९उ.४८/२या.पापांकुशा११व्र.
१२	शु	४७	५९	पू	४०	३०	ध्रु	२३	३१	ब	१८	०	४१	२८	३२	६	९	२८	मी२५।१०	[=का.स्ना.प्रा.
१३	श	४८	५९	उ	४२	५४	व्या	२१	९	कौ	१८	२९	३७	२९	३१	७	१०	२९	मीने	प्रदोषः
१४	र	५१	२१	रे	४६	१९	ह	१९	२२	ग	२०	१०	३४	२९	३१	८	११	३०	मे.४६।१९	भ.५१।२१उ.उफा.शुक्रः३५।३१
१५	चं	५४	४५	अ	५०	४७	व	१८	५३	वि	२३	३	३०	३०	३०	९	१२	३१	मेषे	भ.२३/३या.शरद्पूर्णिमाकोजागरीव्र.=

२८पं.द्वि.आ.शु.३वृ.इ. २५/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	४	४	५	१	६
२	२०	२६	२७	१६	११	२०	१
३१	२२	४८	१२	१०	१३	४९	५४
२३	२६	४	२५	५२	५२	६	११
५९	२५	३६	१२	६०	७	३	५९
३४	४२	२७	२०	४	२	११	४६

गोचर ग्रहाः

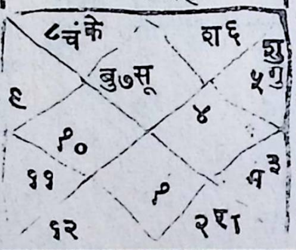

इस मासमें मिथुनका मंगल गुड शक्कर चीनी धान्य बाजरा गेहूं मूंग मोठ चना मटर में तेजी करे सोना चांदी मंदाहो

गोचर ग्रहाः

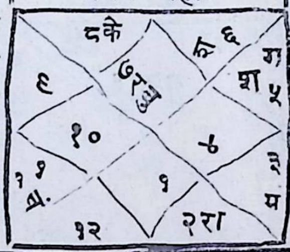

२९पं.द्विआ.श.११वृ.इ. २५/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	४	४	५	१	६
९	२२	२९	२८	२३	१२	२०	८
२९	४३	१७	३२	२१	२	२६	५३
३८	५२	२	२०	४७	५६	११	३१
५९	२२	६/१४	१२	६२	६	३	६०
४७	३५	व.	५	२६	४४	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेद्वि.आश्विनकृष्णेतिमहा.
१	मं	५९	७	भ	५६	२२	सि	१८	३९	बा	२७	२६	२७/२७	३/३१	५/२९	१०	१३	१	मेषे	बुधास्तःपश्चिमायां३१/९नवम्बर११×
२	बु	६०	०	कृ	६०	०	व्य	१९	३६	तै	३२	२२	२३	३१	२९	११	१४	२	वृ.१३।०	कन्यायांशुक्रः३९।५५
२	गु	४	३७	कृ	२	५३	व	२०	५९	ग	४	३७	१९	३२	२८	१२	१५	३	वृषे	भ.३७।३८उ. [×ता.३०
३	शु	१०	३८	रो	९	५६	प	२२	५९	वि	१०	३८	१६	३३	२७	१३	१६	४	मि४३।४१	भ.१/३८या.उफा.२कन्यायांगुरुः३१/८+
४	श	१६	५६	मृ	१७	२५	शि	२५	१४	बा	१६	५६	१२	३४	२६	१४	१७	५	मिथुने	[+रोहि.३राहुःज्येष्ठा.१केतुः÷
५	र	२३	२३	आ	२५	१०	सि	२७	३७	तै	२३	२३	९	३४	२६	१५	१८	६	मिथुने	विशा.रविः५५/२१ [÷५९/१५करकचतुर्थीव्र.
६	चं	२९	२७	पु	३२	२८	सा	२९	४५	व	२९	२७	५	३५	२५	१६	१९	७	क.१५।३९	भ.२९/२७उ.विशा.रविःसौरः२९/१०हस्त.२A
७	मं	३४	२६	पु	३८	४२	शु	३१	११	वि	१	५६	२	३६	२४	१७	२०	८	कर्के	भ.१।५६या.वक्रीस्वात्यांबुधः१।४४
८	बु	३८	१६	श्ले	४३	५४	शु	३१	५०	बा	६	२१	२६/५८	३६	२४	१८	२१	९	सिं४३।५४	[Aशनि.५९।०
९	गु	४०	१६	म	४७	१४	ब्र	३०	५५	तै	९	१६	५५	३७	२३	१९	२२	१०	सिंहे	[Hअन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
१०	शु	४०	१७	पू	४८	४३	ऐं	२८	३८	व	१०	१७	५२	३८	२२	२०	२३	११	सिंहे	भ.९/१०७उ.४/१०७या.हस्तेशुक्रः४/४९
११	श	३८	९	उ	४८	११	वै	२४	५५	ब	९	१३	४९	३८	२२	२१	२४	१२	कं.३।३५	रमा११व्र.
१२	र	३४	६	ह	४५	४४	वि	१९	१७	कौ	६	७	४५	३९	२१	२२	२५	१३	कन्यायां	बुधोदयःपूर्वस्यां४। १धन१३
१३	चं	२८	१३	चि	४१	२९	प्री	१२	१०	ग	१	१०	४२	४०	२०	२३	२६	१४	तु.१३।३६	भ.२८।१३उ.५४।२७या.प्रदोष; रूप१४
१४	मं	२०	४१	स्वा	३५	३८	आ	३/४१	५०/३६	श	२०	४१	३९	४०	२०	२४	२७	१५	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्
३०	बु	१२	१४	वि	२९	०	सौ	४४	८	ना	१२	१४	३६	४१	१९	२५	२८	१६	वृ.१५।३९	वृश्चिकेऽर्क५१।२५मार्गीबुधः२४।५५H

३०पं.का.कृ.२वृ.इ. २४/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	४	५	५	१	६
१६	२४	२५	२९	०	१२	२०	१५
२९	४४	५	४९	४८	५०	४	५४
२०	५३	२	१२	११	२	३५	३५
६०	१८	७९/२३	११	६४	६	३	६०
४	५६	व.	२५	१९	३२	११	१८

गोचर ग्रहाः

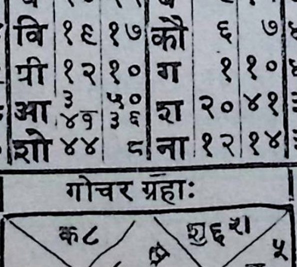

कार्तिक कृष्णे ३० बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.४बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

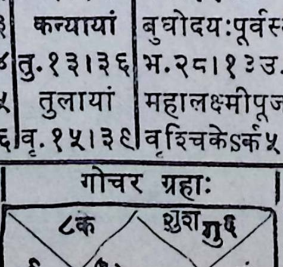

३१पं.का.कृ.९वृ.इ. २४/४७

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
६	२	६	५	५	५	१	६
२३	२६	१६	१	८	१३	१९	२२
३०	७	४६	२	२९	३५	४२	५७
४०	१७	५५	६	४९	१३	१९	६
६०	१४	८१/३	१०	६५	६	३	६०
१७	४९	व.	५२	५१	१६	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	प्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५१२स.२०३९
१	गु	३	१०	अ	२१	४७	अ	३३	४३	ब	३	१०	२६/३३	६/४१	५/१९	२६	२९	१७	वृश्चिके	वृश्चिकेऽर्कः सौरः २३/७ चन्द्रदर्शनम्—
२	गु	५०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[—भ्रातृ२यम२
३	शु	४५	३१	ज्ये	१४	४२	सु	२३	१४	तै	१९	२१	३०	४२	१८	२७	१	१८	ध.१४।४२	जिल्काद११
४	श	३७	४३	मू	८	५	धृ	१३	१४	व	११	३७	२७	४३	१७	२८	२	१९	धनुषि	भ.११।३७उ.३७।४३या.
५	र	३१	१	पू	२/१९	५५/५०	शू	३/४४	५१/५९	ब	४	२२	२५	४३	१७	२९	३	२०	म.१६।१४	अनु.रविः९।४५ (सौंरः४०।१५)
६	चं	२५	३८	श्र	५४	५७	वृ	४८	३४	तै	२५	३८	२२	४४	१६	३०	४	२१	मकरे	
७	मं	२१	५०	ध	५३	२९	ध्रु	४१	४०	व	२१	५०	१९	४४	१६	१	५	२२	कुं.२४।१३	भ.२१/५०उ.५०/४२या.भा.मार्गशीर्षारंभः
८	बु	१९	३४	श	५३	२२	व्या	३८	४	ब	१९	३४	१७	४५	१५	२	६	२३	कुंभे	चित्रा.शुक्रः२६।२०गोपाष्टमी
९	गु	१८	५३	पू	५४	५२	ह	३४	४०	कौ	१८	५३	१४	४५	१५	३	७	२४	मी३९।२९	कुष्मांड९अक्षय९
१०	शु	१९	३४	उ	५७	४९	व	३२	२८	ग	१९	३४	१२	४६	१४	४	८	२५	मीने	भ.५०।३५उ.उफा.३गुरुः८।३२
११	श	२१	३५	रे	६०	०	सि	३१	८	वि	२१	३५	९	४६	१४	५	९	२६	मीने	भ.३१/५या.विशा.बुधः३९/२=
१२	र	२४	५७	रे	१	४८	व्य	३१	१०	बा	२४	५७	७	४७	१३	६	१०	२७	मे.१।४८	[=प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
१३	चं	२९	१३	अ	६	५४	व	३१	२०	तै	२९	१३	५	४७	१३	७	११	२८	मेषे	वक्रीभौमः३४।५३ प्रदोषः
१४	मं	३४	१९	भ	१२	५५	प	३२	२५	ग	१	४६	२	४८	१२	८	१२	२९	वृ.२९।३६	भ.३४/१९उ.तुलायांशुक्रः९/२वैकुंठ१४
१५	बु	४०	११	कृ	१९	३८	शि	३४	४	वि	७	१५	०	४८	१२	९	१३	३०	वृषे	भ.७/१५या.चन्द्रदर्शनम्मन्वादिः का.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.१वृ.इ. २४/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	५	५	५	१	७
०	२६	१३	२	१६	१४	१९	०
३३	५८	१२	१०	२२	१७	२०	१
२२	१६	४३	३०	३४	४९	४	१०
६०	९	१३/२३	१०	६७	५	३	६०
३०	५३	मा	५	१५	५०	११	४०

गोचर ग्रहाः

इस मासमें कृष्णपक्ष कीतिथि वृद्धि शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय धान्य बाजरा मूंग मोठ चांवलरसकसमें तेजीकरे धातु मंदेहों

गोचर ग्रहाः

३३ पं.का.शु.९वृ.इ. २४/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	५	५	५	१	७
७	२७	१७	३	२४	१४	१८	७
३७	१२	४९	१३	२५	५७	५७	६
१६	३२	१६	५	५५	५४	४८	४३
६०	४	६३	९	६८	५	३	६०
४२	७	११	२२	१९	२६	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	प्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेतिमहा.
१	गु	४६	१९	रो	२६	४१	सि	३६	३	बा	१३	१५	२५/५८	६/४८	५/१२	१०	१४	१	वृषे	दिसंबर१२ता.३१
२	शु	५२	४१	मृ	३४	१०	सा	३८	१२	तै	१९	३०	५६	४९	११	११	१५	२	मि०।२५	[×(सौरः४९/६)वृश्चिकेबुधः४८/४५
३	श	५९	१०	आ	४१	४१	शु	४०	२३	व	२५	५१	५४	४९	११	१२	१६	३	मिथुने	भ.२५/५५उ.५९/१०या.ज्येष्ठा.रविः१९/५६×
४	र	६०	०	पु	४९	५	शु	४२	४०	ब	३२	१०	५३	४९	११	१३	१७	४	क.३२।१४	स्वात्यांशुक्रः५६।२२चतुर्थीव्र.
४	चं	५	१०	पु	५५	५१	ब्र	४४	२२	बा	५	१०	५१	५०	१०	१४	१८	५	कर्के	पातस्पर्शः३२।२पातमोक्षः५७।१९
५	मं	१०	२७	श्ले	६०	०	ऐं	४५	२५	तै	१०	२७	४९	५०	१०	१५	१९	६	कर्के	अनु.बुधः१।१२
६	बु	१४	४९	श्ले	१	४७	वै	४५	३५	व	१४	४९	४८	५०	१०	१६	२०	७	सि१।४७	भ.१४।४९उ.४६।२०या.
७	गु	१७	५०	म	६	२३	वि	४४	३७	ब	१७	५०	४६	५१	९	१७	२१	८	सिंहे	
८	शु	१९	१	पू	९	२९	प्री	४२	६	कौ	१९	१	४५	५१	९	१८	२२	९	कं.२४।४८	
९	श	१८	३२	उ	१०	४४	आ	३८	१५	ग	१८	३२	४४	५१	९	१९	२३	१०	कन्यायां	भ.४७।२२उ.
१०	र	१५	५०	ह	१०	३	सौ	३२	४८	वि	१५	५०	४३	५१	९	२०	२४	११	तु.३८।४४	भ.१५।५०या.
११	चं	११	२३	चि	७	२५	शो	२५	४०	बा	११	२३	४२	५२	८	२१	२५	१२	तुलायां	बुधास्तः पूर्वस्यां३८।४८उत्पत्ति११व्र.
१२	मं	४	५५	स्वा	२/५३	५४/२	अ	१७	१६	तै	४	५५	४१	५२	८	२२	२६	१३	वृ.४३।२५	भ.५७।११उ. प्रदोषः
१३	मं	५२	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	बु	४८	९	अ	४९	५८	सु	७/३२	४९/२६	वि	२२	३५	४०	५२	८	२३	२७	१४	वृश्चिके	भ. २२।३५या.ज्येष्ठा.बुधः५१।३३
३०	गु	३८	३४	ज्ये	४२	१३	शू	४६	१	च	१३	२१	३९	५२	८	२४	२८	१५	ध.४२।१३	

३४पं.मा.कृ.१वृ.इ. २४/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	६	५	६	५	१	७
१४	२६	२६	४	२	१५	१८	१४
४२	४६	४१	१०	३५	३४	३५	१३
२९	१४	४९	१६	३१	१	३३	२९
६०	३/६	८२	८	६९	४	३	६१
५०	व.	१०	३०	७	५६	११	३

३५पं.मा.कृ.७वृ.इ. २३/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	५	६	५	१	७
२१	२५	६	५	१०	१६	१८	२१
४८	३६	५४	१	४७	६	१३	२१
३२	२२	५८	३४	४६	४७	१७	९
६०	१८/२८	९०	७	६९	४	३	६१
५६	व.	२६	२१	५८	३२	११	११

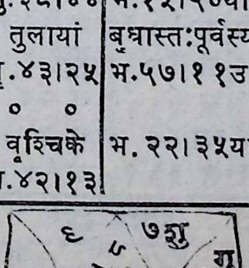

३६पं.मा.कृ.३०वृ.इ. २३/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	२	७	५	६	५	१	७
२८	२३	१७	५	१९	१६	१७	२८
५५	४८	३१	४५	१५	३५	५१	२९
२६	२८	१६	१८	२२	२	१	३२
६१	१७/४६	९५	६	७०	३	३	६१
०	व.	५३	२०	३८	५०	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः	सं. २०९६	शाकः १९६१										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३५४१स.२०३९
१	शु	२८	४६	मू	३४	२३	गं	३४	५३	किं	३	४७	३५/३९	६/५२	५/८	२५	२९	१६	धनुषि	मूलेधनुष्यर्कः२७/११(सौरः५१/५९)विशा.=
२	श	१९	२६	पू	२६	५८	बृ	२४	३	कौ	१९	२६	३८	५२	८	२६	३०	१७	म.४०।१९	चन्द्रदर्शनम्
३	र	१०	५७	उ	२०	२४	ध्रु	१३	५५	ग	१०	५७	३८	५२	८	२७	१	१८	मकरे	भ.३७।२३उ.जिल्हेज१२
४	चं	३	४९	श्र	१५	११	व्या	४/४७	५२/२२	वि	३	४९	३७	५३	७	२८	२	१९	कुं.४३।३२	भ.३।४९या.
५	चं	५४	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=शुक्रः१/३ ३हस्त.३शनिः४१/२२
६	मं	५४	४४	ध	११	५२	व	५१	०	कौ	२६	३५	३७	५३	७	२९	३	२०	कुंभे	चंपा६
७	बु	५३	१४	श	१०	१४	सि	४६	२३	ग	२३	५९	३६	५३	७	३०	४	२१	मी५५।२३	भ.५३।१४उ.
८	गु	५३	३१	पू	१०	२६	व्य	४३	१९	वि	२३	२२	३६	५३	७	१	५	२२	मीने	भ.२३।२२या.भा.पौषारंभः
९	शु	५५	३१	उ	१२	४८	व	४१	३७	बा	२४	३१	३६	५३	७	२	६	२३	मीने	मूलेधनुषिबुधः२५।६
१०	श	५९	८	रे	१६	३३	प	४१	१३	तै	२७	२०	३६	५३	७	३	७	२४	मे.१६।३३	वृश्चिकेशुक्रः१६।८
११	र	६०	०	अ	२१	५५	शि	४१	५७	व	३१	३३	३७	५३	७	४	८	२५	मेषे	भ.३/३ ३/३उ.मोक्षदा११व्र.स्मा.गीताजयंती
११	चं	३	५९	भ	२८	५	सि	४३	४	वि	३	५९	३७	५३	७	५	९	२६	वृ.४४।५४	भ.३/५ ९या.अनु.शुक्रः५७/४९मोक्षदा११व्र.वै.
१२	मं	९	३८	कृ	३५	१९	सा	४५	११	बा	९	३८	३७	५३	७	६	१०	२७	वृषे	वक्रीआर्द्रा.भौमः१/१ ०/५उफा.४गुरुः५/१ १×
१३	बु	१५	५५	रो	४२	२९	शु	४७	६	तै	१५	५५	३७	५२	८	७	११	२८	वृषे	[+(सौरः५३/३७ [×प्रदोषः
१४	गु	२२	१७	मृ	५०	७	शु	४९	२३	व	२२	१७	३८	५२	८	८	१२	२९	मि१६।१८	भ.२/५ २/७उ.५५/२७या.पूषा.रविः३२।१४+
१५	शु	२८	३७	आ	५७	२८	ब्र	५१	३८	ब	२८	३७	३९	५२	८	९	१३	३०	मिथुने	दत्तजयंती

३७प.मा.शु.८वृ.इ. २३/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	७	५	६	५	१	८
६	२१	२८	६	२७	१६	१७	५
३	३०	१९	२१	४२	५९	२८	३९
०	२४	४१	२२	४३	२४	४६	१७
६१	२४/१४	९७	५	७१	३	३	६१
४	व.	४१	८	१३	१५	११	२२

गोचर ग्रहाः

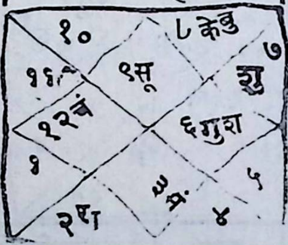

मार्गशीर्ष शुक्ले १शुक्रे धनुष्यर्कः प्रविष्टःवा. ३ न ३ बालावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

३८पं.मा.शु.१४वृ.इ. २३/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	७	५	१	८
१३	१८	९	६	६	१७	१७	१२
१०	५६	१८	४९	१३	१८	६	४९
५९	५६	३२	८	४४	३२	३०	९
६१	३६/२६	९९	३	७१	२	३	६१
६	व.	४८	५८	३८	२८	११	२६

ति.	पौष कृष्णपक्षः	सं. २०९६	शाकः १९६१										दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेति महा.
१	श	३४	५२	पु	६०	०	ऐं	५३	३७	बा	१	४५	२५/४०	६/५२	५/८	१०	१४	३१	क.४९।५१	पूषा.बुधः४८।३०
२	र	४०	४१	पु	४	३८	वै	५५	४	तै	७	४६	४१	५२	८	११	१५	१	कर्के	जनवरी१ता.३१सन्२०४०
३	चं	४५	३७	पु	११	८	वि	५५	५२	व	१३	९	४२	५२	८	१२	१६	२	कर्के	भ.१३।९उ.४५।३७या.
४	मं	४९	४०	श्ले	१६	५९	प्री	५६	१६	व	१७	३८	४३	५१	९	१३	१७	३	सिं१७।०	चतुर्थी व्र.
५	बु	५२	४५	म	२२	०	आ	५५	४४	कौ	२१	१२	४४	५१	९	१४	१८	४	सिंहे	
६	गु	५४	३३	पू	२५	४९	सौ	५४	११	ग	२३	३९	४५	५१	९	१५	१९	५	कं.४१।२३	भ.५४।३३उ.
७	शु	५५	०	उ	२८	७	शो	५१	३२	वि	२४	४६	४७	५१	९	१६	२०	६	कन्यायां	भ.२४/४६या.ज्येष्ठाशुक्रः५६/५४ रोहि.२राहुः–
८	श	५३	४५	ह	२९	६	अ	४७	३०	बा	२४	२२	४८	५०	१०	१७	२१	७	तु.५८।४४	[–अनु.४केतुः४३/२१
९	र	५०	५३	चि	२८	२१	सु	४२	३७	तै	२२	१९	५०	५०	१०	१८	२२	८	तुलायां	
१०	चं	४६	१३	स्वा	२५	५७	धृ	३५	३०	व	१८	३३	५२	५०	१०	१९	२३	९	तुलायां	भ.१८।३३उ.४६।१३या.उषा.बुधः१३/२०
११	मं	४०	६	वि	२२	८	शू	२७	३८	ब	१३	१०	५३	४९	११	२०	२४	१०	वृ.८।५	सफला११व्र.
१२	बु	३२	५२	अ	१६	३८	गं	१८	३३	कौ	६	२९	५५	४९	११	२१	२५	११	वृश्चिके	उषा.रविः३७/४५(सौरः५५/४)मकरेबुधः६
१३	गु	२४	९	ज्ये	१०	१	बृ	८/४१	४९/१५	व	२४	९	५७	४९	११	२२	२६	१२	ध.१०।१	भ.२४।९उ.४९।२७या.प्रदोषः
१४	शु	१४	४५	मू	२/४४	५२/२९	व्या	४७	०	श	१४	४५	५९	४८	१२	२३	२७	१३	धनुषि	
३०	श	५	१६	उ	४७	५१	ह	३६	१०	ना	५	१६	२६/१	४८	१२	२४	२८	१४	म.८।२२	मकरेऽर्कः५३।२४

३९पं.पौ.कृ.६वृ.इ. २३/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	८	५	७	५	१	८
२०	१६	२०	७	१४	१७	१६	१९
१९	२०	३१	८	४७	३३	४४	५९
५	४९	३०	२०	३३	०	५५	६
६१	२१/२८	७/०	२	७२	१	३	६१
६	व.	९/५३	३५	२	४०	११	२६

गोचर ग्रहाः

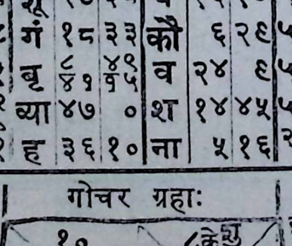

इसमासमें ५शनिवार ५ रविवार अशुभ है धान्यधातुसोनाचांदी ताम्बा रसकस गुड शक्कर चीनी तेजहो प्रजा में रोग फैलें ।

गोचर ग्रहाः

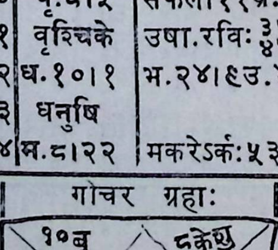

४०पं.पौ.कृ.१३वृ.इ. २३/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	२	९	५	७	५	१	८
२७	१३	२	७	२३	१७	१६	२७
२७	५९	१६	१७	२३	४२	२१	८
७	१२	३७	५६	१३	७	५९	५८
६१	२७/२२	७/०	१	७२	१	३	६१
६	व.	९/२२	१०	२२	५	११	२४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९६शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:३५७१स२०४०
१	श	५०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	र	४७	३८	श्र	४१	१२	व	२६	१	बा	२१	५२	२६/४	६/४७	५/१३	२५	२९	१५	मकरे	मकरेऽर्क,सौर:१०।३१चन्द्रदर्शनम्
३	चं	४०	४५	ध	३५	५६	सि	१६	५१	तै	१४	११	६	४७	१३	२६	१	१६	कुं.८।३४	मोहोरम१सन्१४६२हि.
४	मं	३५	३७	श	३२	२८	व्य	८	४२	व	८	११	८	४६	१४	२७	२	१७	कुंभे	भ.८/९ १उ.३/३ ५/५या.श्रवणेबुध:८/६मूले–
५	बु	३२	२९	पू	३०	४१	व	२/२०	५५/२३	ब	४	३	११	४६	१४	२८	३	१८	मी१६।८	[–धनुषिशुक्र:४३।३३
६	गु	३१	२७	उ	३१	१९	शि	५४	५०	कौ	१	५८	१३	४५	१५	२९	४	१९	मीने	वक्रीगुरु:१७।१६
७	शु	३२	३०	रे	३३	५०	सि	५३	२६	ग	१	५९	१६	४५	१५	३०	५	२०	मे.३३।५०	भ.३२।३०उ. [=भा.माघारंभ:
८	श	३५	३३	अ	३८	२०	सा	५३	३८	वि	४	१	१९	४४	१६	१	६	२१	मेषे	भ.४/१या.अभि.प्र.रवि:२७/५० (सौर:४९/५३)=
९	र	४०	१३	भ	४४	२०	शु	५४	२९	बा	७	५३	२१	४४	१६	२	७	२२	मेषे	[×पातमोक्ष:४४।२७
१०	चं	४५	५६	कृ	५१	२३	शु	५६	२०	तै	१३	५	२४	४३	१७	३	८	२३	वृ.१।६	वक्रीशनि १७।२०पातस्पर्श:२६।१६×
११	मं	५२	२६	रो	५८	४०	ब्र	५८	२९	व	१९	११	२७	४३	१७	४	९	२४	वृषे	भ.१९/११उ.५२/२६या.श्रवणेरवि:४३/३७ (सौर: +
१२	बु	५९	१	मृ	६०	०	ऐं	६०	०	ब	२५	४३	२९	४२	१८	५	१०	२५	मि३२।३५	अभि.नि.रवि:३४।४२ (सौर:४९।५)
१३	गु	६०	०	मृ	६	२९	ऐं	०	५७	कौ	३२	१०	३२	४२	१८	६	११	२६	मिथुने	प्रदोष: [+५९/४८)धनि.बुध:५७/१५बुधोदय:÷
१३	शु	५	१९	आ	१३	५२	वै	३	७	तै	५	१९	३५	४१	१९	७	१२	२७	मिथुने	[÷पश्चिमायां४९/३५पुत्रदा११व्र.
१४	श	११	२२	पु	२०	५५	वि	४	५३	व	११	२२	३८	४०	२०	८	१३	२८	क.४।९	भ११/२२उ.४३/५९या.कुंभेबुध:५९/२पूषा.शुक्र:३५/५०
१५	र	१६	३६	पु	२७	२	प्री	६	१०	ब	१६	२६	४१	४०	२०	९	१४	२९	कर्के	मा.स्ना.प्रा.

४१पं.पौ.शु.६वृ.इ. २/१ ३/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	८	५	१	९
४	११	१३	७	२	१७	१५	४
३४	५८	५२	१८	०	४६	५९	१८
५९	३८	८	३६	४०	३४	४३	२७
६१	२२/८	३७/०/६	०/१	७२	०	३	६१
३	व.		व	४०	१७	११	१९

गोचर ग्रहाः

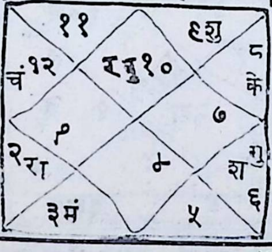

पौष शुक्ले २ रवौ मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

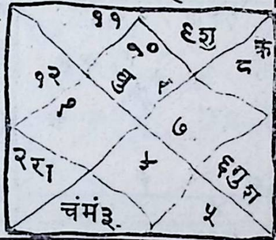

४२पं.पौ.शु.१३वृ.इ. २/१ ३/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	९	५	८	५	१	९
११	१०	२५	७	१०	१७	१५	११
४२	३०	४२	९	३८	४५	३७	२७
२९	१६	१४	५४	४९	७	२८	१८
६०	१५/३७	९९	३ १/५	७२	०/२४	३	६१
५९	व.	१६	व	५६	व	११	१३

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	आ.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	चं	२०	५६	श्ले	३२	२७	आ	६	४६	कौ	२०	५६	२६/४५	६/३९	५/२१	१०	१५	३०	सि३२।२७	
२	मं	२४	१६	म	३६	४८	सौ	६	३४	ग	२४	१६	४८	३८	२२	११	१६	३१	सिंहे	भ.५५।२६उ.
३	बु	२६	३७	पू	४०	१७	शो	५	४०	वि	२६	३७	५१	३८	२२	१२	१७	१	कं.५५।५१	भ.२६/३७या.फर्वरी२ता.२९ चतुर्थी व्र.
४	गु	२७	४६	उ	४२	३३	अ	४	४	बा	२७	४६	५४	३७	२३	१३	१८	२	कन्यायां	शतेबुध:२९।१४
५	शु	२७	५९	ह	४४	२	सु	१/३०	५६/३४	तै	२७	५९	५८	३६	२४	१४	१९	३	कन्यायाँ	
६	श	२७	४	चि	४४	१३	शू	५३	४४	व	२७	४	२७/१	३६	२४	१५	२०	४	तु.१४।१८	भ.२७।४उ.५६।२या.
७	र	२५	०	स्वा	४३	२	गं	४८	२२	ब	२५	०	५	३५	२५	१६	२१	५	तुलायां	
८	चं	२१	४४	वि	४०	५३	वृ	४२	८	कौ	२१	४४	८	३४	२६	१७	२२	६	वृ.२६।२५	धनि.रवि:५०/४५वक्रीउफा.३गुरु:५५/३३
९	मं	१७	१८	अ	३७	३६	धु	३४	५३	ग	१७	१८	१२	३४	२६	१८	२३	७	वृश्चिके	भ.४४।२६उ.धनि.रवि:सौर:३।३८
१०	बु	११	३४	ज्ये	३३	१०	व्या	२६	४७	वि	११	३४	१५	३३	२७	१९	२४	८	ध.३३।१०	भ.११।३४या.उषा.शुक्र:१९।४३
११	गु	५	०	मू	२७	३८	ह	१७	४६	बा	५	०	१९	३२	२८	२०	२५	९	धनुषि	षट्तिला११व्र.
१२	गु	५२	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	शु	४९	१०	पू	२१	३३	व	८/१९	५०/३	ग	२३	१६	२३	३१	२९	२१	२६	१०	म.३४।५७	भ.४९/१०उ.मार्गीभौम:४६/१३प्रदोष:
१४	श	४०	४४	उ	१५	८	व्य	४८	३१	वि	१४	५७	२७	३१	२९	२२	२७	११	मकरे	भ.१४।५७या.मकरेंशुक्र:३।२९
३०	र	३२	४०	श्र	८	४५	व	३९	५	च	६	४२	३०	३०	३०	२३	२८	१२	कुं.३५।५७	

४३पं.मा.कृ.४वृ.इ. २/२ ३/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	५	८	५	१	९
१८	९	६	६	१९	१७	१५	१८
४९	२६	३१	५१	१७	३५	१५	३५
१	१६	९८	४७	३१	५९	१२	२६
६०	७/५२	८३	३/४	७३	१/१७	३	६१
५५	व.	४९	व.	१४	व.	११	४

गोचरग्रहाः

कृष्णपक्षकी तिथिघटे शुक्लपक्ष बढ जाय । एकचीजकी क्या कहें सभीचीज बढजाय।। इस मासमें धातु तेज व धान्य मंदे हों ।

गोचरं ग्रहाः

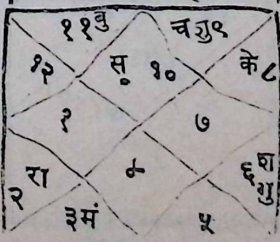

४४पं.मा.कृ.११वृ.इ. २/३ ३/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	२	१०	५	८	५	१	९
२५	९	१३	६	२७	१७	१४	२५
५४	१८	२४	२५	५७	२३	५२	४२
५०	२४	५४	२३	५०	६	५७	१३
६०	१/१५	३७	१ ४/३	७३	१/५४	३	६०
४७	व	४८	व.	२०	व.	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३६००सं२०४०
१	चं	२५	२५	ध	३/९	५५/२०	प	३०	२९	ब	२५	२५	२७/३४	२६/९	३५/१	२४	२९	१३	कुम्भे	कुंभऽर्क. २६/१सौरः ३७/३६वक्रीबुधः ३७/५१=
२	मं	१९	२८	पू	५५	२६	शि	२३	८	कौ	१९	२८	३८	२८	३२	२५	१	१४	मी४१।१२	बुधास्तःपश्चिमायां ८/१०सफर२
३	बु	१५	१४	उ	५४	१६	सि	१६	५७	ग	१५	१४	४१	२८	३२	२६	२	१५	मीने	भ.४४।८उ.
४	गु	१३	२	रे	५५	३०	सा	१२	२२	वि	१३	२	४५	२७	३३	२७	३	१६	मे.५५।३०	भ.१३।२या.
५	शु	१२	५०	अ	५८	२७	शु	९	४१	बा	१२	५०	४९	२६	३४	२८	४	१७	मेषे	वसंत५ [=चंद्रदर्शनम्
६	श	१४	४९	भ	६०	०	शु	८	५३	तै	१४	४९	५३	२५	३५	२९	५	१८	मेषे	
७	र	१८	४१	भ	३	१९	ब्र	८	५२	व	१८	४१	५६	२५	३५	३०	६	१९	वृ.१९।५४	भ.९/४८/१उ.५१/१८या.श्रवणेशुक्रः ९/३४भानु ÷
८	चं	२३	५५	कृ	९	३९	ऐं	१०	११	ब	२३	५५	२८/०	२४	३६	१	७	२०	वृषे	शतेरविः २/१४सौरः १२/५८भा.फाल्गुनारंभ×
९	मं	३०	७	रो	१६	४६	वै	१२	११	कौ	३०	७	४	२३	३७	२	८	२१	मि५०।३४	[×भीष्माष्टमी [÷७रथ७
१०	बु	३६	४१	मृ	२४	२१	वि	१४	३०	तै	३	२४	८	२२	३८	३	९	२२	मिथुने	वक्रीधनि.बुधः५०।३
११	गु	४३	१	आ	३१	५१	प्री	१६	४५	व	९	५१	१२	२२	३८	४	१०	२३	मिथुने	भ.९।५१उ.४३।१या.जया११ब्र.
१२	शु	४८	४९	पु	३८	५५	आ	१८	४३	ब	१५	५५	१६	२१	३९	५	११	२४	क.२२।९	
१३	श	५३	५२	पु	४५	७	सौ	२०	४	कौ	२१	२१	२०	२०	४०	६	१२	२५	कर्के	वक्रीहस्त.२शनिः१०।४९प्रदोषः
१४	र	५७	१८	श्ले	५०	१	शो	२०	२८	ग	२५	३५	२४	१९	४१	७	१३	२६	सि५०।१	भ.५७।१८उ.
१५	चं	६०	०	म	५४	०	अ	२०	३	वि	२८	४०	२८	१८	४२	८	१४	२७	सिंहे	भ.३/४ ८/०या.बुधोदयःपूर्वस्यां५४।३४
१५	मं	०	१	पू	५६	३९	सु	१८	४१	ब	०	१	३२	१८	४२	९	१५	२८	सिंहे	मा.स्ना.पूर्तिः

४५पं.मा.शु.४वृ.इ. ३/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	९	५	१	१०
२	९	१२	५	६	१७	१४	२
५९	३७	४६	५१	३६	६	३०	४८
४२	२६	५४	१०	४६	५३	४१	१६
६०	५/६	२४/४१	५५/२६	७३	२/३४	३	६०
३७	मा	व	व	३२	व	११	४२

गोचर ग्रहाः

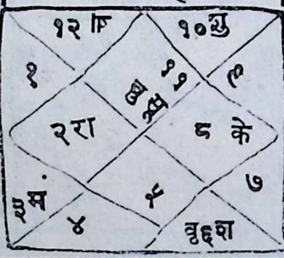

माघ शुक्ले १ चन्द्रे कुंभेऽर्कःप्रविष्टः वा.२ न. ४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

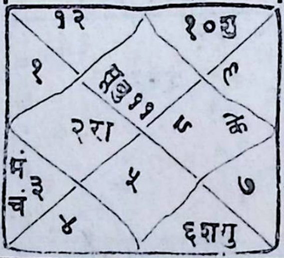

४६पंमा.शु.११वृ.इ.२४।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	९	५	१	१०
१०	१०	५	५	१५	१६	१४	९
३	२३	५७	९	१७	४५	८	५२
१४	४२	५०	०	५३	४७	२५	४९
६०	१०	६४/१७	६/२३	७३	३/१५	३	६०
२५	१६	व	व	४४	व	११	३१

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	बु	१	११	उ	५८	५	धृ	१६	११	कौ	१	११	७८/३६	६/१७	५/४३	१०	१६	२९	कं.१२।०	धनि.शुक्रः५३।७
२	गु	१	१३	ह	५८	३४	शू	१२	५८	ग	१	१३	४०	१६	४४	११	१७	१	कन्यायां	भ.३०।४३उ.मार्च३ता.३१
३	शु	०	१३	चि	५८	१७	गं	८	५९	वि	०	१३	४४	१५	४५	१२	१८	२	तु.२८।२५	भ.१/९/३या.पातस्पर्शः २९/९पातमोक्षः ३९/५०=
४	शु	५८	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=चतुर्थीव्र.
५	श	५५	३६	स्वा	५७	२	वृ	४/१२	५४/५०	कौ	२६	५६	४८	१४	४६	१३	१९	३	तुलायां	
६	र	५२	१०	वि	५५	२०	व्या	५३	८	ग	२३	५३	५२	१४	४६	१४	२०	४	वृ.४०।४६	भ.५२/१०उ.पूभा.रविः १९/१सौरः२७।४५
७	चं	४८	१६	अ	५२	४९	ह	४६	४७	वि	२०	१३	५६	१३	४७	१५	२१	५	वृश्चिके	भ.२०।१३या.
८	मं	४३	३६	ज्ये	४९	४४	व	३९	५०	बा	१५	५६	२९/१	१२	४८	१६	२२	६	ध.४९।४४	मार्गीबुधः ५९/३कुंभेशुक्रः१६।१४
९	बु	३८	२५	मू	४५	५९	सि	३२	३३	तै	११	०	५	११	४९	१७	२३	७	धनुषि	
१०	गु	३२	३४	पू	४१	५३	व्य	२४	५०	व	५	२९	९	१०	५०	१८	२४	८	म.५५।४२	भ.५।२९उ.३२।३४या.
११	शु	२६	१६	उ	३७	१०	व	१६	३६	बा	२६	१६	१३	९	५१	१९	२५	९	मकरे	कुंभेबुधः ४५/४वक्रीउफा.२गुरुः ३२/५रोहि+
१२	श	१९	३८	श्र	३२	२५	प	५/१३	५१/४४	तै	१९	३८	१७	९	५१	२०	२६	१०	मकरे	प्रदोषः+१राहुः अनु.३केतुः ३९/८०वि.११।
१३	र	१३	४	ध	२७	५३	सि	५२	७	व	१३	४	२१	८	५२	२१	२७	११	कुं.०।९	भ.१३/४उ.३९/५८या.शतेशुक्रः४०।५१ ÷
१४	चं	६	५२	श	२३	५५	सा	४४	५६	श	६	५२	२६	७	५३	२२	२८	१२	कुंभे	महाशिवरात्रीव्र.वै.
३०	मं	१	२३	पू	२०	५३	शु	३८	२८	ना	१	२३	३०	६	५४	२३	२९	१३	मी६।३९	[÷महाशिवरात्रीव्र.स्मा.

४७पं.फा.कृ.२वृ.इ. २४/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	१०	५	९	५	१	१०
१७	११	०	४	२३	१६	१३	१६
५	४०	१०	२१	५८	२१	४६	४५
२८	५७	८	१८	२३	१४	१०	४५
६०	१४	३४/४	७/१४	७३	३/५०	३	६०
१२	३५	व	व	५०	व	११	२०

गोचर ग्रहाः

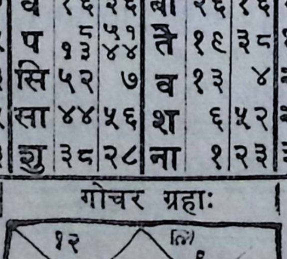

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल चांदी सोना रुई कपास बारदाना वस्त्र आदि मंदे हो घृत रसकस तेज हो

गोचर ग्रहाः

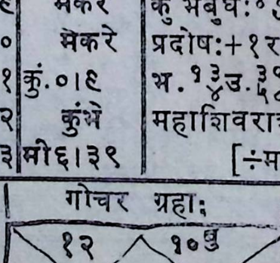

४८पं.फा.कृ१०वृ.इ. ३४/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	२	९	५	१०	५	१	१०
२४	१३	२९	३	२	१५	१३	२३
६	२४	५	२९	३८	५३	२३	५७
१४	११	५०	४२	१३	२८	५४	८
५९	१८	९/४९	७/४७	७३	४/६	३	६०
५८	२३	मा	व	५६	व	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततर्तूरविरुत्तरे ऽहर्गणः३६३०स.२०४०
१	मं	५५	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	५४	३६	उ	१९	२४	शु	३३	२८	बा	२५	५६	२९/३४	६/५	५५	२४	३०	१४	मीने	मीनेऽर्कः१९/१९सौरः२/९चंद्रदर्शनम् ×
३	गु	५३	५०	र	१९	२६	ब्र	२९	५५	तै	२४	१३	३८	४	५६	२५	१	१५	मे.१९।२६	रविलावल३ [×फुलरिया२
४	शु	५५	१	अ	२१	१८	ऐं	२७	५२	व	२४	२६	४३	३	५७	२६	२	१६	मेषे	भ.२४।२६उ.५५।१या.
५	श	५८	१	भ	२५	४३	वै	२६	५२	ब	२६	३१	४७	३	५७	२७	३	१७	वृ.४०।१९	उभा.रविः४०।१३(सौरः४९।४२)
६	र	६०	०	कृ	३०	८	वि	२७	२९	कौ	३०	१५	५१	२	५८	२८	४	१८	वृषे	
६	चं	२	२९	रो	३६	४८	प्री	२९	८	तै	२	२९	५५	१	५९	२९	५	१९	वृषे	शतेबुधः३८।५६
७	मं	८	१४	मृ	४४	२	आ	३१	७	व	८	१४	३०/०	६०/०	६०/०	३०	६	२०	मि१०।२५	भ.८।१४उ.४१।२२या.
८	बु	१४	३१	आ	५१	३८	सौ	३३	३१	ब	१४	३१	३०/४	५९	६०/१	१	७	२१	मिथुने	भा.चैत्रारंभःहोलाष्टकम्
९	गु	२०	४७	पु	५८	५४	शो	३५	४०	कौ	२०	४७	८	५८	२	२	८	२२	क.४२।५	पूभा.शुक्रः२९।२३
१०	शु	२६	४६	पु	६०	०	अ	३७	२२	ग	२६	४६	१२	५८	२	३	९	२३	कर्के	भ.५९।१५उ.
११	श	३१	४५	पु	५	३२	सु	३८	९	वि	३१	४५	१६	५७	३	४	१०	२४	कर्के	भ.३१।४५या.आमलकी११व्र.
१२	र	३५	१४	श्ले	१०	४४	धृ	३७	५०	ब	३	२९	२१	५६	४	५	११	२५	सि१०।४४	
१३	चं	३७	१७	म	१४	३०	शू	३६	१७	कौ	६	१५	२५	५५	५	६	१२	२६	सिंहे	प्रदोषः
१४	मं	३७	३८	पू	१६	४३	गं	३३	२४	ग	७	२७	२९	५४	६	७	१३	२७	कं.३१।५५	भ.३७।३८उ.
१५	बु	३६	२७	उ	१७	३१	वृ	२९	३२	वि	७	२	३३	५३	७	८	१४	२८	कन्यायां	भ.७/१या.पुन.भौमः७/३होलिकादहनम्

४९पं.फा.शु.३वृ.इ. २४/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	१०	५	१	११
१	१५	३	२	११	१५	१३	०
५	२७	४९	३६	१८	२३	१	५६
३१	५०	४१	२५	२२	१७	३९	५०
५९	२१	४०	५६/२	७४	२३/४	३	५९
१	७	१४	व	२	व	११	४९

गोचर ग्रहाः

फाल्गुन शुक्ले २ बुधे मीनेऽर्कःप्रविष्टःवा ३ न. २ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदयःपूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

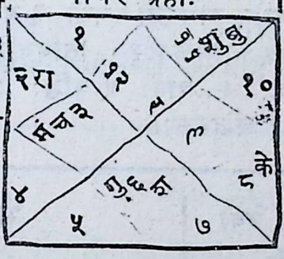

५०पं.फा.शु.९वृ.इ. २५/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	१०	५	१	११
८	१७	१०	१	१९	१४	१२	७
३	५०	३९	४२	५८	५२	३९	५४
१८	२८	४	४	४१	५३	२३	४५
५९	२३	६२	५६/२	७४	४/०	३	५९
२९	४३	१९	व	८	व	११	३५

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९६ शाकः १९६१												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	गु	३३	५८	ह	१६	५२	ध्रु	२४	३२	बा	५	१२	३०/३७	५/५३	६/७	९	१५	२९	तु.४६।०	वसंत१छारेंडी
२	शु	३०	२२	चि	१५	९	व्या	१८	४८	तै	२	१०	४१	५२	८	१०	१६	३०	तुलायां	भ.५/१३उ.पूभा.बुधः३/५मीनेशुक्रः३२/१
३	श	२६	५	स्वा	१२	४१	ह	१२	२९	वि	२६	५	४५	५१	९	११	१७	३१	वृ.५५।२७	भ.२६/५या.रेवत्यांरविः४७/८सौरः९/६४व्र.
४	र	२१	१५	वि	९	४२	व	५/४७	५३/८	बा	२१	१५	४९	५०	१०	१२	१८	१	वृश्चिके	अप्रेल४ता.३०
५	चं	१६	२१	अ	६	३५	व्य	५१	५३	तै	१६	२१	५३	४९	११	१३	१९	२	वृश्चिके	उभा.शुक्रः१४।२
६	मं	११	१०	ज्ये	३/१३	५६/४३	व	४४	४७	व	११	१०	५७	४९	११	१४	२०	३	ध.३।१३	भ.११।१०उ.३८।३७या.
७	बु	६	४	पू	५६	३२	प	३७	४०	ब	६	४	३१/१	४८	१२	१५	२१	४	धनुषि	
८	गु	०	५९	उ	५३	१६	शि	३०	४०	कौ	०	५९	५	४७	१३	१६	२२	५	म.१०।४३	मीनेबुधः५/३०वक्रीउफा.१सिंहेगुरुः=
९	शु	५४	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=२३।५६शीतलापूजनम्
१०	शु	५०	४२	श्र	४९	५९	सि	२३	३७	व	२३	४४	१०	४६	१४	१७	२३	६	मकरे	भ.२३।४४उ.५०।४२या.
११	श	४५	३८	ध	४७	२	सा	१७	०	ब	१८	१०	१४	४५	१५	१८	२४	७	कुं.१८।३१	उभा.बुधः५९।०पापमोचनी११व्र.
१२	र	४१	८	श	४४	३४	शु	१०	२७	कौ	१३	२३	१८	४४	१६	१९	२५	८	कुंभे	
१३	चं	३७	१५	पू	४२	३९	शु	२३/४	३५/५४	ग	९	११	२२	४४	१६	२०	२६	९	मी२८।८	भ.३७।१५उ.प्रदोषः
१४	मं	३४	७	उ	४१	३३	ऐं	५४	२२	वि	५	४१	२६	४३	१७	२१	२७	१०	मीने	भ.५।४१या.
३०	बु	३२	१७	रे	४१	५७	वै	५०	४८	च	३	१३	३०	४२	१८	२२	२८	११	मे.४१।५७	मन्वादि

५१पं.चै.कृ.१वृ.इ. २५/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	५	१०	५	१	११
१४	२०	१९	०	२८	१४	१२	१४
५९	२७	११	४९	३७	२२	१७	५०
१०	११	३१	८	५५	१	७	५७
५९	२६	७९	७/३०	७४	४/०	३	५९
१६	२	५५	व	१४	व.	११	१८

गोचर ग्रहाः

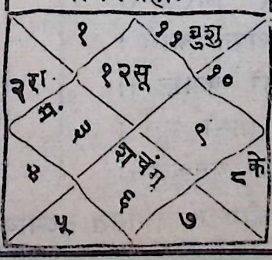

इस मास में धान्य बाजरा मूंग मोठ चावल गेहूं जो चना मंदे होवे धातु सोना चांदी रुई में घटा बढी चलें।

गोचर ग्रहाः

५२पं.चै.कृ.८वृ.इ. २६/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	२	१०	४	११	५	१	११
२१	२३	२९	२९	७	१३	११	२१
५३	२०	२१	५९	१७	४९	५४	४५
३१	६	५०	४६	४९	१६	५२	८
५९	२७	९३	६/४६	७४	४/३८	३	५९
४	५८	२९	व	२०	व	११	७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४१, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१४१, भोग्यकलिः४२६८५९, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९७, शाकः १९६२, अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः। मंत्री शुक्रः। सस्येशश्चंद्रः। धान्येशः शनिः। मेघेशो गुरुः। रसेशो बुधः। नीरसेशश्चंद्रः। फलेशो गुरुः। धनेशो रविः।दुर्गेशो गुरुः।एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्येब्रम्हविंशतिकायां ८ भावनाम संवत्सरः प्रवर्तते। तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ३।२२।१।५२।१२ भोग्यमासादिः ८।७।५८।७।४८ बार्हस्पत्यदैवतं युगं। तत्रवर्षनाम फाल्गुनः। मेघनाम आवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजकगृहे। समयविश्वा २० समयवाहनम् चातकः। स्तंभौ २ अन्नवाय्वोः। सोमवत्यमाः२ सोमवती पंचमी ३ अंगारकी चतुर्थी १ भानुसप्तमी २ बुधाष्टमी १ रविदशमी ३ समयमुहूर्ताः ३३० समयदिनानि ३५५ तिथिक्षयः१५, तिथिवृद्धिः१० उत्पत्ति विश्वा ८७ खपति विश्वा ११४ वर्षाविश्वा १७ धान्यम् ५ तृणम् ९, शीतम् ५ तेजः ९, वायुः ५ वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः १७, ऐक्यम् ८१, शनिदृष्टिर्दक्षिणे। सत्यं।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः।

सं. २०९७ कार्तिक शु.१५ रवौ
खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	१०	११	१२	१	२
मि.	४६	५३	३६	१९	२७
घं.	४०	४३	४५	४७	४९
प.	४७	३६	२३	१०	५९

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जय जननी ज्वालामुखी करिये सदा सहाय।
सात नवति की साल में कहिये मन हर्षाय।।

भवानी उत्तर

सत राखे सत्याणवे वर्षे सुन्दर मेह।
अन धन जन सुख ऊपजे राज प्रजा में नेह।।
सौम्यग्रहां इस वर्ष में लिया आठ अधिकार।
संवत् होसी सांतरो सुख पावे संसार।।
सतरा वर्षा वृष्टि है संवत् विश्वा बीस।
अन्न घणेरा नीपजे भूमि और गिरीश।।
धान्याधिप दिन मणि तनय चालैं अपनी चाल।
पकी पकाई साख में टीडी करे कमाल।।
गत वर्षों की पीड़ को जनता जासी भूल।
ईश कृपा से जगत् मे सभी होय अनुकूल।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	११	५	८	२	५	८
खर्च	५	१४	११	११	५	११

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	५	११	१४	२	२	१४
खर्च	१४	५	११	८	८	११

वर्ष लग्नम् ६।२

वर्षेश लग्नम् ७।२३

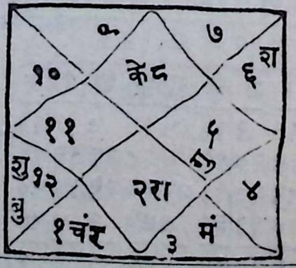

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१८।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२४।४

=बुशुचंर

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा गुरुः फलम् ॥ गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले काम दुधाश्च धेनवः । यजन्ति विप्राः बहवोग्नि होत्रिणो महोत्सवं सर्वजनेषु वर्तते ॥ मंत्री शुक्रः फलम् ॥ भृगुसुते ननु मंत्रि समागते शलभ मूषक मूषकरौहिषः भवति धान्य समर्घतया भयं जनपदेषु जलं सरितोधिकम् ॥ सस्येशः चन्द्रः फलं ॥ सस्याधिपे शीतकरे प्रजा सुखं मेघः पयो मुँचति गोपगोधुक् देवद्विजाराधन तत्परा नृपा धरा भवेद्धान्य धनौघ पूर्णा ॥ धान्येशः शनिः फलम् ॥ निर्धना क्षिति भुजो रणादराः सस्यमल्प मति रोगिणो नराः । नैव वर्षति जलं सुरेश्वरः स्याद्यदांत्य कणपः शनैश्चरः ॥ मेघेशः गुरुः फलम् ॥ गुरुरपि प्रिय वृष्टिकरः सदाखिल विलासवती धरणीतदा । श्रुति विचार परा नरपालका रस समृद्धियुताखिल मानवाः ॥ रसेशः बुधः फलम् ॥ रसपतौ द्विजराज सुतें मही सुलभ धान्य घृतादि युता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ॥ नीरसेशः चन्द्रः फलम् ॥ शुक्लवर्णादि वस्तूनां मुक्ता रजतवाससां । अर्घ बृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ॥ फलेशः गुरुः फलम् ॥ सुरगुरु फलनायकतां गतो गतभया वनराशि महाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सव मन्दिराः श्रुतिविचार परा द्विजपूर्वकाः ॥ धनेशः रविः फलम् ॥ द्रविणपे यदि वासरपे तदा वणिजतो बहु द्रव्य समागमः । गजतुरंगम मेष खरोष्ट्रतो धनचयं लभतें ऋयविक्रयात् ॥ दुर्गेशः गुरुः फलम् ॥ सुरगुरौ गढपे नवशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः गिरिषु वै नगरेषु समंसुखं सुखमति द्विज शस्त्रवतोऽनिशम् ॥ भावनाम संवत्सरः फलम् ॥ भावाब्दे प्रचुरा रोगाः मध्यः सस्यार्घ बृष्टयः । राजानो युद्ध निरताः तथापि सुखिनो जनाः ॥ वर्षनाम फाल्गुनः फलम् ॥ सुभिक्षं प्रचुरा वृष्टिरुत्तरे याम्य पश्चिमे । पूर्वस्यां रौरवं घोरं फाल्गुने वत्सरे शुभम् ॥ मेघनाम आवर्तः फलम् ॥ आवर्ते छिन्न वृष्टिः स्यात् ॥ रोहिणी निवास्तटे फलम् ॥ तटेवृष्टिः सुशोभनाः ॥ समयनिवासो रजक गृहे फलम् ॥ रजके वृष्टिरुत्तमा ॥ एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ॥

संवत् २०९७ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला ५ चन्द्रे मृग ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।ऽअ्ऽऽ।।

आषाढ मासः

शुक्ला ३ गुरौ मघा ल. ऽन्यगो १ रे. ९ ।।।।ऽरो।।।

,, ६ रवौ उफा ल. ऽन्यगो रें. ८ ।।ऽबृ।।ऽअ।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा ९ बुधे उफा ल.५रे.८ ।।।।।।ऽ।ऽदग्धा२७-४६उ.

,, १० गुरौ हस्ते ल. ५ रे. ७ ।।।।ऽनृऽऽ।।

शुक्ला १० गुरौ रेव ल. गो. रे. ७ ।ऽ।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

कृष्णा २ शनौ मघा ल. ८ रे. ८ ऽ।।ऽ।।।।।

,, ४ चन्द्रे उफा ल. ८ रे. ८ ।।।ऽ।।ऽ।।

,, ५ भौमे उफा ल. गो. रे. ७ ।।।ऽऽरो।ऽ।।

,, ५ भौमे हस्ते ल. ८ (घ.५१-५१या) रे. ८ ।।।।ऽरोऽ।।

,, ६ बुधे हस्ते ल. गो. रे. ९ ।।।।।ऽ।।

,, १२ भौमे मलें ल. ८ (घ.४९-५२या) रे. ६ ।।।।ऽचौ५३याऽऽ।ऽ दग्धा

माघ मासः

शुक्ला ५ भौमे रेव ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) ल. ८ रे. ९ ।।।।ऽनृ।।।

,, ९ शनौ रोहि ल. गो. ८ (वृश्चिकेचं.७पू.) रे. ७ ।।।।ऽरोऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ चन्द्रे उफा ल. गो ८ रे. ९ ।।।।।ऽ।।

,, ९ चन्द्रे मूले ल. ऽन्यगो ८ रे.८ ।।।।।नृ३५उऽऽ।।

,, ११ बुधे उषा ल. ८-९ रे. ६ ऽऽ।।।ऽऽ।।

शुक्ला २ चन्द्रे रेव ल. ८-९ रे. ८ ।।।।ऽऽ।।

,, ६ शुक्रे रोहि ल. ऽन्यगो ८-१० रे. ८।।।।।ऽ।।

(वृश्चिकेचं.७पू.)

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरेऽहर्गणः ३६५६९स.२०४०
१	गु	३१	३७	अ	४३	३५	वि	४८	१५	किं	१	५७	३१/३४	५/४१	६/६९	२३	२९	१२	मेषे	संवत्सरारंभ:नवरात्रारंभ:
२	शु	३२	४०	भ	४६	५४	प्री	४७	३३	बा	२	८	३८	४०	२०	२४	३०	१३	मेषे	अश्वि.मेषेऽर्कः४/४९सौरः५/४३रेवत्यां =
३	श	३५	२८	कृ	५१	२८	आ	४७	१७	तै	४	४	४२	४०	२०	२५	१	१४	वृ.३।२	रविलाखर४मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	र	३६	३५	रो	५७	३५	सौ	४८	२६	व	७	३१	४६	३६	२१	२६	२	१५	वृषे	भ.३७/१उ.३९/३या.रेवत्यांबुध:४१।७
५	चं	४४	५२	मृ	६०	०	शो	५०	१२	ब	१२	१३	५०	३८	२२	२७	३	१६	मि३१।०	[=शुक्र:३९/१चंद्रदर्शनम्सिंधारा
६	मं	५०	५६	मृ	४	२३	अ	५२	४३	कौ	१७	५६	५३	३७	२३	२८	४	१७	मिथुने	
७	बु	५७	७	आ	११	५९	सु	५५	२	ग	२४	३	५७	३७	२३	२९	५	१८	मिथुने	भ.५/७उ.बुधास्त:पूर्वस्यां२६।३१
८	गु	६०	०	पु	१६	२२	धृ	५७	१०	वि	३०	१३	३२/१	३६	२४	३०	६	१९	क.२।३१	भ.३०।१३या.
८	शु	३	१६	पु	२६	३५	शू	५८	३७	ब	३	१६	५	३५	२५	३१	७	२०	कर्के	कर्केभौम:२५।१०रामनवमीस्मा.
९	श	८	३४	श्ले	३२	२६	गं	५८	५४	कौ	८	३४	९	३४	२६	१	८	२१	सिं३२।२६	भा.वैशाखारभ:रामनवमीवै.
१०	र	१२	२०	म	३७	२	वृ	५७	५७	ग	१२	२०	१२	३४	२६	२	९	२२	सिंहे	भ.४३/२९उ.अश्वि.मेषेबुध:४१।२
११	चं	१४	३८	पू	३६	४३	ध्रु	५५	३८	वि	१४	३८	१६	३३	२७	३	१०	२३	कं.५४।५७	भ.९४/३८या.अश्वि.मे.शुक्र:५/२कामदा११
१२	मं	१४	५६	उ	४०	४१	व्या	५१	४७	बा	१४	५६	२०	३२	२८	४	११	२४	कन्यायां	शुक्रास्त:पूर्वस्यां३४।४८प्रदोष:
१३	बु	१३	२२	ह	३६	४८	ह	४६	२८	तै	१३	२२	२३	३१	२६	५	१२	२५	कन्यायां	[=२५।२६हनुमज्जयंती
१४	गु	९	५६	चि	३७	१८	व	३६	५६	व	९	५६	२७	३१	२६	६	१३	२६	तु.८।३३	भ.९।५६उ.३७।३६या.
१५	शु	५	१३	स्वा	३३	३६	सि	३२	३७	ब	५	१३	३१	३०	३०	७	१४	२७	तुलायां	भरण्यांरवि:३१/५९सौर:३२/८पुष्येभौम:=

१ पं.चै.शु.२शु.इ. ४१/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	२	११	४	११	५	१	११
०	२६	१३	२९	१७	१३	११	२९
०	५५	४	९	२९	१२	२८	५१
०	१२	२४	११	४६	११	४७	२३
५८	२९	६/०	५/६	७४	४/१६	३	५८
४४	२६	२८	व	२६	व	११	४५

२पं.चै.शु ८शु.इ. ४२/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	११	४	११	५	१	०
६	०	२६	२८	२६	१२	११	६
५०	८	४	३२	८	४२	६	४१
४६	३८	१२	४६	३१	४७	३२	३४
५८	३०	७/०	४/३७	७४	३/५९	३	५८
३१	३९	५५	व	२६	व	११	२९

३पं.चै.शु.१५शु.इ. ४२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	४	०	५	१	०
१३	३	१०	२८	४	१२	१०	१३
३९	२८	१७	२	४५	१६	४४	२९
५०	५५	६	२४	५४	५	१६	५९
५८	३१	९/७	३/४	७४	३/४४	३	५८
१९	४६	५३	व	२६	व	११	१२

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततूं रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	शु	५४	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	श	५२	४०	वि	२६	१	व्य	२४	३२	तै	२५	५८	३२/३४	५/२९	६/३१	८	१५	२८	वृ.१५।१०	[×बुधोदय:पश्चिमे४६।२०
३	र	४५	४६	अ	२४	१४	व	१६	१८	व	१९	१३	३८	२८	३२	९	१६	२९	वृश्चिके	भ.९१/१३उ.४५/४६या.भरण्यांबुध:१२/४१
४	चं	३८	५०	ज्ये	१६	१४	प	७/५२	५१/५३	ब	१२	१८	४१	२८	३२	१०	१७	३०	ध.१६।१४	चतुर्थीव्र.
५	मं	३२	२०	मू	१४	४०	सि	५१	५२	कौ	५	३५	४५	२७	३३	११	१८	१	धनुषि	मई५ता.३१
६	बु	२६	१४	पू	१०	२२	सा	४४	२८	व	२६	१४	४८	२६	३४	१२	१९	२	म.२४।२८	भ.२६/१४उ.५३/२७या.
७	गु	२०	४१	उ	६	४५	शु	३७	२३	ब	२०	४१	५२	२६	३४	१३	२०	३	मकरे	
८	शु	१५	५७	श्र	३	४३	शु	३१	१६	कौ	१५	५७	५५	२५	३५	१४	२१	४	कु.३२।३४	भरण्यांशुक्र ३६।११
९	श	११	४१	ध	१/२५	५८/३४	ब्र	२५	३१	ग	११	४१	५८	२४	३६	१५	२२	५	कुंभे	भ.४०।३उ.कृत्ति.बुध:१६।१०
१०	र	८	२६	पू	५९	१८	ऐं	२०	३१	वि	८	२६	३/३२	२४	३६	१६	२३	६	मी४४।२८	भ.८।२६या.वृषेबुध:५४।१२
११	चं	५	४७	उ	५६	२५	वै	१६	११	बा	५	४७	५	२३	३७	१७	२४	७	मीने	वरुथिनी११व्र.
१२	मं	४	८	रे	६०	०	वि	१२	३१	तै	४	८	८	२२	३८	१८	२५	८	मीने	प्रदोष:
१३	बु	३	३३	रे	०	३२	प्री	९	५६	व	३	३३	११	२२	३८	१९	२६	९	मे.०।३२	भ.३।३३उ.३३।४४या.
१४	गु	३	५५	अ	२	४८	आ	८	६	श	३	५५	१४	२१	३९	२०	२७	१०	मेषे	[+३९/२०कृत्ति.४राहु:अनु.२केतु: ३८।२×
३०	शु	५	४३	भ	६	१६	सौ	७	३०	ना	५	४३	१७	२१	३९	२१	२८	११	वृ.२२।२६	कृत्ति.रवि:७/५८सौर:१६/०रोहि.बुध:+

४पं.वै.कृ.८शु.इ. ४२/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	४	०	५	१	०
२०	६	२५	२७	१३	११	१०	२०
२७	५७	२२	४१	२४	५३	२२	१६
२९	१८	५५	३५	११	३८	०	४६
५८	३२	७/८	२/१२	७४	३/४	३	५७
६	३९	९/१७	व	३२	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले २ शुक्रे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ युवाऽवस्था (सुती)मु.१५धान्यादिभावेमहर्घंताशुक्रोदय:पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

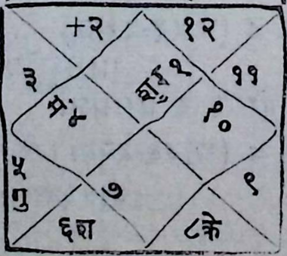

५पं.वै.कृ.३०शु.इ. ४२/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	४	०	५	१	०
२७	१०	१०	२७	२२	११	९	२७
१३	३३	६	२८	१	३३	५९	२
३७	०	५०	४८	५५	४	४५	०
५७	३३	९/८	२/६०	७४	२/५	३	५७
५४	२५	४१	व	३२	व	११	४५

 +बुराचं

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३६८९स.२०४०
१	श	८	४२	कृ	१०	५६	शो	७	१६	ब	८	४२	३३/२०	२० ५	४० ६	२२	२९	१२	वृषे	चंद्रदर्शनम्
२	र	१२	५२	रो	१६	४९	अ	८	१६	कौ	१२	५२	२३	१९	४१	२३	१	१३	मि५०।५	जमादिलावल५परशुरामजयंती
३	चं	१८	९	मृ	२३	२२	सु	९	५६	ग	१८	९	२६	१९	४१	२४	२	१४	मिथुने	भ.५१उ.बृषेऽर्कः३५सौरः४७मार्गी +
४	मं	२४	९	आ	३०	५६	धृ	११	५९	वि	२४	९	२८	१८	४२	२५	३	१५	मिथुने	भ.२४।९या.कृत्ति.शुक्रः३०।५०
५	बु	३०	१९	पु	३८	३७	शू	१४	२९	बा	३०	१९	३१	१८	४२	२६	४	१६	क.२१।४२	[+गुरुः४३/४५अक्षया३
६	गु	३६	३३	पु	४६	७	गं	१७	८	कौ	३	२५	३४	१७	४३	२७	५	१७	कर्के	
७	शु	४२	१५	श्ले	५२	५४	वृ	१९	१४	ग	९	२३	३७	१७	४३	२८	६	१८	सिं५२।५४	भ.४२/१५उ.मृगेबुधः५९/२७बृषेशुक्रः९।२१
८	श	४६	४३	म	५८	२९	ध्रु	२०	२५	वि	१४	२९	३९	१६	४४	२९	७	१९	सिंहे	भ.१४।२९या.
९	र	४९	४३	पू	६०	०	व्या	२०	३८	बा	१८	१३	४२	१६	४४	३०	८	२०	सिंहे	
१०	चं	५०	४६	पू	२	२६	ह	१९	२२	तै	२०	१४	४४	१५	४५	३१	९	२१	कं.१७।५८	
११	मं	४९	५५	उ	४	३४	व	१६	३७	व	२०	२१	४७	१५	४५	१	१०	२२	कन्यायां	भ.२१उ.४५या.भा.ज्येष्ठारंभः×
१२	बु	४६	५२	ह	४	३७	सि	१२	१४	ब	१८	२३	४९	१४	४६	२	११	२३	तु.३३।४०	मिथुनेबुधः१४।५आश्लें.भौमः २४।१७
१३	गु	४१	५३	चि	२/४३	५६/२४	व्य	६/१४	५२/३५	कौ	१४	२२	५२	१४	४६	३	१२	२४	तुलायां	रोहि.रविः५३/३६प्रदोषः[×मोहिनी११व्र.
१४	शु	३५	१७	वि	५३	५२	प	५०	१९	ग	८	३५	५४	१३	४७	४	१३	२५	वृ.४०।११	भ.३१७उ.रोहि.रविःसौरः१५३नृसिंहजयं
१५	श	२७	२८	अ	४७	४५	शि	४०	५०	वि	१	२२	५६	१३	४७	५	१४	२६	वृश्चिके	भ.२९या.रोहि.शुक्रः५९यमायकुंभदानं

६पं.वै.शु.७शु.इ. ४२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	१	४	१	५	१	१
३	१४	२२	२७	०	११	९	३
५८	१४	५१	२५	३८	१७	३७	४५
४४	२	५०	९	३५	२४	२९	४५
५७	३३	९/०	३६	७४	४६/१	३	५७
४४	५५	४	मा	३२	व	११	३४

गोचर ग्रहाः

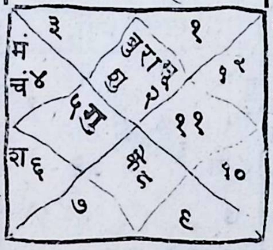

वैशाख शुक्ले ३ चन्द्रे बृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ प्रगलभावस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

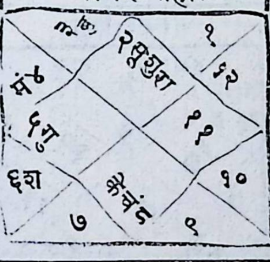

७पं.वै.शु.१४शु.इ. ४३/०

र	म	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	४	१	५	१	१
१०	१८	३	२७	९	११	९	१०
४२	०	७	२९	१५	६	१५	२७
४०	११	४१	५६	२२	१८	१४	५६
५७	३४	७५	१	७४	१३	३	५७
३५	४१	३७	४४	३८	ब	११	२३

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	र	१९	३	ज्ये	४१	१७	सि	३१	११	कौ	१९	३	३३/५८	५/१२	६/४८	६	१५	२७	ध.४१।१७	
२	चं	१०	१४	मू	३४	३७	सा	२१	२३	ग	१०	१४	३४/०	१२	४८	७	१६	२८	धनुषि	भ.३५।५७उ.आर्द्रा.बुधः३१।२८
३	मं	१	४१	पू	२८	१६	शु	११	४४	वि	१	४१	२	१२	४८	८	१७	२९	म.४१।५५	भ.१।४१या.चतुर्थीव्र.
४	मं	५१	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	बु	४६	२३	उ	२२	५३	शु	२/४५	५१/४६	कौ	२०	०	३	११	४९	९	१८	३०	मकरे	
६	गु	४०	२४	श्र	१८	२८	ऐं	४७	२०	ग	१३	२३	५	११	४९	१०	१९	३१	कुं.४६।५१	भ.४०।२४उ.
७	शु	३५	३४	ध	१५	१४	वै	४१	३	वि	७	५९	७	११	४९	११	२०	१	कुंभे	भ.७।५९या.जूनदता.३०
८	श	३२	९	श	१३	२१	वि	३५	५३	बा	३	५१	९	१०	५०	१२	२१	२	मी५७।५२	
९	र	२९	५४	पू	१२	४२	प्री	३१	५३	तै	२	१	१०	१०	५०	१३	२२	३	मीने	भ.५९।२६उ.
१०	चं	२८	५९	उ	१३	१०	आ	२८	४३	वि	२८	५९	१२	१०	५०	१४	२३	४	मीने	भ.२८।५९या.
११	मं	२९	२५	रे	१५	१०	सौ	२६	४६	बा	२९	२५	१३	९	५१	१५	२४	५	मे.१५।१०	अपरा११व्र.
१२	बु	३१	४	अ	१८	१३	शो	२५	३७	कौ	०	१५	१५	९	५१	१६	२५	६	मेषे	मृगेशुक्रः११।५१प्रदोषः
१३	गु	३३	४१	भ	२२	२३	अ	२५	४१	ग	२	२२	१६	९	५१	१७	२६	७	वृ.३८।४०	भ.३३।४१उ.मृगेरविः५३।२८
१४	शु	३७	२२	कृ	२७	३३	सु	२५	५३	वि	५	३२	१७	९	५१	१८	२७	८	वृषे	भ.५।३२याःमृगरविःसौरः१२।४५
३०	श	४२	०	रो	३३	४३	धृ	२७	८	च	९	४१	१८	८	५२	१९	२८	९	वृषे	वटपूजनम्

८पं.ज्ये.कृ.७शु.इ. ४३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	४	१	५	१	१
१७	२१	१०	२७	१७	११	८	१७
२५	४९	२३	४४	५२	१	५२	९
२६	५९	५६	३१	५९	१८	५८	२
५७	३५	३३	३	७४	२/०	३	५७
२७	२८	४६	१०	३८	व.	११	१२

गोचर ग्रहाः

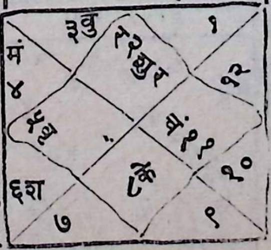

इस मास में धातु सोना चाँदी धान्य गेहूं जो बाजरा मूंग मोठ रसकस तेज हो प्रजा में रोग शोक फैले प्रजा दुःखी रहे

गोचर ग्रहाः

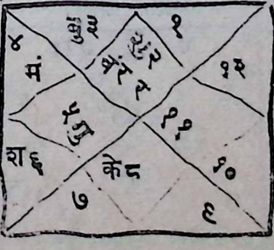

९पं.ज्ये.कृ.१४शु.इ. ४३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	३	२	४	१	५	१	१
२४	२५	१४	२८	२६	१०	८	१३
७	४३	१७	६	२८	५९	३०	४८
३०	१२	३५	४	८	२	४२	५८
५७	३५	६	४	७४	१/६	३	५७
२२	४७	४७	१८	३८	मा	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:३७१८स.२०४०
१	र	४७	१६	मृ	४०	२५	शू	२८	४९	किं	२४	३८	३४/१९	५/८	५ ६/२	२०	२९	१०	मि.७।४	वक्रीबुध:३९।९
२	चं	५३	१९	आ	४७	४१	गं	३०	५९	बा	२०	१७	१९	८	५२	२१	३०	११	मिथुने	मिथुनेशुक्र:३३/२५चंद्रदर्शनम्
३	मं	५९	३०	पु	५५	१५	वृ	३३	३४	तै	२६	२५	२०	८	५२	२२	१	१२	क.३८।२२	जमादिलाखर६
४	बु	६०	०	पु	६०	०	ध्रु	३५	५५	व	३२	३८	२१	८	५२	२३	२	१३	कर्के	भ.३२/३८उ.
४	गु	५	४७	पु	२	५१	व्या	३८	२६	वि	५	४७	२१	८	५२	२४	३	१४	कर्के	भ.५।४७या.मिथुनेऽर्क:५२।२
५	शु	११	४०	श्ले	१०	१६	ह	४०	२९	बा	११	४०	२२	८	५२	२५	४	१५	सिं१०।१६	मिथुनेऽर्क:सौर:१/३ ३/३
६	श	१६	३२	म	१६	३५	व	४१	२६	तै	१६	३२	२२	८	५२	२६	५	१६	सिंहे	मघा.सिंहेभौम:१/३ ५/०बुधास्त:पश्चिमे२/६
७	र	२०	१७	पू	२१	५५	सि	४१	२७	व	२०	१७	२३	७	५२	२७	६	१७	क.३७।४९	भ.२/१ ०/७उ.५/२ १/६या.आर्द्रा.शुक्र:०/३६
८	चं	२२	३५	उ	२५	३३	व्य	४०	४	ब	२२	३५	२३	७	५३	२८	७	१८	कन्यायां	
९	मं	२२	४६	ह	२७	१४	व	३७	११	कौ	२२	४६	२३	७	५३	२९	८	१९	तु.५७।९	
१०	बु	२१	५	चि	२७	४	प	३२	४३	ग	२१	५	२४	७	५३	३०	९	२०	तुलायां	भ.४९।९उ.गंगादशमी
११	गु	१७	१३	स्वा	२५	२	शि	२६	३३	वि	१७	१३	२४	७	५३	३१	१०	२१	तुलायां	भ.१/१ ७/३या.आर्द्रा.रवि:५/५ ०/७मार्गी शनि: ×
१२	शु	११	२५	वि	२०	४०	सि	१८	५२	बा	११	२५	२४	७	५३	१	११	२२	वृ.६।४६	आर्द्रारवि:सौर:१५।६भा.आषाढारंभ:
१३	श	३	५६	अ	१४	५९	सा	९/४९	०/५५	तै	३	५६	२४	७	५३	२	१२	२३	वृश्चिके	भ.५५।११उ.प्रदोष:
१४	श	५१	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×४६।५७निर्जला११व्र.
१५	र	४५	३५	ज्ये	८	२	शु	४९	२१	वि	२०	२३	२४	७	५३	३	१३	२४	ध.८।२	भ.२/२ ०/३या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

१०पं,ज्य.शु.५शु.इ. ४३।५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	३	२	४	२	५	१	२
०	२९	१४	२८	५	११	८	०
४८	४०	४२	३६	३	३	८	२८
४७	२६	२९	२२	४३	२२	२७	७
५७	३६	१७/४६	५	७४	१	३	५६
१७	१३	व	२६	३२	१	११	५७

गोचर ग्रहाः

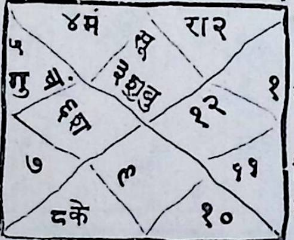

ज्येष्ठ शुक्ले ४ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.४न.४कुमार्यवस्था (बैठी) मु.१५धान्यादिभावेमहर्घता शुक्रास्तःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

११पं.ज्ये.ग१२शु.इ.४३।२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	५	१	२
७	३	११	२९	१३	११	२७	७
२९	४०	५९	१४	४०	११	४६	६
४२	५५	४९	१३	२६	४९	१५	३४
५७	३६	३२/३८	६	७४	१	३	५६
१३	४७	व	३०	३२	३४	११	५४

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	चं	३५	४०	मू	०/२२	५२/१५	ब्र	३८	३८	बा	१०	३७	३४/२३	५/७	५ ६/३	४	१४	२५	धनुषि	
२	मं	२५	५३	उ	४५	११	ऐं	२८	५	तै	०	४६	२३	७	५३	५	१५	२६	म.५।४५	भ.५१।१९उ.
३	बु	१६	४५	श्र	३८	४०	वै	१८	१	वि	१६	४५	२२	८	५२	६	१६	२७	मकरे	भ.१६।४५या.पुन.शुक्र:५/१ ३/१चतुर्थीव्र.
४	गु	८	४४	ध	३३	२५	वि	८	५५	बा	८	४४	२२	८	५२	७	१७	२८	कुं.६।२	
५ ६	शु	२/५५	७/१३	श	२९	३७	प्री	०/५५	५३/२८	तै	२	७	२१	८	५२	८	१८	२९	कुंभे	भ.५/२ ७/०उ.उफा.२कन्यायांगुरु:५३।६
७	श	५४	१४	पू	२७	३८	सौ	४९	७	वि	२५	४७	२०	८	५२	९	१९	३०	मी.१३।८	भ.२५।४७या. [+स्पर्श:५८।२
८	र	५२	५७	उ	२७	१७	शो	४५	३६	बा	२३	३६	१९	८	५२	१०	२०	१	मीने	जुलाई७ता.३१
९	चं	५३	२४	रे	२८	४८	अ	४३	१२	तै	२३	११	१८	८	५२	११	२१	२	मे.२८।४८	वक्रीमृगेबुध:२/१ ७/५शुक्रोदय:पश्चिमे३/० ६
१०	मं	५५	१७	अ	३१	५७	सु	४२	७	व	२४	२१	१७	९	५१	१२	२२	३	मेषे	भ.२४।२१उ.५५।१७या.
११	बु	५८	३२	भ	३६	२८	धृ	४२	२०	ब	२६	५४	१६	९	५१	१३	२३	४	वृ.५२।५१	योगिनी११व्र.
१२	गु	६०	०	कृ	४१	५९	शू	४३	५	कौ	३०	४८	१५	९	५१	१४	२४	५	वृषे	पुन.रवि:४/३ ९/७पूर्वोदयंबुध:३/१ ६पात +
१२	शु	३	५	रो	४८	२३	गं	४४	३४	तै	३	५	१४	९	५१	१५	२५	६	वृषे	पुन.रवि:सौर:१९/८कर्केशुक्र:०/५६ ×
१३	श	८	१८	मृ	५५	२८	वृ	४६	३७	व	८	१८	१३	९	५१	१६	२६	७	मि.२१/५५	भ.८।१८उ.४१।८या.
१४	र	१३	५९	आ	६०	०	ध्रु	४८	५३	श	१३	५९	११	१०	५०	१७	२७	८	मिथुने	मार्गीबुध:५/१ २/९पुष्येशुक्र:४/९ २पूफा. ÷
३०	चं	२०	११	आ	२	४७	व्या	५०	३०	ना	२०	११	१०	१०	५०	१८	२८	९	क५३।२६	[÷भौम५८।५६[×पातमोक्ष:२/१ १प्रदोष

१२ पं.आ.कृ.५शु.इ. ४२/५८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	४	२	५	१	२
१४	७	८	२९	२२	११	७	१३
१०	४६	८	५८	१६	२५	२३	४४
८	१	४६	४४	२३	२३	५६	३९
५७	३७	३२/२५	७	७४	२	३	५६
७	७	व	३०	३२	१९	११	५०

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो अलसी मंदे हो गुड़ सक्कर चीनी घृत तेल तेज हो वर्षा अच्छी हो

गोचर ग्रहाः

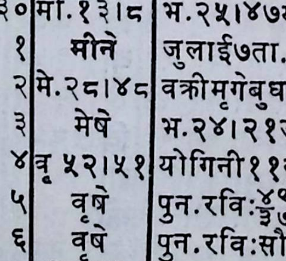

१३पं.आ.कृ१२शु.इ. ४२/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	५	१	२
२०	११	५	०	०	११	७	२०
५०	५४	५९	५०	५२	४३	१	२२
३५	४	४९	१०	१	४४	४०	३३
५७	३७	९/३७	८	७४	२	३	५६
७	३७	व	३२	२६	५८	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३७४८स.२०४०
१	मं	२६	६	पु	१०	२३	ह	५३	५९	ब	२६	६	३४/८	५/१०	६/५८	१९	२९	१०	कर्के	चंद्रदर्शनम्
२	बु	३२	१७	पु	१७	५०	व	५६	१९	कौ	३२	१७	७	११	४९	२०	१	११	कर्के	आर्द्रांबुध:२/१ ७/३रज्जव७रथयात्रा
३	गु	३७	५१	श्ले	२५	७	सि	५८	३	तै	५	४	५	११	४९	२१	२	१२	सिं२५।७	
४	शु	४२	४९	म	३१	२८	व्य	५९	२२	व	१०	२०	३	११	४९	२२	३	१३	सिंहे	भ.१/२ ०/०उ.४/४ २/९या.कृत्ति.३राहुःअनु.१ =
५	श	४६	४६	पू	३७	१०	व	५९	५९	ब	१४	४७	१	१२	४८	२३	४	१४	कं.५३।२१	[=केतु:३१।२५
६	र	४९	२९	उ	४१	५५	प	५९	४१	कौ	१८	७	३३/५९	१२	४८	२४	५	१५	कन्यायां	
७	चं	५०	४३	ह	४५	५	शि	५८	२	ग	२०	६	५७	१३	४७	२५	६	१६	कन्यायां	भ.५/४ ०/३उ.कर्केऽर्कः१/१ ९/३.सौर:५१।५२)
८	मं	५०	२२	चि	४६	४०	सि	५५	१४	वि	२०	३२	५५	१३	४७	२६	७	१७	तु.१५।५२	भ.२०।३३या.
९	बु	४८	५	स्वा	४६	२०	सा	५०	५०	बा	१९	१३	५२	१४	४६	२८	८	१८	तुलायां	
१०	गु	४४	१	वि	४४	१३	शु	४४	५४	तै	१६	३	५०	१४	४६	२८	९	१९	वृ.२९।४५	पुष्यरवि:४/३ ८/१आश्ले.शुक्र:३४।४
११	शु	३८	११	अ	४०	१७	शु	३७	२७	व	११	६	४८	१४	४६	२९	१०	२०	वृश्चिके	भ.१ ५/६उ३/१ ८/१या.पुष्येरवि:सौर:२२।३३÷
१२	श	३०	३८	ज्ये	३४	५०	ब्र	२८	५५	ब	४	२५	४५	१५	४५	३०	११	२१	ध.३४।५०	प्रदोषः [÷देवशयनी११व्र.
१३	र	२१	५०	मू	२८	८	ऐं	१९	११	तै	२१	५०	४३	१५	४५	३१	१२	२२	धनुषि	
१४	चं	१२	८	पू	२०	२५	वै	४३	४९/५	व	१२	८	४०	१६	४४	१	१३	२३	म.३३।२६	भ.१ २/८उ.३/४ ६/७या.भा.श्रावणारंभ:वायुप.
१५	मं	१	२६	उ	१२	३०	प्री	४६	५३	ब	१	२६	३८	१६	४४	२	१४	२४	मकरे	उफा.३गुरुः१/३ ३/७व्यासपूजागुरु१५

१४पं.आ.शु.४शु.इ. ४२/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	५	३	५	१	२
२७	१६	७	१	९	१२	६	२७
३०	४	४८	४७	२८	६	३९	००
५४	१६	५४	३५	५	०	२४	४०
५७	३७	३०/३०	९	७४	३	३	५६
११	५४	मा०	२१	२६	३६	११	५४

गोचर ग्रहाः

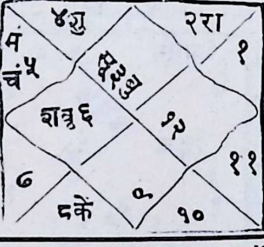

आषाढशुक्ले ७ चन्द्रे कर्केऽर्कःप्रविष्टः वा. ५ न. ५ प्रौढावस्था (बैठी)मु.३०धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयः पश्चिमायाम्।

गोचर ग्रहाः

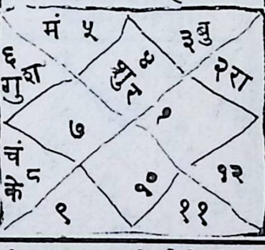

१५पं.आ.शु.११शु.इ. ४२/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	३	५	१	३
४	२०	१४	२	१८	१२	६	३
११	१७	४	४९	४	३३	१७	३९
३८	३८	५२	५५	१६	४	९	७
५७	३८	७३	९	७४	४	३	५६
१५	२०	४०	५९	२०	१४	११	५९

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	मं	५०	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	बु	४२	३२	श्र	४/३६	५३/०	आ	३६	२१	तै	१७	१३	३३/३५	५/१७	६/४३	३	१५	२५	कुं.३१।६	पुन.बुध:२९।१५
३	गु	३४	१५	श	५१	५९	सौ	२६	४०	व	८	२३	३३	१७	४३	४	१६	२६	कुंभे	भ२ ८/३उ.३/१ ४/५या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२७	३६	पू	४७	५४	शो	१८	२२	ब	१	०	३०	१८	४२	५	१७	२७	मी३३।५५	
५	श	२२	४९	उ	४५	३७	अ	११	२४	तै	२२	४९	२७	१९	४१	६	१८	२८	मीने	नाग५मरुस्थलें
६	र	२०	१३	रे	४५	२५	सु	६	३	व	२०	१३	२४	१९	४१	७	१९	२९	मे.४५।२५	भ.२०।१३उ.५०।०या.
७	चं	१९	४५	अ	४७	३२	धृ	२	२०	ब	१९	४५	२२	२०	४०	८	२०	३०	मेषे	कर्केबुध:२/२ ५/९मघासिंहेशुक्र:२/४ ३/३उफा. ×
८	मं	२१	७	भ	५१	११	शू	९/५०	५९/२८	कौ	२१	७	१९	२०	४०	९	२१	३१	मेषे	हस्त२शनि:३/३ ५/८[×भौम:५८।५७
९	बु	२४	१३	कृ	५६	३१	वृ	६०	०	ग	२४	१३	१६	२१	३९	१०	२२	१	वृ.७।३१	भ.५/३ ६/२उ.पुष्येबुध:५/१ ०/९बुधास्त:पूर्वस्यां =
१०	गु	२८	५१	रो	६०	०	बृ	०	२९	वि	२८	५१	१३	२१	३९	११	२३	२	वृषे	भ.२८।५१या.आश्ले.रवि:४५।३५
११	शु	३४	२८	रो	२	५७	ध्रु	१	५३	ब	१	३९	१०	२२	३८	१२	२४	३	मि३६।३६	आश्ले.रवि:सौर:२२।०कामिका११व्र.
१२	श	४०	२७	मृ	१०	१५	व्या	४	१०	कौ	७	२७	७	२३	३७	१३	२५	४	मिथुने	[=१८।५६अगस्त८ता.३१
१३	र	४६	५१	आ	१७	४६	ह	६	३२	ग	१३	३९	४	२३	३७	१४	२६	५	मिथुने	भ.४/५ ६/१उ.कन्यायांभौम:२७।८प्रदोष:
१४	चं	५२	४४	पु	२५	२०	व	६	५	वि	१९	४७	०	२४	३६	१५	२७	६	क.८।२७	भ.१९।४७या.
३०	मं	५८	४६	पु	३२	४०	सि	११	२६	च	२५	४५	३२/५७	२५	३५	१६	२८	७	कर्के	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.४शु.इ. ४२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	२	५	३	५	१	३
१०	२४	२४	३	२९	१३	५	१०
५२	३४	४	५७	४०	३	५४	१८
४१	८	५९	१८	३०	४०	५३	२४
५७	३८	०/०	१०	७४	४	३	५७
२०	२६	५/२१	४३	१४	४७	११	५

गोचर ग्रहाः

इस मास में रस कस गुड़ सक्करचीनी नमक घृत तेल गन्ना तेज हो सोना चांदी लोहा ताम्बा आदि धातु मंदी हो कहीं २ वर्षा हो।

गोचर ग्रहाः

१७पं.श्रा.कृ.१२शु.इ. ४२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	४	३	५	४	५	१	३
१७	२८	७	५	५	१३	५	१६
३४	५२	३	९	१५	३७	३२	५८
२३	८	४०	४	४३	४१	४८	१२
५७	३८	०/०	११	७४	५	३	५७
२५	५१	५	१७	८	८	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण३७०७स२०४०
१	बु	६०	०	श्ले	३९	४०	व्य	१३	३७	किं	३१	१७	३२/५४	५/२५	६/३५	१७	२९	८	सिं३९।४०	आश्ले.बुधः१९।२६
१	गु	३	४९	म	४५	५१	व	१५	१७	ब	३	४९	५०	२६	३४	१८	३०	९	सिंहे	चंद्रदर्शनम्
२	शु	८	८	पू	५१	२०	प	१६	१९	कौ	८	८	४७	२७	३३	१९	१	१०	सिंहे	पूफा.शुक्रः२५/२सावान८सिंधारा
३	श	११	४१	उ	५५	३८	शि	१६	३९	ग	११	४१	४४	२७	३३	२०	२	११	कं.७।२५	भ.४२/६उ.उफा.४गुरुः५९/२तीज
४	र	१४	१२	ह	५९	५	सि	१६	२	वि	१४	१२	४०	२८	३२	२१	३	१२	कन्यायां	भ.१४।१२या.वरद४
५	चं	१५	२७	चि	६०	०	सा	१४	५३	बा	१५	२७	३७	२९	३१	२२	४	१३	तु.३०।११	नागपंचमी
६	मं	१५	३१	चि	१	१७	शु	१२	४७	तै	१५	३१	३३	२९	३१	२३	५	१४	तुलायां	मघा.सिँहेबुधः५०।१८
७	बु	१४	१६	स्वा	२	२०	शु	९	२४	व	१४	१६	३०	३०	३०	२४	६	१५	वृ.४७।३	भ.१४।१६उ.४२।५७या.
८	गु	११	३९	वि	१	५७	ब्र	५/२	५४/१८	ब	११	३९	२६	३१	२९	२५	७	१६	वृश्चिके	मघा.सिंहेऽर्कः३९।३४
९	शु	७	२२	अ	०/१	५६/३९	वै	५२	३१	कौ	७	२२	२२	३२	२८	२६	८	१७	ध.५६।४०	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः१९।४४
१०	श	१	५५	मू	५१	५९	वि	४४	३८	ग	१	५५	१९	३२	२८	२७	९	१८	धनुषि	भ.३९/२उ.५५/२या.पवित्रा११व्र.स्मा.
११	श	५३	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+उ.फा.शुक्रः३३/३हस्तेभौमः३०।३७
१२	र	४७	०	पू	४६	१४	प्री	३५	४९	ब	२१	१	१५	३३	२७	२८	१०	१९	म.५९।३२	पवित्रा११व्र.वै.
१३	चं	३८	१०	उ	३९	२६	आ	२६	९	कौ	१२	३५	१२	३४	२६	२९	११	२०	मकरे	प्रदोषः
१४	मं	२८	४७	श्र	३२	१२	सौ	१५	५५	ग	३	२८	८	३४	२६	३०	१२	२१	कुं.५८।३५	भ.३६/४७उ.५४/१०या.पूफा.बुधः४६।५०+
१५	बु	१९	३३	ध	२४	५९	शो	२५	५५/०३	ब	१९	३३	४	३५	२५	३१	१३	२२	कुम्भे	श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्

१८पं.श्रा.शु.२शु.इ. ४२/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	५	४	१	१	३
२४	३	२१	६	१३	१४	५	२३
१६	१४	३०	२४	५०	१५	१०	३९
४४	५६	३६	४०	५३	२५	२२	१९
५७	३९	०/५८	११	७४	५	३	५७
३३	८	०/७	५५	२	३५	११	२२

गोचर ग्रहाः

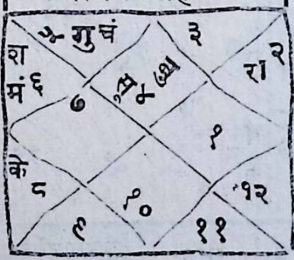

श्रावण शुक्ले८ गुरौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४न.५गतालकावस्था (ऊभी)मु.३०धान्यादिभावें समताशुक्रोदयः पश्चिमायां।

गोचर ग्रहाः

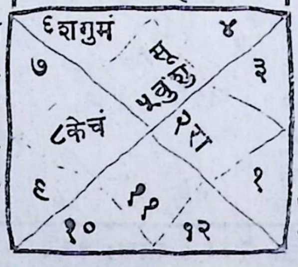

१९पं.श्रा.शु.९शु.इ. ४२।१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	४	५	१	४
१	७	५	७	२२	१४	४	०
०	४०	३९	४३	२५	५६	४८	२१
४	४	११	३४	३४	१०	६	३२
५७	३९	०/७	१२	७३	६	३	५७
४०	२८	३१	२०	५५	२	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	गु	१०	५०	श	१८	३२	सु	४६	३	कौ	१०	५०	३२/१	५/३६	६/२४	१	१४	२३	मी५९।२८	कन्यायांशुक्रः५३/२०भा.भाद्रपदारंभः
२/३	शु	५३/३	१४/५९	पू	१३	६	धृ	३७	४२	ग	३	१४	३१/५७	३७	२३	२	१५	२४	मीने	भ.३०।१३उ.५७।१३या.
४	श	५३	६	उ	९	१७	शू	३०	४२	ब	२५	१०	५३	३७	२३	३	१६	२५	मीने	चतुर्थीव्र.
५	र	५१	१८	रे	७	१३	गं	२५	२५	कौ	२२	१२	४९	३८	२२	४	१७	२६	मे.७।१३	बुधोदय पश्चिमे५६।४१
६	चं	५१	२९	अ	७	२०	बृ	२१	४७	ग	२१	२३	४६	३९	२१	५	१८	२७	मेषे	भ.५१।२९उ.चन्द्रषष्ठी
७	मं	५३	५२	भ	९	३२	ध्रु	१९	४६	वि	२२	४०	४२	४०	२०	६	१९	२८	वृ.२५।३५	भ.२२।४०या.
८	बु	५७	५८	कृ	१३	४५	व्या	१९	३९	बा	२५	५५	३८	४०	२०	७	२०	२९	वृषे	उफा.बुधः५/८हस्त१गुरुः३२/१४जन्माष्टमीव्र.
९	गु	६०	०	रो	१९	२८	ह	२०	१६	तै	३०	४१	३४	४१	१९	८	२१	३०	मि५३।२	पूफा.रविः२९।१८गोगा९
९	शु	३	२४	मृ	२६	३५	व	२२	५	ग	३	२४	३०	४२	१८	९	२२	३१	मिथुने	भ.३६/२६उपूफा.रविःसौर३१/३६कन्या.बुध१४/४३
१०	श	९	२८	आ	३३	४८	सि	२४	२०	वि	९	२८	२६	४३	१७	१०	२३	१	मिथुने	भ२९/८या.हस्तेशुक्रः३३/१सितंबर९ता. ३०
११	र	१५	५४	पु	४१	४०	व्य	२६	५४	बा	१५	५४	२२	४४	१६	११	२४	२	क.२४।४२	अजा११व्र.
१२	चं	२२	१	पु	४९	२	व	२९	२२	तै	२२	१	१८	४४	१६	१२	२५	३	कर्के	हस्त३शनिः४/१५वत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	मं	२७	४७	श्ले	५६	०	प	३१	३१	व	२७	४७	१५	४५	१५	१३	२६	४	सिं५६।०	भ.२७।४७उ.
१४	बु	३२	३८	म	६०	०	शि	३३	१	वि	०	१२	११	४६	१४	१४	२७	५	सिंहे	भ.०।१२या.
३०	गु	३६	२२	म	१	४७	सि	३३	३५	च	४	३०	७	४७	१३	१५	२८	६	सिंहे	हस्तेबुधः३२/१६ कुशाग्रहणीपिठोरी३०म.

२०पं.भा.कृ.२शु.इ.४१।५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	५	५	५	१	४
७	१२	१८	९	०	१५	४	७
४४	६	४४	५	५९	३९	२५	४
२८	५४	२४	४५	४२	४	५१	५८
५७	३९	०/८	१३	७३	६	३	५७
४९	४९	०/१३	३९	५०	२०	११	४५

गोचर ग्रहाः

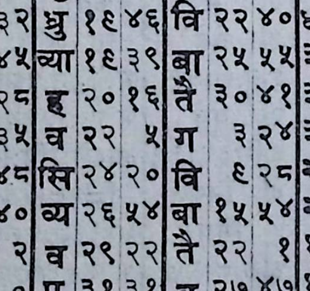

इस मासमें धान्य गेहूं जो चना चावल मूंग मोठ सरसो मटर वस्त्र कपास रुई बारदाना गन्ना धातु तेज हो

गोचर ग्रहाः

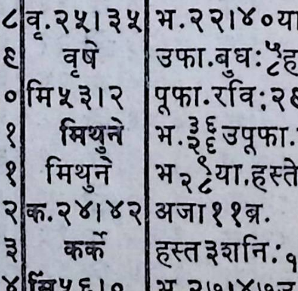

२१पंभा.कृ.९शु.इ.४१।४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	५	५	१	४
१४	१६	०	१०	९	१६	४	१३
३०	३७	४५	३०	३३	२४	३	५०
४	२३	१०	२५	१४	२९	३५	१०
५८	३९	०/०	१३	७३	६	३	५७
१	५६	५/२	५	३८	३२	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८०७स.२०४०
१	शु	३८	५७	पू	६	४४	सा	३३	२८	किं	७	४०	३ ३/१	५/४७	६/१३	१६	२९	७	क.२२।४१	[—शुक्रः२७/१६जलझूलनी११व्र.
२	श	४०	३१	उ	१०	३१	शु	३२	२९	बा	९	४४	३०/५९	४८	१२	१७	३०	८	कन्यायां	चन्द्रदर्शनम्
३	र	४०	५३	ह	१३	१६	शु	३०	३७	तै	१०	४२	५५	४९	११	१८	१	९	तु.४४।६	रमजान९हरितालिका३
४	चं	४०	२५	चि	१४	५६	ब्र	२७	४०	व	१०	३९	५१	५०	१०	१९	२	१०	तुलायां	भ.१/३ ०/९उ.४/२ ०/५या.चित्राभौमः५ ६/३गणेश४
५	मं	३८	५३	स्वा	१६	४४	ऐं	२४	२२	ब	९	३९	४७	५१	९	२०	३	११	तुलायां	चित्रा.शुक्रः५/३ ९/३ऋषिपंचमी
६	बु	३६	२८	वि	१५	३३	वै	२०	१६	कौ	७	३९	४३	५१	९	२१	४	१२	वृ.०।५१	
७	गु	३३	२	अ	१४	२०	वि	१५	११	ग	४	४५	३९	५२	८	२२	५	१३	वृश्चिके	भ.३ ३/२उ.उफा.रविः१/४ ३/३(सौरः५/१ ५/६)
८	शु	२८	४७	ज्ये	१२	२६	प्री	९	२२	वि	०	५५	३५	५३	७	२३	६	१४	ध.१२।२६	भ.०/५ ०/५या.हस्त.२गुरुः१/४ ६/३कृत्ति.२राहुः=
९	श	२३	४०	मू	९	३२	आ	३/०	५२/४६	कौ	२३	४०	३१	५४	६	२४	७	१५	धनुषि	चित्रा.बुधः५८।१९ [=विशा.४केतुः२/४ ३/९
१०	र	१७	३८	पू	५	४३	शो	४७	५०	ग	१७	३८	२७	५५	५	२५	८	१६	म.१९।३४	भ.४/१ ४/५उ.कन्यायामर्कः३९।१४
११	चं	१०	५१	उ	१/८	५४/४४	अ	३९	२३	वि	१०	५१	२२	५६	४	२६	९	१७	मकरे	भ.९/५ ०/१या.कन्यार्कःसौरः२/२ ०/७तुलायां–
१२	मं	३	२३	ध	५०	७	सु	३०	३१	बा	३	२३	१८	५६	४	२७	१०	१८	कुं.२३।०	प्रदोषः
१३	मं	५२	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×महालयारंभः
१४	बु	४८	५	श	४४	२६	धृ	२१	३०	ग	२१	५२	१४	५७	३	२८	११	१९	कुम्भे	भ.४८।५उ.अनंत१४
१५	गु	४१	४	पू	३९	१५	शू	१२	३०	वि	१४	३४	९	५८	२	२९	१२	२०	मी२५।३३	भ.१/३ ४/४या.अस्तंशनेः२/३ ५/७अस्तंगुरोः४/१ ०/२–

२२पं.भा शु.१शु.इ. ४/३ १/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	५	५	१	४
२१	२१	११	११	१८	१७	३	२०
१७	९	४६	५६	६	११	४१	३६
६	५८	४४	४९	४	३१	२९	५०
५८	४०	९२	१३	७३	६	३	५८
१३	७	२५	२०	२६	५०	११	१२

*चंमं गोचर ग्रहाः

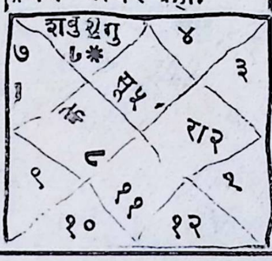

भाद्रपदशुक्ले१०रवौ कन्यायामर्कःप्रविष्टः वा४न५प्रगलभावस्था (बैठी) मु.४५धान्यादिभावें समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

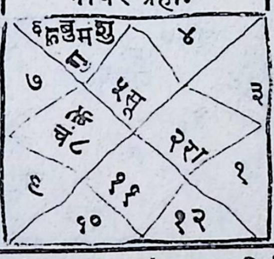

२३पं.भा.शु.८शु.इ. ४/२ १/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	५	५	५	१	४
२८	२५	२१	१३	२६	१८	३	२७
५	४५	३६	२५	३७	०	१९	२५
२८	४३	०	५	३४	२९	४	६
५८	४०	८१	१३	७३	७	३	५८
२६	२९	१०	२६	१४	२	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	शु	३५	२	उ	३५	३	गं	४/७	५२/३७	बा	८	३	३०/५	५/५९	६/१	३०	१३	२१	मीने	तुलायांबुधः१ २/६तुलायांभौमः५।३८
२	श	३०	३२	रे	३२	१२	धु	५०	२६	तै	२	४७	३०/०	६/०	६/०	३१	१४	२२	मे.३२।१२	भ.५९।१३उ.स्वात्यांशुक्रः५५।४१
३	र	२७	५३	अ	३१	५	व्या	४५	३१	वि	२७	५३	२९/५६	६/१	५/५९	१	१५	२३	मेषे	भ.२/५ ७/३या.भा.आश्विनारंभःचतुर्थी८.
४	चं	२७	१०	भ	३१	४७	ह	४२	१६	बा	२७	१०	५२	२	५८	२	१६	२४	वृ.४७।३०	
५	मं	२८	३४	कृ	३४	४१	व	४०	५२	तै	२८	३४	४८	२	५८	३	१७	२५	वृषे	
६	बु	३१	५४	रो	३९	१७	सि	४०	२१	ग	०	१४	४४	३	५७	४	१८	२६	वृषे	भ.३१।५४उ.हस्तेरविः५२।१८
७	गु	३६	५२	मृ	४५	३०	व्य	४१	२५	वि	४	२३	४०	४	५६	५	१९	२७	मि१२।२३	भ.४/२ ०/३या.हस्तेरविःसौरः३/५ २/७+
८	शु	४२	३९	आ	५२	३१	व	४३	१३	बा	९	४६	३६	५	५५	६	२०	२८	मिथुने	[+स्वात्यांबुधः११।४२
९	श	४९	५	पु	६०	०	प	४५	२८	तै	१५	५२	३२	६	५४	७	२१	२९	क.४३।११	हस्त३गुरु५/४ ०/०मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	र	५५	१४	पु	०	४	शि	४७	४७	व	२२	१०	२८	५	५४	८	२२	३०	कर्के	भ.२/१ २/०उ.५/१ ५/४या.स्वात्यांभौमः५९।३७
११	चं	६०	०	पु	७	३७	सि	४९	५७	ब	२८	१०	२३	७	५३	९	२३	१	कर्के	हस्त.४शनिः१/२ ३/४अक्टूबर१०ता.३१÷
११	मं	१	७	श्ले	१४	४५	सा	५१	३६	बा	१	७	१९	८	५२	१०	२४	२	सिं१४।४५	[÷इंदिरा११व्र.
१२	बु	५	५८	म	२०	४१	शु	५२	१५	तै	५	५८	१५	९	५१	११	२५	३	सिंहे	विशा.शुक्रः५४।०प्रदोषः
१३	गु	९	२१	पू	२५	२०	शु	५१	४६	व	९	२१	११	१०	५०	१२	२६	४	कं.४१।१३	भ.९।२१उ.४/२ ०/३या.शस्त्रादिहतानां श्रा.
१४	शु	११	२६	उ	२८	५०	ब्र	५०	१७	श	११	२६	७	११	४९	१३	२७	५	कन्यायां	सर्वपितृ३०
३०	श	१२	५	ह	३०	५१	ऐं	४७	४६	ना	१२	५	३	११	४९	१४	२८	६	कन्यायां	मातामह श्रा.

२४पं आ.कृ.१श.इ. ४/१ १/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	६	५	१	५
४	०	०	१४	५	१८	२	४
५१	२४	३७	५४	९	५०	५६	१५
१९	११	१६	४३	२५	३८	४८	१३
५८	४०	७६	१३	७३	७	३	५८
३८	४४	४३	३२	१	१२	११	४५

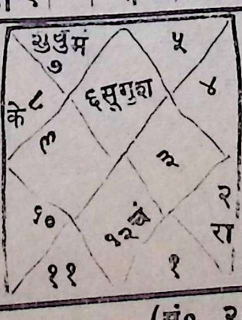

२५प.आ.कृ.८शु.इ. ४/१ १/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	६	५	१	५
११	५	७	१६	१३	१९	२	११
४६	५	५१	२४	३९	४१	३४	७
५२	२०	३६	१२	२२	२४	३३	१०
५८	४१	४८	१३	७२	७	३	५९
५३	१	२	३८	४०	२०	११	०

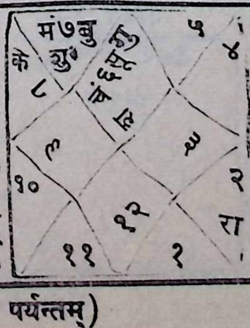

२६पं.आ.कृ.१४शु.इ. ४/५ ०/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	६	५	१	५
१८	९	१२	१७	२२	२०	२	१८
४०	४९	३१	५६	९	३२	१२	०
५	८	४१	१७	११	४६	१७	५७
५९	४१	१७	१३	७२	७	३	५९
९	११	३५	३८	२८	२०	११	१६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८३७सन्२०४०
१	र	११	१७	चि	३१	३३	वै	४४	१०	ब	११	१७	२८/५९	६/२	५/४८	१५	२९	७	तु.१।१२	नवरात्रारंभः
२	चं	९	२६	स्वा	३१	१४	वि	३९	४४	कौ	९	२६	५५	१३	४७	१६	३०	८	तुलायां	वक्रीबुधः५।३८चन्द्रदर्शनम्
३	मं	६	३८	वि	३०	२	प्री	३४	३५	ग	६	३८	५१	१४	४६	१७	१	९	वृ.१५।२०	भ.३४।५५उ.सव्वाल१०
४	बु	३	१२	अ	२८	७	आ	२८	४१	वि	३	१२	४७	१५	४५	१८	२	१०	वृश्चिके	भ.३।१२या.चित्रा.रविः२४।२२
५	बु	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–शरद्पूर्णिमा स्मा.कोजागरीव्र.
६	गु	५४	४४	ज्ये	२५	४६	सौ	२२	४३	कौ	२६	५६	४३	१५	४५	१९	३	११	ध.२५।४६	चित्रा.रविःसौरः३।३१
७	शु	५०	२	मू	२३	६	शो	१६	२४	ग	२२	२३	३९	१६	४४	२०	४	१२	धनुषि	भ.५०।२उ.बृश्चिकेशुक्रः९।३३
८	श	४५	१	पू	२०	४	अ	९	४१	वि	१७	३१	३५	१७	४३	२१	५	१३	म.३४।१४	भ.१७।३१या.
९	र	३९	४७	उ	१६	४४	सु	२/४६	५२/४४	बा	१२	२४	३१	१८	४२	२२	६	१४	मकरे	अनु.शुक्रः५६।६
१०	चं	३४	५	श्र	१३	८	शू	४८	१	तै	६	५६	२७	१९	४१	२३	७	१५	कुं.४१।१२	हस्त.४गुरुः४/२९बुधास्तःपश्चिमायां१५/३७
११	मं	२८	२४	ध	९	१६	गं	४०	२५	व	१	१५	२३	१९	४१	२४	८	१६	कुंभे	भ.१/५उ.२८/४या.पापांकुशा११व्र.
१२	बु	२२	४३	श	५	२९	बृ	३२	५९	बा	२२	४३	२०	२०	४०	२५	९	१७	मी४७।३८	तुलायामर्कः८/५१(सौरः४६/१५)उदयंगुरोः=
१३	गु	१७	२५	पू	१/४१	५६/५६	ध्रु	२५	४६	तै	१७	२५	१६	२१	३९	२६	१०	१८	मीने	अस्तोभौमः५०।९ [=५५/१२प्रदोषः
१४	शु	१२	३७	रे	५६	६	व्या	१८	५६	व	१२	३७	१२	२२	३८	२७	११	१९	मे.५६।६	भ.१२/३७उ.४०/४९या.वक्रीचित्रा बुधः२४/७–
१५	श	९	१	अ	५५	१	ह	१३	०	ब	९	१	८	२२	३८	२८	१२	२०	मेषे	विशाभौम४३/१२शरद्पूर्णिमावै.का.स्ना.प्रा.

२७पं.आ.शु.७शु.इ. ४०/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	६	५	७	५	१	५
२५	१४	१२	१९	०	२१	१	२४
३४	३६	३४	२७	३७	२४	५०	५६
५९	४	३०	१४	३०	१८	२	३९
५९	४१	३३/२८	१३	७२	७	३	५९
२१	२८	व	३८	१	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले१२बुधे तुलायामर्कः प्रविष्टः वा.४ न. ५ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२८पं.आ.शु१४शु.इ.४०/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	६	५	७	५	१	६
२	१९	६	२०	९	२२	१	१
३१	१६	१५	५७	४	१५	२७	५४
२३	२३	१८	५४	१	४७	४६	२
५९	४१	६९/५२	१३	७१	७	३	५९
३४	४४	व	३२	४४	१४	११	४६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.
१	र	६	४३	भ	५५	४०	व	८	४	कौ	६	४३	२८/४	६/२३	५/३७	२९	१३	२१	मेषे	[×भा.कार्तिकारंभःकरकचतुर्थीव्र.
२	चं	६	३	कृ	५७	२८	सि	४	९	ग	६	३	०	२४	३६	३०	१४	२२	वृ.११।७	भ.४२।३२उ.
३	मं	७	१	रो	६०	०	व्य	१	५०	वि	७	१	२७/५९	२५	३५	१	१५	२३	वृषे	भ.७।१या.स्वात्यांरविः५०।१४×
४	बु	९	४८	रो	१	७	व	०	४९	बा	९	४८	५३	२५	३५	२	१६	२४	मि३३।४६	स्वात्यांरविःसौरः२७।१८
५	गु	१४	१४	मृ	६	२६	प	०	४४	तै	१४	१४	४९	२६	३४	३	१७	२५	मिथुने	वक्रीकन्यायांबुधः२७/२९ज्येष्ठा.शुक्रः५९/८+
६	शु	१९	४२	आ	१२	५५	शि	२	७	व	१९	४२	४५	२७	३३	४	१८	२६	मिथुने	भ.१९/४२उ.५२/२९या. [+उदयंशनेः५/५३
७	श	२५	१०	पु	२०	१४	सि	३	५६	ब	२५	१०	४१	२८	३२	५	१९	२७	क.३।२४	
८	र	३२	२३	पु	२७	४७	सा	६	१२	कौ	३२	२३	३७	२९	३१	६	२०	२८	कर्के	चित्रा.१शनिः३२/३५बुधोदयःपूर्वस्यां३/३
९	चं	३८	२४	श्ले	३५	२	शु	८	३२	तै	५	२३	३४	२९	३१	७	२१	२९	सिं३५।२	
१०	मं	४३	३१	म	४१	४४	शु	१०	२३	ग	१०	५७	३०	३०	३०	८	२२	३०	सिंहे	भ.१०/५७उ.४३/३१या.मार्गीबुधः३६/१३
११	बु	४७	१०	पू	४६	४९	ब्र	११	२९	ब	१५	२१	२७	३१	२९	९	२३	३१	सिंहे	चित्रा.१गुरुः१।२९रमा११व्र.
१२	गु	४९	१४	उ	५०	४०	ऐं	११	१९	कौ	१८	१२	२३	३१	२९	१०	२४	१	कं.२।४७	नवंबर११ता.३०
१३	शु	४९	४०	ह	५२	३८	वै	१०	२	ग	१९	२७	१९	३२	२८	११	२५	२	कन्यायां	भ.४९।४०उ.प्रदोषःधन१३
१४	श	४८	७	चि	५२	५२	वि	७	१६	वि	१८	५३	१६	३३	२७	१२	२६	३	तु.२२।४५	भ.१/५८/३या.वृश्चिकेभौमः४५/४३रूप१४
३०	र	४५	१८	स्वा	५१	३९	प्री	३/१३	५४/४	च	१६	४३	१२	३४	२६	१३	२७	४	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्

२९पं.का.कृ.६शु.इ. ४०/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	५	७	५	१	६
९	२४	२८	२२	१७	२३	१	८
२९	१८	५९	२७	२९	६	५	५३
३८	१८	५६	७	६	४०	३०	२२
५९	४२	४९/२२	१३	७१	७	३	६०
४७	४	व	२६	२०	८	११	२

गोचर ग्रहाः

इसमासमें ५रविवार अशुभ हैं धातु धान्य गल्ला रसकस गुड़ शक्कर चीनी वस्त्र वारदाना रुई में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

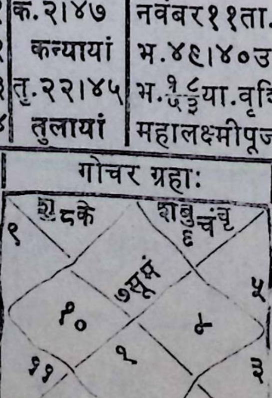

३०पं.का.कृ.१३शु.इ. ४०/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	६	५	५	७	५	१	६
१६	२९	२८	२३	२५	२३	०	१५
२९	१३	१९	५५	५३	५६	४३	५४
२०	४४	२६	१	३८	२४	१५	२६
६०	४२	३८/२२	१३	७०	६	३	६०
४	२४	मा	१४	४९	५८	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः ३८६६स.२०४०
१	चं	४०	५८	वि	४६	१८	सौ	५१	३८	किं	१३	८	२७/९	६/३४	५/२६	१४	२८	५	वृ.३४।५३	तुला.बुधः १७/३१ अन्नकूटंगीवर्द्धनपूजा
२	मं	३५	५२	अ	४५	५२	शा	४४	४७	बा	८	२५	५	३५	२५	१५	२९	६	वृश्चिके	विशा.रविः १०/४४ (सौरः ४४/४३) मूलेधनुषि–
३	बु	३०	१९	ज्ये	४२	२	अ	३७	१३	तै	३	५	७	३६	२४	१६	१	७	ध ४२।२	भ.५७।२१उ जिल्काद११
४	गु	२४	३४	मू	३८	१	सु	२९	२५	वि	२४	३४	२६/५८	३६	२४	१७	२	८	धनुषि	भ.२४।३४या.अनु.भौमः २६।५२
५	शु	१८	४६	पू	३४	२	धृ	२१	४६	बा	१८	४६	५५	३७	२३	१८	३	९	म.४८।५	[–शुक्रः ६/५९ चंद्रदर्शनम् भ्रातृ२यम२
६	श	१३	१३	उ	३०	१५	शू	१४	२०	तै	१३	१३	५२	३८	२२	१९	४	१०	मकरे	स्वात्यांबुधः ५१।५५
७	र	७	५७	श्र	२६	४६	गं	६/५८	५२/५६	व	७	५७	४९	३८	२२	२०	५	११	कुं.५५।१२	भ.७।५७उ ३५।२७या.गोपाष्टमी
८	चं	२	५८	ध	२३	३८	ध्रु	५२	५३	ब	२	५८	४५	३९	२१	२१	६	१२	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
९	चं	५५	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=१३/९४ कृत्ति.१राहुः विशा.३केतुः×
१०	मं	५४	१७	श	२१	०	व्या	४६	२७	तै	२६	२४	४२	४०	२०	२२	७	१३	कुंभे	[×१५/५७ प्रदोषः [+तुलसीविवाहः
११	बु	५०	४३	पू	१८	४३	ह	४०	२८	व	२२	३०	३९	४०	२०	२३	८	१४	मी४।१७	भ.३२/३०उ.५०/४३या प्रबोधिनी११व्र.+
१२	गु	४७	३८	उ	१७	१	व	३४	४९	ब	१९	१०	३६	४१	१९	२४	९	१५	मीने	[÷का.स्ना.पूर्तिः
१३	शु	४५	३१	रे	१५	५६	सि	२९	५१	कौ	१६	३४	३३	४१	१९	२५	१०	१६	मे.१५।५६	वृश्चिकेऽर्कः ६/४८ सौरः ३८/५९) चित्रा२गुरुः=
१४	श	४४	३५	अ	१५	४५	व्य	२५	३२	ग	१५	३	३०	४२	१८	२६	११	१७	मेषे	भ.४३/३५उ.पूषा.शुक्रः २१/३ वैकुंठ१४
१५	र	४४	३५	भ	१६	५०	व	२२	१८	वि	१४	३५	२७	४३	१७	२७	१२	१८	वृ.३२।२५	भ.१४/३५या.खग्रासचंद्रग्रहणम् मन्वादिः÷

३१रं.का.शु.५शु.इ. ४०/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	५	८	५	१	६
२३	४	५	२५	४	२४	०	२२
३०	१२	७	२०	१४	४४	२०	५६
४०	४	५	३८	१०	३१	५९	५७
६०	४२	७७	१२	७०	६	३	६०
१७	४१	३५	५६	१३	४१	११	३०

गोंचर ग्रहाः

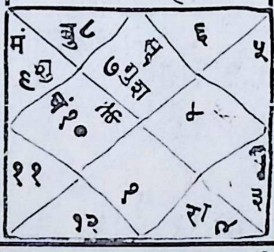

कार्तिकशुक्ले १३शुक्रे वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

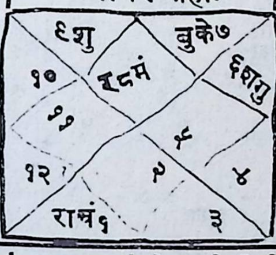

३२पं.का.शु.१३शु.इ.३९/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	५	८	५	०	७
०	९	१५	२६	१२	२५	२९	०
३३	१२	११	४५	३२	३०	५८	१
२२	४०	३८	३२	१७	३२	४४	१
६०	४२	९०	१२	६९	६	३	६०
३०	५०	२९	२९	३८	२६	११	४०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूं रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा.
१	चं	४६	६	कृ	१९	९	प	२०	१	बा	१५	२०	२६/२५	६/४३	५/९७	२८	१३	१९	वृषे	अनु.रविः २५/८ (सौरः ५५/४७) विशा.बुधः ५१/३
२	मं	४९	११	रो	२२	३५	शि	१८	५५	तै	१७	३८	२२	४४	१६	२९	१४	२०	मि५४।५७	
३	बु	५३	२३	मृ	२७	१९	सि	१८	३४	व	२१	१७	१९	४४	१६	३०	१५	२१	मिथुने	भ.२१/१७उ.५३/२३या बुधास्तः पूर्वस्यां ६/३७
४	गु	५८	४२	आ	३३	४०	सा	१९	१४	ब	२६	२	१७	४५	१५	१	१६	२२	मिथुने	भा.मार्गशीर्षारंभः चतुर्थीव्र.
५	शु	६०	०	पु	४०	३१	शु	२०	४२	कौ	३१	५१	१४	४५	१५	२	१७	२३	क.२३।४८	
५	श	५	१	पु	४८	३	शु	२२	५०	तै	५	१	१२	४६	१४	३	१८	२४	कर्के	[+पातमोक्षः २४।५४
६	र	११	२८	श्ले	५५	३१	ब्र	२५	१०	व	११	२८	९	४६	१४	४	१९	२५	सिं५५।३१	भ.११।२८उ.४४/४०या.पातस्पर्शः ६।५९+
७	चं	१७	५२	म	६०	०	ऐं	२७	२४	ब	१७	५२	७	४७	१३	५	२०	२६	सिंहे	वृश्चिकेबुधः ७/१५ ज्येष्ठा.भौम.५५।४७
८	मं	२३	३५	म	२	४४	वै	२९	५	कौ	२३	३५	५	४७	१३	६	२१	२७	सिंहै	चित्रा.२शनिः ५१।२४
९	बु	२७	४६	पू	८	५३	वि	२९	४६	ग	२७	४६	२	४८	१२	७	२२	२८	कं.२५।३	भ.५९/१०उ.अनु.बुधः ३१/१५ उषा.शुक्रः ३९/३६
१०	गु	३०	३४	उ	१३	३४	प्री	२९	१०	वि	३०	३४	०	४८	१२	८	२३	२९	कन्यायां	भ.३०।३४या.
११	शु	३१	२९	ह	१६	३१	आ	२७	१३	ब	१	१	२५/५८	४८	१२	९	२४	३०	तु.४६।५५	उत्पत्ति११व्र.
१२	श	३०	१६	चि	१७	१९	सौ	२३	४५	कौ	०	५२	५६	४९	११	१०	२५	१	तुलायां	मकरेशुक्रः ३६।३२ दिसम्बर१२ता.३१
१३	र	२७	१४	स्वा	१६	२२	शो	१८	३५	व	२७	१४	५४	४९	११	११	२६	२	वृ.५९।२४	भ.२७/१४उ.५४/४७या.ज्येष्ठा.रविः ३५/१९ प्रदोषः
१४	चं	२२	२१	वि	१३	४५	अ	१२	८	श	२२	२१	५३	४९	११	१२	२७	३	वृश्चिके	ज्येष्ठा रविःसौरः ३।४१चित्रा.३×
३०	मं	१६	७	अ	९	३६	सु	४/३८	५१/१९	ना	१६	७	५१	५०	१०	१३	२८	४	वृश्चिके	[×तुलायांगुरुः ४५।१३

३३पं.मा.कृ.५शु.इ ३९/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	६	५	८	५	०	७
७	१४	२६	२८	२०	२६	२९	७
३७	१६	४	६	४५	१५	३६	६
१६	८	५९	२२	५०	५३	२८	३४
६०	४२	९५	१२	६८	६	३	६०
४२	५९	३३	९	४६	१३	११	५३

गोचर ग्रहाः

इसमासमें धातु सोना चांदी आदि मंदी रहें धान्य बाजरा मूंग मोठ जौ चना गेहूं मटर सरसों आदि तेज रहें।

गोचर ग्रहाः

३४पं.मा.कृ.११शु.इ.३९/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	५	८	५	०	७
१४	१९	७	२९	२८	२६	२९	१४
४२	२२	५	२४	५५	५६	१४	१३
२९	५९	३५	११	२६	२०	१२	२०
६०	४३	९७	११	६७	५	३	६१
५०	१७	५८	३४	४९	५०	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः३८९६स.२०४०
१	बु	८	५९	ज्ये	४/२०	५/१४	शू	४६	४१	ब	८	५९	२५/४९	६/५०	५/१०	१४	२९	५	ध.४।२०	
२	गु	१	२५	पू	५२	४७	गं	३७	२८	कौ	१	२५	४८	५०	१०	१५	३०	६	धनुषि	ज्येष्ठा.बुध:४८।३चन्द्रदर्शनम्
३	गु	५२	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
४	शु	४६	३५	उ	४७	१७	बृ	२८	५	व	२०	२९	४६	५१	९	१६	१	७	म.६।२५	भ.२०।२९उ.४६।३५या.जिल्हेज१२
५	श	३९	५७	श्र	४२	१६	ध्रु	१९	७	ब	१२	१६	४५	५१	९	१७	२	८	मकरे	
६	र	३३	५९	ध	३८	४	व्या	११	७	कौ	६	५८	४४	५१	९	१८	३	९	कुं.१०।१०	चंपा६
७	चं	२९	४	श	३४	४४	ह	३/२५	५३/१६	ग	१	३२	४३	५१	९	१९	४	१०	कुंभे	भ.२९।४उ.५७।७या.श्रवणशुक्रः२३/३८
८	मं	२५	१०	पू	३२	३१	सि	५०	४०	ब	२५	१०	४२	५१	९	२०	५	११	मी१८।४	
९	बु	२२	१८	उ	३१	२१	व्य	४५	३२	कौ	२२	१८	४१	५२	८	२१	६	१२	मीने	[–मूलेधनुषिभौमः१।६ प्रदोषः
१०	गु	२०	१९	रे	३१	२०	व	४१	८	ग	२०	१९	४०	५२	८	२२	७	१३	मे.३१।२०	भ.४९।५६उ.
११	शु	१९	३२	अ	३२	६	प	३७	४४	वि	१९	३२	३९	५२	८	२३	८	१४	मेषे	भ.१९।३२या.मोक्षदा११व्र. गीताजयंती
१२	श	१९	५५	भ	३४	१६	शि	३५	१६	बा	१९	५५	३९	५२	८	२४	९	१५	मेषे	मूलेधनुष्यर्कः ४३/३९ मूलेधनुषिबुधः १/४ १/५–
१३	र	२१	१०	कृ	३७	४	सि	३३	३२	तै	२१	१०	३८	५२	८	२५	१०	१६	वृ.४९।५८	मूलेधनुष्यर्कःसौरः७।३१
१४	चं	२३	४१	रो	४१	१३	सा	३२	५९	व	२३	४१	३८	५२	८	२६	११	१७	वृषे	भ.२३।४१उ.५५।३०या.
१५	मं	२७	२०	मृ	४६	११	शु	३२	५३	ब	२७	२०	३७	५३	७	२७	१२	१८	मि१३।४२	दत्तजयंती

३५पं.मा.शु.४शु.इ. ३९/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	९	५	०	७
२१	२४	१८	०	६	२७	२८	२१
४८	३१	४	३८	५७	३४	५१	२१
३२	५२	२९	३१	२५	३०	५७	०
६०	४३	९९	१०	६६	५	३	६१
५६	३७	००	५६	४२	२०	११	११

गोचर ग्रहाः

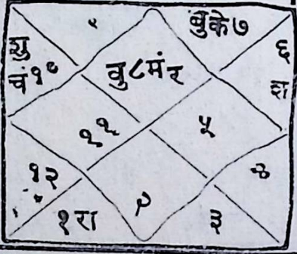

मार्गशीर्ष शुक्ले १२ शनौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा.२न.४ गतालकावस्था(ऊभी)मु३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

३६पं.मा.श.११शु.इ. ३९/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	६	९	५	०	७
२८	२९	२९	१	१४	२८	२८	२८
५५	४३	५	४७	५३	१०	२९	२९
२६	५०	३१	३८	३८	१	४१	४३
६१	४३	९९	१०	६	४	३	६१
०	५६	५१	१६	२०	५१	११	१९

ति.	.पौष कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततूरविर्दक्षिणेद्वि.मार्ग.कृष्णेति महा.
१	बु	३२	७	आ	५२	३४	शु	३३	३३	कौ	३२	७	२५/३७	६/५३	५/७	२८	१३	१९	मिथुने	
२	गु	३७	३९	पु	५९	११	ब्र	३४	५०	तै	४	५३	३६	५३	७	२९	१४	२०	क.४२।३२	
३	शु	४३	५५	पु	६०	०	ऐं	३६	४९	व	१०	४७	३६	५३	७	३०	१५	२१	कर्के	भ.१०।४७उ.४३।५५या.
४	श	५०	२१	पु	६	४१	वै	३९	९	ब	१७	७	३६	५३	७	१	१६	२२	कर्के	धनि.शुक्रः१/६ ६/३आ.पौषारंभःचतुर्थी व्र.
५	र	५६	४९	श्ले	१४	१४	वि	४१	२५	कौ	२३	३५	३६	५३	७	२	१७	२३	सिं१४।१४	पूषा.बुध. ३१।५२
६	चं	६०	०	म	२१	५३	प्री	४३	३४	ग	२९	५२	३७	५३	७	३	१८	२४	सिंहे	चित्रा.४गुरुः३५।५५
६	मं	२	५६	पू	२८	४१	आ	४४	५८	व	२	५६	३७	५३	७	४	१९	२५	कं.४५।७	भ.२।५६उ.३५।२५या.
७	बु	७	५४	उ	३४	२५	सौ	४५	२६	ब	७	५४	३७	५३	७	५	२०	२६	कन्यायां	
८	गु	११	३९	ह	३८	४२	शो	४४	३७	कौ	११	३९	३८	५३	७	६	२१	२७	कन्यायां	
९	शु	१३	३६	चि	४१	११	अ	४२	२२	ग	१३	३६	३८	५२	८	७	२२	२८	तु.६।५६	भ.३/६०उ.पूषा.रविः४७/३७कुंभेशुक्रः२६/४३
१०	श	१३	२३	स्वा	४१	३६	सु	३८	४०	वि	१३	२३	३९	५२	८	८	२३	२९	तुलायां	भ.१३।२३उ.पूषा.रविःसौर ९।९
११	र	११	१८	वि	४०	१	धृ	३३	६	बा	११	१८	४०	५२	८	९	२४	३०	वृ.२५।२५	सफला११व्र.
१२	चं	७	६	अ	३६	२७	शू	२६	७	तै	७	६	४१	५२	८	१०	२५	३१	वृश्चिके	उषा.बुधः४६।५५प्रदोषः
१३	मं	१	८	ज्ये	३१	१७	गं	१७	४०	व	१	८	४२	५२	८	११	२६	१	ध.३१।१७	भ.१/८उ.२७/२३या.पूषा.भौमः४२/४५=
१४	मं	५२	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=जनवरी१ता.३१स.२०४१
३०	बु	४५	७	मू	२५	०	वृ	८/२	४९/५१	च	१९	२२	४३	५१	९	१२	२७	२	धनुषि	मकरेबुधः५५।५४

३७पं.पौ.कृ.३शु.इ. ३८/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	९	५	०	८
६	४	१०	२	२२	२८	२८	५
३	५६	१२	५१	३८	४१	७	३९
०	२०	११	५८	२८	२४	२६	८
६१	४४	९९	९	६३	४	३	६१
४	७	४६	३०	४८	२२	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास में धन का मंगल धातु सोना चांदी लोहा तांबा तृण घास लकडी घृत कपास वारदाना चौपायोंमें तेजी

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.९शु.इ. ३८/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	६	१०	५	०	८
१३	१०	२१	३	०	२९	२७	१२
१०	१२	२७	५०	१२	८	४५	४९
५९	४०	११	५६	१४	१३	१०	०
६१	४४	९९	८	६१	३	३	६१
६	२६	४४	३८	५४	४०	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९७शाकः १९६२												दि. उ.		अ. भा. मु. इं.				चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३९२५सन्२०४१
१	गु	३६	३	पू	१८	४	व्या	४७	२२	किं	१०	३५	२५/४४	६/५१	५/९	१३	२८	३	म.३१।१३	गतेशुक्रः४७।५४
२	शु	२६	५५	उ	१०	४०	ह	३६	४९	बा	१	२९	४५	५१	९	१४	२९	४	मकरे	चन्द्रदर्शनम्
३	श	१८	२७	श्र	३/४१	५३/४०	व	२६	४४	ग	१८	२७	४७	५१	९	१५	१	५	कुं.३०।३१	भ ४३/४३उ.बुधोदयःपश्चिमायां२७/४४–
४	र	१०	४०	श	५२	१८	सि	१७	१	वि	१०	४०	४८	५०	१०	१६	२	६	कुंभे	भ.१०।४०या.
५	चं	३	५८	पू	४८	३२	व्य	८	४७	बा	३	५८	५०	५०	१०	१७	३	७	मी३४।२९	[–मोहोरम१सन्१४६३
६	चं	५४	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	मं	५५	७	उ	४६	१९	व	१/४१	५३/५८	ग	२६	५८	५२	५०	१०	१८	४	८	मीने	भ.५५।७उ.
८	बु	५२	५६	रे	४५	३८	शि	५०	५९	वि	२४	१	५३	४९	११	१९	५	९	मे.४५।३८	भ.२४।१या.श्रवणेबुध:४।१७
९	गु	५२	३१	अ	४६	१८	सि	४७	२८	बा	२२	४३	५५	४९	११	२०	६	१०	मेषे	उषा.रविः५३।८
१०	शु	५३	३१	भ	४८	३३	सा	४५	८	तै	२३	१	५७	४९	११	२१	७	११	मेषे	उषा.रविःसौरः१०।३६
११	श	५५	४३	कृ	५२	८	शु	४३	५२	व	२४	३७	५९	४८	१२	२२	८	१२	वृ.४।२७	भ.२४।३७उ.५५।४३या.पुत्रदा११व्र.
१२	र	५९	९	रो	५६	१६	शु	४३	५४	ब	२७	२६	२६/१	४८	१२	२३	९	१३	वृषे	
१३	चं	६०	०	मृ	६०	०	ब्र	४४	६	कौ	३१	२२	४	४७	१३	२४	१०	१४	मि२९।५१	मकरेऽर्कः८।४७(सौरः२६।३)प्रदोषः
१३	मं	३	३५	मृ	२	४६	ऐं	४५	१६	तै	३	३५	६	४७	१३	२५	११	१५	मिथुने	[=मा.स्ना.प्रा.
१४	बु	८	५६	आ	९	८	वै	४६	५२	व	८	५६	८	४६	१४	२६	१२	१६	क.५९।१७	भ.८।५६उ.४१।५२या.
१५	शु	१४	४९	पु	१६	०	वि	४८	४४	ब	१४	४९	११	४६	१४	२७	१३	१७	कर्कें	पूभा.शुक्र:३४/३३चित्रा.३तुलायांशनि:३७/१६=

३९पं.पौ.शु.२शु.इ. ३८/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	६	१०	५	०	८
२०	१५	२	४	७	२९	२७	१९
१९	३०	४८	४३	३०	३०	२२	५८
५	४७	३२	२६	१८	५०	५४	५७
६१	४४	९८	७	५९	२	३	६१
६	३७	२६	३५	२९	५९	११	२६

गोचर ग्रहाः

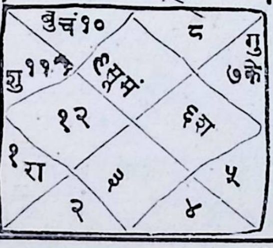

पौष शुक्ले १३ चन्द्रे मकरेऽर्कःप्रविष्टःवा. ३ न. ३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

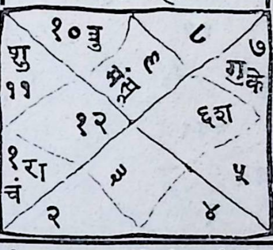

४०पं.पौ.शु.१०शु.इ. ३८/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	९	६	१०	५	०	८
२७	२०	१३	५	१४	२९	२७	२७
२७	५०	५३	२८	३०	४८	०	८
७	५९	६	४८	०	४३	३९	४९
६१	४४	९०	६	५६	२	३	६१
६	४१	३८	३१	२०	१७	११	२९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि. उ.		अ. भा. मु. इं.				चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	२१	६	पु	२३	२६	प्री	५०	५८	कौ	२१	६	२६/१३	६/४५	५/१५	२८	१४	१८	कर्के	धनि.बुधः३७/१४भरणी.४राहु:विशा.२×
२	श	२७	३२	श्ले	३०	५६	आ	५३	७	ग	२७	३२	१६	४५	१५	२९	१५	१९	सिं३०।५६	उषा.भौम:१४।१० [×केतु:८।६
३	र	३३	४७	म	३८	२९	सौ	५५	२२	व	०	४०	१९	४४	१६	३०	१६	२०	सिंहे	भ.४/०.उ.३३/४७या.अभि.प्र.रवि:४३।१३+
४	चं	३९	५५	पू	४५	३७	शो	५७	२	ब	६	५१	२१	४४	१६	१	१७	२१	सिंहे	भा.मांघारंभ:चतुर्थीव्र. [+(सौर:५७/५४)
५	मं	४५	२	उ	५१	५१	अ	५८	८	कौ	१२	२८	२४	४३	१७	२	१८	२२	कं.२।११	[÷अभि.नि.रवि:५०/५
६	बु	४९	२१	ह	५७	११	सु	५८	१०	ग	१७	११	२७	४३	१७	३	१९	२३	कन्यायां	भ.४९/२१उ.श्रवणेंरवि:५७/५०मकरेभौम:२९/३०
७	गु	५२	१७	चि	६०	०	धृ	५७	१९	वि	२०	४९	२९	४२	१८	४	२०	२४	तु.२९।५	भ२०।४९या.श्रवणेरवि:सौर:१४।२०÷
८	शु	५३	२१	चि	०	५९	शू	५४	४९	बा	२२	४९	३२	४२	१८	५	२१	२५	तुलायां	अभि.नि.रवि:सौर:४।३७
९	श	५२	३६	स्वा	३	८	गं	५१	२	तै	२२	५८	३५	४१	१९	६	२२	२६	वृ.४८।२२	वक्रीबुध:३९।०स्वाती.१गुरु:२७।४७
१०	र	४९	५०	वि	३	२६	वृ	४५	४१	व	२१	१३	३८	४०	२०	७	२३	२७	वृश्चिके	भ.२१।१३उ.४९।५०या.
११	चं	४५	१०	अ	१/४३	५६/२३	ध्रु	३८	३९	ब	१७	३०	४१	४०	२०	८	२४	२८	ध.५८।६	षट्तिला११व्र.
१२	मं	३८	४५	मू	५२	५२	व्या	३०	१५	कौ	११	५७	४५	३९	२१	९	२५	२९	धनुषि	मीनेशुक्र:१३।२७बुधास्त:पश्चिमायां१४/१७
१३	बु	३०	५०	पू	४६	१६	ह	२०	४९	ग	४	४७	४८	३८	२२	१०	२६	३०	म.५९।२५	भ.३०।५०उ.५६।४७या.प्रदोष:
१४	गु	२२	४४	उ	३८	५२	व	२०/१३	४९/३	श	२२	४४	५१	३८	२२	११	२७	३१	मकरे	
३०	शु	१२	७	श्र	३०	५२	व्य	४८	१	ना	१२	७	५४	३७	२३	१२	२८	१	कुं.५७।३	वक्रीशनि:३१।१५फरवरीरता.२८

४१पं.मा.कृ.१शु.इ. ३८/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	८	९	६	१०	६	०	९
४	२६	२३	६	२१	०	२९	४
३४	१२	२१	६	४	१	३८	१८
५९	३२	३२	४०	३०	३४	२३	१८
६१	४५	६८	५	५२	१	३	६१
३	२	५४	२२	१७	३२	११	१९

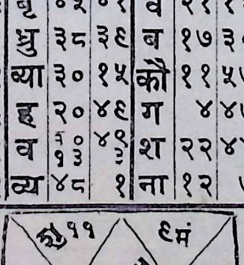

४२पं.मा.कृ ८शु.इ. ३८/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	१०	६	०	९
११	१	२७	६	२७	०	२६	११
४२	३७	५२	३६	७	९	१६	२७
२९	१६	४४	३६	२३	४०	८	९
६१	४५	१२	४	४७	०	३	६१
०	१२	४१	९	२५	५५	११	१३

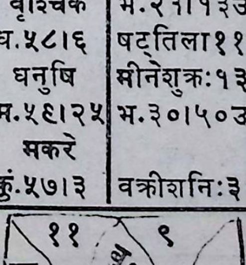

४३पं.मा.कृ.३०शु.इ. ३८/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	११	६	०	९
१८	७	२४	६	२	०	२५	१८
४९	१	३	५७	२९	११	५३	३५
१	३४	५४	४०	१३	५३	५२	१७
६०	४५	७५/३४	२	४०	०/१	३	६१
५५	२२	व.	५६	४१	व.	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३९५५सं२०४१
१	श	२	१८	ध	२३	१४	व	३७	१४	ब	२	१८	२६/५८	६/३६	५/२४	१३	२९	२	कुम्भे	वक्रीश्रवणेबुधः१३।३६उभा.शुक्रः–
२	श	५०	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–५३।१९चन्द्रदर्शनम्
३	र	४४	३२	श	१६	१३	प	२७	५	तै	१८	४२	२७/१	३६	२४	१४	१	३	मी५६।४५	सफर२
४	चं	३७	३०	पू	१०	१६	शि	१७	५२	व	११	०	५	३५	२५	१५	२	४	मीने	भ.११।०उ.३७।३०या.
५	मं	३२	७	उ	५	४८	सि	१०	८	ब	४	४८	८	३४	२६	१६	३	५	मीने	श्रवणेभौमः२४।४वसंत५
६	बु	२९	३२	रे	३	१६	सा	३/५९	५५/१४	कौ	०	५०	१२	३४	२६	१७	४	६	मे.३।१६	धनि.रविः६।८(सौरः१९।१०)
७	गु	२७	६	अ	२	३५	शु	५६	८	व	२७	६	१५	३३	२७	१८	५	७	मेषे	भ.२७/६उ.५७/२०या.पातस्पर्शः३०/४०=
८	शु	२७	३४	भ	३	५५	ब्र	५४	२३	ब	२७	३४	१९	३२	२८	१९	६	८	वृ.१९।४४	भीष्माष्टमी
९	श	२९	४३	कृ	७	११	ऐं	५३	५९	कौ	२९	४३	२३	३१	२९	२०	७	९	वृषे	[=पातमोक्षः३३/५३भानु७रथ७
१०	र	३३	२५	रो	११	४६	वै	५४	४६	तै	१	३४	२७	३१	२९	२१	८	१०	मि४४।४३	पूर्वोदयीबुधः५।१४
११	चं	३८	१९	मृ	१७	४०	वि	५५	५६	व	५	५२	३०	३०	३०	२२	९	११	मिथुने	भ.५।५२उ.३८।१९या.जया११व्र.
१२	मं	४४	२	आ	२४	३८	प्री	५८	८	ब	११	१०	३४	२९	३१	२३	१०	१२	मिथुने	कुंभेऽर्कः४१।२४(सौरः५३।८)
१३	बु	५०	१६	पु	३१	५०	आ	६०	०	कौ	१७	९	३८	२८	३२	२४	११	१३	क.१५।२	प्रदोषः
१४	गु	५६	४४	पु	३९	१७	आ	०	५	ग	२३	३०	४१	२८	३२	२५	१२	१४	कर्के	भ.५६।४४उ.
१५	शु	६०	०	श्ले	४६	४६	सौ	२	२४	वि	२९	५२	४५	२७	३३	२६	१३	१५	सिं४६।४६	भ.२९।५२या.मा.स्ना.पू.
१५	श	३	०	म	५४	१०	शो	४	३३	ब	३	०	४९	२६	३४	२७	१४	१६	सिंहे	

४४पं.मा.शु.८शु.इ. ३८/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	६	११	६	०	९
२५	१२	१५	७	६	०	२१	२५
५४	२७	५९	१०	५४	९	३१	४२
५०	३६	१६	१२	५४	४०	३६	४
६०	४१	६७/५३	१	३२	३०/४	३	६०
४७	२७	व्र	२५	०	व	११	५५

गोचर ग्रहाः

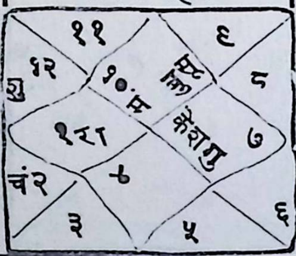

माघ शुक्ले १२भौमे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

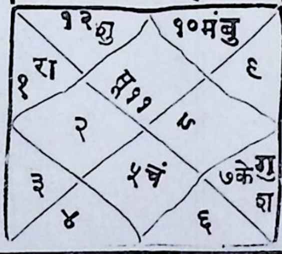

४५पंमा.शु.१५शु.इ. ३९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	६	११	६	०	१०
२	१७	१२	७	१०	०	२५	२
५९	५४	२३	१३	२	२	९	४८
४२	१४	४६	१९	६	१०	३१	७
६०	४५	१०/४४	०	२०	१/२७	३	६०
३५	३७	व	१९	२३	व	११	४२

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	९	१०	पू	६०	०	अ	६	२८	कौ	९	१०	२७/५३	६/२५	५/३५	२८	१५	१७	सिंहे	मार्गीबुधः३३/५३वक्रीगुरुः३/१६वक्रीचित्रा.२×
२	चं	१४	४४	पू	०	५४	सु	८	२	ग	१४	४४	५६	२५	३५	२९	१६	१८	कं.१७।२४	भ.४७।७उ. [×शनिः८।४८
३	मं	१९	३०	उ	६	५६	धृ	८	५५	वि	१९	३०	२८/०	२४	३६	३०	१७	१९	कन्यायां	भ.१९।३०या.शतेरविः१७।३७+
४	बु	२३	२८	ह	१२	२६	शू	९	२२	बा	२३	२८	४	२३	३७	१	१८	२०	तु.४४।३४	भा.फाल्गुनारंभः[+(सौरः३९/३०)चतुर्थीव्र.
५	गु	२६	२२	चि	१६	४१	गं	८	४९	तै	२६	२२	८	२२	३८	२	१९	२१	तुलायां	पातस्पर्शः११।८पातमोक्षः२२।२४
६	शु	२७	५७	स्वा	१९	३९	वृ	७	१९	व	२७	५७	१२	२२	३८	३	२०	२२	तुलायां	भ.२७।५७उ.५८।२या.धनि.भौमः३४/४८
७	श	२८	८	वि	२१	१८	ध्रु	४	३८	ब	२८	८	१६	२१	३९	४	२१	२३	वृ.५।५३	
८	र	२६	४१	अ	२१	३१	व्या	०/४७	५४/५७	कौ	२६	४१	२०	२०	४०	५	२२	२४	वृश्चिके	उदयोभौमः३।२६
९	चं	२३	३८	ज्ये	१९	५१	व	४९	५	ग	२३	३८	२४	१९	४१	६	२३	२५	ध.१९।५१	भ.५१।१३उ.
१०	मं	१८	४९	मू	१६	४२	सि	४१	२४	वि	१८	४९	२८	१८	४२	७	२४	२६	धनुषि	भ.१८।४९या.
११	बु	१२	४०	पू	१२	०	व्य	३२	२३	बा	१२	४०	३२	१८	४२	८	२५	२७	म.२८।३१	विजया११व्र.
१२	गु	४	५६	उ	६/३	५३/२	व	२२	३२	तै	४	५६	३६	१७	४३	९	२६	२८	मकरे	भ.५६।२३उ.प्रदोषः
१३	गु	५१	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	शु	४६	५९	ध	५१	३७	प	१२	४	वि	२१	४१	४०	१६	४४	१०	२७	१	कुं.२५।२१	भ.२१।४१या.वक्रीशुक्रः६।१६÷
३०	श	३७	२८	श	४४	२	शि	१/१९	४९/७	च	१२	१४	४४	१५	४५	११	२८	२	कुंभे	[÷माचं३ता३१ महाशिवरात्रीव्र

४६पं.फा.कृ.६शु.इ. ३९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	६	११	५	०	१०
१०	२३	१४	७	११	२९	२४	९
३	२३	२१	७	४६	४९	४७	५२
१४	[illegible]	१४	३४	३४	२३	५	४०
६०	४५	२८/५४	१/७	६	२/८	३	६०
२५	५६	मा	व	१०	व	११	३१

गोचर ग्रहाः

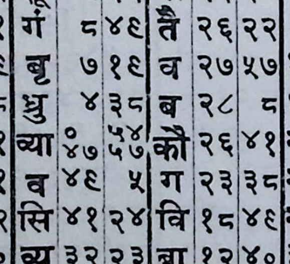

इसमासमें ५रविवार अशुभ हैं धातु चांदी सोना लोहा धान्य जौ गेहूं बाजरा मूंग मोठ तेज हों रुई में घटाबढी चले।

गोचर ग्रहाः

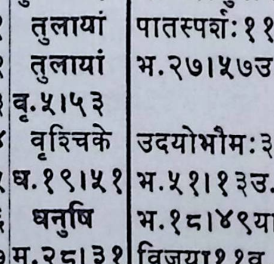

४७पं.फा.कृ१४शु.इ. ३९/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	९	९	६	११	५	०	१०
१७	२८	२०	६	११	२९	२४	१६
५	५२	३	५२	२९	३१	२४	५५
२८	४८	५०	३६	१७	२५	५०	३६
६०	४५	७०	४२	०/३२	४३	३	६०
१२	५३	४६	व	व	व	११	२८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः३९८४स.२०४१
१	र	२८	१३	पू	३६	५९	सा	४०	२६	किं	२	५०	२८ ४८	६ १४	५ ४६	१२	२९	३	मी२३।३०	कुंभेभौमः५२चन्द्रदर्शनम् [=फुलरिया२
२	चं	१९	५१	उ	३०	५८	शु	३१	९	कौ	१९	५१	५२	१४	४६	१३	१	४	मीने	पूभा.रविः३३ ४२(सौरः४३ ९७)घनि.बुधः२६ ९—
३	मं	१२	५८	रे	२६	२९	शु	२३	१३	ग	१२	५८	५६	१३	४७	१४	२	५	मे.२६।२९	भ.४२५उ.वक्रीचित्रा.४गुरुः५२।१९×
४	बु	७	५३	अ	२३	५५	ब्र	१६	४०	वि	७	५३	२ ९/१	१२	४८	१५	३	६	मेषे	भ.७।५३या. [—रविलावल३=
५	गु	४	४९	भ	२३	२७	ऐं	१२	३	बा	४	४९	५	११	४९	१६	४	७	वृ.३८।५३	[×पातस्पर्शः५।२९पातमोक्षः१४।५५
६	शु	३	५४	कृ	२५	१०	वै	९	११	तै	३	५४	९	१०	५०	१७	५	८	वृषे	[+शुक्रास्तःपश्चि.१।।१२होलिकादहनं
७	श	४	५९	रो	२८	३८	वि	७	४४	व	४	५९	१३	९	५१	१८	६	९	वृषे	भ.४।५९उ.३६।३२या.
८	र	८	५	मृ	३३	४९	प्री	७	५५	ब	८	५	१७	९	५१	१९	७	१०	मि१।१४	कुंभेबुधः२२।४५ होलाष्टकम्
९	चं	१२	४०	आ	४०	२३	आ	८	४७	कौ	१२	४०	२१	८	५२	२०	८	११	मिथुने	शतेभौमः०।३७
१०	मं	१८	२७	पु	४७	५३	सौ	१०	४१	ग	१८	२७	२६	७	५३	२१	९	१२	क.३१।०	भ.५१।३७उ.
११	बु	२४	४७	पु	५५	१९	शो	१२	५०	वि	२४	४७	३०	६	५४	२२	१०	१३	कर्के	भ.२४।४७या.आमलकी११व्र.
१२	गु	३१	२०	श्ले	६०	०	अ	१५	२४	बा	३१	२०	३४	५	५५	२३	११	१४	कर्के	मीनेऽर्कः३४।३४ सौरः५३।३८)
१३	शु	३७	३५	श्ले	३	५	सु	१७	४२	कौ	४	२७	३८	४	५६	२४	१२	१५	सिं३।५	शतेबुधः१२।२०प्रदोषः
१४	श	४३	२३	म	१०	१२	धृ	१९	३४	ग	१०	२९	४३	३	५७	२५	१३	१६	सिंहे	भ.४३।२३उ.
१५	र	४८	२९	पू	१६	५३	शू	२०	५३	वि	१५	५६	४७	३	५७	२६	१४	१७	कं.३३।१७	भ.१५।५६या.उभा.रविः५५।३६+

४८पं.फा.शु.६शु.इ. ४० १

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	६	११	५	०	१०
२४	४	२७	६	९	२९	२४	२३
६	२१	५६	२८	११	१०	२	५६
१४	३२	३१	५२	२०	३४	३९	५९
५९	४६	७२	३ ५९	२६ १५	३ २३	३	६०
५८	०	७	व	व	व	११	६

गोचर ग्रहाः

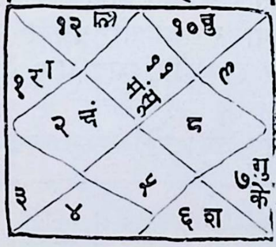

फाल्गुनशुक्ले १२गुरौ मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३न३ गतालकावस्था (ऊभी) मु.१५ धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

४९पं.फा.शु.१३शु.इ. ४० २१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	५	०	११
१	९	७	५	५	२८	२३	०
५	५०	२०	५६	१५	४५	४०	५६
३१	५३	२६	३८	४०	११	१८	४१
५९	४५	८६	५ ११	३५ ३७	३ ५२	३	५९
४१	५८	३४	ब	व	व	११	४९

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९७ शाकः १९६२												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	चं	५२	२७	उ	२२	३१	गं	२१	३४	बा	२०	२८	२९ ५१	६ २	५ ५८	२७	१५	१८	कन्यायां	उभा.रविःसौरः५।१४वक्रीपूभा.शुक्रः÷
२	मं	५५	२९	ह	२७	१७	वृ	२१	२८	तै	२३	५८	५५	१	५९	२८	१६	१९	तु.५९।११	[÷५५।१२वसंत१छारेंडी
३	बु	५७	३८	चि	३१	४	ध्रु	२०	३९	व	२६	३३	३० ०	६ ३	६ ०	२९	१७	२०	तुलायां	भ.३६ ३३उ.५ ३८या.शुक्रोदयःपूर्वस्यां४५ ३६
४	गु	५८	३१	स्वा	३३	५३	व्या	१८	५९	ब	२८	४	३० ४	५ ५९	६ ९	३०	१८	२१	तुलायां	चतुर्थीव्र. [+भा.चैत्रारंभः
५	शु	५८	२२	वि	३५	३४	ह	१६	२५	कौ	२८	२६	८	५८	२	१	१९	२२	वृ.२०।९	भरणी३राहुःविशा.१केतुः३।५७+
६	श	५७	१६	अ	३६	१९	व	१३	८	ग	२७	४९	१२	५८	२	२	२०	२३	वृश्चिके	भ.५७।१६उ.पूभा.बुध·५५।२९
७	र	५४	५५	ज्ये	३५	५०	सि	८	५०	वि	२६	५	१६	५७	३	३	२१	२४	ध.३५।५०	भ.२६।५या.वक्रीकुंभेशुक्रः१३।५०
८	चं	५१	२७	मू	३४	११	व्य	३ ३४	५३ ५७	बा	२३	११	२१	५६	४	४	२२	२५	धनुषि	शीतलापूजनम्
९	मं	४६	५४	पू	३१	२९	प	५०	२५	तै	१९	११	२५	५५	५	५	२३	२६	म.४५।३०	[E४१।२५बुधास्तःपूर्वस्यां४९ ३९
१०	बु	४०	५८	उ	२७	३२	शि	४२	२६	व	१३	५६	२९	५४	६	६	२४	२७	मकरे	भ.१३।५६उ.४०।५८या.
११	गु	३३	१०	श्र	२२	३८	सि	३३	४०	ब	७	४	३३	५३	७	७	२५	२८	कुं.४९।४६	पूभा.भौमः३७।३१पापमोचनी११व्र.
१२	शु	२६	२८	ध	१६	५३	सा	२४	१७	तै	२६	२८	३७	५३	७	८	२६	२९	कुंभे	मीनेबुधः५०।१६प्रदोषः
१३	श	१८	१२	श	१०	२९	शु	१४	३१	व	१८	१२	४१	५२	८	९	२७	३०	मी५०।३९	भ.१८।१२उ.४४।१या.
१४	र	९	५१	पू	४ २	५४ ०	शु	४ ५३	५० ४१	श	९	५१	४५	५१	९	१०	२८	३१	मीने	रेवत्यांरविः२३ ११(सौरः३१ ४१)उभा.बुधःE
३०	चं	१	४४	रे	५२	५५	ऐं	४७	५	ना	१	४४	४९	५०	१०	११	२९	१	मे.५२।५५	अप्रेल४ता.३०मन्वादिः नवरात्रारंभः

५०पं.चै.कृ.५शु.इ. ४० ४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	११	५	०	११
८	१५	१७	५	०	२८	२३	७
३	२०	५८	१७	५३	१७	१८	५४
१८	२	८	४९	२	१३	३	३६
५९	४६	९७	६ १३	३४ १०	४ १०	३	५९
२९	८	३४	ब	व	व	११	३५

गोचर ग्रहाः

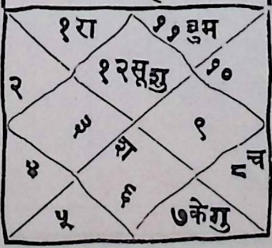

इसमासमें मंगल का चंद्रदर्शन धान्यगल्ला गुडशक्कर चीनीगन्ना वस्त्र रुई कपास वारदाना घृत तेल में तेजी करेगा ।

गोचर ग्रहाः

५१पं.चै.कृ.१२शु.इ. ४१ ३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	१०	६	१०	५	०	११
१४	२०	२९	४	२७	२७	२२	१४
५९	४८	४३	३२	२३	४६	५५	५०
१०	४७	२६	४९	४९	५५	४७	४८
५९	४६	७ ०	७ ४	२२ २०	४ २८	३	५९
१६	४	८ ५५	व	व	व	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४२, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१४२, भोग्यकलिः ४२६८५८ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०९८, शाकः १९६३, अथास्मिन् वर्षे राजा चंद्रः। मंत्री शनिः। सस्येशः भौमः। धान्येशः रविः। मेघेशः शनिः। रसेशः गुरुः। नीरसेशः भौमः। फलेशः शुक्रः। धनेशः चंद्रः। दुर्गेशः शुक्रः। एते दशाधिकारिणः। तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्ये ब्रह्मविंशतिकायां ९ युवा संवत्सरःप्रवर्तते। तस्य मेषार्कसमये गतमासादिः ३।२६।१४।१८।३६ भोग्यमासादिः ८।३।४५।४१।२४ बार्हस्पत्यदैवतं युगम्। तत्र वर्षनाम चैत्रः।मेघनाम संवर्तः। रोहिणी निवासस्तटे। समयनिवासो रजक गृहे। समय विश्वा८ समयवाहनम् वृषभः। स्तंभः१ तृणस्य। सोमवत्यमा २ सोमवती पंचमी २ अंगारकी चतुर्थी २ बुधाष्टमी २ भानुसप्तमी ३ रविदशमी२ समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १९ तिथिबृद्धिः १३ उत्पत्ति विश्वा ९६ खपतिविश्वा १०८, वर्षाविश्वा ९, धान्यम् ११, तृणम् ९, शीतम् ५, तेजः ९, वायुः ५, वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः १७, ऐक्यम्७९, सत्यम्।। घर्मं १।।,पापं १८शनिदृष्टिर्दक्षिणे। ग्रहण१चंद्रमसः।

सं. २०९८ वैशा. शु. १४ बुधे चंद्रग्रहणम् ।

	स्प.	म.	मो.
घं.	५	६	६
मि.	३८	१३	४८
इ.	५७	५९	०
प.	५७	२५	५३

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

भैरव पूछे मात से जिमि पूछा हर साल ।
अष्ट नवति संवत्तणो कहो शुभाशुभ हाल ।।

भवानी उत्तर

आठों दिशा अठाणवे अन्न संचय दे काम ।
युवा पुरुष हर्षित फिरै तनय खिलावें वाम ।।
शशि राजा मंत्री शनि रहे परस्पर वैर ।
दुर्गाधिप फलपति भृगु करै जगत में खैर ।।
संवत् वासो रजकघर समयो विश्वा आठ ।
तट में जा रोहिणी बसी जल तृण का हो ठाठ ।।
सस्याधिप कुज देखतां चौपाया में रोग ।
व्यापारां घटबढ घणी अन्न मिले नहीं थोग ।।
फल संवत्सर का कहा देख नभश्चर चार ।
"वनवारी" जगदीश का भजन जगत में सार ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	१४	८	११	५	८	११
ख.	२	११	८	८	२	८

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	८	१४	२	५	५	२
ख.	११	२	११	५	५	११

वर्ष लग्नम् ०।१

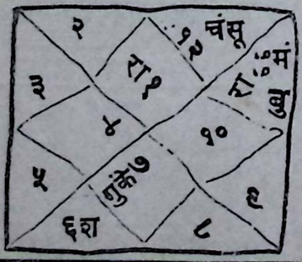

वर्षेश लग्नम् ११।६

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।१९।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२४।५५

(सं० २००१ समारम्भ २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा चन्द्रः फलम् ॥ चन्द्रे नृपे मंगल शोभनानि प्रभूत वृष्टिः प्रचुरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधि जरा नराणाम् ।। मंत्री शनिः फलम् ।। रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनय संरहिता बहु दुःखदा । न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं न धनं क्वचित् ।। सस्येशो भौमःफलं ।। प्रथम धान्यपतौ धरणीसुते गजतुरंग खरोष्ट्र गवामपि । प्रभवदो बहु रोग घनो जलं न समसौख्य करं तुष धान्य हृत् ।। धान्येशो रविः फलम् ।। पश्चाद्धान्याधिपे सूर्ये पश्चाद्धान्यं तदा नहि । विग्रहं भूभृतां धान्यं महर्घं ज्वरपीडनम् ।। मेघेशः शनिः फलम् ।। रविसुते जलदस्यपतौ भुवि विरल वृष्टिवती वसुधा तदा । मनसि तापकरो नृपतिः सदा विविध भोगरता जनता मता ।। रसेशः गुरुः फलम् ।। रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभ धान्य घृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायक पालिता बहु जलाखिल देश सुरक्षिता ।। नीरसेशो भौमः फलम् ।। नीरसेशो यदा भौमः प्रवाल रक्त वाससां । रक्त चन्दन ताम्राणां मर्घ वृद्धिर्दिनेदिने ।। फलेशः शुक्रः फलम् ।। यदि फलस्यपतौ भृगुजे धरा मृदुकुमार मही रुह-राशयः । बहु फला नरनाथ सुभोगदा द्विजवरा श्रुति पाठ परायणाः ।। धनेशः चन्द्रः फलम् ।। धनपतिर्मृग लाञ्छनको यदा रसचया क्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालि सुगंध रसं बहु द्रविण तैल युतं नृप सौख्यदं ।। दुर्गेशः शुक्रः फलम् ।। नगरदेश विशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहु सौख्यकरो मतः । विनय वाणिज गेह समः सुखो नगवने निकटेपि च दूरतः ।। युवानाम संवत्सरः फलम् ।। प्रभूत पयसो गावः सुखिनः सर्वजन्तवः । सर्वकाम क्रियासक्तो युवाब्दे युवती जनः ।। वर्षनाम चैत्रः फलम् ।। सस्यानि घृत कार्पास तैलादि सुख संचयः । चैत्र वर्षे भवेद्वृद्धिर्नृप सौख्य फलप्रदा ।। मेघनाम संवर्तः फलम् ।। संवर्ते जलपूरिता ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटेवृष्टिः सुशोभनाः ।। समय निवासो रजक गृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९८ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १३ रवौ उफा ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।ऽ।।।।।

,, १५ भौमे स्वात्यां ल. १० रे. ६ ।।।।ऽऽअऽऽ।।

वैशाख मासः

कृष्णा १ बुधे स्वात्यां ल. ८-६ (घ.४६-४१या.) रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।।

,, ५ रवौ मूले ल. गो. ८ रे. ६ ऽ।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा

,, ६ चन्द्रे उषा ल. १० रे. ६ ऽ।।।ऽरोऽऽ।।

,, ७ भौमे उषा ल. ऽन्यगो ८ रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला २ गुरौ रोहि ल. १० रे. ६ ।।।।।ऽ।।

,, ६ गुरौ मघा ल. गो. (सोग्रांगः) ९ रे. ६ ऽ।।।ऽचौऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १२ रवौ हस्तें ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः) ६-१० रे. ७ ।।।ऽऽ।ऽ।।। पादतो वेधाऽभावः

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ५ चन्द्रे उषा ल. गो. ६ रे. ६ ऽ।।।।।ऽऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ११ शनौ रेव ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।ऽशु।ऽअऽऽ।।

शुक्ला ६ बुधे मघा ल. ऽन्यगो ६ रे. ६ ऽ।।।ऽअऽऽ।।

,, ८ शुक्रे उफा ल.गो.९-१०रे.८ ।।।।।ऽनृ४८याऽ।।

,, १५ शुक्रे मूलें ल. ६-१० रे. ६ ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

आषाढ मासः

कृष्णा ८ शुक्रे उभा ल. ऽन्यगो १० रे. ७ ।।।।ऽचोऽऽ।।

,, ८ शुक्रे रेव ल. २ रे. ८ ।।।।ऽचौ।ऽ।।

,, ६ शनौ रेव ल. ऽन्यगो १० रे.८ ।।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ७ शनौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ६ ।।।।ऽ५ऽऽ।ऽदग्धा

मार्गशीर्ष मासः

शुक्ला २ चन्द्रे मूले ल. ५-६ रे. ६ ।।।।।ऽ।।।

,, ६ चन्द्रे उभा ल. गो. ६ (चं.७पू.) रे. ७ ।।।।।।ऽऽ।ऽ दग्धा

,, १५ शनौ रोहि ल. ४ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

माघ मासः

शुक्ला १० गुरौ रोहि ल. गो. (सोग्रांगः) ६-८ रे. ६ ।।।।ऽ।ऽऽऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः (वृश्चिके व्ययेर्को)

फाल्गुन मासः

कृष्णा १ गुरौ मघा ल. गो. (सोग्रांगः) रे.७ ।।।ऽ।ऽऽ।।

,, ३ शनौ उफा ल. गो. (सोग्रांगः) ल.८ (व्ययेर्को)

,, ४ रवौ हस्ते ल.गो. (सोग्रांगः) रे.८।।।।ऽरो।ऽ।।

,, ११ रवौ मूले ल. ऽन्यगो रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।

शुक्ला ३ शनौ उभा ल. ८ रे. ८ ।ऽ।।।।ऽ।।

चैत्र मासः

कृष्णा २ शनौ हस्तें ल.गो.८ रे.७ ।ऽ।ऽशुऽ।चौ४९उ।।।। (वृश्चिके व्ययेर्को) पादतो वेधाऽभावः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४०१४स.२०४१
१	चं	५२	४६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	मं	४८	३१	अ	४९	१४	वै	३९	४०	बा	२१	३१	३०/५३	५/४९	६/११	१२	३०	२	मेषे	चंद्रदर्शनम्सिंघारा
३	बु	४४	१७	भ	४७	४	वि	३३	३६	तै	१६	२४	५७	४९	११	१३	१	३	मेषे	रविलाखर४मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	गु	४२	१६	कृ	४७	१२	प्री	२९	२	व	१३	१६	३ ९/१	४८	१२	१४	२	४	बृ.२।६	भ.१३/१६उ.४२/१६या.
५	शु	४२	७	रो	४९	१९	आ	२६	२३	ब	१२	११	५	४७	१३	१५	३	५	बृषे	
६	श	४४	७	मृ	५३	१५	सौ	२५	४२	कौ	१३	७	९	४६	१४	१६	४	६	मि२१।१७	
७	र	४७	५०	आ	५८	५०	शो	२५	५०	ग	१५	५८	१२	४५	१५	१७	५	७	मिथुने	भ.४७/५०उ.रेवत्यांबुधः४६/४३मार्गीशुक्रः५२/५८
८	चं	५३	४	पु	६०	०	अ	२७	७	वि	२०	२७	१६	४५	१५	१८	६	८	क.४८।५७	भ.३०/२७या.वक्रीचित्रा.३गुरुः३८।४५
९	मं	५९	९	पु	५	३९	सु	२९	१३	बा	२६	९	२०	४४	१६	१९	७	९	कर्के	रामनवमी
१०	बु	६०	०	पु	१३	२	धृ	३१	३८	तै	३२	२३	२३	४३	१७	२०	८	१०	कर्के	मीनेभौमः२५।४
१०	गु	५	३८	श्ले	२०	४३	शू	३३	५९	ग	५	३८	२७	४३	१७	२१	९	११	सिं२०।४३	भ.३८।४५उ.
११	शु	११	५२	म	२७	५१	गं	३५	५६	वि	११	५२	३०	४२	१८	२२	१०	१२	सिंहे	भ.११।५२या.कामदा११व्र.
१२	श	१७	२५	पू	३४	३१	बृ	३७	२२	बा	१७	२५	३४	४१	१९	२३	११	१३	क.५०।२७	अश्वि.मेषेऽर्कः५७/९वक्रीचित्रा.१शनिः =
१३	र	२२	१०	उ	४०	१४	ध्रु	३८	१	तै	२२	१०	३८	४०	२०	२४	१२	१४	कन्यायां	अश्वि.मेषेऽर्कःसौरः६/१४अश्वि.मेषेबुधः+
१४	चं	२५	२९	ह	४४	४०	व्या	३७	२९	व	२५	२९	४२	४०	२०	२५	१३	१५	कन्यायां	भ.३५/२९उ.५६/३३या. [=१७/१८प्रदोषः
१५	मं	२७	३८	चि	४७	४३	ह	३६	६	ब	२७	३८	४६	३९	२१	२६	१४	१६	तु.१६।११	हनुमज्जयंती[+२१/४०उभा.भौमः४६।२

५२पं.चै.शु.५शु.इ.४१।२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	६	१०	५	०	११
२१	२६	१२	३	२५	२७	२२	२१
५३	१७	३५	४२	४२	१५	३३	४४
३०	२०	२०	२५	१४	२६	३२	५९
५९	४६	७७	७/३५	५/५५	४/४०	३	५९
४	४	५८	व	व	व	११	४

गोचर ग्रहाः

चैत्र शुक्ले १२ शनौ मषेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.४युवावस्था(सूती) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

१पं.चै.शु१२श.इ.५७।६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	११	६	१०	५	०	११
०	२	२९	२	२६	२६	२२	२९
०	४२	९	४३	१३	३६	७	५१
०	३२	१४	१	१९	५४	२७	१५
५८	४५	७०	७/५२	१३/१	४/४०	३	५८
४४	५९	१५	व	मा	व	११	४५

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	बु	२८	३१	स्वा	४९	४१	व	३३	४६	कौ	२८	३१	३१/५०	५/३८	६/२२	२७	१५	१७	तुलायां	
२	गु	२८	१६	वि	५०	३२	सि	३०	३७	ग	२८	१६	५३	३७	२३	२८	१६	१८	वृ.३५।१९	भ.५७।३२उ.
३	शु	२६	४९	अ	५०	२१	व्य	२६	३८	वि	२६	४९	५७	३७	२३	२९	१७	१९	मिथुने	भ.२६।४९या.चतुर्थीव्र.
४	श	२४	३४	ज्ये	४९	३४	व	२१	५८	बा	२४	३४	३२/१	३६	२४	३०	१८	२०	ध.४९।३४	भरण्यांबुधः३८।१०
५	र	२१	३५	मू	४७	५८	प	१६	४४	तै	२१	३५	५	३५	२५	१	१९	२१	धनुषि	भा.वैशाखारंभः
६	चं	१८	२	पू	४६	२९	शि	१०	५९	व	१८	२	९	३४	२६	२	२०	२२	धनुषि	भ.१८।२उ.४५।५७या.
७	मं	१३	५३	उ	४२	५९	सि	४/४०	५३/१५	ब	१३	५३	१२	३४	२६	३	२१	२३	म.०।३७	
८	बु	८	५७	श्र	३९	४२	शु	५०	४२	कौ	८	५७	१६	३३	२७	४	२२	२४	मकरे	मीनेशुक्रः२२।४६
९	गु	३	३८	ध	३५	४४	शु	४३	११	ग	३	३८	२०	३२	२८	५	२३	२५	कुं.७।४३	भ.३०/३९उ.५७/४०या.पातस्पर्शः५३।४६
१०	गु	५४	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
११	शु	५१	१७	श	३१	२५	ब्र	३५	७	ब	२४	२८	२३	३१	२९	६	२४	२६	कुंभे	बुधोदयः पश्चिमे१८/१०पातमोक्षः४/११वरु- =
१२	श	४४	३८	पू	२६	३६	ऐं	२७	५	कौ	१७	५७	२७	३१	२९	७	२५	२७	मी१२।४८	भरण्यांरविः३७/२२सौरः४७/३९कृत्ति.बुधः ÷
१३	र	३८	३	उ	२२	४	वैं	१८	५५	ग	११	२०	३१	३०	३०	८	२६	२८	मीने	भ.३८/३३उ.बृषेबुधः५३।१४प्रदोषः
१४	चं	३१	५१	रे	१७	४६	वि	११	२०	वि	४	५७	३४	२९	३१	९	२७	२९	मे.१७।४६	भ.४।५७या.उभा शुक्रः५०।२३
३०	मं	२६	२८	अ	१४	२०	प्री	४/९	५३/४७	ना	२६	२८	३८	२८	३२	१०	२८	३०	मेषे	=थिनी११व्र.स्मा.[÷४८/७वरुथिनी११वै.

२पं.वै.कृ.४श.इ.५७/२७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	१०	५	०	०
६	८	१३	१	२८	२६	२१	६
५०	८	५९	४९	३२	४	४५	४१
४६	३५	५३	२६	१३	५२	१२	२६
५८	४५	७०	७/५२	२६	४/३४	३	५८
३१	५९	४	व	२२	व	११	२९

गोचर ग्रहाः

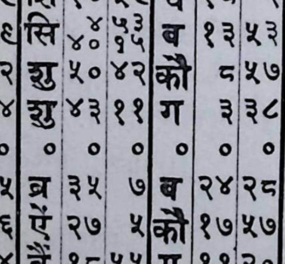

इस मास में चांदी रुई सुवर्ण सण तिल वारदाना कपास वस्त्र मंदे होवे घृत धान्य बाजरा मूंग मोठचना आदि तेज हों।

गोचर ग्रहाः

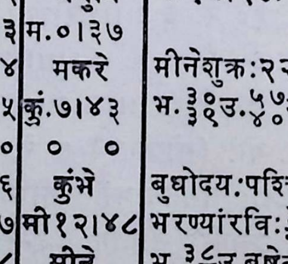

३पं.वै.कृ.१२श.इ.४३/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	६	११	५	०	०
१३	१३	२८	०	२	२५	२१	१३
२९	३३	१३	५६	११	३४	२२	२९
५०	२२	४१	५३	३५	१	५६	५१
५८	४५	७०	७/३	३६	४/१	३	५८
१९	४४	५३	व	२६	व	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:४०४३स.२०४१
१	बु	२२	१८	भ	११	५६	सौ	५२	५९	ब	२२	१८	३२/४१	५/२८	६/३२	११	२९	१	बृ.२६।४५	रेवत्यांभौम:५/८०चंद्रदर्शनम्मई५ता.३१
२	गु	१९	५२	कृ	११	१४	शो	४९	२८	कौ	१९	५२	४५	२७	३३	१२	१	२	वृषे	जमादिलावल५परशुरामजयंती
३	शु	१९	७	रो	१२	७	अ	४७	२९	ग	१९	७	४८	२६	३४	१३	२	३	मि४३।३६	भ.४९।४०उ.अक्षया३
४	श	२०	१४	मृ	१५	५	सु	४६	३७	वि	२०	१४	५२	२६	३४	१४	३	४	मिथुने	भ.२०।१४या.रोहि.बुध:४।३
५	र	२३	१२	आ	१९	३९	धृ	४७	२०	बा	२३	१२	५५	२५	३५	१५	४	५	मिथुने	
६	चं	२७	४८	पु	२५	४६	शू	४९	०	तै	२७	४८	५८	२४	३६	१६	५	६	क.९।१४	वक्रीचित्रा.२कन्यायांगुरु:०।१४
७	मं	३३	२३	पु	३२	३४	गं	५१	३	ग	०	३५	३/३	२४	३६	१७	६	७	कर्के	भ.३३।२३उ.
८	बु	३९	३६	श्ले	४०	१४	बृ	५३	३९	वि	६	२९	५	२३	३७	१८	७	८	सिं४०।१४	भ.६।२९या.पातस्पर्श:४७।१
९	गु	४५	४८	म	४७	४३	ध्रु	५५	५०	बा	१२	४२	८	२२	३८	१९	८	९	सिंहे	पातमोक्ष:१।१७
१०	शु	५१	३१	पू	५४	३७	व्या	५७	४०	तै	१८	३९	११	२२	३८	२०	९	१०	सिंहे	
११	श	५६	११	उ	६०	०	ह	५८	२९	व	२३	५१	१४	२१	३९	२१	१०	११	क.११।५	भ.२/५ ३/१उ.५/१ ६/१या.कृत्ति.रवि:२/२ ३/१सौर:+
१२	र	५९	१७	उ	०	३०	व	५८	१६	ब	२७	४४	१७	२१	३९	२२	११	१२	कन्यायां	[+३/३ १/१मोहिनी११व्र.
१३	चं	६०	०	ह	४	५२	सि	५६	४७	कौ	३०	११	२०	२०	४०	२३	१२	१३	तु.३६।१८	प्रदोष:
१३	मं	१	४	चि	७	४४	व्य	५३	५९	तै	१	४	२३	१९	४१	२४	१३	१४	तुलायां	बृषेऽर्क:५०।३६नृसिंहजयंती
१४	बु	१	११	स्वा	९	५	व	५०	१	व	१	११	२६	१९	४१	२५	१४	१५	वृ.५४।१०	भ.९ १/१उ.३/२ ०/२या.ग्रस्तास्तचंद्रग्रहणम्=
१५	बु	५८	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	=बृषेऽर्क:सौर:२ ३/४यमायकुंभदानम्

४पं.वै.शु.४श.इ. ५७/५६							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	६	११	५	०	१
२०	१८	१०	०	६	२५	२१	२०
२७	५६	६	७	५२	४	०	१६
२९	३१	१४	१२	२६	५९	४१	३८
५८	४५	९२	६/५६	४४	३/५८	३	५७
६	४४	१०	व	२५	व	११	५७

गोचर ग्रहाः

वैशाखशुक्ले१३भौमे बृषेऽर्क:प्रविष्ट:वा.४ न. ४ प्रगल्भावस्था (वैठी) मु. १५ धान्यादिभावै महर्घता शुक्रोदय:पूर्वस्याम्

गोचर ग्रहाः

५पं.वै.शु.११श.इ. ५८/८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	१	५	११	५	०	०
२७	२४	१८	२९	१२	२४	२०	२७
१३	१६	४७	२२	१९	३९	३८	१
३७	३०	२०	२६	८	४	२५	५२
५७	४५	५८	६/१०	५०	३/३७	३	५७
५४	२९	५७	व	१०	व	११	४५

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	गु	५६	४९	वि	९	११	प	४५	११	बा	२८	११	३३/२८	५/१८	६/४२	२६	१५	१६	वृश्चिके	
२	शु	५२	५८	अ	७	५६	शि	३९	३१	तै	२४	५३	३१	१८	४२	२७	१६	१७	वृश्चिके	मृगेबुध:३६।३६रेवत्यांशुक्र:८।४७
३	श	४८	२२	ज्ये	५	४८	सि	३३	१४	व	२०	४०	३४	१७	४३	२८	१७	१८	ध.५।४८	भ.२०।४०उ.४८।२२या.
४	र	४३	१८	मू	५ २/२	५६/४४	सा	२६	३२	ब	१५	५०	३७	१७	४३	२९	१८	१९	धनुषि	अश्वि.मेषेभौम:३/४ ६/२चतुर्थीव्र.
५	चं	३८	२	उ	५६	१९	शु	१९	३६	कौ	१०	४०	३९	१६	४४	३०	१९	२०	म.१३।४७	
६	मं	३२	३९	श्र	५२	५८	शु	१२	३७	ग	५	२०	४२	१६	४४	३१	२०	२१	मकरे	भ.३२।३९उ.पातस्पर्श:४७।१७
७	बु	२७	२३	ध	५०	२८	ब्र	५/३५	५३/६	वि	०	१	४४	१५	४५	१	२१	२२	कुं.२१।४३	भ.०/१या.पातमोक्ष:२ १/६भा.ज्येष्ठारंभ:
८	गु	२२	१४	श	४६	१४	वै	५१	४४	कौ	२१	१४	४७	१५	४५	२	२२	२३	कुम्भे	वक्रीवुध:२०।५८
९	शु	१६	५१	पू	४३	५६	वि	४४	४८	ग	१६	५१	४९	१४	४६	३	२३	२४	मी२९।३०	भ.४/१ ४/७उ.भरणी२राहु:स्वाती४केतु:२ ३/५
१०	श	११	४४	उ	३९	५७	प्री	३८	८	वि	११	४४	५२	१४	४६	४	२४	२५	मीने	भ.१/४ १/४या.रोहि.रवि:१/५ ३/९सौर:२/२ ९/६
११	र	६	४८	रे	३७	१३	आ	३१	५६	बा	६	४८	५४	१३	४७	५	२५	२६	मे.३७।१३	बुधास्त:पश्चिमे५/५ ५/२अपरा११व्र.
१२	चं	२	१६	अ	३५	५	सौ	२६	४	तै	२	१६	५६	१३	४७	६	२६	२७	मेषे	भ.५८।२८उ.प्रदोष:
१३	चं	५६	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	मं	५५	२०	भ	३३	३७	शो	२०	४२	वि	२६	५४	५८	१२	४८	७	२७	२८	वृ.४८।३०	भ.२६।५४या.
३०	बु	५३	४५	कृ	३३	१०	अ	१६	८	च	२४	३२	३४/०	१२	४८	८	२८	२९	वृषे	वटपूजनम्

६पं.ज्ये.कृ.३श.इ. ५८/१७							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	११	१	५	११	५	०	१
३	२९	२३	२८	१८	२४	२०	३
५८	३६	४७	४३	१९	१६	१६	४५
४४	५८	५६	८	५९	२३	९	३७
५७	४५	२०	५/८	५४	२/५६	३	५७
४४	२७	३१	व	४७	व.	११	३४

गोचर ग्रहाः

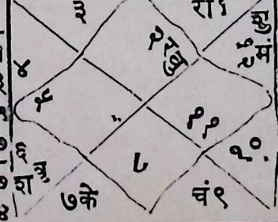

इस मास में कृष्ण पक्ष की तिथि क्षय व शुक्ल पक्ष की तिथि वृद्धि शुभ व मंदीकारक है धान्य गल्ला मं मंदी हो।

गोचर ग्रहाः

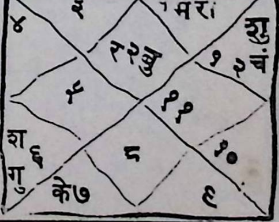

७पं.ज्ये.कृ.१०श.इ. ५८/२३							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	५	११	५	०	१
१०	४	२४	२८	२४	२३	१९	१०
४२	५२	४९	१०	४७	५७	१३	२७
४०	४८	३७	३०	४२	१८	५४	४८
५७	४५	१२/१८	४/०	५८	२/१९	३	५७
३५	१४	व	व	२५	व	११	२३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४०७२स.२०४१
१	गु	५३	१०	रो	३४	१९	सु	१२	४३	किं	२३	२७	३४/२	५/१२	६/४८	९	२९	३०	वृषे	
२	शु	५४	१४	मृ	३६	४४	धृ	१०	३५	बा	२३	४२	३	११	४९	१०	३०	३१	मि५।३२	वक्रीरोहि.बुधः३/२ ०/४अश्वि.मेषेशुक्रः२/४ ३/३ =
३	श	५७	१२	आ	४०	५६	शू	९	४४	तै	२५	४३	५	११	४९	११	१	१	मिथुने	जमादिलाखर६जून६ता.३०
४	र	६०	०	पु	४६	१७	गं	९	३०	व	२९	१२	७	११	४९	१२	२	२	क.२९।५७	भ.२९।१२उ. [=चंद्रदर्शनम्
४	चं	१	१३	पु	५२	४७	वृ	१०	४४	वि	१	१३	९	१०	५०	१३	३	३	कर्के	भ.१।१३या.
५	मं	६	२७	श्ले	६०	०	ध्रु	१२	३४	बा	६	२७	१०	१०	५०	१४	४	४	कर्के	
६	बु	१२	२६	श्ले	०	८	व्या	१५	७	तै	१२	२६	१२	१०	५०	१५	५	५	सिं०।८	
७	गु	१८	४२	म	७	३७	ह	१७	२५	व	१८	४२	१३	९	५१	१६	६	६	सिंहे	भ.१/४ ६/२उ.५/३ ९/६या.भरण्यांभौमः१७।५४
८	शु	२४	३६	पू	१५	२	व	१९	४६	ब	२४	३६	१५	९	५१	१७	७	७	कं.३१।४०	
९	श	२९	३९	उ	२१	३२	सि	२१	१८	कौ	२९	३९	१६	९	५१	१८	८	८	कन्यायां	मृगेरविः५ ८/१(सौरः२८।१६)
१०	र	३३	११	ह	२६	४१	व्य	२१	४०	तै	१	२५	१७	९	५१	१९	९	९	तु.५८।३२	गंगादशमी
११	चं	३५	१३	चि	३०	२३	व	२०	४९	व	४	१२	१८	८	५२	२०	१०	१०	तुलायां	भ.१ ४/२उ,३/१ ५/३या.निर्जला११व्र.
१२	मं	३५	१८	स्वा	३२	१०	प	१८	३५	ब	५	१५	१९	८	५२	२१	११	११	तुलायां	प्रदोषः
१३	बु	३३	२५	वि	३१	५८	शि	१४	४९	कौ	४	२२	१९	८	५२	२२	१२	१२	वृ.१७।१	
१४	गु	२९	४८	अ	३०	७	सि	९	३५	ग	१	३६	२०	८	५२	२३	१३	१३	वृश्चिके	भ.२/४ ९/८उ.५/४ ६/४या.भरण्यांशुक्रः३०।१४
१५	शु	२४	४०	ज्ये	२७	३	सा	१ ३/६	५२/४१	ब	२४	४०	२१	८	५२	२४	१४	१४	ध.२७।३	गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

८ पं.ज्ये.शु.५श.इ. ५८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	१	५	०	५	०	१
१७	१८	२२	२७	१	२३	१९	१७
२५	६	३५	४८	३६	४२	३१	८
२६	५४	४६	१४	३६	३२	३८	५४
५७	४४	३०/८	२/४६	६१	१/४६	३	५७
२७	५९	व	व	१०	व	११	१३

गोचर ग्रहाः

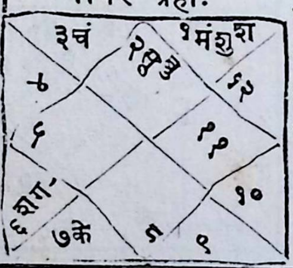

इस मास में शुक्र का चन्द्रदर्शन चांदीसोना लोहा ताम्बा आदि धातुये रुई कपास वारदाना वस्त्र में घट बढ लेकर तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

९पं.ज्येशु.९श.इ. ५८/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र.
१	०	१	५	०	५	०	१
२४	१५	१८	२७	८	२३	१९	२३
७	१९	४४	३०	४२	३२	९	४८
३०	४१	२३	३२	२२	२८	२३	५०
५७	४४	३०/०	१/२६	६३	१/५	३	५७
२२	४३	वं	ब	२४	व	११	.५

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णोतिमहा.
१	श	१८	२७	मू	२२	५०	शु	४७	५०	कौ	१८	२७	३४/२१	५/८	६/५२	२५	१५	१५	धनुषि	मिथुनेऽर्क२ ७/५सौरः२/८ ९मार्गीगुरुः३/२ ५/३ ×
२	र	११	४०	पू	१७	५९	ब्र	३९	३०	ग	११	४०	२२	८	५२	२६	१६	१६	म.३१।४२	भ.३८।५उ. [×बुधोदयःपूर्वस्यां१।२०
३	चं	४	२९	उ	१२	५३	ऐं	३१	८	वि	४	२९	२२	८	५२	२७	१७	१७	मकरे	भ.२ ४/९या. चतुर्थीव्र.
४	चं	५२	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	मं	५०	४३	श्र	७	५९	वै	२२	५८	कौ	२४	४	२३	७	५३	२८	१८	१८	कुं.३५।४१	
६	बु	४४	४०	ध	२३/२	५६/३	वि	१५	५	ग	१७	४१	२३	७	५३	२९	१९	१९	कुम्भे	भ.४/४ ४/०उ.मार्गीबुधः५ ७/८मार्गीशनिः५/३ ३/७
७	गु	३९	५	पू	५६	१	प्री	७	४२	वि	११	५२	२३	७	५३	३०	२०	२०	मी४१।५२	भ.११।५२या.
८	शु	३४	१६	उ	५३	३२	आ	४०/२	५३/४९	चा	६	४०	२४	७	५३	३१	२१	२१	मीने	
९	श	२९	५९	रे	५१	३६	शो	४८	५०	तै	२	७	२४	७	५३	१	२२	२२	मे.५१।३६	भ.५/२ ८/१उ.आर्द्रा.रविः२ ६/०सौरः३/३ ०/७भा. =
१०	र	२६	४४	अ	५०	२९	अ	४३	५९	वि	२६	४४	२४	७	५३	२	२३	२३	मेषे	भ.२६।४४या. [=आषाढारंभः
११	चं	२४	१२	भ	५०	१७	सु	३९	४६	बा	२४	१२	२४	७	५३	३	२४	२४	मेषे	कृत्ति.भौमः२६।५०योगिनी११व्र.
१२	मं	२२	३८	कृ	५१	३	धृ	३६	१७	तै	२२	३८	२४	७	५३	४	२५	२५	वृ.५।२८	कृत्ति.शुक्रः४८।३५प्रदोषः
१३	बु	२२	१९	रो	५२	५७	शू	३३	४१	व	२२	१९	२३	७	५३	५	२६	२६	वृषे	भ.२२।१९उ.५२।३२या.
१४	गु	२२	४६	मृ	५५	५५	गं	३१	५०	श	२२	४६	२३	७	५३	६	२७	२७	मि२४।२६	
३०	शु	२४	३८	आ	६०	०	वृ	३१	२३	ना	२४	३८	२२	८	५२	७	२८	२८	मिथुने	वृषेशुक्रः५६।२७

१०पं.आ.कृ.१श.इ. ५८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	५	०	५	०	२
०	२०	१६	२७	१६	२२	१८	०
४८	२८	४०	२२	०	२७	४७	२७
४७	१९	३०	४९	४७	१४	७	५९
५७	४४	३/२३	०/५	३५	०/२८	३	५२
१७	२८	वं.	मा	५	वं.	११	५७

गोचर ग्रहाः

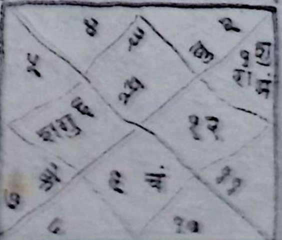

आषाढकृष्णे १ शनौ मिथुनेऽर्कःप्रविष्टःवा. ५न.५ गतालकावस्था (ऊमी) मु.३०धान्या-न्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

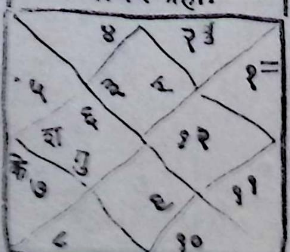

११पं.आ.कृ. ९श.इ. ५८/२५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	०	१	५	०	५	०	२
७	२५	१७	२७	२३	२३	१८	७
२९	३४	२८	२५	३१	२६	२४	६
४२	५५	५	२६	७	३८	५१	२६
५७	४४	३७/२	१	६६	०/२६	३	५६
१३	१०	मा	१०	२६	मा	११	५४

 =राचंमंशु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४१०२स.२०४१
१	श	२७	४०	आ	०	१	ध्रु	३१	११	ब	२७	४०	३४/२२	५/८	५६/५२	८	२९	२९	क.४९।२	वृषेभौमः६।२०चंद्रदर्शनम्
२	र	३१	५८	पु	५	२२	व्या	३२	१७	कौ	३१	५८	२१	८	५२	९	१	३०	कर्के	रज्जव७रथयात्रा
३	चं	३७	११	पु	११	५१	ह	३३	५२	ते	४	३४	२०	८	५२	१०	२	१	कर्के	मृगेबुधः१२/४७जुलाई७ता.३१
४	मं	४३	८	श्ले	१८	३८	व	३६	३	व	१०	१०	१९	८	५२	११	३	२	सिं१८।३८	भ.१०।१०उ.४३।८या.
५	बु	४९	२६	म	२६	१९	सि	३८	३९	ब	१६	१७	१८	८	५२	१२	४	३	सिंहे	
६	गु	५५	३५	पू	३४	१	व्य	४१	२३	कौ	२२	३१	१७	९	५१	१३	५	४	कं.५०।५०	
७	शु	६०	०	उ	४१	१६	व	४३	३१	ग	२८	१८	१६	९	५१	१४	६	५	कन्यायां	
७	श	१	१	ह	४७	२२	प	४४	४४	व	१	१	१५	९	५१	१५	७	६	कन्यायां	भ.१/१उ.३/१ ३/१या.पुन.रविः५/०(सौरः३/१ ४/९) ×
८	र	५	२१	चि	५२	८	शि	४४	५६	व	५	२१	१४	९	५१	१६	८	७	तु.१९।४५	रोहि.शुक्रः५३।०
९	चं	८	१३	स्वा	५५	९	सि	४३	४८	कौ	८	१३	१३	९	५१	१७	९	८	तुलायां	[×मिथुनेबुधः३५।१७
१०	मं	९	७	वि	५६	१४	सा	४१	८	ग	९	७	११	१०	५०	१८	१०	९	वृ.४०।५८	भ.३८।५०उ.
११	बु	७	५९	अ	५५	२२	शु	३६	४९	वि	७	५९	१०	१०	५०	१९	११	१०	वृश्चिके	भ.७।५९या.देवशयनी११व्र.
१२/१३	गु	४/५४	४१/५६	ज्ये	५२	२८	शु	३०	५५	बा	४	४१	८	१०	५०	२०	१२	११	ध.५२।२८	आर्द्रां.बुधः१०।१९प्रदोषः
१४	शु	५२	४५	मू	४७	५३	ब्र	२३	३३	ग	२६	१३	७	११	४९	२१	१३	१२	धनुषि	भ.५/४ २/५उ. [=वायुपरीक्षा
१५	श	४४	५४	पू	४२	७	ऐं	१४	५२	वि	२३	५०	५	११	४९	२२	१४	१३	म.५५।२९	भ.२/५ ३/०या.रोहि.भौमः१/३ ०/९व्यासपूजा =

१२पं.आ.शु.१श.इ. ५८/२१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	१	५	१	५	०	२
१४	०	२२	२७	१	२३	१८	१३
१०	३८	१३	३५	९	३१	२	४४
८	२	८	२४	५८	२६	३५	३१
५७	४३	५३	२	६७	१	३	५६
७	५२	५५	२८	४९	७	११	५०

१३पं.आ.शु.७श.इ. ५८/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	१	५	०	२
२०	५	०	२७	८	२३	१७	२०
५०	३७	३३	५४	५७	४०	४०	२२
३५	४४	४०	२६	११	२३	१९	२५
५७	४३	८७	३	६८	१	३	५६
७	३५	५८	४७	५०	५०	११	५०

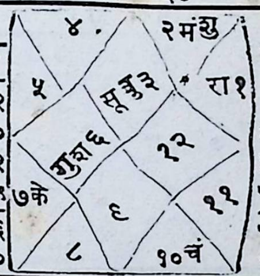

१४पं.आ.शु.१५श.इ. ५८/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	५	१	५	०	२
२७	१०	११	२८	१६	२३	१७	२७
३०	३४	५३	२२	५०	५४	१८	०
५४	१२	४९	१	३१	२२	४	३२
५७	४३	०/९	४	६९	२	३	५६
१२	३	९/१४	५५	३८	२४	११	५४

ति.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	र	३६	१६	उ	३५	३५	वै	५/३६	५०/११	बा	१०	३०	३४/३	५/११	६/४९	२३	१५	१४	मकरे	
२	चं	२७	१९	श्र	२८	५९	प्री	४५	५६	ते	१	४७	१	१२	४८	२४	१६	१५	कुं.५५।४२	भ.५२।५८उ.
३	मं	१८	३७	ध	२२	२४	आ	३६	१७	वि	१८	३७	३३/५९	१२	४८	२५	१७	१६	कुंभे	भ.१/३ ८/७या.कर्केऽर्कः३/३ ४/६बुधास्तःपूर्वस्यां ×
४	बु	१०	३२	श	१६	३२	सौ	२७	२१	बा	१०	३२	५७	१३	४७	२६	१८	१७	मी५७।४०	कर्केऽर्कःसौरः७।२३ [×५/२ ०/३चतुर्थीव्र.
५/६	गु	४/५३	२२/४	पू	११	२२	शो	१८	५८	ते	४	२२	५५	१३	४७	२७	१९	१८	मीने	भ.५/२ ७/६उ.पुन.बुधः१८।२२नागप
७	शु	५२	३६	उ	७	३५	अ	११	४२	वि	२५	१	५२	१४	४६	२८	२०	१९	मीने	भ.२५।१या.मृगेशुक्रः४१।२६
८	श	४९	१३	रे	५	४	सु	५	२९	बा	२०	५४	५०	१४	४६	२९	२१	२०	मे.५।४	पुष्येरविः३।५४सौरः३८।४
९	र	४७	१०	अ	३	४९	धृ	०/१३	५५/५४	ते	१८	११	४८	१४	४६	३०	२२	२१	मेषे	
१०	चं	४६	२३	भ	३	५६	गं	५२	५८	व	१६	४६	४५	१५	४५	३१	२३	२२	वृ.१९।१४	भ.१६।४६उ.४६।२३या.
११	मं	४६	५९	कृ	५	७	वृ	५१	२	ब	१६	४१	४३	१५	४५	१	२४	२३	वृषे	कर्केबुध१/९भा.श्रावणारंभःकामि.११व्र.
१२	बु	४८	३७	रो	७	४६	ध्रु	४९	५५	कौ	१७	४८	४०	१६	४४	२	२५	२४	मि३९।४०	पुष्येबुधः३०।१५
१३	गु	५१	३२	मृ	११	३४	व्या	५०	१	ग	२०	५	३८	१६	४४	३	२६	२५	मिथुने	भ.५/३ १/२उ.मिथुनेशुक्रः३/३ ०/७भरणी१राहुः ÷
१४	शु	५५	२२	आ	१६	२२	ह	५०	२०	वि	२३	२७	३५	१७	४३	४	२७	२६	मिथुने	भ.२३।२७या.
३०	श	६०	०	पु	२१	५३	व	५१	२९	च	२७	४३	३३	१७	४३	५	२८	२७	क.५।३०	हरियाली
३०	र	०	५	पु	२८	२८	सि	५३	१७	ना	०	५	३०	१८	४२	६	२९	२८	कर्के	[÷स्वाती३केतुः५/५ ५/७प्रदोषः

१५पं.श्रा.कृ.८श.इ. ५७/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	२	५	१	५	०	३
४	१५	१५	२८	२४	२४	१६	३
११	२७	३८	५६	४९	१२	५५	३८
३८	१८	२८	४९	५२	३४	४८	५९
५७	४२	०/७	३	७०	३	३	५६
१५	४६	९/१४	६	२६	९	११	५९

गोचर ग्रहाः

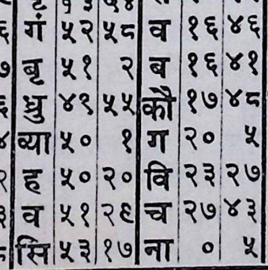

श्रावण कृष्णे ३ भौमे कर्केऽर्कःप्रविष्टः वा. ४न.६ बालावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादिभावेमहर्घताशुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

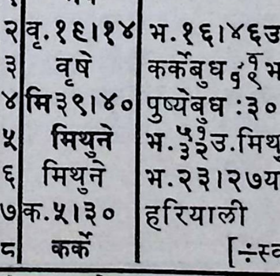

१६पं.श्रा.कृ.३०श.इ. ५७/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	५	२	५	०	३
१०	२०	१०	२९	२	२४	१६	१०
५२	१८	३१	३८	५४	३५	३३	१८
४१	४	१९	४९	२५	३८	३२	१६
५७	४२	०/२	६	७१	३	३	५७
२०	१२	०/४०	५३	५	४१	११	५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण४१३२स२०४१
१	चं	५	३०	श्ले	३५	२६	व्य	५५	२६	ब	५	३०	३३/२७	५/१९	६/४९	७	३०	२९	सि३५।२६	चंद्रदर्शनम्
२	मं	११	३५	म	४३	२	व	५८	३	कौ	११	३५	२४	१९	४१	८	१	३०	सिंहे	आश्लेंबुधः५/१७सावान८सिंघारा
३	बु	१७	४९	पू	५०	३७	प	६०	०	ग	१७	४९	२२	२०	४०	९	२	३१	सिंहे	भ.५/५९उ.आर्द्रा.शुक्रः१/५८चित्रा.३तुला.=
४	गु	२४	२	उ	५८	९	प	०	२१	वि	२४	२	१९	२०	४०	१०	३	१	कं.७।३०	भ.२/४१या.मृगेभौमः३/५९अगस्त८ता. ×
५	शु	२९	४४	ह	६०	०	शि	२	५४	बा	२९	४४	१६	२१	३९	११	४	२	कन्यायां	नागपंचमी [×३१वरद४
६	श	३४	३४	ह	५	०	सि	५	०	कौ	२	९	१३	२१	३९	१२	५	३	तु.३७।५४	आश्ले.रविः५/५९(सौरः३७।५१)
७	र	३८	१४	चि	१०	४८	सा	६	३	ग	६	२४	१०	२२	३८	१३	६	४	तुलायां	भ.३/१ ८/४उ. [=गुरुः३४।४५तीज
८	चं	४०	१८	स्वा	१५	१४	शु	६	१	वि	९	१६	७	२३	३७	१४	७	५	तुलायां	भ.९।१६या.
९	मं	४०	३०	वि	१७	५७	शु	४	४६	बा	१०	२४	४	२३	३७	१५	८	६	वृ.२।१६	मघा.सिंहेबुधः२१।५२
१०	बु	३८	३६	अ	१८	४०	ब्र	५१/०	५५/३३	तै	९	३३	०	२४	३६	१६	९	७	वृश्चिके	[÷मिथुनेभौमः२२।४३
११	गु	३४	३९	ज्ये	१७	२९	वै	५१	२३	व	६	३७	३२/५७	२५	३५	१७	१०	८	ध.१७।२९	भ.६/३७उ.३४/३१या.पवित्रा११व्र.
१२	शु	२८	४३	मू	१४	११	वि	४३	४५	ब	१	४१	५४	२५	३५	१८	११	९	धनुषि	प्रदोषः
१३	श	२१	१०	पू	९	१३	प्री	३४	४९	तै	२१	१०	५०	२६	३४	१९	१२	१०	म.२२।३७	बुधोदयःपश्चिमायां७।११
१४	र	१२	२३	उ	२/४७	५२/३४	आ	२४	४५	व	१२	२३	४७	२७	३३	२०	१३	११	मकरे	भ.९२/२३उ.३७/३१या.पुन.शुक्रः३२।५८ ÷
१५	चं	२	४०	ध	४७	३५	सौ	१४	१३	ब	२	४०	४४	२७	३३	२१	१४	१२	कुं.२१।२८	श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम्

१७पं.श्रा.शु.६श.इ. ५७/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	३	६	२	५	०	३
१७	२५	२४	०	११	२५	१६	१६
३४	१	५२	२७	३	२	११	५८
२३	२६	२६	७	४३	१७	१८	४
५७	४१	०/७	८	७१	४	३	५७
२५	४६	९/४२	१	३२	२०	११	१२

गोचर ग्रहाः

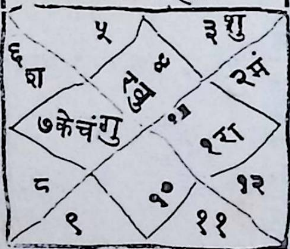

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर चन्दन केसर कपास रुई वस्त्र वारदाना रसकस गुड़ सक्कर चीनी घृत आदि तेज होवे।

गोचर ग्रहाः

१८पं.श्रा.शु.१३श.इ.५७/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	१	४	६	२	५	०	३
२४	२९	८	१	१९	२५	१५	२३
१६	४२	१	२१	१७	३३	४९	३९
४४	४३	१६	४७	३१	४	२	११
५७	४१	०/७	८	७१	४	३	५७
३३	१३	५/३६	५०	५९	४४	११	१२

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	चं	५०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	
२	मं	४२	१२	श	३९	५८	शो	३/२	४९/२५	तै	१७	३०	३२/४०	५/२८	६/३२	२२	१५	१३	कुंभे	पूफा.बुधः५०।२८
३	बु	३४	१	पू	३३	५	सु	४२	३५	व	८	६	३७	२९	३१	२३	१६	१४	मी१९।४८	भ.८।६उ.३४।१या.चतुर्थीव्र.
४	गु	२६	६	उ	२६	५६	धृ	३३	२७	ब	०	३	३३	२९	३१	२४	१७	१५	मीने	
५	शु	१९	३१	रे	२२	२९	शू	२५	१९	तै	१९	३१	३०	३०	३०	२५	१८	१६	मे.२२।२९	मघा.सिंहेऽर्कः५४।५७चंद्रषष्ठी
६	श	१४	५६	अ	१९	३५	गं	१८	४३	व	१४	५६	२६	३१	२९	२६	१९	१७	मेषे	भ.१४/५६उ.४३/२७या.मघा.सिंहेऽर्कःसौरः३५/१५
७	र	११	५८	भ	१८	३४	वृ	१३	२३	ब	११	५८	२३	३२	२८	२७	२०	१८	वृ.३३।४३	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	चं	१०	५८	कृ	१९	१०	ध्रु	९	३५	कौ	१०	५८	१९	३२	२८	२८	२१	१९	वृषे	कर्केशुक्रः३७/५१जन्माष्टमीव्र.वै.
९	मं	११	३८	रो	२१	२५	व्या	७	११	ग	११	३८	१५	३३	२७	२९	२२	२०	मि५३।१३	भ.४२।४०उ.गोगा९
१०	बु	१३	४१	मृ	२५	१२	ह	६	४	वि	१३	४१	१२	३४	२६	३०	२३	२१	मिथुने	भ.१३/४५या.आर्द्रा.भौमः२४।६
११	गु	१७	१४	आ	३०	२७	व	६	१०	बा	१७	१४	८	३४	२६	३१	२४	२२	मिथुने	उफा.बुध ११/१६पुष्येशुक्रः४६/५२अजा११व्र.
१२	शु	२१	४९	पु	३९	३७	सि	६	५५	तै	२१	४९	४	३५	२५	१	२५	२३	क.२०।५	भा.भाद्रपदारंभःदत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	श	२७	८	पु	४३	३४	व्य	८	२३	व	२७	८	१	३६	२४	२	२६	२४	कर्के	भ.२७/८उ.६०/०या.कन्यायांबुधः२७/४९चित्रा=
१४	र	३२	५३	श्ले	५०	४३	व	१०	३२	श	३२	५३	३१/५७	३७	२३	३	२७	२५	सि५०।४३	[=४गुरुः५/२चित्रा.२शनिः३।१३
३०	चं	३९	१६	म	५८	१३	प	१२	४३	च	६	४	५३	३७	२३	४	२८	२६	सिंहे	कुशाग्रहणीपिठोरी३०मन्वादिः

१९पं.भा.कृ.६श.इ.५७।२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	६	२	५	०	४
१	४	१९	२	२७	२६	१५	०
०	१९	५७	२२	३४	७	२६	२१
४	३४	४	३४	४८	३७	४७	२४
५७	४०	०/०	९	७२	५	३	५७
४०	४६	०/६	४०	२०	१४	११	३४

गोचर ग्रहाः

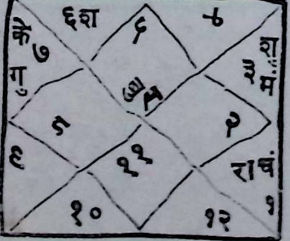

भाद्रपदकृष्ण ५ शुक्रे सिंहेऽर्कः प्रविष्टः वा. ४न.५ प्रगल्भावस्था (वैंठी)मु.३० धान्यादिभावेसमर्ताशुक्रोदय पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

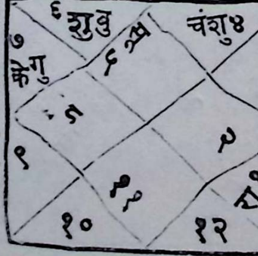

२०पंभा.कृ.१३श.इ.५७/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	३	५	०	४
७	८	०	३	५	२६	१५	७
४४	५२	४३	२९	५५	४५	४	४
२८	८	५	२	३०	७	३१	५०
५७	४०	८७	१०	७२	५	३	५७
४९	१७	५३	२३	४१	४१	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४१६१स.२०४१
१	मं	४५	२२	पू	६०	०	शि	१५	१४	किं	१२	१९	३१/४९	५/३८	२६/२२	५	२९	२७	सिंहे	
२	बु	५१	२४	पू	५	४४	सि	१७	३४	बा	१८	२३	४६	३९	२१	६	३०	२८	कं.२२।३६	चन्द्रदर्शनम्
३	गु	५७	२	उ	१३	१२	सा	१९	५४	तै	२४	१३	४२	४०	२०	७	१	२९	कन्यायां	रमजान९हरितालिका३
४	शु	६०	०	ह	१९	५०	शु	२१	४१	व	२९	२४	३८	४०	२०	८	२	३०	तु.५२।५५	भ.३९/४उ.पूफा.रवि:४४/३१गणेशचतुर्थी
४	श	१	४७	चि	२५	५९	शु	२२	५०	वि	१	४७	३४	४१	१९	९	३	३१	तुलायां	भ.४७/१या.पूफा.रवि:सौर:२६/७हस्ते ÷
५	र	५	५१	स्वा	३१	११	ब्र	२३	३५	बा	५	५१	३०	४२	१८	१०	४	१	तुलायां	सितम्बर९ता.३०
६	चं	८	२९	वि	३४	५६	ऐं	२३	७	तै	८	२९	२६	४३	१७	११	५	२	वृ.१९।०	आश्ले.शुक्र:५२।४१
७	मं	९	४०	अ	३७	१५	वै	२१	३५	व	९	४०	२२	४४	१६	१२	६	३	वृश्चिके	भ.९।४०उ.३९।२६या.
८	बु	९	१३	ज्ये	३७	५०	वि	१८	३९	ब	९	१३	१८	४४	१६	१३	७	४	ध.३७।५०	[÷बुध:४४/४९ऋषिपंचमी
९	गु	६	४९	मू	२६	४३	प्री	१४	१४	कौ	६	४९	१५	४५	१५	१४	८	५	धनुषि	
१०	शु	२	४१	पू	३३	४१	आ	८	२८	ग	२	४१	११	४६	१४	१५	९	६	म.४७।३१	भ.२९/४७उ.५६/५३या.जलझूलनी११व्र.स्मा.
११	शु	५४	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१२	श	४९	२६	उ	२९	०	सौ	१/०	५१/३५	ब	२३	१०	७	४७	१३	१६	१०	७	मकरे	जलझूलनी११व्र.वै.वामनजयंती
१३	र	४०	३४	श्र	२२	५३	अ	४२	४५	कौ	१५	०	३	४७	१३	१७	११	८	कुं.४९।२०	प्रदोष:
१४	चं	३०	५४	ध	१५	४७	सु	३२	१६	ग	५	४४	३०/५९	४८	१२	१८	१२	९	कुम्भे	भ.३०/५४उ.५५/५७या.अनंत१४
१५	मं	२१	१	श	७	५०	धृ	२१	२२	ब	२१	१	५५	४९	११	१९	१३	१०	मी४६।५९	महालयारंभ:कु.संध्या.पूजनारंभ:

.२१पं.भा.शु.४श.इ. ५७/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	३	५	०	४
१४	१३	१०	४	१४	२७	१४	१३
२०	१८	१५	३८	१९	२५	४२	५०
४	५४	७	५३	३०	४१	१५	२
५८	३९	७३	११	७२	६	३	५७
१	४८	५२	१	५६	२	११	५७

गोचर ग्रहाः

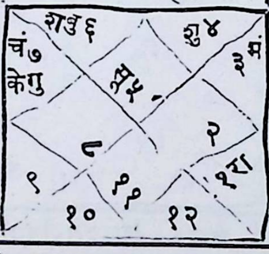

इस मास में मिथुन कामंगल धान्य गल्ला धातु सोना चांदी लोहा ताम्बा टीन गुड़ सक्कर गन्ना नमक में तेजी हो ।

गोचर ग्रहाः

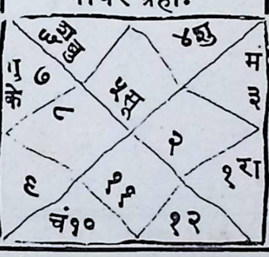

२२पं.भा.शु.१२श.इ. ५६/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	३	५	०	४
२१	१७	१८	५	२२	२८	१४	२०
१७	४१	१६	५४	४७	८	२०	३६
६	५३	५५	११	६	२८	०	४२
५८	३८	५६	११	७३	६	३	५८
१३	५६	३९	३८	१४	२४	११	१३

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र . कृष्णेति महा.
१	बु	१०	५८	पू	०/२	५२/२७	शु	१०/२३	४९/२०	कौ	१०	५८	३०/५१	५/५०	६/१०	२०	१४	११	मीने	पुन.भौम:५३।०
२/३	गु	५ १/१	५५/४९	रे	४५	५६	बृ	५०	२	ग	१	५५	४७	५१	९	२१	१५	१२	मे.४५।५६	भ.२७/२०उ.५३/४४या.स्वाती१गुरु:१६।२
४	शु	४७	१८	अ	४०	५९	ध्रु	४१	३२	व	२०	३१	४३	५१	९	२२	१६	१३	मेषे	उफा.रवि:२९/६चित्रा.बुध:१५/२मघा. =
५	श	४२	४९	भ	३७	५७	व्या	३४	२२	कौ	१५	३	३९	५२	८	२३	१७	१४	वृ.५२।३९	उफा.रवि:सौर:१०।४७
६	र	४०	२६	कृ	३६	४७	ह	२८	४९	ग	११	३७	३५	५३	७	२४	१८	१५	वृषे	भ.४०।२६उ.
७	चं	४०	११	रो	३७	४६	व	२५	१	वि	१०	१८	३१	५४	६	२५	१९	१६	वृषे	भ.१०।१८या.कन्यार्क:५४।२७
८	मं	४१	४६	मृ	४०	४०	सि	२२	४९	बा	१०	५८	२७	५५	५	२६	२०	१७	मि९।१३	कन्यार्क:सौर:३५।५८
९	बु	४५	१३	आ	४५	१४	व्य	२२	१३	तै	१३	२९	२२	५६	४	२७	२१	१८	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	गु	४९	५९	पु	५१	२०	व	२२	४७	व	१७	३६	१८	५६	४	२८	२२	१९	क.३४।४९	भ.१७।३६उ.४९।५९या.
११	शु	५५	४२	पु	५८	२६	प	२४	८	ब	२२	५१	१४	५७	३	२९	२३	२०	कर्के	इंदिरा११ब्र.
१२	श	६०	०	श्ले	६०	०	शि	२६	१३	कौ	२८	४८	९	५८	२	३०	२४	२१	कर्के	[=सिंहेशुक्र:५३/३४चतुर्थीब्र.
१२	र	१	५४	श्ले	५	४३	सि	२८	३३	तै	१	५४	५	५९	१	३१	२५	२२	सिं५।४३	प्रदोष:
१३	चं	८	२५	म	१३	२६	सा	३१	४	व	८	२५	३०/०	६/०	६/०	१	२६	२३	सिंहे	भ.२८/५उ.४१/३१या.वक्रीबुध:२९/४८भा. +
१४	मं	१४	३७	पू	२०	५५	शु	३३	२५	श	१४	३७	२९/५६	६/१	५/५९	२	२७	२४	कं.३७।४३	पूफा.शुक्र:४७/३४चित्रा.३तुलायां शनि:४२/२१
३०	बु	२०	२८	उ	२८	६	शु	३५	२९	ना	२०	२८	५२	२	५८	३	२८	२५	कन्यायां	सर्वपितृ३०[+आश्विनारंभ:श.हता.श्रा

२३पं.श्रा.कृ.५श.इ. ५६/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	५	६	४	५	०	४
२८	२१	२४	७	१	२८	१३	२७
५	५७	१५	१२	१७	५३	५७	२४
२८	७	४७	३६	२४	३१	४४	५८
५८	३८	३२	१२	७३	६	३	५८
२६	१४	५३	१०	२६	३८	११	२९

गोचर ग्रहाः

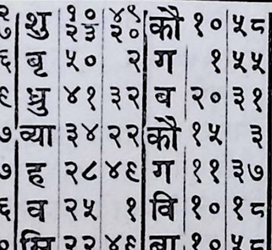

आश्विनकृष्णे ७ चन्द्रे कन्यायामर्क:प्रविष्ट: वा४न.५कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३०धान्या-दिभावें समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

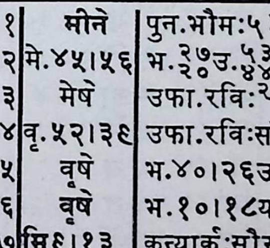

२४पं.श्रा.कृ.१२श.इ. ५६/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	२	५	६	४	५	०	५
४	२६	२६	८	९	२९	१३	४
५५	६	५९	३४	५०	४०	३५	१५
१९	४३	३१	८	१३	५५	२९	५
५८	३७	१४	१२	७३	६	३	५८
३८	३६	१	२९	३८	५५	११	४५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:४१९१सन्२०४१
१	गु	२५	२८	ह	३४	३८	व्र	३६	५५	ब	२५	२८	२९/४८	६/२	५/५८	४	२९	२६	कन्यायां	अश्वि.४राहु:स्वाती.२केतु:४/४०नव- ÷
२	शु	२९	४९	चि	४०	१९	ऐं	३७	५३	कौ	२९	४९	४४	३	५७	५	३०	२७	तु.७।२८	हस्तेरवि:४/४ ७/१सौर:४/२ ८/८चंद्र दर्शनम्
३	श	३३	२१	स्वा	४५	१९	वै	३८	११	तै	१	३५	४०	४	५६	६	१	२८	तुलायां	कर्कभौम:३/२ ९/१स्वाती२गुरु:५/५ ९/१सव्वाल१०
४	र	३५	४७	वि	४९	८	वि	३७	३५	व	४	३४	३६	५	५५	७	२	२९	वृ.३३।११	भ.३ ४/४उ.४ ३५/७या.बुधास्त:पश्चिमे१९/४८
५	चं	३७	४	अ	५१	५०	प्री	३६	१४	ब	६	२६	३२	६	५४	८	३	३०	वृश्चिके	[÷रात्रारंभ:मातामहश्रा.
६	मं	३७	३	ज्ये	५३	२६	आ	३४	०	कौ	७	३	२८	६	५४	९	४	१	ध.५३।२६	वक्रीहस्तेबुध:९/३ ७/०अक्टूबर१०ता.३१
७	बु	३५	४७	मू	५३	३५	सौ	३०	३५	ग	६	२५	२३	७	५३	१०	५	२	धनुषि	भ.३५।४७उ.
८	गु	३३	८	पू	५२	२४	शो	२६	११	वि	४	२७	१९	८	५२	११	६	३	धनुषि	भ.२ ४/७या.पुष्येभौम;३/४ ७/५अस्तंशने:१/१ ३/९
९	शु	२९	२	उ	४९	४३	अ	२०	२८	बा	१	५	१५	९	५१	१२	७	४	म.६।४४	
१०	श	२३	४०	श्र	४५	४३	सु	१३	३५	ग	२३	४०	११	१०	५०	१३	८	५	मकरे	भ.५०।१५उ.उफा.शुक्र:३६।१३
११	र	१६	४९	ध	४०	३४	धृ	५/४५	५१/१०	वि	१६	४९	७	११	४९	१४	९	६	कुं.१३।३८	भ.१६।४९या.पापांकुशा११व्र.
१२	चं	८	५१	श	३४	२२	गं	४७	१६	बा	८	५१	३	११	४९	१५	१०	७	कुंभे	प्रदोष:
१३	मं	०	१४	पू	२७	२४	वृ	३७	२	तै	०	१४	२८/५९	१२	४८	१६	११	८	मी१४।८	भ.५/५ ०/६उ.कन्यायांशुक्र:१८।३६
१४	मं	५०	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=कोजागरीव्र.
१५	बु	४१	५९	उ	२०	११	ध्रु	२६	३४	वि	१६	२७	५५	१३	४७	१७	१२	९	मीने	भ.९/३ ६/७या.शरद्पूर्णिमाका.स्ना.प्रा. =

२५पं.आ.ग्र.३श.इ. ५/३ ६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	६	४	६	०	५
११	०	२५	९	१८	०	१३	११
४६	१०	३१	५९	२६	२९	१३	७
५२	३४	२६	१७	२०	२०	१३	२
५८	३६	५५/५६	१२	७३	७	३	५९
५३	५५	व	५५	५०	५	११	०

गोचर ग्रहाः

इस मास में कृष्णपक्ष में धातु सोना चांदी ताम्बा लोहा आदि धान्य गेहूं जो चना मटर वस्त्र वारदाना मंदा होकर सुदि में तेंज हो।

गोचर ग्रहाः

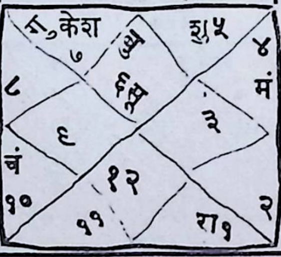

२६पं.आ.शु१०श.इ.५/२ ६/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	६	४	६	०	५
१८	४	१७	११	२७	१	१२	१८
४०	६	६	२५	४	१९	५०	०
५	५४	५८	५५	४८	१	५७	५०
५९	३५	६३/५७	१३	७३	७	३	५९
९	४८	व	१४	५४	१४	११	१६

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेति महा.
१	गु	३३	२८	रे	१३	२६	व्या	१६	३५	बा	७	४३	२८/५१	६/१४	५/४६	१८	१३	१०	मि.१३।२६	चि त्रा.रवि:३९।४५
२	शु	२६	१२	अ	७	२०	ह	७/४	५९/३४	ग	२६	१२	४७	१५	४५	१९	१४	११	मेषे	भ.५/२ ३/१उ.चित्रा.रवि:सौर:१९।२
३	श	२०	३१	भ	३२/९	५७/१६	सि	५१	३१	वि	२०	३१	४३	१५	४५	२०	१५	१२	वृ.१६।५८	भ.३/३ २/१या.बुधोदय:पूर्वस्यां२९/१०करक४ व्र.
४	र	१६	४१	रो	५९	०	व्य	४६	८	बा	१६	४१	३९	१६	४४	२१	१६	१३	वृषे	
५	चं	१५	१४	मृ	६०	०	व	४२	१७	तै	१५	१४	३५	१७	४३	२२	१७	१४	मि२९।४१	मार्गीबुध:२/१ ५/०स्वाती३गुरु:४९।३१
६	मं	१५	४३	मृ	०	२२	प	४०	५	व	१५	४३	३१	१८	४२	२३	१८	१५	मिथुने	भ.१५।४३उ.४७।३या.
७	बु	१८	२३	आ	३	३५	शि	३९	४६	ब	१८	२३	२७	१९	४१	२४	१९	१६	क.५२।१९	हस्तेशुक्र:२३।१८
८	गु	२२	४४	पु	८	३४	सि	४०	१३	कौ	२२	४४	२३	१९	४१	२५	२०	१७	कर्के	तुलायामर्क:२३।३४
९	शु	२८	२०	पु	१५	८	सा	४२	०	ग	२८	२०	२०	२०	४०	२६	२१	१८	कर्के	तुलार्क:सौर:१।४६
१०	श	३४	२७	श्ले	२२	२१	शु	४४	४	व	१	२३	१६	२१	३९	२७	२२	१९	सिं२२।२१	भ.१।२३उ.३४।२७या.
११	र	४१	८	म	३०	५	शु	४६	३५	ब	७	४७	१२	२२	३८	२८	२३	२०	सिंहे	रमा११व्र.
१२	चं	४७	२८	पू	३७	३५	ब्र	४८	५९	कौ	१४	१८	८	२२	३८	२९	२४	२१	कं.५४।२२	[+गुरो:१६।४८प्रदोष:धन१३
१३	मं	५३	१५	उ	४४	४४	ऐं	५०	५६	ग	२०	२१	४	२३	३७	३०	२५	२२	कन्यायां	भ.५/१ ३/५उ.चित्रा.४शनि:३/१ ६/४अस्तं +
१४	बु	५८	१	ह	५१	१७	वै	५२	२२	वि	२५	३८	०	२४	३६	१	२६	२३	कन्यायां	भ.३/३ ५/८या.भा.कार्तिकारंभ:रुप१४
३०	गु	६०	०	चि	५६	३१	वि	५२	५८	च	२९	५२	२७/५६	२५	३५	२	२७	२४	तु.२३।५४	स्वात्यांरवि:३ ५/७सौर:४/४ २/९महालक्ष्मीपूज.
३०	शु	१	४३	स्वा	६०	०	प्री	५२	३६	ना	१	४३	५३	२५	३५	३	२८	२५	तुलायां	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा

२७पं.का.कृ.३श.इ. ५/१ ६/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	६	५	६	०	५
२५	७	१२	१२	५	२	१२	२४
३४	५५	१	५४	४४	१०	२८	५६
५९	५	७	४३	४२	५	४२	३१
५९	३४	३५/५०	१३	७३	७	३	५९
२१	५३	व	२३	५७	२०	११	३१

गोचर ग्रहाः

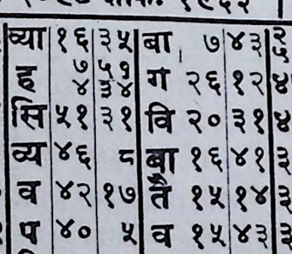

कार्तिक कृष्णे ८गुरौ तुलायामऽर्कः प्रविष्टः वा.४न. ४ युवावस्था (सुती) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय:पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

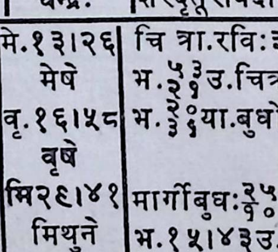

२८पं.का.कृ.१०श.इ. ५६/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	५	६	०	६
२	११	१४	१४	१४	३	१२	१
३१	३३	१५	२४	२७	०	६	५३
२३	२२	५८	४०	४३	२५	२६	५४
५९	३३	५८/५३	३	७४	७	३	५९
३४	४२	म	३२	८	२०	११	४६

+केशचंगु

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२२१स.२०४१
१	श	४	१८	स्वा	०	५०	आ	५१	२६	ब	४	१८	२७/४९	६/२६	५/३४	४	२९	२६	वृ.४८।१२	[–चन्द्रदर्शनम्भ्रातृ२यम२
२	र	५	४८	वि	३	५६	सौ	४६	३१	कौ	५	४८	४५	२७	३३	५	३०	२७	वृश्चिके	चित्रा.बुधः१४।७चित्रा.शुक्रः२।३७–
३	चं	६	१३	अ	६	१	शो	४६	३३	ग	६	१३	४१	२८	३२	६	१	२८	वृश्चिके	भ.३५।५७उ.जिल्काद११
४	मं	५	४१	ज्ये	७	१३	अ	४२	५८	वि	५	४१	३७	२९	३१	७	२	२९	ध.७।१३	भ.५।४१या.स्वाती.४गुरुः५९।१६
५	बु	४	७	मू	७	२०	सु	३८	४२	बा	४	७	३४	२९	३१	८	३	३०	धनुषि	आश्लेभौमः८।१६
६	गु	१	३८	पू	६	३१	धृ	३३	३२	तै	१	३८	३०	३०	३०	९	४	३१	म.२११९	भ.५८।१६उ.तुलायांबुधः२९।३८
७	गु	५९	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=नवम्बर११ता.३०गोपाष्टमी
८	शु	५४	६	उ	५	१	शू	२७	४१	वि	२६	११	२७	३१	२९	१०	५	१	मकरे	भ.२६।११या.तुलायां.शुक्रः२०।३४=
९	श	४९	५	श्र	२/३४	५६/४१	गं	२१	१४	बा	२१	३५	२३	३१	२९	११	६	२	कुं.३०।५४	बुधास्तःपूर्वस्यां१०।४२अक्षय९
१०	र	४३	१०	श	५५	३	बृ	१४	२	तै	१६	७	१९	३२	२८	१२	७	३	कुंभे	[×प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाहः
११	चं	३६	३९	पू	५०	५	ध्रु	६/४	५१/२८	व	९	५४	१६	३३	२७	१३	८	४	मी३६।१९	भ.५/४उ.३/६या.स्वात्यांबुधः३५/७×
१२	मं	२९	१६	उ	४४	४३	ह	४८	३२	ब	२	५७	१२	३४	२६	१४	९	५	मीने	प्रदोष; [+उदयंशनेः३/५ ३/६वैकुंठ१४
१३	बु	२१	५३	रे	३९	५	व	३९	३४	तै	२१	५३	९	३४	२६	१५	१०	६	मे.३९।५	विशा.रविः२६।७स्वात्यांशुक्रः३९।१२+
१४	गु	१४	२५	अ	३३	४६	सि	३०	४१	व	१४	२५	५	३५	२५	१६	११	७	मेषे	भ.१/२ ४/५उ.४/१ ७या.विशा.रविःसौरः०।१३
१५	शु	७	५०	भ	२९	६	व्य	३२	२०	ब	७	५०	२	३६	२४	१७	१२	८	वृ.४३।१४	मन्वादिः का.स्ना.पू.

२९पं.का.शु.१श.इ. ५५/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	५	६	५	६	०	६
९	१५	२२	१५	२३	३	११	८
२९	०	५३	५८	११	५१	४४	५३
३८	५०	६	१९	३५	४३	११	१४
५९	३२	८८	१३	७४	७	३	६०
४७	२६	१०	३८	१४	२०	११	२

गोचर ग्रहाः

इसमासमें धान्य गेहूं जौ चना बाजरा मूंग मोठ सरसों अलसी मटर धातु सोना चांदी लोहा आदि तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३०पं.का.शु.९श.इ. ५५/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	६	०	६
१६	१८	३	१७	१	४	११	१५
२९	१६	५७	२८	५७	४२	२१	५४
२०	१	२५	२६	४७	२५	५५	१८
६०	३०	९७	१३	७४	७	३	६०
४	५५	३४	३८	२०	१४	११	१८

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा.
१	श	२	८	कृ	२५	३७	व	१४	४३	कौ	२	८	२६/५८	६/३६	५/२४	१८	१३	९	वृषे	
२	श	५५	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	र	५५	४३	रो	२३	३५	प	८	२०	व	२६	५३	५५	३७	२३	१९	१४	१०	मि५३।३७	भ.२६।५३उ.५५।४३या.
४	चं	५५	१६	मृ	२३	४०	शि	३/२६	५६/२९	ब	२५	२९	५२	३८	२२	२०	१५	११	मिथुने	चतुर्थी व्र.
५	मं	५७	६	आ	२५	३२	सा	५८	१७	कौ	२६	११	४९	३८	२२	२१	१६	१२	मिथुने	विशा.बुधः४०।४५
६	बु	६०	०	पु	२९	३१	शु	५७	४०	ग	२८	५३	४५	३९	२१	२२	१७	१३	क.१३।३२	
६	गु	०	४१	पु	३४	४९	शु	५८	३७	व	०	४१	४२	४०	२०	२३	१८	१४	कर्के	भ.०।४१उ.३३।१३या.विशा.१ गुरुः३/३ ०/२
७	शु	५	४४	श्ले	४१	३५	ब्र	६०	०	ब	५	४४	३९	४०	२०	२४	१९	१५	सि४१।३५	
८	श	११	४५	म	४९	५६	ब्र	०	१५	कौ	११	४५	३६	४१	१९	२५	२०	१६	सिंहे	बृश्चिकेऽर्कः२२।२१(सौरः५४।३०)
९	र	१८	२२	पू	५६	२८	ऐं	२	२५	ग	१८	२२	३३	४१	१९	२६	२१	१७	सिंहे	भः५/३ ९/२उ.विशा.शुक्रः१/५ ८/५उदयंगुरोः५/४ ९/८
१०	चं	२४	४३	उ	६०	०	वै	४	४०	वि	२४	४३	३०	४२	१८	२७	२२	१८	क.१३।२०	भ.२४।४३या.वृश्चिकेबुधः५२।५९
११	मं	३०	३१	उ	३	५६	वि	६	५४	बा	३०	३१	२७	४३	१७	२८	२३	१९	कन्यायां	अनु.रविः४०।३१स्वाती.१शनिः÷
१२	बु	३५	२२	ह	१०	३३	प्री	८	२३	कौ	२	५६	२५	४३	१७	२९	२४	२०	तु.४३।११	अनु.रविःसौरः११।१८
१३	गु	३८	४९	चि	१५	५०	आ	९	०	ग	७	५	२२	४४	१६	३०	२५	२१	तुलायां	भ.३८।४९उ.अनु.बुधः१०।५० प्रदोषः
१४	शु	४०	४६	स्वा	१९	५०	सौ	८	२२	वि	९	४७	१९	४४	१६	१	२६	२२	तुलायां	भ.९।४७या.भा.मार्गशीर्षारंभः
३०	श	४१	१९	वि	२२	२६	शो	६	५०	च	११	२	१७	४५	१५	२	२७	२३	वृ.६।४७	[÷४१।४० उत्पत्ति११व्र.

३१पं.मा.कृ.१श.इ. ५५/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	६	६	६	०	६
२३	२१	१५	१९	१०	५	१०	२२
३०	२०	२५	०	४३	३२	५९	५६
४०	१०	२३	५०	२६	१०	३९	४९
६०	२९	९९	१३	७४	७	३	६०
१७	६	४०	३८	२६	८	११	३०

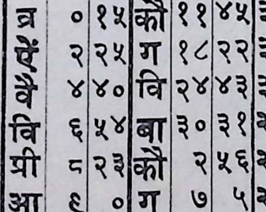

३२पं.मा.कृ.८श.इ. ५५/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	६	६	६	६	०	७
०	२४	२६	२०	१९	६	१०	०
३३	६	४५	३२	३०	२०	३७	०
२२	५४	०	३८	३६	४६	२४	५३
६०	२७	०/०	१३	७४	६	३	६०
३०	१	०/१३	३२	२६	५६	११	४०

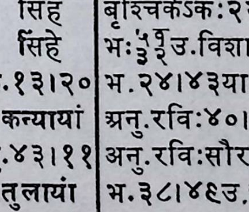

३३पं.मा.कृ.३०श.इ. ५५/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	६	६	६	०	७
७	२६	७	२२	२८	७	१०	७
३७	३५	५३	३	१८	८	१५	६
१६	१०	२८	४०	५०	१७	८	२६
६०	२४	९९	१३	७४	६	३	६०
४२	२४	५३	२६	२६	५६	११	५३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३										दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.			चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४२५०स.२०४१
१	र	४०	२८	अ	२३	४०	अ	४	८	किं	१०	५३	२६/१४	६/४५	५/१५	३	२८	२४	वृश्चिके	
२	चं	३८	३७	ज्ये	२३	३९	सु	०/२२	५५/३१	बा	९	३२	१२	४६	१४	४	२९	२५	ध.२३।३९	वृश्चिकेशुक्रः१६।३३चन्द्रदर्शनम्
३	मं	३५	४१	मू	२२	५०	शू	५०	३३	तै	७	११	९	४६	१४	५	१	२६	धनुषि	जिल्हेज१२
४	बु	३२	१७	पू	२१	५	गं	४४	३१	व	४	१	७	४७	१३	६	२	२७	म.३५।३३	भ.४।१उ.३२।१७या.अनु.शुक्रः५२।३
५	गु	२८	१३	उ	१८	५९	वृ	३८	२३	ब	०	१५	५	४७	१३	७	३	२८	मकरे	अश्वि३राहुस्वाती१केतु४/२ १/३पातस्पर्शः५५/२
६	शु	२३	५३	श्र	१६	१७	ध्रु	३१	५३	तै	२३	५३	२	४८	१२	८	४	२९	कुं.४४।५२	ज्येष्ठाबुधः३/२ ३/३विशा.२गुरुः५४/८–
७	श	१९	१७	ध	१३	२८	व्या	२४	५९	व	१९	१७	०	४८	१२	९	५	३०	कुम्भे	भ.१९।१७उ.४६।४६या.
८	र	१४	१६	श	१०	१५	ह	१७	५८	ब	१४	१६	२५/५८	४८	१२	१०	६	१	मी५२।३७	दिसम्बर१२ता.३१ [–पातमोक्षः९/४०
९	चं	९	१२	पू	६	४४	व	१०	४०	कौ	९	१२	५६	४९	११	११	७	२	मीने	ज्येष्ठारविः५०।४२
१०	मं	३	३९	उ	३/१	५६/१२	सि	३/१९	५२/२६	ग	३	३९	५४	४९	११	१२	८	३	मे.५९।१३	भ.३/५६उ.५८/१३या.ज्येष्ठारविःसौरः१/१ ९/२=
११	मं	५४	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=मोक्षदा११व्र.स्मा.गीताजयंती
१२	बु	५२	४३	अ	५५	३१	व	४८	१०	ब	२५	२८	५३	४९	११	१३	९	४	मेषे	मोक्षदा११व्र.वै.
१३	गु	४७	४४	भ	५२	१७	प	४०	५९	कौ	२०	१३	५१	५०	१०	१४	१०	५	मेषे	प्रदोषः [×दत्तजयंती
१४	शु	४३	१७	कृ	४९	३५	शि	३४	१५	ग	१५	३१	४९	५०	१०	१५	११	६	वृ.६।३६	भ.४३।१७उ.मघा.सिंहेभीमः३०।५८
१५	श	३९	५५	रो	४७	५१	सि	२८	१५	वि	११	३६	४८	५०	१०	१६	१२	७	वृषे	भ.११।३६या.मूलेधनुषिबुधः५९।४५×

३४पं.मा.शु.७श.इ. ५४/४८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	३	७	६	७	६	०	७
१४	२८	१८	२३	७	७	९	१४
४२	४१	५४	३३	७	५३	५२	१३
२९	४९	२५	२९	१	२४	५३	१२
६०	२१	९९	१३	७४	६	३	६१
५०	२१	२	२०	३२	२५	११	३

गोचर ग्रहाः

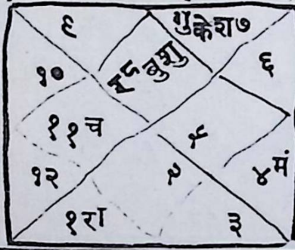

मार्गशीर्षकृष्णे८शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३न.३ युवावस्था (सूती) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

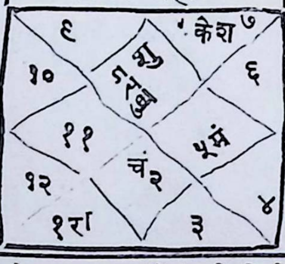

३५पं.मा.शु.१५श.इ. ५४/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	६	७	६	०	७
२१	०	२९	२५	१२	८	९	२१
४८	२४	५१	१	५५	३६	३०	२०
३२	४७	४३	३४	१२	०	३७	५२
६०	१७	९६	१२	७४	६	३	६१
५६	४६	३४	५९	३२	२	११	११

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३										दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.			चन्द्रः	हिमंतर्तूरविर्दक्षिणे मार्ग.कृष्णेंति महा.
१	र	३७	५८	मृ	४७	४३	सा	२३	११	बा	८	५७	२५/४६	६/५१	५/९	१७	१३	८	मि१७।४७	ज्यष्ठाशुक्र.३०।४०
२	चं	३७	२८	आ	४८	५३	शु	१९	२२	तै	७	४३	४५	५१	९	१८	१४	९	मिथुने	
३	मं	३८	५६	पु	५१	५५	शु	१६	५७	व	८	१२	४४	५१	९	१९	१५	१०	क.३६।१०	भ ८।१२उ.३८/५६या.शुक्रास्तःपूर्वस्यां३४/४८
४	बु	४२	५	पु	५६	२५	ब्र	१५	४८	ब	१०	३०	४३	५१	९	२०	१६	११	कर्के	चतुर्थीव्र.
५	गु	४६	४०	श्ले	६०	०	ऐं	१५	३४	कौ	१४	२२	४२	५२	८	२१	१७	१२	कर्के	[+बुधोदयःपश्चिमायां४५।६
६	शु	५२	१९	श्ले	२	३८	वै	१६	५०	ग	१९	२९	४१	५२	८	२२	१८	१३	सिं२।३८	भ.५२।१९उ.
७	श	५८	५१	म	९	३६	वि	१८	३१	वि	२५	३५	४०	५२	८	२३	१९	१४	सिंहे	भ.२५।३५या.
८	र	६०	०	पू	१७	९	प्री	२०	४४	बा	३२	५	३९	५२	८	२४	२०	१५	कं.३४।०	मूलेधनुष्यर्कः५/५७विशा.३गुरुः५५।३१
८	चं	५	१९	उ	२४	३४	आ	२२	५३	कौ	५	१९	३९	५२	८	२५	२१	१६	कन्यायां	मूलेधनुष्यर्कःसौरः२/३ ३/२पूषा.बुधः२/३ ७/३+
९	मं	११	१८	ह	३१	३८	सौ	२४	४९	ग	११	१८	३८	५२	८	२६	२२	१७	कन्यायां	भ.४३।५०उ.
१०	बु	१६	२३	चि	३७	२८	शो	२५	४९	वि	१६	२३	३८	५२	८	२७	२३	१८	तु.४।३३	भ.१६।२३या.
११	गु	२०	०	स्वा	४१	५५	अ	२५	४३	बा	२०	०	३७	५३	७	२८	२४	१९	तुलायां	मूलेधनुषिशुक्रः३।३९सफला११व्र.
१२	शु	२२	५	वि	४४	४१	सु	२४	१४	तै	२२	५	३७	५३	७	२९	२५	२०	वृ.२९।०	प्रदोषः
१३	श	२२	१७	अ	४५	४६	धृ	२१	३३	व	२२	१७	३६	५३	७	३०	२६	२१	वृश्चिके	भ.२२।१७उ.५१।२८या.
१४	र	२०	३९	ज्ये	४५	१३	शू	१७	२३	श	२०	३९	३६	५३	७	१	२७	२२	ध.४५।१३	भा.पौषारंभः
३०	चं	१७	४४	मू	४३	८	गं	१२	५	ना	१७	४४	३६	५३	७	२	२८	२३	धनुषि	स्वाती.२शनिः७।७

३६पं.पौ.कृ.७श.इ. ५४/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	६	७	६	०	७
२८	१	१०	२६	२४	९	९	२८
५५	४०	५१	२७	४४	१६	८	२९
२६	३७	३२	१४	६	३४	२१	३५
६१	१३	९५	१२	७४	५	३	६१
०	९	३८	३२	३२	३८	११	१९

गोचर ग्रहाः

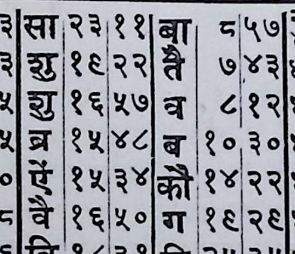

पौष कृष्णे ८ रवौ धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा. २न.३गतालकावस्था (ऊभी) मु. ४५ धान्यादि भावे समर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

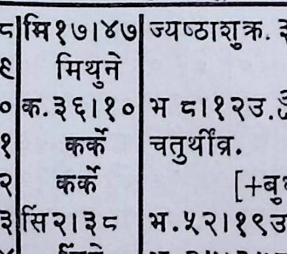

३७पं.पौ.कृ.१३श.इ. ५४/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	८	६	८	६	०	८
६	२	२१	२७	३	९	८	५
३	२०	३६	५०	३२	५३	४६	३९
०	२४	३६	२४	१३	४६	६	०
६१	८	९१	१२	७४	५	३	६१
४	४	१९	१४	३८	८	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष			शुक्लपक्षः	सं. २०९८		शाकः १९६३						दिं.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:४२८०स.२०४१
१	मं	१३	१७	पू	४०	१२	बृ	५/३८	५२/५९	ब	१३	१७	२५/३६	६/५३	५/७	३	२९	२४	म.५४।१५	
२	बु	८	११	उ	३६	२५	व्या	५१	४	कौ	८	११	३७	५३	७	४	३०	२५	मकरे	उषा.बुध:१३।४३चन्द्रदर्शनम्
३	गु	२	१८	श्र	३२	२३	ह	४३	१	ग	२	१८	३७	५३	७	५	१	२६	मकरे	भ.२९/३२उ.५६/४६या.मोहोरम१सन्१४६४हि.
४	गु	५४	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
५	शु	५०	५९	ध	२८	१८	व	३५	१२	ब	२३	५२	३७	५३	७	६	२	२७	कुं.०।२१	मकरेबुध:३४।१८
६	श	४५	२०	श	२४	२२	सि	२७	४२	कौ	१८	१०	३८	५२	८	७	३	२८	कुंभे	
७	र	४०	१८	पू	२०	३३	व्य	२०	११	ग	१२	४९	३८	५२	८	८	४	२९	मी६।३०	भ.४०/१८उ.पूषा.रवि:३/० (सौर:२४/४०)–
८	चं	३५	१४	उ	१७	१३	व	१२	५९	वि	७	४६	३९	५२	८	९	५	३०	मीने	भ.७।४६या.वक्रीभौम:१६।३७
९	मं	३०	५५	रे	१४	१४	प	६/३	५३/३४	बा	३	४	४०	५२	८	१०	६	३१	मे.१४।१४	[–पूषा.शुक्र:४१।३२
१०	बु	२६	५३	अ	११	४९	सि	५३	३२	ग	२६	५३	४१	५२	८	११	७	१	मेषे	भ.५५/१२उ.जनवरी१ता.३१सन्२०४२
११	गु	२३	३१	भ	९	५८	सा	४७	५८	वि	२३	३१	४२	५२	८	१२	८	२	वृ.२४।४०	भ.२३/३१या.विशा.४वृश्चिकेगुरु:२६/३=
१२	शु	२०	४२	कृ	८	४७	शु	४३	६	बा	२०	४२	४३	५१	९	१३	९	३	वृषे	प्रदोष: [=पुत्रदा११व्र.
१३	श	१८	४६	रो	८	५	शु	३८	४६	तै	१८	४६	४४	५१	९	१४	१०	४	मि३८।२३	
१४	र	१८	५	मृ	८	४१	ब्र	३५	२८	व	१८	५	४५	५१	९	१५	११	५	मिथुने	भ.१८/५उ.४६/१३या.श्रवणेबुध:२०।२५
१५	चं	१८	२०	आ	१०	१७	ऐं	३३	७	ब	१८	२०	४७	५१	९	१६	१२	६	क.५७।३६	मा.स्ना.प्रा.

३८रं·पौ.शु.६श.इ. ५४/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	६	८	६	०	८
१३	२	१	२९	१२	१०	८	१२
१०	२७	४६	१०	२१	२७	२३	४८
५९	४७	४४	२६	०	४	५०	५२
६१	१	८०	११	७४	४	३	६१
६	२९	१६	४३	३८	४५	११	२६

गोंचर ग्रहाः

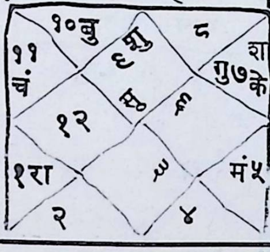

इस मासमें कृष्णपक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्लपक्ष की तिथि क्षय धान्य बाजरा मूंगमोठ चावलचना गेहूं तेजीकरे धातुमंदे

गोंचर ग्रहाः

३९पं.पौ.शु.१३श.इ. ५४/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	८	६	०	८
२०	१	९	०	२१	१०	८	१९
१९	५५	३७	२६	८	५६	१	५८
५	३२	२६	५३	१७	३५	३५	४९
६१	६/४	५१	११	७४	४	३	६१
६	व.	१८	३	३८	१०	११	२६

ति.	माघ			कृष्णपक्षः	सं. २०९८		शाकः १९६३						दिं.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूं रविरुत्तरेपौषकृष्णेति महा.
१	मं	२०	१०	पु	१३	२२	वै	३१	५८	कौ	२०	१०	२५/४८	६/५०	५/१०	१७	१३	७	कर्के	[×उषा.शुक्र:१४।५३चतुर्थीव्र.
२	बु	२३	३१	पु	१७	४६	वि	३१	४३	ग	२३	३१	५०	५०	१०	१८	१४	८	कर्के	भ.५५।४४उ.
३	गु	२७	५७	श्ले	२३	२४	प्री	३२	११	वि	२७	५७	५२	५०	१०	१९	१५	९	सिं२३।२४	भ.२७।५७या.वक्रीबुध:४८।४८×
४	शु	३३	१९	म	२९	५६	आ	३३	५७	ब	०	३८	५३	४९	११	२०	१६	१०	सिंहे	[+मकरेशुक्र:५५।४०
५	श	३९	४३	पू	३७	१९	सौ	३५	५३	कौ	६	३१	५५	४९	११	२१	१७	११	कं.५४।११	उषा.रवि:८।३१(सौर २६।७+
६	र	४६	१९	उ	४४	४६	शो	३८	११	ग	१३	१	५७	४९	११	२२	१८	१२	कन्यायां	भ.४६/१९उ.बुधास्त:पश्चिमायां४१।५४
७	चं	५२	४०	ह	५२	२३	अ	४०	२१	वि	१९	२९	५९	४८	१२	२३	१९	१३	कन्यायां	भ.१९।२९या.
८	मं	५८	२०	चि	५९	८	सु	४२	५	बा	२५	३०	२६/१	४८	१२	२४	२०	१४	तु.२५।४५	मकरेऽर्क:२४।१० (सौर:४१।३४)
९	बु	६०	०	स्वा	६०	०	धृ	४२	४४	तै	३०	२४	४	४७	१३	२५	२१	१५	तुलायां	वक्रीउषा.बुध:२६।१०
९	गु	२	२८	स्वा	४	३२	शू	४२	१४	ग	२	२८	६	४७	१३	२६	२२	१६	वृ.५२।२५	भ.३३/५०उ.वक्रीकर्केआश्ले.भौम:४१/१४
१०	शु	५	१३	वि	८	२२	गं	४०	२३	वि	५	१३	८	४६	१४	२७	२३	१७	वृश्चिके	भ.५।१३या.
११	श	५	५४	अ	१०	१२	वृ	३६	४९	बा	५	५४	११	४६	१४	२८	२४	१८	वृश्चिके	षट्तिला११व्र.
१२	र	४	३२	ज्ये	१०	४	ध्रु	३१	४४	तै	४	३२	१३	४५	१५	२९	२५	१९	ध.१०।४	श्रवणेशुक्र:५३।५१प्रदोष:
१३	चं	१	२०	मू	८	११	व्या	२५	१७	व	१	२०	१६	४५	१५	३०	२६	२०	धनुषि	भ.१/२०उ.२८/४७या.अभि.प्र.रवि:५८।३६
१४	चं	५४	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	मं	४९	५८	पू	४/४१	५५/६	ह	१७	३४	च	२३	६	१९	४४	१६	१	२७	२१	म.१८।२७	अभि.प्र.रवि;सौर:५२/५५भा.माघारंभ:

४०पं.मा.कृ.५श.इ. ५३/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	९	७	८	६	०	८
२७	०	११	१	२९	११	७	२७
२७	४८	१७	३८	५७	२२	३९	८
७	२२	२	२४	५४	१६	१९	४१
६१	१३/५६	२१/४७	१०	७४	३	३	६१
६	व.	व.	२४	३८	३२	११	२४

गोचर ग्रहाः

माघ कृष्णे ८ भौमे मकरेऽर्क प्रविष्टः वा. ३ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्यां

गोचर ग्रहाः

४१पं.मा.कृ.११श.इ. ५३/५७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	७	९	६	०	९
४	२९	४	२	८	११	७	४
३४	९	५१	४५	४५	४३	१७	१०
५९	४३	५०	५४	३६	१२	३	१८
६१	२२/४४	९०/४६	९	७४	२	३	६१
५	व	व	३८	३२	४७	११	१९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३०९स.२०४२
१	बु	४२	४१	श्र	५४	१६	व	८/५८	५०/४६	किं	१६	१९	२६/२१	६/४४	५/१६	२	२८	२२	मकरे	वक्रीधनुषिबुध:६/५२अनु.१गुरु:४५/२८
२	गु	३५	७	ध	४८	१७	व्य	५०	२१	बा	८	५४	२४	४३	१७	३	२९	२३	कुं.२५।१७	चन्द्रदर्शनम् [–सफर२
३	शु	२७	२२	श	४२	३२	व	४०	५८	तै	१	१५	२७	४३	१७	४	१	२४	कुम्भे	भ.५३/४३उ.श्रवणेरवि:१३/१३(सौर:२९/५१)–
४	श	२०	३	पू	३७	४	प	३१	५४	वि	२०	३	२९	४२	१८	५	२	२५	मी२३।२६	भ.२०/३या.अभि.नि.रवि:५/२८(सौर:२०/८)=
५	र	१३	२५	उ	३२	३५	शि	२३	४३	बा	१३	२५	३२	४२	१८	६	३	२६	मीने	वक्रीपूषा.बुध:३०/३८शुक्रोदय:पश्चि.४१/२४×
६	चं	७	२५	रे	२८	४४	सि	१५	५५	तै	७	२५	३५	४१	१९	७	४	२७	मे.२८।४४	[=पूर्वोदयीबुध:२/४१ [×वसंत५
७	मं	२	३२	अ	२५	५८	सा	९	९	व	२	३२	३८	४०	२०	८	५	२८	मेषे	भ.२/३२उ.३०/३५या.पातस्पर्श:५६/५२ भानु७+
८	मं	५६	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+रथ७ भीष्माष्टमी
९	बु	५५	५३	भ	२४	१०	शु	३/४	५४/५२	बा	२७	१५	४१	४०	२०	९	६	२९	वृ.३९।१	पातमोक्ष:९।३ [÷केतु:३३/२४
१०	गु	५४	१०	कृ	२३	३२	ब्र	५३	४२	तै	२५	१	४५	३९	२१	१०	७	३०	वृषे	धनि.शुक्र:२/३९अशिव.२राहु:चित्रा.४÷
११	शु	५३	२८	रो	२३	५२	ऐं	५०	२३	व	२३	४९	४८	३८	२२	११	८	३१	मि५४।३७	भ.२३/४९उ.५३/२८या.मार्गीबुध:३३/५७जया११व्र.
१२	श	५४	१	मृ	२५	२३	वै	४७	५६	ब	२३	४४	५१	३८	२२	१२	९	१	मिथुने	फरवरी२ता.२८
१३	र	५५	२८	आ	२८	६	वि	४६	११	कौ	२४	४५	५४	३७	२३	१३	१०	२	मिथुने	प्रदोष:
१४	चं	५८	१०	पु	३१	४२	प्री	४५	४६	ग	२६	४९	५८	३६	२४	१४	११	३	क.१५।३६	भ.५८।१०उ.
१५	मं	६०	०	पु	३६	२५	आ	४५	३४	वि	३०	४	२ ७/१	३६	२४	१५	१२	४	कर्के	भ.३०/४या.कुंभेशुक्र:५०/२९मा.स्ना.पू.
१५	बु	१	५८	श्ले	४२	९	सौ	४६	२३	ब	१	५८	५	३५	२५	१६	१३	५	सिं४२।९	उषा.बुध:२३।४१

४२पं.मा.शु.४श.इ. ५४/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	७	९	६	०	९
११	२७	२७	३	१७	११	६	११
४२	६	९	४७	३३	५९	५४	२७
२९	५८	१४	६	३२	६	४८	१
६०	२९/३०	४८/२	८	७४	२	३	६१
५९	व	व	४७	३२	५	११	१३

गोचर ग्रहाः

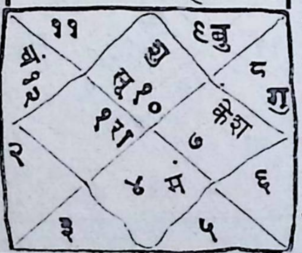

इस मास में धान्य गल्ला रसकस गुड शक्कर चीनी नमक गन्ना कपास वस्त्र रुई वारदाना तेजहो धातु सोनाचांदी मंदा

गोचर ग्रहाः

४३पं.मा.श.१२श.इ. ५४/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	८	७	९	६	०	९
१८	२४	२६	४	२६	१२	६	१८
४९	५२	०	४२	२०	१०	३२	३७
१	८	२५	२५	५६	४४	३२	९
६०	३४/३८	११/२०	७	७४	१	३	६१
५५	व	मा	४८	३२	२४	११	४

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	शु	६	४९	म	४८	४०	शो	४७	५२	कौ	६	४९	२७/८	६/३४	५/२६	१७	१४	६	सिंहे	धनि.रवि:२१।३१(सौर:३४।४१)
२	शु	१२	२१	पू	५५	५०	अ	४९	४४	ग	१२	२१	१२	३४	२६	१८	१५	७	सिंहे	भ.४५।३०उ.मकरेबुध:३५।२२
३	श	१८	३८	उ	६०	०	सु	५२	५	वि	१८	३८	१५	३३	२७	१९	१६	८	कं.१२।४४	भ.१८।३८या.चतुर्थी व्र.
४	र	२५	९	उ	३	२६	धृ	५४	२६	बा	२५	९	१९	३२	२८	२०	१७	९	कन्यायां	[Hपातमोक्ष:४७।१
५	चं	३१	३२	ह	११	७	शू	५६	२४	तै	३१	३२	२३	३१	२९	२१	१८	१०	तु.४४।४२	शतेशुक्र:८।५२
६	मं	३७	३४	चि	१८	१७	गं	५७	४९	ग	४	३३	२७	३१	२९	२२	१९	११	तुलायां	भ.३७।३४उ.पातस्पर्श:३४।५०H
७	बु	४२	३०	स्वा	२४	४०	वृ	५८	२२	वि	१०	२	३०	३०	३०	२३	२०	१२	तुलायां	भ.१०।२या.कुँभेऽर्क.५६।४७
८	गु	४५	५९	वि	२९	५२	ध्रु	५७	५१	बा	१४	१५	३४	२९	३१	२४	२१	१३	वृ.१३।३४	कुंभेऽर्क:सौर:८।३९
९	शु	४७	४३	अ	३३	१२	व्या	५५	३९	तै	१६	५१	३८	२८	३२	२५	२२	१४	वृश्चिके	वक्रीशनि:३५।१७
१०	श	४७	२४	ज्ये	३४	३४	ह	५२	०	व	१७	३४	४१	२८	३२	२६	२३	१५	ध.३४।३४	भ.१७।३४उ.४७।२४या.
११	र	४५	२	मू	३३	५८	व	४६	३४	ब	१६	१३	४५	२७	३३	२७	२४	१६	धनुषि	विजया११व्र. [Dमहाशिवरात्रीव्र.वै.
१२	चं	४०	३८	पू	३१	३१	सि	३९	३१	कौ	१२	५०	४९	२६	३४	२८	२५	१७	म.४५।२२	[Aमहाशिवरात्री व्र.स्मा.प्रदोष:
१३	मं	३४	२५	उ	२६	५७	व्य	३१	६	ग	७	३१	५३	२५	३५	२९	२६	१८	मकरे	भ.३४।२५उ.श्रवणेबुध:२२।२१A
१४	बु	२६	४५	श्र	२१	११	व	२१	३६	वि	०	३५	५६	२५	३५	३०	२७	१९	कुं.४७।४४	भ.०।३५या.शतेरवि:३३/०(सौर:४४/१)D
३०	गु	१८	१५	ध	१४	१६	प	११	३१	ना	१८	१५	२८/०	२४	३६	१	२८	२०	कुंभे	पूभा.शुक्र:४७।३भा.फाल्गुनारंभ:

४४पं.फा.कृ.३श.इ. ५४/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	३	९	७	१०	६	०	९
२५	२२	०	५	५	१२	६	२५
५४	३२	१३	३०	७	१७	१०	४१
५०	४२	५५	१४	३०	२	१७	५६
६०	३५/७	४४	६	७४	०	३	६०
४७	व	५९	३९	२६	४३	११	५५

गोचर ग्रहाः

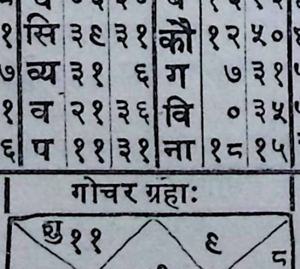

फाल्गुन कृष्णे ७बुधे कुंभेऽर्कः प्रविष्टःवा.२ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.४५धान्या-दिभावे समर्घता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

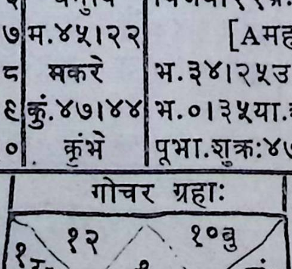

४५पं.फा.कृ.१०श.इ. ५४/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	१०	६	०	१०
२	२०	७	६	१३	१२	५	२
५९	२१	१८	११	५२	१८	४८	४७
४२	२५	१८	३५	१६	२५	१	५९
६०	३१	६५	५	७४	०/०	३	६०
३७	५९	३८	४१	२६	व.	११	४२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूर्रविरुत्तरेऽहर्गणः४३३९स.२०४२
१	शु	८	५५	श	६/५८	५२/४६	शि	१/१	४९/२३	ब	८	५५	२८/४	६/२३	५/३७	२	२९	२१	मी४६।३३	अनु.२गुरुः४१/२४चन्द्रदर्शनम्फुलरिया२
२	शु	५०	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श	५१	११	उ	५३	८	सा	३९	२०	तै	२५	२७	८	२२	३८	३	१	२२	मीने	रविलावल३
४	र	४३	१४	रे	४७	५	शु	३०	४०	व	१७	१२	१२	२२	३८	४	२	२३	मे.४७।५	भ.१७/१२उ.४३/१४या.पातस्पर्शः४५/५९—
५	चं	३६	४१	अ	४२	३५	शु	२२	२२	ब	९	५७	१६	२१	३९	५	३	२४	मेषे	[—पातमोक्षः५५/२८
६	मं	३१	२५	भ	३९	३५	ब्र	१५	४	कौ	४	३	२०	२०	४०	६	४	२५	वृ.५४।१३	
७	बु	२७	४९	कृ	३८	८	ऐं	९	४	व	२७	४९	२४	१९	४१	७	५	२६	वृषे	भ.२७/४९उ.५६/४५या.
८	गु	२५	४३	रो	३८	१४	वै	४	२०	व	२५	४३	२८	१८	४२	८	६	२७	वृषे	होलाष्टकम्
९	शु	२५	१७	मृ	३९	४७	वि	०/४९	५७/५५	कौ	२५	१७	३२	१८	४२	९	७	२८	मि९।०	धनि.बुधः९/४९ मीनेशुक्रः४९/५
१०	श	२६	२०	आ	४२	५६	आ	५७	३१	ग	२६	२०	३६	१७	४३	१०	८	१	मिथुने	भ.५७/२९उ.वक्रीपुष्येभौमः४१/५४मार्च३ता.३१
११	र	२८	३८	पु	४७	५	सौ	५७	३३	वि	२८	३८	४०	१६	४४	११	९	२	क.३१।३	भ.२/३८या.आमलकी११व्र.
१२	चं	३२	१०	पु	५२	१७	शो	५८	४९	ब	०	२४	४४	१५	४५	१२	१०	३	कर्के	उभा.शुक्रः३०/१४ [=प्रदोषः
१३	मं	३६	४०	श्ले	५८	२०	अ	५९	२	कौ	४	२५	४८	१४	४६	१३	११	४	सिं५८।२०	पूभा.रविः४९/५(सौरः५८/४८)कुंभेबुधः३३/२२=
१४	बु	४२	०	म	६०	०	सु	६०	०	ग	९	२०	५२	१४	४६	१४	१२	५	सिंहे	भ.४२/०उ.
१५	गु	४७	४३	म	५	१८	सु	०	४६	वि	१४	५१	५६	१३	४७	१५	१३	६	सिंहे	भ.१४/५१या.होलिकादहनम्

४६पं.फा.शु.३श.इ. ५४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	१०	६	०	१०
१०	१८	१६	६	२२	१२	५	९
३	१५	४	४५	३८	१४	२५	५२
१४	३२	३४	२९	२८	२०	४५	३२
६०	२६/१९	८०	४	७४	५२/१	३	६०
२५	व.	१५	२९	२६	व.	११	३१

गोचर ग्रहाः

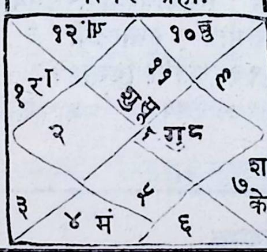

शुक्रस्यपंचवाराः स्युः
यत्रमासे निरन्तरम् ।
प्रजावृद्धिः सुभिक्षं च
सुखं तत्र प्रवर्तते ।।
इस मास में प्रजा में
सुख चैन रहे ।

गोचर ग्रहाः

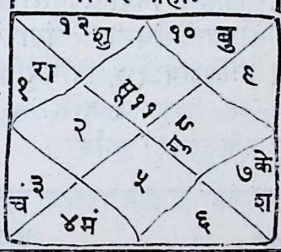

४७पं.फा.शु.१०श.इ. ५५/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	९	७	११	६	०	१०
१७	१६	२५	७	१	१२	५	१६
५	३५	५९	१०	२१	५	३	५५
२८	५६	४६	५	५०	१३	३०	२८
६०	१८/२०	९१	३	७४	१/३८	३	६०
१२	व.	४	१६	२०	व.	११	२०

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २०९८ शाकः १९६३												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूर्रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	शु	५४	८	पू	१२	२३	धृ	२	४९	बा	२०	५५	२९/१	९/१२	५/४८	१६	१४	७	कं.२९।१६	वसंत१छारेंडी
२	श	६०	०	उ	१९	५४	शू	५	३	तै	२७	१६	५	११	४९	१७	१५	८	कन्यायां	शतेबुधः४६/१५
२	र	०	२४	ह	२७	२२	गं	७	२०	ग	०	२४	९	१०	५०	१८	१६	९	कन्यायां	भ.३/३३उ.पातस्पर्शः४/५२पातमोक्षः१५/४६
३	चं	६	४०	चि	३४	४५	वृ	९	३१	वि	६	४०	१३	९	५१	१९	१७	१०	तु.१।४	भ.६।४०या.चतुर्थीव्र.
४	मं	१२	३१	स्वा	४१	१९	ध्रु	११	१४	बा	१२	३१	१७	९	५१	२०	१८	११	तुलायां	
५	बु	१७	२९	वि	४७	१५	व्या	१२	२०	तै	१७	२९	२१	८	५२	२१	१९	१२	वृ.३०।४६	[=शुक्रः१४।३६शीतलापूजनम्
६	गु	२१	३४	अ	५१	४३	ह	१२	३३	व	२१	३४	२६	७	५३	२२	२०	१३	वृश्चिके	भ.२१।३४उ.५२।५२या.
७	शु	२४	९	ज्ये	५४	४३	व	११	४१	ब	२४	९	३०	६	५४	२३	२१	१४	ध.५४।४३	मीनेऽर्कः४९।५५(सौरः५९/९) रेवत्यां=
८	श	२४	५९	मू	५६	६	सि	९	३१	कौ	२४	५९	३४	५	५५	२४	२२	१५	धनुषि	बुधास्तःपूर्वस्यां३।४५
९	र	२४	३	पू	५६	१६	व्य	५	४७	ग	२४	३	३८	४	५६	२५	२३	१६	धनुषि	भ.५२।३२उ.पूभा.बुधः३५।११
१०	चं	२१	१	उ	५३	४१	व	०/३३	५३/१४	वि	२१	१	४३	३	५७	२६	२४	१७	म.१०।३७	भ.२१।१या.
११	मं	१६	१३	श्र	४९	७	शि	४५	३१	बा	१६	१३	४७	३	५७	२७	२५	१८	मकरे	उभा.रविः१०।५९ (सौरः२०।४५)×
१२	बु	९	३५	ध	४३	१६	सि	३६	७	तै	९	३५	५१	२	५८	२८	२६	१९	कुं.१६।११	प्रदोषः [×पापमोचनी११व्र.
१३	गु	१	२७	श	३६	१०	सा	२५	४३	व	१	२७	५५	१	५९	२९	२७	२०	कुंभे	भ.१।२७उ.२६।४९या.
१४	गु	५०	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	शु	४२	२१	पू	२८	२६	शु	१४	५०	च	१७	१६	३०/०	६/०	६/०	३०	२८	२१	मी१५।२२	मन्वादिः

४८पं.चै.कृ.२श.इ. ५५/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	३	१०	७	११	६	०	१०
२४	१५	६	७	१०	११	४	२३
६	२६	५५	२६	४	५१	४१	५६
१४	१३	१९	३१	५२	२५	१४	५१
५९	१०/१०	०/०	१	७४	२/१६	३	६०
५८	व.	९/१६	४७	१४	व.	११	६

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे ७ शुक्रे
मीनेऽर्कः प्रविष्टः वा.
३ न.३ कुमार्यवस्था
(वैठी)मु १५ धान्या-
दिभावे महर्घता
शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

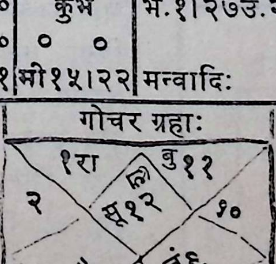

४९पं.चै.कृ.८श.इ. ५५/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	१०	७	११	६	०	११
१	१४	१८	७	१८	११	४	०
५	४८	४८	३३	४५	३३	१८	५६
३१	४	१८	४३	१८	७	५९	३३
५९	२/४०	०/०	०	७४	५/३२	३	५९
४१	व.	९/४	३५	८	व.	११	४९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः
लाभः

सिद्धिः
शुभम्

सजयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।।१।।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४३, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग-प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग–प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गत-कलिः ५१४३, भोग्यकलिः ४२६८५७, अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्य राज्यतो गताब्दाः संवत् २०९९, शाकः १९६४, अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः । मंत्री चंद्रः । सस्येशो बुधः । धान्येशो भौमः । मेघेशो रविः । रसेशः शुक्रः । नीरसेशो बुधः । फलेशो रविः । धनेशो बुधः । दुर्गेशो रविः । एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टचब्दानां मध्येब्रम्हविंशतिकायां १० धातानाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्यमेषाऽर्कसमयेगतमासादिः ४।०।२८।४५।० भोग्यमासादिः '७।२९।३१।१५।० बार्हस्पत्यदैवतं युगं । तत्रवर्षनाम वैशाखः । मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासःपर्वते । समयनिवासःकुंभकारगृहे । समयविश्वा १२ समयवाहनम् महिषः । स्तंभः १ तृणस्य । सोमवत्यमाः ३ सोमवती पंचमी × अंगारकी चतुर्थी ३ भानुसप्तमी १ बुधाष्टमी ३ रविदशमी २ समयमुहूर्ताः ३७५ समयदिनानि ३८३ तिथिक्षयः १७, तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९३ खपति विश्वा ९.३ वर्षाविश्वा १५ धान्यम् ११ तृणम् ९, शीतम् ५ तेजः ९, वायुः ५ वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः १७, ऐक्यम् ८५, शनिदृष्टि पश्चिमे । सत्यं ।। धर्म १।। पापं १८ ग्रहण १ चंद्रमसः १। सूर्यस्यः।

सं.२०९९ वैशा. कृ. ३० रवौ
सूर्यं ग्रहणम्

	स्प.	म.	मो.
घ.	६	६	७
मि.	३४	५०	१४
घ.	०	०	१
प.	१८	५८	५८

सं. २०९९ फाल्गुन शु.१५ बुधे
खग्रास चन्द्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घ.	६	७	७	८	९
मि.	११	३२	५९	२६	४७
घं.	२९	३२	३३	३४	३८
प.	२०	४२	५०	५८	२०

वर्ष लग्नम् ७।११

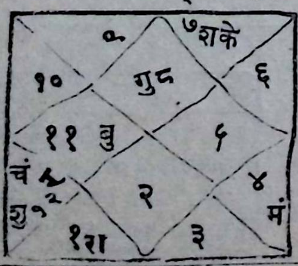

भैरव भवानी संवाद

भैरव प्रश्न

जगदंबा तेरे चरण पूजे सब संसार ।
कैसा रहे निन्यानवे करके कहो विचार ।।

भवानी उत्तर

निबलो समों निनाणवु करे रंगीला भेष ।
बिन पाणी बादल उडे जनता देश विदेश ।।
शनि राजा इस वर्ष में इनका क्रूर स्वभाव ।
विग्रह बाढै जगत में दुर्जन खेलें दाव ।।
महामारी अरु अग्निभय बढैं जगत में चोर ।
रोग उपद्रव देख कर जग में मांचे शोर ।
चढी रोहिणी पर्वतां संवत् बसे कुलाल ।
दूध दही बिन देश का भूखा रहसी बाल ।।
शर्मा ज्योतिष से कहा जैसा किया विचार ।
आखिर सब जाने वही जो है जग करतार ।।

लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	मे	वृ	मि	क	सिं	कं
लाभ	१४	८	११	५	८	११
खर्च	१४	८	५	५	१४	२

राशि	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
लाभ	८	१४	२	५	५	२
खर्च	८	१४	८	२	२	८

वर्षेश लग्नम् २।२०

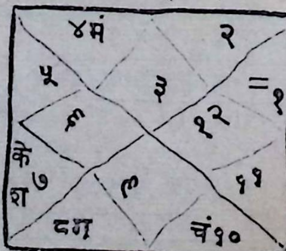

वर्षादौ मेषाऽर्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।२०।० केतकीमतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२५।४५

=बुशुरास

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शनिः फलम् ॥ शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यतें जनः । युद्धं नृपाणां गद तस्कराद्यैः भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ।। मंत्री चन्द्रस्तत्फलम ।। शशिनि मंत्रिगते बहु सस्यवत्यपि धरा रमते सुख मंडिता । वियति वारि धरा बहु वर्षिणो जनपदा सुखराशि सुशोभिता ।। सस्येशो बुधः फलं ।। जलधरा जलराशि मुचो भृशं सुखसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणाः स्तुति पाठकरः सदा प्रथम धान्यपतौ सति बोधने ।। धान्येशो भौमः फलम् ।। भूमिजे ग्रीष्म धान्येशे ग्रीष्म धान्यं महर्घकम् । शालीक्षु घृत तैलादि महर्घाणि भवंति च ।। मेघेशो रविः फलम् ।। जलदपे यदि वासरपे तदा सरसि वै रमते जनता रसम् । यव चणेक्षु नीवार सुशालिभिः सुखचयं सुलभं भुवि वर्तते ।। रसेशःशुक्रःफलम् ।। यजनयाजनकोत्सवकोत्सुका जनपदा जलतोषित मानसाः । सुखसुभिक्ष सुमोदवती धरा धरणीपाहत पापगणः प्रियाः ।। नीरसेशो बुधः फलम् ।। चित्र वस्त्रादिकंचैव शंख चंदन पूर्वकम् । अर्घ वृद्धिः प्रजायेत नीरसेशो बुधो यदि ।। फलेशो रविःफलम् ।। द्रुमवती वर पुष्पवती धरा प्रमुदिता फल भोग विशेषता । बहु जलं जलदो भुवि मुंचति क्वचिदपि प्रमितं फलपो रविः ।। धनेशो बुधः फलम् ।। द्रविणपो हिम रश्मिसुतो यदा विविध संग्रह वस्तु फलार्थदा । द्विजवरा जप यज्ञ सुसंयुताः कृषिविशेष विशेषित मानसाः ।। दुर्गेशो रविःफलम् ।। नय विशेष करस्तरणिस्तदा गतभया नरराज पुरोगमाः । समधिको न तदा नृपजोन्यजः स्वपथजं व्रजतां न भयं क्वचित् ।। धातानाम संवत्सरः फलम् ।। धातृ वर्षेऽखिलाक्ष्मेशाः संग्रामे सक्त मानसाः । सम्पूर्णा धरणी भाति बहु सस्यार्घवृष्टिभिः ।। वर्षनाम वैशाखः फलम् ।। अर्घं विविधभावेन जायतें द्रविणप्रदम् । नीरुजा निर्भया लोकाः बैशाखे जनपूजिता ।। मेघनाम पुष्करः फलम् ।। पुष्करे मंद वृष्टिः स्यात् ।। रोहिणी निवासः पर्वते फलम् ।। पर्वते विंदुमात्रश्च ।। समयनिवासो कुंभकार गृहे फलम् ।। अनावृष्टिः प्रजापतौ ।। एवं संचित्यं दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २०९९ मध्ये विवाहमुहूर्ताः

वैशाख मासः

शुक्ला ३ भौमे रोहि ल. ११-१२ रे. ८ ।।।ऽऽरो।।।

,, ४ बुधे मृगे लः ११-१२ रे. ८ ।।।।।ऽऽ।

,, ६ चन्द्रे मघा ल. गो. (सोग्रांगः) ११ (चं.७पू.) रे. ७ ।।।।ऽनृऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १० भौमे मघा ल. गो. (सोग्रांगः) रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याभावः

,, ११ बुधे उफा ल. ११ (घ.५०-५४याचं.७पू.

,,१२गुरौउफा ल.ऽन्यगो (सोग्रांगः) रे.६।।।।।रो४८उऽ।।।

,,१२गुरौ हस्ते ल. १२ (चं.७पू.) रे. ७ ऽऽ।।ऽरो।।।

,,१३शुक्रेहस्तेल.ऽन्यगो(सोग्रांगः) रे.७ऽऽ।।ऽरो४२या।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ३ गुरौ मूले ल. गो. (सोग्रांगः) ११-१२ रे.८ ।।।।ऽ।चौ५२उऽ।ऽ।।

,, ५ शनौ उषा ल. गो. (सोग्रांगः) ११-१२ रे. ७ ।ऽ।ऽशु।।।।।ऽ दग्धा पादतो वेधाऽभावः

,, १० गुरौ उभा ल. ऽन्यगो ११ रे. ८ ।।।।।।ऽऽ।

शुक्ला १ भौमे रोहि ल. ऽन्यगो रे. १० ।।।।।।।।।

,, १ भौमे मृगे ल. १२ रे. ६ ।।।।।ऽ।।

,, ९ बुधे उफा ल.गो.१२ रे.७ ऽऽ।।।ऽ।।।मीनेचं.पू.

,, १० गुरौ हस्ते ल.गो. १२ रे.८ ।।।।।ऽनृ३८या।ऽ।।

,, १४ चन्द्रे अनु ल. १२ रे. ८ ।।।ऽऽरो।।।।

आषाढ मासः

कृष्णा २ गुरौ मूलें ल. गो. रे. ७ ।ऽ।ऽशु।ऽअ।।।।

पादतो वेधाऽभावः

,, ८ बुधे उभा ल. ऽन्यगो रे. ७ ।।।।।ऽरोऽऽ।।

शुक्ला ५ रवौ मघा ल.ऽन्यगो २ रे.७ ।।।।ऽचौ४३याऽऽ।।

,, ८ बुधे हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।।ऽ।ऽ दग्धा

पौष मासः

शुक्ला १० भौमे रोहि ल. ८ (घ.५३-३५उ) रे. ६ ।।।।।रो३३उ।।ऽ। गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

माघ मासः

कृष्णा ६ भौमे अनु ल. ८ रे. ८ ।।।।।ऽअ।ऽ।।

,, ११ गुरौ मूले ल. ८ रे. ६ ।।ऽगु.शु.।।ऽनृऽऽ।।

शुक्ला ४ शुक्रे रेव ल. ८-९-१० रे. ६ ।ऽ।।ऽ।ऽऽ।।

,, ९ बुधे मृगे ल.८-१०रे.८ ।ऽ।।।।ऽ।।वृश्चिकेचं.पू.

फाल्गुन मासः

कृष्णा २ बुधे उफा ल. ८-९-१० (वृश्चिकें व्ययेऽर्की) रे. १० ।।।।।।।।।

,, ६ चन्द्रे अनु ल. १० रे. ६ ऽ।।।।ऽरोऽऽ।।

,, ७ भौमे अनु ल.ऽन्यगो (७मेभौमः) रे.७ऽ।।।।।ऽऽ।।

,, ९ गुरौ मूले ल. ८ (व्ययेऽर्की) ल. ऽन्यगो (७मेभौमः) रे. ७ ।।ऽबृ।।ऽअ।ऽ।।

,,११शनौउषाल.८-९(वृश्चि.व्ययेऽर्की)रे.८।।।।।ऽनृ।ऽ।।

शुक्ला १ गुरौ रेव ल. ८-९-१० रे. ८ ऽ।।ऽ।।।।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः ।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गण:४३६८स.२०४२
१	श	३२	२६	उ	२०	२६	शु	३/४४	४९/१५	किं	७	२३	३०/४	५/५९	६/१	१	२९	२२	मीने	मीनेबुध:४।२६भा.चैत्रारंभ:–
२	र	२२	५८	रे	१२	५६	ऐं	४२	४९	कौ	२२	५८	८	५८	२	२	३०	२३	मे.१२।५८	उभा.बुध:४८।४चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	चं	१४	३१	अ	६	१६	वै	३३	३२	ग	१४	३१	१२	५८	२	३	१	२४	मेषे	भ४०/५५उरविलाखर४मत्स्यजयंतीगणगौरी
४	मं	७	२०	भ	१/१३	५६/३४	वि	२५	४९	वि	७	२०	१६	५७	३	४	२	२५	वृ.१५।२१	भ.७।२०या.अश्वि.मेषेशुक्र:१।४१
५	बु	२	४	रो	५६	१०	प्री	१९	४२	बा	२	४	२१	५६	४	५	३	२६	वृषे	[–संवत्सरारंभ:नवरात्रारंभः
६	बु	५६	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
७	गु	५६	५९	मृ	५६	२३	आ	१४	५५	ग	२७	४५	२५	५५	५	६	४	२७	मि२६।१६	भ.५६।५९उ.
८	शु	५७	२७	आ	५८	५०	सौ	११	४८	वि	२७	१३	२९	५४	६	७	५	२८	मिथुने	भ.२७।१३या.
९	श	५९	३६	पु	६०	०	शो	१०	१५	बा	२८	३१	३३	५३	७	८	६	२९	क.४६।४६	रामनवमी
१०	र	६०	०	पु	२	४५	अ	९	५१	तै	३१	३२	३७	५३	७	९	७	३०	कर्के	रेवत्यांबुध:३१।५२
१०	चं	३	२८	पु	८	५	सु	१०	४१	ग	३	२८	४१	५२	८	१०	८	३१	कर्के	भ.३५/५५उ.रेवत्यांरवि:३८/३४(सौर:४७/१२)
११	मं	८	२२	श्ले	१४	२८	धृ	११	५५	वि	८	२२	४५	५१	९	११	९	१	सि१४।२८	भ.६/२२या.अप्रेल४ता.३०कामदा११व्र.
१२	बु	१४	२	म	२१	३४	शू	१४	८	बा	१४	२	४९	५०	१०	१२	१०	२	सिंहे	प्रदोष:
१३	गु	२०	३	पू	२८	५३	गं	१६	१३	तै	२०	३	५३	४९	११	१३	११	३	कं.४५।४७	अश्वि.१राहु:चित्रा.३केतु:२९।४५
१४	शु	२६	३२	उ	३६	२९	वृ	१८	३४	व	२६	३२	५७	४९	११	१४	१२	४	कन्यायां	भ.२६।३२उ.५९।३५या.भरण्यांशुक्र५५/३०
१५	श	३२	३८	ह	४३	४४	ध्रु	२०	५३	ब	३२	३८	३९/१	४८	१२	१५	१३	५	कन्यायां	अश्वि.मेषेबुध:५९।५३ हनुमज्जयंती

५०पं.चै.शु.१श.इ. ५६/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	११	६	०	११
८	१४	१	७	२७	११	३	७
३	१९	३९	३२	२५	१०	५६	५४
१८	४४	२५	२	१	५२	४३	२८
५९	३/५०	७/८	०/४७	७४	३/३४	३	५९
२९	मा	९/५	व.	२	व.	११	३५

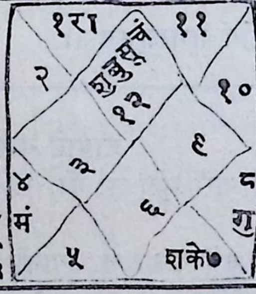

५१पं.चै.शु.९श.इ. ५६/२६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	०	६	०	११
१४	१५	१५	७	६	१०	३	१४
५९	१४	२८	२१	२	४५	३४	५०
१०	१३	१	११	४२	२२	२७	४०
५९	९	८/८	२/१६	७३	३	३	५९
१६	२८	५/५	व	५४	५६	११	१६

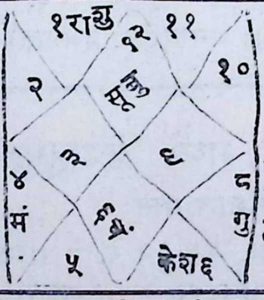

५२पं.चै.शु.१५श.इ. ५६/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	३	११	७	०	६	०	११
२१	१६	२९	७	१४	१०	३	२१
५३	१५	५३	१	३८	१६	१२	४४
३१	७	४२	१	३१	५२	१२	५१
५९	१४	८/८	३/१६	७३	४/१३	३	५९
४	१०	३/३	व	५०	व	११	४

ति.	बैशाख कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	र	३८	३३	चि	५०	५५	व्या	२३	०	बा	५	३५	३५/५	५/४७	६/१३	१६	१४	६	तु.१७।२०	
२	चं	४३	५७	स्वा	५७	१३	ह	२४	३५	तै	११	१५	१०	४६	१४	१७	१५	७	तुलायां	आश्ले.भौम:४०।४५
३	मं	४८	२६	वि	६०	०	व	२५	७	व	१६	११	१४	४५	१५	१८	१६	८	वृ.४६।२३	भ.१६।११उ.४८।२६या.
४	बु	५२	२	वि	३	०	सि	२६	४	व	२०	१४	१८	४४	१६	१९	१७	९	वृश्चिके	वक्रीस्वाती.१शनि.५६।४६चतुर्थी व्र.
५	गु	५४	३५	अ	७	३७	व्य	२५	३५	कौ	२३	१८	२२	४४	१६	२०	१८	१०	वृश्चिके	पश्चिमोदयीबुध:३४।२०
६	शु	५५	५८	ज्ये	११	१७	व	२४	१०	ग	२५	१६	२६	४३	१७	२१	१९	११	ध.११।१७	भ.५५।५८उ.वक्रीअनु.१गुरु:३८।१८
७	श	५५	५३	मू	१३	४०	प	२१	३६	वि	२५	५५	३०	४२	१८	२२	२०	१२	धनुषि	भ.२५।५५या.भरण्यांबुध:४४।२६
८	र	५४	५	पू	१४	२६	शि	१७	५६	बा	२४	५९	३४	४१	१९	२३	२१	१३	म.२९।१६	
९	चं	५०	५०	उ	१३	४५	सि	१२	५५	तै	२२	२७	३८	४०	२०	२४	२२	१४	मकरे	अश्वि.मेषेऽर्क:१२।३२(सौर:२१।४६)
१०	मं	४५	५४	श्र	११	२५	सा	६/३०	५२/२६	व	१८	२२	४२	४०	२०	२५	२३	१५	कुं.३९।२	भ.१८।२२उ.४५/५४या.कृत्ति.शुक्र:४५/६
११	बु	३९	३१	ध	६	३८	शु	५०	१०	ब	१२	४२	४६	३९	२१	२६	२४	१६	कुंभे	वरुथिनी११व्र.
१२	गु	३१	३२	श	१/१६	५३/३६	ब्र	४०	३४	कौ	५	३१	५०	३८	२२	२७	२५	१७	मो४१।२८	प्रदोष:
१३	शु	२२	४८	उ	४७	३२	ऐं	३०	९	व	२२	४८	५३	३७	२३	२८	२६	१८	मीने	भ.२२/४८उ.४/२या.वृषेशुक्र:३१/४६
१४	श	१३	१७	रे	३९	५४	वै	१९	३१	श	१३	१७	५७	३७	२३	२९	२७	१९	मे.३९।५४	
३०	र	३	४०	अ	३२	३५	वि	८/५०	५/०	ना	३	४०	३२/१	३६	२४	३०	२८	२०	मेषे	सूर्यग्रहणम्

१पं.वै.कृ.९चं.इ. १२/३२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	०	६	०	११
०	१७	१५	६	२४	९	२	२९
०	५९	५८	२७	४५	४०	४६	५१
०	२	१२	३२	४	५९	४	६
५८	१८	७/०	४/५९	७३	४/३४	३	५८
४४	२५	४४	व	४२	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

वैशाख कृष्णे ९ चन्द्रे मेषेऽर्क:प्रविष्ट:वा.४ न.४युवावस्था(सूती) मु.४५ धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदय: पश्चिमायां ।

गोचर ग्रहाः

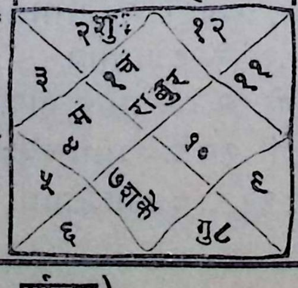

२पं.वै.शु.२चं.इ. १२/५०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	०	७	१	६	०	०
६	१९	२६	५	३	९	२	६
५०	५८	३६	५०	१७	९	२३	४१
४६	१	३२	५३	१०	३६	४८	१७
५८	२१	७९	६/५	७३	४/४०	३	५८
३१	४०	११	व	२७	व	११	२९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४३९८स.२०४२
१	र	५०	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–भा.वैशाखारंभः
२	चं	४६	१	भ	२६	०	आ	४९	३९	बा	२०	११	३२/५	५/३५	६/२५	१	२९	२१	वृ.३१।४३	कृत्ति.बुध:१५।२८चन्द्रदर्शनम्–
३	मं	३९	१०	कृ	२०	५४	सौ	४१	३९	तै	१२	३५	९	३४	२६	२	१	२२	वृषे	जमादिलावल५परशुरामजयंतीअक्षय३
४	बु	३४	४	रो	१७	१४	शो	३५	११	व	६	३७	१२	३४	२६	३	२	२३	मि४६।२७	भ.६।३७उ.३४।४या.बृषेबुध:४७।१
५	गु	३०	५३	मृ	१५	४१	अ	३०	३५	ब	२	२८	१६	३३	२७	४	३	२४	मिथुने	
६	शु	३०	१	आ	१६	२०	सु	२७	५०	कौ	०	२७	२०	३२	२८	५	४	२५	मिथुने	
७	श	३१	१३	पु	१८	५५	धृ	२६	२२	ग	०	३७	२३	३१	२९	६	५	२६	क.३।१६	भ.३१।१३उ.रोहि.शुक्र:४५।४४
८	र	३४	१९	पु	२३	२४	शू	२६	४५	वि	२	४६	२७	३१	२९	७	६	२७	कर्के	भ.२।४६या.भरण्याँरवि:५२।४५
९	चं	३९	२	श्ले	२९	१७	गं	२७	३७	बा	६	४१	३१	३०	३०	८	७	२८	सिं२९।१७	भरण्यांरवि:सौर:३।११
१०	मं	४४	४०	म	३६	२३	वृ	२९	४१	तै	१२	५१	३४	२९	३१	९	८	२९	सिंहे	पातस्पर्श:५।२६पातमोक्ष:१७।४९
११	बु	५०	४६	पू	४३	३९	ध्रु	३१	५७	व	१७	४३	३८	२८	३२	१०	९	३०	सिंहे	भ.१७।४३उ.५०।४६या.मोहिनी११व्र.
१२	गु	५७	१६	उ	५१	२९	व्या	३४	३४	ब	२४	१	४१	२८	३२	११	१०	१	कं.०।३७	मई५ता.३१
१३	शु	६०	०	ह	५८	४९	ह	३६	५३	कौ	३०	२०	४५	२७	३३	१२	११	२	कन्यायां	प्रदोष: [=मघा.सिंहेशुक्र.३/२ ५
१३	श	३	२३	चि	६०	०	व	३८	५२	तै	३	२३	४८	२६	३४	१३	१२	३	तु.३२।१३	नृसिंहजयंती
१४	र	८	५३	चि	५	३७	सि	४०	१४	व	८	५३	५२	२६	३४	१४	१३	४	तुलायां	भ.८।५३उ.४१।१५या.वक्रीबुध:२७/२२=
१५	चं	१३	३७	स्वा	११	४६	व्य	४१	५	ब	१३	३७	५५	२५	३५	१५	१४	५	तुलायां	यमायकुंभदानम्

३पं.वै.शु.९चं.इ. १३/६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	१	६	०	०
१३	२२	३	५	११	८	२	१३
३९	१३	५४	७	४६	३७	१	२९
५०	३७	१४	४१	४४	१२	३३	४२
५८	२४	३५	४६/४१	७३	४/४०	३	५८
१९	१६	४१	व	१८	वं	११	१२

गोचर ग्रहाः

इसमासमें गुडसक्कर चीनी नमक घृत तेल रुई वस्त्र वारदाना धातुसोनाचांदीलोहा तांबा आदि तेज हों कहीं२कुछ वर्षांहो ।

गोचर ग्रहाः

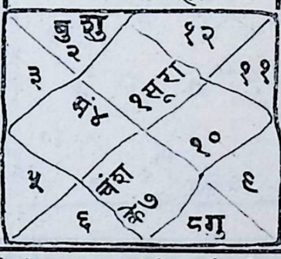

४पं.वै.शु.१५च.इ. १३/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	१	६	०	०
२०	२४	५	४	२०	८	१	२०
२७	४५	१६	१९	१४	६	३९	१६
२९	१४	४८	८	२८	७	१७	२९
५८	२५	४/२३	७/३२	७३	४/२८	३	५७
६	३४	व	व	२	व	११	५७

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे बैशाख कृष्णेति महा.
१	मं	१७	२२	वि	१६	५५	व	४०	५८	कौ	१७	२२	३२/५८	५/२४	६/३६	१६	१५	६	वृ.०।३८	
२	बु	२०	१७	अ	२१	१	प	४०	५	ग	२०	१७	३/३२	२४	३६	१७	१६	७	वृश्चिके	भ.५१।६उ.मृगेशुक्र:४५।४४×
३	गु	२१	५५	ज्ये	२४	१८	शि	३८	३४	वि	२१	५५	५	२३	३७	१८	१७	८	ध.२४।१८	भ.२१।५५या.चतुर्थीव्र.
४	शु	२२	३२	मू	२६	३३	सि	३६	५	बा	२२	३२	८	२२	३८	१९	१८	९	धनुषि	[×बुधास्त:पश्चिमायां५८।१७
५	श	२२	७	पू	२७	३५	सा	३२	४९	तै	२२	७	११	२२	३८	२०	१९	१०	म.४२।३७	[+(सौर:४७/३)
६	र	२०	३५	उ	२७	४३	शु	२८	४०	व	२०	३५	१४	२१	३९	२१	२०	११	मकरे	भ.२०/३५उ.४९।१७या.कृत्ति.रवि:३९/४४+
७	चं	१७	५८	श्र	२६	३३	शु	२३	३१	ब	१७	५८	१७	२१	३९	२२	२१	१२	कुं.५५।२५	पातस्पर्श:४६।६पातमोक्ष:५६।१८
८	मं	१४	२०	ध	२४	१६	ब्र	१७	३२	कौ	१४	२०	२०	२०	४०	२३	२२	१३	कुंभे	मिथुनेशुक्र:२०।१४वक्रीविशा.४गुरु:१०/५
९	बु	९	३४	श	२१	५	ऐं	१०	३८	ग	९	३४	२३	१९	४१	२४	२३	१४	कुंभे	भ.३६।३१उ.
१०	गु	३	२९	पू	१६	३८	वै	२/४८	५९/२७	वि	३	२९	२६	१९	४१	२५	२४	१५	मी२।४३	भ.३/२९या.वृषेऽर्क:५/५९(सौर:१८।५६)÷
११	गु	५३	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷अपरा११स्मा.
१२	शु	४८	५०	उ	११	२४	प्री	४५	७	कौ	२२	४२	२८	१८	४२	२६	२५	१६	मीने	अपरा११व्र.वै.
१३	श	४०	३१	रे	५/२६	५३/३९	आ	३५	२७	ग	१४	४१	३१	१८	४२	२७	२६	१७	मे.५।२६	भ.४०।३१उ.प्रदोष:
१४	र	३२	५	भ	५२	५४	सौ	२५	४८	वि	६	१८	३४	१७	४३	२८	२७	१८	मेषे	भ.६।१८या.आर्द्राशुक्र:५५/२८सिंहेभौम:
३०	चं	२३	५६	कृ	४७	१४	शो	१६	४८	ना	२३	५६	३७	१७	४३	२९	२८	१९	वृ.६।२६	वक्रीमेषेबुध:४३।५३वटपूजनम्

५पं.ज्ये.कृ.७चं.इ. १३/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	३	१	७	१	६	०	०
२७	२७	३	३	२८	७	१	२७
१३	३२	१७	२७	३९	३६	१७	१
३७	३४	२२	२५	४	२२	१	४३
५७	२८	३०/५५	७/५२	७२	४/१०	३	५७
५४	२२	व	व	४७	व.	११	४५

गोचर ग्रहाः

ज्येष्ठकृष्णे १० गुरौ वृषेऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ बालावस्था (बैठी) मु.३०धान्या- दिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

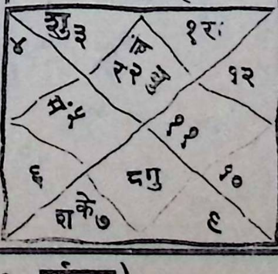

६पं.ज्ये.कृ.३०चं.इ. १३/४०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	२	६	०	१
३	०	०	२	७	७	०	३
५८	३२	१६	३४	१	८	५४	४५
४४	५६	३०	१९	२३	२८	४६	२८
५७	२७	३२/४६	७/५२	७२	३/५२	३	५७
४४	४४	व	व	२५	व	११	३४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	ग्र.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४४२७स.२०४२
१	मं	१६	४२	रो	४२	४९	अ	८	२०	ब	१६	४३	३३/३९	१६ ५	४४ ६	३०	२९	२०	वृषे	चन्द्रदर्शनम्
२	बु	१०	४७	मृ	३९	४८	सु	९/४	५४/२	कौ	१०	४७	४२	१६	४४	३१	१	२१	मि११।१८	जमादिलाखर६
३	गु	६	३८	आ	३८	५३	शू	५०	३६	ग	६	३८	४४	१५	४५	१	२	२२	मिथुने	भ.३५।३९उ.भा.ज्येष्ठारंभः
४	शु	४	४०	पु	३९	५६	गं	४७	५८	वि	४	४०	४७	१५	४५	२	३	२३	क.२४।४०	भ.४।४०या.
५	श	४	२८	पु	४२	५९	वृ	४७	१९	बा	४	२८	४९	१४	४६	३	४	२४	कर्कें	पातस्पर्शः५६।११
६	र	६	३८	श्ले	४७	५४	ध्रु	४७	२५	तै	६	३८	५२	१४	४६	४	५	२५	सिं४७।५४	रोहि.रवि:२९/२२सौर:४४/५८पातमोक्षः१९/३७
७	चं	१०	२८	म	५४	१७	व्या	४८	४९	व	१०	२८	५४	१३	४७	५	६	२६	सिंहे	भ.१०।२८उ.४३।५या.
८	मं	१५	४१	पू	६०	०	ह	५०	५२	ब	१५	४१	५६	१३	४७	६	७	२७	सिंहे	वक्रीचित्रा.४शनि:३।४३
९	बु	२१	२८	पू.	१	२२	व	५३	२०	कौ	२१	२८	५८	१२	४८	७	८	२८	कं.१८।१७	
१०	गु	२७	५६	उ	९	३	सि	५५	४७	ग	२७	५६	३४/०	१२	४८	८	९	२९	कन्यायां	गंगादशमी
११	शु	३४	६	ह	१६	२५	व्य	५७	५१	व	१	१	२	१२	४८	९	१०	३०	तु.५०।०	भ.१/९उ.३४/६या.मार्गीबुध:४९/९६पुन.शुक्रः ÷
१२	श	३९	२५	चि	२३	३१	व	५९	२६	ब	६	४५	३	११	४९	१०	११	३१	तुलायां	[÷१२/५१निर्जला११व्र.
१३	र	४३	५५	स्वा	२९	३३	प	५९	३७	कौ	११	४०	५	११	४९	११	१२	१	तुलायां	पूर्वोदयीबुध:३६/१८जून६ता.३०प्रदोषः
१४	चं	४६	५५	वि	३४	१९	शि	५९	३७	ग	१५	२५	७	११	४९	१२	१३	२	वृ.१८।८	भ.४६।५५उ.
१५	मं	४८	४९	अ	३८	०	सि	५८	२५	वि	१७	५२	९	१०	५०	१३	१४	३	वृश्चिके	भ.१७/५२या.गुर्जराणांवटसावित्रीव्र.

७ पं.ज्ये.शु.७चं.इ. १३/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	७	२	६	०	१
१०	३	२६	१	१५	६	०	१०
४२	४२	५५	४१	२०	४२	३२	२७
४०	५९	३४	२४	२८	५४	३०	३९
५७	३१	१७/४३	७/४९	७२	३/२९	३	५७
३५	८	व	व	२	व	११	२३

गोचर ग्रहाः

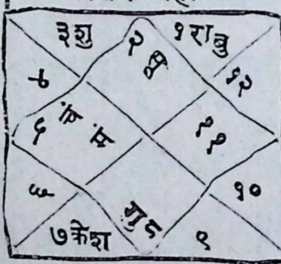

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धातु सोना चांदी लोहा रसकस गुड़ शक्कर चीनी धान्य गल्ला वस्त्र रुई में तेजी हो

गोचर ग्रहाः

८पं.ज्येशु.१४चं.इ. १३/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	०	७	२	६	०	१
१७	७	२७	०	२३	६	०	१७
२५	३	१	५०	३५	२१	१०	८
२६	१४	४८	१७	५६	२५	१५	४५
५७	३२	९/१८	७/१९	७१	२/५०	३	५७
२७	१६	मा	व	३५	व	११	१३

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	ग्र.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेतिमहा.
१	बु	४९	२२	ज्ये	४०	२३	सा	५६	५	बा	१९	६	३४/१०	५/१०	६/८०	१४	१५	४	ध.४०।२३	
२	गु	४८	४१	मू	४१	२७	शु	५२	५०	तै	१९	१	१२	१०	५०	१५	१६	५	धनुषि	रेवती४मीनेराहु:चित्रा२कन्या.केतु२७/३
३	शु	४७	६	पू	४१	४६	शु	४८	५३	व	१७	५३	१३	९	५१	१६	१७	६	म.५६।३८	भ.९/५ ७/३उ.४७।६या.
४	श	४४	२६	उ	४१	१४	ब्र	४४	१६	ब	१५	४६	१५	९	५१	१७	१८	७	मकरे	कर्के शुक्रः४/२ ३/७पातस्पर्शः५४/१३चतुर्थीव्र.
५	र	४१	१४	श्र	३९	४८	ऐं	३९	२	कौ	१२	५०	१६	९	५१	१८	१९	८	मकरे	मृगेरवि:२४/१४सौर:४३/४८वृषेबुध:५/४२ A
६	चं	३७	३२	ध	३७	४९	वै	३३	१९	ग	९	२३	१७	९	५१	१९	२०	९	कुं.८।४८	भ.३७/३२उ.वक्रीविशा.३तुलायांगुरुः४४/६
७	मं	३३	७	श	३५	१८	वि	२७	९	वि	५	२०	१८	८	५२	२०	२१	१०	कुंभे	भ.२५/०या.पुष्येशुक्रः३२।२९
८	बु	२८	९	पू	३२	१३	प्री	२०	२५	बा	०	३८	१९	८	५२	२१	२२	११	मी१७।५९	[Λपातमोक्षः१०।१४
९	गु	२२	३४	उ	२८	३७	आ	१३	१६	ग	२२	३४	१९	८	५२	२२	२३	१२	मीने	भ.४९।३७उ.
१०	शु	१६	४१	रे	२४	२५	सौ	५५/३	५२/१०	वि	१६	४१	२०	८	५२	२३	२४	१३	मे.२४।२५	भ.१६।४१या.
११	श	१०	१३	अ	१९	५६	अ	५०	८	बा	१०	१३	२१	८	५२	२४	२५	१४	मेषे	पूफा.भौम:४९/१८योगिनी११व्र.
१२	र	३	३५	भ	१५	३९	सु	४२	७	तै	३	३५	२१	८	५२	२५	२६	१५	वृ.२९।३९	भ.५७/५उ.मिथुनेऽर्कः३२/४८सौर:४४/३६प्रदोषः
१३	र	५३	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	चं	५०	५६	कृ	११	१३	धृ	३४	४१	वि	२४	०	२२	८	५२	२६	२७	१६	वृषे	भ.२४।०या.
३०	मं	४५	४२	रो	७	२२	शू	२७	३४	च	१८	१९	२२	८	५२	२७	२८	१७	मि३५।२६	

९पं.आ.कृ.६चं.इ. १३/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	४	१	७	३	६	११	१
२४	१०	०	०	१	६	२९	२३
७	२१	४६	३	४६	३	४७	४८
३०	४४	१२	१८	४८	३६	५९	४१
५७	३३	९०	६/३५	७१	२/१६	३	५७
२२	१८	४०	व.	८	व.	११	५

गोचरग्रहाः

आषाढकृष्णे१२ रवौ मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा.५न.६ प्रोढावस्था (बैठी) मु.३०धान्या-दिभावें समताशुक्रो-दयः पश्चिमे

गोचर ग्रहाः

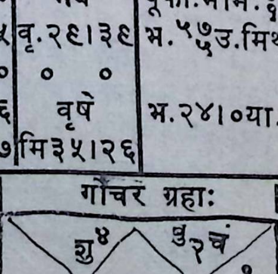

१०पं.आ.कृ.१४चं.इ. १३/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	६	३	६	११	२
०	१४	७	२९	९	५	२९	०
४८	८	४६	१९	५३	४९	२५	२७
४७	१७	१२	४१	२०	५९	४३	५०
५७	३४	७१	५/४१	७०	१/३९	३	५६
१७	१९	४९	व.	२८	व.	११	५९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४४५६स.२०४२
१	बु	४१	३२	मृ	४	३१	गं	२१	२९	किं	१३	४२	३४/२३	५/७	८ ६/३	२८	२९	१८	मिथुने	रोहि.बुधः५।३८
२	गु	३९	१५	आ	२	५९	वृ	१६	३१	बा	१०	२३	२३	७	५३	२९	३०	१९	क.४८।१०	चंद्रदर्शनम्रथयात्रा
३	शु	३८	३२	पु	३	१४	ध्रु	१३	६	तै	८	५३	२३	७	५३	३०	१	२०	कर्के	रज्जव७
४	श	३९	५९	पु	५	१३	व्या	११	८	व	९	१५	२४	७	५३	३१	२	२१	कर्के	भ.९।१५उ.३९।५९या.
५	र	४२	५८	श्ले	८	५९	ह	१०	१६	ब	११	२९	२४	७	५३	१	३	२२	सिं८।५९	आर्द्रारविः ३१/४३ सौरः ४६/२ आश्ले.शुक्रः =
६	चं	४७	३७	म	१४	१८	व	११	१	कौ	१५	१७	२४	७	५३	२	४	२३	सिंहे	[= ३ ९/३ भा.आषाढारंभः
७	मं	५३	३	पू	२१	५	सि	१२	४४	ग	२०	२०	२४	७	५३	३	५	२४	क.३७।५२	भ.५३।३उ.
८	बु	५९	१८	उ	२८	१३	व्य	१४	५५	वि	२६	१०	२४	७	५३	४	६	२५	कन्यायां	भ.२६।१०या.
९	गु	६०	०	ह	३५	४५	व	१७	२८	बा	३२	२१	२३	७	५३	५	७	२६	कन्यायां	मृगेबुध:५४।४७
९	शु	५	२३	चि	४३	३	प	१९	४६	कौ	५	२३	२३	७	५३	६	८	२७	तु.९।२४	
१०	श	१०	५७	स्वा	४९	३२	शि	२१	३२	ग	१०	५७	२२	८	५२	७	९	२८	तुलायां	भ.४३।१३उ.
११	र	१५	२८	वि	५४	३३	सि	२२	२९	वि	१५	२८	२२	८	५२	८	१०	२९	वृ.३८।१८	भ.१५।२८या.देवशयनी११व्र.
१२	चं	१८	२४	अ	५८	१०	सा	२२	२१	बा	१८	२४	२१	८	५२	९	११	३०	वृश्चिके	मिथुनेबुध:११।३२प्रदोषः
१३	मं	१९	५७	ज्ये	६०	०	शु	२०	५४	तै	१९	५७	२०	८	५२	१०	१२	१	वृश्चिके	बुधास्त:पूर्वस्यां ३/४ जुलाई७ता.३१
१४	बु	१९	३८	ज्ये	०	१४	शु	१८	८	व	१९	३८	१९	८	५२	११	१३	२	ध.०।१४	भ.१९/३ उ.४८/५ या.मार्गीशनि:३३/४४वायुपरी
१५	गु	१७	५१	मू	३०/५	५४/१९	ब्र	१४	१६	ब	१७	५१	१८	८	५२	१२	१४	३	धनुषि	आर्द्राबुधः २८/६ व्यासपूजागुरु:१५

११पं.आ.शु.६चं.इ.१३/४८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	१	६	३	६	११	२
७	१७	१७	२८	१७	५	२९	७
२९	५३	३५	४५	५४	४०	३	६
४२	२०	४२	३६	२६	३०	२८	१७
५७	३४	९७	४/०	६९	४८/०	३	५६
१३	५३	२४	व	४०	व.	११	५४

गोचर ग्रहाः

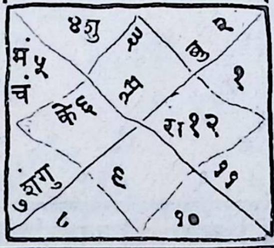

इस मास में धान्य गेहूं जो चना मटर सरसों आदि मंदे हो गुड़ सक्कर चीनी घृत तेल गन्ना तेज हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

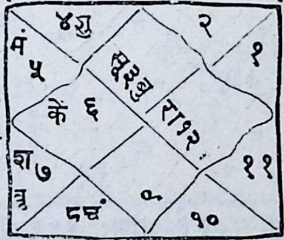

१२पं.आ.शु. १२च.इ.१३/४							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	६	३	६	११	२
१४	२१	०	२८	२५	५	२८	१३
१०	४१	४	१८	४९	३६	४१	४४
८	३४	२६	५४	३७	११	१२	२२
५७	३५	[illegible]	३/२	१८	१/६	३	५६
७	३९	५/२	व	५०	व	११	५०

त.	प्र.श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	शु	१४	४७	उ	५७	५९	ऐं	९	२९	कौ	१४	४७	३४/१७	५/९	५ ६/१	१३	१५	४	म.१३।४०	मघा.सिंहेशुक्रः०।२५
२	श	१०	४७	श्र	५५	१६	वै	४ ३/२	५३/३२	ग	१०	४७	१६	९	५१	१४	१६	५	मकरे	भ.३८।२०उ.
३	र	५	५२	ध	५२	४	प्री	५०	३३	वि	५	५२	१५	९	५१	१५	१७	६	कुं.२३।४०	भ.५२या.पुन.रवि:३१/३३सौर:५०/१९चतु.व्र.
४	चं	०	३५	श	४८	४३	आ	४३	३४	बा	०	३५	१४	९	५१	१६	१८	७	कुंभे	नाग५मरुस्थले
५	चं	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	मं	४९	४९	पू	४५	१४	सौ	३६	३४	ग	२२	३१	१३	९	५१	१७	१९	८	मी.३१।६	भ.४९।४९उ.उफा.भौम:५७।२
७	बु	४४	२१	उ	४१	४५	शो	२९	३५	वि	१७	५	११	१०	५०	१८	२०	९	मीने	भ.१७।५या.पुन.बुध:५४।५७
८	गु	३९	७	रे	३८	३४	अ	२२	४०	बा	११	४४	१०	१०	५०	१९	२१	१०	मे.३८।३४	
९	शु	३३	५१	अ	३५	४	सु	१५	४४	तै	६	२९	८	१०	५०	२०	२२	११	मेषे	
१०	श	२८	४४	भ	३२	२	धृ	८	५२	व	१	१७	७	११	४९	२१	२३	१२	वृ.४६।२१	भ.१।१७उ.२८।४४या.
११	र	२३	५९	कृ	२९	१९	शू	२/०	५३/४७	बा	२३	५९	५	११	४९	२२	२४	१३	वृषे	कामिका११व्र.
१२	चं	१९	३५	रो	२६	५९	वृ	५०	२२	तै	१९	३५	३	११	४९	२३	२५	१४	मि.५६/१३	कर्केबुध:३६/३८कन्यायांभौम:४७/२०प्रदोषः
१३	मं	१५	५२	मृ	२५	२६	ध्रु	४५	७	व	१५	५२	१	१२	४८	२४	२६	१५	मिथुने	भ.५९ ५/२उ.४४/२५या.
१४	बु	१२	५७	आ	२४	३५	व्या	४०	४६	श	१२	५७	३३/५९	१२	४८	२५	२७	१६	मिथुने	कर्केऽर्क:५०/५९पुष्येबुध:१४/४४पूफा.शुक्र:२/४१
३०	गु	११	२०	पु	२५	७	ह	३७	२६	ना	११	२०	५७	१३	४७	२६	२८	१७	क९।५९	कर्केऽर्क:सौर:३२/५२हरियाली

१३पं.प्र.श्रा.कृ.४ चं.इ.१३/३८							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	६	४	६	११	२
२०	२५	१४	२७	३	५	२८	२०
५०	३७	२१	५७	३८	३६	१८	२२
३५	१६	२२	५८	१३	२९	५७	१६
५७	३६	[illegible]	१/३ २	६७	३/२ ०	३	५६
७	२४	५/७	व.	४६	मा	११	५०

गोचर ग्रहाः

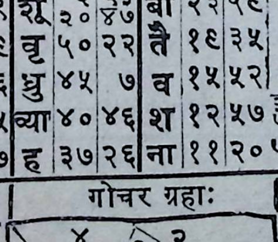

प्र.श्रावणकृष्णे १४बुधे कर्केऽर्कः प्रविष्टः वा.४ न.५ सुतार्थिन्यवस्था (सूती)मु.४५ धान्यादिभावेसमर्घता शुक्रोदय:पश्चिमायाम्

गोचर ग्रहाः

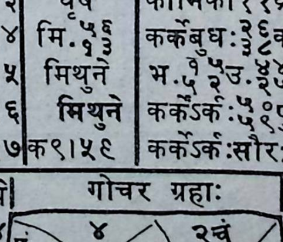

१४पंप्र.श्रा.कृ.१२चं.इ.१३/२							
र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	४	२	६	४	६	११	२
२७	२९	२९	२७	११	५	२७	२७
३०	३९	३२	४६	१८	४१	५६	०
५४	७	२४	५९	५८	३१	४१	२३
५७	३७	[illegible]	४७/०	६६	१	३	५६
१२	२	१/०	व	३१	१४	११	५४

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	प्र.श्रावण शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	दर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४४८६स.२०४२
१	शु	११	३	पु	२६	५८	व	३५	१७	ब	११	३	३३/५५	५/१३	६/४७	२७	२९	१८	कर्के	चंद्रदर्शनम्अधिकमासारंभ;
२	श	१२	२६	श्ले	३०	३२	सि	३४	२०	कौ	१२	२६	५२	१४	४६	२८	१	१९	सिं३०।३२	मार्गीगुरुः२६।४२सावान८
३	र	१५	१९	म	३४	५९	व्य	३३	१४	ग	१५	१९	५०	१४	४६	२९	२	२०	सिंहे	भ.४७/३१उ.पुष्येरविः१९/१७सौरः५३।३६
४	चं	१९	४३	पू	४१	५	व	३४	१८	वि	१९	४३	४८	१४	४६	३०	३	२१	कं.५७।५०	भ.१९।४३या.
५	मं	२४	५३	उ	४८	५	प	३६	६	बा	२४	५३	४५	१५	४५	३१	४	२२	कन्यायां	आश्ले.बुधः४३।४४
६	बु	३१	२	ह	५५	३८	शि	३८	४३	तै	३१	२	४३	१५	४५	१	५	२३	कन्यायां	भा.श्रावणारँभ;
७	गु	३७	१३	चि	६०	०	सि	४१	११	ग	४	७	४०	१६	४४	२	६	२४	तु.२९।२३	भ.३७/१३उ.पश्चिमोदयंबुधः३६।१
८	शु	४३	१	चि	३	८	सा	४३	२७	वि	१०	७	३८	१६	४४	३	७	२५	तुलायां	भ.१०।७या.
९	श	४७	५९	स्वा	१०	८	शु	४५	९	बा	१५	३०	३५	१७	४३	४	८	२६	वृ.५९।३५	
१०	र	५१	२८	वि	१६	४	शु	४५	२३	तै	१९	४३	३३	१७	४३	५	९	२७	वृश्चिके	
११	चं	५३	१९	अ	२०	२५	ब्र	४४	३९	व	२२	२३	३०	१८	४२	६	१०	२८	वृश्चिके	भ.२२/३उ.५३/१९या.उफा.शु.४१/५६कमला११
१२	मं	५३	५	ज्ये	२३	१	ऐं	४२	२५	ब	२३	१२	२७	१९	४१	७	११	२९	ध.२३।१	मघा.सिंहेबुधः४७।२१
१३	बु	५१	४	मू	२३	४७	वै	३८	४४	कौ	२२	५	२४	१९	४१	८	१२	३०	धनुषि	
१४	गु	४७	१३	पू	२२	५०	वि	३३	३३	ग	१९	८	२२	२०	४०	९	१३	३१	म.३७।९	भ.४७/१३उ.कन्यायांशुक्रः५९/३०हस्तेभौम३३/३८
१५	शु	४१	५७	उ	२०	७	प्री	२७	६	वि	१४	३५	१९	२०	४०	१०	१४	१	मकरे	भ.१४।३५या.अगस्तदता.३१

१५पं.प्र.श्रा.शु.४चं.इ. ३३/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	६	४	६	११	३
४	३	१३	२७	१८	५	२७	३
११	४१	३९	४५	४९	५१	३४	३८
३८	४१	१८	५	४१	३६	२५	५०
५७	३७	०९	१६	६४	१	३	५६
१५	१९	५८	मा	५८	४९	११	५९

गोचर ग्रहाः

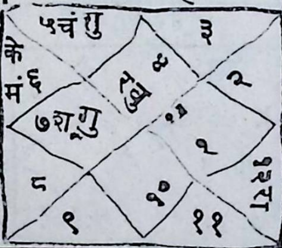

इसमासमें कृष्णपक्षमें धान्य गेहूं जो चना मटर सरसो चावल धातु सोना चाँदी मंदे हो शुक्ल पक्ष में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

१६पं.प्र.श्रा.शु.११चं.इ. १३/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	३	६	४	६	११	३
१०	७	२७	२७	२६	६	२७	१०
५२	५४	४	५१	९	६	१२	१८
४१	११	५९	२९	५०	०	१०	७
५७	३७	००	१	६३	२	३	५७
२०	४०	२६	४०	१४	३२	११	५

ति.	द्वि. श्रावण कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेप्र.श्रावणकृष्णेति महा.
१	श	३५	३२	श्र	१६	१६	आ	१९	४४	बा	८	४४	३३/१६	५/२१	६/३९	११	१५	२	कुं.४३।५५	
२	र	२८	३७	ध	११	३४	सौ	११	३८	तै	२	५	१३	२१	३९	१२	१६	३	कुम्भे	आश्लें.रविः१६/१८सौरः५३।२३
३	चं	२१	२२	श	६	२७	शो	३/७	५१/३५	वि	२१	२२	१०	२२	३८	१३	१७	४	मी४७।३१	भ.४७।४४उ.चतुर्थीब्र.
४	मं	१४	६	पू	१/१३	५५/८	सु	४६	२२	बा	१४	६	७	२३	३७	१४	१८	५	मीने	भ.१४।६या.
५	बु	७	२९	रे	५२	१	धृ	३८	२२	तै	७	२९	४	२३	३७	१५	१९	६	मे.५२।१	
६	गु	१	१७	अ	४८	२३	शू	३०	५८	व	१	१७	०	२४	३६	१६	२०	७	मेषे	भ.१/१७उ.३९/३२या.पूफा.बुधः२ १/५रेवती३×
७	गु	५४	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×राहुः:चित्रा१केतुः१९।४१
८	शु	५१	५	भ	४५	२०	गं	२३	५६	बा	२३	२६	३२/५७	२५	३५	१७	२१	८	वृ.५९।४७	स्वाती१गुरुः५०।८
९	श	४६	५९	कृ	४३	७	वृ	१७	४४	तै	१९	२	५४	२५	३५	१८	२२	९	वृषे	
१०	र	४३	५२	रो	४२	१३	ध्रु	१२	२	व	१५	२५	५०	२६	३४	१९	२३	१०	वृषे	भ.१५।२५उ.४३।५२या.
११	चं	४१	४१	मृ	४१	८	व्या	७	५	व	१२	४६	४७	२७	३३	२०	२४	११	मि११।४०	हस्तेशुक्रः६।५१कमला११ब्र.
१२	मं	४०	११	आ	४१	२५	ह	५२/२	५६/३७	कौ	१०	५६	४४	२७	३३	२१	२५	१२	मिथुने	
१३	बु	४०	१	पु	४३	१	सि	५७	५२	ग	१०	६	४०	२८	३२	२२	२६	१३	क.२७।३७	भ.४०।१उ.
१४	गु	४०	४१	पु	४५	२९	व्य	५६	१२	वि	१०	२१	३७	२९	३१	२३	२७	१४	कर्के	भ.१०।२१या.
३०	शु	४२	५५	श्ले	४९	२१	व	५५	४३	च	११	४८	३३	२९	३१	२४	२८	१५	सिं४९।२१	अधिकमाससमाप्तिः

१७पं.द्वि.श्रा.कृ.३च.इ. १३/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	६	५	६	११	३
१७	१२	८	२८	३	६	२६	१६
३४	८	४९	६	१६	२५	४९	५७
२३	५३	८	५४	२६	२३	५४	५५
५७	३८	९६	३	६०	३	३	५७
२५	३१	३३	६	५३	१६	११	१२

गोचर ग्रहाः

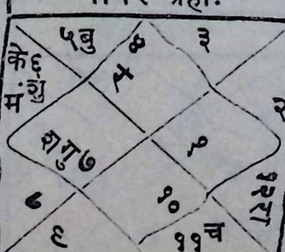

इस मासमें धान्य गेहूं जो चना चावल मूंग मोठ बाजरा ज्वार मक्का धातु सोना चांदी तांबारुई बार–दाना तेज हो वर्षा अच्छी हो।

गोचर ग्रहाः

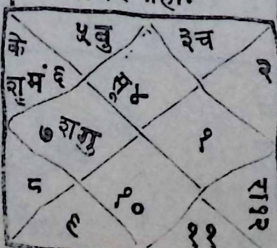

१८पंद्वि.श्राकृ.११च.इ. १२/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	५	४	६	५	६	११	३
२४	१६	१९	२८	१०	६	२६	२३
१६	२८	११	३०	५	४९	२७	३९
४४	१९	५३	३६	५३	५	३९	२
५७	३९	८१	४	५८	३	३	५७
३३	३	५९	१३	०	४९	११	२२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	द्वि.श्रावण शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण४५१५स२०४२
१	श	४६	७	म	५४	१०	प	५५	२६	किं	१४	३१	३२/३०	५/३०	६/३०	२५	२९	१६	सिंहे	उफा.बुधः२३।१८
२	र	५०	४०	पू	६०	०	शि	५६	३१	बा	१८	२३	२६	३१	२९	२६	३०	१७	सिंहे	मघा.सिंहेऽर्कः३/२ १/०सौर.५/४ ०/७चंद्रदर्शनं +
३	चं	५५	५८	पू	०	११	सि	५८	७	तै	२३	१९	२२	३२	२८	२७	१	१८	क.१६।५१	रमजान९तीज [+सिंधारा
४	मं	६०	०	उ	६	५२	सा	६०	०	व	२९	१	१९	३२	२८	२८	२	१९	कन्यायां	भ.२/१ ९उ.कन्यायांबुधः३/४ ७/०वरद४
५	बु	२	४	ह	१४	१८	सा	०	१०	वि	२	४	१५	३३	२७	२९	३	२०	तु.४८।२	भ.२।४या.
५	गु	८	२७	चि	२१	४७	शु	२	४८	बा	८	२७	१२	३४	२६	३०	४	२१	तुलायां	नागपंचमी
६	शु	१४	३३	स्वा	२९	२६	शु	५	२८	तै	१४	३३	८	३४	२६	३१	५	२२	तुलायां	चित्रा.भौमः१५।०
७	श	२०	४	वि	३६	७	ब्र	७	३५	व	२०	४	४	३५	२५	१	६	२३	वृ.१९।२७	भ.२/४ ०उ.५/१ २/१या.भा.भाद्रपदारंभः
८	र	२४	१८	अ	४१	४०	ऐं	८	४९	ब	२४	१८	१	३६	२४	२	७	२४	वृश्चिके	
९	चं	२६	५९	ज्ये	४५	३५	वै	९	८	कौ	२६	५९	३१/५७	३७	२३	३	८	२५	ध.४५।३५	
१०	मं	२७	४६	मू	४७	३८	वि	८	१	ग	२७	४६	५३	३७	२३	४	९	२६	धनुषि	भ.५/५ ७/०उ.चित्रा.शुक्रः४।२३
११	बु	२६	३४	पू	४७	४१	प्री	५	१७	वि	२६	३४	४९	३८	२२	५	१०	२७	धनुषि	भ.३/३ ६/४या.विशा.४वृश्चिकेगुरु५४।१६=
१२	गु	२३	१०	उ	४५	४४	आ	५९/०	५४/१२	बा	२३	१०	४६	३९	२१	६	११	२८	म.२।१५	प्रदोषः [=पवित्रा११व्र.
१३	शु	१८	१	श्र	४१	५२	शो	४७	४८	तै	१८	१	४२	४०	२०	७	१२	२९	मकरे	[×रक्षाबंधनम्
१४	श	११	५	ध	३६	३२	अ	३९	१	व	११	५	३८	४०	२०	८	१३	३०	कुं.९।१२	भ.११।५उ.३७।५या.
१५	र	३	५	श	३०	१९	सु	२९	४६	ब	३	५	३४	४१	१९	९	१४	३१	कुंभे	पूफा.रविः०।४सौरः४/३ १/९श्रावणीकर्म ×

१९पं.द्विश्रा.शु.३चं.इ. १२/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	४	६	५	६	११	४
१	२०	२८	२९	१६	७	२६	०
०	५२	३८	२	४१	१६	५	२१
५	५	४६	३५	२८	२३	२३	१५
५७	३९	६५	५	५४	४	३	५७
४०	२९	५	२२	१६	२८	११	३४

गोचर ग्रहाः

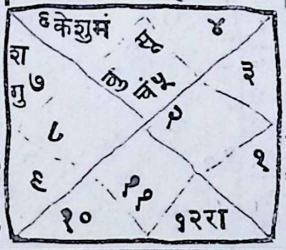

द्वि:श्रावणशुक्ले२रवौ सिंहेऽर्कःप्रविष्टःवा५ न.५ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमायां +केशुमंबु

गोचर ग्रहाः

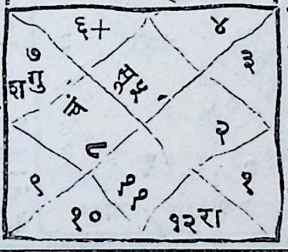

२०पं.द्विश्रा.शु.९च.इ. १२/३७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	६	५	६	११	४
७	२५	५	२९	२२	७	२५	७
४४	१८	१	४२	३७	४७	४३	४
२८	७	१६	४०	१२	३८	७	४१
५७	३९	४३	६	४९	४	३	५७
४९	५४	११	२६	३६	५५	११	४५

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूं रविर्दक्षिणेद्वि.श्रावणकृष्णेतिमहा.
१	र	५१	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	चं	४५	३२	पू	२३	३४	धृ	१९	४७	तै	१९	५८	३१/३०	५/४२	६/१८	१०	१५	१	मी१०।१५	तुलायांभौमः२/१ ५/४सितंबर९ता.३०
३	मं	३६	५३	उ	१६	४६	शू	९	५१	व	११	१२	२६	४३	१७	११	१६	२	मीने	भ.१/१ १/२उ.३६।५३या.चतुर्थीव्र.
४	बु	२८	४५	रे	१०	२५	गं	२/०	५०/४८	ब	२	४९	२२	४४	१६	१२	१७	३	मे.१०।२५	वक्रीबुधः३/५ ९/६तुलायांशुक्रः५१।५४
५	गु	२१	४३	अ	४	५४	ध्रु	४२	२२	तै	२१	४३	१८	४४	१६	१३	१८	४	मेषे	चन्द्रषष्ठी
६	शु	१५	४९	भ	२४/०	५६/४२	व्या	३५	१	व	१५	४९	१५	४५	१५	१४	१९	५	वृ.१४।३५	भ.१५।४९उ.४३।३३या.
७	श	११	१८	रो	५५	७	ह	२८	३७	ब	११	१८	११	४६	१४	१५	२०	६	वृषे	जन्माष्टमीव्र.स्मा.
८	र	८	३	मृ	५४	४६	व	२३	१६	कौ	८	३	७	४७	१३	१६	२१	७	मि२४।५६	बुधास्तःपश्चिमे२/३ ३/८जन्माष्टमीव्र.वै.
९	चं	६	१२	आ	५५	२५	सि	१९	११	ग	६	१२	३	४७	१३	१७	२२	८	मिथुने	भ.३५।५३उ.गोगा९
१०	मं	५	३५	पु	५७	३१	व्य	१५	५५	वि	५	३६	५३	४८	१२	१८	२३	९	क.४२।०	भ.५।३६या.
११	बु	६	२८	पु	६०	०	व	१४	१	बा	६	२८	५५	४९	११	१९	२४	१०	कर्के	अजा११व्र.
१२	गु	८	१९	पु	०	३८	प	१२	५२	तै	८	१९	५१	५०	१०	२०	२५	११	कर्के	स्वात्यांभौमः२/३ ७/९वत्सद्वादशीप्रदोषः
१३	शु	११	४०	श्ले	५	५	शि	१२	५५	व	११	४०	४७	५१	९	२१	२६	१२	सिं५।५	भ.११।४०उ.४३।३८या.
१४	श	१५	३७	म	१०	२६	सि	१३	१०	श	१५	३७	४३	५१	९	२२	२७	१३	सिंहे	उफा.रविः४/२ ४/९ [+३०मन्वादिः
३०	र	२०	४३	पू	१६	५२	सा	१४	२०	ना	२०	४३	३९	५२	८	२३	२८	१४	कं.३३।३३	उफा.रविःसौरः२/१ ६/९कुशाग्रहणीपिठो.+

२१पं.भा.कृ.२च.इ.१२।२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	५	५	७	५	६	११	४
१४	२९	९	०	२८	८	२५	१३
३०	५१	२३	२९	४	२२	२०	४९
४	२५	५६	२	१२	१९	५२	५३
५८	४०	१४	७	४३	५	३	५७
१	२३	२४	२६	३५	२३	११	५७

गोचर ग्रहाः

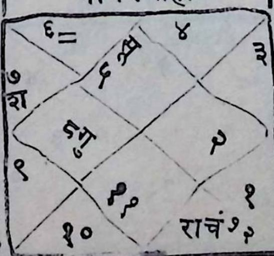

भाद्रपद शुक्ले ३ बुधे कन्यायामर्कःप्रविष्टः वा.४ न. ४ प्रौढावस्था (बैठी) मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

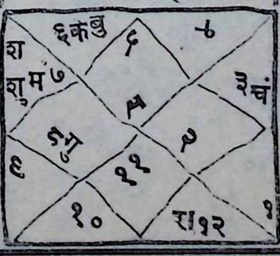

२२पंभा.कृ.९च.इ. १२/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	६	६	११	४
२१	४	९	१	२	९	२४	२०
१७	२७	५६	२२	४८	०	५८	३६
६	१४	२८	३४	७	११	३६	३३
५८	४०	३६/३७	८	३५	५	३	५८
१६	४७	व	३१	३४	५०	११	१२

=केशुबुमं (सं० २००१ समारभ्य २१००

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५४५स.२०४२
१	चं	२६	१०	उ	२३	३४	शु	१६	३	ब	२६	१०	३०/३५	५५/३	६/७	२४	२९	१५	कन्यायां	स्वात्यांशुक्रः५२।८
२	मं	३२	१६	ह	३०	५८	शु	१८	९	कौ	३२	१६	३१	५४	६	२५	३०	१६	कन्यायां	चंद्रदर्शनम्
३	बु	३८	५०	चि	३८	३८	ब्र	२०	३८	तै	५	३३	२७	५५	५	२६	१	१७	तु.४।४८	कन्यायामर्कः१०/५० सौरः५१/३० सव्वाल१० +
४	गु	४५	२	स्वा	४६	१७	ऐं	२२	५८	व	११	५६	२२	५६	४	२७	२	१८	तुलायां	भ.१९/५६उ.४५/२या.स्वाती२शनिः१९।८=
५	शु	५०	५३	वि	५३	२६	वै	२५	२०	ब	१७	५७	१८	५६	४	२८	३	१९	वृ.३६।३९	ऋषिपंचमी [+हरितालिका३
६	श	५५	४४	अ	५९	४०	वि	२७	१३	कौ	२३	१८	१४	५७	३	२९	४	२०	वृश्चिके	वक्रीसिंहेबुधः११/२५ [=गणेशचतुर्थी
७	र	५९	२२	ज्ये	६०	०	प्री	२८	१७	ग	२७	३३	९	५८	२	३०	५	२१	वृश्चिके	भ.५९।२२उ.अनु.१गुरुः२७।३१
८	चं	६०	०	ज्ये	४	५३	आ	२८	१५	वि	३०	२१	५	५९	१	३१	६	२२	ध.४।५३	भ.३०।२१या.
८	मं	१	२०	मू	८	३१	सौ	२६	५९	ब	१	२०	३०/०	६/०	६/०	१	७	२३	धनुषि	वक्रोपूफा.बुधः२९/५०भा.आश्विनारंभः
९	बु	१	२५	पू	१०	१५	शो	२४	१०	कौ	१	२५	२९/५६	६/१	५९	२	८	२४	म.२५।१२	[×जलझूलनी११व्र.स्मा.
१०	बु	५८	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷शुक्रः३४।४४प्रदोषः
११	गु	५५	३७	उ	१०	४	अ	१९	४१	व	२७	३५	५२	२	५८	३	९	२५	मकरे	भ.३७/३५उ.५५/३७यां.पूर्वोदयीबुधः८।३६ ×
१२	शु	४९	३४	श्र	७	४६	सु	१३	३५	ब	२२	३६	४८	२	५८	४	१०	२६	कु.३५।४३	जलझूलनी११व्र.वै.वामनजयंती
१३	श	४२	८	ध	३/४०	५४/६	धृ	५/५७	५१/५	कौ	१५	५१	४४	३	५७	५	११	२७	कुंभे	हस्तेरविः२३।४मार्गीबुधः४७/३४वक्री ÷
१४	र	३३	१७	पू	५०	५३	गं	४७	१	ग	७	४२	४०	४	५६	६	१२	२८	मी३७।३६	भ.३३/१७उ५९/२८या.हस्ते.रविसौरः४/०अनं१४
१५	चं	२३	३९	उ	४३	१६	बृ	३६	२१	ब	२३	३९	३६	५	५५	७	१३	२९	मीने	महालयारंभः कु.संध्या.पूजनारंभः

२३पं.भा.शु.१च.इ. १२/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	६	५	७	६	६	११	४
२८	९	५	२	६	९	२४	२७
५	६	१३	२२	२३	४०	३६	२४
२८	१४	२६	१२	१३	४४	२१	४९
५८	४१	६८/१७	९	२५	६	३	५८
२६	६	व	२०	१७	११	११	२९

२४पं.भा.शु.८च.इ. १२/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	७	६	६	११	५
४	१३	२७	३	८	१०	२४	४
५५	४८	५३	२७	४७	२४	१४	१४
१९	५८	२०	२५	४२	०	५	५६
५८	४१	६३/१	१०	१२	६	३	५८
३८	२६	व	००	१	२६	११	४५

२५पं.भा.शु.१५च.इ.११/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	४	७	६	६	११	५
११	१८	२५	४	९	११	२३	११
४६	३५	५६	३८	२७	९	५१	६
५२	२८	१७	२	४७	११	४९	५३
५८	४१	१५/५०	१०	३/३७	६	३	५९
५३	५३	मं।	४६	व	३८	११	०

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा.
१	मं	१३	४९	रे	३५	२५	ध्रु	२५	२६	कौ	१३	४९	२९/३२	६/६	५/५४	८	१४	३०	मे.३५।२५	[×भौमः१३।०अक्टूबर१० ता.३१
२/३	बु	५१/४	१७/३	अ	२७	५६	व्या	१४	३९	ग	४	१७	२८	६	५४	९	१५	१	मेषे	भ.२९/४८उ.१५/२०या.उफा.बुधः३७/३५विशा. ×
४	गु	४७	३४	भ	२१	१८	ह	२२/४	५०/३४	ब	२१	२७	२३	७	५३	१०	१६	२	वृ.३५।०	चतुर्थीव्र.
५	शु	४१	१८	कृ	१६	१	सि	४६	३५	कौ	१४	२६	१९	८	५२	११	१७	३	वृषे	[+अनु.२गुरुः३२/५५
६	श	३६	५२	रो	१२	१०	व्य	३९	४९	ग	९	५	१५	९	५१	१२	१८	४	मि४१।१०	भ.३६।५२उ.
७	र	३४	१२	मृ	१०	१०	व	३४	२२	वि	५	३२	११	१०	५०	१३	१९	५	मिथुने	भ.५।३२या.कन्यायांबुधः३०।२
८	चं	३३	२०	आ	९	५५	प	३०	२६	बा	३	४६	७	११	४९	१४	२०	६	क.५६।१०	
९	मं	३४	१९	पु	११	३५	शि	२७	५५	तै	३	५०	३	११	४९	१५	२१	७	कर्के	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
१०	बु	३६	३७	पु	१४	५३	सि	२६	४३	व	५	२८	२८/५९	१२	४८	१६	२२	८	कर्के	भ.५।२८उ.३६।३७या.
११	गु	४०	२८	श्ले	१९	२८	सा	२६	५३	ब	८	३२	५५	१३	४७	१७	२३	९	सि१९।२८	रेवती२राहुःहस्त४केतु९२/२४इंदिरा११व्र.
१२	शु	४५	१७	म	२५	७	शु	२७	२८	कौ	१२	५२	५१	१४	४६	१८	२४	१०	सिंहे	चित्रा.रविः५५/८वक्रीचित्रा. शुक्रः२०/३६ +
१३	श	५१	२	पू	३१	४६	शु	२८	५१	ग	१८	१०	४७	१५	४५	१९	२५	११	कं.४८।३३	भ.५१/२उ.चित्रा.रविःसौरः३४/३४शुक्रास्त=
१४	र	५६	५०	उ	३८	५५	ब्र	३०	५५	वि	२३	५६	४३	१५	४५	२०	२६	१२	कन्यायां	भ.२३/५६या.हस्तेबुध३४/८शस्त्रादिहता.श्रा.
३०	चं	६०	०	ह	४६	१७	ऐं	३३	१	च	३०	५	३९	१६	४४	२१	२७	१३	कन्यायां	सर्वपितृ३० [=पश्चिमे३/२४प्रदोषः
३०	मं	३	२०	चि	५४	२	वै	३५	२८	ना	३	२०	३५	१७	४३	२२	२८	१४	तु २०।१०	पूर्वभारतेसूर्यग्रहणम् मातामहश्रा.

२६पं.आ.कृ.८च.इ. ११/४४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	६	६	११	५
१८	२३	०	५	८	११	२३	१८
४०	२५	५१	५२	११	५५	२९	००
५	१६	१४	४४	५६	५२	३४	४०
५९	४२	७४	११	१९/४८	६	३	५९
९	१०	१	२०	व	५२	११	१६

गोचर ग्रहाः

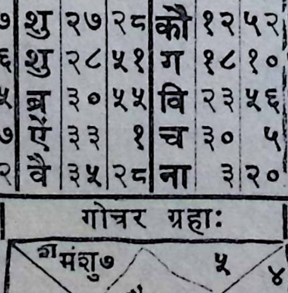

इस मास में धान्य बाजरा गेहं जो चना मटर धातु सोना चांदी ताम्बा कृष्ण पक्ष में मंदे होकर शुक्लपक्षमें तेज हो।

गोचर ग्रहाः

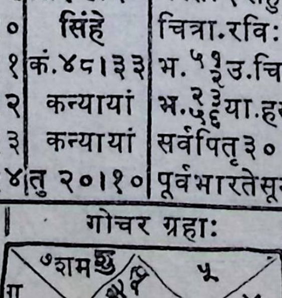

२७पं.आ.कृ.३०च.इ. ११/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	६	५	७	६	६	११	५
२५	२८	११	७	५	१२	२३	२४
३४	१८	०	११	७	४४	७	५६
५९	४०	५४	३८	४४	३१	१८	२२
५९	४२	९७	११	३२/२३	७	३	५९
२१	३७	३८	५८	व	८	११	३१

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४५७५सन्२०४२
१	बु	९	३७	स्वा	६०	०	वि	३७	४६	ब	९	३७	२८/३१	६/१८	५/४२	२३	२९	१५	तुलायां	वृश्चिकेभौमः ३/१ ४/३ अस्तशने: ४/२ ९/३ बुधास्त×
२	गु	१५	४६	स्वा	१	२६	प्री	३९	५५	कौ	१५	४६	२७	१९	४१	२४	३०	१६	वृ.५११५४	चंद्रदर्शनम् [×पूर्वस्यां ३ ९/० नवरात्रारंभ:
३	शु	२१	२६	वि	८	४३	आ	४१	३२	ग	२१	२६	२३	१९	४१	२५	१	१७	वृश्चिके	भ.५/५ ३/३ उ.तुलायामर्कः ३/५ ९/६ जिलकाद ११
४	श	२६	२०	अ	१४	५३	सौ	४२	३८	वि	२६	२०	२०	२०	४०	२६	२	१८	वृश्चिके	भ.२/२ ६/० या.तुलार्कःसौरः १/१ ७/८ स्वाती ३ =
५	र	३०	१६	ज्ये	२०	४०	शो	४३	१६	बा	३०	१६	१६	२१	३९	२७	३	१९	ध.२०१४०	[=शनिः१३।२६
६	चं	३२	५०	मू	२५	५	अ	४२	४७	कौ	१	३३	१२	२२	३८	२८	४	२०	धनुषि	चित्रा.बुधः ३/४ ५/३ अनु.भौमः१६।५८
७	मं	३३	५९	पू	२८	१०	सु	४१	२	ग	३	२५	८	२२	३८	२९	५	२१	म.४३।३२	भ.३/५ ३/९ उ.वक्रीकन्यायांशुक्रः४६।२४
८	बु	३३	३१	उ	२९	३७	धृ	३८	१२	वि	३	४५	४	२३	३७	३०	६	२२	मकरे	भ.३।४५या. [+तुलायांबुधः२३।१२
९	गु	३१	१६	श्र	२९	१९	शू	३३	४४	बा	२	२३	०	२४	३६	१	७	२३	कुं.५८।१५	भा.कार्तिकारंभ:
१०	शु	२७	८	ध	२७	१३	गं	२७	५५	ग	२७	८	२७/५६	२५	३५	२	८	२४	कुंभे	भ.५/१ ४/५ उ.स्वात्यांरविः २ ९/० सौरः ५/२ ९/१ +
११	श	२१	२२	श	२३	२२	वृ	२०	३३	वि	२१	२२	५३	२५	३५	३	९	२५	कुम्भे	भ.२/२ ३/२ या.पापांकुशा११व्र.
१२	र	१३	५४	पू	१७	५४	ध्रु	११	५८	बा	१३	५४	४९	२६	३४	४	१०	२६	मी४।१८	शुक्रोदयःपूर्वस्यां १ ७/२ प्रदोषः
१३	चं	५	१६	उ	११	२०	व्या	२/१७	४९/३५	तै	५	१६	४५	२७	३३	५	११	२७	मीने	भ.५/४ ५/६ उ.अनु.३गुरुः१४।३६
१४	चं	५०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[-पूर्णिमाकोजागरीव्र.का.स्ना.प्रा.
१५	मं	४५	५३	रे	४२/३	५२/८	व	४०	४४	वि	२०	५०	४१	२८	३२	६	१२	२८	मे.३।४२	भ.२०।५०या.स्वात्यांबुधः १/६ ३/४ गरद् -

२८पं.आ.शु.६च.इ. १/७ १/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	५	७	६	६	११	६
२	३	२२	८	०	१३	२२	१
३१	१६	५५	३४	५७	३४	४५	५३
२३	१	१९	८	३२	१२	३	४५
५९	४२	३९/०	१२	३६/२०	७	३	५९
३४	४८	२२	२०	व	१४	११	४६

गोचर ग्रहाः

आश्विनशुक्ले ३ शुक्रे तुलायामऽर्कः प्रविष्टः वा.४न. ४ गलभा-वस्था(बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

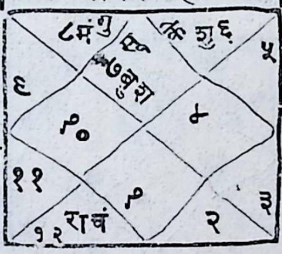

२९पं.आ.शु१३च.इ. १/१ १/२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	५	६	११	६
९	८	४	९	२६	१४	२२	८
२९	१६	५२	५९	५८	२४	२२	५३
३८	४८	८	४	२३	२५	४७	५
५९	४३	३०/०	१२	२७/२८	७	३	६०
४७	१३	२०	४५	व	२०	११	२

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽश्विनकृष्णेतिमहा.
१	बु	३६	८	भ	४८	२	सि	२९	४२	बा	११	०	२७/३७	६/२९	५/३१	७	१३	२९	मेषे	
२	शु	२७	१०	कृ	४१	२	व्य	१८	५६	तै	१	३९	३४	२९	३१	८	१४	३०	वृ.१।१७	भ.५३।४५उ.
३	शु	१९	२१	रो	३५	२५	व	९	७	वि	१९	२१	३०	३०	३०	९	१५	३१	वृषे	भ.१९।२१या.करकचतुर्थीव्र.
४	श	१३	४	मृ	३१	१९	प	२२/०	५२/४१	बा	१३	४	२७	३१	२९	१०	१६	१	मि३।२२	नवम्बर११ता.३०
५	र	८	५६	आ	२९	१०	सि	४७	२२	तै	८	५६	२३	३१	२९	११	१७	२	मिथुने	
६	चं	६	४५	पु	२९	६	सा	४३	२१	व	६	४५	१९	३२	२८	१२	१८	३	क.१४।७	भ.६।४५उ.३६।४९या.
७	मं	६	५३	पु	३१	११	शु	४०	५५	ब	६	५३	१६	३३	२७	१३	१९	४	कर्के	
८	बु	८	४३	श्ले	३५	०	शु	४०	७	कौ	८	४३	१२	३४	२६	१४	२०	५	सिं३५।०	विशा.बुधः१४।५८
९	गु	१२	२६	म	४०	२३	ब्र	४०	४३	ग	१२	२६	९	३४	२६	१५	२१	६	सिंहे	भ.४/५ ४/५ उ.विशारवि ४१।३०
१०	शु	१७	२५	पू	४६	४६	ऐं	४१	५२	वि	१७	२५	५	३५	२५	१६	२२	७	सिंहे	भ.१/२ ७/५ या.विशा.रविःसौरः ९/४ ५/५ ज्येष्ठा.+
११	श	२३	३१	उ	५४	१७	वै	४४	०	बा	२३	३१	२	३६	२४	१७	२३	८	कं.३।३९	रमा११व्र. [+ भौमः४४।७
१२	र	२९	४७	ह	६०	०	वि	४६	९	तै	२९	४७	२६/५८	३६	२४	१८	२४	९	कन्यायां	[×गुरुः४८।१रुप१४
१३	चं	३६	२९	ह	१	४५	प्री	४८	४०	ग	३	८	५५	३७	२३	१९	२५	१०	तु.३५।३५	भ.३/२ ६/९ उ.मार्गी शुक्रः ३/३ ०/३ प्रदोषःघन१३
१४	मं	४२	४८	चि	९	२४	आ	५०	५४	वि	९	३८	५२	३८	२२	२०	२६	११	तुलायां	भ.३ ९/८ या.बृश्चिकेबुधः ४/४ ३/४ अनु.४×
३०	बु	४८	४३	स्वा	१६	४६	सौ	५२	५०	च	१५	४५	४९	३८	२२	२१	२७	१२	तुलायां	महालक्ष्मीपूजनम्

३०पं.का.कृ.६च.इ. १/१ १/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	५	६	११	६
१६	१३	१६	११	२४	१५	२२	१५
२९	१९	२८	२८	२०	१५	०	५४
२०	४१	१९	१६	२०	११	३१	९
६०	४३	३९/०	१३	१५/४०	७	३	६०
४	२६	२८	८	व	२०	११	१८

गोचर ग्रहाः

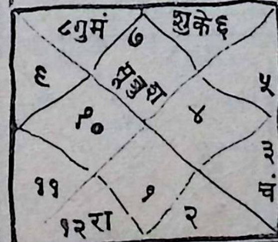

इस मास में धान्य चावल गेहूं जो चना बाजरा मूंग मोठ मटर सरसों अलसी धातु सोना चांदी ताम्बा तेज हो।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.कृ.१३च.इ. १०/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	७	६	७	५	६	११	६
२३	१८	२७	१२	२३	१६	२१	२२
३०	२६	२५	५८	३९	५	३८	५६
४०	४६	१९	३४	२९	४२	१६	४०
६०	४३	९९	१३	४६	७	३	६०
१७	४०	५५	२०	व	२०	११	३०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४६०४स.२०४२
१	गु	५३	५०	वि	२३	४६	शो	५४	७	किं	२१	१६	२६/४५	३९	२५/१	२२	२८	१३	वृ.७।१	अनु.बुध:५०/३६ अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	शु	५८	१३	अ	२९	५६	अ	५४	५९	बा	२६	१	४२	४०	२०	२३	२९	१४	वृश्चिके	चंद्रदर्शनम्भ्रातृ२यम२
३	श	६०	०	ज्ये	३५	१४	सु	५५	१३	तै	३०	०	३९	४०	२०	२४	१	१५	ध.३५।१४	स्वाती४शनि:१/४जिल्हेज१२
३	र	१	४६	मू	३९	२८	धृ	५४	२२	ग	१	४६	३६	४१	१९	२५	२	१६	धनुषि	भ.३/५ २/३उ.वृश्चिकेऽर्क:३/३ ७/४
४	चं	३	५९	पू	४२	३९	शू	५२	५०	वि	३	५९	३३	४१	१९	२६	३	१७	म.५८।११	भ.३।५९या.वृश्चिकेऽर्क:सौर:१०।२
५	मं	५	१५	उ	४४	४८	गं	५०	३५	बा	५	१५	३०	४२	१८	२७	४	१८	मकरे	उदयंशने:४५।१
६	बु	५	१०	श्र	४५	३१	वृ	४७	८	तै	५	१०	२७	४३	१७	२८	५	१९	मकरे	अनु.रवि:५५।५४
७	गु	३	५८	ध	४५	७	ध्रु	४२	४०	व	३	५८	२५	४३	१७	२९	६	२०	कुं.१५।१९	भ.५ ३/८उ.३/४ २/०या.अनु.रवि:सौर:२/५ ६/०गोपा.
८	शु	१	२२	श	४३	१३	व्या	३६	५२	ब	१	२२	२२	४४	१६	३०	७	२१	कुंभे	कुष्मांड९अक्षय९
९	शु	५५	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[÷प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह
१०	श	५१	५३	पू	३९	५८	ह	३०	१	तै	२४	३६	१९	४४	१६	१	८	२२	मी२५।४७	ज्येष्ठाबुध:२/४ ३/६भा.मार्गशीर्षारंभ:
११	र	४५	८	उ	३५	२३	व	२२	१६	व	१८	३१	१७	४५	१५	२	९	२३	मीने	भ.१८।३१उ.४५।८या.अस्तंगुरो:२/२ ३/४ ÷
१२	चं	३७	२६	रे	२९	४४	सि	१३	१७	ब	११	१७	१४	४५	१५	३	१०	२४	मे.२९।४४	[+पश्चिमोदयंबुध:९।५५
१३	मं	२८	५७	अ	२३	८	व्य	४३/७	४९/४६	कौ	३	११	१२	४६	१४	४	११	२५	मेषे	मूलेधनु.भौम:४/४ ५/२प्रदोष;वैकुंठ१४
१४	बु	१९	५४	भ	१६	११	प	४३	२	व	१९	५४	९	४६	१४	५	१२	२६	वृ.२९।२५	भ.९/५ ९/४उ.४/३ ५/१या.ज्येष्ठा१गुरु:४९।२४ +
१५	गु	११	९	कृ	९	६	शि	३२	५५	ब	११	९	७	४७	१३	६	१३	२७	वृषे	मन्वादि:का.स्ना.पू.

३२पं.का.शु.४च.इ. १०/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	५	६	११	७
०	२३	८	१४	२४	१६	२१	०
३३	३७	४५	३०	२८	५५	१६	०
२२	५	४७	४७	१९	३७	०	४४
६०	४४	९७	१३	१५/४१	७	३	६०
३०	५	४३	२९	मा	१४	११	४०

गोचर ग्रहाः

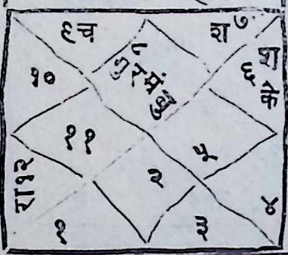

कार्तिक शुक्ले ३रवौ वृश्चिकेऽर्कः प्रविष्टः वा.३ न.३ वृद्धावस्था (वेठी) मु.३०धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपूर्वे।

गोचर ग्रहाः

३३पं.का.शु.१२च.इ. १०/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	७	७	७	५	६	११	७
७	२८	१९	१६	२७	१७	२०	७
३७	४९	२८	४	४५	४४	५३	६
१६	४१	५२	८	२९	४६	४५	१७
६०	४४	९५	१३	२८	७	३	६०
४२	१६	२	३२	२	२	११	५३

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णोति महा.
१	शु	२	५३	रो	४२/४	५४/४१	सि	२३	२०	कौ	२	५३	२६/५	४६/७	१५/३	७	१४	२८	मि३०।५	तुलायांशुक्र:८।४८
२	शु	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	श	५०	३२	आ	५३	३५	सा	१४	४७	व	२३	१३	२	४८	१२	८	१५	२९	मिथुने	भ.२३।१३उ.५०।३२या.
४	र	४६	५६	पु	५१	३७	शु	७	३२	ब	१८	४४	०	४८	१२	९	१६	३०	क.३६।५६	चतुर्थीव्र.
५	चं	४५	४६	पु	५२	२	शु	५१/७	५५/५७	कौ	१६	२१	२५/५८	४८	१२	१०	१७	१	कर्के	मूलेधनुषिबुध:१/४ ३/२दिसम्बर१२ता.३१
६	मं	४६	३४	श्ले	५४	१३	ऐं	५५	४०	ग	१६	१०	५६	४९	११	११	१८	२	सि५४।१३	भ.४६।३४उ.
७	बु	४९	३२	म	५८	३४	वै	५५	१०	वि	१८	३	५४	४९	११	१२	१९	३	सिंहे	भ.१ ८/३या.ज्येष्ठा.रवि:६/५सौर:३४।४४
८	गु	५३	५९	पू	६०	०	वि	५५	३७	बा	२१	४५	५३	४९	११	१३	२०	४	सिंहे	
९	शु	५९	५७	पू	४	१६	प्री	५७	८	तै	२६	४८	५१	५०	१०	१४	२१	५	क.२१।४	
१०	श	६०	०	उ	११	२८	आ	५९	१६	व	३३	५	४९	५०	१०	१५	२२	६	कन्यायां	भ.३३।५उ.
१०	र	६	१३	ह	१८	५१	सौ	६०	०	वि	६	१३	४८	५०	१०	१६	२३	७	तु.५२।४४	भ.१ ६/३या.स्वात्यांशुक्र:४१।३६
११	चं	१२	५३	चि	२६	३७	सौ	१	४२	बा	१२	५३	४६	५१	९	१७	२४	८	तुलायां	उत्पत्ति११व्र.
१२	मं	१९	२३	स्वा	३३	५५	शो	३	५४	तै	१९	२३	४५	५१	९	१८	२५	९	तुलायां	प्रदोष: [=अस्तोभौम:१८।४१
१३	बु	२५	८	वि	४०	४९	अ	५	५७	व	२५	८	४४	५१	९	१९	२६	१०	वृ.२४।९	भ.२५/८उ.५/३ ७/९या.पूषा.बुध:२८।४६ =
१४	गु	२९	५५	अ	४६	३२	सु	७	१३	श	२९	५५	४३	५१	९	२०	२७	११	वृश्चिके	ज्येष्ठा२गुरु:३८।१८रेवती१राहु:हस्त÷
३०	शु	३३	४०	ज्ये	५१	२२	धृ	७	४०	च	१	४८	४२	५२	८	२१	२८	१२	ध.५१।२२	[÷३केतु:४।३७

३४पं.मा कृ.५चं.इ. १०/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	७	७	६	६	११	७
१४	४	२९	१७	१	१८	२०	१४
४२	५	५४	३८	५३	३२	३१	१३
२९	२	४०	३८	२८	५३	२९	३
६०	४४	९०	१३	३७	६	३	६१
५०	३५	४९	३८	३२	५०	११	३

गोचर ग्रहाः

धनराशि गते भौमे मूलद्रव्य तृणानि च। काष्ठं च घृत कार्पासं महर्घ च चतुष्पदाम्। इस मास में धातु में अच्छी तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

३५पं.भा.कृ.११चं.इ. ९/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	७	६	६	११	७
२१	९	१०	१९	७	१९	२०	२१
४८	२२	६	१२	०	१९	९	२०
३२	५९	२९	४०	३६	५	१३	४३
६०	४४	८३	१३	४५	६	३	६१
५६	५२	४०	३८	८	३२	११	११

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणेऽहर्गण:४६३४स.२०४२
१	श	३६	१०	मू	५४	५९	शू	७	१३	किं	४	५५	२५/४१	६/५२	५/८	२२	२९	१३	धनुषि	पूषा.भौम:१९।३७
२	र	३७	३३	पू	५७	४१	गं	५	५५	बा	६	५१	४०	५२	८	२३	३०	१४	धनुषि	विशा.१शनि:४२।२८चन्द्रदर्शनम्
३	चं	३७	५३	उ	५९	४	वृ	३	४४	तै	७	४३	३९	५२	८	२४	१	१५	म.१३।२	मोहोरम१सन्१४६५हि.
४	मं	३७	१०	श्र	५९	४१	ध्रु	०/४३	५६/१८	व	७	३१	३९	५२	८	२५	२	१६	मकरे	भ.७।३१उ.३७।१०या.मूलेधनुष्यर्क:—
५	बु	३५	३८	ध	५९	२५	ह	५२	४२	ब	६	२४	३८	५२	८	२६	३	१७	कुं.२९।३३	[—१३।२०(सौर:३८।३४)
६	गु	३३	४	श	५८	४	व	४७	३४	कौ	४	२१	३८	५२	८	२७	४	१८	कुंभे	उदयंगुरौ:३७।१२चंपा६
७	शु	२९	४४	पू	५५	५९	सि	४१	३६	ग	१	२४	३७	५३	७	२८	५	१९	मी४१।३०	भ.२९।४४उ.५७।४१या.
८	श	२५	३८	उ	५३	८	व्य	३५	३	व	२५	३८	३७	५३	७	२९	६	२०	मीने	
९	र	२०	३५	रे	४९	२८	व	२७	५१	कौ	२०	३५	३६	५३	७	३०	७	२१	मे.४९।२८	[=भा.पौषारंभ:
१०	चं	१४	५२	अ	४४	५५	प	१९	५२	ग	१४	५२	३६	५३	७	१	८	२२	मेषे	भ.४१।३६उ.विशा.शुक्र:५१।३६=
११	मं	८	२०	भ	३९	४६	शि	११	२९	वि	८	२०	३६	५३	७	२	९	२३	वृ.५३।२०	भ.८।२०या.मोक्षदा११व्र.गीताजयंती
१२	बु	१	१०	कृ	३४	१७	सि	२/३४	५१/३	बा	१	१०	३६	५३	७	३	१०	२४	वृषे	वक्रीबुध:४०।३१प्रदोष:
१३	बु	५२	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	गु	४६	४९	रो	२८	४९	शु	४४	४०	ग	२०	२६	३७	५३	७	४	११	२५	मि५६।२५	भ.४६।४९उ. [×दत्तजयंती
१५	शु	४०	२२	मृ	२४	१	शु	३६	१०	वि	१३	३६	३७	५३	७	५	१२	२६	मिथुने	भ.१३।३६या.ज्येष्ठा३गुरु:३७।१९×

३६पं.मा.शु.३चं.इ. ९/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	८	८	७	६	६	११	७
२८	१४	१९	२०	११	२०	१९	२८
५५	४२	२२	४७	५२	२	४६	२९
२६	५०	१	२०	५९	५३	५८	२६
६१	४५	६७	१३	५०	६	३	६१
०	७	२२	३२	३३	२०	११	१९

गोचर ग्रहाः

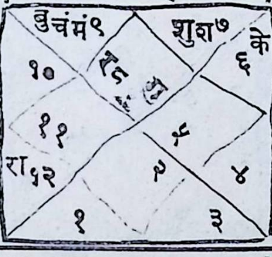

मार्गशीर्षशुक्ले४भौमे धनुष्यर्क:प्रविष्ट:वा ३ न.४ वृद्धावस्था (बैठी)मु.३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदय: पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

३७पं.मा.शु.१०चं.इ. ९/३८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	७	६	६	११	८
६	२०	२५	२२	१९	२०	१९	५
३	८	२०	२१	२१	४३	२४	३८
०	१७	२४	०	४७	३७	४२	५१
६१	४५	३१	१३	५५	५	३	६१
४	१७	२१	२९	४	५४	११	२२

ति.	पौष८कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	हिं.	मु.	इ.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे मार्ग.कृष्णेंति महा.
१	श	३४	५९	आ	२०	४	ब्र	२८	३८	बा	७	४०	२५/३७	६/५३	५/७	६	१३	२७	मिथुने	[+(सौर:३९।१२)चतुर्थीव्र.
२	र	३१	७	पु	१७	१३	ऐं	२२	१४	तै	३	३	३८	५२	८	७	१४	२८	क.२।५६	बुधास्त:पश्चिमायां२६।३८
३	चं	२९	७	पु	१६	२०	वै	१७	१३	व	०	७	३८	५२	८	८	१५	२९	कर्के	भ.०।७उ.२९।७या.पूषा.रवि:१८।२३+
४	मं	२८	५२	श्ले	१७	४	वि	१३	४७	बा	२८	५२	३९	५२	८	९	१६	३०	सिं१७।४	उषा.भौम:४१।१३
५	बु	३०	५७	म	२०	११	प्री	१२	१०	तै	३०	५७	४०	५२	८	१०	१७	३१	सिंहे	[÷जनवरी१ता.३१सन्२०४३
६	गु	३४	४२	पू	२४	५६	आ	११	२२	ग	२	४९	४१	५२	८	११	१८	१	कं.४१।३०	भ.३४।४२उ.वृश्चिकेशुक्र:४२।४९÷
७	शु	४०	२	उ	३१	१३	सौ	१२	४	वि	७	२२	४२	५२	८	१२	१९	२	कन्यायां	भ.७।२२या.
८	श	४६	३	ह	३८	१७	शो	१३	४८	बा	१३	२	४३	५१	९	१३	२०	३	कन्यायां	मकरेभौम:५४।४३
९	र	५२	४०	चि	४५	५४	अ	१५	५५	त	१९	२१	४४	५१	९	१४	२१	४	तु.१२।५	अनु.शुक्र:५९।७
१०	चं	५९	८	स्वा	५३	२०	सु	१८	८	व	२५	५४	४५	५१	९	१५	२२	५	तुलायां	भ.२५।५४उ.५९।८या.
११	मं	६०	०	वि	६०	०	धृ	२०	११	ब	३२	१	४७	५१	९	१६	२३	६	वृ.४३।३६	वक्रीमूलेबुध:२९।५४सफला११व्र.स्मा.
११	बु	४	५५	वि	०	२१	शू	२१	३९	बा	४	५५	४८	५०	१०	१७	२४	७	वृश्चिके	सफला११व्र.वै.
१२	गु	९	३४	अ	६	१६	गं	२२	१३	तै	९	३४	५०	५०	१०	१८	२५	८	वृश्चिके	पूर्वोदयीबुध:५८।१५प्रदोष:
१३	शु	१३	२	ज्ये	१०	५२	वृ	२१	४२	व	१३	२	५२	५०	१०	१९	२६	९	ध.१०।५२	भ.१३।२उ.४३।५५या.
१४	श	१४	४९	मू	१४	१४	ध्रु	१९	५९	श	१४	४६	५३	४६	११	२०	२७	१०	धनुषि	ज्येष्ठा४गुरु:५९।०
३०	र	१५	१३	पू	१५	५६	व्या	१७	१६	ना	१५	१३	५५	४९	११	२१	२८	११	म.३१।३	उषा.रवि:२३।५४(सौर:४१।३९)

३८पं.पौ.कृ.३चं.इ. ९/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	८	८	७	६	६	११	८
१३	२५	२४	२३	२६	२१	१९	१२
१०	३०	४७	५३	९	२३	२	४८
५९	२९	२४	४९	०	१६	२७	४३
६१	४५	५५/५५	१३	५८	५	३	६१
६	२८	व.	२०	३६	३१	११	२६

गोचर ग्रहाः

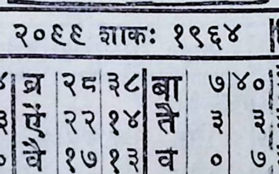

इसमाससें ५शनिवार ५ रविवार अशुभ हैं प्रजा में दारुण दुःख फैले धान्य गल्ला धातु सोना चांदी रसकस तेज हों ।

गोचर ग्रहाः

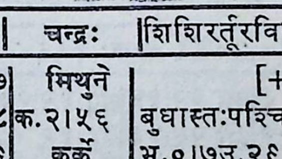

३९पं.पौ.कृ.१०चं.इ. ९/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	७	७	६	११	८
२०	०	१५	२५	३	२१	१८	१९
१९	५६	२४	२५	३०	५९	४०	५८
५	५३	३२	१९	२९	१०	११	४०
६१	४५	१२/४१	१३	६१	५	३	६१
६	४२	व.	८	११	१	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष शुक्लपक्षः सं० २०९९शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:४६६४स२०४३
१	चं	१४	११	उ	१६	२५	ह	१३	२९	ब	१४	११	२५/५७	६/४९	५/११	२२	२९	१२	मकरे	
२	मं	१२	४	श्र	१५	५३	व	८	४७	कौ	१२	४	५९	४८	१२	२३	३०	१३	कुं.४५।१४	चन्द्रदर्शनम्
३	बु	९	१३	ध	१४	३४	सि	३/२५	५३/५१	ग	९	१३	२६/१	४८	१२	२४	१	१४	कुंभे	भ.३७/२५उ.मकरेऽर्कः३९/३३ (सौरः५७/६)–
४	गु	५	३७	श	१२	२८	व	५१	३	वि	५	३७	४	४७	१३	२५	२	१५	मी५५।३६	भ.५।३७या.
५	शु	१	२८	पू	९	५९	प	४४	३६	बा	१	२८	६	४७	१३	२६	३	१६	मीने	श्रवणेभौमः३९।११
६	शु	५५	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–मार्गीबुधः४६/७सफर२
७	श	५२	२८	उ	७	१६	शि	३७	३१	ग	२४	४५	८	४६	१४	२७	४	१७	मीने	भ.५२।२८उ.ज्येष्ठाशुक्रः१२।२९
८	र	४७	२९	रे	४	३	सि	३०	३१	वि	१९	५८	११	४६	१४	२८	५	१८	मे.४।३	भ.१९।५८या.
९	चं	४२	२५	अ	०/४३	५६/२८	सा	२३	१२	बा	१४	५७	१३	४५	१५	२९	६	१९	मेषे	पातस्पर्शः४०।२०पातमोक्षः५३।३
१०	मं	३६	५९	कृ	५३	३५	शु	१५	४५	तै	९	४२	१६	४५	१५	३०	७	२०	वृ.११।१७	[=(सौरः३९/५)भा.माघारंभः पुत्रदा११व्र
११	बु	३१	३९	रो	४९	५३	शु	८	२२	व	४	१९	१९	४४	१६	१	८	२१	वृषे	भ.४/१९उ.३९/९या.अभि.प्र.रविः१३।५९=
१२	गु	२६	२०	मृ	४६	२३	ब्र	०/५८	५२/४९	बा	२६	२०	२१	४४	१६	२	९	२२	मि१८।८	पूषा.बुधः४८।४३प्रदोषः
१३	शु	२१	२७	आ	४३	२८	वै	४७	५	तै	२१	२७	२४	४३	१७	३	१०	२३	मिथुने	[×विशा.२शनिः२०/१मा.स्ना.प्रा.
१४	श	१७	१४	पु	४१	१६	वि	४१	३	व	१७	१४	२७	४३	१७	४	११	२४	क.२६।४९	भ.१७/४उ.४५/०या.श्रवणेरवि३९/६(सौरः४४/२३)
१५	र	१४	५	पु	४०	२६	प्री	३६	४	ब	१४	५	२९	४२	१८	५	१२	२५	कर्के	अभि.नि.रविः२०।५१(सौरः३५।४०)×

४०पं.पौ.शु.१चं.इ. ९/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	९	८	७	७	६	११	८
२७	६	९	२६	११	२२	१८	२७
२७	२३	४०	५४	२	३०	१७	८
७	२८	१६	५६	१७	३२	५५	३२
६१	४६	२१/१४	१२	६३	४	३	६१
६	२	व	४४	२३	३८	११	६४

गोचर ग्रहाः

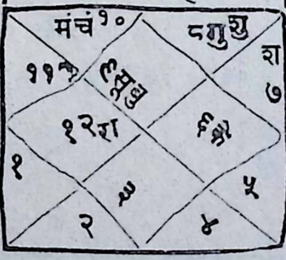

पौष शुक्ले ३ बुधे मकरेऽर्कः प्रविष्टः वा. २ न ३ वृद्धावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

४१पं.पौ.शु.९चं.इ. ९/२०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	७	७	६	११	९
४	११	११	२८	१८	२२	१७	४
३४	५५	१०	२१	४६	५८	५५	१८
५९	१२	३०	५९	३७	४४	४०	१
६१	४६	३५/२५	१२	६५	३	३	६१
३	२	मा	२०	१	५२	११	१९

ति.	माघ कृष्णपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	चं	१२	१७	श्ले	४१	९	आ	३२	१५	कौ	१२	१७	३२/३	६/४२	५/१८	६	१३	२६	सिं४१।९	
२	मं	१२	८	म	४३	१९	सौ	२९	५१	ग	१२	८	३५	४१	१९	७	१४	२७	सिंहे	भ.४२।५३उ.मूल.१धनुषिगुरुः२४।२८
३	बु	१३	३९	पू	४७	१३	शो	२८	४४	वि	१३	३९	३८	४०	२०	८	१५	२८	सिंहे	भ.१३।३९या.चतुर्थी व्र.
४	गु	१६	५२	उ	५२	३५	अ	२८	३१	बा	१६	५२	४१	४०	२०	९	१६	२९	कं.३।३४	मूलेधनुषिशुक्रः८।४
५	शु	२१	४२	ह	५९	११	सु	२९	४९	तै	२१	४२	४५	३९	२१	१०	१७	३०	कन्यायां	[+पातमोक्षः५६।२७फर्वरीरता.२८
६	श	२७	२५	चि	६०	०	धृ	३१	३०	व	२७	२५	४८	३८	२२	११	१८	३१	तु.३२।४७	भ.२७।२५उ.
७	र	३३	५४	चि	६	२४	शू	३३	४४	वि	०	३९	५१	३८	२२	१२	१९	१	तुलायां	भ.०।३९या.पातस्पर्शः४३।१५+
८	चं	४०	२४	स्वा	१४	४	गं	३५	५९	बा	७	९	५४	३७	२३	१३	२०	२	तुलायां	धनि भौमः३९।४८
९	मं	४६	२२	वि	२१	२६	वृ	३७	५०	तै	१३	२३	५८	३६	२४	१४	२१	३	वृ.४।३५	उषा.बुधः१३।२०
१०	बु	५१	२०	अ	२७	४६	ध्रु	३८	४८	व	१९	५	२७/१	३६	२४	१५	२२	४	वृश्चिके	भ.१९।५उ.५१।२०या.
११	गु	५४	४९	ज्ये	३२	५५	व्या	३८	४७	ब	२३	४	५	३५	२५	१६	२३	५	ध.३२।५५	मकरेबुधः५३।२८षट्तिला११व्र.
१२	शु	५६	४०	मू	३६	३०	ह	३७	२८	कौ	२५	४४	८	३४	२६	१७	२४	६	धनुषि	धनि.रविः३६।५४(सौरः५०।१३)
१३	श	५६	३३	पू	३८	२२	व	३४	४२	ग	२६	३६	१२	३४	२६	१८	२५	७	म.५३।२३	भ.५६।३३उ.प्रदोषः
१४	र	५४	४५	उ	३८	२५	सि	३०	३२	वि	२५	३९	१५	३३	२७	१९	२६	८	मकरे	भ.२५।३९या.
३०	चं	५१	२५	श्र	३७	५	व्य	२५	१३	च	२३	५	१९	३२	२८	२०	२७	९	मकरे	पूषा.शुक्रः३३।१२

४२पं.मा.कृ.१चं.इ. ९/२३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	७	७	६	११	९
११	१७	१७	२९	२६	२३	१७	११
४२	२५	६	४५	४२	२२	३३	२६
२९	१	५४	४	४	४४	२४	५२
६०	४६	५७	११	६६	३	३	६१
५९	१७	५५	५६	२८	२०	११	१३

४३पं.मा.कृ ८चं.इ. ९/३१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	८	८	८	६	११	९
१८	२२	२५	१	४	२३	१७	१८
४९	५६	२०	५	४३	४२	११	३५
१	४६	१७	१७	४८	११	९	०
६०	४६	७४	११	६७	२	३	६०
५५	१७	५७	५७	३८	३३	११	५

४४पं.मा.कृ.३०चं.इ. ९/४१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	९	९	८	८	६	११	९
२५	२८	४	२	१२	२३	१६	२५
५४	२७	४४	२१	५२	५६	४८	४१
५०	५०	१३	४	४८	२४	५३	४७
६०	४६	८५	१०	६८	१	३	६०
४७	२७	५६	३७	४०	४८	११	५५

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	मं	४६	५४	ध	३४	२८	व	१८	४७	किं	१९	१०	२७/२३	६/३१	५/२९	२१	२८	१०	कुं.५।४६
२	बु	४१	३४	श	३०	५४	प	११	४२	बा	१४	१४	२७	३१	२९	२२	२९	११	कुम्भे
३	गु	३५	४९	पू	२६	४८	शि	३/५७	५/५९	तै	८	४१	३०	३०	३०	२३	१	१२	मी१२।५०
४	शु	२९	४८	उ	२२	३७	सा	४८	११	व	२	४८	३४	२९	३१	२४	२	१३	मीने
५	श	२३	५४	रे	१८	२९	शु	४०	४२	बा	२३	५४	३८	२८	३२	२५	३	१४	मे.१८।२९
६	र	१८	२३	अ	१४	३४	शु	३३	६	तै	१८	२३	४१	२८	३२	२६	४	१५	मेषे
७	चं	१३	६	भ	११	४	ब्र	२५	४९	व	१३	६	४५	२७	३३	२७	५	१६	वृ.२५।१६
८	मं	८	४	कृ	७	५३	ऐं	१८	५६	ब	८	४	४९	२६	३४	२८	६	१७	वृषे
९	बु	३	४४	रो	५	२२	वै	१२	३१	कौ	३	४४	५३	२५	३५	२९	७	१८	मि३४।१८
१०	बु	५६	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
११	गु	५६	३१	मृ	३	१४	वि	६	२९	व	२८	१०	५६	२५	३५	३०	८	१९	मिथुने
१२	शु	५३	५३	आ	१	४४	प्री	१/७	५५/१०	ब	२५	१२	२८/०	२४	३६	१	९	२०	क.४६।४
१३	श	५२	७	पु	०	४९	सौ	५२	५	कौ	२३	०	४	२३	३७	२	१०	२१	कर्के
१४	र	५१	२९	पु	०	५६	शो	४८	५३	ग	२१	४८	८	२२	३८	३	११	२२	कर्के
१५	चं	५१	५५	श्ले	२	१३	अ	४६	४५	वि	२१	४२	१२	२२	३८	४	१२	२३	सिं२।१३

शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:४६९३स.२०४३

[-केतु:५७।७चन्द्रदर्शनम्
कुंभेभौम:८।४४उभा.४राहु हस्त.२-
श्रवणेबुध:५९।४रविलावल३
भ.२/४ ८उ.३/४ ९/८या.कुंभऽर्क.१२।१०=
मूल.२गुरु:५६।३५पातस्पर्श:३४।५६×
[×पातमोक्ष:४४।४७वसंत५
भ.१३।६उ.४०।३५या.भानु७रथ७
भीष्माष्टमी [= सौर:२४।११)
[+(सौर:५९।३३)शते.भौम:÷
[÷३८।४४जया११व्र.स्मा.
भ.२८।१०उ.५६।३१या.शतेरवि:४/२ ८/३+
उषा.शुक्र:४/५ ९/४भा.फाल्गुनारंभ:जया११वै
धनि.बुध:३७।२९प्रदोष:
भ.५१।२९उ.
भ.२/४ १/२या.मकरेंशुक्र:४/५ ०/३मा.स्ना.पूर्ति:

४५पं.मा.शु.७चं.इ. ९/५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	८	६	११	१०
२	३	१५	३	२१	२४	१६	२
५९	५८	१	३२	५	६	२६	४७
४२	१२	१	६	१७	११	३७	५०
६०	४६	९४	९	६९	१	३	६०
३७	२७	३८	५४	२५	११	११	४२

गोचर ग्रहा:

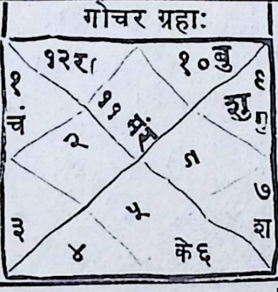

माघ शुक्ले ४ शुक्रे कुंभेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न.३ वृद्धावस्था (बैठां) मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहा:

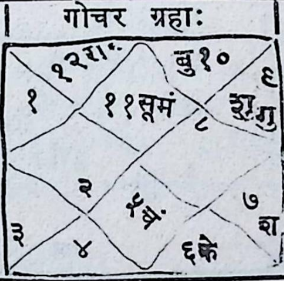

४६पं.मा.श.१५चं.इ. १/९ ०/०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	९	८	८	६	११	१०
१०	९	२५	४	२९	२४	१६	९
३	३०	५७	३८	२४	११	४	५२
१४	४७	४०	६	४	२	२२	२३
६०	४६	८/०	९	७०	०	३	६
२५	२७	४	७	११	२४	११	३

ति.	फाल्गुन कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः
१	मं	५३	५३	म	४	३५	सु	४५	४३	बा	२२	५४	२८/९६	६/२१	५/३९	५	१३	२४	सिंहे
२	बु	५७	१२	पू	८	१९	धृ	४५	१६	तै	२५	३२	२०	२०	४०	६	१४	२५	कं.२४।३३
३	गु	६०	०	उ	१३	१४	शू	४६	१२	व	२९	३१	२४	१९	४१	७	१५	२६	कन्यायां
३	शु	१	५०	ह	१९	४०	गं	४७	४०	वि	१	५०	२८	१८	४२	८	१६	२७	तु.५३।८
४	श	७	८	चि	२६	३७	वृ	४९	४३	बा	७	८	३२	१८	४२	९	१७	२८	तुलायां
५	र	१३	३५	स्वा	३४	१४	ध्रु	५२	७	तै	१३	३५	३६	१७	४३	१०	१८	१	तुलायां
६	चं	२०	४	वि	४१	४३	व्या	५४	१९	व	२०	४	४०	१६	४४	११	१९	२	वृ.२४।५२
७	मं	२६	२४	अ	४८	५२	ह	५६	४	ब	२६	२४	४४	१५	४५	१२	२०	३	वृश्चिके
८	बु	३१	४६	ज्ये	५४	५३	व	५६	५६	कौ	३१	४६	४८	१४	४६	१३	२१	४	ध.५४।५३
९	गु	३५	४३	मू	५९	२८	सि	५६	२४	तै	३	४४	५२	१४	४६	१४	२२	५	धनुषि
१०	शु	३८	९	पू	६०	०	व्य	५४	३८	व	६	५६	५६	१३	४७	१५	२३	६	धनुषि
११	श	३८	३४	पू	२	१६	व	५१	१३	ब	८	२१	२९/१	१२	४८	१६	२४	७	म.१७।२९
१२	र	३७	२	उ	३	८	प	४६	२०	कौ	७	४८	५	११	४९	१७	२५	८	मकरे
१३	चं	३३	२३	श्र	१/५८	५७/१०	शि	३९	५१	ग	५	१३	९	१०	५०	१८	२६	९	कुं.३०।३३
१४	मं	२८	११	श	५४	४२	सि	३२	१३	विं	०	४७	१३	९	५१	१९	२७	१०	कुंभे
३०	बु	२१	३७	पू	४९	२६	सा	२३	३२	ना	२१	३७	१७	९	५१	२०	२८	११	मी३५।४५

वसंतर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.

बुधास्त:पूर्वस्यां ४/३ ४/७
कुंभेबुध:३२।१७
भ.२९।३१उ.वक्रीशनि:२९।३६
भ.१।५०या.पातस्पर्श:२२।०+
[+पातमोक्ष:३३।१चतुर्थीव्र.
शतेबुध:२७।२५मार्च३ता.३१
भ.२०।४उ.५३।१४या.
[×महाशिवरात्री व्र.वै.
श्रवणे शुक्र:५।११
पूभा.रवि:४।२८(सौर:१४।२०)
भ.६।५६उ.३८।९या.
विजया११व्र.
पूभा.बुध:४५।५१पूभा.भौम:२८।४२
भ.३/२ ३/३उ.प्रदोष महाशिवरात्रीव्र.स्मा.
भ.०।४७या.मूल.४गुरु:२४।२५×

४७पं.फा.कृ.६चं.इ. १/२ ०/८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	८	९	६	११	१०
१७	१५	७	५	७	२४	१५	१६
५	१	५८	३८	४४	९	४२	५५
२८	५४	१	२	३८	५८	६	१९
६०	४६	७/०	८	७०	०/२२	३	६०
१२	२७	४३	१९	४८	व	११	२०

गोचर ग्रहा:

इस मास में बाजरा मूंग मोठ चना गेहूं चावल गुड रसकस घृत तेल गन्ना तेज हो सोना चांदी मंदे हों।

गोचर ग्रहा:

४८पं.फा.कृ.१३चं.इ. १/४ ०/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	१०	१०	८	९	६	११	१०
२४	२०	२०	६	१६	२४	१५	२३
६	३२	४७	३१	७	४	१९	५६
१४	३५	४२	१६	५	१६	५१	४२
५९	४६	२०/८	७	७१	१/१०	३	६०
५८	२७	८/४९	७	१९	व.	११	६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७२३सं२०४३
१	गु	१४	३	उ	४३	३५	शु	१४	२१	ब	१४	३	२९/२१	६/८	५/५२	२१	२९	१२	मीने	चन्द्रदर्शनम् पातस्पर्शः२७।३१×
२	शु	६	१३	रे	३७	३८	शु	४/५६	५०/३८	कौ	६	१३	२६	७	५३	२२	१	१३	मे.३७।३८	मीनेबुधः५५।३८रविलाखर४फुलरिया२
३	शु	५२	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[×पातमोक्षः३६।५
४	श	५०	५८	अ	३१	५०	ऐं	४६	२७	ब	२४	४०	३०	६	५४	२३	२	१४	मेषे	भ.२४।४०उ.५०।५८या.
५	र	४४	११	भ	२६	५६	वै	३८	१७	व	१७	३५	३४	५	५५	२४	३	१५	वृ.४०।४९	मीनेऽर्कः५।१८(सौरः१४।४१)उभा.+
६	चं	३८	३	कृ	२२	३४	वि	३०	३३	कौ	११	७	३८	४	५६	२५	४	१६	वृषे	[+बुधः३६/५८घनि.शुक्रः१०।५१
७	मं	३३	१०	रो	१९	१७	प्री	२३	४८	ग	५	३६	४३	३	५७	२६	५	१७	मि४८।११	भ.३३।१०उ.
८	बु	२९	१७	मृ	१७	५	आ	१७	४५	वि	१	४३	४७	३	५७	२७	६	१८	मिथुने	भ.१।४३या.उभा.रविः२६।२२÷
९	गु	२६	२४	आ	१५	५९	सौ	१२	४०	कौ	२६	२४	५१	२	५८	२८	७	१९	मिथुने	[÷(सौरः३६।१७)होलाष्टकम्
१०	शु	२४	४५	पु	१५	५३	शो	८	३२	ग	२४	४५	५५	१	५९	२९	८	२०	क.०।५५	भ.५४।२६उ.कुंभेशुक्रः४३।२९
११	श	२४	७	पु	१६	४८	अ	५	१४	वि	२४	७	३०/०	६/०	६/०	३०	९	२१	कर्के	भ.२४/७या.मीनेभौमः३/३ ३/१आमलकी११व्र.
१२	र	२४	३४	श्ले	१९	४	सु	२	५५	बा	२४	३४	३०/४	५/५९	६/१	१	१०	२२	सिं१९।४	रेवत्यांबुधः२०।५३भा.चैत्रारंभः प्रदोषः
१३	चं	२६	१५	म	२२	१६	धृ	१	२३	तै	२६	१५	८	५८	२	२	११	२३	सिंहे	[Dउभा.भौमः३३।९छारेंडी
१४	मं	२८	५६	पू	२६	३१	शू	१	२	व	२८	५६	१२	५८	२	३	१२	२४	कं.४२।५०	भ.२८।५६उ.होलिकादहनम्भद्रापुच्छे
१५	बु	३२	४६	उ	३१	४५	गं	०	५६	वि	०	५१	१६	५७	३	४	१३	२५	कन्यायाँ	भ०।५१या.ग्रस्तोदितखग्रासचंद्रग्रहणम्D

४९पं.फा.शु.६चें.इ. ११/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	१०	११	८	९	६	११	११
१	२६	४	७	२९	२३	१४	०
५	०	२७	१७	३२	५४	१७	५६
३१	१४	३२	४९	२	७	३५	२४
५९	४६	७/८	६	७१	१/४६	३	५९
४१	१७	२९	११	४३	व	११	४९

गोचर ग्रहाः

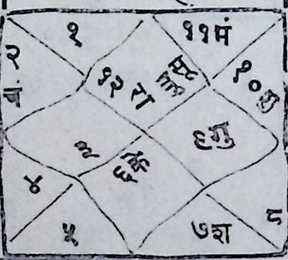

फाल्गुन शुक्ले ५रवौ मीनेऽर्कः प्रविष्टःवा. ३ न.४ बालावस्था (बैठी)मु.१५धान्यादिभावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

५०पंमा.शु.१३चं.इ. ३१/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	११	८	१०	६	११	११
८	१	१८	७	२	२३	१४	७
३	३०	१९	५७	५७	३८	३५	५४
१८	५४	१	४	४०	४९	१९	१९
५९	४६	७/८	३	७२	२/२५	३	५९
२९	१२	२८	२	२	व	११	३५

ति.	चैत्र कृष्णपक्षः सं. २०९९ शाकः १९६४												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वसंततर्तू रविरुत्तरे फाल्गुन कृष्णेति महा.
१	गु	३७	४६	ह	३८	२	बृ	१	५०	बा	५	१६	३०/२१	५/५६	६/४	५	१४	२६	कन्यायां	शतेशुक्रः१६।३९बुधोदयः पश्चिमायां–
२	शु	४३	११	चि	४४	४८	ध्रु	३	२३	तै	१०	२८	२५	५५	५	६	१५	२७	तु.११।२५	[–१।२८वसंत१
३	श	४९	२२	स्वा	५२	१५	व्या	५	२२	व	१६	१६	२९	५४	६	७	१६	२८	तुलायां	भ.१६।१६उ.४९।२२या.
४	र	५५	३९	वि	५९	५४	ह	७	४८	ब	२२	३१	३३	५३	७	८	१७	२९	वृ.४३।३	अश्वि.मेषेबुधः१३।५७चतुर्थीव्र.
५	चं	६०	०	अ	६०	०	व	१०	२०	कौ	२८	५१	३७	५३	७	९	१८	३०	वृश्चिके	वक्रीविशा.२शनिः२३।४९
५	मं	२	४	अ	७	२६	सि	१२	२४	तै	२	४	४१	५२	८	१०	१९	३१	वृश्चिके	रेवत्यांरविः५३।२७
६	बु	७	४६	ज्ये	१४	११	व्य	१३	५५	व	७	४६	४५	५१	९	११	२०	१	ध.१४।११	भ.७।४६उ.४०।७या.रेवत्यांरविःसौरः=
७	गु	१२	२८	मू	१९	५९	व	१४	४०	ब	१२	२८	४९	५०	१०	१२	२१	२	धनुषि	[=२।४४अप्रेल४ता.३०
८	शु	१५	४८	पू	२४	६	प	१४	६	कौ	१५	४८	५३	४९	११	१३	२२	३	म.३९।४२	शीतलापूजनम्
९	श	१७	१५	उ	२६	२९	शि	१२	५	ग	१७	१५	५७	४९	११	१४	२३	४	मकरे	भ.४६।५५उ.
१०	र	१६	३५	श्र	२६	५०	सि	८	३६	वि	१६	३५	३/१	४८	१२	१५	२४	५	कुं.५५।५८	भ.१६।३५या.
११	चं	१३	५२	ध	२५	७	सा	३/६	५३/१२	बा	१३	५२	५	४७	१३	१६	२५	६	कुम्भे	पूभा.शुक्रः१८।२पापमोचनी११व्र.
१२	मं	९	१८	श	२१	३९	शु	४८	१२	तै	९	१८	१०	४६	१४	१७	२६	७	कुंभे	प्रदोषः
१३	बु	२	५०	पू	१६	१९	ब्र	३८	५६	व	२	५०	१४	४५	१५	१८	२७	८	मी२।३९	भ.२।५०उ.२८।४८या.भरण्यांबुधः१/४ ०/८
१४	बु	५१	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३०	गु	४५	५४	उ	९	५५	ऐं	२८	५०	च	२०	२०	१८	४४	१६	१९	२८	९	मीने	मन्वादिः

५१पं.चै.कृ.५चं.इ. ११/४९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	८	१०	६	११	११
१४	६	१	८	११	२३	१४	१४
५९	५८	३८	२८	२४	१९	१३	५०
१०	४४	४२	१२	४७	२३	४	३१
५९	४६	७/०	३	७२	३/५	३	५९
१६	२	५/१०	५२	२७	व	११	१८

गोचर ग्रहाः

इस मासमें शनिवार का चन्द्रदर्शन चांदी स्वर्ण रुई रंग सूत कपासवस्त्र वारदाना लाल वस्तुओं में तेजी करेगा।

गोचर ग्रहाः

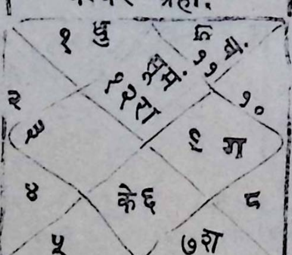

५२पं.चै.कृ११चं.इ. १२/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	११	०	८	१०	६	११	११
२१	१२	१५	८	१९	२२	१३	२१
५३	२५	२	५०	५२	५६	५०	४४
३१	३०	२४	३८	५२	५३	४८	४२
५९	४६	६९	२	७२	३/४८	३	५९
४	२	३५	३०	४६	व	११	४

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

श्रीगणेशाय नमः

ऋद्धिः लाभः

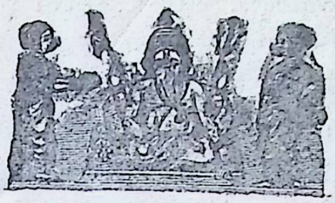

सिद्धिः शुभम्

स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपंकजस्मरणम् ।
वासरमणिरिव तमसां राशिन्नाशयति विघ्नानाम् ।

अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१४४, तत्र कृतयुगप्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुगप्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुगप्रमाणम् ८६४०००, कलियुगप्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१४४, भोग्यकलिः ४२६८५६ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपतिवीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २१००, शाकः १९६५, अथास्मिन् वर्षे राजा भृगुः। मंत्री भौमः। सस्येशः शुक्रः । धान्येशः बुधः। मेघेशः चंद्रः। रसेशः शनिः। नीरसेशः गुरुः। फलेशः चन्द्रः। धनेशः गुरुः। दुर्गेशः चंद्रः। एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्टयब्दानां मध्ये ब्रम्ह-विंशतिकायां ११ ईश्वरनाम संवत्सरःप्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ४।४।४२।११।२४ भोग्यमासादिः ७।२५।१७।४८।३६ इन्द्रदैवतं युगम् । तत्र वर्षनाम ज्येष्ठः । मेघनाम द्रोणः। रोहिणी निवासस्तटे । समयनिवासो रजक गृहे। समय विश्वा१८ समयवाहनम् दर्दुरः। स्तंभः३ अन्नजलवायुनां। सोमवत्यमा१ सोमवती पंचमी× अंगारकी चतुर्थी १ बुधाष्टमी × भानुसप्तमी १रविदशमी१ समय मुहूर्ताः ३६० समयदिनानि ३५४ तिथिक्षयः १६ तिथिवृद्धिः १० उत्पत्ति विश्वा ९९ खपतिविश्वा १२६, वर्षाविश्वा ७, धान्यम् १७, तृणम् ९, शीतम् ५, तेजः ९, वायुः ५, वृद्धिः ७, क्षयः ७, विग्रहः१७, ऐक्यम्८३, सत्यम्।। धर्म १।।,पापं १८शनिदृष्टिपश्चिमे। ग्रहण२चंद्रमसः।

स. २१०० भाद्रपदशु. १४ शुक्रे
ग्रस्तास्तं चंद्र ग्रहणम्

	स्पर्श	सं.	मध्य	उ.	मो.
घ.	५	६	७	७	९
मि.	३६	४१	२०	५८	३
घं.	५७	०	२	३	६
प.	५३	३६	१२	४८	३१

सं. २१०० फाल्गुन शु. १५ रवौ
खग्रास चंद्र ग्रहणम्

	स्प.	सं.	म.	उ.	मो.
घं.	११	१२	१	१	२
मि.	२४	३५	१०	४४	५६
इ.	४२	४५	४६	४८	५१
प.	२२	२०	४७	१२	१२

वर्ष लग्नम् ८।११

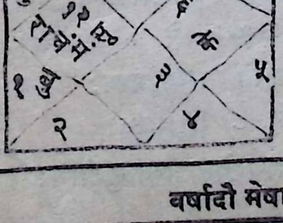

भैरव भवानी सम्वाद

भैरव प्रश्न

श्री जगदंबे ईश्वरी आई सौकी साल ।
कैसी रहसीं सृष्टि में भैरव तणों सवाल ।।

भवानी उत्तर

अंबा भैरव से कहे यह है सौकी साल ।
फिर से आई जगत में सौ वर्षों से चाल ।।
चौमासे दिनमणि चलें बुधभार्गव के बीच ।
मंगल राजा बर्ष में बर्षां करसी खींच ।।
पण भैरव भय मत करे स्तंभ बर्ष के तीन ।
विन बर्षा अन नीपजे इसमें मेष न मीन ।।
अधिकारी इस बर्ष में पाप खेट हैं दोय ।
सौम्य ग्रहां के योग से जग में मंगल होय ।।
सीकर जिला सिमारला मेरा है निज ग्राम ।
रूडमल्ल का पुत्र हूँ वंशीधर है नाम ।।
श्री ईश्वरदत्त गुरु मेरे जहं पाया मधुरा मेवा में ।
यह शतबर्षी पंचांग बना अर्पण हें उनकी सेवा में ।।

लाभखर्च कोष्ठक

रा.	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.
ला.	२	११	१४	८	११	८
ख.	८	१४	११	११	५	११

रा.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
ला.	१४	२	५	८	८	५
ख.	१४	८	१४	८	८	१४

वर्षेश लग्नम् ५।११

वर्षादौ मेषार्के ग्रहलाघवीयायनांशाः २५।२१।० केतकी मतेन वेधसिद्ध सूक्ष्मायनांशाः २४।२६।३५

(सं० २००१ समारभ्य २१०० पर्यन्तम्) फार्म न. १७९

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथाधिकारिणां फलम् ॥ अथास्मिन् वर्षे राजा शुक्रः फलम् ॥ शुक्रस्य राज्ये बहु सस्य संकुला सुतीव्र वेगाः सरितोम्बु राशिभिः । फलन्ति वृक्षाः बहु गोप्रसूतिर्वसुन्धरा पार्थिव सौख्य संयुता ।। मंत्री भौमस्तत्फलम् ।। अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्यु गदादिजवेदना । जनपदेषु जयं सुखसंचयं न बहु गोषु पयो द्विजकमं च ।। सस्येशः शुक्रः फलम् ।। शुक्रो यदा धान्यपतिर्धरायां मेघो जलं वर्षति शोभनं प्रियम् । गोधूम शालेक्षु धन प्रियंगु वृक्षेषु पुष्पाणि सुख प्रदानि ।। धान्येशः बुधः फलम् ।। बुधे धान्याधिपे मेघाः जलं मुँचति वै भृशम् । सैंधवे लाटदेशे च माधवोऽल्पं च वर्षति ।। मेघेशः चन्द्रः फलम् ।। शशिनि तोयदपे यदि गोमहिष्यजखरादिषु दुग्धरसं तदा । फलवती धनधान्यवती मही विविध भोगवती ननु भामिनी ।। रसेशः शनिः फलम् ।। रविसुते रसपे रससंक्षयो न जलदा गददाश्च पयोधराः । अजगवां गज वाजि खरोष्ट्रहा जनपदेषु नरा न रसैर्युताः ।। नीरसेशः गुरुः फलम् ।। हरिद्रा स्नीत वस्तूनि पीतवस्त्रादिकञ्चयत् । नीरसेशो यदा जीवः सर्वेषां प्रीतिरुत्तमा ।। फलेशश्चन्द्रस्तत्फलम् ।। यदि विधु फलपो द्रुमराशयः फलयुतावलीभिः कुसुमैर्युताः । द्विजमुखावर भोग समन्विता नृपतयो नयनाटन तत्पराः । धनेशः गुरुः फलम् ।। सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपः वणिज वृत्ति परा सुख भाजनाः । फलित पुष्पित भूमिरुहाः सदा विविध द्रव्ययुता भुविः मानवाः । दुर्गेशश्चन्द्रः फलम् ।। गढपतिः शशलांछनको यदा नृप सुराज्य विलासित पौरजाः बहु धनेक्षुज गोरस भोगिनो नरवरा वर वर्णित विग्रहाः ।। ईश्वरनाम संवत्सरःफलम् ।। ईश्वराब्दे खिलाम् जन्तून् धात्रीधारमतेसदा। पोषवत्याखिला लोकान्नात्र कार्याविचारणा ।। वर्षनाम ज्येष्ठः फलम् ।। तस्करैः पापरोगैर्वां पीड्यंते पीडया जनाः । भ्रमंते स्वेच्छया भूम्यां निर्द्रव्यै ज्येष्ठ संज्ञके ।। मेघनाम द्रोणः फलम् ।। द्रोणे वर्षति सर्वदा ।। रोहिणी निवासस्तटे फलम् ।। तटेवृष्टिः सुशोभनाः ।। समय निवासो रजक गृहे फलम् ।। रजके वृष्टिरुत्तमा ।। एवं संचिंत्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाशुभम् ।।

संवत् २१०० मध्ये विवाहमुहूर्ताः

चैत्र मासः

शुक्ला १० शनौ मघा ल. ८-९-११ (कुं.चं.७पू.) वृश्चि. व्यये शनिः रे. ७ ।ऽ।।।ऽऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १५ शुक्रे स्वात्यां ल. ८ (व्ययेशनिः) रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ। घ.४२उ. मृत्युपंचक

वैशाख मासः

कृष्णा २ रवौ अनु. ल. गो. (सोग्रांगः) ९-१० रे. ७ ।ऽ।।ऽअ४४याऽ।।

,, ४ भौमे मूले ल.१०-११ रे.७ ।।ऽबृ।।ऽनृ५०या।ऽ।।

,, ५ बुधे मूले ल. गो. (सोग्रांगः) सप्तमेभौमश्च रे. ८ ।।ऽबृ।।।ऽ।।

,, ७ शुक्रे उषा ल. ऽन्यगो (सोग्रांगः सप्तमेभौमश्च) रे. ७ ऽऽ।।ऽरो।।।

शुक्ला २ रवौ रोहि ल. १०-११ रे. ९ ।।।।।ऽ।।।

,, ३ चन्द्रे मृगे ल. ९-११ रे. ९ ।।।।ऽरो।।। (धनुषि चं.७पू.)

,, ७ शुक्रे मघा ल. ११ (चं.पू.) रे.१० ।।।।।।।।।

ज्येष्ठ मासः

कृष्णा ४ गुरौ उषा ल.गो.९-११ रे.८ ।।।।।नृ५१उ।ऽऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १० बुधे रेव ल. ऽन्यगो १०-११ रे. ७ ।।।ऽ।ऽऽ।।

शुक्ला ६ बुधे मघा ल. ऽन्यगो (७मेभौम.) ल. ११ चं.पू. रे. ९ ।ऽ।।।।।।।

,, १३ शनौ अनु. ल.ऽन्यगो १०-११ रे.८ ।।।ऽ।ऽ।।।

आषाढ मासः

कृष्णा २ बुधे उषा ल. गो. ११ रे. ९ ।।।ऽबुशु।।।।।

पादतो वेधाऽभावः

शुक्ला ३ गुरौ मघा ल. ऽन्यगो ११ (चं.७पू.) रे. ९ ।।।।ऽनृ४४या।।।।

मार्गशीर्ष मासः

कृष्णा १ भौमे रोहि ल. ४ रे. ९ ।।।।।ऽ।।

,, ७ चन्द्रे मघा ल.ऽन्यगो४रे.८ ।।।।ऽचो४८या।ऽ।।

,, १० गुरौ हस्ते ल. ऽन्यगो रे. ७ ऽ।।।।ऽऽ।।

शुक्ला ८ गुरौ उभा ल. गो. रे. ९ ।।।ऽ।।।।

माघ मासः

शुक्ला १० चन्द्रे रोहि ल. गो. रे. ६ ।।।ऽऽचौऽ।ऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, १५ शनौ मघा ल. ९ रे. ६ ।।।ऽबुऽ।ऽऽ।।

व्यये शनिः पादतो वेधाऽभावः

फाल्गुन मासः

कृष्णा ३ भौमे हस्ते ल. ९-१० रे. ८ ।।।।।ऽ।ऽ दग्धा

,, ५ गुरौ स्वात्यां ल. गो. ९-१० रे. ७ ऽऽ।।।।।ऽ।

गणितेन क्रांति साम्याऽभावः

,, ९ चन्द्रे मूले ल. १० रे. ८ ।।।।।ऽऽ।।

अत्र क्वचित्स्मृति दृष्टिदोषश्चेत्क्षंतव्यं सुधीभिः

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्री चैत्र शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु	इं.	चन्द्रः	वसंतर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७५२स.२०४३
१	शु	३६	३२	रे	२/४२	५२/४२	वै	१८	२०	किं	११	१३	३१/२२	५/४४	६/१६	२०	२९	१०	मे.२।४२	संवत्सरारंभ:नवरात्रारंभः
२	श	२७	१३	भ	४८	२०	वि	७/४३	५०/०	बा	१	५२	२६	४३	१७	२१	३०	११	मेषे	रेवत्यांभौमः४०/५३चन्द्रदर्शनम्सिंधारा
३	र	१८	२५	कृ	४१	५२	आ	४७	५६	ग	१८	२५	३०	४२	१८	२२	१	१२	वृ.१।४३	भ.४४/२२उ.जमादिलावल५मत्स्यजयंती-
४	चं	१०	१९	रो	३६	३४	सौ	३९	४०	वि	१०	१९	३४	४१	१९	२३	२	१३	बृषे	भ.१०।१९या. [-गणगौरी
५	मं	३	४२	मृ	३२	५०	शो	३२	२९	बा	३	४२	३८	४०	२०	२४	३	१४	मि४।४२	अश्वि.मेषेऽर्कः२७/५५(सौरः३७/१०)मीने=
६	मं	५४	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=शुक्रः३३/३९ [×हस्त.१केतुः५७/८
७	बु	५४	५१	आ	३०	४१	अ	२६	२९	ग	२६	३५	४२	४०	२०	२५	४	१५	मिथुने	भ.५४/५१उ.वक्रीबुधः४६/२५उभा.३ राहुः×
८	गु	५२	३७	पु	२९	५८	सु	२१	४७	वि	२३	४४	४६	३९	२१	२६	५	१६	क.१५।९	भ.२३।४४या.
९	शु	५२	१४	पु	३०	४४	धृ	१८	२१	बा	२२	२५	५०	३८	२२	२७	६	१७	कर्के	उभा शुक्रः१७।४४रामनवमी
१०	श	५३	१९	श्ले	३३	१२	शू	१६	११	तै	२२	४६	५३	३७	२३	२८	७	१८	सिं३३।१२	बुधास्तःपश्चिमायां१७।८
११	र	५५	३७	म	३६	४९	गं	१५	७	व	२४	२८	५७	३७	२३	२९	८	१९	सिंहे	भ.३४/२८उ.५५/३७या.पातस्पर्शः३०/३९+
१२	चं	५९	१०	पू	४१	४९	वृ	१५	१७	ब	२७	२३	३२/१	३६	२४	३०	९	२०	कं.५८।१८	वक्रीगुरुः४।१३
१३	मं	६०	०	उ	४७	३४	ध्रु	१५	४६	कौ	३१	२३	५	३५	२५	१	१०	२१	कन्यायां	भा.बैशाखारंभ:प्रदोषः
१३	बु	३	३७	ह	५४	२७	व्या	१७	५	तै	३	३७	९	३४	२६	२	११	२२	कन्यायां	[+पातमोक्षः४१।२८कामदा११व्र
१४	गु	९	११	चि	६०	०	ह	१८	५२	व	९	११	२	३४	२६	३	१२	२३	तु.४१।२७	भ.९।११उ.४१।५५या.
१५	शु	१४	३८	चि	१	५	व्र	२१	०	ब	१४	३८	१६	३३	२७	४	१३	२४	तुलायां	वक्रीअश्विन्यांबुधः३६।३१हनुमज्जयंती

१पं,चं.शु.५मं.इ. २७/५५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	१०	६	११	११
०	१८	१६	९	२९	२२	१३	२९
०	४७	१५	५	५३	२५	२४	५०
०	५६	०	२०	२	५५	४४	५८
५८	४५	७	०	७३	४/४	३	५८
४४	४२	२६	५६	४	व	११	४५

गोचर ग्रहाः

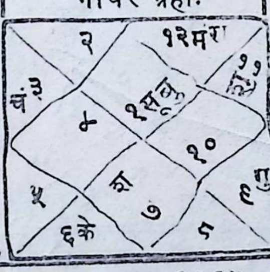

चैत्र शुक्ले ५ भौमे मेषेऽर्कः प्रविष्टः वा. ३ न. ४ गतालकावस्था (ऊभी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

२पं.चै.शु.१३मं.इ. २८/१३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	११	६	११	०
६	२४	१५	९	८	२१	१३	६
५०	१०	१	८	२३	५७	२	४१
४६	२६	२६	२८	२	४	२८	९
५८	४५	३२/२०	०/१४	७३	४/२२	३	५८
३१	३७	व	व	१७	ब	११	२९

ति.	वैशाख कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्र कृष्णेति महा.
१	श	२०	५४	स्वा	८	३४	सि	२३	१७	कौ	२०	५४	३२/२०	५/३२	६/२८	५	१४	२५	वृ.५९।८	
२	र	२७	७	वि	१५	५९	व्य	२५	४६	ग	२७	७	२३	३१	२९	६	१५	२६	वृश्चिके	
३	चं	३३	११	अ	२३	२७	व	२७	५६	व	०	९	२७	३१	२९	७	१६	२७	वृश्चिके	भ.०।९उ.३३।११या.चतुर्थीव्र.
४	मं	३८	४४	ज्ये	३०	२२	प	२९	५६	ब	५	५७	३५	३०	३०	८	१७	२८	ध.३०।२२	भरण्यांरविः८(सौरः१८/४२) रेवत्यांशुक्र१८/४
५	बु	४३	३२	मू	३६	३२	शि	३१	१	कौ	११	८	३४	२९	३१	९	१८	२९	धनुषि	अश्वि.मेषेभौमः९।४०
६	गु	४७	२०	पू	४१	३८	सि	३१	२६	ग	१५	२६	३८	२८	३२	१०	१९	३०	म.५८।३४	भ.४७।२०उ.
७	शु	४९	३५	उ	४५	२३	सा	३०	४६	वि	१८	२७	४१	२८	३२	११	२०	१	मकरे	भ.१८।२७या.मई५ता.३१
८	श	५०	१०	श्र	४७	३२	शु	२८	३५	बा	१९	५२	४५	२७	३३	१२	२१	२	मकरे	
९	र	४८	५०	ध	४७	४५	शु	२५	५	तै	१९	३०	४८	२६	३४	१३	२२	३	कुं.१७।३८	पातस्पर्शः२३।३४पातमोक्षः३४।५०
१०	चं	४५	३७	श	४६	५	ब्र	२०	२	व	१७	१३	५२	२६	३४	१४	२३	४	कुंभे	भ.१७।१३उ.४५।३७या.
११	मं	४०	२४	पू	४२	२५	ऐं	१३	२५	ब	१३	०	५५	२५	३५	१५	२४	५	मी२८।३०	पूर्वोदयीबुधः२०।१वरुथिनी११व्र.
१२	बु	३३	२८	उ	३७	१५	वै	५/१७	०/४५	कौ	६	५६	५८	२४	३६	१६	२५	६	मीने	प्रदोषः
१३	गु	२५	१७	रे	३०	४६	प्री	४५	५४	व	२५	१७	३३/२	२४	३६	१७	२६	७	मे.३०।४६	भ.२५।१७उ.५०।३४या.
१४	शु	१५	५२	अ	२३	१०	आ	३५	३	श	१५	५२	५	२३	३७	१८	२७	८	मेषे	
३०	श	५	५५	भ	१५	१५	सौ	२४	३	ना	५	५५	८	२२	३८	१९	२८	९	वृ.२८।१९	अश्वि.मेषेशुक्रः१८।१२

३पं.वै.कृ.४मं.इ. २८/२९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	११	०	८	११	६	११	०
१३	२९	१०	९	१६	२१	१२	१३
३९	२८	१९	२	५२	२६	४०	२९
५०	४८	१३	१४	४४	२४	१२	३४
५८	४५	३८/५८	४/१६	७३	४	३	५८
१९	२७	व	व	२४	४०	११	१२

गोचर ग्रहाः

इसमासमें ५शनिवार अशुभहैं धान्य गेहूंजौ चना बाजरा मूंगमोठ रसकस गुड शक्कर चीनी धातु सोना चांदी तेज हो।

गोचर ग्रहाः

४पं.वै.कृ.११मं.इ. २८/४२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	८	११	६	११	०
२०	४	७	८	२५	२०	१२	२०
२७	४८	१४	४६	२३	५४	१७	१६
२९	१८	६	२३	२४	४३	५७	२१
५८	४५	३४	१/८	७३	४/४०	३	५७
६	१७	२७	व	३८	व	११	५७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	वैशाख शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरेऽहर्गणः४७८२स.२०४३
१	श	४९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[–जमादिलाखर६परशुरामजयंती=
२	र	४६	११	कृ	७	३०	शो	१३	२०	बा	२१	१	३३/१९	५/२२	६/३८	२०	२९	१०	वृषे	चन्द्रदर्शनम् [=अक्षय३
३	चं	३७	४४	रो	०/२६	५३/५९	अ	३/१४	५०/४१	तै	११	५७	१४	२१	३९	२१	१	११	मि२७।२४	कृत्ति.रविः५५।७उदयोभौमः४९।११–
४	मं	३०	३२	आ	४९	५२	धृ	४६	१४	व	४	८	१७	२१	३९	२२	२	१२	मिथुने	भ.४/८उ.३/३ ०/२या.कृत्ति रविःसौरः२/३ ४×
५	बु	२५	१३	पु	४७	२३	शू	४०	८	बा	२५	१३	२०	२०	४०	२३	३	१३	क.३३।०	[×मार्गीबुधः७/१ ३
६	गु	२१	४७	पु	४६	४३	गं	३५	२३	तै	२१	३७	२३	१९	४१	२४	४	१४	कर्के	[+पातस्पर्शः१/३ ५/७पातमोक्षः२/३ ६/१
७	शु	२०	१२	श्ले	४८	९	वृ	३२	२४	व	२०	१२	२६	१९	४१	२५	५	१५	सिं४८।९	भ.२/१ ०/२उ.५/२ ०/९या.वृषेऽर्कः२/२ १/२(सौरः३/२ ४/७)+
८	श	२०	४६	म	५१	२३	ध्रु	३०	३५	ब	२०	४६	२८	१८	४२	२६	६	१६	सिंहे	भरण्यांभौमः५१।३५
९	र	२२	५२	पू	५६	८	व्या	३०	२५	कौ	२२	५२	३१	१८	४२	२७	७	१७	सिंहे	वक्रीस्वाती.४शनिः३७।१६
१०	चं	२६	४२	उ	६०	०	ह	३१	१६	ग	२६	४२	३४	१७	४३	२८	८	१८	क.१२।३९	भ.५९।३उ.
११	मं	३१	३४	उ	२	१०	व	३२	३९	वि	३१	३४	३७	१७	४३	२९	९	१९	कन्यायां	भ.३१।३४या.मोहिनी११व्र.
१२	बु	३७	१६	ह	९	०	सि	३४	५९	ब	४	२५	३९	१६	४४	३०	१०	२०	तु.४२।३४	भरण्यांशुक्रः२०।४०
१३	गु	४३	१२	चि	१६	८	व्य	३७	८	कौ	१०	१४	४२	१६	४४	३१	११	२१	तुलायां	प्रदोषः
१४	शु	४९	२८	स्वा	२३	४०	व	३९	३८	ग	१६	२०	४४	१५	४५	१	१२	२२	तुलायां	भ४९।२८उ.भा.ज्येष्ठारंभः नृसिंहजयंती
१५	श	५५	२४	वि	३१	४	प	४१	५९	वि	२२	२६	४७	१५	४५	२	१३	२३	वृ.१४।१३	भ.२२।२६या.यमायकुंभदानम्

५पं.वै.शु.४मं.इ. २८/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
०	०	०	८	०	६	११	०
२७	१०	६	८	३	२०	११	२७
१३	५	३८	२२	५४	२२	५५	१
३७	६	५३	४१	४०	५९	४१	३५
५७	४५	१/५ २	४/१ २	७३	४/४०	३	५७
५४	२	मा	व	५०	व	११	३५

गोचर ग्रहाः

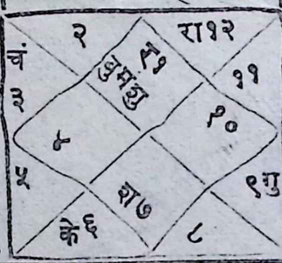

वैशाख शुक्ले ७ शुक्रे बृषेऽर्कःप्रविष्टःवा.४ न. ५ वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादि भावे महर्घता शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

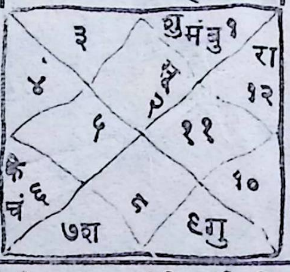

६पं.वै.शु.११मं.इ. २९/३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	०	६	११	१
३	१५	९	७	१२	१९	११	३
५८	१७	२८	५०	१६	५१	३३	४५
४४	२८	४१	२४	२४	५०	२६	२०
५७	४४	३१	५/२३	७३	४/२३	३	५७
४४	५२	२८	व	५५	व	११	३४

ति.	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा.
१	र	६०	०	अ	३८	१८	शि	४४	८	बा	२८	१७	३३/४९	५/१४	६/४६	३	१४	२४	वृश्चिके	भरण्यांबुधः१६।५७
१	चं	१	१०	ज्ये	४५	७	सि	४५	४७	कौ	१	१०	५२	१४	४६	४	१५	२५	ध.४५।७	रोहि.रविः४/३ ४/५
२	मं	६	१७	मू	५०	५९	सा	४६	५२	ग	६	१७	५४	१३	४७	५	१६	२६	धनुषि	भ.३८।२५उ.रोहि.रविःसौरः०।२९
३	बु	१०	३४	पू	५६	१३	शु	४७	२६	वि	१०	३४	५६	१३	४७	६	१७	२७	धनुषि	भ.१०।३४या.चतुर्थीव्र.
४	गु	१४	१	उ	६०	०	शु	४७	१	बा	१४	१	५८	१२	४८	७	१८	२८	म.१२।१४	
५	शु	१६	१३	उ	०	१८	ब्र	४५	४०	तै	१६	१३	३४/०	१२	४८	८	१९	२९	मकरे	पातस्पर्शः२/५ १/७पातमोक्षः३/१ ७/५
६	श	१७	१७	श्र	३	११	ऐं	४३	१४	व	१७	१७	२	१२	४८	९	२०	३०	कुं.३३।५८	भ.१/१ ७/७उ.४/ ७/६या.
७	र	१६	५५	ध	४	४६	वै	३९	३७	ब	१६	५५	३	११	४९	१०	२१	३१	कुम्भे	कृत्ति.शुक्रः१/४ २/८वक्रीमूल.२गुरुः३३।२
८	चं	१५	१	श	४	५३	वि	३४	४५	कौ	१५	१	५	११	४९	११	२२	१	मी४८।३३	जून६ता.३०
९	मं	११	२८	पू	३	७	प्री	२८	३०	ग	११	२८	७	११	४९	१२	२३	२	मीने	भ.३८।५०उ.वृषेशुक्रः५/१ ३/९
१०	बु	६	१२	उ	०/१	५५/२५	आ	२१	८	वि	६	१२	९	१०	५०	१३	२४	३	० ०	भ.६/१ २या.कृत्ति.भौमः५/२ ६/६÷
११	बु	५३	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	मे.५५।२६	[÷अपरा११व्र.स्मा.
१२	गु	५१	४५	अ	४९	३१	सौ	१२	३२	कौ	२५	४१	१०	१०	५०	१४	२५	४	मेषे	कृत्ति.बुधः४/३ ५/९अपरा११व्र.वै.
१३	शु	४२	४७	भ	४२	३१	शो	३/४	४९/४८	ग	१७	१६	१२	१०	५०	१५	२६	५	वृ.५५।४०	भ.४/४ २/७उ.प्रदोषः
१४	श	३३	१८	कृ	३५	६	सु	४२	२०	वि	८	२	१३	९	५१	१६	२७	६	वृषे	भ.८।२या.वृषेबुधः२९।३८
३०	र	२३	२८	रो	२७	३२	धृ	३१	४४	ना	२३	२८	१५	९	५१	१७	२८	७	मि५४।७	वटपूजनम्

७पं.ज्ये.कृ.२मं.इ. २९/९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	०	६	११	१
१०	२०	१५	७	२०	१९	११	१०
४२	२८	३१	११	५८	२२	११	२७
४०	८	४१	४६	८	५२	१०	३१
५७	४४	५९	६/१८	७४	४/८	३	५७
३५	३७	४६	व	२	व.	११	२३

गोचर ग्रहाः

इस मास में धान्य जौ गेहूं चांवल मटर सरसों अलसी मंदे हो धातु सोना चांदी लोहा तेज हो रुई में घटावढी चले ।

गोचर ग्रहाः

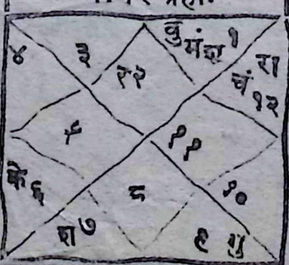

८पं.ज्ये.कृ.९मं.इ. २९/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	०	०	८	०	६	११	१
१७	२५	२४	६	२९	१८	१०	१७
२५	३५	२४	२६	३०	५६	३८	८
२६	५९	७	१३	१४	६	५४	३७
५७	४४	८५	७/६	७४	३/५२	३	५७
२७	५	४७	व	८	वे	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	ग्रीष्मर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः४८११स.२०४३
१	चं	१४	९	मृ	२०	४३	शू	२१	४६	ब	१४	९	३४/१६	५/९	६/५१	१८	२९	८	मिथुने	मृगेरविः३९/३७(सौरः५९/१७वृषेभौमः३३/१७–
२	मं	५	५२	आ	१४	४४	गं	१२	४२	कौ	५	५२	१७	९	५१	१९	१	९	क.५६।२४	रज्जव७ [–चन्द्रदर्शनम्
३	मं	५३	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[Aगुर्जराणांवटसावित्रीव्र.
४	बु	५३	५८	पु	१०	१७	वृ	४/४७	५३/२७	व	२६	३०	१८	८	५२	२०	२	१०	कर्के	भ.२६।३०उ.५३।५८या.
५	गु	५०	५६	पु	७	४०	ध्रा	५३	३७	ब	२२	२७	१९	८	५२	२१	३	११	कर्के	रोहि.शुक्रः१।२८
६	शु	५०	१४	श्ले	७	१३	ह	५०	५३	कौ	२०	३५	१९	८	५२	२२	४	१२	सिं७।१३	रोहि.बुधः६।४५
७	श	५१	२२	म	८	५६	व	४९	३०	ग	२०	४८	२०	८	५२	२३	५	१३	सिंहे	भ.५१।२२उ.
८	र	५४	३१	पू	१२	३१	सि	४९	४७	वि	२२	५६	२१	८	५२	२४	६	१४	कं.२८।५२	भ.२२।५६या.
९	चं	५९	८	उ	१७	५३	व्य	५०	४३	बा	२६	५०	२१	८	५२	२५	७	१५	कन्यायां	मिथुनेऽर्कः३८।११पूर्वास्तंबुधः५६।२१
१०	मं	६०	०	ह	२५	२५	व	५२	४६	तै	३२	१	२२	८	५२	२६	८	१६	तु.५८।३९	मिथुनेऽर्कःसौरः०।७गंगादशमी
१०	बु	४	५५	चि	३१	५३	प	५५	१०	ग	४	५५	२२	८	५२	२७	९	१७	तुलायां	भ.५७/३उ.उभा.२राहुःउषा.४केतुः५१/५१
११	गु	१०	५९	स्वा	३९	१९	शि	५७	४७	वि	१०	५९	२३	७	५३	२८	१०	१८	तुलायां	भ.५९/१या.मृगेबुधः५४/३निर्जला११व्र.
१२	शु	१७	१७	वि	४६	५५	सि	६०	०	बा	१७	१७	२३	७	५३	२९	११	१९	वृ.३०।१	प्रदोषः
१३	श	२३	१७	अ	५४	३	सि	०	१०	तै	२३	१७	२३	७	५३	३०	१२	२०	वृश्चिके	[=मृगेशुक्रः०/५९ रोहि.भौमः२९/२×
१४	र	२८	३९	ज्ये	६०	०	सा	२	१३	व	२८	३९	२४	७	५३	३१	१३	२१	वृश्चिके	भ.२८।३९उ. [×भा.आषाढारंभःA
१५	चं	३३	११	ज्ये	०	३३	शु	३	३७	वि	०	५५	२४	७	५३	१	१४	२२	ध.०।३३	भ.०/५५या.आर्द्रा.रविः३७/६मिथुनेबुधः०/३६=

९पं.ज्ये.शु.२मं.इ. २९/१५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१	१	१	८	१	६	११	१
२४	०	५	५	८	१८	१०	२३
७	४०	२०	३६	५	३१	२६	४८
३०	५५	६	२२	४९	३४	३९	३३
५७	४३	७/०	४७/०	७४	३/२०	३	५७
२२	५२	३८	व	१४	व	११	५

गोचर ग्रहाः

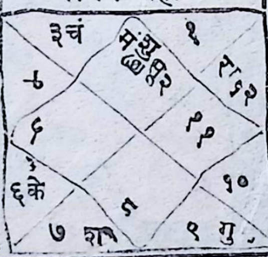

ज्येष्ठ शुक्ले ९ चन्द्रे मिथुनेऽर्कः प्रविष्टः वा ४न५ गतालकावस्था (ऊभी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

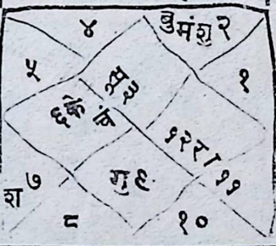

१०पं.ज्ये.शु.१०मं.इ. २९/१४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र.
२	१	१	८	१	६	११	२
०	५	१८	४	१६	१८	१०	०
४८	४३	२४	४३	३६	१०	४	२७
३७	४८	११	१	१४	४१	२३	४२
५७	४३	७/०	५२/७	७४	४२/२	३	५६
१७	४०	५२	व	२०	व	११	५१

ति.	आषाढ कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चंद्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठ कृष्णोतिमहा.
१	मं	३६	४१	म	६	०	शु	४	२३	बा	४	५६	३४/२४	५/७	६/५३	२	१५	२३	धनुषि	आर्द्रा.रविःसौरः१।४०
२	बु	३९	२०	पू	१०	४१	ब्र	४	२१	तै	८	०	२४	७	५३	३	१६	२४	म.२६।३४	
३	गु	४०	४२	उ	१४	१३	ऐं	३	३७	व	१०	१	२४	७	५३	४	१७	२५	मकरे	भ.१०।१उ.४/४ ०/२या.आर्द्रा.बुधः८।५१
४	शु	४१	७	श्र	१६	४७	वै	३/३	५७/३१	ब	१०	५५	२३	७	५३	५	१८	२६	कुं.४७।३१	चतुर्थीव्र.
५	श	४०	२५	ध	१८	१६	ग्री	५६	१७	कौ	१०	४६	२३	७	५३	६	१९	२७	कुंभे	मिथुनेशुक्रः२८।५४वक्रीमूल.१गुरुः२६/५
६	र	३८	४६	श	१८	४७	आ	५२	८	ग	९	३५	२२	८	५२	७	२०	२८	कुम्भे	भ.३८।४६उ.
७	चं	३५	५९	पू	१८	१३	सौ	४७	५	वि	७	२२	२२	८	५२	८	२१	२९	मी३।२२	भ.७।२२या.
८	मं	३२	४	उ	१६	३१	शो	४१	११	बा	४	१	२१	८	५२	९	२२	३०	मीने	
९	बु	२७	१०	रे	१३	४६	अ	३४	२३	ग	२७	१०	२०	८	५२	१०	२३	१	मे.१३।४६	भ.५४/७उ.पुन.बुधः३/५ ५/२जुलाई७ता.३१
१०	गु	२१	५	अ	९	५९	सु	२६	४३	वि	२१	५	१९	८	५२	११	२४	२	मेषे	भ.२१।५या.आर्द्रा.शुक्रः५१।२०
११	शु	१४	४	भ	५/८	५४/१८	धृ	१८	१५	बा	१४	४	१८	८	५२	१२	२५	३	वृ.१८।४२	योगिनी११व्र.
१२	श	६	२३	रो	५३	१६	शू	९/१६	५०/३७	तै	६	२३	१७	९	५१	१३	२६	४	वृषे	भ.५।५८उ.प्रदोषः
१३	श	५१	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१४	र	४९	३४	मृ	४७	५	बृ	५०	३१	वि	२३	४६	१६	९	५१	१४	२७	५	मि२०।११	भ.२३।४६या.
३०	चं	४१	३४	आ	४१	१४	ध्रु	४१	३२	च	१५	३४	१५	९	५१	१५	२८	६	मिथुने	पुन.रविः३६।४६कर्केबुधः०।५०

११पं.आ.कृ.१मं.इ. २९/११

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	१	६	११	२
७	१०	३	३	२५	१७	९	७
२९	४३	८	५०	९	५३	४२	६
४२	२६	१३	२०	२५	४९	८	९
५७	४३	७/०	५९/७	७४	२/९	३	५६
१३	२४	२९	व.	२६	व.	११	५४

गोचरग्रहाः

आषाढशुक्ले ११शुक्रे कर्केऽर्कः प्रविष्ट.वा ५न. ५ प्रगल्भावस्था (वठी) मु. ३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

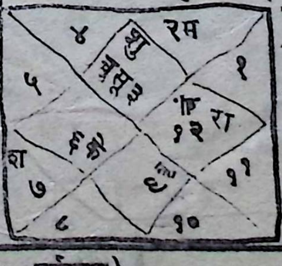

१२पं.आ.कृ.८मं.इ. २९/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	२	८	२	६	११	२
१४	१५	१८	२	३	१७	९	१३
१०	३९	२०	५६	४३	४१	१९	४४
८	३६	५६	२५	३४	१०	५२	२२
५७	४३	७/०	४०/७	७४	३/०	३	५६
७	३	५३	व.	२१	व.	११	५०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आषाढ शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४८४०स.२०४३
१	मं	३४	३०	पु	३६	१६	व्या	३२	५२	किं	८	२	३४/१४	५/९	६/५१	१६	२९	७	क.२२।३१	पुन.रविःसौरः५।४२पुष्येबुधः४१।१
२	बु	२८	४१	पु	३२	३१	ह	२५	३९	बा	१	३५	१३	९	५१	१७	३०	८	कर्के	पश्चिमोदयीबुधः३९/१६चंद्रदर्शनम् रथयात्रा
३	गु	२४	४३	श्ले	३०	३५	व	१८	४२	ग	२४	४३	११	१०	५०	१८	१	९	सि३०।३५	भ.५३।४६उ.सावान८
४	शु	२२	४९	म	३०	४३	सि	१४	१२	वि	२२	४९	१०	१०	५०	१९	२	१०	सिंहे	भ.२२।४९या.
५	श	२२	५१	पू	३२	४७	व्य	११	३१	बा	२२	५१	८	१०	५०	२०	३	११	कं.४८।४८	मृगेभौमः३२।११
६	र	२४	५८	उ	३६	५३	व	१०	४९	तै	२४	५८	७	११	४९	२१	४	१२	कन्यायां	
७	चं	२९	१	ह	४२	२३	प	१०	५१	व	२९	१	५	११	४९	२२	५	१३	कन्यायां	भ.२९।१उ.पुन.शुक्रः४५।५७
८	मं	३४	२३	चि	४९	१८	शि	१२	१४	वि	१	४२	३	११	४९	२३	६	१४	तु.१५।५१	भ.१।४२या.आश्ले.बुधः५६।२३
९	बु	४०	८	स्वा	५६	४९	सि	१५	१७	बा	७	१५	१	१२	४८	२४	७	१५	तुलायां	मार्गीशनिः३६/३२शुक्रास्तःपूर्वस्यां३७।४८
१०	गु	४६	३१	वि	६०	०	सा	१७	४६	तै	१३	२०	३३/५९	१२	४८	२५	८	१६	वृ.४७।३५	[-(सौरः३८/२६) देवशयनी ११व्र.
११	शु	५२	२७	वि	४	३१	शु	२०	२३	व	१९	२९	५७	१३	४७	२६	९	१७	वृश्चिके	भ.१९।२९उ.५२।२७या कर्केऽर्कः५/२२-
१२	श	५७	५३	अ	११	४१	शु	२२	२९	ब	२५	१०	५५	१३	४७	२७	१०	१८	वृश्चिके	[=कर्केशुक्रः५२/५४मिथुनेभौमः१०/५५×
१३	र	६०	०	ज्ये	१८	१८	ब्र	२४	५	कौ	२९	५८	५२	१४	४६	२८	११	१९	ध.१८।१८	प्रदोषः [×वायुपरीक्षा
१३	चं	२	४	मू	२३	४१	ऐं	२४	४०	तै	२	४	५०	१४	४६	२९	१२	२०	धनुषि	पुष्ये.रविः३४।४०
१४	मं	५	४	पू	२७	५१	वै	२४	१४	ब	५	४	४८	१४	४६	३०	१३	२१	म.४३।३३	भ.५/४उ३५/५३या.पुष्ये.रविःसौरः९/७=
१५	बु	६	४२	उ	३०	४१	वि	२२	५६	ब	६	४२	४५	१५	४५	३१	१४	२२	मकरे	व्यासपूजा गुरु१५

१३पं आ.श १मं.इ. २९/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	८	२	६	११	२
२०	२०	२	२	१२	१७	८	२०
५०	३३	५६	६	१८	३३	५७	२२
३५	४७	२	२९	३५	१८	३६	८
५७	४२	९/८	७/८	७४	०/४६	३	५६
७	५०	९५/४६	व.	२९	व.	११	५०

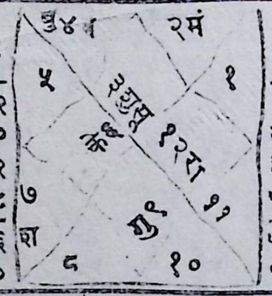

१४पं.आ.शु.८मं.इ. २८/५३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
२	१	३	८	२	६	११	२
२७	२५	१५	१	२०	१७	८	२७
३०	२४	५१	२०	५३	२९	३५	०
५४	३८	१४	५३	२०	५६	२१	१५
५७	४२	७/०	६/२०	७४	७	३	५६
१२	२६	९/२२	व	३२	व	११	५४

१५पं.आ.शु.१४मं.इ. २८/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	३	८	२	६	११	३
४	०	२७	०	२९	१७	८	३
११	१२	१४	४०	३०	३१	१३	३८
३८	२९	२६	१६	०	३६	५	४२
५७	४१	९०	५/२५	७४	०/४४	३	५६
१५	५९	४१	व	३२	मा	११	५९

त.	श्रावण कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ कृष्णेति महा.
१	गु	७	१	श्र	३२	१७	प्री	२०	३०	कौ	७	१	३३/४३	५/९५	६/४५	१	१५	२३	मकरे	मघा.सिंहेबुधः१८।१८भा.श्रावणारंभः
२	शु	६	१७	ध	३२	५४	आ	१७	२०	ग	६	१७	४०	१६	४४	२	१६	२४	कुं.२।३५	भ.३५।१७उ.पुष्ये.शुक्रः३३।५६
३	श	४	१७	श	३२	३७	सौ	१३	२०	वि	४	१७	३८	१६	४४	३	१७	२५	कुम्भे	भ.४।१७या.चतुर्थीव्र.
४	र	१	३७	पू	३१	३१	शो	८	३८	बा	१	३७	३५	१७	४३	४	१८	२६	मी१६।४८	नाग५मरुस्थले
५	र	५६	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
६	चं	५४	१७	उ	२९	४७	अ	३/१८	५४/१४	ग	२६	१३	३३	१७	४३	५	१९	२७	मीने	भ.५४।१७उ.
७	मं	४९	४९	रे	२७	३१	धृ	५१	२०	वि	२२	३	३०	१८	४२	६	२०	२८	मे.२७।३१	भ.२२।३या.
८	बु	४४	५२	अ	२४	३३	शू	४४	३५	बा	१७	२१	२७	१९	४१	७	२१	२९	मेषे	[×वृश्चिकेगुरुः२४/६
९	गु	३९	२०	भ	२१	१५	गं	३७	४१	तै	१२	६	२४	१९	४१	८	२२	३०	वृ.३५।१७	आर्द्रा.भौमः३६।२४वक्रीज्येष्ठा.४×
१०	शु	३३	२२	कृ	१७	२३	वृ	३०	१५	व	६	२१	२२	२०	४०	९	२३	३१	वृषे	भ.६।२१उ.३३।२२या.
११	श	२६	५३	रो	१३	१६	ध्रु	२२	३२	ब	०	७	१९	२०	४०	१०	२४	१	मि४०।५६	अगस्त८ता.३१कामिका११व्र.
१२	र	२०	२५	मृ	८	३६	व्या	१४	३८	तै	२०	२५	१६	२१	३९	११	२५	२	मिथुने	पूफाबुधः४०।२७प्रदोषः
१३	चं	१४	२	आ	४	२०	ह	६/४३	५२/३५	व	१४	२	१३	२१	३९	१२	२६	३	क.४६।२०	भ.१४।२उ.४१।५या.आश्ले.रविः३१/४१
१४	मं	८	९	पु	०/१२	५६/४५	सि	५२	२३	श	८	९	१०	२२	३८	१३	२७	४	कर्के	आश्ले.रविःसौरः८।५४आश्ले.शुक्रः२४/४५
३०	बु	२	५८	श्ले	५४	५४	व्य	४६	२०	ना	२	५८	७	२३	३७	१४	२८	५	सि५४।५४	हरियाली

१६पं.श्रा.कृ.७मं.इ. २८/३६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	८	३	६	११	३
१०	४	७	०	८	१७	७	१०
५२	५७	०	८	४	३७	५०	१८
३१	१४	२	१३	५२	५२	५०	०
५७	४१	७३	१६/४	७४	१	३	५७
२०	४३	४८	व.	३८	२२	११	५

गोचर ग्रहाः

इससमासमें मिथुन का मंगल धान्य बाजरा मूँग जौ गेहूं चावल रुई कपास वारदाना में तेजी करे सोना चांदी मंदा हो।

गोचर ग्रहाः

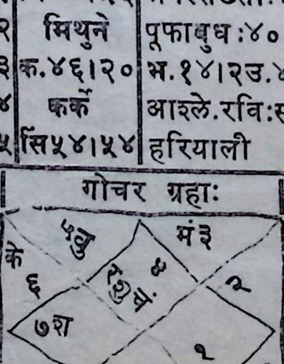

१७पंश्रा.कृ.१४मं.इ. २८/२८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	७	३	६	११	३
१७	९	१४	२९	१६	१७	७	१६
३४	३९	५५	४२	४४	३८	२९	५७
२३	१४	१६	३६	३८	३६	३४	४७
५७	४१	५२	३/१४	७४	२	३	५७
२५	२६	५५	व	३८	२	११	१२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	श्रावण शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण४८७०स२०४३
१	बु	५६	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
२	गु	५६	५९	म	५४	१८	व	४१	२७	बा	२८	३	३३/४	५/२३	६/३७	१५	२९	६	सिंहे	चन्द्रदर्शनम् सिंधारा
३	शु	५६	३५	पू	५५	२६	प	३७	५५	तै	२६	४७	०	२४	३६	१६	१	७	सिंहे	रमजान९तीज
४	श	५८	१०	उ	५८	३२	शि	३६	१	ब	२७	२२	३२/५७	२५	३५	१७	२	८	कं.११।१२	भ.२७।२२उ.५८।१०या.वरद४
५	र	६०	०	ह	६०	०	सि	३४	५८	व	२९	४५	५४	२५	३५	१८	३	९	कन्यायां	नागपंचमी
५	चं	१	२०	ह	३	५	सा	३५	४२	बा	१	२०	५०	२६	३४	१९	४	१०	तु.३६।१३	
६	मं	६	१६	चि	९	२२	शु	३७	१९	तै	६	१६	४७	२७	३३	२०	५	११	तुलायां	
७	बु	११	४५	स्वा	१६	१०	शु	३९	२२	व	११	४५	४४	२७	३३	२१	६	१२	तुलायां	भ.११।४५उ.४४।५५या.
८	गु	१८	४	वि	२३	४०	ब्र	४१	५४	ब	१८	४	४०	२८	३२	२२	७	१३	वृ.६।४७	
९	शु	२४	६	अ	३१	६	ऐं	४४	१३	कौ	२४	६	३७	२९	३१	२३	८	१४	वृश्चिके	[–श्रावणीकर्मरक्षाबंधनम् भद्रोत्तरम्
१०	श	२९	४३	ज्ये	३८	१०	वैं	४६	४	ग	२९	४३	३३	२९	३१	२४	९	१५	ध.३८।१०	मघा.सिंहेशुक्रः१३।०
११	र	३४	६	मू	४३	५६	वि	४६	५७	व	१	५४	३०	३०	३०	२५	१०	१६	धनुषि	भ.१।५४उ.३४।६या.पवित्रा११व्र.
१२	चं	३६	५६	पू	४८	२३	प्री	४६	४९	ब	५	३१	२६	३१	२९	२६	११	१७	धनुषि	मघासिंहेऽर्कः२५।४३वक्रीवुधः२३।१९
१३	मं	३८	१४	उ	५१	४	आ	४५	२६	कौ	७	३५	२२	३२	२८	२७	१२	१८	म.६।४४	मघा.सिंहेऽर्कःसौरः६।१८प्रदोषः
१४	बु	३७	५०	श्र	५२	९	सौ	४२	३४	ग	७	२	१९	३२	२८	२८	१३	१९	मकरे	भ.३७/५०उ.उभा.१राहुःउफा.३केतुः४४/४४
१५	गु	३५	५५	ध	५१	५३	शो	३८	३४	वि	६	५२	१५	३३	२७	२९	१४	२०	कुं.२२।१	भ.६/५२या.पुन.भौमः५/३९मार्गीगुरुः३/४ ८/२–

१८पं.श्रा.शु.६मं.इ. २८/१९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
३	२	४	७	३	६	११	३
२४	१४	२०	२९	२५	१८	७	२३
१९	१८	२९	२५	२३	४	६	३८
३४	२५	५३	४१	१०	५	१८	५४
५७	४१	२६	१/५५	७४	२	३	५७
३३	१०	४५	व	३८	४१	११	२२

गोचर ग्रहाः

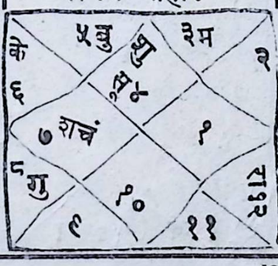

श्रावणशुक्ले १२चन्द्रे सिंहेऽर्कःप्रविष्टः वा. ४ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रास्तः पूर्वस्याम्।

गोचर ग्रहाः

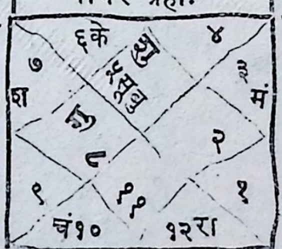

१९पं.श्रा.शु.१३मं.इ.२८/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	७	४	६	११	४
१	१८	२२	२९	४	१८	६	०
०	५३	२३	१८	२	२३	४४	२१
४	५६	५६	२९	४६	५३	३	७
५७	४०	४/५४	०/२३	७४	३	३	५७
४०	४०	व	व	३८	२६	११	३४

ति.	भाद्रपद कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावण कृष्णेति महा.
१	शु	३२	४१	श	५०	१७	अ	३३	३८	बा	४	१८	३२/१२	५/३४	६/२६	३०	१५	२१	कुम्भे	
२	श	२८	३३	पू	४७	५	सु	२७	१२	तै	०	३७	८	३४	२६	३१	१६	२२	मी३२।५३	भ.५६।४उ.
३	र	२३	३५	उ	४४	४७	धृ	२१	२६	वि	२३	३५	४	३५	२५	१	१७	२३	मीने	भ.२३।३५या.भा.भाद्रपदारंभःचतुर्थी
४	चं	१८	१३	रे	४१	२२	शू	१४	२९	बा	१८	१३	१	३६	२४	२	१८	२४	मे.४१।२२	
५	मं	१२	४६	अ	३७	५८	गं	७	२३	तै	१२	४६	३९/५७	३७	२३	३	१९	२५	मेषे	पूफा.शुक्रः५८/६बुधास्तःपश्चिमायां३७/८=
६	बु	७	२०	भ	३४	२८	वृ	०/२४	५२/४७	व	७	२०	५३	३७	२३	४	२०	२६	वृ.४८।३६	भ.७।२०उ.३४।३७या. [=चन्द्रषष्ठी
७	गु	१	५५	कृ	३१	१	व्या	४६	११	ब	१	५५	४९	३८	२२	५	२१	२७	वृषे	जन्माष्टमी व्र.
८	गु	५४	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
९	शु	५१	३०	रो	२७	४३	ह	३९	२०	तै	२४	३८	४६	३९	२१	६	२२	२८	मि५६।७	गोगा९
१०	श	४६	३५	मृ	२४	३२	व	३२	३२	ब	१९	२	४२	४०	२०	७	२३	२९	मिथुने	भ.१९।२उ.४६।३५या.
११	र	४१	५५	आ	२१	३८	सि	२५	५३	ब	१४	१५	३८	४०	२०	८	२४	३०	मिथुने	अजा११व्र.
१२	चं	३७	५३	पु	१९	२	व्य	१९	४३	कौ	९	५४	३४	४१	१९	९	२५	३१	क.४।४१	पूफा.रविः१५/२७(सौरः५७/१०)वत्सद्वादशी
१३	मं	३४	२६	पु	१७	१३	व	१३	५७	ग	६	१०	३०	४२	१८	१०	२६	१	कर्के	भ.३४।२६उ.सितम्बर९ता.३०प्रदोषः
१४	बु	३१	४७	श्लें	१६	२	प	८	४२	वि	३	६	२६	४३	१७	११	२७	२	सिं१६।२	भ.३।६या. [×३०मन्वादिः
३०	गु	३०	३१	म	१६	४	शि	४	२५	च	१	९	२२	४४	१६	१२	२८	३	सिंहे	वक्रीमघा बुधः६/३९कुशाग्रहणीपिठोरी×

२०पं.भा.कृ.५मं.इ.२८।०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	७	४	६	११	४
७	२३	२०	२९	१२	१८	६	७
४४	२९	५९	२०	४२	४८	२१	४
२८	४२	५६	६	३६	४	४७	३३
५७	४०	४३/४९	०/५१	७४	३	३	५७
४९	१९	व	मा	३२	५९	११	४५

गोचर ग्रहाः

इसमासमें कृष्णपक्षमें धान्य गेहूं जौ चना चावल बाजरा आदि धातु सोना चांदी लोहा रुई वस्त्र मंदे होकर सुदीमें तेज हो

गोचर ग्रहाः

२१पंभा.कृ.१३मं.इ. २७/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	२	४	७	४	६	११	४
१४	२७	१५	२९	२१	१९	५	१३
३०	५५	४	३०	२३	१६	५९	४९
४	४४	५२	५८	१३	५५	३२	४५
५८	३९	६३/४२	२	७४	४	३	५७
१	५८	व	१	३२	३८	११	५७

(सं० २००१ समास्म्य २१००)

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	भाद्रपद शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४८६६स.२०४३
१	शु	३०	२५	पू	१७	१२	सि	०/५६	५८/०	किं	०	२८	३१/१८	५/४४	६/९६	१३	२९	४	कं.३२।५३	कर्केभौम:३४।२५
२	श	३२	४	उ	१९	५६	शु	५७	५७	बा	१	१५	१५	४५	१५	१४	३०	५	कन्यायां	उफा.शुक्र:४३।४३चन्द्रदर्शनम्
३	र	३५	१३	ह	२४	११	शु	५७	४४	तै	३	३८	११	४६	१४	१५	१	६	तु.५६।५७	सव्वाल१०हरितालिका३
४	चं	३९	५२	चि	२९	४४	ब्र	५८	४६	व	७	३२	७	४७	१३	१६	२	७	तुलायां	भ.७।३२उ.३९।५२या.गणेशचतुर्थी
५	मं	४५	७	स्वा	३६	१८	ऐं	६०	०	ब	१२	२९	३	४७	१३	१७	३	८	तुलायां	कन्यायांशुक्र:२४।४६ऋषिपंचमी
६	बु	५१	२३	वि	४३	३८	ऐं	०	३१	कौ	१८	१५	२०/५९	४८	१२	१८	४	९	वृ.२८।४८	पुष्येभौम:५६।२७पूर्वोदयीबुध:३५।२४
७	गु	५७	३८	अ	५१	१६	वै	३	४	ग	२४	३०	५५	४६	११	१९	५	१०	वृश्चिके	भ.५७।३८उ.विशा.१शनि:४८।३५
८	शु	६०	०	ज्ये	५८	४०	वि	५	२५	वि	३०	३४	५१	५०	१०	२०	६	११	ध.५८।४०	भ.३०/३४या.मार्गीबुध:२७/१मूल.१ धनु.गुरु:९/४
८	श	३	३१	मू	६०	०	प्री	७	३७	ब	३	३१	४७	५१	९	२१	७	१२	धनुषि	[-कन्यार्क:सौर:७।१अनंत१४=
९	र	८	३३	मू	५	४	आ	९	१३	कौ	८	३३	४३	५१	९	२२	८	१३	धनुषि	उफा.रवि:५९।५२ [=महालयारंभ:
१०	चं	११	५८	पू	१०	८	सौ	९	३६	ग	११	५८	३९	५२	८	२३	९	१४	म.२६।४	भ.४२।५२उ.उफा.रवि:सौर:४१।५०
११	मं	१३	४६	उ	१३	५०	शो	८	४७	वि	१३	४६	३५	५३	७	२४	१०	१५	मकरे	भ.१/४ ३/६या.जलझूलनी११व्र.वामनजयंती
१२	बु	१३	२८	श्र	१५	२८	अ	६	३२	बा	१३	२८	३१	५४	६	२५	११	१६	कुं.४५।२३	हस्तेशुक्र:२७।५६प्रदोष:
१३	गु	११	२०	ध	१५	१७	सु	२/४५	५४/५४	तै	११	२०	२७	५५	५	२६	१२	१७	कुंभे	कन्यायामर्क:२५।१३
१४	शु	७	२३	श	१३	२१	शू	५१	४	व	७	२३	२२	५६	४	२७	१३	१८	मी५५।४९	भ.७/२३उ.३४/४३या.ग्रस्तास्त खग्रा.चं.ग्रहणं-
१५	श	२	४	पू	९	५८	गं	४३	२८	ब	२	४	१८	५६	४	२८	१४	१९	मीने	पूफा.बुध:१२।४८कु.संध्या.पूजनारंभ:

२२पं.मा.शु.५मं.इ. २७/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	७	५	६	११	४
२१	२	९	२९	०	१९	५	२०
१७	२१	५९	५०	३	४८	३७	३६
६	३२	१३	४६	४०	१८	१६	२५
५८	३९	३३/२	३	७४	४	३	५८
१६	३२	व	२६	२६	५९	११	१२

गोचर ग्रहाः

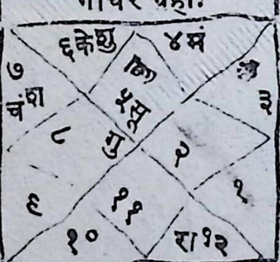

भाद्रपदशुक्ले१३गुरौ कन्यायामर्क:प्रविष्टः वा.४.न.५प्रौढावस्था (बैठी)मु.१५धान्या-दिभावे महर्घता शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ।

गोचर ग्रहाः

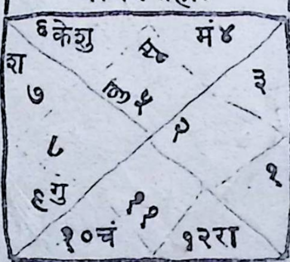

२३पं.भा.शु.११मं.इ. २७/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
४	३	४	८	५	६	११	४
२८	६	१०	०	८	२०	५	२७
५	४३	१५	१८	४५	२३	१५	२४
२८	४८	५४	५०	७	२८	०	४१
५८	३९	४३/०	४	७४	५	३	५८
२६	१२	मा	३५	२६	२७	११	२९

ति.	आश्विन कृष्णपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्र. कृष्णेति महा
१	श	५३	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	.
२	र	४८	३४	उ	५	२७	वृ	३५	१५	तै	२२	६	३/१४	५/५६	६/४	२९	१५	२०	मीने	[×अक्टू.१०ता३१शस्त्रादिहतानांश्रा.
३	चं	४१	२२	रे	०/१७	५४/५१	शु	२६	३७	ब	१४	५८	९	५८	२	३०	१६	२१	मे.०।१७	भ.१४।५८उ.४१।२२या.
४	मं	३४	१२	भ	५०	३	व्या	१७	५८	ब	७	४७	५	५९	१	३१	१७	२२	मेषे	शुक्रोदय:पश्चिमायां३७।१२चतुर्थीव्र.
५	बु	२७	३०	कृ	४५	१४	ह	९	३५	कौ	०	५१	३०/०	६/०/०	६/०	१	१८	२३	वृ.३।५१	भा.आश्विनारंभ:
६	गु	२१	३०	रो	४१	१३	व	९/२१	५२/२८	व	२१	३०	२९/५६	६/९	५/५९	२	१९	२४	वृषे	भ.२१।३०उ.४८।४६या.
७	शु	१६	२	मृ	३७	५१	व्य	४६	३३	ब	१६	२	५२	२	५८	३	२०	२५	मि६।३२	[+५३।१५चित्राशुक्र:११।५४
८	श	११	२८	आ	३५	१९	व	४०	१३	कौ	११	२८	४८	२	५८	४	२१	२६	मिथुने	मातृ९(सौभाग्यवतीनांश्रा.)
९	र	७	४०	पु	३३	२८	प	३४	४०	ग	७	४०	४४	३	५७	५	२२	२७	क.१८।५६	भ.३६।१५उ.हस्तेरवि:३८/२५उफा.बुध:+
१०	चं	४	४९	पु	३२	३६	शि	२९	४१	वि	४	४९	४०	४	५६	६	२३	२८	कर्के	भ.४/४०या.हस्तेरवि:सौर:१९।३१÷
११	मं	२	४९	श्ले	३२	३९	सि	२५	२६	बा	२	४९	३६	५	५५	७	२४	२९	सिं३२।३९	कन्यायांबुध:४७।५इंदिरा११व्र.
१२	बु	१	४७	म	३३	४१	सा	२१	५२	तै	१	४७	३२	६	५४	८	२५	३०	सिंहे	प्रदोष: [÷बुधास्त:पूर्वस्यां३८।११
१३	गु	१	५२	पू	३५	५०	शु	१९	२०	व	१	५२	२८	६	५४	९	२६	१	कं.५१।३८	भ.६/२उ.३२/३१या.आश्ले.भौम:३४:५८×
१४	शु	२	५०	उ	३९	२	शु	१७	३३	श	२	५०	२३	७	५३	१०	२७	२	कन्यायां	तुलायांशुक्र:३४।४ ६सर्वपितृ३०
३०	श	५	२३	ह	४३	२०	व्र	१७	१	ना	५	२३	१९	८	५२	११	२८	३	कन्यायां	मातामह श्रा.

२४पं.आ.कृ.४मं.इ. ३७/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	४	८	५	६	११	५
४	११	१७	०	१७	२१	४	४
५५	२	५८	५५	२३	२	५२	१४
१९	२	४४	५५	५६	२	४५	४८
५८	३८	८५	५	७४	५	३	५८
३८	३८	५६	४४	२६	५०	११	४५

गोचर ग्रहाः

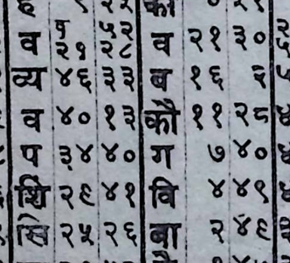

इसमासमें ५रविवार अशुभ है प्रजा में रोग-शोक फैले । धान्य बाजरा गेहूं जौ चना धातु सोना चांदी तेज हो ।

गोचर ग्रहाः

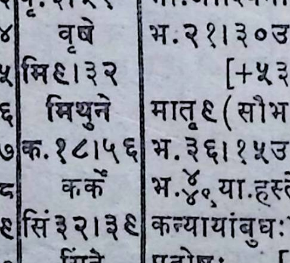

२५पं.आ.कृ.११मं.इ. २७/१७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	४	४	८	५	६	११	५
११	१५	२९	१	२६	२१	४	११
४६	१५	२५	४०	७	४२	३०	६
५२	५८	१२	२३	४४	५८	२९	४५
५८	३८	६/०	६	७४	६	३	५९
५३	०	३/२५	४०	२०	१६	११	०

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	आश्विन शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	आ	मु	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९२९सन्२०४३
१	र	८	५३	चि	४८	५७	ऐं	१६	४५	ब	८	५३	२९/१५	५/२	५६/५९	१२	२९	४	तु.१६।८	नवरात्रारंभः
२	चं	१३	४६	स्वा	५५	१८	वै	१७	५०	कौ	१३	४६	११	१०	५०	१३	३०	५	तुलायां	हस्तेबुधः१९।२चंद्रदर्शनम्
३	मं	१९	१०	वि	६०	०	वि	१९	२५	ग	१९	१०	७	११	४९	१४	१	६	वृ.४५।४१	भ.५२।२१उ.जिल्काद११
४	बु	२५	३२	वि	२	२८	प्री	२१	२३	वि	२५	३२	३	११	४९	१५	२	७	वृश्चिके	भ.२५।३२या.स्वात्यांशुक्रः५६।२९
५	गु	३१	५०	अ	१०	१	आ	२३	३८	बा	३१	५०	२८/५६	१२	४८	१६	३	८	वृश्चिके	[=स्मा.कोजागरीव्र.
६	शु	३८	१२	ज्ये	१७	४६	सौ	२६	२०	कौ	५	१	५५	१३	४७	१७	४	९	ध.१७।४६	
७	श	४३	३८	मू	२४	५६	शो	२८	२०	ग	१०	५५	५१	१४	४६	१८	५	१०	धनुषि	भ.४३।३८उ.
८	र	४७	५८	पू	३०	५७	अ	२९	३५	वि	१५	४८	४७	१५	४५	१९	६	११	म.४७।११	भ.९५/४८या.चित्रा.रविः१०/३१सौरः५०।५
९	चं	५०	४१	उ	३५	५३	सु	२९	५१	बा	१९	१९	४३	१५	४५	२०	७	१२	मकरे	चित्रा.बुधः५१/२मूल२गुरुः२०/१८विशा.२ ÷
१०	मं	५१	२६	श्र	३८	५१	धृ	२८	४३	तै	२१	३	३९	१६	४४	२१	८	१३	मकरे	[÷शनिः१०।१८
११	बु	५०	१२	ध	३९	५३	शू	२६	६	व	२०	४९	३५	१७	४३	२२	९	१४	कुं.९।२६	भ.२०।४९उ.५०/१२या.पापांकुशा११व्र.
१२	गु	४६	४५	श	३८	५९	गं	२१	३९	ब	१८	२८	३१	१८	४२	२३	१०	१५	कुंभे	[×शुक्रः४०/२शरद्पूर्णिमाव्र.का.स्ना.प्रा.
१३	शु	४१	३४	पू	३६	२	वृ	१५	४६	कौ	१४	१०	२७	१९	४१	२४	११	१६	मी२१।४६	तुलायांबुधः३६।४४प्रदोषः
१४	श	३४	४०	उ	३१	२२	ध्रु	१३/६	५१/१४	ग	८	७	२३	१९	४१	२५	१२	१७	मीने	भ.३४/४०उ.तुलायामर्कः५४/२०शरद्पूर्णिमा =
१५	र	२६	३७	रे	२५	२९	ह	५०	२	वि	०	३८	२०	२०	४०	२६	१३	१८	मे.२५।२९	भ.३८/३०या.तुलार्कःसौरः३२।४९विशा.×

२६पं.आ.शु.३मं.इ. २/७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	६	६	११	५
१८	१९	२२	२	४	२२	४	१८
४०	२५	५५	३१	४९	२६	८	००
५	२६	१९	२३	२६	१३	१४	३२
५९	३७	७/०	७	७४	६	३	५९
९	२५	४४	४५	१४	३२	११	१६

गोचर ग्रहाः

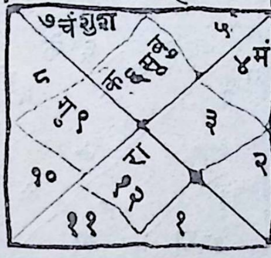

आश्विनशुक्ले१४शनौ तुलायामर्कःप्रविष्टः वा.३ न.४ वृद्धावस्था (बैंठी)मु.३० धान्यादिभावेसमता शुक्रोदयःपश्चिमायां

गोचर ग्रहाः

२७पं.आ.शु१०मं.इ. २६/५६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
५	३	५	८	६	६	११	५
२५	२३	२४	३	१३	२३	३	२४
३४	३०	२३	२९	३०	११	४५	५६
५९	५४	३८	४२	६	२४	५८	१४
५९	३६	७/०	८	७४	६	३	५९
२१	५१	२०	४४	८	४४	११	३१

ति.	कार्तिक कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शरदृतूरविर्दक्षिणेआश्विनकृष्णेतिमहा.
१	चं	१८	२	अ	१८	४७	व	४०	२	कौ	१८	२	२८/१६	२१/६	३९/५	२७	१४	१९	मेषे	
२	मं	९	१०	भ	११	५८	सि	२९	५५	ग	९	१०	१२	२२	३८	२८	१५	२०	वृ.२५।१७	भ.३४।५२उ.स्वात्यांबुधः४२।३९
३	बु	०	३४	कृ	११/५	५४/०	व्य	१९	५६	वि	०	३४	८	२२	३८	२९	१६	२१	वृषे	भ.३८/४०या.पूभा४राहुःउफा२केतुः३७/१८ +
४	बु	५२	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[+करकचतुर्थीव्र.
५	गु	४५	४२	मृ	५४	४	व	१०	४१	कौ	१९	१२	४	२३	३७	३०	१७	२२	मि२६।३८	[×महालक्ष्मीपूजन
६	शु	४०	१	आ	५०	६	प	४/१३	५२/३०	ग	१२	५१	०	२४	३६	१	१८	२३	मिथुने	भ.४०।१उ.भा.कार्तिकारंभः
७	श	३५	३५	पु	४७	३२	सि	४७	४४	वि	७	४८	२७/५६	२५	३५	२	१९	२४	क.३३।११	भ.४८/७या.स्वात्यांरविः३६।२३
८	र	३२	४५	पु	४६	२१	सा	४२	१५	बा	४	१०	५३	२५	३५	३	२०	२५	कर्के	स्वात्यांरविःसौरः१/५ ३/३मघासिंहेभौमः२५/९
९	चं	३१	८	श्ले	४६	३२	शु	३८	१	तै	१	५६	४९	२८	३४	४	२१	२६	सि४६।३२	वृश्चिकेशुक्रः४३।५६
१०	मं	३०	५३	म	४८	४	शु	३४	४६	व	१	०	४५	२७	३३	५	२२	२७	सिंहे	भ.१/०उ ३/५ ०/३या.अस्तंशनेः४५।५७
११	बु	३२	२	पू	५०	५४	ब्र	३२	४१	ब	१	२७	४१	२८	३२	६	२३	२८	सिंहे	विशा.बुधः५५।३१रमा११व्र.
१२	गु	३४	१०	उ	५४	५०	ऐं	३१	२५	कौ	३	६	३७	२९	३१	७	२४	२९	कं.६।५३	अनु.शुक्रः२६।१४
१३	शु	३७	४४	ह	५९	४४	वै	३१	२८	ग	५	५७	३४	२९	३१	८	२५	३०	कन्यायां	भ.३७।४४उ.प्रदोष.धन१३
१४	श	४२	१	चि	६०	०	वि	३१	४०	वि	९	५२	३०	३०	३०	९	२६	३१	तु.३२।४०	भ.९।५२या.रुप१४
३०	र	४७	२८	चि	५	३५	प्री	३२	५०	च	१४	४४	२७	३१	२९	१०	२७	१	तुलायां	मूल३गुरु३८/०नवम्बर११ता.३० ×

२८पं.का.कृ.२मं.इ. २६/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	३	६	८	६	६	११	६
२	२७	६	४	२२	२३	३	१
३१	३१	१२	३४	११	५८	२३	५३
२३	१६	४०	१६	४२	२३	४२	३७
५९	३६	७/०	९	७४	७	३	५९
३४	३०	११	३४	२	२	११	४६

गोचर ग्रहाः

इस मास में मंगल का चन्द्रदर्शन धान्य गल्ला गुड़ सक्कर चीनी चावल वस्त्र रुई कपास वारदाना में तेजी हो।

गोचर ग्रहाः

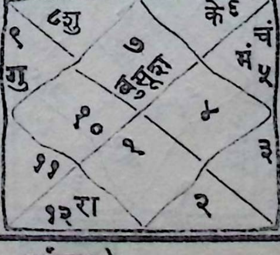

२९पं.का.कृ.१०मं.इ. २६/३५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	७	६	११	६
९	१	१७	५	०	२४	३	८
२९	२१	३१	४४	५२	४६	१	५२
३८	३२	४८	३५	३४	३७	२७	५७
५९	३५	९९	१०	७३	७	३	६०
४७	४०	५९	१८	५६	८	११	२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	कार्तिक शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तू रविर्दक्षिणेऽहर्गण:४६५८स.२०४३
१	चं	५३	१०	स्वा	१२	२६	आ	३४	२६	किं	२०	१९	२७/२३	६/३१	५/२९	११	२८	२	तुलायां	अन्नकूटंगोवर्द्धनपूजा
२	मं	५९	२९	वि	१९	३०	सौ	३६	२६	बा	२६	१९	१९	३२	२८	१२	२९	३	वृ.२।४४	चंद्रदर्शनम्भातृ२यम२
३	बु	६०	०	अ	२६	५८	शो	३८	४९	तै	३२	४४	१६	३३	२७	१३	१	४	वृश्चिके	बृश्चिकेबुध:२४।३३जिल्हेज१२
३	गु	५	५९	ज्ये	३४	३९	अ	४०	५९	ग	५	५९	१२	३४	२६	१४	२	५	ध.३४।३९	भ.३३/१३उ.पश्चिमोदयीबुध:९।५१
४	शु	१२	२८	मू	४२	११	सु	४३	१७	वि	१२	२८	९	३४	२६	१५	३	६	धनुषि	भ.३२/२८या.विशा.रवि:५६/५३अनु.बुध:२९/२३
५	श	१८	१०	पू	४८	५५	धृ	४५	९	बा	१८	१०	५	३५	२५	१६	४	७	धनुषि	विशा.रवि:सौर:३१।१६
६	र	२३	७	उ	५४	४१	शू	४६	८	तै	२३	७	२	३६	२४	१७	५	८	म.५।२१	
७	चं	२६	४५	श्र	५९	५	गं	४६	७	व	२६	४५	२६/५८	३६	२४	१८	६	९	मकरे	भ.२६/४५उ.५७/४५या.ज्येष्ठा.शुक्र:९।१४
८	मं	२८	४४	ध	६०	०	वृ	४४	४४	ब	२८	४४	५५	३७	२३	१९	७	१०	कुं.३०।२३	गोपाष्टमी
९	बु	२८	५२	ध	१	४१	ध्रु	४१	५०	कौ	२८	५२	५२	३८	२२	२०	८	११	कुम्भे	कुष्मांड९अक्षय९
१०	शु	२६	५८	श	२	२६	व्या	३७	२२	ग	२६	५८	४९	३८	२२	२१	९	१२	मी४५।४७	भ.५५/२उ.विशा.३शनि:२१।५०
११	शु	२३	७	पू	१/१४	५७/५१	ह	३१	१६	वि	२३	७	४५	३९	२१	२२	१०	१३	मीने	भ.२/३या.प्रबोधिनी११व्र.तुलसीविवाह:
१२	श	१७	८	रे	५३	८	व	२३	३३	बा	१७	८	४२	४०	२०	२३	११	१४	मे.५३।८	प्रदोष :
१३	र	९	४१	अ	४६	४६	सि	१४	३७	तै	९	४१	३९	४०	२०	२४	१२	१५	मेषे	ज्येष्ठा.बुध:४३।३६बैकुंठ १४
१४	चं	०	५५	भ	३९	२२	व्य	४/३७	४९/१३	व	०	५५	३६	४१	१९	२५	१३	१६	वृ.५२।२५	भ.०।५५उ.२६।७या. बृश्चिकेऽर्क: =
१५	चं	५०	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	[=५२/५७मन्वादि:का.स्ना.पू.

३०पं.का.शु.२मं.इ. २६/२४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	६	८	७	६	११	६
१६	५	२८	६	९	२५	२	१५
२९	१३	२६	५९	३३	३५	३९	५४
२०	५९	४९	४९	४३	५३	११	१
६०	३४	९६	१०	७३	७	३	६०
४	५२	८	५८	५६	१४	११	१८

गोचर ग्रहाः

कार्तिकशुक्ले१४ चन्द्रे बृश्चिकेऽर्क:प्रविष्ट: वा.३न.४कुमार्यत्रस्था (बैठी)मु.३०धान्या- दिभावेसमता शुक्रोदय:पश्चिमे।

गोचर ग्रहाः

३१पं.का.शु.८मं.इ. २६/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
६	४	७	८	७	६	११	६
२३	८	८	८	१८	२६	२	२२
३०	५६	५८	१९	१४	२५	१६	५६
४०	२४	४१	३७	३५	५२	५६	३२
६०	३४	९१	११	७३	७	३	६०
१७	१३	४०	३५	४४	२०	११	३०

ति.	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	सु.	इं.	चन्द्रः	हेमंतर्तूरविर्दक्षिणे कार्तिक कृष्णेति महा
१	मं	४१	३२	कृ	३१	३३	प	४२	४९	बा	१६	२६	२६/३३	६/४१	५/१९	२६	१४	१७	वृषे	बृश्चिकेऽर्क:सौर:२५।३३
२	बु	३२	११	रो	२३	५०	शि	३१	५६	तै	६	५१	३०	४२	१८	२७	१५	१८	मि५०।१५	भ.५७/४३उ.पूफा.भौम:५५/४६मूल४गुरु:४९/५८
३	गु	२३	१५	मृ	१६	३९	सि	२१	२६	वि	२३	१५	२७	४३	१७	२८	१६	१९	मिथुने	भ.२३/१५या.मलेधनुषिशुक्र:५६/४६चतुर्थीव्र.
४	शु	१५	४५	आ	१०	३९	सा	११	५३	बा	१५	४५	२५	४३	१७	२९	१७	२०	क.५२।१३	अनु.रवि:११।१७सौर:४२।२१
५	श	९	३८	पु	६	४	शु	३/२८	५२/५२	तै	९	३८	२२	४४	१६	३०	१८	२१	कर्के	
६	र	५	११	पु	३	१३	ब्र	५०	४१	व	५	३१	१९	४४	१६	१	१९	२२	कर्के	भ.५।३१उ.३४।१६या.पातस्पर्श:५७/४ ÷
७	चं	३	२	श्ले	१	५९	ऐं	४६	४१	ब	३	२	१७	४५	१५	२	२०	२३	सिं१।५९	[÷पातमोक्ष:३०/५८भा.मार्गशीर्षारंभ:
८	मं	२	३४	म	२	४९	वै	४४	६	कौ	२	३४	१४	४५	१५	३	२१	२४	सिंहे	
९	बु	३	४९	पू	५	२२	वि	४२	४३	ग	३	४९	१२	४६	१४	४	२२	२५	कं.२१।२०	भ.३५/५उ.मूलेधनुषिबुध:३९।५५
१०	शु	६	२०	उ	९	१३	प्री	४२	४०	वि	६	२०	९	४६	१४	५	२३	२६	कन्यायां	भा.६।२०या.
११	शु	१०	३२	ह	१४	३९	आ	४३	१४	बा	१०	३२	७	४७	१३	६	२४	२७	तु.४७।४५	उत्पत्ति११व्र.
१२	श	१५	३३	चि	२०	५०	सौ	४४	३४	तै	१५	३३	५	४७	१३	७	२५	२८	तुलायां	प्रदोष :
१३	र	२१	४०	स्वा	२७	५८	शो	४६	३१	व	२१	४०	२	४८	१२	८	२६	२९	तुलायां	भा.२१।४०उ.५४।३७या.
१४	चं	२७	३४	वि	३५	१०	अ	४८	३५	श	२७	३४	०	४८	१२	९	२७	३०	वृ.१८।२२	पूषा.शुक्र:४०।९उदयंशने:३३।१०
३०	मं	३४	११	अ	४२	५८	सु	५०	५५	च	०	५२	२५/५८	४८	१२	१०	२८	१	वृश्चिके	दिसम्बर१२ता.३१

३२पं.मा.कृ.१मं.इ. २५/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	७	६	११	७
०	१२	१९	९	२६	२७	१	००
३३	३०	४	४३	५५	१६	५४	००
२२	२५	५९	१	१२	८	४०	३६
६०	३३	८४	१२	७३	७	३	६०
३०	८	५९	८	३१	२०	११	४०

३३पं.मा.कृ.८मं.इ. २५/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	७	८	८	६	११	७
७	१५	२८	११	५	२८	१	७
३७	५४	२७	९	२९	६	३२	६
१६	०	५८	२९	२	४	२४	९
६०	३१	७४	१२	७३	७	३	६०
४२	५२	२८	२९	२०	१४	११	५३

३४पं.मा.कृ.३०मं.इ. २५/३४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	८	६	११	७
१४	१९	६	१२	१४	२८	१	१४
४२	९	१५	३९	१५	५५	१०	१२
२९	४०	४७	३९	२५	२६	९	५५
६०	३०	६५	१२	७३	७	३	६१
५०	४३	००	५६	१४	८	११	३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	हेमंततुर्रविर्दक्षिणेऽहर्गणः४९८८स.२०४३
१	बु	४०	२८	ज्ये	५०	१३	धृ	५३	८	किं	७	२०	२५/५६	६/४९	५/११	११	२९	२	ध.५०।१३	
२	गु	४६	४५	मू	५७	३७	शू	५५	१६	बा	१३	३६	५४	४९	११	१२	३०	३	धनुषि	ज्येष्ठा.रविः२१/२८सौरः५/१९चंद्रदर्शनम्
३	शु	५२	२०	पू	६०	०	गं	५६	५१	तै	१९	३२	५३	४९	११	१३	१	४	धनुषि	पूषा१गुरुः३/२८मोहोरम१सन्१४६६हि.
४	श	५७	१६	पू	४	१९	वृ	५७	४६	व	२४	४८	५१	५०	१०	१४	२	५	म.२०।४८	भ.२४।४८उ.५७।१६या.
५	र	६०	०	उ	१०	१६	ध्रु	५८	१७	ब	२९	१६	४९	५०	१०	१५	३	६	मकरे	
५	चं	१	१६	श्र	१५	२२	व्या	५७	४९	बा	१	१६	४८	५०	१०	१६	४	७	कुं.४७।१६	[=मोक्षदा११व्र.स्मा.गीताजयंती
६	मं	३	४९	ध	१९	१०	ह	५६	१	तै	३	४९	४६	५१	९	१७	५	८	कुंभे	वक्रीबुधः४३।२५चंपा६
७	बु	४/४	५५/२८	श	२१	२०	व	५३	०	व	४	५५	४५	५१	९	१८	६	९	कुंभे	भ.४।५५उ.३४।४१या.
८	गु	२	११	पू	२१	५६	सि	४८	३४	ब	४	२८	४४	५१	९	१९	७	१०	मी६।४७	विशा.४वृश्चिकेशनिः४५।२८
९/१०	शु	५५	५५	उ	२०	४७	व्य	४२	४७	कौ	२	११	४३	५१	९	२०	८	११	मीने	उषा.शुक्रः३१.२५
११	श	५२	१७	रे	१७	४७	व	३५	२८	व	२५	११	४२	५२	८	२१	९	१२	मे.१७।४७	भ.३९/११उ.५३/१७या.बुधास्तःपश्चिमायां५९/३०=
१२	र	४४	५८	अ	१३	८	प	२६	५६	ब	१८	३७	४१	५२	८	२२	१०	१३	मेषे	मोक्षदा११व्र.वै.
१३	चं	३६	२७	भ	७	१०	शि	१७	१३	कौ	१०	४२	४०	५२	८	२३	११	१४	वृ.२०।२६	मकरेशुक्रः१४।४०प्रदोषः
१४	मं	२६	५९	कृ	०/१४	५२/१२	सि	६/३८	४८/५६	ग	१	४३	३९	५२	८	२४	१२	१५	वृषे	भ.२६।५९उ.५२।६या.दत्तजयंती
१५	बु	१७	१३	मृ	४४	३२	शु	४४	२८	ब	१७	१३	३९	५२	८	२५	१३	१६	मि१८।२६	मूलेधनुष्यर्कः२८।४३सौरः५४।५

३५पं.मा.शु.६मं.इ. २५/२२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	८	६	११	७
२१	२२	९	१४	२२	२९	०	२१
४८	१३	५७	१२	५३	४३	४७	२०
३२	२६	५४	७	५६	३७	५३	३५
६१	२९	३	१३	७२	७	३	६१
५६	५	४४	१४	५६	१	११	११

गोचर ग्रहाः

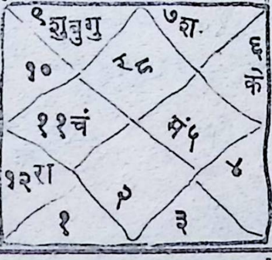

मार्गशीर्षशुक्ले१५बुधे धनुष्यर्कःप्रविष्टःवा ३ न.३ कुमार्यवस्था (बैठी) मु.३० धान्यादि भावे समता शुक्रोदयः पश्चिमे।

गोचर ग्रहाः

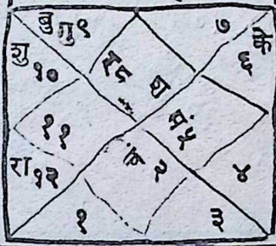

३६पं.मा.शु.१४मं.इ. ३५/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
७	४	८	८	९	७	११	७
२८	२५	५	१५	१	०	०	२८
५५	७	४६	४१	२५	३०	२५	२९
२६	१	१२	१९	३०	७	३८	१८
६१	२७	८/३	१३	७२	६	३	६१
०	२०	व	२६	४२	४४	११	१९

ति.	पौष कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	हि.	मु.	इ.	चन्द्रः	हेमंततुर्रविर्दक्षिणे मार्गं.कृष्णेति महा.
१	गु	७	३४	आ	३७	१	शु	३३	३७	कौ	७	३४	२५/३८	६/५२	५/८	२६	१४	१७	मिथुने	
२	गु	५१	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
३	शु	५१	५	पु	३०	३२	ब्र	२३	४१	व	२४	५६	३८	५२	८	२७	१५	१८	क.१७।९	भ.२४।५६उ.५१।५या.
४	श	४५	१२	पु	२५	४४	ऐं	१४	५०	ब	१८	८	३७	५३	७	२८	१६	१९	कर्के	उफा.भौमः५७/३पूषा२गुरुः३६/२६चतुर्थीव्र.
५	र	४१	१०	श्ले	२२	४४	वै	७	२६	कौ	१३	११	३७	५३	७	२९	१७	२०	सिं२२।४४	वक्रीज्येष्ठा.वृश्चिकेबुधः३।५८
६	चं	३९	२०	म	२१	३२	वि	२९/१	५५/५१	ग	१०	१५	३६	५३	७	३०	१८	२१	सिंहे	भ.३९।२०उ.
७	मं	३९	४३	पू	२२	३२	आ	५४	५५	वि	९	३१	३६	५३	७	१	१९	२२	कं.३८।१५	भ.३१/९या.श्रवणेशुक्रः३६/८भा.पौषारंभः
८	बु	४१	४४	उ	२५	२५	सौ	५४	१	बा	१०	४४	३६	५३	७	२	२०	२३	कन्यायां	पूभा.३राहु उफा१केतुः३०।४
९	गु	४५	४३	ह	३०	१७	शो	५४	२३	तै	१३	४३	३६	५३	७	३	२१	२४	कन्यायां	पूर्वोदयीबुधः८।१५
१०	शु	५०	४९	चि	३६	१९	अ	५५	३२	व	१८	१६	३७	५३	७	४	२२	२५	तु.३।१८	भ.१८।१६उ.५०।४९या.
११	श	५७	१०	स्वा	४३	३५	सु	५७	३०	ब	२४	०	३७	५३	७	५	२३	२६	तुलायां	अस्तंगुरोः३३।३६सफला११व्र.
१२	र	६०	०	वि	५०	५५	धृ	५९	४३	कौ	३०	१४	३७	५३	७	६	२४	२७	वृ.३४।५	
१२	चं	३	२९	अ	५८	४०	शू	६०	०	तै	३	२९	३८	५२	८	७	२५	२८	वृश्चिके	मार्गीबुधः५७।२७प्रदोषः
१३	मं	१०	१४	ज्ये	६०	०	शू	२	८	व	१०	१४	३८	५२	८	८	२६	२९	वृश्चिके	भ.१०/१४उ.४३/२०या.पूषा.रविः३४/४६सौरः५५/४३+
१४	बु	१६	२७	ज्ये	६	९	गं	४	२०	श	१६	२७	३९	५२	८	९	२७	३०	ध.६।६	[+कन्यायांभौमः२९।५३
३०	गु	२२	२८	मू	१३	१६	बृ	६	१५	ना	२२	२८	४०	५२	८	१०	२८	३१	धनुषि	

३७पं.पौ.कृ.७मं.इ. २५/१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	४	७	८	९	७	११	८
६	२७	२६	१७	१०	१	०	५
३	४१	५९	२२	७	१५	३	३८
०	६	५३	५	४४	१४	२२	४३
६१	२४	७६/३७	१३	७२	६	३	६१
४	५५	व.	३२	२४	२६	११	२२

गोचर ग्रहाः

इस मास में सोना चांदी लोहा रुई रंग सूत कपास वस्त्र वारदाना में तेजी हो धान्य गल्ला बाजरा मूंग मोठ मंदे हो।

गोचर ग्रहाः

३८पं.पौ.कृ.१३मं.इ. २४/५२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	३	७	८	९	७	१०	८
१३	२९	२३	१८	१८	१	२९	१२
१०	५८	३२	५९	४१	५८	४१	४८
५९	८	२०	६	५६	२६	६	३५
६१	२२	५/२१	१३	७२	६	३	६१
६	१८	मा	३८	२	१४	११	२६

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	पौष	शुक्लपक्षः	सं०	२१००	शाकः	१९६५							दि.	उ.	अ.	भा.	सू.	इं.	चंद्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गण:५०१८सन२०४४
१	शु	२७	३२	पू	१९	३५	ध्रु	७	३८	ब	२७	३२	२५/४१	५६/२	५/८	११	२९	१	म.३५।५९	जनवरी१ता.३१सन्२०४४
२	श	३१	५२	उ	२५	११	व्या	८	१५	कौ	३१	५२	४२	५२	८	१२	३०	२	मकरे	धनि.शुक्र:५(९/०)पूषा३गुरु:(४/५)(३/४)चंद्रदर्शनम्
३	र	३५	१६	श्र	३०	१	ह	८	१७	तै	३	३४	४३	५१	९	१३	१	३	मकरे	सफर२
४	चं	३७	३२	ध	३३	४०	व	७	२९	व	६	२४	४४	५१	९	१४	२	४	कुं.१।५१	भ.६।२४उ.३७।३२या.
५	मं	३८	३२	श	३६	१६	सि	५	५६	ब	८	२	४५	५१	९	१५	३	५	कुंभे	
६	बु	३८	२५	पू	३७	३८	व्य	३	४१	कौ	८	२८	४७	५१	९	१६	४	६	मी२२।१७	
७	गु	३७	८	उ	३७	४६	व	०/८	५५/२४	ग	७	४६	४८	५०	१०	१७	५	७	मीने	भ.३७।८उ.कुंभेशुक्र:४४।३४
८	शु	३४	२३	रे	३६	३१	शि	४९	५३	वि	५	४५	५०	५०	१०	१८	६	८	मे.३६।३१	भ.५।४५या.मूलेधनुषिबुध:३६।३८
९	श	३०	१९	अ	३४	२	सि	४३	२	बा	२	२१	५२	५०	१०	१९	७	९	मेषे	
१०	र	२५	१	भ	३०	१३	सा	३५	२१	ग	२५	१	५३	४९	११	२०	८	१०	वृ.४३।५७	भ.५१।३८उ.
११	चं	१८	१६	कृ	२५	८	शु	२६	३४	वि	१८	१६	५५	४९	११	२१	९	११	वृषे	भ.(३/१)(८/६)या.उषा.रवि:(३/१)(९/७)सौर:(५/१)(७/०)पुत्रदा÷
१२	मं	१०	३४	रो	१८	५३	शु	१६	५९	बा	१०	३४	५७	४९	११	२२	१०	१२	मि४५।३१	प्रदोष: [÷११व्र.
१३	बु	२	१६	मृ	१२	८	ब्र	६/४८	४९/२८	तै	२	१६	५९	४८	१२	२३	११	१३	मिथुने	भ.(५/१)(३/३)उ.शतेशुक्र:(१/२)(३/६)अनु.१शनि:(१/२)(१/०)
१४	बु	५०	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१५	गु	४४	३६	आ	५/१९	५३/१७	वै	४६	१३	वि	१८	५४	२६/१	४८	१२	२४	१२	१४	क.४५।१७	भ.(१/५)(८/४)या.मकरेऽर्क:(५/५)(४/६)मा.स्ना.प्रा.

३९पं.पौ.शु.५मं.इ. २४/४७

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	७	८	९	७	१०	८
२०	१	२७	२०	२७	२	२९	१९
१९	५५	२३	३६	१२	३८	१८	५८
५	३४	२	४७	५८	३५	५१	३२
६१	१९	४८	१३	७१	५	३	६१
४	११	३४	३८	४२	५०	११	२६

गोचर ग्रहाः

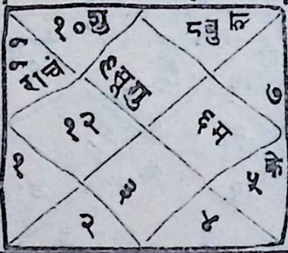

पौष शुक्ले १५ गुरौ मकरेऽर्क:प्रविष्ट: वा. २ न. ३ कुमार्यवस्था (बैठी)मु.४५धान्यादिभावे समर्घता शुक्रोदय:पश्चिमे ।

गोचर ग्रहाः

४०पं.पौ.शु.१२मं.इ. २४/४५

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
८	५	८	८	१०	७	१०	८
२७	३	४	२२	५	३	२८	२७
२७	२९	५०	१४	४१	१५	५६	८
७	१०	३५	३१	३६	५०	३५	२४
६१	१५	६९	१३	७१	५	३	६१
६	११	२१	३८	१८	२२	११	२४

ति.	माघ	कृष्णपक्षः	सं०	२१००	शाकः	१९६५							दि.	उ.	अ.	भा.	सू.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे पौष कृष्णेति महा.
१	शु	३६	२७	पु	५२	४७	वि	३६	४१	बा	१०	३१	२६/४	६/४७	५/१३	२५	१३	१५	कर्के	मकरेऽर्क:सौर:१२।३७
२	श	२९	४७	श्लो	४८	७	प्री	२८	६	तै	३	७	६	४७	१३	२६	१४	१६	सिं४८।७	भ.५७।१०उ.
३	र	२४	३४	म	४५	१६	आ	२०	४४	वि	२४	३४	८	४६	१४	२७	१५	१७	सिंहे	भ.(३/३)(४/४)या.पूषा.४गुरु:३।०चतुर्थीव्र.
४	चं	२१	१०	पू	४४	२६	सौ	१५	६	बा	२१	१०	११	४६	१४	२८	१६	१८	कं.५९।४८	
५	मं	२०	१३	उ	४५	५३	शो	११	१	तै	२०	१३	१३	४५	१५	२९	१७	१९	कन्यायां	पूषा.बुध:६।५५
६	बु	२१	८	ह	४९	१९	अ	८	३७	व	२१	८	१६	४५	१५	३०	१८	२०	कन्यायां	भ.२१।८उ.५२।४२या.
७	गु	२४	१६	चि	५४	२४	सु	८	१०	ब	२४	१६	१९	४४	१६	१	१९	२१	तु.२१।५२	अभि.प्र.रवि:(३/२)(९/२)सौर(४/५)(३/८)उदयंगुरो: =
८	शु	२८	५३	स्वा	६०	०	धृ	८	२५	कौ	२८	५३	२१	४४	१६	२	२०	२२	तुलायां	[=५१।३६भा.माघारंभ:
९	श	३५	३	स्वा	०	५७	शू	१०	०	तै	१	५८	२४	४३	१३	३	२१	२३	वृ.५१।२७	
१०	र	४२	१५	वि	८	१७	गं	१२	६	व	८	३९	२७	४३	१७	४	२२	२४	वृश्चिके	भ.(३)(८/९)उ.(४/१)(२/५)या.श्रवणेरवि:(४/५)(४/९)सौर:(५/५)(९/४)+
११	चं	४८	१	अ	१५	५३	वृ	१४	२६	ब	१५	८	२९	४२	१८	५	२३	२५	वृश्चिके	अभि.नि.रवि:(३/१)(६/४)सौर:(५/१)(१/१)षट्तिला११व्र
१२	मं	५४	१७	ज्ये	२३	२९	ध्रु	१६	३६	कौ	२१	९	३२	४२	१८	६	२४	२६	ध.२३।२९	[+पूभा.शुक्र:१८।३२
१३	बु	६०	०	मू	३०	३९	व्या	१८	३७	ग	२७	१०	३५	४१	१९	७	२५	२७	धनुषि	प्रदोष;
१३	गु	०	३	पू	३६	५५	ह	१९	५३	व	०	३	३८	४०	२०	८	२६	२८	म.५३।११	भ.०।३उ.३२।१७या.उषा.बुध: १९।३४
१४	शु	४	३२	उ	४१	५८	व	२०	२२	श	४	३२	४१	४०	२०	९	२७	२९	मकरे	
३०	श	८	१३	श्र	४६	१५	सि	२०	०	ना	८	१३	४५	३९	२१	१०	२८	३०	मकरे	मकरेबुध:४२।४३

४१पं.मा.कृ.५मं.इ. २४/४३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	८	१०	७	१०	९
४	४	१३	२३	३४	३	२८	४
३४	३५	४४	५१	७	५०	३४	१७
५९	३८	२०	५८	८	१०	२०	५३
६१	१०	८२	१३	७०	४	३	६१
३	२६	४	३२	४७	५२	११	१९

गोचर ग्रहाः

इस मासमें कृष्ण पक्ष की तिथि वृद्धि व शुक्ल पक्ष की तिथि क्षय धान्य बाजरा मूंग मोठ धातु सोना चांदी वस्त्रों में तेजी करे ।

गोचर ग्रहाः

४२पं.मा.कृ.१२मं.इ. २४/४६

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	८	८	१०	७	१०	९
११	५	२३	२५	२२	४	२८	११
४२	१२	४७	२८	२७	२१	१२	२६
२९	२५	१०	५	५०	४	४	४४
६०	४	९०	१३	७०	४	३	६१
५९	४२	२०	२६	११	२३	११	१३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

ति.	माघ शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५												वि.	उ	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरेऽहर्गणः५०४८स.२०४४
१	र	१९	३०	ध	४९	५	व्य	१८	३९	ब	१०	३०	२६/४८	६/३८	५/२२	११	२९	३१	कुं.१७।४०	वक्रीभौम:३/३उषा१गुरु:४०/५३चन्द्रदर्शनम्
२	चं	११	४८	श	५०	५७	व	१६	२८	कौ	११	४८	५१	३८	२२	१२	१	१	कुंभे	मीनेशुक्र:४७/६रविलादल३फर्वरीरता२९
३	मं	११	५०	पू	५१	४६	प	१३	२९	ग	१०	५०	५४	३७	२३	१३	२	२	मी३६।३४	भ.४१।२५उ.
४	बु	१०	५९	उ	५२	८	शि	९	३५	वि	१०	५९	५८	३६	२४	१४	३	३	मीने	भ.१०।५९या.
५	गु	९	१८	रे	५१	५	सि	५	१३	बा	९	१८	२७/१	३६	२४	१५	४	४	मे.५१।५	उभा.शुक्र ४०/०बुधास्त:पूर्वस्यां५/०वसंत५
६	शु	६	३६	अ	४९	२०	सा	०/४	५४/९	तै	६	३६	५	३५	२५	१६	५	५	मेषे	श्रवणेबुध:५४/१९पातस्पर्श.२६/४पातमोक्ष:३७/०
७	श	३	११	भ	४६	५०	शु	४७	४१	व	३	१३	८	३४	२६	१७	६	६	मेषे	भ.३/११उ.३१/३या.धनि.रवि:५२/९७भानु७-×
८	श	५५	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	००	[×रथ७भीष्माष्टमी
९	र	५३	५०	कृ	४३	२९	ब्र	४०	३४	बा	२६	२२	१२	३४	२६	१८	७	७	वृ.१।०	धनि.रवि:सौर:५।४४
१०	चं	४८	२	रो	३८	२३	ऐं	३२	४१	तै	२०	५६	१५	३३	२७	१९	८	८	वृषे	
११	मं	४१	३६	मृ	३४	४४	वै	२४	२२	व	१४	४९	१९	३२	२८	२०	९	९	मि६।३४	भ.१४/४९उ.४१/३६या.जया११व्र
१२	बु	३४	२५	आ	२९	३०	वि	१५	२९	ब	८	०	२३	३१	२९	२१	१०	१०	मिथुने	
१३	गु	२७	२१	पु	२४	८	प्री	६/४३	५१/०	कौ	०	५३	२७	३१	२९	२२	११	११	क.१०।२९	प्रदोष:
१४	शु	२०	१५	पु	१८	५५	सौ	४९	२९	व	२०	१५	३०	३०	३०	२३	१२	१२	कर्के	भ.२०/१५उ.४७/७या.
१५	श	१३	५९	श्ले	१४	४०	शो	४२	३	ब	१३	५९	३४	२९	३१	२४	१३	१३	सिं१४।४०	कुंभेऽर्क:३७/३३सौर:३९/४२मा.स्ना.पूर्ति.

४३पं.मा.शु.३मं.इ. २४/५४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	८	११	७	१०	९
१८	५	४	२७	०	४	२७	१८
४९	१६	२१	३	४३	४६	४९	३४
१	४४	५८	०	४४	३७	४८	५२
६०	१/४७	९६	१५	६९	३	३	६१
१५	व	५५	१६	२४	४१	११	४

गोचर ग्रहाः

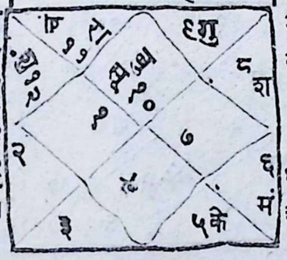

माघ शुक्ले १५ शनौ कुंभेऽर्क प्रविष्टः वा. ३ न.४ कुमार्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यादिभावे समता शुक्रोदयःपश्चिमे।

गोचर ग्रहाः

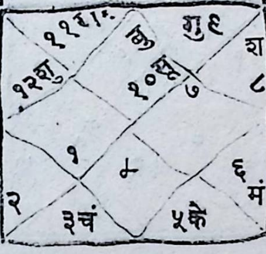

४४पं.मा.श.११मं.इ. २५/४

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
९	५	९	८	११	७	१०	९
२५	४	१५	२८	८	५	२७	२५
५४	४५	३३	३६	५२	८	२७	४१
५०	५८	३२	४०	३७	२३	३३	३९
६०	१/२८	७/०	१२	६८	३	३	६०
४७	व	५/५९	५६	४०	४	११	५५

ति.	फालगुन कृष्णपक्षः सं. २१०० शाकः १९६५												वि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं.	चन्द्रः	शिशिरर्तूरविरुत्तरे माघ कृष्णेति महा.
१	र	८	४०	म	११	१६	अ	३५	३८	कौ	८	४०	२७/३८	६/२८	५/३२	२५	१४	१४	सिंहे	धनि.बुध:१०।१७
२	चं	५	२	पू	९	३०	सु	३०	३८	ग	५	२	४१	२८	३२	२६	१५	१५	कं.२४।३३	भ.३४/६उ.उषा.२मकरेगुरु:४९।४३
३	मं	३	११	उ	९	४१	धृ	२७	७	वि	३	११	४५	२७	३३	२७	१६	१६	कन्यायां	भ.९/३या.रेवत्यांशुक्र:१३।४१चतुर्थीव्र.
४	बु	३	२	ह	११	४६	शू	२५	२९	बा	३	२	४९	२६	३४	२८	१७	१७	तु.४३।३८	कुंभेबुध:५२/१४पातस्पर्श:३६/३४पातमोक्ष:४७/३२
५	गु	५	१३	चि	१५	३१	गं	२४	४०	तै	५	१३	५३	२५	३५	२९	१८	१८	तुलायां	
६	शु	९	४	स्वा	२१	१	वृ	२५	२८	व	९	४	५६	२५	३५	३०	१९	१९	तुलायां	भ.९/४उ.४१।५०या.
७	श	१४	३५	वि	२७	५७	धु	२७	१२	ब	१४	३५	२८/०	२४	३५	१	२०	२०	वृ.११।१३	शतेरवि:४३/६सौर:१५/४भा.फाल्गुनारंभ:
८	र	२०	२९	अ	३५	१४	व्या	२९	२२	कौ	२०	२९	४	२३	३७	२	२१	२१	वृश्चिके	शतेबुध:४०।१
९	चं	२७	६	ज्ये	४२	५२	ह	३१	३७	ग	२७	६	८	२२	३८	३	२२	२२	ध.४२।५२	
१०	मं	३३	१७	मू	५०	१	व	३३	४२	व	०	११	१२	२२	३८	४	२३	२३	धनुषि	भ.०।११उ.३३।१७या.
११	बु	३८	५९	पू	५६	३६	सि	३५	१७	ब	६	८	१६	२१	३९	५	२४	२४	धनुषि	पूभा.२राहु:पूफा४केतु:३३/४३विजया११व्र.
१२	गु	४३	२९	उ	६०	०	व्य	३५	५२	कौ	११	१४	२०	२०	४०	६	२५	२५	म.११।५१	
१३	शु	४६	४०	उ	१	३८	व	३५	१७	ग	१५	४	२४	१९	४१	७	२६	२६	मकरे	भ.४६।५०उ.प्रदोष:
१४	श	४८	१३	श्र	५	२८	प	३३	४४	वि	१७	२६	२८	१८	४२	८	२७	२७	कुं.३६।४५	भ.१७।२६या.महाशिवरात्रीव्र.
३०	र	४८	२३	ध	८	१	शि	३१	२	च	१८	१८	३२	१८	४२	९	२८	२८	कुम्भे	पूभा.बुध:४५/३७अश्वि.मेषेशुक्र:६।०

४५पं.फा.कृ.३मं.इ. २५/१८

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	९	९	११	७	१०	१०
२	३	२७	०	१६	५	२७	२
५९	४७	२२	७	५३	२६	५	४७
४२	२	२०	२६	६	१३	१७	४२
६०	१७/४६	७/०	१२	६७	२	३	६०
३७	व	८	३२	३७	१९	११	४२

गोचर ग्रहाः

इस मास में ५ रविवार अशुभ है धातु रस में तेजी।
यत्रमासे रवेर्वारा जायतेपंच सन्ततम्। दुर्भिक्षं छत्र भङ्गश्च तथास्तेचमहद्भयम्

गोचर ग्रहाः

४६पं.फा.कृ.१०मं.इ. २५/३३

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	११	७	१०	१०
१०	२	९	१	२४	५	२६	९
३	१५	५८	३५	४९	३८	४३	५२
१४	११	४१	३८	१	३१	२	१५
६०	२५	७/०	१२	६६	१	३	६०
२५	४९	५७	१३	२७	३२	११	३२

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

ति.	फाल्गुन शुक्लपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा	मु.	इं.	चंद्रः	वसंततूर्रविरुत्तरेऽहर्गणः५०७७स.२०४४
१	चं	४७	५	श	९	७	सि	२७	७	किं	१७	४४	२८/३६	६/१७	५/४३	१०	२९	२९	मी५३।५९	
२	मं	४४	४३	पू	८	५६	सा	२२	२९	बा	१५	५४	४०	१६	४४	११	३०	१	मीने	वक्रीसिंहेभौमः५८/० चंद्रदर्शनम्मार्च३ ×
३	बु	४१	३३	उ	७	४३	शु	१७	५	तै	१३	८	४४	१५	४५	१२	१	२	मीने	पातस्पर्शः११/१४पातमोक्षः३०/३९रविलाखर ४
४	गु	३७	४०	रे	५	४५	शु	१०	५३	व	९	३६	४८	१४	४६	१३	२	३	मे.५।४५	भ.९/३६उ.३७/४०या.उषा.३गुरुः३।८
५	शु	३३	२६	अ	३	१९	ब्र	४/३८	५३/२	ब	५	३३	५२	१४	४६	१४	३	४	मेषे	पूभा.रविः२०/५१सौरः२९/५१मीनेबुधः५९/४२
६	श	२८	४३	भ	०/३९	५६/२	वै	५१	२०	कौ	१	५	५६	१३	४७	१५	४	५	वृ.१४।५२	[ता.३१फुलरिया२
७	र	२४	१	रो	५४	२२	वि	४४	२१	व	२४	१	२९/१	१२	४८	१६	५	६	वृषे	भ.२४/१उ.५१/२७या.उभा.बुधः३१।१७
८	चं	१८	५४	मृ	५०	५३	प्री	३७	१०	ब	१८	५४	५	११	४९	१७	६	७	मि२२।३७	होलाष्टकम्
९	मं	१२	४३	आ	४७	१७	आ	२९	४३	कौ	१३	४३	९	१०	५०	१८	७	८	मिथुने	पश्चिमोदयीबुधः४२।१९
१०	बु	८	१६	पु	४३	३८	सौ	२२	२६	ग	८	१६	१३	९	५१	१९	८	९	क.२९।३३	भ.३५।३७उ.वक्रीशनिः३४।१६
११	गु	२	५८	पु	४०	१५	शो	१५	८	वि	२	५८	१७	९	५१	२०	९	१०	कर्के	भ.२।५८या.आमलकी११व्र.
१२	गु	५४	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	
१३	शु	५२	५६	श्ले	३७	१४	अ	८	१०	कौ	२५	१५	२१	८	५२	२१	१०	११	सिं३७।१४	भरण्यांशुक्रः३/२३वक्रीपूफाभौम९/१६प्रदोषः
१४	श	४८	४१	म	३४	५१	सु	१/३८	५४/४	ग	२०	४८	२६	७	५३	२२	११	१२	सिंहे	भ.४८।४१उ.
३०	र	४५	४०	पू	३३	१५	शू	५१	१	वि	१७	१०	३०	६	५४	२३	१२	१३	कं.४८।१७	भ.९/१०७/०या.खग्रासचंद्रग्रहणं होलिकादहनं

४७पं.फा.शु.२मं.इ. २५/५१

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	५	१०	९	०	७	१०	१०
१७	१०	२३	३	२	५	२६	१६
५	१७	११	१	३१	४६	२०	५५
२८	४९	३१	५	२४	२३	४६	११
६०	३२/२५	[illegible]	११	६४	०	३	६०
१२	व.	[illegible]	४०	५७	५७	११	२०

गोचर ग्रहाः

चैत्र कृष्णे १ चन्द्रे मीनेऽर्कःप्रविष्टः वा. ३न.३गतालकावस्था (ऊभी)मु.४५घान्या न्यादि भावे समर्घता शुक्रोदयःपश्चिमे।

गोचर ग्रहाः

४८पं.फा.शु.९मं.इ. २६/१०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
१०	४	११	९	०	७	१०	१०
२४	२८	६	४	१०	५	२५	२३
६	१५	५२	२३	२	४९	५८	५६
१३	११	३०	१३	३५	१२	२०	३४
५९	३५/१	०/८	११	६३	०	३	६०
५८	व	८/५९	१	१६	१	११	६

ति	चैत्र कृष्णपक्षः सं० २१०० शाकः १९६५												दि.	उ.	अ.	भा.	मु.	इं	चंद्रः	वसंततूर्रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेतिमहा.
१	चं	४४	५	उ	३३	२६	गं	४७	८	बा	१४	५२	२९/३४	६/५	५/५५	२४	१३	१४	कन्यायां	मीनेऽर्कः२०/४१सौरः३०/१२रेवत्यांबुधः१४/५९ =
२	मं	४३	५७	ह	३४	५६	वृ	४४	५०	तै	१४	१	३८	४	५५	२५	१४	१५	कन्यायां	[=वसंत१छारेंडी
३	बु	४५	३७	चि	३८	१	ध्रु	४३	४३	व	१४	४७	४३	३	५७	२६	१५	१६	तु.६।२८	भ.१४।४७उ.४५।३७या.
४	गु	४८	५९	स्वा	४२	३७	व्या	४३	३४	ब	१७	१८	४७	३	५७	२७	१६	१७	तुलायां	उभा.रविः४१/४५सौरः५१।४८चतुर्थीव्र.
५	शु	५३	४७	वि	४८	४९	ह	४४	५४	कौ	२१	२३	५१	२	५८	२८	१७	१८	वृ.३२।१६	
६	श	५९	२१	अ	५५	४०	व	४६	४६	ग	२६	३४	५५	१	५९	२९	१८	१९	वृश्चिके	भ.५९।२१उ.
७	र	६०	०	ज्ये	६०	०	सि	४९	०	वि	३२	३१	३०/०	६/०	६/०	३०	१९	२०	वृश्चिके	भ.३२।३१या.
७	चं	५	४१	ज्ये	३	१४	व्य	५१	२०	ब	५	४१	३०/४	५/५९	६/१	१	२०	२१	घ.३।१४	उषा४गुरुः१०/१६भा.चैत्रारंभःशीतलापूजनं
८	मं	११	५८	मू	१०	४१	व	५३	१७	कौ	११	५८	८	५८	२	२	२१	२२	धनुषि	
९	बु	१७	५३	पू	१७	४१	प	५४	२६	ग	१७	५३	१२	५८	२	३	२२	२३	म.३४।७	भ.५०।१२उ.
१०	गु	२२	३१	उ	२३	२३	शि	५४	२४	वि	२२	३१	१६	५७	३	४	२३	२४	मकरे	भ.२२।३१या.
११	शु	२५	४२	श्र	२७	४३	सि	५३	१२	बा	२५	४२	२१	५६	४	५	२४	२५	कुं.५९।१	कृत्ति.शुक्रः४/३२पापमोचनी११व्र.
१२	श	२७	१८	ध	३०	१९	सा	५०	३४	तै	२७	१८	२५	५५	५	६	२५	२६	कुंभे	प्रदोषः
१३	र	२७	२	श	३१	१४	शु	४६	३०	व	२७	२	२९	५४	६	७	२६	२७	कुंभे	भ.२७/२उ.५५/५३या.वक्रीबुधः४२।१०
१४	चं	२४	४४	पू	३०	२२	शु	४१	१४	श	२४	४४	३३	५३	७	८	२७	२८	मी१५।३५	बृषेशुक्रः४५।२०
१५	मं	२१	१२	उ	२८	१४	ब्र	३५	०	ना	२१	१२	३७	५३	७	९	२८	२९	मीने	बुधास्तःपश्चिमायां३१।५१मन्वादिः

४९पं.चै.कृ.२मं.इ. २६/३०

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	९	०	७	१०	११
१	२५	१८	५	१७	५	२५	०
५	४८	२९	३९	१४	४७	३६	५६
३१	५८	१०	४३	४२	१०	१५	१६
५९	३४/४९	९१	१०	६०	३१/०	३	५९
४१	व	२५	२३	५६	व.	११	४९

५०पं.चै.कृ ८मं.इ. २६/५९

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	९	०	७	१०	११
८	२२	२६	६	२४	५	२५	७
३	३०	१३	५२	९	४०	१३	५४
१८	१९	४८	१९	०	१२	५९	११
५९	३०/१४	४७	९	५८	२३/१	३	५९
२९	व	२६	३९	८	व	११	३५

५१पं.चै.कृ.३०मं.इ. २७/१२

र	मं	बु	गु	शु	श	रा	र
११	४	११	९	१	७	१०	११
१४	२१	२८	७	०	५	२४	१४
५९	२०	४	५८	३७	२८	५१	५०
२०	२८	५९	४८	५५	२३	४४	२३
५९	२३/५०	१५/४९	८	५४	३/३	३	५९
१६	व	व	४९	२०	ब	११	१८

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

सं० २०१७ राष्ट्रीय संवत (शाके) १८८२ सन् १९६०-६१

चैत्र शक्ल		वैशाख शक्ल		ज्येष्ठ शुक्ल		आषाढ शुक्ल		श्रावण शुक्ल		भाद्रपद शुक्ल		आश्विन शुक्ल		कार्तिक शुक्ल		मार्ग. शुक्ल		पौष शुक्ल		माघ शुक्ल		फाल्गुन शुक्ल	
तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.
१ चं	चै ८	१ मं	६	१ गु	ज्ये ५	१ श	आषा ४	१ र	श्रा २	१ मं	भा १	१ बु	३०	१ शु	२९	१ श	२८	१ चं	२८	१ मं	२७	१ गु	२७
२ मं	९	२ बु	७	२ शु	६	२ र	५	२ चं	३	२ बु	२	२ गु	३१	२ श	३०	२ र	२९	२ मं	२९	२ बु	२८	२ शु	२८
३ ब	१०	३ गु	८	३ श	७	३ चं	६	३ मं	४	३ गु	३	३ शु	आ १	३ र	का १	३ चं	३०	४ बु	३०	३ गु	२८	४ श	२९
४ गु	११	३ शु	९	४ र	८	४ मं	७	४ बु	५	४ शु	४	४ श	२	४ चं	२	४ मं	मा १	५ गु	पौ. १	४ शु	३०	५ र	३०
५ शु	१२	४ श	१०	५ चं	९	५ बु	८	५ गु	६	५ श	५	५ र	३	६ मं	३	५ बु	२	६ शु	२	५ श	माघ १	६ चं	फा १
६ श	१३	५ र	११	६ मं	१०	६ ग	९	५ शु	७	६ र	६	६ चं	४	७ बु	४	६ गु	३	७ श	३	६ र	२	७ मं	२
७ सू	१४	६ चं	१२	६ बु	११	७ शु	१०	६ श	८	७ चं	७	७ मं	५	८ गु	५	७ शु	४	८ र	४	७ चं	३	८ बु	३
८ चं	१५	७ मं	१३	७ गु	१२	८ श	११	८ र	९	८ मं	८	८ बु	६	९ शु	६	८ श	५	९ चं	५	८ मं	४	९ गु	४
९ मं	१६	८ बु	१४	८ शु	१३	९ र	१२	९ चं	१०	९ बु	९	९ गु	७	१० श	७	९ र	६	१० मं	६	९ बु	५	१० शु	५
१० बु	१७	९ गु	१५	९ श	१४	१० चं	१३	१० मं	११	१० गु	१०	१० शु	८	११ र	८	१० चं	७	११ बु	७	१० गु	६	१० श	६
११ गु	१८	१० शु	१६	१० र	१५	११ मं	१४	११ बु	१२	१२ शु	११	११ श	९	१२ चं	९	१२ मं	८	१२ गु	८	११ शु	७	११ र	७
१२ शु	१९	११ श	१७	११ चं	१६	१२ ब	१५	१२ गु	१३	१३ श	१२	१२ र	१०	१३ मं	१०	१२ बु	९	१३ शु	९	१२ श	८	१२ चं	८
१३ श	२०	१२ र	१८	१३ मं	१७	१३ गु	१६	१३ शु	१४	१४ र	१३	१४ चं	११	१४ बु	११	१३ गु	१०	१४ श	१०	१३ र	९	१३ मं	९
१४ र	२१	१३ चं	१९	१४ बु	१८	१५ शु	१७	१४ श	१५	१५ चं	१४	१५ मं	१२	१५ गु	१२	१४ शु	११	१५ र	११	१४ चं	१०	१४ बु	१०
१५ चं	२२	१४ मं	२०	१५ गु	१९			१५ र	१६							१५ श	१२			१५ मं	११	१५ गु	११
		१५ बु	२१																				

वैशाख कृष्ण		ज्येष्ठ कृष्ण		आषाढ कृष्ण		श्रावण कृष्ण		भाद्रपद कृष्ण		आश्विन कृष्ण		कार्तिक कृष्ण		मार्ग. कृष्ण		पौष कृष्ण		माघ कृष्ण		फा. कृष्ण		चैत्र कृष्ण	
१ मं	२३	१ गु	२२	१ शु	२०	१ श	१८	२ चं	१७	१ मं	१५	१ बु	१३	१ शु	१३	१ र	१३	१ चं	१२	१ बु	१२	१ शु	१२
२ बु	२४	३ शु	२३	२ श	२१	२ र	१९	३ मं	१८	२ बु	१६	२ गु	१४	२ श	१४	२ चं	१४	१ मं	१३	२ गु	१३	२ श	१३
३ गु	२५	४ श	२४	३ र	२२	३ चं	२०	४ बु	१९	३ गु	१७	३ शु	१५	३ र	१५	३ मं	१५	२ बु	१४	३ शु	१४	३ र	१४
४ श	२६	५ र	२५	५ चं	२३	४ मं	२१	५ गु	२०	४ शु	१८	४ श	१६	४ चं	१६	४ बु	१६	३ गु	१५	३ श	१५	४ चं	१५
५ श	२७	६ चं	२६	६ मं	२४	५ बु	२२	६ शु	२१	५ श	१९	५ र	१७	५ मं	१७	५ गु	१७	४ शु	१६	४ र	१६	५ मं	१६
६ र	२८	७ मं	२७	७ बु	२५	६ गु	२३	७ श	२२	६ र	२०	६ चं	१८	६ बु	१८	६ शु	१८	५ श	१७	५ चं	१७	६ बु	१७
७ चं	२९	८ बु	२८	८ गु	२६	७ शु	२४	८ र	२३	७ चं	२१	६ मं	१९	७ गु	१९	७ श	१९	६ र	१८	६ मं	१८	७ गु	१८
९ मं	३०	९ गु	२९	९ शु	२७	८ श	२५	९ चं	२४	८ मं	२२	७ बु	२०	८ शु	२०	८ र	२०	७ चं	१९	७ बु	१९	८ शु	१९
१० बु	३१	१० शु	३०	१० श	२८	९ र	२६	१० मं	२५	९ बु	२३	८ गु	२१	८ श	२१	९ चं	२१	८ मं	२०	८ गु	२०	९ श	२०
११ गु	वै. १	११ श	३१	११ र	२९	१० चं	२७	११ बु	२६	१० गु	२४	९ शु	२२	९ र	२२	१० मं	२२	९ बु	२१	९ शु	२१	१० र	२१
१२ शु	२	१२ र	ज्ये १	१२ चं	३०	११ मं	२८	११ गु	२७	११ शु	२५	१० श	२३	१० चं	२३	११ बु	२३	१० गु	२२	११ श	२२	११ चं	२२
१३ श	३	१३ चं	२	१३ मं	३१	१२ बु	२९	१२ शु	२८	१२ श	२६	११ र	२४	११ मं	२४	१२ गु	२४	११ शु	२३	१२ र	२३	१२ मं	२३
१४ र	४	१४ मं	३	१४ बु	आषा १	१३ गु	३०	१३ श	२९	१३ र	२७	१२ चं	२५	१२ बु	२५	१३ शु	२५	१२ श	२४	१३ चं	२४	१३ बु	२४
३० चं	५	३० बु	४	१४ गु	२	१४ शु	३१	१४ र	३०	१४ चं	२८	१३ मं	२६	१३ गु	२६	१४ श	२६	१३ र	२५	१४ मं	२५	३० गु	२५
				३० शु	३	३० श	श्रा १	३० चं	३१	३० मं	२९	१४ बु	२७	१४ शु	२७	३० र	२७	१४ चं	२६	३० बु	२६		
												३० गु	२८										

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.
CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

संवत २०१८ राष्ट्रीय (शाके) १८८२-१८८३ सन् १९६१-६२

चैत्र शुक्ल		वैशाख शुक्ल		प्र. ज्येष्ठ शु.		द्वि ज्येष्ठ शु.		आषाढ शु.		श्रावण शुक्ल		भाद्रपद शु.		आश्वि. शु.		कार्त्तिक शु.		मार्ग. शुक्ल		पौष शुक्ल		माघ शुक्ल		फाल्गुन शुक्ल	
तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री ता.	तिथि वार	राष्ट्री. ता.	तिथि वार	राष्ट्री. ता.	तिथि वार	राष्ट्री. ता.	तिथि वार	राष्ट्री. ता.	तिथि वार	राष्ट्री. ता.	तिथि वार	राष्ट्री. ता.	तिथि वार	राष्ट्री. ता.	तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	तिथि वार	राष्ट्रीय ता.
१ शु	२६	१ र	२६	१ चं	२५	१ बु	२४	१ गु	२२	१ श	२१	१ चं	२०	१ मं	१८	१ गु	१८	१ शु	१७	१ र	१७	१ चं	१६	१ बु	१६
२ श	२७	२ चं	२७	२ मं	२६	२ गु	२५	२ शु	२३	२ र	२२	२ मं	२१	२ बु	१९	२ शु	१९	२ श	१८	२ चं	१८	२ मं	१७	२ गु	१७
३ र	२८	३ मं	२८	३ बु	२७	३ शु	२६	३ श	२४	३ चं	२३	३ बु	२२	३ गु	२०	३ श	२०	३ र	१९	३ मं	१९	३ बु	१८	४ शु	१८
४ चं	२९	४ बु	२९	४ गु	२८	४ श	२७	३ र	२५	४ मं	२४	४ गु	२३	४ शु	२१	४ र	२१	४ चं	२०	५ बु	२०	४ गु	१९	५ श	१९
५ मं	३०	५ गु	३०	५ शु	२९	५ र	२८	४ चं	२६	५ बु	२५	५ शु	२४	५ श	२२	५ चं	२२	५ मं	२१	६ गु	२१	५ शु	२०	६ र	२०
६ बु	चै. १	६ शु	बै. १	६ श	३०	६ चं	२९	५ मं	२७	६ गु	२६	६ श	२५	६ र	२३	६ मं	२३	६ बु	२२	७ शु	२२	६ श	२१	७ चं	२१
७ गु	२	७ श	२	७ र	३१	७ मं	३०	६ बु	२८	७ शु	२७	७ र	२६	७ चं	२४	८ बु	२४	७ गु	२३	८ श	२३	७ र	२२	८ मं	२२
८ शु	३	८ र	३	७ चं ज्ये	१	८ बु	३१	७ गु	२९	८ श	२८	८ चं	२७	८ मं	२५	९ गु	२५	८ शु	२४	९ र	२४	८ चं	२३	९ बु	२३
९ श	४	९ चं	४	८ मं	२	९ गु आ	१	८ शु	३०	९ र	२९	९ मं	२८	९ बु	२६	१० शु	२६	९ श	२५	१० चं	२५	९ मं	२४	१० गु	२४
१० र	५	१० मं	५	९ बु	३	१० शु	२	९ श	३१	१० चं	३०	१० बु	२९	१० गु	२७	११ श	२७	१० र	२६	११ मं	२६	१० बु	२५	११ शु	२५
११ चं	६	११ बु	६	१० गु	४	११ श	३	१० र श्रा	१	११ मं	३१	१२ गु	३०	११ शु	२८	१२ र	२८	११ चं	२७	१२ बु	२७	११ गु	२६	१२ श	२६
१२ मं	७	१२ गु	७	११ शु	५	१२ र	४	११ चं	२	१२ बु भा	१	१३ शु	३१	१२ श	२९	१३ चं	२९	१२ मं	२८	१३ गु	२८	१२ शु	२७	१३ र	२७
१२ बु	८	१३ शु	८	१२ श	६	१३ चं	५	१२ मं	३	१३ गु	२	१४ श आ	१	१३ र	३०	१४ मं	३०	१४ बु	२९	१४ शु	२९	१३ श	२८	१३ चं	२८
१३ गु	९	१४ श	९	१३ र	७	१४ मं	६	१३ बु	४	१४ शु	३	१५ र	२	१५ चं का.	१	१५ बु मा.	१	१५ गु	३०	१५ श	३०	१४ र	२९	१४ मं	२९
१४ शु	१०	१५ र	१०	१४ चं	८	१५ बु	७	१५ गु	५	१५ श	४											१५ चं	३०	१५ बु	३०
१५ श	११			१५ मं	९																				

वैशाख कृ.		प्र. ज्येष्ठ कृष्ण		द्वि.ज्ये. कृष्ण		आषाढ कृष्ण		श्रावण कृष्ण		भाद्रपद कृ.		आश्वि. कृ.		कार्त्तिक कृ.		मार्ग कृष्ण		पौष कृष्ण		माघ कृ.		फाल्गुन कृष्ण		चैत्र कृष्ण	
१ र	१२	१ चं	११	१ बु	१०	१ गु	८	१ शु	६	२ र	५	१ चं	३	१ मं	२	१ गु	२	१ शु	पौ. १	१ र	मा १	१ मं	फा १	शाके	१८८४
२ चं	१३	२ मं	१२	३ गु	११	२ शु	९	२ श	७	३ चं	६	२ मं	४	२ बु	३	२ शु	३	१ श	२	२ चं	२	२ बु	२	१ गु	चै १
३ मं	१४	३ बु	१३	४ शु	१२	३ श	१०	३ र	८	४ मं	७	३ बु	५	३ गु	४	३ श	४	२ र	३	३ मं	३	३ गु	३	२ शु	२
४ बु	१५	४ गु	१४	५ श	१३	५ र	११	४ चं	९	५ बु	८	५ गु	६	४ शु	५	४ र	५	३ चं	४	३ बु	४	४ शु	४	३ श	३
५ गु	१६	५ शु	१५	६ र	१४	६ चं	१२	५ मं	१०	६ गु	९	६ शु	७	५ श	६	५ चं	६	४ मं	५	४ गु	५	५ श	५	४ र	४
६ शु	१७	६ श	१६	७ चं	१५	७ मं	१३	७ बु	११	७ शु	१०	७ श	८	६ र	७	६ मं	७	५ बु	६	५ शु	६	६ र	६	५ चं	५
८ श	१८	७ र	१७	८ मं	१६	८ बु	१४	८ गु	१२	८ श	११	७ र	९	७ चं	८	७ बु	८	६ गु	७	६ श	७	६ चं	७	६ मं	६
९ र	१९	८ चं	१८	९ बु	१७	९ गु	१५	९ शु	१३	९ र	१२	८ चं	१०	८ मं	९	८ गु	९	७ शु	८	७ र	८	७ मं	८	७ बु	७
१० चं	२०	९ मं	१९	१० गु	१८	१० शु	१६	१० श	१४	१० चं	१३	९ मं	११	९ बु	१०	९ शु	१०	८ श	९	८ चं	९	८ बु	९	८ गु	८
११ मं	२१	११ बु	२०	११ शु	१९	११ श	१७	११ र	१५	११ मं	१४	१० बु	१२	९ गु	११	१० श	११	९ र	१०	९ मं	१०	९ गु	१०	९ शु	९
१२ बु	२२	१२ गु	२१	१२ श	२०	१२ र	१८	११ चं	१६	१२ बु	१५	११ गु	१३	१० शु	१२	११ र	१२	१० चं	११	१० बु	११	१० शु	११	१० श	१०
१३ गु	२३	१३ शु	२२	१३ र	२१	१३ चं	१९	१२ मं	१७	१३ गु	१६	१२ शु	१४	११ श	१३	११ चं	१३	११ मं	१२	११ गु	१२	१२ श	१२	११ र	११
१४ शु	२४	१४ श	२३	१४ चं	२२	१४ मं	२०	१३ बु	१८	१४ शु	१७	१३ श	१५	१२ र	१४	१२ मं	१४	१२ बु	१३	१२ शु	१३	१३ र	१३	१२ चं	१२
३० श	२५	३० र	२४	३० मं	२३	३० बु	२१	१४ गु	१९	३० श	१८	१४ र	१६	१३ चं	१५	१३ बु	१५	१३ गु	१४	१३ श	१४	१४ चं	१४	१३ मं	१३
								३० शु	२०	३० र	१९	३० चं	१७	१४ मं	१६	१४ गु	१६	१४ शु	१५	१४ र	१५	३० मं	१५	१५ बु	१४
														३० बु	१७			३० श	१६						

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

विक्रम संवत २०१९ राष्ट्रीय (शाके) १८८४ सन १९६२-६३

चैत्र शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	वैशाख शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	ज्येष्ठ शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	आषाढ शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	श्रावण शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	भाद्रपद शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	आश्विन शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	कार्त्तिक शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	मार्ग. शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	पौष शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	माघ शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.	फाल्गुन शुक्ल तिथि वार	राष्ट्रीय ता.
१ गु	१५	१ श	१५	१ र	१३	१ चं	११	१ बु	१०	१ शु	९	१ श	७	१ चं	७	१ बु	७	१ गु	६	१ श	६	२ चं	६
२ शु	१६	३ र	१६	२ चं	१४	२ मं	१२	२ गु	११	२ श	१०	२ र	८	२ मं	८	२ गु	८	२ शु	७	२ र	७	३ मं	७
३ श	१७	४ चं	१७	३ मं	१५	३ बु	१३	३ शु	१२	३ र	११	३ चं	९	३ बु	९	३ शु	९	३ श	८	३ चं	८	४ बु	८
४ र	१८	५ मं	१८	४ बु	१६	३ गु	१४	४ श	१३	४ चं	१२	३ मं	१०	४ गु	१०	४ श	१०	४ र	९	४ मं	९	५ गु	९
५ चं	१९	६ बु	१९	५ गु	१७	४ शु	१५	५ र	१४	५ मं	१३	४ बु	११	५ शु	११	५ र	११	५ चं	१०	५ बु	१०	६ शु	१०
६ मं	२०	७ गु	२०	६ शु	१८	५ श	१६	६ चं	१५	६ बु	१४	५ गु	१२	६ श	१२	६ चं	१२	६ मं	११	७ गु	११	७ श	११
७ बु	२१	८ शु	२१	७ श	१९	६ र	१७	६ मं	१६	७ गु	१५	६ शु	१३	७ र	१३	७ मं	१३	७ बु	१२	८ शु	१२	८ र	१२
८ गु	२२	९ श	२२	८ र	२०	७ चं	१८	७ बु	१७	८ शु	१६	७ श	१४	८ चं	१४	८ बु	१४	८ गु	१३	९ श	१३	९ चं	१३
९ शु	२३	९ र	२३	९ चं	२१	८ मं	१९	८ गु	१८	९ श	१७	८ र	१५	९ मं	१५	९ गु	१५	९ शु	१४	१० र	१४	१० मं	१४
१० श	२४	१० चं	२४	१० मं	२२	९ बु	२०	९ शु	१९	१० र	१८	९ चं	१६	१० बु	१६	११ शु	१६	१० श	१५	११ चं	१५	११ बु	१५
११ र	२५	११ मं	२५	११ बु	२३	१० गु	२१	१० श	२०	११ चं	१९	१० मं	१७	११ गु	१७	१२ श	१७	११ र	१६	१२ मं	१६	१२ गु	१६
१२ चं	२६	१२ बु	२६	११ गु	२४	११ शु	२२	११ र	२१	१२ मं	२०	११ बु	१८	१२ शु	१८	१३ र	१८	१२ चं	१७	१३ बु	१७	१३ शु	१७
१३ नं	२७	१३ गु	२७	१२ शु	२५	१२ श	२३	१२ चं	२२	१३ बु	२१	१३ गु	१९	१३ श	१९	१४ चं	१९	१३ मं	१८	१४ गु	१८	१४ श	१८
१४ बु	२८	१४ शु	२८	१३ श	२६	१३ र	२४	१३ मं	२३	१४ गु	२२	१४ शु	२०	१४ र	२०	१५ मं	२०	१५ बु	१९	१५ शु	१९	१५ र	१९
१५ गु	२९	१५ श	२९	१४ र	२७	१४ वं	२५	१५ बु	२४	१५ शु	२३	१५ श	२१										
				१५ चं	२८	१५ मं	२६																

वैशाख कृष्ण		ज्येष्ठ कृष्ण		आषाढ़ कृ.		श्रावण कृ.		भाद्रपद कृष्ण		आश्विन कृ.		कार्त्तिक कृष्ण		मार्गशीर्ष कृ.		पौष कृष्ण		माघ कृष्ण		फाल्गुन कृष्ण		चैत्र कृष्ण	
१ शु	३०	१ र	३०	१ मं	२९	१ बु	२७	१ गु	२५	२ श	२४	१ र	२२	१ चं	२१	१ बु	२१	१ गु	२०	१ श	२०	१ चं	२०
१ श	वै १	२ चं	३१	३ बु	३०	२ गु	२८	२ शु	२६	३ र	२५	२ चं	२३	२ मं	२२	२ गु	२२	२ शु	२१	२ र	२१	२ मं	२१
२ र	२	३ मं	ज्ये १	४ गु	३१	३ शु	२९	३ श	२७	४ चं	२६	३ मं	२४	३ बु	२३	३ शु	२३	३ श	२२	३ चं	२२	३ बु	२२
३ चं	३	४ बु	२	५ शु	श्रा. १	५ श	३०	४ र	२८	५ मं	२७	५ बु	२५	४ गु	२४	४ श	२४	४ र	२३	४ मं	२३	४ गु	२३
४ मं	४	५ गु	३	६ श	२	६ र	३१	५ चं	२९	६ बु	२८	६ गु	२६	५ शु	२५	५ र	२५	५ चं	२४	५ बु	२४	५ शु	२४
५ बु	५	६ शु	४	७ र	३	७ चं	श्रा १	७ मं	३०	७ गु	२९	७ शु	२७	६ श	२६	६ चं	२६	५ मं	२५	६ गु	२५	६ श	२५
६ गु	६	७ श	५	८ चं	४	८ मं	२	८ बु	३१	८ शु	३०	८ श	२८	७ र	२७	७ मं	२७	६ बु	२६	६ शु	२६	७ र	२६
७ शु	७	८ र	६	९ मं	५	९ बु	३	९ गु	भा १	९ श	३१	९ र	२९	८ चं	२८	८ बु	२८	७ गु	२७	७ श	२७	८ चं	२७
९ श	८	९ चं	७	१० बु	६	१० गु	४	१० शु	२	१० र	आ १	१० चं	३०	९ मं	२९	९ गु	२९	८ शु	२८	८ र	२८	९ मं	२८
१० र	९	१० मं	८	११ गु	७	११ शु	५	११ श	३	११ चं	२	१० मं	का १	१० बु	३०	१० शु	३०	९ श	२९	९ चं	२९	९ बु	२९
११ चं	१०	१२ बु	९	१२ शु	८	१२ श	६	१२ र	४	१२ मं	३	११ बु	२	११ गु	मा १	११ श	पौ १	१० र	३०	१० मं	३०	११ गु	३०
१२ मं	११	१३ गु	१०	१३ श	९	१३ र	७	१३ चं	५	१३ बु	४	१२ गु	३	१२ शु	२	१२ र	२	११ सं	मा १	११ बु	फा १	शाके	१८८५
१३ बु	१२	१४ शु	११	३० र	१०	१४ चं	८	१४ मं	६	१४ गु	५	१३ शु	४	१२ श	३	१३ चं	३	१२ मं	२	१२ गु	२	१२ शु	चै १
१४ गु	१३	३० श	१२			३० मं	९	१४ बु	७	३० शु	६	१४ श	५	१३ र	४	१४ मं	४	१३ बु	३	१३ शु	३	१३ श	२
३० शु	१४							३० गु	८			३० र	६	१४ चं	५	३० बु	५	१४ गु	४	१४ श	४	१४ र	३
														३० मं	६			३० शु	५	३० र	५	३० चं	४

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

विक्रम संवत २०२० राष्ट्रीय संवत १८८५ सन् १९६३-६४

चैत्र शुक्ल तिथि राष्ट्रीय वार ता.	वैशाख शुक्ल तिथि राष्ट्रीय वार ता.	ज्येष्ठ शुक्ल तिथि राष्ट्रीय वार ता.	आषा. शुक्ल तिथि राष्ट्री. वार ता.	श्रावण शु. तिथि राष्ट्री. वार ता.	भाद्रपद शु. तिथि राष्ट्री. वार ता.	दृ. आ. शु. स्यूप्र.आ.श. तिथि राष्ट्री. वार ता.	दृ.प्र.का.शु. स्यू. द्विआ.श तिथि राष्ट्री. वार ता.	दृ. मार्ग. शु. स्यू: का. श. तिथि राष्ट्री. वार ता.	दृ. पौष शु. स्यू. पौष शु. तिथि राष्ट्री. वार ता.	माघ शुक्ल तिथि राष्ट्री. वार ता.	फाल्गन शु. तिथि राष्ट्री. वार ता.	प्र. चैत्र शु. तिथि राष्ट्री. वार ता.
१ मं ५	१ बु ४	२ गु ३	१ श आ १	१ र ३०	१ मं २६	१ बु २७	१ शु २६	१ र २६	१ मं २६	१ बु २५	१ शु २५	२ र २५
२ बु ६	२ गु ५	३ श ४	२ र २	२ चं ३१	२ बु ३०	२ गु २८	२ श २७	२ चं २७	२ बु २७	२ गु २६	२ श २६	३ चं २६
३ गु ७	३ शु ६	४ र ५	३ चं ३	३ मं श्रा १	३ गु ३१	३ शु २९	३ र २८	३ मं २८	३ गु २८	३ शु २७	३ र २७	४ मं २७
५ शु ८	४ श ७	५ चं ६	४ मं ४	४ बु २	४ शु भा. १	३ श ३०	४ चं २९	४ बु २९	४ शु २९	४ श २८	४ चं २८	५ बु २८
६ श ९	५ र ८	६ मं ७	५ बु ५	५ गु ३	५ श २	४ र ३१	५ मं ३०	५ गु ३०	५ श ३०	५ र २९	५ मं २९	६ गु २९
७ र १०	६ चं ९	७ बु ८	६ गु ६	६ शु ४	६ र ३	५ चं आ १	५ बु का १	६ शु मा १	६ र पौ १	६ चं ३०	६ बु ३०	७ शु ३०
८ चं ११	७ मं १०	८ गु ९	७ शु ७	७ श ५	७ चं ४	६ मं २	६ गु २	७ श २	७ चं २	७ मं मा १	७ गु फा. १	शाके १८८६
९ मं १२	८ बु ११	९ शु १०	८ श ८	८ र ६	८ मं ५	७ बु ३	७ शु ३	८ र ३	८ मं ३	८ बु २	९ शु २	संव. २०२१
१० बु १३	९ गु १२	१० श ११	९ र ९	८ चं ७	९ बु ६	८ गु ४	८ श ४	९ चं ४	९ बु ४	९ गु ३	१० श ३	८ श चै. १
११ गु १४	१० शु १३	११ र १२	१० चं १०	९ मं ८	१० गु ७	९ शु ५	९ र ५	१० मं ५	१० गु ५	१० शु ४	११ र ४	९ र २
१२ शु १५	११ श १४	१२ चं १३	११ मं ११	१० बु ९	११ शु ८	१० श ६	१० चं ६	११ बु ६	१२ शु ६	११ श ५	१२ चं ५	१० चं ३
१३ श १६	१२ र १५	१३ मं १४	१२ बु १२	११ गु १०	१२ श ९	११ र ७	११ मं ७	१२ गु ७	१३ श ७	१२ र ६	१३ मं ६	११ मं ४
१४ र १७	१३ च १६	१३ बु १५	१३ गु १३	१२ शु ११	१३ र १०	१२ चं ८	१३ बु ८	१३ शु ८	१४ र ८	१३ चं ७	१४ बु ७	१२ बु ५
१५ चं १८	१४ मं १७	१४ गु १६	१४ शु १४	१३ श १२	१४ चं ११	१३ मं ९	१४ गु ९	१४ श ९	१५ चं ९	१४ मं ८	१५ गु ८	१३ गु ६
	१५ बु १८	१५ शु १७	१५ श १५	१४ र १३	१५ मं १२	१४ बु १०	१५ शु १०					१४ शु ७
				१५ चं १४		१५ गु ११						१५ श ८

वैशाख कृष्ण	ज्येष्ठ कृष्ण	आषाढ़ कृष्ण	श्रावण कृष्ण	भाद्रपद कृ.	प्र. आश्विन कृ.	दृ.प्र. का.कृ.	दृ.द्वि.का.कृ.	दृ. पौष कृष्ण स्यू. मार्ग.कृ.	माघ कृ.	फाल्गुन कृ.	प्र. चैत्र कृ.	द्वि. चैत्र कृ.
१ मं १९	१ गु १९	१ श १८	१ र १६	१ मं १५	१ बु १३	स्यूद्विआ.कृ.	स्यू: का. कृ.	१ र १०	१ मं १०	१ बु ९	१ शु ९	१ र ९
१ बु २०	२ शु २०	२ र १९	२ चं १७	२ बु १६	२ गु १४	१ शु १२	१ श ११	२ चं ११	२ बु ११	२ गु १०	२ श १०	२ चं १०
२ गु २१	३ श २१	३ चं २०	३ मं १८	३ गु १७	३ शु १५	३ श १३	२ र १२	३ मं १२	३ गु १२	३ शु ११	३ र ११	३ मं ११
३ शु २२	४ र २२	४ मं २१	४ बु १९	४ शु १८	४ श १६	४ र १४	३ चं १३	४ बु १३	४ शु १३	४ श १२	४ चं १२	४ बु १२
४ श २३	५ चं २३	५ बु २२	५ गु २०	६ श १९	५ र १७	५ चं १५	५ मं १४	५ गु १४	५ श १४	५ र १३	५ मं १३	५ गु १३
५ र २४	५ म २४	६ गु २३	६ शु २१	७ र २०	६ चं १८	६ मं १६	६ बु १५	६ शु १५	६ र १५	६ चं १४	६ बु १४	६ शु १४
५ चं २५	६ बु २५	६ शु २४	६ श २२	८ चं २१	८ मं १९	७ बु १७	७ गु १६	७ श १६	७ चं १६	७ मं १५	७ गु १५	७ श १५
७ मं २६	७ गु २६	८ श २५	८ र २३	९ मं २२	९ बु २०	८ गु १८	८ शु १७	८ र १७	८ मं १७	८ बु १६	८ शु १६	८ र १६
८ बु २७	९ शु २७	९ र २६	९ चं २४	१० बु २३	१० गु २१	९ शु १९	९ श १८	९ चं १८	९ बु १८	९ गु १७	९ श १७	९ चं १७
९ गु २८	१० श २८	१० चं २७	१० मं २५	११ गु २४	११ शु २२	१० श २०	१० र १९	१० मं १९	१० गु १९	९ शु १८	९ र १८	१० मं १८
१० शु २९	११ र २९	१२ मं २८	११ बु २६	१२ शु २५	१२ श २३	११ र २१	११ चं २०	११ बु २०	११ शु २०	१० श १९	१० चं १९	११ बु १९
११ श ३०	१२ चं ३०	१३ बु २९	१२ गु २७	१३ श २६	१३ रं २४	१२ चं २२	१२ मं २१	१२ गु २१	१२ श २१	११ र २०	११ मं २०	१२ गु २०
१२ र वै १	१३ मं ३१	१४ गु ३०	१४ शु २८	१४ र २७	१४ चं २५	१३ मं २३	१३ बु २२	१३ शु २२	१३ र २२	१२ चं २१	१२ बु २१	१३ शु २१
१३ चं २	१४ बु ज्ये. १	३० शु ३१	३० श २९	३० चं २८	३० मं २६	१४ बु २४	१३ गु २३	१४ श २३	१४ चं २३	१३ मं २२	१३ गु २२	१४ श २२
३० मं ३	३० गु २					३० गु २५	१४ शु २४	३० र २४	३० मं २४	१४ बु २३	१४ शु २३	३० र २३
							३० श २५	३० चं २५		३० गु २४	३० श २४	

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

नक्षत्राणां स्वामि शुभाऽशुभादि विशेष संज्ञा											नष्ट वास्तुज्ञानायसुलोचनादि संज्ञा					नक्षत्र पादवशादत्रकष्टावलोकन चक्रम्						
																ज्वरादि रोगोत्पत्तौ		भस्यपादवशादत्र दिन संख्या				
नक्षत्राणि	अवकहडा च.	स्वामिनः	शुभाशुभ	जातिः	संज्ञा	मुखं	घ. उ. नि.	पु. स्त्री	मु.	सू. चं.	संज्ञा	दि	लाभाऽलाभ	ता.	स्वरूपम्	दि. संख्या	दानादि	च१	२	३	४	जपार्थ मंत्राः
अश्विनी	चु. चे.चो.ला	अश्विनीकु	शुभम	वैश्यः	लघु क्षिप्र	तिर्यक्	५०	पु.	३०	चं.	मंद	द	यत्नालाभ	३	अश्वमुखं	दिन ६	भोजनम्	६	११	१०	२०	मृत्युंजय मंत्रजपः
भरणी	लि.लू.ले.लो.	यमः	नाशकः	चांडालः	उग्र क्रूर	अधः	२४	,,	१५	,,	मध्य	प.	दूरेश्रव.	३	योनिस्वरूपं	दि. ११	गोन्नादिः	०	८०	४०	११	यमायत्वेति मन्त्रः
कृत्तिका	अ ई उ ए	अग्निः	अशुभम	ब्राह्मणः	मिश्र साधा	अधः	३०	,,	३०	,,	सुलोचन	उ.	अलाभ	६	क्षुराकृतिः	दि. ६	स्वर्णदानं	६	११	१६	२८	अग्निर्मूर्धेति मन्त्रः
रोहिणी	ओ वा वी वू	ब्रह्मा	शुभम	शूद्रः	ध्रुव स्थि.	ऊर्ध्व	४०	,,	४५	सू.	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	५	शकटवत्	दि. ७	घृत दानं	७	६	१८	३०	ब्रह्मयज्ञेति मन्त्रः
मृगसिर	वे वो क की	चन्द्रः	शुभम्	कृषकः	मृदु. मैत्रं	तिर्यक्	१४	,,	३०	,,	मन्द	द.	यत्नल्लाभ	३	मृगास्यम्	मा. १	तिल दानं	६	५	७	१०	इमंदेवेति मन्त्रः
आर्द्रा	कू घ ङ छ	शिवः	अशुभम्	क्रूरजाति	ती. दारुण	ऊर्ध्व	२१	स्त्री	१५	चं.	मध्य	प.	दूरेश्रव.	१	मणिसदृशं	मृतिः	गौदानम्	०	१८	०	०	नमस्ते रुद्रेति मन्त्र.
पुनर्वसु	के को ह ही	अदितिः	शुभम्	वैश्यः	चरं. चलं	तिर्यक्	३०	,,	४५	,,	सुलोचन	उ.	अलाभ	४	गृह सदृशं	दि. ७	पीतल दा	७	१४	२	२१	अदितिर्द्यौरिति मन्त्रः
पुष्य	हू हे हो डा	गुरुः	शुभम्	क्षत्रियः	ल. क्षिप्र	ऊर्ध्व	२०	,,	३०	,,	अंध	पू.	शीघ्रलाभ	३	याणाकृति	दि. ७	तैलान्नदा	६	७	१०	२१	वृहस्पतेति मंत्रः
आश्लेषा	डी डू डे डो	सर्पः	अशुभम्	चांडालः	तीक्ष्णं दा	अधः	३२	,,	१५	,,	मन्द	द.	यत्नाल्लाभ	५	चक्राकारं	मृति	गोजादि	०	०	४१	०	नमोस्तुसर्पेति मन्त्रः
मघा	म मी मु मे	पितरः	शोकदः	शूद्रः	उग्र. क्रूरः	अधः	३०	,,	३०	,,	मध्य	प.	दूरेश्रव.	५	गृह सदृशं	दि. २०	वस्त्राज्यं	१५	७	१७	२०	पितृभ्य इतिमंत्रः
पूर्वाफा.	मो टा टी टु	भगः	अशुभम्	ब्राह्मण.	उग्र. क्रूर.	अधः	२०	,,	३०	सू.	सुलोचन	उ.	अलाभ	२	मंचकाकृति	मृतिः	भोजनं	०	१५	८	३०	भगप्रणेमीति मन्त्रः
उत्तराफा	टे टो प पी	अर्यमा	शुभम्	क्षत्रियः	ध्रुव स्थिर.	ऊर्ध्व	१८	,,	४५	,,	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	५	खट्वाकारं	दि. ७	अन्नदानं	७	१४	७	६०	दध्यावर्द्धेति मन्त्रः
हस्त	पू ष ण ठ	रविः	शुभम्	वैश्यः	लधु क्षिप्र	तिर्यक्	२१	,,	३०	,,	मन्द	द.	यत्नाल्लाभ	१	हस्ताकारम्	दि. १५	तैलदानं	१५	१७	१५	०	उदुत्यंजातवेदेति मन्त्रः
चित्रा	पे पो र री	त्वष्टा	शुभम्	कृषकः	मृदु. मैत्र	तिर्यक्	२०	,,	३०	,,	मध्य	प.	दूरेश्रवणं	१	मौक्तिकम्	दि. ११	दुग्धदानं	११	६	६	१६	त्वष्टातुरियेति मन्त्रः
स्वाती	रु रे रो ता	वायुः	शुभम्	क्रूरजाति	चरं. चलं	अधः	१४	नपुं	१५	,,	सुलोचन	उ.	अलाभ	४	प्रवालाकारं	मृति	गौघृतं	६०	१७	३०	०	वायोरग्नेति मन्त्रः
विशाखा	ती तू ते तो	इंद्राग्नी	अशुभम्	चांडालः	मिश्र. साधा	अधः	१४	नपुं	४५	,,	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	४	तोरणसदृशं	दि. १६	गोमेद	१५	०	४	१३	इन्द्राग्नी इति मन्त्रः
अनुराधा	न नी नू ने	मित्रः	शुभम्	शूद्रः	मृदु. मैत्रं	तिर्यक्	१०	,,	३०	,,	मन्द	द.	यत्नाल्लाभ	४	वलिसदृशं	स्थिरः	गौघृतं	६०	१२	३६	३०	नमोमित्रेति मन्त्रः
ज्येष्ठा	नो या यी यू	इन्द्रः	शुभम्	कृषकः	तीक्ष्णं. दारु.	तिर्यक्	१४	पु.	१५	,,	मध्य	प.	दूरेश्रवणं	३	कुण्डलाकारं	मृतिः	तिलदानं	६६	६	६	४	त्रातार मिन्द्रेति गन्वः
मूल	ये यो भ भी	राक्षसः	क्षयः	क्रूरजाति	तीक्ष्ण. दारु.	अधः	५६	,,	३०	,,	सुलोचन	उ.	अलाभः	११	सिंह पुच्छ	घ. ६	रौप्यदानम्	०	६	१५	६	मातापुत्रेति मन्त्रः
पूर्वाषाढा	भू धा फा ढा	जलम्	हानिः	ब्राह्मणः	उग्रं. क्रूरं	अधः	२४	,,	३०	चं.	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	२	गजदंतसदृशं	मृतिः	गौमुक्ता	०	१५	२४	१०	आपोघर्मेति मन्त्रः
उत्तराषाढा	भे भो ज जी	विश्वेदेवा	हानिः	क्षत्रियः	ध्रुव. स्थिरः	ऊर्ध्व	१०	,,	४५	,,	मन्द	द.	यत्नालाभ	३	मंचकाकारं	मा. १	भोजनं	३०	२४	२६	१६	विश्वेदेवेति मन्त्रः
अभिजित्	जु जे जो खा	ब्रह्मा	शुभम्	—	लघु. क्षिप्र.	,,	१०	,,	०	,,	मन्द	द.	यत्नाल्लाभ	३	त्रिकोण	—	—					ब्रह्मयज्ञानमितिमन्त्रः
श्रवण	खी खु खे खो	विष्णु	वृद्धिः	चांडालः	चरं. चलं.	,,	१०	,,	३०	,,	सुलोचन	उ.	अलाभ	४	विमान सदृ.	दि. ११	श्रीफलं	६०	२४	६	६	विष्णोरराटेति मन्त्रः
धनिष्ठा	ग गि गु गे	अष्टवसु	शुभम्	कृषकः	चर. चल.	,,,	१०	,,	३०	,,	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	१००	मृदंगाकारं	दि. १५	अश्वान्नं	१५	४	२१	२१	वसोः पवित्रेति मन्त्रः
शतभिषा	गो सा सी सु	वरुणः	शुभम्	क्रूरजाति	चर. चल.	,,	१८	,,	१५	सू	मन्द	द.	यत्नाल्लाभ	२	वर्तुलं	दि. ११	भोजनं	०	४५	३	२२	वरुणस्वोत्तमिति मंत्रः
पूर्वाभाद्र	से सो द दी	अजैकपा.	अशुभम्	ब्राह्मणः	उग्र. क्रूर	,,	१६	,,	३०	चं.	मध्य	प.	दूरेश्रवणं	२	मंचकाकारं	मृतिः	भोजनं	०	१२	२१	३६	अजैक चरणोक्तं मन्त्रः
उ.भाद्रप	दू थ झ ञ	अहिर्बुध्न्य	शुभम्	क्षत्रियः	ध्रुव. स्थिरः	,,	२४	,,	४५	सू.	सुलोचन	उ.	अलाभ	२	यमलसदृशं	दिन ७	अन्नदानं	१०	३	६	१५	अहिर्बुध्न्येति मन्त्रः
रेवती	दे दो च ची	पूषा	शुभम्	शूद्रः	मृदु. मैत्र.	तिर्यक्	१०	,,	३०	चं.	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	३२	मर्दलाकारं	स्थिरः	बृषदानं	१८	१०	६	२०	पूषन्तव यत्रेति मन्त्रः

अथ रोगी के मरण जीवन का ज्ञान—उरगशतभिषार्द्रा स्वातिमूले त्रिपूर्वा भरणि रविजवारे भानुभौमार्कियुक्ता। प्रथमदिनचतुर्थी-द्वादशी षष्ठि भूता हरिहर विधिरक्तो रोगिणां मृत्युकालः ॥ आश्लेषा शतभिषा आर्द्रा स्वाति तीनों पूर्वा भरणी यह नक्षत्र रवि भौम शनि-वार और १।४।१२।६।१४यह तिथि इनके योग में रोग होनो रोगी की मृत्यु होती है। तीनों में से एक भी कम होतो चिंता नहीं॥

पुष्यनक्षत्रस्य प्राशस्त्यम्—ग्रहेण विद्धोऽप्यशुभान्वितोऽपि। विरुद्ध तारोऽपि विलोम गोपि। करोत्यवश्यंसकलार्थ सिद्धि विहायपाणिग्रहमेव पुष्यः। सिंहोयथा सर्वचतुष्पदानां तथैवपुष्योवलवानुडूनाम ॥ चन्द्रे विरुद्धेऽप्यथगोचरेवा सिद्ध्यंतिकार्याणिकृतानि पुष्ये। परकृतमखिलं निहंतिपुष्यो नखलु निहन्तिपरस्तुपुष्यदोषम। ध्रुवममृतकरेऽष्टमेपि पुष्ये विहितमुपैति सदैवसिद्धिम ॥

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

प्राचीनमते वर्षे ध्रुवा:

वर्षे	१	२	३	४	५	६	७	८	९
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
वर्षे	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	५	४	२	१	६	५	४	२	१
घटी	३५	१०	४५	२१	५६	३१	६	४२	१७
पल	१५	३०	४५	०	१५	३०	४५	०	१५
विपल	०	०	०	०	०	०	०	०	०

नूतन दृक्पक्षीया: वर्ष ध्रुवा:

वर्षे	१	२	३	४	५	६	७	८	९
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३
वर्षे	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	५	४	२	१	६	५	३	२	१
घटी	३३	७	४१	१५	४९	२२	५६	३०	०४
पल	४९	३९	२८	१८	७	५७	४६	३६	२५
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

पंच वर्गी बलम्

स्वर्क्षे	उच्च	हद्दा	द्रेका	नवां	
३० ०	२० ०	१५ ०	१० ०	५ ०	स्व
२२ ३०	१५ ०	११ १५	७ ३०	३ ४५	मि
१५ ०	१० ०	७ ३०	५ ०	२ ३०	सम
७ ३०	५ ०	३ ४५	२ ३०	१ १५	शत्रु

वर्षे मुन्था चक्रम्

सू	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु	व.
०	१	०	१	१	१	१	०	२	मा
१८	०	२१	२५	१८	२७	२१	२१	०	दि.

सप्तांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	४।१७।८।३४
२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	८।३४।१७।८
३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	१२।५१।२५।४२
४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	१७।८।३४।१७
५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	२१।२५।४२।५१
६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	२५।४२।५१
७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	३०।०

वर्षे हद्दा चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	राशी
६	८	६	७	६	७	६	७	१२	७	७	१२	अंश
बृ	शु	बु	मं	बृ	बु	श	मं	बृ	बु	बु	शु	स्वामी
६	६	६	६	५	१०	८	४	५	७	६	४	अंश
शु	बु	शु	शु	शु	शु	बु	शु	शु	बृ	शु	बृ	स्वामी
८	८	५	६	७	४	७	८	४	८	७	३	अंश
बु	बृ	बृ	बु	श	बृ	बृ	बु	बु	शु	बृ	बु	स्वामी
५	५	७	७	६	७	७	५	५	४	५	९	अंश
मं	श	मं	बृ	बु	मं	शु	बृ	श	श	मं	मं	स्वामी
५	३	६	४	६	२	२	६	४	४	५	२	अंश
श	मं	श	श	मं	श	मं	श	श	मं	श	श	स्वामी

होरा चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	१५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	३०

द्रेष्काण चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
मं १	शु २	बु ३	चं ४	सू ५	बु ६	शु ७	मं ८	बृ ९	श १०	श ११	बृ १२	१०
सू ५	बु ६	शु ७	मं ८	बृ ९	श १०	श ११	बृ १२	मं १	शु २	बु ३	चं ४	२०
बृ ९	श १०	श ११	बृ १२	मं १	शु २	बु ३	चं ४	सू ५	बु ६	शु ७	मं ८	३०

त्रिपता चक्रे ग्रह स्थापनम्-सैकागताब्द संख्याया विभक्तो नवभिस्ततः। शेषांके जन्मनिगता चन्द्रराशेरिहन्यसेत् ॥ शेष ग्रहाश्चतुर्भक्तं शेष संख्यासु विन्यसेत्। त्रिपतायां वर्ष लग्न,आदौ तत्र विधुर्यदा। शुभैर्विद्धःशुभफलः पापैः पापफल प्रदः इति ॥

नवमांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	३।२०
२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	६।४०
३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	१०।०
४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	१३।२०
५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	१६।४०
६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	२०।०
७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	२३।२०
८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	२६।४०
९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	३०।०

द्वादशांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२।३०
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	५।०
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	७।३०
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	१०।०
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	१२।३०
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	१५।०
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	१७।३०
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	२०।०
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	२२।३०
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	२५।०
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२७।३०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	३०।०

अथ त्रिंशांश चक्रम्

विषमे त्रिंशांशा:							समे त्रिंशांशा:						
मे	मि	सिं	तु	ध	कुं	अं	वृ	क	कं	वृ	म	मी	अं
१	१	१	१	१	१	५	२	२	२	२	२	२	५
११	११	११	११	११	११	१०	६	६	६	६	६	६	१२
९	९	९	९	९	९	१८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
३	३	३	३	३	३	२५	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
७	७	७	७	७	७	३०	८	८	८	८	८	८	३०

त्रिराशिपतय:

लग्न	मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कु	मी
दिवा	र	शु	श	शु	गु	चं	बु	मं	श	मं	बृ	चं
रात्रौ	बृ	चं	बु	मं	र	शु	श	शु	श	मं	बृ	चं

ग्रहाणां उच्च-नीच हर्ष स्थानानि दीप्तांशकाश्च

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	ग्रहा
०	१	९	५	३	११	६	उच्च
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	रा. अं.
६	७	३	११	९	५	०	नीच
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	रा. अं.
९	३	६	१	११	५	१२	हर्ष स्थान
१५	१२	८	७	९	७	९	दीप्तांशा:

उच्चबलानयनम्

नीचग्रहांतरं कार्यंषड्भाद्ल्पं यदा भवेत् तदंशा नवभिर्भक्ताः स्पष्टमुच्च बलं भवेत् ॥

वर्षे मैत्री चक्रम्

मित्र	सम	शत्रु
५-९	२-१२	१-४
३-११	६-८	७-१०

अथ पंचाधिकारिण:

१ जन्म लग्नेश:
२ वर्ष लग्नेश:
३ त्रिराशिपति:
४ मुंथां पति:
५ दिवा रवि राशीश: ६ रात्रौ चन्द्र राशीश:

एषु लग्नाऽवलोकी बलवांश्च वर्षपतिर्भवेत्।

वर्षे मुन्धादशाज्ञानम्

जन्मर्क्ष संख्या सहितागताब्दे द्यूनिता नन्द हृतावशेषात्। आ. चं. कु. रा. जी श.बु.के.शु. वर्षे मुन्धा दशैवं कथिता मुनीन्द्रैः। अथ ग्रहाणां दीप्तांशा:-तिथ्य १५ कों १२ष्ट ८ नगांक शैलखचरैः सूर्यादिदीप्तांशका: ॥ - - - - -

अथहर्ष बलानयनम्:-कोष्ठकोक्तभावेषु ग्रहे स्थिते, प्रथमम्। योग्रह: स्वोच्च: स्वराशिस्थ: सोपिबलाधिकारी, द्वितीयम्। लग्नात्त्रित्रिस्थानेषु स्त्रीणां पुंग्रहाणांच स्थितौ हर्षबलम् तृतीयम्। दिवा वर्ष प्रवेशे नृणां रात्रौ स्त्रीणां बलं भवति इति चतुर्थम्। ताजिके. सू.मं.गु. पुरुषग्रहा: शेषा: स्त्रीग्रहा: ॥ - - - - -

मुंथानयनम्-गतवर्षेषु लग्नं संयोज्य द्वादशभक्ते वर्षे मुंथाराशि: ॥ - - - - - - - -

वर्षे जगल्लग्नफलम्-जन्मोदयाद्वास्वदजप्रवेश लग्नंहियद्भावगतंशुभान्वितम्॥ तद्भाववृद्धिं प्रकरोति तस्मिन्वर्षे नृणां पापयुतं तदन्यथा ॥

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

ऊर्ध्वस्थितर्क्षाणि हि भानि पुंसां वामस्थितर्क्षाणि तथा वधूनाम् । संपातकोष्ठे शुभयोगुणैस्यं सर्वशुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत् ॥१॥

		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु				मकर				कुम्भ			मीन		
		अ४	भ४	कृ१	कृ३	रो४	मृ२	मृ२	आ४	पु३	पुन१	पु४	श्लेष४	म४	पू४	उ१	उ३	ह४	चि२	चि२	स्वा४	वि३	वि१	अनु४	ज्ये४	मू४	पू॥	पू३॥	उ१	उ३	श्र१॥	श्र२॥	ध२	ध२	श४	पू३	पू१	उ४	रे४
मेष	अ४	२८ ३	३३ ०	२७॥	१७॥ ४	२१॥ -४	२२॥ -४	२६	१७ ३	१९ ३	२३॥ ३	३१॥	२८	२१ ×५	२५ ×५	१४॥ ३५	१० ३६	९ २३६	१३ ६	२२॥	२६॥ -२	२२॥	१८॥ -६	२४॥ -६	१४ ३६	१३ ३५	२५ ×५	२५ ×५	२३॥ ×५	२५	२७	२६	२०	२०	१५ ३	१६ ३	१४॥ ३४	२३॥ ×४	२६ ×४
	भ४	३४	२८ ३	२९ ०१	१९ ०४१	२३॥ -४	१५॥ ३४	१९ ३	२६	२६	३०॥	२३॥ ३	२४॥ १	१९ -१५	१७ ३५	२६ ×५	२१॥ ६	२० ६	४ १३६	१३॥ १३	२९॥	२१॥ -१	१७॥ -१६	१७॥ ३६	१९॥ -१६	२० -१५	१८ ३५	१९ ३५	२७ ×५	२८॥	२७	२६	१० १३२	१० १३२	२० -१	२४ -२	२२॥ ×२४	१७॥ ३४	२४॥ ×४
	कृ१	२६	२९ १	२८ ३	१८ ३४	१० ४३४०	१६॥ ४	२०	२० १	२१	२५॥	२६॥	२३॥ ३	१६॥ ३५	२० १५	२० १५	१५॥ १६	१५॥ ६	१८ ६	२७॥	१५॥ ३	१९॥ ३	१५॥ ३६	१९॥ -६	२५॥ -६	२४॥ ×५	१८ १२५	१९ १२५	१२ ३१५	१३॥ १३	११॥ २३	११॥ २३	२५	२५	२५	१९ १	१७॥ १४	१९॥ १४	११॥ ३४
वृष	कृ३	१७॥ ४	२० १४	१९ ३४	२८ ३	२० १३०	२६॥	१७॥ ×४	१७॥ ४	१८॥ ×४	२२	२३	२० ३	१८॥ ३	२२ १	२२ १	२१ १५	२१ ×५	२३॥ ×५	२२॥ -६	१०॥ ३६	१४॥ ३६	२०॥ ३	२४॥	३०॥	२० ६	१४॥ १२६	१४॥ १२६	६॥ १३६	१२ १३५	११ २३५	१० ३५२	२३॥ ×५	२९॥	३१॥	२३॥ १	२० १	२२ १	१४ ३
	रो४	२३॥ -४	२४॥ ४	३१ ३४१	२० ३१	२८ ३	३६ ०	२७ ०४	२३॥ ×४	२२॥ ×४	२६	२७	१२ ३१	१०॥ ३१	२४॥	२७	२६ ×५	२६ ×५	२० -१५	१९ -१६	१५॥ ३६	९॥ ३१६	१५॥ ३१	२९॥	२३॥ १	१४ १६	१९ ६	२० ६	१२॥ ३६२	१७ ३५२	१८ ३५	१७ ३५	२० -१५	२६ -१	२४॥ -१	३०॥	२७	२७	१९ ३
	मृ२	२३॥ -४	१५॥ ३४	१८॥ -४	२७॥	३६	२८ ३	१९ ३४	२४ ०४	२२॥ ×४	२६	१९ ३	२१	१९॥	१५॥ ३	२४॥	२३॥ ×५	२६ ×५	१३ ३५	१२ ३६	२५ ×६	१९॥ ×६	२४॥	२१॥ ३	२४	१५ ६	१० ३६	११ ३६	१८ २६	२२॥ ×२५	२४ ×५	२३॥ ×५	१२ ३५	१९ ३	२७	२९॥	२६	१८ ३	२७
मिथुन	मृ२	२७	१९ ३	२२॥	१९॥ ×४	२७ ×४	२०॥ ३४	२८ ३	३३ ०	३१॥	१९॥ -४	१२ ३४	१४ ४	२३॥	१९॥ ३	२८॥	३१॥	३४	२१ ३	१३ ३५	२७ ×५	२०॥ ×५	१५ ६	१२ ३६	१५ ६	२३	१८ ३	१७ ३	२४ ×२	१७ -२६	२४ -६	२३॥ -६	११॥ ३६	१३ ३५	२१ ×५	२३॥ ×५	२५॥	१७॥ ३	२६॥
	आ४	१८ ३	२७	२१ १	१८॥ ×१४	२४॥ ×४	२६ ×४	३४	२८ ३	२५ ३०	१२॥ ०३४	२० -४	१३ १४	२२॥ १	२८॥	२१॥ ३	२४॥ ३	२४॥ ३	२८ १	२३ -१५	२७ ×५	२१ ×१५	१५॥ १६	१८ २६	४	१६ १३	२८	२७	२७	२३॥ -६	२३॥ ६	२२ -६	१८॥ -१६	१९ ×१५	१२ १३५	१८ ३५	२० ३	२६॥	२५॥
	पुन३	२० ३	२६	२३	२०॥ ×४	२२॥ ×४	२३॥ ×४	३१॥	२४ ३	२८ ३	१५॥ -३४	२२॥ ४०	१७ -४	२२॥ ×२	२६॥ २	२१॥ ३	२३॥ ३	२५॥ ३	२७॥	२०॥ ×५	२८ ×५	२२ ×५	१६॥ ६	२२॥ ६	८ ३६	१३ ३	२८	२६	२६	२२॥ -६	२३॥ -६	२३ -६	१८ -६	१९॥ ×५	१४ ३५	१७ ३५	१९ ३	२८	२७॥
कर्क	पुन१	२३॥ ३	२८॥	२५॥	२२	२४	२५	१८ ४	१०॥ ३४	१४॥ ३४	२८ ३	३५ ०	२९॥	१६॥ ×२४	२०॥ ×२४	१५॥ ३४	१८ ३	१९ ३	२१	२०॥	२८	२२	२० ×५	२६ ×५	१६॥ ३५	८ ३६	२२ ६	२१॥ -६	२१॥ -६	२५	२७	२७	२२	१३॥ ६	८ ३६	११ ३६	१० ३५	२६ ×५	२३॥ ×५
	पुष्य४	३०॥	२१॥ ३	२६॥	२३	२५	१८ ३	११ ३४	२८॥ ४	२१॥ ४	३५	२८ ३	३० ०	१९॥ ×४	१५॥ ३४	२३॥ ×४	२६	२७	१२ ३	११॥ ३	२६॥	२१	१९ -५	१८ ३५	२१ -५	१७ ६	१२ २३६	१६॥ २३६	२०॥ ६	२४	२४ -२	२५ -२	१३ ३	४॥ ३६	१४॥ ६	१८ ६	२४ ×५	१८ ३५	२७ ×५
	श्लेष४	२६	२३॥ १	२५॥ ३	१९ ३	११ ३१	१९	१२ ४	१२ १४	१५ ४	२८॥	२९	२८ ३	१५	१५॥ १४२	१८॥ १४	२१ १	२१	२६	२५॥	१२॥ ३	१७॥ ३	१५॥ ३५	२० ×५	२६ ×५	२२॥ ६	१६ १६	१६॥ १६	८॥ ३१६	१२ १३	१२ ३	१३ ३	२७	१८ ६	१९॥ ६	१२॥ १६	१८॥ १५	२१ १५	१३ ३५
सिंह	म४	२० ×५	१९ ३५	१६॥ ३५	१७॥ ३	९॥ ३१	१७॥	२१॥	२१॥ १	२०॥ -२	१६॥ -२४	१९॥ ×४	१६ ३४२	२८ ३	३० ०१	२७॥ १	१६॥ १४	१६॥ ४	२१॥ ४	२४॥	११॥ ३	१६॥ ३	२२॥ ३	२५॥	३३	२५ ×५	१९ १५	१९ १५	८॥ १३५	३ ३१६	३॥ ३६	५ ३६	१९ ६	२५	२६	१८॥ १	१८॥ -१६	१५॥ १६	१२ ३६
	पू४	२६ ×५	१७ ३५	२० -१५	२१ १	२३॥ ३	१५॥ ३	१९॥ ३	२७॥	२६॥ -२	२२॥ -२४	१७॥ ३४	१६॥ १२४	२० -१	२८ ३	३५ ०	२४ ०४	२२॥ ४	७॥ १३४	१०॥ १३	२५॥	१८॥ १	२४॥ -१	२३॥ ३	२५॥ -१	१९ ×१५	१७ ३५	१७ ३५	२४ ×१	१८ ६	१७॥ ६	१८॥ ६	४॥ १३६	१०॥ १३	१९॥ १	२४॥	२४॥ -६	१७॥ ३६	२४॥ -६
	उ१	१५॥ ३५	२६ ×५	२० ×१५	२१ ×१५	२६	२४॥	२८॥	२०॥ ३	२१॥ ३	१७॥ ३४	२५॥ ×४	१९॥ -१४	२७॥ -१	३५	२८ ३	१७ ३४	१६ ०३४	१३॥ १४२	१६॥ १२	२५॥	१६॥ १२	२२॥ -१२	३१॥	१७॥ १३	९॥ १३५	२५ ×५	२५ ×५	२५ ×५	१९ ६	१९ ६	२० ६	११॥ १६	१७॥ १	१०॥ १३	१५॥ ३	१५॥ ३६	२६॥ ×६	२५॥ ×६
कन्या	उ३	१२ ३६	२२॥ ६	१६॥ १६	२१ १५	२६ ×५	२४॥ ×५	३१॥	२३॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२२॥ १	१७॥ १४	२५ ×४	१८ ३४	२८ ३	२७ ३०	२४॥ ×१	१६॥ १२४	२५॥ ×४	१६॥ २१४	२० १२	२८	१५ १३	१४ १३	२९॥	२७॥	२८॥	२५ ×५	२५ ×५	२४॥ ×५	१६ ×१५	१६॥ -१६	९॥ २१६	१४॥ ३६	१७॥ ३	२८॥	२७॥
	ह४	१० २३६	२१ ६	१६॥ ६	२२ ×५	२५ ×५	२६ ×५	३३	२२॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२३	१८॥ ×४	२२॥ ×४	१७ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०	२० ०४	२६॥ ×४	१८॥ ×४	२१	२८	१५ ३	१५ ३	२७	२६	२७॥	२४ ×५	२५ ५	२४॥ ×५	१७॥ ×५	१९ -६	८॥ ३६२	१३॥ ३६	१६॥ ३	२६॥	२७॥
	चि२	१३ ६	५ १३६	१९ ६	२३॥ ×५	२० १५	१२ ३५	१९ ३	२७ ×१	२५॥	२१	१२ ३	२७	२२॥ ×४	८॥ १३४	१४॥ १२४	२४॥ १२	२७	२८ ३	२० ३१	१९ ०४	२६॥ ×४	२९	१२ ३	२६	२८	१४ १३	१४ १३	२२ १	१७॥ १५	१९ ५	१८॥ ×५	१७॥ ३५	१८ ३६	२४ -६	१८॥ १६	२१॥ १	१०॥ १३२	१९॥

सारणी के कोष्ठक में उपरी भाग में गुण हैं। नीचे के भाग में दोषों के चिन्ह हैं। जिनकी पहिचान के चिन्ह यह हैं। नाडी दोष में (३)। गण महादोष (मनुष्य राक्षस) में (१)। भकूट-महादोष (षडष्टक) में (६)। (नव पंचम) में (५)। (द्विर्द्वादश) में (४)। वैर योनि में (२)। और जहां थोडा दोष है वहां (–)। जहां दोष का पूरा निर्वाह है वहां (×) चिन्ह है। जहां वरके नक्षत्र से पूर्व वधू का नक्षत्र है इसका भी महादोष (दाक्षिणात्यों ने) माना है वहां (०) चिन्ह है जहां कोई दोष नहीं वहां केवल गुण ही लिखे हैं।

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri

वर→ / वधू↓		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु				मकर				कुम्भ			मीन		
		अ४	भ४	कृ१	कृ३	रो४	मृ२	मृ२	आ४	पु३	पु१	पु४	श्ले४	म४	पू४	उ१	उ३	ह४	चि२	चि२	स्वा४	वि३	वि१	अनु४	ज्ये४	मू४	पू॥	पू३॥	उ१	उ३	श्र१॥	श्र२॥	ध२	ध२	श४	पू३	पू१	उ४	रे४
तुला	चि२	२२॥	१४॥ १३	२८॥	२३॥ ×६	२० १६	१२ ३६	१३ ३५	२३ १५	२० ×५	२०॥	११॥ ३	२६॥	२५॥	११॥ १३	१६॥ १२	१७॥ १२४	२० ×४	२१ ३४	२८ ३	२७ ०	३४॥	२४॥ ४	७॥ ३४	२१॥ ४	२८	१४ १३	१३ १३	२१ १	२५॥ -१	२७	२६॥	२५॥ ३	२० ३५	२६ +५	२० -१५	१४ १६	३॥ ०२१३	१२॥ ६
	स्वा४	२७॥ ×२	३०॥	१७॥ ३	१२॥ ३६	१५॥ ३६	२६ -६	२७ ×५	२६ ×५	२८ ×५	२९	२७॥	१३॥ ३	१३॥ ३	२५॥	२५॥	२५॥ ×४	२७॥ ×४	२१ ×४	२८	२८ ३	२० ३०	१० ३४०	२३॥ ४	१८॥ ४	२३	२७	२६	१८ ३	२१॥ ३	२३॥ ३	२३ ३	२६॥	२१ ×५	२० ×५२	२५ +५	१९ ६	१९॥ ६	१२॥ ३६
	वि३	२२॥	२२॥ १	२०॥ ३	१५॥ ३६	१०॥ १३६	१७ -६	२१ ×५	२१ -१५	२१ ×५	२२	२१	१७॥ ३	१७॥ ३	१९॥ १	१७॥ १२	१७॥ १४२	१७॥ ×४	२७॥ ×४	३४॥	१९ ३	२८ ३	१८ ३४	१७ ०४	२१॥ ४	२८	२२ १	२१ १	१३ १३	१७॥ १३	१७॥ ३	१७ ३	३२	२६॥ ×५	२६ +५	२२ १५	१६ १६	१३ १६२	४॥ ३६
वृश्चिक	वि१	१६॥ ×६	१६॥ ×१६	१४॥ ३६	१९॥ ३	१४॥ १३	२२॥	१३ ६	१४॥ १६	१४॥ ६	१९ -५	१८ -५	१५॥ -५३	२३॥ ३	२३॥ १	२१॥ १२	१८ १२	१९	२८	२३॥ ३	९ ३४	१७ ३४	१८ ३	२७ ०	३१॥	२३॥ ×४	१७॥ १४	१७॥ ४१	९॥ १३४	१२ १३	११॥ ३	१२ ३	२७	२७	२६॥	२२॥ १	२१ १५	१८ १५२	९॥ ३५२
	अ४	२३॥ -६	१६॥ ३६	१९॥ -६	२४॥	२७॥	२०॥ ३	११ ३६	१६ २६	२१॥ ६	२६ -५	१८ ३५	२१ -५	२५॥	२१॥ ३	२१॥	२६	२७	१२ ३	७॥ ३४	२२॥ ४	१७ ४	२८	२८ ३	३१ ०	१६॥ ×२४	१४॥ ३४	१४॥ ३४	२२॥ ×४	२५	२६	२६	१२ ३	१२ ३	२२	२५॥	२४ ×५	१८ ३५	२७ ×५
	ज्ये४	१२ ३६	१८॥ १६	२४॥ -६	२९॥	२२॥ १	२२॥	१३ ६	३ १२१०	५॥ ६३	१०॥ ५३	२० ×५	२६ -५	३२	२४॥ १	१६॥ १३	१३ १३	१३ ३	२५	२०॥ ४	१६॥	२०॥ ४	३१॥	३०	२८ ३	१५ २३४	१७॥ १४	१७॥ १४	१७॥ १४	२० १	२०	२०	२५	२५	१९ ३	११ १३	५ १३५	२१ १५	२१ ×५
धनु	मू४	१३ ३५	२० -१५	२५॥ ×५	१९ ६	१२ १६	१३ ६	२१	१५ १३	१२ ३	८ ३६	१७ ६	२३॥ ६	२५ ×५	१९ -१५	९॥ १५३	१४ ३१	१३ ३	२७	२७	२१	२७	२४॥ ×४	१६॥ ×२४	१६ ३४२	२८ ३	२८ ०१	२७ ०१	२५॥ १	१५॥ १४	१५॥ ४	१५ ४	२१ ४	२९॥	२१॥ ३	१५॥ १३	१७ १३	२५ १	२६॥ ●
	पू॥	२६ ×५	१८ -३५	१८ २१५	१९॥ २६	१८ ६	१० ३६	१८ ३	२७	२६	२२ -६	१२ २३६	१७ १६	१९ -१५	१७ ३५	२५ ×५	२८॥	२७	१३ १३	१३ १३	२७	२१ १	१८॥ १४-	१६॥ ३४	१८॥ १४-	२८ ×१	२८ ३	२७ ३	३३ ०	२३ ०४	२३॥ ४	२३॥ ४	७ १४३	१५॥ १३	२३॥ १	२९॥	३१	२३ ३	३१
	पू३॥	२६ ×५	१९ ३५	१९ ५२१	१३॥ १६२	१९ ६	११ ३६	१७ ३	२६	२६	२३॥ ६	१३॥ २३६	१७ १६	१९ -१५	१७ ३५	२५ ×५	२८॥	२६	१३ १३	१२ ३	२६	२० १	१८॥ -१४	१६॥ ३४	१८॥ -१४	२७ ×१	२७ ३	२८ ३	३४ ०	२१ ०४३	२४॥ ४	२३॥ ४	७॥ १३४	१४॥ १३	२२॥ १	२८॥	३१॥	२३॥ ३	३१॥
	उ१	२४॥ ×५	२७ ×५	१२ १३५	६॥ १३६	११॥ २३६	१८ २६	२४ ×२	२६	२६	२३॥ ×६	२२॥ ६	९॥ १६३	८॥ १५३	२४ ×५	२५ ×५	२७॥	२७	२१ १	२० १	१८ ३	१२ १३	१०॥ १३४	२४॥ ×४	१६॥ -१४	२५॥ १	३३	३४	२८ ३	१८ ३४	१६ ३४०	१५ ३४०	१५॥ १४	२२॥ १	२२॥ १	२८॥ १	३१॥	३१॥	२३॥ ३
मकर	उ३	२६	२९	१४॥ १३	१२ १३५	१७ २३५	२३॥ ×२५	१७ ×२६	२२॥ -६	२२॥ -६	२७	२६	१३ १३	४ १३६	१९ ६	२० ६	१५ ×५	२५ ×५	१७॥ १५	२४॥ -१	२३॥ ३	१६॥ १३	१३ ३१	२७	२१ १	१६॥ १४	२४ ४	२५ ४	१९ ३४	२८ ३	२६ ०३	२५ ३०	२५॥ ×१	१७॥ ×१४	१७॥ -१४	२३॥ ×४	२९॥ २९॥	२९॥	२१॥ ३
	श्र१॥	२८	२७	१४॥ २३	१२ २३५	१७ ३५	२४ ×५	२३ -६	२१॥ -६	२२॥ -६	२६	२५ ×२	१४ ३	५॥ ३६	१७॥ ६	१९ ६	२४ ×५	२५ ×५	२० ×५	२७	२२॥ ३	१७॥ ३	१४ ३	२७	२२	१७॥ ४	२३॥ ४	२४॥ ४	१६ ३४	२५ ३	२८ ३	२७ ३	२८ ०-	२० ०४	१८॥ ४	२२॥ ×४	२८॥	२८॥	२१॥ ३
	श्र२॥	२७	२६	१२॥ ३२	११ ३५२	१६ ३५	२३॥ ×५	२२॥ -६	२१ -६	२२ -६	२८	२६ ×२	१५ ३	७ ३६	१८॥ ६	२० ६	२३॥ ×५	२४॥ ×५	१९ ×५	२६॥	२२ ३	१७ ३	१४ ३	२७	२२	१७ ४	२३ ४	२३॥ ४	१५ ३४	२४ ३	२७ ३	२८ ३	२९ -०	१९ ०४	१८ ×४	२२ ×४	२९॥	२९॥	२२॥ ३
	ध२	२०	११ १३२	२६	२३॥ ×५	२० १५	१२ ३५	९॥ ३६	१७॥ १६	१६ -६	२२	१३ ३	२८	२० ६	५॥ १३६	१२॥ १६	१६ १५	१८॥ ×५	१७॥ ३५	२५॥ ३	२४॥	२१	२८	१२ ३	२६	२२ ४	८ १३४	८॥ ३४१	१६॥ ४१	२५॥ १	२७	२८	२८ ३	१८॥ ३४	२३॥ ४०	१९ १४	२६ १	१५॥ १३	२२॥ ×२
कुम्भ	ध२	२०	११ १३२	२६	३०॥	२७ १	१९ ३	१२ ३५	१९ १५-	१८॥ ×५	१३॥ ६	४॥ ३६	१९॥ ६	२६	११॥ १३	१८॥ १	१७॥ १६	१९ ×६	१९ ३६	२० ३५	२० -५	२६॥ -५	२८	१२ ३	२६	३०॥	१६॥ १३	१५॥ १३	२३॥ १	१८॥ १४	२० ४	१९॥ ×४	१९॥ ३४	२८ ३	३३ ०	२८॥ १	१८ १४	७ १३४	१४ ४२
	श४	१५ ३	२१ -१	२८	३२॥	२५॥ १	२७	२० ×५	१२ १३५	१३ ३५	८ ३६	१४॥ ६	१७॥ ६	२७	२०॥ १	११॥ १३	१०॥ १३६	८॥ २३६	२५ ६	२६ ×५	१९ ×२५	२९ ×५	२७॥	२२	२० ३	२२॥ ३	२४॥ १	२२॥ १	२३॥ १	१८॥ १४	१८॥ ४	१८ ×४	२४॥ ×४	३३	२८ ३	१९ ०१३	८ १२४०	१६ १४	१६ ४
	पू३	१७ ३	२५ ×२	२० -१	२४॥ -१	३१॥	३१॥	२४॥ ×५	१८ ३५	१८ ३५	१३ ३६	२० ६	१३॥ १६	१९॥ १	२५॥	१६॥ ३	१५॥ ३६	१५॥ १३६	१९॥ १६	२०॥ -१५	२६ ×५	२२ -१५	२३॥ १	२७॥	१२ १३	१६॥ १३	३०॥	२९॥	२९॥	२४॥ ×४	२४॥ ×४	२४ ×४	२० -१४	२८॥ -१	१९ १३	२८ ३	१७॥ ३४	२२॥ ०४	२० ४२
मीन	पू१	१४॥ ३४	२१॥ ×४२	१६ -१४	१९ १	२६॥	२६॥	२५॥	१९ ३	१९ ३	१८ ३५	२५ ×५	१८॥ १५	१७॥ -१६	२४ ×६	१४॥ ३६	१६॥ ३	१६॥ ३	२०॥ ×१	१३॥ १६	१९ ६	५ १६	२१ १५-	२५ ×५	५ १३५	१६ १३	३०	३०॥	३०॥	२८॥	२८॥	२९॥	२५॥ १	१७ १४	१० १३४	१८॥ ३४	२८ ३	३३ ०	३०॥ ×२
	उ४	२३॥ ×४	१६॥ ३४	१८॥ -१४	२१ १	२६	१८ ३	१७॥ ३	२५॥	२८	२७ ×५	१९ ३५	२१ १५	१८॥ -१६	१६॥ ३६	२५॥ ×६	२६॥	२६॥	९॥ १३२	३॥ १२०	१९॥ ६	१२ १६२	१८ १५२	१९ ३५-	२१ -१५	२४ १	२२ ३	२२॥ ३	३०॥	२८॥	२८॥	२९॥	१४॥ १३	५ १३४	१५ १४	२१॥ ४	३३	२८ ३	३४ ०
	रे४	२५ ×४	२५॥ ×४	११॥ ३४	१३ ३	१७ ३	२६	२५॥	२५॥	२८	२५॥ ×५	२७ ×५	१४ ३५	१२ ३६	२२॥ ×६	२३॥ ×६	२५॥	२६॥	१९॥	१२ ६	११॥ ३६	४॥ ३६	१०॥ ३५	२७ ×५	२२ ×५	२६॥	२९	२९॥	२१॥ ३	१९॥ ३	२२॥ ३	२१॥ ३	२२॥ -२	१४ ४२	१६ ४	१६ ४२	२९॥ ×२	३३	२८ ३

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वी चत:पृ. रेखांश	रेलवे-न्तर मिनट	अक्षां-शा: उत्तरा:	पलभा अं ०यं
अक्कलकोट	+५	७६.२	-२५	१७।३२	३।४८
आकोला	+१३	७७.०	-२२	२०।४२	४।३२
अजमेर	-११	७४.६	-३२	२६।२८	५।५८
अथेन्स-ग्रीस	-५२०	२३.७	-२३५	३७।५९.	९।२२
अद्वानी	+१६	७७.३	-२१	१५ ३७	३।२२
अहमदाबाद	-३२	७२.५	-४०	२३। २	५। ५
अमृतसर	-९	७४।८	-३१	३१।३७	७।२३
अयोध्या	+६४	८२.१	- २	२६।४८	६। ४
अर्कोट	-३८	७९.५	-१२	१२।५८	२ ४६
अलीगढ़	+२९	७८.६	-१६	२७।५३	६।२१
अलीबाग	-२९	७२.८	-३९	१८।३८	४। ३
अलेग्झंड्रिया	-४५७	३०.०	-२१०	३१।१२	७।१५
औरङ्गाबाद	-४	७५.३	-२९	१९।५२	४।२०
अहमदनगर	-१०	७४.७	-३१	१९। ८	४।१०
आगरा	+२२	७७.९	-१८	२७।१०	६।१०
इचलकरंजी	-१३	७४.४	-३२	१६।३९	३।३५
इन्दापुर	-७	७५.०	-३०	१८। ७	३।५६
इन्दोर	० ०	७५.७	-२७	२२।४१	५। १
उज्जैन	० ०	७५.७	-२७	२३। ९	५। ७
उटकमंड	+१०	७६.७	-२३	११।२७	२।२७
उडपी	-९	७४.८	-३१	१३।२०	२।५०
उदयपुर रा.	-३०	७३.७	-३५	२४।३७	५।३०
अमरावती	+२०	७७.७	१९	२०।५५	४।३५
एलिचपुर	+१७	७७.४	-२०	२१।१६	४।४०
ओंकारेश्वर	+४	७६.१	-२६	२२।१३	४।५४
कटक	+१०२	८५.९	+१४	२०।२६	४।२९
कड़पी	+३५	७९.२	-१३	१४।२८	३। ६
कर्नूल	+२४	७८.१	-१७	१५।४९	३।२४
कहाड	-१६	७४.१	-३४	१७।१८	३।४४
कलकत्ता	+१२८	८८.३	+२४	२२।३४	४।५९
कलबुर्गा	+११	७६.८	-२३	१७।२०	३।४५
कल्याण	-२५	७३.२	-३७	१९।१३	४।११
कागल	-१४	७४.३	-३३	१६।३४	३।३४
काठमांडू	+९५	८५.२	+ ९	२७।४३	६।१८
कानपुर	+४६	८०.३	- ९	२६।२८	५।५८
कौंस्टांटिनोप	-४६७	२९.०	-२१४	४१। ०	१०।२८

नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्री न्वि च .पू रेखांश	रेल्वे न्तर मिनट	अक्षां- शा. उत्तरा:	पलभा अं ०यं
काबुल	-६६	६९.१	-५४	३४।२७	८। ३
कालीकट	+१	७५.८	-२७	११।१४	२।२५
कांची	+५	७६.२	-२५	९ ।५६	२। ६
किलोर(सि.)	+५१	८०.८	-७	७ ।२०	१।३२
बनारस का)	+७२	८२.९	+२	२५।२०	५।४०
कित्तूर	- ९	७४.८	-३१	१५।३५	३।२१
कुमारी	-१८	७७.५	-२०	८ । ६	१।४१
कुम्भकोणं	+३८	७९.५	-१२	१०।५७	२।२०
कुरुन्दवाड़	-११	७४.६	-३२	१६।४१	३।३६
कोइमत्तूर	+१८	७७.५	-२०	१०।५८	२।२०
कोटवड़े	-२४	७३.३	-३७	१७। ५	३।४१
कोप्पल	+५	७६.२	-२५	१५।२०	३।१८
कोल्हापुर	-१५	७४.२	-३३	१६।४३	३।३६
खंडवा	+६	७६.३	-२५	२१।५०	४।४८
गढ़वाल	+२२	७७.९	-१८	१६।१४	३।२९
गंतूर	+५०	८०.७	-७	१६।१५	३।२९
गया	+९१	८४.८	+९	२४।४६	५।३२
गाजीपुर	+७८	८३.५	+४	२५।३५	५।४५
ग्वालियर	+२४	७८.१	-१८	२६।१२	५।५४
ग्रीन्विच	-७५७	०.०	-३३०	५१।२९	१५।१४
गोकर्ण	-१४	७४.३	-३३	१४।३२	३। ७
गोकाक	-८	७४.९	-३०	१६।१०	३।२९
गोवे	-१९	७३.८	-३५	१५।२७	३।१९
गोरखपुर	+७७	८३.४	-४	२६।४४	६। ३
चित्रकलदुर्ग	+८	७६.५	-२४	१४।१३	३। ३
चिपलून	-२२	७३.५	-३६	१७।३१	३।४७
जगन्नाथपुरी	+१०१	८५.८	+१३	१९।४६	४।१९
जंजीरा	+२७	७३.०	-३८	१८।१५	३।५७
जठ	-१४	७५.३	-२९	१७। ३	३।३९
जम्बूनगर	- ७	७५.०	-३०	३७।४४	७।४३
जबलपुर	-४४	८०.१	-१०	२३। ९	५। ८
जमखंडी	+ ४	७५.३	-२९	१६।३०	३।३३
जयपुर	- १	७५.८	-२७	२६।५६	६। ६
जव्हार	+२४	७३.३	-३७	१९।५७	४।२१
जूनागढ़	-४३	७०.४	-४८	२१।२९	४।३३
जुन्नर	-१८	७३.९	-३४	१९।१६	४।१२

नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वि पूर्व रेखांश	रेल्वे न्तर मिनट	अक्षां· शा: उत्तरा:	पलभा अ.०यं
जोधपुर	-३२	७२.५	-४०	२६।२०	५।५६
झासी	+२९	७८.६	-१६	२५।३७	५।४५
टोंक	-७	७५.०	-३०	१९।४०	४।१८
ठाणे	-३८	७२.९	-३८	१९।१३	४।११
ढाका व	+१४७	९०.४	+३२	२३।४५	५।१७
तंजावर	+३४	७९.१	-१४	१०।४५	२।१७
ताडपत्री	+२४	७८.१	-१८	१४।५६	३।१२
तासगांव	-११	७४.६	-३२	१७।२	३।४०
त्रिचनापल्ली	+३१	७८.८	-१५	१०।५४	२।१९
त्रिपति	+२९	७८.६	-१६	१३।०	२।४६
त्रिवेन्द्रम	+१२	७६.९	-२२	८।३०	१।४७
दिल्ली	+१४	७७.१	-२२	२८।३७	६।३२
द्वारिका	-७१	८६.६	-५६	२२।१५	४।५५
दौलताबाद	-५	७५.२	-२९	१९।५७	४।२१
धार	-५	७५.२	-२९	२२।३६	५। ०
धारवाड़	-७	७५.०	-३०	१५।२६	३।१९
धुलिया	-१०	७४.७	-३१	२०।५३	४।३५
धौलपुर	-२२	७७.९	-१८	२६।४०	६। २
नवलगढ़	-६	७५.१	-२९	२०।४५	६।१९
नंदुरबार	-१४	७४ ३.	-३३	२१।२१	४।४१
नागपुर	+३३	७९.०	-१४	२१।८	४।३९
नासिक	-२०	७३.७	-३५	२०।०	४।२२
निपाणी	-११	७४.६	-३२	१६।२२	३।३२
पंढरपुर	-४	७५.३	-२९	१७।३९	३।४९
पटियाला	+७	७६.४	-२४	३०।१७	७। ०
पनवेल	-२६	७३.१	-३८	१८।५९	४। ७
परसुराम	-२२	७३.५	-१६	१७।३३	३।४८
प्रयाग	+६१	८१.८	-३	२५।२५	५।४१
पटणा	+९५	८५ २	+११	२५।३३	५।४४
पेरिस फ्रांस	-७३४	२.३	-३२१	४८।५०	१३।४२
पुडुकोट	+३२	७८.९	-१४	१०।२०	२।११
पूना	-१९	७३.८	-३५	१८।२९	४।०
पुरनिया	-११८	८७.५	+२०	२५।४६	५।४८
पेकिन (चीन)	+४०८	११६.५	-८	४०।०	१०।४२
पेण.	-२७	७३.०	-३८	१८।४३	४।४
पेठण	-४	७५.३	-२९	१९ ३१	४।१५

नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वी पूर्व रेखांश	रेलवें तार मिनट	अक्षां शा: उत्तरा	पलभा अंऽयं.
				२७।२३	६।१३
बगदाद	-३०७	४५.०	-१५०	३३।२४	७।५५
बड़ौदा	-२५	७३.२	-३७	२२।१६	४।५५
बदामी	०	७५.७	-२७	१५।५६	३।२७
बरद्वान	+६२	८१.९	-२	२३।१३	५।१९
बर्लिन ज.	-६२३	१३.४	-२७६	५२।३०	१५।३९
बल्लारी	+१३	७७.०	-२२	१५।१९	३।१५
बहाएपुर	+७	७६.४	-२४	२३।१८	४।४१
बागलकोट	-०	७५.७	-२७	१६।१२	३।२९
बिसाउ रा०	+१	७५.८	-२७	१८।१३	३।५७
बीकानेर	-२४	७३.३.	-३७	२८।१	६।२३
बीड	+१	७५.८	-२७	१८।५८	४।७
बूँदी	-१	७५.६	-२८	२५।२६	५।४२
बँगलूर	+१९	७७.६	-२०	१२।५८	२।४६
वेदर	+१८	७७.५	-२०	१७।५५	३।५५
वेलगांव	-१२	७४.५	-३२	१५।५०	३।२४
भड़ोंच	-२७	७३.०	-३८	२१।४१	४।४६
भरतपुर	+१५	७७.२	-२१	२७।२०	६।१२
भागलपुर	+११३	८७.०	+१८	२५।१३	५।३९
भोपाल	+ १६	७७ ३	-२१	२३।१४	५।९
भोर	-१८	७३.९	-३४	१८।७	३।५६
मंगलवेढें	-३	७५.४	-२८	१७।३१	३।४
मंगलूर	-९	७४.८	-३१	१२।५२	२।४५
मक्का अ	-३५५	४०.२	-१६९	२१।२९	४।४३
मछलीपट्टन	+ ५५	७०.२	-५	१६।१२	३।२९
मथुरा	+२०	७७.७	-१९	२७।२८	६।१४
मदुरा	+२५	७८.२	-१७	९।५३	२।५
मद्रास	+४५	८०.२	-९	१३।४	२।४०
महाड़	-२३	७३.४	-३६	१८।३	३।५४
म्हेसूर	+ ९	७६.६	-२४	१२।१८	२।३७
माडवी	-६३	६९.४	-५२	२२।५४	५।४
मालेगाव	-१२	७४.५	-३२	२०।३१	४।३०
मिरज	-१०	७४.७	-३१	१६।४९	४।३७
मुद्गल	+८	७६.५	-२४	१६।१	३।२७
मुधोल	-४	७५.३	-२९	१६।२०	३।३१
मुम्बई	-२९	७२.८	-३१	१८।५७	४।७

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

नगर नाम	उज्ज- रेखां. पलं	ग्रीन्वि- चतोपू. रेखांश	रेलवे- न्तर मिनि.	अक्षां. उत्तराः अं. क.	पलभा अं.व्यं
मुलतान	-४३	७१.४	-४४	३०।१:	६|५९
मुंगेर	+११८	८७.५	+२०	२५।२५	५|४१
रतनगढ	-२४	७३.३	-३९	१७। ०	३|४०
रंगून (वर्मा)	+२०८	९५.७	+५३	१६।४८	३|३७
राजकोट	-४८	७०.९	-४६	१२।१६	४|५५
राजमहेन्द्री	+६१	८१.८	-३	१७। ०	३|४०
राजापुर	-२२	७३.५	३६	१६।३९	३|३५
रामदुर्ग	-३	७५.४	२८	१५।५७	३|२६
रामेश्वर	+३५	७९.२	१३	९।१५	१|५७
रायचूर	+१७	७७.४	२०	१६।१७	३|३०
रायपुर	+६०	८१.७	३	२१।१३	४|४०
रीवा	+५६	८१.३	-५	२४।३२	५|२९
रोम	-६३२	१२.५	-२२८	४१।५६	१|४७
लखनऊ	+५२	८०.९	-६	२६।५१	६| ४
लक्ष्मेश्वर	-२	७५.५	-२८	१५। ७	३|१४
लाहोर	-५	७५.२	-२९	३१।३३	७|२२
वसई	-३०	७२.७	-३९	१९।२०	४|१३
वासिंगटन	-१५२	७७.०	-६३८	३८।५४	१|४१
वाई	-१८	७३.९	-३४	१७।५५	३|५३
विंचरू	-१३	७४.४	-३२	२०। ८	४|२४
विजयदुर्ग	-२३	७३.४	-३६	१६।३३	३|३४
बीजापुर	-०	७५.७	-२७	१६।४८	३|३७
वारंगुल	+२०	७७.७	-१९	१८। ०	३|५४
वेंगुरले	-२१	७३.६	-३६	१५।२२	३|३४
शृंगेरीपुरम्	-४	७५.३	-२९	१३।२७	२|५२
श्रीनगर. काश्मीर	-८	७४.९	-३०	३४। ६	७|५४
श्रीरंगपट्टन	+९	७६.६	-२४	१२।३४	२|३८
श्रीवर्द्धन	-२७	७३.०	-३८	१८। २	३|५४
संगमनेर	-१३	७४.४	-३२	१९।३४	४|१६
सागर (सेपी०)	+३०	७८.७	-१५	२३।५१	५|३८
सांगली	-१२	७४.५	-३२	१६।५२	३|३८
सितारा	-१७	७४.०	-३४	१७।४१	३|५०
सावनूर	-३	७५.४	-२८	१४।५८	३|१३
सावंतवाड़ी .	-१९	७३.८	-३५	१५।१४	३ २५
सिंहापुर. मलाया.	+२८३	१०४.०	+८६	१।२५	०|१७

नगर नाम	उज्ज. रेखां. पल	ग्रीन्वि चतोपू रेखांश	रेलवे- न्तर मिनि.	अक्षां. उत्तराः अं. क.	पलभा अं.व्यं
सिडनी	+७५५	१५१२	+२७५	३३|५५	८| ३
सूरत	-३२	७२.५	-४०	२१|१०	४|३९
सुरपुर	+११	७६.८	-२३	१६|३१	३|३३
सेलम	+२६	७८.३	-१७	११|४०	२|२९
सोलापुर	+१	७५.८	-२७	१७|३९	३|४९
सकेश्वर	-१२	७४.५	-३२	१६|१६	३|३०
हंपी	+८	७६.५	-२४	१५|२०	३|१७
हरदा	+१३	७७.०	-३२	२२|१८	४|५५
हरिद्वार	+२४	७८.१	-१८	२९|५५	६|५४
हरिहर	+२	७५.९	-२६	१४|३८	३| ७
हुब्ली	-६	७५.१	-३०	१५|११	३,१७
द. हैदराबा	+२८	७८.५	-१६	१७|१८	३|४४
सि.हैदराबा	-७४	६८.३	-५७	२५|२४	५|४१
होस्पेट	+७	७६.४	-२४	१५|१०	३|१५

रेलवे टाइम से देशी टाइम बनाने की रीतिः—जिस नगर का रेलवेऽन्तर मिनिट धन होवे उसके मध्यमान्तर को रेलवे टाइम में जोड़ देना और जहां ऋण चिन्ह होवे वहां पर मध्यान्तर मिनिट घटा देनेसे अभीष्ट शहर का मध्यम समय होगा, उस मध्यम समय मे जिस मास और तारीख का स्पष्ट समय जानना होय उस मास तारीख के सामने जो वेलान्तर मिनिट होवें उनको मध्यम टाइम में विपरीत (धन चिन्ह होतो ऋण और ऋण चिन्ह होतो धन) युक्त करने से अभीष्ट शहर का घंटा मिनिटात्मक स्पष्ट समय उस दिन का होगा। (+) यह धन चिन्ह है। और (-) यह ऋण चिन्ह है॥

अथचरानयनम्—इष्टस्थानीयाक्षांशाः।इष्टतारिखायाःक्रांतिः। अनयोर्गुणाकारस्तस्य यः पंचमांशः। तदिष्टदिने पलात्मकं चरं भवति। तत् क्रांतिवद्धनर्णम्। तद्द्विगुणितंचरं त्रिंशत ३० घटीषु हीने युते वा दिनमानं भवति। उत्तरक्रान्तौ युतं। दक्षिणक्रान्तौ हीनं कार्यम्।

अथ मास तारीखोपरि=वेलान्तरम्=मिनिट सेकण्ड

तारीख	जनवरी मि.से.	फरवरी मि. से.	मार्च मि. से.	अप्रेल मि.से.	मई मि.से.	जून मि.से.	जुलाई मि से.	अग० मि.से.	सितं. मि.से.	अक्टू० मि. से.	नव० मि. से.	दिशं० मि.से.
	+	+	+	+	−	−	+	+	+	−	−	−
१	+३|३४	१३|३८	१२|३५	४| ७	२|५२	२|२५	३|३३	६|१५	+|९	१०|७	१६|२१	११|३
२	३|५२	१३|४६	१२|२३	३|४९	२| ०	२|१६	३|४५	६|११	-|१०	१०|२७	१६|२३	१०|४१
३	४|२०	१२|५४	१२|११	३|३२	३| ७	२| ७	३|५६	६| ७	०|२९	१०|४६	१६|२४	१०|१८
४	४|४८	१४| ०	११|५९	३|१४	३|१३	१|५७	४| ८	६| २	०|४८	११| ५	१६|२४	९|५३
५	५|१६	१४| ६	११|४६	२|५६	३|१९	१|४७	४|१८	५|५७	१| ८	११|२३	१६|२३	९|२८
६	५|४२	१४|१०	११|३२	२|३९	३|२४	१|३६	४|२८	५|५१	१|२८	११|४१	१६|२१	९| ३
७	६| ९	१४|१४	११|१८	२|२२	३|२९	१|२५	४|३८	५|४४	१|४८	११|५९	१६|१७	८|३७
८	६|३५	१४|१७	११| ४	२| ५	३|३३	१|१४	४|४८	५|३७	२| ९	१२|१६	१६|१४	८|११
९	७| ०	१४|२०	१०|४९	१|४८	३|३६	१| ३	४|५८	५|२९	२|२९	१२|३३	१६| ९	७|४५
१०	७|२५	१४|२१	१०|३४	१|३१	३|३९	०|५२	५| ७	५|२१	२|५०	१२|४९	१६| ४	७|१८
११	७|४९	१४|२२	१०|१८	१|१५	३|४२	०|३०	५|१५	५|१२	३|११	१३| ५	१५|५८	६|५१
१२	८|१३	१४|२२	१०| २	०|५६	३|४४	०|२८	५|२३	५| ३	३|३२	१३|२१	१५|५२	६|२३
१३	८|३६	१४|२१	९|४६	०|४३	३|४५	०|११	५|३०	४|५३	३|५३	१३|३६	१५|४३	५|५५
१४	८|५८	१४|२९	९|२९	०|२७	३|४६	-०|३	५|३७	४|५२	४|१४	१३|५०	१५|३४	५|२७
१५	९|२०	१४|१७	९|१२	+०|१२	३|४६	+०|९	५|४४	४|३१	४|३६	१४| ४	१५|२५	४|५८
१६	९|४१	१४|१४	८|५५	-| ३	३|४६	०|२२	५|५०	४|२०	४|५७	१४|१७	१५|१५	४|२९
१७	१०|१	१४|१०	८|३८	०|१७	३|४५	०|३५	५|५६	४| ८	५|१८	१४|३०	१५| ४	४| ०
१८	१०|२१	१४| ६	८|२१	०|३१	३|४३	०|४८	६| १	३|५५	५|४०	१४|४२	१४|५२	३|३१
१९	१०|४०	१४| १	८| ३	०|४५	३|४१	१| १	६| ६	३|४२	६| १	१४|५३	१४|३९	३| २
२०	१०|५८	१३|१५	७|४५	०|५७	३|३८	१|१४	६|१०	३|२८	६|२२	१५| ४	१४|२५	२|३२
२१	११|१५	१३|४८	७|२८	१|११	३|३५	१|२७	६|१३	३|१४	६|४३	१५|१४	१४|१०	२| २
२२	११|३२	१३|४१	७|१०	१|२३	३|३१	१|४०	६|१६	२|५९	७| ४	१५|२४	१३|५५	१|३३
२३	११|४९	१३|३४	६|५१	१|३५	३|२७	१|५३	६|१९	२|४४	७|२५	१५|३३	१३|३९	१| २
२४	१२| ४	१३|२४	६|३३	१|४६	३|२२	२| ६	६|२१	२|३०	७|४६	१५|४१	१३|२२	०|३२
२५	१२|१९	१३|१७	६|१५	१|५७	३|१७	२|१९	६|२३	२|१३	८| ७	१५|४९	१३| ४	-०| २
२६	१२|३२	१३| ७	५|५७	२| ८	३|११	२|३२	६|२३	१|५६	८|२७	१५|५६	१२|४६	+०|२८
२७	१२|४५	१२|५७	५|३८	२|१८	३| ५	२|४४	६|२३	१|३९	८|४८	१६| २	१२|२७	०|५८
२८	१२|५८	१२|४६	५|२०	२|२७	२|५८	२|५७	६|२३	१|२२	९| ८	१६| ७	१२| ७	१|२८
२९	१३| ९		५| २	२|३६	२|५०	३| ९	६|२२	१| ४	९|२८	१६|१२	११|४६	१|५८
३०	१३|२०	~	४|४४	२|४४	२|४२	३|२१	६|२०	०|४६	९|४७	१६|१६	११|२५	२|२०
३१	१३|२९	.	४|२५	.	२|३४	.	६|१८	०|२८	~	१६|१९	०	२|५६
	+	+	+	−	−	+	+	+	−	−	−	−

नक्षत्र	अ	भ	कृ	रो	मृ	आ	पुन	पुष्य	ऽश्ले	म	पूफा	उफा	ह	चि	स्वा	वि	ऽनु	ज्ये	मू	पूषा	उषा	श्र	ध	श	पूभा	उभा	रे
अक्षरा	चु चे चो ला	ली लू ले लो	अ ई उ ए	ओ वा वि वु	वे वो क की	कू घ ङ छ	के को ह ही	हू हे हो डा	डी डू डे डो	म मी मु मे	मो टा टी टू	टे टो प पी	पू ष ण ठ	पे पो र री	रु रे रो ता	ती तू ते तो	न नी नु ने	नो या यी यू	ये यो भ भी	भू धा फा ढा	भे भो ज जी	खी खु खे खो	ग गी गु गे	गो सा सी सु	से सो द दी	दू थ झ ञ	दे दो च ची
राशि	मे	मे	मे १ वृ ३	वृ	वृ २ मि २	मि	मि ३ क १	क	क	सिं	सिं	सिं १ क ३	कन्या	क २ तु २	तुला	तु ३ वृ १	वृश्चि	वृश्चि	धनु	धनु	ध. १ म. ३	मकर	मक २ कु. २	कुम्भ	कुं ३ मी १	मीन	मीन
वर्ण	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ शू २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ श २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ शू २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र
वश्य	च	च	च	च	च २ मा २	मा	मा ३ ज १	ज	ज	वन	वन	व १ मा ३	मान	मान	मान	मा ३ की १	की	की	मा	॥मा २॥च	च	१॥च २॥ज	ज २ मा २	मान	मा ३ ज १	जल	जल
योनि	अश्व	गज	छाग	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	छाग	मार्जार	मूषक	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
राशि पति	मं	मं	मं १ शु ३	शु	शु २ बु २	बु	बु ३ चं १	चं	चं	सू	सू	सू १ बु ३	बु	बु २ शु २	शु	शु ३ मं १	मं	मं	वृ	वृ	वृ १ श ३	श	श	श	श ३ वृ १	वृ	वृ
गण	देव	मनु	राक्ष	मनु	देव	मनु	देव	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव	राक्ष	देव	राक्ष	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

तारागुण चक्रं । वरः—

कन्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
२	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
३	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
४	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
५	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
६	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
७	१॥	१॥	०	१॥	०	१॥	०	१॥	१॥
८	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३
९	३	३	१॥	३	१॥	३	१॥	३	३

गणगुण चक्रं

कन्या / वर—	देव	म	रा
दे	६	५	१
म	६	६	०
रा	०	०	६

नाड़ीगुण चक्रं

कन्या / वरः—	आ	म	अं
आ	०	८	८
म	८	०	८
अं	८	८	०

वश्यगुणाः । वरः—

कन्या	मा	चतु	जल	वन	कीट
मान	२	१	॥	०	१
चतु	१	२	१	०	१
जल	॥	१	२	१	१
वन	०	०	१	२	०
कीट	१	१	१	०	२

वर्ण गुणः । वरः—

कन्या	विप्र	क्षत्रि	वैश्य	शूद्र
विप्र	१	०	०	०
क्षत्रि	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

योनिगुणचक्रम् वरः—

कन्या	अश्व	गज	छाग	सर्प	श्वान	मार्जा	मूष	गौ	महिष	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल	सिंह
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	२	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
छाग	३	३	४	२	२	३	३	३	३	१	३	०	१	१
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	१	०	२
श्वान	२	२	२	२	४	१	१	२	२	२	०	२	२	२
मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	२
मूष	३	२	२	१	२	०	४	३	३	२	३	२	१	२
गौ	२	३	३	२	२	३	३	४	३	०	३	२	२	१
महिष	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	३	२	२	१
व्याघ्र	१	१	१	२	२	२	२	०	१	४	१	२	२	३
मृग	३	३	३	२	०	३	३	३	३	१	४	२	२	१
कपि	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	२	४	२	२
नकुल	२	२	२	०	२	२	१	२	२	२	२	२	४	२
सिंह	१	०	१	२	२	२	२	१	१	३	१	२	२	४

ग्रहगुणचक्रं । वरः—

कन्या	र	चं	मं	बु	गु	शु	श
र	५	५	५	४	५	०	०
चं	५	५	४	१	४	॥	॥
मं	५	४	४	॥	५	३	॥
बु	४	१	॥	५	॥	५	४
गु	५	४	५	॥	५	॥	३
शु	०	॥	३	५	॥	५	५
श	०	॥	॥	४	३	५	५

भकूट गुण ज्ञानम्—वर कन्या की परस्पर राशी ३।११व४।१० तथा ७।७ होतो ७ गुण लेना अन्यथा शून्य गुण लेना यदि राशि स्वामी एक हो तो ६।८ तथा २।१२ एवम् ५।९ भी ग्राह्य है अन्यथा नहीं।

तारा ज्ञानम्—वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक और कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक गिन कर ९ का भाग देना शेष बचे उससे ताराचक्र द्वारा गुण लेना।

अथ मंगलीक विचारः—लग्ने व्ययेच पाताले यामित्रे चाष्टमे कुजः। कन्याभर्तुर्विनाशाय भर्ता कन्याविनाशदः ॥ १ ॥ अन्यानपिवैधव्यविषांगनादिदोषान्परिहृत्यसंबन्धः कार्यः।

अथास्य परिहारः—भौमेन सदृशोभौमः पापोवा तादृशो भवेत्। विवाहः शुभदः प्रोक्तश्चिरायुः पुत्रपौत्रदः। एतल्लग्नचन्द्रयोर्द्वयोरेवविचार्यम्। अथवा वैधव्यादिदोषजां कन्यामच्युतविवाहादिशांतिंविधाय दारहायोगजायायुष्मतेवरायदद्यात्।गण दोषपरिहारः—राशीशयो : सुहृद्भावेमित्रत्वेवांशनाथयोः। गणादिदौष्टेऽप्युद्वाहश्चिरायुःपुत्रपौत्रदः॥ नाड़ी दोषस्तु सर्वथात्याज्यएव। अत्यावश्यके तत्रापिपरिहारः—आद्यांशेन चतुर्थांशं चतुर्थांशेनचादिमं द्वितीयेन तृतीयंतु तृतीयेनद्वितीयकम्। एवंभांशान्यधोयस्य जायते वरकन्ययोः। तयोर्भृत्युर्न संदेहः शेषांशाःस्वल्पदोषदाः। तथा द्वयर्केताम्रसुवर्णमष्टरिपुकेगोयुग्मसत्वांकके रौप्यंकांस्यमथैकनाड़ियुजिगौस्वर्णादिदत्वोद्वहेत्

वर्गवैरं योनिवैरं गणवैरं नृदूरकं दुष्टकूटफलं सर्वं ग्रहमैत्रेण नश्यति॥ न वर्णो वर्गो न गणो न योनिर्द्विर्द्वादशे चैव षडष्टके वा। वरेपि दूरे नवपंचमे वा मैत्री यदा स्याच्छुभदो विवाहः॥ सद्भकूटं योनिशुद्धिः ग्रहसख्यं गुणत्रयम्। एष्वेकतमसद्भावे कन्या रक्षोगणाः शुभा॥ गणनायां नृदूरविचारः—भामिनीजन्मनक्षत्राद्द्वितीयं पतिजन्मभम्। न शुभं भर्तृनाशाय इत्युक्त रुद्रयामले।

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

अथ शिवाप्रोक्त द्विषटी (दुघडिया) मुहूर्त ॥ चौघडिया मुहूर्त सहित

रवि दिवा

मुहूर्त नाम	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा
गुणाः	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माघादि ४ श्रा २	०	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	७	७	७	७
आश्विनादि ४	१	१	१	४	४	७	७	१	१	०	०	४	१	१	१	४
ज्येष्ठाषाढमल	०	०	१	१	७	७	४	७	७	०	१	१	१	१	७	७
चौघडिया	उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग	

रवि रात्रौ

मुहूर्त नाम	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ
गुणाः	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माघादि ४ श्रा २	१	१	१	७	७	०	४	१	१	१	७	७	७	७	१	१
आश्विनादि ४	४	७	७	०	१	१	१	७	७	४	४	१	१	०	१	१
ज्येष्ठाषाढमल	१	१	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७	१	१	०
चौघडिया	शुभ		अमृत		चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग		शुभ	

शुक्र दिवा

मुहूर्त नाम	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा
गुणाः	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माघादि ४ श्रा २	१	१	४	४	०	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०
आश्विनादि ४	१	७	७	१	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	४
ज्येष्ठाषाढमल	७	७	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१	७	७	४	४
चौघडिया	चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल	

चन्द्र दिवा

मुहूर्त नाम	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे
गुणाः	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माघादि ४ श्रा २	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१
आश्विनादि ४	४	७	७	०	०	१	१	१	०	७	७	१	१	०	१	१
ज्येष्ठाषाढमल	७	७	७	७	०	१	१	१	०	७	७	१	१	१	१	०
चौघडिया	अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत	

चन्द्र रात्रौ

मुहूर्त नाम	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै
गुणाः	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माघादि ४ श्रा २	४	०	०	१	१	०	७	७	१	१	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	४	०	७	७	१	१	१	७	७	७	७	१	१	०	१	१
ज्येष्ठाषाढमल	७	७	७	७	१	१	४	०	१	१	७	७	१	१	१	४
चौघडिया	चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत		चल	

शुक्र रात्रौ

मुहूर्त नाम	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि
गुणाः	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माघादि ४ श्रा २	४	४	१	१	१	०	७	७	४	४	१	१	१	०	४	४
आश्विनादि ४	७	७	१	१	१	०	७	७	१	१	१	७	७	०	७	७
ज्येष्ठाषाढमल	७	७	१	१	१	१	७	७	०	१	१	१	०	४	४	१
चौघडिया	चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल	

भौम दिवा

मुहूर्त नाम	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा
गुणाः	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माघादि ४ श्रा २	४	४	१	१	१	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	७	७	७	०	१	१	०	७	७	१	१	१	०	७	७	७
ज्येष्ठाषाढमल	०	०	१	१	७	७	०	१	१	७	७	७	७	७	७	१
चौघडिया	रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग	

भौम रात्रौ

मुहूर्त नाम	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज
गुणाः	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माघादि ४ श्रा २	७	७	४	४	१	१	१	४	४	४	१	१	१	०	०	१
आश्विनादि ४	७	७	७	७	०	१	१	१	७	७	०	१	१	१	७	७
ज्येष्ठाषाढमल	७	७	७	७	७	०	७	७	७	४	१	०	७	७	१	१
चौघडिया	काल		लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत		चल		रोग		काल	

शनि दिवा

मुहूर्त नाम	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु
गुणाः	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माघादि ४ श्रा २	४	१	०	०	०	०	१	१	१	१	०	१	१	०	१	१
आश्विनादि ४	४	१	०	०	०	१	१	०	१	४	१	१	०	१	१	४
ज्येष्ठाषाढमल	१	७	७	१	१	०	१	१	१	१	०	१	१	०	१	०
चौघडिया	काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल	

बुध दिवा

मुहूर्त नाम	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै
गुणाः	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माघादि ४ श्रा २	७	७	१	१	४	४	१	१	१	७	७	१	१	४	४	१
आश्विनादि ४	७	७	१	१	१	४	४	१	१	१	१	७	७	७	७	१
ज्येष्ठाषाढमल	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७	१	१	१	१	४
चौघडिया	लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ	

बुध रात्रौ

मुहूर्त नाम	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु
गुणाः	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माघादि ४ श्रा २	१	१	१	१	१	७	७	०	१	१	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	४	४	१	१	०	४	४	१	१	१	७	७	७	७	०	१
ज्येष्ठाषाढमल	१	७	७	१	१	०	७	७	७	७	१	१	०	०	१	१
चौघडिया	उद्वेग		शुभ		अमृत		चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग	

शनि रात्रौ

मुहूर्त नाम	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या
गुणाः	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माघादि ४ श्रा २	०	४	४	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१	१	४	४
आश्विनादि ४	४	०	४	१	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	४
ज्येष्ठाषाढमल	१	७	७	१	१	०	०	७	७	१	१	०	१	१	१	०
चौघडिया	लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत		चल		रोग		काल		लाभ	

गुरु दिवा

मुहूर्त नाम	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ
गुणाः	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माघादि ४ श्रा २	१	१	१	१	७	७	७	७	०	१	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	१	१	०	७	७	१	१	१	१	७	७	७	७	०	०	१
ज्येष्ठाषाढमल	१	१	७	७	०	१	१	१	०	१	४	४	४	१	१	१
चौघडिया	शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ	

गुरु रात्रौ

मुहूर्त नाम	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा
गुणाः	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माघादि ४ श्रा २	४	१	१	१	४	४	४	४	०	१	१	१	७	७	१	१
आश्विनादि ४	४	१	१	१	०	७	७	४	४	१	१	१	०	७	७	१
ज्येष्ठाषाढमल	०	०	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१	७	७	४	४
चौघडिया	अमृत		चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत	

चौघड़ियों के स्वामी और नाम

स्वामी	रवि	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
चौ	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रेखा स्वरूपम्

नाम	अमृत	विघ्न	शून्य	काल
स्वरुप	१	७	०	४

फल = यथा नाम तथा गुणाः

१६ दुघडियो का नाम

रौद्र	१
श्वेत	२
मैत्र	३
चार्वट	४
जयदेव	५
वैरोचन	६
तुरग	७
अभिजित	८
रावण	९
वालम	१०
विभिषण	११
सुनंदन	१२
याम्य	१३
सौम्य	१४
भार्गव	१५
सावित्र	१६

राशियों के धात गुण

मेष	रजोगुण
वषभ	रजोगुण
मिथुन	तमोगुण
कर्क	सतोगुण
कन्या	तमोगुण
सिंह	तमोगुण
तुला	रजोगुण
वृश्चिक	रजोगुण
धनु	सतोगुण
मकर	तमोगुण
कुम्भ	तमोगुण
मीन	सतोगुण

दिन में दिनमान का रात्रि में रात्रिमान का १६ वां भाग दुघड़िया होता है। और आठवां भाग चौघड़िया होता है। न तिथिर्न च नक्षत्रं न योगःकरणं तथा। न शूलं योगिनी राशिर्न च होरा तमो गुणः ॥१॥ व्यतिपाते च संक्रांतौभद्रायामशुभेदिने शिवालिखितमालोक्यं सर्व विघ्नोपशान्तये।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

२१ अक्षांश मध्यप्रदेश [वराड़] लग्नसारिणी अयनांशा २३ यह सारिणी बाजू में लिखे व गांवों में काम आवेगी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा.
मेष. ०	२ ५८	३ ६	३ १४	३ २२	३ ३०	३ ३८	३ ४६	३ ५४	४ ३	४ ११	४ १९	४ २७	४ ३६	४ ४४	४ ५२	५ १	५ ९	५ १८	५ २६	५ ३५	५ ४३	५ ५२	६ १	६ ९	६ १८	६ २९	६ ३६	६ ४५	६ ५४	७ ३	२३३
वृष. १	७ १२	७ २१	७ ३०	७ ३९	७ ४९	७ ५९	८ ८	८ १७	८ २७	८ ३६	८ ४६	८ ५६	९ ५	९ १५	९ २५	९ ३५	९ ४५	९ ५४	१० ५	१० १५	१० २५	१० ३५	१० ४५	१० ५५	११ ६	११ १६	११ २९	११ ३९	११ ४८	११ ५८	२६२
मिथुन. २	१२ ९	१२ २०	१२ ३१	१२ ४१	१२ ५२	१३ २	१३ १३	१३ २४	१३ ३५	१३ ४६	१३ ५७	१४ ८	१४ १९	१४ ३०	१४ ४१	१४ ५३	१५ ४	१५ १५	१५ २६	१५ ३२	१५ ४८	१६ ०	१६ ११	१६ २२	१६ ३४	१६ ४५	१६ ५६	१७ ७	१७ १९	१७ ३०	३०७
कर्क. ३	१७ ४१	१७ ५२	१८ ४	१८ १६	१८ २७	१८ ३८	१८ ५०	१९ १	१९ १२	१९ २४	१९ ३५	१९ ४६	१९ ५७	२० ९	२० २०	२० ३१	२० ४३	२० ५४	२१ ५	२१ १६	२१ २८	२१ ३९	२१ ५०	२२ १	२२ १२	२२ २४	२२ ३५	२२ ४६	२२ ५७	२३ ८	३३७
सिंह. ४	२३ १९	२३ ३०	२३ ४१	२३ ५२	२४ ३	२४ १४	२४ २५	२४ ३६	२४ ४७	२४ ५८	२५ ९	२५ २०	२५ ३१	२५ ४२	२५ ५२	२६ ३	२६ १४	२६ २५	२६ ३६	२६ ४७	२६ ५८	२७ ८	२७ १९	२७ ३०	२७ ४१	२७ ५१	२८ २	२८ १३	२८ २४	२८ ३४	३३६
कन्या. ५	२८ ४५	२८ ५६	२९ ७	२९ १७	२९ २८	२९ ३९	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २१	३० ३२	३० ४३	३० ५३	३१ ४	३१ १५	३१ २६	३१ ३६	३१ ४७	३१ ५८	३२ ९	३२ १९	३२ ३०	३२ ४१	३२ ५२	३३ ३	३३ १३	३३ २४	३३ ३५	३३ ३६	३३ ५७	३२५
तुला. ६	३४ ८	३४ १८	३४ २९	३४ ४०	३४ ५१	३५ ३	३५ १३	३५ २४	३५ ३५	३५ ४६	३५ ५७	३६ ९	३६ १९	३६ ३०	३६ ४१	३६ ५२	३७ ३	३७ १४	३७ २५	३७ ३६	३७ ४८	३७ ५९	३८ १०	३८ २१	३८ ३२	३८ ४४	३८ ५५	३९ ६	३९ १७	३९ २९	३२५
वृश्चिक. ७	३९ ४०	३९ ५१	४० ३	४० १४	४० २५	४० ४६	४० ४९	४० ५९	४१ ११	४१ २२	४१ ३२	४१ ४५	४१ ५६	४२ ७	४२ १९	४२ ३०	४२ ४१	४२ ५३	४३ ४	४३ १५	४३ २६	४३ ३८	४३ ४८	४४ १	४४ १२	४४ २३	४४ ३४	४४ ४५	४४ ५६	४५ ८	३३६
धनु. ८	४५ १९	४५ ३०	४५ ४१	४५ ५२	४६ ३	४६ १४	४६ २५	४६ ३६	४६ ४७	४६ ५८	४७ ८	४७ १९	४७ २०	४७ ४१	४७ ५१	४८ २	४८ १२	४८ २३	४८ ३३	४८ ४४	४८ ५४	४९ ५	४९ १५	४९ २५	४९ ३५	४९ ४६	४९ ५६	५० ६	५० १६	२० २५	३३७
मकर ९	५० ३५	५० ४५	५० ५५	५१ ४	५१ १४	५१ २४	५१ ३३	५१ ४३	५१ ५२	५२ २	५२ ११	५२ २०	५२ २०	५२ ३९	५२ ४८	५२ ५७	५३ ६	५३ १५	५३ २४	५३ ३३	५३ ४२	५३ ५१	५३ ५९	५४ ८	५४ १७	५४ २५	५४ ३४	५४ ४२	५४ ५१	५४ ५९	३०७
कुंभ. १०	५५ ८	५५ १६	५५ २५	५५ ३३	५५ ४१	५५ ४९	५५ ५८	५६ ६	५६ १४	५६ २२	५६ ३०	५६ ३८	५६ ४६	५६ ५४	५७ २	५७ १०	५७ १८	५७ २६	५७ ३३	५७ ४१	५७ ४९	५७ ५७	५८ ५	५८ १२	५८ २०	५८ २८	५८ ३६	५८ ४६	५८ ५१	५८ ५९	२६२
मीन. ११	५९ ६	५९ १४	५९ २२	५९ २९	५९ ३९	५९ ४५	५९ ५२	० ०	० ८	० १५	० २३	० ३१	० ३८	० ४६	० ५४	१ १	१ ९	१ १९	१ २४	१ ३२	१ ४०	१ ४८	१ ५५	२ ३	२ ११	२ १९	२ २९	२ ३४	२ ४२	२ ५०	२३३

अकोला, अमरावती, एलिचपुर, नागपुर, सूरत, बर्हाणपुर, धूलिया, जलगांव, वर्धा, हिंगणघाट, गोंदिया, कटक, खंडवा, जूनागढ़, नन्दुरबार, भडोंच, जैतपुरा, मारवी. आदि

शिवपार्वतीसंवादे सामुद्रिके हस्तरेखाशुभाशुभफलं लिख्यते ।

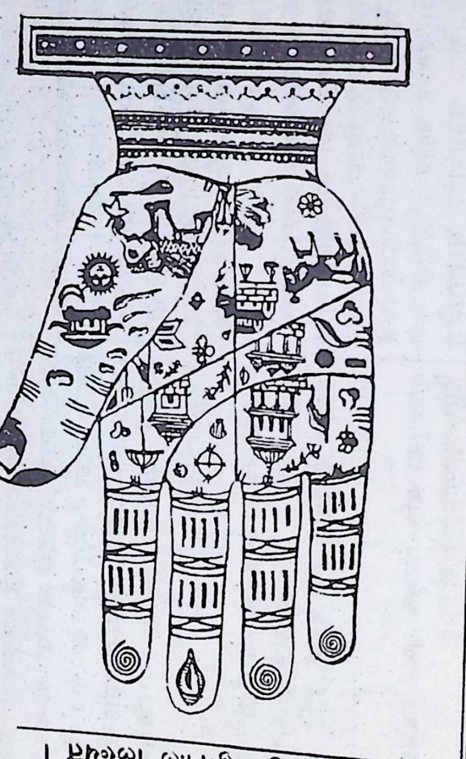

श्रीगणेशायनमः॥अथातः संप्रवक्ष्यामिहस्तरेखाविचारणम्॥दक्षिणेपुरुषस्यैवंवामेवामाकरंशुभम्॥१॥
शिवोक्तंतत्समुद्रं हस्तरेखाशुभाशुभम्॥ येनविज्ञानमात्रेणपुरुषोनविशोचति॥२॥ यस्यमीनत-
मारेखाकर्मसिद्धिश्चजायते॥ धनाढ्यस्तुसविज्ञेयोबहुपुत्रो नसंशयः॥३॥ तुलामासंतथावज्रंकर-
मध्येचदृश्यते॥ तस्यवाणिज्यसिद्धिःस्यात्पुरुषस्यनसंशयः॥४॥ पद्मचापादिवहुगंधअष्टकोणा-
दि दृश्यते॥ विप्रश्चपुरुषस्यापिधनवान्सुखीनरः॥५॥ शङ्खचक्रध्वजाकारोमत्स्याकारश्च दृश्य-
ते॥ सर्वविद्याप्रदानेनबुद्धिमानसुखीनरः॥६॥ त्रिशूलंकरमध्येतुतेनरराजाभवेदिति॥ यष्टिर्मे
चदानेनचवेदविद्विजप्रभुः जने॥७॥ शक्तितोमरबाणश्चकरमध्येचदृश्यते॥ स्वस्तिकध्वजाकारःसमरा
ज्यलभेन्नरः॥८॥ अंकुशंकुंडलंचक्रंयस्यपाणितलेभवेत्॥ तस्यराज्यंमहाश्रेष्ठंसमुद्रवचनंयथा॥
॥९॥ गिरिकूपायोनीनांनरमुण्डपदादिकम्॥ कर्तव्यस्यचिह्नानिराजमन्त्री भवेन्नरः॥१०॥
रविचन्द्रहुताशनेत्रअष्टकोणत्रितिलकम्॥ मंदिरराजभवनानीचिह्नेनसुखीनरः॥११॥ अंगुष्ठोदरमध्य-
स्थोयवोयस्यविराजते॥ उत्पन्नभक्ष्यभोगीस्यात्सनरः सुखमेधते॥१२॥ मध्यमातर्जनीमूलंयवो
यस्य प्रदृश्यते॥ धनवान्सुखयोगीस्यात्पुत्रदारगृहादिषु॥१३॥ एवं बहुधा॥

अथ विंशोत्तरी दशा चक्राणि

द०	र	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु
व	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०
न	कृ	रो	मृ	आ	पु	पु	श्ले	म	पू
क्ष	उ	ह	चि	स्वा	वि	अ	ज्ये	मू	पू
त्र	उ	श्र	ध	श	पू	उ	रे	अ	भ

रवि दशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तराणि

दशा	र	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा	३	६	४	१०	९	११	१०	४	०
दि.	१८	०	६	२४	१८	१२	६	६	०

चन्द्र दशा वर्ष १० तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु	सू
वर्ष	०	०	१	१	१	१	०	१	०
मा	१०	७	६	४	७	५	७	८	६
दि०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

भौम दशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु	र	चं
वर्ष	०	१	०	१	०	०	१	०	०
मा	४	०	११	१	११	४	२	४	७
दि.	२७	१८	६	९	२७	२७	०	६	०

राहु दशा वर्ष १८ तन्मध्येन्तरम्

दशा	रा	बृ	श	बु	क	शु	र	चं	मं
वर्ष	२	२	२	२	१	३	०	१	१
मा	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
द.	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८

गुरु दशा वर्ष १६ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	बृ	श	बु	के	शु	र	चं	म	रा
वर्ष	२	२	२	०	२	०	१	०	२
मा	१	६	३	११	८	९	४	११	४
दि.	१८	१२	६	६	०	१८	०	६	२४

शनि दशा वर्ष १९ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	श	बु	के	शु	सू	चं	मं	रा	बृ
वर्ष	३	२	१	३	०	१	१	२	२
मा	०	८	१	२	११	७	१	१०	६
दि.	३	९	९	०	१२	०	९	६	१२

बुध दशा वर्ष १७ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	बु	के	शु	र	चं	मं	रा	बृ	श
वर्ष	२	०	२	०	१	०	२	२	२
मा	४	११	१०	१०	५	११	६	३	८
दि.	२७	२७	०	६	०	२७	१८	६	९

केतु दशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	के	शु	सू	चं	मं	रा	बृ	श	बु
वर्ष	०	१	०	०	०	१	०	१	०
मा	४	२	४	७	४	०	११	१	११
दि.	२७	०	६	०	२७	१८	६	९	२७

शुक्र दशा वर्ष २० तन्मध्येन्तरम्

दशा	शु	र	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के
वर्ष	३	१	१	१	३	२	३	२	१
मा	४	०	८	२	०	८	२	१०	२
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

गतर्क्षनाड्यो गुणिता दशाब्दैः सर्वर्क्षनाडी विहृतात्फलं वै। वर्षादिकं भुक्त मिदं विशोध्यं दशाब्दतो भोग्यमिदं फलंतत्॥ दशामानं त्रिगुणितं त्वन्तरे ध्रुवके स्फुटं। दशाब्दैर्गुणितं तद्धि भुक्तिमानं प्रजायते । अथ प्रत्यंतर साधन विधि अन्तर के वर्षादि को दिन पिंड बनाकर १२० का भाग देने से प्राप्त भाग फल दिनादि प्रत्यंतर का ध्रुवांक होगा। इस ध्रुवांक को प्रत्येक ग्रह दशाके वर्षोंसे गुणने से प्रत्येक ग्रहका दिनादि प्रत्यंतर का मान होगा ॥ प्राचीन मतेन विंशोत्तरीदशानयनम्-आनयनप्रकारंच शृणु प्व द्विज पुंगव । जन्म नक्षत्र पर्यन्तमार्द्रादिकृत्तिकादिनः ॥ शैवात्कृष्णेऽर्क-

योगिनी दशान्तर्दशा ज्ञानाय चक्रम्

मंगला १ चन्द्र
भ. आर्द्रा चित्रा.

द	मं	पिं	धा	भ्रा	भ	उ	सि	सं
मा	०	०	१	१	१	२	२	२
दि	१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०

भद्रिका ५ बुध
भरणी मघा ज्ये. उभा

द	भ	उ	सि	सं	मं	पिं	धा	भ्रा
मा	८	१०	११	१३	१	३	५	६
दि	१०	०	२०	१०	२०	१०	०	२०

पिंगला २ रवि
ध. पुन स्वाती

द.	पिं	धा	भ्रा	भ	उ	सि	सं	मं
मा	१	२	२	३	४	४	५	०
दि	२०	०	२०	१०	०	२०	१०	२०

उल्का ६ शनि
कृति. पूफा. मूल रेवती

द.	उ	सि	सं	मं	पिं	धा	भ्रा	भ
मा	१२	१४	१६	२	४	६	८	१०
दि	०	०	०	०	०	०	०	०

धान्या ३ गुरु
शत, पुष्य विशाखा

द.	धा	भ्रा	भ	उ	सि	सं	मं	पिं
मा	३	४	५	६	७	८	१	२
दि	०	०	०	०	०	०	०	०

सिद्धा ७ शुक्र
रोहि. उफा. पूषा.

द.	सि	सं	मं	पिं	धा	भ्रा	भ	उ
मा	१६	१८	२	४	७	९	११	१४
दि	१०	२०	१०	२०	०	१०	२०	०

भ्रामरी ४ मङ्गल
अश्विनी श्ले. अनु. पूभा

द.	भ्रा	भ	उ	सि	सं	मं	पिं	धा
मा	५	६	८	९	१०	१	२	४
दि	१०	२०	०	१०	२०	१०	२०	०

संकटा ८ राहु
मृग. हस्त. उषा.

द.	सं	मं	पिं	धा	भ्रा	भ	उ	सि
मा	२१	२	५	८	१०	१३	१६	१८
दि	१०	२०	१०	०	२०	१०	०	२०

होरायां चन्द्रहोरागते सिते, दहनात्स्वर्क्ष पर्यंतं गणयेन्नवभि-र्हरेत् । सूर्येन्दूक्ष्माजतमसो वाक्पतिर्मंदचन्द्रजौ:केतुःशुक्रोऽ-मात्शेषे विज्ञेयात्रदशाधिपा: ॥

अथ दशाफल विचारः-लग्नेशस्य दशाफलं बहुधनं वित्तेशितु. पंचतां, कष्टंवेति सहोदरालयपतेः पापफलं प्रायशः। तुर्यस्वामिन आलयं,किल सुताधीशस्य विद्यासुखं, रोगागारपतेररातिज भयं जायापतेः शोकताम्, मृत्युं मृत्युपतेः करोति नियतं धर्मेशितुः सत्क्रियां, वित्तं राजपतेर्नृपाश्रय मथो लाभं हि लाभेशितुः रोगद्रव्यविनाशनं च बहुधाकष्टं व्ययेशस्यवै। पूर्वैरंगभृतासुदीरितमिदं तन्वादि भावेशजम् ॥

सप्तमत्रनाथस्य तपोधिपस्य दशाशुभा राज्यसुतप्रदा स्यात्। सत्कीर्तिनाथस्य सुखेश्वरस्य दशा तथा प्राहुरुदारचित्ताः। भावाधिपो बलंयुतो निजगेहगामी तुंगत्रिकोण शुभवर्गगतोपि पूर्णम्। जन्तोः फलंखलु करोतियदारिनीचस्थानस्थितोऽशुभफलं विबलो विशेषात्। पंचमेशेनयुक्तस्य ग्रहस्य शुभदादशा नाथे धर्मपयुक्तस्य दशा परमशोभना,॥ सुतेशमानेश सुखेशधर्मपा

जैमिनीमतेन आयुः संबंधि निर्णय :

दीर्घायुः	मध्यायु :	अल्पायु :
चरभे १ लग्नेश चरभे १ अष्टमेश	चरभे १ लग्नेशः स्थिरे २ अष्टमेशः	चरभे १ लग्नेशः द्वि. स्वे. ३ अष्टमेशः
दीर्घायु :	मध्यायुः	अल्पायु.
स्थिरभे २ लग्नेश : द्वि.स्वे.३अष्टमेशः	स्थिरे २ लग्नेशः चरे १ अष्टमेशः	स्थिरे २ लग्नेशः स्थिर २ अष्टमेशः
दीर्घायु :	मध्यायु :	अल्पायु
द्वि:स्वे ३ लग्नेश : स्थिर २ अष्टमेशः	द्वि स्वे. ३ लग्नेशः द्विस्वे.३ अष्टमेशः	द्वि. स्वे. ३ लग्नेश चरभे १ अष्टमेशः

अथायुर्निर्णयं, चक्रानुसारेण-जन्मलग्नाष्टमेशाभ्यां लग्नसप्तमयोः स्थिते चन्द्रे, लग्नचन्द्राभ्यां। अन्यथा शनिचन्द्राभ्यां,लग्नहोरा लग्नाभ्यां,चेतित्रिप्रकारत्रयेण - युर्निर्णेतव्यम् ॥ प्रकार त्रयेऽप्येकरूपायुष्यागते तदेवग्राह्यम् ॥ विभेदे वा प्रकार द्वयागतायुर्ग्राह्यम्। त्रयाणां विसंवादे लग्न होरालग्नायुर्ग्राह्यम्। जन्म लग्ने विषमे द्वितीयाष्टमाधीशयोर्यो बली लग्ने समे द्वादशषष्ठाधीशयोर्मध्ये यो बली तस्य केन्द्रे स्थित्या दीर्घायुः। पणफरे स्थित्या मध्यायुः। आपोक्लिमे स्थित्या हीनायुरेव।एवमेवात्म कारकेणापि निर्णेतव्यम् अष्टमेशयोः कारकेण सहैक्ये वा योगे सर्वदा मध्य-मायुरेव। विषमे जन्म लग्ने कारकस्तृतीये समे जन्म-लग्ने कारक: एकादशे भवेत्तदा कारकायुर्षि केन्द्रे हीनायुः पणफरे मध्यायुः आपोक्लिमे दीर्घायुरिति लग्न दशमाष्टमाधीशाः केन्द्र त्रिकोण लाभगास्तदा दीर्घायुः लग्नेशो रवेर्मित्रं दीर्घायुः। समश्चेन्मध्यायुः शत्रुश्चेदल्पायुः

अथ होरालग्न साधनम् द्विघ्नेष्टनाड्यः पंचाप्तः भं शेषं चपलीकृतम् । दशाप्तभंशास्तेयुक्तारवौ होरोदयं भवेत् ॥ विषमेऽङ्गे रवौ योज्यं समेङ्गे लग्नआदिषु इतिवृद्धा ॥

एकत्रयुक्ता यदि यत्रकुत्र तेषां दशाराज्यफलप्रदा। तैर्युक्तग्रहाणांमपिवे वदेद्वा ॥

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.
CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

मासदशा देखने की सारणी

मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
ता. १३ अप्रेल से र.द. दि. २० प्र.	ता. १४ मइसे सू.द.दि.२०प्र.	ता.३अप्रेल से शु.द.दि.७०प्र.	ता. २२मार्च से रा.द.दि. ४२प्र.	ता.२२अप्रेलसे रा.द.दि. ४२प्र.	ता. २४मार्च से गु. द.दि.५८ प्र.	ता. १८मार्च से श.द. दि. ३६प्र.	ता.१७अप्रेलसें श.द.दि. ३६ प्र.	ता. २२मार्च से बु.द. दि. ५६प्र.	ता. २४मार्च सें मं.द. दि.२८ प्र.	ता.२३अप्रेलसे मं.द.दि. २८ प्र.	ता.३ अप्रेल से मं.द. दि. २८प्र.
ता. ४ मइ से चं. द. दि. ५० प्र.	ता. ४ जून से चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १५.जून से र.द.दि. २० प्र.	ता. ४ मई से शु.द.दि.७० प्र.	ता. ४ जून से शु.द.दि.७० प्र.	ता. २२ मई से रा.द.दि. ४२ प्र.	ता.२३अप्रेलसे गु.द.दि.५८ प्र.	ता. २५ मईसे गु.द. दि. ५८प्र.	१८ मई से श.द. दि. ३६प्र.	ता.२१अप्रेलसे बु.द.दि.५६ प्र.	ता. २२ मई से बु.द.दि. ५६ प्र.	ता. २५ मई से मं.द. दि.३६ प्र.
ता. २५ जून से मं. द. दि. २८ प्र.	ता.२७जुलाईसे मं.द.दि. २८प्र.	ता.६ जुलाई से चं.द.दि.५० प्र.	ता.१६जुलाईसे र.द. दि. २०प्र.	ता. १७अग. से र.द. दि.२०प्र.	ता. ६जुलाई से शु.द. दि.७० प्र.	ता. २३जून से रा.द.दि. ४२ प्र.	ता.२५जुलाईसे रा. द. दि.४२प्र.	ता. २५जून से गु.द.दि.५८ प्र.	ता.१९ जून से श.द.दि.३६ प्र.	ता.२०जुलाईसे श.द.दि. ३६प्र.	ता. २३ जून से बु.द.दि.५६ प्र.
ता. २५ जुलाइ से बु. द. दि. ५६ प्र.	ता.२५अगस्तसे बु.द.दि.५६प्र.	ता.२७अगस्तसे मं.द.दि.२८ प्र.	ता.६अगस्त से चं.द.दि. ५०प्र.	ता.६सितंबर से चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १७सितं. से र.द. दि. २०प्र.	ता. ६अगस्त सें शु.द. दि.४२ प्र.	ता.६सितं. से शु.द.दि.७० प्र.	ता.२५अगस्तसे रा.द.दि.४२ प्र.	ता.२७जुलाई से गु.द.दि.५८ प्र.	ता. २७ अग.से गु.द.दि.५८ प्र.	ता. २१अग. से श.द.दि.३६ प्र.
ता.२१ सितंबर से श. द. दि. ३६ प्र.	ता.२१अक्टू.से रा.द.दि.३६ प्र.	ता.२५सितं. से बु.द.दि. ५६प्र.	ता. २७सितंबर मं.द.दि.२८ प्र.	ता.२७अक्टू.से मं.द.दि. २८प्र.	ता.२७अक्टू.से चं.द. दि. ५०प्र.	ता.१७अक्टू.से र.द.दि. २० प्र.	ता.१६ नव. से र.द.दि. २० प्र.	ता. ७ अक्टू.से शु.द. दि. ७०प्र.	ता. २५सितं. से रा.द.दि.४२ प्र.	ता.२५ अक्टू.से रा.द. दि. ४२प्र.	ता. २७सितं. से गु.द. दि. ५८प्र.
ता. २७ अक्टू. से गु. द. दि. ५८ प्र.	ता. २६ नव.से गु.द.दि. ५८प्र.	ता.२०नवंबरसे श.द.दि. ३६प्र.	ता.२५अक्टू.से बु.द. दि.५६ प्र.	ता. २४नवबरसे बु द. दि ५६प्र.	ता.२६नवबर से मं.द. दि. २८प्र.	ता.६ नवबर से चं.द.दि. ५०प्र.	ता.६ दिशंबरसें चं.द.दि.५० प्र.	ता. १५ दिशं.से र.द. दि.२० प्र.	ता. ६नवबर से शु.द.दि. ७०प्र.	ता. ६ दिशं. से श.द. दि.७०प्र.	ता. २४नव. से रा.द.दि.४२ प्र.
ता.२३दिशम्बर से रा. द. दि. ४२ प्र.	ता. २२जन. से रा.द.दि ४२प्र.	ता.२५ दिशं.से गु.द.दि. ५८प्र.	ता.१९ दिशं.से श.द.दि.३६प्र.	ता.१८जनव.से श.द.दि ३६प्र.	ता.२३ दिशं. से बु.द. दि.५६ प्र.	ता. २५ दिशं.से मं.द. दि. २८प्र.	ता.२४ जन. से म.द. दि.२८ प्र.	ता.४ जनवरीसे चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १४जन. से र.द. दि.२० प्र.	ता.१२ फरव.से र.द. दि.२० प्र.	ता.४ जनव. से शु.द.दि.७० प्र.
ता. ३ फरवरी से शु. द. दि ७० प्र.	ता. ४ मार्चसे शु.द.दि.७० प्र.	ता.२० फरवरी रा.द.दि.४२ प्र.	ता. २४ जन.से गु. द. दि.५८	ता.२२ फरव. से श.द. दि.५८प्र.	ता१७फरवरीसे श.द. दि.३१ प्र.	ता. २२जन. से बु.द. दि. ५६प्र.	ता.२० फरव.से बु. द.दि. ५६प्र.	ता.२२फरवरीसे मं.द.दि. २८ प्र.	ता. २फरव. से चं.द.दि.५० प्र.	ता. ४ मार्चसे चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १४मार्च से र.द. दि.२० प्र.

मासदशा विचारः—जन्मनि विंशतिः सूर्ये तृतीये दश चन्द्रमा। चतुर्थेचाष्टमे भौमः षष्ठे वेद बुधस्तथा। सप्तमे दश मंदस्य नवमेष्ट बृहस्पतेः। दशमे त्रिंशती राहोः शेषा भृगुदशा भवेत्

अथ—शनेश्चरण विचारः—शने राश्यन्तरगमनदिने जन्मराशितश्चन्द्रोयत्संख्या तुल्यं भवेत्तद्वशेन पादं ज्ञेयम्। यथा—जन्माङ्गारुद्रे षु १। ६। ११ सुवर्णपादं द्विर पंच५ नन्दैः९ रजतस्य ज्ञेयम्। त्रि ३ सप्त ७ दिक् १० ताम्रपदं वदन्ति वेदा४ ष्ट ८ सार्के १२ ष्विह लोहपादम्। तत्फलंच—लोहे धर्नविनाशः स्यात्सर्व सौख्यं च कांचने। ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत्। इतिशिष्टाः॥ शनिवाहनम्—तिथिवारं च नक्षत्रं नामाक्षरसमन्वितम्। नवभिस्तु हरेद्भागं शेषे वाहनमुच्यते। गर्दभो १ घोटको २ हस्ति ३ महिषो ४ जम्बुकें ५ सपौ ६ काको ७ मरालो ८ हंसश्च शनेस्तु नव वाहनाः। अन्यच्च—जन्मभात्शनिभं यावत् गणनीयमनुक्रमात्। नवभिस्तु हरेद्भागं शेषं वाहनमुच्यते इति ग्रन्थान्तरे। फलम्—खरे च कलहं ज्ञेयमश्वे बुद्धिर्विदेशके। गजलाभं विजानीयात्महिषेव्याधिजं भयम्॥ जम्बुके च भयं घोरं सिंहे वै विजयं भवेत्। काके चिंता जयो हंसे मयूरं सुखसंपदौ॥ इति॥ अथशनि की साडेसातिदशा विचारः—द्वादशे१२ जन्मगे१ राशौ द्वितीये२ च शनेश्चरः। सार्द्धानि सप्तवर्षाणि नरो दुःखैर्युतो भवेत्॥ रिःफ रूपधनभेषु भास्करिः संस्थितो भवति यस्य जन्मभात् लोचनोदरपदेषु संस्थितिः कथ्यते रविज लोकजैर्जनैः। अथशनि चक्रम्—यस्मिन् शनिश्चरति वक्त्रगतं ततश्च। चत्वारि दक्षिणकरेंऽघ्रियुगं भषट्कम् चत्वारि वामकरगेऽप्युदरे च पंच मूर्ध्नित्रयं नयनयोर्द्वितयं गुदे च। रोगं लाभं तथाध्वानमधनं लाभमेवच सौभाग्यमल्पमृत्युश्च शनेः प्रोक्तं क्रमात्फलम्॥ जन्मराशितो द्वादशभावेषु शनेर्भ्रमणफलम्—विभ्रमंशं रुगाप्ति दिनकरतनये जन्मराशिं प्रपन्ने वित्तक्लेशं द्वितीये धनहरणकृतं वित्तलाभं तृतीये। पाताले शत्रुवृद्धि सुतभवगतः पुत्र भृत्यार्थनाशं षष्ठेस्थाने ऽर्थलाभं जनयति मदने दोषसंघातमार्किः शरीरपीड़ा निधने च धर्मे धनक्षयं कर्मणि दौर्मनस्यं। उपान्त्यगा वित्तमनर्थमन्त्ये शनिर्ददातीत्यवदद्वसिष्ठः। अन्यच्च—द्विजन्मनिपंचमसप्तमगाश्चतुरष्टमद्वादशधर्मयुताः धनधान्यहिरण्यविनाशकरा रविराहुशनैश्चर भूमिसुताः। जन्मभान ग्रहणफल—त्रि३षड् ६ दशा१० यो११ पगतो नराणां शुभप्रदं स्याद्ग्रहणंरवीन्द्वोः द्वि २ सप्त ७ नन्दे ९ पु च मध्यमं स्याच्छेषेष्वनिष्ट मुनयो वदंति॥

अथ शनिफलम्

मुखे.	१	रोगं	उदरे	५	लाभं
द. करे	४	लाभं	शिरसि	३	सौभाग्यं
पादयोः	६	गमनं	नेत्रयोः	२	मरणं
वाम करे	४	निर्धनं	गुदे	२	मरणं

शनि की साडे साती लगने से—शनि १०० दिन मुख पर रहता है उसका फल हानिकारक है ऐसे ही। दिन ४०० दक्षि भुजा में फल बिजय। दिन ६०० चरणों में विदेश भ्रमण। दिन ५०० उदर में लाभ। दिन ४०० वामभुजा में दुःख। दिन ३०० मस्तक पर राज्यपद। दिन २०० नेत्रों में सुखप्रद। दिन २०० गुदा में दुःख प्रद इस प्रकार शनि २७०० दिन साडे साती दशा भोगता है।

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

विविधविषय सम्पन्नं सर्वोपयोगी चक्रम्

ग्रहाः	रवि	चन्द्र	मङ्गल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
प्लेनेट	सन	मून	मार्स	मर्करी	जुपिटर	वेनस	सेटर्न	ड्रेगोंस	ड्रेगोंस
ग्रहा.१पाददृ.	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०
द्विपाददृष्टि	५ ६	५।६	५।६	५।६	५।६	५।९	५।९	५।९	५।६
त्रिपाददृष्टि	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४ ८	४ ८	४।८	४।८
सम्पूर्णदृष्टिः	७	७	४।७।८	७	५।७।९	७	३।१०।७	७	७
ग्रहाणांवर्षा	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२
रत्नानि	माणि	मोति	प्रवाल	पन्ना	पुष्परा	हीरा	नीलम	पिरोजा	लसणि
मित्रग्रहाः	चं. मं. बृ.	र. बु.	र. चं. बृ.	र. रा. शु.	र. चं. मं.	बृ. रा. श.	बु. रा. शु.	बु. शु. श.	शु. शु. श.
समग्रहाः	बु	मं. गु. [illegible] श.	शु. श रा.	मं. श. गु.	श. रा	मं. गु.	गु.	गु.	बु गु.
शत्रुग्रहाः	श. शु. रा.	रा	बु. रा.	चं	बु. शु.	र चं.	र. चं. मं.	र चं. मं.	र चं. मं.
उच्च राशि अंश	मेष १०	वृषभ ३	मकर २८	कन्या १५	कर्क ५	मीन २७	तुला २०	मिथुन १५	धन १५
नीच राशि अंश	तुला १०	वृश्चिक ३	कर्क २८	मीन १५	मकर ५	कन्या २७	मेष २०	धन १५	मिथुन १५
स्वगृहाणि	सिंह	कर्क	मे वृ	कं. मि.	ध. मी.	वृष तु.	म. कु.	कन्या	मीन
मूलत्रिकोण	सिंह	वृषभ	मेष	कन्या	धनु	तुला	कुंभ	कुंभ	सिंह
पुरुष स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	स्त्री	पुरुष	पुरुष
आकार	चतुरस्रव	स्थूल	चतुरस्त	वृत	वृत्त	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ	पुच्छ
समय	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न
दिशा	पूर्व	वायव्य	दक्षिण	उत्तर	ईशान	आग्नेय	पश्चिम	नैऋत्य	नैऋत्य

ग्रहाः	रवि.	चन्द्र	मङ्गल	बध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सौम्यादि	उग्र	सौम्य	पाप	शुभ	शुभ	शुभ	पाप	क्रूर	पाप
धातु	सुवर्ण	रौप्य	सुवर्ण	कांस्य	हीरसु	रौप्य	लोह	लोह	लोह
पाद	चतुष्पद	बहुपद	चतुष्पद्	द्विपद	द्विपद	द्विपद	भुजंग	अपद	अपद
गुण	सत्व	सत्व	तम	रज	सत्व	रज	तम	तम	तम
चरादि	स्थिर	चर	चर	द्विःस्व	स्थिर	चर	स्थिर	चर	पक्षी
रस	तिक्त	क्षार	कटु	सर्वरस	मधुर	अम्ल	कषाय	कषाय	कषाय
स्थिरकारका:	आत्मा	मनः	बल	वचः	ज्ञान.सु	स्त्री	दुःख	—	—
नेष्टग्रहस्यदा-नोपायसाधनं	हरिवं-शश्रवण	त्रिपुर जप	रुद्री जप	कांयूय दान	अमात्र-स्या	गौरक्षा	मृत्युञ्ज-य जप	भुजंग दान	ध्वजा दान
ग्रह १ राशि भोग प्रमाण	मास १	दिन २।	मास १॥	मास १	मास १३	मास १	मास ३०	मास १८	मास १८
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	क्षत्री	शूद्र	विप्र	विप्र	शूद्र निषाद	निषाद	निषाद
भूमि	पशु प्राय	जल भूमि	दग्ध	श्मशा न.	वाणी सुराल	जल भूमि	उत्कर	उषर	उषर
पित्तादिः	पित्त	श्लेश्म	पित्त	सम धातु	सम धातु	कफ शुक्र	वायु	वायु	वायु
अवस्था	वृद्ध	युवा	युवा	युवा	वृद्ध	युवा	अतिवृ.	वृद्ध	वृद्ध
रङ्ग	पाटल	गौरश्व	रक्त	नील	पीत	श्वेत	नील	धूम्र	धूम्र
धात्वादि	मूल	जीव	धातु	जीव	जीव	मूल	मूल	धातु	धातु
स्थान	वन	जल	वन	ग्राम	ग्राम	ग्राम	संधि	विवर	विवर
फल समयः	आदौ	अन्त्ये	आदौ	सदा	मध्ये	मध्ये	अन्त्ये	अन्त्ये	अन्त्ये
गंतव्यराशेःप्रा.	दि. ५	घ. ३	दि. ८	दि. ७	मा. २	दि. ७	मा. ३	मा. ३	मा. ३

राशिज्ञानेविशेषः– नक्षत्र व राशि में (श) और (स) तथा (ष) एवं (व) एक समझना संयोगजाक्षरे नाम्नि ग्राह्यं तत्रादिमाक्षरम्। यथाज्ञानचन्द्रस्य (ज्ञोर्ज्ञः) अनेन मकरराशिः। क्षेमचन्द्रस्य (क. ख. संयोगेःक्षः) मिथुन राशिः श्यालारामस्यकुम्भराशिः। नाम्निऋलृक् अनुस्वार मात्रायां न भवंतिते चेद्भवंतितदाज्ञेया इ उ ए च यथाक्रमम्। यथा ऋषभदेवः लृतराम इति। जन्मराशि नामराशेः प्रधानता–विवाहे सर्वमांगल्येयात्रादौ ग्रहगोचरे जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिंतयेत्। देशे ग्रामे गृहे युद्धे सेवायां व्यवहारके नामराशेःप्रधानत्वं जन्मराशि न चिंतयेत्। कुर्यात्षोडश कर्माणि जन्मराशौ बलान्विते सर्वाण्यन्यानिकर्म्माणि नामराशौ बलान्विते। विवाह घटनं चैव लग्नजं ग्रहजं बलम्। नामभाश्चिन्तयेत्सर्वं जन्म न ज्ञायतेयदा। प्रसुप्तोभाषितो येनयेनागच्छति शब्दितःतस्यनामाद्यवर्णोयमात्रा स्वरःस एव हि। स्त्रीणांचन्द्रबले विशेषः–स्त्रीणांविधोर्बलमुशंति विवाहगर्भसंस्कारयोरितरकर्मसुभर्तुरेव। द्वादशचन्द्रे ग्राह्यकर्म–उत्सवे चाभिषेकेच जनने व्रतबंधने पाणिग्रहेच यात्रायां चन्द्रोद्वादशगःशुभः। पाणिग्रहे स्त्रीक्षुरतेऽभिषेके यात्राप्रभारो व्रतबंधने च। व्रतोपवासादिषु गर्गपूर्वैः प्रोक्तः शुभोद्वादशगो हिमांशुः।

अथराशिचक्रम्

चे चो ला लि लू ले लो अ	मेष	र रि रु रे रो ता ती तु ते	तुला
इ उ ए ओ वा वी वु वे वो	वृषभ	तो न नी नू ने नो या यी यु	वृश्चिक
क कि कू घ ङ छ के को ह	मिथुन	ये यो भ भी भू धा फा ढा भे	धन
ही हु हे हो डा डी डु डे डो	कर्क	भो ज जी जू खो खा खी खू खे खो ग गि	मकर
म मी मू मे मो टा टी टू टे	सिंह	गु गे गो सा सि सु से सो द	कुंभ
टो प पी पू ष ण ठ पे पो	कन्या	दी दू थ झं ञ दे दो च ची	मीन

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

रवेरष्टक वर्गः ४८

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	ल
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

चन्द्रस्याष्टकवर्गः ४९

चं	मं	बु	गु	शु	श	र	ल
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

भौमस्याष्टक वर्गः ३९

मं	बु	गु	शु	श	र	चं	ल
१	३	६	६	१	३	३	१
२	५	१०	८	४	५	६	३
४	६	११	११	७	६	११	६
७	११	१२	१२	८	१०		१०
८				९	११		११
१०				१०			
११				११			

बुधाष्टक वर्गः ५४

बु	गु	शु	श	र	चं	मं	ल
१	६	१	१	५	२	१	१
३	८	२	२	६	४	२	२
५	११	३	४	९	६	४	४
६	१२	४	७	११	८	७	६
९		५	८	१२	१०	८	८
१०		८	९		११	९	१०
११		९	१०			१०	११
१२		११	११			११	

गुरोरष्टक वर्गः ५६

गु	शु	श	र	चं	मं	बु	ल
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	५	५
७	१०		७	११	८	६	६
८	११		८		१०	९	७
१०			९		११	१०	९
११			१०			११	१०
			११				११

भृगोरष्टक वर्गः ५२

शु	श	र	चं	मं	बु	गु	ल
१	३	८	१	३	३	५	१
२	४	११	२	५	५	८	२
३	५	१२	३	६	६	९	३
४	८		४	९	९	१०	४
५	९		५	११	११	११	५
८	१०		८	१२			८
९	११		९				९
११			११				११
			१२				

शनेरष्टक वर्ग ३९

श	र	चं	मं	बु	गु	शु	ल
३	१	३	३	६	५	६	१
५	२	६	५	८	६	११	३
६	४	११	६	९	११	१२	४
११	७		१०	१०	१२		६
	८		११	११			१०
	१०		१२	१२			११
	११						

लग्नाष्टक वर्गः ५२

ल	र	चं	मं	बु	गु	शु	श
३	३	३	१	१	१	१	१
६	४	६	३	२	२	२	३
१०	६	१०	६	४	४	३	४
११	१०	११	१०	६	५	४	६
	११	१२	११	८	६	५	१०
	१२			१०	७	८	११
				११	९	९	
					१०		
					११		

प्राचीनमतेगोचर बलाभावे ऽष्टवर्गशुद्धिरेव ॥ उक्तञ्च- अष्टवर्गविशुद्धेषु गुरुशीतांशुभानुषु प्रतोद्गहाश्चकर्तव्यौ गोचरेण कदाचन ॥ अन्यच्च अष्टवर्गेणयेशुद्धास्ते शुद्धाः सर्वकर्मसु । सूक्ष्माष्टवर्ग संशुद्धिः स्थूलाशुद्धिस्तु गोचरे ॥२॥

कष्टःस्यादेक रेखायां द्वाभ्यामर्थत्तयो भवेत् । त्रिभिःक्लेशं विजानीयाच्चतुर्भिस्समतां वदेत् ॥ पंचभिश्चवदेत्सौख्यं षड्भिश्चैवधनागमः । सप्तमिःपरमानन्दमष्टभिस्सर्वसम्पदम् ॥२॥ जिस ग्रहकाबल देखना हो उसकी जन्मकुन्डली लिखकर रेखा लगाना फिर विचारणीय राशी में कितने रेखा पाया है देखना। यदि १से३तक हो तो निर्बलीग्रह हुआ । ४ होतो सम हुआ। ५ से८ होतो बलवान् ग्रह हुआ। ऐसे ही विवाह यज्ञोपवीतादि कर्म में देखना । इससे आयु निर्णय भी होता है देखें जातक ग्रन्थ।

॥ बालाद्यवस्थाफलम् ॥ फलंतुकिंचिद्वितनोति बालश्चार्द्धंकुमारो यतते च पुंसाम युवा समग्रं सत्त्वरोय वृद्धः फलंच दुष्टं मरणं मृताख्यम् ।(ॐगुरुः=ज्ञान=विद्या ।राज=तात।)

दिनके सहम ऊपर से और रात्रि के सहम नीचेसे करो

सहमा	एतेऊना	एतेभ्यः	एतेयुक्त
पुण्य	सूर्य	चन्द्रात्	तनुः
गुरु	चन्द्र	सूर्यात्	तनुः
यश	पुण्य	जीवात्	तनुः
मित्र	पुण्य	गुरुतः	शुक्रः
महात्म्य	भौम	पुण्यात्	तनुः
आशा	शुक्र	शनितः	तनुः
राज	सूर्य	शनितः	लग्नं
माता	शुक्र	चन्द्रात्	लग्नं
उपाय	गुरु	शनितः	लग्नं
कर्म	बुधं	भौमात्	तनुः
कलि	भौम	गुरुतः	तनुः
चतुष्प	६भावं	१२भ्रा.	तनुः
प्रसूति	बुधं	गुरुतः	तनुः
जाड्य	शनि	भौमात्	बुधः
जलप	चन्द्र	शनेः	लग्नं
शत्रु	शनि	भौमात्	लग्नं
दारिद्र	बुधं	पुण्यात्	बुधः
शास्त्र	शनि	गुरुतः	बुधः
बधक	बुधं	चन्द्रात्	तनुः
बंधन	शनि	पुण्यात्	तनुः
प्र१४	सूर्य	पुण्यात्	लाभः
ऽन्यक	शनि	चन्द्रात्	तनुः
बुद्धि	सूर्य	जीवात्	तनुः
रात्री	शोध.	शोध्य	क्षेपकः

दिन रात्रि में इकसार सहम

सहम नाम	ये हीन करना	इनमें	यहयु. करना
भ्राता	शनि	गुरुतः	लग्नं
पुत्र	चन्द्र	गुरुतः	लग्नं
रोग	चन्द्र	तनुतः	लग्नं
बंधु	चन्द्र	बुधात्	लग्नं
मृत्यु	चन्द्र	भावात्	शनिः
यात्रा	धर्मेश	धर्मा.	तनुः
धन	धनेश	धनत्	तनुः
परस्त्री	सूर्य	शुक्रात्	तनुः
वणिक	बुधं	चन्द्रात्	तनुः
विद्या	शनि	शुक्रात्	तनुः
श्रद्धा	भौम	ज्ञानात्	तनुः
प्रीती	पुण्य	भौमात्	तनुः
व्यापा	बुधं	शुक्रात्	तनुः
कन्या	चन्द्र	शनितः	६भावः
संताप	चन्द्र	कर्कार्द्ध	तनुः
जलपा	शनि	चन्द्रात्	तनुः
गन	गुरु	चन्द्रात्	तनुः

महात्म्य = शौर्य = धैर्य
माता = अम्बू
उपाय = जीवित ।
विवाह = स्त्री ।
कलि = क्षमा
यात्रा = परदेश = मार्ग ।
यश = बल = देह ।

शोध्य (जिससें घटाया जाये) से शोधक (जो घटाया जावे) तक यदि बीच में लग्न न आवे तो सहम में १ राशि जोड़ना अन्यथा नहीं ।

पंचधा मैत्री सप्तवर्गी बलं च जन्मनि

१	सप्तवर्ग स्वग्रही का	३०	०	०
२	मित्र-मित्र=ऽतिमित्र	२२	३०	०
३	मित्र-सम=मित्र	१५	०	०
४	मित्र-शत्रु=सम	७	३०	०
५	सम-शत्रु=शत्रु	३	४५	०
६	शत्रु-शत्रु=ऽतिशत्रु	१	५२	३०

बालावस्था च.जन्मनि

विषमे	अंश	समे
बाला	६	मृता
कुमारा	१२	वृद्धा
युवा	१८	युवा
वृद्धा	२४	कुमारा
मृताऽ	३०	बाला

दीप्ताद्यवस्था चक्रम्

ग्रहः	अवस्था
उच्चस्थं	दिप्ताव
स्वभे	स्वस्थः
ऽतिमित्रे	मुदितः
मित्रभे	शांतः
समभे	दीनः
शत्रुभे	दुःखितः
सपापे	विकलः
खलगृहे	खलः
सार्के	कोपी

जन्म जाग्रता चवर्था

विषमे	अंश	समे
जाग्रत्	१०	सुशुप्तिः
स्वप्न	२०	स्वप्न
सुशुप्तिः	३०	जाग्रत्

तत्काल मैत्री स्वभाव

मित्र	शत्रु
२-१०	१-७
३-११	५-८
४-१२	६-९

॥ ग्रहाणां दीप्ताद्यवस्था फलम् ॥

दीप्तस्य-पाकेप्रदीप्तस्य प्रतापितारातिजनप्रतापः शौर्यधनवाहनैश्च । स्त्रीपुत्रलाभश्चविबुधेश्च पूज्यश्चितीश्वरान्मानमुपैतिविद्याम् ॥१॥

स्वस्थस्य- स्वस्थस्यखेटस्यदशाविपाकेस्व-स्थोनृपाल्लब्धधनादिसौख्यम् । विद्यायशःप्रीतिमहत्वमाराद्दर्थभूम्यात्मजधर्मसेमेति ॥२॥

मुदितस्य- मुदान्वितस्यापिदशाविपाकेवस्त्रादिभूगन्धसुतीर्थधैर्यम् पुराणधर्मश्रवणादिगानंदानादियानांबरभूषणामिम् ॥३॥

शांतस्य-दशाविपाकेसुखधैर्यमेति शांतस्य भूपुत्रकलत्रयानम् । विद्याविनोदान्वितधर्मशास्त्रं वहयं देशाधिपपूज्यतां च ॥४॥

दीनस्य- स्थानच्युतिर्बंधुविरोधतां चदीनस्य खेटस्यदशाविपाके । जीवत्यसौकुत्सितहीनवृत्यायकोजनैरोगनिपीडितश्च ॥५॥

दुखितस्य- दुःखान्वितस्यापिदशाविपाके-नानाविधंदुःखमुपैतिनूनं । विदेशगोबंधुजनैर्विहीनश्चौराग्निभूपैर्भयमातनोति ॥६॥

विकलस्य- वैकल्यखेटस्यदशाविपाकेनैक-लयमायातिमनोविकारम् । पित्रादिकानामरयांविशेषात्स्त्रीपुत्रयानाम्बरचोरपीडाम् ॥७॥

खलस्य-दशाविपाकेकलहंवियोगंखलस्य-खेटस्यपितुर्वियोगम् । वृद्धिरिपूणांधनभूमिनाशमुपैतिनित्यं स्वजनैश्चवैरम् ॥८॥

कोपिनः-कोपान्वितस्यापिदशाविपाकेपापमायांतिबहुप्रकारं विंवायंशःस्त्रीधनभूमिनाशंमूत्रादिकृच्छ्रं त्वथनेत्ररोगम् ॥६॥

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

१ लात दोषः ग्रहभात्				युति दोषः ३	
ग्रहाः	भा	स्वभात्	फलं	चन्द्रेणसह	
रविः	१२	स्वभात्	धननाश	रवि	दारिद्र्यं
पूर्णचं	२२	स्वपृष्ठे	भयम्	भौम	मरणं
भौम	३	स्वस्याग्रे	मृत्युः	बुध	शुभं
बुध	७	स्वपृष्ठे	भयम	गुरु	सौख्यं
गुरु	६	स्वस्याग्रे	वंधुनाश	शुक्र	सापत्न्यं
शुक्र	५	स्वपृष्ठे	कार्यहानि	शनि	वैराग्यं
शनि	८	स्वस्याग्रं	कुलक्षयं	राहुः	कलह :
राहु	६	स्वपृष्ठे	मरणं	पाप २	मरणं

वेध दोषः ४

रो	मृ	म	उ फा	ह	स्वा	ऽनु	मू	उ षा	उ भा	रे	विवा-हन.
ऽभि	उ षा	श्र	रे	उ भा	श	म	पु न	म	ह	उ फा	ग्रह भं

बुध पंचकं ६ (वाणदोषज्ञानाय चक्रम्)

बाण-नाम	रवेर्गतांशाः प्रतिराशौ	कर्मसु वर्ज्याः	वारेषु सशल्यः	वर्ज्यकालः
रोग	८-१७-२६	व्रतबंधे	रवौ	रात्रौ
अग्नि	२-११-२०-२१	गृहगोपे	भौमे	सदैव
नृप	४-१३-२१	नृपसेवा	शनौ	दिवा
चौर	६-१५-२४	यात्रायां	भौमे	रात्रौ
मृत्यु	१-१०-१६-२६	विवाहे	बुधे	संधौ

विवाह लग्न भंगदाः ग्रहाः							कांति साम्यम्
१	६	७	८	१२	१०	३	रविचंद्रयोःपरस्परवेधे
र चं मं श रा के	चं शु ल ग्ने श	र मं बु शु श रा	चं मं बु गु ल ग्ने श	श	मं	शु	मेष—सिंह वृष—मकर मिथुन—धन कर्क—वृश्चिक कन्या—मीन तुला—कुम्भ

स्वोच्चे स्वभे स्वमैत्रैवा स्वांशे वर्गोत्तमे गुरुः रिःफाष्टतुर्यगोपीष्टो नीचारिस्थः शुभोऽप्यसत्। अनिष्टस्थानगे सूर्ये शुभराशिः पुरोभवेत्। त्रयोदशादिनं त्यक्त्वाशेषस्थे शुभमादिशेत्।

लग्ने विश्वा प्रदा ग्रहाः

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	प्र.
३ ६ ११	२ ३ ११	३ ६ ११	१-२ ३-४ ५-६ ९-१० ११	१-२ ३-४ ५-६ ९-१० ११	१-२ ३-४ ५-९ १० ११	३ ६ ११	३ ६ ११	३ ६ ११	स्थानानि
१॥	५	१॥	२	३	२	१॥	१॥	१॥	वि

लग्नंशुभं विवाहे स्यादश विंशोपकाधिकम्

दग्धातिथिः १०		पातदोषः २
रविराशि	तिथि	
धन-मीन	२	हर्षण, वैधृति, व्यतिपात, साध्य, गंड, शूल इन योगों के अंत में जो विवाह नक्षत्र होतो पातदोष होता है इसी को चंडीस चंडायुध भी कहते हैं।
वृष-कुम्भ	४	
मेष-कर्क	६	
मिथुन-कन्या	८	
वृश्चिक-सिंह	१०	
मकर-तुला	१२	

एकार्गल (खाजू र) दोषः ७

जिस दिन व्याघात, गंड, व्यतिपात विष्कुंभ, शूल, वैधृति, वज्र, परिघ, अतिगंड यह योग हों और सूर्य के नक्षत्र से विषम नक्षत्र पर चन्द्रमा होतो एकार्गल दोष होता है।

जामित्र दोषः ५

रो	मृ	म	उ फा	द	स्वा	ऽनु	मू	उ पा	उ भा	रे	विवा-हन.
ऽनु	ज्ये	ध	पू भा	उ भा	श्वि	कृ	मृ	पुन	उ फा	ह	ग्रह भं

उपग्रह दोषः ८

सूर्य नक्षत्र से चंद्र नक्षत्र ५-७-८-१०-१४-१५ १८-१६-२१-२२-२३-२४-२५ वां नक्षत्र होतो उपग्रह दोष होता है।

॥ विवाहे रविचन्द्रगुरु शुद्धि चक्रम् ॥

रवि	चन्द्र	गुरुः	ग्रहा
३।६।१०।११	३।६।७।१०।११	२।५।७।९।११	शुभ
१।२।५।७।९	१।२।५।९।१२	३।१।१०।६	पूज्य
४।८।१२	४।८।	४।८।१२	नेष्टा

अथ गोधूलि लग्न विचारः।

लग्नशुद्धिर्यदा नास्ति कन्या यौवनशालिनी! तदा वै सर्व वर्णानां लग्नं गोधूलिकं शुभम्। गोधूलिकालः सूक्ष्मः-अत्रोभयत्र घटिकादलमिष्टमाहुर्ग्राह्यं तदंबरमणेरपिचार्धबिम्बात्। अत्रमतान्तरम्-यावद्दिनान्ते दिशिपश्चिमायां पश्येत्तृतीयं रविबिम्बभागम्। तस्मात्परं नाडिकयुग्ममेके गोधूलिकालं मुनयो वदन्ति। अन्यच्च-चैत्रादिमासचतुष्टये अर्धास्तेरवौ, श्रावणादिमासचतुष्टये, सम्पूर्णास्ते रवौ, मार्गशीर्षादिमास चतुष्टये पिण्डीभूते रवौ। एवंत्रिविधंगोधूलिकं मतंबुधैः। गोधूलि अन्यगोधूल्योर्भेदः- द्वित्रिलाभगतश्चन्द्रो-गोधूलिः शस्यते बुधैः। क्षुद्धं च स्तखगेधर्मेऽन्यये धूलीमुखास्मृता॥ सूर्यास्तकालीन लग्नात् २-३-११ स्थानस्थे चन्द्रे गोधूलिः। लग्नात् ४-५-६-१०-१२ स्थानस्थेचन्द्रेऽन्यगोधूलिरिति शिष्टाः॥ अत्रकेचिदन्यगोधूलिशब्देन गोधूलिभिन्नं लग्नं स्वीकुर्वतितन्नवरम्। यतो गोधूल्या एवचन्द्रवशान्नामांतरभेदः। गोधूल्यन्यगोधूल्योः समयस्तु एक एव। तत्र विशेषो-गुरुशन्योर्दिने "अस्तं यातेगुरुदिवसे सौरे सार्के" गोधूलिः शुभः गुरोर्दिनेसूर्यास्तात्प्राक् "अर्धयामः" शनिदिने सूर्यास्तात्परे कुलिकस्तस्मात्। गोधूलिकेताज्याः। कुलिकः कांतिसाम्यंच लग्ने षष्ठाष्टमेशशिः। पंच गोधूलिकेत्याज्या अन्ये दोषाः शुभावहाः। केचित्तु षष्ठेऽष्टमे बुधगुरुशुक्रभौमानांस्थित्या गोधूलिकं वर्जयंति किंतुतन्नसर्वसम्मतमतः शिष्टैर्न स्वीकृतं। कुजाष्टमदोषस्तुवर्ज्यः एव।

विवाहाङ्ग (हलदात बान आदि) कर्म मुहूर्तम्

विवाहकृत्यं निखिलं विवाहभे विचारयेमात्र बलं हिमद्युतेः। नवत्रिषष्ठेऽह्नि विवाहपूर्वतो नवर्णको मंडपतैलमंगलम्। त्याज्याः-चित्रा विशाखाशततारकाश्विनीजेष्ठा भरण्यौ शिव भाच्चतुष्टयम्। हित्वाप्रशस्तं फला तैल वेदिका प्रदानकंकणमंडनादिकम्। सति संभवे चन्द्र बलमपिग्राह्यम्।

सर्वशुभकार्येषु वर्ज्याः

उत्पातान्सहपातदग्ध तिथिभिदुष्टांश्च योगांस्तथा चन्द्रेज्योशनसामयास्तमयनं तिथ्याः क्षयर्द्धीतथा॥ तन्वंशेशविधूनथाष्ट रिपुगान् पापस्य वर्गांस्तथा सेन्दुक्रूर खगोदयांश मुदयास्ताशुद्धिचण्डायुधान्खार्जूरं दशयोगयोगसहितं जामित्रलत्ताव्यधम् वाणोपग्रहपापकर्तरितथा तिथ्यृक्षयोगोत्थिम् दुष्टं योगमथार्धयाम कुलिकाद्यान्वार दोषानपि क्रूराक्रांतविमुक्तभं ग्रहणभं यत्क्रूरगन्तव्यभं त्रेधोत्पात हतंच केतुहतभं संध्योदितंभं तथा तद्वच्च ग्रहभिन्नयुद्धगतभंसर्वानिमान्संत्यजेदुद्वाहे शुभकर्मसु ग्रहकृतां ल्लग्नस्य दोषानपि॥ अथैतेषुकेषांचित्परिहारः-ये लग्नदोषांकुनवांशदोषाः पापैः कृता दृष्टिनिपातदोषाः। लग्ने गुरुस्तान्विमली करोतिफलं यथाम्भः फतकद्रुमस्य अन्यच्च-त्रिकोणे केन्द्रे वा मदनरहितोदोषशतकं, हरेत्सौम्यः शुक्रोद्विगुणमपिलक्षं सुरगुरुः। भवेदाये केन्द्रेऽङ्गप उतलवेशोयदितदा समूहं दोषाणां दहनइवतूलं शमयति। विवाह लग्नात्षष्ठस्थः शुक्रोऽतिनेष्टः किन्तु स एव शत्रुनीचराशिस्थश्चेन्नदोषकृत्। एवं भौमोपिशत्रुनीचराशिगश्चेत्तदा भौमाष्टम महादोषोपि न। एवं नीचे नीचनवांशके चन्द्रे रिः फा. १२ष्टाष्ट्मरिह स्थदोषाऽभावः॥ जन्मलग्नाज्जमराशितो वा विवाहे अष्टमंलग्नं चेत्तदा न शुभः किंतु जन्मलग्न जन्मराशिपति विवाहलग्नपयोरेकत्वे परस्पर मित्रत्वे च न दोषकृदिति।

विवाहादन्यत्र सप्तशलाका चक्रम्।

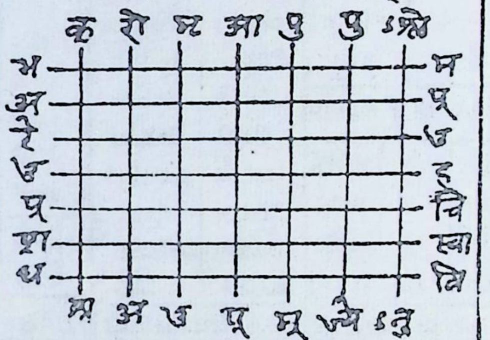

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri.

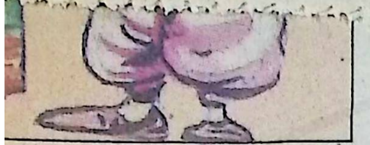

5 330 पृष्ठ : 20+4=24 मूल्य : दो रुपये

मगध एक्सप्रेस में आग लगने से हड़कंप मचा

खुर्जा। शनिवार की दुपहर अलीगढ़ से नई दिल्ली के लिए रवाना हुई मगध एकसप्रेस की एक जनरल बोगी के शौचालय में अचानक शार्ट सर्किट से आग लग गई। इससे ट्रेन में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। 15 मिनट की मशक्कत के बाद ही बमुश्किल आग पर काबू पाया जा सका।

ट्रेन के चालक ने आपात स्थिति में खुर्जा जंक्शन पर ट्रेन रोकी। इस दौरान रेलवे पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए यात्रियों ने स्टेशन मास्टर के कक्ष में घुसकर हंगामा किया। जीआरपी, आरपीएफ व रेल प्रशासन ने 15 मिनट के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया। आग की सूचना मिलने पर रेलवे के इलाहाबाद मंडल व केंद्रीय कार्यालय से स्थिति की निरंतर जानकारी ली जाती रही। करीब एक घंटे के बाद स्थिति सामान्य होने पर ट्रेन को रवाना किया गया।

अलीगढ़ रुकने के बाद 2401अप मगध एक्सप्रेस अपराह्न तीन बजे नई दिल्ली के लिए रवाना हुई। मेहरावल स्टेशन निकलते ही ट्रेन की जनरल बोगी 2523 के शौचालय के निकट अचानक शार्ट सर्किट हुआ। विद्युत चिंगारी आग की लपटों में परिवर्तित हो गई। लपटें देखकर [illegible]

● आगरा ● बरेली ● मेरठ

ज्ञान गंगा

जो संयमित, मर्यादापूर्ण
बिताते हुए सही रास्ते पर चल
वह कभी कष्ट में नहीं पड़
–स्वामी करपात्री जी म

स्त्रियों के सम्पूर्ण स्वा
के लिये नं.1
औषधि व टॉनिक

हेमपुष्प
स्त्रीत्व के हर मोड़ पर आपकी स

CC0. In Public Domain Kirtikant Sharma Najafgarh Delhi Collection

नई दिल्ली, रविवार, 7 मार्च, 2004

आईना पृष्ठ 20

बीजिंग में दसवें नेशनल पीपुल्स कांग्रेस अधिवेशन में रंगारंग कार्यक्रम में शामिल हुए लोग

"...शोएब दुनिया का सबसे खतरनाक गेंदबाज है"

-इमरान खान

देखिए खेल पृष्ठ महासंग्राम

सारंग

समय के साथ जमाना और लोग भी बदले, बदलाव से अछूते नहीं रहे होली के रंग

52 और विद्यालय परीक्षा केंद्र बने

रठ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ और विद्यालयों को ऐन वक्त र परीक्षा केंद्र बनाकर परीक्षार्थियों को सौगात दी गई है। हालांकि नमें से कुछ काली सूची में दर्ज हैं, फिर भी इनके परीक्षा केंद्र बनने परीक्षार्थियों को लाभ तो मिलेगा ही। नए परीक्षा केंद्र बनने वाले द्यालयों की संख्या 36 है। गाजियाबाद, बुलंदशहर, बागपत, हारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ के कई विद्यालय इसमें शामिल हैं। रठ का चौधरी प्रेम सिंह केवी इंटर कालेज माछरा परीक्षा केंद्र बन या है। यह पहले काली सूची में था। एक अन्य विद्यालय के रीक्षार्थियों को दूसरे परीक्षा केंद्र पर स्थानांतरित किया गया है।

तकनीकी कारणों से मेरठ के भी सात विद्यालय परीक्षा केंद्र नहीं न सके थे। लेकिन आज माध्यमिक शिक्षा परिषद सचिव वासुदेव सिंह यादव का आदेश यहां पहुंचा। उसमें मेरठ के क्षेत्रीय दफ्तर के धीन जिलों के 52 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र के रूप में नाम र्ज है। इनमें चौधरी प्रेम सिंह केवी इंटर कालेज माछरा को भी केंद्र नाया गया है। माछरा कालेज काली सूची में दर्ज होने के कारण स बार परीक्षा केंद्र नहीं बन सका था। परिषद सचिव ने इस आदेश को लेकर स्पेशल मैसेंजर मेरठ भेजा है। साथ ही प्रश्नपत्र भी ख्यालय से मैसेंजर के साथ ही भेजे गए हैं। दूसरे 35 विद्यालयों के लिए भी ऐसी ही व्यवस्था है। इन विद्यालयों में ज्यादातर जियाबाद, बुलंदशहर, बागपत, मुजफ्फनगर, सहारनपुर के हैं।

परिषद सचिव के आदेश के मुताबिक शासन की इच्छा पर केवी लेज माछरा को परीक्षा केंद्र बनाया जाता है। माछरा के प्रश्न-पत्र रिषद सचिव ने भिजवाए हैं। अवकाश के दिन डीआईओएस ने फ्तर खुलवाकर माछरा कालेज के प्रबंधक अशोक त्यागी को प्रश्न त्र दिए। कार्यवाहक प्रधानाचार्य को अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक ना दिया गया है। मुख्य ▸ शेष पेज 2 पर

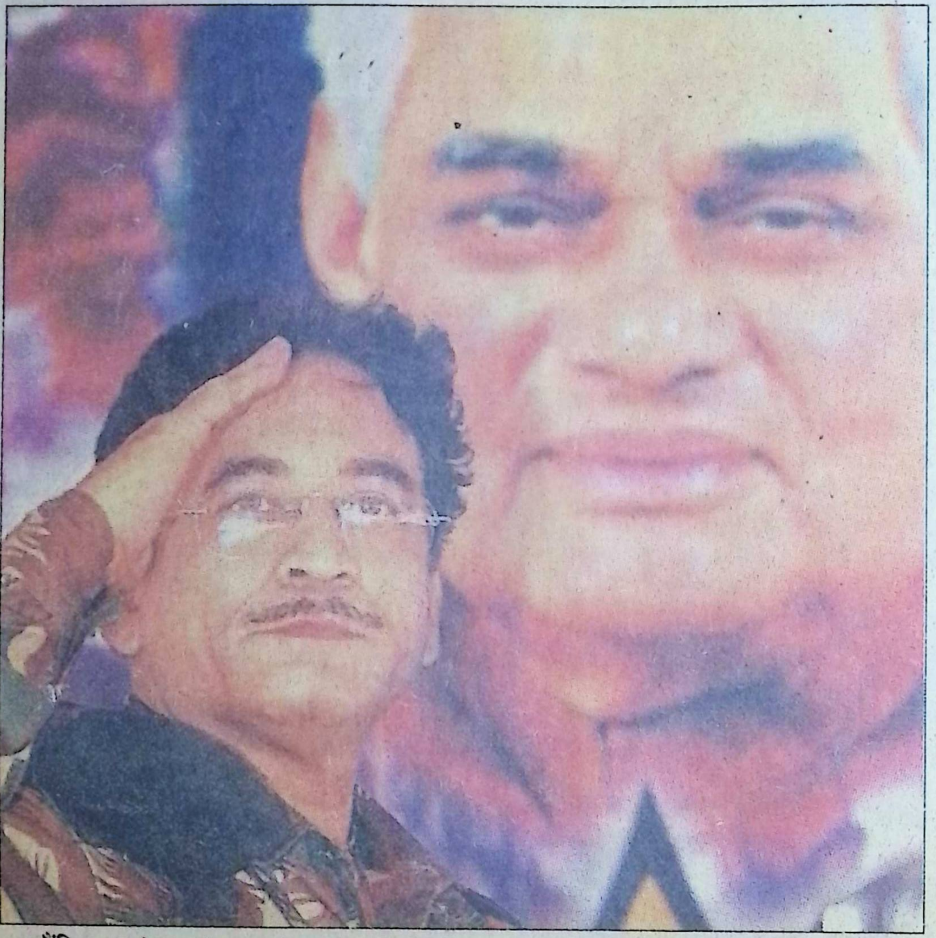

चौंकिए मत! पाक के राष्ट्रपति मुशर्रफ की शक्लो-सूरत वाले दीपक दिवाकर ने शनिवार को बेंगलोर में भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। दिवाकर ने एक फिल्म में भी मुशर्रफ की भूमिका निभाई है। फोटो : एपी

यूपी को लेक[र] भाजपा चिंति[त]

प्रदेश का मैनेजमेंट महाजन

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में तीन सौ सीटों का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा की पेशानी पर उत्तर प्रदेश ने पसीना छलका दिया है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को पार्टी के दिग्गज नेताओं की बैठक भी बुलाई थी। इसमें नेताओं ने उत्तर प्रदेश को लेकर खासी चिंता जताई। वे इस बार कोई जोखिम मोल लेना नहीं चाहते हैं। उनका मानना है कि सूबे का कोई नेता ऐसा नहीं है जिस पर सारा दारोमदार डालकर पार्टी निश्चिंत हो सके। लिहाजा हाल के विधानसभा चुनाव में भाजपा की किस्मत बदल देने वाले प्रमोद महाजन को उत्तर प्रदेश में पार्टी की नैया पार लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। महाजन की टिकट बंटवारे से लेकर रणनीति तय करने में निर्णायक भूमिका होगी। राजनाथ सिंह को उत्तर प्रदेश की बजाए पड़ोसी राज्य बिहार का जिम्मा सौंपा गया है।

भाजपा के शीर्ष नेताओं की यह बैठक लगभग दो घंटे चली। इसमें तय किया गया कि राजग के सहयोगी दलों के साथ किसी भी विवाद को निपटाने के लिए प्रमोद

मगजमारी

- अटल ने शीर्ष नेताओं साथ विचार-मंथन कि
- राजनाथ सिंह को बि की अहम जिम्मेदारी
- अरुण जेटली को व में चुनाव का प्रबंधन

अभियान का समन्वय मुख्ता नकवी देखेंगे और बाल आप्टे चं संचालन के प्रभारी बनाए गए जोशी चुनाव तक पूरे देश में कार्यों की देखरेख करेंगे।

वेंकैया ने पार्टी के चुनाव सं जाने संबंधी खबरों का खंडन कहा कि ये खबरें गलत हैं। भा का कहना था

सिनेमाघर में 'ब्लू फिल्म' दिखाने...

Digitized by Sarayu Trust Foundation Delhi and eGangotri
CC0. In Public Domain. Kurtikant Sharma Najafgarh,Delhi Collection